

CONCORDANCE  
TO  
THE SEPTUAGINT

---

*HATCH AND REDPATH*



**London**

HENRY FROWDE

OXFORD UNIVERSITY PRESS WAREHOUSE  
AMEN CORNER, E.C.



**New York**

THE MACMILLAN CO., 66 FIFTH AVENUE

A  
CONCORDANCE  
TO  
THE SEPTUAGINT  
AND THE OTHER  
GREEK VERSIONS OF THE OLD TESTAMENT  
(INCLUDING THE APOCRYPHAL BOOKS)

BY  
THE LATE  
EDWIN HATCH, M.A., D.D.

AND  
HENRY A. REDPATH, M.A.

*ASSISTED BY OTHER SCHOLARS*

VOLUME II. K-Ω

**Oxford**  
AT THE CLARENDON PRESS  
M DCCC XCVII

**Oxford**

**PRINTED AT THE CLARENDON PRESS**

**BY HORACE HART**

**PRINTER TO THE UNIVERSITY**

# K

**κάβος.** (1) כָּבֵד  
IV Kī. 6. 25. τέταρτον τοῦ κ. [A τέσσαρες κ.]  
κόπρου περιστέρων (1)  
**καγχάζειν.**  
[Bm. II Kī. 6. 16.]  
**καγχλάζειν.**  
[Aq. Jb. 41. 23.]  
**κάγω.** rassim.  
**κάδης.** (1) שָׁדֵךְ  
De. 33. 2. σὺν μυριάσι κ. (1)  
**καδησεῖμ (-σίμ) (B), καδησίν (A).** (1) שָׁדֵךְ  
IV Kī. 23. 7. καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν κ.  
[Th. Jd. 5. 21.]  
**κάδιον.** (1) לָבִי  
I Kī. 17. 40. ἔθετο αὐτοὺς ἐν τῷ κ. τῷ ποιμενικῷ (1)  
— 49. ἐξέτεινε Δ. τὴν χεῖρα αὐτοῦ εἰς τὸ κ. (1)  
**κάδος.** (1) קַדֵּשׁ (2) לָבִי  
II Ch. 2. 10 (9). Δ καὶ εὐαίον κάδων εἴκοσι  
χιλιάδας [B<sup>2</sup> B al.] (1)  
Is. 40. 15. πάντα τὰ ἔθνη ὡς σταγὼν ἀπὸ κάδου (2)  
**καθά.** \* καθά ἔν  
Ge. 7. 9, 16 : 17. 23 : 19. 8 (sub. t. ori. t) \* : 21.  
1 δις, 2, 4 : 24. 51 : 27. 8, 14, 19 : 24. 22 : 40.  
22 : 41. 21, 54 : 43. 14†, 17 : 47. 11.  
Ex. 9. 12† : 12. 28, 31, 35, 50 : 32. 28 : 34. 4† :  
36. 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39. 21),  
34 (39. 26) : 37. 19 (38. 21), 22 (38. 22) : 39. 11  
(39) : 40. 19.  
Le. 7. 26 (36) : 8. 13†, 28 (29) : 9. 15† : 16. 34† :  
24. 23†.  
Nu. 2. 33, 34† : 8. 16† : 4. 37 : 5. 4 : 8. 3†, 20,  
22† : 9. 5 : 15. 23, 36 : 16. 40 (17. 5) : 17. 11  
(26)† : 18. 18† : 20. 9, 27 : 27. 11, 13, 22 : 31.  
7, 31, 41† : 32. 25.  
De. 8. 24 : 4. 5 : 6. 19, 25† : 7. 12† : 8. 20 : 10.  
5, 9† : 15. 14 : 17. 14 : 26. 14†, 15 : 31. 3, 4†.  
Jo. 4. 18 : 7. 25 : 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)† : 13.  
14 : 14. 12 : 18. 4 : 23. 5, 14 : 24. 30.  
Jd. 1. 20† : 6. 27†.  
I Kī. 8. 5, 7\*, 20† : 17. 20†.  
II Kī. 13. 29.  
III Kī. 14. 15† : 20 (21). 11† δις.  
IV Kī. 1. 7† : 7. 17†, 18† : 15. 9 : 17. 41.  
I Es. 4. 52.  
Ju. 4. 8 : 7. 16† : 8. 25, 30 : 11. 4, 23 : 12. 9† : 13. 11.  
Es. 1. 21 : 2. 1†.  
Jb. 24. 20† : 34. 11.  
Wi. 3. 10†.  
Jn. 3. 3†.  
Is. 58. 11†.  
Je. 39 (32). 42 : 40 (38). 11† : 51 (44). 17, 30.  
Ba. 1. 6† : 2, 28.  
Ez. 9. 11†.  
I Ma. 10. 37† : 15. 41.  
II Ma. 11. 31.  
[Aq. Ge. 27. 40 : Ex. 2. 14 : 5. 7 : III Kī. 14.  
15 : Ps. 32 (33). 22 : Am. 2. 13.]  
[Th. III Kī. 21. 11.]  
[Al. Nu. 1. 19 : 2. 34 : 3. 16 : 9. 5 : 36. 10 :  
Es. 2. 1.]  
**καθαγιάζειν.** (1) קָדַשׁ (2) a. שָׁדֵךְ hi. δ. שָׁדֵךְ  
Le. 8. 9. τὸ πέταλον τὸ χρυσοῦν τὸ καθγιασ-  
μένον ἄγιον (1)  
27. 26. οὐ καθγιαίεται αὐτὸ [A om.] οὐθείς (2 a)  
I Ch. 26. 20. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν τῶν καθ-  
γιασμ. (2 b)

II Ma. 1. 26. διαφύλαξον τὴν μερίδα σου καὶ καθα-  
γιάσον  
2. 8. ἵνα ὁ τόπος καθγιασθῇ μεγάλως  
15. 18. ὁ περὶ τοῦ καθγιασμένου ναοῦ φόβος  
**καθαίρειν.** (1) כָּרַץ pi. (2) כָּרַץ a. qal.  
δ. ni. c. pi. (8) כָּרַץ a. qal. δ. hi. c. ho.  
(4) כָּרַץ hi. (5) כָּרַץ ithpe. (6) כָּרַץ  
(7) כָּרַץ a. qal. δ. pi. c. pu. d. hoph.  
(8) שָׁרַץ (9) כָּרַץ hi. (10) כָּרַץ a. qal.  
δ. pu. (11) כָּרַץ hi.  
Ge. 24. 18, 46. καθεῖλε τὴν ὑδρίαν (8 b)  
27. 40. ἦνικα ἐὰν καθέλω (11)  
44. 11. καθεῖλαν ἐκσπτος τὸν μάρσιπον αὐτοῦ (8 b)  
Ex. 23. 24. καθαίρει καθελεῖς . . . τὰς στήλας  
αὐτῶν (2 c)  
34. 13. τοὺς βωμοὺς αὐτῶν καθελεῖτε (7 a)  
Le. 11. 35. κλίσαναι . . . καθαίρεισονται (7 d)  
14. 45. καθελοῦσι τὴν οἰκίαν (7 a)  
Nu. 1. 51. καθελοῦσιν αὐτὴν οἱ Λευῖται (8 b)  
4. 5. καθελοῦσι τὸ καταπέτασμα τὸ συσκιάζον (8 b)  
10. 17. καθελοῦσι τὴν σκηνήν (8 c)  
De. 7. 5. τοὺς βωμοὺς αὐτῶν καθελεῖτε (7 a)  
28. 52. ἕως ἂν καθαίρῃσιν τὰ τεῖχη (8 a)  
Jo. 8. 29. καθελοῦσαν [A -λον] τὸ σῶμα αὐτοῦ (8 b)  
10. 27. καθεῖλον [A -εν] αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ξύλων (8 b)  
Jd. 2. 2. τὰ θυσιαστήρια αὐτῶν καθελεῖτε [A  
κατακαύσετε] (7 a)  
6. 25. καθελεῖς τὸ θυσιαστήριον τοῦ B. (2 a)  
— 28. καθήρητο [A κατεσκαμμένον] τὸ θυσια-  
στήριον (7 c)  
— 30, 31. καθεῖλε [A κατέσκαψεν] τὸ θυσια-  
στήριον (7 a)  
— 32. καθήρηθ' [A κατέσκαψεν] τὸ θυσια-  
στήριον (7 a)  
9. 45. καὶ τὴν πόλιν καθεῖλε (7 a)  
III Kī. 19. 14. τὰ θυσιαστήρια σου καθεῖλαν (2 a)  
IV Kī. 8. 25. τὰς πόλεις καθεῖλον (2 a)  
— 25. καταλῆψιν τοὺς λίθους . . . καθρημέ-  
νους [A κηρήνους] †  
10. 27. Δ καθεῖλον τὸν οἶκον τοῦ Βαῦλ (7 a)  
14. 13. καθεῖλεν ἐν τῷ [A διέκοψεν ἐν] τείχει  
Ἱερ. (10 a)  
16. 17. καὶ τὴν θάλασσαν καθεῖλεν (8 b)  
23. 7. καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν καθρησῖμ  
— 8. καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν πυλῶν (7 a)  
— 12. καὶ καθεῖλεν ὁ βασις. (7 a)  
II Ch. 30. 14. καθεῖλαν τὰ θυσιαστήρια (9)  
I Es. 6. 16. τὸν τε οἶκον καθελόντες ἐνεπύρισαν  
II Es. 6. 11. καθαίρεισεται ξύλον ἐκ τῆς οἰκίας (5)  
Ne. 1. 3. καὶ τείχη Ἱερ. καθρημένα (10 b)  
2. 13. δ αὐτοὶ καθαιροῦσι (10 a)  
4. 3 (8. 35). καὶ καθελεῖ τὸ τεῖχος λίθων αὐτῶν (10 a)  
To. 13. 12. B πάντες οἱ καθαιρουντές σε [A B al.]  
Ju. 13. 6. καθεῖλε τὸν ἀνίκαν αὐτοῦ  
Jb. 19. 2. ἕως τίνος . . . καθαίρειτέ με λόγοις  
[A al.] (1)  
Ps. 9. 6. καὶ πόλεις καθελεῖς [B<sup>2</sup> -ας] (8)  
10 (11). 4. δ καταρτίσω [A B<sup>2</sup> σὺ κατ. αὐτοῖ]  
καθεῖλον (2 b)  
27 (28). 5. καθελεῖς αὐτοὺς (2 a)  
51 (52). 5. B<sup>2</sup> B ὁ θεὸς καθελεῖ [B<sup>4</sup> B -οι] σε  
εἰς τέλος (7 a)  
59 (60). 1. ἀπόσω ἡμᾶς καὶ καθελεῖς ἡμᾶς (10 a)  
79 (80). 12. ἵνα τί καθελεῖς τὸν φραγμὸν αὐτῆς (10 a)  
88 (89). 40. καθελεῖς [B -ας] πάντας τοὺς  
φραγμοὺς αὐτοῦ (10 a)  
Ec. 21. 22. καθεῖλε τὸ δόρυωμα (8 b)  
Ec. 3. 3. καιρὸς τοῦ καθεῖν (10 a)  
10. 8. καθαιροῦντα φραγμὸν δέξεται αὐτὸν ὄφεις (10 a)

Si. 10. 14. θρόνους ἀρχόντων καθεῖλεν ὁ κ.  
28. 14. γλώσσα τρίτη . . . πόλεις ὀχυρὰς καθεῖλε  
31 (34). 23. εἰς οἰκοδομῶν καὶ εἰς καθαίρων (4)  
Za. 9. 6. καὶ καθελὼ ὕβριν ἀλλοφύλων (4)  
Is. 5. 5. καθελὼ τὸν τοῖχον [A<sup>1</sup> οἶκον] αὐτοῦ (10 a)  
14. 17. B B τὰς πόλεις αὐτοῦ καθεῖλε (2 a)  
22. 10. καθελοῦσαν τοὺς οἴκους Ἱερουσαλὴμ (7 a)  
49. 17. ταχὺ οἰκοδομήθη ὑφ' ὧν καθρηθείς (2 c)  
Je. 4. 7. πόλεις καθαίρεισονται (8)  
13. 18. καθρηθή ἀπὸ κεφαλῆς ὑμῶν στέφανος  
δόξης ὑμῶν [A om.] (8 a)  
24. 6. οὐ μὴ καθελὼ αὐτοὺς (2 a)  
29 (49). 16. ἐκείθεν καθελὼ σε (8 b)  
38 (31). 28. ὥσπερ ἐργηρόδρον ἐπ' αὐτοὺς κ.  
καὶ κακοῖν (8 + 7 a + 2 a)  
— 40. οὐ μὴ καθαίρειθ' ἕως τοῦ αἰῶνος (2 b)  
40 (38). 4. περὶ οἴκων [A B<sup>2</sup> -κίας] βασιλείως  
Ἰουδα τῶν καθρημένων [A καθημ.] (7 a)  
εἰς χάρακας (7 a)  
49 (42). 10. οἰκοδομήσω ὑμᾶς καὶ οὐ μὴ καθελὼ (2 a)  
51. 34 (45. 4). οὐδ' ἐγὼ φικοδόμησα ἐγὼ καθαίρω (2 a)  
52. 14. πᾶν τεῖχος [A add. ἐν] Ἱερουσαλὴμ  
κυκλῶ καθεῖλεν (7 a)  
La. 2. 2. πάντα τὰ ὅρατα Ἰακώβ καθεῖλεν (2 a)  
— 17. καθεῖλε καὶ οὐκ ἐφείσαστο (2 a)  
Ez. 16. 39. καθελοῦσι τὴν βάσιν σου (7 b)  
26. 4. Δ καθελοῦσιν [B καταβαλοῦσι] τοὺς  
πύργους σου (2 a)  
— 12. τοὺς οἴκους σου τοὺς ἐπιθυμητοὺς καθε-  
λεῖ (7 a)  
— 16. ἀφελούνται [A<sup>1</sup> καθελοῦσιν, Δ<sup>2</sup> ελοῦσιν] (9)  
τὰς μίτρας  
— 16. Δ<sup>2</sup> ἐπὶ γῆν καθελοῦνται [?, Δ<sup>1</sup> B καθεδ.] †  
38. 36. φικοδόμησα τὰς καθρημένους (2 b)  
I Ma. 1. 31. καθεῖλε τοὺς οἴκους αὐτῆς  
2. 25. τὸν βωμὸν καθεῖλε [B<sup>2</sup> -ον]  
— 45. καθεῖλον τοὺς βωμοὺς  
4. 38. καὶ τὰ παστοφόρια καθρημένα  
— 45. καθελεῖν αὐτό  
— 45. καθεῖλον τὸ θυσιαστήριον  
5. 65. καθεῖλε τὸ δόρυωμα αὐτῆς  
— 68. καθεῖλε τοὺς βωμοὺς αὐτῶν  
6. 7. B B καθεῖλον [A -αν] τὸ βδελύγμα  
— 62. B B καθελεῖν [A καὶ καθεῖλεν] τὸ τεῖχος  
κυκλόθεν  
8. 10. καθεῖλον [B<sup>2</sup> -εν] τὰ δόρυωματα αὐτῶν  
9. 54. καθαίρειν τὸ τεῖχος τῆς αὐλῆς  
— 54. καθεῖλε τὰ ἔργα τῶν προφητῶν καὶ ἐνήρξετο  
τοῦ καθαίρειν  
— 62. φικοδόμησε τὰ καθρημένα αὐτῆς  
11. 4. καὶ τὰ περιπόλια αὐτῆς καθρημένα  
II Ma. 10. 2. ἐπὶ δὲ τεμένη καθεῖλαν  
12. 35. καὶ τὸν ὅμον καθελόντος  
[Aq. Ps. 10 (11). 3 : Pr. 11. 11 : Ez. 12. 20.]  
[Bm. Ps. 51 (52). 7 : 58 (59). 12 : Pr. 11. 11 :  
Je. 18. 7.]  
[Th. Pr. 11. 11 : Je. 39 (46). 8 : Ez. 30. 6.]  
[Hob. Ge. 49. 6.]  
**καθαίρειν.** (1) שָׁדֵךְ ho.  
II Kī. 4. 6. ἡ θυρωρὸς τοῦ οἴκου ἐκάθαυε πυρούς †  
Is. 28. 27. οὐ γὰρ μετὰ σκληρότητος καθαίρεται  
τὸ μελάνθιον (1)  
Je. 28 (51). 39. B μεθύσω αὐτοὺς ὥπως καθά-  
ρωσι [A B καρωθῶσι] †  
[Bm. Ps. 72 (73). 13 : Pr. 25. 4 : Ez. 20. 37 :  
22. 24 : Ho. 8. 5.]  
**καθαίρεισι.** (1) כָּרַץ pi.  
Ex. 23. 24. καθαίρεισι καθελεῖς . . . τὰς στήλας  
αὐτῶν (1)  
I Ma. 3. 43. ἀναστήσωμεν [B<sup>2</sup> -ησον] τὴν κ. τοῦ λαοῦ  
ἡμῶν

καθάπαν, vid. sub κατά εἰ ἄπαρ.

καθάπερ. \* καθάπερ ἐάν.

Ge. 12. 4: 43. 14†: 50. 6.

Ex. 5. 7, 13, 14: 7. 6, 10, 13, 20, 22: 8. 13 (9), 15 (11), 19 (15), 27 (23), 31 (27): 9. 35: 16. 24†: 17. 10: 28. 15: 84. 4, 18: 88. 27 (40. 32): 40. 27†.

Le. 8. 13†, 20 (21), 34: 9. 7: 15. 25: 16. 34†: 24. 23†: 27. 8.

Nu. 14. 19: 16. 47 (17. 12): 28. 30: 27. 23: 31. 41†.

De. 6. 3: 9. 3, 18: 12. 20: 26. 18.

Jo. 4. 8, 12, 23: 8. 5: 9. 21: 10. 39†: 28. 8, 10.

Jd. 9. 33\*†.

II Ki. 16. 19.

I Es. 8. 11.

To. 3. 8†.

Ju. 8. 18: 18. 3.

Ps. 82 (88). 22: 47 (48). 8: 55 (56). 6.

Si. 83 (86). 5.

Is. 58. 11†.

Je. 13. 11: 23. 27.

Ba. 2. 20.

Da. LXX. 2. 8 bis, 10, 11, 41, 45.

II Ma. 2. 27, 29: 5. 18: 6. 14: 7. 6, 37: 15. 39.

IV Ma. 1. 28: 6. 10: 8. 4: 18. 6: 14. 6, 7, 19: 15. 25, 31: 17. 3.

[Sm. Gr. 15. 1: Ex. 5. 7: Jb. 7. 9: Jb. 44 (51). 6.]

[Th. Ex. 5. 7: Is. 10. 10.]

καθάπτεσθαι.

[Sm. Ca. 1. 6.]

καθαρίζειν (καθερ.). (1) מְקַדֵּשׁ ni. (2) בָּעַר pi.

(3) קָדַשׁ pu. (4) מְקַדֵּשׁ pi. (5) קָדַשׁ

a. qal. b. pi. c. hithpa. d. קָדַשׁ

e. קָדַשׁ (6) קָדַשׁ pi. (7) לָבַן hi.

(8) מְקַדֵּשׁ hi. (9) מְקַדֵּשׁ a. ni. b. pi.

c. מְקַדֵּשׁ (10) מְקַדֵּשׁ (11) מְקַדֵּשׁ ni.

(12) מְקַדֵּשׁ (13) מְקַדֵּשׁ pi.

Ge. 85. 2. B καθαρίσθητε [A -ρίσασθε] (5 c)

Ex. 20. 7. οὐ γὰρ μὴ καθάρισεν κύριος . . . τὸν λαμβάνοντα (9 b)

29. 36. καθαρίεις τὸ θυσιαστήριον (4)

— 37. καθαρίεις [B<sup>1</sup> -εἶ] τὸ θυσιαστήριον (9)30. 10. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ καθαρισμού καθα-  
ριεῖ αὐτό [A al.] (8)

34. 7. οὐ καθαίρει τὸν ἔθνον (9 b)

Le. 8. 15. ἐκαθάρισε τὸ θυσιαστήριον (9 b)

9. 15. A<sup>1</sup> καὶ ἐκαθάρισεν [B add. αὐτόν] (4)

12. 7. καθαίρει αὐτὴν ἀπὸ τῆς πηγῆς (5 a)

— 8. καὶ καθάρισθαι αὐτὴν (5 a)

18. 6. καθαίρει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (5 b)

— 7. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> τοῦ [A B<sup>1</sup> τὸ] καθάρισαι αὐτόν (5 b)

— 13. καθαίρει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφῆν (5 b)

— 17. καθαίρει ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφῆν (5 b)

— 23, 28, 34. καθαίρει αὐτόν ὁ ἱ. (5 b)

— 35. μετὰ τὸ καθάρισθαι αὐτόν (5 c)

— 37. καθαίρει αὐτόν ὁ ἱερεὺς (5 b)

— 59. εἰς τὸ καθάρισαι αὐτό (5 b)

14. 2. ἢ ἂν ἡμέρα καθάρισθῃ (5 c)

— 4. λήψονται τῷ κεκαθαρισμένῳ δύο ὄρνιθια (5 c)

— 7. περιπαεῖ ἐπὶ τὸν καθάρισθαι (5 c)

— 8. πλυνεῖ ὁ καθάρισθαι τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (5 c)

— 11. στήσει ὁ ἱερεὺς ὁ [A om.] καθάριζων τὸν ἀνθρώπον τὸν καθάριζόμενον (5 c)

— 14, 17. ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦ ὁπότε τοῦ καθα-  
ριζομένου (5 c)

— 18. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ καθάρισθαι (5 c)

— 19. A B ἐξιδάσεται ὁ ἱερεὺς περὶ τοῦ ἀκα-  
θάρτου τοῦ καθάρισθαι. [B al.] (5 c)

— 20. καὶ καθάρισθαι αὐτόν (5 a)

— 23. εἰς τὸ καθάρισαι αὐτόν (5 c)

— 25, 28. ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦ ὁπότε τοῦ καθα-  
ριζομένου (5 c)

— 29. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ καθάρισθαι (5 c)

— 31. ἐξιδάσεται ὁ ἱ. περὶ τοῦ καθάρισθαι (5 c)

— 48. καθαίρει ὁ ἱερεὺς τὴν οἰκίαν (5 b)

— 57. ἢ ἡμέρα καθάρισθαι (5 d)

15. 13. ἐάν δὲ καθάρισθῃ ὁ γονορρυήης (5 a)

— 28. ἐάν δὲ καθάρισθῃ ἀπὸ τῆς ῥύσεως (5 a)

Le. 15. 28. μετὰ ταῦτα καθάρισθαι (5 a)

16. 19. καὶ καθαίρει αὐτόν (5 b)

— 20. περὶ τῶν ἱερῶν καθαίρει (5 b)

— 30. καθαίρει ὑμᾶς ἀπὸ πασῶν τῶν ἁμαρ-  
τιῶν ὑμῶν (5 b)

— 30. καὶ καθάρισθαι αὐτοὺς (5 a)

22. 4. ὥς ἂν καθάρισθῃ (5 a)

Nu. 6. 9. ἢ ἂν ἡμέρα καθάρισθῃ (5 c)

8. 15. καὶ καθαίρει αὐτοὺς (5 b)

12. 15. ὥς ἐκαθάρισθῃ Μαριάμ [A al.] (1)

14. 18. καθάρισμὸς οὐ καθαίρει τὸν ἔθνον (9 b)

30. 6, 9. κύριος καθαίρει αὐτὴν (10)

— 13. A B κύριος καθαίρει [B -ίσει] αὐτὴν (10)

81. 23. καὶ καθάρισθαι αὐτὴν (5 a)

— 24. καὶ καθάρισθαι αὐτὴν (5 a)

De. 5. 11. οὐ γὰρ μὴ καθάρισθαι κύριος . . . τὸν λαμβάνοντα (9 b)

19. 13. καθαίρει τὸ αἷμα τὸ ἀναιτίον (2)

Jo. 22. 17. οὐκ ἐκαθάρισθαι ἀπ' αὐτοῦ [A al.] (5 c)

I Ki. 20. 26. οὐ καὶ καθάρισθαι (5 d)

IV Ki. 5. 10. καὶ καθάρισθαι [A -θητι] (5 a)

— 12. καὶ καθάρισθαι αὐτοὺς (5 a)

— 13. λούσιν καὶ καθάρισθαι (5 a)

— 14. καὶ ἐκαθάρισθαι (5 a)

II Ch. 29. 15. A B καθάρισαι τὸν οἶκον κυρίου (5 b)

34. 3. ἤρξατο τοῦ καθάρισαι τὸν ἱ. (5 b)

— 5. ἐκαθάρισε τὸν ἱ. (5 b)

— 8. τοῦ καθάρισθαι τὴν γῆν (5 b)

II Es. 6. 20: Ne. 12. 30. ἐκαθάρισθαι οἱ ἱερεῖς (5 c)

Ne. 12. 30. ἐκαθάρισθαι τὸν λαόν (5 b)

18. 9. A B ἐκαθάρισθαι [B -α] τὰ γαζοφυλάκια (5 b)

— 22. οἱ ἱ. καθάρισθαι αὐτοὺς (5 c)

— 30. καὶ ἐκαθάρισθαι αὐτοὺς (5 b)

Ju. 16. 18. ἡνίκα ἐκαθάρισθῃ ὁ λαός (5 b)

Jb. 1. 5. ἐκαθάριζεν αὐτοὺς (18)

Ps. 11 (12). 6. ἀργύριον πεπυρωμένον . . .  
κεκαθαρισμένον ἐπταπλασίως (8)

18 (19). 12. ἐκ τῶν κρυφίων μου καθάρισόν με (9 b)

— 13. καθάρισθαι ἀπὸ ἀμαρτίας μεγάλης (9 a)

88 (89). 8. B<sup>1</sup> ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομιῶν μου  
καθάρισόν [A B S<sup>2</sup> ῥύσαι] με (8)

50 (51). 2. ἀπὸ τῆς ἀμαρτίας μου καθάρισόν με (5 b)

— 7. καὶ καθάρισθαι αὐτοὺς (5 a)

Pr. 25. 4. καθάρισθαι αὐτὸν καθάρον ἄπαν (5 a)

Si. 23. 10. ἀπὸ ἀμαρτίας οὐ μὴ καθάρισθῃ (5 c)

31 (84). 4. ἀπὸ ἀκαθάρτου τι καθάρισθαι (5 c)

30. 10. ἀπὸ πάσης ἀμαρτίας καθάρισον καρδίαν  
— 30. ἢ ἀργυρίον αὐτοῦ καθάρισαι κίμωνον (5 c)

Ho. 8. 5. ὥς τίς οὐ μὴ δύνωνται καθάρισθαι (9 c)

Ma. 3. 3. καθιέται χωνεύων καὶ καθάριζων [B<sup>1</sup> al.] (5 b)— 3. καθάριε [B<sup>1</sup> -ίει] τοὺς νιύς Λευὶ (5 b)

Is. 53. 10. βούλεται καθάρισαι αὐτόν [A add. ἀπὸ] τῆς πλῆγῆς (5 a)

57. 14. καθάρισται ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδοὺς (5 a)

66. 17. οἱ ἀργυζόμενοι καὶ καθάριζόμενοι εἰς  
τοὺς κήπους (5 c)Je. 18. 27. οὐκ ἐκαθάρισθαι ὅπως μου ἔως  
τίνας ἔτι (5 a)

82 (26). 29. καθάρισε οὐ μὴ καθάρισθαι (9 a)

40 (38). 8. καθάριω αὐτοὺς ἀπὸ πασῶν τῶν  
ἀδικιῶν αὐτῶν (5 b)Ez. 24. 13. A οὐκ ἐκαθάρισθαι ἀπὸ ἀκαθαρσίας  
σου (5 a)

— 13. τί ἐάν μὴ καθάρισθαι ἔτι [A al.] (5 a)

36. 25. καθάρισθαι ἀπὸ πασῶν τῶν ἀκα-  
θαρσιῶν ὑμῶν . . . καὶ καθάριω  
ὑμᾶς (5 a, 5 b)

— 33. καθάριω ὑμᾶς ἐκ πασῶν ἀνομιῶν ὑ. (5 b)

37. 23. καθάριω αὐτοὺς (5 b)

89. 12. ἵνα καθάρισθῃ ἡ γῆ ἐν ἐπταμήνῳ (5 b)

— 14. καθάρισαι αὐτὴν μετὰ τὴν ἐπταμήνῳ (5 b)

— 16. καθάρισθαι αὐτὴν ἡ γῆ (5 b)

48. 26. καθάρισθαι [A -ίσουσιν] αὐτό (5 b)

44. 26. μετὰ τὸ καθάρισθαι αὐτόν (5 c)

Da. LXX. 8. 14. καθάρισθαι τὸ ἄγιον (11)

11. 35. εἰς τὸ καθάρισαι αὐτοὺς (12)

— 35. καὶ εἰς τὸ καθάρισθαι τὸ ἄγιον (7)

Da. Th. 8. 14. καθάρισθαι τὸ ἄγιον (11)

I Ma. 4. 36. A B καθάρισαι [B<sup>1</sup> -στατε, B<sup>2</sup> καὶ καθα-  
ρίσωμεν] τὰ ἄγια (5 a)

— 41. ὥς καθάρισθαι τὰ ἄγια (5 a)

— 43. ἐκαθάρισθαι τὰ ἄγια (5 a)

13. 47. καὶ ἐκαθάρισε τὰς οἰκίας (5 a)

— 50. ἐκαθάρισε τὴν ἀκρὰν (5 a)

II Ma. 2. 18. τὸν τότε καθάρισε (5 a)

II Ma. 10. 3. τὸν νῶν καθάρισαντες

— 7. B καθάρισθαι [A -ίσει] τὸν ἐαυτοῦ τόπον

14. 36. τότε τὸν προσφάτως κεκαθαρισμένον οἶκον

IV Ma. 1. 11. ὥστε καθάρισθαι δι' αὐτὸν τὴν  
πατρίδα (5 b)

17. 21. καὶ τὴν πατρίδα καθάρισθαι (5 b)

[Aq. IV Ki. 5. 10: Jb. 37. 21: Ps. 72 (73). 13: 13] bis: Ez. 24. 13.] (5 c)

[Sm. IV Ki. 5. 10: Jb. 10. 14: Pr. 20. 9: Jb. 13. 27: 25. 29 (32. 15): 44 (51). 10: Ez. 16. 30.] (5 c)

[Th. I Ki. 26. 9: IV Ki. 5. 10: Jb. 25. 29 (32. 15): Ez. 24. 13.] (5 c)

[Al. Ex. 34. 7: Le. 12. 7: Nu. 19. 12.] (5 c)

[Quint. IV Ki. 5. 10.] (5 c)

καθαρίωτης. (1) בָּר (2) קָדַשׁ

Ex. 24. 10. ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐ-  
ρανοῦ τῆς κ. [A -ρόν.] (2)II Ki. 22. 21, 25: Ps. 17 (18). 20, 24. κατὰ τὴν  
κ. τὸν χειρῶν μου (1)Wi. 7. 24. B<sup>1</sup> χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν κ. [A B S<sup>2</sup> καθάριω.] (1)Si. 43. 1. γανυρίμα ὑψους στερεώμα καθάριωτης  
[B καὶ καθάριωτης] (1)

καθαρίω. (1) קָדַשׁ

La. 4. 7. ἐκαθαρίωθαι Ναβυράις αὐτῆς ὑπὲρ χιόνα (1)

καθάρσις. (1) קָדַשׁ

Le. 12. 4, 6. αἱ ἡμέραι καθάρσεως [B<sup>1</sup> -αρίσ.] αὐ. (1)

[Aq. Le. 12. 4, 5.] (5 c)

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) קָדַשׁ pi. (5) קָדַשׁ

καθαρίω. (1) קָדַשׁ (2) a. קָדַשׁ b. קָדַשׁ

(3) קָדַשׁ (4) ק

Ge. 7. 3. ἀπὸ τῶν πετεινῶν . . . τῶν κ.	—	Nu. 19. 12. οὐ καθαρὸς ἔσται	(15 α)	Is. 65. 5. μὴ ἐγγίγῃς μοι [A μου] ὅτι κ. εἰμι	(18 ε)
— 3. ἀπὸ πάντων τῶν πετεινῶν τῶν μὴ κ.	—	— 18. βάψεται εἰς τὸ ὕδωρ ἀνὴρ κ.	(5)	Je. 4. 11. ὁδὸς τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου οὐκ	(8)
— 8. B ἀπὸ τῶν πετεινῶν τῶν κ. [A om. τ. κ.]	—	— 19. περιρᾶναι ὁ κ. ἐπὶ τὸν ἀκάθαρτον	(5)	εἰς καθαρὸν	(8)
— 8. B ἀπὸ τῶν πετεινῶν τῶν μὴ κ. [A om. τ. μ. κ.]	(5)	De. 12. 15. ὁ κ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ φάγεται αὐτό	(5)	Ez. 22. 26. ἀνὰ μέσον ἀκαθάρτου καὶ τοῦ κ.	(5)
— 8. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν κ.	(5)	— 22. ὁ κ. ὡσαύτως ἔδεται	(5)	36. 25. ῥανθὲν ἐφ' ὑμᾶς ὕδωρ κ.	(5)
— 8. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν μὴ κ.	(5)	14. 11. πᾶν ὄρνειον κ. φάγεσθε	(5)	44. 23. ἀνὰ μέσον ἀκαθάρτου καὶ καθαρῷ [A al.]	(5)
8. 20. ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν τῶν κ.	(5)	— 20. πᾶν πετεινὸν κ. φάγεσθε	(5)	Da. LXX. 7. 9. ὥσει ἔριον λευκὸν κ.	(9)
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν πετεινῶν τῶν κ.	(5)	15. 22. ὁ κ. ὡσαύτως ἔδεται [A φάγεται]	(5)	Da. TH. Su. 46. A καθαρὸς [B ἀδῶς] ἐγὼ ἀπὸ τοῦ	(9)
20. 5. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο	(14)	23. 10 (11). ὅς οὐκ ἔσται κ. ἐκ ῥύσεως αὐτοῦ	(5)	αἵματος ταύτης	(9)
— 6. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο	(14)	I Ki. 20. 26. σύμπτωμα φαίνεται μὴ καθαρὸς	(5)	2. 32. A B <sup>4</sup> ἥς ἡ κεφαλὴ χρυσίου κ. [B <sup>1</sup> B	(4 α)
24. 8. B καθαρὸς ἔσθι ἀπὸ τοῦ ὄρκου μου [A S	(18 α)	εἶναι	(5)	χρυστοῦ]	(4 α)
44. 10. ὑμεῖς δὲ ἔσσεσθε καθαροί	(10)	II Ch. 3. 4. κατεχρύνωσεν αὐτὸν . . . χρυσίφ κ.	(5)	7. 9. ἡ θρὶς τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ ὥσει ἔριον κ.	(9)
Ex. 25. 10 (11). καταχρυσώσεις αὐτὴν χρυσίφ κ.	(5)	— 5. καὶ κατεχρύνωσεν χρυσίφ κ.	(4 β)	II Ma. 7. 40. B καθαρὸς [A -ὡς] τὸν βίον [A om. τ.	(9)
— 16 (17). ἐπιθέμα χρυσίου καθαρὸν	(5)	— 8. ἐχρύνωσεν [A κατεχρ.] αὐτὸν χρυσίφ κ.	(4 β)	B.] μετῆλλαξε	(9)
— 22 (23). τράπεζαν χρυσίφ [A om.] χρυσίου κ. †	(5)	4. 16. ἃ ἐποίησε . . . χαλκοῦ κ.	(8)	[Aq. Jb. 14. 4: Pr. 22. 11.]	(9)
— 27 (28). καταχρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίφ κ.	(5)	— 20. καὶ τὰς λυχνίας . . . χρυσίου κ.	(11)	[Sm. Ex. 6. 12, 30: II Ki. 8. 28: Ps. 72 (78).	(9)
— 28 (29). χρυσίου κ. ποιήσεις αὐτὰ	(5)	— 21. καὶ τὰ πυρίδια χρυσίου κ.	(17)	I: Is. 1. 25: 66. 20: Hb. 1. 13: Zc. 8. 9.]	(9)
— 30 (31). ποιήσεις λυχνίας ἐκ χρυσίου κ.	(5)	9. 15. A B ἐξάκοσι χρυσοί κ. τῷ ἐνὶ θυρῷ	(18 ?)	[Th. Ex. 37. 11: Pr. 15. 26: 22. 11: Is. 1. 25:	(9)
— 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἐξ ἑνὸς χρυσίου κ.	(5)	— 15. ἐξάκοσι χρυσοί κ. [A om.] ἐποίησαν ἐπὶ	(18)	Da. 2. 32†.]	(9)
— 37 (38). ἐκ χρυσίου καθαρῷ ποιήσεις	(5)	τὸν ἐνὰ θυρὸν	(18)	[Al. Le. 10. 14: Ps. 18 (19). 8: Pr. 8. 10.]	(9)
— 38 (39). τάλαντον χρυσίου καθαρῷ	(5)	13. 11. προστίσεις ἄρτους ἐπὶ τῆς τραπέζης τῆς κ.	(5)	καθαρότης. (1) ἡ	(9)
27. 20. ἔλαιον . . . καθαρὸν κεκομμένον	(2 α)	II Es. 2. 69. χρυσίου κ. μυαί ἐξ μυριάδης [A al.]	(5)	Ex. 24. 10. A ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ	(1)
28. 8. B τὸ ὕψος . . . ἐκ χρυσίου κ. [A B om.]	(5)	— 6. 20. ὥς εἰς πάντες καθαροί	(5)	οὐρανοῦ τῆς κ. [B -ριότ.]	(1)
— 13. ποιήσεις ἀσπίδισκας ἐκ χρυσίου καθαρῷ	(5)	Ne. 2. 20. καὶ ἡμεῖς δοῦλοι αὐτοῦ κ.	(5)	Wi. 7. 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν κ. [B <sup>1</sup> καθαριότη.	(1)
— 14. ποιήσεις . . . ἐκ χρυσίου καθαρῷ	(5)	To. 14. καθαρὰ εἰμι ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας ἀνδρός	(5)	[Sm. Jb. 22. 30: Ps. 88 (89). 45.]	(1)
— 22. ἔργον ἀλυσιδωτὸν ἐκ [A om.] χρυσίου	(5)	8. 15. A B <sup>2</sup> ἐν πάσῃ εὐλογία κ. καὶ ἀγία [B <sup>1</sup> S al.]	(5)	καθάρσιος.	(1)
καθαρῷ	(5)	13. 16. AB οἱ προμαχῶνες ἐν [B om.] χρυσίφ κ.	(5)	IV Ma. 6. 29. καθάρισον αὐτὸν ποιήσον τὸ ἐμὸν αἷμα	(1)
— 32 (36). πέταλον χρυσοῦ καθαρὸν	(5)	Ju. 10. 5. πῆραν ἐπληρώσαν . . . ἄρτον κ.	(5)	κάθαρσις. (1) ἡ (2) ἡ	(1)
30. 3. καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίφ κ.	(5)	12. 9. εἰσπορευομένη κ. [A καθὰ] παρέμενε	(10)	Le. 12. 4, 6. αἱ ἡμέραι καθάρσεως [B <sup>1</sup> -ριότ.] αὐτῆς (1)	(1)
— 4. δύο δακτυλίους χρυσοῦς καθαρούς	(5)	Jb. 4. 7. τίς [A οὐδὲς] καθαρὸς ὢν ἀπώλετο	(10)	[e. 32 (25). 29. καθάρισον οὐ μὴ καθαρισθῆτε	(2)
— 35. καθαρὸν ἔργον ἄγιον	(5)	8. 6. ἐκ καθαρὸς εἰ καὶ ἀληθινός	(2 α)	Ez. 16. 4. τὴν κατ' ἐναντίον καθάρισον	(2)
81. 8. τὴν λυχνίαν τὴν κ.	(5)	9. 30. ἐὰν . . . ἀποκαθαρώμαι χερσὶ καθααῖς	(1 β)	[Aq. Le. 12. 4-]	(2)
36. 22 (39. 15). ἐκ χρυσίου καθαρῷ	(5)	11. 4. καθαρὸς εἰμι τοῖς ἔργοις	(3 α)	κάθαρτος (?).	(2)
— 38 (39. 30). χρυσίου καθαρῷ	(5)	— 13. εἰ γὰρ σὺ καθάρην ἔθου τὴν καρδίαν σου	(17)	Le. 14. 41. εἰς τόπον ἀκάθαρτον [A <sup>1</sup> κάθ.]	(2)
38 (37). 2. κατεχρύνωσεν αὐτὴν χρυσίφ καθαρῷ	(5)	— 15. ἀναλαμβάνει σου τὸ πρόσωπον ὥσπερ	(17)	καθάρως.	(2)
— 5 (37. 6). A R ἐκ χρυσίου καθαρῷ [B om.]	(5)	ὕδωρ καθαρὸν	(17)	II Ma. 7. 40. A κ. μετῆλλαξε [B -ρός τὸν βίον μετῆλλ.]	(2)
— 9 (37. 11). ἐκ χρυσίου καθαρῷ	(5)	14. 4. τίς γὰρ καθαρὸς ἔσται ἀπὸ ῥύπου	(5)	[Sm. Ps. 2. 11.]	(2)
— 11 (37. 15). A κατεχρύνωσεν αὐτοὺς χρυ-	(5)	15. 15. οὐρανὸς δὲ οὐ καθαρὸς ἐναντίον αὐτοῦ	(2 β)	καθεδρα. (1) α. β	(2)
σίφ καθαρῷ [B om.]	(5)	16. 18 (17). εὐχὴ δὲ μου καθαρὰ	(2 α)	I Ki. 20. 18. ἐπισκεπήσεται καθέδρα σου	(1 α)
— 25 (37. 29). καθαρὸν ἔργον μυρεψοῦ	(5)	17. 9. B S <sup>3</sup> καθαρὸς δὲ χεῖρας [A καὶ ὁ κ.	(5)	— 25. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κ. αὐ. . . ἐπὶ τῆς κ. (1 α, 1 α)	(1 α)
39. 17 (37). τὴν λυχνίαν τὴν κ.	(5)	χερσίν] ἀναλάβοι θάλασσαν	(5)	III Ki. 8. 12. A ἔδρασμα τῆς κ. σου αἰῶνος	(1 β)
Le. 4. 12. ἐξοίσουσιν ὅλον τὸν μόσχον . . . εἰς	(5)	21. 16. A ἔργα δὲ ἀσεβῶν οὐ καθαρὰ [B S οὐκ	(5)	10. 5. καὶ τὴν κ. παίδων αὐτοῦ	(1 α)
τόπον κ.	(5)	ἐφορᾷ]	(5)	— 19. ἐπὶ τοῦ τόπου [A θρόνον] τῆς κ.	(1 α)
6. 11 (4). ἐξοίσει τὴν κατακύρῳσιν . . . εἰς	(5)	22. 25. καθαρὸν δὲ ἀποδώσει σε	(5)	IV Ki. 16. 18. τὸν θεμέλιον τῆς κ. φιλοδόμησεν	(1 α)
τόπον κ.	(5)	— 30. διασώσῃ [A B <sup>2</sup> -θήσῃ] ἐν καθααῖς	(5)	17. 25. ἐν ἀρχῇ τῆς κ. αὐτῶν	(1 β)
7. 9 (19). πᾶς κ. φάγεται κρέα	(5)	χερσὶ σου	(1 β)	18. 27. τὴν κ. σου . . . ἔργων	(1 β)
10. 10. ἀνὰ μέσον τῶν ἀκαθάρτων καὶ τῶν κ.	(5)	25. 5. A οὐδ' ἄνθρωπος οὐ καθαρὸς	(5)	II Ch. 9. 4. καὶ καθέδραν παίδων αὐτοῦ	(1 α)
11. 32. καὶ καθαρὸν ἔσται	(15 α)	— 5. ἄσπρα δὲ οὐ καθαρὰ [A οὐκ ἀμειμπτα]	(5)	— 18. ἐπὶ τοῦ θρόνου τῆς κ.	(1 α)
— 36. πλὴν πηγῶν ὕδατων . . . ἔσται καθαρὸν	(5)	ἐναντίον αὐτοῦ	(3 β)	Ps. 1. 1. B S ἐπὶ καθέδρῳ [A B -ρ] λοιμῶν	(1 α)
— 37. καθαρὸν ἔσται	(5)	28. 19. χρυσίφ καθαρῷ οὐ συμβασταχθήσεται	(5)	οὐκ ἐκάθισεν	(1 α)
— 47. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν κ.	(5)	33. 3. B καθαρὰ μου ἡ καρδία ῥήμασι συνέσιν	(5)	106 (107). 32. A B <sup>1</sup> ἐν καθέδραις [S <sup>2</sup> B -ρ]	(1 α)
13. 6. καθαρὸς ἔσται	(15 α)	δὲ χελεῶν μου καθαρὰ νοήσεις [A S B	(5)	πρεσβυτέρων ἀνεσάτασαν αὐτὸν	(1 α)
— 13. καθαρὸν ἔστι	(5)	al.]	(6, 1 α)	138 (139). 2. σὺ ἔγνωες τὴν κ. μου	(1 β)
— 17. καθαρὸς ἔστι [A ἔσται]	(5)	— 9. καθαρὸς εἰμι οὐχ ἁμαρτῶν [A al.]	(2 α)	Si. 7. 4. μὴδὲ παρὰ βασιλεῖς καθέδραν δόξης	(1 α)
— 34. καθαρὸς ἔσται	(15 α)	— 26. A S <sup>2</sup> εἰσελεύσεται δὲ προσάφω καθαρῷ	(2 α)	12. 12. μὴ ποτε ζητήσῃ τὴν κ. σου	(1 α)
— 37. A B καθαρὸς [B -όν] ἔστι	(5)	[B S <sup>1</sup> Ἰλαρῷ]	(5)	La. 8. 63. ἡκουσας . . . καθέδραν αὐτῶν	(1 β)
— 39. A B καθαρὸς ἔστιν	(5)	Ps. 28 (24). 4. ἀδῶς χερσὶ καὶ καθαρὸς τῇ καρδίᾳ (1 α)	(1 α)	[Aq. Ex. 12. 40: 15. 17: III Ki. 8. 13: Ps. 1.	(1 β)
— 39, 40, 41. καθαρὸς ἔστιν	(5)	50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί	(5)	1: 32 (33). 14: Is. 37. 28: Ez. 6. 6: 8. 3:	(1 β)
— 58. καθαρὸν ἔσται	(15 α)	Pr. 8. 11. B <sup>2</sup> ἀντερείσθαι δὲ αἰσθήσεις χρυσίου	(5)	28. 2.]	(1 β)
14. 4. δύο ὀρνίθια ζῶντα κ.	(5)	12. 27. κτήμα δὲ τίμιον ἀνὴρ καθαρὸς	(5)	[Sm. Ex. 15. 17: Ps. 1. 1: Is. 37. 28.]	(1 β)
— 7. καθαρὸς ἔσται	(15 β)	14. 4. οὐ μὴ εἰσι βόες φάτνας καθααῖς	(1 α)	[Th. Is. 37. 28: Ez. 8. 3.]	(1 β)
— 8, 9. καθαρὸς ἔσται	(15 α)	20. 9. τίς παρηγορεῖται καθαρὸς εἶναι ἀπὸ	(1 α)	[Quint., Sext. Ps. 1. 1.]	(1 β)
— 49. δύο ὀρνίθια ζῶντα κ.	(5)	ἁμαρτιῶν	(15 α)	καθεῖσθαι. (1) β (2) β	(1 β)
15. 8. ἐὰν δὲ προσσεμίσῃ [A -εγγίσῃ] . . .	(5)	25. 4. καθαρισθήσεται καθαρὸν ἅπαν	(5)	Le. 12. 4. B <sup>2</sup> καθεσθήσεται [B <sup>1</sup> καθισ., A B	(1 α)
ἐπὶ τῶν κ.	(5)	Ez. 9. 2. συνάντημα ἐν . . . τῷ κ. καὶ τῷ ἀκαθάρτῳ	(5)	καθίσ.,] ἐν αἵματι [A ἱματίφ]	(1 α)
— 12. καθαρὸν ἔσται	(15 α)	Wi. 7. 23. διὰ πάντων χωρὶν πνευμάτων . . .	(5)	— 5. B καθεσθήσεται [A καθισ.] ἐν αἵματι	(1 α)
— 13: 17. 15. καθαρὸς ἔσται	(15 α)	καθαρὸν λεπτοτάτων	(5)	ἀκαθάρτων	(1 α)
20. 25. ἀνὰ μέσον τῶν κτηνῶν τῶν κ.	(5)	14. 24. οὐτε γάμους καθαρὸς ἐστὶ φυλάσσειν	(5)	Jb. 39. 28. γὰρ δὲ ἐπὶ νοσσοῖς αὐτοῦ καθεσθίς	(2)
— 25. ἀνὰ μέσον τῶν πετεινῶν τῶν κ.	(5)	15. 7. τὰ τε τῶν κ. ἔργων δοῦλα σκεῖν	(5)	Je. 37 (30). 18. κατὰ τὸ κρίμα αὐτοῦ καθεδεῖται	(1 α)
22. 7. καθαρὸν ἔσται	(15 α)	Hb. 1. 13. καθαρὸς ὁ ὀφθαλμὸς τοῦ μὴ ὁρᾶν	(5)	Ez. 26. 16. ἐπὶ γῆν καθεδούνηται [A <sup>1</sup> καθελ.]	(1 α)
24. 2. ἔλαιον ἔλαιον κ. κεκομμένον εἰς φῶς	(2 α)	πονηρὰ	(5)	[Ps. 9. 8: 28 (29). 10: 139 (140). 14.]	(1 α)
— 4. ἐπὶ τῆς λυχνίας τῆς κ.	(5)	Za. 3. 6 (5). ἐπιθέτε κιδάριον καθαρὰν ἐπὶ τὴν	(5)	καθεῖς, vid. suō κατὰ εἰ εἰς.	(1 α)
— 6. ἐπὶ τὴν τράπεζαν τὴν κ.	(5)	κεφαλὴν	(5)	κάθεμα. (1) β (2) β	(1 α)
— 7. ἐπιθήσεται . . . λιβανὸν κ.	(2 α)	— 6 (5). ἐπέθηκαν κιδάριον καθαρὰν ἐπὶ τὴν	(5)	Is. 3. 19. ἀφελεί . . . τὸ κ.	(2 ?)
Nu. 5. 17. λήγεται ὁ ἱερεὺς ὕδωρ κ. ζῶν	(12)	κεφαλὴν	(5)	Ez. 16. 11. περιέθηκα . . . κ. περὶ τὸν τράχηλόν	(1 α)
— 28. καὶ καθαρὰ ἦ	(5)	Ma. 1. 11. θυμίαμα προσάγεται . . . καὶ θυσία κ.	(5)	σου	(1 α)
8. 7. καὶ καθαρὸι ἔσονται	(15 α)	Is. 1. 16. καθαρὸι γενέσθε	(18 α)	[Th. Is. 3. 19: Ez. 16. 11.]	(1 α)
9. 13. ὅς ἐάν καθαρὸς ἦ	(5)	— 25. πυρὶ ὡς [A S add. σε] εἰς καθαρὸν	(1 β)		
11. 11, 13. πᾶς κ. ἐν τῷ οἴκῳ σου ἔδεται αὐτὰ	(5)	14. 20. ὃν τρόπον ἱμάτιον ἐν αἵματι πεφυρμένον	(5)		
19. 3. ἐξάψουσιν αὐτὴν . . . εἰς τόπον κ.	(5)	οὐκ ἔσται καθαρὸν οὕτως οὐδὲ σὺ	(5)		
— 9. συναΐξει ἄνθρωπος κ. τὴν σποδὸν	(5)	ἔσθι κ.	(5)		
— 9. καὶ ἀποθήσει . . . εἰς τόπον κ.	(5)	35. 8. ἔσται ἐκεῖ ὁδὸς καθαρὰ	(5)		
— 12. καὶ καθαρὸς ἔσται [A ἔστιν]	(15 α)	47. 11. οὐ μὴ δυνήσῃ καθαρὰ γενέσθαι	(18 β)		

καθεύδew. (1) כָּפַח (2) כָּפַח (3) כָּפַח

Ge. 28. 13. ἡ γῆ ἐφ' ἧς σὺ καθεύδεις ἐπ' αὐτῆς (8)

89. 10. καθεύδew μετ' αὐτῆς (8)

De. 11. 19. καὶ καθεύδεις σου [A al.] (8)

Ru. 8. 7. A καὶ ἐκάθευδεν (8)

I Ki. 8. 2. A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> 'Hλὶ ἐκάθευδεν [B<sup>1</sup> -θητο] ἐν τῷ τόφῳ αὐτοῦ (8)

— 3. Σαμ. ἐκάθευδεν ἐν τῷ ναφ [A οἶκῳ κυρίου] (8)

— 5. ἀνίσταρε καθεύδew (8)

— 6. ἀνίσταρε καὶ ἐκάθευδew (8)

— 9. ἀνίσταρε καθεύδew (8)

19. 9. καὶ αὐτὸς ἐν οἴκῳ καθεύδων (1)

26. 5. οὐ ἐκάθευδεν ἐκεῖ Σαουλ (8)

— 5. Σαουλ ἐκάθευδεν ἐν λαμπήρῃ (8)

— 7. καὶ ἰδοὺ Σαουλ καθεύδων ὑπὸν [A om.] (8)

— 7. ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐκάθευδew κύκλῳ αὐτοῦ (8)

II Ki. 4. 5. ἐκάθευδεν ἐν τῇ κοίτῃ τῆς μεσημέρας (8)

— 6. καὶ ἐκάθευδew (8)

— 7. καὶ 'Ιερ. ἐκάθευδεν (8)

12. 3. ἐν τῷ κόλπῳ αὐτοῦ ἐκάθευδew (8)

III Ki. 18. 27. ἡ μὴ ποτε καθεύδει αὐτὸς (8)

I Es. 8. 6. καὶ ἐπὶ χρόνῳ καθεύδew (8)

4. 10. ἐσθίει καὶ πίνει καὶ καθεύδει (8)

To. 8. 13. εἴρε τοὺς δύο καθεύδοντας [B al.] (8)

Ju. 14. 14. καθεύδew αὐτὸν μετὰ 'Ι. (8)

Ps. 87 (88). 5. ὥστε τραυματίαι ἐρριμμένοι [A B<sup>2</sup> om.] καθεύδοντας ἐν τάφῳ (8)

Pr. 8. 24. ἰδὼν δὲ καθεύδῃς ἠδὲως ὑπνώσεις (8)

6. 22. ὥς δ' ἂν καθεύδῃς φυλασσέτω σε (8)

Ca. 5. 2. ἐγὼ καθεύδω (8)

Si. 22. 7. ἐξεγείρων καθεύδοντα ἐκ βαθείας ὑπνου (8)

Am. 6. 4. οἱ καθεύδοντας ἐπὶ κλινῶν ἐλεφαντίνων (8)

Jn. 5. 5. κατέβη . . . καὶ ἐκάθευδew καὶ ἐγχευε (8)

Is. 51. 20. οἱ καθεύδοντας ἐπ' ἄκρου πάσης ἐξόδου (8)

Ez. 4. 9. δὲ σὺ καθεύδεις ἐπὶ τοῦ πλευροῦ σου (8)

Da. LXX. 4. 7. ἐπὶ τῆς κοίτης μου ἐκάθευδον (8)

12. 2. πολλοὶ τῶν καθεύδοντων ἐν τῷ πλάτει τῆς γῆς (2)

Da. TH. 12. 2. πολλοὶ τῶν καθεύδοντων ἐν γῆς χώματι (2)

[Bm. Ec. 5. 11.] (8)

[Al. Le. 15. 20 : Dt. 6. 7.] (8)

καθηγέμων.

II Ma. 10. 28. οἱ δὲ καθηγέμονα . . . ταττόμενοι τὸν θυμὸν (8)

καθήκειν. (1) α. εἰς τοὺς καθήκοντας ἕκῃ 'δ'

δ. τὸ καθήκειν ἕκῃ 'δ' (2) τὸ καθήκειν, (8)

τὰ καθήκοντα ἕκῃ (3) ἕκῃ (4) δ' (8)

(5) ὡς (6) ὡς (8)

Ge. 19. 31. ὡς καθήκει πάσῃ τῇ γῇ (8)

Ex. 5. 13. συντελείετε τὰ ἔργα τὰ καθήκοντα (2)

— 19. οὐκ ἀπολείψετε τῆς πλυνθείας τὸ καθήκον τῇ ἡμέρᾳ (2)

16. 16. συναγάγετε . . . ἕκαστος εἰς τοὺς καθήκοντας (1 a)

— 18. B ἕκαστος εἰς τοὺς καθήκοντας . . . συνέλεξαν [A<sup>2</sup> -εν] (1 a)

— 21. A<sup>2</sup> B συνέλεξαν . . . ἕκαστος τὸ καθήκον αὐτοῦ (1 b)

36. 1. κατὰ τὰ ἄγια καθήκοντα [A τὰ κ.] (8)

Le. 5. 10 : 9. 16. ὡς καθήκει (8)

De. 21. 17. καὶ τούτῳ καθήκει τὰ πρωτοτοκία (8)

I Ki. 2. 16. ὡς καθήκει (4)

I Es. 1. 12. ὡς καθήκει (8)

To. 1. 8. οἷς καθήκει [B al.] (8)

6. 12. τὴν κληρονομίαν σοι καθήκει λαβεῖν ἢ πάντα ἄνθρωπον [B al.] (8)

7. 10. καθήκει τὸ παιδίον μου λαβεῖν [B al.] (8)

Ju. 11. 13. οὐδὲ [A οὐδ' ἐν] ταῖς χερσὶ καθήκειν ἀψαθῆναι οὐδένα (8)

Si. 10. 23. B B οὐ καθήκει [A B -ῆκεν] δοξάσαι ἄνδρα ἁμαρτωλόν (8)

Ho. 2. 5 (7). καὶ πάντα ὅσα μοι καθήκει (8)

Ez. 21. 27 (33). ἔως οὗ ἔλθῃ ὁ καθήκει (8)

I Ma. 10. 36. ὡς καθήκει πάσας ταῖς δυνάμεις τοῦ βασι.

I Ma. 10. 39. B εἰς τὴν καθήκουσαν [A προκαθ., B προσκ.] δαπάνην (8)

12. 11. ταῖς [A ἐν ταῖς] λοιπαῖς καθήκουσαις ἡμέραις (8)

II Ma. 2. 30. τῇ τῆς ἱστορίας ἀρχηγίτῃ καθήκει (8)

4. 19. B διὰ τὸ μὴ καθήκειν (8)

6. 4. B τὰ μὴ καθήκοντα ἐνδοξοφρόντων [A εἰσ-φερ.] (8)

— 21. οἷς καθήκειν αὐτῷ χρῆσασθαι (8)

11. 36. ὡς καθήκει ἡμῖν (8)

14. 31. τῶν ἱερῶν τὰς καθήκουσας θυσίας προσ-αγόντων (8)

III Ma. 1. 11. μὴ καθήκειν γίνεσθαι τοῦτο (8)

4. 16. τὰ μὴ καθήκοντα λαλῶν (8)

καθηλῶν. (1) ὡς (8)

Ps. 118 (119). 120. καθήλωσον ἐκ τοῦ φόβου σου τὰς σάρκας μου (1?)

[Aq. Pr. 22. 23 bii.] (8)

καθήλωμα. (1) α. ῥῖα δ. ῥῖα (8)

III Ki. 6. 21. A παρήγαγεν ἐν καθήλωμασιν χρυσίου (1 a, 1 b\*)

καθήλωσις. [Bm., Th. Ez. 7. 23.] (8)

καθημερινός.

Ju. 12. 15. εἰς τὴν κ. διαίταν αὐτῆς (8)

καθησθαι. (1) ἡν (2) ἡν (3) α. ὡς (8)

δ. ὡς (4) ὡς hi. (5) ὡς (6) ὡς (8)

Ge. 18. 1. καθήμενον αὐτοῦ ἐπὶ τῆς θύρας (8 a)

19. 1. ἐκάθην παρὰ τὴν πύλιν Σοδόμων (8 a)

— 30. ἐκάθην ἐν τῷ δρεῖ (8 a)

21. 16. B ἐκάθην ἀπέναντι αὐτοῦ μακρόθεν [A -ότρων] (8 a)

— 16. A ἐκάθην [B -θισεν] ἀπέναντι αὐτοῦ (8 a)

23. 10. 'Ε. δὲ ἐκάθην ἐν μέσῳ τῶν υἱῶν Χ. (8 a)

38. 11. καθὼς χίρα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς σου (8 a)

— 11. ἐκάθην ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (8 a)

Ex. 11. 5. ὅς καθῆται ἐπὶ τοῦ θρόνου (8 a)

12. 29. τοῦ καθήμενου ἐπὶ τοῦ θρόνου (8 a)

16. 29. A καθήσεσθαι [B -ίσσεσθαι] ἐκ. εἰς τοὺς οἴκους υἱῶν (8 a)

17. 12. ἐκάθην ἐπ' αὐτοῦ [A -όν] (8 a)

18. 14. διὰ τὴν σὺ καθῆσαι μόνος (8 a)

24. 18. A ἐκάθην [B ἦν] ἐκεῖ ἐν τῷ δρεῖ (1)

Le. 8. 35. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηπῆς . . . καθή-σεσθε (8 a)

12. 4. A καθήσεται [B<sup>1</sup> καθίσ., B<sup>2</sup> καθεσθῆσθαι] ἐν αἵματι [A ἡματίῳ] (8 a)

— 5. A καθήσεται [B καθεσθῆσθαι] ἐν αἵματι (8 a)

13. 46. κεχωρισμένους καθήσεται (8 a)

15. 6. ὁ καθήμενος ἐπὶ τοῦ σκεύους (8 a)

— 23. A οὐ ἐὼν αὐτῇ καθῆται [B ἐὼν καθίστη] ἐπ' αὐτῇ (8 a)

Nu. 32. 6. καὶ υἱεῖς καθήσεσθε αὐτοῦ (8 a)

De. 6. 7. λαλήσεις ἐν αὐτοῖς καθήμενος ἐν οἴκῳ (8 a)

11. 19. καθήμενον σου ἐν οἴκῳ [A al.] (8 a)

Jo. 5. 8. αὐτοὶ [A αὐτοὶ] καθήμενοι ἐν τῇ παρεμβολῇ (8 a)

Jd. 3. 20. ἐκάθην ἐν τῷ ὑπερώῳ (8 a)

— 24. A μὴ ποτε πρὸς διόφρους καθῆται [B al.] (4)

4. 5. ἐκάθην ὑπὸ φοινίκα (8 a)

5. 10. καθήμενοι ἐπὶ κρηπίδου [A λαμπρινῶν] (8 a)

— 16. A καθῆσαι ἀνὰ μέσον τῶν Μοσφ. [B al.] (8 a)

6. 10. B ἐν οἷς υἱεῖς καθήσεσθε [B -ῆσθε, A ἰνοικεῖτε] (8 a)

— 18. A ἐγὼ εἰμι καθήσομαι [B -ίσ., B καθή-ομαι] (8 a)

13. 9. καὶ αὕτη ἐκάθην ἐν ἀργῷ [A al.] (8 a)

16. 9. τὸ ἐνεδρον αὐτῇ ἐκάθην (8 a)

— 12. A τὸ ἐνεδρον ἐκάθην ἐν τῷ ταμίῳ [B al.] (8 a)

17. 10. κάθου μετ' ἐμοῦ (8 a)

18. 7. εἶδον τὸν λαόν . . . καθήμενον ἐπ' [A ἐν] ἑλπίδι (8 a)

— 8. τὴν υἱεῖς καθήσεσθε (8 a)

Ru. 3. 18. κάθου, θίγατο (8 a)

4. κτήσεται ἐναντίον τῶν καθήμενων (8 a)

I Ki. 1. 9. A 'Hλὶ ὁ ἱερὺς ἐκάθην [?, B om.] ἐπὶ τοῦ διόφρου (8 a)

I Ki. 1. 22. καὶ καθήσεται ἔως αἰῶνος ἐκεῖ (8 a)

— 23. κάθου ἔως ἂν [A οὐ] ἀπογαλακτίσῃς αὐτόν (8 a)

3. 2. B<sup>1</sup> 'Hλὶ ἐκάθην [A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -θενεν] ἐν τῷ τόφῳ αὐτοῦ (8)

4. 4. κυρίου [A add. τῶν δυνάμεων] καθήμενον Χερουβὶμ (8 a)

— 13. A ἐκάθην [B om.] ἐπὶ τοῦ διόφρου (8 a)

5. 7. οὐ καθήσεται κιβωτός . . . μεθ' ἡμῶν (8 a)

12. 2. καὶ καθήσομαι (8 a)

14. 2. B Σαουλ ἐκάθην ἐπ' ἄκρου τοῦ βουνοῦ (8 a)

20. 5. ἐγὼ καθίσας οὐ καθήσομαι (8 a)

— 19. καθῆται παρὰ τὸ ἐργάβ ἐκ. [A al.] (8 a)

22. 5. μὴ κάθου ἐν τῇ περιοχῇ (8 a)

— 6. Σαουλ ἐκάθην ἐν τῷ βουνῷ (8 a)

— 23. κάθου μετ' ἐμοῦ (8 a)

23. 14. καὶ ἐκάθην ἐν τῇ ἐρήμῳ (8 a)

— 18. ἐκάθην Δαυὶδ ἐν Καυῇ (8 a)

24. 4. ἐσώτερον τοῦ σπηλαιοῦ ἐκάθηντο (8 a)

27. 5. καθήσομαι [A καθίσαν μου] ἐκεῖ (8 a)

— 5. ἵνα τί καθῆται ὁ δούλος σου (8 a)

— 11. δὲ ἐκάθην Δαυὶδ (8 a)

30. 24. A B ἔσται ἡ μερίς τοῦ [B ἔ. μ.] καθήμενου ἐπὶ τὰ σκεύη (8 a)

II Ki. 6. 2. A B κυρίου τῶν δυνάμεων καθήμενον [B -φ] ἐπὶ τῶν Χερ. (8 a)

7. 2. καθῆται ἐν μέσῳ τῆς σκηπῆς (8 a)

16. 3. καθῆται ἐν 'Ιερ. (8 a)

— 18. μετὰ αὐτοῦ καθήσομαι (8 a)

18. 24. Δαυὶδ ἐκάθην ἀνὰ μέσον τῶν δύο πυν-λῶν (8 a)

19. 8 (9). ὁ βασι. καθῆται ἐν τῇ πύλῃ (8 a)

23. 10. ὁ λαὸς ἐκάθην ὀπίσω αὐτοῦ (8 a)

III Ki. 1. 17. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (8 a)

— 20. τίς καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου (8 a)

— 24. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (8 a)

— 27. τίς καθήσεται ἐπὶ τὸν θρόνον (8 a)

— 30, 35. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (8 a)

— 48. καθήμενον ἐπὶ τοῦ θρόνου μου [A om.] (8 a)

3. 1 (2, 36). καὶ κάθου ἐκεῖ (8 a)

— 6. A δοῦναι τὸν υἱὸν αὐτοῦ καθήμενον [B om.] ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (8 a)

7. 8. A B ἐν φ [B οἴκῳ] καθήσεται ἐκεῖ (8 a)

8. 25. καθήμενος ἐπὶ θρόνου 'Ιερ. (8 a)

9. 16. A τὸν Χαν. τὸν καθήμενον ἐπὶ τῇ πόλει (8 a)

11. 16. A ἐκάθην [B ἐκεκ.] ἐκεῖ 'Ι. (8 a)

— 43 (12, 2). B καὶ ἐκάθην ἐν Αἰγύπτῳ [A al.] (8 a)

12. 17. A υἱὸν 'Ιερ. τῶν καθήμενων ἐν πόλε-σιν 'Ι. (8 a)

18. 14. εὗρεν αὐτὸν καθήμενον ὑπὸ [A ἐπὶ] θρόνῳ (8 a)

— 20. αὐτὸν καθήμενον ἐπὶ τῆς τραπέζης [B<sup>1</sup> om. ἔ. τ. τρ.] (8 a)

17. 9. A καὶ καθῆται ἐκεῖ (8 a)

— 19. ἐν φ αὐτὸς ἐκάθην ἐκεῖ (8 a)

20 (21). 11. A οἱ καθήμενοι [B κατοικοῦντες] ἐν πόλει αὐτοῦ (8 a)

22. 10. ἐκάθηντο [A -ητο] ἀνὴρ ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (8 a)

— 19. καθήμενον ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ (8 a)

IV Ki. 1. 9. 'H ἐκάθην ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ δρους (8 a)

2. 2, 4. κάθου δὴ ἐνταῦθα (8 a)

— 6. κάθου δὴ ὡδε (8 a)

— 18. αὐτὸς ἐκάθην ἐν 'Ιερ. (8 a)

3. 25. A καταλιπεῖν τοὺς λίθους . . . καθήμενος [B -πρημένους] (8 a)

4. 38. οἱ υἱοὶ τῶν προφητῶν ἐκάθηντο ἐνάντιον αὐτοῦ (8 a)

6. 32. 'Ελ. ἐκάθην ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ καὶ οἱ πρεσβύτεροι ἐκάθηντο μετ' αὐτοῦ (8 a, 8 a)

11 Ch. 18. 9. καθήμενοι ἕκαστος ἐπὶ θρόνον αὐτοῦ (8 α)  
 — 9. καθήμενοι ἐν τῷ εὐνύωφ θύρας (8 α)  
 — 18. καθήμενοι ἐπὶ θρόνον αὐτοῦ (8 α)  
 25. 19. Α Β καθήσο [Β καθίσουν] ἐν οἴκῳ σου (8 α)  
 26. 21. ἐν οἴκῳ ἀψφουσὼ καθήτο λεπρός (8 α)  
 32. 10. καθήσεσθε [Α καθήσεθ] ἐν τῇ περιούχῃ ἐν ἱερ. (8 α)  
 I Es. 4. 29. τὴν παλλακὴν τοῦ βασ. καθήμενη ἐν δεξιᾷ  
 — 42. ἐχόμενός μου καθήση (8 α)  
 8. 72. καὶ ἐκαθήμην ἡρεμάζων [Α ἐρ.] (8 α)  
 II Es. 9. 3. καὶ ἐκαθήμην ἡρεμάζων (8 α)  
 — 4. καὶ γὰρ καθήμενος ἡρεμάζων (8 α)  
 Ne. 2. 6. ἡ παλλακὴ ἢ καθήμεν ἐχόμενα αὐτοῦ (8 α)  
 — 6. Β<sup>3</sup> ἴνα τί καθήσαι παρ' ἐμοί (8 α)  
 11. 6. οἱ καθήμενοι ἐν ἱερ. (8 α)  
 To. 7. 1. Β εὐρον αὐτὸν καθήμενον παρὰ τὴν θύραν  
 11. 5. Ἄνω ἐκάθητο  
 Ju. 4. 8. οἱ ἐκάθητο ἐν ἱερ.  
 5. 3. τίς ὁ λαὸς οὗτος ὁ καθήμενος [Β οὐ. ἐγκαθ.] ἐν τῇ ὀρεινῇ  
 8. 21. οὕτως καθήσεται πᾶσα ἡ Ἰ.  
 11. 23. ἐν οἴκῳ βασιλέως Ναβ. καθήση  
 Es. 5. 1. ἐκάθητο ἐπὶ τοῦ θρόνου τῆς βασ. αὐ. (8 α)  
 — 13. Β<sup>3</sup> τὸν Ἰ. καθήμενον [Α Β Β<sup>3</sup> om.] ἐν τῇ αὐλῇ (8 α)  
 Jb. 2. 8. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ πύλωρος (8 α)  
 — 9. ἐν σπηρίᾳ σκωλῶν καθήσαι [Α -ίσαι, Β om.] (8 α)  
 38. 40. καθήνται δὲ ἐν ὕλῃς ἐνεδρευνούτες (8 α)  
 Ps. 46 (47). 8. ὁ θ. καθήται ἐπὶ θρόνον ἁγίου αὐ. (8 α)  
 49 (50). 20. καθήμενος κατὰ τοῦ ἀδελφοῦ σου κατελάλει (8 α)  
 68 (69). 12. οἱ καθήμενοι ἐν πύλῃ (8 α)  
 79 (80). 1. ὁ καθήμεν. ἐπὶ τῶν Χερ. ἐμφάνθη (8 α)  
 98 (99). 1. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερουβὶμ (8 α)  
 106 (107). 10. καθήμενος ἐν σκότει (8 α)  
 109 (110). 1. καθὼν ἐκ δεξιῶν μου (8 α)  
 126 (127). 2. Α Β ἐγείρεσθαι [Β -θε] μετὰ τὸ καθῆσθαι (8 α)  
 Pr. 3. 24. εἰ μὴ γὰρ καθῆ ἀφοβος ἔσθ (8 α)  
 6. 10. ὀλίγον δὲ καθῆσαι (8 α)  
 Ec. 10. 6. πλούσιοι [Β πλ. μεγάλοι] ἐν ταπεινῷ καθήσονται (8 α)  
 Ca. 5. 12. ὡς περισσότερα . . . καθήμεναι ἐπὶ πληρώματα [Α Β πλ. ὑδάτων] (8 α)  
 8. 13. ὁ καθήμενος ἐν κήποις (8 α)  
 Si. 1. 8. εἰς ἐστὶ σοφός . . . καθήμενος ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ  
 9. 9. μετὰ ὑπάρχοντων γυναικὸς μὴ καθῶν τὸ σύνολον  
 11. 1. Α ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθήσαι [Β Β -ισ.] αὐτὸν  
 36. 12. κατ' ἐναντίον παντὸς πασιπάλου καθήσεται  
 37. 14. ἐπὶ τὰ σκοπὸι ἐπὶ μετεώρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῇ  
 38. 28. χαλκεὺς καθήμενος ἐγγὺς ἄκμονος  
 — 29. κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ  
 40. 3. ἀπὸ καθήμενου ἐπὶ θρόνου ἐν δόξῃ [Α Β ἐνδόξου]  
 50. 26. οἱ καθήμενοι ἐν ὄρει Σαμαρείας  
 Ho. 3. 3. ἡμέρας πολλὰς καθήσῃ ἐπ' ἐμοί (8 α)  
 — 4. διότι ἡμέρας πολλὰς καθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰ. (8 α)  
 Jn. 4. 5. καὶ ἐκάθητο ὑποκάτω αὐτῆς (8 α)  
 Za. 3. 9 (8). οἱ πλῆσιόν σου οἱ καθήμενοι πρὸ προσώπου  
 5. 7. γυνὴ μία ἐκάθητο ἐν μέσῳ τοῦ μέτρου [Α ταλάντου] (8 α)  
 8. 4. ἔτι καθήσονται πρεσβύτεροι (1 α)  
 9. 12. καθήσεσθαι [Β<sup>3</sup> -σεται, Α καὶ θήσονται] ἐν ὀχυρώμασι (8 α)  
 Is. 6. 1. εἰδὼν τὸν κύριον καθήμεν. ἐπὶ θρόνον ὑψ. (8 α)  
 9. 2 (1). Α ὁ λαὸς ὁ καθήμενος [Β Β πορευόμεν.] ἐν σκότει (8 α)  
 — 9 (8). οἱ καθήμενοι [Α ἐγκ.] ἐν Σαμαρείᾳ ἐφ' ὕβρι (8 α)  
 19. 1. κύριος καθήται ἐπὶ νεφέλῃς κούφης (8 α)  
 36. 11. Α εἰς τὰ ὅτα τῶν ἀνδρῶν τῶν καθήμεν. ἐπὶ τῷ τείχει [Β Β al.] (8 α)  
 — 12. οὐχὶ πρὸς τοὺς ἀνδράποιν [Α ἀνδρας] τοὺς καθήμενους ἐπὶ τῷ τείχει (8 α)  
 37. 16. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερουβὶμ (8 α)  
 42. 7. ἐξαγαγεῖν . . . καθήμενος ἐν σκότει (8 α)  
 47. 8. ἄκουε ταῦτα [Α Β add. ἡ] τρυφερά ἢ καθήμενη (8 α)  
 Je. 8. 14. ἐπὶ τί ἡμεῖς καθήμεθα (8 α)

Je. 13. 13. Α τοὺς βασιλεῖς αὐ. τοὺς καθήμεν. υἱοὺς τοῦ Δ. ἐπὶ θρόνους αὐ. . . καὶ πάντας τοὺς καθήμενους ἐν ἱερ. [Β Β al.] (8 α, 8 α)  
 15. 17. κατὰ μόνας ἐκαθήμην (8 α)  
 17. 25. ἀρχόντες καθήμενοι ἐπὶ θρόνον Δαυὶδ (8 α)  
 21. 9. ὁ καθήμεν. ἐν τῇ πόλει ταύτῃ ἀποθανεῖται (8 α)  
 22. 2. ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνον Δαυὶδ (8 α)  
 — 4. βασιλεῖς [Β<sup>3</sup> -ίως, Α add. καὶ ἀρχόντες] καθήμενοι ἐπὶ θρόνον Δαυὶδ (8 α)  
 — 30. οὐ μὴ αὐτῆσθ . . . καθήμενος ἐπὶ θρόνον Δαυὶδ (8 α)  
 28 (51). 30. καθήσονται ἐκεῖ ἐν περιοχῇ (8 α)  
 30. 8 (49. 30). καθήμενοι ἐν τῇ αὐλῇ (8 α)  
 — 9 (49. 31). ἀνάβηθι ἐπ' ἔθνος εὐσταθοῦν καθήμενον εἰς ἀναψυχὴν (8 α)  
 31 (48). 18. καθίσουν ἐν ὑγρασίᾳ καθήμενη (8 α)  
 — 19. ἐπιθε καθήμενη ἐν Ἀροῦρ (8 α)  
 — 43. βόθυνος ἐπὶ σοὶ καθήμενος [Α add. ἐπὶ] Μωάβ (8 α)  
 32 (25). 29. ἐπὶ τοὺς καθήμενους ἐπὶ τῆς γῆς (8 α)  
 — 30. ἐπὶ καθήμενους τὴν γῆν ἡκεῖ δλεθρος [Α al.] (8 α)  
 39 (32). 12. Α κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν Ἰουδαίων πάντων τῶν καθήμενων [Β Β Ἰ. τῶν] ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φυλακῆς (8 α)  
 40 (38). 4. Α τῶν καθήμενων [Β Β -θηρημ.] εἰς χάρακας (8 α)  
 43 (86). 12. ἐκεῖ πάντες οἱ ἀρχόντες ἐκάθητο (8 α)  
 — 22. ὁ βασιλεὺς ἐκάθητο ἐν οἴκῳ χειμερυνῷ (8 α)  
 — 30. οὐκ ἔσται αὐτῷ καθήμενος ἐπὶ θρόνον [Α -ον] Δαυὶδ (8 α)  
 47 (40). 10. καθήμεναι ἐναντίον ὑμῶν εἰς [Β ἐν] Μασσασφά (8 α)  
 51 (44). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμεν. πρὸς ἱερ. . . τοῖς καθήμεν. [Β κατοικοῦντες] ἐν Μ. (8 α)  
 — 13. ἐπισκεπτόμεναι ἐπὶ τοὺς καθήμενους ἐν γῇ [Α om.] Αἰγ. (8 α)  
 — 15. ἀπεκρίθησαν . . . πᾶς ὁ λαὸς οἱ καθήμενοι ἐν γῇ [Α om.] Αἰγύπτῳ (8 α)  
 — 26. πᾶς Ἰουδα οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (8 α)  
 Ba. 8. 3. οὐ καθήμενος τὸν αἰῶνα  
 La. 3. 28. καθήσεται κατὰ μόνας (8 α)  
 Ez. 8. 1. ἐκαθήμην ἐν τῷ οἴκῳ καὶ οἱ πρεσβύτεροι Ἰ. ἐκάθητο ἐνώπιόν μου (8 α, 8 α)  
 — 14. ἐκεῖ γυναικες καθήμεν. θρηνησοῦσαι τὸν Θ. (8 α)  
 23. 41. ἐκάθον ἐπὶ ἐλπίν ἱστρωμένης (8 α)  
 33. 31. καθήμενοι ἐναντίον σου (8 α)  
 44. 3. καθήσεται ἐν αὐτῇ (8 α)  
 Da. LXIII. 8. (55). καθήμενος ἐπὶ Χερουβὶμ  
 7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο  
 9. 7. ἀνθρώποις Ἰουδα καὶ καθήμενοι ἐν ἱερ. (8 α)  
 Bel 39. ὁρᾷ αὐτὸν καθήμενον  
 Da. TH. 8. (55). καθήμενος ἐπὶ Χερουβὶμ  
 7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο (8 α)  
 Bel 40. καὶ Ἰδοὺ Δανιὴλ καθήμενος  
 I Ma. 1. 27. Α Β καθήμενη ἐν παστῷ ἐγένετο ἐν πένθει [Β ἐπένθει]  
 14. 9. ἐν ταῖς πλατείαις [Β<sup>3</sup> ἐκκλησίαις] ἐκάθητο [Α q. Dt. 11. 19. Jo. 2. 15. III Ki. 8. 6. 12. 17. 17. 6. IV Ki. 15. 5. Jb. 2. 8. Ps. 28 (27). 4. 82 (83). 8. 14. 88 (89). 13. 79 (80). 2. 90 (91). 1. 126 (127). 2. CA. 8. 13. Is. 28. 18. 28. 6. 40. 22. 58. 12. 65. 4. JE. 18. 13. 29 (30). 32. ZA. 18. 1.] [Sm. Dt. 11. 19. Jo. 2. 15. Jd. 8. 20. III Ki. 8. 6. Ps. 68 (69). 13. Ec. 10. 6. Is. 6. 1. 28. 6. 40. 22. 65. 4.] [Th. Dt. 11. 19. Jo. 2. 15. Jd. 8. 20. I Ki. 1. 9. 4. 13. III Ki. 8. 6. 21. 11. Jb. 2. 8. CA. 8. 13. Is. 28. 6. 37. 16. 40. 22. JE. 29 (30). 16. 32. 33 (40). 17.] [Al. Nu. 21. 1. Dt. 6. 7. Ps. 9. 12.] [Quint. Ps. 90 (91). 1. CA. 8. 13.]  
 κάθησις (-θισ). (1) 37  
 Je. 29 (49). 8. Α βαδύνετε ἑαυτοὺς εἰς κάθησιν [Β Β -θισ.] (1)  
 80. 8 (49. 30). Α λῖαν ἐβαδύνετε εἰς κάθησιν [Β Β -θισ.] (1)  
 καθουχαίεω.  
 [Α q. Ps. 82 (83). 2.]  
 καθίγειν (?). (1) 37  
 Ex. 12. 22. καθίξετε [Α add. ἀπὸ] τῆς φλιάς (1)

κάθιδρος. (1) 37  
 Je. 8. 6. ὡς ἵππος κ. ἐν χρεμετισμῷ αὐτοῦ (1)  
 καθιδρύειν.  
 Ep. Je. 17. καθιδρυμένων αὐτῶν ἐν τοῖς οἴκοις [Α κήποις]  
 II Ma. 4. 12. ἀσμένως γὰρ . . . γυμνάσιον καθιδρύσει  
 III Ma. 7. 20. καθιδρύσαντες ἀνέλυσαν ἀσινεῖς  
 καθιέναι. (1) 37 hi. (2) 37 (3) 37 hi. (4) 37 hi.  
 Ex. 17. 11. ὅταν δὲ καθήκε τὰς χεῖρας (1)  
 I Ch. 21. 27. Α καθήκεν [Β κατέθηκε] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κολεόν (8)  
 Za. 11. 13. κάθες [Β<sup>3</sup> καταβες] αὐτοὺς εἰς τὸ χωνευτήριον (4)  
 Je. 39 (32). 14. Β<sup>3</sup> καθήσεις [Β<sup>3</sup> καταθ., Α Β θήσεις] εἰς ἀγγεῖον (2)  
 [Al. Za. 11. 13.]  
 καθίζαναι. (1) 37 hi.  
 Jb. 12. 18. καθίζανον [Α -ζων] βασιλεῖς ἐπὶ θρόνους [Β -ων] (1)  
 Pr. 18. 16. παρὰ δυνάσταις καθίζαναι αὐτόν (1)  
 καθίζειν. (1) 37 hi. (2) 37 (3) 37 hi. (4) 37 a. qal. δ. hi. c. 37. (5) 37 (6) 37 hi. (7) 37 pi. (8) 37 (9) 37  
 Ge. 8. 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κιβωτός . . . ἐπὶ τὰ ὄρη (5)  
 21. 16. Β ἐκάθισεν [Α -θητο] ἀπέναντι αὐτοῦ (4 α)  
 22. 5. καθίστατε αὐτοῦ μετὰ τῆς θου (4 α)  
 27. 19. ἀναστὰς κάθισον καὶ φάγε (4 α)  
 37. 25. ἐκάθισαν δὲ φαγεῖν ἄρτον (4 α)  
 38. 14. ἐκάθισε πρὸς ταῖς πύλας Αἰνάν (4 α)  
 43. 33. ἐκάθισαν δὲ ἐναντίον αὐτοῦ (4 α)  
 48. 2. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κλίνην (4 α)  
 Ex. 2. 15. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ φρίατος (4 α)  
 16. 3. ὅταν ἐκαθίσταμεν ἐπὶ τῶν λεβήτων (4 α)  
 — 29. Β καθίστασθε [Α Β -ήσ.] ἕκαστος εἰς τοὺς οἴκους ὑμῶν (4 α)  
 32. 6. ἐκάθισεν ὁ λαὸς φαγεῖν (4 α)  
 Le. 12. 4. Β<sup>3</sup> καθίσταται [Β<sup>3</sup> καθιστήσθ., Α Β καθήσ.] ἐν αἵματι [Α ἱματίῳ] (4 α)  
 15. 4. ἐφ' ὃ ἂν καθίσθῃ ἐπ' αὐτό (4 α)  
 — 6. ἐφ' ὃ ἂν καθίσθῃ ὁ γονορροῦς (4 α)  
 — 9. Α ἐφ' ὃ ἂν καθίσθῃ [Β ἐπιβῇ] ἐπ' αὐτό (9)  
 — 22. οὐ ἂν καθίσθῃ ἐπ' αὐτό (4 α)  
 — 23. οὐ ἂν καθίσθῃ [Α αὐτὴ καθήται] ἐπ' αὐτό (4 α)  
 — 26. ἐφ' ὃ ἂν καθίσθῃ ἐπ' αὐτό (4 α)  
 Nu. 11. 4. καὶ καθίσαντες ἐκλίσαν (1)  
 De. 1. 45. καὶ καθίσαντες ἐκλίσαιτε (1)  
 17. 18. ὅταν καθίσθῃ ἐπὶ [Α add. τοῦ δίσφρου] τῆς ἀρχῆς αὐτοῦ (4 α)  
 21. 13. Α Β καθιέται [Β -ίεται] ἐν τῇ οἰκίᾳ σου (4 α)  
 25. 2. Α Β καθιέται αὐτὸν ἔναντι τῶν κριτῶν [Β om. τ. κ. κρ.] (6)  
 Jo. 5. 2. καὶ καθίσας περίεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (1)  
 Jd. 5. 16. ἐκάθισαν ἀνὰ μέσον τῆς διγομίας [Α al.] (4 α)  
 — 17. Ἀσὴρ ἐκάθισε παραλίαν θαλασσῶν [Α al.] (4 α)  
 6. 11. ἐκάθισεν ὑπὸ τὴν τερέμινθον [Α al.] (4 α)  
 — 18. Β ἐγὼ εἰμι καθίσομαι [Α -ήσομαι, Β -ίμαι] (4 α)  
 8. 29. ἐκάθισεν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ [Α al.] (4 α)  
 9. 41. Α καὶ ἐκάθισεν [Β εἰσῆλθεν] Ἀβ. (4 α)  
 11. 17. καὶ ἐκάθισεν Ἰσρ. ἐν Κᾶθες (4 α)  
 15. 8. καὶ ἐκάθισεν ἐν τρυμαλιῷ [Α al.] (4 α)  
 19. 4. καὶ ἐκάθισεν μετ' αὐτοῦ (4 α)  
 — 6. Α Β καὶ ἐκάθισαν [Β -εν] (4 α)  
 — 7. καὶ ἐκάθισε [Α al.] (4 α)  
 — 15. καὶ ἐκάθισαν ἐν τῇ πλατείᾳ τῆς πόλεως (4 α)  
 20. 26. καὶ ἐκάθισαν ἐκεῖ (4 α)  
 — 47. ἐκάθισαν ἐν πέτρᾳ 'Ρ. (4 α)  
 21. 2. καὶ ἐκάθισαν ἐκεῖ (4 α)  
 — 23. καὶ ἐκάθισαν [Α κατῆκον] ἐν αὐταῖς (4 α)  
 Ru. 2. 14. ἐκάθισε 'Ρουθ ἐκ πλαγίων τῶν θεριζόντων (4 α)  
 3. 1 (2. 23). ἐκάθισε μετὰ τῆς πενθερᾶς αὐτῆς (4 α)



Ru. 4. 1. καὶ ἐκάθισεν ἐκεῖ (4 a)	I Es. 8. 71. ἐκάθισα σύννομος καὶ περιλῆπος (4 a)	Is. 62. 2. κάθισον Ἱερουσαλὴμ (4 a)
— 1. κάθισον ὡς κρυφίη [A. -φῆ] (4 a)	II Es. 2. 70. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἱερεῖς (4 a)	Je. 3. 2. ἐπὶ ταῖς ὁδοῖς [A. add. αἱς] ἐκάθισας (4 a)
— 1. καὶ ἐκάθισε (4 a)	8. 32. καὶ ἐκάθισαμεν ἐκεῖ ἡμέρας τρεῖς (4 a)	αὐτοὺς ὥστε κορώνη (4 a)
— 2. καθίσαστε ὡς (4 a)	10. 2. ἐκάθισαμεν [B <sup>1</sup> ἐλάβομεν] γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	13. 18. B B καὶ καθίσαστε (4 a)
— 2. καὶ ἐκάθισαν [A. -εν] (4 a)	— 9. ἐκάθισε πᾶς ὁ λαὸς ἐν πλατείᾳ οἴκου (4 a)	15. 17. οὐκ ἐκάθισα ἐν συνεδρίῳ αὐτῶν παύζοντες (4 a)
I Ki. 1. 23. καὶ ἐκάθισεν ἡ γυνὴ (4 a)	— 10. ἐκάθισατε [B <sup>2</sup> ἐλάβετε] γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	16. 8. A οὐκ εἰσελεύσῃ σὺ τοῦ καθίσαι [B B εἰσ. συγκ.] μετ' αὐτῶν (4 a)
2. 8. καθίσαι [A. add. αὐτῶν] μετὰ δυναστῶν λαῶν (4 b)	— 14. δε ἐκάθισε [B <sup>2</sup> οἱ λαβόντες] γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	29 (49). 18. B οὐ μὴ καθίσαι [B B -ση, A κατοικῆσαι] ἐκεῖ ἄνθρωπος καὶ οὐ μὴ κατοικήσῃ [A καθίσαι, B B ἐνοῖ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (4 a, 2)
5. 11. καθισάτω εἰς τὸν τόπον αὐτῆς (4 a)	— 17. οἱ ἐκάθισαν γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	30. 11 (49. 33). οὐ μὴ καθίσῃ ἐκεῖ ἄνθρωπος (4 a)
18. 16. B ἐκάθισαν ἐν Γαβαά (4 a)	— 18. A B οἱ ἐκάθισαν [B <sup>2</sup> ἔλαβον] γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	31 (48). 18. κάθισον ἐν ὑγρασίᾳ καθήμενῃ (4 a)
19. 2. κρύβῃ καὶ κάθισον κρυφῇ (4 a)	— 17. οἱ ἐκάθισαν γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	33 (26). 10. ἐκάθισον ἐν προθύροις πύλης (4 a)
— 18. καὶ ἐκάθισαν ἐν N. (4 a)	— 18. A B οἱ ἐκάθισαν [B <sup>2</sup> ἔλαβον] γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	39 (82). 5. ἐκεῖ καθέτιαι [B -ιείται, A ἀποθανέτιαι] (3)
20. 5. ἐγὼ κάθισας οὐ καθήσομαι (4 a)	Ne. 1. 4. ἐκάθισα καὶ ἔκλυσσα (4 a)	— 37. καθῶ [A κατοικῶ] αὐτοὺς πεποιθότας (4 b)
— 19. A καθίσαι παρὰ τὸ ἔργον ἐκ. [B al.] (4 a)	6. 7. ὡς καθίσῃς ἐν Ἱερ. εἰς βασιλείαν (4 a)	44 (87). 16. ἐκάθισον ἐκεῖ ἡμέρας πολλὰς (4 a)
— 25. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν καθέδραν αὐτοῦ (4 a)	7. 73. καὶ ἐκάθισον οἱ ἱερεῖς (4 a)	— 21. ἐκάθισον ἴ. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φυλακῆς (4 a)
— 25. καὶ ἐκάθισαν Ἄβ. (4 a)	8. 17. καὶ ἐκάθισαν ἐν σπηραῖς (4 a)	45 (88). 13. 28. ἐκάθισον Ἱερ. ἐν τῇ αὐλῇ (4 a)
22. 5. ἐκάθισον ἐν πόλει (1)	11. 1. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἀρχόντες τοῦ λαοῦ (4 a)	46 (89). 3. ἐκάθισαν ἐν πύλῃ τῇ μίση (4 a)
24. 14. ἐκάθισον ἐν M. ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 a)	— 1. καθίσαι ἐν Ἱερ. πόλει τῇ ἁγίᾳ (4 a)	— 14. ἐκάθισαν [A. -αν] ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ (4 a)
24. 1. καὶ ἐκάθισαν [A. om. κ. ἐκ.] ἐν τοῖς στενοῖς Ἐρ. (4 a)	— 2. τοὺς ἐκοντοισομένους καθίσαι ἐν Ἱερ. (4 a)	47 (40). 6. ἐκάθισον ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ (4 a)
25. 13. ἐκάθισαν μετὰ τῶν σκευῶν (4 a)	— 3. οἱ ἐκάθισαν ἐν Ἱερ. (4 a)	48 (41). 17. ἐκάθισαν [B -εν] ἐν Ἱ. τῇ πρὸς B. (4 a)
26. 3. Δαυὶδ ἐκάθισεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 a)	— 3. A B <sup>1</sup> ἐκάθισαν [B B <sup>2</sup> -εν] ἀνὴρ ἐν κατασχεῖ αὐτοῦ (4 a)	49 (42). 10. ἐὰν καθίσαντες καθίσῃτε ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (4 a, 4 a)
27. 3. ἐκάθισε Δ. μετὰ Ἀγγούς (4 a)	— 4. ἐκάθισαν ἀπὸ νῶν Ἰούδα (4 a)	— 13. οὐ μὴ καθίσωμεν ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (4 a)
— 5. A καθίσω με [B καθίσομαι] ἐκεῖ (4 a)	— 25. ἀπὸ νῶν Ἰούδα ἐκάθισαν (4 a)	Ba. 2. 21. καθίσαστε ἐπὶ τὴν γῆν [A τῆς γῆς] (4 a)
— 7. ὡς ἐκάθισε Δαυὶδ ἐν ὁδοῖ (4 a)	18. 16. καὶ ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ (4 a)	La. 1. 1. ἐκάθισον Ἱερεμίᾳ κλαίων (4 a)
28. 23. καὶ ἐκάθισον ἐπὶ τὸν δίφρον (4 a)	— 23. οἱ ἐκάθισαν γυναῖκας Ἀλφωτίας (4 b)	— 1. πῶς ἐκάθισεν μόνῃ ἡ πόλις (4 a)
30. 10. οἵτινες ἐκάθισαν πέραν τοῦ χειμάρρου (7 ?)	— 27. καθίσαι γυναῖκας ἀλλοτριὰς (4 b)	— 3. ἐκάθισον ἐν Ἰθνεσιν (4 a)
— 21. ἐκάθισον αὐτοὺς ἐν τῷ χειμάρρῳ (4 b)	To. 2. 10. B ἐκάθισον τὸ ἀρόδενμα αὐτῶν [A B al.] (4 a)	2. 10. ἐκάθισον εἰς τὴν γῆν (4 a)
II Ki. 1. 1. ἐκάθισε Δ. ἐν Σεκ. (4 a)	Jb. 2. 9. A καθίσαι [B -ησαι, B <sup>1</sup> om.] διασκευῶν (4 a)	3. 6. ἐν σκοτεινοῖς ἐκάθισέ με (4 b)
2. 13. A B ἐκάθισαν οὐτοὶ ἐπὶ τὴν κρήνην (4 a)	6. 29. καθίσαστε δὴ (4 a)	Ez. 8. 15. ἐκάθισα ἐκεῖ ἐπὶ ἡμέρας (4 a)
5. 9. ἐκάθισε Δ. ἐν τῇ περιοχῇ (4 a)	12. 18. A καθίσω [B B -άνω] βασιλεῖς ἐπὶ θρόνων [B -ων] (4 a)	14. 1 : 20. 1. ἐκάθισαν πρὸ προσώπου μου (4 a)
6. 11. ἐκάθισεν ἡ κιβωτός [A al.] (4 a)	29. 25. ἐκάθισα ἄρχων (4 a)	36. 35. αἱ πόλεις . . . κατεσκευαμέναι ὄχραι ἐκάθισαν (4 a)
7. 1. ὅτε ἐκάθισον ὁ β. ἐν τῷ οἴκῳ (4 a)	36. 7. καθίει αὐτοὺς εἰς [A καὶ εἰς] νίκος (4 b)	Da. LXX. 4. 34. ἐκάθισέ με ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (4 c)
— 18. ἐκάθισον ἐνώπιον κυρίου (4 a)	Ps. 1. 1. B B ἐπὶ καθέδρῳ [A B -ῳ] λομῶν οὐκ ἐκάθισον (4 a)	7. 10. καὶ κριτήριον ἐκάθισε (4 c)
10. 5. καθίσαστε ἐν Ἱερ. (4 a)	9. 4. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου ὁ κρίνων δικαιοσύνην (4 a)	— 26. ἡ κρίσις καθίσταται (4 c)
11. 1. A ἐκάθισαν [B διεκ.] ἐπὶ Ῥ. (8)	25 (28). 4. οὐκ ἐκάθισα μετὰ συνεδρίου ματαιότῃτος [A -ας] (4 a)	Da. Th. Su. 50. κάθισον ἐν μέσῳ ἡμῶν (4 c)
— 1. Δαυὶδ ἐκάθισον ἐν Ἱερ. (4 a)	— 5. μετὰ ἀσεβῶν οὐ μὴ καθίσω (4 a)	7. 10. κριτήριον ἐκάθισε (4 c)
— 12. κάθισον ἐνταῦθα καὶ γὰρ σήμερον (4 a)	28 (29). 10. καθιέται [B <sup>1</sup> B <sup>2</sup> -ιεται] κύριος βασιλεὺς εἰς τὸν αἰῶνα (4 a)	— 26. καὶ τὸ κριτήριον ἐκάθισε [A καθίσει] (4 c)
13. 20. ἐκάθισε Θ. γρηγνύσας (4 a)	112 (118). 8. τοῦ καθίσαι αὐτὸν μετὰ ἀρχόντων (4 b)	11. 10. παρελευσεται καὶ καθίεται [A -ιείται] (4 a)
14. 28. ἐκάθισαν Ἄβ. ἐν Ἱερ. (4 a)	118 (119). 23. ἐκάθισαν ἄρχοντες (4 a)	I Ma. 2. 1. καὶ ἐκάθισον ἐν M. (4 a)
15. 25. A καθισάτω εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ (4 a)	121 (122). 3. ἐκάθισεν [B -άν] με ἐν σκοτεινοῖς (4 b)	— 7. A B καὶ καθίσαι [B ἐκάθισαν] ἐκεῖ (4 a)
— 29. καὶ ἐκάθισον ἐκεῖ (4 a)	181 (182). 12. καθίσονται ἐπὶ τοῦ θρόνου [A <sup>1</sup> B <sup>1</sup> τὸν θρ.] σου (4 a)	— 29. κατέβησαν πολλοὶ . . . καθίσαι ἐκεῖ (4 a)
19. 8 (9). ἐκάθισον ἐν τῇ πύλῃ (4 a)	136 (137). 1. ἐπὶ τῶν ποταμῶν Βαβυλῶνος ἐκεῖ ἐκάθισαμεν (4 a)	7. 4. ἐκάθισε Δ. ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐτοῦ (4 a)
— 37 (38). καθισάτω δὴ ὁ δούλος σου (4 a)	142 (148). 3. ἐκάθισεν [B -άν] με ἐν σκοτεινοῖς (4 b)	10. 52. ἐκάθισα [B ἐνεκάθ.] ἐπὶ θρόνου πατέρων μου (4 a)
22. 11. A ἐκάθισον [B ἐπεκ.] ἐπὶ Χερ. (9)	Pr. 9. 14. ἐκάθισον ἐπὶ θυρώσας ἐπὶ εὐανθῆς οἴκου (4 a)	— 53. ἐκάθισαμεν [B <sup>2</sup> -σα] ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐτοῦ (4 a)
III Ki. 1. 13. καθιέται [B <sup>1</sup> -θιεται] ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (4 a)	20. 8. ὅταν βασιλεὺς δικαίως καθίσῃ ἐπὶ θρόνου (4 a)	— 55. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐ. (4 a)
— 46. ἐκάθισε Σαλ. ἐπὶ θρόνον βασιλείας (4 a)	22. 10. ὅταν γὰρ καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ (4 a)	— 63. A B ἐκάθισον αὐτὸν ὁ β. [B -σαν αὐ. οἱ βασ.] μετ' αὐτοῦ (4 a)
2. 12. Σαλ. ἐκάθισεν ἐπὶ θρόνου Δ. (4 a)	23. 1. ἐὰν καθίσῃς δευτεῖν ἐπὶ τραπέζῃς δυναστού (4 a)	11. 52. ἐκάθισε Δ. ὁ βασ. ἐπὶ θρόνου (4 a)
— 19. ἐκάθισον ἐπὶ τοῦ θρόνου (4 a)	31. 23. ἡρίκα ἂν καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ (4 a)	14. 12. ἐκάθισον ἕκαστος ὑπὸ τὴν ἀμπελον αὐτοῦ (4 a)
— 19. ἐκάθισον ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ (4 a)	Ca. 2. 3. ἐν τῇ σκιᾷ αὐτοῦ . . . καὶ ἐκάθισα (4 a)	[Aq. Ge. 18. 12 : 47. 6 : Ex. 24. 14 : Ps. 4. 9 : 28 (29). 10 : 67 (68). 7. 17 : Pr. 20. 3 : Is. 87. 37 : 47. 1 : Je. 35 (42). 11.]
3. 1 (2. 38). ἐκάθισε Σεμ. ἐν Ἱερ. (4 a)	Si. 10. 14. ἐκάθισε πρᾶξις ἀντ' αὐτῶν (4 a)	[Bm. Ge. 47. 6 : Ps. 28 (29). 10 bis : Is. 66. 9 : Je. 85 (42). 11 : 49. 30 (30. 8).]
8. 20. ἐκάθισα ἐπὶ τοῦ θρόνου Ἰσρ. (4 a)	11. 1. ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθίσει [B <sup>1</sup> -ση, A -ήσει] αὐτὸν (4 a)	[Th. Ge. 47. 6 : Ps. 28 (29). 10 : Is. 47. 1 : Je. 85 (42). 11.]
11. 24. A ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ (4 a)	— 5. πολλοὶ τύραννοι ἐκάθισαν ἐπὶ ἐδάφους (4 a)	[Hob. Ge. 47. 6 : Jb. 2. 13.]
16. 11. ἐν τῇ καθίσαι αὐτὸν ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (4 a)	12. 12. μὴ καθίσῃς αὐτὸν ἐκ δεξιῶν σου (4 a)	[Quint. Ps. 28 (29). 10.]
17. 5. ἐκάθισον ἐν τῷ χειμάρρῳ X. (4 a)	34 (81). 12. ἐπὶ τραπέζῃς μεγάλης ἐκάθισας (4 a)	καθικνεῖσθαι.
19. 4. καὶ ἐκάθισον ὑποκάτω ῤ. (4 a)	— 18. εἰ ἀνὰ μέσον πλειόνων ἐκάθισας (4 a)	[Bm. Ps. 37 (38). 3.]
20 (21). 9. καθίσαστε τὸν Ναβ. ἐν ἀρχῇ τοῦ λαοῦ (4 b)	35 (82). 1. φρόντισον αὐτῶν καὶ οὕτως καθίσον (4 a)	καθίστασθαι.
— 10. A καθίσαστε [B ἐγκαθ.] δύο ἄνδρας (4 b)	38. 33. ἐπὶ δίφρον δακτύλου [A δυνάστου] οὐ καθίσονται [A -ιονται] (4 a)	Si. 48. 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πάσσει χιῶνα (4 a)
— 12. A ἐκάθισαν τὸν Ναβ. ἐν κεφαλῇ [B ἀρχῇ] τοῦ λαοῦ (4 b)	Ho. 14. 8. καθιπνύονται ὑπὸ τὴν σκέπην αὐ. (4 a)	κάθισαι.
— 13. ἐκάθισαν ἐξ ἐναντίας αὐτοῦ (4 a)	Mi. 7. 8. ἐὰν καθίσω ἐν τῷ σκότει (4 a)	[Al. Le. 15. 9.]
22. 1. καὶ ἐκάθισεν τρία ἔτη (4 a)	Jl. 3 (4). 12. καθῶ τοῦ διακρίναι πάντα τὰ ἔθνη (4 a)	καθιστάναι. (1) ἡδῆ (2) ἡδῆ a. qal. δ. hi.
IV Ki. 7. 4. ἐὰν καθίσωμεν ὡς (4 a)	Jn. 3. 6. καὶ ἐκάθισον ἐπὶ σποδοῦ (4 a)	(3) ἡδῆ (4) ἡδῆ hitph. (5) ἡδῆ ni.
11. 19. ἐκάθισαν [A. -εν] αὐτὸν ἐπὶ θρόνου τῶν βασιλ. (4 a)	4. 5. καὶ ἐκάθισον ἀπέναντι τῆς πόλεως (4 a)	(6) ἡδῆ a. pi. δ. pu. c. ἡδῆ pa.
13. 5. ἐκάθισαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν τοῖς σκηναῖς. (4 a)	Za. 6. 13. καὶ καθιέται [B <sup>1</sup> B <sup>2</sup> -θιεται] (4 a)	(7) ἡδῆ (8) ἡδῆ hi. (9) ἡδῆ
— 13. A B Ἱερ. ἐκάθισον ἐπὶ τοῦ θρόνου [B μετὰ τῶν πατέρων] αὐτοῦ (4 a)	Ma. 8. 3. καθιέται χωνεύων καὶ καθαρῶζων (4 a)	(10) ἡδῆ hi. (11) ἡδῆ (12) ἡδῆ ni.
17. 28. καὶ ἐκάθισον ἐν B. (4 a)	Is. 14. 13. καθῶ ἐν ὅρει ὑψηλῷ (4 a)	(13) ἡδῆ (14) ἡδῆ a. qal. δ. hi.
25. 24. καθίσαστε ἐν τῇ γῇ (4 a)	16. 5. καθιέται [B <sup>1</sup> B <sup>2</sup> -θιεται] ἐπ' αὐτοῦ (4 a)	(15) ἡδῆ a. qal. δ. ni. c. hi. d. ho.
28. 1. B B Δ. ἐκάθισον [A B -θητο] ἐν Ἱερ. (4 a)	30. 8. κάθισας γράψον ἐπὶ πυξίου ταῦτα (1)	
29. 5. καθίσαι αὐτὸν ἐπὶ θρόνου βασιλείας κ. (4 a)	47. 1. κάθισον ἐπὶ τὴν γῆν (4 a)	
29. 23. ἐκάθισε Σαλ. ἐπὶ θρόνου Δ. (4 a)	— 1. κάθισον εἰς τὴν γῆν [A B al.] (4 a)	
II Ch. 6. 10. ἐκάθισα ἐπὶ τὸν θρόνον Ἰσρ. (4 a)	— 5. κάθισον κατανεύμενον (4 a)	
23. 20. ἐκάθισαν τὸν βασ. ἐπὶ τὸν θρόνον (4 b)	— 8. οὐ καθῶ χίρρα [A. om.] (4 a)	
25. 19. B καθίσον [A B κάθισον] ἐν οἴκῳ σου (4 a)	— 14. κάθισαι ἐπ' αὐτοὺς (4 a)	
I Es. 3. 7. δεύτερος καθιέται Δαρείου (4 a)		
— 15. καὶ ἐκάθισον ἐν τῷ χρηματιστηρίῳ (4 a)		

- ε. πρῶτ. f. γ' πρῶτ. (16) πρῶτ. (17) πρῶτ.  
(18) πρῶτ. a. qal. δ. hi. c. aph. (19) πρῶτ.  
πρῶτ. (20) πρῶτ. a. qal. δ. hi. (21) πρῶτ.  
(22) πρῶτ. aph. (23) κ. εἰς βασιλεία  
πρῶτ. hi. (24) κ. βασιλεία πρῶτ. hi.
- Ge. 39. 4. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴκου αὐτοῦ (15 c)  
— 5. B μετὰ τὸ καταστήσαι [A -σταθῆναι] αὐ-  
τὸν ἐπὶ τοῦ οἴκου αὐτοῦ (15 c)  
41. 33. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ γῆς Αἰγ. (21)  
— 34. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ γῆς Αἰγ. (15 c)  
— 41. B κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ γῆς Αἰγ. [A  
-σῆς γῆς] Αἰγ. (18)  
— 43. κατέστησεν αὐτὸν ἐφ' ὅλης γῆς Αἰγ. (18)  
47. 4 (6). κατέστησεν αὐτὸν ἄρχοντα (19)  
Ex. 2. 14. τίς σε κατέστησεν ἄρχοντα (18)  
5. 14. οἱ κατασταθέντες ἐπ' αὐτοῦ (19)  
18. 21. κατέστησεν [A κ. αὐτοῦ] ἐπ' αὐτῶν  
χιλιάρχους (19)  
Nu. 8. 10. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ κατέστησεν ἐπὶ τῆς  
σπηλῆς (15 a)  
— 32. κατέστησεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν φυλάκων (15 c)  
4. 19. καὶ κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας (19)  
21. 15. τοὺς χειμάρρους κατέστησεν κατοικίαις Ἡρῶν  
31. 48. πάντες οἱ κατεστημένοι εἰς τὰς χιλιάρ-  
χους (15 a)  
De. 1. 13. κατέστησεν αὐτοὺς ἡγουμένους ὑμῶν (18)  
— 15. κατέστησεν αὐτοὺς ἡγουμένους (18)  
16. 18. A κρείττους ... κατέστησεν [B ποιήσ.]  
σεαυτῶν (18)  
17. 14. κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν ἄρχοντα [A -ας] (19)  
— 15. καθιστῶν κατέστησεν [A καθιστ.] ἐπὶ  
σεαυτῶν ἄρχοντα (18, 19)  
— 15. κατέστησεν ἐπὶ σεαυτῶν ἄρχοντα (19)  
— 15. οὐ διηγήσατο κατέστησεν ἐπὶ σεαυτῶν ἄν-  
θρωπων ἀλλήλων (18)  
19. 16. εἰς δὲ κατέστη μάρτυς ἄδικος (18 a)  
20. 9. κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας τῆς στρατιᾶς (15 a)  
25. 6. κατασταθήσεται ἐκ τοῦ ὀνόματος τοῦ  
τετελευτηκότος (18 a)  
28. 13. κατέστησεν σε κύριος ... εἰς κεφαλὴν (18)  
— 36. οὐδὲν ἀν κατέστησεν [B -σε, A -σεις]  
ἐπὶ σεαυτῶν (18 b)  
32. 25. θηλάζων μετὰ κατεστηκότος πρεσβύτου  
[A -τέρου] (18)  
Jo. 6. 22 (23). κατέστησεν αὐτὴν ἔξω τῆς παρεμ-  
βολῆς Ἰερ. (10)  
8. 2. κατέστησεν αὐτὴν ἐπὶ σεαυτῶν ἐνεδρα τῇ πόλει (18)  
9. 27. κατέστησεν αὐτοὺς ἄν. ... ἐξυλοκόπους (18)  
10. 18. κατέστησεν [A -σεν ἐπ' αὐτοῦ]  
ἐνεδρα (15 c)  
20. 3. εἰς δὲ κατέστη ... εἰς κρίσιν (18)  
— 9. εἰς δὲ κατέστη ... εἰς κρίσιν (14 a)  
jd. 11. 11. A κατέστησεν ὁ λαὸς αὐτὸν [B  
ἐθῆκαν αὐ. δ. λ.] (19)  
I Ki. 1. 9. κατέστη ἐνώπιον κυρίου (18)  
— 26. ἡ γυνὴ κατέστησεν ἐνώπιον σου (18)  
3. 10. καὶ κατέστη (4)  
5. 3. κατέστησεν [A add. αὐτὸν] εἰς τὸν τόπον  
αὐτοῦ (20 b)  
8. 1. κατέστησεν τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ δικαστάς (18)  
— 5. κατέστησεν ἐφ' ἡμᾶς βασιλεία (19)  
10. 19. B<sup>2</sup> B βασιλεία κατέστησεν [A B<sup>1</sup> στ.]  
ἐφ' ἡμῶν (19)  
— 19. κατέστησεν ἐνώπιον κυρίου (4)  
— 23. καὶ κατέστησεν ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ (4)  
12. 7, 16. καὶ νῦν κατέστη (4)  
18. 5. A κατέστησεν αὐτὸν Σαουλ ἐπὶ τοὺς  
ἄνδρας (19)  
— 13. κατέστησεν αὐτὸν ἐαυτῶν χιλιάρχον (19)  
19. 20. καὶ Σαμ. ἐστήκει κατεστηκὼς ἐπ' αὐτῶν (18)  
22. 9. ὁ κατεστηκὼς ἐπὶ τὰς ἡμέρας Σ. (18)  
29. 4. οὐ κατέστησεν αὐτὸν ἐκεῖ (15 c)  
— 10. οὐ κατέστησεν ὑμᾶς ἐκεῖ [A om.] (18)  
30. 12. κατέστη τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (20 a)  
II Ki. 3. 39. καὶ κατεστημένος ὑπὸ βασιλείας  
6. 21. A B τοῦ [B om.] κατεστησάι με εἰς  
ἡγουμένον (16)  
15. 4. τίς με κατέστησεν κριτὴν (19)  
17. 25. τὸν Ἀμ. κατέστησεν Ἀβ. (19)  
18. 1. κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (19)  
III Ki. 8. 1. (5. 16 [30]). οἱ κατεστημένοι ἐπὶ τὰ  
ἔργα τοῦ Σαλ. (12)  
4. 5. Ὁρνια υἱὸς Νάθαν ἐπὶ τῶν κατεστημένων (12)
- III Ki. 4. 7. τῷ Σαλ. δώδεκα κατεστημένοι ἐπὶ  
πάντα Ἰερ. (12)  
— 27 (5. 7). ἐχορήγουν οἱ κατεστημένοι οὕτως  
τῷ Σαλ. (12)  
5. 16 (30). χωρὶς ἀρχόντων τῶν [A om.] κατε-  
στημένων ἐπὶ τῶν ἔργων τῷ Σαλ. (12)  
11. 28. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τὰς ἄρσεις (15 c)  
IV Ki. 7. 17. ὁ βασις κατέστησεν τὸν τριστατὴν (15 c)  
10. 3. κατέστησεν [A -σατε] αὐτὸν ἐπὶ τὸν  
θρόνον τοῦ πατρὸς (19)  
22. 5. τῶν κατεστημένων ἐν οἴκῳ κυρίου (15 d)  
— 9. τὰ ἔργα [A add. τῶν] κατεστημένων ἐν  
οἴκῳ κυρίου (15 d)  
25. 22. κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν τὸν Γοδ. (15 c)  
— 23. κατέστησεν βασιλ. βασιλ. τὸν Γοδ. (15 c)  
I Ch. 6. 31 (16). οὐδὲ κατέστησεν Δ. ἐπὶ χείρας  
ῥδόντων (14 b)  
9. 29. ἐξ αὐτῶν κατεστημένοι ἐπὶ τὰ σκευῆ (8 b)  
11. 25. κατέστησεν αὐτὸν Δ. ἐπὶ τὴν πατριὰν  
αὐτοῦ (19)  
12. 18. κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας τῶν δυνά-  
μεων (18)  
22. 2. καὶ κατέστησεν λατῶν (14 b)  
26. 32. κατέστησεν αὐτοὺς Δ. ... ἐπὶ τοῦ Ῥ. (15 c)  
II Ch. 11. 15. κατέστησεν αὐτῶν ἱερεῖς (15 c)  
— 22. κατέστησεν εἰς ἄρχοντα Ἀβ. (15 c)  
12. 10. κατέστησεν ἐπ' αὐτὸν Σ. ἄρχοντας (15 c)  
17. 2. καὶ κατέστησεν ἡγουμένους (18)  
19. 5. καὶ κατέστησεν κρείττους (14 b)  
— 8. κατέστησεν Ἰωσ. τῶν ἱερέων (14 b)  
21. 5. κατέστη Ἰ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν αὐτοῦ (18)  
24. 11. καὶ κατέστησεν εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ (20 b)  
25. 3. ὡς κατέστη ἡ βασιλεία ἐν χειρὶ αὐτοῦ (9)  
— 23. A καὶ κατέστησεν [B -εσπασεν] ἀπὸ  
τοῦ τεύχεος Ἰερ. (2 b)  
28. 15. κατέστησεν αὐτοὺς εἰς Ἰερ. (2 b)  
29. 4. κατέστησεν αὐτοὺς εἰς τὸ κλίτος (1)  
31. 13. καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ κατεστημένοι (15 f)  
33. 14. κατέστησεν ἄρχοντας τῆς δυνάμεως (18)  
34. 10. οἱ κατεστημένοι [A καθιστ.] ἐν οἴκῳ  
κυρίου (15 d)  
36. 1. B καὶ κατέστησεν αὐτὸν [AB al.] (28)  
— 4. A B κατέστησεν Φαρ. Νεχ. τὸν Ἐλιακίμ  
... βασιλεία [B al.] (24)  
I Es. 2. 8. κατέστησαν [A -σάντες] οἱ ἀρχὶφυλοὶ  
5. 48. καὶ κατέστησεν Ἰησοῦς (6 c)  
II Es. 7. 25. κατέστησεν γραμματεῖς (6 c)  
Ne. 12. 44. κατέστησεν [B<sup>1</sup> εν] ... ἄνδρας ἐπὶ  
τῶν γασφρολακίων (15 b)  
18. 19. ἡνίκα κατέστησεν πύλιν (17 f)  
To. 1. 15. A αἱ δόδοι αὐ. κατέστησεν [B S al.]  
— 22. κατέστησεν αὐτὸν δ. Σ. (18)  
Ju. 1. 3. B τοὺς πύργους αὐτῆς κατέστησεν [A B -οὐ  
ἐστ.] (18)  
5. 3. B τίς κατέστησεν [A B ἀνέστ.] ἐπ' αὐτῶν βασιλ.  
6. 14. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ [A al.] τοὺς ἄρχοντας  
Es. 2. 3. κατέστησεν ὁ βασις. κομάρχεις (15 c)  
3. 13. A B<sup>2</sup> B τοὺς τῶν ὑποταγμένων ἀκμαίους  
[B<sup>2</sup> B -άντους] ... κατέστησεν βίους  
5. 1. κατέστη [A B<sup>2</sup> ἐστ.] ἐνώπιον [B<sup>2</sup> κατεν.]  
τοῦ βασιλ. (14 a)  
— 1. μέχρις οὐ κατέστη (18)  
8. 2. κατέστησεν Ἐσθῆρ Μαρδοχαίου (19)  
— 13. πολλὰς δὲ καὶ πολλὰς ... κατέστησεν  
[A -ήσας] (18)  
— 13. ἐχθιστος [A B<sup>1</sup> αἰσχυρος] κατασταθήσεται  
[B<sup>1</sup> αὐτὰ σταθ.] (18)  
Jb. 16. 13 (12). κατέστησεν με ὥσπερ σκοπὸν (18 b)  
Ps. 2. 6. A B ἐγὼ δὲ κατέστησεν βασιλεὺς [B S  
om.] ὑπ' αὐτοῦ (11)  
8. 6. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν  
σου (8)  
9. 20. κατέστησεν, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐτοῦ (21)  
17 (18). 43. κατέστησεν με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (19)  
44 (45). 16. κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας (21)  
98 (97). iii. τῷ Δαυὶδ ὅτι ἡ γῆ αὐ. καθίσταται  
104 (105). 21. κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ  
οἴκου αὐτοῦ (19)  
108 (109). 6. κατέστησεν ἐπ' αὐτὸν ἁμαρτωλὸν (15 c)  
Pr. 29. 14. ὁ θρόνος αὐτοῦ εἰς μαρτύριον κατα-  
σταθήσεται (8)  
Wi. 10. 7. ἥς ἐτι μαρτύριον τῆς πονηρίας καπιζομένη  
κατέστησεν χέρσος (18)  
Si. 17. 17. ἐκάστῳ ἐθνεὶ κατέστησεν ἡγούμενον  
30. 38 (33, 28). εἰς ἔργα κατέστησεν καθὼς πρέπει  
αὐτῶν
- Si. 85 (32). i. ἡγούμενον σε κατέστησεν  
46. 13. A B B Σαμωνὴ [B om.] προφήτης κυρίου  
κατέστησεν βασιλείαν [B -λέα]  
48. 10. κατέστησεν φυλὰς ἱακώβ  
Is. 3. 13. κατέστησεν εἰς κρίσιν κύριος (19)  
49. 8. τοῦ κατεστήσαι τὴν γῆν (18 b)  
62. 6. κατέστησεν φυλάκας ὅλην τὴν ἡμέραν (15 c)  
Je. 1. 10. κατέστησεν σε σήμερον ἐπὶ ἔθνη (15 c)  
6. 17. κατέστησεν ἐφ' ὑμᾶς σκοπούς (18 b)  
20. 1. οὕτως ἦν κατεστημένος ἡγούμενος οἴκου  
κυρίου (15 f)  
23. 3. κατέστησεν αὐτοὺς εἰς τὴν νομίαν αὐτῶν (20 b)  
28 (46). 4. κατέστησεν ἐν ταῖς περικεφαλαῖαις  
ὑμῶν (4)  
36 (29). 15. κατέστησεν ἡμῖν κ. προφήτας  
[A -ην] (18 b)  
37 (30). 24. εἰς κατέστησεν [B<sup>1</sup> om. ε. κ.] ἐγ-  
χείρημα καρδίας αὐτοῦ (18 b)  
47 (40). 5. ὡς κατέστησεν βασιλεὺς βασιλ. ἐν γῇ Ἰ. (15 c)  
— 7. κατέστησεν βασιλεὺς βασιλ. τὸν Γοδ. (15 c)  
— 11. κατέστησεν ἐπ' αὐτοὺς τὸν Γοδολιάν (15 c)  
48 (41). 2. ὡς κατέστησεν βασιλεὺς βασιλ. ἐπὶ  
ἐπὶ τῆς γῆς (15 c)  
— 18. ὡς κατέστησεν βασιλεὺς βασιλ. ἐν τῇ γῇ (15 c)  
51 (44). 28. οἱ κατεστημένοι [A -βαίνοντες, B  
παροικούντες] ἐν γῇ Αἰγ. (2 a)  
Er. Je. 34. οὕτως κατέστησεν βασιλεία δυνάμει (9)  
Ez. 84. 18. τὸ κατεστηκὸς ὕδωρ ἐπίπνευσε  
Da. LXX. Su. 60. κατέστησεν ἀμφοτέρους ψευδομάρ-  
τυρας  
1. 20. κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας (18 c)  
2. 21. μετὰ τῶν βασιλῶν καὶ καθιστῶν (18 c)  
— 24. τὸν Ἀ. τὸν κατασταθέντα ὑπὸ τοῦ βασιλ. (6 c)  
— 48. κατέστησεν ἐπὶ τῶν πραγμάτων τῆς  
βασιλείας (28)  
— 49. ἵνα κατασταθῶσιν ἐπὶ τῶν πραγμάτων  
τῆς βασιλ. (6 c)  
3. 12. οὐδὲ κατέστησεν ἐπὶ τῆς χώρας τῆς βασιλ. (6 c)  
— 30 (97). κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας (18 c)  
4. 28. καθιστῶν αὐτὸν ἐπὶ τῆς βασιλείας σου (18 c)  
— 34. καθιστῶν ἐτέρους ἀντ' αὐτῶν (18 c)  
6. 1 (2). κατέστησεν σατράπας ἑκατὸν εἴκοσι  
ἐπτά (18 c)  
— 3 (4). κατέστησεν τὸν Δ. ἐπὶ πάσης τῆς  
βασιλείας αὐτοῦ (18 c)  
— 3 (4). οὐδὲ κατέστησεν μετ' αὐτοῦ (18 c)  
— 3 (4). κατέστησεν τὸν Δ. ἐπὶ πάσης τῆς  
βασιλείας αὐτοῦ (18 c)  
— 28 (29). Δαν. κατέστησεν ἐπὶ τῆς βασιλ. Δ. (18 c)  
Bel. 13. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τῶν ναδὶν σποδῶν  
— 38. ὁ δὲ ἀγγέλος κυρίου κατέστησεν τὸν Ἀμβ.  
Da. TH. 1. 11. ὡς κατέστησεν ὁ ἀρχινομήτης  
ἐπὶ Δαν. (6 a)  
2. 21. καθιστῶν βασιλεὺς καὶ μετὰ (18 c)  
— 24. ὡς κατέστησεν ὁ βασιλ. (6 c)  
— 38. A B κατέστησεν ἐπὶ [B om.] κυρίον πάντων (22)  
— 48. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης χώρας (22)  
— 49. κατέστησεν ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χώρας (6 c)  
3. 12. οὐδὲ κατέστησεν ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χώρας (6 c)  
5. 11. ὁ βασιλ. Ναβ. ... κατέστησεν αὐτὸν (18 c)  
6. 1 (2). κατέστησεν ἐπὶ τῆς βασιλείας σα-  
τράπας (18 c)  
— 3 (4). ὁ βασιλ. κατέστησεν αὐτὸν (18 c)  
I Ma. 3. 55. κατέστησεν Ἰούδας ἡγούμενον  
6. 14. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης τῆς βασιλ. αὐ.  
— 17. κατέστησεν βασιλεὺς Ἀντίοχον (22)  
— 55. ὡς κατέστησεν ὁ βασιλ. (18 c)  
7. 20. κατέστησεν τὴν χώραν τῇ Ἀλκίμῳ [B<sup>1</sup> τὸν Ἀ.]  
9. 25. κατέστησεν αὐτοὺς κυρίους τῆς χώρας  
10. 20. κατέστησεν αὐτοὺς σήμερον ἀρχιερεῖς  
— 32. B B ὅπως δὲ κατέστησεν [A -στῇ] ἐν αὐτῇ  
ἡμέρᾳ (18 c)  
— 37. A B κατασταθήσεται ἐξ αὐτῶν ἐν τοῖς ὀχυ-  
ράμοις (18 c)  
— 37. A B ἐκ τούτων κατασταθήσεται [B al.]  
— 69. κατέστησεν Δημ. Ἀπολλωνίου (18 c)  
11. 7. καθιστῶν ἐπὶ τῶν τεσσάρων νομῶν  
— 59. Σίμων ... κατέστησεν στρατηγόν (18 c)  
14. 42. B B καθιστῶν αὐτοὺς [A δι' αὐτοῦ] ἐπὶ τῶν  
ἔργων αὐτῶν (18 c)  
15. 9. A ὡς δ' ἂν κατέστησεν τὴν βασιλ. [B B al.]  
— 38. κατέστησεν ὁ βασιλ. τὸν Κενδ. ἐπιστρατηγόν  
16. 11. Πτολ. ... ἦν κατεστημένος στρατηγός  
II Ma. 3. 4. προστάτης τοῦ ἱεροῦ κατεστημένος  
— 28. B ἐφ' ὧν ἀβόητος ἐαυτῶν [A αὐτὸν τοῖς  
ὀφλοῖς] κατεστῶτα

II Ma. 4. 1. τῶν κακῶν δημιουργῶν καθεστηκώς  
— 50. μέγας τῶν πολιτῶν ἐπίβουλος καθεστώς  
5. 22. τὸν δὲ τρέπον βαρβαρότερον ἔχοντα τοῦ  
καταστήσαντος  
— 26. Α ἱκανά κατέστησεν [B -έστρωσε] πλήθη  
12. 20. κατέστησεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν σπειρῶν  
— 27. ικαναί δι' ἐπὶ τῶν τοιχῶν καθεστῶτες  
— 30. Α τῶν ἐκεί καθεστῶτων [B κατοικούντων]  
Ἰουδαίων  
13. 3. οἰόμενος δὲ ἐπὶ τῆς ἀρχῆς κατασταθῆναι  
14. 5. B ἐν τίνι διαθείσει... καθεστήκασιν [A -κεν]  
οἱ Ἰ.  
— 13. καταστήσαι δὲ Ἄλκ. ἀρχιερέα  
15. 9. προθυμότερους αὐτοὺς κατέστησε  
III Ma. 1. 7. εὐθαρσείας τοὺς ὑποταγμένους κατέ-  
στησε  
2. 5. παράδειγμα τοῖς ἐπιγινόμενοις καταστήσας  
— 33. εὐελπίδες τε καθεστήκεισαν  
8. 5. ἄπασιν ἀνθρώποις εὐδόκῳ καθεστήκεισαν  
— 19. τὴν δὲ αὐτῶν εἰς ἡμᾶς δυσμένειαν ἔκδηλον  
καθιστάμενος  
— 21. μετόχους τῶν ἀεὶ ἱερῶν καταστήσαι  
— 26. τὰ πράγματα ἐν εὐσταθείᾳ... κατασταθῆ-  
σεσθαι  
4. 11. B ἀπλῆν [A ἀπλάτῃ] καθιστῶτι περιμέτρῳ  
καὶ... ἄγαν εὐκαιροτάτῃ καθιστῶτι  
— 18. B ὡς ἀδυνατῶν [A δυν.] καθεστῶτος πᾶσι  
τοῖς... στρατηγῶν  
5. 43. B ἔρμηνον τὸν πάντα χρόνον καταστήσειν [A  
αἰ.]  
— 51. αὐτοὺς ἤδη πρὸς πύλαις ᾄδον καθιστῶτας  
IV Ma. 1. 11. αἰτίαι κατέστησαν τοῦ καταλυθῆναι τὴν  
... τυραννίδα  
— 18. ΑΒ τῆς δὲ σοφίας ἰδέαι καθεστῶσι [B -ήκασι]  
4. 16. ἴδον τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ κατέστησεν ἀρχιερέα  
5. 25. B θεοῦ καθεστῶται [A -ιστ.] τὸν νόμον  
18. 23. καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας συμπαθοῦς  
[A -θούσης]  
15. 4. B τὰς μητέρας τῶν πατέρων [A ομ. τ. π.,  
B παδῶν] καθεστῶται συμπαθεστῶται  
17. 5. οὐκ οὕτω σελήνη... σεμνὴ κατέστηκεν  
— 5. ἔντιμος καθεστῆκας θεῷ  
[Aq. J. E. 52. 25: Ez. 7. 12: 82. 30: Mi. 5.  
5 (4).]  
[Sm. Ex. 7. 1: 18. 25: IV Ki. 28. 5: Ps. 81  
(82). 1: CA. 1. 6: J. E. 37 (44). 1: 52. 25.]  
[Th. Ps. 9. 21: DA. 2. 38: 6. 3.]  
[Al. Hb. 3. 19.]  
[Quint. IV Ki. 28. 5.]

## καθό.

Le. 9. 5†, 15†.  
I Es. 1. 50†.  
Si. 16. 20†.  
Ba. 1. 6†.  
II Ma. 4. 16†.

## καθοδηγεῖν.

(1) ἡγῶ hi. (2) ἡγῶ hi.

## (8) ἡγῶ pi.

Jb. 12. 23. καὶ καθοδηγῶν αὐτὰ (2)  
Je. 2. 6. ὁ καθοδηγῆσας ἡμᾶς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)  
Ez. 39. 2. καθοδηγήσω σε (8)  
[Aq. Jb. 12. 23: 38. 32: Ps. 80 (81). 4: 60  
(61). 3: 77 (78). 53. 72: Is. 57. 18.]  
[Th. Jb. 12. 23: Ps. 79 (80). 2.]

## καθοδήγησις.

[Th. Is. 38. 15.]

## κάθοδος.

(1) ΔΥΒ  
III Ki. 9. 25. Α ἀνεβίβασεν Σαλ. τρεῖς κ. (1)  
I Es. 2. 24. ΑΒ κάθοδος [B ἔξοδος] οὐκ ἐστὶ σοῖς ἔσται  
Ec. 6. 6. ἔζησε χιλίων ἐτῶν καθόδους (1)  
7. 23 (22). ΑΒΒ καθόδους πολλὰς [B¹ -ὰ]  
κακῶσαι καρδίαν [B -ία] σου (1)  
[Aq. Ex. 34. 24: Dt. 9. 19: 16. 16: I Ki. 8.  
10 bis: III Ki. 9. 25: 22. 16: Is. 41. 7.]

## καθόλου.

(1) τὸ κ. μὴ ἡγῶ hi  
Ex. 22. 11 (10). μὴ αὐτὸν πεποιηθῆναι καθόλου  
[A ἐφ' ὅλης] τῆς παρακαταθήκης —  
Am. 3. 3. εἰ πορεύσονται δύο ἐπὶ τὸ αὐτὸ καθόλου —  
— 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐτοῦ... καθόλου —  
Ez. 18. 3. καὶ τὸ κ. μὴ βλάψουσιν (1)  
— 22. τὸ κ. μὴ ἀποστρέψαι [A add. τὸν] ἀπὸ  
τῆς οδοῦ αὐτοῦ τῆς πονηρίας (1)

Ez. 17. 14. τὸ κ. μὴ ἐπαίρεσθαι (1)  
Da. LXX. 3. (50). οὐκ ἤψατο αὐτῶν κ. τὸ πῦρ  
Da. TH. 3. (50). οὐκ ἤψατο αὐτῶν τὸ κ. τὸ πῦρ  
[Aq., Sm. Ez. 18. 22.]

## καθομολογεῖν.

(1) ἡγῶ  
Ex. 21. 8. ἡ αὐτῇ καθομολογήσατο [A ἡν οὐ κ. αὐ.] (1)  
— 9. ἐὰν δὲ τῷ νιφὶ καθομολογήσῃται [A  
—σεται] αὐτὴν (1)  
[Aq., Sm., Th. Ex. 21. 8.]

## καθοπλίξειν.

(1) ἡγῶ  
Je. 26 (46). 9. Λίβους καθοπλισμένοι ὅπλοις (1)  
II Ma. 4. 40. καθοπλίσας ὁ Λυσ. πρὸς τρισχιλίους  
15. 11. B ἔκαστον [A -ος] δὲ αὐτῶν καθοπλίσας  
III Ma. 5. 23. τὰ θηρία καθοπλίσας ὁ Ἑρμων  
— 38. τοὺς ἐλέφαντας ἔτι καὶ νῦν καθοπλίσαν  
IV Ma. 3. 12. ΑΒ τὰς πανοπλίας [B παντευχίας]  
καθοπλίσαντο

4. 10. μετὰ καθοπλισμένης τῆς στρατίας  
7. 11. τῷ θυμιατηρίῳ καθοπλισμένους  
11. 22. καλοκαθάρθῃ καθοπλισμένους τεθνήξομαι  
13. 16. ΑΒ καθοπλισόμεθα... τῇ... παδοκρατείᾳ  
[B τὴν... π.]

## καθορᾶν.

(1) ἡγῶ  
Nu. 24. 2. καθορᾶν τὸν Ἰσραὴλ ἐστρατοπεδευκῶτα (1)  
Jb. 10. 4. ἡ ὥσπερ βροτὸς ὁρᾶ καθορᾶς —  
39. 26. ἰεραξ... καθορᾶν τὰ πρὸς νότον +  
III Ma. 3. 11. οὐ καθορᾶν τὸν τοῦ μεγίστου θεοῦ κράτος

## καθόρμιον.

(1) ἡγῶ  
Ho. 2. 13 (15). καὶ περιετίθετο τὰ ἐνώτια αὐτῆς  
καὶ τὰ κ. αὐτῆς (1)

## καθόσον, υἱδ. σὺδ κατὰ εἰ ὅσον.

## καθότι.

\* καθότι ἄν, καθότι ἑάν.  
Ge. 26. 29: 34. 12\*.  
Ex. 1. 12, 17: 10. 10: 12. 25: 21. 22\*: 34. 4†.  
Le. 14. 30: 24. 20\*: 25. 16\* bis: 27. 12 (ind.)\*.  
Nu. 12. 11: 38. 56.  
De. 1. 11, 19: 2. 14, 37: 6. 25†: 10. 9†: 12. 7:  
15. 8†, 10†: 16. 10† bis: 18. 2, 6, 18\*: 19. 21††:  
26. 14†: 30. 9: 31. 4, 5†: 34. 9.  
Jo. 1. 7, 18\*: 8. 7: 4. 8: 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)†:  
11. 9†, 23: 21. 42.  
Jd. 9. 28†.  
I Ki. 15. 33.  
II Ki. 20. 12.  
III Ki. 12. 12.  
IV Ki. 17. 26.  
I Ch. 10. 14†.  
I Es. 1. 50†.  
To. 1. 12†: 13. 4.  
Ju. 2. 13, 15: 8. 29: 10. 9.  
Ec. 2. 16: 7. 3 (2).  
Mi. 7. 20.  
Jl. 2. 32 (8. 5).  
Hg. 1. 12.  
Za. 7. 3: 10. 8.  
Ma. 4. 4 (8. 22).  
Is. 54. 9.  
Je. 42 (85). 18†: 49 (42). 2†.  
Ep. Je. 1.  
Ez. 37. 10†: 48. 22†.  
Da. LXX. 4. 19: 6. 3 (4), 22 (23): 9. 12.  
Da. TH. 2. 8, 10: 8. 29 (96).  
[Th. Jb. 39 (46). 12\*: DA. 2. 10.]  
[Al. Lz. 24. 23: I Ki. 28. 18.]

## καθότι.

\* καθότι ἄν, καθότι ἑάν.  
Ge. 26. 29: 34. 12\*.  
Ex. 1. 12, 17: 10. 10: 12. 25: 21. 22\*: 34. 4†.  
Le. 14. 30: 24. 20\*: 25. 16\* bis: 27. 12 (ind.)\*.  
Nu. 12. 11: 38. 56.  
De. 1. 11, 19: 2. 14, 37: 6. 25†: 10. 9†: 12. 7:  
15. 8†, 10†: 16. 10† bis: 18. 2, 6, 18\*: 19. 21††:  
26. 14†: 30. 9: 31. 4, 5†: 34. 9.  
Jo. 1. 7, 18\*: 8. 7: 4. 8: 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)†:  
11. 9†, 23: 21. 42.  
Jd. 9. 28†.  
I Ki. 15. 33.  
II Ki. 20. 12.  
III Ki. 12. 12.  
IV Ki. 17. 26.  
I Ch. 10. 14†.  
I Es. 1. 50†.  
To. 1. 12†: 13. 4.  
Ju. 2. 13, 15: 8. 29: 10. 9.  
Ec. 2. 16: 7. 3 (2).  
Mi. 7. 20.  
Jl. 2. 32 (8. 5).  
Hg. 1. 12.  
Za. 7. 3: 10. 8.  
Ma. 4. 4 (8. 22).  
Is. 54. 9.  
Je. 42 (85). 18†: 49 (42). 2†.  
Ep. Je. 1.  
Ez. 37. 10†: 48. 22†.  
Da. LXX. 4. 19: 6. 3 (4), 22 (23): 9. 12.  
Da. TH. 2. 8, 10: 8. 29 (96).  
[Th. Jb. 39 (46). 12\*: DA. 2. 10.]  
[Al. Lz. 24. 23: I Ki. 28. 18.]

## καθότι.

\* καθότι ἄν, καθότι ἑάν.  
Ge. 26. 29: 34. 12\*.  
Ex. 1. 12, 17: 10. 10: 12. 25: 21. 22\*: 34. 4†.  
Le. 14. 30: 24. 20\*: 25. 16\* bis: 27. 12 (ind.)\*.  
Nu. 12. 11: 38. 56.  
De. 1. 11, 19: 2. 14, 37: 6. 25†: 10. 9†: 12. 7:  
15. 8†, 10†: 16. 10† bis: 18. 2, 6, 18\*: 19. 21††:  
26. 14†: 30. 9: 31. 4, 5†: 34. 9.  
Jo. 1. 7, 18\*: 8. 7: 4. 8: 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)†:  
11. 9†, 23: 21. 42.  
Jd. 9. 28†.  
I Ki. 15. 33.  
II Ki. 20. 12.  
III Ki. 12. 12.  
IV Ki. 17. 26.  
I Ch. 10. 14†.  
I Es. 1. 50†.  
To. 1. 12†: 13. 4.  
Ju. 2. 13, 15: 8. 29: 10. 9.  
Ec. 2. 16: 7. 3 (2).  
Mi. 7. 20.  
Jl. 2. 32 (8. 5).  
Hg. 1. 12.  
Za. 7. 3: 10. 8.  
Ma. 4. 4 (8. 22).  
Is. 54. 9.  
Je. 42 (85). 18†: 49 (42). 2†.  
Ep. Je. 1.  
Ez. 37. 10†: 48. 22†.  
Da. LXX. 4. 19: 6. 3 (4), 22 (23): 9. 12.  
Da. TH. 2. 8, 10: 8. 29 (96).  
[Th. Jb. 39 (46). 12\*: DA. 2. 10.]  
[Al. Lz. 24. 23: I Ki. 28. 18.]

## καθότι.

\* καθότι ἄν, καθότι ἑάν.  
Ge. 26. 29: 34. 12\*.  
Ex. 1. 12, 17: 10. 10: 12. 25: 21. 22\*: 34. 4†.  
Le. 14. 30: 24. 20\*: 25. 16\* bis: 27. 12 (ind.)\*.  
Nu. 12. 11: 38. 56.  
De. 1. 11, 19: 2. 14, 37: 6. 25†: 10. 9†: 12. 7:  
15. 8†, 10†: 16. 10† bis: 18. 2, 6, 18\*: 19. 21††:  
26. 14†: 30. 9: 31. 4, 5†: 34. 9.  
Jo. 1. 7, 18\*: 8. 7: 4. 8: 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)†:  
11. 9†, 23: 21. 42.  
Jd. 9. 28†.  
I Ki. 15. 33.  
II Ki. 20. 12.  
III Ki. 12. 12.  
IV Ki. 17. 26.  
I Ch. 10. 14†.  
I Es. 1. 50†.  
To. 1. 12†: 13. 4.  
Ju. 2. 13, 15: 8. 29: 10. 9.  
Ec. 2. 16: 7. 3 (2).  
Mi. 7. 20.  
Jl. 2. 32 (8. 5).  
Hg. 1. 12.  
Za. 7. 3: 10. 8.  
Ma. 4. 4 (8. 22).  
Is. 54. 9.  
Je. 42 (85). 18†: 49 (42). 2†.  
Ep. Je. 1.  
Ez. 37. 10†: 48. 22†.  
Da. LXX. 4. 19: 6. 3 (4), 22 (23): 9. 12.  
Da. TH. 2. 8, 10: 8. 29 (96).  
[Th. Jb. 39 (46). 12\*: DA. 2. 10.]  
[Al. Lz. 24. 23: I Ki. 28. 18.]

καθυποῦν. (1) ἡγῶ  
Pr. 24. 48 (33). ὀλίγον δὲ καθυποῶ (1)  
καθυστερεῖν. (1) ἡγῶ pi. (2) c. neg.

## ἡγῶ pi.

Ex. 22. 29 (28). ἀπαρχὰς δλωνος... οὐ καθυ-  
στερήσεις (1)  
I Ch. 26. 27. τοῦ μὴ καθυστερήσαι τὴν οἰκοδομήν (2)  
Si. 16. 13. οὐ μὴ καθυστερήσει [B -ση] ὑπομονήν  
[A B -ή] εὐσεβοῦς  
37. 20. οὗτος πάσης τροφῆς [B¹ σοφίας] καθυ-  
στερήσει

## καθυφαίνειν.

(1) ἡγῶ pi.  
Ex. 28. 17. καθυφανεῖς ἐν αὐτῷ ὕψωμα (1)  
Ju. 10. 21. ὁ ἦν ἐκ... λίθων πολυτελῶν καθυφα-  
νίων [B -ον]

## καθώς.

\* καθὼς ἄν, καθὼς ἑάν.  
Ge. 8. 21: 18. 5: 41. 13: 44. 2: 50. 12†.  
Ex. 16. 24†: 34. 1.  
Le. 9. 5†.  
Nu. 8. 22†: 21. 34: 26. 54.  
De. 2. 29: 4. 38: 11. 21: 13. 17 (18)†: 16. 10†:  
26. 19: 31. 4†.  
Jd. 1. 7, 20†: 2. 15 bis: 5. 27†, 31†: 6. 5†, 36†,  
37†: 7. 17†: 8. 2, 3†, 33†: 9. 16†: 13. 23:  
16. 20†, 22†: 20. 30†, 31†, 32†, 39†.  
Ru. 1. 8.  
I Ki. 4. 9†: 20. 3, 13, 35: 28. 11: 24. 14, 20:  
25. 26: 26. 20, 24: 28. 17: 29. 9†.  
II Ki. 3. 9: 5. 25: 6. 20: 7. 10, 15, 25, 25†:  
9. 11: 14. 17, 20: 17. 10: 19. 3 (4).  
III Ki. 1. 30, 37: 2. 24, 31: 8. 6: 5. 5 (19), 6  
(20), 7 (21), 12 (26): 8. 20, 25, 39\*, 43, 53, 57:  
9. 2, 4, 5: 10. 7: 11. 4, 38 bis: 12. 24† bis:  
13. 6, 18: 14. 10†: 15. 13: 16. 7†: 19. 2: 20  
(21). 11†: 21 (20), 4, 34: 22. 5 ter.  
IV Ki. 2. 19: 7. 17†, 18†: 8. 18, 19, 27: 10. 15:  
13. 5: 14. 6: 17. 11, 23: 21. 3, 13, 20: 23. 21,  
27.  
I Ch. 14. 16: 17. 9, 24†: 24. 31 bis: 26. 12.  
II Ch. 6. 10: 14. 7 (6): 21. 19: 23. 3, 18†: 24.  
9: 25. 4: 30. 7 bis: 31. 13: 35. 19.  
I Es. 3. 9: 6. 30\*.  
Ne. 5. 6, 12: 6. 1.  
To. 1. 6, 8†: 2. 6†: 4. 19†: 6. 14†: 8. 16: 14. 5.  
Ju. 2. 1: 8. 2†: 6. 2: 7. 11, 16†: 8. 27.  
Es. 2. 20: 6. 10†: 9. 23, 24†.  
Jb. 6. 17: 10. 4: 42. 9.  
Ps. 38 (39). 12: 77 (78). 57: 102 (103). 13.  
Ec. 5. 3\*†, 14: 7. 1 (6. 12)†: 8. 4†, 7: 9. 2.  
Si. 7. 28, 31: 14. 11\*: 27. 18: 30. 37 (88. 28):  
36 (38). 16: 43. 31.  
Ho. 2. 3 (5): 3. 1: 4. 9: 7. 12\*, 12: 9. 1: 10.  
5: 11. 2: 12. 9 (10).  
Am. 2. 9: 4. 11: 9. 11.  
Mi. 7. 14.  
Jl. 2. 23.  
Ob. 1. 16.  
Jn. 3. 3†.  
Na. 2. 2 (3), 7 (8).  
Hb. 2. 5.  
Hg. 2. 4 (3).  
Za. 1. 4, 6: 12. 7: 14. 3, 5† bis.  
Ma. 3. 4 bis.  
Je. 2. 36: 7. 14, 15: 11. 5†: 12. 16: 13. 5, 21†:  
17. 22: 18. 4, 6: 19. 11, 13: 20. 11: 27 (50).  
15, 18, 40: 81 (48). 8: 83 (28). 11: 40 (33).  
7†: 49 (42). 2†, 18.  
La. 5. 21.  
Ez. 1. 16 (opt.)\*: 2. 8: 3. 23 bis: 9. 11†: 16. 7,  
44, 50, 55, 55†, 55, 59: 22. 20: 24. 18†: 37. 7,  
10†: 40. 22, 25: 42. 6: 43. 22†: 45. 25 quater:  
46. 7\*, 11\*: 47. 3, 14: 48. 8.  
Da. LXX. Su. 42. 61: 1. 13\*: 3. (30): 4. 34: 6.  
10 (11), 12 (13): 11. 3\*.  
Da. TH. Su. 15, 18: 1. 13\*: 2. 43: 3. (30): 6.  
10 (11): 9. 13.  
I Ma. 2. 26, 41†: 4. 6†: 6. 7†, 8: 10. 37†, 56,  
58, 64, 81: 11. 26: 12. 46.  
II Ma. 1. 29, 31: 2. 10, 18: 6. 2: 10. 26: 11. 3:  
15. 21 (opt.)\*†.  
III Ma. 3. 20: 4. 11: 6. 15, 35: 7. 2.

[Aq. II Ki. 7. 15: III Ki. 14. 10: Jk. 44 (51). 23: Ez. 16. 50.]  
[Sma. II Ki. 7. 15: III Ki. 18. 28: Jb. 29. 25: Is. 30. 19\*: Jk. 44 (51). 23: Ez. 16. 50: Ho. 10. 14: Am. 1. 3.]  
[Th. Jd. 6. 31: II Ki. 7. 15: 12. 8: III Ki. 18. 28: Jb. 10. 4: 42. 8: Is. 59. 18: Jk. 44 (51). 23: 46 (26). 26: Ez. 16. 50: 35. 15.]  
[Al. Ex. 18. 11: Dt. 1. 10: Is. 25. 11 (opt.).]

καί, *passim*.

καίγε, *vid. sub γε*.

καιδδ.

[Th. Ez. 27. 19.]

καίειν. (1) לָהֵךְ (2) נָשָׂא a. qal. δ. pi.

c. hi. (8) a. לָהֵךְ δ. לָהֵךְ (4) נָשָׂא a. qal.

δ. hi. (5) נָשָׂא a. qal. δ. ho. c. תִּירָה

d. תִּירָה (6) תִּירָה (7) תִּירָה (8) תִּירָה hi.

(9) תִּירָה hi. (10) תִּירָה (11) תִּירָה

(12) תִּירָה a. qal. δ. ni. (13) תִּירָה

Ex. 3. 2. ο βάτος καίεται πυρί (2 a)  
27. 10. θλαίων ... εἰς φῶς καύσαι [A om.] —  
— 20. ἵνα καίται λύχνος διὰ παντός (6)  
— 21. καύσει αὐτό [A -ον] Ἀαρών (10)  
35. 3. οὐ καύσετε πῦρ ἐν πόσῃ κατοικίᾳ ὑμῶν  
Le. 4. 12. ἐπὶ τῆς ἐκχύσεως τῆς σποδίας καυθή-  
σεται (12 b)

6. 9 (2). τὸ πῦρ τοῦ θυσιαστηρίου καυθήσεται

ἐπ' αὐτοῦ (5 b)

— 12 (5). πῦρ ἐπὶ τῷ θυσιαστ. καυθήσεται (5 b)

— 12 (5). καύσει ὁ ἱερεὺς ἐπ' αὐτὸ ξύλα (2 b)

— 13 (6). πῦρ διὰ παντός καυθήσεται (5 b)

13. 56. Ἀ μετὰ τὸ καυθῆναι αὐτὸν [B πλυθῆναι

αὐτό] +

24. 2. καύσαι λύχνον διὰ παντός (9)

— 3. καύσουσιν αὐτό [B' -ον] Ἀαρών καὶ οἱ

υἱοὶ αὐτοῦ (10)

— 4. καύσετε τοὺς λύχνους (10)

De. 4. 11: 5. 23 (20). τὸ ὅρος ἐκαίει πυρί (2 a)

7. 25. τὰ γλυπτὰ ... καύσετε [A κατακ.] (12 a)

9. 15. τὸ ὅρος ἐκαίει πυρί (2 a)

32. 22. καυθήσεται ὥς ἄστυ κάτω (5 a)

Jd. 15. 5. ἐκάσαν ἀπὸ ἄλκων [A al.] (2 c)

II Ki. 23. 7. καὶ ἐν πυρὶ καύσει (12 a)

— 7. Α καυθήσεται [B -σονται, B θήσονται]

αἰσχύνει αὐτὸν (12 b)

III Ki. 18. 2. Β ὅσα ἄνθρωπον καύσει ἐπὶ

σέ (12 a)

Ne. 4. 2 (3. 34). Β μετὰ τὸ χῶμα γενίσθαι γῆς

καυθίνας (12 a)

To. 14. 4. Β καὶ καυθήσεται [A B al.]

Jb. 15. 34. πῦρ δὲ καύσει [A κατακ.] οἴκους δω-

ροδεκτῶν (1)

31. 12. πῦρ γὰρ ἐστὶ καίμενον ἐπὶ [A ἐκ]

πάντων τῶν μερῶν (1)

41. 10 (11). ἐκπορεύονται λαμπάδες καίμεναι

— 11 (12). καπνὸς καίμενος καίμενος πυρὶ [A

φλογί] ἀνθρώκων (7 ?)

Ps. 7. 13. τὰ βέλη αὐ. τοῖς καίειν, ἐξεργάσατο (3 a)

49 (50). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ καυθήσεται (1)

Si. 23. 16. ψυχὴ θερμὴ ὡς πῦρ καίμενον

28. 22. ἐν τῇ φλογὶ αὐ. οὐ [A B οὐ μὴ] καίονται

40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καίεται

48. 1. ὁ λόγος αὐτοῦ ὡς λαμπρὸς ἐκαίει

Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καίμενος εἰς πέψιν κατα-

καίματος (2 a)

— 7. ὡς κλίβανος [A add. πυρὸς καίμενον] —

Ma. 4. 1 (3. 19). ἔρχεται καίμενη ὡς κλίβανος (2 a)

Is. 4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτὸς πυρὸς καίμενον

νυκτὸς (6)

5. 24. καυθήσεται καλὰ ὑπὸ ἀνθρώκων πυρὸς

9. 18 (17). καυθήσεται ὡς πῦρ ἡ ἀνομία ...

καυθήσεται ἐν τοῖς ἄσπεσι τοῦ θρυ-

μου (2 a, 4 a)

10. 16. εἰς τὴν σὴν δόξαν πῦρ καίμενον καυ-

θήσεται (5 a, 5 c)

— 17. ἀγάσει αὐτὸν ἐν πυρὶ καίμενῳ (2 a)

— 18. ἔσται ὁ φεγγὺς ὁ δ' φεγγὺς ἀπὸ φλο-

γὸς καίμενης +

30. 27. τὸ ὄνομα κυρίου ἔρχεται ... καίμενος

θυμὸς (2 a)

Is. 30. 33. ὡς φάραγξ ὑπὸ θεοῦ καίμενη (2 a)

33. 14. πῦρ καίεται [B' al.] (1)

34. 9. ἔσται ἡ γῆ αὐτῆς ὡς πίσσα καίμενη (2 a)

44. 15. καύσαντες ἔπεσαν ἄρτους ἐπ' αὐτῶν

— 16. Α S' καύσαντες ἔπεσαν ἄρτους ἐπ' αὐ-

τῶν [B S' al.] —

50. 11. ἰδοὺ πάντες ὑμεῖς πῦρ καίετε (11)

62. 1. τὸ δὲ σωτήριόν μου ὡς λαμπὰς καυθή-

σεται (2 a)

65. 5. Α S' B πῦρ καίεται [B S' -τε] ἐν αὐτῷ

πάσας τὰς ἡμέρας (5 a)

Je. 7. 18. οἱ πατέρες αὐτῶν καίονσι πῦρ

— 20. καυθήσεται [B ἐκκ.] καὶ οὐ σβεσθή-

σεται (2 a)

15. 14. ἐφ' ὑμᾶς καυθήσεται (5 b)

20. 9. ἐγένετο ὡς πῦρ καίμενον φλέγον ἐν τοῖς

ὄσμοις τοῦ (2 a)

21. 12. καυθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 a)

30 (49). 27. καύσω πῦρ ἐν τείχει Δαμασκού (4 b)

39 (82). 29. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρὶ

καὶ κατακαύσουσι [A καύσουσιν]

τὰς οἰκίας [B' τὴν οἰκ.] (4 b, 12 a)

41 (84). 2. καύσει αὐτὸν ἐν πυρὶ (12 a)

43 (86). 27. Α S μετὰ τὸ καύσαι [B κατακ.]

τὸν βασιλεῖα τὸ χαρτίον (12 a)

44 (87). 8. Α B καύσουσιν αὐτὴν ἐν [B S om.]

πυρὶ (12 a)

— 10. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρὶ (12 a)

45 (88). 18. καύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρὶ (12 a)

50 (43). 12. καύσει πῦρ ἐν οἰκίαις (4 b)

Ep. Je. 19. λύχνους καίονσι

— 21. Α ἀπὸ τοῦ καπνοῦ τοῦ ἐκ τῆς γῆς καίμενον

[B τὴν οἰκίαν]

Ez. 1. 13. ἐν μέσῳ τῶν [φω]ν ὄρασις ὡς [A om.]

ἀνθρώκων πυρὸς καίμενον (2 a)

39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὄπλοις (2 b + 8)

— 9. καύσουσιν ἐν αὐτοῖς πῦρ ἐπὶ τῇ γῇ (2 b)

Da. LXX. 3. 6, 11, 15. τὴν κάμνον τοῦ πυρὸς

τὴν καίμενην (5 d)

— 17. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καίμενης (5 d)

— 19. ἐπέταξε κοῦρην τὴν κάμνον ἐπαπλῆσαι

παρ' ὃ ἐβει αὐτὴν καῖνα (13, 13)

— 20, 21. τὴν κάμνον τοῦ πυρὸς τὴν καιο-

μένην (5 d)

— (46). οὐ διελέπον ... καίοντες τὴν κάμνον

— (88). ἐκ μέσου καίμενης φλογός [A al.]

— 26 (93). τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιο-

μένης (5 d)

7. 9. τροχοὶ αὐτοῦ πῦρ καίμενον (5 d)

Da. TH. 3. 6, 11, 15. τὴν κάμνον τοῦ πυρὸς

τὴν καίμενην (5 d)

— 17. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καίμενης (5 d)

— 20. τὴν κάμνον τοῦ πυρὸς τῆς καίμενης (5 d)

— 21. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καίμενης (5 d)

— 23. τῆς καμίνου [A κ. τοῦ πυρὸς] τῆς καιο-

μένης (5 d)

— (46). οὐ διελέπον ... καίοντες τὴν κάμνον

— (88). ἐκ μέσου καμίνου καίμενης φλογός [A al.]

— 26 (93). τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιο-

μένης (5 d)

I Ma. 12. 29. ἔβλεπον γὰρ τὰ φῶτα καίμενα

IV Ma. 6. 26. S μέχρι τῶν ὁστέων ἤδη κεκαυμένους

[A B κατακ.]

13. 9. S οἱ τῆς ἰσοπολιτεῖδος καίμενης [A B ἰσο-

παλίδος καμίνου] κατεφρόνησαν

[Aq. Pr. 26. 23: Is. 43. 2.]

[Sma. Ps. 7. 14.]

[Th. Pr. 16. 27: 26. 23: Da. 8. 21, 23, (46).]

[Al. Le. 10. 16: Dt. 8. 15: I Ki. 2. 15: II

Ch. 16. 14.]

[Hob. Ez. 20. 47 (21. 3).]

καινίζειν. (1) שָׁחַר pi.

Wi. 7. 27. μενοῦσα ἐν αὐτῇ τὰ πάντα καινίζει

Si. 28. 28. φωνὴ σφύρης καινίζει [A καινίει] τὸ οὖς

αὐτοῦ

Ze. 3. 17. καὶ καινίσει σε ἐν τῇ ἀγαπήσει αὐτοῦ +

Is. 61. 4. καινοῖσι πόλεις ἔρημους [B' αἰώνιους] (1)

I Ma. 10. 10. καὶ καινίζει τὴν πόλιν

II Ma. 4. 11. παρακαλῶντες ἐθισμένους ἐκαίνιζεν

καινοποιεῖν.

[Sma. Is. 61. 4.]

καινός (κενός). (1) קָדַם (2) שָׁחַר

De. 20. 5. ὁ οὐλοδομήσας οἰκίαν κ. (2)

22. 8. ἐὰν οὐλοδομήσας οἰκίαν κ. (2)

De. 32. 17. ΑB καινοὶ καὶ [B om.] πρόσφατοι

ἤκασιν (2)

— 47. Α οὐκ ἔστι λόγος κ. [B κενός] οὗτος ὑμῶν +

Jo. 9. 13. οὗς ἐπληρώσαμεν καινοὺς (2)

Jd. 5. 8. ἐξελέξαντο [A ἡρέτισαν] θεοὺς κ. (2)

15. 13. ἐν δυσὶ [A δύο] καλωδίοις κ. (2)

16. 11. ἐν [A add. ἐπὶ] καλωδίοις κ. [A om.] (2)

— 12. ἔλαβε Δαλιδὰ καλῶδια [A αὐτῷ Δ.] κ. (2)

I Ki. 6. 7. ποιήσατε ἄμαζαν κ. (2)

28. 15. ἐν τῇ κ. Ζιφ [B' add. τῇ κ., A al.] +, +

— 16. ἐπορεύθη πρὸς Δ. εἰς Καινὴν +

— 18. ἐκάθητο Δ. ἐν Καινῇ +

— 19. οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ ἐκέρυπται ... ἐν τῇ Κ. +

II Ki. 6. 3. ἐπεβίβασεν ... ἐφ' ἄμαζαν κ. [A κενὴν] (2)

— 3. Α ἔργον τὴν ἄμαζαν τὴν κ. [B om. τ. κ.] (2)

III Ki. 11. 29. περιβεβλημένος ἱματίον κ. (2)

— 30. ἐπελάβετο Α. τοῦ ἱματίου αὐτοῦ τοῦ κ. (2)

12. 24. Β λάβε σενιτῶν ἱματίων κ. —

IV Ki. 2. 20. λάβετέ μοι ὑδρίσκην κ. (2)

I Ch. 18. 7. ἐπέθηκεν τὴν κιστῶν ... ἐπὶ ἄ-

μαζαν κ. (2)

II Ch. 20. 5. κατὰ πρόσωπον τῆς αὐλῆς τῆς κ. (2)

I Es. 6. 9. οὐκον ... κ. διὰ λίθων ἐνυπνῶν

— 25. καὶ δόμου ἐνυπνῶν ἐγχαυρίον κ. ἐνός

Ju. 16. 2. ΑB ἐναρμόσασθε αὐτῷ ψαλμὸν κ. [B S

καὶ αἶνον]

— 13. ὑμνήσω τῷ θεῷ μου [A τ. κυρίῳ] ὕμνον κ.

Jb. 6. 6. Α S εἰ δὲ καὶ ἔστι γεῖμα ἐν ῥήμασι

κ. [B κενός] +

7. 3. Α S ὑπέμεινα μῆρας κ. [B κενός] +

— 6. S ἀπόλωλε δὲ ἐν κ. [A B κενῇ] ἐλπίδι +

— 16. Α S καινός [B κενός] γὰρ μου ὁ βίος +

20. 18. S εἰς καινὰ [A B κενὰ] καὶ μάταια

ἐκοπίασε +

33. 21. S ἀποδείξῃ τὰ ὁστά αὐ. κ. [A B κενὰ] +

Ps. 32 (33). 3. ἤσπασε αὐτῷ ἄσμα καινόν (2)

39 (40). 3. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στόμα μου ἄσμα κ. (2)

95 (96). 1: 97 (98). 1. ἤσπασε τῷ κυρίῳ ἄσμα κ. (2)

143 (144). 9. φῶν καινὴν ἄσμα σοι (2)

149. 1. ἤσπασε τῷ κυρίῳ ἄσμα καινόν (2)

καίπερ. Pr. 6. 8. Wi. 11. 9. Jn. 1. 13†. II Ma. 4. 34. III Ma. 4. 18 : 5. 32. IV Ma. 3. 10, 15† : 4. 13 : 12. 2 : 13. 27 : 15. 11, 24 : 16. 5. [Aq. Lx. 26. 39 : IV Ki. 2. 14 : 10. 10 : Ps. 48 (44). 10 : 67 (68). 19 : Pr. 21. 27.] [Bm. Ec. 4. 14.]	De. 16. 6. ἐν τῷ κ. φ' ἐξήλθες ἐξ [A ἐκ γῆς] Αἴγ. (4) — 16. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ (9) 28. 12. δοῦναι τὸν ὑετὸν τῇ γῇ σου ἐπὶ καιροῦ (8) 31. 10. ἐν καιρῷ ἐνιαυτοῦ ἀφίσσεται (4) 32. 35. Δ ἐν καιρῷ [B om. ἐν κ.] ὅταν σφαλῇ ὁ πούς αὐτῶν (8) Jo. 5. 2. ὑπὸ δὲ τούτων τὸν κ. (8) 11. 10, 21. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) Jd. 8. 29. Δ ἐν τῷ κ. ἐκ. [B τῇ ἡμέρᾳ ἐκ.] (8) 4. 4. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 10. 8. ἐν τῷ κ. [A ἐνιαυτῷ] ἐκείνῳ (18) — 14. ἐν καιρῷ θλίψεως ὑμῶν (8) 11. 26. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 12. 6. ἐν [A om.] τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 12. 23. καθὼς καιρὸς [A ὁ κ.] (8) 14. 4 : 21. 14. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 21. 22. Δ κατὰ τὸν κ. [B ὡς κληρὸς] πλημ- μελήσατε (8) — 24. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) I Ki. 1. 20. καὶ ἐγενήθη τῷ [A ἐν τῷ] κ. τῶν ἡμερῶν (16) 4. 20. ἐν τῷ κ. αὐτῆς ἀποθνήσκει (8) 9. 16. ὡς ὁ κ. (8) 18. 19. Δ ἐν τῷ κ. τοῦ δοθῆναι τὴν M. (8) 20. 12. ὡς ἂν ὁ κ. τριῶσθαι (8) II Ki. 11. 1. εἰς τὸν κ. τῆς ἐξοδίας τῶν βασιλ. (8) 20. 5. ἐχρόνισαν ἀπὸ τοῦ κ. (8) 23. 5. διαθήκην . . . ἐν παντὶ κ. πεφυλαγμένην (8) III Ki. 11. 4. ἐν καιρῷ γήρους Σαλ. (8) 14. 1. Δ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 15. 23. ἐν τῷ κ. τοῦ γήρους αὐτοῦ (8) 16. 22. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 18. 29. ὡς ὁ κ. τοῦ ἀναβῆναι τὴν θυσίαν (8) IV Ki. 4. 16, 17. εἰς τὸν κ. τούτων ὡς ἡ ὥρα (4) 8. 22 : 18. 6 : 18. 16 : 20. 12 : 24. 10. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) I Ch. 9. 25. κατὰ ἐπτά ἡμέρας ἀπὸ καιροῦ εἰς καιρὸν (8, 8) 11. 11. ἐπὶ τριακοσίους τραυματίας ἐν κ. ἐνί (9) — 20. ἐπὶ τριακοσίους [A ἐξακοσ.] τραυματίας ἐν κ. ἐνί (8) 12. 32. γινώσκοντες σύμειναι εἰς τοὺς κ. (8) 21. 28, 29. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 29. 30. Δ B καὶ οἱ κ. [B om. κ. οἱ κ.] οἱ ἐγί- νοντο ἐπ' αὐτῷ (8) II Ch. 7. 2. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) — 8. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 8. 13. τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ (9) 15. 5. ἐν ἐκείνῳ τῷ κ. (8) 16. 7, 10 : 21. 10. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 21. 19. ἤλθε καιρὸς [A ὁ κ.] τῶν ἡμερῶν (8+11) 25. 27. ἐν τῷ κ. φ' ἀπείσθη Ἀμ. ἀπὸ κυρίου (8) 28. 16 : 30. 3. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 35. 17. ἐν [B om.] τῷ κ. ἐκείνῳ (8) I Es. 1. 19. οἱ εὐφρανόντες ἐν τῷ κ. τούτῳ (8) 6. 50. ἀνέφερον θυσίαν κατὰ τὸν κ. (8) 8. 79. ἐν τῷ κ. τῆς δουλείας ἡμῶν (8) II Es. 5. 3. ἐν αὐτῷ τῷ κ. (2) 8. 35 (34). ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 10. 13. Δ B B καὶ ὁ κ. [B τόπος] χειμερινός (8) — 14. ἐλθόντων εἰς καιροὺς (8) Ne. 4. 22 (16). ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) 6. 1. ὥς τοῦ κ. [B' λαοῦ] ἐκείνου (8) 9. 27. ἐν καιρῷ θλίψεως αὐτῶν (8) 10. 34 (35). Δ B B εἰς καιροὺς ἀπὸ [B om.] χρόνων (8) 12. 17. B' τῷ Bek. ἐν καιροῖς (8) 18. 21. ἀπὸ τοῦ κ. ἐκείνου (4) — 31. ἐν καιροῖς ἀπὸ χρόνων (8) To. 8. 11, 16. B ἐν αὐτῷ τῷ κ. (8) — 17. ἐν αὐτῷ [B ἐκείνῳ] τῷ κ. (8) 4. 19. Δ B ἐν παντὶ κ. εὐλόγει κύριον τὸν θεόν (8) 14. 4. B πάντα συμβήσεται τοῖς κ. αὐτῶν [A B al.] (8) — 4. ἐν δὲ τῇ Μηδίᾳ ἔσται εἰρήνη μᾶλλον ἔως καιροῦ [A al.] (8) — 5. ὥς πληρωθῶσι καιροὶ τοῦ αἰῶνος [A B al.] (8) — 7. B καὶ εὐλογῶν τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν παντὶ κ. (8) Ju. 12. 16. ἐτήρει καιρὸν τοῦ σπατήσαι αὐτὴν (8) 13. 5. νῦν καιρὸς ἀνταβέσθαι τῆς κληρονομίας σου (8) 16. 21. ἐγένετο κατὰ τὸν κ. αὐτῆς ἔνδοξος (8) Es. 2. 12. οὕτως δὲ ἦν [A καὶ ὅταν ᾖ] καιρὸς (14) — 12. Δ ὅταν ἀναπληρωθῇ καιρὸς κοράσια [B B al.] (8) 4. 14. ἐν τούτῳ τῷ κ. (8) — 14. εἰς τὸν κ. τούτων ἐβασίλευσας (8)	Es. 4. 17. γνώσθητι ἐν καιρῷ θλίψεως ἡμῶν (8) 8. 9. B' ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8) — 13. τοὺς ἐν καιρῷ θλίψεως ἐπιθεμένους (8) 10. 3. B εἰς ὅραν καὶ καιρὸν [A B' B κληρὸν] (8) Jb. 5. 26. ὥσπερ σίτος ὥριμος κατὰ καιρὸν θερι- ζόμενος (8) 19. 4. τὰ δὲ ῥήματά μου πλανᾶται καὶ οὐκ ἐπὶ καιροῦ (8) 28. 3. Δ καιρὸν πέρας αὐτοῦ ἐξακριβάζεται [B B al.] (8) 38. 32. ἡ διανοίξεις μαζουρῶν ἐν καιρῷ αὐτοῦ (8) 39. 1. εἰ ἔγνωσας καιρὸν τοκετοῦ τραγελᾶφω (8) — 18. κατὰ καιρὸν [A -ὦν] ἐν ὕψει ὑψώσει [B al.] (8) Ps. 1. 3. δὲ τὸν καρπὸν αὐ. δώσει ἐν καιρῷ αὐ. (8) 9. 26 (10. 5). βεβηλοῦνται αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ (8) 20 (21). 9. εἰς καιρὸν τοῦ προσώπου σου (8) 31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σέ πᾶς δούλος ἐν καιρῷ εὐδότη (8) 33 (34). 1. εὐλογῶν τὸν κύριον ἐν παντὶ κ. (8) 36 (37). 19. οὐ κατασχυνθήσονται ἐν καιρῷ πονηρῷ (8) — 39. ὑπερασπιστὴς αὐτῶν ἔστιν [B' om.] ἐν καιρῷ θλίψεως (8) 68 (69). 13. ἐγὼ δὲ τῇ προσευχῇ μου πρὸς σέ, κύριε, καιρὸς εὐδοκίας (8) 70 (71). 9. μὴ ἀπορρίψης με εἰς καιρὸν γήρους (8) 74 (75). 2. ὅταν λάβω καιρὸν (4) 80 (81). 15. ἔσται ὁ κ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα (8) 101 (102). 13. ὅτι καιρὸς τοῦ οὐκ εἰσέλθαι αὐ- τὴν ὅτι ἦκει καιρὸς (8, 4) 103 (104). 19. ἐποίησε τελέην ἐν καιροῖς (4) — 27. Δ δοῦναι τὴν τροφήν αὐτῶν εἰς καιρὸν [B B al.] (8) 105 (106). 3. ποιούντες δικαιοσύνην ἐν παντὶ κ. (8) 118 (119). 20. τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρίματά σου ἐν παντὶ κ. [B' al.] (8) — 126. καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κυρίῳ (8) Pr. 5. 3. ἡ πρὸς καιρὸν λιπαίνει σὸν φάρυγγα (8) — 14. ἐγενόμην ἐν παντὶ κακῷ [B' καιρῷ] (8) — 19. συνίστω σοι ἐν παντὶ καιρῷ (8) 6. 14. τεκταίνεται κακὰ ἐν παντὶ καιρῷ (8) 8. 30. εὐφρανόμεν ἐν προσώπῳ αὐ. ἐν παντὶ κ. (8) 17. 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος ὑπαρχέτω σοι (8) 18. 1. ἐν παντὶ δὲ καιρῷ ἐπινειδίστες ἔσται (15?) Ec. 3. 1. καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι ὑπὸ τὸν οὐρανόν [B' ἡλίον] (8) — 2. καιρὸς τοῦ τεκεῖν καὶ καιρὸς τοῦ ἀποθα- νεῖν καιρὸς τοῦ φυτεῖσαι καὶ καιρὸς τοῦ ἐκτελεῖν (8 quater) — 3. καιρὸς τοῦ ἀποκτεῖναι καὶ καιρὸς τοῦ λίσσασθαι καιρὸς τοῦ καθελεῖν καὶ καιρὸς τοῦ οἰκοδομεῖν [A B -ἦσαι] (8 quater) — 4. καιρὸς τοῦ κλαῦσαι καὶ καιρὸς τοῦ γε- λᾶσαι καιρὸς τοῦ κῆνυσθαι καὶ και- ρὸς τοῦ ὀρχήσασθαι (8 quater) — 5. καιρὸς τοῦ βαλεῖν λίθους καὶ καιρὸς τοῦ συναγαγεῖν λίθους καιρὸς τοῦ περι- λαβεῖν καὶ καιρὸς τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περιλήψεως [A -λήμματος] (8 quater) — 6. καιρὸς τοῦ ζητῆσαι καὶ καιρὸς τοῦ ἀπο- λέσαι καιρὸς τοῦ φυλάξαι καὶ και- ρὸς τοῦ ἐκβαλεῖν (8 quater) — 7. καιρὸς τοῦ ῥῆξαι καὶ καιρὸς τοῦ ῥάψαι καιρὸς τοῦ σιγᾶν καὶ καιρὸς τοῦ λα- λεῖν (8 quater) — 8. καιρὸς τοῦ φιλεῖν καὶ καιρὸς τοῦ μισῆ- σαι καιρὸς πολέμου καὶ καιρὸς εἰρή- νης (8 quater) — 11. δ [B' om.] ἐποίησε καλὰ ἐν καιρῷ [B' ἐνώπιον] αὐτοῦ (8) — 17. καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι (8) 7. 18 (17). ἵνα μὴ ἀποθάνῃς ἐν οὐ καιρῷ σου (8) 8. 5. καιρὸν κρίσεως γνώσκει καρδιά σοφοῦ (8) — 6. παντὶ πράγματι ἔστι καιρὸς καὶ κρίσις (8) 9. 8. ἐν παντὶ κ. ἐστῶσαν ἱμῆτά σου λευκά (8) — 11. καιρὸς καὶ ἀπάντημα συναντήσεται σύμ- πασιν [A B τοῖς πᾶσιν] αὐτοῖς (8) — 12. οὐκ ἔγνω ὁ ἀνθρώπος τὸν κ. αὐτοῦ (8) — 12. παγιδεύονται οἱ υἱοὶ τοῦ ἀνθρώπου εἰς κ. πονηρῶν (8) 10. 17. οἱ ἄρχοντες σου πρὸς καιρὸν φέγονται (8) Ca. 2. 12. καιρὸς τῆς τομῆς ἐφάκει [B -ασει] (8) Wi. 2. 5. Δ B' B σκιάς γὰρ παρόδος ὁ καιρὸς [A' B' B βίος] ἡμῶν (8)
--	--	--

Wi. 3. 7. **ἐν καιρῷ** ἐπισκοπῆς αὐτῶν ἀναλάβουσιν  
 4. 4. **κἂν** [B<sup>1</sup> καί] γὰρ **ἐν** κλάδοις πρὸς καιρὸν ἀνα-  
 θάλη  
 7. 18. τροπῶν ἀλλαγὰς καὶ μεταβολὰς καιρῶν  
 8. 8. ἐκβάσεις καιρῶν καὶ χρόνων  
 19. 22. οὐχ ὑπερίσσεις **ἐν** παντὶ καιρῷ . . . παριστά-  
 μενος  
 Si. 1. 22. **ὥς** καιροῦ ἀνθίσταται μακρόθυμος  
 — 23. **ὥς** καιροῦ κρίνῃ τοὺς λόγους αὐτοῦ  
 2. 2. μὴ σπεύσῃς **ἐν** καιρῷ ἐπαγωγῆς  
 — 11. σώσει **ἐν** καιρῷ θλίψεως  
 3. 31. **ἐν** καιρῷ πτώσεως εὐρήσει στήριγμα  
 4. 20. συντήρησον καιρὸν καὶ φύλαξαι ἀπὸ πονηροῦ  
 — 23. μὴ κωλύσεις λόγον **ἐν** καιρῷ σωτηρίας  
 5. 7. **ἐν** [B<sup>1</sup> add. τῷ] καιρῷ ἐκδικήσεως ἐξολῇ  
 6. 8. **ἔστι** γὰρ φίλος **ἐν** καιρῷ αὐτοῦ  
 8. 9. **ἐν** καιρῷ χρείας δοῦναι ἀπόκρισιν  
 10. 4. τὸν χρησιμὸν ἐγερεῖ **ἐν** καιρῷ ἐπ' αὐτῆς  
 — 26. μὴ δοῦναι **ἐν** καιρῷ στενοχωρίας σου  
 11. 19. οὐκ οἶδε τίς καιρὸς παρελεύσεται  
 12. 16. **ἰὰν** εὐρῇ καιρὸν  
 17. 2. ἡμέρας ἀριθμῶ καὶ καιρὸν **ἔδωκεν** αὐτοῖς  
 18. 21. **ἐν** καιρῷ ἀμαρτημάτων δείξον ἐπιστροφήν  
 — 24. μνησθῇ . . . καιρὸν ἐκδικήσεως  
 — 25. μνησθῇ καιρὸν [A κατὰ κ.] λιμοῦ **ἐν** καιρῷ  
 [A ἡμέρας] πλησμονῆς  
 — 26. ἀπὸ πρωΐν **ὥς** ἑσπέρας μεταβάλλει καιρὸς  
 19. 9. **ἐν** καιρῷ μυσθῆς [A μισ.] σε  
 — 28. **ἐὰν** εὐρῇ καιρὸν κακοποιήσῃς [A κ. σε]  
 20. 6. **ἔστι** σωπῶν εἰδὼς καιρὸν  
 — 7. ἀνθρώπος σοφὸς σιγήσει **ὥς** καιροῦ ὁ δὲ λα-  
 πιστής καὶ ἄφρων υπερβήσεται καιρὸν [B al.]  
 — 20. οὐ γὰρ μὴ εἴπῃ αὐτὴν **ἐν** καιρῷ αὐτῆς  
 22. 6. μάλιστα καιρὸς παιδείας **ἐν** παντὶ καιρῷ σοφίας  
 [B<sup>1</sup> -ia]  
 — 16. καρδία . . . **ἐν** καιρῷ οὐ δειλιάσει  
 — 23. **ἐν** καιρῷ θλίψεως διάμνη αὐτῷ  
 26. 4. **ἐν** παντὶ καιρῷ πρόσωπον Ἰλαρόν  
 27. 12. **ἐν** μέσση ἀσυνέτῳ συντήρησον καιρὸν  
 29. 2. **ἐν** καιρῷ χρείας αὐτοῦ  
 — 2. ἀπόδος τῷ πλησίον **ἐν** τῷ [A B om.] κ.  
 — 3. **ἐν** παντὶ καιρῷ εὐρήσεις τὴν χρείαν σου  
 — 5. **ἐν** καιρῷ ἀποδόσεως παρελεύσεται χρόνον  
 — 5. καὶ τὸν κ. αἰσθάνεται  
 30. 24. πρὸς καιροῦ γήρας [B<sup>1</sup> -ous] ἄγει μέριμνα  
 [B -av]  
 — 32 (33. 23). **ἐν** καιρῷ τελευτῆς διάδος κληρονομίαν  
 32 (35). 20. φράσον ἑλπίος **ἐν** καιρῷ θλίψεως αὐτοῦ  
 ὥς νεφέλαι ὑπὸ τῷ **ἐν** καιρῷ ἀβροχίας  
 33 (36). 8. σπεύδον καιρὸν  
 34 (31). 28. οὐκον πινόμενος **ἐν** καιρῷ αὐτάρκειας  
 36 (33). 8. ἡλαιοῦσε καιροὺς καὶ ἑσπρας  
 37. 4. **ἐν** καιρῷ θλίψεως ἔσται ἀπάντη  
 38. 3. ἐπιστήμη λατροῦ [B<sup>1</sup> καιροῦ] ἀνυψώσει κε-  
 φαλήν  
 — 13. B **ἔστι** καιρὸς **ὅτε** καὶ **ἐν** χερσὶν αὐτῶν  
 εὐδωκία [A B -ωδία]  
 39. 16. πᾶν πρόσταγμα **ἐν** καιρῷ [B<sup>1</sup> κυρίῳ] αὐτοῦ  
 ἔσται  
 — 17. πάντα γὰρ **ἐν** καιρῷ αὐτοῦ ζητηθήσεται  
 — 28. **ἐν** καιρῷ συντελείας ἰσχύον ἐκχέουσι  
 — 31. **ἐν** τοῖς [A B om.] κ. αὐτῶν οὐ παραβήσονται  
 λόγον  
 — 34. πάντα γὰρ **ἐν** καιρῷ εὐδοκιμηθήσεται [A  
 -μήσεται, B δοκιμασθήσεται]  
 40. 5. **ἐν** καιρῷ ἀσπασίσεως ἐπὶ κοίτης  
 — 7. **ἐν** καιρῷ σωτηρίας αὐτοῦ ἐξηγήσῃ  
 — 23. φίλος καὶ ἑταῖρος **ἐν** καιρῷ ἀπαντῶντες  
 — 24. ἀδελφοὶ καὶ βοήθεια **ἐν** καιρῷ θλίψεως  
 43. 6. ἡ σελήνη **ἐν** πᾶσιν **ἐν** καιρῷ αὐτῆς  
 44. 17. **ἐν** καιρῷ ὀργῆς ἐγένετο ἀνταλλάγμα  
 46. 19. πρὸς καιροῦ κοιμήσεως αἰῶνος  
 47. 10. ἐκόσμησε καιροὺς μέχρι συντελείας  
 48. 10. ὁ καταγραφεῖς **ἐν** ἐλεγμοῖς [A κ. ἐλεγμὸς]  
**ἐν** [B<sup>1</sup> om.] καιροῖς  
 51. 10. A B **ἐν** καιρῷ ὑπερηφάνων [B -νίων]  
 ἀβουθήσας  
 — 12. ἐξεῖλον με **ἐκ** καιροῦ πονηροῦ  
 — 20. A **ἐν** καιρῷ θερμοῦ [B B **ἐν** καθαρισμῷ]  
 εὐρον αὐτὴν  
 — 30. ἐργάζεσθε τὸ ἔργον ὑμῶν πρὸς καιροῦ καὶ  
 ὁ δώσει τὸν μισθὸν ὑμῶν **ἐν** καιρῷ αὐτοῦ  
 Ho. 2. 9 (11). κομιούμαι . . . τὸν οὖν μου **ἐν**  
 καιρῷ αὐτοῦ (4)  
 Am. 5. 13. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ σιωπήσεται [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> al.] (8)  
 — 13. **ὅτι** καιρὸς πονηρῶν [A πονηρὸς] ἔστιν (8)

Mi. 2. 3. **ὅτι** καιρὸς πονηρὸς ἔστιν (8)  
 8. 4. ἀποστρέψει τὸ πρόσωπον αὐτοῦ . . . **ἐν**  
 τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 3. 2 (3). ὁώσει αὐτοὺς **ὥς** καιροῦ τικτούσης  
 J1. 8 (4). 1. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 Hb. 2. 3. διότι **ἐν** ἔρασιν **ἐν** καιρῷ  
 8. 2. **ἐν** τῷ παρῖναι τὸν κ. ἀναδειχθήσῃ  
 Ze. 3. 16. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ ἐρεῖ κύριος τῇ 'Ιερου. (8)  
 — 19. ἐγὼ ποιῶ **ἐν** σοὶ ἐκεῖν σου **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 20. καὶ κατασχευήσονται **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 20. καὶ **ἐν** τῷ κ. ὅταν ἐσθῆξομαι ὑμᾶς (8)  
 Hg. 1. 2. οὐχ ἦκει ὁ κ. τοῦ οἰκοδομησῆαι (8)  
 — 4. ἡ καιρὸς μὲν ὑμῖν ἔστι τοῦ οἰκεῖν **ἐν** οἴκῳ (8)  
 Is. 8. 22 (23). οὐκ ἀπορήσεται . . . **ὥς** καιροῦ (8)  
 18. 7. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 30. 8. **ἔσται** **ἐν** ἡμέρας ταῦτα καιρῷ [A B και-  
 ρῶν τ.] (17)  
 33. 2. ἡ δὲ σωτηρία ἡμῶν **ἐν** καιρῷ θλίψεως (8)  
 38. 1. ἐγένετο δὲ **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 39. 1. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 49. 8. καιρῷ δεκτῷ ἐπήκουσά σου (8)  
 50. 4. A τοῦ γυναικὶ **ἐν** καιρῷ [B B om. **ἐν** κ.]  
 ἡνίκα δὲ ἐπείν λόγον +  
 54. 9. **ἐν** τῷ χρόνῳ [B<sup>1</sup> καιρῷ] ἐκ. +  
 60. 22. ἐγὼ κυρίως κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτούς (8)  
 64. 9 (8). μὴ **ἐν** καιρῷ μνησθῆς ἀμαρτιῶν ἡμῶν (8)  
 Je. 2. 27. **ἐν** τῷ κ. τῶν κακῶν αὐτῶν (8)  
 — 28. **ἐν** καιρῷ τῆς κακώσεως σου (8)  
 8. 17. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 4. 11. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ [A τοῦτ' α] (8)  
 5. 24. κατὰ καιρὸν πληρώσεως προστάγματος  
 θερισμοῦ (8)  
 6. 15. **ἐν** καιρῷ ἐπισκοπῆς [A add. αὐτῶν] (8)  
 — 19. B **ἐπάγω** ἐπὶ τὸν λαὸν τούτον κατὰ τὸν  
 κ. ἀποστρέφει αὐ. [A B al.] +  
 8. 1. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 7. ἡ ἀσία **ἐν** τῷ οὐρανῷ ἔγνων τὸν κ. αὐτῆς (4)  
 — 7. στρουθία ἐφύλαξαν καιροὺς εἰσόδων αὐτῶν (8)  
 — 15. συνήχθημεν . . . **ἐν** καιρῷ ἰσέσεως (8)  
 10. 15. **ἐν** καιρῷ ἐπισκοπῆς αὐτῶν ἀποδύνονται (8)  
 11. 12. **ἐν** τῷ [A om.] κ. τῶν κακῶν αὐτῶν (8)  
 — 14. οὐκ εἰσακούσομαι **ἐν** τῷ κ. . . **ἐν** καιρῷ  
 κακώσεως αὐτῶν (8, 57)  
 14. 8. σώσεις **ἐν** καιρῷ κακῶν (8)  
 — 19. **ἐν** καιρῷ ἰσέσεως καὶ ἰδὺν παραχῇ (8)  
 15. 11. παρέστην σοι **ἐν** καιρῷ τῶν κακῶν αὐ-  
 τῶν καὶ **ἐν** καιρῷ θλίψεως αὐτῶν (8, 8)  
 16. 21. δηλώσω . . . **ἐν** τῷ κ. τοῦτ' αὐτὴν χεῖρά μου (8)  
 18. 23. **ἐν** καιρῷ θυμοῦ [B -φ] σου (8)  
 26 (40). 21. ἡμέρα ἀπωλείας ἦλθεν ἐπ' αὐτούς  
 [A -οῖς] καὶ κ. ἐκδικήσεως αὐτῶν (8)  
 27 (50). 4. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 16. κατέχοντα δρέπανον **ἐν** καιρῷ θερισμοῦ (8)  
 — 20. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 26. ἐληψάντων οἱ κ. αὐτῆς (117)  
 — 27. ἦκει ἡ ἡμέρα αὐ. καὶ κ. ἐκδικήσεως αὐ. (8)  
 — 31. ἦκει ἡ ἡμέρα σου καὶ ὁ κ. ἐκδικήσεως σου (8)  
 28 (51). 6. κ. [B ὁ κ.] ἐκδικήσεως αὐ. ἔστι παρὰ κ. (8)  
 — 18. **ἐν** καιρῷ ἐπισκέψεως αὐτῶν ἀποδύνονται (8)  
 Ba. 1. 2. **ἐν** τῷ κ. φ. ἔλαβον οἱ Χαλδαῖοι τὴν 'Ιερ.  
 — 14. ἐξαγορεύσαι **ἐν** οἴκῳ κυρίου . . . **ἐν** ἡμέραις  
 καιροῦ  
 8. 5. μνησθῇ χειρὸς σου . . . **ἐν** τῷ κ. τοῦτ' α  
 La. 1. 15. ἐκάλεσεν ἐπ' ἐμὲ καιρὸν τοῦ συν-  
 τρήσαι ἐλεκεύς μου (4)  
 — 21. ἐκάλεσας καιρὸν -  
 4. 18. ἤγγικεν ὁ κ. ἡμῶν . . . πάρεστιν ὁ κ.  
 ἡμῶν (11, 11)  
 Ez. 4. 10. ἀπὸ καιροῦ **ὥς** καιροῦ φάγεσται αὐτὰ (8)  
 — 11. τὸ ἔκτον τοῦ εἶν ἀπὸ καιροῦ **ὥς** καιροῦ  
 πίεσαι (8, 8)  
 7. 7. 12. ἦκει ὁ κ. (8)  
 12. 27. **ἐν** καιροῖς μακροῖς οὗτος προφητεύει (8)  
 16. 8. ἰδὺν κ. σου καὶ [A ὡς] κ. καταλύωντων (8, 8)  
 21. 25 (30), 29 (34). ἦκει ἡ ἡμέρα **ἐν** καιρῷ  
 ἀδικίας πέρας (8)  
 22. 3. τοῦ ἐλθεῖν [B<sup>1</sup> εἰσελ.] καιρὸν αὐτῆς (8)  
 — 4. ἤγγασεν καιρὸν ἔδωκεν σου +  
 — 30. A B **ἐστὼτα** πρὸς πρόσωπον μου . . . **ἐν**  
 καιρῷ τῆς ὀργῆς [B γῆς] (57)  
 80. 3. A κ. [B om.] πέρας ἐθῶν ἔσται (8)  
 35. 5. **ἐν** χειρὶ [A καιρῷ] ἐχθρῶν μαχαίρα [A  
**ἐν** χειρὶ μαχαίρας] **ἐν** καιρῷ ἀδικίας (8, 8)  
 Da. LXX. 2. 8. καιρὸν ὑμῖν ἐξαγοράζετε (8)  
 — 9. **ὥς** ἀνὸ κ. ἀλλοιωθῇ (8)  
 — 21. αὐτοὶ ἀλλοιοὶ καιροὺς

Da. LXX. 3. 7. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 8. **ἐν** ἐκείνῳ τῷ κ. (2)  
 — (38). οὐκ ἔστιν **ἐν** τῷ κ. τοῦτ' α ἄρχων -  
 4. 23. **ἐν** καιρῷ καὶ ὄραν (8)  
 — 33. **ἐν** ἐκείνῳ τῷ κ. (2)  
 — 34. καὶ ἀλλοιοὶ καιροὺς καὶ χρόνους -  
 — 34. εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθεῖ **ἐν** παντὶ κ. -  
 7. 12. **ὥς** χρόνον καὶ καιροῦ (8)  
 — 22. καὶ ὁ κ. ἐδόθη (2)  
 — 25. ἀλλοιωσάτω καιροὺς καὶ νόμον (2)  
 — 25. **ὥς** καιροῦ καὶ καιρῶν καὶ **ὥς** ἡμῖς σου  
 καιροῦ (8 ter)  
 8. 17. **ἐν** ὄραν καιροῦ τοῦτο τὸ δράμα (11)  
 — 19. **ἐν** ὄρας καιροῦ συντελείας μνεῖ (19)  
 9. 26. καὶ **ὥς** [cod. om.] καιροῦ (117)  
 — 27. καὶ κατὰ συντελείαν καιρῶν καὶ μετὰ  
 ἑπτὰ καὶ ἑβδομήκοντα καιροὺς -, -  
 — 27. **ὥς** καιροῦ συντελείας πολέμου -  
 11. 13. κατὰ συντελείαν καιροῦ ἐναντιοῦ (8)  
 — 14. **ἐν** τοῖς κ. ἐκείνοις -  
 — 27. **ἐν** γὰρ συντελεία **ἐν** καιρῷ (8)  
 — 29. **ἐν** καιρῷ ἐπιστρέψει (4)  
 — 35. **ὥς** καιροῦ συντελείας **ἔτι** γὰρ καιρὸς  
**ἐν** ὄρας (8, -)  
 12. 4. **ὥς** καιροῦ συντελείας (8)  
 — 7. **ὥς** καιροῦ συντελείας -  
 — 7. **ἐν** καιρῷ καὶ καιροῖς καὶ ἡμῖςν καιροῦ  
 (4, 4, -)  
 — 8. οὐ διανοήθη παρ' αὐτὸν τὸν κ. -  
 Da. TH. Su. 14. κοινῇ συνετάξαντο καιρὸν  
 2. 8. καιρὸν ὑμῖν ἐξαγοράζετε (8)  
 — 9. **ὥς** οὐ ὁ κ. παρέλθῃ (8)  
 — 21. αὐτοὶ ἀλλοιοὶ καιροὺς καὶ χρόνους (8)  
 3. (38). οὐκ ἔστιν **ἐν** τῷ κ. τοῦτ' α ἄρχων  
 4. 13. ἑπτὰ καιροὶ ἀλλαγήσονται ἐπ' αὐτὸν (6)  
 — 20. **ὥς** οὐ ἑπτὰ καιροὶ ἀλλοιωθῶσιν ἐπ'  
 αὐτὸν (8)  
 — 22. 29. ἑπτὰ καιροὶ ἀλλαγήσονται ἐπὶ σέ (8)  
 — 33. αὐτῷ τῷ κ. αἱ φρένες μου ἐπεστράφησαν (2)  
 6. 10 (11), 13 (14). καιροὺς τρεῖς τῆς ἡμέρας (2)  
 7. 12. **ὥς** καιροῦ καὶ καιροῦ (2, 8)  
 — 22. ὁ κ. ἔφθασε (2)  
 — 25. τοῦ ἀλλοιωσάτω καιροὺς καὶ νόμον (2)  
 — 25. A **ὥς** καιροῦ καὶ καιροῦ [B om. καὶ κ.]  
 καὶ καιρῶν καὶ ἡμῖςν καιροῦ (8, -, 8, 8)  
 8. 17. **ἔτι** γὰρ **ἐν** καιρῷ πέρας ἡ δρασις (8)  
 — 19. **ἔτι** γὰρ **ὥς** καιροῦ πέρας ἡ δρασις (8)  
 9. 25. ἐκκενωθήσονται οἱ κ. (4)  
 — 27. **ὥς** τῆς συντελείας καιροῦ -  
 11. 6. B **ἐν** τοῖς κ. ἀναστήσεται [A B al.] (8)  
 — 13. **ἐν** τὸ τέλος τῶν κ. ἐναντιῶν (8)  
 — 14. **ἐν** τοῖς κ. ἐκείνοις (8)  
 — 24. καὶ **ὥς** καιροῦ (8)  
 — 27. **ὅτι** **ἔτι** πέρας **ἐν** καιρῷ (4)  
 — 29. **ἐν** τῷ κ. ἐπιστρέψει (4)  
 — 35. τοῦ ἀποκαλυφθῆναι **ὥς** καιροῦ πέρας  
**ὅτι** **ἔτι** **ἐν** καιρῷ (8, 4)  
 — 40. **ἐν** καιρῷ [A τῷ κ.] πέρας (8)  
 12. 1. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 1. **ἔσται** καιρὸς θλίψεως (8)  
 — 1. **ὥς** τοῦ κ. ἐκείνου (8)  
 — 1. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ (8)  
 — 4. **ὥς** καιροῦ συντελείας (8)  
 — 7. **ἐν** καιρῷ καιρῶν [A καὶ καιροῖς] καὶ  
 ἡμῖςν [A **ἐν** τῷ κ.] καιροῦ (4, 4, -)  
 — 9. **ὥς** καιροῦ πέρας (8)  
 — 11. ἀπὸ καιροῦ παραλλάξεως τοῦ ἐνδελε-  
 χμοῦ (8)  
 I Ma. 2. 25. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ  
 — 49. ἐλεγμοὶ καὶ καιροὶ καταστροφῆς  
 — 53. ἰωσήφ **ἐν** καιρῷ στενοχωρίας αὐτοῦ  
 4. 54. κατὰ τὸν κ. καὶ κατὰ τὴν ἡμέραν  
 — 59. **ἐν** τοῖς κ. αὐτῶν  
 — 60. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ  
 6. 36. οὗτοι πρὸς καιροῦ . . . ἦσαν  
 8. 25. **ὥς** ἀνὸ κ. ὑπογραφή αὐτοῖς  
 — 27. **ὥς** ἀνὸ αὐτοῖς ὁ κ. ὑπογραφή  
 9. 7. οὐκ εἶχε καιρὸν συναγωγῆς αὐτοῖς  
 — 10. ἤγγικεν ὁ κ. ἡμῶν  
 — 31, 55, 56. **ἐν** τῷ κ. ἐκείνῳ  
 11. 14. κατὰ τοὺς κ. ἐκείνους  
 12. 1. ὁ κ. αὐτῷ [B<sup>1</sup> -ῶν] συνεργεῖ  
 — 10. πολλοὶ γὰρ κ. διήλθον  
 — 11. **ἐν** παντὶ κ. ἀδυνατίῳ  
 15. 5. **ἐν** παντὶ κ. θλίψεως  
 15. 33. ἀκρίτως **ἐν** τινι κ. κατεκρητήθη

I Ma. 15. 34. ἡμεῖς δὲ καιρὸν ἔχοντες  
II Ma. 1. 5. μὴ ὑμᾶς ἐγκαταλείπει ἐν κ. πονηρῇ  
3. 5. κατ' ἐκείνων τὸν κ.  
4. 17. ταῦτα ὁ ἀκόλουθος κ. δηλώσει  
— 32. εὐφρανέαι καιρὸν εὐφῆ  
5. 1. περὶ δὲ τὸν κ. τούτου  
7. 20. μᾶς ὑπὸ καιρὸν ἡμέρας  
9. 1. περὶ δὲ τὸν κ. ἐκείνων  
— 23. καθ' οὗς κ. . . ἐστατοπέδουσεν  
— 25. τοῖς κ. ἐπέχοντας  
12. 30. ἐν τοῖς τῆς ἀτυχίας κ.  
14. 5. καιρὸν δὲ λαβὼν τῆς ἰδίας ἀνοίας συνεργόν  
15. 37. ἀπ' ἐκείνων τὸν κ. κρατηθείσης τῆς πόλεως  
III Ma. 4. 14. μᾶς ὑπὸ καιρὸν ἡμέρας  
5. 15. ὑπέδειξε τὸν τῆς συμποσίας κ. ᾗδῃ παρατρέ-  
χοντα  
IV Ma. 1. 10. τοὺς κατὰ τούτων τὸν κ. . . ἀποθα-  
νόντας  
3. 19. ὁ κ. ἡμῶν καλεῖ  
14. 19. περὶ τὸν τῆς κηρυγίας κ.  
18. 9. τὸν τῆς ἀνεκτίας οὐκ ἄδυνάμῃ κ.  
[Aq. Dt. 11. 14. : I Ki. 9. 24. : III Ki. 14. 1. : Jb.  
24. 1. : Ps. 4. 8. : 9. 22 (10. 1) : 80 (81). 16. :  
81 (82). 6. : 61 (62). 9. : Ec. 7. 18 (17). 23 (22).  
8. 9. : Jb. 5. 24. : 14. 8. : 15. 11 bis. : 46 (26).  
17. : 51 (28). 33. : Ez. 16. 8. : 36. 5 bis.]  
[Sm. Dt. 11. 14. : I Ki. 4. 20. : Jb. 22. 16. : 38.  
32. : Ps. 4. 8. : 9. 22 (10. 1) : 80 (81). 16. : 81  
(82). 6. : 61 (62). 9. : 68 (69). 14. : 70 (71). 9. :  
80 (81). 16. : 118 (119). 126. : Pr. 25. 11. : Ec.  
3. 11. : 7. 23 (22). 8. 6. : Ca. 2. 12. : Is. 38.  
6. : Jb. 5. 24. : 15. 11. : 46 (26). 17. : 51 (28).  
33. : Ez. 4. 10. : 12. 23. : 16. 8. : 23. 43. : 36. 5  
bis.]  
[Th. Dt. 11. 14. : I Ki. 13. 8. : Jb. 24. 1. : 38.  
32. : 39. 1. 18. : Ps. 4. 8. : 30 (31). 16. : 73 (74).  
8. : Jb. 8. 12. : 33 (40). 15. 20. : Ez. 16. 8. : 30.  
3. : 35. 5 bis. : Da. 9. 27. : 11. 13. 29. : 12. 7 bis.]  
[Al. Ex. 9. 27. : 13. 10. : Le. 16. 2. : Nu. 16. 2.  
28. 2. : I Ki. 20. 35. : Ps. 118 (119). 126. : Da.  
11. 13.]  
[Hob. Ez. 16. 8.]  
[Quint. Ps. 80 (81). 16.]

καίτοι.

IV Ma. 2. 6.  
καϊφά, κεφά. (1) 𐤊𐤏𐤔  
Ca. 5. 11. B κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσῖον κεφάξ [A B  
καϊφάξ] (1)  
καϊχάρ, κεχάρ. (1) 𐤊𐤏𐤔  
II Ki. 18. 23. ὁδὸν τὴν τοῦ κ.  
κάκει, νιδ, ἐκεῖ.  
κάκειθεν, νιδ, ἐκεῖθεν.  
κάκεινος, νιδ, ἐκεῖνος.  
κακηγορεῖν.  
IV Ma. 9. 14. B B κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος ἐκακ-  
γορεῖ [A κατηγόρει]  
κακία. (1) 𐤊𐤏𐤔 (2) 𐤊𐤏𐤔 (3) a. 𐤊𐤏𐤔  
δ. 𐤊𐤏𐤔 𐤊𐤏𐤔 (4) 𐤊𐤏𐤔𐤏𐤔 (5) 𐤊𐤏𐤔  
(6) 𐤊𐤏𐤔𐤏𐤔 (7) 𐤊𐤏𐤔 (8) 𐤊𐤏𐤔 pi. (9) 𐤊𐤏𐤔  
(10) 𐤊𐤏𐤔 (11) a. 𐤊𐤏𐤔 hi. δ. 𐤊𐤏𐤔 c. 𐤊𐤏𐤔  
d. 𐤊𐤏𐤔  
Ge. 6. 5. ἐπληθύνησαν αἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (11 d)  
31. 52. μηδὲ σὺ διαβῆς . . . ἐπὶ κακίᾳ (11 d)  
Ex. 22. 23 (22). ἂν δὲ κακία κακώσῃτε αὐτοὺς (8)  
23. 2. οὐκ ἴση μετὰ πλειόνων ἐπὶ [B<sup>1</sup> ἐν] κακίᾳ (11 d)  
32. 12. Δίωξες γενοὺ ἐπὶ τῇ κ. τοῦ λαοῦ σου (11 d)  
— 14. Διὰ σὴν κύριος περὶ τῆς κ. [B om.  
π. τ. κ.] (11 d)  
De. 31. 18. διὰ πᾶσας τὰς κ. ἃς ἐποίησαν (11 d)  
Jd. 9. 56. A ἀπέστρεψεν . . . τὴν κ. Ἀβ. [B al.] (11 d)  
— 57. A πᾶσαν κ. ἀνθρώπων Σικ. [B al.] (11 d)  
16. 18. A ἀνγγειλὲν μοι πᾶσαν τὴν κ. αὐ. +  
20. 3. A ποὺ ἐγένετο ἡ κ. [B πονηρία] αὐτῇ (11 d)  
— 12. A τίς ἡ κ. [B πονηρία] αὐτῇ (11 d)  
— 13. A ἐξαποῦμεν κακίαν ἐξ Ἰσραὴλ [B al.] (11 d)  
— 34. φθάνει ἐπὶ αὐτοὺς ἡ κ. [A al.] (11 d)  
— 41. A ἥται αὐτοῦ ἡ κ. [B al.] (11 d)  
I Ki. 6. 9. πεποιήκεν ἡμῖν τὴν κ. τὴν μεγ. τ. (11 d)

I Ki. 12. 17. ἡ κ. ὑμῶν μεγάλη (11 d)  
— 19. B ὅτι προσηγορεύσαν . . . κακίαν (11 d)  
— 20. B ὑμᾶς πεποιήκατε τὴν πᾶσαν κ. ταύτην (11 d)  
— 25. B ἐάν κακία κακοποιήσῃτε (11 d)  
17. 28. A ἐγὼ οἶδα . . . τὴν κ. τῆς καρδίας σου (11 c)  
20. 7. συντελέσεται ἡ κ. παρ' αὐτοῦ (11 d)  
— 9. συντελέσεται ἡ κ. παρὰ τοῦ πατρὸς μου (11 d)  
— 33. συντελέσεται ἡ κ. αὐτῇ παρὰ τοῦ πατρὸς  
αὐτοῦ +  
23. 9. οὐ παρασιώπῃ Σ. περὶ αὐτοῦ τὴν κ. (11 d)  
24. 12. οὐκ ἴσθι κακία ἐν τῇ χειρὶ μου (11 d)  
25. 17. συντελέσεται ἡ κ. εἰς τὸν κύριον ἡμῶν (11 d)  
— 28. κακία οὐχ εὐρεθήσεται ἐν σοὶ πάνποτε (11 d)  
— 39. τὴν κ. Νάβαλ ἀπέστρεψε κύριος (11 d)  
29. 6. οὐχ εὕρηκα κατὰ σοὺ [A ἐν σοὶ] κακίαν (11 d)  
— 7. οὐ μὴ ποιήσεις κακίαν (11 d)  
II Ki. 8. 25. οὐκ οἶδας τὴν κ. Ἀβ. —  
— 39. ἀποδοῖ [A ἀνταποδοῖ] κύριος . . . κατὰ  
τὴν κ. αὐτοῦ (11 d)  
13. 15. B μείζων ἡ κ. ἡ ἐσχάτη —  
— 16. περὶ τῆς κ. τῆς μεγάλης ταύτης (11 d)  
15. 14. καὶ ἐξώσῃ ἐφ' ἡμᾶς τὴν κ. (11 d)  
16. 8. καὶ ἰδοὺ σὺ ἐν τῇ κ. σου (11 d)  
24. 16. παρεκλήθη κύριος ἐπὶ [A ἐν] τῇ κ. (11 d)  
III Ki. 1. 52. ἐὰν κακία εὐρεθῇ ἐν αὐτῷ (11 d)  
8. 1 (2. 44). οἶδας [A ἔγνω] πᾶσαν τὴν κ. σου (11 d)  
— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε κύριος τὴν κ. σου (11 d)  
9. 9. ἐπῆγαγε . . . τὴν [A σύμψαναν τ.] κ.  
ταύτην (11 d)  
11. 25. A αὐτῇ ἡ κ. Ἀδὶρ [B ἢν ἐποίησεν] Ἀ. (11 d)  
18. 33. οὐκ ἐπέστρεψεν Ἰερ. ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (8 b)  
14. 10. A ἐγὼ ἀγῶ κακίαν πρὸς σέ (11 d)  
16. 7. ἐλάλησε . . . πᾶσαν [A om.] τὴν κ. (11 d)  
20 (21). 29. οὐκ ἐπάξω τὴν κ. ἐν ταῖς ἡμ. αὐ. (11 d)  
— 29. ἐπάξω τὴν κ. (11 d)  
21 (20). 7. κακίαν οὗτος ἠτεί (11 d)  
IV Ki. 6. 33. αὐτῇ ἡ κ. παρὰ κυρίου (11 d)  
14. 10. ἵνα τί εἰρήσεις ἐν τῇ κ. σου [A al.] (11 d)  
I Ch. 21. 8. περιέλαε δὴ τὴν κ. παιδὶς σου (7)  
— 15. μετεμελήθη ἐπὶ τῇ κ. (11 d)  
II Ch. 7. 22. ἐπῆγαγεν . . . πᾶσαν τὴν κ. τ. (11 d)  
25. 19. ἵνα τί συμβάλλεις ἐν κακίᾳ [A om.] (11 d)  
I Es. 2. 29. καὶ μὴ προβῇ ἐπὶ πλείων δὲ τῆς κ.  
Ne. 9. 9. B<sup>2</sup> εἶδες τὴν κ. [A B B<sup>1</sup> ταπεινώσιν]  
τῶν πατέρων (9)  
Ju. 2. 2. συνετέλεσε πᾶσαν τὴν κ. τῆς γῆς  
Es. 8. 3. ἀφελείν τὴν Ἰαμὴν κ. (11 d)  
Jb. 4. 6. ἡ ἐλπίς σου καὶ ἡ κ. τῆς οδοῦ σου +  
17. 5. A B S<sup>2</sup> τῇ μερίδι ἀναγγελεῖ κακίας +  
20. 12. ἐὰν γλυκανθῇ ἐν στόματι αὐτοῦ κακία  
[A al.] (11 d)  
22. 5. πότερον οὐχ ἡ κ. σου ἐστὶ πολλή (11 d)  
27. 5. B οὐ γὰρ ἀπαλλάξω με τὴν κ. [A B  
ἀκακ.] +  
Ps. 35 (36). 4. τῇ δὲ κ. [A B<sup>2</sup> κακία δὲ] οὐ προσ-  
ώχθισε (11 d)  
49 (50). 19. τὸ στόμα σου ἐπλεόνασε κακίαν (11 d)  
51 (52). 1. τί ἐγκανυχῇ ἐν κακίᾳ ὁ δυνατὸς  
ἀνομίαν (11 d)  
— 3. ἡγάπησας κακίαν ὑπὲρ ἀγαθοσύνην (11 d)  
106 (107). 34. ἀπὸ κακίας τὸν κατοικούντων ἐν  
αὐτῇ (11 d)  
Pr. 1. 16. A B<sup>2</sup> οἱ γὰρ πόδες αὐτῶν εἰς κακίαν  
τρέχουσιν (11 d)  
18. 16. ὁ δὲ ἀφρων ἐξεπέτασεν ἑαυτοῦ κακίαν (1)  
14. 18. μεριούνται ἀφρονες κακίαν (1)  
— 32. ἐν κακίᾳ αὐτοῦ ἀποσθήσεται ἀσεβής (11 d)  
16. 30. οὗτος κἀμύνος ἐστὶ κακίας [A κακῶν] (11 d)  
19. 7. ὁ πολλὰ κακοποιὸν τελεσιουργεῖ κακίαν —  
— 9. δὲ δ' ἐν ἐκκαύσῃ κακίαν (5)  
26. 11. οὕτως ἀφρονὶ τῇ ἑαυτοῦ κ. ἀναστρέψας  
ἐπὶ τὴν ἑαυτοῦ ἀμαρτίαν (12)  
Ec. 5. 12. πλοῦτον φυλασσόμενον τῷ παρ' αὐ-  
τοῦ εἰς κακίαν αὐτῷ [A B -οῦ] (11 d)  
7. 4 (3). A B S ἐν κακίᾳ προσώπων ἀγαθυνθή-  
σεται καρδία [B om.] (11 c)  
— 15 (14). ἴδε ἐν ἡμέρᾳ κακίας (11 d)  
— 16 (15). ἔστιν ἀσεβὴς μένων ἐν κακίᾳ αὐτοῦ (11 d)  
12. 1. ἔως θανάτου μὴ ἔλθῃς αἱ ἡμέραι τῆς κ. (11 d)  
Wi. 2. 22. ἀπετιφλώσε [B ἐτ.] γὰρ αὐτοὺς ἡ κ. αὐτῶν  
4. 11. ἡρπάγη μὴ κακία [B ἡ κ.] ἀλλάξῃ συνέσει  
5. 13. ἐν δὲ τῇ κ. ἡμῶν καταπαυμένην  
7. 30. σοφίας [A -ίαν, B<sup>1</sup> -ία] δὲ οὐκ ἀντισχύει  
[A B οὐ κατισχ.] κακία  
12. 2. ἀπαλλαγείν τῆς κ.  
— 10. ἐμφυτος ἡ κ. αὐτῶν

Wi. 12. 20. δι' ὧν ἀπαλλαγῶσι τῆς κ.  
16. 14. ἀνθρώπος δὲ ἀποκτείνει μὲν τὴ κ. αὐτοῦ  
Si. 14. 6. τοῦτο ἀνταπόδομα τῆς κ. αὐτοῦ  
— 7. ἐπ' ἐσχάτων ἐκφαίνει τὴν κ. αὐτοῦ  
19. 6. ὁ μισὼν λαλίαν ἐλαττονοῦται [B -αττοῦται]  
κακία [A καρδία]  
25. 19. μικρὰ πᾶσα κακία πρὸς κακίαν γυναικὸς  
30. 37 (38. 27). πολλὴν γὰρ κακίαν εἰδίδασκεν ἡ  
ἀργία  
Ho. 7. 1. ἀποκαλυφθήσεται . . . ἡ κ. Σ. (11 d)  
— 2. πᾶσας τὰς κ. αὐτῶν ἐμνήσθη (11 d)  
— 3. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν εὐφραναν βασιλεῖς (11 d)  
9. 15. πᾶσαι αἱ κ. αὐτῶν ἐν [A εἰς] Γ. (11 d)  
— 15. διὰ τὰς κ. τῶν ἐπιτηδεύμ. (11 c)  
10. 15. ἀπὸ προσώπου ἀδικίας [A om.] κα-  
κίαν ὕ. (11 d)  
Am. 3. 6. εἰ ἔσται κακία ἐν πόλει (11 d)  
Jl. 2. 13. πολυέλεος καὶ μετανῶν ἐπὶ ταῖς κ. (11 d)  
Jn. 1. 2. ἀνέβη ἡ κραυγὴ τῆς κ. αὐτῆς πρὸς μέ (11 d)  
— 7. τίνος ἔνεκεν ἡ κ. αὐτῆς ἐστὶν ἐν ἡμῖν (11 d)  
— 8. ἡ τίνος ἔνεκεν ἡ κ. αὐτῆς ἐστὶν ἐν ἡμῖν (11 d)  
3. 10. μετενοήσεν ὁ θ. ἐπὶ τῇ κακίᾳ [A τὰ  
κακά] (11 d)  
4. 2. καὶ πολυέλεος καὶ μετανῶν ἐπὶ ταῖς κ. (11 d)  
Na. 3. 19. ἐπὶ τίνα οὐκ ἐπῆλθεν ἡ κακία σου  
διὰ παντός (11 d)  
Za. 7. 10. κακίαν ἕκαστος τοῦ ἀδ. αὐ. μὴ  
μνησκακίῳ (11 d)  
8. 17. ἕκαστος τὴν κ. τοῦ πλησίον αὐ. μὴ λογι-  
ζοῖτο (11 d)  
Is. 29. 20. ἐξωλεσθήσονται οἱ ἀνομοῦντες ἐπὶ  
κακίᾳ (2)  
Je. 1. 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως  
περὶ πώσης τῆς κ. αὐτῶν (11 d)  
2. 19. ἡ κ. σου ἐλέγξει σε (6)  
3. 2. B S καὶ ἐν ταῖς κ. σου (11 d)  
4. 14. ἀποσπλήνῃ ἀπὸ κακίας τὴν καρδίαν σου (11 d)  
— 18. αὐτῇ ἡ κ. σου ὅτι περὰ (11 d)  
7. 7. οὕτω ψυχὴ κακία αὐτῆς (11 d)  
7. 12. ἀπὸ προσώπου κακίας λαοῦ μου Ἰσραὴλ (11 d)  
8. 6. οὐκ ἐστὶν ἄνθρωπος μετανῶν ἀπὸ τῆς κ. αὐ. (11 d)  
11. 15. ἀφελούσιν ἀπὸ σοῦ τὰς κ. σου (11 d)  
— 17. ἐλάλησον ἐπὶ σέ κακὰ ἀντὶ τῆς κ. αἰκῶν  
Ἰσραὴλ (11 d)  
12. 4. ξηρανθήσεται ἡ πόλις τῶν κατοικούν-  
των ἐν αὐτῇ [A κ. αὐτῶν] (11 d)  
13. 22. A διὰ τὸ πλῆθος τῆς κ. [B S ἀδικίας] σου (7)  
15. 7. ἀπώλεσαν τὸν λαόν μου διὰ τὰς κ. αὐ.  
[S al.] (8 a)  
— 13. A διὰ πᾶσας τὰς κ. [B S ἀμαρτίας] σου (4)  
16. 18. διὰ πᾶσας τὰς κ. αὐτῶν [A S al.] (7)  
28 (31). 24. ἀνταποδώσω τῇ Βαβ. . . πᾶσας  
τὰς κ. [A ἀδικίας] αὐ. (11 d)  
La. 1. 22. εἰσέλθοι πᾶσα ἡ κ. αὐτῶν κατὰ πρόσ-  
ωπὸν σου (11 d)  
Ez. 6. 9. A κόψονται τὰ πρόσωπα αὐτῶν περὶ  
τῶν κ. [B om. π. τ. κ.] (11 d)  
16. 23. ἐγένετο μετὰ πᾶσας τὰς κ. σου (11 d)  
— 37. ἀποκαλύψω τὰς κ. σου πρὸς αὐτοὺς (10)  
— 57. πρὸ τοῦ ἀποκαλυφθῆναι τὰς κ. σου (11 d)  
20. 43. κόψομαι [A<sup>2</sup> ὀψομαι] τὰ πρόσωπα  
ὑμῶν ἐν πᾶσαις ταῖς κ. ὑμῶν (11 d)  
22. 12. συντέλῃσω συντέλειαν κακίας σου +  
Da. Th. 9. 14. A ἐργηγήρησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν  
ἐπὶ τὴν κ. [B om. ὁ θ. ἡ. ἐ. τ. κ.] (11 d)  
I Ma. 5. 4. ἐμνήσθη τῆς κ. υἱὸν Βαῖαν  
7. 23. εἶδεν Ἰούδας πᾶσαν τὴν κ.  
— 42. κρίνον αὐτὸν κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ  
9. 61. τῶν ἀνθρώπων τῆς χώρας τῶν ἀρχηγῶν τῆς κ.  
10. 46. A B ἐπεμνήσθησαν [B ἐμνήσθη] τῆς κ. τῆς μεγ.  
II Ma. 4. 4. συναίξοντα τὴν κ. τοῦ Σίμωνος  
— 47. τὸν μὲν τῆς ὁλης κ. αἰτίου  
— 50. ἐπιφύομενος τῇ κ.  
6. 3. δυσχερὲς ἡ ἐπίστασις τῆς κ.  
7. 31. σὺ δὲ πᾶσης κ. εὐρύτερης γενόμενος  
9. 4. B τὴν [A om.] τῶν πεφυγμένων αὐτὸν κ.  
III Ma. 2. 5. B διαβόλους [A δὲ] ταῖς κ. γενομένους  
— 25. τὰς κ. ἐπαύειν  
IV Ma. 2. 11. S διὰ κακίαν αὐτοὺς [A -ὦν, B -ὰ]  
κολάζων  
[Aq. Ge. 39. 9. 50. 17. : I Ki. 24. 10. : III Ki.  
14. 10. : Ps. 27 (28). 3. : 87 (38). 13. : 39 (40).  
15. : 70 (71). 24. : 90 (91). 10. : 140 (141). 5. :  
Pr. 6. 18. : 11. 19. : 22. 3. : Is. 57. 1. : Jb. 17.  
16. : 26 (38). 3. : 41 (48). 11. : 61 (28). 24. : Ho.  
7. 2. : Na. 1. 11. : Za. 8. 17.]

[Sm. I Ki. 24. 10 : Jb. 17. 5 : 42. 11 : Ps. 140 (141). 5 : Pr. 6. 18 : 11. 19 : 26. 26 : Is. 57. 1 : Jb. 9. 3 (2) δὲ : 17. 16 : 51 (28). 24 : Zā. 8. 17.]  
 [Th. I Ki. 24. 10 : Jb. 17. 5 : Pr. 6. 18 : 11. 19 : 22. 3 : Is. 57. 1 : Ez. 7. 5 δὲ : Da. 9. 14† : Zā. 8. 17.]  
 [Al. Ps. 48 (44). 25.]  
**κακίζεσθαι.**  
 IV Ma. 12. 2. καίπερ δεινῶς ὑπὸ τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ κακισθεῖς  
 [Aq. Ex. 21. 8.]  
**κακοβουλία.**  
 [Quint. Ps. 188 (189). 20.]  
**κακογνωμοσύνη.**  
 [Th. Ps. 25 (26). 10.]  
**κακογνωμονεῖν.**  
 [Quint. Ps. 30 (31). 14.]  
**κακογνώμων.**  
 [Sm. I Ki. 25. 3.]  
**κακοθήεια.**  
 Es. 8. 13. τῇ τῆς κ. ψευδεῖ παραλογισμῷ [A B al.]  
 III Ma. 3. 22. τῇ συμφύτῳ κ. τὸ καλὸν ἀπωσάμενοι  
 7. 3. Α κατὰ κακοθήειαν πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι [B al.]  
 IV Ma. 1. 4. τῶν . . . παθῶν κυριεύει ἀναφαίνεται οὖν κακοθήειας  
 3. 4. κακοθήειαν τις ὕμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι  
 — 4. τὸ μὴ καμφθῆναι τῇ κ.  
**κακοθήης.**  
 IV Ma. 1. 25. Α Β ἐν δὲ τῇ ἡδονῇ ἐστὶ [B ἐνεστιν] καὶ ἡ κ. διάθεσις  
 2. 16. Α Β πάντα γὰρ ταῦτα τὰ [B om.] κ. πάθη  
**κακοθηζέσθαι.**  
 [Aq. Pr. 26. 18.]  
**κακολογεῖν.** (1) 𐤏𐤊𐤒 a. pi. δ. hi.  
 Ex. 21. 16 (17). ὁ κακολογῶν πατέρα αὐτοῦ (1 a)  
 22. 28 (27). θεοῦ οὐ κακολογῆσεις (1 a)  
 I Ki. 8. 13. κακολογοῦντες θεὸν υἱοὶ αὐτοῦ (1 a)  
 Pr. 20. 20. κακολογοῦντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσθήσεται λαμπτήρ (1 a)  
 Ez. 22. 7. πατέρα καὶ μητέρα ἐκακολόγουν ἐν σοὶ (1 b)  
 II Ma. 4. 1. ὁ δὲ προειρημένος Σ . . . ἐκακολόγει τὸν Ὁ.  
**κακόμοχθος.**  
 Wi. 15. 8. κακόμοχθος θεὸν μάταιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει πηλοῦ  
**κακοπάθεια.** (1) 𐤏𐤊𐤒  
 Ma. 1. 13. ταῦτα ἐκ κακοπαθείας ἐστί (1)  
 II Ma. 2. 26. τοῖς τὴν κ. ἐπιβεγεγμένοις τῆς ἐπιτομῆς  
 — 27. ἡδέως τὴν κ. ὑπόισομεν  
 IV Ma. 9. 8. διὰ τῆς τῆς κ. καὶ ὑπομονῆς  
 [Sm. Ge. 3. 18 (17) : Ps. 11 (12). 6 : 15 (16). 4.]  
**κακοπαθεῖν.** (1) 𐤏𐤊𐤒  
 Ju. 4. 10. ὑπὲρ ἧς οὐκ ἐκακοπάθησας ἐν αὐτῇ [A B al.] (1)  
 [Sm. Ps. 126 (127). 2.]  
**κακοποιεῖν.** (1) 𐤏𐤊𐤒 aph. (2) 𐤏𐤊𐤒 hi.  
 (3) a. 𐤏𐤊𐤒 hi. δ. 𐤏𐤊𐤒 c. 𐤏𐤊𐤒 d. 𐤏𐤊𐤒 ni.  
 Ge. 31. 7. κακοποιῆσαι με (3 a)  
 — 29. κακοποιῆσαι σε (3 b)  
 43. 6. Β τί ἐκακοποιῆσατέ με [A μοι] (3 a)  
 Le. 5. 4. ἡ διαστειλῶσα τοῖς χεῖλεσι κακοποιῶσα (3 a)  
 Nu. 35. 23. οὐδὲ ἡγῶν κακοποιῆσαι αὐτόν (3 c)  
 Jd. 19. 23. μὴ κακοποιήσῃτε [A ποιηρέυσθε] δὴ (3 a)  
 I Ki. 12. 25. Β ἐὰν κακία κακοποιήσῃτε (3 a)  
 25. 34. δε ἀπεκάλυψε με . . . τοῦ κακοποιήσαι σε (3 a)  
 26. 21. οὐ κακοποιῶ σε [A σε ἐτι] (3 a)

II Ki. 20. 6. νῦν κακοποιῆσαι ἡμᾶς Σ. (3 a)  
 24. 17. Α καὶ ἐγὼ ὁ ποιμὴν ἐκακοποίησα [B al.] (2)  
 III Ki. 16. 33. ἐκακοποίησεν [A om.] ὑπὲρ πάντας τοὺς βασιλ.  
 I Ch. 21. 17. κακοποιῶν ἐκακοποίησα (3 a, 3 a)  
 I Es. 6. 33. ἡ κακοποιῶσα τὸν οἶκον κυρίου  
 II Es. 4. 13. καὶ τοῦτο βασιλεῖς κακοποιεῖ (1)  
 — 15. καὶ κακοποιῶσα βασιλεῖς (1)  
 Es. 1. 1. ἐξήγησε κακοποιῶσαι τὸν Μαρδ.  
 8. 13. τοὺς ὑποταταμένους . . . κακοποιεῖν  
 Pr. 4. 16. οὐ γὰρ μὴ ὑπνώσωσιν ἐὰν μὴ κακοποιῶσιν (3 a)  
 6. 18. πόδες ἐπισπειδόντες κακοποιεῖν (3 c)  
 11. 15. πονηρὸς κακοποιὸς δταν συμμίξῃ δικαίῳ (3 d)  
 19. 7. ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελεσιουργεῖ κακίαν —  
 Si. 19. 28. ἐὰν εὖρη καὶρὸν κακοποιῆσαι [A<sup>3</sup> κ. σε] (3 a)  
 Is. 11. 9. οὐ μὴ κακοποιήσουσιν [A -σωσιν] (3 a)  
 Je. 4. 22. σοφοὶ εἰσι τοῦ κακοποιῆσαι (3 a)  
 10. 5. οὐ μὴ [A om.] κακοποιήσουσι [A B -σουσιν] (3 a)  
 I Ma. 5. 48. οὐδεὶς κακοποιῆσει ὑμᾶς  
 [Aq. Jb. 7. 26.]  
 [Sm. Ps. 88 (89). 24 : Jb. 7. 26.]  
**κακοποιήσις.** (1) 𐤏𐤊𐤒 aph.  
 II Es. 4. 22. εἰς κακοποιήσιν βασιλεύουσι (1)  
 III Ma. 3. 2. ἀνθρώποις συμφρονοῦσιν εἰς κακοποιήσιν  
**κακοποιός.** (1) γυνή κ. 𐤏𐤊𐤒 hi. (2) 𐤏𐤊𐤒 hi.  
 Pr. 12. 4. οὗτος ἄνθρωπος ἀπόλλων γυνή κακοποιός (1)  
 24. 19. μὴ χαιρέῃ ἐπὶ κακοποιῷ [B<sup>1</sup> κακότητι] (3)  
**κακοπραγία (-εἰα).**  
 Wi. 5. 23. ἡ κ. περιτρέψει θρόνους δυναστῶν  
**κακός.** (1) 𐤏𐤊𐤒 (2) 𐤏𐤊𐤒 (3) 𐤏𐤊𐤒  
 (4) 𐤏𐤊𐤒 (5) 𐤏𐤊𐤒 (6) 𐤏𐤊𐤒 (7) 𐤏𐤊𐤒  
 (8) 𐤏𐤊𐤒 (9) 𐤏𐤊𐤒 (10) 𐤏𐤊𐤒 (11) a. 𐤏𐤊𐤒  
 δ. 𐤏𐤊𐤒 (12) 𐤏𐤊𐤒 (13) a. 𐤏𐤊𐤒 hi.  
 δ. 𐤏𐤊𐤒 c. 𐤏𐤊𐤒 (14) 𐤏𐤊𐤒 (15) 𐤏𐤊𐤒  
 (16) 𐤏𐤊𐤒 (17) δδδς κ. 𐤏𐤊𐤒 (18) κ.  
 δδοιπόρος 𐤏𐤊𐤒 pi. (19) κ. ἀποβαίνειν 𐤏𐤊𐤒  
 Ge. 19. 19. Β μή ποτε [A om.] καταλάβῃ με τὰ κ. (13 c)  
 24. 50. Β ἀντεπεῖν κακὸν ἢ καλόν [A κακὸν καλῷ] (13 b)  
 26. 29. Α<sup>1</sup> Β μὴ ποιῆσαι [A -ήσιν] μεθ' ἡμῶν κακόν [A<sup>2</sup> -κά] (13 c)  
 44. 34. ἵνα μὴ ἴδω τὰ κ. (13 b)  
 48. 16. ὁ ἀγγελὸς δὲ ῥυόμενός με ἐκ πάντων τῶν κ. (13 b)  
 50. 15. μή ποτε . . . ἀνταποδῶ ἡμῖν πάντα τὰ κ. (13 c)  
 Ex. 5. 19. ἐφ' ὧν δὲ οἱ γραμματεῖς . . . ἐαυτοὺς ἐν κακοῖς (13 b)  
 Le. 25. 36. Α οὐ λήψῃ παρ' αὐτοῦ τὸ κ. [B τόκον]†  
 Nu. 14. 23. ὅσοι οὐκ οἶδασιν ἀγαθὸν οὐδὲ [A ἢ] κακόν —  
 32. 11. οἱ ἐπιστάμενοι τὸ ἀγαθὸν καὶ τὸ κ. —  
 — 23. δταν ὕμᾶς καταλάβῃ τὰ κ. —  
 De. 1. 39. ὅστις οὐκ οἶδε σήμερον ἀγαθὸν ἢ κακόν (13 b)  
 29. 21 (20). διαστειλεῖ αὐτὸν κύριος εἰς κακὰ (13 c)  
 30. 15. δέδωκα . . . τὸ ἀγαθὸν καὶ τὸ κ. (13 b)  
 31. 17. εὐρήσουσιν αὐτὸν κ. πολλὰ (13 c)  
 — 17. εὐροσάν με τὰ κ. ταῦτα (13 c)  
 — 21. Α δταν εὐρωσιν αὐτὸν κ. πολλὰ (13 c)  
 — 29. τὰ κ. ἔσχατον τῶν ἡμερῶν (13 c)  
 32. 23. συναξάω εἰς αὐτοὺς κακὰ (13 c)  
 Jo. 23. 15. πάντα τὰ ῥήματα τὰ καλὰ [A<sup>1</sup> κακὰ]†  
 Jd. 2. 15. ἦν ἐπ' αὐτοὺς [A ἦν αὐτοῖς] εἰς κακὰ (13 c)  
 6. 13. εἰς τί εὐρεν ἡμᾶς τὰ κ. ταῦτα [A al.] —  
 15. 3. Α ἐγὼ ποιῶ μεθ' ὑμῶν κακὰ [B al.] (13 c)  
 I Ki. 10. 19. σοτήρ ἐκ πάντων τῶν κ. ὕμῶν (13 c)  
 20. 13. ἀνοίσω τὰ κ. ἐπὶ σέ (13 c)  
 24. 18. ἐγὼ δὲ ἀνταπέδωκα σοι κακὰ (13 c)  
 26. 26. οἱ ἡγούντες γὰρ κυρίῳ μου κακὰ (13 c)  
 — 39. τὸν δοῦλον αὐτοῦ περιποιήσατο ἐκ χειρὸς κακῶν (13 c)  
 II Ki. 12. 11. ἐξεγείρω ἐπὶ σέ κακὰ (13 c)  
 — 18. καὶ ποιήσεις κακὰ (13 c)  
 17. 14. ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . τὰ κ. πάντα (13 c)  
 18. 32. ὅσοι ἐπανεῖστησαν ἐν' αὐτὸν εἰς κακὰ (13 c)

II Ki. 19. 7 (8). κακὸν σοι τοῦτο ὑπὲρ πάν τὸ κ. τὸ ἐπελθόν σοι (13 c, 13 c)  
 — 35 (36). ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ καὶ κακοῦ (13 b)  
 III Ki. 8. 9. ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ καὶ κακοῦ (13 b)  
 20 (21). 21. ἐπάγω ἐπὶ σέ κακὰ (13 c)  
 22. 8. οὐ λαλεῖ περὶ ἐμοῦ καλὰ ἀλλ' ἢ κακὰ (13 b)  
 — 18. οὐ προφητεύει οὕτως μοι καλὰ διότι ἀλλ' ἢ κακὰ (13 b)  
 — 23. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σέ κακὰ (13 c)  
 IV Ki. 8. 12. ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. κακὰ [A om.] (13 c)  
 21. 12. φέρω κακὰ ἐπὶ Ἰερ. (13 c)  
 22. 16. ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (13 c)  
 — 20. ἐν πᾶσι τοῖς κ. οἷς ἐγὼ εἰμι ἐπάγω (13 c)  
 I Ch. 7. 23. ἐν κακοῖς ἐγένετο ἐν ὅκῳ μου (13 c)  
 II Ch. 18. 7. πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐτοῦ εἰς κακὰ (13 c)  
 — 17. οὐ προφητεύει περὶ ἐμοῦ ἀγαθὰ ἀλλ' ἢ κακὰ (13 b)  
 — 22. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σέ κακὰ (13 c)  
 20. 9. ἐὰν ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακὰ (13 c)  
 34. 24. ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (13 c)  
 — 28. οὐκ ὄψονται . . . ἐν πᾶσι τοῖς κ. (13 c)  
 Ne. 18. 18. ἤνεγκεν . . . ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κ. ταῦτα (13 c)  
 To. 8. 10. Β ἀπήγαγον ἀπὸ τῶν κ.  
 7. 7. Β ὡ ταλαιπώρων κακῶν  
 8. 14. Β καὶ οὐδὲν κ. ἐστίν  
 12. 7. Β κακὸν οὐχ εὐρήσει ὕμᾶς  
 Es. 1. 1. φοβούμενοι τὰ ἐαυτῶν κ.  
 8. 13. τὰ [B<sup>1</sup> om.] χεῖριστα συντελοῦν κ. (13 c)  
 7. 7. ἐώρα γὰρ ἐαυτὸν ἐν κακοῖς ὄντα (13 c)  
 9. 25. ὅσα δὲ ἐπεχείρησεν ἐπάξει . . . κ. (13 c)  
 10. 3. ἐρρύσατο κύριος ἡμᾶς ἐκ πάντων τῶν κ. τ.  
 Jb. 1. 5. μή ποτε οἱ υἱοὶ μου . . . κακὰ ἐνενόησαν πρὸς θεόν +  
 2. 3. ἄνθρωπος . . . ἀπεχόμενος ἀπὸ παντὸς κακοῦ (13 b)  
 — 10. τὰ κ. οὐχ ὑπόισομεν (13 b)  
 — 11. ἀκούσαντες δὲ . . . τὰ κ. πάντα τὰ ἐπελθόντα αὐτῷ (13 c)  
 4. 12. οὐθέν ἂν σοι τούτων κακὸν ἀπήγγελλε [A al.] +  
 5. 5. αὐτοὶ δὲ ἐκ κακῶν οὐκ ἐξαιρέτοι ἐσονται [A οὐκ ἐξαίρεθίσονται] +  
 — 19. ἐν δὲ τῷ ἐβδόμῳ οὐ μὴ ἀνῆγγαι σου κακόν (13 b)  
 — 21. οὐ μὴ φοβήθῃς ἀπὸ κακῶν ἐρχομένων [B ἐπερχ.] (15)  
 6. 23. Α ὥστε σώσῃ με ἐκ χειρὸς κακῶν [B B ἐξ ἐχθρῶν] (11 a)  
 13. 4. ὕμεις δὲ ἐστε . . . λαταὶ κακῶν πάντες (3)  
 — 26. κατέγραψας κατ' ἐμοῦ κακὰ (9)  
 16. 2. παρακλήτορες κακῶν πάντες (10)  
 22. 23. πόρρω ἐποίησας . . . ἄδικον [A B<sup>1</sup> τὸ δ., B<sup>1</sup> κακόν] (16)  
 27. 15. Α οἱ δὲ περὶ τῶν αὐτῶν κακῷ θανάτῳ τελευτήσωσιν [B A al.] —  
 28. 28. τὸ δὲ ἀπέχεσθαι ἀπὸ κακῶν ἐστίν ἐπιστήμη (13 b)  
 30. 26. συνήτησάν μοι μάλλον ἡμέραι κακῶν (13 b)  
 Ps. 7. 4. εἰ ἀνταπίδωκα τοῖς ἀνταποδιδούσι μοι κακὰ (13 b)  
 9. 27 (10. 6). οὐ μὴ σαλευθῶ ἀπὸ γενεᾶς εἰς γενεάν ἀνευ κακοῦ (13 b)  
 11 (12). 2. Α B<sup>1</sup> ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν κακὰ [B B<sup>1</sup> om.] —  
 14 (15). 3. οὐδὲ ἐποίησεν τῷ πλησίον αὐτοῦ κακόν [B<sup>1</sup> om.] (13 c)  
 20 (21). 11. ἔκλιναν εἰς σέ κακὰ (13 c)  
 22 (23). 4. οὐ φοβηθήσομαι κακὰ (13 b)  
 26 (27). 5. ἐκρυψέ με . . . ἐν ἡμέραι κακῶν μου (13 c)  
 27 (28). 3. κακὰ δὲ ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν (13 c)  
 33 (34). 13. παύσων τὴν γλώσσάν σου ἀπὸ κακοῦ (13 b)  
 — 14. ἐκκλινον ἀπὸ κακοῦ (13 b)  
 — 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιούντας κακὰ (13 b)  
 34 (35). 4. οἱ λογιζόμενοι μοι κακὰ (13 c)  
 — 26. οἱ ἐπιχαίροντες τοῖς κ. μου (13 c)  
 36 (37). 27. ἐκκλινον ἀπὸ κακοῦ (13 b)  
 37 (38). 12. οἱ ἡγούμενοι τὰ κ. μοι (13 c)  
 — 20. οἱ ἀνταποδιδόντες κακὰ [A B<sup>1</sup> μοι κακὰ] ἀπὸ τῶν ἀγαθῶν (13 c)  
 39 (40). 12. περιέσχον με κακὰ (13 c)  
 — 14. οἱ θέλοντές μοι κακὰ (13 c)  
 40 (41). 5. οἱ ἐχθροὶ μου εἶπαν κακὰ μοι (13 b)  
 — 7. ἐλογίζοντο κακὰ μοι (13 c)  
 53 (54). 5. ἀποστρέψετε τὰ κ. τοῖς ἐχθροῖς μου (13 b)



Ps. 55 (56). 5. κατ' ἐμοῦ πάντες οἱ διαλογισμοὶ αὐτῶν εἰς κακὸν [B<sup>2</sup> κακά] (13 b)  
 69 (70). 2. οἱ βουλόμενοί μοι κακὸν (13 c)  
 70 (71). 13. οἱ ἐχθροί τὰ κ. καὶ (13 c)  
 — 20. B ἔδειξέ μοι θλίψεις πολλὰς καὶ κακά [B B -as] (13 c)  
 — 24. οἱ ἐχθροί τὰ κ. μοι (13 c)  
 72 (73). 18. ἴδου αὐτοὺς [B<sup>2</sup> add. κακά] —  
 87 (88). 3. ἐπλήσθη κακῶν ἡ ψυχὴ μου (13 c)  
 89 (90). 15. ἴδων ὃν εἶδομεν κακά (13 c)  
 90 (91). 10. οὐ προσελεύσεται πρὸς σέ κακά (13 c)  
 106 (107). 26. ἡ ψυχὴ αὐτῶν ἐν κακοῖς ἐτήκετο (13 c)  
 — 39. ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν (13 c)  
 108 (109). 5. ἔθεντο κατ' ἐμοῦ κακά ἀντὶ ἀγαθῶν (13 c)  
 120 (121). 7. φυλάζει σε ἀπὸ παντὸς κ. (13 b)  
 139 (140). 11. ἀνδρὰ ἄδικον κακὰ θηρεύσει εἰς καταφθόραν [A B διαφθ.] (13 b)  
 Pr. 1. 18. θησαυρίζουσιν ἑαυτοῖς κακὰ ἢ δὲ καταστροφή ἀνθρώπων παρανομῶν κακῇ (†, †)  
 — 28. ἐζητούνσι με κακοὶ (13 c)  
 — 33. ἡσυχάσει ἀβύσσος ἀπὸ παντὸς κακοῦ (13 c)  
 2. 12. ἡνὰ ρύσῃται σὲ ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (13 b)  
 — 14. οἱ ἐμφανιζόμενοι ἐπὶ κακοῖς καὶ χαίροντες ἐπὶ διαστροφῇ κακῇ (13 b, 13 b)  
 — 16. μὴ σε καταλάβῃ κακὴ βουλή (13 b)  
 3. 7. ἐκκλίνει ἀπὸ παντὸς κακοῦ (13 b)  
 — 29. μὴ τεκτήῃ ἐπὶ σὸν φίλον κακά (13 c)  
 — 30. μὴ τι σε [A B<sup>2</sup> εἰς σέ] ἐργάσῃται κακόν (13 c)  
 — 31. μὴ κτήσῃ κακὸν ἀνδρῶν ὀνείδη (†)  
 4. 27. ἀπόστρεψον δὲ σὸν πῶδα ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (17)  
 5. 14. παρ' ὀλίγον ἐγένεθ' ἐν παντὶ κ. [B<sup>1</sup> καίρω] (13 b)  
 6. 3. ἥκει γὰρ εἰς χεῖρας κακῶν διὰ σὸν φίλον —  
 — 11. ἐμπαράγινεται σοι ὥσπερ κακὸς ὁδοιπόρος ἡ πενία (13 b)  
 — 11. ἡ δὲ ἔνδεια ὥσπερ κακὸς δρομέας ἀπαντολοῦνται [A al.] (†)  
 — 14. τεκταίνεται [B<sup>2</sup> κατασκευάζεται] κακὰ ἐν παντὶ καίρω (13 b)  
 — 18. καρδίᾳ τεκταινόμενη λογισμοὺς κακοῦς (2)  
 8. 13. μεμίσχηκα δὲ ἐγὼ διστραμμένας ὁδοὺς κακῶν (13 b)  
 9. 7. οὐ παιδεύων κακοὺς λήψεται ἑαυτῷ ἄτιμιαν (5)  
 — 8. μὴ ἔλεγχε κακοὺς (5)  
 — 12. ἐάν δὲ κακὸς ἀποβῇ [B<sup>1</sup> om.] μόνος ἂν ἀντλήσῃς κακά (13 b, —)  
 10. 23. ἐν γέλωτι ἄφρων πρᾶσσει κακά (4)  
 — 29. συντριβὴ δὲ τοῖς ἐργαζομένοις κακά (2)  
 11. 27. ἐκζητοῦντα δὲ κακά καταλήψεται αὐτῶν (13 c)  
 12. 12. ἐπιθυμία ἀσεβῶν κακαὶ (13 b)  
 — 20. ὁδὸς ἐν καρδίᾳ τεκταινόμενου κακά (13 b)  
 — 21. οἱ δὲ ἀσεβεῖς πλησθήσονται κακῶν (13 b)  
 — 26. A B<sup>1</sup> ἁμαρτάνοντας δὲ καταδιώξεται κακά —  
 13. 10. κακὸς μεθ' ὕβρεως πρᾶσσει κακά (†, 8)  
 — 12. A δένδρον γὰρ ζωῆς ἐπιθυμία κακῇ [B B al.] (†)  
 — 17. βασιλεὺς θρασὺς ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 b)  
 — 21. ἁμαρτάνοντα καταδιώξεται κακά (13 c)  
 14. 6. ζητήσεις σοφίαν παρὰ κακοῖς (5)  
 — 16. σοφὸς φοβηθεὶς ἐξέκλινεν ἀπὸ κακοῦ (13 b)  
 — 19. ὀλισθήσονται κακοὶ ἐναντὶ ἀγαθῶν (13 b)  
 — 22. πλανώμενοι τεκταίνονται κακά (13 b)  
 — 22. οὐκ ἐπιστάνται ἔλκειν καὶ πίστιν τέκτονες κακῶν —  
 — 24. ἡ δὲ διατριβὴ ἀφρόνων κακῇ (1)  
 — 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός —  
 15. 2. στόμα δὲ ἀφρόνων ἀναγγέλλει κακά (1)  
 — 3. σκοπεύουσι κακοὺς τε καὶ ἀγαθοὺς (13 b)  
 — 14. στόμα δὲ ἀπαιδεύτων [B<sup>1</sup> ἀσεβῶν] γινώσκειται κακά (1)  
 — 15. πάντα τὸν χρόνον οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν κ. προσδέχονται κακά (13 b, —)  
 — 23. οὐ μὴ ὑπακούσῃ οὐ κ. [B<sup>2</sup> ἄκακος] αὐτῇ (†)  
 — 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ (13 b)  
 — 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν ἀποκρίνεται κακά (13 c)  
 16. 2 (4). οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἐν ἡμέρᾳ κακῇ δλοῦνται (13 c ?)  
 — 5 (4). φυλάσσεται δὲ οὐ ἀσεβῆς εἰς ἡμέραν κακῆν (13 c ?)  
 — 12. βδελύσσει βασιλεὺς οὐ ποιῶν κακά (14)  
 — 17. τριβοὶ ζωῆς ἐκκλίνουσιν [B -κινουσί] ἀπὸ κακῶν (13 b)  
 — 22. παιδεία δὲ ἀφρόνων κακῇ (1)  
 — 27. ἀνὴρ ἀφρων ὀρύσσει ἑαυτῷ κακά (13 c)

Pr. 16. 28. ἀνὴρ σκολιὸς διαπέμπεται κακὰ καὶ λαμπτήρα δόλου [B χόλου] πυρσεύσει κακοῖς (θ, †)  
 — 30. ὁρίζει [A ὁρίζει] δὲ τοῖς χεῖλεσιν αὐτοῦ πάντα τὰ κ. (13 c)  
 — 30. A οὗτος κἀμινός ἐστι κακῶν [B B κακίας] —  
 17. 4. κακὸς ὑπακούει γλώσσης παρανομῶν (13 a)  
 — 11. ἀντιλογία ἐγείρει πᾶς κακὸς (13 b)  
 — 12. οἱ δὲ ἀφρονες διαλογίζονται κακά (1)  
 — 13. ὅς ἀποδίδωσι κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν οὐ κινήσεται κακὰ ἐκ τοῦ οἴκου [A εἰς τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (13 c, 13 c)  
 — 16 (20). ὁ δὲ σκολιάζων τοῦ μαθεῖν ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 c)  
 — 20. ἀνὴρ εὐμεταβολὸς γλώσση ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 c)  
 18. 3. ὅταν ἔλθῃ ἀσεβῆς εἰς βάθος κακῶν —  
 — 6. χεῖλῃ ἀφρόνων ἀγνοῦσιν αὐτὸν εἰς κακά (13)  
 19. 6. πᾶς δὲ οὐ [A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> om.] κ. γίνεται ὄνειδος [A ἄδικος] ἀνδρὶ (†)  
 — 27. μελετήσει ῥήσεις κακάς (†)  
 20. 30. ὑπόπια καὶ συντριμμάτα συναντᾷ κακοῖς (13 b)  
 21. 12. φαυλίζει ἀσεβεῖς ἐν κακοῖς (13 b)  
 — 26. ἀσεβῆς ἐπιθυμεῖ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐπιθυμίας κακάς (2)  
 22. 8. οὐ σπείρων φαύλα θερίσει κακά (2)  
 — 14. εἰσὶν ὁδοὶ κακαὶ ἐνώπιον ἰνδρός —  
 — 14. ἀποστρέφειν δὲ δεῖ ἀπὸ ὁδοῦ σκολιάς καὶ κακῆς —  
 — 16. A B<sup>2</sup> πολλὰ ποιεῖ τὰ ἐαυτοῦ κ. [B B<sup>1</sup> om.] —  
 24. 1. μὴ ῥηλώσῃς κακοῦς ἀνδρας (13 c)  
 — 10. ἐν ἡμέρᾳ κακῇ καὶ ἐν ἡμ. θλίψεως (11 b)  
 — 16. οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἀσθενήσουσιν ἐν κακοῖς (13 c)  
 — 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρτάται —  
 — 35 (30. 12). ἔκγονον κακὸν δικαῖον ἑαυτὸν κρίνει —  
 — 36 (30. 13). ἔκγονον κακὸν ὑψηλοῦς ὀφθαλμοῦς ἔχει —  
 — 37 (30. 14). ἔκγονον κακὸν μαχαίρας τοῖς ὀδόντας ἔχει —  
 25. 19. ὁδὸς [A ὁδὸς] κακοῦ καὶ πούες παρανομῶν ὀδεῖται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ (†, 11 b)  
 27. 12. παυοῦντος κακῶν ἐπερχομένων ἀπεκρύβῃ (13 c)  
 — 21. καρδία ἀνόμου ἐκζητεῖ κακά (13 c)  
 28. 5. ἄνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> νοήσουσιν] κρίμα (13 b)  
 — 10. δε πλανᾷ εὐθεῖς ἐν ὁδῷ κακῇ (13 b)  
 — 14. οὐ σκληρὸς τὴν καρδίαν ἐμπεσεῖται κακοῖς (13 c)  
 — 20. οὐ δὲ κ. οὐκ ἀτιμώρητος ἔσται (†)  
 31. 12. A ἐνεργεῖ γὰρ τῷ ἀνδρὶ ἀγαθὸν καὶ οὐ κακὸν πάντα τὸν βίον [B B al.] (13 b)  
 Ec. 4. 17. οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιεῖν κακόν [B τὸ καλόν] (13 b)  
 9. 2. συνάντημα ἐν . . . τῷ ἀγαθῷ καὶ τῷ κ. —  
 — 12. A B B<sup>1</sup> οἱ ἰχθύες οἱ θηρευόμενοι ἐν ἁμφιβληστρῷ κ. [B καλῷ] (13 b)  
 Wi. 14. 22. τὰ τοσαῦτα κ. εἰρήνην παραγορεύουσιν —  
 — 27. ἡ γὰρ τῶν ἀνωνίμων εἰδῶλων θρησκεία παντὸς ἀρχῇ κακοῦ (13 b)  
 15. 6. κακῶν ἐρασταὶ . . . καὶ οἱ δρωντες καὶ οἱ ποθοῦντες —  
 — 12. κλῆν ἐκ κακοῦ πορίζειν —  
 16. 8. σὺ εἰ δὲ ῥυθόμενος ἐκ παντὸς κακοῦ —  
 Si. 7. 1. μὴ ποιεῖ κακὰ καὶ οὐ μὴ σε [B om.] καταλάβῃ κακόν —  
 11. 14. ἀγαθὰ καὶ κακά . . . παρὰ κυρίου ἐστὶ —  
 — 25. ἐν ἡμέρᾳ ἀγαθῶν [A -θῇ] ἀμνησία κακῶν καὶ ἐν ἡμέρᾳ κακῶν οὐ μνησθήσεται ἀγαθῶν —  
 — 31. τὰ γὰρ ἀγαθὰ εἰς κακά μεταστρέφονται ἐνεδρεύει —  
 12. 3. οὐκ ἔστιν ἀγαθὸν τῷ ἐνδελεχίζοντι εἰς κακά —  
 — 5. διπλάσια γὰρ κακὰ εὐρίσκει ἐν πᾶσιν ἀγαθοῖς —  
 — 8. οὐ κρυβήσεται ἐν κακοῖς οὐ ἐχθρός —  
 — 9. ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ καὶ οὐ φιλὸς διαχωρισθήσεται —  
 — 17. κακὰ ἂν ὑπαινίγηται σοι —  
 13. 25. ἐάν [A B εἰν τε] εἰς ἀγαθὰ ἐάν τε εἰς κακά —  
 17. 7. ἀγαθὰ καὶ κακά ὑπέδειξε ἐν αὐτοῖς —  
 18. 8. τί τὸ ἀγαθὸν αὐτοῦ καὶ τί τὸ κ. αὐτοῦ —  
 20. 9. ἔστιν εὐδοκία [A εὐδὸν] ἐν κακοῖς ἀνδρὶ —  
 — 18. πτώσις κακῶν καὶ σπουδὴν ἤξει —  
 21. 4. καταπληγμὸς [B<sup>2</sup> κακὸν πληγμὸς] καὶ ὕβρις —  
 22. 26. εἰ κακὰ μοι συμβῇ δι' αὐτὸν —  
 27. 22. διανεύων [A καὶ ἐννεύων] ὀφθαλμῷ τεκταίει [B<sup>2</sup> -εταί, B<sup>2</sup> κατασκευάζει] κακά

Si. 34 (31). 10. τίς ἐδύνατο . . . ποιῆσαι κακὰ καὶ οὐκ ἔποιησε —  
 — 13. κακὸν ὀφθαλμὸς ποιεῖ —  
 36 (33). 1. τῷ φοβημένῳ κύριον οὐκ ἀπαντήσεται κακόν —  
 — 14. ἀπέναντι τοῦ κ. τὸ ἀγαθόν —  
 87. 18. τίς σάρα μέρη ἀνατέλλει ἀγαθὸν καὶ κακόν [ζῷ καὶ θάνατος] —  
 39. 4. ἀγαθὰ γὰρ καὶ κακά ἐν [A om.] ἀνθρώποις ἐπείρασε —  
 — 25. οὕτως τοῖς ἁμαρτωλοῖς κακά —  
 — 27. τοῖς ἁμαρτωλοῖς τραπήσεται εἰς κακά —  
 Am. 6. 3. οἱ ἐρχόμενοι [A εὐχ.] εἰς ἡμέραν κακῆν (13 b)  
 9. 4. στήριξόν τοὺς ὀφθαλμούς μου . . . εἰς κακά (13 c)  
 — 10. οὐδὲ μὴ γίνηται ἐφ' ἡμᾶς τὰ κακά (13 c)  
 Mi. 1. 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου (13 b)  
 2. 1. ἐργαζόμενοι κακὰ ἐν ταῖς κοιταῖς αὐτῶν (13 b)  
 — 3. λογιζομαι ἐπὶ τὴν φυλὴν τ. κακά (13 c)  
 3. 11. οὐ μὴ ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακά [A τὰ κακά] (13 c)  
 4. 9. καὶ νῦν ἴνα τί ἔγνωσ κακά (†)  
 7. 3. ἐπὶ τὸ κ. τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐτοιμάζουσιν (13 b)  
 Jl. 3 (4). 13. ὅτι πεπληθύνοντα τὰ κακά αὐτῶν (13 c)  
 Jn. 3. 10. μετενόησεν ὁ θ. ἐπὶ τῇ κακίᾳ [A τὰ κακά] (13 c)  
 4. 6. τοῦ σκιάειν αὐτῷ ἀπὸ τῶν κ. αὐ. (13 c)  
 Hb. 2. 9. οὐ πλεονεκτῶν πλεονεξίαν κακῆν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ —  
 — 9. τοῦ ἐκποσθῆναι ἐκ χεῖρὸς κακῶν (13 b)  
 Ze. 3. 15. οὐκ ὄψη κακὰ οὐκίται (13 b)  
 Za. 1. 15. αὐτοὶ δὲ συνεπέθεντο εἰς κακά (13 c)  
 Ma. 1. 8. ἐὰν προσαγάγῃτε τυφλὸν . . . οὐ κακόν; καὶ ἐὰν προσάγ. χωλόν . . . οὐ κακόν (13 b, 13 b)  
 Is. 7. 16. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον ἀγαθὸν ἢ κακόν (13 b)  
 13. 11. ἐντελούμαι τῇ οἰκουμένη ὅλη κακά (13 c)  
 26. 15. πρόσθετε αὐτοῖς κακά, κύριε, πρόσθετε κακά [B al.] —, †  
 — 28. 9. τίνοι ἀνηγγελιαμεν κακά (13 b)  
 31. 2. ἦγεν ἐπ' αὐτοὺς κακά (13 c)  
 45. 7. οὐ ποιῶν εἰρήνην καὶ κτίζων κακά (13 b)  
 46. 7. ἀπὸ κακῶν οὐ μὴ σώσῃ αὐτόν (11 b)  
 57. 12. ἀπαγγελῶ . . . τὰ κ. σου (7)  
 Je. 1. 14. ἀπὸ προσώπου βορρᾶ ἐκκαυθήσεται τὰ κ. (13 c)  
 2. 3. κακὰ ἤξει ἐπ' αὐτοὺς (13 c)  
 — 27. ἐν τῷ καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 c)  
 4. 6. κακὰ ἐγὼ ἐπάγω ἀπὸ βορρᾶ (13 c)  
 5. 12. οὐχ ἤξει ἐφ' ἡμᾶς κακά (13 c)  
 6. 1. κακὰ ἐκέκρυφεν ἀπὸ βορρᾶ (13 c)  
 — 19. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τούτων κακά [B al.] (13 c)  
 7. 6. ὅπως θεῶν ἀλλοτριῶν μὴ πορεύσῃ εἰς κακὸν ὕμιν —  
 — 24. τοῖς ἐνθυμήμασι [A ἐπιθ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κ. (13 b)  
 9. 3 (2). ἐκ κακῶν εἰς κακά ἐξήλθοσαν (13 c, 13 c)  
 — 14 (13). τῶν ἀρεστών [A ἐρασ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κ. —  
 11. 11. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τούτων κακά (13 c)  
 — 12. ἐν τῷ καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 c)  
 — 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σέ κακά (13 c)  
 — 23. ἐπάξω κακὰ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀναβῶθ (13 c)  
 13. 23. δυνήσεσθε εὖ ποιῆσαι μεμαθηκέντες τὰ κ. (13 a)  
 14. 8. σώξαι ἐν καιρῷ κακῶν (11 b)  
 — 16. ἐκχέω ἐπ' αὐτοὺς τὰ κ. αὐτῶν (13 c)  
 15. 11. παρεστὴν σοι ἐν καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 c)  
 16. 10. ἐλάλησε κύριος ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κ. ταῦτα (13 c)  
 — 19. καταφυγὴ μου ἐν ἡμέραις κακῶν (11 b)  
 18. 8. ἐπιστροφὴ τὸ ἔθνος ἐκείνο ἀπὸ πάντων τῶν κ. αὐ. καὶ μετανοήσῃ περὶ [A B add. πάντων] τῶν κ. (13 c, 13 c)  
 — 11. πλάσω ἐφ' ὑμᾶς κακά (13 c)  
 — 20. εἰ ἀνταποδίδονται ἀντὶ ἀγαθῶν κακά (13 c)  
 19. 3. ἐπάγω ἐπὶ τὸν τόπον τούτων κακά (13 c)  
 — 15. ἐπάγω ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην [A add. κακὰ] . . . καὶ ἐπὶ τὰς κόμας αὐτῆς ἅπαντα τὰ κ. (—, 13 c)  
 21. 10. ἐστήρικα τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην εἰς κακά (13 c)  
 23. 12. ἐπάξω ἐπ' αὐτοὺς κακά (13 c)  
 — 17. οὐχ ἤξει ἐπὶ σέ κακά (13 c)

Je. 25. 16 (49. 37). B ἐπάξω ἐπ' αὐτοὺς κακά [A B om.] (18 c)  
 28 (51). 60. ἔγραψεν Ἱερεμίας πάντα τὰ κ. (18 c)  
 — 64. A B B οὐ μὴ ἀναστῇ ἀπὸ προσώπου τῶν κ. [B Χαλδαίων] (18 c)  
 31 (48). 2. ἐλογίσαστο ἐπ' αὐτὴν κακά [B al.] (18 c)  
 32 (25). 32. κακὰ ἔρχεται ἀπὸ ἔθνους ἐπὶ [A B eis] ἔθνος (18 c)  
 33 (26). 3. παύσομαι ἀπὸ τῶν κ. (18 c)  
 — 13. παύσεται κύριος ἀπὸ τῶν κ. (18 c)  
 — 19. ἐπαύσεται κύριος ἀπὸ τῶν κ. . . ἐποιήσαμεν κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς [A -ais] ἡμῶν (18 c, 18 c)  
 36 (29). 11. λογιόμαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν εἰρήνης καὶ οὐ κακά (18 c)  
 39 (32). 23. συμβῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ κ. τ. (18 c)  
 — 42. ἐπηγάγον ἐπὶ τὸν λαὸν τούτων πάντα τὰ κ. τὰ μεγάλα ταῦτα (18 c)  
 42 (85). 17. B φέρω ἐπὶ Ἰούδαν . . . πάντα τὰ κακά (18 c)  
 43 (86). 3. ἴσως ἀκούσεται ὁ οἶκος Ἰούδα πάντα τὰ [A αὐ] κ. (18 c)  
 — 31. ἐπάξω ἐπ' αὐτὸν . . . πάντα τὰ κ. (18 c)  
 46 (39). 16. φέρω τοὺς λόγους μου . . . εἰς κακά (18 c)  
 47 (40). 2. ὁ θεὸς σου ἐλάλησε τὰ κ. ταῦτα ἐπὶ τὸν τόπον τούτον (18 c)  
 48 (41). 11. ἤκουσεν Ἰωάναν . . . πάντα τὰ κ. δ' ἐποίησεν Ἰσραὴλ (18 c)  
 49 (42). 6. ἐὰν ἀγαθὸν καὶ ἐὰν κακὸν (18 b)  
 10. ἀναπέψαυμαι ἐπὶ τοῖς κ. [A B ἀπὸ τῶν κ.] (18 c)  
 — 17. οὐκ ἔσται αὐτῶν οὐθεὶς σωζόμενος ἀπὸ τῶν κ. (18 c)  
 51 (44). 2. ἐώρακατε πάντα τὰ κ. (18 c)  
 — 5. ἀποστρέψαι ἀπὸ τῶν κ. αὐτῶν (18 c)  
 — 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς [B' -as] ὑμῶν (18 c)  
 — 9. μὴ ἐπιλελήσθε ὑμεῖς τῶν κ. [A ἔργων] τῶν πατ. ὑμῶν καὶ τῶν κ. τῶν βασ. Ἰ. καὶ τῶν κ. τῶν ἀρχόντων ὑμῶν καὶ τῶν κ. τῶν γυναικῶν ὑμῶν (18 c quater)  
 — 17. κακὰ οὐκ εἶδον (18 c)  
 — 23. ἐπελάβετο ὑμῶν τὰ κ. ταῦτα (18 c)  
 — 35 (45. 5). ἐπάγω κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (18 c)  
 Ba. 1. 20. ἐκολλήθη εἰς ἡμᾶς τὰ κ.  
 — 22. ποιήσαι τὰ κ. κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου θεοῦ ἡμῶν  
 2. A B τοῦ ἀγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μεγάλα  
 — 7. πάντα τὰ κ. ταῦτα δ' ἤλθεν ἐφ' ἡμᾶς  
 — 9. ἐργηγήρησε κύριος ἐπὶ τοῖς κ.  
 3. 4. ἐκολλήθη [A προσεκ.] ἡμῖν τὰ κ.  
 4. 18. ὁ γὰρ ἐπαγαγὼν τὰ κ. [A add. ὑμῖν]  
 — 29. ὁ γὰρ ἐπαγαγὼν ὑμῖν τὰ κ.  
 La. 1. 21. πάντες οἱ ἐχθροὶ μου ἤκουσαν τὰ κ. μου (18 c)  
 3. 38. ἐκ στόματος ὑψίστου οὐκ ἐξελεύσεται τὰ κ. καὶ τὸ ἀγαθόν (18 c)  
 Ep. Je. 3. 4. ἐὰν κακὸν πάθωσιν ὑπὸ τινος  
 — 48. ὅταν γὰρ ἐπέλθῃ [A om.] ἐπ' αὐτὰ [A -οὓς] πόλεμος καὶ κακά  
 — 49. οὐτε σώζουσιν ἑαυτοὺς ἐκ πολέμου [A -μων] οὐτε ἐκ κακῶν  
 Ez. 6. 10. A τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς ἅπαντα τὰ κ. ταῦτα (18 c)  
 14. 22. A B B μεταμεληθήσεσθε ἐπὶ τὰ κ. . . πάντα τὰ κ. (18 c, -)  
 20. 44. κατὰ τὰς ὁδοὺς ἡμῶν τὰς κ. (18 b)  
 Da. LXX. Su. 10. οὐ προσεποιεῖτό τὸ κ.  
 — 52. πεπαιδευμένοι ἡμερῶν κακῶν  
 8. (44). οἱ ἐνδεκνύμενοι τοῖς δούλοις σου κακά  
 7. 24. αὐτοὶ δὲ οἱ κακοὶ  
 9. 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κ. μεγάλα (18 c)  
 — 13. πάντα τὰ κ. ἐπὶ ἡμῖν (18 c)  
 — 14. ἡγρήσαντες κύριος ὁ θεὸς ἐπὶ τὰ κ. (18 c)  
 Da. TH. Su. 52. πεπαιδευμένοι ἡμερῶν κακῶν  
 3. (44). οἱ ἐνδεκνύμενοι τοῖς δούλοις σου κακά  
 7. 24. ὅς ὑπεροίσει κακοὶ πάντας τοὺς ἔμπροσθεν  
 9. 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κ. μεγάλα (18 c)  
 — 13. πάντα τὰ κ. ταῦτα ἤλθεν ἐφ' ἡμᾶς (18 c)  
 I Ma. 1. 9. ἐπλήθυνον κακὰ ἐν τῇ γῇ  
 — 11. εὐρεν ἡμᾶς κ. πολλὰ  
 — 23. ἐποίησαν κακὰ ἐν τῇ γῇ  
 2. 30. A B ἐσκληρύνθη [B ἐπληθύνθη] ἐπ' αὐτοὺς τὰ κ.  
 — 43. πάντες οἱ φυγαδεύοντες ἀπὸ τῶν κ.  
 3. 42. ἐπληθύνθη τὰ κ.  
 — 59. ἡ ἐπιτεῖν ἐπὶ τὰ κ. τοῦ ἔθνους ἡμῶν

I Ma. 6. 12. μῆσκομαι τῶν κ.  
 — 13. εὐρὸν με τὰ κ. ταῦτα  
 — 18. καὶ ζητούντες κακά  
 7. 15. οὐκ ἐκζητήσομεν ὑμῖν κακόν  
 8. 31. περὶ τῶν κ. ὧν ὁ βασιλ. Δ. συντελεῖται  
 9. 71. μὴ ἐκζητῆσαι αὐτῶν κακόν  
 10. 5. μνησθήσεται γὰρ πάντων τῶν κ.  
 15. 12. A B ἐπισυνῆκται [B συν.] ἐπ' αὐτὸν κακά  
 — 19. ὅπως μὴ ἐκζητήσωσιν αὐτοὺς κακά [B' om. αὐ. κ.]  
 16. 17. B B ἀπέδωκε [A ἀνταπ.] κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν  
 II Ma. 1. 25. ὁ διασῶν τὸν Ἰσρ. ἐκ παντὸς κ.  
 2. 18. ἐξέλιτο γὰρ ἡμᾶς ἐκ μεγάλων κ.  
 4. 1. τῶν κ. δημιουργὸς καθεστηκώς  
 5. 8. πέρασ ὧν κ. ἀναστρέφει [A καταστρ.] ἔφυγεν  
 10. 4. B μηκέτι περιπέσειν [A παραπ.] τοιοῦτος κ.  
 — 10. B συντίμωτον τὰ τῶν πολέμων [A τὰ συνέχοντα τῶν πόλεων] κ.  
 13. 4. τούτων αἰτίων τῶν κ. εἶναι πάντων  
 — 6. ἡ καὶ τινων ἄλλων κ. ὑπεροχὴν πεποιημένων  
 III Ma. 2. 12. A ἐρρώσκει αὐτοὺς ἐκ μεγάλων κ. [B κινδύνων] κ.  
 IV Ma. 6. 14. τί τοῖς κ. τούτοις σεαυτὸν . . . ἀπόλλαις  
 11. 5. A B ἡ κακὸν σοὶ δοκεῖ  
 12. 15. B σὺ δὲ κ. [A B om.] κακῶς ὁμώξεις  
 17. 2. ἀκρωσάσαι τὰς κ. ἐπίνοιας αὐτοῦ  
 [Aq. IV Ki. 17. 11: Ps. 85 (86). 5: 70 (71). 20: Pr. 11. 21: 13. 19: Is. 7. 15: 69. 7. 15: Je. 15. 11: 24. 9: 44 (51). 9. 23, 29. 46. 15: Sm. I Ki. 20. 9: Jb. 17. 5: 80. 26: Ps. 20 (21). 12: 29 (30). 8: 85 (86). 5: 40 (41). 6. 8: 53 (54). 7: 55 (56). 6: 89 (90). 15: 90 (91). 10: 96 (97). 10: 106 (107). 39: Pr. 21. 12: Ec. 2. 17: 4. 3. 17: 5. 12. 13: 8. 9: 10. 5: 12. 14: Is. 7. 15: 88. 15: 85. 9: 56. 11: 59. 7. 15: Je. 15. 11: 18. 8: 24. 9: 41 (48). 11: 44 (51). 9. 23: Hb. 1. 13.]  
 [Th. Ps. 85 (86). 5: Is. 69. 7. 15: Je. 39 (46). 13: 44 (51). 11. 29. 46: 50 (57). 21: Ec. 6. 10.]  
 [Al. Ps. 48 (49). 6: 111 (112). 7: Pr. 14. 13: 16. 30.]  
**κακοτεχνεῖν.**  
 III Ma. 7. 9. ἐάν τι κακοτεχνήσωμεν πονηρίῳν  
**κακότεχνος.**  
 Wi. 1. 4. εἰς κ. ψυχὴν οὐκ εἰσελεύσεται σοφία  
 15. 4. οὐτε γὰρ ἐπλάυνον ἡμεῖς ἀνθρώπων κακότεχνος ἐπίνοια  
 IV Ma. 6. 25. διὰ κ. ὀργάνων καταφλέγοντες αὐτὸν  
**κακότης.** (1) 𐤒𐤍 hi.  
 Pr. 24. 19. B' μὴ χεῖρε ἐπὶ κακότητι [A B B' κακοποιεῖς] (1)  
**κακοῦν.** (1) 𐤒𐤍𐤏 ru. (2) 𐤒𐤍 hi. (3) 𐤒𐤍𐤏 ni.  
 (4) 𐤒𐤍𐤏 a. qal. δ. ni. c. pi.  
 d. hi. (6) 𐤒𐤍 hi. (7) 𐤒𐤍 a. qal.  
 δ. hi. c. 𐤒𐤍 d. 𐤒𐤍 (8) 𐤒𐤍 hi.  
 (9) 𐤒𐤍 (10) 𐤒𐤍 pi.  
 Ge. 16. 13. B κακώσουσιν αὐτοὺς [A -ό] (5 c)  
 16. 6. B ἐκάκωσεν αὐτὴν Σάρρα (5 c)  
 19. 9. B ὦν οὖν σε κακώσωμεν [A -ομεν] (7 b)  
 Ex. 1. 11. ἵνα κακώσωσιν [A -σουσιν] αὐτοὺς ἐν τοῖς ἔργοις (5 c)  
 5. 22. τί ἐκάκωσας τὸν λαὸν τούτων (7 b)  
 — 23. ἐκάκωσε τὸν λαὸν τούτων (7 b)  
 22. 21 (20). προσήλθον οὐ κακώσετε (5 c)  
 — 22 (21). πᾶσαν χεῖρα . . . οὐ κακώσετε (5 c)  
 — 23 (22). ἐὰν δὲ κακίᾳ κακώσετε αὐτοὺς (5 c)  
 23. 9. A προσήλθον οὐ κακώσετε [B om.] (4)  
 Nu. 11. 11. ἵνα τί ἐκάκωσας τὸν θεράποντά σου (7 b)  
 16. 15. οὐδὲ ἐκάκωσα οὐδένα αὐτῶν (7 b)  
 20. 15. ἐκάκωσαν ἡμᾶς οἱ Αἰγύπτιοι (7 b)  
 24. 24. καὶ κακώσουσιν Ἀσσοῦ καὶ κακώσουσιν Ἑβραῖους (5 c, 5 c)  
 29. 7. κακώσετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (5 c)  
 30. 14. πᾶς ὅρκος δεσμοῦ κακῶσαι ψυχὴν [A αὐτῶν] (5 c)  
 De. 8. 2. ὅπως [B' ὥς] ἂν [A om.] κακώσῃ σε (5 c)  
 — 3. καὶ ἐκάκωσέ σε (5 c)  
 — 16. ἵνα κακώσῃ σε (5 c)  
 26. 6. ἐκάκωσαν ἡμᾶς οἱ Αἰγύπτιοι (7 b)  
 Jo. 24. 4. ἐκάκωσαν αὐτοὺς οἱ Αἰγύπτιοι  
 — 20. καὶ ἐπέλθων κακώσεις ὑμᾶς (7 b)  
 Ru. 1. 21. B ὁ ἱκανὸς ἐκάκωσέ με (7 b)

III Ki. 17. 20. κεκάκωσας τοῦ θανατῶσαι τὸν λαὸν αὐτῆς (7 b)  
 Ju. 11. 1. οὐκ ἐκάκωσα ἄνθρωπον  
 [b. 20. 26. κακῶσαι δὲ αὐτοῦ ἐπὶ ἡλυντος τὸν οἶκον (7 b)  
 22. 9. ὀρφανοὺς δὲ ἐκάκωσας (1)  
 24. 24. πολλοὺς γὰρ ἐκάκωσε τὸ ὕψωμα αὐτοῦ  
 30. 11. ἀνοίξας γὰρ φαρέτραν αὐ. ἐκάκωσέ με (5 c)  
 31. 30. θρυλήθειν δὲ ἄρα ὑπὸ λαοῦ μου κακούμενος  
 Ps. 26 (27). 2. ἐν τῷ ἐγγίξειν ἐπ' ἐμέ κακούντας (7 b)  
 87 (88). 8. ἐκακώθη καὶ ἐταπεινώθη ἕως σφόδρα (6)  
 43 (44). 2. ἐκάκωσας λαοὺς καὶ ἐξέβαλες αὐτοὺς (7 b)  
 88 (89). 22. υἱὸς ἀνομίας οὐ προσήθει τοῦ κακῶσαι [A' B οὐ κακώσει] αὐτὸν (5 c)  
 93 (94). 5. τὴν κληρονομίαν σου ἐκάκωσαν (5 c)  
 105 (106). 32. ἐκακώθη Μωυσεῖς δι' αὐτοὺς (7 a)  
 106 (107). 39. ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν (9)  
 Ec. 7. 23 (22). A B' B καθόδους πολλὰς κακώσει καρδίαν σου [B' al.]  
 8. 9. τοῦ κακῶσαι αὐτὸν (7 c)  
 10. 15. μόχθος τῶν ἀφρόνων κακώσει αὐτοὺς [A B al.] (10)  
 Wi. 19. 16. τοὺς ἦθρ τῶν αὐτῶν μετεσχηκὸς δικαίων δεινοὶς ἐκάκωσαν πόνοις [B al.]  
 Si. 8. 26. καρδία σκληρὰ κακωθήσεται ἐπ' ἐσχάτων  
 7. 20. μὴ κακώσης οἰκίτην ἐργαζόμενον ἐν ἀληθείᾳ  
 11. 24. τί ἀπὸ τοῦ νῦν κακωθήσομαι  
 30. 40 (33. 31). ἐὰν κακώσῃ  
 33 (36). 9. A' B οἱ κακούντες [A κατοικ., B B' ἀδικ.] τὸν λαόν σου εὐνοῦσαν ἀπώλειαν  
 38. 21. τούτων οὐκ ὀφείλεις καὶ σεαυτὸν κακώσαι  
 49. 7. ἐκάκωσαν γὰρ αὐτὸν καὶ αὐτὸς ἐν μήτρᾳ ἡγίασθη προφήτης ἐκρίσιν καὶ κακῶν  
 Ho. 9. 7. καὶ κακωθήσεται ἰ.  
 Ze. 1. 12. οὐδὲ μὴ κακώσῃ [B -σει] (7 b)  
 Za. 8. 14. ἐν τῷ δύναιτο τοῦ κακῶσαι ὑμᾶς (7 b)  
 10. 2. καὶ ἐκακώθησαν διότι οὐκ ἦν ἰασις (5 a)  
 Is. 41. 23. εὐ ποιήσατε καὶ κακώσατε (7 b)  
 50. 9. τίς κακώσει με (8)  
 53. 7. διὰ τὸ κακώσθαι οὐκ ἀνοίγει τὸ στόμα (5 b)  
 Je. 25. 6. τοῦ κακῶσαι ὑμᾶς (7 b)  
 32 (25). 29. ἐγὼ ἀρχομαι [A ἔρ.] κακῶσαι (7 b)  
 38 (31). 28. καθαρῶν καὶ κ. (7 b)  
 51 (44). 27. τοῦ κακῶσαι αὐτοὺς καὶ οὐκ ἀγαθῶσαι [A -θίνα] (7 d)  
 Ba. 4. 31. δειλαὶ οἱ σὲ κακώσαντες  
 Ez. 33. 12. ἀνομία ἀσεβοῦς οὐ μὴ κακώσῃ αὐτὸν (8)  
 Da. TH. 10. 12. τοῦ συνκίνας καὶ κακωθῆναι (5 d)  
 II Ma. 5. 22. τοῦ κακοῦν τὸ γένος  
 IV Ma. 4. 1. οὐκ ἔχουσιν κακῶσαι  
 [Aq. Ge. 48. 17: Ps. 14 (15). 4: 43 (44). 3: Pr. 13. 20: Is. 65. 25: Ez. 19. 7.]  
 [Sm. III Ki. 17. 20: Ps. 77 (78). 49: 87 (88). 8: 88 (89). 23: 89 (90). 15: 101 (102). 24: 115. 1 (116. 10): 118 (119). 71: 75: 128 (129). 3: Ec. 10. 9: Is. 68. 5: Je. 16. 12: Ho. 2. 15 (17).]  
 [Th. I Ki. 1. 15: Ps. 14 (15). 4: 93 (94). 6: Pr. 13. 20: Ez. 18. 7.]  
 [Al. Ex. 22. 21 (20): Le. 16. 29, 31: 19. 33: 23. 27: 25. 14: Nu. 85. 23: I Ki. 1. 8: II Ki. 7. 10.]  
**κακουργεῖν.**  
 [Sm. II Ki. 10. 6: Pr. 18. 20: Ec. 8. 11.]  
**κακουργία.** (1) 𐤒𐤍𐤏  
 Ps. 84 (85). 17. ἀποκατάστησον τὴν ψυχὴν μου ἀπὸ τῆς κ. αὐτῶν  
 II Ma. 3. 32. κ. τιρὰ περὶ τὸν Ἰλ. . . συντελεῖσθαι  
 14. 22. μὴ ποτε . . . ἀφηνείας κακουργία γένηται  
**κακούργος.** (1) 𐤒𐤍𐤏  
 Es. 8. 13. εὐρίσκομεν οὐ κ. ὄντας  
 Pr. 21. 15. ὅστις δὲ ἀκαθάartos παρὰ κακούργους (1)  
 Si. 11. 33. πρόσχε ἀπὸ κακούργου  
 30. 35 (33. 26). οἰκίτη κακούργου στρέβλαι  
 [Sm. Jb. 8. 20: Ps. 26 (27). 2: 36 (37). 1: 63 (64). 3: 93 (94). 16: Ec. 8. 12.]  
**κακουχεῖν.** (1) 𐤒𐤍 a. pi. δ. hi. hith.  
 III Ki. 2. 26. ἐκακουχθήσῃ ἐν πᾶσιν οἷς ἐκακουχήθῃ ὁ πατήρ μου (1 b, 1 b)  
 11. 39. A κακουχῶ τὸ σπέρμα Ἰσρ. (1 a)  
 [Aq. Ge. 16. 6: Ex. 22. 22 (21): Dt. 21. 14: 22. 29: II Ki. 7. 10: III Ki. 11. 39: Jb. 37. 23: Ps. 118 (119). 75: Is. 58. 3, 5, 10.]  
 [Th. Ps. 88 (89). 23.]

**κακουχία.**  
[Aq. Dt. 16. 3: Ps. 9. 14: 80 (81). 8: 181 (182). 1.]  
[Sm. Ps. 48 (44). 25.]

**κακοφρονίζειν.**  
[Aq. II Ki. 15. 31.]  
**κακοφροσύνη.** (1) קִרְיָה מְרָה  
Pr. 16. 18. πρὸ δὲ πτώματος κακοφροσύνη (1)  
**κακόφρων.** (1) α. קִרְיָה מְרָה δ. קִרְיָה מְרָה  
(2) קִרְיָה מְרָה  
Pr. 11. 22. οὕτως γυναῖκα κακόφρων κάλλος (2)  
19. 19. Β8 κακόφρων ἀνὴρ ζημιωθήσεται [A.B. πολλά ζ.] (1 α\*, 1 β)  
[Sm., Th. Pr. 11. 22.]

**κακωνυμία.**  
[Sm. Ez. 82. 25.]

**κακός.** (1) κ. εἰπὲν לָרָה pi. (2) κ. ἔρειν  
α. לָרָה δ. לָרָה pi. (3) κακὸς ἔχειν לָרָה  
Ex. 22. 28 (27). Α.Β. ἀρχοντα [B -as] τοῦ λαοῦ  
σου οὐ κ. ἔρειν (2 α)  
Le. 19. 14. οὐ κ. ἔρειν κακὸν (2 β)  
20. 9. δε δὲ Α. om. κ. εἶπεν τὸν πατέρα αὐτοῦ (1)  
— 9. μητέρα αὐτοῦ κ. εἶπεν (1)  
Wi. 14. 29. κ. ὁμολογῶντες ἀδικεῖν οὐ προσδέχονται  
— 30. κ. ἐφρόνησαν περὶ θεοῦ  
18. 19. δὲ δ κ. πάσχουσιν (2 β)  
Is. 8. 21. κ. ἐρείτε τὸν ἀρχοντα (2 β)  
Je. 7. 9. τοῦ κ. εἶναι ὑμῖν —  
Ez. 34. 4. τὸ κ. ἔχον οὐκ ἐσωματοποιήσατε (8)  
I Ma. 7. 42. κ. ἐλάλησεν ἐπὶ τὰ δγμὰ σου  
III Ma. 1. 14. κ. αὐτὸ τοῦτο τερατεύεσθαι  
— 16. τὴν ὁρμὴν τοῦ κ. ἐπιβαλλομένου μεταβίνειν  
IV Ma. 6. 17. μὴ οὕτως κ. φρονίσαιμεν  
12. 15. σὺ δὲ κ. οἰμώξεις

**κάκωσις.** (1) תִּמָּה (2) α. קִרְיָה pu. δ. קִרְיָה  
(3) קִרְיָה (4) קִרְיָה

Ex. 3. 7. εἶδον τὴν κ. τοῦ λαοῦ μου (2 β)  
— 17. ἀναβίβασον ὑμᾶς ἐκ τῆς κ. τῶν Αἰγ. (2 β)  
Nu. 11. 15. ἵνα μὴ ἴδω τὴν κ. μου (8)  
De. 16. 3. φάγη... ἄλυσμα ἄρτον κακώσεως (2 β)  
Es. 1. 1. κάκωσις καὶ τῆραχος  
8. 6. ἴδω [A. ἐπὶ δ.] τὴν κ. τοῦ λαοῦ μου (8)  
Ps. 17 (18). 18. προσέφασάν με ἐν ἡμέρᾳ κακώ-  
σεώς μου (1)  
48 (44). 19. ἐπαυένυσας ἡμᾶς ἐν τόπῳ κακώσεως (4 ?)  
Wi. 8. 2. ἐλογίσθη κάκωσις ἡ ἐξοδος αὐτῶν  
Si. 11. 27. κάκωσις ὅρας ἐπιλησμονὴν ποιεῖ τρυφῆς  
12. οὐ μὴ φείσηται περὶ κακώσεως καὶ δεσμών  
29. 12. αὐτὴ ἐλογίσται σε ἐκ πάσης κακώσεως  
Is. 58. 4. ἐλογίσμεθα αὐτὸν εἶναι... ἐν κακώσῃ (2 α)  
Je. 2. 28. ἐν καιρῷ τῆς κ. σου (8)  
11. 14. ἐν καιρῷ κακώσεως αὐτῶν (8)  
28 (31). 2. ἐν ἡμέρᾳ κακώσεως αὐτῆς (8)  
Ba. 5. 1. ἔκθυσαι... τὴν στολὴν τοῦ πένθους καὶ  
τῆς [A. om. κ. τ.] κ. σου  
II Ma. 3. 39. τοὺς παραγινομένους ἐπὶ κακώσῃ  
[Aq. Ec. 7. 3 (2).]  
[Sm. I Ki. 28. 10: Jb. 81. 29: Ps. 7. 10: 9.  
27 (10, 6): 26 (27). 5: 80 (31). 8. 11: 39 (40).  
15: 40 (41). 2: 43 (44). 25: 48 (49). 6: 70  
(71). 20: 24: 87 (88). 10: 106 (107). 41: 181  
(182). 1: Pr. 27. 10: Ec. 2. 21: 4. 6: 6. 9:  
8. 6: 12. 1: Ez. 7. 5.]  
[Th. I Ki. 28. 10: Ec. 7. 3 (2).]  
[A. I. Ex. 6. 6: I Ki. 1. 11.]

**καλαβότης.** (1) קִרְיָה (2) קִרְיָה  
Le. 11. 30. Α.Β. ταῦτα ὑμῖν ἀκάθαρτα... καλα-  
βότης [B χαλ.] (1)  
Pr. 24. 63 (80, 28). καλαβότης χερσὶν ἐρείδω-  
μενος καὶ εὐδαίμων ὢν (2)

**κάλαθος.** (1) α. קִרְיָה δ. קִרְיָה  
Je. 24. 1. ἰδειξέ μοι κύριος δύο καλάθους σύκων (1 β)  
— 2. δ κ. δ εἰς σύκων χρυσῶν σφόδρα...  
καὶ δ κ. ὁ ἕτερος σύκων ποτηρῶν  
σφόδρα (1 α, 1 α)  
[Aq. Am. 8. 1.]

**καλαμάσθαι.** (1) קִרְיָה (2) α. לָרָה ro.  
δ. קִרְיָה (3) קִרְיָה pi.

De. 24. 20. καλαμήσασθαι τὰ ὀπίσω σου (8)  
Jd. 20. 45. ἐκαλαμήσαντο... πεντακισχιλίους (2 α)  
[Aq. al.]  
Si. 30. 25 (38. 16). ὡς καλαμώμενος ὅπως τρυγητῶν (2 α)  
Is. 8. 12. οἱ πράκτορες ὑμῶν καλαμῶνται ὑμᾶς (2 α)  
24. 13. ὡς τρῶσκον ἐάν τις καλαμήσῃται [B -μάται]  
ἐλαίαν οὕτως καλαμήσονται αὐτοὺς (1, 2 β)  
Je. 6. 9. καλαμάσθε καλαμάσθε ὡς ἀμπελον τὰ  
κατόλωπα (2 α, 2 α)  
[Aq. Ex. 5. 7: Je. 6. 9.]  
[Sm., Th. Ex. 5. 7.]

**καλάμη.** (1) קִרְיָה (2) קִרְיָה (3) קִרְיָה  
(4) קִרְיָה (5) קִרְיָה (6) κ. στικπύου  
קִרְיָה

Ex. 5. 12. συναγαγεῖν καλάμην εἰς ἄχυρα (8)  
16. 7. κατέφαγεν αὐτοὺς ὡς καλάμην (8)  
Jb. 24. 24. ὥσπερ στάχυν ἀπὸ καλάμης αὐτό-  
ματος ἀποπέσκει (4)  
41. 20 (21). ὡς καλάμη ἐλογίσθησαν [B -ίσσαν]  
σφυρὰ [B al.] (8)  
Ps. 82 (88). 13. ὡς καλάμην κατὰ πρόσωπον  
ἀνέμου [B<sup>1</sup> πυρὸς] (8)  
Wi. 3. 7. ὡς στικπύου ἐν καλάμῃ διαδραμοῦνται  
Am. 2. 13. κολίταις ἡ δαμαζὶ ἡ γέμουσα καλάμης (2)  
Mi. 7. 1. ὡς συναγωγὴν καλάμην ἐν ἀμπελῇ  
Jl. 2. 5. ὡς φωνὴ φλογὸς πυρὸς κατεσθίουσας  
καλάμην (8)  
Ob. 1. 18. ὁ δὲ οἶκος Ἡσαὺ εἰς [B om.] καλάμην (8)  
Na. 1. 10. καὶ ὡς καλάμη ἡραστίας μεστή (3)  
Za. 12. 6. ὡς λαμπάδα πυρὸς ἐν καλάμῃ [B<sup>1</sup> al.] (2)  
Ma. 4. 1 (3. 19). ἴσονται... πάντες οἱ ποιοῦντες  
ἄνομα καλάμην (8)  
Is. 1. 31. ἴσται ἡ λῆγὴ αὐτῶν ὡς κ. στικπύου (8)  
5. 24. καυθήσεται κ. ὑπὸ ἄνθρακος πυρὸς (8)  
17. 6. καταλειφθῇ ἐν αὐτῇ κ. (1)  
27. 4. τίς με θήσει φυλάσσειν καλάμην ἐν ἀργῷ (8 ?)  
[Aq. Jb. 41. 21: Is. 40. 24: Je. 6. 9: 18. 24.]  
[Sm. Je. 18. 24.]  
[Th. Jb. 41. 21: Is. 38. 11: 40. 24.]

**καλάμημα.**  
[Th. Os. 1. 5.]

**καλάμιος.** (1) קִרְיָה  
IV Ki. 18. 21. πέποιθας σαυτῷ ἐπὶ τὴν ῥάβδον  
τὴν κ. (1)  
Is. 38. 6. πεποθὼς εἰ ἐπὶ τὴν ῥάβδον τὴν κ. τὴν  
τεθλασμένην ταύτην (1)  
Ez. 29. 6. ἐγενήθη ῥάβδος κ. τῷ οἴκῳ Ἰσ.

**καλαμίσκος.** (1) קִרְיָה  
Ex. 25. 30 (31). οἱ κ. ... ἐξ αὐτῆς ἔσται (1)  
— 31 (32). ἐξ δὲ καλαμίσκου ἐκπορευόμενοι  
ἐκ παλατίου (1)  
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι τῆς λυχνίας (1)  
— 31 (32). καὶ τρεῖς κ. (1)  
— 32 (33). ἐν τῷ ἐν κ. σφαιρωτῇ καὶ κρίνον (1)  
— 32 (33). τοῖς ἐξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ  
τῆς λυχνίας (1)  
— 33 (34). ἐν τῷ ἐν κ. σφαιρωτῇ [A -τῇ] (1)  
— 33 (34). Α. τοῖς ἐξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις  
ἐκ τῆς λυχνίας (1)  
— 34 (35). ὁ σφαιρωτῇ ὑπὸ τοὺς δύο κ. (1)  
— 34 (35). σφαιρωτῇ ὑπὸ τοὺς τέσσαρας κ. (1)  
— 34 (35). τοῖς ἐξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ  
τῆς λυχνίας (1)  
— 35 (36). οἱ κ. ἐξ αὐτῆς ἔστωσαν (1)  
88. 14 (87. 17). ἐκ τῶν κ. αὐτῆς οἱ βλαστοὶ ἐξέ-  
χοντες (1)

**κάλαμος.** (1) קִרְיָה (2) קִרְיָה (3) קִרְיָה  
Ex. 30. 23. Α<sup>3</sup> Β καλάμου εὐώδους διακοσίους  
πεντήκοντα (8)  
Jb. 40. 16 (21). κοιμάται παρὰ πάπυρον καὶ  
κάλαμον (8)  
Ps. 44 (45). 1. ἡ γλῶσσά μου κάλαμος γραμ-  
ματέος δρυνράφου (2)  
67 (68). 30. ἐπιτίμησον τοῖς θηρίοις τοῦ κ. (8)  
Ca. 4. 14. κάρδος καὶ κρόκος κάλαμος [B<sup>1</sup> -ον] καὶ  
κιννάμωμον (8)

Is. 19. 6. ἐν παντὶ ἔλει καλάμου καὶ πάπυρον (8)  
35. 7. ἐπαύλει καλάμου [B ποιμῶν] καὶ ἔλη (8)  
42. 3. κάλαμον τεθλασμένον [A συντ.] οὐ συν-  
τρίψει (8)  
Ez. 40. 3. κ. μέτρον [A add. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ] (8)  
— 5. ἐν τῇ χειρὶ τοῦ ἀνδρὸς κ. ... πλάτος  
ἴσον τῷ κ. καὶ τὸ ὕψος αὐτοῦ ἴσον  
τῷ κ. (8 ter)  
— 6. διεμέτρησε... ἴσον τῷ κ. (8)  
— 7. τὸ θεῖ ἴσον τῷ κ. τὸ μήκος καὶ ἴσον τῷ κ.  
τὸ πλάτος... τὸ θεῖ τὸ δεύτερον ἴσον  
τῷ κ. πλάτος καὶ ἴσον τῷ κ. μήκος  
[A om. κ. ἴ. τ. κ. μ.] (8, 3, -, 8)  
— 8. τὸ θεῖ τὸ τρίτον ἴσον τῷ κ. μήκος καὶ ἴσον  
τῷ κ. πλάτος (-, 8)  
— 9. Α τὸ ἀλλὰ... ἴσον τῷ κ. [B om. ἴ. τ. κ.] -  
41. 8. διάστημα τῶν πλευρῶν ἴσον τῷ κ. πῆχυν  
ἔξ [A om.] (8)  
42. 12. ὡς ἐπὶ φῶς διαστήματος καλάμου (1 ?)  
— 16. διεμέτρησε πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ  
μέτρου (8)  
— 17. πῆχυν πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου (8)  
— 18, 19. πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου (8)  
— 20. τὰ τέσσαρα μέρη τοῦ αὐτοῦ κ. [A al.] -  
III Ma. 2. 21. κραδίνας αὐτὸν ὡς κάλαμον ὑπὸ ἀνέμου  
4. 20. τοὺς γραφικοὺς κ. ... ἐκλελοιπέναι  
[Aq. Ge. 41. 5, 22: III Ki. 14. 15: Is. 35. 7: Je. 6. 20: Ez. 27. 19.]  
[Sm. Ge. 41. 5, 22: Is. 35. 7: Ez. 27. 19.]  
[Th. Is. 35. 7: Ez. 27. 19.]  
[Heb. Ez. 9. 2.]

**καλεῖν.** (1) α. קִרְיָה ni. δ. קִרְיָה (2) קִרְיָה  
α. qal. δ. hi. (3) קִרְיָה pi. (4) קִרְיָה  
(5) קִרְיָה hi. (6) קִרְיָה a. hi. δ. קִרְיָה  
(7) קִרְיָה (8) קִרְיָה aph. (9) קִרְיָה a. qal.  
δ. ni. c. pu. d. קִרְיָה pe. e. ithpe.  
f. קִרְיָה (10) קִרְיָה hi. (11) קִרְיָה

Ge. 1. 5. ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ἡμέραν (9 α)  
— 5. τὸ σκότος ἐκάλεσε νύκτα (9 α)  
— 8. ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα οὐρανὸν (9 α)  
— 10. ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὴν ξηρὰν γῆν (9 α)  
— 10. τὰ συνστήμ. τῶν ἰδ. ἐκάλεσε θαλάσσας (9 α)  
2. 19. ἰδεῖν τί καλεῖται αὐτὰ (9 α)  
— 19. πᾶν ὃ ἐὰν ἐκάλεσεν αὐτὸ Ἀ. (9 α)  
— 20. ἐκάλεσεν Ἀ. ὀνόματα (9 α)  
— 23. αὐτὴ κληθήσεται Γυνή (9 β)  
3. 9. ἐκάλεσεν κύριος... τὸν Ἀδάμ (9 α)  
— 20. ἐκάλεσεν Ἀ. τὸ ὄνομα τῆς γυναῖκος αὐ-  
τοῦ [A om.] Ζωή (9 α)  
11. 9. Β ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐ. Σίγχιους (9 α)  
12. 8. καλέσας δὲ Φαράω τὸν Ἀβραμ (9 α)  
16. 11. καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσμαὴλ (9 α)  
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα κυρίου (9 α)  
— 14. ἐκάλεσε τὸ φέρεα (9 α)  
— 15. ἐκάλεσεν Ἀ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ (9 α)  
17. 5. οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄνομα σου Ἀ. (9 β)  
— 15. οὐ κληθήσεται τὸ ὄνομα αὐτῆς Σ. (9 α)  
— 19. καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσαὰκ (9 α)  
19. 22. Β ἐκάλεσε [A ἐπωνόμασεν] τὸ ὄνομα  
αὐτοῦ (9 α)  
— 37. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Μωάβ (9 α)  
— 39 (38). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἀμμὴν (9 α)  
20. 8. ἐκάλεσε πάντας τοὺς παῖδας αὐτοῦ (9 α)  
— 9. ἐκάλεσεν Ἀβιμέλεχ τὸν Ἀβραμ (9 α)  
21. 3. ἐκάλεσεν Ἀ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ (9 α)  
— 12. ἐν Ἰσαὰκ κληθήσεται οἱ σπέρμα (9 β)  
— 17. ἐκάλεσεν ἄγγελος θεοῦ τὴν Ἀγαρ (9 α)  
22. 11. ἐκάλεσεν αὐτὸν ἄγγελος κυρίου (9 α)  
— 14. ἐκάλεσεν Ἀ. τὸ ὄνομα τοῦ γόπου ἐκ. (9 α)  
— 15. ἐκάλεσεν ἄγγελος κυρ. τὸν Ἀ. δεύτερον (9 α)  
24. 57. καλέσωμεν τὴν παιδα (9 α)  
— 58. ἐκάλεσαν τὴν Ῥεβέκκα (9 α)  
25. 26. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰακώβ (9 α)  
— 30. ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐδώμ (9 α)  
26. 9. ἐκάλεσε δὲ Ἀβιμέλεχ τὸν Ἰ. (9 α)  
— 20. Β ἐκάλεσαν [A -en] τὸ ὄνομα τοῦ  
φράτος (9 α)  
— 33. Β ἐκάλεσεν αὐτὸ [A ἐ. τὸ ὄνομα αὐ-  
τοῦ] Ὀρκος (9 α)  
— 33. ἐκάλεσεν ὄνομα τῇ πόλει -  
27. 1. ἐκάλεσεν Ἡσαὺ τὸν υἱὸν αὐτοῦ (9 α)  
— 36. δικαίως ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰακώβ (9 α)  
— 42. πέμψασα ἐκάλεσεν Ἰακώβ (9 α)

- Ce. 28. 19. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)  
 29. 32. ἐκάλεσε δὲ τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ρουβὴν (9 a)  
 — 33. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Συμεὼν (9 a)  
 — 34. B ἐκάλεσε [A ἐκλήθη] τὸ ὄνομα αὐτοῦ  
 Λευὶ (9 a)  
 — 35. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ιούδαν (9 a)  
 30. 6. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Δάν (9 a)  
 — 8. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Νεφθαλεὶ (9 a)  
 — 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ασὴρ (9 a)  
 — 18. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ισάχαρ (9 a)  
 — 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ζαβουλὼν (9 a)  
 — 21. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Δείνα (9 a)  
 — 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ιωσήφ (9 a)  
 31. 4. ἐκάλεσε Λεὶαν καὶ 'Ραχὴλ (9 a)  
 — 47. ἐκάλεσαν αὐτὸν Λάβαν (9 a)  
 — 47. 'Ιακώβ δὲ ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)  
 — 48. ἐκλήθη τὸ ὄνομα (9 a)  
 — 54. ἐκάλεσε τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ (9 a)  
 32. 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)  
 — 28 (39). οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄνομα σου  
 'Ιακώβ (1 a)  
 — 30 (31). ἐκάλεσαν 'Ι. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)  
 33. 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)  
 35. 7. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου (9 a)  
 — 8. ἐκάλεσαν 'Ιακώβ τὸ ὄνομα αὐτῆς (9 a)  
 — 10. τὸ ὄνομα σου οὐ κληθήσεται ἔτι 'Ιακώβ (9 b)  
 — 10. B ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ισραὴλ (9 a)  
 — 15. ἐκάλεσαν 'Ιακώβ τὸ ὄνομα τοῦ τόπου (9 a)  
 — 18. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)  
 — 18. B ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ [A εἰς αὐτόν] (9 a)  
 38. 3. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ηρ (9 a)  
 — 4. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Αἰνάν (9 a)  
 — 5. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σηλὼμ (9 a)  
 — 29. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Φαρέι (9 a)  
 — 30. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ζαρά (9 a)  
 39. 14. ἐκάλεσε τοὺς ὄντας ἐν τῇ οἰκίᾳ (9 a)  
 41. 8. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἐξηγητὰς Αἰγύπτου (9 a)  
 — 14. ἐκάλεσε τὸν 'Ιωσήφ (9 a)  
 — 45. ἐκάλεσε Φαραὼ τὸ ὄνομα 'Ιωσήφ (9 a)  
 — 51. ἐκάλεσε δὲ 'Ι. τὸ ὄν. τοῦ προστόκου (9 a)  
 — 52. τὸ δὲ ὄνομα τοῦ δευτέρου ἐκάλεσαν (9 a)  
 46. 33. ἐὰν οὖν καλέσῃ ἡμᾶς Φαραὼ (9 a)  
 47. 29. ἐκάλεσε τὸν υἱὸν αὐτοῦ 'Ιωσήφ (9 a)  
 48. 6. κληθήσονται ἐπὶ [A ἐν] τοῖς ἐκείνων  
 κληροῖσι (9 b)  
 49. 1. ἐκάλεσε δὲ 'Ι. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ (9 a)  
 50. 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ [A al.] (9 a)  
 Ex. 1. 18. ἐκάλεσε δὲ ὁ βασιλ. Αἰγ. τὰς μαῖας (9 a)  
 — 2. 7. θάλει καλῶσαι σοι γυναῖκα τροφύουσας (9 a)  
 — 8. ἐκάλεσε τὴν μητέρα τοῦ παιδίου (9 a)  
 — 20. καλέσατε οὖν αὐτόν (9 a)  
 3. 4. ἐκάλεσαν αὐτὸν κύριος ἐκ τοῦ βάτου (9 a)  
 8. 8 (4). ἐκάλεσε Φαραὼ Μωσὴν (9 a)  
 — 25 (21). ἐκάλεσε δὲ Φαραὼ Μωσὴν (9 a)  
 9. 27. ἀποστείλας δὲ Φ. ἐκάλεσε Μωσὴν (9 a)  
 — 10. 16. κατέσπευδε δὲ Φ. καλεῖται Μωσὴν (9 a)  
 — 24. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωσὴν (9 a)  
 12. 16. ἡ ἡμέρα ἢ πρώτη κληθήσεται [A κεκληρσ.]  
 ἁγία (9 f)  
 — 21. ἐκάλεσε δὲ Μ. πᾶσαν γερούσιαν (9 a)  
 — 31. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωσὴν (9 a)  
 19. 3. ἐκάλεσαν αὐτὸν ὁ θεός (9 a)  
 — 7. ἐκάλεσε [B' ἐλάλησε πρὸς] τοὺς πρεσβυ-  
 τέρους (9 a)  
 — 20. ἐκάλεσε κύριος Μωσὴν (9 a)  
 24. 16. ἐκάλεσε κύριος τὸν Μωσὴν (9 a)  
 33. 7. ἐκλήθη Σκερὶν μαρτυρίου (9 a)  
 — 19. A καλῶσαι τὸ ὄνομα κυρίου [B B al.] (9 a)  
 34. 5. ἐκάλεσε τῷ ὀνόματι κυρίου (9 a)  
 — 6. καὶ ἐκάλεσε, Κύριος ὁ θεός (9 a)  
 — 15. καὶ καλέσωνί σε καὶ φάγῃς (9 a)  
 — 31. ἐκάλεσαν αὐτοὺς Μ. (9 a)  
 36. 2. ἐκάλεσε Μ. Βεσελεὴλ (9 a)  
 Le. 9. 1. ἐκάλεσε Μ. 'Ααρὼν (9 a)  
 10. 4. ἐκάλεσε Μ. τὸν Μισ. (9 a)  
 18. 45. καὶ ἀκάθαρτος κεκλησεται (9 a)  
 28. 2. ὃς καλέσεται αὐτὰς κλητὰς ἁγίας (9 a)  
 — 4. A B καλέσατε [B -σετε] αὐτὰς ἐν τοῖς  
 καιροῖς αὐτῶν (9 a)  
 — 21. καλέσετε ταύτην τὴν ἡμ. κλητὴν [A -ῃ] (9 a)  
 — 37. ὃς καλέσετε κλητὰς ἁγίας (9 a)  
 Nu. 11. 3, 34. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)  
 12. 5. ἐκλήθησαν 'Ααρὼν καὶ Μαριάμ (9 a)  
 16. 12. ἀπέστειλε Μωσὴς καλεῖσαι Δάθαν (9 a)  
 22. 5. ἀπέστειλε πρέσβεις . . . καλεῖσαι αὐτόν (9 a)  
 — 20. εἰ καλέσαι σε πάρεισι (9 a)  
 Nu. 22. 37. οὐχὶ ἀπέστειλα πρὸς σε καλεῖσαι σε (9 a)  
 23. 11. εἰς κατάραςιν ἐχθρῶν μου κέκληκά σε (7)  
 24. 10. καταρῶσαι . . . κέκληκά σε (9 a)  
 25. 2. A B ἐκάλεσαν αὐτοὺς εἰς τὰς θυσίας [B  
 ἐπὶ ταῖς θ.] (9 a)  
 De. 5. 1. ἐκάλεσε Μωσὴς πάντα 'Ισραὴλ (9 a)  
 25. 8. καλέσουσιν αὐτὸν ἡ γερούσια (9 a)  
 — 10. κληθήσεται τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν 'Ισρ. (9 b)  
 29. 2 (1). ἐκάλεσε Μ. πάντας τοὺς υἱοὺς 'Ισρ. (9 a)  
 31. 7. ἐκάλεσε Μωσὴς 'Ιησοῦν (9 a)  
 — 14. κάλεσον 'Ιησοῦν (9 a)  
 32. 3. τὸ ὄνομα κυρίου ἐκάλεσα (9 a)  
 Jo. 5. 3. ἐπὶ τοῦ καλουμένου τόπου (9 a)  
 — 8 (9). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)  
 19. 47. καὶ ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα αὐτῆς (9 a)  
 24. 9. ἐκάλεσε τὸν Βαλαάμ (9 a)  
 Jd. 1. 17. ἐκάλεσε [A -αυ] τὸ ὄνομα τῆς πόλεως (9 a)  
 — 26. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Λ. (9 a)  
 2. 5. A ἐκλήθη [B ἐπώνονσαν] τὸ ὄνομα τοῦ  
 τόπου ἐκείνου (9 a)  
 4. 6. ἐκάλεσε τὸν Βαρακ (9 a)  
 — 13. ἐκάλεσε Βισάρα πάντα τὰ ἄρματα αὐ. (9 a)  
 6. 24. A καὶ ἐκάλεσαν αὐτό [B ἐπέκαλ. αὐτῶ] (9 a)  
 — 32. καὶ ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)  
 8. 1. τοῦ μὴ καλεῖσαι ἡμᾶς (9 a)  
 10. 4. ἐκάλουν [A -λεσαν] αὐτὰς ἐπαυλεῖς 'Ιαῖρ (9 a)  
 12. 1. ἡμᾶς οὐ κέκληκας πορευθῆναι μετὰ σοῦ (9 a)  
 13. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)  
 14. 15. ἡ ἐβίασαι ἡμᾶς κεκληκατε [A al.] (9 a)  
 15. 17. ἐκάλεσε τὸν τόπον ἐκείνου (9 a)  
 — 19. ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτῆς [A al.] (9 a)  
 16. 18. ἐκάλεσε τὸν ἀρχοντα τῶν ἀλλοφύ-  
 λων [A al.] (9 a)  
 — 19. ἐκάλεσαν ἀνδρα [A τὸν κούρια] (9 a)  
 — 25. καλέσατε τὸν Σαμψών (9 a)  
 — 25. καὶ ἐκάλεσαν τὸν Σαμψών (9 a)  
 18. 12. ἐκλήθη ἐν [A om.] ἐκείνῳ τῷ τόπῳ (9 a)  
 — 29. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τῆς πόλεως Δάν (9 a)  
 21. 13. ἐκάλεσαν αὐτοὺς εἰς εἰρήνην (9 a)  
 Ru. 1. 20. μὴ δὲ καλεῖται με N. καλέσατέ με  
 Πικράν [A -λαν] (9 a, 9 a)  
 — 21. ἵνα τί καλεῖται με N. (9 a)  
 4. 14. καὶ καλεῖται τὸ ὄνομα σου ἐν 'Ισρ. (9 b)  
 — 17. ἐκάλεσαν αὐτοὺς αἱ γείτονες ὄνομα (9 a)  
 — 17. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ωβὴδ (9 a)  
 I Ki. 1. 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σαμουὴλ (9 a)  
 3. 4. καὶ ἐκάλεσε κύριος (9 a)  
 — 5. οὐ κέκληκάς με (9 a)  
 — 5. οὐ κέκληκάς με (9 a)  
 — 6. καὶ ἐκάλεσε [A add. ἔτι] (9 a)  
 — 6. ὅτι κέκληκάς με (9 a)  
 — 6. οὐ κέκληκάς με (9 a)  
 — 8. προσέθηκε κύριος καλεῖσαι [A add. ἐπὶ]  
 Σαμ. (9 a)  
 — 8. ὅτι κέκληκάς με (9 a)  
 — 8. κύριος ἐκέκληε τὸ παιδάριον (9 a)  
 — 9. ἵνα καλῶς σε (9 a)  
 — 10. καὶ ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)  
 4. 21. καὶ ἐκάλεσε τὸ παιδάριον (9 a)  
 6. 2. καλοῦσιν ἀλλόφυλοι τοὺς ἱερεῖς (9 a)  
 7. 12. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)  
 9. 9. τὸν προφήτην ἐκάλει ὁ λαὸς ἔμπροσθεν (9 b)  
 — 22. ἐν πρώτοις τῶν κεκλημένων (9 a)  
 — 26. ἐκάλεσε Σαμ. τὸν Σαουλ (9 a)  
 16. 3. καὶ καλεῖται τὸν 'Ιεσσαί (9 a)  
 — 5. ἐκάλεσαν αὐτοὺς εἰς τὴν θυσίαν (9 a)  
 — 8. καὶ ἐκάλεσαν 'Ι. τὸν 'Αμιν. (9 a)  
 19. 7. ἐκάλεσαν 'Ιωνάθαν τὸν Δαυὶδ (9 a)  
 22. 11. καλεῖται τὸν 'Αβ. (9 a)  
 26. 14. τίς ἐγὼ σὺ ὁ καλῶν (9 a)  
 28. 15. κέκληκά σε γνωρίσαι μοι (9 a)  
 29. 6. ἐκάλεσαν 'Αρχοὺς τὸν Δαυὶδ (9 a)  
 II Ki. 1. 7. καὶ ἐκάλεσέ με (9 a)  
 — 15. ἐκάλεσε Δ. ἐν τῶν παιδάρων αὐτοῦ (9 a)  
 2. 16. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)  
 — 26. ἐκάλεσαν 'Αβ. 'Ιωάβ (9 a)  
 5. 9. ἐκλήθη αὕτη ἡ πόλις Δαυὶδ (9 a)  
 — 20. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)  
 6. 8. ἐκλήθη ὁ τόπος ἐκείνος (9 a)  
 2. 9. καλοῦσιν αὐτὸν πρὸς Δαυὶδ (9 a)  
 — 9. ἐκάλεσαν ὁ βασιλ. Σιβά (9 a)  
 11. 13. ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)  
 12. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σαλωμών (9 a)  
 — 25. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ι. (9 a)  
 — 28. καὶ κληθῇ τὸ ὄνομα μου [A αὐτοῦ] ἐπὶ  
 αὐτήν (9 b)  
 II Ki. 13. 17. ἐκάλεσε τὸ παιδάριον αὐτοῦ (9 a)  
 — 23. ἐκάλεσαν 'Αβ. πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ  
 βασιλ. (9 a)  
 14. 33. καὶ ἐκάλεσε τὸν 'Αβ. (9 a)  
 17. 5. καλέσατε δὴ καὶ γὰρ τὸν Χ. (9 a)  
 18. 18. A ἐκάλεσαν τὴν στήλην ἐπὶ τῷ ὀνόματι  
 αὐτοῦ (9 a)  
 — 18. ἐκάλεσε τὴν στήλην Χεὶρ 'Αβ. (9 b)  
 21. 2. ἐκάλεσαν ὁ βασιλ. Δ. τοὺς Γαβ. (9 a)  
 III Ki. 1. 9. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. (9 a)  
 — 10. τὸν Σαλ. ἀδελφὸν αὐτοῦ οὐκ ἐκάλεσε (9 a)  
 — 19. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασιλ. (9 a)  
 — 19. τὸν Σαλ. τὸν δοῦλόν σου οὐκ ἐκάλεσε (9 a)  
 — 25. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασιλ. (9 a)  
 — 26. Σαλ. τὸν δοῦλόν σου οὐκ ἐκάλεσαν (9 a)  
 — 28. καλέσατέ μοι τὴν Βηρσαββέ (9 a)  
 — 32. καλέσατέ μοι Σαδὸκ (9 a)  
 2. 28. B 'Ιωάβ ἦν κεκληκός [A B -ικὸς] ὅπως  
 'Αδ. † (9 a)  
 3. 1 (2. 36). ἐκάλεσαν ὁ βασιλ. τὸν Σεμ. (9 a)  
 — 1 (2. 42). ἐκάλεσε τὸν Σεμ. (9 a)  
 9. 13. ἐκάλεσαν αὐτὰς 'Οριον (9 a)  
 12. 3. A καὶ ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)  
 — 20. B ἐκάλεσαν [B -αυ, A εἰσπάγεον] αὐτόν  
 εἰς τὴν συναγωγὴν (9 a)  
 18. 3. ἐκάλεσαν 'Αχ. τὸν 'Αβδ. (9 a)  
 20 (21). 12. A B ἐκάλεσαν ἡσθεῖαν (9 a)  
 21 (20). 7. ἐκάλεσαν ὁ βασιλ. 'Ισρ. πάντας τοὺς  
 πρεσβυτέρους (9 a)  
 22. 9. ἐκάλεσαν ὁ βασιλ. 'Ισρ. εὐνοῦχον ἕνα (9 a)  
 — 13. ὁ πορευθεὶς καλεῖται τὸν Μ. (9 a)  
 IV Ki. 1. 3. ἀγγελος κυρίου ἐκάλεσαν 'Η. (9 a)  
 — 9. ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσε σε (9 a)  
 3. 10. 13. ἐκέκληε κύριος τοὺς τρεῖς βασιλεῖς (9 a)  
 4. 12. κάλεσόν μοι τὴν Σ. ταύτην (9 a)  
 — 12. καὶ ἐκάλεσαν αὐτήν (9 a)  
 — 15. A κάλεσον αὐτήν (9 a)  
 — 15. καὶ ἐκάλεσαν αὐτήν (9 a)  
 — 22. ἐκάλεσε τὸν ἀνδρα αὐτῆς (9 a)  
 — 36. κάλεσον τὴν Σ. ταύτην (9 a)  
 — 36. καὶ ἐκάλεσε [A add. αὐτήν] (9 a)  
 6. 11. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐτοῦ (9 a)  
 8. 1. ἐκέκληε [A -ικεν] κ. λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (9 a)  
 — 12. A ὁ κύριός μου καλεῖ [B κλαίει] † (9 a)  
 9. 1. ἐκάλεσαν ἕνα τῶν υἱῶν τῶν προφητῶν (9 a)  
 10. 19. τοὺς ἱερεῖς αὐτοῦ καλεῖται πρὸς μέ (9 a)  
 12. 7 (8). ἐκάλεσαν 'Ι. ὁ βασιλ. 'Ι. τὸν ἱερέα (9 a)  
 14. 7. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς 'Ι. (9 a)  
 18. 4. καὶ ἐκάλεσαν αὐτόν [A -οὺς] N. (9 a)  
 I Ch. 4. 9. ἡ μήτηρ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ 'Ι. (9 a)  
 6. 65 (50). ὃς ἐκάλεσαν αὐτὰς ἐπὶ ὀνόματος [B'  
 om. ἐπ' ὃ.] (9 a)  
 7. 16, 23. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)  
 11. 7. ἐκάλεσαν αὐτὴν πόλιν Δαυὶδ (9 a)  
 13. 11. ἐκάλεσε τὸν τόπον ἐκείνου (9 a)  
 14. 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)  
 15. 11. ἐκάλεσε Δ. τὸν Σαδὸκ (9 a)  
 22. 6. ἐκάλεσε Σαλ. τὸν υἱὸν αὐτοῦ (9 a)  
 23. 14. ἐκλήθησαν εἰς φυλὴν τοῦ Λευὶ (9 b)  
 II Ch. 8. 17. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα (9 a)  
 10. 3. A B καὶ ἐκάλεσαν [B -εν] αὐτόν (9 a)  
 18. 8. ἐκάλεσαν . . . εὐνοῦχον ἕνα (9 a)  
 — 12. ὁ πορευθεὶς τοῦ καλεῖται τὸν Μ. (9 a)  
 20. 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)  
 24. 6. ἐκάλεσαν ὁ βασιλ. 'Ι. τὸν 'Ιωάβ (9 a)  
 I Es. 3. 7. συγγενὴς Δαρεῖου κληθήσεται (9 a)  
 — 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς μεγαλτάνας τῆς Π. (9 a)  
 — 16. καλέσατε τοὺς νεανίσκους . . . καὶ ἐκλήθησαν (9 a)  
 4. 36. πᾶσα ἡ γῆ τὴν ἀλβίαν καλεῖ (9 a)  
 — 42. συγγενὴς μου κληθήσεται (9 a)  
 5. 38. καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (9 a)  
 9. 23. B οὗτος καλεῖται Σκεπαθαῖος [I, A B al.] (9 a)  
 II Es. 2. 61. A B καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ [B ἐν] ὀνό-  
 ματι αὐτῶν (9 b)  
 4. 18. ἐκλήθη ἔμπροσθεν ἐμοῦ (9 a)  
 8. 21. ἐκάλεσα ἐκεῖ ἡσθεῖαν (9 a)  
 Ne. 5. 12. καὶ ἐκάλεσα τοὺς ἱερεῖς (9 a)  
 7. 63. ἐκλήθη ἐπὶ [A τῷ?] ὀνόματι αὐτῶν (9 b)  
 To. 1. 9. B καὶ ἐκάλεσα τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)  
 2. 13. B καὶ ἐκάλεσα αὐτήν καὶ εἶπα [A B al.] (9 a)  
 4. 2. τί οὐ καλῶ Τωβίαν τὸν υἱόν μου (9 a)  
 — 3. καλέσας αὐτὸν εἶπε [B al.] (9 a)  
 5. 8. B κάλεσόν μοι τὸν ἄνθρωπον [A B al.] (9 a)  
 — 9. B ὁ πατὴρ καλεῖ σε (9 a)  
 — 9. A B ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)  
 — 16. B ἐκάλεσαν τὸν υἱὸν αὐτοῦ (9 a)

Το. 7. 13. ἐκάλεσε Σ. τὴν θυγ. αὐτοῦ  
— 14. ἐκάλεσαν Ἐδναν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ [B al.]  
— 16. ἐκάλεσε Ῥαγουήλ Ἐδναν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ  
8. 9. B ἐκάλεσαν τοὺς οἰκέτας  
— 11. B καὶ ἐκάλεσαν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ  
— 20. B καὶ ἐκάλεσαν Ὁρβείαν  
9. 1. ἐκάλεσε Ὁρβείαν τὸν Ῥαφαήλ  
— 5. B καλεῖ αὐτὸν εἰς τὸν γάμον  
12. 1. ἐκάλεσε Ὁρβείαν Ὁρβείαν  
— 5. ἐκάλεσε τὸν ἄγγελον [B al.]  
— 6. καλέσας [B ἐκάλεσεν] τοὺς δύο κρυπτῶς  
14. 3. ἐκάλεσε τὸν υἱὸν αὐτοῦ  
Ju. 2. 4. ἐκάλεσε Ναβ. βασ. Ἀσσ. τὸν Ὀλ.  
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς δυνάστας  
5. 2. ἐκάλεσε πάντα τοὺς ἀρχοντας M.  
8. 10. ἐκάλεσαν Χαβρίν καὶ Χαρμίν  
10. 2. ἐκάλεσε τὴν Ἰβρίαν αὐτῆς  
12. 10. οὐκ ἐκάλεσαν . . . οὐδένα τῶν πρὸς ταῖς  
χρεῖαις  
14. 5. καλέσατέ μοι Ἀχ.  
— 6. καὶ ἐκάλεσαν [B + γ] τὸν Ἀχ.  
Es. 2. 14. ἐάν μὴ κληθῇ ὀνόματι [A -αστί] (9 b)  
3. 12. ἐκλήθησαν οἱ γραμματεῖς τοῦ βασ. (9 b)  
4. 11. οὐ κέκλημαι εἰσελθεῖν πρὸς τὸν βασ. [A B al.] (9 b)  
5. 10. ἐκάλεσε τοὺς φίλους (2 b)  
— 12. οὐ κέκληκεν ἡ βασιλίσσα . . . οὐδένα [A al.] (2 b)  
— 12. εἰς τὴν αἰρὸν κέκλημαι [A -ηκεν] (9 a)  
6. 5. καλέσατε αὐτὸν (2 a)  
8. 9. ἐκλήθησαν δὲ οἱ γραμματεῖς (9 b)  
9. 26. τῇ διαλέκτῳ αὐτῶν καλοῦνται Φουρναί -  
Jb. 9. 16. ἐάν τε καλέσω (9 a)  
13. 22. καλέσεις [B -ση] ἐγγὺς σοὶ ὑπακούουσιν (9 a)  
14. 15. εἴπα καλέσω [A add. με] (9 a)  
19. 16. θεραπεύοντά μου ἐκάλεσα (9 a)  
38. 34. καλέσεις δὲ νύφους φωνῇ (10)  
42. 11. παρεκάλεσαν [B ἐκ.] αὐτὸν †  
— 14. ἐκάλεσε τὴν μὲν πρότην Ἡμέραν (9 a)  
— 18. Ἰωβὰβ δὲ καλούμενος Ἰώβ -  
Ps. 49 (50). 1. ἐκάλεσε τὴν γῆν (9 a)  
108 (104). 5. B B³ οὐ κληθήσεται [B¹ κληθ., A κληθ.] εἰς τὸν αἶ. †  
104 (105). 16. ἐκάλεσε λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (9 a)  
146 (147). 4. καὶ πᾶσιν αὐτοῖς ὀνόματα καλῶν (9 a)  
Pr. 1. 24. ἐπιδοὺ ἐκάλουν (9 a)  
18. 21. τοὺς σοφούς . . . φαύλους καλοῦσιν (9 b)  
21. 24. αὐθάρδης καὶ ἀλαζών λοιμός καλεῖται (11)  
27. 16. ὀνόματι δὲ ἐπιδοξεύς καλεῖται (9 a)  
Ec. 6. 10. κέκληται [A -ηκεν] ὄνομα αὐ. (9 b)  
Ca. 3. 1, 2 (A). ἐκάλεσα αὐτὸν -  
5. 6. ἐκάλεσα αὐτὸν (9 a)  
Wi. 11. 25. ἥ τὸ μὴ κληθῆν ὑπὸ σοῦ διετηρήθη  
13. 10. οἵτινες ἐκάλεσαν θεοὺς ἔργῳ χειρῶν ἀνθρώ-  
πων  
Si. 5. 14. μὴ κληθῇ ψίδυρος  
86. 17 (14). λαὸν . . . κεκλημένον ἐπ' ὀνόματι  
σου  
Ho. 1. 4. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. (9 a)  
— 6. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτῆς Οὐκ ἠλεγμένη (9 a)  
— 9. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Οὐ λαὸς μου (9 a)  
— 10 (2. 1). κληθήσονται καὶ αὐτοὶ υἱοὶ θεοῦ  
ζώντος [A al.] (1 a)  
2. 16 (18). καλέσει με Ὁ ἀνὴρ μου καὶ οὐ καλέ-  
σει με ἔτι B. (9 a, 9 a)  
11. 12 (12. 1). καὶ λαὸς ἅγιος κεκλησεται [A κληθῇ.] θεοῦ †  
Am. 5. 16. κληθήσεται γεωργὸς εἰς πένθος (9 a)  
7. 4. Ἰδοὺ ἐκάλεσε τὴν δικήν ἐν πυρὶ κύριος (9 a)  
Za. 8. 3. κληθήσεται ἱερ. πόλις ἀληθινή (9 b)  
11. 7. τὴν μὲν μίαν ἐκάλεσα Κάλλος καὶ τὴν  
ἑτέραν ἐκάλεσα Σχοῖνισμα (9 a, 9 a)  
Is. 1. 26. κληθήσῃ πόλις δικαιοσύνης (9 b)  
4. 1. τὸ ὄνομα τὸ σὺν κεκλησθῶ ἐφ' ἡμᾶς (9 b)  
— 3. ἅγιοι κληθήσονται πάντες οἱ γραφέντες  
εἰς βιβλ. (1 a)  
7. 14. καλέσεις [B -σει] τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐ. (9 a)  
8. 3. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐ. Ταχέως σκύλευσον (9 a)  
— 4. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον κ. πατέρα (9 a)  
9. 6 (5). καλεῖται [A -ίσει] τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)  
13. 19. ἡ καλεῖται ἔνδοξος -  
19. 18. πόλις ἀσπὲς κληθήσεται ἡ μία πόλις  
[B¹ al.] (1 a)  
21. 8. κάλεσον Οὐρίαν εἰς τὴν σκοπίαν (9 a)  
— 11. πρὸς ἐμέ καλεῖ [B -εί, A -είτ] παρὰ τοῦ  
Σηερί (9 a)

Is. 22. 12. ἐκάλεσε κύριος κύριος σαβαὼθ . . .  
κλαυθμόν (9 a)  
— 20. καλέσω τὸν παῖδά μου Ἑλιακίμ (9 a)  
35. 8. ὁδὸς ἁγία κληθήσεται (9 b)  
40. 26. πάντας [A -τα] ἐπ' ὀνόματι καλέσει (9 a)  
41. 2. ἐκάλεσαν αὐτὴν κατὰ πόδας αὐτοῦ (9 a)  
— 4. ἐκάλεσαν αὐτὴν ὁ καλὸν αὐτὴν ἀπὸ  
γενεῶν ἀρχῆς (-, 9 a)  
— 9. ἐκ τῶν σκοπιῶν αὐτῆς ἐκάλεσά σε (9 a)  
— 25. κληθήσονται [A κλήσ.] τῷ ὀνόματι μου (9 a)  
42. 6. ἐκάλεσά σε ἐν δικαιοσύνῃ (9 a)  
43. 1. ἐκάλεσά σε τὸ ὄνομά σου (9 a)  
— 22. οὐ γὰρ ἐκάλεσά σε, Ἰακώβ (9 a)  
44. 7. στήτω καὶ καλεσάτω [B al.] (9 a)  
45. 3. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὁ καλῶν τὸ ὄν. σου (9 a)  
— 4. B¹ E ἐγὼ καλέσω σε τῷ ὀνόματι σου  
[A B B³ μου] (9 a)  
46. 11. καλὸν ἀπ' ἀνατολῶν πετεινὸν (9 a)  
47. 1. οὐκ ἐπὶ προστεθήσῃ κληθῆναι ἀπαλή (9 a)  
— 5. οὐκ ἐπὶ μὴ κληθῇ [B -θῇ] ἰσχυρὴ βασι-  
λείας (9 a)  
48. 1. οἱ κεκλημένοι ἐπὶ [A B³ om.] τῷ ὀνόματι  
Ἰσραὴλ (9 b)  
— 8. ὁνομαζέτω ἐκ κοιλίας κληθῇ (9 c)  
— 12. Ἰσραὴλ ὃν ἐγὼ καλῶ (9 c)  
— 13. καλέσω αὐτοὺς (9 a)  
— 15. ἐγὼ ἐλάλῃ καὶ ἐγὼ ἐκάλεσα (9 a)  
49. 1. ἐκ κοιλίας μητρὸς μου ἐκάλεσε τὸ ὄνομά  
μου (5)  
— 6. μέγα σοὶ ἐστὶ τοῦ [B¹ τὸ] κληθῆναι σε  
παιδά μου (4)  
50. 2. ἐκάλεσα καὶ οὐκ ἦν ὁ ὑπακούων [A B¹ al.] (9 a)  
51. 2. ἐκάλεσα αὐτὸν (9 a)  
54. 5. θεὸς Ἰσραὴλ πάση τῇ γῇ κληθήσεται (9 b)  
— 6. κέκληκε σε ὁ κύριος (9 a)  
56. 7. ὁ γὰρ οἶκος μου οἶκος προσευχῆς κληθή-  
σεται πᾶσι τοῖς ἔθνεσι (9 b)  
58. 5. οὐδ' οὕτω καλέσατε νηστείαν δεκτὴν (9 a)  
— 12. κληθῇ οἰκοδόμος φραγμῶν (9 c)  
— 13. καλέσεις τὰ σβάρβανα τρυφερά (9 a)  
60. 14. κληθήσῃ Πόλις κυρίου Σιών (9 a)  
— 18. κληθήσεται [B -σοῦνται] Σωτήριον τὰ  
τείχη σου (9 a)  
61. 2. καλέσαι ἐναντὶν κυρίῳ δεκτόν (9 a)  
— 3. κληθήσονται γενεαὶ δικαιοσύνης (9 c)  
— 6. ἱερεῖς κυρίου κληθήσονται (1 a)  
62. 2. καλέσει σε τὸ ὄνομα τὸ καινόν (9 c)  
— 4. οὐκ ἐπὶ κληθῇ [B¹ κληρονομή.] Κατα-  
λελειμένη καὶ ἡ γῆ σου οὐ κληθή-  
σεται ἐπὶ Ἐρῆμον σοὶ γὰρ κληθήσε-  
ται [B² -ση] Ὁλημα ἐμὸν (1 a, 1 a, 9 b)  
— 12. καλέσει αὐτὸν λαὸν ἄγιον . . . σὺ δὲ  
κληθήσῃ [B¹ συνεκλήθη] Ἐπιζη-  
τούμενη πόλις (9 a, 9 b)  
63. 19. οὐδὲ ἐκλήθη [A ἐνεκλ.] τὸ ὄνομά σου  
ἐφ' ἡμᾶς (9 b)  
65. 1. τῷ ἔθνει οἱ οὐκ ἐκάλεσάν μου τὸ ὄνομα (9 c)  
— 12. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐκ ὑπηκούσατε (9 a)  
— 15. τοῖς δὲ δουλεύουσιν μοι [A αὐτῷ] κληθή-  
σεται ὄνομα καινόν (9 a)  
66. 4. ἐκάλεσα αὐτοὺς (9 a)  
Je. 3. 4. οὐχ ὡς οἶκόν με ἐκάλεσας (9 a)  
— 17. καλέσουσι τὴν Ἱερουσαλὴμ Θρόνος  
κυρίου (9 a)  
— 19. πότερα καλέσετέ με [A B¹ al.] (9 a)  
6. 30. ἀργύριον ἀποδοκιμασμένον καλέσατε  
αὐτοὺς (9 a)  
7. 13. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐκ ἀπεκρίθητε (9 a)  
9. 17 (16). καλέσατε τὰς θρηνησάσας (9 a)  
11. 16. ἐλαῖαν ὠραῖαν ἐσθλὴν τῇ εἵδει ἐκάλεσε  
[A add. σε] κύριος τὸ ὄνομά σου (9 a)  
19. 6. οὐ κληθήσεται τῷ τόπῳ τούτῳ ἔτι Διά-  
πτωσις [A B¹ al.] (9 b)  
20. 3. οὐχὶ Πισχωρ ἐκάλεσε κύριος τὸ ὄνομά  
σου (9 a)  
28. 6. δ. καλέσει αὐτὸν κύριος (9 a)  
26 (46). 17. καλέσατε τὸ ὄνομα Φαρῶν Νεχῶ (9 a)  
— 19. κληθήσεται Οὐαί †  
30. 7 (49. 29). καλέσατε ἐπ' [A om.] αὐτοὺς  
ἀπάληαν κυκλόθεν (9 a)  
32 (25). 29. μάχισται ἐγὼ καλῶ [A -λέσω] ἐπὶ  
τοὺς καθημένους ἐπὶ τῇ γῇ (9 a)  
37 (30). 17. ἐσπαρμένη ἐκλήθη (9 a)  
41 (34). 8. τὸ καλέσαι ἄφεσιν (9 a)  
— 15. τοὺς καλέσαι ἀφεσιν ἔκαστον τοῦ [A  
-ος τῷ] πλησίον αὐτοῦ (9 a)

Je. 41. 17. οὐκ ἠκούσατέ μου τοῦ [A B om.]  
καλέσαι ἀφεσιν . . . ἰδοὺ ἐγὼ καλῶ  
ἀφεσιν ὑμῖν (9 a, 9 a)  
42 (36). 2. A καλέσαν αὐτοὺς (3)  
43 (36). 4. ἐκάλεσαν ἱερμίαν τὸν Βαρούχ (9 a)  
44 (37). 17. ἐκάλεσαν αὐτὸν (7)  
45 (38). 14. ἐκάλεσαν αὐτὸν πρὸς ἐαυτὸν (7)  
49 (42). 8. ἐκάλεσε τὸν Ἰωάνας (9 a)  
Ba. 3. 33. ἐκάλεσαν αὐτὸ  
— 34. ἐκάλεσαν αὐτοὺς  
5. 4. κληθήσεται γὰρ σου τὸ ὄνομα  
La. 1. 15. ἐκάλεσαν ἐπ' ἐμὲ καιρὸν (9 a)  
— 19. ἐκάλεσα τοὺς ἐραστάς μου (9 a)  
— 21. ἐκάλεσας καιρὸν (9 a)  
2. 22. ἐκάλεσαν ἡμέραν ἐορτῆς παροιίας μου  
κυκλόθεν (9 a)  
4. 15. καλέσατε αὐτοὺς (9 a)  
Ep. Je. 30. πόθεν γὰρ κληθήσονται [A -θήσονται] θεοὶ  
Ez. 8. 18. A καλέσουσιν ἐν τοῖς ὥσιν μου (9 a)  
9. 3. ἐκάλεσε τὸν ἄνδρα τὸν ἐνδεδυκότα τὸν  
ποδήρη (9 a)  
38. 29. καλέσω τὸν σίτον (9 a)  
38. 21. καλέσω ἐπ' αὐτό [A al.] (9 a)  
39. 11. κληθήσεται τότε [A τὸ γαί] Τὸ πολύν-  
δριον τοῦ Ἰγῶν (9 a)  
Da. LXX. Su. 29. οἱ δὲ εὐθύως ἐκάλεσαν αὐτὴν  
— 52. ἐκάλεσε τὸν ἑνα αὐτῶν  
3. 26 (93). ἐκάλεσαν αὐτοὺς ἐξ ὀνόματος (1 b)  
— 45. ἐκάλεσαν τὸν Δαν. τὸν ἀρχοντα τῶν σοφῶν -  
— 27. οἶκος βασιλείας μου . . . κληθήσεται -  
— 32. ἄγγελος εἰς ἐκάλεσέ με ἐκ τοῦ οὐρανοῦ -  
5. 1. ἐκάλεσαν ἄνδρας διαχλίους -  
— 7. καλέσει τοὺς ἐπαίδους (8)  
— 10. ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσε τὴν βασιλίσσαν †  
6. 20 (21). ἐκάλεσε τὸν Δαν. φωνῇ μεγάλῃ (9 b)  
8. 16. καὶ ἐκάλεσε καὶ εἶπεν (9 a)  
Bel 7. ἐκάλεσε τοὺς προσετηκῆτας τοῦ ἱεροῦ  
— 29. ἐκάλεσε τοὺς συμβιωτὰς αὐτοῦ  
Da. TH. Su. 52. ἐκάλεσε τὸν ἑνα αὐτῶν  
2. 2. εἶπεν ὁ βασ. καλέσαι τοὺς ἐπαίδους (9 a)  
5. 12. νῦν οὖν κληθῶ (9 c)  
8. 16. καὶ ἐκάλεσε καὶ εἶπε (9 a)  
Bel 8. ἐκάλεσε τοὺς ἱερεῖς αὐτοῦ  
I Ma. 1. 6. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐτοῦ  
2. 3. A B Σίμων ὁ [B om.] καλούμενος Θασσί  
— 4. A B Ἰούδας ὁ καλούμενος [B ἐπικαλ.] Μακ-  
καβαῖος  
— 5. A B Ἐλεάζαρ ὁ [B om.] καλούμενος [B  
ἐπικαλ.] Ἀνδρῶν Ἰωνᾶν ὁ καλούμενος  
[B ἐπικαλ.] Ἀπφούς  
3. 1. Ἰούδας ὁ καλούμενος Μακκαβαῖος  
6. 10. ἐκάλεσε πάντας τοὺς φίλους αὐτοῦ  
— 14. καὶ ἐκάλεσε Φίλιππον  
— 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Εὐπάτωρ  
10. 20. A B καὶ φίλον βασιλέως καλεῖσθαι [B¹  
κείσθαι, B add. σε]  
11. 7. ἔως τοῦ ποταμοῦ τοῦ καλουμένου Ἐλευθέρου  
— 47. ἐκάλεσε ὁ βασ. τοὺς Ἰουδαίους  
12. 31. τοὺς Ἀραβας τοὺς καλουμένους Ζαβαδαῖους  
— 37. A B ἐπεσκέυσεν τὸ [B τὸν] καλούμενον  
Χαφεναθά  
16. 2. ἐκάλεσε Σίμων τοὺς δύο υἱοὺς αὐτοῦ  
— 15. A B τὸ ὀχυρωμένον τὸ [B εἰς τὸ] καλούμ. Δώκ  
II Ma. 1. 36. καλεῖται δὲ παρὰ τοῖς πολλοῖς Νεφθ.  
7. 11. A ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκληται [B κέκτηται]  
10. 12. Ητολ. γὰρ ὁ καλούμενος Μάκρων  
III Ma. 5. 26. B ἐκάλει [A ἐπικαλ.] πρὸς τὴν  
ἐξοδον  
IV Ma. 3. 19. ὁ καιρὸς ἡμᾶς καλεῖ  
8. 5. καὶ πλησίον καλέσας ἔφη  
— 17. B βασιλεὺς ἡμᾶς καλοῦντος [A B παρακ.]  
11. 20. τῷ ἄν. . . ἀδελφοὶ τοσοῦτοι κληθέντες  
16. 9. οὐδὲ μάμνη κληθῆναι μακαρισθῆσθαι  
— 16. ὁ ἀγὼν ἐφ' ὃν κληθέντες  
[Aq. Gk. 1. 5 bis, 8, 10 bis; 4. 26; Dt. 3. 13;  
I Ki. 9. 13, 24; II Ki. 12. 25; III Ki. 12. 3;  
IV Ki. 4. 15; Ps. 3. 5; 27 (28). 1; 30 (31).  
18; 48 (49). 12; 49 (50). 1; 54 (55). 17; Pr.  
7. 4; 12. 23; 27. 16; Is. 7. 14; 9. 6 (5); 13.  
3; 21. 11; 32. 5; 34. 12, 14; 40. 3; 48. 22;  
46. 11; 58. 12; 65. 15; Je. 7. 27; 81 (88).  
6; 33 (40). 3; 36 (43). 9; 43 (50). 10; 44  
(51). 26; Ho. 11. 1; Zc. 11. 7 bis.]  
[Sm. Gk. 1. 5 bis, 8, 10 bis; 2. 23; I Ki. 9. 9;  
II Ki. 5. 9; 12. 25; Ps. 49 (50). 1; 79 (80).  
19; 129 (130). 1; 146 (147). 4; Pr. 27. 16;  
Is. 7. 14; 9. 6 (5); 21. 11; 34. 14, 15; 48.

22: 44. 5: 46. 11: 55. 6: 58. 12: 65. 15: 17. 7 bis.]  
[Th. Gz. 1. 5 bis, 8, 10 bis: Dt. 8. 9: Jd. 2. 5: 10. 4: i Ki. 9. 24: i Ki. 12. 25: i Ki. 21. 12: Ps. 49 (50). 1: Pr. 7. 4: 12. 23: 27. 16: Is. 7. 14: 18. 3: 21. 11: 34. 12, 14: 41. 4: 43. 22: 46. 11: 58. 12, 13: Je. 38 (40). 16: 35 (42). 17: 44 (51). 26: Ez. 8. 18: Da. 8. 16: Ho. 11. 1.]  
[Al. Gz. 31. 47 bis: Lz. 25. 10: Nu. 16. 2: Dt. 8. 13: i Ki. 28. 15: Ps. 146 (147). 4.]  
[Quint. IV Ki. 4. 15.]

## καλιά.

[Sm. Gz. 6. 15 (14).]

## καλλιέργειν.

[Quint. Ps. 140 (141). 7.]

## καλλιάρτος.

[Al. Gz. 49. 11.]

## καλλιοῦσθαι. (1) כָּלַו (2) כָּלַו

Ca. 4. 10. τί ἐκαλλιόωσαν μαστοὶ σου (2)

— 10. A B<sup>3</sup> S B<sup>2</sup> τί ἐκαλλιόωσαν μαστοὶ σου (1)

[Aq. Ps. 44 (45). 3.]

## καλλίπαις.

IV Ma. 16. 10. ὁ ἡ πολὺται καὶ κ. ἐγὼ γυνή

## καλλονή. (1) כָּלַו (2) כָּלַו

Ps. 46 (47). 4. τὴν κ. Ἰακώβ ἦν ἡγάπησε (1)

77 (78). 61. καὶ τὴν κ. αὐ. εἰς χεῖρας ἐχθροῦ (2)

Wi. 13. 3. εἰ μὲν τῇ κ. περὶόμενοι

— 5. A B<sup>2</sup> E<sup>2</sup> γὰρ μεγάλους καλλονῆς [B B<sup>1</sup> κ. καὶ B<sup>2</sup> καὶ κ.] κτισμάτων

Si. 6. 15. οὐκ ἔστι σταθμός τῆς κ. αὐτοῦ

34 (31). 23. μαρτυρία τῆς κ. αὐτοῦ πιστῆ

I Ma. 2. 12. ἡ κ. ἡμῶν καὶ ἡ δόξα ἡμῶν ἡρημώθη

[Aq. Gz. 49. 21.]

[Sm. Ps. 78 (79). 7.]

## κάλλος. (1) כָּלַו (2) a. כָּלַו b. כָּלַו

(3) a. כָּלַו b. כָּלַו c. ὠραίως κάλλει

כָּלַו pealal (4) כָּלַו (5) כָּלַו (6) כָּלַו

(7) כָּלַו (8) כָּלַו

Ge. 49. 21. ἐπιδοῦναι ἐν τῇ γεννίᾳ. κάλλος (7)

De. 33. 17. περὶ σόκος ταύρου τὸ κ. αὐτοῦ (1)

I Ki. 16. 12: 17. 43. πυρρὰς μετὰ κάλλους

ὀφθαλμῶν (3 a)

I Es. 4. 18. γυναικα μίαν καλὴν τῇ εἵδει καὶ τῇ κ.

Ju. 10. 7. ἐθαύμασαν ἐπὶ τῇ κ. αὐτῆς

— 14. θαυμάσιον [A -ia] τῇ κ. σφόδρα [B al.]

— 19. A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> ἐθαύμαζον ἐπὶ τῇ κ. αὐτῆς

— 23. ἐθαύμασαν πάντες ἐπὶ τῇ κ. τοῦ προσώπου

16. 7. ἀλλὰ ἡ κ. ἐν κάλλει προσώπου αὐτῆς

— 9. τὸ κ. αὐτῆς ἡχηματώσει ψυχὴν αὐτοῦ

Es. 1. 11. δείξαι . . . τοῖς ἔθνεσι τὸ κ. αὐτῆς (3 b)

5. 1. ἀκμή κάλλους αὐτῆς

Ps. 29 (30). 7. παράσχου τῇ κ. μου δύναμιν †

44 (45). 2. ὠραίως κάλλει παρὰ τοὺς υἱοὺς τῶν

ἀνθρώπων (3 c)

— 3. τῇ ὠραϊότητι σου καὶ τῇ κ. σου (1)

— 11. ἐπεδύμησεν [A B<sup>2</sup> ἐπιδύμησεν] ὁ βασι-

λεὺς τοῦ κ. σου (3 b)

Pr. 6. 25. μὴ σε κινήσῃ κάλλους ἐπιθυμία (3 b)

11. 22. οὕτως γυναικὶ κακὸς ὁ κάλλος (3 a)

31. 30. μάταιον κάλλος γυναικός (3 b)

Wi. 5. 16. λήψονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κ. ἐκ χειρὸς

κυρίου

8. 2. ἐραστῆς ἐγενήθη τοῦ κ. αὐτῆς

13. 3. ὁ γὰρ τοῦ κ. [B<sup>2</sup> κόσμου] γενεσιάρχης

Si. 9. 8. μὴ καταμάρθων κάλλος ἀλλότριον

— 8. ἐν κάλλει γυναικὸς πολλοὶ ἐπαρτήθησαν

11. 2. μὴ αἰκίσῃς ἄνδρα ἐν κάλλει αὐτοῦ

25. 21. A B μὴ προσπέσεις ἐπὶ κάλλος [B<sup>2</sup> -ους]

γυναικός καὶ γυναικα ἐν κάλλει [B om. ἐν κ.] μὴ ἐπιποθήσῃς

26. 16. κάλλος ἀγαθῆς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οἰκίας

αὐ.

— 17. κάλλος προσώπου ἐπὶ ἡλικίᾳ στασίμῃ

38. 27 (24). κάλλος γυναικὸς ἱλαρὴν πρόσωπον

40. 22. χάριν καὶ κάλλος ἐπιθυμῆσαι ὁ ὀφθ. σου

42. 12. παντὶ ἀνδρὶ μὴ ἐβλεπε ἐν κάλλει

43. 9. κάλλος οὐρανοῦ δόξα ἀστρων

Si. 43. 18. κάλλος λευκότητος αὐτῆς ἐκθαυμάσει ὀφ-

θαλμός

Za. 11. 7. τὴν μὲν μίαν ἐκάλεσα Κάλλος (6)

Ma. 2. 15. A οὐ κάλλος [?] οὐκ ἄλλος, B S<sup>1</sup> οὐκάλλος, B<sup>2</sup> οὐ καλὸς] ἐποίησε †

Is. 2. 16. ἐπὶ πᾶσαν θίαν πλοῖων κάλλους (2 b)

37. 24. ἐκοῦα . . . τὸ κ. τῆς κυναρίσσου (5)

58. 2. οὐκ εἶχεν εἶδος οὐδὲ κ. (2 a)

62. 3. ἔση στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου (8)

Ep. Je. 24. τὸ γὰρ χρυσίον δὲ περικείται εἰς κ.

Ez. 16. 14. ἐξῆλθες σου ὄνομα ἐν τοῖς ἔθνεσιν ἐν

[A ἐπὶ] τῇ κ. σου (3 b)

— 15. κατεπεποιθείς ἐν [A ἐπὶ] τῇ κ. σου (3 b)

— 25. ἐλυμῶν τὸ κ. σου (3 b)

27. 3. περιέθηκε ἔμαυτῇ κ. μου (3 b)

— 4. τῷ βελεῖμι υἱοὶ σου περιέθηκαν σοι κ. (3 b)

— 11. οὗτοι ἐτελείωσάν σου τὸ κ. (3 b)

28. 7. ἐπὶ τὸ κ. τῆς ἐπιστήμης σου καὶ στρώ-

σουσι τὸ κ. σου εἰς ἀπώλειαν (3 b, 4)

— 12. στέφανος κάλλους . . . ἐγενήθη (3 b)

— 17. ὑψώθη ἡ καρδία σου ἐπὶ τῇ κ. σου

διεφάρη ἡ ἐπιστήμη σου μετὰ τοῦ

κ. σου (3 b, 4)

81. 8. οὐχ ὁμοιωθήσεται ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (3 b)

Da. LXX. Su. 32. ἵνα ἐμπλησθῶσι κάλλους ἐπιθυ-

μίας αὐτῆς

— 56. τὸ κ. σε ἡπάτησεν

Da. TH. Su. 32. ὅπως ἐμπλησθῶσι τοῦ κ. αὐτῆς

— 56. τὸ κ. ἐξήπατησέ σε

I Ma. 1. 26. τὸ κ. τῶν γυναικῶν ἡλαιοῦθη

II Ma. 9. 16. A κάλλει τοῖς [B καλλίστοις] ἀναθί-

μασι κοσμήσιν

IV Ma. 2. 1. πρὸς τὴν τοῦ κ. μετουσίαν ἀκυροῦνται

8. 5. καθ' ἑνὸς ἐκάστου ἡμῶν θαυμάζω τὸ κ.

[Aq. Ps. 44 (45). 3: 49 (50). 2: Pr. 6. 25: Is. 8. 24: 33. 17: Ez. 28. 13: Ho. 10. 11.]

[Sm. Ps. 26 (27). 4: 44 (45). 3: 89 (90). 17: Pr. 6. 25: Is. 83. 17: Ez. 7. 11: 27. 4: Ho. 10. 11.]

[Th. Pr. 6. 25: Is. 83. 17: Ez. 27. 3: 28. 13.]

[Quint. Ps. 44 (45). 3: Ca. 4. 1.]

## κάλλυνθρον. (1) כָּלַו

Le. 23. 40. λήψεσθε . . . κάλλυνθρα φοινίκων (1)

## καλλωπίειν. (1) כָּלַו (2) a. כָּלַו b. כָּלַו

b. כָּלַו כָּלַו (3) כָּלַו hithpa.

Ge. 38. 14. ἐκαλλωπίσας (3)

Ju. 10. 4. καὶ ἐκαλλωπίσας σφόδρα (3)

Ps. 149 (144). 12. αἱ θυγατέρες αὐτῶν κεκαλλω-

πισμέναι (1)

Je. 10. 4. ἀργυρίαι καὶ χρυσίαι κεκαλλωπισμέναι

[B<sup>2</sup> κεκολλημένα, AS add. ὅστιν] ἐν

σφύραις (2 a)

26 (48). 20. δαυλαίς κεκαλλωπισμένη Αἴγυπτος (2 b)

[Aq. Ps. 44 (45). 3: Ca. 4. 10.]

[Th. Pr. 7. 17.]

## καλλωπισμός.

[Al. Is. 8. 24.]

[Eob. Ez. 16. 7.]

## καλοκάγαθία.

IV Ma. 1. 8. S τοῦτο ἀποδείξαιμι ἀπὸ τῆς κ. [A B

ἀνδραγαθίας]

— 10. τοὺς . . . ὑπὲρ τῆς κ. ἀποθανόντας

3. 18. S B τῇ κ. [A τῆς κ.] τοῦ λογισμοῦ

11. 22. καλοκάγαθία καθωπλισμένος τεθυήσομαι

18. 25. ἡ γὰρ ὁμοζήλια τῆς κ.

16. 9. διὰ τὴν κ. τῶν νῶν

## καλός. (1) כָּלַו (2) a. כָּלַו b. כָּלַו

subst. cf. adj. b. כָּלַו verb. c. כָּלַו כָּלַו

d. כָּלַו hi. e. כָּלַו (3) a. כָּלַו b. כָּלַו

c. כָּלַו כָּלַו (4) כָּלַו (5) כָּלַו

(6) כָּלַו (7) a. כָּלַו b. כָּלַו (8) καλός

εἶναι δοκεῖν כָּלַו (9) βουλή κ. כָּלַו

(10) ὄνομα κ. כָּלַו (11) καλός εἶναι כָּלַו hi.

(12) καλὸν ποιεῖν, καλὸν ποιεῖν כָּלַו hi.

(13) καλὸν ἐπιτηδεύειν כָּלַו hi. (14) καλός

γίνεσθαι כָּלַו (15) καλός τῷ εἶδει כָּלַו

Ge. 1. 4. εἶδεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ὅτι καλόν (2 a)

Ge. 1. 8. εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν —

— 10, 12, 18. εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν (2 a)

— 21, 25. εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλὰ (2 a)

— 31. ἰδοὺ καλὰ λίαν (2 a)

2. 9. ζῦλον . . . καλὸν εἰς βρώσιν (2 a)

— 9. τοῦ εἰδέναι γνωστὸν καλοῦ καὶ πονηροῦ (2 a)

— 12. τὸ δὲ χρυσίον τῆς γῆς ἐκείνης καλόν (2 a)

— 17. τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν (2 a)

— 18. οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον (2 a)

3. 5. γινώσκοντες καλὸν καὶ πονηρόν (2 a)

— 6. καλὸν τὸ ζῦλον εἰς βρώσιν (2 a)

— 22. τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν (2 a)

6. 2. ἰδόντες . . . τὰς θυγατέρας . . . ὅτι καλαὶ

εἰσιν (2 a)

12. 14. ἰδόντες . . . τὴν γυναῖκα αὐ. ἐπὶ καλῇ ἦν (3 a)

15. 15. τραφεῖς ἐν γῆρᾳ καλῶ (2 a)

18. 7. ἀπαλὸν μοσχάριον καὶ καλόν (2 a)

24. 16. ἦν καλὴ τῇ ὄψει σφόδρα (2 a)

— 50. B ἀντεῖπεν κακὸν ἢ καλόν [A κακὸν

καλῶ] (2 a)

25. 8. ἀπέθανεν A. ἐν γῆρᾳ καλῶ (2 a)

27. 9. δύο ἐρίφους ἀπαλούς καὶ καλούς (2 a)

— 15. τὴν στολὴν Ἡσαῦ . . . τὴν κ. (1)

29. 17. Ῥαχὴλ δὲ ἦν καλὴ τῷ εἶδει (3 a)

30. 20. δεδωρηταὶ ὁ θεὸς μοι δώρον καλόν (2 a)

39. 6. ἦν ἰωσήφ καλὸς τῷ εἶδει (2 a)

41. 2. ἐπὶ τὰ βόες καλαὶ τῷ εἶδει (3 a)

— 4. τὰς ἐπὶ τὰ βόας τὰς κ. τῷ εἶδει (3 a)

— 5. ἐπὶ τὰ στάχυνες . . . ἐλκετοὶ καὶ καλοὶ (2 a)

— 18. ἐπὶ τὰ βόες καλαὶ τῷ εἶδει (3 a)

— 20. τὰς ἐπὶ τὰ βόας τὰς πρώτας τὰς κ. —

— 22. ἐπὶ τὰ στάχυνες . . . πληρεῖς καὶ καλοὶ (2 a)

— 24. τοὺς ἐπὶ τὰ στάχυνες τοὺς κ. (2 a)

— 26. αἱ ἐπὶ τὰ βόες αἱ κ. (2 a)

— 26. οἱ ἐπὶ τὰ στάχυνες οἱ κ. (2 a)

— 35. τῶν ἐπὶ τὰ ἐτών . . . τῶν κ. τούτων (2 a)

44. 4. τί ὅτι ἀνταπεδώκατε [A d. μοι] πονηρὰ

ἀντὶ καλῶν (2 a)

49. 14. Ἰσάχαρ τὸ κ. ἐπεβούνησεν †

— 15. ἰδὼν τὴν ἀνάστασιν ὅτι καλὴ (2 a)

Le. 27. 10. οὐκ ἀλλάζει αὐτὸ καλὸν πονηρῶ οὐδὲ

πονηρὸν καλῶ (2 a, 2 a)

— 12. ἀνὰ μέσον καλοῦ καὶ ἀνὰ μέσον πονηροῦ (2 a)

— 14. ἀνὰ μέσον καλῆς καὶ ἀνὰ μέσον πονηρᾶς (2 a)

— 33. B οὐκ ἀλλάζει καλὸν πονηρῶ οὐδὲ

πονηρὸν καλῶ [A B om. οὐδὲ π. κ.] (2 a, —)

Nu. 10. 29. κύριος ἐλάλησε κατὰ περὶ Ἰσραὴλ (2 a)

11. 18. καλὸν ἡμῖν ἔστιν ἐν Αἰγύπτῳ (2 a)

13. 20 (19). ἡ [A εἰ] καλὴ ἔστιν ἡ ποιηρὰ (2 a)

24. 1. A B καλὸν ἔστιν ἐναντίον [B -τι] κυρίου (2 a)

— 5. ὡς καλοὶ οἱ οἰκοὶ σου, Ἰακώβ (2 b)

— 13. ποιήσαι αὐτὸ κ. ἡ πονηρόν (2 a)

De. 1. 14. κ. τὸ ῥῆμα δὲ ἐλάλησας ποιήσαι (2 a)

6. 10. δοῦναι σοι πόλεις μεγάλας καὶ κ. (2 a)

— 18. ποιήσεις τὸ ἀρεστὸν καὶ τὸ κ. [A κ. καὶ

τὸ d.] (2 a [4])

8. 12. οἰκίας κ. οἰκοδομήσας (2 a)

12. 25. ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν (4 ?)

— 28. ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν (4 ?)

13. 18 (19). ποιεῖν τὸ ἀρεστὸν καλὸν κ. (4 ?)

21. 9. ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν (4)

— 11. γυναῖκα κ. τῷ εἶδει (3 a)

Jo. 7. 21. A εἶδεν ἐν τῇ προνομῇ ψλὴν ποικίλην

κ. [B om.] (2 a)

21. 43. οὐ διεπείσεν ἀπὸ πάντων τῶν ῥημάτων

τῶν κ. (2 a)

23. 15. πάντα τὰ ῥήματα τὰ κ. [

1 Ch. 29. 28. ἐτελεύτησεν ἐν γήρῃ κ. (2 α)  
 11 Ch. 14. 2 (1). ἐποίησε τὸ κ. (2 α)  
 31. 20. καὶ ἐποίησε τὸ κ. (2 α)  
 I Es. 4. 18. γυναικα μίαν κ. τῷ εἶδει  
 To. 2. 1. ἐγενήθη ἄριστον καλὸν μοι  
 5. 13. σὺ τυγχάνεις ἀδελφός μου ἐκ τῆς κ. καὶ ἀγαθὴς γενεάς  
 — 13. ἐκ βίης κ. [Δ. μεγάλῃς, B ἀγαθῆς] εἰ  
 6. 12. τὸ κοράσιον κ. καὶ φρόνιμον ἔστι  
 — 12. B καὶ ὁ πατήρ αὐτῆς κ.  
 7. 7. οὗ κ. καὶ ἀγαθὸν ἀνθρώπου υἱὸς [B α.]  
 — 12. ὁ δὲ ἐλεῖ μὲν θεὸς εὐδοῶσαι ὑμῖν τὰ κάλλιστα [B α.]  
 8. 6. οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον  
 9. 6. B καλὴ καὶ ἀγαθὴ ἄνδρος κ. καὶ ἀγαθὸν  
 10. 13. ἀκούσασθαι μου ἀκούη κ. [B ἀγαθῇ]  
 12. 7. μυστήριον βασιλέως καλὸν κρύψαι  
 — 8. καλὸν ποιῆσαι ἐλεημοσύνην  
 — 11. μυστήριον βασιλέως κρύψαι καλὸν  
 Ju. 8. 7. καὶ ἦν καλὴ τῷ εἶδει  
 10. 19. οὐ [B om.] καλὸν ἔστιν [B om.] ὑπολείπεσθαι  
 11. 21. Δ B οὐκ ἔστι τοιαύτη γυνή . . . ἐν κ. προσώπῳ  
 12. 13. μὴ ὀκνησάτω δὴ ἡ παιδίσκη ἡ κ. αὐτῇ  
 Es. 1. 11. ὅτι καλὴ ἦν (2 c)  
 2. 2. κοράσια . . . καὶ τῷ εἶδει [B<sup>1</sup> ἰδεῖν] (2 α)  
 — 3. κοράσια . . . κ. τῷ εἶδει (2 α)  
 — 7. ἦν τὸ κοράσιον καλὸν [B -] τῷ εἶδει (2 α)  
 8. 13. τοὺ κατευθύνοντες . . . ἐν τῇ καλλίστῃ δια-  
 θέσει  
 Jb. 10. 3. ἡ καλὸν σοὶ ἐὰν ἀδικήσω [A α.] (2 δ)  
 13. 9. B καλὸν γὰρ ἐὰν [B om.] ἐξιχνύσῃ  
 ὑμᾶς [A α.] (2 δ)  
 33. 31. A ἐπιστάμενοι ἐνωτίζεσθε τὸ κ. —  
 34. 2. A B<sup>2</sup> ἐπιστάμενοι ἐνωτίζεσθε τὸ κ. [B B<sup>1</sup> om. τὸ κ.] —  
 — 4. γνώμων ἀνὰ μέσον ἐαυτῶν ὅτι [A τ] καλὸν (2 α)  
 Ps. 34 (35). 12. ἀνταπεδιδόσαν μου πονηρὰ ἀντὶ καλῶν [A ἀγαθῶν] (2 α)  
 132 (133). 1. ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἦ τί τερπνόν (2 α)  
 134 (135). 3. ψάλατε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ ὅτι καλὸν [A<sup>2</sup> ἰδοὺ] (7 α)  
 151. 5. οἱ ἀδελφοί μου καλοὶ καὶ μεγάλοι  
 Pr. 2. 10. ἡ δὲ ἀσφόδρος τῇ σῇ ψυχῇ καλὴ εἶναι [A<sup>1</sup> εἴη] δόξῃ (8)  
 — 11. βουλὴ καλὴ φυλάξει σε (2 α)  
 3. 4. προνοοῦ καλὰ ἐνώπιον κυρίου (2 α)  
 — 17. αἱ ὁδοὶ αὐτῆς ὁδοὶ καλοὶ (7 δ)  
 15. 2. γλῶσσαι σοφῶν καλὰ ἐπίσταται (2 δ)  
 — 23. οὐδὲ μὴ εἴπω καμίων τι καὶ καλὸν τῷ κοινῷ (2 α)  
 16. 2 (15. 30). θεωρῶν ὀφθαλμοὶ καλὰ εὐ-  
 φραίνει καρδίαν —  
 — 24. κηρία μέλιτος λόγοι καλοὶ (7 δ)  
 17. 26. ἡμιονὶ ἄνδρα δίκαιον οὐ καλὸν (2 α)  
 18. 5. θημῶσαι πρόσωπον ἀσεβοῦς οὐ καλὸν (2 α)  
 20. 23. ὑγροὶ δόλοισι οὐ καλὸν ἐνώπιον αὐτοῦ (2 α)  
 22. 1. αἰρετώτερον ὄνομα καλὸν ἢ πλοῦτος πολὺς (10)  
 — 18. ἵνα γνῶς ὅτι καλοὶ εἰσι (7 α)  
 23. 8. λυμάνειται τοὺς λόγους σου τοὺς κ. (7 α)  
 24. 4. ἐμπιμπλάνται ταμεία ἐκ παντὸς πλοῦτου τιμίων καὶ καλοῦ (7 α)  
 — 14. ἔσται καλὴ ἡ τελευτὴ σου —  
 — 38 (23). A B αἰδέσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει οὐ καλὸν (2 α)  
 25. 27. ἐσθλὴν μέλι πολλὸν οὐ καλὸν (2 α)  
 31. 11. ἡ τοιαύτη καλὸν σκύλον οὐκ ἀπορήσει —  
 — 18. καλὸν ἔστι τὸ ἐργάζεσθαι (2 α)  
 Ec. 3. 11. τὰ [A B<sup>2</sup> om.] σύμματα δ [B<sup>1</sup> om.] ἐποίησε καλὰ (8 α)  
 4. 17. B οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιῆσαι τὸ κ. [A B π. καλόν] +  
 5. 17. ἔστι καλὸν τοῦ φαγεῖν (3 α)  
 9. 12. B οἱ ἰχθύες οἱ θηρευόμενοι ἐν ἀμφιβλη-  
 στρῷ κ. [A B κακῷ] +  
 Ca. 1. 5. μελαινα εἰμι καὶ καλὴ (3 α)  
 — 8. ἐὰν μὴ γνῶς σεαυτὴν, ἡ κ. ἐν γυναιξίν (8)  
 — 15. ἰδοὺ εἰ καλὴ, ἡ πλησίον μου, ἰδοὺ εἰ καλὴ (8 α, 3 α)  
 — 16. ἰδοὺ εἰ καλὸς, ἀδελφιδὸς μου (3 α)  
 2. 10, 13. ἀνάστα, ἔλθε, ἡ πλησίον μου, καλὴ μου (8 α)  
 4. 1. ἰδοὺ εἰ καλὴ, ἡ πλησίον μου, ἰδοὺ εἰ καλὴ (8 α, 3 α)  
 — 7. ὅλη καλὴ εἰ, πλησίον μου (3 α)  
 5. 9, 17 (8. 1). ἡ καλὴ ἐν γυναιξί (8 α)  
 6. 3 (4). καλὴ εἰ [B om.], ἡ πλησίον μου (3 α)

Ca. 6. 9 (10). τίς αὕτη . . . καλὴ ὡς σελήνη (3 α)  
 Wi. 4. 12. βασκανία γὰρ φαυλότητος ἁμαρτοῦ τὰ κ. (2 α)  
 10. 8. ἐβλάβησαν τοὺ μὴ γνῶσαι τὰ κ.  
 13. 7. καλὰ τὰ θλεπόμενα  
 14. 19. ἐξεβιάσατο τῇ τέχνῃ τὴν ὁμοιότητα ἐπὶ τὸ καλὸν  
 15. 19. ὅς ἐν ζῶν ὄψει καλὰ τυγχάνει  
 Si. 12. 16. B<sup>2</sup> εἶρε σοὶ καλὰ λέγων  
 13. 6. λαλήσεις σοὶ [B om.] καλὰ καὶ εἶρε [A -εἶς]  
 14. 3. ἀνδρὶ μικρολόγῳ οὐ καλὸς ὁ πλούτος  
 20. 2. ὡς καλὸν ἐλεγχεῖ ἡ θυμοσύνη  
 36. 23 (20). ἔστι δὲ βρώμα βρώματος καλλίων  
 37. 9. καλὴ ἡ ὁδὸς σου  
 39. 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα  
 41. 2. καλὸν [B<sup>2</sup> ὡς κ.] σου τὸ κρίμα ἔστιν  
 — 12. B<sup>2</sup> φρόντισον περὶ ὀνόματος καλοῦ [A B<sup>1</sup> om.]  
 — 16. οὐ γὰρ ἔστι πᾶσαν αἰσχύνην διαφυλάξαι [B<sup>2</sup> ἀποκαλύψαι] καλὸν  
 42. 6. ἐπὶ γυναικὶ πονηρὰ καλὸν σφραγίς  
 48. 10. καλὸν τὸ [B om.] πορεύεσθαι ὁπίσω κυρίου  
 Ho. 4. 13. ὅτι καλὸν σκέπη (2 α)  
 10. 11. ἐπελευσόμεν ἐπὶ τὸ κάλλιστον τοῦ τραχήλου (2 c)  
 Am. 5. 14. ἐκζητήσατε τὸ κ. (2 α)  
 — 15. ἠγαπήκαμεν τὰ κ. [A τὸ κ.] (2 α)  
 8. 13. ἐκλείψουσιν αἱ παρθέναι αἱ καλαὶ (3 α)  
 Mi. 2. 7. οὐχ οἱ λόγοι αὐτοῦ εἰσι καλοὶ μετ' αὐτοῦ (11)  
 3. 2. μισούντες τὰ κ. καὶ ζητούντες τὰ πονηρὰ (2 α)  
 6. 8. εἰ ἀντηγέλη σοι, ἄνθρωπε, τὸ καλὸν (2 α)  
 J. 3 (4). 5. τὰ ἐπιλεκτὰ μου καὶ τὰ καλὰ εἰση-  
 νέγκατε (2 α)  
 Jn. 4. 3. ὅτι καλὸν τὸ ἀποθανεῖν με [B<sup>2</sup> add. μάλλον] ἢ ζῆν με (2 α)  
 — 8. καὶ εἶπε, Καλὸν μοι ἀποθανεῖν με ἢ ζῆν (2 α)  
 Na. 3. 4. πόρην καλὴ καὶ ἐπίχαρις (2 α)  
 Za. 1. 13. τῷ λαλῶντι ἐν ἑμοὶ ῥήματα καλὰ  
 9. 17. καὶ εἰ τι καλὸν αὐτοῦ [A παρ' αὐτοῦ] (3 δ)  
 11. 10. καὶ λήψομαι τὴν ῥάβδον μου τὴν κ. (7 δ)  
 — 12. εἰ καλὸν ἐνώπιον ὑμῶν ἔστι (2 α)  
 Ma. 2. 15. καὶ οὐ καλὸν ἐποίησε [A B<sup>2</sup> α.] +  
 — 17. πᾶς ποιῶν πονηρὸν καλὸν ἐνώπιον κυρίου (3 α)  
 Is. 1. 17. μῦθετε καλὸν ποιεῖν (12)  
 3. 25 (24). ὁ υἱὸς σου ὁ κάλλιστος ἐν ἀνθρώποις (3 δ ?)  
 5. 9. εἰς ἔρημον ἔσονται μεγάλα καὶ καλαὶ (2 α)  
 — 20. οὐαὶ οἱ λέγοντες τὸ πονηρὸν καλὸν καὶ τὸ κ. πονηρὸν (2 α, 2 α)  
 22. 18. θῆσει τὸ ἄρμα σου τὸ καλὸν εἰς ἀτίμιαν (6)  
 27. 2. ἀμπέλων καλὸς ἐπιθύμημα ἐξάρχειν κατ' αὐτῆς +  
 41. 7. σύμβλημα καλὸν ἔστιν (2 α)  
 45. 2. τοῖς πορευομ. ὁδῷ οὐ καλῇ [A B α.] (2 α)  
 Je. 2. 33. τί ἐτι καλὸν ἐπιτηδεύσεις ἐν ταῖς ὁδοῖς σου (18)  
 4. 22. A B τὸ δὲ κ. [B -λως] ποιοῦντες οὐκ ἔγνω-  
 σαν [B B<sup>2</sup> ποιήσαι οὐκ ἐπέγ.] (12)  
 12. 6. λαλήσουσι πρὸς [A ἐπὶ] σὲ καλὰ (2 α)  
 18. 11. B B καλλίονα ποιήσετε [A B -ατε] τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (12)  
 22. 15. A ποιεῖν κρίμα καὶ δικαιοσύνην καλὴν [B B om.] (2 α)  
 — 17. οὐδὲ ἡ καρδία σου καλὴ —  
 47 (40). 4. εἰ καλὸν ἐναντίον σου ἐλθεῖν (2 α)  
 La. 4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τραυματίαι ρομφαίας (2 α)  
 Ez. 16. 13. ἐγένουν καλὴ σφόδρα [A add. σφόδρα] (14)  
 17. 8. εἰς πεδίον καλὸν ἐγ' ὕδατι πολλῷ (2 α)  
 20. 25. ἔδωκα αὐτοῖς προστάγματα οὐ καλὰ (2 α)  
 24. 4. πᾶν διχοτόμημα καλὸν (2 α)  
 31. 3. κυνάριστος . . . κ. ταῖς παραφύσιν —  
 7. ἐγένετο κ. ἐν τῷ ὕψει αὐτοῦ (14)  
 34. 18. τὴν καλὴν νομὴν ἐνέμεσθε (2 α)  
 Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κύριον  
 — 23. κάλλιον δὲ με μὴ πράξασαν ἐμπεσεῖν  
 1. 15. ἐφάνη ἡ ὄψις αὐτῶν κ. (2 α)  
 Da. TH. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κύριον  
 — 31. ἡ δὲ Σουσάννα ἦν . . . κ. τῷ εἶδει  
 1. 4. νεανίσκου . . . κ. [A καλοῖ] τῷ ὄψει (2 α)  
 I Ma. 4. 24. B B ὅτι καλὸν ὅτι [A om.] εἰς τὸν αἰῶνα τὸ ἔλεος αὐτοῦ  
 8. 8. ἀπὸ τῶν καλλίστων χωρῶν αὐτῶν  
 II Ma. 8. 25. καλλίστη σαγή διακεκοσμημένους  
 — 26. B κάλλιστοι δὲ τῇ δόξῃ [A τὴν γλῶσσαν]  
 4. 15. B τὰς δὲ ἑλληνικὰς δόξας καλλίστας [A -οῖς] ἡγούμενοι

II Ma. 6. 18. τὴν πρόσφιν τοῦ προσώπου κάλλιστος — 23. B τῆς ἐκ παιδὸς καλλίστης ἀντροφῆς [A ἀναστρ.]  
 9. 16. B καλλίστοις ἀναθήμασι κοσμήσιν [A α.]  
 12. 45. B καλλίστον ἀποκείμενον χαριστήριον [A εὐχαρ.]  
 15. 12. Ὅσιον . . . ἄνδρα κ. καὶ ἀγαθόν  
 — 17. τοῖς ἰούδα λόγοις πάνν κ.  
 III Ma. 3. 17. B τοῖς ἐκπρεπέσι καὶ καλλίστοις ἀνα-  
 θήμασι [A ἀνθ.]  
 — 22. τῇ συνφύτῳ κακοθείᾳ τὸ κ. ἀπωσάμενοι  
 5. 11. τὸ δι' αἰῶνος χρόνον κτίσμα κ.  
 IV Ma. 4. 1. καλὸν καὶ ἀγαθὸν ἄνδρα  
 5. 7. καλλίστην τὴν τοῦδε τοῦ ζῶντος σαρκοφαγίαν  
 8. 3. ἐπὶ ἀδελφοὶ καλοὶ τε καὶ αἰδήμονες  
 11. 12. καλὰς . . . χάριτας ἡμῖν χάριζι  
 [Aq. III Ki. 14. 13: Ps. 47 (48). 3: Ez. 31. 9, 16.]  
 [Sm. Ge. 1. 31: 8. 23 (22): Ex. 2. 2: Ps. 15 (16. 6): 44 (46). 3: 182 (183). 2: Pr. 11. 22: Ec. 3. 11: Ca. 6. 5 (6): Is. 27. 10: 41. 7: Ez. 31. 16.]  
 [Th. Jb. 34. 4: Pr. 11. 22: Ez. 31. 9, 16.]  
 [Al. Le. 27. 33: Ps. 182 (183). 1: 146 (147). 1.]  
 [Sam. Le. 27. 14.]  
 κάλος. (1) ἡγῶ  
 Nu. 3. 37: 4. 32. καὶ τοὺς κ. [A κλάδους] αὐ-  
 τῶν (1)  
 [Aq. Ps. 20 (21). 13: Is. 54. 2.]  
 [Sm. Is. 54. 2: Jb. 10. 20.]  
 καλύπτειν.  
 [Aq. Jb. 8. 6.]  
 κάλυπη (8B), κάλυψ (A).  
 IV Ma. 8. 12. B καὶ κάλυπν [A -ιν] λαβόντες  
 καλύκωσις.  
 [Aq. Ca. 2. 1: Is. 35. 1.]  
 κάλυμμα. (1) α. ἡδρ δ. ἡδρ δ. (2) ἡδρ δ.  
 (3) ἡδρ δ. (4) ἡδρ δ.  
 Ex. 26. 14. B<sup>1</sup> ποιήσεις κάλυμμα [A B<sup>2</sup> B κατακ.] τῇ σκηνῇ (1 δ)  
 27. 16. τῇ πύλῃ τῆς αὐλῆς κάλυμμα (3)  
 34. 33. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ κά-  
 λυμα (2)  
 — 34. περιηρέτω τὸ κ. (2)  
 — 35. περιέθηκε M. κάλυμμα [A τὸ κ.] (2)  
 39. 20 (34). B τὰ κ. δέρματα νακίνθινα [A B α.] (1 δ)  
 40. 5. ἐπέθηκες κάλυμμα καταπετάσματος [A α.] (3)  
 Nu. 8. 25. ἡ σκηνὴ καὶ τὸ κ. (1 δ)  
 4. 8. καλύψουσιν αὐτὴν κ. δερματίνῳ (1 δ)  
 — 10. ἐμβαλοῦσιν αὐτὴν . . . εἰς κ. δερματί-  
 νον (1 δ)  
 — 11. καλύψουσιν αὐτὸ κ. δερματίνῳ [A α.] (1 δ)  
 — 12. καλύψουσιν αὐτὰ κ. δερματίνῳ [A δερ-  
 ματι] (1 δ)  
 — 14. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὸ κ. δερματίνον (1 α)  
 — 14. ἐμβαλοῦσιν αὐτὸ εἰς κ. δερματίνον (1 α ?)  
 — 25. B καὶ τὸ κ. [A B<sup>2</sup> κατάκ.] αὐτῆς καὶ τὸ κ. [A B κατακ.] τὸ νακίνθινον (1 δ, 1 δ)  
 — 25. καὶ τὸ κ. [A κατακ.] τῆς θύρας (3)  
 — 31. A B<sup>2</sup> καὶ τὸ κ. [B<sup>1</sup> B κατακάλ.] τῆς θύρας —  
 I Ch. 17. 5. B ἡμῖν . . . ἐν καλύμματι [A B κατα-  
 λυματι] (4)  
 I Ma. 4. 6. κάλυμματα καὶ μαχαίρας οὐκ εἶχον  
 6. 2. A B καὶ ἐκεῖ [B εἰς] κ. χρυσᾷ  
 [Aq. Ge. 8. 13: Ca. 5. 7.]  
 [Sm. Ge. 8. 13: Ca. 4. 3: 6. 6 (7).]  
 [Al. Ca. 5. 7.]  
 κάλυψ.  
 Wi. 2. 8. στεφάνωβα ῥόδων κάλυψι  
 καλύπτειν. (1) ἡδρ α. ni. δ. pi. c. ru.  
 (2) ἡδρ (3) ἡδρ α. pi. δ. ru.  
 Ge. 7. 19. B ἐκάλυψε [A ἐπεκ.] πάντα τὰ ὄρη (1 c)  
 Ex. 8. 6 (2). ἐκάλυψε τὴν γῆν Αἰγύπτου (1 δ)  
 10. 5. καλύψει τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 δ)  
 — 15. ἐκάλυψε τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 δ)  
 14. 28. ἐκάλυψε τὰ ὄρηματα (1 δ)



Ex. 15. 5. πόστω ἐκάλυψεν αὐτοὺς (1 β)	Hb. 2. 17. ἀσέβεια [S <sup>1</sup> -αν] τοῦ Λιβ. καλύψει σε (1 β)	II Ma. 3. 1. Ἀ τὼν νόμων ὅτι [B ἔτι] κάλλιστα συν- τηρουμένων
— 10. ἐκάλυψεν αὐτοὺς θάλασσα (1 β)	3. 3. ἐκάλυψεν οὐρανὸν ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ (1 β)	12. 43. πᾶν κ. καὶ ἀστέως πράττων
16. 13. ἐκάλυψε τὴν παρεμβολὴν (1 β)	Ma. 2. 13. ἐκαλύπτει δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον (1 β)	14. 37. ἀνὴρ . . . σφόδρα κ. ἀκούων
21. 33. καὶ μὴ καλύψῃ αὐτόν (1 β)	— 16. καλύψει ἀσέβεια ἐπὶ τὰ ἐνθυμημά- σου (1 β)	15. 38. B εἰ μὲν κ. καὶ εὐθικτὸς τῇ συντάξει [A al.]
24. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὸ ὄρος (1 β)	Is. 20. 4. B ἄμα κεκαλυμμένους [A S R ἀνακεκ.] τὴν αἰσχύνην +	III Ma. 3. 24. τεκμηρίους κ. πεπεισμένοι
— 16. ἐκάλυψεν αὐτὸ ἡ νεφέλη (1 β)	60. 2. σκότος καλύψει [A -ῖπτε] γῆν (1 β)	IV Ma. 3. 20. καὶ ἐπάρτων κ.
26. 13. ἴνα καλύπτῃ (1 β)	— 6. καλύψουσι σε κάμηλοι Μαδιάμ (1 β)	[Aq. J. E. 7. 23: JN. 4. 4.]
27. 2. καλύψει αὐτὰ χαλκῷ (3 α)	Ez. 7. 18. καλύψει αὐτοὺς θάμβος (1 β)	[Sm. I Ki. 16. 17: Ps. 48 (49), 19: 127 (128). 2: J. E. 44 (51), 17.]
28. 38 (42). καλύψει ἀσχημοσύνην χρωτὸς αὐ. (1 β)	16. 8. ἐκάλυψε τὴν ἀσχημοσύνην σου (1 β)	[Th. Ez. 33. 32: JN. 4. 4.]
— 13. ἐκάλυψεν ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα (1 β)	24. 7. τοῦ καλύψαι ἐπ' αὐτὸ γῆν [A <sup>1</sup> al.] (1 β)	κάμαξ.
40. 34. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκηνὴν (1 β)	— 8. τοῦ μὴ καλύψαι αὐτὸ (1 α)	II Ma. 5. 3. B καὶ καμάκων [A -των] πλήθῃ
Le. 3. 14. Ἀ τὸ στέαρ τὸ καλύπτων [B κατα- καλ.] τὴν κοιλίαν (1 β)	26. 10. Ἀ καλύψει [B κατακ.] σε ὁ κοριοτὸς αὐτῶν (1 β)	καμάρα. (1) ρῆ
13. 12. καὶ καλύψῃ [A -ει] ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα (1 β)	30. 18. ταύτην νεφέλη καλύψει (1 β)	Is. 40. 22. ὁ στήσις ὡς καμάραν τὸν οὐρανόν (1)
— 13. ἐκάλυψεν ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα (1 β)	32. 7. ἥλιον ἐν νεφέλῃ καλύψω (1 β)	κάματος.
16. 13. καλύψει ἡ ἀτμίς . . . τὸ ἱλαστήριον (1 β)	38. 16. ὡς νεφέλη καλύψαι γῆν (1 β)	II Ma. 5. 3. A καὶ καμάτων [B καμάκων] πλήθῃ
17. 13. καὶ καλύψει αὐτὸ τῇ γῇ (1 β)	40. 43. τοῦ καλύπτεσθαι ἀπὸ τοῦ ὑετοῦ +	καμηλοπαρδαλῖς. (1) ρῆ
Nu. 4. 8. καλύψουσιν αὐτὴν καλύμματι (1 β)	44. 20. καλύπτουσιν καλύψουσι [A B <sup>1</sup> -ψωσιν] +, +	De. 14. 5. ὄρυγα καὶ καμηλοπαρδαλιν (1)
— 9. καλύψουσι τὴν λυχναίαν τὴν φωτίζου- σαν (1 β)	τάς κεφαλὰς αὐτῶν +, +	κάμηλος. (1) ρῆ (2) ρῆ
— 11. καλύψουσιν [A ἐπικ.] αὐτὸ καλύμματι (1 β)	Da. LXX. 12. 4. κάλυψον τὰ προστάγματα (2)	Ge. 12. 16. ἐγένοντο αὐτῷ . . . κάμηλοι (2)
— 12. καλύψουσιν αὐτὰ καλύμματι (1 β)	[Aq. J. E. 22. 11: Is. 29. 10: Ez. 27. 6: 81. 15: Ma. 2. 13.]	24. 10. ἔλαβεν ὁ παῖς δέκα καμήλους ἀπὸ τῶν κ. τοῦ κυρίου αὐτοῦ (2, 2)
— 15. καλύπτοντες τὰ ἄγια (1 β)	[Sm. Ps. 43 (44), 16: 68 (69), 8: Pr. 12. 23: 26. 26: Is. 30. 20: 47. 2: Ez. 31. 15: Ma. 2. 13.]	— 11. S R ἐκοίμισε [A -μυσεν] τὰς κ. (2)
9. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκηνὴν (1 β)	[Th. J. E. 15. 27: 22. 11: Pr. 12. 16: Ez. 31. 15: Ma. 2. 13.]	— 14. τὰς κ. σου ποτιῶ (2)
— 16. ἡ νεφέλη ἐκάλυπτεν αὐτὴν ἡμέρας (1 β)	[Al. III Ki. 20. 38: Ps. 138 (139), 11: Hb. 3. 3.]	— 19. καὶ ταῖς κ. σου ὑδρεύσομαι (2)
16. 33. ἐκάλυψεν αὐτοὺς ἡ γῇ (1 β)	καλυπτήρ. (1) ρῆ (2) ρῆ (3) τὸν κ. ἐπιτιθέναι ρῆ	— 20. ὑδρεύσατο πᾶσαι ταῖς κ. (2)
— 42 (17. 7). τῆςδε ἐκάλυψεν αὐτὴν ἡ νεφ. (1 β)	Ex. 27. 3. τὸν κ. αὐτοῦ . . . ποιήσεις χαλκῷ (1?)	— 22. ἥνικα ἐπαύσαντο πᾶσαι αἱ κ. πίνουσαι (2)
22. 11. κεκάλυψεν [A ἐκάλυψεν] τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 β)	Nu. 4. 13. τὸν κ. ἐπιθήσει [A -εις] ἐπὶ τὸ θυσια- στήριον (3)	— 30. ἐσθηκότος αὐτοῦ ἐπὶ τῶν κ. (2)
De. 23. 13 (14). καλύψει τὴν ἀσχημοσύνην σου (1 β)	— 14. τὰς φιάλας καὶ τὸν κ. (2)	— 31. ἐγὼ δὲ ἡτοίμασα . . . τόπον ταῖς κ. (2)
Jo. 24. 7. καὶ ἐκάλυψεν αὐτοὺς [A ἐπ' αὐ.] (1 β)	[Aq., Sm. Ex. 26. 7.]	— 32. B ἀπέσχε [A ἐπ.] τὰς κ. (2)
I Ki. 19. 13. καὶ ἐκάλυψεν αὐτὰ ἱμάτιον (1 β)	καλώδιον. (1) ρῆ (2) ρῆ	— 32. ἔδωκεν ἄχυρα . . . ταῖς κ. (2)
III Ki. 7. 41. τοῦ καλύπτειν ἀμφοτέρω τὰ στρεπτά (1 β)	Jd. 15. 13. ἐν δυσὶ [A δύο] κ. καινοῖς (1)	— 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . καμήλους καὶ ὄνους (2)
Ne. 4. 5 (3. 37). μὴ καλύψῃς ἐπὶ ἀνομίαν [S -ίαν] (1 β)	— 14. ἐγενήθη τὰ κ. . . ὥστε στιπύουν (1)	— 44. ταῖς κ. σου ὑδρεύσομαι (2)
Ju. 2. 7. καλύψω πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς — 19. καλύψαι πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς 5. 10. ἐκάλυψε γὰρ τὸ πρόσωπον τῆς γῆς X. λιμός 7. 18. ἐκάλυψαν [A -εν, S ἐπεκ.] πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς	16. 11. εἰ . . . δῆσασί με ἐν κ. καινοῖς [A al.] (1)	— 46. τὰς κ. σου ποτιῶ (2)
16. 4. ἡ ἔπις αὐτῶν ἐκάλυψε βουνοὺς (1 β)	— 12. ἔλαβε Δ. κ. καινὰ [A al.] (1)	— 46. B τὰς κ. [A κ. μου] ἐπότισε (2)
Jb. 15. 27. ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐν στάτι αὐτοῦ (1 β)	καλῶς. (1) α. ρῆ hi. β. ρῆ c. ρῆ hi. (2) κ. ποιεῖν α. ρῆ hi. β. ρῆ hi. (3) κ. εἶναι α. ρῆ β. ρῆ	— 61. ἐπέβησαν ἐπὶ τὰς κ. (2)
21. 26. σαπρία δὲ αὐτοὺς ἐκάλυψεν (1 β)	Ge. 26. 29. ἐχρησάμεθα σοι κ. (1 β)	— 63. εἶδε καμήλους ἐρχομένας (2)
22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε (1 β)	32. 12 (13). κ. κ. [A R om.] εὖ σε ποιήσω (1 α)	— 64. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς κ. (2)
23. 17. πρὸ προσώπου δέ μου ἐκάλυψε γνόφος [A al.] (1 β)	Le. 5. 4. κακοποιῇσαι ἡ κ. ποιῇσαι (2 β)	30. 43. ἐγένετο αὐτῷ . . . κάμηλοι καὶ ὄνοι (2)
36. 30. ῥιζώματα τῆς θαλάσσης ἐκάλυψεν (1 β)	II Ki. 3. 13. ἐγὼ κ. διαθίσσεται (1 β)	31. 17. ἔλαβε τὰς γυναῖκας . . . ἐπὶ τὰς κ. (2)
— 32. ἐπὶ χειρῶν ἐκάλυψε φῶς (1 β)	III Ki. 2. 18. καὶ εἶπε Βηρσ., K. (1 β)	— 34. εἰς τὰ σάγματα τῆς κ. (2)
Ps. 31 (32). 5. τὴν ἀνομίαν [A S <sup>1</sup> ἁμαρτίαν] μου οὐκ ἐκάλυψα (1 β)	8. 18. κ. ἐποίησας (2 α)	32. 7 (8). B διείλε . . . τὰς κ. [A om. τ. κ.] (2)
43 (44). 15. ἡ αἰσχύνῃ τοῦ προσώπου μου ἐκά- λύψέ με (1 β)	IV Ki. 25. 24. καὶ κ. ἔσται ὅνι (3 α)	— 15 (16). ἐξαπέστειλεν . . . καμήλους θηλα- ζούσας (2)
54 (55). 5. B <sup>1</sup> S B ἐκάλυψέ με σκότος (1 β)	II Ch. 6. 8. κ. ἐποίησας ὑμῖν [B <sup>1</sup> om. ἐ. ὁ]. ἐγένετο (2 α)	37. 25. B αἶ [A οἶ] κ. αὐ. ἔγερων θυμιαμάτων (2)
68 (69). 7. ἐκάλυψεν ἐντροπὴ τὸ πρόσωπόν μου (1 β)	I Es. 2. 20. κ. ἔχειν ὑπολαμβάνομεν To. 4. 3. S θάψον με κ. [A B om.] (1 β)	Ex. 9. 3. χεῖρ κυρίου ἐπέσται [A ἔσ.] ἐν . . . ταῖς [A τοῖς] κ. (2)
77 (78). 53. τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶν ἐκάλυψε θά- λασσα (1 β)	7. 1. S καὶ κ. ἤλθατε 14. 9. A B <sup>1</sup> R ἴνα σοι κ. ἦ [B <sup>1</sup> ἦν] — 10. θάψον με κ. [S al.] (1 β)	Le. 11. 4. τὸν κ. ὅτι ἀνάγει μυρμηκισμόν (2)
79 (80). 10. ἐκάλυψεν ὄρη ἡ σκιά αὐτῆς (1 β)	Es. 2. 9. καὶ ἐχρήσατο αὐτῇ κ. (1 β)	De. 14. 7. ταῦτα οὐ φάγεσθε . . . τὸν κ. (2)
84 (85). 2. ἐκάλυψας πᾶσας τὰς ἁμαρτίας αὐ. (1 β)	6. 10. κ. [S <sup>1</sup> καθὼς] ἐλάλησας +	Jd. 6. 5. B τοῖς [A B ταῖς] κ. αὐτῶν οὐκ ἦν ἀριθμός (2)
103 (104). 9. καλύψαι τὴν γῆν (1 β)	8. 13. κ. οὐν ποιήσετε [A -ατε, S -ητε] (1 β)	7. 12. ταῖς κ. αὐτῶν [A om.] οὐκ ἦν ἀριθμός (2)
105 (106). 11. ἐκάλυψεν ὕδωρ τοὺς θλίβοντας αὐτοὺς (1 β)	Jb. 13. 9. κ. γε λαλοῦνται [B S al.] (1 β?)	8. 21. τοὺς μηνίσκους τοὺς ἐν τοῖς τραχήλοις τῶν κ. αὐτῶν (2)
— 17. ἐκάλυψεν ἐπὶ τὴν συναγωγὴν Ἰλβειρῶν (1 β)	Ps. 32 (33). 3. κ. ψάλατε [S <sup>1</sup> ψ. αὐτῷ] ἐν ἀλα- λαγμῷ (1 α)	— 26. ἐν τοῖς τραχήλοις τῶν κ. αὐτῶν (2)
139 (140). 9. A <sup>1</sup> B S κόπος τῶν χειρῶν αὐτῶν καλύψει αὐτοὺς (1 β)	127 (128). 2. μακάριος εἰ καὶ κ. σοι ἔσται (3 β)	I Ki. 15. 3. καὶ ἀπὸ καμήλου ἕως ὄνου (2)
Pr. 10. 6. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύψει πένθος ᾧ αὐτοῦ (1 β)	Pr. 23. 24. κ. ἐκτρέφει πατὴρ δικαίους +	27. 9. καὶ ὄνους καὶ καμήλους καὶ ἱματισμόν (2)
— 11. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύψει ἀπόλεια (1 β)	24. 64 (30. 29). τέταρτον δ κ. διαβαίνει (1 α)	30. 17. ἃ ἦν ἐπέβεβηκότα ἐπὶ τὰς κ. (2)
— 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλοκονιούτας κα- λύπτει [A -φει] φιλία (1 β)	Wi. 8. 20. A οὐ καλῶς [B S οὐκ ἄλλως] ἔσομαι ἐγ- κρατῆς (3 β)	III Ki. 10. 2. καὶ κ. αἰρόναις ἡδύσματα (2)
— 18. καλύπτουσιν ἔχθραν χεῖρ δίκαια (1 β)	Ho. 2. 7 (9). ὅτι καλῶς μοι ἦν τότε ἡ νῦν (3 β)	IV Ki. 8. 9. ἄρσιν τεσσαράκοντα καμήλων (2)
26. 23. χεῖρ λεῖα [S δόλια] καρδίαν καλύπτει λυπηρὰν (3 β?)	Mi. 1. 10. κατοικοῦσα καλῶς τὰς πόλεις αὐτῆς +	I Ch. 5. 21. τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν κ. πεντακισχι- λίαις (2)
Ec. 6. 4. ἐν σκότει ὄνομα αὐτοῦ καλυφθήσεται (1 α)	Ze. 3. 20. ὅταν καλῶς ὑμῖν ποιήσω +	12. 40. ἔφερον αὐτοῖς ἐπὶ τῶν κ. . . βρώματα (2)
Si. 13. 7. S καὶ καλύψει [A B καταλείψει] σε 16. 30. ψυχὴν [S -ῇ] παντὸς ζώου ἐκάλυψε τὸ πρόσ- ωπον αὐτῆς	Za. 8. 15. τοῦ καλῶς ποιῆσαι τὴν Ἱερουσ. (2 β)	27. 30. ἐπὶ δὲ τῶν κ. Ἄβ. (2)
23. 18. οἱ τοῖχοί μου καλύπτουσι (1 β)	Is. 23. 16. κ. καθάρσω (1 α)	II Ch. 9. 1. καὶ κάμηλοι αἰρόναις ἀρώματα (2)
29. 21. οἶκος καλύπτων ἀσχημοσύνην [S <sup>2</sup> ἄ. ἀνδρός] +	Jc. 1. 12. A B S <sup>2</sup> κ. ἐώρακας (1 α)	14. 15 (14). ἔλαβον πρόβατα πολλὰ καὶ καμή- λους (2)
37. 3. καλύψαι τὴν ἔρηρὰν ἐν δολιότητι (1 β)	4. 22. τὸ καλῶς ποιῆσαι οὐκ ἐπύργωσαν [A al.] (2 β)	I Es. 5. 43. κάμηλοι τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε II Es. 2. 67. κάμηλοι αὐτῶν τετρακόσιοι τριά- κοντα πέντε (2)
40. 27. ὑπὲρ πᾶσαν δόξαν ἐκάλυψαν [A S -εν] αὐ- τῶν	I Ma. 8. 23. κ. γενεὶτο Ῥωμαῖοις 12. 18. S R καὶ νῦν κ. ποιήσετε [A ἐποίησατε] — 22. κ. ποιήσετε γράφοιτες ἡμῖν	Nc. 7. 69. A S κάμηλοι τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε (2)
Ho. 2. 9 (11). τοῦ μὴ καλύπτειν τὴν ἀσχημοσ. (1 β)	II Ma. 2. 16. κ. οὐν ποιήσετε	To. 9. 2. λάβε . . . δύο καμήλους — 5. S οἱ τέσσαρες οἰκέται καὶ αἱ δύο κ. (2)
10. 8. καλύψατε ἡμᾶς (1 β)		10. 11. S ὄνους καὶ καμήλους
Ob. 1. 10. καλύψει σε αἰσχύνῃ (1 β)		Ju. 2. 17. καὶ ἔλαβε καμήλους Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . κάμηλοι τρισχί- λαιοι [A -οἶ] (2)
		— 17. ἐκύκλωσαν τὰς κ. (2)
		42. 12. ἦν δὲ τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . κάμηλοι ἐξακισχίλαιοι (2)



Si. 26. 29. οὐ δικαιωθήσεται κάπηλος [B<sup>1</sup> κάμ.] ἀπὸ ἀμαρτίας  
 Za. 14. 15. αὕτη ἔσται ἡ πᾶσις . . . τῶν κ. (2)  
 Is. 21. 7. εἶδον . . . ἀναβάντην καμῆλου (2)  
 80. 6. ἔφερον ἐπὶ ὄνων καὶ καμῆλων τὸν πλοῦ-  
 τον αὐτῶν (2)  
 60. 6. ἤξουσί σοι ἀγγέλοι καμῆλων καὶ καλύ-  
 ψουσιν σε κάμηλοι Μιδιάμ (2, 1)  
 Je. 30. 7 (49. 29). καμῆλους αὐτῶν λήψονται  
 — 10 (49. 32). ἔσονται κάμηλοι [A οἱ κ.] αὐ-  
 τῶν εἰς προνομήν (2)  
 Ez. 25. 5. ὥσπου τὴν πόλιν τοῦ Ἀ. εἰς νομάς  
 καμῆλων (2)  
 27. 21. καμῆλους καὶ ἄμους [A om. κ. ἀ.] καὶ  
 κριοὺς (17)  
 [Th. Is. 80. 6.]  
**καμινάος** (B-με.), καμινάιος (A<sup>2</sup>). (1) **כָּמִינָאִי**  
 Ex. 9. 8. πλήρεις τὰς χεῖρας αἰθάλης καμινάιος (1)  
 — 10. ἔλαβεν [A-βον] τὴν αἰθάλην τῆς κ. (1)  
**κάμινος**. (1) **כָּמִינָה** (2) **כָּמִינָה** (3) **כָּמִינָה**  
 (4) **כָּמִינָה** (5) **כָּמִינָה**  
 Ge. 19. 28. ὥσπερ ἀτμὲς καμίνου (3)  
 Ex. 19. 18. ὡς καπνὸς καμίνου (3)  
 Nu. 25. 8. εἰσῆλθεν . . . εἰς τὴν κ. (3)  
 De. 4. 20. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐκ τῆς κ. τῆς σιδηρᾶς (4)  
 Jb. 41. 11 (12). ἐκπορεύεται καπνὸς καμίνου και-  
 ομένης (27)  
 Pr. 16. 30. οὗτος κάμινος ἔστι κακίας [A κακῶν] —  
 17. 3. ὥσπερ δοκιμάζεται ἐν καμίνῳ ἀργύρου (4)  
 Si. 2. 5. ἀνθρώποι δικτοὶ ἐν καμίνῳ ταπεινώσεως  
 22. 24. πρὸ πυρὸς ἀτμὲς καμίνου καὶ καπνὸς  
 27. 5. σκευὴ κεραμέως δοκιμάζει κάμινος  
 84 (31). 26. κάμινος δοκιμάζει στόμαμα ἐν βαφῇ  
 38. 28. ἐν θερμῇ καμίνῳ διαμαχῆσεται  
 — 30. ἡ ἀγορνία αὐτοῦ καθαρίσας κάμινον  
 48. 4. A B<sup>2</sup> κάμινον φυνθῶν [B B<sup>1</sup> φυλάσσω] ἐν  
 ἔργῳ καύματος  
 Is. 48. 10. ἐξελάλην δὲ σε ἐκ καμίνου πτωχείας (4)  
 Je. 11. 4. ἀνήγαγον αὐτοὺς . . . ἐκ καμίνου [B<sup>2</sup>  
 τῆς κ.] τῆς σιδηρᾶς (4)  
 Ez. 22. 20. εἰσδέχεται . . . μόλιθος εἰς μέσον  
 καμίνου [A add. πυρὸς] (4)  
 — 22. χωνεύεται ἀργύριον ἐν μέσῳ καμίνου (4)  
 Da. LXX. 3. 6. ἐμβολοῦσιν αὐτὸν εἰς τὴν κ. τοῦ  
 πυρὸς (1)  
 — 11. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 — 15. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 — 17. ἐξελεῖσθαι ἡμᾶς ἐκ τῆς κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 — 19. ἐπέταξε καὶ τὴν κ. ἐπταπλῶσας (1)  
 — 20. 21. εἰς τὴν κ. τοῦ πυρὸς τὴν καιομ. (1)  
 — 22. ἡ κ. ἐξεκαύθη ὑπὲρ τὸ πρότερον ἐπτα-  
 πλῶσας (1)  
 — 23. καὶ προσταγόντες τῇ κ. (1)  
 — 23. ἐξελεῖσθαι ἡμᾶς ἐκ τῆς κ. (1)  
 — (24). ἐμβληθῆναι εἰς τὴν κ. (1)  
 — (25). ἐν μέσῳ τῷ πυρὶ ὑποκαίμενης τῆς κ. (1)  
 — (46). οὐ διετίπον . . . καίοντες τὴν κ. (1)  
 — (46). ἐνεβάλλσαν τοὺς τρεῖς . . . εἰς τὴν κ. καὶ  
 ἡ κ. ἦν διάπυρος (1)  
 — (47). διεχείτο ἡ φλόξ ἐπάνω τῆς κ. (1)  
 — (48). οὐς εἶρε περὶ τὴν κ. τῶν Χαλδαίων (1)  
 — (49). ἀγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη . . . εἰς τὴν  
 κ. καὶ ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ πυρὸς ἐκ  
 τῆς κ. (1)  
 — (50). καὶ ἐποίησε τὸ μέσον τῆς κ. ὥστε πνεῦμα  
 δρόσου (1)  
 — (51). ἐξύψουν τὸν θεὸν ἐν τῇ κ. (1)  
 — 26 (93). τὴν θύραν τῆς κ. καιομένης  
 Da. TH. 3. 6, 11. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ  
 πυρὸς (1)  
 — 15. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 — 17. ἐξελεῖσθαι ἡμᾶς ἐκ τῆς κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 — 19. εἶπεν ἐκαῶσαι τὴν κ. ἐπταπλῶσας (1)  
 — 20. ἐμβαλεῖν εἰς τὴν κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 — 21. εἰς τὸ μέσον τῆς κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 — 22. ἡ κ. ἐξεκαύθη ἐκ περισσοῦ (1)  
 — 23. εἰς μέσον τῆς κ. [A κ. τοῦ πυρὸς] (1)  
 — (46). οὐ διετίπον . . . καίοντες τὴν κ. (1)  
 — (47). διετίναξε ἡ φλόξ ἐπάνω τῆς κ. (1)  
 — (48). οὐς εἶρε περὶ τὴν κ. τῶν Χαλδαίων (1)  
 — (49). οὐδ' ἀγγελος κυρίου συγκατέβη . . . εἰς τὴν κ.  
 — (49). ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ πυρὸς ἐκ τῆς κ.

Da. TH. 3. (50). καὶ ἐποίησε τὸ μέσον τῆς κ. ὡς πνεῦμα  
 δρόσου  
 — (51). πύλονται τὸν θεὸν ἐν τῇ κ. (1)  
 — (88). ἐκ μέσου καμίνου καιομένης φλογὸς [A al.]  
 — 26 (93). πρὸς τὴν θύραν τῆς κ. τοῦ πυρὸς (1)  
 III Ma. 6. 6. διάπυρον δροσίσας κάμινον  
 IV Ma. 18. 9. A B οἱ τῆς Ἰσραηλίδος καμίνου κατε-  
 φρόνησαν [B al.]  
 16. 3. B B<sup>2</sup> ἡ [A om.] Μισαήλ ἐκφλεγόμενη κάμινος  
 — 21. εἰς κάμινον πυρὸς ἀπασφενδονήθησαν  
 [Aq., Sm. Ez. 22. 18.]  
 [Th. Ez. 22. 18: Da. 3. 11, 23, (46).]  
**καμμύνειν**. (1) **כָּמַמְנָה** a. qal. δ. pi.  
 (2) **כָּמַמְנָה** hi.  
 Is. 6. 10. τοὺς ὀφθαλμοὺς ἐκάμυνσαν (2)  
 29. 10. καμμύνει τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (1 b)  
 33. 15. καμμύνει τοὺς ὀφθαλμοὺς (1 a)  
 La. 3. 44. A B καμμύνει [B καμμ.] με καὶ ἀπω-  
 σθῆναι +  
**κάμνειν**. (1) **כָּמַנָה** ni.  
 Jb. 10. 1. B B<sup>2</sup> κάμνω [A -ω δε] τῇ ψυχῇ μου (1)  
 17. 2. A B<sup>2</sup> λίσσομαι κάμνω +  
 Wi. 4. 16. κατακρῖνει δὲ δικαίος καμῶν [A B<sup>2</sup> θανῶν]  
 τοὺς ζῶντας ἀσβεῖς  
 15. 9. ἔστιν αὐτῷ φροντίς οὐχ ὅτι μελλεῖ κάμνειν  
 IV Ma. 8. 8. ἰδρῶν καὶ σφόδρα κεκαμκῶς  
 7. 13. κεκαμκῶν δὲ καὶ τῶν νευρῶν  
**καμπῆ**. (1) **כָּמַפָּה**  
 Ne. 8. 24. καὶ ἔως τῆς κ. Φαλάχ (1)  
 — 31. A B B<sup>2</sup> ὡς ἀναβέσας [B ἀνὰ μέσον] τῆς κ. (1)  
 [Aq. I Ki. 26. 5, 7: Pr. 2. 15, 18: 4. 11, 26:  
 5, 6, 21.]  
**κάμπη**. (1) **כָּמַפָּה**  
 Am. 4. 9. ἐλαίῳνας ἡμῶν κατέφαγεν ἡ κ. (1)  
 Jl. 1. 4. τὰ κατάλοιπα τῆς κ. κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1)  
 2. 25. ὡν κατέφαγεν . . . ἡ ἐρουσίβη καὶ ἡ κ. (1)  
**κάμπτειν**. (1) **כָּמַפְּתָה** (2) **כָּמַפְּתָה** (3) **כָּמַפְּתָה**  
 a. qal. δ. hi. (4) **כָּמַפְּתָה** (5) **כָּמַפְּתָה**  
 τὸ γόνυ **כָּמַפְּתָה**  
 Jd. 5. 27. A ἐν ᾧ ἔκαμψεν [B al.] (3 a)  
 7. 5. A δὲ ἀνὰ κάμψιν [B εἰς κλίνη ἐπὶ] τὰ γόνατα (3 a)  
 — 6. A ἔκαμψαν [B ἔκλιναν] ἐπὶ τὰ γόνατα (3 a)  
 II Ki. 22. 40. κάμψαι [A -ει] τοὺς ἐπαιστανό-  
 μένους μοι (3 b)  
 IV Ki. 1. 13. καὶ ἔκαμψεν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (3 a)  
 9. 24. ἔκαμψεν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (3 a)  
 I Ch. 29. 20. κάμψαντες τὰ γόνατα (5)  
 II Ch. 29. 29. ἔκαμψεν ὁ βασιλεὺς (3 a)  
 I Es. 8. 73. κάμψας τὰ γόνατα  
 Jb. 9. 13. ὑπὲρ αὐτοῦ ἐκάμψθησαν [A -η] κήτη  
 τὰ ὑπ' οὐρανὸν (4)  
 Si. 7. 23. κάμψον ἐκ νεότητος τὸν τράχηλον αὐτῶν  
 80. 12. B κάμψον τὸν τράχηλον αὐτοῦ ἐν νεότητι  
 — 35 (33, 26). ζυγὸς καὶ ἡμᾶς κάμψοντες τράχηλον  
 38. 18. λύπη καρδίας κάμψει [B<sup>1</sup> κάμπτει] ἰσχυρ.  
 — 30. πρὸ ποδῶν κάμψει ἰσχυρὸν αὐτοῦ  
 Is. 45. 24 (23). ἐμοὶ κάμψει πᾶν γόνυ (3 a)  
 58. 5. οὐδ' ἀνὰ κάμψης ὡς κρῖνον τὸν τράχηλόν  
 σου (2)  
 Da. TH. 6. 10 (11). ἦν κάμπτων ἐπὶ τὰ γόνατα  
 αὐτοῦ (1)  
 III Ma. 2. 1. κάμψας τὰ γόνατα  
 IV Ma. 3. 4. τὸ μὴ καμψθῆναι τῇ κατορθείῃ  
 [Aq. Ge. 49. 9: Jd. 5. 27: 7. 5: 11. 35 bis:  
 I Ki. 4. 19: Ps. 16 (17), 13: 17 (18), 40: 21  
 (22), 30: 71 (72), 9.]  
 [Sm. Ge. 27. 40: Jb. 9. 13: Ps. 9. 31 (10. 10):  
 29 (30), 8.]  
 [Th. Jd. 5. 27: 7. 5: Is. 10. 4: 44. 15.]  
**καμπτός**.  
 [Aq. Pr. 2. 9.]  
**καμπύλος**. (1) **כָּמַפְּתָה** ni.  
 Pr. 2. 15. καμπύλαι αἱ τροχιαὶ αὐτῶν (1)  
**καμπάκης, vid. καυάκης**.  
**κάμψις**.  
 [Aq. IV Ki. 10. 12.]

**κᾶν, vid. ἄν.**  
**καναί**.  
 [Heb. Pr. 8. 22.]  
**κανθαρίς**.  
 [Sm. Ho. 13. 3.]  
**κάνθαρος**. (1) **כָּנָתָר**  
 Hb. 2. 11. καὶ κάνθαρος ἐκ ξύλου φθίγγεται αὐτὰ (1)  
**κανός**.  
 To. 11. 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν κ. τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ  
 τὰ λευκώματα [B al.]  
**κανοῦν**. (1) **כָּנָה**  
 Ge. 40. 16. τρία κανὰ χονδριτῶν (1)  
 — 17. B ἐν δὲ κανῷ [A τῷ κ.] τῷ ἑπάνω (1)  
 — 17. ἀπὸ τοῦ κ. τοῦ ἑπάνω τῆς κεφαλῆς μου (1)  
 — 18. τὰ τρία κ. τρεῖς ἡμέραι εἰσὶν (1)  
 Ex. 29. 3. ἐπιθήσεις αὐτὰ [A om. ε. αὐ.] ἐπὶ  
 κανοῦν ἐν (1)  
 — 3. προσοίσεις [B<sup>1</sup> σενί] αὐτὰ ἐπὶ τῷ κ. (1)  
 — 23. λάγανον ἐν [B<sup>1</sup> ἐνα] ἀπὸ τοῦ κ. τῶν ἀζύ-  
 μων (1)  
 — 32. ἔδονται . . . τοὺς ἄρτους τοὺς ἐν τῷ κ. (1)  
 Le. 8. 2. καὶ τὸ κ. τῶν ἀζύμων (1)  
 — 25 (26). ἀπὸ τοῦ κανοῦ τῆς τελειώσεως (1)  
 — 31. τοὺς ἄρτους τοὺς [B<sup>1</sup> om.] ἐν τῷ κ. (1)  
 Nu. 6. 15. καὶ κανοῦν ἀζύμων σεμδάλεως (1)  
 — 17. ποιήσει θυσιᾶν . . . ἐπὶ τῷ κ. τῶν ἀζύμων (1)  
 — 19. ἄρτον ἐνα ἀζύμων ἀπὸ τοῦ κ. (1)  
 Jd. 6. 19. A ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ κ. [B al.] (1)  
 [Sm. Ge. 40. 16.]  
**κανών**.  
 Ju. 13. 6. προσελθούσα τῷ κ. τῆς κλίνης +  
 Mi. 7. 4. βαδίζων ἐπὶ κανόνος  
 IV Ma. 7. 21. πρὸς δὶον τὸν τῆς φιλοσοφίας κ.  
 [Aq. Jb. 38. 5: Ps. 18 (19), 5.]  
**κάπηλος**.  
 Si. 26. 29. οὐ δικαιωθήσεται κάπηλος [B<sup>1</sup> κάμ.] ἀπὸ  
 ἀμαρτίας  
 Is. 1. 22. οἱ κ. σου μίσγουν τὸν οἶνον ὕδατι —  
**καπνίζεω**. (1) **כָּפַנְזָה** (2) a. **כָּפַנְזָה** δ. **כָּפַנְזָה** verb.  
 c. **כָּפַנְזָה** adj.  
 Ge. 15. 17. ἰδοὺ κλίβανος καπνίζόμενος (2 a)  
 Ex. 19. 18. τὸ δὲ ὄρος τὸ Σ. καπνίζετο δλον (2 b)  
 20. 18. ὁ λαὸς ἐώρα . . . τὸ ὄρος τὸ καπνίζον (2 c)  
 To. 6. 7. B ταῦτα δὲ καπνίσαι ἐνώπιον ἀνθρώπου  
 [A B B<sup>2</sup> al.]  
 — 16. καπνίσαι καὶ ὀσφρανθήσεται τὸ δαιμόνιον  
 [B al.]  
 8. 2. A B καὶ ἐκάπνισεν  
 Ps. 103 (104). 32. καὶ καπνίζονται (2 b)  
 143 (144). 5. καὶ καπνισθήσονται (2 b)  
 Wi. 10. 7. ἐπὶ μαρτύριον τῆς πονηρίας καπνίζομένη  
 καθέστηκε χέρσος  
 Is. 7. 4. ἀπὸ τῶν δύο ξύλων τῶν δαλῶν τῶν  
 καπνίζου. τούτων (2 c)  
 42. 3. λίνον καπνίζόμενον οὐ σβέσει  
 [Al. Ps. 143 (144), 5.]  
**καπνοδόχη**. (1) **כָּפַנְזָה**  
 Ho. 13. 3. A ὡς ἀτμὲς ἐκ καπνοδόχης [B ἀπὸ δακρύων]  
 [Th. Ho. 13. 3.]  
**καπνός**. (1) **כָּפַנְזָה**  
 Ex. 19. 18. καὶ ἀνέβαινεν ὁ κ. (1)  
 — 18. ὡς καπνὸς καμίνου (1)  
 Jo. 8. 20. ἐθέλουν καπνὸν ἀναβαίνοντα [A al.] (1)  
 — 21. B ἀνέβη ὁ κ. τῆς πόλεως (1)  
 Jd. 20. 38. συσσημον [A πύργον τοῦ] καπνοῦ  
 ἀπὸ τῆς πόλεως (1)  
 — 40. ὡς [A om.] στύλος καπνοῦ (1)  
 II Ki. 22. 9. ἀνέβη καπνὸς ἐν τῇ ὀργῇ αὐτοῦ (1)  
 Jb. 41. 11 (12). ἐκ μυκτῆρων αὐτοῦ ἐκπορεύεται  
 καπνὸς καμίνου (1)  
 Ps. 17 (18). 8. ἀνέβη καπνὸς ἐν ὀργῇ αὐτοῦ (1)  
 36 (37). 20. ἐκλείποντες ὥστε καπνὸς ἐξέλιπον (1)  
 67 (68). 2. ὡς ἐκλείπει καπνὸς ἐκλείπεσσαν (1)  
 101 (102). 3. ἐξέλιπον ὥστε καπνὸς αἱ ἡμέραι μου (1)  
 Pr. 10. 26. ὥσπερ ὄμφαξ ὁδοῦσι βλαβερὸν καὶ  
 καπνὸς ὁμῶσι (1)

Ca. 3. 6. ὡς στελέχη καπνοῦ (1)	Wi. 2. 2. καπνὸς ἡ πνοή ἐν ῥύσιν ἡμῶν	5. 14. ὡς καπνὸς ὑπὸ ἀνέμου διεχθῆ	11. 18. Βρόμους [ΔΒ - μόν] λικμωμένους καπνοῦ	Si. 22. 24. πρὸ πυρὸς ἀτμῆς καμίνου καὶ καπνὸς	1. 2. 30. 4. 3. ἐπὶ τῆς γῆς αἷμα . . . καὶ ἀτμίδα καπνοῦ	Na. 2. 13 (14). καὶ ἐκκαύσω ἐν καπνῷ πλῆθος σου (1)	15. 4. 5. καὶ ὡς καπνοῦ . . . καιομένων νυκτός	6. 4. ὁ οἶκος ἐνεπλήσθη [ΔΒ ἐπλ.] καπνοῦ (1)	14. 31. ἀπὸ βορρᾶ κ. ἔρχεται (1)	34. 10. ἀναβήσεται ὁ κ. αὐτῆς ἄνω (1)	51. 6. ὁ οὐρανὸς ὡς κ. ἐστερεώθη (1)	65. 5. οὗτος κ. τοῦ θυμοῦ μου (1)	— 17. ἔσται γὰρ ὁ οὐρ. καινός [Β' καπνός] †	Ep. [e. 21. ἀπὸ τοῦ κ. τοῦ ἐκ τῆς οἰκίας [Δ αλ.]	1 Μα. 4. 20. ὁ γὰρ κ. ὁ θεοφυόμενος	[Aq. Cl. 3. 6: Is. 4. 5: Ho. 18. 3.]	[Sm., Th. Is. 4. 5.]	[Quint. Ps. 118 (119). 83.]	κάππαρις. (1) קָפָרִי	Ec. 12. 5. καὶ διασκεδασθῇ ἡ κ. (1)	[Aq. Ec. 12. 5.]	κάπτειν. (1) לָכַף	Da. LXX. 1. 12. ὥστε κάπτειν καὶ ὑδροποιεῖν (1)	καπνός.	[Sm. Jo. 9. 5 (11).]	καρδοκίον.	[Aq. Ps. 129 (180). 5.]	καρδοκία.	[Aq. Ps. 38 (39). 8: Pr. 10. 28.]	καρδί.	[Heb. Ho. 11. 1.]	καρσιεῖμ (Α), καρσιεῖμ (Β), καρσιεῖμ (Β).	II Ch. 35. 19. καὶ τὰ κ. ἂν ἐν γῇ '1. -	καρδία. (1) קָרְדִּי (2) קָרְדִּי (3) קָרְדִּי	(4) α. ב. δ. ב. ב. c. ב. ב. d. τὰ ἀπὸ καρδίας ב. (5) פָּרָה (6) שָׁרָה (7) שָׁרָה	(8) בָּרָה (9) ἐκδέχεσθαι τῇ κ. י' hi.	Ge. 6. 5. διακρίνεται ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 α)	20. 5. ἐν καθάρᾳ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο (4 β)	— 6. ἐν καθάρᾳ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο (4 β)	42. 28. ἐξέστη ἡ κ. αὐτῶν (4 α)	50. 21. ἐλάλησεν αὐτῶν εἰς τὴν κ. (4 α)	Ex. 4. 21. σκληρυνθῶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 α)	7. 3. σκληρυνθῶ τὴν κ. Φαραῶ (4 α)	— 13. κατισχύσει ἡ κ. Φαραῶ (4 α)	— 14. βεβαῖνται ἡ κ. Φαραῶ (4 α)	22. ΔΒ ἐσκληρύνθη [Β - ρυνην] ἡ κ. Φαραῶ (4 α)	— 15. ἐσκληρύνθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 α)	— 19 (15). ἐσκληρύνθη ἡ κ. Φαραῶ (4 α)	— 32 (28). ἐβάρυνε Φαραῶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 α)	9. 7. ΔΒ ἐβάρυνθη ἡ κ. Φαραῶ (4 α)	— 12. ΔΒ ἐσκληρυνε δὲ κύριος τὴν κ. Φαραῶ (4 α)	— 14. ἐξαποστέλλω . . . εἰς τὴν κ. σου (4 α)	— 34. ἐβάρυνεν αὐτὸν τὴν κ. (4 α)	— 35. ἐσκληρύνθη ἡ κ. Φαραῶ (4 α)	10. 1. ἐσκληρύνθη [Δ ἐβάρυνε] αὐτοῦ τὴν κ. (4 α)	— 20. ἐσκληρυνε κύριος τὴν κ. Φαραῶ (4 α)	— 27: 11. 10. ἐσκληρύνε δὲ κύριος τὴν κ. Φ. (4 α)	14. α. σκληρυνθῶ τὴν κ. Φαραῶ (4 α)	— 5. ΔΒ μετεστράφη ἡ κ. Φ. καὶ [Β add. ἡ κ.] τῶν θεραπόντων (4 β, -)	— 8. ἐσκληρυνε κύριος τὴν κ. Φαραῶ . . . καὶ [Δ add. τὴν κ.] τῶν θεραπόντων (4 α, -)	— 17. σκληρυνθῶ τὴν κ. Φαραῶ (4 α)	25. 2. παρὰ πάντων οἷς ἂν δόξῃ τῇ κ. (4 α)	31. 6. παρὶ συνετῶν καρδίᾳ δέδοκα συνέσει (4 α)	35. 5. πᾶς ὁ καταδεχόμενος τῇ καρδίᾳ (4 α)	— 10. πᾶς σοφὸς τῇ κ. [Δ διανοία] (4 α)	— 21. ὡς ἐφ' ἑρὸν ἡ κ. αὐτῶν (4 α)	36. 2. φ. ἔδωκεν ὁ θεὸς ἐπιστήμην ἐν τῇ κ. (4 α)	Le. 26. 36. ἐπ' αὐτῶν δουλίαν [Δ δουλία] εἰς τὴν κ. αὐτῶν (4 β)	— 41. ἐντραπῆται ἡ κ. αὐτῶν ἡ ἀπερίτμητος (4 β)	Nu. 22. 38. Δ ὁ δὲ ἐμὲ βάλει εἰς τὴν κ. μου [Β Β αλ.] †	32. 7. Δ ἡνὰ τί διαστρέφετε τὰς κ. [Β διανοίας] (4 α)	Nu. 32. 9. ἀπίστησαν τὴν κ. τῶν υἱῶν 'Ισρ. (4 α)	De. 1. 28. ἀπίστησαν τὴν κ. ὑμῶν (4 β)	2. 30. κατισχύσει τὴν κ. αὐτοῦ (4 β)	4. 9. μὴ ἀποστήσωσαν ἀπὸ τῆς κ. σου (4 β)	— 29. ὅταν ἐκλήρησεν αὐτὸν ἐξ ὧν τῆς κ. σου (4 β)	6. 29 (26). εἶναι οὕτως τὴν κ. αὐτῶν ἐν αὐτοῖς (4 β)	6. 5. Δ ἐξ ὧν τῆς κ. [Β διανοίας] σου (4 β)	— 6. ἔσται τὰ ῥήματα ταῦτα . . . ἐν τῇ κ. σου (4 β)	— 12. Δ πλατυνθῇ ἡ κ. σου (4 β)	8. 2. καὶ διαγνωσθῇ τὰ ἐν τῇ κ. σου (4 β)	— 5. γνώσῃ τῇ κ. σου (4 β)	— 14. ὑψώθῃς τῇ κ. [Δ κ. σου] (4 β)	— 17: 9. 4. μὴ εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 β)	9. 5. διὰ τὴν οὐσίαν τῆς κ. σου (4 β)	10. 12. λατρεῖν κυρίῳ . . . ἐξ ὧν τῆς κ. σου (4 β)	11. 13. λατρεῖν αὐτῷ ἐξ ὧν τῆς κ. σου (4 β)	— 16. μὴ πλατυνθῇ ἡ κ. σου (4 β)	— 18. ἐμβάλειτε τὰ ῥήματα ταῦτα εἰς τὴν κ. ὑμῶν (4 β)	12. 20. Δ ἐν πάσῃ ἐπιθυμίᾳ τῆς κ. [Β ψυχῆς] σου (4 β)	13. 3 (4). εἰ ἀγαπᾶτε . . . ἐξ ὧν τῆς κ. ὑμῶν (4 β)	15. 7. οὐκ ἀποστρέψῃς [Δ - στρέψῃς] τὴν κ. σου (4 β)	— 9. μὴ ἡγήσῃς ῥῆμα κρυπτόν ἐν τῇ κ. σου (4 β)	— 10. οὐ ληψήσῃ τῇ κ. σου (4 β)	17. 17. Δ Β ἡνὰ μὴ μεταστῇ [Β' οὐδὲ μεταστῇ] αὐτοῦ ἡ κ. (4 β)	— 20. Δ Β ἡνὰ μὴ ὑψώθῃ ἡ κ. αὐτοῦ [Β σου] (4 β)	18. 21. ἐὰν δὲ εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 β)	19. 6. παραθεύμεναι τῇ κ. [Δ add. αὐτοῦ] (4 β)	20. 3. μὴ ἐκλύσῃς τὴν κ. ὑμῶν (4 β)	— 8. καὶ δειλὸς τῇ κ. (4 β)	— 8. ἡνὰ μὴ δειλιῇ τὴν κ. (4 β)	26. 16. ποιήσετε αὐτὰ ἐξ ὧν τῆς κ. ὑμῶν (4 β)	28. 47. Δ ἐν εὐφροσύνῃ καὶ [Δ add. ἐν] ἀγαθῇ κ. [Β διανοία] (4 β)	— 65. δώσεις σοι . . . κ. ἐτέραν [Δ om.] (4 α)	— 67. ἀπὸ τοῦ φόβου τῆς κ. σου (4 β)	29. 4 (3). οὐκ ἔδωκε κύριος . . . καρδίαν εἰδέναι (4 α)	— 19 (18). ἐπιφθίμῃται ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 β)	— 19 (18). ἐν τῇ ἀποπληθυνσῇ τῆς κ. μου (4 α)	30. 1. καὶ δέξῃ εἰς τὴν κ. σου (4 β)	2. ἐξ ὧν τῆς κ. σου καὶ ἐξ ὧν τῆς ψυχῆς σου (4 β)	— 6. περικαθαρίει κύριος τὴν κ. σου καὶ τὴν κ. τοῦ σπέρματός σου (4 β, 4 β)	— 6, 10. ἐξ ὧν τῆς κ. σου καὶ ἐξ ὧν τῆς ψυχῆς σου (4 β)	— 14. ἐν τῇ οὐσίᾳ σου καὶ ἐν τῇ κ. σου (4 β)	— 17. ἐὰν μεταστῇ ἡ κ. σου (4 β)	32. 46. προσέχετε τῇ κ. [Δ add. ὑμῶν] (4 β)	Jo. 2. 11. ἐξέστη τὴν κ. ἡμῶν (4 β)	7. 5. ἐποτίθῃ ἡ κ. τοῦ λαοῦ (4 β)	11. 20. κατισχύσει αὐτῶν τὴν κ. (4 α)	14. 8. μετέστησαν τὴν κ. [Δ διανοίαν] τοῦ λαοῦ (4 α)	22. 5. Δ ἐξ ὧν τῆς κ. [Β διανοίας] ὑμῶν (4 β)	23. 14. γνώσεσθε τὴν κ. ὑμῶν (4 β)	24. 23. εὐθύνατε τὴν κ. ὑμῶν (4 β)	Jd. 1. 15. ἔδωκεν αὐτῇ Χ. κατὰ τὴν κ. αὐτῆς (4 α)	5. 9. ἡ κ. μου εἰς τὰ διατεταγμένα τῷ 'Ισρ. (4 α)	— 15. μεγάλοι ἐξικνούμενοι καρδιαν [Δ ἀκρι- βασμοὶ καρδίας] (4 α)	— 16. μεγάλοι ἐξετασμοὶ [Δ ἐξίχνισμοι] καρ- δίας (4 α)	9. 3. ἔκλινεν ἡ [Δ om.] κ. αὐτῶν ὅπως 'Αβ. (4 α)	16. 15. ἡ κ. σου οὐκ [Δ om.] ἔστι μετ' ἐμοῦ (4 α)	— 17. ἀνήγειρεν αὐτὴ πᾶσαν τὴν κ. αὐτοῦ [Δ απ. αὐ. πάντα τὰ ἀπὸ καρδίας] (4 α [4 d])	— 18. ἀπήγειρεν αὐτὴ πᾶσαν τὴν κ. [Δ απ. πάντα τὰ ἀπὸ καρδίας] αὐτοῦ (4 α [4 d])	— 18. ἀπήγειρεν [Δ απ.] μοι πᾶσαν τὴν κ. [Δ κακίαν] αὐτοῦ (4 α)	— 25. ὅτε ἡγαθύνθῃ ἡ κ. αὐτῶν (4 α)	18. 20. ἡγαθύνθῃ ἡ κ. τοῦ ἱερέως (4 α)	19. 3. τοῦ λαλήσαι ἐπὶ [Δ add. τῇ] καρδίαν αὐτῆς (4 α)	— 5. στήριον τὴν κ. σου (4 α)	— 6. ἀγαθυνθήσεται [Δ - ἦτω] ἡ κ. σου (4 α)	— 8. στήριον δὴ τὴν κ. σου (4 β)	— 9. ἀγαθυνθήσεται [Δ - ἦτω] ἡ κ. σου (4 β)	— 22. αὐτοὶ δὲ ἀγαθύνοντες καρδιαν [Δ - ὦν δὲ ἀγαθύνοντες τῇ κ.] αὐτῶν (4 α)	Ru. 2. 13. ἐλάλησας ἐπὶ καρδίαν τῆς δούλης σου (4 α)	8. 7. ἡγαθύνθῃ ἡ κ. αὐτοῦ (4 α)	I Ki. 1. 8. ἡνὰ τί τῷ τῆς κ. σου [Δ αλ.] (4 β)	I Ki. 1. 13. ἐλάλει ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 α)	2. 1. ἐστερεώθῃ ἡ κ. μου ἐν κυρίῳ (4 α)	— 35. δὲ πάντα τὰ ἐν τῇ κ. μου . . . ποιήσῃ (4 β)	4. 13. ἡνὰ καρδίᾳ [Δ ἡ κ.] αὐτοῦ ἐξεστηκυῖα (4 α)	— 20. οὐκ ἐνόησεν ἡ κ. αὐτῆς (4 α)	6. 6. ἡνὰ τί βαρύνετε τὰς κ. ὑμῶν ὡς ἐβάρυνεν [Δ - ὑνθῇ] Αἴγ. . . τὴν κ. αὐ. (4 β, 4 α)	7. 3. εἰ ἐν ὧν κ. ὑμῶν ὑμεῖς ἐπιστρέφετε (4 β)	— 3. ἐτοιμάσατε τὰς κ. ὑμῶν πρὸς κύριον (4 β)	9. 19. πάντα τὰ ἐν τῇ κ. σου ἀπαγγεῖλω σοι (4 β)	— 20. μὴ θῇς τὴν κ. σου αὐταῖς (4 α)	10. 9. μετέστρεψεν αὐτῷ ὁ θεὸς κ. ἄλλην (4 α)	— 26. ὡς ἦψατο κύριος καρδίαν αὐτῶν (4 α)	12. 20. Β δουλεύσατε τῷ κυρίῳ ἐν ὧν κ. ὑμῶν (4 β)	— 24. Β δουλεύσατε αὐτῷ . . . ἐν ὧν κ. ὑμῶν (4 β)	13. 14. Β ἀνθρώπων κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (4 β)	14. 7. Β δὴν ἐν ἡ κ. σου ἐκκλινῇ (4 β)	— 7. Β ὡς ἡ κ. σου καρδίᾳ μου (4 β, -)	16. 7. ὁ δὲ θεὸς ὕψεται εἰς καρδίαν (4 β)	17. 23. Δ ἐγὼ οἶδα . . . τὴν κακίαν τῆς κ. σου (4 β)	— 32. μὴ δὴ συμπεσῶ καρδίᾳ [Δ ἡ κ.] τοῦ κυρίου μου (4 α)	21. 12 (13). ἔθετο Δ. τὰ ῥήματα ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 β)	24. 6. ἐπάταξε καρδίᾳ Δαυὶδ αὐτόν (4 α)	25. 25. μὴ δὴ θίσθω ὁ κύριός μου καρδίαν αὐτοῦ (4 α)	— 31. Δ βδελυγμὸς καὶ σκάνδαλον καρδίας [Β om.] (4 α)	— 36. ἡ κ. Νάβαλ ἀγαθὴ ἐπ' αὐτόν (4 α)	— 37. ἐναπείθανεν ἡ κ. αὐτοῦ ἐν αὐτῷ (4 α)	27. 1. εἶπε Δαυὶδ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 α)	28. 5. ἐξέστη ἡ κ. αὐτοῦ σφοδρὰ (4 α)	29. 10. λόγον λοιμὸν μὴ θῇς ἐν καρδίᾳ σου [Δ om. ἐν κ. σ.] (4 α)	II Ki. 6. 16. ἐξουδένωσαν αὐτὸν ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 α)	7. 3. ὅσα ἂν [Δ om.] ἐν τῇ κ. σου (4 β)	— 21. κατὰ τὴν κ. σου ἐποίησας (4 α)	— 27. εὗρεν ὁ δούλος σου τὴν κ. ἑαυτοῦ (4 α)	13. 20. μὴ θῇς τὴν κ. σου (4 α)	— 28. ὡς ἂν ἀγαθύνῃ ἡ κ. 'Αμ. (4 α)	— 33. μὴ θίσθω . . . ἐπὶ τὴν κ. αὐ. ῥῆμα (4 α)	14. 1. ἡ κ. τοῦ βασι. ἐπὶ 'Αβ. (4 α)	15. 6. ἰδιοποιεῖτο 'Αβ. τὴν κ. ἀνδρῶν 'Ισρ. (4 α)	— 13. ἐγενήθη ἡ κ. ἀνδρῶν 'Ισρ. ὅπως 'Αβ. (4 α)	17. 10. οὐ ἡ κ. καθὼς ἡ κ. τοῦ λέοντος (4 α, 4 α)	18. 3 bis. οὐ θήσουσιν ἐφ' ἡμᾶς καρδιαν (4 α)	— 14. ἐνέπηξεν αὐτὰ ἐν τῇ κ. [Δ εἰς τὴν κ.] 'Αβ. ἔτι αὐτοῦ ζῶντος ἐν τῇ κ. τῆς θυρῆς (4 α, 4 α)	19. 7 (8). λάλησον εἰς τὴν κ. τῶν δούλων σου (4 α)	— 14 (15). ἔκλινε τὴν κ. πατρός ἀνδρός (4 β)	— 19 (20). τοῦ θέσθαι τὸν βασι. εἰς τὴν κ. αὐτοῦ (4 α)	24. 10. ἐπάταξε καρδίᾳ Δαυὶδ αὐτόν (4 α)	III Ki. 2. 4. ἐὰν φυλάξωσιν . . . ἐν ὧν κ. αὐτῶν (4 β)	8. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . πλάτος καρδίας (4 α)	— 1 (2. 44). ἡνὰ ἔγνων ἡ κ. σου (4 β)	— 6. καὶ ἐν εὐθύτητι καρδίας (4 α)	— 9. δώσεις τῷ δούλῳ σου καρδίαν ἀκούειν (4 α)	— 12. δέδωκά σοι κ. φρονίμην καὶ σοφὴν (4 α)	4. 29 (5. 9). καὶ χύμα καρδίας (4 α)	8. 17. ἐγένετο ἐπὶ τῆς κ. τοῦ πατρός μου (4 β)	— 18. ἦλθεν ἐπὶ τὴν κ. σου (4 β)	— 18. ἐγενήθη ἐπὶ τὴν κ. σου (4 β)	— 23. φυλάσσωσιν διαθήκην . . . ἐν ὧν τῇ [Δ om.] κ. (4 α)	— 38. ὡς ἂν γνώσιν ἑκαστος ἀφ' ἑνὸς καρδίας αὐ. (4 β)	— 39. καθὼς ἂν γνώσῃ τὴν κ. αὐτοῦ (4 β)	— 39. οἶδας τὴν κ. πάντων υἱῶν ἀνθρώπων (4 β)	— 47. ἐπιστρέψουσιν καρδίας αὐτῶν (4 α)	— 48. καὶ ἐπιστρέψωσι πρὸς σέ ἐν ὧν κ. αὐτῶν (4 β)	— 58. ἐπικλίνει καρδίαν ἡμῶν ἐπ' [Δ πρὸς] αὐτόν (4 β)	— 61. ἔστωσαν αἱ κ. ἡμῶν τέλειαι (4 β)	— 66. ἀγαθὴ ἡ [Δ om.] κ. ἐπὶ τοῖς [Δ πᾶσιν τ.] ἀγαθοῖς (4 α)	9. 3. καὶ ἡ κ. μου πᾶσας τὰς ἡμέρας (4 α)	— 4. ἐὰν πορευθῇς . . . ἐν οὐσίᾳ καρδίας (4 β)	10. 2. ὅσα ἦν ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 α)	— 24. ἥς ἔδωκε κύριος τῇ κ. αὐτοῦ (4 α)	11. 2. μὴ ἐκκλινῶσι τὰς κ. ὑμῶν [Δ αὐτῶν] (4 β)	— 3. Δ ἔκλιναν γυναῖκες αὐτοῦ τὴν κ. αὐτοῦ (4 α)	— 4. οὐκ ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τέλειαι . . . καθὼς ἡ κ. Δ. (4 β, 4 β)	— 3. ἐξέκλιναν αἱ γυναῖκες . . . τὴν κ. αὐτοῦ (4 β)	— 9. ἐξέκλινε καρδίαν αὐτοῦ ἀπὸ κυρίου (4 β)
---------------------------------	---------------------------------------	------------------------------------	---	--	--	---	--	--	----------------------------------	---------------------------------------	--------------------------------------	-----------------------------------	---	--	-------------------------------------	--------------------------------------	----------------------	-----------------------------	-----------------------	-------------------------------------	------------------	--------------------	---	---------	----------------------	------------	-------------------------	-----------	-----------------------------------	--------	-------------------	---	---	--	---	--	--	---	--	---------------------------------	---	---	------------------------------------	-----------------------------------	----------------------------------	--	-----------------------------------	--	---	------------------------------------	---	--	-----------------------------------	-----------------------------------	--	---	---	-------------------------------------	--	--	------------------------------------	--	---	--	---	------------------------------------	--	---	---	---	---	--	--	--------------------------------------	---	---	--	---	---	---------------------------------	---	----------------------------	-------------------------------------	---	---------------------------------------	--	---	----------------------------------	---	---	---	--	--	---------------------------------	---	---	---	--	-------------------------------------	-----------------------------	---------------------------------	---	---	--	--------------------------------------	---	---	---	--------------------------------------	---	---	---	--	----------------------------------	---	-------------------------------------	-----------------------------------	---------------------------------------	--	---	------------------------------------	------------------------------------	---	---	---	--	--	---	--	--	---	-------------------------------------	--	--	-------------------------------	---	----------------------------------	---	--	--	---------------------------------	--	--	---	---	---	------------------------------------	---	--	---	--	--------------------------------------	---	---	---	---	--	--	--	---	--	--	--	---	--	---	--	--	--	---------------------------------------	--	--	---	--------------------------------------	--	---------------------------------	-------------------------------------	--	--------------------------------------	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	---------------------------------------	------------------------------------	--	--	--------------------------------------	--	----------------------------------	------------------------------------	---	---	---	---	---	--	---	--	--	---	--	------------------------------------	---	---	--	---	---	--

III Ki. 11. 10. Β οὐδ' ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . .

- κατὰ τὴν κ. Δ. —, —  
12. 26. εἶπεν ἱερ. ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 α)  
— 27. ἐπιστραφῆσεται καρδιά τοῦ λαοῦ (4 α)  
— 33. ἡ ἐπλάσματο ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (4 α, τ\*)  
14. 8. ὅς ἐπορεύθη ὅπως μου ἐν πάσῃ κ. αὐτοῦ (4 β)  
15. 3. οὐκ ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . . ὥς ἡ κ. τοῦ

- πατρὸς αὐτοῦ (4 β, 4 β)  
— 14. ἡ [Α. om.] κ. Ἀσὰ ἦν τελεία (4 β)  
18. 37. ἔστρεψας [Α. ἐπέστρεψ.] τὴν κ. τοῦ λαοῦ τούτου (4 α)

IV Ki. 5. 26. οὐχὶ ἡ κ. μου ἐπορεύθη (4 α)

9. 24. ἐξῆλθε τὸ βέλος αὐτοῦ διὰ τῆς κ. αὐτοῦ (4 α)  
10. 15. εἰ ἔστι καρδιά σου μετὰ καρδίας μου εὐθεία καθὼς ἡ κ. μου μετὰ τῆς κ. σου [Α. al.] (4 β, —, 4 β, 4 β)

- 30. κατὰ πάντα ὅσα ἐν τῇ κ. μου (4 β)  
— 31. πορεύσεσθαι ἐν νόμῳ . . . ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ (4 β)  
12. 4 (5). Α. Β. δ' ἐὰν ἀναβῇ [Β. λάβῃ] ἐπὶ καρ-

- διαν ἀνδρῶν (4 α)  
14. 10. ἐπὶ σέ σε καρδιά [Α. ἡ κ.] σου (4 α)  
20. 3. ἐν ἀληθεία καὶ καρδίᾳ [Α. ἐν κ.] πλήρει (4 β)  
22. 19. ἡπαλύνθη ἡ κ. σου (4 β)

28. 3. ἐν πάσῃ κ. καὶ ἐν πάσῃ ψυχῇ (4 α)  
— 25. ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ αὐτοῦ (4 β)  
I Ch. 12. 17. εἴη μοι [Α. εἰ μοι] καρδιά [Β. ἡ

- κ.] καθ' ἐαυτήν (4 β)  
16. 10. εὐφρανθήσεται καρδιά ζητούντα τὴν ἐνδοκίαν αὐτοῦ (4 α)  
17. 19. κατὰ τὴν κ. σου ἐποίησας τὴν πᾶσαν

- μεγαλωσύνην (4 α)  
22. 19. νῦν δώσω καρδίας ὑμῶν (4 β)  
28. 1. ἐμοὶ ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν (4 β)  
— 9. Α. Β. δοῦλεν αὐτῷ [Β. om.] ἐν κ. τελείᾳ (4 β)

- 9. πᾶσας κ. ἐτάζει [Α. ἐξέτ.] κύριος (4 β)  
29. 9. ἐν κ. πλήρῃ προεβυμῆσαν τῷ κυρίῳ (4 α)  
— 17. οὐ ἐν ὁστάων καρδίας (4 β)  
— 17. ἐν ἀπλότῃ καρδίᾳ προεβυμῆσαν ταῦτα

- πάντα (4 β)  
— 18. ἐν διανοίᾳ καρδίας λαοῦ σου (4 β)  
— 18. κατεβύοντο τὰς κ. αὐτῶν πρὸς σέ (4 β)  
— 27. τὸν υἱὸν μου δὸς κ. ἀγαθὴν (4 β)

- II Ch. 1. 11. ἐγένετο τοῦτο ἐν τῇ κ. σου (4 β)  
6. 7. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Δαυὶδ (4 β)  
— 8. διότι ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν σου (4 β)  
— 8. ἐγένετο ἐπὶ τῇ [Β. om.] κ. σου (4 β)

- 14. τοῖς πορευομένοις ἐναντίον σου ἐν ὅλῃ κ. σου (4 α)  
— 30. ὡς ἂν γνῶς τὴν κ. αὐτοῦ (4 β)  
— 30. γινώσκεις τὴν κ. υἱῶν ἀνθρώπων (4 β)  
— 37. καὶ ἐπιστρέψωσι καρδίαν αὐτῶν (4 β)

- 38. καὶ ἐπιστρέψωσι πρὸς σέ ἐν ὅλῃ κ. σου (4 α)  
7. 10. εὐφρανόμενοι καὶ ἀγαθῇ κ. σου (4 α)  
— 16. ἐσονται οἱ ὀφθαλμοὶ μου καὶ ἡ κ. μου

- ἐκεῖ (4 α)  
9. 23. ἡς ἔδωκεν ὁ θεὸς ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 β)  
11. 16. οἱ ἔδωκαν καρδίαν αὐτῶν (4 β)  
12. 14. οὐ κατεβύνη τὴν κ. αὐτοῦ (4 α)

13. 7. Ῥοβόαμ ἦν . . . δειλὸς τῇ κ. σου (4 β)  
15. 12. ζητήσαι κύριον . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. σου (4 β)  
— 17. ἡ κ. Ἀσὰ ἐγένετο πλήρης (4 β)

16. 9. κατωχύσαι ἐν πάσῃ κ. πλήρει (4 β)  
17. 6. ὑψώθη καρδιά αὐτοῦ ἐν ὁδῷ κυρίου (4 α)  
19. 3. κατηύθυνας τὴν κ. σου (4 β)

- 9. ἐν ἀληθείᾳ καὶ ἐν πλήρει κ. [Α. πλήρεις καρδίας] (4 β)  
20. 33. ὁ λαὸς οὐ κατεβύνη τὴν κ. σου (4 β)  
22. 9. ἐν ὅλῃ τῇ [Α. om.] κ. σου (4 β)

24. 4. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Ι. σου (4 α)  
25. 2. ἀλλ' οὐκ ἐν κ. πλήρει (4 β)  
— 19. ἐπαίρει σε ἡ κ. ἡ βαρεία (4 α)

28. 16. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 α)  
29. 10. νῦν ἐστὶν ἐπὶ καρδίας σου (4 β)  
— 31. καὶ πᾶς πρόθυμος τῇ κ. ὀλοκαυτώσεως (4 α)

30. 8. μὴ σκληρύνῃς τὰς κ. [Α. τοὺς τραχήλους] ὑμῶν (7)  
— 12. δοῦναι αὐτοῖς κ. μίαν (4 α)  
— 19. ἐξέλασθω ὑπὲρ πάσης κ. σου (4 β)

22. ἐλάλησεν Ἐξ. ἐπὶ πᾶσαν κ. τῶν Λ. σου (4 α)  
32. 6. ἐλάλησεν ἐπὶ καρδίαν [Α. τὴν κ.] αὐτῶν (4 β)  
— 25. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 α)

- 26. ἀπὸ τοῦ ὕψους τῆς κ. αὐτοῦ (4 α)  
— 31. εἰδέναι τὰ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 β)  
34. 27. καὶ ἐνεγράφη ἡ κ. σου (4 β)

- 31. ἐν ὅλῃ κ. καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ σου (4 β)  
35. 19. ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ αὐτοῦ (4 β)  
36. 13. τὴν κ. αὐτοῦ κατισχύσει (4 β)

I Es. 1. 23. ἐν καρδίᾳ πλήρῃ εὐσεβείας

- 48. σκληρύνας . . . τὴν κ. αὐτοῦ (4 α)  
3. 21. πᾶσας κ. [Α. τὰς κ.] ποιεῖ πλουσίας (4 α)  
8. 25. ὁ δοὺς ταῦτα εἰς τὴν κ. σου (4 α)

II Es. 6. 22. Α. Β. ἐπιστράφη καρδίαν [Β. -α]

- βασιλείας Ἀσσυρίης (4 α)  
7. 10. Ἐδωκεν ἐν καρδίᾳ [Α. ἔδ. καρδίαν] αὐτοῦ (4 β)

- 27. ὅς ἔδωκεν οὕτως ἐν καρδίᾳ τοῦ βασιλ. σου (4 α)  
Ne. 2. 2. οὐκ ἔστι τοῦτο εἰ μὴ πορνεία καρδίας (4 α)  
— 12. τί ὁ θεὸς δίδωσιν εἰς καρδίαν [Β. τὴν κ.] σου (4 α)

5. 7. ἐβουλεύσατο καρδιά μου ἐπ' ἐμὲ (4 α)  
6. 8. ἀπὸ καρδίας σου σὺ ψεύδῃ αὐτοῦ (4 α)  
7. 5. ἔδωκεν ὁ θεὸς εἰς τὴν κ. μου (4 α)

9. 8. εὖρες τὴν κ. αὐτοῦ πιστῶν (4 β)  
To. 2. 2. Β ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ (4 α)  
4. 2. Β εἶπεν ἐν τῇ κ. αὐτοῦ [Α. Β. al.] (4 α)

- 13. Α. Β. μὴ ὑπερφανεύσῃς τὴν κ. σου (4 α)  
— 19. μὴ ἐξαλειφθήσῃς ἐκ τῆς κ. σου (4 α)  
6. 4. λαβὼν τὴν κ. καὶ τὸ ἥπαρ καὶ τὴν χολὴν [Β. al.] (4 α)

- 4. Β ἡ χολὴ καὶ ἡ κ. καὶ τὸ ἥπαρ αὐτοῦ (4 α)  
— 5. Β τὴν χολὴν καὶ τὴν κ. καὶ τὸ ἥπαρ αὐτοῦ (4 α)  
— 6. τί ἐστὶν ἡ κ. . . τοῦ ἰχθύος [Β. al.] (4 α)

- 7. ἡ κ. καὶ τὸ ἥπαρ αὐτοῦ (4 α)  
— 16. ἐπίθεσθαι ἀπὸ τῆς κ. [Β. al.] (4 α)  
— 17. Β ἡ κ. [Α. Β. ψυχῇ] αὐτοῦ ἐκολλήθη (4 α)

8. 2. ἐπίθεθαι τὴν κ. τοῦ ἰχθύος καὶ τὸ ἥπαρ [Β. al.] (4 α)  
13. 6. Α. Β. εἰς ἐπιστρέψῃς πρὸς αὐτὸν ἐν ὅλῃ τῇ [Β. om.] κ. ὑμῶν (4 α)

- Ju. 6. 9. εἶπερ ἐλπίζεις τῇ κ. σου (4 α)  
8. 14. βάθος καρδίας ἀνθρώπου οὐκ εὐρήσετε (4 α)  
— 27. εἰς ἐταρῶν τῆς [Β. om.] κ. αὐτῶν (4 α)

- 28. Α. Β. πάντα . . . ἐν [Β. om.] ἀγαθῇ κ. ἐλάλησας (4 α)  
— 29. ἀγαθὸν ἐστὶ τὸ πλάσμα τῆς κ. σου (4 α)  
10. 16: 11. 1. μὴ φοβήσῃς τὴν κ. σου (4 α)

11. 10. κατὰδὸς αὐτῶν ἐν τῇ κ. σου (4 α)  
12. 16. Α. Β. ἐξίστη ἡ κ. Ὀλ. σου (4 α)  
13. 4. Α. Β. εἶπεν ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 α)

- 19. οὐκ ἀποστρέψεται ἡ ἐλπίς σου ἀπὸ καρδίας ἀνθρώπων (4 α)  
Es. 1. 1. εἶχεν αὐτὸ ἐν τῇ κ. σου (4 α)  
4. 17. μετὰ τῆς κ. αὐτοῦ (4 α)

5. 1. ἡ δὲ κ. αὐτῆς ἀπεστενωμένη ἀπὸ τοῦ φόβου σου (4 α)  
— 2. ἐταράχθη ἡ κ. σου (4 α)  
— 9. Β. ὑπερχάρης εὐφρανόμενος τῇ κ. [Α. Β. om. τ. κ.] σου (4 α)

- Jb. 1. 5. Α. Β. ἐν τῇ κ. [Β. Β. διανοίᾳ] αὐτῶν ἐνεκρίθησαν (4 α)  
8. 10. ἐκ καρδίας ἐξάξουσιν [Α. σε διδάξουσιν] ῥήματα (4 α)

11. 13. εἰ γὰρ σὺ καθαρὰν ζῆτον τῇ κ. σου (4 α)  
12. 3. καμὸν μὲν καρδιά καθ' ἡμᾶς ἐστὶ (4 β)  
— 24. διαλλάσσω καρδίας ἀρχόντων γῆς (4 α)

15. 12. τί [Α. τί δὲ] ἐτόλμωσεν ἡ κ. σου (4 α)  
17. 4. Β. Β. καρδίαν αὐτῶν ἔκρυψας [Α. -αν] ἀπὸ φροντισμοῦ (4 α)

- 11. Α. Β. Β. ἐρράγη δὲ τὰ ἄρθρα τῆς κ. μου (4 β)  
22. 22. ἀνάλαβε τὰ ῥήματα αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ σου (4 α)  
28. 16. κύριος δὲ ἐμαλάκυνε τὴν κ. μου (4 α)

31. 7. εἰ δὲ καὶ τὸ ὀφθαλμὸς ἐπηκολούθησεν ἡ κ. μου (4 α)  
— 9. εἰ ἐξηκολούθησεν ἡ κ. μου γυναίκα ἀνδρὸς ἐτέρου (4 α)

- 27. εἰ πατήρ ἡ δόξα ἡ κ. μου (4 α)  
— 29. εἶπεν ἡ κ. [Α. εἰ ἐπον τῇ] μου, Ἐδωκεν (4 α)  
33. 3. καθαρὰ μου ἡ κ. ῥήμασι [Α. ἐν ῥήμασιν] σου (4 α)

- 23. ἐὰν νόστης τῇ κ. ἐπιστρέψῃς πρὸς κύριον [Β. ἐπὶ κ., Α. ἐπὶ τὸν κ.] σου (4 α)  
34. 10. συνετοὶ καρδίας [Α. -ίαι] ἀκούσατέ μου (4 β)  
— 34. συνετοὶ καρδίας [Α. Β. -ίαι] ἐροῦσι ταῦτα (4 β)

36. 5. ὁ κύριος . . . δυνατὸς ἰσχυρὴ καρδίας (4 α)  
— 13. ὑποκριταὶ καρδία τάξουσιν θυμὸν σου (4 α)  
— 28. οὐδὲ διαλλάσσειται σου ἡ κ. ἀπὸ σώματος (4 α)

37. 1. ἐταράχθη ἡ κ. μου (4 α)  
— 24. φοβηθήσονται δὲ αὐτὸν καὶ οἱ σοφοὶ καρδία [Α. τῇ κ.] σου (4 α)  
48. 2. συνέχων δὲ ῥήματα ἐν καρδίᾳ σου (4 α)

41. 15 (16). ἡ κ. αὐτοῦ πέπλην ὡς λίθος (4 α)  
Ps. 4. 4. ἀλέγετε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν [Β. ἐν καρδίᾳ] σου (4 β)  
— 7. ἔδωκες εὐφροσύνην εἰς τὴν κ. μου (4 α)

5. 9. ἡ κ. αὐτῶν ματαία (8)  
7. 9. ἐταῖον καρδίας καὶ νεφροὺς ὁ θεός σου (4 α)  
10. τοῦ θεοῦ τοῦ ὁσίου τοῦ εὐθείας τῇ κ. σου (4 α)

9. 1. ἐξομολογήσασθαι σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ κ. μου (4 α)

Ps. 9. 27 (10. 6). εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 α)

- 32 (10. 11). εἶπε γὰρ ἐν τῇ [Α. Β. om.] κ. αὐτοῦ (4 α)  
— 34 (10. 13). εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 α)  
— 38 (10. 17). τὴν ἐτοιμασίαν τῆς κ. αὐτῶν προσέχετο τὸ οὖς σου [Α. αὐτοῦ] (4 α)

- 10 (11). 3. τοῦ κατατοξεύσαι . . . τοὺς εὐθείας τῇ κ. σου (4 α)  
11 (12). 2. χεῖλη δόλια ἐν καρδίᾳ καὶ ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν [Α. Β. ἐλ. κακά] (4 α, 4 α)

- 12 (13). 2. ὥς τίνος θήσομαι . . . ὀδύναν ἐν καρδίᾳ μου (4 β)  
— 5. Α. Β. ἀγαλλιάσεται ἡ κ. μου ἐπὶ [Β. ἐν] τῇ σωτηρίᾳ σου (4 α)

- 13 (14). 1. εἶπεν ἄφρων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 α)  
14 (15). 2. λαλῶν ἀληθείαν ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 β)  
15 (16). 9. ἡφράνθη ἡ κ. μου (4 α)

- 16 (17). 3. ἐδοκίμασας τὴν κ. μου (4 α)  
18 (19). 8. τὰ δικαιώματα κυρίου εὐθεία ἐφφράν- νοντα καρδίαν σου (4 α)

- 14. ἡ μελέτη τῆς κ. σου ἐνώπιόν σου (4 α)  
19 (20). 4. δόξαι σοι κατὰ τὴν κ. σου (4 β)  
20 (21). 2. Β. τὴν ἐπιθυμίαν τῆς κ. [Α. Β. ψυχῆς] αὐτοῦ ἔδωκας αὐτῷ (4 α)

- 21 (22). 14. ἐγενήθη ἡ κ. μου ὥσπερ κηρὸς τηκόμενος (4 α)  
— 26. ζῆσονται αἱ κ. αὐτῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος (4 β)  
23 (24). 4. ἀδόξως χερσὶ καὶ καθαροῖς τῇ κ. σου (4 β)

- 24 (25). 17. αἱ θλίψεις τῆς κ. μου ἐπληθύνθησαν (4 β)  
25 (26). 2. πύρρουν . . . τὴν κ. μου (4 α)  
26 (27). 3. οὐ φοβηθήσεται ἡ κ. μου (4 α)

- 8. σοὶ εἶπεν ἡ κ. μου (4 α)  
— 14. κραταιοῦσθαι ἡ κ. σου [Α. μου] (4 α)  
27 (28). 3. κακὰ δὲ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4 β)

- 7. ἐπ' αὐτῷ ἤλπισεν ἡ κ. μου (4 α)  
30 (31). 12. ἐπελήσθη ὡς κηρὸς ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (4 α)  
— 24. κραταιοῦσθαι ἡ κ. ὑμῶν (4 β)

- 31 (32). 5. σὺ ἀφῆκας τὴν ἀσέβειαν τῆς κ. μου (3 ?)  
— 11. καυχᾶσθαι πάντες οἱ εὐθείας τῇ κ. σου (4 α)  
32 (33). 11. λογιζομαι τῆς κ. αὐτοῦ ἀπὸ γενεῶν εἰς γενεάς (4 α)

- 15. ὁ πλάσας κατὰ μόνας τὰς κ. αὐτῶν (4 α)  
— 21. ἐν αὐτῷ εὐφρανθήσεται ἡ κ. ἡμῶν (4 α)  
33 (34). 18. ἐγγύς κ. τοῖς συντετριμμένοις τὴν κ. σου (4 α)

- 34 (35). 25. μὴ εἰπούσαν ἐν καρδίᾳ αὐτῶν (4 α)  
35 (36). 10. καὶ τὴν δικαιοσύνην σου τοῖς εὐ- θέτοις τῇ κ. σου (4 α)

- 36 (37). 4. δώσει σοι τὰ αἰτήματα τῆς κ. σου (4 α)  
— 14. τοῦ σφάζει τοὺς εὐθείας τῇ κ. σου (4 ?)  
— 15. εἰσελθὼν εἰς τὴν κ. [Β. εἰς ψυχὴν, Β. εἰς τὰς κ.] αὐτοῦ (4 α)

- 31. ὁ νόμος τοῦ θεοῦ αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 α)  
37 (38). 8. ὠρνώμενη ἀπὸ στεναγμοῦ τῆς κ. μου (4 α)  
— 10. ἡ κ. μου ἐταράχθη (4 α)

- 38 (39). 3. ἐθερμάνθη ἡ κ. μου ἐντός μου (4 α)  
39 (40). 8. καὶ τὸν νόμον σου ἐν μέσῳ τῆς κ. σου [Α. Β. κοιλίας] μου (5)

- 10. οὐκ ἔκρυψα ἐν τῇ κ. μου τὴν ἀλήθειαν σου (4 α)  
— 12. ἡ κ. μου ἐγκατέλειπέ με (4 α)

- 40 (41). 6. ἡ κ. αὐτοῦ συνήγαγεν ἀνομίαν ἐαυτῷ (4 α)  
43 (44). 18. οὐκ ἀπίστη εἰς τὰ ὀπίσω ἡ κ. ἡμῶν (4 α)  
— 21. αὐτὸς γὰρ γινώσκει τὰ κρύφια τῆς κ. σου (4 α)

- 44 (45). 1. ἐξηρῆσατο ἡ κ. μου λόγον ἀγαθόν (4 α)  
— 5. ἐν καρδίᾳ τῶν ἐχθρῶν τοῦ βασιλέως σου (4 α)  
45 (46). 2. μετατίθεσθαι ὄρη ἐν καρδίᾳς θαλασσῶν (4 α)

- 47 (48). 13. θέσθε τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὴν δύναμιν αὐτῆς (4 α)  
48 (49). 3. ἡ μελέτη τῆς κ. μου σύνεστιν [Β. -σεις] σου (4 α)

- 50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσας ἐν ἐμοὶ (4 α)  
— 17. καρδίαν συντετριμμένην . . . οὐκ ἐξουδενώσει (4 α)  
52 (53). 1. εἶπεν ἄφρων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 α)

- 54 (55). 4. ἡ κ. μου ἐταράχθη ἐν ἐμοὶ (4 α)  
— 21. ἤγγισεν ἡ κ. αὐτοῦ [Β. -ων] (4 α)  
56 (57). 7. ἐτοιμὴ ἡ κ. μου, ὁ θεός, ἐτοιμὴ ἡ κ. μου (4 α, 4 α)

- 57 (58). 2. ἐν καρδίᾳ ἀνομίας ἐργάσῃ ἐν τῇ γῇ (4 α)  
60 (61). 2. ἐν τῷ ἀκηδυσίᾳ τὴν κ. μου (4 α)

- 61 (62). 4. τῇ κ. αὐτῶν κατηράντο (8)  
— 8. ἐκχέετε ἐνώπιον αὐτοῦ τὰς κ. ὑμῶν [Β. al.] (4 β)  
— 10. μὴ προστιθέσθαι καρδίαν [Β. -α] σου (4 α)

- 63 (64). 6. καὶ καρδιά βαθεῖα (4 α)  
— 10. ἐπανειρησονται πάντες οἱ εὐθείας τῇ κ. σου (4 α)

- Ps. 65 (66). 18. ἀδικίαν εἰ θεώρουν ἐν καρδίᾳ (4 α)  
 68 (69). 20. ὀνειδιζόμενον προσεδέχθη ἐν ψυχῇ  
 [S<sup>1</sup> καρδιά] μου (4 α)  
 72 (73). 1. ὡς ἀγαθὸς ἐ θεός τῷ Ἰσραὴλ τοῖς  
 εὐθίσιν τῇ κ. (4 β)  
 — 7. διήλθον εἰς διὰ θεοῦ καρδίας (4 β)  
 — 13. ἄρα ματαίως ἐδικαίωσα τὴν κ. μου (4 β)  
 — 21. ἠψφράνθη [S<sup>2</sup> ἐξεκαύθη] ἡ κ. μου (4 β)  
 — 26. ἐξελίπεν ἡ κ. μου καὶ ἡ σὰρξ μου, ὁ θεὸς  
 τῆς κ. μου (4 β, 4 β)  
 73 (74). 8. εἶπαν ἐν τῇ κ. αὐτῶν (4 α)  
 75 (76). 5. ἐταράχθησαν πάντες οἱ ἀσυνετοὶ τῇ κ. (4 α)  
 — 9. πάντες τοὺς πραεῖς τῇ κ. [B<sup>2</sup> S<sup>1</sup> τῆς γῆς] †  
 77 (77). 6. νυκτὸς μετὰ τῆς κ. μου ἠδολέσχουν (4 α)  
 78 (79). 8. γενεὰ ἦτις κ. κατεύθυνεν ἐν τῇ κ.  
 [S<sup>2</sup> τὴν κ.] (4 α)  
 — 18. ἐξεπείρασαν τὸν θεὸν ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4 β)  
 — 37. ἡ δὲ κ. αὐτῶν οὐκ εὐθεία (4 α)  
 — 72. ἐν τῇ ἀκακίᾳ τῆς κ. αὐτοῦ (4 β)  
 80 (81). 12. κατὰ τὰ ἐπιτηδεύματα τῶν κ. αὐτῶν (4 α)  
 83 (84). 2. ἡ κ. μου καὶ ἡ σὰρξ μου ἠγαλλιά-  
 σαντο (4 α)  
 — 5. ἀναβάσεις ἐν τῇ κ. αὐτοῦ διέθετο (4 β)  
 84 (85). 8. τοὺς ἐπιστρέφοντας πρὸς [S<sup>2</sup> ἐπ']  
 αὐτῶν καρδίας † (4 β)  
 85 (86). 11. εὐφρανθήτω ἡ κ. μου (4 β)  
 — 12. ἐξομολογήσασθαι σοὶ . . . ἐν ᾗ [S<sup>2</sup> add.  
 τῇ] καρδίᾳ μου (4 β)  
 89 (90). 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [A S<sup>2</sup>  
 πεπαιδευμένους ?] τῇ κ. ἐν σοφίᾳ (4 β)  
 93 (94). 15. ἐχόμενοι αὐτῆς πάντες οἱ εὐθείς  
 τῇ κ. (4 α)  
 — 19. S<sup>1</sup> κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ὀδυνῶν μου ἐν  
 τῇ κ. μου αἱ παρακλήσεις σου ἡγά-  
 πησαν [A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> ἠψφράναν] τὴν κ.  
 [A B S<sup>2</sup> ψυχῇ] μου (8, 8)  
 94 (95). 8. μὴ σκληρύνῃς τὰς κ. ὑμῶν (4 β)  
 — 10. αἶψι πλανῶνται τῇ κ. (4 β)  
 96 (97). 11. καὶ τοῖς εὐθίσιν τῇ κ. εὐφροσύνη (4 α)  
 100 (101). 2. διεπορευμένη ἐν ἀκακίᾳ καρδίας  
 μου (4 β)  
 — 3 (4). οὐκ ἐκολλήθη μοι καρδιά σκαμβί (4 β)  
 — 5. ὑπερβύβω ὀφθαλμοὶ καὶ ἠπλῆστον καρδιά (4 β)  
 101 (102). 4. ἐξήρανθῃ ἡ κ. μου (4 α)  
 103 (104). 15. ὡς εὐφραίνεται καρδιὰν ἀνθρώ-  
 που (4 β)  
 — 15. ἄρτος καρδιὰν ἀνθρώπου στηρίζει (4 β)  
 104 (105). 3. εὐφρανθήτω καρδιά ζητούντων  
 τὸν κύριον (4 α)  
 — 25. μετέστρεψε τὴν κ. αὐ. (4 α)  
 106 (107). 12. ἐταπεινώθη ἐν κόποις ἡ κ. αὐτῶν (4 α)  
 107 (108). 1. ἐτοίμη ἡ κ. μου, ὁ θεός, ἐτοίμη ἡ  
 κ. μου (4 α, -)  
 108 (109). 16. κατανευγμένον τῇ κ. (4 β)  
 — 22. ἡ κ. μου τετάρακται ἐνός μου (4 α)  
 110 (111). 1. ἐξομολογήσασθαι σοὶ, κύριε, ἐν  
 ᾗ καρδίᾳ μου (4 β)  
 111 (112). 7. ἐτοίμη ἡ κ. αὐτοῦ ἐλπίζει ἐπὶ  
 κύριον (4 α)  
 — 8. ἐστήρικται ἡ κ. αὐτοῦ (4 α)  
 118 (119). 2. ἐν ᾗ καρδίᾳ ἐκλήθησιν αὐτὸν (4 α)  
 — 7. ἐξομολογήσασθαι σοὶ ἐν εὐθύτητι καρδίας (4 β)  
 — 10. S<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἐν ᾗ κ. μου [A S<sup>1</sup> om.] ἐξεζη-  
 τήσῃ σε (4 α)  
 — 11. ἐν τῇ κ. μου ἔκρυψα τὰ λόγια σου (4 α)  
 — 161. ἀπὸ τῶν λόγων σου ἐδεικίασεν ἡ κ. μου (4 α)  
 124 (125). 4. ἀγάθυνον . . . τοῖς εὐθίσιν τῇ κ. (4 α)  
 130 (131). 1. κύριε, οὐκ ὑψώθη ἡ καρδιά μου (4 α)  
 — 2. A ὑψώσα τὴν κ. [B S<sup>2</sup> ψυχῇ] μου (8)  
 137 (138). 1. ἐξομολογήσασθαι σοὶ, κύριε, ἐν  
 ᾗ καρδίᾳ μου (4 α)  
 138 (139). 23. γνῶθι τὴν κ. μου (4 β)  
 139 (140). 2. οἵτινες ἐλογίσαντο ἀδικίας ἐν  
 καρδίᾳ (4 α)  
 140 (141). 4. μὴ ἐκκλίνῃς τὴν κ. μου (4 α)  
 142 (143). 4. ἐν ἐμοὶ ἐταράχθη ἡ κ. μου (4 α)  
 Ps. 146 (147). 3. τοὺς συντετριμμένους τὴν κ.  
 [S<sup>2</sup> τῇ κ.] (4 α)  
 Pr. 2. 2. παραβαλεῖς καρδιὰν σου εἰς σύνεσιν (4 α)  
 8. 1. τὰ δὲ ῥήματά μου τηρεῖται σὴ κ. (4 α)  
 — 4 (3). A γράψον δὲ αὐτὰς ἐπὶ τὸ πλάτος  
 τῆς κ. σου (4 α)  
 — 5. ἴσθι πεποιθὸς ἐν ᾗ τῇ [A S<sup>2</sup> om.] κ. (4 α)  
 ἐπὶ θεῷ (4 α)  
 4. 4. ἐριδιτέω ὁ ἡμέτερος λόγος εἰς σὴν κ. [B  
 διάνοιαν] (4 α)  
 — 21. φύλασσε αὐτοὺς ἐν [A S<sup>2</sup> ἐν σῇ] καρ-  
 δίᾳ (4 β)  
 — 23. πάση φυλακῇ τηρεῖ σὴν κ. (4 α)  
 5. 12. ἐλέγχους ἐξέκλινεν ἡ κ. μου (4 α)  
 6. 14. διεστραμμένη καρδιά τεκταινεται [B<sup>2</sup> κατα-  
 σκευάζει] κακῶς (4 α)  
 — 18. καρδιά τεκταινομένη λογισμοὺς κακοῦς (4 α)  
 7. 3. ἐπύρανον δὲ ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. σου (4 α)  
 — 10. ἡ ποιεῖ νέων ἐξίπτασθαι καρδίας (4 α)  
 — 25. μὴ ἐκκλινῇ εἰς τὰς ὁδοὺς αὐ. ἡ κ. σου (4 α)  
 8. 5. οἱ δὲ ἀπαιδευτοὶ ἐνθεσθε καρδίας (4 α)  
 10. 8. σοφὸς καρδιά δέξεται ἐντολὰς (4 α)  
 — 20. καρδιά δὲ ἀσεβοῦς ἐκλείπει (4 α)  
 — 22. οὐ μὴ προστεθῇ αὐτῇ λύπη ἐν καρδίᾳ †  
 — 24. A καρδιά δὲ ἀσεβοῦς ἐκλείπει -  
 12. 20. δόλος ἐν καρδίᾳ τεκταινομένου κακῶς (4 α)  
 — 23. καρδιά δὲ ἀφρόνων συναντήσεται ἀραῖς (4 α)  
 — 25. φοβερός λόγος καρδίας ταράσσει (4 α)  
 13. 12. κρίσειςων ἐνορχήμενος βοήθων [A S<sup>2</sup>  
 -θείν] καρδίᾳ (4 α)  
 14. 10. καρδιά ἀνδρός αἰσθητικῇ λυπηρὰ ψυχῇ  
 αὐτοῦ (4 α)  
 — 30. πρᾶθυμος ἀνὴρ καρδίας ἱατρὸς σῆς δὲ  
 ὁστέων καρδιά αἰσθητικῇ (4 α, †)  
 — 33. ἐν καρδίᾳ ἀγαθῷ ἀνδρὶ [S<sup>2</sup> ἀναπαύσεται]  
 σοφία ἐν δὲ καρδίᾳ ἀφρόνων οὐ  
 διαγιγνώσκεται (4 α, 8)  
 15. 7. καρδιά δὲ ἀφρόνων οὐκ ἀσθαλεῖς (4 α)  
 — 11. πῶς οὐκ αἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (4 α)  
 — 13. καρδίας εὐφρανομένης πρόσσωπον θάλ-  
 λει (4 α)  
 — 14. καρδιά ὀρθῇ ζητεῖ αἴσθησιν (4 α)  
 — 22. ἐν δὲ καρδίᾳ βουλευομένων μένει  
 βουλή † (4 α)  
 — 28. καρδίας [S<sup>1</sup> -q] δικαίων μελετῶσι πίστει (4 α)  
 16. 1 (9). καρδιά ἀνδρός λογίεσθαι δίκαια (4 α)  
 — 2 (15. 30.) θεωρῶν ὀφθαλμοὶ καλὰ εὐφραι-  
 νει καρδίαν (4 α)  
 — 23. καρδιά σοφοῦ νοήσῃ τὰ ἀπὸ τοῦ ἰδίου  
 στόματος (4 α)  
 17. 3. οὕτως ἐκλεκταὶ καρδίας [B<sup>1</sup> καρδιά ἐκλέ-  
 γεται] παρὰ κυρίῳ (4 α)  
 — 10. συντρίβει ἀπειλὴ καρδιὰν φρονίμου †  
 — 21. καρδιά δὲ ἀφρόνων ὀδύνῃ †  
 — 22. καρδιά εὐφρανομένη ἐνεκτεῖν ποιεῖ (4 α)  
 18. 4. ὕδωρ βαθὺ λόγος ἐν καρδίᾳ ἀνδρός †  
 — 12. πρὸ συντρίβης ὑψοῦται καρδιά ἀνδρός (4 α)  
 — 15. καρδιά φρονίμου κτᾶται αἴσθησιν (4 α)  
 — 22 (19. 3). τὸν δὲ θεὸν ἀντιᾶται τῇ κ. αὐ. (4 α)  
 19. 21. πολλοὶ λογισμοὶ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (4 α)  
 20. 5. ὕδωρ βαθὺ βουλὴ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (4 α)  
 — 9. τίς καυχῆται ἀγνὴν ἔχειν τὴν κ. (4 α)  
 21. 1. οὕτως καρδιά βασιλέως ἐν χειρὶ θεοῦ (4 α)  
 — 2. κατευθύνει δὲ καρδίας κύριος (4 α)  
 — 12. συνίει δίκαιος καρδίας ἀσεβῶν †  
 22. 11. ἀπαθὴ κύριος ὁσίας καρδίας (4 α)  
 — 15. ἀνοία ἐξήπτα καρδίας [A B<sup>2</sup> S<sup>1</sup> -q, S<sup>2</sup> ἐν  
 κ.] νέου (4 α)  
 — 17. τὴν δὲ σὴν κ. ἐπίστησον (4 α)  
 — 18. εἰς ἐμβάλῃς αὐτοὺς εἰς τὴν κ. σου (1)  
 — 20. A ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. [B S<sup>2</sup> ψυχῆς]  
 σου -  
 28. 12. δὸς εἰς παιδείαν τὴν κ. σου (4 α)  
 — 15. εἰς σοφίαν γίνῃται σου ἡ κ. εὐφρανεῖς  
 καὶ τὴν ἑμὴν κ. (4 α, 4 α)  
 — 17. μὴ ζήλωτός ἡ κ. σου ἀμαρτωλοῦς (4 α)  
 — 19. κατευθύνει ἐνοσίαν σῆς κ. (4 α)  
 — 26. δὸς μοι, υἱέ, σὴν κ. (4 α)  
 — 34. κατακτεῖς ὥστερ ἡ κ. καρδιά θαλάσσης (4 α)  
 24. 2. φευδὴ γὰρ μελετᾷ ἡ κ. αὐτῶν (4 α)  
 — 6. βοήθεια δὲ μετὰ καρδίας βουλευτικῆς †  
 — 12. κύριος καρδίας πάντων γινώσκει (4 α)  
 25. 3. καρδιά δὲ βασιλέως ἀνεξέλεγκτος (4 α)  
 — 20. οὕτως προσέσπον πάθος . . . καρδιὰν  
 λυπεῖ -  
 — 20. οὕτως λίπη ἀνδρός βλάπτει καρδιὰν (4 α)  
 Pr. 26. 23. χεὶρ λεία [B δόλια] καρδιὰν καλύπτει  
 λυπηρὰν (4 α)  
 — 24. ἐν δὲ τῇ κ. τεκταινεται δόλος [A<sup>1</sup> S<sup>1</sup> al.] (8)  
 — 25. A ἐπὶ γὰρ εἰσι πονηρία ἐν τῇ κ. [B S<sup>2</sup>  
 ψυχῇ] αὐτοῦ (4 α)  
 27. 9. μύροις καὶ οἶνους . . . τέρεται καρδιά (4 α)  
 — 11. ἵνα σου εὐφραίνηται ἡ κ. (4 α)  
 — 19. A S<sup>2</sup> οὕτως οὐδὲ αἱ κ. [B S<sup>1</sup> διάνοιαι,  
 S<sup>1</sup> add. ὁμοίαι] τῶν ἀνθρώπων (4 α)  
 — 21. A S<sup>2</sup> καρδιά ἀνόμου ἐκζητεῖ κακὰ καρδιά  
 δὲ εὐθείς ἐκζητεῖ [B ζητεῖ] γνῶσιν -, -  
 — 23. ἐπιστήσεις καρδιὰν σου σοῖς ἀγέλαις (4 α)  
 28. 14. ὁ δὲ σκληρὸς τὴν κ. ἐμπεσείται κακοῖς (4 α)  
 — 26. ὅς πέποιθε θρασεία κ. ὁ τοιοῦτος ἄφρων (4 α)  
 31. 11. A S<sup>2</sup> θαρσεῖ ἐπ' αὐτὴν [B -q] ἡ κ. τοῦ  
 ἀνδρός αὐτῆς (4 α)  
 Ec. 1. 13. ἔδωκα τὴν κ. μου τοῦ ἐκζητῆσαι (4 α)  
 — 16. ἐλάλησα ἐγὼ ἐν τῇ κ. μου (4 α)  
 — 16 (17). ἔδωκα καρδιὰν μου τοῦ γινῶναι  
 [B ἐπινῶν] (4 α)  
 — 17 (16). καὶ καρδιά [S<sup>1</sup> -αν] μου εἶδε πολλά (4 α)  
 2. 1. εἶπον ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 α)  
 — 3. ἡ κ. μου ἐλκύσει . . . τὴν τάρκα μου (4 α)  
 — 3. καρδιά μου ὠδήγησεν [S<sup>1</sup> ὠδ. με] ἐν  
 σοφίᾳ (4 α)  
 — 10. οὐκ ἀπεκώλυσα τὴν κ. μου (4 α)  
 — 10. καρδιά μου εὐφρανθή (4 α)  
 — 15. εἶπα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 α)  
 — 15. ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου (4 α)  
 — 20. τοῦ ἀποτάξασθαι τὴν κ. [A S<sup>2</sup> τῇ κ.]  
 μου (4 α)  
 — 22. ἐν προαιρέσει καρδίας αὐτοῦ (4 α)  
 — 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμᾶται ἡ κ. αὐτοῦ (4 α)  
 8. 11. σύμπαντα [A S<sup>2</sup> συν] τὸν αἰῶνα ἔδωκεν  
 ἐν καρδίᾳ αὐτῶν [A -οῦ] (4 α)  
 — 17. εἶπα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 α)  
 — 18. εἶπα ἐγὼ [S<sup>1</sup> ἐπάγω] ἐν καρδίᾳ μου (4 α)  
 5. 1. καρδιά σου μὴ ταχυνᾶτω (4 α)  
 — 19. ὁ θεός περιεσπᾷ αὐτὸν ἐν εὐφροσύνῃ  
 καρδίας αὐτοῦ (4 α)  
 7. 3 (2). δώσει ἀγαθὸν εἰς καρδιὰν [A ἐν καρ-  
 δίᾳ] αὐτοῦ (4 α)  
 — 4 (3). A S<sup>2</sup> ἀγαθυνθήσεται καρδιά [B om.] (4 α)  
 — 5 (4). καρδιά σοφῶν ἐν οἴκῳ πένθους (4 α)  
 — 5 (4). καρδιά ἀφρόνων ἐν οἴκῳ εὐφροσύνης (4 α)  
 — 8 (7). ἀπόλλυσιν τὴν κ. εὐγενείας [A S<sup>2</sup> εὐτο-  
 νίας] αὐτοῦ (4 α)  
 — 22 (21). μὴ θῆς [S<sup>2</sup> δῶς] καρδιὰν σου (4 α)  
 — 23 (22). A S<sup>2</sup> καθόδοις πολλὰς κακώσει  
 καρδιὰν [B -ia] σου (4 α)  
 — 26 (25). ἐκύκλωσα ἐγὼ καὶ ἡ κ. μου (4 α)  
 — 27 (26). σαγήνη καρδιά αὐτῆς (4 α)  
 8. 5. καιρὸν κρίσεως γινώσκει καρδιά σοφοῦ (4 α)  
 — 9. ἔδωκα τὴν κ. μου εἰς πᾶν τὸ ποίημα (4 α)  
 — 11. ἐπληροφόρησθαι καρδιά νιῶν τοῦ ἀνθρ. (4 α)  
 — 16. ἔδωκα τὴν κ. μου (4 α)  
 — 17 (9. 1). B σύμπαν τούτῳ ἔδωκα εἰς καρδιὰν  
 μου καὶ καρδιά μου σύμπαν ἴδον  
 τούτῳ [A S<sup>2</sup> al.] (4 α, †)  
 9. 3. καὶ γε καρδιά νιῶν τοῦ ἀνθρώπου ἐπλη-  
 ρώθη πονηροῦ καὶ περιφέρεια ἐν  
 καρδίᾳ αὐτῶν (4 α, 4 β)  
 — 7. πῖε ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ οἶνον σου (4 α)  
 10. 2. καρδιά σοφοῦ εἰς δεξιὸν αὐ. καὶ καρδιά  
 ἀφρόνων εἰς ἀριστερὸν αὐ. (4 α, 4 α)  
 — 3. καρδιά αὐτοῦ ὑστερήσει (4 α)  
 11. 9. ἀγαθυνάτω σε ἡ κ. σου (4 α)  
 — 9. A S<sup>2</sup> B περιπάτει ἐν ὁδοῖς καρδίας σου  
 [B om. κ. σου] ἄμωμος (4 α)  
 — 10. ἀπόστησον θυμὸν ἀπὸ καρδίας σου (4 α)  
 Ca. 8. 11. ἐν ἡμέρᾳ εὐφροσύνης καρδίας αὐ. (4 α)  
 5. 2. ἐγὼ καθεῖδω καὶ ἡ κ. μου ἀγρυπνεῖ (4 α)  
 8. 6. θές με ὡς σφραγίδα ἐπὶ τῇ κ. σου (4 α)  
 Wi. 1. 1. ἐν ἀπλότῃ καρδίᾳ ζητήσατε αὐτὸν  
 — 6. τῆς κ. αὐτοῦ ἐπίσκοπος ἀλήθης  
 2. 2. ὁ λόγος σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν  
 8. 17. φροντίσας ἐν καρδίᾳ μου  
 — 20. εἶπον ἐξ ὧν τῆς κ. μου  
 15. 10. σποδὸς ἡ κ. αὐτοῦ  
 Si. 1. 12. φόβος κυρίου τέψει καρδιὰν  
 — 27. μὴ προσέλθῃς αὐτῷ ἐν καρδίᾳ δισσῇ  
 — 30. ἡ κ. σου πλήρης δόλου  
 2. 2. ἐβύθυνον τὴν κ. σου  
 — 12. οὐαὶ καρδίας δειλαῖς καὶ χερσὶ παρειμέναις  
 — 13. οὐαὶ καρδιά παρειμένη  
 — 17. ἐτοιμάσουσι καρδίας αὐτῶν

- Si. 8. 26. καρδιά σκληρά κακοθήσεται ἐπ' ἐσχάτων  
— 26. Β κ. σκληρά βαρυνθήσεται ἐπ' ἐσχάτων  
— 27. καρδιά σκληρά βαρυνθήσεται πόνοις  
— 29. καρδιά συνετοῦ διανοηθήσεται παραβολὴν  
[B<sup>1</sup> ἐν παραβολῇ]  
4. 3. καρδιαν παροργισμένην μὴ προστάρῃς  
5. 2. B B<sup>2</sup> τοῦ πορευομένου ἐν ἐπιθυμίαις καρδίας σου  
6. 37. αὐτὸς στήριξέ την κ. σου  
7. 27. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ [A δυναμί, A B add. σου]  
δόξασον τὸν παντὶ σου  
8. 2. καρδιάς βασιλέων ἐξέκλινε  
— 19. παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἐκφαίνε σὴν κ. [A B κ. σου]  
9. 1. B μὴ δὲ διδάξῃς ἐπὶ σεαυτὸν καρδιαν [A B παιδείαν] ποιηράν  
10. 12. ἀπὸ τοῦ ποιήσαντος αὐτὸν ἀπέστη ἡ κ. αὐ.  
11. 30. οὕτως καρδιά υπερφάνου  
12. 16. ἐν τῇ [B<sup>1</sup> om.] κ. αὐτοῦ βουλεύεται  
13. 25. καρδιά ἀνθρώπου ἀλλοιοῦ τὸ πρόσωπον αὐ.  
— 26. ἴχνος καρδίας ἐν ἀγαθοῖς πρόσωπον Ἰλαρόν  
14. 21. ὁ διανοούμενος τὰς ὁδοὺς αὐ. ἐν καρδίᾳ αὐ.  
16. 20. ἐπ' αὐτοῖς οὐ διανοηθήσεται καρδιά  
— 23. ἐλαττωμένοι καρδίᾳ διανοεῖται ταῦτα  
— 24. ἐπὶ τῶν λόγων μου πρόσχετῃ τῇ κ. σου  
17. 6. καρδιαν ἔδωκε διανοεῖσθαι αὐτοῖς  
8. ἔθηκε τὸν ὁφθ. αὐ. ἐπὶ τὰς κ. αὐ.  
19. 4. ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κοῖφος καρδίᾳ  
— 5. ὁ ἐμφραίνόμενος καρδίᾳ [B<sup>1</sup> ποιηρά] καταγνωσθήσεται  
— 6. ὁ μὲν Ἀλιάν ἐλαττονοῦται καρδίᾳ [B B κακίᾳ]  
21. 6. ἐπιστρέψει ἐν καρδίᾳ  
— 17. τοὺς λόγους αὐ. διανοηθήσεται ἐν καρδίᾳ  
— 26. ἐν στόματι μωρῶν ἡ [B<sup>1</sup> ἐν] κ. αὐ. καρδιά δὲ σοφῶν [A φρονιμῶν] στόμα αὐτῶν  
22. 16. κ. ἐστηρικμένη ἐπὶ διανοήματος βουλή  
— 17. κ. ἡδραμένη ἐπὶ διανοίας [A B<sup>2</sup> -q] συν-  
— 18. καρδιά διελή ἐπὶ διανοήματος μωροῦ  
— 19. ὁ νύσσων καρδιὰν ἐκφραίνει αἰσθησιν  
23. 2. τίς ἐπιθήσει ... ἐπὶ τῆς κ. μου παιδείαν σοφίας  
25. 7. ἐνεία ὑπονοήματα ἐμακάρισα ἐν καρδίᾳ [A τῇ κ. A B add. μου]  
— 13. πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας  
— 23. καρδιά ταπεινὴ ... καὶ πληγὴ καρδίας γυνὴ ποιηρά  
26. 4. πλουσίῳ δὲ καὶ πτωχοῦ καρδιά ἀγαθὴ  
— 5. ἀπὸ τριῶν ἐλθάσῃ ἡ [A om.] κ. μου  
— 6. ἄλλος καρδίας καὶ πένθος γυνὴ ἀντίχλος ἐπὶ γυναικί  
— 28. ἐπὶ δυοὶ λαλήσεται ἡ κ. μου  
27. 6. οὕτως λόγος ἐνθυμήματος καρδίας [A -a] ἀνθρώπου  
30. 16. οὐκ ἔστιν εὐφροσύνη ὑπὲρ χαρὰν [A B<sup>1</sup> χάρις] καρδίας  
— 22. εὐφροσύνη καρδίας ὡς ἀνθρώπου  
— 23. παρακάλεε τὴν κ. σου  
81 (34). 5. ὡς ὠδονοῦσης φαντάζεται καρδιά  
— 6. μὴ ὄφει εἰς αὐτὰ τὴν κ. σου  
33. 13 (30. 27). λαμπρά καρδιά καὶ ἀγαθὴ  
34 (31). 26. οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μίχῃ υπερφάνων  
— 28. ἀγαλλίαμα καρδίας καὶ εὐφροσύνη ψυχῆς  
36. 24 (21). οὕτως καρδιά συνετὴ λόγους ψευδεῖς  
— 25 (22). καρδιά στρεβλὴ δώσει λύπην  
37. 13. βουλὴν καρδίας [B<sup>1</sup> -αν] στήσων  
— 17. ἴχνος ἀλλοιώσεως καρδίας [B<sup>1</sup> B<sup>1</sup> -a]  
38. 10. ἀπὸ πάσης ἀμαρτίας καθάρισον καρδιαν  
— 18. λύπη καρδίας κάμψει ἰσχυρὴν  
— 19. βίος πτωχοῦ κατὰ καρδίαν  
— 20. μὴ ὄφει εἰς λύπην τὴν κ. σου  
— 26. καρδιαν αὐτοῦ δώσει ἐκδοῦναι σιλακας  
— 27. καρδιαν αὐτοῦ δώσει εἰς ὁμοίωσις ζωγραφίαν  
— 28. καρδιαν αὐτοῦ δώσει εἰς συντελείαν ἔργων  
— 30. καρδιαν ἐπιδώσει [B αὐτοῦ δώσει] συντελέ-  
— σαι τὸ χρίσμα [B<sup>1</sup> χρίσμα]  
39. 5. τὴν κ. αὐτοῦ ἐπιδώσει ὀρθρίαις πρὸς κύριον  
— 35. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε  
40. 2. τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν καὶ φόβον καρδίας  
— 6. θεοβουλημένος ἐν ὁράσει [B<sup>2</sup> ὁράσει] καρδίας αὐτοῦ  
— 20. οἶνος καὶ μουσικὰ εὐφραίνουσι καρδιαν  
— 26. χρήματα καὶ ἰσχυρὰ ἀνυψώσουσι καρδιαν  
42. 18. ἀβυσσον καὶ καρδιαν ἐξίχνησε  
43. 18. ἐπὶ τοῦ ὑέτου αὐτῆς ἐκστήσεται καρδιά

- Si. 45. 26. δὴν ὑμῶν σοφίαν ἐν καρδίᾳ ὑμῶν  
46. 11. ὅσων οὐκ ἐξεπρόκρινεν ἡ κ.  
47. 8. ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὕμνησε  
48. 10. ἐπιστρέψει καρδιαν πατρὸς πρὸς υἱόν  
— 19. ἐσαλεύθησαν καρδιά καὶ χεῖρες αὐτῶν  
49. 3. κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν κ. [A ὁδὸν] αὐ.  
50. 23. δὴν ἡμῶν εὐφροσύνην καρδίας [B<sup>1</sup> -αν]  
— 27. ἀνώμωβησε σοφίαν ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ  
— 28. ὁ θεὸς αὐτὰ ἐπὶ καρδιαν αὐτοῦ  
51. 15. εὐφράνηθι ἡ κ. μου ἐν αὐτῇ  
— 20. καρδιαν ἐκτράφηκεν μετ' αὐτῶν [A -ῆς]  
Ho. 2. 14 (16). καὶ λαλήσω ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς (4 a)  
4. 11. μέθυσα μὲν ἔδεξο καρδιά λαοῦ μου (4 a)  
7. 2. ὅπως συνάδωσιν ὡς φθοντες τῇ κ. αὐ. [A al.] (4 b)  
— 6. διότι ἀνκαύθησαν ὡς κλίβανος αἱ κ. αὐ. (4 a)  
— 7. ὡς κλίβανος [A add. πυρὸς καιομένου αἱ κ. αὐ.] —  
— 11. ὡς περιστέρα ἄνους οὐκ ἔχουσα καρ-  
— διαν (4 a)  
— 14. καὶ οὐκ ἐβόησαν πρὸς μέ αἱ κ. αὐτῶν (4 a)  
10. 2. ἐμέρισαν καρδίας αὐτῶν (4 a)  
11. 8. μετεστράφη ἡ καρδιά μου ἐν τῷ αὐτῷ (4 a)  
13. 6. καὶ ὑψώθησαν αἱ κ. αὐτῶν (4 a)  
— 8. καὶ διαρρήξω συγκλεισμένην καρδίαν αὐ. (4 a)  
Am. 2. 16. ὁ κραταῖος οὐ μὴ [A om. ὁ κρ. οὐ μὴ, B<sup>2</sup> om. οὐ μὴ] εὐρήσει τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)  
Jl. 2. 12. ἐπιστρέψατε πρὸς μέ ἐξ ὅλης τῆς κ. ὑμῶν (4 b)  
— 13. καὶ διαρρήξτε τὰς κ. ὑμῶν (4 b)  
Ob. 1. 3. υπερφάνια τῆς κ. σου ἐπὶ ἡμέρᾳ σε (4 a)  
— 3. λέγων ἐν καρδίᾳ [A τῇ κ.] αὐτοῦ (4 a)  
Jn. 2. 4. ἀπερίφραστὸς με εἰς βάθῃ καρδίας θαλάσσης (4 b)  
Na. 2. 7 (8). περιστέρα φθγγόμενα ἐν καρ-  
— διᾳ [A τὰς κ.] αὐτῶν (4 b)  
— 10 (11). ἐκβρασμοὶ καὶ καρδίας θραυσμοί (4 a)  
Hb. 1. 15. χαρήσεται ἡ κ. αὐ. [B<sup>2</sup> om. ἡ κ. αὐ.] —  
2. 16. καρδιά σαλεύσῃ καὶ σεισθήσῃ [B<sup>2</sup> al.] —  
3. 16. ἐπὶ τῇ κ. αὐ. [B<sup>2</sup> καρδιά] μου ἀπὸ φωνῆς (1)  
Ze. 1. 12. οἱ δὲ λέγοντες ἐν ταῖς κ. αὐτῶν [A om. ἐν τ. κ. αὐ.] (4 b)  
3. 1 (2. 15). ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ αὐτῆς (4 b)  
— 14. κατατρέπει ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου (4 a)  
Hg. 1. 5. τάξτε δὴ τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (4 b)  
— 7. θέσθε τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (4 b)  
2. 16 (15). θέσθε δὴ εἰς [A B<sup>2</sup> ἐπὶ] τὰς κ. ὑμῶν (4 b)  
— 19 (18). ὑποτάξατε [A B<sup>2</sup> τάξατε] δὴ τὰς κ. ὑμῶν (4 b)  
— 19 (18). θέσθε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν (4 b)  
Za. 7. 10. κακίαν ... μὴ μνησικακίῳ ἐν ταῖς κ. ὑμῶν (4 b)  
— 12. καὶ τὴν κ. [B<sup>1</sup> τὰς κ.] αὐτῶν ἔτασαν ἀπειθῇ (4 a)  
8. 17. κακίαν ... μὴ λογίσεσθε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν (4 b)  
10. 7. καὶ χαρήσεται ἡ κ. αὐτῶν ὡς ἐν οὐνῳ (4 a)  
— 7. καὶ χαρήσεται ἡ κ. αὐτῶν [A αὐτῷ ἡ κ.] ἐπὶ τῷ κυρίῳ (4 a)  
12. 5. ἐροῦσιν οἱ χυλίστροι 'Ι. ἐν ταῖς κ. αὐ. (4 a)  
Ma. 1. 1. θέσθε δὴ ἐπὶ τὰς κ. ὑμῶν —  
2. 2. ἐὰν μὴ θῆσθε εἰς τὴν κ. ὑμῶν [B<sup>2</sup> al.] (4 a)  
2. 16. οὐ τίθεσθε εἰς [B<sup>2</sup> ἐπὶ] τὴν κ. ὑμῶν (4 a)  
4. 6 (3. 24). ἀποκαταστήσει καρδιαν πατρὸς πρὸς υἱὸν καὶ καρδιαν ἀνθρώπου πρὸς τὸν πλησίον αὐ. (4 a, 4 b)  
Is. 1. 5. πᾶσα κ. εἰς λύπην (4 b)  
6. 10. ἐπαχύνθη γὰρ ἡ κ. τοῦ λαοῦ τούτου ... καὶ τῇ κ. συνῶσι (4 a, 4 b)  
9. 9 (8). ἐφ' [B ἐν] ὕβρει καὶ ὑψηλῇ καρδίᾳ (4 b)  
14. 13. B εἶπας ἐν [B om.] τῇ κ. [A B διανοίᾳ] σου (4 b)  
15. 5. ἡ κ. τῆς Μωαβίτιδος βοᾷ ἐν αὐτῇ (4 a)  
19. 1. ἡ κ. αὐτῶν ἠτηθήσεται ἐν αὐτοῖς [A al.] (4 b)  
21. 4. ἡ κ. μου πλανᾷται (4 b)  
29. 13. ἡ δὲ κ. αὐτῶν πόρρω ἀπέχει ἀπ' ἐμοῦ (4 a)  
32. 4. A ἡ κ. τῶν ἀσθενῶν προσεῖξε τοῦ ἀκούειν [B S al.] (4 b)  
— 6. ἡ κ. αὐ. μάταια νοήσει (4 a)  
38. 3. ἐπορεύθη ... ἐν καρδίᾳ ἀληθινῇ (4 a)  
40. 2. λαλήσατε εἰς τὴν κ. Ἱερουσαλὴμ (4 a)  
44. 18. τοῦ νοήσαι τῇ κ. αὐτῶν (4 a)  
— 19. A B οὐκ ἐλογίσαστο τῇ κ. [B ψυχῇ] (4 a)  
— 20. σποδὸς ἡ κ. αὐ. (4 a)

- Is. 44. 25. τίς ἕτερος διασκεδάσει ... ματείας ἀπὸ καρδίας [A al.] (4 a)  
46. 8. ἐπιστρέψατε τῇ κ. (4 a)  
— 12. ἀκούσατε μου αἱ ἀπολωλέκοτες τὴν κ. (4 a)  
47. 7. οὐκ ἐνόησας ταῦτα ἐν τῇ κ. σου (4 a)  
— 8. ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ [A B<sup>2</sup> τῇ κ.] αὐτῆς (4 b)  
— 10. εἶπας τῇ κ. σου (4 a)  
49. 21. ἐρεῖς ἐν τῇ κ. σου (4 b)  
51. 7. λαὸς οὐ ὁ νόμος μου ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν (4 a)  
57. 1. οὐδεὶς ἐκδέχεται [B ... ἐκδ.] τῇ κ. (4 a [9])  
— 11. οὐδὲ ἑλαβες με ... εἰς τὴν κ. σου (4 a)  
— 15. διδοὺς ζῶν τοῖς συντετριμμένοις τὴν κ. (4 a)  
— 17. ἐπορεύθη στυγρὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς [B<sup>2</sup> τῇ κ.] αὐ. (2+4 a)  
59. 13. ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους ἀδικούς (4 a)  
— 21. B<sup>1</sup> ἂ ἔδωκα εἰς τὴν κ. [A B S<sup>2</sup> τὸ στόμα] σου (4 a)  
60. 5. ἐκστήσῃ τῇ κ. (4 b)  
61. 1. λάσσοσθαι τοὺς συντετριμμένους τὴν κ. [A B τῇ κ.] (4 a)  
63. 17. ἐσκληρύνουν τὰς κ. ἡμῶν (4 a)  
65. 14. κεκράσθη διὰ τὸν πόνον τῆς κ. ὑμῶν (4 a)  
— 16. οὐκ ἀναβήσεται αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. (4 a)  
— 17. οὐ μὴ ἐπὶ τὴν αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. (4 a)  
66. 14. χαρήσεται ἡ κ. ὑμῶν (4 a)  
Je. 3. 10. οὐκ ἐπιστρέψῃ [A απ.] ... ἐξ ὅλης τῆς κ. αὐτῆς (4 a)  
— 15. δώσω ὑμῖν ποιμένας κατὰ τὴν κ. μου (4 a)  
— 16. οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κ. (4 a)  
— 17. τῶν ἐνθυμῶν [A ἐπιθ.] τῆς κ. αὐ. τῆς πον. (4 a)  
4. 9. ἀπολείται ἡ κ. τοῦ βασιλέως καὶ ἡ κ. τῶν ἀρχόντων (4 a, 4 a)  
— 14. ἀπέπλυνε ἀπὸ κακίας τὴν κ. σου (4 a)  
— 18. ἤφατο ὡς τῆς κ. σου (4 a)  
— 19. τὰ αἰσθητήρια τῆς κ. μου (4 a)  
— 19. A B S<sup>2</sup> σπαράσσεται ἡ κ. μου (4 a)  
5. 23. τῷ λαῷ τούτῳ ἐγενήθη κ. ἀνέκτος καὶ ἀπειθῆς (4 a)  
— 24. οὐκ εἶπον ἐν τῇ κ. αὐτῶν (4 b)  
7. 24. τοῖς ἐνθυμῶσι [A ἐπιθ.] τῆς κ. [B<sup>1</sup> τῶν κ.] αὐτῶν τῆς κακῆς (4 a)  
— 31. οὐ διανοήθη ἐν τῇ κ. μου (4 a)  
8. 18. μετ' ὀδύνης καρδίας ὑμῶν ἀπορομένης (4 a)  
9. 8 (7). A βολίς τιρώσκουσα ἡ κ. [B B γλώσσα] αὐτῶν (4 a)  
— 14 (13). τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς κ. αὐ-  
— τῶν τῆς κακῆς (4 a)  
— 26 (25). πᾶς οἶκος Ἰσραὴλ ἀπερίτμητοι [A B -os] καρδίας αὐτῶν (4 a)  
11. 20. δοκιμῶν νεφροὺς καὶ καρδίας (4 a)  
12. 3. δοκιμάσας τὴν κ. μου ἐναντίον σου (4 a)  
— 11. οὐκ ἔστιν ἀνὴρ τιθέμενος ἐν καρδίᾳ (4 a)  
13. 22. ἐὰν εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 b)  
14. 14. προαίρεσις καρδίας αὐτῶν (4 a)  
15. 16. εἰς εὐφροσύνην καὶ χαρὰν καρδίας μου (4 b)  
16. 12. τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς κ. ὑμῶν (4 a)  
— τῆς ποιητῆς (4 a)  
17. 5. καὶ ἀπὸ κυρίου ἀποστῇ ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)  
— 9. βιβθεῖα ἡ κ. παρὰ πάντα (4 a)  
— 10. ἐγὼ κύριος ἐτάζων καρδίας (4 a)  
18. 12. τὰ ἀρεστὰ τῆς κ. αὐτοῦ τῆς ποιητῆς (4 a)  
19. 5. οὐδὲ διανοήθη ἐν τῇ κ. μου (4 a)  
20. 12. συνίων νεφροὺς καὶ καρδίας (4 a)  
22. 17. οὐδὲ ἡ κ. σου καλὴ (4 a)  
23. 9. συνετρίβῃ ἡ κ. μου ἐν ἑμοί (4 a)  
— 16. ἀπὸ καρδίας αὐτῶν λαλοῦσι (4 a)  
— 17. παντὶ τῷ πορευομ. πλὴν καρδίας αὐ. (4 a)  
— 20. ἀπὸ ἐγγυρημάτων καρδίας αὐτῶν (4 a)  
— 26. A B ὡς πότε ἔσται ἐν καρδίᾳ τῶν προφητῶν ... ἐν τῷ προφητεῖν αὐτοὺς τὰ θελήματα τῆς [B S om.] κ. αὐ. (4 a, 4 a)  
24. 7. δώσω αὐτοῖς καρδιαν τοῦ εἰδένα αὐτοὺς ἐμὲ ... ἐπιστραφίσκονται ἐπ' ἐμὲ ἐξ ὅλης τῆς κ. αὐτῶν (4 a, 4 a)  
28 (51). 50. Ἱερ. ἀναβίτω ἐπὶ τὴν κ. ὑμῶν (4 b)  
29 (49). 16. ἱταμία καρδίας σου κατέλυσε τρυ-  
— μαλίας πετρῶν (4 a)  
— 22. ἔσται ἡ κ. τῶν ἰσχυρῶν τῆς Ἰδουμαίας ... ὡς κ. γυναικὸς ὠδονοῦσης (4 a, 4 a)  
31 (48). 29. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)  
— 36. κ. τοῦ Μωάβ ὥσπερ αἰλὸς βομβήσουσι κ. μου ἐπ' ἀνθρώπους ... βομβήσουσι (4 a, 4 a)  
36 (29). 13. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ὑμῶν [A om.] (4 b)

Je. 37 (80). 21. δε ἔδωκε τὴν κ. αὐτοῦ ἀποστρέψαι [A ἐπιστ.] πρὸς μέ (4 a)  
 — 24. ἐγχειρίσμα καρδίας αὐτοῦ (4 a)  
 38 (81). 21. δὸς καρδίαν σου εἰς τοὺς ὄμους (4 a)  
 — 33. δώσω νόμους μου εἰς τὴν διάνοιαν [B<sup>1</sup> καρδίαν] αὐ. καὶ ἐπὶ καρδίας [A τὰς κ., B -αν] αὐ. γράψω [A ἐπιγρ.] αὐτοὺς (8, 4 a)  
 39 (82). 35. οὐκ ἀνέβη ἐπὶ καρδίαν [A τὴν κ.] μου (4 a)  
 — 39. δώσω αὐτοῖς . . . καρδίαν ἐτέραν (4 a)  
 — 40. τὸν φόβον μου δώσω εἰς τὴν κ. αὐτῶν (4 b)  
 — 41. φυτεῖσω αὐτοὺς . . . ἐν πάσῃ κ. [B<sup>1</sup> αὐ.] (4 a)  
 51 (44). 21. ἀνέβη ἐπὶ τὴν [B<sup>1</sup> om.] κ. αὐτοῦ (4 a)  
 Ba. 1. 22. φέχομεθα ἕκαστος ἐν διανοίᾳ καρδίας αὐτοῦ [A ἡμῶν] τῆς ποιητῆς  
 2. 8. τοῦ ἀποστρέψαι ἕκαστον ἀπὸ τῶν νοημάτων τῆς κ. αὐ. τῆς ποιητῆς  
 — 30. ἐπιστρέφουσιν ἐπὶ καρδίαν αὐτῶν  
 — 31. δώσω αὐτοῖς καρδίαν καὶ ὅσα ἀκούοντα  
 3. 7. ἔδωκα τὸν φόβον σου ἐπὶ καρδίαν ἡμῶν . . . ἀπεστρέφωμεν ἀπὸ καρδίας [A B<sup>1</sup> ἐπὶ καρδίαν] ἡμῶν πᾶσαν ἀδικίαν  
 La. 1. 20. ἡ κ. μου ἐστράφη ἐν ἐμοί (4 a)  
 — 22. ἡ κ. μου λυπεῖται (4 a)  
 2. 11. ἐταράχθη ἡ κ. μου (6)  
 — 18. ἐβόησε κ. αὐτῶν πρὸς κύριον (4 a)  
 — 19. ἔκχεον ὡς ὕδωρ καρδίαν σου (4 a)  
 3. 21. ταῦτην τάζω εἰς τὴν κ. μου (4 a)  
 — 33. οὐκ ἀπεκρίθη ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (4 a)  
 — 41. ἀναλάβωμεν καρδίαν ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν πρὸς ὑψηλόν (4 b)  
 — 65. ἀποδώσεις αὐτοῖς ὑπερασπισμὸν καρδίας μόχθον (4 a)  
 5. 15. κατέλυσε χαρὰ καρδίας ἡμῶν (4 a)  
 — 17. ἐγενήθη ὁδὸν [A om.] ὁδωγηρὰ ἡ κ. ἡμῶν (4 a)  
 Ep. Je. 20. τὰς δὲ κ. αὐτῶν φασιν ἐκλείχθαι τῶν ἀπὸ τῆς γῆς ἱερπετῶν  
 Ez. 3. 10. πᾶντας τοὺς λόγους . . . λάβε εἰς τὴν κ. σου (4 b)  
 6. 9. ὁμώμοκα τῇ κ. αὐτῶν (4 a)  
 11. 19. δώσω αὐτοῖς κ. ἑτέραν (4 a)  
 — 19. ἐκσπᾶσω τὴν κ. τὴν λιθίνην ἐκ τῆς σαρκὸς αὐτῶν (4 a)  
 — 20. δώσω αὐτοῖς καρδίαν σαρκίνην (4 a)  
 — 21. εἰς τὴν κ. [A κατὰ τὰς κ.] τῶν βδελυγμάτων αὐτῶν (4 a)  
 — 21. ὡς ἡ κ. αὐτῶν ἐπορευέτο (4 a)  
 13. 2. A τοῖς προφῆταις τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν (4 a)  
 — 3. οὐαὶ τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν †  
 — 17. τὰς προφητεύουσας ἀπὸ καρδίας αὐτῶν (4 a)  
 — 22. διεστρέφετε [A διασ.] καρδίαν δικαίων (4 a)  
 14. 3. ἔθεντο τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὰς κ. αὐ. (4 a)  
 — 4. ὅς ἐν θῇ τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὴν κ. αὐ. (4 a)  
 — 5. κατὰ τὰς κ. αὐ. τὰς ἀπηλλοτριωμένας ἀπ' ἐμοῦ (4 a)  
 — 7. καὶ θῆται τὰ ἐνθυμήματα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)  
 17. 22. A λήψομαι . . . καρδίας αὐ. [B αὐ.] —  
 — 22. καρδίας αὐτῶν ἀποκινῶ †  
 18. 31. ποιήσατε ἑαυτοῖς καρδίαν καυὴν (4 a)  
 20. 16. τῶν ἐνθυμημ. καρδίας [A τῶν κ.] αὐ. (4 a)  
 21. 7 (12). θρηνασθῆται πᾶσα κ. (4 a)  
 — 15 (20). ὅπως μὴ θρηνασθῇ ἡ κ. [A δ. θρηνασθῆται πᾶσα κ.] (4 a)  
 22. 14. εἰ ὑποστήσεται ἡ κ. σου (4 a)  
 27. 4. ἐν καρδίᾳ θαλάσσης . . . περιέθηκαν σοὶ κῶλλος (4 a)  
 — 25. ἱβαρύνθη σφόδρα ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)  
 — 26. συνέντριψέ σε ἐν καρδίᾳ [A μέσῃ] θαλάσσης (4 a)  
 — 27. πεσούντα ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)  
 28. 2. ὑψώθη σου ἡ κ. . . κατοικίαν θεοῦ κατέφθην ἐν καρδίᾳ θαλάσσης . . . ἔδωκα τὴν κ. σου ὡς καρδίαν θεοῦ (4 a quater)  
 — 5. ὑψώθη ἡ κ. σου ἐν τῇ δυνάμει σου (4 b)  
 — 6. δέδωκα τὴν κ. σου ὡς καρδίαν θεοῦ (4 b, 4 a)  
 — 8. ἀποθανῇ θανάτῳ τραυματιῶν ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)  
 — 17. ὑψώθη ἡ κ. σου ἐπὶ τῇ κῶλλει σου (4 a)  
 29. 16. A ἐν τῇ αὐτοῖς ἀκούσθηται ὁπίσω τῶν κ. [B om. τ. κ.] αὐτῶν —  
 32. 9. παροργισθὲν καρδίαν λαῶν πολλῶν (4 a)

Ez. 38. 31. ὀπίσω τῶν μισαμάτων ἡ κ. αὐτῶν (4 a)  
 36. 26. δώσω ὑμῖν καρδίαν καυὴν . . . ἀφελῶ τὴν κ. τὴν λιθίνην . . . δώσω ὑμῖν καρδίαν σαρκίνην (4 a ter)  
 38. 10. ἀναβήσεται ῥήματα ἐπὶ τὴν κ. σου (4 b)  
 40. 4. τάζον εἰς τὴν κ. σου πάντα (4 a)  
 44. 5. τάζον εἰς τὴν κ. σου . . . τάζεις τὴν κ. σου (4 a, 4 a)  
 — 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς . . . ἀπεριτμήτους καρδία (4 a)  
 — 9. πᾶς υἱὸς ἀλλογενῆς ἀπεριτμήτος καρδία (4 a)  
 Da. LXX. Su. 35. ἡ δὲ κ. αὐτῆς ἐπεποιθεῖ ἐπὶ κυρίῳ  
 1. 8. ἐνεθυμήθη Δανιὴλ ἐν τῇ κ. (4 a)  
 2. 30. ἃ ὑπέλαβες τῇ κ. σου ἐν γνῶσει (4 c)  
 3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν δλῃ κ. ἡμῶν — (87). ὅσοι καὶ ταπεινοὶ καρδία —  
 4. 19. ὑψώθη σου ἡ κ. ὑπερηφανία —  
 — 25. τοὺς λόγους ἐν τῇ κ. συνετήρησε —  
 — 31. ἡλλοιώθη . . . ἡ κ. μου —  
 5. 2. ἀνυψώθη ἡ κ. αὐτοῦ —  
 7. 4. ἀνθρωπίνῃ κ. ἐδόθη αὐτῇ (4 c)  
 — 28. τὸ ῥῆμα ἐν καρδίᾳ μου ἐστήριξα (4 a)  
 8. 25. ἡ κ. αὐτοῦ ὑψώσεται (4 b)  
 11. 12. ὑψώσεται ἡ κ. (4 b)  
 — 25. ἐγερθήσεται . . . ἡ κ. αὐ. (4 b)  
 — 28. ἡ κ. αὐτοῦ ἐπὶ τὴν διαθήκην τοῦ ἁγίου (4 b)  
 Da. TH. Su. 35. ἦν ἡ κ. αὐτῆς πεποιθὴ ἐπὶ κυρίῳ  
 — 56. ἐπιθυμία διεστρέψε τὴν κ. σου  
 1. 8. ἔθετο Δαν. ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)  
 2. 30. ἵνα τὴν διαλογισμὸν τῆς κ. σου γνῶς (4 c)  
 3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν δλῃ κ. — (87). ὅσοι καὶ ταπεινοὶ τῇ [A om.] κ. —  
 4. 13. ἡ κ. αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἀνθρώπων ἀλλοιωθήσεται καὶ καρδία θηρίου δοθήσεται αὐτῷ (4 c, 4 c)  
 5. 20. ὅτε ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 c)  
 — 21. ἡ κ. αὐτοῦ μετὰ τῶν θηρίων ἐδόθη (4 c)  
 — 22. οὐκ ἐταπεινώσας τὴν κ. σου (4 c)  
 7. 4. καρδία ἀνθρώπου ἐδόθη αὐτῇ (4 c)  
 — 28. τὸ ῥῆμα ἐν τῇ κ. μου διετήρησα (4 a)  
 8. 25. ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ μεγαλυνήσεται (4 b)  
 10. 12. ἡς ἔδωκα τὴν κ. σου τοῦ συνείναι (4 a)  
 11. 12. ὑψώσεται [A ὑπερυψ.] ἡ κ. αὐτοῦ (4 b)  
 — 25. ἐξεγερθήσεται . . . ἡ κ. αὐτοῦ (4 b)  
 — 27. αἱ κ. αὐτῶν εἰς ποιεῖαν (4 b)  
 — 28. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἐπὶ διαθήκην ἁγίαν (4 b)  
 I Ma. 1. 3. ἐπήρθη ἡ κ. αὐτοῦ  
 6. 10. συμπέπτακα τῇ κ. —  
 — 11. εἶπα τῇ κ. —  
 8. 25. ὡς ἂν ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ αὐτοῖς κ. πλήρει  
 9. 7. συνετρίβη τῇ κ. —  
 — 14. πάντες οἱ εὐψυχοὶ τῇ κ. —  
 12. 28. B B ἐπηγέσαν τῇ κ. [τὴν κ.] αὐτῶν  
 16. 13. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ  
 II Ma. 1. 3. θῶν ὑμῖν καρδίαν πᾶσιν  
 — 3. ποιεῖν αὐτοῦ τὰ θελήματα κ. μεγάλῃ  
 — 4. διανοίξαι τὴν κ. ὑμῶν  
 2. 3. μὴ ἀποστήναι τὸν νόμον ἀπὸ τῆς κ. αὐτῶν  
 3. 17. τὸ κατὰ καρδίαν ἐνεστὸς ἄλλος  
 5. 21. διὰ τὸν μετεωρισμὸν τῆς κ.  
 15. 27. B ταῖς δὲ κ. [A om.] πρὸς τὸν θεὸν εὐχόμενοι  
 III Ma. 4. 2. στεναγμοῖς πεπυρωμένοις παντοθεν αὐτῶν τῆς κ.  
 5. 47. βουλόμενος ἀτρώγῃ κ. . . θεάσασθαι  
 IV Ma. 7. 18. ὅσοι τῆς ἐνέβειας προνοοῦσιν ἐξ ὧν τῆς κ.  
 13. 13. ἐαυτοὺς . . . τῷ θεῷ ἀφιερῶσωμεν ἐξ ὧν τῆς κ.  
 [Aq. Ge. 6. 7 (6): 8. 21: 34. 3: Ex. 9. 14: 28. 29, 30: 35. 22: 36. 2: Dt. 8. 14: 10. 16: 28. 65: Jd. 5. 16: III Ki. 11. 3: 14. 8: 15. 14: Jb. 1. 5: 31. 37: Ps. 4. 5: 9. 38 (10. 17): 26 (27). 14: 27 (28). 3: 7: 31 (32). 11: 82 (33). 15: 37 (38). 9: 54 (55). 5: 68 (64). 7: 65 (66). 18: 68 (69). 21: 72 (73). 7. 13: 77 (78). 72: 80 (81). 13: 85 (86). 11: 93 (94). 15: 118 (119). 70: Pr. 2. 10: 6. 25, 32: 10. 21: 14. 33: 17. 3: 22. 15: 24. 12, 17: 28. 25: Ec. 2. 3: 7. 3 (2), 23 (22): Is. 35. 4: 41. 22: 65. 14, 17: Jb. 8. 18: 18. 10: 17. 1, 9: 20. 9: 48 (31). 41: 49: 49. 16 (29). 17: 51 (28). 1: Ez. 13. 2: 14. 3: 20. 16: 31. 10: Ho. 7. 2: Am. 2. 16: Jn. 2. 4.]  
 [Sm. Ex. 9. 14: Jd. 5. 16: III Ki. 15. 14: Jb. 15. 12: 17. 4: 31. 27: 37. 1: Ps. 4. 5: 9. 27 (10. 6): 38 (10. 17): 11 (12): 3: 26 (27). 7. 14: 27 (28). 7: 82 (83). 15: 85 (86). 2, 11:

38 (89). 4: 40 (41). 7: 43 (44). 19: 44 (45). 2, 6: 47 (48). 14: 50 (51). 19: 54 (55). 5, 22: 56 (57). 8: 60 (61). 3: 61 (62). 11: 63 (64). 7: 65 (66). 18: 68 (69). 21: 72 (73). 1, 7, 21: 75 (76). 6: 77 (77). 7: 77 (78). 8, 72: 80 (81). 13: 85 (86). 11: 103 (104). 15: 111 (112). 7: 118 (119). 70: 140 (141). 4: Pr. 2. 10: 4. 4: 6. 25: 8. 5: 14. 13: 15. 21: 17. 3: 19. 3: 20. 9: 22. 15: 24. 17: 25. 20: 26. 25: Ec. 1. 13: 2. 3: 6: 7. 22 (21), 23 (22): 8. 11: Is. 6. 10: 82. 4: 40. 2: 41. 22: 63. 4: 65. 14, 17: Jb. 8. 18: 16. 12: 17. 1, 9: 20. 9: 82 (89). 41: 49. 16 (29. 17): Ez. 16. 30: 31. 14.]  
 [Th. Ge. 8. 21: Ex. 36. 2, 8: Dt. 8. 14: III Ki. 15. 14: Jb. 15. 12: 17. 4: 29. 13: 31. 27: 36. 5, 13: 37. 1: Ps. 7. 10: 10 (11). 2: 27 (28). 7: 63 (64). 7: 93 (94). 15: Pr. 2. 10: 3. 3: 6. 25: 10. 13: 12. 25: 14. 33: 17. 3: 22. 15: 24. 17: 26. 25: Ec. 7. 3 (2): Is. 41. 22: 65. 14, 17: 68. 2: Jb. 10. 8: 11. 8: 13. 10: 17. 1: 20. 9: 48 (31). 41: 49: Ez. 13. 2: 20. 16: 31. 10: Da. 2. 30: 3. (41): Jn. 2. 4.]  
 [Heb. Ge. 8. 21: Jb. 16. 27.]  
 [Al. Ex. 8. 15 (11): Le. 19. 17: Dt. 6. 5: 28. 47, 65: Ps. 9. 34 (10. 13): 43 (44). 19: 44 (45). 6: 48 (49). 4: 100 (101). 4: Pr. 6. 21: 19. 8.]  
 [Quint. Ps. 27 (28). 7.]  
 καρδιούν. (1) כָּרְדִּיּוֹן pi.  
 Ca. 4. 9. ἐκαρδίωσας ἡμᾶς . . . ἐκαρδίωσας ἡμᾶς ἐνὶ [A ἐν? ἐν?] ἀπὸ ὀφθαλμῶν σου (1, 1)  
 καρησίμ. σιδ. καραισείμ.  
 κάρος.  
 [Sm. Ge. 2. 21: 15. 12: I Ki. 26. 12.]  
 καρούσθαι. (1) לָזַג  
 Je. 28 (51). 39. μεθίσσω αὐτοὺς ὅπως καρωθῶσι [B καθάρωσι] (1?)  
 [Aq. Hb. 2. 16.]  
 [Sm. Jd. 4. 21: Ps. 75 (76). 7.]  
 καρούχα.  
 [Sm. Is. 68. 20.]  
 καρπάσιος (-σιος). (1) כַּרְפָּסִי  
 Es. 1. 6. θυσσίσιος καὶ καρπάσιος [B<sup>1</sup> -ιοίς] (1)  
 [Aq. Es. 1. 6.]  
 καρπεύειν.  
 [Aq. Ec. 12. 5.]  
 καρπίσθαι. (1) מִכְרִישׁ (2) כָּרִי  
 Jo. 5. 11. A B ἐκαρπίσαντο δὲ τὴν χώραν [B κουράν] (1)  
 Pr. 8. 19. βέλτιον ἐμέ καρπίσθαι ὑπὲρ χρυσίου (2)  
 κάρπιμος. (1) כָּרִי  
 Ge. 1. 11. ξύλον κ. ποιοῦν καρπὸν (1)  
 — 12. ξύλον κ. ποιοῦν καρπὸν —  
 [Aq. Ec. 2. 5.]  
 [Th. Ps. 75 (76). 5.]  
 καρπόβρωτος. (1) מִכְרִישׁ  
 De. 20. 20. ὅτι οὐ καρπόβρωτὸν ἐστι (1)  
 καρπός (fructus). (1) מֵרָקִי (2) מִכְרִישׁ  
 (8) מִכְרִישׁ (4) מֵרָקִי (5) מִכְרִישׁ (6) מִכְרִישׁ  
 (7) א. מִכְרִישׁ δ. מִכְרִישׁ (8) מִכְרִישׁ (9) מִכְרִישׁ  
 (10) מִכְרִישׁ  
 Ge. 1. 11, 12. ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπὸν (7 a)  
 — 29. ὃ ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπὸν σπέρματος (7 a)  
 3. 2. B ἀπὸ καρποῦ τοῦ ξύλου [A δ. πα-  
 τὸς ξ.] (7 a)  
 — 3. B ἀπὸ δὲ τοῦ [A om.] κ. τοῦ ξύλου (7 a)  
 — 6. B λαβοῦσα ἀπὸ [A om.] τοῦ κ. αὐ. (7 a)  
 4. 3. ἤνεγκε K. ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (7 a)  
 30. 2. ὃς ἐστέρησε σὲ καρπὸν κοιλίας (7 a)  
 43. 11. λάβετε ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (8)  
 Ex. 10. 12. κατέδετα . . . πάντα τὸν κ. τῶν ξύλων —  
 — 15. κατέφαγε . . . πάντα τὸν κ. τῶν ξύλων (7 a)  
 Le. 19. 23. ὁ κ. αὐτοῦ ὁ κ. αὐ. τρία ἔτη ἔσται ὑμῖν ἀπερικάρτος (7 a)

Le. 19. 24. ἔσται πᾶς ὁ κ. αὐτοῦ ἅγιος (7 α)  
 — 25. φάγεσθε τὸν κ. (7 α)  
 28. 40. λήψαθε . . . καρπὸν ξύλου ὥραϊον (7 α)  
 25. 3. συναΐξεις τὸν κ. αὐτῆς (9)  
 28. 4. τὰ ξύλα τῶν πεδίων ἀποδώσει τὸν κ. αὐτῶν (7 α)  
 — 20. τὸ ξύλον . . . οὐ δώσει τὸν κ. αὐτοῦ (7 α)  
 27. 30. πᾶσα δεκάτη τῆς γῆς ἀπὸ . . . τοῦ κ. τοῦ ξυλίου (7 α)  
 Nu. 18. 21 (20). λήψαθε ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (7 α)  
 — 28 (26). ἔδειξαν τὸν κ. τῆς γῆς (7 α)  
 — 28 (27). οὗτος ὁ κ. αὐτῆς (7 α)  
 De. 1. 25. ἐλάβοσαν . . . ἀπὸ τοῦ κ. τῆς γῆς (7 α)  
 7. 13. εὐλογῆσαι . . . τὸν κ. τῆς γῆς σου (7 α)  
 11. 17. ἡ γῆ οὐ δώσει τὸν κ. αὐτῆς (4)  
 26. 2. ἀπὸ τῆς ἀπαρχῆς τῶν κ. τῆς γῆς σου (7 α)  
 Jd. 6. 4. Β κατέφθεραν [ΑΒ διέφθ.] τοὺς κ. αὐτῶν (4)  
 — 30. ποιῶντες καρπὸν ὄνου (7 α)  
 IV Ki. 19. 29. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 α)  
 — 30. ποιῶντες καρπὸν ὄνου (7 α)  
 Ne. 9. 36. φαγῶν τὸν κ. αὐτῆς (7 α)  
 — 37. Β καὶ οἱ κ. αὐτῆς πολλοὶ (9)  
 10. 35 (36). καὶ πρωτογενήματα καρποῦ [B<sup>2</sup> παντός κ.] (7 α)  
 — 37 (38). καὶ τὸν κ. παντός ξύλου (7 α)  
 Jb. 22. 21. ὁ κ. σου ἔσται ἐν ἀγαθῶς (7 α)  
 Ps. 1. 3. ὁ τὸν κ. αὐτοῦ δώσει ἐν καιρῷ αὐτοῦ (7 α)  
 4. 7. ἀπὸ καρποῦ σίτου καὶ ὄνου (7 α)  
 20 (21). 10. τὸν κ. αὐτῶν ἀπὸ γῆς ἀπολείς (7 α)  
 57 (58). 11. εἴ ἄρα ἐστὶ καρπὸς τῷ δικαίῳ (7 α)  
 66 (67). 6. γῆ ἔδωκε τὸν κ. αὐτῆς (4)  
 71 (72). 16. ὑπεραρθῆσεται ὑπὲρ τὸν Λίβανον ὁ κ. αὐτοῦ (7 α)  
 77 (78). 46. ἔδωκε τῇ ἐρυσίβη τὸν κ. αὐτῶν (7 α)  
 84 (85). 12. ἡ γῆ ἡμῶν δώσει τὸν κ. αὐτῆς (4)  
 108 (104). 13. ἀπὸ καρποῦ τῶν ἔργων σου χορτασθήσεται ἡ γῆ (7 α)  
 104 (105). 35. κατέφαγε [ΑΒ<sup>2</sup> add. πάντα] τὸν κ. [B<sup>1</sup> χότον] τῆς γῆς αὐτῶν (7 α)  
 106 (107). 37. ἐποίησαν καρπὸν γεννημάτων (7 α)  
 126 (127). 3. ὁ μισθὸς τοῦ κ. τῆς γαστροῦς (7 α)  
 127 (128). 2. [B<sup>2</sup> αὐτῶν κ. τῶν πόνων] [B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> τοὺς πόνους τῶν κ.] σου φάγεται (5)  
 131 (132). 11. ΑΒ<sup>1</sup> ἐκ καρποῦ τῆς κοιλίας σου θήσονται (7 α)  
 Pr. 1. 31. ἔδονται τῆς ἐαυτῶν ὁδοῦ τοὺς κ. (7 α)  
 8. 9. ἀπάρχου αὐτῶ ἀπὸ σῶν κ. δικαιοσύνης (9)  
 10. 16. καρποὶ δὲ ἀσεβῶν ἡμαρτίας [B<sup>1</sup> -ία] (9)  
 11. 30. ἐκ καρποῦ δικαιοσύνης φύεται δένδρον ζωῆς (7 α)  
 12. 14. ἀπὸ καρπῶν στόματος ψυχῇ ἀνδρός πληροῦσθαι ἀγαθόν (7 α)  
 13. 2. ἀπὸ καρπῶν [Α -οῦ] δικαιοσύνης φάγεται ἀγαθός (7 α)  
 15. 4. πληροῦσθαι πνεύματος [B<sup>1</sup> πιδίτος, B<sup>2</sup> τὸν κ. αὐ.] (7 α)  
 — 6. ΑΒ<sup>2</sup> καρποὶ δὲ ἀσεβῶν ἀπολοῦνται (9)  
 18. 20. ἀπὸ καρπῶν [Α -οῦ] στόματος ἀνὴρ πῖμπλησι κοιλίαν αὐ. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειλέων αὐ. ἐμπλησθήσεται (7 α, 9)  
 — 21. οἱ δὲ κρατοῦντες αὐτῆς ἔδονται τοὺς κ. αὐτῆς (7 α)  
 19. 22. καρπὸς ἀνδρὶ ἐλεημοσύνη (8 ?)  
 27. 18. φάγεται τοὺς κ. αὐτῆς (7 α)  
 31. 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειρῶν αὐτῆς κατεφύτουναι κτήμα (7 α)  
 — 31. δότε αὐτῇ ἀπὸ καρπῶν χειλέων αὐτῆς (7 α)  
 Ec. 2. 5. ἐφύτουναι ἐν αὐτοῖς ξύλον πᾶν καρποῦ (7 α)  
 Ca. 2. 3. καρπὸς αὐτοῦ γλυκὺς ἐν λάρυγγί μου (7 α)  
 4. 13. μετὰ καρποῦ ἀκροδρῶν (7 α)  
 5. 1 (4. 16). φαγέτω καρπὸν ἀκροδρῶν αὐτοῦ (7 α)  
 8. 11. ΒΒ ἀνὴρ οἶσει ἐν καρπῷ αὐτοῦ χιλίους ἀργυρίου (7 α)  
 — 12. τοῖς τηροῦσι τὸν κ. αὐτοῦ (7 α)  
 Wi. 8. 13. ἔξει καρπὸν ἐν ἐπισκοπῇ ψυχῶν (7 α)  
 — 15. ἀγαθῶν γὰρ πόνων καρπὸς [B<sup>1</sup> ὁ κ.] εὐκλείης (7 α)  
 4. 5. ὁ κ. αὐτῶν ἀχρηστος (7 α)  
 16. 22. τοὺς τῶν ἐχθρῶν [Α ἐθνῶν] κ. κατέφθειρε (7 α)  
 — 26. οὐχ αἱ γενεαὶ τῶν κ. [Α ἀνθρώπων] τρέφουσιν ἀνθρώπων (7 α)  
 Si. 1. 16. μεθύσκει αὐτοὺς ἀπὸ τῶν κ. αὐτῆς (7 α)  
 6. 3. τοὺς κ. σου ἀπολέσεις (7 α)  
 — 19. ἀνάμενε τοὺς ἀγαθούς κ. αὐτῆς (7 α)  
 11. 3. ἀρχὴ γλυκασμάτων ὁ κ. αὐτῆς (7 α)  
 23. 25. οἱ κλάδοι αὐτῆς οὐ δώσουσι [ΑΒ οὐκ οἰσύνουσι] καρπὸν (7 α)

Si. 24. 17. τὰ ἄνθη μου καρπὸς δόξης καὶ πλούτου (7 α)  
 27. 6. γέωργον ξύλου ἐκφαίνει ὁ κ. αὐτοῦ (7 α)  
 37. 22. οἱ κ. τῆς συνείσεως αὐτοῦ ἐπὶ στόματος [B -οῖ] πιστοὶ (9)  
 — 23. οἱ κ. τῆς συνείσεως αὐτοῦ πιστοὶ (7 α)  
 50. 10. ὡς ἐλαία ἀναβάλλουσα καρπούς (7 α)  
 Ho. 9. 16. καρπὸν οὐκ ἐνέγκη (7 α)  
 10. 1. ὁ κ. εὐθηνῶν αὐτῆς (7 α)  
 — 1. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν κ. αὐ. (7 α)  
 — 12. τρυγῆσατε εἰς καρπὸν ζωῆς (7 α)  
 — 13. ἐφάγετε καρπὸν ψευδῆ (7 α)  
 14. 3. ἀνταποδώσωμεν καρπὸν χειλέων ἡμῶν (7 α)  
 — 9. ἐξ ἐμοῦ ὁ κ. σου εὐρήσεται (7 α)  
 Am. 2. 9. καὶ ἐξήρανα τὸν κ. αὐτοῦ ἐπάνωθεν (7 α)  
 6. 13 (12). ἐξεστρέψατε . . . καρπὸν δικαιοσύνης εἰς πικρίαν (7 α)  
 9. 14. ΑΒ καὶ φάγονται τὸν κ. [B τοὺς κ.] αὐ. (7 α)  
 Mi. 6. 7. εἰ δὲ . . . καρπὸν κοιλίας μου (7 α)  
 7. 13. ἀπὸ [Α ἐκ] καρπῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (7 α)  
 [Jl. 2. 22. ξύλον ἤνεγκε τὸν καρπὸν αὐτοῦ (7 α)  
 Na. 3. 12. σκαποὶ τῶν [B<sup>2</sup> καρπῶν] ἔχουσιν (2)  
 Hg. 2. 20 (19). τὰ ξύλα [B<sup>1</sup> φύλλα] . . . τὰ οὐ φέροντα καρπὸν (7 α)  
 Za. 8. 12. ἡ [B<sup>1</sup> μὴ] ἀμπλος δώσει τὸν κ. αὐ. (7 α)  
 Ma. 8. 11. οὐ μὴ διαφθερῶ ἡμῶν τὸν κ. τῆς γῆς (7 α)  
 Is. 27. 6. ἐμπλησθήσεται ἡ οἰκουμένη τοῦ κ. αὐτοῦ (10)  
 37. 30. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 α)  
 65. 21. φάγονται τὰ γεννημ. [B<sup>1</sup> τὸν καρπὸν] αὐ. (7 α)  
 Je. 2. 7. τοῦ φαγῆν ὑμᾶς τοὺς κ. αὐτοῦ (7 α)  
 6. 19. ἐπάγω . . . τὸν κ. ἀποστρέψης αὐ. [B al.] (7 α)  
 12. 2. καὶ ἐποίησαν [B om. κ. ἐ.] καρπὸν (7 α)  
 17. 8. οὐ διαλείψει πῶν καρπῶν (7 α)  
 — 10. τοῦ δοῦναι ἐκάστη . . . κατὰ τοὺς κ. τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (7 α)  
 27 (50). 27. ἀναξήριον αὐτῆς πάντα τοὺς κ. (7 α)  
 38 (29). 5. φάγετε [B om. κ. ἐ.] τοὺς κ. αὐ. (7 α)  
 — 28. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 α)  
 38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου καὶ ὄνου καὶ καρπῶν (6 ?)  
 La. 2. 20. εἰ φάγονται γυναῖκες καρπὸν κοιλίας αὐτῶν (7 α)  
 Ez. 17. 8. τοῦ ποιεῖν βλαστὸν καὶ φέρειν καρπὸν [Α ποιῆσαι κ. καὶ ἐνέγκαι βλαστὸν] (7 α)  
 — 9. ὁ κ. σαπῆσται (7 α)  
 — 23. ἐξοίσει βλαστὸν καὶ ποιήσει καρπὸν (7 α)  
 19. 10. ὁ κ. αὐ. . . ἐγένετο ἐξ ὕδατος πολλοῦ (7 α)  
 25. 4. φάγονται τοὺς κ. σου (7 α)  
 34. 27. τὰ ξύλα τὰ ἐν τῷ πεδίῳ δώσει [Α ξ. τοῦ π. ἀποδ.] τὸν κ. αὐτῶν [Α -οῖς] καὶ ἡ γῆ δώσει τὴν ἰσχύν [Α τὸν κ.] αὐτῆς (7 α, 4)  
 38. 8. τὸν κ. ὑμῶν καταφάγετα [Α κ. φάγ.] ὁ λαὸς μου (7 α)  
 — 30. πληθυνῶ τὸν κ. τοῦ ξύλου (7 α)  
 47. 12. οὐδὲ μὴ ἐκλείπει ὁ κ. αὐτοῦ . . . ἔσται ὁ κ. αὐτῶν εἰς βρώσιν (7 α, 7 α)  
 Da. LXX. 4. 9. ὁ κ. αὐτοῦ πολὺς καὶ ἀγαθός (1)  
 Da. TH. 4. 9. καὶ ὁ κ. αὐτοῦ πολὺς (1)  
 — 11. Α ἐκτίσας τοὺς κ. [B κλάδους] αὐτοῦ (1)  
 — 11. διασκορπίσας τὸν κ. [Α τοὺς κ.] αὐτοῦ (1)  
 — 18. καὶ ὁ κ. αὐτοῦ πολὺς (1)  
 I Ma. 10. 30. ἀντὶ τοῦ ἡμίσεος τοῦ κ. τοῦ ξυλίου (2)  
 14. 8. B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> καὶ τὰ ξύλα τῶν [B ἅμα τῶν] πεδίων τῶν [B<sup>1</sup> καὶ τῶν] κ. αὐτῶν (2)  
 [Aq. Dt. 7. 13: 28. 4 δις 33: Ps. 1. 3: 57 (58). 12: 104 (105). 35: Pr. 8. 19: 11. 30: Is. 27. 9: Je. 6. 19: Ez. 17. 6: 19. 12.]  
 [Sm. Ge. 1. 29: Jb. 87. 11: Ps. 1. 3: 71 (72). 16: Pr. 8. 19: 11. 30: Ca. 8. 11: Is. 27. 9: Ez. 19. 12.]  
 [Th. Ge. 1. 29: Jo. 5. 12: Ps. 57 (58). 12: 104 (105). 35: Pr. 11. 30: Is. 27. 9: 57. 19: Je. 82 (89). 19: Ez. 19. 12.]  
 [Al. Le. 28. 40: 25. 19: Ps. 126 (127). 3: Ca. 6. 10 (11): Hb. 3. 17.]  
 [Heb. Jb. 14. 9.]  
 καρπός (manus). (1) ὁ (2) ἡ  
 I Ki. 5. 4. ἀμφότεροι οἱ κ. τῶν χειρῶν αὐτοῦ (2)  
 Ps. 127 (128). 2. B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> τοὺς πόνους τῶν κ. [Α B<sup>1</sup> τοὺς κ. τῶν πόνων] (2)  
 Pr. 31. 20. καρπὸν δὲ ἐξέτιμεν πτωχῷ (1)

καρποῦν. (1) ὁ (2) ὁ pi.  
 Le. 2. 11. καρπὸς σου κυρίῳ (1)  
 De. 26. 14. ΑΒ<sup>2</sup> B<sup>2</sup> οὐκ ἐκάρπωσα ἀπ' αὐτῶν (2 ?)  
 I Es. 4. 52. ὀλοκαυτώματα καρποῦσθαι καθ' ἡμέραν Da. LXX. TH. 3. (38). οὐδὲ τόπος τοῦ καρπῶσαι  
 καρποφορεῖν. (1) ὁ (2) ὁ  
 Wi. 10. 7. ἀτελέσιν ὥραις καρποφοροῦντα φυτὰ (1)  
 Hb. 3. 17. διότι συνεκ' οὐ καρποφοροῖσι (1)  
 [Sm. Ps. 61 (62). 11: 91 (92). 15.]  
 [Th. Ps. 91 (92). 15.]  
 καρποφόρος. (1) ὁ (2) ὁ  
 Ps. 106 (107). 34. γῆν καρποφόρον εἰς δλμην (2)  
 148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (2)  
 Je. 2. 21. ἐφύτουναι σε ἀμπλον καρποφόρον (1)  
 κάρπωμα. (1) α. ὁ (2) ὁ  
 (2) ὁ (2) ὁ  
 Ex. 29. 25. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (1 b)  
 — 38. κάρπωμα ἐνδελειχισμού (1 b)  
 — 41. ὁσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίου (1 b)  
 30. 9. θυμίαμα ἕτερον κάρπωμα θυσίας (2)  
 40. 6. τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. (2)  
 — 10. χρίσεις τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. (2)  
 — 29. τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. ἔθηκε (2)  
 Le. 1. 4. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κ. (2)  
 — 9. κάρπωμά ἐστι θυσία ὁσμῇ εὐωδίας (2)  
 — 13. ΑΒ κάρπωμά ἐστι θυσία [B -ος] (2)  
 — 14. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν πετεινῶν κάρπωμα (2)  
 — 17. κάρπωμά ἐστι θυσία ὁσμῇ εὐωδίας (2)  
 2. 9. κάρπωμα ὁσμῇ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)  
 — 10. ἅγια τῶν ἁγίων ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)  
 — 16. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (1 b)  
 3. 3. προσάξουσιν . . . κάρπωμα κυρίῳ (1 b)  
 — 5. κάρπωμα ὁσμῇ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)  
 — 9. προσοίσει . . . κάρπωμα τῷ θ. τὸ στίαρ (1 b)  
 — 11. ὁσμῇ εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (1 b)  
 — 14. ἀνοίσει ἐπ' αὐτοῦ κάρπωμα κυρίῳ (1 b)  
 — 16. κάρπωμα ὁσμῇ εὐωδίας τῷ κυρίῳ (1 b)  
 6. 15 (8). ἀνοίσει ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κάρπωμα (1 b)  
 — 17 (10), 18 (11). ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)  
 — 35 (7. 5). κάρπωμα τῷ κυρίῳ (1 b)  
 7. 15 (25). ΑΒ κάρπωμα κυρίῳ [B -ιον] (1 b)  
 — 20 (30). προσοίσουσι τὰ κάρπωματα κυρίῳ (1 b)  
 — 25 (35). ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)  
 8. 20 (21), 27 (28). κάρπωμά ἐστι τῷ κυρίῳ (1 b)  
 10. 12, 13. ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)  
 — 15. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στεάτων (1 b)  
 22. 27. δεχθήσεται . . . κάρπωμα κυρίῳ (1 b)  
 23. 37. ὥστε προσενέγκαι κάρπωματα τῷ κυρίῳ (1 b)  
 Nu. 15. 3. Α καὶ ποιήσῃτε κάρπωμα [B al.] (1 b)  
 — 5. κάρπωμα ὁσμῇ εὐωδίας τῷ κυρίῳ (1 b)  
 — 10. κάρπωμα ὁσμῇ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)  
 — 13. προσενέγκαι κάρπωματα εἰς ὁσμὴν (1 b)  
 — 14. ποιήσει κάρπωμα ὁσμῇ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)  
 — 25. ἤνεγκαν τὸ δῶρον αὐ. κάρπωμα κυρίῳ (1 b)  
 18. 9. ἀπὸ τῶν ἡγιασμένων ἁγίων τῶν κ. (1 a ?)  
 — 17. κάρπωμα εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (1 b)  
 28. 2. κάρπωμά μου εἰς ὁσμὴν εὐωδίας (1 b)  
 — 3. ταῦτα τὰ κ. ὅσα προσάξετε κυρίῳ (1 b)  
 — 13. θυσίαν ὁσμῇ εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (1 b)  
 — 19. ὀλοκαυτώματα [Α -μα] κάρπωμα [B<sup>1</sup> -ματα] κυρίῳ (2)  
 — 24. δῶρον κάρπωμα εἰς ὁσμὴν εὐωδίας (1 b)  
 29. 8. προσοίσετε . . . κάρπωματα [Α -μα] κυρίῳ [Α om.] (2)  
 — 11. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (2)  
 — 13. κάρπωμα [B<sup>1</sup> -ματα, B<sup>2</sup> om.] εἰς ὁσμὴν εὐωδίας (1 b)  
 — 36. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κάρπωματα κυρίῳ (1 b)  
 De. 18. 1. κάρπωματα κυρίου [Α -μα κυρίῳ] ὁ κληρὸς αὐτῶν (1 b)  
 Jo. 22. 26. οὐχ ἔνεκεν καρπωμάτων (2)  
 — 27. ἐν τοῖς κ. ἡμῶν καὶ ἐν ταῖς θυσίαις ἡμῶν [Α om.] (2)  
 — 28. οὐχ ἔνεκεν καρπωμάτων (2)  
 — 29. θυσιαστήριον τοῖς κ. (2)  
 Jb. 42. 8. B<sup>2</sup> ποιήσει καρπῶσεις [B -σιν, Α -ωμα] περὶ ὑμῶν (2)  
 Si. 45. 16. B<sup>2</sup> προσαγαγὲν κάρπωμα [ΑΒ -ωσιν] κυρίῳ (2)  
 [Sm. Le. 2. 3: 24. 9.]  
 [Al. Le. 5. 13: 6. 20 (13).]



**κάρπωσις.** (1) **קָרְפָּה** (2) **קָרְפָּה**  
 Le. 4. 10. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῆς κ. (2)  
 — 18. πρὸς τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῶν κ. (2)  
 22. 22. **Α** **Β** εἰς κάρπωσιν οὐ δώσετε ἀπ' αὐτῶν (1)  
 Jb. 42. 8. **Β** **Σ** ποιήσει καρπώσεις [B -σιν, Δ -ωμα] περὶ ἡμῶν (2)  
 Si. 30. 19. τί συμφέρει κάρπωσις εἰδὼλῳ  
 45. 16. προσαγαγεῖν κάρπωσιν [B -ωμα] κυρίῳ  
 [A. L. E. 6. 15 (8) : 7. 9, 10, 37 : 9. 4 : 23. 18.]  
**καρπωτός.** (1) **קָרְפָּה**  
 II Ki. 13. 18. ἐπ' αὐτῆς ἦν χιτὼν κ. (1)  
 — 19. τὸν χιτῶνα τὸν κ. τὸν ἐπ' αὐτῆς διέρρηξε (1)  
 [Aq. II Ki. 13. 18.]  
 [Sm. Ge. 37. 3.]  
**κάρρον.**  
 I Es. 5. 55. **Α** καὶ κάρρα [B χάρα, B χάρρα] τοῖς Σιδ.  
**κάρταλλος.** (1) **קָרְפָּה** (2) **קָרְפָּה** (3) **קָרְפָּה**  
 De. 26. 2. καὶ ἐμβαλεῖς εἰς κάρταλλον (2)  
 — 4. λήψεται ὁ ἱερεὺς τὸν κ. (2)  
 IV Ki. 10. 7. ἔθηκαν τὰς κεφαλὰς αὐτῶν ἐν κάρταλλοις (1)  
 Si. 11. 30. πῆρδις θηρευτῆς ἐν κάρταλλῳ  
 Je. 6. 9. ἐπιστρέψατε ὡς ὁ τρυγὼν ἐπὶ τὸν κ. αὐτοῦ (3)  
**καρτερεῖν.** (1) **קָרְפָּה** hi. (2) **קָרְפָּה**  
 Jb. 2. 9. μέχρι τίνος καρτερήσεις  
 Si. 2. 2. εὐθύνον τὴν καρδίαν σου καὶ καρτέρησον  
 12. 15. εἰς ἐκκλίσεις οὐ μὴ καρτέρησης  
 Is. 42. 14. ὡς ἡ τίκτουσα ἐκατέρησα (2)  
 II Ma. 7. 17. σὺ δὲ καρτερεῖ  
 IV Ma. 9. 9. **Β** **Σ** διὰ τὴν ἡμῶν μισοφονίαν αὐτάρκη καρτερήσεις [A. α.]  
 — 28. ὁ δὲ ταύτην βαρέως τὴν ἀλγηδόνα καρτερῶν  
 10. 1. τοῦτον τὸν δοιδίμον θάνατον καρτερήσαντος  
 — 11. ἀκαταλύτους καρτερήσεις βασάνους  
 13. 11. εὐγενὲς καρτέρησον  
 14. 9. **Α** **Β** πᾶσχοντες ἐκατέρουν [B ἐνεκ.]  
 [Aq. Z. 12. 5.]  
 [Sm. Mi. 7. 18.]  
**καρτερία.**  
 IV Ma. 6. 13. **Β** **Σ** τὰ δὲ ἐν θανασμῶ [A -ασμῶ] τῆς κ.  
 8. 26. ἡ θαλασσιφύρος ἀρέσκει κ.  
 11. 12. **Α** **Β** παρέχων τὴν εἰς τὸν νόμον ἡμῶν κ. [B τῆς ... κ.]  
 15. 28. **Α** **Β** τῆς θεοσεβούς [B -βίας] Ἀβραὰμ κ.  
 — 30. ὁ ἀρρένων πρὸς καρτερίαν γενναϊότερα  
 16. 14. διὰ καρτερίαν καὶ τύραννον ἐνίκησας  
**καρτερός.**  
 II Ma. 10. 29. **Β** γενομένης [A γιν.] δὲ κ. μάχης  
 12. 11. γενομένης δὲ κ. μάχης  
 — 35. ὡσιθεὸς δὲ τις ... ἐφιππος ἀνὴρ καὶ κ.  
 III Ma. 1. 4. γενομένης δὲ κ. μάχης  
 IV Ma. 3. 12. δύο νεανίσκοι στρατιῶται κ.  
 15. 31. **Α** κοσμοφοροῦσα καρτεροῦς [B -ὄς] ὑπὲρ νεγκε [B -έμεινε] τοὺς κλυδωνας  
 — 32. καὶ κ. ἀνέμοις ... συνεχρομένη  
 [Aq. Am. 2. 16 : Z. 6. 3.]  
**καρτεροῦν.**  
 [Aq. Ps. 30 (31). 25 : Pr. 31. 17 : Is. 35. 3 : 44. 14.]  
 [Th. Pr. 31. 17 : Is. 44. 14.]  
**καρτεροφυχία.**  
 IV Ma. 9. 26. θανμασάντων δὲ πάντων τὴν κ. αὐτοῦ  
**καρτερός.**  
 IV Ma. 15. 31. **Β** **Σ** κοσμοφοροῦσα κ. [A -ροῦς] ὑπὲρνεγκε [B -έμεινε] τοὺς κλυδωνας  
**καρύα.** (1) **קָרְפָּה**  
 Ca. 6. 10 (11). εἰς κήπον καρύας [B -οιας] κατέβη (1)  
**καρύσιος.** (1) **קָרְפָּה** (2) **קָרְפָּה**  
 Ge. 30. 37. ῥάβδον ... χλωρὰν καὶ καρυνίην (1)  
 Je. 1. 11. εἶπα, Βακτριαν καρυνίην (2)

**καρύσκος.** (1) **קָרְפָּה** **קָרְפָּה**  
 Ex. 25. 32 (33). τρεῖς κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρύσκους (1)  
 — 33 (34). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρύσκους (1)  
 — 34 (35). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρύσκους  
**κάρυον.** (1) **קָרְפָּה**  
 Ge. 43. 11. καταγάγετε ... τερέβινθον καὶ κάρυα (1)  
 Nu. 17. 8 (23). **Α** **Β** καὶ ἐβλάστησε κάρυα [B -οια] (1)  
**καρυωτός.** (1) **קָרְפָּה** **קָרְפָּה**  
 Ex. 38. 16 (37. 19). τὰ λαμπάδια αὐτῶν ... καρυωτὰ ἐξ αὐτῶν (1?)  
**κάρφος.** (1) **קָרְפָּה**  
 Ge. 8. 11. εἶχε φύλλον ελαιῖς κάρφος (1)  
**καρχαροδάει.**  
 [Aq. II Ki. 6. 16.]  
**καρχηδόσιον.**  
 [Sm. Is. 54. 12.]  
**κάρωσις.**  
 [Aq. Ps. 59 (60). 5 : Is. 51. 17.]  
 [Sm. Is. 29. 10.]  
**κασία, κασσία.** (1) **קָרְפָּה** (2) **קָרְפָּה**  
 Jb. 42. 14. τὴν δὲ δευτέρω Κασίαν [A Κασσ.] (2)  
 Ps. 44 (45). 8. καὶ κασσία [B<sup>2</sup> -αν] ἀπὸ τῶν ἱματίων σου (2)  
 Ez. 27. 17. **Α** **Β** οὐτοὶ ἔμποροι σου ἐν σίτου πρᾶσι ... καὶ κασσίας [B -α] (1?)  
 [A. L. Ex. 30. 24.]  
**κασσιτέρινος.** (1) **קָרְפָּה**  
 Za. 4. 10. ὄφονται τὸν λίθον τὸν κ. (1)  
**κασσιτέρος.** (1) **קָרְפָּה**  
 Nu. 31. 22. πλὴν τοῦ χρυσίου ... καὶ κασιτέρου (1)  
 Si. 47. 18. συνηγαγες ὡς κασιτέρον τὸ χρυσίον  
 Ez. 22. 18. ἀναμειγμένοι πάντες ... κασιτινέφω (1)  
 — 20. εἰσδέχεται ... σιδήρος καὶ κ. (1)  
 27. 12. κασιτέρον καὶ μόλιθον ἔδωκαν (1)  
 [Aq., Sm., Th. Is. 1. 25.]  
**κᾶστν.**  
 [Aq., Th. Ez. 9. 2.]  
**κατά.**  
 I. c. gen.  
 \* in iurisiurandi formulis \*\* ὁ κατά  
 Ge. 22. 16\* : 31. 53\* : 50. 20.  
 Ex. 15. 24† : 16. 7, 8 ter : 20. 16 : 32. 13\* : 37. 12 (38. 14) (τὸ κ. νότου).  
 Le. 5. 5.  
 Nu. 5. 13† : 12. 1, 8 : 14. 36, 37 : 16. 11 : 21. 5, 7 bis : 30. 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12 bis, 13.  
 De. 5. 20 (17) : 9. 27\* : 15. 9 : 19. 15, 16, 18, 19† : 24. 15†.  
 Jo. 9. 20 : 15. 11 (κ. νότου) : 18. 12 (κ. νότου), 18 (κ. νότου) : 24. 22.  
 Jd. 8. 22, 23† : 4. 14† : 11. 35†.  
 I Ki. 12. 3 bis : 13. 5 (κ. νότου)† : 14. 39 : 22. 13, 15 : 27. 11 : 29. 6† : 30. 15\*.  
 II Ki. 1. 16.  
 III Ki. 2. 23\*, 23 : 8. 1 (2. 9)\*, 1 (2. 4)\*, 1 (2. 43) : 22. 13†.  
 IV Ki. 4. 4 bis, 5 bis, 21, 33 : 17. 9 : 22. 13.  
 II Ch. 36. 13\*.  
 I Es. 2. 16.  
 II Es. 4. 8.  
 Ne. 6. 12.  
 Ju. 1. 12\*, 12\*† : 9. 13 : 13. 11.  
 Es. 3. 10 bis : 4. 8 : 6. 12† : 9. 31 bis.  
 Jb. 1. 8 : 8. 23 : 4. 18 bis : 7. 12† : 9. 7, 7† : 12. 14 : 13. 26 : 15. 15 : 16. 5 : 19. 18 : 22. 13 : 24. 22† : 31. 35 : 32. 3 : 33. 10 : 34. 29 bis : 39. 18† : 40. 4 (9)† bis : 42. 8.  
 Ps. 2. 2 bis : 30 (31). 18 : 81 (82). 5 : 34 (35). 15 : 40 (41). 7, 7†, 8 : 49 (50). 20 bis : 55 (56). 5 : 68

(69). 12 : 74 (75). 5 : 82 (83). 3, 5 : 101 (102). 8 : 108 (109). 2, 5, 20 : 118 (119). 23 : 139 (140). 8.  
 Pr. 25. 18†.  
 Wi. 3. 14 : 4. 6 : 5. 22 : 12. 12 bis : 16. 24.  
 Si. 4. 22 : 6. 12 : 8. 15 : 31 (34). 3†.  
 Ho. 7. 13 : 8. 1.  
 Am. 3. 1 : 4. 2\* : 6. 8\* : 7. 10 : 8. 7\*, 14\*.  
 Mi. 3. 7 : 6. 5.  
 Na. 1. 11.  
 Hb. 2. 6.  
 Ze. 1. 5\*†, 5\*.  
 Ma. 3. 13.  
 Is. 1. 1 bis : 3. 9 : 13. 1 : 15. 1\*\* : 17. 1\*\* : 27. 2† : 45. 23\*† : 62. 8\* bis.  
 Je. 9. 5 (4)† : 11. 19† : 18. 20 : 22. 5\*, 6 : 25. 13 : 28 (51). 14\* : 29 (49). 13\* : 33 (26). 11 : 47 (40). 16†.  
 La. 3. 5, 7, 61, 62.  
 Ez. 16. 44 : 19. 4 : 22. 3 : 40. 18 (κ. νότου), 40 (κ. νότου) bis, 41 (κ. νότου), 44 (κ. νότου) bis : 42. 16 (κ. νότου) : 46. 19 (κ. νότου).  
 Da. LXX. Su. 61 : 6. 5 (6) bis, 10 (11), 14 (15), 16 (17)†.  
 Da. TH. Su. 28, 43 : 3. 29 (96) : 6. 4 (5) bis, 5 (6) : Bel 12.  
 I Ma. 8. 32 : 10. 4, 61, 63 : 11. 25, 39† : 16. 13, 13†.  
 II Ma. 6. 8, 10 : 10. 21.  
 III Ma. 2. 22, 27 : 3. 2, 11, 24 (κ. νότου) : 5. 7\*\*, 27†, 46 : 6. 7 : 7. 9.  
 IV Ma. 1. 11\*\* : 2. 17 bis, 18 : 5. 6\*\*, 28 : 8. 5 : 9. 10 bis : 10. 8, 14 : 12. 20 : 17. 1.  
 [Aq. I Ki. 28. 16 : Jb. 15. 27 : Ps. 30 (31). 19 : 82 (83). 4 : Ca. 3. 5 bis : Is. 3. 8 : Ho. 7. 12 (18).]  
 [Sm. Ge. 9. 2 : 37. 2 : I Ki. 5. 6 : 25. 17 : II Ki. 1. 16 : 3. 27 : 14. 13 : III Ki. 20. 38 : Jb. 3. 23 : 12. 18 : 15. 27 : 21. 27\*\* : 31. 21 : Ps. 7. 10 : 20 (21). 12 : 81 (32). 4 : 84 (35). 12, 15, 16 : 36 (37). 12 : 40 (41). 8 : 41 (42). 6 : 54 (55). 4 : 55 (56). 6 : 68 (64). 9 : 82 (83). 4 bis : 98 (94). 20 : 137 (138). 7 : Pr. 19. 3 : Ec. 7. 15 (14) : 8. 6 : Ca. 2. 8 bis : 3. 5 bis : Is. 3. 8 : 25. 7 : 26. 21 : 27. 1 bis : 29. 3 ter : 32. 12 (1), 14 : 59. 13 : 62. 8\* : Je. 9. 26 (25) : 13. 21 : 18. 8 : 44 (51). 20 bis : 46 (26). 25 : 48 (31). 37 : 50 (27). 45 : 51 (28). 35 : La. 5. 5 : Ez. 33. 4, 5 : 10 : Da. 9. 24 : Am. 4. 2\*].  
 [Th. I Ki. 28. 16 : Jb. 34. 29 : Ca. 3. 5 bis : Is. 62. 8\* : Je. 29 (36). 32 : Da. 6. 4.]  
 [Al. Ge. 27. 42 : 42. 36 : Nu. 14. 9, 36 : 16. 13 : I Ki. 1. 6 : 5. 12 : 28. 16 : Ps. 123 (124). 4.]  
 [Heb. Ge. 38. 29.]  
 [Sam. Nu. 18. 33 (32).]  
 [Quint. Ps. 88 (89). 36\* : Ho. 5. 8 (κ. νότου).]  
 II. c. acc.  
 \* κατά πρόσωπον, κατά τὸ πρόσωπον †† ὁ κατά καθ' ἡμέραν, κατ' ἀνατολὰς, κατ' ἐνιαυτόν, κατ' ὀφθαλμούς, κατά βορρᾶν, κατά δυσμὰς, κατά θάλασσαν, κατά κεφαλὴν, κατά λίβα, κατά νότον, κατά σῶμα, vid. sub ἡμέρα, ἀνατολή, ἐνιαυτός, κ.τ.λ.  
 Ge. 1. 11 ter, 12 ter, 20, 21, 21†, 24 bis, 25 ter, 26 bis, 27 : 2. 8, 18 : 5. 1, 3 bis : 6. 20 ter : 7. 14 quater : 8. 19 : 10. 5, 20, 31, 32 bis : 12. 8 ter : 15. 8 : 16. 12\* : 18. 10, 21 : 20. 6 : 21. 14†, 14, 23 : 23. 17\* : 24. 1, 28, 62 : 25. 13, 16, 18\* bis : 26. 18 : 29. 12 : 30. 34, 40, 41 : 31. 11, 24, 35†† : 32. 16 (17) (κ. μῶνας), 19 (20), 21 (22)\* : 33. 14 bis, 18\* : 34. 3 : 36. 40 : 39. 6††, 17 : 40. 13 : 41. 11 : 43. 7, 32 bis, 33 bis : 44. 2, 6, 7, 7† : 45. 21, 23 (κ. τὰ αὐτά) : 46. 28, 29 : 47. 12, 30 : 48. 7 : 49. 19 (κ. πόδας), 28 : 50. subscr.†  
 Ex. 1. 14 : 5. 8, 13 : 6. 16, 19, 25 : 11. 6 : 12. 3 bis, 4, 21 : 13. 10† : 14. 16, 22 : 16. 5††, 16 bis : 17. 1 : 21. 9, 31 : 22. 5 (4), 9 (8), 17 (16) (καθ' ὅσον) : 23. 15, 24, 30 (κ. μικρὸν τ. κ. μικρὸν μικρόν) : 25. 8 (9), 21 (22), 39 (40) : 26. 5, 9\*, 10, 22, 24 (κ. τὸ αὐτό), 30 : 27. 7, 8, 12††† : 28. 8, 10, 14, 15, 20, 21†, 21 bis, 25 (29)\*, 33 (37)\* : 29. 17, 35, 41 bis : 30. 13, 32, 37 : 31. 5, 11 : 32. 18 : 35. 32 : 36. 1 bis, 4, 5†, 11 (39. 4), 12 (39. 5)†, 15



(39. 8), 21 (39. 14)\*, 26 (39. 18)\*, 28 (39. 20)\*†, 28 (39. 20)\*†: 37. 10 (38. 12)†††, 13 (38. 15): 38. 8 (37. 9)\*†: 39. 1 (38. 24) *bis*, 2 (38. 25).

Le. 1. 6, 12, 16: 4. 6. 4: 8. 8, 9\*, 19 (20): 9. 13: 10. 7, 18\*: 12. 2, 5: 13. 12, 23, 28, 41\*, 51: 14. 54: 15. 26 *bis*: 16. 14, 14\*, 15\*: 18. 3 *bis*: 22. 5, 13, 14, 18 *bis*, 21: 28. 37††: 25. 15†, 15, 24, 52, 54†: 28. 21, 28: 27. 16, 17, 27 *bis*.

Nu. 1. 2 *quater*, 4 *bis*, 16, 18 *quater*, 20 *quinguiens*, 22 *quinguiens*, 26 *quinguiens*, 28 *quinguiens*, 30 *quinguiens*, 32 *quinguiens*, 34 *ter*, 34†, 34: 36 *quinguiens*, 24 *quinguiens*, 38 *quinguiens*, 40 *quinguiens*, 42 *quinguiens*, 44 *bis*, 52, 54: 2. 2 *ter*, 3†, 3, 17, 18†, 31, 32, 34 *ter*: 8. 8, 10††, 15 *bis*, 15†, 18, 19, 20 *bis*, 22, 23†, 27, 29, 34, 38\*, 39, 43; 47 *bis*, 50: 4. 2 *bis*, 4† *bis*, 16††, 19, 22, 22†, 27 *ter*, 29 *bis*, 31, 32, 34† *bis*, 36, 38 *bis*, 40 *bis*, 42 *bis*, 44†, 44, 46 *bis*, 49 (ἀνδρα κατ' ἀνδρα): 5. 9†: 6. 21 *bis*: 7. 5, 7, 8, 11 *bis*, 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49; 55, 61, 67, 73, 79: 8. 2, 3\*, 4: 9. 2, 3 *ter*, 7, 12, 13, 14 *bis*: 11. 10, 10†: 12. 8 (σώμα κ. σώμα): 13. 3 (2) *bis*, 23 (22): 14. 14 (ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμοῖς, ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμοῖς), 19, 20, 34: 15. 3 (καθ' ἐκόντων), 12 *bis*, 24, 26†: 16. 29 *bis*, 43 (17. 8)\*†: 17. 2 (17) *bis*, 3 (18), 6 (21) *bis*: 18. 4, 7, 16, 18†: 21. 1, 11\*, 11, 19\*: 22. 1, 4: 28. 23: 24. 1, 2: 26. 2, 3, 20, 22, 23, 26, 15, 44, 28, 37, 38, 41, 42 *bis*, 43, 48, 55, 57, 63: 28. 8 *bis*, 24: 29. 6, 11, 18 *bis*, 21 *bis*, 24 *bis*, 27 *bis*, 30 *bis*, 33 *bis*, 37 *bis*: 30. 1, 7, 13 *bis*: 31. 12, 16: 32. 20, 38: 33. 48, 49†††, 50, 54 *bis*: 34. 14, 15, 15†: 35. 1, 8, 24: 36. 13.

De. 1. 3, 17 *bis*, 23, 30, 30†, 31, 33, 41: 3. 24, 27: 4. 8, 32, 34, 47, 49: 5. 4\*, 33 (30): 7. 10\* *bis*, 22 (κ. μικρὸν μικρόν), 24\*: 9. 2\*: 10. 4, 15: 11. 14, 25\*: 12. 15, 21: 13. 11 (12): 14. 22 (ἐναντιὸν κατ' ἐναντιόν): 15. 8 (καθ' ὅσον†): 16. 17 *bis*, 17: 17. 10, 10†, 11 *bis*: 18. 9, 16: 19. 15 *ter*, 20: 22. 3: 24. 8, 15†: 25. 2†††: 26. 13, 16†: 29. 17 (16)†, 21 (20), 27 (26): 30. 2: 31. 19\*, 21\*: 32. 8†, 49\*: 33. 14, 16: 34. 8, 10 (πρόσωπον κ. πρόσωπον).

Jo. 1. 11 (κ. μέσον), 17: 2. 21: 3. 15: 4. 5, 18, 19: 5. 7: 6. 5\*, 26 (27): 7. 2†††, 12\*, 12\*, 14 *quater*, 16, 17, 18: 8. 8, 10\*, 27: 9. 2 (8. 34): 10. 12 *bis*, 13 (κ. μέσον), 42†††: 11. 2††, 8, 23: 12. 2, 3, 3†††, 7: 13. 3††, 8 *bis*, 14, 15, 16\*, 23, 24, 25\*, 26, 28† *ter*, 29, 31†, 31, 32†††: 14. 2, 7: 15. 1, 3††, 7, 8\*, 12: 16. 1††, 5 *bis*: 17. 2 *bis*, 7\*, 9: 18. 9, 11, 12†, 16\*, 20, 21, 28. 8 *bis*, 10, 11\*, 16, 22, 23, 24†, 26, 27, 31, 34, 48, 49, 51: 20. 6††††: 21. 7, 33, 36†††, 38, 40†: 22. 2: 23. 2†.

Jd. 1. 15, 23†: 2. 14\*: 4. 3, 10: 7. 5 (κ. μένος), 5†, 21†: 8. 8†, 35: 9. 16†, 37: 10. 15: 11. 10, 18†: 16. 17†: 17. 3 (κ. μένος)†: 18. 6†, 7†, 9†, 23††, 29†: 19. 11†, 24†, 30†: 20. 2††, 10, 35††, 43†: 21. 19, 22†, 23†.

Ru. 8. 6.  
I Ki. 1. 6 *bis*, 7 (ἐναντιὸν κατ' ἐναντιόν): 2. 14, 23: 4. 3: 6. 5, 9†, 18†††: 7. 16 (κατ' ἐναντιὸν ἐναντιόν): 8. 8, 20†: 9. 12\*, 21: 10. 19 *bis*: 11. 7, 11 (κ. τὸ αὐτό): 13. 14†: 14. 13\*, 25\*: 16. 8\*: 17. 23†, 27†, 30† *bis*: 18. 1†, 3†, 10†, 23†, 24: 21. 8 (9)†: 23. 24 (καθ' ἐσπεραν): 25. 9†, 12, 25: 26. 1††††, 11, 12, 23†: 27. 5††, 10 *ter*: 30. 24, 24 (κ. τὸ αὐτό): 31. 6 (κ. τὸ αὐτό).

II Ki. 2. 16 (κ. τὸ αὐτό): 8. 33, 39: 4. 7††: 7. 9, 10, 17 *bis*, 21: 8. 6††: 9. 11: 10. 9†††: 12. 8†, 11: 13. 5, 8, 27, 35: 14. 3, 16 (κ. τὸ αὐτό)†, 21, 33†: 15. 6, 15, 26: 16. 22: 17. 6 *bis*: 18. 9 (9)\*: 22. 21 *bis*, 25 *bis*: 24. 7, 19 *bis*.

III Ki. 1. 23\* *bis*: 2. 3, 6: 3. 12†, 15\*, 15†††, 18 (κ. τὸ αὐτό): 4. 28 (5. 8): 6. 6 (20), 11 (25) *bis*: 6. 3\*, 3††, 3\*, 18\*, 20†† *bis*, 36††: 7. 19, 36\*, 37, 39, 49\*, 8 *bis*, 11, 12††††: 8. 22\*, 31\*, 32, 39, 43, 50, 56, 64†††: 9. 3, 4: 10. 10, 25 (τὸ κατ' ἐναντιὸν ἐναντιόν [A-ov]), 29: 11. 10†: 12. 14, 24, 24†, 32: 13. 5, 26†: 14. 5† *bis*, 18†: 15. 29†: 16. 7†, 12, 34†: 17. 3, 5†, 13, 15†, 16: 18. 4 (κ. πενήτην), 24†, 31†, 36†: 19. 3: 20 (21). 26: 21 (20), 23 (κατ' εὐθύ), 25 *ter*, 25 (κατ' εὐθύ): 22. 13, 38, 54.

IV Ki. 1. 17: 2. 22: 4. 44: 5. 14: 6. 18: 7. 16: 8. 2: 9. 26: 10. 4\*, 17, 30, 33: 11. 14, 18\*: 12. 17: 14. 3, 25: 15. 3, 34: 16. 3†, 11, 14, 16: 17.

15, 33, 34 *quinguiens*: 18. 3: 21. 2, 8: 22. 13: 23. 16, 25, 32, 35, 37: 24. 2, 3, 9, 13, 19: 25. 7, 17.

I Ch. 5. 7, 10, 13: 6. 19 (4), 32 (17), 48 (33), 49 (34), 60 (45), 62 (47), 63 (48), 70 (55), 78 (63): 7. 2†, 2, 4 *bis*, 9, 28: 8. 28: 9. 9 *bis*, 18, 24 *bis*, 25, 32 (σάββατον κ. σάββατον), 34: 10. 13: 11. 3, 10: 12. 17, 23, 30†: 15. 15: 16. 4\*, 27\*, 29\*, 40: 17. 8, 9, 15 *bis*, 19, 20, 25\*: 18. 6††: 19. 9, 10\*: 21. 19: 22. 14: 23. 3, 24 *quater*, 31 *bis*: 24. 3 *ter*, 4, 5, 19 *bis*, 30: 25. 1, 8 *bis*: 26. 13 *ter*, 14†, 17†, 31 *bis*: 27. 1 *bis*: 28. 8\*, 19, 21: 29. 2, 14.

II Ch. 2. 16 (15): 3. 4\*, 17\*: 4. 4, 7, 20, 20\*: 5. 11, 12†: 6. 23, 28, 30, 33, 34, 36\*: 7. 17: 8. 6, 13 *bis*, 14 *bis*, 14†, 14 *bis*: 9. 9, 24 (τὸ κατ' ἐναντιὸν ἐναντιόν), τὸ κατ' ἐναντιόν†: 10. 14: 11. 12†, 12: 13. 7\*, 8\*, 14 (10): 17. 14: 20. 5\*, 16: 23. 8: 24. 5 (ἐναντιὸν κατ' ἐναντιόν): 25. 4, 5, 22\*: 26. 4: 27. 2, 5 *bis*: 28. 2, 3†: 29. 2, 15, 25: 30. 5, 6, 12, 16 *bis*, 19, 21: 31. 2, 14, 15 *bis*, 15†, 17: 32. 2††, 15, 23: 33. 8, 14, 14†: 34. 4†††, 21, 22: 35. 4 *ter*, 5, 6, 10, 12 *bis*, 13, 15, 16, 19: 36. 2, 4, 5 *bis*.

I Es. 1. 2, 4, 5 *ter*, 6, 7, 10, 11 *bis*, 15, 18, 24 (τὰ κατ' αὐτόν), 33 (τὸ καθ' ἑν πραχθὲν): 2. 6, 7††, 20††, 30: 4. 5†, 52 *bis*: 5. 1, 44 *bis*, 50, 51, 55†, 60, 63: 6. 30 *bis*, 34: 7. 9: 8. 6, 12††, 12†, 16, 17†, 21, 23, 27, 28, 47†, 53†, 61, 74\*, 78 (κ. πόσον τι), 96: 9. 4, 14, 15, 16, 17††.

II Es. 8. 2, 4, 7: 6. 9, 11 (τὸ κατ' ἐμὲ), 18: 10. 3†, 5.

Ne. 4. 13: 6. 4, 5†: 8. 15, 18†: 10. 32 (33), 34 (35) (ἐναντιὸν κατ' ἐναντιόν), 35 (36) (ἐναντιὸν κατ' ἐναντιόν): 12. 37†: 13. 22, 24\*.

To. 1. 7, 8† *bis*: 3. 6: 4. 8† *bis*: 5. 11†††: 6. 12: 7. 12†, 13, 13†, 14†: 8. 16: 10. 7, 9 (τὰ κατὰ σέ†): 12. 18†: 14. 10\*†.

Ju. 1. 7\*: 2. 23††††, 25\*: 3. 3, 5, 9\*: 4. 6\*, 11\* *bis*, 13\*: 5. 1†: 6. 4\*: 7. 6\*, 28 *ter*, 31: 10. 13, 16, 23†: 11. 5\*, 17†, 19†: 12. 7†, 13††: 13. 3† *bis*, 10: 14. 11: 15. 2\*, 5†: 16. 20\*, 21.

Es. 1. 8, 12†, 13, 15, 19, 22 *bis*: 2. 11 *bis*: 3. 4, 12 *bis*, 13††, 14: 4. 5††, 17†: 5. 9 *bis*, 13†, 13, 16: 9. 2\*, 27: 10. 3.

Jb. 1. 4, 5, 8†: 2. 3: 4. 8: 5. 26 *bis*: 8. 8: 9. 32: 11. 6 (τὸ κατὰ σέ): 12. 3: 16. 4, 9\*: 21. 8: 29. 2 (μῆνα κ. μῆνα†): 33. 5 *bis*: 36. 22: 39. 18†: 40. 4 (9)† *bis*: 42. 15.

Ps. 4. 8 (κ. μένος): 5. 10: 6. 7: 7. 8 *bis*, 11, 17: 9. 25 (10. 4): 11 (12): 8. 17 (18): 20 *bis*, 24 *bis*, 42\*: 19 (20): 4. 24 (25): 7. 27 (28): 4 *ter*: 32 (33): 15 (κ. μένος): 34 (35): 5\*, 24: 41 (42): 3, 10: 47 (48): 10: 49 (50): 21\*: 50 (51): 1 *bis*: 57 (58): 4: 61 (62): 12: 67 (68): 19 (ἡμέραν καθ' ἡμέραν), 33: 68 (69): 16: 78 (79): 11†: 80 (81): 12: 82 (83): 13\*: 85 (86): 8: 91 (92): 2: 93 (94): 19, 23† *bis*: 94 (95): 8: 101 (102): 25 (κατ' ἀρχάς): 102 (103): 10 *bis*, 11, 12 (καθ' ὅσον): 105 (106): 45: 108 (109): 26: 109 (110): 4: 118 (119): 25, 41, 58, 59†, 65, 76†, 88, 107, 116, 124, 124†, 132, 133, 149 *bis*, 152 (κατ' ἀρχάς), 156, 169, 170: 138 (139): 9 (κατ' ὀρθάν†): 140 (141): 10 (κ. μένος): 144 (145): 2: 147. 6 (17)\*: 150. 2.

Pr. 8. 21, 30, 34†: 19: 17: 24. 12: 25. 13: 26. 4†, 5†: 29. 11 (κ. μέπος).

Wi. 8. 10†: 5. 1\*: 6. 4: 7. 15, 27: 12. 2 (κατ' ὀλίγον), 7†, 8 (βραχὺ), 10 (κ. βραχὺ): 17. 8 (κατ' ἀρχάς) (?), 17††: 19. 22.

Si. prol. 2††, 14††, 20†: 1. 10: 4. 18 (κατ' εὐθείαν), 25†: 6. 17, 22: 7. 26: 8. 14, 15: 9. 14: 10. 2 *bis*, 28: 11. 26: 13. 16: 14. 13, 25: 16. 12 *bis*, 14: 17. 3 *bis*, 25\*: 18. 25†: 19. 1 (κ. μικρόν): 20. 18: 21. 5: 22. 26: 27: 3: 28. 10 *quater*: 29. 9, 11, 20: 31 (34): 3†: 32 (33): 10 *bis*, 18, 19†: 34 (31): 6\*: 35 (32): 16 (38): 13 *bis*: 36. 22 (19), 28 (25), 29 (26): 37. 12: 38. 16, 17, 19: 42. 16: 43. 8, 10, 22, 30 (καθ' ὅσον): 45. 3\*, 5\*, 11, 14: 48. 1: 50. 22, 23: 51. 3.

Ho. 2. 9 (11), 15 (17) *bis*: 4. 7: 8. 9: 9. 9: 10. 1 *bis*: 11. 9: 12. 2 (3) *bis*: 13. 1, 2, 6, 7.

Mi. 1. 10 (?), 10: 7. 14, 15, 20.

Jn. 3. 2.  
Na. 3. 6.  
Hb. 3. 6†.  
Ze. 1. 5†.

Za. 1. 6 *bis*: 8. 11: 10. 1: 12. 6, 12 (κ. φυλάς φυλάστ), 12† *bis*, 12 *quater*, 13 *quater*, 14 *bis*: 14. 10, 15, 16.

Is. 3. 11, 21††: 10. 26, 26†† *bis*: 11. 3 *bis*: 19. 13: 22. 21†: 23. 11: 27. 2†, 12 (κ. ἐνατ', κ. ἐνα ἐνατ'): 29. 7†: 30. 28\*: 40. 26: 41. 2 (κ. πόδας): 47. 15: 56. 11 (κ. τὸ αὐτό†, κ. τὸ ἐαυτοῦ†): 60. 22: 68. 7 *bis*: 65. 22.

Je. 1. 7: 2. 28 *bis*: 3. 15: 5. 24: 6. 19†: 9. 26 (25)††††: 10. 2: 11. 13 *bis*: 13. 2, 26††: 15. 17 (κ. μένος): 17. 10 *bis*: 18. 17\*, 20\*: 19. 10: 21. 2: 28. 2: 24. 1\*: 25. 16 (49. 37): 27. (50). 8\*, 21, 29 *bis*, 44\*: 28 (51). 24: 29 (49). 19\*: 32 (25). 23\*: 33 (26). 4\*, 20: 34 (27). 12: 35 (28). 1, 5 *bis*, 11: 36 (29). 21: 37 (30). 18, 20\*: 38 (31). 32, 36\*: 39 (32). 12 *ter*, 13, 19, 30: 40 (38). 11 (κ. τὸ πρότερον)†: 41 (34). 15††, 18\*: 42 (35). 5\*, 10, 19\*: 43 (38). 7\*, 8, 9\*, 22\*: 44 (37). 20\*: 45 (38). 4, 26, 27: 47 (40). 10\*: 49 (42). 2\*, 4†, 5, 20: 50 (43). 9: 51 (44). 10\*: 52. 7 *bis*, 10, 12\*, 22, 33\*.

Ba. 1. 18\*, 21, 22: 2. 2, 10\*, 14\*, 19\*, 27 *bis*: 3. 8.

La. 1. 5††, 6††, 12†, 22\*: 3. 28 (κ. μένος), 32, 64. Ep. Je. 69.

Ez. 1. 12\*: 4. 4, 9, 12: 5. 2, 7, 9: 6. 5††: 7. 27: 8. 4, 16†: 10. 22\*: 11. 1, 21†: 12. 4, 7: 14. 5, 10 *bis*: 15. 4: 16. 47, 51, 63: 18. 14, 24, 30: 20. 14, 22, 35 (πρόσωπον κ. πρόσωπον), 41, 44 *bis*: 21. 6 (11): 22. 16†: 23. 28: 24. 6, 6 *quater*, 24: 25. 14, 14†: 28. 20†: 35. 11, 11†: 36. 17, 19 *bis*, 23, 31††, 34: 39. 24 *bis*: 40. 6, 12††, 18, 19, 21 *bis*, 22, 23, 24 *bis*, 29, 30, 32 *bis*, 33, 35: 40: 41. 4\*, 7, 12\*, 14\*, 15\*, 21\*, 22††, 25, 25\*: 42. 1, 2\*, 10, 10\* *ter*, 11\*, 11 *septiens*, 12 *bis*, 13\*, 15, 15†, 16, 17†††, 18†††, 19†††: 48. 1, 2, 3 *bis*, 4 *bis*, 17, 25: 44. 1 *bis*, 3 *bis*, 4, 5, 5†, 5: 45. 7\* *bis*, 8, 23 *bis*, 25 (κ. τὰ αὐτά): 46. 2, 3, 8 *bis*, 9 *quinguiens*, 9 (κατ' εὐθύ), 12, 13, 21 *bis*, 22: 47. 1 *bis*, 2 *bis*, 10, 17†: 48. 1 *bis*, 21\*†.

Da. LXX. Su. 3, 13, 51: 1. 5: 2. 25: 3. 2, 2††, (28), (42) *bis*, (43), (46): 4. 31\*, 34††: 6. 11 (12), 14 (15), 16 (17)†: 7. 2, 10\*, 14: 8. 22: 9. 7, 13, 15, 16, 27: 11. 4 *bis*, 7, 10, 13, 16, 18, 36, 40: 12. 1: Bel 2, 3, 5, 31.

Da. TH. Su. 3, 8, 12, 18, 62: 1. 5: 3. (28), (42) *bis*, (43): 4. 5, 32: 5. 4 *bis*: 9. 10\*, 12: 10. 15: 11. 3, 4, 16, 16\*, 36: Bel 4, 6, 9, 15.

I Ma. 1. 14, 22†††, 40, 42, 50, 51†, 51, 60: 2. 23, 24, 33, 61: 3. 39, 53\*, 56, 57: 4. 10\*, 47, 47 (κ. τὸ πρότερον), 53, 54 *bis*, 57†††, 59 (ἐναντιὸν κατ' ἐναντιόν), 61\*: 5. 14, 37\*, 44\*, 52\*, 53, 55\*: 6. 33, 57, 63: 7. 16, 31, 36\*, 42, 49: 8. 4, 15, 16, 42, 51, 72\*: 11. 14, 14††, 12, 2, 3 (κ. τὸ πρότερον), 4, 23, 36 (κ. μένος): 13. 13\*, 35, 46 *bis*, 52: 14. 38, 46: 15. 4, 21, 35†, 39\*: 16. 6†.

II Ma. 1. 1††, 17: 2. 13, 19††, 22, 30††: 3. 4††, 5††, 8††, 12, 14, 16††, 17††, 19, 24, 40††: 4. 5 (κατ' ἰδίαν), 16 (καθ' ἑαυτὸν), 21††, 36†† *bis*, 38, 39: 5. 2: 6. 7††, 11, 20, 21 (κατ' ἰδίαν), 30 *bis*: 7. 6†††, 7: 8. 8 (κ. μικρόν), 35††: 9. 1†††, 3, 3††, 8, 11, 18††, 20, 21†††, 22††, 23, 24††, 26 (κατ' ἰδίαν): 10. 2†††, 5, 8, 10††: 11. 3 (κατ' ἑσος), 20†††, 25, 31: 12. 2†††, 4†, 15, 38, 39, 43: 13. 13, 15††: 14. 1††, 3, 9, 21 (κατ' ἰδίαν), 37, 44 (κ. μένος): 15. 1†††, 2, 8, 20, 30 (καθ' ἑαυτὸν), 33, 37††, 39 (κ. μένος).

III Ma. 1. 1††, 11, 17††, 20††, 20††††: 2. 19, 27††, 30††: 3. 1††, 8††, 11 (κ. τὸ πρότερον)††, 12†† *bis*, 14, 24, 29: 4. 1, 4††, 13, 18, 18†† *bis*: 5. 1, 5, 20, 24†††, 25, 27, 28, 29, 36, 42†††: 6. 7††, 6†††, 10, 12††, 16, 26, 41†††: 7. 10††, 3†, 6, 1†, 12, 14, 17, 20.

IV Ma. 1. 10†††, 26†, 27, 34†: 2. 23: 3. 13, 18: 4. 17, 22, 24: 5. 17, 18, 25: 6. 5: 7. 3: 8. 1: 9. 14, 26†††: 10. 7. 11. 5: 11. 13. 22††: 14. 15, 16, 17: 15. 2, 3, 7††, 12, 14: 17. 5.

[Aq. GE. 1. 26: 19. 31: 35. 16: 41. 12: Ex. 21. 30: 28. 15: Dt. 11. 14: Jn. 1. 7: 4. 10: I Ki. 18. 3: 20. 35: 22. 13: II Ki. 12. 8: III Ki. 8. 24: 11. 7\*: 12. 16: 14.

(51). 3: 61 (62). 13 δις: 77 (78). 72: 118 (119). 41, 156: Ca. 6. 3 (4): Is. 9. 1 (8. 23)††: 36. 7\* 41. 2\*: JE. 7. 25 (καθ' ἡμέρας): 21. 14: 25. 14 δις: 18 (32. 4): 26 (38). 14 δις: 84 (41). 5: 46 (26). 26: Ez. 10. 19: 23. 48: 31. 11: 33. 20: Ho. 7. 12 (†).  
[Sm. Gr. 1. 20\*, 26: 6. 17 (16): 47. 12: Ex. 15. 11: Nu. 1. 45, 47: 2. 17: 3. 7\*: Dt. 11. 14: 18. 8: 32. 8: Jo. 1. 7: 4. 10: Jd. 3. 20 (κ. μόνος): 1 Ki. 9. 9: 18. 18 δις: 20. 35: 23. 20: 28. 20: 1v Ki. 6. 8: Jb. 16. 8\*: 29. 2 δις: 34. 11: 36. 9: 38. 33: Ps. 8. 8: 7. 9 δις: 9. 24 (10. 3): 12 (13). 3: 20 (21). 13\*: 24 (25). 7: 27 (28). 4: 30 (31). 14. 17: 32 (33). 15 (κ. μόνος): 41 (42). 9 δις: 43 (44). 9: 44 (45). 6. 18: 50 (51). 3: 51 (52). 3: 55 (56). 3: 58 (59). 17: 60 (61). 9: 62 (63). 7: 70 (71). 8. 15: 72 (73). 14 δις: 73 (74). 5: 77 (78). 72: 85 (86). 3: 86 (87). 5 (καθ' ἡμέραν): 87 (88). 10. 14: 89 (90). 11: 109 (110). 3: 118 (119). 116: 139 (140). 3: 147. 6 (17)\*: Pr. 12. 8: 17. 24\*: 19. 17: Ec. 8. 14 δις: Ca. 1. 8: Is. 9. 1 (8. 23)††: 16. 6 δις: 28. 10 (†): 36. 7\*. 17: 41. 2\* 51. 9: 58. 2: JE. 7. 25 (καθ' ἡμέρας): 9. 26 (25): 15. 8: 30 (37). 18: 31 (38). 40: 89 (46). 5††: 46 (26). 26: 52. 7: La. 1. 19: Ez. 1. 6: 7. 3: 23. 48: 25. 15: 31. 11: 33. 20: 40. 10, 16: Ho. 13. 6: Mi. 5. 1 (4. 14).]  
[Th. Ge. 1. 20\*: Ex. 21. 30: 28. 27††, 27: Nu. 8. 7\*: Dt. 11. 14: 23. 14 (15)\*: 32. 8: Jo. 1. 7: 4. 10: Jd. 9. 16: 16. 17: 18. 29: 1 Ki. 20. 35: 22. 13: 111 Ki. 13. 26: 18. 30: Jb. 35. 1†††: 39. 18: Ps. 7. 9: 44 (46). 18: 118 (119). 41. 116: Pr. 17. 1: 19. 17: 22. 6: Is. 9. 1 (8. 23)†††: 36. 7\*: 41. 2\*: 54. 9: JE. 18. 14 (κ. τὸ αὐτό): 21. 14: 25. 14 δις, 18 (32. 4): 32 (39). 19: 39 (46). 6: Ez. 6. 5\*, 9\*: 7. 3: 8. 16 δις: 10. 19: 23. 48: 31. 11: 33. 20: 35. 11: 47. 17, 18\*: 48. 21\*: Ho. 8. 9].  
[Al. Ge. 43. 33: Le. 8. 8\*: 4. 17\*: 5. 10: 8. 20: 13. 46 (κ. μόνος): 25. 28, 50: 27. 18: Nu. 2. 34 δις: 3. 16, 23, 29: 9. 5: 34. 14: 35. 5: Dt. 3. 24: 12. 8: 32. 8: 38. 28 (κ. μόνος): Jo. 1. 5\*: Jd. 18. 7: Ps. 9. 20\*: 44 (45). 6: Pr. 27. 4\*: JE. 25. 14 δις: Ez. 41. 8: Hb. 3. 5, 11 δις, 16].  
[Sam. Ex. 26. 5: Dt. 32. 8].  
[Heb. Ge. 6. 6 (5)].  
[Quint. Ps. 8. 5 (δ κατ' ἄνδρα): 30 (31). 17: Ho. 8. 9].

III. *anomal.*, cf. *καθεῖς*.  
III Ma. 3. 16. τοῖς κατὰ πόλειςιν ἱεροῖς  
*καταβαίνειν*. (1) בָּאָה (2) בָּאָה hi. (3) בָּאָה  
(4) בָּאָה (5) בָּאָה hithp. (6) בָּאָה  
(7) בָּאָה hi. (8) בָּאָה a. qal. (9) hoph.  
(9) בָּאָה (10) בָּאָה (11) בָּאָה hi. (12) בָּאָה  
(13) בָּאָה (14) a. hithp. (15) בָּאָה  
(16) בָּאָה ni. (17) בָּאָה (18) בָּאָה  
(19) בָּאָה (20) בָּאָה a. qal. (21) בָּאָה  
(21) בָּאָה καταβαίνειν Bᶜᶜᶜ pu.

Ge. 11. 5. *κατέβη* κύριος ἰδεῖν τὴν πόλιν  
— 7. *δεῦτε* καὶ καταβάντες συγχέομεν (8 a)  
12. 10. *κατέβη* Ἀβραμ εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
15. 11. *κατέβη* διὲ ὄρεα ἐπὶ τὰ σώματα (8 a)  
18. 21. *καταβάς* οὐν ἐφύομαι (8 a)  
24. 16. *καταβάς* αὖτὲ ἐπὶ τὴν πηγὴν (8 a)  
— 45. *κατέβη* ἐπὶ τὴν πηγὴν (8 a)  
26. 2. *μὴ καταβῆς* εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
28. 13. *Β* κατέβαινον ἐπ' αὐτῇ [A -ῆς] (8 a)  
37. 35. *καταβήσομαι* . . . εἰς ἄβυθον (8 a)  
38. 1. *κατέβη* Ἰουδας ἀπὸ τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ (8 a)  
42. 2. *κατάβητε* ἐκεῖ (8 a)  
— 3. *κατέβησαν* δὲ οἱ ἀδελφοὶ Ἰ. (8 a)  
— 38. *οὐ* καταβήσεται ὁ υἱός μου (8 a)  
43. 3. *A* εἰς μὴ ὁ ἀδ. . . *καταβῆ* [B al.] (8 a)  
— 4. *καταβήσομεθα* καὶ ἀγοράσομεν σοι (8 a)  
— 13. *ἀναστάντες* καταβήτε (18)  
— 15. *ἀναστάντες* καταβήσαν εἰς Αἴγ. (8 a)  
— 20. *κατέβημεν* . . . πρὶς θάλασσαν βρώματα (8 a)  
44. 23. *ἐὰν μὴ* καταβῇ ὁ ἀδελφὸς ὡμῶν (8 a)  
— 26. *οἱ* δυνήσομεθα καταβῆναι (8 a)  
— 26. *εἰ μὴ* ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν . . . *καταβαίνει* μεθ' ἡμῶν καταβήσομεθα (8 a)

Ge. 45. 9. *καταβήθη* οὐν πρὸς μὲ (8 a)  
46. 3. *καταβήναι* εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
— 4. *καταβήσομαι* μετὰ σοῦ εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
Ex. 2. 5. *κατέβη* δὲ ἡ θυγάτηρ Φ. Λούσασθαι (8 a)  
8. 8. *κατέβη* ἐξελέσθαι αὐτοὺς (8 a)  
11. 8. *καταβήσονται* πάντες οἱ παῖδες σου (8 a)  
19. 10. *καταβάς* διαμάρτυραι τῇ λαῷ (8 a)  
— 11. *καταβήσεται* κύριος ἐπὶ τὸ ὄρος (8 a)  
— 14. *κατέβη* δὲ Μ. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ ὄρους (8 a)  
— 18. *διὰ* τὸ καταβῆναι ἐπ' αὐτὸ τὸν θ. (8 a)  
— 20. *κατέβη* δὲ κύριος ἐπὶ τὸ ὄρος (8 a)  
— 21. *καταβάς* διαμάρτυραι τῇ λαῷ (8 a)  
— 24. *βάδιζε* κατὰ βῆθ (8 a)  
— 25. *κατέβη* δὲ Μ. πρὸς τὸν λαόν (8 a)  
24. 16. *κατέβη* ἡ δόξα τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὸ ὄρος (19)  
— 32. 1. *καταβήναι* ἐκ τοῦ ὄρους (8 a)  
— 37. *κατάβηθι* ἐντεῦθεν (8 a)  
— 15. *κατέβη* ἀπὸ τοῦ ὄρους (8 a)  
— 34. *βάδιζε* κατὰ βῆθ [A om.] (8 a)  
33. 9. *κατέβαινον* ὁ στυλὸς τῆς νεφέλης (8 a)  
34. 5. *κατέβη* κύριος ἐν νεφέλῃ (8 a)  
— 29. *ὡς* δὲ κατέβαινε Μ. (8 a)  
— 29. *καταβαίνοντες* δὲ αὐτοῦ (8 a)  
Le. 9. 22. *κατέβη* ποιήσας τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας (8 a)  
Nu. 11. 9. *καὶ* ὅταν κατέβῃ ἡ δρόσος (8 a)  
— 9. *κατέβαινον* τὸ μάνα ἐπ' αὐτῆς (8 a)  
— 17. *καὶ* καταβήσομαι (8 a)  
— 25. *κατέβη* κύριος ἐν νεφέλῃ (8 a)  
12. 5. *κατέβη* κύριος ἐν στυλῷ νεφέλης (8 a)  
14. 45. *καὶ* κατέβη ὁ Ἀμαλὴκ (8 a)  
16. 30. *καταβήσονται* ζῶντες εἰς ἔδου (8 a)  
— 33. *καὶ* καταβήσαν αὐτοὶ (8 a)  
20. 15. *κατέβησαν* οἱ πατέρες ἡμῶν εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
— 28. *καὶ* κατέβη Μωσῆς (8 a)  
34. 11 δις, 12. *καταβήσεται* τὰ ὄρια (8 a)  
De. 9. 12. *κατάβηθι* τὸ τάχος ἐντεῦθεν (8 a)  
— 15. *κατέβη* ἐκ τοῦ ὄρους (8 a)  
— 21. *τὸν* καταβαίνοντα ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ ὄρους (8 a)  
10. 5. *κατέβη* ἐκ τοῦ ὄρους (8 a)  
— 22. *κατέβησαν* οἱ πατέρες σου εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
26. 5. *καὶ* κατέβη εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
28. 24. *καὶ* χεῖρες ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καταβήσεται (8 a)  
— 43. *οὐ* δὲ καταβήσῃ κάτω κάτω (8 a)  
31. 15. *καὶ* κατέβη κύριος (16)  
32. 2. *καταβήτω* ὡς δρόσος τὰ ῥήματά μου (13)  
Jo. 2. 23. *καὶ* καταβήσαν ἐκ τοῦ ὄρους (8 a)  
3. 13. *τὸ* δὲ ὕδωρ τὸ καταβαίνον στήσεται (8 a)  
— 16. *ἔσθι* τὰ ὕδατα τὰ καταβαίνοντα ἀνῶθεν (8 a)  
— 16. *τὸ* δὲ καταβαίνον κατέβη εἰς τὴν θάλασσαν (8 a, —)  
15. 7. *καὶ* καταβαίνει ἐπὶ [A ἀπὸ] Γ. (15)  
— 10. *καὶ* καταβήσεται ἐπὶ πόλιν ἡλίου (8 a)  
17. 9: 18. 13, 16. *καταβήσεται* τὰ ὄρια (8 a)  
18. 16. *καταβήσεται* Γ. [A ἐπὶ Γ.] (8 a)  
— 16. *καταβήσεται* ἐπὶ πηγὴν 'P. (8 a)  
— 18 (17). *καταβήσεται* ἐπὶ λίθον B. (8 a)  
— 18. *καὶ* καταβήσεται (8 a)  
19. 48. *καταβήναι* [A -βαίνειν] εἰς τὴν κοιλίδα (8 a)  
24. 4. *κατέβησαν* εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
Jd. 1. 9. *κατέβησαν* οἱ υἱοὶ Ἰ. (8 a)  
— 34. *καταβήναι* εἰς τὴν κοιλίδα (8 a)  
— 27. *καὶ* κατέβησαν σὺν αὐτῷ (8 a)  
— 28. *κατάβητε* [A -βαίνετε] ὀπίσω μου (17)  
— 28. *κατέβαινον* ὀπίσω αὐτοῦ (8 a)  
4. 14. *καὶ* κατέβη Βαράκ (8 a)  
— 15. *καὶ* κατέβη Ζισάρα (8 a)  
5. 11. *κατέβη* εἰς τὰς πόλεις λαός (8 a)  
— 13. *Β* κατέβη κατὰ μίαν [B -λημμα] τοῖς ἰσχυροῖς [A al.] (8 a)  
— 13. *λαὸς* κυρίου κατέβη αὐτῷ [A al.] (8 a)  
— 14. *ἐν* ἐμοὶ [A ἐξ ἐμοῦ] Μ. κατέβησαν (8 a)  
7. 9. *καταβήθη* ἐν τῇ παρεμβολῇ [A al.] (8 a)  
— 9 (10). *εἰ* φοβῇ σὺ καταβῆναι κατὰ βῆθ σὺ (8 a, 8 a)  
— 10 (11). *καταβήσῃ* ἐν τῇ παρεμβολῇ (8 a)  
— 11. *καὶ* κατέβη αὐτός (8 a)  
— 24. *κατάβητε* εἰς συνάντησιν Μ. (8 a)  
9. 36. *ἰδοὺ* λαὸς καταβαίνει [A -νω] (8 a)  
— 37. *ἰδοὺ* λαὸς καταβαίνον (8 a)  
11. 37. *καὶ* καταβήσομαι ἐπὶ τὰ ὄρη (8 a)  
14. 1. *κατέβη* Σαμψὼν εἰς Θ. (8 a)  
— 5. *καὶ* κατέβη Σαμψὼν (8 a)  
— 7. *καὶ* κατέβησαν (8 a)  
— 10. *καὶ* κατέβη ὁ πατήρ αὐτοῦ (8 a)  
— 19. *καὶ* κατέβη εἰς Ἀσκαλὼνα (8 a)  
15. 8. *καὶ* κατέβη (8 a)

Jd. 15. 8. *A* καὶ κατέβη παρὰ τῇ χειμάρρῳ [B al.] + (8 a)  
— 11. *καὶ* κατέβησαν τρισχίλιοι [A al.] (8 a)  
— 12. *δησαί* [A τοῦ δ.] σε κατέβημεν (8 a)  
16. 31. *κατέβησαν* οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ (8 a)  
20. 45. *κατέβησαν* ὀπίσω αὐτῶν [A al.] (2)  
Ru. 3. 6. *κατέβη* εἰς τὸν ἄλω (8 a)  
I Ki. 6. 21. *κατάβητε* καὶ ἀναγάγετε αὐτήν (8 a)  
9. 25. *καὶ* κατέβη ἐκ τῆς Βαμὰ (8 a)  
— 27. αὐτὸν καταβαίνοντων εἰς μέρος τῆς πόλεως (8 a)  
10. 5. *προφητῶν* καταβαίνοντων ἐκ τῆς Βαμὰ (8 a)  
— 8. *καταβήσῃ* ἐμπροσθεν τῆς Γ. (8 a)  
— 8. *καταβαίνω* πρὸς σέ (8 a)  
13. 12. *B* νῦν καταβήσονται οἱ ἀλλοφύλοι (8 a)  
— 20. *B* καὶ κατέβαινον πᾶς Ἰσρ. (8 a)  
14. 36. *καταβῶμεν* ὀπίσω τῶν ἀλλοφύλων (8 a)  
— 37. *εἰ* καταβῶ ὀπίσω τῶν ἀλλοφύλων (8 a)  
15. 12. *καὶ* κατέβη εἰς Γ. (8 a)  
17. 8. *καταβήτω* πρὸς μέ (8 a)  
— 28. *A* ἵνα τί τοῦτο κατέβης (8 a)  
— 28. *A* ἔρεκεν τοῦ ἰδεῖν τὸν πόλεμον κατέβης (8 a)  
22. 1. *καταβαίνουσι* πρὸς αὐτὸν ἐκεῖ (8 a)  
23. 4. *κατάβηθι* εἰς K. (8 a)  
— 6. αὐτὸς μετὰ Δ. εἰς K. κατέβη (8 a)  
— 8. *καταβαίνειν* εἰς πόλεμον (8 a)  
— 11. *εἰ* καταβήσεται Σαούλ (8 a)  
— 20. *εἰς* κατὰ βασιν καταβαίνετω (8 a)  
— 25. *καὶ* κατέβη εἰς τὴν πέτραν (8 a)  
24. 8. *καὶ* κατέβη τὴν [A εἰς τ.] ὁδόν (4)  
25. 1. *κατέβη* εἰς τὴν ἔρημον Μ. (8 a)  
— 20. αὐτῆς . . . *καταβαίνουσιν* ἐν σκέπῃ τοῦ ὄρους (8 a)  
— 20. *κατέβαινον* [A -αν] εἰς συνάντησιν αὐτῆς (8 a)  
26. 2. *A* καὶ κατέβη [B ἀνέστη] Σαούλ + (8 a)  
— 2. *καὶ* κατέβη [A ἐπορεύθη] εἰς τὴν ἔρημον Ζιφ (8 a)  
— 10. *ἡ* εἰς πόλεμον καταβῇ (8 a)  
30. 24. *κατὰ* τὴν μερίδα τοῦ καταβαίνοντος (8 a, 8 b\*)  
II Ki. 1. 21. *B* μὴ καταβάτω [B -βοί, A² -βήτω] (8 a)  
— 5. 17. *κατέβη* εἰς τὴν περιοχὴν (8 a)  
— 24. *A* B² καταβήσῃ [B -σε] πρὸς αὐτοῦς (8 a)  
11. 8. *κατάβηθι* εἰς τὸν οἶκόν σου (8 a)  
— 9. *οὐ* κατέβη εἰς τὸν οἶκόν αὐτοῦ (8 a)  
— 10. *οὐ* κατέβη Οὐρίας εἰς τὸν οἶκόν αὐτοῦ (8 a)  
— 10. *τί* οὐ κατέβη [A¹ καταβῇ, A² καταβῆς] εἰς τὸν οἶκόν σου (8 a)  
— 13. *εἰς* τὸν οἶκόν αὐτοῦ οὐ κατέβη (8 a)  
17. 18. *καὶ* κατέβησαν ἐκεῖ (8 a)  
19. 16 (17). *καὶ* κατέβη μετὰ ἀνδρὸς Ἰουδα (8 a)  
— 20 (21). *A* B τὸ κατὰ βῆθι με [B om.] (8 a)  
— 24 (25). *κατέβη* εἰς ἀπαντὴν τοῦ βασι. (8 a)  
— 31 (32). *Βερζ.* ὁ Γαλ. *κατέβη* ἐκ 'P. (8 a)  
21. 15. *καὶ* κατέβη Δαυὶδ (8 a)  
22. 10. *καὶ* κατέβη (8 a)  
23. 13. *κατέβησαν* τρεῖς ἀπὸ τῶν τριάκοντα (8 a)  
— 13. *κατέβησαν* εἰς K. (1)  
— 30. *B* καὶ αὐτὸς κατέβη (8 a)  
— 21. *B* καὶ κατέβη πρὸς αὐτόν (8 a)  
III Ki. 1. 25. *ὅτι* κατέβη σήμερον (8 a)  
— 38. *καὶ* κατέβη Σαδὼκ (8 a)  
2. 8. *κατέβη* εἰς ἀπαντὴν μου (8 a)  
8. 1 (2. 8). *κατέβαινον* εἰς ἀποντὴν μοι (8 a)  
6. 32. *A* κατέβαινον ἐπὶ τὰ χερ. (8 a)  
18. 44. *ζεύξον* τὸ ἄρμα σου καὶ κατὰ βῆθ (8 a)  
20 (21). 16. *κατέβη* Ἀχ. εἰς τὸν ἀμπέλωνα Ναβ. (8 a)  
— 18. *κατάβηθι* εἰς ἀπαντὴν Ἀχ. (8 a)  
— 18. *καταβήσκειν* ἐκεῖ κληρονομήσαι αὐτόν (8 a)  
22. 2. *κατέβη* Ἰωσ. . . πρὸς βασιλῆα Ἰσρ. (8 a)  
IV Ki. 1. 4, 6. *οὐ* καταβήσῃ ἀπ' αὐτῆς (8 a)  
— 9. ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσέ σε, κατὰ βῆθ (8 a)  
— 10. *καταβήσεται* πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)  
— 10. *κατέβη* πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)  
— 11. *ταχέως* κατὰ βῆθ (8 a)  
— 12. *καταβήσεται* πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)  
— 12. *καὶ* κατέβη πῦρ (8 a)  
— 14. *κατέβη* πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)  
— 15. *κατάβηθι* μετ' αὐτοῦ (8 a)  
— 15. *κατέβη* μετ' αὐτοῦ πρὸς τὸν βασι. (8 a)  
— 16. *οὐ* καταβήσῃ ἀπ' αὐτῆς (8 a)  
3. 12. *καὶ* κατέβη [A -ῆσαν] πρὸς αὐτόν (8 a)  
5. 14. *καὶ* κατέβη Ναυμάν (8 a)  
6. 18. *κατέβησαν* πρὸς αὐτόν (8 a)  
— 33. ἄγγελος κατέβη πρὸς αὐτόν (8 a)  
7. 17. *ἐν* τῷ καταβῆναι τὸν ἄγγελον πρὸς αὐτόν (8 a)  
8. 29. *κατέβη* τοῦ ἰδεῖν τὸν Ἰ. (8 a)

IV Kt. 9. 16. **A** κατέβη εἰς Ἰεζρ. [B ἐν Ἰσρ.] (4 ?)  
 — 16. κατέβη ἰδεῖν τὸν Ἰ. (8 a)  
 — 32. κατέβη μετ' ἐμοῦ †  
 10. 13. κατέβημεν εἰς εἰρήνην τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (8 a)  
 13. 14. κατέβη πρὸς αὐτὸν Ἰωάς (8 a)  
 20. 11. **A** κατέβη ἐν ἀναβαθμοῖς Ἀχαζ (8 a)  
 I Ch. 7. 21. κατέβησαν τοῦ [A οπι.] λαβεῖν τὰ κτήνη αὐτῶν (8 a)  
 11. 15. καὶ κατέβησαν τρεῖς (8 a)  
 — 22. καὶ οὗτος κατέβη (8 a)  
 — 23. καὶ κατέβη ἐπ' αὐτὸν Βαν. (8 a)  
 II Ch. 7. 1. τὸ πῦρ κατέβη ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)  
 — 3. ἑώρων καταβαίνον τὸ πῦρ (8 a)  
 18. 2. κατέβη διὰ τέλους ἐτῶν πρὸς Ἀχ. (8 a)  
 20. 16. κατέβητε ἐπ' αὐτούς (8 a)  
 22. 6. Ὁχ. υἱὸς Ἰωρὰμ βασ. Ἰούδα κατέβη (8 a)  
 I Es. 1. 29. καὶ κατέβησαν οἱ ἄρχοντες (8 a)  
 Ne. 3. 15. ἔως τῶν κλιμακῶν τῶν καταβαινουσῶν (8 a)  
 6. 3. οὐ δυνήσομαι καταβῆναι (8 a)  
 — 3. καταβήσομαι πρὸς ὕμιας (8 a)  
 9. 13. ἐπὶ ὅρος Σινὰ κατέβησεν (8 a)  
 To. 3. 17. κατέβη ἐκ τοῦ ὑπερφύου (8 a)  
 6. 2. τὸ δὲ παιδίον κατέβη περικλύσασθαι [S al.] (8 a)  
 14. 10. αὐτὸς κατέβη εἰς τὸ σκότος [S al.] (8 a)  
 Ju. 2. 27. κατέβη εἰς πεδῖον Δαμασκῶ (8 a)  
 3. 6. κατέβη ἐπὶ τὴν παραλίαν [A ἐπαρχίαν] (8 a)  
 5. 10. καὶ κατέβησαν εἰς Αἴγυ. (8 a)  
 6. 14. καταβάντες δὲ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (8 a)  
 10. 2. κατέβη εἰς τὸν οἶκον (8 a)  
 — 10. ἔως οὐ κατέβη τὸ ὄρος (8 a)  
 — 15. σπεύσασα καταβῆναι (8 a)  
 13. 12. ἐσπούδασαν τοῦ [S om.] καταβῆναι (8 a)  
 14. 2. ὡς καταβαίνοντες ἐπὶ τὸ πεδῖον (8 a)  
 — 2. καὶ οὐ καταβήσασθε (8 a)  
 — 13. ἐτόλμυσαν οἱ δοῦλοι καταβαίνειν [S βῆναι] (8 a)  
 Jb. 7. 9. εἰν γὰρ ἄνθρωπος καταβῆ εἰς ἄδην (8 a)  
 17. 16. ἡ μετ' ἐμοῦ εἰς ἄδην καταβήσονται [A -σεται] (8 a)  
 — 16. ἡ ὁμοθυμᾶν ἐπὶ χρώματος καταβήσονται (14 a ?)  
 36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πνίγης (14 a ?)  
 38. 30. ἡ καταβαίνει ὥσπερ ὕδωρ ῥέον (5 ?)  
 Ps. 7. 16. ἐπὶ κορυφῇ αὐ. ἡ ἀδικία αὐ. καταβήσεται (8 a)  
 17 (18). 9. ἐκλινεν οὐρανὸν [S' -οὐς] καὶ κατέβη (8 a)  
 21 (22). 29. πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν γῆν (8 a)  
 27 (28). 1. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (8 a)  
 29 (30). 3. τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)  
 — 9. ἐν τῷ καταβῆναι [S' -βαίνειν] με εἰς διαφθοράν (8 a)  
 54 (55). 15. καταβήτωσαν εἰς ἄδην ζῶντες (8 a)  
 71 (72). 6. καταβήσεται ὡς ὑέτος ἐπὶ πόκον (8 a)  
 87 (88). 4. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)  
 103 (104). 8. καταβαίνουσιν πηδία εἰς τόπον (8 a)  
 106 (107). 23. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλ. (8 a)  
 — 26. καταβαίνουσιν ἔως τῶν βύσσων (8 a)  
 113. 25 (115. 17). οὐδὲ πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς ἄδην (8 a)  
 118 (119). 136. διεξέδους ὑδάτων κατέβησαν [A διεβ.] (8 a)  
 132 (133). 2. ὡς μύρον . . . τὸ καταβαίνειν ἐπὶ πώγων . . . τὸ καταβαίνειν ἐπὶ τὴν ὄψαν τοῦ ἐνδύματος αὐ. (8 a, 8 a)  
 — 3. ὡς ὁρόσος Ἀραμῶν ἡ καταβαίνουσα ἐπὶ τὰ ὄρη Σιών (8 a)  
 188 (139). 8. εἰν καταβῶ εἰς τὸν ἄδην (7)  
 142 (143). 7. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (8 a)  
 143 (144). 5. κλινὸν οὐρανοῦ σου καὶ κατέβηθι (8 a)  
 Pr. 24. 27 (30. 4). τίς ἀνέβη ἐκ τῶν οὐρανῶν καὶ κατέβη (8 a)  
 Ec. 3. 21. εἰ καταβαίνει αὐτὸ κάτω εἰς γῆν (8 a)  
 Ca. 5. 1 (4. 16). B ἵνα καταβῇ δὲ νυμφίος (8 a)  
 — I (4. 16). καταβήτω ἀδελφεῖός μου εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (1)  
 6. 1 (2). κατέβη εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (8 a)  
 — 10 (11). εἰς κῆπον καρύας κατέβη (8 a)  
 Si. 32 (35). 15. οὐχὶ δάκρυα χίρας ἐπὶ σιαγόνα [S -ας, A -ι] καταβαίνει (8 a)  
 50. 20. καταβὰς ἐπῆρε χεῖρας αὐ. [A al.] (8 a)  
 Am. 6. 2. κατέβητε ἐκεῖθεν εἰς Γεθ (8 a)  
 8. 8. καὶ καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἴγυ. (20 b)  
 9. 5. καὶ καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἴγυ. (20 a)  
 Mi. 1. 3. B καὶ καταβήσεται (8 a)  
 — 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου ἐπὶ πύλας (8 a)

Ob. 1. 16. καὶ καταβήσονται (10 ?)  
 Jn. 1. 3. καὶ κατέβη εἰς Ἰώπηνη (8 a)  
 — 5. κατέβη εἰς τὴν κοιλὴν τοῦ πλοίου (8 a)  
 2. 7. κατέβημεν εἰς γῆν (8 a)  
 Na. 3. 7. πᾶς ὁ ὄρων σε καταβήσεται ἀπὸ σοῦ (12)  
 Hg. 2. 23 (22). καὶ καταβήσονται ἱπποὶ [A al.] (8 a)  
 Is. 5. 14. καταβήσονται οἱ ἐνδοξοὶ (8 a)  
 14. 11. κατέβη εἰς ἄδην ἡ δόξα σου (8 b)  
 — 15. νῦν δὲ εἰς ἄδην [A B -δου] καταβήσῃ (8 b)  
 — 19. μετὰ . . . καταβαινόντων εἰς ἄδην (8 a)  
 25. 12. **A B E** καταβήσεται [B -σονται] ἔως τοῦ ἐδάφους (11)  
 30. 2. οἱ πορευόμενοι καταβήσονται εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
 31. 1. οὐαὶ οἱ καταβαίνοντες εἰς Αἴγυπτον (8 a)  
 — 4. οὗτως καταβήσεται κυρίως σαβαώθ (8 a)  
 32. 19. ἡ δὲ χάλαια ἐὰν καταβῇ (8 a)  
 34. 5. ἐπὶ τὴν Ἰουδαίαν καταβήσεται (8 a)  
 38. 8. οὐκ κατέβη τοὺς δέκα ἀναβαθμοὺς [S al.] (8 a)  
 — 8. οὐκ κατέβη ἡ σικὰ (8 a)  
 42. 10. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλασσαν (8 a)  
 47. 1. κατέβηθι κἀθισον ἐπὶ τὴν γῆν (8 a)  
 52. 4. εἰς Αἴγυπτον κατέβη ὁ λαὸς μου (8 a)  
 55. 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ ὑέτος (8 a)  
 63. 14. κατέβη πνεῦμα παρὰ κυρίου (8 a)  
 Je. 18. 2. κατέβηθι εἰς οἶκον τοῦ κεραμῆος (8 a)  
 — 3. κατέβη εἰς τὸν οἶκον τοῦ κεραμῆος (8 a)  
 22. 1. κατέβηθι εἰς τὸν [S' ἐν'] οἶκον τοῦ βασ. Ἰ. (8 a)  
 27 (50). 27. καταβήτωσαν εἰς σφαγὴν (8 a)  
 28 (51). 14. φθέρονται ἐπὶ σὲ οἱ καταβαίνοντες [A -βένν.] † (8 a)  
 31 (48). 15. κατέβη εἰς εἰς σφαγὴν (8 a)  
 — 18. **A B S'** κατέβηθι ἀπὸ δόξης (8 a)  
 43 (36). 12. κατέβη εἰς οἶκλιν [A S -κον] τοῦ βασ. (8 a)  
 — 14. κατέβη πρὸς αὐτούς (1)  
 51 (44). 28. **A** οἱ καταβαίνοντες [B παροικούντες, B κασσανάτες] ἐν γῇ Αἴγυ. (1)  
 Ba. 3. 19. εἰς ἄδην κατέβησαν (8 a)  
 Ez. 22. 24. **A** οὐδὲ ὑέτος καταβήσεται σοὶ [B al.] (31)  
 22. 8. τοῦ ἀναβῆναι [A' καταβ.] θυμὸν † (8 a)  
 26. 16. καταβήσονται . . . πάντες οἱ ἄρχοντες (8 a)  
 — 20. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς Βόθρον (8 a)  
 — 20. μετὰ καταβαίνοντας εἰς Βόθρον (8 a)  
 27. 29. καταβήσονται . . . πάντες οἱ κωπηλάται (8 a)  
 30. 6. καταβήσεται ἡ ὕβρις τῆς ἰσχύος αὐτῆς (8 a)  
 31. 12. κατέβησαν . . . πάντες οἱ λαοὶ (8 a)  
 — 14. πρὸς καταβαίνοντας [? προσκ.] εἰς Βόθρον (8 a)  
 — 15. ἐν ἡ ἡμέρα κατέβη εἰς ἄδην (8 a)  
 — 16. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)  
 — 17. κατέβησαν μετ' αὐτοῦ εἰς ἄδην (8 a)  
 — 18. κατέβηθι καὶ καταβιβάζηθι † (8 a)  
 32. 18. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς Βόθρον (8 a)  
 — 19. **A** ἐξ ὑδάτων εὐπρεπεῖς κατέβηθι (8 a)  
 — 20. κατέβηθι καὶ κοιμήθηθι (8 a ?)  
 — 24. οἱ καταβαίνοντες ἀπείρητοι εἰς γῆς βάθος [A γῆν βάθους] (8 a)  
 — 24. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς Βόθρον (8 a)  
 — 27. κατέβησαν εἰς ἄδην ἐν ὅπλοις πολεμικοῖς (8 a)  
 — 29. μετὰ καταβαινόντων εἰς Βόθρον (8 a)  
 — 30. στρατηγία Ἀσσοῦρ οἱ καταβαίνοντες τραυματῖαι (8 a)  
 — 30. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς Βόθρον (8 a)  
 47. 1. κατέβαινε ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιῶ (8 a)  
 — 8. κατέβαινε ἐπὶ τὴν Ἀραβίαν (8 a)  
 — 15. ἀπὸ θαλάσσης τῆς μεγάλης τῆς καταβουήσης (3 ?)  
 Da. TH. 4. 10. καὶ ἄγιος ἀπ' οὐρανοῦ κατέβη (14 b)  
 — 20. ἄγιον καταβαίνοντα ἀπὸ [A ἐκ] τοῦ οὐρανοῦ (14 b)  
 I Ma. 2. 29. τότε κατέβησαν πολλοὶ (8 a)  
 — 31. κατέβησαν ἄνδρες (8 a)  
 10. 71. κατέβηθι πρὸς ἡμᾶς εἰς τὸ πεδῖον (8 a)  
 16. 14. καὶ κατέβη εἰς ἱερὸν (8 a)  
 II Ma. 2. 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)  
 — 10. καταβὰν τὸ πῦρ ἀνήλωσε τὰ δλοκαυτῶματα (8 a)  
 III Ma. 6. 18. δύο φοβεροεῖδε ἀγγελοὶ κατέβησαν (8 a)  
 [Aq. I Kt. 20. 19: 23. 11: IV Kt. 12. 20 (21): Ps. 21 (22). 30: 27 (28). 1: 29 (30). 4: 71 (72). 6: 182 (133). 2: 142 (143). 7: Pr. 26. 22: Is. 38. 18: 64. 1 (63. 19): Ez. 32. 21, 24, 25: Ho. 2. 23 (22).]

[Sm. I Kt. 20. 19: 23. 11, 20: 19: IV Kt. 12. 20 (21): Ps. 21 (22). 30: 27 (28). 1: 71 (72). 6: Pr. 26. 22: Is. 38. 18: 64. 1 (63. 19), 3 (2): Ez. 32. 25: Ho. 2. 23 (22).]  
 [Th. I Kt. 20. 19: 23. 11: Jb. 36. 16: Pr. 26. 22: Is. 64. 1 (63. 19), 3 (2): Ez. 32. 19, 25: Jn. 1. 6: Ho. 2. 23 (22).]  
 [Al. Ge. 48. 5, 20: 143 (144). 5.]

καταβάλλειν. (1) 𐤇𐤒𐤕 (2) 𐤇𐤒𐤕 (3) 𐤇𐤒𐤕  
 (4) 𐤇𐤒𐤕 a. qal. d. hi. (5) 𐤇𐤒𐤕 (6) 𐤇𐤒𐤕  
 (7) 𐤇𐤒𐤕 (8) 𐤇𐤒𐤕 pi. (9) 𐤇𐤒𐤕 hi.  
 II Kt. 20. 15. ἐνοῦσαν καταβαλεῖν τὸ τεῖχος (4 b)  
 IV Kt. 3. 19. πᾶν ξύλον ἀγαθὸν καταβαλεῖτε (4 b)  
 — 25. πᾶν ξύλον ἀγαθὸν κατέβαλον (4 b)  
 6. 5. ὁ εἰς καταβάλλον [A -βαλὼν] τὴν δοκὴν (4 b)  
 19. 7. καταβαλὼ [A -βαλλῶ] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (4 b)  
 II Ch. 32. 21. κατέβαλον [A' -ελαβον] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (4 b)  
 Ju. 9. 8. καταβαλεῖν σιδήρῳ κέρασιν θυσιαστηρίου σου (4 b)  
 Jb. 12. 14. εἰν καταβάλλῃ [A -στρέψῃ] τίς οἰκοδομήσει (1)  
 16. 10 (9). ὀργὴ χρηστέμενος κατέβαλε με (7)  
 — 15 (14). κατέβαλον με πτώμα [S' om.] ἐπὶ πτώματι (6)  
 Ps. 86 (37). 14. τοῦ καταβαλεῖν πτωχόν (4 b)  
 72 (73). 18. **B<sup>2</sup> S B** κατέβαλες αὐτούς (4 b)  
 105 (106). 26. τοῦ καταβαλεῖν αὐτοὺς ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 b)  
 — 27. τοῦ καταβαλεῖν τὸ σπέρμα αὐτῶν (4 b)  
 139 (140). 10. καὶ καταβαλεῖς αὐτούς (4 b)  
 Pr. 2. 26. πολλοὺς γὰρ τρώσασα καταβίβληκε (4 b)  
 18. 8. ὀκνηροὺς καταβάλλει φύβος † (8 a)  
 25. 28. ὥσπερ πάλιν τὰ τεῖχη καταβέβλημένη (8)  
 Si. 1. 30. ἐν μέσῳ συναγωγῆς καταβαλεῖ σε (8 a)  
 7. 7. μὴ καταβάλλῃς σεαυτὸν ἐν ὄχλῳ (8 a)  
 8. 16. ὅπου οὐκ ἔστι βοήθεια καταβαλεῖ [S' -βαλ- λει] σε (8 a)  
 14. 18. τὰ μὲν καταβάλλει ἄλλα δὲ φύει (8 a)  
 47. 4. καταβαλεῖν [S -εβαλεν] γυναικά του Γολιάθ (8 a)  
 Hg. 2. 23 (22). **A** καταβαλὼ τὰ ὄρια αὐτῶν (8 a)  
 Is. 18. 9. τὰ δένδρα σου κατέβαλεν [S' -ελαβεν] Ἐσ. † (8 a)  
 26. 5. πόλεις ὀχυρὰς καταβαλεῖς (8 a)  
 Je. 19. 7. καταβαλὼ αὐτοὺς ἐν μαχαίρᾳ (4 b)  
 Ba. 2. 19. καταβάλλομεν τὸν ἔλεον (8 a)  
 Ez. 6. 4. καταβαλὼ τραυματίας ὑμῶν (4 b)  
 28. 25. τοὺς καταλοιπούς σου ἐν ῥομφαίᾳ καταβαλοῦσιν (4 a)  
 26. 4. καταβαλοῦσι τὰ τεῖχη Σὺρ καὶ καταβαλοῦσι [A καθελοῦσιν] τοὺς πύργους σου (8, 1)  
 — 9. τοὺς πύργους σου καταβαλεῖ (8)  
 — 12. καταβαλεῖ τὰ τεῖχη σου (1)  
 29. 5. καταβαλὼ σε ἐν τάχει (8 a)  
 30. 23. καταβαλὼ τὴν μάχαραν αὐτοῦ (4 b)  
 31. 12. καταβαλον αὐτὸν ἐπὶ τῶν ὀρέων (8)  
 32. 12. καταβαλὼ τὴν ἰσχύν σου (4 b)  
 33. 4. **A** ἐλθούσα ἡ ῥομφαία καταβάλῃ αὐτὸν [B al.] (2)  
 39. 3. καταβαλὼ σε ἐπὶ τὰ ὄρη τὰ Ἰσ. (4 b)  
 Da. TH. 11. 12. καὶ καταβαλεῖ μυριάδας (4 b)  
 I Ma. 4. 33. κατέβαλε αὐτοὺς ῥομφαίᾳ ἀγαπώντων σε (8 a)  
 II Ma. 2. 13. ὡς καταβαλλόμενος βιβλιοθήκη (8 a)  
 4. 42. τινὰς δὲ κατέβαλον (8 a)  
 5. 6. δοκῶν δὲ . . . τρώπαια καταβάλλεσθαι (8 a)  
 8. 18. **B** τὸν ἔλεον κόσμον . . . καταβαλεῖν [A -λαβείν] (8 a)  
 IV Ma. 12. 1. καταβλήθει εἰς λέβητα (8 a)  
 [Sm. Jb. 41. 1: Ps. 72 (78). 18: 139 (140). 11.] (8 a)  
 [Th. Ps. 139 (140). 11.] (8 a)  
 [Al. Pr. 21. 25: Ez. 32. 4.] (8 a)  
 [Quint. Sext. Ps. 139 (140). 11.] (8 a)  
 καταβαρύνειν. (1) 𐤇𐤒𐤕  
 II Kt. 18. 25. οὐ μὴ καταβαρυνθῶμεν ἐπὶ σέ (1)  
 14. 26. καταβαρύνετο ἐπ' αὐτόν (1)  
 Si. 8. 15. **B** ἵνα μὴ καταβαρυνθῇ [A S B βαρ-, B' -νῃ τὰ] κατὰ σου (8 a)  
 JI. 2. 8. καταβαρυνόμενοι ἐν τοῖς ὅπλοις αὐ. † (8 a)  
 [Th. Is. 24. 20.] (8 a)  
 καταβάσιος.  
 WI. 10. 6. ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ καταβάσιον πενταπόλεως (8 a)

**κατάβασις.** (1) **קָטַב** (2) **א. קָטַב** **δ. קָטַב**  
 Jo. 8. 24. καὶ ἐν τῷ ὄρει ἐπὶ [A om.] τῆς κ. +  
 10. 11. ἐπὶ τῆς κ. Ὀρῶνιν (2 b)  
 Jd. 1. 16. ἡ ἔστιν [A om. ἡ ε.] ἐπὶ καταβάσεως Ἀ. +  
 I Ki. 23. 20. εἰς καταβάσιν καταβαίνετω (2 a)  
 II Ki. 13. 34. λαὸς πολλὸς πορευόμενος . . . ἐν  
 τῇ κ. -  
 III Ki. 7. 29. ἔργον καταβάσεως (2 b)  
 Si. 43. 17. ὡς ἀκρις καταλύουσα ἡ κ. αὐτῆς  
 46. 6. ἐν καταβάσει ἀπώλεσεν ἀνθεστηκός  
 Mi. 1. 4. ὡς ὕδωρ καταφέρω, ἐν καταβάσει (2 b)  
 Ez. 48. 1. κατὰ τὸ μέρος [A μέτρον] τῆς κ. (1)  
 I Ma. 3. 24. ἐν τῇ κ. Βαυδωρῶν  
 [Aq., Sm., Is. 32. 19.]  
 [Al. Le. 19. 14.]

**καταβέννεν.**

Je. 28 (51). 14. Α φθέγγονται ἐπὶ σέ οἱ κατα-  
 βέννοντες [B S -βαίν.] +

**καταβιάζομαι.** (1) **קָטַב** (2) **קָטַב**

Ge. 19. 3. B κατεβιάσαστο [A παρεβιάζετο] αὐ-  
 τοὺς (2)

Ex. 12. 33. κατεβιάζοντο οἱ Αἱγ. τὸν λαόν (1)

**καταβιάζω.** (1) **קָטַב** **α. qal.** **δ. hi.** **c. hoph.**

De. 21. 4. καταβιάσουσιν . . . δάμαλιν (1 b)

Jo. 2. 18. δι' ἧς κατεβιάσας ἡμᾶς (1 b)

Jd. 7. 5. A κατεβιάσαν [B -ἡνεγκε] τὸν λαόν (1 b)

Je. 28 (51). 40. καταβιάσων [B<sup>1</sup> -σω] αὐτοὺς  
 ὡς ἄρνας (1 b)

Ba. 3. 29. κατεβιάσαν αὐτὴν ἐκ τῶν νεφελῶν  
 La. 1. 9. κατεβιάσαν ὑπὲρ ὅρακα (1 a)

Ez. 26. 20. καταβιάσω [A -βιάω] σε πρὸς τοὺς  
 καταβαίνοντας (1 b)

28. 8. καταβιάσουσί σε (1 b)

31. 16. κατεβιάζον αὐτὸν εἰς ἄδου (1 b)

— 18. καταβιάσθητι μετὰ τῶν ξύλων τῆς  
 τρυφῆς (1 c)

32. 18. καταβιάσουσιν αὐτῆς τὰς θυγατέρας  
 τὰ ἐξ ἡνεκράς (1 b)

[Aq. Ge. 27. 40: Ps. 55 (56). 8: Pr. 30. 4.]

**καταβιβάσκω.** (1) **א. קָטַב** **pu.** **δ. קָטַב**

Ne. 2. 3. αἱ πύλαι αὐτῆς κατεβιβάσθησαν [A καὶ  
 ἔβρ.] ἐν πυρὶ (1 a)

— 13. καὶ πύλαι αὐτῆς κατεβιβάσθησαν πυρὶ  
 [A S ἐν π.] (1 a)

Si. 33 (36). 9. καταβιβάσθη δ' [B<sup>1</sup> δ' μὴ, B<sup>2</sup> δ' ἀσε-  
 βῆς δ'] σωζόμενος (1 b)

Ez. 39. 4. δέδοκται σε καταβιβάσθαι (1 b)

Da. LXX. Bel 30. ἵνα καταβιβάσῃ

— 41. καὶ καταβιβάσθησαν

Da. TH. Bel 42. καὶ κατεβιβάσθησαν παραχρῆμα

**καταβιοῦν.** (1) **קָטַב** **לָכַח**

Am. 7. 12. καὶ ἐκεῖ καταβιοῦν (1)

**καταβλάπτειν.**

III Ma. 7. 8. μηθένος αὐτοὺς τὸ σύνολον καταβλάπ-  
 τούτος

**καταβλέπειν.** (1) **קָטַב** **hi.**

Ge. 18. 16. κατεβλέψαν ἐπὶ πρόσωπον Σοδ. (1)

**καταβοᾶν.** (1) **קָטַב** (2) **קָטַב**

Ex. 5. 15. κατεβόησαν πρὸς Φαραώ (1)

22. 23 (22). κεκραάσαντες καταβοήσωσι πρὸς μέ (1)

— 27 (26). ἐάν οὖν καταβόησιν πρὸς μέ (1)

De. 15. 9. καταβοήσεται [A β.] κατὰ σοὺ πρὸς κ. (2)

24. 15. καταβοήσεται κατὰ [A οὐ κ. περὶ] σοὺ (2)

II Ma. 8. 3. τῶν καταβοῶντων πρὸς αὐτὸν αἱμάτων  
 [Sm. I Ki. 26. 14.]

**καταβόησις.**

Si. 32 (35). 15. ἡ κ. [B -πτωσις] ἐπὶ τῷ καταγαγόντι  
 αὐτὰ

**καταβολή.**

II Ma. 2. 29. τῆς ὅλης κ. φροντιστέον

**καταβόσκω.** (1) **קָטַב** **α. pi.** **δ. hi.**

Ex. 22. 5 (4). ἐάν δὲ καταβόσκῃ τις ἄρρον (1 b)

— 5 (4). ἀφῆ τὸ κτήνος αὐτοῦ καταβόσκῃ (1 a)

— 5 (4). ἐάν δὲ πάντα τὸν ἄρρον καταβόσκῃ -  
 [Sm., Al. Ps. 79 (80). 14.]

**καταβόσκησις.**

[Sm. Is. 6. 13.]

**καταβροχή.**

[Th. Pr. 3. 8.]

**κατάβρωμα.** (1) **א. לָכַח** **δ. לָכַח** **c. לָכַח****(2) קָטַב**

Nu. 14. 9. κατάβρωμα ἡμῶν ἐστίν (2)

De. 28. 26. ἔσονται οἱ νεκροὶ ἡμῶν κατάβρωμα (1 c)

31. 17. καὶ ἔσται κατάβρωμα (1 a)

Ju. 5. 24. B ἔσονται εἰς κατάβρωμα [A S -ωσιν]

10. 12. διδοῦσθαι ἡμῖν εἰς κατάβρωμα

Je. 7. 33. A εἰς κατάβρωμα πᾶσιν [B S εἰς βρῶ-  
 σιν] τοῖς πετεινοῖς (1 c)

Ez. 21. 32 (37). ἐν πυρὶ ἔσθ κ. (1 b)

29. 5. δέδοκται σε εἰς κ. [A βρῶσιν] (1 b)

33. 27. δοθήσονται εἰς κ. (1 a)

34. 5. ἐγενήθη εἰς κ. πᾶσι τοῖς θηρίοις (1 b)

— 8. εἰς κ. πᾶσι τοῖς θηρίοις (1 b)

— 10. οὐκ ἔσονται αὐτοὶ ἐπὶ εἰς κ. (1 b)

85. 12. ἡμῖν δέδοται εἰς κ. [A κατάσχεσιν] (1 a)

[Aq. Ez. 29. 5.]

[Sm. Is. 9. 5 (4).]

**κατάβρωσις.** (1) **לָכַח**

Ge. 31. 15. κατέφαγε καταβρώσει τὸ ἀργύριον  
 ἡμῶν (1)

Ju. 5. 24. A S ἔσονται εἰς κατάβρωσιν [B -ωμα]

**κατάγαιος.** (1) **קָטַב**

Ge. 6. 16. κατάγαια διώροφα . . . ποιήσεις αὐτήν (1)

**καταγγέλλειν.**

Pr. 17. 5. A ὁ καταγγέλλων [B S καταγελῶν]

πτωχῷ +

II Ma. 8. 36. B κατήγγελλεν ὑπὲρ μαχόν ἔχειν τὸν  
 θεόν [A om. τ. θ.] τοὺς Ἰουδ.

9. 17. B κατήγγελλτο [A -ας] τὸ τοῦ θεοῦ κράτος

[Sm. Ps. 39 (40). 6.]

[Sext. Ps. 2. 7.]

**κατάγειν.** *cf.* **καταγνύναι.** (1) **קָטַב** **hi.**

(2) **קָטַב** (3) **קָטַב** **α. qal.** **δ. hi.** **c. hoph.**

(4) **קָטַב** **pu.** (5) **קָטַב** **hi.** (6) **קָטַב**

(7) **קָטַב** **hi.** (8) **קָטַב** (9) **קָטַב**

(10) **קָטַב** **hi.** (11) **קָטַב**

Ge. 37. 25. ἐπορεύοντο δὲ καταγαγεῖν εἰς Αἴγ. (3 b)

— 28. κατήγαγον τὸν Ἰωσήφ εἰς Αἴγ. (1)

39. 1. Ἰωσήφ δὲ κατήγαγε εἰς Αἴγ. (3 c)

— 1. οἱ κατήγαγον αὐτὸν ἐκεῖ (3 b)

42. 20. A τὸν ἀδ. ἡμῶν . . . καταγάγετε [B ἀγ.] (1)

— 38. κατέχευέ μου τὸ γῆρας (3 b)

43. 11. καταγάγετε τὸν ἀνθρώπον δῶρα (3 b)

44. 21. καταγάγετε αὐτὸν πρὸς μέ (3 b)

— 29. κατέχευέ μου τὸ γῆρας (3 b)

— 31. κατέχουσιν . . . τὸ γῆρας τοῦ παιδὸς  
 σου (3 b)

45. 13. καταγάγετε τὸν πατέρα μου δῶρα (3 b)

Jd. 7. 4. A κατὰγαγε [B κατένεγκον] αὐτοὺς (3 b)

16. 21. A κατήγαγον [B -ἡνεγκε] αὐτὸν εἰς Γ. (3 b)

I Ki. 2. 6. κατὰγει εἰς ἄδου καὶ ἀνάγει (3 b)

19. 12. κατὰγει ἡ Μ. τὸν Δαυὶδ (3 b)

30. 15. εἰ κατὰγει με ἐπὶ τὸ γεδδὸν τοῦτο (3 b)

— 15. κατέξω σε ἐπὶ τὸ γεδδὸν τοῦτο (3 b)

— 16. κατήγαγεν [A -ἡγεν] αὐτὸν ἐκεῖ (3 b)

III Ki. 1. 33. κατὰγαγε αὐτὸν εἰς τὴν Γ. (3 b)

2. 6. A B οὐ κατὰγει τὴν πολιάν αὐ. [B αλ.] (3 b)

— 9. A B κατὰγει τὴν πολιάν [B πόλιν] αὐ. (3 b)

3. 1 (2. 9). A B κατὰγει τὴν πολιάν [B πόλιν]  
 αὐ. (3 b)

5. 9 (23). οἱ δοῦλοι μου κατὰχουσιν αὐτὰ (3 b)

6. 35. χρυσὸν καταγομῶν ἐπὶ τὴν ἐκτίπωσιν (3 b)

17. 23. κατήγαγεν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὑπεράφου (3 b)

18. 40. καὶ κατὰγει αὐτοὺς Ἡ. (3 b)

IV Ki. 11. 19. κατήγαγον τὸν Βασ. ἐξ οἴκου κ. (3 b)

To. 3. 10. τὸ γῆρας αὐτοῦ κατέξω (3 b)

6. 14. κατέξω τὴν ζῶν τὸν πατρός μου (3 b)

13. 2. κατὰγει εἰς ἄδου καὶ ἀνάγει [B αλ.] (3 b)

Ps. 21 (22). 15. εἰ γοὺν θανάτῳ κατήγαγες με (11)

30 (31). 17. κατεβίβησαν εἰς ἄδου (2)

54 (55). 23. κατὰγει αὐτοὺς εἰς φέρεα διαφθορᾶς (3 b)

55 (56). 7. ἐν ὄργῃ λαοὺς κατὰγει (3 b)

58 (59). 11. κατὰγαγε αὐτοὺς (3 b)

77 (78). 16. κατήγαγεν ὡς ποταμὸν ὕδατα (3 b)

Pr. 5. 5. κατὰγουσι τοὺς χρωμένους αὐτῇ (3 a)

Pr. 7. 27. κατὰγουσαι εἰς τὰ [B<sup>1</sup> τὰ εἰς] ταμεία  
 τοῦ θανάτου (3 a)

Wi. 16. 13. κατὰγει εἰς πύλας ἄδου (3 a)

Si. 22. 19. ὁ νύσσων ὀφθαλμὸν κατὰγει δάκρυα

32 (35). 15. ἡ καταβόησις [B -πτωσις] ἐπὶ τῷ κα-  
 ταγαγόντι αὐτὰ

38. 16. τέκνον, ἐπὶ νεκρῷ κατὰγαγε [B κατὰγει] δάκρυα

48. 3. κατήγαγεν οὕτως [B<sup>2</sup> om.] τρεῖς πύρ

— 6. ὁ καταγαγὼν βασιλεὺς εἰς ἀπώλειαν

Ho. 7. 12. καθὼς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ κατέξω  
 αὐτοὺς (3 b)

Am. 3. 11. κατὰγει ἐκ σοῦ ἰσχύν σου (3 b)

9. 2. ἐκείθεν κατέξω αὐτοὺς (3 b)

Jl. 2. 17. τοῦ κατάρξει αὐτὰν [B<sup>1</sup> -ἀξει αὐτοὺς] +

3 (4). 2. καὶ κατέξω αὐτὰ εἰς τὴν κοιλάδα Ἰ. (3 b)

Ob. 1. 3. τίς με κατὰγει ἐπὶ τὴν γῆν (3 b)

— 4. ἐκείθεν κατέξω σε, λέγει κύριος (3 b)

Za. 9. 4. A S<sup>1</sup> κατὰγει [B S<sup>2</sup> πατάξει] εἰς θάλασ-  
 σαν δύναμιν (7)

— 10. B<sup>1</sup> κατὰγει [A B S<sup>2</sup> κατάρξει] ὑδάτων +

12. 4. B<sup>1</sup> τοὺς ἵππους . . . κατέξω [A B S<sup>2</sup>  
 πατάξω] (7)

Is. 9. 3 (2). ὁ κατήγαγεν ἐν εὐφροσύνῃ σου +

26. 5. κατήγαγεν τοὺς ἐνοικοῦντας ἐν ὑψηλοῖς (10)

— 5. πόλεις ὀχυράς . . . κατάρξει [A αλ.] (5)

63. 3. κατήγαγον τὸ αἶμα [B τὰ ἱμάτια] αὐτῶν  
 εἰς γῆν (3 b)

— 6. κατήγαγον τὸ αἶμα αὐτῶν εἰς γῆν (3 b)

Je. 9. 18 (17). καταγαγίτωσαν οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν  
 δάκρυα (3 a)

13. 17. κατάρξουσιν οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν δάκρυα (3 a)

14. 17. καταγαγέτε ἐπ' ὀφθαλμοῖς ἡμῶν δάκρυα (3 a)

19. 8. κατέξω [A τάρξω] τὴν πόλιν ταύτην εἰς  
 ἀφανισμόν (9)

37 (30). 6. κατέχουσιν [B<sup>1</sup> κατάρξ.] ὀσφύν -

La. 1. 13. ἐν τοῖς δστέοις μου κατήγαγεν αὐτό (8 ?)

— 16. ὁ ὀφθαλμὸς μου κατήγαγεν ὕδωρ (3 a)

Ps. 2. 10. κατήγαγεν εἰς γῆν ἀρχηγούς (3 b)

— 18. καταγαγέτε [A -τωσαν] ὡς χιμαῖρους  
 δάκρυα (3 b)

3. 48. ἀφέσεις ὑδάτων κατὰγει ὁ ὀφθαλμός  
 μου (3 a)

Ez. 26. 11. τὴν ὑπόστασιν τῆς ἰσχύος σου . . .  
 κατὰγει (3 a)

44. 14. κατάρξουσιν αὐτοὺς φυλάσσειν [A αλ.] +

III Ma. 4. 9. κατήγαγον δὲ θηρίων τρόπον

7. 5. δεσμῶν καταγαγόντες αὐτοὺς

— 19. καταχθέντες δὲ μετ' ἐλπίης

[Aq. Je. 14. 17: 51 (28). 40.]

[Sm. Ps. 55 (56). 8: 87 (88). 5: Je. 14. 17:  
 51 (28). 40.]

[Th. Ps. 48 (49). 15.]

**καταγελᾶν.** (1) **קָטַב** **hi.** (2) **קָטַב** (3) **קָטַב**

**α. qal.** **δ. hi.** (4) **קָטַב** (5) **קָטַב**

**α. qal.** **δ. hi.**

Ge. 38. 23. μή ποτε καταγελασθῶμεν (1)

II Ch. 30. 10. ἐγένοντο ὡς καταγελῶντες αὐτῶν (5 b)

To. 2. 8. B οἱ πλησίον μου καταγελῶν [A B αλ.]

Ju. 12. 12. καταγελάσεται ἡμῶν

Es. 4. 17. μή καταγελασάτωσαν [A γελ.] ἐν τῇ  
 πτώσει ἡμῶν

Jb. 5. 22. ἀδικῶ

**καταγέλαστος.**  
 Wi. 17. 8. οἷτος καταγέλαστον εὐλάβειαν ἐνύουσιν  
 κατάγελως. (1) כָּחַל  
 To. 8. 10. B και γυνώμεθα κατάγελως  
 Ps. 43 (44). 13. καταγέλαστα [A B<sup>3</sup> χλευασμὸν]  
 τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (1)  
 Mi. 1. 10. μὴ ἀνοικοδομήσεις . . . καταγέλαστα  
 [? κατὰ γ.] †  
 I Ma. 10. 70. ἐγὼ δὲ ἐγενήθην εἰς καταγέλαστα  
 [Sm. Jb. 20. 7.]  
 [Bext. Ps. 43 (44). 14.]  
**καταγνῶσκειν.** (1) כָּחַל  
 Is. 46. 4. ἔως ἂν καταγνῶσχη ἐγὼ εἰμι (1)  
**καταγίνεσθαι.** (1) א. כָּחַל δ. כָּחַל (2) יִבֶּן  
 Ex. 10. 23. ἐν πᾶσιν οἱς καταγίνονται ἐν αὐτοῖς (1 b)  
 Nu. 5. 3. ἐν οἷς ἐγὼ καταγίνομαι ἐν αὐτοῖς (2)  
 De. 9. 9. καταγίνω ἐν τῷ δρεῖ (1 a)  
 Da. LXX. Bel 20. ἐν ᾧ ἦσαν οἱ ἱερεῖς καταγινόμενοι  
**καταγινώσκειν.** (1) כָּחַל (2) עֲשֶׂה hi.  
 De. 25. 1. και καταγινώσι τοῦ ἀσεβοῦς (2)  
 Pr. 28. 11. πένθη δὲ νοήμων καταγινώσεται αὐτοῦ (1)  
 Si. 14. 2. οὐ οὐ κατέγνω ἡ ψυχὴ αὐτοῦ  
 19. 5. οὐ εὐφρανόμενος καρδίᾳ [B<sup>3</sup> ποιητὰ] κατα-  
 γινώσθεται  
 [Sm. Jb. 42. 6; Ez. 16. 61.]  
**κατάγμα.**  
 [Sm. Ps. 146 (147). 3; Ez. 21. 6 (11).]  
**καταγνῶναι, cf. κατάγειν.** (1) עָלַי ni. (2) עָלַי  
 (8) עָלַי (4) עָלַי pi. (5) עָלַי hi.  
 (6) עָלַי  
 De. 33. 11. κάταξον ὁσφὺν ἐχθρῶν (8)  
 II Ki. 22. 35. και κατὰξας τόξον χαλκοῦν (4)  
 Ju. 9. 8. κάταξον τὸ κράτος αὐτῶν  
 Hb. 8. 12. και ἐν θυμῷ κατὰξεις ἔθνη (2)  
 Za. 1. 21 (2. 4). και τὸν Ἰσραὴλ κατὰξας  
 9. 4. πατάξει [A B<sup>3</sup> κατὰξει] εἰς θάλασσαν  
 — 10. κατὰξει [B<sup>3</sup> κατὰξει] ὑδάτων  
 12. 4. τοὺς ἱπποῦς . . . πατάξω [B<sup>3</sup> κατὰξω]  
 Je. 31 (48). 25. κατὰχθῃ κίρας Μωάβ (1)  
 La. 3. 66. A αὐτοὺς κατὰξεις [B κατὰδιώξ.] ἐν  
 ὁργῇ (6)  
 [Aq. Dt. 9. 17.]  
 [Sm. Ps. 47 (48). 8; 50 (51). 19; 68 (69). 21.]  
 [Al. Le. 24. 20; Ps. 146 (147). 3.]  
**κατάγνωσις.**  
 Si. 5. 14. κατάνωσις ποιητὰ ἐπὶ διγλώσσου  
**καταγογγύζειν.**  
 I Ma. 11. 39. καταγογγύζουσι κατὰ τοῦ Δημητρ.  
**καταγράφειν.** (1) כָּחַל (2) כָּחַל hoph.  
 Ex. 17. 14. καταγράφον τοῦτο . . . εἰς βιβλίον  
 [A ἐν βιβλίῳ] (1)  
 32. 15. πλάκες λίθιναι καταγεγραμμ. [A γεγρ.] (1)  
 Nu. 11. 26. οὗτοι ἦσαν τῶν καταγεγραμμένων (1)  
 I Ch. 9. 1. και οὗτοι καταγεγραμμένοι ἐν βιβλίῳ (1)  
 II Ch. 20. 34. δὲ κατέγραψε βιβλίον [B<sup>3</sup> -ου]  
 βασιλείως Ἰσρ. (2)  
 I Es. 2. 16. A κατέγραψεν αὐτῷ [B -ων] κατὰ τῶν  
 κατοικούντων  
 Jb. 13. 26. κατέγραψας κατ' ἐμοῦ κακά (1)  
 Si. 48. 10. ὁ καταγράφεις ἐν ἐλεγμοῖς [A κ. ἐλεγ-  
 μὸς] εἰς [B<sup>3</sup> om.] καιροῦς  
 Ho. 8. 12. καταγράψω αὐτῷ πληθὺς (1)  
 I Ma. 9. 22. τῆς μεγαλωσύνης αὐτοῦ οὐ καταγράφη  
 14. 27. B B και κατέγραψαν [A -εν] ἐν δέλτοις  
 χαλκαῖς  
 [Sm. Ez. 8. 10.]  
**κατάγγειν.**  
 [Th. Jd. 11. 35 bis.]  
**καταδαμάζειν.** (1) עָלַי  
 Jd. 14. 18. A εἰ μὴ καταδαμάσατέ μου τὴν δάμαλιν  
 [B al.]  
**καταδαπανᾶσθαι.**  
 Wi. 5. 13. ἐν δὲ τῇ κακίᾳ ἡμῶν καταδαπανήθημεν

**καταδεῆς.**  
 [Sm. Jb. 13. 2.]  
**καταδεκνύναι.** (1) כָּחַל (2) כָּחַל (3) כָּחַל  
 Ge. 4. 21. οὗτος ἦν ὁ καταδείξας ψαλτήριον (8)  
 Is. 40. 26. τίς κατέδειξε πάντα ταῦτα (1)  
 41. 20. ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραὴλ κατέδειξεν (1)  
 43. 15. ὁ καταδείξας Ἰσραὴλ βασιλεῖα ὑμῶν (1)  
 45. 18. οὗτος ὁ θεὸς ὁ καταδείξας τὴν γῆν (2)  
**καταδεῖν.** (1) עָלַי (2) עָלַי hithp.  
 (3) עָלַי (4) עָלַי  
 Nu. 19. 15. B<sup>3</sup> B δσα οὐχί [A B<sup>3</sup> οὐκ ἔχει] δεσ-  
 μὸν καταδέχεται (4 ?)  
 III Ki. 21 (20). 38. καταδέχαστο τελαμῶν τοὺς  
 ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (8 ?)  
 Si. 27. 21. τραυμά ἐστι καταδέχασαι  
 28. 24. τὸ ἀργύριον σου και τὸ χρυσίον κατὰδεσον  
 Is. 46. 1. αἰρετέ [A ἔδετα] αὐτὰ καταδεδεμένα (2)  
 Ez. 34. 4. τὸ συνεττριμμένον οὐ κατέδεσθε (1)  
 — 16. τὸ συνεττριμμένον καταδέσθω (1)  
 [Aq. Ge. 30. 41.]  
 [Sm. Jb. 16. 8.]  
 [Th. Is. 61. 1; Ez. 30. 21.]  
**καταδεῖσθαι.** (1) עָלַי (2) עָלַי hithp.  
 Ge. 42. 21. ὅτε κατέδετο ἡμῶν (2)  
 Is. 57. 10. οὐ [B<sup>3</sup> δ] κατέδεθες μου σύ (1)  
 Ez. 30. 21. οὐ κατέδεθῃ [A add. μου] †  
**καταδεσμεύειν.**  
 Si. 7. 8. μὴ καταδεσμεύσης δις ἁμαρτίαν  
 30. 7. καταδεσμεύεις τραύματα αὐ.  
**καταδεσμός.** (1) עָלַי ru.  
 Is. 1. 6. οὐκ ἔστι μάλαγμα . . . οὐτε καταδέσμους (1)  
**καταδέχεσθαι.** (1) עָלַי (2) עָלַי  
 Ex. 35. 5. πᾶς ὁ καταδέχόμενος τῇ καρδίᾳ (2)  
 De. 32. 29. ταῦτα καταδέξασθωσαν (1)  
**καταδιαίρειν.** (1) עָלַי (2) עָלַי pi.  
 (3) עָלַי pi. (4) עָלַי pi.  
 Ps. 47 (48). 13. A B<sup>3</sup> B καταδιελθε τὰς βάρεις  
 αὐτῆς (4)  
 54 (55). 9. καταδιελε τὰς γλώσσας αὐτῶν (9)  
 136 (136). 13. τῷ καταδιελόντι τὴν ἐρυθρὰν  
 θάλασσαν (1)  
 J1. 8 (4). 2. και τὴν γῆν μου καταδιελαντο (2)  
 [Sm. Ps. 28 (29). 7.]  
 [Al. Is. 14. 2.]  
**καταδικάζειν.** (1) עָלַי pi. (2) עָלַי pi.  
 (3) א. עָלַי hi. δ. עָלַי  
 Jb. 34. 29. και τίς καταδικάσεται (8 a)  
 Ps. 36 (37). 33. A B οὐδὲ μὴ καταδικάσεται [B  
 -σαι] αὐτόν (8 a)  
 93 (94). 21. αἶμα ἀδόντων καταδικάζονται (8 a)  
 108 (109). 7. ἐξέλθοι καταδικασμένος (8 b)  
 Wi. 2. 20. θανάτω ἀσχημον καταδικάζωμεν αὐτόν  
 11. 10. ἐκείνους δὲ . . . καταδικάζων ἐξήτασας  
 12. 15. αὐτὸν τὸν μὴ ὀφειλόντα κολασθῆναι κατα-  
 δικάσας  
 17. 11. δειλὸν γὰρ ἰδίως ποιητρία μαρτυρεῖ [A B  
 -υρι] καταδικαζομένη (2)  
 La. 3. 36. καταδικάζει ἀνθρωπον ἐν τῷ κρί-  
 νεσθαι αὐτόν (2)  
 Da. Th. 1. 10. και καταδικάσθη τὴν κεφαλὴν  
 μου τῷ βασ. (1)  
 [Aq. Jb. 9. 20; 10. 2; Is. 54. 17.]  
 [Sm. Jb. 9. 20; Ps. 38 (37). 33.]  
 [Th. Jb. 9. 20; 34. 29.]  
**καταδική.**  
 Wi. 12. 27. τὸ τέρμα τῆς κ. ἐπ' αὐτοὺς ἐπῆλθε  
 [Sm. Ps. 89 (90). 3.]  
**καταδιώκειν.** (1) עָלַי hi. (2) עָלַי (3) עָלַי  
 (4) עָלַי (5) עָלַי (6) עָלַי a. qal. δ. pi.  
 (7) עָלַי (8) עָלַי  
 Ge. 14. 14. κατέδιωξεν ὁπίσω αὐτῶν (8 a)  
 — 15. B κατέδιωξεν αὐτοὺς (8 a)  
 31. 36. κατέδιωξας ὁπίσω μου (2)

Ge. 33. 13. B ἐὰν οὖν καταδιώξω αὐτὰ [A -οὐς] (3)  
 35. 5. οὐ κατέδιωξαν ὁπίσω τῶν νιῶν Ἰσρ. (8 a)  
 Ex. 14. 4. καταδιώκεται ὁπίσω αὐτῶν (8 a)  
 — 8. κατέδιωξεν [A<sup>3</sup> -αν] ὁπίσω τῶν νιῶν  
 Ἰσρ. (8 a)  
 — 9. κατέδιωξαν οἱ Αἰγύπτιοι ὁπίσω αὐτῶν (8 a)  
 — 23. και κατέδιωξαν οἱ Αἰγ. (8 a)  
 De. 1. 44. B και κατέδιωξαν [A B -εν] ὑμᾶς (8 a)  
 11. 4. καταδιώκοντων αὐτὸν ἐκ τῶν ὁπίσω  
 ὑμῶν (8 a)  
 28. 22, 45. και καταδιώκονται σε (8 a)  
 Jo. 2. 5. καταδιώκατε ὁπίσω αὐτῶν (8 a)  
 — 7. και οἱ ἄνδρες κατέδιωξαν ὁπίσω αὐτῶν (8 a)  
 — 8 (7). A ὡς ἐξῆλθον οἱ καταδιώκοντες [B δι.] (8 a)  
 — 16. μὴ συναυτῶσιν ὑμῖν οἱ καταδιώ-  
 κοντες (8 a)  
 — 16. ἀποστρέψωσιν [A ἀναστρ.] οἱ καταδιώ-  
 κοντες (8 a)  
 — 22. ἐξεζήτησαν οἱ καταδιώκοντες (8 a)  
 7. 5. κατέδιωξαν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς πύλης (8 a)  
 8. 16. και κατέδιωξαν ὁπίσω τῶν νιῶν Ἰσρ. (8 a)  
 — 17. δε οὐ κατέδιωξεν ὁπίσω Ἰσρ. (5)  
 — 17. B κατέδιωξαν ὁπίσω Ἰσρ. (8 a)  
 — 24. οὐ κατέδιωξαν αὐτοὺς (8 a)  
 10. 10. και κατέδιωξαν αὐτοὺς (8 a)  
 — 19. μὴ ἐστήκατε καταδιώκοντες (8 a)  
 11. 8. κῆπτοντες αὐτοὺς καταδιώκον (8 a)  
 24. 6. κατέδιωξαν οἱ Αἰγύπτιοι (8 a)  
 Jd. 7. 23. A κατέδιωξαν [B ἐδ.] ὁπίσω M. (8 a)  
 — 25. και κατέδιωξαν M. (8 a)  
 9. 40. A και κατέδιωξεν [B ἐδ.] αὐτὸν Ἀβ. (8 a)  
 I Ki. 7. 11. B κατέδιωξαν τοὺς ἀλλοφύλους (8 a)  
 17. 52. κατέδιωξαν ὁπίσω αὐτῶν (8 a)  
 28. 25. και κατέδιωξεν ὁπίσω Δαυιδ (8 a)  
 — 28. μὴ καταδιώκειν ὁπίσω Δαυιδ (8 a)  
 24. 15. ὁπίσω τίνος καταδιώκει (8 a)  
 25. 29. ἄνθρωπος καταδιώκων σε (8 a)  
 26. 18. ἴνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κύριος (8 a)  
 — 20. καθὼς καταδιώκει ὁ νυκτοκόραξ (8 a)  
 30. 8. εἰ καταδιώξω ὁπίσω τοῦ γεδοῦρ τ. (8 a)  
 — 8. και εἶπεν αὐτῷ καταδιώκει (8 a)  
 — 10. B κατέδιωξεν ἐν τετρακοσίοις ἀνδράσιν  
 [A B al.] (8 a)  
 — 22. οὐ κατέδιωξαν μεθ' ἡμῶν (4)  
 II Ki. 2. 19. κατέδιωξεν Ἀα. ὁπίσω Ἀβ. (8 a)  
 — 24. κατέδιωξεν Ἰ. και Ἀβ. ὁπίσω Ἀβ. (8 a)  
 — 28. οὐ κατέδιωξαν ὁπίσω τοῦ Ἰσρ. (8 a)  
 17. 1. καταδιώξω ὁπίσω Δαυιδ (8 a)  
 20. 6. καταδιώξον ὁπίσω αὐτοῦ (8 a)  
 III Ki. 21 (20). 20. κατέδιωξεν αὐτοὺς Ἰσρ. (8 a)  
 I Ch. 10. 2. κατέδιωξαν ἀλλόθουσι ὁπίσω Σ. (1)  
 II Ch. 13. 19. κατέδιωξεν Ἀβ. ὁπίσω Ἰερ. (8 a)  
 14. 13 (12). και κατέδιωξεν Ἀσά (8 a)  
 Ne. 9. 11. B τοὺς καταδιώκοντας [B B -αντας,  
 A -κοντας] αὐτοὺς ἐρρίψας (8 a)  
 Ju. 16. 3. ἐκ χειρὸς καταδιωκόντων τὴν  
 Ps. 7. 5. καταδιώξαι ἀρα ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχὴν  
 μου (8 a)  
 17 (18). 37. καταδιώξω τοὺς ἐχθρούς μου (8 a)  
 22 (23). 6. τὸ ἔλεός σου καταδιώκεται [B<sup>3</sup>  
 -ξει] με (8 a)  
 80 (81). 15. ρύσαι με . . . ἐκ τῶν καταδιώ-  
 κόντων με (8 a)  
 84 (85). 3. ἐξ ἐναντίας τῶν καταδιωκόντων με (8 a)  
 — 6. ἄγγελος κυρίου καταδιώκων αὐτοὺς (8 a)  
 87 (88). 20. κατέδιωκον δικαιοσύνην [B<sup>3</sup> ἀγα-  
 θωσ.] (8 a)  
 68 (69). 26. ὅν σὺ ἐπάταξας αὐτοὶ κατέδιωξαν (8 a)  
 70 (71). 11. καταδιώκατε και καταλάβετε αὐ-  
 τῶν (8 a)  
 82 (83). 15. οὕτως καταδιώξεις αὐτοὺς (8 a)  
 108 (109). 16. κατέδιωξεν ἄνθρωπον [B<sup>3</sup> om.]  
 πένητα (8 a)  
 — 31. ἐκ τῶν καταδιωκόντων [B<sup>3</sup> διωκ.] τὴν  
 ψυχὴν μου (8)  
 118 (119). 84. ἐκ τῶν καταδιωκόντων με κρί-  
 σιν (8 a)  
 — 86. ἀδίκως κατέδιωξάν με (8 a)  
 — 150. οἱ καταδιώκοντές με ἀνομία (8 a)  
 — 161. ἀρχοντες κατέδιωξάν με δωρεάν (8 a)  
 141 (142). 6. ρύσαι με ἐκ τῶν καταδιωκόντων  
 με (8 a)  
 142 (143). 111. ὅτε αὐτὸν ὁ υἱὸς καταδιώκει [A  
 -διώξεν] —  
 — 3. A B<sup>3</sup> B κατέδιωξεν ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχὴν  
 μου (8 a)

Pr. 12. 26. ἀμαρτάνοντας δὲ καταδιώκεται κακά  
[S<sup>3</sup> om. d. . . κ.] (6 b)  
13. 21. ἀμαρτάνοντας καταδιώκεται κακά (6 b)  
Si. 27. 17. οὐ [A<sup>3</sup> om.] μὴ καταδιώξης ὅπως αὐ-  
τοῦ (7)  
Ho. 2. 7 (9). καταδιώκεται τοὺς ἐραστὰς αὐ. (6 b)  
8. 3. ἐχθρὸν καταδιώξαν (6 a)  
Mi. 2. 11. καταδιώχθη οὐδενὸς δίκοντος +  
Jl. 2. 4. καὶ ὡς [A<sup>3</sup> οἱ] ἱππεῖς οὕτως καταδιώ-  
ξονται (7)  
Je. 15. 15. ἀπὸ [S<sup>3</sup> ἐκ] τῶν καταδιωκόντων με (6 a)  
52. 8. καταδιώξεν ἡ δύναμις τῶν Χαλδ. (6 a)  
Ba. 4. 25. καταδιώξέ σε ὁ ἐχθρὸς  
La. 1. 3. πάντες οἱ καταδιώκοντες [S<sup>3</sup> δι.] αὐτήν (6 a)  
3. 11. καταδιώξεν ἀφεισηκτότα +  
— 66. αὐτοὺς καταδιώξεις [A<sup>3</sup> κατάξ.] ἐν ὁργῇ (6 a)  
I Ma. 7. 45. καὶ καταδιώκων αὐτοὺς  
10. 78. καταδιώξεν ὅπως αὐτοῦ  
12. 30. S<sup>3</sup> B καταδιώξεν ἰωνάθαν [A<sup>3</sup> -ξαν] ὅπως αὐ-  
τῶν  
16. 9. ἰωνάνης δὲ καταδιώξεν αὐτοὺς  
[Aq., Sm. Ps. 84 (35). 3: Pr. 11. 19.]  
[Th. Jd. 7. 23: Ps. 84 (35). 3: Pr. 11. 19: 19.  
7: Je. 39 (46). 5.]  
[Quint. Ps. 84 (35). 3.]  
**καταδολεσχείν.** (1) 𐤒𐤒 a. qal. δ. hi.  
La. 3. 20. καταδολεσχίει ἐπ' ἐμέ ἡ ψυχὴ μου  
(1 a, 1 b\*)  
**καταδουλοῦν.** (1) 𐤒𐤒 a. qal. δ. hi.  
(2) 𐤒𐤒  
Ge. 47. 21. B τὸν λαὸν καταδουλώσατο αὐτῷ  
[A<sup>3</sup> -ῶν]  
Ex. 1. 14. ἔργα ὧν καταδουλοῦντο αὐτοὺς (1 a)  
6. 5. ὅν οἱ Αἰγ., καταδουλοῦνται [A<sup>3</sup> -λῶσιν]  
αὐτοὺς (1 b)  
II Es. 7. 24. οὐκ ἐξουσίαις καταδουλοῦσθαι  
αὐτοὺς (3)  
Je. 15. 14. καταδουλώσω [A<sup>3</sup> -σουσίν] σε κύκλω +  
Ez. 29. 18. καταδουλώσατο τὴν δύναμιν αὐτοῦ (1 b)  
34. 27. ἐκ χειρὸς τῶν καταδουλώσων, αὐτοὺς (1 a)  
I Ma. 8. 10. καὶ καταδουλώσαντο αὐτοὺς  
— 18. A<sup>3</sup> B καταδουλωμένους τὸν Ἰσρ. δουλείαν  
[S<sup>3</sup> -ε]  
III Ma. 2. 6. Φαραὼ καταδουλώσασθαι τὸν λαὸν  
σου  
[Sm. Is. 43. 23: Je. 17. 4: 25. 14.]  
[Th. Is. 43. 23.]  
[Al. Le. 19. 20.]  
**καταδρομή.**  
II Ma. 5. 3. καὶ καταδρομὰς ἐκατέρωθεν  
**καταδιδεῖν** (-διδεῖν). (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒  
(3) 𐤒𐤒 ni. (4) 𐤒𐤒  
Ex. 15. 5. κατέδυσαν εἰς βυθὸν ὥσει λίθος (1)  
Am. 9. 3. ἐὰν κατέδυσσιν ἐξ ὀφθαλμοῦ μου (8)  
Mi. 7. 19. κατέδυσεν τὰς ἀδικίας ἡμῶν (2)  
Je. 28 (51). 64. οὕτως κατέδυσται Βαβυλὼν (4)  
[Aq. Je. 38 (45). 22.]  
[Sm. Ps. 118 (119). 136.]  
[Al. Hb. 3. 13.]  
[Sext. Ps. 88 (89). 45.]  
**καταδυναστεύειν.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒  
(3) a. 𐤒𐤒 δ. 𐤒𐤒  
Ex. 6. 7. ὁ ἐξαγαγὼν ὑμᾶς ἐκ τῆς κ. τῶν Αἰγ. (2)  
Am. 8. 9. ἴδετε . . . καταδυναστεύειν [A<sup>3</sup> τὴν κ.]  
τὴν ἐν αὐτῇ (3 a)  
Je. 6. 6. ὅλη κ. ἐν αὐτῇ (3 b)  
Ez. 22. 12. συντέλειαν κακίας σου τὴν ἐν κατα-  
δυναστεύει (3 b)  
45. 9. ἐξάρτατε καταδυναστεύειν (1)  
**καταδυναστεύειν.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒 hi.  
(3) 𐤒𐤒 hi. (4) 𐤒𐤒 a. qal. δ. ni.  
c. pi. (5) 𐤒𐤒 hi. (6) 𐤒𐤒 (7) 𐤒𐤒 hi.  
(8) 𐤒𐤒 hithpa. (9) 𐤒𐤒 (10) 𐤒𐤒  
(11) 𐤒𐤒 (12) 𐤒𐤒 hi.  
Ex. 1. 13. καταδυναστεύειν οἱ Αἰγ. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (7)  
21. 17 (16). καταδυναστεύσας αὐτὸν ἀποδοῦναι -  
De. 24. 7. καὶ καταδυναστεύσας αὐτὸν ἀποδοῦναι (8)

I Ki. 12. 3. τίνα καταδυναστεύσα ὑμῶν [A<sup>3</sup> om.] (10)  
— 4. οὐ καταδυναστεύσα ἡμᾶς (11)  
II Ki. 8. 11. ἐκ πασῶν τῶν πόλεων ὧν καταδυνα-  
στεύσεν (4 c)  
II Ch. 21. 17. καὶ καταδυναστεύον (4 a)  
Ne. 5. 5. καταδυναστεύοντες τοὺς υἱοὺς [A<sup>3</sup> τοῖς  
υἱ.] ἡμῶν (4 a)  
— 5. εἰσὶν ἀπὸ θυγατέρων ἡμῶν καταδυναστεύ-  
μενοι (4 b)  
Wi. 2. 10. καταδυναστεύσωμεν πένητα δίκαιον  
15. 14. B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> οἱ ἐχθροὶ τοῦ λαοῦ σου καταδυναστεύ-  
σαντες [A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> S<sup>3</sup> οἱ kat.] αὐτὸν [S<sup>3</sup> -ῶν]  
17. 2. ὑπεληφότες γὰρ καταδυναστεύειν ἔδωκεν ἄγιον  
Si. 48. 12. οὐ καταδυναστεύσεν [S<sup>3</sup> οὐκ ἐδυναστεύσεν]  
αὐτὸν οὐδέ τις  
Ho. 5. 11. καταδυναστεύσεν Ἐ. τὸν ἀντίδικον  
αὐτοῦ (10)  
12. 7 (8). καταδυναστεύειν ἡγάπησε (10)  
Am. 4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχοὺς (10)  
8. 4. καταδυναστεύουσιν πτωχοὺς ἀπὸ τῆς γῆς (12)  
Mi. 2. 2. καὶ οἴκου καταδυναστεύον (6)  
Hb. 1. 4. ἀσεβῆς καταδυναστεύει τὸν δίκαιον (6)  
Za. 7. 10. πένητα μὴ καταδυναστεύετε (10)  
Ma. 3. 5. καὶ τοὺς καταδυναστεύοντας χήραν -  
Is. 29. 5. B τὸ πλῆθος τῶν καταδυναστεύοντων σε (9)  
Je. 7. 6. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύετε (10)  
22. 3. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύετε  
[S<sup>3</sup> -σπε] (8)  
27 (50). 33. καταδυναστεύονται οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (10)  
— 33. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> καταδυναστεύονται αὐτοὺς (2)  
Ez. 18. 7. ἄνθρωπον οὐ μὴ καταδυναστεύσῃ (8)  
— 12. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύσει (8)  
— 16. ἄνθρωπον οὐ καταδυναστεύσει (8)  
22. 7. ὀρφανὸν καὶ χήραν καταδυναστεύον (8)  
— 29. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύουσες (8)  
46. 8. οὐ καταδυναστεύουσιν οὐκέτι . . . τὸν  
λαόν μου (8)  
46. 18. τοῦ [A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> om.] καταδυναστεύσαι αὐτοὺς (3)  
II Ma. 1. 28. βασάνισον τοὺς καταδυναστεύοντας  
[Aq. Is. 29. 20: Je. 50 (27). 17.]  
[Sm. Jd. 10. 8: Je. 18. 25: 86. 9: Ps. 64 (65).  
4: Is. 29. 5, 20.]  
[Th. Is. 29. 5, 20.]  
**κατάδυσος.** (1) 𐤒𐤒  
III Ki. 15. 13. ἐξέκοψεν Ἀσά τὰς κ. αὐτῆς (1)  
[Aq. Ps. 16 (17). 14: 38 (39). 6: 48 (49). 2.]  
[Sm. Ps. 48 (49). 2: 68 (69). 3.]  
**κατάδυσος.**  
[Al. Ps. 48 (49). 2.]  
[Quint. Ps. 87 (88). 7.]  
**καταθαρσεῖν.** (1) 𐤒𐤒 ni.  
II Ch. 32. 8. κατέθαρσεν ὁ λαὸς ἐπὶ τοῖς λόγοις  
ἐξ.  
**καταθλῆν.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒  
Ps. 41 (42). 10. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ἐν τῷ καταθλάσει [S<sup>3</sup> B<sup>3</sup>  
-ῶσαι] τὰ ὀστά μου (2)  
Is. 63. 3. κατέθλασα αὐτοὺς ὡς γῆν (1)  
[Sm. Jb. 19. 2: 40. 7 (12).]  
**καταθύμιος.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒  
Mi. 7. 3. καταθύμιον ψυχῆς αὐτοῦ ἐστίν (1)  
Is. 44. 9. ποιῶντες τὰ κ. αὐτῶν (2)  
[Sm. Ge. 34. 3: Jb. 30. 15.]  
**καταιγίλειν.**  
[Sm. Is. 54. 11: Ez. 1. 4 δις.]  
[Th., Sept. Ps. 49 (50). 3.]  
**καταιγίς.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒 (3) 𐤒𐤒  
𐤒𐤒 (4) 𐤒𐤒 (5) a. 𐤒𐤒 δ. 𐤒𐤒  
(6) 𐤒𐤒 (7) 𐤒𐤒 ni. (8) 𐤒𐤒  
(9) a. 𐤒𐤒 δ. 𐤒𐤒  
Ps. 10 (11). 7. πνεῦμα καταιγίδος ἡ μερίς τοῦ  
ποτηρίου αὐτῶν (8)  
49 (50). 3. κύκλω αὐτοῦ καταιγίς σφόδρα (7)  
54 (55). 8. ἀπὸ ὀλιγοψυχίας καὶ καταιγίδος (5 a)  
68 (69). 2. καταιγίς κατεπύοντι σέ με (8)  
— 15. μὴ με καταπονήστω καταιγίς ὕδατος (8)  
80 (81). 7. ἐπὶ κοῦσά σου ἐν ἀποκρίφῳ καταιγίδος (6)  
82 (83). 15. καταδιώξεις αὐτοὺς ἐν τῇ κ. σου (5 a)  
106 (107). 25. ἔσθη πνεῦμα καταιγίδος (5 b)

Ps. 106 (107). 29. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ἐπέταξε [S<sup>3</sup> ἐπέτιμη-  
σεν] τῇ κ. καὶ ἔσθη εἰς ἀβραν [S<sup>3</sup>  
ἔσθησεν καταιγίδα αὐτῆς] (5 b)  
148. 8. χιὼν κρύσταλλος πνεῦμα καταιγίδος (5 b)  
Pr. 1. 27. ἡ δὲ καταστροφή ὁμοίως καταιγίδι  
παρῇ (4)  
10. 25. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> παραπορευομένης καταιγίδος  
ἀφανίζεται ἀσεβῆς (4)  
Si. 16. 21. καταιγίς ἦν οὐκ ὀφθαλμοῦ ἀνθρώπου  
36 (38). 2. ὡς ἐν καταιγίδι πλοίων  
43. 17. καταιγίς βορέου καὶ συστροφή πνεύματος  
Is. 5. 28. οἱ τροχοὶ τῶν ἀρμάτων αὐτῶν ὡς κ. (4)  
17. 13. ὡς κοινοτὸν τροχὸν κ. φέρουσα (4)  
21. 1. ὡς κ. δι' ἐρήμου διέλθοι ἐξ ἐρήμου (4)  
28. 15. κ. φερομένη ἐάν παρέλθῃ (9 a, 9 b\*)  
— 17. οὐ μὴ παρέλθῃ ὑμᾶς κ. (17)  
— 18. κ. φερομένη ἐάν ἐπέλθῃ (9 a)  
29. 6. κ. φερομένη καὶ φλόξ πυρὸς κατεσθίουσα (4)  
40. 24. κ. ὡς φρύγανα λήφεται [A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ἀναλ.] αὐ-  
τοὺς (5 b)  
41. 16. κ. διασπερεί αὐτοὺς (5 b)  
57. 13. ἀποίσει καταιγίς [S<sup>3</sup> al.] (2)  
68. 15: Je. 4. 13. ὡς κ. τὰ ὄρη αὐτοῦ (4)  
La. 5. 10. συνεσπάσθησαν ἀπὸ προσώπου καται-  
γίδων λιμοῦ (9)  
[Aq. Ez. 1. 4.]  
[Sm. Jb. 9. 17: 21. 18: 87. 9: Ps. 41 (42). 8:  
87 (88). 8: 106 (107). 29: Ez. 13. 11, 13.]  
[Th. Jb. 87. 9: Ps. 106 (107). 29: Is. 28. 2:  
Ez. 1. 4: 18. 13.]  
[Al. Is. 28. 2.]  
**καταιδεῖσθαι.**  
IV Ma. 3. 12. καταιδεσθέντες τὴν τοῦ βασι. ἐπιθυμίαν  
**καταικίλειν.**  
IV Ma. 6. 3. μάλιστα κατήκον  
7. 2. καταικίζοντες τοὺς τοῦ τυράννου ἀπειλαῖς  
9. 15. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> οὐκ ἀνδροφονήσαντά με τοῦτον καταικί-  
ζει [S<sup>3</sup> βασανίζει] τὸν τρόπον  
11. 1. οὕτως τοῖς βασάνοις καταικισθεὶς ἐναπίθανεν  
12. 13. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> τοὺς καταικιστὰς [S<sup>3</sup> καταικιστὰς]  
18. 27. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> τοὺς καταικισμένους [S<sup>3</sup> καταικίς]  
ὁρῶντες . . . βασανίζομενος  
**καταισχυμῶς.**  
[Sm. Ps. 43 (44). 16: Mi. 2. 6.]  
**καταισχύνειν.** (1) 𐤒𐤒 a. qal. δ. hi. c. 𐤒𐤒  
(2) 𐤒𐤒 (3) 𐤒𐤒 (4) 𐤒𐤒 a. ni. δ. hi.  
Jd. 18. 7. ἡ καταισχύνων λόγον ἐν τῇ γῇ [A<sup>3</sup> al.] (4 b)  
Ru. 2. 15. μὴ καταισχύνειν αὐτήν (4 b)  
II Ki. 10. 6. κατησχύνθησαν ὁ λαὸς Δ. [A<sup>3</sup> ἐν Δ.] +  
16. 21. κατησχύνας [A<sup>3</sup> ἤσχ.] τὸν πατέρα σου +  
19. 5 (6). κατησχύνας . . . τὸ πρόσωπον πάντων (1 b)  
IV Ki. 19. 26. καὶ κατησχύνθησαν (1 a)  
To. 10. 2. μὴ ποτε κατησχύνῃ [S<sup>3</sup> al.]  
Ps. 6. 10. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> καταισχυνθείσων [B<sup>3</sup> αἰσχ.]  
σφόδρα διὰ τῶν  
13 (14). 6. βουλὴν πτωχοῦ κατησχύνετε (1 b)  
21 (22). 5. καὶ οὐ κατησχύνθησαν (1 a)  
24 (25). 2. ἐπὶ σοὶ πέποιδα μὴ καταισχυνθεῖν (1 a)  
— 3. οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν (1 a)  
— 20. μὴ καταισχυνθεῖν ὅτι ἤλπισα ἐπὶ σέ (1 a)  
30 (31). 1. μὴ καταισχυνθεῖν εἰς τὸν αἰῶνα (1 a)  
— 17. κύριε, μὴ καταισχυνθεῖν (1 a)  
33 (34). 5. τὰ πρόσωπα ὑμῶν οὐ μὴ καταισχυνθῇ (2)  
34 (35). 4. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> καταισχυνθήσαν [B<sup>3</sup> -θεισαν]  
οἱ λογιζόμενοι μοι κακά (2)  
36 (37). 19. οὐ καταισχυνθήσονται ἐν καιρῷ  
πονηρῷ (1 a)  
39 (40). 14. καταισχυνθείσων . . . οἱ ἡττώντες  
τὴν ψυχὴν μου (1 a)  
— 14. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> καταισχυνθείσων [B<sup>3</sup> ἐντραπεί-  
σαν] οἱ θέλοντές μοι κακά (4 a)  
43 (44). 7. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> τοὺς μισοῦντας ἡμᾶς κατή-  
σχυνας (1 b)  
— 9. ἀπόσω καὶ κατησχύνας ἡμᾶς (4 b)  
52 (53). 5. κατησχύνθησαν ὅτι ὁ θεὸς ἐξουδέ-  
νωσεν αὐτοὺς (1 b)  
69 (70). 2. καταισχυνθείσων οἱ βουλόμενοι  
μοι κακά (4 a)  
70 (71). 1. μὴ καταισχυνθεῖν εἰς τὸν αἰῶνα (1 a)  
73 (74). 21. μὴ ἀποστραφῶ . . . κατησχυ-  
μένος (4 a)  
118 (119). 31. μὴ με καταισχύνῃς (1 b)

Ps. 118 (119), 116. μὴ κατασχύνῃς με ἀπὸ τῆς προσδοκίας μου (1b)  
 126 (127). 5. B. οὐ κατασχυνθήσονται [B -σεται, A -θώσιν] ὅταν λαλῶσι (1a)  
 Pr. 19. 26. ὁ ἀτιμάζων πατέρα . . . κατασχυνθήσεται (1b)  
 20. 4. B. οὐκ ἐπιμένει οὐκ ἐκτρέφει οὐ κατασχύνεται [A B οὐκ αἰσχ.] †  
 Si. 2. 10. τίς ἐνέπιστευσεν κυρίῳ καὶ κατασχυνθή 15. 4. καὶ οὐ μὴ κατασχυνθή  
 22. 4. ἡ κατασχυνθούσα εἰς λύπην γεννήσαςτος [B<sup>1</sup> ἐγγ.]  
 — 5. πατέρα καὶ ἀνδρα κατασχύνει ἡ θρασύεια [A θρησκεία]  
 — 25. φίλον σκεπάζει οὐκ αἰσχυνθήσεται [B<sup>1</sup> οὐκ αἰσχ.]  
 24. 22. B<sup>1</sup> ὁ ὑπακούων μου οὐ κατασχυνθήσεται [A B<sup>1</sup> οὐκ αἰσχ.]  
 42. 11. B. μὴ ποτε . . . κατασχύνῃ [A B -εἰ] σε ἐν πλῆθει πολλῶν  
 — 14. γυνὴ κατασχύνουσα εἰς ἀνιδυσμόν  
 Ho. 2. 5 (7). κατασχυνεὶ ἡ τεκούσα αὐτὰ (1b)  
 4. 19. καὶ κατασχυνθήσονται ἐκ τῶν θυσιαστηρίων (1a)  
 Mi. 8. 7. κατασχυνθήσονται οἱ ὀρώντες τὰ ἐνύπνια (1a)  
 7. 16. ὀφθαλμοὶ ἐθνη καὶ κατασχυνθήσονται (1a)  
 Jl. 1. 11. ἐξηράνθησαν [B<sup>2</sup> κατασχυνθήσαν] γεωργοί (1b)  
 2. 26. οὐ μὴ κατασχυνθῇ ὁ λαός μου  
 — 27. οὐ μὴ κατασχυνθῶσιν [A B<sup>2</sup> -θῇ] ἔτι ὁ λαός μου (1a)  
 Ze. 3. 11. οὐ μὴ κατασχυνθῇς ἐκ πάντων τῶν ἐπιτηδεύμ. (1a)  
 — 20 (19). κατασχυνθήσονται ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ (1c)  
 Za. 10. 5. καὶ κατασχυνθήσονται ἀναβάται ἵππων (1b)  
 13. 4. κατασχυνθήσονται οἱ προφῆται (1a)  
 Is. 1. 29. A. κατασχυνθήσονται ἐπὶ τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν [B S al.] (1a)  
 8. 15. τὸ πρόσωπον τῶν πτωχῶν κατασχύνετε 28. 16. ὁ πιστεύων [A B add. ἐπ' αὐτῷ] οὐ μὴ κατασχυνθῇ †  
 50. 7. οὐ μὴ αἰσχυνθῶ [B<sup>1</sup> κατασχυνθῇ] (1a)  
 54. 4. μὴ φοβῶ ὅτι κατασχυνθῇ (1a)  
 Je. 2. 36. ἀπὸ Αἰγύπτου κατασχυνθήσῃ καθὼς κατασχυνθήσῃ ἀπὸ Ἀσσοῦρ (1a, 1a)  
 6. 15. κατασχυνθήσονται ἐπὶ ἐξελίποντας καὶ οὐδ' ὥς κατασχυνθόμενοι κατασχυνθήσονται [A B ὁσχ.] (1b, 1a, 1a)  
 7. 19. ὅπως κατασχυνθῇ τὰ πρόσωπα αὐτῶν (1c)  
 9. 19. κατασχυνθήσονται σφόδρα (1a)  
 10. 14. κατασχυνθῇ πᾶς χρυσοκόμος (1b)  
 15. 9. κατασχυνθῇ [B<sup>1</sup> -ν] καὶ ἀνεδιόσῃ (1a)  
 17. 13. πάντες οἱ καταλιπόντες σε κατασχυνθήσονται [B<sup>1</sup> al.] (1a)  
 — 18. κατασχυνθήσονται οἱ διώκόντες με καὶ μὴ κατασχυνθῇ [A πτοηθ.] ἐγώ (1a, 1a)  
 26 (46). 24. κατασχυνθῇ ἡ θυγάτηρ Αἰγύπτου (1b)  
 27 (50). 2. κατασχυνθῇ Βῆλος (1b)  
 — 38. καὶ κατασχυνθήσονται †  
 28 (51). 17. κατασχυνθῇ πᾶς χρυσοκόμος (1b)  
 30. 12 (49. 23). κατασχυνθῇ Ἡμάθ (1a)  
 31 (48). 13. κατασχυνθήσεται Μωάβ ἀπὸ Χαμὼς ὡς περ κατασχυνθήσεται Ἰσραὴλ ἀπὸ Βαβυλῶν [A al.] (1a, 1a)  
 — 20. κατασχυνθῇ Μωάβ (1b)  
 Ep. Je. 39. οἱ δὲ θεραπεύοντες αὐτὰ κατασχυνθήσονται  
 Ez. 24. 13. κατασχυνθήσεται ὁ ἴος αὐτῆς †  
 Da. LXX. 3. (42). μὴ κατασχύνῃς ἡμᾶς  
 — (44). κατασχυνθήσονται ἀπὸ πάσης δυναστείας  
 Da. TH. Su. 27. κατασχυνθήσονται οἱ δοῦλοι σφόδρα 8. (42). μὴ κατασχύνῃς ἡμᾶς  
 — (44). κατασχυνθήσονται ἀπὸ πάσης τῆς δυναστείας  
 IV Ma. 6. 35. οὐδὲ κατασχυνθῶ σε  
 18. 18. μὴ κατασχύνῃς ἡμᾶς, ἀδελφε [Aq. Jd. 18. 7: Ps. 18 (14). 6: 24 (25). 3: 70 (71). 24: Jd. 8. 9.]  
 [Sm. II Ki. 8. 1: Jb. 19. 3: Ps. 24 (25). 3 λέγ.: 30 (81). 18: 52 (53). 6: 68 (69). 7: 70 (71). 13, 24: Pr. 17. 2: Ez. 16. 54: Jd. 1. 11.]  
 [Th. I Ki. 20. 34: 25: 7: Jb. 19. 3: Pr. 14. 35: 17. 2: Is. 1. 29: 20. 5: 25. 5: 42. 17: Jd. 8. 12.]  
 [Quint. Ps. 24 (25). 3.]

κατακαίειν. (1) כָּלַף a. qal. b. pu. c. הָלַף  
 (2) הָלַף (3) הָלַף a. qal. b. pi. c. hi.  
 (4) הָלַף ithpa. (5) הָלַף a. qal. b. hi.  
 (6) הָלַף ni. (7) הָלַף pi. (8) הָלַף ni.  
 (9) הָלַף a. qal. b. ni. c. הָלַף d. הָלַף  
 (10) הָלַף hi.  
 Ge. 38. 24. ἐξαγάγετε αὐτὴν καὶ κατακαύθητε (9b)  
 Ex. 3. 2. ὁ δὲ βάτος οὐ κατεκαίετο (1b)  
 — 3. οὐ κατεκαίεται ὁ βάτος (3a)  
 12. 10. τὰ δὲ καταλειμμένα . . . κατακαύσετε (9a)  
 29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις πυρὶ (9a)  
 — 34. κατακαύσεις τὰ λοιπὰ πυρὶ (9a)  
 32. 20. κατέκαυσεν αὐτὸν ἐν [A om. αὐ.] πυρὶ (9a)  
 34. 13. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε ἐν [A om.] πυρὶ —  
 Le. 4. 12. κατακαύσουσιν αὐτὸν ἐπὶ ξύλων (9a)  
 — 21. κατακαύσουσι τὸν μόσχον ὃν τρόπον κατέκαυσαν τὸν μόσχον τὸν πρότερον (9a, 9a)  
 6. 30 (23): 7. 7 (17), 9 (19). ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9b)  
 8. 17. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρὶ (9a)  
 — 32. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9a)  
 9. 11. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρὶ (9a)  
 13. 52. κατακαύσει τὸν ἱμάτιον (9a)  
 — 52. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9a)  
 — 55, 57. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9a)  
 18. 27. κατακαύσουσιν αὐτὰ ἐν πυρὶ (9a)  
 — 28. ὁ δὲ κατακαίων αὐτὰ (9a)  
 19. 6. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9b)  
 20. 14. ἐν πυρὶ κατακαύσουσιν αὐτὸν καὶ αὐτὰς 21. 9. ἐπὶ πυρὶ κατακαύθησεται (9b)  
 Nu. 16. 37 (17. 2). ἀνέλεσθε . . . ἐκ μέσου τῶν κατακαυμένων (9c)  
 — 39 (17. 4). ὅσα προσήγγικαν οἱ κατακαυμένοι. (9a)  
 19. 5. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐναντίον αὐτοῦ (9a)  
 — 5. ὁ δὲ κατεκαίων αὐτὴν πλυνεῖ τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ (9a)  
 — 17. ἀπὸ τῆς σποδίας τῆς κατακαυμένης (9c)  
 De. 7. 5. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε πυρὶ (9a)  
 — 25. A. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε [B καύσετε] (9a)  
 9. 21. κατέκαυσε αὐτὸν ἐν πυρὶ (9a)  
 12. 3. A. B. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε [B -σате] πυρὶ  
 — 31. τὰς θυγατ. αὐ. κατακαίουσιν ἐν πυρὶ (9a)  
 29. 23 (22). θεῖον καὶ ἅλα κατακαυμένων (9c)  
 Jo. 7. 15. κατακαύθησεται ἐν πυρὶ  
 11. 6. τὰ ἄρματα αὐτῶν κατακαύσεις  
 — 9. A. τὰ ἄρματα αὐτῶν κατέκαυσεν [B ἐνέπρησεν] ἐν πυρὶ (9a)  
 Jd. 2. 2. A. τὰ θυσιαστήρια αὐτῶν κατακαύσετε [B καθελείτε] †  
 14. 15. μὴ ποτε κατακαυσθῇ [A ἐμπυρίσω- μὲν] σε (9a)  
 I Ki. 31. 12. κατακαίουσιν αὐτοὺς ἐκεῖ (9a)  
 IV Ki. 17. 31. ἥνικα κατέκαιον τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9a)  
 28. 4. καὶ κατέκαυσεν αὐτὰ (9a)  
 — 5. κατέκαυσε τοὺς χωμαρίμ (10)  
 — 6. B καὶ κατέκαυσεν αὐτὸν (9a)  
 — 11. κατέκαυσε [A -αν] τοὺς ἵππους (10)  
 — 11. τὸ δρμα τοῦ ἡλίου κατέκαυσε πυρὶ (9a)  
 — 15. καὶ κατέκαυσε τὸ ἄλσος (9a)  
 — 16. καὶ κατέκαυσεν ἐπὶ τὸν θυσιαστήριον (9a)  
 — 20. καὶ κατέκαυσεν τὰ ὀστά τῶν ἀνθρώπων (9a)  
 I Ch. 14. 12. εἶπε Δ. κατακαύσαι [A κ. αὐτοῖς] ἐν πυρὶ (9b)  
 II Ch. 15. 16. καὶ κατέκαυσεν ἐν χειμάρρῳ Κέδρων (9a)  
 34. 5. καὶ ὁστὰ ἱερώων κατέκαυσεν (9a)  
 To. 14. 4. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ κατακαίεται [B al.]  
 Ju. 6. 4. κατακαύσουσιν γὰρ αὐτοὺς  
 Jb. 1. 16. πῦρ . . . κατέκαυσε [A κατέφαγεν] τὰ πρόβατα καὶ τοὺς ποιμένας κατέφαγεν [A -έκαυσεν, B -έφλεξεν] (8a, 1a)  
 15. 34. A. πῦρ δὲ κατακαύσει [B S καύσει] οἰ- κους (1a)  
 Ps. 45 (46). 9. θυρεοὺς κατακαύσει ἐν πυρὶ 82 (83). 14. ὥσπερ φλόξ κατακαύσεται ὅρη (7)  
 Pr. 6. 27. τὰ δὲ ἱμάτια οὐ κατακαύσεις (9b)  
 — 28. τοὺς δὲ πόδας οὐ κατακαύσεις (9b)  
 Am. 2. 1. κατέκαυσαν τὰ ὀστά βασιλείας τῆς Ἰ. (9a)

Is. 1. 31. κατακαυθήσονται οἱ ἄνομοι (3a)  
 9. 19 (18). ἔσται ὁ λαός ὡς ὑπὸ πυρὸς κατακαυμένος (1c)  
 27. 4. κατακαίκαμαι (6b)  
 38. 12. ἔσονται ἔθνη κατακαυμένα ὡς ἄκαθα ἐν ἀγρῷ ἐρριμμένη καὶ κατακαυμένη [B<sup>1</sup> om., B<sup>1</sup> -καλυμν.] (9d, 5a)  
 43. 2. οὐ μὴ κατακαυθῇς φλόξ οὐ κατακαύσεις σε (8, 3a)  
 44. 16, 19. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσεν [B -αν] (9a)  
 47. 14. ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται [A -καῖσ.] (9a)  
 64. 2 (1). κατακαύσεις πῦρ τοὺς ὑπερπαντίους (2)  
 Je. 7. 31. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9a)  
 19. 5. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν ἐν πυρὶ (9a)  
 21. 10. κατακαύσεις αὐτὴν ἐν πυρὶ (9a)  
 30 (49). 2. ἐν πυρὶ κατακαυθήσονται (5a)  
 39 (32). 29. κατακαύσουσι [A καύσωσιν] τὰς οἰκίας (9a)  
 41 (34). 22. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρὶ (9a)  
 43 (36). 25. πρὸς τὸ [A B<sup>2</sup> add. μὴ] κατακαύσαι τὸ χαρτίον [A βιβλίον] (9a)  
 — 27. μετὰ τὸ κατακαύσαι [A B καύσαι] τὸν βασιλ. τὸ χαρτίον (9a)  
 — 28. οὐς κατέκαυσεν ὁ βασιλ. Ἰωακείμ (9a)  
 — 29. κατέκαυσας τὸ χαρτίον [A βιβλίον] τοῦτο (9a)  
 — 32. οὐς κατέκαυσεν Ἰωακείμ (9a)  
 45 (38). 17. ἡ πόλις αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ (9b)  
 — 23. ἡ πόλις αὕτη κατακαυθήσεται (9a)  
 50 (48). 13. τὰς οἰκίας αὐ. κατακαύσεις ἐν πυρὶ (9a)  
 Ep. Je. 55. αὐτοὶ δὲ ὡς περ δοκοὶ μέσου κατακαυθήσονται  
 Ez. 5. 2. κατακαύσεις αὐτὸ ἐν μέσῳ αὐτῆς (3c?)  
 — 4. κατακαύσεις αὐτοὺς ἐν πυρὶ (9a)  
 20. 47 (21. 3). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν πρόσωπον (8)  
 39. 10. τὰ ὅπλα κατακαύσουσι πυρὶ (3b)  
 43. 21. κατακαυθήσεται ἐν τῷ ἀποκεχωρισμένῳ τοῦ οἴκου (9a)  
 Da. LXX. 3. 27 (94). αἱ τρίχεις αὐτῶν οὐ κατε- κάυσαν (4)  
 Da. TH. 11. 18. A. B. κατακαύσει [B -παύσει] ἀρχοντας ἀνιδυσμοῦ αὐτῶν (10)  
 I Ma. 4. 38. A. B. καὶ τὰς πύλας [B θύρας] κατακαυ- μένας  
 5. 68. τὰ γλυπτὰ τῶν θεῶν κατέκαυσε  
 II Ma. 10. 36. ζῶντας τοὺς βλασφημοὺς κατέκαιον  
 IV Ma. 6. 26. A. B. μεχρὶ τῶν ὀστέων ἦδη κατακαυ- μένος [B κεκ.]  
 12. 13. B καὶ τούτων κατακαύσας [A B κατεκίσας]  
 18. 14. φλόξ οὐ κατακαύσεις σε  
 [Aq. Jd. 51 (28). 25.]  
 [Sm. Ps. 73 (74). 8: Is. 43. 2: Jd. 51 (28). 25:]  
 [Al. Ps. 45 (46). 10: Jd. 32 (39). 29:]  
 [Quint. Ps. 73 (74). 8.]  
 κατακαλύπτειν. (1) α. יָכַף δ. הָכַף c. הָכַף  
 (2) הָכַף (3) הָכַף (4) הָכַף  
 Ex. 26. 14. A. B<sup>2</sup> B. ποιήσεις κατακαλύμμα [B<sup>1</sup> κάλ.] (1b)  
 35. 11. B<sup>2</sup> B. ἐργαζέσθω . . . τὰ κ. [A γλύμ- ματα, B<sup>1</sup> om. τὰ κ.] (1b)  
 37. 16 (38. 18). A. τὸ κ. [B -πέτασμα] τῆς πύλης (2)  
 38. 19. εἰς τὸ ἐκτείνειν τὸ κ. [B<sup>1</sup> -κάλυμμα]  
 39. 21 (34). A. τὰ κ. δέρματα ἱακίνθινα [B B al.] (1b)  
 40. 19. ἐπέθηκε τὸ κ. τῆς σκηνῆς (1b)  
 — 21. ἐπέθηκε τὸ κ. τοῦ καταπετάσματος (1b)  
 Nu. 3. 25. τὸ καλύμμα καὶ τὸ κ. (2)  
 — 31. καὶ τὸ κ. καὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτῶν (2)  
 4. 6. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ κατακαλύμμα (1a)  
 — 25. A. B<sup>2</sup> καὶ τὸ κ. [B<sup>1</sup> B κάλ.] αὐτῆς (1b)  
 — 25. A. B. τὸ κ. [B κάλ.] τὸ ἱακίνθινον (1b)  
 — 25. A. καὶ τὸ κ. [B κάλ.] τῆς θύρας (2)  
 — 31. τὰς βάσεις αὐτῆς καὶ τὸ κ. —  
 — 31. B<sup>1</sup> B καὶ τὸ κ. [A B<sup>2</sup> κάλ.] τῆς θύρας (1c)  
 Is. 14. 11. τὸ κ. σου σκώληξ (1c)  
 47. 2. ἀποκαλύψαι τὸ κ. σου (4)  
 κατακαλύπτειν. (1) הָכַף (2) הָכַף hithp.  
 (3) הָכַף a. ni. δ. pi. (4) הָכַף  
 (5) הָכַף  
 Ge. 38. 15. κατακαλύψατο γὰρ τὸ πρόσωπον αὐτῆς (3b)



- Ex. 26. 34. κατακλύψεις . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ μαρτ. (4)  
 29. 22 : Le. 3. 3, 9 (B). τὸ στέαρ τὸ κατακλύπτει τὴν κοιλίαν (8 δ)  
 Le. 3. 14. τὸ στέαρ τὸ κατακλύπτει [A. καλ.] τὴν κοιλίαν (8 δ)  
 4. 8. τὸ στέαρ τὸ κατακλύπτει τὰ ἐνδόσθια (8 δ)  
 6. 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ τὸ κατακλύπτει τὰ ἐνδόσθια (8 δ)  
 9. 19. τὸ στέαρ τὸ κατακλύπτει ἐπὶ τῆς κοιλάς (8 δ)  
 Nu. 4. 5. κατακλύψουσιν . . . τὴν κιβωτὸν [A. σκητὴν] (8 δ)  
 22. 5. κατακλύψει τὴν ὕψιν τῆς γῆς (8 δ)  
 II Ch. 18. 29. κατακλύψον με (2)  
 Es. 6. 12. B<sup>2</sup> κατακεκαλυμμένος κεφαλὴν [A B S<sup>1</sup> al.] (1)  
 Si. 24. 3. ὡς ὀμίχλη [A -ην] κατακλύψα γῆν Hb. 2. 14. ὡς ὕδωρ κατακλύψει αὐτοὺς (8 δ)  
 Is. 6. 2. ταῖς μὲν δυσὶ κατακλύπτει τὸ πρόσωπον ταῖς δὲ δυσὶ κατακλύπτει τοὺς πόδας (8 δ, 3 δ)  
 11. 9. ὡς ὕδωρ πολὺ κατακλύψει θαλάσσης (8 δ)  
 26. 21. οὐ κατακλύψει τοὺς ἀνηρημένους (8 δ)  
 33. 12. ὡς ἄναθα . . . κατακεκαυμένη [B<sup>1</sup> om., S<sup>2</sup> κατακεκαυμ.] †  
 Je. 26 (46). 8. κατακλύψω τὴν γῆν (8 δ)  
 28 (51). 42. καὶ κατακλιθήσεται (8 δ)  
 — 51. κατακλινέτω ἄνθρωπος τὸν ἥμω (8 δ)  
 Ez. 26. 10. κατακλύψει [A. καλ.] σε ὁ κοινορτὸς αὐτῶν (8 δ)  
 — 19. A B κατακλύψει [B -η] σε ὕδωρ πολὺ (8 δ)  
 32. 7. κατακλύψω ἐν τῇ σβεσθίᾳ σε οὐράνῳ (8 δ)  
 38. 9. ἤξει ὡς νεφέλη κατακλύψα (8 δ)  
 Da. LXX. 12. 9. κατακεκαυμένα . . . τὰ προστάγματα (5)  
 Da. TH. Su. 32. ἦν γὰρ κατακεκαυμένη κατακάμπτειν. (1) ηδϣ (2) ηδϣ  
 Ps. 37 (38). 6. κατέκαμψεν ὥς τέλους (2)  
 56 (57). 6. κατέκαμψεν τὴν ψυχὴν μου (1)  
 IV Ma. 11. 10. τὴν ὁσφύν αὐτοῦ . . . κατέκαμψαν [Sm. Ps. 41 (42). 6 : 43 (44). 26.]  
 κατάκαρπος. (1) τῖη (2) ἡψῖ  
 Ps. 51 (52). 8. ἐγὼ δὲ ὥσπερ ἔλαια κ. (8)  
 Ho. 14. 7. καὶ ἔσται ὡς ἔλαια κατάκαρπος (1)  
 κατακάρπως. (1) ηδϣ  
 Za. 2. 4 (8). κ. κατοικηθήσεται Ἱερουσ. (1 ?)  
 κατακάρπως. (1) ἡψῖ  
 Le. 6. 10 (3). ἀφ' ἐλπίδός τινος (1)  
 — 11 (4). ἐξοίσει τὴν κ. ἐξ ὧς τῆς παρεμβολῆς (1 ?)  
 κατακαυμα. (1) α. ηδϣ δ. ηδϣ (2) ηδϣ  
 (3) ηδϣ  
 Ex. 21. 25. κατακαυμα ἀντὶ κατακαύματος (1 α, 1 α)  
 Le. 13. 24. κατακαυμα πυρός (1 δ)  
 — 24. τὸ ὑγιασθὲν τοῦ κ. (1 δ)  
 — 25. A<sup>2</sup> B ἐν τῇ κ. ἐξήνθησε (1 δ)  
 — 28. οὐλὴ τοῦ κ. ἐστὶ (1 δ)  
 — 28. ὁ γὰρ χαρακτήρ τοῦ κ. ἐστὶ (1 δ)  
 Nu. 19. 6. ἐμβάλουσιν εἰς μέσον τοῦ κ. τῆς δαμάλεως (8)  
 Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καϊόμενος εἰς πέψιν κατακαυματος †  
 Je. 31 (48). 34. εἰς κ. ἔσται (2 ?)  
 κατακαυχᾶσθαι. (1) ηδϣ hithp. (2) ηδϣ  
 hithp. (3) ηδϣ  
 Za. 10. 12. ἐν τῇ ὁσμῇ αὐ. κατακαυχῶνται (1)  
 Je. 27 (50). 11. κατακαυχᾶσθε [B κατακ.] διαρπάσσοντες τὴν κληρονομίαν μου (3)  
 — 38. ἐν ταῖς νήσοις οὐ [A om., B σου] κατακαυχῶντο (2)  
 κατάκεισθαι. (1) ηδϣ (2) ηδϣ  
 Ju. 13. 15. ἐν τῇ κατίκῃ ἐν ταῖς μέθοις αὐτοῦ Pr. 6. 9. ὥς τίσις ἀνθρώπου κατίκειται (1)  
 23. 34. κατακίσει ὥσπερ ἐν καρδίᾳ θαλάσσης Wi. 17. 7. μογικὴς δὲ ἐμπαίγματα κατίκειτο [A -ευτο] τέχνης  
 κατακενόν. (1) ηδϣ (2) ηδϣ hi.  
 Ge. 42. 35. ἐν τῇ κ. αὐτοὺς τοὺς σάκκους αὐτῶν (2)  
 II Ki. 18. 9. καὶ κατεκένωσεν ἐνώπιον αὐτοῦ (1)  
 κατακεντείν. (1) ηδϣ pi. (2) ηδϣ pu.  
 Ju. 18. 12. υἱοὶ κορασίων κατεκέντησαν αὐτοὺς Je. 28 (51). 4. πεσοῦνται . . . κατακεντημένοι ἐξ ὧσιν αὐτῶν (2)  
 Ez. 23. 47. κατακένει [A -τησον] αὐτὰς ἐν τοῖς ξίφεσιν αὐτῶν (1)  
 κατακλάν. (1) ηδϣ hoph.  
 Ez. 19. 12. κατακλίσθη ἐν θυμῷ [Sm. Jb. 5. 4.] (1)  
 κατακλείειν. (1) ηδϣ  
 Wi. 17. 2. μακρὰς πεδίτας νυκτὸς κατακλείσθιντες ὁρόφοι  
 — 16. ἐφρουρεῖτο εἰς τὴν ἀσπίδον εἰρκτὴν κατακλείσθεις  
 Je. 39 (82). 3. A B S<sup>1</sup> ἐν τῇ κατίκῃ αὐτῶν (1)  
 II Ma. 13. 21. κατακλίσθη καὶ κατακλείσθη III Ma. 3. 25. ἐνδύσιν οὐδὲν παντὸς κατακλείσθιντες  
 κατάκλειστος, cf. κατακλιστός.  
 Wi. 18. 4. οἱ κατακλειστούς φυλάξαντες τοὺς υἱούς σου  
 II Ma. 8. 19. αἱ δὲ κ. τῶν παρθένων III Ma. 1. 18. αἱ τε κ. παρθένοι . . . ἐξώρμησαν  
 κατακληροδοτείν. (1) ηδϣ hi.  
 De. 1. 38. A κατακληροδοτῆσαι [B -ρονομήσαι] αὐτὴν (1)  
 21. 16. A ἢ ἡμέρᾳ κατακληροδοτῇ [B -ρονομῇ] . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (1)  
 I Ma. 3. 36. B κατακληροδοτῆσαι [A -ρονομήσαι] τὴν γῆν αὐτῶν  
 [Aq. Ez. 22. 16.]  
 κατακληρονομῶν. (1) ηδϣ ni. (2) ηδϣ  
 ηδϣ ηδϣ (3) ηδϣ a. qal. δ. hi. c. ηδϣ  
 (4) ηδϣ hi. (5) ηδϣ a. qal. δ. pi. c. hi. d. hithp. e. ηδϣ (6) ηδϣ  
 Nu. 13. 31 (30). καὶ κατακληρονομήσωμεν [A -σωμεν] αὐτὴν (3 α)  
 33. 54. A B<sup>2</sup> κατακληρονομήσετε τὴν γῆν (5 δ)  
 34. 13. ἦν κατακληρονομήσετε αὐτὴν μετὰ κλήρου (5 δ)  
 — 18. κατακληρονομήσαι ὑμῖν τὴν γῆν (5 α)  
 35. 8. A B ἦν κατακληρονομήσουσι [B κληρ.] (5 α)  
 De. 1. 38. κατακληρονομήσαι [A -ροδοτῆσαι] αὐτὴν (5 α)  
 2. 21. καὶ κατακληρονομήσωμεν (8 α)  
 — 22. A B<sup>2</sup> καὶ κατακληρονομήσωμεν (8 α)  
 3. 20. A B<sup>1</sup> καὶ κατακληρονομήσουσιν [B<sup>2</sup> B -σωσιν] καὶ οὗτοι τὴν γῆν (3 α)  
 — 28. κατακληρονομήσαι αὐτοὺς πᾶσαν τὴν γῆν (5 α)  
 12. 2. A οὐς ὑμεῖς κατακληρονομήτε [B κληρ.] αὐτοὺς (3 α)  
 — 10. ἡς κύριος . . . κατακληρονομή [A -μή-σει] ὑμῖν (5 α)  
 — 29. καὶ κατακληρονομήσῃς [A -εις] αὐτὴν [A -οὺς] (3 α)  
 15. 4. κατακληρονομῶμεν σε [A -μήσαι] αὐτὴν (8 α)  
 18. 14. οὐς σὺ κατακληρονομῶμεν αὐτοὺς (3 α)  
 19. 1. καὶ κατακληρονομήσῃς [A -σεις] αὐτοὺς (8 α)  
 — 14. ἡ [A ἦν] κατακληρονομήσῃς (5 α)  
 21. 16. ἢ ἡμέρᾳ κατακληρονομῇ [A -ροδοτῇ] . . . τὰ ὑπάρχοντα (5 α)  
 25. 19. A ἐν κλήρῳ κατακληρονομήσαι [B al.] (8 α)  
 26. 1. A ἐν κλήρῳ κατακληρονομήσαι [B al.] —  
 — 1. B καὶ κατακληρονομήσῃς αὐτὴν (3 α)  
 31. 3. καὶ κατακληρονομήσῃς αὐτοὺς (3 α)  
 — 7. καὶ σὺ κατακληρονομήσῃς αὐτοὺς [A αὐ-τὴν αὐ.] (5 α)  
 Jo. 12. 1. κατακληρονομήσαν τὴν γῆν αὐτῶν (3 α)  
 13. 32. A<sup>2</sup> B οὐς κατακληρονομήσει Μωυσῆς (5 δ)  
 14. 1. οὗτοι οἱ κατακληρονομήσαντες υἱὸν Ἰσρ. (5 α)  
 — 1. A B οἱ κατακληρονομήσαν [B -εν] αὐτοῖς (5 δ)  
 18. 2. A οἱ οὐ κατακληρονομήσαν [A ἐκ ἐλθρ.] (3 α)  
 19. 51. δε κατακληρονομήσῃς [A -ον] (5 δ)  
 21. 3. ἐν τῇ κατακληρονομῇ [A add. αὐτοῖς] (5 α)  
 — 41. καὶ κατακληρονομήσαν αὐτὴν (3 α)  
 22. 19. καὶ κατακληρονομήσετε [A -σαντε] ἐν ἡμῖν (1)  
 Jo. 28. 5. κατακληρονομήσατε τὴν γῆν αὐτῶν (3 α)  
 24. 8. κατακληρονομήσατε τὴν γῆν αὐτῶν (3 α)  
 Jd. 2. 6. κατακληρονομήσαι [A τοῦ κ.] τὴν γῆν (3 α)  
 11. 24 bis. A ὅσα κατακληρονομήσῃς σοὶ [B al.] (3 δ)  
 18. 9. A τοῦ . . . κατακληρονομήσαι τὴν γῆν (3 α)  
 I Ki. 2. 8. θρόνον δόξης κατακληρονομῶν αὐτοὺς (5 α)  
 II Ki. 7. 1. κύριος κατακληρονομήσῃ αὐτόν (4)  
 I Ch. 28. 8. B καὶ κατακληρονομήσῃτε [A -σετε, B om.] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (5 α)  
 I Es. 8. 85. B καὶ κατακληρονομήσῃτε τοῖς τέκνοις [A B υἱοῖς] ὑμῶν  
 Ps. 36 (37). 34. τοῦ κατακληρονομήσαι τὴν γῆν (3 α)  
 81 (82). 8. σὺ κατακληρονομήσεις [B ἐξολε-θρεύσεις] ἐν [A<sup>2</sup> αὐτοῖς ἐν] πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (5 α)  
 104 (105). 44. A B<sup>2</sup> πόνους λαὸν κατακληρονομήσαν [B S<sup>2</sup> ἐκλρ.] (3 α)  
 Si. 4. 16. κατακληρονομήσεις [A B -ει] αὐτὴν  
 15. 6. ὄνομα αἰώνιον [A B -ῶνος] κατακληρονομή-σαι [B<sup>2</sup> add. αὐτόν]  
 24. 8. ἐν Ἰσραὴλ κατακληρονομήθητι [? -μήσεις, A κληρ.]  
 36. 16 (14). κατακληρονομῆσα [B κατακληρονομή-σεις] αὐτοὺς καθὼς ἀπ' ἀρχῆς  
 44. 21. κατακληρονομήσαι αὐτοὺς ἀπὸ θαλάσσης ἕως θαλ.  
 46. 1. A B ὅπως κατακληρονομήσῃ [B κλ.] τὸν Ἰσραὴλ  
 Am. 2. 10. τοῦ κατακληρονομήσαι τὴν γῆν τῶν Ἀμ. (3 α)  
 Ob. 1. 17. καὶ κατακληρονομήσουσιν ὁ οἶκος Ἰακώβ τοὺς κατακληρονομήσαντας αὐτοὺς (3 α, 3 α)  
 — 19. κατακληρονομήσουσιν οἱ ἐν ναγὶβ τὸ ὄρος (3 α)  
 — 19. καὶ κατακληρονομήσουσι τὸ ὄρος Ἐφρ. (3 α)  
 Hb. 1. 6. τοῦ κατακληρονομήσαι σκηνοτάματα οὐκ αὐτοῦ (3 α)  
 Za. 2. 12 (16). κατακληρονομήσει κύριος τὸν Ἰ. (5 α)  
 8. 12. κατακληρονομήσω τοὺς καταλοιποὺς τοῦ λαοῦ (5 α)  
 Is. 14. 2. κατακληρονομήσουσι καὶ πληθυνθή-σονται (5 δ)  
 Je. 3. 18. ἦν κατακληρονομῆσα [A -αν, B<sup>1</sup> -εν] τοὺς πατέρας [A οἱ π.] αὐτῶν (5 α)  
 Ez. 22. 16. κατακληρονομήσω ἐν σοὶ [A κ. σε] (5 δ)  
 45. 8. τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν οἶκος Ἰσραὴλ (6)  
 — 9. A τὸν λαόν μου καὶ τὴν γῆν κατακλη-ρονομήσουσιν  
 46. 18. κατακληρονομήσει τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ (5 α)  
 47. 13. ταῦτα τὰ ὅρια κατακληρονομήσετε τῆς γῆς (5 δ)  
 — 14. κατακληρονομήσετε αὐτὴν (5 α)  
 I Ma. 3. 36. A κατακληρονομήσαι [B B<sup>2</sup> -ροδοτῆσαι] τὴν γῆν αὐτῶν  
 [Sm. Pr. 2. 21.]  
 [Th. Jd. 11. 24 bis.]  
 κατακληρονομήσαι. (1) ηδϣ a. qal. δ. ni.  
 I Ki. 10. 20. κατακληρονομήσαι σκίπτειν Βεν. (1 δ)  
 — 21. κατακληρονομήσαι φυλὴ Ματτ. (1 δ)  
 — 21. κατακληρονομήσαι Σαουλ υἱὸς Κίς (1 δ)  
 14. 42. ὃν ἂν κατακληρονομήσῃς κύριος  
 — 42. καὶ κατακληρονομήσαι Ἰωνάθαν (1 δ)  
 — 47. κατακληρονομήσαι ἔργον [A om. κ. ἔ.] ἐπὶ Ἰσρ. (1 α ?)  
 κατακλίνειν. (1) ηδϣ (2) ηδϣ (3) ηδϣ  
 Ex. 21. 18. κατακλινῇ δὲ ἐπὶ τὴν κοίτην (2)  
 Nu. 24. 9. κατακλινεῖς ἀνεπαίστατο (3)  
 Jd. 5. 27. κατακλινεῖς ἔπεισε καθὼς κατακλινῇ [A al.] (1, 1)  
 I Ki. 16. 11. οὐ μὴ κατακλινῶμεν (3)  
 Ju. 12. 15. εἰς τὸ ἐσθίειν κατακλινόμεν ἐπ' αὐτῶν  
 III Ma. 1. 3. ἀσχημὸν τινα κατεκλινεῖ ἐν τῇ σκηνῇ  
 [Aq. Ge. 49. 9 : Is. 11. 7 : 54. 11.]  
 [Sm., Th. Is. 11. 7.]  
 κατάκλις.  
 [Sm. Ho. 7. 14.]  
 κατακλιστός (?), κατάκλιςτρον, κατάκλιτον.  
 (1) ηδϣ  
 Is. 8. 23. ἀφ' ἐλπίδός . . . θέριστα κατάκλιτα [B<sup>1</sup> τὰ κατάκλιςτρα, B<sup>2</sup> τὰ κατάκλιςτρα] (1 ?)  
 [Th. Is. 8. 23 (κατάκλιτον).]



Ps. 118 (119). 116. μὴ κατασχύνῃς με ἀπὸ τῆς προσδοκίας μου (1 b)  
 126 (127). 5. B οὐ κατασχυνθήσονται [B -εται, A -θώσιν] ὅταν λαλώσι (1 a)  
 Pr. 19. 26. ὁ ἀτιμάζων πατέρα . . . κατασχυνθήσεται (1 b)  
 20. 4. B οὐκ ἐκείνη οὐκ ἀκατασχύνεται [A B οὐκ ἀσυχ.] +  
 Si. 2. 10. τίς ἐνέπιστευσεν κυρίῳ καὶ κατασχύνῃ (1 b)  
 15. 4. καὶ οὐ μὴ κατασχυνθῇ  
 22. 4. ἡ κατασχύνουσα εἰς λύπην γεννήσαντος [S<sup>1</sup> ἐγγ.]  
 — 5. πατέρα καὶ ἄνδρα κατασχύνει ἡ θρασκία [A θρασκία]  
 — 25. φίλον σκεπάζει οὐκ ἀσχυθήσεται [S<sup>1</sup> οὐ κατασχ.]  
 24. 22. B<sup>1</sup> ὁ ὑπακούων μου οὐ κατασχυνθήσεται [A B<sup>1</sup> οὐκ ἀσυχ.]  
 42. 11. B μὴ ποτε . . . κατασχύνῃ [A B -εἰ] σε ἐν πλήθει πολλῶν  
 — 14. γυνὴ κατασχύνουσα εἰς διειδισμόν  
 Ho. 2. 5 (7). κατασχυνεὶ ἡ τεκοῦσα αὐτὰ (1 b)  
 4. 19. καὶ κατασχυνθήσονται ἐκ τῶν θυσιαστηρίων (1 a)  
 Mi. 3. 7. κατασχυνθήσονται οἱ ὀρώντες τὰ ἐνὶ πύλαις (1 a)  
 7. 16. ὀφθαλμοὶ ἐθύν καὶ κατασχυνθήσονται (1 a)  
 J1. 1. 11. ἐξηράνθησαν [B<sup>2</sup> κατασχυνθήσαν] γεωργοί (1 b)  
 2. 26. οὐ μὴ κατασχυνθῇ ὁ λαὸς μου (1 a)  
 — 27. οὐ μὴ κατασχυνθῶσιν [A B<sup>2</sup> -θῶ] ἐπὶ ὁ λαὸς μου (1 a)  
 Ze. 3. 11. οὐ μὴ κατασχυνθῇς ἐκ πάντων τῶν ἐπιτηδεύμ. (1 a)  
 — 20 (19). κατασχυνθήσονται ἐν τῇ καιρῷ ἐκείνῳ (1 c)  
 Za. 10. 5. καὶ κατασχυνθήσονται ἀναβάται ἱππῶν (1 b)  
 18. 4. κατασχυνθήσονται οἱ προφῆται (1 a)  
 Is. 1. 29. A κατασχυνθήσονται ἐπὶ τοῖς εἰδωλοῖς αὐτῶν [B B<sup>1</sup> al.] (1 a)  
 3. 15. τὸ πρόσπτον τῶν πτωχῶν κατασχύνετε (8)  
 28. 16. ὁ πιστεύων [A B add. ἐπ' αὐτῷ] οὐ μὴ κατασχυνθῇ +  
 50. 7. οὐ μὴ ἀσχυθῶ [S<sup>1</sup> κατασχυνθῇ] (1 a)  
 54. 4. μὴ φοβῶ ὅτι κατασχυνθῇς (1 a)  
 Je. 2. 36. ἀπὸ Αἰγύπτου κατασχυνθήσονται καθὼς κατασχυνθήσονται ἀπὸ Ἀσσοῦρ (1 a, 1 a)  
 6. 15. κατασχυνθήσονται ὅτι ἐξελίπισαν καὶ οὐδ' ὡς κατασχυνθόμενοι κατασχυνθήσαν [A B ὅσυχ.] (1 b, 1 a, 1 a)  
 7. 19. ὅπως κατασχυνθῇ τὰ πρόσπα αὐτῶν (1 c)  
 9. 19. κατασχυνθήσονται σφόδρα (1 a)  
 10. 14. κατασχυνθῇ πᾶς χρυσοχόος (1 b)  
 15. 9. κατασχυνθῇ [S<sup>1</sup> -ν] καὶ διειδίσθῃ (1 a)  
 17. 13. πάντες οἱ καταλιπόντες σε κατασχυνθήσονται [S<sup>1</sup> al.] (1 a)  
 — 18. κατασχυνθήσονται οἱ διώκοντές με καὶ μὴ κατασχυνθῇ [A πτοθ.] ἐγώ (1 a, 1 a)  
 26 (46). 24. κατασχυνθῇ ἡ θυγάτηρ Αἰγύπτου (1 b)  
 27 (50). 2. κατασχυνθῇ Βήλος (1 b)  
 — 38. καὶ κατασχυνθήσονται +  
 28 (51). 17. κατασχυνθῇ πᾶς χρυσοχόος (1 b)  
 30. 12 (49. 23). κατασχυνθῇ Ἡμάθ (1 a)  
 31 (48). 13. κατασχυνθήσεται Μωάβ ἀπὸ Χαμὸς ὡς περ κατασχυνθήσεται Ἰσραὴλ ἀπὸ Βαβυλῶν [A al.] (1 a, 1 a)  
 — 20. κατασχυνθῇ Μωάβ (1 b)  
 Ep. Je. 39. οἱ δὲ θεραπεύοντες αὐτὰ κατασχυνθήσονται  
 Ez. 24. 13. κατασχυνθήσεται ὁ ἴδς αὐτῆς +  
 Da. LXX. 3. (42). μὴ κατασχυνθῇ ἡμᾶς  
 — (44). κατασχυνθήσονται ἀπὸ πάσης δυναστείας  
 Da. TH. Su. 27. κατασχυνθήσονται οἱ δοῦλοι σφόδρα (1 b)  
 3. (42). μὴ κατασχυνθῇ ἡμᾶς  
 — (44). κατασχυνθήσονται ἀπὸ πάσης τῆς δυναστείας  
 IV Ma. 5. 35. οὐδὲ κατασχυνθῶ σε  
 18. 18. μὴ κατασχυνθῇ ἡμᾶς, ἀδελφεῖ [Aq. Jd. 18. 7 : Ps. 13 (14). 6 : 24 (25). 3 : 70 (71). 24 : Jz. 8. 9.]  
 [Sm. II Ki. 8. 1 : Jb. 19. 3 : Ps. 24 (25). 3 δις : 30 (81). 18 : 52 (53). 6 : 68 (69). 7 : 70 (71). 13, 24 : Pr. 17. 2 : Ez. 16. 54 : Jz. 1. 11.]  
 [Th. I Ki. 20. 34 : 25. 7 : Jb. 19. 3 : Pr. 14. 35 : 17. 2 : Is. 1. 29 : 20. 5 : 25. 5 : 42. 17 : Jz. 8. 12.]  
 [Quint. Ps. 24 (25). 3.]

κατακαίειν. (1) כָּבַד a. qal. δ. pu. c. הִכָּהּ  
 (2) כָּבַד (3) כָּבַד a. qal. δ. pi. c. hi.  
 (4) כָּבַד iithpa. (6) כָּבַד a. qal. δ. hi.  
 (8) כָּבַד ni. (7) כָּבַד pi. (8) כָּבַד ni.  
 (9) כָּבַד a. qal. δ. ni. c. הִכָּהּ d. הִכָּהּ  
 (10) כָּבַד hi.  
 Ge. 38. 24. ἐξαγάγετε αὐτὴν καὶ κατακαύθητε (9 b)  
 Ex. 3. 2. ὁ δὲ βῆτος οὐ κατεκαίετο (1 b)  
 — 3. οὐ κατεκαίεται ὁ βῆτος (3 a)  
 12. 10. τὰ δὲ καταλεπόμενα . . . κατακαύσετε (9 a)  
 29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις πυρὶ (9 a)  
 — 34. κατακαύσεις τὰ λοιπὰ πυρὶ (9 a)  
 32. 20. κατέκαυσε αὐτὸν ἐν [A om. αὐ. ἐν] πυρὶ (9 a)  
 34. 13. τὰ γλυπτά . . . κατακαύσετε ἐν [A om.] πυρὶ —  
 Le. 4. 12. κατακαύσουσιν αὐτὸν ἐπὶ ξύλῳ (9 a)  
 — 21. κατακαύσουσι τὸν μόσχον ὃν τρόπον κατέκαυσαν τὸν μόσχον τὸν πρότερον (9 a, 9 a)  
 6. 30 (23) : 7. 7 (17), 9 (19). ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9 b)  
 8. 17. κατέκαυσε αὐτὰ πυρὶ (9 a)  
 — 32. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9 a)  
 9. 11. κατέκαυσε αὐτὰ πυρὶ (9 a)  
 13. 52. κατακαύσει τὸ ἱμάτιον (9 a)  
 — 52. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9 b)  
 — 55, 57. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9 a)  
 16. 27. κατακαύσουσιν αὐτὰ ἐν πυρὶ (9 a)  
 — 28. ὁ δὲ κατακαίων αὐτὰ (9 a)  
 18. 6. ἐν πυρὶ κατακαύθησεται (9 b)  
 20. 14. ἐν πυρὶ κατακαύσουσιν αὐτὸν καὶ αὐτὰς (9 a)  
 21. 9. ἐπὶ πυρὶ κατακαύθησεται (9 b)  
 Nu. 16. 37 (17. 2). ἀνέλθε . . . ἐκ μέσου τῶν κατακαυμένων (9 c)  
 — 39 (17. 4). ὅσα προσήγγικαν οἱ κατακαυμένοι (9 a)  
 19. 5. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐναντίον αὐτοῦ (9 a)  
 — 5. τὸ δέρμα . . . κατακαύθησεται (9 a)  
 — 8. ὁ κατακαίων αὐτὴν πλυνεὶ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (9 a)  
 — 17. ἀπὸ τῆς σποδίας τῆς κατακαυμένης (9 c)  
 De. 7. 5. τὰ γλυπτά . . . κατακαύσετε πυρὶ (9 a)  
 — 25. A τὰ γλυπτά . . . κατακαύσετε [B καύσετε] (9 a)  
 9. 21. κατέκαυσε αὐτὸν ἐν πυρὶ (9 a)  
 12. 3. A τὰ γλυπτά . . . κατακαύσετε [B -σατε] πυρὶ (9 a)  
 — 31. τὰς θυγατ. αὐ. κατακαύσουσιν ἐν πυρὶ (9 a)  
 29. 23 (22). θέλιον καὶ δῖα κατακαυμένον (9 c)  
 Jo. 7. 15. κατακαύθησεται ἐν πυρὶ (9 b)  
 11. 6. τὰ ἄρματα αὐτῶν κατακαύσεις (9 a)  
 — 9. A τὰ ἄρματα αὐτῶν κατέκαυσε [B ἐνέπρησε] ἐν πυρὶ (9 a)  
 Jd. 2. 2. ἀπὸ θυσιαστηρίων αὐτῶν κατακαύσετε [B καθελείν] +  
 14. 15. μὴ ποτε κατακαυσόμεν [A ἐμπυρίσω- μέν] σε (9 a)  
 I Ki. 81. 12. κατακαίουσιν αὐτοὺς ἐκεῖ (9 a)  
 IV Ki. 17. 31. ἥνικα κατέκαυον τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9 a)  
 23. 4. καὶ κατέκαυσε αὐτὰ (9 a)  
 — 5. κατέκαυσε τοὺς χωμαρίμ (10)  
 — 6. B καὶ κατέκαυσε αὐτὸν (9 a)  
 — 11. κατέκαυσε [A -αν] τοὺς ἱπποὺς (10)  
 — 11. τὸ ἄρμα τοῦ ἡλίου κατέκαυσε πυρὶ (9 a)  
 — 15. καὶ κατέκαυσε τὸ ἔλκος (9 a)  
 — 16. καὶ κατέκαυσε ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (9 a)  
 — 20. καὶ κατέκαυσε τὰ ὀστά τῶν ἀνθρώπων (9 a)  
 I Ch. 14. 12. εἶπε Δ. κατακαύσει [A c. αὐτοῖς] ἐν πυρὶ (9 b)  
 II Ch. 15. 16. καὶ κατέκαυσε ἐν χειμάρρῳ Κίδων (9 a)  
 34. 5. καὶ ὁστὰ Ιέρων κατέκαυσε (9 a)  
 To. 14. 4. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ κατακαήσεται [S al.]  
 Ju. 6. 4. κατακαύσωμεν γὰρ αὐτοὺς  
 Jb. 1. 16. πῦρ . . . κατέκαυσε [A κατέφαγεν] τὰ πρόβατα καὶ τοὺς ποιμένας κατέφαγεν [A -έκαυσε, B -έφλεξε] (8 a, 1 a)  
 15. 34. A πῦρ δὲ κατακαύσει [B καύσει] οἰ- κους (1 a)  
 Ps. 45 (46). 9. θυροὺς κατακαύσει ἐν πυρὶ (9 a)  
 82 (88). 14. ὥστε φλόξ κατακαύσει ἄρη (7)  
 Pr. 6. 27. τὰ δὲ ἱμάτια οὐ κατακαύσει (9 b)  
 — 28. τοὺς δὲ πόδας οὐ κατακαύσει (6)  
 Am. 2. 1. κατέκαυσαν τὰ ὀστά βασιλείας τῆς Ἰ. (9 a)

Is. 1. 31. κατακαυθήσονται οἱ ἄνομοι (3 a)  
 9. 19 (18). ἔσται ὁ λαὸς ὡς ὑπὸ πυρὸς κατακαυμένος (1 c)  
 27. 4. κατακαίεμαι (5 b)  
 33. 12. ἔσονται ἔθνη κατακαυμένα ὡς ἄκανθα ἐν ἀγρῷ ἐρριμμένη καὶ κατακαυμένη [S<sup>1</sup> om., B<sup>1</sup> κεκαλυμ.] (9 d, 5 a)  
 48. 2. οὐ μὴ κατακαύθῃς φλόξ οὐ κατακαύσει σε (8, 3 a)  
 44. 16, 19. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσε [B -αν] (9 a)  
 47. 14. ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται [A -καῖσ.] (9 a)  
 84. 2 (1). κατακαύσει πῦρ τοὺς ὑπεναντίους (3)  
 Je. 7. 31. τοῦ κ. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9 a)  
 19. 5. τοῦ κ. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν ἐν πυρὶ (9 a)  
 21. 10. κατακαύσει αὐτὴν ἐν πυρὶ (9 a)  
 30 (49). 2. ἐν πυρὶ κατακαυθήσονται (5 a)  
 39 (32). 29. κατακαύσουσι [A καύωσιν] τὰς οἰκίας (9 a)  
 41 (34). 22. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρὶ (9 a)  
 43 (36). 25. πρὸς τὸ [A B<sup>1</sup> add. μὴ] κατακαύσει τὸ χαρτίον [A βιβλίον] (9 a)  
 — 27. μετὰ τὸ κατακαύσει [A B καύσει] τὸν βασ. τὸ χαρτίον (9 a)  
 — 28. οὐς κατέκαυσε ὁ βασ. Ἰωακείμ (9 a)  
 — 29. κατέκαυσε τὸ χαρτίον [A βιβλίον] τοῦτο (9 a)  
 — 32. οὐς κατέκαυσε Ἰωακείμ (9 a)  
 45 (38). 17. ἡ πόλις αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ (9 b)  
 — 23. ἡ πόλις αὕτη κατακαυθήσεται (9 b)  
 50 (48). 13. τὰς οἰκίας αὐ. κατακαύσει ἐν πυρὶ (9 a)  
 Ep. Je. 55. αὐτοὶ δὲ ὥσπερ δοκοὶ μέσοι κατακαυθήσονται  
 Ez. 5. 2. κατακαύσεις αὐτὸ ἐν μέσῳ αὐτῆς (3 c ?)  
 — 4. κατακαύσεις αὐτοὺς ἐν πυρὶ (9 a)  
 20. 47 (21. 3). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν πρόσωπον (8)  
 39. 10. τὰ ὅπλα κατακαύσουσι πυρὶ (3 b)  
 43. 21. κατακαυθήσεται ἐν τῇ ἀποκωχωρισμένῃ τοῦ οἴκου (9 a)  
 Da. LXX. 3. 27 (94). αἱ τριχὲς αὐτῶν οὐ κατε- κάψαν (4)  
 Da. TH. 11. 18. A B κατακαύσει [B -παύσει] ἀρχοντας ὀνειδισμοῦ αὐτῶν (10)  
 I Ma. 4. 38. A B καὶ τὰς πύλας [B θύρας] κατακαυ- μένας  
 5. 68. τὰ γλυπτά τῶν θεῶν κατέκαυσε  
 II Ma. 10. 36. ὥστας τοὺς βλασφημοὺς κατέκαυον  
 IV Ma. 6. 26. A B μεχρὶ τῶν ὁστέων ἦδη κατακαυ- μένος [B κεκ.]  
 12. 13. B καὶ τοῦτον κατακαύσας [A B κατεκίνας]  
 18. 14. φλόξ οὐ κατακαύσει σε [Aq. Jz. 61 (28). 25.]  
 [Sm. Ps. 73 (74). 8 : Is. 43. 2 : Jz. 51 (28). 25.]  
 [Al. Ps. 45 (46). 10 : Jz. 32 (39). 29.]  
 [Quint. Ps. 73 (74). 8.]  
 κατακαλύπτειν. (1) אָבַד δ. הִכָּהּ c. הִכָּהּ  
 (2) אָבַד (3) אָבַד (4) אָבַד  
 Ex. 26. 14. A B<sup>2</sup> B ποιήσεις κατακαλύμμα B<sup>1</sup> κάλ. (1 b)  
 35. 11. B<sup>2</sup> B ἐργαζέσθω . . . τὰ κ. [A γλύμ- ματα, B<sup>1</sup> om. τὰ κ.] (1 b)  
 37. 16 (38. 18). A τὸ κ. [B -πέτασμα] τῆς πύλης (2)  
 38. 19. εἰς τὸ ἐκτείνειν τὸ κ. [B<sup>1</sup> -καλύμμα]  
 39. 21 (34). A τὰ κ. δέρματα ὑακίνθου [B B<sup>1</sup> al.] (1 b)  
 40. 19. ἐπέθηκε τὸ κ. τῆς σκηνῆς (1 b)  
 — 21. ἐπέθηκε τὸ κ. τοῦ καταπετάσματος (3)  
 Nu. 3. 25. τὸ καλύμμα καὶ τὸ κ. (2)  
 — 31. καὶ τὸ κ. καὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτῶν (2)  
 4. 6. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ κατακαλύμμα (1 a)  
 — 25. A B<sup>2</sup> καὶ τὸ κ. [B<sup>1</sup> B κάλ.] αὐτῆς (1 b)  
 — 25. A B τὸ κ. [B κάλ.] τὸ ὑακίνθου (1 b)  
 — 25. A καὶ τὸ κ. [B κάλ.] τῆς θύρας (2)  
 — 31. τὰς βάσεις αὐτῆς καὶ τὸ κ. —  
 — 31. B<sup>1</sup> B καὶ τὸ κ. [A B<sup>2</sup> κάλ.] τῆς θύρας (1 c)  
 Is. 14. 11. τὸ κ. σου σκώληξ (1 c)  
 47. 2. ἀποκαλύψαι τὸ κ. σου (4)  
 κατακαλύπτειν. (1) אָבַד (2) אָבַד hithp.  
 (3) אָבַד a. ni. δ. pi. (4) אָבַד  
 (5) אָבַד  
 Ge. 38. 15. κατακαλύψατο γὰρ τὸ πρόσωπον αὐτῆς (3 b)

- Ex. 26. 34. κατακαλύψει . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ μαρτ. (4)  
 29. 22 : Le. 3. 3, 9 (B), τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτει τὴν κοιλίαν (B δ)  
 Le. 3. 14. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτει [A. καλ.] τὴν κοιλίαν (B δ)  
 4. 8. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτει τὰ ἐνδόσθια (B δ)  
 6. 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτει τὰ ἐνδόσθια (B δ)  
 9. 19. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτει ἐπὶ τῆς κοιλίας (B δ)  
 Nu. 4. 5. κατακαλύψουσιν . . . τὴν κιβωτὸν [A. σπηρὴν] (B δ)  
 22. 5. κατακαλύψει τὴν θψιν τῆς γῆς (B δ)  
 II Ch. 18. 29. κατακαλύψον με (2)  
 Es. 6. 12. B<sup>2</sup> κατακαλυμμένοι κεφαλῇ [A B S<sup>1</sup> al.] (1)  
 Si. 24. 3. ὡς οὐμίχλη [A -ην] κατακαλύψα γῆν (B δ)  
 Hb. 2. 14. ὡς ὕδωρ κατακαλύψει αὐτοὺς (B δ)  
 Is. 6. 2. ταῖς μὲν δυσὶ κατακαλύπτει τὸ πρόσωπον ταῖς δὲ δυσὶ κατακαλύπτει τοὺς πόδας (B δ, B δ)  
 11. 9. ὡς ὕδωρ πολὺ κατακαλύψει θαλάσσας (B δ)  
 26. 21. οὐ κατακαλύψει τοὺς ἀνηρημένους (B δ)  
 33. 12. ὡς ἄκανθα . . . κατακαλυμμένη [B<sup>1</sup> om., B<sup>2</sup> κατακαλυμμ.] (B δ)  
 Je. 26 (46). 8. κατακαλύψω τὴν γῆν (B δ)  
 28 (51). 42. καὶ κατακαλύψῃ (B δ)  
 — 51. κατακαλύψει ἀτιμία τὸ πρόσωπον ἡμῶν (B δ)  
 Ez. 26. 10. κατακαλύψει [A. καλ.] σε ὁ κοινορτὸς αὐτῶν (B δ)  
 — 19. A B κατακαλύψει [B -ν] σε ὕδωρ πολὺ (B δ)  
 32. 7. κατακαλύψω ἐν τῇ σβεσθίῃ σε οὐρά-νόν (B δ)  
 38. 9. ἥξει ὡς νεφέλη κατακαλύψει γῆν (B δ)  
 Da. LXX. 12. 9. κατακαλυμμένα . . . τὰ προστάγματα (5)  
 Da. TH. Su. 32. ἦν γὰρ κατακαλυμμένη κατακάμπτειν. (1) ηδξ (2) ηδξ  
 Ps. 37 (38). 6. κατακάμψῃ ἕως τέλους 56 (57). 6. κατέκαμψαν τὴν ψυχὴν μου (1)  
 IV Ma. 11. 10. τὴν ὁσφύν αὐτοῦ . . . κατέκαμψαν [Bm. Ps. 41 (42). 6 : 43 (44). 26.] (1)  
 κατάκαρπος. (1) τίη (2) ἡψ  
 Ps. 51 (52). 8. ἐγὼ δὲ ὥσπερ ἐλαία κ. (2)  
 Ho. 14. 7. καὶ ἔσται ὡς ἐλαία κατάκαρπος (1)  
 κατακάρπως. (1) τίη (2) ἡψ  
 Za. 2. 4 (8). κ. κατοκηθήσεται Ἱερουσ. (1 ?)  
 κατακάρπωσις. (1) ἡψ  
 Le. 6. 10 (3). ἀφέλει τὴν κ. (1)  
 — 11 (4). ἐξοίσει τὴν κ. ἐξω τῆς παρεμβολῆς (1)  
 κατάκαυμα. (1) α. ηδξ δ. ηδξ (2) ηδξ  
 (3) ηδξ  
 Ex. 21. 25. κατάκαυμα ἀντὶ κατακαύματος (1 α, 1 α)  
 Le. 13. 24. κατάκαυμα πυρὸς (1 δ)  
 — 24. τὸ ὑγιασθῆναι τοῦ κ. (1 δ)  
 — 25. A<sup>2</sup> B ἐν τῇ κ. ἐξήνθησε (1 δ)  
 — 28. οὐλὴ τοῦ κ. ἐστὶ (1 δ)  
 — 28. ὁ γὰρ χαρακτὴρ τοῦ κ. ἐστὶ (1 δ)  
 Nu. 19. 6. ἐμβαλοῦσιν εἰς μέσον τοῦ κ. τῆς δαμάλεως (3)  
 Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καϊόμενος εἰς πέψιν κατακαύματος +  
 Je. 31 (48). 34. εἰς κ. ἔσται (2 ?)  
 κατακαυχᾶσθαι. (1) ηδξ hithp. (2) ηδξ  
 hithpo. (3) ηδξ  
 Za. 10. 12. ἐν τῇ ὀνόματι αὐ. κατακαυχῶνται (1)  
 Je. 27 (50). 11. κατακαυχᾶσθε [B κατακ.] διαρπάσσοντες τὴν κληρονομίαν μου (3)  
 — 38. ἐν ταῖς νήσοις οὐ [A om., B σου] κατακαυχῶντο (2)  
 κατάκεισθαι. (1) ηδξ (2) ηδξ  
 Ju. 13. 15. ἐν τῇ κατέκειτο ἐν ταῖς μέθοις αὐτοῦ (1)  
 Pt. 6. 9. ὡς τίνος ὀκνηρὴ κατάκειται (1)  
 23. 34. κατακίση ὥσπερ ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (2)  
 Wi. 17. 7. μαγεύει δὲ ἐμπαύματα κατέκειτο [A -ειτο] τέχνης (2)  
 κατακεῖν. (1) ηδξ (2) ηδξ  
 Ge. 42. 35. ἐν τῇ κ. αὐτοὺς τοὺς σάκκους αὐτῶν (2)  
 II Ki. 18. 9. καὶ κατέκειντο ἐνώπιον αὐτοῦ (1)  
 κατακεῖν. (1) ηδξ (2) ηδξ  
 Ju. 16. 12. υἱοὶ κορασίων κατέκειντο αὐτοὺς (2)  
 Je. 28 (51). 4. πεισύνται . . . κατακεκνημένοι (2)  
 Ez. 23. 47. κατακίει [A -τησον] αὐτὰς ἐν τοῖς ξίφεσιν αὐτῶν (1)  
 κατακλάν. (1) ηδξ hoph.  
 Ez. 19. 12. κατακλάνθη ἐν θυμῷ [Bm. Jb. 5. 4.] (1)  
 κατακλείειν. (1) ηδξ  
 Wi. 17. 2. μακρὰς πεδῆταις νυκτὸς κατακλείσθιντες ὀρέφους  
 — 16. ἐφρουρεῖτο εἰς τὴν ἀσίδηρον εἰρκτὴν κατακλείσθιν  
 Je. 39 (82). 3. A B S<sup>2</sup> ἐν τῇ κατέκλεισεν αὐτὸν (1)  
 II Ma. 13. 21. κατακλῆθη καὶ κατακλείσθη  
 III Ma. 3. 25. ἐνδύσιν σιδηροῖς παντόθεν κατακλεισμένους  
 κατάκλιστός, cf. κατακλιστός.  
 Wi. 18. 4. οἱ κατακλιστοὺς φυλάξαντες τοὺς υἱοὺς σου  
 II Ma. 8. 19. αἱ δὲ κ. τῶν παρθένων  
 III Ma. 1. 18. αἱ τε κ. παρθένοι . . . ἐξώρυσαν κατακλαιοδοτεῖν. (1) ηδξ hi.  
 De. 1. 38. A κατακλαιοδοτεῖ [B -ρονομήσει] αὐτὴν (1)  
 21. 16. A ἡ ἄν ἡμέρα κατακλαιοδοτῇ [B -ρονομή] . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (1)  
 I Ma. 3. 36. B B κατακλαιοδοτῇ [A -ρονομήσει] τὴν γῆν αὐτῶν [Aq. Ez. 22. 16.]  
 κατακλαιοδοτεῖν. (1) ηδξ ni. (2) ηδξ  
 ηδξ (3) ηδξ a. qal. δ. hi. c. ηδξ  
 (4) ηδξ hi. (5) ηδξ a. qal. δ. pi. c. hi. d. hithp. e. ηδξ (6) ηδξ  
 Nu. 13. 31 (30). καὶ κατακλαιοδοτήσιν [A -σωμεν] αὐτὴν (3 α)  
 33. 54. A B<sup>2</sup> B κατακλαιοδοτήσιν τὴν γῆν (5 δ)  
 44. 13. ἡν κατακλαιοδοτήσιν αὐτὴν μετὰ κλήρου (5 δ)  
 35. 8. A B ἡν κατακλαιοδοτήσιν [B κληρ.] (5 α)  
 De. 1. 38. κατακλαιοδοτήσιν [A -ροδοτήσιν] αὐτὴν (5 α)  
 2. 21. καὶ κατακλαιοδοτήσιν (3 α)  
 — 22. A B<sup>2</sup> B καὶ κατακλαιοδοτήσιν (3 α)  
 8. 20. A B<sup>1</sup> αὐ. καὶ κατακλαιοδοτήσιν [B<sup>2</sup> B -σωσιν] καὶ οὗτοι τὴν γῆν (3 α)  
 — 28. κατακλαιοδοτήσιν αὐτοὺς πᾶσαν τὴν γῆν (5 α)  
 12. 2. A οὗς ὑμεῖς κατακλαιοδοτεῖτε [B κληρ.] (3 α)  
 — 10. ἡς κύριος . . . κατακλαιοδοτεῖ [A -μήσει] ὑμῖν (5 α)  
 — 29. καὶ κατακλαιοδοτήσιν [A -εισ] αὐτὴν [A -οὗς] (3 α)  
 15. 4. κατακλαιοδοτεῖν σε [A -μήσει] αὐτὴν (3 α)  
 18. 14. οὗς σὺ κατακλαιοδοτεῖς αὐτοὺς (3 α)  
 19. 1. καὶ κατακλαιοδοτήσιν [A -σει] αὐτοὺς (3 α)  
 — 14. ἡ [A ἡν] κατακλαιοδοτήσιν (5 α)  
 21. 16. ἡ ἄν ἡμέρα κατακλαιοδοτῇ [A -ροδοτῇ] . . . τὰ ὑπάρχοντα (5 α)  
 25. 19. A ἐν κλήρῳ κατακλαιοδοτήσιν [B al.] (3 α)  
 26. 1. A ἐν κλήρῳ κατακλαιοδοτήσιν [B al.] (3 α)  
 — 1. B καὶ κατακλαιοδοτήσιν αὐτὴν (3 α)  
 31. 3. καὶ κατακλαιοδοτήσιν αὐτοὺς (3 α)  
 — 7. καὶ σὺ κατακλαιοδοτήσιν αὐτοὺς [A αὐ-τὴν αὐ.] (5 α)  
 Jo. 12. 1. κατακλαιοδοτήσιν τὴν γῆν αὐτῶν (3 α)  
 13. 32. A<sup>2</sup> B οὗς κατακλαιοδοτήσιν Μωυσεῖ (5 δ)  
 14. 1. οὗτοι οἱ κατακλαιοδοτήσιν υἱὸν Ἰσρ. (5 α)  
 — 1. A B οὗς κατακλαιοδοτήσιν [B -ει] αὐτοῖς (5 δ)  
 18. 2. A οὗς κατακλαιοδοτήσιν [B οὐκ ἐκλήρ.] (2 α)  
 19. 51. δὲ κατακλαιοδοτήσιν [A -αν] (5 δ)  
 21. 3. ἐν τῇ κατακλαιοδοτεῖν [A add. αὐτοῖς] (5 α)  
 — 41. καὶ κατακλαιοδοτήσιν αὐτὴν (3 α)  
 22. 19. καὶ κατακλαιοδοτήσιν [A -σατε] ἐν ἡμῖν (1 α)  
 Jo. 28. 5. κατακλαιοδοτήσιν τὴν γῆν αὐτῶν (3 α)  
 24. 8. κατακλαιοδοτήσιν τὴν γῆν αὐτῶν (3 α)  
 Jd. 2. 6. κατακλαιοδοτήσιν [A τοῦ κ.] τὴν γῆν (3 α)  
 11. 24 δις. A δσα κατακλαιοδοτήσιν σοι [B al.] (3 δ)  
 18. 9. A τοῦ . . . κατακλαιοδοτήσιν τὴν γῆν (3 α)  
 I Ki. 2. 8. θρόνον δόξης κατακλαιοδοτήσιν αὐτοῖς (5 α)  
 II Ki. 7. 1. κύριος κατακλαιοδοτήσιν αὐτὸν (4 α)  
 I Ch. 28. 8. B καὶ κατακλαιοδοτήσιν [A -σετε, B om.] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (5 α)  
 I Es. 8. 85. B καὶ κατακλαιοδοτήσιν τοῖς τέκνοις [A B υἱοῖς] ὑμῶν (5 α)  
 Ps. 38 (37). 34. τοῦ κατακλαιοδοτήσιν τὴν γῆν (3 α)  
 81 (82). 8. σὺ κατακλαιοδοτήσιν [B ἐξολο-θρεύσεις] ἐν [A αὐτοῖς ἐν] πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (5 α)  
 104 (105). 44. A B<sup>2</sup> πόνους λαὸν κατακλαιοδοτήσιν [B S<sup>2</sup> ἐκλήρ.] (3 α)  
 Si. 4. 16. κατακλαιοδοτήσιν [A B -ει] αὐτὴν (3 α)  
 15. 6. ὄνομα αἰώνιον [A B -ῶνος] κατακλαιοδοτήσιν [B<sup>2</sup> add. αὐτῶν] (3 α)  
 24. 8. ἐν Ἰσραὴλ κατακλαιοδοτήσιν [? -μήσεις, A κληρ.] (3 α)  
 36. 16 (14). κατακλαιοδοτήσιν [B κατακλαιοδοτή-σεις] αὐτοὺς καθὼς ἀπ' ἀρχῆς (3 α)  
 44. 21. κατακλαιοδοτήσιν αὐτοὺς ἀπὸ θαλάσσης ἕως θαλ. (3 α)  
 46. 1. A B ὅπως κατακλαιοδοτήσιν [B κλ.] τὸν Ἰσραὴλ (3 α)  
 Am. 2. 10. τοῦ κατακλαιοδοτήσιν τὴν γῆν τῶν Ἀμ. (3 α)  
 Ob. 1. 17. καὶ κατακλαιοδοτήσιν οἱ δὲ οἶκος Ἰακώβ τοὺς κατακλαιοδοτήσιν αὐτοὺς (3 α, 3 α)  
 — 19. κατακλαιοδοτήσιν οἱ ἐν ναγίβ τὸ δρος (3 α)  
 — 19. καὶ κατακλαιοδοτήσιν τὸ δρος Ἐφρ. (3 α)  
 Hb. 1. 6. τοῦ κατακλαιοδοτήσιν σπηνώματα οὐκ αὐτοῦ (3 α)  
 Za. 2. 12 (16). κατακλαιοδοτήσιν κύριος τὸν Ἰ. (5 α)  
 8. 12. κατακλαιοδοτήσιν τοῖς καταλοιποῖς τοῦ λαοῦ (5 α)  
 Is. 14. 2. κατακλαιοδοτήσιν καὶ πληθυνθή-σονται (5 δ)  
 Je. 3. 18. ἡν κατακλαιοδοτήσιν [A -αν, B<sup>1</sup> -εν] τοὺς πατέρας [A οἱ π.] αὐτῶν (5 α)  
 Ez. 22. 16. κατακλαιοδοτήσιν ἐν σοὶ [A κ. σε] (5 δ)  
 45. 8. τὴν γῆν κατακλαιοδοτήσιν οἶκος Ἰσραὴλ (6 α)  
 — 9. A τὸν λαὸν μου καὶ τὴν γῆν κατακλαιοδοτήσιν (5 α)  
 46. 18. κατακλαιοδοτήσιν τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ (5 α)  
 47. 13. ταῦτα τὰ ὅρια κατακλαιοδοτήσιν τῆς γῆς (5 δ)  
 — 14. κατακλαιοδοτήσιν αὐτὴν (5 α)  
 I Ma. 3. 36. A κατακλαιοδοτήσιν [B B -ροδοτήσιν] τὴν γῆν αὐτῶν [Bm. Pr. 2. 21.] [Th. Jd. 11. 24 δις.]  
 κατακλαιοδοτήσιν. (1) ηδξ a. qal. δ. ni.  
 I Ki. 10. 20. κατακλαιοδοτῇ σκήπτρον Βεν. (1 δ)  
 — 21. κατακλαιοδοτῇ φυλὴ Μαρτ. (1 δ)  
 — 21. κατακλαιοδοτῇ Σαουλ υἱὸς Κίς (1 δ)  
 14. 42. ὃν ἂν κατακλαιοδοτῇ κύριος (1 δ)  
 — 42. καὶ κατακλαιοδοτῇ Ἰωνᾶθαν (1 δ)  
 — 47. κατακλαιοδοτῇ ἐργον [A om. κ. ἔ.] ἐπὶ Ἰσρ. (1 α ?)  
 κατακλίνειν. (1) ηδξ (2) ηδξ (3) ηδξ  
 Ex. 21. 18. κατακλίνει δὲ ἐπὶ τὴν κοίτην (3)  
 Nu. 24. 9. κατακλίνει ἀνεπαίστατο (1)  
 Jd. 5. 27. κατακλίνει ἔπειτα καθὼς κατακλίνει [A al.] (1, 1)  
 I Ki. 16. 11. οὐ μὴ κατακλινῶμεν (3)  
 Ju. 12. 15. εἰς τὸ ἐσθίειν κατακλινῶμεν ἐπ' αὐτῶν  
 III Ma. 1. 3. σπηρὸν τινα κατέκλινεν ἐν τῇ σκηνῇ [Aq. Ge. 49. 9 : Is. 11. 7 : 54. 11.] [Bm., Th. Is. 11. 7.]  
 κατάκλις.  
 [Bm. Ho. 7. 14.]  
 κατακλιστός (?), κατάκλιτρον, κατάκλιτον.  
 (1) ηδξ  
 Is. 3. 23. ἀφέλει . . . θέριον κατακλιτά [B<sup>1</sup> τὰ κατάκλιτρα, B<sup>2</sup> τὰ κατάκλιττα] (1 ?)  
 [Th. Is. 3. 23 (κατάκλιτον).]

**κατακλύζειν.** (1) **קלף** a. qal. **δ. ni. c. קלף**  
**Jb. 14. 19.** κατέκλυον ὕδατα ὑπὸ τοῦ χῶμ. (1a)  
**Ps. 77 (78). 20.** χεῖμαρροι κατεκλύσθησαν (1a)  
**Wi. 10. 4.** κατακλύζομένην γῆν πάλιν διέσωσε [A B  
 ἔσωσεν] σοφία  
 — 19. τοὺς δὲ ἐχθροὺς αὐτῶν κατέκλυσε [A -σαν,  
 B<sup>1</sup> κατέπαυσεν]  
**Je. 29 (47). 2.** ἴσται εἰς χειμάρρουν κατακλύζον-  
 τὰ καὶ κατακλύσει γῆν (1a, 1a)  
**Ez. 13. 11.** ἔσται ἱετός κατακλύζων (1a)  
 — 13. ὑετός κατακλύζων ἐν ὁρῇ μου ἔσται (1a)  
**88. 22.** κρινῶ αὐτὸν . . . ὑεφὶ κατακλύζοντι (1a)  
**Da. TH. 11. 10.** ἐλεύσεται [A εἰσελ.] . . . κατα-  
 κλύζων (1a)  
 — 22. βραχίονες τοῦ κατακλύζοντος κατακλυ-  
 σθήσονται [A καὶ κατ.] (1c, 1b)  
 — 26. καὶ δυνάμεις κατακλύσει (1a)  
 [Th. Jb. 14. 19 : Is. 28. 17 : Da. 11. 10, 26.]  
**κατάκλυσις.**  
 [A1. Da. 11. 40.]  
**κατακλυσμός.** (1) **קלף** (2) **קלף, קלף**  
**Ge. 6. 17.** ἐπάγω τὸν κ. (1)  
**7. 6. δ. κ.** τοῦ ὕδατος ἐγένετο [A al.] (1)  
 — 7. διὰ τὸ ὕδωρ τοῦ κ. (1)  
 — 10. τὸ ὕδωρ τοῦ κ. ἐγένετο ἐπὶ τῆς γῆς  
 — 17. ἐγένετο δ. κ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
**9. 11.** οὐκ ἀποθνήσκει . . . ἀπὸ τοῦ ὕδατος  
 τοῦ κ. (1)  
 — 11. οὐκ εἶται κατακλυσμός ὕδατος  
 — 15. οὐκ ἔσται . . . εἰς κατακλυσμόν  
 — 28. ἔζησε δὲ Νῶε μετὰ τὸν κ. (1)  
**10. 1.** ἐγεννήθησαν . . . μετὰ τὸν κ. (1)  
 — 32. διεσπάρησαν . . . μετὰ τὸν κ. (1)  
**11. 10.** δευτέρου ἔτους μετὰ τὸν κ. (1)  
**Ps. 28 (29). 10.** κύριος τὸν κ. κατοικεῖ (1)  
**81 (82). 6.** ἐν κατακλυσμῷ ὕδατων πολλῶν (2)  
**Si. 21. 13.** γνώσις σοφοῦ ὡς κατακλυσμός πληθυνθή-  
 σεται  
**39. 22.** ὡς κατακλυσμός ξηρὰν ἐμέθυσε  
**40. 10.** δι' αὐτοὺς ἐγένετο δ. κ.  
**44. 17.** διὰ τοῦτο [A B<sup>1</sup> ὅτι] ἐγένετο κατακλυσμός  
 — 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A om.] πᾶσα  
 σάρξ  
**Na. 1. 8.** ἐν κατακλυσμῷ . . . συντέλειαν ποιή-  
 σεται (2)  
**Da. TH. 9. 26.** ἐκποθήσονται ἐν κατακλυσμῷ (2)  
**IV Ma. 15. 31.** A B ἐν τῷ κοσμοπληθεί [B ἐξουπλ.] κ.  
 — 32. ἐν τῷ τῶν παθῶν περιαντλομένη κ.  
 [Aq. Jb. 38. 25 : Ps. 28 (29). 10.]  
 [Sm., Quint., Sext. Ps. 28 (29). 10.]  
 [Th. Jb. 38. 25 : Ps. 28 (29). 10 : Is. 28. 15 :  
 Da. 9. 26.]  
**κατακνίειν.**  
 [Sm. Pr. 27. 4.]  
**κατακολουθεῖν.** (1) **קלף** (2) **קלף**  
**I Es. 7. 1.** κατακολουθήσαντες τοῖς ὑπὸ τοῦ βασι. Δ.  
 προσταγείσιν  
**Ju. 11. 6.** ἐὰν κατακολουθήσης τοῖς λόγοις τῆς παι-  
 δίσκης  
**Je. 17. 16.** οὐκ ἐκοπίασα κατακολουθῶν ὀπίσω  
 σου (2)  
**Da. LXX. 9. 10.** κατακολουθήσαι τῷ νόμῳ σου (1)  
**I Ma. 6. 23.** κατακολουθεῖν τοῖς προσταγμασιν αὐ.  
**κατακονδυλίειν.** (1) **קלף** ro.  
**Am. 5. 11.** κατακονδυλίειν πτωχοῦς [A εἰς κε-  
 φαλάς πτωχῶν] (1)  
**κατακοντίζειν.**  
**Ju. 1. 15.** καὶ κατακόντισεν αὐτὸν  
**Jb. 30. 13.** βέλεσιν [B<sup>1</sup> βέλος γάρ] αὐτοῦ κατα-  
 κόντισέ με  
**κατακοπή.** (1) **קלף**  
**Jd. 6. 26.** A εἰς ἀποτομὰς κατακοπῶν [B al.] (1?)  
**κατάκοπος.** (1) **קלף** (2) **קלף** ποιεῖν  
**קלף** hi.  
**Jb. 3. 17.** ἀνεπαύσαντο κατάκοποι τῷ σώματι (1)  
**16. 8 (7).** κατάκοπόν με πεποίηκε μωρὸν σε-  
 σσηπτά (2)  
**II Ma. 12. 36.** τῶν δὲ περὶ τὸν Ε. . . κ. ὄρων

**κατακόπτειν.** (1) **קלף** pi. (2) **קלף** aph.  
**(3) קלף (4) קלף** a. pi. **δ. hi. c. hoph.**  
**(5) ה** κατακεκομμένη **קלף** (6) **קלף** hi.  
**(7) קלף** ru. **(8) קלף** pi. **(9) קלף** hi.  
**Ge. 14. 5.** κατέκοψαν τοὺς γίγαντας (6)  
 — 7. κατέκοψαν πάντας τοὺς ἄρχοντας 'Α. (6)  
**Nu. 14. 45.** καὶ κατέκοψαν αὐτούς (4b)  
**Jo. 10. 10.** καὶ κατέκοπτον αὐτούς (6)  
**11. 8.** κατέκοψαν [A -εν] αὐτούς (6)  
**Jd. 20. 43.** κατέκοπτον [A ἔκοψαν] τὸν Βεν. (6)  
**II Ch. 15. 16.** κατέκοψε τὸ εἶδωλον (3)  
**28. 24.** καὶ κατέκοψεν αὐτὰ (8)  
**84. 7.** τὰ εἶδωλα κατέκοψε λεπτά (4a)  
 — 7. A πάντα τὰ ὑψηλὰ κατέκοψεν [B ἔκ.] (1)  
**Ju. 2. 25.** κατέκοψε πάντας τοὺς ἀντιστάτας αὐτῷ  
**Am. 1. 5.** κατακόψω φυλὴν ἐξ ἀνδρῶν Χαρρίν (4c)  
**Mi. 1. 7.** πάντα τὰ ὑψηλὰ αὐτῆς κατακόψουσι (4c)  
**4. 3.** κατακόψουσι τὰς βομφαῖας αὐ. εἰς ἀρο-  
 τρα (4a)  
**Ze. 1. 11.** οἱ κατοικοῦντες τὴν κατακεκομμένην (5?)  
**Za. 11. 6.** καὶ κατακόψουσι τὴν γῆν (4a)  
**Is. 18. 5.** A τὰς κληματαῖδας . . . κατακόψει  
 [B ἀποκ.] (6)  
**27. 9.** ὅταν θῶσι [A θῶ] πάντας τοὺς λίθους  
 τῶν βωμῶν κατακεκομμένους (7)  
**Je. 20. 4.** κατακόψου ἐν μαχαίραις [A al.] (6)  
**21. 7.** κατακόψουσι αὐτοὺς ἐν στόματι μαχαί-  
 ras (6)  
**Ez. 5. 2.** τὸ τέταρτον κατακόψει ἐν βομφαίᾳ (6)  
**Da. TH. 7. 23.** συμπατήσῃ αὐτὴν καὶ κατακόψει (2)  
**II Ma. 1. 13.** κατέκοψαν ἐν τῷ τῆς Ναναίας ἱερῷ  
**10. 30.** B κατέκοπτοντο [A διεκ.] ταραχῆς πεπλη-  
 ρωμένοι  
 [Aq., Sm. Ps. 128 (129). 4.]  
**κατάκορος.**  
 [Aq. Ge. 49. 12 : Pr. 28. 29.]  
**κατακοσμεῖν.** (1) **קלף** pi. (2) **קלף**  
**Ex. 39. 6 (38. 28).** κατακοσμήσαν αὐτούς (1)  
**Is. 61. 10.** ὡς νύμφην κατακοσμήσέ με κόσμῳ (2)  
**I Ma. 4. 57.** κατακοσμήσαν τὰ κατὰ πρόσωπον τοῦ  
 ναοῦ  
**κατακόσμησις.**  
 [Aq., Sm. Ps. 31 (32). 9.]  
**κατακράζειν.** (1) **קלף** hithpa.  
**IV Ki. 2. 23.** B<sup>2</sup> κατέκραζα [B<sup>1</sup> -αζον, B<sup>1</sup> R  
 -επαίζον, A καταπαίειν αὐτοῦ] (1)  
**κατακρατεῖν.** (1) **קלף** (2) **קלף** a. pi. **δ. hi.**  
**c. קלף** (3) **קלף** (4) **קלף** hi. (5) **קלף**  
**I Ki. 14. 42.** κατεκράτησε Σαουλ τοῦ λαοῦ —  
**III Ki. 12. 24.** B καὶ κατεκράτησε 'Ροβοάμ —  
**II Ch. 12. 1.** καὶ δὲ κατεκράτησεν (2c)  
 — 4. κατεκράτησαν τῶν πόλεων τῶν ὀχυρῶν (3)  
**I Es. 4. 2.** τὴν θάλασσαν κατακρατοῦντες  
**Si. 21. 11.** κατακρατεῖ [B -τήσῃ] τοῦ ἐνοήματος  
 [B<sup>2</sup> νομ.] αὐ. [B<sup>1</sup> om. τοῦ ε. αὐ.] (1)  
**Mi. 1. 9.** οἱ κατεκράτησαν ἡ πλὴν ἑαυτῆς (1)  
**4. 9.** κατεκράτησάν σου [A σε] ὀδίνες (2b)  
**Na. 3. 14.** κατακράτησον τῶν ὀχυρωμάτων  
 σου (2a)  
 — 14. κατακράτησον ὑπὲρ πλίνθων (2b)  
**Je. 8. 5.** κατακράτηθησαν ἐν [A om.] τῇ προαιρέ-  
 σει αὐτῶν (2b)  
**27 (50). 15.** κατακράτησσε [A add. ἐπ'] αὐτὴν (4)  
 — 43. θλίψις κατεκράτησεν αὐτοῦ [A B<sup>1</sup>  
 -οὺς] (2b)  
**47 (40). 10.** ἐν ταῖς πόλεσιν αἷς κατεκρατή-  
 σασε (5)  
**I Ma. 6. 54.** κατεκράτησεν αὐτὸν ὁ λιμός  
**7. 22.** κατεκράτησαν γῆν 'Ιουδα  
**8. 2.** κατεκράτησαν αὐτὸν  
 — 3. τοῦ κατακρατῆσαι τῶν μετὰ τὸν ἀργ.  
 — 4. κατεκράτησαν τοῦ τόπου παντός  
 — 5. καὶ κατεκράτησαν αὐτὸν  
 — 10. κατεκράτησαν [B<sup>1</sup> -εν] τῆς γῆς αὐτῶν  
 — 12. A B κατεκράτησαν τῶν βασιλειῶν [B -λέων]  
**11. 1.** κατακράτησαι τῆς βασιλείας 'Αλ. [B<sup>1</sup> al.]  
 — 49. κατεκράτησαν οἱ 'Ιουδαῖοι τῆς πόλεως  
 — 56. καὶ κατεκράτησεν 'Αντιοχείας

**I Ma. 15. 3.** κατεκράτησεν τῆς βασιλείας τῶν πατέ-  
 ρων ἡμῶν  
 — 28. ὑμεῖς κατακρατεῖτε τῆς 'Ισπης  
 — 33. ἀκρίτως ἐν τινι καιρῷ κατακράτησθ  
**16. 13.** ἡβούληθη κατακρατῆσαι τῆς χώρας  
**III Ma. 1. 6.** κατακράτησας δὲ τῆς ἐπιβουλῆς  
 [Sm. II Ki. 6. 8.]  
 [A1. Ps. 43 (44). 6.]  
**κατακρημνίζειν.** (1) **קלף** hi.  
**II Ch. 25. 12.** καὶ κατακρημνίζον [A -ισεν] αὐτούς (1)  
**II Ma. 12. 15.** τὸν ἄτερ κρινῶν . . . κατακρημνίσαντα  
 τὴν 'Ιερ.  
**14. 43.** B κατεκρημνισεν ἑαυτὸν ἀνδρείως [A ἀν-  
 δρωδῶν]  
**IV Ma. 4. 25.** ὥστε καὶ γυναῖκας . . . κατακρημι-  
 σθῆναι  
**κατάκριμα.**  
**Si. 48. 10.** ἐν λόγοις ἀγίου στήσονται κατάκριμα  
 [κατὰ κρ.]  
**κατακρίνειν.** (1) **קלף** ni.  
**Es. 2. 1.** ὡς κατέκρινεν [B<sup>1</sup> -αν] αὐτὴν [A ὅσα  
 αὐτὴ κατεκρίθη] (1)  
**Wi. 4. 16.** κατακρινεῖ δὲ . . . τοὺς ὄντας ἀσεβεῖς (1)  
**Da. LXX. Su. 53.** τὸν μὲν ἀδόν κατέκρινας  
**4. 34.** τοὺς κατακρινῶ θανάτῳ  
**Da. TH. Su. 41.** κατέκριναν αὐτὴν ἀποθανεῖν  
 — 48. κατεκρίνατε θυγατέρα 'Ισραὴλ  
 — 53. τοὺς μὲν ἀδόν κατακρινῶν  
 [Sm. Jb. 10. 2 : 84. 29.]  
 [Th. Da. 18. 53.]  
 [A1. Es. 2. 1.]  
**κατακρούειν.** (1) **קלף**  
**Jd. 16. 14.** A κατέκρουσεν . . . εἰς τὸν τοῖχον  
 [B al.] (1)  
**κατακρύπτειν.** (1) **קלף** a. ni. **δ. hi.**  
**c. hithp. (2) קלף (3) קלף (4) קלף**  
**a. qal. δ. hi. (5) קלף** a. ni. **δ. hi.**  
**(6) קלף** a. qal. **δ. hi.**  
**Ge. 35. 4.** κατέκρυψεν αὐτὰ 'Ι. ὑπὸ τὴν τερέ-  
 βινθον (4a)  
**Jo. 10. 16.** κατέκρυβεν εἰς τὸ σπήλαιον (1a)  
**III Ki. 18. 4.** B καὶ κατέκρυψεν [A B ἔκρ.] αὐ-  
 τοὺς (1b)  
**IV Ki. 7. 8.** καὶ κατέκρυψαν (4b)  
**II Ch. 18. 24.** εἰσελεύσῃ . . . τοῦ κατακρυβῆναι (1a)  
**22. 12.** καὶ ἦν . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ κατα-  
 κρυμμένοι (1c)  
**Ps. 30 (31). 20.** κατακρύψει αὐτούς (5b)  
**55 (56). 6.** παροικήσουσι καὶ κατακρύψουσιν  
 αὐτοὶ (6a, 6b\*)  
**Am. 9. 2.** ἐὰν κατακρυβῶσιν [A καταρυγῶσιν]  
 εἰς ἄδου (3)  
**Is. 2. 18.** τὰ χειροποίητα πάντα κατακρύψουσιν (2)  
**Je. 13. 4.** κατακρύψον [B<sup>1</sup> -κρυψον] αὐτὸ ἐκεῖ (4a)  
 — 6. δὲ ἐντελειάμην σοι τοῦ κατακρύψαι ἐκεῖ (4a)  
**43 (38). 19.** κατακρύβῃ [A κρ.] σὺ καὶ 'Ιερ. (5a)  
 — 26. A B B<sup>2</sup> καὶ κατέκρυβαν (5b)  
**50 (43). 9.** κατακρύψον αὐτοὺς ἐν [B ἐπὶ] προ-  
 θύροις (4a)  
 — 10. ὡς κατέκρυψας [B<sup>1</sup> -α] (4a)  
**Ez. 4. 12.** A ἐν βολβίτοις . . . κατακρύψεις [B  
 ἔγκρ.] αὐτὰ (4a)  
**II Ma. 1. 19.** λαθραῖως κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι  
 [Aq. Je. 43 (50). 10.]  
 [Sm. Ps. 30 (31). 5 : 34 (35). 7 : Je. 43 (50).  
 10.]  
 [Th. Jb. 21. 19.]  
**κατακτάσθαι.** (1) **קלף**  
**II Ch. 28. 10.** υἱὸς 'Ιουδα . . . λέγετε κατακτῆ-  
 σσθαι (1)  
**II Ma. 6. 25.** B κληῖδα τοῦ γῆρας κατακτῆσμαι [A  
 -ωμαι]  
**κατακτείνειν.**  
**IV Ma. 11. 3.** ὅπως καμὲ κατακτείνας  
**12. 11.** τοὺς θεράποντας αὐτοῦ κατακτείναι  
**κατακυλίειν.** (1) **קלף** (2) **קלף**  
**Jd. 5. 27.** ἀνὰ μέσον τῶν ποδῶν αὐτῆς κατεκυ-  
 λίσθη [A al.] (2)

I Ki. 14. 8. B κατακυλισθόμεθα πρὸς αὐτοὺς  
Je. 28 (51). 25. κατακυλιῶ [A -ίσω] σε ἐπὶ [A B  
ἀπὸ] τῶν πετρῶν (1)  
κατακύπτειν. (1) 𐤒𐤒𐤕 hi.  
IV Ki. 9. 32. κατέκυψαν πρὸς αὐτὸν δύο [A  
τρεις] εὐνούχοι (1)  
[Aq. Ps. 41 (42). 6, 12: 43 (44). 26.]  
κατακυριεύειν. (1) 𐤒𐤒𐤕 (2) 𐤒𐤒𐤕 (3) 𐤒𐤒𐤕  
a. qal. δ. ni. (4) 𐤒𐤒𐤕 a. qal. δ. hi.  
(5) 𐤒𐤒𐤕 hi. (6) 𐤒𐤒𐤕 (7) 𐤒𐤒𐤕 hi.  
Ge. 1. 28. κατακυριεύσατε αὐτῆς (8 a)  
9. 1. κατακυριεύσατε αὐτῆς —  
— 7. B κατακυριεύσατε αὐτῆς [A al.] +  
Nu. 21. 24. κατακυριεύσαν τῆς γῆς αὐτοῦ (2)  
32. 22. καὶ κατακυριεύσῃ ἡ γῆ ἐναντὶ κυρίου (8 b)  
— 29. καὶ κατακυριεύσῃ τῆς γῆς (8 b)  
Jo. 24. 33. A καὶ κατακυριεύσεν [B ἐκυρ.] αὐ-  
τῶν —  
Ps. 9. 26 (10. 5). πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ  
κατακυριεύσει (5 ?)  
— 31 (10. 10). ἐν τῇ αὐτὸν κατακυριεύσαι  
τῶν πεινῶν +  
18 (19). 13. A B ἐάν μὴ μου κατακυριεύσουσιν  
[B B -ωσι] (4 a)  
48 (49). 14. κατακυριεύσουσιν [A -ωσιν] αὐ-  
τῶν οἱ εὐεῖς (6)  
71 (72). 8. κατακυριεύει ἀπὸ θαλάσσης (6)  
109 (110). 2. κατακυριεῖ ἐν μέσῳ τῶν ἐχθρῶν  
σου (6)  
118 (119). 133. A B μὴ κατακυριεύσάτω μου  
πάσα ἀνομία (7)  
Si. 17. 4. καὶ κατακυριεύειν θηρίων καὶ πετεινῶν  
Je. 8. 14. ἐγὼ κατακυριεύσω ὑμῶν  
Da. LXX. 11. 39. κατακυριεύσει αὐτοῦ ἐπὶ  
πολύ (4 b)  
I Ma. 15. 30. τῶν τόπων ὧν κατακυριεύσατε  
[Th. Quint., Sext. Ps. 109 (110). 2.]  
καταλαβέσθε.α.  
[Sm. Ps. 186 (187). 3.]  
καταλαλεῖν. (1) 𐤒𐤒𐤕 pi. (2) 𐤒𐤒𐤕 a. ni.  
δ. pi. (3) 𐤒𐤒𐤕 hi. (4) 𐤒𐤒𐤕 po.  
(5) 𐤒𐤒𐤕 𐤒𐤒𐤕  
Nu. 12. 8. καταλαλήσαι κατὰ τοῦ θεράποντός  
μου M. (2 b)  
21. 5. καταλάλει ὁ λαὸς πρὸς τὸν θεόν (2 b)  
— 7. καταλαλῶμεν κατὰ τοῦ κυρίου (2 b)  
Jb. 19. 3. καταλαλεῖτε μου [A με] (3)  
Ps. 43 (44). 16. A B ἀπὸ φωνῆς ... καταλα-  
λῶντος [B S' παραλ.] (1)  
49 (50). 20. κατὰ τοῦ ἀδ. σου καταλάλεις (2 b)  
77 (78). 19. καταλάλῃσαν τοῦ θεοῦ (2 b)  
100 (101). 5. τὸν καταλαλοῦντα λάβρα τοῦ πλη-  
σίον αὐτοῦ (4)  
118 (119). 23. κατ' ἐμοῦ καταλάλουν (2 a)  
Pr. 20. 13. μὴ ἀγάπα καταλαλεῖν +  
Ho. 7. 13. αὐτοὶ δὲ καταλάλῃσαν κατ' ἐμοῦ  
ψευδῇ (2 b)  
Mi. 8. 7. καὶ καταλαλήσουσι κατ' αὐτῶν πάντες  
αὐτοὶ (5 ?)  
Ma. 3. 13. ἐν τίνι καταλαλήσαμεν κατὰ σοῦ (2 a)  
— 16. ταῦτα καταλάλῃσαν [A ἐλάλ.] οἱ φο-  
βούμεν. τὸν κ. (2 a)  
[Sm. Ps. 40 (41). 7: 72 (73). 8.]  
[Th. Pr. 30. 10.]  
καταλαλιέ.  
Wi. 1. 11. ἀπὸ καταλαλίας φείσασθε γλώσσης  
καταλαμβάνειν. (1) 𐤒𐤒𐤕 (2) 𐤒𐤒𐤕 (3) 𐤒𐤒𐤕 ni.  
(4) 𐤒𐤒𐤕 a. qal. δ. hi. (5) 𐤒𐤒𐤕 hi.  
(6) 𐤒𐤒𐤕 (7) 𐤒𐤒𐤕 (8) 𐤒𐤒𐤕 a. qal. δ. ni.  
(9) 𐤒𐤒𐤕 ni. (10) 𐤒𐤒𐤕 (11) 𐤒𐤒𐤕 hi.  
(12) 𐤒𐤒𐤕 (13) 𐤒𐤒𐤕 (14) 𐤒𐤒𐤕 pi.  
(15) 𐤒𐤒𐤕 aph. (16) 𐤒𐤒𐤕 pi. (17) 𐤒𐤒𐤕  
(18) κ. τὴν οὐραγίαν 𐤒𐤒𐤕 pi.  
Ge. 19. 19. B μὴ ποτε [A om.] καταλάβῃ με τὰ  
κακά (4 a)

Ge. 31. 23. κατέλαβεν αὐτὸν ἐν τῇ ὁρῇ Γαλαὰδ (4 b)  
— 25. κατέλαβε λάβαν τὸν Ἰακώβ (11)  
44. 4. καταλήψῃ αὐτοὺς (11)  
Ex. 15. 9. διώξας καταλάβῃ αὐτοὺς ἐν τῇ βουνῇ πό-  
22. 4 (3). A B ἐάν δὲ καταλημφθῇ [B -λειφ-  
θῇ] (8 b)  
Le. 28. 5. καταλήψεται ὑμῖν ὁ ἀμνηστὸς τὸν τρυ-  
γητὸν καὶ ὁ τρυγητὸς καταλήψεται  
τὸν σπῆρον (11, 11)  
Nu. 21. 32. καὶ καταλάβοντο [A -βετο] αὐτὴν (6)  
32. 23. ὅταν ὑμᾶς καταλάβῃ τὰ κακά (8 a)  
De. 19. 6. καὶ καταλάβῃ αὐτὸν (11)  
28. 15, 45. καὶ καταλήψονται σε (11)  
Jo. 2. 5. εἰ καταλήψῃτε αὐτοὺς (11)  
8. 19. καὶ καταλάβοντο αὐτὴν (6)  
10. 19. καταλάβετε τὴν οὐραγίαν αὐτῶν (18)  
11. 10. καὶ κατέλαβετο Ἀσὼρ (6)  
19. 47. καὶ καταλάβοντο αὐτὴν (6)  
Jd. 1. 5. καταλαβὼν [A εὐρον] τὸν Ἀδ. (8 a)  
— 6. B' καταλάβουσαν [B' E ἐλ., A ἐλαβον]  
αὐτὸν (1)  
— 8. καὶ καταλάβοντο αὐτὴν (6)  
7. 24. καταλάβετε ἑαυτοὺς τὸ ὕδωρ (6)  
9. 45. καὶ καταλάβετε τὴν πόλιν (6)  
— 50. καὶ καταλαβὲν αὐτὴν [A al.] (6)  
18. 22. καταλάβοντο τοὺς υἱοὺς Δάν [A al.] (4 b)  
I Ki. 30. 8. εἰ [A καὶ] καταλήψομαι αὐτοὺς (11)  
— 8. καταλαμβάνων καταλήψῃ (11, 11)  
II Ki. 5. 7. A B κατέλαβετο [B προκ.] Δ. τὴν  
περιοχὴν (6)  
12. 26. κατέλαβε τὴν πόλιν τῆς βασιλείας (6)  
— 27. κατελάβομαι τὴν πόλιν τῶν ὑδάτων (6)  
— 29. καὶ κατέλαβετο αὐτὴν (6)  
16. 5. A κατελαμβάνετο [B ἐπέλ.] αὐτοῦ (6)  
— 14. ἵνα μὴ ... καταλάβῃ ἡμᾶς (11)  
21. 11. καταλαβὲν αὐτοὺς Δάν —  
III Ki. 9. 16 (cf. B 4. 34). A κατέλαβετο τὴν  
Γαζίρ (6)  
18. 44. μὴ καταλάβῃ σε ὁ ἱετός (13)  
IV Ki. 10. 11. B τοὺς ἐν τῇ οἰκῇ Ἀχ. καταληφ-  
θέντας [A B -λειφθ.] +  
18. 10. καὶ κατέλαβετο αὐτὴν (6)  
26. 5. καὶ κατέλαβον αὐτὸν (11)  
II Ch. 9. 20. πάντα τὰ σκεῦῃ ... χρυσίφ κατει-  
λημμένα [A -ημένα] (19)  
22. 9. κατέλαβον αὐτὸν ἱατρούμενον (6)  
26. 23. τὸν Ἀμ. ... κατέλαβεν ἰώας (17)  
82. 21. A B κατέλαβον [A' -ελαβον] αὐτὸν ἐν  
ρομφαίᾳ +  
83. 11. κατέλαβον τὸν [A -βοντο] Μαν. (6)  
I Es. 6. 8. καταλαμβάνων τῆς αἰχμαλωσίας τοὺς πρεσ-  
βυτέρους +  
Ne. 9. 25. καταλάβουσαν πόλεις ὑψηλάς (6)  
Ju. 2. 25. κατέλαβετο τὰ ὄρια τῆς K. [B al.] (6)  
8. 14. B λόγους τῆς διανοίας αὐτοῦ οὐ καταλήψῃτε  
[A B διαλ., B λήψ.] (6)  
11. 11. καὶ κατέλαβετο [A καταλάβοι] αὐτοὺς ἀμάρ-  
τημα (17)  
Es. 4. 17. ἐν ἀγῶνι θανάτου κατειλημμένη [A  
-ηλημ.] +  
Jb. 5. 13. ὁ καταλαμβάνων σοφούς (6)  
84. 24. ὁ καταλαμβάνων ἀνεξίτηστα +  
Ps. 7. 5. τὴν ψυχὴν μου ... καταλάβοι (11)  
17 (18). 37. καὶ καταλήψομαι αὐτοὺς (11)  
89 (40). 12. κατέλαβον με αἱ ἀνομίαι μου (11)  
68 (69). 24. ὁ θυμὸς τῆς ὀργῆς σου καταλάβοι  
αὐτοὺς [B' al.] (11)  
70 (71). 11. καὶ καταλάβετε αὐτὸν (17)  
Pr. 1. 13. τὴν κτῆσιν [A κτίσιν] αὐτοῦ ... κα-  
ταλαβέσθε (8 a)  
2. 16. μὴ σε καταλάβῃ κακὴ βουλὴ +  
— 19. οὐδὲ μὴ καταλάβωσι τρίβους εὐθείας  
οὐ γὰρ καταλαμβάνονται [A -ωνται]  
ὑπὸ ἐναντιῶν (ὡς) (11, -)  
11. 27. ἐκζητοῦντα δὲ κακὰ καταλήψεται αὐτὸν (2)  
13. 21. τοὺς δὲ δικαίους καταλήψεται ἀγαθία (16)  
16. 32. κρείσσων καταλαμβανόμενον [A τοῦ κ.]  
πόλιν (6)  
Si. 7. 1. οὐ μὴ σε [B om.] καταλάβῃ κακόν  
11. 10. ἐὰν διώκῃς οὐ μὴ καταλάβῃς  
15. 1. ὁ ἐγκρατὴς τοῦ νόμου καταλήψεται αὐτὴν  
[A -όν]  
— 7. οὐ μὴ καταλήψονται αὐτὴν ἄνθρωποι ἀσύν-  
ετοι  
23. 6. μὴ καταλαβέτωσάν με  
27. 8. ἐὰν διώκῃς τὸ δίκαιον καταλήψῃ

Si. 48. 15. B κατέληφθῃ [A B -ελείφθῃ] ὁ λαὸς ὀλι-  
γοστός  
Ho. 2. 7 (9). καὶ οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς (11)  
10. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς ἐν τῇ βουνῇ πό-  
λεως (11)  
Am. 9. 13. καταλήψεται ὁ ἀμνηστὸς [A ἀλοητός]  
τὸν τρυγητὸν (9)  
Mi. 6. 6. ἐν τίνι καταλάβω τὸν κύριον (14)  
— 6. εἰ καταλήψομαι αὐτὸν ἐν ὀλοκαυτώμα-  
σιν (14)  
Ob. 1. 6. κατέληφθῃ [B κατελείφθῃ] αὐτοῦ τὰ  
κεκρυμμένα (3)  
Za. 1. 6. οἱ κατέλαβον τοὺς πατέρας ὑμῶν (11)  
14. 16. ὅσοι ἐὰν καταλειφθῶσιν [A ἂν κατα-  
λημφθῶσιν] +  
Is. 10. 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι τῇ  
χειρὶ (8 a)  
16. 9. B τὰ δένδρα σου κατέλαβεν [A B -έβα-  
λεν] Ἰεσ. +  
20. 1. A B κατέλαβετο [B ἐλαβεν] αὐτὴν (6)  
35. 10. εὐφροσύνη καταλήψεται αὐτοὺς (11)  
37. 8. κατέλαβε τὸν βασιλεῖα Ἀσσ. [A B al.] (8 a)  
51. 11. εὐφροσύνη καταλήψεται αὐτοὺς (11)  
59. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς δικαιοσύνη (11)  
Je. 8. 8. περὶ πάντων ὧν κατέληφθῃ +  
10. 19. καὶ [A οὐ] κατέλαβε σε [A με] (10)  
28 (51). 34. κατέλαβε με πτόκος λεπτῶν —  
49 (42). 16. καταλήψεται ὑμᾶς ὅσιν αὐτῶν (4 a)  
52. 8. κατέλαβον [A -εν] αὐτὸν ἐν τῇ πέραν  
Ἰερ. (11)  
La. 1. 3. κατέλαβον αὐτὴν ἀνὰ μέσον τῶν θλι-  
βόντων (11)  
Ez. 33. 4. καὶ καταλάβῃ αὐτὸν [A al.] (7)  
Da. LXX. Su. 58. ἐν ποίῳ τὸ κήπου τόφῳ κατ-  
ελαβες αὐτοὺς  
1. 20. κατέλαβεν αὐτοὺς σοφωτέρους (8 a)  
4. 34. ὅσοι ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντές τι —  
6. 11 (12). κατέλαβον αὐτὸν εὐχόμενον (15)  
Da. TH. Su. 54. A ὑπὸ τὴν δένδρον κατέλαβες [B εἰ-  
δες] αὐτοὺς  
— 58. ὑπὸ τὴν δένδρον κατέλαβες αὐτοὺς  
I Ma. 1. 19. κατέλαβον τὰς πόλεις τὰς ἐχυράς  
2. 32. A B καταλαβόντες [B -ελάβοντο] αὐτοὺς  
5. 27. καταλαβέσθαι καὶ ἐξάρα πάντας  
— 28. κατέλαβετο τὴν πόλιν  
— 30. καταλαβέσθαι τὸ δόχρωμα  
— 35. A B καὶ κατέλαβετο [B προκατ.] αὐτὴν  
6. 3. B E ἐγγίητε καταλαβέσθαι [A -βείν] τὴν πόλιν  
— 26. τοῦ καταλαβέσθαι αὐτὴν  
— 50. κατέλαβετο ὁ βασις τὴν B.  
— 63. κατέλαβετο τὴν πόλιν βίβ  
10. 1. καὶ κατέλαβετο Πτολεμαῖα  
— 23. A B τοῦ φίλιαν καταλαβέσθαι [B -θίσθαι]  
τοὺς Ἰ.  
11. 46. A B κατέλαβετο ... τὰς διόδους [B οικίας]  
— 66. κατέλαβετο τὴν πόλιν  
12. 30. B B καὶ οὐ κατέλαβεν [A οὐκ ἔκατ.] αὐτοὺς  
13. 43. ἐπάταξε πύργον ἑνα καὶ κατέλαβετο  
16. 30. A B τὰς πόλεις αἱ κατέλαβεθε [B παρελά-  
βετε]  
16. 20. ἐτίρους ἀπὸστειλε καταλαβέσθαι τὴν Ἰερ.  
II Ma. 5. 5. τέλος ἤδη καταλαβανομένης τῆς πό-  
λεως  
— 20. A ὁ καταληφθεὶς [B -λειφθεὶς] ... ἐπαν-  
ωρθώθη  
8. 18. A τὸν ὅλον κόσμον ... καταλαβείν [B -βα-  
λεῖν]  
10. 22. τοὺς δύο πύργους κατέλαβετο  
12. 16. καταλαβόμενοι τε τὴν πόλιν  
— 18. Τιμῶσιν μὲν ... οὐ κατέλαβον  
13. 21. κατέληφθῃ καὶ κατελείφθῃ  
14. 41. μελλόντων τὸν πύργον καταλαβέσθαι  
15. 19. τοῖς ἐν τῇ πόλει κατεληγμένοις  
III Ma. 2. 10. καὶ καταλάβῃ ἡμᾶς στενοχωρία  
— 23. ὅτιαν ἰδόντες τὴν καταλαβοῦσαν αὐτὸν εὐ-  
θυναν  
[Aq. Dt. 2. 34: I Ki. 10. 20: Is. 56. 12: Mi.  
2. 6: 6. 14.]  
[Sm. II Ki. 1. 6: Jb. 31. 29: 41. 18: Ps. 20  
(21). 9: 118 (119). 143: Is. 59. 9.]  
[Th. Jz. 39 (46). 1, 5.]  
[Al. Lz. 5. 11.]  
καταλάμπειν.  
Wi. 17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῶ καταλάμπει  
φωτὶ

καταλγην (7).  
 II Ma. 7. 30. Α ἔτι δὲ ταύτης καταλγούσης [B καταλγούσης] (1) P27 aph.  
 Da. LXX. 7. 23. καὶ καταλειπὲν αὐτὴν (1) P27  
 De. 19. 16. καταλέγων αὐτοῦ δόσεις (1)  
 II Ma. 7. 30. B ἔτι δὲ ταύτης καταλγούσης [A καταλγούσης]  
 [Aq. Ex. 15. 21 : Nu. 21. 17 : Jd. 5. 11 : Ps. 146 (147). 7 : Jc. 25. 30 (32. 16) : 51 (28). 14.]  
 [Sm. Nu. 21. 17 : I Ki. 21. 11 (12) : Ps. 144 (145). 6 : 146 (147). 7.]  
 κατάλγμα.  
 [Sm. Jc. 25. 30 (32. 16) : Ez. 2. 10.]  
 [Al. Is. 16. 9.]  
 καταλείμμα (-λιμμα). (1) P27 (2) P27  
 (8) P27 (4) P27 (5) a. P27  
 δ. P27 (6) P27  
 Ge. 45. 7. ὑπολείπεσθαι ὑμῖν κατάλειμμα (5 b)  
 Jd. 5. 13. B κατέβη κατάλειμμα [B -λημμα]  
 τοῖς ἰσχυροῖς [A al.] (4)  
 I Ki. 13. 15. B τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἀνέβη -  
 II Ki. 14. 7. ὥστε μὴ θέσθαι . . . κατάλειμμα  
 καὶ ὄνομα [A al.] (5 b)  
 III Ki. 12. 24. B καὶ πρὸς τὸ κ. τοῦ λαοῦ -  
 15. 4. ἔδωκεν αὐτῷ . . . κατάλειμμα (2)  
 IV Ki. 10. 11. ὥστε μὴ καταλείναι αὐτοῦ κατά-  
 λειμμα (4)  
 19. 31. ἐξ ἱερ. ἐξελεύσεται κατάλειμμα (5 b)  
 To. 13. 16. B τὸ κ. τοῦ σπέρματός μου  
 Jb. 22. 20. τὸ κ. αὐτῶν καταφάγεται πύρ (1)  
 Si. 44. 17. A B S\* ἐγενήθη κατάλειμμα τῇ γῇ  
 47. 22. τῷ ἱακῶβ ἔδωκεν κατάλειμμα  
 Is. 10. 22. τὸ κ. αὐτῶν σωθήσεται (5 a)  
 14. 22. ἀπολὼ αὐτῶν ὄνομα καὶ κ. καὶ σπέρμα (5 a)  
 — 30. τὸ κ. σου ἀνελεῖ (5 b)  
 37. 30. τῷ δὲ ἐνιούτῳ τῷ δευτέρῳ τὸ κ. (8)  
 Je. 27 (50). 26. μὴ γενέσθω αὐτῆς κ. (5 b)  
 29 (49). 9. οἱ οὗ [S\* om.] καταλείνουσί σοι κ. (8)  
 32 (25). 38. B ἐγκατελιν ὥστε πρὸς λέων κατά-  
 λειμμα [A B S -λυμα] αὐ. +  
 47 (40). 11. ἔδωκε βασιλεὺς Βαβυλῶνος κ.  
 [A τὰ κ.] τῷ Ἰούδα (5 b)  
 I Ma. 3. 35. ἐξάραι . . . τὸ κ. Ἱερουσαλήμ  
 [Aq. Jc. 8. 3 : 47 (29). 5.]  
 [Sm. Jc. 8. 3.]  
 [Th. III Ki. 15. 4 : Jc. 22. 20.]  
 καταλείμμεν. (1) P27  
 III Ki. 18. 18. A ἐν τῷ κ. [B -λιμπάνειν] ὑμᾶς τὸν κ. (1)  
 καταλείν. (1) P27 aph. (2) P27  
 Ex. 32. 20. κατέλιπον αὐτὸν λεπτὸν [A al.] (2)  
 De. 9. 21. συνέκοψα αὐτὸν καταλέσας σφόδρα  
 [A al.] (2)  
 Da. LXX. 2. 34. καὶ κατέλιπον αὐτά (1)  
 καταλείπειν. (1) P27 (2) P27 (3) P27 hi.  
 (4) P27 hi. (5) P27 a. ni. δ. hi. c. P27  
 (6) P27 ni. (7) P27 (8) P27 ni.  
 (9) P27 hi. (10) P27 ni. (11) P27  
 a. qal. δ. ni. (12) P27  
 (13) P27 pu. (14) P27 (15) P27  
 (16) P27 ni. (17) P27 a. ni. δ. hi.  
 c. P27 d. P27 (18) P27 a. qal. δ. ni.  
 c. P27 ithp.  
 Ge. 2. 24. καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐ. (11 a)  
 7. 23. καταλείψῃ μόνος Νῶε (17 a)  
 14. 10. οἱ δὲ καταλείφοντες . . . ἐφυγον (17 a)  
 83. 13. καταλείψω μετὰ σοῦ ἀπὸ τοῦ λαοῦ (4)  
 89. 12. B καταλίπων [A -λείπων] τὰ ἱμάτια  
 αὐτοῦ (11 a)  
 — 13. B καταλίπων [A -λείπων] τὰ ἱμάτια  
 αὐτοῦ (11 a)  
 — 15. B καταλίπων [A -λείπων] τὰ ἱμάτια  
 αὐτοῦ (11 a)

Ge. 39. 18. B καταλίπων [A -λείπων] τὰ ἱμάτια  
 αὐτοῦ (11 a)  
 42. 38. αὐτὸς μόνος καταλείπεται (17 a)  
 44. 22. καταλίπει τὸν πατέρα (11 a)  
 — 22. ἐὰν δὲ καταλίπῃ τὸν πατέρα (11 a)  
 Ex. 2. 20. καταλείποιτε τὸν ἄνθρωπον (11 a)  
 8. 31 (27). οὐ καταλείψῃ οὐδεμία (17 a)  
 10. 5. τὸ περισσὸν τῆς γῆς [A om. τ. γ.] τὸ  
 καταλείψῃ (12)  
 — 5. δ. καταλίπει ὑμῖν ἡ χάρις (17 a)  
 — 15. A οὐ καταλείψῃ [B οὐχ ὑπ.] χλωρὸν  
 οὐδὲν (5 a)  
 12. 10. A B τὰ δὲ καταλείποντα [B -λιπ.] ἀπ'  
 αὐτοῦ (5 a)  
 — 46. A οὐ καταλείψετε ἀπὸ τῶν κρῶν -  
 14. 28. οὐ καταλείψῃ ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἰς (17 a)  
 16. 19. A B μὴδεῖς καταλείπετω [B -λιπ.] ἀπ'  
 αὐτοῦ (5 b)  
 — 20. καταλίπων [A\* -λείπ.] τινας ἀπ' αὐτοῦ (5 b)  
 — 23. B καταλείπετε [A -πέτω, B -λίπετε] αὐτὸ (9)  
 — 24. καταλίποντες [A -λείπον] ἀπ' αὐτοῦ (9)  
 22. 4 (3). B ἐὰν δὲ καταλείψῃ [A B -λημψ.] +  
 29. 34. ἐὰν δὲ καταλείψῃ ἀπὸ τῶν κρῶν +  
 29. 13 (1). τὴν καταλείψῃ ἀπὸ τῆς θυσίας +  
 Le. 2. 10. τὸ δὲ καταλείψῃ ἀπὸ τῆς θυσίας (5 a)  
 5. 13. τὸ δὲ καταλείψῃ ἵσταται τῷ ἱερ. -  
 6. 16 (9). τὸ δὲ καταλείψῃ ἀπ' αὐτῆς (5 a)  
 7. 5 (15). οὐ καταλείψουσιν ἀπ' αὐτοῦ (9)  
 — 7 (17). τὸ καταλείψῃ ἀπὸ τῶν κρῶν (5 a)  
 8. 32. τὸ καταλείψῃ τῶν κρῶν (5 a)  
 10. 6. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ τοὺς καταλείμμενους -  
 — 12. τοὺς υἱοὺς Ἀαρὼν τοὺς καταλείφοντες (5 a)  
 — 12. λάβετε τὴν θυσίαν τὴν καταλείφουσαν (5 a)  
 — 16. τοὺς υἱοὺς Ἀ. τοὺς καταλείμμενους (5 a)  
 14. 17. τὸ δὲ καταλείψῃ ἐλαιον (5 c)  
 — 18. τὸ δὲ καταλείψῃ ἐλαιον (5 a)  
 — 29. τὸ δὲ καταλείψῃ ἀπὸ τοῦ ἐλαίου (5 a)  
 19. 6. ἐὰν καταλείψῃ ἕως ἡμέρας τριτῆς (5 a)  
 — 10. τῷ προσλήψῃ καταλείψει αὐτὰ (11 a)  
 25. 25. ἐὰν δὲ ὀλίγον καταλείψῃ ἀπὸ τῶν  
 ἐλῶν (17 a)  
 26. 36. τοῖς καταλείφουσιν ἐξ ὑμῶν (17 a)  
 — 39. οἱ καταλείφοντες ἀπ' ὑμῶν (17 a)  
 Nu. 9. 12. οὐ καταλείψουσιν ἀπ' αὐτοῦ εἰς τὸ  
 πρῶτ (17 b)  
 11. 26. καταλείψαντες δύο ἄνδρες (17 a)  
 21. 35. ἕως τοῦ μὴ καταλίπειν αὐτοῦ ζωγρίαν (17 b)  
 26. 65. οὐ καταλείψῃ ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἰς (5 a)  
 32. 15. καταλίπειν αὐτὸν ἐν τῇ ἐρήμῳ (9)  
 83. 55. οὐδὲ [A ὅσους] ἐὰν καταλίπητε ἐξ αὐ-  
 τῶν (5 b)  
 De. 2. 34. οὐ καταλίπομεν [A -λείπ.] ζωγρίαν (17 b)  
 8. 3. ἕως τοῦ μὴ καταλίπειν αὐτοῦ σπέρμα (17 b)  
 — 11. πληρ' ὧν . . . καταλείψῃ ἀπὸ τῶν P. (17 a)  
 4. 27. καταλείψουσιν ὀλίγον [A -γψ] ἀριθ-  
 μῷ (17 a)  
 7. 20. A B S ἕως ἂν ἐκτριβῶσιν οἱ κατα-  
 λειμμένοι (17 a)  
 28. 51. ὥστε μὴ καταλίπειν σοι σῖτον (17 b)  
 — 54. A B καὶ τὰ καταλείμμενα [A κ. τ.] τέκνα  
 ἂν καταλείψῃ αὐτῷ [B om.] (5 c, 5 b)  
 — 55. διὰ τὸ μὴ καταλείφοντα [A -λελείφθαι]  
 αὐτῷ οὐδὲν (17 b)  
 — 62. καταλείψουσιν ἐν ἀριθμῷ βραχεῖ (17 a)  
 29. 25 (24). B καταλίπον [B -οσαν, A -λείπον]  
 τὴν διαθήκην κυρίου (11 a)  
 31. 16. καὶ καταλείπουσι [A ἐγκατ.] με (11 a)  
 — 17. καὶ καταλείψω αὐτοὺς (11 a)  
 Jo. 8. 17. οὐ καταλείψῃ οὐδεὶς ἐν τῇ Γαίᾳ (17 a)  
 — 17. B καταλίπον τὴν πόλιν τρεφόμενον (11 a)  
 — 22. ἕως τοῦ μὴ καταλείφοντα αὐτὸν σφα-  
 σμένον (17 b)  
 10. 28. οὐ καταλείψῃ οὐδεὶς ἐν αὐτῇ (17 b)  
 — 30. οὐ καταλείψῃ ἐν αὐτῇ (17 b)  
 — 33. ἕως τοῦ μὴ καταλείφοντα αὐτὸν [A -ψ] (17 b)  
 — 39. οὐ καταλίπον αὐτὸν [A al.] (17 b)  
 — 40. οὐ καταλίπον αὐτὸν [A al.] (17 b)  
 11. 8. ἕως τοῦ μὴ καταλείφοντα αὐτὸν (17 b)  
 — 11. οὐ καταλείψῃ ἐν αὐτῇ ἐμμένον (5 a)  
 — 14. οὐ καταλίπον ἐξ αὐτῶν οὐδὲ ἐν ἐμμένον  
 [A al.] (17 b)  
 — 22. οὐ καταλείψῃ τὸν [A -σαν τῷ] Ἐνακίμ (5 a)  
 — 22. ἀλλὰ πληρὲς ἐν Γ. . . καταλείψῃ [A  
 -σαν] (17 a)  
 13. 2. αὐτῇ ἡ γῇ καταλείμμενη [A ἡ κ.] (17 a)  
 — 13. οὗτος καταλείψῃ ἀπὸ τῶν γιγνόντων (17 a)

Jo. 17. 6. τοῖς υἱοῖς Μαρσαῇ τοῖς καταλείμμεν. (5 a)  
 18. 2. καταλείψαντες οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (5 a)  
 21. 5. τοῖς υἱοῖς Καδθ τοῖς καταλείμμεν. (5 a)  
 — 20. τοῖς δέμοις . . . τοῖς καταλείμμεν. (5 a)  
 — 38. τὸν καταλείμμενον ἀπὸ τῆς φυλῆς Α. (5 a)  
 23. 4. τὰ ἔθνη τὰ καταλείμμενα ὑμῖν ταῦτα (17 a)  
 — 7. τὰ ἔθνη τὰ καταλείμμενα ταῦτα (17 a)  
 24. 16. μὴ γένοιτο ἡμῖν καταλίπειν [A -λείπειν]  
 κύριον (11 a)  
 Jd. 2. 21. ὃν καταλίπειν [A -λείπ.] ἱ. (11 a)  
 4. 16. οὐ καταλείψῃ ἕως ἐνός (17 a)  
 6. 4. B οὐ καταλίπον [B -λείποντο, A οὐχ  
 ὑπελείποντο] ὑπόστασιν (17 b)  
 8. 10. πάντες οἱ καταλείμμενοι [A π. κατα-  
 λειφθέντες] (5 a)  
 9. 5. καὶ καταλείψῃ [A ἀπελ.] Ἰωάθαμ (5 a)  
 Ru. 1. 3. καὶ καταλείψῃ αὐτὴ (17 a)  
 — 5. καὶ καταλείψῃ ἡ γυνὴ (17 a)  
 — 16. μὴ ἀπαντήσω μοι τοῦ καταλίπειν σε (11 a)  
 2. 11. πῶς κατέλιπες [A -λείπ.] τὸν πατέρα σου (11 a)  
 — 14. καὶ κατέλιπε [A -λείπε] (5 b)  
 — 18. ἔδωκεν αὐτῇ ἂν καταλίπειν [A -λείπειν] (5 b)  
 I Ki. 2. 10. καταλίπον [A -λείπον] αὐτὸν ἐκεῖ -  
 30. 13. κατέλιπε [A -λείπε] με ὁ κύριός μου (11 a)  
 31. 7. καταλίποντες τὰς πόλεις αὐτῶν (11 a)  
 II Ki. 13. 30. οὐ καταλείψῃ ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἰς (5 a)  
 14. 7. τὸν ἄνδρα μου τὸν καταλείφοντα (17 a)  
 16. 21. A B ἂν κατέλιπον [B S B -λίπε] φυ-  
 λᾶσεν τὸν οἶκον αὐτοῦ (9)  
 17. 13. ὅπως μὴ καταλείψῃ ἐκεῖ μὴδὲ λίθος (8)  
 III Ki. 11. 33. B κατέλιπον [B ἐγκατ., A κατέ-  
 λειπεν] με (11 a)  
 19. 18. καταλείψετε ἐν Ἰσρ. ἐπὶ χιλιάδας  
 ἀνδρῶν (17 b)  
 — 20. κατέλιπον [A -λείπ.] Ἑλ. τὰς βόας (11 a)  
 IV Ki. 2. 2. A B εἰ καταλίψω [B ἐγκατ.] σε (11 a)  
 3. 25. ἕως τοῦ καταλίπειν [A -λείπ.] τοὺς λίθους (17 b)  
 4. 43. φάγονται καὶ καταλείνουσι (5 b)  
 — 44. ἔφαγον καὶ κατέλιπον [A -λείπ.] (5 b)  
 7. 13. οἱ καταλείφοντες ἕως (17 a)  
 8. 6. ἥς κατέλιπε [A ἐγκατέλειπεν] τὴν γῆν (11 a)  
 10. 11. A B τοὺς ἐν τῷ ὅλῳ Ἀχ. καταλεί-  
 φοντας [B -ληφθ.] (17 a)  
 — 11. ὥστε μὴ καταλίπειν [A -λείπ.] αὐτοῦ  
 κατάλειμμα (17 b)  
 — 14. οὐ κατέλιπον ἄνδρα ἐξ αὐτῶν (17 b)  
 — 17. πάντας τοὺς καταλείφοντας τοῦ Ἀχ. (17 a)  
 — 21. οὐ καταλείψῃ ἀνὴρ (17 a)  
 25. 11. τὸ καταλείφῃ ἐν τῇ πόλει (17 a)  
 — 22. ὁ λαὸς ὁ καταλείφῃς (17 a)  
 — 22. οὐς κατέλιπε [A -λείπειν] Ναβ. (17 b)  
 I Ch. 4. 43. ἐπάταξαν τοὺς καταλοίπους τοὺς  
 καταλείφοντας (12)  
 10. 7. κατέλιπον τὰς πόλεις αὐτῶν (11 a)  
 16. 37. κατέλιπον [A -λείπειν] ἐκεῖ . . . τὸν  
 Ἀσάφ (11 a)  
 28. 9. ἐὰν καταλίψῃς [A -εις] αὐτὸν καταλείψει  
 σε εἰς τίλος (11 a, 8)  
 II Ch. 1. 14. κατέλιπον [A -λείπειν] αὐτὰ ἐν  
 πόλεσι τῶν ἀρμάτων (9)  
 8. 7. πᾶς ὁ λαὸς ὁ καταλείφῃς (5 a)  
 — 8. ἐκ τῶν υἱῶν αὐτῶν τῶν καταλείφοντων (5 a)  
 10. 8. κατέλιπε [A -λείπειν] τὴν βουλὴν τῶν  
 πρεσβυτέρων (11 a)  
 15. 2. B ἐὰν κατέλιπε [A B ἐγκατέλειπ.]  
 αὐτὸν (11 a)  
 21. 17. οὐ καταλείψῃ αὐτῷ υἱός (17 a)  
 28. 6. ἐν τῷ αὐτοῦ καταλίπειν τὸν κύριον θεόν (11 a)  
 30. 6. τοὺς καταλείφοντας ἀπὸ χειρὸς βασι-  
 λέως Ἀσσοῦ (17 a)  
 31. 10. καὶ καταλίπομεν [A -λείπ.] (5 b)  
 — 10. καὶ κατέλιπον ἐπὶ τὸ πλῆθος τοῦτο  
 [A al.] (5 a)  
 34. 21. περὶ παντός τοῦ καταλείφοντος [A  
 περιλ.] (17 a)  
 I Es. 8. 78. καταλείφοντα ἡμῖν ῥίξαν  
 — 88. ἕως τοῦ μὴ καταλίπειν [A -λείπ.] ῥίξαν  
 — 89. καταλείφοντες γὰρ ῥίξα ἐν τῇ σήμερον  
 II Es. 1. 4. πᾶς ὁ καταλείμμενος ἀπὸ πάντων  
 τῶν τῶπων (17 a)  
 9. 8. τοῦ καταλίπειν [A -λείπ.] ἡμῖν εἰς σωτη-  
 ρίαν (17 b)  
 — 15. καταλείφθημεν [A om., B\* οὐκ ἐγκατ.]  
 διασωζόμενοι (17 a)  
 Ne. 1. 2. οἱ καταλείφοντες [B\* -λίψαν] ἀπὸ  
 τῆς αἰχμαλωσίας (17 a)

- Ne. 1. 3. οἱ καταλειπόμενοι οἱ καταλειφθέντες [A om. οἱ κ.] ἀπὸ τῆς αἰχμαλωσίας (17 a 17 a)
8. 8. καὶ κατέλιπον [A -λειπ.] Ἱερ. (11 a)
6. 1. οὐ καταλείψῃ ἐν [A om.] αὐτοῖς πνοή (5 a)
- To. 1. 8. ὁρῶντες κατελείφθη ὑπὸ τοῦ πατρὸς μου [B al.]
- 20. οὐ καταλείψῃ μοι οὐδέν
12. 13. οὐκ ἄκρησας . . . καταλείπειν [A -λειπ.] τὸ ἄριστον σου
- Ju. 13. 4. οὐδεὶς κατελείφῃ ἐν τῷ κοιτῶνι
- [b. 6. 18. οὕτω κατὰ κατελείφθη ὑπὸ πάντων (6 ?)
- Ps. 48 (49). 10. καταλείψουσιν ἄλλοτρίους τὸν πλοῦτον αὐτῶν (11 a)
- Pt. 12. 11. ἐν τοῖς ἐαυτοῦ οὐχ ὑμῶν καταλείψει ἀτιμίαν [B<sup>1</sup> al.] —
14. 26. τοῖς δὲ τέκνοις αὐτοῦ καταλείπει [B<sup>2</sup> -λείπει] ἔρεσση (9)
20. 7. μακαρίους τοὺς παῖδας αὐτοῦ καταλείψει (1)
- Wi. 2. 9. πανταχὶ καταλείπων [A -λείπων] σύμβολα τῆς εὐφροσύνης
- Si. 11. 19. καταλείπει αὐτὰ ἐτέροις καὶ ἀποθάνεται
- [b. 4. ἐάν ὑστερήσῃς καταλείψει σε
- 7. ὀφθαλμοὶ σε καὶ καταλείψει [B καλύψει] σε
14. 15. οὐχ ἑτέρω [A B -οις] καταλείψεις τοὺς πόρους σου
17. 25. ἀπόλειπε [B<sup>2</sup> -λιπε, B<sup>1</sup> κατέλιπε] ἀμαρτίας
23. 8. ἐν τοῖς χεῖρεσιν αὐτοῦ καταλείψῃται ἀμαρτωλός
- 22. οὕτως καὶ γυνὴ καταλιποῦσα [A -λείπ.] τὸν ἄνδρα
- 26. καταλείπει [A -ψις] εἰς κατάραν τὸ μη- μόνον αὐτῆς
- 27. ἐπιγνώσονται οἱ καταλειφθέντες
24. 33. καταλείψω αὐτὴν εἰς γενεάς [A B -ὰν] αἰῶνων
28. 23. οἱ καταλείποντες [B -λιπ.] κύριον
29. 14. ὁ ἀπολωλεκὸς αἰσχύνῃ καταλείψει [A B ἔγκατ.] αὐτόν
30. 4. ὅμοιον γὰρ αὐτῷ κατέλιπε μετ' αὐτόν [A al.]
- 6. ἐναντίον ἑχθρῶν κατέλιπε [A -λείπειν] ἔκδικον
39. 11. ἐάν ἐμμελὴς ὄνομα καταλείψῃς ἡ χίλις
44. 8. εἰς τὸν αὐτὸν οἱ κατέλιπον [A -λείπον, B<sup>1</sup> ἔγκ.] ὄνομα
47. 22. ὁ δὲ κύριος οὐ μὴ καταλίπῃ [A ἔγκατα- λείπῃ] τὸ ἔλκος αὐτοῦ
- 23. κατέλιπε [A -λείπειν] μετ' αὐτόν ἐκ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ λαοῦ ἀφροσύνην
48. 15. κατελείφῃ [B -λήμψῃ] ὁ λαὸς ὀλιγοστός
49. 4. κατέλιπον [A -λείπειν] γὰρ τὸν νόμον τοῦ ὑψίστου
- Ob. 1. 6. κατελείφῃ [B κατελείφῃ] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα +
- Za. 11. 17. καταλειποῦσιν [A οἱ κ.] τὰ πρό- βατα (11 a)
14. 16. ὅσοι ἐάν καταλειφθῶσιν [A κατα- λημψῶσιν] (5 a)
- Is. 3. 26. καταλείψῃς μόνῃ (10)
4. 2. τοῦ . . . δοξάσαι τὸ καταλείφειν τοῦ Ἱερ. (13)
- 3. ἔσται . . . τὸ καταλείφειν ἐν Ἱερουσαλὴμ (5 a)
6. 11. ἡ γῆ καταλειφθήσεται ἔρημος (18)
- 12. A B S οἱ καταλειφθέντες [B ἔγκ.] πλη- θυνθήσονται (11 a)
7. 3. ἐξελεβε . . . σὺ καὶ ὁ καταλειφθεὶς Ἱ. (17 c)
- 16. καταλειφθήσεται ἡ γῆ (11 b)
- 22. πᾶς ὁ καταλειφθεὶς ἐπὶ τῆς γῆς (5 a)
10. 3. ποὺ καταλείψετε τὴν δόξαν ὑμῶν (11 a)
- 14. ὡς καταλειμμένα φά ἀρῶ (11 a)
- 19. οἱ καταλειφθέντες ἀπ' αὐτῶν ἔσονται ἀριθμοὶ (17 c)
- 20. οὐκ εἴη προστεθήσεται τὸ καταλείφειν Ἱερ. (17 c)
- 21. ἔσται τὸ καταλείφειν τοῦ Ἰακώβ (17 c)
11. 11. τοῦ ζῆλῶσαι τὸ καταλείφειν ὑπολοιπὸν τοῦ λαοῦ δ' ἂν καταλείψῃ ὑπὸ [A B<sup>1</sup> ἀπὸ, B<sup>1</sup> om.] τῶν Ἀσσ. (17 c, 17 a)
- 16. ἔσται διόδοι [A ὁδ.] τῷ καταλειφθέντι μου λαῷ (17 c)
13. 12. ἔσονται οἱ καταλειμμένοι ἔνιμοι +
- 14. ἔσονται οἱ καταλειμμένοι ὡς δορκάδιον φεῦγον —
16. 14. καταλειφθήσεται ὀλιγοστός (17 c)
17. 2. ἔσται εἰς πᾶσιν καταλειμμένη (11 a)
- 6. καταλειφθῇ ἐν αὐτῇ καλὰ μὴ (17 a)
- 6. ἡ πέντε ἐπὶ τῶν κλάδων αὐ. καταλειφθῇ +
9. κατέλιπον [A B ἔγκατελείπον] οἱ Ἀμ. (11 a)
- Is. 17. 10. κατέλιπε [A ἔγκατελείπε] τὸν θεόν (18 a)
18. 6. καταλείψει ἅμα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ- ρανοῦ (11 b)
21. 10. ἀκούσατε οἱ καταλειμμένοι (7)
23. 15. καταλειφθήσεται Τύρος ἐπὶ ἐβδομή- κοντα (18 b)
24. 6. καταλειφθήσονται ἄνθρωποι ὀλίγοι (17 a)
- 12. καταλειφθήσονται πόλεις ἔρημοι (17 a)
- 14. οἱ δὲ καταλειφθέντες ἐπὶ τῆς γῆς —
27. 10. ὡς ποίμνιον καταλειμμένον (11 b)
28. 5. τῷ καταλειφθέντι τοῦ λαοῦ [A B<sup>3</sup> κ. μου λαῷ] (17 c)
- 6. καταλειφθήσονται [B -σεται] ἐπὶ πνεύ- ματι κρίσεως —
30. 17. ἔως ἂν καταλειφθῇ ὡς ἱστός (5 a)
- 18. A B ποὺ καταλείψετε τὴν δόξαν ὑμῶν —
37. 4. περὶ τῶν καταλειμμένων τούτων (17 d)
- 31. ἔσονται οἱ καταλειμμένοι ἐν τῇ Ἱ. (12)
- 32. ἐξ Ἱερουσαλὴμ ἔσονται [A ἐξελεύσ.] οἱ καταλειμμένοι (17 d)
38. 10. καταλείψω τὰ ἐπὶ τὰ ἐπίλοιπα (18)
- 12. κατέλιπον τὸ ἐπίλοιπον τῆς ζωῆς μου [A al.] +
39. 6. A B οὐδὲν οὐ μὴ καταλείψω [B B -λίπ.] (5 a)
49. 21. ἐγὼ δὲ κατελείφην μόνῃ (17 a)
54. 6. ὡς γυναικα καταλειμμένην (11 a)
- 7. B χρόνον μου κατέλιπον [A -λείπ., B ἔγκ.] σε (11 a)
62. 4. οὐκ εἴη κληθήσῃ Καταλειμμένη [B<sup>1</sup> al.] (11 a)
- 12. B πόλις . . . οὐ καταλειμμένη [A B οὐκ ἔγκ.] (11 b)
65. 15. καταλείψετε γὰρ τὸ ὄνομα [B<sup>2</sup> add. τοῦ κυρίου] ὑμῶν (9)
66. 19. καταλείψω ἐπ' αὐτῶν σημεῖον [A B<sup>3</sup> -εἶα] (14)
- Je. 2. 17, 19. τὸ καταλίπειν σε ἐμέ (11 a)
8. 3. πᾶσι τοῖς καταλοιποῦσιν τοὺς καταλειφθεῖσιν (17 a)
9. 2 (1). καταλείψω τὸν λαόν μου (11 a)
17. 13. πάντες οἱ καταλιπόντες [A -λείπ.] σε (11 a)
21. 7. τὸν λαόν τὸν καταλειφθέντα ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (17 a)
- 29 (49). 9. οἱ οὐ καταλείψουσιν σοὶ κατέλιμα (17 b)
- 31 (48). 28. κατέλιπον [A B<sup>2</sup> -λειπ.] τὰς πόλεις (11 a)
- 32 (26). 38. A κατέλιπεν με [B B ἔγκατελείπεν] (11 a)
- 34 (27). 11. καταλείψω αὐτόν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτοῦ (9)
- 41 (84). 7. A ἐπὶ τὰς πόλεις Ἰουδα τὰς κατα- λειμμένας [B S om. τ. κ.] (5 a)
- 7. κατελείφθησαν ἐν πόλεσιν Ἰουδα (17 a)
- 44 (87). 10. καταλειφθῶσι τινες ἐκκεκνημένοι (17 a)
- 45 (88). 4. τὸν καταλειπομένων [B -λίπ.] ἐν [A -λελειμν. ἐπὶ] τῇ πόλει (17 a)
- 22. αἱ γυναῖκες αἱ καταλειφθείσας ἐν οἰκίᾳ βασ. (17 a)
- 47 (40). 6. ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ τοῦ καταλειφ- θέντος (17 a)
- 48 (41). 10. πάντα τὸν λαόν τὸν καταλειφθέντα (17 a)
- 49 (42). 2. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἀπὸ πολλῶν (17 a)
- 50 (43). 6. ὡς κατέλιπε [A B<sup>1</sup> -λείπειν] Ναβ. μετὰ Γ. (9)
- 51 (44). 7. πρὸς τὸ μὴ καταλειφθῆναι ὑμῶν μηδὲνα (5 b)
52. 16. τοὺς καταλοιποῦντες [B λ.] τοῦ λαοῦ κατέ- λιπον [A B<sup>1</sup> -λείπειν] (17 b)
- Ba. 2. 13. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἐν τοῖς ἔθνεσιν
4. 1. οἱ δὲ καταλείποντες αὐτὴν ἀποθάνονται
- 12. μηδεὶς ἐπιχαίρετω μοι τῇ χήρᾳ καὶ κατα- λειφθείσῃ [A -ήρη] ὑπὸ πολλῶν
- 19. ἐγὼ γὰρ κατελείφην ἔρημος
- La. 2. 22. οὐκ ἐγένοντο . . . καταλειμμένος (15)
6. 20. καταλείψετε ἡμᾶς εἰς μακρότητα ἡμερῶν (11 a)
- Ep. Je. 42. οὐ δύναται αὐτοὶ νοσηρὰντες καταλίπειν αὐτὰ
- 47. κατέλιπον [A -λείπ.] γὰρ ψευδῇ [A καταλ.] (11 b)
- 4. εἰς καταπάτημα τοῖς καταλειφθεῖσιν ἔθνεσι (17 d)
- 36. ὅσα ἂν καταλειφθῶσι κύκλῳ ὑμῶν (17 a)
39. 14. θύψαι τοὺς καταλειμμένους (5 a)
- Da. LXX. 2. 35. ὥστε μηδὲν καταλειφθῆναι ἐξ αὐτῶν (18 c)
10. 8. ἐγὼ κατελείφην μόνος (17 a)
- 8. οὐ κατελείφῃ [cod. ἔγκ.] ἐν ἐμοὶ ἰσχύς (17 a)
- 13. αὐτὸν ἐκεῖ κατέλιπον (5 a)
- 17. πνεῦμα οὐ κατελείφῃ ἐν ἐμοὶ (17 a)
- Da. TH. 10. 13. αὐτὸν κατέλιπον ἐκεῖ (5 a)
- Da. TH. 11. 30. τοὺς καταλιπόντας [A -λείπ.] (11 a)
- διαθήκην ἁγίαν
- I Ma. 2. 18. οἱ καταλειφθέντες ἐν Ἱερ. —
21. B B ἴλεως ἡμῖν καταλίπειν [A -λείπ.] νόμον
8. 32. B<sup>2</sup> B καὶ κατέλιπε [A -λείπ., B<sup>1</sup> ἀπέλυσε] Λυσίαν
- 37. τὰς ἡμίσεις τῶν δυναμένων τὰς καταλειφθείσας
5. 18. B B κατέλιπον [A -λείπειν] ἰώσηφον τὸν τοῦ Ζαχ.
6. 2. B B κατέλιπον [A -λείπειν] ἐκεῖ Ἀλέξανδρος
7. 46. οὐ κατελείφῃ [B<sup>1</sup> οὐκ ἀπελ.] ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἰς
9. 6. οὐ κατελείφθησαν ἐξ αὐτῶν
- 8. εἶπε τοῖς καταλειφθεῖσιν
- 10. B B μὴ καταλίψωμεν [A -λείπ.] αἰτίαν τῇ δόξῃ ἡμῶν
10. 13. B B κατέλιπον [A -λείπειν] ἑκαστος τὸν τύπον αὐτοῦ
- 14. B B τινες τῶν καταλιπόντων [A -λείπ.] τὸν νόμον
11. 64. B B Σίμωνα κατέλιπον [A -λείπειν] ἐν τῇ χώρα
- 70. οὐδὲ εἰς κατελείφῃ ἀπ' αὐτῶν
12. 47. B B κατέλιπε [A -λείπειν] δὲ μεθ' ἐαυτοῦ ἄνδρας τρισχιλίου
13. 4. καὶ κατελείφθη ἐγὼ μόνος
15. 10. B τοὺς καταλειφθέντας [A S om. τ. κ.] σὺν Τρύφ.
16. 8. οἱ δὲ καταλειφθέντες ἐξήνουν
- II Ma. 4. 31. B καταλιπὼν [A -λείπ.] τὸν διαδεχό- μενον Ἄνδρα.
5. 20. B ὁ καταλειφθεὶς [A -ληφθεὶς] . . . ἐπαν- ωρθώθη
- 22. B κατέλιπε [A -λείπειν] δὲ καὶ ἐπιστάτας
6. 28. τοῖς δὲ νέοις ὑπόδειγμα γενναίων καταλειποῦσιν
- 31. A μνημόσυνον ἀρετῆς καταλίπων [B -λίπων]
7. 16. τὸ γένος ἡμῶν ὑπὸ τοῦ θεοῦ καταλειφθέντα
9. 24. φ καταλείπεται τὰ πράγματα
12. 18. καταλειποῦσιν αὐτὸν
- 19. ἀπόλεσαν τοὺς ὑπὸ Τιμ. καταλειφθέντας
18. 24. B κατέλιπε [A -λείπειν] στρατηγὸν ἀπὸ Πτολ.
- [Aq. Ps. 9. 35 (10. 14): 26 (27). 9: Pr. 9. 6: Is. 17. 2: Je. 52. 15: Ob. 18.]
- [Sm. Ex. 39. 1 (13): Pr. 9. 6: Is. 1. 4: 17. 2: Je. 49. 11 (29. 13).]
- [Th. Ex. 39. 1 (13): Lx. 26. 39: Ps. 9. 35 (10. 14): Pr. 9. 6: Is. 11. 11: 17. 2: Je. 27 (84). 21: 89 (46). 9, 10: 52. 16: Da. 10. 13: 11. 30: Ob. 18.]
- [Al. Jo. 10. 37: Pr. 15. 10.]
- καταλείφειν.
- Es. 4. 17. A B ἐν ἀγῶνι θανάτου κατηλιμμένη [B -ειλημν.]
- κατάλειψις. (1) 𐤒𐤍𐤁𐤏𐤃
- Ge. 45. 7. ἐκβρέψαι ὑμῶν κατέλιπον μεγάλην (1)
- Si. 23. 26. A κατέλιψις [B S -ψει] εἰς κατάραν τὸ μνημόσυνον αὐτῆς
- καταλήγειν.
- II Ma. 9. 5. ἄρτι δὲ αὐτοῦ καταλήξαντος τὸν λόγον
- III Ma. 6. 32. καταλήξαντες δὲ θρήνων πανούργων μέλος
- κατάλημμα.
- Jd. 5. 13. B κατέβη κατάλημμα [B -λειμμα] τοῖς ἰσχυροῖς [A al.] +
- κατάληψις. (1) 𐤒𐤍𐤁𐤏𐤃
- De. 20. 19. ἐκπολεμήσαι αὐτὴν εἰς κατάληψιν αὐτῆς
- καταλιθοβολεῖν. (1) 𐤒𐤍𐤁𐤏𐤃 (2) 𐤒𐤍𐤁𐤏𐤃
- Ex. 17. 4. καταλιθοβολήσουσιν με (1)
- Nu. 14. 10. καταλιθοβολήσαι αὐτούς ἐν λίθοις [B<sup>1</sup> om. ἐν λ.] (2)
- κατάλιθος. (1) 𐤒𐤍𐤁𐤏𐤃
- Ex. 28. 17: 36. 17 (39. 10). ὕψασμα κατάλιθον τετράστιχον (1)
- καταλιμπάνειν. (1) 𐤒𐤍𐤁𐤏𐤃 (2) 𐤒𐤍𐤁𐤏𐤃
- Ge. 39. 16. καταλιμπάνει τὰ ἱμάτια παρ' ἐαυτῇ (1)
- II Ki. 5. 21. καταλιμπάνουσιν ἐκεῖ τοὺς θεοὺς αὐτῶν (2)
- III Ki. 18. 18. ἐν τῷ καταλιμπάνειν [A -λειμν.] ὑμᾶς τὸν κύριον (2)
- [Aq. Pr. 10. 17:]
- [Sm. Pr. 10. 17: Ec. 11. 6.]

<p><b>καταλλαγή.</b> Is. 9. 5 (4). ἰμῖον μετὰ καταλλαγῆς ἀποτίσουςι † II Ma. 5. 20. ἐν τῇ τοῦ μεγάλου δεσπότης κ.</p> <p><b>καταλλάσσειν.</b> (1) 𐤇𐤒𐤐 Je. 31 (48). 39. πῶς κατήλλαξε (1) II Ma. 1. 5. καὶ καταλλαγήν ἡμῖν 7. 33. καταλλαγῆται τοῖς ἐναντοῦ δούλοις 8. 29. καταλλαγῆται τοῖς αὐτοῦ δούλοις</p> <p><b>καταλογίζεσθαι.</b> (1) 𐤇𐤒𐤐 ni. Wi. 5. 5. πῶς καταλογίσθη ἐν υἱοῖς θεοῦ Is. 14. 10. ἐν ἡμῖν δὲ καταλογίσθης (1) Da. LXX. 5. 17. ἡρίθμηται καταλογίσθη ἐξήρται -</p> <p><b>κατάλοιπος.</b> (1) 𐤇𐤒𐤐 𐤇𐤒𐤐 (2) 𐤇𐤒𐤐 (3) 𐤇𐤒𐤐 ni. 𐤇𐤒𐤐 c. 𐤇𐤒𐤐 (4) 𐤇𐤒𐤐 (5) 𐤇𐤒𐤐 ni. 𐤇𐤒𐤐 c. 𐤇𐤒𐤐 d. 𐤇𐤒𐤐</p> <p>Le. 5. 9. τὸ δὲ κ. τοῦ αἵματος καταστροφῆς (5 a) Nu. 8. 26. καὶ τὰ κ. πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ (3 c) De. 3. 13. τὸ κ. τοῦ Γ. . . ἔδωκα (3 b) Jd. 7. 6. πᾶν τὸ κ. τοῦ λαοῦ [A al.] (3 b) I Ki. 13. 2. B τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἐξαπείσκειν (3 b) II Ki. 10. 10. τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἔδωκεν (3 b) 12. 28. συναγάγει τὸ κ. τοῦ λαοῦ (3 b) III Ki. 12. 23. καὶ τὸ κ. τοῦ λαοῦ (3 b) 21 (20). 30. ἐφύργον οἱ κ. εἰς Ἀφεκὰ (3 a) — 30. ἐπὶ τὰ χιλιᾶδας ἀνδρῶν τὸν κ. (3 a) I Ch. 4. 43. ἐπάταξαν τοὺς κ. τοὺς καταλειφ- θέντας (5 c) 6. 61 (46). τοῖς υἱοῖς K. τοῖς κ. ἐκ τῶν πατριῶν (3 a) — 70 (55). τοῖς υἱοῖς K. τοῖς κ. (3 a) — 77 (62). τοῖς υἱοῖς M. τοῖς κ. (3 a) 7. 24. καὶ ἐν ἐκείνοις τοῖς κ. (3 a) 12. 38. καὶ ὁ κ. [S<sup>1</sup> οἱ κ.] Ἰσρ. ψυχὴ μία (5 d) 19. 11. τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀβ. (3 b) 24. 20. τοῖς υἱοῖς Δ. τοῖς κ. (3 a) II Ch. 9. 29. οἱ κ. λόγοι Σαλ. οἱ πρῶτοι καὶ οἱ ἔσχατοι (5 b) 24. 14. ἤνεγκαν . . . τὸ κ. τοῦ ἀργυρίου (5 b) 32. 32. B τὰ κ. [A B λοιπὰ] τῶν λόγων Ἐζ. (3 b) 34. 9. ἀπὸ παντὸς κ. ἐν Ἰσρ. (5 c) 36. 20. ἀπέκτισε τοὺς κ. εἰς Βαβυλῶνα (5 c) II Es. 8. 8. καὶ οἱ κ. τῶν ἀδελφῶν (5 b) 4. 3. καὶ οἱ κ. τῶν ἀρχόντων τῶν πατριῶν (5 b) — 9. καὶ οἱ κ. συνδουλοῖ ἡμῶν (5 b) — 10. καὶ οἱ κ. ἐθῶν (5 b) — 10. καὶ τὸ κ. πέραν τοῦ ποταμοῦ (5 b) — 17. καὶ τοὺς κ. συνδουλοῦς αὐτῶν (5 b) — 17. καὶ τοὺς κ. πέραν τοῦ ποταμοῦ (5 b) 6. 16. καὶ οἱ κ. υἱῶν κατοικίας (5 b) 7. 18. ἐν καταλοιπῇ τοῦ ἀργυρίου (5 b) — 20. καὶ καταλοιπον [A τὸ κ.] χρεῖας οἴκου (5 b) Ne. 2. 16. τοῖς κ. [B om. τ. κ.] τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (3 b) 4. 14 (8). 19 (13). καὶ πρὸς τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (3 b) 6. 1. ΔSB καὶ τοῖς κ. τῶν ἐχθρῶν [B κ. ἐχθρῶν] ἡμῶν (3 b) — 14. ΔSB καὶ τοῖς [B om.] κ. τῶν προφητῶν [B S<sup>1</sup> ἱερῶν] (3 b) 7. 72. B ἔδωκεν οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 c) 10. 28; 11. 1. καὶ οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 b) Ps. 16 (17). 14. ἀφῆκαν τὰ κ. τοῖς ἡπείροις αὐτῶν (3 b) Am. 1. 8. καὶ ἀπολοῦνται οἱ κ. τῶν ἀλλοφύλων (5 c) 8. 10. καὶ ὑπολειφθῶσιν οἱ κ. (5 c) 9. 1. τοὺς κ. αὐτῶν ἐν βομφαίᾳ ἀποκτενῶ (1 b) — 12. ὅπως ἐξήγησαν οἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (5 c) Mi. 2. 12. ἐκδέχονται ἐκδέχονται τοὺς κ. (5 c) 8. 1. 9. ἀκούσατε δὴ ταῦτα . . . οἱ κ. οἴκου Ἰσρ. † 7. 18. τοὺς κ. τῆς κληρονομίας αὐτοῦ (5 c) Jl. 1. 4. τὰ κ. τῆς κάμψης κατέφαγεν ἡ ἀκρίς καὶ τὰ κ. τῆς ἀκρ. κατέφ. ὁ βροχὸς καὶ τὰ κ. τοῦ βρ. κατέφ. ἡ ἐρυνίβη (3 b ter) Ze. 2. 7. ἔσται τὸ σχοινίσμα . . . τοῖς κ. οἴκου 1. (5 c) — 9. οἱ κ. λαοῦ μου διαρπάζονται αὐτοὺς (5 c) — 9. οἱ κ. ἔθους μου κληρονομήσουσιν αὐτοὺς (3 b) 3. 12 (13). εὐλαβηθῶσιν . . . οἱ κ. τοῦ Ἰ. (5 c) Hg. 1. 12. ἡκούσατε Ζ. . . καὶ πάντες οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 c) — 14. τὸ πνεῦμα τῶν κ. παντὸς τοῦ λαοῦ — 3 (2). πρὸς πάντας τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (5 c) Za. 8. 6. ἐνώπιον τῶν κ. τοῦ λαοῦ τούτου (5 c)</p>	<p>Za. 8. 11. ἐγὼ ποιῶ τοῖς κ. τοῦ λαοῦ τούτου (5 c) — 12. κατακληρονομήσω τοῖς κ. τοῦ λαοῦ μου (5 c) 11. 9. ΔB τὰ κ. [B S λοιπὰ] κατεσθέντασαν . . . τὰς σάρκας (5 a) 14. 2. οἱ δὲ κ. τοῦ λαοῦ μου οὐ μὴ ἐξολεθρευ- θῶσιν (3 b) Is. 9. 1 (8. 23). οἱ λοιποὶ [B<sup>1</sup> κατάλ.] οἱ τὴν παρὰλιν [B<sup>1</sup> add. κατοικούντες] (1 a) 15. 9. ἀρῶ . . . τὸ κατάλοιπον Ἀδαμα (5 c) 21. 17. τὸ κ. [B λοιπὸν] τῶν τοξευμάτων . . . ἔσται ὀλίγον (5 b) 46. 3. καὶ πᾶν τὸ κ. τοῦ Ἰσραὴλ (5 c) Je. 6. 9. καλαμάσθε ὡς ἀμπέλον τὰ κ. τοῦ Ἰσρ. (5 c) 8. 3. καὶ πᾶσι τοῖς κ. τοῖς καταλειφθεῖσιν (5 c) 15. 9. τοὺς κ. αὐτῶν εἰς μάχαρον δώσω (5 c) 23. 3. εἰσδέξομαι τοὺς κ. [A τὸ κ.] τοῦ λαοῦ μου (5 c) 24. 8. παραδώσω . . . τὸ κ. Ἱερουσαλὴμ (5 c) 29 (47). 4. ἀφανιῶ . . . πάντας τοὺς κ. τῆς βοηθείας αὐτῶν ὅτι ἐξολεθρεύσει κύριος τοὺς [A τὰς] κ. τῶν νήσαν (4, 5 c) — 5. ἀπερρίφη Ἀσκ. καὶ οἱ κ. [A τὰ κ.] Ἰ. (5 c) — 7. ἐνετείλατο αὐτῇ . . . ἐπὶ τὰς κ. ἐπεγε- θῆναι † 32 (25). 37. παύσεται τὰ κ. τῆς εἰρήνης † 38 (31). 7. ἔσωση κύριος τὸν λαόν αὐτοῦ τὸ [B<sup>1</sup> om.] κ. τοῦ Ἰσρ. (5 c) 46 (39). 3. οἱ κ. ἡγεμόνες βασιλῆος Βαβυλῶνος (5 c) 47 (40). 15. ἀπολοῦνται οἱ κ. Ἰουδα (5 c) 48 (41). 16. ἔλαβεν Ἰωάναν . . . πάντας τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (5 c) 49 (42). 2. πρόσευαι . . . περὶ τῶν κ. τούτων (5 c) — 19. ἀ ἐλάλησε κύριος ἐφ' ὑμᾶς τοὺς κ. Ἰουδα (5 c) 50 (43). 5. ἔλαβεν Ἰ. . . τοὺς κ. [A B λοιπ.] Ἰ. (5 c) 51 (44). 12. τοὺς ἀπολίσσαι [B πολέμησαι] πάντας τοὺς κ. τοὺς ἐν Αἰγύπτῳ (5 c) — 28. γνώσονται οἱ κ. Ἰουδα (5 c) 52. 16. τοὺς κ. [B λ.] τοῦ λαοῦ κατέλιπεν (2) Ez. 5. 10. διασκορπίσας πάντας τοὺς κ. σου (5 c) 9. 8. ἐξαλείψεις σὺ τοὺς κ. τοῦ Ἰσραὴλ (5 c) 11. 13. εἰς συντέλειαν σὺ ποιεῖς τοὺς κ. τοῦ Ἰσρ. (5 c) 17. 21. τοὺς κ. εἰς πάντα ἄνεμον διασπερῶ (5 a) 23. 25. τοὺς κ. σου ἐν βομφαίᾳ καταβαλοῦσιν . . . τοὺς κ. σου πῦρ καταφάγεται (1 b, 1 b) [A al.] (5 c) 25. 16. ἀπολῶ τοὺς κ. (5 c) 34. 18. τὰ κ. τῆς νομῆς ὑμῶν κατεπατεῖς (3 b) 36. 3. εἰς κατάσχεσιν τοὺς καταλοιποὺς ἔθνεσι (5 c) [Aq. Je. 42 (49). 15.] [Th. Je. 42 (49). 15; 44 (51). 12.] [Al. Jo. 10. 20.]</p> <p><b>καταλοχία.</b> (1) 𐤇𐤒𐤐 hithp. II Ch. 31. 18. Δ ἐν καταλοχίαις [B ἐγκαταλο- χίαις] ἐν πάσῃ ἐπιτοχῇ (1) <b>καταλοχισμός.</b> (1) 𐤇𐤒𐤐 hithp. I Ch. 4. 33. καὶ ὁ κ. αὐτῶν (1) 5. 7. ἐν τοῖς κ. αὐτῶν κατὰ γενεαίς αὐτῶν (1) — 17. πάντων ὁ κ. ἐν ἡμέραις Ἰ. (1) 9. 22. οὗτοι ἐν ταῖς αὐλαῖς αὐτῶν ὁ κ. αὐτῶν (1) II Ch. 31. 17. οὗτος ὁ κ. τῶν ἱερῶν (1) I Es. 5. 39. ζητηθείσης τῆς γενικῆς γραφῆς ἐν τῇ κ. <b>καταλύειν.</b> (1) 𐤇𐤒𐤐 hithp. (2) 𐤇𐤒𐤐 (3) 𐤇𐤒𐤐 (4) 𐤇𐤒𐤐 hoph. (5) 𐤇𐤒𐤐 a. qal. δ. ni. (6) 𐤇𐤒𐤐 𐤇𐤒𐤐 δ. 𐤇𐤒𐤐 (7) 𐤇𐤒𐤐 (8) 𐤇𐤒𐤐 (9) 𐤇𐤒𐤐 (10) 𐤇𐤒𐤐 (11) 𐤇𐤒𐤐 (12) 𐤇𐤒𐤐 a. qal. δ. hi. (13) 𐤇𐤒𐤐 (14) 𐤇𐤒𐤐 Ge. 19. 2. ἐκκλίνετε . . . καὶ καταλύσατε (6 a) — 2. ἐν τῇ πλατείᾳ καταλύσομεν (6 a) 24. 23. B τόπος ἡμῖν τοῦ [A om.] καταλύσαι (6 a) — 25. καὶ τόπος τοῦ [B<sup>1</sup> om.] καταλύσαι (6 a) 26. 17. κατέλυσεν ἐν τῇ φάραγγι Γεράρων (3) 42. 27. οὐ κατέλυσαν (6 b) 43. 21. ἦν ἡμεῖς ἡμεῖς εἰς τὸ καταλύσαι (6 b) Nu. 22. 8. καταλύσατε αὐτοῦ τὴν νύκτα (6 a) 26. 1. κατέλυσεν Ἰσραὴλ ἐν Σατταῖν (5 a) Jo. 2. 1. καὶ κατέλυσαν ἐκεῖ (13) 3. 1. καὶ κατέλυσαν ἐκεῖ (6 a) Jd. 19. 9. Α καταλύσον [B αὐλίσθητι] Ἰδε (6 a) — 15. Α καταλύσον καταλύσαι [B αὐλίσ- θηται] ἐν Γ. (6 a)</p>	<p>Jd. 19. 15. Α συνάγων αὐτοὺς εἰς τὸν οἶκον κατα- λύσαι [B al.] (6 a) — 20. Α ἐν τῇ πλατείᾳ μὴ καταλύσης [B al.] (6 a) 20. 4. Α καὶ ἡ γυνὴ μου καταλύσαι [B al.] (6 a) Ru. 4. 14. δε οὐ κατέλυσε [A καταλύσαι] σοὶ σήμερον τὸν ἀγχιστίαν (12 b) II Ki. 17. 8. οὐ μὴ καταλύσῃ τὸν λαόν (6 a) III Ki. 19. 9. καὶ κατέλυσεν ἐκεῖ (6 a) IV Ki. 25. 10. Α τὸ τεῖχος . . . κύκλῳ κατέλυσαν [B al.] (7) II Ch. 23. 8. οὐ κατέλυσεν Ἰωδαὶ τὰς ἐφημερίας (10) II Es. 5. 12. ΔB τὸν οἶκον τούτου κατέλυσσε [B al.] (8) Ju. 14. 17. οὐ ἦν Ἰ. καταλύουσα Ps. 8. 2. τοὺς καταλύσαι ἐχθρὸν καὶ ἐκδικητὴν (12 b) 88 (89). 44. καταλύσαι ἀπὸ καθαρισμοῦ αὐτὸν (12 b) Si. 14. 24. ὁ καταλὼν σύγγενος τοῦ οἴκου αὐτῆς — 25. καταλύσει ἐν καταλύματι ἀγαθῶν — 27. ἐν τῇ δόξῃ αὐτῆς καταλύσει 27. 9. πετεινὰ πρὸς τὰ ὁμοία αὐτοῖς [A -ὦν] κατα- λύσει 86. 31 (28). οὕτως ἀνθρώπων . . . καταλύνει οὐ ἐν ὀψίσι 43. 17. ὡς ἀκρίς καταλύνουσα ἡ κατάβασις αὐτῆς — 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει 47. 12. δι' αὐτὸν κατέλυσεν [B -ἐταυσεν] ἐν πλα- τυσμῷ Ze. 2. 7. καταλύσουσιν ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰ. (11) Za. 5. 4. καταλύσει [B -ῇ] ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου αὐ. (6 a) Is. 88. 12. ὥσπερ ὁ σκηνὴν καταλύνει † Je. 5. 7. ἐν οἴκῳ πορνῶν κατέλυσεν [A -οντο] (1) 7. 34. καταλύσω [B<sup>1</sup> -ων] . . . φωνὴν εὐφραν- μένων (12 b) 16. 9. καταλύω . . . φωνὴν χαρᾶς (12 b) 28 (51). 43. οὐδὲ μὴ καταλύσει [B -σῃ] ἐν αὐτῇ υἱὸς ἀνθρώπου (9) 29 (49). 16. κατέλυσεν τρυμαλῖες πετρῶν (14) 30. 9 (49. 31). μόνον καταλύνουσι (14) 32 (25). 24. ἐπότῳ . . . τοὺς καταλύνοντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (14) 44 (37). 13. Α παρ' ἡ καταλύσει [B -λυε] Σαρουῖα † 45 (38). 22. καταλύνουσιν ἐν ὀλισθήμασι πίδα σου (4) La. 5. 15. κατέλυσεν χαρὰ καρδίας ἡμῶν (12 a) Ez. 16. 8. ἰδοὺ καιρὸς σου καὶ [A ὥς] καιρὸς καταλύνοντάς (2) 21. 30 (35). μὴ καταλύσης ἐν τῇ τόπῳ τούτῳ † 23. 17. εἰς κοίτην καταλύνοντάς (2) 26. 13. καταλύσει τὸ πλῆθος τῶν μουσικῶν σου (12 b) — 17. πῶς κατέλυθες ἐκ βαλίσσης (5 b) II Ma. 2. 22. τοὺς μέλλοντας καταλύεσθαι νόμους 4. 11. τὰς μὲν νομίας καταλύνω πολιτείας 9. 4. Α καταλύνει [B καταρύνει] τὴν πορείαν IV Ma. 1. 6. οὐχ ὥστε αὐτὰ καταλύσαι — 11. τοὺς καταλύνοντα τὴν κατὰ τὸν ἔθνος τυραν- νίδα 4. 16. καταλύνει τὸν Ὀνίαν τῆς ἀρχιερωσύνης — 20. B καταλύσαι [A om.] τὴν τοῦ ἱεροῦ κηδε- μονίαν — 24. B καταλύσαι . . . τὴν τοῦ ἔθνους εὐνομίαν [A εὐνοίαν] — 24. τιμωρίας ἑώρα καταλυνομένης 5. 33. ὥστε με . . . τὸν πάτριον καταλύσαι νόμον 7. 9. τὴν ἀγαστίαν . . . οὐ κατέλυσας 8. 15. τὴν τυραννίδα αὐτοῦ κατέλυσαν 11. 24. ΔB ἐξ μεράκια κατέλυσάμεν [B καταλελύκ.] σου τὴν τυραννίδα 14. 8. τὸν τῶν βασινῶν φόβον καταλύνοντας 17. 2. καταλύνουσα τὴν τοῦ τυράννου βίαν — 9. τὴν Ἑβραίων πολιτείαν καταλύσαι θελοντος [Aq. IV Ki. 23. 7.] [Sm. Ps. 10 (11). 3.] [Th. Jd. 19. 15; 20.] [Al. Ez. 30. 4.]</p> <p><b>κατάλυμα.</b> (1) 𐤇𐤒𐤐 (2) 𐤇𐤒𐤐 δ. 𐤇𐤒𐤐 (3) 𐤇𐤒𐤐 (4) 𐤇𐤒𐤐 (5) 𐤇𐤒𐤐 (6) 𐤇𐤒𐤐 Ex. 4. 24. ἐν τῇ κ. συνήτησεν αὐτῷ ἄγγελος (3 b) 15. 13. εἰς κατάλυμα ἁγίων σου (5) I Ki. 1. 18. ἐσθλὸν ἐστὶ τὸ κ. αὐτῆς [A om.] (3) 9. 22. ἐσθλὸν αὐτοῖς εἰς τὸ κ. (3) II Ki. 7. 6. ἤμην ἐμπεριπατῶν ἐν κατάλυματι (1) I Ch. 17. 5. ΔB ἤμην . . . ἐν κατάλυματι [B καλύματα] (4) 28. 12. καὶ τῶν ἀποθῶκων τῶν ἁγίων καὶ τῶν κ. -</p>
---	---	--

Si. 14. 25. καταλύσει ἐν καταλύματι ἀγαθῶν  
Je. 14. 8. ὡς αὐτὸς θῶν ἐκκλίνων εἰς κ. (2 a)  
32 (25). 38. ἐγκατέλιπεν [A κατέλειπεν με] (6)  
40 (38). 12. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν αὐτοῦ κατα-  
λύματα ποιμένων (5)  
Ez. 23. 21. ἃ ἐποίησεν ἐν Αἰγύπτῳ ἐν τῇ κ. σου  
I Ma. 3. 45. κατάλυμα τοῖς [A ἐν τοῖς] ἔθνεσι  
[Aq. Je. 9. 2 (1).]  
[Th. Is. 10. 29.]

κατάλυσις. (1) נָחַץ (2) נָחַץ  
Je. 29 (49). 20. ἐὰν μὴ ἀβραῶθ' ἐπ' αὐτοὺς [A  
-η] κ. αὐτῶν (1)  
Da. LXX. 2. 22. καὶ παρ' αὐτῶν κατάλυσις (2)  
II Ma. 8. 17. τὴν τῆς προγονικῆς πολιτείας κ.  
IV Ma. 11. 25. οὐ κατάλυσις ἐστὶ σου

καταλύτης.  
Wi. 5. 14. ὡς μνεία καταλύτου μονομήμερου παρώδευσε  
[B al.]

καταμαρτυρεῖν. (1) נָחַץ pi. (2) נָחַץ  
(3) נָחַץ hithpa. (4) נָחַץ

Ge. 24. 21. ὃ δὲ ἀδελφὸς κατεμάνθανεν αὐτήν (3)  
34. 1. καταμαθεῖν τὰς θυγατέρας τῶν ἐγχωρίων (2)  
Le. 14. 36. καταμαθεῖν τὴν οἰκίαν (3)  
Jd. 5. 28. A κατεμάνθανεν ἡ μήτηρ Σισάρα [B al.] (1)  
I Es. 8. 41. καὶ κατεμάθον αὐτοὺς (4)  
Jb. 35. 4 (5). κατάρμαθε δὲ νέφη  
Si. 9. 5. παρβίνον μὴ κατεμάνθανε  
— 8. μὴ κατεμάνθανε κάλλος ἀλλότριον  
38. 28. χαλκεὺς . . . καταμαρτάνων ἀργῇ σιδηρῇ  
[A B al.]  
[Sm. Ec. 4. 7: 7. 14 (13) (1): 8. 17: Ca. 6. 10  
(11).]

καταμαρτυρεῖν. (1) נָחַץ לְכַסֵּ (2) נָחַץ hi.  
(3) נָחַץ

III Ki. 20 (21). 10. A B καὶ καταμαρτυρησά-  
— 13. καὶ καταμαρτύρησαν αὐτοῦ [A om.] (2)  
Jb. 15. 6. τὰ δὲ χεῖρ' σου καταμαρτυρήσουσι  
[A -σε] σου (2)  
Pr. 25. 18. ὃ καταμαρτυρῶν τοῦ [A κατὰ τοῦ]  
φίλου αὐτοῦ μαρτυρίαν ψευδῆ (3)  
Da. LXX. 6. 24 (25). οἱ καταμαρτυρήσαντες τοῦ  
Δανιὴλ (1)  
Da. TH. Su. 21. εἰ δὲ μὴ καταμαρτυρήσόμεν σου  
— 42. ψευδῆ μου καταμαρτύρησαν  
— 49. ψευδῆ γὰρ οὗτοι καταμαρτύρησαν αὐτῆς  
[Th. III Ki. 21. 13.]

καταμεγαλύνεσθαι.  
[Aq. Th. Ps. 40 (41). 10.]  
[Sm. Ps. 37 (38). 17: 40 (41). 10.]

καταμένειν. (1) נָחַץ (2) נָחַץ hi. (3) נָחַץ  
Ge. 6. 3. οὐ μὴ καταμένῃς τὸ πνεῦμά μου (1)  
Nu. 20. 1. κατέμενεν ὁ λαὸς ἐν Κἀδης (3)  
22. 8. κατέμενεν οἱ ἀρχόντες Μωάβ (3)  
Jo. 2. 22. καὶ κατέμεναν ἐκεῖ (3)  
7. 7. εἰ κατέμεναν καὶ καθοκίσθημεν  
IV Ki. 12. 20 (21). A τὸν κατέμενοντα Γαλαὰδ  
[B B al.] +  
Ju. 16. 20. καὶ 'I. μετ' αὐτῶν κατέμενε  
— 21. καὶ κατέμενεν ἐπὶ τῆς ὑπάρξεως αὐτῆς  
[Sm. Ps. 138 (139). 9.]

καταμερίζειν. (1) נָחַץ a. pi. δ. hi. c. hithp.  
Le. 25. 46. καταμερίζετε αὐτοὺς τοῖς τέκνοις ὑμῶν (1 c)  
Nu. 32. 18. ἔως ἂν καταμερισθῶσιν οἱ υἱοὶ 'Iσρ. (1 c)  
34. 29. καταμερίζαι τοῖς υἱοῖς 'Iσρ. [A al.] (1 a)  
De. 19. 3. ἢν καταμερίζῃ σοι κύριος ὁ θεός σου (1 b)  
Jo. 13. 14. δὴν κατέμερισε M. τοῖς υἱοῖς 'Iσρ.  
— III Ma. 6. 31. A κλισίας καταμερίσαντο πλήρεις χαρ-  
— μονῆς [B al.]  
[Sm. Ps. 67 (68). 15.]

καταμεριμύς.  
Jo. 13. 14. καὶ οὗτος ὁ κ. —

καταμεστούσθαι.  
III Ma. 5. 46. τῆς πόλεως ᾗδ' . . . καταμεστω-  
— μένης

καταμετρεῖν. (1) נָחַץ hithp. (2) נָחַץ pu.  
(3) נָחַץ hi. (4) נָחַץ pi. (5) נָחַץ hi.  
(6) נָחַץ pi.

Nu. 34. 7. καταμετρήσετε ὑμῖν αὐτοῖς (6)  
— 8. καταμετρήσετε [A -ηθήσεται] αὐτοῖς (6)  
— 10. καταμετρήσετε ὑμῖν αὐτοῖς τὰ ὅρια (1)  
— 29. A καταμετρήσαι τοὺς υἱοὺς 'Iσρ. [B al.] (4)  
Am. 7. 17. ἡ γῆ σου ἐν σχοινίῳ καταμετρηθή-  
— σεται (2)  
Mi. 2. 4. μερὶς λαοῦ μου καταμετρήθη ἐν σχοινίῳ (3)  
Ez. 45. 1. ἐν τῷ καταμετρεῖσθαι ὑμᾶς τὴν γῆν (5)  
48. 14. οὐδὲ καταμετρηθήσεται (3)  
[Aq. Ps. 59 (60). 8.]  
[Sm. Ez. 28. 14.]  
[Al. Nu. 35. 5.]

καταμετρήσις.  
[Aq. Jb. 28. 25.]

καταμηνίαιος, καταμηνίος.  
Es. 4. 17. ὡς βάκος καταμηνίων [B<sup>1</sup> -νιαιών]

καταμηνεῖν.  
IV Ma. 4. 4. A B κατεμηνε [B -υσε] τὸν τῶν χρη-  
— μάτων θησαυρόν

καταμηνύειν. (1) καταμεμνημένος ἐν ἀνθεσι  
נִחְמָנָה

Ex. 28. 14. καταμεμνημένα ἐν ἀνθεσιν  
(1)  
καταμηνέσθαι.

IV Ma. 18. 12. ὃ δὲ καταμηνεῖς [A om.] ἔλεγε  
καταμνας, vid. sub κατὰ εἰ μόνος.

καταμωκάσθαι. (1) נָחַץ hi. (2) נָחַץ hithp.

II Ch. 30. 10. ἐγένοντο ὡς . . . καταμωκόμενοι (1)  
Si. 13. 7. ἐπ' ἐσχάτῳ [B<sup>1</sup> -ων] καταμωκίσεται σου  
Je. 45 (38). 19. καταμωκίσονται μου (2)  
[Aq. Ge. 27. 12.]  
[Sm. Ps. 72 (73). 8.]

καταναγκάζειν.  
I Ma. 2. 15. A B οἱ καταναγκάζοντες τὴν ἀποστασίαν  
[B -οιν]

καταναλίσκειν. (1) נָחַץ a. qal. δ. ni.  
(2) נָחַץ (3) נָחַץ . (4) נִחְמָ

Le. 6. 10 (3). ἢν ἂν καταναλώσῃ [A -σει] τὸ πῦρ (1 a)  
De. 4. 24. κύριος . . . πῦρ καταναλίσκον [B<sup>2</sup>  
— ων] ἐστὶ (1 a)  
7. 22. καταναλώσει κύριος ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (8)  
9. 3. B πῦρ καταναλίσκον [A B -ων] ἐστὶν (1 a)  
I Ch. 21. 26. καταναλώσων τὴν δλοκαύτων  
Es. 8. 13. δδρατι καὶ πυρὶ καταναλώθησεται (1 b)  
Wi. 16. 16. πυρὶ καταναλίσκόμενοι  
Si. 27. 29. ὁδύνη καταναλώσει αὐτοὺς  
45. 19. καταναλῶσαι ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ [A B -οὺς]  
Ze. 1. 18: 3. 8. καταναλώθησεται πᾶσα ἡ γῆ (1 b)  
Za. 9. 4. καὶ αὕτη ἐν πυρὶ καταναλώθησεται (1 b)  
— 15. καὶ καταναλώσουσιν [A -σωσιν] αὐτοὺς (1 a)  
Is. 59. 14. καταναλώσῃ [A -αναλώσῃ] ἐν ταῖς  
— ὁδοῖς αὐτῶν ἡ ἀλήθεια (2)  
66. 16. A καταναλώθησεται [B B κριβ.] πῦσα ἡ γῆ +  
— 17. A ἐπὶ τὸ αὐτὸ καταναλώθησονται [B B  
— ἀναλ.] (4)  
Je. 3. 24. ἡ ἀσχυρὴν καταναλώσε τοὺς μύχθους (1 a)  
27 (50). 7. A B B<sup>2</sup> καταναλίσκον αὐτοὺς [B<sup>1</sup> B  
— al.] (1 a)

Ep. Je. 10. χρυσίον καὶ ἀργύριον εἰς ἐαυτοὺς κατα-  
— λούσι [A -λώσουσιν]  
Da. LXX. 11. 26. καταναλώσουσιν αὐτὸν μέμναι  
αὐτοῦ (1 a)

[Sm. Ps. 68 (69). 10.]  
[Al. Le. 26. 38.]

κατανέμεσθαι. (1) נָחַץ  
Ps. 79 (80). 13. A B<sup>2</sup> μονίς [B B<sup>1</sup> ὄνος] ἀγριος  
— κατενέμιστο αὐτῇ (1)

[Sm. Ps. 79 (80). 14.]

κατανίστασθαι. (1) נָחַץ hithp.  
Nu. 16. 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συνα-  
— γωγὴν κυρίου (1)

κατανοεῖν. (1) נָחַץ a. hi. δ. hithpal.  
(2) נָחַץ (3) נָחַץ hi. (4) נָחַץ  
(5) נָחַץ (6) נָחַץ (7) נָחַץ hi.  
(8) נָחַץ hithpo.

Ge. 3. 6. ὠραῖον ἐστὶ τοῦ κατανοῆσαι (7)  
42. 9. κατανοῆσαι τὰ ἱχνη τῆς χώρας (5)  
Ex. 2. 11. κατανοήσας δὲ τὸν πόνον αὐτῶν (5)  
19. 21. μὴ ποτε ἐγγίσωσι . . . κατανοῆσαι (5)  
38. 8. κατενοούσαν [A -νούον] ἀπίοντος M. (3)  
— 10. A κατενόουν ἀπίοντος M.  
Nu. 32. 8. κατανοῆσαι τὴν γῆν (5)  
— 9. καὶ κατενόησαν τὴν γῆν (5)  
III Ki. 3. 21. κατενόησα αὐτὸν πρῶτ' (1 b)  
Ju. 8. 14. πῶς . . . τὸν λογισμὸν αὐτοῦ κατανοήσετε  
[A<sup>2</sup> -σατε]

10. 14. κατενόησαν τὸ πρόσωπον αὐτῆς  
Jb. 23. 15. κατανόησα καὶ ποιοθήσομαι ἐξ αὐτοῦ (1 b)  
30. 20. ἔστησαν δὲ καὶ κατενόησαν με [A μοι] (1 b)  
Ps. 9. 35 (10. 14). σὺ πόνον [A κόπον] . . .

κατανοεῖς [B<sup>1</sup> -ήσεις] (3)  
21 (22). 17. αὐτοὶ δὲ κατενόησαν (3)  
36 (37). 32. A B B κατανοεῖ [B -ήσει] ὁ ἀμαρ-  
— τωλὸς τὸν δικαίον (4)  
90 (91). 8. τοῖς ὀφθαλμοῖς σου κατανόησεις (3)  
93 (94). 9. οὐχὶ κατανοεῖ (3)  
118 (119). 15. κατανόησω [B<sup>1</sup> ἐκζητήσω] τὰς  
— ὁδοὺς σου (3)  
— 18. κατανόησω τὰ θαυμάσια σου (3)  
141 (142). 4. κατενόουν εἰς τὰ δεξιὰ (3)  
Si. 23. 19. κατανοοῦντες εἰς [A om.] ἀπόκρυφα μέρη  
30. 26 (38. 17). κατανόησατε ὅτι οὐκ ἐμοὶ μόνῳ  
— ἐκοίτασα

Hb. 3. 2. κατενόησα τὰ ἔργα σου —  
Is. 5. 12. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτοῦ οὐ κατανο-  
— οῦσι [B<sup>1</sup> -νοήσ.] (5)  
57. 1. B<sup>1</sup> οὐδεὶς κατανοεῖ [A B B<sup>2</sup> al.] (1 a)  
— 1. οὐδεὶς κατανοεῖ [B al.] (1 a)  
59. 16. κατενόησε καὶ οὐκ ἦν ὁ ἀντιλήψόμενος (3)  
Da. LXX. 7. 21. κατενόουν τὸ κέρας ἐκεῖνο (2)  
II Ma. 9. 25. κατανοῶν τοὺς παρακειμένους δυνάστας  
[Aq. Jb. 23. 15: 37. 14: 38. 18: Ps. 118 (119).  
— 100.]  
[Th. Jb. 23. 15: 30. 20.]  
[Al. Hb. 3. 6, 7.]  
[Quint. Ps. 118 (119). 100.]

κατανόησις.  
Si. 41. 21. ἀπὸ κατανόησεως γυναικὸς ὑπ'ἀνδρου

κατανοινύειν.  
Ps. 4. 4. A ἐπὶ ταῖς κοιτάς ὑμῶν κατανοίγητε  
[B B -νύγητε] +

κατανῶν. (1) נָחַץ

II Ki. 3. 29. κατανησάσθων ἐπὶ κεφαλὴν 'I. (1)  
II Ma. 4. 21. κατήτησεν εἰς 'Ιεροσόλυμα  
— 24. εἰς ἐαυτὸν κατήτησεν τὴν ἀρχειρωσύνην  
— 44. κατανήσαντος δὲ τοῦ βασιλ. εἰς Τύρον  
6. 14. μέχρι τοῦ κατανήσαντος αὐτοῦ . . . κολά-  
— σαι

[Aq. Ps. 81 (82). 6: 87 (88). 4: Ez. 7. 12.]  
[Sm. Jb. 29. 13: Ec. 1. 6: Is. 58. 6.]

κατάντημα. (1) נָחַץ  
Ps. 18 (19). 6. τὸ κ. αὐτοῦ ἔως ἄκρου τοῦ οὐρ. (1)

καταντλήειν.  
IV Ma. 7. 2. καταντλούμενος ταῖς τῶν βασάνων τρι-  
— κμύαις

κατανύειν.

II Ma. 9. 4. B κατανύειν [A καταλύειν] τὴν πορείαν

κατανύξις. (1) נָחַץ (2) נָחַץ  
Ps. 59 (60). 3. ἐπὶ οἰκίας ἡμᾶς οἶνον κατανύξεως (2)  
Is. 29. 10. πεπότικεν ὑμᾶς κύριος πνεύματι [B  
— μα] κατανύξεως (1)

κατανύσσεσθαι. (1) נָחַץ ni. (2) a. נָחַץ  
δ. נָחַץ (3) נָחַץ ni. (4) נָחַץ ni.

(5) נָחַץ hithp. (6) נָחַץ ni.

Ge. 27. 38. B κατανύχεντος δὲ 'Ισαάκ —  
34. 7. A κατενύχθησαν [B -νύχθησαν] οἱ ἄνδρες (5)  
Le. 10. 3. καὶ κατενύχθη A. (2 a)



III Ki. 20 (21). 27. ὡς [A. οὐ] κατενύγη Ἄχ. —  
— 29. ὡς κατενύγη Ἄχ. ἀπὸ προσώπου μου (4)  
Ps. 4. 4. ἐπὶ ταῖς κοίταις ὑμῶν κατανύγητε [A.  
—νούγητε] (2 a)  
29 (30). 12. καὶ οὐ μὴ κατανύγῃ (2 a)  
34 (35). 15. διεσχίσθησαν καὶ οὐ κατενύγησαν (2 a)  
108 (109). 16. κατεδίωξεν ἀνθρώπων . . . κατα-  
νευγμένον τῇ καρδίᾳ (8)  
Si. 12. 12. μή ποτε . . . ἐπὶ τῶν ῥημάτων μου κατα-  
νύγησιν  
14. 1. οὐ κατενύγη ἐν λύπῃ ἀμαρτίας [A. B. -ιών]  
20. 21. ἐν τῇ ἀναπαύσει αὐτοῦ οὐ κατανύγησεται  
47. 20. κατενύγη ἐπὶ τῇ ἀφροσύνῃ σου  
Is. 6. 5. ὦ τάλας ἐγὼ, ὅτι κατανενυγμαι +  
47. 5. καθίσουν κατανενυγμένη (2 b)  
Da. LXX. Su. 10. ἀμφοτέροι ἦσαν κατανενυγμένοι  
περὶ αὐτῆς  
Da. TH. Su. 10. ἦσαν ἀμφοτέροι κατανενυγμένοι  
περὶ αὐτῆς  
10. 9. ἤμην κατανενυγμένος (6)  
— 15. A. B<sup>2</sup> R καὶ κατενύγην  
[Th. Pr. 17. 22 : Is. 28. 1 : Da. 10. 9.]  
**κατανωτίζεσθαι.**  
Ju. 5. 4. διὰ τὴν κατενωτίσαντο  
**καταξάινειν.** (1) שָׁחַת  
Jd. 8. 7. A. καταξάνω [B. ἀλοῶσω] τὰς σάρκας  
ὑμῶν (1)  
— 16. A. καὶ κατέξανε αὐτούς  
— 16. A. κατέξανε [B. ἠλόησεν] . . . τοὺς ἄνδρας +  
[Th. Jd. 8. 7.]  
**καταξηραίνειν.** (1) שָׁחַת hi.  
Jo. 2. 10. κατέξηρανε κ. . . τὴν ἐρυθρὰν θάλ. (1)  
Ju. 5. 13. κατέξηρανε ὁ θ. τὴν ἐρυθρὰν θάλ.  
Ho. 13. 15. κατέξηρανε τὴν γῆν αὐτοῦ +  
**κατάζηρος.** (1) שָׁחַת  
Nu. 11. 6. ἡ ψυχὴ ἡμῶν κ. (1)  
[Th. Is. 29. 8.]  
**κατάξιος.**  
Es. 8. 13. τὴν κ. τοῦ . . . θεοῦ . . . ἀποδότος αὐτῷ  
κρίσιν  
**καταξίου.**  
II Ma. 13. 12. καὶ καταξιώσαντων τὸν ἐλεήμονα  
κύριον  
III Ma. 3. 21. πολιτείας αὐτοὺς Ἀλεξανδρέων κατ-  
αξίωσαι  
4. 11. μηδὲ τὸ σύνολον καταξιώσαι περιβόλῳ  
IV Ma. 18. 3. θείας μεριδος κατηξιώθησαν  
**καταξύνειν.**  
Ep. Je. 8. γλώσσα γὰρ αὐτῶν ἐστὶ [A. om.] κατ-  
εξυσμένη ὑπὸ τέκτονος  
**καταπαίδευειν.**  
[Sm. La. 1. 13.]  
**καταπαύειν.** (1) שָׁחַת hithp. (2) שָׁחַת hi.  
IV Ki. 2. 23. B. κατέπαυον [B<sup>2</sup> -έκραξαν, B<sup>2</sup>  
-έκραζον, A. καταπαύειν] αὐτοῦ (1)  
Je. 2. 16. καὶ κατέπαυον [A. -αἶσαν] σου +  
9. 5 (4). ἕκαστος κατὰ [B. om.] τοῦ φίλου αὐτοῦ  
καταπαύεται [A. -φεύξ.] (2)  
[Sm. Ge. 27. 12.]  
**καταπαλαίνειν.**  
IV Ma. 3. 18. τὰς τῶν σωμάτων ἀλγηδόνas . . .  
καταπαλαίσει  
**καταπανουργεῖσθαι.** (1) שָׁחַת hi.  
Ps. 82 (83). 3. καταπανουργήσαντο γνώμην (1)  
**καταπάσκειν.** (1) שָׁחַת (2) שָׁחַת hithp.  
Es. 4. 1. καὶ καταπάσκειν σποδὸν —  
Jb. 1. 20. A. καταπάσκειν γῆν ἐπὶ τῆς κεφ. αὐ. —  
2. 12. καταπάσκειν γῆν (1)  
Mi. 1. 10. γῆν καταπάσκειν (2)  
Je. 6. 26. κατὰσκει ἐν σποδῷ [A. B. σποδόν] (2)  
II Ma. 10. 25. γῆ τὰς κεφαλὰς καταπάσαντες  
14. 15. καταπάσαντες γῆν ἐλιτάνυσαν  
[Sm. III Ki. 20. 38.]  
**καταπατάκεις (?)**  
[Aq. Je. 29 (38). 26.]

**καταπατεῖν.** (1) שָׁחַת a. qal. δ. pil. c. שָׁחַת  
(2) שָׁחַת a. qal. δ. ni. (3) שָׁחַת  
(4) שָׁחַת hoph. (5) שָׁחַת a. qal. δ. hi.  
(6) שָׁחַת (7) a. שָׁחַת δ. שָׁחַת (8) שָׁחַת  
(9) שָׁחַת (10) שָׁחַת a. qal. δ. ni.  
c. שָׁחַת (11) a. שָׁחַת, שָׁחַת δ. שָׁחַת  
(12) שָׁחַת (13) שָׁחַת (14) שָׁחַת (15) שָׁחַת  
(16) שָׁחַת  
Jo. 19. 47. A. καὶ καταπάτησαν [B. κατέκταναν]  
αὐτὴν +  
Jd. 5. 21. καταπάτησεν αὐτὸν ψυχὴ μου δυνατὴ (5 a)  
9. 27. A. καὶ καταπάτησαν [B. ἐπάτησαν] (5 a)  
I Ki. 14. 48. ἐκ χειρὸς τῶν καταπατούντων αὐτὸν (15)  
17. 53. καταπάτησαν τὰς παρεμβολὰς αὐτῶν (16)  
28. 1. καταπατούσι [A. om.] τοὺς ἄλως (16)  
II Ch. 25. 18. καὶ καταπάτησαν τὸν ἀρχοῦ (10 a)  
Jb. 28. 8. B. οὐ καταπάτησαν [A. B. οὐκ ἐπάτ.]  
αὐτὸν [A. B. -ῆν] υἱοὶ ἀλαζόνων (5 b)  
39. 15. θηρία ἀγροῦ καταπατήσιν (2 a)  
Ps. 7. 5. καταπάτησαι εἰς γῆν τὴν ζωνὴν μου (10 a)  
55 (56). 1. καταπάτησά με ἄνθρωπος (18)  
— 2. καταπάτησάν με οἱ ἐχθροί μου (18)  
56 (57). 3. ἔδωκεν εἰς δυνάμειν τοὺς καταπα-  
τούντάς με (18)  
90 (91). 13. καταπάτησιν λίοντα καὶ δράκοντα (10 a)  
138 (139). 11. ἄρα σκότος καταπατήσιν με (14)  
Ho. 5. 11. καταπάτησε τὸ κρίμα (13)  
Am. 4. 1. δαμάλεις . . . αἱ . . . καταπατοῦσαι  
πένιπας (12)  
5. 12. A. B. καταπατοῦντες [B. -οῦσαι] δίκαιον (9)  
Za. 12. 3. λίθον καταπατοῦμεν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι (7 b)  
— 3. πᾶς ὁ καταπατῶν αὐτὴν ἐμπαίξων ἐμπαίξε-  
ται (7 a)  
Ma. 4. 3 (3. 21). καταπατήσεται [A. -σατε] ἀνόμους (8)  
Is. 10. 6. κ. τὰς πόλεις (10 c)  
16. 4. ἀπόλετο ὁ καταπατῶν ἀπὸ [A. B. ἐπὶ]  
τῆς γῆς (10 a)  
— 8. A<sup>2</sup> B. καταπατήσατε [B. S. -σατε, A<sup>1</sup> -σον-  
ται] τὰς ἀμπελούς αὐτῆς ἕως ἰαζήρ (4)  
— 9. ἐπὶ τῇ τρυγητῇ σου καταπατήσω +  
18. 2. ἔθνος ἀνέλιπτον καὶ καταπατημένον (1 c)  
— 7. ἔθνος ἐλπίζον [B. ἀνέλιπτον] καὶ κατα-  
πατημένον (1 c)  
25. 10. καταπατηθήσεται ἡ Μωαβίτις (2 b)  
28. 3. τοῖς ποσὶ καταπατηθήσεται ὁ σέφιανος (10 b)  
— 28. οὐδὲ φωνὴ τῆς πεκρίας μου καταπατή-  
σει ὑμᾶς (4)  
41. 25. ὡς κεραμεὺς καταπατῶν τὸν πηλὸν οὕτω  
καταπατηθήσεται [B<sup>2</sup> -σεταί] (10 a, —)  
68. 3. πλήρης [B. -ρους] καταπατημένης (5 a)  
— 3. καταπατήσας αὐτὸν ἐν θυμῷ μου [A. B. om.] (5 a)  
— 6. καταπάτησα αὐτοὺς τῇ ἀργῇ μου (1 a)  
— 18. A. οἱ ὑπερνάντες ἡμῶν καταπάτησαν τὸ  
ἀγίσμα μου (1 b)  
Ez. 26. 11. καταπατήσουσί σου πᾶσας τὰς πλε-  
τείας (10 a)  
32. 2. καταπάτηεις τοὺς ποταμούς σου (11 a)  
— 13. ἔχνης κτηνῶν οὐ μὴ καταπατήσῃ αὐτὸ (8)  
34. 18. τὰ καλάοικα τῆς νομῆς ὑμῶν καταπα-  
τεῖτε (11 a)  
Da. LXX. 7. 7. κύκλῳ τοῖς ποσὶ καταπατοῦν (11 b)  
— 19. καὶ καταπατοῦντος [cod. -es] τοῖς ποσὶ (11 b)  
8. 10. ἀπὸ αὐτῶν καταπατήσῃ (10 a)  
I Ma. 3. 45. καὶ τὸ ἀγίσμα καταπατοῦμεν  
— 51. A. B. τὰ ἀγία σου καταπατήσῃ [B. -νηταί]  
4. 60. A. B. μή ποτε . . . καταπατήσων [B. -σουσιν]  
αὐτὰ  
II Ma. 8. 2. B. τὸν ὑπὸ πάντων καταπατοῦμενον [A.  
—πνοῦμ.] λαόν  
III Ma. 2. 18. ἡμεῖς καταπατήσαμεν τὸν οἶκον τοῦ  
ἀγασμοῦ ὡς καταπατοῦνται οἱ οἴκοι τῶν  
προσοχιδιμάτων  
6. 21. καὶ καταπατοῦμεν αὐτάς  
[Aq., Sm. Je. 12. 10.]  
[Al. Is. 16. 9 : 68. 18.]  
**καταπατήμα.** (1) שָׁחַת pi. (2) שָׁחַת  
(3) שָׁחַת (4) שָׁחַת (5) שָׁחַת  
κ. שָׁחַת  
Mi. 7. 10. ἔσται εἰς καταπατήμα (4)  
Is. 5. 5. ἔσται εἰς κ. [A. διαρπαγὴν] (4)

Is. 7. 25. εἰς βόσκημα προβάτου καὶ κ. βοῆς (4)  
14. 25. ἔσονται εἰς κ. (5)  
22. 5. A. B. ἡμέρα ταραχῆς [B<sup>2</sup> -χους] καὶ  
ἀπωλείας καὶ καταπατήματος [B. -μα] (3)  
— 18. A. B. ἔθνη . . . τὸν οἶκον τοῦ ἀρχον-  
τός σου εἰς κ. [B. om. εἰς κ.] —  
28. 18. ἔσσεθε αὐτῇ εἰς κ. (4)  
La. 2. 8. A. B. οὐκ ἀπέστρεψε [B. S. ἐπ.] χεῖρα  
αὐτοῦ ἀπὸ καταπατήματος (1)  
Ez. 36. 4. εἰς κ. τοῖς καταλειφθεῖσιν ἔθνεσι  
περικύκλω (2)  
Da. LXX. 8. 13. τὰ ἄγια ἐρμωθήσεται εἰς  
καταπατήμα (4)  
[Aq., Sm., Th. Is. 57. 20.]  
**καταπάτης.** (1) שָׁחַת  
IV Ki. 13. 7. ὡς χοῖν εἰς καταπάτησιν (1)  
**καταπαύειν.** (1) שָׁחַת (2) שָׁחַת (3) שָׁחַת  
(4) שָׁחַת pi. (5) שָׁחַת (6) שָׁחַת pi.  
(7) שָׁחַת a. qal. δ. hi. (8) שָׁחַת  
(9) שָׁחַת pi. (10) שָׁחַת (11) שָׁחַת a. qal.  
δ. hi. (12) שָׁחַת a. qal. δ. hi. c. שָׁחַת  
(13) שָׁחַת (14) שָׁחַת (15) שָׁחַת  
(16) שָׁחַת ni.  
Ge. 2. 2. κατέπαυσε . . . ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων  
αὐτοῦ (11 a)  
— 3. κατέπαυσεν ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων αὐ-  
τοῦ (11 a)  
8. 22. ἡμέραν καὶ νύκτα οὐ καταπαύουσιν (11 a)  
49. 33. κατέπαυσεν ἱ. ἐπιτάσων τοῖς υἱοῖς  
αὐτοῦ (4)  
Ex. 5. 5. μὴ οὖν καταπαύσωμεν αὐτοὺς ἀπὸ τῶν  
ἔργων (11 b)  
10. 14. κατέπαυσεν ἐπὶ πάντα τὰ ὅρια Αἰγ. (7 a)  
16. 13. καταπαυμένης τῆς δρόσου (13)  
20. 11. κατέπαυσε τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ (7 a)  
31. 17. κατέπαυσε καὶ ἐπαύσατο [A. ἐπ. κ. κ.]  
(11 a [16])  
— 18. ἡνίκα κατέπαυσε λαλῶν (4)  
33. 14. καταπαύσω σε (7 b)  
34. 21. τῇ δὲ ἐβδόμῃ [A. ἡμέρᾳ τῇ ἐ.] κατα-  
παύσεις (11 a)  
— 21. A. τῷ ἁμῇτῷ καταπαύσεις [B. -σις] (11 a)  
— 33. ἐπειδὴ κατέπαυσε λαλῶν (4)  
35. 2. A. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ καταπαύσεις  
[B. -σις] —  
Nu. 25. 11. κατέπαυσε τὸν θυμὸν μου (12 b)  
De. 3. 20. ἕως ἂν καταπαύσῃ . . . τοὺς ἀδ. ὑμῶν (7 b)  
5. 33 (30). ὅπως καταπαύσῃ σε (2 ?)  
12. 10. καὶ καταπαύεις ὑμᾶς (7 b)  
25. 19. ἡνίκα ἐν καταπαύσῃ σε κύριος (7 b)  
32. 26. A. καταπαύσω δὴ [B. π. δὲ] . . . τὸ  
μνημόσυνον αὐτῶν (11 b)  
33. 12. ἀνὰ μέσον τῶν ὤμων αὐτοῦ κατέπαυσε (14)  
Jo. 1. 13. κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν κατέπαυσεν ὑμᾶς (7 b)  
— 15. ἕως ἂν καταπαύσῃ κύριος (7 b)  
8. 13. ὡς ἂν καταπαύσωσιν οἱ πόδες τῶν  
ιερέων (7 a)  
10. 20. ὡς κατέπαυσεν Ἰησοῦς . . . κόπτοντες (7 a)  
11. 23. ἡ γῆ κατέπαυσε πολεμουμένη (15)  
21. 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [A. -οῖς] κύριος (7 a)  
22. 4. κατέπαυσε κύριος . . . τοὺς ἀδ. ἡμῶν (7 b)  
23. 1. μετὰ τὸ καταπαύσαι κύριον τὸν [A. τὸν  
θεὸν] Ἰσρ. (7 b)  
Jd. 8. 3. A. καὶ κατέπαυσαν —  
18. 2. A. καὶ κατέπαυσαν ἐκεῖ [B. al.] (6)  
20. 43. A. καταπαύσαι αὐτὸν κατὰπαυσιν [B. al.] +  
— 43. A. καὶ κατέπαυσεν αὐτὸν [B. al.] +  
Ru. 2. 7. οὐ κατέπαυσεν ἐν τῷ ἀργῷ μικρὸν (9)  
II Ki. 21. 10. οὐκ ἔδωκε . . . πενήτι . . . κατα-  
παύσαι (7 a)  
III Ki. 12. 24. κατέπαυσαν τοῦ πορευθῆναι (13 a)  
I Ch. 23. 25. κατέπαυσε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. τῇ λαῷ αὐ. (7 b)  
II Ch. 14. 6 (5). κατέπαυσεν αὐτῷ κύριος (7 b)  
— 7 (6). κατέπαυσεν ἡμᾶς κυκλόθεν (7 a)  
15. 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοὺς κυκλόθεν (7 a)  
16. 5. κατέπαυσε τὸ ἔργον αὐτοῦ (11 b)  
20. 30. κατέπαυσεν αὐτῷ ὁ θεὸς αὐτοῦ (7 a)  
32. 22. καὶ κατέπαυσεν αὐτοὺς κυκλόθεν (8)  
II Es. 9. 13. B<sup>2</sup> κατέπαυσας τὸ σκήπτρον ἡμῶν +  
Ne. 4. 11 (5). καὶ καταπαύσωμεν τὸ ἔργον (11 b)  
6. 3. μὴ ποτε καταπαύσῃ τὸ ἔργον (11 a)

ju. 6. 1. ὡς κατέπαυσεν ὁ θόρυβος  
 j. 21. 34. τὸ δὲ ἐμὲ καταπαύσασθαι ἀφ' ὑμῶν  
 οὐδὲν [A B al.] (12 c)  
 26. 12. ἰσχυρὴ κατέπαυσε τὴν θάλασσαν (8)  
 Ps. 54 (55). 6. πετασθήσονται καὶ καταπαύσω (14)  
 73 (74). 8. καταπαύσωμεν τὰς ἐορτάς κυρίου (10)  
 84 (85). 3. κατέπαυσε πᾶσαν τὴν ὀργὴν σου (1)  
 Ec. 10. 4. ἴαμα καταπαύσει ἁμαρτίας μεγάλας (7 δ)  
 Wi. 10. 19. B' τοὺς δὲ ἐχθρούς αὐτῶν κατέπαυσεν [A  
 κατέκλυσε, B B' κατέκλυσε]  
 Si. 5. 6. ἐπὶ ἁμαρτωλοὺς καταπαύσει [B' -σεται] ὁ  
 θυμὸς αὐτοῦ  
 10. 17. κατέπαυσεν . . . τὸ μνημόσυνον αὐ.  
 24. 8. ὁ κτίσας με κατέπαυσε τὴν σκηνήν μου  
 — 11. ἐν πόλει ἡγαπημένη ὁμοίως με [B om.] κατέ-  
 παυσε  
 38. 23. ἐν ἀναπαύσει νεκροὺ κατέπαυσεν τὸ μνημό-  
 συνον αὐτοῦ  
 43. 5. B' ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέπαυσεν [A B B'  
 -ἐσπευσε] πορείαν  
 — 13. B προστάγματι αὐτοῦ κατέπαυσεν [A B  
 -ἐσπευσε] χιόνα  
 44. 23. κατέπαυσεν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰακώβ  
 45. 3. ἐν λόγοις αὐτοῦ σημεῖα κατέπαυσεν  
 47. 12. S δι' αὐτὸν κατέπαυσεν [A B -ἐλυσεν] ἐν  
 πλατυσμῷ  
 — 13. φ 6 [B' ὡς] θεὸς κατέπαυσε κυκλόθεν  
 Ho. 1. 4. καὶ καταπαύσω βασιλείαν οἴκου Ἰ. (11 δ)  
 11. 6. καὶ κατέπαυσεν ἐν ταῖς χερσίν αὐτοῦ (4)  
 La. 3. 11. κατέπαυσε με [A om.] +  
 5. 14. πρεσβύτες ἀπὸ πύλης κατέπαυσαν ἐκλεκ-  
 τοὶ ἐκ ψαλμῶν αὐτῶν κατέπαυσαν (11 a, -)  
 Ez. 1. 24. κατέπαυσαν αἱ πτέρυγες αὐτῶν (9)  
 30. 13. A καταπαύσω [B om.] μεγιστάνας ἀπὸ  
 Μεδύσης (11 δ)  
 Da. TH. 9. 27. A B' καταπαύσει θυσιαστήριον (11 δ)  
 11. 18. B καταπαύσει [A B -καύσει] ἀρχοντας  
 ἀναιδισμοῦ αὐτῶν (11 δ)  
 I Ma. 9. 73. κατέπαυσε ῥομφαία ἐξ Ἰσρ.  
 II Ma. 15. 37. B καταπαύσω τὸν λόγον [A al.]  
 [Aq. Jb. 31 (38). 36: 48 (81). 33: Ez. 5: 13:  
 7. 24: 23. 27.]  
 [Sm. Ez. 5: 13: 23. 27.]  
 [Th. Ez. 5: 13: 6. 6: 23. 27.]  
 [Al. Le. 26: 6: Da. 9. 27: Hb. 3. 19.]  
**κατάπαυμα.**  
 Si. 36. 18 (15). οὐκείρησον . . . πόλιν [A S τόπον]  
 καταπαυμάτων σου  
**κατάπαυσις.** (1) קָטַח (2) a. קָטַח δ. קָטַח  
 c. קָטַח d. קָטַח (3) קָטַח  
 Ex. 34. 21. A B τῇ δὲ ἐβδόμῃ [A ἡμέρῃ τῇ ε']  
 καταπαύσεις [B -σις] (8)  
 — 21. τῇ ἡμέρῃ καταπαύσεις [A -σεις] (8)  
 35. 2. τῇ δὲ ἡμέρῃ τῇ ἐβδόμῃ καταπαύσεις [A -σεις] +  
 Le. 25. 28. A B ἀπελευθεύεται εἰς τὴν κ. [B' B  
 κατὰσχέσει] αὐτοῦ (1)  
 Nu. 10. 36. ἐν τῇ κ. εἶπεν (2 a)  
 De. 12. 9. οὐ γὰρ ἤκατε . . . εἰς τὴν κ. (2 d)  
 Jd. 20. 43. A καταπαύσαι αὐτὸν κατάπαυσιν  
 [B al.] (2 d)  
 III Ki. 8. 56. ὅς ἐδωκε κατάπαυσιν τῷ λαῷ αὐ-  
 τοῦ Ἰσρ. (2 d)  
 I Ch. 6. 31 (16). ἐν τῇ κ. τῆς κιβωτοῦ (2 c)  
 II Ch. 6. 41. ἀνάστηθι . . . εἰς τὴν κ. σου (2 δ)  
 ju. 9. 8. τὸ σκῆνωμα τῆς κ. τοῦ οὐνοῦ, τῆς δόξης σου  
 Ps. 94 (95). 11. εἰ [A' om., A' S ἡ] εἰσελευ-  
 σονται εἰς τὴν κ. μου (2 d)  
 131 (132). 14. αὕτη ἡ κ. μου εἰς αἰῶνα αἰῶνος (2 d)  
 Is. 66. 1. ποῖος τόπος τῆς κ. μου (2 d)  
 II Ma. 15. 1. τῇ τῆς κ. ἡμέρῃ  
 [Sm. Is. 57. 6.]  
 [Th. Za. 4. 7 εἰς.]  
 [Al. Le. 14. 10.]  
**καταπείθειν.** (1) קָטַח  
 II Ki. 17. 16. μή ποτε καταπέισθαι [A -πίη] τὸν  
 βασι. +  
 Ez. 16. 15. καταπεποιθεὶς ἐν [A ἐπὶ] τῷ κάλλει  
 σου (1)  
**καταπειράζειν.**  
 II Ma. 13. 18. καταπειράειε διὰ μεθόδων τοὺς τόπους

καταπειράσθαι.  
 III Ma. 5. 26. A οὕτω δὲ ἡλίον βολαὶ καταπείροντο  
 [B κατασπ.]  
**καταπελματοῦσθαι.** (1) קָטַח pu.  
 Jo. 9. 5. τὰ σανδάλια . . . καταπελματομένα (1)  
**καταπέλτης.**  
 IV Ma. 8. 13. καὶ καταπέλτας καὶ λέβητας  
 9. 26. καταπέλτη προσέθησαν αὐτὸν  
 11. 9. ἔλκον ἐπὶ τὸν κ.  
 — 26. καὶ ἴπποι οἱ κ.  
 18. 20. ἀγαγὼν ἐπὶ τὸν κ.  
**καταπεθεῖν.** (1) קָטַח hithpa.  
 Ex. 33. 4. καταπέθησαν [A -αν] ἐν νεφελῇ (1)  
**καταπετανύναι.** (1) קָטַח  
 Pr. 27. 8. ὥσπερ ὅταν ὄρνεν καταπετασθῇ  
**καταπέτασμα.** (1) קָטַח (2) קָטַח  
 Ex. 26. 31. ποιήσεις καταπέτασμα ἐξ ὑακίνθου  
 — 33. θήσεις τὸ κ. ἐπὶ τῶν στύλων [A B'  
 τοὺς στ.] (2)  
 — 33. εἰσοίσεις ἐκεῖ ἐσώτερον τοῦ κ. (2)  
 — 33. διορίει [B' -εἰς] τὸ κ. (2)  
 — 34. κατακαλύψει τὸ κ. (2)  
 — 35. B' B' ἐπιθήσεις [A B' ὅγ.] . . . ἐξωθεν  
 τοῦ κ. (2)  
 — 37. ποιήσεις τῷ κ. πέντε στύλους (1)  
 27. 21. ἐξωθεν τοῦ κ. τοῦ ἐπὶ τῆς διαθήκης (2)  
 30. 6. θήσεις αὐτὸ ἀπέναντι τοῦ κ. (2)  
 35. 12. ἐργασάσθω . . . τὸ κ. (2 + 1)  
 37. 3 (36. 35). A B ἐποίησαν [B -σεν] τὸ κ.  
 ἐξ ὑακίνθου (2)  
 — 5 (36. 37). ἐποίησαν τὸ κ. τῆς θύρας τῆς  
 σκηνῆς (1)  
 — 16 (38. 18). τὸ κ. [A -κάλυμμα] τῆς πύλης  
 38. 18 (36. 36). τοὺς στύλους τοῦ κ. (2)  
 39. 4 (38. 27). εἰς τὰς κεφαλίδας τοῦ κ. (2)  
 — 20 (40). τὸ κ. τῆς θύρας τῆς σκηνῆς (1)  
 40. 3. σκεπάσεις τὴν κιβωτὸν τῷ κ. (2)  
 — 5. ἐπιθήσεις κάλυμμα καταπέτασματος [A al.] (1)  
 — 21. ἐπέθηκε τὸ κατακάλυμμα τοῦ κ. (1)  
 — 22. ἐξωθεν τοῦ κ. τῆς σκηνῆς (2)  
 — 26. ἀπέναντι τοῦ κ. (2)  
 Le. 4. 6. κατὰ τὸ κ. τὸ ἄγιον  
 — 17. κατενόουν [A ἐν.] τοῦ κ. τοῦ ἁγίου  
 18. 2. μὴ ἐξοπορευέσθω . . . ἐσώτερον τοῦ κ. (2)  
 — 12. εἰσοίσει ἐσώτερον τοῦ κ. (2)  
 — 15. εἰσοίσει [A οἰσύνει] . . . ἐσώτερον τοῦ κ. (2)  
 21. 23. πρὸς τὸ κ. οὐ προσελεύσεται (2)  
 24. 3. ἐξωθεν τοῦ κ. (2)  
 Nu. 8. 10. καὶ ἔσω [A τὰ ε.] τοῦ κ. (1)  
 — 26. καὶ τὸ κ. τῆς πύλης (1)  
 4. 5. καθελούσι τὸ κ. τὸ συσκιάζον (2)  
 — 32. τοὺς στύλους τοῦ κ. τῆς πύλης (2)  
 18. 7. καὶ τὸ ἐνδοθεν τοῦ κ. (2)  
 III Ki. 6. 36. B ὠκοδόμησε καταπέτασμα τῆς αὐλῆς -  
 II Ch. 8. 14. καὶ ἐποίησε τὸ κ. (2)  
 Si. 50. 5. ἐν ἐξόδῳ οἴκου καταπέτασματος  
 I Ma. 1. 22. καὶ τὸ κ. καὶ τοὺς στεφάνους  
 4. 51. ἐξεπέτασαν τὰ κ.  
 [Sm. Nu. 4. 25, 26.]  
 [Th. Ex. 39. 34 (21).]  
 [Al. Le. 4. 6.]  
**καταπέτεσθαι.**  
 [Aq. Ez. 17. 23.]  
**καταπηγνύναι.** (1) קָטַח hi. (2) קָטַח  
 I Ki. 31. 10. τὸ σῶμα αὐτοῦ κατέπηξεν (2)  
 Jb. 39. 17. B' κατέπηξεν [A B S' -εσιώπησεν]  
 αὐτῇ ὁ θεὸς σοφίαν +  
 Ho. 5. 2. δὲ οἱ ἀγρεύοντες τὴν θῆραν κατέπηξαν (1)  
 9. 8 (9). μανιὰν ἐν ὄκφ θεοῦ κατέπηξαν (1)  
**καταπηδᾶν.** (1) קָטַח (2) קָטַח  
 Ge. 24. 64. καταπέδησεν ἀπὸ τῆς καμήλου (2)  
 I Ki. 25. 23. καταπέδησεν ἀπὸ τῆς ὄνου (2)  
 [Sm. IV Ki. 5. 21.]  
**καταπήξ.**  
 [Sm. Jb. 38. 6.]  
**κατάπικρος.** (1) קָטַח  
 II Ki. 17. 8. καὶ κατάπικροι τῇ ψυχῇ αὐτῶν (1)  
 [Sm. Jb. 6. 3.]

**καταπίνειν.** (1) קָטַח a. qal. δ. ni. c. pi.  
 d. pu. e. hithp. f. קָטַח (2) קָטַח pu.  
 (3) קָטַח ni. (4) קָטַח (5) קָטַח ni.  
 Ge. 41. 7, 24. κατέπινον οἱ ἐπὶ τὰ στάχυες . . .  
 τοὺς ἐ. στάχυας (1 a)  
 Ex. 7. 12. κατέπινεν ἡ βάβυλος ἡ 'A. τὰς ἐκείνων  
 βάβλους (1 a)  
 15. 4. κατεπόθησαν [A -επόνησαν] ἐν ἐρυθρῇ  
 θαλ. (2)  
 — 12. κατέπινεν αὐτοὺς γῆ (1 a)  
 Nu. 16. 30. ἡ γῆ . . . καταπίεται αὐτοὺς (1 a)  
 — 32. καὶ κατέπινεν αὐτοὺς (1 a)  
 — 34. μή ποτε καταπίῃ ἡμᾶς ἡ γῆ (1 a)  
 21. 28. καὶ κατέπινε στήλας Ἀρνὼν +  
 26. 10: De. 11. 6. ἡ γῆ . . . κατέπινεν αὐτοὺς (1 a)  
 II Ki. 17. 16. A μή ποτε καταπίῃ [B -πέισῃ] τὸν  
 βασι. (1 d)  
 To. 6. 2. ἰχθύς . . . ἐβουλήθη καταπίνειν τὸ παιδάριον  
 [B al.] (1 a)  
 Jb. 7. 19. ἕως ἂν καταπίῃ τὸν πτύελόν μου (1 a)  
 8. 18. ἐὰν καταπίῃ ὁ τόπος ψεύσεται αὐτόν (1 c)  
 Ps. 34 (35). 25. κατεπίομεν αὐτόν (1 c)  
 57 (58). 9. ὥσει ἐν ὀργῇ καταπίεται ὑμᾶς [B  
 αὐτοὺς] (4)  
 68 (69). 15. μὴδὲ καταπίεω με βυθός (1 a)  
 105 (106). 17. ἡνοίχθη ἡ γῆ καὶ κατέπινε Δαβὴν (1 a)  
 106 (107). 27. πᾶσα ἡ σοφία αὐτῶν κατεπόθη (1 c)  
 123 (124). 3. ἀρα ζῶντας ἂν κατέπινον ἡμᾶς (1 a)  
 140 (141). 6. κατεπόθησαν ἐχόμενα πέτρας (5)  
 Pr. 1. 12. καταπίνωμεν δὲ αὐτὸν ὁσπερ ἄδης  
 ζῶντα (1 a)  
 19. 28. στόμα δὲ ἀσέβων καταπίεται κρίσεις (1 c)  
 21. 20. ἀφρονες δὲ ἄνδρες καταπίονται αὐτόν (1 c)  
 23. 7. ὅν τρόπον γὰρ εἰ τις καταπίῃ τρίχα +  
 Si. 23. 16. οὐ μὴ σβεσθῇ ἕως ἂν καταποθῇ [B' -πίη] τῇ  
 Ho. 8. 8. κατεπόθη Ἰ. (1 δ)  
 Jn. 2. 1. καταπίειν [B' -έπειν] τὸν Ἰωάνν (1 a)  
 Hb. 1. 13. ἐν τῷ καταπίνειν [B' -πέειν] ἀσεβῇ  
 τὸν δίκαιον (1 c)  
 Is. 9. 16 (15). ὅπως καταπίνωσιν [A S' -πίωσιν]  
 αὐτοὺς (1 d)  
 18. 8. καταπίνοντες τὰ ἔθνη +  
 25. 8. κατέπινεν ὁ θάνατος ἰσχύσας (1 c)  
 28. 4. θελήσει αὐτὸ καταπίνειν (1 a)  
 — 7. κατεπόθησαν [A S om.] διὰ τὸν οἶνον (1 δ)  
 49. 19. μακρυνθήσονται ἀπὸ σοῦ οἱ καταπίνον-  
 τές σε (1 c)  
 Je. 28 (51). 34. βασιλεῖς Βαβυλῶνος κατέπινε με (1 a)  
 — 44. ἃ κατέπινεν ἐκ τοῦ στόματος αὐτῆς (1 f)  
 La. 2. 16. κατεπίομεν [B' S -απ., S -ωμεν] αὐτῇ (1 c)  
 3. 49. ὁ ὀφθαλμὸς μου κατεπόθη (3)  
 [Aq. Jb. 6. 3: Pr. 20. 25: Hb. 1. 13.]  
 [Sm. Jb. 39. 24: Ps. 61 (52). 6: 54 (55). 10:  
 Is. 25. 7, 8: Hb. 1. 13.]  
 [Th. Ps. 57 (58). 10: Is. 25. 7, 8: Hb. 1. 13.]  
 [Al. Jb. 37. 20.]  
**καταπίπτειν.** (1) קָטַח (2) קָטַח ni.  
 Ne. 8. 11. καὶ μὴ καταπίπτετε (2)  
 Jb. 15. 23. A καταπίπτει διὲ εἰς ἐξάλειψιν -  
 Ps. 144 (145). 14. ὑποστηρίζει κύριος πάντας  
 τοὺς καταπίπτοντας (1)  
 Wi. 7. 3. ἐπὶ τὴν ὁμοιοπαθῆ κατέπεσον [S -σα] γῆν  
 13. 16. ἵνα μὲν οὖν μὴ καταπέσῃ προενόησεν αὐτοῦ  
 17. 16. ὅς ἐδηποῦσ' οὖν ἦν ἐκεῖ καταπίπτων +  
 Is. 49. 19. τὰ κατεφθαρμένα [A S' διεφθ.] καὶ  
 τὰ πεπτακτά [B' κατεπτ.] +  
 III Ma. 2. 20. ἐν στόματι τῶν καταπεπτακτῶν  
 IV Ma. 4. 11. καταπέσων γε τοὶ ἡμίθανες ὁ Ἄπ.  
**καταπιστεύειν.** (1) קָטַח hi.  
 Mi. 7. 5. μὴ καταπιστεύετε ἐν φίλοις (1)  
**καταπλάσσειν.** (1) קָטַח hi. (2) קָטַח  
 Jb. 37. 11. ἐκλεκτὸν καταπλάσει [A S' -ήσσει]  
 νεφέλῃ (1)  
 Is. 38. 21. τρίψον καὶ καταπλάσαι (2)  
 [Th. Jb. 37. 11+.]  
**καταπληγμός.**  
 Si. 21. 4. καταπληγμός [B' κακὸν πλήθος] καὶ ὕβρις  
 ἐρημώσονται πλοῦτον  
**καταπληκτικός.**  
 [Sext. Ca. 6. 9 (10).]

**κατάπληξις.** (1) **Πῶς**  
 II Es. 3. 3. **AB** ἐν καταπλήξει ἐπ' αὐτούς (1)  
 [Aq., Sm. Ex. 28. 27.]  
**καταπλήσσειν.** (1) **Πῶς** pi. (2) **Πῶς** hi.  
 Jo. 5. 1. καὶ καταπλήσσαν  
 Jb. 7. 14. ἐν δράμασι με καταπλήσσεις (1)  
 13. 21. ὁ φόβος σου μὴ με καταπλήσσει (1)  
 37. 11. **A B** ἐκλεκτὸν καταπλήσσει [B S<sup>1</sup>  
 -άσει] νεφέλη (8)  
 II Ma. 3. 24. καταπληγνῆναι τὸν τοῦ θεοῦ δύναμιν  
 8. 16. **B** μὴ καταπληγνῆναι τοὺς πολεμίους [A τοῖς  
 δεσμίοις]  
 15. 24. καταπληγνῆσαν οἱ μετὰ βλασφημίας παρα-  
 γινόμενοι  
 III Ma. 1. 9. καὶ τῇ σπουδαίῳ... καταπληγίς  
 2. 23. ὑπερβάλλοντι καταπληγνόμενοι φόβῳ  
 5. 27. **B** τοῖς... καταπληγνόμενοι ἐπὶ τῇ παρανόμῳ  
 [A ἀν.] ἐξόδῳ  
 IV Ma. 18. 17. **A B** ὑμᾶς δὲ τοὺς νεωτέρους κατα-  
 πληγνῆναι τὰς βασάνους [B αἰ.]  
 [Aq. Jb. 48 (31). 37.]  
 [Sm. Jb. 40. 18 (23): Ez. 2. 6.]  
 [Th. Jb. 37. 11f.]  
**κατάπλους.**  
 III Ma. 4. 10. ὅπως... ἐγώην... ἐν παντὶ τῷ κ.  
 λαμβάνωσι  
**καταπολεμῆν.** (1) **Πῶς** ni.  
 Jo. 10. 25. οὐς ὑμεῖς καταπολεμεῖτε αὐτούς (1)  
**κατάπομα.**  
 [Aq., Sm. Jb. 51 (28). 44.]  
**καταπονεῖν.**  
 II Ma. 8. 2. **A** τὸν ὑπὸ πάντων καταπονούμενον [B  
 -πατόν] λαόν  
 III Ma. 2. 2. πρόσγει ἡμῖν καταπονούμενοις  
 — 13. διὰ τὰς... ἡμῶν ἀμαρτίας καταπονούμεθα  
 [Al. Jb. 39. 16.]  
**καταπόνησις.**  
 [Sm. Ex. 3. 7: Ps. 31 (32). 10.]  
**κατάπονος.**  
 III Ma. 4. 14. **B** τὴν... τῶν ἔργων κ. [A κατά-  
 τροπὴν] λατρίαν  
**καταποτιζέιν.** (1) **Πῶς** pi. (2) **Πῶς** ru.  
 (3) **Πῶς**  
 Ex. 15. 4. **A** καταποτίσεν [B -πόθησαν] ἐν  
 ἐρυθρᾷ θαλ. (2)  
 II Ki. 20. 19. ἵνα τί καταποτιζέις κληρονομίαν  
 κυρίου (1)  
 — 20. ἱλαῶς μοι εἰ καταποτιῶ  
 Ps. 64 (65). 9. καταποτίσων, κυρίε, ... τὰς  
 γλώσσας αὐτῶν (1)  
 68 (69). 2. καταγίσις καταποτίσει με (8)  
 — 15. μὴ με καταποτισάτω καταγίσις ὕδατος (8)  
 123 (124). 4. ἀρα τὸ ὕδωρ ἂν καταποτίσεν ἡμᾶς (8)  
 Ec. 10. 12. χεῖλη ἀφρονος καταποτιούσιν [A B  
 -ισουσιν] αὐτὸν (1)  
 La. 2. 2. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ καταποτίσει κύριος (1)  
 — 5. καταποτίσεν Ἰσραὴλ καταποτίσει τὰς  
 βάρεις αὐτῆς (1, 1)  
 [Aq. Jb. 2. 3: 10. 8: Pr. 19. 28: Is. 25. 7, 8.]  
 [Sm. Is. 25. 7.]  
 [Th. Jb. 10. 8: Pr. 19. 28.]  
 [Al. Ps. 105 (106). 11.]  
**καταποτιζόμενος.** (1) **Πῶς**  
 Ps. 51 (52). 4. ἡγαπάς πάντα τὰ ῥήματα κατα-  
 ποτιζομένου (1)  
**καταπορευέσθαι.**  
 II Ma. 11. 30. τοῖς οὖν καταπορευομένοις μέχρι τρια-  
 κίδος **Χανθ**.  
 III Ma. 4. 11. πᾶσι τοῖς καταπορευομένοις εἰς τὴν  
 πόλιν  
**κατάποσις.**  
 [Aq. Pr. 28. 2.]  
**καταπραίνειν.** (1) **Πῶς** pi. (2) **Πῶς** a. qal.  
 δ. hi.  
 Ps. 82 (83). 1. μηδὲ καταπραῖναις ὁ θεός (2 a)  
 88 (89). 9. τὸν δὲ σάλον... σὺ καταπραῖνεις (1)

Pr. 15. 18. μακρόθυμος δὲ καὶ τὴν μέλλουσαν  
 καταπραῖνει (2 b)  
 II Ma. 13. 26. συνέπεισε καὶ καταπραῖνεν  
 [Sm. Pr. 29. 11.]  
 [Th., Quint. Ps. 64 (65). 8.]  
**καταπρίν.**  
 Da. LXX. Su. 59. ἵνα καταπρίση σε  
**καταπροδιδόναι.**  
 IV Ma. 2. 10. μὴ καταπροδιδόναι τὴν ἀρετὴν δι' αὐ-  
 τοὺς  
**καταπρονομεῖν.** (1) **Πῶς** (2) **Πῶς**  
 Nu. 21. 1. καταπρονομήσαν [A -αν] ἐξ αὐτῶν  
 αἰχμαλώτων (1)  
 Jd. 2. 14. καταπρονομήσαν [A ἔπρον.] αὐτούς (2)  
**καταπτήσσειν.** (1) **Πῶς** ni. (2) **Πῶς** pi.  
 Jo. 2. 24. **A B** κατέπτηκεν [B<sup>2</sup> B -χε] πᾶς...  
 ἀφ' ἡμῶν (1)  
 Pr. 24. 65 (30. 30). οὐδὲ καταπτήσσει κτήνος  
 28. 14. δὲ καταπτήσσει πάντα (2)  
 29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμενος καταγελᾷται  
 καὶ οὐ καταπτήσσει  
 Si. 35 (32). 18. ὑπερήφανος οὐ καταπτήζει φόβον  
 [Aq. Hb. 2. 17.]  
**καταπύρεσθαι.**  
 [Aq. Gr. 41. 8.]  
**κατάπτωμα.** (1) **Πῶς**  
 Ps. 143 (144). 14. οὐκ ἔστι κατάπτωμα φραγμοῦ (1)  
**κατάπτωσις.**  
 Si. 32 (35). 15. 8 ἡ κ. [A B -βόσις] ἐπὶ τῷ κατα-  
 γόντῳ αὐτᾷ  
 III Ma. 2. 14. ἐν δὲ τῇ ἡμετέρᾳ κ.  
**κατάρ.** (1) **Πῶς** (2) **Πῶς** (3) **Πῶς**  
 (4) **Πῶς** (5) **Πῶς** (6) **Πῶς**  
 Ge. 27. 12. ἐπάξω ἐπ' ἐμαυτὸν κατάραν (5)  
 — 13. ἐπ' ἐμὲ ἡ κ. σου (5)  
 Nu. 23. 25. οὐτε κατάραις κατάρᾳ μοι (4)  
 De. 11. 26. τὴν εὐλογίαν καὶ τὴν κ. (5)  
 — 28. **B** καὶ αἱ κ. [A τὰς κ., B τὴν κ.] (5)  
 — 29. καὶ τὴν κ. ἐπ' ὅρος Γαϊβάλ (5)  
 23. 5 (6). μετίστρεψε κύριος ὁ θεός σου τὰς κ. (5)  
 27. 13. οὐτοὶ στήσονται ἐπὶ τῆς κ. (5)  
 28. 15, 45. ἐλευσονται ἐπὶ σὲ πᾶσαι αἱ κ. αὐταῖς (5)  
 29. 27 (26). κατὰ πᾶσας τὰς κ. [A αἰ.] (5)  
 30. 1. ἡ εὐλογία καὶ ἡ [B<sup>1</sup> εὐ. ἡ] κ. (5)  
 Jo. 9. 2 (8, 34). τὰς εὐλογίας καὶ τὰς κ. (5)  
 Jd. 9. 57. ἐπὶ τὴν ἐπ' αὐτοὺς ἡ κ. Ἰωάθαμ (5)  
 II Ki. 16. 12. ἀγαθὰ ἀντὶ τῆς κ. αὐτοῦ [A ταύτης] (5)  
 III Ki. 2. 8: 8. 1 (2. 35). κατάρᾳσάτο με κ. ὀδυ-  
 νηράν (5)  
 IV Ki. 22. 19. τοῦ εἶναι... εἰς κατάραν (5)  
 Ne. 13. 2. **B S** ἔστρεψεν [A B ἐπέστρ.]...  
 τὴν κ. εἰς εὐλογίαν (5)  
 Jb. 31. 30. ἀκούσαι ἀρα τὸ οὐδ' μου τὴν κ. μου (1)  
 Ps. 108 (109). 17. ἡγάπησε κατάραν καὶ ἤξει αὐτῷ (5)  
 — 18. ἐνεδύσατο κατάραν ὡς ἱμάτιον (5)  
 Pr. 8. 33. κατάρᾳ θεοῦ ἐν οἴκῳ ἀσέβων (5)  
 Si. 8. 9. κατάρᾳ δὲ μητρὸς ἐκρίκει θεμέλια (5)  
 23. 26. καταλείπει [A -ψις] εἰς κατάραν τὸ μη-  
 μόσυνον αὐτῆς  
 29. 6. κατάραι καὶ λοιδορίας ἀποδώσει αὐτῷ  
 41. 9. ἐὰν γεννηθῇ εἰς κατάραν γεννηθήσεσθε καὶ  
 ἐὰν ἀποδῶνται εἰς κατάραν μερισθή-  
 σεσθε  
 — 10. οὕτως ἀσεβεῖς ἀπὸ κατάραις εἰς ἀπώλειαν  
 Za. 8. 13. δὲ τὸν τρόπον ἦτε ἐν κατάρᾳ (5)  
 Ma. 2. 2. καὶ ἐξμπούνησθε ἐφ' ὑμᾶς τὴν κατάραν (8)  
 Is. 64. 10 (9). 3. ὡς ἔρημος ἐγενήθη Ἱερουσαλὴμ  
 εἰς κατάραν (6)  
 65. 23. οὐδὲ τεκνοποιήσουσιν [A τέκνα π.] εἰς  
 κατάραν (2?)  
 Je. 24. 9. **A B** ἔσονται [B S om.]... εἰς κατάραν (5)  
 29 (49). 13. **A B** εἰς κατάραν [B -ρασιν] ἔσθ  
 ἐν μέσῳ αὐτῆς (5)  
 33 (26). 6. τὴν πόλιν δώσω εἰς κατάραν (5)  
 36 (29). 22. λήφονται ἀπ' [A ἐπ'] αὐτῶν κατάραν (5)  
 51 (44). 8. ἵνα γέννησθε εἰς κατάραν (5)  
 — 12. ἔσονται... εἰς κατάραν (5)  
 Da. LXX. Th. 9. 11. ἐπὶ τὴν ἐφ' ἡμᾶς ἡ κ. (1)

[Aq. Dt. 21. 23: Pr. 26. 2: Is. 8. 21: Jb. 25.  
 18 (32. 4).]  
 [Sm. Ps. 88 (89). 40: Pr. 26. 2.]  
 [Th. Dt. 21. 23: Pr. 26. 2: Is. 8. 21: Jb. 25.  
 18 (32. 4).]  
 [Al. Ps. 9. 28 (10. 7).]  
**καταράκης, τὸν καταρρέκτης.**  
**καταρᾶσθαι.** (1) **Πῶς** a. qal. δ. pi.  
 c. hoph. (2) **Πῶς** pi. (3) **Πῶς** (4) **Πῶς**  
 (5) **Πῶς** (6) **Πῶς** pi. δ. pu. c. ἡγῶν  
 Ge. 5. 29. γῆς ἦς κατάρᾳσας κύριος (1 b)  
 8. 21. **B** οὐ προσθήσω ἐτι καταρᾶσθαι [A  
 τοῦ κ.] τὴν γῆν (8 a)  
 12. 3. τοὺς καταρᾶσθαι σε καταρᾶσθαι (8 a, 1 a)  
 27. 29. ὁ καταρᾶσθαι σε ἐπικατάρᾳσας (1 a)  
 Le. 24. 11. ἐπονομάσας... τὸ ὄνομα κατάρᾳ-  
 στας (8 a)  
 — 14. ἐξάγαγε τὸν καταρᾶσθαι (8 a)  
 — 15. δὲ ἐὰν καταρᾶσθαι θεόν (8 a)  
 — 23. ἐξήγαγον τὸν καταρᾶσθαι (8 a)  
 Nu. 22. 6. **A** κατάρᾳσας [B ἀρ.] μοι τὸν λαόν  
 τούτων (1 a)  
 — 6. οὐς ἂν καταρᾶσθαι σὺ κεκατάρᾳσαι (1 a, 1 c)  
 — 12. οὐδὲ καταρᾶσθαι τὸν λαόν (1 a)  
 23. 8. **B** δὲ μὴ κατάρᾳσαι [A B ἀρ.] κύριος (5)  
 — 8. ἡ τί καταρᾶσθαι [A -σθαι] δὲ μὴ  
 κατάρᾳσαι ὁ θεός (8, 3)  
 — 13. καταρᾶσθαι μοι αὐτὸν ἐκείθεν (5)  
 — 25. οὐτε κατάρᾳσαι καταρᾶσθαι μοι αὐτόν (4)  
 — 27. καταρᾶσθαι μοι αὐτόν ἐκείθεν (5)  
 24. 9. **A B** οἱ καταρᾶσθαι σε κεκατάρᾳσαι  
 [B κατ.] (1 a, 1 a)  
 — 10. καταρᾶσθαι [A -ράσθαι] τὸν ἐχθρόν μου (5)  
 De. 21. 23. **A B** κεκατάρᾳσθαι [B -αρ.] ὑπὸ  
 θεοῦ πᾶς κρεμᾶμενος (8 c)  
 23. 4 (5). **A B** ἐμισθώσαντο... καταρᾶσθαι  
 [A -ράσθαι] σε [B om.] (8 a)  
 Jd. 5. 23. καταρᾶσθαι [A -ράσαι] M., εἴπεν  
 ἄγγελος κυρίου, καταρᾶσθαι [A κατα-  
 ράσει καταρᾶσθαι] (1 a, 1 a)  
 9. 27. κατάρᾳσας [A -ράσαι] τὸν 'Aθ. (8 a)  
 I Ki. 17. 43. κατάρᾳσας ὁ ἀλλόφυλος τὸν Δαυὶδ (8 a)  
 II Ki. 16. 5. ἐκπορεύομενος καὶ καταρᾶσθαι (8 a)  
 — 7. ἐν τῷ καταρᾶσθαι αὐτὸν (8 a)  
 — 9. ἵνα τί καταρᾶσαι ὁ κύων... τὸν κύριόν  
 μου (8 a)  
 — 10. καὶ οὕτως καταρᾶσθαι ὅτι κύριος εἴπεν  
 αὐτῷ καταρᾶσθαι τὸν Δ. (8 a, 8 a)  
 — 11. ἀφετε αὐτὸν καταρᾶσθαι [A -θω, B<sup>2</sup> -σαι] (8 a)  
 — 13. πορεύομενος καὶ καταρᾶσθαι (8 a)  
 19. 21 (22). κατάρᾳσας τὸν χριστόν κυρίου (8 a)  
 III Ki. 2. 8. κατάρᾳσας με κατάραν ὀδυνηράν (8 a)  
 8. 1 (2. 8). κατάρᾳσας με κατάραν ὀδυνηράν (8 a)  
 IV Ki. 2. 24. κατάρᾳσας αὐτοὺς ἐν ὀνόματι κ. (8 a)  
 9. 34. ἐπισκέψασθε δὲ τὴν κατάρᾳσθαι ταύτην (1 a)  
 Ne. 10. 29 (30). καὶ [B om.] κατάρᾳσας αὐτοὺς  
 13. 2. ἐμισθώσαντο... τὸν B. καταρᾶσθαι (8 a)  
 — 25. **A B** καὶ κατάρᾳσθαι [B κατάρ.] αὐ-  
 τοὺς (8 a)  
 Jb. 3. 1. κατάρᾳσας τὴν ἡμέραν αὐτοῦ (8 a)  
 — 5. **B** καταρᾶσθαι ἡ ἡμέρα [A S<sup>2</sup> ἡ. ἐκείνη] (2?)  
 — 8. καταρᾶσθαι αὐτῇ [A -ρασε τοιαύτην]  
 ὁ καταρᾶσθαι τὴν ἡμέραν ἐκείνην (4, 1 a)  
 24. 18. καταρᾶσθαι ἡ μερὶς αὐτῶν ἐπὶ γῆς (8 b)  
 Ps. 36 (37). 22. οἱ δὲ καταρᾶσθαι αὐτὸν ἐξολο-  
 θυνθήσονται (8 b)  
 61 (62). 4. τῇ καρδίᾳ αὐτῶν κατάρᾳσας (8 a)  
 108 (109). 28. καταρᾶσθαι αὐτοὶ (8 a)  
 Pr. 24. 33 (30. 10). μὴ ποτε καταρᾶσθαι σε (8 a)  
 — 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρᾶσαι  
 [A -ρησθαι] (8 a)  
 27. 14. καταρᾶσθαι οὐδὲν διαφέρει δόξει (8 c)  
 Ec. 7. 22 (21). ὅπως μὴ ἀκούσῃς τοῦ δούλου  
 σου καταρᾶσθαι σε (8 a)  
 — 23 (22). ὡς καὶ γε σὺ καταρᾶσθαι ἐτέρους (8 a)  
 10. 20. βασιλεῖα μὴ καταρᾶσθαι (8 a)  
 — 20. μὴ καταρᾶσθαι πλουτίων (8 a)  
 Wi. 12. 11. σπέρμα γὰρ ἦν κατάρᾳσθαι [B κεκατ.]  
 ἀπ' ἀρχῆς  
 Si. 8. 16. κεκατάρᾳσθαι ὑπὸ [A παρὰ] κυρίου ὁ  
 παροργίζων μητέρα αὐτοῦ  
 4. 5. μὴ ὅπως τὸν ἀνθρώπον καταρᾶσθαι σε  
 — 6. καταρᾶσθαι γὰρ σε ἐν περικρίᾳ ψυχῇ αὐτοῦ

Si. 21. 27. ἐν τῷ καταρᾶσαι [A -ράσασθαι] ἀσεβῶ  
τὸν Σατανὰν αὐτὸς καταρᾶται τὴν ἐαυτοῦ  
ψυχὴν  
23. 14. τὴν ἡμέραν τοῦ τοκετοῦ σου καταρίσθαι [A  
om., B<sup>1</sup> μὴ κ.]  
28. 13. ψιθυροὺς καὶ διγλωσσὸν καταρᾶσθαι [A  
-άσασθε, B<sup>1</sup> -άσασθαι]  
31 (84). 24. εἰς εὐχόμενος καὶ εἰς καταρῶμενος  
36 (33). 12. ἀπ' αὐτῶν καταρᾶσθαι (1 a)  
Ma. 2. 2. καὶ καταρᾶσθαι αὐτήν (1 a)  
Je. 15. 10. ἡ ἰσχὺς μου ἐξέλειπεν ἐν τοῖς κατα-  
ρῶμενοις με (6 a)  
Ep. Je. 66. οὐ μὴ καταρᾶσθαι [A -σονται]  
[Aq. Jd. 9. 27 : Jb. 5. 3 : Pr. 11. 26 : Je.  
15. 10.]  
[Sm. Is. 8. 21 : Jb. 15. 10.]  
[Th. Jd. 5. 23 : II Ki. 18. 10 : Je. 15. 10.]  
[Al. Le. 19. 14 : 20. 9 : 24. 11 : Jo. 6. 26 : I  
Ki. 3. 13 : Jb. 2. 9.]  
**κατάρσις.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
Nu. 23. 11. εἰς κατάρσιν ἐχθρῶν μου (2)  
Jd. 5. 23. A κατάρσει καταρᾶσθε τοὺς ἐνοίκους  
[B al.] (1)  
Je. 29 (49). 13. εἰς κατάρσιν [A B -ραν] ἔσθ  
ἐν μέσῳ αὐτῆς (8)  
[Th. Jd. 5. 23.]  
**καταρᾶσθαι.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
hoph. (4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓𐤕 pi. (6) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
Ps. 36 (37). 24. ὅταν πῶς οὐ καταρᾶσθαι (3)  
73 (74). 6. ἐν πελίκῃ ... κατέρρασαν αὐτήν (2)  
88 (89). 44. τὸν θρόνον αὐτοῦ εἰς τὴν γῆν κατέρ-  
ρασαν (6)  
101 (102). 10. ἐπάρας κατέρραξας με (6)  
144 (145). 14. ἀνορθοῦ πάντα τοὺς καταρρα-  
μένους (4)  
145 (146). 8. κύριος ἀνορθοῦ καταρραγμένους (4)  
Wi. 17. 4. A B<sup>1</sup> B ἔχου δὲ καταρᾶσσοντες [B<sup>1</sup> ἐκα-  
τάσσοντες, B τὰράσσοντες] αὐτοὺς περι-  
εκόμουν  
Si. 46. 6. κατέρραξεν ἐπ' ἔθνος πόλεμον  
Ho. 7. 6. ἐν τῷ καταρᾶσθαι αὐτοὺς ὅλην τὴν νύκτα (1)  
[Th. Jb. 18. 7.]  
**κατάρσις.**  
II Ma. 12. 35. τὸν κ. λαβὲν ζωγρίαν  
IV Ma. 4. 5. A B μετὰ τοῦ κ. Σίμωνος ... προσελθὼν  
[B προελ.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pa.  
II Es. 4. 21. καταρῶν τοὺς ἀνδρας ἐκείνους (1)  
— 23. καὶ καταρῶν αὐτοὺς (1)  
5. 5. καὶ οὐ καταρῶν αὐτοὺς (1)  
6. 8. ἀπαρῶν ἔστω διδομένη ... τὸ μὴ καταρῶ-  
θῆναι (1)  
[Sm. Ec. 12. 3.]  
[Al. Le. 26. 15, 44.]  
**κατάρσις.**  
[Sm. La. 1. 7.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pu.  
Ex. 27. 17. πάντες οἱ στύλοι ... κύκλῳ καταρ-  
γῶμενοι (1)  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
Nu. 32. 13. A καὶ κατέρρυσεν [B -ρόμβ.]  
αὐτοὺς (1)  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hithp. (2) 𐤒𐤓𐤕  
(3) 𐤒𐤓𐤕  
Ge. 50. 3. καταρῶνται αἱ ἡμέραι τῆς τάφου (2)  
Nu. 14. 29. καὶ οἱ καταρῶνται ἡμῶν (3)  
II Ch. 31. 19. καὶ παντὶ καταρῶνται ἐν τοῖς  
Λευαῖταις (1)  
[Th. Ho. 4. 14.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
Nu. 32. 13. καὶ κατέρρυσεν [A -ρόμβ.] αὐτοὺς (1)  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕  
(3) 𐤒𐤓𐤕 (4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓𐤕 (6) 𐤒𐤓𐤕  
Ge. 7. 11. οἱ κ. τοῦ οὐρανοῦ ἠνεώχθησαν (1)  
8. 2. B ἐπικαλύφθησαν [A ἄπ.] ... οἱ κ. τοῦ  
οὐρανοῦ (1)

Le. 11. 17. ταῦτα ἂν δαμάσθαι ... καταρᾶσθαι (6)  
De. 14. 17. ταῦτα οὐ φάγεσθε ... καταρᾶσθαι (5)  
IV Ki. 7. 2. ποιῆσαι κύριος καταρᾶσθαι ἐν οὐρανῷ (1)  
— 19. κύριος ποιῆσαι καταρᾶσθαι ἐν οὐρανῷ (1)  
Ps. 41 (42). 7. εἰς φωνὴν τῶν κ. σου (4)  
Ma. 3. 10. ἐάν μὴ ἀνοῖξω ὑμῖν τοὺς κ. τοῦ οὐρ. (1)  
Je. 20. 2. ἐνέβαλεν αὐτὸν εἰς τὸν κ. (2)  
— 3. ἐξήγαγε Πασχῶρ τὸν Ἱερειάν ἐκ τοῦ κ. (2)  
36 (29). 26. δώσεις αὐτὸν ... εἰς τὸν κ. (3)  
[Aq. Is. 60. 8 : Ho. 13. 3.]  
[Th. Je. 20. 2.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hi. (2) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
(3) 𐤒𐤓𐤕  
I Ki. 2. 33. καὶ καταρῶν τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (1)  
21. 13 (14). τὰ σέλα αὐτοῦ κατέρρει (2)  
Je. 8. 13. τὰ φύλλα κατέρρηκεν (3)  
II Ma. 12. 16. A<sup>1</sup> καταρῶν [A<sup>1</sup> -εἰ] τὸ αἷμα [B  
κατέρρηκεν αἷματι] πεπληρωμένη φαί-  
νεσθαι  
IV Ma. 6. 6. καταρῶν τῷ αἷματι  
[Aq. Is. 64. 1 (68. 19).]  
[Sm. Ps. 42 (43). 5 : 182 (183). 2 bis : Is. 64.  
1 (68. 19) : Je. 18. 17.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 a. ni. δ. pu.  
Jo. 9. 4. ἄσους οὐνοῦ ... καταρῶντας ἀπο-  
δεχόμενοι (1 b)  
Jb. 32. 19. A ὥσπερ φουστῆρ [B -ης] χαλκῶς  
δεδεμένοι καὶ καταρῶν [B S<sup>2</sup> χ.  
ἐρρηγῶς, S<sup>1</sup> χ.] (1 a)  
Pr. 27. 9. καταρῶνται δὲ ὑπὸ συμπτωμάτων ψυχὴ +  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
Wi. 17. 19. κτύπος ἀπὸ τῆς καταρῶνται πέτρων  
La. 2. 1. κατέρρυσεν ... δόξα αἰσῶν. (1)  
[Sm. Ps. 73 (74). 6 : Is. 24. 4.]  
[Th. Is. 24. 4.]  
**κατάρσις.**  
[Aq. Ps. 77 (78). 44 : 125 (126). 4.]  
**καταρῶν.**  
[Sm. Jb. 39. 30.]  
**κατάρσις.**  
II Ma. 12. 16. B λίμνην ... καταρῶνται αἷματι  
πεπληρωμένη φαίνεσθαι [A al.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pil. (2) 𐤒𐤓𐤕 pi. (3) 𐤒𐤓𐤕  
a. ni. δ. pil. c. hi. (4) 𐤒𐤓𐤕 schaph.  
a. act. δ. pass. (5) 𐤒𐤓𐤕 (6) 𐤒𐤓𐤕  
(7) 𐤒𐤓𐤕 pi. (8) 𐤒𐤓𐤕 (9) 𐤒𐤓𐤕  
Ex. 15. 17. B κατοικητήριον σου δὲ καταρῶν  
[A -εργάσω] (6)  
II Es. 4. 12. καὶ τὰ τεῖχη αὐτῆς καταρῶνται  
εἰς (4 a)  
— 13. καὶ τὰ τεῖχη αὐτῆς καταρῶνται (4 b)  
— 16. καὶ τὰ τεῖχη αὐτῆς καταρῶνται (4 b)  
5. 3. καὶ τὴν χορηγίαν ταύτην καταρῶνται (4 a)  
— 9. A B τὴν χορηγίαν ταύτην καταρῶνται (4 a)  
[B καὶ kat.] (4 a)  
— 11. καὶ καταρῶνται αὐτὸν αὐτοῖς (4 a)  
6. 14. καὶ καταρῶνται ἀπὸ γνώμης θεοῦ (4 a)  
Ps. 8. 2. ἐκ στόματος νηπιῶν ... καταρῶνται αἶων (2)  
10 (11). 4. δὲ καταρῶνται καθέλιον (8)  
18 (17). 5. καταρῶνται τὰ διαβήματά μου ἐν  
ταῖς τρίβουσιν σου (9)  
17 (18). 33. δὲ [B om.] καταρῶνται αἶων [A -ζων]  
τοὺς πόδας μου (7)  
28 (29). 9. φωνὴ κυρίου καταρῶνται [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup>  
-τη] ἐλάφους (1)  
39 (40). 6. σῶμα δὲ καταρῶνται μοι +  
67 (68). 9. σὺ δὲ καταρῶνται αὐτὴν (3 b)  
— 28. τοῦτο δὲ καταρῶνται [B<sup>2</sup> -εργάσω] ἡμῖν (6)  
73 (74). 16. σὺ καταρῶνται ἡλιον καὶ σελήνην  
[B<sup>2</sup> al.] (3 c)  
79 (80). 15. καὶ καταρῶνται αὐτήν (5)  
88 (89). 37. καὶ ὡς ἡ σελήνη καταρῶνται εἰς  
τὸν αἶωνα (3 a)  
[Th. Ps. 39 (40). 7.]  
[Quint., Sext. Ps. 39 (40). 7 : 73 (74). 16.]

**καταρῶν.**  
[Sm. Is. 38. 12.]  
**κατάρσις.** (1) a. 𐤒𐤓𐤕 b. 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕  
(3) 𐤒𐤓𐤕 hithpa.  
Nu. 16. 13. ὅτι κατέρρασαν ἡμῶν (3)  
III Ki. 9. 19 (A), 10. 22 (B). τοῦ μὴ κατέρρασαν  
αὐτοῦ (1 b)  
12. 24. B κατέρρασαν ὑμᾶς ἐν σκορπίοις  
Ne. 9. 28. καὶ κατέρρασαν ἐν αὐτοῖς (2)  
Jl. 2. 17. τοῦ κατέρρασαν αὐτῶν ἔθνη [S<sup>1</sup> al.] (1 a)  
Na. 1. 12. κύριος κατέρρασαν ὑδάτων πολλῶν +  
Za. 6. 13. καὶ κατέρρασαν [S<sup>1</sup> -άξει] ἐπὶ τοῦ  
θρόνου αὐτοῦ (1 a)  
9. 10. κατέρρασαν [S<sup>1</sup> κατέρρασαν] ὑδάτων (1 a)  
II Ma. 1. 23. καὶ πάντες καταρῶνται Ἰωνάθου  
4. 40. κατέρρασαν χερσὶν ἀδικῶν  
12. 37. καταρῶνται ... τὴν μετ' ὑμῶν κραυγὴν  
**καταρῶν.** (?)  
Wi. 17. 8. δέματα καὶ παραχᾶς [S<sup>1</sup> καταρῶν?]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
Pr. 15. 18. μακρόθυμος ἀνὴρ καταρῶνται κρίσεις (1)  
28. 2. ἀνὴρ δὲ πανούργος καταρῶνται αὐτὸς +  
IV Ma. 16. 4. κατέρρασαν τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα  
πάθη ἢ μήτηρ  
**καταρῶν.**  
Da. TH. Bel 14. A B κατέρρασαν [B -σησαν] ὅλον  
τὸν ναόν  
I Ma. 6. 38. καταρῶνται καὶ καταφρασσόμενοι  
[Th. Da. 14. 13+]  
**καταρῶν.** (?)  
Da. TH. Bel 14. B κατέρρασαν [A B -ίεσαν] ὅλον  
τὸν ναόν  
[Th. Da. 14. 13+]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕  
Ez. 27. 33. A τίς ὥσπερ Τύρος καταρῶνται (1 ?)  
[Sm. Is. 38. 10.]  
[Th. Ez. 27. 32 bis.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hi. (2) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
(3) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
Nu. 13. 31 (30). κατέρρασαν Χάλεβ τὸν λαόν (1)  
Ne. 8. 11. A B κατέρρασαν πάντα [B B om.] (2)  
τὸν λαόν  
Jb. 37. 20. ἵνα ἀνθρώπων ἐσθλῶς καταρῶνται +  
39. 17. κατέρρασαν [S<sup>1</sup> -ἐπῆξεν] αὐτὴν ὁ θεός  
σοφίαν (3)  
[Aq. Ho. 10. 15.]  
[Sm. Ps. 87 (88). 17.]  
[Th. Jb. 39. 17.]  
**καταρῶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pi. (2) 𐤒𐤓𐤕 ni.  
(3) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. δ. ni. c. 𐤒𐤓𐤕  
(4) 𐤒𐤓𐤕 ni. (5) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. δ. pi.  
c. pu. (6) 𐤒𐤓𐤕 (7) 𐤒𐤓𐤕 a. pil.  
δ. hithpal. (8) 𐤒𐤓𐤕 (9) 𐤒𐤓𐤕 pi.  
De. 12. 3. καταρῶνται [B<sup>1</sup> -σκέψ.] τοὺς βω-  
μοὺς αὐτῶν (5 b)  
Jd. 6. 28. A καταρῶνται [B καθήρητο] τὸ  
θυσιαστήριον (5 c)  
— 30, 31. A κατέρρασαν [B κατέλειπε] τὸ θυ-  
σιαστήριον (5 a)  
— 32. A κατέρρασαν [B καθήρητο] τὸ θυσι-  
αστήριον (5 a)  
8. 9. καταρῶνται τὸν πύργον τούτου (5 a)  
— 17. A τὸν πύργον Φ. κατέρρασαν [B  
-έστρεψε] (5 a)  
III Ki. 18. 32 (A 31). τὸ θυσιαστήριον [A θ.  
κυρίου] τὸ καταρῶνται (3 a)  
19. 10. τὰ θυσιαστήρια σου κατέρρασαν (3 a)  
IV Ki. 21. 3. A δὲ κατέρρασαν [B -έστασαν] Ἐζ. (1)  
I Ch. 20. 1. καὶ κατέρρασαν αὐτήν (3 a)  
II Ch. 32. 5. πᾶν τὸ τεῖχος τὸ καταρῶνται  
[A -εσπασμένον] (8)  
86. 19. κατέρρασαν τὸ τεῖχος Ἱερ. (5 b)  
To. 14. 4. A ὅτι καταρῶνται [B S al.]  
Ju. 2. 24. A B κατέρρασαν [B δέσκα] πᾶσας τὰς  
πόλεις

Ju. 8. 8. κατέσκαψε πάντα τὰ ὅρια αὐτῶν  
Pr. 11. 11. στόμασι δὲ ἀσέβων κατασκάφη (3 b)  
24. 1. ἡ δὲ ἀφρον κατασκάφη [A-έστρεψεν] (3 a)  
14. 46 (31). οἱ δὲ φραγμοὶ . . . κατασκάπτονται (3 b)  
29. 4. ἀφρὸν δὲ παράνομος κατασκάπτει (3 a)  
Ho. 10. 2. αὐτὸς κατασκάψει τὰ θυσιαστήρια (6)  
Am. 8. 14. καὶ κατασκαφήσεται τὰ κέρατα (2)  
9. 11. τὰ κατεσκαμμένα [A κατεστραμμένα] (3 c)  
αὐτῆς ἀναστήσῃ (3 b)  
Jl. 1. 17. κατασκάψαν ληροί (3 b)  
Je. 1. 10. ἐκρίζουν καὶ κ. (3 a)  
2. 15. αἱ πόλεις αὐτοῦ κατασκάψαν (4)  
5. 10. κατασκάψατε [B-ετε] συντέλειαν δὲ μὴ ποιήσητε (9)  
27 (50). 15. κατασκάψῃ τὸ τεῖχος αὐτῆς (3 b)  
28 (51). 58. κατασκαπτόμενον κατασκαφήσεται (7 a, 7 b)  
Ez. 13. 14. κατασκάψω τὸν τοίχον (3 a)  
16. 39. κατασκάψουσιν τὸ πορνικὸν σου (3 a)  
36. 35. αἱ πόλεις . . . κατασκαμνέαι ὀχυραὶ ἐκάθισαν (3 b)

II Ma. 14. 33. τὸ θυσιαστήριον κατασκάψω

κατασκεδαννύναι. (1) פִּרְץ

Ex. 24. 8. κατασκέδαζε τοῦ λαοῦ (1)

κατασκέπασμα.

[A1. Ex. 26. 36.]

κατασκαπεστός.

[Aq. Nu. 7. 3.]

κατασκέπτεσθαι (-ειν). (1) פִּרְץ pi. (2) פִּרְץ

a. qal. b. hi. c. פִּרְץ d. פִּרְץ עֲבַר

Nu. 10. 33. κατασκέψασθαι αὐτοῖς ἀνάπαντιν (2 a)  
13. 3 (2). κατασκέψασθων τὴν γῆν τῶν Χαν. (2 a)  
— 17 (16). κατασκέψασθαι τὴν γῆν (2 a)  
— 18 (17). κατασκέψασθαι τὴν γῆν Χαναάν (2 a)  
— 22 (21). κατασκέψαντο [A'-ατο] τὴν γῆν (2 a)  
— 24 (23). καὶ κατασκέψαντο αὐτὴν —  
— 26 (25). κατασκέψαμεν τὴν γῆν (2 a)  
— 33 (32). ἦν κατασκέψαντο αὐτὴν (2 a)  
— 33 (32). ἦν παρήλθομεν αὐτὴν κατασκέψασθαι (2 a)

14. 6. τῶν κατασκαφέντων τὴν γῆν (2 a)  
— 7. ἦν κατασκαφέντος αὐτὴν (2 d)  
— 34. ὅσας κατασκέψαθε [B'έπεσκ.] τὴν γῆν (2 a)  
— 36. 38. κατασκέψασθαι τὴν γῆν (2 a)  
21. 32. κατασκέψασθαι τὴν Ἰαζήρ (1)

De. 12. 3. κατασκέψατε [B'σκέψ.] τοὺς βωμοὺς τ. (1)  
Jo. 7. 2. κατασκέψαθε τὴν Γαί [A γῆν] —  
— 2. καὶ κατασκέψαντο τὴν Γ. [A γῆν Γ.] (1)

Jd. 1. 23. καὶ κατασκέψαντο B. [A al.] (2 b)  
18. 2. τοῦ κατασκέψασθαι τὴν γῆν (1)  
— 14. 17. κατασκέψασθαι τὴν γῆν (1)

II Ki. 10. 3. καὶ τοῦ κατασκέψασθαι αὐτὴν (1 ?)  
Jb. 39. 8. κατασκέψεται ὁρὴ νομῆν αὐτοῦ (2 c)  
Ec. 1. 13. τοῦ κατασκέψασθαι ἐν τῇ σοφίᾳ (2 a)

2. 3. κατασκέψαμεν εἰ ἡ καρδία μου ἐλκύσει (2 a)  
7. 26 (25). ἐκύνλωσα ἐγὼ . . . τοῦ κατασκέψασθαι (2 a)

[Th. Jb. 39. 8.]

[A1. Jd. I. 23 : I Ch. 17. 17.]

κατασκευάζειν. (1) בָּרָא (2) בָּרַח (3) בָּרַח

(4) בָּרַח hithpa. (5) בָּרַח (6) בָּרַח

Nu. 21. 27. καὶ κατασκεύασθαι πόλιν Σηὼν (4)  
II Ch. 32. 5. καὶ κατασκεύασεν ὅπλα πολλά (5)  
I Es. 9. 42. ἐπὶ τοῦ ξυλίνου βήρατος τοῦ κατασκευασθέντος

Pr. 6. 14. τεκταίεται [B' κατασκευάζει] κακὰ (2)  
23. 5. κατασκευάσται γὰρ αὐτῷ πτέρυγες [B'-ας] (5)  
Wi. 7. 27. φίλους θεοῦ καὶ προφῆτας κατασκευάζει

9. 1. τῇ σοφίᾳ σου κατασκευάσας [A B κατασκ.] ἄνθρωπον

11. 24. οὐδὲ γὰρ ἂν μῶσιν τι κατασκευάσας (2)  
13. 4. πόσῳ ὁ κατασκευάσας αὐτὰ δυνατότερος ἐστίν

— 11. κατασκευάσας χρήσιμον σκεῦος εἰς ὑπηρεσίαν ζωῆς

14. 2. τεχνίτης δὲ σοφία κατασκεύασεν (6 ?)  
Is. 40. 19. ὁμοίωμα κατασκεύασεν αὐτὸν

— 28. ὁ θ. ὁ κατασκευάσας τὰ ἄκρα τῆς γῆς (5)  
43. 7. ἐν γὰρ τῇ δόξῃ μου κατασκεύασα αὐτόν (1)

45. 7. ἐγὼ ὁ κατασκευάσας φῶς (3)

Is. 45. 9. ποῖον βέλτιον κατασκεύασα ὥς πηλὸν κεραμῶν (3 ?)

Je. 26 (46). 9. A κατασκευάσατε [B B παρασκ.] τὰ ἔργα σου (3 ?)

Ba. 3. 32. ὁ κατασκευάσας τὴν γῆν (3 ?)

Ep. Je. 9. κατασκευάζουσι στεφάνους ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν θεῶν αὐτῶν

— 45. ὑπὸ τεκτόνων καὶ χρυσοκόμων κατασκευασμένα εἰσὶν

— 46. αὐτοὶ τε οἱ κατασκευάζοντες αὐτὰ οὐ μὴ γίνονται πολυχρόνιοι πῶς τε δὴ μέλλει τὰ ὑπ' αὐτῶν κατασκευασθέντα [A add. εἶναι θεοί]

I Ma. 3. 29. ἡς κατασκεύασεν ἐν τῇ γῇ (3 ?)

10. 6. καὶ κατασκευάζειν ὅπλα πολλά (3 ?)

— 31. καὶ κατασκευάσεν ὅπλα πολλά (3 ?)

15. 3. κατασκευάσα [B'-αν] πλοῖα πολεμικά (3 ?)

— 7. πάντα τὰ ὅπλα σου κατασκευάσας (3 ?)

III Ma. 5. 45. B φοβεραῖς κατασκευασμένα σκευαῖς (3 ?)

IV Ma. 2. 21. ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον κατασκεύασε (3 ?)

4. 20. ὥστε μὴ μόνον . . . γυναικῶν κατασκευάσαι (3 ?)

18. 26. ποθεινότεραν αὐτοῖς κατασκεύαζε τὴν φιλαδέλφειαν

[Aq. Ec. 12. 9.]

[Sm. Jb. 13. 4 : Ps. 39 (40). 7 : Ec. 12. 10 : Je. 18. 22 : Ez. 28. 13.]

κατασκευάσμα.

Ju. 15. 11. A B καὶ πάντα τὰ κ. [B σκευαῖς] αὐτοῦ (3 ?)

Si. 35 (32). 6. ἐν κατασκευασματι χρυσοῦ σφραγίς σμαράγδου

II Ma. 12. 43. B ποιησάμενός τε . . . κατασκευάσματα [A om.] (3 ?)

[Sm. Ex. 28. 27.]

κατασκευαστός.

[A1. Nu. 7. 3.]

κατασκευή. (1) בָּנָה (2) בָּנָה (3) בָּנָה

(4) בָּנָה (5) בָּנָה (6) בָּנָה

Ex. 27. 19. πᾶσα ἡ κ. [A ἀποκ.] . . . χαλκοί (2)

35. 24. A B πάντα τὰ ἔργα τῆς κ. [B παρυσκ.] (5)

36. 7. ἰκανὰ εἰς τὴν κ. ποιῆσαι (3)

Nu. 8. 4. αὐτὴ ἡ κ. τῆς λυχνίας (3 ?)

32. 16. A καὶ πόλεις τὰς κ. [B ἀποσκ.] ἡμῶν (4)

I Ch. 29. 19. τοῦ ἐπὶ τέλος ἀγαγεῖν τὴν κ. τοῦ οἴκου σου (1 ?)

II Ch. 26. 15. ἡκούσθη ἡ κ. αὐτῶν ὥς πόρρω (7 ?)

II Ma. 4. 20. εἰς τὰς τῶν τριηρέων κ. (3 ?)

15. 39. τὸ τῆς κ. τοῦ λόγου τέρεπι τὰς ἀκοάς (3 ?)

III Ma. 5. 45. A φοβερῶς κεκοσμημένα κατασκευαῖς [A al.] (3 ?)

[Sm. Ps. 118 (119). 96 : Ez. 1. 16 : 23. 6, 12.]

κατασκήνησις (?).

Wi. 9. 8. A ἐν πόλει κατασκήνησέως [B B-νόςεως] σου θυσιαστήριον

κατασκηνοῦν. (1) בָּנָה aph. (2) בָּנָה a. qal.

b. pi. (3) בָּנָה hi. (4) בָּנָה hi. (5) בָּנָה pe. f. pa. g. בָּנָה

Nu. 14. 30. κατασκήνωσις ὑμᾶς ἐπ' αὐτῆς (5 b)

35. 34. A B B ἐφ' ἧς ἐγὼ κατασκήνω [B' -νόςω] (5 a)

— 34. κατασκήνων [A ὁ κ.] ἐν μέσῳ τῶν νείων Ἰσρ. (5 a)

De. 33. 12. κατασκήνωσις πεποιθὴς (5 a)

— 28. κατασκήνωσις Ἰσρ. πεποιθὴς μόνος (5 a)

Jo. 22. 19. οὐ κατασκήνῃ ἐκεί ἡ σκηνή [A κ. -βωτός] (5 a)

Jd. 5. 17. A ἐν τῷ πέραν τοῦ Ἰορδ. κατασκήνωσεν [B al.] (5 a)

— 17. A ἐπὶ τὰς διακοπὰς αὐτοῦ κατασκήνωσεν [B al.] (5 a)

18. 28. κατασκήνωσαν [A κατέκτισαν] ἐν αὐτῇ (2 a)

II Ki. 7. 10. καὶ κατασκήνωσις [A ἐγκ.] καθ' ἑαυτὸν (5 a)

III Ki. 6. 13. A κατασκήνωσεν ἐν μέσῳ νείων Ἰσρ. (5 a)

I Ch. 17. 9. κατασκήνωσις καθ' ἑαυτὸν (5 a)

23. 25. καὶ κατασκήνωσεν ἐν Ἰερ. (5 a)

II Ch. 6. 1. B τοῦ κατασκήνωσαι [A' κατοικῆσαι] ἐν γνώφῃ (5 a)

II Ch. 6. 2. τοῦ κατασκήνωσαι [A κατοικῆσαι] εἰς τοὺς αἰῶνας (2 a)

I Es. 2. 5. ὁ κύριος ὁ κατασκήνωσας ἐν Ἰερ. (5 f)

II Es. 6. 12. οὐ κατασκήνῃ τὸ ὄνομα ἐκεί (5 g)

7. 15. τῷ ἐν Ἰερ. κατασκήνῃ (5 g)

Ne. 1. 9. κατασκήνωσai τὸ ὄνομά μου ἐκεί (5 b)

Jb. 18. 15. κατασκήνωσις ἐν τῇ σκηνῇ αὐτοῦ (5 a)

29. 25. κατασκήνουν ὥσπερ βασιλεὺς ἐν μοναζή-  
-ροις (5 a)

Ps. 5. 11. κατασκήνωσις ἐν αὐτοῖς (3)

7. 5. τὴν δόξαν μου εἰς χυὸν κατασκήνωσai (5 d)

14 (16). 1. τίς κατασκήνωσις ἐν τῷ ὄρει (5 a)

15 (16). 9. ἡ σὰρξ μου κατασκήνωσις ἐπ' ἐλ-  
-πίδι (5 a)

22 (28). 2. εἰς τόπον χλόης ἐκεί με κατασκήνω-  
-σai (4)

36 (37). 3. κατασκήνουν τὴν γῆν (5 a)

— 27. κατασκήνουν εἰς αἰῶνα αἰῶνος [B' om.] (5 a)

— 29. κατασκήνωσουσιν . . . ἐπ' αὐτῆς (5 a)

64 (66). 4. κατασκήνωσις [B' κατοικῆσις] ἐν  
-ταῖς αὐλαῖς σου (5 a)

67 (68). 16. ὁ κύριος κατασκήνωσις εἰς τέλος (5 a)

— 18. καὶ γὰρ ἀπειθούσας τοῦ κατασκήνω-  
-σαι (5 a)

68 (69). 36. κατασκήνωσουσιν ἐν αὐτῇ (5 a)

73 (74). 2. ὁ κατασκήνωσας ἐν αὐτῷ (5 a)

77 (78). 55. B' S B κατασκήνωσεν . . . τὰς  
-φυλάς [B' τὰς φ.] τοῦ Ἰσρ. (5 d)

— 60. οὐ κατασκήνωσεν ἐν ἀνθρώποις (5 b)

84 (85). 9. τοῦ κατασκήνωσai δόξαν ἐν τῇ γῇ  
-ἡμῶν (5 a)

101 (102). 28. οἱ υἱοὶ τῶν δούλων σου κατα-  
-σκήνωσai (5 a)

103 (104). 12. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ κατα-  
-σκήνωσι (5 a)

119 (120). 5. κατασκήνωσai μετὰ τῶν σκηνομα-  
-των K. (5 a)

138 (139). 9. κατασκήνωσai εἰς τὰ ἔσχατα τῆς  
-θαλάσσης (5 a)

Pr. 1. 33. A B κατασκήνωσις ἐν [B ἐπ'] ἐλ-  
-πίδι (5 a)

2. 21. εὐθείας κατασκήνωσai τὴν γῆν (5 a)

8. 12. ἐγὼ ἡ σοφία κατασκήνωσai βουλῇν (5 a)

Si. 4. 15. ὁ προσελθὼν [A B προσχωῶν] αὐτῇ κατα-  
-σκήνωσις πεποιθὴς (5 a)

24. 4. ἐγὼ ἐν ὑψηλοῖς κατασκήνωσai  
— 8. ἐν [A om.] Ἰακώβ κατασκήνωσai

28. 16. οὐδὲ κατασκήνωσις μεθ' ἡσυχίας (5 a)

Mi. 4. 10. καὶ κατασκήνωσις ἐν πεδίῳ (5 a)

7. 14. κατασκήνωσai καθ' ἑαυτοὺς ὄρυμνον (5 a)

Jl. 3 (4). 17. ὁ κατασκήνων ἐν Σιών (5 a)

— 21. κύριος κατασκήνωσις ἐν Σιών (5 a)

Ob. 1. 3. κατασκήνωσai ἐν ταῖς ὁπαῖς τῶν  
-πετρῶν [B' al.] (5 a)

Za. 2. 10 (14). κατασκήνωσai ἐν μέσῳ σου (5 a)

— 11 (15). κατασκήνωσai ἐν μέσῳ σου (5 a)

8. 3. κατασκήνωσai ἐν μέσῳ Ἰερ. (5 a)

Je. 7. 12. οὐ κατασκήνωσai τὸ ὄνομά μου ἐκεί (5 b)

17. 6. κατασκήνωσις ἐν ἀλλοίμοις (5 a)

28. 6. Ἰσρ. [B' Ἰερ.] κατασκήνωσις πεποιθὴς (5 a)

28 (51). 13. κατασκήνωσai ἐφ' ὕδασι πολλοῖς (5 a, 5 c \*)

Ez. 25. 4. κατασκήνωσai ἐν [A οὐκ] τῇ  
-ἀπαρτίᾳ αὐτῶν ἐν σοὶ (2 b)

43. 7. κατασκήνωσai τὸ ὄνομά μου (5 a)

— 9. κατασκήνωσai ἐν μέσῳ αὐτῶν (5 a)

Da. Th. 4. 9. ὑποκίτω αὐτοῦ κατασκήνουν τὰ  
-θηρία τὰ ἔργα (1)

— 18. κατασκήνουν [A -φίκουν] τὰ ὄρνεα (5 c)

[Aq. Jb. 22. 2 : Ps. 67 (68). 19 : Is. 32. 16 : 34. 17 : Je. 49. 16 (29. 17).]

[Sm. Jb. 4. 19 : Ps. 48 (49). 12 : 64 (65). 5 : 67 (68). 17, 19 : Is. 32. 16 : 38. 16 : 34. 17 : Je. 7. 12 : 25. 24 (32. 10) : 49. 16 (29. 17) : Ez. 17. 23.]

[Th. Jb. 18. 15 : 22. 2 : Ps. 67 (68). 7 : 77 (78). 60 : Is. 32. 16 : 34. 17 : Je. 33 (40). 16 : 46 (26). 26 : Ez. 28. 14.]

[A1. Le. 16. 16 : Dt. 33. 28 : Jb. 18. 15.]

[Heb. Jb. 18. 15.]

κατασκήνωσις. (1) בָּנָה (2) בָּנָה

I Ch. 28. 2. τὰ εἰς τὴν κ. ἐπιτίθειαι (1)

To. 1. 4. ἡγάσθη ὁ ναὸς τῆς κ. τοῦ ὑψίστου [B θεοῦ]

Wi. 9. 8. ἐν πόλει κατασκήνωσai [A -νόςεως] σου θυσιαστήριον

Εξ. 37. 27. ἔσται ἡ κ. μου ἐν αὐτοῖς (2)  
 II Ma. 14. 35. Β. ἡνὶ τῆς σῆς κ. [Α. σκην.] (1)  
 [Sm. Ps. 45 (46). 5: 48 (49). 12.]  
 [Al. Dt. 12. 5.]

**κατάσκιος.** (1) כְּסִי (2) חֲסִי (3) חֲסִי  
 (4) חֲסִי

Hb. 3. 3. ἡξεῖ... ὁ δ' αἰσος ἐξ ὅρου Φ. κατα-  
 σκίου δασείας (8?)  
 Ζα. 1. 8. ἀνὰ μέσον τῶν ὁρέων [Α. δύο ὁ.] τῶν κ. (1)  
 Je. 2. 20. ὑποκάτω παντὸς ξύλου κατασκίου (4)  
 Εξ. 20. 28. καὶ πᾶν ξύλον κ. (2)

**κατασκοπεῖν.** (1) חֲסִי (2) חֲסִי pi.  
 II Ki. 10. 3. καὶ κατασκοπήσων αὐτήν (2)  
 I Ch. 19. 3. τοῦ κατασκοπήσαι τὴν γῆν (2)  
 Εξ. 21. 22 (27). Β. κατασκοπήσασθαι [Α. Β. ἡπατοσκ.] ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ (1)

I Ma. 5. 38. Α. κατασκοπήσαι [Β. Β. -εὔσαι] τὴν  
 παρεμβολήν (1)  
 [Α. Q. Dt. 1. 33.]  
 [Al. Jd. 1. 23.]

**κατασκοπεύειν.** (1) חֲסִי (2) חֲסִי hithpa.

(3) חֲסִי (4) חֲסִי pi.

Ge. 42. 30. ὡς κατασκοπεύοντας τὴν γῆν (4)  
 Εξ. 2. 4. κατασκοπεύεν ἡ ἀδελφὴ αὐ. μακρόθεν (2)  
 De. 1. 24. καὶ κατασκοπεύσαν αὐτήν (4)  
 Jo. 2. 1. ἀπέστειλεν Ἰ. ... δύο νεανίσκους κατα-  
 σκοπεύσαι (4)

— 2. εἰσπεπόμενοι ... κατασκοπεύσαι τὴν γῆν (1)  
 — 3. κατασκοπεύσαι γὰρ τὴν γῆν ἦκασι (1)  
 6. 21 (22). τοῖς δυοῖ νεανίσκοις τοῖς κατασκο-  
 πεύσασιν (4)

— 22 (23). οἱ δύο νεανίσκοι οἱ κατασκοπεύ-  
 σαντες τὴν πόλιν (4)  
 — 24 (25). ἔκρυψε τοὺς κατασκοπεύσαντας  
 οὐς ἀπέστειλεν Ἰ. κατασκοπεύσαι τὴν Ἱερ. (3, 4)

14. 7. κατασκοπεύσαι τὴν γῆν (4)  
 I Ma. 5. 38. Β. Β. κατασκοπεύσαι [Α. -ῆσαι] τὴν  
 παρεμβολήν (4)

**κατάσκοπος.** (1) חֲסִי pi.

Ge. 42. 9. κατάσκοποι ἐστέ (1)  
 — 11. οὐκ εἰσὶν οἱ παῖδές σου κατάσκοποι (1)  
 — 14. λέγων ὅτι κατάσκοποι ἐστέ (1)  
 — 16. ἡ μὲν κατάσκοποι ἐστέ (1)  
 — 31. οὐκ ἐσμὲν κατάσκοποι (1)  
 — 34. ὅτι οὐ κατάσκοποι ἐστέ (1)

I Ki. 26. 4. ἀπέστειλε Δαυὶδ κατασκόπους (1)  
 II Ki. 15. 10. ἀπέστειλεν Ἀβ. κατασκόπους (1)  
 Si. 11. 30. ὅς ὁ κ. ἐπιβλέπει πῶσιν (1)  
 I Ma. 12. 26. καὶ ἀπέστειλε κατασκόπους (1)

[Α. Q. Sm. Nu. 14. 6: 21. 1.]

**κατασκηρύνειν.** (1) חֲסִי

II Ki. 7. 19. κατασκηρύνθη [Α. -η] μικρὸν ἐνώ-  
 πλιον σου (1)

**κατασφίλλεσθαι.** (1) חֲסִי hithpa.

Ex. 1. 10. κατασφισώμεθα αὐτούς (1)  
 Ju. 5. 11. καὶ κατασφίσαντο [Α. Β. -στο] αὐτούς (1)  
 10. 19. δυνήσονται κατασφίσασθαι πᾶσαν τὴν γῆν

**κατασπᾶν.** (1) חֲסִי pi. (2) חֲסִי pi.

(3) חֲסִי (4) חֲסִי (5) חֲסִי hi. (6) חֲסִי hi.  
 (7) חֲסִי (8) חֲסִי a. qal. δ. pi.  
 (9) חֲסִי hi. (10) חֲסִי (11) חֲסִי

II Ki. 11. 25. καὶ κατασπᾶσαν αὐτήν (8)  
 IV Ki. 10. 27. κατέσπασαν τὰς στήλας τοῦ Β. (8 a)  
 11. 18. Α. Β. καὶ κατέσπασαν [Β. -εν] αὐτόν (8 a)  
 21. 3. ἀ κατέσπασεν [Α. -έσκαψεν] Ἐξ. (1)  
 23. 12. καὶ κατέσπασεν ἐκείδιν (11)  
 — 15. τὸ θυσιαστήριον ἐκείνου... κατέσπασε (8 a)

25. 10. Β. τὸ τεῖχος Ἱερ. ... κατέσπασεν [Α. α.] (8 a)  
 II Ch. 28. 17. καὶ κατέσπασαν αὐτόν (8 a)  
 24. 7. κατέσπασαν τὸν ὄκνον τοῦ θεοῦ (10)  
 25. 23. κατέσπασεν [Α. -έσπασεν] ἀπὸ τοῦ τεῖ-  
 χους Ἱερ. (10)

26. 6. κατέσπασε τὰ τεῖχη Γεθ (10)  
 30. 14. πάντα ἐν οἷς ἐθυμίαν... κατέσπασαν (9)

II Ch. 31. 1. κατέσπασαν τὰ ὑψηλά (8 b)  
 32. 5. Α. πᾶν τὸ τεῖχος τὸ κατεσπασμένον [Β. -εσκαμμένον] (10)

— 18. τοῦ βοηθῆσαι αὐτοῖς καὶ κατασπᾶσαι (2)  
 33. 3. ἀ κατέσπασεν Ἐξεκίας (8 b)  
 34. 4. κατέσπασε [Α. -έσπασεν]... τὰ θυσι-  
 αστήρια (8 b)

— 7. κατέσπασε τὰ ἄλσθ (8 b)  
 To. 13. 12. Β. καὶ κατασπᾶντες τὰ τεῖχη σου (7)  
 Pr. 15. 25. ὄκλους ὑβριστῶν κατασπᾶ κύριος (7)  
 Mi. 1. 6. κατασπᾶσω εἰς χάος τοὺς λίθους αὐτῆς (6)  
 Ze. 8. 6. κατέσπασα ὑπερηφάνους (6)  
 Za. 11. 2. κατεσπᾶσθι ὁ δρυμὸς ὁ σύμφυτος (4)  
 Da. TH. Bel 28. τὸν Βήλ κατέσπασε [Α. -έσπασεν]

[Α. Q. Pr. 21. 7: Je. 1. 10.]  
 [Sm. Je. 33 (40). 4:]  
 [Th. Je. 1. 10.]

**κατασπατάλῃ.** (1) חֲסִי (2) חֲסִי pi.

Pr. 29. 21. δε κατασπατάλῃ ἐκ παιδός (2)  
 Am. 6. 4. κατασπατάλῶντες ἐπὶ ταῖς στρωμαῖς αὐ.

**κατασπεῖρειν.** (1) חֲסִי pu. (2) חֲסִי

Le. 19. 19. τὸν ἀμπελῶνά σου οὐ κατασπερείς  
 διάφορον (2)  
 De. 22. 9. Α. Β. οὐ κατασπερείς τὸν [Β. -εἰ σὸν] ἀμπελῶνά σου διάφορον [Β. διέφ.] (2)  
 Jb. 18. 15. κατασπαρήσονται [Α. -σεται] τὰ εὐπρεπῆ αὐτοῦ τοῦ θεοῦ (1)

III Ma. 5. 26. Β. οὐκ ἐπὶ ἡλίου βολαὶ κατεσπεί-  
 ροντο [Β. κατεπ.] (1)  
 [Th. Jb. 18. 15:]

**κατασπεύδειν.** (1) חֲסִי (2) חֲסִי a. pi.

δ. hi. c. חֲסִי pa. (3) c. neg. חֲסִי ni.  
 (4) חֲסִי hi. (5) חֲסִי (6) חֲסִי pi. (7) חֲסִי  
 (8) חֲסִי

Ex. 5. 10. κατέσπευδον δὲ αὐτοὺς οἱ ἐργοδιώκ-  
 ται (5)  
 — 13. οἱ δὲ ἐργοδιώκται κατέσπευδον αὐτούς (1)  
 9. 19. κατέσπευδον συναγαγεῖν τὰ κτήνη σου (8)  
 10. 16. κατέσπευδε δὲ Φ. καλεῖσαι Μωυσῆν (8)  
 De. 33. 2. κατέσπευδον ἐξ ὅρου Φαράν (4)

I Ki. 21. 8 (9). Α. ἦν τὸ ῥῆμα τοῦ βασιλέως  
 κατασπεύδειν [Β. κατὰ σπουδὴν] (7)  
 I Ch. 21. 30. οὐ [Α. οτι.] κατέσπευδεν ἀπὸ προσώπου τῆς ρομφαίας (8)  
 II Ch. 26. 20. καὶ κατέσπευσαν αὐτὸν ἐκεῖθεν (2 b)  
 35. 21. ὁ θεὸς εἶπε κατασπεύσαι με (3 a)  
 Es. 5. 5. κατασπεύσατε [Α. -σάτω] Ἀμάν (6)  
 Si. 18. 14. τοὺς κατασπεύδοντας ἐπὶ τὰ κρίμα αὐ.

28. 11. ἐπὶ κατασπεύδομένη ἐκκαίει πῦρ καὶ μάχη  
 κατασπεύδουσα ἐκχέει [Β. -αι] αἷμα (8)  
 35 (32). 10. πρὸ βροντῆς κατέσπευδε ἀστραπὴ  
 48. 5. ἐν λόγους αὐτοῦ κατέσπευσε [Β. -έπασεν] ποταμὸν

— 13. προστάγματι αὐτοῦ κατέσπευσε [Β. -έπασεν] χιόνα (5)  
 50. 17. Α. Β. πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέσπευσαν [Β. -σε] (1)

Da. LXX. 4. 16. ὑπόνοια κατέσπευδεν αὐτόν (2 c)  
 5. 6. ὑπόνοια αὐτὸν κατέσπευδον (2 c)  
 Da. TH. 4. 16. Α. ἡ σύγκρισις μὴ κατασπευσάτω σε (2 c)

I Ma. 6. 57. Α. κατέσπευσαν [Β. -εν, Β. -σε] τοῦ ἀπελθεῖν  
 18. 21. κατασπεύδοντας αὐτὸν τοῦ ἐλθεῖν πρὸς αὐ-  
 τοὺς (2 c)

[Α. Q. Ps. 77 (78). 33: Je. 49. 19 (29. 20).]  
 [Sm. Pr. 19. 13:]  
 [Th. Da. 4. 16:]

**κατάσπευσις.** (1) חֲסִי

[Th. Pr. 1. 27:]

**κατασπουδάζειν.** (1) חֲסִי ni.

Jb. 23. 15. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ κατασπουδα-  
 σθῶ [Β. -άσω] (1)  
 [Α. Q. Ki. 4. 1: Jb. 23. 15: Ps. 2. 5: 6. 11:]  
 29 (30). 8.]  
 [Th. Jb. 23. 15:]

**κατασπουδασμός.** (1) חֲסִי

[Α. Q. Ze. 1. 18:]

**καταστάζειν.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 [Sm. Ps. 118 (119). 28.]

**καταστασιάζειν.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Ex. 38. 22 (1). τοῖς καταστασιάσασι μετὰ τῆς κ. συναγωγῆς  
 [Sm. Ps. 101 (102). 9.]

**κατάστασις.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Wi. 12. 12. τίς εἰς κατάστασιν σοι ἐλευσεται ἔκ-  
 δικος (1)

**καταστέλλειν.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 II Ma. 4. 31. καταστέλλαι τὰ πράγματα (1)  
 III Ma. 6. 1. τοὺς περὶ αὐτὸν καταστέλλας πρεσβυ-  
 τέρους (1)  
 [Α. Q. Ps. 64 (65). 8.]

**κατάστημα, vid. κατάστημα.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Ex. 2. 23. καταστῆναι οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀπὸ τῶν ἔργων  
 Je. 22. 23. καταστῆναι ἐν τῇ ἐλθείν σοι δού-  
 νας [Α. ὀδύνας] (2)

La. 1. 11. πᾶς ὁ λαὸς αὐτῆς καταστέλλονται (1)  
 Εξ. 9. 4. ἐπὶ τὰ μέγιστα τῶν ἀνδρῶν τῶν καταστε-  
 ναζόντων (1)  
 21. 6 (11). καταστῆναι ἐν συντριβῇ ὁσφύος σου (1)

III Ma. 6. 34. κατεστῆσαν ἀσχύρην ἐφ' ἑαυτοῖς  
 περιβαλλόμενοι (1)

**καταστέφειν.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Je. 20. 16. δε κατέστρεψε [Β. -έστρεψε] κύριος +  
 III Ma. 7. 16. παντοῖοις ἐνδοξαστάτοις ἄνθεσι κατε-  
 στεμμένοι (1)

**κατάστημα (-εμα).** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 III Ma. 5. 45. εἰς κ. μαρινίδες ἀγροχῶς (1)

**καταστηρίξειν.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Jb. 20. 7. ὅταν γὰρ δοκῇ ἡδὴ καταστηρίχθαι +  
 [Α. ἐστ.] (1)

**καταστολή.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Is. 61. 3. δοθῆναι... καταστολήν δόξης ἀντὶ  
 πνεύματος ἀληθείας (1)

**καταστραγγίζειν.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Le. 5. 9. τὸ δὲ κατάλοιπον τοῦ αἵματος κατα-  
 στραγγί (1)

**καταστρατοπεδεύειν.** (1) חֲסִי ni. (2) חֲסִי ni.  
 Jo. 4. 19. κατεστρατοπέδουν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)  
 Ju. 3. 10. κατεστρατοπέδουν ἀνὰ μέσον Γ. (1)  
 7. 18. κατεστρατοπέδουν ἐν ὄχλῳ πολλῷ (1)  
 II Ma. 4. 22. εἰς τὴν Φοινίκη κατεστρατοπέδουν

**καταστρέφειν.** (1) חֲסִי a. qal. δ. ni. (2) חֲסִי a. qal. δ. pi.  
 c. חֲסִי d. חֲסִי (2) a. חֲסִי δ. חֲסִי (3) חֲסִי (4) חֲסִי pa. (5) חֲסִי (6) חֲסִי pi. (7) חֲסִי a. qal. δ. pi. (8) חֲסִי pi. (9) חֲסִי (10) חֲסִי pu. (11) חֲסִי pi.

Ge. 13. 10. πρὸ τοῦ καταστρέφαι τὸν θ. Σ. (11)  
 19. 21. τοῦ μὴ καταστρέφαι τὴν πόλιν (1 a)  
 — 25. κατέστρεψε τὰς πόλεις ταύτας (1 a)  
 — 29. ἐν τῇ καταστρέφαι κύριον τὰς πόλεις (1 a)  
 De. 29. 23 (22). ὥσπερ κατεστράφη Σόδομα (1 c)  
 — 23 (22). δε κατέστρεψε κύριος (1 a)  
 Jd. 7. 13. Α. καὶ κατέστρεψεν [Β. ἀνέστρ.] αὐ-  
 τὴν ἀνω (1 a)

8. 17. τὸν πύργον Φ. κατέστρεψε [Α. -έσκα-  
 ψεν] (7 a)  
 IV Ki. 21. 13. καὶ καταστρέφεται ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (1 a)

II Ch. 34. 4. Α. κατέστρεψαν [Β. -έσπασε]... τὰ θυσιαστήρια (7 b)  
 II Es. 6. 12. Α. Β. καταστρέφαι [Β. -ει] πάντα βαρ. (4)  
 To. 14. 4. ὅτι καταστραφῆσεται [Α. -σκαφ., Β. α.] (1 a)  
 Jb. 9. 5. ὁ καταστρέφειν αὐτὰ ὄρη [Α. ἐν ὄ.] (1 a)  
 11. 10. ἐὰν δὲ καταστρέψῃ τὰ πάντα (8 ?)  
 12. 14. Α. ἐὰν καταστρέψῃ [Β. Β. -βάλῃ] (2 a)  
 — 15. ἀπόλεσεν αὐτὴν καταστρέψας (1 a)  
 — 19. δυνάστας δὲ γῆς κατέστρεψε (8)

Jb. 18. 4. ἡ καταστροφῆσεται ὁρη [Δ ἡ γῆ] ἐκ  
θεμελίων (9)  
24. 22. θυμὸν δὲ κατέστρεψεν [Δ-αν] ἀδυνάτους (5)  
28. 9. καταστρέψει δὲ ἐκ ριζῶν ὁρη (1a)  
Ps. 88 (89). 39. κατέστρεψας τὴν διαθήκην τοῦ  
δοῦλου σου (9)  
Pr. 10. 32. ὁ σῶμα δὲ ἀσεβῶν καταστρέφεται  
[Δ B S<sup>1</sup> ἀποστρ.] (1d)  
14. 1. Δ ἡ δὲ ἀφρων κατέστρεψεν [BS -έσκα-  
ψε] ταῖς χερσὶν αὐτῆς (2a)  
Si. 10. 13. κατέστρεψεν εἰς τέλος αὐτοὺς  
— 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κύριος  
27. 3. ἐν τάχει καταστροφῆσεται αὐτοῦ ὁ οἶκος  
28. 14. γλώσσα τρίτη . . . οἰκίας μεγιστάνων κατέ-  
στρεψε  
Am. 4. 11. κατέστρεψα ὑμᾶς καθὼς κατέστρε-  
ψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1a, 1c)  
9. 11. τὰ κατακαμμένα [Δ καταστραμμένα] αὐ-  
ἀναστήσω (2b)  
Jn. 3. 4. καὶ Νιν. καταστροφῆσεται (1b)  
Hg. 2. 23 (22). καὶ καταστρέψω θρόνους βασι-  
λέων (1a)  
— 23 (22). καὶ καταστρέψω ἔργα (1a)  
— 23 (22). Δ καὶ καταστρέψω πᾶσαν τὴν δύ-  
ναμιν αὐτῶν  
Ma. 1. 4. ἡ Ἰδουμαία κατέστραπται (10)  
— 4. καὶ ἐγὼ καταστρέψω (2a)  
Is. 1. 7. ἠρηγῶνται καταστραμμένη ὑπὸ λαῶν  
ἁλλοτριῶν (1c)  
18. 19. ἐν τρώπον κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1c)  
Je. 20. 16. ἐγὼ κατέστρεψα [S<sup>1</sup> -στεψε] κύριος  
ἐν θυμῷ (1a)  
27 (50). 40. καθὼς κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1c)  
29 (49). 18. ὥσπερ κατέστρεψε Σόδομα (1c)  
La. 4. 6. ὑπὲρ ἀνομίας Σοδ. τῆς καταστραμμένης (1a)  
Da. LXX. 11. 8. τοὺς θεοὺς αὐτῶν καταστρέψει  
— Bel 21. τὸν δὲ Βῆλ κατέστρεψεν  
— 27. τὸν Βῆλ κατέστρεψε  
Da. TH. 11. 8. Δ B<sup>1</sup> τοὺς θεοὺς αὐτῶν κατα-  
στρέψει [B<sup>1</sup> B om.]  
Bel 22. καὶ κατέστρεψεν αὐτὸν  
— 28. Δ τὸν Βῆλ κατέστρεψεν [B -έσπασε]  
II Ma. 9. 28. κατέστρεψεν τὸν βίον  
III Ma. 3. 23. B ἡμᾶς καταστρέψει τὰ κατορθώματα  
[Δ πράγματα]  
[Aq. Ps. 139 (140). 10.]  
**καταστροφή.** (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
(4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓𐤕 (6) 𐤒𐤓𐤕  
Ge. 19. 29. ἐξαπέστειλε τὸν δῶτ ἐκ μέσου τῆς κ. (2)  
II Ch. 22. 7. παρὰ τοῦ θεοῦ ἐγένετο καταστροφή (9)  
Jb. 19. καταστροφή ἡ ἀσεβοῦς τοιαύτη  
15. 21. ἦξει αὐτοῦ ἡ κ. (5)  
21. 17. ἐπελευσεται δὲ αὐτοῖς ἡ κ.  
27. 7. ὥσπερ ἡ κ. τῶν ἀσεβῶν  
Pr. 1. 18. ἡ δὲ κ. ἀνθρώπων παρανόμων κακὴ  
— 27. ἡ δὲ κ. ὁμοίως καταγιγίδει παρῇ  
Si. 9. 11. οὐ γὰρ οὐδὲ τί [Δ B<sup>1</sup> τίς] ἔσται ἡ κ. αὐτοῦ  
18. 12. ἐπέγνω τὴν κ. αὐ. ὅτι ποιητὰ  
Ho. 8. 7. καὶ ἡ κ. αὐτῶν ἐκδέχεται αὐτά (4?)  
Da. LXX. 7. 28. ὥς καταστροφῆς τοῦ λόγου (8)  
I Ma. 2. 49. ἐλεγμὸς καὶ καιρὸς καταστροφῆς  
II Ma. 5. 8. Δ πέρας οὖν κακῆς κ. [B ἀναστρ.]  
III Ma. 3. 4. ἐποιοῦν ἐπὶ τῶν καὶ καταστροφὰς  
4. 4. λογιζόμενος τὴν ἀθλιότητα τοῦ βίου κ.  
5. 47. τὴν ἐπίνοιαν καὶ ταλαίπωρον . . . κ.  
**κατάστωμα.**  
[Sm. III Ki. 6. 5, 10.]  
**καταστρωνύνειν** (-ύναι). (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕  
Nu. 14. 16. κατέστρωσεν αὐτοὺς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)  
Ju. 7. 14. καταστρωθήσονται ἐν ταῖς πλατείαις  
— 25. τοῦ καταστρωθῆναι ἐναντίον αὐτῶν  
12. 1. συνέταξε καταστρώσαι αὐτῇ [Δ -ἦν]  
14. 4. καταστρώσατε [B -σετε] αὐτοὺς ἐν ταῖς ὁδοῖς  
αὐτῶν  
Jb. 12. 23. καταστρωνύνων ἔθνη (2)  
II Ma. 5. 26. B ἱκανὰ κατέστρωσε [Δ -έστρωσεν]  
πλήθῃ  
11. 11. κατέστρωσαν αὐτῶν χιλιούς  
12. 28. κατέστρωσαν δὲ τὸν ἐνδον εἰς μυριάδας δύο  
15. 27. κατέστρωσαν οὐδὲν ἦττον μυριάδων τριῶν  
[Aq. Ju. 12. 23 : Is. 68. 1.]  
[Sm. Ps. 67 (68). 5.]  
[Th. Ju. 12. 23 : Is. 68. 1 : Da. 14. 13†.]

**καταστρέφειν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕  
Je. 29 (49). 10. κατέστρεψε [Δ-ἠρῆθη] τὸν Ἡσαΐ (1)  
Da. LXX. 11. 8. ἐπελευσεται κατ' αὐτὴν κατα-  
στρώων (2)  
— 26. καὶ καταστρέψει (2)  
[Sm. II Ki. 14. 14.]  
**κατασφάζειν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pi. (2) 𐤒𐤓𐤕  
Za. 11. 5. ὁ οἱ κτησάμενοι κατέσφαζον (2)  
Ez. 16. 40. κατασφάζουσιν σε ἐν τοῖς ξίφεσιν  
αὐτῶν (1)  
Da. TH. Bel 28. τοὺς ἱερεῖς κατέσφαξε [Δ<sup>1</sup> -έτρεψεν]  
II Ma. 5. 12. τοὺς εἰς τὰς οἰκίας ἀναβαίνοντας κατα-  
σφάζειν  
— 24. τοὺς ἐν ἡλικίᾳ πάντας κατασφάζει  
6. 9. τοὺς δὲ μὴ προαιρουμένους . . . κατασφάζειν  
8. 24. κατέσφαζαν . . . ὑπὲρ τοὺς ἐνακισχιλίους  
10. 17. κατέσφαζον τε τοὺς ἐμπόρους  
— 31. κατεσφάγησαν δὲ διαμύριοι  
— 37. καὶ τὸν Τιμὸν . . . κατέσφαζαν  
12. 26. κατέσφαξε μυριάδας σωμάτων δύο  
**κατασφαλίτθαι.**  
II Ma. 1. 19. ἐν ᾧ κατῆσθαισαντο  
III Ma. 4. 9. τοὺς πύδας ἀρρήκτους κατῆσθαισαντο  
πύδας  
**κατασφραγίζειν.** (1) 𐤒𐤓𐤕  
Jb. 9. 7. κατὰ δὲ ἄστρων κατασφραγίζει (1)  
37. 7. ἐν χειρὶ παντός ἀνθρώπου κατασφραγίζει (1)  
Wi. 2. 5. κατασφραγίσθη καὶ οὐδὲ ἀναστρέφει  
[Th. Ju. 87. 7.]  
**κατάσχεσις.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
(4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓𐤕  
Ge. 17. 8. δώσω σοι . . . εἰς κατάσχεσιν αἰώνων (1)  
47. 11. ἔδωκεν αὐτοῖς κατάσχεσιν ἐν γῇ Αἴγ. (1)  
48. 4. δώσω σοι . . . εἰς κατάσχεσιν αἰώνων (1)  
Le. 25. 24. κατὰ πᾶσαν γῆν κατάσχεσις ὡμῶν  
— 25. καὶ ἀποδώσεται ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (1)  
— 27. καὶ ἀπελευσεται εἰς τὴν κ. αὐτοῦ (1)  
— 28. B<sup>1</sup> B ἀπελευσεται εἰς τὴν κ. [Δ B<sup>1</sup> κατά-  
πανσιν] αὐτοῦ (1)  
— 32. οἰκίας τῶν πόλεων κατάσχεσις αὐτῶν (1)  
— 33. οἰκῶν πόλεως κατάσχεσις αὐτῶν (1)  
— 33. οἰκίας τῶν πόλεων τῶν Λευ. κατάσχεσις  
[Δ -εις] αὐτῶν (1)  
— 34. κ. αἰωνία τοῦτο αὐτῶν ἔσται (1)  
— 41. εἰς τὴν κ. τὴν πατρικὴν ἀποδραμεῖται [Δ  
-θανεῖται] (1)  
— 45. ἔστωσαν ὑμῖν εἰς κατάσχεσιν  
27. 16. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ τῆς κ. αὐτοῦ (1)  
— 21. τῷ ἱερεὶ ἔσται κατάσχεσις [B<sup>1</sup> -σεως] (1)  
— 22. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ τῆς κ. αὐτοῦ (1)  
— 24. οὐ ἦν ἡ κ. τῆς γῆς (1)  
— 28. καὶ ἀπὸ ἀγροῦ κατάσχεσις αὐτοῦ (1)  
Nu. 13. 3 (2). ἡν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἰς  
κατάσχεσιν  
15. 2. Δ εἰς τὴν γῆν τῆς κ. [B κατοικήσεως] ὡμῶν (4)  
20. 24. Δ ἔδωκεν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. ἐν κατάσχεσι  
[B al.]  
27. 3 (4). δότε ἡμῖν κατάσχεσιν  
— 6 (7). δόμα δώσεις αὐταῖς κατάσχεσιν κλη-  
ρονομίας (1)  
— 12. ἡν ἐγὼ δίδωμι . . . ἐν κατάσχεσι (1)  
32. 5. δοθήτω ἡ γῆ αὕτη . . . ἐν κατάσχεσι (1)  
— 22. ἔσται ἡ γῆ αὕτη ὑμῖν ἐν κατάσχεσι (1)  
— 29. δώσετε αὐτοῖς τὴν γῆν Γ. ἐν κατάσχεσι (1)  
— 32. δώσετε τὴν κ. ἡμῖν (1+5)  
38. 54. πληθυνεῖτε τὴν κ. αὐτῶν (5)  
— 54. ἐλαττώσετε τὴν κ. αὐτῶν (5)  
38. 2. ἀπὸ τῶν ἡρώων κατάσχεσις αὐτῶν (1)  
— 8. ἀπὸ τῆς κ. υἱῶν Ἰσρ. (1)  
— 28. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. αὐτῶν (1)  
38. 3. ἀφαιρεθήσεται . . . ἐκ τῆς κ. τῶν πατέρων  
ἡμῶν (5)  
De. 32. 49. Δ δίδωμι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἰς κατά-  
σχεσιν [B om. εἰς κ.] (1)  
Jo. 21. 12. ἔδωκεν ἱησοῦς . . . ἐν κατάσχεσι (1)  
— 39. ἐν μέσῳ κατάσχεσις υἱῶν Ἰσρ. (1)  
22. 4. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. ὡμῶν (1)  
— 9. εἰς γῆν κατάσχεσις αὐτῶν (1)  
— 19. μακρὰ ἡ γῆ ὡμῶν τῆς κ. ὡμῶν (1)  
— 19. τὴν γῆν τῆς κ. κυρίου (1)  
I Ch. 4. 33. αὕτη κ. [Δ ἡ κ.] αὐτῶν (4)

I Ch. 7. 28. καὶ κατάσχεσις [Δ -εις] αὐτῶν . . .  
Βαβυλῶν (1)  
9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρότερον ἐν ταῖς κ. αὐτῶν  
18. 2. ἐν πόλει κατάσχεσις αὐτῶν (2)  
II Ch. 11. 14. τὰ σκηνώματα τῆς κ. αὐτῶν (1)  
Ne. 11. 3. ἐκάθισαν ἀπὸ ἐν κατάσχεσι αὐτοῦ (1)  
Ju. 9. 13. καὶ οἴκου κατάσχεσις υἱῶν σου  
Ps. 2. 8. δώσω σοι . . . τὴν κ. σου τὰ πέρατα  
τῆς γῆς (1)  
Si. 4. 16. ἐν κατάσχεσι ἔσονται αἱ γενεαὶ αὐ.  
Za. 11. 14. διασκεδάσαι τὴν κ. [Δ διαθήκην μου] †  
Ez. 38. 24. ἡμῖν δίδονται ἡ γῆ εἰς κατάσχεσιν (8)  
35. 12. Δ δίδονται εἰς κατάσχεσιν [B κατάβρωμα] †  
36. 2. ἔρημα αἰωνία εἰς κατάσχεσιν ἡμῖν ἐγενήθη (8)  
— 3. τοῦ εἶναι ὡμᾶς [Δ ἡμ.] εἰς κατάσχεσιν (8)  
— 5. ἔδωκεν τὴν γῆν μου ἐαυτοῖς εἰς κατάσχεσιν (8)  
— 12. ἔσσεσθαι αὐτοῖς εἰς κατάσχεσιν (5)  
44. 28. κ. αὐτοῖς οὐ δοθήσεται ἐν τοῖς υἱοῖς  
Ἰσρ. ὅτι ἐγὼ κ. αὐτῶν [Δ -οἱς] (1, 1)  
45. 5. εἰς κατάσχεσιν πόλεις τοῦ κατοικεῖν (1)  
— 6. τὴν κ. τῆς πόλεως δώσεις (1)  
— 7. εἰς κατάσχεσιν τῆς πόλεως . . . καὶ κατὰ  
πρόσωπον τῆς κ. τῆς πόλεως (1, 1)  
— 8. ἔσται αὐτῷ εἰς κατάσχεσιν (1)  
46. 16. τοῦτο τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ ἔσται κ. ἐν  
κληρονομίᾳ (1)  
— 18. ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ [Δ add. ἀπὸ τῆς κληρο-  
νομίας αὐτοῦ] κατακληρονομήσει (1)  
— 18. ἔκαστος ἐκ [Δ ἀπὸ] τῆς κ. αὐτοῦ (1)  
48. 20. ἀπὸ τῆς κ. τῆς πόλεως (1)  
— 21. εἰς τὴν κ. τῆς πόλεως (1)  
— 22. παρὰ [Δ ἀπὸ τῆς κ.] τῶν Λευιτῶν ἀπὸ  
τῆς κ. τῆς πόλεως (1, 1)  
[Aq. Sm. Th. Le. 14. 34.]  
[Al. Le. 25. 10.]  
**κατασχίζειν.**  
I Ma. 1. 56. ἐνεπύρισαν πυρὶ [B ἐν π.] κατασχίζοντες  
κατατάσσουσιν. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓 (3) 𐤒𐤓  
Jb. 7. 12. κατέαζας ἐν' ἐμέ [Δ κατ' ἐμού] φυ-  
λακῇ (8)  
15. 23. κατετάσσεται δὲ εἰς σῖτα γυνθῖν (1?)  
35. 10. ὁ κατατάσσων φυλακὰς νυκτερινῶς (2)  
**κατατείνειν.** (1) 𐤒𐤓  
Le. 25. 43. οὐ κατατείνει αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ (1)  
— 46. οὐ κατατείνει αὐτὸν [Δ om.] ἐν τοῖς  
μόχθοις (1)  
— 53. οὐ κατατείνει [Δ -τενίσης] αὐτὸν ἐν τῷ  
μόχθῳ (1)  
I Es. 8. 71. B κατείνων [Δ B -έτιλα] τοῦ τριχώ-  
ματος τῆς κεφαλῆς  
IV Ma. 9. 13. περὶ δὲν κατενιόμενος ὁ εὐγενὴς  
μενίας  
11. 18. ἐφ' οὐ κατενιόμενος  
**κατατέμνειν.** (1) 𐤒𐤓 hithpo. (2) 𐤒𐤓  
(3) 𐤒𐤓 hithpal. (4) 𐤒𐤓  
Le. 21. 5. οὐ κατετεμνοῦσιν ἐντομίδας (4)  
III Ki. 18. 28. κατετέμνοντο . . . ἐν μαχαίραις (1)  
Ho. 7. 14. ἐπὶ σίτῳ καὶ ὄσῳ κατετέμνοντο (3?)  
Is. 15. 2. πάντες βραχίονες κατετεμνημένοι (2)  
[Aq. Dt. 14. 1 : Ju. 41 (48) : 5 : 48 (31) : 37.]  
[Sm. Dt. 14. 1 : Ju. 16. 6 : 41 (48) : 5.]  
[Th. Dt. 14. 1.]  
**κατατενίζειν.**  
Le. 25. 53. Δ οὐ κατατενίσης [B -τενίς] αὐτὸν  
ἐν τῷ μόχθῳ †  
**κατατρέπασθαι.** (1) 𐤒𐤓  
Ze. 3. 14. κατατρέπον [B<sup>1</sup> τέρ.] ἐξ ὅλης τῆς καρ-  
δίας σου (1)  
**κατατήκειν.** (1) 𐤒𐤓 hi. (2) 𐤒𐤓 ni.  
Jo. 5. 1. Δ κατετάκην [B ἐτάκ.] αὐτῶν αἱ  
διανοίαι  
Mi. 4. 13. καὶ κατατήξει [Δ λεπυνεῖς] λαοὺς  
πολλοὺς (1)  
[Sm. Ps. 41 (42). 7, 12.]  
**κατατιθέναι.** (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓 (3) 𐤒𐤓 hi.  
(4) 𐤒𐤓 hi.  
I Ch. 21. 27. κατέθηκε [Δ καθέκεν] τὴν ῥομ-  
φαίαν ἐν τῶν κολεῶν (3)



Ju. 11. 10. κατὰθον αὐτὸν ἐν τῇ καρδίᾳ σου  
Es. 3. 13. πρὸς τὸ μὴ κατατίθεσθαι τὴν . . . συναρχίαν  
Ps. 40 (41). 8. λόγον παράνομον κατέθεντο κατ' ἐμοῦ (1)  
Za. 11. 13. κάθεσ [S<sup>1</sup> κατὰθεσ] αὐτοὺς εἰς τὸ χωνευτήριον (4)  
Je. 39 (32). 14. S<sup>3</sup> κατὰθήσεις [S<sup>1</sup> καθ., A B θ.] αὐτὸν [A S om.] εἰς ὄγγειον ὁστράκινον (2)  
I Ma. 10. 23. B τοῦ φίλιαν καταθέσθαι [A S -λα-βέσθαι] τοῖς 'Ι.  
II Ma. 4. 19. B εἰς ἐτέραν δὲ καταθέσθαι δαπάνην  
III Ma. 5. 17. εἰς εὐφροσύνην καταθέσθαι μέρος

**κατατίλλειν.**

I Es. 8. 71. A B κατέτιλα [B -έτινον] τοῦ τριχώματος  
[Aq., Sm., Th. Ez. 23. 34.]

**κατατιτρώσκειν.**

IV Ma. 6. 6. καὶ τὰ πλεῦρά κατατιτρώσκειτο  
[Sm. Ez. 22. 16.]

**κατατολμᾶν.**

II Ma. 3. 24. ὥστε πάντας τοὺς κατατολμήσαντας συνελθεῖν  
5. 15. κατατόλμησεν εἰς τὸ . . . ἱερὸν εἰσελθεῖν

**κατατομῆ.**

[Sm. Je. 48 (31). 37.]

κατατοξεύειν. (1) Ἡ' a. qal. δ. ni. c. hi.

(2) Ἰ' p<sup>h</sup>

Ex. 19. 13. βολιδὶ κατατοξευθήσεται (1 b)  
Nu. 24. 8. ταῖς βολαῖς αὐτοῦ κατατοξεύσει ἐχθρόν (2)  
IV Ki. 9. 16. ὡν κατέτοξευσαν αὐτὸν οἱ 'Αρ. -  
Ps. 10 (11). 3. τοὺς κατατοξεύουσι . . . τοὺς εὐθείς τῇ καρδίᾳ (1 a)  
63 (64). 4. τοὺς κατατοξεύουσι ἐν ἀποκρίφοις ἄμμοις ἐξάπινα κατατοξεύουσιν αὐτὸν (1 a, 1 c)

[Th. Ps. 10 (11). 2 : 63 (64). 8.]

[Al. Hb. 3. 13.]

**κατατρέπειν.**

Da. TH. Bel 28. A<sup>1</sup> τοὺς ἱερεῖς κατέτρεψεν [A<sup>2</sup> B -έσφαξε]

κατατρέχειν. (1) N<sup>h</sup> p<sup>h</sup> hithp. (2) ἦ' p<sup>h</sup>

(3) ἦ' p<sup>h</sup>

Le. 26. 37. οὐθένης κατατρέχοντος (2)  
Jd. 1. 6. κατέδραμον ὀπίσω αὐτοῦ (2)  
III Ki. 19. 20. κατέδραμεν [A ἐπέδρ.] ὀπίσω 'H. (8)  
Jb. 16. 11 (10). ὁμοθυμαδὸν δὲ κατέδραμον ἐπ' ἐμοῖ [A ἐμέ] (1)  
Da. LXX. 4. 21. οἱ ἄγγελοι αὐτοῦ ἐπὶ σὲ κατατρέχουσιν +  
II Ma. 8. 26. κατατρέχοντες αὐτοὺς  
[Al. Is. 53. 12.]

κατατρέβειν. (1) N<sup>h</sup> p<sup>h</sup> pa. (2) ἦ' p<sup>h</sup> (3) ἦ' p<sup>h</sup>

De. 8. 4. A τὰ ἱμάτιά σου οὐ κατερίβη [B οὐκ ἐπαλαιώθη] (2)  
— 4. B τὰ ὑποδήματά σου οὐ κατερίβη -  
29. 5 (4). τὰ ὑποδήματα ὑμῶν οὐ κατερίβη (2)  
Pt. 5. 11. ἡνίκα ὅταν κατατριβῶσι σάρκες σώματος σου (3)  
Da. LXX. 7. 25. τοὺς ἀγίους τοῦ ὑψίστου κατατριψέι (1)  
[Aq. GE. 18. 12 : Ps. 31 (32). 3 : 48 (49). 15 : Is. 51. 6 : Ez. 23. 43.]  
[Sm. La. 1. 14.]  
[Quint. Ps. 31 (32). 3.]

**κατατρόπος.**

III Ma. 4. 14. A τὴν . . . τῶν ἔργων κ. [B -πονον] λατρείαν

κατατροφᾶν. (1) N<sup>h</sup> p<sup>h</sup> hithpa.

Ps. 36 (37). 4. κατατροφῆσον τοῦ κύριου  
— 11. κατατροφῆσουσιν ἐπὶ πλῆθει εἰρήνης (1)

**κατατρώγειν.**

Pt. 24. 23 (29. 27). ὅστ' ἀνθρώπων κατατρώγει -  
[Aq., Sm., Th. Ez. 23. 34.]

**κατατυγχάνειν.** (1) N<sup>h</sup> p<sup>h</sup>

Jb. 3. 22. ἐὰν κατατύχῃς [A add. θανάτου] (1)

**κατατυραννεῖν.**

[Sm. Nu. 16. 13.]

**καταυγάζειν.**

Wi. 17. 5. οὕτε [S<sup>2</sup> οὕτε πυρογενεῖς] ἄστρον . . . φλόγες καταυγάζειν ὑπέμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα

I Ma. 6. 39. καὶ καταύγαζεν ὡς λαμπάδες

**καταφαγεῖν, vid. κατεσθίειν.**

καταφαίνεσθαι. (1) Ἰ' p<sup>h</sup> p<sup>h</sup>

Ge. 48. 17. βαρὺ αὐτῷ καταφάνη καταφανῆς. (1)

[Aq. GE. 22. 2 : Dt. 11. 30.]

[Sm., Th. Dt. 11. 30.]

καταφέρειν. (1) N<sup>h</sup> hi. (2) N<sup>h</sup> hi.

(3) ἦ' hi. (4) ἦ' a. ni. δ. hoph.

(5) ἦ' hoph. (6) ἦ' p<sup>h</sup> pi. (7) ἦ' p<sup>h</sup>

(8) ἦ' p<sup>h</sup> (9) ἦ' p<sup>h</sup>

Ge. 37. 2. κατήνεγκαν δὲ 'Ιωσήφ ψύγον πονηρὸν (1)

De. 1. 25. καὶ κατήνεγκαν πρὸς ἡμᾶς (3)

Jd. 12. 14. καὶ κατένεγκ' αὐτῆς ὄνομα πονηρὸν (2)

Jd. 7. 4. κατένεγκον [A κατένεγκε] αὐτοὺς (3)

— 5. κατήνεγκε [A κατέβιβασεν] τὸν λαόν (3)

16. 21. κατήνεγκαν [A -ήγαγον] αὐτὸν εἰς Γ. (8)

II Ki. 14. 14. B ὥσπερ τὸ ὕδωρ τὸ καταφερόμενον [A B -φθεῖρ.] (4 a)

III Ki. 1. 53. κατήνεγκεν αὐτὸν ἀπάνωθεν τοῦ θυσιαστηρίου (3)

To. 14. 10. S οὐχὶ ζῶν κατηνέχθη εἰς τὴν γῆν [A B al.]

Mi. 1. 4. ὡς ὕδωρ καταφερόμενον ἐν καταβάσει (4 b)

Is. 17. 13. A ὡς ὕδατος πολλοῦ βία καταφερομένη [B S φ.] (9 ?)

28. 2. ὡς χιλιὰς καταφερομένη οὐκ ἔχουσα σκέπη βία καταφερομένη [S<sup>1</sup> om. οὐκ . . . κ.] (8, 7 ?)

Ez. 47. 2. τὸ ὕδωρ καταφέρετο ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιῦ (6)

Da. TH. 5. 20. κατηνέχθη ἀπὸ τοῦ θρόνου (5)

IV Ma. 16. 20. τὴν πατρώαν χεῖρα . . . καταφερομένην ἐπ' αὐτὸν

[Aq. Ps. 75 (76). 7 : Pr. 30. 4 : Da. 10. 9.]

[Sm. Ps. 29 (30). 4, 10 : 54 (55). 3, 24 : Pr. 30. 4 : Ec. 10. 18.]

[Th., Heb. GE. 37. 2.]

[Al. Jb. 1. 16.]

**καταφερέτης.** (1) ἦ' p<sup>h</sup>

Jo. 7. 5. συνέτριψαν αὐτοὺς ἀπὸ [A ἐπὶ] τοῦ κ. (1)

[Al. Jo. 7. 5.]

καταφεύγειν. (1) ἦ' p<sup>h</sup> ni. (2) ἦ' p<sup>h</sup> ni.

(3) ἦ' p<sup>h</sup> pi. (4) ἦ' p<sup>h</sup> ni. (5) ἦ' p<sup>h</sup>

(6) ἦ' p<sup>h</sup> (7) ἦ' p<sup>h</sup>

Ge. 19. 20. τοῦ καταφυγεῖν με ἐκεῖ (5)

Ex. 21. 14. ἐὰν δέ τις ἐπιθῇται . . . καὶ καταφύγῃ -

Le. 26. 25. καταφεύξεσθε εἰς τὰς πόλεις ὑμῶν (1)

Nu. 35. 25. οὐ καταφύγετε

— 26. εἰς ἣν καταφύγετε ἐκεῖ (5)

De. 4. 42 : 19. 5. καταφεύξεσθαι εἰς μίαν τῶν πόλεων τούτων (5)

Jo. 10. 27. εἰς δὲ καταφύγουσιν [A -ον] ἐκεῖ (2)

20. αὐτὰς αἱ πόλεις . . . καταφύγετε ἐκεῖ (5)

Es. 4. 17. 'Εσθ' . . . κατέφυγον ἐπὶ τὸν κύριον

Ps. 142 (143). 9. πρὸς σὲ κατέφυγον [S<sup>2</sup> -γα] (3)

Wi. 14. 6. ἡ ἐλπίς τοῦ κόσμου ἐπὶ σχεδία καταφυγούσα

Za. 2. 11 (15). καταφεύγονται ἔθνη πολλὰ ἐπὶ τὸν κ. (4)

Is. 10. 3. πρὸς τίνα καταφεύξεσθε τοῦ βοηθηθῆναι (5)

17. 3. οὐκέτι ἔσται ὄχυρά τοῦ καταφυγεῖν 'Εφραὴμ +

54. 15. ἐπὶ σὲ καταφεύξονται (6)

55. 5. ἐπὶ σὲ καταφεύξονται (7)

Je. 9. 5 (4). A<sup>1</sup> κατὰ τοῦ φίλου αὐ. καταφεύξε- +

ται [A<sup>2</sup> B S al.]

27 (50). 5. καταφεύξονται πρὸς κ. τὸν θεόν (4)

I Ma. 5. 11. τὸ ὄχυρόμα εἰς δὲ καταφύγομεν [S<sup>1</sup> -ον]

**καταφθάνειν.** (1) ἦ' p<sup>h</sup> hi.

Jd. 20. 42. A καὶ ὁ πόλεμος κατέφθασεν αὐτὸν [B al.] (1)

καταφθείρειν. (1) p<sup>h</sup> p<sup>h</sup> (2) ἦ' p<sup>h</sup> a. pi.

δ. pu. (3) p<sup>h</sup> p<sup>h</sup> ni. (4) ἦ' p<sup>h</sup> (5) ἦ' p<sup>h</sup>

a. ni. δ. pi. c. hi. (6) ἦ' p<sup>h</sup>

Ge. 6. 12. καὶ ἦν καταφθαρμένη (5 a)

— 12. κατέφθειρε πᾶσα σὰρξ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (5 c)

— 13. καταφθείρω αὐτοὺς καὶ τὴν γῆν (5 c)

— 17. καταφθείραι πᾶσαν σάρκα (5 b)

9. 11. B καταφθείραι [A τοῦ κ.] πᾶσαν τὴν γῆν (5 b)

Ex. 18. 18. φθορὰ καταφθάρησθ (4)

Le. 26. 39. καταφθάρησονται διὰ τὰς ἁμαρτίας (3)

Jd. 6. 4. B κατέφθειραν [AR διέφθ.] τοὺς καρ- +

ποὺς αὐτῶν (5 c)

II Ki. 14. 14. A B ὥσπερ τὸ ὕδωρ τὸ καταφθει- +

ρόμενον [B -φερ.] (5 c)

II Ch. 12. 7. οὐ καταφθέρω αὐτοὺς (5 c)

24. 23. κατέφθειραν [A -εν] πάντας τοὺς ἄρχον- +

τας (5 c)

25. 16. ἐβούλετο ἐπὶ σοὶ τοῦ καταφθεῖραι σε (5 c)

26. 16. ὑψώθη ἡ καρδιά αὐτοῦ τοῦ καταφθεῖραι (5 c)

27. 2. ἐτι ὁ λαὸς κατεφθείρετο (5 c)

35. 21. μὴ καταφθείρω σε (5 c)

Wi. 16. 19. AS ἵνα ἀδίκου γῆς γεννήματα καταφθείρω [B διαφθ.]

— 22. τοὺς τῶν ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] καρποὺς κατέ- +

φθειρε πῦρ

Is. 10. 27. καταφθαρήσεται ὁ ζυγὸς ἀπὸ τῶν ὁμῶν ὑμῶν (2 b)

13. 5. καταφθείραι [A S<sup>2</sup> τοῦ κ.] πᾶσαν τὴν οἰκουμένην (2 a)

24. 1. κύριος καταφθείρει τὴν οἰκουμένην (1)

32. 7. καταφθείραι ταπεινοὺς ἐν λόγοις ἀδίκους (2 a)

36. 10. S<sup>1</sup> καὶ καταφθείρουσιν [B S<sup>1</sup> al.] (5 c)

49. 19. τὰ κατεφθαρμένα [A S<sup>2</sup> διεφθ.] καὶ τὰ πεπτωκότα (6)

Da. LXX. 4. 11. καὶ καταφθείρατε αὐτό +

— 24. καὶ μὴ καταφθείρητε σε -

I Ma. 3. 39. καὶ καταφθείραι αὐτὴν [S<sup>1</sup> om.]

8. 11. κατέφθειραν καὶ ἐδούλωσαν αὐτοὺς

15. 4. μετέλθω τοὺς κατεφθαρκότες τὴν χώραν ἡμῶν — 31. καὶ τῆς καταφθοράς ἡς κατεφθάρκατε

II Ma. 5. 14. ὅκτω δὲ μυριάδες . . . κατεφθάρσαν

8. 3. ἐλεῆσαι δὲ καὶ τὴν καταφθειρομένην πόλιν [Sm. Ps. 106 (107). 39.]

**καταφθορεῖν.**

Da. TH. Bel 13. A αὐτοὶ δὲ κατεφθόρουσιν [B -εφρό- +

ρουν]

**καταφθορά.** (1) ἦ' p<sup>h</sup> p<sup>h</sup> (2) a. ἦ' p<sup>h</sup> hi.

δ. ἦ' p<sup>h</sup>

II Ch. 12. 12. καὶ οὐκ εἰς καταφθορὰν εἰς τέλος (2 a)

Es. 4. 17. ἐπιβλέπουσιν ἡμῖν εἰς καταφθορὰν

Ps. 48 (49). 9. οὐκ ὄψεται καταφθορὰν (2 b)

139 (140). 11. ἀνδρα ἀδικον κακὰ θηρεύσει εἰς καταφθορὰν [A S<sup>2</sup> διαφθ.] (1)

Si. 28. 6. μνήσθητι . . . καταφθορὰν καὶ θάνατον

Ze. 3. 6. ἐν διαφθορᾷ [S<sup>2</sup> καταφθ.] κατέσπασα ὑπερηφάνους -

Da. LXX. 4. 15. ἡ κ. αὐτοῦ ἐν ὥρᾳ μιᾷ τῆς ἡμέρας -

I Ma. 15. 31. καὶ τῆς κ. ἡς κατεφθάρκατε

**καταφιλεῖν.** (1) ἦ' p<sup>h</sup> a. qal. δ. pi.

(2) ἦ' p<sup>h</sup> hithpal.

Ge. 31. 28. καταφιλήσας τὰ παιδία μου (1 b)

— 55 (32. 1). καταφιλήσε τοὺς υἱούς (1 b)

33. 4. B καὶ καταφιλήσεν αὐτόν (1 a)

45. 15. καταφιλήσας πάντας τοὺς ἀδ. αὐτοῦ (1 b)

Ex. 4. 27. καταφιλήσαν ἀλλήλους (1 a)

Ru. 1. 9. καὶ καταφιλήσεν αὐτὰς (1 a)

— 14. καταφιλήσεν 'O. τὴν πενθεράν αὐτῆς (1 a)

I Ki. 20. 41. καταφιλήσεν ἐκ. τὸν πλησίον αὐ. (1 a)

II Ki. 14. 33. καταφιλήσεν ὁ βασιλ. τὸν 'Αβ. (1 a)

15. 5. καὶ καταφιλήσεν αὐτόν (1 a)

19. 39 (40). καταφιλήσεν ὁ βασιλ. τὸν Βερζ. (1 a)

20. 9. τοῦ καταφιλήσας αὐτόν (1 a)

III Ki. 2. 19. καὶ καταφιλήσεν αὐτήν (2)

19. 20. καταφιλήσῃ τὸν πατέρα μου (1 a)

I Es. 4. 47. καταφιλήσεν αὐτόν +

To. 7. 6. ἀνεπήδησε 'Ραγουήλ καὶ καταφιλήσεν αὐτόν

10. 13. S καὶ καταφιλήσεν ἀμφοτέρους

Ps. 84 (85). 10. δικαιοσύνη καὶ εἰρήνη κατεφι- +

λήσαν (1 a)



Si. 29. 5. καταφιλήσει χείρα [A S -as] αὐτοῦ

III Ma. 5. 49. καταφύλουσιν ἀλλήλους  
[Aq. Ps. 2. 11: Ho. 13. 2.]  
[Th. Pr. 24. 26.]

**καταφλέγειν.** (1) **לִפְלֹק** (2) **לִפְלֹק** (3) **לִפְלֹק** pi.  
Jb. 1. 16. B<sup>1</sup> καὶ τοὺς ποιμένας κατέφλεξεν [A  
-έκαυσεν, B S<sup>1</sup> -έφαγεν] (1)  
Ps. 17 (18). 8. B<sup>2</sup> πῦρ . . . καταφλέγεται (1)  
[A B S<sup>1</sup> κατεφλόγισεν] (1)  
104 (105). 32. πῦρ καταφλέγον ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (2)  
105 (106). 18. φλόξ κατέφλεξεν ἀμαρτωλούς (8)  
Wi. 18. 18. ἵνα μὴ καταφλέξῃ τὰ ἐπ' ἀσεβείας ἀπεσταλ-  
μένα ἥρα [S<sup>1</sup> om.]

II Ma. 12. 6. τὰ σκάφη κατέφλεξε

III Ma. 2. 5. Σοδομίτας . . . πυρὶ καὶ θεῷ κατέφλεξας

IV Ma. 8. 11. καὶ λούσαντα κατέφλεγεν

6. 25. καταφλέγοντες αὐτὸν ὑπερίπτοσαν

**καταφλογίζεσθαι.** (1) **לִפְלֹק**  
Ps. 17 (18). 8. πῦρ . . . καταφλόγισεν [S<sup>2</sup> κατα-  
φλέγεται] (1)

**καταφλουεῖν.**  
[Sm. Jc. 20. 7.]

**κατάφοβος.**  
Pr. 29. 16. οἱ δὲ δίκαιοι ἐκείνων πιπτόντων κατά-  
φοβοὶ γίνονται

**καταφορέ.**  
[Aq. Gk. 2. 21: I Ki. 26. 12: Pr. 19. 15: Is.  
29. 10.]

**κατάφρακτος.**  
[Sm. Jb. 39. 21.]

**καταφράσσεσθαι.**  
I Ma. 6. 38. καταφρασσόμενοι ἐν ταῖς φάλαγξιν

**καταφρονεῖν.** (1) **לִפְלֹק** (2) **לִפְלֹק** a. verb.  
δ. subst. (3) **לִפְלֹק** (4) **לִפְלֹק** ni.  
(5) **לִפְלֹק** pil.

Ge. 27. 12. ἔσονται ἐναντίον αὐτοῦ ὡς καταφρονῶν (8)  
To. 4. 18. A B μὴ καταφρονήσης ἐπὶ πάσης συμβου-  
λίας χρησίμης

Ju. 10. 19. τίς καταφρονήσει τοῦ λαοῦ τούτου  
Pr. 13. 13. ὅς καταφρονεῖ πράγματος καταφρονη-  
θήσεται ὑπ' αὐτοῦ (2 a, 4 ?)

— 15. ὁδοὶ δὲ καταφρονούντων ἐν ἀπωλείᾳ (1)  
18. 3. ὅταν ἔλθῃ ἀσεβῆς εἰς βάθος κακῶν κατα-  
φρονεῖ (2 b)

19. 16. ὁ δὲ καταφρονῶν τῶν ἑαυτοῦ ὁδῶν ἀπο-  
λείται (8)

23. 22. μὴ καταφρονεῖς ὅτι γεγῆρακε σου ἡ  
μήτηρ (2 a)

25. 9. μὴ καταφρονεῖς μὴ σε ἐνεδίδηξεν μὲν ὁ φίλος  
Wi. 14. 30. ἐν δόλῳ καταφρονήσαντες ἀσπίδους  
Ho. 6. 8 (7). ἐκεῖ καταφρονήσῃ μου (1)

Hb. 1. 13. ἵνα τί ἐπιβλέπεις ἐπὶ καταφρονούντας (1)  
Ze. 1. 12. τοὺς καταφρονούντας ἐπὶ τὰ φυλάγ-  
ματα

Je. 2. 36. καταφρονήσας σφόδρα τοῦ δευτερώσαι  
τὰς ὁδοὺς σου

Da. Th. Bel 13. αὐτοὶ δὲ καταφρονούν [A -εφρόνουν]  
II Ma. 4. 14. B τοῦ μὲν ναοῦ καταφρονούντες [A al.]  
7. 24. ὁ δὲ ἄντ. οἰόμενος καταφρονεῖσθαι (1)

IV Ma. 4. 9. B B τοῦ ἱεροῦ [A om.] καταφρονουμένου  
τόπου

— 26. τὰ ὄνματα αὐτοῦ καταφρονεῖτο ὑπὸ τοῦ  
λαοῦ

5. 10. κάμει καταφρονήσεις ἐπὶ τῇ ἰδίᾳ τιμωρίᾳ  
6. 21. ὑπὸ μὲν τοῦ τυράννου καταφρονήθωμεν  
18. 9. A B οἱ τῇ ἰσοπαλίδος καμίνου [S ἰσοπαλ-  
ίδου καμίνης] καταφρόνησαν

[Sm. Jo. 7. 1: Ec. 9. 16: Ez. 20. 27.]

**καταφρόνησις.**  
II Ma. 8. 18. A διὰ τὸ μὴ [B om.] μέλλειν εἰς κατα-  
φρόνησιν ἐρχεσθαι

[Sm. Pr. 12. 8: Ez. 17. 20: 20. 27.]

**καταφρονήτης.** (1) a. **לִפְלֹק** δ. **לִפְלֹק**  
Hb. 1. 5. ἴδετε οἱ καταφρονῆται

2. 5. ὁ δὲ κατ' οὐμὸς καὶ [B<sup>1</sup> om.] καταφρονήτης (1 a)  
Ze. 3. 4. οἱ προφῆται αὐτῆς . . . ἄνδρες κ. (1 b)

**καταφυγή.** (1) **לִפְלֹק**, **לִפְלֹק** (2) **לִפְלֹק**

(3) **לִפְלֹק** (4) **לִפְלֹק** (5) **לִפְלֹק** (6) **לִפְלֹק**  
(7) a. **לִפְלֹק** δ. **לִפְלֹק** (8) **לִפְלֹק** (9) **לִפְלֹק**

Ex. 17. 15. κύριος καταφυγή μου (8)  
Nu. 35. 27. ἔξω τῶν ὁρίων τῆς πόλεως κατα-  
φυγῆς αὐτοῦ (5)

— 28. ἐν γὰρ τῇ πόλει τῆς κ. [A κ. αὐτοῦ] (5)  
De. 19. 3. ἐστὶ καταφυγή ἐκεῖ παντὶ φονεῖτῃ (7 a)

II Ki. 22. 3. καὶ καταφυγή μου σωτηρίας [A<sup>1</sup>  
-ia] μου (7 b)

Ps. 9. 9. ἐγένετο κύριος καταφυγή τῷ πένητι (8)  
17 (18). 2. κύριος στερεώμα μου καὶ καταφυγή  
μου (4)

30 (31). 2. γενοῦ μοι . . . εἰς ὄκον καταφυγῆς  
— 3. καταφυγή μου εἰς σὺ (4)

31 (32). 7. σὺ μου εἶ καταφυγή ἀπὸ θλίψεως  
τῆς περιουσίας με (9)

45 (46). 1. ὁ θεὸς ἡμῶν καταφυγή καὶ δύναμις  
58 (59). 16. καὶ καταφυγή ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως μου (7 b)

70 (71). 3. καταφυγή μου εἰς σὺ (4)  
89 (90). 1. κύριε, καταφυγή ἐγένεθη ἡμῖν (8)

90 (91). 2. ἀντιλήπτωρ μου εἰ καὶ καταφυγή μου (4)  
— 9. τὸν ὑψίστον ἔθον καταφυγὴν σου (8)

93 (94). 22. ἐγένετό μοι κύριος εἰς καταφυγὴν  
103 (104). 18. πέτρα καταφυγή τοῖς χοιρογυρ-  
λίοις [A S<sup>1</sup> λαγφίοις] (1)

143 (144). 2. ἔλεός μου καὶ καταφυγή μου (4)  
Is. 25. 12. τὸ ὕψος τῆς κ. τοῦ τοίχου σου  
ταπεινώσει (8)

Je. 16. 19. βοήθειά μου καὶ κ. μου (7 b)  
Da. Th. 11. 39. τοῖς δυχρώμασι τῶν κ. (2)

II Ma. 10. 28. τῇ ἐπὶ τὸν κύριον κ.  
[Sm. I Ki. 28. 14: Ps. 70 (71). 3: Is. 28. 15.]  
[Th. I Ki. 22. 4: Da. 11. 39.]  
[Al. Is. 28. 15.]  
[Quint. Ps. 90 (91). 9.]

**καταφυτεύειν.** (1) **לִפְלֹק** (2) **לִפְלֹק** (3) **לִפְלֹק** hi.  
(4) **לִפְלֹק**

Ex. 15. 17. καταφυτεύουσιν αὐτοὺς (1)  
Le. 19. 23. καταφυτεύετε [A -ητε] πᾶν ξύλον  
βρώσιμον (1)

De. 6. 11. οὐδ' οὐ καταφυτεύσατε (1)  
Jo. 24. 13. A οὐδ' οὐ καταφυτεύσατε [B οὐκ ἐφύτ.] (1)

II Ki. 7. 10: I Ch. 17. 9. καταφυτεύω αὐτὸν (1)  
Ps. 43 (44). 2. καὶ καταφυτεύσας αὐτοὺς (1)

79 (80). 8. καταφυτεύσας αὐτὴν (1)  
— 9. καταφυτεύσας τὰς ρίζας αὐτῆς (8)

Pr. 31. 16. καταφυτεύει κτήμα  
Si. 49. 7. οἰκοδομεῖν καὶ καταφυτεύειν [S<sup>1</sup> φυτ.] (1)

Am. 9. 14. B φυτεύουσιν [A B καταφ.] ἀμπε-  
λώνας (1)

— 14. B καὶ ποιήσουσι [A καταφυτεύουσιν,  
B φυτεύουσιν] κήπους (2)

— 15. καταφυτεύω αὐτοὺς ἐπὶ τῇ γῇ αὐτῶν (1)  
Ze. 1. 13. καὶ καταφυτεύουσιν [A -σωσιν] (1)

Is. 65. 21. καταφυτεύουσιν [B -σωσιν] ἀμπε-  
λώνας (1)

Je. 1. 10. B S ἀνοικοδομεῖν καὶ κ. (1)  
11. 17. κύριος ὁ καταφυτεύσας σε (1)

18. 9. τοῦ ἀνοικοδομῆσθαι καὶ τοῦ καταφυτεύ-  
εσθαι (1)

24. 6. καταφυτεύω αὐτοὺς καὶ οὐ μὴ ἐκτίλω  
36 (29). 5. S καταφυτεύσατε [AB φυτ.] παρα-  
δείσους (1)

38 (31). 28. τοῦ οἰκοδομεῖν καὶ κ. (1)  
Ez. 17. 22. καταφυτεύω ἐγὼ ἐπ' ὄρος ὑψηλόν

— 23. καταφυτεύω καὶ ἐξοίσεις βλαστὸν  
36. 36. καταφυτεύσα τὰς ῥηφασμένους (1)

II Ma. 1. 29. καταφυτεύουσιν τὸν λαὸν σου  
[Aq. Jc. 45. 4 (51. 34): Mi. 6. 14.]  
[Sm. Jc. 45. 4 (51. 34).]

**καταφύεσις.**  
Je. 38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν εἰς κατα-  
φύεσιν καὶ κήνην

**καταχαίρειν.** (1) **לִפְלֹק**  
Pr. 1. 26. καταχαροῦμαι δὲ ἡνίκα ἂν ἐρχηται  
ἡμῖν διέθρος (1)

**καταχαλάν.** (1) **לִפְלֹק** hi.  
Jo. 2. 15. κατεχάλασεν αὐτοὺς διὰ τῆς θυρίδος (1)

**καταχαλκοῦν.** (1) **לִפְלֹק** pi.

II Ch. 4. 9. καὶ θυρώματα αὐτῶν κατακεχαλκω-  
μένα χαλκῷ (1)

**καταχεῖν.** (1) **לִפְלֹק** (2) **לִפְלֹק** (3) **לִפְלֹק** hi.  
Ge. 39. 21. κατέχεεν αὐτοῦ ἔλαιος (2)

Jb. 41. 14 (15). καταχεῖ ἐπ' αὐτόν (1)  
Ps. 88 (89). 45. κατέχεας αὐτοῦ [S<sup>2</sup> -φ] αἰσχύνῃ (8)

II Ma. 1. 31. A ἐκέλευσε λίθους μείζοντας καταχεῖν  
[B κατασχεῖν]

IV Ma. 6. 25. δυσώδεις χυλοὶ εἰς τοὺς μυκτῆρας  
αὐτοῦ κατέχεον  
[Th. Jb. 41. 15.]

**καταχρᾶσθαι.**  
Ep. Jc. 28. τὰς θεὸς αὐτῶν ἀποδόμειοι οἱ ἱερεῖς  
αὐτῶν καταχρᾶνται

III Ma. 4. 5. πρὸς δεξιάν καταχρωμένων πορείαν  
5. 22. εἰς ὑπνον κατεχρήσαντο τὸν χρόνον τῆς νυκτός

**κατάχρεος, κατάχρεως.**  
Wi. 1. 4. οὐδὲ κατοικεῖ ἐν σώματι καταχρέφ [? κατά-  
χρεφ] ἁμαρτίας

**καταχρίειν.** (1) **לִפְלֹק**  
Ex. 2. 3. κατέχρισεν αὐτὴν ἀσφαλτοπίσση (1)

Wi. 18. 14. καταχρίσας μίλην  
— 14. πᾶσαν κηλίδα τὴν ἐν αὐτῇ καταχρίσας

**καταχρύσεια.** (1) **לִפְלֹק** ἡ  
De. 1. 1. ἀνὰ μέσον . . . Αὐλὼν καὶ καταχρύσεια (1)

**καταχρυσόειν.** (1) **לִפְלֹק** pi. (2) **לִפְלֹק** pi.  
Ex. 25. 10 (11). καταχρυσώσεις αὐτὴν χρυσίῳ

καθαρῷ (2)  
— 12 (13). καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ (2)

— 27 (28). καταχρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίῳ καθαρῷ (2)  
26. 29. τοὺς στύλους καταχρυσώσεις χρυσίῳ (2)

— 29. καταχρυσώσεις τοὺς μοχλοὺς χρυσίῳ (2)  
30. 3. καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ καθαρῷ (2)

— 5. καταχρυσώσεις αὐτὰς [A -ὰ] χρυσίῳ (2)  
37. 4 (38. 36). στύλους . . . καταχρυσωμένους  
ἐν [A om.] χρυσίῳ (2)

— 6 (38. 38). τὰς κεφαλίδας αὐτῶν . . . κατε-  
χρυσώσαν χρυσίῳ (2)

38. 2 (37. 2). κατεχρυσώσιν αὐτὴν χρυσίῳ καθαρῷ (2)  
— 11 (37. 15). κατεχρυσώσαν αὐτοὺς χρυσίῳ (2)

— 18. κατεχρυσώσε τοὺς στύλους . . . χρυσίῳ (2 ?)  
39. 6 (38. 28). κατεχρυσώσε τὰς κεφαλίδας αὐτῶν (2)

II Ch. 3. 4. καὶ κατεχρυσώσαν αὐτὸν ἱσώθεν (2)  
— 5. καὶ κατεχρυσώσε χρυσίῳ καθαρῷ (1)

— 8. A κατεχρυσώσαν [B ἐχρ.] αὐτὸ χρυσίῳ  
καθαρῷ (1)

9. 17. κατεχρυσώσαν αὐτὸν χρυσίῳ δοκίμῳ (2)  
[Th. Ex. 37. 4, 11, 15.]

**κατάχυσος.** (1) **לִפְלֹק**  
Jb. 36. 16. ἀβυσσος κατάχυσος [A -σεις] ὑπο-  
κάτω αὐτῆς (1 ?)

[Aq. Dt. 3. 17.]

**καταχωννύναι.** (1) **לִפְלֹק**  
Za. 9. 15. καταχώνουσιν αὐτοὺς [S<sup>2</sup> om. κ. αὐ.]  
ἐν λίθοις σφενδάνης (1)

[Sm. Jb. 40. 8 (13).]

**καταχωρίζειν.** (1) **לִפְלֹק** ni. (2) **לִפְלֹק**  
I Ch. 27. 24. οὐ κατεχωρίσθη ὁ ἀριθμὸς ἐν  
βιβλῳ λόγων (2)

Es. 2. 23. καταχωρίσαι εἰς μνημόσυον (1)  
III Ma. 2. 29. B οὐς καὶ καταχωρίσαι [A προκατ.]  
εἰς τὴν . . . αὐθεντίαν

**καταψεύδεσθαι.**  
Wi. 1. 11. στόμα δὲ καταψευδόμενον ἀναίρει ψυχὴν  
[Sm. Jb. 16. 8.]

**καταψεύσις.**  
Si. 26. 5. καὶ καταψευσμὸν ὑπὲρ θάνατον

**καταψύξεις.**  
[Th. Gk. 3. 9 (8).]

**καταψύχειν.** (1) **לִפְלֹק** ni.  
Ge. 18. 4. καταψύξατε ὑπὸ τὸ δένδρον (1)

**κατέαγμα.**  
[Al. Le. 24. 20.]

<p><b>κατεχειρεύσθαι.</b>  III Mā. 1. 21. ἐπὶ τοῖς ἀνοσίωσις ὑπ' ἐκείνου κατεχειρουμένοις  <b>κατελείν.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕  II Ch. 9. 20. Ἀ πάντα τὰ σκεῖη . . . χρυσίῳ κατελιμένα [B -ημένα] (1)  <b>κατεπιέν.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕 𐤍𐤕𐤒  Nu. 14. 37. οἱ [B' om.] κατεπίαντες πονηρὰ κατὰ τῆς γῆς  <b>κατελαύνειν.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕  De. 9. 21. Ἀ καὶ κατῆλασα σφόδρα [B al.]  Is. 5. 5. B κατελῶ [A B S κατελῶ] τὸν τοίχον αὐτοῦ  [Aq. Ps. 140 (141). 5: Is. 28. 1: 41. 7.]  <b>κατελέειν.</b>  IV Mā. 8. 10. κατελέσατε οὖν ἐαυτοὺς  <b>κατεμβλέπειν.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕 hi.  Ex. 3. 6. κατεμβλέψαι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ  <b>κατέναντι, κατεναντίον.</b> * ὁ κατέναντι  Ge. 2. 14: 4. 16: 50. 13.  Ex. 19. 2: 32. 5, 11f.  Nu. 17. 4 (19).  Jd. 19. 10f.  II Ki. 10. 17f: 22. 23.  III Ki. 20 (21). 13f.  IV Ki. 1. 13: 15. 10f.  I Ch. 5. 11: 8. 32: 19. 7, 14: 24. 6: 26. 15, 16f, 18.  II Ch. 2. 6 (5): 4. 10 (adv.): 5. 12f: 6. 12, 22, 24, 28: 8. 14: 32. 12: 34. 27.  Ne. 3. 10, 23: 12. 24, 37.  To. 11. 1f.  Ju. 12. 15f, 19.  Ps. 5. 5: 25 (26). 3: 43 (44). 15f.  Ec. 4. 12: 6. 8.  Sl. 22. 18 bis: 26. 12, 12f: 28. 26: 29. 13: 81 (34). 3: 36 (38). 15: 38. 28: 42. 24: 47. 9: 50, 19.  Am. 3. 12: 4. 3.  Mi. 2. 8.  Jl. 1. 16.  Za. 14. 4*+.  Is. 38. 20.  Ba. 4. 2.  La. 3. 35.  Ez. 1. 9f: 3. 8 bis: 11. 1 (adv.): 40. 10 (adv.), 27, 42: 41. 13, 14: 42. 1, 4, 19f: 44. 4: 47. 20 (fws κ.).  Da. LXX. 3. 7: 5. 1, 5, 17: 6. 10 (11): 8. 7, 15.  Da. TH. Su. 24: 5. 1, 5: 6. 10 (11), 22 (23).  I Ma. 2. 41: 8. 46: 18. 28.  II Ma. 15. 33.  [Aq. Gz. 2. 18: 38. 12 (eis κ.): Ps. 25 (26). 3 (eis κ.): 80 (81). 20, 23 (ἀπὸ κ.): Pr. 4. 25: 21. 30: CA. 6. 4 (5) (ἀπὸ κ.).]  [Sm. Pr. 5. 21: 21. 30.]  [Th. III Ki. 21. 13: Pr. 4. 25: 5. 21: 21. 30: Ez. 20. 43: Da. 4. 15 (κ. δτι)†: 5. 1, 5, 10†: 6. 3 (κ. δτι)†, 8†.]  [Al. Ex. 25. 26 (27): II Ki. 5. 23 (κ. ἐν).]  <b>κατερισχύνειν.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕 hithp.  I Ch. 29. 30 (II Ch. 1. 1). B κατερίσχυσεν Σαλ. . . ἐπὶ τῆς βασιλείας (1)  <b>κατεντευκτής.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕  Jb. 7. 20. διὰ τὴ ἔθου με κατεντευκτὴν σου (1)  <b>κατενώπιον.</b>  Le. 4. 17†.  Jo. 1. 5: 3. 7: 21. 42: 23. 9.  Es. 5. 1†.  Ps. 43 (44). 15†.  Da. TH. 5. 22†.  <b>κατεπαίρεισθαι.</b>  [Sm. Ps. 60 (61). 3:]  <b>κατεπέγειν.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕  Ex. 22. 25 (24). οὐκ ἔσθαι αὐτὸν κατεπέγειν (1)</p>	<p><b>κατεπίθεσις.</b>  [Aq. Ps. 81 (82). 2: 119 (120). 3.]  <b>κατεπίθυμος.</b>  Ju. 12. 16. ἦν κατεπίθυμος σφόδρα  <b>κατεπικύπτειν.</b>  Es. 5. 1. κατεπικύψεν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν [A al.]  <b>κατεργάζεσθαι.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕  (3) 𐤒𐤓𐤕 (4) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. δ. ni.  (5) 𐤒𐤓𐤕 (6) 𐤒𐤓𐤕 (7) 𐤒𐤓𐤕 hi. (8) 𐤒𐤓𐤕  Ex. 15. 17. Ἀ κατοικητήριόν σου δὲ κατεργάσω [B -ητίσω] (6)  35. 33. κατεργάσθαι τὰ ξύλα (1)  39. 1 (38. 24). δὲ κατεργάσθη εἰς τὰ ἔργα (5)  Nu. 6. 3. ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς (8)  De. 28. 39. ἀμπελῶνα φυτεύσεις καὶ κατεργά (4 a)  Jd. 16. 16. Ἀ δὲ κατεργάσσο αὐτὸν [B al.] (7)  III Ki. 6. 36. στίχος κατεργασμένης κέδρου (2)  I Es. 4. 4. κατεργάζονται τὰ ὄρη  Ps. 67 (68). 28. B<sup>1</sup> δὲ κατεργάσω [B<sup>1</sup> -ητίσω] (6)  ἐμὴν (8)  Ez. 34. 4. τὸ ἰσχυρὸν κατεργάσασθε μόχθῳ (8)  36. 9. καὶ κατεργάσθησθε (4 b)  [Aq. Jb. 11. 8: Ps. 10 (11). 3: 27 (28). 3: 30 (81). 20.]  [Al. Le. 25. 39, 53: Jo. 18. 1.]  <b>κατεργασία.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕  I Ch. 28. 19. κατὰ τὴν . . . συνῆμιν τῆς κ. τοῦ παραδείγματος (1)  [Aq. Ps. 27 (28). 5: Is. 40. 10.]  <b>κατέργασμα.</b>  [Aq. Ps. 45 (46). 9: Pr. 8. 22.]  <b>κατέργον.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕  Ex. 30. 16. Ἀ B εἰς τὸ [B om.] κ. τῆς σκηνῆς (1)  35. 21. ἤνεγκαν ἀφαίρεμα . . . εἰς πάντα τὰ κ. αὐτῆς (1)  [Aq. Jb. 24. 5: Ps. 27 (28). 4.]  <b>κατερέπειν.</b>  [Th. Jb. 37. 1.]  <b>κατερευνάν.</b> (1) 𐤒𐤓𐤕  Je. 29 (49). 10. Ἀ κατερεύνησα [cod. -αύν., B -έσσυρα] τὸν Ἡσαῦ (1)  <b>κατέρχεσθαι.</b>  To. 1. 22. B κατήλθον εἰς τὴν Νινευὴ [A B al.]  2. 1. δὲ κατήλθον εἰς τὸν οἶκόν μου [B al.]  Es. 8. 13. εἰς [A om.] τὸν ὄρειν κατελθόντες  Wi. 11. 22. ὡς ῥανίς δρόσον δρομένη κατελθούσα ἐπὶ γῆν [B<sup>2</sup> γῆς]  II Ma. 11. 29. B κατελθόντας ὑμᾶς γίνεσθαι πρὸς τοὺς ἰδίους [A al.]  [Sm. Jb. 21. 13.]  <b>κατέσθην, κατεσθίειν (incl. καταφαγεῖν, κατέσθαι).</b> (1) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. δ. ni. c. po.  d. pu. e. 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  (4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓𐤕 pi. (6) 𐤒𐤓𐤕  (7) 𐤒𐤓𐤕 pi.  Ge. 31. 15. κατέφαγε καταβρώσει τὸ ἀργύριον ἡμῶν (1 a)  — 38. κριοὺς τῶν προβάτων σου οὐ κατέφαγον (1 a)  37. 20, 33. θηρίων πονηρὸν κατέφαγεν αὐτόν (1 a)  40. 17. τὰ πετεινὰ . . . κατήσθην αὐτὰ (1 a)  41. 4, 20. κατέφαγον αἱ ἐπτά βόες . . . τὰ ἐβόας (1 a)  43. 2. καταφαγεὶν τὸν σίτον (1 a)  Ex. 10. 5. B κατέσθαι πᾶν τὸ περισσὸν τῆς γῆς [A om. τ. γ.] (1 a)  — 5. κατέσθαι πᾶν ξύλον (1 a)  — 12. κατέσθαι πᾶσαν βοτάνην (1 a)  — 15. κατέφαγε πᾶσαν βοτάνην (1 a)  15. 7. κατέφαγεν αὐτοὺς ὡς καλῶμην (1 a)  Le. 9. 24. κατέφαγε τὰ ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου (1 a)  10. 2. καὶ κατέφαγεν αὐτοὺς (1 a)  28. 22. καὶ κατέσθαι ὑμᾶς (7)  — 38. κατέσθαι ὑμᾶς ἢ γῆ τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν (1 a)</p>	<p>Nu. 11. 1. κατέφαγε μέρος τι τῆς παρεμβολῆς (1 a)  12. 12. κατεσθίει τὸ ἥμισυ τῶν σαρκῶν αὐτῆς (1 b)  18. 33 (32). γῆ κατέσθουσα τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς (1 a)  16. 35. κατέφαγε τοὺς πενήτηντα καὶ διακοσίους ἄνδρας (1 a)  21. 28. καὶ κατέφαγεν ἕως Μωάβ (1 a)  28. 10. δὲ κατέφαγε τὸ πῦρ τοὺς πενήτηντα (1 a)  De. 28. 38. κατέσθαι αὐτὰ ἡ ἀκρίε (4)  — 39. καταφάγεται αὐτὰ ὁ σκόληξ (1 a)  — 51. κατέσθαι τὰ ἔκγονα τῶν κτηνῶν σου (1 a)  — 55. ὡς ἂν κατέσθῃ (1 a)  — 57. καταφάγεται γὰρ αὐτὰ (1 a)  32. 22. καταφάγεται γῆν  — 42. Ἀ ἡ μάχαιρά μου καταφάγεται [B φάγ.] (1 a)  κρέα (1 a)  Jd. 6. 21. κατέφαγε τὰ κρέα (1 a)  9. 15. Ἀ B καταφάγοι [B -η] τὰς κέδρους τοῦ λιβάνου (1 a)  — 20. Ἀ B καταφάγοι [B φ.] τοὺς ἄνδρας Σικ. (1 a)  — 20. καταφάγοι τὸν Ἀβ. (1 a)  II Ki. 2. 26. μὴ εἰς νίκος καταφάγεται ἡ βομή. (1 a)  11. 25. Ἀ καταφάγεται [B φάγ.] ἡ μάχαιρα (1 a)  18. 8. ἐπλεόνασεν ὁ δρυμὸς τοῦ καταφαγεῖν (1 a)  — 8. ὑπὲρ οὗς κατέφαγεν ἐν τῇ λαφ. [A om. ἐν τ. λ.] ἡ μάχαιρα (1 a)  22. 9. πῦρ ἐκ στόματος αὐτοῦ κατέσθαι (1 a)  III Ki. 12. 24 (B cf. A 14. 11). καταφάγονται οἱ κύνες —  — 24 (B cf. A 14. 11). καταφάγεται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ —  14. 11. Ἀ καταφάγονται οἱ κύνες (1 a)  — 11. Ἀ καταφάγονται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ. (1 a)  16. 4. καταφάγονται αὐτὸν [A om.] οἱ κύνες (1 a)  — 4. καταφάγονται αὐτὸν τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ. (1 a)  18. 38. κατέφαγε τὰ ὀλοκαυτώματα (1 a)  20 (21). 23. οἱ κύνες καταφάγονται αὐτήν (1 a)  — 24. Ἀ τὸν τεθνηκότα . . . καταφάγονται [B φάγ.] οἱ κύνες (1 a)  — 24. Ἀ τὸν τεθνηκότα . . . καταφάγονται [B φάγ.] τὰ πετεινὰ (1 a)  IV Ki. 1. 10. καὶ καταφάγεται σε —  — 10. καὶ κατέφαγεν αὐτόν (1 a)  — 12. καὶ καταφάγεται σε (1 a)  — 12. καὶ κατέφαγεν αὐτόν (1 a)  — 14. κατέφαγε τοὺς δύο πενητηκοντάρχους (1 a)  9. 10. τὴν ἱεζ. καταφάγονται οἱ κύνες (1 a)  — 36. καταφάγονται οἱ κύνες τὰς σάρκας ἱ. (1 a)  II Ch. 7. 1. κατέφαγε τὰ ὀλοκαυτώματα —  — 13. ἐὰν ἐντείλωμαι τῇ ἀκριδί καταφαγεῖν τὸ ξύλον (1 a)  Es. 1. 1. κατέφαγον τοὺς ἐνδόξους  Jb. 1. 16. Ἀ κατέφαγεν [B S -έκανεν] τὰ πρόβατα (8)  — 16. τοὺς ποιμένας κατέφαγεν [A -έκανεν, B<sup>1</sup> -έφλεξεν] (1 a)  18. 13. κατέσθαι δὲ αὐτοῦ τὰ ὄραια [A ὄμα] θάνατος (1 a)  20. 26. κατέσθαι αὐτὸν πῦρ ἄκυστον [A δ-σβεστον] (1 c)  22. 20. τὸ κατάλειμμα αὐτῶν καταφάγεται πῦρ (1 a)  Ps. 18 (14). 4. οἱ κατέσθοντες [A -ίοντες, B ἐσθίοντες] τὸν λαόν μου (1 a)  20 (21). 9. καταφάγεται αὐτοὺς πῦρ (1 a)  52 (58). 4. B οἱ κατεσθίοντες [B S<sup>1</sup> ἐσθοντες, B<sup>2</sup> κατέσθοντες] τὸν λαόν μου (1 a)  68 (69). 9. B<sup>1</sup> B<sup>1</sup> ὁ ἥλος τοῦ οἴκου σου καταφάγεται [B S<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -έφαγε] με (1 a)  77 (78). 45. κατέφαγεν αὐτοὺς (1 a)  — 63. τοὺς μενίσκους αὐτῶν κατέφαγε πῦρ (1 a)  78 (79). 7. κατέφαγον τὸν Ἰακώβ (1 a)  104 (105). 35. κατέφαγε πάντα τὸν χόρτον (1 a)  — 35. κατέφαγε τὸν καρπὸν τῆς γῆς αὐτῶν (1 a)  Pr. 24. 37 (30. 14). κατεσθίειν [A om.] τοὺς ταπεινοὺς ἀπὸ τῆς γῆς —  — 52 (30. 17). καταφάγουσαν αὐτὸν νεοσσοὶ ἀετῶν (1 a)  Ec. 6. 2. B<sup>1</sup> ἀνὴρ ξένος καταφάγεται [A B B<sup>2</sup> φάγ.] αὐτόν [A -ά] (1 a)  Si. 6. 3. τὰ φύλλα σου καταφάγεται  43. 21. καταφάγεται ὄρη καὶ ἔρημον ἐκκαύσει  Ho. 2. 12 (14). καὶ καταφάγεται αὐτὰ τὰ θηρία (1 a)  5. 7. νῦν καταφάγεται αὐτοὺς ἡ ἐρουσίβη (1 a)  7. 7. καὶ καταφάγον [A -εν πῦρ] τοὺς κριτὰς αὐτῶν (1 a)</p>
--	---	--

Ho. 7. 9. κατέφαγον ἀλλότριον τὴν ἰσχὺν αὐτοῦ (1 α)  
 8. 7. ἀλλότριον καταράγονται αὐτό (2)  
 — 14. καὶ καταράγονται τὰ θεμέλια αὐ. (1 α)  
 13. 8. καταράγονται [A φάγ.] αὐτοὺς ἐκεῖ σκύμ-  
 νοι δρυμνοῦ (1 α)  
 Am. 1. 4. καταράγεται θεμέλια υἱοῦ Ἰδ. (1 α)  
 — 7. 10. καταράγεται θεμέλια αὐτῆς (1 α)  
 — 12. καταράγεται θεμέλια τεχνίων αὐτῆς (1 α)  
 — 14. καταράγεται θεμέλια αὐτῆς (1 α)  
 2. 2. καταράγεται τὰ θεμέλια τῶν πόλεων (1 α)  
 — 5. καταράγεται θεμέλια Ἱερουσα. (1 α)  
 4. 9. εὐλαίως ὑμῶν κατέφαγεν ἡ κάμψη (1 α)  
 5. 6. καὶ καταράγη [A καταράγεται] αὐτόν (1 α)  
 7. 2. ἐὰν συντελέσῃ τοῦ καταφαγεῖν τὸν χόρτον (1 α)  
 — 4. κατέφαγε τὴν ἀβυσσον τὴν πολλὴν (1 α)  
 — 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου (1 α)  
 Mi. 3. 3. κατέφαγον τὰς σάρκας τοῦ λαοῦ (1 α)  
 Ji. 1. 4. τὰ κατὰλοιπα τῆς κάμψης κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1 α)  
 — 4. τὰ κατὰλοιπα τῆς ἀκρίδος κατέφαγεν ὁ βροῦχος (1 α)  
 — 4. τὰ κατὰλοιπα τοῦ βροῦχου κατέφαγεν ἡ ἐρυσίβη (1 α)  
 — 20. πῦρ κατέφαγε τὰ ὠραία τῆς ἐρήμου (1 α)  
 2. 5. φλόγος πυρὸς κατεσθίουσας καλαμὴν (1 α)  
 — 25. ὧν κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1 α)  
 Ob. 1. 18. καὶ καταράγονται αὐτοὺς (1 α)  
 Na. 2. 13 (14). τοὺς λείοντάς σου καταράγεται (1 α)  
 3. 13. καταράγεται πῦρ τοὺς μοχλοὺς σου (1 α)  
 — 15. ἐκεῖ καταράγονται οἱ σὺ πῦρ (1 α)  
 — 15. καταράγεται σε ὡς ἀκρίς (1 α)  
 Za. 11. 1. καταράγεται πῦρ τὰς κέδρους σου (1 α)  
 — 9. A B τὰ κατὰλοιπα [B λ.] κατεσθιέντων (1 α)  
 — 16. τὰ κρία τῶν ἐκλεκτῶν καταράγεται (1 α)  
 12. 6. καταράγονται . . . τοὺς λαοὺς (1 α)  
 Is. 1. 7. ἀλλότριον κατεσθίουσιν αὐτήν (1 α)  
 — 20. μάχαιρα ὑμᾶς κατέδεται (1 α)  
 9. 12 (11). τοὺς κατεσθίουσας τὸν Ἰσρ. (1 α)  
 10. 18. καταράγεται ἀπὸ ψυχῆς ζωὴ σαρκῶν (5)  
 29. 6. φλόξ πυρὸς κατεσθίουσα (1 α)  
 31. 8. μετὰ . . . φλόγος κατεσθίουσας (1 α)  
 30. 10. οὐδὲ μάχαιρα ἀνθρώπου καταράγεται αὐτόν (1 α)  
 33. 11. πῦρ κατέδεται ὑμᾶς (1 α)  
 50. 9. σὴς [A ὡς σ.] καταράγεται ὑμᾶς (1 α)  
 61. 6. ἰσχύον ἐθὼν κατέδασε (1 α)  
 Je. 2. 30. μάχαιρα κατέφαγε τοὺς προφῆτας ὑμῶν (1 α)  
 5. 14. καταράγεται αὐτοὺς (1 α)  
 — 17. A B S<sup>3</sup> κατέδονται τὸν θερισμόν (1 α)  
 — 17. κατέδονται τοὺς υἱοὺς ὑμῶν (1 α)  
 — 17. κατέδονται τὰ πρόβατα ὑμῶν (1 α)  
 — 17. κατέδονται τοὺς ἀμπελώνας ὑμῶν (1 α)  
 8. 16. καταράγεται τὴν γῆν (1 α)  
 10. 25. κατέφαγον [B<sup>1</sup> γασαν] τὸν Ἰακώβ (1 α)  
 12. 9. A ἐλθάντων τοῦ κ. [B S φ.] αὐτήν (1 α)  
 — 12. μάχαιρα τοῦ κ. καταράγεται [A -έφα-  
 γει] τῆς γῆς (1 α)  
 17. 27. καταράγεται ἄμφοδα Ἱερουσαλὴμ (1 α)  
 21. 14. A κατέδεται [B ε.] πάντα τὰ κύκλω  
 αὐτῆς (1 α)  
 26. (48). 10. καταράγεται ἡ μάχαιρα κυρίου (1 α)  
 — 14. κατέφαγε μάχαιρα τὴν σιδικὰ σου (1 α)  
 27 (50). 32. καταράγεται πάντα τὰ κύκλω αὐτῆς (1 α)  
 28 (51). 34. κατέφαγε με (1 α)  
 30 (49). 27. καταράγεται ἄμφοδα υἱοῦ Ἀδερ (1 α)  
 La. 2. 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλω (1 α)  
 4. 11. κατέφαγε τὰ θεμέλια αὐτῆς (1 α)  
 Ep. Je. 20. τῶν . . . ἐρηπῶν κατεσθίντων αὐτοὺς (1 α)  
 Ez. 8. 1. κατέφαγε τὴν κεφαλὴν ταύτην (1 α)  
 15. 7. πῦρ αὐτοὺς καταράγεται (1 α)  
 19. 14. καταράγεται αὐτήν (1 α)  
 20. 47 (21. 3). καταράγεται ἐν σοὶ πᾶν ξύλον  
 χλωρόν (1 α)  
 22. 25. ψυχὰς κατεσθίνοντες [A add. ἐδυνά-  
 σταν] ἐν δυναστείᾳ (1 α)  
 23. 25. τοὺς καταλοιπούς σου πῦρ καταράγεται  
 [A α.] (1 β)  
 28. 18. τοῦτο καταράγεται σε (1 α)  
 34. 3. τὸ γὰρ κατέσθε [A -δίετε] (1 α)  
 36. 8. τὸν καρπὸν ὑμῶν καταράγεται [A καρπὸν  
 φέγν.] ὁ λαὸς μου (6)  
 — 13. κατεσθίουσα ἀνθρώπους εἰ (1 α)  
 Da. LXX. 7. 5. κατέφαγε σάρκας πολλὰς (1 α)  
 — 19. κατεσθίουσιν [cod. -es] πάντα κυκλόθεν (1 α)  
 — 23. καταράγεται πᾶσαν τὴν γῆν (1 α)  
 Bel 8. αὐτὸς ὁ Βῆλ ὅστις ὁ κατεσθίων αὐτὰ  
 — 8. οὐκ ἐστὶν ὁ Βῆλ ὁ κατεσθίων ταῦτα

Da. LXX. Bel 14. κατέφαγαν πάντα τὰ παρακείμενα  
 Da. TH. 7. 23. καταράγεται πᾶσαν τὴν γῆν (1 α)  
 Bel 8. τίς ὁ κατέσθων [A -ίων] τὴν διαπῆν ταύτην  
 — 9. Βῆλ κατεσθίει αὐτὰ  
 — 15. καὶ κατέφαγον πάντα  
 — 32. ἵνα καταφάγῃ τὸν Δαν.  
 I Ma. 6. 53. κατέφαγον τὸ ὑπόλειμμα τῆς παραθέσεως  
 [Aq. Dt. 4. 24: III Ki. 14. 11 δέ: Pr. 30. 14:  
 Ez. 7. 15.]  
 [Sm. Ps. 26 (27). 2: Pr. 30. 14: Is. 10. 17:  
 50. 9: Hb. 8. 14.]  
 [Th. Jb. 22. 20: Ps. 104 (105). 35: Pr. 30. 14:  
 Je. 48 (51). 45: Da. 7. 23.]  
 [AL Hb. 3. 14.]  
 κατευθικτεῖν.  
 II Ma. 14. 43. τῇ δὲ πλεῇ μὴ κατευθικτῆσας  
 κατευθύνειν. (1) ῥῥῥ pi. (2) ῥῥ a. qal.  
 δ. pi. c. hi. d. ῥῥ e. ῥῥῥ f. ῥῥῥ  
 (3) ῥῥ pilp. (4) ῥῥ a. ni. δ. pil. c. pu.  
 d. hi. e. hiith. (5) ῥῥ hi. (6) ῥῥ  
 (7) ῥῥ a. qal. δ. hi. c. ῥῥ aph.  
 (8) ῥῥ a. qal. δ. ni.  
 Jd. 12. 6. καὶ οὐ κατέβυν [A καὶ κατέβυναν]  
 τοῦ λαλήσαι (4 δ)  
 14. 6. A κατέβυναν [B ἤλατο] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα  
 κυρίου (7 α)  
 — 19. A κατέβυναν [B ἤλατο] ἐπ' αὐτόν  
 πνεῦμα κυρίου (7 α)  
 15. 14. A κατέβυναν [B ἤλατο] ἐπ' αὐτόν  
 πνεῦμα κυρίου (7 α)  
 I Ki. 6. 12. κατέβυναν αἱ βόες ἐν τῇ ὁδῷ (2 α)  
 II Ki. 19. 17 (18). κατέβυναν τὸν Ἰορδάνην (7 α)  
 III Ki. 11. 43. B κατέβυναν [B -ειν] καὶ ἔρχεται -  
 I Ch. 29. 18. κατέβυναν τὰς καρδίας αὐτῶν  
 πρὸς σέ (4 δ)  
 II Ch. 12. 14. οὐ κατέβυναν τὴν καρδίαν αὐτοῦ (4 δ)  
 17. 5. κατέβυναν κύριος τὴν βασιλείαν (4 δ)  
 19. 3. κατέβυναν τὴν καρδίαν σου (4 δ)  
 20. 33. ὁ λαὸς οὐ κατέβυναν τὴν καρδίαν (4 δ)  
 30. 19. ὑπὲρ πάσης καρδίας κατεβυνήσας (4 δ)  
 32. 30. καὶ κατέβυναν αὐτὰ κάτω (2 β)  
 Ju. 8. 23. οὐ κατεβυνήσεται ἡ δουλεία ἡμῶν  
 12. 8. κατέβυναν τὴν ὁδὸν αὐτῆς (4 δ)  
 13. 18. κατέβυναν σε εἰς τραύμα κεφαλῆς  
 Es. 3. 13. τὴν ἰφ' ἡμῶν κατεβυνήσεται ἀμέμπτως  
 συναρχίαν  
 8. 13. τοῦ κατεβυνήσας . . . τὴν βασιλείαν [B<sup>1</sup> ἁγίαν]  
 Ps. 5. 8. κατέβυναν ἐνώπιόν σου τὴν ὁδὸν μου (2 α)  
 7. 9. καὶ κατεβυνήσας δικαίον (4 β)  
 86 (87). 23. τὰ διαβήματα ἀνθρώπου [B<sup>1</sup> ἀνδρὶ]  
 κατεβυνήσας (4 α)  
 89 (40). 2. κατέβυναν τὰ διαβήματά μου (4 β)  
 58 (59). 4. ἀνευ ἀνομιᾶς ἔδραμον καὶ κατέβυναν (4 α)  
 77 (78). 8. ἦτις οὐ κατέβυναν ἐν τῇ καρδίᾳ [B<sup>1</sup>  
 τὴν κ.] αὐτῆς (4 δ)  
 89 (90). 17. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν κατέ-  
 βυναν ἐφ' ἡμᾶς (4 β)  
 — 17. A B τὸ ἔργον τῶν χειρῶν ἡμῶν κατέ-  
 βυναν (4 β)  
 100 (101). 7. λαλῶν δίκαια οὐ κατέβυναν (4 α)  
 101 (102). 28. τὸ σπέρμα αὐτῶν . . . κατε-  
 βυνήσεται (4 α)  
 118 (119). 5. ὁφείλον κατεβυνήσασθαι αἱ ὁδοὶ  
 μου (4 α)  
 — 133. τὰ διαβήματά μου κατέβυναν (4 α)  
 189 (140). 11. A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> B<sup>4</sup> ἀνὴρ γλωσσώσης οὐ [B<sup>1</sup>  
 add. μὴ, B<sup>3</sup> om.] κατεβυνήσεται (4 α)  
 140 (141). 2. κατεβυνήσας ἡ προσευχή μου (4 α)  
 Pr. 1. 3. καὶ κρίμα κατεβυνήσας (2 α)  
 4. 26. τὰς ὁδοὺς σου κατέβυναν (4 α)  
 9. 15. τοὺς . . . κατεβυνήσας ἐν ταῖς ὁδοῖς  
 αὐτῶν (2 β)  
 13. 13. κατεβυνήσεται ἡ ὁδὸς αὐτοῦ  
 15. 8. εὐχαὶ δὲ κατεβυνήσωνται δεκάτ' αὐτῷ (2 α)  
 — 21. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος κατεβυνήσων πορεύεται (2 β)  
 21. 2. κατεβυνήσας δὲ καρδίας κυρίου (8 α)  
 23. 19. κατέβυναν ἐνομίαι σὴς καρδίας (1)  
 29. 27. βδελύγματα δὲ ἀνόμιμα κατεβυνήσασθαι ὁδὸς (2 α)  
 Si. 29. 18. ἐγγύη πολλοὺς ἀπάλεσε κατεβυνήσας  
 39. 7. αὐτὸς κατεβυνήσας βουλὴν αὐτοῦ καὶ ἐπιστήμην  
 49. 2. αὐτὸς κατεβυνήσας ἐν ἐπιστροφῇ λαοῦ [B<sup>1</sup>  
 αὐτοῦ]

Si. 49. 3. κατέβυναν πρὸς κύριον τὴν καρδίαν [A ὁδόν]  
 αὐτοῦ  
 51. 20. τὴν ψυχὴν μου κατέβυναν εἰς αὐτήν  
 Ho. 4. 10. ἐπόρευσαν καὶ οὐ μὴ κατεβυνήσας  
 [A -οῦσαν] (6)  
 Za. 11. 16. καὶ τὸ δόλοκλον οὐ μὴ κατεβυνήσας (3)  
 Ma. 2. 6. κατεβυνήσας ἐπορεύθη μετ' ἐμοῦ (2 α)  
 Je. 15. 11. γένοιτο δέσποτα κατεβυνήσων αὐτῶν  
 21. 12. κρίνατε πρῶτ' κρίμα καὶ κατεβυνήσας (6 γ)  
 Ez. 17. 9. εἰ κατεβυνήσας [A -υνήσεται] (7 α)  
 — 10. μὴ κατεβυνήσας (7 α)  
 — 15. εἰ κατεβυνήσας (7 α)  
 18. 25. οὐ κατεβυνήσας [A κατεβυνήσας] ἡ ὁδὸς κυρίου  
 . . . μὴ ἡ ὁδὸς μου οὐ κατεβυνήσας  
 οὐχὶ ἡ ὁδὸς ὑμῶν οὐ κατεβυνήσας (8 β ter)  
 Da. TH. 8. 30 (97). ὁ βασ. κατέβυναν τὸν Σ. (7 α)  
 6. 28 (29). κατέβυναν ἐν τῇ βασιλείᾳ Δαρ. (7 α)  
 8. 24. καὶ κατεβυνήσας καὶ ποιήσας (7 β)  
 — 25. ὁ ζυγὸς τοῦ κλοιοῦ αὐτοῦ κατεβυνήσας (7 β)  
 11. 27. καὶ οὐ κατεβυνήσας (7 α)  
 — 36. λαλήσει ὑπὲρ ὅρα καὶ κατεβυνήσας (7 β)  
 III Ma. 7. 2. κατεβυνήσας ἡμῖν τοῦ μεγάλου θεοῦ  
 [Aq. Ge. 39. 2: Ps. 5. 9: Pr. 9. 6: Is. 55. 11:  
 Jk. 5. 28.]  
 [Sm. Pr. 9. 6: Jk. 5. 28: Ez. 18. 25.]  
 [Th. Jd. 14. 19: 15. 14: Ps. 7. 10: Jk. 5. 28:  
 82 (89). 5: Da. 8. 30 (97).]  
 κατεβυνήσας.  
 To. 11. 1. A B κατεβυνήσας Ἰακώβ καὶ Ἐδνα  
 — 17. κατεβυνήσας [B εὐλ.] αὐτήν  
 κατεβυνήσας. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥ a. qal. δ. hi.  
 Jd. 18. 5. A εἰ κατεβυνήσας ἡ ὁδὸς ἡμῶν [B om.] (2 β)  
 Ps. 1. 3. πάντα ὅσα ἐὰν ποιῇ [A -ισσ] κατεβυνή-  
 σασθαι (2 β)  
 36 (37). 7. μὴ παραβῇ ἐν τῷ κατεβυνήσας (2 β)  
 44 (45). 4. ἐπείνοον καὶ κατεβυνήσας (2 α)  
 67 (68). 19. κατεβυνήσας ἡμῖν ὁ θεός (1)  
 Pr. 17. 23. λαμβάνοντος δῶρα ἐν κόλποις [A B -φ]  
 ἀδικῶς οὐ κατεβυνήσας ὁδοὶ  
 Da. TH. 8. 11. καὶ κατεβυνήσας αὐτῷ  
 — 12. A καὶ κατεβυνήσας [B εὐλ.] (2 β)  
 I Ma. 2. 47. κατεβυνήσας τὸ ἔργον  
 [Sm. Ge. 39. 2.]  
 κατεβυνήσας.  
 III Ma. 7. 13. τότε κατεβυνήσας αὐτόν  
 κατεβυνήσας.  
 II Ma. 15. 12. κατεβυνήσας τῷ παντὶ τῶν Ἰουδ.  
 συστημάτων  
 IV Ma. 12. 20. καὶ ταῦτα κατεβυνήσας  
 κατέχειν. (1) ἱῖῖ a. qal. δ. ni. (2) ἱῖῖ pi.  
 (3) ἱῖῖ (4) ἱῖῖ a. qal. δ. ni.  
 (5) ἱῖῖ a. pi. δ. hi. (6) ἱῖῖ (7) ἱῖῖ aph.  
 (8) ἱῖῖ (9) ἱῖῖ (10) ἱῖῖ (11) ἱῖῖ  
 (12) ἱῖῖ hi. (13) ἱῖῖ ni. (14) ἱῖῖ  
 (15) ἱῖῖ hi. (16) ἱῖῖ (17) ἱῖῖ  
 Ge. 22. 13. κατεβυνήσας ἐν φυτῷ . . . τῶν κερά-  
 των (1 β)  
 24. 56. μὴ κατέχευέ με (2)  
 32. 20. τόπον ἐν ᾧ οἱ δεσμῶται . . . κατέχονται (4 α)  
 49. 19. ἀδελφὸς ὑμῶν εἰς κατασχέθη (4 β)  
 Ex. 32. 13. κατέχονται αὐτὴν εἰς τὸν αἰῶνα (11)  
 Jo. 1. 11. εἰσελθόντες κατασχέθη τὴν γῆν (8)  
 Jd. 13. 15. κατασχέωμεν ὡς σε [A α.] (14)  
 — 16. ἐὰν κατάσχῃς [A βιάσαι] με (14)  
 19. 4. κατέσχεν [A εἰσέγαγεν] αὐτὸν ὁ γαμβρὸς  
 αὐτοῦ (5 β)  
 Ru. 1. 13. ἡ αὐτοῖς κατασχέθησθε (13)  
 II Ki. 1. 9. κατέχευέ με σκότος δεινόν (1 α)  
 2. 21. κατάσχεσε σεαυτὸν ἐν τῷ παιδαρίῳ (1 α)  
 4. 10. καὶ κατέσχον αὐτόν (1 α)  
 6. 6. ἐξέτεινε . . . κατασχέει αὐτήν  
 — 6. B τὸ κατασχέει αὐτήν  
 III Ki. 1. 51. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσια-  
 στηρίου (1 α)  
 2. 28. κατέσχε τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου (5 β)  
 — 29. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου  
 IV Ki. 3. 10. A τοὺς τρεῖς βασιλεῖς κατεχο-  
 μένους [B παρερχομ.]  
 12. 12 (13). τοῦ κατασχέει τὸν βεδέκ οἴκου κ. (5 α)

i Ch. 18. 9. τοῦ κατασχέειν τὴν κιβωτὸν (1a)  
 ii Ch. 15. 8. τῶν πόλεων ὧν κατέσχεν Ἰερ. (10)  
 Ne. 3. 4. ἐπὶ χεῖρα [A -as] αὐτῶν κατέσχεν (5b)  
 — 4. A B E ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχε (5b)  
 — 4. B B ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχε (5b)  
 — 5. ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχον [A B -on] (5b)  
 To. 10. 2. B μὴ ποτε κατέσχεθι ἐκεῖ [A B al.]  
 Ju. 15. 24. ἀνάγκη δὲ καὶ θλίψις αὐτὸν καθέξει (17)  
 23. 9. καὶ οὐ κατέσχον (1a)  
 27. 17. τὰ δὲ χρήματα αὐτοῦ ἀληθινοὶ καθέξουσιν (6)  
 34. 14. τὸ πνεῦμα παρ' αὐτῶν κατασχέειν [B<sup>1</sup> -εσχε] (8)  
 Ps. 68 (69). 36. καθέξουσιν αὐτὴν (11)  
 72 (73). 12. εἰς τὸν αἰῶνα κατέσχον πλοῦτου (15)  
 118 (119). 53. ἀθυμία κατέσχε με ἀπὸ ἀμαρτω-  
 λῶν (1a)  
 138 (139). 10. καθέξει με ἡ δεξιὰ σου (1a)  
 Pr. 18. 22. ὁ δὲ κατέχων μοιχαλίδά ἀφρων (1a)  
 19. 15. δειλία κατέχει ἀνδρόγυνον (12f)  
 Ca. 3. 8. πάντες κατέχοντες ρομφαίαν (1a)  
 Wi. 17. 4. ὁ κατέχων αὐτοὺς μυχὺς [A μύθος]  
 Si. 46. 9. τὸ σπέρμα αὐτοῦ κατέσχε κληρονομίαν  
 [A al.]  
 Is. 40. 22. ὁ κατέχων τὸν γῆρον τῆς γῆς (9)  
 Je. 6. 24. θλίψις κατέσχε ἡμᾶς (5b)  
 13. 21. οὐκ ὥδινες καθέξουσιν σε (1a)  
 27 (50). 16. κατέχοντα δρέπανον ἐν καιρῷ θε-  
 ρισμοῦ (16)  
 37 (80). 6. ἐν ᾧ καθέξουσιν [B<sup>1</sup> κατάξ.] ὁσφύν (8)  
 Ez. 33. 24. κατέσχε τὴν γῆν (7)  
 Da. LXX. 7. 18. καὶ καθέξουσιν τὴν βασιλείαν (7)  
 — 22. τὸ βασιλεῖον κατέσχον οἱ ἄγιοι (7)  
 Da. TH. 7. 18. καὶ καθέξουσιν αὐτήν (7)  
 — 22. τὴν βασιλείαν κατέσχον οἱ ἄγιοι (7)  
 I Ma. 6. 27. οὐ δυνήση τοῦ κατασχέειν αὐτῶν  
 II Ma. 1. 31. B ἐκέλευσε λίθους μέζοντας κατασχέειν  
 [A καταχύν]  
 15. 5. οὐ κατέσχεν ἐπιτελέσαι τὸ σχῆτλιον αὐτοῦ  
 βούλημα  
 III Ma. 5. 12. κατεσχέθη τῇ ἐνεργείᾳ τοῦ δεσπότητος  
 [Aq. Gz. 47. 27: Ps. 76 (77). 5: Je. 49. 24 (30).  
 13: 50 (27). 43:]  
 [Sm. Ex. 9. 2, 17: Ps. 47 (48). 7: 55 (56). 1:  
 138 (139). 10: Pr. 4. 4: Je. 31 (38). 32: 50  
 (27). 43:]  
 [Th. Je. 49. 24 (30). 13.]  
 κατηγορεῖν. (1) קָטַח  
 Da. LXX. 6. 5 (6). περὶ ἧς κατηγορήσονται  
 αὐτοῦ (1f)  
 I Ma. 7. 6. κατηγορήσαν [B<sup>1</sup> -σαι] τοῦ λαοῦ πρὸς  
 τὸν βασιλ. (1f)  
 — 25. κατηγορήσαντες αὐτῶν πονηρά  
 II Ma. 4. 47. A Μεν. ἀπέλυσε τῶν κατηγορημένων  
 [B -μάτων]  
 10. 13. κατηγοροῦμενος ὑπὸ τῶν φίλων  
 — 21. κατηγορήσαντες ὡς ἀργυρίου πεπρακασί τοὺς  
 ἀδελφοὺς  
 IV Ma. 9. 14. A κατὰ πᾶν μέλος κλῶμενος κατηγορεῖ  
 [B E ἐκατηγόρει]  
 κατηγορήματα.  
 II Ma. 4. 47. B Μεν. ἀπέλυσε τῶν κ. [A -γορη-  
 μένων]  
 κατήγορος. (1) כֹּהֵן  
 Pr. 18. 17. δίκαιος ἐαυτοῦ κατήγορος ἐν πρωτο-  
 λογίᾳ (1)  
 II Ma. 4. 5. οὐ γινώσκοντες τῶν πολιτῶν κατήγορος  
 κατηφής.  
 Wi. 17. 4. φάσματα ἀμειδίτοις κατηφῇ προσώποις  
 κατδεῖν. (1) קָטַח (2) קָטַח hi.  
 Ex. 10. 15. οὐ δυνήση κατδεῖν τὴν γῆν (1)  
 De. 26. 15. κἀντι ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου (2)  
 Ju. 6. 19. κἀντι [B ἐπιβλέψον] ἐπὶ τὰς ὑπερφηφίας  
 αὐτῶν  
 Ba. 2. 16. κἀντι ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου  
 [Th. Is. 68. 15.]  
 κατοῦν.  
 Si. 12. 11. οὐκ εἰς τέλος κατίωσε [A -ωται]  
 κατίσχειν.  
 [Th. Pr. 12. 25.]

κατισχέειν. (1) קָטַח (2) קָטַח hi. (3) קָטַח pi.  
 (4) קָטַח a. qal. δ. pi. (5) קָטַח a. qal.  
 δ. pi. c. hi. (6) קָטַח a. qal. δ. hi.  
 (7) קָטַח a. qal. δ. pi. c. hi. d. hithp.  
 e. קָטַח f. קָטַח (8) קָטַח (9) קָטַח  
 (10) a. קָטַח δ. קָטַח c. קָטַח (11) קָטַח  
 a. qal. δ. ni. c. hi. (12) קָטַח  
 (13) a. קָטַח δ. קָטַח קָטַח (14) קָטַח pi.  
 (15) קָטַח (16) קָטַח ni.  
 Ge. 49. 24. ἐκέθεν ὁ κατισχέειν Ἰσ. [A κ. σε ἰ.] (1)  
 Ex. 1. 7. κατισχέειν [A -χυσαν] σφόδρα σφόδρα (12)  
 7. 13. κατισχέειν ἡ καρδία Φαραώ (7a)  
 17. 11. κατισχέειν Ἰσραήλ (5a)  
 — 11. κατισχέειν Ἀμαλὴκ (5a)  
 18. 23. κατισχέει σε ὁ θεός (14f)  
 De. 1. 38. αὐτὸν κατισχέειν (7b)  
 2. 30. κατισχέει τὴν καρδίαν αὐτοῦ (4b)  
 8. 28. καὶ κατισχέειν [A ἐνίσχ.] αὐτὸν (7b)  
 Jo. 11. 20. κατισχέει αὐτὸν τὴν καρδίαν (7b)  
 17. 13. ἐπὶ κατισχέειν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (7a)  
 23. 6. κατισχέειν οὐδ' σφόδρα φιλάσσειν (7a)  
 Jd. 6. 2. A κατισχέειν [B ἰσχ.] χεῖρ Μαδιάμ (10a)  
 7. 8. καὶ τοὺς τριακισίους ἄνδρας κατισχέει  
 [A al.] (7c)  
 9. 24. A τοὺς κατισχέειν χεῖρας αὐτοῦ  
 [B al.] (7b)  
 I Ki. 19. 8. καὶ κατισχέειν Δαυὶδ (8)  
 IV Ki. 14. 5. ὅτε κατισχέειν ἡ βασιλεία (7a)  
 22. 5. τοῦ κατισχέειν τὸ βεδὲ τοῦ οἴκου (7b)  
 24. 2. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς . . . τοῦ κατισχέειν  
 I Ch. 5. 30. καὶ κατισχέειν ἐπ' αὐτῶν (11b)  
 11. 10. οἱ κατισχέειν μετ' αὐτοῦ (7d)  
 15. 26. ἐν τῷ κατισχέειν τὸν θεὸν τοὺς Δευίτας (11a)  
 21. 6. κατισχέειν [A προσώχθισεν ὁ] λόγος  
 τοῦ βασιλ. τὸν ἰ. (10f)  
 22. 12. καὶ κατισχέειν σε ἐπὶ Ἰσρ. (14)  
 29. 12. καὶ κατισχέειν τὰ πάντα (7b)  
 II Ch. 8. 3. καὶ κατισχέειν αὐτήν (7a)  
 11. 12. καὶ κατισχέειν αὐτὰς (7b)  
 — 17. κατισχέειν τὴν βασιλείαν Ἰούδα (7b)  
 — 17. κατισχέειν 'P. τὸν [A ὁ] τοῦ Σαλ. (4b)  
 12. 13. κατισχέειν 'Ροβ. ἐν Ἰερ. (7d)  
 13. 18. κατισχέειν οἱ υἱοὶ Ἰούδα (4a)  
 — 21. καὶ κατισχέειν Ἀβιά (7d)  
 14. 11 (10). κατισχέειν ἡμᾶς, κύριε (11a)  
 — 11 (10). καὶ κατισχέειν πρὸς σὲ ἄνθρωπος (18a)  
 15. 8. καὶ κατισχέειν καὶ ἐξέβαλε (7d)  
 16. 9. κατισχέειν ἐν πίσθῃ καρδία πλήρη (7d)  
 17. 1. κατισχέειν ἰ. ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (7d)  
 22. 9. κατισχέειν δυνάμιν περὶ τῆς βασιλείας (18a)  
 24. 5. κατισχέειν τὸν οἶκον κυρίου (7b)  
 25. 8. ἐὰν ὑπολάβῃς κατισχέειν ἐν τοῖσι (7a)  
 — 8. A κατισχέειν ἐν τοῖσι [B καὶ ἰσχύει] (11a)  
 — 11. καὶ Ἀμασίας κατισχέειν (7d)  
 26. 7. κατισχέειν αὐτὸν κυριος (11a)  
 — 8. κατισχέειν ἐως ἀνω (7c)  
 — 9. καὶ κατισχέειν (7b)  
 — 15. ἐως οὐ κατισχέειν (7a)  
 — 16. καὶ ὡς κατισχέειν (7c)  
 27. 5. καὶ κατισχέειν ἐπ' αὐτὸν (7a)  
 — 6. κατισχέειν Ἰωάθαμ (7d)  
 28. 23. αὐτοὶ κατισχέουσιν αὐτοὺς [A om.] (11c)  
 31. 4. ὅπως κατισχέουσιν (7a)  
 32. 4. μὴ ἐλθῇ . . . κατισχέειν (7d)  
 — 5. καὶ κατισχέειν Ἐζεκίας (7b)  
 — 5. κατισχέειν τὸ ἀνάλημμα πόλεως Δαυὶδ (7b)  
 34. 10. κατισχέειν τὸν οἶκον (7b)  
 35. 2. καὶ κατισχέειν αὐτοὺς (7b)  
 36. 13. τὴν καρδίαν αὐτοῦ κατισχέειν (4b)  
 I Es. 5. 50. κατισχέειν αὐτοὺς πάντα τὰ ἔθνη  
 7. 15. κατισχέειν τὰς χεῖρας αὐτῶν  
 Ju. 11. 10. οὐ [A δε, B οὐδὲ] κατισχέει ρομφαία ἐπ'  
 αὐτοὺς  
 Jb. 18. 9. κατισχέειν [A καὶ κατισχέουσιν]  
 ἐπ' αὐτὸν διψώντας [A -es] (7c)  
 Ps. 88 (89). 21. ὁ βραχίον μου κατισχέει αὐτὸν (4b)  
 Wi. 7. 30. A B σοφίας [A -αν, B<sup>1</sup> -α] δὲ οὐ κατι-  
 σχέει [B οὐκ ἀντισχέει] κακία  
 10. 11. ἐν πλεονεξίᾳ κατισχέειν αὐτὸν παρέστη  
 17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατισχέει φωτίζειν  
 Si. 49. 3. ἐν ἡμέραις ἀνόμων κατισχέει τὴν εὐσεβείαν

Ho. 7. 15. ἀγὼ κατισχέει τοὺς βραχίονας αὐ. (7b)  
 14. 9. καὶ κατισχέει αὐτὸν (15)  
 Hg. 2. 5 (4). νῦν κατισχέει, Z., λέγει κύριος (7a)  
 — 5 (4). καὶ κατισχέει, ἰ. ὁ τοῦ ἰ. (7a)  
 — 5 (4). καὶ κατισχέειν πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (7a)  
 Za. 8. 9. κατισχέειν αἱ χεῖρες ὑμῶν (7a)  
 — 13. θαρσεῖτε καὶ κατισχέειτε (7a)  
 10. 6. καὶ κατισχέει τὸν οἶκον Ἰούδα (5b)  
 — 12. καὶ κατισχέει αὐτοὺς ἐν κυρίῳ (5b)  
 Is. 22. 4. μὴ κατισχέειτε παρακαλεῖν με (2)  
 24. 20. κατισχέει γὰρ ἐπ' αὐτῆς ἡ ἀνομία (9)  
 42. 25. κατισχέειν [A B<sup>1</sup> add. ἐπ'] αὐτοὺς πτό-  
 λεμος (10b)  
 50. 11. κατισχέειτε [B -ύσατε] φλόγα (8f)  
 54. 2. τοὺς πασσάλους σου κατισχέειν (7b)  
 68. 12. κατισχέειν ὕδωρ ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ †  
 Je. 8. 21. ἀπορία κατισχέειν με [B<sup>1</sup> -σαμεν, B<sup>2</sup> -  
 -σαν μου] ὥδινες (7c)  
 15. 18. ἵνα τί οἱ λυποῦνται με κατισχέειν μου †  
 Ez. 8. 8. τὸ νίκος σου κατισχέει κατέναντι τοῦ  
 νίκους αὐτῶν (7f)  
 18. 22. τοῦ κατισχέειν χεῖρας ἀνόμου (7b)  
 30. 24. κατισχέει τοὺς βραχίονας βασιλ. βασιλ. (7b)  
 Da. LXX. 8. 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν κατισχέει  
 σφόδρα καὶ ὅτε κατισχέει (6b, 12)  
 — 9. καὶ κατισχέει (6a)  
 9. 27. ἐν τῷ κατισχέειν τὴν διαθήκην (6c)  
 10. 8. καὶ οὐ κατισχέει (13b)  
 — 18. καὶ κατισχέει με (7b)  
 11. 2. ἐν τῷ κατισχέειν αὐτὸν ἐν τῷ πλοῦτῳ  
 αὐτοῦ (7c)  
 — 5. εἰς ἐκ τῶν δυναστῶν κατισχέει αὐτὸν (7a)  
 — 6. καὶ οὐ κατισχέει (13b)  
 — 7. καὶ κατισχέει (7c)  
 — 19. εἰς τὸ κατισχέειν τὴν χώραν αὐτοῦ (10c)  
 — 21. κατισχέει βασιλεὺς ἐν κληροδοσίᾳ αὐτοῦ (7c)  
 — 32. ὁ δῆμος ὁ γινώσκων ταῦτα κατισχέει (7c)  
 12. 3. οἱ κατισχέειν τοὺς λόγους μου †  
 Da. TH. 11. 6. ἡ μᾶνις καὶ ὁ κατισχέειν αὐτήν (7c)  
 — 7. καὶ κατισχέει (7c)  
 — 12. καὶ οὐ κατισχέει (10a)  
 — 21. κατισχέει βασιλείας ἐν ὀλισθήμασι (7c)  
 — 32. αὐτοῦ κατισχέειν καὶ ποιήσονται (7c)  
 [Aq. Is. 29. 23.]  
 [Sm. Ps. 90 (91). 10.]  
 [Th. Jb. 15. 25.]  
 κατισχευεῖσθαι.  
 [Aq. Ps. 85 (86). 14: 88 (89). 8.]  
 [Sm. Jb. 15. 25.]  
 κατοδυνᾶν. (1) קָטַח ni. (2) קָטַח pi.  
 Ex. 1. 14. κατοδυνᾶν αὐτῶν τὴν ζωὴν (2)  
 To. 8. 20. B τὴν ψυχὴν τῆς θυγατρὸς μου τὴν κατο-  
 δυνῶμεν  
 Ez. 9. 4. τῶν ἀνδρῶν . . . τῶν κατοδυνῶμενων (1)  
 κατοίεσθαι.  
 Hb. 2. 5. ὁ δὲ κατοίεσθαι καὶ καταφρονεῖν †  
 κατοικεῖν. (1) קָטַח (2) קָטַח (3) קָטַח  
 (4) קָטַח (5) a. קָטַח δ. קָטַח (6) קָטַח  
 a. qal. δ. hithpal. (7) קָטַח (8) קָטַח  
 (9) a. קָטַח δ. קָטַח (10) קָטַח (11) קָטַח  
 a. qal. δ. ni. c. hi. d. hoph. e. קָטַח  
 (12) קָטַח (13) קָטַח (14) a. קָטַח δ. קָטַח  
 c. קָטַח  
 Ge. 9. 27. κατοικησάτω ἐν τοῖς οἴκοις τοῦ Σήμ (14a)  
 11. 2. κατέκτισεν ἐκεῖ (11a)  
 — 31. κατέκτισεν ἐκεῖ (11a)  
 12. 6. οἱ δὲ X. τότε κατέκτισον τὴν γῆν  
 18. 6. οὐκ ἐχώρει αὐτοὺς ἡ γῆ κ. ἄμα (11a)  
 — 6. B οὐκ ἐχώρει . . . κατοικεῖν ἄμα [A al.] (11a)  
 — 7. οἱ δὲ X. . . τότε κατέκτισον τὴν γῆν (11a)  
 — 12. Ἀβραμ δὲ κατέκτισεν ἐν γῇ Χαναάν (11a)  
 — 12. Δαὺδ δὲ κατέκτισεν ἐν πόλει τῶν περι-  
 χώρων (11a)  
 — 18. κατέκτισε παρὰ τὴν δρὺν τὴν Μαμβρῇ (11a)  
 14. 7. τοὺς Ἀμ. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀ. (11a)  
 — 12. ἦν γὰρ κατοικῶν ἐν Σοδόμοις (11a)  
 — 13. B κατέκτισε παρὰ [A ἐν] τῇ δρυὶ τῇ M. (14a)  
 16. 12. κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν ἀδελφῶν  
 αὐτοῦ κατοικῆσαι (14a)



- I Ki. 6. 21. ἀποστείλλουσιν ἀγγέλους πρὸς τοὺς κατοικοῦντας K. (11 a)  
 12. 8. A καὶ κατέφησαν [B -κισεν] αὐτοὺς (11 c)  
 — 11. καὶ κατρκέετε πεποιθότες (11 a)  
 22. 4. καὶ κατέφκον μετ' αὐτοῦ (11 a)  
 23. 5. ἔσωσε Δ. τοὺς κατοικοῦντας K. (11 a)  
 27. 8. ἰδοὺ ἡ γῆ κατρκέεται (11 a)  
 31. 7. κατοικοῦσιν ἐν αὐταῖς (11 a)  
 — 11. ἀκούουσιν [A add. περὶ αὐτοῦ] οἱ κατοικοῦντες I. (11 a)  
 II Ki. 2. 3. κατέφκον ἐν ταῖς πόλεσι Χεβρών (11 a)  
 5. 6. τὸν Ἰεβ, τὸν κατοικοῦντα τὴν γῆν (11 a)  
 7. 2. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κεδρίνῳ (11 a)  
 — 5. τοῦ κατοικήσαι με (11 a)  
 — 6. οὐ κατέφκηκα ἐν οἴκῳ (11 a)  
 9. 13. Μεμφιβοσθὲ κατέφκει [A -οικεῖ] ἐν Ἰερ. (11 a)  
 11. 11. κατοικοῦσιν ἐν σκηναῖς (11 a)  
 III Ki. 3. 1 [A. 4. 25 [5. 5]]. κατέφκει Ἰ. καὶ Ἰερ. πεποιθότες (11 a)  
 4. 34 (A. 9. 16). τὸν Χανανίτην τὸν κατοικοῦντα ἐν M. [A al.] (11 a)  
 8. 27. εἰ ἀληθῶς κατέφκει ὁ θεός (11 a)  
 — 53. A B τὸν κατοικῶν ἐν γνόφῳ [B ἐκ γνόφου] — (11 a)  
 — 53. τοῦ κατοικῶν ἐπὶ καινότητος (11 a)  
 12. 25. καὶ κατέφκει ἐν αὐτῇ (11 a)  
 13. 11. A B τὸν κατέφκει εἰς . . . κατέφκει ἐν [B eis] B. (11 a)  
 — 25. οὐ δὲ προφήτης . . . κατέφκει ἐν αὐτῇ (11 a)  
 15. 18. βασιλ. Συρίας τοῦ κατοικοῦντος ἐν Δαμ. (11 a)  
 17. 20. μετ' ἧς ἐγὼ κατοικῶ μετ' αὐτῆς (8 b)  
 20 (21). 8. τοὺς κατοικοῦντας μετὰ Ναβ. (11 a)  
 — 11. B οἱ κατοικοῦντες [A κατέφκει] ἐν τῇ πόλει αὐτοῦ (11 a)  
 IV Ki. 16. 6. καὶ κατέφκον ἐκεῖ (11 a)  
 17. 6. A B κατέφκον [B -ισεν] αὐτοὺς ἐν Ἀ. (11 c)  
 — 24. B κατέφκον [A -κισαν, B -κίσθησαν] ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῆς (11 a)  
 — 27. καὶ κατέφκον ἐκεῖ (11 a)  
 — 29. ἐν αἷς [A add. αὐτοῦ] κατέφκον ἐν αὐταῖς (11 a)  
 — 32. ἐν ᾗ κατέφκον ἐν αὐτῇ (11 a)  
 22. 14. αὐτὴ κατέφκει ἐν Ἰερ. (11 a)  
 23. 2. A B πάντες [B om.] οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (11 a)  
 I Ch. 2. 55. A B κατοικοῦντες ἐν [B om.] Γ. (11 a)  
 4. 22. οἱ κατέφκον ἐν Μωάβ (5 a)  
 — 23. οὗτοι κεραμεῖς οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀ. (11 a)  
 — 23. καὶ κατέφκον ἐκεῖ (11 a)  
 — 28. καὶ κατέφκον ἐν B. (11 d)  
 — 40. ἐκ τῶν υἱῶν Χάμ τῶν κατοικούντων ἐκεῖ ἔμψροσθεν (11 a)  
 — 43. A καὶ κατέφκον ἐκεῖ (11 a)  
 5. 8. οὗτος κατέφκον ἐν Ἀρ. (11 a)  
 — 9. καὶ πρὸς ἀνατολὰς κατέφκον (11 a)  
 — 10. κατοικοῦντες ἐν σκηναῖς (11 a)  
 — 11. υἱοὶ Ἰάδ . . . κατέφκον ἐν τῇ B. (11 a)  
 — 16. A B κατέφκον [B κατοικῶν] ἐν Γ. (11 a)  
 — 22. καὶ κατέφκον ἀντ' αὐτῶν (11 a)  
 — 23. κατέφκον ἀπὸ B. (11 a)  
 7. 29. ἐν ταύτῃ κατέφκον οἱ υἱοὶ Ἰωσήφ (11 a)  
 8. 6. τοὺς κατοικοῦσι Γ. (11 a)  
 — 13. τοὺς κατοικοῦσιν Αἰ. (11 a)  
 — 13. οὗτοι ἐξεδίδωκαν τοὺς κατοικοῦντας Γέθ (11 a)  
 — 28. οὗτοι κατέφκον ἐν Ἰερ. (11 a)  
 — 29. ἐν Γ. κατέφκον πατὴρ Γ. (11 a)  
 — 32. οὗτοι . . . κατέφκον ἐν Ἰερ. (11 a)  
 9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρῶτον . . . ἐν ταῖς πόλεσιν Ἰερ. (11 a)  
 — 3. ἐν Ἰερ. κατέφκον ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἰ. (11 a)  
 — 16. ὁ κατοικῶν ἐν ταῖς κώμαις N. (11 a)  
 — 34. ἀρχόντες οὗτοι κατέφκον ἐν Ἰερ. (11 a)  
 — 35. ἐν Γ. κατέφκον [B -σαν] πατὴρ Γ. (11 a)  
 — 38. οὗτοι . . . κατέφκον ἐν Ἰερ. (11 a)  
 10. 7. κατέφκον [B -ισαν] ἐν αὐταῖς (11 a)  
 — 11. ἥκουσαν πάντες οἱ κατοικοῦντες Γ. (11 a)  
 11. 4. A B ἐκεῖ οἱ Ἰεβ. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν [B al.] (11 a)  
 — 4 (5). A εἶπαν δὲ οἱ κατοικοῦντες Ἰ. [B al.] (11 a)  
 12. 15. πάντας τοὺς κατοικοῦντας αὐλῶνας — (11 a)  
 — 30. B κατοικοῦντες [A B κατ' οἴκους] πατρῶν αὐτῶν + (11 a)  
 17. 1. ὡς κατέφκον Δ. ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (11 a)  
 — 1. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κεδρίνῳ (11 a)  
 — 4. τοῦ κατοικήσαι με ἐν αὐτῇ (11 a)  
 I Ch. 17. 5. οὐ κατέφκηκα ἐν οἴκῳ (11 a)  
 22. 18. ἔδωκεν . . . τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 a)  
 29. 15. B καὶ κατοικοῦντες [A B παροικ.] ὡς πάντες οἱ πατέρες (11 e)  
 II Ch. 2. 3 (2). οἶκον κατοικήσαι ἐν αὐτῇ (11 a)  
 6. 1. A<sup>2</sup> τοῦ κατοικήσαι [B κατασκηνώσαι] ἐν γνόφῳ (14 a)  
 — 2. A τοῦ κατοικήσαι [B κατασκηνώσαι] εἰς τοὺς αἰῶνας (11 a)  
 — 18. εἰ ἀληθῶς κατοικήσει θεός (11 a)  
 8. 11. οὐ κατοικήσει ἡ γυνὴ μου ἐν πόλει Δ. (11 a)  
 10. 2. καὶ κατέφκον Ἰερ. ἐν Αἰγ. + (11 a)  
 — 17. οἱ κατοικοῦντες ἐν πόλεσιν Ἰούδα (11 a)  
 11. 5. κατέφκον P. eis [A ἐπὶ] Ἰερ. (11 a)  
 15. 5. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὰς χώρας (11 a)  
 16. 2. τὸν κατοικοῦντα ἐν Δαμασκῷ (11 a)  
 19. 4. καὶ κατέφκον Ἰωσαφάτ (11 a)  
 — 8. κρίνουν τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἰερ. + (11 a)  
 — 10. A B τῶν [A om.] κατοικούντων ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῶν [B om. ἐν τ. π. αὐ.] (11 a)  
 20. 7. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 a)  
 — 8. κατέφκον ἐν αὐτῇ (11 a)  
 — 15. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἰερ. (11 a)  
 — 18. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἰερ. [A ἐν Ἰερ.] (11 a)  
 — 20. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (11 a)  
 — 23. A<sup>2</sup> B ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας δρος Σηείρ (11 a)  
 — 23. ὡς συνετέλεσαν τοὺς κατοικοῦντας Σηείρ (11 a)  
 21. 11. ἐξεπρόρκεισε τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A om.] Ἰερ. (11 a)  
 — 13. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A om.] Ἰερ. (11 a)  
 22. 1. ἐβασίλευσαν οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. τὸν Ὁ. (11 a)  
 26. 7. τοὺς A. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς πέτρας (11 a)  
 28. 18. καὶ κατέφκον ἐκεῖ (11 a)  
 30. 25. B καὶ οἱ κατοικοῦντες ἀπὸ [A ἐν, B om.] I. (11 a)  
 31. 4. εἶπαν . . . τοῖς κατοικοῦσιν ἐν Ἰερ. (11 a)  
 — 6. οἱ κατοικοῦντες ἐν ταῖς πόλεσιν Ἰούδα (11 a)  
 32. 12. εἶπε . . . τοῖς κατοικοῦσιν ἐν [A om.] Ἰερ. + (11 a)  
 — 22. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A om.] Ἰερ. (11 a)  
 — 26. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἰερ. (11 a)  
 — 33. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (11 a)  
 33. 9. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἰερ. (11 a)  
 34. 22. αὐτὴ κατέφκει ἐν Ἰερ. (11 a)  
 — 27, 28. καὶ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτόν (11 a)  
 — 30. καὶ κατοικοῦντες Ἰερ. (11 a)  
 — 32. οἱ κατοικοῦντες Ἰερ. [A eis Ἰερ.] (11 a)  
 35. 18. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (11 a)  
 I Es. 2. 16. κατὰ τῶν κατοικούντων ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ (11 a)  
 8. 92. B καὶ κατέφκον γυναῖκες [A B συνφιέσμεν γυναῖκας] (11 a)  
 9. 37. καὶ κατέφκον οἱ ἱερεῖς (11 a)  
 Ne. 8. 13. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ζανώ (11 a)  
 8. 14. ὅπως κατοικήσωσιν οἱ υἱοὶ Ἰερ. ἐν σκηναῖς (11 a)  
 9. 24. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν τῶν Χαν. (11 a)  
 11. 21. S<sup>2</sup> οἱ δὲ Ναβ. κατέφκον ἐν Ὁ. (11 a)  
 To. 5. 16. A ὁ δὲ ἐν τῷ οὐρ. κατοικῶν [B S al.] (11 a)  
 14. 4. S οἱ κατοικοῦντες [A B om. οἱ κ.] ἐν τῇ γῇ (11 a)  
 Ju. 1. 6. A B S<sup>2</sup> πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀρεινὴν — (11 a)  
 — 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὸν Εὐφρ. (11 a)  
 — 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν Π. (11 a)  
 — 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [S om. τ. κ.] πρὸς δυσμαῖς [S om. πρ. δ.] τοὺς κατοικοῦντας Κιλικίαν (11 a)  
 — 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας κατὰ πρόσωπον τῆς παρίας (11 a)  
 — 10. A B S<sup>2</sup> πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν Αἰγ. (11 a)  
 — 11. πάντες οἱ κατοικοῦντες πᾶσαν τὴν γῆν (11 a)  
 — 12. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν γῇ M. (11 a)  
 2. 28. τοὺς κατοικοῦντας τὴν παρὰ τὴν — (11 a)  
 — 28. καὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. [B<sup>1</sup> al.] (11 a)  
 — 28. οἱ κατοικοῦντες [B τοὺς κατοικοῦντας] ἐν Αζ. (11 a)  
 3. 4. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐταῖς (11 a)  
 4. 1. οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ I. (11 a)  
 — 6. ἔγραψεν [S<sup>1</sup> ἥκουσεν] . . . τοῖς κατοικοῦσι B. (11 a)  
 — 11. A B S<sup>2</sup> οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (11 a)  
 5. 3. τίνες ἄς κατοικοῦσι πόλεις — (11 a)  
 — 4. παρὰ πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν δυσμαῖς (11 a)  
 — 5. ὅς κατοικεῖ τὴν ὀρεινὴν ταύτην (11 a)  
 — 9. καὶ κατέφκον ἐκεῖ (11 a)  
 — 14. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 a)  
 Ju. 5. 16. καὶ κατέφκον ἐν αὐτῇ — (11 a)  
 — 22. πάντες [S om.] οἱ κατοικοῦντες τὴν παρὰ τὴν — (11 a)  
 7. 10. A ἐν οἷς αὐτοὶ κατοικοῦσιν [B S ἐνοικ.] ἐν αὐτοῖς — (11 a)  
 — 13. πάντες οἱ κατοικοῦντες [S ἐνοικ.] B. (11 a)  
 — 20. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [S τῶν κατοικούντων] B. (11 a)  
 8. 11. A B ἀρχόντες τῶν κατοικούντων B. [B ἐν B.] (11 a)  
 11. 2. ὁ λαὸς σου ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινὴν — (11 a)  
 — 14. οἱ ἐκεῖ κατοικοῦντες ἐποίησαν ταῦτα (11 a)  
 14. 4. πάντες οἱ κατοικοῦντες πᾶν ὄριον Ἰερ. (11 a)  
 15. 6. οἱ δὲ λοιποὶ οἱ κατοικοῦντες B. (11 a)  
 — 8. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (11 a)  
 Es. 9. 19. A B S<sup>2</sup> B οἱ δὲ κατοικοῦντες ἐν ταῖς μητροπόλεσιν (11 a?)  
 Ju. 4. 19. τοὺς δὲ [A εἰ δὲ τοὺς] κατοικοῦντας οἰκίας πηλίας (14 a)  
 42. 18. ἐν μὲν γῇ κατοικῶν τῇ Αἰσιτίδι — (11 a)  
 — 18. A ἐν μὲν γῇ κατοικῶν τῇ Αἰσιτίδι — (11 a)  
 Ps. 2. 4. ὁ κατοικῶν ἐν οὐρανῷ (11 a)  
 9. 11. ψάλατε τῷ κυρίῳ τῷ κατοικοῦντι ἐν Σ. (11 a)  
 21 (22). 3. A B S<sup>2</sup> σὺ δὲ ἐν ἀγίοις [S<sup>2</sup> B -φ] κατοικεῖς (11 a)  
 22 (23). 6. καὶ τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 23 (24). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 a)  
 26 (27). 4. τοῦ [A S<sup>1</sup> τὸ] κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 32 (33). 8. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 a)  
 — 14. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 a)  
 48 (49). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 a)  
 64 (65). 4. S<sup>1</sup> κατοικήσει [B S<sup>2</sup> κατασκηνώσει] ἐν ταῖς αὐλαῖς σου (14 a)  
 — 8. φοβηθήσονται οἱ κατοικοῦντες τὰ πέρατα [S<sup>1</sup> τὴν γῆν] (11 a)  
 67 (68). 6. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τάφοις (14 a)  
 — 10. τὰ ῥῶα σου κατοικοῦσιν ἐν αὐτῇ (11 a)  
 — 16. δὲ εὐδόκησεν ὁ θεὸς κατοικεῖν ἐν αὐτῇ (11 a)  
 68 (69). 25. μὴ ἔστω ὁ κατοικῶν (11 a)  
 — 35. καὶ κατοικήσουσιν ἐκεῖ (11 a)  
 74 (75). 3. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν [S add. ἐν αὐτῇ] (11 a)  
 82 (83). 7. ἀλλόφυλοι μετὰ τῶν κατοικούντων Τύρον (11 a)  
 88 (84). 4. μακάριοι πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (11 a)  
 90 (91). 1. ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ τοῦ ὑψίστου (11 a)  
 97 (98). 7. A B οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ [B κατ. αὐτὴν] (11 a)  
 100 (101). 7. οὐ κατέφκει ἐν μέσῳ τῆς οἰκίας μου (11 a)  
 106 (107). 34. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ (11 a)  
 — 36. A<sup>2</sup> κατέφκον [A<sup>2</sup> S B -ισεν] ἐκεῖ πεινῶντας (11 c)  
 112 (113). 5. ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν (11 a)  
 122 (123). 1. τὸν κατοικοῦντα ἐν τῷ οὐρανῷ (11 a)  
 124 (125). 1. ὁ κατοικῶν Ἱερουσαλὴμ (11 a)  
 131 (132). 14. ὁ κατοικῶν (11 a)  
 132 (133). 1. τὸ κατοικεῖν ἀδελφούς ἐπὶ τὸ αὐτό (11 a)  
 134 (135). 21. ὁ κατοικῶν Ἱερουσαλὴμ (14 a)  
 139 (140). 13. A S<sup>2</sup> B κατοικήσουσιν εὐθείας σὺν [B S<sup>1</sup> ἐν] τῷ προσώπῳ σου (11 a)  
 Pr. 24. 63 (30, 28). κατοικεῖ ἐν ὀχυρώμασι βασιλέων — (11 a)  
 Wi. 1. 4. οὐδὲ κατοικήσει ἐν σώματι καταχρέφῃ ἀμαρτίας — (11 a)  
 Si. 10. 2. κατὰ τὸν ἡγούμενον τῆς πόλεως πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (11 a)  
 38 (38). 9. A<sup>2</sup> B οἱ κατοικοῦντες [A<sup>1</sup> κατοικ., B B ἀδικοῦντες] τὸν λαόν σου (11 a)  
 50. 26. ὁ λαὸς μαρδὸς ὁ κατοικῶν ἐν Σικ. (11 a)  
 Ho. 4. 1. κρίσις τῷ κ. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 a)  
 — 3. σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτὴν (11 a)  
 9. 3. οὐ κατέφκον ἐν τῇ γῇ τοῦ κ. κατέφκον ἐν Ε. Αἰγ. (11 a, +)  
 10. 5. A B παροικήσουσιν οἱ [B om.] κατοικοῦντες Σ. (14 c)  
 11. 5. κατέφκον Ε. ἐν Αἰγ. + (11 a)  
 Am. 1. 5. ἐξολοθρεύσω κατοικοῦντας ἐκ πεδίου ὧν — (11 a)  
 — 8. ἐξολοθρεύσω κατοικοῦντας ἐξ Ἀζ. (11 a)  
 3. 12. οἱ υἱοὶ Ἰ. οἱ κατοικοῦντες ἐν Σ. (11 a)

- Am. 5. 11. οὐ μὴ κατοικήσῃτε ἐν αὐτοῖς (11 a)  
 6. 8. σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτὴν (12)  
 8. 8. πᾶς ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (11 a)  
 9. 5. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (11 a)  
 — 14. οἰκοδομήσουσι πόλεις . . . καὶ κατοικήσουσι (11 a)  
 Mi. 1. 10 (11). κατοικοῦσα καλῶς τὰς πόλεις αὐ. (11 a)  
 — 11. οὐκ ἐξῆλθε κατοικοῦσα Σενναάρ (11 a)  
 — 12. τίς ἤρξατο . . . κατοικοῦσθ' ὀδυνas (11 a)  
 — 13. κατοικοῦσα Δ. ἀρχηγὸς ἁμαρτίας (11 a)  
 — 15. κατοικοῦσα Δ. (11 a)  
 6. 12. οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ἐλάλουν ψεῦδη (11 a)  
 — 16. παραδῶ . . . τοὺς κατοικοῦντας αὐτὴν (11 a)  
 7. 13. ἡ γῆ . . . σὺν τοῖς κατοικοῦσιν αὐτὴν (11 a)  
 J1. 1. 2. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 a)  
 — 14. συναγάγετε . . . πάντας κατοικοῦντας γῆν (11 a)  
 2. 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 a)  
 3 (4). 20. ἡ δὲ 'Ιουδ. εἰς τὸν αἰῶνα κατοικήσεται (11 a)  
 Jn. 4. 11. ἐν ᾗ κατοικοῦσι πλείους (10)  
 Na. 1. 5. καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 a)  
 8. 8. ἡ κατοικοῦσα ἐν ποταμοῖς (11 a)  
 Hb. 2. 8. 17. πάντων τῶν κατοικούντων αὐτὴν (11 a)  
 Ze. 1. 4. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας 'Ιερου. (11 a)  
 — 11. οἱ κατοικοῦντες τὴν κατακεκομμένην (11 a)  
 — 13. καὶ οὐ μὴ κατοικήσουσιν ἐν αὐταῖς (11 a)  
 — 18. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 a)  
 2. 5. οἱ κατοικοῦντες τὸ σκῆνισμα τῆς θαλ. (11 a)  
 8. 1 (2. 15). αὐτὴ ἡ πόλις . . . ἡ κατοικοῦσα ἐπ' ἐλπίδι (11 a)  
 — 6. παρὰ [A. διά] τὸ μῆδινα . . . κατοικεῖν (11 a)  
 Za. 1. 11. ἰδοὺ πᾶσα ἡ γῆ κατοικεῖται (11 a)  
 2. 4 (8). κατακάρπτος κατοικήσεται [B' -κίρ-] (11 a)  
 — 7 (11). ἀνασώσεθε οἱ κατοικοῦντες θυγατέρα Βαβ. (11 a)  
 7. 7. ὅτε ἦν 'Ι. κατοικουμένη (11 a)  
 — 7. καὶ ἡ δρενὴ καὶ ἡ πεδινὴ κατῆκετο (11 a)  
 8. 20. λαοὶ . . . κατοικοῦντες [B' οἱ κ.] πόλεις πολλὰς (11 a)  
 — 21. συνελεύονται κατοικοῦντες πέντε πόλεις [B' om. σ. . . π.] (11 a)  
 9. 5. καὶ 'Ασκάλων οὐ μὴ κατοικήσῃ (11 a)  
 — 6. καὶ κατοικήσουσιν ἀλλογενεῖς ἐν 'Αζώφ (11 a)  
 11. 6. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 a)  
 12. 5. εὐρήσονται . . . τοὺς κατοικοῦντας 'Ι. (11 a)  
 — 6. καὶ κατοικήσει 'Ι. ἐπὶ καθ' ἑαυτὴν (11 a)  
 — 7. ἔπαροις [A. ἐπάρξεις] τῶν κατοικούντων 'Ι. (11 a)  
 — 8. ὑπερασπίε κ. ὑπὲρ τῶν κατοικούντων 'Ι. (11 a)  
 — 10. ἐκχεῶ . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας 'Ι. (11 a)  
 13. 1. καὶ τοὺς κατοικοῦντας 'Ιερουσαλὴμ (11 a)  
 14. 11. κατοικήσουσιν [A. -κοῦσιν] ἐν αὐτῇ (11 a)  
 — 11. καὶ κατοικήσει 'Ιερ. πεποιθὼς (11 a)  
 Is. 6. 11. παρὰ τὸ μὴ κατοικήσθαι (11 a)  
 8. 18. ὅς κατοικεῖ ἐν τῷ ὄρει Σιών (14 a)  
 9. 1 (8. 33). A. B' οἱ τὴν παράλιον κατοικοῦντες [B' om.] (11 a)  
 — 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρῃ [A. B' add. καὶ] σκιᾷ θανάτου (11 a)  
 10. 14 (13). σείσω πόλεις κατοικουμένας (11 a)  
 — 24. ὁ λαὸς μου οἱ κατοικοῦντες ἐν Σιών (11 a)  
 — 31. καὶ οἱ κατοικοῦντες Γιββεῖρ (11 a)  
 12. 6. εὐφραίνεσθε, οἱ κατοικοῦντες [A. B. add. ἐν] Σιών (11 a)  
 13. 20. οὐ κατοικήσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (11 a)  
 — 22. ὀνοκένταυροι ἐκεῖ κατοικήσουσι (11 a)  
 14. 23. ὅσπερ κ. ἐχίνους (9 b)  
 16. 7. τοὺς κατοικοῦντας διὰ Σέθ μελετήσεις (4 ?)  
 18. 2. ὡς χώρα κατοικουμένη κατοικήσεται (11 a, 14 a ?)  
 20. 6. ἐροῦντι οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ νήσῳ ταύτῃ (11 a)  
 23. 6. ὁλοφύεσθε οἱ κατοικοῦντες [A. B. ἐνοικ.] ἐν τῇ νήσῳ ταύτῃ (11 a)  
 — 18. ἀλλὰ τοὺς κατοικοῦσιν ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 24. 5. ἠρόμησε διὰ τοὺς κατοικοῦντας αὐτὴν (11 a)  
 — 6. ἠμάρταναν οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (11 a)  
 — 17. B' ἐφ' ὕμῳ τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ [A. B' B' al.] (11 a)  
 28. 21. B. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας [A. B. ἐνοικ.] ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)  
 27. 10. τὸ κατοικούντων ποίμνιον ἀνεμένον ἔσται (11 a)  
 1s. 32. 16. δικαιοσύνη ἐν τῇ K. κατοικήσει (11 a)  
 — 18. A. B. B. κατοικίσεις [B. οἱ κ.] ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐν πόλει εἰρήνης (11 a)  
 33. 5. ἀγίος ὁ θεὸς ὁ κατοικῶν ἐν ὑψηλῇ [A. B. -οῖς] (14 a)  
 34. 11. κατοικήσουσιν [A. B. -σονται] ἐν αὐτῇ (14 a [9 a])  
 40. 22. καὶ διατείνas ὡς σκηνὴν κ. (11 a)  
 42. 10. αἱ νῆσοι καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτάς (11 a)  
 — 11. ἐπαύλεις καὶ οἱ κατοικοῦντες Κηδάρ (11 a)  
 — 11. εὐφρανθήσονται οἱ κατοικοῦντες πέτρας (11 a)  
 44. 26. ὁ λέγων 'Ιερουσαλὴμ, Κατοικήσῃ (11 a)  
 45. 18. Κατοικεῖσθαι ἐπλάσεν αὐτὴν [A. B. om. ζ. αὐ.] (11 a)  
 49. 19. νῦν στενοχωρήσει ἀπὸ τῶν κατοικούντων [A. ἐνοικ., B' add. σε] (11 a)  
 — 20. ποιήσαν μοι τόπον ὡς κατοικίω (11 a)  
 51. 6. οἱ δὲ κατοικοῦντες [A. add. τὴν γῆν] . . . ἀποθαρύνονται (11 a)  
 54. 3. πόλεις ἡρμωμένας κατοικίεις [A. -κήσεις] (11 c)  
 57. 15. ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν τὸν αἰῶνα (14 a)  
 62. 5. οὕτω κατοικήσουσιν οἱ υἱοὶ σου (5 a)  
 65. 9. κατοικήσουσιν ἐκεῖ (14 a)  
 68. 10. πάντες οἱ ἀγαπῶντες αὐτὴν [B' κατοικῶντες ἐν αὐτῇ] (11 a)  
 Jc. 1. 1. ὅς κατῆκε ἐν 'Αναθὼ ἐν γῇ Βενιαμὴν (11 a)  
 — 14. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 a)  
 2. 6. οὐ κατῆκεν ἄνθρωπος [B. υἱὸς ἀνθρώπου] ἐκεῖ (11 a)  
 — 15. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 a)  
 4. 3. B. B. τάδε λέγει κύριος . . . τοῖς κατοικούνσιν 'Ιερ. (11 a)  
 — 4. καὶ οἱ κατοικοῦντες [A. add. ἐν] 'Ιερ. (11 a)  
 — 7. τοῦ θείναι [B' add. κατοικεῖσθαι] τὴν γῆν (11 a)  
 — 7. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι αὐτάς (11 a)  
 — 29. οὐ κατῆκε [A. κατοικήσει] ἐν αὐταῖς ἄνθρωπος (11 a)  
 6. 8. A. B. ἦτις οὐ κατοικήσεται [B. -κισθ.] (11 b)  
 — 12. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας [B' om. τ. κ.] τὴν γῆν ταύτην (11 a)  
 8. 1. τὰ ὅσα τῶν κατοικούντων ἐν [A. B. om.] 'Ιερ. (11 a)  
 — 16. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 a)  
 9. 11 (10). παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 a)  
 — 26 (25). τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 a)  
 10. 17. κατοικοῦσα [A. ἡ κ.] ἐν ἐκλεκτοῖς (11 a)  
 — 18. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 a)  
 11. 2. τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A. om.] 'Ιερ. (11 a)  
 — 9. εὐρήθῃ σύνδεσμος . . . ἐν τοῖς κατοικοῦσιν ἐν [A. B. om.] 'Ιερουσαλὴμ (11 a)  
 — 12. πορεύονται . . . οἱ κατοικοῦντες 'Ιερ. (11 a)  
 — 23. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν 'Αν. (2)  
 12. 4. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ [A. κ. αὐτῶν] (11 a)  
 13. 13. πληρῶς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 a)  
 — 13. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [A. καθήμενους] ἐν [B. om.] 'Ιερ. (11 a)  
 17. 6. ἐν γῇ ἀλμυρᾷ ἦτις οὐ κατοικεῖται [B' -κισθ.] (11 a)  
 — 25. εἰσελεύονται . . . οἱ κατοικοῦντες ἐν [A. om.] 'Ιερ. καὶ κατοικισθήσεται [A. -κισθ.] ἡ πόλις αὕτη (11 a, 11 a)  
 18. 11. εἰπὼν . . . πρὸς τοὺς κατοικοῦντας [B. add. ἐν] 'Ιερ. (11 a)  
 19. 3. B' B. B. ἀκούσατε . . . οἱ κατοικοῦντες ἐν [A. B' om.] 'Ιερ. (11 a)  
 — 12. τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 a)  
 20. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ οἰκῇ σου (11 a)  
 21. 6. πατάξω πάντας τοὺς κατοικοῦντας (11 a)  
 — 13. τὸν κατοικούντα τὴν κολίδα σόρ (11 a)  
 — 26. πόλεις μὴ κατοικησόμεναι (11 b)  
 — 23. κατοικοῦσα ἐν τῇ λιθῶν (11 a)  
 23. 14. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (11 a)  
 24. 8. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Λίγυπτῳ (11 a)  
 25. 2. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας 'Ιερ. (11 a)  
 — 5. κατοικήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)  
 — 9. ἄξω αὐτοὺς . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτὴν (11 a)  
 26 (46). 8. ἀπολῶ τοὺς [A. B. om.] κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 a)  
 — 19. κατοικοῦσα θυγάτηρ [B. -ἡρ] Λίγυπτου . . . διὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 a, 11 a)  
 27 (50). 3. οὐκ ἔσται ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (11 a)  
 Jc. 27 (50). 13. ἔρημος ἀπὸ ὀργῆς κυρίου οὐ κατοικήσεται (11 a)  
 — 21. B. B' ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' [A. om.] αὐτὴν (11 a)  
 — 34. παροξύνει τοὺς κατοικοῦσι [B. παροικ.] Βαβ. μάχαιραν (11 a)  
 — 35. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα (11 a)  
 — 39. κατοικήσουσιν ἰνδάλματα ἐν ταῖς νήσοις καὶ κατοικήσουσιν ἐν αὐτῇ θυγατέρες σειρήνων οὐ μὴ κατοικήσῃ οὐκέτι (11 a ter)  
 — 40. A. B. B. οὐ μὴ κατοικήσει [B. -σῃ] ἐκεῖ ἄνθρωπος (11 a)  
 — 40. A. οὐ μὴ κατοικήσει [B. B. παροικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (8 a)  
 — 45. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδαίους (9)  
 28 (51). 1. ἐξεγείρω . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδ. (11 a)  
 — 12. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα (11 a)  
 — 24. ἀνταποδώσω . . . πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Χαλδ. (11 a)  
 — 29. καὶ μὴ κατοικεῖσθαι αὐτὴν (11 a)  
 — 35. ἐρεῖ [B' add. καὶ] κατοικοῦσα Σιών (11 a)  
 — 35. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδαίους (11 a)  
 — 37. οὐ κατοικήσεται (11 a)  
 — 43. οὐ κατοικήσει ἐν αὐτῇ οὐδὲ εἰς (11 a)  
 — 62. τοῦ μὴ εἶναι ἐν αὐτῇ κατοικοῦντας (11 a)  
 29 (47). 2. πόλιν καὶ τοὺς κατοικοῦντας [A. ἐνοικ.] ἐν αὐτῇ (11 a)  
 — 2. ἀπαντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 a)  
 29 (49). 8. οἱ κατοικοῦντες [B' -ται] ἐν Δαυὶδ (11 a)  
 — 18. οὐ μὴ καθίσθ [A. κατοικήσει] ἐκεῖ ἄνθρωπος (11 a)  
 — 18. B. οὐ μὴ κατοικήσει [A. καθίσει, B. B. ἐνοικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (8 a)  
 — 20. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Θαμὴν (11 a)  
 30. 11 (49. 33). οὐ μὴ κατοικήσει ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (8 a)  
 81 (48). 28. φέκσαν ἐν πέτραις οἱ κατοικοῦντες [A. π. οἱ κ.] Μωάβ (11 a)  
 33 (26). 9. ἐρημωθήσεται ἀπὸ κατοικούντων [A. ἐνοικ.] (11 a)  
 — 15. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 a)  
 36 (29). 5. καὶ κατοικήσατε (11 a)  
 — 28. οἰκοδομήσατε οἰκίας καὶ κατοικήσατε (11 a)  
 89 (32). 32. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν [B. om.] 'Ιερ. (11 a)  
 41 (34). 22. ἐρήμου [A. εἰς ἄβαν] ἀπὸ κατοικούντων (11 a)  
 42 (35). 7. A. ἐν σκηναῖς κατοικήσατε [B. B. οἱ κ.] (11 a)  
 — 9. οἰκίας τοῦ κ. ἐκεῖ (11 a)  
 — 13. εἰπὼν . . . τοῖς κατοικοῦσιν [A. add. ἐν] 'Ιερ. (11 a)  
 — 17. B. B. φέρω . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας 'Ι. (11 a)  
 43 (36). 31. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας 'Ιερ. (11 a)  
 45 (38). 2. ὁ κατοικῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (11 a)  
 47 (40). 9. κατοικήσατε ἐν τῇ γῇ (11 a)  
 49 (42). 15. εἰσελθὲ ἐκεῖ κ. (6 a)  
 — 18. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας 'Ιερουσαλὴμ (11 a)  
 — 22. εἰσελθὲν κ. [B' -εἰς] ἐκεῖ (6 a)  
 50 (43). 2. A. μὴ εἰσελθὲτε εἰς Λίγυπτον κ. [B. B. οἱ κ.] ἐκεῖ (8 a)  
 — 4. κατοικήσαι ἐν γῇ 'Ιουδα (11 a)  
 — 5. τοὺς ἀποστρέψαντας κ. [B. εἰς μετοικεσίαν] ἐν τῇ γῇ (6 a)  
 51 (44). 1. τοῖς 'Ι. τοῖς κατοικοῦσιν ἐν γῇ [B. al.] (11 a)  
 — 1. B. καὶ τοῖς κατοικοῦσιν [A. B. καθήμενοι] ἐν M. (11 a)  
 — 8. κ. [A. B. ἐνοικ.] ἐκεῖ (6 a)  
 — 27. οἱ κατοικοῦντες ἐν γῇ Λίγ. (11 a)  
 — 28. κατοικήσαι [A. B. παροικ.] ἐκεῖ (6 a)  
 Ba. 1. 4. ἐν ὥστ' . . . πάντων τῶν κατοικούντων ἐν Βαβυλῶνι (11 a)  
 — 15. καὶ τοῖς κατοικοῦσιν 'Ιερουσαλὴμ (11 a)  
 3. 13. κατῆκεν ἐν ἐν εἰρήνῃ (11 a)  
 — 20. κατῆκεν ἐπὶ τῆς γῆς (11 a)  
 4. 35. κατοικήσεται ὑπὸ δαυμονίων (11 a)  
 La. 4. 12. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκονομίαν (11 a)  
 — 21. θυγάτηρ 'Ιδουμ. ἡ κατοικοῦσα ἐπὶ γῆς (11 a)  
 5. 19. σὺ δὲ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα κατοικήσεις (11 a)  
 Ez. 2. 6. ἐν μέσῳ σκορπίων σὺ κατοικήσεις (11 a)  
 3. 15. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ τοῦ X. (11 a)  
 7. 3 (7). ἐπὶ σὲ τὸν κατοικούντα τὴν γῆν (11 a)  
 11. 15. οἱς εἶπαν αὐτοῖς οἱ κατοικοῦντες 'Ιερ. (11 a)  
 12. 2. ἐν μέσῳ τῶν ἀδικῶν αὐτῶν σὺ κατοικεῖς (11 a)



Εξ. 12. 19. τάδε λέγει κύριος τοῖς κατοικοῦσιν  
 Ἱερ. . . ἐν ἀσβεστῇ γὰρ πάντες οἱ  
 κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 α, 11 α)  
 — 20. οἱ πόλεις αὐτῶν οἱ κατοικοῦνται (11 β)  
 15. 6. οὕτως δίδωκα τοὺς κατοικοῦντας [A add.  
 ἐν] Ἱερ. (11 α)  
 16. 46. ἡ κατοικοῦσα ἐξ εὐνομῶν σου (11 α)  
 — 46. ἡ κατοικοῦσα ἐκ δεξιῶν σου (11 α)  
 25. 16. τοὺς κατοικοῦντας τὴν παραλίαν [A  
 παραθαλασσίαν] —  
 26. 17. Α αὐτὴ καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 α)  
 — 17. πῶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 α)  
 — 19. ΑΒ ὡς τὰς πόλεις τὰς μὴ κατοικηθρο-  
 μένας [B -κισθ.] (11 β)  
 — 20. ὅπως μὴ κατοικηθῇς (11 α)  
 27. 3. τῇ κατοικοῦσῃ ἐπὶ τῆς εἰσόδου [A ὁδ.  
 τῆς θαλάσσης] (11 α)  
 — 8. οἱ ἀρχόντες σου οἱ κατοικοῦντες Σιδῶνα (11 α)  
 — 35. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὰς νήσους (11 α)  
 28. 2. κατοικίαν θεοῦ κατόκηκα [A -σα] (11 α)  
 — 25. κατοικῆσουσι ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (11 α)  
 — 26. κατοικῆσουσιν ἐπ' αὐτῆς ἐν ἐλπίδι . . .  
 καὶ κατοικῆσουσιν ἐν ἐλπίδι (11 α, 11 α)  
 29. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες Αἰγύπτου (11 α)  
 — 11. οὐ κατοικηθήσεται τεσσαράκοντα ἔτη (11 α)  
 31. 6. κατόκησε πᾶν πλῆθος ἐθνῶν (11 α)  
 — 17. οἱ κατοικοῦντες ὑπὸ τὴν σκέπην αὐ. (11 α)  
 32. 15. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 α)  
 33. 24. οἱ κατοικοῦντες τὰς ἡρμωμένας (11 α)  
 34. 25. κατοικῆσουσιν ἐν τῇ εἰρήμῃ (11 α)  
 — 27. κατοικῆσουσιν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (8)  
 — 28. κατοικῆσουσιν ἐν ἐλπίδι (11 α)  
 35. 9. αἱ πόλεις σου οὐ μὴ κατοικηθῶσιν ζεῖ  
 (11 α, 1 α\*)  
 36. 10. κατοικηθήσονται αἱ πόλεις (11 β)  
 — 17. κατόκησεν [A -αν] ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (11 α)  
 — 28. κατοικῆσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 α)  
 37. 25. κατοικῆσουσιν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν . . .  
 οὐ κατοικῆσαν ἐκεῖ οἱ πατέρες αὐτῶν  
 καὶ κατοικῆσουσιν ἐπ' αὐτῆς (11 α ter)  
 38. 8. κατοικῆσουσιν ἐπ' εἰρήνης ἀπαντες (11 α)  
 — 11. οἰκοῦντας [A κατοικ.] ἐπ' εἰρήνης πάντας  
 κατοικοῦντας γῆν [A πόλεις] (11 α, 11 α)  
 — 12. κατοικοῦντας ἐπὶ τὸν ὄμφαλόν τῆς γῆς (11 α)  
 39. 6. κατοικηθήσονται [A -κισθ.] αἱ νήσοι ἐπ'  
 εἰρήνης (11 α)  
 — 9. ἐξελεύσονται οἱ κατοικοῦντες τὰς πόλεις  
 Ἱσρ. (11 α)  
 45. 5. εἰς κατασχεῖν πόλεις τοῦ κ. +  
 Da. LXX. 3. 1. διοικῶν . . . πάντας τοὺς κατοι-  
 κοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς —  
 Da. TH. 2. 38. ὅπου κατοικοῦσιν οἱ υἱοὶ τῶν  
 ἀνθρώπων (7)  
 4. 9. ἐν τοῖς κλάδοις αὐτοῦ κατόκουν τὰ ὄρνεα (7)  
 — 18. ὑποκάτω αὐτοῦ κατόκουν τὰ θηρία (7)  
 — 18. Α κατόκουν [B -εσκουν] τὰ ὄρνεα (14 c)  
 — 32. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (7)  
 9. 7. Α καὶ τοῖς κατοικοῦσιν [B ἐνοικ. ἐν] Ἱερ. (11 α)  
 I Ma. 1. 28. ἐσεῖσθῃ ἡ γῆ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν  
 3. 34. ΒΒ περὶ τῶν [A πάντων τῶν] κατοικοῦντων  
 τὴν Ἰουδ.  
 — 36. ΑΒ κατοικῆσαι [B -ίσαι] υἱοὺς [B' ἀπ' αὐ-  
 τῶν] ἀλλογενεῖς [A ἀλλοτρίους]  
 6. 12. ἐξάρα τοὺς κατοικοῦντας Ἰουδαίους  
 9. 58. ἐν ἡσυχίᾳ κατοικοῦσι πεποιθότες  
 13. 48. Β κατόκησεν [A B -ισεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας  
 14. 37. Α κατόκησεν [B B -ισεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας Ἰουδ.  
 II Ma. 3. 1. τῆς ἀγίας πόλεως κατοικομένης  
 12. 8. Α τοῖς κατοικοῦσιν [B παροικ.] Ἰουδαίοις  
 — 13. πόλιν . . . παμνήμων ἔθνεσι κατοικομένην  
 — 27. ἐν ἧ κατόκηκε Δυναίας  
 — 30. Β τῶν ἐκεῖ κατοικοῦντων [A καθιστῶτων]  
 Ἰουδαίων  
 III Ma. 3. 15. Β τὰ [A om.] κατοικοῦντα κοίλην  
 Συρίαν καὶ Φ. ὅθνη  
 IV Ma. 13. 20. τὸν ἴσον ἀδελφοὶ κατοικῆσαντες χρόνον  
 [Aq. Ge. 47. 6: Jo. 17. 7: Ps. 48 (49). 2: Is.  
 8. 18: 23. 2: 38. 11: Je. 23. 8: 25. 29 (32.  
 15): 44 (51). 1: 48 (81). 19: 49. 8 (29. 9).  
 30 (30. 8).]  
 [Sm. Ge. 47. 6: Jo. 17. 7: Ps. 32 (33). 8: 48  
 (49). 2: 67 (68). 7. 17: 68 (69). 26: 74 (75).  
 4: 90 (91). 1: 97 (98). 7: Pr. 8. 12: Ca. 8.  
 13: Is. 5. 8: 8. 18: 23. 2: 18: 24. 5: 26.  
 21: 30. 7: 38. 11: Je. 25. 29 (32. 15): 44  
 (51). 1, 2, 22: 48 (81). 19: Ez. 12. 19.]

[Th. Ge. 47. 6: Jo. 5. 17: Ps. 84 (85). 5: Is.  
 8. 18: 34. 11: 38. 11: Je. 25. 29 (32. 15):  
 29 (36). 16: 48 (81). 19: Ez. 26. 17.]  
 [Hob. Ge. 47. 6.]  
 [Al. Jo. 11. 19: Jo. 5. 16: Hb. 8. 7: Za. 14.  
 10.]

**κατοικεσία.** (1) **בֵּית**  
 Ps. 106 (107). 36. συνεστήσαντο πόλεις κατοικε-  
 σίας (1)  
 La. 1. 7. ἐγέλασαν ἐπὶ κατοικεσίᾳ [A' μετοικ.,  
 A' μετοικεσίας] αὐτῆς +  
 Ez. 6. 14. ἐκ πάσης τῆς κ. αὐτῶν [A κατοικίας] (1)  
**κατοίκης.** (1) **אֲבִיב** **δ.** **בֵּית**  
 Ge. 10. 30. ἐγένετο ἡ κ. αὐτῶν ἀπὸ M. (1 α)  
 27. 39. ἀπὸ τῆς πώτης τῆς γῆς ἔσται ἡ κ.  
 σου (1 α)  
 Ex. 12. 40. ἡ δὲ κ. [A παροικ.] τῶν υἱῶν Ἱσρ. (1 α)  
 Nu. 15. 2. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. [A κατασχίστως]  
 υἱῶν (1 α)  
 II Ki. 9. 12. πᾶσα ἡ κ. αὐτοῦ οἴκου Σ. (1 α)  
 III Ki. 8. 30. ἐν τῇ τόφῃ τῆς κ. σου (1 β)  
 IV Ki. 2. 19. ἡ κ. τῆς πόλεως ἀγαθὴ (1 α)  
 II Ch. 6. 21. ἐν τῇ τόφῃ τῆς κ. σου (1 β)  
 I Es. 1. 21. δ' εὐρεθείς [A οἱ εὐρεθέντες] ἐν τῇ κ.  
 αὐτῶν  
 [Sm. I Ki. 2. 31: Ps. 22 (23). 6: Is. 38. 20:  
 Je. 10. 25: 60 (27). 19:]  
 [Th. Is. 38. 20.]  
 [Al. Za. 2. 13 (17).]

**κατοικητήριον.** (1) **בֵּית** (2) **א.** **בֵּית** **δ.** **בֵּית**  
**בֵּית**  
 (3) **בֵּית** (4) **א.** **בֵּית** **δ.** **בֵּית**  
 Ex. 12. 20. ἐν παντὶ δὲ κ. υἱῶν ἔδεσθε ἄζυμα (2 β)  
 15. 17. εἰς ἔτοιμον κατοικητήριόν σου (2 α)  
 III Ki. 8. 13. Α φερόδωρα οἴκον κατοικητήριόν  
 σου (1)  
 — 39, 43, 49: II Ch. 6. 30, 33, 39. ἐξ ἐτοι-  
 μων κ. σου (2 α)  
 II Ch. 30. 27. ἦλθεν ἡ προσευχὴ αὐτῶν εἰς τὸ  
 κ. τὸ ἅγιον αὐτοῦ (4 α)  
 Ps. 32 (33). 14. ἐξ ἐτοιμον κ. αὐτοῦ ἐπέβλεψεν (2 α)  
 75 (76). 2. καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἐν Σιών (4 β)  
 106 (107). 4. ὁδὸν πόλεως κατοικητήριου οὐχ  
 εὖρον (2 β)  
 — 7. τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν κατοικητήριου  
 Na. 2. 11 (12). ποῦ ἔστι τὸ κ. τῶν λεόντων (4 α)  
 — 12 (13). ἐπλησῶν . . . τὸ κ. αὐτοῦ ἀρπαγῆς (4 β)  
 Je. 9. 11 (10). δώσω τὴν Ἱερ. . . εἰς κ. [A -ia]  
 δρακόντων (4 α)  
 21. 13. τίς ἐλεείσεται πρὸς τὸ κ. ἡμῶν (4 β)  
 Da. LXX. 2. 11. οὐκ ἔστι κ. μετὰ πάσης  
 σαρκός (8)  
 III Ma. 2. 15. Α τὸ μὲν γὰρ κ. [B οἰκ.] σου οὐρανὸς  
 τοῦ οὐρ.  
 [Aq. I Ki. 2. 32: III Ki. 8. 13: Ps. 48 (49). 15:  
 Ca. 4. 8: Is. 63. 15: Je. 49. 19 (29. 20): 50  
 (27). 44: 45:]  
 [Sm. Is. 63. 15: Je. 50 (27). 44:]  
 [Th. Is. 63. 15.]  
 [Quint. Ps. 25 (26). 8: 30 (31). 3:]

**κατοικία** (-εία). (1) **א.** **בֵּית** **δ.** **בֵּית**  
**בֵּית**  
 (2) **א.** **בֵּית** **δ.** **בֵּית** **κ.** **בֵּית**  
 Ex. 35. 3. οὐ καύσετε πῦρ ἐν πάσῃ κ. υἱῶν (1 β)  
 Le. 3. 17. νόμιμον . . . ἐν πάσῃ κ. υἱῶν (1 β)  
 7. 16 (26). οὐκ ἔδεσθ' ἐν πάσῃ τῇ [B' τῇ γῇ]  
 κατοικίᾳ υἱῶν (1 β)  
 23. 3. σάββατά ἐστι . . . ἐν πάσῃ κ. υἱῶν (1 β)  
 — 14. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσῃ κ. υἱῶν (1 β)  
 — 17. ἀπὸ τῆς κ. υἱῶν προσοίσετε ἄρτους (1 β)  
 — 21. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσῃ τῇ κ. υἱῶν (1 β)  
 — 31. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσῃ κ. υἱῶν (1 β)  
 Nu. 24. 21. Ἰσχυρὰ ἡ κ. σου (1 β)  
 31. 10. ΑΒ πᾶσας τὰς πόλεις αὐτῶν τὰς ἐν  
 ταῖς κ. [B οἰκ.] αὐτῶν (1 β)  
 35. 29. ἐν πάσαις ταῖς κ. υἱῶν (1 β)  
 I Ch. 6. 54 (39). αὐταὶ αἱ κ. αὐτῶν (1 β)  
 7. 28. καὶ κατοικία αὐτῶν Βασιλῆα (1 β)  
 I Es. 9. 12. πάντες οἱ ἐκ τῶν κ. [A κατοίκων] ἡμῶν  
 — 37. καὶ οἱ υἱοὶ Ἱσρ. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν  
 Ps. 88 (87). 7. ὡς εὐφρανόμενον πάντων ἡ κ.  
 ἐν σοὶ +  
 181 (182). 13. ᾠρεῖσθαι αὐτὴν εἰς κατοικίαν  
 αὐτοῦ (1 β)

Si. 44. 6. ΑΒ εἰρηνεύοντες ἐν κατοικίαις [B παροικ-  
 ίαις] αὐτῶν  
 Ho. 11. 7. καὶ ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐπικρεμάμενος ἐκ  
 τῆς κ. αὐτοῦ +  
 14. 5. ἰσάσμαι τὰς κατοικίας αὐτῶν +  
 Ob. 1. 3. ὑψῶν κατοικίαν αὐτοῦ (1 α)  
 Ze. 2. 5. καὶ ἀπολῶ ὑμᾶς ἐκ κατοικίας (1 α)  
 Je. 8. 6. εἶδες ἂ ἐποίησέ μου ἡ κ. τοῦ Ἰσραὴλ +  
 — 8. ἐν οἷς ἐμοιχάτο ἡ κ. τοῦ Ἰσραὴλ +  
 — 12. ἐπιστράφηθι πρὸς με ἡ κ. τοῦ Ἰσραὴλ +  
 Ez. 6. 6. ἐν πάσῃ τῇ κ. υἱῶν (1 β)  
 — 14. Α ἐκ πάσης τῆς κ. [B κατοικεσίας] (1 β)  
 28. 2. κατοικίαν θεοῦ κατόκηκα [A -σα] (1 β)  
 34. 13. ἐν πάσῃ κ. τῆς γῆς (1 β)  
 48. 15. προτείχισμα ἔσται τῇ πόλει εἰς τὴν κ. (1 β)  
 Da. TH. 2. 11. ὧν οὐκ ἔστιν ἡ κ. μετὰ πάσης  
 σαρκός (2 β)  
 4. 22. μετὰ θηρίων ἀγρίων ἔσται ἡ κ. σου (2 α)  
 — 29. μετὰ θηρίων ἀγρίων [A add. ἔσται]  
 ἡ κ. σου (2 α)  
 — 32. καὶ ἐν τῇ κ. τῆς γῆς (2 c)  
 5. 21. μετὰ ἀνθρώπων ἡ κ. αὐτοῦ (2 α)  
 I Ma. 1. 38. ἐγένετο κατοικία ἀλλοτρίων  
 II Ma. 8. 39. ὁ τὴν κ. ἐπουράνιον ἔχων  
 [Aq. Ho. 9. 13.]  
 [Sm. Ps. 82 (83). 14: Ho. 9. 13: Mi. 1. 15.]  
 [Al. Ex. 10. 23: Nu. 21. 15.]  
**κατοικίζειν.** (1) **הָבִית** hoph. (2) **בֵּית** a. gal.  
 δ. ni. c. hi. d. בֵּית aph. (3) **בֵּית** hi.  
 (4) **בֵּית** hi. (5) **בֵּית** a. pi. δ. hi.  
 Ge. 3. 24. κατόκησεν αὐτὸν ἀπέναντι τοῦ παρα-  
 δέσου (5 β)  
 47. 6. ἐν τῇ βελτίστῃ γῇ κατόκησεν [A -ησαν]  
 τὸν πατέρα σου (2 c)  
 — 11. κατόκησεν [A -ησαν] Ἰ. τὸν πατέρα (2 c)  
 Ex. 2. 21. κατόκησθ' ἐν Δε. παρὰ τῷ ἀνθρώπῳ (2 α)  
 Le. 23. 43. κατόκησα [A -ησα] τοὺς υἱοὺς Ἱσρ. (2 c)  
 Nu. 21. 15. τοὺς χειμάρρους κατόκησεν κατοικί-  
 κισαι Ἡρ (2 α)  
 De. 2. 12, 21, 22, 23. καὶ κατόκησθησαν αὐτ'  
 αὐτῶν (2 α)  
 Jo. 6. 24 (25). Β καὶ κατόκησεν [A B -ησαν] ἐν  
 τῇ Ἱσρ. (2 α)  
 7. 7. εἰ κατεμείναμεν καὶ κατόκησθμεν (2 α)  
 16. 63. Α κατόκησαν [B -ησαν] οἱ ἱερ. ἐν Ἱερ. (2 α)  
 24. 13. καὶ κατόκησθητε ἐν αὐταῖς (2 α)  
 I Ki. 12. 8. καὶ κατόκησεν [A -ησαν] αὐτοὺς (2 c)  
 IV Ki. 17. 6. Β κατόκησεν [A B -ησαν] αὐτοὺς (2 c)  
 — 24. κατόκησθησαν ἐν πόλεσι Σαμ. (2 c)  
 — 24. Α κατόκησαν [B -ησαν, B -κισθησαν]  
 ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῆς (2 α)  
 — 32. κατόκησαν τὰ βδελύγματα αὐτῶν —  
 I Ch. 9. 1. Β μετὰ τῶν κατοικισθέντων [A B  
 ἀποικ.] εἰς Βαβ. (1)  
 10. 7. Β κατόκησαν [A B -ησαν] ἐν αὐτοῖς (2 α)  
 II Ch. 8. 2. κατόκησεν ἐκεῖ τῶν υἱῶν Ἱσρ. (2 c)  
 I Es. 5. 46. καὶ κατόκησθησαν οἱ ἱερεῖς  
 II Es. 4. 10. κατόκησεν αὐτοὺς ἐν πόλεσι τῆς  
 Σομ. (2 d)  
 To. 13. 11. Β κατοικεῖ πάντων τῶν ἐσχάτων τῆς  
 γῆς  
 Ju. 5. 19. κατόκησθησαν ἐν τῇ ὀρεῇ  
 Ps. 4. 8. σὺ, κύριε, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι κατό-  
 κισας με (2 c)  
 28 (29). 10. κύριος τὸν κατακλυσμὸν κατοικεῖ (2 α)  
 67 (68). 6. ὁ θεὸς κατοικίζει μονοτρόπους ἐν  
 οἴκῳ (2 c)  
 92 (93) τίς. ὅτε κατόκησται ἡ γῆ —  
 106 (107). 36. κατόκησεν [A' -ησαν] ἐκεῖ πει-  
 νῶντας (2 c)  
 112 (113). 9. ὁ κατοικίζων στείραν ἐν οἴκῳ (2 c)  
 Ho. 2. 18 (20). καὶ κατοικίῳ σε ἐπ' ἐλπίδι (4)  
 12. 9 (10). ἐπὶ κατοικίῳ σε ἐν σκηναῖς (2 c)  
 Za. 10. 6. καὶ κατοικίῳ αὐτοὺς (2 c)  
 Is. 54. 3. πόλεις ἡρμωμένας κατοικεῖς [A  
 -ήσεις] (2 c)  
 Je. 6. 8. ἥτις οὐ κατοικισθῇ [A B -κηθήσεται] (2 β)  
 7. 3. καὶ κατοικίῳ [A οὐ κ.] ὑμᾶς (5 α)  
 — 7. κατοικίῳ ὑμᾶς ἐν τῇ τόφῃ τούτῃ (5 α)  
 12. 15. καὶ κατοικίῳ αὐτοὺς (3)  
 17. 25. κατοικισθήσεται [A -κηθ.] ἡ πόλις  
 αὐτῇ (2 α)  
 39 (32). 37. Α κατοικίῳ [B B καθιῳ] αὐτοὺς  
 πεποιθότας (2 c)



Je. 47 (40). 7. **ΑΒΒ** οὗς οὐ [B om.] κατόπισεν [B οὐκ ἀπέφ.] εἰς Βαβυλῶνα (1)  
 Ez. 26. 19. **Β** ὡς τὰς πόλεις τὰς μὴ κατοικισθη- (2)  
 — 20. κατοικίῳ σε εἰς βάθῃ τῆς γῆς (2 c)  
 29. 14. κατοικίῳ [A -ιῶ] αὐτοὺς ἐν γῇ Φ. (3)  
 36. 11. κατοικίῳ ὑμᾶς ὡς τὸ ἐν ἀρχῇ ὑμῶν (2 c)  
 — 33. κατοικίῳ τὰς πόλεις (2 c)  
 38. 12. εἰς τὴν ἡρμωμένην ἡ κατοικισθῇ (2 b)  
 — 14. ἐν τῇ κατοικισθῆναι τὸν λαόν μου Ἰσρ. (2 a)  
 39. 6. **Α** κατοικισθήσονται [B -κηθ.] αἱ νῆσοι (2 a)  
 — 26. ἐν τῇ κατοικισθῆναι αὐτοὺς ἐπὶ τὴν γῆν αὐτῶν (2 a)  
 I Ma. 8. 36. **Β** κατοικίαι [A B -ῆσαι] υἱοὺς [B' ἀπ' αὐτῶν] ἀλλογενεῖς [A ἀλλοτρίους] (2)  
 13. 48. **Α** κατόπισεν [B -ῆσαν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας (2)  
 14. 34. καὶ κατόπισεν ἐκεῖ Ἰουδαίους (2)  
 — 37. **Β** κατόπισεν [A -ῆσαν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας Ἰουδ. [Sm. Ez. 26. 17: Ho. 2. 18 (20).] (2)  
 [Th. Ps. 67 (68): 7: Ho. 2. 18 (20).] (2)  
 [Quint. Ps. 67 (68): 7.] (2)  
**κατοικιστής.**  
 [Sm. Je. 50 (27): 7.] (2)  
**κατοικοδομεῖν.** (1) **בָּנָה**  
 Ge. 36. 43. ἐν ταῖς κατοικοδομῆμαίς ἐν τῇ γῇ (1)  
**κάτοικος.** (1) **יָשָׁן** (2) **יָשָׁן**  
 Ge. 50. 11. εἰδὼν οἱ κ. τῆς γῆς Χανάν (2)  
 Jo. 8. 20. περιβλέψαντες οἱ κ. [A κατοικοῦντες] (1)  
 I Ch. 5. 16. **Β** ἄρχων οἴκου πατριῶν κατοίκων [A B -ῆσαν] ἐν Γ. (2)  
 I Es. 9. 12. **Α** καὶ πάντες οἱ ἐκ τῶν κ. [B -κίων] ἡμῶν (2)  
 Pr. 31. 23. μετὰ τῶν γεροντῶν κ. τῆς γῆς [A B' S' al.] (2)  
 I Ma. 1. 38. ἔφυγον οἱ κ. Ἱερουσαλὴμ  
**κατοικτεῖν.**  
 IV Ma. 8. 20. **ΑΒ** κατοικτεῖσθωμεν [B -ρωμεν] τὸ τὸν μητρός γῆρας (2)  
 12. 2. **ΑΒ** ἐν κατοικτεῖσθας [B -ρας] ὁ τύραννος καποικτίζειν.  
 IV Ma. 13. 27. **Β** τοὺς κατοικτεῖσθωμεν [A B καταικτ.] ὁρῶντες . . . βασιανζόμενους (2)  
**κατόπι.**  
 [Sm. Jo. 10. 19: II Ki. 5. 23.] (2)  
**κατόπισθε, κατόπισθεν.** (1) **α. יָשָׁן δ. יָשָׁן**  
**ε. יָשָׁן δ. יָשָׁן** (2) **יָשָׁן**  
 Ge. 37. 17. ἐπορεύθη Ἰ. κ. τῶν ἀδ. αὐ. (1 a)  
 Jd. 18. 12. **Α** ἰδοὺ κ. [B ὅπισθω] Κ. (1 b)  
 19. 3. **Α** καὶ ἐπορεύθη κ. [B ὅπισθω] αὐτῆς (1 b)  
 Ru. 2. 2. κ. οὐ εἶν εὖρα χάριν (1 a)  
 — 3. συνελέξεν . . . κ. [A ὅπ.] τῶν θεριζόντων (1 b)  
 — 9. πορεύσθ κ. αὐτῶν (1 c)  
 II Ki. 2. 19. τοῦ πορεύσθαι . . . κ. Ἀβ. (1 c)  
 — 27. ἀνέβη ὁ λαὸς ἑκατοστὸς κ. τοῦ ἀδ. αὐ. (1 c)  
 15. 34. ὁ βασις κ. μου διελέλυθεν [A al.] (1 c)  
 16. 18. κ. οὐ ἐξελέξατο κύριος (1 c)  
 20. 14. ἦλθον κ. αὐτοῦ (1 b)  
 III Ki. 13. 14. ἐπορεύθη κ. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θ. [A al.] (1 b)  
 IV Ki. 6. 32. οὐχὶ φωνῇ τῶν ποδῶν . . . κ. αὐ- (1 b)  
 — τοῦ (1 b)  
 II Ch. 25. 27. ἀπέστειλαν κ. αὐτοῦ (1 b)  
 Ne. 4. 13 (7). ἔστησαν . . . κ. τοῦ τείχους (1 d)  
 Pr. 24. 42 (27). πορεύου κ. μου (1 a)  
 Za. 6. 6. οἱ λευκοὶ ἐξεπορεύοντο κ. αὐτῶν [B' om.] (1 c)  
 7. 14. ἡ γῇ ἀφανισθήσεται κ. αὐτῶν (1 b)  
 Ez. 3. 12. **ΑΒ** ἔβλεπον κ. μου φωνῇ [B' al.] (1 b)  
 41. 15. τοῦ ἀπολοιπῶν τῶν κ. τοῦ οἴκου ἐκ. (1 f)  
 44. 10. ἐν τῇ πλανᾷσθαι τὸν Ἰσ. . . κ. τῶν ἐνδομῶν. αὐ. (1 b)  
 Da. LXX. 8. 8. ἀνέβη ἑτέρα τέσσαρα κέρατα κ. αὐτοῦ (2)  
 I Ma. 10. 79. ἀπέλπιεν Ἀπ. . . κρυπτῶς κ. αὐτῶν (2)  
 — 80. ἔστιν ἐνδομῶν κ. αὐτοῦ (2)  
 16. 6. διεπέρασαν κ. αὐτοῦ [B' ὦν] (2)  
 [Th. Jd. 19. 3: Je. 39 (46): 5.] (2)  
 [A I Ki. 11. 5.] (2)

**κατοπίσω.**  
 Jd. 18. 22. **Α** ἔκρῃον κ. Δάν [B al.] +  
**κατοπτέειν.**  
 Es. 8. 13. τοῦ τὰ πάντα κατοπτέειντος αἱ θεοῦ  
**κατόπτῃς.**  
 II Ma. 15. 21. **Β** τὸν τερατοποιῶν κύριον τὸν κ. [A om. τ. κ.] (2)  
**κάτοπτρον.** (1) **מִרְיָן**  
 Ex. 38. 26 (8). ἐκ τῶν κ. τῶν ησθευσασῶν (1)  
**κατορθοῦν.** (1) **יָשָׁן** (2) **יָשָׁן** (3) **יָשָׁן** pi.  
 (4) **א. יָשָׁן** pi. **δ. יָשָׁן** c. **יָשָׁן**  
**ד. מִרְיָן** (5) **ב. א. ni.** **δ. hi.**  
 (6) **יָשָׁן** (7) **יָשָׁן** ni.  
 III Ki. 2. 35. ἡ βασιλεία κατορθοῦτο ἐν Ἱερ. (5 a)  
 I Ch. 18. 30. κατορθωθήτω ἡ γῇ (5 b)  
 28. 7. κατορθώσω τὴν βασιλείαν αὐ. (5 b)  
 II Ch. 29. 35. καὶ κατορθώσῃ τὸ ἔργον (5 a)  
 38. 16. κατορθώσω τὸ θεοσιστήριον κυρίου (2)  
 85. 10. κατορθώσῃ ἡ λειτουργία (5 a)  
 — 16. καὶ κατορθώσῃ (5 a)  
 I Es. 5. 50. **ΑΒ** κατορθώσαν [B -θώσαν] τὸ θεοσιστήριον (5 a)  
 Ps. 95 (98). 10. κατορθώσω τὴν οἰκουμένην (5 a)  
 118 (119). 9. ἐν τίνι κατορθώσῃ νεώτερος τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (8)  
 — 128. πρὸς πάσας τὰς ἐντολάς σου κατορ- (4 a)  
 θύμην (4 a)  
 Pr. 2. 7. θησαυρίζῃ τοῖς κατορθοῖς σωτηρίαν (4 b)  
 — 9. κατορθώσεις πάντα δέξονας [A δέξονας] ἀγαθούς (4 d)  
 4. 18. ἔως κατορθώσῃ [A -σει] ἡ ἡμέρα (5 a)  
 9. 6. κατορθώσῃ ἐν γνώσει συνέσει (1)  
 11. 10. ἐν ἀγαθῶσι δικαίαν κατορθώσῃ πόλιν (6)  
 12. 3. οὐ κατορθώσῃ ἀνθρώπος ἐξ ἀνόμου (5 a)  
 — 19. χεῖλιν ἀληθινὰ κατορθοῖς μαρτυρίαν (5 a)  
 14. 11. σκενναὶ δὲ κατορθοῦντων στήσονται (4 b)  
 25. 5. κατορθώσῃ ἐν δικαιοσύνῃ ὁ θρόνος αὐ. (5 a)  
 Mi. 7. 2. κατορθῶν ἐν ἀνθρώποις οὐχ ὑπάρχει (4 b)  
 Za. 4. 7. τὸ ὅρος . . . τὸ πρὸ προσώπου Ζ. τοῦ κατορθώσαντος (4 c)  
 Is. 9. 7 (6). ἐπὶ . . . τὴν βασιλείαν αὐτοῦ κατορ- (4 c)  
 θύσῃ αὐτήν (5 b)  
 Je. 10. 23. κατορθώσῃ πορείαν [B' πορείαν] αὐτοῦ (5 b)  
 Ez. 18. 25. **Α** οὐ κατορθοῖς [B κατενθύνει] ἡ ὁδὸς κυρίου (7)  
 — 29. οὐ κατορθοῖς ἡ ὁδὸς κυρίου μὴ ἡ ὁδὸς μου οὐ κατορθοῖς οἶκος Ἰσραὴλ; οὐχὶ ἡ ὁδὸς ὑμῶν οὐ κατορθοῖς (7 ter)  
 II Ma. 8. 36. ἀναδεξάμενος φόρον . . . κατορθώ- (5 b)  
 σασθαι [Sm. Is. 55. 11.] (5 b)  
 [Th. Is. 55. 11: Ez. 38. 20.] (5 b)  
 [A I Ki. 13. 21: 20. 31.] (5 b)  
**κατόρθωμα.**  
 III Ma. 8. 23. **Β** ἡμᾶς καταστρέψαι τὰ κ. [A πράγ- (1)  
 — ματα] (1)  
**κατόρθωσις.** (1) **א. יָשָׁן** **δ. יָשָׁן**  
 II Ch. 3. 17. τὸ ὄνομα τοῦ ἐκ δεξιῶν Κατόρθω- (1 a)  
 — σις (1 a)  
 Ju. 11. 7. εἰς κατόρθωσιν πάσης ψυχῆς (1 a)  
 Ps. 96 (97). 2. δικαιοσύνη καὶ κρίμα κατόρθωσις τοῦ θρόνου αὐτοῦ (1 b)  
 [A I Ps. 118 (119): 126.] (1 b)  
**κατορούσσειν.** (1) **יָשָׁן** (2) **יָשָׁן** (3) **יָשָׁן**  
**א. qal.** **δ. ni.**  
 Ge. 48. 7. κατόρουσα αὐτὴν ἐν τῇ ὁδῷ (8 a)  
 Jo. 24. 32. καὶ κατόρουσαν ἐν [A αὐτὰ ἐν] Σικ. (8 a)  
 — 33. καὶ κατόρουσιν [A -ύχθη] ἐν Γαβ. (8 a)  
 To. 14. 6. κατόρουσιν [A -ωσιν] τὰ εἰδωλά αὐ. [S al.] (8 a)  
 Am. 9. 2. εἰς κατακρυβῶσιν [A κατακρυβῶσιν] εἰς ἄδου (1)  
 Je. 18. 7. οὐ κατόρουσα [B' -αν] αὐτὸ ἐκεῖ (2)  
 32 (25). 33. οὐ μὴ κατακρυβῶσιν [A -ύσων] (3 b)  
 Ez. 39. 11. κατόρουσιν [A -ωσιν] ἐκεῖ τὸν Γῶγ (3 a)

Ez. 39. 12. κατόρουσιν [A -ωσιν] αὐτοὺς οἶκος Ἰσραὴλ (8 a)  
 — 13. κατόρουσιν αὐτοὺς πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (8 a)  
 [Sm. Jb. 3. 16: Ps. 70 (71): 24.] (8 a)  
**κατορχεῖσθαι.**  
 Za. 12. 10. ἀνθ' ὧν κατορχήσαντο +  
**κατορχεύειν.**  
 [Aq. Is. 58. 8.] (2)  
**κατορχεῖν.** (1) **עָרַךְ** hi.  
 Le. 19. 19. τὰ κτήνη σου οὐ κατορχεύσεις ἑτερο- (1)  
 — ζῴων (1)  
**κατορχεῖς.**  
 [Sm. Ex. 26. 17.] (2)  
**κατορχή.**  
 [Sm. Ca. 8. 11.] (2)  
**κατόρχιμος.** (1) κ. εἶναι **עָרַךְ**  
 Le. 25. 46. ἔσονται ὑμῖν κατόρχιμοι εἰς αἰῶνα (1?)  
**κάτοχος.** (1) **עָרַךְ**  
 Jn. 2. 7. ἦς οἱ μοχλοὶ αὐτῆς κάτοχοι αἰώνιοι (1)  
 [Salm. Gz. 49. 23.] (1)  
**κάτω, κατώτερον, κατωτάτω.** (1) **א. תַּחַת**  
**δ. תַּחַת** (2) **א. תַּחַת** **δ. תַּחַת** c. **תַּחַת**  
 Ge. 35. 8. ἐτάφη [A om.] κατώτερον Βαιθλῆλ (2 a)  
 Ex. 20. 4. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 a)  
 De. 4. 39. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)  
 5. 8. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 a)  
 28. 43. σὺ δὲ καταβῆθαι κ. κ. (1 a, 1 a)  
 32. 22. καυθήσεται ἔως ἄδου κ. (2 b)  
 Jo. 2. 11. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)  
 15. 19. καὶ τὴν Γ. τὴν κ. (2 b)  
 16. 3. ἔως τῶν ὀρίων Βαιθωρὼν τὴν [A τῆς] κ. (2 c)  
 18. 13. ἡ ἔστι πρὸς λίβα Βαιθωρὼν ἡ κ. (2 c)  
 III Ki. 8. 23. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)  
 IV Ki. 19. 30. προσθήσει . . . τὸ ὑπολειφθέν **ρίσαν** κ. (1 b)  
 I Ch. 7. 24. φκοδόμησε Βαιθ. τὴν κ. (2 c)  
 27. 23. ἀπὸ εἰκοσαετοῦς κ. (1 b)  
 II Ch. 8. 5. φκοδόμησε . . . τὴν Βαιθ. τὴν κ. (2 c)  
 32. 30. καὶ κατηύθυνεν αὐτὰ κ. (1 b)  
 To. 4. 19. **Β** ἔως ἄδου κατωτάτω (2 c)  
 13. 2. **Β** ἔως ἄδου κατωτάτω τῆς γῆς [A B εἰς ἄδου] (2 c)  
 Jb. 37. 12. **Α** ἐν τοῖς κατωτάτω θεῖς ἔργα αὐτῶν +  
 [B S al.] (2 c)  
 Ps. 138 (139). 15. ἐν τοῖς κατωτάτω [A S -οις] τῆς γῆς (2 b)  
 Ec. 3. 21. εἰ καταβαίνει αὐτὸ κ. εἰς γῆν (1 b)  
 5. 1. **Β** σὺ ἐπὶ τῆς γῆς κ. [A B S' om.] (2 c)  
 Si. 51. 6. ἡ [ω] μου ἦν συνέγγυς ἄδου κάτω [B' κατωτάτω] (2 c)  
 Is. 5. 30. εἰς τὴν γῆν [B' add. κ.] (2 c)  
 8. 22. εἰς τὴν γῆν κ. ἐμβλίσονται (1 b)  
 37. 31. φυήσουσι **ρίσαν** κ. (1 b)  
 51. 6. ἐμβλίσψατε εἰς τὴν γῆν κ. (2 a)  
 Je. 38 (31). 37. εἰς ταπεινωθῇ τὸ ἔδαφος τῆς γῆς κ. (1 b)  
 Ez. 1. 27. **Α** **Β** ἀπὸ ὀράσεως ὀσφύος καὶ ἔως κ. (1 a)  
 8. 2. ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ καὶ ἔως κ. πῦρ (1 a)  
 31. 16. **Α** παρέκαλουν αὐτὸν ἐν γῇ κ. [B om.] πάντα τὰ ξύλα (2 b)  
 [Aq. Jd. 1. 15: Ez. 31. 16.] (2 b)  
 [Sm. Ez. 31. 16.] (2 b)  
 [Th. Jb. 37. 12: Ez. 31. 16: Ho. 4. 13.] (2 b)  
**κατώδυνος.** (1) **א. יָשָׁן** **δ. יָשָׁן**  
 I Ki. 1. 10. καὶ αὐτὴ κατώδυνος ψυχῇ (1 a)  
 22. 2. καὶ πᾶς [A om.] κ. ψυχῇ (1 a)  
 30. 6. κατώδυνος ψυχῇ παντός τοῦ λαοῦ (1 b)  
 IV Ki. 4. 27. ἡ ψυχὴ αὐτῆς κ. αὐτῇ (1 b)  
 [Aq. Is. 54. 6.] (1 b)  
 [Sm. Is. 29. 2: 54. 6.] (1 b)  
 [Th. Jd. 18. 25: Is. 54. 6.] (1 b)  
**κάτωθεν.** (1) **תַּחַת** (2) **א. תַּחַת** **δ. תַּחַת**  
**ε. תַּחַת**  
 Ex. 26. 24. ἔσται [A ἔσονται] ἐξ Ἰσου κ. (1)  
 27. 5. ὑπὸ τὴν ἐσχάραν τοῦ θυσιαστ. κ. (1)  
 28. 29 (33). ποιήσεις ὑπὸ [A B' ἐπὶ] τὸ λῶμα . . . κ. [A κυκλόθεν] (2)

Ex. 36. 28 (39. 20). **Α Β** ἐπέθηκαν . . . κ. αὐτοῦ  
[B om. κ. αὐ.] (1)  
— 32 (39. 24). ἐποίησαν ἐπὶ τοῦ λώματος  
... κ. —

38. 24 (4). ἐργον δικτυωτὸν κ. τοῦ πυρείου (2 a)  
De. 33. 13. ἀπὸ ἀβύσσων πηγῶν κ. (2 a)  
Is. 14. 9. ὁ ἄδης κ. ἐπικράνη (2 b)  
Et. 41. 7. ἐκ τῶν κ. ἀναβαίνουσιν ἐπὶ τὰ ὑπερῶα (2 c)  
[Th. Ex. 28. 27.]

κατώτερος, κατώτατος. (1) **אֲחֵרִית** ὁ. **אֲחֵרִית**  
III Ki. 9. 17. **Α** καὶ τὴν Βαβ. τὴν κ. (1 a)  
Ne. 4. 13 (7). ἔστησα εἰς τὰ κ. τοῦ τόπου (1 b)  
Ps. 62 (68). 9. εἰσελεύσονται εἰς τὰ κ. τῆς γῆς (1 b)  
85 (86). 13. ἐρρίσω τὴν ψυχὴν μου ἐξ ἄδου  
κατωτάτου (1 b)  
87 (88). 6. ζήτητό με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ (1 b)  
188 (189). 15. **Α Β** ἐν τοῖς κ. [B κατωτάτῳ] τῆς  
γῆς (1 b)

Si. 51. 6. **Β** ἡ ζωὴ μου ἦν σὺν γενγγῶν ἄδου κατωτάτου  
[**Α Β** **Β** **Κ** **αὐτῶν**].  
La. 3. 55. **Β Β** ἐπεκαλεσάμην . . . ἐκ λάκκου κ. (1 b)  
[Aq. Ps. 138 (139). 15: Ez. 26. 20: 43. 14.]  
[Sm. II Ki. 24. 6: Ps. 94 (95). 4: 138 (139).  
15: Ez. 26. 20: 32. 23.]  
[Th. Ex. 26. 20.]  
[Al. De. 32. 22: Ps. 138 (139). 15.]

καυλακαῦ.  
[Heb. Is. 28. 13 *bis*.]

καυλός. (1) **קָנֶה**  
Ex. 25. 30 (31). ὁ κ. αὐτῆς . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (1)  
38. 14 (37. 17). τὸν κ. καὶ τοὺς καλαμίσκους (1)  
Nu. 8. 4. ὁ κ. αὐτῆς [A om.] καὶ τὰ κρίνα αὐτῆς (1)  
[Th. Ex. 17. 3: 31. 10. 14.]

καῦμα. (1) **דָּחַ** (2) **דָּחַ** (3) **דָּחַ** (4) **דָּחַ**  
Ge. 8. 22. ψυχὸς καὶ καῦμα (1)  
31. 40. **Β** συγκαίμενος τῷ κ. [A -σωνι] (2)  
De. 32. 10. ἐν δύνει καύματος (3 b)  
II Ki. 4. 5. εἰσηλθὼν ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας (1)  
To. 2. 9. **Β** ἀνακαλυμμένον διὰ τὸ κ. [A **Β** ἀκαλύπτων  
ἦν]

Jb. 24. 24. ἐμαράνθη δὲ ὥσπερ μολόχη [A χλόη]  
ἐν καύματι +  
30. 30. τὰ δὲ ὁστά μου ἀπὸ καύματος [A κ.  
συνεφύρη] (2)  
Pr. 10. 5. διεσώθη ἀπὸ καύματος υἱὸς νοίμων (4)  
25. 13. **Α Β** ὥσπερ ἐξέδοος χιόνος [B om.] . . .  
κατὰ καῦμα ὠφέλει +  
Si. 14. 27. σκεπασθήσεται ὑπὲρ [A **Β** **αὐτῆς**] αὐτῆς ἀπὸ  
καύματος

43. 3. ἐναντίον καύματος αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται  
— 4. **Α Β** **Σ** κάμνον φυσὸν [B **Σ** φυλάσσαν] ἐν  
ἐργον καύματος

50. 11. **Α** ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεσθαι αὐτὸν συντέ-  
λειαν καύματος [B **Σ** καυχήματος]  
Is. 4. 6. ἔσται εἰς σκάν ἀπὸ καύματος (2)  
18. 4. ὡς φῶς καύματος [A κύμ.] μεσημβρίας (1)  
Je. 17. 8. οὐ φοβηθήσεται θῆαν ἔλθῃ κ. (1)  
43 (86). 30. ἔσται ἐρριμμένα ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας (2)  
Ba. 2. 25. ἐστὶν ἐξερριμμένα τῷ κ. τῆς ἡμέρας  
Da. LXX. 8. (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κύριον  
Da. Th. Su. 15. ὅτι καῦμα ἦν  
3. (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κύριον  
— (69). εὐλογεῖτε ψυχὸς καὶ καῦμα τὸν κύριον  
[A *al.*]

[Sm. Ps. 147. 6 (17).]  
[Th. Da. 3. (67).]  
[Al. Ex. 21. 25: I Ki. 10. 2.]  
[Sext. Ps. 31 (32). 4.]

καῦσις. (1) **קָנֶה** pi. (2) **א. נָקַדְתִּי** ὁ. **קָנֶה** pi.  
(3) **קָנֶה**

Ex. 39. 17 (37). λύχνους τῆς κ. (3)  
Le. 6. 9 (2). αὐτὴ ἡ ὁλοκαύτωσις ἐπὶ τῆς κ. αὐτῆς (2 b)  
II Ch. 13. 11. καὶ οἱ λύχνοι τῆς κ. ἀνάψανται δέιλῃς (17)  
Is. 4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως καὶ πνεύματι καυ-  
σεως [A om. κ. πν. κ.] (1)  
40. 16. ὁ δὲ Λίβανος οὐχ ἱκανὸς εἰς καῦσιν (1)  
44. 15. ἵνα ἢ ἀνθρώποις εἰς καῦσιν [B *al.*]  
Da. LXX. Th. 7. 11. ἐδόθη εἰς καῦσιν πυρὸς (2 a)  
[Aq. Ps. 101 (102). 4.]  
[Sm. Is. 9. 5 (4).]  
[Al. II Ch. 16. 14.]

καῦσις.

[Sm. Ps. 31 (32). 4.]

καυστή.

[Th. Le. 7. 9.]

καυστικός.

IV Ma. 6. 27. βασάνος κ. ἀποθήσκω

10. 14. οὐχ οὗτος καυστικώτερος ἔχετε κατ' ἐμοῦ τὸ  
πῦρ

καῦσιν.

(1) **דָּחַ** (2) **דָּחַ** (3) **דָּחַ**

Ge. 31. 40. **Α** συγκαίμενος τῷ κ. [B -ματι] (1)  
Ju. 8. 3. ὁ κ. ἦλθεν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ

Jb. 27. 21. ἀναλήφεται δὲ αὐτὸν καῦσιν (2)  
Si. 18. 16. οὐχὶ καῦσιν ἀναπαύσει δρόσος

81 (84). 16. σκέπη ἀπὸ καύσινος καὶ σκέπη ἀπὸ  
μεσημβρίας

43. 22. δρόσος ἀπαντῶσα ἀπὸ καύσινος Ἰαρώσει  
Ho. 12. 1 (2). ἐδίωξε καῦσιν (2)

13. 15. ἐπάξει καῦσιν ἀνεμον κύριος (2)  
Jn. 4. 8. προσέταξεν ὁ θ. πνεύματι καύσινος (2)

Is. 49. 10. οὐδὲ πατάξει αὐτοὺς καῦσιν (3)  
Je. 18. 17. ὡς ἀνεμον καῦσιν διασπερῶ αὐτοὺς (2)

28 (51). 1. ἐξεγείρω ἐπὶ Βαβυλῶνα . . . ἀνεμον  
καῦσιν διασπερῶν

Ez. 17. 10. ἅμα τῷ ἀφασθαι αὐτῆς ἀνεμον τὸν κ. (2)  
19. 12. ἀνεμος ὁ [A om.] κ. ἐξήρανε τὰ ἐκλεκτά  
αὐτῆς (2)

Da. Th. 8. (67). **Α** εὐλογεῖτε ψυχὸς καὶ καῦσιν τὸν  
κύριον

[Aq. Ge. 41. 6, 23: Ex. 10. 13 *bis*: Jd. 5. 21:  
Jb. 15. 2: Ps. 47 (48). 8: 77 (78). 26.]

[Sm. Ex. 10. 13 *bis*: Ps. 67 (68). 7: Hb. 1. 9:]  
[Th. Jb. 15. 2: 27. 21: Is. 25. 5: 27. 8.]

[Sext. Ps. 31 (32). 4.]

καυτηρία (?), καυτηριον.

IV Ma. 15. 22. **Α Β** τῶν νιῶν βασανιζομένων . . .  
καυτηρίας [B -ιας]

καυχᾶσθαι.

(1) **דָּחַ** (2) **דָּחַ** hithp.

(3) **דָּחַ** (4) **דָּחַ** (5) **דָּחַ** hithp.

(6) **דָּחַ** hi. (7) **דָּחַ** hi. (8) **דָּחַ** hithp.

Jd. 7. 2. μὴ ποτε καυχῆσθαι Ἰσραὴλ (5)  
I Ki. 2. 3. μὴ καυχᾶσθαι

— 10. μὴ καυχᾶσθαι ὁ φρόνιμος ἐν τῇ φρονήσει  
αὐ.

— 10. καὶ μὴ καυχᾶσθαι ὁ δυνατὸς ἐν τῇ δυνά-  
μει αὐ.

— 10. καὶ μὴ καυχᾶσθαι ὁ πλούσιος ἐν τῇ  
πλούτῳ αὐ.

— 10. ἐν τούτῳ καυχᾶσθαι ὁ καυχόμενος —  
III Ki. 21 (20). 11. μὴ καυχᾶσθαι ὁ κυρτὸς ὡς ὁ  
ὀρθός (2)

I Ch. 16. 35. καὶ καυχᾶσθαι ἐν ταῖς ἀνιέσεσί σου (2)  
Ps. 5. 11. καυχῶνται ἐπὶ [A **Β** **ἐν**] σοί (4)

81 (82). 11. καυχᾶσθαι πάντες ὁ εὐδὲς τῇ καρδίᾳ (7)  
48 (49). 6. ἐπὶ τῷ πλήθει τοῦ πλοῦτου αὐτῶν  
καυχόμενοι (2)

93 (94). 3. ὥς ποτε ἀμαρτωλοὶ καυχῶνται  
149. 5. καυχῶνται ὅσοι ἐν δόξῃ (3)

Pr. 20. 9. τίς καυχῶνται ἀγνὴν ἔχειν τὴν καρ-  
δίαν (1)

25. 14. **Α Β** **Σ** οἱ καυχόμενοι [B **Σ** **οἱ** καυχώμε-  
νοι] ἐπὶ δόσει ψευδεῖ (2)

27. 1. μὴ καυχᾶ τὰ εἰς αἶθρον (2)  
Si. 11. 4. ἐν περιβολῇ ἱματίων μὴ καυχῆση

17. 8. **Β** καυχᾶσθαι ἐν τοῖς θαυμασίοις αὐτοῦ  
24. 1. ἐν μέσῳ λαοῦ αὐτῆς καυχῆσθαι [A -σονται]

— 2. ἐναντι δυνάμεως αὐτοῦ καυχῆσθαι  
28. 2. ἀνὰ μέσον γνωρίμων ἐπ' αὐτῷ καυχῆσθαι

38. 25. ὁ . . . καυχόμενος ἐν δόρῳ κέντρου  
39. 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχῆσθαι

48. 4. τίς ὁμοίος σοι καυχᾶσθαι [A **Β** -χῆσθαι]  
50. 20. ἐν ὀνόματι αὐτοῦ καυχᾶσθαι [A **Β** -χῆσθαι]

Je. 9. 23 (22). μὴ καυχᾶσθαι ὁ σοφὸς ἐν τῇ  
σοφίᾳ αὐτοῦ (2)

— 23 (22). μὴ καυχᾶσθαι ὁ ἰσχυρὸς ἐν τῇ ἰσχύϊ  
αὐτοῦ (2)

— 23 (22). μὴ καυχᾶσθαι ὁ πλούσιος ἐν τῇ  
πλούτῳ αὐτοῦ (2)

— 24 (23). ἐν τούτῳ καυχᾶσθαι ὁ καυχόμενος (2, 2)  
Da. LXX. 5. 1. ἐνυψώμενος ἀπὸ τοῦ οἴνου καὶ  
καυχόμενος —

Da. LXX. 5. 6. οἱ συνεταῖροι κύκλῳ αὐτοῦ ἐκαυχῶντο —

III Ma. 2. 17. ἵνα μὴ καυχῶνται οἱ παράνομοι  
[Aq. Ps. 33 (34). 3: 43 (44). 9: 55 (56). 11:  
62 (63). 12: 104 (105). 3: Is. 41. 16.]

[Sm. Jb. 50 (27). 38.]  
[Th. Pr. 20. 14: Is. 41. 16.]

καύχημα. (1) **קָנֶה** (2) **קָנֶה** (3) **דָּחַ**

(4) **קָנֶה** (5) **קָנֶה** (6) **קָנֶה**

De. 10. 21. οὗτος [A αὐτὸς] καύχημά σου (4)  
26. 19. ἐποίησέ σε ὀνομαστόν καὶ καύχημα (3)

33. 29. καὶ ἡ μάχαιρα καύχημά σου (1)  
I Ch. 16. 27. ἰσχύς καὶ καύχημα ἐν τῷ τῷ αὐτοῦ (2)

29. 11. σοὶ, κύριε . . . τὸ κ. (6)  
Ju. 15. 9. σὺ καύχημα μέγα τοῦ γένους ἡμῶν

Ps. 88 (89). 17. τὸ [A **Β** *om.*] κ. τῆς δυνάμεως  
αὐτῶν σὺ εἰ (6)

Pr. 11. 7. τὸ δὲ κ. τῶν ἀσεβῶν ὀλλυται (5)  
17. 6. καύχημα δὲ τέκνων πατέρες αὐτῶν (6)

19. 11. τὸ δὲ κ. αὐτοῦ ἐπὶ τῇ παρανομίᾳ (6)  
Si. 1. 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα

9. 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἔστω τὸ κ. σου  
10. 22: 25. 6. τὸ κ. αὐτῶν φόβος κυρίου

44. 7. ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῶν καύχημα  
45. 8. ἐνδύσει αὐτὸν συντέλειαν καυχήματος

— 12. καύχημα τιμῆς ἔργον ἰσχύος  
50. 11. ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεσθαι αὐτὸν συντέλειαν  
καυχήματος [A καύματος]

Ze. 3. 19. **Α Β** καὶ θήσονται [B **Σ** *om.* αὐτ. θ.]  
αὐτοὺς εἰς καύχημα (4)

— 20. δώσω ὑμᾶς . . . εἰς καύχημα (4)  
Za. 12. 7. ὅπως μὴ μεγαλυνῇται καύχημα οἴκου  
Δ. (6)

Je. 13. 11. τοῦ γενέσθαι μοι . . . εἰς κ. (4)  
17. 14. κ. [B *τοῦ* κ.] μου σὺ εἰ (4)

28 (51). 41. ἐθρεύθη τὸ κ. πάσης τῆς γῆς (4)  
[Aq. Jd. 4. 9: Is. 60. 19: Ez. 24. 21.]

[Sm. Is. 55. 5: 60. 7: 62. 7: Je. 13. 18.]  
[Th. Is. 60. 18: 61. 3: 62. 7.]

[Quint. Ps. 46 (47). 5.]

καύχισις. (1) **קָנֶה**

I Ch. 29. 13. ἀνδρῶν τὸ ὄνομα τῆς κ. σου (1)  
Pr. 16. 31. στέφανος καυχῆσεως γῆρας (1)

Si. 34 (31). 10. ἔστω εἰς καύχισιν  
Je. 12. 13. αἰσχύνθητε [A *add.* αἰσχύνθη] ἀπὸ  
καυχῆσεως ὑμῶν +

Ez. 16. 12. στέφανος καυχῆσεως ἐπὶ τὴν κεφα-  
λήν σου (1)

— 17. ἔλαβες τὰ σκεῦη τῆς καυχῆσεως σου (1)  
— 39: 23. 26. λήψονται τὰ σκεῦη τῆς κ. σου (1)

23. 42. στέφανος καυχῆσεως ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. (1)  
24. 25. λαμβάνω . . . τὴν ἑπαρσιν τῆς κ. αὐτῶν (1)

[Aq. Is. 62. 3: 68. 14: Ez. 16. 12.]  
[Sm. Is. 62. 3.]

[Th. Ez. 16. 12.]

καῦν, vid. χαῦν.

καφουδήθ (B), καφουρή (A). (1) **קָנֶה**

II Es. 8. 27. **Α Β** καὶ κ. [B χαφουρή] χρυσοῖ  
εἴκοσι (1)

καφφώ.  
[Al. Le. 23. 40.]

καφάκης (καμψ.). (1) **קָנֶה**

III Ki. 17. 12. καὶ ὀλίγον ἔλαιον ἐν τῷ κ. (1)  
— 14. ὁ κ. τοῦ ἐλαίου οὐκ ἔλαττονῆται (1)

— 16. ὁ κ. τοῦ ἐλαίου οὐκ ἔλαττονῆται (1)  
19. 6. ἐγκρυφίας ὀλιγίτης καὶ καφάκης ὑδατος (1)

Ju. 10. 5. ἔδωκε . . . καφάκην ἐλαίου

κέγχρος. (1) **קָנֶה** (2) **קָנֶה**

Is. 28. 25. σπείρει . . . κριθὴν καὶ κέγχρον [A **Β**  
*om.* κ. κ.] (2)

Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυρὸς καὶ κριθὰς καὶ  
κύμαον καὶ φακὸν καὶ κέγχρον (1)

[Aq., Th. Is. 28. 25: 48. 19.]  
[Sm. Is. 48. 19.]

[Quint. Ca. I. 11.]

κεδέμ. (1) **דָּחַ**  
Je. 30. 6 (49. 28). πλήσσει τοὺς υἱοὺς κεδέμ (1)  
Ez. 25. 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κ. (1)  
— 10. τοὺς υἱοὺς κ. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν δέ-  
δωκα αὐτῷ (1)

Je. 47 (40). 7. A B R οὐδ' οὐ [S om.] κατέκισεν [B οὐκ ἀφκ.] εἰς Βαβυλῶνα (1)  
 Ez. 26. 19. B ὡς τὰς πόλεις τὰς μὴ κατοικισθη-  
 σάμενας [A B -κηθ.] (2 b)  
 — 20. κατοικῶ σε εἰς βάθ' τῆς γῆς (2 c)  
 29. 14. κατοικίω [A -ῖω] αὐτοὺς ἐν γῇ Φ. (2)  
 36. 11. κατοικῶ ὑμᾶς ὥς τὸ ἐν ἀρχῇ ὑμῶν (2 c)  
 — 33. κατοικῶ τὰς πόλεις (2 c)  
 38. 12. εἰς τὴν ἡρημωμένην ἡ κατοικίσθη (2 b)  
 — 14. ἐν τῇ κατοικισθῆναι τὸν λαόν μου 'Ισρ. (2 a)  
 39. 6. A κατοικισθήσονται [B -κηθ.] αἱ νῆσοι (2 a)  
 — 26. ἐν τῇ κατοικισθῆναι αὐτοὺς ἐπὶ τὴν γῆν αὐτῶν (2 a)  
 I Ma. 3. 36. B κατοικίαι [A B -ῖσαι] υἱοὺς [B' ἀπ' αὐτῶν] ἀλλογενεῖς [A ἀλλοτρίους]  
 13. 48. A κατέκισεν [B -ῖσεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας  
 14. 34. καὶ κατέκισεν ἐκεῖ 'Ιουδαίους  
 — 37. B κατέκισεν [A -ῖσεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας 'Ιουδ.  
 [Sm. Ez. 26. 17: Ho. 2. 18 (20).]  
 [Th. Ps. 67 (68). 7: Ho. 2. 18 (20).]  
 [Quint. Ps. 67 (68). 7.]  
κατοικιστής.  
 [Sm. Je. 50 (27). 7.]  
κατοικοδομεῖν. (1) כָּבַד  
κάτοικος. (1) כָּבַד (2) כָּבַד  
 Ge. 36. 43. ἐν ταῖς κατοικοδομημέναις ἐν τῇ γῇ (1)  
 Ge. 50. 11. εἶδον οἱ κ. τῆς γῆς Χαναάν (2)  
 Jo. 8. 20. περιβλέψαντες οἱ κ. [A κατοικοῦντες]  
 Γαῖ (1)  
 I Ch. 5. 16. B ἄρκων οἴκου πατριῶν κατοίκων [A B -φκων] ἐν Γ. (2)  
 I Es. 9. 12. A καὶ πάντες οἱ ἐκ τῶν κ. [B -κίων] ἡμῶν  
 Pr. 31. 23. μετὰ τῶν γεροντων κ. τῆς γῆς [A B S' al.] —  
 I Ma. 1. 38. ἔφυγον οἱ κ. 'Ιερουσαλήμ  
κατοικιτερεῖν.  
 IV Ma. 8. 20. A κατοικιτερήσωμεν [B -ρωμεν] τὸ  
 τῆς μητρὸς γῆρας  
 12. 2. A ἐν κατοικιτερήσας [B -ρας] ὁ τύραννος  
κατοικτίλειν.  
 IV Ma. 13. 27. S τοὺς κατοικτιζομένους [A B  
 κατακίζ.] ὀρώντες . . . βασιανζομένους  
κατόπιν.  
 [Sm. Jo. 10. 19: II Ki. 5. 23.]  
κατόπισθε, κατόπισθεν. (1) a. כָּבַד δ. כָּבַד  
 c. כָּבַד d. כָּבַד e. כָּבַד  
 f. כָּבַד g. כָּבַד  
 Ge. 37. 17. ἐπορεύθη 'I. κ. τὸν ἀδ. αὐ. (1 a)  
 Jd. 18. 12. A ἰδοὺ κ. [B ὁπίσω] K. (1 b)  
 19. 3. A καὶ ἐπορεύθη κ. [B ὁπίσω] αὐτῆς (1 a)  
 Ru. 2. 2. κ. οὐ ἐὰν εὐρὼ χάριν (1 a)  
 — 3. συνέλεξε . . . κ. [A ὅπ.] τῶν θεριζόντων (1 b)  
 — 9. πορεύσῃ κ. αὐτῶν (1 b)  
 II Ki. 2. 19. τοῦ πορεύεσθαι . . . κ. 'Αβ. (1 c)  
 — 27. ἀνέβη δ' λαὸς ἑκαστος κ. τοῦ ἀδ. αὐ. (1 c)  
 15. 34. ὁ βασι. κ. μου διελέλυθεν [A al.] —  
 18. 18. κ. οὐ ἐξέλεετο κύριος —  
 20. 14. ἦλθον κ. αὐτοῦ (1 b)  
 III Ki. 18. 14. ἐπορεύθη κ. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θ. [A al.] (1 b)  
 IV Ki. 6. 32. οὐχὶ φωνῇ τῶν ποδῶν . . . κ. αὐ-  
 τοῦ (1 b)  
 II Ch. 25. 27. ἀπέστειλαν κ. αὐτοῦ (1 b)  
 Ne. 4. 13 (7). ἔστησα . . . κ. τοῦ τείχους (1 d)  
 Pr. 24. 42 (27). πορεύου κ. μου (1 a)  
 Za. 6. 6. οἱ λευκοὶ ἐξεπορεύοντο κ. αὐτῶν [S' om.] (1 e)  
 7. 14. ἡ γῇ ἀφανισθήσεται κ. αὐτῶν (1 b)  
 Ez. 3. 12. A B' B ἤκουσα κ. μου φωνῇν [B' al.] (1 b)  
 44. 15. τοῦ ἀπολοῦν τῶν κ. τοῦ οἴκου ἐκ. (1 f)  
 41. 10. ἐν τῇ πλανάσθαι τὸν 'Ισρ. . . κ. τῶν ἐνθιμῶν αὐ. (1 b)  
 Da. LXX. 8. 8. ἀνέβη ἔτερα τέσσαρα κέρατα κ. αὐτοῦ (2)  
 I Ma. 10. 79. ἀπέλειπεν 'Απ. . . κρηπῶς κ. αὐτῶν — 80. ἔστιν ἐνεδρὸν κ. αὐτοῦ  
 16. 6. διεπέρασαν κ. αὐτοῦ [S' -ῶν]  
 [Th. Jd. 19. 3: Jb. 39 (46). 5.]  
 [Al. I Ki. 11. 5.]

κατοπίσω.  
 Jd. 18. 22. A ἔκραζον κ. Δάν [B al.] +  
κατοπτέειν.  
 Es. 8. 13. τοῦ τὰ πάντα κατοπτέοντος αἰ θεοῦ  
κατόπτης.  
 II Ma. 15. 21. B τὸν τερατοποιὺν κύριον τὸν κ. [A om. τ. κ.]  
κάτοπτρον. (1) כָּבַד  
 Ex. 38. 26 (8). ἐκ τῶν κ. τῶν ὑποτετασῶν (1)  
κατορθοῦν. (1) כָּבַד (2) כָּבַד (3) כָּבַד pi.  
 (4) a. כָּבַד pi. δ. כָּבַד c. כָּבַד  
 d. כָּבַד (5) כָּבַד a. ni. δ. hi.  
 (6) כָּבַד (7) כָּבַד ni.  
 III Ki. 2. 35. ἡ βασιλεία κατορθοῦτο ἐν 'Ιερ. —  
 I Ch. 16. 30. κατορθώθη ἡ γῇ (5 a)  
 28. 7. κατορθώσω τὴν βασιλείαν αὐ. (5 b)  
 II Ch. 29. 35. καὶ κατορθώθη τὸ ἔργον (5 a)  
 33. 16. κατόρθωσε τὸ θυσιαστήριον κυρίου (2)  
 35. 10. κατορθώθη ἡ λειτουργία (5 a)  
 — 16. καὶ κατορθώθη (5 a)  
 I Es. 5. 50. A B κατορθώσαν [B -θώσαν] τὸ  
 θυσιαστήριον  
 Ps. 95 (98). 10. κατόρθωσε τὴν οἰκουμένην (5 a)  
 118 (119). 9. ἐν τῇ κατορθώσει νεότερος τὴν  
 ὁδὸν αὐτοῦ (3)  
 — 128. πρὸς πᾶσας τὰς ἐντολάς σου κατορ-  
 θούμην (4 a)  
 Pr. 2. 7. θησαυρίζε τοὺς κατορθοῦσι σωτηρίαν (4 b)  
 — 9. κατορθώσεις πάντας ἀξονας [A αἰξονας]  
 ἀγαθοῦς (4 d)  
 4. 18. ἕως κατορθώῃ [A -σει] ἡ ἡμέρα (5 a)  
 9. 6. κατορθώσατε ἐν γνώσει σύνεσις (1)  
 11. 10. ἐν ἀγαθῶσι δικαίω κατορθώσατε πόλιν (6)  
 12. 3. οὐ κατορθώσιν ἄνθρωποι ἐξ ἀνόμου (5 a)  
 — 19. χεῖλη ἀληθινὰ κατορθοὶ μαρτυρίαν (5 a)  
 14. 11. σκεπὰ δὲ κατορθοῦνται στήσονται (4 b)  
 25. 5. κατορθώσιν ἐν δικαιοσύνῃ ὁ θρόνος αὐ. (5 a)  
 Mi. 7. 2. κατορθῶν ἐν ἀνθρωπίνῳ οὐκ ὑπάρχει (4 b)  
 Za. 4. 7. τὸ ὄρος . . . τὸ πρὸ προσώπου Ζ. τοῦ  
 κατορθώσαι (4 c)  
 Is. 9. 7 (6). ἐπὶ . . . τὴν βασιλείαν αὐτοῦ κατορ-  
 θώσαι αὐτὴν (5 b)  
 Je. 10. 23. κατορθώσει πορείαν [S' πονηρίαν]  
 αὐτοῦ (5 b)  
 Ez. 18. 25. A οὐ κατορθοὶ [B κατευθύνει] ἡ ὁδὸς  
 κυρίου (7)  
 — 29. οὐ κατορθοὶ ἡ ὁδὸς κυρίου μὴ ἡ ὁδὸς  
 μου οὐ κατορθοὶ, οἶκος 'Ισραὴλ; οὐχὶ  
 ἡ ὁδὸς ὑμῶν οὐ κατορθοὶ (7 ter)  
 II Ma. 8. 36. ἀναδεξιμένους φόρον . . . κατορθώ-  
 σασθαι  
 [Sm. Is. 55. 11.]  
 [Th. Is. 55. 11: Ez. 38. 20.]  
 [Al. I Ki. 18. 21: 20. 31.]  
κατόρθωμα.  
 III Ma. 3. 23. B ἡμᾶς καταστρέφει τὰ κ. [A πράγ-  
 ματα]  
κατόρθωσις. (1) a. כָּבַד δ. כָּבַד  
 II Ch. 3. 17. τὸ ὄνομα τοῦ ἐκ δεξιῶν Κατόρθω-  
 σις (1 a)  
 Ju. 11. 7. εἰς κατόρθωσιν πάσης ψυχῆς  
 Ps. 96 (97). 2. δικαιοσύνη καὶ κρίμα κατόρθωσις  
 τοῦ θρόνου αὐτοῦ (1 b)  
 [Al. Ps. 118 (119). 126.]  
κατορθοῦν. (1) כָּבַד (2) כָּבַד (3) כָּבַד  
 a. qal. δ. ni.  
 Ge. 48. 7. κατορύξα αὐτὴν ἐν τῇ ὁδῷ (3 a)  
 Jo. 24. 32. καὶ κατορύξαν ἐν [A αὐτὰ ἐν] Σικ. (3 a)  
 — 33. καὶ κατορύνη [A -ύθη] ἐν Γαβ. (3 a)  
 To. 14. 6. κατορύνουσι [A -ωσι] τὰ εἰδωλα αὐ. [B al.]  
 Am. 9. 2. ἐκ καταρυβῶσιν [A κατορυγῶσιν]  
 εἰς ἄβυσσον (1)  
 Je. 18. 7. οὐ κατορύξα [S' -αν] αὐτὸ ἐκεῖ  
 32 (25). 33. οὐ μὴ κατορυγῶσιν [A -ύξωσιν]  
 εἰς κόπρια (3 b)  
 Ez. 39. 11. κατορύξουσιν [A -ωσι] ἐκεῖ τὸν  
 Γῶγ (3 a)

Ez. 39. 12. κατορύξουσιν [A -ωσι] αὐτοὺς  
 οἶκος 'Ισραὴλ (3 a)  
 — 13. κατορύξουσιν αὐτοὺς πᾶς δ' λαὸς τῆς γῆς (3 a)  
 [Sm. Jb. 3. 16: Ps. 70 (71). 24.]  
κατορχέισθαι.  
 Za. 12. 10. ἀνθ' ὧν κατορχήσαντο +  
κατοῦλωςις.  
 [Aq. Is. 58. 8.]  
κατοχεύειν. (1) כָּבַד hi.  
 Le. 19. 19. τὰ κτήνη σου οὐ κατοχεύσεις ἑτερο-  
 ζῖγρ (1)  
κατοχεύς.  
 [Sm. Ex. 26. 17.]  
κατοχή.  
 [Sm. Ca. 8. 11.]  
κατόχιμος. (1) κ. εἶναι כָּבַד  
 Le. 25. 46. ἔσονται ὑμῖν κατόχιμοι εἰς αἰῶνα (1?)  
κάτοχος. (1) כָּבַד  
 Jn. 2. 7. ἦς οἱ μοχλοὶ αὐτῆς κάτοχοι αἰώνιοι (1)  
 [Sam. Gk. 49. 23.]  
κάτω, κατώτερον, κατωτάτω. (1) a. כָּבַד  
 δ. כָּבַד (2) a. כָּבַד δ. כָּבַד c. כָּבַד  
 Ge. 35. 8. B ἐτάφη [A om.] κατώτερον Βαιθλῆ (2 a)  
 Ex. 20. 4. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 a)  
 De. 4. 39. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)  
 5. 8. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 a)  
 28. 43. οὐ δὲ καταβήσῃ κ. κ. (1 a, 1 a)  
 32. 22. καυθήσεται ἕως ἄβυσσον. (2 b)  
 Jo. 2. 11. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)  
 15. 19. καὶ τὴν Γ. τὴν κ. (2 b)  
 16. 3. ἕως τῶν ὀρίων Βαιθωρὼν τὴν [A τῆς] (2 c)  
 18. 13. ἡ ἔστι πρὸς λίβα Βαιθωρὼν ἡ κ. (2 c)  
 III Ki. 8. 23. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 a)  
 IV Ki. 19. 30. προσθήσει . . . τὸ ὑπολειφθῆν  
 ρίζαν κ. (1 b)  
 I Ch. 7. 24. φκοδόμησε Βαιθ. τὴν κ. (2 c)  
 27. 23. ἀπὸ εἰκοσαετοῦς καὶ κ. (1 b)  
 II Ch. 8. 5. φκοδόμησε . . . τὴν Βαιθ. τὴν κ. (2 c)  
 32. 30. καὶ κατηύθυνεν αὐτὰ κ. (1 b)  
 To. 4. 19. B ἕως ἄβυσσον κατωτάτω  
 13. 2. B ἕως ἄβυσσον κατωτάτω τῆς γῆς [A B εἰς ἄβυσσον]  
 Jb. 37. 12. A ἐν τοῖς κατωτάτω θείῃς ἔργα αὐτῶν  
 [B S al.] +  
 Ps. 138 (139). 15. ἐν τοῖς κατωτάτω [A S -οις]  
 τῆς γῆς (2 b)  
 Ec. 3. 21. εἰ καταβῇ αὐτὸ κ. εἰς γῆν (1 b)  
 5. 1. B' S' ἐπὶ τῆς γῆς κ. [A B S' om.] —  
 Si. 51. 6. ἡ [ωὴ] μου ἦν συνέγγυς ἄβυσσον κάτω [B' κατωτάτω]  
 Is. 5. 30. εἰς τὴν γῆν [S' add. κ.] —  
 8. 22. εἰς τὴν γῆν κ. ἐμβλέψονται —  
 37. 31. φυήσουσι ρίζαν κ. (1 b)  
 51. 6. ἐμβλέψατε εἰς τὴν γῆν κ. (2 a)  
 Je. 38 (81). 37. ἐὰν ταπεινωθῇ τὸ ἔδαφος τῆς  
 γῆς κ. (1 b)  
 Ez. 1. 27. A' B ἀπὸ ὀράσεως ὀσφύος καὶ ἕως κ. (1 a)  
 8. 2. ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ καὶ ἕως κ. πῦρ (1 a)  
 31. 16. A παρέκαλουν αὐτὸν ἐν γῇ κ. [B om.]  
 πάντα τὰ ξύλα (2 b)  
 [Aq. Jd. 1. 15: Ez. 31. 16.]  
 [Sm. Ez. 31. 16.]  
 [Th. Jb. 37. 12: Ez. 31. 16: Ho. 4. 13.]  
κατωδύνος. (1) a. כָּבַד δ. כָּבַד  
 I Ki. 1. 10. καὶ αὐτὴ κατωδύνος ψυχῇ (1 a)  
 22. 2. καὶ πᾶς [A om.] κ. ψυχῇ (1 a)  
 30. 6. κατωδύνος ψυχῇ παντὸς τοῦ λαοῦ (1 b)  
 IV Ki. 4. 27. ἡ ψυχὴ αὐτῆς κ. αὐτῇ (1 b)  
 [Aq. Is. 64. 6.]  
 [Sm. Is. 29. 2: 54. 6.]  
 [Th. Jd. 18. 25: Is. 64. 6.]  
κάτωθεν. (1) כָּבַד (2) a. כָּבַד δ. כָּבַד  
 c. כָּבַד  
 Ex. 26. 24. ἔσται [A ἔσονται] ἐξ ἴσου κ. (1)  
 27. 5. ὑπὸ τὴν ἐσχάραν τοῦ θυσιαστ. κ. (1)  
 28. 29 (33). ποιήσεις ὑπὸ [A B' ἐπὶ] τὸ λῶμα  
 . . . κ. [A κυκλόθεν] —



**κέδρινος.** (1) כֶּדְרִי (2) שִׁרְיָה  
 Le. 14. 4. καὶ ξύλον κ. (1)  
 — 6. καὶ τὸ ξύλον τὸ κ. (1)  
 — 49. καὶ ξύλον κ. (1)  
 — 51. τὸ ξύλον τὸ κ. (1)  
 — 52. καὶ ἐν τῷ ξύλῳ τῷ κ. (1)  
 Nu. 19. 6. λήψεται ὁ ἱερεὺς ξύλον κ. (1)  
 II Ki. 5. 11. καὶ ξύλα κ. καὶ τεκτόνας ξύλων (1)  
 7. 2. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κ. (1)  
 — 7. οὐκ ἠκοδομήκατέ μοι οἶκον κ. (1)  
 III Ki. 5. 8 (22). ξύλα κ. καὶ πύκνισμα (1)  
 6. 10. συνέσχε τὸν σύνδεσμον [A ενδ.] ἐν ξύ- (1)  
 — 15. ἠκοδομήσῃς . . . διὰ ξύλων κ. (1)  
 — 18. A καὶ ἀνάγλυφα πάντα κ. (1)  
 7. 2. τριῶν στίχων στύλων κ. καὶ ὁμίαι κ. τοῖς (1, 1)  
 στύλοις (1)  
 9. 11. ἀντελάβετο τοῦ Σαλ. ἐν ξύλοις κ. (1)  
 I Ch. 14. 1. ξύλα κ. καὶ οἰκοδόμους (1)  
 17. 1. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κ. (1)  
 — 6. οὐκ ἠκοδομήκατέ μοι οἶκον κ. (1)  
 22. 4. καὶ ξύλα κ. οὐκ ἦν ἀριθμὸς (1)  
 — 4. ἐφέροσαν . . . ξύλα κ. (1)  
 II Ch. 2. 8 (7). ἀπόστειλόν μοι ξύλα κ. (1)  
 3. 5. τὸν οἶκον τὸν μέγαν ἐξέλιωσε ξύλοις κ. (2)  
 I Es. 4. 48. μεταφέρειν ξύλα κ. (1)  
 5. 55. εἰς τὸ παράγειν αὐτοὺς . . . ξύλα κ. (1)  
 II Es. 8. 7. ἐνέγκαι ξύλα κ. ἀπὸ τοῦ Λιβ. (1)  
 Ca. 8. 9. διαγράψωμεν ἐπ' αὐτὴν σαναῖδα κεδρί- (1)  
 νην  
 [Aq. III Ki. 6. 20: Is. 80. 33.] (1)  
 [Sm. III Ki. 6. 18, 20: Ca. 8. 9.] (1)  
 [Th. III Ki. 6. 20.] (1)  
 [Al. Ge. 6. 15 (14).] (1)  
**κέδρος.** (1) כֶּדְרִי (2) שִׁרְיָה (3) כֶּדְרִי  
 (4) חֲרִי (5) חֲרִי  
 Nu. 24. 6. ὡσεὶ κέδρος παρ' ὕδατα (1)  
 Jd. 9. 15. καταφάγει τὰς κ. τοῦ Λιβάνου (1)  
 III Ki. 4. 33 (5. 13). ἀπὸ τῆς κ. τῆς ἐν τῷ Λιβάνῳ (1)  
 5. 10 (24). διδοὺς τῷ Σαλ. κέδρους (9)  
 6. 9. ἐκολλασάθησαν τὸν οἶκον κέδρους [A φατ- (1)  
 νώσεν καὶ διατάξεν κ.] (1)  
 — 18. A διὰ κέδρου . . . ἐπαραστάσεις (1)  
 — 20. A ἐποίησε θυσιαστήριον κέδρου [B (1)  
 om.] (1)  
 — 36. στίχος κατεργασμένης κ. (1)  
 7. 7. A καὶ ὠρόφωσεν ἐν κέδρῳ (1)  
 — 11. κατὰ τὸ μέτρον ἀπελεκήσαν καὶ κέδρους (1)  
 — 12. A καὶ στίχος κεκολλημένης [B κεκολ- (1)  
 λημένης] κ. (1)  
 10. 27. τὰς κ. ἔδωκεν ὡς συκαμίνας (1)  
 15. 13. ἐν τῷ χειμάρρῳ τῶν κ. (1)  
 IV Ki. 14. 9. ὁ ἄκαν . . . ἀπέστειλε πρὸς τὴν κ. (1)  
 19. 23. ἔκοψα τὸ μέγεθος τῆς κ. αὐτοῦ (1)  
 II Ch. 1. 15. καὶ τὰς κ. ἐν τῇ 'I. ὡς συκαμί- (1)  
 νους (1)  
 2. 3 (2). ἀπέστειλες αὐτῷ κέδρους (1)  
 9. 27. καὶ τὰς κ. ὡς συκαμίνας (1)  
 25. 18. ἀπέστειλε πρὸς τὴν κ. τὴν ἐν τῷ Λιβ. (1)  
 Ps. 28 (29). 5. φωνὴ κυρίου συντριβόντος κέδ- (1)  
 ρους συντρίψει κύριος τὰς κ. τοῦ (1, 1)  
 Λιβ. (1)  
 36 (37). 35. ἐπαίρῃ μὲν ὡς τὰς κ. τοῦ Λιβ. (1)  
 79 (80). 10. αἱ ἀναδεδράδες αὐτῆς [A om. αἱ (1)  
 αὐ.] τὰς κ. τοῦ θεοῦ (1)  
 91 (92). 12. ὡς ἡ κ. ἡ ἐν τῷ Λιβάνῳ πληθυνθή- (1)  
 σεται (1)  
 108 (104). 16. αἱ κ. τοῦ Λιβάνου ἄς ἐφύττευεν (1)  
 [A B<sup>3</sup> -σας] (1)  
 148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (1)  
 Ca. 1. 17. δοκοὶ οἰκῶν ἡμῶν κέδροι (1)  
 5. 15. εἶδος αὐτοῦ ὡς Λιβανός ἐκλεκτός ὡς (1)  
 κέδροι (1)  
 Si. 24. 13. ὡς κέδρος ἀνυψώθη ἐν τῷ Λιβάνῳ (1)  
 50. 12. ὡς βλάστημα κέδρου [A B -ων] ἐν τῷ (1)  
 Λιβάνῳ (1)  
 Am. 2. 9. ἡν καθὼς ὕψος κέδρου τὸ ὕψος αὐ- (1)  
 τοῦ (1)  
 Ze. 2. 14. διότι κέδρος τὸ ἀνίστημι αὐτῆς (1)  
 Za. 11. 1. καὶ καταφάγει πῦρ τὰς κ. σου (1)  
 — 2. διότι πέπτωκε κέδρος (1)  
 Is. 2. 13. ἐπὶ πᾶσαν κ. τοῦ Λιβ. τῶν ὑψηλῶν (1)  
 9. 10 (9). κόψωμεν [A ἐκκ.] . . . κέδρους (1)  
 14. 8. καὶ ἡ κ. τοῦ Λιβάνου (1)

Is. 37. 24. ἔκοψα τὸ ὕψος τῆς κ. αὐτοῦ (1)  
 41. 19. θῆσω εἰς τὴν ἀνύδρον γῆν κέδρον [B<sup>1</sup> (1)  
 -ων] (1)  
 60. 13. ἐν κυπρίσσει καὶ πεύκῃ καὶ κέδρῳ ἅμα (1)  
 Je. 22. 7. ἐκκόψουσιν τὰς ἐκλεκτὰς κ. σου (1)  
 — 14. ὑπερῶα . . . ἐξυλῶμένα ἐν κέδρῳ (1)  
 — 23. ἐννοσσεύουσα ἐν ταῖς κ. (1)  
 Ez. 17. 3. ἔλαβε τὰ ἐπὶ λεκτα [A ἐκλ.] τῆς κ. (1)  
 — 22. λήψομαι ἐγὼ ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν [A ἐπιλ.] (1)  
 τῆς κ. (1)  
 — 23. ἔσται εἰς κέδρον μεγάλην (1)  
 27. 5. κ. ἐκ Σενεὶρ ἠκοδομήσῃ σοι (2)  
 [Aq. III Ki. 6. 18 οἷς, 20: 7. 7 (44): Jb. 40. 12 (17): Is. 44. 14: Ez. 27. 24.] (1)  
 [Sm. III Ki. 6. 18, 20: Jb. 40. 12 (17): Ca. 5. (1)  
 15: Is. 44. 14: Jb. 92. 15: Ez. 31. 3.] (1)  
 [Th. III Ki. 6. 18 οἷς, 20: Jb. 40. 12 (17): Is. (1)  
 44. 14.] (1)  
**κειράδες.** (1) כִּיָּרָדִים  
 Je. 31 (48). 31. βοήσατε ἐπ' ἄνδρας κειράδας (1)  
 [A κιδάρας] (1)  
 — 36. καρδία μου ἐπ' ἀνθρώπους κειράδας [A (1)  
 κιδάρες, B<sup>1</sup> κιδάρ, B<sup>2</sup> κιδάρας] (1)  
**κείρειν.** (1) כִּיָּר (2) כִּיָּרָה (3) כִּיָּרָה  
 (4) כִּיָּרָה (5) כִּיָּרָה (6) כִּיָּרָה  
 Ge. 31. 19. κείρει τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)  
 38. 12. ἐπὶ τοὺς κείροντας τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)  
 — 13. κείρει τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)  
 De. 15. 19. οὐ μὴ κείρῃς τὰ πρωτότοκα [A τὸ (1)  
 πρ.] (1)  
 I Ki. 25. 2. ἐν τῷ κείρειν τὸ ποίμνιον [A τὰ π.] (1)  
 αὐτοῦ (1)  
 — 4. κείρει N. ὁ Καρμὴλ τὸ ποίμνιον αὐτοῦ (1)  
 — 7. κείρουσί σοι νῦν οἱ ποιμένες σου (1)  
 — 11. A τέθουκα τοῖς κείρουσί μου τὰ πρόβατα (1)  
 II Ki. 13. 23. ἥσαν κείροντες τῷ 'Αβ. (1)  
 — 24. κείρουσι τῷ δούλῳ σου (1)  
 14. 26. ἐν τῷ κείρεισθαι αὐτὸν τὴν κεφαλὴν αὐ. (1)  
 — 26. ὡς ἂν κείρειτο (1)  
 — 26. κείροντες αὐτὴν ἔστησε τὴν τρίχα (1)  
 Jb. 1. 20. ἐκείρατο τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς (1)  
 Pr. 17. 19. A φιλαμαρτῆριον κείρει μάχας [B B (1)  
 χαίρει μάχαις] (1)  
 27. 25. καὶ κείρει πᾶσαν (1)  
 Ca. 4. 2. ὡς ἀγέλαι τῶν κεκαρμένων (1)  
 6. 5 (6). ὡς ἀγέλαι τῶν κεκαρμένων (1)  
 Mi. 1. 16. ζύρησαι καὶ κείραι ἐπὶ τὰ τέκνα (1)  
 Is. 58. 7. ὡς ἄμνος ἐναντίον τοῦ κείροντος [A B<sup>3</sup> (1)  
 -ραντος αὐτόν] (1)  
 Je. 7. 29. κείρει [A -ραι] τὴν κεφαλὴν σου (1)  
 30. 10 (49. 32). B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> B<sup>4</sup> κεκαρμένους [A B<sup>1</sup> κε- (1)  
 καρμ.] πρὸ προσώπου αὐτῶν (1)  
 52. 31. ἔλαβεν . . . [B<sup>3</sup> add. καὶ ἔκειρεν] τὴν (1)  
 κεφ. (1)  
 — 31. B ἔκειρεν αὐτόν (1)  
 [Aq. Je. 7. 29.] (1)  
**κείρια.** (1) כִּיָּרָה  
 Pr. 7. 16. A B<sup>3</sup> κείριας [A κηρ., B<sup>3</sup> -q] τέτακα (1)  
 τὴν κλινὴν μου (1)  
**κείσθαι.** (1) כִּיָּרָה (2) כִּיָּרָה  
 (3) כִּיָּרָה (4) כִּיָּרָה (5) כִּיָּרָה  
 (6) ἐπ' αὐτὸν κείμενος כִּיָּרָה (7) כִּיָּרָה  
 Jo. 4. 6. εἰς σημεῖον κείμενον διὰ παντός (2)  
 II Ki. 8. 10. B κείμενος [A B ἀντικ.] ἦν τῷ (1)  
 'Αδρ. (1)  
 13. 32. ἐπὶ στόματος 'Αβ. ἦν κείμενος (1)  
 I Es. 6. 23. ἐν τοῖς βιβλιοφύλακίς [A βασιλι- (1)  
 κοῖς β.] τοῖς κείμενοις ἐν Βαβ. (1)  
 — 26. οὐ ἦν κείμενα (1)  
 II Es. 6. 1. ὅπου ἡ γὰρ κείται ἐν Βαβ. (1)  
 To. 6. 6. B κείται γὰρ ἐν τῷ ὄρει (1)  
 — 9. B ἐν τῷ σκότει κείμαι (1)  
 Es. 3. 13. τόδε τὸ ἔθνος . . . παντὶ διὰ παντός ἀνθρώ- (1)  
 πῳ κείμενον [B<sup>1</sup> κινούμ.] (1)  
 Wi. 17. 2. φυγάδες τῆς αἰωνίου προνοίας ἔκειντο (1)  
 Si. 22. 18. χερσὶνες [A χάλικες] ἐπὶ μετώρου κεί- (1)  
 μενοι (1)  
 38. 29. ὅς ἐν μερίμῃ κείται διὰ παντός ἐπὶ τὸ ἔργον (1)  
 αὐτοῦ (1)  
 Is. 9. 4 (3). ὁ (ὁ γινός ὁ ἐπ' αὐτὸν κείμενος (6)

Is. 30. 33. ἡτομάσθη βασιλεῖν φάραγγα βα- (1)  
 θιάν ξύλα κείμενα (4?)  
 Je. 24. 1. δύο καλῶν σῶν κείμενοις (3)  
 Da. LXX. Bel 11. σὺ αὐτὸς ὅρας ὅτι κείται ταῦτα (1)  
 I Ma. 10. 20. B<sup>1</sup> καὶ φίλον βασιλείας κείσθαι [A B<sup>2</sup> B (1)  
 καλίσθαι] (1)  
 II Ma. 3. 11. ἀνδρὸς ἐν ὑπεροχῇ κείμενον (1)  
 — 31. τῷ παντὶ ἐν ἐσχάτῃ πνοῇ κείμενον (1)  
 4. 11. τὰ κείμενα τοῖς 'Ιουδ. φιλιάνθρωπα βασιλικά (1)  
 — 31. τῶν ἐν ἀξιώματι κείμενων (1)  
 — 33. ἀάφνης τῆς πρὸς 'Αντιόχειαν κείμενης (1)  
 — 34. καίπερ ἐν ὑποψίᾳ κείμενος (1)  
 15. 18. B ἦν γὰρ . . . κείμενος αὐτοῖς ἀγών (1)  
 [A om.] (1)  
 III Ma. 4. 8. παρὰ πόδας ἦδη τὸν ἔδην ὁρῶντες κεί- (1)  
 μενον (1)  
 5. 26. τὸ πρόθυμον τοῦ βασ. ἐν εἰσόδῳ κείσθαι (1)  
 IV Ma. 13. 15. κίνδυνος ἐν ἀλωφίᾳ βασάνῳ κείμενος (1)  
 [Sm. Jb. 34. 23: Ps. 87 (88). 6: Ec. 10. 6.] (1)  
 [Al. IV Ki. 8. 11.] (1)  
**κεκρυμμένους.** (1) כִּיָּרָה  
 Je. 13. 17. κ. κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν (1)  
**κελαδεῖν.** (1)  
 [Aq. Is. 49. 13: 52. 9: 54. 1: 55. 12.] (1)  
**κελεύειν.** (1)  
 I Es. 9. 53. οἱ Λ. ἐκέλευον πάντα [A τὰ π., B παντὶ] (1)  
 τῷ δήμῳ (1)  
 To. 8. 18. ἐκέλευσε διὰ τοῖς οἰκέταις [B al.] (1)  
 Ju. 2. 15. B ἐκέλευσεν [A B προστάζειν] αὐτῷ ὁ (1)  
 κύριος αὐτοῦ (1)  
 12. 1. ἐκέλευσεν εἰσαγαγεῖν αὐτὴν (1)  
 Da. LXX. Bel 13. ὁ δὲ Δαν. ἐκέλευσε τοὺς παρ' αὐ- (1)  
 τοῦ (1)  
 — 13. ἐκέλευσε σφραγίσαι τῷ τοῦ βασ. δακτυλίῳ (1)  
 Da. TH. Su. 32. ἐκέλευσαν ἀποκαλυφθῆναι αὐτὴν (1)  
 — 56. ἐκέλευσε παραγαγεῖν τὸν ἑτερον (1)  
 I Ma. 2. 45. B ἐκέλευσεν [A B ἐκύκλωσε] Matt. (1)  
 11. 23. ἐκέλευσε περικαθίσθαι (1)  
 II Ma. 1. 20. ἐκέλευσεν αὐτοὺς ἀποβιβάζοντας φέρειν (1)  
 — 21. ἐκέλευσε τοὺς ἱερεῖς Νεεμίας (1)  
 — 31. B ἐκέλευσε λήθους μέζοντας κατασχέειν [A (1)  
 κατασχέειν] (1)  
 2. 1. ἐκέλευσε τοῦ πυρὸς λαβεῖν (1)  
 — 4. τὴν κιβωτὸν ἐκέλευσε ὁ προφήτης (1)  
 5. 12. ἐκέλευσε τοῖς στρατιώταις (1)  
 7. 5. ἐκέλευσε τῇ πυρὶ προσάγειν (1)  
 9. 7. κείλῳ ἐποχύνει τὴν πορείαν (1)  
 13. 12. ἐκέλευσε παραγίνεσθαι (1)  
 14. 27. κείλῳ δὲ τὸν Μακκ. δέσμιον ἐξαποστειλ- (1)  
 λειν (1)  
 — 31. ἐκέλευσε παραδιδόναι τὸν ἄνδρα (1)  
 — 41. κείλῳ τὸν πῦρ προσάγειν (1)  
 15. 4. ὁ κείλῳ ἀσκεῖν τὴν ἔβρομαδα (1)  
 III Ma. 5. 2. ἐκέλευσεν . . . ἅπαντας τοὺς ἐλέφαντας (1)  
 ποτίσαι (1)  
 — 16. ἐκέλευσε τοὺς παραγεγονότας (1)  
 6. 30. ἐκέλευσεν οἰνοῦς τε . . . χορηγεῖν (1)  
 IV Ma. 8. 2. ἐκέλευσεν ἀλλοῦς . . . ἀγαγεῖν (1)  
 — 12. A B ἐκέλευσεν . . . προτεθῆναι [B τιθέναι] (1)  
 τὰ βασανιστήρια (1)  
 9. 11. τὸν πρεσβύτατον αὐτῶν κείλῳ σθένος παρή- (1)  
 γαγον (1)  
 10. 17. ἐκέλευσε τὴν γλώτταν αὐτοῦ ἐκτεμεῖν (1)  
**κελευσμά.** (1)  
 Pr. 24. 62 (30. 27). στρατεύει [A B ἐκστρ.] ἀφ' (1)  
 ἐνὸς κείλῳ ματος ἐντάκτως (1)  
**κενέων.** (1)  
 II Ma. 14. 44. ἦλθε κατὰ μέσον τὸν κ. (1)  
 IV Ma. 6. 8. εἰς τοὺς κ. ἐναλλόμενος ἐτυπτεν (1)  
**κενίζειν.** (1)  
 Si. 38. 28. A φωνὴ σφύρης κενεῖ [B B καινεῖ] τὸ (1)  
 οὗς αὐτοῦ (1)  
**κενοδοξεῖν.** (1)  
 IV Ma. 5. 9. κενοδοξῶν περὶ τὸ ἀληθές (1)  
 8. 24. μηδὲ κενοδοξῶμεν ἐπὶ τῇ εἰαυτῶν στρέβλῃ (1)  
**κενοδοξία.** (1)  
 Wi. 14. 14. κενοδοξία γὰρ ἀνθρώπων εἰσῆλθεν [A B<sup>1</sup> (1)  
 θάνατος εἰσ.] (1)

IV Ma. 2. 15. κενοδοξίας και ἀλαζονείας και μεγα-  
λαυχίας

8. 19. φευζόμεθα τὴν κ. ταύτην

κενολογεῖν. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓 pilp.

Is. 8. 19. ζητήσατε . . . τοὺς κενολογοῦντας (1)

κενός (καινός), 𐤏𐤏𐤏. διὰ κενής. (1) 𐤏𐤏𐤏

(2) 𐤏𐤏𐤏 (3) 𐤏𐤏𐤏 (4) 𐤏𐤏𐤏 (5) 𐤏𐤏𐤏

(6) α. 𐤏𐤏𐤏 pi. δ. 𐤏𐤏𐤏 (7) 𐤏𐤏𐤏 𐤏𐤏𐤏

(8) 𐤏𐤏𐤏 𐤏𐤏𐤏 pu. (9) α. 𐤏𐤏𐤏 δ. 𐤏𐤏𐤏, 𐤏𐤏𐤏

𐤏𐤏𐤏 (10) 𐤏𐤏𐤏 (11) 𐤏𐤏𐤏 (12) 𐤏𐤏𐤏

(13) εἰς κενὸν ἰθὺν (14) κενὰ ἐπιβάλλ-

λιν 𐤏𐤏𐤏 (15) κενὸν ποιεῖν 𐤏𐤏𐤏 hi.

(16) διὰ κενής 𐤏𐤏𐤏 (17) διὰ κενής 𐤏𐤏𐤏

(18) διὰ κενής 𐤏𐤏𐤏 (19) εἰς κενὸν ἐλ-

πίξειν 𐤏𐤏𐤏

Ge. 31. 42. πῦν ἂν κενὸν με ἐξαπέστειλας (9 c)

37. 24. B ὁ δὲ λάκκος κενός [A ἐκίνοσ] (9 b)

Ex. 8. 21. οὐκ ἀπελίσσασθε κενοί (9 c)

5. 9. μὴ μεμνῆσθαι [A -νάσθ.] ἐν λόγοις κ. (12)

23. 15 : 34. 20. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιόν μου κενός (9 c)

Le. 26. 16. σπερείτε διὰ κενής τὰ σπέρματα

ὑμῶν (9 a)

— 20. ἔσται εἰς κενὸν ἡ ἰσχὺς ὑμῶν (9 a)

De. 15. 13. οὐκ ἐξαποστελεῖς αὐτὸν κ. (9 c)

16. 16. οὐκ ὀφθήσῃ . . . κενός (9 c)

32. 47. οὐχὶ λόγος κ. οὗτος ὑμῖν (9 b)

Jd. 6. 8. A<sup>1</sup> ἤρξαντο θεοὺς κ. [A<sup>2</sup> καινοὺς, B al.] +

7. 16. καὶ ἔδωκε . . . ὑδρίας κ. (9 b)

9. 4. ἐμυσθίσαστο . . . ἀνδρες κ. (9 b)

11. 3. συνεστράφησαν πρὸς Ἰ. ἄνδρες κ. [A al.] (9 b)

Ru. 1. 21. κενὴν ἀπὸστρέψε με ὁ κύριος (9 c)

3. 17. μὴ εἰσέλθῃς κενὴ πρὸς τὴν πνευθεράν σου (9 c)

I Ki. 6. 3. μὴ δὲ ἐξαποστείλῃτε [A ἀπ.] αὐ-

τὴν κ. (9 c)

II Ki. 1. 22. τόξον Ἰων. οὐκ ἀπεστράφη κενὸν (3 ?)

— 22. βομβοῖα Σαουλ οὐκ ἀνέκαμψε κενή (9 c)

6. 3. A ἐφ' ἁμαρταν κ. [B καινήν] +

IV Ki. 4. 3. αἰτήσαν . . . σκεῦή κ. (9 b)

Ne. 5. 13. ἔσται οὕτως ἐκτεταναγμένους και κενός (9 b)

Ju. 1. 11. A B ἀπέστρεψαν [B ἀν.] τοὺς ἀγγέλους

αὐτοῦ κ. (9 b)

Jb. 2. 3. τὰ ἐπαρχοντα αὐ. διὰ κενής ἀπολόσαι (16)

— 9. οὐς εἰς τὸ κ. ἐκοπίασα μετὰ μύθων —

6. 5. μὴ διὰ κενής κεκράζεται θυὸς ἄγριος —

— 6. εἰ δὲ καὶ ἐστί γεῦμα ἐν ῥήμασι κενόις +

7. 3. οὕτως καὶ γὰρ ὑπέμεινα μῆνας κενούς (10)

— 6. ἀπολόωλε δὲ ἐν κενῇ ἐλπίδι (4)

— 16. κενός γὰρ μου ὁ βίος (5)

9. 17. πολλὰ δέ μου τὰ συντρίμμι. πεποίηκε διὰ

κενής (16)

15. 3. A ἐλέγχων ἐν ῥήμασιν κενόις [B οἷς

οὐ δεῖ] (7)

— 31. κενὰ γὰρ ἀποβήσεται αὐτῶ (10)

— 35. ἀποβήσεται δὲ αὐτῶ κενὰ (1)

20. 18. εἰς κενὰ καὶ μάταια ἐκοπίασε +

21. 34. πῶς δὲ παρακαλεῖτε με κενὰ (5)

22. 6. ἡρεχούρες δὲ τοὺς ἀδ. σου διὰ κενής (16)

— 9. χήρας δὲ ἐξαπέστειλας κενάς (9 c)

27. 12. κενὰ κενόις ἐπιβάλλετε [A -σεθε] (5, 14)

29. 20. ἡ δόξα μου κενὴ μετ' ἐμοῦ +

31. 34. ἐξέλθῃς θύραν μου κόλπῳ κενῷ (8)

33. 21. ἔως ἂν . . . ἀποδείξῃ τὰ δὲ αὐτῶ, κενὰ (8)

34. 20. κενὰ δὲ αὐτοῖς ἀποβήσεται +

39. 16. εἰς κενὸν ἐκοπίασεν ἄνευ φόβου (9 a)

Ps. 2. 1. ἡ τὰ τί . . . λαοὶ ἐμελέτησαν κενὰ (9 a)

7. 4. ἀποστείσοιμι ἄρα . . . κενός (9 c)

24 (25). 3. οἱ ἀνομώντες διὰ κενής (17)

30 (31). 6. B S τοὺς φυλάσσοντας [A B διαφ.]

ματαιώτρτας διὰ κενής (18)

106 (107). 9. ἐχόρτασε ψυχὴν κενὴν (11)

31 (34). 1. κενὰ ἐλπίδες καὶ ψευδεῖς ἀσυνέγῃ ἀνδρὶ

32 (35). 4. μὴ ὀφθήσῃ ἐν προσώπῳ κυρίου κενός

Ho. 12. 1 (2). κενὰ καὶ μάταια ἐπλήθυνε (9 b)

Mi. 1. 14. εἰς κενὸν [A κενὰ] ἐγένοντο τοῖς

βασιλεῦσι (8)

Hb. 2. 3. εἰς πέρας καὶ οὐκ εἰς κενὸν (9 a)

Is. 29. 8. ἡ δὲ ψυχὴ αὐτοῦ εἰς κενὸν ἤλπισεν (19)

30. 7. κενὰ ὠφελήσουσιν ὑμᾶς (9 a)

32. 6. τὰς ψυχὰς τὰς ὀφθῶσας κενὰς ποιήσει

[A S -ῆσαι] (15)

48. 19. B ἐγὼ ποιῶ κενὰ [A B S καινὰ] +

45. 18. οὐκ εἰς κενὸν ἐποίησεν αὐτὴν (18)

59. 4. λαλοῦσι κενὰ (10)

65. 23. οἱ ἐκλεκτοὶ μου οὐ κοπιᾶσιν εἰς

κενὸν (9 a)

Je. 6. 29. εἰς κενὸν ἀργυροκόπος ἀργυροκοπεῖ (10)

14. 3. ἀπέστρεψαν τὰ ἀγγεῖα αὐτῶν κενὰ (9 c)

18. 15. εἰς κενὸν ἐθυμίανεν (10)

26 (46). 11. εἰς τὸ [A om.] κ. ἐπλήθυνον ἰμάματ

σου (10)

27 (50). 9. ὡς βολὴς . . . οὐκ ἐπιστρέφει κενή (9 c)

28 (51). 58. οὐ κοπιᾶσιν λαοὶ εἰς κενὸν (9 a)

Da. LXX. Bel 17. εἶδον . . . τὰς τραπέζας κ.

I Ma. 6. 12. ἐξάροι τοὺς κατοικοῦντας Ἰούδα διὰ

κενής

9. 68. ἦν ἡ βουλὴ αὐτοῦ . . . κενή

III Ma. 6. 6. εἰς τὸ μὴ λατρεύσαι τοῖς κ.

IV Ma. 8. 18. A B τί βουλήμασι κ. [S om.] ἐαυτοὺς

ἐφθραίνονεν

[Aq. I Ki. 12. 21 : II Ki. 6. 20 : Pr. 12. 11 :

28. 19 : Is. 29. 8 : 34. 11 : 59. 4 : Ez. 21.

23 (28).]

[Sm. II Ki. 1. 22 : Jb. 11. 12 : Is. 29. 8 : 55.

11 : Je. 22. 30.]

[Th. Ge. 1. 2 : Jb. 29. 20 : Ps. 72 (78). 13 : Pr.

12. 11 : 28. 19 : Is. 30. 7 : 41. 29 : 55. 11.]

κενοτάφια (καιν.). (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

I Ki. 19. 13. ἔλαβεν ἡ M. τὰ κ. (1)

— 16. ἰδοὺ τὰ κ. ἐπὶ τῆς κλίσης (1)

III Ki. 8. 53. A τοῦ κατοικεῖν ἐπὶ κενότητος

[B καιν.] —

κενοῦν. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓 pul.

Je. 14. 2. αἱ πύλαι αὐτῆς ἐκινώθησαν (1)

15. 9. ἐκινώθη [B<sup>1</sup> ἐκινώθη] ἡ τίκτουσα ἐπτά (1)

[Aq. I Ki. 24. 4.]

[Sm. Ez. 12. 20 : 26. 2.]

κεντεῖν. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

Jb. 6. 4. ὅταν ἀρξώμαι λαλεῖν κεντούσι με (1)

[Aq. Ez. 21. 19 (24).]

κέντημα.

[Sm., Th. Pr. 12. 18.]

κέντρον. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓 (2) 𐤏𐤓𐤏𐤓

Pr. 26. 3. ὥσπερ μαστίγῃ ὑπὸ κέντρον ὄνῳ (1)

Si. 38. 25. καυχόμενος ἐν δόρατι κέντρον

Ho. 5. 12. καὶ ὡς κέντρον τῷ ὀφθ' Ἰ. +

13. 14. ποῦ τὸ κέντρον σου, ἄδη (2)

IV Ma. 14. 19. καθάπερ σιδηρῷ τῷ κ.

κένωμα.

[Aq. Ge. 1. 2 : Dt. 32. 10 : Jb. 26. 7 : Is. 40.

23 : 59. 4.]

κενώς. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

Is. 49. 4. κ. ἐκοπίασα (1)

[Aq. Ps. 2. 1 : 72 (78). 13 : Is. 45. 19.]

[Th. Is. 45. 19.]

κένωσις.

[Th. Is. 34. 11.]

κεφρούσθαι (κεφφ.). (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

Pr. 7. 22. ὁ δὲ ἐπικολούθησεν αὐτῇ κεφρωθεῖς (1)

κεραμεύς. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

I Ch. 4. 23. οὗτοι κ. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰ. A.

Ps. 2. 9. ὡς σκεῖος [A B<sup>1</sup> σκεῖν] κεραμέως συν-

τρίψεις αὐτοὺς (1)

Wi. 15. 7. κεραμεὺς ἀγαλὴν γῆν θλίβων

Si. 27. 5. σκεῖν κεραμέως δοκιμαίει κάμνος

36 (33). 13. ὡς πηλὸς κεραμέως ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι

αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ

38. 29. οὕτω κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ

Is. 29. 16. οὐχ ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κ. λογισθήσεθε (1)

Is. 41. 25. ὡς πηλὸς κεραμέως καὶ ὡς κ. καταπα-  
τῶν τὸν πηλόν (—, 1)

45. 9. ποῖον βέλτιον κατεσκεύασα ὡς πηλόν

κεραμέως . . . μὴ εἰρή ὁ πηλὸς τῷ κ. (†, 1)

Je. 18. 2. κατὰβηθι εἰς οἶκον τοῦ κ. (1)

— 3. κατέβην εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. (1)

— 6. εἰ καθὼς ὁ κ. οὕτως οὐκ ἀνίσταται τοῦ

ποιῆσαι ὑμᾶς . . . ὡς ὁ πηλὸς (1, 1)

La. 4. 2. ἔργα χειρῶν κεραμέως (1)

[Sm. Je. 19. 1.]

[Th. Is. 54. 16.]

κεραμικός (-μελ.). (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

Da. LXX. 2. 41. μέρος μὲν τι ὀστράκου κ. (1)

κεράμιον. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓 (2) 𐤏𐤓𐤏𐤓

Is. 5. 10. ποιήσει κ. ἐν (1)

30. 14. ἐκ κεραμίου λεπτά [A -όν]

Je. 42 (85). 5. ἔδωκα [A ἔστησα] κατὰ πρόσω-

πον αὐτῶν κ. οἶνον (2)

Da. Th. 2. 41. A<sup>2</sup> μέρος μὲν τι ὀστράκινον

κεραμίου [A<sup>1</sup> B om.] (8)

[Aq. Is. 10. 33.]

[Al. II Ch. 4. 5.]

κέραμος. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

II Ki. 17. 28. B καὶ σκεῖν κεράμου (1)

κεραμῶλλον.

[Aq. Is. 63. 3.]

κεραυνόνια (-ύειν). (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓

De. 28. 66. A ἔσται ἡ ζωὴ σου κεκραμένη [B

κεραμένη] +

Pr. 9. 2. ἐκέρασεν εἰς κρατήρα τὸν ἐαυτῆς οἶνον (1)

— 5. πίετε οἶνον ἐκέρασα ὑμῖν (1)

Is. 5. 22. οἱ δυνάσται οἱ κεραυνόντες [B<sup>1</sup> B<sup>1</sup>

-ύοντες] τὸ σίκερα (1)

19. 14. ἐκέρασεν αὐτοῖς πνεῦμα πλάνησεως (1)

Je. 30. 10 (49. 32). A<sup>1</sup> κεκραμένους [B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> B<sup>2</sup>

κεκαρμ.] πρὸ προσώπου αὐτῶν +

Da. LXX. Bel 10. οἶνος κερασθεῖς ἐισπρέχθη

— 32. καὶ στάμων οἶνον κεκρασμένον

Da. Th. Bel 11. τὸν οἶνον κερασάς θεῖς

κέρας. (1) 𐤏𐤓𐤏𐤓 (2) 𐤏𐤓𐤏𐤓 (3) 𐤏𐤓𐤏𐤓

(4) κέρατα ἐκφέρειν 𐤏𐤓𐤏𐤓 hi.

Ge. 22. 13. κατεχόμενος ἐν φυτῷ . . . τῶν κ. (8)

Ex. 27. 2. ποιήσεις τὰ κ. ἐπὶ τῶν τεσσάρων

Ps. 74 (75). 10. πάντα τὰ κ. τῶν ἀμαρτωλῶν συγκαλῶν [B<sup>a</sup> συνθλῶν] καὶ ὑψωθήσεται τὰ κ. [B<sup>a</sup> τὸ κ.] τοῦ δικαίου (3, 8)  
 75 (76). 3. B<sup>a</sup> ἐκεί συγκαλῶσι τὰ κέρατα  
 88 (89). 17. ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου ὑψωθήσεται τὸ κ. ἡμῶν (3)  
 — 24. ἐν τῷ ὄνῳ, μου ὑψωθήσεται τὸ κ. αὐ. (3)  
 91 (92). 10. ὑψωθήσεται ὡς μονοκέρατος τὸ κ. μου (3)  
 111 (112). 9. τὸ κ. αὐτοῦ ὑψωθήσεται ἐν δόξῃ (3)  
 117 (118). 27. ὥς τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)  
 131 (132). 17. ἐκεί ἐξαπατεῖ κέρας τῷ Δαυὶδ (3)  
 148. 14. ὑψώσιν κέρας λαοῦ αὐτοῦ (3)  
 Si. 47. 5. A B H ἀνυψώσιν [B-ει] κέρας λαοῦ αὐτοῦ  
 — 7. ὥς σήμερον συνέτριψεν αὐτῶν κέρας  
 — 11. ἀνυψώσιν εἰς αἰῶνα τὸ κ. αὐτοῦ  
 49. 5. ἔδωκεν γὰρ τὸ κ. αὐτῶν ἐτέροις  
 Am. 3. 14. καὶ κατασκαφθήσεται τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)  
 6. 14 (13). οὐκ ἐν τῇ ἰσχύϊ ἡμῶν ἐσχομεν κέρατα (3)  
 Mi. 4. 13. τὰ κέρατά σου θήσομαι σιδηρὰ (3)  
 Hb. 3. 4. κέρατα ἐν χερσὶν αὐτοῦ (3)  
 Za. 1. 18 (2. 1). ἴδον καὶ ἰδοὺ τέσσαρα κέρατα  
 — 19 (2. 2), 21 (2. 4). ταῖτα τὰ κ. τὰ διασκοπίσαντα τὸν Ἰ. (3)  
 — 21 (2. 4). ὁρῶνα αὐτὰ εἰς χεῖρας αὐτῶν τὰ τέσσαρα κ. (3)  
 — 21 (2. 4). τὰ ἐπαίρομενα κέρατα ἐπὶ τῇ γῇ (3)  
 Is. 5. 1. ἀμπελὸν ἐγενήθη τῷ ἡγαπημένῳ ἐν κέρατι (3)  
 Je. 81 (48). 12. τὰ κ. αὐτοῦ συγκόψουσι  
 — 25. κατὰ τὸ κ. Μωϋσέ (3)  
 La. 2. 3. A B H συνεκλάσαν [B-κάλεισαν] ... πᾶν κ. Ἰσραὴλ (3)  
 — 17. ὑψώσιν κ. [A κεφαλὰς] θλιβόντος σε (3)  
 Ez. 29. 21. ἀπατελεῖ κ. παντὶ τῷ οἴκῳ Ἰσραὴλ (3)  
 34. 21. τοῖς κ. ὑμῶν ἐκερατίζετε (3)  
 41. 22. κέρατα εἶχε (3)  
 43. 15. ὑπεράνω τῶν κ. πῆχυν (3)  
 — 20. ἐπιθήσουσιν ἐπὶ τὰ τέσσαρα κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)  
 Da. LXX. 7. 7. εἶχε δὲ κέρατα δέκα  
 — 8. καὶ βούλαι πολλὰ ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ  
 — 8. ἄλλο ἐν κ. ἀνεψύχῃ ... μικρόν ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ καὶ τρία τῶν κ. τῶν πρώτων ἐξηράνθησαν (3, —, 3)  
 — 8. ὥστε ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπων ἐν τῷ κ. τοῦτ' (3)  
 — 11. ὡν τὸ κ. ἐλάλει (3)  
 — 20. περὶ τῶν δέκα κ. αὐ. τῶν ἐπὶ τῆς κεφ. (3)  
 — 20. τὸ κ. ἐκείνο εἶχεν ὀφθαλμούς (3)  
 — 21. κατενόουν τὸ κ. ἐκείνο (3)  
 — 24. τὰ δέκα κ. τῆς βασιλείας δέκα βασιλεῖς στήσουσι (3)  
 8. 3. καὶ εἶχε κέρατα καὶ τὰ κ. ὑψηλὰ (3, 3)  
 — 5. ἦν τοῦ τράγου κέρας ἐν θεωρητῷ (3)  
 — 6. τὸν κρινὸν τὸν τὰ κ. ἔχοντα (3)  
 — 7. συνέτριψε τὰ δύο κ. αὐτοῦ (3)  
 — 8. συνετρίβη αὐτοῦ τὸ κ. τὸ μέγα καὶ ἀνέβη ἑτέρα τέσσαρα κ. (3, 1?)  
 — 9. ἀνεψύχῃ κέρας ἰσχυρόν ἐν (3)  
 — 20. τὸν κρινὸν ἐν εἶδες τὸν ἔχοντα τὰ κ. (3)  
 — 21. τὸ κ. τὸ μέγα ... αὐτὸς ὁ βασιλεὺς ὁ πρῶτος (3)  
 — 22. ἀναβάντα ὀπίσω αὐτοῦ τέσσαρα κ. (3)  
 Da. TH. 7. 7. A κέρατα δέκα αὐτῷ  
 — 7. καὶ κέρατα δέκα αὐτῷ (3)  
 — 8. προσενόουν τοῖς κ. αὐτοῦ (3)  
 — 8. καὶ ἰδοὺ κ. ἑτέρον μικρόν (3)  
 — 8. καὶ τρία κ. τῶν ἐμπροσθεν αὐτοῦ (3)  
 — 8. καὶ ἰδοὺ ὀφθαλμοὶ ... ἐν τῷ κ. τοῦτ' (3)  
 — 11. ὡν τὸ κ. ἐκείνο ἐλάλει (3)  
 — 20. περὶ τῶν κ. αὐτοῦ τῶν δέκα (3)  
 — 20. A κέρας ἐκείνο [B om. κ. εἰ] φ' οἱ ὀφθαλμοὶ (3)  
 — 21. τὸ κ. ἐκείνο ἐποίει πόλεμον (3)  
 — 24. τὰ δέκα κ. αὐτοῦ δέκα βασιλεῖς (3)  
 8. 3. A καὶ αὐτῷ κέρατα καὶ τὰ κ. [B om. καὶ τὰ κ.] ὑψηλὰ (3, 3)  
 — 5. καὶ τῷ τράγῳ κέρας (3)  
 — 6. τοῦ κριοῦ τοῦ τὰ κ. ἔχοντος (3)  
 — 7. συνέτριψεν ἀμφοτέρω τὰ κ. αὐτοῦ (3)  
 — 8. A B συνετρίβη τὸ κ. αὐτοῦ τὸ μέγα καὶ ἀνέβη ἑτέρα [B om.] κ. τέσσαρα (3, 1?)  
 — 9. ἐξήλθε κ. ἐν ἰσχυρόν (3)  
 — 20. ὁ κρινὸς ... ὁ ἔχων τὰ κ. (3)  
 — 21. τὸ κ. τὸ μέγα ... αὐτὸς ἐστὶν ὁ βασιλ. ὁ πρῶτος (3)  
 — 22. οὐ ἔστησαν τέσσαρα κ. ὑποκάτω (3)

I Ma. 2. 48. οὐκ ἔδωκεν κέρας τῷ ἀμαρτωλῷ  
 9. 1. καὶ τὸ δεξιὸν κ. μετ' αὐτῶν  
 — 12. Βακχίδης δὲ ἦν ἐν τῷ δεξιῷ κ.  
 — 15. A E συνετρίβη τὸ δεξιὸν κ. [B μέρος] ἀπ' αὐτῶν  
 — 16. οἱ εἰς τὸ ἀριστερόν κ. ἴδον ὅτι συνετρίβη τὸ δεξιὸν κ. (3)  
 II Ma. 15. 20. τῆς δὲ ἵππου κατὰ κέρας τεταγμένης  
 [Aq. Ge. 22. 13: Ps. 74 (75). 11: Je. 17. 1: 48 (51). 12: Ez. 27. 6, 15.]  
 [Sm. Ge. 22. 13: Ps. 74 (75). 5, 6, 11: 117 (118). 27: Is. 5. 1: Je. 17. 1: Ez. 27. 6, 15.]  
 [Th. Ge. 22. 13: Ps. 74 (75). 11: Je. 17. 1: Ez. 27. 6, 15: Da. 7. 8, 20: 8. 3, 5.]  
 [Al. Hb. 8. 4.]  
 κέραςμα. (1) α. ἡρῶ δ. ἡρῶ  
 Ps. 74 (75). 8. οὐκ ἀκράτῳ πληρὲς κεράσματος (1 α)  
 Is. 65. 11. πληροῦντες τῇ τυχῇ κ. (1 β)  
 [Aq., Sm. Is. 65. 11.]  
 [Th. Pr. 28. 30: Is. 65. 11.]  
 κεράστις. (1) ἡνῶρ  
 Pr. 23. 32. ὥστερ ὑπὸ κεράστου διαχίται αὐτῷ  
 ὁ ἴος (1)  
 [Sm. Ps. 68 (69). 32.]  
 κερατίζειν. (1) ἡνῶ (2) ἡνῶ α. qal. δ. pi.  
 (3) ἡνῶ (4) ἡνῶ  
 Ex. 21. 28. ἐὰν δὲ κερατίσῃ ταῦρος ἀνδρα (2 α)  
 — 31. ἐὰν δὲ υἱὸς ἢ θυγατέρα κερατίσῃ (2 α)  
 — 32. ἐὰν δὲ παῖδα κερατίσῃ ὁ ταῦρος (2 α)  
 — 35. ἐὰν δὲ κερατίσῃ τινὸς [B' τίς τ.] ταῦρος (3)  
 De. 83. 17. ἐν αὐτοῖς ἐδὼν κερατίζει ἅμα (2 β)  
 III Ki. 22. 11: II Ch. 18. 10. ἐν τούτοις κερατίζει τὴν Συρίαν (2 β)  
 Ps. 43 (44). 5. ἐν σοὶ τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν κερατιοῦμεν (2 β)  
 Je. 27 (50). 11. ἐκερατίζετε ὡς ταῖροι (4)  
 Ez. 32. 2. ἐκερατίζετε τοὺς ποταμούς [A τοὺς π.] σου (1)  
 34. 21. τοῖς κέρασιν ὑμῶν ἐκερατίζετε (2 β)  
 Da. LXX. TH. 8. 4. εἶδον τὸν κρινὸν κερατίζοντα (2 β)  
 κερατίνη. (1) ἡνῶ  
 Jd. 8. 27. ἐσάλπισεν ἐν [A om.] κερατίνῃ  
 6. 34. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ (1)  
 7. 8. ἔλαβον ... τὰς κ. αὐτῶν (1)  
 — 16. ἔδωκε κερατίναν ἐν χειρὶ πάντων (1)  
 — 18. σαλπῶν ἐν [A om.] τῇ κ. (1)  
 — 18. σαλπῶν ἐν [A om.] ταῖς κ. (1)  
 — 19. ἐσάλπισαν ἐν [A om.] ταῖς κ. (1)  
 — 20. ἐσάλπισαν ... ἐν ταῖς κ. (1)  
 — 20. τὰς κ. τοῦ σαλπῶν [A al.] (1)  
 — 22. ἐσάλπισαν ἐν ταῖς τριακοσίαις κ. [A αἱ κ.] (1)  
 II Ki. 15. 10. ἐν τῷ ἀκούσαι ὑμᾶς τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)  
 18. 16. ἐσάλπισεν ἰωάβ ἐν κερατίνῃ (1)  
 20. 1. ἐσάλπισεν τῇ [A ἐν τῇ] κ. (1)  
 — 22. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ [A τῇ κ.] (1)  
 III Ki. 1. 34. καὶ σαλπῶν ἐν κερατίνῃ (1)  
 — 39. καὶ ἐσάλπισεν τῇ κ. (1)  
 — 41. ἤκουσεν Ἰ. τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)  
 IV Ki. 9. 13. ἐσάλπισαν ἐν κερατίνῃ (1)  
 II Ch. 15. 14. A B καὶ ἐν κερατίναις (1)  
 Ne. 4. 18 (12). ὁ σαλπῶν ἐν τῇ κ. ἐχόμενα αὐτοῦ (1)  
 — 20 (14). οὐ ἐὰν ἀκούσῃ τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)  
 [Aq. Jo. 6. 9: Jd. 7. 22: Is. 27. 13: 58. 1: Je. 6. 1.]  
 [Sm. Jo. 6. 9: Jd. 7. 22: Ps. 150. 3: Is. 27. 13: 58. 1: Je. 6. 1: Ez. 33. 4.]  
 [Th. Jo. 6. 9: Jd. 7. 22: Is. 27. 13: 58. 1.]  
 [Al. Le. 25. 9: I Ch. 15. 28.]  
 κεράτινος. (1) σάλπιγξ κ. ἡνῶ  
 Ps. 97 (98). 6. ἐν ... φωνῇ σάλπιγγος κερατίνης (1)  
 κερατιστής. (1) ἡνῶ  
 Ex. 21. 29. ἐὰν δὲ ὁ ταῦρος κερατιστῇ ἡ (1)  
 — 36. ὁ ταῦρος ὅτι κερατιστῇ ἐστί (1)  
 [Sm. Ex. 28. 17.]  
 κεραυνός. (1) ἡνῶ  
 Jb. 38. 35. ἀποστελεῖς δὲ κεραυνούς (1)  
 Wi. 19. 13. οὐκ ἄνευ τῶν γεγονότων [A B προγεν.] τεκμηρίων τῇ βίᾳ τῶν [B<sup>a</sup> om.] κ.  
 II Ma. 10. 30. κεραυνούς ἐξερρίπτουν

κεραυνόν, κεραυνώσις. (1) ἡνῶ  
 Is. 30. 30. A B H κεραυνώσι βιαιῶν [B -φ] (1)  
 κερδαίνειν.  
 [Sm. Jb. 22. 3.]  
 κέρδος.  
 [Aq. Ez. 27. 24.]  
 [Sm. Ge. 37. 26: Ps. 29 (30). 10: Ec. 4. 9: Mi. 4. 13.]  
 [Th. Ge. 37. 26.]  
 κερεινός.  
 [Aq., Sm., Quint. Ps. 49 (50). 9.]  
 κέρκιον.  
 [Aq. Le. 7. 3.]  
 [Sm., Th. Le. 7. 3: 8. 25.]  
 [Al. Le. 3. 9.]  
 κέρκος. (1) ἡνῶ  
 Ex. 4. 4. ἐπιλαβοῦ τῆς κ. (1)  
 — 4. ἐπελάβετο τῆς κ. (1)  
 Jd. 15. 4. ἐπέστρεψε [A συνίδersen] κέρκον  
 πρὸς κέρκον (1, 1)  
 — 4. ἔθηκε λαμπάδα μίαν ἀπὸ μέσον τῶν δύο κ. (1)  
 Pr. 26. 17. ὥστερ ὁ κρατὼν κέρκον κυνός  
 [Aq. Le. 3. 9: 8. 25.]  
 [Sm., Th. Le. 3. 9.]  
 [Heb. Ex. 29. 22.]  
 κέρκωφ. (1) ἡνῶ  
 Pr. 26. 22. λόγος κέρκωφον μαλακοί (1?)  
 κερῶν, κερῶν. (1) ἡνῶ  
 κεφάλαιον. (1) α. ἡνῶ δ. ἡνῶ c. ἡνῶ  
 Le. 6. 4 (5. 24). ἀποτίσκει αὐτὸ τὸ κ. (1 α)  
 Nu. 4. 2. λάβε τὸ κ. τῶν υἱῶν K. (1 α)  
 5. 7. τὸ κ. καὶ τὸ ἐπίπεμπτον αὐτοῦ (1 α)  
 31. 26. λάβε τὸ κ. τῶν σκύλων (1 α)  
 — 49. εἰλήφας τὸ κ. τῶν ἀνδρῶν (1 α)  
 Da. LXX. 7. 1. ἔγραψεν εἰς κεφάλαια λόγων (1 β)  
 11. 41. καὶ κεφάλαιον υἱῶν Ἀμυῶν (1 γ)  
 [Aq. Ge. 1. 1: 49. 3: I Ki. 15. 21: Jb. 8. 7: 40. 14 (19): Pr. 8. 22.]  
 [Sm., Th. Jb. 40. 14 (19).]  
 [Al. Nu. 4. 22.]  
 κεφαλαίων.  
 Si. 35 (32). 8. κεφαλαίωσον λόγον [B om.] ἐν ὀλίγοις  
 πολλά  
 κεφαλῇ. (1) ἡνῶ (2) ἡνῶ (3) ἡνῶ  
 (4) ἡνῶ (5) α. ἡνῶ δ. ἡνῶ (6) πρὸς  
 κεφαλῆς πινῶν  
 Ge. 3. 15. αὐτὸς σου τερήσει κεφαλὴν (5 α)  
 8. 5. ὥρθησαν αἱ κ. τῶν ὀρέων (5 α)  
 11. 4. οὐ ἔσται ἡ κ. ὥς τοῦ οὐρανοῦ (5 α)  
 28. 11. A ἐπέθηκεν [B ἐθ.] πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)  
 — 12. ἡς ἡ κ. ἀφικνεῖτο εἰς τὸν οὐρανόν (5 α)  
 — 18. B ἐν ὑπέθηκεν [A ἐθ.] ἐκεῖ πρὸς  
 κεφαλῆς αὐτοῦ (6)  
 40. 16. τρία κανᾶ ... αἶρεν ἐπὶ τῆς κ. μου (5 α)  
 — 17. ἀπὸ τοῦ κανοῦ τοῦ ἐπάνω τῆς κ. μου (5 α)  
 — 19. ἀφείλετο Φ. τὴν κ. σου ἀπὸ σοῦ (5 α)  
 48. 14. ἐπέβαλεν ἐπὶ τὴν κ. 'E. ... καὶ τὴν ἀριστεράν ἐπὶ τὴν κ. M. (5 α, 5 α)  
 — 17. ἐπέβαλεν ... ἐπὶ τὴν κ. 'E. (5 α)  
 — 17. ἀφείλεν αὐτὴν ἀπὸ τῆς κ. 'E. ἐπὶ τὴν κ. M. (5 α, 5 α)  
 — 18. ἐπίθετο τὴν δεξιάν σου ἐπὶ τὴν κ. αὐ. (5 α)  
 49. 26. ἔσονται ἐπὶ κεφαλῇν [A -ης] ἰωσήφ (5 α)  
 Ex. 12. 9. ἐδεσθε ... κεφαλὴν σὺν τοῖς ποσὶ (5 α)  
 18. 16. γομῶν κατὰ κεφαλῇν (1)  
 26. 24. ἔσονται ἴσοι ἐκ τῶν κ. [A -λίδων] (5 α)  
 29. 6. ἐπιθήσει [B<sup>a</sup> θῆ.] τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 α)  
 — 7. ἐπιχεῖται αὐτὸ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 α)  
 — 10. ἐπιθήσουσιν ... ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μοσχου (5 α)  
 — 15. ἐπιθήσουσιν ... ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 α)  
 — 17. ἐπὶ [B<sup>a</sup> om.] τὰ διχοτομήματα σὺν τῇ κ. (5 α)  
 — 19. ἐπιθήσει ... ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 α)  
 37. 6 (38. 38). A τὰς κ. [B -λίδας] αὐτῶν (5 α)  
 39. 2 (38. 26). δραχμὴ μία τῇ κ. (1)  
 Le. 1. 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ καρπωμάτος (5 α)

- Le. 1. 8. ἐπιστοιβάσουσιν οἱ υἱοὶ Ἀ... τὴν κ. (5 a)  
 — 11. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 12. καὶ τὴν κ. καὶ τὸ στέαρ (5 a)  
 — 15. ἀποκνίσει τὴν κ. (5 a)  
 3. 2, 8. ἐπιθήσει τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. τοῦ δώρου (5 a)  
 — 13. ἐπιθήσει τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 4. 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μύσχου (5 a)  
 — 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν πῇ κ. (5 a)  
 — 15. ἐπιθήσουσιν... ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μύσχου (5 a)  
 — 24. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ χιμάρου (5 a)  
 — 29. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ἀμαρτηματος αὐτοῦ (5 a)  
 — 33. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. (5 a)  
 5. 8. ἀποκνίσει ὁ ἱερεὺς τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 8. 9. ἐπέθηκε τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 12. ἐπέχει Μωσῆς... ἐπὶ τὴν κ. Ἀαρών (5 a)  
 — 14. ἐπέθηκεν Ἀ... τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μύσχου (5 a)  
 — 18. ἐπέθηκεν Ἀ... τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 a)  
 — 19 (20). ἀνήγγεκε Μωσῆς τὴν κ. (5 a)  
 — 21 (22). ἐπέθηκεν Ἀ... τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 a)  
 9. 13. αὐτὰ καὶ τὴν κ. (5 a)  
 10. 6. τὴν κ. ὑμῶν οὐκ ἀποκιδαρώσετε (5 a)  
 13. 12. ἀπὸ κεφαλῆς ὥς ποδῶν (5 a)  
 — 29. ἀπὸ ἡλέπας ἐν τῇ κ. (5 a)  
 — 30. λέπρα [A. add. ἐστὶν] τῆς κ. (5 a)  
 — 40. ἐὰν δέ τιμι μαθήσῃ ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 41. ἐὰν δέ κατὰ πρόσωπον μαθήσῃ ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 44. ἐν τῇ κ. αὐτοῦ ἡ ἀφ' αὐτοῦ (5 a)  
 — 45. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἀκαλίπτος [A. ἀκατακ.] (5 a)  
 14. 9. τὴν κ. αὐτοῦ καὶ τὸν πάγωνα (5 a)  
 — 18. ἐπιθήσει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὴν κ. (5 a)  
 — 29. ἐπιθήσει ἐπὶ τὴν κ. (5 a)  
 16. 21. ἐπιθήσει [A. προσάξει]... τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. (5 a)  
 — 21. ἐπιθήσει αὐτὰς ἐπὶ τὴν κ. (5 a)  
 19. 27. ἐκ τῆς κόμης τῆς κ. ὑμῶν (5 a)  
 21. 5. φαλάκρωμα οὐ ἐξηρῆσθεσε τὴν κ. (5 a)  
 — 10. τοῦ ἐπικεκλυμένου ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου (5 a)  
 — 10. τὴν κ. οὐκ ἀποκιδαρώσει (5 a)  
 24. 14. ἐπιθήσει... τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν... κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν (1)  
 — 18, 20, 22. κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν (1)  
 — 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν (1)  
 3. 47. πέντε σίκλους κατὰ κεφαλὴν (1)  
 5. 18. ἀποκαλύψει τὴν κ. τῆς γυναίκος (5 a)  
 6. 5. ἐνθὺν οὐκ ἐπελευσεται ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 5. τριφῶν κόμην τρίχα κεφαλῆς (5 a)  
 — 7. εὐχὴ θεοῦ αὐτοῦ... ἐπὶ κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)  
 — 9. μαρτυρεῖται ἡ κ. εὐχῆς αὐτοῦ (5 a)  
 — 9. ἐξηρῆσται τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 11. ἀγιάσει τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 12. ἐμάσθη κεφαλὴ εὐχῆς αὐτοῦ (5 a)  
 — 18. ἐξηρῆσται ὁ πύγμενος... τὴν κ. τῆς εὐχῆς αὐτοῦ (5 a)  
 — 19. Ἀ μετὰ τὸ ἐξηρῆσθαι αὐτὸν τὴν κ. [B. εὐχὴν] αὐτοῦ (5 a)  
 8. 12. ἐπιθήσουσι τὰς χεῖρας ἐπὶ τὰς κ. τῶν μύσχων (5 a)  
 De. 21. 6. νύψονται τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. (5 a)  
 — 12. ἐξηρῆσαι τὴν κ. αὐτῆς (5 a)  
 28. 13. κατασφραῖσι σε κύριος... εἰς κεφαλὴν (5 a)  
 — 23. ὁ οὐρανὸς ὁ ὑπὲρ κεφαλῆς σου (5 a)  
 — 44. οὗτος ἔσται κεφαλὴ [A. εἰς κεφαλὴν] (5 a)  
 32. 42. ἀπὸ κεφαλῆς ἀρχόντων ἐχθρῶν [A. ἐνθῶν] (5 a)  
 33. 16. ἔλασαν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰωσήφ (5 a)  
 Jo. 7. 6. ἐπεβάλλοντο [A. λον τὸν] χοῦν ἐπὶ τὰς κ. [A. τὴν κ.] αὐτῶν (5 a)  
 Jd. 5. 26. διήλωσε κεφαλὴν αὐ. [A. αἰ.] (5 a)  
 — 30. εἰς κεφαλὴν ἀνδρὸς [A. αἰ.] (5 a)  
 7. 25. τὴν κ. Ὁρῆβ... ἤνεγκαν πρὸς Γ. (5 a)  
 8. 28. ἄραι κεφαλὴν αὐτῶν (5 a)  
 9. 25. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων (5 a)  
 — 36. Ἀ Β ἀπὸ τῶν [B. om.] κ. [A. κορυφῶν] τῶν ὀρέων (5 a)  
 — 53. ἔρριψε... ἐπὶ κεφαλὴν Ἀβ. (5 a)  
 — 57. ἐπέστρεψεν ὁ θ. εἰς κεφαλὴν αὐ. [A. αἰ.] (5 a)  
 10. 18. Ἀ εἰς κεφαλὴν [B. ἀρχοντα] πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Γ. (5 a)  
 Jd. 11. 8. Ἀ ἔσθ' ἡμῖν εἰς κεφαλὴν [B. ἀρχοντα] (5 a)  
 — 9. Ἀ ἐγὼ ὑμῖν ἔσομαι εἰς κεφαλὴν [B. ἀρχοντα] (5 a)  
 — 11. εἰς κεφαλὴν καὶ εἰς ἀρχηγόν [A. αἰ.] (5 a)  
 13. 5. σίδηρος ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ οὐκ ἀναβήσεται (5 a)  
 16. 13. τὰς ἐπτά σειρὰς τῆς κ. μου (5 a)  
 — 14. τὰς ἐπτά σειρὰς τῆς κ. αὐ. [A. αἰ.] (5 a)  
 — 17. σίδηρος οὐκ ἀνέβη ἐπὶ τὴν κ. μου [A. αἰ.] (5 a)  
 — 19. τὰς ἐπτά σειρὰς τῆς κ. αὐ. [A. αἰ.] (5 a)  
 — 22. θρὶξ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 I Ki. 1. 11. σίδηρος οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 4. 12. γῇ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 5. 4. κεφαλὴ [A. ἡ κ.] δαγῶν καὶ ἀμφότερα τὰ ἰχνη (5 a)  
 10. 1. καὶ ἐπέχεεν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 14. 45. εἰ πεσύναι [A. add. ἀπὸ τῆς] τριχὸς τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 17. 5. περικεφαλαία ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 38. τὴν περικεφαλαίαν χαλκῆν περὶ [A. ἐπὶ] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 46. ἀφελῶ τὴν κ. σου ἀπὸ σοῦ (5 a)  
 — 51. ἀφείλε [A. add. ἐν αὐτῇ] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 54. ἔλαβε Δ. τὴν κ. τοῦ ἀλλοφύλου (5 a)  
 — 57. Ἀ καὶ ἡ κ. τοῦ ἀλλοφύλου ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ (5 a)  
 19. 13. ἦπαρ... ἔθετο πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)  
 — 16. καὶ ἦπαρ... πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)  
 25. 39. τὴν κακίαν Ν. ἀπέστρεψε κύριος εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)  
 26. 7. καὶ τὸ δόρυ... πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)  
 — 11. λάβε δὴ τὸ δόρυ ἀπὸ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)  
 — 12. ἔλαβε Δ. τὸ δόρυ... ἀπὸ πρὸς κεφαλῆς (5 a)  
 — 16. ποῦ ἐστὶ τὰ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)  
 29. 4. οὐχὶ ἐν ταῖς κ. τῶν ἀνδρῶν ἐκείνων (5 a)  
 II Ki. 1. 2. καὶ γῇ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 10. τὸ βασιλεῖον τὸ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 16. τὸ αἷμα σου ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)  
 2. 16. ἐκράτησαν ἕκαστος... τὴν κ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ (5 a)  
 — 25. ἔστησαν ἐπὶ κεφαλὴν βουνοῦ ἐνός (5 a)  
 3. 8. μὴ κεφαλὴ κυνὸς ἐγὼ εἰμι (5 a)  
 — 29. κατατρησάμενος ἐπὶ κεφαλὴν Ἰ. (5 a)  
 4. 7. Ἀ Β ἀφαιροῦσι [B. ἀνὰφ.] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 7. ἔλαβον τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 8. ἤνεγκαν τὴν κ. Ἰεβ. τῷ Δ. (5 a)  
 — 8. ἰδοὺ ἡ [A. om.] κ. Ἰεβ. (5 a)  
 — 12. τὴν κ. Ἰεβ. ἔδωκαν (5 a)  
 12. 30. ἔλαβον τὸν στέφανον Μ. ... ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 30. καὶ ἦν ἐπὶ τῆς κ. Δαβὶδ (5 a)  
 13. 19. Ἀ Β ἐπέθηκεν [B. ἐ. σποδὸν] ἐπὶ τὴν κ. [A. τῆς κ.] αὐτῆς (5 a)  
 — 19. ἐπέθηκε τὰς χεῖρας αὐτῆς ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς (5 a)  
 14. 26. ἐν τῷ κείρεσθαι αὐτὸν τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 26. ἔστησε τὴν τρίχα τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 15. 30. καὶ τὴν κ. ἐπικεκαλυμμένους (5 a)  
 — 30. ἐπεκάλυψεν ἀνὴρ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 32. καὶ γῇ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 16. 9. ἀφελῶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 18. 9. Ἀ Β περιεπάλαυ [B. ἐκρεμάσθη] ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)  
 20. 21. ἡ [A. om.] κ. αὐτοῦ ῥιφίσσεται (5 a)  
 — 22. ἀφείλε τὴν κ. Σ. (5 a)  
 22. 44. φυλάξεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (5 a)  
 III Ki. 2. 32. ἀπέστρεψε... τὸ αἷμα... εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)  
 — 33. ἐπεστράφη [A. ἀπ.] τὰ αἵματα αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. καὶ εἰς κεφαλὴν [A. τὴν κ.] τοῦ σπέρματος αὐ. (5 a, 5 a)  
 3. 1 (2. 37). τὸ αἷμα σου ἔσται ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)  
 — 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε... τὴν κακίαν σου εἰς κεφαλὴν σου (5 a)  
 7. 16. δοῖναι ἐπὶ τὰς κ. τῶν στύλων (5 a)  
 — 19. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)  
 — 22. Ἀ ἐπὶ τῶν κ. ἔργου κρίνου (5 a)  
 — 35 bis. ἐπὶ τῆς κ. τῆς μεχωνῶθ (5 a)  
 — 41. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων δύο (5 a)  
 8. 1. Ἀ συμπάσας κ. τῶν ῥάβδων (5 a)  
 — 8. ἐνεβλίποντο αἱ κ. τῶν ἡγιασμένων (5 a)  
 — 32. δοῖναι τὴν ὁδὸν αὐτοῦ εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)  
 19. 6. πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ ἐγκρυφίας ἐλνυρίτης (5 a)  
 20 (21). 12. Ἀ ἐκάθισαν τὸν Ναβ. ἐν κεφαλῇ [B. ἀρχῇ] τοῦ λαοῦ (5 a)  
 21 (20). 31. καὶ σχοινία ἐπὶ τὰς κ. ἡμῶν (5 a)  
 — 32. ἔθεναν σχοινία ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν (5 a)  
 IV Ki. 2. 3. Ἀ Β<sup>2</sup> λαμβάνει τὸν κύριόν σου ἐπάνωθεν [B<sup>2</sup> B. ἀπ.] τῆς κ. σου (5 a)  
 — 5. λαμβάνει κύριος τὸν κύριόν σου ἐπάνωθεν [A. ἀπ.] τῆς κ. σου (5 a)  
 4. 19. τὴν κ. μου τὴν κ. μου (5 a, 5 a)  
 6. 25. ἐγενήθη κεφαλὴ δούου πεντήκοντα ἀργυρίου [B<sup>2</sup> σίκλων δ.] (5 a)  
 — 31. εἰ στήσεται ἡ κ. Ἐλ. ἐπ' αὐτῷ (5 a)  
 — 32. ἀπέστειλεν... ἀφείλεν τὴν κ. μου (5 a)  
 9. 3. ἐπικεῖς ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 6. ἐπέχεε τὸ ἔλαιον ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 30. ἡγάθυνε τὴν κ. αὐτῆς (5 a)  
 10. 6. λάβετε τὴν κ. ἀνδρῶν (5 a)  
 — 7. ἔθηκαν τὰς κ. αὐτῶν ἐν καρτάλλοις (5 a)  
 — 8. Ἀ Β ἤνεγκαν [B. -a] τὰς κ. τῶν υἱῶν τοῦ βασι. (5 a)  
 19. 21. ἐπὶ σοὶ [A. σέ] κεφαλὴν αὐτῆς [A. om.] ἐκίνησε (5 a)  
 25. 27. ὤψωσεν Εὐ. ... τὴν κ. Ἰ. (5 a)  
 I Ch. 10. 9. ἔλαβον τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 10. τὴν κ. [B. om.] αὐτοῦ ἔθηκαν ἐν οἴκῳ Δ. (1)  
 12. 19. ἐν ταῖς κ. τῶν ἀνδρῶν ἐκ. ἐπιστρέφει (5 a)  
 20. 2. ἔλαβε Δ. τὸν στέφανον Μ. ... ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 2. ἦν ἐπὶ τὴν κ. Δ. (5 a)  
 23. 3. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς αὐ. κατὰ κεφαλὴν αὐ. (1)  
 — 24. οὗτοι υἱοὶ Λευὶ... κατὰ κεφαλὴν αὐ. (1)  
 25. 1. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς αὐτῶν κατὰ κεφαλὴν αὐ. (5 a)  
 II Ch. 3. 15. καὶ τὰς κ. αὐτῶν πῆχυν πέντε (5 a)  
 — 16. καὶ ἔδωκεν [A. ἔθηκεν] ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)  
 4. 12. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων δύο (5 a)  
 — 12. συγκαλύψαι τὰς κ. τῶν χωθαρέθων (5 a)  
 — 12. ἄ ἐστιν ἐπὶ [A. ἐπάνω] τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)  
 5. 9. ἐβλάποντο αἱ κ. τῶν ἀναφορέων (5 a)  
 6. 23. ἀποδοῦναι ὁδοὺς αὐτοῦ εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)  
 I Es. 4. 30. ἀφαιροῦσαν τὸ διάδημα ἀπὸ τῆς κ. τοῦ βασι. (5 a)  
 8. 71. Ἀ Β κατέτιλα [B. -έτεινον] τοῦ τριχώματος τῆς κ. (5 a)  
 — 75. ἐπλεόνασαν ὑπὲρ τὰς κ. ἡμῶν (5 a)  
 II Es. 9. 3. ἔτιλλον ἀπὸ τῶν τριχῶν τῆς κ. μου (5 a)  
 — 6. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (5 a)  
 Ne. 4. 4 (3. 36). ἐπιστρέψον διενδισμὸν αὐτῶν εἰς κεφαλὴν αὐτῶν (5 a)  
 9. 1. Β καὶ σποδὸν ἐπὶ κεφαλῆς αὐτῶν (5 a)  
 Ju. 4. 11. ἐσποδώσαντο τὰς κ. αὐτῶν (5 a)  
 8. 3. ὁ καύσων ἦλθεν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 22. τὴν ἐρήμωσιν... ἐπιστρέφει εἰς κεφαλὴν ἡμῶν (5 a)  
 9. 1. ἐπέθετο [B<sup>2</sup> ἐθ.] σποδὸν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς (5 a)  
 — 9. ἀπέστειλεν τὴν ὄργην σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν (5 a)  
 — 10. Β<sup>2</sup> τὴν ὄργην σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν (5 a)  
 — 10. Β<sup>2</sup> ἀπέστειλεν τὴν ὄργην σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν (5 a)  
 10. 3. τὰς τριχὰς τῆς κ. αὐτῆς (5 a)  
 13. 6. δε ἦν πρὸς κεφαλῆς Ὁλ. (5 a)  
 — 7. ἐδράξατο τῆς κόμης τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 8. καὶ ἀφείλε τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 9. παρέδωκε τῇ ἄβρᾳ αὐτῆς τὴν κ. Ὁλ. (5 a)  
 — 15. ἰδοὺ ἡ κ. Ὁλ. (5 a)  
 — 18. κατεβυνέ σε εἰς τραῦμα κεφαλῆς (5 a)  
 14. 1. λαβόντες τὴν κ. ταύτην (5 a)  
 — 6. καὶ εἶδε τὴν κ. Ὁλ. (5 a)  
 — 11. ἐκρέμασαν τὴν κ. Ὁλ. ἐκ τοῦ τείχους (5 a)  
 — 15. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἀφῆρτο ἀπ' αὐτοῦ (5 a)  
 — 18. καὶ ἡ κ. οὐκ ἔστιν ἐπ' αὐτῷ (5 a)  
 Es. 4. 17. κοπιῶν ἐπλησεν τὴν κ. (5 a)  
 — 17. ὁ ἔστιν ἐπὶ τῆς κ. μου [A. om.] (5 a)  
 5. 1. ἐπὶ τὴν κ. [A. τῆς κ.] τῆς ἄβρας (5 a)  
 6. 8. Β<sup>2</sup> διάδημα βασιλείας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)  
 — 12. λυπούμενος κατὰ κεφαλῆς [B<sup>2</sup> λ. κατακαλυμμένος κεφαλῇ] (5 a)  
 Jb. 1. 17. οἱ ἱππεῖς ἐποίησαν ἡμῖν κεφαλὰς [A. B<sup>2</sup> ἀρχὰς] τρεῖς (5 a)  
 — 20. ἐκείρατο τὴν κόμην τῆς κ. [A. κ. αὐτοῦ] (5 a)  
 — 20. Ἀ κατεπάσατο γῆν ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)  
 2. 7. ἀπὸ ποδῶν ὥς κεφαλῆς (3)  
 — 12. Ἀ κατασπᾶμενος γῆν ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν [B. B. om. ἐπὶ τ. κ. αὐ.] (5 a)  
 16. 5 (4). κινήσω δὲ καθ' ὑμῶν κεφαλὴν (5 a)  
 19. 9. ἀφείλε δὲ στέφανον ἀπὸ κεφαλῆς μου (5 a)  
 29. 3. πῆγναι ὁ λυχνος αὐ. ὑπὲρ κεφαλῆς αὐ. (5 a)  
 40. 26 (31). ἐν πλοίοις ἀλιεῶν κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)



- Ps. 8. 3. καὶ ὑψῶν τὴν κ. μου (5 α)  
 7. 16. ἐπιστρέψει ὁ πόνος αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 α)  
 17 (18). 43. καταστήσεις με εἰς κεφαλὴν ἐθ-  
 νῶν (5 α)  
 20 (21). 3. ἔθηκεν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ στέφανον (5 α)  
 21 (22). 7. ἐκίνησαν κεφαλὴν (5 α)  
 22 (23). 5. ἐλίπανας ἐν ἐλαίῳ τὴν κ. μου (5 α)  
 26 (27). 6. ὑψώσε τὴν [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> om.] κ. μου (5 α)  
 37 (38). 4. αἱ ἀνομίαι μου ὑπερῆραν τὴν κ.  
 μου (5 α)  
 39 (40). 12. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας  
 τῆς κ. μου (5 α)  
 43 (44). 14. κίνησιν κεφαλῆς [A<sup>2</sup> -ην] ἐν τοῖς  
 λαοῖς (5 α)  
 59 (60). 7. Ἐφραίμ κραταίωσις τῆς κ. μου (5 α)  
 65 (66). 12. ἐπεβίβασας ἀνθρώπους ἐπὶ τὰς κ.  
 ἡμῶν (5 α)  
 67 (68). 21. συνθλάσει κεφαλὰς ἐχθρῶν αὐ. (5 α)  
 68 (69). 4. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς  
 κ. μου (5 α)  
 73 (74). 13. σὺ συνέτριψας τὰς κ. τῶν δρακόν-  
 των (5 α)  
 — 14. B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> συνέτριψας τὰς κ. [B<sup>2</sup> συνέθλασας  
 τὴν κ.] τοῦ δράκοντος (5 α)  
 82 (83). 2. οἱ μουσουλῆς σε ἤραν κεφαλὴν (5 α)  
 107 (108). 8. Ἐφραίμ ἀντιλήψις τῆς κ. μου (5 α)  
 108 (109). 25. ἐτάλυσαν κεφαλὰς αὐτῶν (5 α)  
 109 (110). 6. συνθλάσει κεφαλὰς (5 α)  
 — 7. διὰ τοῦτο ὑψώσεις κεφαλὴν (5 α)  
 117 (118). 22. οὐτος ἐγερθήσει εἰς κεφαλὴν γω-  
 νίας (5 α)  
 132 (133). 2. A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ὡς μύρον ἐπὶ κεφαλὴν [S<sup>2</sup> B<sup>2</sup>  
 -ης] (5 α)  
 139 (140). 7. ἐπισκίασας ἐπὶ τὴν κ. μου (5 α)  
 — 9. ἡ κ. τοῦ κυκλώματος αὐτῶν (5 α)  
 140 (141). 5. ἔλαιον δὲ ἀμαρτωλῶν μὴ λιπανί-  
 τω τὴν κ. μου (5 α)  
 Pr. 4. 9. ἴνα δὴ τῇ σῇ κ. στέφανον χαρίτων (5 α)  
 10. 6. εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλὴν [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -ης]  
 δικαίου (5 α)  
 — 22. A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλῇ [B<sup>2</sup> -ην]  
 δικαίου — (5 α)  
 11. 26. εὐλογία δὲ εἰς κεφαλὴν τοῦ μεταδιδόν-  
 τος (5 α)  
 25. 22. ἀνθρακας πυρὸς [A<sup>2</sup> om.] σωρεύσεις ἐπὶ  
 τὴν κ. [B<sup>2</sup> τῆς κ.] αὐτοῦ (5 α)  
 Ec. 2. 14. τοῦ σοφοῦ οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ἐν κε-  
 φαλῇ αὐτοῦ (5 α)  
 9. 8. S<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἔλαιον ἐπὶ κεφαλῆς [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -ην] σου  
 μὴ ὑπερτρίβω (5 α)  
 Ca. 2. 6. εὐάννομος αὐτοῦ τὸν κ. μου (5 α)  
 4. 8. ἀπὸ κεφαλῆς Σανιέρ (5 α)  
 5. 2. ἡ κ. μου ἐπλήσθη δρόσου (5 α)  
 — 11. κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσοῦν κεφάζ (5 α)  
 7. 5 (6). κεφαλὴ σου ἐπὶ σὺ ὡς K. καὶ πλόκον  
 κεφαλῆς σου ὡς πορφύρα (5 α, 5 α)  
 8. 3. εὐάννομος αὐτοῦ ὑπὸ τὴν κ. μου [A<sup>2</sup> om.] (5 α)  
 Wi. 18. 24. μεγαλυνήσῃ σου ἐπὶ διαδήματος κεφα-  
 λῇ αὐτοῦ  
 Si. 4. 7. μεγιστάνι [S<sup>2</sup> πρεσβυτέρῳ] ταπεινὸν τὴν κ.  
 σου  
 11. 1. σοφία ταπεινὸν ἀνύψωσε [A<sup>2</sup> -σει] κεφαλὴν  
 — 13. ἀνύψωσε κεφαλὴν αὐτοῦ  
 12. 18. κινήσει τὴν κ. αὐτοῦ  
 13. 7. τὴν κ. αὐτοῦ κινήσει ἐπὶ σοί  
 17. 23. τὸ ἀνταπόδομα αὐτῶν εἰς κεφαλὴν αὐ. ἀπο-  
 δώσει [B<sup>2</sup> ἀνταποδ.] (5 α)  
 20. 11. ἔστιν δεσπότης ἀπὸ ταπεινώσεως ἥρε κεφαλὴν  
 25. 15. οὐκ ἔστι κεφαλὴ ὑπὲρ κεφαλῆν ὀφείας  
 27. 25. ὁ βάλλων λίθον εἰς ὕψος ἐπὶ κεφαλὴν αὐτοῦ  
 βάλλει  
 33 (36). 10. συντριψὺν κεφαλὰς ἀρχόντων ἐχθρῶν  
 38. 3. ἐπιστήμη λαοῦ [S<sup>2</sup> καιροῦ] ἀνυψώσει κεφα-  
 λὴν [B<sup>2</sup> τὴν κ.] αὐτοῦ  
 44. 23. κατέπαυσεν ἐπὶ κεφαλῇ Ἰακώβ  
 Am. 2. 7. καὶ ἐκονδύλιον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν (5 α)  
 5. 11. κατεκονδύλιον πτωχοῦ [A<sup>2</sup> εἰς κεφαλὰς  
 πτωχῶν] — (5 α)  
 8. 10. καὶ ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φελάκρωμα (5 α)  
 9. 1. καὶ διάκωρον εἰς κεφαλὰς πάντων (5 α)  
 J. 3 (4). 4. 7. ἀνταποδοσὼν τὸ ἀνταπόδ. ἡμ. εἰς  
 κεφαλὰς ἡμ. (5 α)  
 Ob. 1. 15. τὸ ἀνταπόδομά σου ἀνταποδοθήσεται  
 εἰς κεφαλὴν σου (5 α)  
 Jn. 2. 6. ἔδω ἡ κ. μου εἰς σχισμὰς ὀρέων (5 α)  
 4. 6. καὶ ἀνέβη ὑπὲρ κεφαλῆς τοῦ Ἰωῆ —
- Jn. 4. 6. τοῦ εἶναι σκιὰν ὑπεράνω τῆς κ.  
 αὐτοῦ (5 α)  
 — 8. ἐπάταξεν ὁ ἥλιος ἐπὶ τὴν κ. Ἰ. (5 α)  
 Hb. 3. 13. Βαλεῖς [A<sup>2</sup> ἔβαλας] εἰς κεφαλὰς  
 ἀνόμους θάνατον (5 α)  
 — 14. διέκοψας ἐν ἐκστάσει κεφαλὰς δυνασ-  
 τῶν (5 α)  
 Za. 1. 21 (2. 4). καὶ οὐδεὶς αὐτῶν ἦρε κεφαλὴν (5 α)  
 3. 6 (5). ἐτίθετε κιδάριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κ.  
 αὐτοῦ (5 α)  
 — 6 (5). A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἐτίθηκον κιδάριν καθαρὰν ἐπὶ  
 τὴν κ. αὐτοῦ (5 α)  
 6. 11. ἐπιθήσεις ἐπὶ τὴν κ. Ἰ. (5 α)  
 Is. 1. 5. πᾶσα κ. εἰς πόνον (5 α)  
 — 6. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς (5 α)  
 3. 24. ἀντὶ τοῦ κόσμου τῆς κ. τοῦ χρυσίου  
 7. 8. ἡ κ. Ἀράμ Δαμασκός καὶ ἡ κ. Δαμασκού  
 ῥασίμ [S<sup>2</sup> om. καὶ . . . P.] (5 α, 5 α)  
 — 9. ἡ κ. Ἐφραίμ Σομόρων καὶ ἡ κ. Σομόρων  
 υἱὸς τοῦ ῥ. (5 α, 5 α)  
 — 20. ξυρήσει . . . τὴν κ. (5 α)  
 8. 8. δεσυνήσεται κεφαλὴν ἡμαί (5 α)  
 9. 14 (13). ἀφείλε κύριος ἀπὸ Ἰ. κεφαλὴν (5 α)  
 15. 2. ἐπὶ πᾶσης κεφαλῆς φελάκρωμα (5 α)  
 19. 15. ποιήσει κεφαλὴν καὶ οὐρανόν (5 α)  
 35. 10. εὐφροσύνη αἰώνιος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐ-  
 τῶν ἐπὶ γὰρ τῆς κ. [B<sup>2</sup> om. ἐπὶ . . . κ.]  
 αὐτῶν αἰνέσει (5 α, —)  
 37. 22. ἐπὶ σοὶ κεφαλὴν ἐκίνησε θυγάτηρ Ἰερ. (5 α)  
 43. 4. δώσω . . . ἀρχοντας ὑπὲρ τῆς κ. σου (5 α)  
 51. 11. ἐπὶ κεφαλῇ γὰρ [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> εἰ γὰρ τῆς κ.]  
 αὐτῶν αἰνέσει (5 α)  
 59. 17. περιέθετο περιφελαυῖαν [S<sup>2</sup> add. ὡς]  
 σωτηρίον ἐπὶ τῆς κ. (5 α)  
 61. 7. εὐφροσύνη αἰώνιος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν —  
 Je. 2. 37. αἱ χεῖρες σου ἐπὶ τῆς κ. σου (5 α)  
 7. 29. κείρε [A<sup>2</sup> -ραι] τὴν κ. σου (5 α)  
 9. 1 (8. 23). τίς ὁμοίει κεφαλὴν μου ὕδαρ (5 α)  
 13. 18. καθρήσῃ ἐπὶ κεφαλῇ [A<sup>2</sup> τῆς κ.] ὕμων  
 στέφανος (5 α)  
 14. 4. ἐπεκάλυψαν τὰς κ. [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> τὴν κ.] αὐτῶν (5 α)  
 18. 16. κινήσουσι τὴν [B<sup>2</sup> om.] κ. [A<sup>2</sup> τὰς κ.]  
 αὐτῶν (5 α)  
 31 (48). 37. πᾶσαν κεφαλὴν ἐν παντὶ τόπῳ  
 ξυρηθήσονται [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ξυρήσ.] (5 α)  
 38 (31). 7. χρεματίζετε ἐπὶ κεφαλῇν [A<sup>2</sup> -ης]  
 ἐνῶν (5 α)  
 52. 31. ἔλαβεν Οὐλ. . . τὴν κ. Ἰωακείμ (5 α)  
 Ba. 5. 2. ἐπίθω τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. σου  
 La. 1. 5. ἐγένοντο οἱ θλιβόμενοι αὐτὴν εἰς κεφα-  
 λὴν (5 α)  
 2. 10. ἀνεβίβασαν χεῖν ἐπὶ [B<sup>2</sup> εἰς] τὴν κ. αὐ. (5 α)  
 — 15. ἐκίνησαν τὴν κ. αὐτῶν (5 α)  
 — 17. A<sup>2</sup> ὕψωσε κεφαλὰς [B<sup>2</sup> κέρας] θλιβον-  
 τος σε (4)  
 3. 5. ἐκύκλωσε κεφαλὴν μου (5 α)  
 — 24. A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ὑπερῆλθεν ὕδαρ ἐπὶ τὴν [B<sup>2</sup> om.] κ.  
 μου (5 α)  
 5. 16. ἔπασεν ὁ στέφανος ἡμῶν τῆς κ. (5 α)  
 Ep. Je. 9. κατασκευάσουσι στεφάνους ἐπὶ τὰς κ. τῶν  
 θένων αὐτῶν  
 — 22. ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν ἐφίπτανται νυκτερίδες  
 χελιδόνες  
 — 31. τὰς κ. καὶ τοὺς πάγωνας ἐξυρμένους [A<sup>2</sup>  
 -οι]  
 — 31. ὧν αἱ κ. ἀκάλυπτοι εἰσιν  
 Ez. 1. 22. ὁμοίωμα ὑπὲρ κεφαλῆς (5 α)  
 — 25. τοῦ στερεώματος τοῦ ὄντος ὑπὲρ κεφαλῆς  
 αὐτῶν (5 α)  
 — 26. A<sup>2</sup> τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς  
 αὐτῶν (5 α)  
 5. 1. ἐπάειρε αὐτὴν ἐπὶ τὴν κ. σου (5 α)  
 7. 18. ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φελάκρωμα (5 α)  
 9. 10. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (5 α)  
 10. 1. τὸ στερεώματός τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς τῶν  
 Χερ. (5 α)  
 11. 21. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς τὰς [A<sup>2</sup> om.] κ. αὐ. δέ-  
 δωκα (5 α)  
 13. 18. ἐπιβόλαια ἐπὶ πᾶσαν κ. (5 α)  
 16. 12. ἔδωκα . . . στέφανον καυχήσεως ἐπὶ  
 τὴν κ. σου (5 α)  
 — 43. τὰς ὁδοὺς σου εἰς κεφαλὴν σου δέδωκα (5 α)  
 17. 19. δώσω αὐτὴν εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 α)  
 — 22. A<sup>2</sup> δώσω ἀπὸ κεφαλῆς παραφνάδων  
 αὐτῆς (5 α)  
 22. 31. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (5 α)
- Ez. 28. 15. ποικιλίματα . . . καὶ ἐπὶ τῶν κ. (5 α)  
 αὐτῶν (5 α)  
 — 42. στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν (5 α)  
 24. 23. αἱ κόμαι ὕμων ἐπὶ τῆς κ. ὕμων (5 α)  
 26. 16. ἀφελόντων [A<sup>2</sup> καθελ., A<sup>2</sup> ἐλοῦσιν] τὰς  
 μίτρας ἀπὸ τῶν κ. αὐτῶν — (5 α)  
 27. 30. ἐπιθήσουσιν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν γῆν (5 α)  
 29. 18. πᾶσα κ. φελάκρωμα [A<sup>2</sup> -ρωμα] (5 α)  
 32. 27. ἔθηκαν τὰς μαχαίρας αὐ. ὑπὸ τὰς κ. αὐ. (5 α)  
 33. 4. τὸ αἷμα αὐτοῦ ἐπὶ τῆς κ. [A<sup>2</sup> τὴν κ.] αὐ-  
 τοῦ ἔσται (5 α)  
 44. 18. κιδάρεαι λιναῖς ἔξουσιν ἐπὶ ταῖς κ. αὐ. (5 α)  
 — 20. τὰς κ. αὐτῶν οὐ ἐξυρῶνται . . . καλὴν  
 ψοῦσι [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -ψωσι] τὰς κ. αὐτῶν (5 α, 5 α)  
 Da. LXX. Su. 34. ἐτίθηκον τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ  
 τῆς κ. αὐτῆς  
 2. 32. ἦν κεφαλὴ αὐτῆς ἀπὸ χρυσίου χρυστοῦ (5 β)  
 — 38. σὺ εἰ ἡ κ. ἡ χρυσῇ (5 β)  
 3. 21. καὶ τὰς τῦρας αὐ. ἐπὶ τῶν κ. αὐ. —  
 4. 16. κινήσας τὴν κ. —  
 7. 1. ὄραμα εἶδε παρὰ κεφαλῇ (5 β)  
 — 6. καὶ τέσσαρες κ. τῷ θηρίῳ (5 β)  
 — 9. τὸ τρίκωμα τῆς κ. αὐτοῦ (5 β)  
 — 20. περὶ τῶν δέκα κεράτων αὐτοῦ τῶν ἐπὶ  
 τῆς κ. (5 β)  
 Bel 35. ἐπιλαβόμενος . . . τῆς κόμης αὐτοῦ τῆς κ.  
 Da. TH. Su. 34. ἔθηκαν τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. [A<sup>2</sup>  
 τῆς κ.] αὐτῆς  
 — 55. ὀρθῶς ἔψευσας εἰς τὴν σεαυτοῦ κ.  
 — 59. ὀρθῶς ἔψευσας καὶ σὺ εἰς τὴν σεαυτοῦ κ.  
 1. 10. καὶ καταδικάσῃ τὴν κ. μου τὴν βασ. (5 α)  
 2. 28. αἱ ὁράσεις τῆς κ. σου (5 β)  
 — 32. ἦς ἡ κ. χρυσίου χρυστοῦ [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> καθαροῦ] (5 β)  
 — 38. σὺ εἰ ἡ κ. ἡ χρυσῇ (5 β)  
 3. 27 (94). ἡ θρῖξ τῆς κ. αὐτῶν οὐκ ἐφλο-  
 γίσθη (5 β)  
 4. 2. αἱ ὁράσεις τῆς κ. μου συνετάραξάν με (5 β)  
 7. 1. καὶ αἱ ὁράσεις τῆς κ. αὐτοῦ (5 β)  
 — 6. καὶ τέσσαρες κ. τῷ θηρίῳ (5 β)  
 — 9. ἡ θρῖξ τῆς κ. αὐτοῦ ὡσεὶ ἔριον καθαρὸν (5 β)  
 — 15. αἱ ὁράσεις τῆς κ. μου ἐτάραξάν με (5 β)  
 — 20. περὶ τῶν κεράτων αὐτοῦ τῶν δέκα τῶν  
 ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (5 β)  
 Bel 36. βαστάσας τῆς κόμης τῆς κ. αὐτοῦ  
 I Ma. 3. 47. A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> καὶ σποδὸν ἐπὶ τὰς κ. [B<sup>2</sup> τὴν κ.]  
 αὐτῶν  
 4. 39. ἐπέθεντο σποδὸν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν [S<sup>2</sup> om.  
 ἐπὶ τ. κ. αὐ.]  
 6. 35. περικεφαλαῖαι χαλκαὶ ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν  
 7. 47. τὴν κ. Νικάνωρος ἀφείλον  
 11. 13. περιέθετο δύο διαδήματα περὶ τὴν κ. αὐτοῦ  
 — 17. ἀφείλε Ζαβδ. . . τὴν κ. Ἀλεξ.  
 — 71. ἐπέθετο γῆν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ  
 II Ma. 1. 16. B<sup>2</sup> τὰς κ. ἀφελόντες [A<sup>2</sup> om.] . . .  
 παρέρριψαν [A<sup>2</sup> παραρίνυσαν]  
 7. 7. τὸ τῆς κ. δέρμα . . . περισύροντες  
 10. 25. γῆ τὰς κ. καταπύσαντες  
 15. 30. τὴν τοῦ Νικ. κ. ἀποτεμνόντας  
 — 32. τὴν τοῦ μαροῦ Νικ. κ.  
 — 35. B<sup>2</sup> ἐξέδωκε δὲ τὴν τοῦ Νικ. κ. [A<sup>2</sup> προτομήν]  
 III Ma. 1. 18. B<sup>2</sup> κόμης τὰς κ. [A<sup>2</sup> κόμας] πασάμεναι  
 IV Ma. 9. 28. τὴν τῆς κ. δορὰν . . . ἀπέσπραν  
 15. 15. τὰς τῶν κ. . . σάρκας ὥστερ προσωπεῖα  
 προκειμένας  
 — 20. ἐπὶ κεφαλὰς κεφαλὰς ἀποδειροτομουμένας  
 [Aq. Ge. 47. 31: Ex. 28. 32: Le. 19. 27: Dt.  
 5. 23 (20): 29. 10 (9), 18 (17): 32. 33: I Ki.  
 11. 11: 13. 18: 28. 2: II Ki. 5. 24: III Ki.  
 8. 1: Jb. 20. 6: Ps. 23 (24): 7: 26 (27): 6:  
 78 (74): 13. 14: 82 (83): 3: 132 (133): 2:  
 136 (137): 6: 138 (139): 7: 139 (140): 10:  
 Pr. 1. 9: Is. 9. 15 (14): 40. 21: 51. 20: 58:  
 5: Ez. 6. 13: 10. 11: 38. 2: ]  
 [Sm. Le. 19. 27: Jd. 5. 2, 26: I Ki. 28. 2: 31:  
 9: II Ki. 1. 16: 5. 24: Jb. 16. 4: 20. 6: Ps.  
 26 (27): 6: 27 (28): 7: 43 (44): 15: 82 (83):  
 3: 132 (133): 2: 138 (139): 17: Ca. 4. 8 δάς:  
 Is. 9. 15 (14): 87. 22: 40. 21: 58. 5: Ez. 13:  
 18: Za. 4. 2: ]  
 [Th. Le. 19. 27: Jd. 5. 26: 10. 18: I Ki. 28.  
 2: Jb. 2. 12: 20. 6: Is. 9. 15 (14): 58. 5:  
 Je. 14. 3: Ez. 1. 26: 17. 22: Da. 2. 29: 4:  
 7: ]  
 [Al. Jd. 5. 26: I Ki. 31. 9: Is. 28. 1: Hb. 3. 13: ]  
 [Heb. Jb. 4. 15: Ez. 13. 18: ]  
 [Quint. Ps. 26 (27). 6: ]

κεφαλῆς.	(1) 𐤀𐤍𐤏𐤃 (2) 𐤍 (3) 𐤍𐤏𐤃	Ne. 3. 26. ἔως κήπου πύλης τοῦ ὕδατος	†	κήρυξ.	(1) 𐤍𐤏𐤃
(4) 𐤀𐤍𐤏𐤃 (5) 𐤍𐤏𐤃 (6) 𐤍𐤏𐤃		Es. 7. 7. ἐξανεστή . . . εἰς τὸν κ. (1 b)		Ge. 41. 43. ἐκήρυξεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ κήρυξ	†
Ex. 28. 24. Α ἴσονται ἴσοι ἐκ τῶν κ. [B -λῶν]	(6)	— 8. ἐπέστρεψεν δὲ ὁ βασι. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ κ. (1 b)		Si. 20. 15. ἀνοίξει τὸ στόμα αὐτοῦ ὡς κήρυξ	(1)
— 32, 37. αἱ κ. αὐτῶν χρυσαῖ	(2)	Ca. 4. 12. κήπος κεκλεισμένος ἀδελφῇ μου . . .	(1 c)	Da. LXX. 3. 4. ὁ κ. ἐκήρυξε τοὺς δχλοῖς	(1)
27. 17. αἱ κ. αὐτῶν ἀργυραῖ	(2)	— κήπος κεκλεισμένος (1 a, †)		Da. TH. 3. 4. ὁ κ. ἐβόα ἐν ἰσχυρί	(1)
37. 4 (36. 36). αἱ κ. αὐτῶν χρυσαῖ	(2)	— 15. πηγὴ κήπου καὶ [A B κήπων] φρέαρ	(1 a)	IV Ma. 6. 4. ἐτέρωθεν κ. ἐπιβοῶντος	
— 6 (36. 38). B τὰς κ. [A -λῶς] αὐτῶν	(2)	— ὕδατος ζῶντος (1 a)		κήρυσσειν.	(1) 𐤍𐤏𐤃 (2) 𐤍𐤏𐤃 aph.
— 15 (38. 17), 17 (38. 19). αἱ κ. αὐτῶν περιρ- γυρμάναι	(6 ?)	— 16. διάπνευσον κήπων μου	(1 a)	(3) 𐤍𐤏𐤃 𐤍𐤏𐤃 (4) 𐤍𐤏𐤃 𐤍𐤏𐤃 (5) a. 𐤍𐤏𐤃	
38. 20 (36. 36). ἐχώνευσεν τὰς κ. τὰς ἀργυρᾶς ... καὶ τὰς κ. τὰς χαλκᾶς	(1, †)	5. 1 (4. 16). καταβήτω ἀδελφιδὸς μου εἰς κήπον αὐτοῦ [A μου]	(1 a)	δ. 𐤍𐤏𐤃 (6) 𐤍𐤏𐤃 hi.	
39. 4 (38. 27). A B εἰς τὴν χώνευσιν τῶν ἐκα- τόν [A om.] κ. τῆς σκ. καὶ εἰς τὰς [B add. ἐκατόν] κ. τοῦ καταπετάσ- ματος ἐκατόν κεφαλίδες εἰς τὰ ἐκ. τάλαντα τάλαντον τῇ [A ἐν τ.] κ.	(1 quater)	— 1. εἰσῆλθον εἰς κήπον (1 a)		Ge. 41. 43. ἐκήρυξεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ κήρυξ	(5 a)
— 6 (38. 28). καταχρύσωσε τὰς κ. αὐ.	(6)	6. 1 (2). κατέβη εἰς κήπον αὐτοῦ [A μου]	(1 a)	Ex. 32. 5. ἐκήρυξεν Ἰσραὴλ λέγων	(5 a)
40. 18. ἐπέθηκε τὰς κ. [A κ. αὐτῆς]	(6)	— 1 (2). ποιμαίνειν ἐν κήποις (1 a)		36. 6. ἐκήρυξεν ἐν τῇ παρεμβολῇ	(4)
Nu. 8. 36 : 4. 31. τὰς κ. τῆς σκηνῆς	(5)	— 10 (11). εἰς κήπον καρύας κατέβην	(1 b)	IV Ki. 10. 20. A B καὶ ἐκήρυξαν [B -εν]	(5 a)
III Ki. 7. 20. A ἐπὶ τῆς κ. τῆς δευτέρας	(8)	8. 13. ὁ καθήμενος ἐν κήποις (1 a)		II Ch. 20. 3. A B ἐκήρυξαν [B <sup>2</sup> B-ε] νηστείαν	(5 a)
— 31. A ἔσθωθεν τῆς κ.	(3)	Si. 24. 31. ποτιῶ μου τὸν κ.	(1 c)	24. 9. κηρύξαται ἐν Ἰουδα	(8)
II Es. 6. 2. καὶ εὐρέθη . . . κ. μία	(4)	Am. 4. 9. ἐπληθύνωσι κήπους ὕμων	(1 c)	36. 22. κηρύξαι [A τοῦ κ.] ἐν πάσῃ τῇ βασ.	(4)
Ps. 39 (40). 7. ἐν κεφαλίδι βιβλίου γέγραπται περὶ ἐμοῦ	(4)	9. 14. B καὶ ποιήσουσι [A καταφτεύουσιν, B φτευσουσιν] κήπους (1 c)		I Es. 2. 2. A B ἐκήρυξεν ἐν [B om.] ὅλῃ τῇ βασ.	
Ex. 2. 9. ἐν αὐτῇ κ. βιβλίου	(4)	Is. 1. 29. ἡσυχύνθησαν ἐπὶ τοῖς κ. (1 c)		Es. 6. 9. κηρύσσεται [B <sup>1</sup> -αι, B <sup>2</sup> -ωσαν] διὰ τῆς πλατείας τῆς πόλεως (5 a ?)	
3. 1. καταφάγει τὴν κ. ταύτην	(4)	58. 11. ἔσται ὡς κ. μεθῶν (1 a)		— 11. καὶ ἐκήρυσσε λέγων (5 a)	
2. ἐφώμισέ με τὴν κ.	(4)	61. 11. ὡς κ. [A -ον] τὰ σπέρματα αὐτοῦ (1 c)		Pr. 1. 21. ἐπ' ἄκραν δὲ τειγέων κηρύσσεται (5 a)	
— 3. ἡ κοιλία σου πλησθήσεται τῆς κ. ταύτης	(4)	65. 3. θυσιάζουσιν [A θυμ.] ἐν τοῖς [B <sup>1</sup> om.] κ. (1 c)		8. 1. σὺ τὴν σοφίαν κηρύξεις (5 a)	
[Aq. II Ki. 7. 20 (9) : IV Ki. 25. 17 : Is. 8. 1 : Je. 36 (43). 4 : 52. 22.]		66. 17. οἱ . . . καθαρῶς κήπους εἰς τοὺς κ. (1 c)		Ho. 5. 8. κηρύξατε ἐν τῷ ὄκω ὦν (6)	
[Sm. Je. 52. 22 bis : Za. 5. 1.]		Je. 38 (29). 28. φυτεύσατε κήπους (1 c)		Mi. 3. 5. καὶ κηρύσσοντας ἐπ' αὐτὸν εἰρήνην (5 a)	
[Th. Je. 52. 22.]		52. 7. δὴν κατὰ τὸν κ. τοῦ βασιλείως (1 a)		Jl. 1. 14. κηρύξατε θεραπείαν (5 a)	
κεφάφ.		Ep. Je. 17. A καθυρμένον αὐτῶν ἐν τοῖς κ. [B οἰκοῖς]		2. 1. κηρύξατε ἐν δρεὶ ἀγίῳ μου (6)	
[Th. Is. 19. 15.]		— 71. τὸν αὐτὸν τρόπον καὶ τῇ ἐν κήπῳ ῥάμῳφ		— 15. κηρύξατε θεραπείαν (5 a)	
κεφουρέ (A), κεφουρέ (B). (1) 𐤍𐤏𐤃		Εξ. 38. 35. ἡ γῆ ἐκείνη ἡφανισμένη ἐγένεθη ὡς κ. τρυφῆς (1 a)		3 (4). 9. κηρύξατε ταῦτα ἐν τοῖς ἔθνεσιν (5 a)	
I Ch. 28. 17. B καὶ θυσίων [A om. κ. θ.] κ. (1)		Da. LXX. Su. 58. ἐν ποίφ τοῦ κ. τόφῳ κατελαβες αὐτοὺς		Jn. 1. 2 : 3. 2. καὶ κηρύξον ἐν αὐτῇ (5 a)	
κεφουρήτης (B), κεφουρήτης (B). (1) 𐤍𐤏𐤃		[Aq. GE. 2. 8 : 3. 2 (1) : CA. 8. 13 : Is. 1. 29 : 51. 3 : JE. 31 (38). 12 : Ez. 31. 8.]		3. 4. καὶ ἐκήρυξε καὶ εἶπεν (5 a)	
II Es. 1. 9 (10). κ. [A χεφουρή] χρυσοὶ τριάνοντα (1)		[Sm. CA. 8. 13 : Is. 1. 29 : JE. 31 (38). 12.]		— 5. καὶ ἐκήρυξαν νηστείαν (5 a)	
κεχάρ, σιδ. καυχάρ.		[Th. GE. 8. 2 (1) : CA. 8. 13 : Is. 1. 29 : 51. 3 bis : JE. 39 (46). 4 : Ez. 28. 13 : 31. 8.]		— 7. ἐκρύχθη . . . ἐν τῇ N. παρὰ τοῦ βασ. (1)	
κέχχαρ.		[Quint. CA. 8. 13.]		Ze. 8. 14 : Za. 9. 9. κηρύσσει, θύγατερ Ἰερ. (6)	
[Aq. Je. 37 (44). 21.]		κηρία. (1) 𐤍𐤏𐤃		Is. 61. 1. κηρύξαι ἀλμαλωτοῖς ἄψιν (5 a)	
κηδεία (-δία).		Pr. 7. 16. A κηρία [B κερ.] τέτακα τὴν κλί- νην μου (1)		Da. LXX. 3. 4. ὁ κηρύξ ἐκήρυξε τοῖς δχλοῖς (5 b)	
II Ma. 4. 49. τὰ πρὸς τὴν κ. αὐτῶν		κηρίον. (1) 𐤍𐤏𐤃 (2) 𐤍𐤏𐤃 (8) 𐤍𐤏𐤃		Da. TH. 5. 29. καὶ ἐκήρυξε περὶ αὐτοῦ (2)	
5. 10. κηδείας οὐδ' ἡστίνουσιν . . . μετέσχε κηδεμονία.		I Ki. 14. 27. ἔβαψεν αὐτὸ εἰς τὸ κ. [B <sup>1</sup> σκηπ- τρον] τοῦ μέλιτος (1)		I Ma. 5. 49. AB ἐπέταξεν Ἰουδας κηρύξαι [B τοῦ κ.] 10. 63. κηρύξατε τοῦ μηδένα ἐντυγχάνειν κατ' αὐτοῦ — 64. B καθὼς ἐκήρυξαν [A B -εν]	
IV Ma. 4. 4. τὸν μὲν Σ. τῆς εἰς τὸν βασ. κ. ἐπῆνε — 20. B B καταλύσαι [A om.] τὴν τοῦ ἱεροῦ κ.		Ps. 18 (19). 10. γλυκύτερα ὑπὲρ μέλι καὶ κηρίον (2 + 3)		[Sm. Ps. 104 (105). 1 : JE. 7. 2 : 20. 8.]	
κηδεμών.		117 (118). 12. ἐκύκλωσάν με ὥσει μέλισσαι κηρίον		κήτος. (1) a. 𐤍𐤏𐤃 δ. 𐤍𐤏𐤃 (2) 𐤍𐤏𐤃 (8) 𐤍𐤏𐤃	
II Ma. 4. 2. τὸν κ. τῶν ὁμοεθνῶν . . . ἐτόλμα λέγειν κηδιάν.		118 (119). 103. B <sup>1</sup> ὑπὲρ μέλι καὶ κηρίον [A B <sup>2</sup> B om. καὶ κ.] τῷ στόματι μου		(4) 𐤍𐤏𐤃	
Si. 22. 13. A οὐ μὴ κηδιᾶσης [B B ἀκηδ.] ἐν τῇ ἀπονοίᾳ αὐτοῦ		Pr. 16. 24. κηρία μέλιτος λόγος καλοῖ (8)		Ge. 1. 21. ἐποίησεν ὁ θεὸς τὰ κ. τὰ μεγάλα (4)	
κηλιδοῦσθαι. (1) 𐤍𐤏𐤃 ni.		24. 13. φάγε μέλι, υἱέ, ἀγαθὸν γὰρ κηρίον (2)		Jb. 3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κ. χειρώσασθαι (2)	
Je. 2. 22. κηλιδῶσαι ἐν ταῖς ἀδικίαις σου (1)		27. 7. ψυχή ἐν πληρωμῇ οὕσα κηρίος ἐμπαιζει (2)		9. 13. ὑπ' αὐτοῦ ἐκάμφθησαν κήτῃ τὰ ὑπ' οὐ- ρανόν (8 ?)	
Da. LXX. 11. 33. ἐν προνομῇ ἡμερῶν κηλιδοθή- σονται		Ca. 4. 11. κηρίον ἀποσταύουσι χεῖλῃ σου (2)		26. 12. ἐπιστήμη δὲ ἔστρωται [A B <sup>2</sup> -ωσει] (3)	
κηλῆς.		Si. 24. 20. A ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μέλιτος καὶ κηρίον [B B μ. κηροῦ]		Si. 43. 25. κτίσις κητῶν [A B κτήσις κητῶν]	
Wi. 13. 14. πᾶσαν κηλῖδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας		Εξ. 20. 6. κ. [B <sup>2</sup> δυνατὴ] ἐστὶ παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν †		Jn. 2. 1. προσέταξε κ. κήτις μεγάλῃ (1 a)	
III Ki. 20 (21). 2. ἔσται μοι εἰς κήπον λαχάνων (1 a)		— 15. κ. ἐστὶ παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν †		— 1. ἦν Ἰ. ἐν τῇ κοιλίᾳ τοῦ κ. (1 a)	
κημός (κί.). (1) 𐤍𐤏𐤃 (2) 𐤍𐤏𐤃 (3) 𐤍𐤏𐤃		κηρογονία.		— 2. προσοχέστω Ἰ. . . ἐκ τῆς κοιλίας τοῦ κ. (1 b)	
Ps. 31 (32). 9. ἐν χαλμῷ καὶ κημῷ (8)		IV Ma. 14. 19. περὶ τὸν τῆς κ. καιρόν		[B <sup>1</sup> ἐκ τ. κ. τ. κ.] (1 a)	
Ez. 19. 4. ἤγαγον αὐτὸν ἐν κημῷ εἰς γῆν Αἴγ.	(1)	κηρός. (1) 𐤍𐤏𐤃 𐤍𐤏𐤃		— 11. καὶ προσετάγη . . . τῷ κ. (1 a)	
— 9. ἔθεντο αὐτὸν ἐν κημῷ (2)		Ju. 16. 15. ὡς κηρὸς τακῆσονται		Da. LXX., TH. 3. (79). εὐλογεῖτε κήτῃ . . . τὸν κ.	
[Aq. Th. Pr. 26. 3.]		Ps. 21 (22). 14. ἐγένεθη ἡ καρδία μου ὥσει κη- ρὸς τηκόμενος		III Ma. 6. 8. βυθοτρεφούς ἐν γαστρὶ κήτους	
[Sm. Ps. 31 (32). 9.]		57 (58). 8. ὥσει κηρὸς ὁ τακεῖς ἀνταναιρεθί- σονται		[Aq. Ex. 7. 9 : Jb. 7. 12 : Ps. 78 (74). 13 : Is. 27. 1 : 51. 9.]	
κήπος. (1) a. 𐤍𐤏𐤃 δ. 𐤍𐤏𐤃 c. 𐤍𐤏𐤃		67 (68). 2. ὡς τῆκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρὸς		[Th. Is. 27. 1.]	
De. 11. 10. ὥσει κήπον λαχανίας (1 a)		96 (97). 5. τὰ ὄρη ὥσει κηρὸς ἐτάκησαν (1)		[Hob. Ez. 29. 3.]	
III Ki. 20 (21). 2. ἔσται μοι εἰς κήπον λαχάνων (1 a)		Si. 24. 20. ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μέλιτος κηροῦ [A καὶ κηρίου]		κίβδηλος. (1) 𐤍𐤏𐤃	
— 2. ἔσται μοι εἰς κήπον λαχάνων		Mi. 1. 4. αἱ κοιλίδες τακῆσονται ὡς κηρὸς (1)		Le. 19. 19. ἱμάτιον ἐκ δύο ὕφασμένων κ. (1)	
IV Ki. 21. 18. ἐγάφη ἐν τῷ [A om.] κ. τοῦ οἴκου αὐτοῦ ἐν κήπῳ Ὁζά (1 a, 1 a)		Is. 64. 1. A B ὡς κ. ἀπὸ προσώπου [B B om.] πυρὸς τῆκεται †		De. 22. 11. οὐκ ἐνδύσῃ κίβδηλον (1)	
— 26. ἐν τῷ τάφῳ αὐ. ἐν τῷ [A om.] κ. Ὁζά (1 a)		[Th. Ps. 57 (58). 9.]		Wi. 2. 16. εἰς κίβδηλον ἐλογίσθημεν [B <sup>1</sup> ἐγενήθημεν] αὐτῷ	
25. 4. αὐτὴ γ' ἐστὶν τὸ κ. τοῦ βασ.	(1 a)	κήρυγμα. (1) 𐤍𐤏𐤃 (2) 𐤍𐤏𐤃		15. 9. δόξαν ἡγείται οἱ κίβδηλα πλάσσει	
Ne. 3. 16. ἔως κήπου τάφου Δαυὶδ †		II Ch. 30. 5. διεκθύνει κήρυγμα ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)		κιβώριον.	
		I Es. 9. 3. ἐγένετο κήρυγμα ἐν ὅλῃ τῇ Ἰ.		[Sm., Th. Am. 9. 1.]	
		Pr. 9. 3. συνακαλύψα μετὰ ὑψηλοῦ κήρυγματος ἐπὶ κρατῆρα †		κιβωτός. (1) 𐤍𐤏𐤃 (2) 𐤍𐤏𐤃 (3) 𐤍𐤏𐤃	
		Jn. 3. 2. κήρυξον ἐν αὐτῇ κατὰ τὸ κ. τὸ ἔμπροσθεν (2)		Ge. 6. 14. ποιήσον οὖν σεαυτῷ κιβωτόν (8)	

Ge. 7. 7. εισηλθεν δε Νωε . . . εις την κ.	(8)	Jo. 6. 11 (12). ησαν οι ιερείς την κ. της δια-	(8)	III Ki. 8. 7. περιεκάλυπτον . . . ἐπὶ [A om.] την κ. (1)
— 9. δύο δύο εισηλθον . . . εις την κ.	(8)	— 13. εισηλθον της κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 9. οὐκ ἦν ἐν τῇ κ. (1)
— 13. εισηλθεν Νωε . . . εις την κ.	(8)	— 14. εισηλθον της κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 21. ἐδόμην ἐκεῖ τόπον τῇ κ. (1)
— 15. εισηλθον πρὸς Νωε εις την κ.	(8)	9. 2 (8. 33). ἔθεν καὶ ἐνθεν της κ. ἀπάναντι	(1)	IV Ki. 12. 9 (10). ἔλαβεν ἰ. ὁ ἱερεὺς κ. μίαν (1)
— 16. ἔκλεισε κύριος . . . την κ.	(8)	— 2 (8. 33). ἦσαν την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 10 (11). πολὺ τὸ ἀργύριον ἐν τῇ κ. (1)
— 17. ἐπήρε την κ.	(8)	22. 19. Α οὐ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ κ. [B σκηνή]	(1)	I Ch. 6. 31 (16). ἐν τῇ καταπαύσει της κ. (1)
— 18. ἐπέφερετο ἡ κ. ἐπάνω τοῦ ὕδατος	(8)	— 24. 33. λαβόντες οἱ υἱοὶ Ἰσρ. την κ.	(2)	13. 3. μετενέγκωμεν την κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1)
— 23. Ν. καὶ οἱ μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ κ.	(8)	Jd. 20. 27. ἐκεῖ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου	(1)	— 5. τοῦ εἰσενέγκαι την κ. τοῦ θεοῦ (1)
8. 1. ὅσα ἡν μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ κ.	(8)	— 1 Ki. 8. 3. οὐ ἡ κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 6. τοῦ ἀναγαγεῖν ἐκεῖθεν την κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κ.	(8)	— 4. 3. λαβόμεν την κ.	(1)	— 7. ἐπέθηκαν την κ. τοῦ θεοῦ ἐπὶ ἄμαξαν
— 6. ἤνεψε Νωε την θυρίδα της κ.	(8)	— 4. αἰρουντι ἐκεῖθεν την κ.	(1)	— 9. τοῦ κατασχεῖν την κ. (1)
— 9. εισηγαγεν αὐτήν . . . εις την κ.	(8)	— 4. ἀμφότεροι οἱ υἱοὶ Ἠλὶ μετὰ της κ.	(1)	— 10. διὰ τὸ ἐκτεῖλαι την χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ
— 10. ἐξαπέστειλε την περιστέραν ἐκ της κ.	(8)	— 5. ὡς ἦλθεν κιβωτὸς	(1)	— 12. πῶς εἰσίσσω την κ. τοῦ θεοῦ πρὸς ἐμαν-
— 13. ἀπεκάλυψε Ν. την στέγην της κ.	(8)	— 6. κιβωτὸς κυρίου ἦκει	(1)	— 13. οὐκ ἀπέστρεψε Δ. την κ. πρὸς ἐαυτὸν
— 16. ἐξέλθε ἐκ της κ.	(8)	— 11. κιβωτὸς [A ἡ κ.] τοῦ θεοῦ ἐλήφθη	(1)	[B al.] (1)
— 19. ἐξήλθον ἐκ της κ.	(8)	— 13. ἐξέστηκεν περὶ της κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 14. ἐκάθισεν ἡ κ. τοῦ θεοῦ ἐν οἴκῳ Ἀβ.
9. 10. ἀπὸ πάντων τῶν ἐξελεθόντων ἐκ της κ.	(8)	— 17. ἡ κ. τοῦ θεοῦ ἐλήφθη	(1)	15. 1. ἡτοίμασε τὸν τόπον τῇ κ. [A της κ., B ἰ
— 18. οἱ ἐξελεθόντες ἐκ της κ.	(8)	— 18. ὡς ἐμνήσθη της κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 2. οὐκ ἔστιν ἀραι την κ. τοῦ θεοῦ (1)
Ex. 25. 9 (10). ποιήσεις κιβωτὸν μαρτυρίου	(1)	— 19. ἐλήφθη ἡ κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 2. Α Β αἶρειν την κ. κυρίου (1)
— 13 (14). τοὺς ἐν τοῖς κλίτεσι της κ.	(1)	— 21. ὑπὲρ της κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 3. Α Β Β τοῦ ἀνεγείκει την κ. κυρίου (1)
— 13 (14). αἶρειν την κ. ἐν αὐτοῖς	(1)	— 22. ἐν τῷ ληφθῆναι την κ. κυρίου	(1)	— 12. ἀνοίσετε την κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 14 (15). ἐν τοῖς δακτυλίοις της κ. [A διαθή-	(1)	— 23. Α ἐλήφθη ἡ κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 14. τοῦ ἀνεγείκει την κ. [A κ. κυρίου] θεοῦ
— 15 (16). ἐμβαλεῖς εἰς την κ. τὰ μαρτύρια	(1)	5. 1. ἔλαβον την κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 15. ἔλαβον . . . την κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 20 (21). ἐπιθήσεις τὸ ἱλαστήριον ἐπὶ την κ.	(1)	— 2. ἔλαβον . . . την κ. κυρίου	(1)	— 23. πυλῶροι της κ. (1)
— 20 (21). εἰς την κ. ἐμβαλεῖς τὰ μαρτύρια	(1)	— 3. 4. Δαγῶν πεπτοκὸς . . . ἐνώπιον κιβωτοῦ	(1)	— 24. ἐμπροσθεν της κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 21 (22). τῶν ὄντων ἐπὶ της κ.	(1)	— 7. οὐ καθίσταται κιβωτὸς τοῦ θεοῦ	(1)	— 24. πυλῶροι της κ. [B τῇ κ.] τοῦ θεοῦ (1)
26. 33. εἰσίοισις ἐκεῖ . . . την κ. τοῦ μαρτυρίου	(1)	— 8. τί ποιήσωμεν κιβωτὸς θεοῦ	(1)	— 25. τοῦ ἀναγαγεῖν την κ. της διαθήκης (1)
— 34. κατακαλύψεις . . . την κ. τοῦ μαρτυρίου	(1)	— 8. μετελθέτω κιβωτὸς τοῦ θεοῦ	(1)	— 26. αἰρόντας την κ. της διαθήκης κυρίου (1)
30. 6. ἐπὶ της κ. τῶν μαρτυρίων	(1)	— 8. καὶ μετῆλθε κιβωτὸς [A ἡ κ.] τοῦ θεοῦ	(1)	— 27. αἰρόντες την κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 26. Β χρίσεις . . . την κ. τοῦ μαρτ.	(1)	— 10. ἐξαποστέλλουσιν την κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 28. ἀνέγοντες την κ. διαθήκης κυρίου (1)
31. 7. ποιήσονται [A ποιήσ.] . . . την κ. της δια-	(1)	— 10. τί ἀπεστρέψατε την κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ.	(1)	— 29. ἐγένετο κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (1)
— 35. 11 (12). ἐργασέσθω . . . την κ. τοῦ μαρ-	(1)	— 11. ἐξαποστέλλετε την κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ.	(1)	— 30. ἐγένετο κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (1)
— 38. 1 (37. 1). ἐποίησε Β. την κ.	(1)	— 12. ὡς ἐσηλθε κιβωτὸς θεοῦ	(1)	— 31. εἰσήγαγον την κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 5 (37. 6). τὸ ἱλαστήριον ἐπάνωθεν [A ἄν.]	(1)	6. 1. ἦν ἡ κ. [A add. κυρίου] ἐν ἀργῷ τῶν ἀλ-	(1)	— 4. κατὰ πρόσωπον της κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 11 (37. 15). τοὺς διωστήρας της κ.	(1)	— 2. τί ποιήσωμεν τῇ [B ἰ om.] κ. κυρίου	(1)	— 6. ἐναντίον [B -τι] της κ. της διαθήκης (1)
39. 15 (35). την κ. της διαθήκης	(1)	— 3. εἰ ἐξαποστέλλετε . . . την κ. διαθήκης	(1)	— 37. ἐναντι [A -τίον] της κ. διαθήκης κυρίου (1)
40. 3. Α Β ὅθεις την κ. τοῦ μαρτυρίου	(1)	— 8. λήψετε την κ. [A add. κυρίου]	(1)	— 37. τοῦ λειτουργεῖν ἐναντίον της κ. (1)
— 3. Α Β σκεπάζεις την κ. [B κ. τοῦ μαρ-	(1)	— 11. Α Β ἔθετο την κ. κυρίου [B om.] ἐπὶ	(1)	17. 1. ἡ κ. διαθήκης κυρίου ἐποκάτω δέρρεων (1)
— 5. εἰς τὸ θυμῶν ἐναντίον [A ἐνώπιον] της κ.	(1)	— 11. Α Β ἔθετο την κ. κυρίου [B om.] ἐπὶ	(1)	22. 19. τοῦ εἰσενέγκαι την κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 20. Β ἐνέβαλεν εἰς την κ. [A εἰς αὐτήν]	(1)	— 13. εἶδον κιβωτὸν κυρίου	(1)	28. 2. οὐκ ἀπαίσειςως της κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 20. ἐπέθηκε τοὺς διωστήρας ὑπὸ την κ.	(1)	— 15. ἀνέμενον την κ. τοῦ κυρίου	(1)	— 18. σκιαζόντων ἐπὶ της κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 21. εἰσήγαγε την κ. εἰς την σκηνήν	(1)	— 18. οὐ ἐπέθηκαν . . . την κ. διαθήκης κυρίου	(1)	II Ch. 1. 4. κιβωτὸν τοῦ θεοῦ ἀνέμενε Δ. (1)
— 21. ἐσκέπασε την κ. τοῦ μαρτυρίου	(1)	— 19. εἶδαν κιβωτὸν κυρίου	(1)	5. 2. τοῦ ἀνεγείκει κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (1)
Le. 16. 2. ὁ ἔστιν ἐπὶ της κ. τοῦ μαρτυρίου	(1)	— 20. πρὸς τὴν ἀναθήσεται κιβωτὸς κυρίου	(1)	— 4. ἔλαβον πάντες οἱ Λευῖται την κ. (1)
Nu. 8. 31. ἡ φυλακὴ αὐτῶν ἡ κ.	(1)	— 21. ἀπεστρέψαν . . . την κ. κυρίου	(1)	— 5. Α καὶ ἀνέμενον την κ. (1)
4. 5. κατακαλύψουσιν . . . την κ. [A σκηνήν]	(1)	7. 1. ἀνάγουσι την κ. διαθήκης κυρίου	(1)	— 6. οἱ ἐπισυνηγμένοι αὐτῶν ἐμπροσθεν της κ. (1)
7. 89. ὁ ἔστιν ἐπὶ της κ. τοῦ μαρτυρίου	(1)	— 2. ἀφ' ἧς ἡμέρας ἦν ἡ κ. ἐν Κ.	(1)	7. 1. εἰσήγαγον οἱ ἱερεῖς την κ. (1)
10. 33. ἡ κ. της διαθήκης κυρίου προεπορεύετο	(1)	14. 18. Α ἦν ἡ κ. τοῦ θεοῦ [B al.]	(1)	— 8. διαπεπετακίαν τὰς πτέρυγας αὐτῶν ἐπὶ
— 35. ἐν τῷ ἔξαιρεν την κ.	(1)	II Ki. 6. 2. τοῦ ἀναγαγεῖν ἐκεῖθεν την κ. τοῦ θεοῦ	(1)	— 10. Α Β συνεκάλυπτε τὰ Χερ. ἐπὶ [B om.]
14. 44. ἡ δὲ κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 3. ἐπεβίβασεν την κ. κυρίου	(1)	— 10. οὐκ ἦν ἐν τῇ κ. πλὴν δύο πλάκες (1)
De. 10. 1. ποιήσεις σεαυτῷ κ. ξυλίην [A λιθί-	(1)	— 4. σὺν τῇ κ.	(1)	6. 11. ἔθηκε ἐκεῖ την κ. (1)
— 2. Α Β ἐμβαλεῖς αὐτὰς [B -ὰ] εἰς την κ.	(1)	— 4. Β ἐπορεύοντο ἐμπροσθεν της κ.	(1)	— 41. σὺ καὶ ἡ κ. της ἰσχύος σου (1)
— 3. ἐποίησα κιβωτὸν ἐκ ξύλου ἀσήπτων	(1)	— 6. ἐξέτεινεν . . . ἐπὶ την κ. τοῦ θεοῦ	(1)	8. 11. οὐ εἰσῆλθεν ἐκεῖ κιβωτὸς κυρίου (1)
— 5. ἐνέβαλον τὰς πλάκας εἰς την κ.	(1)	— 7. ἀπέθανεν ἐκεῖ παρὰ την κ. τοῦ κυρίου	(1)	35. 3. ἔθηκαν την κ. την ἀγίαν εἰς τὸν οἶκον (1)
— 8. αἶρουν την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 9. πῶς εἰσελεύσεται πρὸς με ἡ κ. κυρίου	(1)	I Es. 1. 3. ἐν τῇ θέσει της ἀγίας κ. τοῦ κυρίου (1)
31. 9. 25. τοὺς αἰρουντι την κ. της διαθήκης κ.	(1)	— 10. τὸ ἐκκλίνει πρὸς αὐτὸν την κ.	(1)	— 54. καὶ τὰς κ. [A τὰ σκεῦ κιβωτοῦ] τοῦ κυρίου (1)
— 26. ἐκ πλαγίων της κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 11. ἐκάθισεν ἡ κ. τοῦ κυρίου εἰς οἶκον Ἀ.	(1)	Ps. 131 (132). 8. σὺ καὶ ἡ κ. τοῦ ἀγιάσματος σου (1)
Jo. 8. 3. ὅταν ἴδῃς την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	[A al.] (1)	(1)	Je. 3. 16. κ. διαθήκης ἀγίου Ἰσραὴλ (1)
— 6. ἄρατε την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 12. ἔνεκεν της κ. τοῦ θεοῦ	(1)	II Ma. 2. 4. την κ. ἐκέλευσεν ὁ προφήτης (1)
— 6. ἦσαν οἱ ἱερεῖς την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 12. ἀνήγαγε την κ. τοῦ κυρίου	(1)	— 5. την σκηνὴν καὶ την κ. . . εἰσήγαγεν ἐκεῖ (1)
— 8. τοὺς αἰρουντι την κ. της διαθήκης	(1)	— 13. αἰρόντες την κ.	(1)	IV Ma. 15. 31. Α Β ἡ Νωε κ. ἐν τῷ κορμποληθεῖ
— 11. ἡ κ. διαθήκης . . . διαβαίνει	(1)	— 15. ἀνήγαγον την κ. κυρίου	(1)	[B ἐθνοπλ.] κατακλυσμοῦ (1)
— 13. τῶν αἰρόντων την κ. της διαθήκης κ.	(1)	— 16. της κ. [A κ. κυρίου] παραγινόμενης	(1)	[Aq. GE. 6. 17 (16) : Ex. 2. 3 : Jo. 4. 5 : I Ki.
— 14. Α Β ἦσαν την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 17. φέρουντι την κ. τοῦ κυρίου	(1)	14. 18 bis.] (1)
— 15. οἱ αἰρουντες την κ. της διαθήκης	(1)	7. 2. ἡ κ. τοῦ θεοῦ κἀθῆται ἐν μέσῳ της σκηνῆς	(1)	[Sm. Ex. 2. 3 : Jo. 4. 5 : I Ki. 6. 18 : 14. 18 :
— 15. τῶν αἰρόντων την κ.	(1)	11. 11. ἡ κ. καὶ Ἰσρ. . . κατοικοῦσιν ἐν σκη-	(1)	III Ki. 6. 19.] (1)
— 17. οἱ αἰρουντες την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	ναῖς (1)	(1)	[Th. Ex. 37. 5 : Jo. 4. 5 : I Ki. 14. 18.] (1)
4. 7. Α Β ἀπὸ προσώπου κιβωτοῦ διαθήκης	(1)	15. 24. αἰρουντες την κ. διαθήκης κυρίου	(1)	[Al. II Ch. 24. 8.] (1)
— 9. τῶν αἰρόντων την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 24. ἔστησαν την κ. τοῦ θεοῦ	(1)	κιγκλιδωτός.
— 10. οἱ αἰρουντες την κ. της διαθήκης	(1)	— 25. ἀπόστρεψον την κ. τοῦ θεοῦ	(1)	[Aq. IV Ki. 1. 2.] (1)
— 11. διέβη ἡ κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	— 29. Α Β ἀπέστρεψε . . . την κ. τοῦ θεοῦ [B	(1)	κιδαρῖς. (1) נִבְרָנְנִי (2) נִבְרָנְנִי (3) נִבְרָנְנִי
— 16. τοὺς αἰρουντι την κ. της διαθήκης	(1)	om. τ. θ.] (1)	(1)	(4) נִבְרָנְנִי
— 18. οἱ αἰρουντες την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	III Ki. 2. 26. ἦρας την κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	Ex. 28. 4. χιτῶνα κοσμημάτων καὶ κιδαριῶν (2)
6. 7 (8). ἡ κ. της διαθήκης κυρίου ἐπακολουθεῖτω	(1)	3. 15. τοῦ κατὰ πρόσωπον κιβωτοῦ διαθήκης	(1)	— 35 (39). ποιήσεις κιδαριῶν βυσσίνων (2)
— 8 (9). ὁπίω της κ. της διαθήκης κυρίου	(1)	κυρίου (1)	(1)	— 36 (40). κιδαρεῖς ποιήσεις αὐτοῖς (1)
— 10 (11). περιελθούσα ἡ κ. της διαθήκης τοῦ	(1)	6. 19. δοῦναι ἐκεῖ την κ. διαθήκης κυρίου	(1)	29. 9. περιβήσεις αὐτοῖς τὰς κ. (1)
θεοῦ	(1)	8. 1. τοῦ ἐνεγκεῖν [A ἀνεν.] την κ. διαθήκης	(1)	36. 36 (39. 28). ἐποίησαν . . . τὰς κ. ἐκ βύσσου (2)
		— 3. ἦσαν οἱ ἱερεῖς την κ.	(1)	Le. 8. 13. περιέθηκαν αὐτοῖς κιδαρεῖς (1)
		— 4. Α ἀνεβίβασαν την κ. κυρίου	(1)	
		— 5. ἐμπροσθεν της κ.	(1)	
		— 6. εἰσφέρουν οἱ ἱερεῖς την κ.	(1)	
		— 7. ἐπὶ τὸν τόπον της κ.	(1)	

Le. 16. 4. καὶ κ. λυγὴν περιβήσεται [A al.] (2)  
 I Es. 3. 6. καὶ κ. βυσσίνην καὶ μαριάμην  
 Ju. 4. 15. ἢ σποδὸς ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν  
 Si. 45. 12. στέφανον χρυσοῦν ἐπάνω κιθάρῳ  
 Za. 3. 6 (5). A B S<sup>2</sup> ἐπέθηκαν κιθάρην καθαρὰν  
 — 6 (5). A B S<sup>2</sup> ἐπέθηκαν κιθάρην καθαρὰν  
 Ez. 21. 26 (31). ἀφείλουν τὴν κ.  
 44. 18. κ. λιυὰς ἐξουσιν ἐπὶ ταῖς κεφ. αὐ.  
 [Aq. Ex. 28. 37: Le. 8. 9: Is. 82. 3.]  
 [Sm. Le. 8. 9: Is. 28. 5: 82. 3.]  
 [Th. Ex. 28. 37: Le. 8. 9.]  
κιθάρᾱ. (1) כִּיָּתָר (2) כִּיָּתָר (3) כִּיָּתָר  
 (4) כִּיָּתָר (5) כִּיָּתָר  
 Ge. 4. 21. οὗτος ἦν ὁ καταδείξας . . . κιθάρᾱν (4)  
 31. 27. μετὰ μουσικῶν . . . καὶ κιθάρᾱς (1)  
 II Ch. 9. 11. καὶ κιθάρᾱς καὶ νάβλας τοῖς ᾠδοῖς (1)  
 Jb. 21. 12. ἀναλαβόντες [A -λαμβάνοντα] . . .  
 κιθάρᾱν (1)  
 30. 9. κιθάρᾱ ἐγὼ εἰμι αὐτῶν  
 — 31. A B ἀπὶ βῆθ δὲ εἰς πένθος [B S πάθος]  
 μου ἡ κ. (1)  
 Ps. 82 (83). 2. ἐξομολογήσῃ τῇ κυρίῳ ἐν κιθάρᾱ (1)  
 42 (43). 4. B ἐξομολογήσῃ σοὶ, κύριε, ἐν  
 κιθάρᾱ . . . ἐν κιθάρᾱ [A B S om.  
 ἐν κ.] (1, -)  
 56 (57). 8. ἐξεγέρθητι ψαλτήριον καὶ κιθάρᾱ  
 70 (71). 2. ψαλὸς σοὶ ἐν κιθάρᾱ (1)  
 80 (81). 2. ψαλτήριον τερνύν μετὰ κιθάρᾱς (2)  
 91 (92). 3. ἐν δεκαχόρδῳ ψαλτηρίῳ μετ' ᾠδῆς  
 ἐν κιθάρᾱ (1)  
 97 (98). 5. ψάλατε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρᾱ ἐν  
 κιθάρᾱ καὶ φωνῇ ψαλμοῦ (1, 1)  
 107 (108). 2. ἐξεγέρθητι ψαλτήριον καὶ κιθάρᾱ  
 146 (147). 7. ψάλατε τῷ θεῷ ἡμῶν ἐν κιθάρᾱ  
 150. 3. γίνεσθε αὐτὸν ἐν ψαλτηρίῳ καὶ κιθάρᾱ  
 Is. 5. 12. μετὰ γὰρ κιθάρᾱς καὶ ψαλτηρίου . . .  
 τὸν οἶνον πίνουσιν (1)  
 16. 11. ἡ κοιλία μου ἐπὶ Μωάβ ὥς κ. ἡχῇσει (1)  
 23. 16. λάβε κιθάρᾱν (1)  
 24. 8. πέπαιται φωνῇ κιθάρᾱς (1)  
 30. 32. μετὰ τυμπάνων [A S αὐλῶν] καὶ κιθάρᾱς (1)  
 Da. LXX. 3. 5. τῆς σάλπιγγος σύριγγος καὶ  
 κιθάρᾱς (5)  
 — 7. τῆς σάλπιγγος σύριγγος τε καὶ κιθάρᾱς (5)  
 — 10. τῆς σάλπιγγος σύριγγος τε καὶ σαμβύ-  
 κης κιθάρᾱς (5)  
 — 15. τῆς σάλπιγγος σύριγγος τε καὶ κιθάρᾱς (5)  
 Da. TH. 3. 5. σάλπιγγος σύριγγος τε καὶ κιθάρᾱς (5)  
 — 7, 10, 15. τῆς σάλπιγγος σύριγγος τε καὶ  
 κιθάρᾱς (5)  
 I Ma. 4. 54. ἐν ᾠδαῖς καὶ κιθάρᾱς  
 [Aq. I Ki. 16. 23: I Ch. 25. 3: Ps. 70 (71).  
 22: 80 (81). 3: 91 (92). 4: 136 (137). 2:  
 146 (147). 7.]  
 [Sm. I Ki. 10. 5: 16. 16: Jb. 21. 12: Ps. 91  
 (92). 4: 150. 4.]  
 [Th. I Ki. 16. 16.]  
 [Al. Ps. 48 (49). 5: Is. 5. 12.]  
κιθαρίσειν. (1) כִּיָּתָר pi.  
 Is. 23. 16. καλῶς κιθάρᾱσον (1)  
 [Th. Ez. 38. 32.]  
κιθεῶν.  
 [Aq. Th. Jn. 4. 6.]  
κινάμωμον, τῖδ, κιννάμωμον.  
κινδυνεύειν. (1) כִּיָּתָר pi. (2) כִּיָּתָר pi.  
 (3) כִּיָּתָר ni. (4) כִּיָּתָר ni.  
 Ec. 10. 9. σχίζων ξύλα κινδυνεύει [S -εἶναι] ἐν  
 αὐτοῖς (4)  
 Si. 31 (34). 12. πλεονάκις ἕως θανάτου ἐκινδύνευσεν  
 Jn. 1. 4. τὸ πλοῖον ἐκινδύνευσεν τοῦ συντριβῆναι  
 [A S<sup>2</sup> διαλυθῆναι] (2)  
 Is. 28. 13. κινδυνεύουσιν [S -σωσιν] καὶ ἀλώ-  
 σονται (8)  
 Da. LXX. 1. 10. κινδυνεύω τῷ ἰδίῳ τραχίῳ  
 II Ma. 15. 17. καὶ τὸ ἱερὸν κινδυνεύειν  
 III Ma. 5. 41. κινδυνεύει πολλάκις διαρπασθῆναι  
 [Th. Jb. 34. 9.]  
κινδυνος. (1) כִּיָּתָר  
 To. 4. 4. πολλοὺς κ. ἐώρακεν ἐπὶ σοὶ ἐν τῇ κοιλίᾳ  
 Es. 4. 17. κινδυνός μου ἐν χειρὶ μου

Ps. 114 (116). 3. κινδυνὸς ᾄδων εὐροσάν με (1)  
 Wi. 18. 9. τῶν αὐτῶν . . . κινδύνων μεταλήψεσθαι  
 τοὺς ἄγιους  
 Si. 3. 26. ὁ ἀγαπῶν κινδύνων ἐν αὐτῷ ἐμπεσεῖται  
 [A S ἀπολείπει] (4)  
 43. 24. διηγούνται τὸν [A om.] κ. αὐτῆς  
 I Ma. 11. 23. ἔδωκεν αὐτοὺς τῷ κ.  
 14. 29. ἔδωκεν αὐτοὺς τῷ κ.  
 II Ma. 1. 11. ἐκ μεγάλων κ. ὑπὸ τοῦ θεοῦ σεσωσ-  
 μένοι  
 III Ma. 2. 12. B ἐρρύσω αὐτοὺς ἐκ μεγάλων κ. [A  
 κακῶν]  
 6. 26. τοὺς χειρίστους . . . ἐπιδεδειγμένους κ.  
 IV Ma. 3. 15. πάνθενον εἶναι κ. τῇ ψυχῇ  
 13. 15. μέγας γὰρ ψυχῆς ἀγὼν καὶ κίνδυνος  
 [Aq. Jb. 4. 31-]  
 [Sm. Ge. 42. 4.]  
κινεῖν. (1) כִּיָּתָר hi. (2) כִּיָּתָר ni. (3) כִּיָּתָר  
 כִּיָּתָר (4) כִּיָּתָר ni. (5) כִּיָּתָר a. qal. δ. hi.  
 (6) כִּיָּתָר (7) כִּיָּתָר a. qal. δ. hi. (8) כִּיָּתָר  
 (9) כִּיָּתָר (10) כִּיָּתָר hi. (11) כִּיָּתָר ni.  
 (12) כִּיָּתָר (13) כִּיָּתָר  
 Ge. 7. 14. πᾶν ἔρπετον κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12)  
 — 21. πᾶσα σὰρξ κινουμένη ἐπὶ τῆς γῆς (12)  
 — 21. πᾶν ἔρπετον κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12)  
 8. 17, 19. πᾶν ἔρπετον κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12)  
 9. 2. ἐπὶ πάντα τὰ κινούμενα ἐπὶ τῆς γῆς (12)  
 11. 2. ἐν τῷ κινήσει αὐτοῦ ἀπὸ ἀνατολῶν (8)  
 20. 1. ἐκίνησεν ἐκεῖθεν 'A. (8)  
 Le. 11. 44. ἐν πᾶσι τοῖς ἱεροτεῖς τοῖς κινουμέ-  
 νοις ἐπὶ τῆς γῆς (12)  
 — 46. πάσης ψυχῆς τῆς κινουμένης ἐν τῷ ὕδατι (12)  
 Nu. 14. 44. οὐκ ἐκίνησεν ἐκ [A ἐκ μέσου]  
 τῆς παρεμβολῆς (8)  
 Jd. 6. 18. A μὴ κινήσῃ [B χωρισθῇ] ἐντεῦθεν (8)  
 9. 9, 11, 13. κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξύλων [A al.] (7 a)  
 20. 37. καὶ τὸ ἐνεδρον ἐκινήθη [A al.] (1)  
 I Ki. 1. 13. τὰ χεῖλᾱ αὐτῆς ἐκινεῖτο (7 a)  
 II Ki. 15. 20. σήμερον κινήσῃ μετ' ἡμῶν (7 b, 7 a\*)  
 III Ki. 14. 15. A καθὰ κινεῖται ὁ ἀνέμος (5 a)  
 IV Ki. 19. 21. κεφαλὴν αὐτῆς [A om.] ἐκίνησε (7 b)  
 23. 18. μὴ κινήσῃσαν [A -ω] τὰ δὲ αὐτῶν. (7 b)  
 II Ch. 35. 15. οὐκ ἦν αὐτοῖς κινεῖσθαι (9)  
 To. 8. 20. S οὐ μὴ κινήσῃ ἐντεῦθεν [A B al.]  
 Es. 3. 13. S<sup>1</sup> παντὶ διὰ παντὸς ἀνθρώπων κινούμενον  
 [A B S<sup>2</sup> al.]  
 Jb. 13. 25. ὡς φύλλον κινούμενον ὑπὸ ἀνέμου (4)  
 16. 5 (4). κινήσῃ δὲ καθ' ἡμῶν κεφαλὴν (7 b)  
 Ps. 21 (22). 7. ἐκίνησαν κεφαλὴν (7 b)  
 103 (104). 5. A οὐ κινήσεται [S<sup>1</sup> κληθῇ, B S<sup>2</sup> κληθῇ] εἰς τὸν αἰῶνα (2)  
 Pr. 17. 13. οὐ κινήσεται κακὰ ἐκ τοῦ οἴκου  
 [A εἰς τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (8)  
 Ca. 2. 17: 4. 6. ὥς οὐ . . . κινήσῃσαν αἱ σκιαί (6)  
 Wi. 5. 11. πνεῦμα . . . σχιζόμενον βία ῥοίους κινου-  
 μένων πτερίγων  
 Si. 12. 18. κινήσει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ  
 13. 7. τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ κινήσει ἐπὶ σοὶ  
 Ze. 3. 1 (2. 15). καὶ κινήσει τὰς χεῖρας αὐτοῦ (7 b)  
 Is. 22. 25. κινήσεται ὁ ἀνθρώπος (8)  
 33. 20. οὐδὲ μὴ κινήσῃσαν οἱ πᾶσαλοι τῆς σκην-  
 ῆς αὐτῆς (8)  
 37. 22. ἐπὶ σοὶ κεφαλὴν ἐκίνησε θυγάτηρ 'Ιερ. (7 b)  
 41. 7. οὐ κινήσονται (2)  
 46. 7. οὐ μὴ κινήθῃ (3)  
 Je. 10. 5 (4). καὶ οὐ κινήσονται (10)  
 14. 10. ἡγάγησαν κ. πόδας αὐτῶν (7 a)  
 18. 16. κινήσουσι τὴν [S om.] κεφαλὴν [A τὰς  
 κ.] αὐτῶν (5 b)  
 31 (48). 17. κινήσῃ αὐτῷ [A -όν, S<sup>1</sup> om.]  
 πάντες κυκλόθεν αὐτοῦ (5 a)  
 Ba. 2. 35. οὐ κινήσῃ ζετὶ τὸν λαόν μου 'Ισραὴλ ἀπὸ  
 τῆς γῆς  
 La. 2. 15. ἐκίνησαν τὴν κεφαλὴν αὐτῶν (7 b)  
 Ep. Jc. 27. μήτε [A μὴ ποτε] . . . δι' ἐαυτοῦ κινη-  
 θῇσεται (11)  
 Da. LXX. 2. 3. ἐκινήθῃ μου τὸ πνεῦμα  
 3. (79). πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι  
 4. 16. κινήσας τὴν κεφαλὴν  
 11. 38. ἐπὶ τὸν τόπον αὐτοῦ κινήσει  
 Da. TH. 3. (79). πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι  
 I Ma. 10. 74. ἐκινήθῃ τῇ διανοίᾳ  
 IV Ma. 1. 33. κινούμενοι πρὸς τὰς ἀπειρημένας τροφάς

IV Ma. 14. 6. τοῖς τῆς ψυχῆς ἀφῆγημασι κινούνται  
 — 6. B ὑπὸ ψυχῆς ἀδανάτου τῆς εὐσεβείας κινου-  
 μένοι [A S om.]  
 [Aq. Ge. 1. 26, 28: III Ki. 14. 15: Ps. 17  
 (18). 8: 68 (69). 35: Jb. 15. 5: 49. 30 (30. 8).]  
 [Sm. Ge. 1. 30: Ex. 20. 25: Jb. 16. 4: Ps. 44  
 (45). 2: Is. 13. 2: 37. 22: Na. 1. 5.]  
 [Th. Ps. 77 (78). 21: Is. 29. 9: Ez. 21. 10 (15).]  
 [Quint. Ps. 77 (78). 21.]  
κίνημα.  
 I Ma. 13. 44. καὶ ἐγένετο κ. μέγα ἐν τῇ πόλει  
 IV Ma. 1. 35. S B φιμούνται [A φιλοτιμούνται]  
 πάντα τὰ τοῦ σώματος κ.  
 [Th. Is. 28. 19.]  
κινήσεις. (1) a. כִּיָּתָר δ. כִּיָּתָר  
 Jb. 16. 6 (5). κινήσιν δὲ χεῖλέων οὐ φείσομαι (1 a)  
 Ps. 43 (44). 14. κινήσιν κεφαλῆς ἐν τοῖς λαοῖς (1 b)  
 Wi. 2. 2. ὁ λόγος σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν  
 7. 24. πάσης γὰρ κ. κινητικώτερον σοφία  
 II Ma. 5. 3. καὶ ἀσπίδων κινήσεις  
 [Sm. Jb. 18. 11: 41. 17: Ps. 43 (44). 15.]  
κινητικός.  
 Wi. 7. 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία  
κιννάμωμον (κινάμ.) (1) כִּיָּתָר כִּיָּתָר (2) כִּיָּתָר  
 Ex. 30. 23. κιννάμωμον εὐώδους τὸ ἅμυσ τοῦτου (2)  
 Pr. 7. 17. τὸν δὲ οἶκόν μου κιννάμωμον (2)  
 Ca. 4. 14. νάρδος καὶ κρόκος κάλαιος καὶ κιν-  
 νάμωμον [S<sup>2</sup> -ος] (2)  
 Si. 24. 15. ὡς κιννάμωμον καὶ ἀσπιδάθος ἀρωμάτων  
 δέωκα ὁσμὴν  
 Je. 6. 20. κιννάμωμον ἐκ γῆς μακρόθεν (1)  
 [Th. Jb. 6. 20.]  
κινύρα. (1) כִּיָּתָר (2) כִּיָּתָר  
 I Ki. 10. 5. καὶ αὐλὸς καὶ κινύρα (2)  
 16. 16. ἀνδρα εἰδὸτα [A ἰδὸντα] ψάλλειν ἐν  
 κινύρᾳ (2)  
 — 16. καὶ ψαλῇ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (1?)  
 — 23. ἐλάμβανε Δαυὶδ τὴν κ. (2)  
 II Ki. 6. 5. καὶ ἐν ᾠδαῖς καὶ ἐν κινύραις [A -ε] (2)  
 III Ki. 10. 12. καὶ νάβλας καὶ κινύρας (2)  
 I Ch. 13. 8. καὶ ἐν [S om.] κινύραις καὶ ἐν  
 νάβλαις (2)  
 15. 16. ἐν . . . νάβλαις κινύρας καὶ κυμβάλοις (2)  
 — 21. ἐν κινύραις ἀμασενεῖθ (2)  
 — 28. ἀναφανοῦντες . . . ἐν κινύραις [S<sup>2</sup> -ε] (2)  
 16. 5. ἐν ὀργάνοις νάβλαις [A ἐν ν. καὶ] κινύραις (2)  
 25. 1. τοὺς ἀποφθεγγόμενους ἐν κινύραις (2)  
 — 3. ἐν κινύρᾳ ἀνακαλούμενοι ἐξομολόγησιν  
 — 6. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)  
 II Ch. 5. 12. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)  
 20. 28. A B ἐν νάβλαις καὶ [B καὶ ἐν] κινύραις (2)  
 29. 25. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)  
 Ne. 12. 27. B καὶ κινύρας [S<sup>2</sup> -ας] (2)  
 Si. 39. 15. ἐν ᾠδαῖς χεῖλέων καὶ ἐν κινύραις  
 I Ma. 3. 45. ἐξέλιπεν αὐλὸς καὶ κινύρα  
 4. 54. ἐν ᾠδαῖς . . . καὶ κινύρας  
 13. 51. ἐν κινύραις καὶ ἐν κυμβάλοις  
κινρᾱν. (1) כִּיָּתָר  
 Ps. 101 (102). 9. τὸ πόμα μου μετὰ κλαυθμοῦ  
 ἐκίρων (1)  
κιρρός.  
 [Aq. Pr. 8. 19: Is. 13. 12.]  
κισσᾱν. (1) כִּיָּתָר pi.  
 Ps. 50 (51). 5. ἐν ἀμρταῖς ἐκίσσησέ με ἡ μήτηρ μου (1)  
κισσός.  
 II Ma. 6. 7. κισσοὺς ἔχοντες πομπεύειν τῷ Διόν.  
 [Sm. Jn. 4. 6.]  
κισσόφυλλον.  
 III Ma. 2. 29. παρασήμῳ Διονύσου κ.  
κίτρις.  
 [Aq. Le. 23. 40.]  
κιθρᾱν. (1) כִּיָּתָר hi. (2) כִּיָּתָר hi.  
 I Ki. 1. 28. κίθρῳ αὐτῶν τῷ κυρίῳ (2)  
 Ps. 111 (112). 5. χροστὸς ἀνὴρ ὁ οἰκτεῖρων καὶ  
 κίθρῳ  
 Pr. 13. 11. δίκαιος οἰκτεῖρει καὶ κίθρῳ  
 [Sm. Ps. 111 (112). 5.]

κίων. (1) 𐤊𐤍𐤕  
Jd. 18. 25. ἔστησαν αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῶν κ. [A δύο στύλων] (1)  
— 26. ψηλαφίστω τοὺς κ. [A αἱ.] (1)  
— 29. περιελαβε Σ. τοὺς δύο κ. [A στύλους] (1)  
III Ki. 15. 15. εἰσήνεγκε τοὺς κ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ καὶ τοὺς κ. αὐτοῦ εἰσήνεγκεν †, †  
κλαγγή.  
[Sm. Jb. 39. 19.]  
κλάδευσις.  
[Aq., Sm. Ca. 2. 12.]  
κλάδος. (1) 𐤊𐤍𐤕 (2) 𐤊𐤍𐤕 (3) 𐤊𐤍𐤕  
(4) 𐤊𐤍𐤕 (5) 𐤊𐤍𐤕 (6) 𐤊𐤍𐤕 (7) 𐤊𐤍𐤕 (8) 𐤊𐤍𐤕  
(9) 𐤊𐤍𐤕  
Le. 23. 40. λήψετε . . . κλάδους ξύλου δασεῖς . . . καὶ ἄνθος κλάδους (θ α, -)  
Nu. 8. 37. 4. 32. A καὶ τοὺς κλ. [B κάλους] αὐτῶν †  
Jd. 9. 48. ἔκοψε κλάδον ξύλου [A αἱ.] (θ β)  
49. καὶ ἔκοψαν . . . κλάδον [A αἱ.] (θ α)  
Wi. 4. 4. κὰν [B<sup>1</sup> καί] γὰρ ἐν κλάδοις πρὸς καιρὸν ἀναβῆναι  
17. 18. περὶ ἀμφιλαφεῖς κλάδους ὀρνέων [A ἡ ὕρ.] ἡχος εὐμελῆς  
Si. 1. 20. οἱ κλ. αὐτῆς μακροπημεύσεις [B<sup>1</sup> -εὐσου- σιν]  
6. 29. B S οἱ κλ. [A B κλοιοί] αὐτῆς εἰς στολὴν δόξης  
14. 26. ὑπὸ τοῦς κλ. αὐτῆς αὐλισθήσεται  
23. 25. οἱ κλ. αὐτῆς οὐ δώσουσι [A B οὐκ οἴσουσι] καρπὸν  
24. 16. ὡς τερέμνθος ἐξέτεινα κλάδους μου καὶ οἱ κλ. μου κλάδοι δόξης καὶ χάριτος  
40. 15. ἔκγονα ἀρεβῶν οὐ πληθυνεῖ κλάδους  
Ho. 14. 7. πορεύσονται οἱ κλ. αὐτοῦ (2)  
Za. 4. 12. τί οἱ δύο κλ. τῶν ἑλαινῶν (9)  
Is. 17. 6. ἡ πέντε ἐπὶ τῶν κλ. αὐτῶν καταλειφθῇ (4)  
55. 12. τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ ἐπικροτήσονται τοῖς κλ. (8)  
Je. 11. 16. ἡκρινώθησαν οἱ κλ. αὐτῆς (1)  
Ez. 31. 5. ἐπατήθησαν οἱ κλ. αὐτοῦ (5 + 7)  
— 6. ὑποκάτω τῶν κλ. αὐτοῦ ἐγενώσανταν πάντα τὰ θέρια (7)  
— 7. διὰ τὸ πλῆθος τῶν κλ. αὐτοῦ (1)  
— 8. ἔλαται οὐκ ἐγένοντο ὅμοιαι τοῖς κλ. αὐτοῦ (7)  
— 9. διὰ τὸ πλῆθος τῶν κλ. αὐτοῦ (1)  
— 12. ἐν πάσαις ταῖς φάραγξιν ἔπτεσαν οἱ κλ. αὐτοῦ (1)  
Da. LXX. 4. 9. οἱ κλ. αὐτοῦ τῷ μήκει ὡς σταδίων τριάκοντα —  
— 15. οἱ κλ. αὐτοῦ ἐδόθησαν εἰς πάντα ἄνεμον —  
Da. TH. 4. 9. ἐν τοῖς κλ. αὐτοῦ κατέφκον τὰ ὄρνεα (θ β)  
— 11. ἐκτίλατε τοὺς κλ. [A καρποὺς] αὐτοῦ (θ β)  
— 11. καὶ τὰ ὄρνεα ἀπὸ τῶν κλ. αὐτοῦ (θ β)  
— 18. ἐν τοῖς κλ. αὐτοῦ κατεσκήνουν [A -όκουν] τὰ ὄρνεα (θ β)  
II Ma. 10. 7. θύρους καὶ κλ. ὀραίους . . . ἔχοντες [Aq. Ez. 17. 6: 31. 3, 9, 13.]  
[Sm. Jb. 8. 16: Is. 27. 10: 53. 2: Ez. 17. 8: 19. 11, 14: 31. 13.]  
[Th. Ez. 17. 6: 19. 14: 31. 3, 9, 13.]  
κλαίειν. (1) α. 𐤊𐤍𐤕 (2) 𐤊𐤍𐤕 (3) 𐤊𐤍𐤕 (4) 𐤊𐤍𐤕 (5) 𐤊𐤍𐤕  
(6) κλ. δάκρυσι 𐤊𐤍𐤕 hi.  
Ge. 21. 16. ἀναβῆσαν δὲ τὸ παιδίον ἔκλαυσεν (1 α)  
27. 38. B ἀνεβόσθη φωνὴ Ἡ. καὶ ἔκλαυσεν (1 α)  
29. 11. βοήσας τῇ φωνῇ αὐτοῦ ἔκλαυσε (1 α)  
33. 4. ἔκλαυσαν ἀμφότεροι (1 α)  
37. 35. ἔκλαυσεν αὐτὸν ὁ πατήρ αὐτοῦ (1 α)  
42. 24. ἀποστραφεῖς . . . ἔκλαυσεν Ἰωσήφ (1 α)  
43. 30. ἔζητε κλαύσαι (1 α)  
— 30. ἔκλαυσεν ἐκεῖ (1 α)  
46. 14. B ἔκλαυσεν [A ἐπέπεσεν] ἐπ' αὐτῷ (1 α)  
— 14. ἔκλαυσεν ἐπὶ τῷ τραχίλῳ αὐτοῦ (1 α)  
— 15. ἔκλαυσεν ἐπ' αὐτοῖς (1 α)  
46. 29. ἔκλαυσε κλαυθμῷ πλῖον [A B<sup>1</sup> πλείον] (1 α)  
50. 1. ἔκλαυσεν αὐτὸν [A ἐπ' αὐ.] (1 α)  
— 17. ἔκλαυσεν Ἰωσήφ λαλοῦντων αὐτῶν (1 α)  
Ex. 2. 6. ὁρᾷ παιδίον κλαῖον (1 α)

Le. 10. 6. κλαύουσιν τὸν ἱμπρισμόν (1 α)  
Nu. 11. 4. καὶ καθίσταντες ἔκλαυον (1 α)  
— 10. ἤκουον M. κλαίωντων αὐτῶν (1 α)  
— 13. κλαίουσιν ἐπ' ἐμοί [A ἐμὲ] (1 α)  
— 18. ἔκλαυσαν ἐναντὶ κυρίου (1 α)  
— 20. καὶ ἐκλάυσαν ἐναντίον αὐτοῦ (1 α)  
14. 1. ἔκλαιεν ὁ λαὸς ὅλην τὴν νύκτα ἐκείνην (1 α)  
20. 29. καὶ ἔκλαυσαν τὸν Ἰακώβ (1 α)  
25. 6. αὐτοὶ δὲ ἔκλαιον παρὰ τὴν θύραν (1 α)  
De. 1. 45. καὶ καθίσταντες ἐκλαίετε (1 α)  
21. 13. καὶ κλαύσεται τὸν πατέρα (1 α)  
84. 8. ἔκλαυσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. Μωυσῆν (1 α)  
Jd. 2. 4. καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
9. 7. καὶ ἔκλαυσε [A add. ἐπ' αὐτοῖς] (5)  
11. 37. κλαύσομαι ἐπὶ τὰ παρθένα μου (1 α)  
— 38. ἔκλαυσεν ἐπὶ τὰ παρθένα αὐτῆς (1 α)  
14. 16. ἔκλαυσεν ἡ γυνὴ Σαμψὼν πρὸς αὐτὸν (1 α)  
— 17. καὶ ἔκλαυσε πρὸς [A ἐπ' αὐτὸν] αὐτὸν (1 α)  
15. 18. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] πρὸς κύριον (5)  
16. 28. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] Σαμψὼν πρὸς κ. (5)  
20. 23. καὶ ἔκλαυσαν ἐνώπιον κυρίου (1 α)  
— 26. καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
21. 2. καὶ ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν (1 α)  
Ru. 1. 9. καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
— 14. καὶ ἔκλαυσαν ἔτι (1 α)  
I Ki. 1. 7. καὶ ἔκλαυε (1 α)  
— 8. τί ἐστὶ σοι ὅτι κλαίεις (1 α)  
— 10. A B καὶ κλαίουσα [B λέγουσα καί] ἔκλαυσε (1 α, 1 α)  
4. 19. καὶ ἔκλαυσε (8)  
11. 4. καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
— 5. τί ὅτι κλαίει ὁ λαός (1 α)  
13. 16. B καὶ ἔκλαυον —  
20. 41. ἔκλαυσεν ἐκ τῷ [A τὸν] πλησίον αὐ. (1 α)  
24. 17. καὶ ἔκλαυσε (1 α)  
30. 4. καὶ ἔκλαυσαν ἕως ὅτου οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς ἰσχυρὸς ἐπὶ κλαίειν (1 α, 1 α)  
II Ki. 1. 12. καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
— 24. B κλαύσατε [A B om.] κλαύσατε τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς (-, 1 α)  
8. 16. ἐπορεύετο . . . κλαίων ὁπίσω αὐτῆς (1 α)  
— 32. ἔκλαυσεν ἐπὶ τοῦ τάφου αὐτοῦ (1 α)  
— 32. ἔκλαυσε πᾶς ὁ λαός (1 α)  
— 34. συνήχθη πᾶς ὁ λαὸς τοῦ κλαύσαι αὐτὸν (1 α)  
12. 21. καὶ ἔκλαυε (1 α)  
— 22. καὶ ἔκλαυσα (1 α)  
13. 36. καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
— 36. ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν (1 α)  
15. 23. πᾶσα ἡ γῆ ἔκλαυε φωνῇ μεγάλῃ (1 α)  
— 30. A B ἀναβάντων καὶ κλαίων (1 α)  
— 30. ἀναβάντων καὶ κλαίοντες (1 α)  
18. 33 (19. 1). καὶ ἔκλαυσε (1 α)  
19. 1 (2). ὁ βασιλεὺς κλαίει (1 α)  
III Ki. 18. 45. A B καὶ ἔκλαυε [B -αεν] †  
20 (21). 27. καὶ ἐπορεύετο κλαίων †  
IV Ki. 8. 11. καὶ ἔκλαυσεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ (1 α)  
— 12. ὁ κύριός μου κλαίει [A καλεῖ] (1 α)  
13. 14. ἔκλαυσεν ἐπὶ προσώπῳ αὐτοῦ (1 α)  
20. 3. ἔκλαυσεν Ἐξ. κλαυθμῷ μεγάλῳ (1 α)  
22. 19. καὶ ἔκλαυσαν ἐνώπιόν μου (1 α)  
II Ch. 34. 27. καὶ ἔκλαυσας κατεναντίον μου (1 α)  
I Es. 8. 91. κλαῖων χαμαίπετῃς ἐμπροσθεν τοῦ ἱεροῦ (1 α)  
9. 50. καὶ πάντες ἔκλαυον (1 α)  
II Es. 8. 12. ἔκλαιον φωνῇ μεγάλῃ (1 α)  
10. 1. ὡς [B<sup>1</sup> om.] ἐξηγόρευσε [B<sup>1</sup> προσηγ.] κλαῖον (1 α)  
— 1. ἔκλαυσεν ὁ λαὸς καὶ ὕψωσε κλαῖων (1 α, 1 β)  
Ne. 1. 4. ἐκάθισα καὶ ἔκλαυσα (1 α)  
8. 9. μὴ πενθεῖτε μηδὲ κλαίετε (1 α)  
— 9. ἔκλαυε πᾶς ὁ λαός (1 α)  
To. 2. 7. καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
3. 1. λυπηθεῖς ἔκλαυσας [B αἱ.] (1 α)  
— 10. B καὶ ἔκλαυσαν (1 α)  
5. 17. ἔκλαυσε δι' Ἄννα ἡ μήτηρ αὐτοῦ (1 α)  
6. 1. ἐπαύσατο [B εἰσέγησεν] κλαίουσα (1 α)  
7. 6. κατεφύλκον αὐτὸν καὶ ἔκλαυσε (1 α)  
— 7. λυπηθῇ καὶ ἔκλαυσε [B αἱ.] (1 α)  
— 8. ἡ γυνὴ αὐτοῦ καὶ Σ. ἡ θυγάτηρ αὐτοῦ ἔκλαυσαν [B αἱ.] (1 α)  
— 17. εἰσηγάγεν αὐτὴν ἐκεῖ καὶ ἔκλαυσε (1 α)  
9. 6. B καὶ ἔκλαυσεν (1 α)  
10. 4. B ἤρξατο κλαῖειν καὶ [A B om. κλ. κ.] θρηγνῆν (1 α)  
— 7. B ἐθρίνην καὶ ἔκλαυεν [A B αἱ.] (1 α)  
11. 9. ἔκλαυσαν ἀμφότεροι [B αἱ.] (1 α)  
— 14. ἔκλαυσε καὶ ἔπειν (1 α)  
Ju. 16. 17. καὶ κλαύσονται ἐν αἰσθήσει (1 α)

Jb. 2. 12. βοήσαντες φωνῇ μεγάλῃ ἔκλαυσαν (1 α)  
30. 25. ἐγὼ δὲ ἐπὶ παντὶ ἀδυνάτω ἔκλαυσα (1 α)  
81. 38. εἰ δὲ καὶ οἱ αὐλακες αὐτῆς ἔκλαυσαν ὁμοθυμαδόν (1 α)  
Ps. 77 (78). 64. αἱ χῆραι αὐτῶν οὐ κλαυσθή- σονται (1 α)  
94 (95). 6. κλαύσωμεν [A -ομεν] ἐναντίον [B<sup>1</sup> ἐνώπιον] κυρίου τοῦ ποιήσαντος ἡμᾶς (2)  
125 (126). 6. A B<sup>1</sup> ἔκλαυον αἰρόντες [B<sup>2</sup> B βάλ- λοντες] τὰ σπέρματα αὐ. (1 α)  
136 (137). 1. ἐκλάυσταμεν ἐν τῷ μνησθῆναι ἡμᾶς τῆς Σιών (1 α)  
Ec. 3. 4. καιρὸς τοῦ κλαύσαι (1 α)  
Wi. 7. 3. πρώτῃ φωνῇ τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα [B δπασι] κλαῖων (1 α)  
Si. 7. 34. μὴ ὑστέρη ἀπὸ κλαίωντων (1 α)  
22. 11. ἐπὶ νεκρῷ κλαύσον ἐξέλιπε γὰρ φῶς καὶ ἐπὶ μωρῷ κλαύσον . . . ἥδιον [A ἴδιον] κλαύσον ἐπὶ νεκρῷ (1 α)  
Ho. 12. 4 (5). ἔκλαυσαν καὶ εἰδείθσαν μου (1 α)  
Mi. 2. 6. ἐν ἐκκλησίᾳ κυρίου μὴ κλαίετε δάκρυσι (θ)  
Jl. 1. 5. ἐκνήψατε . . . καὶ κλαύσατε (1 α)  
— 18. ἔκλαυσαν βοῦκόλια βοῶν †  
2. 17. κλαύσονται οἱ ἱερεῖς . . . κυρίῳ (1 α)  
Is. 15. 2. ἐκεῖ ἀναβήσονται κλαῖον (1 α)  
— 5. πρὸς σὲ κλαίοντες ἀναβήσονται (1 α)  
16. 9. κλαύσομαι . . . ἄμπελον Σεβαμά (1 α)  
22. 4. πικρὸς κλαύσομαι (1 α)  
80. 19. ἱερουσαλὴμ κλαυθμῷ ἔκλαυσεν (1 α)  
83. 7. ἀγγελοι . . . πικρὸς κλαίοντες (1 α)  
88. 3. ἔκλαυσεν Ἐζεκίας κλαυθμῷ μεγάλῳ (1 α)  
Je. 9. 1 (8. 23). κλαύσομαι τὸν λαόν μου τοῦτον (1 α)  
13. 17. κεκρυμμένους κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν (1 α)  
22. 10. μὴ κλαίετε τὸν τεθνηκότα . . . κλαύσατε κλαυθμῷ τὸν ἐκπορευόμενον (1 α, 1 α)  
— 18. B S οὐδὲ μὴ κλαύσονται αὐτὸν (4)  
27 (50). 4. κλαίοντες πορεύσονται (1 α)  
81 (48). 5. ἀναβήσεται κλαῖων ἐν ὁδῷ Ὁρ. (1 α)  
41 (84). 5. ὡς ἔκλαυσαν τοὺς πατέρας σου . . . κλαύσονται καὶ σὲ †, †  
— 5. ὡς ἄδον κόψονται [A κλαύσ.] σε (1 α)  
44 (41). 6. ἐπορεύοντο καὶ ἔκλαυον (1 α)  
Ba. 1. 5. ἔκλαυσαν καὶ ἐνήστευον —  
La. 1. 1. ἐκάθισεν Ἱερεμίας κλαῖων —  
— 2. κλαίουσα ἔκλαυσεν [A ἐδάκρυεν] ἐν νυκτὶ (1 α, 1 α)  
— 15 (16). ἐπὶ τοῖς ἐγὼ κλαῖω (1 α)  
Ez. 24. 16. οὐδ' οὐ μὴ κλαυθῇ [B<sup>1</sup> κλαυθῇ] (1 α)  
— 23. οὐτε μὴ κλαύσῃτε [A -σῃτε] (1 α)  
27. 31. A κλαύσονται περὶ σοῦ (1 α)  
Da. LXX. Su. 33. ἐκλάισαν οἱ παρ' αὐτῆς πάντες —  
— 35. ἀνακύνασα ἔκλαυσεν ἐν αὐτῇ  
Da. TH. Su. 33. ἔκλαιον δὲ οἱ παρ' αὐτῆς  
— 35. ἡ δὲ κλαίουσα ἀνέβηκεν εἰς τὸν οὐρανόν  
I Ma. 7. 36. καὶ ἔκλαυσαν καὶ εἶπον  
9. 20. καὶ ἔκλαυσαν αὐτὸν [A αὐ. ἐκεῖ]  
IV Ma. 15. 19. οὐκ ἔκλαυσας  
[Aq. Ps. 68 (69). 11: Is. 80. 19: 83. 7: Je. 13. 17: 41 (48). 6: Ho. 12. 4 (5).]  
[Sm. Jd. 2. 5: Ps. 68 (69). 11: 77 (78). 64: 88 (84). 7: Is. 80. 19: 83. 7: Je. 13. 17: 41 (48). 6: 48 (81). 32: Ho. 12. 4 (5): Ma. 2. 13.]  
[Th. Is. 80. 19: 83. 7: Je. 41 (48). 6: Ez. 27. 31: Ho. 12. 4 (5): Ma. 2. 13.]  
κλῶν. (1) 𐤊𐤍𐤕 (2) 𐤊𐤍𐤕 (3) 𐤊𐤍𐤕  
(4) 𐤊𐤍𐤕 hi.  
Jd. 9. 53. καὶ ἔκλαυσε [A συνέθλασεν] τὸ κρά- μιον αὐτοῦ (4)  
Je. 16. 7. οὐ μὴ κλαυθῇ ἄρτος ἐν πείνῃ αὐτῶν (2)  
27 (50). 23. πῶς ἐκλάσθῃ [A S συνεκλ.] καὶ συνετριβῇ ἡ σφύρα πάσης τῆς γῆς (1)  
La. 4. 4. A ὁ κλῶν [B διακλ.] οὐκ ἔστιν αὐτοῖς (3)  
IV Ma. 9. 14. κατὰ πᾶν μέλος κλῶμενος  
[Aq. Ez. 17. 4: 23. 3.]  
[Sm. Ps. 146 (147). 3.]  
κλάνιον.  
[Aq. II Ki. 1. 10.]  
κλάσμα. (1) 𐤊𐤍𐤕 (2) α. 𐤊𐤍𐤕 (3) 𐤊𐤍𐤕  
Le. 2. 6. διαβρύνειν αὐτὰ κλάσματα (2 α)  
6. 21 (14). B θυσίαν ἐκ κλασμάτων (2 α)  
Jd. 9. 53. B ἔτριψε γυνὴ μία κλάσμα ἐπιμύλιον [B -ου, A μύλου] (1)

Jd. 19. 5. **Α** στήρισον τὴν καρδίαν σου κλάσματι [B ψωμῷ] ἄρτον (2 a)  
 I Ki. 30. 12. διδάσαν ἀντὶ κλάσμα παλῶδες (1)  
 II Ki. 11. 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψε κλάσμα μύλου — 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν . . . κλάσμα μύλου — Ez. 13. 19. ἐβεβήλουν με ἔνεκεν κλασμάτων ἄρτων [A' al.] (2 b)  
 [Th. Lx. 6. 21 (14) : Jd. 19. 5.]  
**κλαυθμός.** (1) כְּלֻמָּה (2) α. כְּלֻמָּה δ. כְּלֻמָּה  
 (3) כְּלֻמָּה (4) כְּלֻמָּה  
 Ge. 45. 2. ἀθήκε φωνὴν μετὰ κλαυθμοῦ (2 b)  
 46. 20. ἔκλαυσε κλαυθμῷ πῖνον [A B' πλείονι] +  
 De. 34. 8. αἱ ἡμέραι πένθους κλαυθμοῦ Μωυσὴ (2 b)  
 Jd. 21. 2 : II Ki. 13. 36. καὶ ἔκλαυσαν κλ. μέγαν (2 b)  
 IV Ki. 20. 3. ἔκλαυσεν 'Εζ. κλ. μεγάλῳ (2 b)  
 I Es. 5. 63. μετὰ κραυγῆς καὶ κλ. μεγάλου — 65. διὰ τὸν κλ. τοῦ λαοῦ  
 8. 91. κλ. γὰρ ἦν μετὰ τῆς πληθύνει  
 II Es. 3. 13. ἀπὸ τῆς φωνῆς [A εὐφροσύνης] τοῦ κλ. (2 b)  
 Ju. 7. 29. ἐγένετο κλ. μέγας  
 14. 16. ἐβόησε . . . μετὰ κλαυθμοῦ  
 Jb. 16. 17 (16). ἡ γαστήρ μου συγκέκασται ἀπὸ κλαυθμοῦ (2 b)  
 30. 31. ὁ δὲ ψαλμὸς μου εἰς κλαυθμὸν ἔμοι (2 a)  
 Ps. 6. 8. **ΑΒΒ'** εἰσέκουσε κ. τῆς φωνῆς τοῦ κλ. μου (2 b)  
 29 (30). 5. τὸ ἐσπέρας αὐλισθήσεται κλαυθμός (2 b)  
 101 (102). 9. τὸ πόμα μου μετὰ κλαυθμοῦ ἐκίρων (2 b)  
 Si. 38. 17. πικρανὸν κλαυθμὸν καὶ θέρμανον κοπετόν (2 b)  
 Mi. 7. 4. νῦν ἔσονται κλαυθμοὶ αὐτῶν (3)  
 Jl. 2. 12. καὶ ἐν κλαυθμῷ καὶ ἐν κοπετῷ (2 b)  
 Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστ. κυρίου καὶ κλαυθμῷ (2 b)  
 Is. 15. 3. πάντες δαδούετε μετὰ κλαυθμοῦ (2 b)  
 16. 9. κλαύσομαι ὡς τὸν κλ. 'Ιαζήρ (2 b)  
 22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . κλαυθμὸν (2 b)  
 30. 19. 'Ιερουσαλὴμ κλαυθμῷ ἔκλαυσεν (2 a)  
 38. 3. ἔκλαυσεν 'Εξέκας κλαυθμῷ μεγάλῳ (2 b)  
 65. 19. οὐκ εἶμι μὴ ἀκούσθῃ ἐν αὐτῇ φωνῇ κλαυθμοῦ (2 b)  
 Je. 3. 21. φωνὴ ἐκ χειλῶν ἡκούσθη κλαυθμοῦ (2 b)  
 22. 10. κλαύσατε κλαυθμῷ τὸν ἱεροσολύμιον (2 a)  
 31 (48). 5. ἐπλήσθη 'Αλὼθ ἐν κλαυθμῷ (2 b)  
 — 32. ὡς κλαυθμὸν 'Ιαζήρ ἀποκαύσομαι σοι (2 b)  
 38 (31). 9. ἐν κλαυθμῷ ἐξήλθον (2 b)  
 — 15. φωνὴ . . . ἡκούσθη . . . κλαυθμοῦ (2 b)  
 — 16. διαλείπετο ἡ φωνὴ σου ἀπὸ κλαυθμοῦ (2 b)  
 Ba. 4. 11. ἐξάπεστε δὲ μετὰ κλαυθμοῦ  
 — 23. ἐξέπνευσα γὰρ ἡμᾶς μετὰ . . . κλαυθμοῦ  
 La. 5. 13. ἐκέκτοι κλαυθμὸν ἀνελθόντες  
 Da. LXX. 6. 20 (21). φωνὴ μεγάλη μετὰ κλαυθμοῦ (4)  
 II Ma. 13. 12. μετὰ κλαυθμοῦ καὶ νηστειῶν [Aq. Ps. 83 (84). 7 : Is. 15. 5 : Je. 9. 10 (9) : Ma. 2. 13.]  
 [Sm., Th. Is. 30. 19.]  
**κλαυθμών.** (1) כְּלֻמָּה (2) כְּלֻמָּה  
 Jd. 2. 1. ἀνέβη ἄγγελος κυρίου . . . ἐπὶ τὸν Κλ. — 5. τὸ ὄνομα τοῦ τύπου ἐκείνου Κλαυθμώνες [A -μών] (2)  
 II Ki. 5. 23. παρέστη αὐτοῖς πλησίον τοῦ κλ. — 24. τοῦ ἄλσους τοῦ κλ. +  
 Ps. 83 (84). 6. **ΑΒΒ'** εἰς τὴν κοιλάδα [B B' ἐν τῇ κ.] τοῦ κλ. (1)  
 [Sm. Jd. 2. 5.]  
**κλείειν.** (1) חָסַח hi. (2) חָסַח (3) חָסַח  
 a. qal. δ. ni. c. pu. d. hi.  
 Ge. 7. 16. ἔκλεισε κύριος . . . τὴν κιβωτὸν (3 a)  
 Jo. 2. 5. ὡς δὲ ἡ πύλη ἐκλείετο (3 a)  
 — 7. καὶ ἡ πύλη ἐκλείσθη (3 a)  
 Jd. 9. 51. καὶ ἔκλεισαν ἐξωθεν αὐτῶν [A al.] (3 a)  
 20. 42. **Α** ἔκλεισαν ἐνώπιον ἀνδρῶν 'Ισρ. [B al.] +  
 I Ki. 23. 20. κεκλείκασιν αὐτὸν εἰς τὰς χεῖρας τοῦ βασι. (3 d)  
 II Ch. 28. 24. ἔκλεισε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (3 a)  
 Ne. 6. 10. κλείσωμεν τὰς θύρας αὐτοῦ (3 a)  
 7. 3. κλείσθωσαν αἱ θύραι (1)

Ne. 13. 19. **ΑΒΒ'** ἔκλεισαν [B -a] τὰς πύλας (3 b)  
 Jb. 12. 14. εἰς κλείση [A δὲ καὶ ἀποκλ.] κατὰ ἀνθρώπων (3 a)  
 Ec. 12. 4. κλείσουσι θύρας [A -an, B' -ai] ἐν ἀγορῇ (3 c)  
 Ca. 4. 12. κήπος κεκλεισμένος ἀδελφῇ μου . . . κήπος κεκλεισμένος (2, 2)  
 Si. 80. 18. ἀγαθὰ ἐκκεχυμένα ἐπὶ στόματι κεκλεισμένῳ  
 42. 6. ὅπου χεῖρες πολλὰ κλείουσιν  
 Is. 22. 22. κλείσει καὶ οὐκ ἔσται ὁ ἀνείρων (3 a)  
 24. 10. κλείσει οἰκίαν [B' al.] (3 c)  
 60. 11. ἡμέρας καὶ νυκτὸς οὐ κλεισθήσονται (3 b)  
 Ez. 44. 1. αὐτὴ ἦν κεκλεισμένη (3 a)  
 — 2. ἡ πύλη αὐτῆς κεκλεισμένη ἔσται . . . ἔσται κεκλεισμένη (3 a, 3 a)  
 46. 1. πύλη ἡ ἐν τῇ αὐτῇ . . . ἔσται κεκλεισμένη (3 a)  
 — 2. ἡ πύλη οὐ μὴ κλεισθῇ ἕως ἐσπέρας (3 b)  
 — 12. κλείσει τὰς θύρας μετὰ τὸ ἐξελθεῖν αὐτῶν (3 a)  
 Da. LXX. Bel 12. τοῦ ναοῦ ἐπὶ κλείσθη  
 Da. TH. Su. 17. τὰς θύρας τοῦ παραδείσου κλείσαστε  
 — 20. αἱ θύραι τοῦ παραδείσου κλείνεται  
 6. 18 (19). ἐκλείσεν ὁ θεὸς τὰ στόματα τῶν λεόντων —  
 Bel 14. ἔκλεισαν τὴν θύραν [Aq. Is. 22. 22.]  
 [Sm. Ge. 8. 2 : Ps. 54 (55). 23.]  
 [Th. Is. 22. 22 : Da. 6. 18.]  
**κλείθρον.** (1) כְּלִיזָה (2) כְּלִיזָה  
 Ne. 8. 3. θύρας αὐτῆς καὶ κλείθρα [B' τὰ κλ.] αὐτῆς (2)  
 — 6. **B** κλείθρα [B' τὰ κλ.] αὐ. καὶ μοχλοὺς αὐ. (2)  
 — 13, 14. καὶ κλείθρα αὐτῆς καὶ μοχλοὺς αὐτῆς (2)  
 Jb. 26. 13. κλείθρα δὲ οὐρανοῦ δεδοίκασιν αὐτὸν +  
 38. 10. περιβέης κλείθρα καὶ πύλας (1)  
 Ca. 5. 5. ἐπὶ χεῖρας τοῦ κλ. ἡνοῖα ἐγὼ τῷ ἀδελφῷ μου (2)  
 Ep. Je. 18. θυρωμασί τε καὶ κλείθροις κλείς. (1) כְּלִיזָה (2) כְּלִיזָה  
 Jd. 3. 25. ἔλαβον τὴν κλ. (1)  
 I Ch. 9. 27. καὶ οὗτοι ἐπὶ τῶν κλ. (1)  
 Jb. 31. 22. ἀπασταῖ ἄρα ὁ ὤμος μου ἀπὸ τῆς κλ. (2)  
 Is. 22. 22. **B** δώσω αὐτῷ [A om.] τὴν κλ. οἴκου Δαυὶδ (1)  
 Da. LXX. Bel 12. ἀντιφραγίσεις τὰς κλ. τοῦ ναοῦ [Aq., Th. Is. 22. 22.]  
**κλέμμα.** (1) α. כְּלֻמָּה δ. כְּלֻמָּה  
 Ge. 31. 39. ἀπετίουντο . . . κλέμματα ἡμέρας καὶ κλέμματα νυκτὸς (1 a, 1 a)  
 Ex. 22. 3 (2). παρθὸς ἀντὶ τοῦ κλ. (1 b)  
 — 4 (33). **B** ἐὰν δὲ καταλείψῃ [A B -λημφ.] . . . τὸ κλ. (1 b)  
**κλέος.** (1) כְּלֻמָּה (2) כְּלֻמָּה  
 Jb. 28. 22. ἀνηκόαμεν δὲ αὐτῇ τὸ κλ. (1)  
 30. 8. κλέος ἐσβεσμένον [B' -ων] ἀπὸ γῆς —  
**κλέπτειν.** (1) כָּלַץ a. qal. δ. ni. c. pi. d. pu. e. כָּלַץ  
 Ge. 30. 33. κεκλειμένον ἔσται παρ' ἐμοί (1 a)  
 31. 19. ἔκλεψε δὲ 'Ραχὴλ τὰ εἰδωλα (1 a)  
 — 30. ἵνα τὴν ἐκλεψας τοὺς θεοὺς μου (1 a)  
 — 32. 'Ραχὴλ . . . ἔκλεψεν αὐτοὺς (1 a)  
 44. 15. κλοπῇ ἐκλάπη ἐκ γῆς 'Εβραίων (1 d)  
 45. 5. ἵνα τί ἐκλέγασθαι μὴ τὸ κόνιν —  
 — 8. πῶς ἂν ἐκλείψαμεν . . . ἀργύριον (1 a)  
 Ex. 20. 14 (15). οὐ κλέψεις (1 a)  
 21. 17 (16). ὅς ἐάν κλέψῃ τις τινα τῶν υἰῶν 'Ισρ. (1 a)  
 22. 1 (21. 37). ἐὰν δὲ τις κλέψῃ μόσχον (1 a)  
 — 7 (6). ἐὰν . . . κλασθῇ ἐκ τῆς οἰκίας τοῦ ἀνθρώπου (1 d)  
 — 7 (6). ἐὰν εὐρεθῇ ὁ κλέψας (1 c)  
 — 8 (7). ἐὰν δὲ μὴ εὐρεθῇ ὁ κλέψας (1 c)  
 — 12 (11). ἐὰν δὲ κλοπῇ παρ' αὐτοῦ (1 a + 1 b)  
 Le. 19. 11. οὐ κλέψετε (1 a)  
 De. 5. 19 (17). οὐ κλέψεις (1 a)  
 24. 7. ἀνθρώπος κλέπτων ψυχὴν (1 a)  
 Jo. 7. 11. κλέψαντες ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (1 a)

II Ki. 19. 41 (42). ἔκλεψάν σε οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν (1 a)  
 21. 12. οἱ ἔκλεψαν [A ἔθωψαν] αὐτοὺς (1 a)  
 IV Ki. 11. 2. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου τῶν υἰῶν τοῦ βασι. (1 a)  
 II Ch. 22. 11. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου υἰῶν τοῦ βασι. (1 a)  
 I Es. 4. 23. ἐκπορεύεται . . . ληστεύει καὶ κλέπτειν — 24. καὶ θαν κλέψῃ καὶ ἄρπασῃ  
 To. 1. 18. ἔθωψα αὐτοὺς κλέπτων [B al.]  
 — 18. **B** ἔκλεπτον τὰ σώματα αὐτῶν [A B al.]  
 Jb. 17. 2. **ΑΒΒ'** ἔκλεψαν δέ μου τὰ ὑπάρχοντα ἀλλότριον +  
 Pr. 6. 30. οὐ θαυμαστόν ἐστὶν ἀλφ τις κλέπτων κλέπτει γὰρ ἵνα ἐμπλήσῃ τὴν ψυχὴν πεινῶν [A -ώσαν] (1 c, 1 a)  
 24. 32 (30. 9). ἡ πεινῶν κλέψῃ (1 a)  
 Ob. 1. 5. οὐκ ἂν ἔκλεψαν τὰ ἱκανὰ ἑαυτοῖς (1 a)  
 Je. 7. 9. **ΑΒΒ'** καὶ κλέπτετε (1 a)  
 23. 30. **ΑΒΒ'** τοὺς προφῆτας . . . τοὺς κλέπτας τοὺς λόγους μου (1 c)  
 Da. LXX. Su. 12. ἐρχόμενοι ἔκλεπτον ἀλλήλους [Aq. Ge. 31. 27.]  
**κλέπτῃ.** (1) α. כְּלֻמָּה δ. כְּלֻמָּה  
 Ex. 22. 2 (1). ἐὰν δὲ ἐν τῷ διουρύγματι εὐρεθῇ ὁ κλ. (1 b)  
 De. 24. 7. ἀποθανεῖται ὁ κλ. ἐκείνος (1 b)  
 Jb. 24. 14. νυκτὸς ἔσται ὡς κλέπτῃς (1 b)  
 30. 5. ἐπανεστῆσαν μοι κλέπτῃς (1 b)  
 Ps. 49 (50). 18. εἰ ἐξέωρες κλέπτῃς (1 b)  
 Pr. 29. 24. ὅς μερίζεται [B' συμμερ., B' ἐρίεται] κλέπτῃ (1 b)  
 Si. 5. 14. ἐπὶ γὰρ τῷ κλ. ἐστὶν ἀσχύνη 20. 25. αἰρετὸν κλέπτῃς ἢ [A om.] ὁ ἐνδελεχίζων ψεῦδει  
 Ho. 7. 1. καὶ κλέπτῃς πρὸς αὐτὸν εἰσελεύσεται (1 b)  
 Jl. 2. 9. διὰ θυρίδων εἰσελεύσονται ὡς κλέπτῃς (1 b)  
 Ob. 1. 5. εἰ κλέπτῃς ἐπισθῆς πρὸς σέ (1 b)  
 Za. 5. 3. πᾶς ὁ κλ. ἐκ τοῦτου (1 a)  
 — 4. εἰσελεύσεται [A -σομαι] εἰς τὸν οἶκον τοῦ κλ. (1 b)  
 Is. 1. 23. οἱ ἄρχοντές σου ἀπειθεῖς κοινωνοὶ κλεπτῶν (1 b)  
 Je. 2. 26. ὡς ἀσχύνη κλέπτου ὅταν ἀλφ 29 (49). 9. ὡς κλέπτῃς ἐν νυκτὶ ἐπιθήσονται χεῖρα [A B -as] αὐτῶν (1 b)  
 Ep. Je. 57. οὐτε ἀπὸ κλεπτῶν οὐτε ἀπὸ ληστῶν [Aq. Pr. 6. 30 : 29. 24.]  
 [Sm., Quint. Ho. 7. 1.]  
**κλεψιμαίος.**  
 To. 2. 13. μὴ κλεψιμαῖον ἔστιν — 13. οὐ γὰρ θεμλόν ἔστι φαγεῖν κλεψιμαῖον [B al.]  
**κληδονιζέσθαι.** (1) כְּלֻמָּה po.  
 De. 18. 10. οὐχ εὐρεθήσεται . . . κληδονιζόμενος (1)  
 IV Ki. 21. 6 : II Ch. 33. 6. καὶ ἐκκληθονιζέτο (1)  
 [Aq. Le. 19. 26 : Mi. 5. 12 (11).]  
 [Sm. Is. 57. 3.]  
**κληδονισμός.** (1) כְּלֻמָּה po.  
 De. 18. 14. **Α** οὗτοι κληδονισμῶν [B -όνων] . . . ἀκούσονται (1)  
 Is. 2. 6. ἐνεπλήσθη ὡς τὸ ἀπ' ἀρχῆς ἡ χώρα αὐτῶν κληδονισμῶν (1)  
**κληδών.** (1) כְּלֻמָּה po.  
 De. 18. 14. οὗτοι κληδόνων [A -ονισμῶν] . . . ἀκούσονται (1)  
 [Aq., Th. Je. 27 (34). 9.]  
**κλήμα.** (1) כְּלֻמָּה (2) כְּלֻמָּה (3) כְּלֻמָּה  
 (4) כְּלֻמָּה (5) כְּלֻמָּה (6) כְּלֻמָּה  
 Nu. 13. 24 (23). **ΑΒ** ἔκοψαν ἐκείθεν κλήμα [B -ματα] (2)  
 Ps. 79 (80). 11. ἐξέτεινε τὰ κλ. αὐτῆς ὡς θαλάσσης (5)  
 Jl. 1. 7. ἐλεύκαν τὰ [A B om.] κλήματα αὐτῆς (2)  
 Na. 2. 2 (3). καὶ τὰ κλήματα αὐτῶν διεφθέρων (2)  
 Ma. 4. 1 (3. 19). οὐ μὴ υπολειφθῇ ἐξ αὐτῶν ῥίζα οὐδὲ κλήμα (4)  
 Je. 31 (48). 32. κλήματά σου διήλθε θάλασσαν (3)  
 Ez. 8. 17. **Α** ἐκτείνουσιν τὸ κλ. (2)  
 15. 2. ἐκ πάντων τῶν ξύλων τῶν κλ. [B' om. t. κλ.] (2)  
 17. 6. τοῦ ἐπιφαινεσθαι αὐτὴν [A -τῇ] τὰ κλ. αὐτῆς (1)  
 — 7. τὰ κλ. αὐτῆς [A add. κλ.] ἐξαπέστειλεν αὐτῷ [A -ῇ] (1)





Is. 58. 11. <b>Α</b> κληρονομήσουσι γενεὰς γενεῶν — 60. 21. δι' αἰῶνος κληρονομήσουσι τὴν γῆν (5 α) 61. 7. ἐκ δευτέρως κληρονομήσουσι τὴν γῆν [S <sup>1</sup> al.] (5 α) 62. 4. οὐκ εἰ κληρονομήσῃ [S <sup>1</sup> κληρονομῇ.] Κατα- λείψει μὲν + 63. 18. ἵνα μικρὸν κληρονομήσωμεν τοῦ θρόνου τοῦ ἁγίου σου (5 α) 65. 9. κληρονομήσει τὸ θρος τὸ ἁγιόν μου καὶ κληρονομήσουσιν οἱ ἐκλεκτοί μου (5 β, 5 α) Ez. 7. 24. <b>Α</b> κληρονομήσουσιν τοὺς οἴκους αὐτῶν (5 α) 33. 25, 26. <b>Α</b> τὴν γῆν κληρονομήσετε (5 α) 35. 10. κληρονομήσω αὐτάς (5 α) 36. 12. κληρονομήσουσιν ὑμᾶς (5 α) 45. 9. <b>Α</b> τὴν γῆν κληρονομήσουσιν — I Ma. 1. 32. τὰ κτήνη ἐκληρονόμησαν [S <sup>1</sup> om., S <sup>2</sup> ἐκλ. ἐαυτοῖς] 2. 10. <b>Α</b> Β ποῖον ἔθνος οὐκ ἐκληρονόμησε [S add. ἐν] βασιλείᾳ — 57. Δαυὶδ . . . ἐκληρονόμησε θρόνον βασιλείας [Aq. Pr. 14. 18. 30. 23. Is. 34. 11. 61. 7. Jc. 12. 13. 32 (39). 23. 49 (30). 2. Ez. 38. 24.] [Sm. Dt. 11. 11. Pr. 14. 18. 30. 23. Is. 34. 11. 57. 13. 61. 7. Jc. 32 (39). 23. 49 (30). 2. Ez. 38. 24.] [Th. Pr. 14. 18. 30. 23. Is. 34. 11. 57. 13. 61. 7. Ez. 7. 24. 38. 24. 25. 26.] [Al. Dt. 2. 12. 19. 14. Jo. 22. 9.] <b>κληρονομία.</b> (1) כְּלִיָּה (2) כְּבוֹד (3) לְחֵי (4) לְחֵי (5) א. כְּבוֹד ב. כְּבוֹד c. כְּבוֹד d. כְּבוֹד e. כְּבוֹד (6) א. כְּבוֹד δ. כְּבוֹד	Jo. 13. 1. ἡ γῆ ὑπολείπεται πολλὴ εἰς κληρο- νομίαν (5 α) — 7. μέρισον τὴν γῆν ταύτην ἐν κληρονομίᾳ (5 α) — 14. τῆς φυλῆς [A τῆ φ. τῇ] Λευὶ οὐκ ἐδόθη κληρονομία (5 α) — 14. οὗτος κληρονομία αὐτῶν (5 α) — 23. αὐτῇ ἡ κλ. υἱὸν Ρουβὴν (5 α) — 28. αὐτῇ ἡ κλ. υἱὸν Γαδ (5 α) 15. 20. αὐτῇ ἡ κλ. φυλῆς υἱὸν Ἰούδα (5 α) 16. 5. ἐγενήθη τὰ ὅρια τῆς κλ. αὐτῶν (5 α) — 8. αὐτῇ ἡ κλ. φυλῆς [A add. υἱὸν] Ἐφραΐμ (5 α) — 9. ἀνὰ μέσον τῆς κλ. υἱὸν Μανασσὴ (5 α) 17. 4. δοῦναι ἡμῖν κληρονομίαν (5 α) 18. 7. ἐλάβωσαν τὴν κλ. αὐτῶν (5 α) — 20, 28. αὐτῇ ἡ κλ. υἱὸν Βενιαμὴν (5 α) 19. 1. καὶ ἐγενήθη τὴν κλ. αὐτῶν (5 α) — 8. αὐτῇ ἡ κλ. φυλῆς υἱὸν Συμεὼν (5 α) — 9. ἡ κλ. φυλῆς υἱὸν Συμεὼν (5 α) — 10. ἔσται τὰ ὅρια τῆς κλ. αὐτῶν (5 α) — 16. αὐτῇ ἡ κλ. τῆς φυλῆς υἱὸν Ζαβ. (5 α) — 23. αὐτῇ ἡ κλ. φυλῆς υἱὸν Ἰσρ. (5 α) — 31. αὐτῇ ἡ κλ. φυλῆς υἱὸν Ἀσφ. (5 α) — 39. αὐτῇ ἡ κλ. φυλῆς υἱὸν Νεφθ. (5 α) — 48. αὐτῇ ἡ κλ. φυλῆς υἱὸν Δάν (5 α) 24. 4. <b>Α</b> ἔδωκα . . . τὸ θρος τὸ Σηεὶρ κληρο- νομίαν [B -μήσαι] αὐτῷ (5 α) — 9. ἐν ὁρίῳ [A ὁρεῖ] τῆς κλ. αὐτοῦ (5 α) 18. 1. ἐζήτην ἐαυτῇ κληρονομίαν (5 α) — 1. οὐκ ἐνέπεσεν αὐτῇ . . . κληρονομία (5 α) 20. 6. ἐν παντὶ ὁρίῳ κληρονομίας υἱὸν [A om.] Ἰσρ. (5 α) 21. 17. κληρονομία διασφωζόμενον [A σεσφω- μένη] (5 α) — 23. ὑπέστρεψαν εἰς [A ἀπ. ἐπὶ] τὴν κλ. αὐτῶν (5 α) — 24. <b>Α</b> Β ἀνὴρ εἰς τὴν [B om.] κλ. αὐτοῦ (5 α) Ru. 4. 5. ὥστε ἀναστήσει [A -σασθαι] . . . ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (5 α) — 6. μή ποτε διασφωζομένη τὴν κλ. μου (5 α) — 10. τοῦ ἀναστήσει . . . ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (5 α) I Ki. 10. 1. ἔχρησε σε κύριος ἐπὶ κληρονομίαν αὐτοῦ (5 α) 26. 19. μὴ ἰσχυρίσθαι ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (5 α) II Ki. 14. 16. ἐξάραι με . . . ἀπὸ κληρονομίας θεοῦ (5 α) 20. 1. οὐδὲ κληρονομία ἡμῖν ἐν τῷ υἱῷ Ἰ. (5 α) — 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (5 α) 21. 3. εὐλογήσετε τὴν κλ. κυρίου (5 α) III Ki. 8. 36. ἦν ἔδωκας . . . ἐν κληρονομίᾳ (5 α) — 51. λαὸς σου καὶ κληρονομία σου (5 α) — 53. <b>Α</b> Β διέσπειρας αὐτούς [B om.] παντὶ ἐν κληρονομίᾳ (5 α) 12. 16. οὐκ ἔστιν ἡμῖν κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. (5 α) — 24. Β οὐδὲ κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. — 20 (21). 3. δοῦναι κληρονομίαν πατέρων μου σοί (5 α) — 4. Α οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων μου (5 α) — 6. οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων μου + IV Ki. 21. 14. ἀπεώσωμαι τὸ ὑπόλειμμα τῆς κλ. μου (5 α) I Ch. 16. 18. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (5 α) 21. 12. ἐξῆλθεν ἡμῶν ἐν [A om.] πάσῃ κλ. Ἰσρ. (2) II Ch. 6. 27. ἦν ἔδωκας τῷ λαῷ σου εἰς κληρο- νομίαν (5 α) 10. 16. καὶ κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰσραὴλ (5 α) 20. 11. ἀπὸ [A ἐκ] τῆς κλ. ἡμῶν (5 α) 31. 1. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (5 α) To. 6. 11. σοὶ ἐπιβάλλει ἡ κλ. αὐτῆς [S al.] — 12. τὴν κλ. σοὶ καθέξει λαβὼν [S al.] Ju. 4. 12. καὶ τὰς πόλεις τῆς κλ. 8. 22. τὴν ἐρήμωσιν τῆς κλ. ἡμῶν 9. 12. καὶ θεὸς κληρονομίας Ἰσρ. 13. 5. ἀντιλαβίσθαι τῆς κλ. σου 16. 21. ἀνέξουσιν ἕκαστος [A om.] εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ Es. 4. 17. ἀπολείπει τὴν ἐξ ἀρχῆς κλ. σου — 17. ἐλαβες τὸν Ἰσρ. . . εἰς κλ. αἰῶνιον — 17. ἀφανίσαι κληρονομίαν σου 10. 3. ἐδικαίωσε τὴν κλ. αὐτοῦ Jb. 31. 2. καὶ κληρονομία ἱκανοῦ (5 α) 42. 15. ἔδωκε δὲ αὐταῖς ὁ πατὴρ κληρονομίαν (5 α) Ps. 2. 8. δώσω σοι ἔθνη τὴν κλ. σου (5 α) 15 (16). 5. κύριος ἡ μερίς τῆς κλ. μου (3) — 5. σὺ εἰ ὁ ἀποκαθιστὴν τὴν κλ. μου ἐμοί (3) — 6. ἡ κλ. μου κρατῆται μοι ἔστιν (5 α) 27 (28). 9. εὐλόγησον τὴν κλ. σου (5 α) 32 (33). 12. ὃν ἐξελέξατο εἰς κληρονομίαν ἐαυτῷ (5 α)	Ps. 36 (37). 18. ἡ κλ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔσται (5 α) 46 (47). 4. ἐξελέξατο ἡμῖν τὴν κλ. αὐτοῦ (5 α) 60 (61). 5. ἔδωκας κληρονομίαν τοῖς φοβού- μένοις τὸ ὄνομα σου (5 α) 67 (68). 9. βροχὴν ἐκούσιν ἀφορίεις, ὁ θεός, τῇ κλ. σου (5 α) 73 (74). 2. ἐλυτρώσω ῥάβδον κληρονομίας σου (5 α) 77 (78). 62. τὴν κλ. αὐτοῦ ὑπερίδε (5 α) — 71. καὶ Ἰσραὴλ τὴν κλ. αὐτοῦ (5 α) 78 (79). 1. ἤλθοσαν ἔθνη εἰς τὴν κλ. σου (5 α) 93 (94). 5. τὴν κλ. σου ἐκάκωσαν (5 α) — 14. τὴν κλ. αὐτοῦ οὐκ ἐγκαταλείψει (5 α) 104 (105). 11. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (5 α) 105 (106). 5. τοῦ ἐπαινέσθαι μετὰ τῆς κλ. [S <sup>1</sup> ἐν τῇ κλ.] σου (5 α) — 40. ἐβδελύξατο τὴν κλ. αὐτοῦ (5 α) 110 (111). 6. τοῦ δοῦναι αὐτοῖς κληρονομίαν ἐθνῶν (5 α) 126 (127). 3. ἰδοὺ ἡ κλ. κυρίου υἱοί (5 α) 134 (135). 12. <b>Α</b> Β ἔδωκε τὴν γῆν αὐ. κληρο- νομίαν κληρονομίαν Ἰσραὴλ δούλω αὐ. (5 α, 5 α) 135 (136). 21. καὶ δόντι τὴν γῆν αὐτῶν κληρο- νομίαν (5 α) — 22. κληρονομίαν Ἰσραὴλ δούλω [S <sup>2</sup> λαφ.] αὐτοῦ (5 α) Ec. 7. 12 (11). ἀγαθὴ σοφία μετὰ κληρονομίας [A S -δοσίας] (5 α) Si. 9. 6. ἵνα μὴ ἀπολέσῃς τὴν κλ. σου [S <sup>1</sup> al.] 22. 23. ἵνα ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ συγκληρονομήσῃς 23. 12. μὴ εὐρεθῇς ἐν κληρονομίᾳ Ἰακώβ 24. 7. ἐν κληρονομίᾳ τίνος αὐλισθήσονται — 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομίας αὐτοῦ — 20. ἡ κλ. μου ὑπὲρ μελίτος κηροῦ [A καὶ κηρίου] — 23. κληρονομίαν συναγωγῆς Ἰακώβ 30. 32 (33. 23). ἐν καιρῷ τελευτῆς διᾶδος κληρο- νομίαν 41. 6. τέκνων ἀμαρτωλῶν ἀπολείπει κληρονομία 42. 3. περὶ δόσεως κληρονομίας ἐταίρων [A S ἐτέρων] 44. 11. μετὰ τοῦ σπέρμ. αὐ. διαμενεῖ ἀγαθὴ κλ. — 23. ἔδωκεν αὐτῷ ἐν κληρονομίᾳ 45. 20. ἔδωκεν αὐτῷ κληρονομίαν — 22. αὐτὸς γὰρ μερίς σου κληρονομία [A S <sup>2</sup> καὶ κλ.] — 25. κληρονομία βασιλείας υἱοῦ ἐξ υἱοῦ μόνου κληρονομία Ἀδρῶν [A αὐτῷ, S αὐτῶν] καὶ τῷ σπέρματι αὐτοῦ 46. 8. εἰσαγαγεῖν αὐτοὺς εἰς κληρονομίαν — 9. τὸ σπέρμα αὐ. κατέσχε κληρονομίαν [A al.] Mi. 1. 14. ἐξαποστειλλομένους ἕως κληρο- νομίας Γ. (5 α) — 15. κληρονομία ἕως ὅθ. ἤξει + 2. 2. διηπάξουσιν . . . ἄνδρα καὶ τὴν κλ. αὐτοῦ (5 α) 7. 14. ποιμαίνε . . . πρῶτα κληρονομίας σου (5 α) — 18. τοῖς καταλοιποῖς τῆς κλ. αὐτοῦ (5 α) Jl. 2. 17. καὶ μὴ δῶς τὴν κλ. σου εἰς δειδός (5 α) 3 (4). 2. διακριθήσονται πρὸς αὐτοὺς . . . ὑπὲρ . . . τῆς κλ. σου (5 α) — 6. ἐκ τῶν ὁρίων [S <sup>2</sup> add. τῆς κλ.] αὐτῶν (2 ?) Za. 4. 7. ἐξοίσω τὸν λίθον τῆς κλ. ἰσότητος χάριτος + Ma. 1. 3. ἔταξα . . . τὴν κλ. αὐτοῦ εἰς δώματα ἐρήμου (5 α) Is. 17. 14. κλ. τοῖς ὑμᾶς κληρονομήσασιν [A τῶν ὕ. κληρονομήσαντων] (3) 19. 25. <b>Α</b> S B εὐλογημένος ὁ λαός μου . . . καὶ ἡ [B add. γῆ] κλ. μου Ἰσραὴλ (5 α) 47. 6. ἐμίνας τὴν κλ. μου (5 α) 49. 8. κληρονομήσαι κληρονομίας ἐρήμου [A S al.] (5 α) 54. 17. ἔσται κλ. τοῖς θεραπεύουσιν κύριον [A -ῖω] (5 α) 58. 14. ψωμίει σε τὴν κλ. Ἰακώβ (5 α) 63. 17. διὰ τὰς φυλάς τῆς κλ. σου (5 α) Jc. 2. 7. τὴν κλ. μου [A καὶ] ἔθεσθε εἰς βδελυ- μα (5 α) 3. 19. δώσω σοι γῆν ἐκλεκτὴν κληρονομίαν θεοῦ (5 α) 10. 16. ὁ πλάσας τὰ πάντα αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (5 α) 12. 7. ἀφῆκα τὴν κλ. μου (5 α) — 8. ἐγενήθη ἡ κλ. μου ἐμοὶ ὡς λέων (5 α) — 9. μὴ σπῆλαιον ναῖν [A ληστῶν] ἡ κλ. μου ἐμοί (5 α) — 14. τάδε λέγει κύριος περὶ . . . τῶν ἀπτομέ- νων τῆς κλ. μου (5 α) — 15. κατοικίᾳ αὐτοῦ ἕκαστον εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (5 α) 16. 18. ἐπλημμέλουν τὴν κλ. μου (5 α)
--	---	---



Je. 27 (50). 11. διαρπάζοντες τὴν κλ. μου (6 a)  
 28 (51). 19. ὁ πᾶσας τὰ πάντα αὐτοῦ ἐστὶ κλ. αὐτοῦ (6 a)  
 La. 5. 2. κλ. ἡμῶν μετεστράφη ἀλλοτριῶς (6 a)  
 Ez. 11. 15. ἡμῖν δίδονται ἡ γῆ εἰς κληρονομίαν (5 d)  
 25. 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κεδὲμ εἰς κληρονομίαν (5 d)  
 — 10. δέδωκα αὐτῶν εἰς κληρονομίαν (5 d)  
 44. 28. ἔσται αὐτοῖς εἰς κληρονομίαν ἐγὼ κλ. αὐτοῖς (6 a, 6 a)  
 45. 1. ἐν τῇ καταμετρίσθαι ὑμᾶς τὴν γῆν ἐν κληρονομίᾳ (6 a)  
 46. 16. ἀν δὲ . . . ἐκ τῆς κλ. αὐτοῦ τοῦτο τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ ἔσται κατάσχεσις κλ. [A al.] (6 a, 6 a)  
 — 17. Α εἰς δὲ δὴ δόμα ἐκ τῆς κλ. αὐ. [B al.] (6 a)  
 — 17. πληρ. τῆς κλ. τῶν υἱῶν αὐτοῦ αὐτοῖς ἔσται (6 a)  
 — 18. οὐ μὴ λάβῃ δὲ ἀφηγούμενος ἐκ τῆς κλ. τοῦ λαοῦ (6 a)  
 — 18. Α ἀπὸ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)  
 47. 14. πεισῖται ἡ γῆ αὐτῇ ὑμῖν ἐν κληρονομίᾳ (6 a)  
 — 22. μεθ' ὑμῶν φάγονται ἐν κληρονομίᾳ (6 a)  
 — 23. ἐκεῖ δώσετε κληρονομίαν αὐτοῖς (6 a)  
 48. 28. ἀπὸ . . . ὕδατος βαρυνθῶν Κάδης κληρονομίας [A -a] (6 a)  
 I Ma. 2. 56. Α ἔλαβε γῆν [B τὴν, B γῆς] κληρονομίαν 6. 24. αἱ κλ. ἡμῶν διαρπάζοντο  
 15. 33. ἀλλὰ τῆς κλ. τῶν πατέρων ἡμῶν — 34. ἀντιγράψατε τὴν κλ. τῶν [A ἡμῶν καὶ τ.] πατέρων ἡμῶν  
 II Ma. 2. 4. ἐθάλατο τὴν τοῦ θεοῦ κλ.  
 — 17. B ἀποδοῖναι τὴν κλ. [A κλ. αὐτοῦ] πᾶσι [Aq. Ps. 46 (47). 5: 73 (74). 2: Pr. 17. 2: Je. 10. 16.]  
 [Sm. Jb. 27. 13: Pr. 17. 2: 20. 21.]  
 [Th. Jb. 27. 13: Pr. 17. 2: 20. 21: Je. 10. 16: 82 (89). 8: Ez. 35. 15.]  
 κληρονόμος. (1) שׁוֹר  
 Jd. 18. 7. B κληρονόμος ἐκπέζων θησαυρούς (1)  
 II Ki. 14. 7. ἐξαρῶμεν καὶ γε τὸν κλ. ὑμῶν (1)  
 Si. 28. 22. γυνή . . . παριστάσα κληρονόμον ἐξ ἀλλοτρίου (1)  
 Mi. 1. 15. ἔως τοὺς κλ. ἀγάγωνσι (1)  
 Je. 8. 10. δῶσω . . . τοὺς ἀγρούς αὐτῶν τοῖς κλ. (1)  
 18. 25. B οὗτος ὁ κλ. [A B κληρός] σου καὶ μερίς +  
 [Aq., Sm. Je. 49 (50). 1: Mi. 1. 15.]  
 κληρός. (1) שׁוֹר (2) שׁוֹר (3) א. שׁוֹר  
 δ. שׁוֹר (4) א. שׁוֹר. δ. שׁוֹר. c. שׁוֹר  
 (5) שׁוֹר (6) שׁוֹר (7) שׁוֹר (8) שׁוֹר  
 Ge. 48. 6. κληθῶσιν ἐπὶ [A ἐν] τοῖς ἐκείνων κλ. (6)  
 49. 14. ἀναπαύμενος ἀνὰ μέσον τῶν κλ. [A al.] +  
 Ex. 6. 8. δώσω ὑμῖν αὐτὴν ἐν κλήρῳ (4 c)  
 Le. 16. 8. B ἐπιθήσει Α ἐπὶ τοὺς δύο χιμάρους κληροῦς [A B om.] κλ. ἐνα τῷ κυρίῳ καὶ κλ. ἐνα τῷ αποπομπαίῳ (1 ter)  
 — 9. ἐφ' ὃν ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτὸν ὁ κλ. τῷ κ. (1)  
 — 10. ὁ κλ. τοῦ αποπομπαίου (1)  
 Nu. 16. 14. Α B ἔδωκεν ἡμῖν κληρὸν [B καὶ οὐκ] ἀγροῦ (6)  
 18. 21. δέδωκα πᾶν ἐπιδόκατον . . . ἐν κλήρῳ (6)  
 — 24. δέδωκα τοῖς Λευίταις ἐν κλήρῳ (6)  
 — 24. οὐ κληρονομήσουσι κληρὸν (6)  
 — 26. δὲ δέδωκα ὑμῖν παρ' αὐτῶν ἐν κλήρῳ (6)  
 26. 55. διὰ κληρὸν μερισθήσεται ἡ γῆ (1)  
 — 66. ἐκ τοῦ κλ. μερεῖς τὴν κληρονομίαν αὐ. (1)  
 — 62. οὐ δίδονται αὐτοῖς κληροῦς (6)  
 27. 6 (7). περιθήσεται τὸν κλ. τοῦ πατρὸς αὐτῶν αὐταῖς (6)  
 32. 19. ἀπέχομεν τοὺς κλ. ἡμῶν (6)  
 33. 53. δέδωκα τὴν γῆν αὐτῶν ἐν κλήρῳ (4 a)  
 — 54. Α B' B κατακληρονομήσετε . . . ἐν κληροῖς [A κληροῖς] (1)  
 34. 13. κατακληρονομήσετε αὐτὴν μετὰ κληροῦ (1)  
 — 14. ἀπέλαβον τοὺς κλ. αὐτῶν (6)  
 — 15. ἔλαβον τοὺς κλ. αὐτῶν (6)  
 35. 2. ἀπὸ τῶν κλ. κατασχέσεως αὐτῶν (6)  
 36. 2. ἀποδοῦναι τὴν γῆν . . . ἐν κλήρῳ (1)  
 — 3. ἀφαιρεθήσεται ὁ κλ. αὐτῶν (6)  
 — 3. ἐκ τοῦ κλ. τῆς κληρονομίας ἡμῶν (1)  
 — 9. οὐ [A om.] περιστραφήσεται κληρός ἐκ φυλῆς (6)

De. 2. 5. ἐν κλήρῳ δέδωκα . . . τὸ μέρος τὸ Σηεῖρ (4 b)  
 — 9. 19. οὐ γὰρ μὴ δώ . . . ἐν κλήρῳ (4 b)  
 — 19. τοῖς υἱοῖς Λὸθ δέδωκα αὐτὴν ἐν κλήρῳ (4 b)  
 3. 18. ἔδωκεν ὑμῖν τὴν γῆν ταύτην ἐν κλήρῳ (4 a)  
 4. 21. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)  
 5. 31 (28). ἢ ἐγὼ δίδωμι αὐτοῖς ἐν κλήρῳ (4 a)  
 9. 29. οὗτοι λαὸς σου καὶ κληροῦς σου (6)  
 10. 9. οὐκ ἔστι [A ἔσται] . . . μερίς καὶ κληρός (6)  
 — 9. κύριος αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6)  
 11. 31: 12. 1. δίδωσιν ὑμῖν ἐν κλήρῳ (4 a)  
 12. 12. οὐκ ἔστιν αὐτῶν . . . κληροῦς μεθ' ὑμῶν (6)  
 14. 27. οὐκ ἔστιν αὐτῶν [A om.] . . . κληροῦς μετὰ σοῦ (6)  
 — 29. οὐκ ἔστιν αὐτῶν . . . κληροῦς μετὰ σοῦ (6)  
 15. 4. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)  
 — 7: 17. 14. Α δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B om. ἐν κλ.] (6)  
 18. 1. οὐκ ἔσται τοῖς ἱερεῦσι . . . κληροῦς (6)  
 — 1. καρπώματα κυρίου [A -μιν] ὁ κλ. αὐτῶν (6)  
 — 2. κληροῦς δὲ οὐκ ἔσται αὐτοῖς [A -φ] (6)  
 2. 4. κύριος αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6)  
 24. 4. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)  
 — 14. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (4 a)  
 21. 23. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)  
 24. 4. δίδωσί σοι [A ὑμῖν] ἐν κλήρῳ (6)  
 25. 15. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)  
 — 19: 26. 1. Α δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B om. ἐν κλ.] (6)  
 26. 2. Α δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B om. ἐν κλ.] (6)  
 29. 8 (7). ἔδωκα αὐτὴν ἐν κλήρῳ τῷ 'Ισρ. (6)  
 Jo. 12. 6. Α ἔδωκεν αὐτὴν Μουσίῃ ἐν κλήρῳ [B -ρονομίᾳ] (4 b)  
 — 7. κληρονομήν [A -μιν] κατὰ κληρὸν αὐ. (3 b)  
 13. 6. διὰ τοῦτο αὐτὴν ἐν κλήρῳ τῷ 'Ισρ. (6)  
 14. 2. κατὰ κληροῦς ἐκκληρονομήσαν (6)  
 3. 3. οὐκ ἔδωκε κληρὸν ἐν αὐτοῖς (6)  
 — 9. ἡ γῆ . . . σοὶ ἔσται ἐν κλήρῳ (6)  
 — 13. ἔδωκε Χεβρών . . . ἐν κλήρῳ (6)  
 — 14. ἐγενήθη ἡ Χεβρών . . . ἐν κλήρῳ (6)  
 17. 4. ἐδόθη αὐτοῖς . . . κληροῦς (6)  
 6. 4. ἐκκληρονομήσαν κληροῦς (6)  
 — 14. διὰ τὴν ἐκκληρονομήσαν ἡμᾶς κλ. ἕνα (1 + 6)  
 — 17. οὐκ ἔσται σοι κλ. εἰς (6)  
 18. 6, 8. ἐξέσω ὑμῖν κληρὸν (1)  
 — 10. ἐνέβαλεν αὐτοῖς 'Ι. κληρὸν (1)  
 — 11. ἐξῆλθεν ὁ κλ. φυλῆς Βεν. (1)  
 — 11. ἐξῆλθεν ὁ κλ. αὐτῶν (1)  
 19. 1. ἐξῆλθεν ὁ δεῦτερος κλ. [A κλ. ὁ δ.] τῶν υἱῶν Σ. (1)  
 — 1. ἀνὰ μέσον κληρῶν [A -ου] υἱῶν 'Ιούδα (1)  
 — 2. καὶ ἐγενήθη ὁ κλ. αὐτῶν (6)  
 — 8. Α αὐτὴ ἡ κληρονομία . . . κατὰ κληροῦς [B δόμου] (6)  
 — 9. ἀπὸ τοῦ κλ. [A τῶν υἱῶν] 'Ιούδα (2)  
 — 9. ἐκκληρονομήσαν . . . ἐν μέσῳ τοῦ κλ. αὐ. (1)  
 — 10. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ τρίτος (6)  
 — 17. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ τέταρτος (1)  
 — 24. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ πέμπτος (1)  
 — 32. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ ἕκτος (1)  
 — 40. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ ἕβδομος (1)  
 — 49. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ 'Ισραὴλ κληρὸν (6)  
 — 51. ἐν ταῖς φυλαῖς 'Ισρ. κατὰ κληροῦς (1)  
 21. 4. ἐξῆλθεν ὁ κλ. τῷ δήμῳ Κασθ (1)  
 — 10. τοῦτοις ἐγενήθη ὁ κλ. (1)  
 23. 4. ἐν τοῖς κλ. εἰς τὰς φυλὰς ὑμῶν (1)  
 24. 30. πρὸς τοῖς ὁρίοις τοῦ κλ. αὐτοῦ (6)  
 Jd. 1. 3. ἀνάβηθι μετ' ἐμοῦ ἐν τῷ κλ. μου (1)  
 — 3. πορεύσομαι . . . ἐν τῷ κλ. σου (1)  
 20. 9. ἀναβησόμεθα ἐπ' αὐτὴν ἐν κλήρῳ (1)  
 21. 22. ὡς κληροῦς [A κατὰ τὸν καὶ οὐκ] πλημμελήσατε +  
 I Ch. 6. 54 (39). αὐτοῖς ἐγένετο ὁ κλ. (1)  
 — 61 (46). τοῖς υἱοῖς Κ. . . κληρῳ πόλεις δέκα (1)  
 — 63 (48). τοῖς υἱοῖς Μ. . . κληρῳ πόλεις δέκα δύο (1)  
 — 65 (50). ἔδωκαν ἐν κλήρῳ . . . τὰς πόλεις ταύτας (1)  
 24. 5. διεῖλεν αὐτοὺς κατὰ κλ. τοῦτους (1)  
 — 7. ἐξῆλθεν ὁ κλ. [A ὁλόκληρος] ὁ πρῶτος (1)  
 — 31. καὶ ἔλαβον αὐτοὶ κληροῦς (1)  
 25. 8. ἔβαλον καὶ αὐτοὶ κληροῦς ἐφ' ἡμερῶν (1)  
 — 9. ἐξῆλθεν ὁ κλ. [A ὁλόκληρος] ὁ πρῶτος (1)  
 26. 13. καὶ ἔβαλον κληροῦς (1)  
 — 14. ἔπεσαν ὁ κλ. τῶν πρὸς [A κατὰ] ἀνατολὰς (1)

I Ch. 26. 14. ἔβαλον κληροῦς (1)  
 — 14. ἐξῆλθεν ὁ κλ. Βορρά (1)  
 I Es. 4. 56. κληροῦς καὶ ὀφνῶνια (1)  
 Ne. 10. 34 (35). καὶ κληροῦς ἐβάλομεν περὶ κληροῦς ευλοφορίας (1, 8)  
 11. 1. Α B' ἔβαλον [B B' ἐλάβοσαν] κληροῦς (1)  
 Es. 8. 7. καὶ ἔβαλε κληροῦς (7 + 1)  
 — 7. καὶ ἔπεσαν ὁ κλ. (1)  
 4. 17. ἰάσθητι τῷ κλ. σου (1)  
 9. 24. ἔθετο ψήφισμα καὶ κληρὸν [B' ἔβαλεν Φοῦρ ὁ ἔστων κληρὸς] (1)  
 — 26. ἐπεκλήθησαν . . . Φρ. διὰ τοὺς κλ. (7)  
 10. 3. B B' ἐποίησε κληροῦς δύο (1)  
 — 3. Α B' B ἔλαβον οἱ δύο κλ. . . εἰς ἔθρον καὶ κληρὸν [B καὶ οὐκ] (1)  
 Ps. 21 (22). 18. ἐπὶ τὸν ἱματισμόν μου ἔβαλον κληρὸν (1)  
 80 (81). 15. ἐν ταῖς χερσὶ σου οἱ κλ. μου +  
 37 (68). 13. ἐὰν κοιμηθῇ ἀνὰ μέσον τῶν κλ. +  
 124 (125). 3. ἐπὶ τὸν κλ. τῶν δικαίων (1)  
 Pr. 1. 14. τὸν δὲ σὺν κλ. βάλε ἐν [B' om.] ἡμῖν (1)  
 18. 18. B' ἀντιλογίας παύει κληροῦς [A B B' συγγράς] (1)  
 Wi. 2. 9. αὐτὴ ἡ μερίς ἡμῶν καὶ ὁ κλ. οὗτος [A ἡμῶν] (1)  
 3. 14. κληροῦς ἐν ναφὶ κυρίου θυμωρίστερος (1)  
 5. 5. ἐν ἀγίοις ὁ κλ. αὐτοῦ ἔστων (1)  
 Si. 14. 15. τοὺς κόπους σου εἰς διαίρεσιν [A B' -σεις] κληρὸν [A -ων] (1)  
 25. 19. κληροῦς ἀμαρτωλοῦ ἐπιπέσει αὐτῇ (1)  
 37. 8. μή ποτε βάλῃ ἐπὶ σοὶ κληρὸν (3 a)  
 Ho. 5. 7. καταφάγεται . . . τοὺς κλ. αὐτῶν (3 a)  
 Mi. 2. 5. οὐκ ἔσται σοὶ βάλλων σχοῖνον ἐν κληρῳ (1)  
 JI. 3 (4). 3. ἐπὶ τὸν λαόν μου ἔβαλον κληροῦς (1)  
 Ob. 1. 11. καὶ ἐπὶ 'Ιερουσαλὴμ ἔβαλον κληροῦς (1)  
 Jn. 1. 7. δεῦτε βάλλωμεν κληροῦς (1)  
 — 7. ἔβαλον κληροῦς καὶ ἔπεσαν ὁ κλ. ἐπὶ 'Ι. (1, 1)  
 Na. 3. 10. ἐπὶ πάντα τὰ ἐνδοξα αὐτῆς βαλοῦσι κληροῦς (1)  
 Is. 34. 17. αὐτοῖς ἐπιβαλεῖ αὐτοῖς κληροῦς (1)  
 57. 6. οὗτος σου ὁ κλ. (1)  
 Je. 12. 13. οἱ κλ. αὐτῶν οὐκ ὀφελήσουσιν αὐτοῦς. +  
 18. 25. οὗτος ὁ κλ. [B -ρονομίᾳ] σου καὶ μερίς (1)  
 Ez. 24. 6. Α B' οὐκ ἔπεσαν [B ἐπέπε] ἐπ' αὐτὴν κλ. (1)  
 47. 22. βαλεῖτε αὐτὴν ἐν κλήρῳ (6)  
 48. 29. ἢ βαλεῖτε ἐν κλήρῳ (6)  
 Da. TH. 12. 13. ἀναστήθη εἰς τὸν κλ. σου (1)  
 I Ma. 2. 54. B ἔλαβε κληρὸν διαθήκης [A B ἔλ. διαθήκην] (1)  
 [Aq. Ge. 49. 14: Jo. 21. 20: Jd. 5. 16: II Ki. 2. 16: Pr. 18. 18.]  
 [Sm. Le. 16. 8 bis: Jo. 21. 20: II Ki. 2. 16: Ps. 67 (68). 14: Pr. 18. 18: Je. 16. 19.]  
 [Th. Pr. 18. 18: Is. 47. 6: Da. 12. 13.]  
 [Al. Nu. 27. 8: 34. 14: Jo. 21. 4: Pr. 1. 14.]  
 κληροῦς. (1) שׁוֹר ni. (2) שׁוֹר ni. (3) שׁוֹר ni.  
 I Ki. 14. 41. καὶ κληροῦται 'Ιωρ. (1)  
 Es. 4. 11. Α οὐκ ἐκκληρώθη [B B' οὐ κέκλημαι] εἰσελθεῖν [B ἔλ.] (3)  
 Is. 17. 11. ἢ ἂν ἡμέρῃ κληρώσῃ καὶ ὡς πατήρ ἀνθρώπου κληρώσῃ [B -σει] τοῖς υἱοῖς σου (27, -)  
 κληρουργία. (1) שׁוֹר  
 [Sm. Ru. 4. 7.]  
 κληρουχίς. (1) שׁוֹר  
 [Sm. Ps. 81 (82). 8.]  
 κληρουχία. (1) שׁוֹר  
 Ne. 11. 20. B' ἕκαστος ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ (1)  
 [Sm. Ps. 46 (47). 5: 73 (74). 2.]  
 κληρωτί. (1) שׁוֹר, שׁוֹר  
 Nu. 33. 54. Α κατακληρονομήσετε . . . κλ. [B' B ἐν κλήρῳ] (1)  
 Jo. 21. 4. κλ. πόλεις δέκα τρεῖς (1)  
 — 5. κλ. πόλεις δέκα (1)  
 — 6. Α κλ. [B om.] πόλεις δέκα τρεῖς (1)  
 — 7. κλ. πόλεις δώδεκα (1)  
 — 8. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. . . κλ. (1)  
 κλησίς. (1) שׁוֹר  
 Ju. 12. 10. Α οὐκ ἐκάλεσεν εἰς τὴν κλ. [B χρῆσιν] οὐδένα (1)

Je. 38 (31). 6. ἔστιν ἡμέρα κλήσεως ἀπολογου-  
μένων (1)  
III Ma. 5. 14. ὁ πρὸς ταῖς κλ. τεταγμένους  
κλιητός.  
Ep. Je. 40. πῶς . . . κλητέον αὐτοὺς ὑπάρχειν θεοῦ  
— 44. πῶς οὖν . . . κλητέον ὡς θεοὺς αὐτοὺς ὑπάρ-  
χειν  
— 64. οὐτε κλητέον [Α. ἐκδεκτέον] αὐτοὺς θεοῦς  
κλιητός. (1) α. מְקָרֵב ד. מְקָרֵב  
Ex. 12. 16. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῶν (1 δ)  
Le. 23. 2. ὅς καλέσετε αὐτὰς κλητὰς ἁγίας (1 δ)  
— 3. κλητὴ ἁγία τῶ κυρίου (1 δ)  
— 4. Β αὐταὶ αἱ ἔορται . . . κληταὶ ἁγία (1 δ)  
— 7. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῶν (1 δ)  
— 8. ἡ ἡμέρα ἡ ὀγδόη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῶν (1 δ)  
— 21. καλέσετε ταύτην τὴν ἡμέραν κλητὴν  
[Α. -ῆ] (1 δ)  
— 24, 27. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῶν (1 δ)  
— 35. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κλητὴ ἁγία (1 δ)  
— 36. ἡ ἡμέρα ἡ ὀγδόη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῶν (1 δ)  
— 37. ὅς καλέσετε κλητὰς ἁγίας (1 δ)  
Nu. 28. 25. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῶν (1 δ)  
Jd. 14. 11. ἔλαβον τριάκοντα κλητούς +  
II Ki. 15. 11. διακόσιοι ἄνδρες ἐξ Ἱερ. κλητοὶ (1 α)  
III Ki. 1. 41. Ἀδωνίας καὶ πάντες οἱ κλ. αὐτοῦ (1 α)  
— 49. πάντες οἱ κλ. τοῦ Ἀδωνίου (1 α)  
Ze. 1. 7. ἡγίασε τοὺς κλητοὺς αὐτοῦ (1 α)  
III Ma. 5. 14. ἀθρόους τοὺς κλ. ἰδών  
[Aq., Th. Pr. 9. 18: Is. 1. 13: 48. 12.]  
[Sm. Pr. 9. 18: Is. 1. 13: 48. 12.]  
[Al. Nu. 28. 16: 29. 12: I Ki. 9. 13.]  
κλίβανος. (1) כִּיבָן  
Ge. 15. 17. ἰδοὺ κλίβανος καπνίζόμενος (1)  
Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . ἐν τοῖς κλ. σου (1)  
Le. 2. 4. Β θυσιὰν πεπεμένην ἐκ κλιβάνου  
[Α. Β λιβ.] (1)  
6. 39 (7. 9). ἦτις ποιηθήσεται ἐν τῷ κλ. (1)  
11. 35. κλίβανοι . . . καθαιρεθῶσιν (1)  
26. 26. πύφουσι δέκα γυναῖκες . . . ἐν κλ. ἐνί  
Ps. 20 (21). 9. θήσεις αὐτοὺς ὡς κλίβανον πυρὸς (1)  
Ho. 7. 4. πάντες μοιχεύοντες ὡς κλ. καίμενος  
— 6. διότι ἀνέκαθεν ὡς κλίβανος αἱ καρδίαι  
αὐτῶν (1)  
— 7. πάντες ἐθελούμενοι ὡς κλίβανος (1)  
Ma. 4. 1. (3. 19). ἔρχεται καινομένη ὡς κλίβανος  
La. 5. 10. τὸ δέρμα ἡμῶν ὡς κλ. ἐπελιώθη  
[Aq., Sm., Th. Is. 81. 9.]  
κλίμα. (1) כִּימָה  
Jd. 20. 2. Α ἔστη τὸ κλ. παντὸς τοῦ λαοῦ [B al.] (1)  
[Aq. Le. 19. 27.]  
[Sm. Nu. 24. 17.]  
κλιμακτήρ. (1) α. כִּימָה ד. כִּימָה  
Ez. 40. 22. ἐν ἑπτά κλιμακτῆρσιν ἀνέβαινον ἐπ'  
αὐτόν (1 α)  
— 26. ἐπτά κλιμακτῆρες αὐτῇ (1 α)  
— 31. ὀκτὼ κλιμακτῆρες (1 δ)  
— 34, 37. ὀκτὼ κλιμακτῆρες αὐτῇ (1 α)  
43. 17. οἱ κλ. αὐτοῦ βλέποντες κατὰ ἀνατολὰς (1 α)  
κλίμαξ. (1) כִּימָה (2) מִשְׁבָּר  
Ge. 28. 12. ἰδοὺ κλίμαξ ἐστηρικμένη ἐν τῇ γῇ (2)  
Ne. 3. 15. ἔως τῶν κλ. τῶν καταβαινουσῶν ἀπὸ  
πόλεως Δ. (1)  
12. 37. ἀνέβησαν [B' -βόησαν] ἐπὶ κλίμακας  
πόλεως Δ. (1)  
I Ma. 5. 30. αἰρόντες κλίμακας καὶ μηχανάς  
11. 59. ἀπὸ τῆς κλ. Τύρου ἔως τῶν ὀρίων Αἰγ.  
κλίειν. (1) מִשְׁבָּר (2) מִשְׁבָּר (3) מִשְׁבָּר  
(4) מִשְׁבָּר α. qal. (5) מִשְׁבָּר (6) מִשְׁבָּר  
(7) מִשְׁבָּר α. qal. (8) מִשְׁבָּר (9) מִשְׁבָּר  
(10) מִשְׁבָּר (11) מִשְׁבָּר  
(12) מִשְׁבָּר α. qal. (13) מִשְׁבָּר (14) מִשְׁבָּר hi.  
Jd. 7. 5. ὅς ἐάν κλινῇ ἐπὶ [Α. κάμψῃ] τὰ γόνατα (3)  
— 6. ἐκλιναν [Α. ἐκαμψαν] ἐπὶ τὰ γόνατα (3)  
9. 3. ἐκλιναν ἡ καρδία αὐ. ὁπίω ΑΒ. (7 α)  
16. 30. Α ἐκλιναν [B ἐβάσταξαν] ἐν ἰσχυρί (7 α)  
19. 8. ἔως κλιναι τὴν ἡμέραν [Α. κλινῇ ἡ -] (7 α)

Jd. 19. 9. Α εἰς ἰστέραν κέκλινεν [B ἠσθένει] (15)  
— 11. Α καὶ ἡ ἡμέρα κεκλικυῖα [B προβεβή-  
κει] σφόδρα (2)  
I Ki. 4. 2. καὶ ἐκλινεὶ τὸ πόλεμος (8)  
14. 32. ἐκλίσθ ὁ λαὸς εἰς τὰ σκύλα (9, 10\*)  
II Ki. 19. 14 (15). ἐκλινε τὴν καρδίαν παντὸς  
ἄνδρος (7 c)  
22. 10. καὶ ἐκλινεν οὐρανούς (7 δ)  
III Ki. 2. 28. Α Β' 'I. ἦν κεκλικῶς [B -ῆκως]  
ὁπίω ΑΔ. (7 α)  
— 28. ὁπίω ΑΒ. οὐκ ἐκλινε (7 α)  
11. 3. Α ἐκλιναν γυναῖκες αὐτοῦ τὴν καρδίαν  
αὐτοῦ (7 δ)  
20 (21). 27. Α καὶ ἐπορεύθη κεκλικμένος [B om.] (1)  
IV Ki. 8. 1. Α κέκλινεν [B κέκλινε] κύριος λιμὸν +  
19. 16. κλίνων, κύριε, τὸ οὖς σου (7 δ)  
20. 10. κοῦφον τὴν σκίαν κλιναι (7 α)  
II Es. 7. 28. ἐπ' ἡμέ ἐκλινεν ἔλεος (7 δ)  
9. 5. κλίνω ἐπὶ τὰ γόνατά μου (8)  
— 9. ἐκλιναν ἐφ' ἡμᾶς ἔλεος (7 δ)  
Jb. 38. 37. οὐρανὸν [B -ὅς] δὲ εἰς γῆν ἐκλινε (14)  
Ps. 16 (17). 6. κλίνων τὸ οὖς σου ἐμοί (7 δ)  
17 (18). 9. ἐκλιναν οὐρανὸν [B' -οὐς] (7 α)  
20 (21). 11. ἐκλιναν εἰς σὲ κακά (7 α)  
30 (31). 2. κλίνων πρὸς με τὸ οὖς σου (7 δ)  
44 (45). 10. κλίνων τὸ οὖς σου (7 δ)  
45 (46). 6. ἐκλιναν βασιλείαι (4 α)  
48 (49). 4. κλινῶ εἰς παραβολὴν τὸ οὖς μου (7 δ)  
61 (62). 3. ὅς τοιχα κέκλινε καὶ φραγμὴ  
ῥωμῆφ (7 α)  
70 (71). 2. κλίνων πρὸς με τὸ οὖς σου (7 δ)  
74 (75). 8. ἐκλινεν ἐκ τούτου εἰς τούτο +  
77 (78). 1. κλινάτε τὸ οὖς ὑμῶν (7 δ)  
85 (86). 1. κλίνων, κύριε, τὸ οὖς σου (7 δ)  
87 (88). 2. κλίνων τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέσιν μου (7 δ)  
101 (102). 2. κλίνων πρὸς με τὸ οὖς σου (7 δ)  
— 11. αἱ ἡμέραι μου ὥστε σκιά ἐκλίσθησαν (7 α)  
103 (104). 5. οὐ κλίσθηται [Α. κινήθ, Β' κληθ.]  
εἰς τὸν αἰῶνα τὸν αἰῶνος (4 δ)  
114 (116). 2. ἐκλινε τὸ οὖς αὐτοῦ ἐμοί (7 δ)  
118 (119). 36. κλίνων τὴν καρδίαν μου  
— 112. ἐκλιναι τὴν καρδίαν μου (7 α)  
143 (144). 5. κλίνων οὐρανούς σου (7 δ)  
Pr. 21. 1. ἐκεῖ [Α. om.] ἐκλινεν αὐτὴν (7 δ)  
Si. 4. 8. κλίνων πτωχὸν τὸ οὖς σου  
6. 33. ἐάν κλινῇ [B ἐκκλ.] τὸ οὖς σου σοφὸς ἔσθ  
15. 4. καὶ οὐ μὴ κλίσθ [B κλισθῇ]  
51. 16. ἐκλιναι ὀλίγον τὸ οὖς μου  
Za. 14. 4. καὶ κλινεὶ τὸ ἦμισυ τοῦ ὄρους πρὸς  
Βορρὰν (5)  
Is. 24. 20. ἐκλινεν [B' add. καὶ σεισθήσεται ἡ  
γῇ ἐκλινε] ὡς ὁ μεθύνων καὶ κραι-  
παλὼν (4 α, 6)  
33. 23. ὁ ἰσθός σου ἐκλινεν +  
37. 17. Β κλίνων, κύριε, τὸ οὖς σου (7 δ)  
Je. 6. 4. κέκλινε ἡ ἡμέρα (11)  
17. 23. οὐκ ἐκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 δ)  
81 (48). 12. ἀποστελῶ αὐτὰς κλίνοντας καὶ κλι-  
νοῦσιν αὐτὸν (12 α, 13 δ)  
41 (34). 14. οὐκ ἐκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 δ)  
42 (35). 15. οὐκ ἐκλινάτε τὰ ὦτα ὑμῶν (7 δ)  
51 (44). 5. οὐκ ἐκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 δ)  
Ba. 2. 16. κλίνων, κύριε, τὸ οὖς σου  
— 21. κλινάτε τὸν ὄμον ὑμῶν  
Ep. Je. 27. μήτε ἐάν κλίσθ οὐ μὴ ὀρθωθῇ  
Da. Th. 9. 18. κλίνων, ὁ θεός μου, τὸ οὖς σου (7 δ)  
[Aq. I Ki. 8. 3: III Ki. 11. 3: 21. 27: Ps. 26  
(27). 9: Pr. 4. 20: 5. 13: Ec. 12. 4: Ca. 4.  
6: 5. 6.]  
[Sm. Ps. 45 (46). 3: 54 (55). 23: Pr. 4. 20: 5.  
13: Ca. 2. 17: 4. 6: Ez. 32. 18.]  
[Th. I Ki. 8. 3: III Ki. 21. 27: Pr. 4. 20: 5.  
1, 13: Is. 24. 19: 37. 17: Ez. 10. 11:  
32. 18.]  
[Al. Nu. 21. 15: I Ki. 10. 9: Ps. 48 (49). 5:  
148 (144). 5:]  
[Quint. Ps. 20 (21). 12.]  
κλινῇ. (1) מִשְׁבָּר (2) מִשְׁבָּר (3) מִשְׁבָּר  
Ge. 48. 2. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κλ. (1)  
49. 33. ἐξέρας τοὺς πόδας αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κλ. (1)  
Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . ἐπὶ τῶν κλ.  
σου (1)  
De. 3. 11. ἡ κλ. αὐτοῦ κλ. σιδηρὰ (3, 3)  
I Ki. 19. 13. καὶ ἔθετο ἐπὶ τὴν κλ. (3)  
— 15. ἀγάγετε αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. (1)

I Ki. 19. 16. ἰδοὺ τὰ κενοτάφια ἐπὶ τῆς κλ. (1)  
II Ki. 3. 31. ἐπορεύετο ὁπίω τῆς κλ. (1)  
4. 7. ἐκάθυσεν ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)  
— 11. ἐπὶ τῆς κοίτης [B' κλ.] αὐτοῦ (2)  
III Ki. 17. 19. ἐκοιμήθη [Α. -ῆσεν] αὐτὸν ἐπὶ  
τῆς κλ. [Α. κλ. αὐτοῦ] (1)  
20 (21). 4. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)  
IV Ki. 1. 4. ἡ κλ. [Α. κλ. σου] ἐφ' ἧς ἀνέβης  
ἐκεῖ (1)  
— 6. ἡ κλ. [Α. om. ἡ κλ.] ἐφ' ἧς ἀνέβης (1)  
— 16. ἡ κλ. ἐφ' ἧς ἀνέβης (1)  
4. 10. θάψμεν αὐτὸν ἐκεῖ κλινῇ  
— 21. ἐκοιμίσεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλ. (1)  
— 32. κεκοιμισμένον [Α. -μνημένον] ἐπὶ τὴν κλ.  
αὐτοῦ (1)  
11. 2. καὶ τὴν τροφὴν αὐτοῦ ἐν τῷ ταμείῳ  
τῶν κλ. (1)  
II Ch. 16. 14. ἐκοιμίσαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. (2)  
22. 11. εἰς ταμῖον κλινῶν (1)  
24. 25. ἐθανάτωσαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)  
To. 8. 4. ἀνέστη Τωβίας ἀπὸ τῆς κλ. [B al.]  
14. 11. ἐξέλειπεν ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐπὶ τῆς κλ. [B al.]  
Ju. 8. 3. Α Β Β' καὶ ἔπενεν ἐπὶ τὴν κλ. (1)  
10. 21. ἦν Ὁλ. ἀναπαυόμενος ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ  
13. 2. Α Β καὶ Ὁλ. προσηγγεῖς ἐπὶ τὴν κλ. ἐαυτοῦ  
14. Α Β στάσα 'I. παρὰ τὴν κλ. αὐτοῦ  
— 6. Α Β προσελθούσα τῷ κανόνι τῆς κλ.  
— 7. Α Β ἐγγίσασα τῆς κλ.  
15. 11. πάντα τὰ ἀργυρώματα καὶ τὰς κλ.  
Es. 1. 6. κλ. χρυσαὶ καὶ ἀργυραὶ (1)  
7. 8. Α δὲ ἐπιπετώκει ἐπὶ τὴν κλ. (1)  
Jb. 7. 13. παρακαλεῖται με ἡ κλ. μου (3)  
Ps. 6. 6. λούσω καθ' ἐκάστην νύκτα τὴν κλ. μου (1)  
40 (41). 3. ἐπὶ κλινῆς ὀδύνῃς αὐτοῦ (3)  
131 (132). 3. εἰ ἀναβήσομαι ἐπὶ κλινῆς στρωμ-  
νῆς μου (8)  
Pr. 7. 16. κείριας [Α. κρη.] τέτακα τὴν κλ. μου (3)  
28. 14. οὕτως ὀκνηρὸς ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)  
Ca. 1. 16. πρὸς κλινῇ ἡμῶν σύσκιος (3)  
3. 7. ἰδοὺ ἡ κλ. τοῦ Σαλωμών (1)  
Si. 23. 18. ἀνθρώπος παραβαίνων ἀπὸ τῆς κλ. αὐτοῦ  
[Α. al.]  
48. 6. ὁ καταγαγὼν . . . δεδοξασμένους ἀπὸ κλινῆς  
αὐτῶν  
Am. 6. 4. οἱ καθέδοντες ἐπὶ κλινῶν ἐλεφαντίνων (1)  
Ez. 23. 41. ἐκάθον ἐπὶ κλινῆς ἐστρωμέναις (1)  
[Aq. Ge. 47. 31: I Ki. 28. 23.]  
[Sm. Ge. 47. 31: I Ki. 28. 23: Am. 3. 12.]  
[Th. I Ki. 28. 23: Am. 3. 12.]  
[Hob. Ge. 47. 31.]  
κλισία.  
III Ma. 6. 31. Α κλισίας κατεμερίσαντο πλήρεις χαρ-  
μονῆς [B al.]  
κλίτος. (1) α. מִשְׁבָּר (2) מִשְׁבָּר (3) מִשְׁבָּר  
(4) מִשְׁבָּר (5) מִשְׁבָּר (6) מִשְׁבָּר (7) מִשְׁבָּר  
(8) מִשְׁבָּר (9) α. מִשְׁבָּר (10) מִשְׁבָּר (11) מִשְׁבָּר  
Ez. 25. 11 (12). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὰ τέσσαρα κλ. (8)  
— 11 (12). δύο δακτυλίους ἐπὶ τὸ κλ. τὸ ἐν (8)  
— 11 (12). δύο δακτυλίους ἐπὶ τὸ κλ. τὸ δευτ. (8)  
— 13 (14). εἰς τοὺς δακτυλίους τοὺς ἐν τοῖς  
κλ. τῆς κιθωτοῦ (8)  
— 17 (18). ἐξ ἀμφοτέρων τῶν κλ. τοῦ ἱλαστη-  
ρίου (8 δ)  
— 18 (19). Χερουβ εἰς ἐκ τοῦ κλ. τούτου (8 δ)  
— 18 (19). Χερουβ εἰς ἐκ τοῦ κλ. τοῦ δευτ. (8 δ)  
— 18 (19). ποιήσεις τοὺς δύο Χερουβὶμ ἐπὶ  
τὰ δύο κλ. (8 δ)  
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι . . . ἐκ τοῦ κλ.  
τοῦ ἐνὸς αὐτῆς (7)  
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι . . . ἐκ τοῦ κλ.  
τοῦ δευτέρου (7)  
26. 18. ἐκ τοῦ κλ. τοῦ πρὸς βορρὰν (5)  
— 20. τὸ κλ. τὸ δευτέρον . . . εἰκοσι στύλους (8)  
— 27. κλίτει τῆς σκηνῆς τῷ δευτέρῳ (8)  
— 27. τῷ [Α. om.] κλ. τῆς σκηνῆς τῷ πρὸς  
θάλασσαν (8)  
— 28. ἀπὸ τοῦ ἐνὸς κλ. εἰς τὸ ἕτερον κλ. (8 α, 9 α)  
27. 4. ὑπὸ [Α. Β' ἐπὶ] τὰ τέσσαρα κλ. (8 δ)  
— 9. εἰς τὸ κλ. τὸ πρὸς λίββα (8)  
— 9. μῆκος ἑκατὸν πήχων τῷ ἐνὶ κλ. (5)  
— 11. Α Β τῷ κλ. [B om. τῷ κλ.] τῷ πρὸς  
ἀπηλιώτην [Α. βορρὰν] (5)  
— 14. τὸ ὕψος τῶν ἱστίων τῷ κλ. τῷ ἐνὶ (2)

Ex. 27. 15. τὸ κλ. τὸ δεύτερον . . . τῶν ἱστίων  
τὸ ὕψος (2)  
28. 24. ἐπ' ἀμφότερων τῶν κλ. τοῦ λογιῶν (9 δ)  
30. 4. εἰς τὰ δύο κλ. ποιήσεις (8)  
37. 9 (38. 11). Δ<sup>3</sup> B τὸ κλ. τὸ πρὸς βορρῶν (5)  
— 9 (38. 11). B τὸ κλ. τὸ πρὸς νότον  
— 10 (38. 12). τὸ κλ. τὸ πρὸς [Δ κατὰ] θάλασσαν (5)  
— 11 (38. 13). τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολάς (6)  
38 (37). 3. δύο ἐπὶ τὸ κλ. τὸ ἐν καὶ δύο ἐπὶ τὸ  
κλ. τὸ δεύτερον (8, 8)  
— 10 (37. 13). δύο ἐπὶ τοῦ κλ. τοῦ ἐνὸς καὶ  
δύο ἐπὶ τοῦ κλ. τοῦ δευτέρου  
[Δ α.] (—, 5)  
40. 22. ἐπὶ τὸ κλ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτυρίου (1 α)  
— 24. εἰς τὸ κλ. τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς νότον (1 α)  
Nu. 34. 3. ἔσται ὕμιν τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα [Δ  
βορρᾶ] (5)  
35. 5. μετρήσεις . . . τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολάς  
. . . καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα . . .  
καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς θάλασσαν . . .  
καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς βορρᾶν (5 quater)  
III Ki. 7. 39. ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ νότου (3)  
II Ch. 29. 4. εἰς τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολάς (10)  
Ps. 90 (91). 7. πεσείται ἐκ τοῦ κλ. σου χιλιάς (7)  
127 (128). 3. Δ<sup>3</sup> B ὡς ἄμπλος ἐθνηνοῦσα ἐν  
τοῖς [B<sup>3</sup> B ταῖς] κλ. τῆς οἰκίας σου (1 δ)  
Ez. 46. 21. αὐλὴ κατὰ τὰ [Δ om.] κλ. τῆς αὐλῆς  
[Δ add. αὐλῆς] (4)  
— 21. κατὰ τὸ κλ. αὐλῆς (4)  
— 22. καὶ [Δ κλίτῃ] τῆς αὐλῆς αὐλὴ μικρά (4)  
47. 1. τὸ ὕδωρ κατέβαινε ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ δεξιῶ (2)  
— 2. τὸ ὕδωρ κατέφευγε ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ δεξιῶ (2)  
[Th. I Ki. 14. 38.]  
**κλιτύς.** (1) כְּלִיטָה  
Ps. 127 (128). 3. B<sup>2</sup> B ὡς ἄμπλος ἐθνηνοῦσα ἐν  
ταῖς [Δ<sup>3</sup> B ταῖς] κλ. τῆς οἰκίας σου (1)  
**κλοιός, κλοιόν (?)**. (1) כְּלוֹיֹן (2) כְּלוֹיֹן  
(3) לָו (4) כְּלוֹיֹן (5) כְּלוֹיֹן  
Ge. 41. 42. περιέθηκε κλοιὸν χρυσοῦν (5)  
De. 28. 48. ἐπιθήσει κλ. σιδηροῦν ἐπὶ τὸν τράχη-  
λόν σου (9)  
Jd. 8. 26. Α πλὴν τῶν κλ. τῶν χρυσῶν [B α.] (4)  
III Ki. 12. 4. ὁ πατὴρ σου ἐβάρυνε τὸν [Δ τὸ]  
κλ. ἡμῶν (3)  
— 4. καὶ ἀπὸ τοῦ κλ. αὐτοῦ τοῦ βαρέως (3)  
— 9. κοφίσαν ἀπὸ τοῦ κλ. (3)  
— 10. ὁ πατὴρ σου ἐβάρυνε τὸν κλ. ἡμῶν (8)  
— 11. ὁ πατὴρ μου ἐπέσασαί τοι ἡμᾶς κλ. βαρεῖ  
κατὰ προσθήσων ἐπὶ τὸν κλ. ἡμῶν (3, 3)  
— 14. ὁ πατὴρ μου ἐβάρυνε τὸν κλ. ἡμῶν (3, 3)  
— 24. B ὁ πατὴρ σου ἐβάρυνε τὸν κλ. αὐτοῦ  
ἐφ' ἡμᾶς —  
I Ch. 18. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς κλ. τοὺς χρυσοῦς +  
Jb. 40. 21 (26). Α καὶ ἐλίσσεις κλοιὸν ἐν τῇ μυκ-  
τήρι αὐτοῦ [B α.] +  
Pr. 1. 9. καὶ κλοιὸν χρυσοῦν περὶ σφ. τραχήλῃ (4)  
Si. 6. 24. εἰς τὸν κλ. αὐτῆς τὸν τράχηλόν σου  
— 29. Α B οἱ κλ. [B α. κλάδοι] αὐτῆς εἰς στολὴν  
δόξης  
Hb. 2. 6. βαρύνων τὸν κλ. αὐτοῦ στίβαρως (2 ?)  
Is. 43. 14. Α B<sup>2</sup> Χαλδαῖοι ἐν κλοιοῖς [B<sup>3</sup> πλ.]  
δεθίσονται +  
Je. 34 (27). 2. ποιήσαν δεσμοὺς καὶ κλοιούς (1)  
35 (28). 10. ἔλαβεν Ἀναίας . . . τοὺς κλ. (1)  
— 12. μετὰ τὸ συντρίψαι Ἀναίαν τοὺς κλ. (1)  
— 13. κλοιούς ἐξυλίσσας συνέτριψας καὶ ποιήσας  
ἀντ' αὐτὰν κλοιούς σιδηροῦς (1, 1)  
Ez. 84. 27. Α ἐν τῇ συντρίψει με τὸν (υἱὸν τοῦ  
κλ. [B om. τ. κλ.] αὐτῶν (3)  
Da. TH. 8. 25. ὁ (υἱὸς) τοῦ κλ. αὐτοῦ κατευνεῖ +  
[Αq. II Ki. 8. 7 : Jb. 28 (85). 10.]  
[Sm. Is. 58. 9 : Je. 28 (35). 10 : Ez. 20. 37.]  
[Th. Ps. 128 (129). 4 : Is. 10. 27 : 58. 6, 9 : Je.  
28 (85). 10.]  
[Al. Le. 28. 13.]  
[Quint. Ps. 128 (129). 4.]  
**κλονεῖν.**  
[Αq. Ge. 45. 24 : Ex. 15. 14, 15 : Dt. 28. 65 :  
I Ki. 28. 15 : II Ki. 7. 10 : 18. 33 (19. 1) : Ps.  
4. 5 : Is. 5. 25 : 13. 13 : 14. 9, 16 : 32. 11 : 64.  
2 (1).]  
[Sm. Jd. 9. 13.]

**κλόνησις.**

[Αq. Jb. 8. 17, 26 : 14. 1 : 37. 2.]

**κλόνος.**

[Αq. Ez. 12. 18.]

**κλοπή.**

(1) כְּלָפָה a. qal. δ. pu. c. כְּלָפָה

Ge. 40. 15. κλοπή ἐκλάπη ἐκ γῆς Ἑβραίων (1 δ)

Pr. 9. 17. καὶ ὕδατος κλοπῆς [Α κλοπῆς] γλυκεροῦ (1 α)

Wi. 14. 25. κλοπή καὶ δόλος

Si. 41. 19. ἀπὸ τύπου οὗ παροικεῖς περὶ κλοπῆς [B  
πλοκή]

Ho. 4. 2. ἀρὰ κ. ψεύδος κ. φόνος κ. κλοπή (1 α)

Je. 81 (48). 27. ἐν κλοπαῖς σου εὐρέθῃ (1 c)

[Sm. Jb. 4. 12.]

[Th. Ez. 22. 12 (11).]

**κλοποφορεῖν.** (1) כְּלָפָה

Ge. 31. 26. ἐκλοποφόρησας με (1)

**κλύδων.** (1) א. כְּלֻדָּה δ. כְּלֻדָּה

Pr. 28. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῶν κλύδων +

Wi. 14. 5. διελθόντες κλύδωνα σχεδία διεσώθησαν

19. 7. χλοηφόρον πεδῖον ἐκ κλύδωνος βαιῶν

Jn. 1. 4. ἐγένετο κλύδων μέγας ἐν τῇ θαλάσῃ (1 b)

— 11. ἡ θάλασσα . . . ἐξήγειρε μάλλον κλύ-  
δωνα (1 α)

— 12. ὁ κλ. ὁ μέγας οὗτος ἐφ' ἡμᾶς ἐστὶ (1 δ)

I Ma. 6. 11. ὥς τίνος θλίψεως ἦλθον καὶ κλ. μεγά-  
λουIV Ma. 7. 5. περιέκασσε τοὺς μαινομένους [B ἐπιμ.]  
τῶν παθῶν κλ.15. 31. κοσμοφοροῦσα καρτερῶς [Α -οὺς] ὑπήνεγκε  
[B -έμεινε] τοὺς κλ.**κλυδωνίζεσθαι.** (1) כְּלָפָה

Is. 57. 20. οἱ δὲ ἄδικοι κλυδωνισθήσονται (1)

**κλύζειν.**

[Αq. Ps. 31 (32). 6 : Is. 28. 15.]

[Sm. Is. 28. 15.]

**κλώδαλον.**Wi. 11. 15. Δ<sup>3</sup> ἐθρόσκευον κλώδαλα [Δ<sup>3</sup> B α κνώδ.]  
εὐτελεῖ**κλώθειν.**

(1) כְּלָפָה (2) כְּלָפָה hoph. (3) כְּלָפָה

Ex. 25. 4. βύσσον κεκλωσμένην —

26. 1. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)

— 1, 31, 36. κοκκίνου κεκλωσμένου (2)

— 36. βύσσου κεκλωσμένης (2)

27. 9. Α B ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)

— 16. κοκκίνου κεκλωσμένου (3)

— 16. βύσσου κεκλωσμένης (2)

— 18 : 28. 6. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)

28. 8. βύσσου κεκλωσμένης (2)

— 15. κοκκίνου κεκλωσμένου (2)

— 15. βύσσου κεκλωσμένης [Α -ου] (2)

— 29 (33). βύσσου κεκλωσμένης (2)

— 33 (37). ἐπὶ ὑακίνθου κεκλωσμένης (1)

31. 4. Α καὶ τὴν βύσσον τὴν κεκλωσμένην (2)

35. 6. βύσσον κεκλωσμένην —

36. 9 (39. 2). ἐκ . . . βύσσου κεκλωσμένης (2)

— 10 (39. 3). σὺν . . . τῇ βύσσῳ τῇ κεκλω-  
σμένη (2)— 12 (39. 5), 15 (39. 8), 32 (39. 24), 36 (39.  
28) : 37. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 7  
(38. 9), 14 (38. 16), 16 (38. 18). 18.  
βύσσου κεκλωσμένης (2)

Le. 14. 4. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (2)

— 6. Α καὶ τὸ κεκλωσμένον [B κλωστὸν] κόκ-  
κινον (2)

— 49. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3)

— 51. καὶ τὸ κεκλωσμένον κόκκινον (3)

— 52. καὶ ἐν τῇ κεκλωσμένῳ κοκκίνῳ (3)

Si. 45. 11. κεκλωσμένην κόκκινον ἔργῳ τεχνίτου  
[Hob. Ex. 39. 29 (37).]**κλών.**

(1) כְּלָפָה (2) כְּלָפָה

Jb. 18. 13. θρωπίσαν αὐτοῦ κλώνες ποδῶν (1 ?)

40. 17 (22). σκάδονται δὲ . . . κλώνες ἀγροῦ  
[Δ B<sup>3</sup> ἀγροῦ]Wi. 4. 5. περικλωσθήσονται κλώνες ἀτέλειστοι [Δ  
-τατοί]**κλώσμα.**

(1) כְּלָפָה

Nu. 15. 38. ἐπιθήσετε . . . κλ. ὑακίνθινον (1)

Jd. 16. 9. Α δὴν τρόπον διασπάται κλώσμα [B α.] (1)

Si. 6. 30. οἱ δασμοὶ αὐτῆς κλώσμα ὑακίνθινον

[Sm. Jb. 52. 21.]

[Th. Ez. 28. 28 : Jd. 16. 9.]

**κλωστός.** (1) כְּלָפָה

Le. 14. 6. καὶ τὸ κλ. [Δ κεκλωσμένον] κόκκινον (1)

**κνώ.**

[Hob. Jb. 2. 8.]

**κναφεύς, vid. γραφεύς.****κνήμη.** (1) א. כְּנִימָה δ. כְּנִימָה

De. 28. 35. ἐπὶ τὰ γόνατα καὶ ἐπὶ τὰς κν. (1 α)

Jd. 15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς κνήμην ἐπὶ μηρὸν (1 α)

Ps. 146 (147). 10. οὐδὲ ἐν ταῖς κν. τοῦ ἀνδρός  
εὐδοκεῖ (1 α)

Ca. 5. 15. κνήμαι αὐτοῦ στύλοι μαρμάρινου (1 α)

Is. 47. 2. B B ἀνάσμεν [Δ B -ραι] τὰς κν. (1 α)

Da. TH. 2. 33. αἱ κν. σιδηραὶ (1 δ)

[Αq. Ez. 29. 22 : I Ki. 9. 24.]

[Sm. Ez. 29. 22 : Pr. 28. 7.]

[Th. Ez. 29. 22.]

[Al. Le. 7. 32 : 8. 25 : 9. 21.]

**κνημῖς.** (1) כְּנִימָה

I Ki. 17. 6. κν. χαλκαὶ ἐπάνω τῶν σκελῶν αὐτοῦ (1)

[Αq., Sm., Th. Le. 8. 25.]

**κνήφη.** (1) כְּנִיפָה

De. 28. 27. καὶ ψόρα ἀγρία καὶ κνήφη (1)

**κνίδη.** (1) כְּנִידָה

Jb. 31. 40. ἀντὶ πυροῦ ἀρα ἐξέλθοι μοι κνίδη (1)

[Sm. Is. 55. 13.]

**κνίειν.**

(1) כְּנִידָה

Am. 7. 14. αἰπόλος ἤμην κνίειν σὺκάμιν (1)

[Αq., Th. Pr. 6. 13 : 16. 30.]

[Sm. Pr. 16. 30.]

**κνίς.**

[Αq., Th. Is. 34. 13.]

[Sm. Is. 34. 13 : 55. 13.]

**κνώδαλον.**

Wi. 11. 15. ἐθρόσκευον . . . κνώδαλα [Δ κλώδ.] εὐτελεῖ

16. 1. διὰ πλήθους κνώδων ἐβασανίσθησαν

17. 9. κνώδων παρόδοις . . . ἐκσποσθήμενοι [Α  
ἐκπεφοβ.]**κοθωνός.** (1) כְּזִיזָהII Es. 2. 69. καὶ κοθωνὸς [Α χιτώνες] τῶν ἱερῶν  
ἐκατόν (1)**κοιλάς.** (1) כְּוִיָּה (2) כְּוִיָּה (3) כְּוִיָּה

Ge. 14. 8. παρετάξαντο . . . ἐν τῇ κ. τῇ ἀλυκῇ (2)

— 10. ἡ δὲ κ. ἡ ἀλυκὴ φέρεται ἀσφάλτου (2)

— 17. B εἰς τὴν κ. τοῦ [Δ τὴν] Σ. (2)

— 37. 14. ἀπέστειλεν αὐτὸν ἐκ τῆς κ. τῆς Χ. (2)

Le. 14. 37. ὄψεται τὴν ἀφῆν . . . κ. χλωρίζουσας (3)

Nu. 14. 25. κατοικοῦσιν ἐν τῇ κ. (2)

Jo. 17. 16. ἐν τῇ κ. Ἰερουσάλ. (2)

— 19. 48. καταβῆναι εἰς τὴν κ. —

Jd. 1. 19. τοὺς κατοικοῦντας τὴν κ. (2)

— 34. καταβῆναι εἰς τὴν κ. (2)

5. 14. Α ἐν κοιλάδι ἀδελφοῦ σου Βενιαμὴν  
[B α.] +— 15. ἐν κοιλάσιν ἀπέστειλεν ἐν ποσὶν αὐτοῦ  
[Δ α.] (2)

6. 33. Α B παρενέβαλον ἐν τῇ [B om.] κ. ἰ. (2)

7. 1. παρεμβολὴ Μαδιάμ . . . ἐν [Δ ἐν τῇ] κοιλάδι (2)

— 8. καὶ ἡ παρεμβολὴ Μ. . . ἐν τῇ κ. (2)

— 12. βεβλήμενοι [Δ παρεμβεβλήμενοι] ἐν τῇ κ. (2)

18. 28. καὶ αὐτὴ ἐν τῇ [Δ om.] κ. (2)

I Ki. 8. 13. ἐθίμενον θηρίων πυρῶν ἐν κοιλάδι (2)

— 17. 2. παρεμβάλλουσιν ἐν τῇ κ. (2)

— 19. Α καὶ πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. ἐν τῇ κ. τῆς δρυός (2)

21. 9 (10). ὃν ἐπάταξας ἐν τῇ κ. Ἠλᾶ (2)

31. 7. οἱ ἐν τῇ πέτρῳ τῆς κ. τῶν Τιτάνων (2)

II Ki. 5. 18. συνέπεσαν εἰς τὴν κ. τῶν Τιτάνων (2)

— 22. συνέπεσαν ἐν τῇ κ. τῶν Τιτάνων (2)

18. 18. τὴν στήλην [Δ -λωσι] τὴν ἐν τῇ κ.  
τοῦ Βασ. (2)

23. 13. παρενέβαλον ἐν τῇ κ. Ἰ. (2)

III Ki. 21 (20). 23. Α B καὶ οὐ θεὸς κοιλάδων  
[B -ος] —

— 28. καὶ οὐ θεὸς κοιλάδων (2)

1 Ch. 11. 15. ἐν τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)  
 14. 9. συνεκείανεν ἐν [B om.] τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)  
 — 13. ἐν τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)  
 18. 12. ἐν κοιλιάδι [B τῇ κ.] τῶν δῶν (1)  
 — 13. ἔθετο ἐν τῇ κ. φρουράς (2)  
 11 Ch. 20. 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα ... Κοιλὰς ἐν-  
 λογίας (2)  
 25. 11. ἐπορεύθη εἰς τὴν κ. τῶν δῶν (2)  
 Ps. 59 (60). 6. τὴν κ. τῶν σκηνῶν διαμετρήσω (2)  
 64 (65). 13. αἱ κ. πληθύνουσιν σίτον (2)  
 83 (84). 6. A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> εἰς τὴν κ. [B S<sup>1</sup> ἐν τῇ κ.]  
 τοῦ κλαυθμῶνος (2)  
 107 (108). 7. τὴν κ. τῶν σκηνῶν διαμετρήσω  
 [B al.] (2)  
 Ca. 2. 1. ἐγὼ ... κρίνον τῶν κ. (2)  
 Ho. 1. 5. συντρίψω τὸ τόξον τοῦ 'I. ἐν [A add.  
 τῇ] κοιλιάδι τοῦ 'I. (2)  
 2. 15 (17). καὶ δώσω αὐτῇ ... τὴν κ. 'A. (2)  
 Mi. 1. 4. αἱ κοιλίδες ταχίσονται ὡς κηρός (2)  
 J. 1. 8 (4). 2. καὶ κατὰς αὐτὰ εἰς τὴν κ. 'Iωσαφάτ  
 — 12. ἀναβαίνεωσαν πάντα τὰ ἐξῆς εἰς τὴν κ.  
 'Iω. (2)  
 — 14. ἡχοι ἐξήρχαν ἐν τῇ κ. [B<sup>1</sup> -λη] τῆς δικῆς (2)  
 — 14. ἐγγύς ἡμέρα κ. ἐν τῇ κ. τῆς δικῆς (2)  
 Je. 21. 13. ἐγὼ πρὸς σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν κ.  
 σόρ (2)  
 [Aq. Jo. 7. 26: 18. 19. 27: 1 K. 17. 2: Jb. 39.  
 21: Ps. 59 (60). 8: 83 (84). 7: Is. 22. 7: 65.  
 10: J. 47 (29). 5: 48 (81). 8.]  
 [Sm. Jo. 7. 24, 26: 18. 19. 27: 19. 27:  
 Jd. 7. 25: Jb. 39. 10: Ps. 83 (84). 7: Is. 22.  
 7: 65. 10: J. 17. 26: 82 (89). 44: 48  
 (81). 8.]  
 [Th. Jo. 7. 24: 18. 19: Jd. 5. 14: 7. 25: 1 K.  
 18. 18: 17. 2: Jb. 39. 21: Is. 22. 7: 65. 10:  
 Je. 31 (38). 40: Ob. 19.]  
 [Al. Jo. 11. 16.]  
**κοίλασμα.** (1) שָׁרִיב  
 Is. 8. 14. ἐν κοίλασματι ἐγκαθήμενοι ἐν 'Iερ. (1?)  
**κοιλία.** (1) כִּיָּב (2) כִּיָּב pl. (3) חִיָּב  
 (4) שָׁרִיב (5) a. שָׁרִיב δ. שָׁרִיב (6) כִּיָּב  
 (7) חִיָּב (8) ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. φωνεῖν  
 מִן hi.  
 Ge. 3. 14. ἐπὶ τῷ στήθει σου καὶ τῇ κ. πορεύσῃ (8)  
 25. 23. δύο λαοὶ ἐκ τῆς κ. σου διασταλθήσονται (5 a)  
 — 24. B ἦν διδύμου ἐν τῇ κ. [A γαστρί] αὐτῆς (1)  
 30. 2. δεστέρησεν σὲ καρπὸν κοιλίας (1)  
 38. 27. A τῆς ἦν διδύμου ἐν τῇ κ. [B γαστρί] αὐ. (1)  
 41. 21 bii. εἰσῆλθον εἰς τὰς κ. αὐτῶν (2)  
 Ex. 29. 13. πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)  
 — 22: Le. 3. 3. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον  
 τὴν κ. (6)  
 Le. 3. 3. πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)  
 — 9. B πᾶν τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὴν κ. (6)  
 — 9. τὸ στέαρ τῆς [B ἐπὶ τῆς] κ. (6)  
 — 14. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον [A καλ.]  
 τὴν κ. (6)  
 — 14. A<sup>2</sup> B πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)  
 4. 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν ... τῇ κ. (6)  
 8. 19 (21). τὴν κ. ... ἐπλυνεν ὕδατι (6)  
 — 24 (25). τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)  
 9. 14. ἐπλυνε τὴν κ. (6)  
 — 19. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον ἐπὶ τῆς κ. (6)  
 11. 42. πᾶς ὁ πορευόμενος ἐπὶ κοιλίας (8)  
 Nu. 5. 21. καὶ τὴν κ. σου πεπρημένην (1)  
 — 22. εἰσελεύσεται τὸ ὕδωρ ... εἰς τὴν κ. σου (5 a)  
 — 27. προσθήσεται τὴν κ. (1)  
 De. 7. 13. εὐλογῆσαι τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)  
 28. 4. εὐλογημένα τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)  
 — 11. ἐν [A ἐπὶ] τοῖς ἐκγόνοις τῆς κ. σου (1)  
 — 18. ἐπικατάρτα τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)  
 — 53. φάγη τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)  
 30. 9. ἐν τοῖς ἐκγόνοις τῆς κ. σου (1)  
 Jd. 3. 21. ἐνέπηξεν αὐτὴν ἐν τῇ κ. [A εἰς τὴν κ.] (1)  
 — 22. οὐκ ἐξέσπασε τὴν μάχαιραν ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ (1)  
 13. 5. Ναφίθ θεοῦ ἔσται τὸ παιδάριον ἀπὸ τῆς  
 κ. [A al.] (1)  
 16. 17. ἀπὸ [A ἐκ] κοιλίας μητρὸς μου (1)  
 Ru. 1. 11. μὴ εἴ τι μου υἱὸς ἐν τῇ κ. μου (5 a)  
 11 Ki. 7. 12. δὲ ἔσται ἐκ τῆς κ. σου (5 a)  
 16. 11. ὁ υἱὸς μου ὁ ἐξελθὼν ἐκ τῆς κ. μου (5 a)  
 20. 10. ἐξεχούθη ἡ κ. αὐτοῦ εἰς τὴν γῆν (5 a)  
 1 Ch. 17. 11. δὲ ἔσται ἐκ τῆς κ. σου (2)

11 Ch. 21. 15. ἐν μαλακίᾳ πονηρᾷ ἐν νόσφ κοιλίας (5 a)  
 — 15. ἔως οὗ ἐξέλθῃ ἡ κ. σου (5 a)  
 — 18. ἐπάσταξεν αὐτὸν κύριος εἰς τὴν κοιλίαν (5 a)  
 — 19. ἐξῆλθεν ἡ κ. αὐτοῦ μετὰ τῆς νόσου (5 a)  
 32. 21. τὸν ἐξελθόντα ἐκ κοιλίας αὐτοῦ (5 a)  
 To. 4. 4. πολλοὺς κινδύνους ἑώρακεν ἐπὶ σοὶ ἐν τῇ κ.  
 Jb. 1. 21. αὐτὸς γυμνὸς ἐξῆλθεν ἐκ κοιλίας μη-  
 τρός μου (1)  
 2. 9. υἱοὶ καὶ θυγατέρες [A add. τῆς] ἐμῆς κοι-  
 λίας ὤδινες (1)  
 3. 11. διὰ τί γὰρ ἐν κοιλίᾳ οὐκ ἐτελεύτησα (7)  
 10. 18. ἴνα τί σὺν ἐκ κοιλίας με ἐξήγαγες (7)  
 15. 35. ἡ δὲ κ. αὐτοῦ ὑπόισι [B<sup>1</sup> οὐκ οἶσει]  
 δόλον [A πόνον] (1)  
 20. 15. A ἐξεμνησται ἐκ κοιλίας αὐτοῦ [B S  
 om. ἐκ κ. αὐ.] (1)  
 30. 27. ἡ κ. μου ἐξέζησε (5 a)  
 31. 15. γεγόναμεν δὲ ἐν τῇ αὐτῇ κ. (7)  
 38. 8. ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς ἐκπορευομένη (7)  
 Ps. 21 (22). 10. ἐκ κοιλίας [B<sup>1</sup> ἀπὸ γαστρός] μη-  
 τρός μου θεὸς μου εἰ σὺ (1)  
 — 14. ἐγεννήθη ἡ καρδιά μου ... ἐν μέσφ τῆς  
 κ. μου (5 a)  
 39 (40). 8. A B καὶ τὸν νόμον σου ἐν μέσφ τῆς  
 κ. [B καρδίας] μου (5 a)  
 70 (71). 6. ἐκ κοιλίας μητρὸς μου σὺ μου εἰ  
 σκεπαστής (5 a)  
 131 (132). 11. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> ἐκ καρποῦ τῆς κ. σου (1)  
 Pr. 18. 20. ἀπὸ καρπῶν [A -οῦ] στόματος ἀνὴρ  
 πῖμπλησι κοιλίαν αὐτοῦ (1)  
 20. 27. δε εἰρενὴ ταμεία κοιλίας (1)  
 — 30. πλῆγαι δὲ εἰς ταμεία κοιλίας (1)  
 24. 15. μηδὲ ἀπατήσῃς χορτασίαν κοιλίας  
 — 70 (81. 2). τί τέκνον ἐμῆς κ. (1)  
 26. 22. B<sup>2</sup> οὗτοι δὲ τύπτονται εἰς ταμεία κοι-  
 λίας [A B S<sup>1</sup> σπλάγχων] (1)  
 Ca. 5. 4. ἡ κ. μου ἐθροήθη ἐπ' αὐτὸν (5 a)  
 — 14. κοιλία αὐτοῦ πυξίον ἐλεφάντινον (5 a)  
 7. 2 (3). κοιλία σου θημάνια σίτου (1)  
 Wi. 7. 2. B ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλήφην σάρξ  
 Si. 19. 12. οὐτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μου (1)  
 23. 6. κοιλίας ὁρεῖς καὶ συνουσιασμός (1)  
 36. 23 (20). πᾶν βρώμα φάγεται κοιλία (1)  
 40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καίσεται (1)  
 51. 5. ἐκ βάθους κοιλίας ἀδοῦ (1)  
 — 21. ἡ κ. μου ἐταράχθη ἐκζητήσας αὐτήν (1)  
 Ho. 9. 16. ἀποκένω τὰ ἐπιθυμήματα κοιλίας  
 αὐτῶν (1)  
 12. 3 (4). ἐν τῇ κ. ἐπέρριψε τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ (1)  
 Mi. 6. 7. εἰ δὲ ... καρπὸν κοιλίας μου (1)  
 Jn. 2. 1. ἦν 'I. ἐν τῇ κ. τοῦ κήτους (5 a)  
 — 2. A B S<sup>2</sup> ἐκ τῆς κ. τοῦ κήτους (5 a)  
 — 3. εἰσέκοσέ μου ἐκ κοιλίας ἄδου (1)  
 Hb. 3. 16. ἐπτοθή ἡ κοιλία [B<sup>1</sup> καρδία] μου  
 ἀπὸ φωνῆς (1)  
 Is. 8. 19. οἱ ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. φωνοῦσιν (8)  
 16. 11. ἡ κ. μου ἐπὶ Μωάβ ὡς κιθάρα ἡχήσει (5 a)  
 44. 2. ὁ πλάσας σε ἐκ κοιλίας (1)  
 — 24. πλάσσω [B ὁ πλάσας] σε ἐκ κοιλίας (1)  
 46. 3. οἱ αἰρόμενοι ἐκ κοιλίας (1)  
 48. 8. ἀνομος ἐστὶ ἐκ κοιλίας κληθήσθ (1)  
 — 19. τὰ ἔκγονα [B ἔγγ.] τῆς κ. σου (5 a)  
 49. 1. ἐκ κοιλίας μητρὸς μου ἐκάλεσε τὸ ὄνομα  
 μου (1+5 a)  
 — 5. λέγει κύριος ὁ πλάσας με ἐκ κοιλίας (1)  
 — 15. τοῦ μὴ ἐλεῖσαι τὰ ἔκγονα [B ἔγγ.] τῆς  
 κ. αὐτῆς (1)  
 Je. 1. 5. πρὸ τοῦ με πλάσαι σε ἐν κοιλίᾳ [A ἐκ  
 κοιλίας] (1)  
 4. 19. A S<sup>2</sup> B τὴν κ. μου τὴν κ. μου [B S<sup>1</sup> om.  
 τ. κ. μ.] ἀλγῶ (5 a, 5 a)  
 28 (51). 34. ἐπλησε τὴν κ. αὐτοῦ ἀπὸ τῆς τρυ-  
 φῆς μου (4)  
 La. 1. 20. ἡ κ. μου ἐταράχθη (5 a)  
 2. 20. εἰ φάγονται γυναῖκες καρπὸν κοιλίας αὐτῶν (1)  
 Ez. 3. 3. ἡ κ. σου πλησθήσεται τῆς κεφαλίδος  
 ταύτης (1)  
 7. 19. αἱ κ. αὐτῶν οὐ μὴ πληρωθῶσι (5 a)  
 Da. LXX. Th. 2. 32. ἡ κ. καὶ οἱ μύροι χαλκοὶ (5 b)  
 11 Ma. 7. 22. εἰς τὴν ἐμὴν ἐφάνηκε κ. (1)  
 10. 4. πονήσεις ἐπὶ κοιλίαν (1)  
 [Aq. Jb. 15. 35: Ps. 39 (40). 9: J. 81 (38). 20.]  
 [Sm. Is. 16. 11.]  
 [Th. Jb. 30. 27: Ps. 39 (40). 9.]  
 [Al. Ez. 29. 17: Le. 1. 9: 4. 8: 7. 3: 8. 16:  
 Nu. 25. 8: Pr. 13. 24 δις: 26. 22.]

**κοῖλος.** (1) פָּזַח (2) בָּזַז (3) a. פָּזַח  
 δ. פָּזַח  
 Ex. 27. 8. κοῖλον σκευὸν ποιήσεις αὐτό (2)  
 Le. 18. 32, 34. ἡ ὄψις ... οὐκ ἔστι κοιλὴ ἀπὸ  
 τοῦ δερματός (3 b)  
 Jo. 9. 5. καὶ τὰ κ. τῶν ὑποδημιζόντων αὐτῶν  
 1 Es. 2. 17. B καὶ κριταὶ [B om., A κραταιοὶ] οἱ ἐν  
 κ. Συρία (1)  
 — 24. A B κάδοδος [B ἐξ.] οὐκέτι σοι ἔσται εἰς κ.  
 Συρίαν (1)  
 — 27. καὶ φορολογούντες κ. Συρίαν (1)  
 4. 48. πᾶσι τοῖς τοπάρχαις ἐν κ. Συρία (1)  
 6. 29. ἀπὸ τῆς φορολογίας κ. Συρίας (1)  
 7. 1. Σισ. ἑπαρχος κ. Συρίας (1)  
 8. 67. A B καὶ τοῖς ἐπαρχοῖς κ. [B om.] Συρίας (1)  
 Wi. 17. 19. B ἀντανακλωμένη ἐκ κοιλοτάτων [A B S  
 -ότιτος] ὁρέων ἢ ἡχῶ (1)  
 J. 1. 3 (4). 14. ἐν τῇ κοιλιάδι [B<sup>1</sup> -λη] τῆς δικῆς (3 a)  
 Jn. 1. 5. 'I. δὲ κατέβη εἰς τὴν κ. τοῦ πλοίου (1)  
 1 Ma. 10. 69. 'Απολλώνιον τὸν δῆτα ἐπὶ [B<sup>1</sup> add. τῆς]  
 κ. Συρίας (1)  
 11 Ma. 3. 5. τὸν ... κ. Συρίας ... στρατηγόν  
 — 8. τὰς κατὰ κ. Συρίαν ... πόλεις (1)  
 4. 4: 8. 8. τὸν κ. Συρίας καὶ Φοινίκης στρατηγόν  
 10. 11. κ. δὲ Συρίας καὶ Φοιν. στρατηγὸν πρῶταρχον  
 111 Ma. 3. 15. τὰ κατοικοῦντα κ. Συρίαν καὶ Φοιν.  
 ἔθνη  
 [Aq., Th. Le. 13. 3:]  
 [Sm. Jd. 1. 15:]  
 [Al. Le. 13. 20: 14. 37:]  
**κοιλοσταθμεῖν.** (1) יָבַד (2) יָבַד pi.  
 111 Ki. 6. 9. ἐκοιλοστάθμισεν τὸν οἶκον (1)  
 — 15. ἐκοιλοστάθμισεν συνεχόμενα ξύλοις ἔσω-  
 θεν (2)  
**κοιλοστάθμος.** (1) יָבַד  
 Hg. 1. 4. τοῦ οἰκεῖν ἐν οἴκοις ὕμνων κοιλοστάθμοις (1)  
**κοιλότης.**  
 Wi. 17. 19. A B S ἀντανακλωμένη ἐκ κοιλότητος  
 [B -οτάτων] ὁρέων ἢ ἡχῶ  
**κοῖλωμα.** (1) חִיָּב  
 Ge. 28. 2. ἐν πόλει 'A. ἡ ἔστιν ἐν τῇ κ. —  
 111 Ki. 7. 15. τεσσάρων δακτύλων τὰ κ. —  
 Ca. 2. 17. νεβρώ ἐλάφον ἐπὶ ὄρη κοιλωμάτων (1)  
 8. 14. A S<sup>1</sup> τῇ δορκάδι ἐπὶ τὰ ὄρη κοιλωμάτων  
 [B ἀρωμάτων, B<sup>2</sup> τῶν ἀρωμάτων] —  
 Ez. 48. 14. ἐκ βάθους τῆς ἀρχῆς τοῦ κ. αὐτοῦ —  
 11 Ma. 1. 19. κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι φρέατος  
**κοιμᾶν.** (1) נָחַב (2) נָחַב ni. (3) נָחַב  
 (4) נָחַב (5) נָחַב (6) נָחַב (7) נָחַב  
 (8) נָחַב (9) נָחַב pu. (10) נָחַב  
 (11) נָחַב ni. (12) נָחַב a. qal. δ. hi.  
 c. hoph. d. נָחַב  
 Ge. 19. 4. πρὸ τοῦ κοιμηθῆναι ... περιεκύκλω-  
 σαν (12 a)  
 — 32. κοιμηθῶμεν μετ' αὐτοῦ (12 a)  
 — 33. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (12 a)  
 — 33. B ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν [A -ἦν] (12 a)  
 — 34. ἐκοιμήθη χθές μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμ. (12 a)  
 — 34. κοιμηθῆτι μετ' αὐτοῦ (12 a)  
 — 35. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (12 a)  
 — 35. B ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν [A -ἦν] (12 a)  
 24. 11. A ἐκοιμήσεν [B -μισε] τὰς καμήλους —  
 — 54. ἔφαγον ... καὶ ἐκοιμήθησαν (7)  
 26. 10. ἐκοιμήθη τις ... μετὰ τῆς γυναῖκος  
 σου (12 a)  
 28. 11. ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)  
 — 11. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τόπῳ ἐκείνῳ (12 a)  
 30. 15. κοιμηθῶ μετὰ σοῦ (12 a)  
 — 16. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)  
 31. 54. ἐκοιμήθησαν ἐν τῷ ὄρει (7)  
 32. 13 (14). ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)  
 — 21 (22). ἐκοιμήθη ... ἐν τῇ παρεμβολῇ (7)  
 34. 2. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 7. κοιμηθεὶς μετὰ τῆς θυγατρὸς 'I. (12 a)  
 35. 21 (22). ἐκοιμήθη μετὰ Βαλλὰς (12 a)  
 39. 7, 12, 14. κοιμηθῆτι μετ' ἐμοῦ (12 a)  
 — 17. B κοιμηθήσομαι μετὰ σοῦ [A -θῆτι  
 μετ' ἐμοῦ] —  
 41. 21. ἐξεγερθεὶς δὲ ἐκοιμήθην —

- Ge. 47. 30. κοιμήθησμαι μετὰ τῶν πατέρων μου (12 a)  
 49. 9. ἀναπέσων ἐκοιμήθης ὡς λέων (10)  
 Ex. 22. 16 (15). εἰδὼν . . . κοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτήνους (12 a)  
 — 27 (26). ἐν τίνι κοιμήθῃσεται (12 a)  
 28. 18. οὐδὲ μὴ κοιμήθῃ στίειρ τῆς ἑορτῆς μου ὥς πρωὶ (7)  
 34. 25. οὐ κοιμήθῃσεται εἰς τὸ πρωὶ θύματα [A -μιάμα] (7)  
 Le. 14. 47. ὁ κοιμώμενος ἐν τῇ οἰκίᾳ (12 a)  
 15. 4. A B<sup>1</sup> ἐφ' ἧ [B<sup>2</sup> ἦν, B ἦς] ἂν κοιμήθῃ ἐπ' αὐτῆς (12 a)  
 — 18. εἰς κοιμήθῃ ἀνὴρ μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 24. εἰς δὲ κοίτῃ κοιμήθῃ τις μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 24. ἐφ' ἧ ἂν κοιμήθῃ ἐπ' αὐτῆς (12 a)  
 — 26. ἐφ' ἧν ἂν κοιμήθῃ ἐπ' αὐτῆς (12 a)  
 — 33. ὅς ἂν κοιμήθῃ μετὰ ἀποκαθήμενης (12 a)  
 18. 22. οὐ κοιμήθῃσθαι κοίτην γυναικὸς (12 a)  
 19. 13. οὐ μὴ κοιμήθῃσεται ὁ μισθὸς . . . παρὰ σοὶ (7)  
 — 20. εἰς τις κοιμήθῃ . . . κοίτην σπέρματος (12 a)  
 20. 11. εἰς τις κοιμήθῃ μετὰ γυναικὸς τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (12 a)  
 — 12. εἰς τις κοιμήθῃ μετὰ νύμφης αὐτοῦ (12 a)  
 — 13. ὅς ἂν κοιμήθῃ . . . κοίτην γυναικὸς (12 a)  
 — 18. ὅς ἂν κοιμήθῃ μετὰ γυναικὸς ἀποκαθήμενης (12 a)  
 — 20. ὅς ἂν κοιμήθῃ μετὰ τῆς συγγενοῦς αὐ. (12 a)  
 26. 6. καὶ κοιμήθῃσθε (12 a)  
 Nu. 5. 13. καὶ κοιμήθῃ τις μετ' αὐτῆς κοίτην σπέρματος (12 a)  
 — 19. εἰ μὴ κεκοιμήται τις μετὰ σοῦ (12 a)  
 23. 24. οὐ κοιμήθῃσεται (12 a)  
 De. 16. 4. οὐ κοιμήθῃσεται ἀπὸ τῶν κρῶν (7)  
 21. 23. οὐ κοιμήθῃσεται [A οὐκ ἐπικ.] τὸ σῶμα αὐτοῦ (7)  
 22. 22. ἀνθρώπος κοιμώμενος μετὰ γυναικὸς (12 a)  
 — 22. τὸν ἄνδρα τὸν κοιμώμενον μετὰ τῆς γυναικὸς (12 a)  
 — 23. καὶ . . . κοιμήθῃ μετ' αὐτῆς [A κ. ταύτης] (12 a)  
 — 25. καὶ βιασάμενος κοιμήθῃ μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 25. ἀποκτενέιτε [A add. τὸν ἄνθρωπον] τὸν κοιμώμενον μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 28. καὶ βιασάμενος [A β. αὐτὴν] κοιμήθῃ μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 29. ὁ ἀνθρώπος ὁ κοιμήθῃ μετ' αὐτῆς (12 a)  
 24. 12. οὐ κοιμήθῃσθαι ἐν τῷ ἐνεχυρίῳ (12 a)  
 — 13. κοιμήθῃσεται ἐν τῷ ἱματίῳ αὐτοῦ (12 a)  
 27. 20. A B ὁ κοιμώμενος μετὰ γυναικὸς τοῦ [B ἐκ] πατρὸς αὐτοῦ (12 a)  
 — 21. ὁ κοιμώμενος μετὰ πάντος [A om.] κτήνους (12 a)  
 — 22. ὁ κοιμώμενος μετὰ ἀδελφῆς (12 a)  
 — 23. ὁ κοιμώμενος μετὰ νύμφης [A πενθεράς] αὐτοῦ (12 a)  
 — 23. B ὁ κοιμώμενος μετὰ ἀδελφῆς γυναικὸς αὐτοῦ (12 a)  
 31. 16. σὺ κοιμᾷ [A -ασαί] μετὰ τῶν πατέρων σου (12 a)  
 Jo. 2. 8. πρὶν ἢ κοιμηθῆναι αὐτοῖς (12 a)  
 6. 10 (11). καὶ ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)  
 Jd. 5. 27. ἔπεσε καὶ [A om.] ἐκοιμήθη (12 a)  
 16. 3. καὶ ἐκοιμήθη Σαμψών (12 a)  
 — 14. ἐν τῷ κοιμάσθαι αὐτὸν [A al.] (12 a)  
 Ru. 3. 4. ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν (12 a)  
 — 4. ὅπου [A οὐ] κοιμάται ἐκεῖ (12 a)  
 — 4. καὶ κοιμήθῃσθαι (12 a)  
 — 7. καὶ ἦλθε κοιμηθῆναι (12 a)  
 — 8. γυνὴ κοιμάται πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (12 a)  
 — 13. κοιμήθῃσθαι ὡς πρωὶ (12 a)  
 — 14. καὶ ἐκοιμήθῃ πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (12 a)  
 I Ki. 8. 9. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ (12 a)  
 — 15. κοιμάται Σαμ. ὡς πρωὶ (12 a)  
 9. 25. καὶ ἐκοιμήθη (12 a)  
 II Ki. 7. 12. κοιμήθῃσθαι μετὰ τῶν πατέρων σου (12 a)  
 11. 4. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)  
 — 9. ἐκοιμήθη Οὐρίας παρὰ τῇ θύρᾳ (12 a)  
 — 11. καὶ κοιμήθῃσθαι μετὰ τῆς γυναικὸς μου (12 a)  
 — 13. τοῦ κοιμηθῆναι ἐπὶ [A καὶ ἐ.] τῆς κοίτης (12 a)  
 12. 11. κοιμήθῃσεται μετὰ τῶν γυναικῶν σου (12 a)  
 — 16. A ἠλίσθη καὶ ἐκοιμήθη [B om. κ. ἐκ.] ἐπὶ τῆς γῆς (12 a)  
 — 24. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)  
 13. 5. κοιμήθῃ ἐπὶ τῆς κοίτης σου (12 a)  
 II Ki. 18. 6. καὶ ἐκοιμήθη Ἄμ. (12 a)  
 — 8. καὶ αὐτὸς κοιμώμενος (12 a)  
 — 11. κοιμήθῃ μετ' ἐμοῦ (12 a)  
 — 14. ἐκοιμήθη μετ' αὐτοῦ (12 a)  
 — 31. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὴν γῆν (12 a)  
 III Ki. 1. 2. κοιμήθῃσεται μετ' αὐτοῦ (12 a)  
 — 21. ὡς ἂν κοιμήθῃ ὁ κύριός μου (12 a)  
 2. 10. ἐκοιμήθη Δαυὶδ μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 3. 19. A ὡς ἐκοιμήθη [B ἐπεκ.] ἐπ' αὐτόν (12 a)  
 11. 21. κεκοιμήται Δ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 — 43. ἐκοιμήθη Σαλ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 44. B ὁ βασιλ. Σαλ. ἐκοιμήθη μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 12. 24. B κοιμάται μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 14. 20. A καὶ ἐκοιμήθη μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 31. καὶ ἐκοιμήθη Ἐ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 15. 8. καὶ ἐκοιμήθη Ἀβ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 24. καὶ ἐκοιμήθη Ἀσά (12 a)  
 16. 6. καὶ ἐκοιμήθη Β. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 28. καὶ ἐκοιμήθη Ζ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 28 (22. 50 [51]). B καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 17. 19. A ἐκοιμήθη [B -ισεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (12 b)  
 19. 5. καὶ ἐκοιμήθη (12 a)  
 — 6. καὶ ἐπιστρέψας ἐκοιμήθη (12 a)  
 20 (21). 4. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῆς κλίνης αὐτοῦ (12 a)  
 22. 40. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 51. A B καὶ ἐκοιμήθη Ἰωσ. [B om.] μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 IV Ki. 4. 11. καὶ ἐκοιμήθη ἐκεῖ (12 a)  
 — 20. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῶν γονάτων αὐτῆς (6)  
 — 32. A τὸ παιδάριον τεθηγκὸς κεκοιμημένον [B -μυμένον] (12 c)  
 — 34. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὸ παιδάριον (12 a)  
 8. 24. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 9. 16. A ἄνθρωπος δυνάμει ἐκοιμήθη ἐκεῖ [B om. ἐ. ἐ.] (12 a)  
 10. 35. 13. 9. 13. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 14. 16. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων [A om.] αὐτοῦ (12 a)  
 — 22. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασιλ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 — 29. καὶ ἐκοιμήθη Ἰερ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 15. 7. καὶ ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 22. καὶ ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 — 38. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 16. 20. καὶ ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 20. 21. καὶ ἐκοιμήθη Ἐξ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 21. 18. καὶ ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 24. 6. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 I Ch. 17. 11. καὶ κοιμήθῃσθαι μετὰ τῶν πατ. σου (8)  
 II Ch. 9. 31. καὶ ἐκοιμήθη Σαλωμών (12 a)  
 16. 13. καὶ ἐκοιμήθη Ἀσά μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 21. 1. ἐκοιμήθη Ἰωσ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 26. 2. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασιλ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 — 23. καὶ ἐκοιμήθη Ὁ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 27. 9. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 28. 27. καὶ ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 32. 33. καὶ ἐκοιμήθη Ἐξ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 38. 20. καὶ ἐκοιμήθη Μ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)  
 38. 8. καὶ ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)  
 I Es. 3. 3. καὶ ἐκοιμήθη (12 a)  
 To. 2. 9. ἐκοιμήθη μημαρμένους [B om.] παρὰ τὸν τοῖνον τῆς αἰλῆς (12 a)  
 8. 1. B ἠβέλησαν κοιμηθῆναι (12 a)  
 — 9. ἐκοιμήθησαν ἀμφότεροι [B om.] τὴν νύκτα (12 a)  
 Jb. 3. 13. νῦν ἂν κοιμήθῃς ἡσύχα (12 a)  
 7. 4. εἰς κοιμήθῃ (12 a)  
 8. 17. ἐπὶ συναγωγῇ [A -ῇ] λίθων κοιμάται (9)  
 14. 12. ἀνθρώπος δὲ κοιμήθῃς οὐ μὴ ἀναστῇ (12 a)  
 20. 11. μετ' αὐτοῦ ἐπὶ χώματος κοιμήθῃσεται (12 a)  
 21. 13. ἐν δὲ ἀναύσει ἔθον ἐκοιμήθησαν (8)  
 — 26. ἐπὶ γῆς κοιμῶνται [A -μυθήσονται] (12 a)  
 22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε (12 a)  
 27. 19. B<sup>2</sup> B πλοῦσις κοιμήθῃσεται [A B B<sup>1</sup> κοιμήθῃς] καὶ οὐ προσθήσεται (12 a)  
 — 20. A κοιμήθῃ [B S om.] συναρτήσονται [B S -ῇσονται] αὐτῶν (12 a)  
 39. 9. βουλήσεται δὲ . . . κοιμηθῆναι ἐπὶ φάτνης σου (7)  
 40. 16 (21). ὑπὸ παντοπατὰ δένδρα κοιμάται (12 a)  
 Ps. 3. 5. ἐγὼ ἐκοιμήθην καὶ ἤνωσα (12 a)  
 4. 8. ἐν εἰρήνῃ ἐπὶ τὸ αὐτὸ κοιμήθησμαι (12 a)  
 Ps. 40 (41). 8. μὴ ὁ κοιμώμενος οὐχὶ προσθήσει τοῦ ἀναστῆναι (12 a)  
 56 (57). 4. ἐκοιμήθην τεταραγμένος (12 a)  
 67 (68). 13. εἰς κοιμήθῃσθαι ἀνὰ μέσον τῶν κληρών (12 a)  
 Pr. 4. 16. οὐ κοιμῶνται (12 a)  
 Ec. 2. 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμάται ἡ καρδιά αὐτοῦ (12 a)  
 4. 11. εἰς κοιμήθῃσθαι δυο (12 a)  
 Wi. 17. 14. τὸν αὐτὸν ὕπνον κοιμώμενοι (12 a)  
 Si. 25. 1. B<sup>1</sup> ἐκοιμήθην [?] ἐκοσμ. (12 a)  
 Is. 1. 21. ἐν ᾗ δικαιοσύνη ἐκοιμήθη ἐν αὐτῇ (7)  
 5. 27. οὐδὲ νυστάξουσιν οὐδὲ κοιμήθῃσονται (6)  
 14. 8. ἀφ' οὗ σὺ κεκοιμήσαι (12 a)  
 — 18. πάντες ὁ βασιλ. τῶν ἐθνῶν ἐκοιμήθησαν (12 a)  
 21. 13. ἐν τῷ δρυμῷ ἐσπέρας κοιμήθῃσθαι (7)  
 43. 17. ἐκοιμήθησαν [B<sup>1</sup> κοιμήθῃσονται] καὶ οὐκ ἀναστήσονται (12 a)  
 50. 11. ἐν λύπῃ κοιμήθῃσθε (12 a)  
 57. 8. ἡγάπησας τοὺς κοιμώμενους μετὰ σοῦ (12 a)  
 65. 4. ἐν τοῖς σπηλαίοις κοιμῶνται διὰ ἐνύπνια (7)  
 Je. 3. 25. ἐκοιμήθῃσθαι ἐν τῇ ἀσχυρῇ ἡμῶν (12 a)  
 30. 12 (49. 23). A ἐξίστησαν ἐκοιμήθησαν [B S al.] (12 a)  
 51. 33 (45. 3). ἐκοιμήθην ἐν στεναγμοῖς (4)  
 La. 2. 21. ἐκοιμήθησαν εἰς τὴν ἐξοδὸν (12 a)  
 Ep. Je. 43. ὅταν δὲ τις αὐτὸν . . . κοιμήθῃ [A add. μετ' αὐτῆς] (12 a)  
 Ez. 4. 4. κοιμήθῃσθαι ἐπὶ τὸ πλεῦρόν σου τὸ ἄριστόν σου (12 a)  
 — 4. δε κοιμήθῃσθαι ἐπ' αὐτοῦ (12 a)  
 — 6. κοιμήθῃσθαι ἐπὶ τὸ πλεῦρόν σου τὸ δεξιόν (12 a)  
 23. 8. μετ' αὐτῆς ἐκοιμῶντο ἐν νεότητι αὐτῆς (12 a)  
 31. 18. κοιμήθῃσθαι μετὰ τραυματίων μαχαίρας (12 a)  
 32. 19. A κοιμήθῃσθαι μετὰ ἀπεριτμητῶν (12 a)  
 — 19 (20). κοιμήθῃσθαι πᾶσι ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ (12 a)  
 — 20 (21). κοιμήθῃσθαι μετὰ ἀπεριτμητῶν (12 a)  
 — 27. ἐκοιμήθησαν μετὰ τῶν γυνάτων (12 a)  
 — 28. κοιμήθῃσθαι μετὰ τετραυματισμένων μαχαίρας (12 a)  
 — 29. οὗτοι [A αὐτοὶ ἐκοιμήθησαν] μετὰ τραυματίων [A add. μαχαίρας] ἐκοιμήθησαν (-, 12 a)  
 — 30. ἐκοιμήθησαν ἀπεριτμητοὶ (12 a)  
 — 32. κοιμήθῃσθαι ἐν μέσῳ ἀπεριτμητῶν (12 a)  
 34. 14. κοιμήθῃσονται καὶ ἐκεῖ ἀναπαύσονται (10)  
 Da. LXX. 8. 18. ἐκοιμήθην ἐπὶ πρόσωπον χαμαὶ (11)  
 Da. TH. 6. 18 (19). καὶ ἐκοιμήθη ἀδειπνος (1)  
 8. 27. ἐγὼ Δανιὴλ ἐκοιμήθη (2)  
 I Ma. 11. 6. καὶ ἐκοιμήθησαν ἐκεῖ (12 a)  
 16. 4. ἐκοιμήθησαν ἐν Μωδ. (12 a)  
 II Ma. 12. 45. τοῖς μετ' εὐσεβείας κοιμώμενοις [Aq. III Ki. 14. 20: Jb. 11. 18: Ps. 40 (41). 9: 56 (57): Pr. 6. 9: 23. 34: 24. 33: Is. 56. 10: Ez. 32. 30: Ho. 2. 18 (20).] (12 a)  
 [Sm. Ps. 56 (57). 5: Pr. 6. 9: 23. 34: 24. 33: Is. 50. 11: 56. 10: Ez. 32. 30.] (12 a)  
 [Th. Ps. 56 (57). 5: Pr. 6. 9: 23. 34: 24. 33: Ez. 32. 19, 30: Da. 6. 18.] (12 a)  
 [Quint. Ps. 56 (57). 5.] (12 a)  
 κοιμήσις.  
 Si. 46. 19. πρὸ καιροῦ κοιμήσεως αἰῶνος (12 a)  
 48. 13. ἐν κοιμήσει ἐπροφῆτησεν τὸ σῶμα αὐτοῦ (12 a)  
 κοιμήτρον.  
 [Sm. Jd. 4. 18.] (12 a)  
 κοιμίζειν. (1) 𐤒𐤒 hi. (2) 𐤒𐤒 pi. (3) 𐤒𐤒 hi.  
 (4) 𐤒𐤒 a. qal. δ. hi. c. hoph.  
 Ge. 24. 11. B S ἐκοιμίσαι [A -μυσεν] τας καμήλους (1)  
 Jd. 16. 14. A καὶ ἐκοιμίσεν αὐτὸν Δ. [B al.] (12 a)  
 — 19. ἐκοιμίσεν Δ. τὸν Σαμψών [A ἐκ. αὐτόν] (2)  
 I Ki. 2. 22. A ὡς ἐκοιμίσεν τὰς γυναῖκας (4 a)  
 II Ki. 8. 2. κοιμίσας αὐτοὺς ἐπὶ τὴν γῆν (4 b)  
 III Ki. 8. 20. ἐκοιμίσεν αὐτὸν ἐν τῷ κολπῷ αὐ. (4 b)  
 — 20. τὸν υἱὸν αὐτῆς τὸν τεθηγκότα ἐκοιμίσεν (4 b)  
 17. 19. ἐκοιμίσεν [A -ῃσεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (4 b)  
 IV Ki. 4. 21. ἐκοιμίσεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλίνην (4 b)  
 — 32. τὸ παιδάριον τεθηγκὸς κεκοιμημένον [A -μυμένον] (4 c)  
 II Ch. 16. 14. ἐκοιμίσαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (4 b)  
 Jb. 24. 7. γυναικὸς πολλοὺς ἐκοιμίσαν ἀνευ ἱματίων (3?)

Jb. 24. 10. γυμνοὺς δὲ ἐκοίμισαν ἀδικῶς  
Na. 3. 18. ἐκοίμισε τοὺς δυνάστας σου  
[Th. Jd. 18. 19.]  
**κοιμή** (adv.).  
Si. 18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἐκτίσσει τὰ πάντα κ.  
50. 17. ΑΒ<sup>2</sup> Β πάς ὁ λαὸς κ. κατέσπυνσαν [B<sup>1</sup> B -σε]  
Da. Th. Su. 14. κ. συνετάξαντο καιρόν  
II Ma. 4. 5. Β τὸ δὲ συμφέρον [A -φορον] κ. . .  
σκοπῶν  
9. 26. τῶν εὐεργεσιῶν κ. καὶ κατ' ἰδίαν  
[Quint. Ho. 7. 12.]  
**κοινολογεῖσθαι**.  
I Ma. 14. 9. Σ Β πάντες περὶ ἀγαθῶν ἐκοινολογοῦντο  
[A -γουν]  
15. 28. ἀπέστειλε . . . Ἀθροβίου . . . κοινολογη-  
σόμενον αὐτῷ  
[Sm. Ps. 54. (55). 15.]  
**κοινολογία**.  
II Ma. 14. 22. τὴν ἀρμόζουσαν ἐποιήσαντο κ.  
**κοινός**, cf. **κοινή**. (1) כֹּהֵן (2) כֹּהֵן  
Es. 5. 1. κ. τὸ πρῶταγμα ἡμῶν ἐστιν  
Pr. 1. 14. κοινὸν δὲ βαλάντιον κτηνώμεθα πάντες (1)  
15. 23. οὐδὲ μὴ εἶπῃ καιρίον τι καὶ καλὸν τῷ κ. -  
21. 9. ἢ ἐν κεκοιμημένοις . . . καὶ ἐν οἴκῳ  
[B<sup>1</sup> κοινή] κ. (1, 2)  
25. 24. ἡ μετὰ γυναικὲς λοιδοροῦ ἐν οἰκίᾳ κοινή (2)  
Wi. 7. 3. ἔσπασα τὸν κ. αἶρα  
I Ma. 1. 47. θύειν ὕετα καὶ κτήνη κ. [B<sup>1</sup> πολλά] -  
62. τοῦ μὴ φάγειν κοινά  
II Ma. 8. 29. κ. ἐκτεταγμένοι ποιησάμενοι  
9. 21. φροντίζαντες τῆς κ. πάντων ὕμων ἀσφαλείας  
10. 8. ἐδογματίαντες μετὰ κ. προσητάγματος  
12. 4. Β κατὰ [A μετὰ] δὲ τὸ κ. τῆς πόλεως ψή-  
φισμα  
15. 6. κ. τῶν περὶ τὸν Ἰ. συστήσασθαι τρόπαιον  
- 36. ἐδογματίσαν δὲ πάντες μετὰ κ. ψηφίσματος  
III Ma. 2. 33. τῆς κ. συναναστροφῆς . . . ἐστέρονος  
4. 4. λαμβάνοντας πρὸ τῶν ὀφθαλμῶν τὸν κ. ἔλεον  
6. 36. κ. ὁρμαίνοντες περὶ τούτων θεσμών  
7. 17. κατὰ κοινὴν αὐτῶν β.  
IV Ma. 1. 24. θυμὸς δὲ κ. πάθος ἐστὶν ἡδονῆς  
8. 21. πρὸς τὴν κ. νεωτερίσαντες ὁμόνοιαν  
**κοινοῦν**.  
IV Ma. 7. 6. Β γαστέρα ἐκοίνωσας [A ἐκοίνω-  
σας] μαροφάγια  
**κοινωνεῖν**. (1) כֹּהֵן (2) כֹּהֵן pu. (3) כֹּהֵן  
a. pu. δ. hithp. c. כֹּהֵן  
II Ch. 20. 35. ἐκοινώνησεν Ἰ. βασι. Ἰ. πρὸς Ὁ. (3 b)  
Jb. 34. 8. ἢ οὐδ' οὐ κοινωνήσας μετὰ ποιούν-  
των τὰ ἄνομα [A al.] (8 c)  
Pr. 1. 11. ἐλθέ μετ' ἡμῶν κοινωνήσων αἵματος (1 f)  
Ec. 9. 4. δ. κοινωνεῖ πρὸς πάντας τοὺς ζῶντας (2\*, 3 a)  
Wi. 6. 23. οὐκ οὐ κοινωνήσῃ [A -νωσῇ] σοφία  
Si. 13. 1. ὁ κοινωνῶν ὑπερφάνῳ ὁμοιωθήσεται αὐτῷ  
- 2. ἰσχυροτέρῳ σου καὶ πλουσιωτέρῳ μὴ κοινωνεῖ  
- 2. τί κοινωνήσῃ χύτρα πρὸς λίβητα  
- 17. τί κοινωνήσῃ λυκὸς ἀμύνῃ  
II Ma. 5. 20. Β τῶν τοῦ θένους δυσπετημάτων . . .  
ἐκοίνωσεν [A -αν]  
14. 25. ἐκοίνωσεν βίου  
III Ma. 2. 31. ὡς μεγάλης τινὸς κοινωνήσαντες εὐ-  
κλείας  
4. 11. πρὸς τὸ μὴ δέ ταῖς δυνάμεσιν αὐτοῦ κοινωνεῖν  
IV Ma. 7. 6. Α γαστέρα ἐκοίνωσας [B ἐκοίνω-  
σας] μαροφάγια  
[Sm. Ps. 1. 1.]  
[Th. Is. 44. 11.]  
**κοινωνία**. (1) כֹּהֵן כֹּהֵן  
Le. 6. 2 (5. 21). ἡ περὶ κοινωνίας ἢ περὶ ἀρπαγῆς (1)  
Wi. 8. 18. εὐκλεία [A εὐκλείης] ἐν κοινωνίᾳ λόγων  
αὐτῆς  
III Ma. 4. 6. πρὸς βίου κοινωνίαν γαμικὸν ὑπελθου-  
σιν παστόν  
[Quint. Ho. 7. 4.]  
**κοινωνός**. (1) אֱחָדָה δ. כֹּהֵן  
IV Ki. 17. 11. καὶ ἐποίησαν κοινωνούς  
Es. 8. 13. τὴν ἀμνηπτον τῆς βασιλείας κ. ἔσθῃρ  
Pr. 28. 24. οὐκ οὐ κοινωνὸς ἐστιν ἀνὴρ ὁδοῦ (1 a)  
Si. 6. 10. Α Β Β<sup>2</sup> ἐστὶ φίλος κοινωνὸς τραπέζων

Si. 41. 18. Β Β ἀπὸ κοινοῦ καὶ φίλου περὶ ἀδικίας  
42. 3. περὶ λόγου κοινοῦ [B -ῶν] καὶ ὁδοπόρων  
Ma. 2. 14. αὐτὴ κοινωνός σου καὶ γυνὴ διαθή-  
κης σου (1 b)  
Is. 1. 23. οἱ ἀρχόντες σου ἀπειθοῦσι κοινοῦ  
κλεπτῶν (1 a)  
**κοινῶς**.  
To. 2. 2. Β καὶ φάγεται κ. μετ' ἐμοῦ  
5. 13. ἐπορευόμεθα κ. εἰς Ἱεροσόλυμα [B al.]  
6. 5. Β ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κ. [A B al.]  
8. 7. Β συγκαταγράφου κ. [A B al.]  
- 13. Β καὶ ὑπνοῦντας κ.  
9. 6. ἀφῃρναν κ. καὶ ἦλθον εἰς τὸν γάμον  
11. 4. Β ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κ. [A B al.]  
**κοιτάζεσθαι**. (1) כֹּהֵן (2) כֹּהֵן a. qal. δ. hi.  
(3) כֹּהֵן  
Le. 15. 20. ἐφ' [B<sup>1</sup> om.] δ ἂν κοιτάζηται ἐπ'  
αὐτό  
De. 6. 7. καὶ κοιτάζομενος καὶ διανοιστάμενος  
[A ἀνιστ.] (3)  
11. 19. Α καὶ κοιτάζομενος [B καθυδοντός]  
σου (3)  
Ps. 103 (104). 22. ἐν [B<sup>1</sup> ἐπὶ] ταῖς μάνθραις [A B<sup>2</sup>  
εἰς τὰς μ.] αὐτῶν κοιτασθήσονται (2 a)  
Ca. 1. 7. ποῦ κοιτάζεις ἐν μεσημβρίᾳ (2 b)  
Ze. 2. 14. ἐχίνοι ἐν τοῖς φαντάσμασιν αὐ. κοιτα-  
σθήσονται (1)  
3. 13. αὐτοὶ νεμήσονται καὶ κοιτασθήσονται (2 a)  
Je. 40 (38). 12. καταλύματα ποιμένων κοιτα-  
ζόντων πρόβατα (2 b)  
Da. Th. 4. 12. ἐν τῇ δρόσῳ τοῦ οὐρανοῦ κοιτα-  
σθήσεται  
[Aq. Dt. 11. 19.]  
[Sm. Dt. 11. 19: Is. 27. 10: Da. 4. 12.]  
[Th. Dt. 11. 19: Da. 4. 12.]  
**κοιτασία**. (1) כֹּהֵן  
Le. 20. 15. δ. ἂν δὴ κοιτασίαν αὐτοῦ (1)  
**κοίτη**. (1) כֹּהֵן (2) כֹּהֵן (3) כֹּהֵן  
(4) אֶחָדָה δ. כֹּהֵן (5) אֶחָדָה δ. כֹּהֵן  
(6) אֶחָדָה δ. כֹּהֵן c. כֹּהֵן d. כֹּהֵן  
e. כֹּהֵן (7) כֹּהֵן  
Ge. 49. 4. ἀνέβη γὰρ ἐπὶ τὴν κ. τοῦ πατρὸς  
σου (6 d)  
Ex. 10. 23. οὐκ ἐξάνεστη [A ἂν] οὐδεὶς ἐκ τῆς  
κ. αὐτοῦ (7)  
21. 18. κατακλιθὲν δὲ ἐπὶ τὴν κ. (6 d)  
Le. 15. 4. πᾶσα κ. . . ἀκαθάρτος ἐστὶ (6 d)  
- 5. δ. ἂν ἀφῃται τῆς κ. αὐτοῦ (6 d)  
- 16. φ' [A δς] ἐὰν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη  
σπέρματος (6 b)  
- 17. ἐφ' δ' εὐνῇ ἐπ' αὐτὸ κοίτη σπέρματος (6 b)  
- 18. ἐὰν κοιμηθῇ ἀνὴρ . . . κοίτην σπέρματος (6 b)  
- 21. δ. ἂν ἀφῃται τῆς κ. αὐτῆς (6 d)  
- 23. ἐν τῇ κ. αὐτῆς οὐσῆς (6 d)  
- 24. ἐὰν δὲ κοίτη κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς (6 a)  
- 24. πᾶσα κ. . . ἀκαθάρτος ἐστὶ (6 d)  
- 26. πᾶσαν κ. . . κατὰ τὴν κ. τῆς ἀφῆδρου  
ἐστὶ αὐτῇ (6 d, 6 d)  
- 32. ἐὰν τι ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρμα-  
τος (6 b)  
18. 20. οὐ δώσεις κοίτην σπέρματός σου  
- 22. οὐ κοιμηθῇ κοίτην γυναικός  
- 23. οὐ δώσεις τῇ [A om.] κ. σου (6 c)  
19. 20. ἐὰν τις κοιμηθῇ . . . κοίτην σπέρματος (6 b)  
20. 13. δ. ἂν κοιμηθῇ . . . κοίτην γυναικός (6 d)  
22. 4. φ' ἂν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (6 b)  
Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις . . . κοίτην σπέρμα-  
τος (6 b)  
- 20. καὶ ἔδωκε τις τὴν κ. αὐτοῦ (6 c)  
31. 17. ἥτις ἔγνω κοίτην ἄρσενος (6 d)  
- 18. ἥτις οὐκ οἶδε [A γγω] κοίτην ἄρσενος (6 d)  
- 35. αὐ οὐκ ἔγνωσαν κοίτην ἀνδρός (6 d)  
Jd. 21. 11. εἰδυῖαν [A γινώσκουσιν] κοίτην ἄρ-  
σενος (6 d)  
- 12. εἰς κοίτην ἀνδρός (6 d)  
II Ki. 4. 5. ἐκάθευδεν ἐν τῇ κ. τῆς μεσημβρίας (6 d)  
- 11. ἀπεκτάγκασιν ἀνδρα . . . ἐπὶ τῆς κ. [B<sup>1</sup>  
κλινῆς] αὐτοῦ (6 d)  
11. 2. ἀνίστη δ. ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (6 d)  
- 13. τοῦ κοιμηθῆναι ἐπὶ [A καὶ ἐ.] τῆς κ. αὐ. (6 d)  
13. 5. κοιμήθητι ἐπὶ τῆς κ. σου (6 d)

II Ki. 17. 28. ἤνεγκαν δέκα κοίτας καὶ ἀμφιτά-  
πους (6 d)  
III Ki. 1. 47. προσεκύνησεν ὁ β. ἐπὶ τὴν κ. (6 d)  
I Ch. 5. 1. ἐν τῷ ἀναβῆναι ἐπὶ τὴν κ. τοῦ πατ-  
ρός αὐτοῦ (2)  
Ju. 13. 1. ἀπέχοντο εἰς τὰς κ. αὐτῶν  
Es. 4. 17. Β Β βδελύσσομαι κοίτην ἀπεριτμήτων  
Jb. 7. 13. ἀνοίσω δὲ πρὸς ἐμαυτὸν . . . τῇ κ.  
μου (6 d)  
33. 15. ἐπὶ νυσταγμάτων ἐπὶ κοίτης (6 d)  
- 19. ἤλεγξεν αὐτὸν ἐπὶ [A om., B ἐν] μαλα-  
κίᾳ ἐπὶ κοίτης (6 d)  
36. 28. οἶδαςι δὲ κοίτης τάξιν  
37. 8. ἡσυχασαν δὲ ἐπὶ κοίτης (4 b)  
38. 40. δεδοικας γὰρ ἐν κοίταις αὐτῶν (4 b)  
Ps. 4. 4. ἐπὶ ταῖς κ. ὕμων κατανύγητε [A -νοί-  
γητε] (6 d)  
35 (36). 4. Α Β ἀνομίαν διελογίσαστο [B ἐλ.] ἐπὶ  
τῆς κ. αὐτοῦ (6 d)  
40 (41). 3. ὅλην τὴν κ. αὐτοῦ ἔστρεψας (6 d)  
149. 5. ἀγαλλιάσονται ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν (6 d)  
Pr. 7. 17. διέρραγα τὴν κ. μου κροκίνῳ [A B<sup>1</sup>  
κρόκῳ] (6 d)  
Ca. 3. 1. ἐπὶ κοίτην μου . . . ἐξήγησα (6 d)  
Wi. 8. 13. ἥτις οὐκ ἔγνω κοίτην ἐν παραπτώματι  
- 16. ἐκ παρανόμου κοίτης σπέρμα ἀφανισθήσεται  
Si. 23. 18. Α ἄνθρωπος πόρονος ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ  
[B B al.]  
34 (31). 19. ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ οὐκ ἀσθμαίνει  
40. 5. ἐν καρπῷ ἀναπαύσεως ἐπὶ κοίτης  
41. 22. μὴ ἐπιστῇς ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς  
Ho. 7. 14. ἀλλ' ἡ ἀλολύξον ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (6 d)  
Mi. 2. 1. ἐργαζόμενοι κατὰ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (6 d)  
- 12. ὡς ποιῶμεν ἐν μέσῳ κοίτης αὐτῶν (1)  
Is. 11. 8. ἐπὶ κοίτην ἐκγόνων ἀσπίδων τὴν χεῖρα  
ἐπιβαλεῖ (3)  
17. 2. καταλειμμένη . . . εἰς κοίτην ποιμ-  
νίων (5 a?)  
56. 10. ἐνυπνιαζόμενοι κοίτην (6 a)  
57. 7. ἐκεῖ σου ἡ κ. (6 d)  
Je. 10. 22. τοῦ τάξει τὰς πόλεις Ἰ. εἰς . . . κοί-  
την στρουθῶν (4 a)  
27 (50). 6. ἐπελάθοντο κοίτης αὐτῶν (5 b)  
Ez. 28. 17. ἤλθον . . . εἰς κοίτην καταλύνοντων (6 d)  
Da. LXX. 4. 7. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐκάθευδον (6 a)  
- 15. ἀναστὰς τὸ πρωὶ ἐκ τῆς κ. μου  
7. 1. δράμα εἶδε . . . ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 c)  
- 2. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐθεώρουν  
Da. Th. 2. 28. αἱ ὁράσεις τῆς κεφαλῆς σου ἐπὶ  
τῆς κ. σου (6 c)  
- 29. οἱ διαλογισμοὶ σου ἐπὶ τῆς κ. σου (6 c)  
4. 2. ἐταράχθη ἐπὶ τὴν κ. μου (6 c)  
- 7. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐθεώρουν (6 c)  
- 10. ἐθεώρουν . . . ἐπὶ τῆς κ. μου (6 c)  
7. 1. καὶ αἱ ὁράσεις . . . ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 c)  
I Ma. 1. 5: 6. 8. ἔπεσαν ἐπὶ τὴν κ.  
[Aq., Sm. Ps. 4. 5: Is. 57. 2, 7, 8: Ez. 32. 25:]  
[Th. Jb. 7. 13: Is. 57. 2, 7, 8: Ez. 32. 25:]  
Da. 2. 29: 4. 7.]  
[Al. Ez. 32. 25:]  
**κοιτών**. (1) כֹּהֵן (2) כֹּהֵן (3) כֹּהֵן  
Ex. 8. 3. εἰς τὰ ταμεία [B -μεία] τῶν κ. σου (3)  
Jd. 8. 24. Α ἐν τῇ ἀποχωρήσει τοῦ κ. [B al.] (2)  
15. 1. Α εἰσελευσόμενοι . . . εἰς τὸν κ. [B al.] (1)  
II Ki. 4. 7. ἐκάθευδεν . . . ἐν τῷ κ. αὐτοῦ (1 + 3)  
18. 10. καὶ εἰσῆγγε . . . εἰς τὸν κ. (1)  
III Ki. 21 (20). 30. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. (1)  
IV Ki. 6. 12. ἐν τῷ ταμείῳ τοῦ κ. σου (3)  
I Es. 3. 3. ἀνέλυσεν εἰς τὸν κ.  
Ju. 13. 3. στήναι ἐξω τοῦ κ. αὐτῆς  
- 4. οὐδεὶς κατελείφθη ἐν τῷ κ.  
14. 15. εἰσῆλθεν εἰς τὸν κ.  
16. 10. δ. ἔλαβεν ἐαυτῇ ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ  
Ec. 10. 20. ἐν ταμείοις κοιτώνων σου μὴ κατα-  
ράση πλοῦσιον (3)  
Jl. 2. 16. ἐξελθὲν νυμφίος ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)  
Ez. 8. 12. ἐκατοὶ αὐτῶν ἐν τῷ κ. τῷ κρυπτῷ  
αὐτῶν (1)  
[Al. Ez. 43. 30.]  
**κόκκινος** (incl. κόκκινον subsl.). (1) כֹּהֵן  
(2) כֹּהֵן (3) אֶחָדָה δ. כֹּהֵן  
Ge. 38. 28. ἔδωκεν ἐπὶ τὴν χεῖρα αὐ. κόκκινον (2)  
- 30. Β ἐφ' ᾧ ἦν ἐπὶ τῇ χειρὶ [A τῇ χ.] αὐ. τὸ κ. (2)  
Ex. 25. 4. κόκκινον διπλοῦν (5 b)

Ex. 26. 1, 31, 36: 27. 16. κοκκίνου κεκλωσμένου (3 δ)  
 28. 5. λήγονται ... τὸ κ. καὶ τὴν βύσσον (3 δ+2)  
 — 8. κοκκίνου διανενημένου (3 δ)  
 — 15. κοκκίνου κεκλωσμένου (3 δ)  
 — 29 (33). κοκκίνου διανενημένου (3 δ)  
 31. 4. ἐργάζεσθαι ... τὸ κ. τὸ νηστὸν — (3 δ)  
 35. 6. κόκκινον διπλοῦν (3 δ)  
 — 23. Α. πορφύρα καὶ κόκκινον (3 δ+2)  
 — 25. ἤνεγκαν ... τὸ κ. καὶ τὴν βύσσον (3 δ+2)  
 — 35. ποικιλτὰ ὑφάναί τῷ κ. (3 δ+2)  
 36. 9 (39. 2). ἐκ ... κοκκίνου νενησμένου (3 δ)  
 — 10 (39. 3). σὺν τῷ κ. τῷ διανενημένῳ [B<sup>1</sup> om. τ. δ.] (3 δ [3 δ+2])  
 — 12 (39. 5), 15 (39. 8). ἐκ ... κοκκίνου διανενημένου (3 δ)  
 — 32 (39. 24), 37 (39. 29). κοκκίνου νενησμένου (3 δ)  
 37. 3 (38. 35), 5 (38. 37), 16 (38. 18). ἐξ ... κοκκίνου νενησμένου (3 δ)  
 — 23 (38. 23). ὑφάναί τῷ κ. (3 δ+2)  
 39. 13 (1). πορφύραν καὶ τὸ κ. (3 δ+2)  
 Le. 14. 4. καὶ κεκλωσμένου κόκκινον — 6. καὶ τὸ κλωστὸν [A. κεκλωσμένου] κ. (3 δ)  
 — 49. καὶ κεκλωσμένου κ. (3 δ)  
 — 51. καὶ τὸ κεκλωσμένου κ. (3 δ)  
 — 52. καὶ ἐν τῷ κεκλωσμένῳ κ. (3 δ)  
 Nu. 4. 8. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν ἱμάτιον κ. (3 δ+2)  
 19. 6. λήψεται ὁ ἱερὺς ... κόκκινον (2+3 δ)  
 Jo. 2. 18. τὸν σπαρτίον τὸ κ. τοῦτο ἐκδύσεις (2)  
 II Ki. 1. 24. τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς κόκκινον (2)  
 II Ch. 2. 7 (6). ἐν τῇ πορφύρᾳ καὶ ἐν τῷ κ. — 14 (13). ἐν τῇ βύσσῳ καὶ ἐν τῷ κ. (1)  
 3. 14. καὶ κοκκίνου καὶ βύσσου (1)  
 Ca. 4. 3. ὡς σπαρτίον τὸ [A. om.] κ. χεῖλ σου (2)  
 6. 5 (6). ὡς σπαρτίον τὸ [A. B. om.] κ. χεῖλ σου — Is. 1. 18. ἐὰν δὲ ὦν ὡς κ. (3 δ)  
 3. 23. τὰ ὑάκινθνα καὶ κόκκινον [A. B. τὰ κ.] — Je. 4. 30. ἐὰν περιβάλῃς κόκκινον [B. om.] [Sm. Ex. 28. 5: 86. 23, 35: 39. 1 (13): Is. 1. 18.]  
 [Th. Ex. 28. 5: 85. 23, 35: 39. 1 (13):] [Al. Ca. 6. 5 (6).]  
 κόκκος. (1) כֹּכֶבֶת  
 Si. 45. 11. κεκλωσμένη κόκκος ἔργω τεχνίτου La. 4. 5. B. B. οἱ τιθηνοῦμενοι ἐπὶ κόκκων [A. κόλπων, B. -κῶ] (1)  
 [Aq. Ca. 4. 3: 6. 5 (6).] [Quint. Ca. 4. 3.]  
 κολαβρίζεσθαι. (1) כֹּכֶבֶת hithpa.  
 Jb. 5. 4. κολαβρισθείσαν [A. σκολ.] δὲ ἐπὶ θύραις ἡσόνων (1)  
 κολάζειν.  
 I Es. 8. 24. καὶ πάντες ... ἐπιμελῶς κολασθήσονται Wi. 8. 4. ἐν ὅψει ἀνθρώπων ἐὰν κολασθῶσιν 16. 5. δι' ὃν γὰρ ἐκολάσθησαν οἱ ἐχθροὶ αὐτῶν — 8. πῶς τοὺς ὑπεραντίους ἐκόλασας — 16. διὰ τούτων κολάζεται [B. καὶ κολ.] 12. 14. A. B. B. περὶ ὧν ἐκόλασας [B. ἀπόλεσας] — 15. αὐτὸν τὸν μὴ ὀφειλόντα κολασθῆναι καταδικασαί — 27. ἐπὶ τούτοις οὐδ' [B<sup>1</sup> οὐδ'] ἐδόκουν θεοὺς ἐν αὐτοῖς κολάζουσι 14. 10. τὸ πραχθεὶν σὺν τῷ δράσαντι κολασθήσεται 16. 1. δι' ὁμοίων ἐκολάσθησαν ἀξίως — 9. ἀξίως ἦσαν ὑπὸ τοιοῦτων [B<sup>1</sup> τούτων] κολασθῆναι 18. 11. ὁμοίᾳ δὲ δίχῃ δούλος ἄμα δεσπότη κολασθεῖς — 22. λόγῳ τὸν κολάζοντα ὑπέταξεν Si. 23. 21. Α. δὲ οὐχ ὑπενόησεν κολασθήσεται [B. B. al.] Da. LXX. 6. 12 (13). ἀλλὰ καὶ κολάσῃς τὸν ἄνθρωπον. — I Ma. 7. 7. Α. B. καὶ ἐκόλασας [B. κολασάτω] αὐτούς II Ma. 6. 14. μετρί τοῦ κατανηγνάντας αὐτούς ... κολάσαι III Ma. 3. 26. τούτων γὰρ ὁμοῦ κολασθέντων — 7. 3. κολάζεσθαι ξενίζουσαι ἀποστατῶν τιμωρίαις — 14. B. κατὰ τὴν ὁδὸν ἐκολάζοντο [A. ἀπέκτενον] IV Ma. 2. 11. B. διὰ κακίαν αὐτοῦς [A. -ὦν, B. -ὰ] κολάζων 8. 6. κολάζειν τοὺς ἀπειθοῦντάς μου τοῖς ἐπιτάγμασιν 18. 5. καὶ ἀποθανόν κολάζεται [Aq. II Ki. 8. 1.] [Sm. Pr. 22. 23 bis: Ec. 7. 14 (13) (?).]

κολαίος, cf. κολέος. (1) כֹּכֶבֶת  
 I Ki. 17. 51. Α. ἐξίστασεν αὐτὴν ἐκ τοῦ κ. αὐτῆς (1)  
 κολακεύειν.  
 I Es. 4. 31. κολακεύει αὐτὴν Jb. 19. 17. προσκαλοῦμένη δὲ κολακεύων υἱοὺς παλλακίδων μου Wi. 14. 17. ἵνα τὸν ἀπόντα ὡς παρόντα κολακεύωσι [A. -ωσιν]  
 κολάπτειν. (1) כֹּכֶבֶת (2) כֹּכֶבֶת (3) כֹּכֶבֶת  
 Ex. 32. 16. ἡ γραφή ... κεκολλημένη ἐν ταῖς πλατείαις (2)  
 III Ki. 7. 9. πάντα ταῦτα ἐκ λίθων ... κεκολλημένα — 12. Α. B. καὶ στίχους κεκολλημένους [B. κεκολλημένους] κέρου (8)  
 Si. 45. 11. ἐν γραφῇ κεκολλημένη κατ' ἀριθμὸν φυλῶν Ἰσραὴλ Je. 10. 4. καὶ χρυσῷ κεκολλητισμένα [B<sup>1</sup> κεκολληται] + III Ma. 2. 27. Α. ἐκόλαψεν [B. ἐξέκ.] γραφὴν κολάσεις. (1) כֹּכֶבֶת (2) λαμβάνειν τὴν κ. כֹּכֶבֶת ni.  
 Wi. 11. 13. ἤκουσαν διὰ τῶν ἰδίων κ. εὐεργετούμενοι [A. B. -ημένους] αὐτοὺς 16. 2. ἀνθ' ἧς κολάσεις εὐεργετήσας τὸν λαόν σου — 24. ἡ γὰρ κρίσις ... ἐπιτείνεται εἰς κολάσιν κατὰ τῶν ἀδικῶν 19. 4. τὴν λείπουσαν ταῖς βασάνοις ... κολάσιν Je. 18. 20. τὴν κ. αὐτῶν ἐκρυψάν μοι + Ez. 14. 3. τὴν κ. τῶν ἀδικῶν αὐτῶν ἐθήκαν — 4. 7. τὴν κ. τῆς ἀδικίας αὐτοῦ τάξῃ 18. 30. οὐκ ἔσονται ἡμῖν εἰς κολάσιν ἀδικίας 48. 11. λήγονται τὴν κ. αὐτῶν περὶ πάντων 44. 12. ἐγένετο τῷ οἴκῳ [A. om.] Ἰσρ. εἰς κολάσιν ἀδικίας (1)  
 II Ma. 4. 38. τὸν κυρίου τὴν ἀξίαν αὐτῶ κ. ἀποδόντος III Ma. 1. 3. κομίσασθαι τὴν ἑκείνου κ. 7. 10. τυχεῖν ... τῆς ὀφειλομένης κ. IV Ma. 8. 9. ἐπὶ δειναῖς κ. ἐνα ἑκάστον ὡμῶν ... ἀπολέσει 13. 7. B. τὴν τῶν παθῶν ἐνίκησεν κ. [A. B. ἀκολασίαν] [Aq. Je. 11. 20: 20. 10.] [Th. Ez. 7. 19.]  
 κολαστήριον.  
 IV Ma. 10. 4. Α. B. εἰ τι ἔχετε κ. κολέος, cf. κολαίος. (1) כֹּכֶבֶת (2) כֹּכֶבֶת  
 II Ki. 20. 8. περιεζωμένους μάχαιραν ... ἐν κολεῷ αὐτῆς I Ch. 21. 27. κατέθηκε [A. καθῆκεν] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κ. Je. 29 (47). 6. ἀποκαταστήθῃ εἰς τὸν κ. σου Ez. 21. 3 (8). ἐκσπάσω τὸ ἐγγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ — 4 (9). ἐξελεῖσεται τὸ ἐγγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ — 5 (10). ἐξέσπασα τὸ ἐγγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ [Aq., Sm., Th. Ez. 21. 30 (35).]  
 κολιανδρον.  
 [Al. Nu. 11. 7.]  
 κολῶν. (1) כֹּכֶבֶת a. qal. δ. pu. c. hi. d. hoph. (2) כֹּכֶבֶת hi. (3) כֹּכֶבֶת (4) כֹּכֶבֶת (5) כֹּכֶבֶת  
 De. 6. 13. πρὸς αὐτὸν κολλήθησθαι — 10. 20. πρὸς αὐτὸν κολλήθησθαι (1 a) 28. 60. καὶ κολλήθησονται ἐν σοὶ (1 a) 29. 20 (19). κολλήθησονται ἐν αὐτῷ πᾶσαι αἱ ἀραὶ (5)  
 Ru. 2. 8. κολλήθητι μετὰ τῶν κορσίων μου — 21. B. μετὰ τῶν παιδιῶν [B. κορσίων] μου κολλήθητι [A. B. τῶν ἐμῶν προσκ.] (1 a)  
 II Ki. 20. 2. ἀνὴρ I. ἐκλήθη τῷ βασι. αὐτῶν (1 a)  
 III Ki. 7. 12. B. καὶ στίχους κεκολλημένους [A. κεκολλημένους] κέρου + 11. 2. εἰς αὐτοὺς ἐκλήθησθαι Σαλ. τοῦ ἀγαπήσαι (1 a)

IV Ki. 1. 18 (3. 3). ἐν ταῖς ἀμαρτίαις οἴκου ἱερ. ... ἐκλήθησθαι (1 a)  
 3. 3. ἐν τῇ ἀμαρτίᾳ ἱερ. ... ἐκλήθησθαι (1 a)  
 5. 27. ἡ λέπρα N. κολλήθησεται ἐν σοὶ (1 a)  
 18. 6. ἐκλήθησθαι τῷ κυρίῳ (1 a)  
 I Es. 4. 20. πρὸς τὴν ἰδίαν γυναῖκα κολλάται To. 6. 17. ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐκλήθησθαι σφόδρα αὐτῇ [A. B. al.] Jb. 29. 10. γλώσσα αὐτῶν τῷ λάρυγγι αὐτῶν ἐκλήθησθαι (1 a)  
 38. 38. κεκόλληκα δὲ αὐτῶν ὥσπερ λίθῳ κύβον [A. al.] (1 b)  
 41. 7 (8). εἰς τοῦ [A. ἐκ τοῦ] ἐνός κολλῶνται (3)  
 — 14 (15). σάρκες δὲ σώματος [B. om.] αὐτοῦ κεκόλληται (1 a)  
 Ps. 21 (22). 15. ἡ γλώσσά μου κεκόλληται τῷ λάρυγγί μου (1 d)  
 24 (25). 21. ἀκακοὶ καὶ εὐθεῖς ἐκκλῶντό μοι (4)  
 43 (44). 25. ἐκκλήθη εἰς γῆν ἡ γαστήρ ἡμῶν (1 a)  
 62 (63). 8. ἐκκλήθη ἡ ψυχὴ μου ὅπως σου (1 a)  
 100 (101). 3. οὐκ ἐκκλήθη μοι καρδία σκαμβῇ (1 a)  
 101 (102). 5. ἐκκλήθη τὸ ὅσπτον μου τῇ σαρκί μου (1 a)  
 118 (119). 25. ἐκκλήθη τῷ ἐδάφει ἡ ψυχὴ μου (1 a)  
 — 31. ἐκκλήθη τῷ μαρτυρίῳ σου, κυριε (1 a)  
 136 (137). 6. κολλήθη ἡ γλώσσά μου τῷ λάρυγγί μου (1 a)  
 Si. 2. 3. κολλήθηται αὐτῷ καὶ μὴ ὀπισθεῖ 19. 2. ὁ κολῶμενος πόρραις τοιμηρότερος [B. -ρός] ἔσται Je. 13. 11. καθὼς κολλάται τὸ περιζῶμα ... οὕτως ἐκκλήσεται πρὸς ἐμαυτὸν τὸν οἶκον τοῦ Ἰσρ. (1 a, 1 c)  
 Ba. 1. 20. ἐκκλήθη εἰς ἡμᾶς τὰ κακά 3. 4. ἐκκλήθη [A. προσεκ.] ἡμῖν τὰ κακά La. 2. 2. τὰ ὀνυρόματα ... ἐκκλήσιν εἰς τὴν γῆν 4. 4. ἐκκλήθη ἡ γλώσσα θηλάζοντος (1 a)  
 I Ma. 3. 2. Α. B. ὅσοι [B. οἱ] ἐκκλήθησαν τῷ πατρὶ αὐ. 6. 21. ἐκκλήθησαν αὐτοῖς τινες τῶν ἀσεβῶν [Aq. Dt. 4. 4: 30. 20: I Ki. 31. 2: II Ki. 1. 6: Jb. 19. 20: Je. 42 (49). 16: Ez. 29. 4.] [Sm. Je. 42 (49). 16.] [Th. Jb. 41. 8.]  
 κόλλη. (1) כֹּכֶבֶת  
 Is. 44. 13. ἐν κόλλῃ ἐρρυθμῶσεν αὐτὸ (1)  
 [Aq., Th. Is. 41. 7.]  
 κόλλησις.  
 [Sm. Is. 41. 7.]  
 κολλύρα. (1) כֹּכֶבֶת  
 II Ki. 13. 6. B. κολλυρισάτω ... δύο κολλύρας [A. B. -ρίδας] (1)  
 [Aq., Th. Ex. 29. 2, 23: Le. 2. 4: 8. 26.] [Sm. Ex. 29. 2, 23: Le. 2. 4: 8. 26: Jd. 7. 13: I Ki. 2. 36: 10. 3: Je. 37 (44). 21.] [Al. Le. 7. 12 bis, 13: 24. 5: Nu. 6. 15.]  
 κολλυρίζειν. (1) כֹּכֶבֶת ri.  
 II Ki. 13. 6. Α. B. κολλυρισάτω ... δύο κολλυρίδας [B. -ρας] (1)  
 — 8. ἐκολλύρισε κατ' ὀφθαλμούς αὐτοῦ (1)  
 κολλύριον. (1) כֹּכֶבֶת  
 III Ki. 12. 24 B. (cf. A. 14. 3). καὶ κολλύρια τοῖς τέκνοις αὐτοῦ — 24. B. ἄρτους καὶ δύο κολλύρια — 24. B. καὶ κολλύρια καὶ στάμνον μέλιτος [Aq. III Ki. 14. 3.]  
 κολλυρίς. (1) כֹּכֶבֶת (2) כֹּכֶבֶת (3) כֹּכֶבֶת  
 II Ki. 6. 19. διμερίσας ... κολλυρίδα ἄρτου 13. 6. Α. B. κολλυρισάτω ... δύο κολλυρίδας [B. -ρας] (2)  
 — 8. ἤψησε τὰς κ. (2)  
 — 10. ἔλαβε Θ. τὰς κ. (2)  
 III Ki. 14. 3. Α. καὶ κολλυρίδα τοῖς τέκνοις αὐτοῦ [Aq., Sm., Th. Le. 2. 4.] [Al. Le. 7. 12: 24. 5: Nu. 6. 15.]  
 κολοβόκερον. (1) כֹּכֶבֶת  
 Le. 22. 23. Α. B. πρόβατον ἀντίμυτον ἡ κ. (1)  
 κολοβόριν. (1) כֹּכֶבֶת  
 Le. 21. 18. ἄνθρωπος τυφλὸς ... ἡ κ. (1)

<b>κολοβός.</b> [Aq. Sm. Is. 37. 27.]	La. 4. 5. <b>Α</b> οἱ <b>τιθημένοι</b> ἐπὶ <b>κόλπων</b> [B κόκκων, B κόκκω] +	III Ma. 1. 3. <b>κομίσσασθαι</b> τὴν <b>ἐκείνου</b> <b>κόλασιν</b> — 8. <b>καὶ</b> <b>ἐξῆνα</b> <b>κομιοῦντας</b>
<b>κολοβοτήης.</b> [Aq. Ex. 6. 9.]	[Aq. Ps. 88 (89). 51: Is. 40. 11: Ez. 48. 14.] [Sm. Ps. 88 (89). 51: Is. 40. 11.] [Th. Jb. 19. 27: Is. 40. 11.]	7. 22. <b>πάντα</b> τὰ <b>ἐαυτῶν</b> <b>πάντες</b> <b>ἐκομίσαντο</b>
<b>κολοβοῦν.</b> (1) 𐤒𐤆𐤓𐤁 ri.	<b>κόλπωμα.</b> (1) 𐤒𐤓𐤓	IV Ma. 8. 14. <b>8</b> <b>ἐκόμισαν</b> [A B ἐγέμ.] τῇ <b>βασ.</b> τὸ <b>ποτόν</b>
II Ki. 4. 12. <b>κολοβοῦσι</b> τὰς <b>χεῖρας</b> <b>αὐτῶν</b> (1) [Aq. Jd. 16. 16: Jb. 21. 4: Is. 59. 1: Za. 11. 8.] [Sm. Jb. 21. 4: Is. 58. 20: 59. 1.] [Th. Is. 28. 20.]	Ez. 43. 13. <b>παλαιστῆς</b> κ. <b>βάθους</b> [A τὸ κ. <b>βάθος</b> <b>πῆχυν</b> ] ἐπὶ <b>πῆχυν</b> (1) [Al. Ez. 43. 13.]	[Sm. Jb. 27. 13.] [Th. Jb. 27. 13: Ez. 16. 58.]
<b>κολοκύνθα (-τα).</b> (1) 𐤒𐤓𐤓𐤁	<b>κολυμβάν.</b> [Al. Is. 25. 11.]	<b>κόμμα.</b> I Ma. 16. 6. <b>ποιῆσαι</b> κ. <b>ἴδιον</b>
Jn. 4. 6. <b>καὶ</b> <b>προσέταξε</b> κ. ὁ <b>θ.</b> <b>κολοκύνθη</b> (1) — 6. <b>ἐχάρη</b> ἡ <b>ἐπὶ</b> τῇ κ. <b>χαρὰν</b> <b>μεγάλην</b> (1) — 7. <b>ἐπάταξε</b> τὴν <b>κολοκύνθαν</b> καὶ <b>ἀπεξηράνη</b> (1) — 9. <b>εὐ</b> <b>σφόδρα</b> <b>λελύθη</b> <b>συν</b> ἐπὶ τῇ κ. (1) — 10. <b>τὸν</b> <b>ἐφείσω</b> <b>ὑπὲρ</b> τῆς κ. (1)	<b>κολυμβήθρα.</b> (1) 𐤒𐤓𐤓𐤁	<b>κόμπος.</b> Es. 8. 13. τοῖς <b>τῶν</b> <b>ἀπειραγῶν</b> κ. <b>ἐπαρθέντες</b> III Ma. 6. 5. <b>βαρέα</b> <b>λαλοῦντα</b> <b>κόμψ</b> καὶ <b>θράσει</b>
<b>κολοκυνθίς.</b> [Al. IV Ki. 4. 39.]	<b>κόλπος.</b> (1) 𐤒𐤓𐤓, 𐤓𐤓𐤓, 𐤓𐤓 (2) 𐤓𐤓𐤓	<b>κονδοκέρατος.</b> [Al. Le. 22. 23.]
Ge. 16. 5. <b>δέδοκα</b> τὴν <b>παιδίσκη</b> <b>μου</b> <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>σου</b> (1) Ez. 4. 6. <b>εἰσέγκων</b> τὴν <b>χεῖρά</b> <b>σου</b> <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>σου</b> (1) — 6. <b>εἰσέγκει</b> τὴν <b>χεῖρα</b> <b>αὐτοῦ</b> <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτοῦ</b> (1) — 6. <b>ἐξήνεγκε</b> τὴν <b>χεῖρα</b> <b>αὐτοῦ</b> <b>ἐκ</b> τοῦ κ. <b>αὐτοῦ</b> (1) — 7. <b>εἰσέγκων</b> τὴν <b>χεῖρά</b> <b>σου</b> <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>σου</b> (1) — 7. <b>εἰσέγκει</b> τὴν <b>χεῖρα</b> <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτοῦ</b> (1) — 7. <b>ἐξήνεγκε</b> <b>αὐτὴν</b> <b>ἐκ</b> τοῦ κ. <b>αὐτοῦ</b> (1) Nu. 11. 12. <b>λάβε</b> <b>αὐτὸν</b> [A -οὐς] <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>σου</b> (1) De. 18. 6 (7). ἡ <b>γυνὴ</b> <b>σου</b> ἢ <b>ἐν</b> <b>κόλπῳ</b> <b>σου</b> (1) 28. 54. <b>A</b> <b>β.</b> <b>τὴν</b> <b>γυναῖκα</b> <b>τὴν</b> <b>ἐν</b> τῷ [B om.] κ. (1) — 56. <b>τὸν</b> <b>ἄνδρα</b> <b>αὐτῆς</b> <b>τὸν</b> <b>ἐν</b> <b>κόλπῳ</b> [A τῷ κ.] <b>αὐτῆς</b> (1) Ru. 4. 16. <b>ἔθηκεν</b> [A add. τοῦτο] <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτῆς</b> (1) II Ki. 12. 3. <b>ἐν</b> τῷ κ. <b>αὐτοῦ</b> <b>ἐκάειδε</b> (1) — 8. <b>ἔδωκα</b> . . . <b>ἐν</b> τῷ κ. <b>σου</b> (1) III Ki. 3. 20. <b>ἐκοίμην</b> <b>αὐτὸν</b> <b>ἐν</b> τῷ κ. <b>αὐτῆς</b> (1) — 20. <b>ἐκοίμην</b> <b>ἐν</b> τῷ κ. <b>μου</b> (1) 17. 19. <b>ἔλαβεν</b> <b>αὐτὸν</b> <b>ἐκ</b> τοῦ κ. <b>αὐτῆς</b> (1) 22. 35. <b>ἀπέκρινε</b> <b>τὸ</b> <b>αἷμα</b> . . . <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>τοῦ</b> <b>δρ-</b> <b>ματος</b> (1) — 35. <b>ἐξέπορεύετο</b> <b>τὸ</b> <b>αἷμα</b> . . . <b>ὥς</b> <b>τοῦ</b> κ. <b>τοῦ</b> <b>δρματος</b> (1) Jb. 19. 27. <b>πάντα</b> <b>δέ</b> <b>μοι</b> <b>συντετέλεσται</b> <b>ἐν</b> <b>κόλπῳ</b> [B κόπῳ] (1) 23. 12. <b>ἐν</b> <b>δε</b> <b>κόλπῳ</b> <b>μου</b> <b>ἐκρυψα</b> <b>ῥήματα</b> <b>αὐτοῦ</b> + 31. 34. <b>ἐξελθεῖν</b> <b>θυρὰν</b> <b>μου</b> κ. <b>κενὴν</b> — Ps. 34 (35). 13. ἡ <b>προσενχὴ</b> <b>μου</b> <b>εἰς</b> <b>κόλπον</b> <b>μου</b> <b>ἀποστραφῆσεται</b> [A -ήτω] (1) 73 (74). 11. <b>τὴν</b> <b>χεῖρά</b> <b>σου</b> <b>καὶ</b> <b>τὴν</b> <b>δεξιάν</b> <b>σου</b> [B om. καὶ τὴν δ. σου] <b>ἐκ</b> <b>μέσου</b> <b>τοῦ</b> κ. <b>σου</b> (1) 78 (79). 12. <b>ἀπόδος</b> . . . <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτῶν</b> <b>τὸν</b> <b>ὀνειδισμόν</b> <b>αὐτῶν</b> (1) 88 (89). 50. <b>B</b> <b>S</b> <b>οὐ</b> <b>ὑπέσχον</b> [A B -ον] <b>ἐν</b> τῷ κ. <b>μου</b> (1) 128 (129). 7. <b>καὶ</b> <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτοῦ</b> <b>ὁ</b> <b>τὰ</b> <b>δράγματα</b> <b>συλλέγων</b> (9) Pr. 6. 27. <b>ἀποδοίξει</b> <b>τις</b> <b>πῦρ</b> <b>ἐν</b> <b>κόλπῳ</b> (1) 16. 33. <b>εἰς</b> <b>κόλπους</b> <b>ἐπέρχεται</b> <b>πάντα</b> <b>τοῖς</b> <b>ἀδίκ-</b> <b>οις</b> (1) 17. 23. <b>λαμβάνοντες</b> <b>δῶρα</b> <b>ἐν</b> <b>κόλποις</b> [A B -φ] <b>ἀδίκους</b> [B -φ] (1) 19. 24. <b>ὁ</b> <b>ἐγκρύπτων</b> <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτοῦ</b> <b>χεῖρας</b> <b>ἀδίκους</b> (4) 24. 27 (30. 4). <b>τίς</b> <b>συνήγαγεν</b> <b>ἀνέμους</b> <b>ἐν</b> <b>κόλπῳ</b> (2) 26. 15. <b>κρύψας</b> <b>ὀκνηρὸς</b> <b>τὴν</b> <b>χεῖρα</b> <b>ἐν</b> τῷ κ. <b>αὐτοῦ</b> (1) Ec. 7. 10 (9). <b>θυμὸς</b> <b>ἐν</b> <b>κόλπῳ</b> <b>ἀφρόνων</b> <b>ἀνα-</b> <b>παύσεται</b> (1) Si. 9. 1. <b>μὴ</b> <b>γῆλον</b> <b>γυναικὰ</b> <b>τοῦ</b> κ. <b>σου</b> + Ho. 8. 1. <b>εἰς</b> <b>κόλπον</b> <b>αὐτῶν</b> <b>ὡς</b> <b>γῆ</b> + Is. 49. 22. <b>ἀφύσσον</b> <b>τοὺς</b> <b>υἱούς</b> <b>σου</b> <b>ἐν</b> <b>κόλπῳ</b> (8) 65. 6. <b>ὡς</b> <b>ἂν</b> <b>ἀποδώσω</b> <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτῶν</b> [A B al.] (1) — 7. <b>ἀποδώσω</b> <b>τὰ</b> <b>ἔργα</b> <b>αὐτῶν</b> <b>εἰς</b> [B ἐπὶ] <b>τὸν</b> κ. <b>αὐτῶν</b> (1) Je. 39 (32). 18. <b>ἀποδοῖς</b> <b>ἀμαρτίας</b> <b>πατέρων</b> <b>εἰς</b> <b>κόλπους</b> [B -ον] <b>τέκνων</b> <b>αὐτῶν</b> (1) La. 2. 12. <b>ἐν</b> τῷ <b>ἐκτεῖσθαι</b> <b>ψυχὰς</b> <b>αὐτῶν</b> <b>εἰς</b> <b>κόλπον</b> <b>μητέρων</b> <b>αὐτῶν</b> (1)	IV Ki. 18. 17. <b>ἐν</b> τῷ <b>ὕδραγωγῷ</b> <b>τῆς</b> κ. <b>τῆς</b> <b>ἄνω</b> (1) Ne. 2. 14. <b>καὶ</b> <b>εἰς</b> <b>κολυμβήθραν</b> <b>τοῦ</b> <b>βασ.</b> (1) 3. 15. <b>καὶ</b> <b>τὸ</b> <b>τείχος</b> <b>κολυμβήθρας</b> [B al.] (1) — 16. <b>ὥς</b> <b>τῆς</b> κ. <b>τῆς</b> <b>γεγονυίας</b> (1) Ec. 2. 6. <b>ἐποίησα</b> <b>μοι</b> <b>κολυμβήθρας</b> <b>ὕδατων</b> (1) Na. 2. 8 (9). <b>N.</b> <b>ὡς</b> [A ἦν] <b>κολυμβήθρα</b> <b>ὕδατος</b> <b>τὰ</b> <b>ὑδατα</b> [A τείχη ὕ.] (1) Is. 7. 3. <b>ἔξελθε</b> . . . <b>πρὸς</b> <b>τὴν</b> κ. <b>τῆς</b> <b>ἄνω</b> <b>ὁδοῦ</b> (1) 22. 9. <b>ἀπέστρεψε</b> <b>τὸ</b> <b>ὕδωρ</b> <b>τῆς</b> <b>ἀρχαίας</b> κ. (1) — 11. <b>ἐποίησατε</b> <b>ἑαυτοῖς</b> <b>ὕδωρ</b> . . . <b>ἐσώτερον</b> <b>τῆς</b> κ. <b>τῆς</b> <b>ἀρχαίας</b> (1) 38. 2. <b>ἔσθη</b> <b>ἐν</b> τῷ <b>ὕδραγωγῷ</b> <b>τῆς</b> κ. <b>τῆς</b> <b>ἄνω</b> (1) [Aq. II Ki. 2. 13: 4. 12.] [Sm. II Ki. 4. 12: Ca. 7. 4 (5).] [Th. II Ki. 2. 13.]	— 5. <b>ἵνα</b> <b>τί</b> <b>ἐκλέψατέ</b> <b>μου</b> <b>τὸ</b> κ. <b>τὸ</b> <b>ἀργυροῦν</b> — — 9. <b>B</b> <b>παρ'</b> <b>ᾧ</b> <b>ἂν</b> <b>εὗρη</b> [A -ρεθῇ] <b>τὸ</b> κ. — — 10. <b>παρ'</b> <b>ᾧ</b> <b>ἂν</b> <b>εὗρηθῇ</b> <b>τὸ</b> κ. — — 12. <b>εὗρε</b> <b>τὸ</b> κ. — (1) — 16. <b>παρ'</b> <b>ᾧ</b> <b>εὗρέθῃ</b> <b>τὸ</b> κ. — (1) — 17. <b>ὁ</b> <b>ἀνθρώπος</b> <b>παρ'</b> <b>ᾧ</b> <b>εὗρέθῃ</b> <b>τὸ</b> κ. — (1) Is. 51. 17. <b>τὸ</b> κ. <b>τοῦ</b> <b>θυμοῦ</b> <b>ἐξέπνιες</b> (2) — 22. <b>εἰληφα</b> . . . <b>τὸ</b> κ. <b>τοῦ</b> <b>θυμοῦ</b> (2) [Th. Is. 51. 17.]
	<b>κόμβος.</b> [Al. Ge. 42. 35 dñs.]	<b>κονδυλίειν.</b> Am. 2. 7. <b>καὶ</b> <b>ἐκονδυλίουν</b> <b>εἰς</b> <b>κεφαλὰς</b> <b>πτωχῶν</b> — Ma. 3. 5. <b>ἐπὶ</b> . . . <b>τοὺς</b> <b>κονδυλίζοντας</b> <b>ὄφρα</b> <b>νοῦς</b> —
	<b>κόμψ.</b> (1) 𐤒𐤓𐤓 (2) 𐤓𐤓𐤓 (3) 𐤓𐤓𐤓 (4) 𐤓𐤓𐤓	<b>κονδυλισμός.</b> (1) 𐤓𐤓𐤓
	Le. 19. 27. <b>οὐ</b> <b>ποιῆσατε</b> <b>σισὴν</b> <b>ἐκ</b> <b>τῆς</b> κ. (2) Nu. 6. 5. <b>τρέφω</b> <b>κόμην</b> <b>τρίχα</b> <b>κεφαλῆς</b> (4) Jb. 18. 7. <b>ἰδράσατο</b> <b>τῆς</b> κ. <b>τῆς</b> <b>κεφαλῆς</b> <b>αὐτοῦ</b> — [B. 1. 20. <b>ἐκείρατο</b> <b>τὴν</b> κ. <b>τῆς</b> <b>κεφαλῆς</b> — 16. 13 (12). <b>λαβὼν</b> <b>με</b> <b>τῆς</b> κ. <b>διέτιλε</b> (1) 38. 32. <b>ἐσπερον</b> <b>ἐπὶ</b> <b>κόμης</b> <b>αὐτοῦ</b> <b>ἄξεις</b> [A καὶ ἄ.] + αὐτὰ	<b>κονία.</b> (1) 𐤒𐤓𐤓 (2) 𐤓𐤓𐤓 (3) κ. <b>λεπτή</b> 𐤓𐤓𐤓𐤓𐤓𐤓 De. 27. 2, 4. <b>κονιάσεις</b> <b>αὐτοὺς</b> <b>κονία</b> (2) Jb. 28. 4. <b>διακοπὴ</b> <b>χειμάρρου</b> <b>ἀπὸ</b> <b>κονίας</b> + 38. 38. <b>κῆρυται</b> <b>δέ</b> <b>ὥσπερ</b> <b>γῆ</b> [A γῆς] <b>κονία</b> (1?) Am. 2. 1. <b>κατέκασαν</b> <b>τὰ</b> <b>ὀστά</b> <b>βασιλείας</b> . . . <b>εἰς</b> <b>κονίαν</b> (2) Is. 27. 9. <b>ὅταν</b> <b>θῶσι</b> [A θῶ] . . . <b>ὡς</b> <b>κονίαν</b> <b>λεπτήν</b> (8) [Sm., Th. Jb. 28. 4.]
	<b>κομιδή.</b> IV Ma. 8. 1. <b>A</b> <b>ἔστι</b> <b>δέ</b> κ. <b>γελοῖος</b> ὁ <b>λογισμός</b> [B λόγος] +	<b>κονίαμα.</b> (1) 𐤓𐤓𐤓 Da. LXX. 5. 1. <b>ἐπέγραψαν</b> . . . <b>ἐπὶ</b> <b>τοῦ</b> κ. — — 5. <b>ἔγραψαν</b> . . . <b>ἐπὶ</b> <b>τοῦ</b> κ. (1) Da. TH. 5. 5. <b>ἔγραφον</b> . . . <b>ἐπὶ</b> <b>τὸ</b> κ. <b>τοῦ</b> <b>τοίχου</b> (1)
	<b>κομίζω.</b> (1) 𐤒𐤓𐤓 aph. (2) 𐤓𐤓𐤓 (3) 𐤓𐤓𐤓	<b>κονιάν.</b> (1) 𐤓𐤓𐤓 De. 27. 2, 4. <b>κονιάσεις</b> <b>αὐτοὺς</b> <b>κονία</b> (1) Pr. 21. 9. ἡ <b>ἐν</b> <b>κεκονιαμένοις</b> <b>μετὰ</b> <b>ἀδικίας</b> +
	Ge. 38. 20. <b>κομίσασθαι</b> . . . <b>τὸν</b> <b>ἀρραβῶνα</b> (2) Le. 20. 17. <b>ἀμαρτίαν</b> <b>κομιοῦνται</b> (3) I Es. 2. 14. <b>τὰ</b> <b>δέ</b> <b>πάντα</b> <b>σκευὴ</b> <b>ἐκομίσθη</b> [A διεκ.] (1) 4. 5. <b>τῷ</b> <b>βασ.</b> <b>κομίζουσι</b> <b>πάντα</b> — 9. 39. <b>κομίσαι</b> <b>τὸν</b> <b>νόμον</b> <b>M.</b> — — 40. <b>A</b> <b>B</b> <b>ἐκόμισεν</b> [B ἐδοκίμασεν] "E... <b>τὸν</b> <b>νόμον</b> — II Es. 6. 5. <b>B</b> <b>καὶ</b> <b>ἐκόμισεν</b> [A ἐκόσμ.] <b>εἰς</b> <b>βαβ.</b> (1) To. 7. 12. <b>κομίζου</b> <b>αὐτὴν</b> <b>ἀπὸ</b> <b>τοῦ</b> <b>νῦν</b> <b>κατὰ</b> <b>τὴν</b> <b>κρίσιν</b> [B al.] + — 13. <b>κομίζου</b> <b>αὐτὴν</b> [B al.] (1) 9. 2. <b>κομίσαι</b> <b>μοι</b> <b>τὸ</b> <b>ἀργυρίον</b> — Jb. 22. 8. <b>A</b> <b>ἐκόμισας</b> <b>δέ</b> <b>πτωχοὺς</b> <b>ἐπὶ</b> <b>γῆς</b> [B al.] + Ps. 39 (40). 15. <b>κομισάσθωσαν</b> <b>παραχρῆμα</b> <b>αἰ-</b> <b>σχύνην</b> <b>αὐτῶν</b> + Wi. 18. 21. <b>προσενχὴν</b> [B <sup>2</sup> -ῆς] <b>καὶ</b> <b>θυμιάματος</b> <b>ἐξίστασθαι</b> <b>κομίσαι</b> — Si. 29. 6. <b>μολίς</b> <b>κομίσεται</b> [A -μείται] <b>τὸ</b> <b>ἥμισυ</b> (2) Ho. 2. 9 (11). <b>κομιοῦμαι</b> <b>τὸν</b> <b>τίτνον</b> <b>μου</b> (2) Ez. 16. 52. <b>κόμισαι</b> <b>βάσανόν</b> <b>σου</b> (3) — 54. <b>ὅπως</b> <b>κομίσῃ</b> <b>τὴν</b> <b>βάσανόν</b> <b>σου</b> (8) — 58. <b>τὰς</b> <b>ἀσβεστίας</b> <b>σου</b> . . . <b>τὸν</b> <b>κεκόμισαι</b> <b>αὐτάς</b> [A al.] (9) I Ma. 18. 37. <b>τὸν</b> <b>στέφανον</b> <b>τὸν</b> <b>χρυσὸν</b> . . . <b>κεκο-</b> <b>μισέμεθα</b> — II Ma. 7. 11. <b>B</b> <b>ταῦτα</b> <b>πάλιν</b> <b>ἐλπίσω</b> <b>κομίσασθαι</b> [A -ίσεσθαι] (1) — 29. <b>B</b> <b>ἵνα</b> <b>ἐν</b> τῷ <b>ἐλπί</b> . . . <b>κομίσωμαι</b> <b>σε</b> [A al.] (1) 8. 33. <b>B</b> <b>ἔξιν</b> <b>τῆς</b> <b>δυσσεβείας</b> <b>ἐκομίσαντο</b> [A -ατο] <b>μισθόν</b> — 10. 1. <b>τὸ</b> <b>μὲν</b> <b>κέρδ</b> <b>ἐκομίσαντο</b> — 18. 8. <b>ἐν</b> <b>σποδῷ</b> <b>τὸν</b> <b>θάνατον</b> <b>ἐκομίσαντο</b> (1)	<b>κομίσασθαι.</b> [Aq. Ge. 32. 24 (25).] [Sm. II Ki. 1. 2.]
	<b>κοινορτός.</b> (1) α. 𐤒𐤓𐤓 δ. 𐤓𐤓𐤓 (2) 𐤓𐤓𐤓 (3) 𐤓𐤓𐤓 (4) 𐤓𐤓𐤓 (5) 𐤓𐤓𐤓 (6) 𐤓𐤓𐤓 (7) 𐤓𐤓𐤓	<b>κοινορτός.</b> (1) α. 𐤓𐤓𐤓 (2) 𐤓𐤓𐤓 (3) 𐤓𐤓𐤓 (4) 𐤓𐤓𐤓 (5) 𐤓𐤓𐤓 (6) 𐤓𐤓𐤓 (7) 𐤓𐤓𐤓 Ex. 9. 9. <b>γενηθήτω</b> <b>κοινορτός</b> (1 α) De. 9. 21. <b>καὶ</b> <b>ἐγένετο</b> <b>ὥσπερ</b> <b>κοινορτός</b> (6) — 21. <b>ἔρριψα</b> <b>τὸν</b> κ. <b>εἰς</b> <b>τὸν</b> <b>χειμάρρουν</b> (6) 28. 24. <b>ὅψ</b> <b>κύριος</b> . . . <b>τὸν</b> <b>υἱόν</b> <b>τῆς</b> <b>γῆς</b> <b>σου</b> <b>κοινορτόν</b> (1 α) IV Ki. 9. 17. <b>εἶδε</b> <b>τὸν</b> κ. <b>Ἰού</b> (7) — 17. <b>κοινορτόν</b> <b>ἐγὼ</b> <b>βλέπω</b> (7) Jb. 21. 18. <b>ὥσπερ</b> <b>κοινορτός</b> <b>ὅν</b> <b>ὑφέλιτο</b> <b>λαίλαψ</b> (8) Ca. 3. 6. <b>τεθυμαμένη</b> . . . <b>ἀπὸ</b> <b>πάντων</b> κ. <b>μυρε-</b> <b>ψοῦ</b> [B <sup>1</sup> -ψικυῖ] (1 β) Na. 1. 3. <b>καὶ</b> <b>νεφέλαι</b> <b>κοινορτός</b> <b>ποδῶν</b> <b>αὐτοῦ</b> (1 α) Is. 3. 24. <b>ἔσται</b> <b>ἀντὶ</b> <b>ὁσμῆς</b> <b>ἡδίας</b> κ. (4) 5. 24. <b>τὸ</b> <b>ἄνθος</b> <b>αὐτῶν</b> <b>ὡς</b> κ. <b>ἀναβήσεται</b> (1 α) 10. 6. <b>θεῖναι</b> <b>αὐτάς</b> <b>εἰς</b> <b>κοινορτόν</b> (2) 17. 13. <b>ὡς</b> <b>κοινορτόν</b> <b>τροχὺ</b> <b>καταγίγ</b> <b>φέρουσα</b> — 29. 5. <b>A</b> <b>B</b> <b>ἔσται</b> <b>ὡς</b> κ. <b>ἀπὸ</b> <b>τροχοῦ</b> [B τοιχ.] <b>ὁ</b> <b>πλοῖτος</b> <b>τῶν</b> <b>ἀσιβῶν</b> (1 α) Ep. Je. 13. <b>ἐκμίσσονται</b> <b>τὸ</b> <b>πρόσωπον</b> <b>αὐτῶν</b> <b>διὰ</b> <b>τὸν</b> <b>ἐκ</b> <b>τῆς</b> <b>οἰκίας</b> κ. — — 17. <b>οἱ</b> <b>ὀφθαλμοὶ</b> <b>αὐτῶν</b> <b>πλήρεις</b> <b>εἰσὶν</b> <b>κοινορτοῦ</b> — Ez. 26. 10. <b>κατακαλύψει</b> [A καλ.] <b>σε</b> <b>ὁ</b> κ. <b>αὐ-</b> <b>τῶν</b> (1 α)



Da. TH. 2. 35. ὥστε κοινοῖς ἀπὸ θύλων θερμῆς (5)  
III Ma. 5. 48. κοινοῖς ἰδόντες . . . οἱ Ἰουδαῖοι  
[Th. Da. 2. 35.]  
[Al. Jb. 27. 21: Ps. 1. 4.]

κόνοις.

III Ma. 1. 18. B κόνοις τὰς κεφαλὰς [A κόμας] πασι-  
μεναι

4. 6. κόνοις τὴν μυροβρεχὴ πεφυρμέναι κόμην  
[Sm. Jb. 5. 6: 40. 8 (13): Ps. 21 (22). 30: 29  
(30). 10.]

κοντάριον.

[Sm. Ps. 34 (35). 2.]

κοντός.

(1) קָוֶה (2) קָוֶה

I Ki. 17. 7. δ κ. τοῦ δόρατος αὐτοῦ ὥστε μέσакλον (1)  
Ez. 39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὁπλοῖς πέλταις καὶ

κοντοῖς (2)

[Aq. Nu. 25. 7.]

κόνυλα.

(1) קָוֶה

Is. 55. 13. ἀντὶ δὲ τῆς κ. ἀναβήσεται μυρσίνη (1)  
[Aq. Th. Is. 55. 13.]

κοπάειν.

(1) קָוֶה (2) קָוֶה pi. (3) קָוֶה ni.

(4) קָוֶה ni. (5) קָוֶה (6) קָוֶה (7) קָוֶה

(8) קָוֶה (9) קָוֶה

Ge. 8. 1. ἐκόπασε τὸ ὕδωρ  
— 7. A εἰ κεκόπασκε τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς  
— 8. εἰ κεκόπασκε τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς  
— 11. κεκόπασκε τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς

Nu. 11. 2. καὶ ἐκόπασε τὸ πῦρ  
16. 48 (17. 13). 50 (17. 15). ἐκόπασεν ἡ θραύς (8)  
Jo. 14. 15. ἡ γῆ ἐκόπασε τοῦ πολέμου

Jo. 15. 7. καὶ ἔσχατον κοπάσω  
Jd. 15. 7. καὶ ἔσχατον κοπάσω  
20. 28. A ἡ κοπάσω

Ru. 1. 18. ἐκόπασε τοῦ λαλήσαι  
I Ki. 17. 39. A ἐκόπασεν περιπατήσαι [B al.]

II Ki. 18. 39. ἐκόπασεν ὁ βασιλ. Δαυὶδ  
23. 7. A ἀνὴρ κοπάσει [B οὐ κοπάσει] ἐν αὐτοῖς  
— 10. A ὥς οὐ ἐκόπασεν [B -πίσεν] ἡ χεὶρ

αὐτοῦ  
Es. 2. 1. ἐκόπασεν ὁ βασιλ. τοῦ θυμοῦ  
7. 10. ὁ βασιλ. ἐκόπασε τοῦ θυμοῦ

Ps. 105 (106). 30. ἐκόπασεν ἡ θραύς  
Si. 23. 17. οὐ μὴ κοπάσῃ ὥς ἂν τελευτήσῃ  
39. 28. τὸν θυμὸν τοῦ ποιήσαντος αὐτοῦ κοπάσουσι

43. 23. λογισμὸν αὐτοῦ ἐκόπασεν ἀβυσσὸν [B<sup>2</sup> -os]  
46. 7. κοπάσει γογγυσμὸν πονηρίας  
48. 10. κοπάσει ὀργὴν πρὸς θυμὸν

Ho. 8. 10. καὶ κοπάσουσι [A<sup>1</sup> κοπίασ.] μικρὸν  
τοῦ χρίει βασιλεία

Am. 7. 5. καὶ ἐπά, Κύριε, κοπάσον δὴ (1)  
Jn. 1. 11. καὶ κοπάσει ἡ θάλασσα (9)

— 12. καὶ κοπάσει ἡ θάλασσα ἀπ' ὕμῶν (9)  
Je. 14. 21. κοπάσον διὰ τὸ θυμὸν σου  
Ez. 43. 10. κοπάσουσιν ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν (3)

[Aq. I Ki. 9. 5: CA. 2. 17: 4. 6.]  
[Th. Jb. 8. 17: Ez. 3. 11.]

κοπανίειν.

(1) קָוֶה aph.

III Ki. 8. 1 (cf. 4. 22 [5. 2]). B ἐξήκοντα κόροι  
ἀλεύρου κεκοπανισμένου

4. 22 (5. 2). ἐξήκοντα κόροι ἀλεύρου κεκοπανισ-  
μένου

Da. LXX. 7. 7. ἐσθίων καὶ κοπανίζον [cod. -ων] (1)

κοπετός.

(1) קָוֶה (2) קָוֶה (3) קָוֶה

Ge. 50. 10. ἐκόφαντο αὐτὸν κοπετὸν μέγαν (2)  
Es. 4. 3. κραυγὴ καὶ κοπετός (2)

Ps. 29 (30). 11. ἔστρεψας τὸν κ. μου εἰς χαρὰν  
ἐμοῦ (2)

Si. 38. 17. πίκρανον κλαυθμὸν καὶ θέρμανον κοπετὸν  
Am. 5. 16. ἐν πάσαις ταῖς πλατείαις κοπετός (3)

— 16. κληθήσεται γαργῆς εἰς . . . κοπετόν (3)  
— 17. καὶ ἐν πάσαις ὁδοῖς κοπετός (3)

Mi. 1. 8. ποιήσεται κοπετόν ὡς δράκοντῶν (2)  
Jl. 2. 12. ἐν νηστείᾳ . . . καὶ ἐν κοπετῷ (2)

Za. 12. 10. καὶ κόφονται ἐπ' αὐτὸν κοπετόν (2)  
— 11. μεγαλυνθήσεται ὁ κ. ἐν Ἰ. ὡς κοπετός

ῥόων ἐν πιδίῳ ἐκποττομένου (2, 3)  
Is. 22. 12. ἐκάλυψε κύριος . . . κλαυθμὸν καὶ  
κοπετόν (2)

Je. 8. 26. ποιήσαι σεαυτὴ κοπετόν οὐκ ἐστὶν  
9. 10 (9). ἐπὶ τὰ δρῆ λαβεῖτε κοπετόν (1+8)

Ez. 27. 31. A κοπετόν πικρὸν ἐκοτήσονται (2)  
I Ma. 2. 70. ἐκόφαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κ. μέγαν

4. 39. ἐκόφαντο κ. μέγαν  
9. 20: 18. 26. ἐκόφαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κ. μέγαν

III Ma. 4. 3. B τίνας ἀγνοῖα κοπετοῦ . . . οὐκ ἐμπί-  
πλῶντο [A om. οὐκ ἐμπί.]

[Th. Ez. 27. 31: Mi. 1. 11.]

κοπή. (1) קָוֶה ni. (2) a. קָוֶה hi. δ. קָוֶה

Ge. 14. 17. B ἀπὸ τῆς κ. τοῦ X. (2 a)  
De. 28. 25. δόξῃ σε κύριος ἐπὶ κοπήν [? ἐπικ.,  
A B<sup>1</sup> ἐπισκοπήν] (1)

Jo. 10. 20. κοπήντες αὐτοὺς κ. μεγάλην (2 b)  
Ju. 15. 7. ἀναστρέφοντες ἀπὸ τῆς κ.  
[Aq. Dt. 24. 3 (1).]

κοπιάν. (1) קָוֶה (2) קָוֶה (3) קָוֶה

(4) קָוֶה ni. (5) קָוֶה hi. (6) a. קָוֶה

δ. קָוֶה c. קָוֶה d. קָוֶה (7) קָוֶה a. קָוֶה

δ. ni. (8) קָוֶה ni. (9) קָוֶה (10) קָוֶה

(11) a. קָוֶה δ. קָוֶה (12) קָוֶה (13) קָוֶה

(14) קָוֶה

De. 25. 18. τοὺς κοπιώντας ὀπίσω σου (4)  
— 18. σὺ δὲ πείνας καὶ ἐκοπίας (6 c)

Jo. 24. 13. ἐφ' ἧν [A<sup>1</sup> ἧ] οὐκ ἐκοπίασατε ἐπ'  
αὐτῆς [A -ῇ] (6 a)

Jd. 5. 26. εἰς σφύραν κοπιώντων [A al.] (11 b)  
I Ki. 6. 12. καὶ ἐκοπίαν

14. 31. καὶ ἐκοπίαν ὁ λαὸς σφόδρα (6)  
17. 39. καὶ ἐκοπίαν περιπατήσας [A al.] (9)

II Ki. 17. 2. καὶ αὐτοὺς κοπιάν (6 c)  
23. 7. ἀνὴρ οὐ κοπίσει [A δ. κοπάσει] ἐν αὐτοῖς

— 10. ὥς οὐ ἐκοπίαν [A -πασεν] ἡ χεὶρ  
αὐτοῦ (6 a)

Jb. 2. 9. ὅς εἰς τὸ κενὸν ἐκοπίασα μετὰ μόχθῳ  
20. 18. εἰς κενὰ καὶ μύτια ἐκοπίασε (6 b)

39. 16. εἰς κενὸν ἐκοπίαν ἀνευ φόβου (6 d)  
Ps. 6. 6. ἐκοπίαν ἐν τῷ στεναγμῷ μου (6 a)

48 (49). 8. ἐκοπίαν εἰς τὸν αἰῶνα (2 ?)  
68 (69). 3. ἐκοπίασα κράνῳ (6 a)

126 (127). 1. εἰς μάτην ἐκοπίαν (11 a)  
Pr. 4. 12. ἐὰν δὲ τρέχῃς οὐ κοπίσεις (7 b)

Ec. 2. 18. ἐν ἐγὼ κοπιῶ [A S μοχθῶ] ὑπὸ τὸν  
ἥλιον (11 b)

Wi. 6. 14. ὁ ὀρθρίσας ἐπ' [A πρὸς] αὐτὴν οὐ  
κοπίσει

9. 10. ἵνα συμπαροῦσά μοι κοπίσῃ  
Si. 6. 19. ἐν γὰρ τῇ ἐργασίᾳ αὐτῆς ὀλίγον κοπίσεις

11. 11. ἔστι κοπιῶν καὶ πονῶν καὶ σπεύδων  
16. 27. οὐτε ἐπείνασαν οὐτε ἐκοπίαν

24. 34: 30. 26 (33. 17). οὐκ ἐμοὶ μόνη ἐκοπίασα  
34 (31). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρημά-  
των

— 4. ἐκοπίασε πτωχὸς ἐν ἐλαττώσει βίου  
43. 30. μὴ κοπίετε

51. 27. ἴδετε ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν ὅτι ὀλίγον ἐκοπίασα  
Ho. 8. 10. κοπάσουσι [A<sup>1</sup> -πίασ.] μικρὸν (12 v. 13)

Is. 5. 27. οὐ πεινᾶσουσιν οὐδὲ [A om. π. οὐ.]  
κοπίσουσιν (7 a)

16. 12. ἐκοπίασε Μωῶς ἐπὶ τοῖς βωμοῖς (8 ?)  
30. 5. μάτην κοπίσουσι πρὸς λαόν

31. 3. κοπίσουσιν οἱ βοηθοῦντες (7 a)  
33. 24. οὐ μὴ ἐπικωσι. Κοπιῶ (8)

40. 28. οὐ πεινάσει οὐδὲ κοπίσει (6 a)  
— 30. κοπίσουσι νεικίσκοι (6 a)

— 31. δραμοῖνται καὶ οὐ κοπίσουσι (6 a)  
48. 22. οὐδὲ κοπίσαι σε ἐποίησα, Ἰσραὴλ (6 a)

45. 14. ἐκοπίαν ἐλγύνου (6 d)  
46. 1. ὡς φορτίον κοπιῶντι ἐκλελυμένῳ (10)

47. 13. κεκοπίσας ἐν ταῖς βουλαῖς σου (8)  
— 15. ἐκοπίσας ἐν τῇ μεταβολῇ [A add.  
σου] (6 a)

49. 4. κενὸς ἐκοπίασα [B<sup>1</sup> al.] (6 a)  
57. 10. ταῖς πολυδοῖαις σου ἐκοπίσας (6 a)

68. 13. οὐκ ἐκοπίαν (7 b)  
65. 23. οἱ ἐκλεκτοὶ μου οὐ κοπίσουσιν εἰς  
κενόν (6 a)

Je. 2. 24. πάντες οἱ ζητούντες αὐτὴν οὐ κοπι-  
αίουσιν (14)  
17. 16. οὐκ ἐκοπίασα κατακολουθῶν ὀπίσω σου (1 ?)

28 (51). 58. οὐ κοπίσουσι λαοὶ εἰς κενόν (6 a)  
La. 5. 5. ἐκοπίσαμεν οὐκ ἀνταυθήμεν (6 a)

I Ma. 10. 81. ἐκοπίαν οἱ ἱπποὶ αὐτῶν

IV Ma. 9. 12. ὡς δὲ τύπτοντες ταῖς μαστίξιν ἐκο-  
πίαν

[Aq. Jd. 5. 26: Jb. 9. 29: Pr. 23. 4: Ec. 1. 3:  
8: Is. 43. 22: Je. 6. 11: 20. 9: 51 (26). 30.]

[Sm. Pr. 16. 26 bis: Is. 33. 1: 43. 22: Je.  
6. 11.]

[Th. Jb. 4. 2: Ps. 31 (32). 3: Is. 43. 22.]  
[Al. I Ki. 14. 28.]

[Quint. Ps. 48 (49). 9.]

κόπος. (1) קָוֶה (2) קָוֶה (3) εἶναι ἐν  
κόποις קָוֶה (4) קָוֶה (5) קָוֶה (6) קָוֶה

(7) קָוֶה (8) קָוֶה

Ge. 31. 42. τὸν κ. τῶν χειρῶν μου εἶδεν ὁ θεός (8)  
De. 1. 12. φέρειν τὸν κ. ὑμῶν (4)

Jd. 10. 16. ὠλιγότῃ ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν κόπῳ Ἰσρ. (7)  
Ne. 5. 13. ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ καὶ ἐκ κόπου αὐτοῦ (6)

Jb. 3. 10. A ἀπῆλλαξε γὰρ ἂν κόπον [B S πόνον] (7)  
4. 2. μὴ πολλὰ σοὶ λελάτῃαι ἐν κόπῳ

5. 6. οὐ γὰρ μὴ ἐξέλθῃ ἐκ τῆς γῆς κόπος (1)  
— 7. ἀνθρώπος γεννᾷται κόπῳ [A ἐν κόπῳ γενν.] (7)

11. 16. τὸν κ. [A τὸν κ. σου] ἐπὶ λήσῃ (7)  
19. 27. B<sup>1</sup> συντετελεσται ἐν κόπῳ [A B S<sup>2</sup> κόλπῳ] +

Ps. 9. 28 (10. 7). ὑπὸ τὴν γλώσσαν αὐτοῦ κόπος (7)  
— 35 (10. 14). A σὺ κόπον [B S πόνον] . . .  
κατανοεῖς [B<sup>1</sup> -ήσεις] (7)

24 (25). 18. ἴδε . . . τὸν κ. μου (7)  
54 (55). 10. B κόπος [B πόνος] ἐν μέσῳ αὐτῆς (7)

— 11. B S<sup>1</sup> οὐκ ἐξέλιπε ἐκ τῶν πλατειῶν αὐτῆς  
κόπος [B<sup>2</sup> R τόκος] (8)

72 (73). 5. ἐν κόποις ἀνθρώπων οὐκ εἰσὶ (7)  
— 16. τοῦτο κόπος ἐστὶν ἐναντίον μου [B<sup>1</sup> S al.] (7)

87 (88). 15. πτωχὸς εἰμι ἐγὼ καὶ ἐν κόποις (3)  
89 (90). 10. τὸ πλεῖον αὐτῶν κόπος καὶ πόνος (7)

93 (94). 20. ὁ πλάσας κόπον ἐπὶ προστάγ-  
ματι [A B<sup>2</sup> -μα] (7)

106 (107). 12. ἐπαπεινῶθι ἐν κόποις ἡ καρδιά  
αὐτῶν (7)

139 (140). 9. A<sup>2</sup> B S κόπος τῶν χειρῶν αὐτῶν  
καλύνει αὐτοὺς (7)

Wi. 3. 11. καὶ οἱ κ. [S κ. αὐτῶν] ἀνόητοι  
10. 10. A S ἐπλήθυσε τοὺς κ. [B πόνους] αὐτοῦ

— 17. ἀπέδωκεν ὁσίοις μισθὸν κῶπων αὐτῶν [B<sup>1</sup> -οῦ]  
Si. 13. 26. εὐρεῖται παραβολὴν διαλογισμοὶ μετὰ κόπου  
[A S -ων]

14. 15. τοὺς κ. σου εἰς διαίρεσιν κλήρου  
22. 13. φύλαξαι ἀπ' αὐτοῦ ἵνα μὴ κόπον ἔχῃς

29. 4. A S πάρεχον κόπον [B πόνον] τοῖς βοηθῆ-  
σασιν αὐτοῖς

31 (34). 23. A S B<sup>2</sup> τί ὠφέλησαν πλεῖον ἢ κόπους  
[B -ου]

Ho. 12. 3 (4). καὶ ἐν κόποις αὐτοῦ ἐνίσχυσε  
πρὸς θεόν (1 ? 2 ?)

Mi. 2. 1. ἐγένοντο λογιζόμενοι κόπους (1)  
Hb. 1. 3. ἵνα τί ἐδεξάς μοι κόπους καὶ πόνους (1)

3. 7. ἀντὶ κόπων εἶδον σκηνώματα Αἰθιοπῶν (1)  
Za. 10. 2. οἱ ἀποφθεγγόμενοι ἐλάλουν κόπους (1)

Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε τὸ θυμ. κυρ. . . στεναγμῷ  
ἐκ κόπων +

Je. 20. 18. τοῦ βλέπειν κόπους καὶ πόνους [B<sup>1</sup>  
μόχθους] (7)

51. 33 (45. 3). προσέθηκε κύριος κόπον ἐπίπονον  
μοι (5)

I Ma. 10. 15. διηγῆσαντο . . . τοὺς κ.  
[Aq. Ps. 93 (94). 20: 127 (128). 2: Ec. 1. 3:  
Is. 45. 14: 55. 2: Jb. 20. 5: Ez. 23. 29.]

[Sm. Ps. 77 (78). 46: 127 (128). 2: Pr. 31. 7:  
Ec. 2. 24: 4. 6: Is. 45. 14: 55. 2: Ez. 23. 29.]

[Th. Jb. 16. 2: Ps. 127 (128). 2: Is. 45. 14: 59.  
4.]

[Al. Ps. 54 (55). 12.]  
[Heb. Is. 45. 14.]

[Quint. Ps. 54 (55). 11.]

κοποῦν. (1) קָוֶה pi.

Ju. 13. 1. ἦσαν γὰρ πάντες κεκοπομένοι  
Ec. 10. 15. B μόχθος τοῦ ἄφρονος κοπῶσει  
αὐτῶν [A B al.] (1)

[Aq. Jo. 7. 3: Is. 48. 24.]  
[Sm. Jo. 7. 3: Jb. 16. 7: Is. 1. 14: 7. 13 bis:  
43. 24: Jb. 12. 5: 20. 9: 50 (27). 36.]

[Th. Jo. 7. 3.]

κοπρία. (1) קָוֶה (2) קָוֶה (3) קָוֶה

(4) קָוֶה

I Ki. 2. 8. ἀπὸ κοπρίας ἐγείρει πτωχόν (2)

IV Kī. 9. 37. ὡς κοπρία ἐπὶ προσώπου τοῦ ἀγροῦ (3)  
Ne. 2. 13. καὶ εἰς πύλιν τῆς κ. (2)  
3. 13. ἔως πύλης τῆς κ. (2)  
— 14. τὴν πύλιν τῆς κ. ἐκράτησε M. (2)  
12. 31. ἐπάνω τοῦ τείχους τῆς [B<sup>1</sup> τ. πύλης  
τῆς] κ. (2)  
Es. 4. 17. κοπρίων ἐπλήσεν τὴν κεφαλὴν  
Jb. 2. 8. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κ. ἔξω τῆς πόλεως  
Ps. 112 (113). 7. ἀπὸ κοπρίας ἀνυψῶν πύνητα (2)  
Si. 27. 4. ἐν σείσματι κοσκίνου διαμένει κοπρία  
Is. 5. 25. ἐγγιγῆθαι τὰ θνησιμαία αὐτῶν ὡς κ. ἐν  
μέσῳ ὁδοῦ (4)  
La. 4. 5. περιβάλλοντο [A -ἐλαβον] κοπρίας (2)  
I Ma. 2. 62. B ἡ δόξα αὐτοῦ εἰς κοπρίαν [AB κοπρία]  
κόπριον. (1) כֹּפְרִי  
Si. 22. 2. Βολβίτῳ κοπρίων [AB -ῖφ] συνελήθη ὁ κήρυξ  
Je. 32 (25). 33. οὐ μὴ κατοργώσωιν [A -ύξω.]  
εἰς κόπρια (1)  
I Ma. 2. 62. A B ἡ δόξα αὐτοῦ εἰς κόπρια [B -ίαν]  
[Aq. Ps. 82 (88). 11.]  
[Sam. Je. 22. 19.]  
κόπρος. (1) כֹּפְרִי (2) κ. περιστερῶν כֹּפְרִי  
(3) כֹּפְרִי (4) כֹּפְרִי (5) כֹּפְרִי (6) כֹּפְרִי  
(7) א. כֹּפְרִי δ. כֹּפְרִי  
Ex. 29. 14. τὴν κ. κατακαύσεις πυρὶ (6)  
Le. 4. 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν . . . τῇ κ. (6)  
8. 17. A B<sup>1</sup> τὴν κ. αὐτοῦ (6)  
16. 27. καὶ τὰ κρέα αὐτῶν καὶ τὴν κ. αὐτῶν (6)  
Nu. 19. 5. τὸ αἷμα αὐτῆς σὺν τῇ κ. αὐτῆς (6)  
III Kī. 14. 10. A καθὼς ἐπιλύγεται ἡ κ. (1)  
IV Kī. 6. 25. τέταρτον τοῦ κάβου [A τέσσαρες  
κ.] κόπρου περιστερῶν (2, 5\*)  
18. 27. τοῦ φαγεῖν τὴν κ. αὐτῶν (7 b, 5\*)  
Ps. 82 (88). 10. ἐγγιγῆσαν ὡσεὶ κόπρος τῇ γῇ (8)  
Is. 30. 22. ὡς κόπρον ὡσεὶ αὐτὰ +  
38. 12. ἵνα φάγωσι κόπρον (7 b, 4\*)  
Ez. 4. 12. ἐν βολβίτοις κόπρου ἀνθρωπίνης  
ἐγκρύψει [A κατακρ.] αὐτὰ (7 a)  
[Aq. III Kī. 14. 10. Je. 16. 4. Ma. 2. 3 dis.]  
[Sam. Je. 16. 4. Ma. 2. 3.]  
[Th. Ma. 2. 3.]  
κόπτειν. (1) כֹּפֵּי ni. (2) א. כֹּפֵּי hithpo.  
δ. כֹּפֵּי (3) כֹּפֵּי a. pi. δ. pu. (4) כֹּפֵּי  
(5) כֹּפֵּי (6) כֹּפֵּי a. qal. δ. hi.  
(7) א. כֹּפֵּי hoph. δ. כֹּפֵּי (8) כֹּפֵּי  
(9) כֹּפֵּי hi. (10) כֹּפֵּי a. qal. δ. ni. c. כֹּפֵּי  
(11) כֹּפֵּי (12) כֹּפֵּי pil. (13) כֹּפֵּי hithp.  
(14) כֹּפֵּי (15) כֹּפֵּי ni. (16) κ. τὴν  
οὐραγίαν כֹּפֵּי pi.  
Ge. 23. 2. ἦλθε δὲ A. κόψασθαι Σάρραν (10 a)  
32. 8 (9). B καὶ κόψῃ [A ἐκ.] αὐτὴν (9)  
50. 10. ἐκόψαντο αὐτὸν κοπετὸν μέγαν (10 a)  
Ex. 27. 20. ἔλαιον . . . καθαρὸν κεκομμένον (7 b)  
29. 40. πεφυραμένῃ ἐν ἔλαιῳ κεκομμένῃ (7 b)  
Le. 24. 2. ἔλαιον ἐλαῖνον καθαρὸν κεκομμένον (7 b)  
Nu. 18. 24 (23). ἔκοψαν ἐκείθεν κλῆμα (6 a)  
— 25 (24). ὃν ἔκοψαν ἐκείθεν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (6 a)  
De. 19. 5. ἡ χεὶρ αὐτοῦ τῇ ἀξίῃ κοπτοντος τὸ  
ξύλον (6 a)  
25. 18. καὶ ἐκοψέ σου τὴν οὐραγίαν (16)  
Jo. 10. 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπήν μεγάλην (9)  
11. 8. κόπτοντες αὐτοὺς κατεδίωκον (9)  
Jd. 1. 4. ἔκοψαν [A ἐπάταξαν, B<sup>1</sup> ἐπάταξαν] αὐ-  
τοὺς (9)  
— 5. ἔκοψαν [A ἐπάταξαν] τὸν Χαν. (9)  
— 17. ἔκοψε [A ἐπάταξαν] τὸν Χαν. (9)  
6. 30. A ἔκοψεν [B ὠλέθρυσεν] τὸ ἄλσος (6 a)  
9. 48. ἔκοψε κλάδον ξύλου [A φορτίον ξύλου] (6 a)  
— 49. καὶ ἔκοψαν . . . κλάδον [A αἰ.] (6 a)  
20. 43. A ἔκοψαν [B κατέκοπτον] τὸν B. +  
I Kī. 25. 1. καὶ κόπτονται αὐτὸν (10 a)  
28. 3. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 a)  
II Kī. 1. 12. καὶ ἐκόψαντο (10 a)  
3. 31. κόπτεσθε ἐνώπιον [A ἐμπροσθεν] Ἀβ. (10 a)  
5. 20. ἔκοψε [A διέκ.] τοὺς ἀλλοφύλους ἐκεῖ (9)  
— 24. κόπτειν ἐν τῷ πολέμῳ τὸν ἀλλοφύλον (9)  
11. 26. ἐκόψατο τὸν [A ἐπὶ τ.] ἄνδρα αὐτῆς (10 a)  
III Kī. 5. 6 (20). κοψάτωσαν μοι ξύλα (6 a)  
— 6 (20). A B εἶδως [B ἰδὼς] ξύλα κόπτειν (6 a)

III Kī. 5. 11 (25). εἰκοσι χιλιάδας βαῖθ ἔλαιον  
κεκομμένον (7 b)  
11. 15. ἔκοψαν πᾶν ἄρσενικὸν ἐν τῇ Ἰδ. (9)  
12. 24. B καὶ τὸ παιδαρίον κόψεται (9)  
18. 29. A τοῦ κόψασθαι καὶ τοῦ θάψαι αὐτὸν (10 a)  
— 30. καὶ ἐκόψαντο [A -ατο] αὐτὸν (10 a)  
— 31. μετὰ τὸ κόψασθαι αὐτὸν (14)  
14. 13. A κόψονται αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 a)  
— 18. A ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 a)  
IV Kī. 17. 15. A ἦν ἔκοψεν σὺν πατράσιν αὐ. (6 a)  
19. 23. ἔκοψα τὸ μέγεθος τῆς κέδρου αὐτοῦ (6 a)  
II Ch. 2. 8 (7). οἰδασὶ κόπτειν ξύλα ἐκ τοῦ Λιβ. (6 a)  
— 10 (9). τοῖς ἐργαζομένοις τοῖς κόπτονσι  
ξύλα (6 a)  
— 16 (15). κόφονεν ξύλα ἐκ τοῦ Λιβ. (6 a)  
31. 1. ἔκοψαν [A ἐξέκ.] τὰ ἄλσος (6 a)  
34. 4. καὶ ἔκοψε τὰ ἄλσος (6 a)  
— 7. πάντα τὰ ὑψηλὰ ἔκοψεν [A κατέκ.] (6 a)  
Ju. 15. 5. καὶ ἔκοπτον [A -οντο] αὐτοὺς (11)  
Es. 5. 14. κοπήτω σοι [A om.] ξύλον (10 a)  
Ec. 8. 4. καιρὸς τοῦ κόψασθαι (10 a)  
12. 5. ἐκύκλωσαν [B<sup>1</sup> κυκλώσουσιν] ἐν ἀγορᾷ  
οἱ κοπτόμενοι (10 a)  
Mi. 1. 8. ἐνεκὲν τούτου κόψεται καὶ θρηγῆσει (10 a)  
— 11. κόψασθαι οἶκον ἐγόμενον αὐτῆς (10 c)  
Jl. 1. 13. περιέσπασθε καὶ κόπτεσθε οἱ ἱερεῖς (10 a)  
Hg. 1. 8. καὶ κόψατε [B<sup>1</sup> -ετε] ξύλα +  
Za. 7. 5. εἰ . . . κόψησθε ἐν ταῖς πέμπταις (10 a)  
12. 10. καὶ κόψονται [B<sup>1</sup> ὕψ.] ἐπ' αὐτὸν κο-  
πετὸν (10 a)  
— 12. καὶ κόψονται ἡ γῆ κατὰ φυλάς φυλάς (10 a)  
14. 12. A B S<sup>1</sup> ἦν κόψῃ κ. πάντα τοὺς λαοὺς (8)  
Is. 9. 10 (9). κόφωμεν [A ἐκκ.] σκαμίνοους (8 b)  
10. 15. ἀνεῖν τοῦ κοπτοντος ἐν αὐτῇ (5)  
14. 8. οὐκ ἀνέβη δὲ κόπτον ἡμᾶς (6 a)  
15. 3. κόπτεσθε ἐπὶ τῶν θυμάτων αὐτῆς (10 a)  
32. 12. ἐπὶ τῶν μαστῶν κόπτεσθε (10 a)  
37. 24. ἔκοψα τὸ ὕψος τῆς κέδρου αὐτοῦ (6 a)  
44. 14. ἔκοψε ξύλον ἐκ τοῦ δρυμοῦ (6 a)  
Je. 4. 8. κόπτεσθε καὶ ἀλαλάξατε (10 a)  
8. 2. οὐ κοπήσονται καὶ οὐ ταφῆσονται (1)  
16. 4. οὐ κοπήσονται καὶ οὐ ταφῆσονται (10 b)  
— 5. μὴ πορευθῆς τοῦ κόψασθαι (10 a)  
— 6. οὐ μὴ κόψονται [A -ωνται] αὐτοὺς (10 a)  
22. 18. B S ὁ μὴ κόψονται [AB -ονται] αὐτὸν (10 a)  
23. 29. ὡς πέλυξ [A πέλεκυς] κόπτον πέτραι (12)  
26 (40). 5. οἱ Ἰσχυροὶ αὐτῶν κοπήσονται (7 a)  
— 13. τοῦ κόψαι γῆν Ἀγγύπτον [A αἰ.] (9)  
— 22. ὡς κόπτοντες ξύλα ἐκόψουσι τὸν δρυ-  
μὸν αὐτῆς (4)  
29 (47). 6 (5). ἔως τίνος κόψεις (2 a)  
30 (49). 3. περιέσπασθε σάκκους καὶ κόψασθε (10 a)  
31 (48). 2. ἐκόψαμεν αὐτὴν ἀπὸ ἔθνους (6 b)  
— 37. πᾶσαι χεῖρες κόφονται (2 b)  
82 (25). 34. κόπτεσθε οἱ κριοὶ τῶν προβάτων (13)  
41 (34). 5. ἔως ἄδου κόφονται [A κλαύσ.] σε (10 a)  
48 (41). 5. διερχομένοι [A -ηχόντες] τὰ ἱμά-  
τια καὶ κοπτόμενοι [B<sup>1</sup> om. τὰ ἱ-  
μα.] κ. κ. (2 a)  
51 (44). 8. B ἵνα κοπήτε [A B S ἐκκ.] (6 b)  
Ez. 6. 9. κόψονται πρόσωπα αὐτῶν (15)  
9. 5. κόπτετε καὶ μὴ φειδεσθε (9)  
— 7. καὶ κόπτετε (9)  
— 8. ἐγίνετο ἐν τῷ κ. αὐτοῦ (9)  
20. 43. κόψασθε [A<sup>2</sup> ὀψασθε] τὰ πρόσωπα  
ὑμῶν (15)  
24. 16. οὐ μὴ κοπήσ (10 a)  
— 23. οὐτε μὴ κόψησθε (10 a)  
39. 10. A B οὐδὲ μὴ κόψωσιν [B -ουσιν] ἐκ τῶν  
δρυμῶν (4)  
I Ma. 2. 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν  
4. 39. ἐκόψαντο κοπετὸν μέγαν  
9. 20. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν  
12. 44. ἵνα τί ἔκοψας πάντα τὸν λαὸν τούτων  
18. 26. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν  
II Ma. 5. 12. κόπτειν ἀφειδῶς τοὺς ἐμπίπτοντας  
10. 35. τὸν ἐμπίπτοντα ἔκοπτον  
[Aq. Le. 22. 24. Dt. 19. 5. III Kī. 14. 13, 18;  
IV Kī. 17. 15. Pr. 27. 2. Is. 55. 3. 61. 8;  
Je. 25. 33 (32. 19). 84 (41). 5. Za. 12. 10.]  
[Sam. I Kī. 81. 9. Ec. 12. 6. Za. 12. 10.]  
[Th. Pr. 27. 2. Is. 51. 1. Je. 25. 33 (32. 19).  
Za. 12. 10.]  
κοπώδης.  
[Sam. Ec. 1. 8.]

κόπωσης. (1) כֹּפְרִי  
Ec. 12. 12. μελέτη πολλὴ κόπωσης σαρκός (1)  
κόραξ. (1) כֹּרַח  
Ge. 8. 7. ἀπέστειλε τὸν κ. (1)  
Le. 11. 15. B<sup>1</sup> καὶ κόρακα [B πάντα κ.] καὶ τὰ  
ὅμοια αὐτῷ (1)  
De. 14. 14. A<sup>2</sup> καὶ πάντα κ. καὶ τὰ ὅμοια αὐτῷ (1)  
III Kī. 17. 4. τοῖς κ. ἐντελοῦμαι διατρέφειν σε (1)  
— 6. οἱ κ. ἔφερον αὐτῷ ἄρτους (1)  
Jb. 88. 41. τίς δὲ ἠτοίμασε κόρακι βορᾶν (1)  
Ps. 146 (147). 9. καὶ τοῖς νεοσσοῖς τῶν κ. (1)  
Pr. 24. 52 (30. 17). κόρακες ἐκ τῶν φαραγγῶν (1)  
Ca. 5. 11. βόστροχοι αὐτοῦ ἐλάται μέλανες ὡς  
κόραξ (1)  
Ze. 2. 14. A B S<sup>2</sup> κόρακες ἐν τοῖς πυλῶσιν αὐτῆς +  
Is. 84. 11. ἱβρεῖς καὶ κόρακες κατοικήσουσιν ἐν  
αὐτῇ (1)  
[Aq. Dt. 14. 14. III Kī. 17. 6.]  
[Sam., Th. III Kī. 17. 6.]  
[Sam. Ex. 8. 21 (17).]  
κοράσιον. (1) כֹּרַח (2) א. כֹּרַח δ. כֹּרַח  
(3) כֹּרַח  
Ru. 2. 8. κολλήθητι μετὰ τῶν κ. μου (2 b)  
— 21. B μετὰ τῶν κ. [A B παιδαρίων] τῶν  
ἐμῶν προσκολληθήτι [B μου κολλ.] (2 a)  
— 22. A B ἐπορεύθη [B ἐξήλθε] μετὰ τῶν  
κ. αὐτοῦ (2 b)  
— 23. προσεκολλήθη Ρούθ τοῖς κ. (2 b)  
3. 2. οὐ ἦε μετὰ τῶν κ. αὐτοῦ (2 b)  
I Kī. 9. 11. εὐρίσκουσι τὰ κ. ἐξηληλυθότα (2 b)  
— 12. ἀπεκρίθη τὰ κ. αὐτοῖς +  
20. 30. υἱὲ κορασίων αὐτομολούτων (2 b)  
25. 42. καὶ πέντε κοράσια ἠκολούθησαν αὐτῇ (2 b)  
III Kī. 12. 24. B τὰ κ. σου ἐξελεύσονται σοι -  
To. 6. 12. τὸ κ. καλὸν καὶ φρόνιμον ἐστὶ  
— 12. B λαλήσω τῷ πατρὶ αὐτῆς περὶ τοῦ κ. [A B  
al.]  
— 12. S λαλήσωμεν περὶ τοῦ κ.  
— 13. ἀκήκοα ἐγὼ τὸ κ. δεδοσθαι ἐπὶ ἀνδράσι  
[B al.]  
Ju. 16. 12. υἱοὶ κορασίων κατεκίνησαν αὐτοὺς (2 b)  
Es. 2. 2. ζητηθῶ τῷ Bασ. κοράσια  
— 3. καὶ ἐπιλεξάτωσαν [A -διέξ.] κοράσια  
[B<sup>1</sup> πάντα κ.] (2 b)  
— 7. ἦν τὸ κ. καλὸν [B -ῆ] τῷ εἶδει (2 b)  
— 8. συνήχθησαν κ. πολλὰ [B<sup>1</sup> τὰ κ.] εἰς Σουσαν  
[B<sup>1</sup> om. π. κ. εἰς 2.] (2 b)  
— 9. ἤρρεσαν αὐτῷ τὸ κ. (2 b)  
— 9. A B καὶ τὰ ἐπὶ τὰ κ. τὰ ἀποδοθειμένα [B B  
υποδ.] αὐτῇ (2 b)  
— 12. καιρὸς κορασίου εἰσελθεῖν πρὸς τὸν Bασ. (2 b)  
— 12. A B ὅταν ἀναπληρωθῇ καιρὸς κοράσια  
[B S al.] (8)  
Jl. 8 (4). 3. τὰ κ. ἐπάλουν ἀντὶ οἴνου (1)  
Za. 8. 5. αἱ πλατεῖαι . . . πληροῦσονται . . .  
κορασίων παιζόντων (1)  
Da. Th. Su. 15. εἰσῆλθε . . . μετὰ δύο μόνων κ.  
— 17. εἶπε τοῖς κ. [A κ. αὐτῆς]  
— 19. ὡς ἐξήλθον τὰ κ. (1)  
— 21. ἐξαπέστειλες τὰ κ. ἀπὸ σοῦ  
[Sam. Ge. 24. 61. Ex. 2. 5. Pr. 9. 3. 27. 27.]  
κορεῖν (?). (1) כֹּרַח  
De. 31. 20. καὶ ἐμπλησθέντες κορήσουσι (1)  
κορεννύνας.  
[Sam. Ps. 21 (22). 27.]  
[Al. Ps. 102 (103). 5.]  
κόρη. (1) כֹּרַח (2) כֹּרַח  
De. 32. 10. διεφύλαξεν αὐτὸν ὡς κόρη ὀφθαλ-  
μοῦ (1)  
Ps. 16 (17). 8. φύλαξόν με ὡς κόρη [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> -αν]  
ὀφθαλμοῦ (1)  
Pr. 7. 2. τοὺς δὲ ἐμῶν λόγους ὥσπερ κόρας  
ὁμμάτων (1)  
20. 20. αἱ δὲ κ. τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ ὄντοισι  
[B ἔσονται] σκότος (1, 1\*)  
Si. 17. 22. χάριν ἀνθρώπου ὡς κόρη συντηρήσει  
Za. 2. 8 (12). ὁ ἀπτόμενος τῆς κ. τοῦ ὀφθ. αἰ. (2)  
III Ma. 6. 47. βουλόμενος . . . κόρας ὀφθαλμῶν  
θεόσασθαι  
IV Ma. 18. 21. S B τὰς τῶν ὁμμάτων κ. ἐπήρωσε [A  
ἐπλήρ.]

κόριον, cf. χόριον. (1) 71 (2) DDDP  
 Ex. 16. 14. λεπτόν ὡσεὶ κόριον λευκόν (3)  
 — 31. ὡς σπέρμα κορίου λευκόν (1)  
 Nu. 11. 7. τὸ δὲ μάννα ὡσεὶ σπέρμα κορίου ἐστὶ (1)  
κορμός.  
 [Aq., Th. Jb. 14. 7, 8; Is. 11. 1.]  
 [Sm. Jb. 14. 8; Is. 11. 1.]  
κόρος (corus). (1) 72 (2) 73  
 Le. 27. 16. κόρον κριθῶν πενήκοντα διδραχμα  
 ἀργυρίου (1)  
 Nu. 11. 32. ὁ τὸ ὀλίγον συνήγαγε δέκα κόρους (1)  
 III Ki. 3. 1 (cf. 4. 22 [5. 2]). Β τριάκοντα κόροι  
 συμδάλεως καὶ ἐξήκοντα κόροι ἀλεύ-  
 ρου (2, 2)  
 4. 22 (5. 2). τριάκοντα κόροι συμδάλεως καὶ  
 ἐξήκοντα κόροι ἀλεύρου (2, 2)  
 5. 11 (25). ἑκοσι χιλιάδας κόρους [A-ω] πυροῦ (2)  
 II Ch. 2. 10 (9). Α Β κόρων πυροῦ [B om.]  
 ἑκοσι χιλιάδας καὶ κριθῶν κόρων  
 ἑκοσι χιλιάδας (2, 2)  
 27. 5. καὶ δέκα χιλιάδας κόρων πυροῦ  
 I Es. 8. 20. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν  
 II Es. 7. 22. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν  
 Ez. 45. 13. ἀπὸ τοῦ [A add. γομῶρ] κ. τῶν κριθῶν (1)  
 [Aq., Th. Ez. 45. 13, 14 bis; Ho. 3. 2.]  
 [Sm. Ez. 45. 13; Ho. 3. 2.]  
κόρος (saietas).  
 Es. 8. 13. τὸν τε κ. οὐ δυνάμενοι φέρειν  
 [Aq. Ge. 15. 12; Ex. 8. 14 (10) bis; III Ki. 5.  
 11 (25); Is. 65. 15.]  
 [Sm. Es. 8. 14 (10) bis; III Ki. 5. 11 (25);  
 Is. 65. 15.]  
 [Th. Is. 65. 15.]  
κορύνη. (1) 73 (2) 74  
 II Ki. 21. 16. καὶ αὐτὸς περιέωσμένος κορύνην (1?)  
κόρυς.  
 Wi. 5. 18. περιθήσεται κόρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον  
κορυφαῖος.  
 [Aq. Ez. 23. 23.]  
κορυφή. (1) 75 (2) 76 (3) 77  
 (4) 78  
 Ge. 49. 26. ἐπὶ κορυφῆς ὧν ἡγήσατο ἀδελφῶν (2)  
 Ex. 17. 9. Ἰσθμη ἐπὶ τῆς κ. τοῦ βουνοῦ (3)  
 — 10. ἀνέβησαν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ βουνοῦ (3)  
 19. 20. κατέβη . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)  
 — 20. ἐκάλεσε κ. Μωυσὴν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους  
 24. 17. ὡσεὶ πύρ φλέγον ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους  
 38. 16 (40). Α Β τὸ ἐνθήμεον . . . ἐπὶ τῆς  
 [B om.] κ. ἠώθεν —  
 Nu. 14. 40. ἀνέβησαν εἰς [A ἐπὶ] τὴν κ. τοῦ ὄρους  
 — 44. ἀνέβησαν ἐπὶ τὴν [A om.] κ. τοῦ ὄρους  
 20. 28. ἀπέθανον Α. ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους  
 21. 19 (20). ἀπὸ κορυφῆς τοῦ λελαξευμένου  
 23. 9. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ὄψομαι αὐτόν  
 — 14. ἐπὶ κορυφῇν λελαξευμένου  
 — 28. ἐπὶ κορυφῇν [A τὴν κ.] τοῦ Φογῶρ  
 De. 3. 27. Α Β ἀνάβηθι ἐπὶ κορυφῇν [B-η] τοῦ  
 [B om.] λελαξευμένου  
 28. 35. ἀπὸ ἱχνους τῶν ποδῶν σου ἕως τῆς κ.  
 σου (2)  
 33. 15. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ἀρχῆς καὶ ἀπὸ κορυ-  
 φῆς βουνῶν δεινῶν (3, 1)  
 — 16. καὶ ἐπὶ κορυφῆς δοξασθεὶς ἐπ' [A ἐν]  
 ἀδελφοῖς (3)  
 34. 1. ἀνέβη Μ. . . ἐπὶ κορυφῇν Φαργά  
 Jo. 16. 8. ἐπὶ κορυφῇν ὄρους (3)  
 — 9. ἀπὸ κορυφῆς τοῦ ὄρους  
 Jd. 6. 26. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον . . . ἐπὶ  
 κορυφῇν Μ. [A al.] (3)  
 9. 7. ἔστη ἐπὶ κορυφῇν [A τῆς κ. τοῦ] ὄρους  
 — 36. Α ἀπὸ τῶν κ. [B ἀπὸ κεφαλῶν] τῶν ὀρέων  
 16. 3. ἀνέβη ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους  
 I Ki. 26. 13. ἔστη ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους  
 II Ki. 14. 25. καὶ ὥς κορυφῆς αὐτοῦ (2)  
 III Ki. 18. 42. Α ἀνέβη εἰς τὴν κ. τοῦ Καρμ.  
 [B ἐπὶ τὸν Καρμ.] (3)  
 IV Ki. 1. 9. Ἡ ἐκάθιστο ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους  
 Ju. 4. 5. προκατελάβοντο πάσας τὰς κ. τῶν ὀρέων  
 5. 1. εἰτείχισαν πάσαν κ. ὄρους ὑψηλοῦ

Ju. 6. 12. ὡς εἶδαν αὐτοὺς . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους  
 — 12. Β Β ἐπὶ τὸν ὄρον . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ  
 ὄρους  
 7. 10. προσβῆναι ταῖς κ. τῶν ὀρέων αὐτῶν  
 — 13. ἀνοβησόμεθα ἐπὶ τὰς πλησίον κ. τῶν ὀρέων  
 9. 13. καὶ κορυφῆς [A-ην] Σιών  
 Ps. 7. 16. ἐπὶ κορυφῇν αὐτοῦ ἡ ἀδικία αὐτοῦ  
 καταβήσεται (2)  
 67 (68). 21. κορυφῇν τριχὸς διαπορευομένων  
 ἐν πλημμελείαις αὐτῶν (2)  
 Pr. 1. 9. στέφανον γὰρ χαρίτων δέξῃ [A εἰξῇ]  
 σῆ κ. (3)  
 Ho. 4. 13. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων ἐθυσίαζον  
 Am. 1. 2. ἐξηράνθη ἡ κ. τοῦ Καρμὴλου (3)  
 9. 3. ἐὰν ἐγκατακρυβῶσιν [A ἐγκρ.] εἰς τὴν κ. (3)  
 Mi. 4. 1. τὸ ὄρος κ. ἔτοιμον ἐπὶ τὰς κ. τῶν  
 ὀρέων (3)  
 Jl. 2. 5. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων ἐξαλοῦνται  
 Is. 28. 1. ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους τοῦ παχέως  
 Ez. 6. 13. Α ἐν πάσαις κ. τῶν ὀρέων  
 8. 3. ἀνέλαβέ με τῆς κ. μου (4)  
 17. 22. λήψομαι ἐγὼ . . . ἐκ [A om.] κορυφῆς (3)  
 43. 12. τὴν διαγραφὴν τοῦ οἴκου ἐπὶ τῆς κ. τοῦ  
 ὄρους (3)  
 Da. LXX. 4. 9. ἡ κ. αὐτοῦ ἤγγισεν ἕως τοῦ οὐρ.  
 Da. TH. Bel 36. ἐπελάβετο ὁ ἄγγελος κυρίου [A  
 om.] τῆς κ. [A χειρὸς] αὐτοῦ  
 IV Ma. 10. 7. σὺν δάκρυσι ταις τῶν δακτύλων κ.  
 14. 16. Α Β τὰ δὲ κατὰ τὰς [B om.] κ. ὀρέων  
 [Aq. Ez. 8. 3.]  
 [Sm. Ps. 67 (68). 22.]  
 [Th. I Ki. 24. 23; Ez. 6. 13; 8. 3.]  
 [Al. Dt. 33. 20.]  
κορώνη.  
 Je. 8. 2. ἐκάθισαν αὐτοὺς ὡσεὶ κ. ἐρημουμένη +  
 Ep. Je. 54. ὥσπερ γὰρ [A al.] κορώνας ἀνὰ μέσον τοῦ  
 οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς  
κοσκινίζειν.  
 [Aq., Sm. Am. 9. 9.]  
κόσκινον.  
 Si. 27. 4. ἐν σείσματι κοσκίνου [B¹ κοκκ.] διαμένει  
 κορίνα (3)  
 [Aq., Sm. Am. 9. 9.]  
κοσκίνωμα.  
 [Sm., Th. Ex. 35. 16.]  
κοσμεῖν. (1) 79 (2) 79 (3) 79 a. qal.  
 δ. hi. (4) 79 (5) 79 pi. (6) 79  
 a. qal. δ. pi.  
 II Ch. 8. 6. ἐκόσμησεν τὸν οἶκον (5)  
 Ju. 10. 3. Β ἐν οἷς ἐκοσμήτο [A Β ἐστολίζετο]  
 12. 15. ἐκοσμήθη τῇ ἱματισμῷ  
 Es. 1. 6. κεκοσμημένη [A B¹-ην] θυσιαῖς (1?)  
 Ec. 1. 15. Α διαστραμμένον οὐ δυνήσεται τοῦ  
 κοσμηθῆναι [B B¹ ἐπικ.] (3 a)  
 7. 14 (13). τίς δυνήσεται κοσμήσαι [A B¹ τοῦ κ.] (3 b)  
 Si. 16. 27. ἐκόσμησεν εἰς αἰῶνα τὰ ἔργα αὐ.  
 25. 1. Β¹ ἐκοιμήθη [?] ἐκοσμήθη  
 29. 26. παρέλθε, πάροις, κόσμησον τράπεζαν  
 38. 28. ἡ ἀργυρία αὐτοῦ κοσμήσαι ἐπὶ συντελείας  
 42. 21. τὰ μεγαλὴα τῆς σοφίας αὐτοῦ ἐκόσμησε  
 45. 12. ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν κοσμούμενα ἑώρα  
 47. 10. ἐκόσμησε καυροῖς μέχρι συντελείας  
 48. 11. οἱ ἐν ἀγαπήσει [B¹-πη, B² ἀγαπήσει σου]  
 κεκοσμημένοι  
 50. 9. ὡς σκεῦος χρυσοῦ ὁλοφύρητον κεκοσμη-  
 μένον παντὶ λίθῳ πολυτελείᾳ  
 — 14. κοσμήσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκρά-  
 τορος  
 Mi. 6. 9. καὶ τίς [A τῇ] κοσμήσει πῶλον (2)  
 Je. 4. 30. ἐὰν . . . κοσμήσῃ κοσμὸν χρυσῷ (3 a)  
 Ep. Je. 11. κοσμοῦναι τε αὐτοὺς ὡς ἀνθρώπους τοῖς  
 ἐνδύμασι  
 Ez. 16. 11. ἐκοσμήσά σε κόσμῳ (3 b)  
 — 13. ἐκοσμήσεις χρυσῷ καὶ ἀργυρίῳ [A al.] (3 a)  
 — 58. Α σὺ κεκόσμησαι [B κεκόμισαι] αὐτάς +  
 23. 40. ἐκόσμων κόσμῳ (3 a)  
 — 41. τράπεζα κεκοσμημένη πρὸ προσώπου  
 αὐτῆς (4)  
 II Ma. 9. 16. καλλίστους ἀναθήμασι κοσμήσειν  
 III Ma. 3. 5. κοσμοῦντες τὴν συναστροφὴν

III Ma. 5. 45. Α φοβερῶς κεκοσμημένα κατασκευαῖς  
 [B al.]  
 6. 1. πάσῃ τῇ κατὰ τὸν βίον ἀρετῇ κεκοσμημένος  
 [Aq. Jb. 40. 5 (10); Is. 61. 10; Jb. 31 (38). 4.]  
 [Sm. Ps. 148 (144). 12; Is. 61. 10.]  
 [Al. Is. 57. 9.]  
 [Quint. IV Ki. 9. 30.]  
κόσμημα.  
 [Sm. Ca. 1. 10.]  
κόσμων. (1) 79 pi.  
 Ec. 12. 9. οὐς ἐξίχνησται [B¹-άστατο] κόσ-  
 μων παραβολῶν (1)  
 [Sm. Jd. 8. 21, 26.]  
κοσμοπληθής.  
 IV Ma. 15. 31. Α Β ἐν τῇ κ. [B ἐθνοπλ.] κατακλυσμή  
κοσμοποίτα.  
 IV Ma. 14. 7. ἐπὶ τῆς κ. ἡμέραι  
κόσμος. (1) 79 (2) 79 (3) 79  
 (4) 79 (5) 79 (6) 79 (7) 79  
 (8) 79  
 Ge. tit. Α γένεσις κόσμου —  
 2. 1. ἡ γῆ καὶ πᾶς ὁ κ. αὐτῶν (6)  
 Ex. 33. 5. ἀφῆλθε [A-lette] . . . τὸν κ. (4)  
 — 6. περιελάττω οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸν κ. αὐτῶν (4)  
 De. 4. 19. ἰδὼν . . . πάντα τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ (6)  
 17. 3. ἡ παντὶ τῶν ἐκ τοῦ κ. [A π. τ. κ. τῇ ἐκ]  
 τοῦ οὐρανοῦ (6)  
 II Ki. 1. 24. τὸν ἐνδοξάζοντα ὑμᾶς κόκκινα μετὰ  
 κόσμου ἡμῶν τὸν ἀναφέροντα κόσ-  
 μων χρυσοῦν [A-σίον] (5, 4)  
 Ju. 1. 14. τὸν κ. αὐτῆς ἔθηκεν εἰς ὄνειδος αὐτῆς  
 10. 4. περιέθετο . . . πάντα τὸν κ. αὐτῆς  
 12. 15. τῇ ἱματισμῷ καὶ παντὶ τῇ κ. [A om. κ. π.  
 τ. κ.] τῇ γυναικίῳ  
 Es. 4. 17. Β Β πάντα τόπον κόσμου ἀγαλλιάματος  
 αὐ. [A² al.]  
 Pr. 17. 6 (A 4). τοῦ πιστοῦ ὁλος ὁ κ. τῶν χρη-  
 μάτων —  
 20. 29. κόσμος νεανίας σοφία (8)  
 28. 17. δώσει κόσμον τῇ σῇ ψυχῇ  
 29. 17. δώσει κόσμον τῇ ψυχῇ σου (2)  
 Wi. 1. 14. σωτήριος αἱ γενεαὶς τοῦ κ.  
 2. 24. θάνατος εἰσῆλθεν εἰς τὸν κ.  
 5. 20. συνεκπολεμήσει [B συμπ.] δὲ αὐτῷ ὁ κ.  
 6. 24. πλῆθος δὲ σοφῶν σωτήρια κόσμου  
 7. 6. Β μία δὲ πάντων εἰσοδος εἰς τὸν κ. [A Β βίον]  
 — 17. εἰδέναι σύστασιν κόσμου  
 9. 3. καὶ διέτη τὸν κ. ἐν δόξῃ  
 — 9. ὅτε ἰσίοις τὸν κ.  
 10. 1. πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου μόνον κτισθέντα  
 11. 17. ἡ . . . χεὶρ καὶ [B² ἡ καὶ] κτίσασα τὸν κ.  
 ἐξ ἀμύροφου ὕλης  
 — 22. ὡς ῥοπή ἐκ πλαστῆς γυναικὸς ὁ κ. ἐναντίον σου  
 13. 2. ἡ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεια κόσμου θεοῦ  
 ἐνόμισαν  
 — 3. B² ὁ γὰρ τοῦ κ. [A B B¹ κάλλους] γενεσιάρχης  
 ἐκτισεν αὐτά  
 14. 6. ἡ ἑλπίς τοῦ κ. ἐπὶ σχεδία καταφυγοῦσα  
 — 14. εἰσῆλθεν [A B¹ θάνατος εἰς.] εἰς κόσμον  
 [A B τὸν κ.]  
 16. 17. ὑπέρμαχος γὰρ ὁ κ. ἐστὶ δικαίων [A-αίος]  
 17. 20. ὁλος γὰρ ὁ κ. λαμπρῶ κατελάμπει φωτὶ  
 18. 24. ἐπὶ γὰρ ποδῆρος ἐνδύματος ἡ ὁλος ὁ κ.  
 Si. 6. 30. κόσμος γὰρ χρυσέος ἵστων ἐπ' αὐτῆς  
 21. 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονιμῶ παιδείᾳ  
 22. 17. ὡς κόσμος φαιματωδὲς τοῦ χυσοῦ [B¹  
 ἔξιστο]  
 28. 16. κάλλος ἀγαθῆς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οὐκίας αὐ.  
 35 (32). 5. σφραγὶς ἀνθρώπου ἐπὶ κόσμῳ χρυσῷ  
 43. 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [A B¹-ίου]  
 50. 19. ἕως συντελεσθῇ [B¹ συντελ.] κόσμος [B ὁ κ.]  
 κυρίου  
 Na. 2. 9 (10). καὶ οὐκ ἦν πέρας τοῦ κ. αὐτῆς (7)  
 Is. 8. 18. Α Β ἀφελεί κύνες τὴν δόξαν τοῦ  
 ἱματισμοῦ αὐτῶν καὶ τοὺς κ. αὐτῶν  
 [B om. κ. τ. κ. αὐ.] (7?)  
 — 19. ἀφελεί . . . τὸν κ. τοῦ προσώπου αὐτῶν +  
 — 20. ἀφελεί . . . τὴν σύνθεσιν [A σύνεσιν]  
 τοῦ κ. τῆς δόξης +  
 — 24. ἀντὶ τοῦ κ. τῆς κεφαλῆς τοῦ χρυσοῦ  
 φάλακρμα ἔξεως (3)

Is. 8. 26. πενήθουσιν αἱ θῆκαι τοῦ κ. ὑμῶν  
13. 10. ὁ Ὡ. καὶ πᾶς ὁ κ. [B' οἶκος] τοῦ οὐρανοῦ  
24. 21. ἐπάξει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ  
τὴν χεῖρα  
(8)  
40. 26. ὁ ἐκφέρων κατ' ἀριθμὸν τὸν κ. αὐ.  
49. 18. πᾶντας αὐτοὺς ὡς κόσμον [A B om. ὡς  
κ.] ἐνδύσει καὶ περιθήσει αὐτοὺς ὡς  
κόσμον [B' -ος] νύμφη [A B -ης] (4)  
61. 10. ὡς νύμφην κατεκόσμησέ με κόσμῳ  
Je. 2. 32. μὴ ἐπιδίξεται νύμφη τὸν κ. αὐτῆς  
4. 30. εἰς . . . κοσμίῃ κόσμῳ χρυσῷ  
Ez. 7. 20. ἐλκετὰ κόσμον εἰς ὑπερφηανίαν θέν-  
το αὐτὰ  
(4)  
16. 11. ἐκόσμησά σε κόσμῳ  
— 13. A ἐκοσμήθης κόσμῳ χρυσῷ καὶ ἀργυρῷ  
[B al.]  
23. 40. ἐκόσμων κόσμῳ  
I Ma. 1. 22. B H τὸν κ. τὸν χρυσοῦν [A -όν] τὸν  
κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ  
2. 11. πᾶς ὁ κ. αὐτῆς ἀφῆρθη  
II Ma. 2. 2. ἔλπευτε . . . τὸν περὶ αὐτὰ κ.  
3. 12. τοῦ τελευτήσαντος κατὰ τὸν συμπαντα κ. ἱεροῦ  
3. 3. καὶ χρυσῶν κόσμον ἐκλάμψαι  
7. 9. ὁ δὲ τοῦ κ. βασ. . . ἡμᾶς ἀναστήσει  
— 23. ὁ τοῦ κ. κτίστης  
8. 18. B καὶ τὸν ὅλον κ. . . καταβαλεῖν [A -λα-  
βεῖν]  
12. 15. τὸν μέγαν τοῦ κ. δυνάστην  
13. 14. B οὐδὲ δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῷ κτίστῃ [A  
κυριῷ] τοῦ κ.  
IV Ma. 5. 25. ὁ τοῦ κ. κτίστης  
8. 23. ἐπισταυροῦντα αὐτοὺς τοῦ γλυκεῖος κ.  
16. 18. διὰ τὸν θεὸν τοῦ κ. μετελάβετε  
17. 14. ὁ δὲ κ. . . ἐθεώρει  
[Aq. Ez. 24. 23.]  
[Sm. Jb. 38. 4 : Ez. 7. 20.]  
[Th. Ex. 38. 10 (37. 8), 11 (37. 9), 12 (37. 10).]  
**κοσμοφορεῖν.**  
IV Ma. 15. 31. B B κοσμοφοροῦσα καρτερῶς [A  
-οὺς] ὑπήνεγκε [B -έμενε] τοὺς κλύοντας  
**κόσμος.** (1) כּוֹסְמוֹס (2) כּוֹסְמוֹס pi.  
Ex. 28. 35 (39). A οἱ κ. [B -βοι] τῶν χιτῶνων  
ἐκ βύσσου  
(2)  
Is. 3. 18. ἀφελεί . . . τοὺς κ. καὶ τοὺς μηνίσκους (1)  
**κοσμβωτός.** (1) α. כּוֹסְמוֹס pi. δ. כּוֹסְמוֹס  
Ex. 28. 4. χιτῶνα κοσμβωτόν  
— 35 (39). οἱ κ. [A -βοι] τῶν χιτῶνων ἐκ  
βύσσου (1 a)  
**κοτύλη.** (1) כּוֹטְלָה (2) כּוֹטְלָה  
Le. 14. 10. καὶ κοτύλην ἐλαίου μίαν  
— 12. καὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου  
— 15. ἀπὸ τῆς κ. τοῦ ἐλαίου  
— 21. καὶ κοτύλην ἐλαίου μίαν  
— 24. καὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου  
(2)  
Ez. 45. 14. τὸ πρόσταγμα [A τὰ πρ.] τοῦ ἐλαίου  
κοτύλην ἐλαίου ἀπὸ δέκα [A τὸν δ.]  
κοτυλῶν ὅτι αἱ δέκα κ. εἰσὶ γομῶν (1 ter)  
**κουρά.** (1) כּוֹרָא (2) כּוֹרָא  
De. 18. 4. καὶ τὴν ἀπαρχὴν τῶν κ. τῶν προ-  
βάτων σου  
(1)  
Jo. 5. 11 (12). B ἐκαρπίσαντο δὲ τὴν κ. [A B  
χώραν] (2)  
Ne. 3. 15. τῇ κ. τοῦ βασιλέως  
Jb. 31. 20. ἀπὸ δὲ κουράς ἀνῶν [A ἀνῶν] μου  
[Aq. I Ki. 6. 8 : Ps. 71 (72). 6.]  
[Sm. Th. Am. 7. 1.]  
[Al. Nu. 6. 5.]  
**κουρεῖς.** (1) כּוֹרֵי (2) כּוֹרֵי  
Jd. 16. 19. A ἐκάλειν τὸν κ. [B ἐκ. ἀνδρα] (1)  
Ez. 5. 1. λάβε σιαντῶν βομφαῖαν ὀξείαν ὑπὲρ  
ξυρὸν κουρέας  
(2)  
**κουφίζεω.** (1) α. כּוֹפִיזְא (2) כּוֹפִיזְא ni.  
(2) כּוֹפִיזְא hi.  
Ex. 18. 22. κουφιοῦσιν [A -φίσουσιν] ἀπὸ σοῦ  
I Ki. 8. 5. ὅπως κουφίξω [A -ει] τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2)  
III Ki. 12. 4. κουφίσαν ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ  
πατρὸς σου  
(2)  
— 9. κουφίσαν ἀπὸ τοῦ κλοιοῦ  
(2)  
— 10. κουφίσαν ἀπὸ τῆς ἡμῶν  
(2)  
— 24. B κουφίεις στ' ἐφ' ἡμᾶς

I Es. 8. 86. ὁ κουφίσας [A ἐκούφ.] τὰς ἀμαρτίας  
ἡμῶν  
II Es. 9. 13. ἐκούφισας ἡμῶν τὰς ἀνομίας (1 a)  
Es. 5. 1. κουφίζουσα τὴν ἐνδυσιν αὐτῆς  
Jb. 21. 30. εἰς ἡμέραν ἀπωλείας κουφίζεται ὁ  
ποιηρὸς (1 b)  
Jn. 1. 5. τοῦ κουφισθῆναι ἀπ' αὐτῶν  
[Th. Jb. 21. 30.] (2)  
**κουφός.** (1) כּוֹפִיזְא a. qal. δ. ni. c. כּוֹפִיזְא  
d. κ. εἶναι כּוֹפִיזְא ni.  
I Ki. 18. 23. εἰ [B' om.] κούφον ἐν ὀφθαλμοῖς  
ὑμῶν (1 b)  
II Ki. 1. 23. ὑπὲρ ἀετοῦς κούφοι (1 a)  
2. 18. Ἀσὰ καὶ κούφους τοῖς ποσὶν αὐτοῦ (1 c)  
IV Ki. 8. 18. A B κούφῃ [B -ος καὶ] αὐτῇ ἐν  
ὀφθαλμοῖς κυρίου (1 b)  
20. 10. κούφον τὴν σκίαν κλίνει (1 b)  
I Ch. 12. 8. καὶ κούφοι ὡς δορκάδες  
Ec. 9. 11. οὐ τοῖς κ. ὁ δρόμος (1 c)  
Wi. 5. 11. πληγὴ δὲ ταρασσὼν μαστιζόμενον πνεῦμα  
κούφον  
Si. 11. 21. κούφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλου-  
τῖσαι [A -ῆσαι] πάντα  
— 26. κούφον ἵνα τὸν κ. ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου ἐν  
ἡμέρᾳ τελευτῆς  
19. 4. ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κούφους καρδίᾳ  
Is. 18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κούφοι πρὸς  
ἔθνος μετέωρον (1 c)  
19. 1. κύριος κάθηται ἐπὶ νεφέλῃς κούφῃς  
30. 16. ἐπὶ κούφοις ἀναβάταις [A B' -αι] ἐσθ-  
μέβα διὰ τοῦτο κούφοι ἵστανται οἱ  
διώκοντες ὑμᾶς (1 c, 1 d)  
Je. 4. 13. κούφοι τὸν δαίμονα οἱ ἴπποι αὐ.  
26 (46). 6. μὴ φευγέτω ὁ κ. (1 c)  
La. 4. 19. κούφοι ἐγένοντο οἱ διώκοντες ἡμᾶς  
[Aq., Sm. Nu. 21. 5 : Jb. 2. 23.] (1 c)  
[Th. Nu. 21. 5 : Pr. 14. 6 : Jb. 2. 23.]  
[Al. Ex. 23. 15.]  
**κούφος.** (1) כּוֹפִיזְא  
Is. 5. 26. ταχὺ κ. ἔρχονται (1)  
[Sm. Jb. 39. 34 (40. 4).]  
**κόςινος.** (1) כּוֹסִינִי (2) כּוֹסִינִי  
Jd. 6. 19. ἔθηκεν ἐν τῷ κ. [A al.] (2)  
Ps. 80 (81). 6. αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐν τῷ κ. ἐδοῦ-  
λευσαν (1)  
[Aq. Ge. 40. 16.]  
[Sm. Ps. 80 (81). 7 : Jb. 24. 1.]  
**κόχλαξ** (A κοχλάς?) (1) כּוֹחִלָא  
I Ki. 14. 14. ἐν κόχλαξ [A κοχλάσω] τοῦ πεδίου (1)  
I Ma. 10. 73. οὐκ ἔστι λίθος οὐδὲ κόχλαξ  
**κράββατος.**  
[Aq. Am. 3. 12.]  
**κραδαίνειν.**  
II Ma. 11. 8. πανοπλίαν χρυσὴν κραδαίνων  
III Ma. 2. 21. κραδάνων αὐτὸν ὡς κάλαμον ὑπὸ ἀνέ-  
μου  
**κράζειν.** (1) כּוֹרֵי a. qal. δ. ni. c. hi.  
(2) כּוֹרֵי (3) כּוֹרֵי δ. כּוֹרֵי (4) כּוֹרֵי  
a. qal. δ. ni. (5) כּוֹרֵי a. hi. δ. hithpal.  
c. כּוֹרֵי (6) כּוֹרֵי (7) כּוֹרֵי pi.  
Ge. 41. 55. B κραζε δὲ [A ἐκράζεν δὲ πᾶς]  
ὁ λαός (8 a)  
Ex. 5. 8. διὰ τοῦτο κεράγασι (8 a)  
22. 23 (22). κεράζοντες καταβόησας πρὸς μέ (8 a)  
32. 17. τῆς φωνῆς [A B' τὴν φ.] τοῦ λαοῦ  
κράζοντων (8 c)  
Nu. 11. 2. ἐκράζον ὁ λαὸς πρὸς Μωυσῆν (8 a)  
Jo. 6. 15 (16). εἶπεν Ἰησοῦς . . . Κεράζετε (8 a)  
Jd. 1. 14. ἐκράζον ἀπὸ τοῦ ὑπογυγίου  
3. 9, 15. ἐκράζον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (1 a)  
4. 3. ἐκράζον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (8 a)  
6. 7 (6). A ἐκράζον [B ἐβόησαν] οἱ υἱοὶ Ἰ.  
πρὸς κύριον (1 a)  
— 8 (7). A ἐπεὶ ἐκράζον οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς  
κύριον (1 a)  
10. 12. A καὶ ἐκράζετε [B ἐβόησατε] πρὸς  
μέ (8 a)  
18. 22. A ἔκραζον κατοπίσω Δάν [B al.] (1 b)

Jd. 18. 24. τί [A add. τοῦτο] κράζεις  
II Ki. 13. 19. ἐπορεύθη πορευομένη καὶ κρά-  
ζουσα (1 a)  
19. 4 (5). καὶ ἔκραξεν ὁ βασιλεὺς (1 a)  
— 28 (29). τοῦ κεκραγάνου με ἔτι πρὸς τὸν  
βασ. (1 a)  
To. 2. 13. ἤρατο κράζειν [A κρανάειν]  
6. 2. B καὶ ἔκραξεν  
Ju. 14. 17. ἐξπηδήσεν εἰς τὸν λαὸν κράζων [B λί-  
γων, A καὶ ἐβόησεν]  
Es. 4. 17. A B πᾶς Ἰσρ. ἐκράζεν [B ἔκρ., B -αν  
ἐξ ἰσχύος αὐτῶν]  
Jb. 6. 5. μὴ διὰ κενῆς κεκράζεται ὄνος ἄγριος (2)  
19. 7. κεκράζομαι καὶ οὐδαμῶς κρίμα (7)  
30. 20. κέκραγα δὲ πρὸς σέ (7)  
— 28. ἔστηκα δὲ ἐν ἐκκλησίᾳ κεκραγός  
34. 20. τὸ κεκραγάνου καὶ δέισθαι ἀνδρός  
35. 9. ἀπὸ πλήθους συκοφαντούμενοι κεκρά-  
ζονται (1 c)  
— 12. ἐκεῖ κεκράζονται [A -ξον] (8 a)  
38. 41. νεοσσοὶ γὰρ αὐ. πρὸς κ. κεκράγασι (7)  
Ps. 3. 4. φωνὴ μου πρὸς κύριον ἐκράξα (4 a)  
4. 3. ἐν τῷ κεκραγάνου με πρὸς αὐτόν (4 a)  
16 (17). 6. ἐγὼ ἐκράξα (4 a)  
17 (18). 6. πρὸς τὸν θεόν μου ἐκράξα (7)  
— 41. ἐκράζαν καὶ οὐκ ἦν ὁ σῶζων (7)  
21 (22). 2. κεκράζομαι ἡμέρας πρὸς σέ [B' om.  
ἡ. πρὸς σέ] (4 a)  
— 5. πρὸς σέ ἐκράζαν (1 a)  
— 24. ἐν τῷ κεκραγάνου με πρὸς αὐτόν (7)  
26 (27). 7. ἡς ἐκράξα [A ἐκ. πρὸς σέ] (4 a)  
27 (28). 1. πρὸς σέ, κύριε, ἐκράξα [A B κε-  
κράζομαι] (4 a)  
— 2. A ἡς ἐκράξα [B B ἐν τῷ δέεσθαί με]  
πρὸς σέ (7)  
29 (30). 2. κύριε ὁ θεός μου, ἐκράξα πρὸς σέ (7)  
— 8. πρὸς σέ, κύριε, κεκράζομαι (4 a)  
30 (31). 22. ἐν τῷ κεκραγάνου με πρὸς σέ (7)  
31 (32). 3. ἀπὸ τοῦ κράζειν με ὅλην τὴν ἡμέ-  
ραν (6)  
33 (34). 6. οὗτος ὁ πτωχὸς ἐκράξα (4 a)  
— 17. ἐκράζαν οἱ δίκαιοι (8 a)  
54 (55). 16. ἐγὼ πρὸς τὸν θεὸν ἐκράξα (4 a)  
56 (57). 2. κεκράζομαι πρὸς τὸν θ. τὸν ὑψίστον (4 a)  
60 (61). 2. ἀπὸ τῶν περάτων τῆς γῆς πρὸς σέ  
ἐκράξα (4 a)  
64 (65). 13. κεκράζονται καὶ γὰρ ὑμνήσουσιν (8 b)  
65 (66). 17. πρὸς αὐτὸν τῷ στόματί μου ἐκέ-  
κραξα (4 a)  
68 (69). 3. ἐκοπίασα κράζων (4 a)  
76 (77). 1. φωνὴ μου πρὸς κύριον ἐκράξα (8 a)  
85 (86). 3. πρὸς σέ κεκράζομαι ὅλην τὴν ἡμέ-  
ραν (4 a)  
— 7. ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως μου ἐκράξα πρὸς σέ (4 a)  
87 (88). 1. ἡμέρας ἐκράξα [A ἐκ. πρὸς σέ] (8 a)  
— 9. ἐκράξα πρὸς σέ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμ. (4 a)  
— 13. καγὼ πρὸς σέ, κύριε, ἐκράξα (7)  
90 (91). 15. A B κεκράζεται πρὸς [B ἐπικαλέ-  
σεται] μέ (4 a)  
106 (107). 6. ἐκράζαν πρὸς κύριον (8 a)  
— 13, 19. ἐκράζαν πρὸς κύριον (1 a)  
— 28. ἐκράζαν πρὸς κύριον (8 a)  
118 (119). 145. ἐκράξα ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 a)  
— 146. A B' ἐκράζα σε [B' B σοι] (4 a)  
— 147. προέφθασα ἐν ἀωρίᾳ καὶ ἐκράξα (7)  
119 (120). 1. πρὸς κύριον . . . ἐκράξα (4 a)  
129 (130). 1. A B' ἐκ βαθέων ἐκράζα σε [B' B  
σοι] κύριε (4 a)  
140 (141). 1. κύριε, ἐκράξα πρὸς σέ (4 a)  
— 1. ἐν τῷ κεκραγάνου με [B om.] πρὸς σέ (4 a)  
141 (142). 1. φωνὴ μου πρὸς κύριον ἐκράξα (1 a)  
— 5. πρὸς σέ, κύριε, ἐκράξα (1 a)  
Ho. 8. 2. ἐμὲ κεκράζοντα, ὁ θεός, ἐγνώκαμέν σε (1 a)  
Mi. 3. 4. οὕτως κεκράζονται πρὸς κύριον (1 a)  
Jl. 1. 14. κεκράξατε πρὸς κύριον ἐκτενῶς (1 a)  
Hb. 1. 1. εἰς τῶς, κύριε, κεκράζομαι [B' B' κρ.] (7)  
Za. 7. 13. οὕτως κεκράζονται (4 a)  
Is. 6. 3. ἐκράζεν [A B -γον] ἕτερος πρὸς τὸν  
ἕτερον (4 a)  
— 4. ἀπὸ τῆς φωνῆς ἡς ἐκράζεν (4 a)  
14. 31. κεκραγέτωσαν πόλεις τεταραγμέναι (1 a)  
15. 4. κέκραγον Ἑσπερίαν (1 a)  
19. 20. κεκράζονται πρὸς κύριον [B' om. πρ. κ.] (8 a)  
26. 17. ἐπὶ τῇ ὁδίᾳ αὐτῆς ἐκράζεν (1 a)  
31. 4. κεκράξῃ ἐπ' αὐτῇ [B -ῇν] (4 a)  
42. 2. οὐ κεκράζεται [A κρ.] οὐδὲ ἀνῆσει (3 a)

Is. 65. 14. κεκράζεσθε διὰ τὸν πόνον (8 α)  
— 24. πρὶν ἢ κεκράξαι αὐτοὺς (4 α)  
Je. 4. 5. **Α Β** κεκράξατε [**B** S -ete] μέγα (4 α)  
11. 11. κεκράζονται πρὸς μέ (1 α)  
— 12. κεκράζονται πρὸς τοὺς θεοὺς (1 α)  
22. 20. ἀνάβηθι εἰς τὸν Λίβανον καὶ κράζον [**A** S κέρκ.] (9 α)  
29 (47). 2. κεκράζονται [**B**<sup>1</sup> κρ.] οἱ ἄνθρωποι (1 α)  
Ez. 27. 30. κεκράξατε [**B** κρ.], θυγατέρες P. (8 α)  
31 (48). 2. φωνὴ κεκραγόντων ἐξ Ὠρωαίμ (8 β)  
— 20. ὁλόωζον καὶ κέκραζον [**B**<sup>1</sup> κρ.] (1 α)  
32 (25). 34. ἀλαλάξατε, ποιμένες, καὶ κεκρά-  
ξατε [**A** S -ete] (1 α)  
40 (38). 3. κέκραζον πρὸς μέ (4 α)  
Ba. 8. 1. πνεῦμα ἀκτιδῶν κέκραγε [**A** ἐκέκραξε]  
πρὸς σέ  
4. 20. κεκράζομαι πρὸς τὸν αἰώνιον [**A** add. ὕψισ-  
τον]  
La. 8. 8. κεκράζομαι καὶ βοήσω (1 α)  
Ez. 27. 30. κεκράζονται πικρὸν [**A** -rōs] (1 α)  
I Ma. 9. 46. νῦν οὐκ κεκράξατε εἰς οὐρανόν  
11. 49. ἐκέκραξαν [**B**<sup>1</sup> ἐκράτσαν] πρὸς τὸν βασι.  
III Ma. 5. 23. **Β** ἄρτι δὲ ἀλεκτρυνὸν ἐκεκράγει  
[**A** -ev]  
[Sm. Is. 33. 7.]  
[Th. Jd. 10. 10; Jb. 35. 12; Ps. 3. 5; 54 (55).  
17; 129 (130). 1; Pr. 8. 1.]  
[Al. Ez. 8. 18.]  
[Quint. Ps. 26 (27). 7; 27 (28). 2; 60 (61). 3;  
129 (130). 1.]  
[Sext. Ps. 27 (28). 2; 129 (130). 1.]  
**κραιπαλῶν.** (1) קַרְפָּל hithpo. (2) א. קַרְפָּ  
δ. קַרְפָּ  
Ps. 77 (78). 65. ὡς δυνατὸς κραιπαληγὸς ἐξ  
οἴνου (1)  
Is. 24. 20. ἐκλινεν ὡς ὁ μεθύων καὶ κραιπαλῶν  
[**S** δ κρ.] (2 β)  
29. 9. κραιπαλήσατε οὐκ ἀπὸ σίκερα  
[**A**q. Ps. 77 (78). 65.] (2 α)  
**κράμα.** (1) קָרָם  
Ca. 7. 2 (3). μὴ ὑστερούμενος κράμα [**A** S κρά-  
ματος] (1)  
[**A**q. Ez. 22. 18, 19.]  
**κρανίον.** (1) קְרָנִיָּה  
Jd. 9. 53. ἔκλασε [**A** συνέθλασεν] τὸ κρ. αὐτοῦ (1)  
IV Ki. 9. 35. οὐχ εὔρον . . . ἄλλο τι ἢ τὸ κρ. (1)  
**κράσπεδον.** (1) קְרָסְפֶּדֶן (2) קְרָסְפֶּדֶן  
Nu. 15. 38. ποιησάτωσαν ἑαυτοὺς κράσπεδα  
— 38. ἐπιθήσεται ἐπὶ τὰ κρ. . . κλωσμά τακί-  
νθων (2)  
— 39. ἔσται ὕμιν ἐν τοῖς κρ. (2)  
De. 22. 12. στρογγύλῃ ποιήσεις . . . ἐπὶ τῶν τεσ-  
σάρων κρ. (1)  
Za. 8. 23. καὶ ἐπιλάθωνται τοῦ κρ. ἄνδρες Ἰουδ. (1)  
[**A**q. Ez. 8. 3.]  
[Sm. I Ki. 15. 27; Ez. 5. 3.]  
[Th. I Ki. 24. 5; Ez. 8. 3.]  
**κραταιός.** (1) קָרָאִי (2) קָרָאִי (3) קָרָאִי  
(4) א. קָרָאִי δ. קָרָאִי c. קָרָאִי (5) קָרָאִי ni.  
(6) קָרָאִי (7) א. קָרָאִי δ. קָרָאִי c. קָרָאִי  
(8) א. קָרָאִי δ. קָרָאִי c. קָרָאִי (9) קָרָאִי  
(10) קָרָאִי  
Ex. 8. 19. οὐκ προήσεται . . . ἐὰν μὴ μετὰ χειρὸς  
κρ. (4 β)  
6. 1. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξαποστελεῖ αὐτοὺς (4 β)  
18. 3. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγεν (4 β)  
— 9. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγε σε κ. (4 β)  
— 14. ἐν χειρὶ κρ. ἐξήγαγε κ. ἡμῶς (4 β)  
— 16. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγε σε κ. (4 β)  
De. 8. 24. καὶ τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 β)  
4. 34. καὶ ἐν χειρὶ κρ. (4 β)  
5. 15. ἐξήγαγε σε . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 β)  
6. 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 β)  
7. 8. ἐξήγαγεν . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 β)  
— 19. τὴν χεῖρα τὴν κρ. καὶ τὸν βραχίονα τὸν  
ὑψηλόν (4 β)  
— 21. θεὸς μέγας καὶ κρ. (5)  
9. 26. καὶ ἐν τῇ χειρὶ σου τῇ κρ. (4 β)  
— 29. **Β** καὶ ἐν τῇ χειρὶ σου τῇ κρ. (4 β)

De. 11. 2. καὶ τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 β)  
28. 8. καὶ ἐν χειρὶ κρ. (4 β)  
29. 3 (2). **Δ Β**<sup>2</sup> τὴν χεῖρα τὴν κρ. καὶ τὸν βρα-  
χίονα τὸν ὑψηλόν (4 β)  
34. 12. καὶ [**A** add. πᾶσαν] τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 β)  
Jo. 24. 4. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πολὺ καὶ κρ. (4 β)  
Jd. 5. 13. κατέβη αὐτῶ ἐν τοῖς κρ. [**A** al.] (3)  
I Ki. 14. 51 (52). ἦν ὁ πόλεμος κρ. ἐπὶ τοὺς  
ἀλλοφύλους (4 β)  
II Ki. 11. 15. ἐξ ἐναντίας τοῦ πολέμου τοῦ κρ. (4 β)  
22. 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταῖον [**A** om.] πε-  
πυρωμένον (4 β)  
III Ki. 12. 24. **Β** ἠρρώστησε . . . ἀρρωστίᾳ κρ. (4 β)  
17. 17. ἦν [**A** om.] ἡ ἀρρωστία αὐτοῦ κρ. (4 β)  
18. 2. ἡ [**A** ἦ] λιμός κραταῖα [**A** -ds] ἐν  
Σαμ. (4 β)  
19. 11. πνεῦμα μέγα κρ. διαλύον ὄρη (4 β)  
II Ch. 6. 32. διὰ . . . τὴν χεῖρά σου τὴν κρ. (4 β)  
I Es. 2. 17. **Α** καὶ κραταῖοι [**B** om., **Β** κραιαί] οἱ ἐν  
κοιλῇ Συρία  
8. 47. **Α Β** κατὰ τὴν κρ. χεῖρα τοῦ κυρίου ἡμῶν  
— 61. κατὰ τὴν κρ. χεῖρα τοῦ κυρίου ἡμῶν  
II Es. 6. 4. **Α Β** καὶ ὁμοί λιθνοὶ κρ. [**B** om.] (4 β)  
Ne. 1. 10. καὶ ἐν τῇ χειρὶ σου τῇ κρ. (4 β)  
9. 32. ὁ μέγας ὁ κρ. καὶ ὁ φοβερός (3)  
Jb. 9. 4. σοφὸς γὰρ ἔστι διανοία κρ. τε καὶ  
μέγας (2)  
28. 2. **δ** [**A** δ] βραχίων κραταιός ἐστι (7 β)  
30. 21. χειρὶ κραταῖᾳ μὲ ἐμαστῆσας (8 β)  
Ps. 28 (24). 8. κύριος κραταῖος καὶ δυνατός (7 β)  
46 (47). 9. τοῦ θεοῦ οἱ κρ. τῆς γῆς σφόδρα  
ἐπὶ ῥῥῃσαν (8)  
53 (54). 3. κραταῖοι ἐξήγαγον τὴν ψυχὴν μου (9)  
58 (59). 3. ἐπέθεντο ἐπ' ἐμέ κραταῖοι (7 α)  
70 (71). 7. καὶ σὺ βοήθεις κραταῖος (7 β)  
85 (86). 14. συναγωγὴ κραταῖων [**B**<sup>1</sup> κραταῖοι] (9)  
134 (135). 10. ἀπέκρινε βασιλεῖς κραταῖους (8 β)  
155 (156). 12. ἐν χειρὶ κραταῖᾳ ἐν βραχίονι  
ὑψηλῷ (4 β)  
— 18. καὶ ἀποκτείναντι βασιλεῖς κραταῖους (1)  
140 (141). 6. κατεπόθῃσαν ἐχόμενα πέτρας οἱ  
κρ. [**B**<sup>2</sup> κραιαί] αὐτῶν (4 β)  
Pr. 23. 11. ὁ γὰρ λυτρούμενος αὐτοὺς κύριος  
κραταῖός ἐστι (4 β)  
Ca. 8. 6. κραταῖα ὡς θάνατος ἀγάπη (7 α)  
Wi. 6. 8. τοῖς δὲ κρ. ἰσχυρὰ ἐφίσταται ἔρευνα  
Si. 6. 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταῖᾳ  
46. 1. κραταῖος ἐν πολέμοις [**A** S -φ] Ἰησοῦς  
— 6. ἐν [**A** S om.] λίθοις χαλάζης δυνάμεως κρ.  
Am. 2. 14. ὁ κρ. οὐ μὴ κρατήσῃ τῆς ἰσχύος  
αὐτοῦ [**A**<sup>1</sup> al.] (4 β)  
— 16. ὁ κρ. οὐ μὴ [**A** om. ὁ κρ. οὐ μὴ] εὐρήσει  
τὴν καρδίαν (2)  
Hb. 3. 4. ζήτητο ἀγάπην κραταῖαν ἰσχύος αὐ-  
τοῦ (7 β)  
Je. 21. 5. πολεμήσω ἐγὼ ὑμᾶς . . . ἐν βραχίονι  
[**B** add. ὑψηλῷ] κραταῖᾳ (4 β)  
39 (32). 21. ἐξήγαγεν τὸν λαόν σου . . . ἐν  
χειρὶ κραταῖᾳ (4 β)  
Ba. 2. 11. ἐξήγαγεν τὸν λαόν σου ἐκ γῆς Αἰγύπτου  
ἐν χειρὶ κραταῖᾳ (4 β)  
Ez. 8. 9. ἔσται διὰ πάντος κραταῖοτερον πέτρας (4 β)  
— 14. χεῖρ κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμέ κραταῖα (4 α)  
20. 33. ἐν χειρὶ κραταῖᾳ . . . βασιλεύσω ἐφ' ὑμᾶς (4 β)  
— 34. ἐν χειρὶ κραταῖᾳ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (4 β)  
Da. TH. 2. 37. βασιλείαν ἰσχυράν καὶ κρ. (10)  
8. 24. καὶ κραταῖα ἡ ἰσχύς αὐτοῦ (8 α)  
9. 15. δε ἐξήγαγεν τὸν λαόν σου . . . ἐν χειρὶ  
κρ. (4 β)  
I Ma. 5. 6. εὖρε χεῖρα κρ. (4 β)  
[**A**q. Ez. 30. 22.]  
[Sm. Jd. 6. 26; Jb. 9. 19; Ps. 44 (45). 13; Is.  
80. 29; 88. 21; 84. 7; Hb. 1. 12.]  
[Th. Jb. 9. 19; Ps. 27 (28). 8.]  
[Al. Pr. 24. 5.]  
**κραταιότης.** (1) קָרָאִי  
Ps. 45 (46). 3. ἐταράχθησαν [**A** -th] τὰ ὄρη ἐν  
τῇ κρ. αὐ. (1)  
**κραταιοῦν.** (1) קָרָאִי a. qal. δ. pi. c. hi.  
d. hithp. e. **Q** קָרָאִי (2) קָרָאִי (3) קָרָאִי  
a. qal. δ. pi. c. hi. d. hithp. e. קָרָאִי

(4) קָרָאִי hithp. (5) קָרָאִי ni. (6) קָרָאִי  
(7) א. קָרָאִי δ. pi. c. קָרָאִי (8) קָרָאִי  
a. qal. δ. hi. (9) קָרָאִי po. (10) קָרָאִי  
a. ni. δ. hi. (11) קָרָאִי hoph. (12) קָרָאִי  
Jo. 18. 1. **Α** ἡ γῆ ἐκραταιώθη [**B** ἐκρατήθη] ὑπ'  
αὐτῶν (5)  
Jd. 8. 10. **Β** ἐκραταιώθη χεῖρ αὐτοῦ (7 α)  
Ru. 1. 18. κραταιοῦται αὐτῇ τοῦ πορεύεσθαι (1 δ)  
I Ki. 4. 9. κραιταῖοσθε καὶ γίνεσθε εἰς ἄνδρας (3 δ)  
17. 50. **Α** ἐκραταίωσεν **Δ**. ὑπὲρ τὸν ἀλλοφύλον (3 α)  
23. 16. ἐκραταίωσε τὰς χεῖρας αὐτοῦ (3 β)  
30. 6. ἐκραταίωθη Δαυὶδ ἐν κυρίᾳ θεῷ αὐτοῦ (3 δ)  
II Ki. 1. 23. ὑπὲρ λέοντας ἐκραταίωθησαν (2)  
2. 7. **Α Β** κραιταῖοσθωναι αἱ χεῖρες ὑμῶν (3 α)  
3. 1. ὁ οἶκος Δαυὶδ . . . ἐκραταίωσεν (3 ε)  
10. 11. ἐὰν κραιταίωθῃ Συρία ὑπὲρ ἐμέ (3 α)  
— 11. ἐὰν κραιταίωθωσιν υἱοὶ Ἀ. ὑπὲρ σέ (3 α)  
— 12. κραιταίωθωμεν ὑπὲρ τοῦ λαοῦ ἡμῶν (3 δ)  
11. 23. ἐκραταίωσαν ἐφ' ἡμᾶς οἱ ἄνδρες (2)  
— 25. κραιταίωσον τὸν πόλεμον (3 ε)  
— 25. καὶ κραιταίωσον αὐτὸν (3 β)  
18. 14. ἐκραταίωσεν [**A** -ώθη] ὑπὲρ αὐτὴν (3 α)  
22. 18. ἐκραταίωθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1 α)  
— 33. ὁ ἰσχυρὸς ὁ κραταῖος μὴ δυνάμει [**A** -w] (7 ε)  
23. 3. πῶς κραιταίωσθε φέβον χριστοῦ [**A** al.] (6)  
III Ki. 21 (20). 22. κραταῖοι καὶ γυνῶς (3 δ)  
— 23. ἐκραταίωσεν [**B**<sup>1</sup> -τησεν] ὑπὲρ ἡμᾶς (9 α)  
— 23. εἰ μὴ κραιταίωσομεν ὑπὲρ αὐτοὺς (3 α)  
— 25. κραιταίωσομεν ὑπὲρ αὐτοὺς (3 α)  
IV Ki. 3. 26. ἐκραταίωσεν ὑπὲρ αὐτὸν ὁ πόλε-  
μος (3 α)  
12. 6 (7). οὐκ ἐκραταίωσαν οἱ ἱερεῖς τὸ βεδέκ (3 β)  
— 7 (8). τί ὅτι οὐκ ἐκραταίωτε τὸ βεδέκ τοῦ  
οἴκου (3 β)  
— 12 (13). ὅσα ἐξωδιίσθη ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ  
κραταίωσας (3 α)  
— 14 (15). ἐκραταίωσαν ἐν [**A** om.] αὐτῶ τὸν  
οἶκον κ. (3 β)  
22. 6. τοῦ κραιταίωσας τὸ βεδέκ τοῦ οἴκου (3 β)  
I Ch. 21. 4. **Α** τὸ δὲ ῥῆμα τὸν βασι. ἐκραταίωθη  
ἐπὶ τῷ [**B** ἰσχυεν ἐ.] ἰ. (3 α)  
II Ch. 21. 4. καὶ ἐκραταίωθη (3 α)  
23. 1. ἐκραταίωσεν Ἰωδαί (3 α)  
34. 8. κραιταίωσας τὸν οἶκον κυρίου (3 β)  
35. 22. πολεμῶν αὐτὸν ἐκραταίωθη (4 ?)  
II Es. 6. 22. κραιταίωσαι τὰς χεῖρας αὐτῶν (3 β)  
7. 28. καὶ ἐγὼ ἐκραταίωθην (3 δ)  
10. 4. κραιταῖοι καὶ ποίησαν (3 α)  
Ne. 2. 18. ἐκραταίωθησαν αἱ χεῖρες αὐτῶν (3 β)  
6. 9. ἐκραταίωσα τὰς χεῖρας μου (3 β)  
Ju. 1. 13. ἐκραταίωθη ἐν τῷ πολέμῳ αὐτοῦ  
18. 7. κραιταίωσόν με, ὁ θεὸς Ἰσρ.  
Jb. 36. 19. πάντας τοὺς κραιταίωσας [**B**<sup>1</sup> -τοῦν-  
τας] ἰσχύων (1 ε)  
— 22. ὁ ἰσχυρὸς κραιταίωσει [**B** -ws] ἐν [**A** σε  
ἐν] ἰσχύϊ αὐτοῦ (10 β)  
Ps. 9. 19. μὴ κραιταίωσθω ἄνθρωπος (7 α)  
28 (27). 14. κραιταίωσθω ἡ καρδία σου [**A** μου] (1 ε)  
30 (31). 24. κραιταίωσθω ἡ καρδία ὑμῶν (1 ε)  
87 (38). 19. οἱ δὲ ἐχθροὶ μου . . . κραιταίω-  
ται ὑπὲρ ἐμέ (8 α)  
63 (64). 5. ἐκραταίωσαν ἑαυτοὺς λόγον ποιητῶν (3 β)  
68 (69). 4. ἐκραταίωθησαν οἱ ἐχθροὶ μου (8 α)  
73 (74). 13. σὺ ἐκραταίωσας . . . τὴν θάλασσαν (9)  
79 (80). 15. 17. δὲ ἐκραταίωσας σεαυτῷ (1 β)  
88 (89). 13. κραιταίωθῃ τῇ χειρὶ σου (7 α)  
102 (103). 11. ἐκραταίωσε κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ (2)  
104 (105). 4. ζητήσατε τὸν κ. καὶ κραιταίωθητε (7 β)  
— 24. ἐκραταίωσεν αὐτὸν ὑπὲρ τοὺς ἐχθρούς  
αὐτοῦ (8 β)  
116 (117). 2. ἐκραταίωθη τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς (2)  
138 (139). 6. ἐκραταίωθη οὐ μὴ δυνάμει πρὸς  
αὐτὴν (10 α)  
— 17. λίαν ἐκραταίωθησαν αἱ ἀρχαὶ αὐτῶν (8 α)  
141 (142). 6. ἐκραταίωθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1 α)  
La. 1. 16. ἐκραταίωθη ὁ ἐχθρός (2)  
Da. TH. 4. 33. ἐπὶ τὴν βασιλείαν μου ἐκραταίω-  
σθην (11)  
5. 20. τὸ πνεῦμα αὐτοῦ ἐκραταίωθη (12)  
I Ma. 1. 62. **Β Β** πολλοὶ ἐν Ἰσρ. ἐκραταίωθησαν  
[**A** ἐκρεμάσθησαν]  
[**A**q. Le. 16. 8; Dt. 3. 28; I Ki. 17. 50; Ps.  
26 (27). 14; 51 (52). 9; 188 (189). 17; Is. 19.  
4; Jb. 15. 8; 17. 16.]

[Sm. 1 Ki. 17. 50: II Ki. 3. 6: Pr. 31. 17: Is. 29. 23.]  
 [Th. 1 Ki. 17. 50: IV Ki. 12. 5 (6): Ps. 138 (139). 17: Pr. 21. 29: Is. 22. 21: 29. 23: 35. 3.]  
 [Quint. IV Ki. 12. 5 (6): Ps. 64 (65). 4.]  
**κραταίωμα.** (1) כֹּחַ (2) מָצֶד (3) א. הַיָּד  
 δ. הַיָּד (4) מַצֵּד  
 I Ki. 2. 32. **A** ἐπιβλέψῃ κραταίωμα μου ὡς  
 [? μόνων] ἐν πᾶσιν +  
 Ps. 24 (25). 14. κραταίωμα κύριος τῶν φοβου-  
 μένων αὐτόν (1)  
 27 (28). 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (3 a)  
 30 (31). 3. κραταίωμα [A S -ωσίς] μου [S om.]  
 ... εἰ σύ (2)  
 42 (43). 2. σὺ εἶ [A S<sup>2</sup> om.] ὁ θεὸς [S θ. μου]  
 κραταίωμα μου (3 b)  
 Je. 31 (48). 1. **A S** ἡσχύνθη ἀμὰθ τοῦ κρ. [B om.  
 τοῦ κρ.] (4)  
 [Aq. Jd. 6. 26: Ps. 26 (27). 1: 30 (31). 3: 5:  
 Pr. 10. 29: Da. 11. 38.]  
 [Sm. Pr. 10. 29: Is. 8. 13.]  
 [Th. I Ki. 2. 31: Ps. 30 (31). 3: Pr. 10.  
 29: Is. 41. 21.]  
 [Quint. Ps. 26 (27). 1.]  
 [Sext. Ps. 24 (25). 14.]  
**κραταίως.** (1) מְצִיחַ (2) מַצֵּד hi.  
 Jd. 8. 1. **A** ἐκρίνοντο μετ' αὐτοῦ κρ. [B al.] (1)  
 I Ki. 2. 16. λήψομαι κρ. (1)  
 Jb. 36. 22. **S** ὁ ισχυρὸς κρ. [A B -ώσει] ἐν [A  
 σε ἐν] ισχύϊ αὐτοῦ (2)  
 Pr. 22. 3. πονηρὸν τιμωροῦμενον κρ. -  
**κραταίωσις.** (1) מְצִיחַ (2) מָצֶד (3) חִזְקָא  
 Ju. 7. 22. οὐκ ἦν κραταίωσις ἔτι ἐν αὐτοῖς  
 Ps. 30 (31). 3. **A S** κραταίωσις [B -ωμά] μου  
 [S om.] ... εἰ σύ (2)  
 59 (60). 7. **E**. κραταίωσις τῆς κεφαλῆς μου (1)  
 67 (68). 35. δώσει ... κραταίωσιν τῷ λαῷ (3)  
 [Aq. Is. 42. 25.]  
 [Sm. Ps. 138 (139). 15.]  
**κρατεῖλος (?)**  
 [Sext. Ps. 28 (29). 1.]  
**κρατεῖν.** (1) מְצִיחַ (2) מְצִיחַ a. qal. δ. pi.  
 (3) מְצִיחַ (4) a. מְצִיחַ pi. δ. מְצִיחַ  
 c. מְצִיחַ (5) בּוֹא (6) מְצִיחַ a. qal.  
 δ. pi. c. hi. d. hithp. e. מְצִיחַ  
 (7) מְצִיחַ ni. (8) מְצִיחַ hi. (9) מְצִיחַ  
 (10) מְצִיחַ (11) מְצִיחַ (12) מְצִיחַ (13) מְצִיחַ  
 (14) מְצִיחַ (15) מְצִיחַ hi. (16) מְצִיחַ  
 (17) מְצִיחַ (18) מְצִיחַ hoph.  
 Ge. 19. 16. ἐκράτησαν αὐτὸν ἀπὸ τῆς χειρὸς αὐ. (6 c)  
 21. 18. κρατήσαν τὴν χειρὶ σου αὐτό (6 c)  
 De. 2. 34: 3. 4. ἐκράτησαν πασῶν τῶν πό-  
 λεων αὐτοῦ  
 Jo. 18. 1. ἡ γῆ ἐκράτησεν [A ἐκραταιώθη] ὑπ'  
 αὐτῶν (7)  
 Jd. 7. 8. **A** τῶν δὲ τριακοσίων ἀνδρῶν ἐκράτη-  
 σεν [B al.] (6 c)  
 — 20. ἐκράτησαν ... τὰς λαμπάδας [A al.] (6 c)  
 8. 12. ἐκράτησε τοὺς δύο βασιλεῖς M. (9)  
 16. 21. ἐκράτησαν αὐτὸν [A ἐπελάβοντο αὐτοῦ]  
 οἱ ἀλλόφυλοι (2 a)  
 — 26. τὸν νεανίαν τὸν κρατοῦντα τὴν χεῖρα  
 αὐτοῦ [A al.] (6 c)  
 — 29. ἐκράτησαν ἕνα τὴν δεξιὰ αὐτοῦ [A al.] -  
 19. 29. ἐκράτησε τὴν παλλακὴν αὐτοῦ [A al.] (6 c)  
 20. 6. ἐκράτησα τὴν παλλακὴν μου [A al.] (2 a)  
 Ru. 3. 15. καὶ ἐκράτησεν αὐτό (2 a)  
 I Ki. 15. 27. ἐκράτησε Σαουλ τοῦ περγονίου (6 c)  
 17. 35. ἐκράτησα τὸν [A τὸν] φάργγον αὐτοῦ (6 c)  
 II Ki. 1. 11. ἐκράτησε Δ. τῶν ἱματίων [A τὰ ἱ.]  
 αὐτοῦ (6 c)  
 2. 16. ἐκράτησαν ἕκαστος ... τὴν κεφαλὴν τοῦ  
 πλησίον αὐτοῦ (6 c)  
 3. 6. **A** <sup>2</sup> **B** <sup>3</sup> **A** <sup>2</sup> **B** ἦν κρατὼν τοῦ οἴκου Σαουλ (6 c)  
 — 29. μὴ ἐκλείποι ... κρατῶν σκευῶν [A -η] (6 c)  
 6. 6. καὶ ἐκράτησεν αὐτήν (2 a)  
 20. 9. ἐκράτησεν ἡ χεὶρ ἡ δεξιὰ ... τοῦ πά-  
 γωνος Αμ. (2 a)

III Ki. 21 (20). 23. **B**<sup>2</sup> ἐκράτησεν [A B<sup>1</sup> -ταίω-  
 σεν] ὑπὲρ ἡμᾶς (6 a)  
 IV Ki. 4. 8. ἐκράτησεν αὐτὸν φαγεῖν ἄρτον (6 c)  
 11. 12. **A B** ἐκράτησεν [B ἐκράτησεν] τὴν χεῖρ<sup>†</sup>  
 12. 5 (6). κρατήσουσι [A -ωσιν] τὸ βεδέκ τοῦ  
 οἴκου (6 b)  
 I Ch. 19. 12. ἐὰν κρατήσῃ [A -σει] ὑπὲρ ἐμέ  
 Σούρος (6 a)  
 — 12. ἐὰν οἱ υἱοὶ 'A. κρατήσωσι ὑπὲρ σέ (6 a)  
 II Ch. 25. 5. κρατοῦντας δόρυ καὶ θυρεὸν (2 a)  
 I Es. 4. 38. καὶ κρατεῖ εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος  
 — 50. **A R** πᾶσαν τὴν χώραν ἢν κρατοῦσιν [B  
 -ήσουσιν] (6 b)  
 Ne. 3. 6. τὴν πύλιν ... ἐκράτησαν (6 c)  
 — 7. **R** ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν ἐκράτησαν (6 c)  
 — 8. **A S B** ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν [B -αν] (6 c)  
 — 9. 10. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησε (6 c)  
 — 10. ἐπὶ χεῖρα [S<sup>1</sup> -ας] αὐ. ἐκράτησεν (6 c)  
 — 11. καὶ δεύτερος ἐκράτησε M. (6 c)  
 — 12. ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ ἐκράτησε (6 c)  
 — 13. τὴν πύλιν τῆς φάραγγος ἐκράτησαν (6 c)  
 — 14. τὴν πύλιν τῆς κοπρίας ἐκράτησε (6 c)  
 — 16. ὅπισω αὐτοῦ ἐκράτησε Νεεμ. (6 c)  
 — 17. ὅπισω αὐτοῦ ἐκράτησαν οἱ Λευῖται (6 c)  
 — 17. ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ ἐκράτησεν (6 c)  
 — 18. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν ἀδελφοὶ αὐτῶν (6 c)  
 — 19. ἐκράτησεν ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ (6 b)  
 — 20. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βαρούχ (6 c)  
 — 21. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεραιώθ (6 c)  
 — 22. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν οἱ ἱερεῖς (6 c)  
 — 23. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βεν. (6 c)  
 — 23. μετ' αὐτὸν ἐκράτησεν 'Αζ. (6 c)  
 — 24. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βανί (6 c)  
 — 27. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν οἱ Θ. (6 c)  
 — 28. ἐκράτησαν οἱ ἱερεῖς (6 c)  
 — 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε [B<sup>1</sup> om.] Σαδδούκ (6 c)  
 — 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Σαμιαί (6 c)  
 — 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησεν 'Ανανία (6 c)  
 — 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεσ. (6 c)  
 — 31. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μελ. (6 c)  
 — 32. ἐκράτησαν οἱ χαλκεῖς (6 c)  
 4. 17 (11). ἐν μᾶ ἐκράτει τὴν βολίδα (6 c)  
 — 21 (15). κρατοῦντες [S οἱ κρ.] τὰς λόγχας (6 c)  
 5. 16. ἐν ἔργῳ τοῦ τεύχεος τούτων οὐκ ἐκράτησα (6 c)  
 To. 6. 3. ἐκράτησε τὸν ἰχθύν [S τοῦ ἱ.] τὸ παιδάριον  
 Ju. 1. 14. ἐκράτησε τὸν πύργον  
 5. 18. αἱ πόλεις αὐτῶν ἐκράτηθησαν  
 15. 7. ἐκράτησαν πολλὸν λαφύρων  
 Es. 1. 1. ἐκατὸν εἴκοσι ἐπὶ τὰ χωρὶν ἐκράτησεν (10)  
 4. 17. βασιλεὺς πάντων κρατῶν [S<sup>2</sup> παντοκράτωρ]  
 Jb. 9. 19. **A S** ὅτι μὲν γὰρ ἰσχύϊ κρατεῖ [B ἰσχύει  
 κρατεῖ?] (4 b)  
 26. 9. **A B S**<sup>2</sup> ὁ κρατὼς πρόσωπον θρόνου (2 b)  
 36. 19. **S**<sup>1</sup> πάντας τοὺς κρατοῦντας [A B S<sup>2</sup>  
 -ταιούντας] ἰσχύϊ (4 c)  
 Ps. 55 (56). τίς. ὅποτε ἐκράτησαν αὐτὸν οἱ ἀλλό-  
 φυλοι ἐν Γέθ (2 a)  
 72 (73). 6. ἐκράτησεν αὐτοὺς ἡ ὑπερηφανία (13)  
 — 23. ἐκράτησεν τῆς χειρὸς τῆς δεξιᾶς μου (2 a)  
 136 (137). 9. μακάριος ὁς κρατήσει (2 a)  
 (9) Pr. 8. 16. τυράννοι δι' ἐμοῦ κρατοῦσι γῆς (16 f)  
 12. 24. χεὶρ ἐκλεκτῶν κρατήσει εὐχερῶς [A ἐχ-  
 θρῶν] (11)  
 14. 18. οἱ δὲ πανούργοι κρατήσουσιν αἰσθήσεως (8)  
 16. 32. οἱ δὲ κρατῶν ὀργῆς (11)  
 17. 2. κρατήσει δεσποτῶν [S<sup>1</sup> -ην] ἀφρόνων (11)  
 18. 21. οἱ δὲ κρατοῦντες αὐτῆς ἔδονται (1)  
 24. 27 (30. 4). **B S** τίς ἐκράτησε τῶν [A B  
 πάντων τῶν] ἄκρων τῆς γῆς (15)  
 26. 17. ὥσπερ ὁ κρατὼς κερκὺς κυνός (6 c)  
 28. 22. οὐκ οἶδεν τίς ἐλέημων κρατήσει αὐτοῦ (5)  
 Ec. 2. 3. τοῦ κρατήσαι [S<sup>2</sup> κρατεῖν] ἐπ' εὐφρο-  
 σύνῃ (2 a)  
 9. 12. **S**<sup>2</sup> οὕτως κρατηθήσονται -  
 Ca. 3. 4. ἐκράτησα αὐτὸν (2 a)  
 7. 8 (9). κρατήσω τῶν υἱέων αὐτοῦ (2 a)  
 Wi. 3. 8. κρατήσουσι λαὸν  
 6. 2. ἐνωτίσασθε, οἱ κρατοῦντες πλήθους  
 10. 2. ἔδωκε τὴν αὐτῶν ἰσχύϊν κρατῆσαι ἀπάντων [S<sup>2</sup>  
 ἀπὸ πάντων]  
 14. 19. οἱ μὲν γὰρ τάχα κρατοῦντι βουλόμενος ἀρέσαι  
 Si. 1. 19. δόξαν κρατοῦντων αὐτῆς [S -ην] ἀνύψωσε  
 4. 13. ὁ κρατὼς αὐτῆς κληρονομήσει δόξαν  
 10. 13. ὁ κρατὼς αὐτῆς ἐξομνήσκει βδέλυγμα  
 21. 14. πᾶσαν γνῶσιν οὐ κρατήσει  
 25. 11. ὁ κρατὼς αὐτοῦ τίμιν ὁμοιωθήσεται

Si. 26. 7. ὁ κρατὼς αὐτῆς ὡς ὁ δραστήσιμος σκορπίου  
 27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδῆν  
 28. 22. οὐ μὴ κρατήσῃ [B -σει] εὐσεβῶν  
 38. 25. τί σοφισθῆσεται [A τίς ὀφθῆσεται] ὁ κρατὼς  
 ἀρότρου  
 Am. 2. 14. **A**<sup>2</sup> **B** οὐ μὴ κρατήσῃ τῆς ἰσχύος αὐτοῦ (4 a)  
 Na. 2. 1 (2). σκόπευσον ὁδὸν κρατήσον ὁσφύος (6 b)  
 Hb. 1. 10. βαλεῖ χῶμα καὶ κρατήσει αὐτοῦ (6)  
 Is. 32. 17. κρατήσει ἡ δικαιοσύνη ἀνάπαντι (12 f)  
 41. 13. ἐγὼ ὁ θεὸς ὁ κρατὼς τῆς δεξιᾶς σου (6 c)  
 42. 6. κρατήσω τῆς χειρὸς σου (6 c)  
 45. 1. οὐ [S<sup>1</sup> οὐκ] ἐκράτησα [A -as] τῆς δεξιᾶς (6 c)  
 Je. 6. 23. τόξον καὶ ζιζυῖον κρατήσουσιν (6 c)  
 20. 7. ἐκράτησας καὶ ἡδυνάσθης [S al.] (6 a)  
 Ba. 4. 1. πάντες οἱ κρατοῦντες αὐτῇ [A -ῆς]  
 Ez. 7. 13. ἄνθρωπος ἐν ὀφθαλμῷ ζωῆς αὐτοῦ οὐ  
 κρατήσει (6 d)  
 21. 11 (16). ἔδωκεν αὐτὴν ἐτόιμν τοῦ κρ. χεῖρα  
 αὐτοῦ (17)  
 22. 14. εἰ κρατήσουσιν αἱ χεῖρές σου (6 a)  
 Da. LXX. 4. 29. κρατήσει τῆς δόξης σου -  
 — 34 (33). ἐν τῷ λαῷ μου ἐκράτησα (18 f)  
 11. 43. κρατήσει τοῦ τόπου τοῦ χρυσοῦ (11)  
 Da. TH. 5. 12. καὶ ἀναγγέλλων κρατούμενα (3)  
 10. 8. οὐκ ἐκράτησα ἰσχύος (14)  
 11. 2. μετὰ τὸ κρατῆσαι αὐτὸν τοῦ πλοῦτου  
 αὐτοῦ (6 c)  
 — 6. οὐ κρατήσει ἰσχύος βραχίονος (14)  
 Bel 19. ἐκράτησε τὸν βασιλεῖα  
 I Ma. 1. 2. καὶ ἐκράτησεν ὀχυρωμάτων  
 2. 10. καὶ οὐκ ἐκράτησε τῶν σκυλῶν αὐτῆς  
 10. 52. καὶ ἐκράτησα [S<sup>1</sup> -ας] τῆς ἀρχῆς  
 11. 49. **S**<sup>1</sup> ἐκράτησαν [A B ἐκέκραξαν, S<sup>2</sup> ἐκραξαν]  
 πρὸς τὸν βασι.  
 14. 6. ἐκράτησε τῆς χώρας  
 15. 7. τὰ ὀχυρώματα ... ὧν κρατεῖς  
 — 9. **S R** ὡς [S<sup>1</sup> ὧν] δ' ἂν κρατήσωμεν [A κατα-  
 στήσωμεν] τῆς βασιλείας ἡμῶν  
 — 33. οὐτε ἀλλοτρίων κεκρατήκαμεν  
 II Ma. 4. 10. καὶ τῆς ἀρχῆς κρατῆσαι  
 — 27. ὁ δὲ Μεν. τῆς μὲν ἀρχῆς ἐκράτει  
 — 50. διὰ τὰς τῶν κρατοῦντων πλεονεξίας  
 5. 7. τῆς μὲν ἀρχῆς οὐκ ἐκράτησε  
 14. 2. κεκρατηκέναι τῆς χώρας  
 15. 37. κρατηθείσης τῆς πόλεως ὑπὸ τῶν 'Εβρ.  
 III Ma. 1. 1. τῶν ὑπ' αὐτοῦ κρατουμένων τόπων  
 5. 27. κατὰ πάντα ἀγνωσίᾳ κεκρατημένους  
 6. 25. **B** τίς τοὺς κρατήσαντας [A τοῦ κρ.] ἡμῶν  
 ... ἀποστήσας  
 IV Ma. 1. 5. εἰ τῶν παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ  
 — 6. οὐ γὰρ τῶν ἱκανῶν παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ  
 2. 6. τῶν ἐπιθυμιῶν κρατεῖν δύναται ὁ λογισμὸς  
 — 9. ὑπὸ τοῦ νόμου κρατεῖται διὰ τὸν λογισμὸν  
 — 9. τῶν παθῶν ἐστὶν ὁ λογισμὸς κρατῶν  
 — 10. ὁ γὰρ νόμος καὶ τῆς πρὸς γυνεῖς εὐνοίας  
 κρατεῖ  
 — 15. **A S** τῶν βιαιοτέρων δὲ παθῶν κρατεῖν [B  
 ἐπικρ.]  
 — 20. εἰ μὴ γὰρ ἐδύνατο τῶν θυμῶν ὁ λογισμὸς  
 κρατεῖν  
 — 24. **A R** πῶς οὖν ... εἰ τῶν παθῶν ὁ λογισμὸς  
 κρατεῖ λήθης καὶ ἀγνοίας οὐ κρατεῖ [S om.  
 κρατεῖ ... κρ.]  
 3. 1. ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν [S<sup>2</sup> κρ.] φαίνεται  
 5. 23. ὥστε πασῶν τῶν ἡδονῶν ... κρατεῖν  
 6. 32. εἰ γὰρ τὰ πάθη τοῦ λογισμοῦ κεκρατήκει  
 — 35. **A R** τῶν ἀληθινῶν ἐπιδεδεικνύμεν κεκρατηκέναι  
 [S κρατεῖν] τὸν λογισμὸν ἀλλὰ καὶ τῶν  
 ἡδονῶν κρατεῖν  
 7. 18. δύναται κρατεῖν τῶν τῆς σαρκὸς παθῶν  
 14. 1. τῆς ... φιλαδελφίας παθῶν κρατῆσαι  
 15. 26. δύο ψήφους κρατοῦσα μήτηρ  
 16. 2. **S** οὐ μόνον τῶν παθῶν ἄνδρες ἐκράτησαν  
 [A B ἐπεκρ.]  
 [Aq. Ps. 55 (56). 1: Ca. 7. 8 (9): Je. 8. 21:  
 46 (26). 9.]  
 [Sm. Ge. 22. 13: 49. 3: II Ki. 5. 8: Ec. 9.  
 11: Is. 33. 23: Je. 8. 21: 46 (26). 9: 52. 6:  
 Ez. 26. 17.]  
 [Th. Jb. 23. 11: Ps. 76 (77). 5: Da. 5. 12 f:  
 11. 2, 6.]  
 [Al. Dt. 32. 41: Pr. 31. 19.]  
 [Quint. Ps. 55 (56). 1.]  
**κρατερός.**  
 [Sm. Ps. 48 (49). 15.]



**κρατήρ.** (1) 𐤒𐤍𐤕 (2) 𐤒𐤍𐤕𐤔  
 Ex. 24. 6. ἐνέχεον εἰς κρατήρας [A -ra] (1)  
 25. 30 (31). οἱ κρ. . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (2)  
 — 32 (33). τρεῖς κρατήρες ἐκτετυπωμένοι κα-  
 ρυῖσκους (2)  
 — 33 (34). τέσσαρες κρατήρες ἐκτετυπωμένοι  
 καρυῖσκους (2)  
 — 34 (35). τέσσαρες κρατήρες ἐκτετυπωμένοι  
 καρυῖσκους —  
 Pr. 9. 2. ἐκέραιον εἰς κρατήρα τὸν ἐαυτῆς οἶνον —  
 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος  
 ἐπὶ κρατήρα +  
 Ca. 7. 2 (3). ὀμφαλὸς σου κρατήρ τορευτός (1)  
 [Sm. Is. 51. 17, 22 : J.E. 18. 12 : 48 (31). 12.]  
**κράτης.**  
 Wi. 6. 3. ἐδόθη παρὰ τοῦ κυρίου ἡ κρ. ὑμῖν  
**κράτιστος, uid. κρείσσω.**  
**κράτος.** (1) 𐤒𐤍𐤕 (2) 𐤒𐤍𐤕 (3) 𐤒𐤍𐤕  
 (4) a. 𐤒𐤍𐤕 hi. δ. 𐤒𐤍𐤕 (5) a. 𐤒𐤍𐤕  
 δ. 𐤒𐤍𐤕 (6) 𐤒𐤍𐤕 (7) a. 𐤒𐤍𐤕 δ. 𐤒𐤍𐤕  
 (8) 𐤒𐤍𐤕 (9) 𐤒𐤍𐤕  
 Ge. 49. 24. συνετρίβη μετὰ κράτους τὰ τόξα  
 αὐτῶν (1)  
 De. 8. 17. καὶ τὸ κρ. τῆς χειρὸς μου (7 δ)  
 Jd. 4. 3. ἔβληψεν τὸν Ἰσρ. κατὰ κράτος (4 δ)  
 II Es. 8. 22. καὶ κράτος αὐτοῦ καὶ θυμὸς αὐτοῦ (6)  
 Ju. 2. 12. καὶ τὸ κρ. τῆς βασιλείας μου  
 5. 3. ἐν τίνι τὸ κρ. αὐτῶν  
 — 23. ἐν ᾧ οὐκ ἔστι δύναμις οὐδὲ κράτος  
 6. 3. ἀποστείλει τὸ κρ. αὐτοῦ  
 — 3. οὐχ ὑποστήσονται τὸ κρ. τῶν ἱσταν ἡμῶν  
 9. 8. κάταξον τὸ κρ. αὐτῶν  
 — 9. δὸς . . . δ διανοήσῃ κράτος  
 — 11. οὐ γὰρ ἐν πληθεί τὸ κρ.  
 — 14. θεὸς πάσης δυνάμεως καὶ κράτους  
 11. 7. καὶ 𐤒𐤍𐤕 τὸ κρ. αὐτοῦ  
 — 22. τοῦ γεννηθῆναι ἐν χειρὶν ἡμῶν κράτος  
 13. 11. καὶ κράτος κατὰ τῶν ἐχθρῶν  
 Jb. 9. 19. οἷ μὲν γὰρ ἰσχύει κράτει [? -ει, A B  
 ἰσχύι κρατεῖ] (2)  
 12. 16. παρ' αὐτῶν κράτος καὶ ἰσχύς (6)  
 21. 23. ἐν κράτει ἀπλοσύνης [A B<sup>4</sup> ἀφροσύνης]  
 αὐτοῦ (7 α)  
 Ps. 58 (59). 9. τὸ κρ. μου πρὸς σὲ φυλάξω (6)  
 61 (62). 11. τὸ κρ. τοῦ θεοῦ (6)  
 75 (76). 3. ἐκεῖ συνέτριψε τὰ κρ. τῶν τόξων  
 85 (86). 16. δὸς τὸ κρ. σου τῷ παιδί σου (6)  
 88 (89). 9. σὺ δεσπόεις τοῦ κρ. τῆς θαλάσσης (6)  
 89 (90). 11. τίς γινώσκει τὸ κρ. τῆς ὀργῆς σου (8)  
 Pr. 27. 24. οὐ τὸν αἰῶνα ἀνδρὶ κράτος (5 α)  
 Wi. 11. 21. κράτει βραχίονός σου τίς ἀντιστήσεται  
 12. 17. B<sup>4</sup> ἐν τοῖς εἰδοῖσι σου τὸ κρ. [A B S<sup>1</sup> al.]  
 15. 2. εἰδότες σου τὸ κρ. [B<sup>1</sup> κρίμα]  
 — 3. εἰδέναι σου τὸ κρ. ρίζα ἀθανασίας  
 Si. 18. 5. κράτος μεγαλωσύνης αὐτοῦ τίς ἐξαριθμή-  
 σεται  
 29. 13. ὑπὲρ ἀσπίδα κράτους . . . πολεμίσῃ ὑπὲρ  
 σοῦ  
 47. 5. ἔδωκεν ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ κράτος  
 Is. 22. 21. τὸν στέφανόν σου ὥσω αὐτῷ κατὰ  
 [A B καὶ τὸ] κρ. +  
 40. 26. ἐν κράτει ἰσχύος αὐτοῦ οὐδὲν σε ἔλαβε (2)  
 Da. LXX. 4. 27. ἐν ἰσχύι κράτους μου (6 δ)  
 Da. TH. 4. 27. ἐν τῷ κρ. τῆς ἰσχύος μου (6)  
 11. 1. ἔστην εἰς κράτος καὶ ἰσχύς (4 α)  
 II Ma. 8. 34. τὸ μεγαλύνειν τοῦ θεοῦ κράτος  
 7. 17. θεωρεῖν τὸ μεγαλύνειν αὐτοῦ κράτος  
 9. 17. καταγγέλλοιτα τὸ τοῦ θεοῦ κρ.  
 11. 4. οὐδαμῶς ἐπιλογίζομενος τὸ τοῦ θεοῦ κρ.  
 12. 28. B τὸν μετὰ κράτους συντρίβοντα τὰς . . .  
 ἀλκὰς [A ὁλκὰς]  
 III Ma. 1. 27. τὸν πᾶν κρ. ἔχοντα  
 2. 6. ἐγνώρισας τὸ μέγα σου κρ.  
 3. 11. οὐ καθορῶν τὸ τοῦ μεγίστου θεοῦ κρ.  
 5. 13. δείξει . . . κράτος ἔθνεσιν ὑπερηφάνους  
 6. 5. ἐκθλῶν δεικνύς . . . τὸ σὸν κρ.  
 IV Ma. 6. 34. τὸ κρ. εἶναι τοῦ λογισμοῦ  
 [Aq. G.E. 49. 3 : II Ki. 6. 14 : Ps. 8. 3 : 27 (28).  
 7 : 28 (29). 1, 11 : 60 (61). 4 : 61 (62). 8 :  
 77 (78). 61 : 98 (99). 4 : 150. 1 : Pr. 18. 10,  
 19 : Is. 26. 1 : 51. 9.]

[Sm. Ps. 8. 3 : 29 (30). 8 : Pr. 8. 14 : 24. 5 : Is.  
 8. 11 : 40. 26, 29 : 42. 25 : 51. 9 : Ez. 34. 4.]  
 [Th. Jb. 21. 23 : Pr. 10. 15 : 18. 10 : Is. 28. 6 :  
 40. 26 : 42. 25 : 51. 9.]  
 [A1. G.E. 49. 3 : Ps. 181 (182). 8 : 189 (140). 8 :  
 Ez. 34. 4.]  
**κρατύνειν.**  
 Wi. 14. 16. ἐν χρόνῳ κρατύνειν τὸ ἀσπερὶς ἔθος [B<sup>1</sup>  
 ἔθνος]  
 [Sm. Ps. 26 (27). 14 : 80 (81). 25 : 68 (64). 6 :  
 Is. 85. 3.]  
 [Th. Ez. 27. 27.]  
 [Quint. Ps. 27 (28). 7.]  
**κραυάξιν.** (2).  
 To. 2. 13. A ἤρξαστο κρ. [B S κράξιν]  
**κραυγάξιν.** (1) 𐤒𐤍𐤕 hi.  
 II Es. 8. 13. ὁ λαὸς ἐκραύγασε φωνῇ μεγάλῃ (1)  
 [Sm. Jb. 19. 7.]  
**κραυγή (κραυή).** (1) 𐤒𐤍𐤕 (2) 𐤒𐤍𐤕  
 (3) a. 𐤒𐤍𐤕 δ. 𐤒𐤍𐤕 (4) 𐤒𐤍𐤕 (5) 𐤒𐤍𐤕  
 (6) 𐤒𐤍𐤕 (7) 𐤒𐤍𐤕 (8) 𐤒𐤍𐤕 (9) 𐤒𐤍𐤕  
 (10) 𐤒𐤍𐤕 (11) a. 𐤒𐤍𐤕 pi. δ. 𐤒𐤍𐤕  
 (12) 𐤒𐤍𐤕  
 Ge. 18. 20. κραυγὴ Σοδόμων . . . πεπλήθυνται (8 δ)  
 — 21. εἰ κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν . . . συντελούνται (6)  
 19. 13. ὑψώθη ἡ κρ. αὐτῶν (6)  
 Ex. 8. 8 (7). τῆς κρ. αὐτῶν ἀκήκοα (6)  
 — 9. κραυγὴ τῶν υἱῶν Ἰσρ. ἤκει πρὸς μέ (6)  
 11. 6. ἔσται κραυγὴ μεγάλη (6)  
 12. 30. ἐγενήθη κραυγὴ μεγάλη (6)  
 I Ki. 4. 6. ἤκουσαν οἱ ἀλλόφυλοι [A add. τὴν  
 φωνὴν] τῆς κρ. (12)  
 — 6. τίς ἡ κρ. [A add. τοῦ ἀλαλαγμοῦ] ἡ  
 μεγάλη αὕτη (12)  
 5. 12. ἀνέβη ἡ κρ. τῆς πόλεως εἰς τὸν οὐ-  
 ρανόν (11 δ)  
 II Ki. 6. 15. μετὰ κραυγῆς καὶ μετὰ φωνῆς σάλ-  
 πιγγος (12)  
 22. 7. καὶ ἡ κρ. μου ἐν τοῖς ὤσιν αὐτοῦ (11 δ)  
 III Ki. 12. 24. B ἐξήλθεν ἡ κρ. εἰς ἀπαντὴν —  
 I Es. 5. 63. μετὰ κραυγῆς καὶ κλαυθμοῦ μεγάλου  
 Ne. 5. 1. ἦν κραυγὴ τοῦ λαοῦ . . . μεγάλη (6)  
 — 6. καθὼς ἤκουσα τὴν κρ. αὐτῶν (8 δ)  
 9. 9. καὶ τὴν κρ. αὐτῶν ἤκουσας (8 δ)  
 Ju. 14. 19. καὶ ἐγένετο αὐτῶν κραυγὴ (1)  
 Es. 4. 3. κραυγὴ καὶ τοπότης (1)  
 Jb. 16. 19. μὴ δὲ εἴη τοπότης τῆς κρ. [A τῆς κρ.]  
 μου (4 ?)  
 84. 28. τοῦ ἐπαγαγεῖν ἐπ' αὐτὸν κραυγὴν πενή-  
 των [A -ος] καὶ κραυγὴν πτωχῶν  
 εἰσακουστέας (6, 8)  
 39. 25. σὺν ὀνόματι καὶ κραυγῇ [B<sup>1</sup> al.] (12)  
 Ps. 5. 1. σῦνέ τῆς κρ. [A τῆς κρ.] μου (2)  
 9. 12. B οὐκ ἐπελάθετο τῆς κρ. [A φωνῆς,  
 B δεήσεως] τῶν πενήτων (6)  
 17 (18). 6. ἡ κρ. μου ἐνώπιόν αὐτοῦ εἰσελεύ-  
 σεται (11 δ)  
 101 (102). 1. ἡ κρ. μου πρὸς σὲ ἐλθάτω (11 δ)  
 143 (144). 14. οὐδὲ κραυγὴ ἐν ταῖς ἐπαύλεισι  
 [B<sup>4</sup> πλατείαις] αὐτῶν (5)  
 Ec. 9. 17. ὑπὲρ κραυγὴν ἐξουσιαζόντων (8 δ)  
 Am. 1. 14. καταφάγεται . . . μετὰ κραυγῆς (12)  
 2. 2. ἀποδανείναι . . . μετὰ κραυγῆς (10)  
 Jn. 1. 2. ἀνέβη ἡ κρ. τῆς κακίας αὐτῆς πρὸς μέ  
 2. 3. εἰσῆκουσέ μου . . . κραυγῆς μου (11 α)  
 Ze. 1. 10. φωνὴ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκεκοιμῶ-  
 των  
 — 16. ἡμέρα σάλπιγγος καὶ κραυγῆς (12)  
 Is. 5. 7. οὐ δικαιοσύνην ἀλλὰ κραυγὴν (6)  
 29. 6. A ἐπισκοπὴ γὰρ ἔσται μετὰ κραυγῆς  
 [B S βροντῆς] (9)  
 30. 19. τὴν φωνὴν τῆς κρ. σου ἤνικα εἶδεν (8 α)  
 58. 4. ἀκουσθήναι ἐν κραυγῇ τὴν φωνὴν ὑμῶν (4 ?)  
 65. 19. φωνὴ κλυθίων καὶ φωνὴ κραυγῆς (8 δ)  
 66. 6. A B S<sup>1</sup> φωνὴ κραυγῆς ἐκ πόλεως (10)  
 4. 19. κραυγὴν πολέμου καὶ ταλαιπωρίαν (12)  
 Je. 8. 19. ἰδοὺ φωνὴ κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (11 δ)  
 14. 2. ἡ κρ. τῆς Ἱερουσαλὴμ ἀνέβη (6)  
 18. 22. γρηθῶν κρ. ἐν ταῖς οἰκίαις αὐτῶν (8 δ)  
 20. 16. ἀκουσάτω κραυγῆς τὸ πρῶν (8 δ)  
 26 (46). 12. τῆς κρ. σου ἐπλήσθη ἡ γῆ (5)

Je. 27 (50). 46. κρ. ἐν ἔθνεσιν ἀκουσθήσεται (8 δ)  
 28 (51). 54. φωνὴ κραυγῆς ἐν Βαβυλῶνι (8 δ)  
 29 (49). 21. κρ. θαλάσσης οὐκ [A κρ. συν ἐν  
 θαλάσῃ] ἠκούσθη (6)  
 31 (48). 5. κραυγὴν συντρίμματος ἠκούσατε  
 [B -σα] (6)  
 — 34. αἶθε ἀπὸ [B<sup>1</sup> ἐπὶ] κραυγῆς Ἑσ. ἔως Αλ-  
 τὰμ (8 δ)  
 32 (25). 36. φωνὴ κραυγῆς τῶν ποιμένων (6)  
 38 (31). 35. ὁ δούς . . . κραυγὴν ἐν θαλάσῃ (8)  
 Ez. 21. 22 (27). ὑψώσαι φωνὴν μετὰ κραυγῆς (12)  
 27. 28. πρὸς τὴν κρ. τῆς φωνῆς [A π. τ. φωνῆν  
 τῆς κρ.] σου (7 [3 δ])  
 — 30. A ἀλλάζονται ἐπὶ σὲ τὴν κρ. αὐτῶν [B al.] (7)  
 Da. TH. Su. 26. ὥς δὲ ἤκουσαν τὴν κρ. ἐν τῷ παρα-  
 δέσῃ  
 I Ma. 5. 31. A B ἡ κρ. τῆς πόλεως ἀνέβη . . . σάλ-  
 πιγγι καὶ κρ. [B φωνῇ] μεγάλῃ  
 II Ma. 12. 37. καταρξάμενος . . . τὴν μεθ' ὅμων κρ.  
 15. 29. γενομένης δὲ κρ. καὶ ταραχῆς  
 III Ma. 1. 16. κραυγῆς τε . . . τὸ ἱερὸν ἐμπλησάντων  
 — 28. ἐκ δὲ τῆς . . . τῶν ὄχλων συναγομένης κρ.  
 6. 23. ἀκούσας γὰρ τῆς κρ.  
 [Aq. Is. 15. 5, 8.]  
 [Sm. Ec. 9. 17 : Is. 15. 8 : J.E. 48 (31). 34.]  
 [Th. Is. 15. 8 : 32. 4.]  
**κρεάγρα.** (1) 𐤒𐤍𐤕 (2) a. 𐤒𐤍𐤕 δ. 𐤒𐤍𐤕  
 (3) 𐤒𐤍𐤕  
 Ex. 27. 3. τὰς κρ. αὐτοῦ . . . ποιήσεις χαλκᾷ (2 α)  
 38. 23 (3). ἐποίησε . . . τὰς κρ. χαλκᾷς (2 α)  
 Nu. 4. 14. τὰ πυρεῖα καὶ τὰς κρ. (2 α)  
 I Ki. 2. 13. καὶ κρεάγρα τριόδους ἐν τῇ χειρὶ  
 αὐτοῦ (2 δ)  
 — 14. δ ἐὰν ἀνέβη ἐν τῇ κρ. (2 δ)  
 I Ch. 28. 17. καὶ τῶν κρ. καὶ σπονδίων (2 α)  
 II Ch. 4. 11. ἐποίησε X. τὰς κρ. (3)  
 — 16. τοὺς λείβητας καὶ τὰς κρ. (2 α)  
 Je. 52. 18. τὰς κρ. καὶ πάντα τὰ σκεύη τὰ χαλκᾷ (1 ?)  
**κρεανομεῖν.** (1) 𐤒𐤍𐤕 pi.  
 Le. 8. 19. τὸν κρινὸν ἐκρεανόμενος κατὰ μέλη (1)  
**κρέας.** (1) 𐤒𐤍𐤕  
 Ge. 9. 4. κρέας ἐν αἵματι ψυχῆς οὐ φάγεσθε (1)  
 Ex. 12. 8. φάγονται τὰ κρ. . . ὅπτα πυρὶ (1)  
 — 46. A οὐ καταλείψετε ἀπὸ τῶν κρ.  
 — 46. οὐκ ἐξοίσετε . . . τῶν κρ. ἔξω (1)  
 — 16. 3. ἐπὶ τῶν λείβητων τῶν κρ.  
 — 8. ἐσπέρας κρέα φαγεῖν (1)  
 — 12. τὸ πρὸς ἐσπέραν ἔδεσθε κρέα  
 21. 28. οὐ βρωθήσεται τὸ κρ. αὐτοῦ (1)  
 22. 31 (30). κρέας θηριῶντων οὐκ ἔδεσθε (1)  
 29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσετε (1)  
 — 31. ἐφύσεται τὰ κρ. ἐν τῷσφ ἀγίῳ (1)  
 — 32. ἔδονται . . . τὰ κρ. τοῦ κριοῦ (1)  
 — 34. ἐὰν δὲ καταλείβῃ ἀπὸ τῶν κρ. (1)  
 Le. 6. 27 (20). πᾶς ὁ ἀπτόμενος τῶν κρ. αὐτῆς (1)  
 7. 5 (15). τὰ κρ. θυσίας αἰνέσεις σωτηρίου (1)  
 — 7 (17). τὸ καταλείβειν ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας  
 — 8 (18). ἐὰν δὲ φαγὼν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. (1)  
 — 9 (19). κρέα ὅσα ἐὰν ἀφῇται παντὸς ἀκα-  
 θάρτου (1)  
 — 9 (19). πᾶς καθαρὸς φάγεται κρέα (1)  
 — 10 (20). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυ-  
 σίας (1)  
 — 11 (21). καὶ φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας (1)  
 8. 17. A καὶ τὰ κρ. αὐτοῦ —  
 — 17. καὶ τὰ κρ. αὐτοῦ (1)  
 — 31. ἐφύσεται τὰ κρ. ἐν τῇ αὐτῇ τῆς σκηνῆς  
 — 32. τὸ καταλείβειν τῶν κρ. (1)  
 9. 11. τὰ κρ. καὶ τὴν βύρσαν (1)  
 11. 8. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐ φάγεσθε (1)  
 — 11. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐ ἔδεσθε (1)  
 16. 27. καὶ τὰ δέρματα αὐτῶν καὶ τὰ κρ. αὐτῶν +  
 22. 30. οὐκ ἀπολείψετε ἀπὸ τῶν κρ. εἰς τὸ πρῶν  
 Nu. 11. 4. τίς ἡμᾶς ψωμίει κρέα [B<sup>1</sup> κρέας] (1)  
 — 13. πῶθεν μοι [A om.] κρέα (1)  
 — 13. δὸς ἡμῖν κρέα (1)  
 — 18. καὶ φάγεσθε κρέα (1)  
 — 18. τίς ἡμᾶς ψωμίει κρέα (1)  
 — 18. δώσει κύριος ὑμῖν κρέα φαγεῖν καὶ φά-  
 γεσθε κρέα (1, —)  
 — 20. ἔως ἂν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν μυκτῆρων ὑμῶν  
 [B<sup>1</sup> add. κρέα] —  
 — 21. κρέα [A<sup>2</sup> as] δώσω αὐτοῖς φαγεῖν [A<sup>2</sup> om.] (1)

<p>Να. 11. 33. τὰ κρ. ἔτι ἦν ἐν τοῖς ὁδοῦσιν αὐτῶν (1)</p> <p>18. 18. τὰ κρ. ἔσται σοι (1)</p> <p>19. 5. τὸ δέρμα καὶ τὰ κρ. αὐτῆς (1)</p> <p>De. 12. 15. καὶ φάγη κρέα (1)</p> <p>— 20. φάγομαι κρέα (1)</p> <p>— 20. ὥστε φαγεῖν κρέα (1)</p> <p>— 20. φάγη κρέα (1)</p> <p>— 23. οὐ βρωθήσεται ἡ ψυχὴ μετὰ τῶν κρ. (1)</p> <p>— 27. Ἀ β τὰ κρ. ἀνοίσεις ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (1)</p> <p>— 27. τὰ δὲ κρ. φάγη (1)</p> <p>14. 8. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐ φάγεσθε (1)</p> <p>16. 4. οὐ κοιμηθήσεται ἀπὸ τῶν κρ. (1)</p> <p>28. 53. κρέα υἱῶν σου καὶ θυγατέρων σου (1)</p> <p>32. 42. β ἡ μαχαίρά μου φάγεται [Α καταφ.] κρέα (1)</p> <p>Jd. 6. 19. τὰ κρ. ἔθηκεν ἐν τῷ κοφίνῳ [Α αλ.] (1)</p> <p>— 20. λάβε τὰ κρ. (1)</p> <p>— 21. ἡψάτο τῶν κρ. (1)</p> <p>— 21. κατέφαγε τὰ κρ. (1)</p> <p>I Ki. 2. 13. ὥς ἂν ἡψῇ τὸ κρέας (1)</p> <p>— 15. δὲ κρέας ἀνθήσεται τῇ λερεῖ (1)</p> <p>— 15. Α β οὐ μὴ λάβω παρὰ σοῦ κρ. [Β οτ.] ἐφόδον (1)</p> <p>III Ki. 17. 6. Α ἄρτους καὶ κρέας [Β οτ. κ. κρ.] τὸ πρῶτο καὶ ἄρτον [Β οτ. κ. δ.] καὶ κρέας [Β α] τὸ δεύτερον (1, 1)</p> <p>Jb. 10. 11. δέρμα δὲ καὶ κρέας με ἐνδύσας (1)</p> <p>Ps. 49 (50). 13. μὴ φάγομαι κρέα ταύρων (1)</p> <p>Pr. 28. 20. συμβολαῖς χρυσῶν τε ἀγορασμοῖς (1)</p> <p>Ho. 8. 13. εἰς θυσιῶν θυσιᾶν καὶ φάγουσι κρέα (1)</p> <p>Mi. 3. 3. ἐμέλισαν . . . ὥς κρέα εἰς χυτῶν (1)</p> <p>Hg. 2. 13 (12). εἰς λάβη ἀνθρώπου κρέας ἀγίου [B<sup>1</sup> ἄγιον] (1)</p> <p>Za. 11. 16. καὶ τὰ κρ. τῶν ἐκλεκτῶν καταφάγεται (1)</p> <p>Is. 22. 13. ὥστε φαγεῖν κρέα (1)</p> <p>44. 16. ἐπ' αὐτοῦ κρ. ὀπίσθας ἔφαγε (1)</p> <p>— 19. οὐδέ κρέας κρέα [Α β -ας] ἔφαγε (1)</p> <p>65. 4. οἱ ἔσθοντες κρ. υἱῶν [Α β κρέα υἱῶν] (1)</p> <p>68. 17. ἐσθόντες κρέας [Α β -α] υἱῶν [B<sup>1</sup> -α, B<sup>2</sup> -ων] (1)</p> <p>Je. 7. 21. φάγετε κρέα (1)</p> <p>11. 15. μὴ εὐχαι καὶ κρέα ἀγα ἀφελούσιν (1)</p> <p>37 (80). 16. κρέας αὐτῶν πᾶν ἔδωκαν (1)</p> <p>Ez. 4. 14. Β οὐδὲ εἰσελάλην εἰς τὸ στόμα μου πᾶν κρ. ἔωλον [Α β<sup>1</sup> βίβηλον] (1)</p> <p>11. 3. ἥμεῖς δὲ τὰ κρ. (1)</p> <p>— 7. οὗτοι εἰσι τὰ κρ. (1)</p> <p>— 11. Α οὐ μὴ γένησθε ἐν μέσῳ αὐτῆς εἰς κρέα (1)</p> <p>24. 10. ὅπως ταχῇ [Α ἐκτ.] τὰ κρ. (1)</p> <p>39. 17. φάγεσθε κρέα (1)</p> <p>— 18. κρέα γιγνάντων φάγεσθε (1)</p> <p>Da. LXX. TH. 10. 3. κρέας . . . οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στόμα μου (1)</p> <p>II Ma. 6. 18. ἡγαγκαίετο φαγεῖν υἱῶν κρ. (1)</p> <p>— 21. ἐνέγκαντα κρέα . . . δι' αὐτοῦ παρασκευασθέντα (1)</p> <p>— 21. τῶν ἀπὸ τῆς θυσίας κρ. (1)</p> <p>7. 1. ἀπὸ τῶν ἀδελφῶν υἱῶν κρ. ἐφάπτεσθαι (1)</p> <p>IV Ma. 5. 2. καὶ κρ. υἱῶν . . . ἀπογενέσθαι (1)</p> <p>[Αq. Gz. 41. 2: Dt. 5. 26 (23): III Ki. 17. 6 bis: Jb. 12. 10: 19. 20: Ps. 28 (27). 2: 77 (78). 20.]</p> <p>[Sm. III Ki. 17. 6 bis: Ps. 77 (78). 20: Is. 66. 17.]</p> <p>[Th. III Ki. 17. 6 bis: Pr. 28. 20.]</p> <p><b>κρέισων, κρείττων, κράτιστος.</b> (1) 𐤀𐤓𐤕𐤕𐤕</p> <p>(2) α. 𐤀𐤓𐤕 (3) 𐤀𐤓𐤕𐤕 (4) κρᾶ- τιστος εἶναι 𐤀𐤓𐤕𐤕 (5) κρείττων εἶναι 𐤀𐤓𐤕𐤕</p> <p>Ex. 14. 12. κρέισων γὰρ ἡμᾶς δουλεύειν τοῖς Αἰγ. (2 α)</p> <p>Jd. 8. 2. Β ἡ οὐχὶ κρέισον [Α κρείττω, Β κρείττων] ἐπιφυλλῖς Ἐφρ. (2 α)</p> <p>11. 25. Α μὴ κρέισων ἐς σὺ τοῦ Β. [Β αλ.] (2 α)</p> <p>15. 2. Α οὐκ ἔ. ἡ ἀδελφὴ αὐ. . . κρ. [Β αλ.] (2 α)</p> <p>I Ki. 15. 12. τὰ κράτιστα τοῦ ποιμνίου καὶ τῶν βοῶν (2 β)</p> <p>III Ki. 19. 4. οὐ κρέισων ἐγὼ εἰς ὑπὲρ τοὺς πατέρας μου (2 α)</p> <p>Ju. 7. 27. Α β κρέισον γὰρ ἡμᾶς [Β -ῖν] γενηθήναι αὐτοῖς (2 α)</p> <p>Es. 1. 19. δότω δ βασι. γυναικὶ κρείττειν αὐτῆς (2 α)</p> <p>Ps. 15 (16). 6. σχοινία ἐπέπεσαν [B ἐπέσαν] μοι ἐν τοῖς κράτιστοις καὶ γὰρ ἡ κληρονομία μου κράτιστος μοι ἐστίν (3, 4)</p>	<p>Ps. 22 (23). 5 (6). μεθύσκον ὥς [B<sup>2</sup> με ὥσει] κρά- τιστον (2 α)</p> <p>36 (37). 16. κρέισον ὀλίγον τῷ δικαίῳ (2 α)</p> <p>62 (63). 3. κρέισον τὸ τέλος σου ὑπὲρ ζωᾶς (2 α)</p> <p>83 (84). 10. κρέισον [Α -ον] ἡμέρα μία ἐν ταῖς αὐλαῖς σου (2 α)</p> <p>Pr. 3. 14. κρείττων γὰρ αὐτὴν ἐκτρέφουσθαί (2 α)</p> <p>8. 11. κρέισων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (2 α)</p> <p>— 19. κρέισω [Α κρέισον] ἀργυρίου ἐκλεκ- τοῦ (2 α)</p> <p>12. 3. κρέισον ὁ εὐρὺν χάριν παρὰ κυρίῳ (2 α)</p> <p>— 9. κρέισον ἀνὴρ ἐν ἀταμίᾳ δουλεύων ἐαυτῷ (2 α)</p> <p>13. 12. Α β β κρέισον ἐναρχόμενος [B -οις, ? ἐν ἀρχ.] βοηθῶν [Α β<sup>3</sup> -θεῖν] καρ- δίᾳ (2 α)</p> <p>15. 16. κρέισων μικρὰ μερίς (2 α)</p> <p>— 17. κρέισων ξενισμός . . . πρὸς φίλιν (2 α)</p> <p>— 29 (16. 8). κρέισον ὀλίγη λήψις μετὰ δι- καιουσύνης (2 α)</p> <p>16. 19. κρέισων παυθῆντος [Α πρόβ.] μετὰ ταπεινώσεως (2 α)</p> <p>— 32. κρέισων ἀνὴρ μακρόθυμος ἰσχυροῦ (2 α)</p> <p>— 32. κρέισων καταλαβόμενον πόλιν (2 α)</p> <p>17. 1. κρέισων ψωμὸς μετ' ἡδονῆς ἐν εἰρήνῃ (2 α)</p> <p>19. 22. κρέισων δὲ πτωχὸς δικαίος (2 α)</p> <p>21. 9. κρέισον οἰκεῖν ἐπὶ γυναικὶ ὑπαίθρου (2 α)</p> <p>— 19. κρέισον οἰκεῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (2 α)</p> <p>24. 5. κρέισων σοφὸς ἰσχυροῦ (2 α)</p> <p>25. 7. κρέισον γὰρ σοὶ τὸ ρηθῆναι (2 α)</p> <p>— 24. β β κρέιττων [Α β κρέισον] οἰκεῖν ἐπὶ γυναικὶ θαυμάσιος (2 α)</p> <p>27. 5. κρέισων ἐλεγχὸν ἀποκεκαλυμμένοι κρυπ- τομένης φιλίας (2 α)</p> <p>— 10. κρέισων [Α β -ον] φίλος ἐγγύς ἡ ἀδελ- φός μακρὰν οἰκάν (2 α)</p> <p>28. 6. κρέισων πτωχὸς πορευόμενος ἐν ἀλη- θείᾳ (2 α)</p> <p>29. 1. κρέισον ἀνὴρ ἐλέγχων ἀνδρὸς σκληρο- τραχήλου (2 α)</p> <p>Wi. 4. 1. κρέισων ἀτεκνία μετὰ ἀρετῆς (2 α)</p> <p>15. 17. κρείττων [Α κρέισων, β κρέισον] γὰρ ἐστὶ τῶν σεβασμῶν αὐτοῦ (2 α)</p> <p>Si. 10. 27. κρέισων ἰσχυροὶ ἐν πᾶσι (2 α)</p> <p>16. 3. β<sup>2</sup> κρέισων γὰρ εἰς δικαίος ποιῶν θέλημα κυρίου (2 α)</p> <p>— 3. κρέισων γὰρ εἰς ἡ χίλιοι (2 α)</p> <p>18. 16. οὕτως κρέισων λόγος ἡ δόσις (2 α)</p>
---	---



κρηπίς. (1) קְרִיפָה (2) קִרְיָה  
Jo. 8. 15. ὁ δὲ Ἰωρδὴ ἐπλήρου καθ' ὅλην τὴν κρ. αὐτοῦ (3)  
4. 18. ἐπορεύετο . . . δι' ὅλης τῆς κρ. (2)  
1 Ch. 12. 15. πεπληρωκὸς ἐπὶ πᾶσαν κρ. αὐτοῦ (2)  
Jl. 2. 17. ἀνὰ μέσον τῆς κρ. τοῦ θυσιαστηρίου (1)  
1 Ma. 9. 43. ἤλθε . . . ὥς τῶν κρ. τοῦ Ἰορδάνου  
11 Ma. 10. 26. ἐπὶ τὴν ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κρ. προσπεσόντες

κριθή. (1) קִרְיָה  
Ge. 28. 12. εὗρεν . . . ἑκατοστέουσιν κριθὴν +  
Ex. 9. 31. τὸ δὲ λίον καὶ ἡ κρ. ἐπλήγη  
— 31. ἡ γὰρ κρ. παρεστηκυῖα (1)  
Le. 27. 16. κόρου κριθῶν πενήντα διδραχμα ἀργυρίου (1)  
De. 8. 8. γῆ πυροῦ καὶ κριθῆς (1)  
Ru. 1. 22. ἐν ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν (1)  
2. 17. ἐγενήθη ὡς οἶφι κριθῶν (1)  
— 23. Α Β ὥς οὐ συνετίλειεν [Β τοῦ συνετίλειαι] τὸν θερισμὸν τῶν κρ. (1)  
3. 2. λιχμὴ τὸν ὄλωνα τῶν κρ. (1)  
— 15. καὶ ἐμέτρησεν ἐξ κριθῶν (1)  
— 17. τὸ ἐξ τῶν κρ. ταῦτα ἔδωκε μοι (1)  
11 Ki. 14. 30. καὶ αὐτῷ ἐκέκρυθη αὐτῶν [Α αὐτῶν, εἰσι] (1)  
17. 28. καὶ πυροῦ καὶ κριθῆς (1)  
21. 9. ἐν [Α om.] ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν (1)  
— 10. ἐν ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν —  
111 Ki. 4. 28 (5. 8). καὶ τὰς κρ. καὶ τὸ [Α τὸν] δαυρον (1)  
IV Ki. 7. 1. Α Β' Ε καὶ διμετρον κριθῶν σίκλου (1)  
— 16. καὶ διμετρον κριθῶν σίκλου (1)  
— 18. διμετρον κριθῆς σίκλου (1)  
1 Ch. 11. 13. ἦν μερίς τοῦ ἀγροῦ πλήρης κριθῶν (1)  
11 Ch. 2. 10 (9). καὶ κριθῶν κόρων ἑικοσι χιλιάδας —  
— 15 (14). τὸν σίτον καὶ τὴν κρ. (1)  
27. 5. καὶ κριθῶν δέκα χιλιάδας (1)  
Ju. 8. 2. ἐν ἡμέραις θερισμοῦ κριθῶν (1)  
Jb. 31. 40. ἀντὶ δὲ κριθῆς βίβας (1)  
Ho. 3. 2. ἐμισθωσάμεν . . . γομὸρ κριθῶν (1)  
Jl. 1. 11. θρηνητε κτήματα ὑπὲρ . . . κριθῆς  
Hg. 2. 17 (16). ἐμβάλλετε εἰς κυψέλην κριθῆς ἑικοσι σάτα —  
— 17 (16). καὶ ἐγένετο κριθῆς δέκα σάτα —  
Is. 28. 25. πυρὸν καὶ κριθὴν (1)  
30. 24. ἀχρὰ ἀναπεποιημένα ἐν κριθῇ λελεκημένη [Α Β -να] —  
Je. 48 (41). 8. θησαυροὶ ἐν ἀγρῷ πυροῦ καὶ κριθαί (1)  
Ez. 4. 9. λάβετε σιταὶ πυροῦ καὶ κριθῆς (1)  
18. 19. ἔνεκεν δρακὸς κριθῶν (1)  
45. 13. τὸ ἔκετον αὐτοῦ τοῦ οἶφι ἀπὸ τοῦ [Α add. γομὸρ] κόρου τῶν κρ. (1)  
[Aq. Sm. Je. 41 (48). 8: Ho. 3. 2 bis.]  
[Th. Ho. 3. 2 bis.]  
[Al. Le. 27. 16.]

κρίθινος. (1) קִרְיָה  
Nu. 5. 15. τὸ δέκατον τοῦ οἶφι ἄλευρον κρ. (1)  
Jd. 5. 8. Α ὡς ἄρτον κρ. +  
7. 13. ἰδοὺ μαγίς ἄρτου κρ. (1)  
IV Ki. 4. 42. ἑικοσι ἄρτους κρ. (1)  
Ez. 4. 12. ἐγκρυφίαν κρίθινον φάγεται αὐτὰ (1)

κρίκος. (1) קִרְיָה (2) קִרְיָה (3) קִרְיָה  
(4) קִרְיָה  
Ex. 28. 6. ποιήσεις κρίκους πενήντα χρυσοῦς (4)  
— 6. συνάψεις τὰς αὐλαίας . . . τοῖς κρ. (4)  
— 11. ποιήσεις κρίκους χαλκοῦς πενήντα (4)  
— 11. συνάψεις τοὺς κρ. ἐκ τῶν ἀγκυλῶν (4)  
27. 10. οἱ κρ. αὐ. καὶ αἱ ψαλίδες ἀργυραὶ (3)  
— 11. οἱ κρ. καὶ αἱ ψαλίδες τὸν στύλον (3)  
37. 6 (38. 38). τοὺς στύλους αὐτῶν πέντε καὶ τοὺς κρ. [Α κρ. αὐτῶν] (3)  
38. 19. τοὺς κρ. τῆς σκηνῆς χρυσοῦς —  
— 19. καὶ τοὺς κρ. τῆς αὐλῆς καὶ κρίκους εἰς τὸ ἐκτείνειν —  
Jb. 38. 6. ἐπὶ τίνος οἱ κρ. [Α στύλοι] αὐτῆς πεπύγησι (2)  
40. 21 (26). εἰ [Α καὶ, Β ἦ] δῆσεις κρίκον [Α εἰλήσεις κλοιόν] (1)  
Is. 58. 5. οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρικὸν τὸν τράχηλόν σου (1)  
[Aq. Ex. 35. 11.]  
[Sm. Is. 37. 29.]  
[Th. Jb. 40. 21 (26).]  
[Al. Ex. 26. 33.]

κρίμα. (1) א. קִרְיָה ב. קִרְיָה (2) קִרְיָה  
(3) קִרְיָה (4) א. קִרְיָה ב. קִרְיָה (5) קִרְיָה  
(6) קִרְיָה (7) א. קִרְיָה ב. קִרְיָה c. קִרְיָה po.  
Ex. 18. 22. τὰ δὲ βραχέα τῶν κρ. κρινούσιν αὐτοῖς (2)  
28. 6. οὐ διαστρέψεις κρίμα πίνυτος (7 b)  
Le. 18. 4. τὰ κρ. μου ποιήσετε (7 b)  
— 5. φυλάξεσθε . . . πάντα τὰ κρ. μου (7 b)  
20. 22. φυλάξεσθε . . . τὰ κρ. μου (7 b)  
26. 15. καὶ τοῖς κρ. μου προσοχθίσῃ ἡ ψυχὴ ὑμῶν (7 b)  
— 43. τὰ κρ. μου ὑπερεῖδον (7 b)  
— 46. ταῦτα τὰ κρ. μου (4 a)  
Nu. 35. 24. κρινεῖ ἡ συναγωγὴ . . . κατὰ τὰ κρ. ταῦτα (7 b)  
— 29. ἔσται ταῦτα ὑμῖν εἰς δικαίωμα κρίματος (7 b)  
36. 13. τὰ δικαίωμα καὶ τὰ κρ. (7 b)  
De. 4. 1. ἀκουε . . . τῶν κρ. [Α ῥημάτων] (7 b)  
— 8. δικαίωμα καὶ κρ. δικαία (7 b)  
— 45. Α Β' Ε καὶ τὰ κρ. (7 b)  
5. 1. ἀκουε Ἰσραὴλ . . . τὰ κρ. (7 b)  
— 31 (28). 6. 1. τὰ δικαίωμα καὶ τὰ κρ. (7 b)  
6. 3. τὰ δικαίωμα καὶ τὰ κρ. —  
— 20. τὰ δικαίωμα καὶ τὰ κρ. (7 b)  
— 24. Α τὰς ἐντολάς καὶ τὰ κρ. [Β al.] (4 a)  
7. 11. τὰ δικαίωμα καὶ τὰ κρ. ταῦτα [Β' αὐτοῦ] (7 b)  
8. 11. τὰ κρ. καὶ τὰ δικαίωμα αὐτοῦ (7 b)  
12. 1. Α τὰ προτάγματα καὶ τὰ κρ. [Β al. κρίσεις] (7 b)  
21. 22. ἀμαρτία κρίμα θανάτου (7 b)  
26. 16. ποιῆσαι . . . τὰ κρ. (7 b)  
— 17. φυλάσσεσθαι . . . τὰ κρ. (7 b)  
32. 41. ἀνθέξεται κρίματος ἡ χεὶρ μου (7 b)  
Jd. 13. 12. Α τί ἔσται τὸ κρ. τοῦ παιδαρίου [Β al.] (7 b)  
1 Ki. 2. 10. καὶ ποιεῖν κρίμα —  
11 Ki. 8. 15. Α Β ἦν Δαυὶδ [Β om.] ποιῶν κρίμα (7 b)  
22. 23. πάντα τὰ κρ. αὐτοῦ κατεναιτίον μου (7 b)  
111 Ki. 2. 3. φυλάσσειν . . . τὰ κρ. (7 b)  
3. 11. τοὺς ἐισακούοντες κρίμα (7 b)  
— 28. ἤκουσαν πᾶς Ἰσρ. τὸ κρ. τοῦτο (7 b)  
6. 12. Α καὶ τὰ κρ. μου ποιῆς (7 b)  
10. 9. τοῦ ποιεῖν κρίμα ἐν δικαιοσύνῃ [Α καὶ δικαιοσύνη] καὶ ἐν κρίμασιν αὐτῶν (7 b, -)  
18. 28. Α κατεμένοντο κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν [Β om. κ. τὸ κρ. αὐτῶν, Ε al.] (7 b)  
IV Ki. 11. 14. εἰστίκει ὁ βασιλ. . . κατὰ τὸ κρ. (7 b)  
17. 26. οὐκ ἐγνωσαν τὸ κρ. [Α τὰ κρ.] τοῦ θεοῦ (7 b)  
— 26. οὐκ οἶδον τὸ κρ. τοῦ θεοῦ (7 b)  
— 27. Α Β φωτιστοῦν αὐτοὺς τὸ κρ. τοῦ θεοῦ [Β om. τ. θ.] τῆς γῆς (7 b)  
— 33. κατὰ τὸ κρ. τῶν ἐθνῶν (7 b)  
— 34. ἐποιοῦν κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 b)  
— 37. τὰ δικαίωμα καὶ τὰ κρ. (7 b)  
— 40. Α Β οὐκ ἀκούσεσθε ἐπὶ [Β ἔτι] τῷ κρ. αὐτῶν (7 b)  
I Ch. 15. 13. οὐκ ἐζητήσαμεν ἐν κρίματι (7 b)  
16. 12. καὶ κρίματα τὸν στόματος αὐτοῦ (7 b)  
— 14. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρ. αὐτοῦ (7 b)  
18. 14. ἦν ποιῶν κρίμα (7 b)  
22. 13. τοῦ ποιεῖν . . . τὰ κρ. (7 b)  
28. 7. τοῦ φυλάσσεσθαι . . . τὰ κρ. μου (7 b)  
II Ch. 4. 7. κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 b)  
— 20. κατὰ τὸ κρ. (7 b)  
6. 39. καὶ ποιήσεις κρίματα (7 b)  
7. 17. καὶ τὰ κρ. μου φυλάξῃς (7 b)  
9. 8. τοῦ ποιῆσαι κρίμα [Α κρίσιν] (7 b)  
19. 10. καὶ δικαίωμα καὶ κρίματα (7 b)  
24. 24. μετὰ ἰωδὸς ἐποίησε κρίματα (7 a)  
30. 16. κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 b)  
33. 8. κατὰ πάντα νόμον . . . καὶ τὰ κρ. (7 b)  
I Es. 8. 7. δικαίωμα καὶ [Α πάντα τὰ δ. κ. τὰ] κρίματα (7 b)  
9. 4. καὶ τὸ κρ. τῶν προκαθημένων πρεσβυτέρων (7 b)  
II Es. 7. 10. Α Β προτάγματα καὶ κρίματα [Β κρίμα] (7 b)  
— 26. τὸ κρ. ἔσται γινόμενον ἐξ αὐτοῦ (9)  
Ne. 1. 7. τὰ προτάγματα καὶ τὰ κρ. (7 b)  
8. 18. Α Β' Ε κατὰ τὸ κρ. (7 b)  
9. 13. ἔδωκας αὐτοῖς κρ. ἐνθάδε (7 b)  
— 29. Β Ε ἐν τοῖς [Α Β om. ἐν τ.] κρ. σου ἡμάρτοσαν (7 b)

Ne. 10. 29 (30). Α Β καὶ κρίματα [Β Ε τὰ κρ.] αὐτῶν (7 b)  
Jb. 9. 15. τοῦ κρ. αὐτοῦ δεσθῆσομαι (7 c)  
— 19. τίς οὖν κρίματι αὐτοῦ ἀντιστήσεται (7 b)  
18. 18. ἐγγὺς εἰμι τοῦ κρ. μου (7 b)  
14. 3. εἰσελθεῖν ἐν κρίματι (7 b)  
19. 7. κεκράξομαι καὶ οὐδαμοῦ κρίμα (7 b)  
— 29. εὐλαβήθητε δὴ καὶ ὑμεῖς ἀπὸ ἐπικαλύμματος [Β' κρίματος ἐ., Α κρίματος] +  
28. 4. εἰποὶμι [Β' ἰδοὺ] δὲ ἑμῶντο [Α Β' ἐπ. αὐτοῦ] κρίμα (7 b)  
— 7. ἐξαγάγοι δὲ εἰς τέλος τὸ κρ. μου (7 b)  
29. 14. ἡμφιασάμεν δὲ κρίμα ἴσα διπλοῖδι (7 b)  
31. 13. εἰ δὲ καὶ ἐφάλλαξα κρίμα θεράποντός μου (7 b)  
32. 9. οὐδ' οἱ γέροντες οἶδασιν κρίμα (7 b)  
34. 5. ὁ κύριος ἀπὸ κριμῶν τὸ κρ. (7 b)  
— 6. ἐψέυσατο δὲ τῷ κρ. μου (7 b)  
36. 6. κρίμα πτωχῶν δώσει (7 b)  
— 15. κρίμα δὲ πρᾶϊον ἐκθήσει +  
— 17. οὐχ ὑπερτίσῃ δὲ ἀπὸ δικαίων κρίμα (3)  
40. 3 (8). μὴ ἀποποιῶν μου τὸ κρ. (7 b)  
Ps. 9. 16. γινώσκεται κύριος κρίματα ποιῶν (7 b)  
— 26 (10. 5). ἀντανανεύεται τὰ κρ. σου (7 b)  
16 (17). 2. τὸ κρ. μου [Β' μοι] ἐξέλθοι (7 b)  
17 (18). 22. πάντα τὰ κρ. αὐτοῦ ἐνώπιόν μου (7 b)  
18 (19). 9. τὰ κρ. κυρίου ἀληθινὰ (7 b)  
35 (36). 6. τὰ κρ. σου ὥσπερ [Α Β om.] ἄβυσσος πολλή (7 b)  
36 (37). 6. ἐξοίσει . . . τὸ κρ. σου ὡς μεσημβρίαν (7 b)  
47 (48). 11. ἔνεκα τῶν κρ. σου (7 b)  
71 (72). 1. τὸ κρ. σου τῷ βασιλεὶ δός (7 b)  
80 (81). 4. καὶ κρίμα τῷ θεῷ Ἰακώβ (7 b)  
88 (89). 14. κρίμα ἐτοιμασία τοῦ θρόνου σου (7 b)  
— 30. καὶ τοῖς κρ. μου μὴ πορευθῶσιν (7 b)  
96 (97). 2. δικαιοσύνη καὶ κρίμα κατόρθωσις τοῦ θρόνου αὐτοῦ (7 b)  
— 8. ἡγαλλώσαντο . . . ἔνεκεν τῶν κρ. σου (7 b)  
102 (103). 6. καὶ κρίμα πᾶσι τοῖς ἀδικουμένοις (7 b)  
104 (105). 5. καὶ τὰ κρ. τοῦ στόματος αὐτοῦ (7 b)  
— 7. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρ. αὐτοῦ (7 b)  
118 (119). 7. ἐν τῷ μεμαθημένῳ με τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 b)  
— 13. ἐξηγγέλια πάντα τὰ κρ. τοῦ στόματός σου (7 b)  
— 20. τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρ. [Β' εἰς τὰ δικαίωματά] σου (7 b)  
— 30. τὰ κρ. σου οὐκ ἐπικαθόμην (7 b)  
— 39. τὰ κρ. σου χρηστά (7 b)  
— 43. ἐπὶ τοῖς κρ. [Β' τὰ κρ.] σου ἐπήλπισα (7 b)  
— 52. ἐμνήσθην τῶν κρ. σου ἀπ' αἰῶνος, κύριε (7 b)  
— 62. ἐπὶ τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 b)  
— 75. δικαιοσύνη τὰ κρ. σου (7 b)  
— 102. ἀπὸ τῶν κρ. [Β' κλμ.] σου οὐκ ἐξέκλινα (7 b)  
— 106. τοῦ φυλάσσεσθαι τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 b)  
— 108. τὰ κρ. σου διδάξον με (7 b)  
— 120. ἀπὸ γὰρ τῶν κρ. σου ἐφοβήθην (7 b)  
— 121. ἐποίησα κρίμα καὶ δικαιοσύνην (7 b)  
— 132. κατὰ τὸ κρ. τῶν ἀγαπώντων τὸ ὄνομά σου (7 b)  
— 149. κατὰ τὸ κρ. σου ζῆσόν με (7 b)  
— 156. κατὰ τὸ κρ. [Β' τὰ κρ.] σου ζῆσόν με (7 b)  
— 160. πάντα τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 b)  
— 164. ἐπὶ τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 b)  
— 170. Α κατὰ τὸ κρ. σου ζῆσόν με [Β Ε al.] (1 b)  
— 175. τὰ κρ. σου βοηθήσει μοι (7 b)  
145 (146). 7. ποιῶντα κρίμα τοῖς ἀδικουμένοις (7 b)  
147. 8 (19). δικαίωμα καὶ κρίματα αὐτῶν Ἰσρ. (7 b)  
— 9 (20). τὰ κρ. αὐτοῦ οὐκ ἐδήλωσεν αὐτοῖς (7 b)  
149. 9. τοῦ ποιῆσαι ἐν αὐτοῖς κρίμα ἐγγραπτόν (7 b)  
Pr. 1. 3. καὶ κρίμα κατεβύθουν (7 b)  
2. 9. συνήσεις δικαιοσύνην καὶ κρίμα (7 b)  
8. 8. Α μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ κρ. [Β Ε ῥήματα] τοῦ στόματός μου (1 a)  
12. 5. λογισμοὶ δικαίων κρίματα (7 b)  
21. 15. Α Β Ε εὐφροσύνη δικαίων ποιεῖν [Β ποιεῖ] κρίμα (7 b)  
28. 5. ἀνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [Β' Β' νοήσουσιν] κρίμα (7 b)  
Ec. 5. 7. εἰς . . . ἀπαγὴν κρίματος . . . ἴδης ἐν χάρι (7 b)  
Wi. 12. 12. τίς ἀντιστήσεται τῷ κρ. σου  
15. 2. Β' εἰδότες σου τὸ κρ. [Α Β Β' κράτος]  
Si. 17. 12. τὰ κρ. αὐτοῦ ὑπέδειξεν αὐτοῖς

- Si. 18. 14. τοὺς κατασπεύδοντας ἐπὶ τὰ κρ. αὐτοῦ  
 19. 25. ἵσθι διαστρέφων χάριν τοῦ ἐκφάναι κρίμα  
 20. 4. οὕτως ὁ ποιῶν ἐν [B<sup>1</sup> om.] βία κρίματα  
 21. 5. τὸ κρ. αὐτοῦ κατὰ σπονδὴν ἐρχεται  
 20. 20. B<sup>1</sup> οὕτως ὁ ποιῶν ἐν βία κρίματα  
 35 (32). 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὐρήσουσι κρίμα  
 [B<sup>1</sup> χάριν]  
 38. 22. μνησθήτι τὸ κρ. αὐτοῦ [A μου, B om.]  
 — 33. διαθήκην κρίματος οὐ [B<sup>1</sup> σου] διανοηθήσονται  
 οὐδὲ μὴ ἐκφανῶσι δικαιοσύνην [A B παι-  
 διαν] καὶ κρίμα  
 41. 2. καλὸν [B<sup>2</sup> ὡς κ.] σου τὸ κρ. ἔστιν  
 — 3. μὴ εὐλαβῶ κρίμα θανάτου  
 20. 3. τοῦτο τὸ [A om.] κρ. παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί  
 42. 2. περὶ κρίματος δικαιοσύνην τὸν ἀσεβῆ  
 — 15. B<sup>1</sup> γέγονεν ἐν εὐλογίᾳ αὐτοῦ κρίμα  
 43. 10. A B E ἐν λόγῳ ἀγίου [B -ιοις] στήσονται  
 κατὰ κρίμα [? κατὰ κρ.]  
 — 13. ταχύνει ἀστροπὰς κρίματος αὐτοῦ  
 45. 5. διδάξει . . . κρίματα αὐτοῦ τὸν Ἰσραὴλ  
 — 17. ἐξουσίαν ἐν διαθήκῃς κρίματων  
 48. 7. ἐν Χωρὴβ κρίματα ἐκδικήσεως  
 Ho. 2. 19 (21). ἐν κρίματι καὶ ἐν ἐλπί (7 δ)  
 5. 1. διότι πρὸς ὑμᾶς ἐστὶ τὸ κρ. (7 δ)  
 — 11. κατεπίσχεσε τὸ [A om.] κρ. (7 δ)  
 6. 6 (5). καὶ τὸ κρ. μου ὡς φῶς ἐξελεῖται (7 δ)  
 10. 4. ἀνταπελθεῖ ὡς ἄγρωτος κρίμα (7 δ)  
 12. 6 (7). ἔλεον καὶ κρίμα φυλάσσου (7 δ)  
 Am. 5. 7. ὁ ποιῶν εἰς ὑψος κρίμα (7 δ)  
 — 15. καὶ ἀποκαταστήσῃ ἐν πύλαις κρίμα (7 δ)  
 — 24. καὶ κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα (7 δ)  
 6. 13 (12). ἐξεστρέψατε εἰς θυμὸν κρίμα (7 δ)  
 Mi. 3. 1. οὐχ ὕμιν ἐστὶ τοῦ γνῶναι τὸ κρ. (7 δ)  
 — 8. ἐν πνεύματι κυρίου καὶ κρίματος (7 δ)  
 6. 8. ἀλλ' ἢ τοῦ ποιῆν κρίμα (7 δ)  
 7. 9. καὶ ποιήσῃ [A ἀποίσει] τὸ κρ. μου (7 δ)  
 Hb. 1. 4. καὶ οὐ διεξάγεται εἰς τέλος κρίμα (7 δ)  
 — 4. ἐξελεῖται τὸ κρ. διαστραμμένον (7 δ)  
 — 7. ἐξ αὐτοῦ τὸ κρ. αὐτοῦ ἔσται (7 δ)  
 — 12. εἰς κρίμα τέταρχας αὐτὸ [A αὐτόν] (7 δ)  
 Ze. 2. 3. κρίμα ἐργάσεται (7 δ)  
 3. 5. πρῶτ' πρῶτ' δώσω κρίμα [A τὸ κρ.] αὐτοῦ (7 δ)  
 — 8. τὸ κρ. μου εἰς συναγωγὰς ἔθνων (7 δ)  
 Za. 7. 9. κρίμα δίκαιον κρίνατε (7 δ)  
 8. 16. κρίμα εἰρημικὸν [A δίκαιον] κρίνατε (7 δ)  
 Is. 1. 27. μετὰ γὰρ κρίματος σωθήσεται (7 δ)  
 5. 16. ὑψώσεται κύριος σαβαώθ ἐν κρίματι (7 δ)  
 9. 7 (6). ἐν κρίματι καὶ ἐν δικαιοσύνῃ [A B δ.  
 κ. ἐν κρ.] (7 δ [8])  
 10. 2. ἀρπάξαντες κρ. [B -ματα] πενήτων τοῦ  
 λαοῦ μου (7 δ)  
 16. 5. κρίνων καὶ ἐκζητῶν κρίμα (7 δ)  
 28. 26. παιδεύσῃ κρίματι θεοῦ σου [B<sup>1</sup> κρ.  
 θ. σ.] (7 δ)  
 32. 16. ἀναπαύσεται ἐν τῇ ἐρήμῳ κρ. (7 δ)  
 Je. 4. 12. λαλῶ κρίματα πρὸς αὐτοὺς (7 δ)  
 5. 1. εἰ ἔστι ποιὼν κρ. (7 δ)  
 7. 5. A ποιούντες ποιήσῃτε κρ. [B B κρίσιν] (7 δ)  
 8. 7. ὁ δὲ λαὸς μου οὐκ ἔγνω τὰ κρ. κυρίου (7 δ)  
 9. 24 (23). A<sup>2</sup> B B ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ ποιῶν ἔλεος  
 καὶ κρ. (7 δ)  
 12. 1. κρίματα λαλήσω πρὸς σέ (7 δ)  
 21. 12. κρίνατε πρῶτ' κρ. (7 δ)  
 22. 13. ὁ οἰκοδομῶν . . . τὰ ὑπερῶα αὐτοῦ οὐκ  
 ἐν κρίματι (7 δ)  
 — 15. βέλτιόν [A B add. ἦν] σε ποιῆν κρ. (7 δ)  
 23. 5. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνη ἐπὶ τῆς γῆς (7 δ)  
 26 (46). 28. παιδεύσω σε εἰς κρ. [A κρίσιν] (7 δ)  
 28 (51). 9. ἤγγικεν εἰς οὐρανὸν τὸ κρ. αὐτῆς (7 δ)  
 — 10. ἐξήγγικε κύριος τὸ κρ. αὐτοῦ (7 δ)  
 37 (30). 18. ὁ λαὸς κατὰ τὸ κρ. αὐ. καθεδεῖται (7 δ)  
 39 (32). 7. A B σοὶ κρ. [B κρίσις] παραλα-  
 βεῖν εἰς κτήσιν (7 δ)  
 — 8. σοὶ κρ. κτήσασθαι αὐτόν [A αἰ.] (7 δ)  
 Ez. 5. 2. ποιήσω ἐν μέσῳ σου κρ. ἐνώπιον τῶν  
 ἐθνῶν (7 δ)  
 — 10. ποιήσω ἐν σοὶ κρίματα (7 δ)  
 — 15. ἐν τῷ ποιῆσθαι με ἐν σοὶ κρίματα (7 δ)  
 7. 27. ἐν [A om.] τοῖς κρ. αὐ. ἐκδικήσω αὐτούς (7 δ)  
 11. 9. ποιήσω ἐν ὑμῖν κρίματα (7 δ)  
 18. 5. A B ὁ ποιῶν κρ. καὶ [B om. κρ. κ.]  
 δικαιοσύνην (7 δ)  
 — 8. κρ. δίκαιον ποιήσῃ (7 δ)  
 — 27. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 δ)  
 22. 29. οὐκ ἀναστρέφονται μετὰ κρίματος (7 δ)  
 Ez. 23. 24. δώσω πρὸς προσώπου αὐ. κρ. καὶ ἐκ-  
 δικήσουσί σε ἐν τοῖς κρ. αὐ. (7 δ, 7 δ)  
 28. 22. ἐν τῷ ποιῆσθαι με ἐν σοὶ κρίματα  
 — 26. ὅταν ποιήσω κρ. (7 δ)  
 30. 19. ποιήσω κρ. ἐν Αἰγύπτῳ (7 δ)  
 33. 2. A ἐφ' ἣν ἂν ἐπαγάγω κρ. αἵματος [B  
 ἐπάγω ῥομφαίαν] +  
 — 14. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 δ)  
 — 16. κρ. καὶ δικαιοσύνην ἐποίησεν (7 δ)  
 — 19. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 δ)  
 34. 16. βουλήσω αὐτὰ μετὰ κρίματος (7 δ)  
 36. 27. τὰ κρ. μου φυλάξῃσθε (7 δ)  
 37. 24. τὰ κρ. μου φυλάσσονται (4 δ)  
 44. 24. τὰ κρ. μου κρυφύσιν (7 δ)  
 45. 9. κρ. καὶ δικαιοσύνην ποιήσατε (7 δ)  
 Da. LXX. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κρ. δικαίων  
 3. (28). καὶ κρίματα ἀληθείας ἐποίησας  
 9. 5. παρήβην . . . τὰ κρ. σου (7 δ)  
 Da. TH. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κρ. δικαίων  
 3. (28). κρίματα ἀληθείας ἐποίησας  
 5. 16. δύνασαι κρίματα συγκρίναι (5 δ)  
 7. 22. τὸ κρ. ἔδωκεν ἀγίοις ὑψίστου (3 δ)  
 9. 5. ἐξεκλίναν . . . ἀπὸ τῶν κρ. σου (7 δ)  
 — 26. κρίμα οὐκ ἐστὶν ἐν αὐτῷ -  
 I Ma. 2. 24. ἀνήγγικε θυμὸν κατὰ τὸ κρ.  
 — 29. ἡτοιμάσας δικαιοσύνην καὶ κρίμα  
 [Aq. Dt. 33. 10: III Ki. 18. 28: JB. 34. 5:  
 Ps. 88 (89). 15: 149. 9: Is. 28. 26: 82. 1:  
 61. 8: JE. 49. 12 (29. 13): 52. 9: Ez. 5. 6:  
 20. 11: 21. 27 (32): 28. 10.]  
 [Sm. JB. 34. 5: Ps. 7. 7: 88 (89). 15: 98 (99).  
 4: 118 (119). 121: 15. 5. 16: 28. 26: 82. 1:  
 JE. 22. 15: 49. 12 (29. 13): Ez. 18. 8, 17:  
 20. 11.]  
 [Th. Jd. 13. 12: JB. 9. 15: 34. 23: Is. 5. 16:  
 28. 26: 82. 1: JB. 38 (40). 15: 89 (46). 5:  
 48 (51). 47: 49. 12 (29. 13): Ez. 5. 6: 18.  
 17: 20. 11: 23. 10: DA. 9. 26.]  
 [Al. I Ki. 2. 13: 8. 9: Ps. 9. 17.]  
 κρίνειν. (1) 𐤒𐤕𐤇 hi. (2) 𐤒𐤕𐤇 (8) a. 𐤒𐤕𐤇 qal.  
 δ. ni. c. pe. d. 𐤒𐤕𐤇 subst. e. 𐤒𐤕𐤇 f. κρ. εἰκῇ  
 𐤒𐤕𐤇 𐤒𐤕𐤇 (4) 𐤒𐤕𐤇 (5) 𐤒𐤕 hi. (6) 𐤒𐤕𐤇  
 (7) 𐤒𐤕𐤇 𐤒𐤕𐤇 (8) 𐤒𐤕 a. verb. δ. subst.  
 c. 𐤒𐤕 (9) 𐤒𐤕 (10) 𐤒𐤕 a. qal.  
 δ. ni. c. 𐤒𐤕𐤇 d. 𐤒𐤕𐤇 𐤒𐤕 (11) 𐤒𐤕 𐤒𐤕  
 (12) 𐤒𐤕 ni. (13) δίκαιον κρ. 𐤒𐤕 hi.  
 Ge. 15. 14. τὸ δὲ ἔθνος . . . κρινῶ ἐγώ (8 a)  
 16. 5. κρίναι ὁ θεὸς ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ (10 a)  
 18. 25. ὁ κρίνων πᾶσαν τὴν γῆν (10 a)  
 19. 9. μὴ καὶ κρίσιν κρίναι (10 a)  
 26. 21. ἐκρίνω δὲ καὶ περὶ ἐκείνου (8 a)  
 30. 6. ἔκρινε μοι ὁ θεός (8 a)  
 31. 53. ὁ θεός . . . κρίνει ἀνὰ μέσον ἡμῶν (10 a)  
 49. 16. Δὴν κρίνει τὸν λαὸν αὐτοῦ (8 a)  
 Ex. 5. 21. ἴδοι ὁ θεὸς ὑμᾶς καὶ κρίναι (10 a)  
 18. 13. συνεκάθισε M. κρίνειν τὸν λαόν (10 a)  
 — 22. κρινούσι τὸν λαὸν πᾶσαν ὥραν (10 a)  
 — 22. τὰ δὲ βραχίδια τῶν κριμάτων κρινούσιν  
 αὐτοὶ (10 a)  
 — 26. ἐκρίνωσαν [A -ον] τὸν λαὸν πᾶσαν ὥραν (10 a)  
 — 26. πᾶν δὲ ῥῆμα ἐλαφρόν ἐκρίνωσαν [A -ον] (10 a)  
 Le. 19. 15. ἐν δικαιοσύνῃ κρίνει τὸν πλησίον  
 σου (10 a)  
 Nu. 35. 24. καὶ κρίνει ἡ συναγωγὴ (10 a)  
 De. 1. 16. κρίνατε [A -ετε] δίκαιος ἀνὰ μέσον  
 ἀνδρῶν (10 a)  
 — 17. κατὰ τὸν μέγαν κρίνεις (9)  
 18. 18. κρινούσι τὸν λαὸν κρίσιν δίκαιαν (10 a)  
 25. 1. A B καὶ κρίνωσι (10 a)  
 32. 36. κρίνει κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (8 a)  
 Jd. 3. 10. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 — 30. καὶ ἔκρινε αὐτούς A. -  
 4. 4. αὕτη ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 — 5. A ἀνέβαινον . . . ἐκεῖ τοῦ κρίνεσθαι [B  
 εἰς κρίσιν] (10 c)  
 8. 1. A ἐκρίνω μετ' αὐτοῦ κραταιῶς [B al.] (8 a)  
 10. 2, 3. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 11. 27. A B κρίναι κύριος ὁ [B om.] κρίνων  
 σήμερον (10 a, 10 a)  
 12. 7. ἔκρινε Ἰ. τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 — 8. ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. 'Aθ. (10 a)  
 — 9. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 Jd. 12. 11. καὶ ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 — 11. A καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 — 13. καὶ ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. 'Aθ. (10 a)  
 — 13 (14): 15. 20: 18. 31. ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 21. 22. κρίνεσθαι πρὸς ὑμᾶς (8 a, 8 c\*)  
 Ru. 1. 1. ἐν τῷ κρίνειν τοὺς κριτὰς (10 a)  
 I Ki. 2. 10. αὐτὸς κρίνει ἀκρα γῆς (8 a)  
 4. 18. ἔκρινε τὸν Ἰσρ. εἰκοσι ἔτη (10 a)  
 24. 16. καὶ κρίναι τὴν κρίσιν μου (8 a)  
 25. 39. δε ἔκρινε τὴν κρίσιν τοῦ ὄνειδισμοῦ μου (8 a)  
 II Ki. 18. 19. ἔκρινε κύριος ἐκ χειρὸς τῶν ἐχ-  
 θρῶν αὐτοῦ (10 a)  
 — 31. ἔκρινε σοὶ κύριος σήμερον (10 a)  
 19. 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λαὸς κρινόμενος (8 δ)  
 III Ki. 3. 9. τίς θυγήσεται κρίνειν τὸν λαόν  
 σου (10 a)  
 — 28. τὸ κρίμα τοῦτο δ [A om.] ἔκρινεν ὁ βασιλ. (10 a)  
 7. 7. οὐ κρίνει ἐκεῖ (10 a)  
 8. 32. κρίνεις τὸν λαόν σου Ἰσρ. (10 a)  
 IV Ki. 15. 5. κρίνων [A -ειν] τὸν λαὸν τῆς γῆς (10 a)  
 23. 22. οἱ ἐκρινον [A -αν] τὸν Ἰσρ. (10 a)  
 I Ch. 16. 33. ἦλθε κρίναι τὴν γῆν (10 a)  
 II Ch. 1. 10. τίς κρίνει τὸν λαόν σου τὸν μέγαν  
 τούτων (10 a)  
 — 11. ὅπως κρίνης τὸν λαόν μου (10 a)  
 6. 23. καὶ κρίνεις τοὺς δούλους σου (10 a)  
 19. 6. οὐκ ἀνθρώπων ὑμεῖς κρίνετε (10 a)  
 — 8. κρίνειν τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. (8 a)  
 20. 12. οὐ κρίνεις ἐν αὐτοῖς (10 a)  
 24. 6. τοῦ εἰσενέγκαι . . . τὸ κεκρίμενον ὑπὸ  
 Μωυσῆ (8)  
 — 22. ἴδοι κύριος καὶ κρινάτω [A -έτω] (4)  
 26. 21. κρίνων τὸν λαὸν τῆς γῆς (10 a)  
 I Es. 3. 9. ὃν ἂν [A om.] κρίνῃ ὁ βασιλ. (10 a)  
 6. 21. A B νῦν οὖν εἰ [B om.] κρίνεται (10 a)  
 — 22. καὶ κρίνηται τῷ κυρίῳ βασιλ. ἡμῶν  
 8. 10. τὰ φιλήνθρωπα ἐγὼ κρίνας  
 — 94. ὡς ἐκρίθη σοὶ -  
 II Es. 4. 9. τάδε ἔκρινε 'Ρεούμ -  
 7. 25. ἴνα ὅσοι κρίνονται παντὶ τῷ λαῷ (8 c, 8 c\*)  
 To. 3. 2. κρίσιν ἀληθινήν καὶ δίκαιαν σὺ κρίνεις εἰς  
 τὸν αἰῶνα [B al.]  
 7. 12. B ἐκ τοῦ οὐρανοῦ κέκριται σοὶ  
 Ju. 2. 3. ἔκριναν ὀλεθρεῖναι πᾶσαν σάρκα  
 7. 24. κρίναι ὁ θεὸς ἀνὰ μέσον ἡμῶν καὶ ὑμῶν  
 11. 13. τὰς ἀπαρχὰς . . . κεκρίκασιν ἐξαναλωσάιν  
 Jb. 7. 18. A B B<sup>2</sup> εἰς ἀνάστασιν αὐτὸν κρίνεις (8)  
 8. 3. μὴ ὁ κύριος ἀδικήσει κρίνων  
 9. 3. ἐὰν γὰρ βούληται κριθῆναι αὐτῷ [A μετ'  
 αὐτοῦ] (8 a)  
 10. 2. διὰ τί με οὕτως ἔκρινας [A -es] (8 a)  
 13. 19. τίς γὰρ ἐστὶν ὁ κριθεσόμενός μοι (8 a)  
 17. 10. B<sup>2</sup> οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ πάντες κρίνατε [A B  
 ἐρεῖδετε] +  
 22. 13. ἡ κατὰ τοῦ γνόφου κρίνει (10 a)  
 23. 13. εἰ δὲ καὶ αὐτὸς ἔκρινεν οὕτως +  
 27. 2. δε οὕτω με κεκρίκε (10 c)  
 81. 13. κρινόμενων αὐτῶν πρὸς μέ (8 a)  
 35. 14. κριθῆτι δὲ ἐναντίον αὐτοῦ (3 a)  
 36. 31. ἐν γὰρ αὐτοῖς κρίνει λαοὺς (8 a)  
 37. 23. ὁ τὰ δίκαια κρίνων (10 c)  
 39. 32 (40. 2). B<sup>2</sup> μὴ κρίσιν μετὰ ἱκανοῦ κρίνεις  
 [A B ἐκκλίνει, B<sup>1</sup> ἐκκλίνειν] +  
 — 34 (40. 4). τί ἔτι ἐγὼ κρινόμαι -  
 Ps. 2. 10. παιδεύθητε πάντες οἱ κρίνοντες τὴν  
 γῆν (10 a)  
 5. 10. κρίνων αὐτούς, ὁ θεός (1)  
 7. 8. κύριος κρίνει λαούς (8 a)  
 — 8. κρίνων με [A μοι], κύριε (10 a)  
 9. 4. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου ὁ κρίνων δικαιοσύνην (10 a)  
 — 8. αὐτὸς κρίνει τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύ-  
 νῃ κρίνει λαοὺς ἐν ἐυθύτῃ (10 a, 8 a)  
 — 19. κριθήσων ἔθνη ἐνώπιόν σου (10 δ)  
 — 39 (10. 18). κρίναι ὄρφανθ' καὶ ταπεινῷ (10 a)  
 25 (26). 1. κρίνων με, κύριε (10 a)  
 34 (35). 24. κρίνόν με [A μοι], κύριε [B om.] (10 a)  
 36 (37). 33. ὅταν [A om.] κρίνηται [A -εται]  
 αὐτῷ (10 δ)  
 42 (43). 1. κρίνων με [A μοι], ὁ θεός (10 a)  
 50 (51). 4. ὅπως ἂν . . . νικήσῃς ἐν τῷ κρι-  
 νεσθαί σε (10 a)  
 58 (54). 1. ἐν τῇ δυνάμει σου κρίνῶν [B<sup>2</sup> κρίνεις]  
 με (8 a)  
 57 (58). 1. εὐθέδια κρίνετε, οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώ-  
 πων (10 a)  
 — 11. ἅμα ἐστὶν ὁ θεός κρίνων αὐτούς (10 a)

Ps. 66 (67). 4. **Σ'** κρίνει τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ — 4. κρίνει [Σ -ει] λαοὺς ἐν εὐθύτῃ (10 α)  
 71 (72). 2. κρίνουν τὸν λαόν σου ἐν δικαιοσύνῃ (3 α)  
 — 4. κρίνει τοὺς πτωχοὺς τοῦ λαοῦ (10 α)  
 74 (75). 2. ἐγὼ εὐθύτητας κρίνω (10 α)  
 81 (82). 2. ὥς ποτε κρίνετε ἀδικίαν (10 α)  
 — 3. κρίνατε ὀρφανὸν καὶ πτωχόν [Α Σ α.] (10 α)  
 — 8. κρίνον τὴν γῆν (10 α)  
 93 (94). 2. ὑψώθητι ὁ κρίνων τὴν γῆν (10 α)  
 95 (96). 10. κρίνει λαοὺς ἐν εὐθύτῃ (3 α)  
 — 13. ἔρχεται κρίνει τὴν γῆν (10 α)  
 — 13. κρίνει τὴν οἰκουμένην (10 α)  
 97 (98). 9. ἡκεῖ κρίνει τὴν γῆν (10 α)  
 — 9. κρίνει τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (10 α)  
 108 (109). 7. ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτῶν (10 β)  
 109 (110). 6. κρίνει ἐν [Σ' κρίνειν] τοῖς ἔθνεσι (3 α)  
 118 (119). 154. κρίνον τὴν κρίσιν μου (8 α)  
 134 (135). 14. ὅτι κρίνει [Σ' οἰκτεῖραι] κύριος τὸν λαόν αὐτοῦ (3 α)  
 Pr. 17. 15. ὅς δίκαιον κρίνει τὸν ἀδικόν [Σ δίκαιον] (13)  
 22. 23. ὁ γὰρ κύριος κρίνει αὐτοῦ τὴν κρίσιν [Α δίκην, Σ' ψυχὴν] (8 α)  
 23. 11. κρίνει τὴν κρίσιν αὐτῶν μετὰ σοῦ (8 α)  
 24. 35 (30. 12). ἔκγονον κακὸν δίκαιον ἑαυτὸν κρίνει +  
 — 73 (31. 5). ὀρθὰ κρίναι [Α -ειν] οὐ μὴ δύνανται τοὺς σπένθει (3 δ)  
 — 76 (31. 8). κρίνε πάντα ἡγῶν (3 δ)  
 — 77 (31. 9). καὶ κρίνει [Α -αι, Σ διάκρ.] δικαίως (10 α)  
 28. 25. ἀπιστος [Α ἀπιστος] ἀνὴρ κρίνει εἰκὴ (10 β)  
 29. 7. ἐπίσταται δίκαιος κρίνειν πενιχροῖς (3 δ)  
 — 9. ἀνὴρ σοφὸς κρίνει ἔθνη (10 β)  
 — 14. βασιλεὺς ἐν ἀληθείᾳ κρίνοντος πτωχοῦς (10 α)  
 Ec. 3. 17. σὺν τὸν ἀσεβῆ κρίνει ὁ θεός (10 α)  
 6. 10. οὐ δυνήσεται κριθῆναι [Α Σ τοῦ κρ.] (3 α)  
 Wt. 1. 1. ἀγαπήσατε δικαιοσύνην οἱ κρίνοντες τὴν γῆν  
 2. 22. οὐδὲ ἔκριναν γέρας ψυχῶν ἀμώμων  
 3. 8. κρινούσιν ἔθνη  
 6. 4. οὐκ ἐκρίνατε ὀρθῶς  
 8. 9. ἔκριναν τοῖνυν ταύτην ἀγαθέσθαι πρὸς συμβίωσιν  
 9. 3. καὶ ἐν εὐθύτῃ ψυχῆς κρίσιν κρίνῃ [Α -ει]  
 11. 9. πῶς ἐν ὀργῇ [Σ μετ' ὀργῆς] κρινόμενοι ἀσεβεῖς ἵστασιν (10 α)  
 12. 10. κρίνων [Σ' κρίνειν] δὲ κατὰ βραχὺ ἐδίδους τόπον μετανοίας  
 — 13. οὐκ ἀδικεῖς ἔκρινας  
 — 18. σὺ δὲ . . . ἐν ἐπιείκειᾳ κρίνεις  
 — 21. μετὰ πίστης [Σ' πάσης] ἀκριβείας ἔκρινας τὸν υἱόν σου  
 — 22. ἵνα σου τὴν ἀγαθότητα μεριμνῶμεν κρίνοντες κρινόμενοι δὲ προσδοκῶμεν ἔλεος  
 Si. 4. 9. μὴ ὀλιγοψυχῆσαι ἐν τῷ κρίνειν [Σ κρίνεσθαι] σε  
 — 15. ὁ ὑπακούων [Σ εἰσακ.] αὐτῆς κρίνει ἔθνη  
 8. 14. κατὰ γὰρ τὴν δόξαν αὐτοῦ κρινούσιν αὐτὸν  
 16. 12. ἀνδρα κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ κρίνει [Α κτείνει]  
 32 (35). 18. κρίνει δικαίως [Α Σ' -οις] καὶ ποιήσει κρίσιν  
 — 19. ἔως κρίνῃ τὴν κρίσιν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ  
 42. 8. περὶ παιδείας . . . ἔσχατοῦ κρινόμενον πρὸς νέους [Α α.]  
 45. 26. κρίνειν τὸν λαόν αὐτοῦ ἐν δικαιοσύνῃ  
 46. 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγὴν  
 Ho. 2 (2. 4). κριθῆτε πρὸς τὴν μητέρα ὑμῶν κριθῆτε (8 α, 8 α)  
 13. 10. κρινάτω σε ὃν εἶπας (10 α)  
 Mi. 3. 11. οἱ ἡγούμενοι αὐτῶν μετὰ δώρων ἔκρινον (10 α)  
 4. 3. καὶ κρίνει ἀνὰ μέσον λαῶν πολλῶν (10 α)  
 6. 1. ἀνάσθητι κριθῆτι πρὸς τὰ ὄρη (8 α)  
 Za. 7. 9. κρίμα δίκαιον κρίνατε (10 α)  
 8. 16. κρίμα εἰρηγικόν [Α δίκαιον] κρίνατε [Α -ετε] (10 α)  
 Is. 1. 17. κρίνατε ὀρφανῶν — 23. ὀρφανοὶ οὐ κρίνοντες (10 α)  
 2. 4. κρίνει ἀνὰ μέσον τῶν ἐθνῶν [Σ add. πολ-λῶν] (10 α)  
 5. 3. κρίνατε ἐν ἐμοί (10 α)  
 11. 3. οὐ κατὰ τὴν δόξαν κρίνει (10 α)  
 — 4. κρίνει ταπεινῶν κρίσιν (10 α)  
 16. 5. κρίνων καὶ ἐκζητῶν κρίμα (10 α)

Is. 19. 20. κρίνων σώσει αὐτούς (8 α)  
 41. 6. ἦλθον ἅμα κρίνων ἕκαστος τῷ πλησίον —  
 43. 26. μνησθήτη καὶ κριθώμεν (10 α)  
 49. 25. ἐγὼ δὲ τὴν κρίσιν σου κρίνω (8 α)  
 50. 8. τίς ὁ κρινόμενός μοι (8 α)  
 — 8. τίς ὁ κρινόμενός μοι (10 α)  
 51. 22. ὁ θεός ὁ κρίνων τὸν λαόν αὐτοῦ (8 α)  
 66. 16. κριθήσεται [Α καταναλωθ.] πᾶσα ἡ γῆ (10 β)  
 Je. 2. 9. ἔτι κριθήσομαι πρὸς ὑμᾶς καὶ πρὸς τοὺς υἱούς τῶν υἱῶν ὑμῶν κριθήσομαι [Σ' α.] (8 α, 8 α)  
 — 35. ἐγὼ κρίνομαι πρὸς σέ (10 β)  
 5. 28. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανῶν καὶ κρίσιν χήρας οὐκ ἐκρίνουν (3 α, 10 α)  
 11. 20. κύριε κρίνων δίκαια (10 α)  
 21. 12. κρίνατε πρωὶ κρίμα (3 α)  
 22. 16. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ταπεινῶν [Α -ων] (3 α)  
 27 (50). 34. κρίσιν κρίνει πρὸς τοὺς ἀντιδίκους αὐτοῦ (8 α)  
 28 (51). 36. κρίνω τὴν ἀντιδικὸν σου (8 α)  
 32 (25). 31. κρίνεται αὐτός πρὸς πᾶσαν σάρκα [Σ α.] (10 β)  
 37 (30). 13. οὐκ ἔστι κρίνων κρίσιν σου (3 α)  
 La. 3. 36. καταδικάζει ἄνθρωπον ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτόν (8 β)  
 — 59. ἔκρινας τὴν κρίσιν μου (10 α)  
 Ep. Je. 64. οὐτε κρίσιν κρίναι  
 Ez. 7. 8. κρίνω σε ἐν ταῖς ὁδοῖς σου (10 α)  
 — 14. κρίνατε τὰ σύμματα (5)  
 11. 10. ἐπὶ τῶν ὁρέων τοῦ Ἰσραὴλ κρίνω ὑμᾶς (10 α)  
 — 11. Α' ἐπὶ τῶν ὁρέων τοῦ Ἰσρ. κρίνω ὑμᾶς (10 α)  
 18. 30. ἕκαστον κατὰ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ κρίνω ὑμᾶς (10 α)  
 20. 36. οὕτως [Α καγὼ] κρίνω ὑμᾶς (10 β)  
 21. 30 (35). ἐν τῇ γῇ τῇ ἰδίᾳ σου κρίνω σε (10 α)  
 22. 2. εἰ [Α οὐ] κρίνεις τὴν πύλιν τῶν αἰμάτων (10 α)  
 23. 36. οὐ κρίνεις τὴν Ὀολάν (10 α)  
 24. 14. κατὰ τὰ ἐνθυμιάματά σου κρίνω σε . . . κρίνω σε κατὰ τὰ αἵματά σου καὶ κατὰ τὰ ἐνθυμιάματά σου κρίνω σε (10 α, - , -)  
 33. 20. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ [Α κατὰ τὰς ὁ-  
 ὑμῶν] κρίνω ὑμᾶς (10 α)  
 34. 22. κρίνω ἀνὰ μέσον κριοῦ πρὸς κριόν (10 α)  
 35. 11. ἡνίκα ἂν κρίνω σε (10 α)  
 36. 19. κατὰ τὴν ἁμαρτίαν [Α τὰς ἀνομίας] αὐτῶν ἔκρινα αὐτοὺς (10 α)  
 38. 22. κρίνω αὐτὸν θανάτῳ (10 β)  
 44. 24. τὰ κριμάτω μου κρινούσι (10 α)  
 Da. LXX. Su. 53. καὶ κρίνειν κρίσεις θάνατον ἐπι-  
 φερουσας  
 2. 6. δηλώσατέ μοι τὸ ἐνύπνιον καὶ κρίνατε (7)  
 — 7. οἱ παῖδες σου κρινούσι πρὸς ταῦτα (7)  
 3. 10. σὺ, βασιλεῦ, προστάξας καὶ ἔκρινας (11)  
 — 29 (96). καὶ νῦν ἐγὼ κρίνω (11)  
 4. 15. τὸν ἡγούμενον τῶν κρινόντων τὰ ἐνύπνια —  
 — 23. ἐπάξουνσι τὰ κεκρυμμένα ἐπὶ σέ —  
 9. 12. ὅσα ἔκρινας ἡμῖν (10 α)  
 — 24. ἐβδόμηκοντα ἐβδομάδες ἐκρίθησαν (12)  
 Da. TH. Su. 6. ἤρχοντο πρὸς αὐτοὺς πάντες οἱ κρι-  
 νόμενοι  
 — 53. κρίνων κρίσεις ἀδίκους  
 9. 12. οἱ ἔκρινον ἡμᾶς (10 α)  
 I Ma. 7. 42. κρίνων αὐτὸν κατὰ τὴν κακίαν αὐτοῦ  
 9. 73. ᾤχετο ἰὼν, κρίνειν τὸν λαόν  
 11. 33. Α' Β' τῷ ἔθνεϊ τῶν Ἰ. . . ἔκριναν ἀγα-  
 θοποιήσαι [Σ ἀγαθὸν ποι.]  
 II Ma. 6. 14. ἐφ' ἡμῶν ἔκρινεν εἶναι  
 11. 25. κρινόμεν τό τε ἱερὸν ἀποκατασταθῆναι αὐτοῖς  
 — 36. ἃ δὲ ἔκρινε προσανεχθῆναι τῷ βασ.  
 13. 13. κρίναι τὰ πράγματα  
 — 15. μετὰ νεανίσκων ἀρίστων κεκριμένον  
 15. 17. κρίναι τὰ πράγματα  
 — 21. Β' καθὼς δὲ ἂν αὐτὸ κριθεῖ [Α α.]  
 III Ma. 1. 6. ἔκρινε τὰς πλῆθιν πόλεις . . . παρα-  
 καλέσαι  
 2. 3. τοὺς ὕβρει . . . τι πράσσοντας κρίνεις  
 — 33. ὡς πολεμίους τοῦ ἔθνους ἔκρινον  
 6. 30. κρίνας αὐτοὺς . . . σωτήρια ἄγειν  
 [Αq. III Ki. 7. 7 (44) : Ju. 21. 22 : Ps. 9. 39  
 (10. 18) : 36 (37). 33 : 53 (54). 3 : 81 (82). 1 :  
 108 (109). 31 : Is. 51. 5 : Ez. 7. 27 : 20. 4 ὁῖς :  
 22. 2 ὁῖς : 23. 24, 36, 45.]

[Sm. Ge. 6. 4 (3) : Ps. 36 (37). 33 : 42 (43). 1 :  
 50 (51). 6 : 81 (82). 1, 8 : 108 (109). 31 : Is.  
 11. 3 : 25. 7 : 51. 5 : Ez. 7. 27 : 22. 2 ὁῖς : 23.  
 24. 36 : Hb. 1. 12.]  
 [Th. Is. 27. 8 : 45. 9 : 51. 5 : Ez. 7. 27 : 22. 2  
 ὁῖς : 23. 24, 36, 45.]  
 [Al. I Ki. 7. 6.]  
 [Quint. Ps. 53 (54). 3.]

κρίνον. (1) חָרַב (2) חָרַב (3) א. חָרַב  
 ὁ. חָרַב c. חָרַב  
 Ex. 25. 30 (31). τὰ κρ. . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (2)  
 — 32 (33). ἐν τῷ ἐνὶ καλαμίσκῳ σφαιρωτῇ καὶ κρίνον (2)  
 — 33 (34). σφαιρωτῆρες καὶ τὰ κρ. αὐτῆς [Α α.] (2)  
 — 34 (35). Α' οἱ σφαιρωτῆρες καὶ τὰ κρ. αὐτῆς —  
 Nu. 8. 4. ὁ κανὼς αὐτῆς καὶ τὰ κρ. αὐτῆς (2)  
 III Ki. 7. 19. ἔργον κρίνον κατὰ τὸ αἰλάν (3 α)  
 — 22. Α' ἐπὶ τῶν κεφαλῶν ἔργον κρίνον (3 β)  
 — 24 (26). Β' βλαστὸς κρίνον (3 β?)  
 — 26. Α' βλαστὸς κρίνον (3 β)  
 II Ch. 4. 5. διαγεγλυμμένα βλαστοὺς κρίνον (3 γ)  
 Ca. 2. 1. ἐγὼ . . . κρίνον τῶν κοιλιάδων (3 γ)  
 — 2. ὡς κρίνον ἐν μέσῳ ἀκαυθῶν (3 γ)  
 — 16. ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρ. (3 γ)  
 4. 5. οἱ νεμόμενοι ἐν κρίνοισ (3 γ)  
 5. 13. χεῖλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμίρναν πληρῇ (3 γ)  
 6. I (2). συλλέγειν κρίνα (3 γ)  
 — 2 (3). ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρίνοισ (3 γ)  
 7. 2 (3). θημῶν σίτου πεφραγμένη ἐν κρίνοισ (3 γ)  
 Si. 39. 14. ἀνθήσατε ἄνθος ὡς κρίνον  
 50. 8. ὡς κρίνα ἐπ' ἐξόδον [Α Σ -ω] ὕδατος (3 γ)  
 Ho. 14. 6. ἀνθήσει ὡς κρίνον (3 γ)  
 Is. 35. 1. ἀνθήσει ὡς κρίνον (1)  
 [Αq. Ps. 44 (45). 1 : 59 (60). 1 : 68 (69). 1 :  
 79 (80). 1.]  
 [Th. Ps. 44 (45). 1.]  
 [Al. Ca. 2. 16.]  
 [Sext. Ca. 2. 16 : 6. 2 (3).]

κρίος. (1) יָרֵא (2) יָרֵא (3) יָרֵא (4) יָרֵא  
 (5) יָרֵא (6) יָרֵא (7) יָרֵא  
 Ge. 15. 9. λάβε μοι . . . κριὸν τριετίοντα (2)  
 22. 13. ἰδοὺ κρίος εἰς κατεχόμενος ἐν φυτῷ (2)  
 — 13. ἔλαβε τὸν κρ. καὶ ἀνήγειρεν αὐτόν (2)  
 30. 40. ἔστησεν . . . κριὸν διὰλευκόν +  
 31. 10. Β' οἱ κρ. ἀναβαίνοντες [Α ἃ ἔσαν] ἐπὶ τὰ πρόβατα (5)  
 — 12. ἴδε . . . τοὺς κρ. ἀναβαίνοντας (5)  
 — 38. κριοὺς τῶν προβάτων σου οὐ κατέφαγον (2)  
 32. 14 (15). ἐξοπέστεileen . . . κριοὺς εἰκοσι (2)  
 Ex. 25. 5 : 26. 14. δέρματα κριῶν ἡνυθροδανωμένα (2)  
 29. 1. λήψῃ . . . κριοὺς ἀμώμους δ' . . . (2)  
 — 3. προσοίσεις [Β' -σει] . . . τοῖς δύο κρ. (2)  
 — 15. τὸν κρ. λήψῃ τὸν εἶνα (2)  
 — 15. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)  
 — 16. Α' σφάζεις τὸν κρ. [Β α.] (2)  
 — 17. τὸν κρ. διχοτομήσεις (2)  
 — 18. ἀνοίσεις ὅλον τὸν κρ. (2)  
 — 19. λήψῃ [Α om.] τὸν κρ. τὸν δεύτερον (2)  
 — 19. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)  
 — 21. τὸ δὲ αἷμα τοῦ κρ. προσχεῖς (2)  
 — 22. λήψῃ ἀπὸ τοῦ κρ. τὸ στέαρ αὐτοῦ (2)  
 — 26. λήψῃ . . . ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)  
 — 27. ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)  
 — 31. τὸν κρ. τῆς τελειώσεως λήψῃ (2)  
 — 32. ἔδονται . . . τὰ κρέα τοῦ κρ. (2)  
 35. 7, 23 : 39. 21 (34). δέρματα κριῶν ἡνυθρο-  
 δανωμένα (2)  
 Le. 5. 15. κρ. ἀμώμον ἐκ τῶν προβάτων (2)  
 — 16. ἐν τῷ κρ. τῆς πλημμελείας (2)  
 — 18. κρ. ἀμώμον ἐκ τῶν προβάτων (2)  
 6. 5 (5. 25). κριὸν ἀπὸ τῶν προβάτων ἀμώμον (2)  
 — 31 (7. 1). οὗτος ὁ νόμος τοῦ κρ. τοῦ περὶ τῆς πλημμελείας —  
 — 32 (7. 2). σφάζουσι τὸν κρ. τῆς πλημμελείας (2)  
 8. 2. καὶ τοὺς δύο κρ. (2)  
 — 18. προσήγαγε Μωυσῆς τὸν κρ. (2)  
 — 18. ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)  
 — 18. σφαξε Μωυσῆς τὸν κρ. —  
 — 19 (20). τὸν κρ. ἐκρεανόμενος κατὰ μέλη (2)  
 — 20 (21). ἀνήγειρε Μωυσῆς ὅλον τὸν κρ. (2)  
 — 21 (22). προσήγαγε Μ. τὸν κρ. τὸν δεύτερον κριὸν τελειώσεως (2, 2)

Le. 8. 21 (22). ἐπίθεκεν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ.	(2)	I Ch. 15. 26. ἔθυσαν . . . ἀν' [S <sup>1</sup> om.] ἐπὶ τὰς κριοὺς	(2)	κρίσις. (1) קָרִי (2) a. קָרִי subst. δ. קָרִי
— 28 (29). ἐπίθεμα . . . ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως	(2)	29. 21. ἀνήνεγκε . . . κριοὺς χιλίους	(2)	c. קָרִי d. קָרִי e. קָרִי verb. (3) קָרִי
9. 2. καὶ κριὸν εἰς ὀλοκαύτωμα	(2)	II Ch. 13. 9. πληρώσαι τὰς χεῖρας . . . κριοῖς	(2)	(4) קָרִי (5) קָרִי (6) קָרִי (7) קָרִי a. verb.
— 4. καὶ κριὸν εἰς θυσίαν σωτηρίου	(2)	15. 11. Α κριοὺς καὶ πρόβατα [B al.]	(2)	δ. subst. c. קָרִי (8) קָרִי a. qal.
— 18. καὶ τὸν κρ. τῆς θυσίας τοῦ σωτηρίου	(2)	17. 11. ἔφερον αὐτῷ κριοὺς προβάτων	(2)	δ. ni. c. קָרִי d. קָרִי e. קָרִי
— 19. ἀπὸ τοῦ μόσχου καὶ τοῦ κρ.	(2)	29. 21. ἀνήνεγκε μόσχους ἐπὶ τὰς κριοὺς ἐπὶ τὰς	(2)	(9) κρίσιν ποιεῖν קָרִי ni.
16. 3. καὶ κριὸν εἰς ὀλοκαύτωμα	(2)	— 22. ἔθυσαν τοὺς κρ.	(2)	Ge. 14. 7. ἤλθοσαν ἐπὶ τὴν πηγὴν τῆς κρ. (8 d)
— 5. καὶ κρ. ἑνα εἰς ὀλοκαύτωμα	(2)	— 32. μόσχοι ἐβδόμηκοντα κριοὶ ἑκατόν	(2)	18. 19. ποιεῖν δικαιοσύνην καὶ κρίσιν (8 d)
19. 21. προσάξει . . . κριὸν πλημμελείας	(2)	I Es. 6. 29. εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας	(2)	— 25. οὐ ποιήσεις κρίσιν (8 d)
— 22. ἐξιλιάσεται . . . ἐν τῷ κρ. τῆς πλημμελείας	(2)	7. 7. προσήνεγκαν . . . κριοὺς διακοσίους	(2)	19. 9. μὴ καὶ κρίσιν κρίναι (8 a)
23. 18. καὶ κρ. δύο ἀμώμους	(2)	8. 14. Α <sup>2</sup> B εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας	(2)	Ex. 6. 6. λυτρώσμαι ὑμᾶς ἐν . . . κρ. μεγάλῃ (8 c)
Nu. 5. 8. πλὴν τοῦ κρ. τοῦ Ἰλασμοῦ [A ἐξί.]	(2)	— 65. Α B προσήνεγκαν . . . κριοὺς ἐνενηκοντα ἐξ	(2)	15. 25. ἔθετο αὐτῷ δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 d)
6. 14. καὶ κρ. ἑνα [A om.] ἄμωμον εἰς σωτήριον [B <sup>1</sup> av]	(2)	[B al.]	(2)	18. 15. ἐκζητῆσαι κρίσιν παρὰ τοῦ θεοῦ
— 17. τὸν κρ. ποιήσει θυσίαν	(2)	9. 20. καὶ εἰς ἐξίλασμον κριοὺς ὑπὲρ τῆς ἀγνοίας αὐτῶν	(2)	22. 9 (8). ἐνώπιον τοῦ θεοῦ ἐλευσεται ἡ κρ. ἀμφοτέρων (1)
— 19. τὸν βραχίονα ἐφθόρ ἀπὸ τοῦ κρ.	(2)	II Es. 6. 9. καὶ νιούς βοῶν καὶ κριῶν	(3)	23. 2. ὥστε ἐκκλησίας [A -κλίνας] κρίσιν
7. 15. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. [B <sup>1</sup> καὶ κρ.] ἑνα	(2)	— 17. προσήνεγκαν . . . κρ. διακοσίους	(3)	— 3. πέντητα οὐκ ἐλεήσει ἐν κρίσει (7 b)
— 17. δαμάλειε δύο κριοὺς [B <sup>1</sup> καὶ κρ.] πέντε	(2)	7. 17. μόσχους κριοὺς ἀμώμους	(2)	— 6. οὐ διαστρέψει κρίμα πέντητος ἐν κρίσει αὐτοῦ (7 b)
— 21. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	8. 35. προσήνεγκαν . . . κριοὺς ἐνενηκοντα ἐξ	(2)	24. 14. εἰς τινὶ συμβῇ κρίσις (1)
— 23. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	10. 19. Α B S <sup>2</sup> καὶ πλημμελείας κριὸν ἐκ προβάτων	(2)	28. 15. ποιήσεις λογιῶν τῶν κρ. (8 d)
— 27. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	To. 7. 8. ἔθυσαν κριὸν προβάτων [B al.]	(2)	— 23 (29). ἐπὶ τοῦ λογιῶν [A τὸ λ.] τῆς κρ. (8 d)
— 29. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	8. 19. S καὶ κριοὺς τέσσαρας	(2)	— 24 (30). θήσεις ἐπὶ τὸ λογιῶν τῆς κρ. (8 d)
— 33. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	Jb. 42. 8. λάβετε ἐπὶ τὰς κριοὺς καὶ ἐπὶ τὰς κριοὺς	(2)	— 26 (30). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸ λογιῶν τῆς κρ. (8 d)
— 35. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε [A om. κρ. π.]	(2)	Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ νιούς κριῶν	(2)	— 26 (30). οἶσαι Α. τὰς κρ. τῶν νιῶν Ἰσραὴλ (8 d)
— 39. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	64 (65). 13. ἐνεδύσαντο οἱ κρ. τῶν προβάτων	(4)	Le. 19. 15, 35. οὐ ποιήσετε δίκον ἐν κρίσει (8 d)
— 41. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	65 (66). 15. μετὰ θυμμάτων καὶ κριῶν	(2)	25. 18. ποιήσετε . . . πᾶσας τὰς κρ. μου (8 d)
— 45. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	113 (114). 4. τὰ ὄρη ἐσκήρτισαν ὥστε κριοὶ	(2)	Nu. 27. 4 (5). προσήγαγε M. τὴν κρ. αὐ. ἐναντὶ κ. (8 d)
— 47. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	— 6. τὰ ὄρη, οἱ ἐσκήρτισαν ὥστε κριοὶ	(2)	— 11. ἔσται τοῦτο . . . δικαίωμα κρίσεως (8 d)
— 51. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	Mi. 6. 7. εἰ προσδέξεται κύριος ἐν χιλιάσι κριῶν	(2)	— 21. ἐπερωτήσουσιν αὐτὸν τὴν κρ. τῶν δόλων (8 d)
— 53. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	Is. 1. 11. πλήρης ἐμίμ ὀλοκωνμάτων κριῶν	(2)	35. 12. ὥς ἂν στή . . . εἰς κρίσιν (8 d)
— 57. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	34. 6. ἀπὸ στέατος τράγων καὶ κριῶν	(2)	De. 1. 17. οὐκ ἐπιγνώσῃ πρόσωπον ἐν κρίσει (8 d)
— 59. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	— 7. συμπεσούσιναι . . . οἱ κρ. καὶ οἱ ταῦροι	(2)	— 17. ἡ κρ. τοῦ θεοῦ ἐστὶ (8 d)
— 63. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	60. 7. κριοὶ [A οἱ κρ.] Ναβαιὼθ ἔξουσιν	(2)	4. 5. δέδειχα ὑμῖν δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 d)
— 65. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	Jc. 28 (51). 40. καταβιβάζουσιν [B <sup>1</sup> -σω] αὐτοὺς	(2)	— 14. διδάξαι ὑμᾶς δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 d)
— 69. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	. . . ὥς κριοὺς μετ' ἐρίφων	(2)	10. 18. ποιῶν κρίσιν προσηλῖτα (8 d)
— 71. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	32 (25). 34. κόπτεσθε οἱ κρ. τῶν προβάτων . . .	(2)	11. 1. καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ (8 d)
— 75. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	καὶ πεσίσθε ὥσπερ οἱ κρ. οἱ ἐκλεκτοὶ (1, +)	(2)	— 32. καὶ τὰς κρ. ταῦτας [A αὐτοῦ] (8 d)
— 77. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	— 35. ἀπολείπει . . . σωτηρία ἀπὸ τῶν κρ. τῶν προβάτων	(1)	12. 1. τὰ προστάγματα καὶ αἱ κρ. [A τὰ κρίματα] (8 d)
— 81. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. ἑνα	(2)	— 36. ἀλαλαγμὸς τῶν προβάτων καὶ τῶν κρ. [B κρ. κ. τ. πρ.]	(1)	16. 18. κρινούσι τὸν λαὸν κρ. δικαίαν (8 d)
— 83. δαμάλειε δύο κριοὺς πέντε	(2)	La. 1. 6. ὥς κριοὶ οὐχ εὐρίσκοντες νομὴν	(+)	— 19. Α B οὐκ ἐκκλινούσι κρίσιν (8 d)
— 87. μόσχον δύο κριοὺς πέντε	(2)	Ex. 27. 21. καμῖλους καὶ κριοὺς καὶ ἀμνούς [A μόσχους]	(2)	17. 8. εἰς ἀδυνατίαν ἀπὸ σοῦ ῥήμα ἐν κρίσει . . . ἀνὰ μέσον κρίσις κρίσεως . . . ῥήματα κρίσεως ἐν ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (8 d, 2 a, 2 a, 7 b)
— 88. δαμάλειε δύο κριοὺς τέσσαρες κριοὶ [B <sup>1</sup> καὶ κρ.] ἐξήκοντα	(2)	34. 17. διακρινῶ ἀνὰ μέσον . . . κριῶν [A -οῦ]	(2)	— 9. ἀναγγελοῦσι σοὶ τὴν κρ. (1 + 8 d)
15. 6. καὶ τῷ κρ. . . ποιήσεις [A om.] θυσίαν	(2)	— 22. κρινῶ ἀνὰ μέσον κριῶν πρὸς κριῶν	(7, 7)	— 11. κατὰ τὴν κρ. ἢν ἂν εἰπωσὶ σοὶ (8 d)
— 11. οὕτω ποιήσεις . . . τῷ κρ. τῷ ἐνὶ	(2)	39. 18. κριοὺς καὶ μόσχους καὶ τράγους	(2)	18. 3. αὐτὴ ἡ κρ. τῶν ἱερέων (8 d)
23. 1. ἐπὶ τὰς κριοὺς καὶ ἐπὶ τὰς κρ.	(2)	43. 23. προσοίσουσιν . . . κριὸν ἐκ προβάτων ἄμωμον	(2)	19. 6. τοῦτ' οὐκ ἐστὶ κρίσις θανάτου (8 d)
— 2. ἀνήνεγκε μόσχον καὶ κριὸν	(2)	— 25. ποιήσεις . . . κριὸν ἐκ προβάτων	(2)	24. 17. οὐκ ἐκκλινεῖς κρίσιν προσηλῖτου (8 d)
— 4. ἀνεβίβασαι μόσχον καὶ κριὸν	(2)	45. 23. ποιήσεις [A -εις] ὀλοκαυτώματα . . .	(2)	25. 1. καὶ προσελθούσιν εἰς κρίσιν (8 d)
— 14. ἀνεβίβασαι μόσχον καὶ κριὸν	(2)	ἐπὶ τὰς κριοὺς ἀμώμους	(2)	27. 19. ὅς ἂν ἐκκλινῇ κρίσιν προσηλῖτου (8 d)
— 29. ἐπὶ τὰς κριοὺς καὶ ἐπὶ τὰς κρ.	(2)	— 24. πέμμα τῷ κρ. ποιήσεις	(2)	30. 10. τὰ δικαιώματα αὐτοῦ καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ
— 30. ἀνήνεγκε μόσχον καὶ κριὸν	(2)	46. 4. προσοίσει . . . κριὸν ἄμωμον	(2)	— 16. τὰ δικαιώματα αὐτοῦ καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ (8 d)
28. 11. καὶ κρ. ἑνα	(2)	— 5. πέμμα τῷ κρ.	(2)	32. 4. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ κρίσεις (8 d)
— 12. δύο δέκατα σεμδάλεως . . . τῷ κρ. τῷ ἐνὶ	(2)	— 6. κρ. ἄμωμος ἐστὶν	(2)	33. 21. καὶ κρίσιν αὐτοῦ μετὰ Ἰσρ. (8 d)
— 14. ἔσται τῷ κρ. τῷ ἐνὶ	(2)	— 7. καὶ πέμμα τῷ κρ.	(2)	Jo. 20. 3. ὥς ἂν καταστή . . . εἰς κρίσιν (8 d)
— 19. μόσχους ἐκ βοῶν δύο κρ. ἑνα	(2)	— 11. καὶ πέμμα τῷ κρ.	(2)	— 6. Α ὥς τῆς κατὰ πρόσωπον τῆς συναγωγῆς εἰς κρίσιν (8 d)
— 20. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἐνὶ	(2)	Da. LXX. 3. (40). ἐν ὀλοκαυτῶμασι κριῶν	(2)	— 9. ὥς ἂν καταστή . . . εἰς κρίσιν
— 27. μόσχους ἐκ βοῶν δύο κρ. ἑνα	(2)	8. 3. εἶδον κρ. ἑνα μέγαν	(2)	24. 25. ἔδωκεν αὐτῷ νόμον καὶ κρίσιν (8 d)
— 28. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἐνὶ	(2)	— 4. εἶδον τὸν κρ. κερατίζοντα	(2)	Jd. 4. 5. ἀνέβαινον . . . εἰς κρίσιν [A al.] (8 d)
29. 2. μόσχον ἑνα ἐκ βοῶν κρ. [B <sup>2</sup> καὶ κρ.] ἑνα	(2)	— 6. ἤλθεν ἐπὶ τὸν κρ.	(2)	13. 12. τίς ἐστὶν κρ. τοῦ παιδίου [A al.] (8 d)
— 3. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἐνὶ	(2)	— 7. εἶδον αὐτὸν προσάγοντα πρὸς τὸν κρ.	(2)	18. 7. ὥς κρίσις [A κατὰ τὴν σύγκρισιν τῶν] Σ. (8 d)
— 8. μόσχον ἐκ βοῶν ἑνα κρ. ἑνα	(2)	— 7. ἐπάταξε τὸν κρ.	(2)	I Ki. 24. 16. καὶ κρίναι τὴν κρ. μου (7 b)
— 9. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἐνὶ	(2)	— 7. οὐκ ἦν ὁ ῥυόμενος τὸν κρ.	(2)	25. 39. ὅς ἐκρινε τὴν κρ. τοῦ οὐνειδισμοῦ μου (7 b)
— 13. προσάξετε . . . κριοὺς δύο	(2)	— 20. τὸν κρ. ὃν εἶδες	(2)	II Ki. 15. 2. πᾶς ἀνὴρ ὃς ἐγένετο κρίσις ἤλθε πρὸς τὸν βασιλ. εἰς κρίσιν (7 b, 8 d)
— 14. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἐνὶ ἐπὶ τοὺς δύο κρ.	(2, 2)	II Ma. 12. 15. τὸν ἄνθρωπον κριῶν . . . κατακρημνίσαντα τὴν Ἱερ.	(2)	— 4. ὃς [A οὐ] εἰς ἡ ἀντιλογία καὶ κρίσις (8 d)
— 17. μόσχους δώδεκα κριοὺς δύο	(2)	[A q. Is. 34. 6: Da. 8. 7.]	(2)	— 6. τοῖς παραγινόμενοις εἰς κρίσιν (8 d)
— 18. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ.	(2)	[Sm. Ex. 35. 23: Is. 34. 6.]	(2)	III Ki. 8. 49. Α ποιήσεις κρίσιν αὐτῶν (8 d)
— 20. μόσχους ἐνδεκα κριοὺς δύο	(2)	[Th. Ex. 35. 23: Is. 34. 6: Da. 8. 7.]	(2)	11. 33. Α διακρίσεις μου καὶ κρίσεις μου (8 d)
— 21. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ.	(2)		(2)	IV Ki. 1. 7. τίς ἡ κρ. τοῦ ἀνδρός (8 d)
— 23. μόσχους δέκα κριοὺς δύο	(2)		(2)	— 17. 34. καὶ κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν (8 d)
— 24. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ.	(2)		(2)	25. 6. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ κρίσιν (8 d)
— 26. μόσχους ἐνδεκα κριοὺς δύο	(2)		(2)	I Ch. 6. 32 (17). ἔστησαν κατὰ τὴν κρ. [A κρᾶσιν] αὐ. (8 d)
— 27. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ.	(2)		(2)	23. 31. κατὰ τὴν κρ. ἐπ' αὐτοῖς (8 d)
— 29. μόσχους οκτὼ κριοὺς δύο	(2)		(2)	24. 19. κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν διὰ χειρὸς Ἀαρών (8 d)
— 30. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ.	(2)		(2)	II Ch. 8. 14. κατὰ τὴν κρ. Δαυὶδ (8 d)
— 32. δαμάλειε ἐπὶ τὰς κριοὺς δύο	(2)		(2)	9. 8. Α τοῦ ποιῆσαι κρίσιν [B κρίμα] (8 d)
— 33. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ.	(2)		(2)	19. 6. καὶ μετ' ὑμῶν λόγος τῆς κρ. (8 d)
— 36. μόσχον ἑνα κρ. ἑνα	(2)		(2)	
— 37. τῷ μόσχῳ καὶ τῷ κρ.	(2)		(2)	
De. 32. 14. μετὰ στέατος ἀρνῶν καὶ κριῶν	(2)		(2)	
I Ki. 15. 22. καὶ ἡ ἐπακράσις ὑπὲρ στέαρ κριῶν	(2)		(2)	
IV Ki. 3. 4. ἐκατόν χιλιάδας κριῶν ἐπὶ πόκων [ῥέπειτ.]	(2)		(2)	

11 Ch. 19. 8. κατέστησεν Ἰουσ. . . εἰς κρίσιν κυρίου (8 d)  
 — 10. κρ. τὴν ἐλθοῦσαν ἐφ' [A πρὸς] ὑμᾶς (7 b)  
 20. 9. ῥομφαία κρίσις θάνατος (8 c)  
 35. 13. ὤπτησαν τὸ φασέκ . . . κατὰ τὴν κρ. (8 d)  
 I Es. 4. 40. οὐκ ἔστιν ἐν τῇ κρ. αὐτῇ οὐδὲν ἄδικον (8 d)  
 II Es. 8. 4. ὡς ἡ κρ. (8 d)  
 To. 1. 18. B ἐν ἡμέραις τῆς κρ.  
 3. 2. κρ. ἀληθινὴν καὶ δικαίαν σὺ κρίνεις εἰς τὸν αἶωνα [B al.]  
 — 5. πολλοὶ αἱ κρ. σοὶ εἰσι καὶ ἀληθιναί  
 6. 12. B κατὰ τὴν κρ. τῆς βίβλου M. [A B al.]  
 7. 12. κομίζου αὐτὴν ἀπὸ τοῦ νῦν κατὰ τὴν κρ. [B al.]  
 — 13. B κατὰ τὴν κρ. τὴν γεγραμμένην [A B al.]  
 — 14. B κατὰ τὴν κρ. τοῦ M. νόμου  
 Ju. 9. 6. καὶ ἡ κρ. [A αἱ κρ.] σου ἐν προγνώσει  
 16. 17. ἐκδικήσεις αὐτοὺς ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως  
 Es. 1. 13. ποιήσατε αὐτὸν περὶ τούτου νόμον καὶ κρίσιν (2 a)  
 8. 13. τὴν κατατίαν τοῦ . . . θεοῦ . . . ἀποδόντος αὐτῇ κρ.  
 10. 3. A B<sup>3</sup> B καὶ εἰς ἡμέραν κρίσεως  
 Jb. 6. 29. A B<sup>3</sup> μὴ εἴη ἄδικον ἐν κρίσει [B B<sup>1</sup> om. ἐν κρ.] —  
 9. 32. ἴνα ἔλθωμεν ὁμοθυμαδὸν εἰς κρίσιν (8 d)  
 13. 6. κρίσιν [A -σει] δὲ χεῖλός μου προσέχετε (7 b)  
 22. 4. συνελενύσεται σοὶ εἰς κρίσιν (8 d)  
 34. 4. κρίσιν ἐλώμεθα ἑαυτοῖς  
 — 12. ἡ ὁ πασιτοκτῶν ταράξει κρίσιν [A τὸ δίκαιον] (8 d)  
 35. 2. τί τοῦτο ἡγήσω ἐν κρίσει (8 d)  
 39. 32 (40. 2). μὴ κρίσιν μετὰ ἱκανοῦ ἐκκλίνει [Γ -ει] (7 a)  
 Ps. 1. 5. οὐκ ἀναστήσονται αἱ ἀσεβεῖς ἐν κρίσει (8 d)  
 9. 4. ἐποίησας τὴν κρ. μου (8 d)  
 — 7. ἡτοίμασεν ἐν κρίσει τὸν θρόνον αὐτοῦ (8 d)  
 24 (26). 9. ὀδηγήσει πραιεῖ ἐν κρίσει (8 d)  
 32 (33). 5. ἀγαπᾷ ἐλεημοσύνην καὶ κρίσιν (8 d)  
 34 (35). 23. πρὸς σέ τῃ κρ. μου (8 d)  
 36 (37). 28. κυρία ἀγαπᾷ κρίσιν (8 d)  
 — 30. ἡ γλώσσα αὐτοῦ λαλήσει [B<sup>1</sup> μελετήσῃ] κρίσιν (8 d)  
 71 (72). 2. καὶ τοὺς πτωχοὺς σου ἐν κρίσει (8 d)  
 75 (76). 8. ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἡκούστας κρίσιν (2 a)  
 — 9. ἐν τῇ ἀναστάσει εἰς κρίσιν τὸν θεόν (8 d)  
 93 (94). 15. ἔως οὐ δικαιοσύνη ἐπιστρέψῃ εἰς κρίσιν (8 d)  
 98 (99). 4. A B B<sup>3</sup> τιμὴ βασιλείας κρίσιν ἀγαπᾷ (8 d)  
 — 4. κρίσιν καὶ δικαιοσύνην ἐν ἱ. σὺ ἐποίησας (8 d)  
 100 (101). 1. κρίσιν ἄνομαι σοὶ (8 d)  
 105 (106). 3. μακάριοι οἱ φυλάσσοντες κρίσιν (8 d)  
 110 (111). 7. ἔργα χειρῶν αὐτοῦ ἀλήθεια καὶ κρίσις (8 d)  
 111 (112). 5. οἰκονομήσει τοὺς λόγους αὐτοῦ ἐν κρίσει (8 d)  
 118 (119). 84. πότε ποιήσεις ἐκ τῶν καταδικωμένων με κρίσιν (8 d)  
 — 137. A B εὐθὺς αἱ κρ. [B εὐθὺς ἡ κρ.] σου (8 d)  
 — 154. κρίνον τὴν κρ. μου (7 b)  
 121 (122). 5. ἐκεῖ ἐκάθισαν θρόνοι εἰς κρίσιν (8 d)  
 139 (140). 12. ποιήσεις κύριος τὴν κρ. τοῦ πτωχοῦ (2 a)  
 142 (143). 2. μὴ ἐισέλθῃς εἰς κρίσιν μετὰ τοῦ δούλου σου (8 d)  
 Pr. 6. 19. ἐπιτέμπει κρίσεις ἀνὰ μέσον ἀδελφῶν (2 d)  
 — 34. οὐ φείσεται ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως (4)  
 15. 18. μακρόθυμος ἀνὴρ κατασβέσει κρίσεις (7 b)  
 16. 10. ἐν δὲ κρίσει οὐ μὴ πλανηθῇ τὸ στόμα αὐτοῦ (8 d)  
 18. 5. οὐδὲ δόσιον ἐκκλίνει τὸ δίκαιον ἐν κρίσει (8 d)  
 19. 28. στόμα δὲ σεσβῶν καταπίπτει κρίσεις †  
 22. 23. ὁ γὰρ κύριος κρινεῖ αὐτοῦ τὴν κρ. [A δίκην, B<sup>1</sup> ψυχὴν] (7 b)  
 23. 11. κρινεῖ τὴν κρ. αὐτῶν μετὰ σοῦ (7 b)  
 — 29. A B τιμὴ θύμβος; τίμη κρίσις [B -εις] (2 c, 2 b\*)  
 24. 38 (23). A B αἰδέσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει οὐ καλόν (8 d)  
 — 68 (30. 33). ἐξελεύσονται κρίσεις καὶ μάχαι (7 b)  
 26. 17. οὕτως ὁ προσιτῶς ἀλλοτρίας κρίσεως (7 b)  
 28. 2. δι' ἁμαρτίας ἀσεβῶν κρίσεις ἐγείρονται †  
 Ec. 8. 16. εἶδον ὑπὸ τὸν ἥλιον τόπον τῆς κρ. (8 d)  
 8. 5. καυρὸν κρίσεως γινώσκεις καρδιά σοφοῦ (8 d)  
 — 6. παντὶ πράγματι ἔστι καιρὸς καὶ κρίσις (8 d)  
 11. 9. ἐπὶ πᾶσι τούτοις ἔξει σε ὁ θεὸς ἐν κρίσει (8 d)  
 12. 14. συμπᾶν τὸ ποίημα ὁ θεὸς ἔξει ἐν κρίσει (8 d)  
 Wi. 5. 18. περιθίσεται κόρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον

Wi. 6. 5. κρίσις ἀπότομος ἐν τοῖς ὑπερέχουσιν γίνεται  
 8. 11. ὄξυς εὐρεθήσομαι ἐν κρίσει  
 9. 3. καὶ ἐν εὐθύτῃ ψυχῇ κρίσιν κρήη [A -ει]  
 — 5. ἐλάσσω ἐν συνέσει κρίσεις  
 12. 25. ὡς παῖσιν ἀλογίστοις τὴν κρ. εἰς ἐμπαιγμὸν ὀφειλόμενος  
 — 26. ἄξιαν θεοῦ κρίσιν πεύρασουσιν  
 16. 18. θεοῦ κρίσει ἐλαυνονται [A -ωνται]  
 17. 1. μεγάλα γὰρ σοὶ αἱ κρ.  
 Si. 3. 2. κρίσιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς  
 11. 9. ἐν κρίσει ἀμαρτωλῶν μὴ συνέδρευε  
 18. 26. ἐκ κρίσει κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ ἀπ' ἀρχῆς  
 18. 20. πρὸ κρίσεως ἐξέταξε σεαυτὸν  
 25. 4. ὡς ὥραιον πολίταις κρίσις  
 29. 19. διώκων ἐργολαβείας ἐμπεσεῖται εἰς κρίσεις [A ἐγγύη]  
 30. 38 (33. 29). ἀνεκρίσεως μὴ ποιήσῃς μηδὲν  
 32 (35). 18. καὶ ποιήσεις κρίσιν  
 — 19. ἔως κρήν τὴν κρ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ  
 36 (33). 13. ἀποδοῦναι αὐτοῖς κατὰ τὴν κρ. αὐτοῦ  
 38. 16. κατὰ δὲ τὴν κρ. αὐ. περιστέλλων τὸ σῶμα αὐ.  
 45. 10. λογιέθ[η] [B λόγος] κρίσεως δόλοισι ἀληθείας  
 Ho. 4. 1. οἱ κρίσεις [A -εις] τῇ κ. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (7 b)  
 12. 2 (3). καὶ κρίσις [A -εις] τῇ κ. πρὸς ἱ. (7 b)  
 Mi. 6. 2. B ἀκούσατε ὁρη [A βουνοί, B λαοί] τὴν κρ. (7 b)  
 — 2. οἱ κρίσεις τῇ κ. πρὸς τὸν λαόν αὐτοῦ (7 b)  
 Hb. 1. 3. ἐπὶ ἀνταγίας μου γέγονε κρίσις (7 b)  
 Ma. 3. 5. προσάφω πρὸς [A om.] ὑμᾶς ἐν κρίσει (8 d)  
 — 5. ἐπὶ . . . τοῦ ἐκκλινόντος κρίσιν προσήλυτον —  
 Is. 1. 17. ἐκλήθησθε κρίσιν (8 d)  
 — 21. πόλις πιστὴ Σιών πλήρης κρίσεως (8 d)  
 — 23. κρίσιν χηρῶν [A B -ρας] οὐ προσέχοντες (7 b)  
 — 24. κρίσιν ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου ποιήσω (9)  
 3. 13. καταστήσεται εἰς κρίσιν κύριος καὶ στή-  
 σει εἰς κρίσιν τὸν λαόν αὐτοῦ (7 a, 2 c)  
 — 14. αὐτὸς κύριος εἰς κρίσιν ἔξει (8 d)  
 4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως (8 d)  
 5. 7. ἔμεινα τὸ ποιῆσαι κρίσιν (8 d)  
 10. 2. ἐκκλινόντες κρίσιν πτωχῶν (2 a)  
 11. 4. κρινεῖ ταπεινῶν κρίσιν (7 b)  
 26. 8. ἡ γὰρ ὁδὸς κυρίου κρίσις (8 d)  
 28. 6. καταλειφθήσονται ἐπὶ πνεύματι κρίσεως ἐπὶ κρίσιν (8 d, 8 d)  
 — 17. θῆσθε κρίσιν εἰς ἐλπίδα (8 d)  
 32. 1. ἀρχόντες μετὰ κρίσεως ἀρξονται (8 d)  
 — 7. διασκεδάσαι λόγους [A -γισμοὺς] ταπεινῶν ἐν κρίσει (8 d)  
 33. 5. ἐνεπλήσθη Σιών κρίσεως καὶ δικαιοσύνης —  
 — 15. ἴνα μὴ ἀκούσῃ κρίσιν αἵματος (8 d)  
 34. 5. ἐπὶ τὸν λαόν τῆς ἀπωλείας μετὰ κρίσεως (8 d)  
 — 8. ἡμέρα γὰρ κρίσεως κυρίου καὶ ἐναντὶς ἀνταποδόσεως κρίσεως Σιών (4, 7 b)  
 35. 4. ὁ θεὸς ἡμῶν κρίσιν ἀνταποδίδωσι (4)  
 40. 14. τίς ὀνειδίζει αὐτῇ κρίσιν (8 d)  
 — 27. ὁ θεὸς μου τὴν κρ. ἀπέλει (8 d)  
 41. 1. κρίσιν [A -εις] ἀναγγελάτωσαν (8 d)  
 — 21. ἐγγίξει ἡ κρ. ἡμῶν (7 b)  
 42. 1. κρίσιν [A -εις] τοῖς ἔθνεσιν ἐξοίσει (8 d)  
 — 3. εἰς ἀλήθειαν ἐξοίσει κρίσιν (8 d)  
 — 4. ἔως ἀν θῇ ἐπὶ τῆς γῆς κρίσιν (8 d)  
 49. 4. ἡ κρ. μου παρὰ κυρίῳ [A -ιου] (8 d)  
 — 25. ἐγὼ δὲ τὴν κρ. σου κρινῶ (7 c)  
 51. 4. ἡ κρ. μου εἰς φῶς ἔθνων (8 d)  
 — 7. ἀκούσατέ μου οἱ εἰδότες κρίσιν (8 d)  
 58. 8. ἐν τῇ ταπεινώσει ἡ κρ. αὐτοῦ ἤρθη [B<sup>1</sup> ἤχησθ] (8 d)  
 54. 17. ἀναστήσεται ἐπὶ σέ εἰς κρίσιν (8 d)  
 56. 1. φυλάσσεσθε κρίσιν (8 d)  
 58. 2. ὡς λαὸς . . . κρίσιν θεοῦ αὐτοῦ μὴ ἐγκατα-  
 λελοιπῶς αὐτοῦ με νῦν κρίσιν δι-  
 καίαν (8 d, 8 d)  
 — 4. εἰ [A B om.] εἰς κρίσεις καὶ μάχας ἠγεστέεε (7 b)  
 59. 4. οὐδὲ ἔστι κρ. ἀληθινὴ (8 d)  
 — 8. οὐκ ἔστι κρ. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν [B<sup>1</sup> al.] (8 d)  
 — 9. ἀπέστη ἡ κρ. ἀπ' αὐτῶν (8 d)  
 — 11. ἀνεμείναμεν κρίσιν (8 d)  
 — 14. ἀπεστήσαμεν ὁπίω τὴν κρ. (8 d)  
 — 15. οὐκ ἔφρασε αὐτῇ ὅτι οὐκ ἦν κρ. (8 d)  
 68. 1. διαλέγομαι . . . κρίσιν σωτηρίαν [B<sup>1</sup> -ίας] †  
 Je. 1. 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως (8 d)  
 4. 2. ἡ κύριος μετὰ ἀληθείας ἐν κρίσει (8 d)  
 5. 4. οὐκ ἔγνωσαν . . . κρίσιν θεοῦ (8 d)

Je. 6. 5. αὐτοὶ ἐπέγνωσαν . . . κρίσιν θεοῦ (8 d)  
 — 28. παρέβησαν κρίσιν οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανῶν καὶ κρίσιν χήρας οὐκ ἐκρί-  
 νουσαν (2 c, 2 a, 8 d)  
 7. 5. ποιοῦντες ποιήσῃτε κρίσιν [A κρίμα] (8 d)  
 10. 24. παιδεύσον ἡμᾶς . . . πλὴν ἐν κρίσει (8 d)  
 17. 11. ποιῶν πλοῦτον αὐτοῦ οὐ μετὰ κρίσεως (8 d)  
 22. 3. ποιεῖτε κρίσιν καὶ δικαιοσύνην (8 d)  
 — 16. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ταπεινῶν [A -ὤν] οὐδὲ κρίσιν πένητος (2 a, -)  
 26 (46). 28. A παιδεύσω σε εἰς κρίσιν [B B κρίμα] (8 d)  
 27 (50). 34. κρίσιν κρινεῖ πρὸς τοὺς ἀντιδίκους αὐτοῦ (7 a)  
 31 (48). 21. κρ. ἔρχεται εἰς τὴν γῆν τοῦ Μει-  
 σῶρ (8 d)  
 32 (25). 31. κρ. τῇ κ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (7 b)  
 33 (26). 11. κρ. θανάτου τῷ ἀνθρώπῳ τοῦτῃ (8 d)  
 — 16. οὐκ ἔστι τῷ ἀνθρώπῳ τοῦτῃ κρ. θανά-  
 του (8 d)  
 37 (30). 13. οὐκ ἔστι κρίσιν κρίσιν σου (2 a)  
 39 (32). 7. σοὶ κρίσις [A B κρίμα] παραλαβεῖν εἰς κτήνην (8 d)  
 52. 9. ἐλάλησεν αὐτῇ μετὰ κρίσεως (8 d)  
 La. 3. 35. τοῦ ἐκκλίνει κρίσιν ἀνδρὸς κατέναυτι προσώπου ὑψίστου (8 d)  
 — 59. ἔκρινες τὴν κρ. μου (8 d)  
 Ep. Je. 54. κρίσιν τε οὐ μὴ διακρίνωσιν ἐαυτῶν  
 — 64. οὐ δυνατόν ὄντων αὐτῶν οὐδὲ κρίσιν κρίναι  
 Ez. 39. 21. ὀφθαῖμα πάντα τὰ ἔθνη τῇ κρ. μου (8 d)  
 44. 24. ἐπὶ κρίσιν αἵματος οὐτοὶ ἐπιστήσανται (7 b)  
 Da. LXX. Su. 6. ἥρχοντο κρίσεις ἐξ ἄλλων πόλεων πρὸς αὐτοὺς  
 — 53. καὶ κρίνεις κρίσεις θάνατον ἐπιφερούσας  
 2. 9. οἱ καὶ τὴν τοῦτον κρ. δηλώσῃτε  
 — 36. καὶ τὴν κρ. δὲ ἐροῦμεν ἐπὶ τοῦ βασ. (5)  
 — 45. καὶ πιστὴ ἡ τοῦτον κρ. (5)  
 3. (27). καὶ πᾶσαι αἱ κρ. σου ἀληθιναί  
 — (28). ἐν ἀληθείᾳ καὶ κρίσει ἐποίησας πάντα ταῦτα  
 — (31). ἐν ἀληθείᾳ κρ. ἐποίησας  
 4. 20. ἡ κρ. τοῦ θεοῦ τοῦ μεγάλου ἔξει ἐπὶ σέ —  
 — 25. ὡς ἤκουσε τὴν κρ. τοῦ ὁράματος —  
 7. 16. τὴν κρ. τῶν λόγων ἐδήλωσέ μοι (5)  
 — 22. τὴν κρ. ἔδωκε τοῖς ἁγίοις τοῦ ὑψίστου (2 a)  
 — 26. ἡ κρ. καθίσταται (2 a)  
 Da. TH. Su. 53. κρίνων κρ. ἀδίκους  
 3. (27). πᾶσαι αἱ κρ. σου ἀλήθεια  
 — (28). ἐν ἀληθείᾳ καὶ κρίσει ἐπήγαγες ταῦτα πάντα  
 — (31). ἐν ἀληθείᾳ κρ. ἐποίησας  
 4. 34. καὶ αἱ τριβὶς αὐτοῦ κρίσεις [A -is] (2 a)  
 I Ma. 6. 22. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> ἔως πότε οὐ ποιήσῃ [A B<sup>3</sup> -εις] κρίσιν  
 7. 18. οὐκ ἔστιν ἐν αὐτοῖς ἀλήθεια καὶ κρίσις  
 8. 32. ποιήσωμεν αὐτοῖς τὴν κρ.  
 II Ma. 4. 43. περὶ δὲ τούτων ἐνίστη κρίσις  
 7. 35. οὐκ γὰρ τὴν τοῦ . . . θεοῦ κρ. ἐπέφευγας  
 — 36. σὺ δὲ τῇ τοῦ θεοῦ κρ. . . τὰ πρότῃμα . . . ἀποίστη  
 9. 4. τῆς ἐξ οὐρανοῦ δὴ κρ. συνούσης αὐτῷ  
 — 18. ἐπεληλύθει γὰρ ἐπ' αὐτὸν δικαία ἡ τοῦ θεοῦ κρ.  
 14. 18. τὴν κρίσιν δι' αἱμάτων ποιήσασθαι  
 — 38. κρίσιν εἰσηνεγμένους Ἰουδαίῳ  
 15. 20. πάντων ἤδη προσδοκῶντων τὴν ἐσομένην κρ.  
 III Ma. 2. 22. B δικαία περιπελεγμένον [A πεπληγ.] κρ.  
 [Aq. Le. 24. 22 : Dt. 21. 17 : III Ki. 7. 7 (44) : 11. 33 : Jb. 19. 29 : 34. 6, 17 : 37. 23 : Ps. 9. 8 : 98 (99). 4 : 118 (119). 121, 156 : Pr. 1. 3 : 19. 28 : 31. 5 : Is. 5. 16 : 10. 2 : 28. 6 bis : 34. 5 : 41. 1 : Ez. 23. 45.]  
 [8m. Le. 24. 22 : Dt. 21. 17 : I Ki. 30. 25 : III Ki. 7. 7 (44) : Jb. 8. 3 : 19. 29 : 23. 4 : 27. 2 : 34. 17 : 40. 3 (8) : Ps. 9. 8 : 16 (17). 2 : 32 (33). 5 : 75 (76). 9 : 111 (112). 5 : 149. 9 : Pr. 1. 3 : 18. 17 : 28. 25 : 31. 8 : Is. 10. 2 : 25. 7 : 28. 6 bis : 7 : 34. 5 : 40. 14 : 41. 1 : 21 : 59. 9 : 11 : Je. 9. 24 (23) : 30 (37). 11 : 39 (46). 5 : 46 (26). 28 : Ez. 23. 45.]  
 [Th. Le. 24. 22 : Dt. 21. 17 : Jb. 19. 29 : 34. 6 : 39. 32 (40. 2) : Pr. 1. 3 : 19. 28 : 31. 5 : Is. 10. 2 : 28. 6 bis : 34. 5 : 41. 1 : 54. 17 : 58. 4 : Je. 30 (37). 11 : Ez. 23. 45 : Jb. 8 (4. 2, 14).]  
 [Al. Le. 5. 10 : Nu. 29. 6 : Dt. 17. 9 : Ps. 9. 26 (10. 5) : 47 (48). 12.]  
 [Quint. Ps. 118 (119). 121 : Pr. 31. 5.]  
 [Sext. Ps. 118 (119). 121.]



**κριτήριον.** (1) כִּרְיָן (2) כִּרְיָן  
Ex. 21. 6. προσάγει αὐτὸν . . . πρὸς τὸ κρ. τοῦ θεοῦ  
Jd. 5. 10. καθήμενοι ἐπὶ κριτήριον [A al.]  
III Ki. 7. 7. αἰλὰμ τοῦ κρ. (2)  
Da. LXX. 7. 10. καὶ κριτήριον ἐκάθισε (1)  
Da. TH. Su. 49. ἀναστρέψατε εἰς τὸ κρ.  
7. 10. κριτήριον ἐκάθισε (1)  
— 26. καὶ τὸ κρ. ἐκάθισε [A καθίσει] (1)  
[Th. Da. 7. 26.]  
**κριτής.** (1) אֱלֹהִים (2) כֹּהֵן  
(3) שֹׁפֵט (4) שֹׁפֵט (5) א. בֶּשֶׁף (6) בֶּשֶׁף  
(8) κρ. γίνεσθαι כֹּהֵן  
De. 1. 15. γραμματισαγωγίς τοῖς κρ. ὕμῶν (3)  
— 16. ἐντεταλμὴν τοῖς κρ. ὕμῶν (5 a)  
18. 18. κριτὰς . . . ποιήσεις [A καταστήσεις] (5 a)  
17. 9. ἐλεύσθι πρὸς . . . τὸν κρ. (5 a)  
— 12. ἡ τοῦ κρ. ὅς ἐστιν ἡ [A γίνηται] ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις (5 a)  
19. 17. ἐναντὶ τῶν ἱερέων καὶ ἐναντὶ τῶν κρ. (5 a)  
— 18. καὶ ἐξετάσωσιν οἱ κρ. ἀκριβῶς (5 a)  
21. 2. ἡ γερουσία σου καὶ οἱ κρ. σου (5 a)  
25. 2. A B καθίσει αὐτὸν ἐναντὶ τῶν κρ. [B om. ἔ. τ. κρ.] (5 a)  
29. 10 (9). ἡ γερουσία ὕμῶν καὶ οἱ κρ. ὕμῶν (3 ?)  
31. 28. ἐκκλησιάσατε πρὸς με . . . τοὺς κρ. ὕμῶν (4 ?)  
Jd. tit. κριταί (5 a)  
— 16 (17). τῶν κρ. [A αὐτῶν] οὐχ ὑπήκουσαν [A οὐκ ἐπ.] (5 a)  
— 18. ἤγειρε κύριος αὐτοῖς κριτὰς (5 a)  
— 18. ἦν κύριος μετὰ τοῦ κρ. (5 a)  
— 18. A ἐν χειρὶ τῶν κρ. [B al.]  
— 18. πάσι τὰς ἡμέρας τοῦ κρ. (5 a)  
— 19. ὡς ἀπέθνησκον ὁ κρ. (5 a)  
— ἰσβίετ. κριταί  
Ru. 1. 1. ἐν τῷ κρίνειν τοὺς κρ. (5 a)  
I Ki. 24. 16. γένοιτο κύριος εἰς κριτὴν (1 a)  
II Ki. 7. 11. ὡν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (5 a)  
15. 4. τίς με καταστήσει κριτὴν (5 a)  
IV Ki. 23. 22. ἀφ' ἡμερῶν τῶν κρ. (5 a)  
I Ch. 17. 6. A ἐνὶ τῶν κρ. Ἰσρ. (5 a)  
— 10. ὡν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (5 a)  
23. 4. καὶ κρ. ἐξακισχίλιοι (5 a)  
28. 1. ἀρχοντας τῶν κρ. (3)  
II Ch. 1. 2. καὶ τοῖς κρ. καὶ πᾶσι τοῖς ἀρχουσιν (5 a)  
19. 5. καὶ κατέστησε κριτὰς (5 a)  
— 6. καὶ εἶπε τοῖς κρ. (5 a)  
26. 11. διὰ χειρὸς . . . M. τοῦ κρ. (4)  
34. 13. γραμματεῖς καὶ κριταί (4)  
I Es. 2. 17. B καὶ κριταί [A κραταιοί, B om.] οἱ ἐν κοιλῇ Συρία (5 a)  
8. 23. ἀνάδειξεν κριτὰς καὶ δικαστὰς (5 a)  
9. 13. τοὺς πρεσβυτέρους καὶ τοὺς κρ. (5 a)  
II Es. 7. 25. κατὰστήσων . . . κριτὰς (1 a)  
10. 14. πρεσβύτεροι πόλεως καὶ πόλεις καὶ κριταί (5 a)  
Jb. 9. 24. πρόσωπα κριτῶν αὐ. συγκαλύπτει (5 a)  
12. 17. κριτὰς δὲ γῆς ἐξίστησε (5 a)  
13. 8. ἡμεῖς δὲ αὐτοὶ κριταί γίνεσθε [A B γενέσθαι] (6)  
Ps. 7. 11. ὁ θεὸς κριτὴς δίκαιος (5 a)  
49 (50). 6. θεὸς [S ὁ θ.] κριτὴς ἐστί (5 a)  
67 (68). 5. τὸν πατέρα τῶν ὀφθαλμῶν καὶ κριτοῦ τῶν χερῶν (1 a)  
74 (75). 7. ὁ θεὸς κριτὴς ἐστί (5 a)  
140 (141). 6. S<sup>1</sup> κατεπέθεσαν . . . οἱ κρ. [ABS<sup>1</sup> κραταιοί] αὐτῶν (5 a)  
148. 11. ἀρχοντας καὶ πάντες κριταί γῆς (5 a)  
Wi. 15. 7. κριτὴς ὁ πληουργός  
Si. 7. 6. μὴ ζῆτει γενέσθαι κριτὴς  
8. 14. μὴ δικάζου μετὰ κριτοῦ  
10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύσει τὸν λαόν αὐτοῦ  
— 2. κατὰ τὸν κρ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ  
— 24. μεγιστὰν καὶ κριτὴς καὶ δυνάστης  
32 (35). 12. κύριος κριτὴς ἐστί  
41. 18. ἀπὸ κριτοῦ καὶ ἀρχοντος περὶ πλημμελείας  
46. 11. A S<sup>2</sup> B καὶ οἱ κρ. ἕκαστος [B S<sup>1</sup> -φ] τῷ αὐτοῦ δνόματι  
Ho. 7. 7. καὶ κατέφαγον τοὺς κριτὰς αὐ. [A al.] (5 a)  
Am. 2. 3. καὶ ἐξολοθρεύσω κριτὴν ἐξ αὐτῆς  
Mi. 7. 3. ὁ κριτὴς εἰρηνικοὺς λόγους ἐλάλησε (5 a)

Hb. 1. 3. γέγονε κρίσις καὶ ὁ κριτὴς λαμβάνει (1 b)  
Ze. 3. 3. οἱ κριταὶ αὐτῆς ὡς λυκοὶ τῆς Ἀραβίας (5 a)  
Is. 1. 26. ἐπιστήσω τοὺς κρ. σου ὡς τὸ πρότερον (5 a)  
30. 18. κρ. κύριος ὁ θεὸς ὕμῶν [A S ἡμῶν ἐστί] (5 b)  
33. 22. οὐ παρελεύσεται με κύριος [A<sup>2</sup> add. πατήρ κύριος] κρ. ἡμῶν (5 a)  
63. 7. κύριος κρ. ἀγαθὸς τῷ οἴκῳ Ἰσραὴλ (2 ?)  
Er. Je. 14. σκηπτρον ἔχει ὡς ἄνθρωπος κρ. χώρας  
Ez. 25. 16. A ἐξολοθρεύσω κριτὰς Σιδῶνος [B ἔ. Κρήτας]  
Da. LXX. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ κριταί  
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ Βαβ. ἐκ πρεσβυτέρων κρ.  
— 29. ἀναστάντες οἱ δύο πρεσβύτεροι καὶ κρ.  
— 34. ἀναστάντες δὲ οἱ πρεσβύτεροι καὶ κρ.  
— 41. ὡς πρεσβυτέρων ὄντων καὶ κρ. τοῦ λαοῦ  
9. 12. ὅσα ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς κρ. ἡμῶν (5 a)  
Da. TH. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ κριταί  
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ Βαβ. ἐκ πρεσβυτέρων κρ.  
— 41. ὡς πρεσβυτέροις τοῦ λαοῦ καὶ κριταῖς  
9. 12. οὐς ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς κρ. ἡμῶν (5 a)  
I Ma. 2. 55. Ἰησοῦς . . . ἐγένετο κριτὴς ἐν Ἰσρ.  
10. 37. S κριταὶ κατασταθήσονται [A B al.]  
II Ma. 12. 6. ἐπαλαστήμενος τὸν δίκαιον κρ. θεόν [Aq. Ps. 140 (141). 6; Is. 40. 23; Mi. 5. 1 (4. 14).]  
[Sm. I Ch. 26. 29; Ps. 74 (75). 8; 140 (141). 6; Mi. 5. 1 (4. 14).]  
[Th. Jd. 2. 17; Jb. 9. 24; Mi. 5. 1 (4. 14).]  
[Al. Nu. 25. 5; I Ch. 17. 6.]  
**κρίωμα.**  
[Aq. Ez. 40. 14 δις.]  
**κρόκη.** (1) חֲבִיטָה (2) עֶבֶךְ  
Le. 13. 48. ἡ ἐν στήμονι ἡ ἐν κρόκῃ (2)  
— 49. 51. ἡ ἐν τῷ στήμονι ἡ ἐν τῇ κρ. (2)  
— 52. ἡ τὸν στήμονα ἡ τὴν κρ. (2)  
— 53. ἡ ἐν τῷ στήμονι ἡ ἐν τῇ κρ. (2)  
— 55. ἡ ἐν τῷ στήμονι ἡ ἐν τῇ κρ. (1)  
— 56. ἡ ἀπὸ τοῦ στήμονος ἡ ἀπὸ τῆς κρ. (2)  
— 57. ἡ ἐν τῷ στήμονι ἡ ἐν τῇ κρ. (2)  
— 58. ἡ ὁ στήμων ἡ ἡ κρ. (2)  
— 59. ἡ στήμονος ἡ κροκῆς (2)  
[Sm. Jd. 16. 12.]  
**κρόκινος.** (1) כֹּר  
Pr. 7. 17. διέρραγκα τὴν κοίτην μου κροκίνῳ [A S<sup>2</sup> κρόκῳ] (1)  
**κροκοδείλιος.** (1) ὁ κρ. ὁ χερσαῖος כָּז  
Le. 11. 29. ταῦτα ὕμῖν ἀκάθαρτα . . . ὁ κρ. ὁ χερσαῖος (1)  
**κρόκος.** (1) כֶּסֶם (2) כֹּר  
Pr. 7. 17. A S<sup>2</sup> διέρραγκα τὴν κοίτην μου κρόκῳ [B S<sup>1</sup> κροκίνῳ] (2)  
Ca. 4. 14. νάρδος καὶ κρόκος κάλαμος [S<sup>1</sup>-ον] καὶ κιννάμωμον (1)  
**κροκύφαντος.**  
[Aq. Is. 8. 19.]  
**κροκυφάντως (?)**  
[Aq. Je. 52. 22, 23.]  
[Sm. Je. 52. 22.]  
**κρόμμυον (B), κρόμμυον (A).** (1) לָצַב  
Nu. 11. 5. καὶ τὰ κρ. καὶ τὰ σκόδρα (1)  
**κροσός (κρωσός).** (1) עֶבֶךְ (2) עֶשֶׂה  
(3) עֶשֶׂה  
Ex. 28. 22. ποιήσεις . . . κρωσσοὺς συμπελεγμένους (2)  
— 24. θήσεις ἐπὶ τὸ λογιεῖον . . . τοὺς κρ. (2)  
36. 22 (39. 15). ἐποίησαν . . . κρωσσοὺς συμπελεγμένους (3)  
**κροσώτος (κροσσ.).** (1) חֲבִיטָה (2) עֶשֶׂה  
Ex. 28. 14. ποιήσεις δύο κροσσωτά (2)  
— 14. ἐπίθῃς τὰ κρ. τὰ πεπλεγμένα (2)  
Ps. 44 (45). 13. ἐν κρωσσοῖς χρυσοῖς περιβλημένη πεποικιλμένη [S<sup>1</sup>-οις] (1)  
**κρόταφος.** (1) עֶשֶׂה (2) עֶשֶׂה  
Jd. 4. 21. ἔκρινε τὸν πᾶσαντα ἐν τῷ κρ. αὐτοῦ [A al.] (2)

Jd. 4. 22. καὶ ὁ πᾶσσαλος ἐν τῷ κρ. [A τῇ γνάφῃ] αὐτοῦ (2)  
5. 26. διήλωσε κρόταφον αὐτοῦ [A al.] (2)  
Ps. 131 (132). 4. καὶ ἀνάπανσιν τοῖς κρ. μου [Aq. Jd. 4. 21.] (1)  
[Sm., Al. Jd. 5. 26.]  
[Th. Ps. 131 (132). 4.]  
**κροτεῖν.** (1) חָקַק a. qal. b. pi. (2) חָקַק hi.  
(3) חָקַק (4) חָקַק (5) חָקַק  
IV Ki. 11. 12. B ἐκρότησαν [A B ἐκράτησαν] τῇ χειρὶ (2)  
Jb. 27. 23. S<sup>1</sup> R κροτῇσι ἐπ' αὐτοὺς [B -οῖ, A S<sup>2</sup> -όν] χεῖρας αὐ. (4)  
Ps. 46 (47). 1. πάντα τὰ ἔθνη κροτῇσατε χεῖρας 97 (98). 8. ποταμοὶ κροτῇσουσι χεῖρὶ ἐπὶ τὸ αὐτὸ (1 a)  
Na. 3. 19. κροτῇσουσι χεῖρας ἐπὶ σέ (5)  
La. 2. 15. ἐκρότησαν ἐπὶ σέ χεῖρας (3)  
Ez. 6. 11. κρότησον τῇ χειρὶ (2)  
21. 12 (17). κρότησον ἐπὶ τὴν χεῖρά σου (3)  
— 14 (19). κρότησον χεῖρα [A τῇ χειρὶ] ἐπὶ χεῖρα (2)  
— 17 (22). κροτῶσω χεῖρά μου πρὸς χεῖρά μου (2)  
25. 6. ἐκρότησας τὴν χεῖρά σου (1 b)  
29. 7. ἐπεκρότησεν [B<sup>1</sup> ἐκρ., A ἐπεκράτ.] ἐπ' αὐτοὺς  
[Aq. IV Ki. 11. 12; Je. 31 (38). 19; Ez. 31. 15.]  
[Sm. Je. 31 (38). 19.]  
[Th. IV Ki. 11. 12; Jb. 27. 23; Ez. 22. 13.]  
[Al. Ps. 65 (66). 1; 94 (95). 2; 97 (98). 4; 99 (100). 1.]  
[Quint. IV Ki. 11. 12.]  
**κρούειν.** (1) חָקַק a. qal. b. hithp.  
Jd. 19. 22. κρούοντες ἐπὶ [A καὶ ἐκρουσαν] τὴν θύραν (1 b)  
Ju. 14. 14. ἐκρουσε τὴν αὐλαίαν [A αὐλήν] τῆς σκηνῆς  
Ca. 5. 2. S τὸν θυμὸν κρούοντα ἐπὶ τὴν θύραν  
— 2. φωνῇ ἀδελφιδῶ μου κρούει ἐπὶ τὴν θύραν (1 a)  
**κρουνηδόν.**  
II Ma. 14. 45. φερομένων κρ. τῶν αἱμάτων  
**κρουνησμός.**  
[Aq. II Ki. 5. 8.]  
**κρουρός.**  
[Sm. Ps. 41 (42). 8.]  
**κρούσμα.**  
[Sm. Is. 1. 6.]  
**κρούβδην.** (1) חָקַק  
II Ki. 12. 12. A σὺ ἐποίησας κρ. [B -βῆ] (1)  
**κρούβειν.** (1) חָקַק hithp. (2) חָקַק ni.  
I Ki. 23. 23. A ὅπου κρούβεται ἐκεῖ (1)  
IV Ki. 11. 3. ἦν μετ' αὐτῆς κρούβητος (1)  
I Ch. 21. 20. A τίς σαρκενὶς υἱὸς αὐτοῦ . . . κρούβητος [B μετ' ἀχάβιν] (1)  
Je. 39 (32). 27. μὴ ἀπ' ἐμοῦ κρούβηται [S<sup>1</sup>-βεται] τι (2)  
[Sm. Ps. 54 (55). 13; Is. 8. 17.]  
**κρυβῆ.** (1) חָקַק ni. (2) חָקַק (3) חָקַק  
Ge. 31. 26 (27). A ἴνα τί κρ. [B κρυβῆ] ἀπέδρας (1)  
Ru. 3. 7. A ὅ δὲ ἦλθεν κρυβῆ [B κρυφῆ] (2)  
I Ki. 19. 2. B καθίσον κρυβῆ [A B κρυφῆ] (3)  
II Ki. 12. 12. σὺ ἐποίησας κρυβῆ [A κρυβῆδην] (3)  
III Ma. 4. 12. τοὺς ἐκ τῆς πόλεως ὁμοθεῖν κρ. ἐκπορευομένους  
[Aq., Th. Jo. 2. 1.]  
**κρύος.**  
[Aq. Ps. 77 (78). 47.]  
**κρύπτειν.** (1) חָקַק a. ni. b. pu. c. hi.  
d. hoph. e. hithp. f. חָקַק g. חָקַק ni.  
(2) חָקַק hi. (3) חָקַק a. qal. b. ni. c. hi. (4) חָקַק a. ni. b. pi. c. hi. (5) חָקַק a. qal. b. pi. c. hithp. (6) חָקַק (7) חָקַק (8) חָקַק (9) חָקַק a. ni.

δ. pu. c. hi. . d. hithp. e. 𐤒𐤓𐤕	Jb. 34. 29. κρύψει πρόσωπον καὶ τίς ὄψεται αὐτὸν (9 c)	Je. 27 (50). 2. μὴ κρύψῃς (4 b)
(10) κεκρυμμένος 𐤏𐤕𐤓𐤕𐤓𐤕 (11) 𐤏𐤕𐤓𐤕 hi.	38. 2. τίς οὗτος ὁ κρύπτων με [B <sup>1</sup> om.] βουλήν (2, +)	29 (49). 10. κρυβήσῃ οὐ μὴ δύνανται (1 g)
(12) 𐤏𐤕𐤓𐤕 ni. (18) 𐤏𐤕𐤓𐤕 a. qal. δ. ni.	... ἐμὲ δὲ οἷεται κρύπτειν (2, +)	39 (52). 27. μὴ ἀπ' ἐμοῦ κρυβήσεται [B <sup>1</sup> κρυβήσεται] τι [A ἐτι] (12)
c. hi. d. 𐤒𐤓𐤕 e. 𐤏𐤕𐤓𐤕	40. 8 (13). κρύψον δὲ [A B <sup>2</sup> δὲ αὐτοὺς] εἰς γῆν [A B γ. ἔξω] (8 a)	43 (36). 19. A κρυβήθι [B B κατακρ.] οὐ (9 a)
Ge. 3. 8. ἐκρύβησαν δ' ἐπ' ἄ. καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ (1 c)	42. 3. A B <sup>2</sup> τίς γὰρ ἐστὶν ὁ κρύπτων σε βουλήν (11)	45 (38). 14. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 b)
— 10. ἐκρύβηθ' . . . καὶ ἐκρύβηθ' (1 a)	— 3. καὶ σὲ οἷεται κρύπτειν (+)	— 25. μὴ κρύψῃς ἀπ' ἡμῶν (4 b)
4. 14. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου κρυβήσομαι (9 a)	Ps. 9. 15. ἐν παγίδι ταύτῃ ἢ κρύψαν (8 a)	49 (42). 4. οὐ μὴ κρύψω ἀπ' ὕμων ῥῆμα (7)
18. 17. B οὐ [A om.] μὴ κρύψω ἐγὼ ἀπὸ ἄ. (5 b)	16 (17). 14. τῶν κεκρυμμένων σου ἐπλήσθη ἡ γαστήρ αὐτῶν (13 a, 13 d <sup>a</sup> )	La. 3. 56. B μὴ κρύψῃς τὰ ὀνόματά σου εἰς τὴν δέξιν μου (11)
31. 20. ἐκρύψε δὲ Ἰακώβ ἁβάν (5 b)	28 (27). 5. ἐκρύψῃ με ἐν σπηρῇ (13 a)	Ez. 12. 6. κεκρυμμένους ἐξελεύσῃ (10)
37. 26. ἐὰν . . . κρύψωμεν τὸ αἷμα αὐτοῦ (13 c)	30 (31). 4. ἐκ παγίδος ταύτης ἔξω κρύψαν μοι (8 a)	— 7. κεκρυμμένους ἐξήλθον (10)
Ex. 2. 3. οὐκ ἐδύναντο αὐτὸ ἐτι κρύπτειν	— 19. ἥς ἐκρύψαν τοῖς φοβουμένοις σε (13 a)	— 12. κεκρυμμένους ἐξελεύσεται διὰ τοῦ τοίχου (10)
— 12. ἐκρύψαν αὐτὸν ἐν τῇ ἄμφορῃ (8 a)	34 (35). 7. ὁμοῖαν ἐκρύψαν μοι διαφθοράν παγίδος αὐτῶν (8 a)	Da. Th. Su. 16. οἱ δύο πρεσβύτεροι κεκρυμμένοι
Nu. 5. 13. καὶ κρύψῃ (9 a)	— 8. ἡ θήρα ἢ κρύψαν [B <sup>2</sup> -εν] (8 a)	— 18. ὅτι ἦσαν κεκρυμμένοι
De. 7. 20. A B <sup>2</sup> B ἔως δὲ ἐκτριβῶσιν . . . οἱ κεκρυμμένοι ἀπὸ σοῦ (9 a)	37 (38). 9. ὁ στεναγμός μου οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ σοῦ (9 a)	— 37. νεανίσκος δὲ ἦν κεκρυμμένος
Jo. 2. 4. λαβοῦσα ἡ γυνὴ . . . ἐκρύψαν αὐτούς (13 a)	39 (40). 10. οὐκ ἐκρύψαν . . . τὴν ἀλήθειάν σου (5 b)	Bel 13. πεπονήκεισαν . . . κεκρυμμένην εἰσοδόν
— 6. καὶ ἐκρύψαν αὐτούς (8 a)	— 10. οὐκ ἐκρύψαν τὸ ἔλεός σου (4 b)	I Ma. 9. 38. ἐκρύβησαν ὑπὸ τὴν σκέπην τοῦ θρόνου
— 16. καὶ κρυβήσεσθε ἐκεῖ (1 a)	53 (54). 11. οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται παρ' ἡμῶν (9 d)	II Ma. 1. 33. A οὐ τὸ πῦρ ἐκρύψαν [B ἀπέκρ.]
6. 24 (25). ἐκρύψαν τοὺς κατασκοπεύσαντας (1 c)	54 (55). 12. ἐκρύβηθ' ἂν ἀπ' αὐτοῦ (9 a)	12. 41. τοῦ τὰ κεκρυμμένα φανερά ποιοῦντος
7. 19. μὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ (4 b)	63 (64). 5. διηγῶντο τοῦ κρύψαι παγίδα (8 a)	[Aq. Ge. 31. 27 : Dt. 33. 19 : 1v Ki. 7. 84 : Jb. 34. 22 : Ps. 12 (13). 2 : 16 (17). 14 : 30 (31). 5 : 20 : Pr. 27. 16 : 28. 28 : Is. 32. 2 : 64. 7 (6) : Je. 16. 17 : 36 (43). 26.]
— 21. τὸ ἀργύριον κέκρυπται ὑποκάτω αὐτῶν	68 (69). 5. αἱ πλημμελείαι μου . . . οὐκ ἐκρύβησαν [B <sup>2</sup> ἀπέκρ.] (4 a)	[Sm. Dt. 33. 19 : I Ki. 26. 1 : II Ki. 15. 28 : Jb. 15. 20 : 17. 4 : 24. 16 : Ps. 12 (13). 2 : 26. (27). 5 : 30 (31). 20 : 21 : 81 (82). 1 : 5 : 43 (44). 25 : 63 (64). 3 : 6 : Pr. 27. 5 : 16 : 28. 28 : Is. 64. 7 (6) : Je. 36 (43). 26.]
— 22. A B ταῦτα ἦν κεκρυμμένα [B ἐγκ.] (8 a)	77 (78). 4. οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ τῶν τέκνων αὐτῶν εἰς γενεὰν ἐτέραν (4 b)	[Th. I Ki. 23. 26 : Jb. 15. 20 : 17. 4 : 24. 4 : 34. 22 : Ps. 12 (13). 2 : 81 (82). 1 : 5 : Pr. 27. 16 : 28. 28 : Is. 64. 7 (6) : Je. 16. 17 : Da. 5. 12.]
10. 7. εὐρήνται οἱ πέντε βασιλεῖς κεκρυμμένοι (1 a)	118 (119). 11. ἐν τῇ καρδίᾳ μου ἐκρύψα τὰ λόγια σου (13 a)	[Al. Ex. 2. 2 : Le. 20. 4 : Ps. 142 (143). 7.]
Jd. 9. 5. ὅτι ἐκρύβη (1 a)	138 (139). 15. οὐκ ἐκρύβη τὸ ὄστού μου ἀπὸ σοῦ (4 a)	[Quint. Ps. 26 (27). 5 : 65 (58). 1 : Pr. 27. 16.]
I Ki. 3. 17. μὴ δὴ κρύψῃς [A μὴ διακρ.] ἀπ' ἐμοῦ (4 b)	139 (140). 5. ἐκρύψαν ὑπερφάνωι παγίδα μοι (8 a)	[Sext. Ps. 81 (82). 1.]
— 17. ἐὰν κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 b)	141 (142). 3. ἐκρύψαν παγίδα μοι (8 a)	κρυπτός. (1) 𐤏𐤕𐤓𐤕 (2) 𐤏𐤕𐤓𐤕 (3) 𐤏𐤕𐤓𐤕 pi.
— 18. καὶ οὐκ ἐκρύψαν ἀπ' αὐτοῦ (4 b)	Pr. 1. 11. κρύψωμεν δὲ εἰς γῆν ἄνδρα δικαίον ἀδικῶς (13 a)	(4) 𐤏𐤕𐤓𐤕 (5) a. 𐤏𐤕𐤓𐤕 ni. δ. 𐤏𐤕𐤓𐤕
10. 22. ἰδοὺ αὐτὸς κέκρυπται (1 a)	2. 1. ἐὰν δεξιόμενος ῥῆσιν ἐμῇ ἐντολῇ κρύψῃς (13 a)	(6) 𐤏𐤕𐤓𐤕
13. 6. B καὶ ἐκρύβη ὁ λαός (1 c)	7. 1. τὰς δὲ ἐμὰς ἐντολὰς κρύψον παρὰ σεαυτῷ (13 a)	De. 15. 9. μὴ γένηται ῥῆμα κρ. ἐν τῇ καρδίᾳ σου —
14. 11. οὐκ ἐκρύβησαν ἐκεῖ (1 c)	10. 14. σοφοὶ κρύψουσιν αἰσθήσιν (13 a)	29. 29 (28). τὰ κρ. κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν (5 a)
— 22. οἱ κρυπτόμενοι ἐν τῷ ὄρει Ἑβ. (1 c)	11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρύπτει πράγματα (5 b)	III Ki. 6. 4. θυρίδας παρακυντούμενας κρ. (1)
19. 2. κρυβήθι καὶ κάθισον κρυφῇ (1 a)	12. 16. κρύπτει δὲ τὴν ἐαυτοῦ ἀτίμiam πανούργος (5 a)	IV Ki. 21. 7. A ἔθηκε τὸ κρ. τοῦ οἴκου ἐν τῷ ἁλσει [B al.] (+)
20. 2. κρύψει ὁ πατήρ μου τὸ ῥῆμα τοῦτο (9 c)	17. 9. ὅς κρύπτει ἀδικήματα (ζητεῖ φίλους δὲ δὲ μοῖαι κρύπτειν διίστησι φίλους καὶ οἰκείους (5 b, +)	Wi. 7. 21. ὅσα τέ ἐστι κρυπτά καὶ ἐμφανῇ ἔργων
— 5. κρυβήσομαι [A πορεύσομαι] ἐν τῇ πεδίῳ (9 a)	25. 2. δόξα θεοῦ κρύπτει λόγον — 4. A κρύπτει [B B γίπτει] ἀδόκιμον ἀργύριον (+)	Si. 1. 30. ἀποκαλύψει κυριὸς τὰ κρ. σου
— 19. οὐ κρυβῇς [A ἐκρ.] ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἐργασίῳ (9 a)	26. 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χεῖρα ἐν τῇ κόλπῳ αὐτοῦ (8 a)	3. 22. οὐ γὰρ ἐστὶ σοὶ χρεῖα τῶν κρ.
— 24. κρύπτεται Δαυὶδ ἐν ἀγρῷ (9 a)	— 26. ὁ κρύπτων ἔχθραν συνίστησι δόλον (5 c)	4. 18. ἀποκαλύψει αὐτὰ τὰ κρ. αὐτῆς
23. 9. οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται (9 d)	27. 5. κρείσσους ἔλεγχοι ἀποκαλυμμένοι κρυπτομένης φύλης (9 b)	8. 18. ἐνώπιον ἀλλοτριῶν μὴ ποιήσης κρυπτόν
24. 9. A ἐκρύψαν [B ἐκύνει] Δ. ἐπὶ προσώπων αὐτοῦ (+)	Si. 1. 23. ἔως καιροῦ κρύψει τοὺς λόγους αὐτοῦ	11. 4. κρυπτά τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν [A B om.] ἀνθρώποις
II Ki. 14. 18. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 b)	12. 8. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου κρυβήσεται (8 a)	Is. 22. 9. ἀνκαλύψουσι τὰ κρ. τῶν οἴκων τῆς ἁβρας Δ. (2)
17. 9. αὐτὸς νῦν κέκρυπται ἐν ἐνὶ τῶν βουνῶν (1 a)	16. 17. ἀπὸ [A παρὰ] κυρίου κρυβήσομαι (8 c)	29. 10. καμύσει τοὺς ὀφθαλμούς αὐτῶν . . . οἱ ὄρωντες τὰ κρ. (3)
19. 4 (5). ἐκρύψε [A ἐπέκρ.] τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (6)	17. 15. οὐ κρυβήσονται ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐ. — 20. οὐκ ἐκρύβησαν αἱ ἀδικίαι αὐτῶν ἀπ' αὐτοῦ	Je. 29 (49). 10. ἀνεκάλυψα τὰ [B <sup>1</sup> τε] κρ. αὐτῶν (5 b)
III Ki. 17. 3. κρυβήθι ἐν τῇ χειμάρρῃ X. (9 a)	20. 30. σοφία κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής	Ez. 8. 12. ἑκάστος αὐτῶν ἐν τῇ κοίτῳ τῷ κρυπτῷ αὐτῶν (4?)
18. 4. A B καὶ ἐκρύψαν [B κατέκρ.] αὐτούς (1 c)	22. 25. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ οὐ μὴ κρυβῇ (8 a)	40. 16. θυρίδες κρυπταὶ ἐπὶ τὸ θεῖμ (1)
— 13. ἐκρύψαν ἀπὸ τῶν προφητῶν κυρίου (1 c)	37. 10. ἀπὸ τῶν ζηλοῦντων σε κρύψον βουλήν (8 a)	41. 26. θυρίδες κρυπταὶ (1)
22. 25. τοῦ κρυβήθαι [B <sup>1</sup> τοῦ κρυφίου] (1 g)	39. 10. οὐκ ἐστὶ κρυβήθαι ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ (8 a)	Da. LXX. 2. 47. ὁ ἐκφαίνων μυστήρια κρυπτά μόνος (6?)
IV Ki. 6. 5. δ. κύριε, καὶ αὐτὸ κεκρυμμένον (+)	41. 14. σοφία δὲ κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής	Da. Th. Su. 42. ὁ θεὸς ὁ αἰώνιος ὁ τῶν κρ. γνωστῆς
— 9. ἐκεῖ Συρία κέκρυπται (8)	42. 20. οὐκ ἐκρύβη ἀπ' αὐτοῦ οὐδὲ [A om.] εἰς λόγους (+)	Bel 21. ἔδειξαν αὐτὰς τὰς κρ. θύρας
— 29. ἐκρύψαν τὸν υἱὸν αὐτῆς (1 c)	Ho. 6. 10 (9). ἐκρύψαν ἱερεῖς ὁδὸν (+)	I Ma. 10. 79. B ἀπέλιπεν Ἀπ. χιλίαν ἵππων ἐν κρυπτῷ [A B κρυπτός]
7. 8. A καὶ ἐκρύψαν (8 c)	13. 14. παράκλησις κέκρυπται ἀπὸ [A ἐξ] ὀφθαλμῶν μου (9 a)	II Ma. 1. 16. τὴν τοῦ φατώματος κρ. θύραν
— 12. καὶ ἐκρύβησαν ἐν τῷ ἀγρῷ (1 g)	Ob. 1. 6. κατελὶφθήθ [B κατελὶφθήθ] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα (13 c)	[Aq. Ge. 42. 12.]
11. 2. καὶ ἐκρύψαν αὐτὸν (9 c)	Is. 2. 10. κρύπτεσθε εἰς τὴν γῆν (8 b)	[Sm. Ge. 42. 9, 12 : Dt. 28. 27 : I Ki. 5. 6, 9 : Ps. 138 (139). 15.]
II Ch. 22. 11. ἐκρύψαν αὐτὸν Ἰωσ. (9 c)	29. 14. τὴν σύμφων τῶν συνετῶν κρύψω (9 d)	[Th. II Ki. 12. 12 : III Ki. 6. 4.]
— 11. ἐκρύψαν αὐτὸν ἀπὸ προσώπου Γ. — (9 c)	32. 2. ἔσται ὁ ἀνθρώπος κρύπτων τοὺς λόγους αὐτοῦ [A τοῦτους] καὶ κρυβήσεται (1, 9 c)	[Al. I Ki. 5. 12.]
To. 1. 19. καὶ ἐκρύβη (9 c)	42. 22. ὅπου ἐκρύψαν αὐτοὺς (1 d)	κρυπτός.
12. 7. μυστήριον βασιλείας καλὸν κρύψαι [A B κρύπτειν] (9 c)	49. 2. ὑπὸ τὴν σκέπην τῆς χειρὸς αὐτοῦ ἐκρύψῃ [B <sup>1</sup> ἐσκέπασεν] με . . . καὶ ἐν τῇ φαρύγγῃ αὐτοῦ ἐκρύψῃ [A B <sup>2</sup> ἐσκέπασεν] με (1 c, 9 c)	Το. 12. 6. καλέσεις τοὺς δύο κρυπτός
— 11. οὐ μὴ κρύψω ἀπ' ὕμων πᾶν ῥῆμα	Je. 4. 29. εἰς τὰ ἄλσος ἐκρύβησαν (8 a)	I Ma. 10. 79. A B ἀπέλιπεν Ἀπ. χιλίαν ἵππων κρ. [B ἐν κρυπτῷ]
— 11. μυστήριον βασιλείας κρύψαι καλὸν (8 a)	13. 5. ἐκρύψα αὐτὸ ἐν τῇ Εὐφράτῃ (8 a)	κρυσταλλοειδής.
13. 6. οὐ μὴ κρύψῃ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἀπ' ὕμων (1 a)	16. 17. B <sup>1</sup> οὐκ ἐκρύβησαν ἀπὸ προσώπου μου (9 a)	Wi. 19. 21. οὐδὲ τηκτὸν ἐτήκτον κρυσταλλοειδὲς γίνους ἀμβροσίαν τροφῆς
Jb. 5. 21. ἀπὸ μαστίγος γλώσσης σε κρύψῃ (1 a)	— 17. οὐκ ἐκρύβη τὰ ἀδικήματα αὐτῶν (13 b)	κρύσταλλος. (1) 𐤏𐤕𐤓𐤕 (2) 𐤏𐤕𐤓𐤕 (3) 𐤏𐤕𐤓𐤕
13. 20. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου οὐ [B om.] κρυβήσομαι (9 a)	18. 20. τὴν κόλασιν αὐτῶν ἐκρύψαν μοι — 22. παγίδια ἐκρύψαν ἐπ' ἐμέ (8 a)	(4) 𐤏𐤕𐤓𐤕
— 24. διὰ τὴν ἀπ' ἐμοῦ κρύπτη [A B με ἀποκρύπτει] (9 c)	23. 24. εἰ κρυβήσεται τις [A ἀνθρώπος] ἐν κρυφάσις (9 a)	Nu. 11. 7. τὸ εἶδος αὐτοῦ εἶδος [A ὡς εἶ.] κρυστάλλου (2)
14. 13. ἐκρύψαν [A κρύψεις] δέ με (9 c)		
15. 18. A B οὐκ ἐκρύψαν πατέρες [B B -ας] αὐτῶν (4 b)		
17. 4. B B <sup>2</sup> καρδίαν αὐτῶν ἐκρύψας [A -αν] ἀπὸ φρονήσεως (13 a)		
18. 10. κέκρυπται ἐν τῇ γῇ σχοινοῖον αὐτοῦ (8 a)		
20. 12. κρύψει αὐτὴν ὑπὸ τὴν γλῶσσαν αὐτοῦ (4 c)		
23. 12. ἐν δὲ κόλπῳ μου ἐκρύψα ῥήματα αὐτοῦ (13 a)		
24. 4. ὁμοθυμαδὸν δὲ ἐκρύβησαν πραεῖς γῆς (1 b)		
28. 21. ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ ἐκρύβη [A οὐκ ἐκρ.] (9 a)		
29. 8. ἰδόντες με νεανίσκοι ἐκρύβησαν [A ἐκρ. ἐαυτοῖς] (1 a)		
31. 33. εἰ δὲ καὶ . . . ἐκρύψα τὴν ἁμαρτίαν μου (5 b + 3 a)		
34. 22. τοῦ κρυβήθαι τοὺς ποιούσας τὰ ἄνομα (9 a)		

Jb. 6. 16. ἐπιπεπτοκάσκι μοι ὥσπερ χιών ἢ  
κρύσταλλος πεπηγός (4)  
38. 29. ἐκ γαστρός δὲ τίνος ἐκπορεύεται ὁ [A B  
om.] κρύσταλλος (4)  
Ps. 147. 6 (17). βάλλοντος κρύσταλλον αὐτοῦ  
ὥσπερ ψαμούς (4)  
148. 8. πῦρ χάλασ(α) χιών κρύσταλλος (3)  
Wi. 16. 22. κρύσταλλος ὑπέμεινε [A -έμενε] πῦρ  
Si. 43. 20. παγήσεται κρύσταλλος ἀφ' [A B ἐφ']  
ὕδατος  
Is. 54. 12. θήσω . . . τὰς πύλας σου λίθους  
κρυστάλλου (1)  
Ez. 1. 22. ὡς δράσις κρυστάλλου (4)  
[Sm. Jb. 38. 22.]

**κρύφα.**

[Sm. Jb. 18. 10: 81. 27.]

**κρυφαῖος.**

(1) 𐤒𐤓𐤕𐤕

Ex. 17. 16. ἐν χειρὶ κρυφαῖα πολέμει κ. +  
Wi. 17. 3. λαμβάνει γὰρ νομίζοντες ἐπὶ κρυφαῖος  
ἀμαρτήμασιν  
Je. 23. 24. εἰ κρυβήσεται τις [A ἀνθρωπος] ἐν  
κρυφαῖος (1)  
La. 3. 10. αὐτοὶ μοι λῶν ἐν κρυφαῖος (1)  
[Sm. Ps. 80 (81). 8: Is. 45. 15.]  
[Th. Is. 45. 15.]

**κρυφαῖως.**

(1) 𐤒𐤓𐤕𐤕

Je. 44 (37). 17. ἤρῳτα αὐτὸν ὁ βασιλ. κρ. [A al.] (1)  
47 (40). 15. εἴτεπ τῷ Γοδολίᾳ κρ. (1)  
[Aq., Sm., Th. IV Ki. 15. 5: II CH. 26. 21.]

**κρυφή.**

(1) 𐤒𐤓𐤕𐤕 ni. (2) ἐν κρ. a. 𐤒𐤓𐤕𐤕

δ. 𐤒𐤓𐤕𐤕 (3) a. 𐤒𐤓𐤕𐤕 hi. δ. 𐤒𐤓𐤕𐤕 c. ἐν κρ.  
𐤒𐤓𐤕𐤕 (4) ἐν κρ. 𐤒𐤓𐤕𐤕

Ge. 31. 26 (27). B ἴνα τί κρ. [A κρυβῇ] ἀπέδρας (1)  
Ex. 11. 2. ἀλάλησον οὖν κρυφή εἰς τὰ ὦτα τοῦ  
λαοῦ

De. 28. 57. καταφάγεται γὰρ αὐτὰ . . . κρυφή (3 δ)  
Jd. 4. 21. εἰσῆλθε πρὸς αὐτὸν ἐν κρυφῇ [A al.] (3 a)  
9. 31. ἀπέστειλεν ἀγγέλους . . . ἐν κρυφῇ [A  
μετὰ δώρων] (4)

Ru. 3. 7. ἡ δὲ ἦλθεν κρυφῇ [A κρυβῇ] (2 δ)  
4. 1. A κάθισον ὡδε κρυφῇ [B -φιε] +  
I Ki. 19. 2. A B κάθισον κρυφῇ [B κρυβῇ] (3 δ)  
Jb. 13. 10. εἰ δὲ καὶ κρυφῇ πρόσκαπα θανάμ-  
σασθε [A -στε] (3 δ)

Ps. 138 (139). 15. δ' ἐποίησας ἐν κρυφῇ (3 c)  
Wi. 18. 9. κρυφῇ γὰρ ἐβυσσίσιν ὅσοι [A om.] παῖδες  
ἀγαθὸν

Is. 29. 15. A B<sup>2</sup> B οὐαὶ οἱ ἐν κρυφῇ βουλῇν  
ποιούσιντες (3 a)  
45. 19. οὐκ ἐν κρυφῇ λελάληκα (3 c)  
48. 16. οὐκ ἀπ' ἀρχῆς ἐν κρυφῇ λελάληκα (3 c)

[Aq. Je. 37 (44). 17.]

[Sm. Ps. 68 (64). 5: Je. 13. 17.]

[Al. Ps. 188 (189). 15.]

**κρυφιαστής.**

[Aq. Ge. 41. 8, 24: Ex. 7. 11: 8. 7 (3).]

**κρύφιος.**

(1) 𐤒𐤓𐤕𐤕 ni. (2) 𐤒𐤓𐤕𐤕

(8) a. 𐤒𐤓𐤕𐤕 ni. δ. 𐤒𐤓𐤕𐤕 (4) 𐤒𐤓𐤕𐤕 𐤒𐤓𐤕𐤕  
(5) 𐤒𐤓𐤕𐤕

Jd. 3. 19. λόγος μοι κρ. πρὸς σέ (3 δ)  
Ru. 4. 1. κάθισον ὡδε κρύφιε [A -φή] (4)  
III Ki. 22. 25. B<sup>1</sup> ὅταν εἰσέλθῃς ταμίον τοῦ  
ταμίου τοῦ κρ. [A B<sup>2</sup> B κρυβῇ] (1)

Ps. 9 τίτ. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν κρ. τοῦ νιού +  
18 (19). 12. ἐκ τῶν κρ. μου καθάραιόν με (3 a)  
43 (44). 21. γινώσκει τὰ κρ. τῆς καρδίας (3 b)  
45 (46). τίτ. B ὑπὲρ τῶν κρ. ψαλμός [B al.] +

50 (51). 6. τὰ κρ. τῆς σοφίας σου ἐδήλωσάς μοι (3 ?)  
Pr. 9. 17. ἀρτων κρυφίων ἠδέως ἀψάσθῃ (3 δ)  
Wi. 14. 23. ἡ κρύφια νομήτηρια . . . ἀγοντες  
Si. 42. 1. καὶ ἀπὸ [B om.] ἀποκαλύψαν [A B -ως]

λόγων κρυφίων  
I Ma. 1. 53. A B<sup>2</sup> ἔθεντο τὸν Ἰσρ. ἐν κρυφίοις [B<sup>1</sup> B  
κρύφιοις]

2. 31. B κατέβησαν . . . εἰς τοὺς κρ. [A B κρύφους]  
— 41. B ἀπέθανον οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν ἐν τοῖς κρ.  
[A B κρύφιοις]

[Aq. IV Ki. 2. 14: Je. 41 (48). 8: 43 (50). 9.]  
[Sm. IV Ki. 2. 14: Je. 41 (48). 8: 43 (50). 9:]  
Ez. 33. 27.]

[Th. IV Ki. 2. 14: Je. 43 (50). 9: Ez. 28. 3:]  
**κρυφίως.**  
[Sm. Hb. 8. 14:]  
[Al. II CH. 28. 21.]

**κρύφος.**

I Ma. 1. 53. ἔθεντο τὸν Ἰσρ. ἐν κρύφοις [A B<sup>1</sup> -ίοις]  
2. 31. A B κατέβησαν . . . εἰς τοὺς κρ. [B -ίους]  
— 36. οὐδὲ ἐνέφραξαν τοὺς κρ.  
— 41. A B ἀπέθανον οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν ἐν τοῖς κρ.  
[B -ίοις]

[Th. Is. 80. 64:]  
**κρύψις.**  
[Al. Le. 20. 4:]

**κτᾶσθαι.** (1) a. 𐤒𐤕𐤕 δ. 𐤒𐤕𐤕 (2) 𐤒𐤕𐤕  
(3) 𐤒𐤕𐤕 (4) 𐤒𐤕𐤕 (5) 𐤒𐤕𐤕 (6) 𐤒𐤕𐤕  
(7) 𐤒𐤕𐤕 (8) 𐤒𐤕𐤕 (9) 𐤒𐤕𐤕 a. qal.  
δ. ni. c. hi. d. 𐤒𐤕𐤕 e. 𐤒𐤕𐤕 (10) 𐤒𐤕𐤕

Ge. 4. 1. ἐκτεσάμην ἀδθρῶπον διὰ τοῦ θεοῦ (9 a)  
12. 5. ὅσα ἐκτεσάμην (10)  
— 5. πᾶσαν ψυχὴν ἣν ἐκτεσάμην (8)  
25. 10. τὸ σπῆλαιον δ' ἐκτεσάμην 'A. (9 a)  
38. 19. ἐκτεσάμην τὴν μερίδα τοῦ ἀγροῦ (9 a)  
38. 6. πάντα ὅσα ἐκτεσάμην (9 d)  
39. 1. ἐκτεσάμην αὐτὸν Πετρεφρῖς (9 a)  
46. 6. B ἣν ἐκτεσάμην ἐν γῇ [A ἐκ γῆς] X. (10)  
47. 19. κτήσαι ἡμᾶς καὶ τὴν γῆν ἡμῶν (9 a)  
— 20. ἐκτεσάμην 'I. πᾶσαν τὴν γῆν . . . τῷ Φ. (9 a)  
— 22. οὐκ ἐκτεσάμην ταύτην [A om.] 'I. (9 a)  
— 23. ἐκτεσάμην ὑμᾶς καὶ τὴν γῆν ὑμῶν (9 a)  
49. 30: 50. 13. δ' ἐκτεσάμην 'Aβ. τὸ σπῆλαιον (9 a)  
Ex. 15. 16. ὃν ἐκτεσάμην [A ἐλυτρώσω] (9 a)  
21. 2. εἰς κτήρη παῖδα 'Eβραίων (9 a)  
Le. 22. 11. εἰς δὲ ἱερὺς κτήσεται ψυχὴν (9 a)  
25. 14. εἰς καὶ κτήρη παρὰ τοῦ πλησίον σου (9 a)  
— 15. κτήρη παρὰ τοῦ πλησίον (9 a)  
— 28. ἔσται ἡ πρᾶσις τῷ κτησάμενῳ αὐτῷ (9 a)  
— 30. κυρωθήσεται ἡ οἰκία . . . τῷ κτησάμενῳ  
αὐτῷ (9 a)  
— 44. ἀπ' αὐτῶν κτήσασθε [A -σασθε] δούλον (9 a)  
— 45. ἀπὸ τούτων κτήσασθε (9 a)  
— 50. συλλογίμην πρὸς τὸν κτεκνέμενον αὐτὸν (9 a)  
27. 22. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ οὐ κτεκνέται (9 c)  
— 24. παρ' οὐ κτεκνέται αὐτὸν (9 a)  
De. 28. 68. οὐκ ἔσται ὁ κτῶμενος (9 a)  
32. 6. οὐκ αὐτὸς οὗτος σου πατὴρ ἐκτεσάτω σε (9 a)  
Jo. 24. 32. οὐ ἐκτεσάτω 'Iακώβ (9 a)  
Ru. 4. 4. κτήσαι ἐναντίον τῶν καθήμενων (9 a)  
— 5. τοῦ κτησάσθαι σε τὸν ἀγρὸν (9 a)  
— 5. αὐτὴν κτησάσθαι σε δεῖ (9 a)  
— 8. κτήσαι σεαυτῷ τὴν ἀρχιστείαν μου (9 a)  
— 9. κτεκνέται πάντα τὰ τοῦ 'Eλ. (9 a)  
— 10. 'Ρούθ . . . κτεκνέται ἐμαυτῷ εἰς γυναῖκα (9 a)  
II Ki. 12. 3. ἣν ἐκτεσάτω καὶ περιποιήσεται (9 a)  
24. 21. κτησάσθαι παρὰ σοῦ τὸν Δάωνα (9 a)  
— 24. κτῶμενος κτήσεται παρὰ σοῦ (9 a, 9 a)  
— 24. ἐκτεσάτω Δ. τὸν Δάωνα (9 a)  
III Ki. 16. 24. ἐκτεσάτω Z. τὸ δρος τοῦ Σεμεράν (9 a)  
IV Ki. 12. 12 (13). τοῦ κτησάσθαι ξύλα καὶ  
λίθους (9 a)  
22. 6. τοῦ κτησάσθαι ξύλα καὶ λίθους (9 a)  
Ne. 5. 8. κτεκνέματα τοὺς ἀδελφούς ἡμῶν (9 a)  
— 16. ἀγρὸν οὐκ ἐκτεσάμην (9 a)  
Ju. 8. 22. ἐναντίον τῶν κτεκνέμενων ἡμᾶς  
Ps. 78 (74). 2. ἥς ἐκτίσῃ ἀπ' ἀρχῆς (9 a)  
77 (78). 54. δ' ἐκτίσῃ τὴν δεξιὰ αὐτοῦ (9 a)  
138 (139). 13. σὺ ἐκτίσῃ τοὺς νεφροὺς μου (9 a)  
Pr. 1. 5. ὁ δὲ νοήμων κυβέρινῃσιν κτήσεται (9 a)  
— 14. κοινὸν δὲ βαλάντιον κτησάμεθα πάντες (2)  
3. 31. μὴ κτήσῃ κακὸν ἀνδρὶν ὀνειδῇ +  
4. 4. B<sup>1</sup> κτήσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (9 a ?)  
— 5. A κτήσαι σοφίαν κτήσαι σύνεσιν (9 a, 9 a)  
16. 22. πηγὴ ζωῆς ἐννοια τοῖς κτεκνέμενοις (1 δ)  
17. 16. κτησάσθαι γὰρ σοφίαν [A -ας] ἀκάρ-  
διος οὐ δυνασται (9 a)  
— 21. καρδία δὲ ἀφρονος ὀδύνῃ τῇ κτεκνέμενῳ  
αὐτῷ (3 ?)  
18. 15. καρδία φρονίμου κτᾶται αἰσθησιν (9 a)  
19. 8. ὁ κτῶμενος φρόνησιν ἀγαπᾷ ἐαυτὸν (9 a)

Pr. 22. 9. τὴν μέντοι ψυχὴν ἀφαιρείται τῶν  
κεκνέμενων

81. 29. πολλὰ θυγατέρες ἐκτίσῃσιν πλοῦτον (8)  
Ec. 2. 7. ἐκτεσάμην δούλους καὶ παιδικίας (9 a)  
Wi. 7. 14. A B<sup>2</sup> ἐν οἱ κτησάμενοι [B B<sup>1</sup> χρυσό-  
μενοι] πρὸς θεὸν ἐστειλάντο φίλιαν

Si. 6. 4. ψυχὴ πονηρὰ ἀπολεῖ τὸν κτησάμενον αὐτὴν  
— 7. εἰ κτᾶσαι φίλον ἐν πειρασμῷ κτήσαι αὐτὸν  
20. 23. ἐκτίσῃ αὐτὸν ἐχθρὸν δωρεάν  
22. 23. πίστιν κτήσαι ἐν πτωχείᾳ μετὰ τοῦ πλησίον  
24. 6. ἐν παντὶ λαφ' καὶ ἔθνη ἐκτεσάμην [B<sup>2</sup> ἡγ-  
σάμην]

29. 6. A B<sup>2</sup> B ἐκτίσῃ αὐτὸν ἐχθρὸν δωρεάν [B B<sup>1</sup>  
οὐ δ.]

30. 39 (38. 30). ἐν αἵματι ἐκτίσῃ αὐτὸν  
38. 29 (26). ὁ κτῶμενος γυναῖκα ἐνάρχηται κτήσεως  
51. 20. καρδίαν ἐκτεσάμην μετ' αὐτῶν [A -ῆς] ἀπ'  
ἀρχῆς

— 21. διὰ τοῦτο ἐκτεσάμην ἀγαθὸν κτήμα  
— 25. κτήσασθε ἐαυτοὺς ἀνευ ἀργυρίου  
— 28. πολλὸν χρυσὸν κτήσασθε ἐν αὐτῇ

Am. 8. 6. τοῦ κτᾶσθαι ἐν ἀργυρίῳ καὶ πτωχοῦς (9 a)  
Za. 11. 5. δ' οἱ κτησάμενοι κατέφαγον (9 a)  
Is. 1. 3. ἔγωγ βοὺς τὸν κτησάμενον (9 a)  
26. 13. κτήσαι ἡμᾶς (1 a)  
48. 24. οὐδὲ ἐκτίσῃ μοι ἀργυρίου θυσίασμα  
[A B θυμίαμα] (9 a)

57. 13. οἱ δὲ ἀντεκχόμενοι μοι κτήσονται γῆν (7)  
Je. 13. 1. κτήσαι σεαυτῷ περιζῶμα λινοῦν (9 a)  
— 2. ἐκτεσάμην τὸν περιζῶμα (9 a)  
16. 19. ὡς ψευδὴ ἐκτίσῃσιν οἱ πατέρες ἡμῶν  
εἰδωλα (7)

19. 1. κτήσαι βικὸν πεπλασμένον ὀστράκινον (9 a)  
39 (32). 7. κτήσαι [B<sup>2</sup> -σον] σεαυτῷ τὸν ἀγρὸν  
μου τὸν ἐν 'Αναθῶθ (9 a)  
— 8. κτήσαι σεαυτῷ τὸν ἀγρὸν μου (9 a)  
— 8. ὅτι σοὶ κρίμα κτήσασθαι αὐτὸν [A al.] (4)  
— 9. ἐκτεσάμην τὸν ἀγρὸν 'Αναμείλ (9 a)  
— 15. A B<sup>2</sup> ἐκτεσάσθαι [B κτισθ.] ἀγροὶ (9 δ)  
— 25. κτήσαι σεαυτῷ τὸν ἀγρὸν ἀργυρίου (9 a)  
— 43. κτηθήσονται ἐπὶ ἀγροὶ ἐν τῇ γῇ (9 δ)  
— 44. κτήσονται ἀγροὺς ἐν ἀργυρίῳ (9 a)

Ep. Je. 59. ἐφ' ᾧ κεκρήσεται ὁ κτεκνέμενος [A al.]  
Ez. 6. 1. κτήσῃ [A -σαι] αὐτὴν σεαυτῷ (5)  
7. 12. ὁ κτῶμενος μὴ χαιρήτω (9 a)  
— 13. ὁ κτῶμενος πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐκ εἶ  
μὴ ἐπιστρέψει (6)

8. 3. οὐ ἦν ἡ στήλη τοῦ κτῶμενου (9 c)  
II Ma. 7. 11. B ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκνηται [A  
κέκνηται]

[Aq. Pr. 4. 7 bis: 8. 22: Is. 11. 11: Je. 13. 4:  
32 (39). 8, 44.]

[Sm. Ge. 4. 1: Ex. 15. 16: Ps. 77 (78). 54:  
Pr. 4. 7 bis: 8. 22: 18. 15: Is. 11. 11: Je. 13.  
4: 32 (39). 44.]

[Th. Pr. 4. 7 bis: 8. 22: 20. 14: 28. 23: Is.  
11. 11: Je. 13. 4.]  
[Heb. Ge. 4. 1.]  
[Al. Ge. 4. 1: Pr. 15. 32.]

**κτείνειν.** (1) 𐤒𐤕𐤕 (2) 𐤒𐤕𐤕  
Pr. 24. 11. ἐκπρίου κτενιόμενος (2)  
25. 5. κτείνε ἀσεβεῖς ἐκ προσώπου βασιλείως (1)  
Si. 16. 12. A ἀνδρα κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ κτείνει [B B  
κρινεῖ]

III Ma. 1. 2. ὡς μόνος κτείνει αὐτὸν  
[Aq., Sm. Ps. 138 (139). 19.]

**κτενιστός.**

[Sm. Is. 19. 9.]

**κτῆμα.**

(1) 𐤒𐤕𐤕 (2) a. 𐤒𐤕𐤕 δ. 𐤒𐤕𐤕

(3) 𐤒𐤕𐤕 (4) 𐤒𐤕𐤕  
Jb. 20. 29. κτῆμα ὑπαρχόντων αὐτῷ [A -οῦ]  
παρὰ τοῦ ἐπισκόπου (8)  
27. 13. κτῆμα [A B<sup>2</sup> ὄργλ.] δὲ δυναστῶν ἐλευ-  
σεται [A ἐξέλ.] (8)

Pr. 12. 27. κτῆμα δὲ τιμὸν ἀνὴρ καθαρὸς (1)  
28. 10. εἰς δὲ κτῆμα ὀφθαλμῶν μὴ εἰσελθῇς (4)  
31. 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειρῶν αὐτῆς κατεφύ-  
τευσεν κτῆμα (2 a)

Wi. 8. 5. εἰ δὲ πλοῦτός ἐστιν ἐπιθυμητὸν κτῆμα ἐν βίῳ  
18. 17. περὶ δὲ κτημάτων καὶ γάμων αὐτοῦ . . .  
προσευχόμενος [B εὐχ.]  
Si. 28. 24. περιφράξον τὸ κτ. [B στόμα] σου ἀκάνθαις  
36. 30 (27). διαρπαγίσεται κτῆμα



Si. 51. 21. διὰ τοῦτο ἐκτισάμεν ἀγαθὸν κτῆμα  
Ho. 2. 15 (17). καὶ δώσω αὐτῇ τὰ κτ. αὐτῆς  
ἐκείνη (2 a)  
Jl. 1. 11. θρηνείτε κτήματα ὑπὲρ πυροῦ (2 b)  
[Sm. Ps. 77 (78). 48: Jz. 51 (28). 13.]  
κτῆνος. (1) כְּתָנִים (2) כְּתָנִים (3) כְּתָנִים  
(4) כְּתָנִים (5) א. כְּתָנִים δ. כְּתָנִים (6) א. כְּתָנִים  
δ. כְּתָנִים (7) כְּתָנִים  
Ge. 1. 25. τὰ κτ. κατὰ γένος (1)  
— 26. ἀρχέτωσαν . . . τὸν κτ. (1)  
— 28. ἀρχετέ . . . πάντων τὸν κτ. (4)  
2. 20. ἐκάλεσεν Ἀ. ὀνόματα πᾶσι τοῖς κτ. (1)  
3. 14. ἐπικατάρτος σὺ ἀπὸ πάντων τὸν κτ. (1)  
6. 7. ἀπὸ ἀνθρώπων ἕως κτῆνους (1)  
— 19. ἀπὸ πάντων τὸν κτ. (1)  
— 20. ἀπὸ πάντων τὸν κτ. κατὰ γένος (1)  
7. 2. ἀπὸ δὲ τὸν κτ. τὸν καθαρῶν (1)  
— 2. ἀπὸ δὲ τὸν κτ. τὸν μὴ καθαρῶν (1)  
— 8. ἀπὸ τὸν κτ. τὸν καθαρῶν (1)  
— 8. ἀπὸ τὸν κτ. τὸν μὴ καθαρῶν (1)  
— 14. πάντα τὰ κτ. κατὰ γένος (1)  
— 21. πᾶσα σὰρξ . . . τὸν κτ. (1)  
— 23. ἀπὸ ἀνθρώπων ἕως κτῆνους (1)  
8. 1. Β. ἀνεμνήσθη [Α. ἐμν.] ὁ θεὸς . . . πάντων  
τὸν κτ. (1)  
— 17. πᾶσα σὰρξ ἀπὸ πετεινῶν ἕως κτῆνων (1)  
— 19. πάντα τὰ κτ. . . ἐξήλθον (4 ?)  
— 20. ἔλαβεν ἀπὸ πάντων τὸν κτ. τὸν καθαρῶν (1)  
9. 10. ἀπὸ ὀρνέων καὶ ἀπὸ κτῆνων (1)  
18. 2. "Αβραμ δὲ ἦν πλούσιος σφόδρα κτήνεις (6 b)  
— 5. Α. πρόβατα καὶ βόες καὶ κτήνη [Β. σκηναί] +  
— 7. ἀνὰ μέσον τὸν ποιμένων τὸν κτ. τοῦ Α. (6 b)  
— 7. ἀνὰ μέσον τὸν ποιμένων τὸν κτ. τοῦ Α. (6 b)  
26. 14. κτήνη προβάτων καὶ κτήνη βοῶν (6 b, 6 b)  
29. 7. οὐκ ἔλαβεν ἀπὸ πάντων τὸν κτ. (6 b)  
30. 29. ὅσα ἦν κτήνη σου μετ' ἐμοῦ (6 b)  
— 43. ἐγένετο αὐτῷ κτήνη πολλά (5 a ?)  
31. 9. πάντα τὰ κτ. τοῦ πατρὸς ὑμῶν (6 b)  
— 43. Β. τὰ κτ. [Α. κτ. σου] κτήνη μου (5 a, 5 a)  
33. 13. ἀποδιδοῦνται πάντα τὰ κτ. (5 a)  
— 17. τοῖς κτ. αὐτοῦ ἐποίησε σκηνάς (6 b)  
34. 5. ἥσαν μετὰ τὸν κτ. αὐτοῦ (6 b)  
— 23. τὰ κτ. αὐτῶν . . . οὐκ ἦμῶν ἔσται (6 b)  
36. 6. ἔλαβεν δὲ Ἰσὼφ . . . πάντα τὰ κτ. (1)  
46. 32. τὰ κτ. . . ἀγρόχαιον (5 a)  
47. 1. τὰ κτ. καὶ οἱ βόες αὐτῶν . . . ἦλθον (5 a)  
— 4. οὐ γὰρ ἐστὶν νομὴ τοῖς κτ. τὸν παῖδων σου (5 a)  
— 4 (6). κατὰ τῆσιν αὐτοῦ ἀρχοντας τὸν ἐμὸν  
κτ. (6 b)  
— 16. φέρετε τὰ κτ. ὑμῶν (6 b)  
— 16. δώσω ὑμῖν ἄρτους ἀπὸ τὸν κτ. ὑμῶν (6 b)  
— 17. ἤγαγον δὲ τὰ κτ. πρὸς Ἰ. (6 b)  
— 17. ἀπὸ πάντων τὸν κτ. αὐτῶν (6 b)  
— 18. εἰ γὰρ ἐκλέλοιπε . . . τὰ κτ. πρὸς σέ (1)  
Ex. 9. 3. χεῖρ κυρίου ἐπέσται [Α. ἔσ.] ἐν τοῖς κτ.  
σου (6 b)  
— 4. ἀνὰ μέσον τὸν κτ. τὸν Αἴγ. καὶ ἀνὰ  
μέσον τὸν κτ. τὸν υἱὸν Ἰσρ. [Α. κτ.  
τοῦ Ἰ.] (6 b, 6 b)  
— 4. Α. ἀπὸ πάντων τὸν κτ. τὸν υἱὸν Ἰσρ. [Β. αἰ.] —  
— 6. Α. Β. ἐτελεύτησε πάντα τὰ κτ. τὸν Αἰγυπ-  
τιῶν (6 b)  
— 6. Β. ἀπὸ δὲ τὸν κτ. τὸν υἱὸν Ἰσρ. [Α. κτ.  
τοῦ Ἰ.] (6 b)  
— 7. Β. ἀπὸ πάντων [Α. ὅτι] τὸν κτ. τὸν υἱὸν  
Ἰσρ. (6 b)  
— 19. κατὰ πῆλιν συναγαγεῖν τὰ κτ. σου (1)  
— 19. οἱ ἄνθρωποι καὶ τὰ κτ. . . τελευτήσει (1)  
— 20. συναγαγε τὰ κτ. αὐτοῦ εἰς τοὺς οἴκους  
— 21. ἀφῆκε τὰ κτ. ἐν τοῖς πεδίοις (6 b)  
— 22. ἔσται χιλαία ἐπὶ . . . τὰ κτ. (1)  
— 25. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους (1)  
10. 26. τὰ κτ. ἡμῶν πορεύσεται μετ' ἡμῶν (6 b)  
11. 5. ἕως πρωτοτόκου παντὸς κτῆνους (1)  
— 7: 12. 12. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους (1)  
12. 29. ἕως πρωτοτόκου παντὸς κτῆνους [Α. αἰ.] (1)  
— 38. συναγέθη αὐτοῖς . . . κτήνη πολλά  
σφόδρα (1)  
13. 2. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους (1)  
— 12. πᾶν δασιόνιον μίτηραν . . . ἐν τοῖς κτ. σου (1)  
— 15. ἕως πρωτοτόκων [Α. οὐ] κτηνῶν (1)  
17. 3. ἀποκτείνει . . . τὰ κτ. τῷ δαίμονι (6 b)  
19. 13. ἐάν τε κτῆνος ἐάν τε ἄνθρωπος (1)  
20. 10. σὺ καὶ . . . πᾶν κτῆνος σου (1)

Ex. 20. 17. οὐκ ἐπιθυμήσεις . . . παντὸς κτῆνους  
αὐτοῦ (1)  
22. 5 (4). ἀφῆ τὸ κτ. αὐτοῦ καταβουσκῆσαι (2)  
— 10 (9). ἐάν τις δῶ τῷ πλησίον . . . πᾶν κτ. (1)  
— 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτῆνους (1)  
Le. 1. 2. ἀπὸ τὸν κτ. καὶ ἀπὸ τὸν βοῶν (1)  
5. 2. ἡ τὸν θρησμομαίων κτ. τὸν ἀκαθάρτων (1 ?)  
7. 15 (25). πᾶς ὁ ἐσθλὸς στίγας ἀπὸ τὸν κτ. (1)  
— 16 (26). ἀπὸ τε τὸν κτ. καὶ ἀπὸ τὸν πετεινῶν (1)  
11. 2. ταῦτα τὰ κτ. δ. φάγεσθε ἀπὸ πάντων  
[Β. ὅτι] τὸν κτ. τὸν ἐπὶ τῆς γῆς (4, 6 b)  
— 3. πᾶν κτ. διχλοῦν ὀπλήν . . . καὶ ἀνάγον  
μνησκίμων ἐν τοῖς κτ. (1)  
— 26. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς κτ. (1)  
— 39. ἐάν τις ἀποθάνῃ [Α. ἀδ.] ἀπὸ τὸν κτ. (1)  
— 46. οὐτός ὁ νόμος περὶ τὸν κτ. (1)  
19. 19. τὰ κτ. σου οὐ κατοχεύσεις ἐτεροζύγῳ (1)  
20. 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς πᾶν κτ. (1)  
— 16. ἀποκτείνει τὴν γυναῖκα καὶ τὸ κτ. (1)  
— 25. ἀνὰ μέσον τὸν κτ. τὸν καθαρῶν καὶ  
ἀνὰ μέσον τὸν κτ. τὸν ἀκαθάρτων (1, —)  
— 25. οὐ βδελύξετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν ἐν τοῖς κτ. (1)  
24. 18. ὅς ἐν πατάγῃ κτηνῶν (1)  
25. 7. τοῖς κτ. σου καὶ τοῖς θηρίοις (1)  
26. 22. καὶ ἐξαναλώσει τὰ κτ. ὑμῶν (1)  
27. 9. ἐάν τις ἀπὸ τὸν κτ. τὸν προσφερομένων  
— 10. ἐάν τις ἀλλάσων ἀλλάξῃ αὐτὸ κτῆνος  
κτηνί (1, 1)  
— 11. ἐάν τις πᾶν κτ. ἀκαθάρτων (1)  
— 11. στήσει τὸ κτ. ἐναντί [Α. -ίον] τοῦ ἱερέως (1)  
— 26. δ. ἐάν γένῃται ἐν τοῖς κτ. σου (1)  
— 28. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους (1)  
Nu. 3. 13. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους ἐμοὶ  
ἐσονται (1)  
— 41. καὶ τὰ κτ. τὸν Λευιτῶν ἀπὸ πάντων τὸν  
πρωτοτόκων ἐν τοῖς κτ. [Β. ὅτι] ἐν  
τ. κτ.] τὸν υἱὸν Ἰσρ. (1, 1)  
— 45. καὶ τὰ κτ. τὸν Λευιτῶν ἀπὸ τὸν κτ.  
αὐτῶν (1, 1)  
8. 17. ἀπὸ ἀνθρώπων [Α. οὐ] ἕως κτῆνους (1)  
16. 32. καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (7)  
18. 15. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους (1)  
— 15. τὰ πρωτοτόκα τὸν κτ. τὸν ἀκαθάρτων (1)  
— 4. ἀποκτείνει ἡμᾶς καὶ τὰ κτ. ἡμῶν (2)  
20. 8. ποτιεῖται τὴν συναγωγὴν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (2)  
— 11. ἔπειτα ἡ συναγωγὴ καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (2)  
— 19. ἐγώ τε καὶ τὰ κτ. μου (6 b)  
31. 9. καὶ τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (1)  
— 11, 26. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους (1)  
— 28. ἀπὸ τὸν ἀνθρώπων καὶ ἀπὸ τὸν κτ. (8)  
— 30. καὶ ἀπὸ πάντων τὸν κτ. (1)  
— 47. ἀπὸ τὸν ἀνθρώπων καὶ ἀπὸ τὸν κτ. (1)  
32. 1. κτήνη [Β. -ους] πληθὺς ἦν τοῖς υἱοῖς Ἰ. (6 b)  
— 1. ἦν ὁ τόπος τόπος κτηνῶν (6 b)  
— 4. καὶ τοῖς παῖσι σου κτήνη ὑπάρχει (6 b)  
16. οἰκοδομήσονται ὡς τοῖς κτ. ἡμῶν (6 b)  
— 24. καὶ ἐπαυλεις τοῖς κτ. ὑμῶν (5 b)  
— 26. καὶ πάντα τὰ κτ. ἡμῶν (1)  
— 30. διαβίβατε . . . τὰ κτ. αὐτῶν (1)  
35. 3. ἔσται τοῖς κτ. αὐτῶν (1)  
De. 2. 35. τὰ κτ. ἐπρονομῶμεν (1)  
8. 7. τὰ παῖδια καὶ πάντα τὰ κτ. (1)  
— 19. τὰ τέκνα ὑμῶν καὶ τὰ κτ. ὑμῶν οἶδα ὅτι  
πολλά κτ. [Α. τὰ κτ.] ὑμῶν (6 b, 6 b)  
4. 17. ὁμοίωμα παντὸς κτ. (1)  
5. 14. καὶ πᾶν κτ. σου (1)  
— 21 (18). ὅθτι παντὸς κτ. αὐτοῦ (1)  
7. 14. οὐκ ἔσται ἐν ὑμῖν . . . καὶ ἐν τοῖς κτ. σου (1)  
11. 15. ὅσους χυρτάσματα . . . τοῖς [Α. ἐν τοῖς]  
κτ. σου (1)  
14. 4. ταῦτα κτ. [Α. τὰ κτ.] δ. φάγεσθε (1)  
— 6. πᾶν κτ. διχλοῦν [Α. -ηλεῖον] ὀπλήν (1)  
— 6. καὶ ἀνάγον μνησκίμων ἐν τοῖς κτ. (1)  
20. 14. Α. Β. πάντα τὰ κτ. καὶ πάντα [Β. ὅτι] π. τὰ  
κτ. κ. π.] . . . προνομῶμεν (1)  
27. 21. ὁ κοιμώμενος μετὰ παντὸς [Α. ὅτι] κτ. (1)  
28. 11. ἐπὶ τοῖς ἐκγόνοις τὸν κτ. σου (1)  
— 51. κατέδεται τὰ ἐκγόνα τὸν κτ. σου (1)  
30. 9. ἐν τοῖς ἐκγόνοις τὸν κτ. σου (1)  
Jo. 1. 14. τὰ κτ. ὑμῶν κατοικεῖτε ἐν τῇ γῇ (6 b)  
8. 2. τὴν προνομίαν τὸν κτ. προνομῶμεν σεαυτῶν (1)  
— 27. Α. πλὴν τὸν κτ. καὶ [Β. ὅτι] τ. κτ. κ.]  
τὸν σκῆλον (1)  
14. 4. τὰ ἀφωρισμένα αὐτῶν [Α. -οῖς] τοῖς κτ.  
καὶ τὰ κτ. [Α. ὅτι] κ. τ. κτ.] αὐτῶν (6 b, 6 a)

Jo. 21. 2. καὶ τὰ περισπέρια [Α. ὅτι] τὰ π.] τοῖς  
κτ. ἡμῶν (1)  
22. 8. κτ. πολλὰ σφόδρα . . . διελλαντο (6 b)  
Jd. 6. 5. Α. αὐτοῖς τὰ κτ. [Β. αὐ. καὶ αἱ κτῆσεις]  
αὐτῶν (6 b)  
20. 48. καὶ ἕως κτῆνους [Α. αἰ.] (1)  
I Ki. 17. 44. καὶ τοῖς κτ. [Α. θηρίοις] τῆς γῆς (1)  
23. 5. καὶ ἀπήγαγε [Α. οὐκ ἀπ.] τὰ κτ. αὐτῶν (6 b)  
III Ki. 4. 33 (6. 13). ἐλάλησε περὶ τὸν κτ. (1)  
18. 5. Α. οὐκ ἐξολοθρευθήσονται ἀπὸ τὸν κτ.  
[Β. σκηνῶν] (1)  
IV Ki. 3. 9. οὐκ ἦν ὕδωρ . . . τοῖς κτ. (1)  
— 17. αἱ κτῆσεις ὑμῶν καὶ τὰ κτ. ὑμῶν (1)  
I Ch. 4. 39. τοῦ ζητήσαι νομὰς τοῖς κτ. αὐτῶν (5 a)  
— 41. νομαὶ τοῖς κτ. αὐτῶν ἐκεῖ (5 a)  
5. 9. κτ. αὐτῶν πολλὰ ἐν γῇ Ἰ. (6 b)  
7. 21. κατέβησαν τοῦ λαβεῖν τὰ κτ. αὐ. (6 b)  
II Ch. 20. 25. καὶ εἶρον κτ. πολλὰ (1)  
26. 10. κτ. πολλὰ ὑπῆρχεν αὐτῷ (6 b)  
82. 28. φάτις παντὸς κτ. (1)  
I Es. 2. 7. μετ' ἱππῶν καὶ κτηνῶν  
— 9. ἱπποὶς κτηνῶν [Α. καὶ κτ.] καὶ εὐχαῖς  
5. 1. αἱ παιδίσκαι [Α. π. αὐτῶν] καὶ τὰ κτ. αὐτῶν  
8. 5. τέκνοις ἡμῶν καὶ κτηνεσιν  
9. 4. ἀνιερωθήσονται τὰ κτ. αὐτῶν  
II Es. 1. 4. ἐν . . . ἀποσκευῇ καὶ κτηνεσιν (1)  
— 6. καὶ ἐν κτηνεσιν καὶ ἐν ξενίοις (1)  
Ne. 2. 12. καὶ κτηνὸς οὐκ ἔστι μετ' ἐμοῦ εἰ μὴ τὸ  
κτ. [8. αἰ.] (1, 1)  
— 14. οὐκ ἦν τόπος τῷ κτ. παρελθεῖν (1)  
9. 37. Α. Β. καὶ ἐν [8. ἐν τοῖς] κτηνεσιν ἡμῶν (1)  
10. 35 (37). καὶ τὰ πρωτοτόκα . . . κτηνῶν [Β.  
τὸν κτ.] ἡμῶν (1)  
To. 1. 6. Β. καὶ τὰς δεκάτας τὸν κτ. [Α. Β. γεννημάτων]  
10. 11. Παγοὺν ἔδωκεν αὐτῷ . . . κτήνη [8. αἰ.]  
Ju. 4. 10. τὰ κτῆνα αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν  
5. 9. καὶ ἐν κτ. πολλοὶς σφόδρα  
8. 7. καὶ κτήνη καὶ ἀγροῦς  
11. 7. τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ καὶ τὰ κτ.  
— 12. ἐβουλεύσαντο ἐπιβαλεῖν τοῖς κτ. αὐτῶν  
Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτ. αὐτοῦ πρόβατα ἐπτακίχλια (6 b)  
— 10. τὰ κτ. αὐτοῦ πολλὰ ἐποίησαν ἐπὶ τῆς γῆς (6 b)  
36. 28. ὥραν ἔθετο κτηνεσιν  
— 42. 12. ἦν δὲ τὰ κτ. αὐτοῦ πρόβατα μύρια τετρα-  
κισκίχλια (1)  
Ps. 8. 7. ἔτι δὲ καὶ τὰ κτ. τοῦ πεδίου (1)  
35 (36). 6. ἀνθρώπους καὶ κτήνη ὥσπερ (1)  
48 (49). 12, 20. παρασυνεβλήθη τοῖς κτ. τοῖς  
ἀνθρώποις (1)  
49 (50). 10. κτήνη ἐν τοῖς ὄρεσι καὶ βόες (1)  
77 (78). 48. παρέδωκεν ἐν χιλαῖρ [8. εἰς αἰχ-  
μαλωσίαν, 8. εἰς χιλαῖραν] τὰ κτ.  
αὐτῶν (2)  
— 50. τὰ κτ. αὐτῶν εἰς θάνατον συνεκίχθη (4)  
108 (104). 14. ὁ ἐξανατλήων χόρτον τοῖς κτ. (1)  
106 (107). 38. τὰ κτ. αὐτῶν οὐκ ἐσμίρνυν (1)  
134 (135). 8. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους (1)  
146 (147). 9. καὶ διδόντι τοῖς κτ. τροφήν αὐτῶν (1)  
148. 10. τὰ θηρία καὶ πάντα τὰ κτ. (1)  
Pr. 12. 10. δικαίος οἰκτερεῖ ψυχὰς κτηνῶν αὐτοῦ (1)  
24. 65 (30. 30). σκύμνος λένοντος ἰσχυρότερος  
κτηνῶν ὅς οὐκ ἀποστρέφεται οὐδὲ  
καταπτήσκει κτηνὸς (1, +)  
Ec. 3. 18. δείξει ὅτι αὐτοὶ κτήνη εἰσὶ (1)  
— 19. συνάντημα τοῦ κτ. (1)  
— 19. τί ἐπερίσσειεν ὁ ἄνθρωπος [8. τίς  
περίσσεια τῷ ἀνθρώπῳ] παρὰ τὸ κτ. (1)  
— 21. πνεῦμα τοῦ κτ. εἰ καταβαίνει (1)  
Si. 7. 22. κτήνη σοὶ ἐστὶν ἐπιτεκνίον αὐτὰ  
40. 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους  
43. 25. Α. Β. ποικιλία παντὸς ζῴου κτηνῶν  
[Β. κτίσις κτηνῶν] (1)  
Mi. 5. 8 (7). ὡς λέων ἐν κτηνεσιν ἐν τῷ δρυμῷ  
Jl. 1. 20. καὶ τὰ κτ. τοῦ πεδίου ἀνιέρψαν πρὸς σέ (1)  
2. 22. θαρσύνετε κτήνη τοῦ πεδίου (1)  
Jn. 3. 7. οἱ ἄνθρωποι καὶ τὰ κτ. . . μὴ γενεσά-  
σθωσαν (1)  
— 8. περιεβαλόντο σάκκους οἱ ἄνθρ. καὶ τὰ κτ. (1)  
4. 11. ἐν ἡ κατοικοῦσι . . . κτ. πολλὰ (1)  
Ze. 1. 3. ἐκλιπέτω ἄνθρωπος καὶ κτήνη  
Hg. 1. 11. ἐπὶ ὅς βομφαῖαν . . . ἐπὶ τὰ κτ. (1)  
Za. 2. 4 (8). ἀπὸ πληθύνουσιν ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν  
8. 10. καὶ ὁ μισθὸς τὸν κτ. οὐκ ὑπάρχει (1)  
14. 15. αὐτῇ ἔσται ἡ πᾶσις . . . πάντων τῶν κτ. (1)  
Is. 30. 23. βοσκοθήσεται σου τὰ κτ. . . τόπον  
πίονα (6 b)

Is. 46. 1. ἐγένετο τὰ γλυπτὰ αὐτῶν εἰς θηρία καὶ τὰ [A B om.] κτ. (1)  
 63. 14. καὶ ὡς κτήνη διὰ πεδίου (1)  
 Je. 7. 20. ἐπὶ τοὺς ἀνθρώπους καὶ ἐπὶ τὰ κτ. (1)  
 9. 10 (9). ἀπὸ πεινῶν τοῦ οὐρανοῦ καὶ ὥς κτηνῶν [A τῶν κτ.] (1)  
 12. 4. ἠφάνισθησαν [A -ισας] κτήνη καὶ πειτεῖν (1)  
 21. 6. πατάξω . . . τοὺς ἀνθρώπους καὶ τὰ κτ. (1)  
 27 (50). 3. ἀπὸ ἀνθρώπου καὶ [A om.] ὥς κτηνῶν (1)  
 28 (51). 62. ἀπὸ ἀνθρώπου ὥς κτηνῶν (1)  
 30. 10 (49. 32). πληθὺς κτηνῶν αὐτῶν εἰς ἀπώλειαν (6 b)  
 38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου . . . καὶ κτηνῶν (8 f)  
 — 27. σπέρμα ἀνθρώπου καὶ σπέρμα κτηνῶν (8 f)  
 39 (32). 4. ἄβυσσος ἐστὶν ἀπὸ ἀνθρώπων [A B -ου] καὶ κτηνῶν (1)  
 — 12. παρὰ τὸ μὴ εἶναι ἀνθρώπων καὶ κτ. [A -ν] (1)  
 43 (36). 29. ἐκλείψει [A ἐκρίψει] ἀπ' αὐτῆς . . . κτήνη (1)  
 Ba. 3. 32. ἐνέπλησεν αὐτὴν κτηνῶν τετραπόδων (1)  
 Ez. 8. 10. A πᾶσα ὁμοιωσὶς ἐρπετοῦ καὶ κτηνῶν (1)  
 14. 13. ἐξάρω ἐξ [A ἀπ'] αὐτῆς . . . κτήνη (1)  
 — 17. ἐξάρω ἐξ αὐτῆς ἀνθρώπων καὶ κτ. [A -ν] (1)  
 — 19. 21. τὸ ἐξολοθρεῖν αὐτῆς αὐτῆς ἀνθρώπων καὶ κτ. (1)  
 24. 5. ἐξ ἐπιλείκτων κτηνῶν εὐλημμένων [A -να] (6 a)  
 25. 13. ἐξολοθρεῖσθαι αὐτῆς ἀνθρώπων καὶ κτ. (1)  
 27. 20. Δαυὶδ ἐμποροῖ σου μετὰ κτηνῶν ἐλεγκτῶν †  
 29. 8. ἀπολωλὸς ἀπὸ σου ἀνθρώπους καὶ κτήνη [A al.] (1)  
 — 11. πούες ἀνθρώπων καὶ πούες κτηνῶν [A ἀνθρώπων καὶ κτ.] (1)  
 32. 13. A B ἀπολὼν πάντα τὰ [B om.] κτ. αὐτῆς . . . ἵχνος κτηνῶν [A -ους] οὐ μὴ καταπατήσῃ αὐτό (1, 1)  
 35. 7. ἀπολὼν ἀπ' αὐτοῦ ἀνθρώπους καὶ κτήνη †  
 36. 11. πληθυντὸν ἐφ' ὑμᾶς ἀνθρώπων καὶ κτήνη (1)  
 44. 31. ἐκ τῶν πειτεινῶν καὶ ἐκ τῶν κτ. (1)  
 Da. LXX. 3. (81). πάντα τὰ θηρία καὶ τὰ κτ. τετραπόδα (1)  
 Da. TH. 3. (81). εὐλογεῖτε . . . τὰ κτ. τὸν κύριον  
 I Ma. 1. 32. A B καὶ τὰ κτ. ἐληροσύνῃσαν [B om., B<sup>2</sup> ἐκλ. ἐαυτοῖς] (1)  
 — 47. θύειν ὕεκα καὶ κτ. κοινὰ [B<sup>1</sup> πολλὰ] (1)  
 2. 30. αἱ γυναῖκες αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (1)  
 — 38. τὰ τέκνα αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (1)  
 10. 33. B R καὶ τῶν [A om.] κτ. αὐτῶν (1)  
 12. 33. γὰρ τὸ ὕμνον . . . ἡμῶν ἐστὶ (1)  
 [Aq. Ge. 1. 26: Lx. 27. 26: Dt. 28. 4: Jb. 40. 10 (15): Is. 80. 6: Je. 16. 3: 16. 4: 27 (34). 5: 33 (40). 12: Hb. 2. 17.]  
 [Sm. Lx. 27. 26: Jb. 35. 11: Ps. 77 (78). 48: 103 (104). 14: Ec. 3. 19: Is. 80. 6: Hb. 2. 17 (?).]  
 [Th. Ex. 34. 19: Lx. 27. 26: Jb. 40. 10 (15): Is. 80. 6: Je. 27 (34). 5: Ez. 8. 10: Da. 3. (81).]  
 [Al. Lx. 5. 2: 18. 23 bis.]  
**κτῆνοτρόφος.** (1) α. κτῆνο δ. ἀνὴρ κτ. κτῆνο δ. κτῆνο  
 Ge. 4. 20. οἰκούντων ἐν σκηναῖς κτῆνοτρόφων (1 a)  
 46. 32. ἄνδρες γὰρ κτῆνοτρόφοι ἦσαν (1 b)  
 — 34. ἄνδρες κτῆνοτρόφοι ἐσμέν (1 b)  
 Nu. 32. 4. γῆ κτ. ἐστὶ (1 a)  
**κτῆνωδης.** (1) κτῆνωδης  
 Ps. 72 (78). 22. κτῆνωδης ἐγενόμην [S ἐγενήθην] παρὰ σοί (1)  
 [Sm. Ps. 72 (78). 22.]  
**κτῆσις.** (1) κτῆσις (2) κτῆσις (3) κτῆσις  
 (4) α. κτῆσις δ. κτῆσις γ. κτῆσις δ. κτῆσις  
 (5) κτῆσις  
 Ge. 23. 4. δότε οὖν μοι κτῆσιν τάφου (1)  
 — 9. B δότω [A -τε] μοι αὐτὸ . . . εἰς κτῆσιν κτῆσις (1)  
 — 18. ἔστω ὁ ἀγρός . . . τῷ 'Α. εἰς κτῆσιν (4 b)  
 — 20. ἐκνύσθω ὁ ἀγρός . . . τῷ 'Α. εἰς κτῆσιν (1)  
 36. 43. ἐν τῇ γῇ τῆς κτ. αὐτῶν (1)  
 46. 6. ἀναλαβόντες . . . πᾶσαν τὴν κτ. (5)  
 49. 30. ὁ ἐκτίσας τοῦ ἀγροῦ καὶ τοῦ σπηλαίου (4 c)  
 50. 13. ὁ ἐκτίσας τοῦ ἀγροῦ καὶ τοῦ σπηλαίου (1)  
 Le. 14. 34. ἢ ἐγὼ διδῶμι ὑμῖν ἐν κτῆσει (1)  
 20. 24. ἐγὼ δώσω ὑμῖν αὐτὴν ἐν κτῆσει (8)  
 25. 10. εἰς ἕκαστος εἰς τὴν κτ. αὐτοῦ (1)  
 — 13. A B<sup>1</sup> ἐπαυλεῖσθαι [A B<sup>2</sup> add. ἕκαστος] εἰς τὴν κτ. [B<sup>2</sup> B ἔγκτ.] (1)  
 — 16. A B<sup>1</sup> ἐλαττωσέτω τὴν κτ. [B<sup>2</sup> B ἔγκτ.] αὐτοῦ (4 b)  
 Jd. 6. 5. αὐτοὶ καὶ αἱ κτ. [A οὐ. τὰ κτῆνη] αὐτῶν (4 c)  
 18. 21. ἔθρακα . . . τὴν κτ. [A add. αὐτοῦ] (4 c)  
 IV Ki. 8. 17. ὕμεις καὶ αἱ κτ. ὑμῶν (4 c)  
 I Ch. 28. 1. B καὶ πάσης τῆς κτ. τοῦ βασιλ. (4 c)  
 II Ch. 14. 15 (14). καὶ γὰρ σκηνὰς κτῆσεων . . . ἐξέκοναν (4 c)  
 II Es. 8. 21. καὶ πάσης τῆς κτ. ἡμῶν (5)  
 Jb. 36. 33. κτῆσις [A -σεις] καὶ περὶ ἀδικίας (4 c)  
 Ps. 104 (105). 21. καὶ ἄρματα πάσης τῆς κτ. [A S κτῆσις] αὐτοῦ (4 d)  
 Pr. 1. 13. τὴν κτ. [A κτῆσις] αὐτοῦ τὴν πολυτελεῖα καταλαβώμεθα (2)  
 8. 18. καὶ κτῆσις πολλῶν καὶ δικαιοσύνη (2)  
 10. 15. κτῆσις [B<sup>1</sup> κτῆσις] πλουσιῶν πόλιν ὀχυρά (2)  
 Ec. 2. 7. κτῆσις βουκολίου . . . πολλὰ [B<sup>1</sup> om.] ἐγένετο μοι (4 c)  
 Wi. 2. 6. A χρῆσώμεθα τῇ κτ. [B S κτῆσις] (1)  
 16. 24. A ἡ γὰρ κτ. [B S κτῆσις] σοὶ τῷ ποιῶντι ὑπηρετούσας (4 c)  
 Si. 36. 29 (46). ὁ κτῆσις γυναῖκα ἐνάρχηται κτῆσις (4 a)  
 42. 4. περὶ κτῆσις πολλῶν καὶ ὀλίγων (4 a)  
 43. 25. A B ποικιλία παντὸς ζῴου κτῆσις κτηνῶν [B κτῆσις κτηνῶν] (4 a)  
 Je. 39 (32). 7. παραλαβὴν εἰς κτῆσιν (4 a)  
 — 8. A σοὶ κρίμα παραλαβὴν εἰς κτῆσιν [B al.] (4 a f)  
 — 11. ἔλαβον τὸ βιβλίον τῆς κτ. τὸ ἐσφραγισμένον (4 b)  
 — 12. γραφόντων ἐν τῷ βιβλίῳ τῆς κτ. (4 b)  
 — 14. λάβε τὸ βιβλίον τῆς κτ. τοῦτο (4 b)  
 — 16. μετὰ τὸ δοῦναι μετὰ τὸ βιβλίον τῆς κτ. (4 b)  
 Ba. 3. 17. οὐκ ἐστὶ τέλος τῆς κτ. αὐτῶν (4 b)  
 — 24. ἐπιμήκης ὁ τόπος τῆς κτ. αὐτοῦ (4 b)  
 Ez. 38. 12. πεποιθὸς κτῆσις (4 c + 4 d)  
 — 13. ἀπενέγκασθαι κτῆσιν [A -σεις] (4 c + 4 d)  
 [Aq. Ps. 103 (104). 24: Pr. 4. 7: Is. 80. 23.]  
 [Sm. Dt. 18. 8: Jd. 1. 15 ter: Ps. 103 (104). 24: Pr. 4. 7: Is. 80. 23.]  
 [Th. Jd. 18. 21: Jb. 36. 33: Ps. 103 (104). 24: Pr. 4. 7: Is. 80. 23.]  
 [Al. Lx. 25. 27, 51.]  
**κτῆσις.**  
 [Sm. Hb. 2. 17 (?).]  
**κτῆσις.**  
 [Sm. Jb. 1. 11.]  
**κτῆσις.** (1) κτῆσις α. qal. δ. ni. (2) κτῆσις ni. (3) κτῆσις α. pil. δ. pu. (5) κτῆσις ni. (6) κτῆσις α. qal. δ. ni. (7) κτῆσις ni. (8) κτῆσις α. qal. δ. ni. (9) κτῆσις ni. (10) κτῆσις α. qal. δ. ni. (11) κτῆσις ni. (12) κτῆσις α. qal. δ. ni. (13) κτῆσις ni. (14) κτῆσις α. qal. δ. ni. (15) κτῆσις ni. (16) κτῆσις α. qal. δ. ni. (17) κτῆσις ni. (18) κτῆσις α. qal. δ. ni. (19) κτῆσις ni. (20) κτῆσις α. qal. δ. ni. (21) κτῆσις ni. (22) κτῆσις α. qal. δ. ni. (23) κτῆσις ni. (24) κτῆσις α. qal. δ. ni. (25) κτῆσις ni. (26) κτῆσις α. qal. δ. ni. (27) κτῆσις ni. (28) κτῆσις α. qal. δ. ni. (29) κτῆσις ni. (30) κτῆσις α. qal. δ. ni. (31) κτῆσις ni. (32) κτῆσις α. qal. δ. ni. (33) κτῆσις ni. (34) κτῆσις α. qal. δ. ni. (35) κτῆσις ni. (36) κτῆσις α. qal. δ. ni. (37) κτῆσις ni. (38) κτῆσις α. qal. δ. ni. (39) κτῆσις ni. (40) κτῆσις α. qal. δ. ni. (41) κτῆσις ni. (42) κτῆσις α. qal. δ. ni. (43) κτῆσις ni. (44) κτῆσις α. qal. δ. ni. (45) κτῆσις ni. (46) κτῆσις α. qal. δ. ni. (47) κτῆσις ni. (48) κτῆσις α. qal. δ. ni. (49) κτῆσις ni. (50) κτῆσις α. qal. δ. ni. (51) κτῆσις ni. (52) κτῆσις α. qal. δ. ni. (53) κτῆσις ni. (54) κτῆσις α. qal. δ. ni. (55) κτῆσις ni. (56) κτῆσις α. qal. δ. ni. (57) κτῆσις ni. (58) κτῆσις α. qal. δ. ni. (59) κτῆσις ni. (60) κτῆσις α. qal. δ. ni. (61) κτῆσις ni. (62) κτῆσις α. qal. δ. ni. (63) κτῆσις ni. (64) κτῆσις α. qal. δ. ni. (65) κτῆσις ni. (66) κτῆσις α. qal. δ. ni. (67) κτῆσις ni. (68) κτῆσις α. qal. δ. ni. (69) κτῆσις ni. (70) κτῆσις α. qal. δ. ni. (71) κτῆσις ni. (72) κτῆσις α. qal. δ. ni. (73) κτῆσις ni. (74) κτῆσις α. qal. δ. ni. (75) κτῆσις ni. (76) κτῆσις α. qal. δ. ni. (77) κτῆσις ni. (78) κτῆσις α. qal. δ. ni. (79) κτῆσις ni. (80) κτῆσις α. qal. δ. ni. (81) κτῆσις ni. (82) κτῆσις α. qal. δ. ni. (83) κτῆσις ni. (84) κτῆσις α. qal. δ. ni. (85) κτῆσις ni. (86) κτῆσις α. qal. δ. ni. (87) κτῆσις ni. (88) κτῆσις α. qal. δ. ni. (89) κτῆσις ni. (90) κτῆσις α. qal. δ. ni. (91) κτῆσις ni. (92) κτῆσις α. qal. δ. ni. (93) κτῆσις ni. (94) κτῆσις α. qal. δ. ni. (95) κτῆσις ni. (96) κτῆσις α. qal. δ. ni. (97) κτῆσις ni. (98) κτῆσις α. qal. δ. ni. (99) κτῆσις ni. (100) κτῆσις α. qal. δ. ni. (101) κτῆσις ni. (102) κτῆσις α. qal. δ. ni. (103) κτῆσις ni. (104) κτῆσις α. qal. δ. ni. (105) κτῆσις ni. (106) κτῆσις α. qal. δ. ni. (107) κτῆσις ni. (108) κτῆσις α. qal. δ. ni. (109) κτῆσις ni. (110) κτῆσις α. qal. δ. ni. (111) κτῆσις ni. (112) κτῆσις α. qal. δ. ni. (113) κτῆσις ni. (114) κτῆσις α. qal. δ. ni. (115) κτῆσις ni. (116) κτῆσις α. qal. δ. ni. (117) κτῆσις ni. (118) κτῆσις α. qal. δ. ni. (119) κτῆσις ni. (120) κτῆσις α. qal. δ. ni. (121) κτῆσις ni. (122) κτῆσις α. qal. δ. ni. (123) κτῆσις ni. (124) κτῆσις α. qal. δ. ni. (125) κτῆσις ni. (126) κτῆσις α. qal. δ. ni. (127) κτῆσις ni. (128) κτῆσις α. qal. δ. ni. (129) κτῆσις ni. (130) κτῆσις α. qal. δ. ni. (131) κτῆσις ni. (132) κτῆσις α. qal. δ. ni. (133) κτῆσις ni. (134) κτῆσις α. qal. δ. ni. (135) κτῆσις ni. (136) κτῆσις α. qal. δ. ni. (137) κτῆσις ni. (138) κτῆσις α. qal. δ. ni. (139) κτῆσις ni. (140) κτῆσις α. qal. δ. ni. (141) κτῆσις ni. (142) κτῆσις α. qal. δ. ni. (143) κτῆσις ni. (144) κτῆσις α. qal. δ. ni. (145) κτῆσις ni. (146) κτῆσις α. qal. δ. ni. (147) κτῆσις ni. (148) κτῆσις α. qal. δ. ni. (149) κτῆσις ni. (150) κτῆσις α. qal. δ. ni. (151) κτῆσις ni. (152) κτῆσις α. qal. δ. ni. (153) κτῆσις ni. (154) κτῆσις α. qal. δ. ni. (155) κτῆσις ni. (156) κτῆσις α. qal. δ. ni. (157) κτῆσις ni. (158) κτῆσις α. qal. δ. ni. (159) κτῆσις ni. (160) κτῆσις α. qal. δ. ni. (161) κτῆσις ni. (162) κτῆσις α. qal. δ. ni. (163) κτῆσις ni. (164) κτῆσις α. qal. δ. ni. (165) κτῆσις ni. (166) κτῆσις α. qal. δ. ni. (167) κτῆσις ni. (168) κτῆσις α. qal. δ. ni. (169) κτῆσις ni. (170) κτῆσις α. qal. δ. ni. (171) κτῆσις ni. (172) κτῆσις α. qal. δ. ni. (173) κτῆσις ni. (174) κτῆσις α. qal. δ. ni. (175) κτῆσις ni. (176) κτῆσις α. qal. δ. ni. (177) κτῆσις ni. (178) κτῆσις α. qal. δ. ni. (179) κτῆσις ni. (180) κτῆσις α. qal. δ. ni. (181) κτῆσις ni. (182) κτῆσις α. qal. δ. ni. (183) κτῆσις ni. (184) κτῆσις α. qal. δ. ni. (185) κτῆσις ni. (186) κτῆσις α. qal. δ. ni. (187) κτῆσις ni. (188) κτῆσις α. qal. δ. ni. (189) κτῆσις ni. (190) κτῆσις α. qal. δ. ni. (191) κτῆσις ni. (192) κτῆσις α. qal. δ. ni. (193) κτῆσις ni. (194) κτῆσις α. qal. δ. ni. (195) κτῆσις ni. (196) κτῆσις α. qal. δ. ni. (197) κτῆσις ni. (198) κτῆσις α. qal. δ. ni. (199) κτῆσις ni. (200) κτῆσις α. qal. δ. ni. (201) κτῆσις ni. (202) κτῆσις α. qal. δ. ni. (203) κτῆσις ni. (204) κτῆσις α. qal. δ. ni. (205) κτῆσις ni. (206) κτῆσις α. qal. δ. ni. (207) κτῆσις ni. (208) κτῆσις α. qal. δ. ni. (209) κτῆσις ni. (210) κτῆσις α. qal. δ. ni. (211) κτῆσις ni. (212) κτῆσις α. qal. δ. ni. (213) κτῆσις ni. (214) κτῆσις α. qal. δ. ni. (215) κτῆσις ni. (216) κτῆσις α. qal. δ. ni. (217) κτῆσις ni. (218) κτῆσις α. qal. δ. ni. (219) κτῆσις ni. (220) κτῆσις α. qal. δ. ni. (221) κτῆσις ni. (222) κτῆσις α. qal. δ. ni. (223) κτῆσις ni. (224) κτῆσις α. qal. δ. ni. (225) κτῆσις ni. (226) κτῆσις α. qal. δ. ni. (227) κτῆσις ni. (228) κτῆσις α. qal. δ. ni. (229) κτῆσις ni. (230) κτῆσις α. qal. δ. ni. (231) κτῆσις ni. (232) κτῆσις α. qal. δ. ni. (233) κτῆσις ni. (234) κτῆσις α. qal. δ. ni. (235) κτῆσις ni. (236) κτῆσις α. qal. δ. ni. (237) κτῆσις ni. (238) κτῆσις α. qal. δ. ni. (239) κτῆσις ni. (240) κτῆσις α. qal. δ. ni. (241) κτῆσις ni. (242) κτῆσις α. qal. δ. ni. (243) κτῆσις ni. (244) κτῆσις α. qal. δ. ni. (245) κτῆσις ni. (246) κτῆσις α. qal. δ. ni. (247) κτῆσις ni. (248) κτῆσις α. qal. δ. ni. (249) κτῆσις ni. (250) κτῆσις α. qal. δ. ni. (251) κτῆσις ni. (252) κτῆσις α. qal. δ. ni. (253) κτῆσις ni. (254) κτῆσις α. qal. δ. ni. (255) κτῆσις ni. (256) κτῆσις α. qal. δ. ni. (257) κτῆσις ni. (258) κτῆσις α. qal. δ. ni. (259) κτῆσις ni. (260) κτῆσις α. qal. δ. ni. (261) κτῆσις ni. (262) κτῆσις α. qal. δ. ni. (263) κτῆσις ni. (264) κτῆσις α. qal. δ. ni. (265) κτῆσις ni. (266) κτῆσις α. qal. δ. ni. (267) κτῆσις ni. (268) κτῆσις α. qal. δ. ni. (269) κτῆσις ni. (270) κτῆσις α. qal. δ. ni. (271) κτῆσις ni. (272) κτῆσις α. qal. δ. ni. (273) κτῆσις ni. (274) κτῆσις α. qal. δ. ni. (275) κτῆσις ni. (276) κτῆσις α. qal. δ. ni. (277) κτῆσις ni. (278) κτῆσις α. qal. δ. ni. (279) κτῆσις ni. (280) κτῆσις α. qal. δ. ni. (281) κτῆσις ni. (282) κτῆσις α. qal. δ. ni. (283) κτῆσις ni. (284) κτῆσις α. qal. δ. ni. (285) κτῆσις ni. (286) κτῆσις α. qal. δ. ni. (287) κτῆσις ni. (288) κτῆσις α. qal. δ. ni. (289) κτῆσις ni. (290) κτῆσις α. qal. δ. ni. (291) κτῆσις ni. (292) κτῆσις α. qal. δ. ni. (293) κτῆσις ni. (294) κτῆσις α. qal. δ. ni. (295) κτῆσις ni. (296) κτῆσις α. qal. δ. ni. (297) κτῆσις ni. (298) κτῆσις α. qal. δ. ni. (299) κτῆσις ni. (300) κτῆσις α. qal. δ. ni. (301) κτῆσις ni. (302) κτῆσις α. qal. δ. ni. (303) κτῆσις ni. (304) κτῆσις α. qal. δ. ni. (305) κτῆσις ni. (306) κτῆσις α. qal. δ. ni. (307) κτῆσις ni. (308) κτῆσις α. qal. δ. ni. (309) κτῆσις ni. (310) κτῆσις α. qal. δ. ni. (311) κτῆσις ni. (312) κτῆσις α. qal. δ. ni. (313) κτῆσις ni. (314) κτῆσις α. qal. δ. ni. (315) κτῆσις ni. (316) κτῆσις α. qal. δ. ni. (317) κτῆσις ni. (318) κτῆσις α. qal. δ. ni. (319) κτῆσις ni. (320) κτῆσις α. qal. δ. ni. (321) κτῆσις ni. (322) κτῆσις α. qal. δ. ni. (323) κτῆσις ni. (324) κτῆσις α. qal. δ. ni. (325) κτῆσις ni. (326) κτῆσις α. qal. δ. ni. (327) κτῆσις ni. (328) κτῆσις α. qal. δ. ni. (329) κτῆσις ni. (330) κτῆσις α. qal. δ. ni. (331) κτῆσις ni. (332) κτῆσις α. qal. δ. ni. (333) κτῆσις ni. (334) κτῆσις α. qal. δ. ni. (335) κτῆσις ni. (336) κτῆσις α. qal. δ. ni. (337) κτῆσις ni. (338) κτῆσις α. qal. δ. ni. (339) κτῆσις ni. (340) κτῆσις α. qal. δ. ni. (341) κτῆσις ni. (342) κτῆσις α. qal. δ. ni. (343) κτῆσις ni. (344) κτῆσις α. qal. δ. ni. (345) κτῆσις ni. (346) κτῆσις α. qal. δ. ni. (347) κτῆσις ni. (348) κτῆσις α. qal. δ. ni. (349) κτῆσις ni. (350) κτῆσις α. qal. δ. ni. (351) κτῆσις ni. (352) κτῆσις α. qal. δ. ni. (353) κτῆσις ni. (354) κτῆσις α. qal. δ. ni. (355) κτῆσις ni. (356) κτῆσις α. qal. δ. ni. (357) κτῆσις ni. (358) κτῆσις α. qal. δ. ni. (359) κτῆσις ni. (360) κτῆσις α. qal. δ. ni. (361) κτῆσις ni. (362) κτῆσις α. qal. δ. ni. (363) κτῆσις ni. (364) κτῆσις α. qal. δ. ni. (365) κτῆσις ni. (366) κτῆσις α. qal. δ. ni. (367) κτῆσις ni. (368) κτῆσις α. qal. δ. ni. (369) κτῆσις ni. (370) κτῆσις α. qal. δ. ni. (371) κτῆσις ni. (372) κτῆσις α. qal. δ. ni. (373) κτῆσις ni. (374) κτῆσις α. qal. δ. ni. (375) κτῆσις ni. (376) κτῆσις α. qal. δ. ni. (377) κτῆσις ni. (378) κτῆσις α. qal. δ. ni. (379) κτῆσις ni. (380) κτῆσις α. qal. δ. ni. (381) κτῆσις ni. (382) κτῆσις α. qal. δ. ni. (383) κτῆσις ni. (384) κτῆσις α. qal. δ. ni. (385) κτῆσις ni. (386) κτῆσις α. qal. δ. ni. (387) κτῆσις ni. (388) κτῆσις α. qal. δ. ni. (389) κτῆσις ni. (390) κτῆσις α. qal. δ. ni. (391) κτῆσις ni. (392) κτῆσις α. qal. δ. ni. (393) κτῆσις ni. (394) κτῆσις α. qal. δ. ni. (395) κτῆσις ni. (396) κτῆσις α. qal. δ. ni. (397) κτῆσις ni. (398) κτῆσις α. qal. δ. ni. (399) κτῆσις ni. (400) κτῆσις α. qal. δ. ni. (401) κτῆσις ni. (402) κτῆσις α. qal. δ. ni. (403) κτῆσις ni. (404) κτῆσις α. qal. δ. ni. (405) κτῆσις ni. (406) κτῆσις α. qal. δ. ni. (407) κτῆσις ni. (408) κτῆσις α. qal. δ. ni. (409) κτῆσις ni. (410) κτῆσις α. qal. δ. ni. (411) κτῆσις ni. (412) κτῆσις α. qal. δ. ni. (413) κτῆσις ni. (414) κτῆσις α. qal. δ. ni. (415) κτῆσις ni. (416) κτῆσις α. qal. δ. ni. (417) κτῆσις ni. (418) κτῆσις α. qal. δ. ni. (419) κτῆσις ni. (420) κτῆσις α. qal. δ. ni. (421) κτῆσις ni. (422) κτῆσις α. qal. δ. ni. (423) κτῆσις ni. (424) κτῆσις α. qal. δ. ni. (425) κτῆσις ni. (426) κτῆσις α. qal. δ. ni. (427) κτῆσις ni. (428) κτῆσις α. qal. δ. ni. (429) κτῆσις ni. (430) κτῆσις α. qal. δ. ni. (431) κτῆσις ni. (432) κτῆσις α. qal. δ. ni. (433) κτῆσις ni. (434) κτῆσις α. qal. δ. ni. (435) κτῆσις ni. (436) κτῆσις α. qal. δ. ni. (437) κτῆσις ni. (438) κτῆσις α. qal. δ. ni. (439) κτῆσις ni. (440) κτῆσις α. qal. δ. ni. (441) κτῆσις ni. (442) κτῆσις α. qal. δ. ni. (443) κτῆσις ni. (444) κτῆσις α. qal. δ. ni. (445) κτῆσις ni. (446) κτῆσις α. qal. δ. ni. (447) κτῆσις ni. (448) κτῆσις α. qal. δ. ni. (449) κτῆσις ni. (450) κτῆσις α. qal. δ. ni. (451) κτῆσις ni. (452) κτῆσις α. qal. δ. ni. (453) κτῆσις ni. (454) κτῆσις α. qal. δ. ni. (455) κτῆσις ni. (456) κτῆσις α. qal. δ. ni. (457) κτῆσις ni. (458) κτῆσις α. qal. δ. ni. (459) κ

Wi. 18. 24. ἡ γὰρ κτ. [A κτήσις] σοι τῷ ποιήσαντι  
υπηρέτουσα

19. 6. ὅλη γὰρ ἡ κτ. . . πάλιν ἀνωθεν διευτυπύτο  
Si. 16. 17. τίς γὰρ ἡ ψυχὴ μου ἐν ἀμετρήτῳ κτίσει  
48. 25. ποικιλία παντὸς [φύου κτίσις κτηνῶν] [A B  
κτῆσις κτηνῶν]

49. 16. ὑπὲρ πάντων [φύου ἐν τῇ] [B<sup>1</sup> om.] κτ. Ἀδάμ  
III Ma. 2. 2. δάσποτα πάσης τῆς κτ.  
— 7. τῇ τῆς ἀπάσης κτ. δυναστεύουσι  
6. 2. τὴν πᾶσαν διακυβερνῶν . . . κτ.  
[Aq. Ez. 2. 10.]

## κτίσμα.

Wi. 9. 2. ὡς δασπύχῃ τῶν ὑπὸ σοῦ γενομένων κτ.  
18. 5. A B ἐκ γὰρ μεγίστου καλλοῦντος [B B<sup>1</sup> κ. καί,  
B<sup>3</sup> καὶ κ.] κτισμάτων

14. 11. ἐν κτίσματι θεοῦ εἰς βδελύγμω ἐγενήθησαν  
Si. 36. 20 (17). ὁδὸς μαρτύριον τοῖς ἐν ἀρχῇ κτ. σου  
88. 34. κτίσμα αἰῶνος στηρίσους [B στ. σου.]  
III Ma. 5. 11. τὸ δὲ ἀπ' αἰῶνος χρόνου κτ. καλὸν

## κτίσις.

II Ki. 22. 32. τίς κτίσις ἔστιαι  
[Ju. 9. 12. κτίστα τῶν υδάτων] +  
Si. 24. 8. ἐντελειότα μοι δ. κτ. ἀπάντων

II Ma. 1. 24. κύριος ὁ θεὸς ὁ πάντων κτ.  
7. 23. ὁ τοῦ κόσμου κτ.  
18. 14. B δοὺς δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῇ κτ. [A κυρίῳ]  
τοῦ κόσμου

IV Ma. 5. 25. ἡμῖν συμπαθεῖ . . . ὁ τοῦ κόσμου κτ.  
11. 5. τὸν πάντων κτ. εὐσεβοῦμεν  
[Sm. Is. 48. 15.]

## κτύπος.

Wi. 17. 19. κτύπος ἀπῆνης καταρριπτομένων πετρῶν  
[Aq. Jb. 28. 26, 27 : 38. 25.]  
[Sm. Jb. 28. 26.]

## κύσθος. (1) 𐤒𐤍𐤔𐤕

Ex. 25. 28 (29). τοὺς κ. ἐν οἷς σπείσεις ἐν αὐτοῖς (1)  
88. 12 (37. 16) : Nu. 4. 7. τὰς θύσας καὶ τοὺς κ. (1)  
Je. 52. 19. τὰς θύσας καὶ τοὺς κ. . . ἔλαβεν  
ὁ ἀρχιμάγειρος (1)

## κύσμος. (1) 𐤒𐤍𐤔

II Ki. 17. 28. καὶ ἀλφитὸν καὶ κύσμον (1)  
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτὸν . . . κριθὰς καὶ κύσμον (1)

## κυβερνᾶν. (1) 𐤒𐤍𐤔𐤕

Pr. 12. 5. κυβερνῶν δὲ ἀσβεῖς δόλους [B<sup>1</sup>  
λόγους] (1)  
Wi. 10. 4. δι' εὐτελοῦς ξύλου τὸν δίκαιον κυβερνή-  
σασα

14. 6. ἡ ἐλπίς τοῦ κόσμου . . . τῇ σῇ κυβερνηθείσα  
χερὶ  
Da. LXX., Th. Su. 5. οἱ ἐδόκουν κυβερνᾶν τὸν λαόν

## κυβέρνησις. (1) 𐤒𐤍𐤔𐤕

Pr. 1. 5. ὁ δὲ νοῦμος κυβερνήσιν κτῆσεται (1)  
11. 14. οἷς μὴ ὑπάρχει κυβέρνησις (1)  
24. 6. μετὰ κυβερνήσεως γίνεται πόλεμος (1)  
[Sm. Jb. 37. 12.]  
[Th. Pr. 20. 18.]

## κυβερνήτης. (1) 𐤒𐤍𐤔𐤕 (2) 𐤒𐤍𐤔

Pr. 23. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῷ κλύδωνι (2)  
Ez. 27. 8. οὗτος κυβερνήται σου (1)  
— 27. οἱ κωπηλάται σου καὶ οἱ κ. σου (1)  
— 28. οἱ κ. σου φόβου [A om.] φοβηθήσονται (1)  
IV Ma. 7. 1. ὥσπερ γὰρ ἄριστος κ.  
[Aq., Sm., Th. Ez. 27. 29 : Jn. 1. 6.]

## κύβος. (1) 𐤒𐤍𐤔 (2) 𐤒𐤍𐤔

Es. 1. 6. ἐπὶ κ. χρυσοῖς καὶ ἀργυροῖς (1)  
Jb. 38. 38. κεκόλληκα δὲ αὐτὸν ὥσπερ λίθον  
κύβου [A al.] (2)

## κυδῖων (A B), κυδῖως (B) (P).

To. 1. 2. ἡ ἐστὶν ἐκ δεξιῶν κυδῖως τῆς Νεφθ.  
κυδοιμός. (1) 𐤒𐤍𐤔 𐤒𐤍𐤔

Jb. 88. 25. ὁδὸν δὲ κυδοιμῶν τοῦ ὑετίσαι (1)

## κύδος. (1) 𐤒𐤍𐤔

Is. 14. 25. τὸ κ. αὐτῶν ἀπὸ τῶν ὤμων ἀφαιρεθί-  
σεται (1)

κύειν, κυεῖν. (1) 𐤒𐤍𐤔 a. qal. ὁ. po.

Is. 59. 4. κύουσιν πόνοι (1 a)  
— 13. ἐκύομεν καὶ ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας  
ἡμῶν λόγους (1 b)

[Sm. Ge. 38. 13 : Ps. 7. 15 : 50 (51). 7 : Is.  
38. 11.]  
[Heb. Jb. 8. 3.]

κύησις. (1) 𐤒𐤍𐤔

Ru. 4. 13. ἔδωκεν αὐτῇ κύριος κύησιν (1)  
[Aq. Jb. 20. 17.]  
[Sm. Ge. 8. 17 (16) : Is. 64. 6 (5) : Jb. 20. 17.]  
[Th. Ge. 8. 17 (16).]

κύθρα, vid. χύτρα.

κυθρόπους, vid. χυθρόπους.

κυκάν.

[Sm. Ps. 2. 1.]

κύκησις.

[Sm. Ps. 68 (64). 3.]

κυκλεύειν. (1) 𐤒𐤍𐤔

IV Ki. 3. 25. B ἐκύκλευσαν [A B -ωσαν] οἱ  
σφενδοῦνται [A -ισαί] (1)  
[Sm. II Ki. 5. 23.]

κυκλῶδν.

[Sm. Jb. 37. 12.]

κυκλόθεν. (1) 𐤒𐤍𐤔 𐤒𐤍𐤔 (2) a. 𐤒𐤍𐤔

δ. 𐤒𐤍𐤔 c. 𐤒𐤍𐤔 d. 𐤒𐤍𐤔 𐤒𐤍𐤔  
e. δ κ. 𐤒𐤍𐤔

Ex. 28. 29 (33). A B<sup>2</sup> ἐπὶ [B<sup>1</sup> B ὑπὸ] τὸ λῶμα  
... κ. [B B κάτωθεν]

Jo. 21. 42. κατέπασεν αὐτοὺς [A -οῖς] κύριος κ. (2 b)  
23. 1. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν κ. (2 b)  
Jd. 2. 14. ἐν χερσὶ τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν κ. [A al.] (2 b)

8. 34. τῶν θλιβόντων αὐτοὺς [A ἐχθρῶν αὐ-  
τῶν] κ. (2 b)  
I Ki. 10. 1. ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐτοῦ κ. (2 c)

12. 11. ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν τῶν κ. (2 c)  
III Ki. 3. 1. ἔως συντελέσαι αὐτὸν . . . τὸ τέ-  
χος ἱερ. κ. (2 c)

— I (cf. 4. 24 [5. 4]). B ἐκ πάντων τῶν μερῶν  
αὐτοῦ κ. (2 b)  
4. 24 (5. 4). ἐκ πάντων τῶν μερῶν κ. (2 b)

5. 4 (18). ἀνέπαυσε κύμος ὁ θεὸς μου ἐμοὶ κ. (2 b)  
6. 5. A ἔδωκεν . . . μελάρα κ. σὺν τοῖς οἰκοῖς τοῦ  
οἴκου κ. [B om. σὺν τ. τ. οἰ. κ.] τῇ  
ναφ. (2 a, 2 a)

— 5. A ἐποίησεν πλευρὰς κ. (2 a)  
— 6. διάστημα ἔδωκε τῇ οἰκῇ κ. (2 a)  
— 36. στίχος κατεργασμένης κείρου κ. [A om.] (2 a)

7. 24. ὑποκάτω τοῦ χείλους αὐτῆς κ. ἐκύ-  
κλουν αὐτὴν δέκα ἐν πῆχει κ. (2 a, 2 a)  
— 36. καὶ τὰ κ. (2 a)

18. 32. ἐποίησε θάλασσαν . . . κ. τοῦ θυσι-  
στηρίου (2 a)  
IV Ki. 25. 10. B τὸ τεῖχος ἱερ. κ. κατέσπασεν  
[A al.] (2 a)

I Ch. 22. 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν κ. (2 b)  
— 18. ἀνέπαυσε ὑμᾶς κ. (2 b)

II Ch. 4. 2. ἐποίησε τὴν θάλασσαν . . . στρο-  
γύλην κ. (2 a)  
— 3. δέκα πῆχεις περιέχουσι τὸν λουτήρα κ. (2 a)

14. 7 (6). κατέπασεν ἡμᾶς κ. (2 b)  
15. 15. κατέπασσε κύριος αὐτοῖς κ. (2 b)  
20. 30. κατέπασεν αὐτὸν ὁ θεὸς αὐτοῦ κ. (2 b)

32. 22. καὶ κατέπασεν αὐτοὺς κ. (2 b)  
38. 14. ἐκπορευομένων [A πορ.] τὴν πύλην  
τὴν κ. (2 c)

II Es. 1. 6. πάντες οἱ κ. ἐνίσχυσαν [A ἰσχ.] (2 a)  
Ne. 12. 28. ἀπὸ τῆς περιώρου κ. (2 a)  
Jb. 1. 10. A τὰ ἔξωθεν πάντων τῶν ὄντων αὐ-  
τῷ κ. [B S al.] (2 b)

18. 9. A ἔλθουσιν δὲ ἐπ' αὐτὸν παγίδες κ. [B S  
om.] (2 a)  
— II (12). A ἡ σύλληψις αὐ. ἐπὶ τρίβων  
κ. [B S al.] (2 a)

Ps. 30 (31). 13. ἤκουσα ψόγον πολλῶν παροι-  
κούντων κ. (2 b)

Si. 46. 9. χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις κ.

46. 5. ἐν τῇ θλίψει αὐτὸν ἐχθροὺς κ.  
— 16. ἐν τῇ θλίψει ἐχθροὺς αὐτοῦ κ.  
47. 7. ἐξέτριψε γὰρ ἐχθροὺς κ.  
— 13. φ. ὁ θεὸς κατέπασσε κ.

50. 12. κ. αὐτοῦ στέφανος ἀδελφῶν  
51. 4. ἀπὸ πυγμῶν πυρὰς κ.  
Am. 3. 11. Τύρος κ. ἡ γῆ σου ἐρημαθῆσεται (2 a)

Jl. 3 (4). 11. εἰσπορεύσθε πάντα τὰ ἔθνη κ. (2 b)  
— 12. καθὼς τοῦ διακρίναι πάντα τὰ ἔθνη κ. (2 b)

Za. 2. 5 (9). ἐγὼ ἴσομαι αὐτῇ . . . τεῖχος  
πυρὰς κ. (2 a)  
7. 7. αἱ πόλεις κ. αὐτῆς [A αὐτῶν κ.] (2 a)

12. 6. καταφάγονται . . . πάντας τοὺς λαοὺς κ. (2 a)  
14. 14. συνάξει τὴν ἱσχὺν πάντων τῶν λαῶν κ. (2 a)

Is. 30. 32. ἔσται αὐτῇ κ. (1)  
Je. 6. 25. ῥομφαία τῶν ἐχθρῶν παροικεῖ κ. (2 b)

17. 26. ἤξουσιν ἐκ τῶν πόλεων ἱ. καὶ κ. ἱερ. (2 a)  
20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν συναβροχόμενων  
κ. [B<sup>1</sup> add. κ.] (2 b, -)

26 (46). 5. οὐκ ἀνέστρεψαν περιεχόμενοι κ. (2 b)  
27 (50). 29. παρεμβάλλετε ἐπ' αὐτὴν κ. (2 a)

28 (51). 2. οὐαὶ ἐπὶ Βαβυλῶνα κ. (2 b)  
30. 7 (49. 29). καλέσατε ἐπ' [A om.] αὐτοὺς  
ἀπώλειαν κ. (2 b)

31 (48). 17. κινήσατε αὐτῇ [A -ὸν] πάντες κ. (2 a)  
39 (32). 44. A διαμαρτύρη μαρτυρας . . . κ. [B  
κύκλω τῆς] ἱερ. (2 a)

La. 2. 22. ἐκάλεισεν ἡμέραν ἑορτῆς παροικίας  
μου κ. (2 b)  
Ez. 1. 18. οἱ ἄνθρωποι αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν κ.

τοῖς τέσσαρσι (2 a)  
— 28. οὕτως ἡ στάσις τοῦ φέγγους κ. (2 a)  
5. 17. ῥομφαίαν ἐπέσω ἐπὶ σέ κ. (2 a)

10. 12. οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν κ. [A  
om.] (2 a)  
16. 33. τοῦ ἐργεσθαι πρὸς σέ κ. (2 b)

— 37. συναῖς αὐτοῦ ἐπὶ αὐτὴν κ. (2 b)  
19. 8. ἔδωκαν ἐπ' αὐτὸν ἔθνη ἐκ [A ἀπὸ] χω-  
ρῶν κ. (2 a)

23. 22. ἐπέσω αὐτοὺς ἐπὶ σέ κ. υἱὸς Βαβυ-  
λώνος κ. (2 b)  
37. 2. περιήγαγε με ἐπ' αὐτὰ κ. κύκλω (2 a)

40. 16. ἔσωθεν τῆς πύλης τῆς αὐλῆς κ. (2 a)  
— 25. τὰ αἰλαμῶν κ. (2 a)  
41. 5. τὸ εὖρος τῆς πλευρᾶς πηχῶν τεσσάρων  
κ. [A al.] (2 a)

— 11. τὸ εὖρος τοῦ φωτὸς τοῦ ἀπολείπου πη-  
χῶν πέντε πλάτος κ. (2 a)  
— 12. εὖρος κ. (2 a)

— 17. A φ. ὅλον τὸν οἶκον κ. [B al.] (2 a)  
— 19. διαγεγλυμμένους [A add. ὅλος] ὁ οἶ-  
κος κ. (2 a)

42. 15. διμετρήσας τὸ ὑπόδειγμα τοῦ οἴκου κ. (2 a)  
43. 2. ὡς φέγγος ἀπὸ τῆς δόξης [A add.  
κυρίου] κ. (2 a)

— 12. πάντα τὰ ὄρια αὐτοῦ κ. (2 a)  
— 13. γέισος ἐπὶ τὸ χεῖλος [A τοῦ χ.] αὐτοῦ  
κ. σπιθαμῆς (2 a)

— 17. τὸ γέισος αὐτῇ [A -ὶν] κ. κυκλούμενον  
αὐτῇ ἡμισὴν πῆχους καὶ τὸ κύκλωμα  
αὐτοῦ πῆχους κ. (2 a, 2 a)

45. 1. ἄγιον ἔσται ἐν πᾶσι τοῖς ὀρίοις αὐτοῦ κ. (2 a)  
— 2. A B πεντακίς ἐπὶ πεντακίς τετρα-  
γῶν κ. καὶ πῆχεις πενήκοντα  
διάστημα αὐτῶν [B -φ] κ. (2 a, 2 a)

Da. LXX. 7. 19. κατεσθίοντες πάντας κ.  
I Ma. 4. 60. κ. τεῖχη ὑψηλά  
5. 1. ὅτε ἤκουσαν τὰ ἔθνη κ.

— 65. A B τοὺς πύργους αὐτῆς ἐνεπύρυσεν [B  
ἐπύρυσεν] κ.  
6. 62. B B καθέλειν [A καθελεῖν] τὸ τεῖχος κ.  
7. 24. B B ἐξῆλθεν εἰς πάντα τὰ ὄρια τῆς ἱ. κ. [A  
καὶ κ.]

— 46. ἐξῆλθεν ἐκ πασῶν τῶν κομῶν τῆς ἱ. κ.  
10. 11. καὶ τὸ ὄρος Σιών κ. (2 a)  
— 45. A B καὶ ὀχυρώσας [B ὀχύρωσεν] κ.  
13. 10. ὀχύρωσεν αὐτὴν κ.

IV Ma. 5. 1. τῶν στρατευμάτων αὐτῶν παρεστηκότων  
κ. ἐνόπων  
14. 17. περιπτάμενα κ. αὐτῶν  
[Aq. Ex. 7. 24 : Ps. 30 (31). 14 (ἀπὸ κ.) : Jb.  
20. 3 : 51 (28). 2 : Ez. 42. 20.]  
[Sm. Ps. 30 (31). 14 : Jb. 20. 3.]  
[Th. III Ki. 6. 5 : Jb. 20. 3.]

κύκλος (incl. κύκλω), cf. κυκλόθεν, περικύκλω, υπερκύκλω. (1) כִּי (2) כִּי־ב (3) הִי. (4) a. כִּי־ב, b. כִּי־ב, c. כִּי־ב, d. כִּי־ב, e. כִּי־ב (5) הִי־ב (6) הִי־ב	Jo. 6. 3. περίστησαν αὐτὴ τοὺς μαχίμους [A πάντας τοὺς μαχητάς] κύκλω (3) — 19 (20). ἐπεσεν ἅπαν τὸ τέρας κύκλω (6) 15. 12. ταῦτα τὰ ὅρια νύκτωρ Ἰούδα κύκλω (4 a) 18. 20. τὰ ὅρια αὐτῆς κύκλω κατὰ δῆμους (4 a) 19. 8. αἱ κώμαι αὐτῶν κύκλω [A αἱ περικ.] τῶν πόλεων (4 a) 21. 11. τὰ δὲ περιπόρια κύκλω [A τὰ κ.] αὐτῆς (4 a) — 40. κύκλω τῶν πόλεων τούτων — 40. τὰ περιπόρια κύκλω τῆς πόλεως [A τῶν π.] (4 a) 24. 33. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλω αὐτῶν Jd. 7. 18. κύκλω ὅλης τῆς παρεμβολῆς (4 a) — 21. κύκλω τῆς παρεμβολῆς (4 a) 20. 29. ἔθηκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . κύκλω (4 a) I Ki. 14. 47. ἐπολέμει κύκλω πάντας τοὺς ἐχθρούς (4 a) 15. 21. A ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν κ. [B σκύλων] ποίμνια † 17. 3. B κύκλω [A B καὶ οἱ αἰλῶν] ἀνὰ μέσον αὐτῶν † 26. 5. ὁ λαὸς παρεμβελήκως κύκλω αὐτοῦ (4 a) — 7. ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐκάθευθε κύκλω αὐτοῦ (4 a) 31. 9. κύκλω εὐαγγελίζοντες τοὺς ἐδωλοῖς αὐ. (4 a) II Ki. 5. 9. φκοδόμῃσαν αὐτὴν πόλιν κύκλω (4 a) 7. 1. κατεκληρονόμησαν αὐτὸν κύκλω ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ τῶν κύκλω [A om. τ. κ.] (4 b, -) 22. 12. κύκλω αὐτοῦ ἡ σκηνὴ αὐτοῦ (4 a) III Ki. 3. 1. καὶ τὸ τέρας Ἰερ. κύκλω (4 a) — 1. A καὶ τὸ τέρας Ἰερ. κύκλω (4 a) 4. 31 (5, 11). A ἐν πᾶσιν τοῖς ἔθνεσιν κύκλω (4 a) 6. 29. πάντας τοὺς τοίχους τοῦ οἴκου κύκλω (4 c) 7. 20. A πέντε στίχοι κύκλω (4 a) — 23. στρουγγύλον κύκλω τὸ αὐτό (4 a) — 23. A ἐκύκλων αὐτὴν κύκλω (4 a) — 35. στρουγγύλον κύκλω ἐπὶ τῆς κεφαλῆς (4 a) — 12. A B τῆς αὐλῆς τῆς μεγάλης κύκλω [B -οι] (4 a) 18. 35. διεπορεύετο τὸ ὕδωρ κύκλω τοῦ θυσιαστηρίου (4 a) IV Ki. 11. 8. κυκλώσατε ἐπὶ [A' πρὸς] τὸν βασ. κύκλω ἀντὶ (4 a) — 11. καὶ τοῦ οἴκου ἐπὶ τὸν βασ. κύκλω (4 a) 25. 1. φκοδόμῃσαν ἐπ' αὐτὴν περίτειχος κύκλω (4 a) — 4. καὶ οἱ Χαλδ. ἐπὶ τὴν πόλιν κύκλω (4 a) — 10. A τὸ τέρας . . . κύκλω κατέλυσαν [B al.] (4 a) — 17. ἐπὶ τοῦ χωθάρ κύκλω (4 a) I Ch. 4. 33. πᾶσαι ἐπαύλειαι αὐτῶν κύκλω τῶν πόλεων τούτων [A al.] (4 a) 6. 55 (40). καὶ τὰ περιπορία αὐτῆς κύκλω αὐτῆς (4 a) 10. 9. ἀπέστειλαν εἰς γῆν ἀλλοφύλων κύκλω (4 a) 11. 8. φκοδόμῃσαν τὴν πόλιν κύκλω (4 b) 28. 12. καὶ πάντων τῶν πασποφορίων τῶν κύκλω (4 a) II Ch. 4. 3. κύκλω κυκλοῖσιν αὐτὴν 14. 14 (13). τὰς κώμας αὐτῶν κύκλω Γ. (4 a) 17. 10. ἐπὶ πᾶσαις ταῖς βασιλείαις τῆς γῆς κύκλω [A ταῖς κ.] I. (4 a) 23. 7. κυκλώσουσιν οἱ Λ. τὸν βασ. κύκλω (4 a) — 10. ἐπὶ τὸν βασιλεῖα κύκλω (4 a) 34. 6. ἐν . . . τοῖς τόποις αὐτῶν κύκλω (4 a) I Es. 4. 11. τηροῦσι κύκλω περὶ αὐτόν — 34. στρέφεται ἐν τῷ κ. τοῦ οὐρανοῦ (4 a) Ne. 5. 17. ἀπὸ τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλω ἡμῶν (4 a) 8. 16. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλω ἡμῶν (4 a) Ju. 1. 2. φκοδόμῃσαν . . . κύκλω τεύχη 5. 22. A ὁ κύκλω τῆς σκηνῆς περιετώσ [B S al.] 6. 1. τῶν ἀνδρῶν τῶν κύκλω τῆς συνεδρίας 7. 20. ἔμεινε κύκλω αὐτῶν 15. 3. οἱ παρεμβελήκτες [S παραβ.] . . . κύκλω B. Es. 1. 6. κύκλω βόβα [A δόρα] πεπαισμένα — Jb. 1. 10. τὰ ἔξω πάντων τῶν δυντῶν αὐτοῦ κύκλω [A -λόθεν] (4 b) 18. 11. κύκλω ὀλέσασιν αὐτὸν οὐδύν [A al.] (4 a) 19. 8. κύκλω περιεκοδόμῃ (1 ?) — 10. διέσπασέ με κύκλω καὶ ψόχῃ (4 a) 29. 5. κύκλω δέ μου οἱ παῖδες (4 a) 41. 5 (6). κύκλω ὁδόντων αὐτοῦ φόβος (4 a) Ps. 3. 6. τῶν κύκλω [A -ων] ἐπιτιθεμένων [A S συνεπ.] μοι (4 a) 11 (12). 8. A <sup>2</sup> BB κύκλω οἱ ἀσβεῖς περιπατοῦσι (4 a) 17 (18). 11. κύκλω αὐτοῦ ἡ σκηνὴ αὐτοῦ (4 a) 33 (34). 7. κύκλω τῶν φοβουμένων αὐτόν (4 a) 43 (44). 13. A S <sup>2</sup> μνηκτρισμὸν καὶ χλευασμὸν [B καταγέλωτα] τοῖς κύκλω ἡμῶν (4 a) 49 (50). 3. κύκλω αὐτοῦ καταγίγς σφόδρα (4 a)	Ps. 75 (76). 11. πάντες οἱ κύκλω αὐτοῦ οἰσουσι δῶρα (4 a) 77 (78). 28. κύκλω τῶν σκηνομάτων αὐτῶν (4 a) 78 (79). 3. ἐξέχεαν τὸ αἷμα αὐτῶν ὡς ὕδωρ κύκλω ἱερουσαλὴμ (4 a) — 4. μνηκτρισμὸς καὶ χλευασμὸς τοῖς κύκλω ἡμῶν (4 a) 88 (89). 8. καὶ ἡ ἀλήθειά σου κύκλω σου (4 a) 96 (97). 2. νεφέλη καὶ γνώφος κύκλω αὐτοῦ (4 a) — 3. φλογεῖ κύκλω τοὺς ἐχθρούς αὐτοῦ (4 a) 124 (125). 2. ὅρη κύκλω αὐτῆς καὶ κύριος κύκλω τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (4 a, 4 a) 127 (128). 3. οἱ υἱοὶ σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλω τῆς τραπέζης σου (4 a) Ec. 1. 6. ἐπὶ κύκλους αὐτοῦ ἐπιστρέφει τὸ πνεῦμα (4 c) Ca. 3. 7. ἐξήκοντα δυνατοὶ κύκλω αὐτῆς (4 a) Wi. 7. 19. ἐνιαυτῶν [A S <sup>1</sup> -ου] κύκλους [S <sup>1</sup> -ου] 13. 2. ἡ ταχυνὸν ἀέρα ἡ κύκλον ἀστροφῶν [S <sup>2</sup> ἀστέρων] Si. 23. 18. σκότος κύκλω μου (4 a) Na. 3. 8. ὕδωρ κύκλω αὐτῆς (4 a) Za. 12. 2. πρόθυρα σαλευόμενα πᾶσι τοῖς λαοῖς κύκλω (4 a) Is. 6. 2. Σεραφὶμ εἰστήκεισαν κύκλω αὐτοῦ (2) 9. 18 (17). συγκυκατάφραται τὰ κύκλω τῶν βου- νῶν πάντα † 19. 7. τὸ ἀχὶ τὸ χλωρὸν πᾶν τὸ κύκλω τοῦ ποταμοῦ (5) 42. 25. οἱ συμφλεγόντες αὐτοὺς κύκλω (4 b) 49. 18 : 60. 4. ἄρον κύκλω τοὺς ὀφθαλμοὺς σου (4 a) Je. 1. 15. ἐπὶ πάντα τὰ τεῖχη τὰ κύκλω αὐτῆς (4 a) 4. 17. ὡς φυλάσσοντες ἀγρόν ἐγένοντο ἐπ' αὐ- τὴν κύκλω (4 b) 6. 3. πῆξουσιν ἐπ' αὐτὴν σκηνὰς κύκλω (4 a) 12. 9. B S σπήλαιον κύκλω αὐτῆς (4 a) 15. 14. καταδουλώσω [A -σουσιν] σε κύκλω τοῖς ἐχθροῖς σου — 21. 14. ἔδετα [A κατέδ.] πάντα τὰ κύκλω αὐτῆς (4 a) 25. 9. ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλω αὐτῆς (4 a) 27 (50). 14. παρατάσασθε ἐπὶ Βαβυλῶνα κύκλω (4 a) — 32. καταφάγεται πάντα τὰ κύκλω αὐτῆς (4 a) 31 (48). 39. ἐγκότῃμα πᾶσι τοῖς κύκλω αὐτῆς (4 a) 38 (31). 39. περικυκλωθήσεται κύκλω ἐξ ἐκλεκ- τῶν λίθων [A om.] — 39 (32). 44. διαμαρτυρῇ μάρτυρας . . . κύκλω τῆς [A κυκλόθεν] Ἰερ. (4 a) 40 (33). 13. ἐν γῇ Βενιαμὴν καὶ ἐν ταῖς κύκλω ἱερουσαλὴμ (4 a) 52. 4. περιεκοδόμῃσαν αὐτὴν τετραπέδοις κύ- κλω (4 a) — 7. οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τῆς πόλεως κύκλω [A ἐκύκλωσαν] (4 a) — 14. πᾶν τεῖχος [A add. ἐν] Ἰερ. κύκλω (4 a) — 21. τὸ πάχος [S πλάτος] αὐτοῦ δακτύλων τεσσάρων κύκλω † — 22. ῥοαὶ ἐπὶ τοῦ γείσους κύκλω (4 a) — 23. ἦσαν αἱ πᾶσαι ῥοαὶ ἑκατὸν ἐπὶ τοῦ δικ- τύου κύκλω (4 a) Ba. 2. 4. πᾶσαις ταῖς βασιλείαις ταῖς κύκλω ἡμῶν — 4. ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τοῖς κύκλω [A add. ἡμῶν] La. 1. 17. κύκλω αὐτοῦ [A om.] οἱ θλίβοντες αὐτόν (4 a) 2. 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλω (4 a) Ez. 1. 4. φέγγος κύκλω αὐτοῦ (4 a) — 27. A ὡς ὅρασι πυρὸς ἔσθωθεν αὐτοῦ κύκλω (4 a) — 27. A <sup>2</sup> B τὸ φέγγος αὐτοῦ κύκλω (4 a) 2. 6. ἐπισυστήσονται ἐπὶ σέ κύκλω — 2. 2. τάξεις τὰς βελστοτάσεις κύκλω (4 a) 5. 2. τὸ τέταρτον κατακόψει ἐν ῥομφαίᾳ κύκλω αὐτῆς (4 a) — 5. τὰς κύκλω αὐτῆς χώρας (4 a) — 6. τὰ νόμμά μου [A add. ἐκ] τῶν χωρῶν τῶν κύκλω αὐτῆς (4 a) — 7. ἐκ τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλω ἡμῶν (4 a) — 7. κατὰ τὰ δικαιώματα τῶν ἐθνῶν τῶν κύ- κλω ἡμῶν (4 a) — 12. τὸ τέταρτον σου ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται κύκλω σου (4 a) — 14. καὶ τὰς θυγατέρας σου κύκλω σου (4 a) — 15. ἔσθῃ στενακτὴ . . . ἐν τοῖς ἔθνεσι τοῖς κύκλω σου (4 a) 6. 5, 13. κύκλω τῶν θυσιαστηρίων ἡμῶν (4 a) 8. 10. διαγεγραμμένα ἐπ' αὐτοῦ κύκλω [B <sup>2</sup> add. κύκλω] (4 d [4 a, 4 a]) 12. 14. πάντας τοὺς κύκλω αὐτοῦ . . . διασπερῶ (4 a)
--	---	--

Εξ. 16. 57. ὄνειδος εἰ... πάντων τῶν κύκλω αὐτῆς  
θυγατέρων ἀλλοφύλων τῶν περι-  
χουσῶν σὺ κύκλω (4 α, 4 β)  
23. 24. βαλεῖ φυλάκην [Α προφ.] ἐπὶ σέ  
κύκλω (4 α)  
26. 8. ποιήσει [Α περιπ.] ἐπὶ σέ κύκλω [Α add.  
σου] χάρακα -  
27. 11. Α ἡ δύναμις σου ἐπὶ τῶν τοιῶν σου  
κύκλω [Β om.] (4 α)  
— 11. ἐκρέμασαν ἐπὶ τῶν ὀρμῶν σου κύκλω (4 α)  
28. 24. Α ἀκανθα ὁδὸν ἀπὸ τῶν κύκλω [Β  
περικ.] αὐτῶν (4 α)  
— 26. ἐν πᾶσι τοῖς ἀτιμήσασιν αὐτοὺς ἐν τοῖς  
κύκλω αὐτῶν (4 α)  
31. 4. τοὺς ποταμοὺς αὐτῆς ἤγαγε κύκλω τῶν  
φυτῶν αὐτοῦ (4 α)  
34. 26. Α ἐσονται κύκλω [Β ὥσων αὐτοὺς  
περικ.] τοῦ ὄρου μου (4 α)  
36. 3. μισθῶσιν ὑμᾶς ὑπὸ [Α ἀπὸ τῶν ἐθνῶν]  
τῶν κύκλω ὑμῶν (4 β)  
— 36. ὅσα ἐν καταλειφθῶσι κύκλω ὑμῶν (4 α)  
37. 2. περιήγαγε με ἐπ' αὐτὰ κυκλῶν κύκλω (4 α)  
40. 5. περιήγαγε ἐξωθεν τοῦ οἴκου κύκλω (4 α)  
— 14. ἐξωθεν πήγεις εἰκοσι θέμις πύλης κύκλω  
[Α α.] (4 α)  
— 16. ὡσαύτως τοῖς αἰλῶνι θυρίδες κύκλω  
ἔσονται (4 α)  
— 17. περίσταν κύκλω τῆς αὐλῆς (4 α)  
— 30. τῶν αἰσμάτων κύκλω πηγεῖς πενήκοντα  
τὸ μῆκος αὐτῆς (4 α)  
— 30. Α ἀλαμῶν κύκλω μῆκος πέτε  
— 33. θυρίδες αὐτῆς καὶ αἰσμάτων κύκλω (4 α)  
— 36. θυρίδες αὐτῆς κύκλω καὶ τὸ αἰσμάτων  
αὐτῆς [Α add. κύκλω] (4 α, -)  
— 43. παλαιστὴν ἔξουσι γείσας λελασμένον  
ἔσονται [Α ἔξω] κύκλω (4 α)  
41. 6. ἐν τοῖς πτεροῖς [Α add. τοῦ οἴκου]  
κύκλω (4 α)  
— 7. πρὸς τὴν ἀναστράσαν κύκλω τοῦ οἴκου (4 α)  
— 8. τὸ θραεὶ τοῦ οἴκου ὕψος κύκλω (4 α)  
— 10. τὸ περιφερὲς τῶ οἴκου [Α τοῦ οἴ.] κύκλω (4 α)  
— 16. ὑποφασαῖς κύκλω τοῖς τρισίν (4 α)  
— 16. τὰ πλῆσιον ἐξυλόμενα κύκλω (4 α)  
— 17. ἐφ' ὅλον τὸν τοίχον [Α οἴκον] κύκλω [Α  
-λόθεν] (4 α)  
42. 20. διάταξεν αὐτὸν καὶ περίβολον αὐτῶν [Α  
-όν] κύκλω (4 α)  
43. 20. ἐπιθήσουσιν... ἐπὶ τὴν βάσιν κύκλω (4 α)  
46. 23. ἐξέδωκε κύκλω ἐν αὐταῖς κύκλω ταῖς  
τέσσαρσι καὶ μαγερεῖα γεγονότα  
ὑποκάτω τῶν ἐξεδῶν κύκλω (4 α ter)  
Da. LXX. 5. 6. οἱ συνεταῖροι κύκλω αὐτοῦ ἐκαν-  
χῶντο +  
7. 7. κύκλω τοῖς ποσὶ καταπατοῖν +  
— 12. τοὺς κύκλω αὐτοῦ ἀπέστησε +  
I Ma. 1. 11. τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλω ἡμῶν  
— 31. Α Β καὶ τὰ τεῖχη αὐτῆς [Β om.] κύκλω  
— 37. ἐξέχεαν αἶμα ἀφ' οὗ κύκλω τοῦ ἀγιάσματος  
— 54. ἐν πόλεσιν Ἰουδα κύκλω  
8. 25. τὰ ἔθνη τὰ κύκλω αὐτῶν  
5. 10. Α Β τὰ ἔθνη τὰ [Β om.] κύκλω ἡμῶν  
— 38. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλω ἡμῶν  
— 57. τὰ ἔθνη τὰ κύκλω ἡμῶν  
6. 18. συγκλείοντες τὸν Ἰσρ. κύκλω τῶν ἀγίων  
7. 17. αἵματα αὐτῶν ἐξέχεαν κύκλω ἱερ.  
10. 84. καὶ τὰς πόλεις τὰς κύκλω αὐτῆς  
12. 13. οἱ βασιλεῖς οἱ κύκλω ἡμῶν  
— 27. ἐξέβαλε προφύλακας κύκλω τῆς παρεμβολῆς  
— 53. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλω αὐτῶν  
14. 36. καὶ ἐμίανον κύκλω τὸν ἄγιον  
II Ma. 4. 32. καὶ τὰς κύκλω πόλεις  
[Α. q. Jb. 10. 8: Ps. 26 (27). 6: 88 (89). 8: Ec.  
1. 6: Jb. 46 (26). 14: 52. 4: Ez. 1. 27: 5. 14:  
8. 10 οἷς: 32. 22, 25: 40. 17, 29: 42. 20.]  
[Sm. Ex. 7. 24: 38. 31 (39). 9: Lc. 19. 27:  
Ps. 26 (27). 6: 43 (44). 14: 77 (78). 28:  
Is. 29. 3: Jb. 46 (26). 14: 52. 4: Lc. 1. 17:  
Ez. 5. 14: 8. 10: 31. 4: 32. 25.]  
[Th. Ex. 7. 24: 29. 20: 37. 11, 12 οἷς: 88.  
31 (39). 9: Jb. 10. 8: Jb. 46 (26). 14: Ez.  
1. 27: 5. 12, 14: 8. 10 οἷς: 32. 25: 40.  
17, 29.]  
[Al. Ps. 11 (12). 9: 43 (44). 14.]

## κυκλοτερῶς.

[Sm. Ez. 24. 5.]

κυκλῶν. (1) α. η̄η̄ δ. β̄β̄ η̄η̄  
(2) η̄η̄ hi. (3) β̄β̄ a. qal. δ. ni.  
c. ro. d. hi. e. β̄β̄ (4) η̄η̄  
(5) β̄β̄ (6) η̄η̄  
Ge. 2. 11. οὗτος ὁ κυκλῶν πᾶσαν τὴν γῆν Εὐ. (3 α)  
— 13. οὗτος ὁ κυκλῶν πᾶσαν τὴν γῆν Αἰθ. (3 α)  
Ex. 13. 18. ἐκύκλωσεν ὁ θεὸς τὸν λαόν (3 α)  
Nu. 34. 4. κυκλώσει ὑμᾶς τὰ ὅρια (3 β)  
— 5. κυκλώσει τὰ ὅρια (3 β)  
De. 2. 1. ἐκύκλωσαμεν τὸ ὄρος τὸ Σηεῖρ (3 α)  
— 3. κυκλῶν τὸ ὄρος τοῦτο (3 α)  
32. 10. ἐκύκλωσεν αὐτὸν (3 α)  
Jo. 6. 6 (7). καὶ κυκλώσει τὴν πόλιν (3 α)  
Jd. 11. 18. ἐκύκλωσεν τὴν γῆν Ἐδὼμ (3 α)  
16. 2. καὶ ἐκύκλωσεν (3 α)  
19. 22. ἐκύκλωσεν [Α περικ.] τὴν οἰκίαν (3 β)  
20. 5. καὶ ἐκύκλωσεν [Α περικ.] ἐπ' ἐμέ (3 α)  
I Ki. 7. 16. καὶ ἐκύκλω [Α -ον] Βαβὴλ (3 α)  
II Ki. 18. 15. ἐκύκλωσαν δέκα παιδάρι (3 α)  
22. 6. ὥδινες θανάτου ἐκύκλωσαν με (3 α)  
24. 6. ἐκύκλωσαν εἰς Σιδῶνα [Α α.] (3 α)  
III Ki. 5. 3 (17). τῶν πολέμων τῶν κυκλωσάντων  
αὐτὸν (3 α)  
7. 15. ἐκύκλω αὐτὸν τὸ πάχος τοῦ στύλου (3 α)  
— 23. Α ἐκύκλω αὐτὴν κύκλω (3 α)  
— 24. ἐκύκλω αὐτὴν δέκα (3 α)  
22. 32. ἐκύκλωσαν αὐτὸν πολεμῆσαι +  
IV Ki. 8. 9. ἐκύκλωσαν ὁδὸν ἐπτά ἡμερῶν (3 α)  
— 25. Α Β ἐκύκλωσαν [Β -ευσαν] οἱ σφε-  
ρονται [Α -ισται] (3 α)  
6. 15. δύναμις κυκλοῦσα τὴν πόλιν (3 α)  
8. 21. τὸν Ἐδὼμ τὸν κυκλωσάντα ἐπ' αὐτόν (3 α)  
11. 8. κυκλώσατε ἐπὶ [Α πρὸς] τὸν βασιλ. (3 α)  
II Ch. 4. 3. κύκλω κυκλοῦσιν αὐτὴν (3 α)  
18. 31. ἐκύκλωσαν αὐτὸν τοῦ πολεμῆν (3 α)  
21. 9. ἐπάταξεν Ἐδὼμ τὸν κυκλωτὰ αὐτόν (3 α)  
23. 2. ἐκύκλωσαν τὸν Ἰουδα (3 α)  
— 7. οἱ Λευῖται κυκλώσουσι τὸν βασιλ. (3 α)  
Ju. 2. 26. ἐκύκλωσε πάντας τοὺς υἱοὺς Μ. (3 α)  
5. 22. ὁ λαὸς ὁ κυκλῶν τὴν σκηνήν [Α α.] (3 α)  
7. 19. ἐκύκλωσαν [Α ἐκ. αὐτοῦ] πάντες οἱ ἐχθροὶ  
αὐτῶν (3 α)  
10. 18. ἐλθόντες ἐκύκλωσαν αὐτὴν (3 α)  
13. 10. ἐκύκλωσαν τὴν φάραγγα ἐκείνην (3 α)  
Jb. 1. 17. ἐκύκλωσαν τὰς καμηλοῦς (5)  
18. 14 (13). ἐκύκλωσάν με λόγχοις (3 α)  
19. 12. ταῖς ὁδοῖς μου ἐκύκλωσαν [Α add. με]  
ἐγκαθέτοι (1 β)  
22. 10. ἐκύκλωσάν σε παγίδες (3 α)  
Ps. 7. 7. συναγωγὴ λαῶν κυκλώσει σε (3 α)  
21 (22). 16. ἐκύκλωσάν με κύνας πολλοὶ (3 α)  
25 (26). 6. κυκλώσω τὸ θυσιαστήριόν σου (3 α)  
26 (27). 6. ἐκύκλωσα καὶ ἔθουσα (3 α)  
31 (32). 7. λύτρωσαί με ἀπὸ τῶν κυκλωσάντων  
με (3 α)  
— 10. τὸν δὲ ἐληψίζοντα ἐπὶ κύριον ἔλεος κυκλώ-  
σει (3 α)  
47 (48). 12. κυκλώσατε Σιών (3 α)  
48 (49). 5. ἡ ἀνομία τῆς πτέρης μου κυκλώσει  
με (3 α)  
54 (55). 10. ἡμέρας καὶ νυκτὸς κυκλώσει αὐτὴν (3 α)  
58 (59). 6. 14. κυκλώσουσι πόλιν (3 α)  
87 (88). 17. ἐκύκλωσάν με ὡς ὕδωρ (3 α)  
90 (91). 4. ἔσθλω κυκλώσει σε ἡ ἀλήθεια αὐτοῦ (4 β)  
108 (109). 3. λόγχοι μίσους ἐκύκλωσάν με (3 α)  
117 (118). 10. πάντα τὰ ἔθνη ἐκύκλωσάν με (3 α)  
— 11. κυκλώσαντες ἐκύκλωσάν με (3 α, 3 α)  
— 12. ἐκύκλωσάν με ὥστε μέλισσαι κηρίον (3 α)  
Ec. 1. 6. κυκλοῖ πρὸς βορρᾶν [Α -ῆ] κυκλοῖ  
κυκλῶν πορεύεται τὸ πνεῦμα (3 α ter)  
7. 26 (25). ἐκύκλωσα ἐγὼ καὶ ἡ καρδιά μου (3 α)  
9. 14. καὶ κυκλώσῃ αὐτὴν (3 α)  
12. 5. ἐκύκλωσαν [Β κυκλώσουσιν] ἐν ἀγορᾷ  
οἱ κοπτόμενοι (3 α)  
Ca. 8. 2. κυκλώσω ἐν τῇ πόλει (3 α)  
— 3. οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (3 α)  
6. 7. οἱ φύλακες οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (3 α)  
Si. 24. 5. γυρὼν οὐρανὸν ἐκύκλωσα μόνῃ (3 α)  
45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν ῥοίσκοις (3 α)  
50. 12. ἐκύκλωσαν αὐτὸν ὡς στελέχη φοινίκων (3 α)  
Ho. 7. 2. νῦν ἐκύκλωσαν [Α -εν] αὐτοὺς τὰ δια-  
βούλια αὐτῶν (3 α)  
11. 12 (12. 1). ἐκύκλωσε με ἐν ψεῦδει Ἐ. (3 α)

Jn. 2. 4. καὶ ποταμοὶ με ἐκύκλωσαν (3 α)  
— 6. ἄβυσσος ἐκύκλωσε με ἐσχάτῃ (3 α)  
Hb. 2. 16. ἐκύκλωσεν [Β<sup>1</sup> -αν] ἐπὶ σέ ποτήριον  
θεῖας κηρύου (3 α)  
Za. 14. 10. κυκλῶν [Α Β<sup>1</sup> -ον] πᾶσαν τὴν γῆν (3 α)  
Is. 29. 3. κυκλώσω ὡς Δαυὶδ ἐπὶ σέ (1 α)  
87. 33. οὐδὲ μὴ κυκλώσῃ [Α -ει] ἐπ' αὐτὴν  
χάρακα (3 α)  
Je. 52. 7. Α οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τῆς πόλεως ἐκύ-  
κλωσαν [Β Β κύκλω] (3 α)  
La. 3. 5. ἐκύκλωσε κεφαλὴν μου (2)  
Ez. 31. 15. ἐκάλυσα [Α -εν, Β<sup>1</sup> ἐκύκλωσα] πληθὺς  
ὑδατος +  
48. 17. τὸ γένοιτο αὐτῇ κυκλῶν κυκλούμενον  
αὐτῇ ἡμισυ πήχους (3 α)  
Da. LXX. Su. 37. κυκλούντες τὸ στάδιον εἰδομεν  
ταυτήν +  
I Ma. 1. 45. Β καὶ κυκλώσαι [Α Β κυλώσαι] ὁλοκαυ-  
τώματα  
2. 45. Α Β καὶ ἐκύκλωσε [Β ἐκύκλωσεν] Ματτ.  
4. 7. καὶ ἔπαιον κυκλούσαν αὐτὴν  
6. 7. τὸ ἅγισμα... ἐκύκλωσαν τείχεσιν ὑψηλοῖς  
10. 80. ἐκύκλωσαν αὐτοῦ τὴν παρεμβολήν  
12. 13. ἡμᾶς δὲ ἐκύκλωσαν πολλὰ θλίψεις  
13. 20. Α Β ἐκύκλωσαν [Β -αν] ὁδὸν τὴν εἰς Ἀδωρα  
— 43. καὶ ἐκύκλωσαν αὐτὴν παρεμβολαῖς  
15. 14. καὶ ἐκύκλωσε τὴν πόλιν  
IV Ma. 14. 8. περὶ τὴν ἑβδομάδα χορεύοντες οἱ μεί-  
ρακες ἐκύκλωσαν  
[Α. q. Ge. 37. 7: I Ki. 22. 18: Ps. 21 (22). 17:  
Je. 47 (29). 2: 52. 21: Ho. 11. 6.]  
[Sm. Ps. 7. 8: 16 (17). 9: 21 (22). 17: 54 (55).  
11: 58 (59). 7: 117 (118). 11: 189 (140). 10:  
Je. 52. 21.]  
[Th. Lc. 19. 27: I Ki. 22. 18: Ps. 58 (59). 15:  
Is. 28. 2.]  
[Al. Ge. 48. 18: Is. 28. 2.]  
[Hob. Jb. 9. 9.]  
κυκλώμα. (1) η̄η̄ (2) α. β̄β̄ δ. β̄β̄  
c. β̄β̄ (3) η̄η̄ (4) η̄η̄  
II Ch. 4. 2. καὶ τὸ κ. πήχεων τριάκοντα (4 + 2 c + 2 a)  
Jb. 13. 27. Α ἔθου δέ μου τὸ πόδα ἐν κυκλώματι  
[Β Β κυλώματι] (3 α)  
83. 11. Α ἔθου δέ μου τὸ πόδα ἐν κυκλώματι  
[Β Β ἔθου] (3 α)  
87. 12. αὐτὸς κυκλώματα διαστρέψει (2 β)  
Ps. 189 (140). 9. ἡ κεφαλὴ τοῦ κ. αὐτῶν (2 β)  
Ez. 43. 17. τὸ κ. αὐτοῦ πήγχεις κυκλῶν (1)  
48. 35. κ. δέκα καὶ ὀκτὼ χιλιάδες (2 α)  
[Th. Jb. 37. 12.]  
κυκλωπάζειν (?).  
Je. 27 (50). 13. πᾶς ὁ διοδύων... σκυθρω-  
πάσει [Β κυκλωπ.] +  
κυκλώσις.  
Si. 43. 12. ἐγύρωσεν οὐρανὸν ἐν κυκλώσει δόξης  
[Sm. Ps. 65 (66). 11.]  
κυκνειος.  
IV Ma. 15. 21. οὐδὲ κ. πρὸς φιληκοῖαν φωναί  
κύκνος. (1) η̄η̄ (2) η̄η̄  
Lc. 11. 18. ταῦτα ἂ βδελύξεσθε... κύκνον (2)  
De. 14. 16. ταῦτα οὐ φάγεσθε... κύκνον (1)  
[Sm. Jb. 39. 13.]  
[Th. Zc. 2. 14.]  
κυλίειν. (1) η̄η̄ a. qal. δ. ni. (2) η̄η̄  
hi. (3) β̄β̄ hi. (4) η̄η̄ hi.  
(5) η̄η̄ (6) η̄η̄ (7) η̄η̄  
Jo. 10. 18. κυλίσατε λίθους ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ  
σπηλαίου (1 α)  
— 27. Β<sup>1</sup> ἐκύλισαν [Α Β<sup>2</sup> Β ἐπέκ.] λίθους (5)  
Jd. 7. 13. Α μαγίς ἄρτου κριθίνου κυλιμένη [Β  
στρεφομένη] (2)  
I Ki. 14. 33. κυλίσατε μοι λίθον ἐνταῦθα μέγαν (1 α)  
IV Ki. 9. 33. κυλίσατε αὐτὴν (7)  
— 33. Β καὶ ἐκύλισαν αὐτὴν (7)  
Pr. 26. 27. ὁ δὲ κυλίων λίθον ἐφ' ἐαυτὸν κυλίει (1 α, 6)  
Ec. 10. 8. Α ὁ κυλίων λίθον ἐφ' ἐαυτὸν κυλίει -  
Si. 27. 27. ὁ ποιὼν πονηρὰ εἰς αὐτὸν [Α Β<sup>2</sup> -α]  
κυλισθήσεται

Am. 2. 13. διὰ τοῦτο ἰδοὺ ἐγὼ κυλίω [A κωλύω]  
ὑποκάτω ὑμῶν ὃν τρόπον κυλιέται ἡ  
ῥαβδί (4, 4)  
5. 24. καὶ κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα (1 b)  
Za. 9. 16. διότι λίθοι ἔσονται κυλιόμενοι ἐπὶ τῆς γῆς (3)  
[Aq. Ge. 32. 24 (25): Ps. 36 (37). 5: Ez.  
27. 30.]  
[Sm. Ge. 32. 24 (25): Am. 5. 24.]  
[Th. Pr. 16. 3.]

## κυλικεῖον.

I Ma. 15. 32. B B καὶ κυλικεῖον [A -κιον] μετὰ χρυ-  
σωμάτων

## κυλίκιον.

Es. 1. 7. B<sup>1</sup> ἀνθράκιον κ. [A B S<sup>2</sup>-κιον κυλίκιον]  
προκειμενον

## κυλίκιον.

Es. 1. 7. καὶ ἀνθράκιον κ. [B<sup>1</sup>-κιον κυλίκιον]  
προκειμενον (17)

I Ma. 15. 32. A καὶ κυλίκιον [B B -κέιον] μετὰ  
χρυσωμάτων  
[Aq. Ec. 2. 8 bis.]

## κυλισμα.

[Sm. Ez. 10. 13.]

## κυλισμός.

[Th. Pr. 2. 18.]

## κύμα.

(1) ὀΰνη (2) ῥῆ (3) ῥ  
(4) ὀΰνη

Ex. 15. 8. ἐπάγη τὰ κ. ἐν μέσῳ τῆς θαλάσσης (4)  
Jb. 6. 15. ὥσπερ κύμα [A κύματα] παρήλθον με (1)  
11. 16. ὥσπερ κύμα παρελθόν (3)  
38. 11. ἐν σκαυτῇ συντριβήσεται σου τὰ κ. (2)  
Ps. 41 (42). 7. τὰ κ. σου ἐπ' ἐμέ διήλθον (2)  
45 (46). 3. B<sup>1</sup> ἐταράχθησαν τὰ κ. [A B S<sup>2</sup> ὕδατα  
αὐτῶν] (3)

64 (65). 7. ἤχους κυμάτων αὐτῆς (2)  
88 (89). 9. τὸν δὲ σάλον τῶν κ. αὐτῆς σὺ κατα-  
πραύεις (2)

106 (107). 25. ὑψώθη τὰ κ. αὐτῆς (2)  
— 29. εἰσέγερσεν τὰ κ. αὐτῆς (2)

Wt. 5. 10. B<sup>1</sup> οὐδὲ ἀτραπὸν τρόπιος [B<sup>2</sup> τρίβων, B<sup>1</sup>  
τροπιάς, A S<sup>2</sup> τρέπων] αὐτῆς ἐν κύμασι  
αὐτῶν (3)

14. 1. στήρια μέλλων διδοῦναι κύματα  
— 3. ὅτι ἔδωκας . . . ἐν κύμασι τρίβων ἀσφαλῆ  
Si. 24. 6. ἐν κύμασι θαλάσσης . . . ἐκτισάμην [B<sup>2</sup>  
ἡγήσάμην] (3)

29. 18. ἐσάλυνεν αὐτοὺς ὡς κύμα θαλάσσης  
Jn. 2. 4. καὶ τὰ κ. σου ἐπ' ἐμέ διήλθον (2)  
Za. 10. 11. καὶ πατάξουσιν ἐν θαλάσσῃ κύματα (2)

Is. 18. 4. ὡς φῶς καύματος [A<sup>1</sup> κύμ.] μεσημβρίας  
48. 18. ἡ δικαιοσύνη σου ὡς κ. θαλάσσης (2)  
51. 15. ὁ . . . ἤχων τὰ κ. αὐτῆς (2)

Je. 5. 22. ἡχέουσιν [B ἰσχύς.] τὰ κ. αὐτῆς (2)  
28 (31). 42. ἐν ἤχῳ κυμάτων αὐτῆς (2)  
38 (31). 35. ἐβόησεν τὰ κ. αὐτῆς (2)

Ez. 26. 3. ὡς ἀναβαίνει ἡ θάλασσα [A add. ἐν]  
τοῖς κ. αὐτῆς (2)

II Ma. 9. 8. τοῖς τῆς θαλάσσης κ. ἐπιτάσσειν  
IV Ma. 13. 6. B B τὰς τῶν [A om.] κ. ἀπειλὰς ἀνα-  
κόπτουσαι

[Aq. Ps. 64 (65). 8.]

[Sm. Jb. 38. 11: Ps. 41 (42). 8.]

## κυμαίνω.

(1) ὕψη hithpa. (2) ὕψη  
Wt. 5. 10. ὡς ναὺς διερχομένη κυμαίνουσα ὕδωρ  
Is. 5. 30. ὡς φωνὴ θαλάσσης κυμαίνουσης  
17. 12. ὡς θάλασσα κυμαίνουσα οὕτω παραχθή-  
σασθε (2)

Je. 6. 23. φωνὴ αὐτοῦ ὡς θάλασσα κυμαίνουσα  
26 (46). 7. ὡς ποταμὸς κυμαίνουσι [A -αυοῦσι]  
ὑδωρ [B<sup>1</sup> om.] (1)

## κυμάτιον.

(1) ῥῆ  
Ex. 25. 10 (11). κ. χρυσᾶ [A om.] στρεπτά  
— 23 (24). στρεπτά κ. χρυσᾶ [A al.] (1)  
— 24 (25). ποιήσεις στρεπτὸν κ. [A κ. χρυσοῦν] (1)  
38 (37). 2. A ποιήσεν αὐτῇ κ. χρυσοῦν κύκλῳ  
[Th. Ex. 37. 11, 12.]

## κυμβαλίζω.

(1) ἡλῆ  
Ne. 12. 27. καὶ ἐν φῶδις κυμβαλίζοντες (1)

κύμβαλον. (1) ὀΰνη (2) ῥῆ (3) ῥῆ

## (4) ὕψη

I Ki. 18. 6. καὶ ἐν χαρμῶσιν καὶ ἐν κυμβάλοις (4)  
II Ki. 6. 5. ἐν τυμπάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις (1)  
I Ch. 18. 8. ἐν τυμπάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις (2)

15. 16. ἐν . . . νάβλαις κινύρας καὶ κυμβάλοις (2)  
— 19. καὶ οἱ ψαλτῶδοι . . . ἐν κ. χαλκοῖς (2)  
— 28. ἐν σάλτιγγι καὶ ἐν κυμβάλοις (2)

16. 5. Ἀσάφ ἐν κυμβάλοις ἀναφωνῶν (2)  
— 42. σάλτιγγες καὶ κύμβαλα (2)  
25. 1. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κυμβάλοις (2)

— 6. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (2)  
II Ch. 5. 12. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (2)  
— 13. ἐν σάλτιγγι καὶ ἐν κυμβάλοις (2)

29. 25. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (2)  
I Es. 5. 59. οἱ Λευῖται . . . ἔχοντες τὰ κ. (2)  
II Es. 3. 10. καὶ οἱ Λευῖται . . . ἐν [A om.] κυμ-  
βάλοις [B<sup>1</sup> om. ἐν κ.] (2)

Ju. 16. 2. ἄσπετε τῷ κυρίῳ μου ἐν κυμβάλοις (2)  
Ps. 150. 5. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν κυμβάλοις ἐλῆχοις  
αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν κυμβάλοις ἀλαλαγ-  
μοῦ (3, 3)

I Ma. 4. 54. ἐν φῶδι . . . καὶ ἐν κυμβάλοις  
13. 51. ἐν κινύρας καὶ ἐν κυμβάλοις  
[Sm. Ps. 150. 5.]

## κύμιον.

(1) ῥῆ  
Is. 28. 25. σπείρει μικρὸν μέλανθιον καὶ κ. (1)  
— 27. οὐδὲ τροχὸς ἀμάξης περιάξει ἐπὶ τὸ κ. (1)  
— 27. τὸ δὲ κ. μετὰ ἄρτου βρωθήσεται (1)  
[Sm. Is. 28. 27.]

## κυνεῖν.

Da. Th. Bel 4. ἐπορεύετο . . . προσκυνεῖν [B<sup>2</sup> κυνεῖν]  
αὐτῷ

## κυνηγεῖν.

(1) ῥῆ  
Ge. 25. 27. ἦν Ἡ. ἄνθρωπος εἰδὸς κυνηγεῖν (1)  
κυνήγιον.

Si. 13. 19. κυνήγια λεόντων θνατοὶ ἐν ἐρήμῳ  
κυνήγος.

(1) ῥῆ  
Ge. 10. 9. οὗτος ἦν γίγας κ. (1)  
— 9. ὡς Νεβρώδ γίγας κ. (1)  
I Ch. 1. 10. οὗτος ἤρξατο εἶναι [A τοῦ εἶ.] γίγας  
κ. ἐπὶ τῆς γῆς

## κυνικός.

I Ki. 25. 3. καὶ ὁ ἄνθρωπος κ.  
κυνόκεφαλος.

[Sm. II Ki. 8. 8.]

## κυνόμναι.

(1) ῥῆ  
Ex. 8. 21 (17). A B ἐξασποστέλλω [B ἐπ.] ἐπὶ  
σέ . . . κυνόμναι (1)  
— 21 (17). πληροῦνται αἱ οἰκίαι . . . τῆς κ. (1)  
— 22 (18). ἐφ' ἧς [A ἡ] οὐκ ἔσται ἐκεῖ ἡ κ. (1)  
— 24 (20). παρεγένετο ἡ κ. πληθὺς (1)  
— 24 (20). ἐξωλεθρεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς κ. (1)  
— 29 (25). ἀπελευθεύει ἀπὸ σοῦ ἡ κ. (1)  
— 31 (27). περιεῖλε τὴν κ. ἀπὸ Φαραῶ (1)  
Ps. 77 (78). 45. ἐξασπείσειν εἰς αὐτοὺς κυνό-  
μναι (1)

104 (105). 31. εἶπε καὶ ἤλθε κυνόμναι  
[Sm. Ps. 77 (78). 45.]

## κυνοφορεῖν.

(1) ἡλῆ  
Ec. 11. 5. ὡς ὅσα ἐν γαστρὶ κυνοφοροῦσιν [A B  
τῆς κ.] (1)

## κυνοφορία.

IV Ma. 15. 6. ἐπτά κυνοφορίας τὴν . . . φιλοστοργίαν  
16. 7. ὁ μάλιστα ἐπτά κ.

## κυπαρίσσιος, κυπαρίστιος.

(1) α. ῥῆ  
δ. ῥῆ (2) ῥῆ

III Ki. 6. 23. A δύο χερουβείν ξύλων κ. [B om.  
ξ. κ.] (2)  
Ne. 8. 15. καὶ φύλλα ξύλων κ. (2)

Ez. 27. 5. A ταινία σανίδων κυπαριστίων [B  
-ισσιν] ἐκ τοῦ Λιβάνου ἐλήφθησαν (1 b)  
— 24. κυπαρίσσινα πλοῖα [A ἐν κυπαρισσίνοις  
πλοίοις] (1 a)  
[Al. Nu. 19. 6.]

κυπαρίσσιος. (1) ῥῆ (2) ῥῆ (3) ῥῆ

IV Ki. 19. 23. τὰ ἐλεγκτὰ κυπαρίσσιων αὐτοῦ (2)  
Jb. 40. 12 (17). ἔστησεν οὐρανὸν ὡς κυπαρίσσιον (1)  
Ca. 1. 17. φατνώματα ἡμῶν κυπαρίσσοι (3)

Si. 24. 13. ὡς κυπαρίσσοι ἐν ὄρεσιν [A ὄρει.] Ἀερμών  
50. 10. ὡς κυπαρίσσοι ὑψομένη ἐν νεφέλαις (2)  
Is. 37. 24. ἔκφυα . . . τὸ κάλλος τῆς κ. (2)

41. 19. θῆσω εἰς τὴν ἀνδρον γῆν . . . μυρτινὴν  
καὶ κυπαρίσσιον (2 ?)

55. 13. ἀπὸ τῆς στοιβῆς ἀναθήσεται κ. (2)  
60. 13. ἐν κυπαρίσσῃ . . . δοξάσαι τὸν τόπον  
τὸν ἀγιόν μου (2)

Ez. 27. 5. ταινία σανίδων κυπαρίσσιου [A -στί-  
νων] ἐκ τοῦ Λιβάνου (1)

31. 3. Ἀσσοὺρ κ. ἐν τῷ Λιβάνῳ (1)  
— 8. κυπαρίσσοι τοιαῦται [A add. οὐκ ἐγενή-  
θησαν] ἐν τῷ παραδείσῳ τοῦ θεοῦ (1)

[Sm. Is. 41. 19.]  
[Al. Le. 14. 4.]  
[Sext. Ps. 103 (104). 17.]

κυπρίζειν. (1) ῥῆ

Ca. 2. 13. αἱ ἄμπελοι κυπρίζουσιν (1)  
— 15. αἱ ἄμπελοι ἡμῶν κυπρίζουσαι [A B -ουσιν] (1)

κύπρινος.

[Quint. Ca. 1. 14.]

κυπρισμός. (1) ῥῆ

Ca. 7. 12 (13). ἦνθησεν ὁ κ. (1)

κύπρος. (1) ῥῆ

Ca. 1. 14. A B B βότρυς τῆς κ. ἀδελφίδός μου  
ἐμοῦ (1)

4. 13. ἀποστολαί σου . . . κύπροι μετὰ νάρδων (1)

κύπτειν. (1) ῥῆ (2) ῥῆ (3) ῥῆ

(4) ῥῆ (5) ῥῆ a. qal. b. ni.

Ge. 48. 28. κύψαντες προσεκύνησαν (3)  
Ex. 4. 31. κύψας δὲ ὁ λαὸς προσεκύνησε (3)  
12. 27. κύψας ὁ λαὸς προσεκύνησε (3)  
34. 8. κύψας ἐπὶ τὴν γῆν προσεκύνησε (3)  
Nu. 22. 31. καὶ κύψας προσεκύνησε (3)

I Ki. 24. 9. ἔκψυνε [A ἔκρυσεν] Δ. ἐπὶ πρόσω-  
πον αὐτοῦ (3)

28. 14. ἔκψυνε ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (3)  
II Ki. 17. 19. A ἔκψυνε [B ἔκρυσεν] ἐπ' αὐτῷ ἀρ. †  
III Ki. 1. 16, 31. καὶ ἔκψυνε Βηρσαβεί (3)

18. 42. ἔκψυνε ἐπὶ τὴν γῆν (1)  
II Ch. 20. 18. κύψας Ἰωσ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (3)  
Ne. 8. 6. καὶ ἔκψυνε (3)

Ju. 13. 17. κύψαντες προσεκύνησαν τῷ θεῷ  
Ps. 9. 31 (10. 10). κύψει καὶ πεσέται (5 a)  
Is. 2. 9. ἔκψυνε ἄνθρωπος (5 b)

46. 6. κύψαντες [B<sup>1</sup>-ας] προσκυνοῦσιν αὐτοῖς  
[A -ό, B -ω] (2)

51. 23. κύψον ἵνα παρέλθωμεν (4)  
Ba. 2. 18. ὁ βαδίζει κύπτων καὶ ἀσθενεῖν  
[Sm. Ps. 84 (85). 14: Is. 25. 12.]  
[Al. Pr. 2. 18.]

κυρεῖα (-ρία). (1) α. ῥῆ b. ῥῆ

c. ῥῆ (2) ῥῆ

Is. 40. 10. ὁ βραχίων μετὰ κυρίας (1 a)  
Da. LXX. 11. 3. κυρεῖσαι κ. πολλῆς (1 b)  
— 4. οὐδὲ κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (1 c)

Bel 4. ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρεῖαν  
Da. Th. 4. 19. καὶ ἡ κ. [A κυρεῖα] σου εἰς τὰ  
πέρατα τῆς γῆς (2)

6. 26 (27). ἡ κ. [A κυρεῖα] αὐτοῦ ἕως τέλους (2)  
11. 3. κυρεῖσαι κ. πολλῆς (1 b)  
— 4. οὐδὲ κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (1 c)

— 5. κυρεῖσαι κ. πολλῆς [A κυρεῖας πολλῆς] (1 b)  
Bel 5. ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρεῖαν  
I Ma. 8. 24. A B πᾶσι τοῖς συμμάχοις αὐτῶν ἐν  
πάσῃ κ. [B τῇ κ.] αὐτῶν  
[Th. Da. 11. 5.]

κυρία. (1) ῥῆ (2) ῥῆ

Ge. 16. 4. ἡτιμάσθη ἡ κ. ἐναντίον αὐτῆς (2)  
— 8. B ἀπὸ προσώπου Σάρας τῆς κ. μου (2)  
— 9. B ἀποστράφηκε πρὸς τὴν κ. σου (2)

III Ki. 17. 17. ὁ υἱὸς τῆς γυναῖκος τῆς κ. τοῦ  
οἴκου (1)

IV Ki. 5. 3. ἡ δὲ εἶπε τῇ κ. αὐτῆς (2)



Ps. 122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς  
χεῖρας τῆς κ. αὐτῆς (9)  
Pr. 24. 58 (80. 23). οἰκτίεις ἐὰν ἐκβάλῃ τὴν ἐαν-  
τὴς κ. (2)  
Is. 24. 2. ἡ θεράπαινα ὡς ἡ κ. (2)  
κυριακός.  
II Ma. 16. 36. Ἀ Ἀδάρ λέγεται τῇ κ. [B Συριακῇ]  
φωνῇ  
κυρεία. (1) כַּרְיָא (2) כַּרְיָא  
Da. TH. 4. 19. Ἀ καὶ ἡ κ. [B κυρεία] σου εἰς  
τὰ πέρατα τῆς γῆς (2)  
6. 26 (27). Ἀ ἡ κ. [B κυρεία] αὐτοῦ ἕως τέλους (2)  
11. 5. Ἀ κυρεῖσαι κ. πολλῆς [B κυρεῖαν πολλήν] (1)  
κυρεῖν. (1) כַּרְיָא (2) כַּרְיָא a. qal. δ. hi.  
(3) כַּרְיָא (4) כַּרְיָא (5) כַּרְיָא (6) כַּרְיָא  
(7) כַּרְיָא (8) כַּרְיָא (9) כַּרְיָא a. pe.  
δ. aph. c. כַּרְיָא  
Ge. 8. 16. αὐτός σου κυρεῖσαι (4)  
37. 8. ἡ κυρεῖν κυρεῖσαι ἡμῶν (4, 4)  
Ex. 15. 9. κυρεῖσαι ἡ χεὶρ μου (2, 6)  
Nu. 21. 18. ἐν τῇ κυρεῖσαι αὐτῶν (5)  
24. 7. κυρεῖσαι ἐθνῶν πολλῶν (1, 2)  
Jo. 12. 2. κυρεῖν ἀπὸ Ἀρνῶν (4)  
15. 16. καὶ κυρεῖσαι αὐτῆς (3)  
24. 33. καὶ ἐκυρεῖν [A κατεκ.] αὐτῶν  
Jd. 9. 2. κυρεῖσαι ἡμῶν ἐβδωμάοντα ἄνδρας  
[A al.] (4)  
— 2. ἡ κυρεῖν ἡμῶν ἄνδρα ἓνα (4)  
14. 4. οἱ ἀλλόφυλοι κυρεῖν ἐν [A ἐκυρεῖν]  
τῶν υἱῶν Ἰσρ. (4)  
15. 11. B κυρεῖν [B -εύσ.] οἱ ἀλλόφυλοι  
ἡμῶν [A al.] (4)  
II Ch. 14. 7 (6). ἐνώτισον [A ἐν φ] τῆς γῆς  
κυρεῖν (4)  
20. 6. κυρεῖσαι πᾶσιν τῶν βασιλειῶν τῶν  
ἐθνῶν (4)  
I Es. 2. 27. βασιλεῖς . . . ἦσαν ἐν Ἱερ. κυρεῖν  
4. 3. καὶ κυρεῖν αὐτῶν [A πάντων]  
— 14. ἡ τίς οἱ κυρεῖν αὐτῶν  
— 15. ὅς κυρεῖν τῆς θαλάσσης  
— 22. αἱ γυναῖκες κυρεῖν ἡμῶν  
Ju. 1. 13. ἐκυρεῖν τῶν πόλεων αὐτοῦ  
10. 13. κυρεῖσαι πάσης τῆς ὀρεινῆς  
16. 7. ἐκυρεῖν τῶν λοιπῶν  
Ps. 105 (106). 41. ἐκυρεῖν αὐτῶν οἱ μισοῦντες  
αὐτούς (4)  
Si. 87. 18. καὶ [A καὶ ἡ] κυρεῖσαι ἐνδελεχῶς  
αὐτῶν [A -φ] γλώσσᾳ ἔστιν  
44. 3. κυρεῖν ἐν ταῖς βασιλείαις αὐ.  
Is. 8. 4. ἐμπαύεται κυρεῖν αὐτῶν (4)  
— 12. οἱ ἐπαύονται κυρεῖν [B' -εύσ.] ἡμῶν (4)  
7. 18. δ. κυρεῖσαι [A B -ύει] μέρος [A B' -ους]  
ποταμοῦ Αἰγύπτου  
14. 2. κυρεῖν αὐτῶν οἱ κυρεῖσαι αὐτῶν (7, 8)  
19. 4. βασιλεῖς σκληροὶ κυρεῖσαι αὐτῶν (4)  
42. 19. ἀλλ' ἡ οἱ κυρεῖσαι αὐτῶν  
Je. 2. 31. οὐ κυρεῖν αὐτῶν [A δουλευθ.]  
87 (80). 3. κυρεῖσαι αὐτῆς (2, 2)  
Ba. 2. 34. κυρεῖσαι αὐτῆς  
8. 16. ποὺ εἰσιν . . . οἱ κυρεῖσαι τῶν θηρίων  
La. 5. 8. δοῦλοι ἐκυρεῖν ἡμῶν (4)  
Da. LXX. 2. 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χεῖράς σου  
κυρεῖν πάντων (9, 6)  
— 39. ἡ κυρεῖσαι πάσης τῆς γῆς  
8. 2. καὶ κυρεῖν τῆς οἰκουμένης  
11. 3. κυρεῖσαι κυρεῖσαι πολλῆς  
Da. TH. 2. 39. ἡ κυρεῖσαι πάσης τῆς γῆς  
8. 27 (94). οὐκ ἐκυρεῖσαι τὸ πῦρ τοῦ σώματος  
αὐτῶν (9, 2)  
4. 22, 29. κυρεῖσαι ὁ ὕψιστος τῆς βασιλείας  
5. 21. κυρεῖσαι ὁ θεός [A om.] ὕψιστος (9, 2)  
6. 24 (25). ἐκυρεῖσαι αὐτῶν οἱ λείοντες (9, 2)  
11. 3. κυρεῖσαι κυρεῖσαι πολλῆς  
— 4. τὴν κυρεῖσαι αὐτοῦ ἦν ἐκυρεῖν  
— 5. κυρεῖσαι κυρεῖσαι πολλῆς [A -ιείας  
πολλῆς] (4)  
— 43. κυρεῖσαι ἐν τοῖς ἀποκρίφοις τοῦ χρυσοῦ  
I Ma. 6. 63. εὖρε Φιλ. κυρεῖσαι τῆς πόλεως  
7. 8. κυρεῖσαι ἐν τῷ πέραν τοῦ ποταμοῦ  
8. 16. καὶ κυρεῖν [B' om.] πάσης τῆς γῆς αὐτῶν  
10. 76. ἐκυρεῖσαι [B' -αν] Ἰωνᾶν Ἰσπῆ

I Ma. 11. 8. ἐκυρεῖσαι τῶν πόλεων τῆς παραλίας  
14. 7. Ἀ B ἐκυρεῖσαι [B συγγαγῆν] Γαζάρων  
15. 29. Ἀ B ἐκυρεῖσαι τῶν [B om.] πολλῶν  
IV Ma. 1. 4. τῶν . . . παθῶν κυρεῖν ἀναφαίνεται  
2. 11. τῆς τέκνων φιλίας κυρεῖν  
[Aq. Ec. 2. 19: 8. 9: Je. 31 (38). 32.]  
[Sm. Jb. 8. 18: Is. 54. 5.]  
[Th. Jb. 8. 18: Pr. 12. 24: Is. 10. 4: 40. 10:  
Da. 11. 5.]  
[Al. Ps. 11 (12). 5.]  
κύριος (subst.). (1) הָיָה (2) הָיָה (3) הָיָה  
הָיָה (4) a. הָיָה δ. הָיָה (5) הָיָה  
(6) הָיָה (7) הָיָה (8) הָיָה (9) הָיָה  
(10) הָיָה (11) a. הָיָה δ. הָיָה c. הָיָה  
הָיָה הָיָה d. הָיָה הָיָה (12) הָיָה  
(13) הָיָה (14) הָיָה (15) הָיָה (16) κ.  
εἶναι הָיָה (17) κύριον καθιστάναι הָיָה arh.  
(18) κ. ὁ θεός, ὁ κύριος θεός, κύριος θεός  
a. הָיָה δ. הָיָה c. הָיָה d. הָיָה e. הָיָה  
(19) τὸ στόμα κυρίου הָיָה (20) ἄγγελος  
κυρίου הָיָה (21) τὸ πρόσωπον κυρίου הָיָה  
(22) ὁ λόγος κυρίου הָיָה (23) κ. παντο-  
κράτωρ הָיָה (24) τὸ ὄνομα κυρίου הָיָה  
Ge. 2. 4. ἡ ἡμέρα ἐποίησε κ. ὁ θεός τὸν οὐρανόν (11 a)  
— 8. Ἀ ἐφύτουν κ. [B om.] ὁ θεός παρὰ  
— 15. εἶπε κ. ὁ θεός τὸν ἄνθρωπον (11 a)  
— 16. ἐνετείλατο κ. ὁ θεός τῷ Ἀδὰμ (11 a)  
— 18. εἶπε κ. ὁ θεός (11 a)  
— 22. Ἀ φησὶν κ. [B om.] ὁ θεός τὴν  
πλευράν (11 a)  
8. 1. ὡν ἐποίησε κ. ὁ θεός (11 a)  
— 8. ἤκουσαν τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
— 8. ἐκρύβησαν . . . ἀπὸ προσώπου κ. τοῦ  
θεοῦ (11 a)  
— 9. ἐκάλεσε κ. ὁ θεός τὸν Ἄ. (11 a)  
— 13. εἶπε κ. ὁ θεός τῇ γυναίκῃ (11 a)  
— 14. εἶπε κ. ὁ θεός τῷ ὄφει (11 a)  
— 21. ἐποίησε κ. ὁ θεός . . . χιτῶνας (11 a)  
— 22. Ἀ εἶπεν κ. [B om.] ὁ θεός (11 a)  
— 23. ἐξάπιστελεν αὐτὸν κ. ὁ θεός (11 a)  
4. 3. ἤνεγκε Κ. . . θυσίαν τῷ κ. (11 a)  
— 6. εἶπε κ. ὁ θεός τῷ Κ. (18 a)  
— 9. B εἶπε κ. [A om.] ὁ θεός πρὸς Κ. (18 a)  
— 10. B εἶπε κυρίου [A ὁ θεός] (18 a)  
— 13. Ἀ εἶπε Κ. πρὸς τὸν κ. [B πρ. κ. τ. θεόν] (11 a [18 a])  
— 15. εἶπεν αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 a)  
— 15. ἔθετο κ. ὁ θεός σημεῖον (18 a)  
— 26. ἐπακαλίσθη τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ (18 a)  
5. 29. ἦς καταράσσο κ. ὁ θεός (18 a)  
6. 3. εἶπε κ. ὁ θεός (18 a)  
— 5. ἰδὼν δὲ κ. ὁ θεός (18 a)  
— 8. N. δὲ εὖρε χάριν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (18 a)  
— 12. εἶδε κ. ὁ θεός τὴν γῆν (18 b)  
— 13. B εἶπε κ. [A om.] ὁ θεός τῷ N. (18 b)  
— 22. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 b)  
7. 1. εἶπε κ. ὁ θεός πρὸς N. (18 a)  
— 5. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 a)  
— 16. ἔδωκε κ. ὁ θεός τὴν κισσοῦν (18 a)  
8. 15. B εἶπε κ. ὁ θεός πρὸς [A τῷ] N. (18 b)  
— 20. B φησὶν κ. N. θυσιαστήριον τῷ κ.  
[A θιφ.] (11 a)  
— 21. ὡς φησὶν κ. ὁ θεός δὲ μὴ εὐδοκίας (18 a)  
— 21. εἶπε κ. ὁ θεός (18 a)  
9. 12. εἶπε κ. ὁ θεός πρὸς N. (18 b)  
— 26. εὐλογητὸς κ. ὁ θεός τοῦ Σήμ (11 a)  
10. 9. γίγας κλητὸς ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (18 a)  
— 9. γίγας κλητὸς ἐναντίον κυρίου (11 a)  
11. 5. κατέβη κύριος ἰδεῖν τὴν πόλιν (11 a)  
— 6. καὶ εἶπε κύριος (11 a)  
— 8. διέσπειρεν αὐτοὺς κύριος (11 a)  
— 9. συνέχευε κύριος τὰ χεῖρά πάσης τῆς γῆς (11 a)  
— 9. B διέσπειρεν αὐτοὺς κύριος [A κ. ὁ θεός] (11 a [18 a])  
12. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἀ. (11 a)  
— 4. καθὼς ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (11 a)  
— 7. ὡς φησὶν κύριος τῷ Ἀ. (11 a)  
— 7. φησὶν κ. ἐκεί Ἀ. θυσιαστ. κυριφ (11 a)

Ge. 12. 8. φησὶν κ. ἐκεί θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)  
— 8. ἐπακαλίσθη ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)  
18. 4. B ἐπακαλίσθη . . . τὸ ὄν. τοῦ [A om.] κ. (11 a)  
— 18. B φησὶν κ. ἐκεί θυσιαστ. τῷ [A om.]  
κ. (11 a)  
14. 22. B πρὸς κ. [A om.] τὸν θεὸν τὸν ὕψιστον (11 a)  
15. 1. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἀ. (11 a)  
— 2. B διέσπειρεν κύριος, τί μοι δώσεις (11 b)  
— 4. B φωνὴ κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτὸν (11 a)  
— 8. διέσπειρεν κύριος, κατὰ τί γνώσομαι (11 b)  
— 18. B διέσπειρεν κύριος τῷ Ἀ. διαθήκην (11 a)  
16. 2. συνέχευε με κύριος (11 a)  
— 7. B εὖρε δὲ αὐτὴν ἄγγελος κυρίου (11 a)  
— 8. B εἶπεν αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου  
— 9. B εἶπε δὲ αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)  
— 10, 11. εἶπεν αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)  
— 11. ἐπήκουσε κύριος τῇ ταπεινώσει σου (11 a)  
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)  
17. 1. ὡς φησὶν κύριος τῷ Ἀ. (11 a)  
18. 3. κύριος, εἰ ἀρα εὖρον χάριν (2, 1, 2)  
— 12. ὁ δὲ κ. μου περισβύτητος (1)  
— 13. εἶπε κύριος πρὸς Ἀ. (11 a)  
— 17. ὁ δὲ κ. εἶπε (11 a)  
— 19. φυλάξουσιν τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 a)  
— 19. ὅπως ἂν ἐπαύσῃ κύριος . . . πάντα (11 a)  
— 20. εἶπε δὲ κύριος (11 a)  
— 22. ἐστῆκεν ἐναντίον κυρίου (11 a)  
— 26. εἶπε δὲ κύριος (11 a)  
— 27. ἠρέξαμεν λαλήσαι πρὸς τὸν κ. (3)  
— 30. μὴ τι, κύριος, εἰς λαλήσω (2)  
— 31. ἔχω λαλήσαι πρὸς τὸν κ. (2)  
— 32. μὴ τι, κύριος, εἰς λαλήσω (2)  
— 33. ἀπῆλθε δὲ ὁ κ. (11 a)  
19. 2. ἰδοὺ, κύριος, ἐκκλινάτω (1)  
— 13. ὑψώθη ἡ κραυγὴ αὐτῶν ἐναντι [A -ιον]  
κυρίου (11 a)  
— 13. ἀπέστειλεν ἡμᾶς κύριος (11 a)  
— 14. ἐκτίθει κύριος τὴν πόλιν (11 a)  
— 16. ἐν τῷ φείσασθαι κύριον αὐτοῦ (11 a)  
— 18. δέομαι, κύριος (2)  
— 24. κύριος ἐβρέξεν . . . πῦρ παρὰ κυρίου (11 a, 11 a)  
— 27. οὐ εἰσῆλθε ἐναντίον κυρίου (11 a)  
— 29. Ἀ ἐν τῷ ἐκτίθει κύριον [B τὸν θεόν] (8)  
— 29. ἐν τῷ καταστρέφει κύριον τὰς πόλεις  
20. 4. εἶπε, Κύριος, ὅπως ἀγνοοῦν . . . ἀπολείς (2)  
— 18. συνέχευε κύριος . . . πᾶσαν μύτρην (11 a)  
21. 1. κύριος ἐπέσκηψε τὴν Σ. (11 a)  
— 1. ἐποίησε κύριος τῇ Σ. (11 a)  
— 2. καθὰ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (8)  
— 6. γέλωτά μοι ἐποίησε κύριος (8)  
— 33. ἐπακαλίσθη ἐκεί τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)  
22. 11. ἐκάλεσε αὐτὸν ἄγγελος κυρίου (11 a)  
— 14. κύριος εἶδεν (11 a)  
— 14. ἐν τῷ δρεῖ κύριος ὄφθη (11 a)  
— 15. ἐκάλεσε ἄγγελος κυρίου τὸν Ἀ. (11 a)  
— 16. κατ' ἐμᾶντο ἄμμοσα, λέγει κύριος (11 a)  
23. 5 (6). μὴ, κύριος, ἀκούσιν δὲ ἡμῶν (1)  
— 11. παρ' ἐμοὶ γενοῦ, κύριος (1)  
— 15. οὐχί, κύριος, ἀκήκοα γὰρ (1)  
24. 1. κύριος ἠλόγησε τὸν Ἀ. (11 a)  
— 3. ἐξορκίσσε κ. τὸν θεὸν τοῦ οὐρ. (11 a)  
— 6 (7). κ. ὁ θεός τοῦ οὐρανοῦ (11 a)  
— 9. ὑπὸ τὸν μηρὸν Ἀ. τοῦ κ. αὐτοῦ (2)  
— 10. ἀπὸ τῶν καμῶν τοῦ κ. αὐτοῦ (2)  
— 10. ἀπὸ πάντων τὸν ἀγαθῶν τοῦ κ. αὐτοῦ (2)  
— 12. B εἶπε κ. ὁ θεός τοῦ κ. μου [A om.]  
Ἀ. (11 a, 1)  
— 12. ποιήσων ἔλεος μετὰ τοῦ κ. μου Ἀ. (1)  
— 14. B ἐποίησας ἔλεος μετὰ τοῦ κ. [A εἶ τῷ  
κ.] μου Ἀ. (1)  
— 18. ἡ δὲ εἶπε, Πίε, κύριος (1)  
— 21. εἰ εὐδόκησε κύριος τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (11 a)  
— 26. B προσέκρινε τῷ [A om.] κ. (11 a)  
— 27. κύριος ὁ θεός τοῦ κ. μου Ἀ. (11 a, 1)  
— 27. ὅς οὐκ ἐγκατέλιπε . . . ἀπὸ τοῦ κ. μου (1)  
— 27. ἐμέ τ' εὐδόκησε κύριος εἰς οἶκόν τοῦ  
ἀδελφοῦ τοῦ κ. μου (11 a, 1)  
— 31. Ἀ B εὐλογητὸς κύριος [B -ιον] (11 a)  
— 35. κύριος δὲ ἠλόγησε τὸν κ. μου (11 a, 1)  
— 36. ἔτεκε Σάρρα ἡ γυνὴ τοῦ κ. μου υἱὸν ἓνα  
τῷ κ. μου (1, 1)  
— 37. ὡς εἶπε με ὁ κ. μου (1)  
— 39. εἶπα δὲ τῷ κ. μου (1)  
— 40. κ. ὁ θεός [B om. ὁ θ.] . . . ἐξαποστείλει  
τὸν ἄγγελον (18 a [11 a])



Ge. 24. 42. κύριε ὁ θεὸς τοῦ κ. μου 'Α. (11 α, 1)	Ge. 44. 16. ἰδοὺ ἐσμεν οἰκίται τῷ κ. ἡμῶν (1)	Ex. 8. 22 (18). Β ἐγὼ εἰμι [Α. om.] κ. ὁ κ. [Α. Β θεός] πάσης τῆς γῆς (11 α, - [18 α])
— 44. ἦν ἡτοίμασε κύριος (11 α)	— 18. δέομαι, κύριε (1)	— 24 (20). ἐποίησε δὲ κύριος οὕτως (11 α)
— 44. πεποιήκας ἔλεος τῷ κ. μου 'Α. (17)	— 19. κύριε, σὺ ῥητόρησας (1)	— 25 (21). Α. Β θύσατε κ. [Β. om.] τῷ θεῷ ὑμῶν (18 β)
— 48. Β. Β προσεκύνῃσθα τῷ [Α. om.] κ. καὶ εὐλόγησα κ. τὸν θεόν τοῦ κ. μου 'Α. (11 α, 11 α, 1)	— 24. Β τὰ ῥήματα τοῦ κ. ἡμῶν [Α. om.] (1)	— 26 (22). θύσομεν [Α. -ωμεν] κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 α)
— 48. τὴν θυγατέρα τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ κ. μου (1)	— 33. παραμένω . . . οἰκίτης τοῦ κ. (1)	— 27 (23). Α. θύσωμεν κ. [Β. om.] τῷ θεῷ ἡμῶν (11 α)
— 49. εἰ οὖν ποιεῖτε . . . δικαιοσύνην πρὸς τὸν κ. μου (1)	— 9. ἐποίησέ με ὁ θεὸς κύριον (1)	— 27 (23). καθάπερ εἶπε κύριος [Α. om.] ἡμῖν -
— 50. Β. Β παρὰ κυρίον ἐξῆλθε τὸ πρᾶγμα [Α. πρίσταιγ.] τοῦτο (11 α)	— 18. εἰ γὰρ ἐκλέλοιπε τὸ ἀργύριον . . . πρὸς σέ τὸν κ. (1)	— 28 (24). Α. θύσατε κ. [Β. -σατε] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 α)
— 51. ἔστω γυνὴ τῷ υἱῷ τοῦ κ. σου καθὰ ἐλάλησε κύριος (2, 11 α, 1)	— 18. Α. Β ἐναντίον τοῦ κ. ἡμῶν [Β. om.] (1)	— 28 (24). εἰςάσθε οὖν περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον -
— 52. Β. Β προσεκύνῃσεν . . . τῷ [Α. om.] κ. (11 α)	— 25. εὐρομεν χάριν ἐναντίον τοῦ κ. ἡμῶν (1)	— 29 (25). θύσαι κυρίῳ (11 α)
— 54. ἵνα ἀπέλθω πρὸς τὸν κ. μου (1)	48. 15. Β ὁ κ. [Α. Β θεός] ὁ τρέφων με (6)	— 31 (27). ἐποίησε δὲ κύριος (11 α)
— 56. κύριος εὐώδωκε τὴν ὁδόν μου (11 α)	49. 18. τὴν σωτηρίαν περιμένον κυρίου (11 α)	9. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 56. ἵνα ἀπέλθω πρὸς τὸν κ. μου (1)	— 23. ἐνέκριν αὐτῷ κύριος τοξευμάτων (7)	— 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 α)
— 65. οὕτως ἐστίν ὁ κ. μου (1)	Ex. 3. 2. ὥφθη δὲ αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (11 α)	— 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται [Α. ἔσται] (11 α)
25. 21. ἐδέετο δὲ 'Ι. κυρίου (11 α)	— 4. ὡς δὲ εἶδε κύριος (11 α)	— 5. Α. Β ποιήσει κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 α)
— 22. πύθισθαι παρὰ κυρίῳ (11 α)	— 4. ἐκάλεινε αὐτὸν κύριος (6)	— 6. Α. Β ἐποίησε κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 α)
— 23. εἶπε κύριος αὐτῇ (11 α)	— 7. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 8. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
26. 2. ὥφθη δὲ αὐτῷ κύριος (11 α)	— 15, 16. κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν (11 α)	— 12. Α. Β ἐσκήληνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 α)
— 12. εὐλόγησε δὲ αὐτὸν κύριος (11 α)	4. 1. Α. οὐκ ὁπταί σοι κ. [Β. om.] ὁ θεός (18 α)	— 12. Α. Β καθὰ συνέταξε κύριος (11 α)
— 22. ἐπλάτυνε κύριος ἡμῖν (11 α)	— 2. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος (11 α)	— 13. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 24. ὥφθη αὐτῷ κύριος (11 α)	— 4. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 α)
— 25. ἐπεκαλῆσατο τὸ ὄνομα κυρίου (11 α)	— 5. Α. ὁπταί σοι κ. [Β. om.] ὁ θεός (11 α)	— 20. ὁ φοβούμενος τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)
— 28. ἦν κύριος μετὰ σοῦ (11 α)	— 6. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος πάλιν (11 α)	— 21. δε δὲ μὴ προσέσχε . . . εἰς τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)
— 29. εὐλογημένοι σὺ ὑπὸ κυρίῳ (11 α)	— 10. εἶπε δὲ Μ. πρὸς κύριον [Α. τὸν θεόν] Δέομαι, κύριε (11 α, 2)	— 22. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
27. 7. εὐλόγησέ σε ἐναντίον κυρίου (11 α)	— 11. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. [Α. τῷ Μ.] (11 α)	— 23. κύριος ἔδωκε φωνᾶς (11 α)
— 20. Β. ὁ παρίδωκε κ. ὁ θεός σου [Α. om.] (11 α)	— 11. Α. οὐκ ἐγὼ κ. [Β. om.] ὁ θεός (18 α)	— 23. ἔβρεξε κύριος χάλαζαν (11 α)
— 27. ὃν εὐλόγησε κύριος (11 α)	— 13. εἶπε Μ., Δέομαι, κύριε (2)	— 27. ὁ κ. δικίος (11 α)
— 29. γίνου κύριος τοῦ ἀδελφοῦ σου (9)	— 14. θυμωθεὶς ὀργῇ κύριος ἐπὶ Μ. (11 α)	— 28. εἰςάσθε οὖν περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον (11 α)
— 37. εἰ κύριον αὐτὸν πεποιήκει σου (9)	— 19, 21. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 29. Β. ἐκπετάσω . . . πρὸς τὸν κ. [Α. θεόν, Β. om. π. τ. κ.] (11 α)
28. 13. ὁ δὲ κ. ἐπιστήρικτο ἐπ' αὐτῆς (11 α)	— 22. τάδε λέγει κύριος (11 α)	— 29. τοῦ κ. ἡ γῆ (11 α)
— 16. ἔστι κύριος ἐν τῷ τόπῳ τοῦτ' (11 α)	— 24. συνήνεγκεν αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (20)	— 30. Α. Β οὐδέπω πεφύβησθε τὸν κ. [Β. θεόν] (11 α + θ)
— 20. ἴδ' ἡ κ. ὁ θεός μετ' ἐμοῦ (18 β)	— 27. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Α. (11 α)	— 33. ἐξέτεινε [Α. -επέτασεν] . . . πρὸς κύριον (11 α)
— 21. ἔσται κύριός μοι εἰς θεόν (11 α)	— 28. ἀνῆγγελε . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου (11 α)	— 35. καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 α)
29. 31. ἰδὼν δὲ κ. ὁ θεός (18 α)	5. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεός 'Ισρ. (11 α)	10. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 32. εἶδε μου κύριος τὴν ταπείνωσιν (11 α)	— 2. οὐκ οἶδα τὸν κ. (11 α)	— 2. ἐγὼ [Α. add. εἰμι] κύριος (11 α)
— 33. ἤκουσε κύριος ὅτι μισοῦμαι (11 α)	— 3. Β. ὅπως ὕψωμεν κ. [Α. Β. om.] τῷ θεῷ ἡμῶν (11 α)	— 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεός τῶν 'Εβρ. (11 α)
— 35. ἐξομολογήσομαι κυρίῳ (11 α)	— 22. ἐπέστρεψε δὲ Μ. πρὸς κύριον καὶ εἶπε, Δέομαι [Α. om.] κύριε (11 α, 2)	— 7. Α. ὅπως λατρεύσωσι κ. [Β. om.] τῷ θεῷ αὐτῶν (11 α)
30. 30. Β. εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός [Α. om. ὁ θ.] (18 α [11 α])	6. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 8. Α. Β λατρεύσατε κ. [Β. om.] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 α)
31. 3. εἶπε δὲ κύριος πρὸς 'Ι. (11 α)	— 2. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 9. ἔστι γὰρ ἑορτὴ κυρίου [Α. Β. add. τοῦ θεοῦ ἡμῶν] (11 α [18 α])
— 35. μὴ βαρέως φέρε, κύριε (11 α)	— 3. τὸ ὄνομά μου κύριος οὐκ ἐδήλωσα αὐτοῖς (11 α)	— 10. ἔστω οὕτω κύριος μετ' ὑμῶν (11 α)
32. 4. (5). οὕτως ἐμίει τῷ κ. μου 'Ησαῦ (1)	— 6. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 11. Α. λατρεύσατε τῷ κ. [Β. αἰ.] (11 α)
— 5 (6). ἀπαγγεῖλαι τῷ κ. μου 'Ησαῦ (1)	— 7. ἐγὼ κύριος ὁ θεός ὑμῶν (11 α)	— 12. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 9 (10). κύριε ὁ εἶπας μοι (11 α)	— 8. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 13. Α. Β. κύριος [Β. om.] ἐπήγαγεν ἄνεμον [Α. om.] νότον (11 α)
— 18 (19). δῶρα ἀπώστανκε τῷ κ. μου 'Ησαῦ (1)	— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 16. ἡμάρτηκα ἐναντίον κ. τοῦ [Β. om.] θεοῦ ὑμῶν (11 α)
33. 8. ἵνα εὐρὴ ὁ παῖς σου χάριν . . . κύριε (1)	— 12. ἐλάλησε δὲ Μ. ἐναντι [Α. -τίον] κυρίου (11 α)	— 17. προσεύχασθε πρὸς κ. τὸν θεόν ὑμῶν (11 α)
— 13. ὁ κ. μου γινώσκει (1)	— 13. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 18. Α. ἡἱάτο πρὸς κύριον [Β. τὸν θεόν] (11 α)
— 14. προσελάττω δ. κ. μου (1)	— 28. ἡ ἡμέρα ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ (11 α)	— 19. μετέβαλε κύριος ἄνεμον (11 α)
— 14. ἔως τοῦ με ἐλθῆν πρὸς τὸν κ. μου (1)	— 29. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 20. ἐσκήληνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 α)
— 15. εὐρον χάριν ἐναντίον σου, κύριε (1)	— 29. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 21. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
38. 7. ἐγένετο δὲ 'Ηρ . . . ποιητὸς ἐναντι [Α. -ιον] κυρίου (11 α)	— 30. εἶπε Μ. ἐναντίον κυρίου (11 α)	— 24. λατρεύσατε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (11 α)
39. 2. ἦν κύριος μετὰ 'Ιωσήφ (11 α)	7. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 25. ἀ ποιήσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 α)
— 2. Β. ἐγένετο . . . παρὰ τῷ κ. αὐτοῦ [Α. om.] (2)	— 5. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 α)	— 26. λατρεύσαι κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 α)
— 3. Β. ἦδει δὲ ὁ κ. αὐτοῦ ὅτι ὁ [Α. om.] κ. ἦν μετ' αὐτοῦ (2, 11 α)	— 6. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 α)	— 26. τί λατρεύσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (18 α)
— 3. κύριος εὐδοεῖ ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ (11 α)	— 8. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 27. ἐσκήληνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 α)
— 4. εὐρεν 'Ι. χάριν ἐναντίον τοῦ κ. αὐτοῦ -	— 10. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 α)	11. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 5. ἠλόγησε κύριος τὸν οἶκόν τοῦ Αἰγύ. (11 α)	— 13. καθάπερ ἐνετείλατο [Α. ἐλάλησεν] αὐτοῖς κύριος (11 α)	— 3. κύριος δὲ ἔδωκε τὴν χάριν (11 α)
— 5. ἐγενήθη εὐλογία κυρίου ἐν [Α. ἐπὶ] πᾶσι (11 α)	— 14. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 4. τάδε λέγει κύριος (11 α)
— 7. ἡ γυνὴ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)	— 16. κ. ὁ θεός τῶν 'Εβραίων (11 α)	— 7. ὅσα παραδοξάσει κύριος (11 α)
— 8. εἶπε δὲ τῇ γυναικὶ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)	— 17. τάδε λέγει κύριος (11 α)	— 9. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 8. εἰ ὁ κ. μου οὐ γινώσκει (1)	— 17. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 10. ἐσκήληνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 α)
— 16. ἔως ἦλθεν ὁ κ. (2)	— 19. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	12. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 19. Β. ὡς ἤκουσεν ὁ κ. αὐτοῦ [Α. om.] (2)	— 20. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 α)	— 11. πᾶσα ἐστὶ κυρίῳ [Α. -ίου] (11 α)
— 20. Β. λαβὼν [Α. ἐλαβεν] ὁ κ. 'Ιωσήφ (1)	— 22. καθάπερ εἶπε κύριος (11 α)	— 12. ἐγὼ κύριος (11 α)
— 21. ἦν κύριος μετὰ 'Ιωσήφ (11 α)	— 25. μετὰ τὸ πατάξαι κύριον τὸν ποταμὸν (11 α)	— 14. ἐορτάσατε αὐτὴν ἑορτὴν κυρίῳ (11 α)
— 23. διὰ τὸ τὸν κ. μετ' αὐτοῦ εἶναι (11 α)	8. 1 (7. 26). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 23. καὶ παρελεύσεται κύριος (11 α)
— 23. Β. ὁ [Α. om.] κ. εὐώδου (11 α)	— 1 (7. 26). τάδε λέγει κύριος (11 α)	— 23. παρελεύσεται κύριος τὴν θύραν (11 α)
40. 1. ἡμαρτεν . . . ὁ ἀρχιστοιποιδὲς τῷ κ. αὐτῶν (1)	— 5 (1). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 25. ἦν ἂν δὴ κύριος ὑμῖν (11 α)
— 7. οἱ ἦσαν . . . ἐν τῇ φυλακῇ παρὰ τῷ κ. αὐτοῦ (2)	— 8 (4). εὐξάσθε περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον (11 α)	— 27. θυσία τὸ πάσχα τοῦτο κυρίῳ (11 α)
— 40. 33. ὁ ἀνθρώπος ὁ κ. τῆς γῆς (1)	— 8 (4) καὶ θύσατο [Α. om.] κ. (11 α)	— 28. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 α)
43. 3. Β. ὁ ἀνθρώπος ὁ κ. τῆς γῆς [Α. om. ὁ κ. τ. γ.] -	— 10 (6). οὐκ ἐστὶν ἄλλος πληρὺν κυρίου [Α. -ος] (11 α + θ)	— 29. κύριος ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον (11 α)
— 20. δέδομθα, κύριε (1)	— 12 (8). ἐβόησε Μ. πρὸς κύριον (11 α)	— 31. λατρεύσατε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (18 α)
44. 5. ἐν φ. πίειε ὁ κ. μου (1)	— 13 (9). ἐποίησε δὲ κύριος (11 α)	— 36. ἔδωκε κύριος τὴν χάριν (11 α)
— 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κ. κατὰ τὰ ῥήματα ταῦτα (1)	— 13 (11). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 α)	— 41. ἐξῆλθε πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου (11 α)
— 8. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ κ. σου (1)	— 16 (12). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	— 42. προφυλακὴ ἐστὶ τῷ κ. (11 α)
— 9. ἡμεῖς δὲ ἐσόμεθα παῖδες τῷ κ. ἡμῶν (1)	— 19 (15). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 α)	— 42. ἐκείνη ἡ νύξ αὕτη προφυλακὴ κυρίῳ (11 α)
— 16. τί ἀντεροῦμεν τῷ κ. (1)	— 20 (16). εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 α)	
	— 20 (16). τάδε λέγει κύριος (11 α)	

Εκ. 12. 43. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	Εκ. 17. 15. ψεκδύμισε Μ. θυσιαστήριον κυρίῳ	(11 α)	Εκ. 29. 24. ἀφάρισμα ἔναντι κυρίου	(11 α)
— 48. ποιῆσαι [Α καὶ ποιῆ] τὸ πάσχα κυρίῳ	(11 α)	[Α om.]	—	— 25. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας ἔναντι κυρίου	(11 α)
— 50. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ.	(11 α)	— 15. κύριος καταφυγὴ μου	(11 α)	— 25. κάρπωμα ἔστι κυρίῳ	(11 α)
— 51. ἐξήγαγε κύριος τοὺς υἱοὺς Ἰσρ.	(11 α)	— 16. πολεμὶ κύριος ἐπὶ Ἀμ.	(11 α)	— 26. ἀφάρισμα ἔναντι κυρίου	(11 α)
13. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	18. 1. ὅσα ἐποίησε κύριος Ἰσρ.	(8)	— 28. ἀφαίρεμα κυρίῳ	(11 α)
— 3. ἐξήγαγε ὑμᾶς κύριος	(11 α)	— 1. ἐξήγαγε γὰρ κύριος τὸν Ἰσρ.	(11 α)	— 41. κάρπωμα κυρίῳ	(11 α)
— 5. ἦνικα ἐὰν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεὸς σου	(18 α)	— 8. ὅσα ἐποίησε κύριος τῷ Φ.	(11 α)	— 42. θυσιάν . . . ἔναντι κυρίου	(11 α)
— 6. ἐορτὴ κυρίου	(11 α)	— 8. ὅτι ἐξείλατο αὐτοὺς κύριος	(11 α)	— 46. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν	(11 α)
— 8. ἐποίησε κ. ὁ θεὸς μοι	(18 α)	— 9. οἷς ἐποίησεν αὐτοῖς κύριος	(11 α)	30. 8. θυμίαμα . . . ἔναντι κυρίου	(11 α)
— 9. ὅπως ἂν γένηται ὁ νόμος κυρίου	(11 α)	— 9. Α ἐξείλατο κύριος [Β om.] αὐτοὺς	—	— 10. ἄγιον τῶν ἁγίων ἔστι κυρίῳ [Α τῷ κ.]	(11 α)
— 9. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός [Α om. ὁ θ.]	(18 α)	— 10. εὐλογητὸς κ.	(11 α)	— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 11. ὡς ἂν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου	(18 α)	— 11. μέγας κ. παρὰ πάντας τοὺς θεοὺς	(11 α)	— 12. λῦτρα τῆς ψυχῆς αὐτοῦ κυρίῳ [Α τῷ κ.]	(11 α)
— 12. τὰ ἀρσενικά [Α <sup>2</sup> add. ἀγιάσεις] τῷ κ.	(11 α)	19. 9. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 13. εἰσφορά κυρίῳ	(11 α)
— 12. τὰ ἀρσενικά ἀγιάσεις τῷ κ.	(11 α)	— 9. ἀνγγεῖλε δὲ Μ. . . πρὸς κύριον	(11 α)	— 14. δώσουσι τὴν εἰσφορὰν κυρίῳ	(11 α)
— 14. ἐξήγαγε κύριος ἡμᾶς	(11 α)	— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 15. ἐν τῷ διδόναι τὴν εἰσφορὰν κυρίῳ	(11 α)
— 15. Β πᾶν πρωτότοκον τῷ κ.	(11 α)	— 11. καταβήσεται κύριος	(11 α)	— 16. μνημόσυνον ἔναντι κυρίου	(11 α)
— 15. Β τὰ ἀρσενικά τῷ κ. [Α Β om. τῷ κ.]	—	— 20. κατέβη δὲ κύριος	(11 α)	— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 16. ἐξήγαγέ σε κύριος	(11 α)	— 20. ἐκάλεσε κύριος Μ.	(11 α)	— 20. καὶ ἀναφέρειν . . . κυρίῳ [Α τῷ κ.]	(11 α)
— 19. ἐπισκέψεται ὑμᾶς κύριος	(8)	— 22. οἱ ἐγγίζοντες κ. [Α om.] τῷ θεῷ	(18 α)	— 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 22. μὴ ποτε ἀπαλλάξῃ ἀπ' αὐτῶν κύριος	(11 α)	— 34. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 4. ἐγὼ εἰμι κύριος	(11 α)	[Α πληθὺς]	(11 α)	— 37. ἀγίασμα ἔσται ὑμῖν κυρίῳ	(11 α)
— 8. ἐσκληρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ.	(11 α)	— 24. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος	(11 α)	31. 1, 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 10. ἀνιέθουσιν δὲ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον	(11 α)	— 24. μὴ ποτε ἀπολέσῃ ἀπ' αὐτῶν κύριος	—	— 13. ἐγὼ κύριος ὁ ἀγιάζων ὑμᾶς	(11 α)
— 13. Β τὴν σωτηρίαν τὴν παρὰ τοῦ κ. [Α Β θεοῦ]	(11 α)	20. 1. ἐλάλησε κύριος [Α add. πρὸς Μ.]	(8)	— 14. Β ἄγιον τοῦτο ἔστι κυρίου [Β -φ] ὑμῖν	(11 α)
— 14. κύριος πολέμησε περὶ ὑμῶν	(11 α)	— 2. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός σου	(11 α)	[Α al.]	—
— 15. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 5. ἐγὼ γὰρ εἰμι κ. ὁ θεός σου	(11 α)	— 15. ἀνάπαυσίς ἀγία τῷ κ.	(11 α)
— 18. ἐγὼ εἰμι κύριος	(11 α)	— 7. τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ σου	(11 α)	— 17. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρανόν	(11 α)
— 21. ὑπάγαγε κύριος τὴν θάλασσαν	(11 α)	— 7. οὐ γὰρ μὴ καθάρισθ κ. ὁ θεός σου [Α om. ὁ θ. σ.]	(18 α)	— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 24. καὶ ἐπέβλεψε κύριος	(11 α)	— 10. σάββατα κ. [Α om.] τῷ θεῷ σου	(11 α)	— 11. ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [Α al.]	(11 α)
— 25. ὁ γὰρ κ. πολεμεί	(11 α)	— 11. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρανόν	(11 α)	— 11. ἴνα τί, κύριε, θυμοὶ ὀργῇ	(11 α)
— 26. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 12. εὐλόγησε κύριος τὴν ἡμέραν τὴν ἐβδ.	(11 α)	— 14. ἰδοὺς θεὸς κύριος	(11 α)
— 27. ἐξετίναξε κύριος τοὺς Ἀγ.	(11 α)	— 12. ἦς κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι	(11 α)	— 22. μὴ ὀργίζου, κύριε	(1)
— 30. ἐρρύσατο κύριος τὸν Ἰσρ.	(11 α)	— 22. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 26. τίς πρὸς κύριον	(11 α)
— 31. ἃ ἐποίησε κυριοὺς τοὺς Ἀγ.	(11 α)	21. 4. ἐὰν δὲ ὁ κ. δῶ αὐτῷ γυναῖκα	(2)	— 27. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ.	(11 α)
— 31. ἐφοβήθη δὲ ὁ λαὸς τὸν κ.	(11 α)	— 4. ἡ γυνὴ . . . ἔσται τῷ κ. αὐ.	(1)	— 29. ἐπληρώσατε . . . κυρίῳ [Α τῷ κ.]	(11 α)
15. 1. ἃ ἴσε Μ. . . τῷ κ. [Β θεῷ]	(11 α)	— 5. ἡγάπηκα τὸν κ. μου	(1)	— 31. ὑπέστρεψε [Α ἐπ.] δὲ Μ. πρὸς κύριον	(11 α)
— 1. ἄσωμεν τῷ κ.	(11 α)	— 6. προσάξει αὐτὸν ὁ κ. αὐτοῦ	(2)	— 31. δέομαι, κύριε	—
— 3. κ. συντηρίσων πολέμους κύριος ὄνομα αὐτῷ	(11 α, 11 α)	— 6. τρυπήσει ὁ κ. αὐτοῦ τὸ οὖς	(2)	— 33. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 6. ἡ δεξιὰ σου, κύριε, δεδοῦσται	(11 α)	— 8. ἐὰν μὴ εὐαρεστήσῃ τῷ κ. αὐτῆς	(1)	— 35. ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν	(11 α)
— 6. ἡ δεξιὰ σου χεῖρ, κύριε, ἔθραυσεν ἐχθρούς [11 α]	(11 α)	— 8. οὐ κύριός ἐστι πωλεῖν αὐτήν	(18)	33. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 11. τίς ὁμοῖός σοι ἐν θεοῖς, κύριε	(11 α)	— 28. ὁ δὲ κ. τοῦ ταύρου ἀθῶς ἔσται	(7)	— 5. εἶπε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ.	(11 α)
— 16. ἔως ἂν παρὼλθῃ ὁ λαός σου, κύριε [Β <sup>1</sup> om.]	(11 α)	— 29. διαμαρτυρῶνται τῷ κ. αὐ.	(7)	— 7. πᾶς ὁ ζητῶν κύριον	(11 α)
— 17. ὁ καταρτίσω [Α -ηγάσω], κύριε, ἀγίασμα, κύριε [Β <sup>1</sup> om. ὁ κ.], ὁ ἡτοιμάσαν	(11 α, 2)	— 29. ὁ κ. αὐτοῦ προσαποθαινείται	(7)	— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 18. κύριος [Α -ie] βασιλεύων τὸν αἰῶνα	(11 α)	— 32. ἀργυρίου . . . δώσει τῷ κ. αὐτῶν	(2)	— 12. εἶπε Μ. πρὸς κύριον	(11 α)
— 19. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς κύριος τὸ ὕδωρ	(11 α)	— 34. ὁ κ. τοῦ λαίκου ἀποστείλει	(7)	— 17. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 21. ἄσωμεν τῷ κ.	(11 α)	— 34. ἀργύριον δώσει τῷ κ. αὐτῶν	(7)	— 19. τῷ δνόματί μου κύριος [Α ὁ. κυρίου]	(11 α)
— 25. ἐβόησε δὲ Μ. πρὸς κύριον	(11 α)	— 36. διαμαρτυρημένοι ὡς τῷ κ. αὐτοῦ [Β <sup>1</sup> al.]	(7)	— 21. εἶπε κύριος	(11 α)
— 25. ἔδειξεν αὐτῷ κύριος ἔξυλον	(11 α)	22. 8 (7). προστελεῖται ὁ κ. τῆς οἰκίας	(7)	34. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 26. τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου	(11 α)	— 11 (10). οὗτος προσδέξεται ὁ κ. αὐτοῦ	(7)	— 4. καθότι συνέταξεν αὐτῷ κύριος	(11 α)
— 26. ἐγὼ γὰρ εἰμι κ. ὁ θεός σου [Α om. ὁ θ. σ.]	(18 α)	— 12 (11). ἀποστείλει τῷ κ. [Α πλησίον]	(7)	— 5. κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ	(11 α)
16. 3. πληγέντες ὑπὸ κυρίου	(11 α)	— 14 (13). ὁ δὲ κ. μὴ ἦ μετ' αὐτοῦ	(7)	— 6. ἐκάλεσε τῷ δνόματι κυρίου	(11 α)
— 4. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 15 (14). ἐὰν δὲ ὁ κ. ἦ μετ' αὐτοῦ	(7)	— 6. παρῆλθε κύριος πρὸς προσώπου αὐτοῦ	(11 α)
— 6. κύριος ἐξήγαγεν ὑμᾶς	(11 α)	— 20 (19). ὁ θυσιάζων . . . πλην κ. μόνω	(11 α)	— 6. Α ἐκίλευσε κύριος [Α om.], Κ. ὁ θεός	(11 α, 11 α)
— 7. ὤψασθε τὴν δόξαν κυρίου [Α τοῦ θεοῦ]	(11 α)	23. 17. ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου	(1)	— 9. συμπορευθῆτω ὁ κ. μου [Α σ. κ.]	(2)
— 7. Α ἐν τῷ εἰσακοῖσαι κ. [Β om.] τὸν γογγυσμὸν ὑμῶν	—	— 19. εἰσοίσεις εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου	(11 α)	— 10. εἶπε [Α <sup>2</sup> ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μ.	—
— 8. ἐν τῷ διδόναι κύριον . . . κρία	(11 α)	— 25. λατρεύσεις κ. τῷ θεῷ σου	(11 α)	— 10. ὀφεται . . . τὰ ἔργα κυρίου	(11 α)
— 8. διὰ τὸ εἰσακοῖσαι κύριον τὸν γογγυσμὸν ὑμῶν	(11 α)	24. 1. ἀνάβηθι πρὸς τὸν [Α om.] κ.	(11 α)	— 14. ὁ γὰρ κ. ὁ θεός . . . θεός ζηλωτῆς ἔστι	(18 α)
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη	(11 α)	— 3. οὐς ἐλάλησε κύριος	(11 α)	— 23. ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ.	(1 + 11 α)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 4. ἔγραψε Μ. πάντα τὰ ῥήματα κυρίου	(11 α)	— 24. ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου	(11 α)
— 12. ἐγὼ κ. ὁ θεός ὑμῶν	(11 α)	— 7. ὅσα ἐλάλησε κύριος	(11 α)	— 26. εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου	(11 α)
— 15. ὃν ἔδωκε κύριος ὑμῖν φαγεῖν	(11 α)	— 8. ἦς διετίτο κύριος	(11 α)	— 27. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)
— 16. ὁ συνέταξε κύριος	(11 α)	— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 28. ἦν ἐκεῖ Μ. ἐναντίον [Α -τι] κυρίου	(11 α)
— 23. Β εἶπε δὲ κύριος [Α R M.] πρὸς αὐτοὺς	—	— 16. ἐκάλεσε κύριος τὸν Μ.	—	— 32. ὅσα ἐνετείλατο [Α ἐλάλησεν] κύριος	(11 α)
— 23. ὁ ἐλάλησε κύριος	(11 α)	— 17. τὸ δὲ εἶδος τῆς δόξης κυρίου	(11 α)	— 34. εἰσπορευέτω Μ. ἔναντι κυρίου	(11 α)
— 23. ἀνάπαυσίς ἀγία τῷ κ.	(11 α)	25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 34. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος	—
— 25. ἔστι γὰρ σάββατα σήμερον τῷ κ.	(11 α)	27. 21. καύσει ἐναντίον [Α ἔναντι] κυρίου	(11 α)	35. 1. οὐς εἶπε κύριος	(11 α)
— 28. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	28. 12. Α ἀναλῆψεται Ἀ. . . ἔναντι κυρίου	(11 α)	— 2. ἀνάπαυσίς κυρίῳ [Α τῷ κ.]	(11 α)
— 29. ὁ γὰρ κ. ἔδωκεν ὑμῖν	(11 α)	— 3. μνημόσυνον ἔναντι κυρίου	(11 α)	— 3. ἐγὼ κύριος	—
— 32. ὁ συνέταξε κύριος	(11 α)	[Β om. ἔ. κ.]	(11 α, —)	— 4. ὁ συνέταξε κύριος	(11 α)
— 32. ὡς ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος	—	— 26 (30). Α R ὅταν εἰσπορεύηται . . . ἔναντι	(11 α)	— 5. ἀφαίρεμα κυρίῳ	(11 α)
— 34. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ.	(11 α)	[Β -τίον] κυρίου	(11 α)	— 5. οἴσουσι τὰς ἀπαρχὰς κυρίῳ	(11 α)
17. 1. διὰ ῥήματα κυρίου	(11 α)	— 26 (30). Α R οἴσει Ἀ. . . ἔναντι [Β -τίον] κ.	(11 α)	— 10. ὅσα συνέταξε κύριος	(11 α)
— 2. τί πειράζετε κύριον	(11 α)	— 31 (35). Α R εἰσώντι . . . ἔναντι [Β -τίον] κ.	(11 α)	— 21. ἦνεγκαν ἀφαίρεμα κυρίῳ	(11 α)
— 4. ἐβόησε δὲ Μ. πρὸς κύριον	(11 α)	— 32 (36). ἀγίασμα κυρίου	(11 α)	— 23 (22). ἦνεγκαν ἀφαίρεματα . . . κυρίῳ	(11 α)
— 5. εἶπε κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 34 (38). δεκτὸν αὐτοῖς ἔναντι κυρίου	(11 α)	— 24. τὰ ἀφαίρεματα κυρίῳ	(11 α)
— 7. διὰ τὸ πειράζειν κύριον	(11 α)	29. 10. ἐπιθήσουσιν . . . ἔναντι κυρίου	—	— 29. ὅσα συνέταξε κύριος	(11 α)
— 7. εἰ ἔστι κύριος ἐν ἡμῖν	(11 α)	— 11. Β σφάζεις . . . ἔναντι κυρίου	(11 α)	— 29. ἦνεγκαν . . . ἀφαίρεμα κυρίῳ	(11 α)
— 14. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ.	(11 α)	— 18. Α R ὀλοκαύτωμα τῷ [Β om.] κ.	(11 α)	36. 1, 5. ὅσα συνέταξε κύριος	(11 α)
		— 18. Α B <sup>2</sup> θυσιασμα [Β <sup>1</sup> R θυμίαμα] κυρίῳ	(11 α)	— 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39. 21), 34 (39. 26). καθὰ συνέταξε κύριος	(11 α)
		— 23. τῶν προτεθειμένων ἔναντι κυρίου	(11 α)	— 37 (39. 29). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος	(11 α)
				τῷ Μ.	(11 α)
				— 39 (39. 30). ἀγίασμα κυρίῳ	(11 α)

Ex. 36. 40 (39. 31). ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 37 (38). 22. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 38. 27 (40. 32). καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 39. 11 (32). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 12 (32). εἰς τὸ λειτουργεῖν . . . ἔναντι κυρίου — (11 α)  
 — 22 (42). ὅσα συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 23 (43). ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 40. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 α)  
 — 16. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ [Δ συνέταξεν] κύριος (11 α)  
 — 19. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 21. ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 23. προσέθηκεν . . . ἄρτους . . . ἔναντι [Δ -ιον] κυρίου (11 α)  
 — 23. ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 25. ἐπέθηκε τοὺς λύχνους αὐτῆς ἔναντι [Δ -ιον] κυρίου ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α, 11 α)  
 — 27. καθάπερ [Δ ὁν τρόπον] συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 34, 35. δόξατε κυρίου ἐπλήσθη ἡ σκηνή (11 α)  
 Le. 1. 1. ἐλάλησε κύριος αὐτῷ (11 α)  
 — 2. ἐὰν προσαγγῇ [Δ -φέρῃ] δῶρα τῷ κ. (11 α)  
 — 3. προσοίσει αὐτὸ . . . ἑναντίον [Δ -τι] κυρίου (11 α)  
 — 5. σφάζουσιν τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 9. ὁσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 α)  
 — 10. τὸ δῶρον αὐτοῦ τῷ κ. — (11 α)  
 — 11. σφάζουσιν αὐτὸ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 13. ὁσμὴ εὐωδίας τῷ [Δ om.] κ. (11 α)  
 — 14. δῶρον τῷ κ. (11 α)  
 — 17. ὁσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 α)  
 2. 1. θυσίαν τῷ κ. (11 α)  
 — 2. ὁσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 α)  
 — 3. ἀπὸ τῶν θυσιῶν κυρίου (11 α)  
 — 4. θυσίαν . . . δῶρον κυρίῳ — (11 α)  
 — 6. θυσία ἐστὶ κυρίῳ — (11 α)  
 — 8. ἣν ἂν ποιῇ ἐκ τούτων τῷ κ. (11 α)  
 — 9. κάρπωμα ὁσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (11 α)  
 — 10. ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 α)  
 — 11. ἣν ἂν προσφέρῃτε κυρίῳ (11 α)  
 — 11. κάρπωμα κυρίῳ δῶρον (11 α)  
 — 12. προσοίσετε αὐτὰ κυρίῳ (11 α)  
 — 12. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ — (11 α)  
 — 13. ὅλα διαθήκης κυρίου (θ)  
 — 13. προσοίσετε κυρίῳ τῷ θεῷ ὑμῶν ὅλας — (11 α)  
 — 14. θυσίαν πρωτογεννημάτων τῷ κ. (11 α)  
 — 14. χιθρα ἐρικτὰ τῷ κ. — (11 α)  
 — 16. κάρπωμα ἐστὶ κυρίῳ (11 α)  
 3. 1. τὸ δῶρον αὐτοῦ τῷ κ. — (11 α)  
 — 1. Α Β ἄμωμον προσάξει αὐτὸ ἔναντι [Β -ιον] κυρίου (11 α)  
 — 2. σφάζει αὐτὸ ἑναντίον κυρίου [Δ om. ε. κ.] — (11 α)  
 — 3. προσάξουσιν . . . κάρπωμα κυρίῳ (11 α)  
 — 5. κάρπωμα ὁσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (11 α)  
 — 6. θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 α)  
 — 7. προσάξει αὐτὸ ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 9. Β κάρπωμα τῷ κ. [Α Β θεῷ] (11 α)  
 — 11. ὁσμὴ εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (11 α)  
 — 12. προσάξει ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 13. σφάζουσιν αὐτὸ ἔναντι κυρίου — (11 α)  
 — 14. ἀνοίσει ἐπ' αὐτοῦ κάρπωμα κυρίῳ (11 α)  
 — 16. ὁσμὴ εὐωδίας τῷ κ. — (11 α)  
 — 16. πᾶν τὸ στέαρ τῷ κ. (11 α)  
 4. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 2. ἐὰν ἀμάρτη ἔναντι κυρίου — (11 α)  
 — 2. ἀπὸ τῶν προσταγμάτων κυρίου (11 α)  
 — 3. μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον τῷ κ. (11 α)  
 — 4. προσάξει τὸν μόσχον . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 4. ἐνιθήσει τὴν χεῖρα αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου — (11 α)  
 — 4. σφάζει τὸν μόσχον ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 6. προσάγει ἀπὸ τοῦ αἵματος . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 7. τοῦ θυσιαστηρίου . . . τοῦ ἑναντίον [Δ ἔναντι] κυρίου (11 α)  
 — 13. μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 α)  
 — 15. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μόσχου ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 15. Α Β Ἐ σφάζουσιν τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 17. βανί ἐπτάκις ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 18. ὁ ἔστιν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 22. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου τοῦ θεοῦ (11 α)

Le. 4. 24. οὐ σφάζουσιν τὰ ὀλοκαυτώματα ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 27. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 α)  
 — 31. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)  
 — 35. ἐπὶ τὸ ὀλοκαύτωμα κυρίου (11 α)  
 5. 6. περὶ ὧν ἐπλημμέλησε κυρίῳ (11 α)  
 — 7. οἵσει περὶ τῆς ἀμαρτίας αὐτοῦ . . . κυρίῳ (11 α)  
 — 12. ἐπιθήσει ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον . . . κυρίῳ (11 α)  
 — 14. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 15. καὶ ἀμάρτη ἀκουσίως ἀπὸ τῶν ὀγίων κυρίου (11 α)  
 — 15. οἵσει τῆς πλημμελείας αὐτοῦ τῷ κ. (11 α)  
 — 17. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 α)  
 — 19. ἐπλημμέλησε γὰρ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 6. 1 (5. 20). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 2 (5. 21). καὶ παρίδων παρίδῃ τὰς ἐντολάς κυρίου (11 α)  
 — 5 (5. 25). Α Β οἵσει κυρίῳ [Β τῷ κ.] κρινὼν (11 α)  
 — 6 (5. 26). ἐξιδάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 7 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 14 (7). ἣν προσάξουσιν αὐτὴν . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 15 (8). τὸ μνημόσυνον αὐτῆς τῷ κ. (11 α)  
 — 17 (10). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου — (11 α)  
 — 18 (11). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 α)  
 — 19 (12). Β ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 20 (13). Β ὁ προσοίσει κυρίῳ (11 α)  
 — 21 (14). Β εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)  
 — 24 (17). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 25 (18). σφάζουσιν . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 29 (22). Α Β ἅγια ἅγια ἐστὶ κυρίου [Β -φ] — (11 α)  
 — 32 (7. 2). σφάζουσιν . . . ἔναντι κυρίου — (11 α)  
 — 35 (7. 5). κάρπωμα τῷ κ. (11 α)  
 7. 1 (11). ἣν προσοίσει κυρίῳ (11 α)  
 — 4 (14). ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 α)  
 — 10 (20). οὐ ἐστὶ κυρίου (11 α)  
 — 11 (21). ὁ ἐστὶ κυρίου (11 α)  
 — 12 (22). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 15 (25). Β κάρπωμα κυρίου [Α Β -φ] (11 α)  
 — 18 (28). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 19 (29). Β ὁ προσφέρει θυσίαν σωτηρίου κυρίῳ [Δ -ιον, Β om.] οἵσει τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 α, 11 α)  
 — 20 (30). προσοίσει τὰ καρπώματα κυρίῳ (11 α)  
 — 20 (30). ἐπιθίει δῶμα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 25 (35). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 α)  
 — 25 (35). τοῦ Ιερατεῖον τῷ κ. (11 α)  
 — 26 (36). καθὰ ἐνετείλατο κύριος (11 α)  
 — 28 (38). ὁν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 — 28 (38). προσφέρει τὰ δῶρα αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 α)  
 8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 4. ὁν τρόπον συνέταξεν αὐτῷ κύριος (11 α)  
 — 5. ὁ ἐνετείλατο κύριος ποιῆσαι (11 α)  
 — 9. ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 — 13. καθάπερ [Α καθὰ] συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 17. ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 — 20 (21). κάρπωμα ἐστὶ τῷ κ. καθάπερ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 α, 11 α)  
 — 25 (26). ἀπὸ τοῦ κυνοῦ . . . τοῦ θντος ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 26 (27). ἀφαίρεμα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 27 (28). κάρπωμα ἐστὶ τῷ κ. (11 α)  
 — 28 (29). ἐπιθέμα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 28 (29). καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 — 34. ἡ ἐνετείλατο κύριος τοῦ ποιῆσαι (11 α)  
 — 35. φυλάξθε τὰ φυλάγματα κυρίου (11 α)  
 — 35. οὕτω γὰρ ἐνετείλατό μοι κύριος ὁ θεός — (11 α)  
 — 36. οὐδὲ συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 9. 2. προσένεγκε αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 4. εἰς θυσίαν σωτηρίου ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 4. σήμερον κυρίως ὀφείσεται ἐν ὑμῖν (11 α)  
 — 5. ἔστησαν ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 6. ὁ εἶπε κύριος (11 α)  
 — 6. ὀφείσεται ἐν ὑμῖν δόξα κυρίου (11 α)  
 — 7. καθάπερ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 — 10. ὁν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 — 21. ἀφαίρεμα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 21. ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ — (11 α)  
 — 23. ὥφθη ἡ δόξα κυρίου παντὶ τῷ λαῷ (11 α)  
 — 24. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (11 α)  
 10. 1. προσήνεγκαν ἔναντι κυρίου πῦρ ἀλλότριον ὃ οὐ προσέταξε κύριος αὐτοῖς (11 α, —)

Le. 10. 2. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 2. καὶ ἀπέθανον ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 3. ὁ εἶπε κύριος (11 α)  
 — 6. ὁν ἐνεπυρίσθησαν ὑπὸ κυρίου (11 α)  
 — 7. τὸ ἔλαιον γὰρ τῆς χρίσεως τὸ παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 8. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἀαρὼν (11 α)  
 — 11. ὁ ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτούς (11 α)  
 — 12, 13. ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 α)  
 — 15. ἀφορίσαι ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 15. ὁν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ (11 α)  
 — 17. καὶ ἐξιδάσθη περὶ αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 18. ὁν τρόπον μοι συνέταξε κύριος — (11 α)  
 — 19. εἰ σήμερον προσαγγάσῃ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 19. μὴ ἀρεστὸν ἔσται κυρίῳ (11 α)  
 11. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 44. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 — 44. ἅγιος εἰμι ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν — (11 α)  
 — 45. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 α)  
 — 45. ἅγιος εἰμι ἐγὼ κύριος — (11 α)  
 12. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 7. προσοίσει ἔναντι κυρίου (11 α)  
 13. 1. 14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 14. 11. καὶ ταῦτα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 12. ἀφορίει αὐτὰ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 16. βανί [Δ -ιεί] . . . ἐπτάκις ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 18. ἐξιδάσεται . . . ὁ Ιερεὺς ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 20. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον ἔναντι [Β' ἀπέν.] κυρίου — (11 α)  
 — 23. προσοίσει αὐτὰ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 24. ἐπιθήσει αὐτὰ ἐπιθέμα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 27. βανί ὁ Ιερεὺς . . . ἐπτάκις ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 29. ἐξιδάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 31. ἐξιδάσεται ὁ Ιερεὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 33. 15. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 15. 14. οἵσει αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 15. 30. ἐξιδάσεται . . . ὁ Ιερεὺς ἔναντι κυρίου (11 α)  
 16. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 1. ἐν τῷ προσάγειν αὐτοὺς πῦρ ἀλλότριον ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 7. στήσει αὐτοὺς ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 8. κλῆρον ἕνα τῷ κ. (11 α)  
 — 9. ἐπλήθυν ἐπ' αὐτὸν ὁ κλῆρος τῷ κ. (11 α)  
 — 10. στήσει αὐτὸν ζῶντα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 12. ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου τοῦ ἀπέναντι κυρίου (11 α)  
 — 13. ἐπιθήσει τὸ θυμίαμα . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 15. σφάζει τὸν χίμαρον . . . ἔναντι κυρίου — (11 α)  
 — 18. τὸ θυσιαστήριον τὸ ὃν ἀπέναντι κυρίου (11 α)  
 — 30. καθαρῶσαι ὑμᾶς . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 34. καθὰ [Δ Β' καθάπερ] συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 17. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 2. ἐνετείλατο κύριος (11 α)  
 — 4. ἡ σωτηρίου κυρίῳ [Δ -ιον] δεκτόν — (11 α)  
 — 4. Α Β ὥστε μὴ [Β om.] προσένεγκα δῶρον κυρίῳ ἀπέναντι τῆς σκηνῆς κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 5. καὶ οἴσουσι τῷ κ. (11 α)  
 — 5. θύσουσι θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. αὐτὰ (11 α)  
 — 6. προσχεεὶ ὁ Ιερεὺς . . . ἀπέναντι κυρίου (11 α)  
 — 6. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)  
 — 9. ποιῆσαι αὐτὸ τῷ κ. (11 α)  
 18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 2. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 — 5. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)  
 — 6, 21. ἐγὼ κύριος (11 α)  
 — 30. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσὴν (11 α)  
 — 2. ἅγιος ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 — 3. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 — 5. θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 α)  
 — 8. τὰ ἅγια κυρίου ἐβεβήλωσε (11 α)  
 — 10. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 — 12. ἐγὼ εἰμι [Δ om.] κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)  
 — 14. φοβήσῃτε κύριον τὸν θεόν σου (18 δ)  
 — 14, 16. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)  
 — 18. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 α)  
 — 21. προσάξει τῆς πλημμελείας αὐτοῦ τῷ κ. (11 α)  
 — 22. ἐξιδάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 23. ἣν κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν [Β' om.] δίδωσιν ὑμῖν — (11 α)

Le. 19. 24. ἔσται πᾶς ὁ καρπὸς αὐτοῦ ἅγιος αἰ- νετός τῷ κ. (11 α)	Le. 23. 43. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	Nu. 5. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 25. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 44. ἐλάλησε Μωυσὴς τὰς ἐορτὰς κυρίου (11 α)	— 4. καθὼς ἐλάλησε κύριος Μωυσὴ [Δ τῷ Μ.] (11 α)
— 28. ἐγὼ εἰμι [Δ. ομ.] κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)	24. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 30. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 α)	— 3. καύσουσιν αὐτὸν [Β' -ὤν] . . . ἐνώπιον κυρίου (11 α)	— 8. τὸ πλημμελὲς ἀπὸ διδουμένου κυρίῳ [Δ τῷ κ.] (11 α)
— 31. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 4. καύσετε τοὺς λύχνους ἔναντι κυρίου (11 α)	— 9. Α Β ὅσα ἐὰν προσφέρωσι κυρίῳ [Β τῷ κ.] -
— 32. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)	— 6. ἐπιθήσετε αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 α)	— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 34, 36. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 7. εἰς ἀνίμνησιν προκειμένα τῷ κ. (11 α)	— 16. στήσει αὐτὴν ἔναντι κυρίου (11 α)
— 37. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)	— 8. προσθήσεται ἔναντι κυρίου (11 α)	— 18. στήσει ὁ ἱερεὺς τὴν γυναῖκα ἔναντι κυρίου (11 α)
20. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 9. ἀπὸ τῶν θυσιαζομένων τῷ κ. (11 α)	— 21. δῆψε σε κύριος ἐν ἁρῇ (11 α)
— 7. ἅγιος ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν [Δ. αἰ.] (11 α)	— 12. διὰ προσταγμάτων κυρίου (11 α)	— 21. ἐν τῷ δούναί κυρίον τὸν μηρόν σου (11 α)
— 8. ἐγὼ κ. [Δ. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν] ὁ ἀγιάζων ὑμᾶς (11 α [18 α])	— 13. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 25. ἐπιθήσει τὴν θυσιάν ἔναντι κυρίου (11 α)
— 24. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 16. ὀνομάζων δὲ τὸ ὄνομα κυρίου -	— 30. στήσει τὴν γυναῖκα αὐτοῦ ἔναντι κυρίου (11 α)
— 26. ἐγὼ ἅγιός εἰμι [Β' ομ.] κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)	— 22. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	6. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
21. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 23. Α Β' καθὰ [Β' Ε καθάπερ] συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)	— 2. ἀφαιρήσασθαι ἀγνίαν κυρίῳ (11 α)
— 6. τὰς γὰρ θυσίας κυρίου . . . προσφέρουσιν (11 α)	25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 6. πᾶσας τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς κυρίῳ [Β τῷ κ.] (11 α)
— 7. ἅγιος ἐστὶ κυρίῳ τῷ [Δ. ομ.] θεῷ αὐτοῦ (18 β)	— 2. ἦν ἐγὼ δίδωμι ὑμῖν σάββατα τῷ κ. (11 α)	— 8. ἅγιος ἐστὶ κυρίῳ (11 α)
— 8. Α Β τὰ δῶρα κ. τοῦ [Β. ομ.] θεοῦ ὑμῶν οὗτος προσφέρει (18 β)	— 4. σάββατα τῷ κ. (11 α)	— 12. ἡ ἡγιασθὴ [Δ. ἡγιασεν] κυρίῳ [Β τῷ κ.] (11 α)
— 8. ἅγιος ἐγὼ κ. ὁ ἀγιάζων αὐτούς (11 α)	— 17. φοβήθησιν κύριον τὸν θεόν σου (18 β)	— 14. προσάξει τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 α)
— 12. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 17. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 16. προσοίσει ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (11 α)
— 15. ἐγὼ κ. ὁ ἀγιάζων αὐτὸν (11 α)	— 36. ἐγὼ κύριος -	— 17. Α Β ποιήσει θυσίαν σωτηρίου κυρίῳ [Β τῷ κ.] (11 α)
— 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 38. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 20. ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 α)
— 23. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ ἀγιάζων αὐτούς (11 α)	— 43. φοβήθησιν κ. τὸν θεόν σου (18 β)	— 21. δε ἀν εὐξήται κυρίῳ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (-, 11 α)
— 24. Α Β' ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. καὶ 'Α. [Β' Ε. Μ. πρ. 'Α.] †	26. 1 (25. 35). ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
22. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 1. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 27. ἐγὼ κύριος εὐλογησάτω αὐτούς -
— 2. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 2. ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)	— 24. εὐλογησάτω σε κύριος (11 α)
— 3. ὅσα ἀν ἐλάζωσιν οἱ υἱοὶ 'Ισραὴλ τῷ κ. (11 α)	— 13. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 25. ἐπιφάσκει κύριος τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπὶ σέ (11 α)
— 3. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α)	— 44. ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 α)	— 26. ἐπάροι κύριος τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπὶ σέ (11 α)
— 8. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 45. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 α)	7. 3. ἤνεγκαν τὸ δῶρον [Δ τὰ δ.] αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 α)
— 9. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὁ ἀγιάζων αὐτούς (18 α)	— 46. ὃν ἴδωκε κύριος (11 α)	— 4. 11. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 15. ὁ αὐτοὶ ἀφαιροῦσι [Δ. προσφέρουσιν] τῷ κ. (11 α)	27. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 89. ἤκουσε τὴν φωνὴν κυρίου -
— 16. ἐγὼ κ. ὁ ἀγιάζων αὐτούς (11 α)	— 2. δε ἀν εὐξήται εὐχὴν . . . τῷ κ. (11 α)	8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 9. ἐὰν δε ἀπὸ τῶν κτηνῶν . . . δῶρον τῷ κ. (11 α)	— 3. Α Β' καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)
— 20. οὐ προσάξουσιν κυρίῳ -	— 11. ἀφ' ὧν οὐ προσφέρεται . . . δῶρον τῷ κ. (11 α)	— 4. ὁ εἶδε κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)
— 21. δε ἀν προσενέγκῃ θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 α)	— 14. δε ἀν ἀγίασῃ τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἁγίαν τῷ κ. (11 α)	— 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 22. Β οὐ προσάξουσιν ταῖτα [Δ' αὐτὰ] τῷ κ. (11 α)	— 16. ἐὰν δε ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ . . . ἀγίασῃ ἀνθρώπων τῷ κ. (11 α)	— 10. προσάξει τοὺς λευίτας ἔναντι κυρίου (11 α)
— 22. Α Β' οὐ ὀύσεται ἀπ' αὐτῶν . . . τῷ κ. (11 α)	— 21. ἔσται ὁ ἀγρός . . . ἅγιος τῷ κ. (11 α)	— 11. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου (11 α)
— 24. οὐ προσάξει αὐτὰ τῷ κ. (11 α)	— 2. ἐὰν δε ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ . . . ἀγίασῃ τῷ κ. (11 α)	— 11. ὥστε ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα κυρίου (11 α)
— 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 23. ἀποδώσει τὴν τιμὴν . . . ἁγίον τῷ κ. (11 α)	— 12. τὸν ἐὰν εἰς ὀλοκαύτωμα κυρίῳ (11 α)
— 27. δεχθήσεται . . . κίρπωμα κυρίῳ (11 α)	— 26. πᾶν πρωτότοκον . . . ἔσται τῷ κ. (11 α)	— 13. στήσει τοὺς λευίτας ἔναντι κυρίου -
— 29. ἐὰν δε θύσῃς θυσίαν . . . κυρίῳ (11 α)	— 26. τῷ κ. ἐστὶν (11 α)	— 13. ἀπόδομα ἔναντι [Δ. ομ.] κυρίου [Δ. φ.] (11 α)
— 30. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 α)	— 28. ὁ ἐὰν ἀναθῇ ἀνθρώπος τῷ κ. (11 α)	— 15. ἀποδώσει αὐτοὺς ἔναντι κυρίου †
— 32. ἐγὼ κ. ὁ ἀγιάζων ὑμᾶς (11 α)	— 28. πᾶν ἀνέθεμα ἁγίων ἁγίων ἔσται τῷ κ. (11 α)	— 20. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)
— 33. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 30. πᾶσα δικάτη . . . τῷ κ. ἐστὶν ἅγιον τῷ κ. (11 α, 11 α)	— 21. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου (11 α)
23. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 32. τὸ δίκαιον ἔσται ἅγιον τῷ κ. (11 α)	— 22. καθὰ [Β' καθὼς] συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)
— 2. αἱ ἐορταὶ κυρίου . . . αὐτὰ εἰσιν (11 α)	— 34. ἅς ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)	— 23: 9. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 3. κλητὴ ἁγία τῷ κ. -	Nu. 1. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	9. 5. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)
— 3. σάββατα ὅσα τῷ κ. (11 α)	— 19. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)	— 7. προσενέγκαι τὸ δῶρον κυρίῳ (11 α)
— 4. αὐταὶ αἱ ἐορταὶ τῷ κ. (11 α)	— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 8. τί ἐντελείτω κύριος περὶ ὑμῶν (11 α)
— 5. πᾶσχα τῷ κ. (11 α)	— 53. Β' παρεμβάλετοσαν ἐναντίον κυρίου [Α Β' ἐναντίον] -	— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 6. ἐορτὴ τῶν ἀλύμων τῷ κ. (11 α)	— 54. ἃ [Δ. ὅσα] ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)	— 10. ποιήσει τὸ πᾶσχα κυρίῳ [Δ. τῷ κ.] (11 α)
— 8. προσάξετε ὀλοκαύτωμα τῷ κ. (11 α)	2. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 13. τὸ δῶρον κυρίῳ [Δ. οὐ] οὐ προσήνεγκε (11 α)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 2. Α παρεμβάλετοσαν . . . ἐναντίον κυρίου [Β ἐναντίον] -	— 14. καὶ ποιήσει τὸ πᾶσχα κυρίῳ (11 α)
— 11. ἀνοίσει τὸ δράγμα ἔναντι κυρίου (11 α)	— 33. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)	— 18. διὰ προσταγμάτων κυρίου παρεμβα- λοῦσιν (11 α)
— 12. εἰς ὀλοκαύτωμα τῷ κ. (11 α)	— 34. ὅσα συνέταξε [Δ. καθὰ ἐνετείλατο] κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)	— 18. διὰ φωνῆς κυρίου παρεμβάλοισι καὶ διὰ προσταγμάτων κυρίου ἀπαροῦσι [Δ ἐξαρ.] (11 α, 11 α)
— 13. θυσία τῷ κ. ὁσμὴ εὐωδίας κυρίῳ [Δ. τῷ κ.] (11 α, -)	8. 1. ἐν ἡ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)	— 23. διὰ προσταγμάτων κυρίου ἀπαροῦσι τὴν φυλακὴν κυρίου ἐφύλαξαντο [Β' ἦν ἐφ.] διὰ προσταγμάτων κυρίου (11 α, 11 α)
— 16. προσοίσετε θυσίαν νέαν τῷ κ. (11 α)	— 4. ἐτελείετο Ν. καὶ 'Α. ἔναντι κυρίου προσφερόντων αὐτῶν . . . ἔναντι κυρίου (11 α, 11 α)	10. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 17. πεφθίσονται πρωτογεννημάτων τῷ κ. (11 α)	— 5, 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 9. ἀναμνησθήσεσθε ἔναντι κυρίου (11 α)
— 18. ἔσονται ὀλοκαύτωμα τῷ κ. (11 α)	— 13. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 10. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)
— 18. ὁσμον εὐωδίας τῷ κ. (11 α)	— 14. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 13. ἐξήραν πῶτον διὰ φωνῆς κυρίου (11 α)
— 20. ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 α)	— 16. διὰ φωνῆς κυρίου ὃν τρόπον [Δ. καθὰ] συνέταξεν αὐτοὺς κύριος (11 α, -)	— 29. εἰς τὸν τύπον ὃν εἶπε κύριος (11 α)
— 20. ἅγια ἔσονται τῷ κ. (11 α)	— 39. διὰ φωνῆς κυρίου (11 α)	— 29. κύριος ἐλάλησε κατὰ περὶ 'Ισραὴλ (11 α)
— 22. ἐγὼ κ. ὁ [Δ. ομ.] θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 40. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 32. ὅσα [Δ. ὃ] ἀν ἀγαθοποίησιν κύριος ἡμᾶς (11 α)
— 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 41. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 33. ἐξήραν ἐκ τοῦ ὄρου κυρίου (11 α)
— 25. προσάξετε ὀλοκαύτωμα κυρίῳ [Δ. τῷ κ.] (11 α)	— 42. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος [Δ. κ. αὐτῷ] (11 α)	— 33. ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)
— 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 44. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 35. ἐξεγέρθητι [Β' ἐγ.] κύριε (11 α)
— 27. προσάξετε ὀλοκαύτωμα τῷ κ. (11 α)	— 45. ἐγὼ κύριος (11 α)	— 36. ἐπιστρέψε, κύριε, χιλιᾶδας μυριάδας (11 α)
— 28. ἐξιδύασθαι . . . ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)	— 45. διὰ φωνῆς κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α, 11 α)	11. 1. γογγύζων ποιητὰ ἔναντι κυρίου (11 α)
— 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	4. 1, 17, 21. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 1. καὶ ἤκουσε κύριος (11 α)
— 34. ἐορτὴ σκηνῶν ἐπτά ἡμέρας τῷ κ. (11 α)	— 37, 41, 45. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μωυσὴ (11 α)	— 1. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς πῦρ παρὰ κυρίου (11 α)
— 36. προσάξετε ὀλοκαύτωμα τῷ κ. (11 α)	— 49. διὰ φωνῆς κυρίου ἐπεσκέψατο (11 α)	— 2. ἤξαστο Μωυσὴς πρὸς κύριον (11 α)
— 36. προσάξετε ὀλοκαύτωμα κυρίῳ [Δ. τῷ κ.] (11 α)	— 49. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσὴ (11 α)	
— 37. αὐταὶ αἱ ἐορταὶ κυρίῳ [Δ. τῷ κ.] (11 α)		
— 37. ὥστε προσενέγκαι καρπώματα τῷ κ. (11 α)		
— 38. πλὴν τῶν σαββάτων κυρίου (11 α)		
— 38. ἃ ἂν δότε τῷ κ. (11 α)		
— 39. ἐορτάσατε τῷ κ. ἐπτά ἡμέρας (11 α)		
— 40. εὐφρανθήτω ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)		

Nu. 11. 3. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς παρὰ [Δ Β <sup>1</sup> πύρ π.] κυρίου (11 α)	Nu. 15. 35. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	Nu. 21. 14. πόλεμος τοῦ [Α. om.] κ. τὴν Ζ. ἐφλόγι- (11 α)
— 10. ἐθυμώθη ὁργὴ κύριος σφόδρα (11 α)	— 36. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μ. [Δ al.] (11 α)	— 16. δ. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς κύριον (11 α)	— 37. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 34. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 α)
— 16. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 39. μνηστῆσθε πασῶν τῶν ἐντολῶν κυ- (11 α)	22. 8. δ. ἂν λαλήσῃ κύριος πρὸς μέ (11 α)
— 18. ἐκλαύσατε ἔναντι κυρίου (11 α)	— 41 bis. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)	— 13. ἀποτρέχετε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν + (11 α)
— 18. ὁσάκις κύριος ὑμῖν κρέα φαγέτω (11 α)	16. 3. καὶ ἐν αὐτοῖς κύριος (11 α)	— 18. παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου τοῦ θεοῦ (11 α)
— 20. ἠπειθήσατε κυρίῳ (11 α)	— 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συναγωγὴν (11 α)	— 19. τί προσθήσει κύριος λαλήσαι (11 α)
— 21. Α <sup>1</sup> εἶπε Μωυσῆς [Β <sup>1</sup> add. πρὸς κύριον] — (11 α)	— 7. ἐπίθετε ἐπ' αὐτὰ θυμίαμα ἔναντι κυρίου (11 α)	— 31. ὁρᾷ τὸν ἀγγελον κυρίου [Α. τοῦ θεοῦ] (11 α)
— 23. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν, Μὴ χεῖρ (11 α)	— 7. ὃν ἐκέλευται [Β <sup>1</sup> -λέγεται, Δ. ἂν ἐκέλε- (11 α)	— 34. εἶπε Βαλαάμ τῷ ἀγγέλῳ κυρίου (11 α)
— 24. καὶ ἐλάλησε . . . τὰ ῥήματα κυρίου (11 α)	— 9. τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς κυρίου (11 α)	23. 8. ὃν μὴ ἀράται κύριος [Α. ὁ κ.] (4 α)
— 25. Α κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ καὶ ἐλάλησε (11 α)	— 15. καὶ εἶπε πρὸς κύριον (11 α)	— 17. τί ἐλάλησε κύριος (11 α)
κύριος [Β. om.] πρὸς αὐτὸν (11 α, -)	— 16. γίνεσθε ἑτοίμοι ἔναντι κυρίου (11 α)	— 21. κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 α)
— 28. κύριε [Α. κ. μου] Μωυσῆ, κάλυσον αὐτοὺς (11 α)	— 17. Α <sup>2</sup> Β προσάξετε ἔναντι κυρίου (11 α)	24. 1. καλὸν ἐστὶν ἐναντίον κυρίου (11 α)
— 29. τίς ὅψῃ πάντα τὸν λαὸν κυρίου προφή- (11 α)	— 19. ὥφθη ἡ δόξα κυρίου (11 α)	— 6. ἃς ἐπῆξε κύριος (11 α)
τας ὅταν ὁφ. κύριος τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (11 α)	— 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 11. ἐστέρησέ σε κύριος τῆς δόξης (11 α)
— 31. πνεῦμα ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (11 α)	— 22. ἐπὶ πᾶσαν τὴν συναγωγὴν ὁργὴ κυρίου (11 α)	— 13. παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)
— 33. κύριος ἐθυμώθη εἰς τὸν λαὸν [Β <sup>1</sup> λ. (11 α)	— 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	25. 3. ὀργισθὴ θυμῷ κυρίου τῷ Ἰσρ. (11 α)
αὐτοῦ] καὶ ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν (11 α)	— 28. κύριος ἀπέστειλέ με (11 α)	— 4. εἶπε κύριος τῷ Μ. [Α. πρὸς Μ.] (11 α)
[Α. ἐν τῷ λ.] (11 α, 11 α)	— 29. οὐχὶ κύριος ἀπέσταλκέ με (11 α)	— 4. παραδειγματίσων αὐτοὺς κυρίῳ [Α. τῷ κ.] (11 α)
12. 2. μὴ Μωυσῆ μόνῳ λελάληκε κύριος (11 α)	— 30. ἐν φάσματι δείξει κύριος (11 α)	— 4. ἀποστραφῆσεται ὁργὴ θυμοῦ [Β <sup>1</sup> om.] (11 α)
— 2. καὶ ἤκουσε κύριος (11 α)	— 30. παρώξυναν οἱ ἄνθρωποι αὐτοὺς τὸν κ. (11 α)	— 10, 16; 28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 4. εἶπε κύριος παραχρήμα [Β <sup>1</sup> om.] πρὸς Μ. (11 α)	— 35. πύρ ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (11 α)	26. 4. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 α)
— 5. κατέβη κύριος ἐν στήλῃ νεφέλης (11 α)	— 36 (17. 1). εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 9. ἐν τῇ ἐπιστολάσῃ κυρίου (11 α)
— 6. ἂν γένηται προφήτης ὑμῶν κυρίῳ [Β <sup>1</sup> -ου] (11 α)	— 38 (17. 3). προσνεχθῆσαν ἔναντι κυρίου (11 α)	— 52. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 8. τὴν δόξαν κυρίου [Α. μου] εἶδε (11 α)	— 40 (17. 5). ἐπιτίθειναι θυμίαμα ἔναντι κυρίου (11 α)	— 61. ἐν τῷ προσφῆρῃ αὐτοῦ . . . ἔναντι (11 α)
— 9. ὁργὴ θυμοῦ κυρίου ἐπ' αὐτοὺς (11 α)	— 40 (17. 5). καθὰ ἐλάλησε κύριος (11 α)	κύριον (11 α)
— 11. δέομαι, κύριε (11 α)	— 41 (17. 6). ὑμεῖς ἀπεκτάγκατε τὸν λαὸν κυ- (11 α)	— 65. εἶπε κύριος [Α. om.] αὐτοῖς [Β <sup>1</sup> -ψ] (11 α)
— 13. ἐβόησε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 α)	— 42 (17. 7). ὥφθη ἡ δόξα κυρίου (11 α)	27. 3. τῆς ἐπιστολάσας ἔναντι κυρίου (11 α)
— 14. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 44 (17. 9). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 4 (5). προσήγαγε Μ. τὴν κρίσιν αὐτῶν (11 α)
13. 2 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 46 (17. 11). ἐξῆλθε γὰρ ὁργὴ [Α <sup>1</sup> om.] ἀπὸ (11 α)	— 5 (6). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 4 (3). ἐξασπίτετε [Α. απ.] αὐτοὺς . . . (11 α)	— 17. 1 (16). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 12. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 α)
διὰ φωνῆς κυρίου (11 α)	— 7 (22). ἀπέθηκε Μωυσῆς τὰς ῥάβδους ἔναντι (11 α)	— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
14. 3. ἴνα τί κύριος ἐισάγει ἡμᾶς (11 α)	κύριον (11 α)	— 15. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 α)
— 8. εἰ αἰρεῖται [Β. ἐρεθίζεται] ἡμᾶς κύριος (11 α)	— 9 (24). ἐξήνεγκε Μωυσῆς . . . ἀπὸ προσώ- (11 α)	— 16. ἐπισκεψάσθω κύριος . . . ἄνθρωπον (11 α)
— 9. ἀπὸ τοῦ κ. μὴ ἀποσταῖται γίνεσθε (11 α)	— 10 (25). εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 17. οὐκ ἔσται ἡ συναγωγὴ κυρίου ὡσεὶ (11 α)
— 9. ὁ δέ κ. ἐν ἡμῖν (11 α)	— 11 (26). καθὰ [Α. ὅσα] συνέταξε κύριος τῷ (11 α)	πρόβατα (11 α)
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὥφθη (11 α)	Μωυσῆ (11 α)	— 18. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 13 (28). πᾶς ὁ ἀπτόμενος τῆς σκηνῆς κυρίου (11 α)	— 21. ἐπερωτήσουσιν αὐτὸν . . . ἔναντι κυρίου (11 α)
— 13. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 α)	18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 α)	— 22. καθὰ ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 α)
— 14. σὺ εἰ κύριος ἐν τῷ λαῷ τούτῳ (11 α)	— 6. ὅσα δεδομένοις κυρίῳ (11 α)	— 23. κηδύπερ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 α)
— 14. ὅστις . . . ὁπαύει, κύριε (11 α)	— 8. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 α)	28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 16. παρὰ τὸ μὴ δύνασθαι κύριον ἐισαγαγεῖν (11 α)	— 12. ὅσα ἂν δώσω τῷ κυρίῳ (11 α)	— 3. ὅσα προσυῖτε κυρίῳ (11 α)
— 17. ὑψώθη ἡ ἰσχὺς [Α. χεῖρ] σου, κύριε (2)	— 13. ὅσα ἂν ἐνέγκωσι κυρίῳ (11 α)	— 6. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)
— 18. κύριος μακρόβουτος καὶ πολυνέλεος (11 α)	— 15. ὅσα [Β <sup>1</sup> δ] προσφύρονσι κυρίῳ (11 α)	— 7. σπείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (11 α)
— 20. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 17. κάρπωμα εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 8. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [Β <sup>1</sup> -ου] (11 α)
— 21. ἐμπλήρει ἡ δόξα κυρίου πᾶσαν τὴν γῆν (11 α)	— 19. ὅσα ἔαν ἀφέλῃσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. κυρίῳ (11 α)	— 11. προσάξετε ὀλοκαυτώματα τῷ [Α. om.] κ. (11 α)
— 26. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 19. διαθήκη αἰώνιου ὅσων ἔναντι κυρίου (11 α)	— 13. θυσίαν ὁσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (11 α)
— 28. ἔω ἐγὼ, λέγει κύριος (11 α)	— 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 α)	— 15. χίμαρον . . . ἔνα περὶ ἁμαρτίας κυρίῳ (11 α)
— 35. ἐγὼ κύριος ἐλάλησα (11 α)	— 24. ὅσα ἂν ἀφορίωσι κυρίῳ (11 α)	[Β <sup>1</sup> -ου] (11 α)
— 37. οἱ κατεῖπαντες . . . ἔναντι κυρίου (11 α)	— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 16. ἐν τῷ μνητῷ τῷ πρώτῳ . . . πάσχα κυρίῳ (11 α)
— 40. ἐν εἶπε κύριος (11 α)	— 26. ἀφελείτε . . . ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 α)	[Β <sup>1</sup> -ου, Α. om. π. κ.] (11 α)
— 41. ἴνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)	— 28. ἀπὸ πάντων τῶν ἀφαιρημάτων κυρίου (11 α)	— 19. προσάξετε ὀλοκαυτώματα κάρπωμα [Β <sup>1</sup> (11 α)
— 42. οὐ γὰρ ἐστὶ κύριος μεθ' ὑμῶν (11 α)	— 28. Α.Β. ἀφαίρεμα κυρίῳ [Β. om.] Ἀαρών (11 α)	-ματα] ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [Β <sup>1</sup> (11 α)
— 43. ἀπεστράφητε ἀπειθύνετε κυρίῳ (11 α)	τῷ Ιερεῖ (11 α)	-ιου] (11 α)
— 43. οὐκ ἔσται κύριος ἐν ὑμῖν (11 α)	— 29. ἀφελείτε ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 α)	— 26. ὅταν προσφύρητε θυσίαν νίαν κυρίῳ (11 α)
— 44. ἡ δὲ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)	19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 27. 2. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)
15. 1. εἶπε [Α. ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 2. ὅσα συνέταξε κύριος (11 α)	29. 6. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [Β <sup>1</sup> -ιου] (11 α)
— 3. ποιήσεις ὀλοκαυτώματα [Α. -σητε κάρπωμα] (11 α)	— 13. τὴν σκηνὴν κυρίου ἕμειναν (11 α)	— 8. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [Α. om.] καρπώ- (11 α)
— 3. Α.Β. ποιήσαι ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [Β. (11 α)	— 20. τὰ ἄγια κυρίου ἕμειναν (11 α)	ματα κυρίῳ [Α. om.] (11 α, ? -)
τῷ κ.] (11 α)	20. 3. ὅφελον ἀπεδόναμεν [Α. ἀπωλόμεθα] . . . (11 α)	— 11. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (11 α)
— 4. ὁ προσφύρων τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 α)	— 4. ἴνα τί ἀνηγάγετε τὴν συναγωγὴν κυρίου (11 α)	— 12. ἐορτάσατε αὐτὴν ἐορτὴν κυρίῳ [Β <sup>1</sup> -ιου] (11 α)
— 5. κάρπωμα ὁσμὴν εὐωδίας τῷ κ. (11 α)	— 6. ὥφθη ἡ δόξα κυρίου πρὸς αὐτοὺς (11 α)	— 13. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [Β <sup>1</sup> -ιου] (11 α)
— 7. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 36. Α.Β. καρπώματα κυρίῳ [Β <sup>2</sup> Β τῷ κ.] (11 α)
— 8. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 9. τὴν ῥάβδον τὴν ἀπέναντι κυρίου (11 α)	— 39. ταῦτα ποιήσετε κυρίῳ [Α. τῷ κ.] (11 α)
— 10. κάρπωμα ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 9. καθὰ συνέταξε κύριος (11 α)	30. 1. ὅσα [Α. δ] ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῆ (11 α)
— 13. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 2. δ. συνέταξε κύριος (11 α)
— 14. κάρπωμα ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 13. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 3. ὅς ἂν εὐξῆται εὐχὴν κυρίῳ [Α. τῷ κ.] (11 α)
— 14. οὕτως ποιήσει ἡ συναγωγὴ κυρίῳ (11 α)	— 16. ἀνιβεήσασμεν πρὸς κύριον (11 α)	— 4. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)
— 15. καὶ ὁ προσήλυτος ἔσται ἔναντι κυρίου (11 α)	— 16. εἰσῆκουσε κύριος τῆς φωνῆς ἡμῶν (11 α)	— 6, 9, 13. κύριος καθαρῶς αὐτὴν (11 α)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 23. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 17. ὅσα ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῆ (11 α)
— 19. ἀφαίρεμα ἀφόρισμα κυρίῳ [Α. τῷ κ.] (11 α)	— 27. καθὰ συνέταξε κύριος αὐτῷ [Β <sup>1</sup> om.] (11 α)	31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
— 21. δώσετε κυρίῳ ἀφαίρεμα (11 α)	21. 2. ᾗ ἔπατο Ἰσραὴλ εὐχὴν κυρίῳ (11 α)	— 3. παρατάξασθε ἔναντι κυρίου (11 α)
— 22. ἃς ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 3. εἰσῆκουσε κύριος τῆς φωνῆς Ἰσρ. (11 α)	— 3. ἀποδοῦναι ἐκδίκασιν παρὰ τοῦ κ. (11 α)
— 23. καθὰ συνέταξε κύριος πρὸς ὑμᾶς [Α. κ. (11 α)	— 6. ἀπέστειλε κύριος . . . τοὺς ὄφεις (11 α)	— 7. καθὰ ἐνετείλατο κύριος Μωυσῆ (11 α)
— 23. ἡς συνέταξε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 α)	— 7. κατελαλήσαμεν κατὰ τοῦ κ. (11 α)	— 16. καὶ ὑπεριδεῖν τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)
— 24. εἰς ὁσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 α)	— 7. εὐξία οὖν πρὸς κύριον (11 α)	— 16. ἐγένετο ἡ πληγὴ ἐν τῇ συναγωγῇ κυρίου (11 α)
— 25. ἤνεγκαν τὸ δῶρον αὐτῶν κάρπωμα κυρίῳ (11 α)	— 8. Α.Β.Β. ᾗ ἔπατο Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 α)	— 21. δ. συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 α)
περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐτῶν ἔναντι (11 α)	— 8. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)	— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (11 α)
κύριον (11 α, 11 α)		— 28. ἀφελείτε τέλους κυρίῳ (11 α)
— 28. καὶ ἁμαρτούσας ἀκουσίως ἔναντι κυρίου (11 α)		— 29. δώσεις . . . τῷ Ιερεῖ τὰς ἀπαρχὰς κυρίου (11 α)
— 31. τὸ ῥῆμα κυρίου ἐφάβλισε (11 α)		— 30. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φυλικὰς ἐν τῇ (11 α)

- Nu. 81. 31. καθὼς συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ (11 a)  
 — 37. ἔγένετο τὸ τέλος κυρίῳ (11 a)  
 — 38, 39. καὶ τὸ τέλος κυρίῳ (11 a)  
 — 40. καὶ τὸ τέλος αὐτῶν κυρίῳ (11 a)  
 — 41. ἔδωκε Μωσῆς τὸ τέλος κυρίῳ —  
 — 41. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ (11 a)  
 — 47. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φυλάκας σκηπτοῦ κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωσῇ (11 a, 11 a)  
 — 50. προσενηύχαμεν τὸ δῶρον κυρίῳ (11 a)  
 — 50. ἐξήλυσαν περὶ ἡμῶν ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 52. ὁ ἀφείλον κυρίῳ (11 a)  
 — 54. μνημόσυον τῶν υἱῶν Ἰσρ. ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 32. 4. ἡν παρεδόθηκε κύριος ἐνόπιον τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 a)  
 — 7. ἡν κύριος δίδωσιν αὐτοῖς (11 a)  
 — 9. ἡν ἔδωκε κύριος αὐτοῖς (11 a)  
 — 10. ὠργισθὲ θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 12. συνεπηκολούθησαν ὅπως κυρίου [A μου] (11 a)  
 — 13. ὠργισθὲ θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 13. οἱ ποιοῦντες τὰ ποιητὰ ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 14. προσβῆναι ἐπὶ τὸν θυμὸν τῆς ὀργῆς κυρίου (11 a)  
 — 20. ἐὰν ἐξολίσθησε ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 21. παρελύνεται . . . τὸν Ἰορδάνην ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 22. καὶ κατακυριεύθῃ ἡ γῆ ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 22. ἔστωσε ἀδφοὶ ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 22. ἐν κατασχέσει ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 23. ἀμαρτήσασθε ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 25. καθὰ ὁ κ. ἡμῶν ἐντέλλεται (1)  
 — 27. ἐκτεταμένον ἐναντὶ κυρίου εἰς τὸν πόλεμον, ὃν τρόπον ὁ κ. λέγει (11 a, 1)  
 — 29. ἐὰν διαβῶν . . . εἰς πόλεμον ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 30. ἐὰν δὲ μὴ διαβῶν . . . ἐναντὶ κυρίου —  
 — 31. ὅσα ὁ κ. λέγει τοῖς θεράποισιν (11 a)  
 — 32. διαβροῦμεθα . . . ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 33. 2. ἔγραψε Μωσῆς . . . διὰ ῥήματος κυρίου (11 a)  
 — 4. οὗς [A δσους] ἐπάταξε κύριος (11 a)  
 — 4. ἐποίησε τὴν ἐκδικήσιν κύριος (11 a)  
 — 38. ἀνέβη Ἀαρῶν . . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)  
 — 50 : 34. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσῆν (11 a)  
 34. 13. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος (11 a)  
 — 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσῆν (11 a)  
 — 29. τοῦτοις [A οὗτοι οἱς] ἐνετείλατο κύριος (11 a)  
 35. 1, 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωσῆν (11 a)  
 — 34. ἐγὼ γὰρ εἰμι κύριος (11 a)  
 36. 2. τῷ κ. ἡμῶν ἐνετείλατο κύριος (1, 11 a)  
 — 2. τῷ κ. συνέταξε κύριος (11 a)  
 — 5. ἐνετείλατο Μ. . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)  
 — 6. ὁ συνέταξε κύριος ταῖς θυγατράσι Σ. (11 a)  
 — 10. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος Μ. [A πρὸς Μ.] (11 a)  
 — 13. ὁ ἐνετείλατο κύριος (11 a)  
 De. 1. 3. ὅσα ἐνετείλατο κύριος αὐτῷ (11 a)  
 — 6. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐλάλησεν ἡμῖν (11 a)  
 — 10. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἐπληθύνει ὑμᾶς (11 a)  
 — 11. κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν (11 a)  
 — 19. καθότι ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)  
 — 20. ὁ δ. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 a)  
 — 21. παραδίδωκεν ἡμῖν κ. ὁ θεὸς . . . τὴν γῆν (11 a)  
 — 21. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεὸς (11 a)  
 — 25. ἡν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ἡμῖν (11 a)  
 — 26. ἡπειθήσατε γὰρ ῥήματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)  
 — 27. διὰ τὸ μισεῖν κύριον ἡμᾶς (11 a)  
 — 30. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ὁ προπορευόμενος (11 a)  
 — 31. ἐτροφοφόρησεν σε κ. ὁ θεὸς σου (11 a)  
 — 34. οὐκ ἐνέπιστευσάτε κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)  
 — 34. ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν (11 a)  
 — 36. διὰ τὸ προσκεῖσθαι αὐτὸν τὰ πρὸς κύριον (11 a)  
 — 37. ἐμοὶ ἐθυμώθη κύριος δι' ὑμᾶς (11 a)  
 — 41. ἡμάρτομεν ἐναντὶ [A -τίον] κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (18 a)  
 — 41. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)  
 — 42. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 43. παράβητε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 45. ἐκλάττει ἐναντὶ κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A ομ. τ. θ. ἡ.] (18 a [11 a])  
 — 45. οὐκ εἰσέκουσε κύριος τῆς φωνῆς ὑμῶν (11 a)  
 De. 2. 1. ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 2. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 7. ὁ γὰρ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν εὐλόγησέ σε (11 a)  
 — 7. τεσσαράκοντα ἔτη κ. ὁ θεὸς σου μετὰ σοῦ (11 a)  
 — 9. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 12. ἡν δέδωκε κύριος αὐτοῖς (11 a)  
 — 14. καθότι ὥμοσε κύριος [B<sup>1</sup> om.] ὁ θεὸς [A ομ. ὁ θ.] (18 a [11 a])  
 — 15. A ἡ χεὶρ κυρίου [B τοῦ θεοῦ] ἦν ἐπ' αὐτοῖς (11 a)  
 — 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 21. ἀπόλασεν αὐτοὺς κύριος (11 a)  
 — 29. ἡν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ἡμῖν (11 a)  
 — 30. ἐσκήληρνε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (11 a)  
 — 31. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 33. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 — 36. τὰς πάσας παρέδωκε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 — 37. καθότι ἐνετείλατο ἡμῖν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 8. 2. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 3. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 — 18. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἔδωκεν ὑμῖν (11 a)  
 — 20. ὥς ἂν καταπαύσῃ κ. ὁ θεὸς (18 a)  
 — 20. ἡν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν αὐτοῖς (11 a)  
 — 21. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 — 21. οὕτως ποιήσει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 a)  
 — 22. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν αὐτοὺς πολέμησει (11 a)  
 — 23. καὶ ἐδεήθη κυρίου [B<sup>1</sup> ἐναντίον κ.] (11 a)  
 — 24. A B<sup>1</sup> κύριε κυριε [B<sup>1</sup> κ. ὁ θεός, B κ. θεῖ] (2, 11 b)  
 — 26. ὑπερέβη κύριος ἐμέ (11 a)  
 — 26. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 4. 1. ἡν κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 a)  
 — 2. φυλάσσετε τὰς ἐντολὰς κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)  
 — 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 a)  
 — 3. ἐξέτριψεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 — 4. ὑμεῖς δὲ οἱ προσκεῖμενοι κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)  
 — 5. καθὰ ἐνετείλατο μοι κύριος [A κ. ὁ θεός μου] (11 a + 6 [11 a])  
 — 7. ὥς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐν πᾶσιν (11 a)  
 — 10. ἔστητε ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)  
 — 10. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 12. ἐλάλησε κύριος [B<sup>1</sup> κ. ὁ θεός] πρὸς ὑμᾶς (11 a [18 a])  
 — 14. ἐμοὶ ἐνετείλατο κύριος (11 a)  
 — 15. ἡ ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)  
 — 15. ὁ ἀπένευκ κ. ὁ θεὸς σου αὐτὰ [B<sup>1</sup> om.] (11 a)  
 — 20. A ὑμᾶς δὲ ἔλαθεν κ. [B om.] ὁ θεός (18 a)  
 — 21. A B<sup>1</sup> κύριος [B<sup>1</sup> κ. ὁ θεός] ἐθυμώθη μοι (11 a [18 a])  
 — 21. ἡν κ. ὁ θεὸς σου [A om.] δίδωσι (11 a)  
 — 23. μὴ ἐπιλάβῃς τὴν διαθήκην κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 23. ὡς συνέταξέ σοι κ. ὁ θεὸς σου (11 a)  
 — 24. κ. ὁ θεὸς σου πῶρ καταναλίσκου ἐστὶ (11 a)  
 — 25. καὶ ποιήσῃτε τὸ ποιητὸν [B<sup>1</sup> τὰ π.] ἐναντίον [A -τί] κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 27. διασπέρει κύριος ὑμᾶς (11 a)  
 — 27. εἰς οὗς εἰσάξει κύριος ὑμᾶς ἐκεῖ (11 a)  
 — 29. ζητήσετε [A ἐκ.] ἐκεῖ κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)  
 — 30. ἐπιστραφήσῃ πρὸς [A ἐπὶ] κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 31. θεὸς οἰκτῶρων κ. ὁ θεὸς σου (11 a)  
 — 31. ἡν ὥμοσεν αὐτοῖς κύριος [A B<sup>1</sup> om.] —  
 — 34. ὅσα ἐποίησε κ. [B<sup>1</sup> om.] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 — 35. κ. ὁ θεὸς σου οὗτος [A αὐτός] θεός ἐστὶ (18 a)  
 — 39. κ. ὁ θεὸς σου οὗτος θεός (18 a)  
 — 40. ἡς κ. ὁ θεὸς σου δίδωσίν σοι (11 a)  
 5. 2. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν διέθετο πρὸς ὑμᾶς (11 a)  
 — 3. οὐχὶ τοῖς πατράσιν ὑμῶν διέθετο κύριος [A om.] (11 a)  
 — 4. ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)  
 — 5. εἰστήκειν ἀνὰ μέσον κυρίου καὶ ὑμῶν (11 a)  
 — 5. ἀναγγεῖλαι ὑμῖν τὰ ῥήματα [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)  
 — 6. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 9. ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 11. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 11. A B<sup>1</sup> οὐ γὰρ μὴ καθαρῶς κ. [B<sup>1</sup> B κ. ὁ θεός σου] (11 a [18 a])  
 — 12. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 13. σάββατα κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 14. B<sup>1</sup> ἐποίησεν κύριος τὸν τε οὐρανόν —  
 — 15. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 15. συνέταξέ σοι [A σε] κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 De. 5. 16. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι [B<sup>1</sup> om.] κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 16. ἡς κ. ὁ θεός σου δίδωσίν σοι (11 a)  
 — 22 (19). τὰ ῥήματα ταῦτα ἐλάλησε κύριος (11 a)  
 — 22 (19). καὶ ἔδωκε μοι [B<sup>1</sup> add. κύριος] —  
 — 24 (21). ἔδειξεν ἡμῖν κ. ὁ θεός ἡ. τὴν δόξαν αὐ. (11 a)  
 — 25 (22). ἀκούσαι τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)  
 — 27 (24). ὅσα ἐὰν εἴπῃ κ. ὁ θεός ἡμῶν (11 a)  
 — 27 (24). A B<sup>1</sup> B ὅσα ἂν λαλήσῃ κ. ὁ θεός ἡμῶν (11 a)  
 — 28 (25). ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν (11 a)  
 — 28 (25). εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 32 (29). ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 33 (30). ἡν ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 6. 1. ὅσα ἐνετείλατο κ. [B<sup>1</sup> om.] ὁ θεός ἡμῶν (11 a)  
 — 2. ἵνα φοβῆσθε κ. τὸν θεόν ὑμῶν (11 a)  
 — 3. καθάπερ ἐλάλησε κ. ὁ θεός τῶν πατέρων σου (11 a)  
 — 3. ὅσα ἐνετείλατο κύριος [B<sup>1</sup> Μωσῆς] τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. —  
 — 4. κ. ὁ θεός ἡμῶν κ. εἰς ἐστί (11 a, 11 a)  
 — 5. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 10. ὅταν εἰσαγγῇ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 10. B ἡν ὥμοσε κύριος [A B om.] —  
 — 12. μὴ ἐπιλάβῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)  
 — 13. κ. τὸν θεόν σου φοβήσῃς [A προσκυνήσεις] (11 a)  
 — 15. θεὸς ζῳωτῆς κ. ὁ θεός σου ἐν σοὶ (11 a)  
 — 15. A B<sup>1</sup> μὴ ὀργισθεῖς θυμῶν [B<sup>1</sup> B -μῶ] κ. ὁ θεός σου σοι (11 a)  
 — 16. οὐκ ἐκπειράσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 17. φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 18. τὸ καλὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)  
 — 18. ἡν ὥμοσε κύριος (11 a)  
 — 19. καθὰ ἐλάλησε κύριος [A om.] (11 a)  
 — 20. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεός ἡμῶν ἡμῖν (11 a)  
 — 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς κύριος ἐκείθεν (11 a)  
 — 22. ἔδωκε κύριος σημεῖα (11 a)  
 — 23. A ἐξήγαγεν ἡμᾶς κ. ὁ θεός ἡμῶν [B om. κ. ὁ θ. ἡ.] —  
 — 23. A ἡν ὥμοσεν κ. ὁ θεός ἡμῶν [B om. κ. ὁ θ. ἡ.] —  
 — 24. ἐνετείλατο ἡμῖν κύριος (11 a)  
 — 24. φοβέσθαι κ. τὸν θεόν ἡμῶν (11 a)  
 — 25. ποιεῖν . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)  
 — 25. B καθὰ ἐνετείλατο ἡμῖν κύριος [A B om.] (11 a)  
 7. 1. ἐὰν δὲ εἰσαγγῇ σε κ. ὁ θεός [A al.] —  
 — 2. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 4. ὀργισθῇ σοι θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 6. λαὸς ἅγιος εἴ κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 6. σὲ προσέλατο κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 7. B προσέλατο κύριος ὑμᾶς καὶ ἐξελέξατο κύριος [A B om.] ὑμᾶς (11 a, —)  
 — 8. παρὰ τὸ ἀγαπᾶν κύριον ὑμᾶς (11 a)  
 — 8. ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος [A κ. ὁ ἐκείθεν] (11 a)  
 — 8. ἐλυτρώσατό σε [B<sup>1</sup> om.] κύριος [A B<sup>1</sup> om.] —  
 — 9. κ. ὁ θεός σου οὗτος θεός (11 a)  
 — 12. διαφυλάξεις κ. ὁ θεός σου τὴν διαθήκην (11 a)  
 — 13. B<sup>1</sup> ἀγαπήσῃ σε κύριος [A B<sup>1</sup> B om.] —  
 — 13. A B ἡς [B ὡς] ὥμοσε κύριος —  
 — 15. A B<sup>1</sup> περιελεῖ κ. ὁ θεός [B<sup>1</sup> om. ὁ θ.] (18 a [11 a])  
 — 16. ὁ κ. ὁ θεός σου δίδωσίν σοι (11 a)  
 — 18. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 19. ὡς ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 19. οὕτως ποιήσει κ. ὁ θεός ὑμῶν (11 a)  
 — 20. A B τὰς σφηκίας ἀποστellei κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 21. κ. ὁ θεός σου ἐν σοὶ (11 a)  
 — 22. καταναλώσει κ. ὁ θεός σου τὰ ζῆλα (11 a)  
 — 23. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 25. βδελύγμα κ. τῷ θεῷ σου ἐστὶ (11 a)  
 8. 1. ἡν ὥμοσε κ. ὁ θεός ὑμῶν [A om. ὁ θ. ὁ.] (11 a [18 a])  
 — 2. ἡν ἡγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 5. οὕτως κ. ὁ θεός σου παιδεύσει σε (11 a)  
 — 6. φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 7. ὁ γὰρ κ. ὁ θεός σου εἰσάξει σε (11 a)  
 — 10. εὐλογᾷς κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 10. ἡς ἔδωκεν σοι κύριος [A B<sup>1</sup> B om.] —  
 — 11. μὴ ἐπιλάβῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)



De. 8. 14. καὶ ἐπιλάβῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 18. μνησθήσῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 18. ἢ ὥμοσε κύριος [Α. om.] τοῖς πατράσι σου —  
 — 19. εἰς ἀλήθειαν ἐπιλάβῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 20. Α. Β<sup>1</sup> ὅσα κ. [Β<sup>2</sup> Ε. κ. θεός] ἀπολλύει (11 α [18 α])  
 — 20. οὐκ ἠκούσατε τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 9. 3. κ. ὁ θεός σου οὗτος προπορεύεται (11 α)  
 — 3. καθάπερ εἶπαι σοι κύριος (11 α)  
 — 4. ἐν τῷ ἐξαναλώσει κ. τὸν θεόν σου τὰ ἔθνη (11 α)  
 — 4. εἰσήγαγέ με κύριος (11 α)  
 — 4. Α. κύριος ἐξολοθρεύσει αὐτοὺς (11 α)  
 — 5. κύριος ἐξολοθρεύσει αὐτοὺς (11 α + θ)  
 — 5. Α. Β. ἢ ὥμοσε κύριος [Β. om.] τοῖς πατράσι ὑμῶν (11 α)  
 — 6. κ. ὁ θεός σου [Α. om.] διδώσι σοι τὴν γῆν (11 α)  
 — 7. ὅσα παρώξυναι κ. τὸν θεόν σου (11 α)  
 — 7. ἀπειθῶντες διτελεῖτε τὰ πρὸς κύριον (11 α)  
 — 8. παρωξύνετε κύριον (11 α)  
 — 8. Α. ἰθυμώθη κύριος [Β. om.] ἐφ' ὑμῶν (11 α)  
 — 9. ὡς διέθετο κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 α)  
 — 10. ἰδοὺ μοι κύριος τὰς δύο πλάκας (11 α)  
 — 10. ὡς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 α)  
 — 11. ἔδωκε κύριος ἐμοὶ τὰς δύο πλάκας (11 α)  
 — 12. 1, 3. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 α)  
 — 16. ἡμάρτητε ἐναντίον [Α. -τι] κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 16. ἦς ἐνετέλειτο κύριος ὑμῶν (11 α)  
 — 18. ἐδῆρην ἐναντίον [Α. -τι] κυρίου δευτέρου (11 α)  
 — 18. ποιῆσαι τὸ ποτήριον ἐναντίον [Α. -τι] κ. τοῦ θεοῦ (18 α)  
 — 19. παρωξύνῃ κύριος ἐφ' ὑμῶν (11 α)  
 — 19. εἰσῆκουσε κύριος ἐμοῦ (11 α)  
 — 20. Α. ἐπὶ Ἀπρῶν ἐθυμώθη κύριος [Β. om.] (11 α)  
 — 22. παρωξύνοντες ἦτε κύριον [Α. κ. τὸν θεόν ὑμῶν] (11 α [18 α])  
 — 23. ὅτε ἐξαπέστειλεν [Α. απ.] ὑμᾶς κύριος (11 α)  
 — 23. ἡπειθήσατε τῷ ῥήματι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 24. ἀπειθῶντες ἦτε τὰ πρὸς κύριον (11 α)  
 — 25. ἐδῆρην ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 25. εἶπε γὰρ κύριος ἐξολοθρεύσαι ὑμᾶς (11 α)  
 — 26. Α. Β. κύριος κύριε [Β. om.] βασιλεῦ τῶν θεῶν (9, 11 β)  
 — 28. παρὰ τὸ μὴ δυνάσθαι κύριον εἰσαγαγεῖν (11 α)  
 — 28. Α. παρὰ τὸ μισῆσαι κύριον [Β. om.] αὐτοὺς —  
 10. 1. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 α)  
 — 4. ὡς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 α)  
 — 4. ἔδωκεν αὐτὰς κύριος ἐμοῦ (11 α)  
 — 5. καθὰ ἐνετέλειτό μοι κύριος (11 α)  
 — 8. διετέλει κύριος τὴν φυλὴν (11 α)  
 — 8. αἶμην τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου παρεστάναι ἐναντίον κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 9. κύριος αὐτὸς κληρὸς αὐτοῦ (11 α)  
 — 10. Α. Β. εἰσῆκουσε [Β. ἦκ.] κύριος ἐμοῦ (11 α)  
 — 10. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἐξολοθρεύσαι ὑμᾶς (11 α)  
 — 11. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 α)  
 — 12. τί κ. ὁ θεός σου αἰτεῖται παρὰ σοῦ ἄλλῃ ἢ φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (11 α, 11 α)  
 — 12. λατρεύει κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 13. φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολάς κ. τοῦ θεοῦ σου (18 α)  
 — 14. κ. τοῦ θεοῦ [Β<sup>1</sup> κ. ὁ θεός] σου ὁ οὐρανός (11 α)  
 — 15. τὸν πατέρα ὑμῶν προειλάτο κύριος (11 α)  
 — 17. ὁ γὰρ κ. ὁ θεός ὑμῶν οὗτος θεός τῶν θεῶν καὶ κ. τῶν κ. (11 α, 1, 1)  
 — 20. κ. τὸν θεόν σου φοβηθήσῃ [Α. προσκυνήσεις] (11 α)  
 — 22. ἐποίησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 11. 1. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 α)  
 — 2. τὴν παιδείαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 4. ἀπώλεσεν αὐτοὺς κύριος [Α. κ. ὁ θεός] (11 α [18 α])  
 — 7. ἔωρκαν πάντα τὰ ἔργα κυρίου (11 α)  
 — 9. ἦς ὥμοσε κύριος τοῖς πατράσι ὑμῶν (11 α)  
 — 12. ἢ κ. ὁ θεός σου ἐπισκοπεῖται αὐτήν (11 α)  
 — 12. οἱ ὀφθαλμοὶ κ. τοῦ θεοῦ σου ἐπ' αὐτῆς (11 α)  
 — 13. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεόν σου (11 α)  
 — 17. θυμωθεὶς ὀργῇ [Α. ὀργισθῇ] κύριος ἐφ' ὑμῶν (11 α)  
 — 17. ἦς ἔδωκεν ὁ κ. [Α. θεός] ὑμῶν (11 α)  
 — 21. ἦς ὥμοσε κύριος τοῖς πατράσι ὑμῶν (11 α)  
 — 22. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεόν ὑμῶν (11 α)  
 — 23. ἐκβαλεῖ κύριος πάντα τὰ ἔθνη ταῦτα (11 α)

De. 11. 25. τὸν τρόπον ὑμῶν ἐπέθεσε κ. ὁ θεός ὑμῶν (11 α)  
 — 25. Α. ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος [Β. om.] πρὸς ὑμᾶς —  
 — 27. εἰς ἀκούσατε τὰς ἐντολάς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 28. εἰς ἀκούσατε [Α. εἰσακ.] τὰς ἐντολάς κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 29. ὅταν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 31. ἢ κ. ὁ θεός ὑμῶν διδωσιν ὑμῶν (11 α)  
 12. 1. Α. Β. ἢ [Β. ἦ] κ. ὁ θεός . . . διδωσιν (11 α)  
 — 4. οὐ ποιήσετε οὕτω κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (11 α)  
 — 5. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 7. φάγεσθε ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 7. καθὼς εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 9. ἢ κ. ὁ θεός ὑμῶν διδωσιν ὑμῶν (11 α)  
 — 10. ἦς κ. ὁ θεός ὑμῶν κατακληρονομήσει ὑμῶν (11 α)  
 — 11. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 11. Β. ὅσα ἂν εὐχῆσθε κ. [Α. Β. om.] τῷ θεῷ ὑμῶν (18 α)  
 — 12. εὐφρανθήσεσθε ἐναντίον [Α. -τι] κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 14. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (18 α)  
 — 15. κατὰ τὴν εὐλογίαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 18. ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου φάγῃ αὐτό (11 α)  
 — 18. φῖ [Α. οὔ] ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτῷ (11 α)  
 — 18. εὐφρανθήσῃ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 20. εἰς ἐμπλατύνῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ὅρια σου (11 α)  
 — 21. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 25. τὸ ἀρεστὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 α)  
 — 26. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 α)  
 — 27. Α. Β. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 27. Α. Β. πρὸς τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 28. τὸ ἀρεστὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 29. εἰς ἐξολοθρεύσῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 α)  
 — 31. Α. οὐ ποιήσεις οὕτω κ. [Β. om.] τῷ θεῷ σου τὰ βδελύγματα γὰρ ὁ κ. ἐμίσησεν [Β. al.] (11 α, 11 α)  
 13. 3 (4). πειράζει κ. ὁ θεός σου [Α. ὑμῶν] ὑμᾶς (11 α)  
 — 3 (4). Α. εἰ ἀγαπᾷτε κ. [Β. om.] τὸν θεόν ὑμῶν (11 α)  
 — 4 (5). ὅπως κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν πορεύεσθε (11 α)  
 — 5 (6). πληθήσεται σε ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 5 (6). ἦς ἐνετέλειτό σοι κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 10 (11). ἀποστήσαιο σε ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 12 (13). ὡς κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 16 (17). ἐμπρήσεις τὴν πόλιν . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 17 (18). ἵνα ἀποστραφῇ κύριος ἀπὸ θυμοῦ [Α. om.] (11 α)  
 — 17 (18). Α. ὃν τρόπον ὥμοσε κύριος [Β. om.] τοῖς πατράσι σου —  
 — 18 (19). εἰς ἀκούσατε [Α. εἰσακούσατε] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 18 (19). τὸ καλὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 14. 1. υἱοὶ ἔστε κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 2. λαὸς ἅγιος εἰ κ. τῷ θεῷ σου καὶ σὲ ἐξελέξατο κ. ὁ θεός σου (11 α, 18 α)  
 — 21. λαὸς ἅγιος εἰ κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 23. Α. φάγῃ αὐτὸ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου [Β. om.] (11 α)  
 — 23. φῖ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου —  
 — 23. ἵνα μάθης φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (11 α)  
 — 24. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 24. εὐλογῆσαι σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 25. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου [Α. om.] αὐτόν (11 α)  
 — 26. φάγῃ ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 29. ἵνα εὐλογῇ σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 15. 2. ἄφεςαι κ. τῷ θεῷ σου (18 α)  
 — 4. εὐλογῆσαι σε κ. ὁ θεός σου (18 α)  
 — 4. ἦ κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 5. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 6. κ. ὁ θεός σου εὐλόγησέ σε (11 α)  
 — 7. ἦ κύριος ὁ θ. σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 9. καὶ καταβήσονται [Α. β.] κατὰ σοῦ πρὸς κύριον (11 α)  
 — 10. εὐλογῇ σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 14. καθὰ εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 15. Α. Β<sup>2</sup> Β. εὐφρανθήσονται σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 18. εὐλογῇ σε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 19. τὰ ἀρεσκὰ ἀγαπᾷς κ. τῷ θεῷ σου (11 α)

De. 15. 20. ἔναντι κυρίου [Α. κ. τοῦ θεοῦ σου] φάγῃ αὐτό (11 α + θ [11 α])  
 — 20. φῖ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 α)  
 — 21. οὐ θύσεις αὐτὸ κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 16. 1. ποιήσεις τὸ πᾶσχα κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 2. θύσεις τὸ πᾶσχα κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 2. φῖ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 α)  
 — 5. ὡς κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 6. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 7. οὐ [Α. φῖ] ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (11 α)  
 — 8. ἐξόδιον ἑορτῇ κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 10. ποιήσεις ἑορτὴν ἐβδομάδων κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 10. ὅσα ἂν δῶ [Α. add.] σοι καθὼς ἡλὼγῃς σε] κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 11. Β. εὐφρανθήσῃ ἐναντίον κ. [Α. Β. om.] τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 11. φῖ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (11 α)  
 — 14. Α. εὐφρανθήσῃ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου [Β. ἐν τῇ ἑορτῇ] σου (11 α)  
 — 15. ἐορτάσεις κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 15. φῖ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 α)  
 — 15. εἰς ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 16. ὀφθήσεται . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 16. φῖ ἂν ἐκλέξηται αὐτόν [Α. om.] κύριος —  
 — 16. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου κενός (18 α)  
 — 17. κατὰ τὴν εὐλογίαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 18. αἰς κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 20. ἢ κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 21. Α. παρὰ τὸ θυσιαστήριον κ. [Β. om.] τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 22. Α. ἐμίσησε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 17. 1. οὐ θύσεις [Α. προσοίσεις] κ. τῷ θεῷ σου μόσχον (11 α)  
 — 1. βδελύγμα κ. τῷ θεῷ σου ἐστίν (11 α)  
 — 2. ὡς κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 2. τὸ ποτήριον ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 8. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 10. οὐ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 α)  
 — 12. λειτουργεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 14. ἢ κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 15. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου [Α. θ. σου] αὐτόν (11 α)  
 — 16. ὁ δὲ κ. εἶπεν [Α. add.] ὑμῶν (11 α)  
 — 19. ἵνα μάθῃ φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου [Α. αὐτοῦ] (11 α)  
 18. 1. καρπώματα κυρίου [Α. -μα κυρίῳ] ὁ κληρὸς αὐτῶν (11 α)  
 — 2. κ. αὐτὸς κληρὸς αὐτοῦ (11 α)  
 — 5. αὐτὸν ἐξελέξατο κύριος [Α. κ. ὁ θεός σου] (11 α + θ [11 α])  
 — 5. παρεστάναι ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ [Α. θ. σου] —  
 — 5. Α. εὐλογεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου [Β. αὐτοῦ] (11 α)  
 — 6. Α. ὃν ἂν ἐκλέξηται κύριος [Β. om.] (11 α)  
 — 7. λειτουργεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ (11 α)  
 — 7. οἱ παρεστῆκότες ἐκεῖ ἐναντίον [Α. -τι] κυρίου τοῦ θεοῦ σου [Α. om.] (11 α, 11 α)  
 — 9. ἢ κ. ὁ θεός σου [Α. om.] διδώσι σοι (11 α)  
 — 12. ἔστι γὰρ βδελύγμα κ. τῷ θεῷ σου (18 α)  
 — 12. κύριος [Α. κ. ὁ θεός σου] ἐξολοθρεύσει αὐτοὺς (11 α + θ [11 α])  
 — 13. τέλειος ἔσθι ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 14. οὐχ οὕτως ἔδωκε κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 15. προφήτην . . . ἀναστήσει σοι κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 16. ὅσα ἠγάπησεν παρὰ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 16. ἀκούσαι τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ σου [Α. ἡμῶν] (11 α)  
 — 17. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 α)  
 — 21. ὁ οὐκ ἐλάλησε κύριος (11 α)  
 — 22. ὅσα εἰς λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκείνος [Α. ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 22. ὁ οὐκ ἐλάλησε κύριος (11 α)  
 19. 1. εἰς ἀφανίσῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 α)  
 — 2. ἦς κ. ὁ θεός σου διδώσι σοι (11 α)  
 — 3. ἢ καταμερίζῃ σοι κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 8. εἰς ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου τὰ ὅρια σου (11 α)  
 — 8. καὶ δῶ σοι κύριος πᾶσαν τὴν γῆν —  
 — 9. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεόν σου (11 α)



De. 19. 10. ἢ [A ἦν] κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 14. A B ἦν [B ἦ] κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 17. ἔναντι κυρίου καὶ ἔναντι τῶν ἱερέων (11 a)  
 20. 1. ὅτι κ. ὁ θεός σου μετὰ σοῦ (11 a)  
 — 4. κ. ὁ θεός ὑμῶν ὁ προπορευόμενος (11 a)  
 — 13. ἔως ἂν παραβῇ σοι [A καὶ παραδώσει αὐτήν κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 14, 15. ὡν κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 17. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 18. καὶ ἀμαρτήσεσθε ἑνὶ τῶν κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)  
 21. 1. ἢ [A ἦν] κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 5. αὐτοὺς ἐπέλεξε [A ἐξελέξατο] κ. ὁ θεός (11 a)  
 — 8. οὓς ἐλυτρώσω, κύριε (11 a)  
 — 9. τὸ ἀρεστὸν ἔναντι κ. [A om.] τοῦ θεοῦ (18 a)  
 — 10. καὶ παραβῇ σοι [A αὐτοὺς] κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 23. ἦν κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 22. 5. βδελύγμα κ. τῷ θεῷ σου ἐστὶ πᾶς ποιῶν ταῦτα (11 a)  
 23. 1 (2). οὐκ εἰσελεύσεται . . . εἰς ἐκκλησίαν [A<sup>2</sup> αὐτὸν] κυρίου (11 a)  
 — 2 (3). [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> R], 3 (4) δις. οὐκ εἰσελεύσεται . . . εἰς ἐκκλησίαν κυρίου (11 a)  
 — 5 (6). οὐκ ἠθέλησε κ. ὁ θεός σου εἰσακοῦσαι τοῦ B, καὶ μετέστρεψε κ. ὁ θεός σου τὰς κατὰρας (11 a, 11 a)  
 — 5 (6). ἡγάπησέν σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 8 (9). εἰσελεύσονται εἰς ἐκκλησίαν κυρίου (11 a)  
 — 14 (15). κ. ὁ θεός σου ἐμπεριπατεῖ ἐν τῇ παρεμβολῇ (11 a)  
 — 15 (16). A B οὐκ παραδώσει παῖδα τῷ κ. αὐτοῦ [B om.] δε προστείνεται σοι παρὰ τοῦ κ. αὐτοῦ (1, 1)  
 — 18 (19). εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 18 (19). βδελύγμα κ. τῷ θεῷ σου ἐστὶ (11 a)  
 — 20 (21). ἵνα εὐλογῇ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 21 (22). ἐάν δε εὖξῃ εὐχὴν κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 21 (22). ἐξήγησέν κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 23 (24). A B ὃν τρόπον ἠέξω κ. [B om.] τῷ θεῷ (11 a)  
 24. 4. βδελύγμα ἐστὶν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)  
 — 4. ἦν κ. ὁ θεός σου [A ὑμῶν] διδωσί σοι (11 a)  
 — 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 13. ἐλεημοσύνη ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 15. καταβήσεται κατὰ [A οὐ κ. περὶ] σοῦ πρὸς κύριον (11 a)  
 — 18. ἐλυτρώσατό σε κ. ὁ θεός σου ἐκείθεν (11 a)  
 — 19. ἵνα εὐλογῇ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 25. 15. ἦς κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 16. A B<sup>2</sup> B ὅτι βδελύγμα κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 18. A καὶ οὐκ ἐφοβήθη τὸν κ. [B θεόν] (11 a)  
 — 19. ἥρκα ἂν καταπαύει σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 19. ἦ κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 26. 1. ἦν κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 2. ἦς [A ἦν] κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 2. ὃν ἂν ἐκλέγεται κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 3. ἀναγγέλλω σήμερον κ. τῷ θεῷ μου (11 a)  
 — 3. ἦν ὡμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 a)  
 — 4. ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 5. ἐρεῖ [A -εἰς] ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 7. ἀνεβοήσαμεν πρὸς κ. τὸν θεόν (11 a)  
 — 7. εἰσέκοιτο κύριος τῆς φωνῆς ἡμῶν (11 a)  
 — 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς κύριος (11 a)  
 — 10. ἦς ἔδωκός μοι, κύριε [A om.] (11 a)  
 — 10. A B ἀφήσεις αὐτὰ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 10. προσκυνήσεις [A add. ἐκεί] ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 11. οἷς ἔδωκε σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 13. ἐρεῖς ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 14. A B ὑπὸ κ. [B ἐπὶ κ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 16. κ. ὁ θεός σου ἐνετείλατό σοι (11 a)  
 — 18. κύριος ἐλάτῃ σε σήμερον (11 a)  
 — 19. εἰναί σε λαὸν ἄγιον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 27. 2. ἦν κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 3. ἦν κ. ὁ θεός τῶν πατέρων σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 3. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεός τῶν πατέρων σου (11 a)  
 — 5. οἰκοδομήσεις ἐκεῖ θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 6. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 6. ἀνοίσσεις . . . κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 7. A θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 7. εὐφρανθήσῃ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)

De. 27. 9. γέγονας εἰς λαὸν κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 10. εἰσακοῦσέ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 15. ὅστις ποιήσει . . . χωνευτὸν βδελύγμα κυρίου (11 a)  
 28. 1. A ἦν κ. ὁ θεός ὑμῶν διδωσιν ὑμῖν (11 a)  
 — 1. εἰν . . . ἀκούσῃς [A εἰσακούσῃς] φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 1. δώσει σε κ. ὁ θεός σου [A om.] ὑπεράνω (11 a)  
 — 2. εἰν . . . ἀκούσῃς [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 7. παραβῇ [A add. σοι] κ. ὁ θεός σου τοὺς ἐχθρούς σου (18 a)  
 — 8. ἀποστελεῖται κύριος ἐπὶ σὲ τὴν εὐλογίαν (11 a)  
 — 8. ἦς κ. ὁ θεός σου διδωσί σοι (11 a)  
 — 9. ἀναστήσει σε κύριος [A add. ὁ θεός σου] ἐν τῷ λαῷ ἁγίῳ (11 a [18 a])  
 — 9. εἰν ἀκούσῃς [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 10. τὸ ὄνομα κυρίου ἐπικαλεῖται σοι (11 a)  
 — 11. πληθυνεῖ σε κ. ὁ θεός σου (18 a)  
 — 11. ἦς ὡμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (11 a)  
 — 12. ἀνοίξαι σοι κύριος τὸν θησαυρὸν αὐτοῦ (11 a)  
 — 13. καταστήσει σε κ. ὁ θεός σου εἰς κεφαλὴν (18 a)  
 — 13. εἰν ἀκούσῃς τῆς φωνῆς [A τῶν ἐντολῶν] κυρίου τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 15. εἰν μὴ εἰσακούσῃς τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 20. ἀποστελεῖται [A ἐξαρ.] κύριος ἐπὶ σὲ [A κ. σοι] τὴν εὐεῖαν (11 a)  
 — 21. προσκολλησάμενος κύριος εἰς τὸν θάνατον (11 a)  
 — 22. πατάξει σε κύριος ἐν [A om.] ἀπορίᾳ (11 a)  
 — 24. δὴ κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] τὸν νεκρὸν (18 a [11 a])  
 — 25. A B<sup>1</sup> δὴ κ. ὁ θεός σου ἐπισκοπήν [B<sup>2</sup> B ἐπὶ κοπήν] (11 a)  
 — 27. πατάξει σε κύριος ἔλκει [A ἐν ἔ.] Αἰγύπτῳ (11 a)  
 — 28. πατάξει σε κύριος παραπληξίᾳ (11 a)  
 — 35. πατάξει σε κύριος ἐπὶ σὲ ἔθνος πορνῆς (11 a)  
 — 36. ἀπαγάγει κύριος σε (11 a)  
 — 37. εἰς οὓς ἂν ἀπαγάγῃ σε κύριος ἐκεῖ (11 a)  
 — 45. οὐκ εἰσέκοιτο [A ἦς.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 47. οὐκ ἐλύτρωσας κ. τῷ θεῷ σου (11 a)  
 — 48. οὓς ἐπαποστείλει κύριος ἐπὶ σὲ (11 a)  
 — 49. ἐπάξει κύριος ἐπὶ σὲ ἔθνος (11 a)  
 — 53. A ὅσα ἔδωκε σοι κ. ὁ θεός σου [B om. κ. ὁ θ. σου] (11 a)  
 — 58. φοβεῖσθαι τὸ ὄνομα . . . κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 59. παραβήσεται κύριος τὰς πληγὰς σου (11 a)  
 — 61. πᾶσαν μυλακίαν . . . ἐπάξει κύριος ἐπὶ σὲ (11 a)  
 — 62. οὐκ εἰσέκοιτο τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 63. ὃν τρόπον ἐντολήθη κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 a)  
 — 63. οὕτως εὐφρανθήσεται κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 a)  
 — 64. διασπερὶ σε κ. ὁ θεός σου (18 a)  
 — 65. δώσει σοι κύριος ἐκεῖ καρδίαν ἑτέραν [A ἀθυμώσαν] (11 a)  
 — 68. ἀποστρέψει σε κύριος εἰς Αἴγυπτον (11 a)  
 29. 1 (28. 69). οὓς [A ἦς] ἐνετείλατο κύριος Μωυσῆ (11 a)  
 — 2 (1). ὅσα ἐποίησε κύριος (11 a)  
 — 4 (3). οὐκ ἔδωκε κ. ὁ θεός ὑμῖν καρδίαν (18 a)  
 — 6 (5). κ. ὁ θεός ὑμῶν ἐγώ [A οὗτος κ. ὁ θ. ὑ.] (11 a)  
 — 10 (9). ὑμεῖς ἐστήκατε . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)  
 — 12 (11). παρελθεῖν ἐν τῇ διαθήκῃ [A τὴν δ.] κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 12 (11). ὅσα κ. ὁ θεός σου διτιθέται (11 a)  
 — 15 (14). τοῖς ὅδε οὖσι . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 15 (14). A<sup>2</sup> τοῖς μὴ οὖσι . . . ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [A<sup>2</sup> B om. ἔ. κ. τ. θ.] (11 a)  
 — 18 (17). τίνας ἢ διάνοια ἐξέκλινεν ἀπὸ κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 20 (19). ἐκκαυθήσεται ὀργὴ κυρίου (11 a)  
 — 20 (19). ἐξαλείψει κύριος τὸ ὄνομα αὐτοῦ (11 a)  
 — 21 (20). διαστελεῖ αὐτὸν κύριος (11 a)  
 — 22 (21). δε ἀπέστειλε κύριος ἐπ' αὐτήν (11 a)  
 — 23 (22). ἂς κατέστρεψε κύριος (11 a)  
 — 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτω (11 a)  
 — 25 (24). κατέκρινον τὴν διαθήκην κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 27 (26). ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 28 (27). ἐξήρην αὐτοὺς κύριος (11 a)  
 — 29 (28). τὰ κρυπτά κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)

De. 30. 1. οὐ εἰν διασκοπήσῃ σε κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 a + 6 [11 a])  
 — 2. καὶ ἐπιστραφήσῃ ἐπὶ κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 3. ἵστανται κύριος τὰς ἀμαρτίας σου (11 a + 6)  
 — 3. εἰς οὓς διεσκήρυσεν σε κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 a + 6 [11 a])  
 — 4. ἐκείθεν συνάξει σε κ. ὁ θεός σου καὶ ἐκείθεν λήψεται σε κ. ὁ θεός σου [A om. κ. ὁ θ. σ.] (11 a, -)  
 — 5. A εἰσάξει σε κ. [B om.] ὁ θεός σου (11 a)  
 — 6. περικαθαρίει κύριος τὴν καρδίαν σου (11 a + 6)  
 — 6. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 7. δώσει κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] τὰς ἀράς (11 a [11 a + 6])  
 — 8. B οὐκ ἐπιστραφήσῃ ἐπὶ κυρίῳ [A B om. ἔ. κ.] (11 a)  
 — 8. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)  
 — 9. εὐλογίῃς [A πολυνεύσῃ] σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 9. ἐπιστρέψει κ. ὁ θεός σου (18 a)  
 — 10. εἰν εἰσακούσῃς τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)  
 — 10. εἰν ἐπιστραφήσῃ ἐπὶ κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 16. τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου [A ὑμῶν] (11 a)  
 — 16. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 16. εὐλογῇ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)  
 — 18. A ἦς κ. ὁ θεός σου διδωσίν σοι (11 a)  
 — 20. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεόν σου (11 a)  
 — 20. ἦς ὡμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (11 a)  
 31. 2. κύριος δὲ εἶπε πρὸς μέ (11 a)  
 — 3. κ. ὁ θεός σου ὁ προπορευόμενος (11 a)  
 — 3. καθὰ ἐλάλησε κύριος (11 a)  
 — 4. ποιήσει κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] αὐτοὺς (18 a [11 a])  
 — 5. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος ὑμῖν [A ἐνώπιον ὑμῶν] (11 a)  
 — 6. κ. ὁ θεός σου ὁ [A οὗτος ὁ] προπορευόμενος (11 a)  
 — 7. ἦν ὡμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 a)  
 — 8. καὶ κ. ὁ συμπορευόμενος [A συμπερ.] (11 a)  
 — 9. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)  
 — 11. ὀφθῆναι ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 11. φ [A δν] ἂν ἐκλέγεται κύριος [A<sup>2</sup> add. ὁ θεός σου] (11 a)  
 — 12. ἵνα μάθωσι φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν (11 a)  
 — 13. μαθήσονται φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν (11 a)  
 — 14. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)  
 — 15. καὶ κατέβη κύριος (11 a)  
 — 16. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)  
 — 17. οὐκ ἔστι κ. ὁ θεός μου ἐν ἐμοὶ [A ὑμῖν] (18 a)  
 — 23. ἦν ὡμοσεν κύριος αὐτοῖς (11 a)  
 — 25. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)  
 — 26. τῆς κιβωτὸν τῆς διαθήκης κ. τοῦ θεοῦ (11 a)  
 — 29. ποιήσετε τὰ ποιήματα [A τὸ π.] ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 32. 3. τὸ ὄνομα κυρίου ἐκάλεσα (11 a)  
 — 4. δίκαιος καὶ δίκαιος κ. (11 a)  
 — 6. ταῦτα κυρίῳ ἀνταποδίδετε (11 a)  
 — 9. ἐγενήθη μερὶς κυρίου λαὸς αὐτοῦ (11 a)  
 — 12. κ. μόνος ἦγεν αὐτούς (11 a)  
 — 19. καὶ εἶδε κύριος (11 a)  
 — 27. καὶ οὐχὶ κύριος ἐποίησε ταῦτα πάντα (11 a)  
 — 30. καὶ κύριος [A ὁ κ.] παρέδωκεν αὐτούς (11 a)  
 — 36. κρινεῖ κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)  
 — 37. καὶ εἶπε κύριος (11 a)  
 — 43. ἐκαθαρίει κύριος τὴν γῆν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 a)  
 — 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)  
 33. 2. κύριος ἐκ Σινᾶ ἦκει (11 a)  
 — 7. εἰσέκοιτο, κύριε, φωνῆς Ἰούδα (11 a)  
 — 11. εὐλόγησον, κύριε, τὴν ἰσχυρὴν αὐτοῦ (11 a)  
 — 12. ἡγαπήμενος ὑπὸ κυρίῳ (11 a)  
 — 13. ἀπ' εὐλογίας κυρίου ἡ γῆ αὐτοῦ (11 a)  
 — 21. δικαιοσύνην κύριος ἐποίησε (11 a)  
 — 23. ἐμπλησθήτω εὐλογίας πᾶσα κυρίῳ (11 a)  
 — 29. λαὸς σωζόμενος ὑπὸ κυρίου (11 a)  
 34. 1. ἔδειξεν αὐτῷ κύριος πᾶσαν τὴν γῆν Γ. (11 a)  
 — 4. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)  
 — 5. ἐτελεύτησε Μ. ὁ οἰκέτης κυρίου . . . διὰ ῥήματος κυρίου (11 a, 11 a)  
 — 9. καθὼς ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 a)  
 — 10. ὃν ἔγνω κύριος αὐτὸν (11 a)  
 — 11. ὃν ἀπέστειλεν αὐτὸν κύριος (11 a)  
 Jo. 1. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 a)  
 — 9. ὅτι μετὰ σοῦ κ. ὁ θεός (11 a)  
 — 11. ἦν κ. ὁ θεός . . . διδωσιν ὑμῖν (11 a)

- Jo. 1. 13. **Α** τὸ ρῆμα κυρίου [B om.] δ' ἐνετείλατο ὑμῖν Μ. ὁ παῖς κυρίου λέγων, Κ. ὁ θεὸς ὡμῶν κατέπαυσεν ὑμᾶς (-, 11 α, 11 α)  
 - 15. ὥς ἂν καταπαύσῃ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τοὺς ἀδελφοὺς (18 α)  
 - 15. ἦν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν αὐτοῖς (11 α)  
 - 17. ἔστω κ. ὁ θεὸς ἡμῶν μετὰ σοῦ (11 α)  
 2. 9. ἔδωκεν ὑμῖν κύριος [B<sup>3</sup> ὁ κ.] τὴν γῆν (11 α)  
 - 10. κατέβησαν κ. ὁ θεὸς τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν (18 α)  
 - 11. κ. ὁ θεὸς ὡμῶν θεός (11 α)  
 - 12. ὁμολογεῖται μοι κ. τὸν θεόν (18 α)  
 - 14. ὡς ἂν παραδῷ κύριος ὑμῖν τὴν πόλιν (11 α)  
 - 24. παρέδωκεν κύριος πᾶσαν τὴν γῆν (11 α)  
 3. 3. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 - 5. αἶριον ποιήσει κύριος ἐν ὑμῖν θαυμαστά [Α -τια] (11 α)  
 - 6 δις. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 - 7. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 α)  
 - 9. ἀκούσατε τὸ ρῆμα κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 - 10. **Α** οὐκ ἐγὼ κ. [B τὴν θεός] ζῶν ἐν ὑμῖν (4 α)  
 - 11. ἡ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (1)  
 - 13. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (11 α + 1)  
 - 14. **Α** τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [B om.] -  
 - 15. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [Α om. τ. δ. κ.] -  
 - 17. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 4. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ [Α πρὸς Ἰησοῦν] (11 α)  
 - 5. προσαγάγετε . . . πρὸ προσώπου κυρίου (11 α + 6)  
 - 7. **Α**<sup>2</sup> Β κιβωτὸς διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (11 α)  
 - 8. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 α)  
 - 9. ἀκούσατε τὸ ρῆμα κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 - 10. ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 - 10. **Α** [δὲ] ὅσα ἐνετείλατο κύριος (11 α)  
 - 11. ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 - 13. διέβησαν ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 - 14. πῆλθε κύριος τὸν Ἰησοῦν (11 α)  
 - 15. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 α)  
 - 16. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης τοῦ μαρτυρίου κυρίου -  
 - 18. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 - 23. ἀποστράφηκεν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν τὸ ὕδωρ (11 α)  
 - 23. καθὼς ἐποίησε κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν ἥν ἀπέβηκεν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α, -)  
 - 24. ἡ δύναμις τοῦ κ. ἰσχυρά ἐστὶ (11 α)  
 - 24. ἵνα ὑμεῖς σέβησθε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 α)  
 5. 1. ἀπέβηκεν κ. ὁ θεὸς τὸν Ἰορδ. ποταμὸν (18 α)  
 - 2. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 α)  
 - 6. **Α** οἱ καὶ διώρισεν κύριος αὐτοῖς [B om. κ. αὐ.] (11 α)  
 - 6. ἦν ὡμοσε κύριος τοῖς πατράσιν (11 α)  
 - 8 (9). εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 α)  
 - 13 (14). ἐγὼ ἀρχιστράτηγος δυνάμειος κυρίου (11 α)  
 - 15 (16). λέγει [Α εἶπεν] ὁ ἀρχιστράτηγος κυρίου (11 α)  
 6. 2. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 α)  
 - 6 (7). παραπορεύεσθωσαν . . . ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 - 7 (8). παρελθέτωσαν . . . ἐναντίον τοῦ κ. (11 α)  
 - 7 (8). ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 - 8 (9). τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κυρίου -  
 - 11 (12). τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης [Α om. τ. δ.] κυρίου (11 α)  
 - 12 (13). προσπορεύοντο ἐναντίον κυρίου [Α τοῦ κ.] (11 α)  
 - 13 (14). τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 - 15 (16). παρέδωκε γὰρ κύριος ὑμῖν τὴν πόλιν (11 α)  
 - 16 (17). ἔσται ἡ πόλις ἀνάθεμα . . . κυρίῳ σαβαώθ [Α τῷ κ. τὸν δυνάμεων] (11 α)  
 - 18 (19). ἄγιον ἔσται τῷ κ. εἰς θησαυρὸν κυρίου εἰσνεχθήσεται (11 α, 11 α)  
 - 23 (24). εἰς θησαυρὸν κυρίου εἰσνεχθήσεται (11 α)  
 - 25 (26). ἔρκισεν Ἰ. . . ἐναντίον κυρίου [Α om. ε. κ.] (11 α)  
 - 26 (27). ἦν κύριος μετὰ Ἰησοῦ (11 α)  
 7. 1. ἐθνυμάθη κύριος ὁργὴ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 α)  
 - 6. ἔπαισεν Ἰησοῦς . . . ἐναντίον κυρίου (11 α)
- Jo. 7. 7. **Α** δέομαι, κύριε κύριε [B om.] (2, 11 β)  
 - 10. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 α)  
 - 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 α)  
 - 14. ἦν ἂν δείξῃ κύριος (11 α)  
 - 14 δις. ἂν ἂν δείξῃ [Α ἐνδ.] κύριος (11 α)  
 - 15. παρέβη τὴν διαθήκην κυρίου (11 α)  
 - 19. δὸς δάξαν σήμερον τῷ κ. θεῷ Ἰσρ. (11 α)  
 - 20. ἡμαρτον ἐναντίον κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 α)  
 - 23. ἔθηκεν αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 α)  
 - 25. ἐξολεθρεύσει σε κύριος (11 α)  
 - 26. ἐπαύσατο κύριος τοῦ θυμοῦ τῆς ὁργῆς (11 α)  
 8. 1, 18. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 α)  
 - 27. κατὰ πρόσταγμα κυρίου ἂν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 α, -)  
 9. 2 (8. 30). θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ [Α τῷ κ. β.] Ἰσρ. (11 α)  
 - 2 (8. 31). Μωυσῆς ὁ θεράπων κυρίου (11 α)  
 - 2 (8. 31). ἀνεβίβασεν ἐκεῖ δλοκαντώματα κυρίῳ [Α τῷ κ.] (11 α)  
 - 2 (8. 33). τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 - 2 (8. 33). Μωυσῆς ὁ θεράπων κυρίου (11 α)  
 - 3. ὅσα ἐποίησε κύριος [Α Ἰησοῦς] τῇ Ἰερ. (11 α)  
 - 9. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 - 14. κύριον οὐκ ἐπηρώτησαν (11 α)  
 - 18. ὡμοσαν αὐτοῖς . . . κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (11 α)  
 - 19. ὡμολογῶμεν αὐτοῖς κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (11 α)  
 - 24. ὅσα συνέταξε κ. ὁ θεὸς σου Μωυσῆ (11 α)  
 - 27. ἂν ἂν ἐκλέγῃται κύριος (11 α)  
 10. 8. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 α)  
 - 10. ἐξέστησεν αὐτοὺς κύριος (11 α)  
 - 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κύριος (11 α)  
 - 11. κύριος ἐπέβηκεν αὐτοῖς λείδων χαλᾶζης (11 α)  
 - 12. ἐλάλησεν Ἰησοῦς πρὸς κύριον (11 α)  
 - 12. **Α** παρέδωκεν κ. [B om.] ὁ θεὸς τὸν Ἀμ. (18 α)  
 - 14. κύριος συνεπολέμησεν τῷ Ἰσρ. (11 α)  
 - 19. παρέδωκε γὰρ αὐτοῖς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 - 25. οὕτως ποιήσει κύριος πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς (11 α)  
 - 30. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος (11 α)  
 - 32. παρέδωκε κύριος τὴν Λαχίς (11 α)  
 - 35. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος (11 α)  
 - 40. ἂν τρόπον ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 α)  
 - 42. κ. ὁ θεὸς Ἰ. [Α om. ὁ θ. Ἰ.] συνεπολέμει τῷ Ἰ. (11 α [11 α + 6])  
 11. 6. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 α)  
 - 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 α)  
 - 9. ἂν τρόπον [Α καθότι] ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 α)  
 - 12. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 α)  
 - 15. ἂν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῆ (11 α)  
 - 15. **Α** ὡς συνέταξεν κύριος τῷ Μ. [B σ. αὐτῷ Μωυσῆ] (11 α)  
 - 20. διὰ κυρίου ἐγένετο (11 α)  
 - 20. ἂν τρόπον εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 α)  
 - 23. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῆ (11 α)  
 12. 6. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 α)  
 13. 1. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 α)  
 - 8. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 α)  
 - 14. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. οὕτως κληρονομία αὐτῶν (11 α)  
 - 14. καθὰ εἶπεν αὐτοῖς κύριος (11 α)  
 14. 2. ἂν τρόπον ἐνετείλατο κύριος (11 α)  
 - 5. ἂν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 - 6. ὁ ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆ (11 α)  
 - 7. **Α** Μωυσῆς δοῦλος κυρίου [B ὁ παῖς τοῦ θεοῦ] (11 α)  
 - 8. ἐπακολούθησεν κ. τῷ θεῷ μου (11 α)  
 - 9. ἐπακολούθησεν ὅπισθεν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν [Α om.] (11 α)  
 - 10. διέθρεψε μὲ κύριος (11 α)  
 - 10. ἀφ' οὗ ἐλάλησε κύριος τὸ ρῆμα τοῦτο (11 α)  
 - 12. καθὰ εἶπε κύριος (11 α)  
 - 12. εἰπὼν οὖν κύριος μετ' ἐμοῦ ἦ (11 α)  
 - 12. ἂν τρόπον εἶπὲ μοι κύριος (11 α)  
 - 14. τῷ προστάγματι κ. θεοῦ [Α τοῦ θ.] Ἰσρ. (11 α)  
 17. 4. ἐδόθη αὐταῖς διὰ προστάγματος κυρίου (11 α)  
 18. 3. ἦν ἔδωκε [Α add. ἡμῖν] κ. ὁ θεός (11 α)  
 - 6. ἔναντι [Α -τίον] κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 - 7. ἱερατεία γὰρ κυρίου μερὶς αὐτοῦ (11 α)  
 - 7. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 α)  
 - 8. ἐξοίωσεν ὑμῖν κληρὸν ἔναντι κυρίου (11 α)  
 - 10. ἐνέβαλεν αὐτοῖς Ἰ. κληρὸν . . . ἔναντι [Α -τίον] κυρίου (11 α)  
 19. 51. **Α** ἐν Σηλῶ ἔναντι [B -τίον, B<sup>1</sup> add. τοῦ] κυρίου (11 α)  
 20. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἰησοῦ (11 α)  
 21. 2. ἐνετείλατο κύριος ἐν χειρὶ Μ. (11 α)  
 - 3. διὰ προστάγματος κυρίου (11 α)
- Jo. 21. 8. ἂν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 - 40. **Β** διὰ [Α Β κατὰ] πρόσταγμα [Α -ματος] κυρίου -  
 - 41. ἔδωκε κύριος τῷ Ἰσρ. πᾶσαν τὴν γῆν (11 α)  
 - 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [Α -οῖς] κύριος (11 α)  
 - 42. πάντας τοὺς ἐχθρούς αὐτῶν παρέδωκε κύριος (11 α)  
 - 43. ὡς ἐλάλησε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 α)  
 22. 2. Μ. ὁ παῖς κυρίου (11 α)  
 - 3. ἐφύλαξετε τὴν ἐντολὴν κ. τοῦ θεοῦ ὡμῶν (11 α)  
 - 4. κατέπαυσε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (11 α)  
 - 5. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 α)  
 - 5. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 α)  
 - 9. διὰ προστάγματος κυρίου (11 α)  
 - 16. τάδε λέγει πᾶσα ἡ συναγωγὴ κυρίου (11 α)  
 - 16. **Α** ἦν ἐπλημμελήσατε ἔναντι κ. τοῦ [B -τίον τοῦ] θεοῦ Ἰσρ. ἀποστράφηται σήμερον ἀπὸ κυρίου . (18 β, 11 β)  
 - 16. ἀποστάτας ὑμᾶς γενέσθαι ἀπὸ τοῦ [Α om.] κ. (11 α)  
 - 17. ἐν τῇ συναγωγῇ κυρίου (11 α)  
 - 18. ἀπεστράφητε σήμερον ἀπὸ κυρίου (11 α)  
 - 18. ἐὰν ἀποστήτε σήμερον ἀπὸ κυρίου (11 α)  
 - 19. τὴν γῆν τῆς κατασχέσεως κυρίου (11 α)  
 - 19. οὐ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ σκηνὴ [Α κιβωτὸς] κυρίου (11 α)  
 - 19. **Α** μὴ ἀπὸ κυρίου [B θεοῦ] ἀποστᾶται γενήθητε (11 α)  
 - 19. μὴ ἀποστήτε ἀπὸ κυρίου [Α om. ἀ. κ.] -  
 - 19. ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 - 22. **Α** ὁ θεὸς θεός κ. ἐστὶ καὶ ὁ θεός θ. κ. [B ὁ θ. θεός] αὐτὸς οὗτος (11 α, 11 α [6 + 11 α])  
 - 22. ἐπλημμελήσαμεν ἔναντι τοῦ [Α om.] κ. (11 α)  
 - 23. ὥστε ἀποστῆναι ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (18 α)  
 - 23. κύριος [Α κ. αὐτός] ἐκλήθησεν (11 α)  
 - 24. τί ὑμῖν κ. τῷ θεῷ Ἰσρ. (11 α)  
 - 25. ὅρα ἔθηκεν κύριος (11 α)  
 - 25. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερὶς κυρίου (11 α)  
 - 25. ἵνα μὴ σέβωνται κύριον (11 α)  
 - 27. **Α** Β τοῦ λατρεύειν λατρίαν κυρίου [B -φι] (11 α)  
 - 27. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερὶς κυρίου (11 α)  
 - 28. ὁμοίωμα τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 α)  
 - 29. ἡμᾶς ἀποστραφῆναι [Α -στηναι] ἀπὸ κυρίου (11 α)  
 - 29. **Β** ἀποστήσῃ [B -σθαι] ἀπὸ κυρίου (11 α)  
 - 29. πλὴν τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου [Α add. τοῦ θ. ἡμῶν] (11 α)  
 - 31. μὲθ' ἡμῶν κύριος (11 α)  
 - 31. οὐκ ἐπλημμελήσατε ἐναντίον κυρίου πλημμελεῖν (11 α)  
 - 31. ἐρρύσασθε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (11 α)  
 - 34. κ. ὁ θεός [Α θ. θεός] αὐτῶν ἐστὶ (11 α)  
 23. 1. μετὰ τὸ καταπαύσαι κύριον τὸν [Α τ. θεόν] Ἰσρ. (11 α [18 α])  
 - 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 - 3. κ. ὁ θεὸς ὡμῶν [Α add. αὐτός] ὁ ἐκπολεμήσας ἡμῖν (11 α)  
 - 5. κ. δὲ ὁ θεὸς ἡμῶν οὕτως ἐξολεθρεύσει αὐτοὺς (11 α)  
 - 5. καθὰ ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ὑμῖν (11 α)  
 - 8. κ. τῷ θεῷ ἡμῶν προσκολληθήσεσθε (11 α)  
 - 9. ἐξολεθρεύσει [Α -ωλίθρευσει] αὐτοὺς κύριος (11 α)  
 - 10. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν οὕτως ἐξεπολέμει ἡμῖν (11 α)  
 - 11. τοῦ ἀγαπᾶν κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 α)  
 - 13. οὐ μὴ προσθῇ κύριος τοῦ ἐξολεθρεύσαι αὐτοὺς (11 α + 6)  
 - 13. ἦν [Α ἦς] ἔδωκεν ὑμῖν κ. ὁ θεὸς ὡμῶν (11 α)  
 - 14. ὡς εἶπε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 - 15. **Α** Β ἐλάλησε κύριος ἐφ' [B πρὸς] ὑμᾶς (11 α + 6)  
 - 15. ἐπάξει κ. ὁ θεός [Α om. ὁ θ.] ἐφ' ὑμᾶς (18 α [11 α])  
 - 15. ἦς ἔδωκε κύριος [Α add. ὁ θ. ὡμῶν] ὑμῖν (11 α + 6 [11 α])  
 - 16. τὴν διαθήκην κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 24. 2. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 - 5. **Α** ἐπάταξεν κύριος [B<sup>1</sup> -ξαν, B<sup>2</sup> R -ξα] τὴν Λίγν. -  
 - 7. ἀνεβόησαμεν πρὸς κύριον (11 α)  
 - 7. ὅσα ἐποίησε κύριος -  
 - 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος -

Jo. 24. 10. οὐκ ἤβηλεν κ. ο θεός σου [A. om. ο. θ. σ.] ἀπολέσαι -  
 — 11. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος [A. om.] -  
 — 14. φοβήθητε κύριον [A. τὸν κ.] (11 a)  
 — 14. λατρεύσατε κυρίῳ (11 a)  
 — 15. εἰ δὲ μὴ ἀρέσκει ὑμῖν λατρεῖν κυρίῳ (11 a)  
 — 15. λατρεύσωμεν κυρίῳ (11 a)  
 — 16. μὴ γένοιτο ἡμῖν καταλιπεῖν κύριον (11 a)  
 — 17. κ. [A. καὶ γὰρ] ὁ θεός ἡμῶν αὐτὸς θεός [A. om. αὐ. θ.] ἐστιν (11 a)  
 — 18. ἐξέβαλε κύριος τὸν Ἀμωρραῖον (11 a)  
 — 18. λατρεύσωμεν κυρίῳ (11 a)  
 — 19. οὐ μὴ δύνηται λατρεῖν κυρίῳ [A. κ. τῷ θεῷ] (11 a [18 a])  
 — 20. ἦνικα ἂν ἐγκαταλίπητε κύριον [A. τὸν κ.] (11 a)  
 — 21. κυρίῳ λατρεύσωμεν (11 a)  
 — 22. ὑμεῖς ἐξελέξαθε κυρίῳ [A. τὸν κ.] λατρεῖν αὐτῷ (11 a)  
 — 23. εὐθύνετε τὴν καρδίαν ὑμῶν πρὸς κύριον θ. Ἰσρ. (11 a)  
 — 24. κυρίῳ λατρεύσωμεν (11 a + θ)  
 — 26. ἐστῆσεν αὐτὸν Ἰησοῦς . . . ἀπέναντι κυρίου (11 a)  
 — 27. πάντα τὰ λεχθέντα αὐτῷ [A. om.] ὑπὸ κυρίου (11 a)  
 — 27. ἦνικα ἂν ψεύσῃσθε κ. τῷ θεῷ (18 b)  
 — 31. ἐλάτρευσεν Ἰσραὴλ τῷ κ. (11 a)  
 — 31. ὅσοι εἶδον πάντα τὰ ἔργα κυρίου (11 a)  
 — 29. Ἰησοῦς υἱὸς Ναυὶ δούλου κυρίου (11 a)  
 — 30. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς [A. om.] κύριος -  
 — 33. καὶ παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος -  
 Jd. 1. 1. ἐπηρώτων οἱ υἱοὶ Ἰσρ. διὰ τοῦ κ. [A. ἐν κυρίῳ] (11 a)  
 — 2. καὶ εἶπε κύριος (11 a)  
 — 4. παρέδωκε [A. ἔδωκεν] κύριος τὸν Χαν. (11 a)  
 — 19. ἦν κύριος μετὰ Ἰούδα (11 a)  
 — 22. κύριος ἦν [A. Ἰουδῆς] μετ' αὐτῶν (11 a)  
 2. 1. ἀνέβη ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 1. Α. κύριος κύριος ἀνέβησεν [B. τὰδε λέγει κ., ἀνεβίβασα] ὑμᾶς - , -  
 — 4. ὡς ἐλάλησεν ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 5. ἐθυσίασαν [A. ἔθυσαν] ἐκεῖ τῷ κ. (11 a)  
 — 7. ἐδούλευσεν ὁ λαὸς τῷ κ. (11 a)  
 — 7. ὅσοι ὤρυσαν πᾶν τὸ ἔργον κυρίου τὸ μέγα (11 a)  
 — 8. Ἰησοῦς υἱὸς Ναυὶ δούλου κυρίου (11 a)  
 — 10. οἱ [A. ὅσοι] οἱ κ. ἔγνωσαν τὸν κ. (11 a)  
 — 11. ἐποίησαν . . . τὸ ποιηρὸν ἐνώπιον [A. ἐναντίον] κυρίου (11 a)  
 — 12. ἐγκατέλιπον τὸν κ. (11 a)  
 — 12. παρώργισαν τὸν κ. (11 a)  
 — 13. Α. ἐγκατέλιπον τὸν κ. [B. αὐτόν] (11 a)  
 — 14. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 15. χεὶρ κυρίου ἦν ἐπ' αὐτοὺς [A. ἦν αὐτοῖς] (11 a)  
 — 15. καθὼς ἐλάλησε κύριος καὶ καθὼς ὥμοσε κύριος (11 a, 11 a)  
 — 16. ἤγειρε κύριος κριτὰς (11 a)  
 — 16. ἔσωσεν αὐτοὺς κύριος [A. om.] -  
 — 17. Α. παρώργισαν τὸν κ. -  
 — 17. τοῦ εἰσακοῦν τὸν λόγον [A. ἐντολὰς] κυρίου (11 a)  
 — 18. ἤγειρε κύριος αὐτοῖς κριτὰς (11 a)  
 — 18. ἦν κύριος μετὰ τοῦ κρ. (11 a)  
 — 18. παρεκλήθη κύριος ἀπὸ τοῦ στεναγμοῦ αὐτῶν (11 b)  
 — 20. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 22. εἰ φυλάσσονται τὴν ὁδὸν κυρίου (11 a)  
 — 23. ἀφῆκε κύριος τὰ ἔθνη ταῦτα (11 a)  
 3. 1. ἂ ἀφῆκε κύριος αὐτὰ [A. αὐ.] (11 a)  
 — 4. εἰ ἀκούσονται τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)  
 — 7. ἐποίησαν . . . τὸ ποιηρὸν ἐναντίον [A. -τι] κυρίου (11 a)  
 — 7. ἐπείαθοντο κ. τοῦ [A. om.] θεοῦ αὐτῶν (11 a)  
 — 8. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 9. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 9. ἤγειρε κύριος σωτῆρα τῷ Ἰσρ. (11 a)  
 — 10. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)  
 — 10. παρέδωκε κύριος ἐν χεὶρ αὐτοῦ τὸν Χ. (11 a)  
 — 12. ποιῆσαι τὸ ποιηρὸν ἐνώπιον [A. ἐναντι] κυρίου (11 a)  
 — 12. ἐνίσχυσε κύριος τὸν Ἐγγλῶμ (11 a)  
 — 12. διὰ τὸ πεποιθέναι αὐτοὺς τὸ ποιηρὸν ἐναντι κυρίου (11 a)  
 — 15. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 15. Α. ἤγειρεν αὐτοὺς κύριος [B. om.] σωτῆρα (11 a)  
 — 25. ὁ κ. αὐτῶν πεπρωκὼς ἐπὶ τὴν γῆν (1)

Jd. 3. 28. παρέδωκε κύριος . . . τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν (11 a)  
 4. 1. ποιῆσαι τὸ ποιηρὸν ἐνώπιον [A. ἐναντι] κυρίου (11 a)  
 — 2. ἀπέδοτο τοὺς υἱοὺς Ἰ. [A. αὐτοὺς] κύριος (11 a)  
 — 3. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 6. οὐχί [A. add. σοι] ἐνετέλιτο κ. ο θεός Ἰσρ. (11 a)  
 — 8. ἐν ᾗ εὐδοί κύριος τὸν ἄγγελον μετ' ἐμοῦ -  
 — 9. ἀποδόσθαι κύριος τὸν Σισάρα (11 a)  
 — 14. παρέδωκε κύριος τὸν Σισάρα (11 a)  
 — 14. κύριος ἐξελεύσεται [A. ἐλ.] ἔμπροσθέν σου (11 a)  
 — 15. ἐξέστησε κύριος τὸν Σισάρα (11 a)  
 — 18. ἐκκλινον [A. ἐκνεσον], κυριέ μου (1)  
 — 23. Α. ἐταπεινώσεν κύριος [B. ἐτρόπωσεν] ὁ θεός τὸν Ἰ. (18 b)  
 — 24. Α. ἐπορεύθη χεὶρ κυρίου [B. -εὔετο χ. τῶν] νύκτωρ Ἰσρ. -  
 5. 2. εὐλογεῖτε κύριον [A. τὸν κ.] (11 a)  
 — 3. ἐγὼ εἰμι τῷ κ. ἐγὼ εἰμι ἄσμοι [A. αὐ.] (11 a)  
 — 3. ψαλῶ τῷ κ. [A. om. τῷ κ.] τῷ θεῷ Ἰσρ. (11 a)  
 — 4. κυριέ, ἐν τῇ ἐξοδῷ σου (11 a)  
 — 5. ὅρη ἐσαλεύθησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)  
 — 5. τοῦτο Σινὰ ἀπὸ προσώπου κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)  
 — 9. εὐλογεῖτε κύριον [A. τὸν κ.] (11 a)  
 — 11. δώσωσιν δικαιοσύνας κύριε [A. -ίω] (11 a)  
 — 11. κατέβη εἰς τὰς πόλεις λαὸς κυρίου (11 a)  
 — 13. λαὸς κυρίου κατέβη αὐτῷ [A. αὐ.] (11 a)  
 — 14. Α. κύριος ἐπολέμει μοι [B. αὐ.] +  
 — 23. εἶπεν ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 23. εἰς βοήθειαν κυρίου (11 a)  
 — 23. Α. βοηθός ἡμῶν κύριος [B. εἰς βοήθειαν] (11 a)  
 — 31. ἀπόλουντο πάντες οἱ ἐχθροί σου, κύριος (11 a)  
 6. 1. ἐποίησαν . . . τὸ ποιηρὸν ἐνώπιον [A. ἐναντι] κυρίου (11 a)  
 — 1. ἔδωκεν [A. παρέδ.] αὐτοὺς κύριος ἐν χεὶρὶ Μ. (11 a)  
 — 7 (6). ἐβόησαν [A. ἐκέκραξαν] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 8 (7). Α. ἐπεὶ ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 8. ἐξαπέστειλε κύριος ἄνδρα προφήτην (11 a)  
 — 8. τὰδε λέγει κ. ο θεός Ἰσρ. (11 a)  
 — 10. ἐγὼ κ. ο θεός ὑμῶν (11 a)  
 — 11. ἦλθεν ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 12. ὥφθη αὐτῷ ὁ [A. εὔρεν αὐτὸν] ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 12. κύριος μετὰ σοῦ (11 a)  
 — 13. Α. ἐν ἐμοὶ κύριος κύριος [B. κύριέ μου] (1, -)  
 — 13. εἰ ἔστι κύριος μετ' ἡμῶν (11 a)  
 — 13. ἀνῆγαγεν [A. ἐξήγ.] ἡμᾶς κύριος (11 a)  
 — 13. Α. ἀπώστω ἡμᾶς κύριος [B. ἐξέρριψεν ἡ.] (11 a)  
 — 14. ἐπίστρεψε [A. -ίβλεψεν] πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου (20)  
 — 15. ἐν ἐμοὶ, κυριέ μου [A. om.] (2)  
 — 16. εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου, Κύριος ἔσται μετὰ σοῦ (11 a, -)  
 — 20. Α. εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου [B. τοῦ θεοῦ] (θ)  
 — 21. ἐξέτεινεν ὁ ἄγγελος κυρίου τὸ ἄκρον τῆς ῥάβδου (11 a)  
 — 21. ὁ ἄγγελος κυρίου ἐπορεύθη [A. ἀπῆλθεν] (11 a)  
 — 22. ἄγγελοι κυρίου οὗτος [A. om.] ἐστί (11 a)  
 — 22. ἂ ἡ κυριέ μου [A. om.] κυριέ (2, 11 b)  
 — 22. εἶδον ἄγγελον κυρίου (11 a)  
 — 23. εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)  
 — 24. φκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)  
 — 24. εἰρήνη κυρίου (11 a)  
 — 25. εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)  
 — 26. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον τῷ [A. om.] κ. (11 a)  
 — 27. ὃν τρόπον [A. καθὰ] ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)  
 — 34. πνεῦμα κυρίου [A. θεοῦ] ἐνέδυσε τὸν Γ. (11 a)  
 7. 2. εἶπε κύριος πρὸς Γ. (11 a)  
 — 3. Α. εἶπεν κύριος πρὸς αὐτὸν -  
 — 4. 5, 7. εἶπε κύριος πρὸς Γ. (11 a)  
 — 9. εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)  
 — 14. Α. παρέδωκεν κύριος [B. ο θεός] ἐν χεὶρὶ αὐτοῦ (θ)  
 — 15. καὶ προσέκρινε κυρίῳ [A. κύριον] -  
 — 15. παρέδωκε κύριος ἐν χεὶρ ἡμῶν (11 a)  
 — 18. εἴρετε, τῷ κ. (11 a)  
 — 20. βομφαία τῷ κ. (11 a)  
 — 22. ἔθηκε κύριος τὴν βομφαίαν [A. ἔθετο κ. μάχαιραν] (11 a)

Jd. 8. 3. παρέδωκε κύριος τοὺς ἀρχοντας Μ. (θ)  
 — 7. ἐν τῷ δοῦναι κυρίῳ τὸν Ζ. (11 a)  
 — 19. ᾧ κύριος (11 a)  
 — 22. κύριος, ἄρξεν ἡμῶν [A. αὐ.] -  
 — 23. κύριος ἄρξεν ὑμῶν (11 a)  
 — 34. οὐκ ἐμνήσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. κυρίου (11 a)  
 9. 57. Α. ἀπέστρεψεν κύριος εἰς τὴν κεφαλὴν αὐ. [B. αὐ.] (θ)  
 10. 6. ποιῆσαι τὸ ποιηρὸν ἐνώπιον [A. ἐναντι] κυρίου (11 a)  
 — 6. ἐγκατέλιπον τὸν κ. (11 a)  
 — 7. ὠργίσθη θυμῷ [A. ἐθυμώθη] κύριος ἐν Ἰσρ. (11 a)  
 — 10. ἐβόησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 10. Α. ἐγκατέλιπον τὸν κ. [B. om.] θεόν (18 b)  
 — 11. εἶπε κύριος πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (11 a)  
 — 15. εἶπαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 15. Α. πλὴν, κύριε [B. om.], ἐξελού ἡμᾶς -  
 — 16. ἐδούλευσαν [A. ἐλάτρευσαν] τῷ κ. μόνον [A. om.] (11 a)  
 11. 9. καὶ παραδὼ αὐτοὺς κύριος (11 a)  
 — 10. κύριος ἔστω [A. ἔσται ὁ] ἀκούων (11 a)  
 — 11. ἐλάλησεν Ἰ. . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 21. παρέδωκε κ. ο θεός Ἰσρ. τὸν Σιών (11 a)  
 — 23. κ. ο θεός Ἰσρ. [A. om.] ἐξήρε τὸν Ἀμ. (11 a)  
 — 24. οὐς ἐξήρε κύριος [A. αὐ.] (11 a)  
 — 27. κρίνας κύριος ὁ κρίνων (11 a)  
 — 29. ἐγένετο ἐπὶ Ἰ. πνεῦμα κυρίου (11 a)  
 — 30. ἠέξατο Ἰ. εὐχὴν τῷ κ. (11 a)  
 — 31. καὶ ἔσται τῷ κ. (11 a)  
 — 32. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 a)  
 — 35. ἦνοιξα κατὰ [A. περὶ] σοῦ τὸ στόμα μου πρὸς κύριον (11 a)  
 — 36. ἦνοιξας τὸ στόμα σου πρὸς κύριον (11 a)  
 — 36. ἐν τῷ ποιῆσάι σοι κύριον ἐκδικήσιν [A. αὐ.] (11 a)  
 12. 3. ἔδωκεν [A. παρέδ.] αὐτοὺς κύριος (11 a)  
 13. 1. ποιῆσαι τὸ ποιηρὸν ἐνώπιον [A. ἐναντίον] κυρίου (11 a)  
 — 1. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος [A. om.] (11 a)  
 — 3. ὥφθη ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 8. προσήγατο Μ. πρὸς κύριον [A. ἐδεῖξέ] Μ. τοῦ κ. (11 a)  
 — 8. ἐν ἐμοὶ, κύριε ἀδωναῖε [A. om.] (2)  
 — 13. εἶπεν ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς Μ. (11 a)  
 — 15. εἶπε Μ. πρὸς τὸν ἄγγελον κυρίου (11 a)  
 — 16. εἶπεν ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς Μ. (11 a)  
 — 16. τῷ [A. om.] κ. ἀνοίσεις αὐτὸ (11 a)  
 — 16. ἄγγελος κυρίου αὐτὸς [A. ἔστιν] (11 a)  
 — 17. εἶπε Μ. πρὸς τὸν ἄγγελον κυρίου (11 a)  
 — 18. εἶπεν αὐτῷ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 19. ἀνῆγαγεν ἐπὶ τὴν πέτραν τῷ κ. (11 a)  
 — 19. Α. τῷ θαυμαστά ποιῶντι κ. [B. αὐ.] -  
 — 20. ἀνέβη ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 21. οὐ προσέθηκεν ἐτι ὁ ἄγγελος κυρίου ὁφθῆναι (11 a)  
 — 21. ἄγγελος κυρίου οὗτος [A. ἐστίν] (11 a)  
 — 23. εἰ ἤθελεν ὁ [A. οὐδ] βούλεται κ. θανατῶσαι ἡμᾶς (11 a)  
 — 24. εὐλόγησεν αὐτὸν κύριος (11 a)  
 — 25. ἤρξατο πνεῦμα κυρίου συνεκπορεύεσθαι [A. συμμ.] (11 a)  
 14. 4. παρὰ κυρίου ἐστίν (11 a)  
 — 6, 19: 15. 14. ἦλατο [A. κατηύθυνεν] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)  
 15. 28. ἔκλαυσε [A. ἐβόησεν] πρὸς κύριον (11 a)  
 16. 20. ὁ [A. om.] κ. ἀπέστη ἀπὸ κωνῶν [A. ἀπ'] αὐτοῦ (11 a)  
 — 28. ἔκλαυσε [A. ἐβόησεν] Σ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 28. Α. κύριε [B. ἀδωναῖε] κύριε, μνήσθητι (2, 11 b)  
 17. 2. εὐλογητὸς [A. -γημένος] ὁ υἱός μου τῷ κ. (11 a)  
 — 3. ἡγίασα τὸ ἀργύριον τῷ κ. (11 a)  
 — 13. ἀγαθινεῖ μοι [A. ἡγαποῦσίν με] κύριος (11 a)  
 18. 6. ἐνώπιον κυρίου ἡ ὁδὸς ὑμῶν (11 a)  
 19. 11. εἶπεν ὁ νεανίας [A. τὸ παιδάριον] πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)  
 — 12. εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ κ. αὐτοῦ (1)  
 — 22. τὸν ἄνδρα τὸν κ. τοῦ οἴκου [A. τῆς οἰκίας] (7)  
 — 23. ὁ ἀνὴρ ὁ κ. τοῦ οἴκου [A. τῆς οἰκίας] (7)  
 — 26. Α. οὐ ἦν ὁ κ. [B. ἀνὴρ] αὐτῆς ἐκεῖ (1)  
 — 27. Α. ἀνίστη ὁ κ. [B. ἀνὴρ] αὐτῆς (1)  
 — 1. ἐξεκκλησιάσθη . . . πρὸς κύριον (11 a)  
 — 2. ἐστάθησαν κατὰ πρόσωπον κυρίου [A. αὐ.] -  
 — 3. Α. ἀνέβησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον [B. om. πρ. κ.] -

- jd. 20. 18. και εἶπε κύριος (11 a)  
 — 23. ἔλυσαν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 23. ἤρώτησαν [A. ἐπηρ.] ἐν κυρίῳ (11 a)  
 — 23. και εἶπε κύριος [A. δ. κ.] (11 a)  
 — 26. ἐκάθισαν ἐκεῖ ἐνώπιον [A. ἔσαντι] κυρίου (11 a)  
 — 26. ὀλοκαυτώσεις καὶ τελείας ἐνώπιον κυρίου [A. al.] (11 a)  
 — 27. A ἐπρώτησαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. ἐν κυρίῳ (11 a)  
 — 27. ἐκεῖ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (8)  
 — 28 (27). B ἐπρώτησαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. ἐν κυρίῳ (11 a)  
 — 28. καὶ εἶπε κύριος (11 a)  
 — 35. ἐπάταξε [A. ἐτρόπωσεν] κύριος τὸν B. (11 a)  
 2l. 3. εἰς τί, κύριε θεῖ [A. ὁ θεός] 'Ισρ. (11 a)  
 — 5. τίς οὐκ ἀνέβη [A. ὁ μὴ ἀναβὰς] . . . πρὸς κύριον (11 a)  
 — 5. τοῖς οὐκ ἀναβεβηκόσι πρὸς κύριον [A. al.] (11 a)  
 — 7. ἡμεῖς ὁμώσαμεν ἐν κυρίῳ (11 a)  
 — 8. ὅς [A. ἦτις] οὐκ ἀνέβη πρὸς κύριον (11 a)  
 — 15. ἐποίησε κύριος διακοπὴν (11 a)  
 — 19. ἰορτή κυρίου [A. τῷ κ.] ἐν Σ. (11 a)  
 Ru. 1. 6. ἐπισκεπταί κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)  
 — 8. ποιῆσαι κύριος μεθ' ὑμῶν ἔλεος (11 a)  
 — 9. ὅψιν κύριος ὑμῖν (11 a)  
 — 13. ἐξῆλθεν ἐν ἔμοι χεὶρ κυρίου (11 a)  
 — 17. ταῦτε ποιῆσαι μοι κύριος (11 a)  
 — 21. κενὴν ἀπέστρεψέ με ὁ κ. (11 a)  
 — 21. κύριος ἐπαλείψει με (11 a)  
 2. 4. κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)  
 — 4. εὐλογῆσαι σε κύριος (11 a)  
 — 12. ἀποστίας κύριος τὴν ἐργασίαν σου (11 a)  
 — 12. γένοιτο ὁ μισθός σου πλήρης παρὰ κυρίου (11 a)  
 — 13. εὐρομαι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου, κύριε (1)  
 — 20. εὐλογητός ὅστι τῷ κ. (11 a)  
 3l. 10. εὐλογημένη σὺ τῷ κ. θεῷ [A. om.] (18 a) [11 a]  
 — 13. ὧ κύριος (11 a)  
 — 13. A B σὺ εἰ κύριος (11 a)  
 4. 11. ὁψὲ κύριος τὴν γυναικά σου (11 a)  
 — 12. σὺ δώσεις κύριος (11 a)  
 — 13. ἔδωκεν αὐτῇ κύριος κύστιν (11 a)  
 — 14. καὶ εἶπαν . . . Εὐλογητός κ. (11 a)  
 I Ki. 1. 3. θύειν κ. τῷ θεῷ σαβαώθ (18 a)  
 — 3. 'Ο. καὶ Φ. ἱερεῖς τοῦ κ. (21 a)  
 — 5. κύριος ἀπέλειψε [A. ὁ κ. συναπ.] τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐτῆς (11 a)  
 — 6. οὐκ ἔδωκεν αὐτῇ κύριος παιδίον (11 a)  
 — 6. συνέλειψε [A. συναπ.] κύριος τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐτῆς (11 a)  
 — 7. ἐν τῷ ἀναβαινέειν αὐτὴν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 8. ἰδοὺ ἐγὼ, κύριε [A. om.] (11 a)  
 — 9. κατέστη ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 9. ἐπὶ τῶν φλῶν ναοῦ κυρίου (11 a)  
 — 10. προσεύξατο πρὸς κύριον (11 a)  
 — 11. πῆξαι εὐχὴν κυρία [A. τῷ κ.] (11 a)  
 — 11. ἀδυναίει κύριε [A. καὶ] 'Ελωὶ σαβαώθ (11 a)  
 — 12. προσευχομένη ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 14. πορεύου ἐκ προσώπου κυρίου (11 a)  
 — 15. καὶ εἶπεν, Οὐχί, κύριε [A. κ. μου] (1)  
 — 15. ἐκχύε τὴν ψυχὴν μου ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 19. προσκυνοῦσι τῷ κ. (11 a)  
 — 19. ἐμνήσθη αὐτῆς κύριος (11 a)  
 — 20. παρὰ κυρίου θεοῦ σαβαώθ ἤρτησάν τιν αὐτὸν (18 a)  
 — 22. ὀφθήσεται τῷ προσώπῳ κυρίου (11 a)  
 — 23. στήσαι κύριος τὸ ἐξελθὼν ἐκ τοῦ στόματός σου (11 a)  
 — 24. εἰσῆλθον εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 25. προσήγαγον ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 25. ἦν ἐποίει . . . τῷ κ. (11 a)  
 — 26. ἐν ἐμοί, κύριε [A. κύριος] (1)  
 — 26. A κυρίε μου (1)  
 — 26. ἐν τῷ προσευξάσθαι πρὸς κύριον (11 a)  
 — 27. A B ἔδωκε μοι [B. om.] κύριος τὸ αἷμα μου (11 a)  
 — 28. κινῶ αὐτὸν τῷ κ. . . χρῆσιν τῷ κ. (11 a, 11 a)  
 2. 1. ἐσπερώσῃ ἡ καρδιά μου ἐν κυρίῳ (11 a)  
 — 2. οὐκ ἔστιν ἄγιος ὡς κύριος (11 a)  
 — 3. ὅτι θεὸς γνώσωνται κύριος (11 a)  
 — 6. κύριος θανατοῖ καὶ ζωογονεῖ (11 a)  
 — 7. κύριος πτωχίζει καὶ πλουτίζει (11 a)  
 — 10. κύριος ἀσθενεῖ ποιήσει ἀντίδικον αὐτοῦ κύριος ἄγιος (11 a, -)  
 — 10. γινώσκειν τὸν κ. (11 a)  
 — 10. κύριος ἀνέβη εἰς οὐρανοὺς (11 a)  
 — 10. κατέλιπον αὐτὸν ἐκεῖ ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 I Ki. 2. 11. λειτουργῶν τῷ προσώπῳ κυρίου (21)  
 — 12. οὐκ εἶδότες τὸν κ. (11 a)  
 — 14. τοῖς ἐρχομένοις θύσαι κυρίῳ (11 a)  
 — 17. ἡ ἁμαρτία ἐνώπιον κυρίου τῶν παιδάρων (11 a)  
 — 17. ἡτέον τὴν θυσίαν κυρίου (11 a)  
 — 18. λειτουργῶν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 20. ἀποστίας σοι κύριος σπέρμα (11 a)  
 — 20. οὐ ἐχρησας τῷ [A. B' om.] κ. (11 a)  
 — 21. ἐπεσκέψατο κύριος τὴν 'Δυναμ (11 a)  
 — 21. ἐμεγαλύνθη τὸ παιδάριον Σαμ. ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 23. ἐκ στόματος παντὸς τοῦ λαοῦ κυρίου (11 a)  
 — 25. προσεύχονται ὑπὲρ αὐτοῦ πρὸς κύριον (8)  
 — 25. ἐάν τῷ κ. ἀμάρτη (11 a)  
 — 25. ἐβόλευτο κύριος διαφθεῖραι αὐτούς (11 a)  
 — 26. ἀγαθὸν μετὰ κυρίου καὶ μετὰ ἀνθρώπων (11 a)  
 — 27. ταῦτε λέγει κύριος (11 a)  
 — 30. ταῦτε εἶπεν κ. ὁ θεός 'Ισρ. (11 a)  
 — 30. καὶ νῦν φησὶ κύριος (11 a)  
 3. 1. λειτουργῶν τῷ κ. (11 a)  
 — 1. ῥῆμα κυρίου ἦν τίμιον (11 a)  
 — 3. A Σαμ. ἐκάθυσεν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου [B. ναὸ] (11 a)  
 — 4. καὶ ἐκάλεσε κύριος (11 a)  
 — 6. καὶ προσέειπεν κύριος (11 a)  
 — 7. καὶ ἀποκαλυφθῆναι αὐτῷ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 8. καὶ προσέειπεν κύριος καλεῖσθαι (11 a)  
 — 8. κύριος ἐκέλευε τὸ παιδάριον (11 a)  
 — 9. A ἄλκιε κύριε [B. om.] (11 a)  
 — 10. καὶ ἤλθε κύριος (11 a)  
 — 11. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)  
 — 15. ἤνοιξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 18. κ. αὐτὸς τὸ ἀγαθόν . . . ποιήσει (11 a)  
 — 19. ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 a)  
 — 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφήτην τῷ κ. (11 a)  
 — 21. προσέειπεν κύριος δηλωθῆναι (11 a)  
 — 21. ἀπεκαλύφθη κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)  
 — 21. προφήτης γενεσθῶν τῷ κ. [A. τοῦ κ.] (11 a)  
 — 21. πονηρὰ ἡ ὁδὸς αὐτῶν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 4. 3. κατὰ τί ἔπαισεν ἡμᾶς κύριος (11 a)  
 — 4. τὴν κιβωτὸν [A. add. τῆς. διαθήκης] κυρίου [A. add. τῶν δυνάμ.] (11 a)  
 — 5. ἡ κιβωτὸς [A. add. διαθήκης] κυρίου (11 a)  
 — 6. κιβωτὸς κυρίου ἦκει (11 a)  
 — 8 (7). ἐξελύο ἡμᾶς, κύριε (11 a)  
 — 22. ἐν τῷ ληθῆναι τὴν κιβωτὸν κυρίου (8)  
 5. 2. ἔλαβον ἀλλοφύλου τὴν κιβωτὸν κυρίου [A. τοῦ κ.] (8)  
 — 3. ἐβαρυνθὲν χεὶρ κυρίου (11 a)  
 — 4. ἐνώπιον κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)  
 — 6. ἐβαρύνθη ἡ χεὶρ κυρίου (11 a)  
 — 9. γίνεται χεὶρ κυρίου τῇ [A. ἐν τῇ] πόλει (11 a)  
 6. 1. A ἦν ἡ κιβωτὸς κυρίου [B. om.] ἐν ἀγρῷ (11 a)  
 — 2. τί ποιήσωμεν τῇ κιβωτῷ κυρίου [A. τοῦ κ.] (11 a)  
 — 3. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κ. θεοῦ 'Ισρ. (18 b)  
 — 5. δάσατε τῷ κ. δόξα (8)  
 — 8. A ἤψεσθε τὴν κιβωτὸν κυρίου [B. om.] (8)  
 — 11. A B ἔθεντο τὴν κιβωτὸν κυρίου [B. om.] ἐπὶ τὴν ἄμμοαν (11 a)  
 — 13. εἶδον κιβωτὸν κυρίου (11 a)  
 — 14. ὀλοκαύτωσιν [A. -κάρπωσιν] τῷ κ. (11 a)  
 — 15. ἀνήγγειλαν τὴν κιβωτὸν τοῦ [A. om.] κ. (11 a)  
 — 15. ἀνήγγειλαν . . . τῷ κ. (11 a)  
 — 17. ἄς ἀπέδωκαν . . . τῷ κ. (11 a)  
 — 18. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)  
 — 19. εἶδαν κιβωτὸν κυρίου (11 a)  
 — 19. ἐπάταξε κύριος . . . πληγὴν μεγάλην (11 a)  
 — 20. A B διελέθιν ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ [B. om. κ. τ. θ.] τοῦ ἁγίου τούτου (11 a)  
 — 20. πρὸς τίνα ἀναβήσεται κιβωτὸς κυρίου (11 a)  
 — 21. ἀπεστρέφασιν . . . τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 a)  
 7. 1. ἀνάγουσι τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)  
 — 1. φυλάσσειν τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)  
 — 2. ἐπέβλεψε πᾶς οἶκος 'Ισρ. ὅτις αὐτοῦ (11 a)  
 — 3. ὑμῖς ἐπιστρέφετε πρὸς κύριον (11 a)  
 — 3. ἐτοίμασατε τὰς καρδίας ὑμῶν πρὸς κύριον (11 a)  
 — 4. ἐδούλευσαν κ. [A. τῷ κ.] μόνον (11 a)  
 — 5. προσεύχονται περὶ ὑμῶν πρὸς κύριον (11 a)  
 — 6. ἐξέχων ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 6. ἡμαρτήκαμεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 8. τοῦ μὴ βῶν πρὸς κ. θεόν σου (11 a)  
 — 9. ἀνήγγεικεν αὐτὸν . . . τῷ κ. (11 a)  
 — 9. ἐβόησε Σαμ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 9. ἐγήγερσεν αὐτοῦ κύριος (11 a)  
 — 10. καὶ ἐβρόντησε κύριος (11 a)  
 I Ki. 7. 12. ἐβοήθησεν ἡμῖν κύριος (11 a)  
 — 13. ἐταπείνωσε κύριος τοὺς ἀλλοφύλους (11 a)  
 — 13. ἐγενήθη χεὶρ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἄλλοφ. (11 a)  
 — 17. φοδοῦσμεν ἐκεῖ θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)  
 8. 6. προσεύξατο Σαμ. πρὸς κύριον (11 a)  
 — 7. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)  
 — 10. εἶπε Σαμ. πᾶν τὸ ῥῆμα τοῦ [A. om.] κ. (11 a)  
 — 18. οὐκ ἐπακούσεται κύριος ὑμῶν (11 a)  
 — 21. ἐλάλησεν αὐτοὺς εἰς τὰ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 22. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)  
 9. 6. A δ. κ. θεός [A. B ἀνθρώπος] τοῦ θεοῦ ἐν τῇ πόλει (11 a)  
 — 15. A B κύριος ἀπεκάλυψε τὸ ῥῆμα Σαμ. (11 a)  
 — 17. κύριος ἀπεκρίθη αὐτῷ (11 a)  
 10. 1. οὐχὶ κέχρικε σε κύριος (11 a)  
 — 1. σὺ ἄρξεις ἐν [A. om.] λαῷ κυρίου (11 a)  
 — 1. ἐχρίσται σε κύριος (11 a)  
 — 6. ἐφαλείται ἐπὶ σέ πνεῦμα κυρίου (11 a)  
 — 17. παρήγγειλε Σαμ. παντὶ τῷ λαῷ πρὸς κ. (11 a)  
 — 18. ταῦτε εἶπε κύριος (11 a)  
 — 19. κηρύσσει ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 22. ἐπρώτησε [A. add. ἐτι] Σαμ. ἐτι ἐν κυρίῳ (11 a)  
 — 22. καὶ εἶπε κύριος (11 a)  
 — 24. ὃν ἐκλέκεται ἐαυτῷ κύριος (11 a)  
 — 25. καὶ ἔθηκεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 26. ὃν ἤψατο κύριος καρδίας αὐτῶν (8)  
 11. 6. B ἐφῆλατο πνεῦμα κυρίου ἐπὶ Σαουλ (8)  
 — 7. ἐπῆλθεν ἔκστασις κυρίου ἐπὶ τὸν λαὸν 'Ισρ. (11 a)  
 — 13. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν ἐν 'Ισρ. (11 a)  
 — 15. ἔχρισε Σαμ. ἐκεῖ τὸν Σαουλ . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 15. ἔθυσεν ἐκεῖ θυσίας . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 12. 3. ἀποκρίθητε κατ' ἐμὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 5. μάρτυς κύριος ἐν ὑμῖν (11 a)  
 — 6. μάρτυς κύριος ὁ ποιήσας τὸν Μωυσῆν (11 a)  
 — 7. δικάσω [A. δικαίωσω] ὑμᾶς ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 7. τὴν πᾶσαν δικαιοσύνην [A. τὰς π. δ.] κυρίου (11 a)  
 — 8. ἐβόησαν οἱ πατέρες ἡμῶν πρὸς κύριον (11 a)  
 — 8. ἀπέστειλε κύριος τὸν Μωυσῆν (11 a)  
 — 9. ἐπελάθοντο κ. τοῦ θεοῦ [A. τοῦ κ. θ.] αὐτῶν (11 a)  
 — 10. ἐβόησαν πρὸς κύριον (11 a)  
 — 11. ἐγκατέλιπον τὸν κ. (11 a)  
 — 12. A B' κ. ὁ θεός ὑμῶν βασιλεὺς ὑμῶν (11 a)  
 — 13. δέδωκε κύριος ἐφ' ὑμᾶς βασιλείαν (11 a)  
 — 14. ἐάν φοβηθῇτε τὸν κ. (11 a)  
 — 14. καὶ μὴ ἐρίσσητε τῷ στόματι κυρίου (11 a)  
 — 14. ὅτις αὐτοῦ κυρίου πορεύομενοι (11 a + 8)  
 — 15. ἐάν δὲ μὴ ἀκούσσητε [A. εἰσακ.] τῆς φωνῆς κυρίου καὶ ἐρίσσητε τῷ στόματι κυρίου καὶ ἔσται χεὶρ κυρίου ἐφ' [A. εἰς] ὑμᾶς (11 a + 8)  
 — 16. δ. ὁ κ. ποιήσει (11 a)  
 — 17. ἐπικαλέσονται κύριον [A. τὸν κ.] (11 a)  
 — 17. ἦν ἐποιήσατε ἐνώπιον κυρίου [A. om.] (11 a)  
 — 18. B ἐπεκαλέσατο Σαμ. τὸν κ. (11 a)  
 — 18. B ἔδωκε κύριος φωνάς (11 a)  
 — 18. B ἐβοήθησεν πᾶς ὁ λαὸς τὸν κ. (11 a)  
 — 19. B προσευξοί . . . πρὸς κ. θεόν σου (11 a)  
 — 20. B μὴ ἐκλύνητε ἀπὸ ὅπισθεν κυρίου (11 a)  
 — 20. B δουλεύσατε τῷ κ. (11 a)  
 — 22. B οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)  
 — 22. B κύριος προσελάβετο ὑμᾶς ἐαυτῷ (11 a)  
 — 23. B τοῦ ἀμαρτεῖν τῷ κ. (11 a)  
 — 23. B δουλεύσω τῷ κ. (11 a)  
 — 24. B φοβείσθε τὸν κ. (11 a)  
 18. 12. B τοῦ προσώπου τοῦ κ. οὐκ εἰδῆθῃ (11 a)  
 — 13. B ἦν ἐνετειλατό σοι κύριος (11 a + 8)  
 — 13. B ἠτοίμασε κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 a)  
 — 14. B ἠγάπησε κύριος ἐαυτῷ ἀνθρώπων (11 a)  
 — 14. B ἐντελείται κύριος αὐτῷ (11 a)  
 — 14. B ὅτι ἐνετειλατό σοι κύριος (11 a)  
 14. 6. B εἰ τι ποιῆσαι κύριος ἡμῖν (11 a)  
 — 6. B οὐκ ἔστι τῷ κ. συνεχόμενοι (11 a)  
 — 10, 12. παραδίδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 a)  
 — 15. ἐγενήθη ἔκστασις παρὰ κυρίου (8)  
 — 22 (23). ἔσωσε κύριος . . . τὸν 'Ισρ. (11 a)  
 — 26. ἐφοβήθη ὁ λαὸς τὸν ὄρκον κυρίου (11 a)  
 — 33. ἡμαρτήκεν ὁ λαὸς τῷ κ. (11 a)  
 — 34. οὐ μὴ ἀμάρτητε (11 a)  
 — 35. φοδοῦσμεν . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)

1 Ki. 14. 35. οικόδομησαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 α)  
 — 39. ὁ κύριος ὁ σῶσας τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 41. καὶ εἶπε Σαουλ, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. —  
 — 42. κύριος ὁ θεὸς Ἰσρ., δὲς δῖλους (11 α)  
 — 42. ὃν ἂν κατακληρώσῃται κύριος —  
 — 45. ὁ κύριος (11 α)  
 16. 1. ἐμὲ ἀπέστειλε κύριος (11 α)  
 — 1. ἀκουε τῆς φωνῆς [Α τῶν λόγων] κυρίου (11 α)  
 — 2. τότε εἶπε κύριος σαβαώθ (11 α)  
 — 10. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. (11 α)  
 — 11. ἐβόησε πρὸς κύριον (11 α)  
 — 12. ἀνέφηνεν ὁλοκαύτωσιν τῷ κ. —  
 — 13. εὐλογητὸς σὺ τῷ κ. (11 α)  
 — 13. ὅσα ἐλάλησεν κύριος (11 α)  
 — 15. ὅπως τιθῇ κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 16. ὁ ἐλάλησεν κύριος πρὸς μέ (11 α)  
 — 17. καὶ ἔχρησε σε κύριος (11 α)  
 — 18. καὶ ἀπέστειλε σε κύριος (11 α)  
 — 19. ἵνα τί οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (11 α)  
 — 19. ἐποίησας τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 20. ἢ ἀπέστειλε με κύριος (11 α)  
 — 21. Α. Β. ὅσαι [Β. om.] ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 — 22. εἰ θελήτων τῷ κ. ὁλοκαυτώματα [Α -μα] (11 α)  
 — 22. τὸ ἀκούσαι φωνῆς κυρίου (11 α)  
 — 23. ὅτι ἐξουδένωσας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 23. ἐξουδένωσες σε κύριος —  
 — 24. παρέβην τὸν λόγον κυρίου (11 α)  
 — 25. προσκυνήσω κ. τῷ [Α. add. Σαουλ] θεῷ σου (18 α)  
 — 26. ἐξουδένωσας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 26. ἐξουδένωσες σε κύριος (11 α)  
 — 28. διέρρηξε κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 α)  
 — 30. προσκυνήσω κ. τῷ θεῷ σου (11 α)  
 — 31. προσκυνήσω [Α. add. Σαουλ] τῷ κ. (11 α)  
 — 33. ἐσφαξέ . . . τὸν Ἄγγλ. ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 35. καὶ κύριος μετεμελήθη (11 α)  
 16. 1. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. —  
 — 2. καὶ εἶπε κύριος (11 α)  
 — 2. ὅσαι τῷ κ. ἦκα (11 α)  
 — 4. ὁ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (11 α)  
 — 5. ὅσαι τῷ κ. ἦκα (11 α)  
 — 6. ἐνώπιον κυρίου χριστὸς αὐτοῦ (11 α)  
 — 7. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 α)  
 — 8. Α. οὐδὲ τούτων ἐξελέξατο κύριος [Β ο θεός] (11 α)  
 — 9. ἐν τούτῳ οὐκ ἐξελέξατο κύριος (11 α)  
 — 10. οὐκ ἐξελέξατο κύριος ἐν τούτοις (11 α)  
 — 12. καὶ ἀγαθὸς ὁράσει κυρίῳ —  
 — 12. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 α)  
 — 13. ἐφῆλτο πνεῦμα κυρίου ἐπὶ Δ. (11 α)  
 — 14. πνεῦμα κυρίου ἀπέστη ἀπὸ Σαουλ (11 α)  
 — 14. πνεῦμα πονηρὸν παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 15. πνεῦμα κυρίου πονηρὸν πνίγει σε (8)  
 — 16. ζητήσατέων τῷ κ. ἡμῶν ἄνδρα (11 α)  
 — 18. καὶ κύριος μετ' αὐτοῦ (11 α)  
 17. 32. μὴ δὴ συμπιέσεται καρδιά τοῦ κ. μου †  
 — 37. κύριος δε ἐξελιγτό με (11 α)  
 — 37. ἔσται κύριος μετὰ σοῦ (11 α)  
 — 45. ἐν δυνάμει κ. θεοῦ σαβαώθ [Α σ. θ.] (18 α [11 α])  
 — 45 (46). ἀποκλείσει σε κύριος (11 α)  
 — 47. οὐκ ἐν βομφαίᾳ καὶ δόρατι σώσει κύριος ὅτι τοῦ κ. ὁ πόλεμος καὶ παραδώσει κύριος ὑμᾶς (11 α, 11 α, —)  
 18. 12. Α. ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 α)  
 — 14. καὶ κύριος μετ' αὐτοῦ (11 α)  
 — 17. Α. πολέμει κύριος μετ' αὐτοῦ (11 α)  
 — 28. κύριος μετὰ Δαυὶδ (11 α)  
 19. 5. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 α)  
 — 6. ὁ κύριος (11 α)  
 — 9. Α. ἐγένετο πνεῦμα κυρίου [Β θεοῦ] πονηρὸν ἐπὶ Σ. (11 α)  
 20. 3. ὁ κύριος (11 α)  
 — 8. εἰσῆγγαγε εἰς διαθήκην κυρίου (11 α)  
 — 12. κ. ὁ θεός Ἰσρ. οἶδεν (11 α)  
 — 13. Α. τότε ποιήσαι κύριος [Β ο θεός] τῷ Ἰαν. (11 α)  
 — 13. ἔσται κύριος μετὰ σοῦ (11 α)  
 — 14. Α. ποιήσεις μετ' ἐμοῦ ἔλεος κυρίου [Β om.] (11 α)  
 — 15. ἐν τῷ ἐξαιρεῖν κύριον τοὺς ἐχθρούς Δαυὶδ (11 α)  
 — 16. ἐκζητήσαι κύριος ἐχθρούς τοῦ Δ. (11 α)  
 — 22 (21). Β οὐκ ἔστι λόγος κυρίου [Α Β om.] —  
 — 22 (21). ὁ κύριος (11 α)  
 — 22. ἐξαπέσταλκέ σε ἄβριος (11 α)  
 — 23. ἰδοὺ κύριος μάρτυς (11 α)

1 Ki. 20. 38. Α. Β. ἦνεγκε τὰς σχίνας [Β<sup>1</sup> om. β. τ. σχ.] πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (11 α)  
 — 42. ὁμομάκαμεν . . . ἐν ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 42. κύριος ἔσται μάρτυς (11 α)  
 21. 6 (7). οἱ ἀφηρημένοι ἐκ προσώπου κυρίου (11 α)  
 — 7 (8). συνεκόμενος . . . ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 22. 11. Α. τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. [Β om. τ. κ.] τοὺς ἐν Ν. —  
 — 12. ἰδοὺ ἐγὼ, ἄλκι, κύριε (11 α)  
 — 17. θανατοῦτε τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. (11 α)  
 — 17. ἁμαρτήσαι εἰς τοὺς ἱερεῖς κυρίου (11 α)  
 — 18. ἐθανάτωσε τοὺς ἱερεῖς κυρίου —  
 — 21. ἐθανάτωσε Σ. πάντας τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. (11 α)  
 28. 2. ἐπρώτησε Δ. διὰ τοῦ κ. (11 α)  
 — 2. καὶ εἶπε κύριος (11 α)  
 — 4. ἐρωτήσαι διὰ τοῦ κ. (11 α)  
 — 4. ἀπεκρίθη αὐτῷ [Α om.] κύριος (11 α)  
 — 9. προσάγαγε τὸ ἐφθὸν κυρίου —  
 — 10. καὶ εἶπε Δ., Κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 11. καθὼς ἤκουσεν ὁ δοῦλός σου, κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 11. καὶ εἶπε κύριος (11 α)  
 — 12. Α. καὶ εἶπεν κύριος (11 α)  
 — 14. οὐ παρέδωκεν αὐτὸν κύριος (8)  
 — 16. ἐκραταίωσε τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐν κυρίῳ (8)  
 — 18. διέθετο . . . διαθήκην ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 21. εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 α)  
 24. 5. ἦν εἶπε κύριος πρὸς σέ (11 α)  
 — 7. μηδαμῶς μου παρὰ κυρίῳ [Α -ῳ] (11 α)  
 — 7. Α. Β. εἰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο τῷ κ. μου [Β om. τ. κ. μ.] τῷ χριστῷ κυρίου (11 α)  
 — 7. χριστὸς κυρίου ἐστὶν οὗτος (11 α)  
 — 9. λέγων, Κύριε [Α κ. μου] βασιλεῦ (11 α)  
 — 11. ὡς παρέδωκεν ὁ κ. μου ἐπὶ κυρίῳ μου (11 α)  
 — 11. ἐποίησεν χεῖρά μου ἐπὶ κυρίῳ μου (11 α)  
 — 11. χριστὸς κυρίου [Α -ος] οὗτός [Α om.] ἐστὶ (11 α)  
 — 13. δικάσαι κύριος ἀνὰ μέσον ἐμοῦ (11 α)  
 — 13. ἐδικάσαι με κύριος ἐκ σοῦ (11 α)  
 — 16. γένοιτο κύριος εἰς κριτὴν (11 α)  
 — 16. ἰδοὺ κύριος καὶ κρίναι —  
 — 19. ὡς ἀπέκλεισε με κύριος (11 α)  
 — 20. Β. κύριος ἀποτίσει [Β ἀνταπ.] αὐτῷ ἀγαθὰ [Α αἰ.] (11 α)  
 — 22. ὁμοσῶν μοι ἐν κυρίῳ (11 α)  
 25. 10. ἕκαστος ἐκ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ (11 α)  
 — 14. Α. Β. εὐλογῆσαι τὸν [Β om.] κ. ἡμῶν (11 α)  
 — 17. συντετέλεσται ἡ κακία εἰς τὸν κ. ἡμῶν (11 α)  
 — 24. ἐν ἐμοί, κυρίῳ μου, ἡ ἀδικία μου (11 α)  
 — 25. μὴ δὴ θέσθω ὁ κ. μου καρδίαν αὐτοῦ (11 α)  
 — 25. Β οὐκ εἶδον τὰ παιδάρια τοῦ κ. μου [Α Β π. σου] (11 α)  
 — 26. καὶ νῦν, κύριε, ὁ κύριος (11 α)  
 — 26. καθὼς ἐκάλυψε σε κύριος (11 α)  
 — 26. οἱ ζητούντες τῷ κ. μου κακὰ (11 α)  
 — 27. ἦν ἐνύκνην ἡ δούλη σου τῷ κ. μου (11 α)  
 — 27. τοῖς παρεστηκόσι τῷ κ. μου (11 α)  
 — 28. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου οἶκον πιστὸν [Α om.] (11 α, 1)  
 — 28. πόλεμον κυρίου μου ὁ κ. [Α κ. μου] πολέμει (11 α, 1)  
 — 29. ἔσται ψυχὴ κυρίου μου ἐνδεδεμένη ἐν δεσμῷ τῆς (ὡπ) παρὰ κ. τῷ θεῷ (11 α, 1)  
 — 30. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου πάντα (11 α, 1)  
 — 30. Α. ἐντελεῖται σοι κύριος [Β om.] εἰς ἡγούμενον —  
 — 31. καὶ σκάνδαλον [Α. add. καρδίας] τῷ κ. μου (11 α)  
 — 31. σώσαι χεῖρα κυρίου μου αὐτοῦ (11 α)  
 — 31. ἀγαθώσαι κύριος τῷ κ. μου (11 α, 1)  
 — 32. εὐλογητὸς κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 34. ὁ κύριος ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 38. ἐπάταξε κύριος τὸν Νάβαλ (11 α)  
 — 39. εὐλογητὸς κ. (11 α)  
 — 39. τὴν κακίαν Ν. ἀπέστρεψε κύριος (11 α)  
 — 41. Α. νίχαι πόδας τὸν παῖδων τοῦ κ. μου [Β παῖδων σου] (11 α)  
 28. 8. ἀπέκλεισε κύριος . . . τὸν ἐχθρόν σου (8)  
 — 9. τίς ἐποίησε χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 α)  
 — 10. ὁ κύριος (11 α)  
 — 10. Α. Β. τὸν μὴ κύριος παῖση [Β παιδεύση] αὐτὸν (11 α)  
 — 11. μηδαμῶς μοι [Α om.] παρὰ κυρίῳ ἐπενεγκέιν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 12. Α. Β. δάμβος κυρίου [Β -ος] ἔπαισεν ἐπ' αὐτούς (11 α)  
 — 15. διὰ τί οὐ φυλάσσεις τὸν κ. σου τὸν βασ. (11 α)

1 Ki. 26. 15. Α. Β. διαφθεῖραι τὸν [Β om.] κ. σου τὸν βασ. (11 α)  
 — 16. ὁ κύριος (11 α)  
 — 16. Α. Β. οἱ φυλάσσοντες τὸν βασ. τὸν [Β om.] κ. ὑμῶν τὸν χριστὸν κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 17. δοῦλός σου, κύριε βασιλεῦ (11 α)  
 — 18. ἵνα τί τοῦτο καταδικάει ὁ κ. (11 α)  
 — 19. ἀκουσάτω ὁ κ. μου ὁ βασ. τὸ ῥῆμα (11 α)  
 — 19. ἐπικατάρτοι οὗτοι [Α om.] ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 19. μὴ ἐστηρίσθαι ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (11 α)  
 — 20. μὴ πείσοι τὸ αἷμά μου . . . ἐξ ἐναντίας προσώπου κυρίου (11 α)  
 — 23. κύριος ἐπιστρέψει ἐκάστην (11 α)  
 — 23. ὡς παρέδωκε σε κύριος (11 α)  
 — 23. ἐπενεγκέιν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 α)  
 — 24. μεγαλυνθεὶς ἡ ψυχὴ μου ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 28. 6. ἐπρώτησε Σαουλ διὰ κυρίου (11 α)  
 — 6. οὐκ ἐπεκρίθη αὐτῷ κύριος (11 α)  
 — 10. Α. ὡμοσεν αὐτῷ Σαουλ ἐν κυρίῳ [Β om. ἐν κ.] (11 α)  
 — 10. ὁ κύριος (11 α)  
 — 16. κύριος ἀφέστηκεν ἀπὸ σοῦ (11 α)  
 — 17. πεποίηκε κύριος σοι καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 α, —)  
 — 17. διαρρήξει κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 α)  
 — 18. οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (11 α)  
 — 18. ἐποίησε κύριος σοι (11 α)  
 — 19. παραδώσει κύριος τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 19. τὴν παρεμβολὴν Ἰσρ. δώσει κύριος (11 α)  
 29. 4. ἐν τῇ διαλλαγῇ οὗτος τῷ κ. αὐτοῦ (11 α)  
 — 6. ὁ κύριος (11 α)  
 — 8. πολεμήσαι τοὺς ἐχθρούς τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (11 α)  
 — 10. οἱ παῖδες τοῦ κ. σου οἱ ἥκοντες (11 α)  
 30. 6. ἐκραταίωθη Δ. ἐν κ. θεῷ αὐτοῦ (11 α)  
 — 8. ἐπρώτησε Δ. διὰ τοῦ κ. (11 α)  
 — 13. κατέλιπέ με ὁ κ. μου (11 α)  
 — 15. μὴ παραδοῖναι με εἰς χεῖρας τοῦ κ. (11 α)  
 — 23. μετὰ τὸ παραδοῖναι τὸν κ. ἡμῶν (11 α)  
 — 23. παρέδωκε κύριος τὸν γεθόουρ —  
 — 26. τὸν σκύλον τὸν ἐχθρόν κυρίου (11 α)  
 11 Ki. 1. 10. ἐνύκνη αὐτὰ τῷ κ. μου (11 α)  
 — 14. διαφθεῖραι τὸν χριστὸν κυρίου (11 α)  
 — 16. ἐθανάτωσα τὸν χριστὸν κυρίου (11 α)  
 2. 1. ἐπρώτησε Δ. ἐν κυρίῳ (11 α)  
 — 1. καὶ εἶπε κύριος πρὸς αὐτόν (11 α)  
 — 5. Α. Β. εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 α)  
 — 5. Α. Β. πεποιήκατε τὸ ἔλεος τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὸν κ. ὑμῶν (11 α)  
 — 5. Β. ἐπὶ Σαουλ τὸν χριστὸν κυρίου [Α αἰ.] —  
 — 6. Α. Β. ποιήσαι κύριος μεθ' ἡμῶν ἔλεος (11 α)  
 — 7. τέθηκεν ὁ κ. ὑμῶν Σαουλ (11 α)  
 — 27. ὁ κύριος (8)  
 3. 9. καθὼς ὡμοσε κύριος τῷ Δ. (11 α)  
 — 18. κύριος ἐλάλησε περὶ Δαυὶδ (11 α)  
 — 21. συναβροίσω πρὸς [Α<sup>2</sup> add. τὸν] κύριόν μου τὸν βασ. (11 α)  
 — 28. ἀφός ἐμι . . . ἀπὸ κυρίου (11 α)  
 — 39. ἀποδοῖ [Α ἀνταπ.] κύριος τῷ ποιούσῃ (11 α)  
 4. 8. ἔδωκε κύριος τῷ κ. [Α κ. μου] βασ. ἐκδικασιν (11 α, 1)  
 — 9. ὁ κύριος (11 α)  
 5. 2. εἶπε κύριος πρὸς σέ (11 α)  
 — 3. διέθετο αὐτοῖς . . . ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 9 (8). οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον κυρίου —  
 — 10. καὶ κ. [Α κ. ὁ θεός] παρτακράτω μετ' αὐτοῦ (11 α ἐφ 8 [11 α])  
 — 12. ἡτοίμασεν αὐτὸν κύριος (11 α)  
 — 19. ἡρώτησε Δαυὶδ διὰ κυρίου (11 α)  
 — 19. εἶπε κύριος πρὸς Δαυὶδ (11 α)  
 — 20. δέκοντε κύριος τοὺς ἐχθρούς (11 α)  
 — 23. ἐπρώτησε Δαυὶδ διὰ κυρίου καὶ εἶπε κύριος (11 α, —)  
 — 24. ἐξελεῖται κύριος ἔμπροσθέν σου (11 α)  
 — 25. καθὼς ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 α)  
 6. 2. Α. Β. ἐφ' ἣν ἐπεκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ [Β om.] κ. τῶν δυνάμεων (11 α)  
 — 3. ἐπιβίβασεν τὴν κιβωτὸν κυρίου (8)  
 — 5. παῖζοντες ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 7. ἐθυμώθη κύριος (11 α)  
 — 7. παρὰ τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. (8)  
 — 8. δέκοντε κύριος διακονῇ (11 α)  
 — 9. ἐφοβήθη Δ. τὸν κ. (11 α)  
 — 9. πῶς εἰσελεύσεται . . . ἡ κιβωτὸς κυρίου [Α τοῦ κ.] (11 α)  
 — 10. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 α)



11 Ki. 6. 11. ἐκάθισεν ἡ κιβωτός τοῦ [A ἐκεῖ γλωσσόκομος] κ. (11 a)	11 Ki. 14. 20. καὶ ὁ κ. μου σοφός (1)	11 Ki. 23. 16. ἔσπεισεν αὐτὸ τῷ κ. (11 a)
— 11. εὐλόγησε κύριος ὅλον τὸν οἶκον (11 a)	— 22. ἐν ὀφθαλμοῖς σου, κύριε μου βασιλεῦ (1)	— 17. ἱλεώς μοι, κύριε (11 a)
— 12. εὐλόγησε κύριος τὸν οἶκον ἸΑβ. (11 a)	— 22. ἐποίησεν ὁ κ. μου ὁ βασιλ. τὸν λόγον —	24. 1. προσέθετο ὀργὴν κύριος [A B <sup>2</sup> - ἡ κρίνῃ] ἐκκαῖναι (11 a)
— 12. ἀνῆγαγε τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. (6)	15. 7. ἄς ᾠδῶμεν τῷ κ. ἐν Χ. (11 a)	— 3. προσθεῖη κύριος ὁ θεὸς πρὸς τὸν λαόν (11 a)
— 14. ἀνεκρούετο . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)	— 8. εἰ . . . ἐπιστρέψῃ με κύριος [A ὁ κ.] (11 a)	— 3. καὶ ὀφθαλμοὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. ὁρώντες (1)
— 15. ἀνῆγαγον τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 a)	— 8. λατρεύσω τῷ κ. (11 a)	— 3. ὁ κ. μου ὁ βασιλ. ἵνα τί βουλεύεται (1)
— 16. A τῆς κιβωτοῦ κυρίου [B om.] παραγι- νομένης (11 a)	— 15. ὅσα αἰρεῖται ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασιλ. (1)	— 10. εἶπε Δ. πρὸς κύριον (11 a)
— 16. ἀνακρούομενον ἐνώπιον κυρίου (11 a)	— 20. κύριος ποιήσει μετὰ σοῦ ἔλεος —	— 10. ἐποίησα νῦν, κύριε [A al.] (11 a)
— 17. φέρουσι τὴν κιβωτὸν τοῦ [A om.] κ. (11 a)	— 21. ζῇ κύριος καὶ ζῇ ὁ κ. μου ὁ βασιλ. (11 a, 1)	— 11. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Γάδ (11 a)
— 17. ἀνῆγαγεν [A - ἦγαγεν] . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)	— 21. οὐ εἶν ἢ ὁ κ. μου (1)	— 12. B τὰδε λέγει κύριος (11 a)
— 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τῶν δυνάμεων (11 a)	— 24. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (6)	— 14. ἐμπεσοῦμαι δὴ ἐν χειρὶ κυρίου (11 a)
— 21. ἐνώπιον κυρίου ὀρχήσσομαι [A om.] (11 a)	— 25. εἰς εὐρώ χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)	— 15. ἔδωκε κύριος ἐν Ἰσρ. θάνατον (11 a)
— 21. εὐλογητός κ. —	— 31. διασκέδασον δὴ . . . κύριε ὁ θεός μου (18 a)	— 16. παρεκλήθη κύριος ἐπὶ [A ἐν] τῇ κακίᾳ (11 a)
— 21. ὀρχήσσομαι ἐνώπιον κυρίου [A om. ε. κ.] (11 a)	16. 3. καὶ πού ὁ υἱὸς τοῦ κ. σου (1)	— 16. ὁ ἀγγελὸς κυρίου ἦν παρὰ τῇ ἀλφ. (11 a)
7. 1. κύριος κατεκλινόμην αὐτὸν (11 a)	— 4. εὐροίμι χάριν . . . κύριε μου βασιλεῦ (1)	— 17. εἶπε Δαυὶδ πρὸς κύριον (11 a)
— 3. ὅτι κύριος μετὰ σοῦ (11 a)	— 8. ἐπέστρεψεν ἐπὶ σέ κύριος πάντα τὰ αἵματά (11 a)	— 18. στήσῃν τῷ κ. θυσιαστήριον (11 a)
— 4. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς N. (11 a)	— 8. ἔδωκε κύριος τὴν βασιλείαν (11 a)	— 19. καθ' ὃν τρόπον ἐνετελλάτο αὐτῷ κύριος (11 a)
— 5. τὰδε λέγει κύριος (11 a)	— 9. ἵνα τί καταράται . . . τὸν κ. μου τὸν βασιλ. (1)	— 21. ἦλθεν ὁ κ. μου ὁ βασιλ. πρὸς τὸν δούλον αὐτοῦ (1)
— 8. τὰδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 a)	— 10. κύριος εἶπεν αὐτῷ καταράσθαι τὸν Δ. (11 a)	— 21. τοῦ οἰκοδομῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
— 11. ἀπαγγελεῖ σοι κύριος (11 a)	— 11. ὅτι εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)	— 22. ἀνεγενετήσθη ὁ κ. μου ὁ βασιλ. τῷ κ. τὸ ἀγαθόν (1, -)
— 18. ἐκάθισεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)	— 12. εἰπὼς ἴδοι κύριος ἐν τῇ ταπεινώσει μου (11 a)	— 23. κ. ὁ θεός σου [A om.] εὐλογησάτω σε (11 a)
— 18. τίς εἰμι ἐγὼ, κύριε μου κύριε (2, 11 b)	— 12. A ἐπιστρέψει κύριος [B om.] μοι ἀγαθὰ (11 a)	— 24. οὐκ ἀνοίσω τῷ κ. μου θεῷ ὀλοκαύτωμα δωρεάν (11 a)
— 19. B ἐνώπιόν σου, κύριε μου κύριε [A B om.] (2, 11 b)	— 18. κατόπισθεν οὐ ἐξελέξατο κύριος (11 a)	— 25. ψωδοδόμησεν . . . θυσιαστήριον κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 19. οὐτός δέ . . . κύριε μου κύριε [A om.] (2, 11 b)	17. 14. καὶ κύριος ἐνετελλάτο (11 a)	— 25. ἐπήκουσε κύριος τῇ γῇ [A τῷ κ.] (11 a)
— 20. B σὺ οἶδας τὸν δούλόν σου, κύριε μου κύριε [A B om. μ. κ.] (2, 11 b)	— 14. ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . τὰ κακὰ πάντα (11 a)	III Ki. 1. 2. A ζητησάτωσαν τῷ κ. ἡμῶν [B om. τ. κ. ἡ.] τῷ βασιλ. (1)
— 22. A B τοῦ μεγαλύναι σε, κύριε [B om.] κύριε μου (11 a, 6)	18. 19. ἔκρινε κύριος ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (11 a)	— 2. θερμανθήσεται ὁ κ. μου ὁ βασιλ. (1)
— 24. σὺ, κύριε, ἐγένου αὐτοῖς εἰς θεόν (11 a)	— 28. εὐλογητός κ. ὁ θεός σου (11 a)	— 11. ὁ κ. ἡμῶν Δ. [A ὁ βασιλ. Δ.] οὐκ ἔγνω (1)
— 25. καὶ νῦν, κύριε μου (11 a + 6)	— 28. ἐν τῷ κ. μου τῷ βασιλ. (1)	— 13. οὐχὶ σὺ, κύριε μου βασιλεῦ, ὥσους (1)
— 25. ἕως αἰῶνος, κύριε παντοκράτωρ [A om.] —	— 31. εὐαγγελισθήτω ὁ κ. μου ὁ βασιλ. (1)	— 17. ἡ δὲ εἶπε, Κύριε [A K. μου βασιλεῦ] (1)
— 26. A κύριε παντοκράτωρ θεὸς ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (11 a)	— 31. ἔκρινε σὺ κύριος σήμερον (11 a)	— 17. A B σὺ ὥσους ἐν κ. [B om.] τῷ θεῷ σου (11 a)
— 27. κύριε παντοκράτωρ θεός Ἰσρ. (11 a)	— 32. οἱ ἐχθροὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. (1)	— 18. σὺ, κύριε μου βασιλεῦ, οὐκ ἔγνω (1)
— 27. λέγει κύριος παντοκράτωρ θεός Ἰσρ. —	19. 7 (8). ἐν κυρίῳ ὥσους (11 a)	— 20. καὶ σὺ, κύριε μου βασιλεῦ (1)
— 28. καὶ νῦν, κύριε μου κύριε [A om.] (2, 11 b)	— 19 (20). μὴ διαλογισάσθω ὁ κ. μου ἀνομίαν (1)	— 20. τίς καθίσταται ἐπὶ τοῦ θρόνου τοῦ κ. μου (1)
— 29. σὺ εἰ, κύριε μου κύριε, ἐλάλησας (2, 11 b)	— 19 (20). ἢ ὁ κ. μου [A add. ὁ βασιλ.] ἐξεπο- ρεύτο (1)	— 21. ὡς ἂν κοιμηθῇ ὁ κ. μου ὁ βασιλ. (1)
8. 6. ἔσωσε κύριος τὸν Δαυὶδ (11 a)	— 20 (21). εἰς ἀπάντη τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. (1)	— 24. κύριε μου βασιλεῦ, σὺ εἶπας (1)
— 11. ταῦτα ἠγάσεν ὁ βασιλ. Δ. τῷ κ. (11 a)	— 21 (22). κατηράσατο τὸν χριστὸν κυρίου (11 a)	— 27. εἰ διὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. γέγονε τὸ ῥῆμα τοῦτο (1)
— 14. ἔσωσε κύριος τὸν Δαυὶδ (11 a)	— 26 (27). κύριε μου [A om.] βασιλεῦ, ὁ δοῦ- λός σου (1)	— 27. τίς καθίσταται ἐπὶ τὸν θρόνον τοῦ κ. μου (1)
9. 9. πάντα . . . δέδωκα τῷ υἱῷ τοῦ κ. [A τῷ οἴκῳ τῷ κ.] σου (1)	— 27 (28). μεθώδενεν . . . πρὸς τὸν κ. μου (1)	— 29. ζῇ κύριος (11 a)
— 10. εἰσοίσεις τῷ υἱῷ τοῦ κ. σου ἄρτους (1)	— 27 (28). ὁ κ. μου ὁ βασιλ. ἐποίησεν τὸ καλόν (1)	— 30. A B καθὼς ὥμοσά σοι ἐν κ. θεῷ [B τῷ θεῷ] Ἰσρ. (11 a)
— 10. Μεμφίβοσθ' υἱὸς τοῦ κ. σου (1)	— 28 (29). ἄνδρες θανάτου τῷ κ. μου τῷ βασιλ. (1)	— 31. ζήτω ὁ κ. μου ὁ βασιλ. Δ. (1)
— 11. ὅσα ἐντέλλεται ὁ κ. μου ὁ βασιλ. (1)	— 30 (31). μετὰ τὸ παραγενέσθαι τὸν κ. μου (1)	— 33. λάβετε τοὺς δούλους τοῦ κ. ὑμῶν (1)
10. 3. εἶπον . . . πρὸς ἸΑβ. τὸν κ. αὐτῶν (1)	— 35 (36). εἰς φορτίον ἐπὶ τὸν κ. μου τὸν βασιλ. (1)	— 36. A B πιστώσας [B om.] ὁ θεὸς τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. (11 a, 1)
— 12. κύριος ποιήσει τὸ ἀγαθόν (11 a)	— 37 (38). διαθήσεται μετὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. (1)	— 37. καθὼς ἦν κύριος μετὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. (11 a, 1)
— 19. μετὰ τῶν δούλων τοῦ κ. αὐτοῦ (1)	20. 6. λάβε μετὰ σεαυτοὺς τοὺς παῖδας τοῦ κ. σου (1)	— 37. ὑπὲρ τὸν θρόνον τοῦ κ. μου τοῦ βασιλ. Δ. (1)
— 11. ὁ κ. μου Ἰ. καὶ οἱ δούλοι τοῦ κ. μου (1, 1)	— 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (11 a)	— 43. ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασιλ. Δ. ἐβασίλευσε τὸν Σαλ. (1)
— 13. μετὰ τῶν δούλων τοῦ κ. αὐ. (1)	21. 1. ἐξήγησε Δ. τὸ πρόσωπον τοῦ κ. (11 a)	— 47. εὐλογησάτω τὸν κ. ἡμῶν τὸν βασιλ. Δ. (1)
— 27. ὁ ἐποίησε Δ. ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)	— 1. καὶ εἶπε κύριος (11 a)	— 48. εὐλογητός κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 a)
12. 1. ἀπέστειλε κύριος τὸν Νάθαν (11 a)	— 3. εὐλογίσεις τὴν κληρονομίαν κυρίου (11 a)	2. 3. A B φυλάξεις τὴν φυλακὴν κ. [B om.] θεοῦ σου (11 a)
— 5. ζῇ κύριος (11 a)	— 6. ἐξηλιάσωμεν αὐτοὺς τῷ κ. . . ἐκλεκτοὺς [A - ὅς] κυρίου (11 a, 11 a)	— 4. ἵνα στήσῃ κύριος τὸν λόγον αὐτοῦ (11 a)
— 7. τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 a)	— 7. διὰ τὸν ὄρκον κυρίου (11 a)	— 8. ὥσους αὐτῷ ἐν κυρίῳ (11 a)
— 8. ἔδωκα σοι τὸν οἶκόν σου, σου καὶ [A om.] τὰς [A ἔδωκα τ.] γυναῖκάς τοῦ κ. σου (1, 1)	— 9. ἐξηλιάσαν αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 a)	— 14 (15). παρὰ κυρίου ἐγένετο αὐτῷ (11 a)
— 9. ἐφαύλισας τὸν λόγον κυρίου (11 a)	22. 1. ἐλάλησε Δ. τῷ κ. τοῖς λόγους (11 a)	— 23. ὥσους ὁ βασιλ. Σαλ. κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 11. τὰδε λέγει κύριος (11 a)	— 1. ἐν ἡμέρᾳ ἐξείλατο αὐτὸν κύριος (11 a)	— 24. ζῇ κύριος (11 a)
— 13. ἡμάρτηκα τῷ κ. (11 a)	— 2. κύριε, πέτρα μου (11 a)	— 24. καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 13. κύριος παρεβίβασε τὸ ἀμάρτημά σου (11 a)	— 4. αἰνετὸν ἐπικαλέσομαι κύριον (11 a)	— 26. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (3)
— 14. παρώχυνας τοὺς ἐχθρούς σου [A - δάριον] (11 a)	— 7. ἐπικαλέσομαι κύριον (11 a)	— 27. τοῦ μὴ εἶναι ἱερεὰ τοῦ κ. (11 a)
— 22. εἰ ἐλθῇ μετὰ τοῦ κ. σου (11 a)	— 8. ἐθυμώθη κύριος αὐτοῖς —	— 27. πληρωθῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 24. κύριος ἠγάπησεν αὐτὸν (11 a)	— 14. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος (11 a)	— 28. ἐφυγεν Ἰ. εἰς τὸ σκῆνωμα τοῦ κ. (11 a)
— 25. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. ἔνεκεν κυ- ρίου (11 a)	— 16. ἐν τῇ ἐπιτιμῇ σου (11 a)	— 29. ἐφυγεν Ἰ. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (11 a)
13. 32. μὴ εἰπάτω ὁ κ. μου ὁ βασιλ. [A al.] (1)	— 19. ἐγένετο κύριος ἐπιστηριγμὰ μου (11 a)	— 29. ἐφυγον πρὸς κύριον [A τὸν κ.] —
— 33. μὴ θέσθω ὁ κ. μου ὁ βασιλ. . . ῥῆμα (1)	— 21. ἀνταπέδωκε μοι κύριος (11 a)	— 30. ἦλθε B. . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (11 a)
— 9. ἐπ' ἐμὲ, κύριε μου βασιλεῦ (1)	— 22. ἐφύλαξα ὁδὸς κυρίου (11 a)	— 32. ἀπέστρεψεν κύριος τὸ αἶμα (11 a)
— 11. μνημονευσάτω δὴ . . . τὸν κ. θεὸν αὐτοῦ (11 a)	— 25. ἀποδώσει μοι κύριος (11 a)	— 33. γένοιτο εἰρήνη ἕως αἰῶνος παρὰ κυρίου (11 a)
— 11. ζῇ κύριος (11 a)	— 29. σὺ ὁ λύχνος μου, κύριε (11 a)	8. 1 (4, 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος φρόνησιν τῷ Σαλ. (6)
— 12. λαλήσάτω δὴ . . . πρὸς τὸν κ. μου (1)	— 29. κύριος [A κ. μου] ἐκλάμψει μοι τὸ σκότος μου (11 a)	— 1. ἕως συντελεσάτω αὐτὸν . . . τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 15. λαλήσῃ πρὸς τὸν βασιλ. τὸν [B <sup>1</sup> om.] κ. μου (1)	— 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταῖον [A om.] πεπυ- ρωμένον (11 a)	— 1 (9. 25). ὁ ψωδοδόμησε τῷ κ. (11 a)
— 15. B λαλήσῃτω δὴ πρὸς τὸν κ. μου [A B om. τ. κ. μ.] τὸν βασιλ. —	— 32. τίς ἰσχυρὸς πλὴν κυρίου (11 a)	— 1 (9. 25). ἐθυμία ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 17. εἴη δὴ ὁ λόγος τοῦ κ. μου (1)	— 42. βοήσονται . . . πρὸς κύριον (11 a)	— 1. μετὰ τὸ οἰκοδομῆσαι αὐτὸν τὸν οἶκόν τοῦ κ. (11 a)
— 17. οὗτος ὁ κ. μου ὁ βασιλ. (1)	— 47. ζῇ κύριος (11 a)	— 1 (2. 8). ὥσους αὐτῷ κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 17. κ. ὁ θεός σου ἔσται μετὰ σοῦ (11 a)	— 48. ἰσχυρός [A B ὑψηλός] κ. ὁ διδούς (4 a)	— 1 (2. 38). ὁ ἐλάλησας, κύριε μου βασιλεῦ (1)
— 18. λαλήσάτω δὴ ὁ κ. μου ὁ βασιλ. (1)	— 50. ἐξομολογήσομαι σοι, κύριε (11 a)	— 1 (2. 42). οὐχὶ ὥρκασά σε κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 19. ζῇ ἡ ψυχὴ σου, κύριε μου βασιλεῦ (1)	28. 1. A ὃν ἀνέστησε κύριος ἐπὶ χριστὸν κυρίου [B om.] θεοῦ Ἰακώβ (—, 18 b)	— 1 (2. 43). οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὄρκον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)
— 19. ὧν ἐλάλησεν μου ὁ βασιλ. (1)	— 2. πνεῦμα κυρίου ἐλάλησεν ἐν ἐμοί (11 a)	— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε κύριος τὴν κακίαν σου (11 a)
	— 3. A πῶς κραταῖωσθε φύβον κυρίου [B χριστοῦ] (6)	
	— 4. σὺ κύριος [A om.] παρήλθεν ἐκ φέγγους —	
	— 10, 12. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 a)	

- III Ki. 3. 1 (2. 45). ἔτοιμος ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 1. Δ ἔως οὐ συνετέλεσεν οικοδομῶν . . .  
 τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 2. οὐκ οικοδομήσῃ οἶκος τῷ κ. [Δ ὀνόματι  
 κυρίου] (11 α)  
 — 3. ἡγάγησε Σαλ. τὸν κ. (11 α)  
 — 4. ὠφθῇ κύριος [Δ ὁ κ.] τῷ Σαλ. (11 α)  
 — 5. εἶπε κύριος πρὸς Σαλ. (8)  
 — 7. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός μου (11 α)  
 — 10. ἤρπεν [Δ ἡ. ὁ λόγος] ἐνώπιον κυρίου (8)  
 — 11. εἶπε κύριος πρὸς αὐτὸν (2)  
 — 15. τοῦ κατὰ πρόσωπον κιβωτοῦ διαθήκης  
 κυρίου (11 α)  
 — 17. ἐν ἐμοί, κύριε [Δ κ. μου] (1)  
 — 26. ἐν ἐμοί, κύριε (1)  
 29 (5. 9). ἔδωκε κύριος φράσησιν [Δ σοφίαν]  
 τῷ Σαλ. (8)  
 — 34 (8. 1). Β ἔως συνετέλεσαι αὐτὸν τὸν οἶκον  
 κυρίου (11 α)  
 5. 3 (17). οικοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κ. θεοῦ  
 μου (11 α)  
 — 3 (17). Α Β ἔως τοῦ δοῦναι κύριον [Β ομ.]  
 αὐτοῖς (11 α)  
 — 4 (18). ἀνέπαυσε κ. ὁ θεός μου ἐμοί (11 α)  
 — 5 (19). οικοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κ. θεοῦ  
 μου (11 α)  
 — 5 (19). καθὼς ἐλάλησε κ. ὁ θεός πρὸς Δ. (11 α)  
 — 12 (26). κύριος ἔδωκε σοφίαν τῷ Σαλ. (11 α)  
 6. 1. Α φησὶ τὸν οἶκον τῷ κ. (11 α)  
 — 1. Β ἐθεμελίωσε τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 2. ὃν φησὶ μνησθῆναι ὁ βασις τῷ κ. (11 α)  
 — 11. Α ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαλ. (11 α)  
 — 19. δοῦναι ἐκεῖ τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυ-  
 ρίου (11 α)  
 — 37. Α ἐθεμελίωσεν τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 7. 40. ὁ ἐποίησε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 45. ὁ ἐποίησε . . . τῷ οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 45. οἱ στυλοὶ . . . τοῦ οἴκου κυρίου [Α τοῦ κ.]  
 — 48. Β ὁ ἐποίησεν ἐν οἴκῳ κυρίου [Β ομ.,  
 Δ α.] (11 α)  
 — 51. ὁ ἐποίησε . . . οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 51. ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυροὺς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 12. Α φησὶ μνησθῆναι αὐτὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 8. 1. Β τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 1. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 4. Α ἀνεβίβασαν τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 α)  
 — 6. Α εἰσφέρουσιν . . . τὴν κιβωτὸν διαθήκης  
 κυρίου [Β ομ. δ. κ.] (11 α)  
 — 9. ὁ διέθετο κύριος (11 α)  
 — 10. Α ἡ νεφέλη ἔπλησε τὸν οἶκον κυρίου  
 [Β ομ.] (11 α)  
 — 11. Α ἐπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον κυρίου  
 [Β ομ.] (11 α, 11 α)  
 — 12. Α κύριος εἶπεν τοῦ σκηνοῦσαι ἐν γνόφῳ (11 α)  
 — 15. εὐλογητός κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 17. οικοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 18. εἶπε κύριος πρὸς Δ. τὸν πατέρα μου (11 α)  
 — 20. ἀνέστησε κύριος τὸ ῥῆμα αὐτοῦ (11 α)  
 — 20. Α Β<sup>2</sup> Β καθὼς ἐλάλησε κύριος [Β<sup>2</sup> ομ.] (11 α)  
 — 20. φησὶ μνησθῆναι τὸν οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 21. ἐν ἧ ἔστιν ἐκεῖ διαθήκη κυρίου (11 α)  
 — 21. ἦν διέθετο κύριος μετὰ τὸν πατέρα μου  
 — 22. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 α)  
 — 23. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 25. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (11 β)  
 — 26. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (18 β)  
 — 28. ἐπιβλέψῃ . . . κύριε [Α ομ.] ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 44. προστεθῶνται ἐν ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 53. ἐν τῷ ἔξαγαγεῖν σε . . . κύριε κύριε  
 [Α ομ. κ.] (2, 11 β)  
 — 53. Α Β κύριος εἶπε κατοικεῖν ἐν γνόφῳ [Β ἐκ  
 γνόφου] (11 α)  
 — 54. προστεθῶντες πρὸς κύριον (11 α)  
 — 54. ἀπὸ προσώπου τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 α)  
 — 56. εὐλογητός κ. ὁ θεός μου (11 α)  
 — 57. γένοιτο κ. ὁ θεός ἡμῶν μεθ' ἡμῶν (11 α)  
 — 59. ὡς [Α οὗς] δεδιδόται ἐνώπιον κ. θεοῦ  
 ἡμῶν (18 α)  
 — 59. ἐγγίξοντες πρὸς κ. θεὸν ἡμῶν (11 α)  
 — 60. κύριος [Α κ. αὐτός] ὁ θεός αὐτῶν θεός (18 α)  
 — 61. ἔστωσαν αἱ καρδίαι ἡμῶν τέλειαι πρὸς  
 κύριον (11 α)  
 — 62. ἔθυσαν θυσίαν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 63. Α Β ἄς [Β ἦν, Β<sup>2</sup> ὦν] ἔθυσσε τῷ κ. (11 α)  
 — 63. ἐνεκαίνισε τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 64. τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου (11 α)

- III Ki. 8. 64. τὸ θυσιαστήριον τὸ χαλκὸν τὸ  
 ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 65. ἐποίησε Σαλ. τὴν ἑορτὴν . . . ἐνώπιον  
 κυρίου (11 α)  
 — 65. εὐφρανόμενος ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν  
 — 66. οὗς ἐποίησε κύριος τῷ Δαβὶδ (11 α)  
 9. 1. οικοδομῶν [Α Β<sup>2</sup> μὲν] τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 2. ὠφθῇ κύριος τῷ Σαλ. (11 α)  
 — 3. εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 α)  
 — 8. ἔνεκα τίνος ἐποίησε κύριος οὕτως (11 α)  
 — 9. ἐγκατέλιπον κύριον [Α τὸν κ.] (11 α)  
 — 9. ἐπῆγγαγε κύριος [Β<sup>2</sup> ομ.] . . . τὴν κακίαν  
 ταύτην (11 α)  
 — 10. τὸν οἶκον κυρίου καὶ τὸν οἶκον τοῦ βασι-  
 — 15. Α οικοδομήσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 25. Α ὃν φησὶ μνησθῆναι τῷ κ. (11 α)  
 — 25. Α ἐθυσία αὐτὸς εἰς πρόσωπον κυρίου (11 α)  
 10. 1. ἦκουσε . . . τὸ ὄνομα κυρίου (11 α)  
 — 5. ἦν ἀνέφερον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 9. γένοιτο κ. ὁ θεός σου εὐλογημένος (11 α)  
 — 9. διὰ τὸ ἀγαπᾶν κύριον τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 12. ὑποστηρίγματα τοῦ οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 22 (9. 15). Β οικοδομήσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 24. ἡς ἔδωκε κύριος τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ (8)  
 11. 2. ὡς ἀπέειπε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 α)  
 — 4. οὗς ἦν ἡ καρδιά αὐτοῦ τέλεια μετὰ κυρίου (11 α)  
 — 6. ἐποίησε Σαλ. τὸν πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 6. οὐκ ἐπορεύθη ὁπίσθην κυρίου (11 α)  
 — 9. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ Σαλ. (11 α)  
 — 9. ἐξέκλινε καρδίαν αὐτοῦ ἀπὸ κυρίου (11 α)  
 — 10. ὁ ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 10. Β οὐδ' ἦν ἡ καρδιά αὐτοῦ τέλεια μετὰ  
 κυρίου (11 α)  
 — 11. εἶπε κύριος πρὸς Σαλ. (11 α)  
 — 14 (Β), 23 (Α). ἤγειρε κύριος σατὰν τῷ Σαλ. (11 α)  
 — 14 (Β), 23 (Α). Ἄδὰδ. βασιλεῖα Σουβὰ  
 κυρίου αὐτοῦ (11 α)  
 — 31. τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 33. Α οὐκ ἐπορεύθη ἐνώπιον κυρίου [Β ομ.,  
 Δ κ.] (11 α)  
 12. 15. ἦν μεταστροφή παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 15. Α ὁ ἐλάλησεν κύριος [Β ομ.] ἐν χειρὶ Ἀ. (11 α)  
 — 22. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμ. (8)  
 — 24. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 24. ἦκουσαν τοῦ λόγου κυρίου (11 α)  
 — 24. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 24 Β (ζ'. Α 14. 22). ἐποίησε τὸ πονηρὸν  
 ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 24. Β καὶ ῥῆμα κυρίου μετ' αὐτοῦ  
 — 24. τερ. Β τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 24. Β τὸ παιδάριον κόνεψαν, Οὐαὶ κύριε  
 — 24. Β ῥῆμα καλὸν περὶ τοῦ κ. (11 α)  
 — 24. Β λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Σαμ. (11 α)  
 — 24. βίς. Β τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 24. Β ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. (11 α)  
 — 24. Β τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 24. Β ἦκουσαν τοῦ λόγου κυρίου (11 α)  
 — 24. Β κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 27. ἀναφέρειν θυσίαν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 27. ἐπιστραφήσεται . . . πρὸς κύριον καὶ  
 κύριον αὐτῶν (—, 1)  
 — 30. Β ἔλασαν τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 13. 1. παρεγένετο ἐν λόγῳ κυρίου (11 α)  
 — 2. ἐπεκάλεσε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 α)  
 — 2. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 3. ὁ ἐλάλησε κύριος (11 α)  
 — 5. ἔδωκεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ ἐν λόγῳ  
 κυρίου (11 α)  
 — 6. Α Β δειθήνι τοῦ προσώπου κυρίου [Β ομ.] (11 α)  
 — 6. ἔδεθη . . . τοῦ προσώπου κυρίου (11 α)  
 — 9. οὕτως ἐνετείλατό μοι ἐν λόγῳ κυρίου (11 α)  
 — 17. οὕτως ἐντέλλεται μοι ἐν λόγῳ κυρίου (11 α)  
 — 18. ἀγγελος λελάληκε . . . ἐν ῥήματι κυρίου (11 α)  
 — 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς τὸν προφήτην (11 α)  
 — 21. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 21. παρετίκρανας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 21. ἦν ἐνετείλατό σοι κύριος ὁ θεός σου (11 α)  
 — 26. ὃς παρετίκρανε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 26. Α ἔδωκεν αὐτὸν ὁ κ. τῷ λέοντι (11 α)  
 — 26. Α κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 32. ὁ ἐλάλησεν ἐν λόγῳ κυρίου (11 α)  
 14. 5. Α κύριος εἶπεν πρὸς Ἀ. (11 α)  
 — 7. Α τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 11. Α ὅτι κύριος ἐλάλησεν (11 α)  
 — 13. Α εὐρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα καλὸν περὶ  
 τοῦ κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 α)

- III Ki. 14. 14. Α ἀναστήσει κύριος ἐαυτὸν βασι-  
 λεία (11 α)  
 — 15. Α κύριος πληξεί τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 15. Α παροργίζοντες τὸν κ. (11 α)  
 — 16. Α παραδώσει κύριος τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 18. Α κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 21. ἦν ἐξελέξατο κύριος (11 α)  
 — 22. ἐποίησε Ἰ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 24. ὡς ἔζηρε κύριος (11 α)  
 — 26. τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 28. ὅτε εἰσπορεύετο ὁ βασις εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 15. 3. οὐκ ἦν ἡ καρδιά αὐτοῦ τέλεια μετὰ κυρίου (11 α)  
 — 4. ἔδωκεν αὐτῷ κύριος [Α κ. ὁ θεός] κατὰ-  
 λεύμα (11 α + 6 [11 α])  
 — 5. ἐποίησε Δ. τὸ εὐδὲς ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 11. ἐποίησεν Ἀσὰ τὸ εὐδὲς ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 14. ἡ καρδιά Ἀσὰ ἦν τέλεια μετὰ κυρίου (11 α)  
 — 15. εἰσῆγεν εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 18. Α Β ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου [Β ομ.,  
 οἱ κ.] (11 α)  
 — 26. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 29. Β κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 30. φ [Α ὡς] παρώργισε τὸν κ. (11 α)  
 — 34. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἰού (11 α)  
 — 7. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ [Α περὶ] Β. (11 α)  
 — 7. ἦν ἐποίησεν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 12. κατὰ τὸ ῥῆμα ὁ ἐλάλησε κύριος [Α κ.,  
 τ. ρ. κυρίου δ. ἐλ.] (11 α)  
 — 13. τοῦ παροργίσαι κύριον (11 α)  
 — 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 24. ἐκτίσας . . . παρὰ Σεμὴρ τοῦ κ. τοῦ δρου -  
 — 24. ἐπὶ τῷ ὀνόματι Σ. τοῦ κ. τοῦ δρου (1)  
 — 25. ἐποίησεν Ζ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 26. Α Β τοῦ παροργίσαι τὸν κ. [Β ομ. τ. κ.] (11 α)  
 — 28 (22. 43). Β τοῦ ποιῆναι τὸ εὐδὲς ἐνώπιον  
 κυρίου (11 α)  
 — 30. ἐποίησεν . . . τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 33. Α Β τοῦ παροργίσαι τὸν κ. [Β ομ. τ. κ.] (11 α)  
 — 34. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 17. 1. ζῇ κ. ὁ θεός τῶν δυναμῶν (11 α)  
 — 2. ἐγένετο ῥῆμα [Α λόγος] κυρίου πρὸς Ἡ. (11 α)  
 — 5. Β κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 8. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἡ. (11 α)  
 — 12. ζῇ κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 14. τὰδε λέγει κύριος [Α κ. ὁ θεός Ἰσρ.]  
 (11 α + 6 [11 α])  
 — 14. τοῦ δοῦναι κύριον τὸν ὑπερὸν (11 α)  
 — 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 20. οἰμοί, κύριε (11 α + 6)  
 — 21. ἐπεκαλῆσατο τὸν κ. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ  
 θεός μου (11 α, 11 α)  
 — 22. Α ἦκουσεν κύριος ἐν φωνῇ Ἥλια (11 α)  
 — 24. ῥῆμα κυρίου ἐν στόματι σου ἀληθινόν (11 α)  
 18. 1. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἡ. (11 α)  
 — 3. Ἀβδ. ἦν φοβούμενος τὸν κ. σφόδρα (11 α)  
 — 4. ἐν τῷ τύπτειν τὴν Ἰ. τοὺς προφῆτας κυρίου (11 α)  
 — 7. εἰ σὺ εἰ αὐτὸς, κύριε μου Ἠλιού (1)  
 — 8. λέγει [Α εἰπὸν] τῷ κ. σου (1)  
 — 10. ζῇ κύριος ὁ θεός σου (11 α)  
 — 10. οὐκ οὐκ ἀπέστειλεν ὁ κ. μου (1)  
 — 11. ἀνάγγελε τῷ κ. σου (1)  
 — 12. πνεῦμα κυρίου ἀρεῖ σε (11 α)  
 — 12. ὁ δοῦλός σου ἐστὶ φοβούμενος τὸν κ. (11 α)  
 — 13. οὐκ ἀπηγγέλη [Α ἀν.] σοι τῷ κ. μου (1)  
 — 13. ἐν τῷ ἀποκτείνειν Ἰ. τοὺς προφῆτας  
 κυρίου (11 α)  
 — 13. ἔκρινεν ἀπὸ τῶν προφητῶν κυρίου (11 α)  
 — 14. λέγει τῷ κ. σου (1)  
 — 15. ζῇ κύριος τῶν δυνάμεων (11 α)  
 — 18. ἐν τῷ καταλαμβάνειν ὑμᾶς τὸν κ. θεὸν  
 ὑμῶν (18 α)  
 — 21. εἰ ἔστι κύριος ὁ θεός (11 α)  
 — 22. ὑπολέλειμμα προφήτης τοῦ κ. μονώ-  
 τας (11 α)  
 — 24. ἐπικαλέσονται ἐν ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ μου (18 α)  
 — 31. ὡς ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτὸν (11 α)  
 — 32. φησὶ μνησθῆναι τοὺς λίθους ἐν ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 32 (31). Α ἴσαστο τὸ θυσιαστήριον κυρίου  
 [Β ομ.] (11 α)  
 — 36. κύριε ὁ θεός Ἀβραάμ (11 α)  
 — 36. Β ἐπάκουσόν μου, κύριε (11 α)  
 — 36. Α Β σὺ εἰ [Β ομ.] κ. ὁ θεός Ἰσρ. (18 β)  
 — 37. ἐπάκουσόν μου, κύριε (11 α)  
 — 37. Α Β σὺ εἰ [Β ομ.] κ. ὁ θεός (11 α)  
 — 38. ἔπεσε πῦρ παρὰ κυρίου (11 α)



- III Ki. 18. 39. ἀληθῶς κ. ὁ θεὸς αὐτὸς ὁ θεὸς [A. κ. αὐ. ἔστιν ὁ θ.] (11 a)  
 — 46. χεῖρ κυρίου ἐπὶ [A. ἐγένετο ἐπὶ] τὸν 'H. (11 a)  
 19. 4. Δ κύριος [B om.], λάβε τὴν ψυχὴν μου ἀπ' ἐμοῦ, κύριε (11 a, -)  
 — 7. ἐπέστρεψεν ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)  
 — 9. ῥῆμα κυρίου πρὸς αὐτὸν (11 a)  
 — 10. ἐξήλωκα τῷ κ. παντοκράτορι (11 a + 6)  
 — 11. στήση ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 11. παρελεύσεται κύριος (11 a)  
 — 11. πνεῦμα . . . συντρίβειν πέτρας ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 11. B οὐκ [B om.] ἐν τῷ πνεύματι κύριος [A B -iou] (11 a)  
 — 12 (11). οὐκ ἐν τῷ συσσεισμῷ κύριος (11 a)  
 — 12. οὐκ ἐν τῷ πυρὶ κύριος (11 a)  
 — 12. A. καὶ κύριος -  
 — 14. ἐξήλωκα τῷ κ. παντοκράτορι (11 a + 6)  
 — 15. εἶπε κύριος πρὸς αὐτὸν (11 a)  
 20 (21). 17. εἶπε κύριος πρὸς 'H. (11 a)  
 — 19 bis. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 20. ποιῇσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 23. τῇ 'I. ἐλάλησε κύριος (11 a)  
 — 25. ποιῇσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 26. ὃν [A. ὃν] ἐξωλέθρευσεν κύριος (11 a)  
 — 27. κατενόη [A. ἀπὸ προσώπου τοῦ] [A om.] κ. +  
 — 28. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου ἐν χειρὶ δούλου αὐτοῦ (11 a)  
 — 28. καὶ εἶπε κύριος -  
 21 (20). 4. καθὼς ἐλάλησας [A. ἐλ. μοι], κύριέ μου βασιλεῦ (1)  
 — 9. λέγετε τῷ κ. ὑμῶν (1)  
 — 13. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 13. γνῶσθι ὅτι ἐγὼ κύριος (11 a)  
 — 14. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 23. A. θεὸς ὁρέων κ. ὁ [B om. κ. ὁ] θεὸς 'Ισρ. (11 b)  
 — 28. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 28. θεὸς ὁρέων κ. ὁ θεὸς 'Ισραὴλ (18 a)  
 — 28. γνῶσθι ὅτι ἐγὼ κύριος (11 a)  
 — 35. εἶπε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)  
 — 36. οὐκ ἤκουσας τῆς φωνῆς κυρίου (11 a)  
 — 24. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 22. 5. ἐπερωτήσατε δὴ σήμερον τὸν κ. — 6. δώσει κύριος εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (2)  
 — 7. οὐκ ἔστιν ὡς προφῆτης τοῦ κ. (11 a)  
 — 7. ἐπερωτήσωμεν τὸν κ. δι' αὐτοῦ -  
 — 8. εἰς τὸ ἐπερωτήσαι δι' αὐτοῦ τὸν κ. (11 a)  
 — 11. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 12. δώσει κύριος εἰς χεῖράς σου (11 a)  
 — 14. ζῇ κύριος (11 a)  
 — 14. ἃ [A om.] εἰς εἶπεν κύριος πρὸς μέ (11 a)  
 — 15. εὐδοῶσι κύριος εἰς χεῖρα τοῦ βασ. (11 a)  
 — 16. ὅπως λαλήσας . . . ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)  
 — 17. καὶ εἶπε κύριος, Οὐ κύριος τούτοις θεός [A om.] (11 a, 1)  
 — 19. ἄκουε ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 19. A. εἶδον τὸν κ. [B om. τ. κ.] θεὸν 'Ισρ. (18 a)  
 — 20. καὶ εἶπε κύριος (11 a)  
 — 21. ἔστη ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 22 (21). εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)  
 — 23. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψευδές (11 a)  
 — 23. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σέ κακά (11 a)  
 — 24. ποῖον [A. π. τοῦτο παρήλθεν] πνεῦμα κυρίου (11 a)  
 — 28. οὐ λελάληκε κύριος ἐν ἐμοί (11 a)  
 — 38. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 43. τοῦ ποιῇσαι τὸ εὐθές ἐν ὀφθαλμοῖς [A. ἐνώπιον] κυρίου (11 a)  
 — 53. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A. ἐνώπιον] κυρίου (11 a)  
 — 54. παρώρυγε τὸν κ. θεὸν 'Ισρ. (11 a)  
 IV Ki. 1. 3. ἄγγελος κυρίου ἐκάλεσεν 'H. (11 a)  
 — 4. 6. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 15. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς 'H. (11 a)  
 — 16. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 17. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 18 (3. 2). ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 18 (3. 3). ἐθυμώθη ὁργῇ κύριος -  
 2. 1. ἐν τῷ ἀνάγειν κύριον . . . 'H. (11 a)  
 — 2. A. κύριος ἀπέστειλén με ἔως B. [B al.] (11 a)  
 — 2. ζῇ κύριος (11 a)  
 — 3. κύριος σήμερον λαμβάνει τὸν κ. σου (11 a, 1)  
 — 4. κύριος ἀπέσταλκε με εἰς 'Ιερ. (11 a)  
 IV Ki. 2. 4. ζῇ κύριος (11 a)  
 — 5. σήμερον λαμβάνει κύριος τὸν κ. σου (11 a, 1)  
 — 6. κύριος ἀπέσταλκε με ἔως [A om.] εἰς τὸν 'Ιορδ. (11 a)  
 — 6. ζῇ κύριος (11 a)  
 — 14. A. ποῦ, κύριε [B om.], ὁ θεὸς 'H. (11 a)  
 — 16. ζήτησάσων τὸν κ. σου (1)  
 — 16. A. B. μὴ ποτε ἤρην [B εἶρεν] αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)  
 — 19. καθὼς ὁ κ. βλέπει (1)  
 — 21. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 24. κατηράσατο αὐτοῖς ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)  
 3. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)  
 — 10. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασ. (11 a)  
 — 11. οὐκ ἔστιν ὡς προφῆτης τοῦ κ. (11 a)  
 — 11. ἐπιζητήσωμεν τὸν κ. παρ' αὐτοῦ (11 a)  
 — 12. A. B. ἔστιν σὺν αὐτῷ ῥῆμα κυρίου [B om.] (11 a)  
 — 13. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασιλεῖς (11 a)  
 — 14. ζῇ κύριος τῶν δυνάμεων (11 a)  
 — 15. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν χεῖρ κυρίου (11 a)  
 — 16, 17. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 18. A. B. κοίφη [B -ος καί] αὐτὴ ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)  
 4. 1. δοῦλος ἦν φοβούμενος τὸν κ. (11 a)  
 — 7. A. ἀπήγγειλε κυρίῳ [B τῷ ἀνθρώπῳ] τοῦ θεοῦ +  
 — 16. A. B. μὴ, κύριε [B κ. μου] (1)  
 — 27. κύριος ἀπέκρινεν ἀπ' ἐμοῦ (11 a)  
 — 28. μὴ ἤτησάμην νῦν παρὰ τοῦ κ. μου (1)  
 — 30. ζῇ κύριος (11 a)  
 — 33. προσήγατο πρὸς κύριον (11 a)  
 — 43. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 44. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 5. 1. ἀνὴρ μέγας ἐνώπιον τοῦ κ. αὐτοῦ (1)  
 — 1. ἐν αὐτῷ ἔδωκε [A. ἔθηκε] κύριος σωτηρίαν Σ. (11 a)  
 — 3. ὀφελον ὁ κ. μου ἐνώπιον τοῦ προφῆτου (1)  
 — 4. ἀπήγγειλε τῷ κ. αὐτῷ (1)  
 — 11. A. ἐν ὀνόματι κυρίου [B θεοῦ] αὐτοῦ (11 a + 6)  
 — 16. ζῇ κύριος (11 a)  
 — 17. ἀλλ' ἡ τῷ κ. τῷ ῥήματι τούτῳ (11 a)  
 — 18. Ἰάσεται κύριος τὸ δούλῳ σου (11 a)  
 — 18. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι τὸν κ. μου εἰς οἶκον 'P. (1)  
 — 18. Ἰάσεται δὴ κύριος τῷ δούλῳ σου (11 a)  
 — 20. ἐφέλατο ὁ κ. μου τοῦ Ναμὴν (1)  
 — 20. ζῇ κύριος (11 a)  
 — 22. ὁ κ. μου ἀπέστειλε με [A. πρὸς σέ] (1)  
 — 25. παριστήκει πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)  
 6. 5. ὁ κύριε, καὶ αὐτὸ κεκρυμμένον (1)  
 — 12. οὐχί, κύριέ μου βασιλεῦ (1)  
 — 15. ὃ [A om.] κύριε, πῶς ποιήσωμεν (1)  
 — 17. καὶ εἶπε, Κύριε (11 a)  
 — 17. διῶνιζε κύριος τοὺς ὀφθαλμούς αὐτοῦ (11 a)  
 — 18. προσήγατο πρὸς κύριον (11 a)  
 — 20. ἀνοῖξον δὴ, κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς αὐ. (11 a)  
 — 20. A. B. διῶνιζε κύριος [B om.] τοὺς ὀφθαλμούς αὐτῶν (11 a)  
 — 22. ἀπελθέσων πρὸς τὸν κ. αὐτῶν (1)  
 — 23. ἀπῆλθον πρὸς τὸν κ. αὐτῶν (1)  
 — 26. σῶσον, κύριε βασιλεῦ (1)  
 — 27. μὴ σέ σώσας κύριος (11 a)  
 — 32. φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ κ. αὐτοῦ (1)  
 — 33. αὐτὴ ἡ κακία παρὰ κυρίου (11 a)  
 — 33. τί ὑπομείνω τῷ κ. [A om. τ. κ.] ἔτι (11 a)  
 7. 1. ἄκουσον λόγον κυρίου (11 a)  
 — 1. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 2. ποιῇσαι κύριος καταράκτας ἐν οὐρανῷ (11 a)  
 — 6. κύριος ἀκουστήν ἐποίησε . . . Συρίας φωνῇ (2)  
 — 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 19. κύριος ποιεῖ καταράκτας ἐν τῷ οὐρανῷ (11 a)  
 8. 1. κέκληκε κύριος λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (11 a)  
 — 5. κύριε βασιλεῦ, αὐτὴ ἡ γυνὴ (1)  
 — 8. ἐπιζητήσω τὸν κ. παρ' αὐτοῦ (11 a)  
 — 10. εἰδείξ με κύριος ὅτι θανάτῳ ἀποθανῇ (11 a)  
 — 12. ὁ [A om.] κ. μου κλαίει [A. καλεῖ] (1)  
 — 13. A. ὁ κύριε [B al.] -  
 — 13. εἰδείξ με κύριός σε (11 a)  
 — 14. εἰσῆλθε πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)  
 — 18. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 19. οὐκ ἠθέλησε κύριος διαφθεῖραι τὸν 'I. (11 a)  
 — 27. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 9. 3. 6. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 6. κέχρηκά σε εἰς βασιλεία ἐπὶ λαὸν κυρίου (11 a)  
 IV Ki. 9. 7. ἐξολοθρεύσεις τὸν οἶκον 'Aχ. τοῦ κ. σου (1)  
 — 7. καὶ τὰ αἵματα πάντων τῶν δούλων κυρίου (11 a)  
 — 11. ἐξῆλθε πρὸς τοὺς παῖδας τοῦ κ. αὐτοῦ (1)  
 — 12. τάδε λέγει κύριος (11 a)  
 — 25. κύριος ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ λῆμμα [A. ῥῆμα] τοῦτο (11 a)  
 — 26 bis. φησὶ κύριος (11 a)  
 — 26. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 31. ὁ φονεὺς τοῦ κ. μου (1)  
 — 36. καὶ εἶπε, Λόγος κυρίου (11 a)  
 10. 2. μεθ' ὑμῶν οἱ υἱοὶ τοῦ κ. ὑμῶν (1)  
 — 3. ἐν τοῖς υἱοῖς τοῦ κ. ὑμῶν (1)  
 — 3. πολεμεῖτε ὑπὲρ τοῦ οἴκου τοῦ κ. ὑμῶν (1)  
 — 6. ἀνδρῶν τῶν υἱῶν [A om. τ. υἱ.] τοῦ κ. ὑμῶν (1)  
 — 9. συνεστράφη ἐπὶ τὸν κ. μου (1)  
 — 10. ἀπὸ τοῦ ῥήματος κυρίου (11 a)  
 — 10. οὐ [A. ὁ τι] ἐλάλησε κύριος (11 a)  
 — 10. κύριος ἐποίησεν ὅσα ἐλάλησεν (11 a)  
 — 16. ἐν τῷ ζηλωσάι με τῷ κ. (11 a)  
 — 17. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 23. εἰ ἐστὶ μεθ' ὑμῶν τῶν δούλων κυρίου (11 a)  
 — 30. καὶ εἶπε κύριος πρὸς 'I. (11 a)  
 — 31. πορεύεσθαι ἐν νόμῳ κ. θεοῦ 'Ισρ. (11 a)  
 — 32. ἤρξατο κύριος συγκόπτειν (11 a)  
 11. 3. A. B. κρυβόμενος ἐν οἴκῳ κυρίου [B om.] (11 a)  
 — 4. ἀπήγαγεν αὐτοὺς . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 4. διέθετο αὐτοὺς διαθήκην κυρίου -  
 — 4. A. ὥρκεισεν αὐτοὺς ἐν τῇ διαθήκῃ κυρίου [B ὥρκασε] (11 a)  
 — 7. φυλάξουσιν τὴν φυλακὴν οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 10. τοὺς τρισσοὺς . . . τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 13. εἰσῆλθε . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 15. μὴ [A. εἰ μὴ] ἀποθάνῃ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 17. διέθετο 'I. διαθήκην ἀνὰ μέσον κυρίου (11 a)  
 — 17. τοῦ εἶναι εἰς λαὸν τῷ κ. (11 a)  
 — 18. ἔθηκεν ὁ ἱερεὺς ἐπισκόπους εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 19. κατήγαγον τὸν βασ. ἐξ οἴκου κυρίου (11 a)  
 12. 2 (3). ἐποίησεν 'I. τὸ εὐθές ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 4 (5). τὸ εἰσοδιαζόμενον ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 4 (5). ἐνεργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 9 (10). A. B. ἐν τῷ οἴκῳ ἀνδρὸς οἴκου [B -φ] κυρίου (11 a)  
 — 9 (10). A. ἔδωκαν . . . πᾶν τὸ ἀργύριον τὸ εὐρέθεν ἐν οἴκῳ κυρίου κυρίῳ [B om.] (11 a, -)  
 — 10 (11). τὸ ἀργύριον τὸ εὐρέθεν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 11 (12). τὰ ἔργα τῶν ἐπισκόπων [A. ἐπὶ σκευῶν] οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 11 (12). τοῖς οἰκοδόμοις τοῖς ποιοῦσιν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 12 (13). τοῦ κατασχέειν τὸ βεδέκ οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 13 (14). οὐ ποιηθήσεται οἴκῳ [A. -ου] κυρίου (11 a)  
 — 13 (14). τοῦ ἀργυρίου τοῦ εἰσενεχθέντος ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 14 (15). ἐκραταίωσαν ἐν αὐτῷ τὸν οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 16 (17). ὅτι [A. ὅτι οὐκ] εἰσπνέχθη ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 18 (19). τὸ εὐρέθεν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 13. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)  
 — 3. ὥρπισθη θυμῷ κύριος (11 a)  
 — 4. εἰσῆλθε 'I. τοῦ προσώπου κυρίου (11 a)  
 — 4. ἐπήκουσεν αὐτοῦ κύριος (11 a)  
 — 5. ἔδωκε κύριος σωτηρίαν τῷ 'Ισρ. (11 a)  
 — 11. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)  
 — 17. βέλος σωτηρίας τῷ κ. (11 a)  
 — 23. ἤλπισε κύριος αὐτοὺς -  
 — 23. οὐκ ἠθέλησε κύριος διαφθεῖραι αὐτοὺς -  
 14. 3. ἐποίησε τὸ εὐθές ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)  
 — 6. ὡς ἐνετείλατο κύριος (11 a)  
 — 14. τὰ εὐρέθεντα ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 24. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 — 25. κατὰ τὸ ῥῆμα κ. θεοῦ 'Ισρ. (11 a)  
 — 26. εἶδε κύριος τὴν ταπεινότητα 'Ισρ. (11 a)  
 — 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐξαλείψαι (11 a)  
 15. 3. ἐποίησε τὸ εὐθές [A. ἀγαθόν] ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)  
 — 5. ἤφατο κύριος τὸν βασ. [A. τοῦ β.] (11 a)  
 — 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)  
 — 12. ὁ λόγος κυρίου ὃν ἐλάλησεν (11 a)

IV Kι. 16. 18, 24, 28. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 34. ἐποίησε τὸ εὐθεῖν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 35. φκοδόμῃσε τὴν πύλιν οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 37. ἤρξατο κύριος ἐξαποστῆλλαιν (11 α)  
 16. 2. οὐκ [B<sup>1</sup> om.] ἐποίησε τὸ εὐθεῖν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου θεοῦ (11 α)  
 — 3. ὡν ἐξῆρε κύριος (11 α)  
 — 8. τὸ εὐρεθῆν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 13 (14). τὸ θυσιαστήριον . . . τὸ ἀπέναντι κυρίου (11 α)  
 — 14. προσήγαγε τὸ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου —  
 — 14. καὶ ἀπὸ τοῦ ἀνά μέσον τοῦ οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 18. τὸν θεμέλιον . . . φκοδόμῃσεν ἐν οἴκῳ κυρίου —  
 — 18. A B τὴν εἰσοδὸν . . . ἐπέστρεψεν ἐν [B om.] οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 17. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 7. ἤμαρτον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 α)  
 — 8. ὡν ἐξῆρε κύριος (11 α)  
 — 9. οὐχ οὕτως κατὰ κ. θεοῦ αὐτῶν (11 α)  
 — 11. ἀπέκτισεν κύριος (11 α)  
 — 11. τοῦ παροργίσαι τὸν κ. (11 α)  
 — 12. οἱ εἶπε κύριος αὐτοῖς (11 α)  
 — 12. οὐ ποιήσετε τὸ ῥῆμα τοῦτο κυρίῳ —  
 — 13. διεμαρτύρατο κύριος ἐν τῷ Ἰσρ. (11 α)  
 — 14. A οἱ οὐκ ἐπίστευσαν κ. θεῷ αὐτῶν (11 α)  
 — 15. B ὡν ἐνετείλατο κύριος [A B om.] αὐτοῖς (11 α)  
 — 16. ἐγκατέλιπον τὰς ἐντολὰς κ. θεοῦ αὐτῶν (11 α)  
 — 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 18. ἐθυμώθη κύριος σφόδρα ἐν τῷ Ἰσρ. (11 α)  
 — 19. οὐκ ἐφύλαξε τὰς ἐντολὰς κυρίου [B<sup>1</sup> om., A τοῦ κ.] (11 α)  
 — 19. ἀπεσῆσαντο [A ἀπεκρίσαντο] τὸν κ. —  
 — 20. B καὶ ἐθυμώθη κύριος (11 α)  
 — 21. ἐξέωσεν . . . τὸν Ἰσρ. ἐξόπισθε κυρίου (11 α)  
 — 23. μετέστησε κύριος τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 23. καθὼς ἐλάλησε κύριος —  
 — 25. οὐκ ἐφοβήθησαν τὸν κ. (11 α)  
 — 25. ἀπέστειλε κύριος ἐν αὐτοῖς τοὺς λεόντας (11 α)  
 — 26. A ἀπέστειλεν κύριος [B om.] . . . τοὺς λεόντας —  
 — 28. πῶς [A πῶς] φοβηθῶσι τὸν κ. (11 α)  
 — 32. ἥσαν φοβούμενοι τὸν κ. (11 α)  
 — 32. ἥσαν φοβούμενοι τὸν κ. (11 α)  
 — 33. τὸν κ. ἐφοβοῦντο (11 α)  
 — 34. ἦν ἐνετείλατο κύριος (11 α)  
 — 35. διέθετο κύριος μετ' αὐτῶν [A om. μετ' αὐ.] διαθήκην (11 α)  
 — 36. τῷ κ. δεσ ἀνῆγαγεν ὑμᾶς (11 α)  
 — 39. τὸν κ. θεὸν ὑμῶν φοβηθήσεσθε (11 α)  
 — 41. ἥσαν . . . φοβούμενοι τὸν κ. (11 α)  
 18. 3. ἐποίησε τὸ εὐθεῖν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 5. ἐν κ. θεῷ Ἰσρ. ἤλπισε (11 α)  
 — 6. ἐκολλήθη τῷ κ. (11 α)  
 — 7. ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 α)  
 — 12. οὐκ ἤκουσαν τῆς φωνῆς κ. θεοῦ αὐτῶν (11 α)  
 — 12. Μωσῆς ὁ δοῦλος κυρίου (11 α)  
 — 15. τὸ εὐρεθῆν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 16. A συνέκοψεν Ἐξ. τὰς θύρας ναοῦ κυρίου [B om.] (11 α)  
 — 22. ἐπὶ κ. θεὸν πεποιδαμεν (11 α)  
 — 23. μίγητε διὰ τῷ κ. μου (1)  
 — 24. τῶν δούλων τοῦ κ. μου τῶν ἐλαχίστων (1)  
 — 25. μὴ ἄνεν κυρίου ἀνέβημεν (11 α)  
 — 25. κύριος εἶπε πρὸς με (11 α)  
 — 27. μὴ ἐπὶ [A πρὸς] τὸν κ. σου καὶ πρὸς σέ ἀπέστειλέ με ὁ κ. μου (1, 1)  
 — 30. μὴ ἐπεπιζέτω ὑμᾶς Ἐξ. πρὸς κύριον (11 α)  
 — 32. ἐξελεῖται κύριος [A ἡμᾶς κ.] (11 α)  
 — 32. κύριος ῥύσεται ὑμᾶς (11 α)  
 — 35. οὐ ἐξελεῖται κύριος τὴν Ἱερ. (11 α)  
 19. 1. εἰσῆλθεν εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 4. εἰ πῶς ἐλακούσεται κύριος ὁ θεὸς σου . . . πάντα τοὺς λόγους Ῥ. (11 α)  
 — 4. ὃν ἀπέστειλεν αὐτὸν . . . ὁ κ. αὐτοῦ (1)  
 — 4. οὐς ἤκουσε ὁ θεὸς σου (11 α)  
 — 6. τὰδε εἶπε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν (1)  
 — 6. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 14. ἀνῆλθον εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 14. ἀνέπτυξεν αὐτὰ Ἐξ. ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 15. A προσήγαγε Ἐξ. εἰς πρόσωπον κυρίου (11 α)  
 — 15. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 α)

IV Kι. 19. 16. κλίνον, κύριε, τὸ σὺς σου (11 α)  
 — 16. ἀνοίξον, κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς σου (11 α)  
 — 17. κύριε, ἤρισαν βασ. Ἀσστ. τὰ ἔθνη (11 α)  
 — 19. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 — 19. σὺ [A σὺ εἶ] κύριος ὁ θεὸς μόνος (11 α)  
 — 20. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν δυναμῶν (11 α)  
 — 21. ὃν ἐλάλησε κύριος ἐπ' [A πρὸς] αὐτόν (11 α)  
 — 23. A B ὠκείδισας κύριον [B κ. σου] (2)  
 — 31. ὁ ἤλῳσε κυρίου τῶν δυναμῶν ποιήσει τοῦτο (11 α)  
 — 32. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 33. λέγει κύριος (11 α)  
 — 35. ἐξῆλθεν ἀγγελος κυρίου (11 α)  
 20. 1. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 2. ἤρξατο πρὸς κύριον (11 α)  
 — 3. κύριε, μνησθῆτι δι' (11 α)  
 — 4. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτόν (11 α)  
 — 5. τὰδε λέγει κύριος ὁ θ. Δ. (11 α)  
 — 5. ἀναβῆση εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 8. λίσσεται κύριος με (11 α)  
 — 8. ἀναβήσεται εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 9. τοῦτο τὸ σημεῖον παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 9. ποιήσει κύριος τὸν λόγον (11 α)  
 — 11. ἐβόησεν Ἡ. ὁ προφήτης πρὸς κύριον (11 α)  
 — 16. ἀκουσον λόγον κυρίου (11 α)  
 — 17. ὁ εἶπε κύριος [A ὁ κ.] (11 α)  
 — 19. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου (11 α)  
 21. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 2. ὡν ἐξῆρε κύριος (11 α)  
 — 4. φκοδόμῃσε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 5. ἐν ταῖς θυγατρὶς αἰλαῖς οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 6. τοῦ ποιεῖν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 7. φ εἶπε κύριος πρὸς Δ. (11 α)  
 — 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου —  
 — 9. ὁ ἠφάνισε κύριος (11 α)  
 — 10. καὶ ἐλάλησε κύριος (11 α)  
 — 12. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 α)  
 — 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 20. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (1 α)  
 — 22. ἐγκατέλιπε τὸν κ. (11 α)  
 — 22. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ κυρίου (11 α)  
 22. 2. ἐποίησε τὸ εὐθεῖν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 3. τὸν Σ. . . τὸν γραμματέα οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 4. τὸ εἰσενεχθῆν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου (11 α)  
 — 5. τῶν καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 5. τοῖς ποιούσι τὰ ἔργα τοῖς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 8. βιβλίον τοῦ νόμου ἔρπον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 9. εἰσῆλθεν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου † (11 α)  
 — 9. τὸ εὐρεθῆν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου —  
 — 9. καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 13. ἐκλήθησεν τὸν κ. (11 α)  
 — 13. μεγάλη ἡ ὀργὴ κυρίου (11 α)  
 — 15. 16. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 18. τὸν ἀποστείλας ὑμᾶς ἐκλήθησεν τὸν κ. (11 α)  
 — 18. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 19. B<sup>1</sup> ἐνετράπη τὸ πρόσωπον [A B<sup>2</sup> B ἀπὸ πρόσωπου] κυρίου [B om.] (11 α)  
 — 19. λέγει κύριος (11 α)  
 28. 2. ἀνῆλθον ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 2. τοῦ εὐρεθῆντος ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 3. διέθετο διαθήκην ἐνώπιον κυρίου τοῦ πορεύεσθαι ὅπως κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 4. ἐξαγαγὲν ἐκ τοῦ ναοῦ κυρίου (11 α)  
 — 6. ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος ἐξ οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 7. τῶν καθισμῶν τῶν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 9. οὐκ ἀνέβησαν . . . πρὸς τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 α)  
 — 11. ἐν τῇ εἰσόδῳ οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 12. ἐν ταῖς θυγατρὶς αἰλαῖς οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α)  
 — 19. οὐς ἐποίησαν . . . παροργίζον κύριον —  
 — 21. ποιήσατε πᾶσχα τῷ κ. θ. ἡμῶν (11 α)  
 — 23. ἐγενήθη τὸ πᾶσχα [A π. τοῦτο] τῷ κ. (11 α)  
 — 24. οὐ εὐρε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 25. δε ἐπέστρεψε πρὸς κύριον (11 α)  
 — 26. οὐκ ἀπεστράφη κύριος ἀπὸ θυμοῦ (11 α)  
 — 27. καὶ εἶπε κύριος (11 α)  
 — 32. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 37. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] κυρίου (11 α)  
 24. 2. A B ἀπέστειλε κύριος [B om.] . . . τοὺς μοναζώονους M. (11 α)

IV Kι. 24. 2. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 α)  
 — 3. ἐπὶ τὸν θυμὸν κυρίου ἦν (11 α)  
 — 4. οὐκ ἠβόλησε κύριος ἱλασθῆναι (11 α)  
 — 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 α)  
 — 13. πάντα τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 13. δ ἐποίησε Σαλ. . . ἐν τῷ ναφ κυρίου κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 19. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου (11 α)  
 — 20. ἐπὶ τὸν θυμὸν κυρίου ἦν (11 α)  
 25. 9. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 13. τοὺς στύλους . . . τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 13. τὴν θάλασσαν . . . τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 16. δ ἐποίησε Σαλ. τῷ οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 I Ch. 2. 3. ἦν Ἡρ. . . πονηρὸς ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 6. 31 (16). οὐς κατέστησε Δ. . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 32 (17). A B ἔως οὐ φκοδόμῃσε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου [B om.] (11 α)  
 9. 19. A B πατέρες αὐτῶν ἐπὶ τῆς παρεμβολῆς κυρίου [B om.] (11 α)  
 — 20. A B ἡγούμενος ἦν . . . ἔμπροσθεν κυρίου [B om.] (11 α)  
 — 23. ἐπὶ τὸν πυλῶν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 10. 13. A αἰς ἡμόμησε τῷ κ. [B S θεῷ] (11 α)  
 — 13. κατὰ τὸν λόγον κυρίου [S τοῦ κ.] (11 α)  
 — 14. οὐκ ἐξήνεγκε [A ἐξεκ. τὸν] κύριον [S-os] (11 α)  
 — 14. A καθότι οὐκ πρῶτησεν ἐν κυρίῳ —  
 11. 2. A S ἔπιν [B ἔλ. Ἰσρ.] κύριος [A κ. ὁ θεὸς σου] σοι (11 α + θ [11 α])  
 — 3. διέθετο αὐτοῖς ὁ βασ. Δ. διαθήκην . . . ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 3. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 α)  
 — 9. καὶ κ. παντοκράτωρ μετ' αὐτοῦ (11 α)  
 — 10. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 α)  
 — 14. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 α)  
 — 18. ἔσπειρεν αὐτὸ τῷ κ. (11 α)  
 12. 19. ἐπιστράφηκε πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ Σαούλ (1)  
 — 23. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 α)  
 18. 2. καὶ παρὰ κ. θεοῦ ἡμῶν εὐδοσῶθῃ (11 α)  
 — 6. τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ κυρίου (11 α)  
 — 10. A B S ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ [B om.] (11 α)  
 — 11. διέκοψε κύριος διακοπὴν ἐν Ὁῤ (11 α)  
 14. 2. ἠτοίμασεν αὐτὸν κύριος (11 α)  
 — 10. B S ἔπιν αὐτῷ κύριος [A<sup>2</sup> om.] (11 α)  
 — 17. κύριος ἔδωκε τὸν φόβον αὐτοῦ (11 α)  
 15. 2. αὐτοῖς ἐξελέξατο κύριος (11 α)  
 — 2. A B αἶρειν τὴν κιβωτὸν κυρίου (θ)  
 — 3. A<sup>2</sup> B τοῦ ἀνεγκᾶν τὴν κιβωτὸν κυρίου [S τοῦ κ.] (11 α)  
 — 14. A τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. [B S om.] θεοῦ Ἰσρ. (11 α)  
 — 25. A τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [B S om.] (11 α)  
 — 26. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 27. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου —  
 — 28. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 29. κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 16. 1. A προσήνεγκαν . . . ἐναντίον τοῦ κ. [B S θεοῦ] (θ)  
 — 2. εὐλόγησε τὸν λαὸν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 4. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 4. B αἶκιν κύριον [A τὸν κ.] θεὸν [B τὸν θ.] Ἰσρ. (11 α)  
 — 6. S τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης τοῦ κ. [A B θεοῦ] (θ)  
 — 7. τοῦ αἰνᾶν τὸν κ. (11 α)  
 — 8. B ἐξομολογήσθε τῷ κ. [A B S om. τ. κ.] (11 α)  
 — 9. δ ἐποίησε κύριος —  
 — 11. B (ῆθησεν τὸν κ. [A B S om. τ. κ.] (11 α)  
 — 14. A B αὐτὸς [B S om.] κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 — 23. ἄσατε τῷ κ. (11 α)  
 — 25. ὅτι μέγας κύριος (11 α)  
 — 28. δότε τῷ κ. . . δότε τῷ κ. δόξαν (11 α, 11 α)  
 — 29. A B δότε τῷ κ. δόξαν (11 α)  
 — 29. προσκυνήσατε κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 α)  
 — 31. κύριος βασιλεύων [A ἐβασίλευσεν] (11 α)  
 — 33. εὐφρανθήσεται . . . ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 α)  
 — 34. ἐξομολογήσθε τῷ κ. (11 α)  
 — 36. εὐλογημένος κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 α)  
 — 36. ἦμεσαν τῷ κ. (11 α)  
 — 37. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 39. ἐναντίον τῆς σκηπῆς κυρίου (11 α)  
 — 40. τοῦ ἀναφέρειν ὀλοκαυτώματα τῷ κ. (11 α)  
 — 40. κατὰ πάντα τὰ γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (11 α)

- 1 Ch. 16. 41. τοῦ αἰνῆν τὸν κ. (11 α)  
 17. 1. ἡ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Νάθαν (8)  
 — 4. οὕτως εἶπε κύριος (11 α)  
 — 7. τὰδε λέγει κ. παστοράτωρ (11 α)  
 — 10. Β Β οἰκοδομήσει σε [Α Β σοι] κύριος (11 α)  
 — 16. ἐκάθισεν ἀπέναντι [Β -τίον] κυρίου (11 α)  
 — 16. τίς εἰμι ἐγὼ, κύριε [Α -ος] (11 α)  
 — 17. ὤψωσάς με, κύριε ὁ θεός (11 α)  
 — 20. κύριε, οὐκ ἔστιν ὁμοίός σοι (11 α)  
 — 22. Α Β σὺ, κύριε [Β -ος], αὐτοῖς εἰς θεόν (11 α)  
 — 23. καὶ νῦν, κύριε, ὁ λόγος σου (11 α)  
 — 24. κύριε κύριε παστοράτωρ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 25. Α σὺ, κύριε [Β Β om., Ε κ. ὁ θεός μου], ἥνοιξας (11 α)  
 — 26. καὶ νῦν, κύριε, σὺ εἶ (11 α)  
 — 27. Α Β σὺ, κύριε [Β Β om.], εὐλόγησας (11 α)  
 18. 6. ἔωξεν κύριος τὸν Δαυὶδ (11 α)  
 — 11. ἤγαγεν Δαυὶδ τῷ κ. (11 α)  
 — 11. Α Β ἔσωξεν κύριος τὸν Δ. [Β Β om. τ. Δ.] (11 α)  
 19. 13. Β Β κύριος τὸν ἀγαθόν [Α Β δ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ] ποιῆσαι (11 α)  
 — 17. ἐπολόγησεν αὐτὸν [Β add. κύριος] (11 α)  
 — 21. 3. προσθέτη κύριος ἐπὶ τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 α)  
 — 23. Α Β ὁ ὀφθαλμοὶ κυρίου [Α -οι, Ε τοῦ κ. μου ... βλέποντες] (1)  
 — 3. πάντες τῷ κ. μου παῖδες (1)  
 — 3. ἵνα τί [Β ἵνα] ζητεῖ κύριός [Α δ. κ.] μου τοῦτο (1)  
 — 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Γάδ (11 α)  
 — 10. 11. οὕτω λέγει κύριος (11 α)  
 — 12. ἡ τρίτις ἡμέρας ῥομφαίαν κυρίου (11 α)  
 — 12. καὶ ἀγγελοι κυρίου ἐξελεθρεύων (11 α)  
 — 13. ἐμπεσούμαι δὴ εἰς χεῖρας κυρίου (11 α)  
 — 14. ἔδωκε κύριος θάνατον ἐν Ἰσρ. (11 α)  
 — 15. εἶδε κύριος (11 α)  
 — 15. καὶ ὁ ἀγγελος κυρίου ἐστώς (11 α)  
 — 16. εἶδε τὸν ἀγγελον κυρίου (11 α)  
 — 17. κύριε ὁ θεός, γενήθῃς ἡ χεὶρ σου (11 α)  
 — 17. καὶ μὴ ἐν τῷ λαῷ σου εἰς ἀπωλείαν, κύριε — (11 α)  
 — 18. ἀγγελος κυρίου εἶπε τῷ Γάδ (11 α)  
 — 18. Α κύριε, ἵνα λάβῃ [Α' Β Ε ἰ. ἀναβῇ] (1)  
 — 18. τοῦ στήθασι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 α)  
 — 19. ὃν ἐλάλησεν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 22. οἰκοδομήσω ... θυσιαστήριον τῷ κ. (11 α)  
 — 23. ποιήσας ὁ κ. μου ... τὸ ἀγαθόν (1)  
 — 24. οὐ μὴ λάβω δ' ἐστὶ σοι κυρίῳ (11 α)  
 — 24. τοῦ ἀνεγείναι ὀλοκαυτῶσιν [Α εἰς δ.] — (1)  
 — 26. ὀλοκαυτῶσιν δ. ἐκεῖ θυσιαστήριον κυρίῳ (11 α)  
 — 26. καὶ ἐβόησε πρὸς κύριον (11 α)  
 — 27. εἶπε κύριος πρὸς τὸν ἀγγελον (11 α)  
 — 28. Α Β εἰσηκούσεν αὐτῷ κύριος [Β om.] (11 α)  
 — 29. σκηρὴν κυρίου ἦν ἐποίησε Μ. (11 α)  
 — 30. ἀπὸ προσώπου τῆς ῥομφαίας ἀγγέλου κυρίου (11 α)  
 22. 1. οὕτως ἔστιν ὁ οἶκος κυρίου [Α om.] τοῦ θεοῦ (11 α)  
 — 5. ὁ οἶκος τοῦ οἰκοδομήσαι τῷ κ. (11 α)  
 — 6. τοῦ οἰκοδομήσαι τὸν οἶκον τῷ κ. [Α ὀνόματι κυρίου] (11 α)  
 — 7. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 8. ἐγένετό μοι [Α ἐπ' ἐμὲ] λόγος κυρίου (11 α)  
 — 11. ἔσται μετὰ σοῦ κύριος (11 α)  
 — 11. οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ κ. θεῷ σου (11 α)  
 — 12. δῶς σοι σοφίαν ... κύριος (11 α)  
 — 12. τοῦ ποιεῖν τὸν νόμον κυρίου τοῦ θ. σου (11 α)  
 — 13. δ' ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 α)  
 — 14. ἡτοιμάσα εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 16. καὶ κύριος μετὰ σοῦ (11 α)  
 — 18. οὐχὶ κύριος μεθ' ὑμῶν (18 α)  
 — 18. ὑπετάγη ἡ γῆ ἰστανίου κυρίου (11 α)  
 — 19. τοῦ ζητησαί τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 α)  
 — 19. Α οἰκοδομήσατε ἀγίασμα κ. [Β om.] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 α)  
 — 19. τοῦ εἰσενεγκαί τὴν κιβωτὸν διαθήκης κ. (11 α)  
 — 19. τὸν οἰκοδομούμενον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 23. 4. Ε ἐπὶ τὰ ἔργα οἴκου κυρίου [Α Β om.] (11 α)  
 — 5. αἰνούντες τῷ κ. (11 α)  
 — 5. οἱς ἐποίησε τοῦ αἰνῆν τῷ κ. — (11 α)  
 — 13. τοῦ θυμῶν ἐναντίον τοῦ κ. (11 α)  
 — 24. τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 25. κατεπάσας κύριος ὁ θεός Ἰσρ. [Α τῷ Ἰσρ.] (11 α)  
 — 28. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 1 Ch. 28. 30. ἐξομολογῆσθαι τῷ κ. (11 α)  
 — 31. τὸν ἀναφερόμενον ὀλοκαυτῶματῶν τῷ κ. (11 α)  
 — 31. κατὰ τὴν κρίσιν ἐπ' αὐτοῖς διὰ παντός τῷ κ. (11 α)  
 — 32. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 24. 5. ἦσαν ... ἀρχόντες κυρίου (8)  
 — 19. τοῦ εἰσπορεύεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 19. ὡς ἐνετείλατο κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 25. 3. ἐξομολογήσιν καὶ αἰνεσὶν τῷ κ. (11 α)  
 — 6. ἐν οἴκῳ θεοῦ [Α κυρίου] (11 α)  
 — 7. διδασκαλίας αἰνῶν κυρίῳ (11 α)  
 26. 12. λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 20. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 22. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 30. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν κυρίου [Α τῷ κ.] (11 α)  
 — 32. εἰς πᾶν πρόσταγμα κυρίου [Α αλ.] (8)  
 27. 23. κύριος εἶπε πληθύναι τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 2. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 2. καὶ στάσιν ποδῶν κυρίου ἡμῶν (8)  
 — 4. ἐξελέξατο κ. ὁ θεός Ἰσρ. ἐν ἡμοῖς (11 α)  
 — 5. πολλοὺς υἱοὺς ἔδωκε μοι κύριος (11 α)  
 — 5. ἐπὶ θρόνῳ βασιλείας κυρίου (11 α)  
 — 8. κατὰ πρόσταγμα πάσης ἐκκλησίας κυρίου (11 α)  
 — 8. ζητήσατε πάσας τὰς ἐντολάς κυρίου (11 α)  
 — 9. πάσας καρδίας ἐτάζει [Α ἐξέτ.] κύριος (11 α)  
 — 10. κύριος ῥητέικε σε (11 α)  
 — 12. τὸ παράδειγμα ... τῶν αὐλῶν οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 12. Α Β τῶν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου [Β om.] κυρίου (8)  
 — 13. εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 13. Α Β τῆς λατρείας οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 18. ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 19. πάντα ἐν γραφῇ χειρὸς κυρίου (11 α)  
 — 20. κ. ὁ θεός μου μετὰ σοῦ (11 α + 8)  
 — 20. πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κυρίου [Α] — (11 α)  
 — 20. καὶ τὸ παράδειγμα οἴκου κυρίου — (11 α)  
 — 21. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν οἴκου κυρίου [Α τοῦ θεοῦ] (8)  
 29. 1. εἰς ὃν ῥητέικε ἐν αὐτῷ κύριος (8)  
 — 1. οὐκ ἀνθρώπων [Α ἀδδ. ἡ οἰκοδομή] ἀλλ' ἡ κυρίῳ θεῷ (11 α)  
 — 5. πληρώσαι τὰς χεῖρας αὐτοῦ σήμερον κυρίῳ (11 α)  
 — 7. ἔδωκεν εἰς τὰ ἔργα τοῦ οἴκου κυρίου (8)  
 — 8. ἔδωκεν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 9. προσευμήσαν τῷ κ. (11 α)  
 — 10. εὐλόγησεν ὁ βασιλ. Δ. τὸν κ. (11 α)  
 — 10. εὐλόγησεν εἰ, κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 11. σοί, κύριε, ἡ μεγαλωσύνη (11 α)  
 — 12. σὺ πάντων ἀρχεῖς, κυρίε — (11 α)  
 — 13. καὶ νῦν, κύριε, ἐξομολογούμεθά σοι (8)  
 — 16. κύριε ὁ θεός ἡμῶν ... ἐκ χειρὸς σοῦ ἐστί (11 α)  
 — 17. καὶ ἔγνων, κύριε (8)  
 — 18. κύριε ὁ θεός Ἀβρ. ... φύλαξεν ταῦτα (11 α)  
 — 20. εὐλόγησατε κ. τὸν θεόν ἡμῶν (11 α)  
 — 20. εὐλόγησε πᾶσα ἡ ἐκκλησία κύριον (11 α)  
 — 20. προσεκύνησαν κυρίῳ [Α τῷ κ.] (11 α)  
 — 21. ἔθυσεν Δ. τῷ κ. θυσίας (11 α)  
 — 22. ἔπιον ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 22. ἔχρισαν αὐτὸν τῷ κ. (11 α)  
 — 25. ἐμεγάλυνεν κύριος τὸν Σαλ. (11 α)  
 11 Ch. 1. 1. καὶ κ. ὁ θεός αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 α)  
 — 3. ἦν ἐποίησε Μ. παῖς κυρίου (11 α)  
 — 5. ἐκεῖ ἦν ἐναντί τῆς σκηνῆς κυρίου (11 α)  
 — 6. τὸ θυσιαστήριον τὸ χαλκοῦν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 — 9. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός, πιστωθῇτω (11 α)  
 2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 4 (3). ἐν ταῖς ἐορταῖς τοῦ κ. [Α κ. τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 — 5 (4). Ε μέγας κύριος [Α Β om.] ὁ θεός ἡμῶν (18 β)  
 — 11 (10). ἐν τῷ ἀγαπήσει κύριον τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 α)  
 — 12 (11). εὐλόγητος κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 12 (11). δε οἰκοδομήσει οἶκον τῷ κ. (11 α)  
 — 14 (13). μετὰ ... σοφῶν Δαυὶδ κυρίου μου (1)  
 — 15 (14). δ [Α δν] εἶπεν ὁ κ. μου (1)  
 3. 1. τοῦ οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 1. οὐ ὥφθη κύριος τῷ Δ. — (11 α)  
 4. 16. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 11 Ch. 4. 19. ἐποίησε Σαλ. πάντα τὰ σκευὴ οἴκου κυρίου (8)  
 — 22 (5. 1). ἦν ἐποίησε Σαλ. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 5. 1. Α Β ἔδωκεν εἰς θησαυρὸν οἴκου [Β om.] κυρίου (8)  
 — 2. τοῦ ἀνεγείναι κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 7. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 α)  
 — 10. δ διέβητο κύριος μετὰ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 α)  
 — 13. τοῦ ἐξομολογῆσθαι καὶ αἰνῆν τῷ κ. (11 α)  
 — 13. ἐξομολογήσθη τῷ κ. (11 α)  
 — 13. ὁ οἶκος ἐνεπλήσθη νεφέλης δόξης κυρίου (11 α)  
 — 14. Α³ ἀπὸ προσώπου τῆς νεφέλης δόξης κυρίου [Β om. δ. κ.] — (11 α)  
 — 14. Α³ Β ἐνέπλησεν δόξα κυρίου τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (11 α)  
 6. 1. Α³ Β κύριος εἶπε τοῦ κατασκευάσαι [Α³ κατοικῆσαι] (11 α)  
 — 4. εὐλογητός κ. ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 7. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 8. εἶπε κύριος πρὸς Δ. (11 α)  
 — 10. ἀνέστησε κύριος τὸν λόγον τοῦτον [Α αὐτοῦ] (11 α)  
 — 10. καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 α)  
 — 10. ὀλοκαυτῶμα τὸν οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 11. ἐν ἧ ἐκεῖ διαθήκη κυρίου (11 α)  
 — 12. ἔστη κατέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 α)  
 — 14. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 16. 17. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 19. ἐπιβλέψῃ ... ἐπὶ τὴν δέσιν μου, κύριε ὁ θεός (11 α)  
 — 40. κύριε, ἔστωσαν δὴ οἱ ὀφθαλμοὶ σου ἀνεγγόμενοι (8)  
 — 41. ἀνάστηθι, κύριε ὁ θεός (11 α)  
 — 41. ἱερεῖς σου, κύριε ὁ θεός (11 α)  
 — 42. κύριε ὁ θεός, μὴ ἀποστρέψῃς (11 α)  
 7. 1. δόξα κυρίου ἐπληρώσεν τὸν οἶκον (11 α)  
 — 2. εἰσελθεῖν εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 2. ἐπληρώσεν δόξα κυρίου τὸν οἶκον (11 α)  
 — 3. καὶ ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ τὸν οἶκον (11 α)  
 — 3. ἦν τῷ κ. (11 α)  
 — 4. θύοντες θύματα ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 6. ἐν ὀργάνοις ψάλλον κυρίου (11 α)  
 — 6. τοῦ ἐξομολογῆσθαι ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 7. τὸ μέσον τῆς αὐλῆς τῆς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 10. οἱς ἐποίησε κύριος τῷ Δ. (11 α)  
 — 11. συνετέλεσε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 11. τοῦ ποιῆσαι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 12. Β ὥφθη κύριος [Α Β ὁ θεός] τῷ Σαλ. (11 α)  
 — 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος τῇ γῇ ταύτῃ (11 α)  
 — 22. ὅστις ἐγκατέλειπον κυρίον (11 α)  
 8. 1. ὀλοκαυτῶμα Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 11. οὐ εἰσῆλθεν ἐκεῖ κιβωτὸς κυρίου (11 α)  
 — 12. ἀνήνεγκε Σαλ. ὀλοκαυτῶματα τῷ κ. (11 α)  
 — 12. Α ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου [Β om.] (11 α)  
 — 12. Β δ' ὀλοκαυτῶμα κυρίῳ [Α Β om.] — (11 α)  
 — 16. ὥς οὐ ἐτελείωσε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 9. 4. δ ἀνέφερεν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 8. ἔστω κ. ὁ θεός σου εὐλογημένος (11 α)  
 — 8. τοῦ δοῦναι σε ... εἰς βασιλεία τῷ κ. θεῷ [Α τῷ λαῷ] σου (11 α)  
 — 8. ἐν τῷ ἀγαπήσει κ. τὸν θεόν σου τὸν Ἰσρ. (18 β)  
 — 11. ἀναβάσεις τῷ οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 10. 15. ἀνέστησε κύριος τὸν λόγον αὐτοῦ (11 α)  
 11. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμαίαν (11 α)  
 — 4. τὰδε λέγει κύριος (11 α)  
 — 4. ἐπήκουσαν [Α ὑπ.] τοῦ λόγου κυρίου (11 α)  
 — 14. μὴ λειτουργεῖν [Α τοῦ μὴ λ. τῷ] κυρίῳ (11 α)  
 — 16. τοῦ ζητησαί κύριον [Α τὸν κ.] θεόν Ἰσρ. (11 α)  
 — 16. θύσαι κυρίῳ θεῷ [Α τῷ θ.] τὰν πατέρων αὐτῶν (11 α)  
 12. 1. ἐγκατέλιπε τὰς ἐντολάς κυρίου (11 α)  
 — 2. ἤμαρτον ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 5. οὕτως εἶπε κύριος (11 α)  
 — 6. καὶ εἶπαν, Δίκαιος ὁ κ. (11 α)  
 — 7. ἐν τῷ ἰδεῖν κύριον (11 α)  
 — 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμ. (11 α)  
 — 9. τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 11. ἐν τῷ εἰσελθεῖν τὸν βασιλ. εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 12. ἀπιστράφη ἀπ' αὐτοῦ ὀργῇ κυρίου (11 α)  
 — 13. ἐν τῇ πόλει ἡ ἐξελέξατο κύριος (11 α)  
 — 14. ἐκζητήσαι τὸν [Α om.] κ. (11 α)  
 13. 5. κ. ὁ θεός Ἰσρ. ἔδωκε βασιλεία ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 6. Α Β ἀπέστη [Β ἀν.] ἀπὸ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)  
 — 8. κατὰ πρόσωπον βασιλείας κυρίου (11 α)  
 — 9. οὐκ ἐξεβάλετε τοὺς ἱερεῖς κυρίου (11 α)

11 Ch. 13. 10. κ. τὸν θεὸν ἡμῶν οὐκ ἐγκατελί-  
πομεν (11 α)  
— 10. οἱ ἱερεῖς αὐτοῦ λειτουργοῦσι τῇ κ. (11 α)  
— 11. θυμῶσι τῇ κ. (11 α)  
— 11. φυλάσσομεν ἡμεῖς τὰς φυλακὰς κυρίου (11 α)  
— 12. μεθ' ἡμῶν ἐν ἀρχῇ κύριος (θ)  
— 12. πολέμησθε πρὸς κ. θεὸν τῶν πατέρων (11 α)  
— 14. ἐβόησαν πρὸς κύριον (11 α)  
— 15. κύριος ἐπάταξε τὸν ἱερ. (θ)  
— 16. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (θ)  
— 18. ἤλπισαν ἐπὶ κ. θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (11 α)  
— 20. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος (11 α)  
14. 2 (1). Δ Β τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κ. τοῦ [B om.]  
θεοῦ αὐτοῦ (11 α)  
— 4 (3). ἐκλήθηται τὸν κ. [A κ. τὸν] θεόν (11 α)  
— 6 (5). κατέκτανον αὐτὴν κύριος (11 α)  
— 7 (6). Δ Β καθὼς ἐξέζητησάμεν [B ἐξ.]  
κύριον (11 α)  
— 11 (10). ἐβόησαν Ἀσὰ πρὸς κ. θεὸν αὐτοῦ  
καὶ εἶπε, Κύριε (11 α, 11 α)  
— 11 (10). κατήσυχον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
— 12 (10). κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν, μὴ κατισχυσάτω (11 α)  
— 12 (11). ἐπάταξε κύριος τοὺς Αἰθίοπας (11 α)  
— 13 (12). συνετριβήσαν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
— 14 (13). ἐγενίθη ἐκστάσις κυρίου ἐπ' αὐτοὺς (11 α)  
15. 1. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (θ)  
— 2. κύριος μεθ' ὡμῶν (11 α)  
— 4. ἐπιστράφει αὐτοὺς ἐπὶ κ. θεόν ἱσρ. (11 α)  
— 5. ἐκστάσις κυρίου ἐπὶ πάντας  
— 8. Β ἐνεκαίνισε [Δ Β ἀν.] τὸ θυσιαστήριον  
κυρίου (11 α)  
— 8. ὁ ἦν ἔμπροσθεν τοῦ ναοῦ κυρίου (11 α)  
— 9. κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 α)  
— 11. καὶ ἔδυσε τῷ κ. (11 α)  
— 12. ζήτησαι κ. θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν  
(11 α)  
— 13. ὅς ἐάν μὴ ἐκλήτῃς κύριον (11 α)  
— 14. ὡμοναῖ ἐν κυρίῳ [Δ τῇ κ.] (11 α)  
— 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοὺς κυκλόθεν (11 α)  
— 18. Δ Β τὰ ἔργα οἴκου κυρίου [B om.] τοῦ  
θεοῦ (18 β)  
16. 2. ἐκ θησαυρῶν οἴκου κυρίου (11 α)  
— 7. καὶ μὴ πεποιθέναι σε [Δ om.] ἐπὶ κ. θεόν  
σου (11 α)  
— 8. ἐν τῷ πεποιθέναι σε [Δ om.] ἐπὶ κύριον (11 α)  
— 9. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπιβλέπουσιν (11 α)  
— 12. Δ Β οὐκ ἐζήτησε τὸν [Δ ἐξεξ.] κύριον  
[B -os] (11 α)  
17. 3. ἐγένετο κύριος μετὰ Ἰωσαφάτ  
— 4. κ. τὸν θεὸν τοῦ πατρὸς αὐτοῦ ἐξεζήτησε (18 β)  
— 5. κατεῖδεν κύριος τὴν βασιλείαν  
— 6. ὑψώθη καρδία αὐτοῦ ἐν ὁδῷ κυρίου  
— 9. μετ' αὐτῶν βίβλας νόμου κυρίου  
— 10. ἐγένετο ἐκστάσις κυρίου (11 α)  
— 16. ὁ προθυμώμενος τῷ κ. (11 α)  
18. 4. ζήτησαν διὰ σήμερον τὸν κ. (11 α)  
— 6. οὐκ ἔστιν ὡδε προφήτης τοῦ κ. ἔτι  
— 7. τοῦ ζήτησαι τὸν κ. δι' αὐτοῦ  
— 10. ταῦδε λέγει κύριος  
— 11. καὶ δώσει κύριος εἰς χεῖρας τοῦ βασ.  
— 13. ζῇ κύριος (11 α)  
— 15. τὴν ἀλήθειαν ἐν ὁνόματι κυρίου  
— 16. καὶ εἶπε κύριος (11 α)  
— 18. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
— 18. εἰδόντων [Δ om.] κ. καθήμενον ἐπὶ θρόνου  
— 19. καὶ εἶπε κύριος (11 α)  
— 20. καὶ ἔσται ἐνώπιον κυρίου  
— 20. καὶ εἶπε κύριος (11 α)  
— 22. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψευδές  
— 22. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακὰ  
— 23. Δ πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ  
— 23. πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ (11 α)  
— 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐν ἐμοί  
— 31. κύριος ἔσωσεν αὐτόν (11 α)  
19. 2. ἡ μισοσυμψύχῃ ὑπὸ κυρίου φιλιᾷται  
— 2. ἐγένετο ἐπὶ σὲ ὀργὴ παρὰ κυρίου  
— 3. ἐκλήθηται τὸν κ. (θ)  
— 4. ἐπιστράφειν αὐτοὺς ἐπὶ κύριον (11 α)  
— 6. οἱ οὐκ ἀνθρώπων . . . ἀλλ' ἡ τῷ κ.  
— 7. γινέσθω φόβος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς  
— 7. οὐκ ἔστι μετὰ κ. θεοῦ ἡμῶν ἀδικία  
— 8. κατέστησαν ἱ. τῶν ἱερῶν . . . εἰς κρίνιν  
κυρίου (11 α)  
— 9. οὕτως ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου  
— 10. οὐχ ἀμαρτήσονται τῷ κ. [Δ θεῷ]  
— 11. εἰς πάν λόγον κυρίου (11 α)  
— 11. ἔσται κύριος μετὰ τοῦ ἀγαθοῦ (11 α)

11 Ch. 20. 3, 4. ἐκλήθηται τὸν κ. (11 α)  
— 4. ζήτησαι τὸν κ. (11 α)  
— 5. ἀνέστη Ἰωσφ. . . ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 6. κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν  
— 7. οὐχὶ σὺ ὁ κ. [Δ αλ.] (θ)  
— 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 β)  
— 13. πᾶς ἱ. ἰσθηκῶς ἐναντὶ [Δ -τίον] κυρίου  
— 14. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου  
— 15. ταῦδε λέγει κύριος ὑμῖν αὐτοὶς  
— 17. ἴδετε τὴν σωτηρίαν κυρίου μεθ' ὡμῶν  
— 17. καὶ κύριος μεθ' ὡμῶν (11 α)  
— 18. ἔπεισαν ἔναντι [Δ -τίον] κυρίου προσ-  
κυνῆσαι κυρίῳ (11 α, 11 α)  
— 19. αἰνῶνι κυρίῳ θεῷ [Δ τῷ θ.] ἱσρ. (11 α)  
— 20. ἐμπιστεύσατε ἐν [Δ om.] κ. θεῷ ὡμῶν  
— 21. ἐξομολογήσατε [Δ -θαί] τῷ κ. (11 α)  
— 22. ἔδωκε κύριος πολέμιον τοὺς υἱοὺς Ἀ.  
— 26. ἐκεῖ γὰρ ἠλλόγησαν τὸν κ. (11 α)  
— 27. εὐφρανεν αὐτοὺς κύριος  
— 28. εἰσῆλθον . . . εἰς οἶκον κυρίου  
— 29. καὶ ἐγένετο ἐκστάσις κυρίου  
— 29. ἐπολέμισσε κύριος πρὸς τοὺς ὑπεναστίτους  
ἱσρ. (11 α)  
— 32. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κυρίου  
— 33. πρὸς κύριον θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν  
— 37. ἔβραυσεν κύριος τὸ ἔργον σου  
21. 6. ἐποίησε τὸ ποιῆσον ἐναντίον κυρίου  
— 10. κ. ἐβούλετο κύριος ἐξολοθρεῖσαι  
— 7. κ. [Δ τὸν κ.] θεὸν τῶν πατέρων αὐτοῦ  
— 12. ταῦδε λέγει κ. θεὸς [Δ ὁ θ.] Δαυὶδ  
— 14. κύριος πατάξει σε πληγὴν μεγάλην  
— 16. ἐπήγγελλε κύριος ἐπὶ ἱ. τοὺς ἀλλοφύλους  
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος εἰς τὴν κοιλίαν  
22. 4. ἐποίησε τὸ ποιῆσον ἐναντίον κυρίου  
— 7. Δ Β πρὸς Ἰηοῦ [B om.] υἱὸν Ναμ. χρισ-  
τὸν κυρίου (11 α)  
— 9. ὃς ἐζήτησε [Δ ἐκλήτῃς] τὸν κ. (11 α)  
23. 1. Δ Β ἔλαβε τὸν ἐκατοστάρχους . . . εἰς  
οἶκον κυρίου [B om.] +  
— 3. καθὼς ἐλάλησεν κύριος (11 α)  
— 5. πᾶς ὁ λαὸς ἐν αἰαίται οἴκου κυρίου  
— 6. μὴ εἰσελθῆτω εἰς οἶκον κυρίου  
— 6. Δ Β φυλάσσετω φυλακὰς κυρίου [B -ίφ]  
— 12. εἰσῆλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου  
— 14. μὴ ἀποθανῆτω ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 16. εἰναὶ λαὸν τῷ κ. (11 α)  
— 18. Δ Β ἐνεχείρησεν [B Β -ισεν] ἱ. . .  
τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (11 α)  
— 18. Δ Β διαστείλε Δ. ἐπὶ τὸν οἶκον κυρίου  
— 18. Δ Β ἀνεγέκαι ὀλοκαυτώματα κυρίῳ  
[Δ τῷ κ.] (11 α)  
— 19. ἐπὶ τὰς πύλας οἴκου κυρίου  
— 20. ἐπεβίβασαν [Δ ἀμεβ.] τὸν βασ. εἰς  
οἶκον κυρίου (11 α)  
24. 2. ἐποίησαν ἱ. τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κυρίου  
— 4. ἐπισκευνάσαι τὸν οἶκον κυρίου  
— 5. κατισχύσαι τὸν οἶκον κυρίου (θ)  
— 7. τὰ ἔργα οἴκου κυρίου  
— 8. τεθῆτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου  
— 9. εἰσενέγκαι κυρίῳ καθὼς εἶπε Μ.  
— 12. εἰς τὴν ἐργασίαν οἴκου κυρίου  
— 12. ἐπισκευνάσαι τὸν οἶκον κυρίου  
— 12. Β ἐπισκευνάσαι τὸν οἶκον κυρίου  
— 13. ἀνέστησαν τὸν οἶκον κυρίου (θ)  
— 14. ἐποίησαν σκεύη εἰς οἶκον κυρίου  
— 14. ἀνήγγελλαν ὀλοκαυτώσεις ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 18. Β ἐγκατέλειπον τὸν κ. θεόν [Δ κ. τ. θ.,  
B οἶκον κυρίου θεοῦ] (11 α)  
— 19. ἐπιστράφει πρὸς κύριον  
— 20. ταῦδε λέγει κύριος (θ)  
— 20. τί παραποροῦσθε τὰς ἐντολὰς κυρίου  
— 20. ἐγκατέλιπετε τὸν κ.  
— 21. ἐν αὐτῇ οἴκου κυρίου  
— 22. ἴδοι κύριος καὶ κρινάτω  
— 24. ὅτι ἐγκατέλειπον κύριον  
25. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κυρίου  
— 4. κατὰ τὴν διαθήκην τοῦ νόμου κυρίου  
— 4. ὡς ἐνετείλατο κύριος (11 α)  
— 7. οὐκ ἔστι κύριος μετὰ ἱσρ. (11 α)  
— 8. καὶ τροπάζεσθαι σε [Δ om.] κύριος  
— 8. ὅτι ἐστὶ παρὰ κυρίου (θ)  
— 9. ἔστι τῷ κ. δοῦναι σοι πλείστα τούτων  
— 15. ἐγένετο ὀργὴ κυρίου ἐπὶ Ἀμ.  
— 20. ὅτι παρὰ κυρίου ἐγένετο  
— 24. τὰ εὐρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 27. ᾧ ἀπέστη Ἀμ. ἀπὸ κυρίου (11 α)

11 Ch. 26. 4. ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
— 5. ἦν ἐκλήτῃς τὸν κ. (θ)  
— 5. τοῦ συναντῶντος ἐν φόβῳ κυρίου  
— 5. ἐζήτησε τὸν κ. (11 α)  
— 5. εὐδωκῶσεν αὐτῷ κύριος (θ)  
— 7. κατίσχυσεν αὐτὸν κύριος (θ)  
— 16. ἠδίκησεν ἐν κ. θεῷ αὐτοῦ (11 α)  
— 16. εἰσῆλθεν εἰς τὸν ναὸν κυρίου (11 α)  
— 17. καὶ μετ' αὐτοῦ ἱερεῖς τοῦ κ. (11 α)  
— 18. Δ Β οὐ σοὶ . . . θυμᾶσαι τῷ [B θυ-  
σαι] κ. (11 α)  
— 18. ἀπέστης ἀπὸ κυρίου  
— 18. εἰς δόξαν παρὰ κ. θεοῦ (11 α)  
— 19. ἡ λέπρα ἀνέτειλεν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 20. ἤλεγξεν αὐτὸν κύριος (11 α)  
— 21. ἀπεσχίσθη ἀπὸ οἴκου κυρίου (11 α)  
27. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κυρίου  
— 2. οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸν ναὸν κυρίου  
— 3. φοκοδόμησε τὴν πύλιν οἴκου κυρίου  
— 6. Δ Β ἠτοίμασε τὰς οὐδοὺς αὐτοῦ ἐναντίον  
[B -τι] κυρίου θεοῦ αὐ. (11 α)  
28. 1. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κυρίου  
— 3. ὃν ἐξωλέθρευσεν κύριος (11 α)  
— 5. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ  
— 6. ἐν τῷ αὐτοῖς καταλείπει τὸν κ. θεόν  
— 9. ἐκεῖ ἦν ὁ προφήτης τοῦ κ.  
— 9. ὀργὴ κυρίου . . . ἐπὶ τὸν Ἰούδαν  
— 10. μαρτυρήσαι κ. θεῷ [Δ τῷ θ.] ὡμῶν  
— 11. Δ Β ὀργὴ θυμοῦ [B om.] κυρίου ἐφ' ὡμῶν  
— 13. εἰς τὸ ἀμαρτανεῖν τῷ κ. (11 α)  
— 13. Β καὶ ὀργὴ θυμοῦ [B om.] κυρίου  
[Δ Β κ. θεοῦ] ἐπὶ τὸν ἱσρ. —  
— 18. ἔλαβον . . . ἐν οἴκῳ κυρίου [Δ om. ἐν οἴ. κ.] —  
— 19. ἐταπεινώσατο κύριος τὸν Ἰούδαν  
— 19. ἀπέστη ἀποστάσει ἀπὸ κυρίου  
— 21. ἔλαβεν Ἀχ. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 22. προσέθηκε τοῦ ἀποστήναι ἀπὸ κυρίου  
— 24. ἀπέστησεν Ἀχ. τὰ σκεύη οἴκου κυρίου  
— 24. ἔκλεισε τὰς θύρας οἴκου κυρίου  
— 25. καὶ παμώργισαν κύριον  
29. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐνώπιον κυρίου  
— 3. ἀνέφες τὰς θύρας οἴκου κυρίου  
— 5. ἀγνίστατε τὸν οἶκον κυρίου  
— 6. Δ Β ἐποίησαν τὸ ποιῆσον ἐναντίον κυρίου  
[B add. θεοῦ ἡμῶν] (11 α + θ [11 α])  
— 6. ἀπέστρεψαν τὸ πρόσωπον ἀπὸ τῆς σκηπῆς  
κυρίου (11 α)  
— 8. ὠργισθὲν ὀργῇ [Δ θυμῷ] κύριος  
— 10. διαβίην κυρίου θεοῦ ἱσρ. (11 α)  
— 11. Δ Β ἐν ὡμῖν πρίτεκε κύριος [B om.] (11 α)  
— 15. ἠγνίσθησαν . . . διὰ προστάγματος κυ-  
ρίου (11 α)  
— 15. Δ Β καθάρισαν τὸν οἶκον κυρίου  
— 16. εἰσῆλθον . . . εἰς τὸν οἶκον κυρίου  
— 16. τὴν εὐρεθίσαν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου καὶ εἰς  
τὴν αὐτὴν οἶκον κυρίου (11 α, 11 α)  
— 17. εἰσῆλθεν εἰς τὸν ναὸν κυρίου [Δ τοῦ κ.] (11 α)  
— 17. ἠγνίσαν τὸν οἶκον κυρίου  
— 18. ἠγνίσταμεν πάντα τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 19. ἔστιν ἐναντίον τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου  
— 20. ἀνίθῃ εἰς οἶκον κυρίου  
— 21. ἀμαρτανεῖν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου  
— 25. ἔστησε τοὺς λενίτας ἐν οἴκῳ κυρίου  
— 25. δι' ἐντολῆς κυρίου τὸ πρὸς ταγμα  
— 27. ἤρξαντο ᾄδειν κυρίῳ [Δ τῷ κ.] (11 α)  
— 30. ὑμνεῖν τὸν κ. ἐν λόγοις Δ.  
— 31. ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν κυρίῳ  
— 31. φέρετε θυσίας καὶ αἰνέσεις εἰς οἶκον  
κυρίου (11 α)  
— 31. Β ἀνήγγελλεν ἡ ἐκκλησία θυσίας . . . εἰς  
οἶκον κυρίου —  
— 32. εἰς ὀλοκαυτῶσιν κυρίῳ πάντα ταῦτα (11 α)  
— 35. κατωρθώθη τὸ ἔργον ἐν οἴκῳ κυρίου  
30. 1. εἰλθεῖν εἰς οἶκον κυρίου  
— 1. ποιῆσαι τὸ φασὶν τῷ κ. (11 α)  
— 5. ποιῆσαι τὸ φασὶν κυρίῳ (11 α)  
— 6. Β ἐπιστράφυσθε πρὸς κ. [Δ Β om.] θεόν  
Ἀδ. (11 α)  
— 7. οἱ ἀπέστησαν ἀπὸ κυρίου  
— 8. δότε δόξαν κ. τῷ θεῷ (18 α)  
— 8. δουλεύσατε τῷ κ. θεῷ ὡμῶν  
— 9. ἐν τῷ ἐπιστράφειν ὑμᾶς πρὸς κύριον  
— 9. ἐλεῆμων καὶ οἰκτιρμων κ. ὁ θεὸς ἡμῶν  
— 12. ἐγένετο χεῖρ κυρίου δοῦναι αὐτοῖς  
— 12. κατὰ τὰ προστάγματα . . . ἐν λόγῳ κυ-  
ρίου (11 α)

II Ch. 30. 15. εἰσῆγγεκαν . . . ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου (11 a)  
 — 17. τῷ μὴ δυναμένῳ ἀγισθῆναι τῷ κ. (11 a)  
 — 18. κ. ἀγαθὸς [A δ' α.] ἐξιλιάσθω (11 a)  
 — 19. ἐκζητῆσαι κ. τὸν θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (8 + 11 a)  
 — 20. ἐπήκουσε κύριος τῷ 'Εζ. (11 a)  
 — 21. καθυμνοῦντες τῷ κ. (11 a)  
 — 21. καὶ οἱ ἱερεῖς . . . ἐν ὀργάνοις τῷ κ. (11 a)  
 — 22. τῶν συνόντων συνέσιν ἀγαθὴν τῷ κ. (11 a)  
 — 22. ἐξομολογούμενοι τῷ [A om.] κ. (11 a)  
 31. 2. ἐν ταῖς αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 3. τὰς γεγραμμένας ἐν τῷ νόμῳ κυρίου (11 a)  
 — 4. ἐν τῇ λειτουργίᾳ οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 6. καὶ ἤγισαν τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 a)  
 — 8. πύλοισιν αὐτοῦ (11 a)  
 — 10. φέρεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 10. κυρίου πύλοισιν τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)  
 — 11. ἐτοιμάσαι παστοφῆρμα εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 13. 'Αζ. ὁ ἡγουμένος οἴκου κυρίου (8)  
 — 14. B δοῖναι τὰς ἀπαρχὰς κυρίου [A B-φ] (11 a)  
 — 16. παντὶ τῷ εἰσπορευομένῳ εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 20. τὸ εὐθεὶς ἐναντίον τοῦ [A om.] κ. θεοῦ αὐτοῦ (11 a)  
 — 21. φ [A ἐν φ] ἤρξατο . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (8)  
 32. 8. μεθ' ἡμῶν δὲ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)  
 — 11. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν σώσει ὑμᾶς (11 a)  
 — 16. ἐλάλησαν παῖδες αὐτοῦ ἐπὶ κύριον (11 a)  
 — 17. ὀνειδίζειν τὸν κ. θεὸν 'Ισρ. (11 a)  
 — 21. ἀπέστειλε κύριος ἀγγελον (11 a)  
 — 22. ἔσται κύριος 'Εξεκίαν (11 a)  
 — 23. πολλοὶ ἔφερον δῶρα τῷ κ. (11 a)  
 — 23. προσήνευτο πρὸς κυρίον (11 a)  
 — 26. A B οὐκ ἐπλήθυν ἐπ' αὐτοὺς ὁργὴ κυρίου [B θεοῦ] (11 a)  
 — 29. ἔδωκεν αὐτῷ κύριος ἀποσκευὴν πολλήν (8)  
 — 31. ἐκτετέλειπεν αὐτὸν κύριος (8)  
 33. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)  
 — 2. οὐς ἐξολέθρευσε κύριος (11 a)  
 — 4. φκοδόμησε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου οὐ εἶπε κύριος (11 a, 11 a)  
 — 5. ἐν ταῖς θυσίαις αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 6. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου [A ἐν] (11 a)  
 — 7. A ἔθηκε τὸ γλυπτὸν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου [B θεοῦ] (8)  
 — 9. δ' ἐξήρε κύριος [A om.] (11 a)  
 — 10. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ Μαν. (11 a)  
 — 11. ἤγαγε κύριος ἐπ' αὐτοὺς τοὺς ἄρχοντας (11 a)  
 — 12. ἐξήγησε τὸ πρόσωπον θεοῦ τοῦ κ. αὐτοῦ (8)  
 — 13. κυρίου αὐτὸς ἐστὶ θεὸς [A δ' θ.] (11 a)  
 — 15. περιελε . . . τὸ γλυπτὸν ἐξ οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 15. δ' φκοδόμησεν ἐν δρεὶ οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 16. κατάρθωσε τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)  
 — 16. τοῦ δουλεύειν κ. θεῷ 'Ισρ. (11 a)  
 — 17. πλὴν κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 a)  
 — 18. A ἐπ' ὀνόματι κ. [B om.] θεοῦ 'Ισρ. (11 a)  
 — 22. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 — 23. οὐκ ἐταπεινώθη ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 34. 2. ἐποίησε τὸ εὐθεὶς ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 — 3. τοῦ ζητῆσαι κ. τὸν θεὸν Δαυὶδ (18 b)  
 — 8. κραταίωσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 9. A τὸ εἰσενεχθῆναι εἰς οἶκον κυρίου [B θεοῦ] (8)  
 — 10. οἱ καθιεστώμενοι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 10. οἱ ἐπιδούλῳ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 14. τὸ εἰσοδιασθῆναι εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 14. εὐρε . . . βιβλίον νόμου κυρίου (11 a)  
 — 15. βιβλίον νόμου εὗρον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 17. τὸ εὐρεθῆναι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 21. A B ζητῆσται τὸν [B om.] κ. περὶ ἐμοῦ (11 a)  
 — 21. μέγας ὁ θυμὸς κυρίου ἐκέκασται (11 a)  
 — 21. A B οὐκ εἰσῆκουσαν [B ἡκ.] . . . τῶν λόγων κυρίου (11 a)  
 — 23. οὕτως εἶπε κύριος (11 a)  
 — 24. οὕτως λέγει κύριος (11 a)  
 — 26. τοῦ ζητῆσαι τὸν κ. (11 a)  
 — 26. οὕτως λέγει κ. ὁ θεὸς 'Ισρ. (11 a)  
 — 27. ἐγὼ ἤκουσα, φησὶ κύριος (11 a)  
 — 30. ἀνέβη ὁ βασιλ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 30. τοὺς ἐυρεθῆναι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 31. διέθετο διαθήκην ἐναντίον κυρίου τοῦ πορευομένου ἐνώπιον κυρίου (11 a, 11 a)  
 — 32. ἐποίησαν . . . διαθήκην ἐν οἴκῳ κυρίου (8)  
 — 33. τοῦ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (11 a)  
 — 33. οὐκ ἐξέκλιεν ἀπὸ ἐπισθε κυρίου (11 a)  
 35. 1. ἐποίησαν 'Ι. τὸ φασεὶ τῷ κ. θεῷ αὐτοῦ, (11 a + 6)

II Ch. 35. 2. κατίσχυσεν αὐτοὺς εἰς τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 3. τοῦ ἀγασθῆναι αὐτοὺς τῷ [A om.] κ. (11 a)  
 — 3. λειτουργήσατε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)  
 — 6. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)  
 — 12. τοῦ προσάγειν τῷ κ. (11 a)  
 — 16. ἡτοιμάσθη πᾶσα ἡ λειτουργία κυρίου (11 a)  
 — 16. ἐνεγκύν . . . ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)  
 — 18. δ' ἐποίησεν . . . τῷ κ. (11 a)  
 — 19. οὐ εὗρε X. . . ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 19. δε ἐπέστρεψε πρὸς κύριον (11 a)  
 — 19. οὐκ ἀπεστράφη κύριος ἀπὸ ὁργῆς (11 a)  
 — 19. οὐ ὁργίσθη θυμὸς κυρίου (11 a)  
 — 19. καὶ εἶπε κύριος (11 a)  
 — 26. γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (11 a)  
 36. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 — 5. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a + 6)  
 — 5. ἀπέστειλε κύριος . . . τοὺς Χαλδαίους (11 a)  
 — 5. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)  
 — 5. θυμὸς κυρίου ἦν ἐπὶ 'Ιούδα (11 a)  
 — 5. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἐξολεθρεῖσαι αὐτούς (11 a)  
 — 7. μέρος τῶν σκευῶν οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 — 10. μετὰ τῶν σκευῶν . . . οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 12. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 — 12. οὐκ ἐντερίσθη . . . ἐκ στόματος κυρίου (11 a)  
 — 13. τοῦ μὴ ἐπιστρέφειν πρὸς κ. θεὸν 'Ισρ. (11 a)  
 — 14. ἐμίαναν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 15. ἐξάπεστειλε κύριος ὁ θεὸς (11 a)  
 — 16. ἔως ἀνέβη ὁ θυμὸς κυρίου (11 a)  
 — 18. B καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου [A B om. οἱ κ.] (11 a)  
 — 19. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (8)  
 — 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κυρίου (11 a)  
 — 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κυρίου (11 a)  
 — 22. ἐξήγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Κύρου (11 a)  
 — 23. ἔδωκε μοι κ. ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ (11 a)  
 I Es. 1. 1. ἤγαγεν 'Ι. τὸ πᾶσα . . . τῷ κ. αὐτοῦ (11 a)  
 — 2. στήσας τοὺς ἱερεῖς . . . ἐν τῷ ἱερῷ τοῦ κ. (11 a)  
 — 2. ἀγιάσαι ἑαυτοὺς τῷ κ. (11 a)  
 — 3. ἐν τῇ θέσει τῇ ἀγίας κιβωτοῦ τοῦ κ. (11 a)  
 — 4. λατρεύετε τῷ κ. θεῷ [A κ. τ. θ.] ὑμῶν (11 a)  
 — 6. κατὰ τὸ πρόσταγμα τοῦ [A om.] κ. (11 a)  
 — 11. προσενεγκύν τῷ κ. (11 a)  
 — 17. συνετέλεσθη τὸ τῆς θυσίας τοῦ κ. [A τῷ κ.] (11 a)  
 — 18. προσεχθήναι [A ἐνεχθ.] . . . ἐπὶ τὸ τοῦ κ. θυσιαστήριον (11 a)  
 — 23. ὠρθῶθη τὰ ἔργα 'Ι. ἐνώπιον τοῦ κ. αὐτοῦ (11 a)  
 — 24. περὶ τῶν ἡμαρτημάτων . . . εἰς τὸν κ. (11 a)  
 — 24. οἱ λόγοι τοῦ κ. ἀνέστησαν ἐπὶ 'Ισρ. (11 a)  
 — 27. οὐχὶ πρὸς σὲ ἐξέπσταλμαι ἐπὶ κυρίου (11 a)  
 — 27. κύριος μετ' ἐμοῦ ἐστὶ καὶ κύριος μετ' ἐμοῦ ἐπισπένδων ἐστὶν (11 a)  
 — 27. μὴ ἐναντίου τῷ κ. (11 a)  
 — 28. οὐ προσέχω ῥήμασιν . . . ἐκ στόματος κυρίου (11 a)  
 — 33. τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐν τῷ νόμῳ κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)  
 — 39. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A ἐναντὶ] κυρίου (11 a)  
 — 41. ἀπὸ τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. λαβῶν (11 a)  
 — 44. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντὶ κυρίου (11 a)  
 — 45. ὅμοι τοῖς ἱεροῖς σκεύεσιν τοῦ κ. (11 a)  
 — 47. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)  
 — 47. τῶν ῥηθέντων λόγων . . . ἐκ στόματος τοῦ κ. (11 a)  
 — 48. ὀρκισθεὶς . . . τῷ ὀνόματι τοῦ κ. (11 a)  
 — 48. παρέβη τὰ νόμιμα κυρίου θεοῦ 'Ισρ. (11 a)  
 — 49. ἐμίαναν τὸ ἱερὸν τοῦ κ. (11 a)  
 — 51. ἡ ἡμέρα ἐλάλησε κύριος (11 a)  
 — 54. πάντα τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. (11 a)  
 — 54. τὰς κιβωτοὺς [A τὰ σκεύη κιβωτοῦ] τοῦ κ. (11 a)  
 — 55. ἐνεπύρισαν τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ. (11 a)  
 — 57. εἰς ἀναπλήρωσιν ῥήματος τοῦ [A δ. λόγου] κ. (11 a)  
 2. 1. εἰς συνετέλειαν ῥήματος κυρίου (11 a)  
 — 2. ἤγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Κύρου (11 a)  
 — 3. ἐμὲ ἀνέδειξε βασιλεῖα . . . ὁ κ. τοῦ 'Ισρ. κ. ὁ ὑψίστος (11 a)  
 — 5. A ἔστω ὁ κ. κ. [B om.] αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 a)  
 — 5. οἰκοδομεῖται τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ. (11 a)  
 — 5. οὕτως ὁ κ. ὁ κατασκευάσας ἐν 'Ιερ. (11 a)  
 — 7. εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ. τὸ ἐν 'Ιερ. (11 a)  
 — 8. ὡς ἤγειρε κύριος τὸ πνεῦμα (11 a)  
 — 8. οἰκοδομήσας οἶκον τῷ κ. (11 a)  
 — 10. A ἐξήγγελε τὰ ἱερὰ [B ἀγία] σκεύη τοῦ κ. (11 a)  
 — 17. βασιλεῖ 'Αρρ. κυρίῳ οἱ παῖδες σου (11 a)  
 — 18. γνωστὸν ἔστω τῷ κ. [A κ. μου] βασιλ. (11 a)  
 — 21. προσφωησάτω τῷ κ. βασιλ.

I Es. 2. 24. ὑποδικεῖσθαι σοι, κύριε βασιλεῦ (11 a)  
 4. 46. δ' σε [B' δσα] ἀξίω, κύριε βασιλεῦ (11 a)  
 5. 50. ἀνέφερον . . . ὀλοκαυτώματα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)  
 — 58. ἔστησαν τοὺς Α. . . ἐπὶ τῶν ἔργων τοῦ κ. (11 a)  
 — 58. ποιοῦντες εἰς τὰ ἔργα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ κ. [A θεοῦ] (11 a)  
 — 58. φκοδόμησαν . . . τὸν ναὸν τοῦ κ. (11 a)  
 — 60. ὑμνοῦντες τῷ κ. (11 a)  
 — 61. εὐλογοῦντες [A ὁμολογ.] τῷ κ. (11 a)  
 — 62. ὑμνοῦντες τῷ κ. ἐπὶ τῇ ἐγέρσει τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)  
 — 67. οἰκοδομοῦσι τὸν ναὸν τῷ κ. (11 a)  
 — 69. ἀκούομεν τοῦ κ. ὑμῶν (11 a)  
 — 70. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίῳ (11 a)  
 — 71. οἰκοδομήσομεν τῷ κ. τοῦ 'Ισρ. (11 a)  
 6. 1. ἐπροφήτευσεν . . . ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)  
 — 2. ἤρξαντο οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον τοῦ κ. (11 a)  
 — 2. συνόντων τῶν προφητῶν τοῦ κ. (11 a)  
 — 5. χάριν ἐπισκοπῆς γενομένης . . . παρὰ τοῦ κ. (11 a)  
 — 8. πάντα γνωστὰ ἔστω τῷ κ. ὑμῶν (11 a)  
 — 9. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κ. μέγαν (11 a)  
 — 13. ἐσμέν παῖδες τοῦ κ. (11 a)  
 — 15. ἤμαρτον εἰς τὸν κ. τοῦ 'Ισρ. (11 a)  
 — 19. καὶ τὸν ναὸν τοῦ κ. [A κ. τούτου] οἰκοδομήσονται (11 a)  
 — 20. A B ἐνβάλετο [B' εἰσέβαλ.] τοὺς θεμελίους τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)  
 — 21. A B ἐν τοῖς βασιλικαῖς βιβλιοφυλακίαις τοῦ κ. [B Κύρου] (11 a)  
 — 22. τὴν οἰκοδομήν τοῦ οἴκου [B' om.] κυρίου (11 a)  
 — 22. καὶ κρίνηται τῷ κ. βασιλεῖ ἡμῶν (11 a)  
 — 24. προσέταξε τὸν οἶκον τοῦ κ. . . οἰκοδομήσονται (11 a)  
 — 26. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 27. εἶσαι δὲ τὸν παῖδα [A add. τοῦ] κυρίου Ζορ. (11 a)  
 — 27. τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ. ἐκείνου οἰκοδομῶν (11 a)  
 — 28. μέχρι τοῦ ἐπιτελεσθῆναι τὸν οἶκον τοῦ κ. (11 a)  
 — 29. εἰς θυσίαν τῷ κ. (11 a)  
 — 33. ὁ κ. οὐ τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐπικέκληται ἐκεί (11 a)  
 — 33. ἡ κακοποιῆσαι τὸν οἶκον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)  
 7. 4. διὰ προστάγματος τοῦ κ. (11 a)  
 — 7. εἰς τὸν ἐγκαίνισμὸν τοῦ ἱεροῦ τοῦ κ. (11 a)  
 — 9. ἔστησαν . . . ἐπὶ τῶν ἔργων κυρίου (11 a)  
 — 13. ζητοῦντες τὸν κ. (11 a)  
 — 14. εὐφραίνονται ἐναντὶ κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)  
 — 15. κατισχύσαι . . . ἐπὶ τὰ ἔργα κυρίου (11 a)  
 8. 6. κατὰ τὴν . . . ἐνδοξίαν παρὰ τοῦ κ. (11 a)  
 — 7. μηδὲν παραλείπει τῶν ἐκ τοῦ νόμου κυρίου (11 a)  
 — 8. ἀναγνώσθη τὸν νόμον κυρίου (11 a)  
 — 9. ἀναγνώσθη τὸν νόμον κυρίου (11 a)  
 — 12. φ [A ὡς] ἔχει νόμον [A B ἐν τῷ ν.] κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)  
 — 13. ἀπενεγκύν δῶρα τῷ κ. (11 a)  
 — 13. καὶ ἀργύριον . . . τῷ κ. [A om.] (11 a)  
 — 14. A<sup>2</sup> B εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ. (11 a)  
 — 15. A B προσενεγκύν θυσίας τῷ κ. [B om. τ. κ.] (11 a)  
 — 15. B ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τοῦ κ. [A θεοῦ, B κ. θεοῦ] (11 a)  
 — 17. A B τὰ [B κατὰ] ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. [B σκ. σου] (11 a)  
 — 25. εὐλογητὸς ὁ μόνος ὁ κ. (11 a)  
 — 27. κατὰ τὴν ἀντιλήψιν κυρίου (11 a)  
 — 46. ἐν τῷ οἴκῳ [A ἐν τῷ κ.] τοῦ κ. ἡμῶν (11 a)  
 — 47. A B κατὰ τὴν κραταίαν χεῖρα τοῦ κ. ἡμῶν (11 a)  
 — 50. εὐξάμην . . . ἔναντι κυρίου [A κ. τοῦ θεοῦ] ἡμῶν (11 a)  
 — 52. ἰσχύς τοῦ κ. ἡμῶν ἔσται μετὰ τῶν ἐπιζητούντων (11 a)  
 — 53. ἐδεσθῆμεν τοῦ κ. ἡμῶν (11 a)  
 — 55. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴκου τοῦ κ. ἡμῶν (11 a)  
 — 58. A ὑμῖς ἀγίοι ἔστε τῷ κ. κύριος [B om.] καὶ τὰ σκεύη (11 a)  
 — 58. καὶ τὸ ἀργύριον εὐχὴ τῷ κ. κ. τῶν πατέρων ἡμῶν (11 a)  
 — 59. ἐν τοῖς παστοφῆροις τοῦ οἴκου τοῦ κ. (11 a)  
 — 60. ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ. (11 a)  
 — 61. κατὰ τὴν κραταίαν χεῖρα τοῦ κ. ἡμῶν (11 a)  
 — 61. A ἐρρύσατο ἡμᾶς . . . κύριος [B om.] (11 a)  
 — 62. παρεδόθη ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)  
 — 65. προσήνεγκαν θυσίας τῷ θεῷ τοῦ 'Ισρ. κυρίῳ (11 a)  
 — 66. ἀπαντα θυσίαν τῷ κ. (11 a)  
 — 67. ἐδόξασαν . . . τὸ ἱερὸν τοῦ κ. (11 a)  
 — 72. A B ἐπεκινούτο ἐπὶ [B om.] τῷ ῥήματι κυρίου (11 a)  
 — 73. ἐκτείνας τὰς χεῖρας πρὸς τὸν κ. (11 a)  
 — 74. κύριε, ἡσυχμαί (11 a)

1 Es. 8. 78. ἐγενήθη ἡμῖν ἔλεος παρὰ τοῦ κ. κυρίου [A σου, κύριε]  
 — 79. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ κ.  
 — 80. οὐκ ἐγκατελείφθημεν ὑπὸ [A ἀπὸ] τοῦ κ. ἡμῶν  
 — 81. A B καὶ δοξάσαι τὸν ἱερὸν τοῦ κ. [B om. τ. κ.]  
 — 82. τί ἐροῦμεν, κύριε  
 — 86. σὺ γὰρ, κύριε, ὁ κουφίσας [A κ., ἐκ.]  
 — 89. κύριε [B om.] τοῦ ἱερ., ἀληθινὸς εἰ  
 — 92. ἡμάρτομεν εἰς τὸν κ. [A add. θεόν]  
 — 93. γινέσθω ἡμῖν ὁρκωμοσία πρὸς τὸν κ.  
 — 94. A B πειθαρχοῦσι τοῦ νόμου [A τῷ νόμῳ] κυρίου [B τοῦ κ.]  
 9. 8. δότε ὁμολογίαν δόξαν τῷ κ. θεῷ  
 — 13. ἔως τοῦ λύσαι τὴν ὀργὴν κυρίου [A τοῦ κ.]  
 — 39. B τὸν παραδοθέντα ὑπὸ κυρίου [B τοῦ, A τοῦ κ.] θεοῦ ἱερ.  
 — 46. A B ἐδόξαsen Ἐ. τῷ κ. θ. [B om. τ. κ. θ.] τῷ ὑψίστῳ θεῷ  
 — 47. A B προσεκύνουντες τῷ κ. [B θεῷ]  
 — 48. ἐδίδασκον τὸν νόμον κυρίου  
 — 48. B ἀνεγίνωσκον τὸν νόμον τοῦ κ.  
 — 50. ἡ ἡμέρα αὕτη ἐστὶν ἁγία τῷ κ.  
 — 52. ἁγία γὰρ ἡ ἡμέρα τῷ κ.  
 — 52. ὁ γὰρ κ. [A θεός κ.] δοξάσει ἡμᾶς  
 11 Es. 1. 1. A B τοῦ τελευτήσαντος λόγον [B om.] κυρίου [B om.] (11 a)  
 — 1. A B ἐξήγαγε κύριος [B om.] τὸ πνεῦμα Κύριον (11 a)  
 — 2. A B πᾶσας τὰς βασιλείας τῆς γῆς [B om. τ. γ.] ἔδωκε μοι κύριος [B om.] (11 a)  
 — 5. A B οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου [B om.] (11 a)  
 — 7. A B ἐξήγαγε τὰ σκεύη οἴκου κυρίου [B om.] (11 a)  
 — 9. B κυρίῳ [A B ψυκτῆρες] χρυσοὶ τριάκοντα †  
 — 2. 68. ἐν τῷ ἔλθῃ αὐτοῖς εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 3. 3. ἀνέβη ἐπ' αὐτὸ ὀλοκαύτως τῷ κ. (11 a)  
 — 5. A εἰς πᾶσας ἐορτάς κυρίῳ [B om., B τῷ κ.] (11 a)  
 — 5. παντὶ ἐκουσιαζομένῳ ἐκούσιον τῷ κ. (11 a)  
 — 6. ἀναφέρειν ὀλοκαυτώσεις τῷ κ. (11 a)  
 — 6. ὁ οἶκος κυρίου οὐκ ἐθμελιώθη (11 a)  
 — 8. B τὰ ἔργα ἐν [A θεοῦ] οἴκῳ [B om. ἐν οἴκῳ] κυρίου (11 a)  
 — 10. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 10. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (11 a)  
 — 11. ἐν αὐτῷ καὶ ἀνθοομοιοῖται τῷ κ. (11 a)  
 — 11. αἰνεῖν τῷ κ. ἐπὶ θεμελιώσει οἴκου κυρίου (11 a, 11 a)  
 4. 1. οἰκοδομοῦσιν οἶκον τῷ κ. (11 a)  
 — 3. οἰκοδομοῦσιν τῷ κ. θεῷ ἡμῶν (11 a)  
 5. 1. A ἐν ὁνόματι κυρίου [B om.] θεοῦ ἱερ. (11 c)  
 6. 21. τοῦ ἐκζητῆσαι κύριον (11 a)  
 — 22. A B εὐφρανεν αὐτοὺς κύριος [B om.] (11 a)  
 — 22. A κύριος [B om.] ἐπέστρεψε καρδίαν βασι-  
 — 7. 6. ἐν ἔδωκε κ. ὁ θεός ἱερ. (11 a)  
 — 6. A B χεῖρ κυρίου [B om.] θεοῦ αὐτοῦ ἐπ' αὐτὸν (11 a)  
 — 11. βιβλίου λόγων ἐντολῶν κυρίου (11 a)  
 — 12. A B ἔ. γραμματεῖ νόμου κ. [B om.] τοῦ θεοῦ (18 c)  
 — 15. καὶ εἰς οἶκον κυρίου ἀργύριον  
 — 15. B τῷ κ. [A B θεῷ] τοῦ ἱερ. (4 b)  
 — 27. εὐλογητός κ. ὁ θεός τῶν πατέρων ἡμῶν (11 a)  
 — 27. A B τοῦ δοξάσαι τὸν [B -άσαντος] οἶκον κυρίου [B om.] (11 a)  
 — 28. A ὡς χεῖρ κυρίου [B θεοῦ] ἡ ἀγαθὴ ἐπ' ἐμὲ (11 a + 8)  
 8. 28. ὑμεῖς ἅγιοι τῷ κ. [A κ. θεῷ] (11 a [18 a])  
 — 28. ἐκούσια τῷ κ. θεῷ πατέρων ἡμῶν (11 a)  
 — 29. εἰς σκηπὰς οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 35. A B τὰ πάντα ὀλοκαυτώματα τῷ κ. [B -ωμάτων] (11 a)  
 9. 5. A B ἐκπεριζῶ τὰς [B om.] χεῖράς μου πρὸς κύριον [B om.] τὸν θεόν (11 a)  
 — 6. A B καὶ εἶπα, Κύριε [B om.]  
 — 8. B ἐπιεικίσαστο [A B -εσκενός.] ἡμῖν κ. [B om.] ὁ θεός ἡμῶν (11 a)  
 — 9. οὐκ ἐγκατέλιπεν ἡμᾶς κ. ὁ θεός ἡμῶν (18 b)  
 — 15. B κύριος ὁ θεός ἱσραήλ (11 a)  
 10. 3. B ἐν βουλῇ κυρίου (2)  
 — 11. B ἐν δότε ἀνεῖναι κυρίῳ [A τῷ κ., B B om.] (11 a)  
 Ne. 1. 5. μὴ δὴ [B om. μὴ δὴ], κύριε ὁ θεός (11 a)  
 — 11. B ἐν μὴ δὴ, κύριε [A B B om.] (2)  
 5. 13. ἤμεσαν τὸν κ. [B om.] λόγον κυρίου (11 a [22])

Ne. 8. 1. A B ἐν ἐνετέλειτο κύριος [B B om.] τῷ ἱερ. (11 a)  
 — 6. B ἠλόγησεν Ἐ. τὸν [A B B om.] κ. (11 a)  
 — 6. προσεκύνουντες τῷ κ. (11 a)  
 — 8. διέστειλεν ἐν [A om.] ἐπιστήμῃ κυρίου  
 — 8. B καὶ συνήκεν ὁ λαὸς κυρίου [A B om.]  
 — 9. B ἡμέρα ἁγία ἐστὶ τῷ [A B om.] κ. (11 a)  
 — 10. ἁγία ἐστὶν ἡ ἡμέρα τῷ κ. ἡμῶν (11 a)  
 — 10. B ἐστὶ κύριος [A B B om.] ἱσχυὲς ἡμῶν (11 a)  
 — 14. φ. ἐνετέλειτο κύριος τῷ M. (11 a)  
 9. 3. B ἐν βιβλίῳ νόμου κυρίου [A B B om.] θεοῦ αὐτῶν (11 a)  
 — 3. ἦσαν ἐξαγαρούμενες τῷ κ.  
 — 3. A B B καὶ προσεκύνουντες τῷ κ. [B om.] (11 a)  
 — 4. ἐβόσαν . . . πρὸς κ. τὸν θεόν αὐτῶν (11 a)  
 — 5. εὐλογεῖτε κ. τὸν θεόν ἡμῶν (11 a)  
 — 6. σὺ εἰ αὐτὸς κ. μόνος (11 a)  
 — 7. A B σὺ εἰ κ. [B om.] ὁ θεός (11 a)  
 10. 29 (30). A B πᾶσας τὰς ἐντολάς κυρίου [B B om.] ἡμῶν, B τῷ θεοῦ (11 a + 1)  
 — 34 (35). A B B ἐπὶ [A B περὶ] τὸ θυσια-  
 — στήριον κ. [B τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (11 a)  
 — 35 (36). A B εἰς οἶκον κυρίου [B om.] (11 a)  
 — 39 (40). A οὐκ ἐγκαταλείψομεν τὸν οἶκον κυρίου [B B om.] θεοῦ ἡμῶν (18 b)  
 18. 1. B ἐν ἐκκλησίᾳ [B εἰς ἐκκλησίαν] τοῦ κυρίου [A B om.] τοῦ θεοῦ, B θεοῦ (6)  
 — 14. ἐν οἴκῳ κ. τοῦ [A B om.] θεοῦ [B om.] θ. κ. (18 b)  
 To. 2. 2. δε μέμνηται τοῦ κ. [B om. τ. κ.]  
 — 12. ἀπέστειλε τοῖς κ.  
 — 13. ἀπόδος αὐτὸ τοῖς κ.  
 — 14. ἔλεγον ἀποδιδόναι αὐτὸ τοῖς κ.  
 3. 2. δίκαιος εἰ, κύριε  
 — 3. B καὶ νῦν σὺ, κύριε  
 — 6. S λῦπε πολλὰ μετ' ἐμοῦ, κύριε [A B al.]  
 — 6. S μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου, κύριε [A B om.]  
 — 10. S ἀλλὰ δεηθῇαι τοῦ κ.  
 — 11. εὐλογητός εἰ, κύριε ὁ θεός μου [B al.]  
 — 12. κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς μου καὶ τὸ πρόσωπόν μου εἰς σε δίδωκα [B al.]  
 — 14. σὺ γινώσκεις, κύριε [B δέσποτα]  
 — 15. B κύριε, νῦν εἰσάκουσον [A B al.]  
 — 16. A εἰσῆκουσεν κύριος τῆς προσευχῆς [B B al.]  
 4. 5. πᾶσας τὰς ἡμέρας, παιδίον κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν μεμνημένος [B al.]  
 — 19. A B ἐν παντὶ καιρῷ εὐλόγει κ. τὸν θεόν αὐτὸς ὁ κ. δίδωσι πάντα τὰ ἀγαθὰ [B al.]  
 — 19. S ἐν ἂν θλίβῃ κύριος [A B om.] ταπεινοὶ  
 — 21. A ἐν φθορῇ τῶν κ. [B B θεόν]  
 — 21. B ἐν ὁνόματι κ. τοῦ θεοῦ σου [A B ἐν αὐτοῦ]  
 5. 19. ὡς γὰρ δέδοται ἡμῖν ζῆν παρὰ τοῦ κ.  
 6. 17. S δεήσῃτε τοῦ κ. τοῦ οὐρανοῦ [A B al.]  
 7. 11. S κύριος ποιήσει ἐν ἡμῖν  
 — 12. S ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ εὐδοῖαι ὑμᾶς [A B al.]  
 — 18. ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς δόξῃ σοι χάριν  
 8. 4. ἵνα ἐλεῇς ἡμᾶς ὁ κ. [B al.]  
 — 7. κύριε [B om.], οὐ δὴ πορνείαν ἐγὼ λαμβάνω τὴν ἀδελφὴν μου  
 9. 6. S δόξῃ σοι κύριος εὐλογίαν οὐρανοῦ  
 10. 12. S ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ εὐδοῖαι ὑμᾶς [A B al.]  
 — 13. ἀποκαταστήσαι σε ὁ [B om.] κ. τοῦ οὐρανοῦ  
 — 13. ἵνα εὐφρανθῶ ἐνώπιον τοῦ κ. [B al.]  
 11. 1. S εὐλογῶν τῷ κ. τοῦ οὐρανοῦ [A B al.]  
 — 4. S συνῆλθεν αὐτοῖς ὁ κ. [A B σ. ὁ κύριος]  
 12. 12, 15. S ἐνώπιον τῆς δόξης κυρίου [A B al.]  
 — 20. S εὐλογεῖτε ἐπὶ τῆς γῆς κύριον  
 — 22. A B ὡς ὥφθη αὐτοῖς ὁ [B B om.] ἄγγελος κυρίου [B θεοῦ]  
 13. 4. καθότι αὐτοὺς κ. ἡμῶν  
 — 6. εὐλόγησάτε τὸν κ. τῆς δικαιοσύνης  
 — 10. B ἐξομολογοῦ τῷ κ. ἀγαθῶς [A al.]  
 — 11. ἔθνη πολλὰ μακρῶθεν ἤξει πρὸς τὸ ὄνομα κ. τοῦ θ. [B al.]  
 — 13. εὐλογησούσι τὸν κ. τῶν δικαίων [B τοῦ αἰῶνος]  
 — 15. S εὐλόγει τὸν κ. [A B θεόν]  
 14. 2. προσέθετο φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν [B al.]  
 — 6. πάντα τὰ ἔθνη ἐπιστρέψουσιν ἀληθινῶς φοβεῖσθαι κ. τὸν θ. [B al.]  
 — 6. εὐλογησονται πάντα τὰ ἔθνη κύριον [A τὸν κ., B al.]  
 — 7. A B ὑψώσει κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ  
 — 7. χαρήσονται πάντες οἱ ἀγαπῶντες κ. τὸν θεόν [B al.]

To. 14. 15. S εὐλόγησεν κ. τὸν θεόν  
 Ju. 2. 5. ὁ βασιλ. ὁ μέγας ὁ κ. πάσης τῆς γῆς  
 — 13. ἐν τῇ τῶν ῥημάτων τοῦ κ. σου  
 — 14. ἐξήλθεν Ὁλ. ἀπὸ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ  
 — 15. A B προσέταξεν [B ἐκέλευσεν] αὐτῷ ὁ κ. αὐτοῦ  
 4. 2. περὶ ἱερ. καὶ τοῦ ναοῦ κυρίου . . . ἐταράχθησαν  
 — 11. ἐξέτειναν τοὺς σάκκους αὐτῶν κατὰ πρόσωπον κυρίου  
 — 13. εἰσῆκουσε κύριος τῆς φωνῆς αὐτῶν  
 — 13. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου  
 — 14. πάντες οἱ παρεστηκότες ἐνώπιον κυρίου  
 — 14. A B οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ  
 — 15. ἐβόων πρὸς κύριον  
 5. 5. ἀκουσάτω δὴ λόγον ὁ κ. μου  
 — 20. καὶ νῦν, δέσποτα κύριε  
 — 21. παρελθάτω δὴ ὁ κ.  
 — 21. μὴ ποτε ὑπερασπίσῃ ὁ κ. αὐτῶν καὶ ὁ [B om. κ. αὐ. κ. ὁ] θεός αὐτῶν  
 6. 4. A B B ὁ βασιλ. Ναβ. ὁ [B om.] κ. πάσης τῆς γῆς  
 — 13. ἀπῆλκοντο πρὸς τὸν κ. αὐτῶν  
 — 18. S προσεκύνουντες κ. [A B om.] τῷ θεῷ  
 — 19. κύριε ὁ θεός τοῦ οὐρανοῦ  
 7. 19. ἀνέβησαν πρὸς κ. θεόν [B τὸν θ.] αὐτῶν  
 — 28. καὶ τὸν θεόν ἡμῶν καὶ κύριον τῶν πατ. ἡμῶν  
 — 29. ἐβόσαν πρὸς κύριον  
 — 30. ἐπιστρέψῃ κύριος . . . τὸ ἔλεος αὐτοῦ  
 8. 11. εἰ μὴ ἐν αὐταῖς ἐπιστρέψῃ ὁ [A om.] κ.  
 — 13. κύριον παντοκράτορα ἐξετάζετε  
 — 14. μὴ παροργίζετε κύριον  
 — 16. μὴ ἐνεχυράζετε τὰς βουλὰς κυρίου  
 — 21. S ἐκζητήσει [B ζητ.] κύριος [A B om.] τὴν βεβήλωσιν  
 — 23. εἰς ἀτιμίαν θῆσει αὐτὴν κύριος  
 — 25. εὐχαριστήσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν  
 — 27. μασιτικοὶ κύριος τοὺς ἐγγίζοντας αὐτῷ  
 — 31. ἀποστέλει κύριος τὸν [B ἡμῖν τὸν] ὑετὸν  
 — 33. ἐπισκέψεται κύριος τὸν ἱερ.  
 — 35. καὶ κ. ὁ θεός ἐμπροσθέν σου  
 9. 1. A εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. [B B θεοῦ]  
 — 1. καὶ ἐβόησε . . . ἱ. πρὸς κύριον  
 — 2. κύριε ὁ θεός τοῦ πατρός μου Σ.  
 — 7. σὺ εἰ κύριος συντρίβων πολέμων  
 — 8. κύριος ὀνομα σοὶ  
 — 11. A ταπεινὸν εἰ κύριος [B B θεός]  
 10. 15. εἰς πρόσωπον τοῦ κ. [B πρὸς τὸν κ.] ἡμῶν  
 11. 4. καθὰ γίνεται τοῖς δουλοῖς τοῦ κ. μου  
 — 5. οὐκ ἀναγελῶ ψεύδους τῷ κ. μου  
 — 6. οὐκ ἀποσπεύεται ὁ κ. μου τῶν ἐπιτηδεύματων  
 — 10. δέσποτα κύριε, μὴ παρέλθῃς  
 — 11. ἵνα μὴ γένηται ὁ κ. μου ἔκβηλος  
 — 17. A B μενὼν παρὰ σοὶ, κύριε μου  
 — 22. A B ἐν δε τοῖς φαυλίσαι τὸν κ. μου  
 12. 4. A B ζῇ ἡ ψυχὴ σου, κύριε μου  
 — 4. A B εὖς ἀν ποιήσῃς κύριος [B om.]  
 — 6. A B ἐπιταξάτω δὴ ὁ κ. μου  
 — 8. B ἐδέετο τοῦ [A om.] κ. θεοῦ ἱερ.  
 — 13. A B ἐλθοῦσα πρὸς τὸν κ. μου  
 — 14. A B τίς εἰμι ἐγὼ ἀντιρροῦσα τῷ κ. μου  
 — 18. A B πείμαι δὴ, κύριε  
 13. 1. A B ἐκ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ  
 — 4. A B κύριε ὁ θεός πάσης δυνάμεως  
 — 7. A κραταιώσῃ με, κύριε [B om.] ὁ θεός ἱερ.  
 — 14. A αἰνεῖτε τὸν κ. [B B θεόν]  
 — 14. A αἰνεῖτε τὸν κ. [B θεόν]  
 — 15. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ κ.  
 — 16. καὶ ζῇ κύριος [A ὁ κ.]  
 — 18. καὶ εὐλογημένος κ. ὁ θεός [B θ. σου]  
 14. 13. ἔγειρον δὴ τὸν κ. ἡμῶν  
 15. 8. ἀποίησε κύριος τῷ ἱερ.  
 — 10. εὐλογημένη γίνου παρὰ τῷ παντοκράτορι κ.  
 16. 2. A B ἄσπετε τῷ κ. μου [B om.]  
 — 3. θεός [A ὁ θ.] συντρίβων πολέμων κύριος  
 — 6. κ. παντοκράτωρ ἠρέτισεν αὐτοῦ  
 — 13. ἀπώλοντο ἐκ παρατάξεως κυρίου μου  
 — 13. A ὑμῶσθω τῷ κ. [B θεῷ μου] ὕμνον  
 — 13. κύριε, μέγας εἰ  
 — 16. ὁ δὲ φοβούμενος τὸν κ. μέγας διὰ παντός  
 — 17. κ. παντοκράτωρ ἐκδικήσει αὐτοῦ  
 — 19. A S εἰς ἀνάθεμα τῷ κ. [B θεῷ] ἔδωκε  
 Es. 4. 8. ἐπικάλεσαι τὸν [A om.] κ.  
 — 17. εἰδὴ τὸν κυρίου [B om.] μνημονεύων πάντα †  
 — τὰ ἔργα κυρίου [B om.] καὶ εἶπε, Κύριε  
 — κύριε [A κ. θεῖ κ.]  
 — 17. κύριος εἰ πάντων  
 — 17. δε ἀντιτάσσεται σοὶ τῷ κ.



Es. 4. 17. σὺ οὐδὲς, κύριε  
— 17. πλὴν σου τοῦ κ. μου  
— 17. καὶ νῦν, κύριε . . . φείσῃς τοὺ λαοὺ σου  
— 17. ἵνα (ῥά) ῥωτῇς ὑμῶν σου τὸ ὄνομα, κύριε  
— 17. Β. αἰνούντων σε, κύριε [Α Β Σ om.]  
— 17. Ἐσθὴρ . . . κατέφυγεν ἐπὶ τὸν κ.  
— 17. ἰδεῖτο κ. θεοῦ Ἰσρ.  
— 17. καὶ εἶπεν, Κύριε μου [Α δ θεός μου]  
— 17. Α. ἐγὼ ἤκουον, κύριε [Β Σ om.]  
— 17. σὺ, κύριε, ἔλαβες τὸν Ἰσρ.  
— 17. δίκαιος εἰ, κύριε  
— 17. Β. μὴ παραδῶς, κύριε, τὸ σκήπτρόν σου, κύριε [Α Β om.]  
— 17. μνησθήτι, κύριε  
— 17. καὶ μὴ ἐχοῦσθ [Α ε. βοηθῶν] εἰ μὴ σέ, κύριε  
— 17. πλὴν ἐπὶ σοί, κύριε ὁ θεός Ἀβ.  
5. 2. εἶδόν σε, κύριε  
— 2. θαυμαστός εἰ, κύριε  
6. 1. ὁ δέ κ. ἀπέστηρε τὸν ὕπνον ἀπὸ τοῦ βασι. —  
10. 3. Β Σ ἔωσσε κύριος [Α om.] τὸν λαὸν αὐτοῦ  
— 3. ἐρρύσαστο κύριος [Α Σ om.] ἡμᾶς  
— 3. Α. ἐμνήσθη ὁ κ. [Β Σ θεός] τοῦ λαοῦ αὐτοῦ  
Jb. 1. 6. ἦλθον οἱ ἄγγελοι τοῦ θεοῦ παραστήσαντες  
ἐνώπιον τοῦ κ. [Β' θεοῦ] (11 α)  
— 7. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ [Α πρὸς τὸν διά-  
βολον] (11 α)  
— 7. ἀποκριθεὶς ὁ διάβολος τῷ κ. εἶπε (11 α)  
— 8. εἶπεν αὐτῷ ὁ κ. [Α θεός] (11 α)  
— 9. ἀπεκρίθη δὲ ὁ διάβολος καὶ εἶπεν [Α om.]  
καὶ εἶπεν ἐναντίον τοῦ κ. (11 α)  
— 10. μὴ δωρεάν ἰὼς σίβεται τὸν κ. [Α θεός] (8)  
— 12. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 α)  
— 12. ἐξήλθεν ὁ διάβολος παρὰ τοῦ [Α ἀπὸ  
προσώπου] κ. (11 α)  
— 20. Α. Β' πεσὼν χαμαὶ προσεκύνησε τῷ κ.  
[Β' om. τῷ κ.] —  
— 21. ὁ κ. ἔδωκεν ὁ κ. ἀφείλατο ὡς τῷ κ. ἔδοξεν  
οὕτως ἐγένετο εἴη τὸ ὄνομα κυρίου  
εὐλογημένος (11 α, 11 α, —, 11 α)  
— 22. οὐδὲν ἤμαρτεν ἰὼς ἐναντίον τοῦ κ.  
[Α al.] —  
2. 1. ἦλθον οἱ ἄγγελοι τοῦ θεοῦ παραστήσαντες  
ἐναντί [Α ἐνώπιον] κυρίου [Β τοῦ κ.] (11 α)  
— 1. Β' Σ' παραστήσαντες ἐναντίον τοῦ [Α om.] κ. (11 α)  
— 2. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 α)  
— 2. εἶπεν ὁ διάβολος ἐνώπιον τοῦ [Α ἐναντί] κ. (11 α)  
— 3. εἶπε δὲ ὁ κ. πρὸς τὸν διάβολον [Α Σατα-  
νᾶν] (11 α)  
— 4. ὑπολαβὼν δὲ ὁ διάβολος εἶπε τῷ κ. (11 α)  
— 6. εἶπε δὲ ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 α)  
— 7. ἐξήλθεν δὲ ὁ διάβολος ἀπὸ [Α παρὰ]  
τοῦ κ. (11 α)  
— 9. εἰπόν τι ῥῆμα εἰς [Α πρὸς] κύριον (8)  
— 10. εἰ τὰ ἀγαθὰ ἐδεξάμεθα ἐκ χειρὸς κυρίου (8)  
3. 4. μὴ ἀναγῆσαι αὐτὴν ὁ κ. ἄνωθεν (8)  
— 19. θεράπων δειδοικώς [Α Β' οὐ δ.] τὸν κ.  
αὐτοῦ (1)  
— 23. Α. συνέκλεισε γὰρ ὁ κ. [Β Σ θεός] κατ'  
αὐτοῦ (5)  
4. 9. ἀπὸ προστάγματος κυρίου ἀπολούνται (5)  
— 17. μὴ καθάρως ἔσται βροτὸς ἐναντίον τοῦ  
[Α Β ἐναντί] κ. (5)  
5. 8. ἐγὼ δεηθίσομαι κυρίου κύριον δὲ . . .  
ἐπικαλέσομαι (4 α, 8)  
— 17. μακάριος δὲ ἄνθρωπος ὃν ἠλεγξεν ὁ κ. (5)  
6. 4. βέλη γὰρ κυρίου ἐν τῷ σώματί [Α στο-  
ματί] μου ἔστιν (14)  
— 8. τὴν ἐλπίδα μου δώσῃ ὁ κ. [Α θεός] (5)  
— 9. ἀρξέμεθα ὁ κ. τρωσάτω με (5)  
— 14. ἐπισκοπὴ δὲ κυρίου ὑπερεῖδῃ με (14)  
7. 2. ὥσπερ θεράπων δειδοικώς τὸν κ. αὐτοῦ †  
8. 3. μὴ ὁ κ. ἀδικεῖται κρίνων (4 α)  
— 5. ὁρβῆμι πρὸς κύριον παντοκράτορα δεο-  
μενος (4 α)  
— 13. τὰ ἔσχατα πάντων τῶν ἐπιλαθανόμε-  
νων τοῦ κ. [Α θεοῦ] (4 α)  
— 20. ὁ γὰρ κ. οὐ μὴ ἀποστήσῃ τὸν ἄκακον (4 α)  
9. 2. πῶς γὰρ ἔσται δίκαιος βροτὸς παρὰ κυρίῳ (4 α)  
10. 2. ἐρῶ πρὸς κύριον (5)  
11. 5. πῶς ἂν ὁ κ. λαλήσῃ πρὸς σέ (5)  
— 6. ἀξία σοι ἀπέβη [Α παρίβη] ἀπὸ κυρίου (5)  
— 7. ἡ [Α μὴ] ἵχνος κυρίου ἐύρησσε (5)  
12. 6. ὅσοι παραργίζουσιν [Α γὰρ ὄργ.] τὸν κ. (4 α)  
— 9. γὰρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (11 α)  
13. 3. χεῖρ πρὸς κύριον λαλήσω (14)  
— 7. πότερον οὐκ ἐναντί κυρίου λαλήσει (4 α)

Jb. 13. 11. Α. φόβος δὲ κυρίου [Β Σ παρ' αὐτοῦ]  
ἐπιπείσεται ὑμῖν †  
15. 4. συνετέλεσθαι δὲ ῥήματα τοιαῦτα ἐναντί  
τοῦ [Α om.] κ. (4 α)  
— 8. ἡ σύνταγμα κυρίου ἀκήκοας (5)  
— 13. θυμὸν ἔρρηξας ἐναντί κυρίου (4 α)  
— 25. ἤρκε χεῖρας ἐναντίον τοῦ [Α -τι] κ.  
ἐναντί δὲ κυρίου παντοκράτορος  
ἐτραχηλίσαν (4 α, 28)  
16. 12 (11). παρέδωκε γὰρ με ὁ κ. εἰς χεῖρας  
ἀδικῶν (4 α)  
— 21 (20). Α. Β Σ ἀφικεῖτό μου ἡ θέσις πρὸς  
κύριον (5)  
— 22 (21). Β Σ εἴη δὲ ἐλεγχοι ἀνδρὶ [Α δ ἐλ.]  
ἐναντί κυρίου (5)  
18. 21. οὕτως δὲ ὁ τύπος τῶν μὴ εἰδόντων τὸν κ. (4 α)  
19. 2. ὁ [Β om.] κ. ἐποίησέ με οὕτως —  
— 6. κύριος [Α Β' δ κ.] ἔστιν ὁ παράξας (5)  
— 21. χεῖρ γὰρ κυρίου ἡ ἀφαιμένη μου ἔστι (5)  
— 22. διὰ τί με διακέτε ὥσπερ καὶ ὁ [Β' om.]  
κ. ὁ κ. (4 α)  
— 27 (26). παρὰ γὰρ κυρίου ταῦτά μοι συνετε-  
λέσθη (5 ?)  
20. 29. αὕτη ἡ μερίς ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ  
κύριον (6)  
21. 9. μάστιγι δὲ παρὰ κυρίου οὐκ ἔστιν ἐπ'  
[Β' om.] αὐτοῖς (5)  
— 14. λέγει δὲ κυρίῳ [Β τῷ κ., Α δ ἀσεβῆς]  
τῷ κ. (4 α)  
— 20. ἀπὸ [Α ὑπὸ] δὲ κυρίου μὴ διασωθῇ (14)  
— 22. οὐχὶ ὁ [Β om.] κ. ἔστιν ὁ διδάσκων σύ-  
νεσιν (4 α)  
22. 2. οὐχὶ ὁ κ. ἔστιν ὁ διδάσκων σύνεσιν  
— 3. τί γὰρ μέλει τῷ κ. (14)  
— 17. κύριος [Α δ κ.] τί ποιήσει ὑμῖν (4 α)  
— 23. εἰ δὲ . . . ταπεινώσῃς σεαυτὸν ἐναντί  
κυρίου (14)  
— 26. παρησιασθήσῃ [Α ἐπαρρησιάσῃ] ἐναν-  
τίον [Α Σ -τι] κυρίου (14)  
23. 16. κύριος δὲ ἐμάλαινε τὴν καρδίαν μου (4 α)  
24. 1. διὰ τί δὲ κύριον [Α -ιε] ἔλαστον ὡραὶ [Α  
-ας] (14)  
25. 4. πῶς γὰρ ἔσται δίκαιος βροτὸς ἐναντί  
κυρίου (4 α)  
27. 2. Α. Β' Σ' γὰρ κύριος [Β' δ κ., Β δ θεός] δε-  
σὼν με ἐκείρε (4 α)  
— 8. πεποιθὼς [Α μὴ π.] ἐπὶ κύριον ἄρα [Α εἰ  
ἄρα] σωθήσεται (5)  
— 9. ἡ τὴν δεξιὴν αὐτοῦ ἀκούσῃ ὁ κ. [Β Σ  
εἰσακούσεται ὁ θεός] (4 α)  
— 11. ἀναγελῶ ὑμῖν τί ἔστιν ἐν χειρὶ κυρίου (4 α)  
— 13. αὕτη ἡ μερίς ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ  
κύριον (4 α)  
28. 23. Α. Β' Σ' ὁ κ. [Β Σ' θεός] εὖ συνείσθησεν  
αὐτὴς τὴν δόξαν (6)  
29. 4. Α. Β' Σ' ὁ κ. [Β Σ' θεός] ἐπισκοπὴν ἐποιεῖτο  
τοῦ οἴκου μου (5)  
31. 6. οἶδε δὲ ὁ κ. τὴν ἀκακίαν μου (5)  
— 14. εἰδὲ τῶν κ. ἀποπα ποιήσει (4 α)  
— 23. Α. Β Σ φόβος γὰρ κυρίου [Β om.] συν-  
έσχε με (4 α)  
— 28. ἐψεύσαμην ἐναντίον κυρίου τοῦ ὑψίστου (4 α)  
— 35. χεῖρα δὲ κυρίου εἰ μὴ δέδοικεν (14)  
— 39. εἰ δὲ καὶ ψυχὴν κυρίου τῆς γῆς ἐκλαβὼν  
[Α -βαλὼν] ἐλύπησα (7)  
32. 2. ἀπέφηνεν ἐαυτὸν δίκαιον ἐναντίον κυρίου (8)  
— 13. εὖρομεν σοφίαν κυρίῳ προσθέμενοι (4 α)  
33. 14. ἐν γὰρ τῷ ἀπαλῇ λαλήσας ὁ κ. (4 α)  
— 23. Β' εἰδὲ νόστη τῇ καρδίᾳ ἐπιστραφῆναι  
πρὸς κύριον [Β' Σ ἐπὶ κ., Α ἐπὶ  
τὸν κ.] —  
— 26. εὐζήμενος δὲ [Α εὐξεται] πρὸς κύριον (5)  
34. 5. ὁ κ. ἀπὸ λαλῆς μου τὸ κρίμα (4 α)  
— 9. ἐπισκοπὴ αὐτῷ [Α -οῦ] παρὰ κυρίου (6)  
— 10. μὴ μοι εἴη ἐναντί κυρίου ἀσεβῆσαι (4 α)  
— 12. οἷόν δὲ τὸν κ. ἀποπα ποιήσει (4 α)  
— 23. ὁ γὰρ κ. πάντας [Α τὰ πάντα] ἐφόρῃ (4 α ?)  
— 37. πολλὰ λαλούντων [Α -οῦσιν] ῥήματα  
ἐναντίον τοῦ [Α -τι] κ. (4 α)  
35. 2. δικάσεις ἐμὶ ἐναντί κυρίου (4 α)  
— 13. ἀποπα γὰρ οὐ βούλεται ἰδεῖν ὁ κ. (4 α)  
36. 5. ὁ κ. οὐ μὴ ἀποστήσῃ τὸν ἄκακον (4 α)  
— 12. παρὰ τὸ μὴ βούλεσθαι αὐτοὺς εἰδέναι τὸν κ. —  
— 33. κύριος ἀκούσῃ [Α -σεις] καὶ περὶ ἀδικίας —  
37. 2. ἀκούει κἀν ἐν [Β' om.] ὀργῇ θυμοῦ †

Jb. 37. 14. στήθι νοουθετούμενος [Α Β -τοῦ] δύνα-  
μιν κυρίου (4 α)  
38. 1. εἶπεν ὁ κ. τῷ ἰὼβ διὰ λαίλαπτος (11 α)  
— 41. μοισοὶ γὰρ αὐτοῦ πρὸς κύριον κεκρά-  
γασιν [Α al.] (4 α)  
39. 31 (40. 1). ἀπεκρίθη κύριος ὁ θεός τῷ ἰὼβ (18 α)  
— 33 (40. 3). λέγει [Α εἶπεν] τῷ κ. (11 α)  
— 34 (40. 4). νοουθετούμενος καὶ ἐλέγχων κύ-  
ριον [Α ἐλεγχόμενος ὑπὸ κυρίου] —  
40. 1 (6). ἔτι δὲ ὑπολαβὼν ὁ κ. εἶπε τῷ ἰὼβ (11 α)  
— 4 (9). ἡ βραχίον σοὶ ἔστι κατὰ τοῦ κυρίου  
[Α Β' κατὰ κύριον] (4 α)  
— 14 (19). τοῦτ' ἔστιν ἀρχὴ πλάσματος κυρίου (4 α)  
42. 1. ὑπολαβὼν δὲ ἰὼβ λέγει τῷ κ. (11 α)  
— 4. ἀκουσον δέ μου, κύριε —  
— 7. μετὰ τὸ λαλήσαι τὸν κ. πάντα τὰ ῥήματα  
ταῦτα τῷ ἰὼβ εἶπεν ὁ κ. Ἐλιφάς (11 α, 11 α)  
— 9. καθὼς συνέταξεν αὐτοῖς ὁ κ. (11 α)  
— 10. ὁ δὲ κ. ἠῤῥησε τὸν ἰὼβ (11 α)  
— 10. ἔδωκε δὲ ὁ κ. διπλᾶ [Α al.] (11 α)  
— 11. οἷς ἐπήγαγεν αὐτῷ ὁ κ. [Β' θεός] (11 α)  
— 12. ὁ δὲ κ. εὐλόγησε τὰ ἔσχατα ἰὼβ (11 α)  
— 18. ἀναστήσεται μεθ' ἡν ὁ κ. ἀνίστησιν —  
Ps. 1. 2. ἐν τῷ νόμῳ κυρίου τὸ θέλημα αὐτοῦ (11 α)  
— 6. γινώσκει κύριος ὁδὸν δικαίων (11 α)  
2. 2. οἱ ἀρχόντες συνήχθησαν . . . κατὰ τοῦ κ. (11 α)  
— 4. ὁ κ. ἐκμνηστὴρ αὐτοῦς (2)  
— 6 (7). διαγγέλλων τὸ πρόσταγμα κυρίου (11 α ?)  
— 7. κύριος εἶπε πρὸς μέ (11 α ?)  
— 11. δουλεύσατε τῷ κ. ἐν φόβῳ (11 α)  
— 12. μὴ ποτε ὀργισθῇ κύριος —  
3. 1. κύριε, τί ἐπληθύνθησαν οἱ θλιβόντες με (11 α)  
— 3. σὺ δὲ, κύριε [Α om.], ἀντιλήπτωρ μου εἰ (11 α)  
— 4. φωνή μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (11 α)  
— 5. ὅτι κύριος ἀντιλήφεται [Β ἀντελάβετο]  
μου (11 α)  
— 7. ἀνάστα, κύριε, σῶσόν με, ὁ θεός μου (11 α)  
— 8. τοῦ κ. ἡ σωτηρία μου (11 α)  
4. 3. ἐθαυμάστωσε κύριος τὸν δόσιον αὐτοῦ  
κύριος εἰσακούσεται μου (11 α, 11 α)  
— 5. ἐλπίσατε ἐπὶ κύριον (11 α)  
— 6. τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, κύριε (11 α)  
— 8. σὺ, κύριε, κατὰ μῆνας ἐπ' ἐλπίδι κατῳ-  
κισάς με (11 α)  
5. 1. τὰ ῥήματά μου ἐνώπιον, κύριε (11 α)  
— 3. πρὸς σέ προσεύχομαι, κύριε (11 α)  
— 5. ἐμίσσησας, κύριε [Β' Σ om.], πάντας τοὺς  
ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν —  
— 6. ἀνδρα αἱμάτων καὶ δόλιον βδελύσσεται  
κύριος (11 α)  
— 8. κύριε, ὀδύγησάν με ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου (11 α)  
— 10. παρεπύκρναν σε, κύριε —  
— 12. κύριε, ὡς ὄπλῳ εὐδοκίας ἐστεφάνωσας  
ἡμᾶς (11 α)  
6. 1. κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς με (11 α)  
— 2. ἐλέησόν με, κύριε, ὅτι ἀσθενεῖς εἰμι (11 α)  
— 2. Α. Β Σ ἴασαί με, κύριε [Β om.] (11 α)  
— 3. καὶ σὺ, κύριε, ἔως πότε (11 α)  
— 4. ἐπιστρέψον, κύριε, ῥύσαι τὴν ψυχὴν μου (11 α)  
— 8. Α. Β Σ εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς τοῦ  
κλαυθμοῦ μου (11 α)  
— 9. εἰσήκουσε [Α Β' ἦκ.] κύριος τῆς δεήσεός  
μου κύριος τὴν προσευχήν μου προσ-  
εδέξατο (11 α, 11 α)  
7. 11. ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ὃν ᾗσε τῷ κ. (11 α)  
— 1. κύριε ὁ θεός μου, ἐπὶ σοὶ ἤλπισα (11 α)  
— 3. κύριε ὁ θεός μου, εἰ ἐποίησα τοῦτο (11 α)  
— 6. ἀνάστηθι, κύριε, ἐν ὀργῇ σου (11 α)  
— 6. ἐξεγέρθητι, κύριε [Β' om.] ὁ θεός μου †  
— 8. κύριος κρινεὶ λαοὺς κρίνων [Α μοι],  
κύριε (11 α, 11 α)  
— 17. ἐξομολογήσομαι κυρίῳ [Α Β' τῷ κ.] κατὰ  
τὴν δικαιοσύνην αὐ. καὶ ψαλῶ τῷ  
ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου (11 α, 11 α)  
8. 1, 9. κύριε ὁ κ. ἡμῶν, ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄνομα  
σου (11 α, 1)  
9. 1. ἐξομολογήσομαι σοί, κύριε (11 α)  
— 7. ὁ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 α)  
— 9. ἐγένετο κύριος καταφυγὴ τῷ πένιτῃ (11 α)  
— 10. οὐκ ἐγκατέλιπες τοὺς ἐκζητούντάς σε,  
κύριε (11 α)  
— 11. ψάλατε τῷ κ. τῷ κατοικοῦντι ἐν Σιών (11 α)  
— 13. ἐλέησόν με, κύριε (11 α)  
— 16. γινώσκειται κύριος κρίματα ποιῶν (11 α)  
— 19. ἀνάστηθι, κύριε (11 α)



Ps. 9. 20. κατάστησον, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐ-  
τούς (11 α)  
— 22 (10. 1). ἕνα τί, κύριε, ἀφίστηκας μακρόθεν (11 α)  
— 25 (10. 3). παρῶν τον κ. ὁ ἁμαρτωλός (11 α)  
— 33 (10. 12). ἀνάστηθι, κύριε ὁ θεός [A B<sup>1</sup>  
θ. μου] (11 α)  
— 37 (10. 16). βασιλεύσει κύριος εἰς τὸν αἰῶνα (11 α)  
— 38 (10. 17). τὴν ἐπιθυμίαν τῶν πενήτων  
ἐσώκους κύριος [B<sup>2</sup> -σας, κύριε] (11 α)  
10 (11). 1. ἐπὶ τῷ κ. πέποιθα (11 α)  
— 5. κύριος ἐν νωθ' ἀγίῳ αὐτοῦ κύριος ἐν οὐ-  
ρανῷ ὁ θρόνος αὐτοῦ (11 α, 11 α)  
— 6. κύριος ἐξετάζει τὸν δίκαιον (11 α)  
— 8. δίκαιος κύριος καὶ δικαιοσύνης ἡγάπησεν (11 α)  
11 (12). 1. σῶσόν με, κύριε  
— 3. ἐξολεθρεύσαι [A -σει] κύριος πάντα τὰ  
χειλὶ τὰ δόλια (11 α)  
— 4. τίς ἡμῶν κύριος ἐστίν (1)  
— 5. νῦν ἀναστήσομαι λέγει κύριος (11 α)  
— 6. τὰ λόγια κυρίου λόγια ἀγάπῃ (11 α)  
— 7. σὺ, κύριε, φυλάξεις ἡμᾶς (11 α)  
12 (18). 1. ἕως πότε, κύριε, ἐπιλήσῃ μου εἰς  
τέλος (11 α)  
— 3. ἐσάκουσόν μου [B om.], κύριε ὁ θεός μου (11 α)  
— 6. ἥσσω τῷ κ. τῷ εὐεργετήσαντί με καὶ  
ψαλῷ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίσ-  
του (11 α, -)  
13 (14). 2. A B<sup>2</sup> κύριος ἐκ τοῦ οὐρανοῦ διέ-  
κυνεν (11 α)  
— 4. τὸν κ. οὐκ ἐπεκαλέσαστο (11 α)  
— 5. B<sup>2</sup> κύριος [A B S<sup>1</sup> om.] ὁ θεός ἐν γενεᾷ  
δικαία [A S<sup>2</sup> -ων] (18 β)  
— 6. ὅτι [B<sup>2</sup> ὁ δὲ] κύριος ἐλπὶς αὐτοῦ ἐστίν (11 α)  
— 7. ἐν τῷ ἐπιστρέψαι κύριον τὴν αἰχμαλω-  
σίαν (11 α)  
14 (15). 1. κύριε, τίς παροικήσει ἐν τῇ σκηνῷ  
ματί σου (11 α)  
— 4. τοὺς δὲ φοβούμενους κύριον δοξάζει (11 α)  
15 (16). 1. φυλάξον με, κύριε [B<sup>1</sup> ὁ θεός] (4 α)  
— 2. εἰπα τῷ κ. Κύριός [B<sup>2</sup> θεός] μου εἰ σὺ (11 α, 2)  
— 5. κύριος ἡ μερὶς τῆς κληρονομίας μου (11 α)  
— 7. εὐλόγησόν τὸν κ. τὸν συνετίσαντά με (11 α)  
— 8. προορώμην τὸν κ. ἐνώπιόν μου διὰ παν-  
τός (11 α)  
16 (17). 1. ἐσάκουσον, κύριε, τῆς δικαιοσύ-  
νης μου (11 α)  
— 8. φυλάξον με [B<sup>2</sup> add. κύριε] -  
— 13. ἀνάστηθι, κύριε, πρόφθοσσον αὐτούς (11 α)  
— 14. κύριε ἀπολύων ἀπὸ γῆς (11 α)  
17 (18). 1. εἰς τὸ τέλος τῷ παιδί κυρίου ἃ  
ἐλάλησε τῷ κ. τοὺς λόγους τῆς σφῆς  
ταύτης ἐν ἡμέρᾳ ἣ ἐρρύσσο αὐτὸν  
κύριος (11 α ter)  
— 1. ἀγαπήσω σε, κύριε ἰσχύς μου (11 α)  
— 2. κύριος στέρησά μου καὶ καταφυγὴ μου (11 α)  
— 3. οἰωνὸν ἐπικαλέσομαι κύριον [B<sup>2</sup> τὸν κ.] (11 α)  
— 6. ἐν τῷ θλιβεσθῆναι με ἐπεκαλέσάμην τὸν κ. (11 α)  
— 13. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος [A B<sup>2</sup> ὁ  
κ.] (11 α)  
— 15. ἀπὸ ἐπιτιμῆσώς σου, κύριε (11 α)  
— 18. ἐγένετο κύριος ἀντιταγισμὰ μου (11 α)  
— 20. ἀνταποδοίσει μου κύριος κατὰ τὴν δικαι-  
οσύνην μου (11 α)  
— 21. ἐφύλαξά τας ὁδοὺς κυρίου (11 α)  
— 24. ἀνταποδοίσει μου κύριος κατὰ τὴν δι-  
καιοσύνην μου (11 α)  
— 28. σὺ φωτίεις λυχνον μου, κύριε (11 α)  
— 30. τὰ λόγια κυρίου πεπρωμένα (11 α)  
— 31. τίς θεός πλὴν [B παρὰ] τοῦ κ. (11 α)  
— 46. πρὸς κύριον καὶ οὐκ ἐσπίστονται αὐτῶν (11 α)  
— 41. ὅς κύριος καὶ εὐλογητός ὁ θεός (11 α)  
— 49. ἐξομολογήσομαι σοὶ ἐν ἔθνεσι, κύριε (11 α)  
18 (19). 7. ὁ νόμος τοῦ [A om.] κ. ἡμῶν  
ἐπιστρέφω ψυχὰς ἣ μαρτυρία  
κυρίου πιστῇ (11 α, 11 α)  
— 8. τὰ δικαιώματα κυρίου εὐθέα εὐφραίνοντα  
καρδίαν ἣ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς  
φωτίζουσα φθαλμον (11 α, 11 α)  
— 9. ὁ φόβος κυρίου ἀγνός διαμένει εἰς αἰῶνα  
αἰῶνα τὰ κρίματα κυρίου ἀληθινὰ  
δεδικαιωμένα ἐπὶ τοῦ αὐτοῦ (11 α, 11 α)  
— 14. κύριε βοηθὲ μου καὶ λυτρωτά μου (11 α)  
19 (20). 1. ἐπακούσαι σου κύριος ἐν ἡμέρᾳ  
θλίψεως (11 α)  
— 4. A B<sup>2</sup> δὴ σὺ κύριος [B S<sup>1</sup> om.] κατὰ τὴν  
καρδίαν σου -

Ps. 19 (20). 5. B ἐν ὀνόματι κυρίου [A B om.] θεοῦ  
ἡμῶν μεγαλυνήσονται πληρώσαι  
κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου (18 β, 11 α)  
— 6. ἥσσω κύριος τὸν χριστὸν αὐτοῦ (11 α)  
— 7. ἐν ὀνόματι κυρίου [A om.] θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
— 9. κύριε, σῶσον τὸν βασιλεῖα (11 α)  
20 (21). 1. κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφραν-  
θήσεται ὁ βασιλεὺς (11 α)  
— 7. ὁ βασιλεὺς ἐλπίζει ἐπὶ κύριον (11 α)  
— 9. A B S<sup>1</sup> κύριε [B<sup>2</sup> B -σε] ἐν ὁργῇ σου  
[B<sup>2</sup> B αὐτοῦ] συνταράξεις [B<sup>2</sup> B -ζει]  
αὐτούς (11 α)  
— 13. ὑψώθητι, κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου (11 α)  
21 (22). 8. ἤλπισεν [B<sup>1</sup> -σαν] ἐπὶ κύριον (11 α)  
— 19. σὺ δὲ, κύριε, μὴ μακρυνῇς τὴν βοήθειάν  
μου [B<sup>1</sup> σου] (11 α)  
— 23. οἱ φοβούμενοι κύριον [B<sup>2</sup> τὸν κ.] αἰνέ-  
σατε αὐτόν (11 α)  
— 25. B<sup>2</sup> τὰς εὐχὰς μου τῷ κ. [A B S<sup>1</sup> om. τῷ  
κ.] ἀποδώσω -  
— 26. αἰνέσουσι κύριον οἱ ἐκζητούντες αὐτόν (11 α)  
— 27. ἐπισταφθήσονται πρὸς κύριον πάντα τὰ  
πέρατα τῆς γῆς (11 α)  
— 28. τοῦ κ. ἡ βασιλεία (11 α)  
— 30. ἀναγίγνηται τῷ κ. γενεὰ ἣ ἐρχομένη (2)  
— 31. A B λαφ. . . ἐν ἐποίῃσιν κύριος [B ὁ κ.] -  
22 (23). 1. κύριος ποιμαίνει με (11 α)  
— 6. τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
23 (24). 1. τοῦ κ. ἡ γῆ καὶ τὸ πλῆρωμα αὐτῆς (11 α)  
— 3. τίς ἀναθήσεται εἰς τὸ δρος τοῦ κ. (11 α)  
— 5. οὐδὲς λήψεται ἐὺλογίαν παρὰ κυρίου (11 α)  
— 6. B<sup>1</sup> αὐτῇ ἡ γενεὰ ζητούντων τὸν κ. [A B S<sup>1</sup>  
ζ. αὐτόν] †  
— 8. κύριος κραταίως καὶ δυνατὸς κύριος δυ-  
νατὸς ἐν πολέμῳ (11 α, 11 α)  
— 10. κύριος τῶν δυνάμεων αὐτὸς ἐστίν οὗτος  
[A S<sup>1</sup> om.] ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης (11 α)  
24 (25). 1. πρὸς σέ, κύριε, ἥρα τὴν ψυχὴν μου (11 α)  
— 4. τὰς ὁδοὺς σου, κύριε, γράψουσιν μοι (11 α)  
— 6. A B S<sup>2</sup> μνησθήτω τὸν οὐρανὸν σου, κύριε  
[B om.] (11 α)  
— 7. ἔσκεα τῆς χρηστότητός σου, κύριε (11 α)  
— 8. χρηστὸς καὶ εὐθὺς ὁ κ. (11 α)  
— 10. πᾶσα αἰ δόξῃ κυρίου ἔλεος καὶ ἀλήθεια (11 α)  
— 11. ἔσκεα τοῦ ὀνόματός σου, κύριε (11 α)  
— 12. τίς ἐστὶν ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κ. (11 α)  
— 14. κραταίωμα κύριος τὸν φοβόμενον αὐτόν (11 α)  
— 14. A B<sup>1</sup> τὸ ὄνομα κυρίου τὸν φοβούμενων  
[A ἐπικαλεσάμενων] αὐτὸν -  
— 15. οἱ ὀφθαλμοί μου διὰ πάντες πρὸς τὸν κ. (11 α)  
— 21. ὑπέμεινα σε, κύριε [B om.] -  
25 (26). 1. κρινόν με, κύριε (11 α)  
— 1. A B ἐπὶ τῷ κ. ἐλπίζων οὐ μὴ ἀσθενήσω [B  
σαλευθῶ] (11 α)  
— 2. A B S<sup>2</sup> δοκιμάσόν με, κύριε (11 α)  
— 6. A B S<sup>2</sup> κυκλώσόν με τὸ θυσιαστήριόν σου,  
κύριε [B om.] (11 α)  
— 8. κύριε, ἡγάπησα ἐμπέπειν οἴκου σου (11 α)  
— 11. A B<sup>2</sup> λυτρώσαι με, κύριε [B S<sup>1</sup> om.] -  
— 12. ἐν ἐκκλησίᾳ εὐλογῶ σε, κύριε (11 α)  
26 (27). 1. κύριος φωτισμός μου καὶ σωτήρ  
μου (11 α)  
— 1. κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς μου (11 α)  
— 4. μίαν ἡγησάμην παρὰ κυρίου (11 α)  
— 4. τοῦ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου [B<sup>1</sup> τοῦ κ.] (11 α)  
— 4. A B<sup>2</sup> B τοῦ θεωρεῖν με τὴν υπερνότητά  
κυρίου [B S<sup>1</sup> τοῦ κ.] (11 α)  
— 6. A ὑψώσε κύριος [B S om.] τὴν κεφαλὴν  
μου ἐπὶ ἔχθρους μου -  
— 6. ἥσσομαι καὶ ψαλῶ τῷ κ. (11 α)  
— 7. ἐσάκουσον, κύριε, τῆς φωνῆς μου (11 α)  
— 8. B<sup>2</sup> κύριον ζητήσω -  
— 8. τὸ πρόσωπόν σου, κύριε, ζητήσω (11 α)  
— 10. ὁ δὲ κ. προσελάβετό με (11 α)  
— 11. νομοθέτησόν με, κύριε (11 α)  
— 13. πιστεύω τοῦ ἰδεῖν τὰ ἀγαθὰ κυρίου  
— 14. bis. ὑπόμεινον τὸν κ. (11 α)  
27 (28). 1. πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (11 α)  
— 2. B<sup>2</sup> ἐσάκουσον, κύριε [A B S<sup>1</sup> om.], τῆς  
φωνῆς τῆς διήγησός μου -  
— 4. B<sup>2</sup> κύριε [A B S<sup>1</sup> om.], κατὰ τὰ ἔργα  
αὐτῶν -  
— 5. οὐ συνῆκαν [A -κα] εἰς τὰ ἔργα κυρίου (11 α)  
— 6. εὐλογητός κύριος (11 α)  
— 7. κύριος βοηθὲς μου καὶ ὑπερασπιστὴς μου (11 α)  
— 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 α)

Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κ., υἱοὶ θεοῦ, ἐνέγκατε  
τῷ κ. υἱοὶ κρῖων (11 α, 11 α)  
— 1. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμὴν (11 α)  
— 2. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ  
προσκυνήσατε τῷ κ. ἐν αὐτῇ ἀγίᾳ  
αὐτοῦ (11 α, 11 α)  
— 3. φωνὴ κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων (11 α)  
— 3. κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν (11 α)  
— 4. φωνὴ κυρίου ἐν ἰσχυρῇ φωνῇ κυρίου ἐν  
μεγαλοπρεπείᾳ (11 α, 11 α)  
— 5. φωνὴ κυρίου συντρίβοντας κέδρους συν-  
τρίψει κύριος τὰς κέδρους τοῦ λιβά-  
νου (11 α, 11 α)  
— 7. φωνὴ κυρίου διακόπτοντος φλόγα πυρός (11 α)  
— 8. φωνὴ κυρίου συσσειόντος ἔρημον συσ-  
σειεῖς κύριος τὴν ἔρημον Κάδης  
(11 α, 11 α)  
— 9. φωνὴ κυρίου κατατρίζοντος [B<sup>2</sup> -νη]  
ἐλάφους (11 α)  
— 10. κύριος τὸν κατακλυσμένον κατοικεῖ καὶ  
καθεῖται κύριος βασιλεὺς εἰς τὸν  
αἰῶνα (11 α, 11 α)  
— 11. κύριος ἰσχυρὸς τῷ λαῷ αὐτοῦ δώσει κύριος  
εὐλογίᾳ τὸν λαόν αὐτοῦ ἐν ἐρήνῃ  
(11 α, 11 α)  
29 (30). 1. ὑψώσω σε, κύριε (11 α)  
— 2. κύριε ὁ θεός μου, ἐκέκραξα πρὸς σέ (11 α)  
— 3. κύριε, ἀνήγαγες ἐξ ἄβυσσος τὴν ψυχὴν μου (11 α)  
— 4. ψάλατε τῷ κ., οἱ ὅσιοι αὐτοῦ (11 α)  
— 7. κύριε, ἐν τῷ θληνματί σου παρὰ σου (11 α)  
— 8. πρὸς σέ, κύριε, κεκράξομαι (11 α)  
— 10. ἤκουσε κύριος καὶ ἠλέσέ με κύριος  
ἐγενήθη βοηθός μου (11 α, 11 α)  
— 12. ἔστρεψας τὸν κοπετόν μου [B<sup>2</sup> add. κύριε] -  
— 12. κύριε ὁ θεός μου, . . . ἐξομολογήσομαι  
σοι (11 α)  
30 (31). 1. ἐπὶ σοί, κύριε, ἤλπισα (11 α)  
— 4. A B S<sup>2</sup> B σὺ εἰ ὁ ὑπερασπιστὴς μου, κύριε  
[B S<sup>1</sup> om.] -  
— 5. ἐλυτρώσω με, κύριε ὁ θεός τῆς ἀληθείας (11 α)  
— 6. ἐγὼ δὲ ἐπὶ τῷ κ. ἤλπισα (11 α)  
— 9. ἐλέησάν με, κύριε, ὅτι θλιβόμαι (11 α)  
— 14. ἐγὼ δὲ ἐπὶ σοί ἤλπισα, κύριε (11 α)  
— 17. κύριε, μὴ κατασχυνθεῖν (11 α)  
— 19. ὥς πολὺ τὸ πλῆθος τῆς χρηστότητός  
σου, κύριε [B om.] (11 α)  
— 21. εὐλογητός κύριος (11 α)  
— 22. ἐσέκουσας, κύριε [A B om.], τῆς φωνῆς  
τῆς δεξιᾶς μου -  
— 23. ἀγαπήσατε τὸν κ. πάντες οἱ ὅσιοι αὐτοῦ  
ὅτι [B<sup>1</sup> om.] ἀληθείας ἐκζητεῖ κύριος  
(11 α, 11 α)  
— 24. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ κύριον [B τὸν  
κ.] (11 α)  
31 (32). 2. μακάριος ἄνθρωπος οὗ οὐ μὴ λογισθῇ  
ται κύριος ἁμαρτάν  
— 5. A B S<sup>2</sup> ἐξαγορεύσω κατ' ἐμοῦ τὴν ἀνομίαν  
[B ἁμαρτάν] τῷ κ. (11 α)  
— 10. τὸν δὲ ἐλπίζοντα ἐπὶ κύριον ἔλεος κυ-  
κλώσει (11 α)  
— 11. ἐφράνθητε ἐπὶ κύριον (11 α)  
32 (33). 1. ἀγαλλιάσθε δίκαιον ἐν τῷ [B<sup>2</sup> om.] κ. (11 α)  
— 2. ἐξομολογήσθε τῷ κ. ἐν κύβητι (11 α)  
— 4. εὐθὺς ὁ λόγος τοῦ κ. (11 α)  
— 5. A B<sup>2</sup> ἀγνὰ ἐλεημοσύνην καὶ κρίσιν ὁ  
κ. [B S<sup>1</sup> om. ὁ κ.] τοῦ ἐλέους κυρίου  
(- , 11 α)  
— 6. τῷ λόγῳ τοῦ [A S om.] κ. οἱ οὐρανοὶ  
ἐστερεώθησαν (11 α)  
— 8. φοβηθήτω τὸν κ. πᾶσα ἡ γῆ (11 α)  
— 10. κύριος διασκεδάσει βουλὰς ἔθνων (11 α)  
— 11. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 α)  
— 12. μακάριον τὸ ἔθνος οὗ ἐστὶ κύριος ὁ θεός  
αὐτοῦ (11 α)  
— 13. ἐξ οὐρανοῦ ἐπέβλεψεν ὁ κ. (11 α)  
— 18. οἱ ὀφθαλμοί κυρίου ἐπὶ τὸν φοβούμε-  
νον αὐτόν (11 α)  
— 20. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὑπομένει τῷ κ. (11 α)  
— 22. γίνεται τὸ ἔλεός σου, κύριε, ἐφ' ἡμᾶς (11 α)  
33 (34). 1. εὐλόγησόν τὸν κ. ἐν παντὶ καιρῷ (11 α)  
— 2. ἐν τῷ κ. ἐπαυσεσθῆσεται ἡ ψυχὴ μου (11 α)  
— 3. μεγαλύναντες τὸν κ. σὺν ἐμοί (11 α)  
— 4. ἐξέζητησα τὸν κ. (11 α)  
— 6. ὁ κ. ἐσάκουσεν αὐτοῦ [B<sup>1</sup> -ων] (11 α)  
— 7. παρεμβάλεῖ ἀγγέλους κυρίου [A αὐτοῦ] (11 α)  
— 8. ἴδετε ὅτι χρηστὸς ὁ κ. (11 α)

Ps. 33 (34). 9. φοβήθητε τὸν κ. πάντες οἱ ἄγγελοι αὐτοῦ. (11 α)  
 — 10. οἱ δὲ ἐκζητοῦντες τὸν κ. οὐκ ἐλαττωθήσονται (11 α)  
 — 11. φόβον κυρίου διδάξω ὑμᾶς (11 α)  
 — 15. ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ δικαίους (11 α)  
 — 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιούντας κακὰ (11 α)  
 — 17. ὁ κ. εἰσέηκουσεν αὐτὸν (11 α)  
 — 17. ἔρρυθσεν αὐτοὺς [B<sup>2</sup> add. ὁ κ.] —  
 — 18. ἐγγὺς κύριος τοῖς συντετριμμένοις τὴν καρδίαν (11 α)  
 — 19. Α Β ἐκ πασῶν αὐτῶν ρύσεται αὐτοὺς ὁ κ. [B B om. ὁ κ.] (11 α)  
 — 20. Α Β<sup>2</sup> φυλάσσει κύριος [B B<sup>1</sup> om.] πάντα τὰ δὲ αὐτῶν —  
 — 22. λυτρώσεται κύριος ψυχὰς δούλων αὐτοῦ (11 α)  
 34 (35). 1. δίκασον, κύριε, τὸν ἀδικούντά με (11 α)  
 — 5. ἄγγελος κυρίου [B ὁ κυρίου] ἐκθλίβων αὐτούς (11 α)  
 — 6. ἄγγελοι κυρίου καταθλίβων αὐτούς (11 α)  
 — 9. ἡ δὲ ψυχὴ μου ἀγαλλιάσεται ἐπὶ [B<sup>1</sup> ἐν] τῇ κ. (11 α)  
 — 10. Α κύριε κύριε [B B om.], τίς ὁμοίος σοι (11 α, —)  
 — 17. κύριε, πότε ἐπόψῃ (2)  
 — 18. Β ἐξομολογήσομαι σοι, κύριε [A B om.] —  
 — 22. εἶδες, κύριε, μὴ παρασιώπησες κύριε [A<sup>1</sup> om.], μὴ ἀποστήσῃς ἀπ' ἐμοῦ (11 α, 2)  
 — 23. ἐξέγερσθι, κύριε [B<sup>1</sup> om.], καὶ πρόσχε τὴν κρίσιν μου, ὁ θεός μου καὶ ὁ κ. μου, εἰς τὴν δίκην μου (—, 2)  
 — 24. κρινόν με [A μν.], κύριε [B om.], κατὰ τὴν δικαιοσύνην [B<sup>1</sup> ἐλεημοσύνην] σου, κύριε ὁ θεός μου (—, 11 α)  
 — 27. μεγαλυνθήτω ὁ κ. [B<sup>1</sup> θεός] (11 α)  
 35 (36). 1. τῷ δούλῳ κυρίου τῷ Δ. [A al.] (11 α)  
 — 5. κύριε, ἐν τῷ οὐρανῷ τὸ ἔλεός σου (11 α)  
 — 6. ἀνθρώποις καὶ κτήνι σώσεις, κύριε (11 α)  
 36 (37). 3. ἔλιπτον ἐπὶ κύριον (11 α)  
 — 4. κατατρίβησαν τοῦ κ. (11 α)  
 — 5. ἀποκάλυψον πρὸς κύριον τὴν ὁδὸν σου (11 α)  
 — 7. ὑποτάγητί τῷ κ. (11 α)  
 — 9. οἱ δὲ ὑπομνήσκοντες τὸν κ. (11 α)  
 — 13. ὁ δὲ κ. ἐκγέλασται αὐτόν (2)  
 — 17. Α Β<sup>2</sup> ὑποστηρίζει δὲ τοὺς δικαίους ὁ [B B<sup>1</sup> om.] κ. (11 α)  
 — 18. γινώσκει κύριος τὰς ὁδοὺς τῶν ἁμάρτων (11 α)  
 — 20. οἱ δὲ ἐχθροὶ τοῦ κ. ... ἐξέλιπον (11 α)  
 — 23. παρὰ κύριον τὰ διαβήματα ἀνθρώπου [B<sup>1</sup> ἰνδρί] (11 α)  
 — 24. κύριος ἀντιστήριζεν χεῖρα αὐτοῦ (11 α)  
 — 28. κύριος ἀγαπᾷ κρίσιν (11 α)  
 — 33. ὁ δὲ κ. οὐ μὴ ἐγκαταλίπῃ αὐτόν (11 α)  
 — 34. ὑπομνήσκοντες τὸν κ. (11 α)  
 — 39. Α Β<sup>2</sup> ὁ σωτήριός δὲ τῶν δικαίων παρὰ κυρίου [B B<sup>1</sup> -φ] (11 α)  
 — 40. Α Β<sup>2</sup> βοήθησεν αὐτοῖς κύριος (11 α)  
 37 (38). 1. κύριε, μὴ τὸ θυμὸν σου ἐλέγξῃς με (11 α)  
 — 9. Α Β κύριε [B καὶ] ἐναντίον σου πᾶσα ἡ ἐπιθυμία μου (2)  
 — 15. ἐπὶ σοί, κύριε, ἤλπισα, σὺ εἰσακούσῃς, κύριε ὁ θεός μου (11 α, 2)  
 — 21. μὴ ἐγκαταλίπῃς με, κύριε (11 α)  
 — 22. κύριε τῆς σωτηρίας μου (2)  
 38 (39). 4. γινώρισόν μου, κύριε, τὸ πέρασ μου (11 α)  
 — 7. τίς ἡ ὑπομονὴ μου; οὐχὶ ὁ [B<sup>2</sup> om.] κ. (2)  
 — 12. Α Β εἰσακούσων τῆς προσευχῆς μου, κύριε [B om.] (11 α)  
 39 (40). 1. ὑπομάνων ὑπέμεινα τὸν κ. (11 α)  
 — 3. ἐλπιούσιν ἐπὶ κύριον (11 α)  
 — 4. οὗ ἐστὶ τὸ ὄνομα κυρίου ἐλπίς αὐτοῦ (11 α)  
 — 5. πολλὰ ἐποίησας σὺ, κύριε ὁ θεός μου (11 α)  
 — 9. κύριε, σὺ ἔγνως τὴν δικαιοσύνην μου [A B<sup>2</sup> σου] (11 α)  
 — 11. σὺ δὲ, κύριε, μὴ μακρύνῃς τοὺς οἰκτιρμούς σου (11 α)  
 — 13. εὐδόκησον, κύριε, τοῦ ρύσασθαι με, κύριε, εἰς τὸ βοηθησαί μοι πρόσχε [A σπεύσον] (11 α, 11 α)  
 — 16. πάντες οἱ ῥητούντες σε, κύριε —  
 — 16. μεγαλυνθήτω ὁ κ. (11 α)  
 — 17. κύριος [A ὁ κ.] φρονεῖ μοι (2)  
 40 (41). 1. ἐν ἡμέρᾳ πορηρᾷ ρύσεται αὐτὸν ὁ [B om.] κ. (11 α)  
 — 2. Α Β κύριος διαφυλάξαι [B φυλ.] αὐτόν (11 α)  
 — 3. κύριος βοηθήσας [A -σει] αὐτῷ ἐπὶ κλίνῃς ὁδῶν αὐτοῦ (11 α)

Ps. 40 (41). 4. κύριε, ἐλίσσόν με (11 α)  
 — 10. σὺ δὲ, κύριε, ἐλίσσόν με (11 α)  
 — 13. εὐλογητὸς ὁ κ. θεὸς Ἰσραὴλ (11 α)  
 41 (42). 6. Α Β<sup>2</sup> μνησθήσομαι σοι, κύριε [B B<sup>2</sup> om.] —  
 — 8. ἡμέρας ἐντελεῖται κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ (11 α)  
 42 (43). 4. Β ἐξομολογήσομαι σοι, κύριε [A B om.], ἐν κιθάρᾳ —  
 43 (44). 23. ἵνα τί ὑπνοῖς, κύριε (2)  
 — 26. ἀνάστα, κύριε, βοήθησον ἡμῖν (2)  
 44 (45). 11. αὐτὸς ἐστὶν ὁ [B<sup>2</sup> om.] κ. σου (1)  
 45 (46). 7. κύριος τῶν δυνάμεων μεθ' ἡμῶν (11 α)  
 — 8. Α Β ἴδετε τὰ ἔργα τοῦ [B B om.] κ. [A B<sup>2</sup> θεοῦ] (11 α)  
 — 11. κύριος [A<sup>1</sup> om., B κ. ὁ θεός] τῶν δυνάμεων μεθ' ἡμῶν (11 α)  
 46 (47). 2. κύριος ὑψώσας φοβερὸς (11 α)  
 — 5. κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος (11 α)  
 47 (48). 1. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (11 α)  
 — 8. ἐν πόλει κυρίου τῶν δυνάμεων (11 α)  
 — 11. ἔνεκα τῶν κριμάτων σου, κύριε [B<sup>1</sup> om.] —  
 49 (50). 1. θεὸς θεῶν κύριος ἐλάλησεν (11 α)  
 50 (51). 15. κύριε, τὰ χεῖρά μου ἀνοίξεις (2)  
 — 18. ἀγῶνισον, κύριε [B<sup>1</sup> om.], ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου τὴν Σιών —  
 52 (53). 4. B<sup>2</sup> τὸν κ. [B B<sup>2</sup> θεὸν] οὐκ ἐπεκαλέσαστο (6)  
 — 6. B<sup>2</sup> ἐν τῷ ἐπιστρέψαι [B<sup>1</sup> B ἀποστρ.] κύριον [B<sup>2</sup> τὸν θεόν] (6)  
 53 (54). 4. ὁ κ. ἀντήλπισεν τῆς ψυχῆς μου (2)  
 — 6. B B<sup>2</sup> ἐξομολογήσομαι τῷ ὀνόματί σου, κύριε [B om.] (11 α)  
 54 (55). 9. καταπόντισον, κύριε, καὶ καταδίελε τὰς γλῶσσας αὐτῶν (2)  
 — 16. ὁ κ. εἰσέκουσεν αὐτὸν (11 α)  
 — 22. ἐπύρηνον ἐπὶ κύριον τὴν μερίμνάν σου (11 α)  
 — 23. ἐγὼ δὲ ἐλπῶ ἐπὶ σέ [B<sup>2</sup> σοί], κύριε —  
 55 (56). 1. Β ἐλίσσόν με, κύριε [B B<sup>2</sup> ὁ θεός] (6)  
 — 4. B<sup>1</sup> ἐπὶ [B ἐν] τῷ κ. [B B<sup>2</sup> θεῷ] ἤλπισα (8)  
 — 10. B ἐπὶ τῷ κ. [B B<sup>2</sup> θεῷ] αἰνέσω ῥῆμα (8)  
 — 10. ἐπὶ τῷ κ. αἰνέσω λόγον (11 α)  
 — 11. B<sup>1</sup> ἐπὶ τῷ κ. [B B<sup>2</sup> B θεῷ] ἤλπισα (6)  
 — 13. B<sup>2</sup> τοῦ ἐνερστήσασιν ἐνώπιον κυρίου [B B<sup>1</sup> τοῦ] θεοῦ (18 β)  
 56 (57). 9. ἐξομολογήσομαι σοι ἐν λαοῖς, κύριε (2)  
 57 (58). 6. B B<sup>2</sup> τὰς μύλας τῶν ὀδόντων συνέθλασεν κύριος [B B<sup>2</sup> ὁ κ.] (11 α)  
 58 (59). 1. B<sup>2</sup> ἐξελού με, κύριε [B B<sup>2</sup> om.], ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου —  
 — 3. οὐτὲ ἡ ἀμαρτία μου, κύριε (11 α)  
 — 5. κύριε ὁ θεός τῶν δυνάμεων ὁ θεός Ἰσρ. (11 α)  
 — 8. σὺ, κύριε, ἐκγέλασεν αὐτούς (11 α)  
 — 11. ὁ ὑπερασπιστὴς μου, κύριε (2)  
 61 (62). 12. σὺ, κύριε, τὸ ἔλεος (2)  
 62 (63). 11. B<sup>1</sup> ὁ δὲ βασιλεὺς εὐφρανθήσεται ἐπὶ τῷ κ. [B B<sup>2</sup> θεῷ] (6)  
 63 (64). 10. B B<sup>2</sup> εὐφρανθήσεται δίκαιος ἐπὶ [B B<sup>2</sup> ἐν] τῷ κ. (11 α)  
 65 (66). 16. B B<sup>2</sup> πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. [B B<sup>2</sup> θέν] (6)  
 — 18. μὴ εἰσακουσάτω κύριος (2)  
 67 (68). 4. κύριος ὄνομα αὐτῷ (10)  
 — 11. κύριος δώσει ῥῆμα τοῖς εὐαγγελισμένοις (2)  
 — 16. ὁ κ. κατασκευάσει εἰς τέλος (11 α)  
 — 17. B B<sup>1</sup> ὁ [B<sup>2</sup> B om.] κύριος ἐν αὐτοῖς ἐν Σιών ἐν τῷ ἁγίῳ (2)  
 — 19. κύριος ὁ θεός εὐλογητὸς εὐλογητὸς κύριος ἡμέραν καθ' ἡμέραν (10, 2)  
 — 20. τοῦ κ. [B<sup>2</sup> add. κυρίου] αἱ διεόδου τοῦ θανάτου (11 β + 2 [11 β, 2])  
 — 22. εἶπε κύριος, Ἐκ Βασάν ἐπύρηνον (2)  
 — 26. τὸν [B<sup>2</sup> om.] κ. ἐκ πηγῶν Ἰσραὴλ (2)  
 — 31. B<sup>2</sup> Αἰθιοπία προφθάσει χεῖρα αὐτῆς τῷ κ. [B B<sup>2</sup> θεῷ] (6)  
 — 32. B<sup>1</sup> ἴσατε τῷ κ. [B B<sup>2</sup> θεῷ] (6)  
 — 32. ψάλλετε τῷ κ. [B<sup>1</sup> θεῷ] (2)  
 68 (69). 6. B κύριε κύριε [B om.] τῶν δυνάμεων (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 13. ἐγὼ δὲ τῇ προσευχῇ μου πρὸς σέ, κύριε (11 α)  
 — 16. εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 α)  
 — 33. εἰσέκουσε τῶν πεινῶν ὁ κ. (11 α)  
 69 (70). 1. εἰς τὸ σῶσαί με κύριον —  
 — 1. B<sup>1</sup> κύριε, εἰς τὸ βοηθησαί μοι σπεύσον [B<sup>1</sup> θέλῃσον] (11 α)  
 — 4. οἱ ῥητούντες σε [B<sup>2</sup> add. κύριε] —  
 — 5. βοηθός μου καὶ ρύστης μου εἰ σὺ, κύριε (11 α)

Ps. 70 (71). 1. B B<sup>2</sup> ἐπὶ σοί, κύριε [B ὁ θεός], ἤλπισα (11 α)  
 — 5. σὺ εἰ ἡ ὑπομονή μου, κύριε, κύριος ἡ ἐλπίς μου ἐκ νεότητός μου (2, 11 β)  
 — 16. εἰσελεύσομαι ἐν δυναστείᾳ κυρίου κύριε, μνησθήσομαι τῆς δικαιοσύνης σου μόνου (2, 11 β)  
 71 (72). 17. ἴστω τὸ ὄνομα αὐ. [B<sup>2</sup> τοῦ κ.] ἐν-λογημένον †  
 — 18. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 α + 6)  
 72 (73). 20. κύριε, ἐν τῇ πόλει σου τὴν εἰκόνα αὐτῶν ἐξουδενώσεις (2)  
 — 28. B τὸ προσκολλησθαι τῷ κ. [B B<sup>2</sup> θεῷ] (6)  
 — 28. τίθεσθαι ἐν τῷ κ. τὴν ἐλπίδα μου (2 + 11 β)  
 73 (74). 8. καταπαύσωμεν τὰς ἐορτάς κυρίου [B τοῦ θεοῦ] (4 α)  
 — 18. ἐχθρὸς ἀνείδειεν τὸν κ. (11 α)  
 74 (75). 8. ποτήριον ἐν χειρὶ κυρίου (11 α)  
 — 9. ἐγὼ δὲ ἀγαλλιάσομαι [B<sup>1</sup> add. κυρίῳ] —  
 76 (76). 11. ἀπόδοτε κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν (11 α)  
 76 (77). 1. φωνὴ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (6)  
 — 7. μὴ εἰς τοὺς αἰῶνας ἀπώσεται κύριος (2)  
 — 11. ἐμνήσθην τῶν ἔργων κυρίου (10)  
 77 (78). 4. ἀπαγγέλλοντες τὰς αἰνήσεις κυρίου (11 α)  
 — 21. ἤκουσε κύριος καὶ ἀνέβλετο (11 α)  
 — 59. B<sup>1</sup> ἤκουσεν κύριος [B B<sup>2</sup> ὁ θεός] (6)  
 — 65. ἐξηγήρῃ ὡς ἐπὶ ἡμῶν κύριος (2)  
 78 (79). 5. ὥς ποτε, κύριε, ὀργισθήσῃ εἰς τέλος (11 α)  
 — 9. ἔνεκα τῆς δόξης τοῦ ὀνόματός σου, κύριε —  
 — 12. ὃν ἀνείδεισαν σε, κύριε (2)  
 79 (80). 4. κύριε ὁ θεός τῶν δυνάμεων (11 α)  
 — 7. κύριε ὁ θεός τῶν δυνάμεων (18 β)  
 — 19. κύριε ὁ θεός τῶν δυνάμεων (11 α)  
 80 (81). 10. ἐγὼ γὰρ εἰμι κύριος ὁ θεός σου (11 α)  
 — 15. οἱ ἐχθροὶ κυρίου ἐνεύσαντο αὐτῷ (11 α)  
 82 (83). 3. Α ἐπὶ τὸν λαόν σου, κύριε [B B<sup>2</sup> al.] —  
 — 16. ζητήσουσι τὸ ὄνομα [A πρόσσπόν] σου, κύριε (11 α)  
 — 18. γινώσκων ὅτι ὄνομα σοι κύριος (11 α)  
 83 (84). 1. ὡς ἀνιπτήτὰ τὰ σκηνώματά σου, κύριε τῶν δυνάμεων (11 α)  
 — 2. ἐκλείπει ἡ ψυχὴ μου εἰς τὰς αὐλὰς τοῦ κ. [B<sup>1</sup> θεοῦ] (11 α)  
 — 3. τὰ θυσιαστήριά σου, κύριε τῶν δυνάμεων (11 α)  
 — 5. οὗ ἐστὶν ἡ ἀντήλψις αὐτοῦ παρὰ σοῦ, κύριε [B<sup>2</sup> om.] —  
 — 8. κύριε ὁ θεός τῶν δυνάμεων (11 α)  
 — 11. ἔλεον καὶ ἀλήθειαν ἀγαπᾷ κύριος (11 α)  
 — 11. κύριος οὐχ ὑστερήσει [B<sup>2</sup> οὐ στερήσῃ] τὰ ἀγαθὰ (11 α)  
 — 12. κύριε [B<sup>2</sup> ὁ θεός] τῶν δυνάμεων (11 α [18 α])  
 84 (85). 1. εὐδόκησας, κύριε, τὴν γῆν σου (11 α)  
 — 7. δείξον ἡμῖν, κύριε, τὸ ἔλεός σου (11 α)  
 — 7. Α Β τὸ σωτήριόν σου, κύριε [B B<sup>2</sup> om.] —  
 — 8. ἀκούσονται τί λαλήσεις ἐν ἐμοὶ κ. ὁ θεός (4 α)  
 — 12. ὁ κ. δώσει χρηστότητα (11 α)  
 85 (86). 1. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (11 α)  
 — 3. ἐλίσσόν με, κύριε (2)  
 — 4. πρὸς σέ, κύριε [B<sup>1</sup> om.], ᾄρα τὴν ψυχὴν μου (2)  
 — 5. σὺ, κύριε, χρηστὸς καὶ ἐπιεικής (2)  
 — 6. ἐνώτισαι, κύριε, τὴν προσευχήν μου (11 α)  
 — 8. οὐκ ἔστιν ὁμοίος σοι ἐν θεοῖς, κύριε (2)  
 — 9. προσκυνήσουσιν ἐνώπιόν σου, κύριε (2)  
 — 11. ὀδήγησόν με, κύριε, τῇ ὁδῷ σου (11 α)  
 — 12. ἐξομολογήσομαι σοι, κύριε ὁ θεός μου (2)  
 — 15. σὺ, κύριε ὁ θεός, οἰκτιρῶν καὶ ἐλεῆμων (2)  
 — 17. σὺ, κύριε, ἐβοήθησάς μου (11 α)  
 86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς πύλας Σιών (11 α)  
 — 6. κύριος διηγῆσεται ἐν γραφῇ λαῶν (11 α)  
 87 (88). 1. κύριε ὁ θεός τῆς σωτηρίας μου (11 α)  
 — 2. κλῖνον τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέσπην μου, —  
 — κύριε [B B<sup>2</sup> om.] —  
 — 9. ἐκέκραξα πρὸς σέ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμέραν (11 α)  
 — 13. κατὰ πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (11 α)  
 — 14. Α B<sup>1</sup> ἵνα τί, κύριε, ἀποθέῃς τὴν ψυχὴν [B<sup>2</sup> προσευχήν] μου (11 α)  
 88 (89). 1. τὰ ἐλεῖ σου, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα ἄσσομαι (11 α)  
 — 5. ἐξομολογῶνται οἱ οὐρανοὶ τὰ θαυμασά σου, κύριε (11 α)  
 — 6. τίς ἐν νεφέλαις ἰσθῶθήσεται τῷ κ. (11 α)  
 — 6. καὶ τίς [A B<sup>2</sup> om. καὶ τίς] ὁμοιωθήσεται τῷ κ. [B<sup>2</sup> θεῷ] ἐν νουίς θεοῦ (11 α)

Ps. 88 (89). 8. κύριε ὁ θεὸς τῶν θυμίων, τίς  
 θμίοις σοι; θυματοὶς εἰ, κύριε (11 α, 10)  
 — 15. κύριε, ἐν τῇ φωτὶ τοῦ προσώπου σου  
 πορεύονται (11 α)  
 — 18. τοῦ κ. ἡ ἀντίληψις (11 α)  
 — 46. ὥς ποτε, κύριε, ἀποστρέφεις [B -ψει,  
 B -φῃ] (11 α)  
 — 49. πού ἐστι τὰ ἐλῆ σου τὰ ἀρχαία, κύριε (2)  
 — 50. μνήσθητι, κύριε, τὸν οὐνειδισμόν τῶν  
 δούλων σου (2)  
 — 51. οὐ ἀνείδισαν οἱ ἐχθροὶ σου, κύριε (11 α)  
 — 52. εὐλογῆσθε κύριος εἰς τὸν αἰῶνα (11 α)  
 89 (90). 1. κύριε, καταφυγὴ ἐγενήθη ἡμῖν (2)  
 — 4. ἐν ὀφθαλμοῖς σου [A B<sup>2</sup> add. κύριε]  
 — 13. ἐπιστρέψον, κύριε, ὥς ποτε (11 α)  
 — 17. ἴστω ἡ λαμπρότης κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν  
 ἐφ' ἡμᾶς (11 α [2])  
 90 (91). 2. ἐρεῖ τῷ κ. [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> θεῶ] (11 α)  
 — 9. σὺ, κύριε, ἡ ἐλπίς μου (11 α)  
 91 (92). 1. ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογῆσθαι τῷ κ. (11 α)  
 — 4. εὐφρανάμην με, κύριε, ἐν τῷ ποιημένῳ σου (11 α)  
 — 5. ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε (11 α)  
 — 8. σὺ δὲ ὑψίστος εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε (11 α)  
 — 9. A B S<sup>2</sup> ἐπὶ ἰδοὺ οἱ ἐχθροὶ σου, κύριε (11 α)  
 — 13. πεφανευμένοι ἐν τῷ ὄψε κυρίου (11 α)  
 — 15. εὐθὺς κύριος ὁ θεός μου (11 α)  
 92 (93). 1. ὁ [B<sup>1</sup> om.] κ. ἐβασίλευσεν (11 α)  
 — 1. ἐπεθύσατο κύριος δύναμιν (11 α)  
 — 3. ἐπῆραν οἱ ποταμοί, κύριε (11 α)  
 — 4. θαυμαστός ἐν ὑψηλοῖς ὁ κ. (11 α)  
 — 5. τῷ ὄψῳ σου πρέπει ἀγίασμα, κύριε (11 α)  
 93 (94). 1. θεὸς ἐκδικήσεων κύριος (11 α)  
 — 3. ὥς ποτε δαρτωμένοι, κύριε (11 α)  
 — 5. τὸν λαόν σου, κύριε, ἐταπεινώσας (11 α)  
 — 7. οὐκ ὁφείλει κύριος [B<sup>1</sup> ὁ κ.] (10)  
 — 11. κύριος γινώσκει τοὺς διαλογισμοὺς τῶν  
 ἀνθρώπων (11 α)  
 — 12. ὃν ἂν σὺ παιδεύῃς, κύριε (10)  
 — 14. οὐκ ἀποώσεται αὐτοὺς κύριος τὸν λαόν αὐτοῦ (11 α)  
 — 17. εἰ μὴ εἶ κύριος ἐβοήθησέ μοι (11 α)  
 — 18. τὸ ἔλεός σου [A<sup>1</sup> om. τὸ ἔ. σου], κύριε,  
 ἐβοήθει μοι (11 α)  
 — 19. κύριε [A B<sup>2</sup> om.], κατὰ τὸ πλῆθος τῶν  
 ὀδυνῶν μου (11 α)  
 — 22. ἐγένετό μοι κύριος εἰς καταφυγὴν (11 α)  
 — 23. A B<sup>2</sup> ἀποδώσει αὐτοὺς κύριος κατὰ [B S<sup>1</sup>  
 om. κ. κατὰ] τὴν ἀνομίαν αὐτῶν (11 α)  
 — 23. ἀφανίει αὐτοὺς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 94 (95). 1. ἀγαλλιάσθηκα τῷ κ. (11 α)  
 — 3. θεὸς μέγας κύριος (11 α)  
 — 3. B S<sup>2</sup> οὐκ ἀποώσεται κύριος τὸν λαόν αὐτοῦ (11 α)  
 — 6. κλαύσωμεν ἐναντίον κυρίου τοῦ ποιήσαν-  
 τος ἡμᾶς (11 α)  
 95 (96). 1. ἥσατε τῷ κ. ᾄσμα καὶ οὐκ ἥσατε τῷ  
 κ., πᾶσα ἡ γῆ (11 α, κ.)  
 — 2. ἥσατε τῷ κ. (11 α)  
 — 4. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (11 α)  
 — 5. ὁ δὲ κ. τοὺς οὐρανούς ἐποίησεν (11 α)  
 — 7. ἐνέγκατε τῷ κ. αἱ πατριαὶ τῶν ἐθνῶν  
 ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμὴν (11 α, 11 α)  
 — 8. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (11 α)  
 — 9. προσκυνησατέ τῷ κ. ἐν αὐτῇ ἀγίᾳ αὐτοῦ (11 α)  
 — 10. ὁ [A B<sup>2</sup> om.] κ. ἐβασίλευσεν (11 α)  
 — 13. ἀγαλλιάσονται πάντα τὰ ζῦλα . . . πρὸ  
 [A B<sup>2</sup> ἀπὸ] προσώπου κυρίου (11 α)  
 96 (97). 1. ὁ κ. ἐβασίλευσεν (11 α)  
 — 5. τὰ ὄρη ὡς εἰ κηρὸς ἐτάκθησαν ἀπὸ προσώ-  
 που κυρίου ἀπὸ προσώπου κυρίου  
 [B om.] πάσης τῆς γῆς (11 α, 1)  
 — 8. ἔνεκιν τῶν κρημάτων σου, κύριε (11 α)  
 — 9. σὺ εἰ [A B<sup>2</sup> om.] κύριος ὑψίστος (11 α)  
 — 10. οἱ ἀγαπῶντες τὸν κ. μετέειπεν ποιητὴν  
 [A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> -ρά] (11 α)  
 — 10. φυλάσσει κύριος τὰς ψυχὰς τῶν δούλων  
 αὐτοῦ (11 α)  
 — 12. A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> εὐφράνθητε δίκαιοι ἐν [B S<sup>1</sup> ἐπὶ]  
 τῷ κ. (11 α)  
 97 (98). 1. B S<sup>2</sup> ἥσατε τῷ κ. ᾄσμα καὶ οὐκ ἥσατε  
 θαυμαστά ἐποίησεν κύριος [A B ὁ κ.] (11 α, -)  
 — 2. ἐγγνώρισε κύριος τὸ σωτήριον αὐτοῦ (11 α)  
 — 4. A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> ἀλαλάξατε τῷ κ. [B<sup>1</sup> S<sup>2</sup> θεῶ] (11 α)  
 — 5. ψάλατε τῷ κ. ἐν κιθάρᾳ (11 α)  
 — 6. ἀλαλάξατε ἐνώπιον τοῦ βασιλέως κυρία  
 [A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> -ου] (11 α)

Ps. 97 (98). 9. A B<sup>2</sup> τὰ ὄρη ἀγαλλιάσονται ἀπὸ  
 προσώπου κυρίου [B S<sup>1</sup> om. ἀπὸ  
 πρ. κ.] (11 α)  
 98 (99). 1. ὁ [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> om.] κύριος ἐβασίλευσεν (11 α)  
 — 2. κύριος ἐν Σιών μέγας (11 α)  
 — 5. ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (11 α)  
 — 6. ἐπεκαλοῦντο τὸν κ. (11 α)  
 — 8. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν, σὺ ἐπήκουε αὐτῶν (11 α)  
 — 9. ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (11 α)  
 — 9. ἄγιος κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 99 (100). 1. ἀλαλάξατε τῷ κ. πᾶσα ἡ γῆ (11 α)  
 — 2. δουλεύσατε τῷ κ. ἐν εὐφροσύνῃ (11 α)  
 — 3. γινώσκει κύριος αὐτὸς ἐστὶν ὁ θεός [A B<sup>2</sup>  
 θ. ἡμῶν] (11 α)  
 — 5. ὅτι χρηστὸς κύριος (11 α)  
 100 (101). 1. κρίσιν ᾄσομαι σοι, κύριε (11 α)  
 — 8. τοῦ ἐξολοθρεῦσαι ἐκ πόλεως κυρίου (11 α)  
 101 (102). τί. όταν . . . ἐναντίον κυρίου ἐκχέθῃ  
 τὴν δέσιν αὐτοῦ (11 α)  
 — 1. κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου (11 α)  
 — 12. σὺ δὲ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα μένεις (11 α)  
 — 15. φοβηθήσονται τὰ ἔθνη τὸ ὄνομα σου,  
 κύριε [A<sup>1</sup> S<sup>1</sup> -ίου] (11 α)  
 — 16. οἰκοδομήσει κύριος τὴν Σιών (11 α)  
 — 18. λαὸς ὁ κτιζόμενος αἰνέσει τὸν κ. (10)  
 — 19. κύριος ἐξ οὐρανοῦ ἐπὶ τὴν γῆν ἐπέ-  
 βλεψε (11 α)  
 — 21. τοῦ ἀναγγεῖλαι ἐν Σιών τὸ ὄνομα κυρίου (11 α)  
 — 22. A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> καὶ βασιλεύει [B S<sup>1</sup> -εἰας] τοῦ  
 δουλεύειν τῷ κ. (11 α)  
 — 25. κατ' ἀρχὴς τὴν γῆν σὺ, κύριε [S<sup>1</sup> om. σὺ  
 κ.], ἐμεγαλύνσας (11 α)  
 102 (103). 1. 2. εὐλόγηι ἡ ψυχὴ μου τὸν κ. (11 α)  
 — 6. ποιῶν ἐλεημοσύνας ὁ κ. (11 α)  
 — 8. οἰκτίρμων καὶ ἐλεῆμων ὁ κ. (11 α)  
 — 11. ἐκραταιώσεται κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ (11 α)  
 — 13. φανερώσει κύριος τοὺς φοβούμενους  
 αὐτόν (11 α)  
 — 17. τὸ δὲ ἔλεος τοῦ κ. ἀπὸ τοῦ αἰῶνος (11 α)  
 — 19. κύριος ἐν τῷ οὐρανῷ ἠτοίμασε τὸν θρό-  
 νον αὐτοῦ (11 α)  
 — 20. εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντες οἱ ἄγγελοι  
 αὐτοῦ (11 α)  
 — 21. εὐλογεῖτε τὸν κ. πᾶσαι αἱ δυνάμεις αὐ. (11 α)  
 — 22. εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ (11 α)  
 — 22. εὐλόγηι ἡ ψυχὴ μου τὸν κ. (11 α)  
 103 (104). 1. εὐλόγηι ἡ ψυχὴ μου τὸν κ. (11 α)  
 — 1. B κύριε [A B S om.] κύριε ὁ θεός μου,  
 ἐμεγαλύνθη σφόδρα (11 α, 11 α)  
 — 16. S<sup>1</sup> χορτάσθηται τὰ ζῦλα τοῦ κ. [A B S<sup>2</sup>  
 πεδίου] (11 α)  
 — 24. ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε (11 α)  
 — 31. ἦτω ἡ δόξα κυρίου εἰς τὸν αἰῶνα [A B<sup>2</sup>  
 τοὺς αἰ.] (11 α)  
 — 31. εὐφρανθήσεται κύριος ἐπὶ τοῖς ἔργοις  
 αὐτοῦ (11 α)  
 — 33. ᾄσω τῷ κ. ἐν τῇ ᾠῇ μου (11 α)  
 — 34. ἐγὼ δὲ εὐφρανθήσομαι ἐπὶ τῷ κ. (11 α)  
 — 35. εὐλόγηι ἡ ψυχὴ μου τὸν κ. (11 α)  
 104 (105). 1. ἐξομολογήσεται τῷ κ. (11 α)  
 — 3. εὐφρανθήτω καρδία ζῳτούντων τὸν κ. (11 α)  
 — 4. ζῆτῃσατε τὸν κ. (11 α)  
 — 7. αὐτὸς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 — 19. τὸ λόγιον τοῦ κ. ἐπύρωσεν αὐτὸν (11 α)  
 — 21. κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ οἴκου αὐ. (1)  
 105 (106). 1. ἐξομολογήσεται τῷ κ. ὅτι χρηστὸς (11 α)  
 — 2. τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τοῦ κ. (11 α)  
 — 4. μνήσθητι ἡμῶν, κύριε (11 α)  
 — 16. Ἰσραὴλ τὸν ἄγων κυρίου (11 α)  
 — 21. ἐπελάθοντο τοῦ [A B om.] θεοῦ [S<sup>1</sup> κυ-  
 ρίου] (4 α)  
 — 25. οὐκ εἰσέκουσαν τῆς φωνῆς κυρίου (11 α)  
 — 34. δὲ εἰπὺς αὐτοῖς αὐτοῖς (11 α)  
 — 40. ὠργίσθη θυμὸς κυρίου (11 α)  
 — 44. A B εἶδε κύριος [S om.] ἐν τῇ θλίβεσθαι  
 αὐτούς (11 α)  
 — 47. σῶσον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 — 48. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 α)  
 106 (107). 1. ἐξομολογήσεται τῷ κ. ὅτι χρηστὸς (11 α)  
 — 2. εἰπάτωσαν οἱ λελητρωμένοι ὑπὸ κυ-  
 ρίου (11 α)  
 — 6. ἐκείραξαν πρὸς κύριον ἐν τῇ θλίβεσθαι  
 αὐτούς (11 α)  
 — 8. ἐξομολογήσασθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλῆ αὐ. (11 α)  
 — 13. ἐκείραξαν πρὸς κύριον ἐν τῇ θλίβεσθαι  
 αὐτούς (11 α)

Ps. 106 (107). 15. ἐξομολογήσασθωσαν τῷ κ. τὰ  
 ἐλῆ αὐ. (11 α)  
 — 19. ἐκείραξαν πρὸς κύριον ἐν τῇ θλίβεσθαι  
 αὐτούς (11 α)  
 — 21. ἐξομολογήσασθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλῆ αὐ. (11 α)  
 — 24. αὐτοὶ εἶδον τὰ ἔργα κυρίου (11 α)  
 — 28. ἐκείραξαν πρὸς κύριον ἐν τῇ θλίβεσθαι  
 αὐτούς (11 α)  
 — 31. ἐξομολογήσασθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλῆ αὐ. (11 α)  
 — 43. συνῆσει τὰ ἐλῆ τοῦ κ. (11 α)  
 107 (108). 3. ἐξομολογήσομαι σοι ἐν λαοῖς,  
 κύριε (11 α)  
 108 (109). 14. ἀναμνησθεῖ ἡ ἀνομία τῶν πατέ-  
 ρων αὐτοῦ ἐναντὶ κυρίου (11 α)  
 — 15. γεννηθήσονται ἐναντίον κυρίου διὰ παντός (11 α)  
 — 20. τοῦτο τὸ ἔργον τῶν ἐνδιαβαλλόντων με  
 παρὰ κυρίῳ (11 α)  
 — 21. A B<sup>1</sup> σὺ, κύριε, κύριε, ποιήσον μετ' ἐμοῦ  
 ἔλεος [B<sup>2</sup> S om.] (11 β, 2)  
 — 26. βοηθήσον μοι, κύριε ὁ θεός μου (11 α)  
 — 27. σὺ, κύριε, ἐποίησας αὐτήν (11 α)  
 — 30. ἐξομολογήσομαι τῷ [S<sup>1</sup> om.] κ. σφόδρα  
 ἐν τῷ στόματί μου (11 α)  
 109 (110). 1. εἶπεν ὁ κ. τῷ κ. μου (11 α, 1)  
 — 2. A B<sup>2</sup> βάδον δυνάμεις ἐξαποστελεῖ κύ-  
 ριος [B<sup>2</sup> S om.] (11 α)  
 — 4. ἄμωσος κύριος καὶ οὐ μετακληθήσεται (11 α)  
 — 5. κύριος ἐκ δεξιῶν σου συνεθέλασεν . . .  
 βασιλεύει (2)  
 110 (111). 1. ἐξομολογήσομαι σοι, κύριε, ἐν  
 ὅλῃ καρδίᾳ μου (11 α)  
 — 2. μεγάλα τὰ ἔργα κυρίου (11 α)  
 — 4. ἐλεῆμων καὶ οἰκτίρμων ὁ κ. (11 α)  
 — 9. λυτρώσιν ἀπὸ τέλει [S<sup>1</sup> add. κύριος] (11 α)  
 — 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (11 α)  
 111 (112). 1. μακάριος ἀνὴρ ὁ φοβούμενος  
 τὸν κ. (11 α)  
 — 4. A οἰκτίρμων καὶ δίκαιος κ. ὁ θεός [S B  
 om. κ. ὁ θ.] (11 α)  
 — 7. A B ἐλπίζειν ἐπὶ κυρίῳ [S τὸν κ.] (11 α)  
 112 (113). 1. αἰνεῖτε παῖδες κυρίου [A τὸν κ.]  
 αἰνεῖτε τὸ ὄνομα κυρίου [S<sup>1</sup> αὐτοῦ] (11 α, 11 α)  
 — 2. εἴη τὸ ὄνομα κυρίου εὐλογημένον (11 α)  
 — 3. αἰνετὸν [S<sup>1</sup> αἰνέει] τὸ ὄνομα κυρίου (11 α)  
 — 4. ὑψηλὸς ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη ὁ κ. (11 α)  
 — 5. τίς εἰς κύριον ὁ θεὸς ἡμῶν (11 α)  
 113 (114). 7. ἀπὸ προσώπου κυρίου ἐσαλεύθη  
 ἡ γῆ (1)  
 113. 9<sup>a</sup> (115. 1). μὴ ἡμῖν, κύριε, μὴ ἡμῖν . . .  
 ὅδε δόξαν (11 α)  
 — 17 (115. 9). οἶκος Ἰσραὴλ ἠλπισεν ἐπὶ κύ-  
 ριον (11 α)  
 — 18 (115. 10). οἶκος Ἰσραὴλ ἠλπισεν ἐπὶ  
 κύριον (11 α)  
 — 19 (115. 11). οἱ φοβούμε. τὸν [A om.] κ.  
 ἠλπισαν ἐπὶ κυρίῳ [S ἐπ' αὐτόν] (11 α, 11 α)  
 — 20 (115. 12). κύριος μεμνηθεὶς ἡμῶν εὐλόγη-  
 σεν ἡμᾶς (11 α)  
 — 21 (115. 13). εὐλόγησε τοὺς φοβούμε. τὸν κ. (11 α)  
 — 22 (115. 14). προσθέτις κύριος ἐφ' ὑμᾶς (11 α)  
 — 23 (115. 15). εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 α)  
 — 24 (115. 16). S B ὁ οὐρανὸς τοῦ οὐρανοῦ  
 [A τῷ οὐ.] τῷ κ. (11 α)  
 — 25 (115. 17). οὐχ οἱ νεκροὶ αἰνεσουσὶ σε,  
 κύριε (10)  
 — 26 (115. 18). ἡμεῖς οἱ ζῶντες εὐλογήσωμεν  
 τὸν κ. (10)  
 114 (116). 1. εἰσακούσεται κύριος [B<sup>1</sup> ὁ θεός] (11 α)  
 τῆς φωνῆς τῆς δεήσεώς μου (11 α)  
 — 4. τὸ ὄνομα κυρίου ἐπεκαλεσάμεν, ὁ κύριος,  
 ῥύσαι τὴν ψυχὴν μου (11 α, 11 α)  
 — 5. ἐλεῆμων ὁ κ. καὶ δίκαιος (11 α)  
 — 5. καὶ [S<sup>1</sup> add. κύριος] ὁ θεός ἡμῶν (11 β)  
 — 6. φυλάσσω τὰ νήπια ὁ κ. (11 α)  
 — 7. S B κύριος ἐνηργητήσῃ σε [A με] (11 α)  
 — 9. εὐαρεστήτω ἐνώπιον κυρίου ἐν χώρᾳ  
 ζῶντων (11 α)  
 115. 3 (116. 12). τί ἀνταποδώσω τῷ κ. (11 α)  
 — 4 (116. 13). τὸ ὄνομα κυρίου ἐπικαλέσομαι (11 α)  
 — 5 (116. 14). S τὰς εὐχὰς μου τῷ κ. ἀπο-  
 δώσω (11 α)  
 — 6 (116. 15). τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνα-  
 τος τῶν δούλων αὐτοῦ (11 α)  
 — 7 (116. 16). ὦ κύριε, ἐγὼ δούλος σός (11 α)

Ps. 115. 8 (116. 17).  $\Delta$   $\text{B}^2$  B ἐν ὀνόματι κυρίου  
     ἐπεκαλέσασθαι (11 a)  
 — 9 (116. 18). τὰς εὐχὰς μου τῷ κ. ἀποώσω (11 a)  
 — 10 (116. 19). ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)  
 116 (117). 1. αἰνέτε τὸν κ. πάντα τὰ ἔθνη (11 a)  
     2. ἡ ἀλήθεια τοῦ κ. μένει εἰς τὸν αἰῶνα (11 a)  
 117 (118). 1. ἐξομολογήσῃτε τῷ κ. (11 a)  
     4.  $\Delta$  B ἐπάνωσαν ἐπὶ πάντες οἱ φοβούμενοι  
     τὸν κ. (11 a)  
 — 5. κ. θλίψεις [B ἐν θλίψει] ἐπεκαλέσάμην  
     τὸν κ. (10)  
 — 6, 7. κύριος ἐμοὶ βοηθός (11 a)  
     8. ἀγαθὸν πεποιθεῖμαι ἐπὶ κύριον (11 a)  
     9. ἀγαθὸν ἐλπίζειν ἐπὶ κύριον (11 a)  
     10, 11, 12. τὰ ὀνόματι κυρίου ἡμνῶντες  
     αὐτοὺς (11 a)  
 — 13. ὁ [B<sup>1</sup> om.] κ. ἀντελάβετό μου (11 a)  
     14. ἰσχύς μου καὶ ὑψηλότης μου ὁ κ. (10)  
     15. δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (11 a)  
     16. δεξιὰ κυρίου ὑψώσεν με (11 a)  
     16.  $\Delta$   $\text{B}^2$  B δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (11 a)  
     17.  $\Delta$   $\text{B}^1$  ἐκδιηγῆσμαι [B<sup>2</sup> B διηγ.] τὰ ἔργα  
     κυρίου (10)  
     18.  $\Delta$  B παιδεύων ἐπαίδευσέ με ὁ [B om.] κ. (10)  
     19. εἰσελθὼν ἐν αὐταῖς ἐξομολογήσμαι  
     τῷ κ. (10)  
     20. αὕτη ἡ πύλη τοῦ κ. (11 a)  
     23. παρὰ κυρίου ἐγένετο αὕτη (11 a)  
     24.  $\Delta$  B ἦν ἐποίησεν ὁ [B om.] κ. (11 a)  
     25. ὁ κύριος, σῶσον δὴ, ὁ κύριος, εὐδόκωσον  
     δὴ (11 a, 11 a)  
 — 26. εὐλογούμενος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι  
     κυρίου] εὐλόγηκεται ὑμᾶς ἐξ οἴκου  
     κυρίου (11 a, 11 a)  
 — 27. θεὸς κύριος καὶ ἐπέφανεν ἡμῖν (11 a)  
     29. ἐξομολογήσῃτε τῷ κ. (11 a)  
 118 (119). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν νόμῳ κυρίου (11 a)  
     7. ἐξομολογήσονται σοι [A B<sup>1</sup> add. κύριε] —  
     12. ἐλογητὸς εἶ, κύριε (11 a)  
     13. ἐκολληθῇ τοῖς μαρτυρίοις σου, κύριε (11 a)  
     33. νομοθέτησον με, κύριε, τὴν ὁδὸν τῶν  
     δικαιωμάτων σου (11 a)  
     41. ἔλθοι ἐπ' ἐμὲ τὸ ἔλεός σου, κύριε (11 a)  
     52. ἐμνήσθην τῶν κριμάτων σου ἀπ' αἰῶνος,  
     κύριε (11 a)  
     55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ ὀνόματός [B<sup>1</sup> τὸ  
     ὄ] σου, κύριε (11 a)  
     57. μερίμ σου εἶ, κύριε (11 a)  
     64. B σου ἔλεος σου, κύριε [A ἐλ. κυρίου]  
     πλήρης ἡ γῆ (11 a)  
     64. τὰ δικαιώματά σου [B<sup>1</sup> add. κύριε] —  
     65. χρηστότητα ἐποίησας μετὰ τοῦ δούλου  
     σου, κύριε (11 a)  
     68. χρηστός εἶ σὺ, κύριε —  
     75. ἔργων, κύριε (11 a)  
     85. οὐχ ὡς ὁ κύριος σου, κύριε —  
     89. εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε, ὁ λόγος σου δια-  
     μένει (11 a)  
     93. B ἔχρησά με, κύριε [A B om.] —  
     94. B<sup>1</sup> σὺς ἐμὶ, κύριε [A B<sup>2</sup> B ἐγώ] +  
     97. ὡς ἡγάπησόν τὸν νόμον σου, κύριε —  
     107. ἐταπεινώσῃς ἐως σφοδρὰ, κύριε (11 a)  
     108. τὰ ἐκούσια τοῦ στόματός μου εὐδόκη-  
     σον μετὰ [B<sup>1</sup> εὐλόγησον], κύριε (11 a)  
     124. ποίησον μετὰ τοῦ δούλου σου [A add.  
     κύριε] —  
     126. καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κ. (11 a)  
     137. δίκαιος εἶ, κύριε (11 a)  
     145. ἐπακούσων μου, κύριε (11 a)  
     149. τῆς φωνῆς μου ἀκούσων, κύριε (11 a)  
     151. ἔγγυς εἶ, κύριε (11 a)  
     156. οἱ οἰκτιρμοὶ σου πολλοὶ, κύριε (11 a)  
     159. τὰς ἐντολάς σου ἡγάπησα, κύριε (11 a)  
     166. προσέδικάν σου τὸ σωτήριόν σου, κύριε (11 a)  
     168. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ μου ἐναντίον σου, κύριε  
     [A B<sup>1</sup> om.] —  
     169. ἐγγισάτω ἡ δέησις μου ἐνώπιόν σου,  
     κύριε [B<sup>1</sup> add. κύριε] (11 a, —)  
     170. εἰσελθὲ τοῦ ἀξιώματός μου ἐνώπιόν σου,  
     κύριε [B om.] (11 a)  
     — 174. ἐπεπλήθυνόν τοῦ σωτηρίου σου, κύριε (11 a)  
 119 (120). 1. πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαί με  
     ἐκέκραξα (11 a)  
     — 2. κύριε, βύσαι τὴν ψυχὴν μου ἀπὸ χειλέων  
     ἀδικῶν (11 a)  
 120 (121). 2. ἡ βοήθειά μου παρὰ κυρίου (11 a)

Πς. 120 (121). 5. κύριος φυλάξει σε κύριος σκέπη σου ἐπὶ χεῖρα δεξιάν σου (11 α, 11 α)  
 — 7. κύριος φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κακοῦ φυλάξει τὴν ψυχὴν σου ὁ κ. [B<sup>1</sup> ομ. ὁ κ.] (11 α, —)  
 — 8. κύριος φυλάξει τὴν εἰσόδον σου (11 α)  
 121 (122). 1. εἰς ὅκον κυρίου πορεύσῃμεθα (11 α)  
 — 4. ἐκεῖ γὰρ ἀνέβησαν αἱ φυλαὶ φυλαὶ κυρίου (10)  
 — 4. τὸ ἐξομολογησάσαι τὸν ὄνοματι κυρίου (11 α)  
 — 9. B ἔνεκα τὸν ὅκον κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐξέζητησα ἀγαθὰ σοι [A ομ.] (11 α)  
 122 (128). 2. ὡς φοβῆσθαι δοῦλῳ εἰς χεῖρας τῶν κ. αὐτῶν (1)  
 — 2. οὕτως οἱ φοβῆσθαι ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (11 α)  
 — 3. ἐλέησον ἡμέτε, κύριε (11 α)  
 123 (124). 1. εἰ μὴ ὅτι κύριος ἦν ἐν ἡμῖν (11 α)  
 — 2. εἰ μὴ ὅτι κύριος ἦν ἐν ἡμῖν (11 α)  
 — 6. εὐλογητὸς κύριος (11 α)  
 — 7. βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 124 (125). 1. οἱ πεποιθότες ἐπὶ κύριον (11 α)  
 — 2. κύριος κύκλω τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 α)  
 — 3. B<sup>2</sup> B οὐκ ἀφῆκε κύριος [A B<sup>1</sup> ομ.] τὴν ῥάβδον τῶν μαρτυρῶν —  
 — ἀγαθόν, κύριε, τὸν ἀγαθὸς (11 α)  
 — 4. ἀπέθετο κύριος μετὰ τῶν ἐργαζομένων τὴν ἀνομίαν (11 α)  
 125 (126). 1. ἐν τῷ ἐπιστρίψαι κύριον τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών (11 α)  
 — 2. ἐμεγάλυνε κύριος τὸ ποιῆσαι μετ' αὐτῶν (11 α)  
 — 3. ἐμεγάλυνε κύριος τὸ ποιῆσαι μεθ' ἡμῶν (11 α)  
 — 4. ἐπιστρέφον, κύριε, τὴν αἰχμαλωσίαν ἡμῶν (11 α)  
 126 (127). 1. B B εἰ μὴ κύριος [A ὁ κ.] οἰκοδομήσῃ οἶκον (11 α)  
 — 1. B B εἰ μὴ κύριος [A ὁ κ.] φυλάξῃ πόλιν, (11 α)  
 — 3. ἡ κληρονομία κυρίου υἱοί (11 α)  
 127 (128). 1. μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (11 α)  
 — 4. οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κ. (11 α)  
 — 5. εὐλογίᾳ σε κύριος ἐκ Σιών (11 α)  
 128 (129). 4. κύριος δίκαιος συνέκοψεν αὐχένas μαρτυρῶν (11 α)  
 — 8. εὐλογία κυρίου ἐστ' ἡμᾶς εὐλογῆκαμεν ὑμᾶς ἐν ὀνόματι κυρίου (11 α, 11 α)  
 129 (130). 1. A B<sup>1</sup> ἐκ βαθίων ἐκέκραξά σε [B<sup>2</sup> B ομ.], κύριε (11 α)  
 — 2. κύριε, ἐλίσσασον τῆς φωτῆς [A προσευχῆς] μου (2)  
 — 3. εἰς ἀνομίας παρατηρήσῃ, κύριε, κύριε, τίς ὑποστήσεται (10, 2)  
 — 5. ὑπέμεινά σε, κύριε (11 α)  
 — 6. ῥήτισεν ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τὸν κ. (2)  
 — 7. B<sup>2</sup> ἐπιστάτω [ισρ. ἐπὶ τὸν κ. (11 α ?)  
 — 7. A B ἐπιστάτω [Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κ. (11 α)  
 — 7. παρὰ τῷ κ. τὸ ἔλεος (11 α)  
 130 (131). 1. κύριε, οὐχ ἰγνώσῃ ἡ καρδιά μου (11 α)  
 — 3. ἐπιστάτω [Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κ. (11 α)  
 131 (132). 1. μνηστῆρην, κύριε, τοῦ Δαυὶδ (11 α)  
 — 2. ὡς ὥμοσε τῷ κ. (11 α)  
 — 5. ἔως οὐ εὐρύς τόπον τῷ κ. (11 α)  
 — 8. ἀνάστητε, κύριε, εἰς τὴν ἀνάπαυσίν σου (11 α)  
 — 11. ὥμοσε κύριος τῷ Δαυὶδ ἀληθεῖαν (11 α)  
 — 13. ἐξέλεάστο κύριος τὴν Σιών (11 α)  
 132 (133). 3. ἐνετειλάτο κύριος τὴν εὐλογίαν (11 α)  
 133 (134). 1. εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντες οἱ δοῦλοι κυρίου οἱ ἐσώτηες ἐν ὅκῳ κυρίου [B<sup>1</sup> ομ. ἐν οὐ κ.] (11 α ter)  
 — 2. εὐλογεῖτε τὸν κ. (11 α)  
 — 3. εὐλογῆσαι σε κύριος ἐκ Σιών (11 α)  
 134 (135). 1. αἰνεῖτε τὸ ὄνομα κυρίου αἰνεῖτε δοῦλον κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 2. οἱ ἐσώτηες ἐν ὅκῳ κυρίου (11 α)  
 — 3. αἰνεῖτε τὸν κ. ὅτι ἀγαθὸς κύριος (10, 11 α)  
 — 4. τὸν [Ἰακώβ] ἐξέλεάστο ἐαυτῷ κ. (10)  
 — 5. μέγας κύριος καὶ ὁ κ. ἡμῶν παρὰ πάντας τῶν θεοῦ (11 α, 1)  
 — 6. ὅσα θέλεισον ὁ κ. [B<sup>2</sup> ομ. ὁ κ.] (11 α)  
 — 13. κύριε, τὸ ὄνομά σου εἰς τὸν αἰῶνα (11 α)  
 — 13. A B κύριε [B<sup>2</sup> B καὶ] τὸ μνημυσάνων σου εἰς γενεὰν καὶ γενεάν (11 α, 11 α)  
 — 14. A B<sup>2</sup> B ὅτι κρινεῖ [B<sup>1</sup> οἰκτερεῖ] κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 α)

Ps. 134 (135). 19. οἶκος Ἰσραὴλ εὐλογῆσατε τὸν  
κ. οἶκος Δαυὶδ εὐλογῆσατε τὸν κ. (11 α, 11 α)  
— 20. οἶκος Λευὶ εὐλογῆσατε τὸν κ. οἱ φοβού-  
μενοι τὸν κ. εὐλογῆσατε τὸν κ. (11 α, 11 α)  
— 21. εὐλογητὸς κύριος ἐκ Σιών (11 α)  
135 (136). 1. ἐξομολογήσθε τῷ κ. (11 α)  
— 3. ἐξομολογήσθε τῷ κ. τῶν κ. (1, 1)  
— 23. Α Β² Β ἐν τῇ ταπεινώσει ἡμῶν ἐμνήσθη  
ἡμῶν ὁ κ. —  
— 26. Α Β¹ ἐξομολογήσθε τῷ κ. [Β² Β θεῷ] τοῦ  
οὐρανοῦ (4 α)  
136 (137). 4. πᾶς ᾄσῃμεν τὴν ψῆδὴν κυρίου ἐπὶ  
γῆς ἁλλοτρίας (11 α)  
— 7. μνήσθητι, κύριε, τῶν υἱῶν Ἑδῶμ (11 α)  
137 (138). 1. ἐξομολογήσασθε μοι, κύριε, ἐν ᾗ  
καρδίᾳ μου —  
— 4. ἐξομολογήσασθῶσάν σοι, κύριε, πάντες οἱ  
βασιλεῖς τῆς γῆς (11 α)  
— 5. ᾄσῶσάν μου ἐν ταῖς οὐδαῖς κυρίου ὅτι μεγάλη  
ἡ δόξα κυρίου (11 α, 11 α)  
— 6. ὅτι ὑψήλως κύριος (11 α)  
— 8. κύριε [Α -ος] ἀπαποδώσεις [Α -σει]  
ὑπὲρ ἑμὲ κύριε, τὸ ἔλεός σου εἰς  
τὸν αἰῶνα [Β add. κύριε] . . . μὴ  
παρίδῃς (11 α, 11 α)  
138 (139). 1. κύριε, ἐδοκίμασά με (11 α)  
— 4. κύριε, σὺ ἔγνων πάντα τὰ ἐν ἔσχατα (11 α)  
— 13. σὺ [Β¹ add. κύριε] ἐκτίσω τοὺς νεφροὺς  
μου, κύριε —  
— 21. οὐχὶ τοὺς μιστοῦντάς σε, κύριε, ἐμίσησα (11 α)  
— 23. Α δοκίμασον με, κύριε [Β Β² ὁ θεός] (4 α)  
139 (140). 1. ἐξέλθω με, κύριε, ἐξ ἀνθρώπου  
πονητοῦ (11 α)  
— 4. φυλάξον με, κύριε [Β om.], ἐκ χειρὸς  
ἀμαρτανῶν (11 α)  
— 6. Α Β Β εἶπα τῷ κ., Θεός μου εἰ σὺ, ἐνώπι-  
όν μου, κύριε [Β -ος], τὴν φωνὴν τῆς  
θεήσεώς μου (11 α, 11 α)  
— 7. κύριε κύριε, δύναμις τῆς σωτηρίας μου (11 β, 2)  
— 8. μὴ παραδοῖς με, κύριε, ἀπὸ τῆς ἐπιθυμίας  
μου ἀμαρτανῶν (11 α)  
— 12. ποιήσει κύριος τὴν κρίσιν αὐτοῦ πτωχῷ (11 α)  
140 (141). 1. κύριε, ἐκέκραξα πρὸς σέ (11 α)  
— 3. θοῦ, κύριε, φυλακὴν τῷ στόματί μου (11 α)  
— 8. πρὸς σέ, κύριε κύριε [Α¹ Β¹ om.], οἱ ὀφ-  
θακοί μου (11 β, 2)  
141 (142). 1. φωνὴ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (11 α)  
— 13. ΒΒ φωνὴ μου πρὸς κύριον ἐδεήθην [Α al.] (11 α)  
— 5. πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (11 α)  
— 7. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀνόματί σου,  
κύριε [Β³ om.] —  
142 (143). 1. κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς  
μου (11 α)  
— 7. ταχὺ εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 α)  
— 8. γνωρίσόν μου, κύριε, ὁδόν —  
— 8. πρὸς σέ [Β³ add. κύριε] ἦρα τὴν ψυχὴν μου —  
— 9. ἐξέλθω ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου, κύριε (11 α)  
— 11. ἔνεκα τοῦ ὀνόματός σου, κύριε, ῥύσεται σε (11 α)  
143 (144). 1. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεός μου (11 α)  
— 3. κύριε, τί [Α τίς] ἐστὶν ἄνθρωπος ὅστις  
ἐγνώσθης [Β γνωρίσθης] αὐτῷ (11 α)  
— 5. κύριε, κλίνου οὐρανόν σου (11 α)  
— 15. μακάριος ὁ λαὸς οὗ κυρίου ὁ θεός αὐτοῦ  
[Β¹ al.] (11 α)  
144 (145). 3. μέγας ὁ [Α Β² om.] κ. καὶ αἰνετός  
σφόδρα (11 α)  
— 8. οἰκτίρων καὶ ἐλεῆμων ὁ κ. (11 α)  
— 9. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσιν [Α Β³  
al.] (11 α)  
— 10. ἐξομολογήσασθῶσάν σοι, κύριε, πάντα  
τὰ ἔργα σου (11 α)  
— 13. πιστὸς κύριος ἐν τοῖς λόγοις αὐτοῦ —  
— 14. ὑποστηρίξει κύριος πάντας τοὺς κατα-  
πίπτοντας (11 α)  
— 17. δίκαιος κύριος ἐν πάσαις ταῖς οὐδαῖς αὐ-  
τοῦ (11 α)  
— 18. ἐγγίξει κύριος πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις  
αὐτόν (11 α)  
— 20. φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντάς  
αὐτόν (11 α)  
145 (146). 1. αἶνει ἡ ψυχὴ μου τὸν κ. (11 α)  
— 2. αἰνέω κυρίον ἐν ζωῇ μου (11 α)  
— 5. ἡ ἐλπίς αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κτίσιν τὸν θεὸν αὐτοῦ (11 α)  
— 7. κύριος ὁ πᾶσι πεπεδημένος (11 α)

Ps. 145 (146). 8. κύριος σοφοί τυφλοῦς (11 α)  
 — 8. κύριος ἀνορθοὶ κατεργαζόμενος κύριος  
 ἀγαπᾷ δικαίους (11 α, 11 α)  
 — 9. κύριος φυλάσσει τοὺς προσήλυτους (11 α)  
 — 10. βρομεῖ κύριος εἰς τὸν οὐρανόν (11 α)  
 146 (147). 1. αἰνεῖτε τὸν [B om.] κ. (10)  
 — 2. οἰκοδομῶν Ἱερουσαλὴμ ὁ κ. (11 α)  
 — 5. μέγας ὁ κ. ἡμῶν (1)  
 — 6. ἀναλαμβάνων πράξεις ὁ κ. (11 α)  
 — 7. ἐξάρξεται τῷ κ. ἐν ἐξομολογήσει (11 α)  
 — 11. εὐδοκίᾳ κύριος ἐν τοῖς φοβουμένοις αὐτὸν (11 α)  
 147. 1 (12). ἐπαίνει Ἱερουσαλὴμ τὸν κ. (11 α)  
 148. 1. αἰνεῖτε τὸν κ. ἐκ τῶν οὐρανῶν (11 α)  
 — 5. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα κυρίου (11 α)  
 — 7. αἰνεῖτε τὸν κ. ἐκ τῆς γῆς (11 α)  
 — 13. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα κυρίου (11 α)  
 149. 1. ἤσαστε τῷ κ. ἅμα καινόν (11 α)  
 — 4. εὐδοκίᾳ κύριος ἐν λαῷ αὐτοῦ (11 α)  
 150. 6. πᾶσα πνοὴ αἰνεσάτω τὸν κ. (10)  
 151. 3. τίς ἀναγγελεῖ τῷ κ. μου; αὐτὸς κύριος αὐτὸς εἰσακούει (11 α)  
 — 5. οὐκ ἐξόκησεν ἐν αὐτοῖς κύριος [A ὁ κ.]  
 Pr. 1. 7. A B ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου [B B θεοῦ] (11 α)  
 — 29. τὸν δὲ λόγον [B² φόβον] τοῦ [A B² om.] κ. οὐ προεἰλάτο (11 α)  
 2. 5. συνήσεις φόβον κυρίου (11 α)  
 — 6. κύριος διδῶσι σοφίαν (11 α)  
 3. 4. ἐνόπιον κυρίου καὶ ἀνθρώπων (8)  
 — 9. τίμα τὸν κ. ἀπὸ σῶν δικαίων πόνων (11 α)  
 — 11. μὴ ἀλιγνῶσαι παιδείαν κυρίου (11 α)  
 — 12. A B ἐν γὰρ ἀγαπᾷ κύριος παιδεύει [B ἑλέγχει] (11 α)  
 — 18. A B² E τοὺς ἐπεριδομένους ἐπ' αὐτὴν ὡς ἐπὶ κύριον ἀσφαλῆς [B B² om.] (11 α)  
 — 26. ὁ γὰρ κ. ἔσται ἐπὶ πασῶν ὁδῶν σου (11 α)  
 — 32. ἀκάθαρτος γὰρ ἔσται κυρίου πᾶς παράνομος (11 α)  
 — 34. κύριος υπερηφάνους ἀντιτάσσεται (11 α)  
 6. 16. A B οὐ μοι ὁ κ. [B θεός] (11 α)  
 7. 2. τίμα τὸν κ. καὶ ἰσχυεῖς (11 α)  
 8. 13. φόβος κυρίου μισεῖ ἀδικίαν (11 α)  
 — 22. κύριος ἐκτίσσει με ἀρχὴν ὁδῶν αὐτοῦ (11 α)  
 — 26. κύριος ἐποίησε χώρας καὶ αὐχίτους (11 α)  
 — 35. ἐτοιμάζεται θέλησις παρὰ κυρίου (11 α)  
 9. 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (11 α)  
 10. 3. οὐ λυκογονήσει κύριος ψυχὴν δικαίαν (11 α)  
 — 6. εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλῇ [A B² -ης] δικαίου (11 α)  
 — 22. A B εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλῇ [B -ῆν] δικαίου (11 α)  
 — 27. φόβος κυρίου προστίθεται ἡμέρας (11 α)  
 — 29. ὅρυμα δόσιον φόβος κυρίου (11 α)  
 11. 1. ζυγοὶ δόλιοι βδελύγματος ἐνόπιον κυρίου (11 α)  
 — 20. βδελύγματος κυρίου διςτραμμένα ὁδοί (11 α)  
 12. 2. κρίσις σου ὁ εὐρὺς χαλὴν παρὰ κυρίῳ (11 α)  
 — 22. βδελύγματος κυρίου χαλὴν ψευδῆ (11 α)  
 14. 2. ὁ πορευόμενος ὁρθῶς φοβεῖται τὸν κ. (11 α)  
 — 26. ἐν φόβῳ κυρίου ἐλπὶς ἰσχύος (11 α)  
 — 27. πρόσταγμα κυρίου πηγὴ ζωῆς (11 α)  
 15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (11 α)  
 — 8. θυσία ἀσεβῶν [B ἀμαρτωλῶν] βδελύγματος κυρίου (11 α)  
 — 9. βδελύγματος κυρίου ὁδοὶ ἀσεβοῦς (11 α)  
 — 11. ἄθες καὶ ἀπάθεια φανερά παρὰ τῷ κ. (11 α)  
 — 16. κρίσις σου μικρὰ μερὶς μετὰ φόβον κυρίου (11 α)  
 — 25. οἴκους ὑβριστῶν κατασπᾷ κύριος (11 α)  
 — 26. βδελύγματος κυρίου λογισμὸς ἀδικος (11 α)  
 — 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ (11 α)  
 — 28 (16. 7). δεκταὶ παρὰ κυρίῳ ὁδοὶ ἀνθρώπων δικαίων (11 α)  
 16. 4 (15. 33). A B φόβος κυρίου [B B θεοῦ] παιδεία καὶ σοφία (11 α)  
 — 5. ὁ ζητῶν τὸν κ. ἐνρίσσει γῶσιν (11 α)  
 — 5 (4). πάντα τὰ ἔργα τοῦ [A om.] κ. μετὰ δικαιοσύνης (11 α)  
 — 11. ῥοπὴ ζυγοῦ δικαιοσύνης παρὰ κυρίῳ [A -ου] (11 α)  
 — 20. A πεποιθὸς δὲ ἐπὶ κυρίῳ [B B θεῷ] (11 α)  
 — 33. παρὰ δὲ κυρίου πάντα τὰ δίκαια (11 α)  
 17. 3. οὕτως ἐλέγχεται καρδίαν [B¹ καρδίαν ἐκ-λέγεται] παρὰ κυρίῳ [A θεῷ] (11 α)  
 — 11. ὁ δὲ κ. ἀγγελοῦ ἀνελεήμονα ἐκπέμψει αὐτῷ (11 α)

Pr. 18. 10. ἐκ μεγαλωσύνης ἰσχύος ὄνομα κυρίου [B¹ -φ] (11 α)  
 — 22. ἔλαβε δὲ παρὰ θεοῦ [A B² κυρίου] (11 α)  
 19. 14. A B παρὰ δὲ κυρίου [B B θεοῦ] ἀρμό-ζεται γυνὴ ἀνδρὶ (11 α)  
 — 21. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 α)  
 — 23. φόβος κυρίου εἰς ζῶν ἀνδρὶ (11 α)  
 20. 22. ὑπόμεινον τὸν κ. (11 α)  
 — 10. ἀκάθαρτα ἐνόπιον κυρίου καὶ ἀμφοτέρω (11 α)  
 — 12. κυρίου ἔργα καὶ ἀμφοτέρω (11 α)  
 — 23. βδελύγματος κυρίου διςτὸν στάθμιν (11 α)  
 — 24. παρὰ κυρίου εὐθύνεται τὰ διαβήματα ἀνδρὶ (11 α)  
 — 27. φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων (11 α)  
 21. 2. κατευθύνει δὲ καρδίαν κύριος (11 α)  
 — 27. θυσία ἀσεβῶν βδελύγματος κυρίου (11 α)  
 — 31. παρὰ δὲ κυρίου ἡ βοήθεια (11 α)  
 22. 2. ἀμφοτέρω δὲ ὁ κ. ἐποίησε (11 α)  
 — 4. γενεὰ σοφίας φόβος κυρίου (11 α)  
 — 11. ἀγαπᾷ κύριος ὅσας καρδίας (11 α)  
 — 12. οἱ δὲ ὀφθαλμοὶ κυρίου διατηροῦσιν αἰσθήσιν (11 α)  
 — 14. ὁ δὲ μισθῶνται ὑπὸ κυρίου ἐμπροσθέν ἐἰς αὐτὸν (11 α)  
 — 19. ἴνα σου γένηται ἐπὶ κύριον ἡ ἐλπίς (11 α)  
 — 23. ὁ γὰρ κ. [B¹ om.] κρίνει αὐτοῦ τὴν κρίσιν [A δίκην, B¹ ψυχὴν] (11 α)  
 23. 11. ὁ γὰρ λυτρωμένος αὐτοῦ κύριος κραταιὸς ἐστί (11 α)  
 — 17. ἐν φόβῳ κυρίου ἰσθὶ δὴν τὴν ἡμέραν (11 α)  
 24. 7. σοφοὶ οὐκ ἐκκλίνουν ἐκ στόματος κυρίου (11 α)  
 — 12. κύριος [A ὁ κ.] καρδίας πάντων γινώσκει (11 α)  
 — 18. ὁφείλει κύριος καὶ οὐκ ἀρέσει αὐτῷ (11 α)  
 25. 2. ὁ δὲ κ. ἀνταποδοῖσιν σοὶ ἀγαθὰ (11 α)  
 27. 18. δε δὲ φυλάσσει τὸν ἐάντιον κ. τιμηθή-σεται (1)  
 — 20. βδελύγματος κυρίου στηρίζων ὀφθαλμόν (11 α)  
 28. 5. οἱ δὲ ζητοῦντες τὸν κ. (11 α)  
 — 25. δε δὲ πέποιθεν ἐπὶ κύριον ἐν ἐπιμελείᾳ ἔσται (11 α)  
 29. 13. ἐπισκοπὴν ἀμφοτέρω ποιεῖται ὁ κ. (11 α)  
 — 23. τοὺς δὲ ταπεινόφροντας εἰρεῖδι δόξῃ κύριος (11 α)  
 — 25. ὁ δὲ πεποιθὸς ἐπὶ κυρίῳ [B -ον] εὐφραν-θῆσεται (11 α)  
 — 26. παρὰ δὲ κυρίου γίνεται τὸ δίκαιον ἀνδρὶ (11 α)  
 31. 30. φόβον δὲ κυρίου αὐτὴ αἰνεῖται (11 α)  
 Ec. 7. 30 (29). A ἐποίησεν ὁ κ. [B B θεός] σὺν τῶν ἀνθρώπων εὐθὴ (8)  
 Wi. 1. 1. φρονήσατε περὶ τοῦ κ. ἐν ἀγαθότητι (11 α)  
 — 7. πνεῦμα κυρίου πεπληρωκε τὴν αἰκουμένην (11 α)  
 — 9. λόγων δὲ αὐτοῦ ἀκοή πρὸς κύριον ἔχει (11 α)  
 2. 13. παῖδα κυρίου ἐαυτὸν ὀνομάζει (11 α)  
 8. 8. βασιλεύσει αὐτῶν κύριος εἰς τοὺς αἰῶνας (11 α)  
 — 10. οἱ . . . τοῦ κ. ἀποστάτες (11 α)  
 — 14. μὴ δὲ ἐνθυμῶνται κατὰ τοῦ κ. πονηρά (11 α)  
 — 14. κληρὸς ἐν ναῷ κυρίου θυμωρέστερος (11 α)  
 4. 13. ἀρεστὴ γὰρ ἦν [B¹ om.] κυρίῳ [B¹ ἐν κ.] ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (11 α)  
 — 17. εἰς τί ἠσφαλιστο αὐτὸν ὁ κ. (11 α)  
 — 18. αὐτοὺς δὲ ὁ κ. ἐκτελείσεται (11 α)  
 6. 7. τὴν δὲ ὁδὸν κυρίου οὐκ ἔγνωμεν [B ἐπέγνω.] (11 α)  
 — 15. ἐν κυρίῳ ὁ μισθὸς αὐτῶν (11 α)  
 — 16. B λήγονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κάλλους ἐκ χειρὸς κυρίου ὅτι δεξιὰ κυρίου σκεπάσει αὐτοὺς [A B al.] (11 α)  
 6. 3. ἐδόθη παρὰ τοῦ [A om.] κ. ἡ κράτησις ὑμῖν (11 α)  
 8. 20. ἐνέτυχον τῷ κ. (11 α)  
 9. 1. κυριε τοῦ ἐλεύους σου (11 α)  
 — 13. τίς ἐνθυμῶνται εἰ θέλει ὁ κ. (11 α)  
 — 18. A κύριε [B B καὶ] τὰ ἀρεστὰ σου (11 α)  
 10. 16. ἐσθλὴν εἰς ψυχὴν δερπάτουμεν κυρίου (11 α)  
 — 20. ὕμνησαν, κύριε, τὸ ὄνομα τὸ ἁγίον σου (11 α)  
 11. 13. ἤσθοντο τοῦ κ. [B² σου, κύριε] (11 α)  
 12. 2. ἵνα . . . πιστεύσωσιν [A -σώμεν, B¹ om.] ἐπὶ σέ, κύριε (11 α)  
 16. 12. ὁ σὺς, κύριε, λόγος (11 α)  
 — 26. οἱ υἱοὶ σου οὐς ἠγάπησας, κύριε (11 α)  
 19. 9. αἰνοῦντές σε, κύριε, τὸν ῥυμόμενον αὐτοῦ (11 α)  
 — 22. κατὰ πάντα γὰρ, κύριε, ἐμεγάλυνες τὸν λαόν σου (11 α)  
 Si. 1. 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 8. καθήμενος ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐ. κύριος (11 α)  
 — 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα (11 α)  
 — 12. φόβος κυρίου τέρψις καρδίας (11 α)  
 — 13. τῷ φοβουμένῳ τὸν κ. εὐ ἔσται ἐπ' ἐσχάτων (11 α)

Si. 1. 14. A B ἀρχὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ. [B θεόν] (11 α)  
 — 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ. (11 α)  
 — 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου (11 α)  
 — 20. ρίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ. (11 α)  
 — 25. κύριος [B ὁ κ.] χορηγέσει σοὶ αὐτὴν (11 α)  
 — 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου (11 α)  
 — 27. μὴ ἀπειθήσῃς [B¹ ἀπιστήσῃς] φόβῳ κυρίου (11 α)  
 — 30. ἀποκαλύψει κυριε τὰ κρυπτά σου (11 α)  
 — 30. οὐ προσήλθες φόβῳ κυρίου (11 α)  
 2. 1. εἰ προσέρχῃ δουλείαν κυρίῳ θεῷ [A B om.] (11 α)  
 — 7. οἱ φοβούμενοι τὸν κ. ἀναμεινᾶτε τὸ ἔλεος αὐτοῦ (11 α)  
 — 8. οἱ φοβούμενοι κύριον [B τὸν κ.] πιστεύσατε αὐτῷ (11 α)  
 — 9. οἱ φοβούμενοι κύριον [B τὸν κ.] ἐλπίζατε εἰς ἀγαθὰ (11 α)  
 — 10. τίς ἐνεπίστεισε κυρίῳ [B¹ τῷ κ.] καὶ κατη-σχύνθη (11 α)  
 — 11. οἰκτῆρμον καὶ ἐλεῆμων ὁ κ. (11 α)  
 — 14. τί ποιήσετε ὅταν ἐπισκῆπτήται ὁ [B¹ om.] κ. (11 α)  
 — 15. οἱ φοβούμενοι κύριον [B² τὸν κ.] οὐκ ἀπειθή-σουσι ῥημάτων αὐ. [A al.] (11 α)  
 — 16. οἱ φοβούμενοι κύριον [B² τὸν κ.] ζητήσουσιν εὐδοκίαν αὐτοῦ (11 α)  
 — 17. οἱ φοβούμενοι κύριον [B² τὸν κ.] ἐτοιμά-σουσι καρδίαν αὐτῶν (11 α)  
 — 18. ἐμπροσθεν εἰς χεῖρας κυρίου (11 α)  
 3. 2. ὁ γὰρ κ. ἐδόξασε πατέρα ἐπὶ τέκνους (11 α)  
 — 6. ὁ εἰσακούων κυρίου ἀναπέσκει μπητέρα αὐτοῦ (11 α)  
 — 16. κεκατηραμένος ὑπὸ [A παρὰ] κυρίου ὁ παρορ-γῶν μητέρα αὐτοῦ (11 α)  
 — 18. ἔσται κυρίου εὐρύσεις χάριν (11 α)  
 — 20. μεγάλη ἡ δυναστεία τοῦ [A B om.] κ. (11 α)  
 4. 13. οὐ εἰσπορεύεται εὐλογία [A B -γὰρ] κύριος (11 α)  
 — 14. τοὺς ἀγαπῶντας αὐτὴν ἀγαπᾷ ὁ [B om.] κ. (11 α)  
 — 28. κύριος ὁ θεὸς πολέμους ὑπὲρ σοῦ (11 α)  
 5. 3. ὁ γὰρ κ. ἐκδικῶν ἐκδικεῖ σε [A B om.] (11 α)  
 — 4. ὁ γὰρ κ. ἔσται μικρόθυμος (11 α)  
 — 7. μὴ ἀνάνειμε ἐπιστρέψαι πρὸς [B ἐπὶ] κύριον (11 α)  
 — 7. ἐξέπνι γὰρ ἐξελείψεται ὁργὴ κυρίου [B al.] (11 α)  
 6. 16. οἱ φοβούμενοι κύριον [B τὸν κ.] εὐρύσουσιν αὐτὴν (11 α)  
 — 17. ὁ φοβούμενος κύριον εὐθύνει φίλιαν αὐτοῦ (11 α)  
 — 37. διαποῦ ἐν τοῖς προστάγμασι κυρίου (11 α)  
 7. 4. μὴ ζῆτε παρὰ κυρίου ἡγεμονίαν (11 α)  
 — 5. μὴ δικαιοῦ ἔναντι κυρίου (11 α)  
 — 9. ἐν τῷ προσεγγίσει με θεῷ [B¹ κυρίῳ] (11 α)  
 — 29. ἐν δὴ ψυχῇ σου εὐλαβῶ τὸν κ. (11 α)  
 — 31. φοβοῦ τὸν κ. καὶ δόξασον ἱερέα (11 α)  
 9. 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἔστω τὸ καύχημά σου (11 α)  
 10. 4. ἐν χειρὶ κυρίου ἐξουσία τῆς γῆς (11 α)  
 — 5. ἐν χειρὶ κυρίου εὐδοκία ἀνδρός (11 α)  
 — 7. μισθὴ ἔναντι κυρίου καὶ ἀνθρώπων ὑπερηφάνια (11 α)  
 — 12. ἀνθρώπου ἀφισταμένον ἀπὸ κυρίου (11 α)  
 — 13. παρεδόξατο κύριος τὰς ἐπαγωγὰς (11 α)  
 — 14. θρόνους ἀρχόντων κυδεῖλεν ὁ κ. (11 α)  
 — 15. ρίζας ἐθνῶν ἐξέτελεν ὁ [B om.] κ. (11 α)  
 — 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κ. (11 α)  
 — 19. σπέρμα ἔπιμον ποῖον; οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (11 α)  
 — 20. οἱ φοβούμενοι κύριον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ (11 α)  
 — 22. τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου (11 α)  
 — 24. οὐκ ἔστιν αὐτῶν τις μείζων τοῦ φοβουμένου [A τῶν φοβουμένων] τὸν κ. (11 α)  
 11. 4. θαυμαστά τὰ ἔργα κυρίου (11 α)  
 — 12. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ βλεψάν αὐτῷ (11 α)  
 — 14. πτωχεῖα καὶ πλοῦτος παρὰ κυρίου ἐστί (11 α)  
 — 17. ὅστις κυρίου παραμένει εὐσεβέσι [B¹ -λαβε-σιν] (11 α)  
 — 21. πιστεύει τῷ [A B δὲ] κ. (11 α)  
 — 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτῖται [A -ῆσαι] πένιθα (11 α)  
 — 22. εὐλογία κυρίου ἐν μισθῷ [A ἐμμέσῳ] εὐσεβοῦς (11 α)  
 — 26. κοῦφον ἔσται [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς (11 α)  
 14. 11. προσφοράς κυρίῳ ἀξίως πρόσταγε (11 α)  
 15. 1. ὁ φοβούμενος κύριον ποιήσει αὐτὸ (11 α)  
 — 9. οὐ παρὰ κυρίου ἀπιστάλη (11 α)  
 — 10. ὁ κ. εὐδοκίει αὐτὸν (11 α)  
 — 11. μὴ εἴπῃς ὅτι δὴ κύριον ἀπέστην (11 α)  
 — 13. πᾶν βδελύγματος ἐμίσησε κύριος [A B ὁ κ.] (11 α)  
 — 18. πολλὴ σοφία τοῦ κ. (11 α)  
 16. 2. εἰ μὴ ἔστι φόβος κυρίου μετ' αὐτῶν (11 α)  
 — 3. B¹ κρίσις γὰρ εἰς δίκαιος ποῖων θέλημα κυρίου (11 α)  
 — 11. B² ἔλεος γὰρ καὶ ὁργὴ παρὰ κυρίου [A B¹ παρ' αὐτῷ, B παρ' αὐτοῦ] (11 α)  
 — 17. μὴ εἴπῃς ὅτι ἀπὸ [A παρὰ] κυρίου κρυβήσομαι (11 α)

Si. 18. 26. ἐν κρίσει κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ ἀπ' ἀρχῆς  
— 29. κύριος εἰς [A ἐπὶ] τὴν γῆν ἐπέβλεψε  
17. 1. κύριος ἐκτίσεν ἐκ γῆς ἀνθρώπων  
— 17. μερίς κυρίου Ἰσραὴλ ἔστιν  
— 20. πᾶσαι αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν ἐναντίον κυρίου  
— 25. ἐπιστρέψε ἐπὶ κύριον καὶ ἀπολείπε ἁμαρτίας  
— 28. [ὡν καὶ ὑγίης αἰνέσει τὸν κ.  
— 29. ὡς μεγάλη ἡ ἐλεημοσύνη τοῦ κ.  
18. 2. κύριος μόνος δικαιωθείται  
— 6. οὐκ ἔστιν ἐξηγίνασαι τὰ θαυμάσια τοῦ [B  
om.] κ.  
— 11. ἐμακροθύμησε κύριος [B δ κ.] ἐπ' αὐτοῖς  
— 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα  
— 23. μὴ γίνου ὡς ἄνθρωπος πειράζων τὸν κ.  
— 26. πάντα ἐστὶ ταχυνά ἐναντίον κυρίου  
19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου  
21. 6. ὁ φοβούμενος κύριον [A τὸν θεόν] ἐπιστρέψει  
ἐν καρδίᾳ  
— 11. συντέλεια τοῦ φόβου κυρίου σοφία  
23. 1. κύριε, πᾶτερ καὶ δεσπότη ζωῆς μου  
— 4. κύριε, πᾶτερ καὶ θεὸς ζωῆς μου  
— 10. A B δ ὁ μόνων καὶ ὁ ὀνομάζων διὰ παντός τὸ  
ὄνομα κυρίου [B B' om.] τὸ δ κ.  
— 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου κυριοπλάσιως ἡλίου φω-  
τεινότεροι  
— 27. οὐδὲν κρείττον φόβου κυρίου καὶ οὐδὲν γλυ-  
κύτερον τοῦ προσχεῖν ἐντολαῖς κυρίου  
24. 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομία αὐτοῦ  
25. 1. ἀνέστην ὥραία ἐναντίον κυρίου  
— 6. τὸ καυχήμα αὐτῶν φόβος κυρίου  
— 10. οὐκ ἔστιν ὑπὲρ τὸν φοβούμενον τὸν κ.  
— 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν  
26. 3. ἐν μερίδι φοβουμένων κύριον [A τὸν κ.] δοθί-  
σται  
— 14. δόσεις κυρίου γυνὴ σιγηρά  
— 16. ἡλῖος ἀνατέλλων ἐν ὑψίστοις κυρίου  
— 28. ὁ κ. ἐτοιμάσει εἰς βομφαίαν αὐτῶν  
27. 3. γὰρ μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδὴν  
— 4. οὐκ μισῶσι [A ἐμίσει, B' μισεῖ] αὐτὸν  
28. 1. ὁ ἐκδικῶν παρὰ κυρίῳ εὐρήσει ἐκδίκησιν  
— 3. παρὰ κυρίῳ ζητεῖ ἰσὺν  
— 23. ὁ καταλείπωντες κύριον ἐμπεσούνται εἰς  
αὐτὴν  
30. 19. οὕτως ὁ ἐκδικώμενος ὑπὸ κυρίου  
— 25 (88. 16). ἐν εὐλογίᾳ κυρίου ἔθασα  
31 (84). 13. πνεῦμα φοβουμένων κύριον ζῆσται  
— 14. ὁ φοβούμενος κύριον οὐ μὴ [A κ. πολλὰ, B  
κ. οὐδὲν] εὐλαβηθήσεται  
— 15. φοβουμένου τὸν κ. μακαρία ἡ ψυχὴ  
— 16. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀγαπῶντας αὐτὸν  
32 (85). 3. εὐδοκία κυρίου ἀποστῆναι ἀπὸ πονηρίας  
— 4. μὴ ὀφθῇ ἐν προσώπῳ κυρίου κενός  
— 8. ἐν ἀγαθῷ ὀφθαλμῷ δόξασον τὸν κ. [S add. θεόν]  
— 11. κύριος ἀνταποδοῖσός ἐστι  
— 12. κύριος κριτὴς ἐστὶ  
— 17. A εὖς ἐπισκίεῖται κύριος [B δ ὕψιστος]  
— 18. ὁ κ. οὐ μὴ βραδύνῃ  
33 (86). 5. οὐκ ἐστὶ θεὸς πλὴν σου, κύριε  
35 (82). 14. ὁ φοβούμενος κύριον [S τὸν κ.] ἐκδέ-  
ξεται [B' ἐλέξ.] παιδείαν  
— 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὐρήσουσι κρίμα [B'  
χάριν]  
— 24. ὁ πεποιθὼς κυρίῳ οὐκ ἑλλοτῶθησεται  
36 (83). 1. τῷ φοβουμένῳ κύριον [B τὸν κ.] οὐκ  
ἀπατήσῃ κακόν  
— 8. ἐν γνώσει κυρίου διεχωρίσθησαν  
— 11. ἐν πληθεί ἐπιστήμῃς κύριος διεχώρισεν αὐτούς  
36. 17 (14). ἔλεησον λαόν, κύριε [B om.]  
— 22 (19). εἰσακούσον, κύριε, δεήσεως τῶν ἱκετῶν  
[A B οἱκ.] σου  
— 22 (19). κύριος εἰ ὁ θεὸς τῶν αἰώνων  
37. 21. οὐ γὰρ ἐδόθη αὐτῷ παρὰ κυρίῳ χάρις  
38. 1. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος [B δ κ.]  
— 4. κύριος ἐκτίσεν ἐκ γῆς φάρμακα  
— 9. εὖρας κυρίῳ καὶ αὐτὸς ἰάσεται σε  
— 12. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος  
— 14. καὶ γὰρ αὐτοὶ κυρίου θεηθῶσιν  
39. 5. ὀρθρίσαι πρὸς κύριον τὸν ποιήσαντα αὐτὸν  
— 6. εἰς κύριος [A B' δ κ.] ὁ μέγας δέληση  
— 7. ἐν προσευχῇ ἐξομολογῆσεται κυρίῳ [B' om.]  
— 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχῆσεται  
— 15. εὐλόγησάτε κύριον ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις  
— 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα  
— 16. ἐν καιρῷ [B' κυρίῳ] αὐτοῦ ἔσται  
— 33. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ἀγαθὰ  
— 35. εὐλόγησάτε τὸ ὄνομα κυρίου

Si. 40. 26. ὑπὲρ ἀμφοτέρω φόβος κυρίου [B' θεοῦ] οὐκ  
ἔστι φόβος [A B ἐν φ.] κυρίου [B' θεοῦ]  
ἐλάττωσι  
— 27. φόβος κυρίου ὡς παράδεισος εὐλογίας  
41. 3. τοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πάση σαρκί  
42. 15. μνησθήσομαι δὴ τὰ ἔργα κυρίου  
— 15. ἐν λόγοις κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ  
— 16. A B' τῆς δόξης κυρίου [B B' αὐτοῦ] πλήρης  
τὸ ἔργον αὐτοῦ  
— 17. οὐκ ἐνεποίησε τοῖς ἁγίοις κύριος [B -ίου] ἐκ-  
δηγήσασθαι πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ ἀ  
ἐστερέως κύριος ὁ παντοκράτωρ  
— 18. ἔργον γὰρ ὁ κ. [A B ὕψιστος] πᾶσαν εἰδῆσιν  
[B συνεῖδ.]  
43. 5. μέγας κύριος [A δ κ.] ὁ ποιεῖς αὐτὸν  
— 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κυρίου [A B' -ίου]  
— 29. φοβερός κύριος καὶ σφόδρα μέγας  
— 30. δοξάζοντες κύριον [B' τὸν κ.] ὑψώσατε  
— 33. πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κ.  
44. 2. πολλὴν δόξαν ἔκτισεν ὁ κ.  
— 16. Ἐνῶχ ἐληρίσθησε κυρίῳ  
45. 16. προσάγειν κίψων [B -ωμα] κυρίῳ  
— 19. εἶδε κύριος καὶ οὐκ εὐδόκησε  
— 21. καὶ γὰρ θυσίας κυρίου φάγονται  
— 23. ἐν τῷ [ηλῶσαι αὐτὸν ἐν φόβῳ κυρίου  
46. 3. τοὺς γὰρ πολεμίους [B' -μους] κύριος [A B'  
-ίου] αὐτοὺς ἐπύργαγεν [A απ.]  
— 5. B ἐπεκαλέσατο τὸν κ. [A B om.] ὕψιστον  
δυνάστην  
— 6. ἐπήκουσεν αὐτῶν [A B -οῦ] μέγας κύριος  
— 6. ἐναντίον κυρίου ὁ πόλεμος αὐτοῦ  
— 9. ἴδωκεν ὁ κ. τῷ Χαλβὶβ λαχύν  
— 10. καλὸν τὸ πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου  
— 11. ὅσοι οὐκ ἀπεστράφησαν ἀπὸ κυρίου  
— 13. A B ἡγαπημένους ὑπὸ κυρίου αὐτοῦ Σαμουὴλ  
[B om.] προφήτης κυρίου κατέστησε  
βασιλείαν [B -λέα]  
— 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγὴν καὶ ἐπ-  
εκαλόητο κύριος τὸν Ἰακώβ  
— 16. ἐπεκαλέσατο τὸν κ. δυνάστην  
— 17. ἐβρόντησεν ἀπ' οὐρανοῦ κύριος [B δ κ.]  
— 19. ἐπεμαρτύρατο ἐναντίον κυρίου καὶ χριστοῦ  
47. 5. ἐπεκαλέσατο γὰρ κύριον τὸν ὑψίστον  
— 6. ἦνεσεν αὐτὸν ἐν εὐλογίαις κυρίου  
— 11. κύριος [B' χριστὸς] ἀφείλε τὰς ἁμαρτίας αὐτοῦ  
— 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ τοῦ ἐπικεκλημένου  
θεοῦ Ἰσραὴλ  
— 22. ὁ δ κ. οὐ μὴ καταλίπῃ [A ἐγκαταλείπῃ] τὸ  
ἔλεος αὐτοῦ  
48. 3. ἐν λόγῳ κυρίου ἀνέσχεν οὐρανόν  
— 13. B πᾶς λόγος κυρίου [A B οὐκ] ὑπεῖρῃεν αὐτόν  
— 20. ἐπεκαλέσατο [B' ἔπαυε] τὸν κ. τὸν ἐλεήμονα  
— 22. ἐποίησε γὰρ Ἐξέκας τὸ ἀρεστον κυρίῳ [B'  
om.]  
49. 3. κατέβηκε πρὸς κύριον τὴν καρδίαν [A ὁδὸν]  
αὐτοῦ  
— 12. ἀνύψωσαν λαὸν [A ναὸν] ἄγιον κυρίῳ  
50. 13. προσφορά κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν  
— 17. προσκυνῆσαι τῷ [A om.] κ. [B' θεῷ] αὐτῶν  
[A om.]  
— 19. ἐδεῖθ ὁ λαὸς κυρίου ὑψίστου  
— 19. εὖς συνετελεσθὶ κόσμος κυρίου  
— 20. δοῦναι εὐλογίαν κυρίῳ [B -ίου] ἐκ χειλέων  
αὐτοῦ  
— 21. B' δευτερώσαν ἐν [A ἐπὶ] προσκυνήσει κυρίου  
[A B B' om.]  
— 29. φῶς κυρίου τὸ ἔχνος αὐτοῦ  
51. 1. ἐξομολογήσομαι σοι, κύριε βασιλεῦ  
— 8. ἐμνήσθην τοῦ ἐλέους σου, κύριε  
— 10. ἐπεκαλέσαμην κύριον πατέρα κυρίου [B' τοῦ  
κ.] μου  
— 12. εὐλόγησά τῳ ὀνόματι κυρίου  
— 22. ἴδωκε κύριος γλώσσάν μοι [A B μου] μισθόν  
μου [B μοι]  
Ho. 1. 1. λόγος κυρίου ὅς ἐγενήθη πρὸς Ὁ. (11 a)  
— 2. ἀρχὴ λόγον κυρίου ἐν [A πρὸς] Ὁ. (11 a)  
— 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Ὁ. (11 a)  
— 2. ἐκπορεύσει ἡ γῇ ἀπὸ ὀπισθεν τοῦ κ. (11 a)  
— 4. καὶ εἶπε κ. πρὸς αὐτὸν (11 a)  
— 7. καὶ σώσω αὐτοὺς ἐν κ. θ. αὐτῶν (11 a)  
2. 13 (15). ἐμοῦ δὲ ἐπελάθετο λέγει κ. (11 a)  
— 16 (18). καὶ ἔσται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ  
λέγει κ. (11 a)  
— 20 (22). καὶ ἐπιγνώσῃ τὸν κ. (11 a)  
— 21 (23). καὶ ἔσται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμ., λέγει κ. (11 a)  
— 23 (25). καὶ αὐτὸς ἐρεῖ, Κ. ὁ θ. μου εἰ συ (18 b)

Ho. 8. 1. καὶ εἶπε κ. πρὸς μέ (11 a)  
— 5. ἐπιζητήσουσι κ. τὸν θ. αὐτῶν (11 a)  
— 5. καὶ ἐκατήσονται ἐπὶ τῷ κ. (11 a)  
4. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου, υἱοὶ Ἰ. (11 a)  
— 1. ὅτι κρίσις τῷ κ. (11 a)  
— 10. διότι τὸν κ. ἐγκατέλιπον (11 a)  
— 15. καὶ μὴ ὀμνύετε ζῶντα κ. (11 a)  
— 16. νῦν νενύμησε αὐτοὺς κύριος ὡς ἀμὸν (11 a)  
5. 4. τὸν δ κ. οὐκ ἐπέγνωσαν (11 a)  
— 6. πορεύσονται τοῦ ἐκζητήσαι τὸν κ. (11 a)  
— 7. ὅτι τὸν κ. ἐγκατέλιπον (11 a)  
6. 1. ἐπιστρέψωμεν πρὸς κ. τὸν θ. ἡμῶν (18 a)  
— 4 (3). διώξομεν τοῦ γνῶναι τὸν κ. (11 a)  
— 10 (9). A ἔκρυψαν ἱερεῖς ὁδὸν κυρίου [B om.] —  
7. 10. καὶ οὐκ ἐπιστρέψαν πρὸς κ. τὸν θ. αὐτῶν (11 a)  
8. 1. ὡς ἀετὸς ἐπ' ὄλεον κυρίου (11 a)  
— 13. κύριος οὐ προσδέξεται αὐτὰ (11 a)  
9. 3. οὐ κατήκταν ἐν τῇ γῇ τοῦ κ. (11 a)  
— 4. οὐκ ἐσπέισαν τῷ κ. οὐκ (11 a)  
— 4. οὐκ ἐσπεύσαντο εἰς τὸν οἶκον κ. (11 a)  
— 5. ἐν ἡμέρᾳ ἐορτῆς τοῦ κ. (11 a)  
— 8. A μαγίαν ἐν οἴκῳ κυρίου [B θεοῦ] κατέπρξαν (θ)  
— 14. δὸς αὐτοῖς, κύριε, τὶ δώσεις αὐτοῖς (11 a)  
10. 3. οὐκ ἐφοβήθημεν τὸν κ. (11 a)  
— 12. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 a)  
— 11. ὅπως κυρίου πορεύσομαι (11 a)  
— 11. ὁποκαταστήσω αὐτοὺς . . . λέγει κ. (11 a)  
12. 2 (3). καὶ κρίσις τῷ κ. πρὸς Ἰ. (11 a)  
— 5 (6). ὁ δ κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ ἔσται  
μνημόσυνον αὐτῶν (11 a)  
— 9 (10). ἐγὼ δ κ. ὁ θ. σου ἀνιγαγόν σε (11 a)  
— 13 (14). ἐν προφῆτῃ ἀνιγαγὼν κυρίου τὸν Ἰ. (11 a)  
— 14 (15). τὸν ὀνειδισμὸν αὐτοῦ ἀνταποδώσει  
αὐτῷ κύριος (2)  
13. 4. ἐγὼ δ κ. ὁ θ. σου ὁ στερῶν τὸν οὐρ. (11 a)  
— 15. ἐπάξει καύσωνα ἄνεμος κύριος (11 a)  
14. 2. ἐπιστράφηθι, Ἰ., πρὸς κ. τὸν θ. σου (11 a)  
— 3. καὶ ἐπιστράφητε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (18 a)  
— 10. διότι εὐθείαι αἱ ὁδοὶ τοῦ κ. (11 a)  
Am. 1. 2. κύριος ἐκ Σιών ἐφθέγγετο (11 a)  
— 3. καὶ εἶπε κ. (11 a)  
— 5. λέγει κύριος (11 a)  
— 6. τάδε λέγει κ. (11 a)  
— 8. ἀπολοῦνται αἱ κατάλοιποι . . . λέγει κύ-  
ριος (2+11 b)  
— 9, 11, 13. τάδε λέγει κ. (11 a)  
— 15. ἱερεῖς . . . καὶ . . . ἀρχοντες ἐπὶ τὸ αὐτό,  
λέγει κ. (11 a)  
2. 1. τάδε λέγει κ. (11 a)  
— 3. πάντας αὐτῆς ἀποκτενῶ μετ' αὐτοῦ, λέγει κ. (11 a)  
— 4. τάδε λέγει κ. (11 a)  
— 4. ἀπάσασθαι αὐτοὺς τὸν νόμον τοῦ [A  
om.] κ. (11 a)  
— 6. τάδε λέγει κ. (11 a)  
— 11. μὴ οὐκ ἐστὶ ταῦτα, υἱοὶ Ἰσ.; λέγει κ. (11 a)  
— 16. ὁ γυνὸς διώξεται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ,  
λέγει κ. (11 a)  
8. 1. τὸν λόγον τ. θ. ἐλάλησε κ. ἐφ' ὑμᾶς (11 a)  
— 6. ἦν κ. οὐκ εἰποίησε (11 a)  
— 7. οὐ μὴ ποιήσῃ κ. ὁ θεὸς πρᾶγμα (2)  
— 8. κ. ὁ θεὸς ἐλάλησε (2)  
— 10. ὁ ἔσται ἐναντίον αὐτῆς, λέγει κ. (11 a)  
— 11. τάδε λέγει κ. ὁ θ. (2)  
— 12. τάδε λέγει κ. (11 a)  
— 13. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (2+11 b)  
— 15. A Ἐπεστρέψονται ἑτεροὶ οἶκοι . . .  
λέγει κ. [B om.] (11 a)  
4. 1. αἱ λέγονται τοῖς κ. αὐτῶν (1)  
— 2. ὀμνύει κ. κατὰ τῶν ἁγίων αὐτοῦ (2+11 b)  
— 3. ἀπορριψήσεσθε εἰς τὸ ὄρος τὸ Ῥ., λέγει κ. (11 a)  
— 5. B ταῦτα ἠγάπησαν οἱ υἱοὶ Ἰσ., λέγει κ.  
[A B κ. ὁ θ.] (2+11 b [2])  
— 6. οὐκ ἐπεστρέψατε πρὸς μέ, λέγει κ. (11 a)  
— 8. οὐκ ἐπεστράφητε πρὸς μέ, λέγει κ. (11 a)  
— 9, 10, 11. οὐδ' ὡς ἐπεστρέψατε πρὸς μέ,  
λέγει κ. (11 a)  
— 13. κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 a)  
5. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου [A om.] τούτων —  
— 3. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 b)  
— 4. τάδε λέγει κ. πρὸς τὸν οἶκον Ἰ. (11 a)  
— 6. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 a)  
— 7. ὁ ποιῶν [A κ. ὁ θ. ὁ π.] εἰς ὕψος κρίμα —  
— 8. κ. [A κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ] ὄνομα αὐτῷ  
(11 a [18 a])  
— 14. ἔσται . . . μεθ' ὑμῶν κ. ὁ θ. ὁ παντο-  
κράτωρ (11 a)

Am. 5. 15. ὅπως ἐλεῆσθ κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. (11 α)  
 — 16. τάδε λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. (11 α)  
 — 17. διότι ἐλείψαμαι διὰ μέσου σου, εἶπε  
 κύριος (11 α)  
 — 18. οὐαὶ οἱ ἐπιθυμοῦντες τὴν ἡμέραν κυρίου (11 α)  
 — 18. ἵνα τί αὕτη ὑμῖν ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 α)  
 — 20. οὐχὶ σκότος ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 α)  
 — 25. Ἄ λέγει κύριος —  
 — 27. μετοικίω ὑμᾶς ἐπὶ εἰκεῖνα Δαμασκού, λέγει  
 κύριος (11 α)  
 6. 8. ὦμοσε κύριος καθ' ἑαυτοῦ (2+11 β)  
 — 11 (10). ἐνεκα τοῦ μὴ ὀνομάσαι τὸ ὄνομα  
 κυρίου (11 α)  
 — 12 (11). διότι ἰδοὺ κύριος ἐντέλλεται (11 α)  
 — 15 (14). Β λέγει κ. τῶν δυν. (11 α+θ)  
 7. 1. εἰδείξέ μοι κ. ὁ θ. [Α. om.] (2 [2+11 β])  
 — 2. κύριε κύριε, ἴλαος γένου (2, 11 β)  
 — 3. μετανοήσαν κύριε ἐπὶ τοῖς  
 — 3. καὶ τοῦτο οὐκ ἔσται λέγει κ. (11 α)  
 — 4. οὕτως εἰδείξέ μοι κύριος [Α. κ. ὁ θεός]  
 (2+11 β [2])  
 — 4. ἐκάλεσε τὴν δίκην ἐν πυρὶ κύριος (2+11 β)  
 — 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου [Α. om.] —  
 — 5. Α καὶ εἶπα, Κύριε κύριε [Β om.]  
 (2, 11 β [2+11 β])  
 — 6. μετανόησαν κύριε ἐπὶ τοῖς  
 — 6. καὶ τοῦτο οὐ μὴ γένηται, λέγει κ. (2+11 β)  
 — 7. οὕτως εἰδείξέ μοι κύριος (2+)  
 — 8. εἶπε κύριος πρὸς μέ. Τὸν ὁρᾷς (11 α)  
 — 8. εἶπε κ. πρὸς μέ. Ἰδοὺ ἐγὼ ἐντάσσω (2)  
 — 15. Α Β ἀνέλαβε με κ. ἐκ τῶν προβάτων [Β  
 προφητῶν] (11 α)  
 — 15. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
 — 16. καὶ νῦν ἀκούε λόγον κυρίου (11 α)  
 — 17. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κ. (11 α)  
 8. 1. οὕτως εἰδείξέ μοι κ. [Α. om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 2. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. ὁλοῦνται τὰ φαντώματα . . . λέγει κ. κ.  
 [Α. om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 7. ὁμνῶν κ. κατὰ τῆς ὑπερηφανίας ἱακ. (11 α)  
 — 9. ἔσται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ λέγει κ. κ. [Α.  
 ὁ θ.] (2, 11 β [2])  
 — 11. ἡμέραι ἐρχονται, λέγει κ. (2+11 β)  
 — 11. λιμὸν τοῦ ἀκούσαι λόγον κυρίου (11 α)  
 — 12. Α [ῥοι] τῶν τῶν λόγων τοῦ [Β. om.] κ. (11 α)  
 — 14. Α [ῥ. κ. [Β. om.] ὁ θ. σου Δάν (18 β)  
 9. 1. εἶδον τὸν κ. ἐφείστω ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου (2)  
 — 6. κ. παντοκράτωρ [Α. κ. ὁ θ. ὁ π.] ὄνομα  
 αὐτοῦ (11 α [18 α])  
 — 7. λέγει κ. (11 α)  
 — 8. οἱ ὀφθαλμοὶ κ. τοῦ θ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν (2)  
 — 8. ἐξάρω τὸν ὄκνον ἱ., λέγει κ. (11 α)  
 — 12. Α ὅπως ἐκρήτουν αὐτοὶ ἀκατόλοιποι . . .  
 τὸν κ. [Β. om. τ. κ.] —  
 — 12. λέγει κ. ὁ θ. ὁ π. ὅποιον ταῦτα (11 α [18 α])  
 — 13. ἡμέραι ἐρχονται, λέγει κ. (11 α)  
 — 15. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (11 α)  
 Μί. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Μιχαῖαν (11 α)  
 — 2. ἔσται κ. κ. [Α. om.] ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον  
 (2, 11 β [2+11 β])  
 — 2. κύριος ἐξ οἴκου ἁγίου αὐτοῦ (2)  
 — 3. ἰδοὺ κ. ἐκπορεύεται ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (11 α)  
 — 12. κατέβη κακὰ παρά κυρίου (11 α)  
 2. 3. τάδε λέγει κ. (11 α)  
 — 5. ἐν ἐκκλησίᾳ κυρίου μὴ κλαίετε δάκρυσι  
 — 7. οἶκος ἱ. παρῳργισεν πνεῦμα κυρίου (11 α)  
 — 13. ὁ δὲ κ. ἠγγίσταται αὐτῶν (11 α)  
 3. 4. οὕτως κεκράζονται πρὸς κύριον (11 α)  
 — 5. τάδε λέγει κ. ἐπὶ τοὺς προφήτας (11 α)  
 — 8. ἂν μὴ ἐγὼ ἐπιλήσω ἰσχυρὸν ἐν πνεύματι  
 κυρίου (11 α)  
 — 11. καὶ ἐπὶ τὸν κ. ἐπανεπαύοντο (11 α)  
 — 11. οὐχὶ κύριος ἐν ἡμῖν ἔστιν (11 α)  
 4. 1. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος τοῦ κ. (11 α)  
 — 2. δεῦτε ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου [Α.  
 τοῦ κ.] (11 α)  
 — 2. ἐξελεύσεται . . . λόγος κυρίου ἐξ Ἱερ. (11 α)  
 — 4. τὸ στόμα κυρίου παντοκράτορος ἐλάλησε (11 α)  
 — 5. πορευσόμεθα ἐν ὀνόματι κυρίου [Α. om.]  
 θεοῦ (11 α)  
 — 6. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ λέγει κ. συνάξω (11 α)  
 — 7. καὶ βασιλεύσει κύριος ἐπ' αὐτοὺς (11 α)  
 — 10. ἐκείθεν δύναται σε . . . κ. ὁ θ. σου (18 α)  
 — 12. Α Β αὐτοὶ δὲ οὐκ ἔγνωσαν τὸν λογισμὸν  
 κυρίου [Β. -ον] (11 α)

Μί. 4. 13. ἀναθήσεις τῷ κ. τὸ πλῆθος αὐτῶν (11 α)  
 — 13. ἀναθήσεις . . . τὴν ἰσχυρὴν τῷ κ. πάσης  
 τῆς γῆς (1)  
 5. 4 (3). ποιμαίνει τὸ ποίμνιον . . . ἐν ἰσχυρῇ  
 κύριος (11 α)  
 — 4 (3). ἐν τῇ δόξῃ ὀνόματος κυρίου θ. [Α. τοῦ  
 ὄν. κ. τοῦ θ.] (11 α)  
 — 7 (6). ὡς δρόσος παρὰ κυρίου πίπτουσα (11 α)  
 — 10 (9). ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. λέγει κ. (11 α)  
 6. 1. ἀκούσατε δὴ λόγον κ. κ. εἶπεν [Α. κυρίου  
 ὁ κ. εἶπεν] (—, 11 α)  
 — 2. ἀκούσατε ὁρῇ [Α. βουνοί, Β. λαοί] τὴν  
 κρίσιν τοῦ κ. (11 α)  
 — 2. κρίσεις τῷ κ. πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 α)  
 — 5. ὅπως γνωσθῇ ἡ δικαιοσύνη τοῦ κ. (11 α)  
 — 6. ἐν τίνι καταλάβω τὸν κύριον (11 α)  
 — 7. εἰ προσδέξεται κύριος [Α. ὁ κ.] ἐν χιλιᾷσι  
 κριῶν (11 α)  
 — 8. ἡ τί κύριος ἐκζητεῖ παρὰ σοῦ (11 α)  
 — 8. ἐτοιμὸν . . . τοῦ πορεύεσθαι μετὰ κυρίου  
 θεοῦ (18 β)  
 — 9. φωνὴ κυρίου τῇ πόλει ἐπικληθήσεται (11 α)  
 7. 7. ἐγὼ δὲ ἐπὶ τὸν κ. ἐπιβλέψομαι (11 α)  
 — 8. κύριος [Α. ὁ κ.] φωτίζει μοι (11 α)  
 — 9. ὁργὴν κυρίου ὑποίσω (11 α)  
 — 10. ποῦ κ. ὁ θ. σου (11 α)  
 — 17. ἐπὶ τῷ κ. θ. ἡμῶν ἐκότησονται (11 α)  
 11. 1. 1. λόγος κυρίου δε ἐγενήθη πρὸς Ἰωὴλ (11 α)  
 — 9. ἐξήρται θυσία καὶ σπονδὴ ἐξ οἴκου κυρίου (11 α)  
 — 9. Β οἱ λειτουργοῦντες θυσιαστηρίῳ κυρίου  
 [Α. Β. Β. om.] (11 α)  
 — 14. Α Β κατακοιτᾶται γῆν εἰς οἶκον κυρίου  
 [Β. Β. om.] θεοῦ [Β. om.] (11 α [18 β])  
 — 14. κεκράξατε πρὸς κύριον ἐκτενῶς (11 α)  
 — 15. ἐγγὺς ἡ ἡμέρα κυρίου (11 α)  
 — 19. πρὸς σέ, κύριε, βοήσομαι (11 α)  
 2. 1. διότι παρέστη ἡμέρα κυρίου [Α. τοῦ κ.] (11 α)  
 — 1. Α. ὅτι ἐγγὺς ἡ ἡμέρα τοῦ κ. [Β. om. ἡ ἡ.  
 τ. κ.] —  
 — 11. καὶ κύριος δώσει φωνὴν αὐτοῦ (11 α)  
 — 11. μεγάλη ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 α)  
 — 12. καὶ νῦν λέγει κ. ὁ θ. ὑμῶν (18 α)  
 — 13. ἐπιστράφητε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (11 α)  
 — 14. σπονδὴν κ. τῷ θ. ἡμῶν (11 α)  
 — 17. οἱ ἱερεῖς οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ  
 — 17. φέισαι, κύριε, τοῦ λαοῦ σου (11 α)  
 — 17. Α. αὐτὸ ἔστιν κύριος [Β. Β. om.] ὁ θεός  
 αὐτῶν (18 β)  
 — 18. καὶ ἐξήρασε κύριος τὴν γῆν αὐτοῦ (11 α)  
 — 19. ἀπεκρίθη κύριος (11 α)  
 — 21. ἐμγάλυνε κύριος τὸ ποίησέν (11 α)  
 — 23. εὐφρανέσθε ἐπὶ τῷ κυρίῳ θεῷ ὑμῶν (11 α)  
 — 26. αἰνεῖσθε τὸ ὄνομα κ. τοῦ θ. [Α. om.] ὑμῶν (11 α)  
 — 27. ἐπιγνώσεσθε ὅτι . . . ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν (11 α)  
 — 31 (3. 4). πρὶν ελθεῖν τὴν ἡμέραν κυρίου (11 α)  
 — 32 (3. 5). ὅς ἂν ἐπικαλέσται τὸ ὄνομα  
 κυρίου (11 α)  
 — 32 (3. 5). καθότι εἶπε κύριος (11 α)  
 — 32 (3. 5). οὗς κύριος προσκέκληται (11 α)  
 3 (4). 8. ὅτι κύριος ἐλάλησε (11 α)  
 — 14. ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἐν τῇ κοιλίᾳ (11 α)  
 — 16. ΑΒΒ<sup>2</sup> ὁ δὲ κύριος ἐκ Σιών ἀνυκεκράζεται (11 α)  
 — 16. ὁ δὲ κύριος φέισεται τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 α)  
 — 17. ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν ὁ κατασκευρῶν ἐν Σ. (11 α)  
 — 18. πηγὴ ἐξ οἴκου κυρίου ἐξελεύσεται (11 α)  
 — 21. καὶ κύριος κατασκευρᾷ ἐν Σ. (11 α)  
 Ob. 1. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θ. τῇ Ἰουδαίᾳ (2)  
 — 1. ἀκοὴν ἤκουσα παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 4. ἐκείθεν κατέβη σε, λέγει κύριος (11 α)  
 — 8. ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ, λέγει κ. (11 α)  
 — 15. διότι ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου (11 α)  
 — 18. διότι κ. ἐλάλησε (11 α)  
 — 21. καὶ ἔσται τῷ κυρίῳ ἡ βασιλεία (11 α)  
 11. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰανῶν (11 α)  
 — 3. τοῦ φηγεῖν . . . ἐκ [Α. Β. ἀπὸ] προσώπου  
 κυρίου (11 α)  
 — 3. τοῦ πλεῖσαι . . . ἐκ προσώπου κυρίου (11 α)  
 — 4. καὶ κύριος ἐξήγγειρε πνεῦμα (11 α)  
 — 9. δοῦλος κυρίου εἰμὶ ἐγὼ —  
 — 9. τὸν κ. θ. τοῦ οὐρανοῦ γινώ σέβομαι (11 α)  
 — 10. ἐκ προσώπου κυρίου ἦν φεύγον (11 α)  
 — 14. ἀνεβίβησαν πρὸς κύριον [Β. τὸν κ.] (11 α)  
 — 14. καὶ εἶπαν, Μηδαμῶς, κύριε (11 α)  
 — 14. σὺ, κύριε [Β. om. σὺ κ.], ὃν τρόπον ἐβού-  
 λου πεποιθήκα (11 α)  
 — 16. ἐφοβήθησαν . . . φόβῳ μεγάλῳ τὸν κ. (11 α)

11. 1. 16. καὶ ἔθυσαν θυσίαν τῷ κ. (11 α)  
 2. 1. καὶ προσέταξε κύριος κίττι μεγάλῳ (11 α)  
 — 2. προσήψατο ἱ. πρὸς κ. τὸν θ. αὐτοῦ (11 α)  
 — 3. Α Β Β<sup>2</sup> ἐβόησα . . . πρὸς κ. τὸν θ. (11 α)  
 — 7. ἀναβήτην φθορὰ [ῥῆς μου, κύριε ὁ θ. μου  
 [Α. Β. al.] (11 α)  
 — 8. τοῦ κυρίου ἐμνήσθην (11 α)  
 — 10. ἀποδώσω σοι σωτηρίῳ τῷ κ. [Α. al.] (11 α)  
 — 11. Β<sup>2</sup> Β. προσετάρχη ἀπὸ κυρίου [Α. Β. Β.  
 om. ὁ κ.] τῷ κίττι (11 α)  
 3. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς ἱ. ἐκ δευτέρου (11 α)  
 — 3. καθὰ [Α. καθὼς] ἐλάλησε κύριος (11 α)  
 4. 2. προσεῖξατο πρὸς κύριον (11 α)  
 — 2. Β<sup>2</sup> Β. κύριε [Α. Β. Β. ὁ κ.], οὐχ οὗτοι οἱ  
 λόγοι μου (11 α)  
 — 3. νῦν, δέσποτα κύριε, λάβε τὴν ψυχὴν μου (11 α)  
 — 4. καὶ εἶπε κύριος πρὸς ἱ. (11 α)  
 — 6. προσέταξε κ. ὁ θ. κολοκύνθη (11 α)  
 — 7. Α. προσέταξε κύριος [Β. Β. om.] ὁ θεός  
 σκώληκι [Β. al.] (18 β)  
 — 8. Α. προσέταξε κύριος [Β. Β. om.] ὁ θεός (18 β)  
 — 9. εἶπεν [Α. Β. add. κύριος] ὁ θεός (18 β)  
 — 10. εἶπε κύριος, Σὺ ἐφείσω ὑπὲρ τῆς κολο-  
 κύνθης (11 α)  
 Na. 1. 2. θεός (ζηλωτὴς καὶ ἐκδικῶν κύριος (11 α)  
 — 2. Β<sup>2</sup> Β. ἐκδικῶν κύριος [Α. Β. Β. om. ἐκ. κ.]  
 μετὰ θυμοῦ (11 α)  
 — 2. ἐκδικῶν κύριος τοὺς ὑπεναστῆτας αὐτοῦ (11 α)  
 — 3. κύριος μακροβρότης καὶ μεγάλῃ ἡ ἰσχύς (11 α)  
 — 3. καὶ ἀθρόον οὐκ ἀθρόως ἐκδικῶν (11 α)  
 — 7. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομεινόνουσιν αὐτὸν (11 α)  
 — 9. τί λογιέσθε ἐπὶ τὸν κύριον (11 α)  
 — 11. ἐξελεύσεται λογισμὸς κατὰ τοῦ κ. (11 α)  
 — 12. τάδε λέγει κύριος κατὰρχων ὑδάτων  
 πολλῶν (11 α)  
 — 14. Β Β καὶ ἐντελεῖται περὶ [Α. Β. ὑπὲρ]  
 σοῦ κύριος (11 α)  
 2. 2 (3). ἀπέστρεψε κύριος τὴν ὕβριν ἱακῶβ (11 α)  
 — 13 (14). ἐγὼ ἐπὶ σέ, λέγει κύριος παντο-  
 κράτωρ [Α. ὁ π.] (11 α)  
 3. 5. ἐγὼ ἐπὶ σέ, λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (18 α)  
 Hb. 1. 2. ἔως τίνος, κύριε, κεκράζομαι (11 α)  
 — 12. οὐχὶ σὺ ἀπ' ἀρχῆς, κύριε ὁ θεός ὁ ἁγίος  
 μου (11 α)  
 — 12. κύριε, εἰς κρίμα τέτακται αὐτὸ [Α. -όν] (11 α)  
 2. 2. καὶ ἀπεκρίθη πρὸς μέ κύριος (11 α)  
 — 13. οὐ ταῦτα ἐστὶ παρὰ κ. παντοκράτορος (11 α)  
 — 14. τοῦ γνῶναι τὴν δόξαν κυρίου (11 α)  
 — 16. ἐκύκλωσεν ἐπὶ σέ ποτίριον δεξιᾶς κυρίου (11 α)  
 — 20. ὁ δὲ κύριος ἐν ναφ' ἁγίου αὐτοῦ (11 α)  
 3. 2. κύριε, εἰσακήκοα τὴν ἀκοὴν σου (11 α)  
 — 2. Β κύριε [Α. Β. om.], κατένοησα τὰ ἔργα σου  
 — 8. μὴ ἐν ποταμοῖς ὀργίσθης, κύριε (11 α)  
 — 9. ἐνέτεινας τόξον . . . λέγει κύριος —  
 — 18. ἐγὼ δὲ ἐν [Α. ἐπὶ] τῷ κ. ἀγαλλιάσσομαι (11 α)  
 — 19. κ. ὁ θ. δύναμις μου (11 β)  
 Ζε. 1. 1. λόγος κυρίου δε ἐγενήθη πρὸς Σοφ. (11 α)  
 — 2. ἐκλιπῶ . . . λέγει κύριος, ἐκλιπῶ  
 ἀνθρωπος (11 α)  
 — 3. ἐξάρω τοὺς ἀνόμους . . . λέγει κύριος (11 α)  
 — 5. Β Β τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ [Β. τὰ τοῦ] κ. (11 α)  
 — 5. καὶ τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ [Β. add.  
 κυρίου] βασιλέως —  
 — 6. καὶ τοὺς ἐκκλίνοντας ἀπὸ τοῦ κ. (11 α)  
 — 6. καὶ τοὺς μὴ ζητοῦντας [Α. ζητήσαντας]  
 τὸν κ. (11 α)  
 — 6. καὶ τοὺς μὴ ἀντεχομένους τοῦ κ. †  
 τοῦ θ. (2)  
 — 7. διότι ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κ. (11 α)  
 — 7. ὅτι ἡτοίμασε κύριος τὴν θυσίαν αὐτοῦ (11 α)  
 — 8. καὶ ἔσται ἐν ἡμέρᾳ θυσίας κυρίου (11 α)  
 — 9. τοὺς πληρούοντας τὸν οἶκον κυρίου θεοῦ  
 [Β. om., Α. τοῦ θ.] αὐτῶν (18 d [1])  
 — 10. ἔσται ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. λέγει κύριος (11 α)  
 — 12. οὐ μὴ ἀγαθοποιήσῃς κύριος (11 α)  
 — 14. ὅτι ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἡ μεγάλη (11 α)  
 — 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου πικρὰ . . . τέτακται (11 α)  
 — 17. ὅτι τῷ κ. ἐξήμαρτον (11 α)  
 — 18. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 α)  
 2. 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν ἐφ' ὑμᾶς ὁργὴν κυρίου  
 [Β. om. πρὸ . . . κ.] (11 α)  
 — 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν . . . ἡμέραν θυμοῦ κυρίου (11 α)  
 — 3. ζητήσατε τὸν κ. (11 α)  
 — 3. ὅπως σκεπασθῇτε ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 α)  
 — 5. λόγος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς [Α. πρὸς ὑμᾶς] (11 α)



- Ze. 2. 7. ὅτι ἐπέσκεπται αὐτοὺς κ. ὁ θ. αὐτῶν (11 α)  
 — 9. ζῶ ἐγὼ, λέγει κ. τὸν δυνάμεων (11 α)  
 — 10. ἐμεγαλύνθησαν ἐπὶ τὸν κ. τὸν παντοκράτορα (11 α)  
 — 11. ἐπιφανήσεται [A B<sup>1</sup> ἐπιφανὴς ἔσται] κύριος (11 α)  
 3. 2. ἐπὶ τῷ κ. οὐκ ἐπεποιθεῖ (11 α)  
 — 5. ὁ δὲ κ. δίκαιος ἐν μέσῳ αὐτῆς (11 α)  
 — 8. διὰ τοῦτο ὑπόμεινόν με, λέγει κύριος (11 α)  
 — 9. τοῦ ἐπικαλεῖσθαι πάντας τὸ ὄνομα κυρίου (11 α)  
 — 12. εὐλαβηθήσονται ἀπὸ τοῦ ὀνόματος κυρίου [A τοῦ κ.] (11 α)  
 — 15. περιεῖλε κύριος τὰ ἀδικήματά σου (11 α)  
 — 15. βασιλεὺς Ἰσραὴλ [A B<sup>2</sup> βασιλεὺς δὲ] κύριος (11 α)  
 — 16. ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἔρει κύριος τῇ Ἱερ. (11 α)  
 — 17. κ. ὁ θ. σου ἐν σοὶ (11 α)  
 — 19. ἐγὼ ποιῶ ἐν σοὶ ἔνεκεν σου . . . λέγει κύριος (11 α)  
 — 20. ἐν τῷ ἐπιστρέφειν με τὴν αἰχμαλωσίαν . . . λέγει κύριος (11 α)  
 Hg. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (11 α)  
 — 2. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 2. τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 3. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (11 α)  
 — 5. νῦν τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 6. Α. διότι τότε λέγει κ. παντοκρ. (11 α)  
 — 7. τότε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 α)  
 — 8. καὶ ἐνδοξασθήσομαι, εἶπε κύριος (11 α)  
 — 9. τότε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 α)  
 — 12. ὡς Ζορ. . . τῆς φωνῆς κ. τοῦ θ. αὐ. (11 α)  
 — 12. καθὼς ἐξαπέστειλεν αὐτὸν κ. ὁ θ. αὐ. (11 α)  
 — 12. ἐφοβήθη ὁ λαὸς ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 α)  
 — 13. καὶ εἶπεν Ἀγγαῖος ἄγγελος κυρίου ἐν ἀγγέλοις [A om. κ. ἐν ἀγγ.] κυρίου τῷ λαῷ, Ἐγὼ εἰμι μεθ' ὑμῶν, λέγει κύριος [B al.] (11 α ter)  
 — 14. ἐξήγγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Ζοροβάβελ (11 α)  
 — 14. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκράτορος θεοῦ (11 α)  
 2. 2 (1). ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἀγγ. τοῦ προφήτου (11 α)  
 — 5 (4). καὶ νῦν κατισχύω, Ζοροβ., λέγει κύριος (11 α)  
 — 5. Α. κατισχύω πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς, λέγει κύριος (11 α)  
 — 5 (4). λέγει κύριος ὁ παντοκρ. (11 α)  
 — 7 (6). Α. B. τότε [B S om.] λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 8 (7), 9 (8), 10 (9) bis. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 11 (10). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἀγγ. τὸν προφήτην (11 α)  
 — 12 (11). τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 15 (14). ἐνώπιον ἐμοί, λέγει κύριος (11 α)  
 — 16 (15). πρὸ [A om.] τοῦ εἶναι λίθον . . . ἐν τῷ ναῷ κυρίου (11 α)  
 — 18 (17). οὐκ ἐπιστρέψατε πρὸς μέ, λέγει κύριος (11 α)  
 — 19 (18). τεθεμελιώται ὁ ναὸς κυρίου (11 α)  
 — 21 (20). ἐγένετο λόγος κυρίου ἐκ δευτέρου πρὸς Ἀγγ. (11 α)  
 — 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 24 (23). λήψομαι σε Ζ. . . λέγει κύριος (11 α)  
 — 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 α)  
 — 2. ὠρῶνσθε κύριος ἐπὶ τοὺς πατέρας ὑμῶν (11 α)  
 — 3. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 3. λέγει κ. τὸν δυνάμ. [B<sup>1</sup> κ. παντοκρ.] (11 α)  
 — 3. λέγει κ. τὸν δυνάμ. [A κ. παντοκράτ.] (11 α)  
 — 4. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 4. τοῦ εἰσακοῦσαι μου, λέγει κύριος (11 α)  
 — 6. καθὼς παρατέτακται κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 α)  
 — 9. καὶ εἶπα, Τί οὗτος, κύριε (11 α)  
 — 10. οὗτοι εἰσιν οὓς ἐξαπέστειλε κύριος (11 α)  
 — 11. καὶ ἀπεκρίθησαν τῷ ἀγγέλῳ κυρίου (11 α)  
 — 12. καὶ ἀπεκρίθη ὁ ἀγγελὸς κυρίου (11 α)  
 — 12. καὶ εἶπε, Κύριε παντοκράτωρ (11 α)  
 — 13. ἀπεκρίθη κύριος παντοκράτωρ τῷ ἀγγέλῳ (11 α)  
 — 14. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 16. τότε λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (11 α)  
 — 16. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 17. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 17. ἐλέησει κύριος ἐπὶ τὴν Σ. (11 α)  
 — 17. Α. ἀμερτεῖ κύριος [B S om.] τὴν Ἱ.

- Za. 1. 19 (2, 2). τί ἐστι ταῦτα, κύριε (11 α)  
 — 20 (2, 3). καὶ ἔδειξέ μοι κύριος τέσσαρας τέκονας (11 α)  
 — 21 (2, 4). τὰ ἐπαίρομενα κέρας ἐπὶ τὴν γῆν κυρίου (11 α)  
 2. 5 (9). ἐγὼ ἔσομαι αὐτῇ, λέγει [A φησὶν] κύριος (11 α)  
 — 6 (10). φεύγετε ἀπὸ γῆς βορρᾶ, λέγει κύριος (11 α)  
 — 6 (10). συνάξω ὑμᾶς, λέγει κύριος (11 α)  
 — 8 (12). διότι τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 9 (13). κύριος παντοκράτωρ ἀπέσταλκέ με (11 α)  
 — 10 (14). κατασκηνώσω ἐν μέσῳ σου, λέγει κύριος (11 α)  
 — 11 (15). καταφεύζονται ἔθνη πολλὰ ἐπὶ τὸν κ. (11 α)  
 — 11 (15). κύριος παντοκρ. ἐξαπέσταλκέ [A ἀπέσταλκέν] με (11 α)  
 — 12 (16). κατακληρονομήσει κύριος τὸν Ἱ. (11 α)  
 — 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σὰρξ ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 α)  
 3. 1. καὶ ἔδειξέ μοι κύριος τὸν Ἱ. τὸν ἱερέα . . . ἑστῶτα πρὸ προσώπου ἀγγέλου κυρίου (11 α)  
 — 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς τὸν διάβολον (11 α)  
 — 3 (2) bis. ἐπιτιμήσαι κύριος ἐν σοὶ (11 α)  
 — 6 (5). καὶ ὁ ἀγγελὸς κυρίου εἰστήκει (11 α)  
 — 7 (6). διεμαρτύρατο ὁ ἀγγελὸς κυρίου πρὸς Ἱ. (11 α)  
 — 8 (7). τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 10 (9), 11 (10). λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 4. 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (11 α)  
 — 5. Α. B B<sup>2</sup> καὶ εἶπα, Οὐχί, κύριε (11 α)  
 — 6. οὗτος ὁ λόγος κυρίου πρὸς Ζοροβάβελ (11 α)  
 — 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 8. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 9. διότι κύριος παντοκράτωρ ἐξαπέσταλκέ με (11 α)  
 — 10. Α. B ἐπὶ οὗτοι ὀφθαλμοὶ εἰσιν κυρίου [B om.] (11 α)  
 — 13. καὶ εἶπα, Οὐχί, κύριε (11 α)  
 — 14. παρεστήκει κυρίῳ [A τῷ κ.] πάσης τῆς γῆς (11 α)  
 5. 2. B εἶπε κύριος [A B om.] πρὸς μέ (11 α)  
 — 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 6. 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (11 α)  
 — 5. παραστήται τῷ κ. πάσης τῆς γῆς (11 α)  
 — 9. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 12. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 12. καὶ οικοδομήσει τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 14. εἰς ψαλμὸν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 15. καὶ οικοδομήσουσιν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 15. κύριος παντοκράτωρ ἀπέσταλκέ με (11 α)  
 — 15. εἰς . . . εἰσακοῦσέ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θ. ὑμῶν (11 α)  
 7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 α)  
 — 2. ἐξήλασσε τὸν κ. (11 α)  
 — 3. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκράτορος (11 α)  
 — 4. ἐγένετο λόγος κυρίου τῶν δυνάμεων πρὸς μέ (11 α)  
 — 7. ἐλάλησε κύριος ἐν χερσὶ τῶν προφητῶν (11 α)  
 — 8. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 α)  
 — 9. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 12. οὓς ἐξαπέστειλες κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 12. ἐγένετο ὁργὴ . . . παρὰ κυρίου παντοκράτορος (11 α)  
 — 13. οὐ μὴ εἰσακοῦσω, λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 8. 1. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου παντοκράτορος (11 α)  
 — 2. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 3. τότε λέγει κύριος [B<sup>2</sup> add. παντοκράτωρ] (11 α)  
 — 3. κληθήσεται . . . τὸ ὄρος κυρίου παντοκράτορος ὄρος ἁγίου (11 α)  
 — 4. 6. τότε λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 7, 9. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 9. τεθεμελιώται ὁ οἶκ. κυρίου παντοκράτορος (11 α)  
 — 11. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 14. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 14, 17. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 18. ἐγένετο λόγος κυρίου παντοκράτορος πρὸς μέ (11 α)  
 — 19. Α. B<sup>2</sup> R τότε [B S<sup>1</sup> om.] λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 20. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 21. δεηθῆναι τοῦ προσώπου κυρίου (11 α)  
 — 21. ἐκζητήσει τὸ πρόσωπον κυρίου παντοκράτορος (11 α)

- Za. 8. 22. ἐκζητήσει τὸ πρόσωπ. κυρίου παντοκράτορος [B<sup>1</sup> om.] (11 α)  
 — 22. ἐξήλασσε τὸ πρόσωπον κυρίου (11 α)  
 — 23. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 9. 1. λῆμμα λόγος κυρίου ἐν γῇ Σεδράχ (11 α)  
 — 1. διότι κύριος ἐφορᾷ ἀνθρώπους (11 α)  
 — 4. διὰ τοῦτο κύριος κληρονομήσει αὐτοὺς [A B<sup>2</sup> αὐτῶν] (2)  
 — 14. καὶ κύριος ἔσται ἐπ' αὐτοὺς (11 α)  
 — 14. κύριος παντοκράτωρ ἐν σάλπιγγι σαλπιεῖ (2)  
 — 15. κύριος παντοκράτωρ ὑπερασπιεῖ αὐτοὺς (11 α)  
 — 16. σώσει αὐτοὺς κ. ὁ θ. αὐτῶν [A om. ὁ θ. αὐ.] (11 α [11 α + 6])  
 10. 1. αἰτείσθε παρὰ κυρίου ὑετόν (11 α)  
 — 1. κύριος ἐποίησε φαντασίας (11 α)  
 — 3. ἐπισκέψεται κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. τὸ ποιῶν (18 α)  
 — 5. διότι κύριος [A κ. παντοκράτωρ] μετ' αὐτῶν (11 α)  
 — 6. διότι ἐγὼ κ. ὁ θ. αὐτῶν (11 α)  
 — 7. καὶ χαρεῖται ἡ καρδία αὐτῶν ἐπὶ τῷ κ. (11 α)  
 — 12. καὶ κατισχύσω αὐτοὺς ἐν κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (18 α)  
 — 12. ἐν τῷ ὀνόμ. αὐ. κατακαυχῆσονται, λέγει κύριος (11 α)  
 11. 4. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 5. εὐλογητὸς κύριος (11 α)  
 — 6. οὐ φείσομαι . . . λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (11 α)  
 — 11. διότι λόγος κυρίου [A<sup>1</sup> om.] ἐστί (11 α)  
 — 13. καὶ εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 α)  
 — 13. καὶ ἐνέβαλον αὐτοὺς εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 15. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 α)  
 12. 1. λῆμμα λόγος κυρίου ἐπὶ τὸν Ἱσ., λέγει κύριος (11 α, 11 α)  
 — 4. ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ, λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 5. τοὺς κατοικοῦντας Ἱ. ἐν κυρίῳ παντοκρ. θεῷ (11 α)  
 — 7. καὶ σώσει κύριος τὰ σκηνώματα Ἰουδα (11 α)  
 — 8. ὑπερασπιεῖ κύριος ὑπὲρ τῶν κατοικούντων (11 α)  
 — 8. ὡς ἀγγελὸς κυρίου ἐνώπιον αὐτῶν (11 α)  
 13. 2. ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ, λέγει κύριος σαβαώθ [A om.] (11 α [11 c])  
 — 3. ψευδὴ ἐλάλησας ἐπ' [A ἐν] ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 7. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 8. ἔσται ἐν πάσῃ τῇ γῇ [A ἐν τῇ ἡμ. ἐκ.] (11 α)  
 — 9. καὶ αὐτοὶ ἔρει, Κ. ὁ θ. μου (11 α)  
 14. 1. ἰδοὺ ἡμέραι ἐρχονται τοῦ κ. (11 α)  
 — 3. καὶ ἐξελεύσεται κύριος (11 α)  
 — 5. ἥξει κ. ὁ θ. μου (11 α)  
 — 7. καὶ ἡ ἡμέρα ἐκείνη γνωστὴ τῷ κ. (11 α)  
 — 9. ἔσται κύριος εἰς Βαβυλῶνα (11 α)  
 — 9. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ ἔσται κύριος εἰς (11 α)  
 — 12. Α. B B<sup>2</sup> ἢν κόψει κύριος πάντας τοὺς λαοὺς (11 α)  
 — 13. ἔσται ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. ἔκστασις κυρίου μεγάλη (11 α)  
 — 16, 17. τοῦ προσκυνησαι τῷ βασιλεῖ κ. παντοκράτορι (11 α)  
 — 18. ἢν πατάξει κύριος πάντα τὰ ἔθνη (11 α)  
 — 20. ἔσται τὸ ἐπὶ τὸν χαλινὸν τοῦ ἵππου ἁγίου τῷ κ. παντοκρ. (11 α)  
 — 20. ἔσονται οἱ λέβητες ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 α)  
 — 21. ἅγιος [A ἁγίου] τῷ κ. παντοκρ. (11 α)  
 — 21. οὐκ ἔσται Χαν. ἐπὶ ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκρ. (11 α)  
 Ma. 1. 1. λῆμμα λόγος κυρίου ἐπὶ τὸν Ἱσραὴλ (11 α)  
 — 2. ἡγάπησα ὑμᾶς, λέγει κύριος (11 α)  
 — 2. οὐκ ἀδελφὸς ἦν Ἱ. τοῦ Ἱ., λέγει κύριος (11 α)  
 — 2. B λέγει κύριος (11 α)  
 — 4. τότε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 4. ἐφ' ὃν παρατέτακται κύριος ἕως αἰῶνος (11 α)  
 — 5. ἐμεγαλύνθη κύριος ὑπεράνω τῶν ὀρίων τοῦ Ἱ. (11 α)  
 — 6. καὶ δοῦλος τὸν κ. αὐτοῦ (11 α)  
 — 6. εἰ κύριός εἰμι ἐγώ (11 α)  
 — 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 7. τράπεζα κυρίου ἡλιοσημνή [B ἐξουδενωμένη] ἐστί (11 α)  
 — 8, 9, 10, 11. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 12. τράπεζα κυρίου ἡλιοσημνή ἐστί (11 α)  
 — 13 bis. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 14. καὶ θύει διεφθαρμένον τῷ κυρίῳ (2)

Ma. 1. 14: 2. 2. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 2. 4. Δ ἔγω κύριος [B S om.] ἐξαπέσταλκα  
 — 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 — 7. διότι ἀγγελος κυρίου παντοκράτορος ἐστίν (11 α)  
 — 8. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 11. ἐβίβλωσεν ἰ. τὰ ἅγια κυρίου (11 α)  
 — 12. ἐξολεθρεύσει κύριος τὸν ἄνθρωπον (11 α)  
 — 12. ἐκ προσαγόντων θυσίαν τῷ κ. παντοκράτορι (11 α)  
 — 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 α)  
 — 14. ὅτι [Δ ὁ] κύριος διεμαρτύρητο ἀνὰ μέσον σου (11 α)  
 — 16. λέγει κ. ὁ θ. τοῦ [Δ θ. ὁ παντοκράτωρ θ.] Ἰσρ. (11 α)  
 — 16. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 17. πᾶς ποιῶν ποιητὸν καλὸν ἐνώπιον κυρίου (11 α)  
 8. 1. ἐξαίφνης ἦξει εἰς τὸν ναὸν αὐτοῦ κύριος (1)  
 — 1. ἰδοὺ ἔρχεται, λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 3. ἔσονται τῷ κ. προσάγοντες θυσίαν (11 α)  
 — 4. καὶ ἀρίσει τῷ κ. θυσία ἰ. καὶ Ἱερ. (11 α)  
 — 5. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 6. διότι ἔγω κ. ὁ θ. ὑμῶν (18 α)  
 — 7, 10, 11, 12. λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 13. ἐβαρύνετε . . . τοὺς λόγους ὑμῶν, λέγει κύριος (11 α)  
 — 14. ἰκέται πρὸ προσώπου κυρίου παντοκράτορος (11 α)  
 — 16. κατελάλησαν [Δ ἐλάλησαν] οἱ φοβοῦν τὸν κ. [B<sup>1</sup> al.] (11 α)  
 — 16. καὶ προσέσχε κύριος (11 α)  
 — 16. ἔγραψεν βιβλίον . . . τοῖς φοβουμένοις τὸν κ. (11 α)  
 — 17. ἔσονται μοι, λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 α)  
 4. 1 (3. 19), 4. ἰδοὺ ἡμέρα κυρίου [B S om.] ἔρχεται καιρομένη —  
 — 1 (3. 19), 3 (3. 21). λέγει κύριος παντοκρ. (11 α)  
 — 5 (3. 23). πρὶν ἔλθειν ἡμέραν κυρίου τὴν μεγάλην (11 α)  
 — 10. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
 — 11. τί μοι πλῆθος τῶν θυσιῶν ὑμῶν, λέγει κ. (11 α)  
 — 16. διελεχθῶμεν, λέγει κ. (11 α)  
 — 20. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (11 α)  
 — 24. ταῦτε λέγει κ. ὁ δεσπότης σαβαώθ (1)  
 — 28. οἱ ἐγκαταλιπόντες τὸν κ. συντελεσθήσονται (11 α)  
 2. 1. Δ ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου [B om. π. κ.] +  
 — 2. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος κυρίου [Δ τοῦ κ.] (11 α)  
 — 3. ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου [Δ τοῦ κ.] . . . καὶ λόγος κυρίου ἐξ Ἱερουσαλὴμ (11 α, 11 α)  
 — 5. πορευθῶμεν τῷ φωτὶ κυρίου (11 α)  
 — 10. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου κυρίου (11 α)  
 — 11. οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ κυρίου ὑψηλοὶ . . . ὑψωθήσεται κ. μόνος (-, 11 α)  
 — 12. ἡμέρα γὰρ κυρίου σαβαώθ ἐπὶ πάντα ὑβριστὴν (11 α)  
 — 17. ὑψωθήσεται κ. μόνος (11 α)  
 — 19, 21. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου κυρίου (11 α)  
 3. 1. κ. σαβαώθ ἀφείλει . . . ἰσχύοντα (11 α)  
 — 8. τὰ πρὸς κύριον ἀπειθύντες (11 α)  
 — 13. καταστήσεται εἰς κρίσιν κ. (11 α)  
 — 14. αὐτὸς κ. εἰς κρίσιν ἦξει (11 α)  
 — 16. ταῦτε λέγει κ. (11 α)  
 — 17. κ. ἀνακαλύψει [Δ ἀποκ.] τὸ σῆμα αὐτῶν (11 α)  
 — 18. ἀφείλει κ. τὴν δόξαν τοῦ ἱματισμοῦ αὐτῶν (2)  
 4. 4. ἐκπλυνε κ. τὸν ῥύτον τῶν ὠν (8)  
 — 5. Δ πᾶσι τῇ δόξῃ κυρίου [B S om.] σκεπασθήσεται —  
 5. 7. ὁ γὰρ ἀμπελὼν κυρίου σαβαώθ οἶκος τοῦ Ἰσραὴλ (11 α)  
 — 9. ἡκούσθη γὰρ εἰς τὰ ὄτα κυρίου σαβαώθ ταῦτα (11 α)  
 — 12. τὰ δὲ ἔργα κυρίου [B<sup>1</sup> θεοῦ, B<sup>3</sup> τοῦ κ.] οὐκ ἐμβλέπουσι (11 α)  
 — 13. διὰ τὸ μὴ εἰδέναι αὐτοὺς τὸν κ. —  
 — 16. ὑψωθήσεται κ. σαβαώθ ἐν κρίματι (11 α)  
 — 24. οὐ γὰρ ἠθέλησαν τὸν νόμον κυρίου σαβ. (11 α)

Is. 5. 25. ἐθυμώθη ὁργῇ [B ὠργίσθη θυμῷ] κ. σαβαώθ (11 α)  
 6. 1. εἶδον τὸν κ. καθήμενον (2)  
 — 3. ἅγιος ἅγιος ἅγιος κ. σαβαώθ (11 α)  
 — 5. τὸν βασιλέα κ. σαβαώθ εἶδον (11 α)  
 — 8. ἤκουσα τῆς φωνῆς κυρίου (2)  
 — 11. ἔως ποῦτε, κύριε (2)  
 7. 3. εἶπε κ. πρὸς Ἱσραὴν (11 α)  
 — 7. ταῦτε λέγει κ. σαβαώθ (2)  
 — 10. προσέθετο κ. λαλήσαι τῷ Ἰσραὴλ (11 α)  
 — 11. αἰτήσαι σεαυτὴν σημεῖον παρὰ κυρίου θεοῦ σου (11 α)  
 — 12. οὐδὲ μὴ πειράσω κύριον (11 α)  
 — 13. πῶς κυρίῳ παρέχετε ἄγωνα (6)  
 — 14. B S δώσει κ. αὐτοῖς [Δ<sup>2</sup> -οῖς] ὑμῖν σημεῖον (2)  
 — 18. σურεῖ κ. μυῖνας (11 α)  
 — 20. ξυρῆσει κ. ἐν [Δ S om.] τῷ ξυρῷ (2)  
 8. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ, λάβε σεινῶν τόμον (11 α)  
 — 3. εἶπε κ. μοι, Κάλῃσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ (11 α)  
 — 5. προσέθετο κ. λαλήσαι μοι ἐτι (11 α)  
 — 7. κ. ἀνῆγει ἐφ' ὑμᾶς τὸ ὕδωρ τοῦ ποταμοῦ (2)  
 — 10. διασκεδάσει κ. (—)  
 — 11. οὕτω λέγει κ. (11 α)  
 — 13. κύριον αὐτὸν ἀγιάσατε (11 α)  
 — 18. τέρατα ἐν τῷ οἴκῳ [Δ om.] Ἰσραὴλ παρὰ κυρίῳ σαβαώθ (11 α)  
 9. 4 (3). Δ S τὴν γὰρ ῥάβδον . . . διεσκεδάσεν κύριος [B om.] —  
 — 7 (6). ὁ ἥλος κυρίου σαβαώθ ποιήσει ταῦτα (11 α)  
 — 8 (7). θάνατον [B<sup>1</sup> λόγον] ἀπέστειλε κ. ἐπὶ Ἰακώβ (2)  
 — 13 (12). τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [Δ S<sup>3</sup> ἐξεζ.] (11 α)  
 — 14 (13). ἀφείλε κ. ἀπὸ Ἰσραὴλ κεφαλὴν καὶ οὐρανὸν (11 α)  
 — 17 (16). οὐκ ἐφρανήσεται ὁ κ. [Δ S θεός] (2)  
 — 19 (18). διὰ θυμὸν ὁργῆς κυρίου (11 α)  
 10. 1. ὅταν συντελεσθῇ κ. πάντα ποιῶν (2)  
 — 12. B ἐπάξει κύριος ἐπὶ τὸν ναὸν [Δ B al.] —  
 — 16. ἀποστέλει κ. σαβαώθ εἰς τὴν σὴν τιμὴν ἀτιμίαν (1+2)  
 — 23. λόγον συντεταγμένον ποιήσει κ. [Δ S ὁ θεός] (2+11 α)  
 — 24. ταῦτε λέγει κ. [B<sup>1</sup> add. ὁ θεός, B<sup>1</sup> add. κύριος] σαβαώθ (2+11 α [2])  
 — 33. ὁ δεσπότης κ. σαβαώθ συνταράσσει τοὺς ἐνδόξους (11 α)  
 11. 9. ἐνεπλήσθη ἡ σύμπασα τοῦ γνῶναι τὸν κ. (11 α)  
 — 11. προσθήσει ὁ [Δ S om.] κ. τοῦ δείξει τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2)  
 — 15. ἐρημώσει κ. τὴν θάλασσαν Αἰγύπτου (11 α)  
 12. 1. εὐλόγησεν [Δ S<sup>3</sup> -γίσω] σε, κύριε (11 α)  
 — 2. S σωτήρ μου κύριος [Δ B om.] —  
 — 2. ἡ δόξα μου καὶ ἡ αἰεσίς μου κ. (10+11 α)  
 — 4. ὑμνεῖτε κυρίου (11 α)  
 — 5. ὑμνήσατε τὸ ὄνομα κυρίου (24)  
 13. 4. κ. σαβαώθ ἐντέταται ἐνθεὶ ὀπλομάχῳ (11 α)  
 — 5. κ. καὶ οἱ ὀπλομάχοι αὐτοῦ (11 α)  
 — 6. ἐγγὺς γὰρ ἡμέρα κυρίου (11 α)  
 — 9. ἰδοὺ γὰρ ἡμέρα κυρίου ἔρχεται (11 α)  
 — 13. διὰ θυμὸν ὁργῆς κυρίου σαβαώθ (11 α)  
 14. 1. ἐλέησει κ. τὸν Ἰακώβ (11 α)  
 — 3. ἀναπαύσει σε κ. [Δ S<sup>2</sup> κ. ὁ θεός] ἀπὸ [Δ S<sup>2</sup> ἐκ] τῆς ὀδύνης (11 α [18 α])  
 — 5. συνέτριψε κ. [Δ S ὁ θεός] τὸν ὕγρον τῶν ἀμαρτωλῶν (11 α)  
 — 22. λέγει κ. σαβαώθ . . . ταῦτε λέγει κ. [S add. σὰβ.] (11 α, 11 α)  
 — 24. ταῦτε λέγει κ. σαβαώθ (11 α)  
 — 26. ἦν βεβούλευται κ. —  
 — 32. κ. ἐθμελίωσε Σιών (11 α)  
 16. 13. τοῖτο τὸ ῥῆμα δὲ ἐλάλησε κ. (11 α)  
 17. 3. ταῦτε λέγει κ. σαβαώθ (11 α)  
 — 6. ταῦτε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 α)  
 — 10. κυρίου τοῦ βοηθοῦ σου οὐκ ἐμήνησθης (13)  
 18. 4. οὕτως εἶπε κ. μοι (11 α)  
 — 7. ἀνεχθήσεται δῶρα κυρίῳ σαβαώθ . . . εἰς τὸν τόπον οὗ τὸ ὄνομα κυρίου σαβαώθ (11 α, 11 α)  
 19. 1. κ. καθήται ἐπὶ νεφέλῃς κούφης (11 α)  
 — 4. παραδώσω Αἴγυπτον εἰς χεῖρας ἀνθρώπων κυρίῳ σκληρῶν . . . ταῦτε λέγει κ. σαβαώθ (1, 1+11 α)  
 — 12. τί βεβούλευται κ. σαβαώθ ἐπ' Αἴγυπτον (11 α)  
 — 14. κ. γὰρ ἐκέρσεν αὐτοῖς πνεῦμα πλανήσεως (11 α)

Is. 19. 16. ἐν τρώμῃ ἀπὸ προσώπου τῆς χειρὸς κυρίου σαβ. (11 α)  
 — 17. φοβηθήσονται διὰ τὴν βουλήν [Δ add. κυρίου σαβαώθ] ἣν βεβούλευται κ. ἐπ' αὐτὴν [B<sup>1</sup> -οὐς] (11 α, †)  
 — 18. ὁμνῶντες [Δ B<sup>1</sup> -ύνοσαι] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α)  
 — 19. ἔσται θυσιαστήριον τῷ κ. ἐν χώρῃ Αἰγυπτίων καὶ στήλῃ πρὸς τὸ ὄριον αὐτῆς τῷ κ. (11 α, 11 α)  
 — 20. ἔσται εἰς σημεῖον εἰς τὸν αἰῶνα κυρίῳ [B<sup>1</sup> -ος] ἐν χώρῃ Αἰγύπτου ὅτι κεκράζονται πρὸς κύριον [B<sup>1</sup> om. πρ. κ.] (11 α, 11 α)  
 — 20. Δ S ἀποστέλει αὐτοῖς κύριος [B om.] ἄνθρωπον —  
 — 21. γνωστὸς ἔσται κ. τοῖς Αἰγυπτίοις καὶ γνώσονται οἱ Αἰγύπτιοι τὸν κ. . . . καὶ ἐξῶνται εὐχὰς τῷ κ. (11 α ter)  
 — 22. πατάξει κ. τοὺς Αἰγυπτίους πληγῇ [Δ S add. μεγάλῃ] . . . καὶ ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον (11 α, 11 α)  
 — 25. ἦν [Δ ἦ] εὐλόγησε κ. σαβαώθ (11 α)  
 20. 2. ἐλάλησε κ. πρὸς Ἱσραὴν (11 α)  
 — 3. εἶπε κ. (11 α)  
 21. 6. οὕτως εἶπε πρὸς μέ κ. (2)  
 — 8. εἰς τὴν σκοπίαν κύριος [Δ S -ιον] καὶ εἶπεν (2)  
 — 10. ἂ ἤκουσα παρὰ κυρίου σαβαώθ (11 α)  
 — 16. οὕτως εἶπε μοι κ. (2)  
 — 17. κ. [Δ S om.] ὁ θεός Ἰσραὴλ ἐλάλησε (11 α)  
 22. 5. πλάσσει [B<sup>1</sup> om., B<sup>1</sup> -σσει] παρὰ κυρίῳ σαβαώθ (2+11 α)  
 — 12. ἐκάλεσε κ. [Δ S om.] κ. σαβαώθ . . . κλαυθμόν (2, 11 α [2+11 α])  
 — 14. ἀνακαλυμμένα ταῦτα ἔσιν ἐν τοῖς ὠσὶ κυρίου σαβαώθ (11 α)  
 — 14. S<sup>2</sup> εἶπεν κύριος (2+11 α)  
 — 15. ταῦτε λέγει κ. σαβαώθ (2+11 α)  
 — 17. κ. σαβαώθ ἐκβάλλει καὶ ἐκτρίψει ἄνδρα (11 α)  
 — 25. ταῦτε λέγει κ. σαβαώθ . . . ὅτι κ. ἐλάλησε (11 α, 11 α)  
 23. 9. κ. σαβαώθ ἐβουλεύσατο (11 α)  
 — 11. κ. σαβαώθ ἐνετείλατο περὶ Χαναάν (11 α)  
 — 18. ἔσται αὐτῇ ἡ ἐμπορία . . . ἄγιον κυρίῳ [Δ S<sup>1</sup> τῷ κ.] (11 α)  
 — 18. ἀλλὰ τοῖς κατοικοῦσιν ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 18. εἰς συμβολὴν μνημόσυνον ἐναντίον κυρίου [Δ<sup>1</sup> om. ἔ. κ.] —  
 24. 1. κ. καταφθίρει τὴν οἰκουμένην (11 α)  
 — 2. ὁ παῖς ὡς ὁ κ. (1)  
 — 3. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (19)  
 — 5. ἄλλαξεν τὰ προστάγματα κυρίου [B S om.] —  
 — 4. ἐφρανήσονται ἅμα τῇ δόξῃ κυρίου (11 α)  
 — 15. ἡ δόξα κυρίου ἐν ταῖς νήσοις ἔσται τῆς θαλάσσης, τὸ ὄνομα κυρίου ἐνδοξὸν ἔσται (11 α, 11 α ?)  
 — 16 (15). κύριε ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 α)  
 — 23. Δ S βασιλεύσει κ. ἐν [B ἐκ] Σιών (11 α)  
 25. 1. Δ S κύριε ὁ θεός . . . γένοιτο, κύριε [B om.] (11 α, —)  
 — 6. ποιήσει κ. σαβαώθ πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (11 α)  
 — 8. ἀφείλε κ. [Δ om.] ὁ θεός πᾶν δάκρυον . . . τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε (2, 19)  
 — 9. S ἰδοὺ κ. [Δ B om.] ὁ θεός ἡμῶν (18 α)  
 — 9. B οὗτος κ. ὑπεμείναμεν αὐτῷ (11 α)  
 26. 4. ἐπὶ σοὶ ἐλπίδι [Δ S om.] ἤλπισαν, κύριε [B om.] (11 α)  
 — 8. ἡ γὰρ ὁδὸς κυρίου κρίσις (11 α)  
 — 10. ἵνα μὴ ἴδῃ τὴν δόξαν κυρίου (11 α)  
 — 11. κύριε, ὑψηλὸς σου ὁ βραχίων (11 α)  
 — 12. κύριε ὁ θεός ἡμῶν (18 α)  
 — 13. Δ S B κύριε ὁ θεός ἡμῶν (11 α)  
 — 13. κύριε, ἐκτός σου ἄλλον οὐκ οἶδαμεν (1)  
 — 15. πρόσθε αὐτοῖς κακά, κύριε [B<sup>1</sup> -ος] (11 α)  
 — 16. κύριε, ἐν θλίψει ἐμνήσθη σου (11 α)  
 — 18 (17). διὰ τὸν φόβον σου, κύριε, ἐν γαστρὶ ἐλάβομεν (11 α)  
 — 20. ἔως ἂν παρέλθῃ ἡ ὁργὴ κυρίου —  
 — 21. κ. ἀπὸ τοῦ ἁγίου ἐπάγει τὴν ὁργὴν (11 α)  
 27. 1. ἐπάξει ὁ θεός [B<sup>1</sup> κύριος] τὴν μάχαιραν (11 α)  
 — 4. ἐποίησε κ. [Δ S<sup>2</sup> add. ὁ θεός] πάντα ὅσα συνέταξε [B<sup>1</sup> add. κύριος] (†, †)  
 — 12. Δ S συμφράζει [S συνταρ.] κ. [B ὁ θεός] ἀπὸ τῆς διώρυγος (11 α)  
 — 13. προσκυνήσουσι τῷ κ. (11 α)  
 28. 2. σκληρὸν [B<sup>1</sup> add. παρὰ κυρίου] ὁ θυμὸς κυρίου (2, —)

Is. 28. 5. ἵσταται κ. σαβαώθ ὁ στέφανος τῆς ἐλπίδος (11 α)  
 — 13. τὸ λόγιον κυρίου [A B λ. κ. τοῦ θεοῦ] (11 α [18 α])  
 — 14. ἀκούσατε λόγον τοῦ κυρίου (11 α)  
 — 16. οὕτω λέγει κ. κ. [A B om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 21. ὥσπερ ὁρος ἀσεβῶν ἀποτίσεται κ. [A om.] (11 α)  
 — 22. συντεταγμένα πράγματα ἤκουσα παρὰ κυρίου [B<sup>1</sup> τοῦ κ.] σαβαώθ (2+11 β)  
 — 29. ταῦτα παρὰ κυρίου σαβαώθ ἐξῆλθε (11 α)  
 29. 6. ἵσταται ὡς στιγμὴ παραχρῆμα παρὰ κυρίου σαβαώθ (11 α)  
 — 10. πεπότηκεν ὑμᾶς κ. πνεύματι κατανύξεως (11 α)  
 — 13. εἶπε κ. (2)  
 — 15. οὐαὶ οἱ βαθέως βουλὴν ποιοῦντες καὶ οὐ διὰ κυρίου [B<sup>1</sup> om. κ. οὐ δ. κ.] (11 α)  
 — 19. ἀγαλλιάσονται πτωχοὶ διὰ κύριον (11 α)  
 — 22. τάδε λέγει κ. ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακώβ (11 α)  
 — 24. B μαθῆσονται ὑπακούειν κυρίῳ [A B om.] —  
 30. 1. οὐαὶ τέκνα ἀποστάντα [A B add. τάδε] λέγει κ. (11 α)  
 — 12. τάδε [A B<sup>1</sup> om.] λέγει [A B add. κύριος] ὁ ἄγιος τοῦ Ἰσραὴλ —  
 — 15. οὕτω λέγει κ. κ. [A B om.] ὁ ἄγιος τοῦ Ἰσραὴλ (2, 11 β [2+11 β])  
 — 18. κρῖνες κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 α ?)  
 — 20. δώσεις κ. ὑμῖν ἄρτον θλίψεως (2)  
 — 26. ὅταν ἀίστηται κ. τὸ σύντριμμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 α)  
 — 27. τὸ ὄνομα κυρίου ἔρχεται (11 α)  
 — 29. εἰσελθεῖν μετὰ αὐτοῦ εἰς τὸν ὄρον [A τὸν οἶκον] κυρίου [A B τοῦ κ.] (11 α)  
 — 30. ἀκούσονται ποιήσει κ. [A B ὁ θεός] τὴν δόξαν (11 α)  
 — 31. διὰ γὰρ τῆς φωνῆς [A τὴν φ.] κυρίου (11 α)  
 — 33. ὁ θυμὸς κυρίου ὡς φάραγξ ὑπὸ θεοῦ καυομένη (11 α)  
 31. 1. τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [A B al.] (11 α)  
 — 3. ὁ δὲ κ. ἐπάξει τὴν χεῖρα αὐτοῦ (11 α)  
 — 4. οὕτως εἶπε μοι κ. . . οὕτως καταβήσεται κ. σαβαώθ ἐπιτραπείσῃ (11 α, 11 α)  
 — 5. οὕτως ὑπερασπεί κ. σαβαώθ [A om.] (11 α)  
 — 9. τάδε λέγει κ. (11 α)  
 32. 6. λαλήν πρὸς κύριον πλάνησιν (11 α)  
 33. 2. κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς (11 α)  
 — 6. ἐπιστήμη καὶ εὐσεβεία πρὸς τὸν κ. [B<sup>1</sup> θεός] (11 α)  
 — 10. νῦν ἀναστήσομαι, λέγει κ. (11 α)  
 — 18. A ἡ ψυχὴ ὑμῶν μελετήσει φόβον κυρίου [B om.] —  
 — 21. τὸ ὄνομα κυρίου μέγα ὑμῖν [A ἔστιν] (11 α)  
 — 22. οὐ παρελύνεται με κ. [A<sup>2</sup> add. πατήρ κ.] κριτὴς ἡμῶν κ. ἄρχων ἡμῶν κ. βασιλεὺς ἡμῶν κ. οὗτος ἡμᾶς σώσει (-, 11 α ter, -)  
 34. 2. θυμὸς κυρίου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (11 α)  
 — 6. ἡ μάχηρα τοῦ [A B om.] κ. ἐνεπλήσθη αἵματος . . . θυσία τῷ [A B om.] κ. εἰς Βοσόρ (11 α, 11 α)  
 — 8. ἡμέρα γὰρ κρίσεως κυρίου (11 α)  
 — 16. κ. αὐτοὺς ἐντεταίλατο +  
 35. 2. ὁ λαὸς μου θύεται τὴν δόξαν κυρίου (11 α)  
 — 10. συνηγμένοι διὰ κύριον (11 α)  
 36. 7. ἐπὶ κυρίον τὸν θεὸν ἡμῶν πεποιθαμεν (11 α)  
 — 8. μίχθητε τῷ κ. μου τῷ βασιλῇ Ἀσσυρίων (1)  
 — 10. μὴ ἀνευ κυρίου ἀνέστημεν (11 α)  
 — 12. B κ. εἶπε πρὸς μέ (11 α)  
 — 12. μὴ πρὸς τὸν κ. ὑμῶν ἢ πρὸς ὑμᾶς ἀπεσταλέ με ὁ κ. μου (1, 1)  
 37. 1. ἀνέβη εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 4. εἰσακούσας κ. ὁ θεὸς σου [A om.] τοὺς λόγους Ραββιάκου . . . ὅς ἤκουσε κ. ὁ θεὸς σου καὶ δεηθῇ πρὸς κύριον σου [B<sup>1</sup> τὸν θεόν σου, A B<sup>2</sup> om. κ. δ. πρ. κ. σ.] (11 α, 11 α, -)  
 — 6. οὕτως εἴρεται πρὸς τὸν κ. ὑμῶν, Τάδε λέγει κ. (1, 11 α)  
 — 14. B κ. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (11 α)  
 — 14. ἤνοιξεν αὐτὸ ἐναντίον κυρίου [B<sup>1</sup> τοῦ κ.] (11 α)  
 — 15. προσήγατο Ἐζ. πρὸς κύριον [B τὸν κ.] (11 α)  
 — 16. κ. [A B κύριε] σαβαώθ ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (11 α)  
 — 17. B κλίνον κύριε τὸ σὺς σου (11 α)  
 — 17. εἰσακούσων, κύριε, ἀνοιξων, κύριε, τοὺς ὀφθαλμοὺς σου [A B om. ἀν. κ. τ. ὁ σ.], εἰσβλέψων, κύριε (-, 11 α, -)

Is. 37. 18. B κύριε [A B S om.], ἡγήμωσαν . . . τὴν οἰκουμένην ὅλην (11 α)  
 — 20. κύριε [A -os] ὁ θεὸς ἡμῶν, σῶσον ἡμᾶς (11 α)  
 — 21. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (11 α)  
 — 24. δι' ἀγγέλων ὤνειδισας κυρίῳ (2)  
 — 30. τοῦτο δέ σοι τὸ σημεῖον [B<sup>1</sup> add. παρὰ κυρίου] —  
 — 32. ὁ ζῆλος κυρίου σαβαώθ ποιήσει ταῦτα (11 α)  
 — 33. οὕτως λέγει κ. ἐπὶ βασιλείᾳ Ἀσσυρίων (11 α)  
 — 34. τάδε λέγει κ. (11 α)  
 — 36. ἐξῆλθεν ἄγγελος κυρίου (11 α)  
 38. 1. τάδε λέγει κ. (11 α)  
 — 2. προσήγατο πρὸς κύριον (11 α)  
 — 3. μνησθήτι, κύριε (11 α)  
 — 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἡσαΐαν (11 α)  
 — 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δαυὶδ (11 α)  
 — 7. τοῦτο δέ σοι τὸ σημεῖον παρὰ κυρίου (11 α)  
 — 14. τοῦ βλέπειν εἰς τὸ ὕψος τοῦ οὐρανοῦ πρὸς τὸν κ. (11 α)  
 — 16. κύριε, περὶ αὐτῆς γὰρ ἀγγέλη σοι (2)  
 — 20. A B κύριε [B θεὸς] τῆς σωτηρίας μου (11 α)  
 — 22. εἰς τὸν οἶκον [A B<sup>2</sup> add. κυρίου] τοῦ θεοῦ (18 α)  
 39. 5. ἀκούσων τὸν λόγον κυρίου σαβαώθ (11 α)  
 — 6. A λέγει κ. —  
 — 7. εἶπε δὲ ὁ θεός [B<sup>1</sup> κύριος] (11 α)  
 — 8. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου (11 α)  
 40. 1. A λέγει κ. [B ὁ θεός] (9)  
 — 2. ἐδέξατο ἐκ χειρὸς κυρίου διπλά (11 α)  
 — 3. ἐτοιμάσεται τὴν ὁδὸν κυρίου (11 α)  
 — 5. ὀφθήσεται ἡ δόξα κυρίου . . . ὅτι κ. ἐλάλησε (11 α, 11 α)  
 — 10. ἰδοὺ κ. [A B<sup>1</sup> om.] κ. μετὰ ἰσχύος ἔρχεται (2, 11 β [2+11 β])  
 — 13. τίς ἔγνω νοῦν κυρίου (11 α)  
 — 18. τίνι ὁμοιώσατε κύριον (4 α)  
 41. 17. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 20. χεῖρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (11 α)  
 — 21. λέγει κ. ὁ θεός (18 α)  
 42. 5. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (4 α)  
 — 6. ἐγὼ κ. ὁ θεός ἐκάλεσά σε ἐν δικαιοσύνῃ (18 α)  
 — 8. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 10. ὑμῆσατε τῷ κ. [B<sup>1</sup> θεῷ] ὕμνον καινόν (11 α)  
 — 13. κ. ὁ θεός τῶν δυνάμεων ἐξελεύσεται (18 α)  
 — 21. κ. ὁ θεός ἐβουλεύσατο (18 α)  
 43. 1. οὕτως λέγει κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 3. ἐγὼ κ. ὁ θεός σου (11 α)  
 — 10. λέγει κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 12. ἐγὼ [A add. μάρτυς, λέγει] κ. ὁ θεός ἐτι ἀπ' ἀρχῆς (18 α, 4 α)  
 — 14. οὕτως λέγει κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 15. ἐγὼ κ. ὁ θεός ὁ ἄγιος ὑμῶν (18 α)  
 — 16. οὕτως λέγει κ. (11 α)  
 44. 2. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεός (18 α)  
 — 14. A B B<sup>2</sup> ἐκ τοῦ ὄρνυτος δ' ἐφύτευσε κ. [B ὁ κ.] —  
 — 24. οὕτω λέγει κ. . . Ἐγὼ κ. ὁ συντελὼν πάντα [A ταῦτα] (11 α, 11 α)  
 45. 1. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός τῷ χριστῷ μου Κίρφ (18 α)  
 — 3. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 6. ἐγὼ κ. ὁ θεός καὶ οὐκ ἔστιν ἔτι (18 α)  
 — 7. ἐγὼ κ. ὁ θεός ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (18 α)  
 — 8. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ [B<sup>1</sup> ὁ θεός ὁ] κτίσας σε (11 α [18 α])  
 — 11. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (18 α)  
 — 13. εἶπε κ. σαβαώθ (11 α)  
 — 14. οὕτω λέγει κ. σαβαώθ (11 α)  
 — 17. Ἰσραὴλ σώζεται ὑπὸ κυρίου σωτηρίαν αἰώνιον (11 α)  
 — 18. B οὕτως λέγει κ. ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν . . . Ἐγὼ εἰμι κ. [A B S om.] (11 α, 11 α)  
 — 19. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ [A om. κ. ὁ] λαλὼν δικαιοσύνην (11 α)  
 — 24 (23). ὁμείπει πᾶσα γλῶσσα τὸν θεόν [B<sup>1</sup> κ. A B<sup>2</sup> al.] (11 α ?)  
 — 26 (25). ἀπὸ κυρίου δικαιοθῆσονται (11 α)  
 47. 4. ὁ ῥυσάμενός σε κ. σαβαώθ (11 α)  
 48. 1. οἱ ῥυσάμενός σε κ. ὁ δυνάμις κυρίου θεοῦ Ἰσραὴλ (11 α)  
 — 2. κ. σαβαώθ ὄνομα αὐτῷ (11 α)  
 — 16. κ. [A B om.] κ. ἀπείστελέ με (2, 11 β [2+11 β])  
 — 17. A<sup>2</sup> B S οὕτω λέγει κ. ὁ ῥυσάμενός σε (11 α)  
 — 20. ἐρρύσατο κ. τὸν δούλον [A λαὸν] αὐ. (11 α)  
 — 22. οὐκ ἔστι χαίρειν, λέγει κ., τοῖς ἀσεβέσιν (11 α)  
 49. 1. στήσεται, λέγει κ. (11 α)  
 — 4. ἡ κρίσις μου παρὰ κυρίῳ [A -ιον] (11 α)  
 — 5. οὕτω λέγει κ. ὁ πλάσας με . . . δοξασθήσομαι ἐναντίον κυρίου (11 α, 11 α)

Is. 49. 7. οὕτως λέγει κ. ὁ ῥυσάμενός σε . . . προσκυνησούσιν αὐτῷ ἔνεκεν κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 8. οὕτως λέγει κ. (11 α)  
 — 14. ἐγκατέλιπέ με κ. καὶ ὅτι [A B ὁ] κ. [A<sup>2</sup> θεός] ἐπέλαθέτο μου (11 α, 2)  
 — 15. A B S<sup>2</sup> εἶπε κ. —  
 — 18. ζῶ ἐγὼ, λέγει κ. (11 α)  
 — 22. B<sup>2</sup> B οὕτως λέγει κ. [A B<sup>1</sup> S om.] κ. (2, 11 β [2+11 β])  
 — 23. γνώση ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 25. οὕτω λέγει κ. (11 α)  
 — 26. ἐγὼ κ. [A om.] ὁ ῥυσάμενός σε (11 α)  
 50. 1. οὕτως λέγει κ. (11 α)  
 — 4. κ. [A B om.] κ. δίδωσί μοι γλῶσσαν παιδείας [A σοφίας] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 5. ἡ παιδεία κυρίου [A B<sup>1</sup> om.] κυρίου ἀνοίγει μου τὰ ὄρα (2, 11 β [2+11 β])  
 — 7. κ. κ. [A B<sup>2</sup> om.] βοηθός μοι [A B μου] ἐγενήθη (2, 11 β [2+11 β])  
 — 9. B<sup>2</sup> B ἰδοὺ κ. [A B<sup>1</sup> S om.] κ. βοηθός μοι (2, 11 β [2+11 β])  
 — 10. τίς ἐν ὑμῖν ὁ φοβούμενος τὸν κ. . . πεποιθατε ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 α, 11 α)  
 51. 1. οἱ . . . ζητοῦντες τὸν κ. (11 α)  
 — 3. ὡς παράβειπον κυρίου [B<sup>2</sup> om. ως π. κ.] (11 α)  
 — 11. ὑπὸ γὰρ κυρίου ἀποστραφίσονται (11 α)  
 — 15. κ. σαβαώθ ὄνομά μοι (11 α)  
 — 17. ἡ πούσα ἐκ χειρὸς κυρίου τὸ ποτήριον τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ (11 α)  
 — 20. οἱ πληρεῖς θυμοῦ κυρίου ἐκκελυνμένοι διὰ κυρίου τοῦ θεοῦ (11 α, 18 β)  
 — 22. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (1+11 α)  
 52. 3. τάδε λέγει κ. (11 α)  
 — 4. B οὕτως λέγει κ. κ. [A B S om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 5 δις, τάδε λέγει κ. (11 α)  
 — 8. ἦνίκα ἂν ἐλεῇ κ. τὴν Σιών (11 α)  
 — 9. ἠλέησε κ. [B<sup>1</sup> om.] αὐτήν (11 α)  
 — 10. ἀποκαλύψει κ. τὸν βραχίονα τὸν ἁγίον αὐτοῦ (11 α)  
 — 11. ἀφορίσθη οἱ φέροντες τὰ σκεύη κυρίου (11 α)  
 — 12. A B προπορεύεται [A πορ.] πρότερος [B πορ. προσώπου] ὑμῶν κ. καὶ ὁ ἐπισυνάγων ὑμᾶς κ. ὁ [B om. κ. ὁ] θεός Ἰσραὴλ (11 α, 18 β)  
 53. 1. κύριε, τίς ἐπίστευσε τῇ ἀκοῇ ἡμῶν; καὶ ὁ βραχίον κυρίου τίς ἀπεκαλύφθη (-, 11 α)  
 — 6. κ. παρέδωκεν αὐτὸν ταῖς ἀμαρτίαις ἡμῶν (11 α)  
 — 10. κ. βούλεται καθαρῶσαι αὐτόν (11 α)  
 — 10. βούλεται κ. ἀφελεῖν ἀπὸ τοῦ πόνου τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (11 α)  
 54. 1. εἶπε γὰρ κ. (11 α)  
 — 5. κ. ὁ ποιῶν σε κ. σαβαώθ ὄνομα αὐτῷ (8, 11 α)  
 — 6. ἐκλήκη σε ὁ [A B om.] κ. (11 α)  
 — 8. εἶπεν ὁ ῥυσάμενός σε κ. (11 α)  
 — 11. ἴλωσ σοι, κύριε [A B κύριος ἴλωσ σοι] (11 α)  
 — 17. ἔστι κληρονομία τοῖς θεραπεύουσιν κυρίῳ [A -ω] καὶ ὑμῖς ἔσεσθέ μοι δίκαιοι [B<sup>1</sup> μου δίκαιοι], λέγει κ. (11 α, 11 α)  
 55. 5. ἐπὶ σὲ καταφεύξονται ἔνεκεν κυρίου [A B<sup>2</sup> om.] τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 6. ζητήσατε τὸν κ. [A B<sup>1</sup> θεόν] (11 α)  
 — 7. ἐπιστραφῆτω ἐπὶ κύριον (11 α)  
 — 8. λέγει κ. (11 α)  
 — 13. ἔσται κ. εἰς ὄραμα (11 α)  
 56. 1. τάδε λέγει κ. (11 α)  
 — 3. μὴ λεγίτω ὁ ἀλλογενὴς ὁ προσκειμένος πρὸς κύριον [B κυρίῳ], Ἀφορεῖ με ἄρα κ. ἀπὸ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 α, 11 α)  
 — 4. τάδε λέγει κ. τοῖς εὐνοῦχοις (11 α)  
 — 6. τοῖς προσκειμένοις κυρίῳ [A πρὸς κύριον] δουλεύειν αὐτῷ καὶ ἀγαπᾶν τὸ ὄνομα κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 8. εἶπε κ. ὁ συνάγων τοὺς διεσπαρμένους Ἰσραὴλ (2+11 β)  
 57. 6. B λέγει κ. —  
 — 15. A B<sup>2</sup> τάδε λέγει κ. [B B<sup>1</sup> om.] ὁ ὕψιστος —  
 — 15. A B<sup>2</sup> κ. [B B<sup>1</sup> om.] ὕψιστος —  
 — 19. καὶ εἶπε κ. (11 α)  
 — 21. A B εἶπεν κ. [B om.] ὁ θεός (18 β)  
 58. 6. λέγει κ. —

Is. 58. 14. ἔση πεποθὼς ἐπὶ κύριον . . . τὸ γὰρ  
στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (11 α, 11 α)  
59. 1. μὴ οὐκ ἰσχυίει ἡ χεὶρ κυρίου τοῦ σώσαι (11 α)  
— 15. εἶδε κ. (11 α)  
— 19. φοβηθήσονται οἱ ἀπὸ δυσμῶν τὸ ὄνομα  
κυρίου . . . ἤξει γὰρ ὡς ποταμὸς  
βίαιος ἡ ὄργη παρὰ κυρίου (11 α, 11 α)  
— 21. εἶπε κ. (11 α)  
— 21. εἶπε γὰρ κύριος (11 α)  
60. 1. ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ σὲ ἀνατέταλκεν (11 α)  
— 2. ἐπὶ δὲ σὲ φανήσεται κ. (11 α)  
— 6. τὸ σωτήριον κυρίου εὐαγγελιούνται [S  
add. σοι] (11 α)  
— 9. διὰ τὸ ὄνομα κυρίου τὸ ἅγιον (11 α + 8)  
— 14. ΑΒΣ κληθήσῃ πόλις κυρίου [B om.]  
Σιών (11 α)  
— 16. ἐγὼ κ. ὁ σάξων σε (11 α)  
— 19. ἔσται σοι κ. [B<sup>1</sup> add. εἰς] φῶς αἰώνιον (11 α)  
— 20. ἔσται γὰρ σοι κύριος [B<sup>1</sup> add. ὁ θεός]  
φῶς αἰώνιον (11 α [18 α])  
— 22. ἐγὼ κ. κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτούς  
(11 α)  
61. 1. πνεῦμα κυρίου ἐπ' ἐμέ (2 + 11 β)  
— 2. καλέσαι ἐναντὶν κυρίου δεκτόν  
(11 α)  
— 3. πνεῦμα κυρίου εἰς δόξαν (11 α)  
— 6. υἱεὶς δὲ ἱερείς κυρίου κληθήσονται  
(11 α)  
— 8. ἐγὼ γὰρ εἰμι κ. ὁ ἀγαπῶν δικαιοσύνην (11 α)  
— 9 (10). εὐφροσύνη [B -ην, Δ ἐν εὐ.] εὐ-  
φρανθήσονται ἐπὶ κύριον (11 α)  
— 10. ἀγαλλιάσθω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ κ. (8)  
— 11. ἀνταγέλι κ. [A B om.] κ. δικαιοσύνην  
(2, 11 β [2 + 11 β])  
62. 2. ὁ ὁ κ. ὀνομάσει αὐτὸ (11 α)  
— 3. ἔση στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου (11 α)  
— 3. ἐν χειρὶ θεοῦ [B<sup>1</sup> κυρίου] σου (8)  
— 4. Β εὐδόκησε κ. ἐν σοὶ (11 α)  
— 5. οὕτως εὐφρανθήσεται κ. ἐπὶ σοὶ (8)  
— 6. οὐ σιωπήσονται μνησκόμοι κυρίου (11 α)  
— 8. ὡμοσε κ. κατὰ τῆς δόξας [B<sup>2</sup> δεξιᾶς]  
αὐτοῦ (11 α)  
— 9. ΑΒΣ<sup>2</sup> αἰνέουσιν κύριον (11 α)  
— 11. κ. ἐποίησαν ἀκουσάτω (11 α)  
— 12. λαὸν ἅγιον λελυρωμένον ὑπὸ κυρίου  
σὺ δὲ κληθήσῃ [B<sup>1</sup> ἀπὸ κ. συνεκληθή] (11 α)  
63. 4. Β<sup>2</sup> ἡμέρα γὰρ κυρίου [A B S<sup>1</sup> om.] ἀντα-  
ποδοσεως ἐπὶ ἡλ. [B ἡλ.] αὐτοῖς -  
— 7. τὸν ἔλεον κυρίου ἐμνήσθη (11 α)  
— 7. τὰς ἀρετὰς κυρίου [B<sup>2</sup> αὐτοῦ κύριος κυ-  
ρίου] ἐν πᾶσιν οἷς [A add. ὁ κ.] ἡμῖν  
ἀνταποδίδωσι κ. κριτῆς ἀγαθός  
(11 α, 11 α, -)  
— 9. ΑΒΣ<sup>1</sup> αὐτὸς κ. [B S<sup>2</sup> om.] ἔσωσεν αὐτούς -  
— 14. κατέβη πνεῦμα παρὰ κυρίου (11 α)  
— 15. ἀνέσχον ἡμῶν [B<sup>2</sup> add. κύριε]  
— 16. σὺ, κύριε, πατήρ ἡμῶν (11 α)  
— 17. τί ἐπλάησας ἡμᾶς, κύριε, ἀπὸ τῆς ὁδοῦ  
σου (11 α)  
64. 2 (1). ΑΒ φανερόν ἐστι τὸ ὄνομα κυρίου  
[B σου] †  
— 8 (7). σὺν, κύριε, πατήρ ἡμῶν σὺ (11 α)  
— 12 (11). ἐπὶ πᾶσι τούτοις ἀνέσχου, κύριε (11 α)  
65. 7. λέγει κ. (11 α)  
— 8. οὕτως λέγει κ. (11 α)  
— 8. ΑΒ<sup>2</sup> εὐλογία κυρίου [B S<sup>1</sup> om.] ἐστὶν ἐν αὐτῷ -  
— 13. τὰδε λέγει κ. (2 + 11 β)  
— 15. καταλείψετε γὰρ τὸ ὄνομα [B<sup>2</sup> add. τοῦ  
κ.] ὑμῶν εἰς πλησμονὴν τοῖς ἐκλεκτοῖς  
μου ὡς δὲ ἀνέλει κ. (-, 2 + 11 β)  
— 25. λέγει κ. (11 α)  
66. 1. ΑΒΣ<sup>2</sup> οὕτως λέγει κ. (11 α)  
— 2. λέγει κ. (11 α)  
— 5. ἀκούσατε ῥήματα [A B τὸ ῥῆμα] κυρίου  
. . . ἵνα τὸ ὄνομα κυρίου δοξασθῇ  
(11 α, 11 α)  
— 6. φωνὴ κυρίου ἀνταποδιδόντος ἀνταποδοσιν (11 α)  
— 9. οὐκ ἐμνήσθη μου, εἶπε κ. (11 α)  
— 12. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 14. γνωσθήσεται ἡ χεὶρ κυρίου (11 α)  
— 15. κ. ὡς πῦρ ἔξει (11 α)  
— 16. ἐν γὰρ τῷ πυρὶ κυρίου κριθήσεται [A  
καταναλωθ.] πᾶσα ἡ γῆ . . . πολλοὶ  
τραυματίζονται ὑπὸ κυρίου (11 α, 11 α)  
— 17. εἶπε κ. (11 α)  
— 20. ἀξουσιν τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν . . . δῶρον  
κυρίῳ . . . εἶπε κ. ὡς ἀνενέγκαισαν  
. . . εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 α ter)

Is. 66. 21. εἶπε κ. (11 α)  
— 22. λέγει [B<sup>1</sup> εἶπεν] κ. (11 α)  
— 23. εἶπε κ. [B<sup>1</sup> κ. ὁ θεός, Δ<sup>1</sup> om.] (11 α [18 α])  
Je. 1. 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς αὐτόν [A μέ] (11 α)  
— 6. ὁ ὢν δέσποτα κύριε (11 β)  
— 7. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 8. λέγει κ. (11 α)  
— 9. ἐξέτεινε κ. τὴν χεῖρα αὐτοῦ πρὸς μέ . . .  
καὶ εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α, 11 α)  
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
— 12. ΑΒΣ<sup>2</sup> εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 13. ΑΒΣ<sup>2</sup> ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
— 14. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 15. λέγει κ. (11 α)  
— 17. λέγει κ. -  
— 19. εἶπε [A λέγει] κ. (11 α)  
2. 2. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 3. ἅγιος Ἰσραὴλ τῷ κ. ἀρχὴ γεννημάτων  
αὐτοῦ . . . φησὶ κ. (11 α, 11 α)  
— 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
— 5. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 6. ποῦ ἐστὶ κ. ὁ ἀναγαγὼν ἡμᾶς ἐκ γῆς Ἀλγ. (11 α)  
— 8. οὐκ εἶπαν, Ποῦ ἐστὶ κ. (11 α)  
— 9. ΑΒΣ<sup>2</sup> λέγει κ. (11 α)  
— 12. λέγει κ. (11 α)  
— 17, 19. λέγει κ. ὁ θεός σου (11 α)  
— 19. λέγει κ. ὁ θεός σου (2)  
— 22. λέγει κ. [A add. ὁ θεός σου] (2 + 11 β [2])  
— 29. λέγει κ. (11 α)  
— 31. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
— 31. τὰδε λέγει κ. -  
— 37. ἀπόσπαστο κ. τὴν ἐλπίδα σου (11 α)  
3. 1. λέγει κ. (11 α)  
— 2. Α λέγει κ. -  
— 6, 11. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 12 bis. λέγει κ. (11 α)  
— 13. εἰς κυρίον τὸν θεόν σου ἡσέβησας (11 α)  
— 13, 14, 16. λέγει κ. (11 α)  
— 17. καλέσουσιν τὴν Ἱερ. Θρόνος κυρίου (11 α)  
— 19. γένοιτο, κύριε -  
— 20. λέγει κ. (11 α)  
— 22. σὺ [A om.] κ. ὁ θεός ἡμῶν εἰ (11 α)  
— 23. διὰ κυρίου θεοῦ ἡμῶν ἡ σωτηρία τοῦ  
[A τῷ] Ἰσραὴλ (11 α)  
— 25. οὐχ ὑπηκούσαμεν [A οὐκ ἦκ.] τῆς φωνῆς  
κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
4. 1. λέγει κ. (11 α)  
— 2. ζῇ κ. (11 α)  
— 3. ΒS<sup>2</sup> τὰδε [B<sup>1</sup> οὕτως] λέγει κ. τοῖς ἀνδρά-  
σιν Ἰουδα (11 α)  
— 8. οὐκ ἀπεστράφη ὁ θυμὸς κυρίου ἀφ' ὑμῶν (11 α)  
— 9. λέγει κ. (11 α)  
— 10. εἶπα, Ὁ δέσποτα κύριε (11 β)  
— 17. λέγει κ. (11 α)  
— 26. ΑΒ ἐμπυρνωμένοι πυρὶ [B S om.]  
ἐναντι κυρίου (11 α)  
— 27. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
5. 1. λέγει κ. -  
— 2. ζῇ κ., λέγουσι (11 α)  
— 3. κύριε [A καὶ] οἱ ὀφθαλμοί σου εἰς πίστιν (11 α)  
— 4. οὐκ ἐγνωσαν ὁδὸν κυρίου (11 α)  
— 5. αὐτοὶ ἐπέγνωσαν ὁδὸν κυρίου (11 α)  
— 9. λέγει κ. (11 α)  
— 10. τοῦ κ. εἰσὶν (11 α)  
— 11. Β λέγει κ. (11 α)  
— 12. οἶκος Ἰουδα ἐψέυστο τῷ κ. αὐτῶν (11 α)  
— 13. λόγος κυρίου οὐχ ὑπῆρχεν ἐν αὐτοῖς -  
— 14. τὰδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 α + 8)  
— 15. λέγει κ. (11 α)  
— 18. λέγει κ. ὁ θεός σου (18 α)  
— 19. τίς ἐνεκεν ἐποίησε κ. ὁ θεός ἡμῶν ἡμῖν  
πάντα ταῦτα (11 α)  
— 22. λέγει κ. (11 α)  
— 24. φοβηθῶμεν διὰ κύριον τὸν [B τ. κ.] θεόν  
ἡμῶν (11 α)  
— 29. λέγει κ. (11 α)  
6. 6, 9. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 10. τὸ ῥῆμα κυρίου ἐγένετο αὐτοῖς εἰς ὀνει-  
δισμόν (11 α)  
— 12. λέγει κ. (11 α)  
— 15. εἶπε κ. (11 α)  
— 16. τὰδε λέγει κ. . . ἐρωτήσατε τρίτους  
κυρίου (11 α, -)  
— 21, 22. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 30. ἀπεδοκίμασεν αὐτούς κ. (11 α)

Je. 7. 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
— 3. τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 α)  
— 4. ναὸς κυρίου ναὸς κυρίου ἐστὶν (11 α, 11 α)  
— 11, 19. λέγει κ. (11 α)  
— 20. τὰδε λέγει κ. (2 + 11 β)  
— 21. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 23. Β ἀκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου [A B μου] †  
— 28. ὁ οὐκ ἤκουσε τῆς φωνῆς κυρίου (11 + 8)  
— 29. ἀπεδοκίμασε [B add. αὐτούς] κ. (11 α)  
— 30, 32 : 8. 1. λέγει κ. (11 α)  
8. 4. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 7. ὁ δὲ λαός μου ἔργον τὰ κρίματα κυρίου (11 α)  
— 8. κύριος κυρίου ἐστὶν μεθ' ἡμῶν (11 α)  
— 9. τὸν νόμον [A B λόγον] κυρίου ἀπεδοκί-  
μασαν (11 α)  
— 10 (13). λέγει κ. (11 α)  
— 19. μὴ κ. οὐκ ἔστιν ἐν Σιών (11 α)  
9. 3 (2), 6 (5). Β φησὶ κύριος (11 α)  
— 7 (6). τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 9 (8). λέγει κ. (11 α)  
— 12 (11). ὦ [A B<sup>1</sup> ὦ] λόγος στόματος κυρίου  
πρὸς αὐτόν (11 α)  
— 13 (12). εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 15 (14). τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 α)  
— 17 (16). τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 20 (19). Α ἀκούσατε δὴ γυναῖκες λόγον κυ-  
ρίου [B S θεοῦ] (11 α)  
— 23 (22). τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 24 (23). ΑΒΣ ἐγὼ εἰμι κ. ὁ ποιῶν ἔλεος (11 α)  
— 24 (23), 25 (24). ΑΒΣ<sup>2</sup>. λέγει κ. (11 α)  
10. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου -  
— 1. Α ὅν ἐλάλησεν κύριος [B S om.] (11 α)  
— 2. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 12. κ. ὁ ποιῶν τὴν γῆν ἐν τῇ ἰσχύϊ αὐτοῦ -  
— 16. κ. ὄνομα αὐτῷ [A -οῦ] (11 α)  
— 18. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 21. τὸν κ. οὐκ ἐξήγησαν [A B ἐξεγ.] (11 α)  
— 23. οἶδα, κύριε [B<sup>1</sup> -ον] (11 α)  
— 24. παίδευσον ἡμᾶς, κύριε (11 α)  
11. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου (11 α)  
— 3. τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 α)  
— 5. γένοιτο, κύριε (11 α)  
— 6, 9. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 11. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 16. ἐλαίαν ὠραίαν . . . ἐκάλεσε [B add. σε]  
κ. τὸ ὄνομα σου (11 α)  
— 17. κ. ὁ καταφύτεύσας σε (11 α)  
— 18. κύριε, γνωρίσον μοι (11 α)  
— 20. κύριε κρίνων δίκαια (11 α)  
— 21. τὰδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός] . . . Οὐ μὴ  
προφητεύσεις ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου  
(11 α [18 α], 11 α)  
12. 1. δίκαιος εἶ, κύριε (11 α)  
— 3. σὺ, κύριε, γινώσκεις με (11 α)  
— 12. μάχαιρα τοῦ κ. καταφάγεται (11 α)  
— 13. αἰσχύνθητε [A add. αἰσχύνην] . . .  
(11 α)  
— 14. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 16. ζῇ κ. (11 α)  
13. 1. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 2. ἐκτρησάμεν τὸ περιζῶμα κατὰ τὸν λόγον  
κυρίου (11 α)  
— 3. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
— 5. καθὼς ἐνετείλατό μοι κ. (11 α)  
— 6. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
— 9, 13. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 14. λέγει κ. (11 α)  
— 15. κ. ἐλάλησε (11 α)  
— 16. ὅτε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν δόξαν (11 α)  
— 17. συνετριβή τὸ ποίμνιον κυρίου (11 α)  
— 25. λέγει κ. (11 α)  
14. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. [A ὁ λ. ὁ  
γενόμενος πρ. Ἱ. παρὰ κ.] (11 α)  
— 7. κύριε, ποίησον ἡμῖν ἑνεκεν σου (11 α)  
— 8. ὑπομονὴ Ἰσραὴλ, κύριε -  
— 9. σὺ ἐν ἡμῖν εἶ, κύριε (11 α)  
— 10. οὕτως λέγει [B εἶπεν] κ. τῷ λαῷ τούτῳ (11 α)  
— 11. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 13. εἶπα, Ὁ ὢν [A add. δέσποτα] κύριε  
(2 + 11 β [11 β])  
— 14. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
— 15. τὰδε λέγει κ. (11 α)  
— 20. ἐγνωμεν, κύριε, ἀμαρτήματα ἡμῶν (11 α)  
— 22. ὑπομενοῦμέν σε, κύριε [A B om.] (11 α + 8)  
15. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)

- Je. 15. 2. τάδε λέγει κ. [A. add. ὁ θεός] (11 a)  
 — 3. λέγει κ. (11 a)  
 — 15. κύριε, μνησθήτι μου (11 a)  
 — 16. κύριε παντοκράτωρ (11 a + θ)  
 — 19. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 16. 1. λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 a + θ)  
 — 3. τάδε λέγει κ. περὶ τῶν υἱῶν (11 a)  
 — 5. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 c)  
 — 10. διὰ τί ἐλάλησεν κ. [B<sup>1</sup> om.] ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κακά ταῦτα . . . ἣν ἡμάρτομεν θῆναι κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a, 11 a)  
 — 11. λέγει κ. (11 a)  
 — 14. λέγει κ. καὶ οὐκ ἐρούσιν ἐτι, Ζῆ κ. (11 a, 11 a)  
 — 15. ἤ κ. ὅς ἀνήγαγε τὸν οἶκον Ἰσραὴλ (11 a)  
 — 16. λέγει κ. (11 a)  
 — 19. κύριε, σὺ [A. om.] ἰσχύς μου (11 a)  
 — 21. γινώσκονται ὅτι ὀνομά μοι κ. [B<sup>1</sup> ἐγὼ κ. δ. μ. κ., B<sup>3</sup> ἐγὼ κ.] (-, 11 a)  
 17. 5. καὶ ἀπὸ κυρίου ἀποστήτῃ ἡ καρδιά αὐτοῦ (11 a)  
 — 7. πέποιθεν ἐπὶ τῷ κ. καὶ ἔσται κ. ἐλπίς αὐτοῦ (11 a, 11 a)  
 — 10. ἐγὼ κ. ἐτάζω καρδίας (11 a)  
 — 13. κύριε, πάντες οἱ καταλιπόντες σε κατασχυνθήσων [B<sup>1</sup> al.] . . . ἐγκατέλιπον πηγὴν ζωῆς τὸν κ. (11 a, 11 a)  
 — 14. Ἰασαί με, κύριε (11 a)  
 — 15. ποῦ ἐστιν ὁ λόγος κυρίου (11 a)  
 — 19. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 20. ἀκούσατε τὸν [A. B. om.] λόγον κυρίου [B<sup>1</sup> al.] (11 a)  
 — 21. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 24. λέγει κύριος (11 a)  
 — 26. φέροντες αἰνεῖσαι εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 18. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἰερ. (11 a)  
 — 5. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 a)  
 — 13. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 19. εἰσακούσων μου, κύριε (11 a)  
 — 23. σὺ, κύριε [A. add. κύριε], ἔγνωσ ἅπαντες τὴν βουλήν αὐτῶν (11 a)  
 19. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 a)  
 — 3. ἀκούσατε τὸν λόγον [A. δ. λόγους, B τοὺς λ.] κυρίου . . . τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 a, 11 c)  
 — 6. λέγει κ. (11 a)  
 — 11. τάδε λέγει κ. (11 c)  
 — 12. λέγει [B εἶπεν] κ. (11 a)  
 — 14. οὐ ἀπέστειλεν αὐτὸν κ. ἐκεῖ τοῦ προφητῆς ταῦτα καὶ ἔστη ἐν τῇ αὐτῇ οἴκῳ κυρίου (11 a, 11 a)  
 — 15. τάδε λέγει κ. (11 c + θ)  
 20. 1. οὕτως ἦν καθεστatμένος ἡγούμενος οἴκου κυρίου (11 a)  
 — 2. ὅς ἦν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 3. οὐχὶ Πασχῶρ ἐκάλεσε κ. τὸ ὄνομά σου (11 a)  
 — 4. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 7. ἠπάτησάς με, κύριε (11 a)  
 — 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου εἰς ὀνειδισμὸν ἐμοί (11 a)  
 — 9. οὐ μὴ ὀνομάσω τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)  
 — 11. ὁ δὲ κ. μετ' ἐμοῦ καθὼς μαχητῆς ἰσχύων [A. -υρός] (11 a)  
 — 12. κύριε δοκιμῶν δίκαια (11 c)  
 — 13. ἤσατε τῷ κ. (11 a)  
 — 16. ὅς κατέστρεψε κ. ἐν θυμῷ (11 a)  
 21. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἰερ. (11 a)  
 — 2. ἐπελάττησεν περὶ ἡμῶν τὸν κ. . . εἰ ποιήσῃ κ. κατὰ πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (11 a, 11 a)  
 — 4. τάδε λέγει κ. (11 a + θ)  
 — 7. οὕτως λέγει κ. (11 a)  
 — 8. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 11. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 a)  
 — 12. 22. 1. τὶδε λέγει κ. (11 a)  
 22. 2. ἀκούε λόγον κυρίου (11 a)  
 — 3. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 5. λέγει κ. (11 a)  
 — 6. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 8. διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτως τῇ πόλει ταύτῃ (11 a)  
 — 9. ἐγκατέλιπον τὴν διαθήκην κυρίου θεοῦ αὐτῶν (11 a)  
 — 11. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 16. λέγει κ. (11 a)  
 — 18. τάδε λέγει κ. . . οἱμοὶ κύριε [A. om. οὐ κ.] (11 a, 1)

- Je. 22. 24. λέγει κ. (11 a)  
 — 29. ἀκούε λόγον κυρίου (11 a)  
 23. 2. τάδε λέγει κ. (11 a + θ)  
 — 4, 5. λέγει κ. (11 a)  
 — 6. ὁ καλῶσαι αὐτὸν κ. (11 a)  
 — 9. ὡς ἄνθρωπος συνεχόμενος ἀπὸ οἴνου ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)  
 — 12. A. φησὶν κ. (11 a)  
 — 15. τάδε λέγει κ. (11 c)  
 — 16. A. B. οὕτως λέγει κ. παντοκράτωρ (11 a)  
 — 16. καὶ οὐκ ἀπὸ στόματος κυρίου (11 a)  
 — 17. λέγουσι τοῖς ἀπαθουμένοις τὸν λόγον κυρίου (11 a)  
 — 18. τίς [A. om.] ἔσται ἐν ὑποστάτῃ κυρίου (11 a)  
 — 19. ἰδοὺ σεισμὸς παρὰ κυρίου (11 a)  
 — 20. οὐκέτι ἀποστρέψει ὁ θυμὸς κυρίου (11 a)  
 — 23 (A B<sup>1</sup> S), 24, 28, 29 (A B S). λέγει κ. (11 a)  
 — 30. A. B. S λέγει κ. ὁ θεός (18 a)  
 — 33. τί τὸ λῆμμα κυρίου . . . λέγει κ. (11 a, 11 a)  
 — 34. λῆμμα κυρίου (11 a)  
 — 35. τί ἀπεκρίθη κ. (11 a)  
 — 35. B. S καὶ τί ἐλάλησε κ. (11 a)  
 — 36. λῆμμα κυρίου μὴ ὀνομάζετε ἐτι [A. B. om.] (11 a)  
 — 36. τὸ λῆμμα [A. add. κυρίου] τῷ ἀνθρώπῳ ἔσται ὁ λόγος αὐ. [B<sup>1</sup> κυρίου] -, + (18 a)  
 — 37. διὰ τί ἐλάλησεν κ. ὁ θεός ἡμῶν (18 a)  
 — 38. τάδε λέγει κ. ὁ θεός ἡμῶν [A. om.] . . . λῆμμα κυρίου . . . οὐκ ἐρίτε, λῆμμα κυρίου (18 a, 11 a, 11 a)  
 — 7. λέγει κ. καὶ οὐκ ἐρούσιν ἐτι, Ζῆ κ. (11 a, 11 a)  
 — 8. ἤ κ. ὅς συνήγαγεν ἅπαν τὸ σπέρμα Ἰσ. (11 a)  
 24. 1. ἔδειξέ μοι κ. δὺο καλὰ οὐκάν κειμήλια κατὰ πρόσωπον ναοῦ κυρίου (11 a, 11 a)  
 — 3. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 a)  
 — 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 a)  
 — 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 a)  
 — 7. ἐγὼ εἰμι κ. (11 a)  
 — 8. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 25. 8. τάδε λέγει κ. (11 c)  
 — 12. A. φησὶν κ. (11 a)  
 — 14 (49. 35). τάδε λέγει κ. (11 c)  
 — 18 (49. 39) : 26 (48). 5. λέγει κ. (11 a)  
 26 (48). 10. ἡ ἡμέρα ἐκείνη κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν ἡμέρα ἐκδίκσεως . . . καὶ καταφάγεται ἡ μάχαιρα κυρίου . . . θυσία τῷ κ. [A. add. σαβαὶθ] ἀπὸ γῆς βορρᾶ (2, -, 2 + 11 c [11 a])  
 — 13. ἀ ἐλάλησε κ. ἐν χειρὶ Ἰερ. (11 a)  
 — 15. κ. [A. δ κ.] παρέλυσεν αὐτὸν (11 a)  
 — 18. λέγει κ. ὁ θεός (11 c?)  
 — 23. λέγει κ. [B ὁ θεός, A. add. ὁ θεός] (11 a [18 a])  
 — 28. λέγει κ. (11 a)  
 27 (50). 1. λόγος κυρίου [A. om.] ὃν ἐλάλησεν [A. add. κ.] (-, 11 a)  
 — 4. πορεύονται τὸν κ. [B κ. τ.] θεὸν αὐτῶν ζητούντες (11 a)  
 — 5. καταφεύζονται πρὸς κύριον τὸν [A. B. om.] θεόν (18 a)  
 — 7. ἤμαρτον τῷ κ. (11 a)  
 — 13. ἔρημος ἀπὸ ὀργῆς κυρίου οὐ κατοικηθήσεται (11 a)  
 — 18. τάδε λέγει κ. (11 c + θ)  
 — 20. A. φησὶν κ. (11 a)  
 — 20. λέγει κ. (11 a)  
 — 21. λέγει κ. (11 a)  
 — 24. τῷ κ. ἀντίστης (11 a)  
 — 25. ἤνοιξε κ. τὸν θησαυρὸν αὐτοῦ . . . ὅτι ἔργον τῷ [B<sup>1</sup> om.] κ. θεῷ [A. om.] (11 a, 2 [2 + 11 c])  
 — 28. τὴν ἐκδίκησιν παρὰ κ. θεοῦ ἡμῶν [A. αὐ- τῶν] (11 a)  
 — 29. πρὸς κύριον [A. S τὸν κ.] ἀντίστη (11 a)  
 — 30. εἶπε κ. (11 a)  
 — 31. λέγει κ. (2 + 11 c)  
 — 33. τάδε λέγει κ. (11 c)  
 — 34. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 a)  
 — 40. εἶπε κ. (11 a)  
 — 45. ἀκούσατε τὴν βουλήν κυρίου (11 a)  
 28 (51). 1. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 5. A. οὐκ ἐχθρεύσεν . . . ἀπὸ κ. [B. S om.] θεοῦ αὐ. [B. S add. ἀπὸ] κυρίου παντ. (18 b, 11 a)  
 — 6. καιρὸς ἐκδίκσεως αὐτῆς ἐστὶ παρὰ κυρίου (11 a)

- Je. 28. 7. ποτήριον χρυσοῦν Βαβυλῶν ἐν χειρὶ κυρίου [B θεοῦ] (11 a)  
 — 10. ἐξήνεγκε κ. τὸ κρίμα αὐτοῦ . . . ἀναγγέλωμεν ἐν [A. eis] Σιών τὰ ἔργα κ. τοῦ [A. B. om.] θεοῦ ἡμῶν (11 a, 11 a)  
 — 11. ἤγειρε κ. τὸ πνεῦμα βασιλέως Μήδων . . . ἐκδίκησιν κυρίου ἐστίν (11 a, 11 a)  
 — 12. A. B. S ποιήσει κ. δ ἐλάλησεν (11 a)  
 — 14. ὥμοσε κ. κατὰ τοῦ βραχίονος αὐτοῦ (11 c)  
 — 15. B κ. [A. B. S om.] ποιῶν γῆν - (11 c)  
 — 19. κ. ὄνομα αὐτῷ (11 c)  
 — 24, 26. λέγει κ. (11 a)  
 — 27. B<sup>1</sup> λέγει κύριος (11 a)  
 — 29. ἐξάνεστη ἐπὶ Βαβυλῶνα λογισμὸς κυρίου (11 a)  
 — 33. τάδε λέγει κ. (11 c + θ)  
 — 36. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 39. λέγει κ. (11 a)  
 — 50. οἱ μακρόθεν μνησθήτε τοῦ κ. (11 a)  
 — 51. εἰσῆλθον ἀλλογενεῖς . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
 — 52. λέγει [B τάδε λ.] κ. (11 a)  
 — 53. λέγει κύριος (11 a)  
 — 55. ἐξωλέθρευσε κ. τὴν Βαβυλῶνα (11 a)  
 — 56. A. B. S κύριος ἀνταποδίδωσι (11 a)  
 — 57. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 a)  
 — 58. τάδε λέγει κ. (11 c)  
 — 59. ὃν ἐνετελλτο κ. [B<sup>1</sup> δ κ.] Ἰερ. (11 a)  
 — 62. ἐρίεις, κύριε κύριε [B om.] (11 a, -)  
 29 (47). 1. τάδε λέγει κ. (11 a)  
 — 4. ἐξωλέθρευσε κ. τοὺς [A τὰς] καταλοῖστους τῶν νήσων (11 a)  
 — 6. ἔως τίνος κόψεις, ἡ μάχαιρα τοῦ [A. om.] κ. (11 a)  
 — 7. κ. [B<sup>1</sup> δ κ.] ἐνετελλτο αὐτῇ ἐπὶ τὴν Ἀσκ. (11 a)  
 29 (49). 7. τῇ Ἰδουμαίᾳ τάδε λέγει κ. (11 c)  
 — 12. τάδε εἶπε [A. λέγει] κ. (11 a)  
 — 13. λέγει κ. (11 a)  
 — 14. ἀκοὴν ἤκουσα παρὰ κυρίου (11 a)  
 — 18. εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 a)  
 — 20. ἀκούσατε βουλήν κυρίου (11 a)  
 30 (49). 1. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
 — 2. φησὶ κ. (11 a)  
 — 5. εἶπε κ. (2 + 11 c)  
 — 6 (49. 28). οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
 — 10 (49. 32). εἶπε κ. (11 a)  
 — 15 (49. 26). φησὶ κ. (11 c)  
 31 (48). 1. οὕτως εἶπε κ. (11 c + θ)  
 — 8. καθὼς εἶπε κ. (11 a)  
 — 10. ἐπικατάρτατος ὁ ποιῶν τὰ ἔργα κυρίου ἀμελῶς (11 a)  
 — 12. φησὶ κ. (11 a)  
 — 26. ἐπὶ κύριον ἐμεγαλύνθη (11 a)  
 — 35, 38. φησὶ κ. (11 a)  
 — 40. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
 — 42. ἐπὶ τὸν [B om.] κ. ἐμεγαλύνθη (11 a)  
 32 (25). 15. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 a)  
 — 17. ἐλαβον τὸ ποτήριον ἐκ χειρὸς κυρίου (11 a)  
 — 17. πρὸς δ ἀπέστειλέ με κ. (11 a)  
 — 27. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 a + θ)  
 — 28. οὕτως εἶπε κ. (11 c)  
 — 30. κ. ἀφ' [B ἐφ'] ὑψηλοῦ χρηματιεῖ (11 a)  
 — 31. κρίσις τῷ κ. ἐν τοῖς ἔθνεσι . . . λέγει κ. (11 a, 11 a)  
 — 32. οὕτως εἶπε κ. (11 c)  
 — 33. ἔσονται τραυματίαι ὑπὸ κυρίου ἐν ἡμέρᾳ κυρίου (11 a, +)  
 — 36. ὠλέθρευσε κ. τὰ βοσκήματα αὐτῶν (11 a)  
 33 (28). 1. ἐγενήθη ὁ λόγος οὗτος παρὰ κυρίου (11 a)  
 — 2. οὕτως εἶπε κ., Στῆθι ἐν αὐτῇ οἴκῳ κυρίου (11 a, 11 a)  
 — 2. πᾶσι τοῖς ἐρχομένοις προσκυνεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 4. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
 — 7. τοῦ Ἰερ. λαοῦντος . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
 — 8. δ συνέταξεν αὐτῷ κ. λαλῆσαι (11 a)  
 — 9. ἐπροφήτευσας [B add. ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου . . . ἐξεκκλησιάσθη πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ Ἰερ. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a, 11 a)  
 — 10. ἀνέβησαν ἐξ οἴκου τοῦ βασιλέως εἰς οἶκον κυρίου καὶ ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A. add. κυρίου] τῆς καινῆς (11 a, 11 a)  
 — 12. κ. ἀπέστειλέ με προφητεύσαι (11 a)  
 — 13. ἀκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου [B<sup>6</sup> κ. τοῦ θεοῦ] καὶ παύσεται κ. ἀπὸ τῶν κακῶν (11 a + θ [11 a], 11 a)

Je. 33 (26). 15. ἀπέσταλκέ με κ. πρὸς ὑμᾶς  
λαλήσαι (11 a)  
— 16. ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐλά-  
λησε πρὸς ὑμᾶς (11 a)  
— 18. οὕτως εἶπε κ. (11 c)  
— 19. οὐχ ὅτι ἐφοβήθησαν τὸν κ. καὶ ὅτι ἐδέξ-  
θησαν τοῦ προσώπου κυρίου [A αὐ-  
τοῦ] καὶ ἐπαύσατο κ. ἀπὸ τῶν κακῶν  
(11 a ter)  
— 20. προφητεύων [A add. ἐπὶ] τῷ ὀνόματι  
κυρίου (11 a)  
34 (27). 2. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 4. συντάξεις αὐτοῖς πρὸς τοὺς κ. αὐτῶν εἰ-  
πεῖν, Οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραὴλ,  
Οὕτως ἐρεῖτε πρὸς τοὺς κ. [A ε. τοῖς  
κ.] ὑμῶν (1, 11 c, 1)  
— 8. εἶπε κ. (11 a)  
— 15. φησὶ κ. (11 a)  
— 16. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 16. σκεῖν οἶκον κυρίου ἐπιστρέψει ἐκ Βαβ. (11 a)  
— 18. εἴ ἔστι λόγος [B<sup>1</sup> νόμος] κυρίου ἐν αὐ-  
τοῖς ἀπαντησάσων μοι (11 a)  
— 19. ὅτι οὕτως εἶπε κ. (11 c)  
— 22. λέγει κ. [B κ. ὁ θεός] (11 a [18 a])  
35 (28). 1. εἰπέ μοι Ἀνανίας . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
— 2. οὕτως εἶπε κ. (11 c + θ)  
— 3. ἀποστρέψω . . . τὰ σκεῖν οἶκον κυρίου (11 a)  
— 5. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων τῶν ἐστῆ-  
κότων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
— 6. Ἀ ἀληθεῖς οὗτοι ποιῆσαι κ. στήσαι κύριος  
[B S om.] τὸν λόγον σου . . . τοῦ ἐπι-  
στρέψαι τὰ σκεῖν οἶκον κυρίου (11 a ter)  
— 7. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου —  
— 9. ὃν ἀπέστειλεν αὐτοῖς κ. [A<sup>1</sup> om.] ἐν  
πίστει (11 a)  
— 11. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερემίαν  
(11 a)  
— 13. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 14. οὕτως εἶπε κ. (11 c + θ)  
— 15. οὐκ ἀπέσταλκε σε κ. (11 a)  
— 16. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
36 (29). 4. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (11 c)  
— 7. προσεῖπες περὶ αὐτῶν πρὸς κύριον  
(11 a)  
— 8. οὕτως εἶπε κύριος (11 c + θ)  
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 15. κατέστησεν ἡμῖν κ. προφῆτας (11 a)  
— 21. οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ Ἀχιάβ (11 c + θ)  
— 22. ποιῆσαι σε κ. ὡς Σεδεκίαν ἐποίησε  
(11 a)  
— 23. φησὶ κ. (11 a)  
— 26. κ. ἰδού σε ἱερεῖς ἀντὶ Ἰωδαὶ τοῦ ἱερέως  
γενέσθαι ἐπιστάτην ἐν τῷ οἴκῳ κυ-  
ρίου (11 a, 11 a)  
— 30. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερემίαν  
(11 a)  
— 31, 32. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
37 (30). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερემίαν  
παρὰ κυρίου (11 a)  
— 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (11 a)  
— 3. φησὶ κ. . . εἶπε κ. [A S add. παντοκράτωρ]  
(11 a, 11 a)  
— 4. οὗτοι οἱ λόγοι οὐς ἐλάλησε κ. (11 a)  
— 5. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 8. εἶπε κ. (11 c)  
— 9. ἐργάζονται τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 a)  
— 12. οὕτως εἶπε [A λέγει] κ. (11 a)  
— 17. φησὶ κ. (11 a)  
— 18. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 21. φησὶ κ. (11 a)  
— 23. ὀργὴ κυρίου ἐξῆλθε θυμῷ (11 a)  
— 24. οὐ μὴ ἀποστρέψῃ ὀργὴ θυμοῦ [B<sup>1</sup> om.]  
κυρίου (11 a)  
38 (31). 1. εἶπε κ. (11 a)  
— 2. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 3. κ. πόρρωθεν ὤφθη [A B ὀφθαλμοὶ] αὐτῷ (11 a)  
— 6. ἀνάβητε εἰς Σιών πρὸς κύριον τὸν θεόν  
[A S. ἐν δρεσκὶν κυρίου θεοῦ] ἡμῶν (11 a)  
— 7. οὕτως εἶπε κ. τῷ Ἰακώβ (11 a)  
— 7. ἔωσσε κ. τὸν λαόν αὐτοῦ (11 a)  
— 10. ἀκούσατε λόγους κυρίου (11 a)  
— 11. ἐλυτρώσατο κ. τὸν Ἰακώβ (11 a)  
— 12. ἤξουσιν ἐπ' ἀγαθὰ κυρίου (11 a)  
— 15, 16. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 18. σὺ κ. ὁ θεός μου (11 a)  
— 20. φησὶ κ. (11 a)  
— 22. ἔκτισε κ. σωτηρίαν (11 a)  
— 23. οὕτως εἶπε κ. . . εὐλογημένος κ. ἐπὶ  
δικαίῳ ὄρει (11 c + θ, 11 a)

Je. 38 (31). 27, 28. φησὶ κ. (11 a)  
— 31. φησὶ [A B λέγει] κ. (11 a)  
— 32, 33. φησὶ κ. (11 a)  
— 34. γράβει τὸν κ. (11 a)  
— 37 bis. φησὶ κ. (11 a)  
— 35. οὕτως εἶπε κ. . . κ. παντοκράτωρ ὄνομα  
αὐτῷ (11 a, 11 a)  
— 36. φησὶ κ. (11 a)  
— 36. A φησὶν κύριος (11 a)  
— 38. φησὶ κ. (11 a)  
— 38. οἰκοδομησεται πόλις τῷ κ. [B<sup>1</sup> λαῷ] (11 a)  
— 40. ἀγίασμα τῷ [B om.] κ. (11 a)  
39 (32). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου  
πρὸς Ἱερ. (11 a)  
— 3. A B S<sup>2</sup> οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 6. λόγος κυρίου ἐγενήθη [A ἐγένετο λ. κ.]  
πρὸς Ἱερემίαν (11 a)  
— 8. ἔγνω ὅτι λόγος κυρίου ἐστὶ (11 a)  
— 14. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 a)  
— 15. οὕτως εἶπε κ. (11 c)  
— 16. προσευξάμενη πρὸς κύριον (11 a)  
— 17. ὁ ὢν κύριος [A add. κύριε], σὺ ἐποίησας  
τὸν οὐρανὸν (2, 11 b)  
— 18. S κ. μεγάλῃς βουλῇς (11 c)  
— 19. κ. [A B ὁ θεός ὁ μέγας ὁ] παντοκράτωρ  
. . . καὶ μεγαλύνῃς μοι κ. [B<sup>1</sup> om., S<sup>2</sup> -ε]  
— 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ  
(11 a)  
— 27. ἐγὼ κ. ὁ θεός πάσης σαρκὸς (11 a)  
— 28. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ [B om. ὁ  
θ. ἰ.] (18 a [11 a])  
— 36. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 a)  
— 42. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
40 (33). 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερემίαν (11 a)  
— 2. οὕτως εἶπε κ. . . κ. ὄνομα αὐτῷ (11 a, 11 a)  
— 4. οὕτως εἶπε κ. [A S add. ὁ θεός Ἰσραὴλ]  
(11 a + θ [11 a])  
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 11. ἐξομολογήσῃς κυρίῳ [B τῷ κ.] παντο-  
κράτωρ ὅτι χρηστὸς κ. . . εἰσίσουσιν  
δῶρα εἰς οἶκον κυρίου . . . εἶπε κ. (11 a ter)  
— 12. οὕτως εἶπε κ. τῶν δυνάμεων [A<sup>1</sup> om.  
τ. δ.] (11 a [11 c])  
— 13. εἶπε κ. (11 a)  
41 (34). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ  
κυρίου (11 a)  
— 2 bis. οὕτως εἶπε κ. (11 a + θ)  
— 4. ἀκούσων τὸν λόγον κυρίου . . . οὕτως  
λέγει κ. (11 a, 11 a)  
— 5. B οὐαὶ [A B<sup>2</sup> δ] κύριε (11 a)  
— 5. εἶπε κ. (11 a)  
— 8. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυ-  
ρίου (11 a)  
— 12. ἐγενήθη λόγος κυρίου [B<sup>1</sup> om.] πρὸς  
Ἱερემίαν (11 a)  
— 13. οὕτως εἶπε κ. [A add. ὁ θεός Ἰσραὴλ]  
(11 a + θ [11 a])  
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 22. φησὶ κ. (11 a)  
42 (35). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ  
κυρίου (11 a)  
— 2. ἄξεις αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
— 4. εἰσάγαγον αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ  
(11 a)  
— 13. οὕτως λέγει κ. (11 c + θ)  
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 a + 11 d + θ)  
— 18. B S οὕτως εἶπε κ. (11 c + θ)  
43 (36). 1. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ  
(11 a)  
— 4. ἐγράψεν . . . πάντα τοὺς λόγους κυρίου (11 a)  
— 5. σὺ μὴ δυνάμει εἰσελθεῖν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)  
— 6. ἀναγνώσθ . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
— 7. ἴσως πεσεῖται ἔλεος αὐτῶν κατὰ πρόσω-  
πον κυρίου . . . μέγας ὁ θυμὸς καὶ ἡ  
ὀργὴ κυρίου (11 a, -)  
— 7. A ἦν ἐλάλησεν κύριος [B S om.] (11 a)  
— 8. τοῦ ἀναγνῶναι ἐν τῷ βιβλίῳ λόγων κυρίου  
ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a, 11 a)  
— 9. ἐξεκκλησίασαν ἡστέϊαν κατὰ πρόσωπον  
κυρίου (11 a)  
— 10. ἀνεγίνωσκε Βαροὺχ . . . ἐν οἴκῳ κυρίου  
. . . ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A om.  
π. τ.] οἴκου κυρίου (11 a, 11 a)  
11. ἤκουσε Μιχαῖε . . . ἀπαντας τοὺς λό-  
γους κυρίου (11 a)  
— 13. B<sup>1</sup> ἀναγνώσκοντος Βαροὺχ εἰς τὰ ὄρα  
κυρίου τοῦ θεοῦ [A B S<sup>2</sup> δ. τοῦ λαοῦ] +

Je. 43 (36). 27. A B S<sup>2</sup> ἐγένετο λόγος κυρίου  
πρὸς Ἱερემίαν (11 a)  
— 29. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 30. οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ Ἰωακὴμ (11 a)  
44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν . . . τοὺς λόγους κυρίου (11 a)  
— 3. πρόσευξαι δὴ περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (11 a + θ)  
— 6. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερემίαν (11 a)  
— 7. οὕτως εἶπε κ. (11 a + θ)  
— 9. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 17. εἴ ἔστιν ὁ [A S om.] λόγος παρὰ [A S<sup>1</sup>  
om.] κυρίου [B<sup>1</sup> θεοῦ] (11 a)  
— 20. κύριε [A add. μου] βασιλεῦ, πεσέτω  
τὸ ἔλεός μου (1)  
45 (38). 2, 3. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 14. εἰς οἰκίαν ἀσελειστῆλ τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)  
— 16. ζῆ κ. (11 a)  
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 a + 11 d + θ)  
— 20. ἀκούσων τὸν [A om.] λόγον κυρίου (11 a)  
— 21. οὗτος ὁ λόγος ὃν ἐδείξε μοι κ. (11 a)  
— 27. οὐκ ἠκούσθη λόγος κυρίου —  
46 (39). 15. πρὸς Ἱερემίαν ἐγένετο λόγος κυρίου (11 a)  
— 16. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 c)  
— 18. φησὶ κ. (11 a)  
47 (40). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου  
πρὸς Ἱερ. (11 a)  
— 2. κ. ὁ θεός σου ἐλάλησε τὰ κακὰ ταῦτα (11 a)  
— 3. ἐποίησε κ. (11 a)  
48 (41). 5. τοῦ εἰσενεγκεῖν εἰς οἶκον [B ἐν τῷ  
οἴκῳ] κυρίου (11 a)  
49 (42). 2. πρόσευξαι πρὸς κύριον τὸν θεόν σου (11 a)  
— 3. ἀναγγεῖλάτω ἡμῖν κ. ὁ θεός σου τὴν ὁδόν (11 a)  
— 4. προσεύξομαι πρὸς κύριον τὸν θεόν ἡμῶν  
. . . ὃν ἂν ἀποκρίθῃς μοι κ. (11 a, 11 a)  
— 5. ἔστω κ. ἐν [A om.] ἡμῖν εἰς μάρτυρα (11 a)  
— 5. ὃν ἂν ἀποστείλῃς κ. πρὸς ἡμᾶς (11 a + θ)  
— 6. τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν . . . ἀκου-  
σόμεθα (11 a)  
— 6. ἀκουσόμεθα τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)  
— 7. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἱερემίαν (11 a)  
— 9. οὕτως εἶπε κ. (11 a + θ)  
— 11. φησὶ κ. (11 a)  
— 13. πρὸς τὸ μὴ ἀκούσαι φωνῆς κυρίου (11 a + θ)  
— 15. ἀκούσατε λόγον [B -ους] κυρίου (11 a)  
— 15 (A B S<sup>2</sup>), 18. οὕτως εἶπε κ. (11 c + θ)  
— 19. ἂ ἐλάλησε κ. [B<sup>1</sup> om.] ἐφ' ὑμᾶς (11 a)  
— 20. πρόσευξαι περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (11 a + θ)  
— 20. ἂ ἐν λαλήσῃ σοι κύριος (11 a + θ)  
— 21. οὐκ ἤκουσας [A εἰσηκ.] τῆς φωνῆς κυ-  
ρίου (11 a + θ)  
50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἱερ. λέγων . . . πάντα  
τοὺς λόγους κυρίου [A add. θεοῦ  
αὐ.] οὐς ἀπέστειλεν αὐτόν κ. [A add.  
ὁ θεός αὐ.] πρὸς αὐτοὺς  
(11 a + θ [11 a], 11 a + θ [11 a])  
— 2. οὐκ ἀπέστειλε σε κ. πρὸς ἡμᾶς (11 a + θ)  
— 4. οὐκ ἤκουσεν . . . πᾶς ὁ λαὸς τῆς φωνῆς  
κυρίου [B τοῦ κ.] (11 a)  
— 7. οὐκ ἤκουσαν τῆς φωνῆς κυρίου (11 a)  
— 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 a)  
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 c + θ)  
51 (44). 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 c)  
— 7. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 a + 11 d + θ)  
— 11. οὕτως εἶπε κ. (11 c + θ)  
— 16. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς [B add. ἐν] τῷ  
ὀνόματι κυρίου (11 a)  
— 21. οὐχὶ τοῦ θυμιάματος . . . ἐμνήσθη κ. (11 a)  
— 22. οὐκ ἠδύνατο κ. εἶτι φέρεται (11 a)  
— 23. ὡς ἡμάρτετε τῷ κ. καὶ οὐκ ἠκούσατε τῆς  
φωνῆς κυρίου (11 a, 11 a)  
— 24. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 a)  
— 25. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεός Ἰσραὴλ (11 c)  
— 26. ἀκούσατε λόγον κυρίου . . . εἶπε [A  
λέγει] κ. . . ζῆ κ. [A S add. κύ-  
ριος] ἐπὶ πάσῃ γῇ διγ. (11 a, 11 a, 2 + 11 b [2, 11 b])  
— 30. οὕτως εἶπε κ. (11 a)  
— 32 (45. 2). οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ σοί (11 a + θ)  
— 33 (45. 3). προσέθηκε κ. κόπον ἐπιπόνον  
μοι (11 a)  
— 34 (45. 4). οὕτως εἶπε κ. [B al.] (11 a)  
— 35 (45. 5). λέγει κ. (11 a)  
52. 13. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (11 a)  
— 17. τοὺς στήλους τοὺς χαλκοὺς τοὺς ἐν  
οἴκῳ κυρίου (11 a)  
— 17. B S τὴν θάλασσαν τὴν χαλκὴν τὴν ἐν  
οἴκῳ κυρίου (11 a)



- Je. 52. 20. ἃ ἐποίησεν ὁ βασιλεὺς Σαλωμών εἰς οἶκον κυρίου (11 α)
- Ba. 1. 5. ἤρχοντο ἐναντίον [Α εὐχὰς ἔναντι] κυρίου
- 8. ἐν τῷ λαβείν αὐτὸν τὰ σκευὴ οἴκου κυρίου
- 10. ἀνοίξατε ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν
- 12. δώσει κ. ἰσχύον ἡμῶν
- 13. προσεύξασθε περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν ὅτι ἡμάρτομεν τῷ [Α om.] κ. θεῷ ἡμῶν καὶ οὐκ ἀπέστρεψεν ὁ θυμὸς κυρίου
- 14. ἐξαγορεύσαι ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν ἡμέρᾳ [Α -ais] ἑορτῆς
- 15. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν ἡ δικαιοσύνη
- 17. ὧν ἡμάρτομεν ἔναντι κυρίου
- 18. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κυρίου θεοῦ ἡμῶν πορεύεσθαι [Α add. ἐν] τοῖς προστάγμασι κυρίου
- 19. ἥς ἐξῆγαγε κ. τοὺς πατέρας ἡμῶν . . . ἡμεθα ἀπειθούντες πρὸς κύριον θεὸν ἡμῶν
- 20. ἥν συνέταξε κ. τῷ Μωσῇ παιδί αὐτοῦ
- 21. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν
- 22. ποιῶσαι τὰ κακὰ κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου θεοῦ ἡμῶν
2. 1. ἔστησε κ. τὸν λόγον αὐτοῦ
- 4. οὐ δύσπεριν αὐτοὺς κ. ἐκεῖ
- 5. ἡμάρτομεν κυρίῳ [Α τῷ κ.] θεῷ ἡμῶν
- 6. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν ἡ δικαιοσύνη
- 7. ἃ ἐλάλησε κ. ἐφ' ἡμᾶς
- 8. οὐκ ἐδείχθημεν τοῦ προσώπου κυρίου
- 9. ἐργηγήρασε κ. ἐπὶ τοῖς κακοῖς καὶ ἐπήγαγε κ. ἐφ' ἡμᾶς ὅτι δικαίος ὁ [Α om.] κ. ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ
- 10. πορεύεσθαι τοῖς προστάγμασι κυρίου
- 11. κύριε ὁ θεὸς Ἰσραὴλ
- 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
- 14. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς προσευχῆς ἡμῶν
- 15. σὺ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν
- 16. Α Β κύριε, κἀντι ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου . . . κλίνον, κύριε [Β -ος], τὸ οὖς σου
- 17. Α ἀνοίξον, κύριε, [Β om.] ὀφθαλμούς σου
- 17. δώσουσι δόξαν καὶ δικαίωμα τῷ κ.
- 18. δώσουσί σοι δόξαν καὶ δικαιοσύνην, κύριε
- 19. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
- 21. οὕτως εἶπε κ.
- 22. ἐὰν μὴ ἀκούσῃτε τῆς φωνῆς κυρίου
- 27. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
- 31. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ κ. ὁ θεὸς αὐτῶν
- 33. μνησθήσονται τῆς ὁδοῦ πατέρων αὐτῶν τῶν ἀμαρτάνων ἐναντι κυρίου
3. 1. κύριε παντοκράτωρ ὁ θεὸς Ἰσραὴλ
- 2. ἀκούσον, κύριε
- 4. κύριε παντοκράτωρ ὁ θεὸς Ἰσραὴλ
- 6. σὺ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν, καὶ αἰνεῶμέν σε, κύριε
- 8. οἱ ἀπίστησαν ἀπὸ κυρίου θεοῦ ἡμῶν
- La. 1. 5. κ. ἐταπείνωσεν αὐτήν (11 α)
- 9. ἰδε, κύριε, τὴν ταπείνωσίν μου (11 α)
- 11. ἰδε, κύριε [Α om.], καὶ ἐπιβλέψον (11 α)
- 12. φθονέμενος ἐν ἐμοὶ ἐταπείνωσέ με κ. (11 α)
- 13. Α ἔδωκε με κ. [Β S om.] ἠφανισμένην
- 14. ἔδωκε κ. ἐν χειρὶ μου ὀδύνας (2)
- 15. ἐξῆρε πάντας τοὺς ἰσχυροὺς μου ὁ [S om.] κ. ἐκ μέσου μου . . . λήρον ἐπάτησε κ. παρθένο θυγατρὶ Ἰούδα (2, 2)
- 17. ἐνετεῖλατο κ. τῷ Ἰακώβ (11 α)
- 18. δικαίος ἔστι κ. (11 α)
- 20. ἰδε, κύριε, ὅτι θλιβόμαι (11 α)
2. 1. πῶς ἐγνώφωσεν ἐν ὀργῇ αὐτοῦ κ. [Α om.] τὴν θυγατέρα Σιών (2)
- 2. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ κατεπότισε κ. (2)
- 5. ἐγενήθη κ. ὡς ἐχθρὸς (2)
- 6. ἐπελάβετο κ. ἃ ἐποίησεν (11 α)
- 7. Α Β ἀπόσαστο κ. θυσιαστήριον αὐτοῦ . . . φωνὴν ἔδωκαν ἐν οἴκῳ κυρίου [Β S om.] (2, 11 α)
- 8. Α ἀπέστρεψε κ. [Β S om.] τοῦ διαφθεῖραι τείχος (11 α)
- 8. Α οὐκ ἐπέστρεψε κύριος [Β S om.] χεῖρα
- 9. οὐκ εἶδον ὄρασι παρὰ κυρίου (11 α)
- 17. ἐποίησε κ. ἃ ἐνεμύμθη (11 α)
- 18. ἐβόησε καρδίᾳ αὐτῶν πρὸς κύριον (2)
- 19. ἔκχεν ὡς ὕδωρ καρδίαν σου ἀπέναντι προσώπου κυρίου (2)
- 20. ἰδε, κύριε . . . ἀποκτενεῖς ἐν ἀγιάσματι κυρίου ἱερέα καὶ προφήτην (11 α, 2)
- 22. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 α)
- La. 3. 18. ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ κυρίου (11 α)
- 22. Β τὰ ἔλεῖν κυρίου ὅτι οὐκ ἐξέλιπέ με (11 α)
- 22. Β μῆνας εἰς τὰς πρωὰς ἐλέησον, κύριε
- 24. Β μερίς μου κ. (11 α)
- 25. ἀγαθὸς κ. τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν (11 α)
- 26. ἡσυχάσει εἰς τὸ σωτήριον κυρίου (11 α)
- 31. οὐκ εἰς τὸν αἰῶνα ἀπόσεται κ. (2)
- 36. κ. οὐκ εἶπε (2)
- 37. Α κύριος [Β τίς] οὕτως εἶπε
- 37. κ. οὐκ ἐνετεῖλατο (2)
- 40. ἐπιστρέψωμεν ἔως κυρίου (11 α)
- 50. καὶ ἰδοὺ κ. ἐξ οὐρανοῦ (11 α)
- 55. Β ἐπεκαλεσάμην τὸ ὄνομά σου, κύριε (11 α)
- 58. ἐδικάσας, κύριε, τὰς δίκας [Α ἀδικίας] τῆς ψυχῆς μου (2)
- 59. ἴδες, κύριε, τὰς ταραχὰς μου (11 α)
- 64. ἀποδώσεις αὐτοῖς ἀνταπόδομα, κύριε (11 α)
- 66. ἐξαγαλῶσεις αὐτοὺς ὑποκάτω τοῦ οὐρανοῦ, κύριε (11 α)
4. 11. συνετέλεσε κ. θυμὸν αὐτοῦ (11 α)
- 16. πρόσσωπον κυρίου μερὶς αὐτῶν (11 α)
- 20. χριστὸς κ. συνελήφθη (11 α)
- 21. ἐπὶ σὲ διελεύσεται τὸ ποτήριον κυρίου
5. 1. μνησθήτι, κύριε (11 α)
- 19. σὺ δέ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα κατοικήσεις (11 α)
- 21. ἐπίστρεψον ἡμᾶς, κύριε, πρὸς σέ (11 α)
- Ez. 1. 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰεζεκιήλ . . . ἐγένετο [Α add. ἐκεῖ] ἐπ' ἐμὲ χεῖρ κυρίου (11 α, 11 α)
2. 1 (1. 28). Β αὕτη ἡ ὄρασις ὁμοιώματος [Α<sup>2</sup> -μα τῆς] δόξης κυρίου (11 α)
- 4: 3. 11. Α τὰδε λέγει κ. κ. [Β om.] (2, 11 β [2+11 β])
3. 12. εὐλογημένη ἡ δόξα κυρίου ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (11 α)
- 14. Α τὸ πνεῦμα κυρίου [Β om.] ἐξῆρξέ με
- 14. χεῖρ κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμέ κραταιά (11 α)
- 16. Α<sup>2</sup> Β ἐγένετο μετὰ τὰς ἑπτὰ ἡμέρας λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 22. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεῖρ κυρίου (11 α)
- 23. Β ἰδοὺ ἐκεῖ δόξα κυρίου εἰσίστηκει . . . καθὼς ἡ δόξα κυρίου [Α Β om.] ἦν ἴδον (11 α, -)
- 27. Α τὰδε λέγει κ. κ. [Β om.] (2, 11 β [2+11 β])
4. 13. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ (18 α?)
- 14. μῆδαμὼς, κύριε [Α add. κυρίῳ] θεῷ Ἰσραὴλ (2 [2, 18 ε])
- 15, 16. Α εἶπεν κ. [Β om.] πρὸς μέ
5. 5, 7, 8. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 11. λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 13. ἐγὼ κ. λελάληκα ἐν ζήλῳ μου (11 α)
- 15, 17. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 α)
6. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 3. ἀκούσατε λόγον [Α add. Ἀδωναὶ] κυρίου τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β], 2+11 β [11 β])
- 7. ἐπιγνώσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)
- 10. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. [Α add. οὐκ εἰς δωρεάν] λελάληκα (11 α)
- 11. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 13. γνῶσθε διότι ἐγὼ κ. (11 α)
- 14. ἐπιγνώσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)
7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 2. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 9. Β ἐπιγνώση διότι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ τύπων (11 α)
- 4. ἐπιγνώση διότι [Α γν. ὅτι] ἐγὼ κ. (11 α)
- 5. τὰδε λέγει κ. (2+11 β)
- 10. ἰδοὺ ἡ [Α om.] ἡμέρα κυρίου [Α om.]
- 19. Α ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 α)
- 27. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)
8. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεῖρ [Α add. Ἀδωναὶ] κυρίου (2+11 β [11 β])
- 4. ἐκεῖ ἦν δόξα κυρίου θεοῦ Ἰσραὴλ (18 β)
- 12. οὐχ ὄρα ὁ κ., ἐγκαταλείποιεν κ. [Α ἐ. κ., οὐκ ἐφόρα ὁ κ.] τὴν γῆν (11 α, 11 α)
- 14. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου (11 α)
- 16. εἰς τὴν αὐλὴν οἴκου κυρίου τὴν ἐσωτέραν καὶ ἐπὶ τῶν προθύρων τοῦ ναοῦ κυρίου (11 α, 11 α)
- 16. τὰ ὀπίσθια αὐτῶν [Α add. δεδωκότες] πρὸς τὸν ναὸν τοῦ [Α om.] κ. (11 α)
9. 4. Α εἶπε κύριος [Β al.] πρὸς αὐτόν (11 α)
- Ez. 9. 8. οἶμοι [Α οἶμοι Ἀδωναὶ] κύριε (2+11 β [11 β])
- 9. ἐγκαταλείποιεν κ. τὴν γῆν (11 α)
- 9. οὐκ ἐφόρα ὁ κ. [Α al.] (11 α)
10. 4. ἀπῆρην ἡ δόξα κυρίου ἀπὸ τῶν χειρῶν . . . ἡ αὐλὴ ἐπλήσθη τοῦ φέγγους τῆς δόξης κυρίου (11 α, 11 α)
- 18. ἐξῆλθε δόξα κυρίου ἀπὸ [Α add. τοῦ αἵθριου] τοῦ οἴκου (11 α)
- 19. τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου τῆς ἀπέναντι καὶ δόξα [Α add. κυρίου] θεοῦ Ἰσραὴλ ἦν ἐπ' αὐτῶν ὑπεράνω (11 α, 18 β)
11. 1. ἡγαγέ με ἐπὶ τὴν πύλην τοῦ οἴκου κυρίου τὴν κατέναντι (11 α)
- 2. εἶπε κ. πρὸς μέ
- 5. Α Β ἐπέσεν ἐπ' ἐμὲ πνεῦμα κυρίου [Β om.] καὶ εἶπε πρὸς μέ, λέγε, τὰδε λέγει κ. (11 α, 11 α)
- 7. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 8. λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 10. ἐπιγνώσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)
- 12. Α ἐπιγνώσθε διότι ἐγὼ κύριος (11 α)
- 13. οἶμοι οἶμοι [Α add. Ἀδωναὶ] κύριε (2+11 β [11 β])
- 14. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 15. μακρὰν ἀπέχετε ἀπὸ τοῦ κ. (11 α)
- 16, 17. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 20. Α λέγει κ.
- 21. λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 23. ἀνέβη ἡ δόξα κυρίου ἐκ μέσης τῆς πόλεως (11 α)
- 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λόγους τοῦ [Α om.] κ. (11 α)
- 25. Α οὐς ἔδειξέ μοι κ. [Β om.]
12. 1, 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 10. τὰδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)
- 15. γνῶσονται διότι ἐγὼ κ. (11 α)
- 16. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)
- 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 19. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 20. ἐπιγνώσθε διότι ἐγὼ κ. (11 α)
- 21. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 23. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 25. ἐγὼ κύριος λαλήσω τοὺς λόγους μου (11 α)
- 25. λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 28. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 28. Α Β<sup>2</sup> S λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
13. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου
- 3. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 5. οὐκ ἀνέστησαν οἱ λέγοντες, Ἐν ἡμέρᾳ κυρίου (11 α)
- 6. λέγει [Α<sup>2</sup> τὰδε λ.] κ. καὶ [Α add. ὁ] κ. οὐκ ἀπέσταλκεν αὐτοὺς (11 α, 11 α)
- 7. Α φησὶν κ. (11 α)
- 8. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. . . λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 9. γνῶσονται διότι ἐγὼ κ. [Α εἰμι Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 13. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 14. ἐπιγνώσθε διότι ἐγὼ κ. (11 α)
- 16. λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 18. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 20. τὰδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)
- 21. ἐπιγνώσθε διότι ἐγὼ κ. (11 α)
- 23. γνῶσθε [Α ἐπινγ.] ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)
14. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)
- 4. τὰδε λέγει [Α add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 4. ἐγὼ κ. ἀποκριθῶμαι αὐτῷ (11 α)
- 6. τὰδε λέγει κ. κ. [Α add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])
- 7. ἐγὼ κ. ἀποκριθῶμαι αὐτῷ
- 8. ἐπιγνώσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)
- 9. ἐγὼ κ. πεπλάνηκα τὸν προφήτην ἐκείνον (11 α)
- 11. λέγει [Α<sup>2</sup> add. Ἀδωναὶ] κ. (2+11 β [11 β])
- 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)



Εξ. 14, 14, 16, 18, 20. λέγει [A<sup>3</sup> add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 21. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 23. λέγει [A<sup>3</sup> add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 15. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 6. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 7. ἐπιγνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 8. λέγει κ. (2+11 β)  
 16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει κ. τῇ Ἱερουσαλὴμ (2+11 β)  
 — 8, 14. λέγει [A<sup>3</sup> add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 19, 23, 30. λέγει κ. (2+11 β)  
 — 35. ἀκούε λόγον κυρίου (11 α)  
 — 36. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 43, 48. λέγει κ. (2+11 β)  
 — 58. λέγει κ. (11 α)  
 — 59. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 62. ἐπιγνώσῃ ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 63. λέγει κ. (2+11 β)  
 17. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3, 9. τάδε λέγει κ. (2+11 β)  
 — 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 16. λέγει κ. (2+11 β)  
 — 19. τάδε λέγει κ. (2+11 β)  
 — 21. ἐπιγνώσασθε διότι ἐγὼ κ. λελάληκα (11 α)  
 — 22. τάδε λέγει κ. (2+11 β)  
 — 24. ἐγὼ κ. ὁ ταπεινῶν ὕψλον ὑψήλων . . . ἐγὼ κ. λελάληκα (11 α, 11 α)  
 18. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3, 9. λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 23. Α λέγει κ. κ. [B om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 25. οὐ κατεβύθισεν [A κατάρθω] ἡ ὁδὸς κυρίου (2)  
 — 29. οὐ κατάρθω ἡ ὁδὸς κυρίου (2)  
 — 30. λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 31. Α λέγει κ. —  
 — 32. λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 20. 1. ἦλθον ἄνδρες . . . ἐπερωτήσαν τὸν κ. (11 α)  
 — 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει κ. (2+11 β)  
 — 3. λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 5. τάδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός] . . . ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (2+11 β [11 α])  
 — 7. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 — 12. ἐγὼ κ. ὁ ἀγαθὸς αὐτοῦ (11 α)  
 — 19, 20. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 α)  
 — 26. Α ἵνα γνῶσιν ὅτι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 27. τάδε λέγει [A<sup>2</sup> add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 30. τάδε λέγει κ. [A add. κ. ὁ θεός] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 31. λέγει κ. (2+11 β)  
 — 33. Β<sup>3</sup> λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 36. λέγει κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])  
 — 38. ἐπιγνώσασθε διότι ἐγὼ κ. κ. [A ὁ θεός] (11 α, —)  
 — 39. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 40. Β λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 40. Α λέγει κ. κ. —  
 — 42. ἐπιγνώσασθε διότι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 44. ἐπιγνώσασθε διότι ἐγὼ κ. . . λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (11 α, 2+11 β [11 β])  
 — 45 (21. 1). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 47 (21. 3). ἀκούε λόγον κυρίου τάδε λέγει κ. κ. [A ὁ θεός Ἰσραὴλ] (11 α, 2, 11 β)  
 — 48 (21. 4). ἐγὼ κ. ἐξέκαυσεν αὐτό (11 α)  
 — 49 (21. 5). μεθάρως, κύριε κύριε (2, 11 β)  
 21. 1 (6). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3 (8). Β<sup>3</sup> Ε τάδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός, Β<sup>3</sup> add. κύριος] (11 α [18 α])  
 — 5 (10). ἐγὼ κ. ἐξέσπασα τὸ ἐγγεγραμμένον μου (11 α)  
 — 7 (12). λέγει κ. [A add. ὁ θεός, Β<sup>3</sup> add. κύριος] (2+11 β [2, 11 β])  
 — 8 (13). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 9 (14). τάδε λέγει [A<sup>3</sup> add. 'Αδωναί] κ. (11 α)  
 — 13 (18). λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 17 (22). ἐγὼ κ. λελάληκα (11 α)  
 — 18 (23). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 24 (29). λέγει κ. [A add. κ. ὁ θεός] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 26 (31). τάδε λέγει κ. [A add. κ. ὁ θεός] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 28 (33). τάδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])

Εξ. 21. 32 (37). ἐγὼ κ. λελάληκα (11 α)  
 22. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει κ. κ. [A add. ὁ θεός] (2, 11 β [2, 18 ε])  
 — 12. Α λέγει κ. κ. [B om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 14. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 α)  
 — 16. γνῶσασθε [A γνῶση] διότι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 19. Β τάδε λέγει κ. κ. [B om., A add. ὁ θεός] (2, 11 β [2+11 β, 2+18 ε])  
 — 22. ἐγὼ κ. ἐξέχεα τὸν θυμὸν μου ἐφ' ὑμᾶς (11 α)  
 — 23. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 28. τάδε λέγει κ. καὶ κ. οὐκ ἐλάλησε (2+11 β, 11 α)  
 — 31. λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 23. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 22. τάδε λέγει κ. [A add. κ. ὁ θεός ἐπὶ σέ] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 28. τάδε λέγει κ. κ. [A add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 32. τάδε λέγει κ. κ. [A 'Αδωναί] κ. κ. ὁ θεός] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 34. λέγει κ. [A add. κ. ὁ θεός] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 35. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 36. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 α)  
 — 46. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναί] κ. (2, 11 β)  
 — 49. γνῶσασθε διότι ἐγὼ κ. (2+11 β)  
 24. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3, 6, 9. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 14. ἐγὼ κ. λελάληκα . . . λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (11 α, 2+11 β [11 β])  
 — 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 20. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς μέ λέγων [A τάδε λέγει 'Αδωναί] κ. (11 α)  
 — 21. τάδε λέγει κ. [A add. κ. ὁ θεός] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 24. ἐπιγνώσασθε διότι ἐγὼ κ. (2+11 β)  
 — 27. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 α)  
 25. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. ἀκούσατε λόγον κυρίου τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β, 2+11 β [11 β])  
 — 5. ἐπιγνώσασθε διότι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 6. τάδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])  
 — 7. ἐπιγνώσῃ διότι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 8. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 11. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 α)  
 — 12, 13. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 14. λέγει κ. [A<sup>3</sup> om.] (2+11 β)  
 — 15, 16. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 17. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 α)  
 26. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 5. Α λέγει κ. κ. [B om.] (2, 11 β)  
 — 6. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ κ. [A add. εἰμι] κ. (11 α)  
 — 7. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 14. ἐγὼ κ. [A om.] ἐλάλησα, λέγει κ. (11 α, 2+11 β)  
 — 15. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. κ. [A add. ἐπὶ σέ] τῇ Σόρ (2, 11 β)  
 — 19. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 21. λέγει κ. κ. [A add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 27. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει κ. τῇ [A 'Αδ. κ. ἐπὶ] Σ. (2+11 β [11 β])  
 — 36. Α λέγει κ. ὁ θεός —  
 28. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 2. τάδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])  
 — 6. τάδε λέγει κ. [A add. κ. ὁ θεός] (2+11 β [2, 18 ε])  
 — 10. λέγει κ. [A<sup>3</sup> om.] (2+11 β)  
 — 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 12. τάδε λέγει κ. κ. [A om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 22. τάδε λέγει κ. . . γνῶσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (2+11 β, 11 α)  
 — 23. γνῶσονται διότι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 24. γνῶσονται διότι ἐγὼ εἰμι κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])  
 — 25. τάδε λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 β)  
 — 26. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός αὐτῶν (11 α)  
 29. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])  
 — 6. ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)

Εξ. 28. 8. τάδε λέγει κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])  
 — 9. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 13. Α τάδε λέγει κ. κ. [B om.] (2, 11 β [2+11 β])  
 — 16. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. [A add. ὁ θεός] (2+11 β [2])  
 — 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 19, 20. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναί] κ. (2, 11 β)  
 — 21. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 30. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 2. τάδε λέγει κ. (2+11 β)  
 — 3. ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κ. (11 α)  
 — 6. λέγει κ. (2+11 β)  
 — 8. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 10. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναί] κ. (2, 11 β)  
 — 12. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 α)  
 — 13. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναί] κ. (2, 11 β)  
 — 19. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 22. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 25. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 26. γνῶσονται πάντες ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 31. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 10. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 15. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναί] κ. (2, 11 β)  
 — 18. λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 32. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 8. λέγει κ. κ. [A add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 11. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναί, Β<sup>3</sup> om.] κ. (2, 11 β)  
 — 14. λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 15. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 16. λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 31. λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 β)  
 — 32. λέγει κ. κ. [A add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 33. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 11. τάδε λέγει [A<sup>3</sup> add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 17. οὐκ εὐθεία ἡ ὁδὸς τοῦ κ. (2)  
 — 20. οὐκ εὐθεία ἡ ὁδὸς κυρίου (2)  
 — 20. Α λέγει κ. —  
 — 22. ἐγενήθη ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 α)  
 — 23. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 25. Α οὕτως εἶπεν 'Αδωναί κ. (11 β)  
 — 27. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 29. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 30. ἀκούσωμεν τὰ ἐκπορευόμενα παρὰ κυρίου (11 α)  
 34. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 2. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 7. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
 — 8. λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 9. Α ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
 — 10. τάδε λέγει κ. κ. [A 'Αδωναί] κ. (2, 11 β)  
 — 11. τάδε λέγει κ. κ. [B<sup>3</sup> om., A add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 15. Α<sup>2</sup> Β γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. —  
 — 15, 17. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 20. τάδε λέγει κ. κ. [A add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 24. ἐγὼ κ. ἴσθαι αὐτοὺς εἰς θεὸν . . . ἐγὼ κ. ἐλάλησα (11 α, 11 α)  
 — 27. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 30. γνῶσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός αὐτῶν . . . λέγει κ. κ. [B<sup>3</sup> om.] (11 α, 2, 11 β)  
 — 31. ἐγὼ κ. [B<sup>3</sup> add. κύριος] ὁ θεός ὑμῶν, λέγει κ. κ. (18 β [- , 18 β], 2, 11 β)  
 35. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει κ. κ. [A om.] (2, 11 β)  
 — 4. γνῶσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 6. λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 9. γνῶσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 10. κ. [A ὁ κ.] ἐκεῖ ἐστὶ (11 α)  
 — 11. λέγει κ. [A add. κ.] (2+11 β [2, 11 β])  
 — 12. γνῶσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 13. Α φησιν κ. —  
 — 14. τάδε λέγει κ. (2+11 β)  
 — 15. γνῶσῃ ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεός αὐτῶν (18 α)  
 36. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
 — 2. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 — 3. τάδε λέγει κ. κ. [A add. ὁ θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου τάδε λέγει κ. (2+11 β, 2+11 β)  
 — 5. τάδε λέγει κ. κ. [A om.] (2, 11 β)  
 — 6. τάδε λέγει [A add. 'Αδωναί] κ. (2+11 β [11 β])  
 — 11. γνῶσασθε ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)

Εξ. 36. 13. τάδε λέγει κ. [Α. 'Αδωναϊ] κ. (2, 11 β)  
 — 14. λέγει κ. [Α. 'Αδωναϊ] κ. (2, 11 β)  
 — 15. λέγει κ. κ. [Α. ο θεός] (2, 11 β)  
 — 16. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 20. λαὸς κυρίου οὗτος (11 α)  
 — 22. τάδε λέγει [Α. add. 'Αδωναϊ] κ. (2 + 11 β) (11 β)  
 — 23. γινώσκονται τὰ ἔθνη ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 23. Α. λέγει 'Αδωναϊ κ. (11 β)  
 — 32. λέγει κ. [Β. 'Αδωναϊ] κ. [Α. ο θεός] (2, 11 β)  
 — 32. Α. λέγει κύριος —  
 — 33. τάδε λέγει 'Αδωναϊ κ. [Α. λ. κ. ο θεός] (11 β [2])  
 — 36. ἐγὼ [Α. εἰμι] κύριος φθοδόμησα (11 α)  
 — 36. ἐγὼ κ. [Α. add. κ.] ἐλάλησα (11 α, —)  
 — 37. τάδε λέγει 'Αδωναϊ κ. [Α. λ. κ. κ. ο θεός] (11 β [2, 18 ε])  
 — 38. γινώσκονται ὅτι ἐγὼ [Α. add. εἰμι] κ. (11 α)  
 37. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεῖρ κυρίου καὶ ἐξήγαγε με ἐν πνεύματι κ. (11 α, 11 α)  
 — 3. Α. Β. κύριε κύριε [Β. om.], σὺ ἐπίστη αὐτὰ (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 α)  
 — 5. Α. τάδε λέγει κ. κ. [Β. om.] (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 6. γινώσκεισθε ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 7. Α. ἐντειλιτό μοι κ. [Β. om.] —  
 — 9. Α. τάδε λέγει κ. κ. [Β. om.] (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 11. ἐλάλησε κ. πρὸς μέ —  
 — 12. τάδε λέγει [Α. add. 'Αδωναϊ] κ. (2 + 11 β [11 β])  
 — 13. γινώσκεισθε ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 14. γινώσκεισθε ὅτι ἐγὼ κ. . . λέγει κ. [Α. add. κ.] (11 α, 11 α, —)  
 — 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 19. τάδε λέγει [Α. add. 'Αδωναϊ] κ. (2 + 11 β [11 β])  
 — 21. τάδε λέγει κ. κ. [Α. λ. 'Αδωναϊ κ. ο θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 23. ἐγὼ κ. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς θεόν —  
 — 28. ἐγὼ εἰμι κ. ο ἀγαθὸς αὐτοῦς (11 α)  
 — 28. Α. λέγει κύριος —  
 38. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 α)  
 — 3. τάδε λέγει κ. [Α. 'Αδωναϊ] κ. (2, 11 β)  
 — 10. τάδε λέγει κ. κ. [Α. add. ο θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 14. τάδε λέγει κ. [Α. add. κ. ο θεός] (2 + 11 β [2, 18 ε])  
 — 17. τάδε λέγει κ. κ. [Α. λ. 'Αδωναϊ κ. ο θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 18. λέγει κ. κ. [Α. add. ο θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 20. σεσαθῇσονται ἀπὸ προσώπου κυρίου [Α. τὸν κ.] οἱ ἰχθύες +  
 — 21. Α. λέγει κ. κ. [Β. om.] (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 23. γινώσκονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 39. 1. Α. τάδε λέγει κ. κ. [Β. om.] (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 5. Α. λέγει κ. κ. [Β. om.] (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 6. γινώσκονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. (11 α)  
 — 7. ἐγὼ εἰμι κ. [Α. add. κ. ο] ἄγιος ἐν [Α. om.] 'Ισραὴλ (11 α)  
 — 8. λέγει κ. κ. [Α. add. ο θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 10, 13. λέγει κ. (2 + 11 β)  
 — 17. τάδε λέγει κ. (2 + 11 β)  
 — 20. Α. λέγει κ. κ. [Β. om.] (2, 11 β [2 + 11 β])  
 — 22. ἐγὼ εἰμι κ. ο θεός αὐτῶν (11 α)  
 — 25. τάδε λέγει κ. κ. [Α. add. ο θεός] (2, 11 β [18 ε])  
 — 28. ἐγὼ εἰμι κ. ο θεός αὐτῶν (11 α)  
 — 29. λέγει κ. κ. (2, 11 β)  
 40. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεῖρ κυρίου (11 α)  
 — 46. οἱ ἐγγίζοντες ἐκ τοῦ Λευὶ πρὸς κύριον (11 α)  
 41. 22. αὐτὴ ἡ τράπεζα [ἢ πρὸ προσώπου] [Α. τρ. κατὰ πρόσωπον] κυρίου [Β. om.] (11 α)  
 42. 13. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Σαδδοὺκ οἱ ἐγγίζοντες πρὸς κύριον (11 α)  
 43. 2. Α. ὡς φέγγος ἀπὸ τῆς δόξης κυρίου [Β. om.] κυλιόθεν +  
 — 4. δόξα κυρίου εἰσῆλθεν (11 α)  
 — 5. πλήρης δόξης κυρίου ὁ οἶκος (11 α)  
 — 18. τάδε λέγει κ. ο θεός 'Ισραὴλ (2)  
 — 19. λέγει κ. ο θεός [Α. add. τοῦ Λευὶ] (2)  
 — 24. προσκίσατε ἐναντίον κυρίου . . . ἀνοίσουσιν αὐτὰ ὀλοκαυτώματα τῶ κ. (11 α, 11 α)  
 — 27. λέγει κ. (2 + 11 β)  
 44. 2. εἶπε κ. πρὸς μέ . . . κ. ο θεός τοῦ 'Ισραὴλ εἰσελεύσεται δι' αὐτῆς (11 α, 11 α)  
 — 3. τοῦ φανῆναι ἄρτον ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 4. πλήρης δόξης ὁ οἶκος τοῦ [Α. om.] κ. (11 α)  
 — 5. εἶπε κ. πρὸς μέ . . . κατὰ πάντα τὰ προστάγματα οἴκου κυρίου (11 α, 11 α)  
 — 6, 9. τάδε λέγει κ. ο θεός (2)

Εξ. 44. 11. Α. λειτουργοῦντες τῷ οἴκῳ κυρίου [Β. om.] —  
 — 12, 15, 27. λέγει κ. ο θεός (2)  
 45. 1. ἀφορεῖται ἀπαρχὴν τῶ κ. (11 α)  
 — 4. τοῖς ἐγγίζουσιν [Α. add. ἐν αὐτοῖς] λειτουργοῖν τῶ κ. (11 α)  
 — 9. τάδε λέγει κ. θεός . . . λέγει κ. θεός (2, 2)  
 — 15. λέγει κ. θεός (2)  
 — 18. τάδε λέγει κ. θεός (2)  
 — 23. ποιήσει [Α. -εις] ὀλοκαυτώματα τῶ κ. (11 α)  
 46. 1. τάδε λέγει κ. θεός (2)  
 — 3. προσκυνήσει ὁ λαός . . . ἐναντίον κυρίου [Α. τοῦ κ.] (11 α)  
 — 4. τὰ ὀλοκαυτώματα προσοίσει ὁ ἀφηγούμενος τῶ κ. (11 α)  
 — 9. ὅταν εἰσπορεύηται . . . ἐναντίον κυρίου (11 α)  
 — 12. ὀλοκαύτωμα σωτηρίου τῶ κ. (11 α)  
 — 13. εἰς [Α. om.] ὀλοκαύτωμα καθ' ἡμέραν τῶ κ. (11 α)  
 — 14. τοῦ ἀναμίξει τὴν σμῖδαλιν μαρὰ τῶ κ. (11 α)  
 — 16. τάδε λέγει κ. θεός [Α. λ. 'Αδωναϊ κ.] (2 [11 β])  
 47. 13. τάδε λέγει κ. θεός (2)  
 — 23. λέγει κ. θεός (2)  
 48. 9. ἢ ἀφοροῖσι τῶ κ. (11 α)  
 — 14. ἄγιός ἐστι τῶ κ. (11 α)  
 — 29. λέγει κ. θεός (2)  
 — 35. Α. κ. ἐκεῖ [Β. om. κ. εἰ.] ἔσται τὸ ὄνομα αὐτῆς (11 α)  
 Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ. —  
 — 23. ἡ ἀμαρτεῖν ἐνώπιον κυρίου —  
 — 35. ἡ δὲ καρδιά αὐτῆς ἐπεποιθεῖ ἐπὶ κ. τῷ θεῷ αὐτῆς —  
 — 35. κύριε ο θεός ο αἰώνιος —  
 — 35. εἰσῆκουσε κύριος τῆς δεήσεως αὐτῆς —  
 — 42. καὶ ἰδοὺ ἄγγελος κυρίου —  
 — 53. τοῦ κ. λέγοντος, 'Αθφον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς —  
 — 55. ὁ γὰρ ἄγγελος κυρίου σχίσαι σου τὴν ψυχὴν —  
 — 59. ὁ ἄγγελος κυρίου τὴν ρομφαίαν ἐστῆκεν ἔχων —  
 — 62. ὁ ἄγγελος κυρίου ἔριψε πῖρ —  
 1. 2. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος εἰς χεῖρας αὐτοῦ (2)  
 — 2. μέρος τι τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. (6)  
 — 9. ἔδωκε κύριος τῶ Δαν. τιμὴν (6)  
 — 10. ἀγωνίῳ τὸν κ. μου τὸν βασ. (1)  
 — 17. τοῖς νεανίσκοις ἔδωκεν ὁ κ. ἐπιστήμην (6)  
 2. 4. κύριε βασιλεῦ, εἰς τὸν αἰῶνα ζῆθι —  
 — 18. ζήτησαι παρὰ τοῦ κ. τοῦ νῦνιστου (4 β)  
 — 19. Δανιὴλ εὐλόγησεν τὸν κ. τὸν νῦνιστον (4 β)  
 — 20. ἔσται τὸ ὄνομα τοῦ κ. τοῦ μεγάλου εὐλογημένον (4 β)  
 — 23. σοί, κύριε τῶν πατέρων μου, ἐξομολογούμενα (4 β)  
 — 37. σοί ο κ. τοῦ οὐρανοῦ τὴν ἀρχὴν . . . ἔδωκεν (4 β)  
 — 47. θεός τῶν θεῶν καὶ κύριος τῶν βασιλείων (12)  
 3. 9. κύριε βασιλεῦ, εἰς τὸν αἰῶνα ζῆθι —  
 — 17. ἔστι γὰρ . . . εἰς κύριος ἡμῶν —  
 — (24). ὕμνησαν τῶ κ. —  
 — (25). ἐξομολογείτο τῶ κ. —  
 — (26). κύριε ο θεός τῶν πατέρων ἡμῶν —  
 — (43). δὸς δόξαν τῶ ὀνόματι σου, κύριε —  
 — (45). σὺ εἰ μόνος ο θεός —  
 — (49). ἄγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη —  
 — (52). κύριε ο θεός τῶν πατέρων ἡμῶν —  
 — (57). εὐλογεῖτε πάντα τὰ ἔργα τοῦ κ. τὸν κ. —  
 — (58). εὐλογεῖτε ἄγγελους κυρίου τὸν κ. —  
 — (59). εὐλογεῖτε οὐρανοὶ τὸν κ. —  
 — (60). εὐλογεῖτε ὕδατα . . . τὸν κ. —  
 — (61). εὐλογεῖτε πᾶσαι αἱ δυνάμεις κυρίου τὸν κ. —  
 — (63). εὐλογεῖτε ἀστρα τοῦ οὐρανοῦ τὸν κ. —  
 — (64). εὐλογεῖτε πᾶς ὄμβρος καὶ δρόσος τὸν κ. —  
 — (65). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πνεύματα τὸν κ. —  
 — (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῖμα τὸν κ. —  
 — (67). εὐλογεῖτε ῥίγος καὶ ψυχὸς τὸν κ. —  
 — (68). εὐλογεῖτε ῥόσος καὶ νεφέλαι τὸν κ. —  
 — (69). εὐλογεῖτε πάγοι καὶ ψυχὸς τὸν κ. —  
 — (70). εὐλογεῖτε πάχνη καὶ χιόνες τὸν κ. —  
 — (71). εὐλογεῖτε ῥυτίες καὶ χιόνες τὸν κ. —  
 — (72). εὐλογεῖτε φῶς καὶ σκότος τὸν κ. —  
 — (73). εὐλογεῖτε ἀστράται καὶ νεφέλαι τὸν κ. —  
 — (74). εὐλογεῖτω ἡ γῆ τὸν κ. —  
 — (75). εὐλογεῖτω ὅρη καὶ βουνοὶ τὸν κ. —  
 — (76). εὐλογεῖτε πάντα τὰ φύσμενα . . . τὸν κ. —  
 — (77). εὐλογεῖτω ὄμβροι . . . τὸν κ. —  
 — (78). εὐλογεῖτω θάλασσαι . . . τὸν κ. —  
 — (79). εὐλογεῖτω κῆτη . . . τὸν κ. —  
 — (80). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πετεινὰ . . . τὸν κ. —

Da. LXX. 3. (81). εὐλογεῖτε πάντα τὰ θηρία . . . τὸν κ. —  
 — (82). εὐλογεῖτε οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων τὸν κ. —  
 — (83). εὐλογεῖτε 'Ισραὴλ τὸν κ. —  
 — (84). εὐλογεῖτε ἱερεῖς δούλοι κυρίου τὸν κ. —  
 — (85). εὐλογεῖτε δούλοι τὸν κ. —  
 — (86). εὐλογεῖτε πνεύματα . . . τὸν κ. —  
 — (87). εὐλογεῖτε ὅσοι . . . τὸν κ. —  
 — (88). εὐλογεῖτε 'Αν. 'Αζ. Μισρ. τὸν κ. —  
 — (89). ἐξομολογήσθε τῶ κ. —  
 — (90). πάντες οἱ σεβόμενοι τὸν κ. —  
 — 28 (95). εὐλογητὸς κ. τοῦ Σεδράχ (4 β)  
 — 29 (96). ὅς ἂν βλασφημήσῃ εἰς τὸν κ. τὸν θ. 2. (18 c)  
 4. 14. ἔως ἂν γνῶ τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ ἐξουσίαν ἔχων (16)  
 — 20. ἄγγελος ἐν ἰσχυρί ἀπεστάλη παρὰ τοῦ κ. +  
 — 23. κύριος ζῇ ἐν οὐρανῷ —  
 — 31. κατὰ πρόσωπον κ. τοῦ θεοῦ τοῦ οὐρανοῦ —  
 — 34. θεός τῶν θεῶν καὶ κύριος τῶν κ. —  
 — 34. εἰς ὁρμὴν ἐνώβιας τῶ κ. —  
 — 34. κ. τῷ θεῷ τοῦ οὐρανοῦ αἰνεῖται —  
 6. 5 (6). καὶ δεῖται κ. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ —  
 9. 3. ἔδωκε τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ κ. τὸν θεόν (2)  
 — 4. προσηυξάμην πρὸς κ. τὸν θεόν (11 α)  
 — 4. κύριε, σὺ εἰ ο θεός (2)  
 — 7. σοί, κύριε, ἡ δικαιοσύνη (2)  
 — 9. τῷ κ. ἡ δικαιοσύνη (2 + 6)  
 — 10. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 — 13. οὐκ ἐξεζητήσαμεν τὸν πρόσωπον κ. θεοῦ ἡμῶν (11 α)  
 — 13. διανοήθηκα τὴν δικαιοσύνην σου, κύριε —  
 — 14. ἠγρύπνησε κ. ο θεός ἐπὶ τὰ κακά (18 α)  
 — 14. δίκαιος κ. ο θεός ἡμῶν ἐπὶ πάντα (11 α)  
 — 15. δέσποτα κύριε ο θεός ἡμῶν (18 β)  
 — 16. ὁ δῆμος σου, κύριε, εἰς ὀνειδισμὸν —  
 — 18. πρόσχες, κύριε, τὸ ὄψ σου (6)  
 — 18. ἀλλὰ διὰ τὸ σὺν ἔλεος, κύριε —  
 — 19. κύριε, ἐπάκουσον καὶ ποίησον (2)  
 — 20. καὶ δέόμενος . . . ἐναντίον κ. θεοῦ μου (11 α)  
 — 23. ἐξῆλθε πρόσταγμα παρὰ κυρίου —  
 — 25. οἰκοδομήσεις 'Ιερουσαλὴμ πόλιν κυρίῳ —  
 10. 12. ταπεινωθῆναι ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 β)  
 — 16. εἶπα τῷ ἐστηκότι ἀπέναντί μου, Κύριε (1)  
 — 17. λαλήσαι μετὰ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)  
 — 19. λαλήστω ο κ. μου (1)  
 12. 8. κύριε, τίς ἡ λύσις τοῦ λόγου τούτου (1)  
 Bel 3. Δαν. δὲ προσήχητο πρὸς κύριον —  
 — 4. οὐδὲνα εἰδοίκα ἐγὼ εἰ μὴ κύριον —  
 — 6. ὁμνῶν δὲ σοι κ. τὸν θεόν τῶν θεῶν —  
 — 33. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς 'Αμβ. —  
 — 33. τάδε λέγει σοι κ. ο θεός —  
 — 34. κύριε ο θεός, σὺχ ἔωρακα τὴν Βαβ. —  
 — 35. ἐπιλαβόμενος αὐτοῦ ὁ ἄγγελος κυρίου —  
 — 36. ὁ ἀπέστειλὲ σοι κ. ο θεός —  
 — 37. ἐμνήσθῃ γὰρ μου κ. ο θεός —  
 — 38. ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου κατέστησε τὸν 'Αμβ. —  
 — 38. ὁ δὲ κ. ο θεός ἐμνήσθη τοῦ Δαν. —  
 — 40. μέγας ἐστὶ κ. ο θεός —  
 Da. TH. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ. —  
 — 23. ἡ ἀμαρτεῖν ἐνώπιον κυρίου —  
 — 35. ἡν ἡ καρδιά αὐτῆς πεποιθεῖα ἐπὶ κυρίῳ [Α. τῶ κ.] —  
 — 44. εἰσῆκουσε κύριος [Α. ἐπὶ κ. ο θεός] τῆς φωνῆς αὐτῆς —  
 — 53. Α. Β. λέγοντος τοῦ κ. [Β. θεοῦ], 'Αθφον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς —  
 1. 2. ἔδωκε κύριος ἐν χερσὶ αὐτοῦ τὸν 'Ιωακίμ (2)  
 — 10. φοβούμεν ἐγὼ τὸν κ. μου (1)  
 2. 38. κατέστησε σὲ κύριον πάντων (17)  
 — 47. Α. κύριος τῶν κ. καὶ βασ. [Β. om. τῶν κ. καὶ βασ.] τῶν βασιλείων (12)  
 3. 23. περιεπάτων εὐλογούντες τὸν κ. —  
 — (26). κύριε ο θεός τῶν πατέρων ἡμῶν —  
 — (43). δὸς δόξαν τῶ ὀνόματι σου, κύριε —  
 — (45). σὺ εἰ κύριος θεός μόνος —  
 — (49). ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου συγκατέβη —  
 — (52). κύριε ο θεός τῶν πατέρων ἡμῶν —  
 — (57). εὐλογεῖτε πάντα τὰ ἔργα κυρίου τὸν κ. —  
 — (59). εὐλογεῖτε οὐρανοὶ τὸν κ. —  
 — (58). εὐλογεῖτε ἄγγελους κυρίου τὸν κ. —  
 — (61). Β. εὐλογεῖτω πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου [Β. om.] τὸν κ. [Α. αἰ.] —  
 — (62). εὐλογεῖτε ἥλιος καὶ σελήνη τὸν κ. —  
 — (63). εὐλογεῖτε ἀστρα τοῦ οὐρανοῦ τὸν κ. —



17: 9. 22 (21). 10. 6. 7. 10: 11. 20. 22: 12. 17. 18. 11. 12. 15. 16. 20: 18. 19: 17. 19. 18. 6: 21. 10. 14: 22. 30: 23. 2. 23. 28. 36. 37. 38: 25. 3: 27 (34). 11. 18. 19. 21. 38: 22. 28 (35). 16: 29 (36). 11. 14. 38: 16. 17. 19. 38: 20. 25. 32. 38: 80 (37). 10. 11: 31 (38). 16. 17. 22. 34: 82 (39). 5. 14. 25: 33 (40). 14. 16. 17. 19. 20. 23. 24. 25: 37 (44). 20: 38 (45). 9: 48 (50). 1: 46 (26). 10. 18. 25. 26: 48 (31). 44. 47: 49 (30). 6: 50 (27). 7. 14: 51 (28). 51: 52. 4. 13: 7. 19: 18. 5: 18. 23: 38. 27: 34. 9: 44. 4: DA. 2. 38. 47: 3 (58). (90): 9. 14: JL. 1. 9: AM. 6. 10: 7. 7: HG. 1. 13.]

[Heb. GE. 4. 26: 24. 31: III Ki. 19. 14: IV Ki. 17. 15. 25: Ps. 103 (104). 16: JE. 1. 2.]

[AL. GE. 4. 1: 44. 18: 47. 18: 49. 18: EX. 8. 22 (18): 10. 11: 17. 16: LE. 6. 2 (5. 21): 7. 25: 10. 6: 21. 6: 24. 12: NU. 8. 16. 38: 12. 11: 14. 9: 22. 13: 28. 16: 82. 27: DT. 9. 18: 16. 1: JD. 5. 13: I Ki. 1. 6. 11. 38: 5. 6: 11: 7. 12. 22: 23. 18. 28. 16. 18. 19. 38: III Ki. 22. 17: IV Ki. 10. 16: 18. 4: II CH. 86. 22. 23: JB. 2. 7: Ps. 4. 4: 7. 9: 9. 17: 10 (11). 5: 114 (116). 9: 118 (119). 126: 121 (122). 1: 124 (125). 2: 126 (126). 1: 134 (135). 5: 137 (138). 5: PR. 3. 19: IS. 24. 14: 28. 2: 68. 7: JE. 1. 6. 38: 3. 16: 10. 10: HB. 3. 19.]

[Quint. IV Ki. 10. 10: 11. 3. 4: 17. 15. 25: Ps. 1. 2: 24 (25). 14: 30 (31). 25: 71 (72). 18: 88 (84). 12: 90 (91). 9: 117 (118). 25. 38: 129 (130). 1. 5.]

[Sext. Ps. 1. 2: 24 (25). 14: 71 (72). 18: 117 (118). 25. 38: 129 (130). 1. 5.]

**κύριος** (adj.).

I Ma. 8. 30. δ' ἐὰν προσθῶσιν . . . ἔσται κύρια

IV Ma. 1. 19. κυριωτάτη δὲ πάντων ἡ φρόνησις

**κυροῦν**. (1) 𐤒𐤓

Ge. 23. 20. ἐκυρώθη ὁ ἀγρός . . . τῷ Ἀ. εἰς κτήσιν (1)

Le. 25. 30. κυρωθήσεται ἡ οἰκία (1)

Da. LXX. 6. 9 (10). ὁ βασιλ. Δαρείος ἔστησε καὶ ἐκύρωσεν

IV Ma. 7. 9. τὴν ἐννομίαν ἡμῶν . . . ἐκύρωσας

[Aq. GE. 23. 17.]

[Sm. Ez. 13. 6.]

[Al. I Ki. 15. 13.]

**κυρτός**. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓

Le. 21. 20. ἡ κυρτός ἡ ἐφέλος (1)

III Ki. 21 (20). 11. μὴ καυχᾶσθω ὁ κ. ὡς ὁ ὀρθός (2?)

**κύτος**. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓

Ps. 64 (65). 7. BB ὁ συνταράσσων τὸ κ. [B ὕδωρ]

τῆς θαλάσσης

Da. LXX. 4. 9 (8). καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἕως τῶν νεφελῶν

— 19 (17). καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἀψάσθαι τῶν νεφελῶν (1)

Da. TH. 4. 8. καὶ τὸ κ. αὐτοῦ εἰς τὸ πέραν [A τὰ πέρατα]

— 17. καὶ τὸ κ. αὐτοῦ εἰς πᾶσαν τὴν γῆν

**κύφειν**. (1) 𐤒𐤓

JB. 22. 29. κύφοντα ὀφθαλμοὺς σώσει (1)

[Sm., Th. Is. 60. 14.]

**κυφῆλη**. (1) 𐤒𐤓

Hg. 2. 17 (16). ἐνεβάλλετε εἰς κυφῆλην κριθῆς εἰκοσι σάτα

**κύων**. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓

Ex. 11. 7. οὐ γρύξει κύων τὴν γλῶσση αὐτοῦ (1)

22. 31 (30). τῷ κ. ἀπορρίψατε αὐτό (1)

De. 23. 18 (19). οὐ προσποιεῖσιν . . . ἀλλαγὰς κυνός (1)

JD. 7. 5. ὡς ἐὰν λάβῃ [A λήμνη] ὁ κ. (1)

I Ki. 17. 43. ὥστε κύων ἐγὼ εἴμι (1)

— 43. B ἀλλ' ἡ χεῖρ μου κυνός

24. 15. ὅπως κυνὸς τεληγκτός (1)

II Ki. 3. 8. μὴ κεφαλὴ κυνός ἐγὼ εἴμι (1)

8. ἐπιβλέψας ἐπὶ τὸν κ. τὸν τεληγκτόν

16. 9. ἴα τὴν καταράται ὁ κ. ὁ τεληγκτός οὗτος

III Ki. 12. 24 (cf. A. 14. 11). B καταφάγονται οἱ κ. (1?)

14. 11. A καταφάγονται οἱ κ. (1)

16. 4. καταφάγονται αὐτὸν [A om.] οἱ κ. (1)

20 (21). 19. ὡς ἐλεῖσαν . . . οἱ κ. τὸ αἷμα Ναβ. ἐκεῖ λείπονται οἱ κ. [A om. οἱ κ.]

τὸ αἷμα σου (1, 1)

— 23. οἱ κ. καταφάγονται αὐτήν (1)

III Ki. 20 (21). 24. τὸν τεληγκτόν . . . φάγονται [A καταφ.] οἱ κ. (1)

22. 38. ἐξέλεσαν . . . οἱ κ. τὸ αἷμα (1)

IV Ki. 8. 13. ὁ κ. ὁ τεληγκτός [A al.] (1)

9. 10. τὴν ἱεζ. καταφάγονται οἱ κ. (1)

— 36. καταφάγονται οἱ κ. τὰς σάρκας ἱεζ. (1)

To. 5. 16. A B ὁ κ. τοῦ παιδαρίου μετ' αὐτῶν

6. 1. B ὁ κ. ἐξῆλθεν μετ' αὐτοῦ

11. 4. συνῆλθεν ὁ κ. ὅπισθεν αὐτῶν [B al.]

Ju. 11. 19. οὐ γρύξει κύων τὴν γλῶσση αὐτοῦ

JB. 30. 1. ἀξιους κυνῶν τῶν ἐμῶν νομάδων [A al.] (1)

Ps. 21 (22). 16. ἐκύκλωσάν με κύνες πολλοί

— 20. καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν μονογενὴ μου

58 (59). 6. 14. λιμώξουσιν ὡς κύων

67 (68). 23. ἡ γλῶσσα τῶν κ. σου ἐξ ἐχθρῶν

παρ' αὐτοῦ

Pr. 7. 22. ὥσπερ κύων ἐπὶ δεσμούς

26. 11. ὥσπερ κύων ὅταν ἐπὶ τὸν ἐάντου ἔμμετον

— 17. ὥσπερ ὁ κρατῶν κέρκω κυνός

Ec. 9. 4. ὁ κ. ὁ ζῶν αὐτὸς ἀγαθὸς ὑπὲρ τὸν λείοντα τὸν νεκρόν

Si. 18. 18. τίς εἰρήνην δύνει πρὸς κύνα

Is. 56. 10. κύνες ἐνέοι οὐ δυνήσονται ὑλακτεῖν

— 11. οἱ κ. ἀναδείξῃ τὴν ψυχή

66. 3. ὁ θύων μοι δόσχον ὡς ὁ ἀποκτείνων κύνα

Je. 15. 3. ἐκύκλωσεν ἐπ' αὐτοὺς . . . τοὺς κ. εἰς διασπαρῶν (1)

[Aq. III Ki. 14. 11: JB. 30. 1: Ps. 58 (59). 7. 15.]

[Sm. JB. 30. 1: Ps. 58 (59). 7. 15: 67 (68). 24: Ec. 9. 4.]

[Th. JB. 30. 1: Ps. 21 (22). 17: 58 (59). 7.]

[Quint. Ps. 58 (59). 7.]

**κύδιον**.

Ne. 3. 15. τὸ τεῖχος κολυμβήθρας τῶν κ. [B<sup>1</sup> al.] †

Ju. 12. 15. ἐστρωσεν αὐτὴν . . . τὰ κ.

**κύδων**. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓

Ex. 28. 29 (33). κύδωνας ἀνὰ μέσον τούτων περι-κυλῶν

— 30 (34). παρὰ ροίσκον χρυσοῦν κύδωνα

36. 33 (39. 25). ἐποίησαν κύδωνας χρυσοῦς

— 33 (39. 25). ἐπέθηκαν τοὺς κ. ἐπὶ τὸ λῶμα

— 34 (39. 26). κύδων χρυσοῦς καὶ ροίσκος

II Ch. 4. 13. καὶ κ. χρυσοῦς τετρακοσίους

Si. 45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν ροίσκος χρυσοῦς κύδωσι πλείστοις κυκλόθεν

**κυεῖθ**.

[Aq. Ec. 12. 8.]

**κύδων**. (1) 𐤒𐤓

Es. 8. 17. A B S<sup>2</sup> κύδων καὶ εὐφροσύνη

III Ma. 6. 31. κ. σαστήριον συστήσμενοι

**κυωνιζέσθαι**. (1) 𐤒𐤓

I Es. 4. 63. ἐκυωνίζοντο μετὰ μουσικῶν

Es. 8. 15. ὁ δὲ βασιλ. καὶ Ἀμάν ἐκυωνίζοντο

**κυωτός**.

III Ma. 6. 32. κυωτὸν ἀποσάμενοι

[Sm. Ps. 143 (144). 14.]

**κωλέα**. (1) 𐤒𐤓

I Ki. 9. 24. ἤψησεν ὁ μάγειρος τὴν κ. (1)

**κωλέθ**.

[Aq. Ec. 1. 1:]

**κάλον**. (1) 𐤒𐤓

Le. 26. 30. θῆσω τὰ κ. ὑμῶν ἐπὶ τὰ κ. τῶν εἰδω-λων ὑμῶν (1, 1)

Nu. 14. 29. πεσέται τὰ κ. ὑμῶν

— 32. τὰ κ. ὑμῶν πεσέται (1)

— 33. ὡς ἀναλωθῇ τὰ κ. ὑμῶν (1)

I Ki. 17. 46. δώσω τὰ κ. σου καὶ τὰ κ. παρεμ-βολῆς ἀλλοφύλων (—, 1)

Is. 66. 24. εὐφονται τὰ κ. τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί (1)

**κωλύειν**. (1) 𐤒𐤓 a. qal. δ. ni. (2) 𐤒𐤓 hi.

(3) 𐤒𐤓 (4) 𐤒𐤓 (5) 𐤒𐤓 hi.

Ge. 23. 6. B οὐ μὴ κωλύσει τὸ μνημεῖον αὐτοῦ [A al.] (1 a)

Ex. 36. 6. ἐκωλύθη ὁ λαὸς ἔτι προσφέρειν (1 δ)

Nu. 11. 28. κύρις [A κ. μου] Μωυσή, κάλυσον αὐτοὺς (1 a)

I Ki. 25. 26. καθὼς ἐκάλυσε σε κύριος (8)

II Ki. 13. 13. οὐ μὴ κωλύσῃ με ἀπὸ σοῦ (3)

I Es. 2. 30. ἤρξαντο κωλύειν τοὺς οἰκοδομοῦντας

6. 6. οὐκ ἐκωλύθησαν τῆς οἰκοδομῆς

— 33. κωλύσαι ἡ κακοποιῶσαι τὸν οἶκον κυρίου

To. 8. 12. B οὐ μὴ δυνήθῃ P. κωλύσαι αὐτήν [AB al.]

— 8. 3. B ἡ δὲ σὺ τοῦ ἱχθύος ἐκάλυσεν [A B al.]

JB. 12. 15. ἐὰν κωλύσῃ τὸ ὕδωρ ξηρανεῖ τὴν γῆν (4)

Ps. 39 (40). 9. τὰ χεῖρά μου οὐ μὴ κωλύσω (1 a)

118 (119). 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ ποιητῆς ἐκάλυσά τοὺς πόδας μου (1 a)

Ec. 8. 8. τοῦ κωλύσαι σὺν τὸ πνεῦμα (1 a)

Si. 4. 23. μὴ κωλύσῃ λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας

18. 30. ἀπὸ τῶν ὀριζήτων σου κωλύει [A μὴ κ.]

19. 28. ἐὰν ὑπὸ ἐλαττώματος ἰσχύος κωλυθῇ [B-ῆ] ἀμαρτεῖν

20. 2. ὁ ἀνθροπολογούμενος ἀπὸ ἐλαττώσεως κωλυ-θήσεται

— 21. ἴσται κωλυόμενος ἀμαρτάνειν ἀπὸ ἐνδείας

46. 7. κωλύσαι λαὸν ἀπὸ ἀμαρτίας

Am. 2. 13. A ἐγὼ κωλύω [B κωλύω] ὑποκάτω ὑμῶν †

Mi. 2. 4. οὐκ ἦν ὁ κωλύσων αὐτὸν (2?)

Is. 28. 6. B ἰσχύον κωλυόντων [A B S-ών] ἀνελεῖν (5?)

48. 6. ἐρῶ . . . τῷ λιβί, Μὴ κώλυε

Ez. 31. 15. ἐπίστασα [A ἐκάλυσά] τοὺς ποτα-μοὺς αὐτῆς καὶ ἐκάλυσά [A -σεν, B<sup>2</sup> ἐκύκλωσα] πλῆθος ὕδατος (8, 1 δ)

I Ma. 1. 45. A B καὶ κωλύσαι [B κυκλώσαι] ὁλο-καυτώματα

13. 49. ἐκωλύοντο ἐκπορεύεσθαι

III Ma. 1. 13. οὐθεὶς ἐκάλυσε τὸν παρόντων

3. 2. ἀπὸ τῶν νομίμων αὐτοὺς κωλυόντων

IV Ma. 4. 7. ὡς οἶον τε ἦν, ἐκάλυνον

5. 26. τὰ δὲ ἐναντιωθόμενα ἐκάλυσεν σαρκοφαγεῖν

14. 16. καὶ τὸν προσόντα κωλύει

— 17. εἰ δὲ καὶ μὴ δύναται κωλύειν

[Aq. Pr. 1. 15: 30. 7: JE. 5. 25: 48 (31). 10: Ez. 31. 15.]

[Sm. Ps. 76 (77). 5: 118 (119). 101: Pr. 11. 26: 30. 7: Is. 32. 10: JE. 5. 25: 42 (49). 4: 48 (31). 10: Ez. 31. 15: Mi. 2. 6: ZA. 9. 8.]

[Th. Ps. 118 (119). 101: Pr. 1. 15: 11. 26: 30. 7: Ez. 31. 15.]

[Quint., Sext. Ps. 118 (119). 101.]

**κώλυμα**. (1) 𐤒𐤓

JB. 13. 27. ἔθου δέ μου τὸν πόδα ἐν κωλύματι [A κυκλώματι] (1)

[Th. Le. 19. 19: Dt. 22. 9.]

[Al. Le. 19. 19.]

**κωλυτικός**.

IV Ma. 1. 3. τῶν σωφροσύνης κ. παθῶν

— 30. διὰ τῶν κ. τῆς σωφροσύνης ἔργων

2. 6. τῶν κ. τῆς δικαιοσύνης παθῶν

**κωμάρχης**. (1) 𐤒𐤓

Es. 2. 3. καταστήσει ὁ βασιλ. κωμάρχας (1)

**κώμη**. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓 (3) 𐤒𐤓

(4) 𐤒𐤓 (5) a. 𐤒𐤓 δ. 𐤒𐤓 c. 𐤒𐤓

(6) 𐤒𐤓 (7) 𐤒𐤓

Nu. 21. 32. αὐτὴν καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)

32. 42. τὴν K. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)

Jo. 10. 39. καὶ τὰς [A τὰς πάσας] κ. αὐτῆς (8)

18. 30. καὶ πάσας τὰς κ. Ιαίρ (2)

15. 24. B καὶ αἱ κ. αὐτῶν

— 28. καὶ αἱ κ. αὐτῶν

— 32. 36. 41. 44. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (8)

— 45. καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1)

— 46. B καὶ αἱ κ. αὐτῶν (8)

— 47. bis. καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1)

— 51. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (8)

— 54. A καὶ αἱ κ. [B ἐπαύλει] αὐτῶν (8)

— 57. 59. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (8)

— 60. καὶ αἱ κ. αὐτῶν

— 62. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (8)

16. 7. καὶ αἱ κ. αὐτῶν

— 9. καὶ αἱ κ. αὐτῶν

17. 11. καὶ αἱ κ. αὐτῶν

— 11. bis. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)



## λαθραῖος.

Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον [B<sup>3</sup>-ριον] κενὸν οὐ πορεύεται

## λαθραῖος.

(1) 𐤋𐤁𐤁

I Ki. 24. 5. ἀφείλε τὸ περὶ ὕγιον . . . λ. (1)

II Ma. 1. 19. λαθραῖος κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι

[Sm. Jb. 4. 12.]

## λάβριος.

(1) 𐤋𐤁𐤁

Pr. 21. 14. δάσεις λάβριος ἀνατρέπει ὀργαίς

Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον [B<sup>3</sup>-ριον] κενὸν οὐ πορεύεται

## λαϊκός.

[Aq. I Ki. 21. 4 (5).]

[Sm. I Ki. 21. 4 (5): Ez. 22. 26: 48. 15.]

[Th. I Ki. 21. 4 (5): Ez. 48. 15.]

[Al. I Ki. 21. 5 (6).]

## λαϊκούν.

[Aq. Dt. 20. 6 ἰσ: 28. 30: Ez. 7. 22.]

[Sm., Th. Dt. 20. 6 ἰσ.]

## λαϊλαπιζεν.

[Aq. Ps. 49 (50). 3: 57 (58). 10: Is. 54. 11.]

## λαϊλαπώδης.

[Aq., Th. Ps. 54 (55). 9.]

## λαῖλαψ.

(1) 𐤋𐤁𐤁𐤍 (2) a. 𐤋𐤁𐤁𐤍 δ. 𐤋𐤁𐤁𐤍

Jb. 21. 18. ὥσπερ κοινοῖοις ὃν ὑφέλιτο λαῖλαψ (1)

27. 20. 8 ρυκτί δι' ὑφέλιτο αὐτὸν λαῖλαψ [AB γρόφος] (1)

38. 1. εἵπεν ὁ κύριος τῷ Ἰώβ διὰ λαῖλαπος καὶ μεφῶν (2 δ)

Wi. 5. 14. ὡς πᾶν ἡνὶ λαῖλαπος διωχθεῖσα λεπτή — 23. ὡς λαῖλαψ ἐκλυμῆσει αὐτοὺς

Si. 48. 9. ἀναλῆψθεις ἐν λαῖλαπι [Δ λαμπάδι] πυρός — 12. ὃς ἐν λαῖλαπι ἐσπεύσθη

Je. 32 (25). 32. λ. μεγάλη ἐκπορεύεται ἀπ' ἐσ- χάτου τῆς γῆς (2 α)

[Aq. Ps. 54 (55). 9: 106 (107). 29: Is. 41. 16: Ez. 13. 13.]

[Sm. Ps. 54 (55). 9: 57 (58). 10: Is. 32. 2.]

[Th. Ps. 54 (55). 9.]

[Al. IV Ki. 2. 11.]

## λαϊμαργία.

IV Ma. 1. 27. ΔΒ κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφάγια καὶ λαϊμαργία καὶ μονοφάγια [B om. κ.λ.μ.]

## λακάνη, σιδ. λεκάνη.

λάκκος. (1) a. 𐤋𐤁𐤁 δ. 𐤋𐤁𐤁 c. 𐤋𐤁𐤁 d. 𐤋𐤁𐤁

𐤋𐤁𐤁 c. 𐤋𐤁𐤁 (2) 𐤋𐤁𐤁 (3) 𐤋𐤁𐤁

Ge. 37. 20. ρίψωμεν αὐτὸν εἰς ἓνα τῶν λ. (1 δ)

— 22. ἐμβάλλετε αὐτὸν εἰς ἓνα τῶν λ. (1 δ)

— 24. λαβόντες αὐτὸν ἔρριψαν εἰς τὸν λ. (1 δ)

— 24. ὁ δὲ λ. κενὸς [Δ κείνος] (1 δ)

— 28. ἐξέλικυσαν . . . τὸν Ἰ. ἐκ τοῦ λ. (1 δ)

— 29. ἀνίσταρθε δὲ Ῥουβὴν ἐπὶ τὸν λ. (1 δ)

— 29. οὐκ ὁρᾷ τὸν Ἰ. ἐν τῷ λ. (1 δ)

40. 15. ἐνέβαλον με εἰς τὸν λ. τοῦτον (1 δ)

Ex. 12. 29. τῆς αἰχμαλωτικῆς τῆς ἐν τῷ λ. (1 δ)

21. 33. εἰς τὸν λ. ἀνοίξῃ λάκκος ἢ λατομήσῃ [Δ om. λ. ἢ λυτ.] λάκκος [B<sup>3</sup> om.] (1 δ, 1 δ)

— 34. ὁ κύριος τοῦ λ. ἀποτίσει (1 δ)

Le. 11. 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων καὶ λάκκου (1 δ)

Nu. 20. 17. οὐδὲ πτόμαθα ὕδωρ ἐκ λάκκου σου (1 ε)

De. 6. 11. λάκκος λελατομη. οὐς οὐκ ἐλατό- μως (1 δ)

Jd. 15. 19. ἐρρηξεν ὁ θ. τὸν λ. [Δ al.] (3)

I Ki. 13. 6. Β ἐκρύβη ὁ λαὸς . . . ἐν τοῖς λ. (1 δ)

II Ki. 17. 18. καὶ αὐτὸς λάκκος ἐν τῇ αὐλῇ (1 ε)

— 19. διεπέτασε τὸν ἐπικλῆμμα ἐπὶ πρόσωπον τοῦ λ. (1 ε)

— 21. ἀνέβησαν ἐκ τοῦ λ. (1 ε)

23. 15. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. (1 δ, 1 α\*)

— 16. ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. (1 δ, 1 α\*)

— 20. ἐπάταξε τὸν λέοντα ἐν μέσῳ τοῦ λ. (1 δ, 1 α\*)

IV Ki. 18. 31. πίνεται ὕδωρ τοῦ λ. αὐτοῦ (1 δ)

I Ch. 11. 17. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. Β. (1 δ)

— 18. ΔΒ<sup>3</sup> ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λ. (1 δ)

— 22. ἐπάταξε τὸν λέοντα ἐν τῷ λ. (1 δ)

II Ch. 26. 10. ἐλατόμωσε λ. πολλούς (1 δ)

Ne. 9. 25. ἐκληρονόμησαν . . . λ. λελατομη- μίνους (1 δ)

Ju. 7. 21. καὶ οἱ λ. ἐξεκονούτο (1 δ)

8. 31. εἰς πλήρωσιν τῶν λ. [B σάκκος] ἡμῶν

Ps. 7. 15. λάκκος ὄρυξε καὶ ἀνίστασθαι αὐτὸν (1 δ)

27 (28). 1. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (1 δ)

29 (30). 3. ἔσωσάς με ἀπὸ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (1 δ)

39 (40). 2. ἀνήγαγέ με ἐκ λάκκου τλαιπωρίας (1 δ)

87 (88). 4. προσελόγησθαι μετὰ τῶν καταβαι- νόντων εἰς λάκκον (1 δ)

— 6. θεντό με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ (1 δ)

142 (143). 7. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (1 δ)

Ec. 12. 6. καὶ συντροχάσῃ ὁ τροχὸς ἐπὶ τὸν λ. (1 δ)

Wi. 10. 13. συγκατέβη-αὐτὸς εἰς λάκκον

Si. 50. 3. Δ λάκκος [B B χαλκός] ὥσπερ θαλάσσης τὸ περίμετρον

Za. 9. 11. ἐξαιστέειλας . . . ἐκ λάκκου οὐκ ἔχοντος ὕδωρ (1 δ)

Is. 36. 16. ΔΒΕ πίστευε ὕδωρ τοῦ λ. [B χαλκοῦ] ὕμῶν (1 δ)

51. 1. ἐμβλέψατε . . . εἰς τὸν Βόθυνον τοῦ λ. (1 δ)

Je. 2. 13. ὤρυξαν ἑαυτοῖς λάκκους συντετριμ. (1 α)

6. 7. ὡς ψυχεῖ λ. ὕδωρ (1 ε, 1 δ\*)

44 (37). 16. ἦλθεν Ἰερემίας εἰς οἰκίαν τοῦ λ. (1 δ)

45 (38). 6. ἔρριψαν αὐτὸν εἰς [A B add. τὸν] λάκκον Μελχίου . . . ἐχάλασαν αὐτὸν εἰς τὸν λ. καὶ ἐν τῷ λ. οὐκ ἦν ὕδωρ (1 δ, 1 δ)

— 7. ἔδωκαν Ἰερემίαν εἰς τὸν λ. (1 δ)

— 10. ἀνάγαγε αὐτὸν ἐκ τοῦ λ. (1 δ)

— 11. ἔρριψεν αὐτὰ πρὸς Ἰερემίαν εἰς τὸν λ. (1 δ)

— 13. ἀνήγαγον αὐτὸν ἐκ τοῦ λ. (1 δ)

La. 3. 53. ἐθανάτωσαν ἐν λάκκῳ ζωῆν μου (1 δ)

— 55. Β ἐπεκαλέσασθαι τὸ ὄνομα σου, κύριε, ἐκ λάκκου κατωτάτου (1 δ)

Ez. 31. 16. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον

32. 23. Δ ἔδωκαν τὰς ταφὰς αὐτῆς ἐν μηροῖς λάκκου (1 δ)

Da. LXX. 6. 5 (6). ἵνα . . . ῥιψῇ εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων —

— 7 (8), 12 (13). ῥιψήσεται εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων (2)

— 14 (15). εἶπεν ῥιψῆναι τὸν Δ. εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων —

— 17 (18). Δ. ἐρρίφη εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων —

— 17 (18). ἐτίθηεν ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ λ. (2)

— 17 (18). ὅπως μὴ . . . αὐτὸν ἀνασπῇ ἐκ τοῦ λ. —

— 19 (20). ἵστη ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ λ. (2)

— 22 (23). ἔρριψάς με εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων —

Bel 31. ἦν δὲ λάκκος ἐν ᾧ ἐτρέφοντο λέοντες ἐπτά —

— 30. ἐνέβαλον τὸν Δ. . . εἰς ἐκεῖνον τὸν λ. —

— 30. ἦν ἐν τῷ λ. Δ. ἡμέρας ἕξ —

— 33. ἀπένεγκε Δ. εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων —

— 34. τὸν λ. οὐ γινώσκω ποῦ ἐστίν —

— 35. ἔθηκεν αὐτὸν ἐπάνω τοῦ λ. —

— 39. ἐγκύψας εἰς τὸν λ. ὄρε αὐτὸν —

— 41. ἐξήγαγεν ὁ βασιλεὺς τὸν Δ. ἐκ τοῦ λ. —

— 41. τοὺς αἰτίους . . . ἐνέβαλεν εἰς τὸν λ. —

Da. TH. 6. 7 (8), 12 (13). ἐμβληθήσεται εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων (2)

— 16 (17). ἐνέβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων (2)

— 17 (18). ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ λ. (2)

— 19 (20). ἦλθεν ἐπὶ τὸν λ. τῶν λεόντων (2)

— 20 (21). ἐν τῷ ἐγγίσει αὐτὸν τῷ λ. (2)

— 23 (24). τὸν Δ. εἶπεν ἀνεγείναί ἐκ τοῦ λ. (2)

— 23 (24). καὶ ἀνηγέσθη Δ. ἐκ τοῦ λ. (2)

— 24 (25). εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων ἐνέβληθήσαν (2)

— 24 (25). οὐκ ἐφθασαν εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων (2)

Bel 31. ἔβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων —

— 32. ἦσαν δὲ ἐν τῷ λ. ἐπτά λέοντες —

— 34. εἰς τὸν λ. τῶν λεόντων —

— 35. τὸν λ. οὐ γινώσκω —

— 36. ἔθηκεν αὐτὸν . . . ἐπάνω τοῦ λ. —

— 40. ἦλθεν ἐπὶ τὸν λ. —

— 42. τοὺς δὲ αἰτίους . . . ἐνέβαλεν εἰς τὸν λ. —

I Ma. 9. 33. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕδωρ λάκκου Ἀσ. —

II Ma. 10. 37. τὸν Δ. ἀποκερμμένον ἐν τινι λάκκῳ —

IV Ma. 18. 13. ἐδόξαζε δὲ καὶ τὸν ἐν λάκκῳ λεόν- των Δ. —

[Aq. II Ki. 3. 26: Ps. 27 (28). 1: 29 (30). 4: 142 (143). 7: Pr. 5. 15: Is. 14. 15: 38. 18: Je. 6. 7: 37 (44). 16: 41 (48). 7: Ez. 26. 20: 32. 25.]

[Sm. Ps. 27 (28). 1: 29 (30). 4: 54 (55). 24: 87 (88). 5: Pr. 5. 15: Is. 24. 22: 38. 18: Je. 6. 7: 37 (44). 16: 38 (45). 6: 41 (48). 9: Ez. 26. 20: 32. 25.]

[Th. Pr. 5. 15: Is. 14. 15: 51. 1: Je. 6. 7: 37 (44). 16: 38 (45). 9: Ez. 26. 20: 32. 23, 25.]

[Al. Ps. 56 (57). 7: Je. 37 (44). 16.]

## λακτάλ.

[Heb. Ps. 109 (110). 3.]

Λακωνικός. (1) διαφανή Λακωνικά 𐤋𐤁𐤁𐤍

Is. 3. 23. ἀφελεί . . . τὰ διαφανή Λακωνικά (1)

λαλεῖν. (1) 𐤋𐤁𐤁 a. qal. δ. hithp. c. 𐤋𐤁𐤁

(2) 𐤋𐤁𐤁 a. qal. δ. ni. c. pi. d. pu.

c. hithp. f. 𐤋𐤁𐤁 g. 𐤋𐤁𐤁 𐤋𐤁𐤁, 𐤋𐤁𐤁 𐤋𐤁𐤁

(3) 𐤋𐤁𐤁 (4) a. 𐤋𐤁𐤁 pi. δ. 𐤋𐤁𐤁 pa.

c. 𐤋𐤁𐤁 (5) 𐤋𐤁𐤁 hithp. (6) 𐤋𐤁𐤁 hi.

(7) 𐤋𐤁𐤁 pi. (8) 𐤋𐤁𐤁 (9) 𐤋𐤁𐤁 pi.

(10) 𐤋𐤁𐤁 (11) 𐤋𐤁𐤁

Ge. 12. 4. καθάπερ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (2 c)

16. 13. τὸ ὄνομα κυρίου τοῦ λαλούντος πρὸς αὐτὴν (2 α)

17. 3. καὶ ἐλάλησεν αὐτῷ ὁ θ. (2 c)

— 22. συνετέλεσε δὲ λαλῶν πρὸς αὐτὸν (2 c)

— 23. καθὰ ἐλάλησεν αὐτῷ ὁ θεός (2 c)

18. 19. Β ὅσα ἐλάλησε πρὸς [Δ ἐπ'] αὐτὸν (2 c)

— 27. νῦν ἡρξάμην λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2 c)

— 29. προσέθηκεν ἔτι λαλῆσαι πρὸς αὐτὸν (2 c)

— 30. μὴ τι κύριε, ἐὰν λαλήσω ἐτι ἀπαξ (2 c)

— 31. ἐπειδὴ ἐχω λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2 c)

— 32. μὴ τι κύριε, ἐὰν λαλήσω ἐτι ἀπαξ (2 c)

— 33. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν τῷ Ἀ. (2 c)

19. 14. καὶ ἐλάλησε πρὸς τοὺς γαμβροὺς αὐ. (2 c)

— 21. τὴν πόλιν περὶ ἧς ἐλάλησας (2 c)

20. 8. ἐλάλησε πάντα τὰ ῥήματα τ. εἰς τὰ ὅσα (2 c)

21. 1. ἐποίησε κύριος τῇ Σ. καθὰ ἐλάλησε (2 c)

— 2. καθὰ ἐλάλησεν αὐτῷ κ. (2 c)

28. 8. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς Ἀβ. λέγων (2 c)

— 8. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ Ἐφρών (2 c)

— 16. δὲ ἐλάλησεν εἰς τὰ ὅσα (2 c)

24. 7. δὲ ἐλάλησέ μοι (2 c)

— 15. λαλοῦντα ἐν τῇ διανοίᾳ (2 c)

— 30. οὕτω λελαλήκει μοι ὁ ἄνθρωπος (2 c)

— 33. ὥς τοῦ λαλῆσαι με τὰ ῥήματά μου (2 c)

— 33. καὶ εἶπεν, Δάλησον, Δάλησον (2 c)

— 45. λαλοῦντα ἐν τῇ διανοίᾳ μου (2 c)

— 51. καθὰ ἐλάλησε κύριος (2 c)

27. 5. Ῥεβέκα δὲ ἤκουσε λαλούντος Ἰσαὰκ (2 c)

— 6. ἤκουσα τοῦ πατρὸς σου λαλούντος πρὸς Ἡ. (2 c)

— 19. καθὰ ἐλά

- Ge. 50. 4. ἐλάλησεν Ἰωσήφ πρὸς τοὺς δυνάστας Φ. (2 c)  
 — 4. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ εἰς τὰ ὅσα Φαραώ (2 c)  
 — 17. λαλήσαντες αὐτῶν πρὸς αὐτόν (2 c)  
 — 21. ἐλάλησεν αὐτῶν εἰς τὴν καρδίαν (2 c)  
 Ex. 4. 10. ἀφ' οὗ ἤρξω λαλεῖν τῷ θεράποντι (2 c)  
 — 12. δ [Δ] μὲλλεις λαλήσαι (2 c)  
 — 14. λαλῶν λαλήσει αὐτός σοι (2 c, 2 c)  
 — 16. αὐτός σοι λαλήσει [Δ B<sup>3</sup> προσλαλήσει] πρὸς τὸν λαόν (2 c)  
 — 30. ἐλάλησεν Ἀαρὼν πάντα τὰ ῥήματα τ. δ. ἐλάλησεν ὁ θεὸς πρὸς Μ. (2 c, 2 c)  
 5. 23. λαλήσαι [Δ add. αὐτῷ] ἐπὶ τῷ σφ. ὀνόμ. (2 c)  
 6. 2. ἐλάλησε δὲ ὁ θεὸς πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 9. ἐλάλησε δὲ Μωυσὴς οὕτως τοῖς υἱοῖς Ἰ. (2 c)  
 — 11. λαλήσων Φαραώ (2 c)  
 — 12. ἐλάλησε δὲ Μ. ἔναντι κυρίου (2 c)  
 — 28. ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ ἐν γῇ Αἴγ. (2 c)  
 — 29. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 29. λαλήσων πρὸς Φαραώ (2 c)  
 7. 2. σὺ δὲ λαλήσεις αὐτῷ πάντα (2 c)  
 — 7. καὶ ἐὰν λαλήσῃ πρὸς ὑμᾶς (2 c)  
 — 7. ἡνίκα ἐλάλησε [Δ -σαν] πρὸς Φαραώ (2 c)  
 — 9. καὶ ἐὰν λαλήσῃ πρὸς ὑμᾶς (2 c)  
 — 13. καθότι ἐνετείλατο [Δ ἐλάλησεν] αὐτοῖς (2 c)  
 8. 15 (11), 19 (15). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 9. 35. καθάπερ ἐλάλησε κύριος τῷ Μωυσῇ (2 c)  
 11. 2. λαλήσων οὖν κρυφῶ εἰς τὰ ὅσα (2 c)  
 12. 3. λαλήσων πρὸς πάντας συναγωγὴν (2 c)  
 — 25. καθότι ἐλάλησε (2 c)  
 14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 — 12. δ ἐλάλησεν πρὸς σέ (2 c)  
 — 15. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 16. 10. ἡνίκα δὲ ἐλάλει Ἀ. πάσῃ συναγωγῇ (2 c)  
 — 11. καὶ ἐλάλησε κ. πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 12. λαλήσων πρὸς αὐτούς (2 c)  
 — 23. δ ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 19. 7. ἐκάλεσε [B<sup>1</sup> ἐλάλησε πρὸς] τοὺς πρεσβυτέρους (10)  
 — 9. ἵνα ἀκούσῃ ὁ λαὸς λαλοῦντός μου πρὸς σέ (2 c)  
 — 19. Μωυσὴς ἐλάλησεν [Δ ἐλάλει] (2 c)  
 20. 1. ἐλάλησε κ. πάντας τοὺς λόγους τ. (2 c)  
 — 19. λαλήσων σὺ ἡμῖν (2 c)  
 — 19. καὶ μὴ λαλῆτω πρὸς ὑμᾶς ὁ θεός (2 c)  
 — 22. ἐκ τοῦ οὐρανοῦ λελάληκα πρὸς ὑμᾶς (2 c)  
 23. 13. ὅσα εἶρηκα [Δ λελάληκα] πρὸς ὑμᾶς (1 a)  
 24. 3. οὐς ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 — 7. ὅσα ἐλάλησε κύριος ποιήσομεν (2 c)  
 25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 21 (22). καὶ λαλήσω σοι ἄνωθεν τοῦ ὀλασθρίου (2 c)  
 28. 3. καὶ σὺ λαλήσων πᾶσι τοῖς σοφοῖς (2 c)  
 29. 42. ὅσπερ λαλήσαι σοι (2 c)  
 30. 11, 17, 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 31. τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις (2 c)  
 31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (1 a)  
 — 18. κατέπαυσε λαλῶν αὐτῷ [Δ πρὸς αὐτόν] (2 c)  
 32. 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 13. καὶ ἐλάλησας πρὸς αὐτούς (2 c)  
 — 28. καθὰ ἐλάλησεν αὐτοῖς (2 f)  
 33. 9. καὶ ἐλάλει Μωυσῇ (2 c)  
 — 11. καὶ ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 11. Β εἰ τις λαλήσει [Δ B -αι] πρὸς τὸν ἑαυτοῦ φίλον (2 c)  
 — 19. Β λαλήσω ἐπὶ [Δ B καλίσω] τῷ ὀνόματί μου (10)  
 34. 10. εἶπε [Δ<sup>2</sup> ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μωυσήν (1 a)  
 — 29. ἐν τῷ λαλεῖν αὐτὸν αὐτῷ (2 c)  
 — 31. ἐλάλησεν αὐτοῖς [Δ πρὸς αὐτούς] Μ. (2 c)  
 — 32. ὅσα ἐνετείλατο [Δ ἐλάλησεν] κ. πρὸς αὐτόν (2 c)  
 — 33. ἐπειδὴ κατέπαυσε λαλῶν πρὸς αὐτούς (2 c)  
 — 34. ἔναντι κυρίου λαλεῖν αὐτῷ (2 c)  
 — 34. ἐλάλει πᾶσι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 40. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 Le. 1. 1. ἐλάλησε κύριος αὐτῷ ἐκ τῆς σκηνῆς (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 4. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 2. λαλήσων πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ (2 c)  
 5. 14. 8. 1 (5, 20), 7 (1), 19 (12) (B), 24 (17). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 6. 25 (18). λαλήσων Ἀαρών (2 c)  
 7. 12 (22). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 13 (23). λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 Le. 7. 18 (28). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 19 (29). τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις (2 c)  
 8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 9. 3. τῇ γερονσίᾳ Ἰσραὴλ λαλήσων (2 c)  
 10. 8. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἀαρών (2 c)  
 — 11. τὰ νόμιμα δ ἐλάλησε (2 c)  
 — 19. ἐλάλησεν Ἀαρών πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 11. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. καὶ Ἀαρών (2 c)  
 — 2. λαλήσατε τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 12. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 13. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. καὶ Ἀαρών (2 c)  
 14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 33 : 15. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. καὶ Ἀαρών (2 c)  
 15. 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 16. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 2. λαλήσων πρὸς Ἀαρών τὸν ἀδελφόν σου (2 c)  
 17. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 2. λαλήσων πρὸς Ἀαρών (2 c)  
 18. 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (2 c)  
 19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσήν (2 c)  
 — 2. λαλήσων τῇ συναγωγῇ (2 c)  
 20. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λαλήσεις (1 a)  
 21. 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 24. ἐλάλησε Μ. πρὸς Ἀ. [Δ B<sup>1</sup> al.] (2 c)  
 22. 1, 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 18. λαλήσων Ἀαρών καὶ τοῖς υἱοῖς αὐ. (2 c)  
 — 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 23. 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 9, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 24. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 26, 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 34. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 44. ἐλάλησε Μ. τὰς ἐορτὰς κυρίου (2 c)  
 24. 1, 13. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 15. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λαλήσων (2 c)  
 — 23. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 27. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 Nu. 1. 1, 48 : 2. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 3. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Μ. (2 c)  
 — 5, 11, 14, 44 : 4. 1, 17, 21 : 5. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 5. 4. καθὰ ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ (2 c)  
 — 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 6. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 12. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 6. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 23. Δ B B<sup>3</sup> λαλήσων Ἀαρών καὶ τοῖς υἱοῖς αὐ. (2 c)  
 7. 89. λαλήσαι αὐτῷ (2 c)  
 — 89. τὴν φωνὴν κυρίου λαλοῦντος πρὸς αὐτόν (2 c)  
 — 89. καὶ ἐλάλει πρὸς αὐτόν (2 c)  
 8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2. λαλήσων τῷ Ἀαρών (2 c)  
 — 5, 23 : 9. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 9. 4. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 10. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 10. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 29. κύριος ἐλάλησε καλὰ (2 c)  
 11. 17. λαλήσω ἐκεῖ μετὰ σοῦ (2 c)  
 — 24. ἐλάλησε . . . τὰ ῥήματα κυρίου (2 c)  
 — 25. ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 c)  
 12. 1. ἐλάλησε Μ. καὶ Ἀ. κατὰ Μ. [B<sup>1</sup> al.] (2 c)  
 — 2. μὴ Μωυσῇ μόνον λελάληκε [Δ ἐλάλησε] κ. (2 c)  
 — 2. οὐχὶ καὶ [Δ add. ἐν] ἡμῖν ἐλάλησε (2 c)  
 — 6. ἐν ὑπνῷ λαλήσω αὐτῷ (2 c)  
 — 8. στόμα κατὰ στόμα λαλήσω αὐτῷ (2 c)  
 13. 2 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 14. 28. ὃν τρόπον λελαλήκατε εἰς τὰ ὅσα μου [Δ οπ. εἰς τ. δ. μ.] (2 c)  
 — 35. ἐγὼ κύριος ἐλάλησα (2 c)  
 — 39. ἐλάλησε Μ. τὰ ῥήματα ταῦτα (2 c)  
 15. 1. Δ ἐλάλησεν [B εἶπε] κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 18. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 22. ὃς ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 35. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (1 a)  
 Nu. 15. 36. Δ καθὰ ἐλάλησεν κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 [B al.] (2 c)  
 — 38. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 16. 1. καὶ ἐλάλησε Κορέ (2 c)  
 — 5. ἐλάλησε πρὸς Κορέ (2 c)  
 — 20, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 24. λαλήσων τῇ συναγωγῇ (2 c)  
 — 26. ἐλάλησε πρὸς τὴν συναγωγὴν (2 c)  
 — 31. ὥς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν πάντας τοὺς λόγους τ. (2 c)  
 — 40 (17. 5). καθὰ ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 — 44 (17. 9). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 47 (17. 12). καθάπερ ἐλάλησεν αὐτῷ Μ. (2 c)  
 17. 1 (16). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2 (17). λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 — 6 (21). ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 18. 8. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀ. (2 c)  
 — 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀ. (1 a)  
 — 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 26. καὶ τοῖς λευίταις λαλήσεις (2 c)  
 19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 20. 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 8. λαλήσατε πρὸς τὴν πέτραν (2 c)  
 22. 8. ἂν λαλήσῃ κύριος πρὸς μέ (2 c)  
 — 19. τί προσθήσει κ. λαλήσαι πρὸς μέ (2 c)  
 — 20. ὃ ἂν λαλήσω [Δ εἴπω] πρὸς σέ (2 c)  
 — 35. τοῦτο φυλάξῃ λαλήσαι (2 c)  
 — 38. δυνατός ἐσομαι λαλήσαι τι (2 c)  
 — 38. τοῦτο λαλήσω [Δ φυλάξω λαλήσαι] (2 c)  
 23. 5. οὕτως λαλήσεις (2 c)  
 — 12. τοῦτο φυλάξω λαλήσαι (2 c)  
 — 16. καὶ τότε λαλήσεις (2 c)  
 — 17. τί ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 — 19. λαλήσει καὶ οὐχὶ ἔμμεναι (2 c)  
 — 26. οὐκ ἐλάλησά σοι λέγων (2 c)  
 — 26. ὃ ἐὰν λαλήσῃ ὁ θεός (2 c)  
 24. 12. οὐχὶ . . . ἐλάλησα λέγων (2 c)  
 25. 10, 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 16. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 26. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (1 a)  
 — 3. ἐλάλησε Μ. καὶ Ἐλ. [Δ add. μετ' αὐτῶν] (2 c)  
 — 52. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 27. 5 (6). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (1 a)  
 — 6 (7). ὀρθῶς θυγατέρες Σ. λελαλήκασι (2 a)  
 — 7 (8). τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λαλήσεις (2 c)  
 — 18. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (1 a)  
 28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 30. 1. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1 a)  
 — 2. ἐλάλησε Μ. πρὸς τοὺς ἀρχοντας (2 c)  
 31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς τὸν λαόν (2 c)  
 — 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (1 a)  
 33. 50. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 — 51. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 34. 1, 16 : 35. 1, 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2 c)  
 35. 10. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 c)  
 36. 1. ἐλάλησεν ἔναντι Μωυσῇ (2 c)  
 De. 1. 1. οὐς ἐλάλησε Μ. (2 c)  
 — 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς πάντας υἱοὺς Ἰσρ. (2 c)  
 — 6. κ. ὁ θεός ἡμῶν ἐλάλησεν ἡμῖν (2 c)  
 — 11. καθότι ἐλάλησεν ἡμῖν (2 c)  
 — 14. δ ἐλάλησας ποιῆσαι (2 c)  
 — 43. καὶ ἐλάλησα ὑμῖν (2 c)  
 2. 1. ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (2 c)  
 — 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (2 c)  
 3. 26. μὴ προσθήσῃ ἐτι λαλήσαι τὸν λόγον τ. (2 c)  
 4. 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (2 c)  
 — 15. ἢ ἐλάλησε κ. πρὸς ὑμᾶς (2 c)  
 — 33. φωνὴν θεοῦ ζῶντος λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ πυρός (2 c)  
 — 45. ὅσα ἐλάλησε Μ. (2 c)  
 5. 1. ὅσα ἐγὼ λαλῶ ἐν τοῖς ὧσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 4. ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (2 c)  
 — 22 (19). τὰ ῥήματα ταῦτα ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 — 24 (21). λαλήσει ὁ θεός πρὸς ἀνθρώπων (2 c)  
 — 26 (23). φωνὴν θεοῦ ζῶντος λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ πυρός (2 c)  
 — 27 (24). Δ B<sup>3</sup> λαλήσεις πρὸς ἡμᾶς πάντα ὅσα ἂν λαλήσῃ κύριος (2 c, 2 c)  
 — 28 (25). τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν λαλοῦντων πρὸς μέ (2 c)  
 — 28 (25). ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (2 c)  
 — 28 (25). ὀρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν (2 c)  
 — 31 (28). λαλήσω πρὸς σέ τὰς ἐντολάς (2 c)  
 6. 3. καθάπερ ἐλάλησε κύριος (2 c)



De. 6. 7. καὶ λαλήσεις ἐν αὐτοῖς (2c)	Ru. 4. 1. Β ἐν ἐλάλησεν [Α Β εἶπεν] Βοός (2c)	II Κί. 20. 16. λαλήσω πρὸς αὐτόν (2c)
— 19. καθὰ ἐλάλησε κύριος (2c)	I Κί. 1. 13. ἐλάλει ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. (2c)	— 18. λόγον ἐλάλησαν ἐν πρώτοις (2c)
9. 10. οὐς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (2c)	2. 3. μὴ λαλεῖτε ὑψηλὰ (2c)	— 22. ἐλάλησε πρὸς πάνσαν τὴν πόλιν —
— 13. λελάλικα πρὸς σέ (2c)	3. 9, 10. λάλει ὅτι ἀκούει ο δούλος σου (2c)	23. 1. ἐλάλησε Δ. . . τοὺς λόγους (2c)
10. 4. οὐς ἐλάλησε κ. πρὸς ὑμᾶς (2c)	— 12. ὅσα ἐλάλησα εἰς τὸν οἶκον αὐ. (2c)	23. 2. πνεῦμα κυρίου ἐλάλησεν ἐν ἐμοὶ (2c)
11. 19. λαλεῖν ἐν αὐτοῖς [Α λ. αὐτά] (2c)	— 17. τί τὸ ῥῆμα τὸ λαλήθην πρὸς σέ (2c)	— 3. ἐμοὶ ἐλάλησε φύλαξ ἐξ Ἰσρ. (2c)
— 25. ὃν τρόπον ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (2c)	— 17. ἐκ πάντων λόγων τῶν λαληθέντων σοι (2c)	24. 12. ἀλάλησον πρὸς Δ. (2c)
12. 20. καθάπερ ἐλάλησέ σοι (2c)	8. 7. καθὰ ἂν λαλήσωσιν σοι (1a)	III Κί. 1. 14. ἔτι λαλοῦσθαι σου ἐκεῖ μετὰ τοῦ βασι. (2c)
13. 2 (3). δ ἐλάλησε πρὸς σέ (2c)	— 21. ἐλάλησεν αὐτοὺς [Α -οῖς] εἰς τὰ ὅσα κυρίου (2c)	— 22. ἔτι αὐτῆς λαλοῦσθαι μετὰ τοῦ βασι. (2c)
— 5 (6). ἐλάλησε γὰρ πανησάει σε (2c)	— 17 (18). Α καθὼς ἐλάλησέ σοι —	— 42. ἔτι αὐτοῦ λαλοῦντος (2c)
15. 6. ὃν τρόπον ἐλάλησέ σοι (2c)	— 21. ἵνα τί ἐλάλησας πρὸς ἐμέ (2c)	2. 4. ὃν ἐλάλησε [Α add. περὶ ἐμοῦ] (2c)
18. 17. ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (2c)	11. 4. λαλοῦσι τοὺς λόγους (2c)	— 13 (14). καὶ εἶπεν αὐτῷ, Δάλησον (2c)
— 18. καὶ λαλήσει αὐτοῖς (2c)	14. 19. ὡς ἐλάλει Σ. πρὸς τὸν Ιερία (2c)	— 15 (16). καὶ εἶπεν αὐτῷ Β, Δάλει (2c)
— 19. ὅσα ἔαν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκ. (2c)	— 26. καὶ ἰδοὺ ἐπορεύετο λαλῶν +	— 18. ἐγὼ λαλήσω περὶ σοῦ τῷ βασι. (2c)
— 20. λαλήσαι ἐπὶ τῷ ὀνόματί μου ῥῆμα (2c)	15. 13. ὅσα ἐλάλησε κύριος (2f)	— 19. λαλήσαι αὐτῷ περὶ Ἀδ. (2c)
— 20. ὁ οὐ προσεταξά λαλήσαι (2c)	— 16. δ ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (2c)	— 23. ἐλάλησεν Ἀδ. τὸν λόγον τοῦτον (2c)
— 20. δε ἂν λαλήσῃ ἐν [Α ἐπ'] ὀνόματι θεῶν ἐτέρων (2c)	— 16. εἶπεν αὐτῷ, Δάλησον (2c)	— 24. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2c)
— 21. ὁ οὐκ ἐλάλησε κύριος (2c)	16. 4. δ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (2c)	— 27. δ ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν οἶκον Ἡ. (2c)
— 22. ὅσα ἔαν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκ. (2c)	17. 23. Α αὐτοῦ λαλοῦντος μετ' αὐτῶν (2c)	— 30. τάδε λελάληκεν Ἰ. (2c)
— 22. ὁ οὐκ ἐλάλησε κύριος (2c)	— 23. Α ἐλάλησε κατὰ ῥήματα ταῦτα (2c)	3. 1 (2. 38). δ ἐλάλησας (2c)
— 22. ἐν ἀσεβείᾳ ἐλάλησεν ὁ προφήτης ἐκ. (2c)	— 28. Α ἐν τῷ λαλεῖν αὐτὸν πρὸς τοὺς ἀνδρας (2c)	— 22. ἐλάλησαν [Α -ας] ἐνώπιον τοῦ βασι. (2c)
20. 2. λαλήσει τῷ λαφ (2c)	— 31. Α οὐς ἐλάλησεν Δαυὶδ (2c)	4. 32 (5. 12). ἐλάλησε Σαλ. τρισχίλις παρα-βολάς (2c)
— 5. λαλήσουσιν οἱ γραμματεῖς πρὸς τὸν λαόν (2c)	18. 1. Α ὡς συνετέλεσεν λαλῶν πρὸς Σ. (2c)	— 33 (5. 13). ἐλάλησεν ὑπὲρ [Α περὶ] τῶν ξυλῶν (2c)
— 8. λαλήσαι πρὸς τὸν λαόν (2c)	— 22. λαλήσατε ὑμεῖς λάθρα τῷ Δ. [Α τὸν Δ.] (2c)	— 33 (5. 13). ἐλάλησε περὶ τῶν κτηνῶν (2c)
— 9. ὅταν παύσωνται . . . λαλοῦντες πρὸς τὸν λαόν (2c)	— 23. ἐλάλησαν οἱ παῖδες Σ. . . τὰ ῥήματα ταῦτα (2c)	5. 5 (19). καθὼς ἐλάλησε κύριος (2c)
23. 23 (24). δ ἐλάλησας τῷ στόματί σου (2c)	— 24. δ ἐλάλησε Δαυὶδ (2c)	— 12 (26). καθὼς ἐλάλησεν αὐτῷ (2c)
26. 19. καθὼς ἐλάλησε (2c)	19. 1. ἐλάλησεν Σ. πρὸς Ἰων. (2c)	6. 12. Α ὃν ἐλάλησα πρὸς Δ. (2c)
27. 9. ἐλάλησε Μ. . . λέγοντες (2c)	— 3. λαλήσω περὶ σοῦ πρὸς τὸν πατέρα μου (2c)	8. 15. ὅς ἐλάλησεν ἐν τῷ στόματί αὐ. (2c)
31. 1. συνετέλεσε Μ. λαλῶν πάντας τοὺς λό-γους τ. (2c)	4. ἐλάλησεν Ἰων. περὶ Δ. ἀγαθὰ (2c)	— 20. τὸ ῥῆμα αὐτοῦ δ ἐλάλησε (2c)
— 3. καθὰ ἐλάλησε κύριος (2c)	20. 23. δ ἐλάλησamen ἐγὼ καὶ σὺ (2c)	— 20. καθὼς ἐλάλησε (2c)
— 28. ἵνα λαλήσω εἰς τὰ ὅσα αὐτῶν (2c)	— 26. οὐκ ἐλάλησε Σ. [Α add. οὐδὲν] ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (2c)	— 24. Α ὅσα ἐλάλησας αὐτῷ (2c)
— 30. ἐλάλησε Μ. . . τὰ ῥήματα τῆς φθῆς τ. (2c)	22. 12. λάλει, κύριε —	— 24. ἐλάλησας ἐν τῷ στόματί σου (2c)
32. 1. καὶ λαλήσω (2c)	24. 17. ὡς συνετέλεσε Δ. τὰ ῥήμα, ταῦτα λαλῶν (2c)	— 25. δ ἐλάλησας αὐτῷ (2c)
— 44. ἐλάλησε πάντας τοὺς λόγους τοῦ νό-μου τ. (2c)	25. 9. λαλοῦσι τοὺς λόγους τούτους πρὸς Ν. [Α al.] (2c)	— 26. Α δ ἐλάλησας τῷ δούλῳ σου Δ. [Β al.] (2c)
— 45. ἐξετέλεσε Μ. λαλῶν (2c)	— 17. οὐκ ἔστι λαλήσαι πρὸς αὐτόν (2c)	— 53. καθὼς ἐλάλησας ἐν χειρὶ δούλου σου Μ. (2c)
— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (2c)	— 24. λαλήσατω δὴ ἡ δούλῃ σου εἰς τὰ ὅσα σου (2c)	— 53. ἐλάλησε Σαλ. ὑπὲρ τοῦ οἴκου —
Jo. 10. 12. ἐλάλησεν Ἰ. πρὸς κύριον (2c)	— 30. ὅσα ἐλάλησεν ἀγαθὰ ἐπὶ σέ (2c)	— 56. ὅσα [Α δ] ἐλάλησεν (2c)
14. 6. δ ἐλάλησε κ. πρὸς Μ. (2c)	— 39. ἐλάλησε περὶ Ἀβιγαίας (2c)	— 56. οἷς ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Μ. (2c)
— 10. ἐλάλησε κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (2c)	— 40. ἐλάλησαν αὐτῇ λέγοντες (2c)	9. 5. καθὼς ἐλάλησα τῷ Δ. (2c)
20. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἰησοῖ (2c)	26. 14. τῷ Ἀβ. ἐλάλησε —	10. 2. ἐλάλησεν αὐτῷ πάντα (2c)
— 2. λαλήσων τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2c)	28. 17. καθὼς ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ μου (2c)	— 7. οὐκ ἐπίστευσαν τοῖς λαλοῦσά μοι (2f)
— 4. λαλήσει ἐν τοῖς ὡσὶ τῶν πρεσβυτ. (2c)	— 21. οὐς ἐλάλησας μοι (2c)	12. 3. ἐλάλησεν ὁ λαὸς πρὸς τὸν βασι. (2c)
21. 43. ὡς ἐλάλησε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2c)	II Κί. 2. 27. εἰ μὴ ἐλάλησας (2c)	— 7. ἐλάλησαν πρὸς αὐτόν (2c)
22. 15. ἐλάλησαν πρὸς αὐτοὺς (2c)	3. 18. κύριος ἐλάλησε περὶ Δ. (1a)	— 7. Β καὶ λαλήσῃς [Α -εις] αὐτοῖς λόγους ἀγαθούς (2c)
— 21. ἐλάλησαν τοῖς χιλιάρχοις Ἰσρ. (2c)	— 19. ἐλάλησεν Ἀβ. ἐν τοῖς ὡσὶ Βεν. (2c)	— 9. Α τῷ λαφ. τούτῳ τοῖς λαλήσασιν [Β λέγουσι] πρὸς μέ (2c)
— 28. ἔαν . . . λαλήσωσιν πρὸς ὑμᾶς (1a)	— 19. τοῦ λαλήσαι εἰς τὰ ὅσα τοῦ Δ. (2c)	— 10. ἐλάλησαν πρὸς αὐτόν (2c)
— 30. οὐς ἐλάλησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. (2c)	— 27. λαλήσαι πρὸς αὐτόν (2c)	— 10. τάδε λαλήσεις τῷ λαφ. τούτῳ τοῖς λαλή-σασιν πρὸς σέ (1a, 2c)
— 33. ἐλάλησαν [Α -εν] πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. +	7. 7. εἰ λαλῶν ἐλάλησα πρὸς μίαν φυλὴν τοῦ Ἰσρ. (2f, 2c)	— 10. τάδε λαλήσεις πρὸς αὐτοὺς (2c)
23. 5. καθὰ ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ὑμῖν (2c)	— 17. οὕτως ἐλάλησε Ν. πρὸς Δ. (2c)	— 12. καθότι ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ βασι. (2c)
— 15. Β ἐλάλησε κύριος πρὸς [Α Β εἶπ'] ὑμᾶς (2c)	— 19. ἐλάλησαν ὑπὲρ τοῦ οἴκου τοῦ δούλου σου (2c)	— 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς (2c)
24. 27. ὁ τι [Α ὅσα] ἐλάλησε πρὸς ἡμᾶς (2c)	— 20. τοῦ λαλήσαι πρὸς σέ (2c)	— 15. δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἀχ. (2c)
Jd. 1. 20. καθὼς ἐλάλησε Μ. (2c)	— 25. δ ἐλάλησας περὶ τοῦ δούλου σου (2c)	— 24. Β ἐλάλησεν εἰς τὰ ὅσα Σ. —
2. 4. ὡς ἐλάλησεν ὁ ἄγγελος κυρίου (2c)	— 25. Α καθὼς ἐλάλησας (2c)	— 24. Β ἐλάλησε Ἰ. εἰς τὰ ὅσα αὐ. —
— 15. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2c)	— 27. καὶ νῦν καθὼς ἐλάλησας —	— 24. Β οὕτως ἐλάλησε πρὸς σέ ὁ λαός —
5. 12. λαλήσων φθῆν [Α λάλει μετ' φθῆς] (2c)	— 28. ἐλάλησας ὑπὲρ τοῦ δούλου σου τὰ ἀγαθὰ ταῦτα (2c)	— 24. Β οὕτως λαλήσεις πρὸς τὸν λ. —
6. 17. ὁ τι ἐλάλησας [Α σὺ λαλεῖς] μετ' ἐμοῦ (2c)	— 29. σὺ εἰ . . . ἐλάλησας (2c)	13. 3. δ ἐλάλησε κύριος (2c)
— 27. ὃν τρόπον ἐλάλησε πρὸς αὐτόν κύριος (2c)	11. 18. Β λαλήσαι πρὸς τὸν βασι. —	— 7. ἐλάλησεν ὁ βασι. πρὸς τὸν ἀνθρ. τοῦ θ. (2c)
— 36, 37. καθὼς ἐλάλησας (2c)	— 19. λαλήσαι πρὸς τὸν βασι. (2c)	— 11. οὐς ἐλάλησε τῷ βασι. (2c)
— 39. λαλήσω [Α add. πρὸς σέ] ἔτι ἀπαξ (2c)	12. 18. ἐλάλησamen πρὸς αὐτόν (2c)	— 12. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὁ πατὴρ αὐ. (2c)
7. 3. λαλήσων δὴ ἐν ὡσὶ [Α εἰς τὰ ὡ.] τοῦ λαοῦ (10)	13. 13. λαλήσων δὴ πρὸς τὸν βασι. (2c)	— 18. ἀγγελος λελάληκε πρὸς μέ [Α μοι] (2c)
— 10 (11). ἀκούσῃ τὴν λαλήσασιν [Α λαλοῦσιν] (2c)	— 20. τοῦ λαλήσαι εἰς τὸ ῥῆμα τοῦτο —	— 22. φ [Α ὡς] ἐλάλησε πρὸς σέ (2c)
8. 3. ἐν τῷ λαλήσαι αὐτὸν τὸν λόγον τοῦτον (2c)	— 22. οὐκ ἐλάλησεν Ἀβ. μετὰ Ἀ. (2c)	— 25. ἐλάλησαν [Α -εν] ἐν τῇ πόλει (2c)
— 8. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὡσαύτως (2c)	— 36. ἦνίκα συνετέλεσε λαλῶν (2c)	— 26. Α δ ἐλάλησεν αὐτῷ (2c)
9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς (2c)	14. 3. λαλήσεις πρὸς αὐτόν (2c)	— 27. Α ἐλάλησεν πρὸς τοὺς υἱοὺς αὐ. (2c)
— 2. λαλήσατε δὴ ἐν τοῖς ὡσὶ πάντων (2c)	— 10. τίς ὁ λαλῶν πρὸς σέ (2c)	— 32. δ ἐλάλησεν ἐν λόγῳ κυρίου (10)
— 3. ἐλάλησαν περὶ αὐτοῦ (2c)	— 12. λαλήσατω δὴ ἡ δούλῃ σου πρὸς τὸν κ. μου (2c)	14. 2. Α ἐλάλησεν ἐμὶ τοῦ βασιλεῦσαι (2c)
— 37. προσέθετο ἔτι Γ. τοῦ λαλήσαι (2c)	— 12. καὶ εἶπε, Δάλησον (2c)	— 5. Α κατὰ τοῦτο λαλήσεις πρὸς αὐτὴν (2c)
— 38. ὡς ἐλάλησας [Α al.] (1a)	— 15. δ ἦλθον λαλήσαι πρὸς τὸν βασι. (2c)	— 11. Α κύριος ἐλάλησεν (2c)
11. 11. ἐλάλησεν Ἰ. πάντας τοὺς λόγους αὐ. (2c)	— 15. λαλήσατω δὴ πρὸς τὸν βασι. (2c)	— 18. Α δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. (2c)
12. 6. οὐ κατέκλυσε τοῦ λαλήσαι οὕτως [Α al.] (2c)	— 18. λαλήσατω δὴ ὁ κ. μου ὁ βασι. (2c)	15. 29. Β δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου Ἀχ. (2c)
13. 11. ὁ ἀνθρ. ὁ λαλήσας πρὸς τὴν γυναικί (2c)	— 19. ὡς ἐλάλησεν ὁ κ. μου ὁ βασι. (2c)	16. 7. ἐν χειρὶ Εἰοῦ . . . ἐλάλησε κύριος (2g)
14. 7. ἐλάλησαν τῇ γυναικί (2c)	17. 6. Β δ [Α Β om.] ἐλάλησεν Ἀχ. (2c)	— 12. δ ἐλάλησε κύριος ἐπὶ τὸν οἶκον Β. (2c)
15. 17. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν [Α al.] (2c)	— 6. εἰ δὲ μὴ σὺ λαλήσων (2c)	— 34. δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἰ. (2c)
16. 10, 13. ἐλάλησας πρὸς μέ ψευδῇ (2c)	19. 7 (8). λαλήσας ἐπὶ τὴν καρδίαν τῶν δούλων σου (2c)	17. 16. δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἡ. (2c)
18. 7. Α μὴ δυναμένους λαλήσαι ῥήμα [Β al.] (2f?)	— 11 (12). λαλήσατε πρὸς τοὺς πρεσβυτ. Ἰ. (2c)	18. 24. δ ἐλάλησας —
19. 3. τοῖς λαλήσαι ἐπὶ καρδίαν αὐτῆς (2c)	— 29 (30). ἵνα τί λαλεῖς ἔτι τοὺς λόγους σου (2c)	— 29. ἐλάλησεν Ἡ. πρὸς τοὺς προφῆτας (2g)
— 30. καὶ λαλήσατε (2c)		— 31. ὡς ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτόν (2g)
20. 3. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς υἱοὺς Βεν. (2c)		20 (21). 2. ἐλάλησεν Ἀχ. πρὸς Ναβ. (2c)
Ru. 1. 18. ἐκόπασε τοῦ λαλήσαι πρὸς αὐτὴν ἔτι (2c)		
2. 13. ἐλάλησας ἐπὶ καρδίαν τῆς δούλης σου (2c)		

III Kt. 20 (21). 4. ἄς ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν Ν. (2 c)  
 — 5. ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν (2 c)  
 — 6. ἐλάλησα πρὸς Ναβ. (2 c)  
 — 19. λαλήσεις πρὸς αὐτὸν (2 c)  
 — 23. τῇ ἱεῖ ἐλάλησεν κύριος (2 c)  
 21 (20). 4. καθὼς ἐλάλησας [A add. μοι] (2 f)  
 22. 8. οὐ λαλεῖ περὶ ἐμοῦ καλὰ (5)  
 — 13. ὁ ἀγγελος . . . ἐλάλησεν αὐτῷ (2 c)  
 — 13. λαλοῦσι πάντες οἱ προφῆται (2 f)  
 — 13. ἐλάλησαν καλὰ (2 c)  
 — 14. ταῦτα λαλήσω (2 c)  
 — 16. ὅπως λαλήσης [A -εις] πρὸς μέ ἀλ-  
 θειαν (2 c)  
 — 23. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σέ κακά (2 c)  
 — 24. πῶς πνεῦμα κυρίου τὸ λαλήσαν ἐν σοί  
 [A αἰ.] (2 c)  
 — 28. οὐ λελάληκε [A οὐκ ἐλάλησεν] κύριος  
 ἐν ἐμοί (2 c)  
 — 38. ὁ ἐλάλησε (2 c)  
 IV Kt. 1. 3. λαλήσεις πρὸς αὐτούς (2 c)  
 — 6. λαλήσατε πρὸς αὐτὸν (2 c)  
 — 7. B καθὰ ἐλάλησεν Ἡ. —  
 — 7. ἐλάλησε πρὸς αὐτούς (2 c)  
 — 7. τοῦ . . . λαλήσαντος πρὸς ὑμᾶς τοὺς  
 λόγους τ. (2 c)  
 — 9, 11. ἐλάλησεν ὁ πεντηκόνταρχος πρὸς  
 αὐτὸν (2 c)  
 — 12, 13. ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν (2 c)  
 — 15. ἐλάλησεν ἀγγελος κυρίου πρὸς Ἡ. (2 c)  
 — 16. ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν (2 c)  
 — 17. ὁ ἐλάλησεν Ἡλ. (2 c)  
 2. 11. ἐπορεύοντο καὶ ἐλάλουν (2 c)  
 — 22. ὁ ἐλάλησε (2 c)  
 4. 17. ὡς ἐλάλησε πρὸς αὐτὴν Ἐλ. (2 c)  
 5. 4. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησεν ἡ νεάνις  
 (2 c)  
 — 13. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὸν (2 c)  
 — 13. μέγαν λόγον ἐλάλησεν ὁ προφῆτης (2 c)  
 6. 12. οὗς ἐὰν λαλήσης ἐν τῷ ταμείῳ (2 c)  
 — 33. ἔτι αὐτοὶ λαλοῦντος μετ' αὐτῶν (2 c)  
 7. 17. καθὰ ἐλάλησεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θ. δε  
 ἐλάλησεν (2 c, 2 c)  
 — 18. καθὰ ἐλάλησεν Ἐλ. (2 c)  
 8. 1. Ἐλ. ἐλάλησε πρὸς τὴν γυναικα (2 c)  
 — 4. ὁ βασιλ. ἐλάλει [A -λήσεν] πρὸς Γ. (2 c)  
 9. 12. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησε πρὸς μέ (1 a)  
 — 36. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἡλ. (2 c)  
 10. 10. οὐ [A ὅ τι] ἐλάλησεν κύριος (2 c)  
 — 10. ὅσα ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἡλ. (2 c)  
 — 17. ὁ ἐλάλησε πρὸς Ἡλ. (2 c)  
 14. 25. ὁ [A δε] ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἰ. (2 c)  
 — 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐξαλείψαι (2 c)  
 15. 12. ὃν ἐλάλησε πρὸς Εἰού (2 c)  
 17. 23. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 18. 26. λαλήσαν δι' ἑαυτοὺς τοὺς παῖδάς σου Σ. (2 c)  
 — 26. οὐ λαλήσεις . . . Ἰουδ. (2 c)  
 — 26. ἵνα τί λαλήεις [A om. ἱ τί λ.] ἐν τοῖς  
 ὡσὶ τοῦ λαοῦ —  
 — 27. λαλήσαι τοὺς λόγους τούτους (2 c)  
 — 28. καὶ ἐλάλησε (2 c)  
 19. 21. ὃν ἐλάλησε κύριος ἐπ' [A πρὸς] αὐτὸν (2 c)  
 20. 9. ὃν ἐλάλησε (2 c)  
 — 14. τί ἐλάλησαν οἱ ἄνδρες οὗτοι (1 a)  
 — 19. ὃν ἐλάλησεν (2 c)  
 21. 10. ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ δούλου αὐτοῦ (2 c)  
 22. 14. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὴν (2 c)  
 — 19. ὅσα ἐλάλησα ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (2 c)  
 23. 16. ὁ ἐλάλησεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ (10)  
 — 16. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θ. τοῦ λαλήσαντος  
 τοὺς λόγους τούτους (10)  
 24. 2. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 c)  
 25. 6. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ κρίσιν (2 c)  
 — 28. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ ἀγαθὰ (2 c)  
 I Ch. 17. 6. εἰ λαλῶν ἐλάλησα πρὸς μίαν  
 φυλὴν (2 f, 2 c)  
 — 15. οὕτως ἐλάλησεν Ν. πρὸς Δ. (2 c)  
 — 17. ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ παιδὸς σου (2 c)  
 — 23. ὃν ἐλάλησας πρὸς τὸν παῖδά σου (2 c)  
 — 23. B καθὼς ἐλάλησας (2 c)  
 — 26. ἐλάλησας . . . τὰ ἀγαθὰ ταῦτα (2 c)  
 21. 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Γαδ (2 c)  
 — 10. λαλήσαν πρὸς Δ. (2 c)  
 — 19. ὃν ἐλάλησεν ἐν ὀνόματι κυρίου (2 c)  
 22. 11. ὡς ἐλάλησε περὶ σοῦ (2 c)  
 II Ch. 8. 4. δε ἐλάλησεν ἐν στόματι αὐτοῦ (2 c)  
 — 10. ὃν ἐλάλησε (2 c)  
 — 10. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 c)

II Ch. 6. 15. δ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων καὶ ἐλά-  
 λησας [A om. αὐ. λ. κ. ε.] ἐν στόματί  
 σου (2 c, 2 c)  
 — 16. δ ἐλάλησας αὐτῷ (2 c)  
 — 17. ὁ ἐλάλησας τῷ παιδί σου τῷ Δ. (2 c)  
 9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτόν (2 c)  
 10. 7. ἐλάλησαν αὐτῷ λέγοντες (2 c)  
 — 7. ἐὰν . . . λαλήσης αὐτοῖς λόγους ἀγαθοῦς (2 c)  
 — 9. οἱ ἐλάλησαν πρὸς μέ (2 c)  
 — 10. ἐλάλησαν αὐτῷ τὰ παιδιάρια (2 c)  
 — 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λαῷ τῷ λαλήσαντι  
 πρὸς σέ (1 a, 2 c)  
 — 12. ὡς ἐλάλησεν ὁ βασιλ. (2 c)  
 — 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτούς (2 c)  
 — 15. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἀχ. (2 c)  
 18. 7. μὴ λαλεῖτω ὁ βασιλ. οὕτως (1 a)  
 — 12. ἐλάλησεν αὐτῷ λέγων (2 c)  
 — 12. ἐλάλησαν οἱ προφῆται . . . ἀγαθὰ (2 f)  
 — 12. καὶ λαλήσεις ἀγαθὰ (2 c)  
 — 13. αὐτὸ λαλήσω (2 c)  
 — 15. ἵνα μὴ λαλήσης [A -σεις] πρὸς μέ (2 c)  
 — 22. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σέ κακά (2 c)  
 — 23. A τοῦ λαλήσαι πρὸς σέ —  
 — 23. τοῦ λαλήσαι πρὸς σέ (2 c)  
 — 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐν ἐμοί (2 c)  
 23. 3. καθὼς ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 24. 5. σπεύσατε λαλήσαι (2 f)  
 25. 16. ἐν τῷ λαλήσαι αὐτῷ (2 c)  
 30. 22. ἐλάλησεν Ἐζ. ἐπὶ πᾶσαν καρδίαν τῶν Λ. (2 c)  
 32. 6. ἐλάλησεν ἐπὶ καρδίαν αὐ. (2 c)  
 — 16. ἐλάλησαν παῖδες αὐ. ἐπὶ κύριον (2 c)  
 — 19. ἐλάλησεν ἐπὶ θεῶν Ἱερ. (2 c)  
 33. 10. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ Μ. (2 c)  
 — 18. καὶ λόγοι τῶν ὁρώτων λαλούντων πρὸς  
 αὐτόν (2 c)  
 34. 22. ἐλάλησαν αὐτῇ κατὰ ταῦτα (2 c)  
 I Es. 1. 51. ἡ ἡμέρα ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 3. 21. πάντα τὰ ταλάντων ποιεῖ λαλεῖν (2 c)  
 4. 1. ἤρξατο ὁ δεύτερος λαλεῖν (2 c)  
 — 13. ὁ δεῖ τρίτος . . . ἤρξατο λαλεῖν (2 c)  
 — 37. ἤρξατο λαλεῖν περὶ τῆς ἀληθείας  
 — 41. ἐσιώπησε τοῦ λ. —  
 5. 6. δε ἐλάλησεν . . . λόγους σοφούς (2 c)  
 II Es. 8. 17. λόγους λαλήσαι πρὸς τοὺς ἀδ. αὐ. (2 c)  
 Ne. 9. 13. καὶ ἐλάλησας πρὸς αὐτούς (2 c)  
 13. 24. οἱ υἱοὶ αὐ. ἤμουν λαλοῦντες [A -οῦσαν]  
 Ἀζ. (2 c)  
 — 24. οὐκ εἰσὶν ἐπιγινώσκοντες λαλεῖν Ἰουδ. (2 c)  
 To. 2. 6. B ὅσα ἐλάλησεν Ἀμ. [A B αἰ.] (2 c)  
 6. 10. A B λαλήσω περὶ αὐτῆς (2 c)  
 — 12. λαλήσω τῷ πατρὶ αὐτῆς (2 c)  
 — 12. B λαλήσωμεν περὶ τοῦ κορασίου (2 c)  
 7. 7. B ἐλάλησεν καὶ ἐπὶ αὐτῷ [A B αἰ.] (2 c)  
 — 8. λαλήσαν ὑπὲρ ὧν ἔλεγες [B αἰ.] (2 c)  
 14. 4. ὅσα ἐλάλησεν Ἰωνᾶς [B αἰ.] (2 c)  
 — 4. B ὅσα ἐλάλησαν οἱ προφῆται τοῦ Ἰ. (2 c)  
 — 5. καθὼς ἐλάλησαν περὶ αὐτῆς οἱ προφῆται (2 c)  
 — 8. A B δ ἐλάλησεν ὁ προφῆτης Ἰωνᾶς (2 c)  
 Ju. 2. 1. καθὼς ἐλάλησε (2 c)  
 — 12. λελάληκα [B ὅσα λ.] καὶ ποιήσω -  
 5. 22. ὡς ἐπαύσατο Ἀ. λαλῶν τοὺς λόγους τ. (2 c)  
 6. 5. δε [B ὡς] ἐλάλησας τοὺς λόγους τούτους (2 c)  
 — 9. ἐλάλησα καὶ οὐδὲν διαπεσέεται (2 c)  
 — 17. ὅσα ἐλάλησεν [A -αν] (2 c)  
 7. 16. καθὰ ἐλάλησαν (2 c)  
 — 24. οὐ λαλήσαντες εἰρηνικά (2 c)  
 8. 9. οὗς ἐλάλησε πρὸς αὐτούς Ὁ. (2 c)  
 — 11. ὃν ἐλάλησατε ἐναντίον τοῦ λαοῦ (2 c)  
 — 11. ὃν ἐλάλησατε ἀπὸ μέσον τοῦ θεοῦ (2 c)  
 — 28. πάντα . . . ἀγαθὰ [A B ἐν α.] καρδίᾳ ἐλά-  
 λησας (2 c)  
 — 30. καθὰ ἐλάλησαμεν αὐτοῖς (2 c)  
 10. 9. ὃν ἐλάλησατε μετ' ἐμοῦ (2 c)  
 — 9. καθότι ἐλάλησαν [A B -εν] (2 c)  
 11. 5. λαλήσατέν ἡ παιδεία σου (2 c)  
 — 9. ὃν ἐλάλησεν Ἀχ. (2 c)  
 — 9. B ὅσα ἐλάλησε [A B ἐξελ.] παρὰ σοί (2 c)  
 — 19. A B ταῦτα ἐλαλήθη μοι (2 c)  
 — 23. A B ἐὰν ποιήσης καθὰ ἐλάλησας (2 c)  
 13. 3. τῷ B. ἐλάλησε κατὰ τὰ ῥήματα ταῦτα (2 c)  
 14. 8. ἔως οὐ ἐλάλει αὐτοῖς (2 c)  
 — 9. ὡς δεῖ ἐπαύσατο λαλοῦσα (2 c)  
 15. 8. καὶ [B add. τοῦ] λαλήσαι μετ' αὐτῆς εἰρήνην (2 f)  
 Es. 1. 13. κατὰ ταῦτα [B add. δ] ἐλάλησεν Ἀ. (2 f)  
 — 21. καθὰ ἐλάλησεν ὁ Μ. (2 f)  
 2. 1. μνημονεύων ὅτι ἐλάλησεν [B ἂν, A αἰ.] †

Es. 3. 3. ἐλάλησαν οἱ ἐν τῇ αὐλῇ τοῦ βασιλ. (1 a)  
 — 4. ἐλάλουν [A B ἔλεγον] αὐτῷ (1 a)  
 — 8. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασιλ. (1 a)  
 4. 8. ἐλάλησε καθ' ἡμῶν εἰς θάνατον —  
 — 8. λαλήσαν τῷ βασιλ. περὶ ἡμῶν —  
 — 9. ἐλάλησεν αὐτῇ πάντας τοὺς λόγους τ. (6)  
 — 17. ὅσα ἐλάλησας [A B add. αὐτοῖς] (2 c)  
 5. 2. λαλήσόν μοι (2 c)  
 6. 10. καλῶς [B καθὼς] ἐλάλησας (2 c)  
 — 10. ὃν ἐλάλησας (2 c)  
 — 14. ἔτι αὐτῶν λαλούντων (2 c)  
 7. 9. τῷ λαλήσαντι [B add. ἀγαθὰ] περὶ τοῦ  
 βασιλ. (2 c)  
 8. 3. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασιλ. (2 c)  
 Jb. 1. 16, 17, 18. ἔτι τούτου λαλούντος (2 c)  
 2. 10. ὥσπερ [A ἵνα τί ὥσπερ] μία τῶν ἀφρό-  
 νων γυναικῶν ἐλάλησας [A οὕτως  
 ἐλ.] (2 c)  
 — 13. A B οὐδεὶς αὐτῶν [B -φ] ἐλάλησεν  
 [A ἐλ. πρὸς αὐτὸν λόγον] (2 a)  
 4. 2. μὴ πολλὰ σοι λελάληται ἐν κόφῳ (2 f)  
 6. 4. ὅταν ἀρξώμαι λαλεῖν †  
 7. 11. λαλήσω ἐν ἀνάγκῃ ὧν (2 c)  
 8. 2. μέχρι τίνας λαλήσεις ταῦτα (4 a)  
 9. 27. ἐπιλήσονται λαλῶν †  
 — 35. οὐ μὴ φοβηθῶ ἀλλὰ λαλήσω [B αἰ.] (2 c)  
 10. 1. λαλήσω πικρίας ψυχῆς μου συνεχόμενος (2 c)  
 11. 5. πῶς ἂν ὁ κύριος λαλήσαι [B -σει] πρὸς  
 σέ (2 c)  
 13. 3. οὐ μὴν δεῖ ἀλλ' ἐγὼ πρὸς κύριον λαλήσω (2 c)  
 — 7. πότερον οὐκ ἔναντι κυρίου λαλεῖτε (2 c)  
 — 8. καλῶς γε λαλοῦντες —  
 — 13. καφεύσατε ἵνα λαλήσω (2 c)  
 — 15. ἡ μὴν [A οὐ μὴν δεῖ ἀλλὰ] λαλήσω †  
 — 22. ἡ [A om.] λαλήσεις (2 c)  
 15. 11. μεγάλως ὑπερβαλλόντως [A -βαλлон  
 οὕτως] λελάληκας (2 f?)  
 16. 4. καγὼ καθ' ὑμᾶς λαλήσω (2 c)  
 — 7 (6). ἐν γὰρ λαλήσω οὐκ ἀλήγησεν τὸ τραῦμα τ.  
 18. 2. ἐπίσχευ ἵνα καὶ αὐτοὶ λαλήσωμεν (2 c)  
 19. 4. λαλήσαι ῥήματα δ οὐκ ἔδει †  
 — 7. A B ἰδοὺ λαλῶ [B B ἡ γελῶ] ὀνειδεῖ  
 [A -δη] καὶ οὐ λαλήσω †, †  
 — 18. ὅταν ἀναστῶ κατ' ἐμοῦ λαλοῦσιν (2 c)  
 21. 3. ἐγὼ δεῖ λαλήσω (2 c)  
 27. 4. μὴ λαλήσεν τὰ χεῖρά μου ἄνομα [A αἰ.] (2 c)  
 29. 9. ἀδρὸι δεῖ ἐπαύσαντο λαλοῦντες (4 c)  
 — 22. ὅσταν αὐτοῖς ἐλάλουν (2 c)  
 32. 7. οὐχ [A om.] ὁ χρόνος ἐστὶν ὁ λαλῶν (2 c)  
 — 14. λαλήσαι ταῦτα ῥήματα (4 c)  
 — 16. οὐ γὰρ ἐλάλησα (2 c)  
 — 18. πάλιν λαλήσω †  
 — 20. λαλήσω ἵνα ἀναπαύσωμαι (2 c)  
 33. 2. ἐλάλησεν ἡ γλώσσά μου (2 c)  
 — 14. ἐν γὰρ τῷ ἀπασῆ λαλήσαι ὁ κύριος (2 c)  
 — 31. καὶ ἐγὼ εἴμι λαλήσω [A αἰ.] (2 c)  
 — 32. λαλήσαν ὅλον γὰρ δικαιοῦσθαι σε (2 c)  
 34. 33. τί ἔγνωσεν λαλήσαν (2 c)  
 — 35. ἰδὲ δεῖ οὐκ ἐν συνείσει ἐλάλησε [A  
 -σας] (2 c)  
 — 37. πολλὰ λαλούντων [A λαλοῦσιν] ῥήματα (1 c)  
 39. 14. A ἐλάλησαν [B S om.] ὅτι ἀφίσεις εἰς  
 γῆν τὰ φά αὐ. —  
 — 35 (40. 5). ἀπαξ λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)  
 40. 22 (27). λαλήσει δεῖ σοι δεήσει [A -σεις] (2 c)  
 42. 4. ἵνα καγὼ λαλήσω (2 c)  
 — 7. μετὰ τὸ λαλήσαι τὸν κ. πάντα τὰ ῥήμ.  
 ταῦτα τῷ Ἰ. (2 c)  
 — 7. οὐ γὰρ ἐλάλησατε ἐναντίον μου ἀληθῆς  
 οὐδὲν (2 c)  
 — 8. οὐ γὰρ ἐλάλησατε ἀληθῆς [A αἰ.] (2 c)  
 Ps. 2. 5. λαλήσει πρὸς αὐτοὺς ἐν ὀργῇ αὐτοῦ (2 c)  
 5. 6. ἀποκλείεις πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψεῦδος (2 a)  
 11 (12). 2. ματαίᾳ ἐλάλησεν ἕκαστος πρὸς τὸν  
 πλησίον αὐ. (2 c)  
 — 2. ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν [A B ἔλ. κακά] (2 c)  
 14 (15). 2. λαλῶν ἀληθείαν ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (2 a)  
 16 (17). 3. ὅπως ἂν μὴ λαλήσῃ τὸ στόμα μου  
 τὰ ἔργα τῶν ἀνθρ. (2 f?)  
 — 10. τὸ στόμα αὐτῶν ἐλάλησεν ὑπερφανίαν (2 c)  
 17 (18) τί. δ ἐλάλησεν τῷ κυρίῳ τοὺς λόγους (2 c)  
 21 (22). 7. ἐλάλησαν ἐν χειρὶ σου †  
 27 (28). 3. τῶν λαλούντων εἰρήνην μετὰ τῶν  
 πλησίον αὐ. (2 a)  
 30 (31). 18. τὰ λαλοῦντα κατὰ τοῦ δικαίου  
 ἀνομίαν (2 a)

- Ps. 33 (34). 13. καὶ χεὶρ σου τοῦ μὴ λαλήσαι δόλον (2 c)  
 34 (35). 20. ἐμοὶ μὲν εἰρηνικὰ ἐλάλουν (2 c)  
 36 (37). 30. ἡ γλῶσσα αὐτοῦ λαλήσῃ [B<sup>1</sup> μελετήσῃ] κρίσιν (2 c)  
 37 (38). 12. ἐλάλησαν ματαιότητος [B<sup>1</sup> -τα] (2 c)  
 38 (39). 3. ἐλάλησα ἐν γλώσσῃ μου (2 c)  
 39 (40). 5. ἀπήγγειλα καὶ ἐλάλησα (2 c)  
 40 (41). 6. Α Β<sup>2</sup> Β<sup>3</sup> Β<sup>4</sup> μάτην ἐλάλει — 6. ἐλάλει ἐπὶ τὸ αὐτό (2 c)  
 48 (49). 3. τὸ στόμα μου λαλήσει σοφίαν (2 c)  
 49 (50). 1. θεὸς θῶν κύριος ἐλάλησε — 7. λαλήσω σοι, Ἰσραὴλ (2 c)  
 51 (52). 3. ἡγάπησας . . . ἀδικίαν ὑπὲρ τὸ λαλήσαι δικαιοσύνην (2 c)  
 57 (58). 1. εἰ ἀληθὲς ἄρα δικαιοσύνην λαλεῖτε — 3. ἐλάλησαν ψευδῆ (2 a)  
 59 (60). 6. ὁ θεὸς ἐλάλησεν ἐν τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (2 c)  
 61 (62). 11. ἀπαρ ἐλάλησεν ὁ θεός (2 c)  
 62 (63). 11. ἐκφράξῃ στόμα λαλούντων ἀδικα (2 a)  
 65 (66). 14. ἐς . . . ἐλάλησε τὸ στόμα μου (2 c)  
 72 (73). 8. ἐλάλησαν ἐν πονηρίᾳ ἀδικίαν εἰς τὸ ὕψος ἐλάλησαν (2 c, 2 c)  
 74 (75). 5. μὴ λαλεῖτε κατὰ τοῦ θεοῦ ἀδικίαν (2 c)  
 76 (77). 4. ἐταράχθη καὶ οὐκ ἐλάλησα (2 c)  
 80 (81). 8. Β<sup>1</sup> καὶ λαλήσω σοι — — — — —  
 84 (85). 8. ἀκούσονται τί λαλήσῃ ἐν ἐμοὶ κ. ὁ θεὸς ὅτι λαλήσει εἰρήνην ἐπὶ τὸν λαόν αὐ. (2 c, 2 c)  
 86 (87). 3. διδοξασμένη ἐλαλήθη περὶ σοῦ (2 d)  
 88 (89). 19. ἐλάλησας ἐν ὀράσει τοῖς υἱοῖς σου (2 c)  
 93 (94). 4. λαλήσουσιν ἀδικίαν λαλήσουσι πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν (2 c, 1 b)  
 98 (99). 7. ἐν στυλῷ νεφέλης ἐλάλει πρὸς αὐτοὺς (2 c)  
 100 (101). 7. λαλῶν ἀδικα οὐ κατεύθυνεν (2 a)  
 105 (106). 2. τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τοῦ κυρίου (4 a)  
 107 (108). 7. ὁ θεὸς ἐλάλησεν ἐν τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (2 c)  
 108 (109). 2. ἐλάλησαν κατ' ἐμοῦ γλώσσῃ δολίᾳ (2 c)  
 — 20. καὶ τὸν λαλούντων πονηρὰ κατὰ τῆς ψυχῆς μου (2 a)  
 118. 13 (115. 5). Α Β στόμα ἔχουσι καὶ οὐ λαλήσουσιν [B λαλοῦσιν] (2 c)  
 115. 1 (116. 10). ἐπίστευσα διὸ ἐλάλησα (2 c)  
 118 (119). 46. ἐλάλουν ἐν τοῖς μαρτυρίοις σου (2 c)  
 119 (120). 7. ὅταν ἐλάλουν αὐτοῖς (2 c)  
 121 (122). 8. ἐλάλουν δὲ εἰρήνην περὶ σοῦ (2 c)  
 126 (127). 5. ὅταν λαλῶσι τοῖς ἐχθροῖς αὐτῶν (2 c)  
 134 (135). 16. Α Β στόμα ἔχουσι καὶ οὐ λαλήσουσιν [B λαλοῦσιν] (2 c)  
 143 (144). 8. 11. ὦν τὸ στόμα ἐλάλησε ματαιότητα (2 c)  
 144 (145). 5. τὴν μεγαλοπρέπειαν τῆς δόξης τῆς ἀγαλλίας σου λαλήσουσι (2 f)  
 — 6. Α Β<sup>1</sup> τὴν δυναστείαν σου λαλήσουσιν (7 f)  
 — 11. τὴν δυναστείαν σου λαλήσουσι (2 c)  
 — 21. αἰνεῖσιν κυρίου λαλήσῃ τὸ στόμα μου (2 c)  
 Pr. 2. 12. καὶ ἀπὸ ἀνδρὸς λαλούντος μὴδὲν πιστόν (2 c)  
 7. 8. καὶ λαλοῦντα ἐν σκότει ἐσπερινῷ — 21. 28. ἀνὴρ δὲ ὑπὸ τοὺς φυλασσόμενος λαλήσει (2 c)  
 23. 33. τὸ στόμα σου τότε λαλήσει σκολιὰ (2 c)  
 24. 2. πόνους τὰ χεῖρά σου λαλεῖ (2 c)  
 Ec. 1. 8. οὐ δυνήσεται ἀνὴρ τοῦ λαλεῖν — 10. 8. λαλήσει καὶ ἐρεῖ (2 c)  
 — 16. ἐλάλησα ἐγὼ ἐν τῇ καρδίᾳ μου (2 c)  
 2. 15. περισσὸν ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου — 15. ὁ ἀφρων ἐκ περισσεύματος λαλεῖ — — — — —  
 3. 4. καιρὸς τοῦ γελᾶσαι [B<sup>1</sup> γαλεῖσαι] — 7. καιρὸς τοῦ λαλεῖν (2 c)  
 7. 22 (21). λόγους οὖς [B om.] λαλήσουσιν ἀσέβεις [A B<sup>1</sup> om.] (2 c)  
 8. 4. Α Β<sup>2</sup> καθὼς βασιλεὺς ἐξουσιάζων λαλεῖ [B B<sup>1</sup> om.] (2 f)  
 Ca. 8. 8. ἐν ἡμέρᾳ ἢ ἐάν λαλήῃ ἐν αὐτῇ (2 d)  
 Wi. 8. 12. λαλοῦντες ἐπὶ πλείον χεῖρα ἐπιθώσουσιν Si. 13. 6. λαλήσει σοι [B om.] καλὰ — 22. ἐλάλησεν ἀπόρητα — 23. πλούσιος ἐλάλησε — 23. πτωχὸς ἐλάλησε — 18. 19. πρὶν ἢ [B om.] λαλήσαι μάνθανε 35 (32). 3. λαλήσαν, πρεσβύτερε — 7. λαλήσαν, νεανίσκε 51. 25. ἤνοιξα τὸ στόμα μου καὶ ἐλάλησα Ho. 2. 14 (16). λαλήσω ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐ. (2 c)  
 Ho. 10. 4. λαλῶν ῥήματα προφῶσαι (2 c)  
 12. 4 (5). ἐκεῖ ἐλαλήθη πρὸς αὐτοὺς — 10 (11). καὶ λαλήσω πρὸς προφῆτας (2 c)  
 Am. 3. 1. ὃν ἐλάλησε κύριος — 8. κ. ὁ θ. ἐλάλησε (2 c)  
 Mi. 4. 4. τὸ στόμα κυρίου παντοκράτ. ἐλάλησε ταῦτα (2 c)  
 6. 12. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ἐλάλουν ψευδῆ (2 c)  
 7. 3. καὶ ὁ κριτὴς εἰρημικὸς λόγους ἐλάλησε (2 a)  
 Jl. 3 (4). 8. ὅτι κύριος ἐλάλησε (2 c)  
 Ob. 1. 18. διότι κύριος ἐλάλησε (2 c)  
 Jn. 8. 2. ὁ ἐγὼ ἐλάλησα πρὸς σέ — 3. καθὰ ἐλάλησε κύριος — 10. ἡ [A δ] ἐλάλησε τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς (2 c)  
 4. 2. Α οὖς ἐλάλησα — — — — —  
 Hb. 2. 1. τοῦ ἰδεῖν τί λαλήσει ἐν ἐμοὶ (2 c)  
 Hg. 2. 13. καὶ οὐ λαλήσουσι μάταια (2 c)  
 Hg. 2. 2 (1). ἐλάλησε [B<sup>1</sup> ἐλαβεν] κύριος ἐν χειρὶ Ἀγ. (2 g)  
 Za. 1. 9. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοὶ — 13. τῷ ἀγγέλῳ τῷ λαλοῦντι ἐν ἐμοὶ — 14. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοὶ — 17. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοὶ — 19 (2. 2). πρὸς τὸν ἄγγελον τὸν λαλοῦντα ἐν ἐμοὶ (2 a)  
 2. 3 (7). ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοὶ — 4 (8). λαλήσαν πρὸς τὸν νεανίαν (2 c)  
 4. 1. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοὶ (2 a)  
 — 4. πρὸς τὸν ἄγγελον τὸν λαλοῦντα ἐν ἐμοὶ (2 a)  
 — 5: 5. 5. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοὶ (2 a)  
 5. 10: 6. 4. πρὸς τὸν ἄγγελον τὸν λαλοῦντα ἐν ἐμοὶ (2 a)  
 6. 5. ὁ ἄγγελος ὁ λαλῶν ἐν ἐμοὶ — — — — —  
 — 8. καὶ ἐλάλησε πρὸς μέ (2 c)  
 7. 7. οὖς ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ τῶν προφ. (10)  
 8. 16. λαλεῖτε ἀλήθειαν ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον (2 c)  
 10. 2. οἱ ἀποφρογγόμενοι ἐλάλουν κόπους — 2. καὶ τὰ ἐνύπνια ψευδῆ ἐλάλουν (2 c)  
 13. 3. ψευδῆ ἐλάλησας ἐπ' [A ἐν] ὀνόματι κυρίου (2 c)  
 Ma. 3. 16. ταῦτα κατελάλησαν [A ἐλάλησαν] οἱ φοβούμενοι (2 b)  
 Is. 1. 2. κύριος ἐλάλησεν (2 c)  
 — 20. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (2 c)  
 7. 10. προσέθετο κύριος λαλήσαι τῷ Ἀχας (2 c)  
 8. 5. προσέθετο κύριος λαλήσαι μοι ἐτι (2 c)  
 — 10. Α Β<sup>1</sup> λόγον ὃν ἐάν [B om.] λαλήσῃς (2 c)  
 9. 17 (16). πᾶν στόμα λαλεῖ ἀδικα (2 a)  
 15. 4. Α Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> κέκραγεν Ἑσέβων καὶ ἐλάλησεν [B<sup>1</sup> Ἐλεαλή, B<sup>2</sup> om.] — — — — —  
 16. 9. Α Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> τὰ δένδρα σου κατέβαλεν Ἑσέβων καὶ ἐλάλησεν [B<sup>1</sup> Ἐλεαλή] — — — — —  
 — 13. τοῦτο τὸ ῥῆμα ὁ ἐλάλησεν κύριος . . . ὅπως ἐλάλησε (2 c, -)  
 19. 18. ἔσονται πέντε πόλεις ἐν Αἴγ. λαλοῦσαι τῇ γλώσσῃ τῇ Χαν. (2 c)  
 20. 2. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἠσαΐαν (2 c)  
 21. 17. κύριος ὁ θεός Ἰσραὴλ ἐλάλησε (2 c)  
 22. 3. οἱ ἀδόντες [B<sup>1</sup> λαλοῦντες?] σκληρῶς — 25. κύριος ἐλάλησε (2 c)  
 24. 3. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (2 c)  
 25. 8. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε (2 c)  
 28. 11. λαλήσουσι τῷ λαῷ τοῦτ' (2 c)  
 29. 24. μαθήσονται λαλεῖν εἰρήνην — — — — —  
 30. 10. μὴ λαλεῖτε ἡμῖν ἀλλὰ ἡμῖν λαλεῖτε . . . ἑτέραν πλάνησιν (†, 2 c)  
 32. 4. μαθήσονται λ. εἰρήνην — 6. ὁ γὰρ μωρὸς μωρὰ λαλήσει . . . τοῦ συντελεῖν ἄνομα καὶ λ. πρὸς κύριον πλάνησιν (2 c, 2 c)  
 33. 15. λαλῶν εὐθείαν ὁδόν (2 a)  
 36. 11. λαλήσαν πρὸς τοὺς παῖδας σου Συριοὶ . . . μὴ λαλεῖ πρὸς ἡμᾶς Ἰουδαῖοι· καὶ ἵνα τί λαλεῖς εἰς τὰ ὦτα τῶν ἀνθρώπων (2 c, 2 c, -)  
 — 12. λαλήσαν τοὺς λόγους τούτους [B<sup>2</sup> om. λ. τ. λ. τ.] (2 c)  
 37. 22. ὃν ἐλάλησε περὶ αὐτοῦ ὁ θεός (2 c)  
 39. 8. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου ὃν ἐλάλησε (2 c + 1 a)  
 40. 2. λαλήσατε εἰς τὴν καρδίαν Ἱερουσαλὴμ — 5. κύριος ἐλάλησε (2 c)  
 — 27. τί ἐλάλησας, Ἰσραὴλ (2 c)  
 41. 1. λαλήσάτωσαν ἅμα (2 c)  
 44. 7. Β λαλήσάτω [A B καλεσάτω] (10)  
 Is. 45. 19. οὐκ ἐν κρυφῇ λελάληκα . . . ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ λαλῶν δικαιοσύνην (2 c, 2 a)  
 46. 11. ἐλάλησα καὶ ἤγαγον (2 c)  
 48. 15. ἐγὼ ἐλάλησα ἐγὼ ἐκάλεσα (2 c)  
 — 16. οὐκ ἀπ' ἀρχῆς ἐν κρυφῇ λελάληκα [A B ἐλάλησα] (2 c)  
 52. 6. ἐγὼ εἰμι αὐτὸς ὁ λαλῶν (2 c)  
 58. 9. ἔτι λαλοῦντός σου — — — — —  
 — 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὀργῇ (2 c)  
 — 14. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (2 c)  
 59. 3. τὰ δὲ χεῖρά ὑμῶν ἐλάλησεν ἀνομίαν — 4. οὐθεὶς λαλεῖ δίκαια . . . λαλοῦσι κενὰ (10, 2 c)  
 — 13. ἐλαλήσαμεν ἀδικα (2 c)  
 65. 12. ἐλάλησα καὶ παρηκούσατε (2 c)  
 — 24. ἔτι λαλοῦντων αὐτῶν (2 c)  
 66. 4. ἐλάλησα καὶ οὐκ ἤκουσαν (2 c)  
 Je. 1. 6. οὐκ ἐπίσταμαι λ. — 7. ὅσα ἐάν ἐντιλῶμαι σοι λαλήσεις (2 c)  
 — 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως (2 c)  
 2. 29. ἵνα τί λαλεῖτε πρὸς μέ (11)  
 3. 5. ἐλάλησας καὶ ἐποίησας [B om. κ. ε.] τὰ πονηρὰ ταῦτα (2 c)  
 4. 12. λαλῶ κρίματα πρὸς αὐτοὺς (2 c)  
 — 28. ἐλάλησα καὶ οὐ μετανόησας (2 c)  
 5. 5. λαλήσω αὐτοῖς [A πρὸς αὐτοὺς] (2 c)  
 — 14. ἀνθ' ὧν ἐλαλήσατε τὸ ῥῆμα τοῦτο (2 c)  
 6. 10. πρὸς τίνα λαλήσω (2 c)  
 7. 13. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς — 14. Α τῷ τόφῳ φ' ἐλάλησα [B ἔδωκα] ὑμῖν — — — — —  
 — 22. οὐκ ἐλάλησα πρὸς τοὺς πατέρας ὑμῶν (2 c)  
 8. 6. οὐχ οὕτως λαλήσουσιν [A λαλοῦσιν] (2 c)  
 9. 5 (4). ἀλήθειαν οὐ μὴ λαλήσωσι [A B -σουσιν]· μεμάρθηκεν ἡ γλῶσσα αὐτῶν λ. ψευδῆ (2 c, 2 c)  
 — 8 (7). τῷ πλησίον αὐτοῦ λαλεῖ εἰρηνικὰ (2 c)  
 10. 1. ὃν ἐλάλησεν ἐφ' ὑμᾶς (2 c)  
 11. 2. λαλήσεις πρὸς ἀνδρας Ἰούδα (2 c)  
 — 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σὶ κακὰ (2 c)  
 12. 1. κρίματα λαλήσω πρὸς σέ — 6. λαλήσουσι [B<sup>1</sup> λαλοῦσι] πρὸς [A ἐπὶ] σὲ καλῶ (2 c)  
 13. 15. κύριος ἐλάλησε (2 c)  
 14. 14. οὐκ ἐλάλησα πρὸς αὐτοὺς (2 c)  
 16. 10. διὰ τί ἐλάλησε κ. ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (2 c)  
 18. 7. πέρασ λαλήσω ἐπὶ ἔθνος (2 c)  
 — 8. Α ὦν ἐλάλησα [B ελογισάμην] τοῦ ποιῆσαι αὐτοὺς (2 c + 3)  
 — 9. πέρασ λαλήσω ἐπὶ ἔθνος (2 c)  
 — 10. ὦν ἐλάλησα τὸν ποιῆσαι αὐτοὺς (2 c)  
 — 20. τοῦ λαλήσαι ὑπὲρ αὐτῶν ἀγαθὰ (2 c)  
 22. 2. οὖς ἂν λαλήσω πρὸς σέ — — — — —  
 — 5. Α δ' οὐκ ἐνετελέμην οὐδὲ ἐλάλησα [B om. οὐ, ε.] (2 c)  
 — 15. ἀ ἐλάλησα ἐπ' αὐτὴν (2 c)  
 20. 9. οὐ μὴ λαλήσω ἐτι ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐ. (2 c)  
 22. 1. λαλήσεις ἐκεῖ τὸν λόγον τούτου (2 c)  
 — 21. ἐλάλησα [A B -αν] πρὸς σέ ἐν τῇ παραπτώσει σου (2 c)  
 23. 16. ἀπὸ καρδίας αὐ. λαλοῦσι — 21. οὐδὲ ἐλάλησα πρὸς αὐτοὺς [B ελ. αὐ- τοῖς] (2 c)  
 — 25. Α Β ἤκουσα ἃ λαλοῦσιν οἱ προφῆται [B B<sup>1</sup> al.] (1 a)  
 — 35. Β Β<sup>1</sup> τί ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 — 37. διὰ τί [B τί ὅτι] ἐλάλησε κύριος (2 c)  
 25. 2. Α Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> ὃν ἐλάλησε πρὸς πάντα τὸν λαόν Ἰουδα (2 c)  
 — 3. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὁρθρίζων (2 c)  
 — 13. οὖς ἐλάλησα κατ' αὐτῆς (2 c)  
 26 (46). 13. ἀ ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἰερ. — 16. ἕκαστος πρὸς τὸν πλησίον αὐτοῦ ἐλάλει [A -ον] (1 a)  
 27 (50). 1. ὃν ἐλάλησεν ἐπὶ Βαβ. (2 c)  
 28 (51). 12. Α Β Β<sup>1</sup> ποιήσει κύριος ἃ ἐλάλησεν (2 c)  
 — 41. πῶς ἔαλω [B<sup>1</sup> ἐλάληκεν] . . . τὸ καύχημα — 62. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν τόπον τούτου τοῦ ἐξολεθρεῖσαι αὐτόν (2 c)  
 33 (26). 7. τοῦ Ἱερεμίου λαλούντος τοὺς λόγους τούτους — — — — —  
 — 8. ἐγένετο Ἱερεμίου παυσανέμου λαλούντος πάντα ἃ συνέταξεν αὐτῷ κύριος λαλήσαι [B om.] παντὶ τῷ λαῷ (2 c, 2 c)  
 — 13. ὃν ἐλάλησεν ἐφ' [B<sup>1</sup> πρὸς] ὑμᾶς (2 c)  
 — 15. λαλήσαι εἰς τὰ ὦτα ὑμῶν πάντας τοὺς λόγους τούτους (2 c)

Je. 33 (26). 16. ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν  
ἐλάλησε πρὸς ἡμᾶς (2 c)  
— 19. ὃν ἐλάλησεν ἐπ' αὐτοὺς (2 c)  
34 (27). 12. πρὸς Σεδεκίαν βασιλέα 'Ιούδα ἐλά-  
λησα (2 c)  
— 16. παντὶ τῷ λαῷ τούτῳ . . . ἐλάλησε (2 c)  
37 (30). 4. οὗς ἐλάλησε κύριος ἐπὶ 'Ισραὴλ (2 c)  
39 (32). 4. λαλήσει στόμα αὐ. πρὸς στόμα αὐ. (2 c)  
— 24. ὡς ἐλάλησας οὕτως ἐγένετο (2 c)  
— 42. τὰ ἀγαθὰ δ' ἐλάλησα ἐπ' αὐτοὺς (2 a)  
41 (34). 3. Ἀ στόμα αὐ. μετὰ τοῦ στόματός  
σου λαλήσει (2 c)  
— 5. λόγους ἐγὼ ἐλάλησα (2 c)  
— 6. ἐλάλησεν 'Ιερ. . . . πάντας τοὺς λόγους  
τούτους (2 c)  
42 (35). 14. Ἀ ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὁρθρῶν  
[B S add. καὶ ἐλάλησα] (2 c, 2 c)  
— 17. B S δ' ἐλάλησα ἐπ' αὐτοὺς (2 c)  
43 (36). 2. οὗς ἐλάλησα [A ἐχρημάτισα] πρὸς  
σέ ἐπὶ 'Ιερ. [A 'Ιερ.] . . . ἀφ' ἧς  
ἡμέρας λαλήσαντός μου πρὸς σέ (2 c, 2 c)  
— 3. Ἀ δ' ἐλάλησα ἐπ' αὐτοὺς [B S al.] (3)  
— 4. οὗς ἐλάλησε [A ἐχρημάτισεν] πρὸς αὐ-  
τόν (2 c)  
— 7. ἣν ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν λαόν [A τόπον]  
τούτων (2 c)  
— 31. δ' ἐλάλησα πρὸς [A ἐπ'] αὐτοὺς (2 c)  
44 (37). 2. οὗς ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Ιερემίου (2 c)  
45 (38). 1. οὗς 'Ιερემίας ἐλάλει ἐπὶ τὸν λαόν  
— 4. λαλῶν πρὸς αὐτοὺς κατὰ τοὺς λόγους  
τούτους (2 c)  
— 8. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασιλέα (2 c)  
— 25. ἐλάλησε σοι . . . τί ἐλάλησέ σοι ὁ  
βασιλεὺς (2 c, 2 c)  
— 25. τί ἐλάλησε πρὸς σέ ὁ βασιλεὺς (2 c)  
47 (40). 2. κ. ὁ θεός σου ἐλάλησε τὰ κακὰ ταῦτα (2 c)  
49 (42). 19. δ' ἐλάλησε κύριος ἐφ' ὑμᾶς (2 c)  
— 20. B S δ' ἂν λαλήσει [A B -σθ] σοι  
κύριος (1 a)  
51 (44). 16. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς (2 c)  
— 25. ὑμεῖς γυναῖκες τῷ στόματι ὑμῶν ἐλαλή-  
σατε (2 c)  
— 31 (45). 1. ὁ λόγος ὃν ἐλάλησεν 'Ιερ. (2 c)  
52. 9. ἐλάλησεν αὐτῷ μετὰ κρίσεως (2 c)  
— 32. ἐλάλησεν αὐτῷ χρηστά (2 c)  
Ba. 2. 1. ὃν ἐλάλησεν ἐφ' ἡμᾶς  
— 7. δ' ἐλάλησε κύριος ἐφ' ἡμᾶς  
— 20. καθάπερ ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου  
τῶν προφητῶν  
— 24. οὗς ἐλάλησεν ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου  
— 28. καθὰ ἐλάλησας ἐν χειρὶ παιδὸς σου Μωυσῆ  
Er. Je. 8. οὐ δύναται λ.  
— 41. ὅταν ἰδῶσιν ἐνέον οὐ δύναμενον λαλήσαι  
προσενεγκάμενοι τὸν B. ἀξιοῦσι φωνῆσαι  
[A τότε λαλήσαι]  
Ez. 2. 1 (1. 28). ἤκουσα φωνὴν λαλοῦντος (2 c)  
— 1. λαλήσω πρὸς σέ (2 c)  
— 2. ἤκουον αὐτοῦ λαλοῦντος πρὸς μέ (2 c)  
— 7. λαλήσεις τοὺς λόγους μου πρὸς αὐτοὺς (2 c)  
— 8. ἄκουε τοῦ λαλοῦντος πρὸς σέ (2 c)  
— 8. 1. ἀλάλησον τοῖς υἱοῖς 'Ισραὴλ (2 c)  
— 4. ἀλάλησον τοὺς λόγους μου πρὸς αὐτοὺς (2 c)  
— 10. οὗς λελάληκα μετὰ σοῦ (2 c)  
— 11. λαλήσεις πρὸς αὐτούς (2 c)  
— 18. A B οὐ διεστέλλω αὐτῷ οὐδὲ ἐλάλησας  
[B om. οὐ. ἐ.] τοῦ διαστεῖλαισθαι (2 c)  
— 22. ἐκεῖ λαληθήσεται πρὸς σέ (2 c)  
— 24. ἐλάλησε πρὸς μέ (2 c)  
— 27. ἐν τῷ λ. με πρὸς σέ (2 c)  
6. 13. ἐγὼ κύριος λελάληκα ἐν ζήλῳ μου (2 c)  
— 15. 17. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)  
6. 10. ἐγὼ κύριος [A add. οὐκ εἰς δωρεάν]  
λελάληκα (2 c)  
10. 5. ὡς φωνὴ θεοῦ σαδδαὶ λαλοῦντος (2 c)  
11. 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λόγους τοῦ κ. (2 c)  
12. 23. λαλήσεις πρὸς αὐτούς (2 c)  
— 25. ἐγὼ κύριος λαλήσω τοὺς λόγους μου  
λαλήσω καὶ ποιήσω . . . λαλήσω  
λόγον καὶ ποιήσω (2 c ter)  
— 28. οὗς ἂν λαλήσω' λαλήσω [A ὅτι λ.  
λόγον] καὶ ποιήσω (2 c, 2 f [-])  
13. 7. A ἐγὼ οὐκ ἐλάλησα (2 c)  
14. 4. ἀλάλησον αὐτοὺς (2 c)  
— 9. ἂν πλανήσῃ [A -ῃσθ] καὶ λαλήσῃ (2 c + 2 f)  
17. 21. 24. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)  
20. 3. ἀλάλησον πρὸς τοὺς πρεσβυτέρους (2 c)

Ez. 20. 27. ἀλάλησον πρὸς τὸν οἶκον τοῦ 'Ισραὴλ (2 c)  
21. 17 (22). ἐγὼ κύριος λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)  
— 32 (37). 22. 14. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)  
22. 28. A B κύριος οὐκ ἐλάλησε [B οὐ λελά-  
ληκεν] (2 c)  
23. 34. ἐγὼ λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)  
24. 14. ἐγὼ κύριος λελάληκα (2 c)  
— 18. ἐλάλησα πρὸς τὸν λαόν τὸ πρῶτ'  
— 27. λαλήσεις [A εἰπὲς] καὶ [A om.] οὐ μὴ  
ἀποκωφώθῃς οὐκ ἐτι (2 c)  
26. 5. ἐγὼ λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)  
— 14. ἐγὼ κύριος [A om.] ἐλάλησα (2 c)  
28. 10. ἐγὼ ἐλάλησα (2 c)  
29. 3. A καὶ λαλήσον (2 c)  
30. 12. ἐγὼ κύριος λελάληκα [A ἐλάλησα] (2 c)  
33. 2. ἀλάλησον τοῖς υἱοῖς τοῦ λαοῦ σου (2 c)  
— 8. μὴ λαλήσῃς τοῦ φυλάξασθαι τὸν ἀσεβῆ  
[A al.] (2 c)  
— 10. οὕτως ἐλαλήσατε λέγοντες (1 a)  
— 30. οἱ λαλοῦντες περὶ σοῦ παρὰ τὰ τεῖχη  
. . . καὶ λαλοῦντες [A ἐλάλουν] ἄν-  
θρωπος τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ (2 b, 2 c)  
34. 24. ἐγὼ κύριος ἐλάλησα (2 c)  
36. 5. ἐλάλησα ἐπὶ τὰ λοιπὰ ἔθνη (2 c)  
— 6. ἐν τῷ θυμῷ μου ἐλάλησα (2 c)  
— 36. ἐγὼ κύριος [A add. κύριος] ἐλάλησα (2 c)  
37. 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (1 a)  
— 14. λελάληκα καὶ ποιήσω (2 c)  
38. 17. περὶ οὗ ἐλάλησα πρὸ [A ἀφ'] ἡμερῶν  
τῶν ἐμπροσθεν (2 c)  
— 19. ἐλάλησα ἐν μὴν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ ἔσται  
σεισμός (2 c)  
39. 5. ἐγὼ ἐλάλησα (2 c)  
— 8. αὕτη ἐστὶν ἡ ἡμέρα ἐν ᾗ ἐλάλησα (2 c)  
43. 6. φωνὴ ἐκ τοῦ οἴκου λαλοῦντος πρὸς μέ (2 c)  
44. 5. ὅσα ἐγὼ λαλῶ μετὰ σοῦ (2 c)  
Da. LXX. Su. 5. περὶ ὧν ἐλάλησεν ὁ δεσπότης  
— 12. τίς . . . λαλήσει πρὸς αὐτήν  
2. 4. ἐλάλησαν οἱ X. πρὸς τὸν βασιλέα (2 c)  
3. (36). ἐλάλησας πρὸς αὐτοὺς λέγων  
— 4. 29. οὐ μὴ λαλήσῃς μετὰ παντὸς ἀνθρώπου  
— 34. ὅσοι ἐλάλησαν εἰς τὸν θ. τοῦ οὐρανοῦ  
— 34. ὅσοι ἂν καταληθῶσι λαλήσεις τι  
7. 8. στόμα λαλοῦν μεγάλα (4 b)  
— 11. ὃν τὸ κέρας ἐλάλει (4 b)  
— 20. στόμα λαλοῦν μεγάλα (4 b)  
— 25. ῥήματα εἰς τὸν ὕψιστον λαλήσει (4 b)  
8. 13. ἤκουον ἑτέρου ἁγίου λαλοῦντος (2 c)  
— 13. εἶπεν ὁ ἑτέρος ἁγιος τῷ φελλομνὶ τῷ  
λαλοῦντι (2 c)  
— 18. λαλοῦντος αὐτοῦ μετ' ἐμοῦ ἐκοιμήθην (2 c)  
9. 6. οἱ ἐλάλησαν ἐπὶ τῷ ὀνόματι σου (2 c)  
— 12. ὅσα ἐλάλησεν ἐφ' ἡμᾶς (2 c)  
— 20. ἐγὼ ἐλάλουν προσερχόμενος (2 c)  
— 21. ἐτι λαλοῦντός μου ἐν τῇ προσερχῇ μου (2 c)  
— 22. καὶ ἐλάλησε μετ' ἐμοῦ (2 c)  
10. 11. οἱς ἐγὼ λαλῶ ἐπὶ σέ (2 a)  
— 11. ἐν τῷ λαλήσει αὐτὸν μετ' ἐμοῦ (2 c)  
— 15. ἐν τῷ αὐτὸν λαλήσει μετ' ἐμοῦ (2 c)  
— 16. ἥνοιε τὸ στόμα μου καὶ ἐλάλησα (2 c)  
— 17. πῶς δυνήσεται ὁ παῖς λαλήσει (2 c)  
— 19. ἐν τῷ λαλήσει αὐτὸν μετ' ἐμοῦ (2 c)  
— 19. λαλησάτω ὁ κύριός μου (2 c)  
11. 36. ἐπὶ τὸν θεόν τῶν θεῶν ἔξαλλα λαλήσει (2 c)  
Bel 33. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς 'Α.  
Da. TH. Su. 5. περὶ ὧν ἐλάλησεν ὁ δεσπότης  
— 47. ἂν σὺ λελάλησας  
1. 19. ἐλάλησε μετ' αὐτῶν ὁ βασιλεὺς (2 c)  
2. 4. καὶ ἐλάλησαν [A εἶπον] οἱ X. τῷ βασ. (2 c)  
3. (36). ἐλάλησας [A ἐλ. πρὸς αὐτοὺς] πληθύναι  
7. 8. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (4 b)  
— 11. λόγων τῶν μεγάλων [A λόγων ὧν ἐλάλει]  
ὧν τὸ κέρας ἐκείνου ἐλάλει (-, 4 b)  
— 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (4 b)  
— 25. λόγους πρὸς τὸν ὕψιστον λαλήσει (4 b)  
8. 13. ἤκουσα ἐνός ἁγίου λαλοῦντος (2 c)  
— 13. εἶπεν εἰς ἁγίους τῷ φελλομνὶ τῷ λαλοῦντι (2 c)  
— 18. ἐν τῷ λαλεῖν αὐτὸν μετ' ἐμοῦ (2 c)  
9. 6. οἱ ἐλάλουν ἐν τῷ ὀνόματι σου (2 c)  
— 12. οὗς ἐλάλησεν ἐφ' ἡμᾶς (2 c)  
— 20. ἐτι ἐμοῦ λαλοῦντος καὶ προσερχομένου (2 c)  
— 21. ἐτι ἐμοῦ λαλοῦντος [A add. καὶ προσ-  
ερχομένου] ἐν τῇ προσερχῇ (2 c)  
— 22. ἐλάλησε μετ' ἐμοῦ (2 c)  
10. 11. οἱς ἐγὼ λαλῶ πρὸς σέ (2 a)  
— 11. ἐν τῷ λαλήσει αὐτὸν πρὸς μέ (2 c)

Da. TH. 10. 15. ἐν τῷ λαλήσει αὐτὸν μετ' ἐμοῦ (2 c)  
— 16. καὶ ἐλάλησα (2 c)  
— 17. πῶς δυνήσεται ὁ παῖς . . . λαλήσει μετὰ  
τοῦ κ. (2 c)  
— 19. ἐν τῷ λαλήσει αὐτὸν μετ' ἐμοῦ (2 c)  
— 19. λαλείτω ὁ κύριός μου (2 c)  
11. 27. ἐπὶ τραπεζῇ μὴ ψευδῇ λαλήσουσι (2 c)  
— 36. λαλήσει ὑπέρογκα (2 c)  
I Ma. 1. 24. B S καὶ ἐλάλησεν [A -σαν] ὑπερηφάνειαν  
μεγάλην  
— 30. καὶ ἐλάλησεν αὐτοῖς λόγους εἰρηνικοῦς  
2. 23. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν τοὺς λ. τούτους [B' om.  
τ. λ. τ.]  
3. 23. ὡς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν  
4. 19. B ἐτι λαλοῦντος [A B πληροῦντος] 'Ιούδα  
7. 15. ἐλάλησε μετ' αὐτῶν λόγους εἰρηνικοῦς  
— 34. ἐλάλησεν ὑπερηφάνως  
— 42. B κακῶς ἐλάλησεν [A B -σεν] ἐπὶ τὰ ἔργα  
σου  
9. 55. οὐκ ἡδύνατο ἐτι λαλήσαι λόγον  
13. 17. δόλω λαλοῦσι πρὸς αὐτόν  
II Ma. 12. 14. καὶ λαλοῦντες δὲ μὴ θέμεις  
III Ma. 4. 16. μὴ δυνάμενα αὐτοὺς λαλεῖν  
— 16. B εἰς δὲ τὸν . . . θεόν [A om. τὸν . . . θεόν]  
τὰ μὴ καθήκοντα λαλῶν  
6. 5. βαρεῖα λαλοῦντα κόμψα καὶ θράσει  
[Aq. Ex. 4. 10. Le. 15. 2. III Ki. 8. 24. 13.  
26. 27. 14. 2. 5. 11. 18. Jb. 1. 16. 4. 2. 13.  
22. Ps. 26 (27). 7. 40 (41). 7. 49 (50). 1. 3.  
59 (60). 8. 61 (62). 12. 84 (85). 9. 119 (120).  
7. Pr. 23. 16. 25. 11. Ec. 8. 4. Is. 8. 10. 10.  
21. 17. 30. 10. 83. 15. 38. 15. 58. 9. Jb.  
4. 12. 7. 13. 9. 22 (21). 10. 5. 26 (33). 2.  
8. 28 (35). 7. 16. 29 (36). 23. 30 (37). 2.  
35 (42). 14. 36 (48). 2. 43 (50). 1. 46 (26).  
13. Ez. 29. 3. Ho. 7. 14. Za. 9. 10.]  
[Sm. Ge. 24. 63. Le. 15. 2. III Ki. 8. 24. Jb.  
4. 12. 13. 7. 22. 33. 14. 42. 3. Ps. 11 (12).  
3. 16 (17). 10. 27 (28). 3. 84 (85). 20. 40  
(41). 7. 49 (50). 1. 57 (58). 4. 58 (59). 13.  
61 (62). 12. 72 (73). 8. 74 (75). 6. 84 (85).  
9. 121 (122). 8. Pr. 23. 16. 25. 11. Ec. 7.  
22 (21). 10. 14. Ca. 5. 6. Is. 8. 10. 16. 14.  
21. 17. 25. 8. 29. 4. 30. 10. 32. 4. 33. 15.  
40. 27. 63. 1. Jb. 4. 12. 7. 13. 9. 12 (11).  
22 (21). 10. 5. 26 (33). 2. 8. 29 (36). 23.  
30 (37). 2. 36 (48). 2. Ez. 2. 1. 3. 18. 13.  
7. 29. 3. Ho. 7. 14. Za. 9. 10.]  
[Th. Le. 15. 2. III Ki. 8. 26. 27. Jb. 1. 16.  
4. 2. 13. 22. 32. 16. 34. 33. 42. 7. Ps. 49  
(50). 1. 84 (85). 9. 119 (120). 7. Pr. 18.  
23. 25. 11. Ec. 8. 4. Is. 8. 10. 16. 14. 21.  
22. 25. 30. 10. 33. 15. 58. 13. Jb. 4.  
12. 10. 5. 23. 37. 28 (35). 16. 25 (36). 33.  
33 (40). 14. 24. 35 (42). 17. 86 (48). 2. 39  
(46). 5. 12. Ez. 6. 10. 29. 3. Da. 7. 25. Za.  
9. 10.]  
[Al. Ge. 35. 8. Ex. 31. 13. Nu. 22. 38. Dt.  
3. 26. I Ki. 1. 16. 28. 17. Jb. 43 (50). 1.  
Ez. 12. 25 δις.]  
[Heb. IV Ki. 20. 19. Jb. 18. 19. 40. 22 (27).]  
[Quint. Ps. 34 (35). 20.]  
λαλήμα. (1) D<sup>97</sup> (2) P<sup>97</sup>  
III Ki. 9. 7. ἔσται 'Ισρ. . . εἰς λαλήμα (2)  
To. 3. 4. B ἔδωκες ἡμᾶς . . . εἰς . . . λαλήμα [A B al.]  
Ez. 23. 10. ἐγένετο λ. εἰς γυναῖκας (1)  
36. 3. ἀνέβητε λ. γλώσση [A al.]  
†  
λαλητός.  
Jb. 38. 14. καὶ λαλητὸν αὐτὸν [A -δ] ἔθου ἐπὶ γῆς †  
λαλιά. (1) P<sup>97</sup> (2) A. P<sup>97</sup> δ. P<sup>97</sup> †  
c. P<sup>97</sup> (8) D<sup>97</sup> P<sup>97</sup>  
Jb. 7. 6. ὁ δὲ βίος μου ἔστιν εὐαφρότερος λαλιάς  
[A S' δρομέως] †  
29. 23. οὕτως οἱ τοὶ ἐμὴν λ. [A λ. προσ-  
ερχομῶν] †  
Ps. 1. 1. λαλιάν [A S' τὴν λ.] ἐνωτίζου μου (2 a)  
Ps. 18 (19). 3. οὐκ εἰσὶ λαλιὰ οὐδὲ λόγοι (1)  
Ec. 3. 18. περὶ λαλιάς υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου (2 b)  
7. 15 (14). ἐπορίσθη ὁ θεὸς περὶ λαλιάς (2 b)  
Ca. 4. 3. ἡ λ. σου ὥραία (2 c)  
6. 5 (6). ἡ λ. σου ὥραία  
—  
Si. 5. 13. δόξα καὶ ἀτιμία ἐν λαλιᾷ  
13. 11. ἐκ πολλῆς γὰρ λαλιάς περάσει σε  
19. 5. ὁ μισθὸν λαλιᾶν ἐλαττοῦνται  
20. 5. ἔστι μισθὸς ἀπὸ πολλῆς λαλιάς

Si. 27. 14. λαλιά πολυόρκου ὁρθώσει τρίχας

32 (35). 14. εὖν ἐκείνη λαλιών

35 (32). 4. μὴ ἐκείνης λαλιών

42. 11. λαλιών ἐν πόλει καὶ ἐκκλητῶν λαοῦ

Is. 11. 3. οὐδὲ κατὰ τὴν λ. ἐλέγξει (3)

Da. LXX. 10. 6. φωνὴ λαλιάς αὐτοῦ ὥστε φωνή

— 9. οὐκ ἤκουσα τὴν φωνὴν λαλιάς αὐτοῦ

II Ma. 5. 5. γενομένης δὲ λαλιάς ψευδοῦς

8. 7. Β λαλιά τις τῆς εὐανδρίας αὐ. οὐ διεχέιτο [A. al.]

15. 12. πρῶτον δὲ τὸν τρόπον καὶ λαλιὰν προέμμενον

[A. q. Ps. 138 (139). 4.]

[Sm. Jb. 32. 14 : Ps. 141 (142). 7 : Is. 29. 4 δι.]

[Al. Ge. 35. 8.]

#### λαμνασσή.

[Heb. Ps. 8. 1.]

#### λαμνασά.

[Heb. Ps. 48 (49). 5.]

λαμβάνειν. (1) לָקַח (2) לָקַח pi. (3) לָקַח hi.

(4) לָקַח (5) לָקַח (6) לָקַח (7) לָקַח hi.

(8) לָקַח (9) לָקַח hi. (10) לָקַח a. qal.

δ. ni. (11) לָקַח a. qal. δ. ni. c. pu.

d. ho. e. qal. f. לָקַח (12) לָקַח

(13) לָקַח (14) לָקַח (15) לָקַח hi.

(16) לָקַח hi. (17) לָקַח a. qal. δ. ni.

c. pi. d. hi. e. לָקַח f. לָקַח (18) לָקַח hi.

(19) לָקַח (20) לָקַח (21) לָקַח (22) לָקַח hi.

(23) לָקַח (24) לָקַח pa. (25) לָקַח hi.

(26) לָקַח hi. (27) לָקַח (28) לָקַח

(29) לָקַח (30) לָקַח a. qal. δ. ni.

(31) λ. ἐν γαστρί (32) πείραν

λ. לָקַח pi. (33) αἰσχύνῃ λαμβάνειν

(34) ὀδύνῃ λαμβάνειν λ. (35) φόβος

λαμβάνειν לָקַח (36) τρόμος λαμβάνει

לָקַח ni.

Ge. 2. 15. ἔλαβε κύριος ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον (11 a)

— 21. καὶ ἔλαβε μίαν τὴν πλεῖρων (11 a)

— 22. ἦν ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ Ἀδ. (11 a)

— 23. ἐκ τοῦ ἄνδρος αὐ. ἐλήθη [A. add. αὐτῇ] (11 c)

3. 6. Β λαβούσα ἀπὸ [A. om.] τοῦ καρποῦ (11 a)

— 9. εἰς τὴν γῆν ἐξ ἧς ἐλήθη (11 c)

— 22. Β μὴ ... λαβὴ ἀπὸ [A. om.] τοῦ ἔξου (11 a)

— 23. ἐργάσθαι τὴν γῆν ἐξ ἧς ἐλήθη (11 c)

4. 19. ἔλαβεν ἑαυτῷ δάμνη δυο γυναῖκας (11 a)

6. 2. ἔλαβον ἑαυτοὺς γυναῖκας ἀπὸ πασῶν (11 a)

— 21. οὐ δὲ λήψῃ σεαυτὴ ἀπὸ πάντων (11 a)

8. 9. ἔλαβεν αὐτὴν καὶ εἰσηγάγεν αὐτὴν (11 a)

— 20. ἔλαβεν ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν (11 a)

9. 23. καὶ λαβόντες ... τὸ ἱμάτιον (11 a)

11. 29. ἔλαβον ... ἑαυτοὺς γυναῖκας (11 a)

— 31. καὶ ἔλαβε θάρρα τὸν Ἀβραμ (11 a)

12. 5. ἔλαβεν Ἀβ. Σάραν τὴν γυν. (11 a)

— 19. Β ἔλαβον ... ἑαυτῷ [A. add. εἰς] γυν.

ναῖκα (11 a)

— 19. ἰδοὺ ἡ γυνὴ σου ... λαβὼν ἀπὸτρεχε (11 a)

14. 11. Β ἔλαβον [A. -en] τὸν ἵππον πάσαν (11 a)

— 12. ἔλαβον δὲ καὶ τὸν Δαὺ τὸν υἱόν (11 a)

— 21. τὴν δὲ ἵππον λαβε σεαυτῷ (11 a)

— 23. εἰ ... λήψομαι ἀπὸ πάντων (11 a)

— 24. οὗτοι λήγονται μερίδα (11 a)

15. 9. λαβε μοι δάμνην τριετίουσαν (11 a)

— 10. ἔλαβε δὲ αὐτὰ πάντα ταῦτα (11 a)

16. 3. λαβούσα Σάρα ... Ἀγαρ τὴν Αἰγ. (11 a)

17. 23. καὶ ἔλαβεν Ἀβραμ Ἰσμελὴ τὸν υἱόν (11 a)

18. 4. ληφθὲν δὲ ὑδωρ (11 d)

— 5. καὶ λήψομαι ἄρτον (11 a)

— 7. Β ἔλαβεν [A. -on] ἀπαλὸν μοσχάριον (11 a)

— 8. ἔλαβε δὲ βοῦτον καὶ γάλα (11 a)

19. 14. τὸν εὐληφότες τὰς θυγατέρας αὐ. (11 a)

— 15. ἀναστὰς λαβε τὴν γυναῖκα σου (11 a)

20. 2. καὶ ἔλαβε τὴν Σάρραν (11 a)

— 3. περὶ τῆς γυναικὸς ἧς ἔλαβε (11 a)

— 14. ἔλαβε δὲ Ἀβ. χιλία διδραχμα (11 a)

21. 14. καὶ ἔλαβεν ἄρτους καὶ ἀσκὸν ὕδατος (11 a)

— 18. καὶ λαβε τὸ παιδίον (17 a)

Ge. 21. 21. καὶ ἔλαβεν αὐτῷ ἡ μήτηρ γυναῖκα (11 a)

— 27. ἔλαβεν Ἀβραμ πρόβατα καὶ μόσχους (11 a)

— 30. τὰς ἐπὶ ἀμνάδας λήψῃ παρ' ἐμοῦ (11 a)

22. 2. λαβε τὸν υἱόν σου τὸν ἀγαπητόν (11 a)

— 6. ἔλαβε ... τὰ ἔθνη τῆς ὀλοκαρπώσεως (11 a)

— 6. ἔλαβε δὲ μετὰ χεῖρας καὶ τὸ πῦρ (11 a)

— 10. λαβεῖν τὴν μάχαιραν (11 a)

— 13. ἔλαβε τὸν κριόν (11 a)

23. 13. τὸ ἀργύριον ... λαβε παρ' ἐμοῦ (11 a)

24. 3. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου (11 a)

— 4. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου ἱ. ἐκείθεν (11 a)

— 7. ἔλαβε με ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ πατρὸς (11 a)

— 7. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου ἐκείθεν (11 a)

— 10. ἔλαβεν ... δέκα καμήλους (11 a)

— 22. ἔλαβεν ὁ ἄνθρωπος ἐνώτια χρυσᾶ (11 a)

— 37. οὐ λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου (11 a)

— 38. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου ἐκείθεν (11 a)

— 40. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱῷ μου ἐκ τῆς φυλῆς (11 a)

— 48. εὐδωσέ με ... λαβεῖν τὴν θυγατέρα (11 a)

— 51. ἰδοὺ ῥεβέκκα ... λαβὼν ἀπὸτρεχε (11 a)

— 65. ἡ δὲ λαβούσα τὸ θέριον (11 a)

— 67. καὶ ἔλαβε τὴν ῥεβέκκα (11 a)

25. 1. προσθέντες δὲ Ἀβ. ἔλαβε γυναῖκα (11 a)

— 20. Β ἔλαβε ... ἑαυτῷ εἰς [A. om.] γυναῖκα (11 a)

— 21. Α ἔλαβεν [B. συνέλ.] ἐν γαστρί (81)

26. 34. καὶ ἔλαβε γυναῖκα Ἰουδιθ (11 a)

27. 3. νῦν οὖν λαβε τὸ σκεῦος (17 a)

— 9. λαβε μοι ἐκείθεν δυο ἐρίφους (11 a)

— 14. πορευθεὶς δὲ ἔλαβε καὶ ἡμεγε (11 a)

— 15. καὶ λαβούσα ῥεβέκκα τὴν στολὴν (11 a)

— 35. ἔλαβε τὴν εὐλογίαν σου (11 a)

— 36. τὰ τε πρωτοτόκια μου ἔλφη (11 a)

— 36. Β ἔλαβε [A. ἐλφη] τὴν εὐλογίαν μου (11 a)

— 46. εἰ λήψεται ἱ. γυναῖκα (11 a)

28. 1. οὐ λήψῃ γυναῖκα ἐκ τῶν θυγατέρων (11 a)

— 2. λαβε σεαυτῷ ἐκείθεν γυναῖκα (11 a)

— 6. λαβεῖν αὐτὰς γυναῖκα (11 a)

— 6. οὐ λήψῃ γυναῖκα ἐκ τῶν θυγατέρων (11 a)

— 9. ἔλαβε τὴν Μαλιθ ... γυναῖκα (11 a)

— 11. ἔλαβεν ἀπὸ τῶν λίθων τοῦ τόπου (11 a)

— 18. ἔλαβε τὸν λίθον (11 a)

29. 23. καὶ λαβὼν Λεῖαν ... εἰσηγάγε (11 a)

30. 9. ἔλαβε Ζελφάν τὴν παῖσιν αὐ. (11 a)

— 15. ὅτι ἔλαβεν τὸν ἄνδρα μου (11 a)

— 15. μὴ καὶ τοὺς μανδραγόρας ... λήψῃ (11 a)

— 37. ἔλαβε δὲ ἑαυτῷ ἱ. ῥάβδον (11 a)

— 41. τὰ πρόβατα ἐν γαστρί λαμβάνοντα +

31. 1. ἐλφηρην Ἰακώβ πάντα τὰ τοῦ πατρὸς (11 a)

— 10. Β τὰ πρόβατα ἐν γαστρί λαμβάνοντα

[A. om. ἐν γ. λ.] -

— 17. ἔλαβε τὰς γυναῖκας (17 a)

— 32. ἐπὶ γυνὴ τί ἐστὶ ... τὸν σὺν καὶ λαβε (11 a)

— 34. ἔλαβε τὰ εἰδωλα (11 a)

— 45. λαβὼν δὲ ἱ. λίθον (11 a)

— 50. Β ἐλῃ λαβε [A. λήψῃ] γυναῖκας πρὸς

[A. ἐπὶ] ταῖς θυγατέρας μου (11 a)

32. 13 (14). ἔλαβεν δὲ ἑφῆρην δῶρα (11 a)

— 22 (23). ἔλαβε τὰς δυο γυναῖκας (11 a)

— 23 (24). ἔλαβεν αὐτοὺς (11 a)

33. 11. λαβε τὰς εὐλογίας μου (11 a)

— 11. καὶ ἐβίσαστο αὐτὸν καὶ ἔλαβε (11 a)

34. 2. καὶ λαβὼν αὐτὴν ἐκοιμήθη (11 a)

— 4. λαβε μοι τὴν παιδα ... εἰς γυναῖκα (11 a)

— 9. τὰς θυγατέρας ἡ. λαβε τοῖς υἱοῖς (11 a)

— 16. ληφόμεθα ἡμῖν γυναῖκας (11 a)

— 17. Β λαβόντες τὴν θυγατέρα [A. τὰς θ.] (11 a)

— 21. τὰς θυγατέρας αὐ. ληφόμεθα ἡμῖν γυν.

ναῖκας (11 a)

— 25. ἔλαβον ... ἕκαστος τὴν μάχαιραν αὐτοῦ (11 a)

— 26. ἔλαβον τὴν Δείαν ἐκ τοῦ οἴκου (11 a)

— 28. ὅσα ἦν ἐν τῷ πείδι ἔλαβον (11 a)

36. 2. ἔλαβε τὰς γυναῖκας ἑαυτῷ (11 a)

— 6. ἔλαβε δὲ Ἠσαὺ τὰς γυναῖκας αὐτοῦ (11 a)

37. 24. λαβόντες αὐτὸν ἔρριψαν (11 a)

— 31. λαβόντες δὲ τὸν χιτῶνα τοῦ Ἰωσήφ (11 a)

38. 2. ἔλαβεν αὐτὴν καὶ εἰσῆλθε πρὸς αὐτὴν (11 a)

— 6. ἔλαβεν Ἰούδας γυναῖκα Ἡρ (11 a)

— 18. ἐν γαστρί λαβόντες εἰς αὐτοῦ (81)

— 28. λαβούσα δὲ ἡ μαῖα ἔδωκεν (11 a)

39. 20. Β λαβὼν [A. ἔλαβεν] ... Ἰωσήφ ἐν-βαλεν (11 a)

40. 11. καὶ ἔλαβον τὴν σταφυλὴν (11 a)

42. 16. καὶ λαβὼν τὸν ἀδελφόν (11 a)

— 24. καὶ ἔλαβε τὸν Συμεὼν ἀπ' αὐτῶν (11 a)

— 33. τὸν δὲ ἀγοράσαν ... λαβόντες (11 a)

— 36. καὶ τὸν Βενιαμὴν λήψεσθε (11 a)

Ge. 43. 11. λάβετε ἀπὸ τῶν καρπῶν τῆς γῆς (11 a)

— 12. τὸ ἀργύριον ... λάβετε ἐν ταῖς χερσίν (11 a)

— 13. καὶ τὸν ἀδελφὸν ὑμῶν λάβετε (11 a)

— 15. λαβόντες δὲ ... τὰ δῶρα ταῦτα (11 a)

— 15. τὸ ἀργύριον ... ἔλαβον ἐν ταῖς χερσίν (11 a)

— 18. τοῦ λαβεῖν ἡμᾶς εἰς παῖδας (11 a)

44. 29. ἐὰν οὖν λάβητε καὶ τοῖτον (11 a)

45. 19. λαβεῖν αὐτοῖς ἀμάξας ἐκ γῆς (11 a)

47. 23. λάβετε ἑαυτοῖς σπέρμα (4)

48. 13. λαβὼν δὲ ἱ. τοὺς δυο υἱοὺς αὐ. (11 a)

— 22. ἦν ἔλαβον ἐκ χειρὸς ... ἐν μαχαίρᾳ (11 a)

Ex. 2. 1. ὅς ἔλαβε τῶν θυγατέρων Λευί (11 a)

— 2. καὶ ἐν γαστρί ἔλαβε (81)

— 3. ἔλαβεν αὐτῷ ... θίσιν (11 a)

— 9. ἔλαβε ... τὸ παιδίον (11 a)

— 22. ἐν γαστρί δὲ λαβούσα ... ἔτεκε υἱόν -

4. 9. λήψῃ ἀπὸ τοῦ ὕδατος τοῦ ποταμοῦ (11 a)

— 9. τὸ ὕδωρ ὃ ἐὰν λάβῃ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (11 a)

— 17. τὴν ῥάβδον ... λήψῃ ἐν τῇ χειρὶ σου (11 a)

— 20. ἔλαβε ... τὴν ῥάβδον ... ἐν τῇ χειρὶ (11 a)

— 25. καὶ λαβούσα Σ. ψῆφον περιέτεμε (11 a)

6. 7. λήψομαι ἑμαυτῷ ὑμᾶς λαὸν ἐμοῖ (11 a)

— 20. ἔλαβεν Ἀ. τὴν ἱ. ... ἑαυτῷ εἰς γυν.

ναῖκα (11 a)

— 23. ἔλαβε ... τὴν ἑλ. ... αὐτῷ γυναικά (11 a)

— 25. ἔλαβε τῶν θυγατέρων Φ. αὐτῷ γυναικά (11 a)

Εκ. 34. 4. ἔλαβε Μ. τὰς δύο πλάκας (11 α)	Νυ. 4. 2. λάβε τὸ κεφάλαιον τῶν νῶν Κ. (17 α)	De. 1. 25. ἐλάβοσαν [Α -βον] . . . ἀπὸ τοῦ
— 16. λάβης τῶν θυγατρῶν αὐτῶν τοὺς υἱούς (11 α)	— 9. λήγονται ἱμάτιον ἱακίνθων (11 α)	καρπὸς τῆς γῆς (11 α)
35. 5. λάβετε παρ' ὡμῶν . . . ἀφαιρέμα κυρίῳ (11 α)	— 12. λήγονται πάντα τὰ σκεύη τὰ λειτουργικά (11 α)	2. 6. ὕδωρ μέτρη λήψεσθε †
36. 3. ἔλαβον παρὰ Μ. π. τὰ ἀφαιρέματα (11 α)	— 14. λήγονται ἱμάτιον πορφυρῶν —	— 35. τὰ σκεύη τῶν πόλεων ἐλάβομεν (10 α)
40. 9. λήψῃ τὸ ἔλαιον τοῦ χρίσματος (11 α)	— 22. λάβε τὴν ἀρχὴν τῶν νῶν Γ. (17 α)	3. 4. ἢ οὐκ ἐλάβομεν παρ' αὐτῶν (11 α)
— 20. λαβὼν τὰ μαρτύρια ἐνέβαλεν (11 α)	5. 17. λήψεται ὁ ἱερεὺς ὕδωρ καθαρὸν ζῶν (11 α)	— 8. ἐλάβομεν ἐν τῷ καιρῷ ἐκ. τὴν γῆν (11 α)
Le. 4. 5. λαβὼν . . . τὰς χεῖρας ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 α)	— 17. λαβὼν ὁ Ἰ. ἐμβαλεῖ εἰς τὸ ὕδωρ (11 α)	— 14. ἔλαβε πᾶσαν τὴν περιχώρον Ἀ. (11 α)
— 30. λήψεται . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῆς (11 α)	— 25. λήψεται ὁ Ἰ. . . τὴν θυσίαν τῆς (ζηλοτυπίας) (11 α)	4. 20. ὡμὰς δὲ ἔλαβεν ὁ θεός (11 α)
— 34. λαβὼν . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 α)	— 31. λήψεται τὴν ἁμαρτίαν αὐ. (17 α)	— 34. λαβεῖν ἑαυτῷ ἴδιον ἐκ μέσου ἰδόνους (11 α)
5. 1. λήψεται τὴν ἁμαρτίαν (17 α)	6. 19. λήψεται ὁ Ἰ. τὸν βραχίονα ἐφθόν (11 α)	5. 11. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα . . . ἐπὶ ματαίῳ (17 α)
— 17. καὶ λάβῃ τὴν ἁμαρτίαν (17 α)	7. 5. λάβε παρ' αὐτῶν (11 α)	— 11. τὸν λαμβάνοντα τὸ ὄνομα αὐ. ἐπὶ ματαίῳ (17 α)
7. 8 (18). τὴν ἁμαρτίαν λήψεται (17 α)	— 6. λαβὼν Μωσῆς τὰς ἀμάξας (11 α)	7. 3. τὴν θυγατ. αὐ. οὐ λήψῃ τῇ νύφ σου (11 α)
— 24 (34). τὸ γὰρ στηθύνιον . . . εἰληφα (11 α)	8. 6. λάβε τοὺς λευίτας (11 α)	— 25. οὐ λήψῃ [Α λαβεῖν] σεαυτῷ (11 α)
8. 2. λάβε Ἰακώβ καὶ τοὺς υἱούς αὐτοῦ (11 α)	— 8. λήγονται μόνον ἐνα (11 α)	9. 9. λαβεῖν τὰς πλάκας τὰς λιθίνas (11 α)
— 10. λαβε Μωσῆς ἀπὸ τοῦ εἰλαίου (11 α)	— 8. μόνον ἐνασίου ἐκ βοῶν λήψῃ (11 α)	— 21. ἔλαβον αὐτὸν (11 α)
— 15. ἔλαβε Μωσῆς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 α)	— 16. εἰληφα αὐτοὺς ἐμοί (11 α)	10. 17. οὐδ' οὐ μὴ λάβῃ δῶρον (11 α)
— 16. καὶ ἔλαβε Μωσῆς πᾶν τὸ στέαρ (11 α)	— 18. ἔλαβον τοὺς λευίτας (11 α)	12. 26. τὰς εὐχὰς σου λαβὼν ᾗσεις (17 α)
— 22 (23). καὶ ἔλαβε Μ. ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 α)	9. 13. ἁμαρτίαν αὐτοῦ λήψεται ὁ ἄνθρ. ἐκ. (17 α)	14. 25. λήψῃ τὸ ἀργύριον ἐν ταῖς χεραῖ σου (28)
— 24 (25). καὶ ἔλαβε τὸ στέαρ καὶ τὴν ὀσφύν (11 α)	11. 12. μὴ ἐγὼ ἐν γαστρὶ ἔλαβον πάντα τὸν λαόν γ. (81)	15. 17. λήψῃ τὸ ὄπλητον (11 α)
— 25 (26). ἔλαβεν ἄρτον ἐνα (11 α)	— 12. λάβε αὐτὸν εἰς τὸν κόλπον σου (17 α)	16. 19. οὐδὲ λήγονται δῶρον (11 α)
— 27 (28). ἔλαβε Μ. ἀπὸ τῶν χειρῶν αὐτῶν (11 α)	12. 1. ἢν [Α ἦς] ἔλαβε Μ. ἐπὶ γυναῖκα Λιβ. ἔλαβε (11 α, 11 α)	19. 12. λήγονται αὐτὸν ἐκείθεν (11 α)
— 28 (29). καὶ λαβὼν Μωσῆς τὸ στηθύνιον (11 α)	13. 21 (20). λήψεσθε ἀπὸ τῶν καρπῶν τῆς γῆς (11 α)	20. 7. καὶ οὐκ ἔλαβεν αὐτὴν (11 α)
— 29 (30). ἔλαβε Μωσῆς ἀπὸ τοῦ εἰλαίου (11 α)	14. 34. λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας ὡμῶν (17 α)	— 7. ἀνθρώπος ἕτερος λήψεται αὐτήν (11 α)
9. 2. λάβε σεαυτῷ μισθόν (11 α)	16. 6. λάβετε ὡμὴν αὐτοῖς πυρεῖα (11 α)	21. 3. λήψεται . . . δάμαλιν ἐκ βοῶν (11 α)
— 3. λάβετε χίμαρον ἐξ αἰῶν ἐνα (11 α)	— 15. οὐκ ἐπιθύνον οὐδενὸς αὐτῶν εἰληφα (17 α)	— 11. καὶ λάβῃς αὐτὴν σαυτῷ γυναῖκα (11 α)
— 5. καὶ ἔλαβον καθὼ ἐνετέλειτο Μ. (11 α)	— 17. λάβετε ἕκαστος τὸ πυρεῖον αὐτοῦ (11 α)	22. 6. οὐ λήψῃ τὴν μητέρα μετὰ τῶν τέκνων (11 α)
— 15. ἔλαβε τὸν χίμαρον (11 α)	— 17 (18). ἔλαβεν ἕκαστος τὸ πυρεῖον αὐτοῦ (11 α)	— 7. τὰ δὲ παῖδια λήψῃ σεαυτῷ (11 α)
10. 1. λαβόντες . . . ἕκαστος τὸ πυρεῖον (11 α)	— 39 (17. 4). ἔλαβεν Ἐλ. . . τὰ πυρεῖα (11 α)	— 13. ἐὰν δὲ τις λάβῃ γυναῖκα (11 α)
— 12. λάβετε τὴν θυσίαν τὴν καταλειφθεῖσαν (11 α)	— 46 (17. 11). λάβε τὸ πυρεῖον (11 α)	— 14. τὴν γυναῖκα ταύτην εἰληφα (11 α)
12. 8. καὶ λήψεται δύο τρυγνάς (11 α)	— 47 (17. 12). ἔλαβεν Ἀ. καθάπερ ἐλάλησεν (11 α)	— 15. λαβὼν ὁ πατήρ τῆς παιδὸς (11 α)
14. 4. λήγονται τὰ κεκαθαρισμένα δύο ὀρνίθια (11 α)	— 47 (17. 12). Ἀ. ἔλαβεν [B om.] καὶ ἐπίβαλε τὸ θυμίαμα —	— 18. λήψεται . . . τὸν ἀνθρώπον ἐκείνον (11 α)
— 6. καὶ τὸ ὀρνίθιον τὸ ζῶν λήψεται αὐτό (11 α)	17. 2 (17). λάβε παρ' αὐτῶν ῥάβδον (11 α)	— 30 (23. 1). οὐ λήψεται ἄνθρ. τὴν γυναῖκα τοῦ πατρὸς αὐ. (11 α)
— 10. λήψεται δύο ἄμνοισ ἀμύνουσιν (11 α)	— 9 (24). Ἀ. Β. ἔλαβον [B ἔλαβεν] ἕκαστος τὴν ῥάβδον αὐ. (11 α)	24. 1. Ἀ. Β. ἐὰν δὲ τις λάβῃ γυναῖκα (11 α)
— 12. καὶ λήψεται ὁ ἱερεὺς τὸν ἄμνον (11 α)	18. 1. Ἀ. Β. λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας [B ἀπαρχάς] (17 α)	— 3. δε ἔλαβεν αὐτὴν ἑαυτῷ γυναῖκα (11 α)
— 14. καὶ λήψεται ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 α)	— 1. λήψεσθε τὰς ἁμαρτίας τῆς ἱερατείας ὡμῶν (17 α)	— 4. λαβεῖν αὐτὴν ἑαυτῷ γυναῖκα (11 α)
— 15. καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τῆς κοτύλης (11 α)	— 6. εἰληφα τοὺς ἀδελφοὺς ὡμῶν (11 α)	— 5. ἐὰν δὲ τις λάβῃ γυναῖκα προσφύτως (11 α)
— 21. λήψεται ἄμνον ἐνα (11 α)	— 22. λαβεῖν ἁμαρτίαν θανατηφόρον (17 α)	— 5. ἢν ἔλαβεν (11 α)
— 24. καὶ λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸν ἄμνον (11 α)	— 23. λήψονται τὰ ἁμαρτήματα αὐτῶν (17 α)	— 19. οὐκ ἀναστραφῆσθαι λαβεῖν αὐτό (11 α)
— 25. καὶ λήψεται ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 α)	— 26. ἐὰν λάβῃ . . . τὸ ἐπίδεκτον (11 α)	25. 5. λήψεται αὐτὴν ἑαυτῷ γυναῖκα (11 α)
— 42. καὶ λήψονται λίθους (11 α)	— 28. ὅσα ἐὰν λάβῃ παρὰ τῶν νῶν Ἰσρ. (11 α)	— 7. λαβεῖν τὴν γυναῖκα τοῦ ἀδ. αὐ. (11 α)
— 42. χοῦν ἕτερον λήγονται (11 α)	— 32. οὐ λήψεσθε [Α οὐτοὶ λήγονται] δι' αὐτὸ ἁμαρτίαν (17 α)	— 8. οὐ βούλομαι λαβεῖν αὐτὴν (11 α)
— 49. λήψεται ἀφ' αἰνῶν τὴν οἰκ. δύο ὀρνίθια (11 α)	19. 2. λαβεῖν ὡς πρὸς δάμαλιν (17 α)	26. 2. λήψῃ ἀπὸ τῆς ἀπαρχῆς τῶν καρπῶν (11 α)
— 51. καὶ λήψεται τὸ ξύλον τὸ κέδρινον (11 α)	— 4. λήψεται Ἐλ. ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῆς (11 α)	— 4. λήψεται ὁ ἱερεὺς τὸν κέρταλλον (11 α)
15. 14. λήψεται ἑαυτῷ δύο τρυγνάς (11 α)	— 6. λήψεται ὁ Ἰ. ξύλον κέδρινον (11 α)	27. 25. δε ἂν λάβῃ δῶρα (11 α)
— 29. λήψεται αὕτη [Α om.] δύο τρυγνάς (11 α)	— 17. λήψονται τὰ ἀκάθαρτα ἀπὸ τῆς σποδίας (11 α)	28. 30. γυναῖκα λήψῃ (9)
16. 5. λήψεται δύο χιμάρους (11 α)	— 18. λήψεται ὕσσωπον (11 α)	— 56. ἢς οὐχὶ πείραν ἔλαβεν ὁ ποὺς αὐτῆς (32)
— 7. λήψεται τοὺς δύο χιμάρους (11 α)	20. 8. λάβε τὴν ῥάβδον (11 α)	29. 8 (7). ἐλάβομεν τὴν γῆν αὐτῶν (11 α)
— 12. λήψεται τὸ πυρεῖον πληρὲς ἀνθρώπων (11 α)	— 9. ἔλαβε Μ. τὴν ῥάβδον (11 α)	30. 4. ἐκείθεν λήψεται σε κ. ὁ θεός σου (11 α)
— 14. 18. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵμ. τοῦ μόνου (11 α)	— 25. λάβε τὸν Ἀ. (11 α)	— 12. τίς . . . λήψεται ἡμῖν αὐτὴν (11 α)
— 18. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μόνου (11 α)	21. 25. ἔλαβεν Ἰσρ. πᾶσας τὰς πόλεις ταύτας (11 α)	— 13. Ἀ. Β. ἔλαβε καὶ λάβῃ [Α λήψεται] ἡμῖν αὐτὴν (11 α)
— 22. λήψεται . . . τὰς ἀδικίας αὐ. (17 α)	— 26. ἔλαβον [Α -εν] πᾶσαν τὴν γῆν αὐ. (11 α)	31. 26. λαβόντες τὸ βιβλίον τοῦ ν. τοῦτον (11 α)
17. 16. καὶ λήψεται ἀνόμιμα αὐτοῦ (17 α)	25. 4. λάβε πάντα τοὺς ἀρχηγούς (11 α)	Jo. 2. 4. λαβούσα ἡ γυνὴ τοὺς δύο ἄνδρας (11 α)
17. 17. τὴν θυγατέρα τῆς θυγ. αὐ. οὐ λήψῃ (11 α)	— 7. λαβὼν σειρομάστιγν ἐν τῇ χειρὶ (11 α)	4. 8. Ἀ. Β. λαβόντες [Β ἀναλ.] δώδεκα λίθους (17 α)
— 18. γυναῖκα ἐπ' ἀδελφῇ αὐ. οὐ λήψῃ ἀντί-ζλον (11 α)	26. 2. λάβε τὴν ἀρχὴν πάσης συναγ. (17 α)	— 20. οὐς ἔλαβεν ἐκ τοῦ Ἰ. (11 α)
19. 8. ὁ δὲ ἔσθων αὐτὸ ἁμαρτίαν λήψεται (17 α)	27. 18. λάβε πρὸς σεαυτὸν τὸν Ἰ. (11 α)	6. 17 (18). μὴ ποτε . . . λάβῃτε ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (11 α)
— 15. οὐ λήψῃ πρόσωπον πτωχοῦ (17 α)	— 22. λαβὼν τὸν Ἰησοῦν (11 α)	7. 1. ἔλαβεν Ἀ. . . ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (11 α)
— 17. οὐ λήψῃ δι' αὐτὸν ἁμαρτίαν (17 α)	30. 16. λήψεται τὴν ἁμαρτίαν αὐ. (17 α)	— 21. ἐνθυμηθεὶς αὐτὸν ἔλαβον (11 α)
20. 14. δε ἂν λάβῃ γυναῖκα (11 α)	31. 11. ἔλαβον πᾶσαν τὴν προνομίαν (11 α)	— 24. ἔλαβεν Ἰ. τὸν Ἀχαρ (11 α)
— 17. δε ἂν λάβῃ τὴν ἀδ. αὐ. (11 α)	— 26. λάβε τὸ κεφάλαιον τῶν σκυλῶν (17 α)	8. 1. λάβε μετὰ σοῦ πάντας τοὺς ἄνδρας (11 α)
— 21. δε ἂν λάβῃ γυναῖκα τοῦ ἀδ. αὐ. (11 α)	— 29. ἀπὸ τοῦ ἡμίσου αὐτῶν λήψεσθε (11 α)	— 21. Β. ἔλαβον τὰ ἐνεδρά τὴν πόλιν (10 α)
21. 7. γυναῖκα πόρνην . . . οὐ λήψονται (11 α)	— 30. λήψῃ ἐνα ἀπὸ τῶν πεντήκοντα (11 α)	9. 4. λαβόντες σάκκους παλαιούς (11 α)
— 13. παρβόνειν ἐκ τοῦ γένους αὐτοῦ λήψεται [Β' οὐ λ.] (11 α)	— 47. ἔλαβε Μ. ἀπὸ τοῦ ἡμισημ. τῶν νῶν Ἰσρ. (11 α)	— 11. λάβετε ἑαυτοὺς ἐπισιτισμόν (11 α)
— 14. ταῦτας οὐ λήψεται (11 α)	— 49. εἰλήφει τὸ κεφάλαιον τῶν ἁνδρῶν (17 α)	— 14. ἔλαβον . . . τοῦ ἐπισιτισμοῦ αὐτῶν (11 α)
— 14. παρβόνειν ἐκ τοῦ λαοῦ αὐ. λήψεται γυναῖκα (11 α)	51. 54. ἔλαβε Μ. . . τὸ χρυσίον (11 α)	10. 1. ἔλαβεν Ἰ. τὴν Γαί (10 α)
22. 9. ἴνα μὴ λάβωσι δι' αὐτὰ ἁμαρτίαν (17 α)	32. 39. καὶ ἔλαβεν αὐτὴν (10 α)	— 28. τὴν Μ. ἐλάβοσαν [Α -βον] (10 α)
23. 40. λήψεσθε . . . καρπὸν ξύλου ὥραιον (11 α)	— 41. ἔλαβε τὰς ἐπαύλεις αὐτῶν (10 α)	— 30. ἔλαβον [Α -εν] αὐτὴν —
24. 2. λαβεῖν ὡς πρὸς δάμαλιν (11 α)	— 42. ἔλαβε τὴν Καθὼ (10 α)	— 32. 35. ἔλαβεν αὐτὴν (10 α)
— 5. λήψεσθε σεμίδαλιν (11 α)	34. 14. ἔλαβε φυλὴν νῶν Ρ. (11 α)	— 39. ἔλαβον αὐτὴν (10 α)
— 15. ἁμαρτίαν λήψεται (17 α)	— 15. ἔλαβον τοὺς κληρῶνας αὐτῶν (11 α)	— 42. Ἀ. τὴν γῆν αὐ. ἔλαβεν [Β ἐπάταξεν] Ἰ. (10 α)
25. 36. οὐ λήψῃ παρ' αὐτοῦ τόκον (11 α)	— 18. ἄρχοντα ἐνα ἐκ φυλῆς λήψεσθε (11 α)	11. 12. τοὺς βασιλεῖς αὐ. ἔλαβεν Ἰ. (10 α)
Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν πάσης συναγ. Ἰσρ. (17 α)	35. 31. οὐ λήψεσθε λύτρα περὶ ψυχῆς (11 α)	— 16. ἔλαβεν Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν τὴν ὀρ. (11 α)
— 17. ἔλαβε . . . τοὺς ἄνδρας τούτους (11 α)	— 32. οὐ λήψεσθε λύτρα τοῦ θυγίνου (11 α)	— 17. πάντας τοὺς βασιλεῖς αὐ. ἔλαβε (10 α)
— 49. τὸν ἀριθμὸν αὐτῶν οὐ λήψῃ (17 α)	De. 1. 15. ἔλαβον ἐξ ὡμῶν ἄνδρας σοφοὺς (11 α)	— 19. ἢν οὐκ ἔλαβεν Ἰσρ. [Α αἰ.] †
8. 6. λάβε τὴν φυλὴν Λ. (28)	— 23. ἔλαβον ἐξ ὡμῶν δώδεκα ἄνδρας (11 α)	— 19. πάντα [Α -ας] ἐλάβοσαν [Α -βεν] ἐν πολέμῳ (11 α)
— 12. εἰληφα [Α ἔλφια] τοὺς λευίτας (11 α)		— 23. ἔλαβεν Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν (11 α)
— 40. λάβετε [Α -βε] τὸν ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (17 α)		15. 16. δε ἐὰν λάβῃ . . . τὴν πόλιν τῶν γραμμάτων (15 ?)
— 41. λήψῃ τοὺς λευίτας ἐμοί (11 α)		— 17. ἔλαβεν αὐτὴν Γ. (10 α)
— 45. Β' λάβετε [Α Β' Β -βε] τοὺς Λ. (11 α)		16. 10. καὶ ἔλαβεν αὐτὴν [Α τὴν πόλιν] —
— 47. λήψῃ πέπτε σίκλους κατὰ κεφαλὴν (11 α)		17. 7. ἐλάβοσαν τὴν κληρονομίαν αὐ. (11 α)
— 47. κατὰ τὸ διδραχμόν τοῦ ἀγ. λήψῃ (11 α)		21. 40. ἔλαβεν Ἰ. τὰς μαχαίρας τὰς πετρ. —
— 49. ἔλαβε Μ. τὸ ἀργύριον (11 α)		
— 50. ἔλαβε τὸ ἀργύριον (11 α)		

- Jo. 24. 3. ἔλαβον τὸν πατέρα ἡμῶν (11 a)  
— 26. ἔλαβον λίθον μέγαν (11 a)  
— 33. λαβόντες . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ —
- Jd. 1. 6. B' κατελάβοσαν [B' E λλ., Δ ἔλαβον] αὐτὸν (1)  
— 24. Δ E ἔλαβον [B -αν] αὐτόν —  
3. 6. ἔλαβον τὰς θυγατρ. αὐ. ταυτοῖς (11 a)  
— 21. ἔλαβε τὴν μάχαιραν (11 a)  
— 25. ἔλαβον τὴν κλεῖδα (11 a)  
4. 6. λήψῃ . . . δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (11 a)  
— 21. ἔλαβεν 'I . . . τὸν πᾶσαν αὐτὸν τῆς σκηνῆς (11 a)  
5. 19. δῶρον [A πλεονεξίαν] ἀργυρίου οὐκ ἔλαβον (11 a)  
6. 20. λαῖβε τὰ κρέα (11 a)  
— 25. λαβε τὸν μόνον τὸν ταῦρον (11 a)  
— 26. λήψῃ τὸν μόνον τὸν δεύτερον (11 a)  
— 27. ἔλαβε Γ. δέκα ἀνδρας (11 a)  
7. 5. ὅς ἐν λήψῃ [A λήψῃ] τῇ γλώσσῃ αὐ. †  
— 5. ὡς ἐν λήψῃ [A λήψῃ] ὁ κύων —  
8. ἔλαβον τὸν ἐπισιτισμὸν τοῦ λαοῦ (11 a)  
— 20. Δ ἐλάβοντο ἐν τῇ χειρὶ τῇ ἀρ. [B al.] (6)  
8. 16. ἔλαβε [A -ον] τοὺς πρεσβυτ. τῆς πόλεως (11 a)  
— 21. ἔλαβε τοὺς μηρίσκους (11 a)  
9. 43. ἔλαβε [A παρῆλ.] τὸν λαόν (11 a)  
— 48. ἔλαβεν ΑΒ. τὰς ἀξίας (11 a)  
— 48. Δ ἔλαβεν αὐτό [B al.] (17 a)  
11. 5. λαβεῖν [A παραλ.] τὸν 'I. ἀπὸ τῆς γῆς Γ. (11 a)  
— 13. ἔλαβεν 'Ισρ. τὴν γῆν μου (11 a)  
— 15. οὐκ ἔλαβεν 'Ισρ. τὴν γῆν Μ. (11 a)  
18. 19. ἔλαβε Μ. τὸν ἔριπον τὸν αἰγῶν (11 a)  
— 23. οὐκ ἂν ἔλαβεν [A ἐδέξατο] . . . θυσίαν (11 a)  
14. 2. λαβέτε αὐτὴν ἐμοί (11 a)  
— 3. σὺ πορεύῃ λαβεῖν γυναῖκα (11 a)  
— 3. ταύτην λαβεῖ μοι (11 a)  
— 8. ὑπέστρεψε [A ἐπ.] . . . λαβεῖν αὐτήν (11 a)  
— 11. ἔλαβον τρίακοντα κληττοὺς [A al.] (11 a)  
— 19. ἔλαβε τὰ ἱμάτια [A τὰς στολὰς] αὐ. (11 a)  
15. 4. ἔλαβε λαμπάδας (11 a)  
— 6. ἔλαβε τὴν γυναῖκα αὐτοῦ (11 a)  
— 15. καὶ ἔλαβεν αὐτήν (11 a)  
16. 12. ἔλαβε Δ. καλῶδια [A om.] καυὰ (11 a)  
— 14. ἔλαβε Δ. τὰς ἐπὶ τὰς σεῖρας [A al.] —  
— 31. ἔλαβον αὐτὸν (17 a)  
17. 2. οὗς ἔλαβες ἀργυρίου σεαυτῇ [A α. τοὺς ληροθέντας σοι] (11 c)  
— 2. ἐγὼ ἔλαβον αὐτό (11 a)  
— 4. ἔλαβεν ἡ μητὴρ αὐ. διακοσίους ἀργυρίου (11 a)  
18. 17 (Δ), 18. ἔλαβον τὸ γλυπτόν (11 a)  
— 20. ἔλαβε τὸ ἐφώδ (11 a)  
— 24. τὸ γλυπτόν μου . . . ἐλάβετε (11 a)  
— 27. ἔλαβον ὁ ἐποίησε Μ. (11 a)  
19. 1. ἔλαβεν αὐτὴν γυναῖκα παλλακὴν (11 a)  
— 28. ἔλαβεν αὐτήν ἐπὶ τὸν ὄνον [A al.] (11 a)  
— 29. ἔλαβε τὴν ῥομφαίαν [A μάχαιραν] (11 a)  
20. 10. ληψόμεθα δέκα ἀνδρας (11 a)  
— 10. λαβεῖν ἐπισιτισμὸν (11 a)  
21. 22. οὐκ ἐλάβομεν ἀνὴρ γυναῖκα αὐτοῦ (11 a)  
— 23. ἔλαβον γυναῖκας (17 a)  
Ru. 1. 4. ἐλάβοσαν ἑαυτοῖς γυναῖκας Μ. (17 a)  
4. 2. ἔλαβε Β. δέκα ἀνδρας (11 a)  
— 13. ἔλαβε Β. τὴν 'Ρούθ (11 a)  
— 16. ἔλαβε Ν. τὸ παιδίον (11 a)  
I Ki. 2. 14. πᾶν . . . ἐλάβανεν ἑαυτῷ ὁ ἱερεὺς ἰφθὴν (11 a)  
— 15. Β. οὐκ ἐλάβεν παρὰ σοῦ [ΔB add. κρέας] ἰφθὴν (11 a)  
— 16. λαβε σεαυτῷ ἐκ πάντων (11 a)  
— 16. λήψομαι κραταιὸς (11 a)  
4. 3. λαβόμεν τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A al.] (11 a)  
— 11. κιβωτὸς θεοῦ ἐλήφθη (11 b)  
— 17. ἡ κιβωτὸς τοῦ θεοῦ ἐλήφθη (11 b)  
— 19. ἐλήφθη ἡ κιβωτὸς τοῦ θεοῦ (11 b)  
— 21. ἐν τῷ ληφθῆναι τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 b)  
— 22. Α. ὅτι ἐλήφθη ἡ κιβ. τοῦ θεοῦ (11 b)  
5. 1. ἔλαβον τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ (11 a)  
— 2. ἔλαβον ἀλλ. φίλοι τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 a)  
6. 7. λαβέτε . . . ἀμαρὴν κακὴν (11 a)  
— 8. λήψετε τὴν κιβωτὸν (11 a)  
— 10. ἔλαβον δύο βόας πρωτοτοκούσας (11 a)  
7. 9. ἔλαβε Σαμ. ἀργα λαβαθρὸν ἕνα (11 a)  
— 12. ἔλαβε Σαμ. λίθον ἕνα (11 a)  
— 14. ἀς ἔλαβον οἱ ἀλλόφυλοι (11 a)  
8. 3. καὶ ἐλάβανον [A -αν] δῶρα (11 a)  
— 11. τοὺς υἱοὺς ἡμῶν λήψεται (11 a)  
I Ki. 8. 13. τὰς θυγατέρας ἡμῶν λήψεται (11 a)  
— 14. τοὺς ἐλαίους υ. τοὺς ἀγαθοὺς λήψεται (11 a)  
— 16. τοὺς ὄνους ἡμῶν λήψεται (11 a)  
9. 3. λαβε μετὰ σεαυτοῦ ἐν τῶν παιδαρίων —  
— 22. ἔλαβε Σαμ. τὸν Σαούλ (11 a)  
10. 1. ἔλαβε Σαμ. τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου (11 a)  
— 4. λήψῃ ἐκ τῆς χειρὸς αὐτῶν (11 a)  
— 23. λαμβάνει αὐτὸν ἐκείθεν (11 a)  
11. 7. ἔλαβε δύο βόας (11 a)  
12. 3. μόνον τίνος εἰληφα ἢ ὄνον τίνος εἰληφα (11 a, 11 a)  
— 3. ἐκ χειρὸς τίνος εἰληφα ἐξέλασμα (11 a)  
— 4. οὐκ εἰληφας ἐκ χειρὸς οὐδενὸς οὐδέν (11 a)  
14. 32. ἔλαβεν ὁ λαὸς ποίμνια (11 a)  
— 42. Δ λαβέτε [B βάλτε] ἀνὰ μέσον ἐμοῦ (16)  
15. 21. ἔλαβεν ὁ λαὸς τὸν σκύλον ποίμνια (11 a)  
16. 2. δαμάλιν βοῶν λαβε ἐν τῇ χειρὶ σου (11 a)  
— 11. λαβε αὐτόν (11 a)  
— 13. ἔλαβε Σαμ. τὸ κέρας τοῦ ἐλαίου (11 a)  
— 20. ἔλαβεν 'I. γόμορ ἄρτων (11 a)  
— 23. ἐλάβαν Δ. τὴν κριναν (11 a)  
17. 17. Δ λαβε δὴ τοῖς ἀδ. σου οἰφείλ τούτου (11 a)  
— 20. Δ ἔλαβεν καὶ σπῆλθεν (17 a)  
— 34. καὶ ἐλάβαν προβάτων ἐκ τῆς ἀγέλης (17 a)  
— 40. ἔλαβε τὴν βακτηρίαν αὐτοῦ (11 a)  
— 49. ἔλαβεν ἐκείθεν [A om.] λίθον ἕνα (11 a)  
— 51. ἔλαβε τὴν ῥομφαίαν αὐ. (11 a)  
— 54. ἔλαβε Δ. τὴν κεφαλὴν τοῦ ἀλλοφύλου (11 a)  
18. 2. Δ ἔλαβεν αὐτὸν Σαούλ (11 a)  
19. 13. ἔλαβεν ἡ Μ. τὸ κοντάφιον (11 a)  
— 14. 20. ἀπέστειλε Σ. ἀγγέλους λαβεῖν τὸν Δ. (11 a)  
20. 22. λαβε αὐτήν —  
— 31. λαβε τὸν νεανίαν (11 a)  
21. 6 (7). ἡ ἡμέρα ἔλαβεν αὐτοὺς (11 b)  
— 8 (9). τὰ σκεῖα οὐκ ἐλθὼν ἐν τῇ χειρὶ μου (11 a)  
— 9 (10). Δ ἐλθμὶν [B ἐνελ.] ἡν ἐν ἱματίῳ †  
— 9 (10). εἰ ταύτην λήψῃ σεαυτῷ λαβε (11 a, 11 a)  
24. 3. ἔλαβε μετ' ἑαυτοῦ τρεῖς χιλιάδας ἀνδρῶν (11 a)  
— 12. δισμεῖν τὴν ψυχὴν μου λαβεῖν αὐτήν (11 a)  
25. 11. λήψομαι τοὺς ἄρτους μου (11 a)  
— 18. ἔλαβε διακοσίους ἄρτους (11 a)  
— 21. οὐκ ἐπετελάμεθα λαβεῖν . . . οὐδέν †  
— 27. λαβε τὴν εὐλογίαν —  
— 27. Δ λαβε [B om.] καὶ δώσεις —  
— 35. ἔλαβε Δ. . . πάντα (11 a)  
— 39. λαβεῖν αὐτὴν ἑαυτῷ εἰς γυναῖκα (11 a)  
— 40. λαβεῖν σε αὐτῷ εἰς γυναῖκα (11 a)  
— 43. τὴν 'Αχ. ἔλαβε Δ. ἐξ 'Ισρ. (11 a)  
26. 11. λαβε δὴ τὸ δόρυ (11 a)  
— 12. ἔλαβε Δ. τὸ δόρυ (11 a)  
— 22. καὶ λαβέτω αὐτό (11 a)  
27. 9. ἐλάβωμεν ποίμνια (11 a)  
28. 24. ἔλαβεν ἀλευρα. (11 a)  
30. 11. καὶ λαμβάνουσιν αὐτὸν (11 a)  
— 16. οἱς ἔλαβον ἐκ γῆς ἀλλοφύλων (11 a)  
— 18. ἀ ἔλαβον οἱ 'Αμ. (11 a)  
— 19. ὡν ἔλαβον αὐτῶν (11 a)  
— 20. ἔλαβε πάντα τὰ ποίμνια (11 a)  
31. 4. ἔλαβε Σ. τὴν ῥομφαίαν (11 a)  
— 12. ἔλαβον τὸ σῶμα Σ. (11 a)  
— 13. λαμβάνουσι τὰ δὲ αὐ. (11 a)  
II Ki. 1. 10. ἔλαβον τὸ βασίλειον (11 a)  
2. 8. 'Αβ. . . ἔλαβε τὸν 'Ιεζ. (11 a)  
— 12. λαβε σεαυτῷ τὴν πανοπλίαν αὐ. (11 a)  
3. 14. Α' B ἡν ἔλαβον [A' add. ἐμαυτῷ] ἐν ἑκατὸν ἀκροβυστίας (2)  
— 15. ἔλαβεν αὐτὴν παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (11 a)  
4. 7. ἔλαβον τὴν κεφαλὴν αὐ. (11 a)  
5. 13. ἔλαβε Δ. ἐπὶ γυναῖκας (11 a)  
— 21. ἐλάβοσαν [A -βεν] αὐτοὺς Δ. καὶ οἱ ἀνδρες (17 a)  
7. 8. ἔλαβον σε ἐκ τῆς μάνδρας (11 a)  
8. 1. ἔλαβε Δ. τὴν ἀδωρισμένην (11 a)  
— 7. ἔλαβε Δ. τοὺς χλιδῶνας τοὺς χρυσοὺς (11 a)  
— 7. ἔλαβεν αὐτὰ Σ. —  
— 8. ἔλαβεν . . . χαλκὸν πολὺν (11 a)  
9. 5. ἔλαβεν αὐτόν ἐκ τοῦ οἴκου Μ. (11 a)  
10. 4. ἔλαβεν 'Α. τοὺς παῖδας Δ. (11 a)  
11. 4. ἔλαβεν αὐτήν —  
— 5. ἐν γαστρὶ λαβεῖν ἡ γυνή (81)  
12. 4. ἐφέεσατο λαβεῖν [A add. αὐτήν] ἐκ τῶν ποιμνίων αὐ. (11 a)  
— 4. ἔλαβε τὴν ἀμνάδα τοῦ πένητος (11 a)  
— 9. τὴν γυναῖκα αὐ. ἔλαβες σεαυτῷ (11 a)  
II Ki. 12. 10. ἔλαβες τὴν γυναῖκα τοῦ Οὐ. (11 a)  
— 11. λήψομαι τὰς γυναῖκας σου (11 a)  
— 30. ἔλαβε τὸν στεφάνον (11 a)  
13. 8. ἔλαβε τὸ σταίς [A στέαρ] (11 a)  
— 9. ἔλαβε τὸ τήρανον (11 a)  
— 10. ἔλαβε Θ. τὰς κολλυρίδας (11 a)  
— 19. ἔλαβε Θ. σποδὸν (11 a)  
14. 2. ἔλαβεν ἐκείθεν γυναῖκα σοφὴν (11 a)  
— 14. λήψεται ὁ θ. [A add. τὴν] ψυχὴν (17 a)  
17. 13. λήψεται πᾶς [A add. ἀνὴρ] 'Ισρ. . . . σχοινία (17 d)  
— 19. καὶ ἔλαβεν ἡ γυνή (11 a)  
18. 14. ἔλαβεν 'I. τρία βέλη (11 a)  
— 17. ἔλαβε τὸν 'Αβ. (11 a)  
— 18. Β. 'Αβ. . . ἔλαβε [A B om.] (11 a)  
— 18. ἐν ἡ ἐλήφθη [A al.] —  
— 18. ἐστήλωσεν αὐτὴν λαβεῖν —  
19. 30 (31). τὰ πάντα λαβέτω (11 a)  
20. 3. ἔλαβεν ὁ βασ. τὰς δέκα γυναῖκας (11 a)  
— 6. λαβε . . . τοὺς παῖδας τοῦ κυρίου σου (11 a)  
— 22. Δ ἔλαβεν [B ἔβαλε] πρὸς 'I. †  
21. 8. ἔλαβεν ὁ βασ. τοὺς δύο υἱοὺς 'Ρ. (11 a)  
— 10. ἔλαβε 'Ρ. . . τὸν σάκεον (11 a)  
— 12. ἔλαβε τὰ ὀστά Σ. (11 a)  
22. 17. ἔλαβε [A ἀνελ.] με (11 a)  
23. 6. οὐ χειρὶ ληφθήσονται (11 a)  
— 16. ἔλαβαν [A -ον] καὶ παρεγίνοντο (17 a)  
24. 22. λαβέτω καὶ ἀνεγκέτω (11 a)  
III Ki. 1. 33. λαβέτε τοὺς δούλους τοῦ κυρίου ἡμῶν (11 a)  
— 39. ἔλαβε Σ. ὁ ἱερεὺς τὸ κέρας τοῦ ἐλαίου (11 a)  
3. 1. ἔλαβε τὴν θυγατέρα Φ. (11 a)  
— 1. Δ ἔλαβεν τὴν θυγατέρα Φ. (11 a)  
— 20. ἔλαβε τὸν υἱόν μου (11 a)  
— 24. λαβέτε [A add. μοι] μάχαιραν (11 a)  
4. 15. ἔλαβε τὴν βασ. (11 a)  
— 34 (8. 1). Β ἔλαβε Σαλ. τὴν θυγ. Φ. (11 a)  
7. 13. ἔλαβε τὸν Χ. ἐκ Τύρου (11 a)  
— 48. ἔλαβεν ὁ βασ. Σαλ. τὰ σκεῖα [A al.] †  
— 8. ἡν ἔλαβε Σαλ. (11 a)  
8. 31. ἐάν λάβῃ ἐπ' αὐτὸν ἀράν (17 a)  
9. 28. ἔλαβον ἐκείθεν χρυσίου ἑκατὸν εἴκοσι τάλαντα [A al.] (11 a)  
10. 28. ἐλάβανεν ἐκ Θ. ἐν ἀλλόγματι (11 a)  
11. 1. ἔλαβε γυναῖκα ἀλλοτρίας †  
— 12. ἐκ χειρὸς υἱοῦ σου λήψομαι αὐτήν (27)  
— 13. ὅλην τὴν βασιλείαν οὐ μὴ λάβω (27)  
— 18. λαμβάνουσιν ἀνδρας μετ' αὐτῶν (11 a)  
— 31. λαβε σεαυτῷ δέκα ῥήγματα (11 a)  
— 34. οὐ μὴ λάβω ὅλην τὴν βασιλείαν (11 a)  
— 35. λήψομαι τὴν βασιλείαν (11 a)  
— 37. καὶ σὲ λήψομαι (11 a)  
12. 24 (cf. A 14. 3). Β λαβε εἰς τὴν χειρά σου . . . ἄρτους (11 a)  
— 24. Β ἔλαβεν εἰς τὴν χεῖρα αὐ. ἄρτους —  
— 24. Β λαβε σεαυτῷ ἱματίον καὶνόν —  
— 24. Β λαβε σεαυτῷ δώδεκα ῥήγματα —  
— 24. Β καὶ ἔλαβεν 'Ιερ. —  
14. 3. Δ λαβε εἰς τὴν χειρά σου . . . ἄρτους (11 a)  
— 26. ἔλαβε παντὰς τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 a)  
— 26. ἀ ἔλαβε Δ. —  
— 26. τὰ πάντα ἀ [A om.] ἔλαβεν [A add. καὶ ἔλαβεν] ὅπλα τὰ χρυσά (11 a, 11 a)  
15. 18. ἔλαβεν 'Α. τὸ ἀργύριον (11 a)  
16. 31. ἔλαβε γυναῖκα τὴν 'Ιεζ. (11 a)  
17. 10. λαβε δὴ ὀλίγον ὕδωρ (11 a)  
— 11. καὶ ἐπορεύθη λαβεῖν (11 a)  
— 11. λήψῃ δὴ μοι ψωμὸν ἄρτου (11 a)  
— 19. ἔλαβεν αὐτὸν ἐκ τοῦ κόλπου αὐ. (11 a)  
— 23. Α. καὶ ἔλαβεν 'Η. (11 a)  
18. 4. ἔλαβεν 'Αβδ. ἑκατὸν ἀνδρας προφίτας (11 a)  
— 26. ἔλαβον [A -εν] τὸν μόνον (11 a)  
— 31. ἔλαβεν 'Η. δώδεκα λίθους (11 a)  
— 33 (34). λαβέτε μοι τέσσαρας ὑδρίας ὕδατος (18)  
19. 4. λαβε δὴ τὴν ψυχὴν μου ἀπ' ἐμοῦ (11 a)  
— 10, 14. ζητοῦσι τὴν ψυχὴν μου λαβεῖν αὐτήν (11 a)  
— 21. ἔλαβε τὰ ζεύγη τῶν βοῶν (11 a)  
21 (20). 6. καὶ λήψονται (11 a)  
— 21. ἔλαβε πάντας [A om.] τοὺς ἵππους (15)  
— 33. λαβέτε αὐτόν (11 a)  
— 34. ἀς ἔλαβεν ὁ πατήρ μου (11 a)  
22. 3. λαβεῖν αὐτὴν ἐκ χειρὸς βασιλέως Σ. (11 a)  
— 26. λαβέτε τὸν Μ. (11 a)  
IV Ki. 2. 3. λαμβάνει τὸν κύριον σου ἀπάνωθεν τῆς κεφ. σου (11 a)



IV Ki. 2. 5. λαμβάνει κύριος τὸν κύριόν σου (11 α)  
 — 8. ἔλαβεν Ἠλ. τὴν μηλωτὴν αὐ. (11 α)  
 — 14. ἔλαβε τὴν μηλωτὴν Ἠλ. (11 α)  
 — 20. λάβετέ μοι ὑδρίσκην καυὴν (11 α)  
 — 20. καὶ ἔλαβον πρὸς αὐτὸν (11 α)  
 3. 14. εἰ μὴ πρόσωπον Ἰωσ. . . λαμβάνω (17 α)  
 — 15. λάβε [A. ἰδε] μοι ψάλλοντα (11 α)  
 — 26. ἔλαβε μεθ' ἐαυτοῦ ἐπτακοσίους ἄνδρας (11 α)  
 — 27. ἔλαβε τὸν υἱὸν αὐ. τὸν πρωτότοκον (11 α)  
 4. 1. ἦλθε λαβεῖν τοὺς δύο υἱούς μου (11 α)  
 — 17. ἐν γαστρὶ ἔλαβεν ἡ γυνή (81)  
 — 29. λάβε τὴν βακτηρίαν μου (11 α)  
 — 36. λάβε τὸν υἱόν σου (17 α)  
 — 37. ἔλαβε τὸν υἱόν αὐ. (17 α)  
 — 41. λάβετε ἀλευρον (11 α)  
 6. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. δέκα τάλ. ἀργ. (11 α)  
 — 15. λάβε τὴν εὐλογίαν παρὰ [A. om.] τοῦ δοῦλου σου (11 α)  
 — 16. ζῇ κύριος . . . εἰ λήψομαι (11 α)  
 — 16. παρεβύδατο αὐτὸν λαβεῖν (11 α)  
 — 20. τοῦ μὴ λαβεῖν ἐκ χειρὸς αὐ. ἃ ἐνήνοχεν (11 α)  
 — 20. λήψομαι παρ' αὐτοῦ τι (11 α)  
 — 23. λάβε διτάλαντον ἀργυρίου (11 α)  
 — 23. καὶ ἔλαβεν [A. αλ.] —  
 — 24. ἔλαβεν ἐκ τῶν χειρῶν αὐ. —  
 — 26. καὶ νῦν ἔλαβες τὸ ἀργύριον (11 α)  
 — 26. καὶ νῦν ἔλαβες τὰ ἱμάτια (11 α)  
 6. 2. λάβωμεν ἐκείθεν ἀνὴρ εἰς δοκὸν μίαν (11 α)  
 — 7. ἔλαβεν αὐτό (11 α)  
 — 13. ἀποστείλας λήψομαι αὐτόν (11 α)  
 7. 8. καὶ ἔλαβον ἐκείθεν (17 α)  
 — 13. λαβέτωσαν δὲ πάντες τῶν ἱππῶν [A. αλ.] (11 α)  
 — 14. ἔλαβον δύο ἐπιβάτας ἱππῶν (11 α)  
 8. 8. λάβε ἐν τῇ χειρὶ σου μαυὰ (11 α)  
 — 9. ἔλαβε μαυὰ ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (11 α)  
 — 15. ἔλαβε τὸν χερσὶν [A. αλ.] (11 α)  
 9. 1. λάβε τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου τούτου (11 α)  
 — 3. λήψῃ τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου (11 α)  
 — 13. ἔλαβεν [A. -ον] ἕκαστος τὸ ἱμάτιον αὐ. (11 α)  
 — 17. λάβε ἐπιβάτην (11 α)  
 — 25. ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ λήμμα [A. ῥημα] τοῦτο (17 α)  
 10. 6. λάβετε τὴν κεφαλὴν ἄνδρων (11 α)  
 — 7. ἔλαβον τοὺς υἱούς τοῦ βασι. (11 α)  
 — 15. A. B. ἔλαβεν [B. εὔρε] τὸν Ἰωσ. (14)  
 11. 2. ἔλαβεν Ἰωσ. . . τὸν Ἰωάκ (11 α)  
 — 4. ἔλαβε τοὺς ἐκατοντάρχους (11 α)  
 — 9. ἔλαβεν ἀνὴρ τοὺς ἄνδρας αὐ. (11 α)  
 — 19. ἔλαβε τοὺς ἐκατοντάρχους (11 α)  
 12. 4 (5). ἀνὴρ ἀργύριον λαβὼν συντημύσειε [A. αλ.] +  
 — 4 (5). B. δ' ἐὰν λάβῃ [A. B. ἀναβῇ] ἐπὶ καρδὴν ἀνδρός (31)  
 — 5 (6). λαβέτωσαν ἐαυτοὺς οἱ ἱερεῖς (11 α)  
 — 7 (8). μὴ λάβῃτε [A. -ετε] ἀργύριον (11 α)  
 — 8 (9). τοῦ μὴ λαβεῖν ἀργύριον παρὰ τοῦ λαοῦ (11 α)  
 — 9 (10). ἔλαβεν Ἰ. ὁ ἱερεὺς κιβωτὸν μίαν (11 α)  
 — 18 (19). ἔλαβεν Ἰ. . . πάντα τὰ ἅγια (11 α)  
 13. 15. λάβε τόξον καὶ βέλη (11 α)  
 — 15. ἔλαβε . . . τόξον καὶ βέλη (11 α)  
 — 18. λάβε τόξα καὶ ἔλαβε (11 α, 11 α)  
 — 25. ἔλαβε τὰς πόλεις . . . ἃς ἔλαβεν ἐκ χειρὸς Ἰ. (11 α, 11 α)  
 14. 13. A. τὸν Ἀμ. . . ἔλαβεν [B. συνελ.] Ἰ. (80 α)  
 — 14. ἔλαβε τὸ χρυσίον (11 α)  
 — 21. ἔλαβε πᾶς ὁ λαὸς Ἰ. τὸν Ἀζ. (11 α)  
 15. 29. ἔλαβε τὴν Ἄλ. (11 α)  
 16. 8. ἔλαβεν Ἀχ. ἀργύριον (11 α)  
 18. 32. ὥς ἔλθω καὶ λάβω ὑμᾶς (11 α)  
 19. 4. καὶ λήψῃ προσευχὴν (17 α)  
 — 14. ἔλαβεν Εζ. τὰ βελία (11 α)  
 20. 7. λαβέτωσαν παλάθην σῶκων (11 α)  
 — 7. A. καὶ ἐλήφθη (11 α)  
 — 17. ληφθήσεται πάντα τὰ ἐν τῷ οἴκῳ σου (17 β)  
 — 18. οὐδ' ἐγενήσεται λήψεται (11 α)  
 23. 4. B. ἔλαβεν [A. B. ἔβαλε] τὸν χοῦν αὐ. εἰς Β. (17 α)  
 — 16. ἔλαβε τὰ δοτὰ (11 α)  
 — 30. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. (11 α)  
 — 34. τὸν Ἰ. ἔλαβε (11 α)  
 24. 7. ἔλαβε βασιλεὺς Βαβ. ἀπὸ τοῦ χειμάρρου (11 α)  
 — 12. ἔλαβεν αὐτὸν [A. -οὓς] βασιλεὺς Βαβ. (11 α)  
 25. 14. τοὺς λείψαντας . . . ἔλαβε (11 α)  
 — 15. καὶ τὰ πυρεῖα . . . ἔλαβεν (11 α)

IV Ki. 25. 18. ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος τὸν Σ. (11 α)  
 — 19. ἔλαβεν εὐνοχοῦν ἓνα (11 α)  
 — 20. ἔλαβεν αὐτοὺς Ναβ. (11 α)  
 I Ch. 2. 18. A. B. ἔλαβε [B. ἐγέννησε] τὴν Γ. +  
 — 19. ἔλαβεν ἐαυτῷ Χ. τὴν Ἐ. (11 α)  
 — 21. οὗτος ἔλαβεν αὐτήν (11 α)  
 — 23. ἔλαβε Γ. . . τὰς κόμης Ἰ. (11 α)  
 4. 18. ἦν ἔλαβε Μ. (11 α)  
 7. 15. M. ἔλαβε γυναῖκα τῷ Ἀ. (11 α)  
 — 21. κατέβησαν τοῦ [A. om.] λαβεῖν τὰ κτήνη αὐ. (11 α)  
 — 23. καὶ ἔλαβεν ἐν γαστρὶ (81)  
 10. 4. ἔλαβε Σ. τὴν βομφαῖαν (11 α)  
 — 9. ἔλαβον τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ (17 α)  
 — 12. ἔλαβον τὸ σῶμα Σ. (17 α)  
 11. 8. ἔλαβε τὴν πόλιν —  
 — 18. B. ἔλαβον [A. B. S. E. add. καὶ ἦλθον] πρὸς Δ. (17 α)  
 14. 3. ἔλαβε Δ. ἐπὶ γυναῖκας ἐν Ἱερ. (11 α)  
 15. 15. ἔλαβον . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ (17 α)  
 16. 29. λάβετε δῶρα (17 α)  
 17. 7. ἔλαβον σε ἐκ τῆς μάνδρας (11 α)  
 18. 1. ἔλαβε τὴν Γέθ (11 α)  
 — 7. ἔλαβε Δ. τοὺς κλοῦσις τοὺς χρυσοὺς (11 α)  
 — 8. ἔλαβε Δ. χαλκὸν πολλὸν σφόδρα (11 α)  
 — 11. οὐ ἔλαβεν ἐκ πάντων τῶν ἐθνῶν (17 α)  
 19. 4. ἔλαβεν Ἀ. τοὺς παῖδας Δ. (11 α)  
 20. 2. ἔλαβε Δ. τὸν στέφανον Μ. (11 α)  
 21. 18. A. ἔλαβε [B. ἐναβῇ] τοῦ στήθαυς θυσιαστ. (81)  
 — 23. λάβε στανθῶ (11 α)  
 — 24. οὐ μὴ λάβω ἃ ἴσθι σοὶ κυρίῳ (17 α)  
 23. 22. ἔλαβον αὐτὰς υἱοὶ Κεῖς (17 α)  
 24. 31. ἔλαβον καὶ αὐτοὶ κλήρους (16)  
 26. 27. ἃ ἔλαβεν ἐκ πολέμου [A. τῶν πολέμων] —  
 27. 23. οὐκ ἔλαβε Δ. τὸν ἀριθμὸν αὐ. (17 α)  
 II Ch. 5. 4. ἔλαβον πάντες οἱ Ἀ. τὴν κιβωτὸν (17 α)  
 6. 22. ἐὰν . . . λάβῃ ἐπ' αὐτὸν ἄρας (17 α)  
 8. 18. B. ἔλαβεν [A. B. -ον] ἐκείθεν τὰ τετρακόσια καὶ πενήτη. τάλαυτα χρυσοῦ (11 α)  
 11. 18. ἔλαβεν ἐαυτῷ Ῥ. γυναῖκα (11 α)  
 — 20. ἔλαβεν ἐαυτῷ τὴν Μ. (11 α)  
 12. 9. ἔλαβε τοὺς θεσφαυροὺς (11 α)  
 — 9. τὰ πάντα ἔλαβε (11 α)  
 — 9. ἔλαβε τοὺς θυρεοὺς τοὺς χρυσοὺς (11 α)  
 13. 21. ἔλαβεν ἐαυτῷ γυναῖκας δέκα τέσσαρας (17 α)  
 14. 15 (14). ἔλαβον πρόβατα πολλὰ (20)  
 16. 2. ἔλαβεν Ἀ. χρυσίον (7)  
 — 6. ἔλαβε [A. ἡγαγεν] πάντα τὸν Ἰούδα καὶ ἔλαβε τοὺς λίθους τῆς Ῥ. (11 α, 17 α)  
 18. 25. λάβετε τὸν Μ. (11 α)  
 19. 7. οὐδὲ λαβεῖν δῶρα (11 α)  
 22. 11. ἔλαβεν Ἰωσ. τὸν Ἰ. [A. αλ.] (11 α)  
 23. 1. ἔλαβε τοὺς ἐκατοντάρχους (11 α)  
 — 8. ἔλαβον ἕκαστος τοὺς ἄνδρας αὐ. (11 α)  
 — 20. ἔλαβε τοὺς πατριάρχας (11 α)  
 24. 3. ἔλαβεν ἐαυτῷ Ἰ. δύο γυναῖκας (17 α)  
 26. 1. ἔλαβε πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ὁ. (11 α)  
 28. 18. ἔλαβον τὴν Β. (10 α)  
 — 21. ἔλαβεν Ἀ. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (6)  
 31. 1. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. (11 α)  
 — 4. τὸν Ἰ. ἀδελφὸν αὐ. ἔλαβε Φ. (11 α)  
 I Es. 1. 41. ἀπὸ τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. λαβὼν Ναβ. (11 α)  
 3. 13. λαβόντες τὸ γράμμα (11 α)  
 4. 23. λαμβάνει ἀνθρώπος τὴν βομφ. αὐ. (11 α)  
 — 39. οὐκ ἔστι παρ' αὐτῇ [A. -ῇ] λ. πρόσωπα (11 α)  
 — 44. πάντα τὰ σκευὴ τὰ ληφθέντα ἐξ Ἱερ. (11 α)  
 — 61. ἔλαβε τὰς ἐπιστολάς (11 α)  
 5. 38. υἱοὶ Ἰ. τοῦ λαβόντος Αὐ. γυναῖκα (11 α)  
 6. 20. οὐκ ἔλαβε συντελειαν (11 α)  
 — 32. ληφθῆναι ἐξ ὧν ἐκ τῶν ἰδίων αὐ. (11 α)  
 8. 84. τὰς θυγ. αὐ. μὴ λάβῃτε [A. δότε] (11 α)  
 9. 12. παραγενήθησαν λαβόντες χρόνον (11 α)  
 II Es. 1. 4. λήφονται αὐτὸν ἄνδρες τοῦ τόπου αὐ. (17 α)  
 — 7. ἃ ἔλαβε Ναβ. (7)  
 — 21. δὲ ἔλαβεν ἀπὸ θυγατέρων Β. (11 α)  
 5. 15. πάντα τὰ σκευὴ λαβεῖν (17 α)  
 9. 2. ἐλάβοσαν ἀπὸ θυγατέρων αὐ. (17 α)  
 — 12. ἀπὸ τῶν θυγατέρων αὐ. μὴ λάβῃτε (17 α)  
 10. 2. ἐκαθίστανε [B. ἔλαβον] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)  
 — 10. ἐκαθίστατε [B. ἔλάβετε] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)  
 — 14. δὲ ἐκάθισεν [B. οἱ λαβόντες] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)  
 — 18. οἱ ἐκάθισαν [B. ἔλαβον] γυναῖκας ἀλλοτρ. (9)  
 — 44. ἐλάβοσαν γυναῖκας ἀλλοτρίας (17 α)

Ne. 2. 1. ἔλαβον τὸν οἶνον (17 α)  
 5. 2, 3. ληψόμεθα σίτον (11 α)  
 — 15. καὶ ἐλάβοσαν [B. -ον] παρ' αὐτῶν (11 α)  
 6. 18. ἔλαβε τὴν θυγατέρα Μ. (11 α)  
 7. 63. A. B. ἔλαβον [B. -εν] ἀπὸ θυγατέρων Β. . . γυναῖκας (11 α)  
 10. 30 (31). τὰς θυγ. αὐ. οὐ ληψόμεθα τοῖς υἱοῖς ἡ. (11 α)  
 11. 1. B. S. ἐλάβοσαν [A. S. ἔβαλον, E. ἐβάλ-οσαν] κλήρους (16)  
 13. 25. ἐὰν λάβῃτε ἀπὸ τῶν θυγ. αὐ. (17 α)  
 To. 1. 9. ἔλαβον Ἀναν γυναῖκα (11 α)  
 3. 17. B. παρὰ πάντας τοὺς θέλοντας λαβεῖν αὐτήν (17 α)  
 4. 12. A. B. γυναῖκα πρῶτον λάβε ἀπὸ τοῦ σπέρματος τῶν πεπ. σου —  
 — 12. A. B. μὴ λάβῃς γ. ἀλλοτρίαν (17 α)  
 — 12. A. B. ἔλαβον γυναῖκας ἐκ τῶν ἀδελφῶν αὐτῶν (11 α)  
 — 13. A. B. λαβεῖν σεαυτῷ ἐξ αὐτῶν γυναῖκα (11 α)  
 5. 2. πῶς δυνήσομαι λαβεῖν τὸ ἀργύριον [S. αλ.] —  
 — 3. S. καὶ ἐλάβομεν ἐκατέρωσθε (11 α)  
 — 3. λάβε πορευθεὶς τὸ ἀργύριον [S. αλ.] (11 α)  
 6. 4. λαβὼν τὴν καρδίαν καὶ τὸ ἦπαρ [S. αλ.] —  
 — 12. S. δεδικαίωται σοὶ λαβεῖν αὐτήν (11 α)  
 — 12. S. ληψόμεθα σοὶ αὐτὴν ἐν νύμφῃ (11 α)  
 — 12. τὴν κληρονομίαν σοὶ καθίκει λαβεῖν [S. αλ.] (11 α)  
 — 12. S. ληψόμεθα αὐτήν (11 α)  
 — 15. A. B. ὑπὲρ τοῦ λαβεῖν σε γυναῖκα [A. S. αλ.] (11 α)  
 — 15. S. καὶ λάβε (11 α)  
 — 16. λήψῃ τέφραν θυγαμάτων [S. αλ.] (11 α)  
 7. 10. σοὶ γὰρ καθίκει τὸ παιδίον μου λαβεῖν [S. αλ.] (11 α)  
 — 13. λαβὼν [S. λαβέμενος] τῆς χειρὸς αὐτῆς (11 α)  
 — 14. λαβὼν βιβλίον [S. αλ.] (11 α)  
 8. 2. ἔλαβε τὴν τέφραν τῶν θυγαμάτων [S. αλ.] (11 α)  
 — 7. λαμβάνω τὴν ἀδελφὴν μου ταύτην (11 α)  
 — 21. λαβόντα τὸν ἦμισον τῶν ὑπαρχόντων αὐτοῦ [S. αλ.] (11 α)  
 9. 2. λάβε μετὰ σεαυτοῦ παῖδα [S. αλ.] (11 α)  
 — 5. S. ἔλαβεν γυναῖκα (11 α)  
 11. 4. λάβε δὲ παρὰ χεῖρα τὴν χολὴν τοῦ ἰχθύος [S. αλ.] (11 α)  
 — 11. S. ἐλάβετο αὐτοῦ [A. B. αλ.] (11 α)  
 — 15. S. ἔλαβεν Σάρραν . . . γυναῖκα (11 α)  
 12. 4. S. λαβεῖν τὸ ἦμισον πάντων (11 α)  
 — 5. λάβε τὸ ἦμισον πάντων (11 α)  
 14. 3. λάβε τοὺς υἱούς σου [S. αλ.] (11 α)  
 Ju. 1. 15. ἔλαβε τὸν Ἀρφ. ἐν τοῖς ὄρεσι Ῥ. (11 α)  
 2. 5. λήψῃ μετὰ σεαυτοῦ ἄνδρας (11 α)  
 — 17. ἔλαβε καμήλους καὶ δούους (11 α)  
 — 22. ἔλαβε πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐ. (11 α)  
 3. 6. A. B. S. ἔλαβεν [B. -ον] ἐξ αὐτῶν . . . ἄνδρας ἐπιλεκτούς (11 α)  
 6. 9. οὐ ληφθήσονται [A. συλλληφθ.] (11 α)  
 8. 14. B. λόγους τῆς διανοίας αὐ. οὐ λήψεσθε [A. B. S. αλ.] (11 α)  
 — 21. ἐν τῷ ληφθῆναι ἡμᾶς (11 α)  
 10. 4. καὶ ἔλαβε σανδάλια (11 α)  
 12. 15. ἃ ἔλαβε [A. -ον] παρὰ Βαγῶου (11 α)  
 — 19. καὶ λαβούσα ἔφαγε (11 α)  
 14. 1. λαβόντες τὴν κεφαλὴν ταύτην (11 α)  
 15. 11. λαβούσα αὐτὴ ἐπέθηκεν [S. αλ.] (11 α)  
 — 12. καὶ ἔλαβε [S. -ον] θυρόθυρον (11 α)  
 16. 8. ἔλαβε στολὴν λιγνὴν εἰς ἀπάντη αὐ. (11 α)  
 — 19. ὃ ἔλαβεν ἐαυτῇ (11 α)  
 Es. 3. 7. A. ἔλαβεν [B. ἔβαλε] κλήρους (16)  
 4. 17. ἔλαβε τὸν Ἰορ. ἐκ πάντων τῶν ἐθνῶν (11 α)  
 6. 10. S. ταχέως λάβε σὺν τὸ ἔνδυμα (11 α)  
 — 11. ἔλαβε δὲ Ἀ. τὴν στολὴν (11 α)  
 8. 2. ἔλαβε δὲ ὁ βασι. τὸν δακτύλιον (19)  
 — 13. ψῆθη λαβὼν [A. S. -εῖν] ἡμᾶς ἐρήμους (11 α)  
 Jb. 2. 8. ἔλαβεν δσρακον (11 α)  
 15. 35. ἐν γαστρὶ δὲ λήψεται [A. -ονται] οὐδὲνας (31)  
 16. 13 (12). λαβὼν με τῆς κόμης διέτιλε (11 α)  
 31. 37. οὐδὲν λαβὼν παρὰ χρεωφειλέτου +  
 34. 31. πρὸς τὸν ἰσχυρὸν ὁ λέγων [S. om. ὁ λ.], Εὐλῆφθα (17 α)  
 35. 7. τί ἐκ χειρὸς σου λήψεται (11 α)  
 38. 14. ἡ σὺ λαβὼν γῆν πηλὸν ἐπλάσας ζῶον +  
 40. 23 (28). λήψῃ δὲ αὐτὸν δοῦλον αἰώνιον (11 α)  
 42. 8. λάβετε ἐπὶ τὰς μύσους καὶ ἐπὶ τὰς κρούας (11 α)  
 — 8. ὅτι εἰ μὴ πρόσωπον αὐτοῦ λήψομαι (17 α)  
 — 17. λαβὼν δὲ γυναῖκα Ἀράβισσαν (11 α)  
 Ps. 14 (15). 3. οὐκ ἴσθις οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ τοὺς ἔγγιστά αυτού (17 α)  
 — 5. δῶρα ἐπ' ἀβύσσον οὐκ ἔλαβεν (11 α)  
 17 (18). 16. καὶ ἔλαβε με (11 α)

- Ps. 28 (24). 4. δε οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ ματαίᾳ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ [A μου] (17 a)  
 — 5. οὗτος λήψεται ἐπιλογίαν παρὰ κυρίου (17 a)  
 30 (31). 13. τὸν λαβεῖν τὴν ψυχὴν μου ἐβουλεύσαντο (11 a)  
 48 (49). 15. ὅταν λαμβάνῃ με (11 a)  
 — 17. A B S<sup>2</sup> οὐκ ἐν τῷ ἀποθνήσκειν αὐτὸν λήψεται τὰ πάντα (11 a)  
 67 (68). 18. B<sup>2</sup> S ἔλαβε δόματα ἐν ἀνθρώποις [B S<sup>2</sup> -φ] (11 a)  
 68 (69). 24. S<sup>1</sup> ὁ θυμός σου λάβει αὐτούς [B S<sup>2</sup> α.] (18)  
 74 (75). 2. ὅταν λάβω καιρὸν (11 a)  
 77 (78). 71. ἐξόπισθεν τῶν λοχευομένων ἔλαβεν αὐτὸν (3)  
 80 (81). 2. λάβετε ψαλμὸν καὶ δότε τύμπανον (17 a)  
 81 (82). 2. πρόσσωπα ἀμαρτωλῶν λαμβάνετε (11 a)  
 108 (109). 8. τὴν ἐπισκοπὴν αὐτοῦ λάβει ἕτερος (11 a)  
 115. 4 (116. 13). ποτήριον σωτηρίου λήψομαι (17 a)  
 138 (139). 9. S<sup>1</sup> εἰς λαβοίμι τὰς πτερυγὰς μου [A B S<sup>2</sup> α.] (17 a)  
 — 20. λήψονται εἰς ματαιότητα τὰς πόλεις μου (17 a)  
 Pr. 7. 20. ἐνδεσμον ἀργυρίου λαβὼν ἐν χειρὶ αὐτοῦ (11 a)  
 8. 10. λάβετε παιδείαν καὶ μὴ ἀργύριον (11 a)  
 9. 7. ὁ παιδεύων κακοὺς λήψεται ἐντὶ ἡμέραν αὐτοῦ (11 a)  
 11. 21. λήψεται μισθὸν πιστὸν [A -ὸν] †  
 17. 23. λαμβάνοντες δώρα ἐν κόλποις ἀδίκους (11 a)  
 18. 23. ἔλαβε δὲ παρὰ θεοῦ ἐλαφρότητα (23)  
 22. 25. μὴ ποτε . . . λάβης βρόχους τῇ σῇ ψυχῇ (11 a)  
 — 27. λήψονται τὸ στρώμα τοῦ ὑπὸ τὰς πτερυγὰς σου (11 a)  
 Ec. 5. 14. οὐδὲν οὐ [A om.] λήψεται ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (17 a)  
 — 18. λαβεῖν τὸ μέρος αὐτοῦ (17 a)  
 Wi. 5. 16. λήψονται τὸ βασιλεῖον τῆς εὐπρεπείας — 17. λήψεται πανοπλίαν τὸν ἥλιον αὐτοῦ — 19. λήψεται ἀσπίδα ἀκαταμάχτην δαιοτήτα 8. 18. ὅπως λάβω [B ἀγάγω] αὐτὴν εἰς ἐμάνον 11. 12. διπλὴ γὰρ αὐτοῦ ἔλαβε λύπη 13. 13. εὗλον . . . λαβὼν ἐγλυψεν 15. 8. ἐξ ἧς ἐλήφθη Si. 4. 22. μὴ λάβης πρόσωπον κατὰ τῆς ψυχῆς σου — 27. μὴ λάβης πρόσωπον δυνάστου — 31. μὴ ἔστω ἡ χεὶρ σου ἐκτεταμένη εἰς τὸ λαβεῖν 14. 16. δὸς καὶ λάβε 29. 5. ἔως οὗ λάβω καταφιλήσεις 32 (35). 13. οὐ λήψεται πρόσωπον ἐπὶ πτωχοῦ 36 (32). 2. ἴνα . . . λάβης στέφανον 37. 5. ἵνατι [A ἀπέν.] πολέμου λήψεται ἀσπίδα 38. 2. παρὰ βσιυλῶς λήψεται δόμα 42. 1. μὴ λάβης πρόσωπον τοῦ ἀμαρτάνει 46. 9. χρῆματα καὶ ἔως ὑποδημάτων . . . οὐκ εἰληφα [B S<sup>2</sup> -φεν] Ho. 1. 2. λάβε σεαυτὴ γυναῖκα πορνείας (11 a) — 3. καὶ ἐπορεύθη καὶ ἔλαβε τὴν Γ. (11 a) 4. 8. ἐν ταῖς ἀδικίαις αὐτὸν λήψονται τὰς ψυχὰς (17 a) 5. 14. πορνέυσται καὶ λήψομαι (17 a) 13. 1. δικαιώματα αὐτὸς ἔλαβεν (17 a) 14. 3. λάβετε μεθ' ἑαυτῶν λόγους (11 a) — 3. ὅπως μὴ λάβητε ἀδικίαν καὶ λάβητε [A -ετε] ἀγαθὰ (17 a, 11 a) Am. 2. 11. καὶ ἔλαβον ἐκ τῶν νῶν ὡμῶν εἰς προφῆτας (25) 4. 2. καὶ λήψονται ἡμᾶς ἐν ὄπλοις (17 c) 5. 1. ὃν ἐγὼ λαμβάνω ἐφ' ἡμᾶς θρήνον — 12. λαμβάνοντες ἀλλήλα γαμῶν 6. 10. καὶ λήψονται οἱ οἰκῆαι αὐτῶν 9. 3. καὶ λήψομαι αὐτούς (11 a) Mi. 1. 11. λήψεται ἐξ ὡμῶν πληγὴν ὀδύνης (11 a) 2. 4. ληφθήσεται ἐφ' ὡμᾶς πυρροβολή (17 a) 6. 16. καὶ οὐκ εἰδὼν λαβὼν λήψοσθε (17 a) Jl. 3 (4). 5. τὸ χρυσίον μου ἔλαβετε (11 a) Jn. 1. 15. καὶ ἔλαβον τὸν Ἰ. (17 a) 4. 3. λάβε τὴν ψυχὴν μου ἀπ' ἐμοῦ (11 a) Hb. 1. 3. καὶ ὁ κριτὴς λαμβάνει (17 a) 2. 6. παραβολὴν κτλ αὐτοῦ λήψονται [S<sup>1</sup> -εται] (17 a) Ze. 3. 18. τίς ἔλαβεν ἐπ' αὐτὴν ὀνειδισμόν (17 c) Hg. 2. 2. 1. ἀλάσθη [S<sup>1</sup> ἔλαβεν] κυρίως ἐν χειρὶ Ἀ. † — 13 (12). εἰς λαβὴν ἀνθρώπου κρέας ἄγιον (17 a) — 24 (23). λήψομαι σε Ζ. τὸν τοῦ Ζ. (11 a) Za. 6. 10. λάβε τὰ ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας — 11. καὶ λήψῃ ἀργύριον καὶ χρυσίον (11 a) Za. 6. 13. καὶ αὐτοὺς λήψεται ἀρετὴν (17 a) 11. 7. καὶ λήψομαι ἐμάνω ὅσοι ῥάβδους (11 a) — 10. A B S καὶ λήψομαι [B -ονται] τὴν ῥάβδον μου τὴν κλην (11 a) — 13. καὶ ἔλαβον τοὺς τριάκοντα ἀργυροῦς (11 a) — 15. ἐτι λάβε σεαυτὴ σκευὴ ποιμενικὰ (11 a) 14. 21. καὶ λήψονται ἐξ αὐτῶν καὶ ἐψήσουσιν (11 a) Ma. 1. 8. εἰ λήψεται πρόσωπόν σου (17 a) — 9. εἰ λήψομαι [S<sup>1</sup> -ονται] ἐξ ὡμῶν πρόσσωπα ὡμῶν (17 a) 2. 3. καὶ λήψομαι [S<sup>1</sup> -ονται] ὡμᾶς εἰς τὸ αὐτὸ (17 a) — 9. ἀλλὰ ἐλαμβάνετε πρόσσωπα ἐν νόμῳ (17 a) — 13. ἡ λαβεῖν δεκτὸν ἐκ τῶν χειρῶν ὡμῶν (11 a) Is. 2. 4. οὐ λήψεται ἔθνος ἐπ' ἔθνος μάχαιραν (17 a) 6. 6. ὃν τῇ λαβίδι ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου (11 a) 7. 14. ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ λήψεται [A B ἐξεῖ] (81) 8. 1. λάβε σεαυτὴ τὸμον [A add. χάρτου] καυοῦ (11 a) — 3. ἐν γαστρὶ ἔλαβε (81) — 4. λήψεται δύναμιν δαμασκού (17 a) 10. 9. οὐκ ἔλαβον τὴν χώραν τὴν ἐπάνω Βαβ. † — 9. ἔλαβον Ἀραβίαν καὶ δαμασκόν (11 a) — 10. ὃν τρόπον ταύτας ἔλαβον (14) — 10. πᾶσας τὰς ἀρχὰς [A B χώρας] λήψομαι † — 29. φόβος λήψεται Ῥαμᾶ (38) 11. 5. A B ἀληθείᾳ ἐλημμένους [B ἐλημμένους] τὰς πτερυγὰς † 14. 2. λήψονται αὐτοὺς ἔθνη (11 a) — 4. λήψῃ τὸν θρόνον τ. ἐπὶ τὸν βασιλεῖα Βαβ. (17 a) 15. 7. λήψονται αὐτὴν (17 a) 19. 9. αἰσχύνῃ λήψεται τοὺς ἐργαζομ. τὸ λῖνον τὸ σχιστόν (38) 20. 1. ἔλαβεν [A B κατελάβετο] αὐτὴν (10 a) 21. 3. ὥδεως ἔλαβον με ὡς τὴν τίκτουσαν (1) 22. 6. οἱ δὲ Ἑλαμίται ἔλαβον φοριέρας (17 a) 23. 5. λήψεται αὐτοὺς ὀδύνῃ περὶ Τύρου (34) — 16. λάβε κιθάραν (11 a) 26. 11. ὅλως λήψεται λαὸν ἀπαίδευτον — 18. ἐν γαστρὶ ἔλαβον (31) 28. 4. πρὶν εἰς τὴν χεῖρα αὐτοῦ λαβεῖν αὐτὸ [A B S<sup>2</sup> om.] † — 19. λήψεται ὡμᾶς (11 a) 30. 28. λήψεται αὐτοὺς κατὰ πρόσωπον αὐτῶν † 31. 4. ἐπὶ τῇ θήρᾳ ἡ ἔλαβε — 33. 14. λήψεται [S<sup>1</sup> -ονται] τρόμος τοὺς ἀσβεῖς (1) 36. 1. ἔλαβεν [A συνέλ.] αὐτὰς (90 a) — 17. ἔως ἂν ἔλθω καὶ λάβω ὡμᾶς εἰς γῆν (11 a) 37. 14. ἔλαβεν Ἐζ. τὸ βιβλίον παρὰ τῶν ἀγγέλων (11 a) 38. 21. λάβε πάλαιθα ἐκ σέκου (17 a) 39. 6. λήψονται πάντα τὰ ἐν τῷ οἴκῳ σου (17 b) — 7. ἀπὸ τῶν τέκνων σου . . . λήψονται (11 a) 40. 24. καταγίγς ὡς φρούρα λήψεται [A B<sup>2</sup> ἀναλ.] αὐτοὺς (17 a) 41. 16. ἀνέμος λήψεται αὐτοὺς (17 a) 44. 15. λαβὼν ἀπ' αὐτοῦ ἡθερμάνθη (11 a) 47. 2. λάβε μύλον (11 a) — 3. τὸ δάκρυον ἐκ σοῦ λήψομαι (11 a) 49. 24. μὴ λήψεται τις παρὰ γίγαυνος σκύλα (11 d) — 25. λήψεται σκύλα (11 d) — 25. λαμβάνων δὲ παρὰ λοχύνοντος σωθήσεται (11 f) 51. 22. εἰληφα ἐκ τῆς χειρὸς σου τὸ ποτήριον τῆς πώσεως (11 a) 52. 5. ἐλήφθη ὁ λαός μου δωρεάν (11 c) 57. 11. οὐδὲ ἔλαβες με εἰς τὴν διάνοιαν (28) — 13. τοῖντο γὰρ πάντας ἀνέμενος λήψεται (17 a) 64. 1 (63. 19). 3 (2). τρόμος λήψεται ἀπὸ σοῦ ὄρη (36) 66. 21. ἀπ' αὐτῶν λήψομαι [A add. ἐμαυτῶ, B μοι] ἱερεῖς (11 a) Je. 3. 14. λήψομαι ὡμᾶς ἔνα ἐκ πόλεως (11 a) 9. 10 (9). ἐπὶ τὰ ὄρη λάβετε κοπετόν (17 a) — 18 (17). λαβέτωσαν ἐφ' ὡμᾶς θρήνον (17 a) 13. 4. λήψεται τὸ περίωμα τὸ περὶ τὴν ὀσφύν σου (11 a) — 6. λάβε ἐκείθεν τὸ περίωμα (11 a) — 7. ἔλαβον τὸ περίωμα ἐκ τοῦ τόππου (11 a) 15. 15. ὡς ἔλαβον περὶ σοῦ ὀνειδισμόν (17 a) 16. 2. μὴ λάβης γυναῖκα (11 a) 20. 10. ληφθόμεθα τὴν ἐκδίκησιν ἡμῶν ἐξ αὐτῶν (11 a) 23. 9. λαμβάνω καὶ ῥάσσω ὡμᾶς † 25. 9. λήψομαι πατρίαν ἀπὸ [B ἐκ τοῦ] βορρᾶ (11 a) 26 (46). 11. λάβε ῥήτινῃ τὴν παρθένην θυγατρί (11 a) Ἀλγ. — 27 (50). 24. εὐρέσθης καὶ ἐλήφθης [A<sup>1</sup> -η] (90 d) 28 (51). 8. λάβετε ῥήτινῃ τὴν διαφθορὰν αὐτῆς (11 a) — 26. οὐ μὴ λάβωσιν ἀπὸ σοῦ λίθον εἰς γυναικὶν (11 a) Je. 28 (51). 32. ἀπ' ἐσχάτου τῶν διαβάσεων αὐτοῦ ἐλήφθον (30 d) 30 (49). 29. τὰ πρόβατα αὐτῶν λήψονται (11 a) — 29. καμήλους αὐτῶν λήψονται ἑαυτοῖς (17 a) 31 (48). 1. ἐλήφθη Καριαβέμ (10 d) — 41. ἐλήφθη Καριώθ (10 d) 32 (25). 15. λάβε τὸ ποτήριον τοῦ οἴνου τοῦ ἀκράτου τούτου (11 a) — 17. ἔλαβον τὸ ποτήριον ἐκ χειρὸς κυρίου (11 a) 34 (27). 20. ὃν οὐκ ἔλαβε βασίλειος Βαβυλωνῶν (11 a) 35 (28). 10. ἔλαβεν Ἀνανίας . . . τοὺς κλοῦεις (11 a) 38 (29). 6. λάβετε γυναῖκας (11 a) — 6. A B S<sup>2</sup> λάβετε τοὺς υἱοὺς ὡμῶν γυναῖκας (11 a) — 22. λήψονται ἀπ' [A ἐπ'] αὐτῶν κατάραν (11 c) 38 (81). 4. A B ἐτι λήψῃ [B S ἐπιλ.] τύμπανόν σου (20) — 19. ἔλαβον ὀνειδισμόν ἐκ νεότητός μου (17 a) 39 (32). 3. A B S<sup>2</sup> λήψεται αὐτὴν (10 a) — 11. ἔλαβον τὸ βιβλίον τῆς κτίσεως τοῦ ἐσφραγισμένου (11 a) — 14. λάβε τὸ βιβλίον τῆς κτίσεως τοῦτο (11 a) — 23. εἰσῆλθονσαν καὶ ἔλαβον [A B -σαν] αὐτὴν (8) — 28. λήψεται [S<sup>1</sup> -ουσιν] αὐτὴν (10 a) — 33. οὐκ ἤκουσαν [A ἠθέλησαν] ἐτι λαβεῖν παιδείαν (11 a) 41 (34). 22. λήψονται αὐτὴν (10 a) 42 (35). 13. οὐ μὴ λάβῃς παιδείαν (11 a) 43 (36). 2. λάβε σεαυτὴ χαρτίον βιβλίου (11 a) — 14. λάβε αὐτὸ εἰς τὴν χεῖρά σου (11 a) — 14. καὶ ἔλαβε B. τὸ χαρτίον (11 a) — 21. λαβεῖν τὸ χαρτίον (11 a) — 21. καὶ ἔλαβεν [S -ον] αὐτὸ ἐξ οἴκου Ἑλ. (11 a) — 28. πάλιν λάβε σὺ [A σεαυτὴ] χαρτίον ἑτερον (11 a) — 32. ἔλαβε Βαροὺχ χαρτίον ἑτερον (11 a) 45 (38). 3. συλλήψεται [A -ονται, S<sup>1</sup> λήψεται] αὐτὴν (10 a) — 10. λάβε εἰς τὰς χεῖράς σου ἐντεῦθεν τριάκοντα ἄνθρωποι (11 a) — 11. ἔλαβεν Ἀβδεμελέχ τοὺς ἀνθρώπους (11 a) — 11. ἔλαβεν ἐκείθεν παλαιὰ ῥάκη (11 a) 46 (39). 14. ἔλαβον τὸν ἱερεμίαν ἐξ αὐλῆς τῆς φυλακῆς (11 a) 47 (40). 1. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν ἐν χειρὸς ἐδίδες (11 a) — 2. ἔλαβεν αὐτὸν ὁ ἀρχιμάγειρος (11 a) 48 (41). 16. ἔλαβεν . . . πάντας τοὺς καταλοίπους τοῦ λαοῦ (11 a) 50 (43). 5. ἔλαβεν . . . πάντας τοὺς καταλοίπους (11 a) — 9. λάβε σεαυτὴ λίθους μεγάλους (11 a) 52. 17. ἔλαβον τὸν χαλκὸν αὐτῶν (17 a) — 19. ὃ ἦν ἀργυρὰ ἀργυρὰ ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος (11 a) — 24. ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος τὸν ἱερέα τὸν πρῶτον (11 a) — 25. A ἐκ τῆς πόλεως ἔλαβεν [B S om. ἐκ τ. π. ἐ.] εὐνοχὸν ἕνα (11 a) — 26. ἔλαβεν αὐτοὺς Ναβ. ὁ ἀρχιμάγειρος (11 a) — 31. ἔλαβεν . . . τὴν κεφαλὴν Ἰσαακίμ (17 a) Ba. 1. 2. φ' ἔλαβον οἱ Χαλδαῖοι τὴν ἱερουσαλὴμ — 8. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν τὰ σκεύη οἴκου κυρίου 2. 17. ὃν ἐλήφθη τὸ πνεῦμα αὐτῶν 3. 29. τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ ἔλαβεν αὐτὴν La. 4. 16. πρόσωπον ἱερέων οὐκ ἔλαβον (17 a) Ep. Je. 5. μὴ . . . φόβος ὡμᾶς λάβῃ ἐπ' αὐτοῖς — 9. λαμβάνοντες χρυσίον κατασκευάζουσι στεφάνους Ez. 3. 10. πάντας τοὺς λόγους . . . λάβε εἰς τὴν καρδίαν σου (11 a) 4. 1. λάβε σεαυτὴ πλῆθος (11 a) — 3. λάβε σεαυτὴ ἡγάνων σιδηροῦν (11 a) — 4. λήψῃ τὰς ἀδικίας αὐ. (17 a) — 5. 6. λήψῃ τὰς ἀδικίας τοῦ οἴκου Ἰ. (17 a) — 9. λάβε σεαυτὴ πυρρὸς (11 a) 5. 1. λάβε σεαυτὴ ῥομφαίαν ὀξείαν (11 a) — 1. λήψῃ ἱγὺν σταθμίων (11 a) — 2. λήψῃ τὸ τέταρτον (11 a) — 3. λήψῃ ἐκείθεν ὀλίγους ἐν ἀριθμῷ (11 a) — 4. ἐκ τούτων λήψῃ ἐτι (11 a) 10. 6. λάβε πῦρ ἐκ μέσου τῶν τροχῶν (11 a) — 7. ἔλαβε καὶ ἔδωκε (17 a) — 7. καὶ ἔλαβε καὶ ἐξήλθε (11 a) 14. 10. λήψονται [A<sup>2</sup> λήψομαι] τὴν ἀδικίαν αὐ. (11 a) 15. 3. εἰ λήψονται ἐξ αὐτῆς εὖσσαν (11 d) — 3. εἰ λήψονται ἐξ αὐτῆς πᾶσαλον (11 a) 16. 16. ἔλαβες ἐκ τῶν ἱματίων σου (11 a) — 17. ἔλαβες τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (11 a) — 18. ἔλαβες τὸν ἱματισμὸν τὸν ποικίλον σου (11 a)

Εζ. 16. 20. **ἔλαβε** τοὺς υἱούς σου καὶ τὰς θυγ. σου (11 α)  
 — 32. παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς λαμβάνουσα μισθώματα (11 α)  
 — 39. λήφονται τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (11 α)  
 — 52. λάβε τὴν ἀτιμίαν σου (17 α)  
 17. 3. **ἔλαβε** τὰ ἐπιλέκτα [Α. ἐκλ.] τῆς κέδρου (11 α)  
 — 5. **ἔλαβεν** ἀπὸ τοῦ σπέρματος τῆς γῆς (11 α)  
 — 12. λήφεται τὸν βασιλεῖα αὐτῆς (11 α)  
 — 13. λήφεται ἐκ τοῦ σπέρματος τῆς βασ. (11 α)  
 — 13. τοὺς ἡγεμόνας [Α. ἡγουμένους] τῆς γῆς λήφεται (11 α)  
 — 22. λήψομαι ἐγὼ ἐκ τῶν ἐλεγκτῶν [Α. ἐπιλ.] τῆς κέδρου (11 α)  
 18. 8. πλεονασμὸν οὐ λήφεται (11 α)  
 — 13. πλεονασμὸν ἔλαβεν (11 α)  
 — 17. τόκον οὐδὲ πλεονασμὸν οὐκ **ἔλαβε** (11 α)  
 — 19. οὐκ **ἔλαβε** τὴν ἀδικίαν (17 α)  
 — 20. ὁ δὲ υἱὸς οὐ λήφεται τὴν ἀδικίαν τοῦ πατρὸς οὐδὲ ὁ πατὴρ λήφεται τὴν ἀδικίαν τοῦ υἱοῦ (17 α, 17 α)  
 19. 1. λάβε θρήνον ἐπὶ τὸν ἀρχοντα τοῦ Ἰσραὴλ (17 α)  
 — 5. **ἔλαβεν** ἄλλον ἐκ τῶν σκύμων αὐτῆς (11 α)  
 22. 12. δώρα **ἐλαμβάνουσιν** [Α. -ων] ἐν σοὶ (11 α)  
 — 12. πλεονασμὸν **ἐλαμβάνουσιν** ἐν σοὶ (11 α)  
 — 25. τιμὰς λαμβάνοντες [Α. δώρα ἐλάμβανον] (11 α)  
 23. 10. υἱὸς καὶ θυγατέρα αὐτῆς **ἔλαβον** (11 α)  
 — 25. υἱὸς σου καὶ θυγατέρα σου λήφονται (11 α)  
 — 26. λήφονται τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (11 α)  
 — 29. λήφονται πάντα τοὺς πόρους σου (11 α)  
 — 35. λάβε τὴν ἀσέβειάν σου (17 α)  
 — 49. τὰς ἀμαρτίας τῶν ἐνθυμημάτων ὡμῶν **λήψεσθε** (17 α)  
 24. 5. ἀπὸ τῶν δστών ἐξ ἐπιλέκτων κτηνῶν **ἐλημμένους** [Α. -α] (11 α)  
 — 16. λαμβάνω ἐκ σου τὰ ἐνθυμήματα τῶν ὀφθ. σου (11 α)  
 — 25. ὅταν λαμβάνω τὴν ἰσχύιν παρ' αὐτῶν (11 α)  
 26. 17. λήφονται ἐπὶ σὶ θρήνον (17 α)  
 27. 2. λάβε ἐπὶ Σὸρ θρήνον (17 α)  
 — 5. ταινιαί σανιδων κυπαρίσσου [Α. -στίων] ἐκ τοῦ Λιβ. ἐλήφθησαν (11 α)  
 — 32. λήφονται οἱ υἱοὶ αὐτῶν ἐπὶ σὶ θρήνον (17 α)  
 28. 12. λάβε θρήνον ἐπὶ τὸν ἀρχοντα Τύρου (17 α)  
 29. 14. ἐν τῇ γῇ ὅθεν ἐλήφθησαν (17 α)  
 — 19. Α. λήφεται τὸ πλῆθος αὐτῆς (11 α)  
 30. 4. Α. λήφονται τὸ πλῆθος αὐτῆς (11 α)  
 32. 2. λάβε θρήνον ἐπὶ Φαραώ (17 α)  
 — 24. ἐλάβουσιν τὴν βάσανον αὐτῶν (17 α)  
 — 30. Α. **ἔλαβον** [Β. ἀπήνεγκαν] τὴν βάσανον αὐτῶν (17 α)  
 33. 2. καὶ **λάβη** ὁ λαὸς τῆς γῆς ἀνθρώπων ἵνα (11 α)  
 — 6. ἐλθούσα ἡ βομφαία **λάβη** ἐξ αὐτῶν ψυχὴν αὐτῇ διὰ τὴν αὐτῆς ἀνομίαν ἐλήφθη (11 α, 11 β)  
 — 25. Α. ὀφθαλμοὺς ὡμῶν **λήψεσθε** πρὸς ἐιδωλα ὡμῶν (17 α)  
 36. 7. οὗτοι τὴν ἀτιμίαν αὐτῶν λήφονται (17 α)  
 — 24. λήψομαι ὡμὰς ἐκ τῶν ἐθνῶν (11 α)  
 — 30. ὅπως ἂν μὴ λάβητε ὀνειδισμὸν λιμοῦ (11 α)  
 37. 16. λάβε σεαυτὸν **ράβδον** (11 α)  
 — 16. **ράβδον** δευτέραν λήψη σεαυτὸν (11 α)  
 — 19. ἐγὼ λήψομαι τὴν φυλὴν Ἰωσήφ (11 α)  
 — 21. λαμβάνω πάντα οἶκον Ἰσραὴλ (11 α)  
 38. 13. λαβεῖν ἀργύριον καὶ χρυσίον (17 α)  
 39. 10. οὐ μὴ λάβωσι ξύλα ἐκ τοῦ πεδίου (17 α)  
 — 26. λήφονται [Α. -ομαι] τὴν ἀτιμίαν αὐ. (11 α)  
 43. 11. λήφονται τὴν κολάσιν αὐτῶν (11 α)  
 — 20. λήφονται ἐκ τοῦ αἵματος αὐτοῦ (11 α)  
 — 21. λήφονται τὸν μίσχον τὸν περὶ [Α. ὑπὲρ] ἀμαρτίας (11 α)  
 — 22. λήφονται ἐρίφους δύο [Α. add. ἀπὸ] αἰγῶν ἀμώμους (28)  
 44. 10. λήφονται ἀδικίαν αὐτῶν (17 α)  
 — 12. Α. λήφονται τὴν ἀτιμίαν αὐτῶν (17 α)  
 — 13. λήφονται ἀτιμίαν αὐτῶν (17 α)  
 — 22. χερσὶν καὶ ἐκτεθειμένῃ οὐ λήφονται ἑαυτοὺς εἰς γυναῖκα . . . χηρὰ ἂν γένηται ἐξ ἱερῶς λήφονται (11 α, 11 α)  
 45. 11. ἡ χοιρὶς ὁμοίως μὲν ἔσται τοῦ λ. (17 α)  
 — 18. λήψεται μίσχον ἐκ βοῶν ἀμώμων (11 α)  
 — 19. λήψεται ὁ ἱερὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος (11 α)  
 — 20. Α. **ἔλψη** [Β. οὐ] παρ' ἐκάστου ἀπομοιραν [Α. ἀνομήσαντες] (11 α)  
 46. 18. οὐ μὴ **λάβη** ὁ ἀφῆγούμ. ἐκ τῆς κληρονομίας τοῦ λαοῦ (11 α)

Da. LXX. Su. 2. **ἔλαβε** γυναῖκα ἡ ὄνομα Σ. (24)  
 2. 6. λήψεται δόματα παντοία (24)  
 4. 16. τρώμω λαβόντες αὐτὸν (24)  
 — 32. καὶ ὑπὸναι μὲ ἐλήφασαι (24)  
 — 32. ὑπὸς μὲ **ἔλαβε** πολὺς (24)  
 — 34. ἀπὸ τοῦ φόβου αὐ. τρώμω ἐληφί με (24)  
 11. 12. καὶ λήφεται τὴν συναγωγὴν (17 β)  
 — 15. καὶ λήφεται τὴν πόλιν τὴν ὀχυράν (10 α)  
 — 18. καὶ λήφεται πολλούς (10 α)  
 Bel 26. λαβὼν ὁ Δ. πίσσαν μῶας τριάκοντα (10 α)  
 — 38. ὅθεν αὐτὸν **ἔλαβε** (10 α)  
 Da. TH. Su. 2. καὶ **ἔλαβε** γυναῖκα ἡ ὄνομα Σ. (24)  
 — 55. ἦδη γὰρ ἀγγελοὶ φάσιν θ. λαβὼν παρὰ τοῦ θ. (24)  
 2. 6. τιμὴν πολλὴν λήψεσθαι παρ' ἐμοῦ (24)  
 11. 12. καὶ λήφεται τὸν δόχλον (17 β)  
 Bel 27. καὶ **ἔλαβεν** ὁ Δ. πίσσαν καὶ στέαρ (17 β)  
 — 37. λάβε τὸ ἄριστον (17 β)  
 I Ma. 1. 3. **ἔλαβε** σκύλα πλήθους ἐθνῶν (24)  
 — 19. **ἔλαβε** τὰ σκύλα τῆς ἀλγύπτου (24)  
 — 21. **ἔλαβε** τὸ θυσιαστήριον τοῦ χρυσίου (24)  
 — 23. **ἔλαβε** τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρυσίον (24)  
 — 24. λαβὼν πάντα ἀπῆλθεν εἰς τὴν γῆν αὐτοῦ (24)  
 — 31. **ἔλαβε** τὰ σκύλα τῆς πόλεως (24)  
 2. 54. Α. **ἔλαβε** διαθήκην [Β. κλήρον διαθήκης] (24)  
 — 56. Β. **ἔλαβε** γῆς [Α. γῆν, Β. τὴν] κληρονομίαν (24)  
 8. 12. Β. **ἔλαβε** [Α. Β. -ον] τὰ σκύλα αὐτῶν (24)  
 — 12. τὴν μάχαιραν Ἀντ. **ἔλαβεν** Ἰούδας (24)  
 — 31. τοῦ . . . λαβὼν τοὺς φόρους (24)  
 — 41. **ἔλαβον** ἀργύριον καὶ χρυσίον πολὺ (24)  
 — 41. τοῦ λαβὼν τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (24)  
 4. 18. Β. λήψετε [Α. Β. λάβετε] τὰ σκύλα μετὰ παρησίας (24)  
 — 23. Β. **ἔλαβον** [Α. -εν] χρυσίον πολὺ (24)  
 — 47. Β. **ἔλαβον** [Α. -εν] λίδους δλοκλήρους (24)  
 5. 3. **ἔλαβε** τὰ σκύλα αὐτῶν (24)  
 — 22. Α. **ἔλαβε** [Β. -ον] τὰ σκύλα αὐτῶν (24)  
 — 28. **ἔλαβε** πάντα τὰ σκύλα αὐτῶν (24)  
 — 35. **ἔλαβε** τὰ σκύλα αὐτῆς (24)  
 — 51. Β. **ἔλαβε** τὰ σκύλα αὐτῆς [Α. τῆς πόλεως] (24)  
 6. 6. οἱς **ἔλαβον** ἀπὸ τῶν παρεμβολῶν (24)  
 — 12. **ἔλαβον** πάντα τὰ σκεύη τὰ ἀργυρὰ (24)  
 7. 47. **ἔλαβον** τὰ σκύλα καὶ τὴν προνομήν (24)  
 8. 7. **ἔλαβον** αὐτὸν ζῶντα (24)  
 — 8. λαβόντες αὐτὰς παρ' αὐτοῦ (24)  
 — 26. Β. **ἔλαβον** [Α. ὅθεν] λαβόντες (24)  
 9. 40. **ἔλαβον** πάντα τὰ σκύλα αὐ. (24)  
 — 53. Β. **ἔλαβε** [Α. -ον] τοὺς υἱοὺς τῶν ἡγουμένων (24)  
 10. 30. τοῦ ἐπιβαλλόντος μοι **λαβεῖν** (24)  
 — 30. τοῦ λαβεῖν ἀπὸ τῆς γῆς Ἰ. (24)  
 — 42. οὗς [Β. ὅσα] ἐλάμβανον (24)  
 — 84. **ἔλαβε** τὰ σκύλα αὐτῶν (24)  
 11. 24. λαβὼν ἀργύριον καὶ χρυσίον (24)  
 — 34. ὡν ἐλάμβανον ὁ βασ. (24)  
 — 48. Α. Β. καὶ ἐλάβουσιν [Β. **ἔλαβον**] σκύλα πολλὰ (24)  
 — 56. **ἔλαβε** Τρύφων τὰ θηρία (24)  
 — 62. **ἔλαβε** τοὺς υἱοὺς ἀρχόντων αὐτῶν (24)  
 — 66. ἤξισαν αὐτὸν τὸν δεξιὰς [Β. -ὰν] λαβεῖν (24)  
 12. 8. **ἔλαβε** τὰς ἐπιστολάς (24)  
 — 31. καὶ **ἔλαβε** τὰ σκύλα αὐτῶν (24)  
 13. 17. Α. Β. πέμψει [Β. add. τοῦ λαβεῖν] τὸ ἀργύριον (24)  
 — 25. **ἔλαβε** τὰ δστὰ Ἰ. τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ (24)  
 — 50. ἐβόησαν πρὸς Σ. δεξιὰς λαβεῖν (24)  
 14. 5. **ἔλαβε** τὴν ἰδίαν τὴν [Β. ἵππον] εἰς λιμένα (24)  
 15. 33. ὅπτε γῆν αλλοτρίαν ἐλήφραμεν (24)  
 16. 16. Α. Β. ἐλάβουσιν [Β. -ον] τὰ ὅπλα αὐτῶν (24)  
 I Ma. 1. 14. χερὶν τοῦ λαβόντος τὰ χρήματα (24)  
 — 19. οἱ τότε εὐσεβεῖς ἱερεῖς λαβόντες ἀπὸ τοῦ πυρὸς (24)  
 — 35. πολλὰ διάφορα ἐλάμβανε καὶ μετεδίδον (24)  
 2. 1. Α. **ἔλαβε** τὸν πυρὸς λαβεῖν (24)  
 4. 6. τὸν Σ. παῦλον οὐ ληψόμενον τῆς ἀνοίας (24)  
 — 25. λαβὼν δὲ τὰς βασιλικὰς ἐντολάς παρεγίνετο (24)  
 — 32. νομίνας δὲ ὁ Μ. ἐληφέναι καὶρὸν εὐφῆς (24)  
 — 34. ὁ Μ. λαβὼν ἰδίαν τὸν Α. (24)  
 5. 7. ἀσχύνην λαβὼν (24)  
 — 11. **ἔλαβε** τὴν μὲν πόλιν δορυάλτων (24)  
 — 16. ταῖς μαραιῖς χερσὶ τὰ ἱερὰ σκεύη λαμβάνων (24)  
 — 25. λαβὼν ἀργυροῦς τὸν Ἰουδαίου (24)  
 7. 8. οὗτος τὴν ἐξῆς **ἔλαβε** βάσανον (24)  
 8. 7. τὰς νύκτας . . . συνεργοὺς ἐλάμβανε (24)  
 — 17. πρὸ ὀφθαλμῶν λαβόντας τὴν . . . ὕβριν (24)  
 — 20. ὥφελαιεν πολλὴν **ἔλαβον** (24)  
 — 25. τὰ δὲ χρήματα . . . ἐπὶ τὸν ἀγορασμὸν αὐτῶν **ἔλαβον** (24)  
 9. 5. **ἔλαβον** αὐτὸν ἀνήκεστος . . . ἀλγῆδων (24)  
 10. 3. πῦρ ἐκ τούτων λαβόντες (24)

II Ma. 10. 20. ἐπτάκις δὲ μυριάδας δραχμὰς λαβόντες (24)  
 — 24. ὡς δορυάλτων ληψόμενος τὴν Ἰουδαίαν (24)  
 — 30. τὸν Μακκαβαίου μέσον λαβόντες (24)  
 12. 12. λαβόντες δεξιὰς εἰς τὰς σκηνὰς αὐ. (24)  
 — 28. **ἔλαβον** τὴν πόλιν υποχείριον (24)  
 — 35. λαβόμενος τῆς χλαμύδος (24)  
 — 35. τὸν κατάρτων λαβεῖν **ζωγρίαν** (24)  
 13. 18. ὁ δὲ βασιλεὺς ἐληφὼς γεῦσιν (24)  
 — 22. δεξιὰν ἐδωκεν **ἔλαβεν** ἀπῆς (24)  
 14. 5. καὶρὸν δὲ λαβὼν τῆς ἰδίας ἀνοίας συνεργόν (24)  
 — 19. δοῦναι καὶ λαβεῖν δεξιὰς (24)  
 — 26. Β. ἀναλαβὼν [Α. λαβὼν] ἦκε πρὸς τὸν Δ. (24)  
 — 46. λαβὼν ἱκατέραις ταῖς χερσίν (24)  
 15. 16. λάβε τὴν ἁγίαν βομφαίαν δῶρον παρὰ τοῦ θ. (24)  
 III Ma. 3. 28. τὴν οὐσίαν . . . ὑπὸ τὴν εὐθυαν λήφεται (24)  
 4. 4. λαμβάνοντας πρὸ τῶν ὀφθαλμῶν τὸν κοινὸν ἔλεον (24)  
 — 10. ἀγωγὴν ἐπιβούλων ἐν παντὶ τῷ κατάπλῳ λαμβάνουσι (24)  
 — 15. ἀνήντων λαμβάνουσα τὸ τέλος (24)  
 5. 5. δόξαντες ὁμοῦ λήψεσθαι τὸ φύλον (24)  
 6. 5. δόρασι τὴν πᾶσαν υποχείριον ἥδη λαβόντα γῆν (24)  
 — 20. λήθῃ τὸ θράσος αὐτοῦ τὸ βαρύθυμον **ἔλαβε** (24)  
 7. 10. λαβόντες δὲ τὴν ἐπιστολὴν ταύτην (24)  
 — 16. Β. παντελὴ σωτηρίας ἀπόλαυσιν ἐληφότες [Α. αἰ.] (24)  
 IV Ma. 3. 12. κάλπην λαβόντες (24)  
 4. 5. Α. Β. λαβὼν [Β. **ἔλαβεν**] τὴν περὶ αὐτῶν ἐξουσίαν ταχὺ (24)  
 — 6. ὅπως τὰ ἰδιωτικά . . . λάβοι χρήματα (24)  
 5. 15. λαβὼν τοῦ λέγειν ἐξουσίαν (24)  
 6. 29. ἀντίψυχον αὐτῶν λάβε τὴν ἐμὴν ψυχὴν (24)  
 8. 7. ἀρχὰς . . . ἡγεμονικὰς λήψεσθε (24)  
 — 8. Β. λαβόντες [Α. Β. μεταλλ.] Ἑλληνικοῦ βίου (24)  
 12. 11. παρὰ τοῦ θ. λαβὼν τὰ αγαθά (24)  
 [Aq. Ex. 9. 8. 25. 2. Nu. 3. 47. I Ki. 17. 18. 25. 35. III Ki. 14. 3. 17. 23. IV Ki. 9. 13. 11. 4. Jb. 12. 20. 40. 19. (24). Ps. 50. (51). 13. 74. (75). 3. 77. (78). 71. Pr. 1. 3. 18. 5. 18. 44. 14. 51. 22. 68. 4. Jb. 7. 16. 16. 2. 20. 5. 87. (44). 17. 38. (45). 6. 10. 40. (47). 1. 2. Ez. 5. 1. 16. 58. 20. 15. Ho. 13. 1. Za. 11. 10. Ma. 2. 13.] (24)  
 [Sm. Ge. 2. 23. 49. 3. Ex. 9. 8. Nu. 3. 47. I Ki. 17. 18. IV Ki. 9. 13. 11. 4. Ps. 74. (75). 3. Pr. 1. 19. 18. 5. 24. 11. Is. 41. 16. 47. 3. 49. 24. Jb. 15. 15. 38. (45). 6. 10. 40. (47). 1. 2. 43. (50). 10. Ez. 16. 58. 17. 5. 24. 5. Ho. 2. 19. (21).] (24)  
 [Th. Ex. 9. 8. 25. 2. Nu. 3. 47. I Ki. 25. 35. IV Ki. 11. 4. Jb. 4. 2. 18. 8. 13. 11. 4. Ps. 74. (75). 3. Pr. 1. 19. 18. 5. 24. 11. Is. 41. 16. 47. 3. 49. 24. Jb. 15. 15. 38. (45). 6. 10. 40. (47). 1. 2. 43. (50). 10. Ez. 16. 58. 17. 5. 24. 5. Ho. 2. 19. (21).] (24)  
 [Al. Le. 20. 17. Nu. 16. 18. Dt. 7. 25. I Ki. 30. 22. Ca. 7. 8. (9).] (24)  
 [Heb. Jb. 16. 12.] (24)

## λαμία.

[Sm. Is. 34. 14.]

λαμπάδιον (-εῖον). (1) **לָמְבָדִי** (2) **לָמְבָדִי**

Ex. 38. 16 (37. 19). καὶ τὰ λ. αὐτῶν (2 ?)  
 — 16 (37. 19). τὸ ἐπ' ἄκρου τοῦ λ. (2 ?)  
 III Ki. 7. 49. Α. Β. **ἔλαβε** καὶ τὰ λ. [Β. **ἔλαβε**] καὶ τοὺς λυχρούς (2 ?)  
 Za. 4. 2. τὸ λ. ἐπάνω αὐτῆς (1)  
 — 3. μία ἐκ δεξιῶν τοῦ λ. αὐτῆς (1)  
 λαμπάς. (1) **לָמְבָדִי** (2) **לָמְבָדִי**  
 Ge. 15. 17. Β. **ἔλαβαν** . . . καὶ λαμπάδας πυρὸς (1)  
 Ex. 20. 18. ἔώρα τὴν φωνὴν καὶ τὴν λ. (1)  
 Jd. 7. 16. **ἔδωκε** . . . λαμπάδας ἐν ταῖς ὑδρίαις (1)  
 — 20. ἐκράτησαν . . . τὰς λ. [Α. αἰ.] (1)  
 15. 4. **ἔλαβε** λαμπάδας (1)  
 — 4. **ἔθηκε** λ. μίαν (1)  
 — 5. **ἔξεκασε** [Α. **ἔξηψεν**] πῦρ ἐν ταῖς λ. (1)  
 Ju. 10. 22. καὶ λ. ἀργυροῖς προσέγονται αὐτοῦ (1)  
 [Jb. 41. 10. (11). ἱκπορευόμεναι λαμπάδες καίμεναι (1)] (1)  
 Si. 48. 1. ὁ λόγος αὐτοῦ ὡς λαμπὰς ἐκαίει (1)  
 — 9. Α. ὁ ἀναλήφθεις ἐν λαμπάδι [Β. Β. λαλαμπ.] πυρὸς (1)  
 Na. 2. 4 (5). ἡ ὄρασις αὐτῶν ὡς λαμπάδες πυρὸς (1)  
 Za. 12. 6. Α. Β. **ἔλαβε** καὶ ὡς λαμπάδα πυρὸς (1)  
 Is. 62. 1. τὸ δὲ σωτηρίῳ μου ὡς λ. καυθήσεται (1)

Εζ. 1. 13. ὡς φῆς λαμπάδων συστρεφόμενων (1)  
Da. LXX. 10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ὥστε λαμ-  
πάδες πυρός (1)  
Da. TH. 5. 5. ἔγραφοι κατέναντι τῆς λαμπάδος (2)  
10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ὥστε λαμπάδες πυρός (1)  
I Ma. 6. 39. κατηύραζεν ὡς λαμπάδες πυρός [S<sup>1</sup> om.]  
[Aq. Ca. 8. 6. hie.]  
[Th. Da. 5. 5.]

**λάμπειν.** (1) 𐤠𐤏𐤃 hi. (2) a. 𐤠𐤏𐤃 ὁ. 𐤠𐤏𐤃  
(3) 𐤠𐤏𐤃

To. 13. 11. S φῶς λαμπρὸν λάμπει  
Pr. 4. 18. αἱ δὲ ὁδοὶ τῶν δικαίων ὁμοίως φωτὶ  
λάμπουσι (2 b)  
Wi. 5. 6. τὸ τῆς δικαιοσύνης φῶς οὐκ ἐλαμψεν  
[S ἐπέλ.] ἡμῖν [A ἐν ἡ.]  
Is. 4. 2. A λάμπει [B S ἐπέλ.] ὁ θεὸς ἐν βουλῇ +  
9. 2 (1). φῶς λάμπει ἐφ' ὑμᾶς (2 a)  
Ba. 3. 34. οἱ δὲ ἀσπέρεις ἐλαμψαν ἐν ταῖς φυλακαῖς αὐ-  
— 34. ἐλαμψαν μετ' εὐφροσύνης τῷ ποιήσαντι  
αὐτοῦς  
La. 4. 7. ἐλαμψαν ὑπὲρ γάλα (3)  
Er. Je. 67. οὐδὲ ὡς ὁ ἥλιος λάμπουσιν [A ἐκλ.]  
Da. TH. 12. 3. οἱ συνιέντες λάμπουσιν [A ἐκλ.] (1)  
[Sm. Jb. 29. 3.]  
[Th. Jb. 18. 5; Da. 12. 3.]

**λαμπήν.** (1) 𐤠𐤏𐤃 (2) 𐤠𐤏𐤃 (3) 𐤠𐤏𐤃  
[Aq. Is. 58. 11.]

**λαμπήνη.** (1) 𐤠𐤏𐤃 (2) 𐤠𐤏𐤃 (3) 𐤠𐤏𐤃  
Jd. 5. 10. A καθήμενοι ἐπὶ λαμπήνων [B κριτηρίου] (1)  
I Ki. 26. 5. S. ἐκάθην ἐν λαμπήνῃ  
— 7. S. καθεύδων ὑπῶν [A om.] ἐν λαμπήνῃ (2)  
Is. 66. 20. ἀξουσιν τοὺς ἀδελφούς ὑμῶν . . . ἐν  
λαμπήναις ἡμῶν (3)  
[Th. Is. 66. 20.]

**λαμπηνικός.** (1) 𐤠𐤏𐤃

Nu. 7. 3. ἐξ ἀμάξας λ. (1)  
**λαμπρός.**  
To. 13. 11. S φῶς λ. λάμπει  
Wi. 6. 12. λαμπρὰ καὶ ἀμάρτανος ἔστιν ἡ σοφία  
17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελύμπετο φωτὶ  
Si. 29. 22. ἐδόξαμα λαμπρὰ ἐν ἀλλοτρίοις  
33. 13 (30. 25). λαμπρὰ καρδία καὶ ἀγάθῃ  
34 (31). 23. λαμπρὸν ἐπ' ἄρτοις εὐλογίης χειλὶ  
Er. Je. 60. σελήνη καὶ ἀστρα ὄντα λαμπρά  
[Sm. Ca. 5. 10; La. 4. 7.]  
[Th. Pr. 20. 11.]  
[Al. Hb. 8. 11.]

**λαμπρότης.** (1) 𐤠𐤏𐤃 (2) 𐤠𐤏𐤃 (3) 𐤠𐤏𐤃  
(4) 𐤠𐤏𐤃

Ps. 89 (90). 17. ἔστω ἡ λ. κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν  
ἐφ' ἡμᾶς (4)  
109 (110). 3. ἐν ταῖς λ. [S<sup>1</sup> τῇ λ.] τῶν ἁγίων σου (1)  
Is. 60. 3. καὶ ἔθνη τῇ λ. σου (8)  
Ba. 4. 24. μετὰ δόξης μεγάλης καὶ λαμπρότητος τοῦ  
αἰωνίου  
5. 3. δεῖξει τῇ ὑπ' οὐρανὸν πάση τὴν σὴν λ.  
Da. TH. 12. 3. ὡς ἡ λ. τοῦ στερεώματος (2)  
[Sm. Is. 58. 11.]  
[Th. Is. 58. 11; Da. 12. 3; Zl. 4. 14.]

**λαμπρύνειν.** (1) 𐤠𐤏𐤃 (2) 𐤠𐤏𐤃 (3) 𐤠𐤏𐤃  
[Sm. Ps. 118 (119). 9; Pr. 20. 9.]

**λαμπτήρ.** (1) a. 𐤠𐤏𐤃 ὁ. 𐤠𐤏𐤃  
Pr. 16. 28. λαμπτήρα δόλου [S χόλου] πυρσεύ-  
σει κακοῖς +  
20. 20. κακοῦλογοντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσθή-  
σεται λαμπτήρ (1 b)  
21. 4. λαμπτήρ δὲ ἀσεβῶν ἀμαρτία (1 a)  
24. 20. λαμπτήρ δὲ ἀσεβῶν σβεσθήσεται (1 b)  
[Al. Pr. 20. 27.]

**λάμπυς.**

Ba. 4. 2. διόδοισον πρὸς τὴν λ.  
**λανθάνειν.** (1) 𐤠𐤏𐤃 ni. (2) 𐤠𐤏𐤃 (3) 𐤠𐤏𐤃 ni.  
(4) 𐤠𐤏𐤃 ni.

Le. 4. 13. καὶ λάθῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς  
συναγωγῆς (4)

Le. 5. 3. καὶ ἔλαθεν αὐτὸν (4)  
— 4. καὶ λάθῃ αὐτὸν πρὸ ὀφθαλμῶν (4)  
— 15. ψυχὴ ἢ ἂν λάθῃ αὐτὸν λίθῃ (4)  
Nu. 5. 13. καὶ λάθῃ ἐξ ὀφθαλμῶν τοῦ ἀνδρὸς αὐ-  
— 27. καὶ λίθῃ λάθῃ τὸν ἄνδρα αὐτῆς (2)  
I Ki. 17. 22. ἕως ἐνὸς οὐκ ἔλαθεν (3)  
18. 13. πᾶς ὁ λόγος οὐκ λίσσεται ἀπὸ τοῦ βασ-  
To. 12. 13. A B οὐκ ἔλαθες με ἀγαθοποιῶν  
Jb. 24. 1. διὰ τί δὲ κύριον ἐλαθον ὥραι [A al.] +  
28. 21. λελήθε πάντα ἄνθρωπον (4)  
34. 21. λελήθε δὲ αὐτὸν οὐδὲν +  
Wi. 1. 8. φθεγγόμενος ἀδικα οὐδεὶς μὴ λάθῃ  
10. 8. ἴνα . . . μὴδὲ λαθῇς δυνηθῶσι  
17. 3. λανθάνειν γὰρ νομίζοντες ἐπὶ κρυφαίοις  
ἀμαρτήμασιν  
Is. 40. 26. οὐδὲν σε ἔλαθε (3)  
IV Ma. 3. 13. λαθόντες τοὺς τῶν πυλῶν ἀκροφύλακας  
[Aq. Is. 59. 15.]  
[Sm. Ps. 138 (139). 15; Is. 34. 16; Ho. 5. 3.]  
[Th. Is. 34. 16.]  
[Al. Ps. 138 (139). 15.]

**λάξ.**

IV Ma. 6. 8. λάξ γέ τοι . . . ἔτυπεν  
**λαξεύειν.** (1) 𐤠𐤏𐤃 (2) 𐤠𐤏𐤃 (3) 𐤠𐤏𐤃  
(4) λ. λίθους 𐤠𐤏𐤃 𐤠𐤏𐤃

Ex. 34. 1. λαξεύσον σταντῶ δύο πλάκας (3)  
— 4. καὶ ἐλάξευσε δύο πλάκας λιθίνας (3)  
Nu. 21. 19 (20). ἀπὸ κορυφῆς τοῦ λελαξευμένου (2)  
23. 14. ἐπὶ κορυφῇν λελαξευμένου (2)  
De. 3. 27. B ἀνάβηθι ἐπὶ κορυφῇ [A R τὴν κ.  
τοῦ] λελαξευμένου (2)  
10. 1. λαξεύσον σταντῶ δύο πλάκας λιθίνας (3)  
— 3. ἐλάξευσα τὰς πλάκας λιθίνας (3)  
Ju. 1. 2. τείχη ἐκ λίθων λελαξευμένων (4)  
Is. 9. 10 (9). λαξεύσωμεν λίθους (4)  
Ez. 40. 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν ὀλοκαυτω-  
λιθίνας λελαξευμένας (1)  
— 43. παλαιστὴν ἔξουσι γείσους λελαξευμένον +

**λαξευτήριον.** (1) 𐤠𐤏𐤃

Ps. 73 (74). 6. ἐν πελέκει καὶ λαξευτηρίῳ κατέρ-  
ρασαν αὐτήν (1)

**λαξευτός.** (1) 𐤠𐤏𐤃

De. 4. 49. A B<sup>1</sup> ἀπὸ [B<sup>2</sup> R ὑπὸ] Ἄσ. τὴν λαξευτήν (1)  
[Aq. Nu. 21. 20.]  
[Th. Jd. 7. 11.]

**λαογραφία.**

III Ma. 2. 28. πάντας δὲ τοὺς Ἰουδ. εἰς λαογραφίαν  
. . . ἀχθῆναι

**λαοκατάρατος.**

[Sm. Pr. 11. 26.]

**λαός.** (1) 𐤠𐤏𐤃 (2) 𐤠𐤏𐤃 (3) 𐤠𐤏𐤃 (4) 𐤠𐤏𐤃  
(5) 𐤠𐤏𐤃 (6) 𐤠𐤏𐤃 (7) 𐤠𐤏𐤃 (8) 𐤠𐤏𐤃  
(9) 𐤠𐤏𐤃 (10) 𐤠𐤏𐤃 (11) 𐤠𐤏𐤃  
(12) 𐤠𐤏𐤃 (13) 𐤠𐤏𐤃 (14) 𐤠𐤏𐤃  
(15) 𐤠𐤏𐤃 (16) 𐤠𐤏𐤃 (17) λ. ἀλλότριος 𐤠𐤏𐤃

Ge. 14. 16. B ἀπέστρεψε . . . τὸν λ. (14)  
19. 4. ἀπὸ νεαν. ἕως πρ. ἅπας ὁ λ. ἅμα (14)  
23. 7. προσεκύνησεν τῷ λ. τῆς γῆς (14)  
— 12. προσεκύνησεν Ἀβ. ἐναντίον τοῦ λ. τῆς  
γῆς (14)  
— 13. B εἶπε . . . ἐναντίον [A add. παντός]  
τοῦ λ. τῆς γῆς (14)  
25. 8. προσετίθη προὐ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
— 23. δύο λαοὶ ἐκ τῆς κοιλίας σου (9)  
— 23. καὶ λαὸς λαοῦ ὑπερέξει (9, 9)  
26. 11. συνέταξε . . . παντὶ τῷ λ. αὐτοῦ (14)  
32. 7 (8). διεῖλε τὸν λαὸν τὸν μετ' ἐλπίδος αὐτοῦ (14)  
33. 15. καταλείψω . . . ἀπὸ τοῦ λ. (14)  
34. 22. ὥστε εἶναι λαὸν ἑνα (14)  
35. 6. καὶ πᾶς ὁ λ. ὅς ἦν μετ' αὐτοῦ (14)  
41. 40. ὑπακούσεται πᾶς ὁ λ. μου (14)  
— 55. B ἔκραξε δὲ [A add. πᾶς] ὁ λ. (14)  
42. 6. ἐπῶλε παντὶ τῷ λ. τῆς γῆς (14)  
47. 21. τὸν λ. κατεδουλώσατο . . . εἰς παῖδας (14)  
48. 19. καὶ οὗτος ἔσται εἰς λαόν (14)  
49. 16. δὲν κρῖναι τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
— 29. ἐγὼ προστίθεμαι πρὸς τὸν ἐμὸν λ. (14)

Ge. 49. 33. καὶ προσετίθη πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
50. 20. ἵνα διατραφῇ λ. πολλὸς (14)  
Ex. 1. 20. ἐπλήθυνεν ὁ λ. (14)  
— 22. συνέταξε . . . παντὶ τῷ λ. αὐτοῦ (14)  
8. 7. τὴν κάκωσιν τοῦ λ. μου τοῦ ἐν Αἰγύπτῳ (14)  
— 10. ἐξάρξιν τὸν λ. μου τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ (14)  
— 12. ἐξαγαγὲν σε τὸν λ. μου ἐξ Αἰγύπτου (14)  
— 21. δώσω χάριν τῷ λ. τούτῳ (14)  
4. 16. λαλήσει [A B<sup>2</sup> προσλαλήσει] πρὸς  
τὸν λ. (14)  
— 21. οὐ μὴ ἐξαποστείλῃ τὸν λ. (14)  
— 23. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (5)  
— 30. ἐποίησε τὰ σημεῖα ἐναντίον τοῦ λ. (14)  
— 31. καὶ ἐπίστευσεν ὁ λ. (14)  
— 31. κύνῃς δὲ ὁ λ. προσεκύνησε —  
5. 1. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)  
— 4. διαστρέφετε τὸν λ. μου (14)  
— 5. πολυπληθεῖ ὁ λ. [A add. τῆς γῆς] (14)  
— 6. συνέταξε . . . τοῖς ἐργοδιώκταις τοῦ λ. (14)  
— 7. διδόναι ἀχρον τῷ λ. (14)  
— 10. ἔλεγον πρὸς τὸν λ. (14)  
— 12. διεσπάρη ὁ λ. ἐν ὅλῃ γῇ [A om.] Αἰγ. (14)  
— 16. ἀδικήσεις οὖν τὸν λ. μου (14)  
— 22. τί ἐκάκωσας τὸν λ. τούτων (14)  
— 23. ἐκάκωσες τὸν λ. τούτων (14)  
— 23. καὶ οὐκ ἐρρύσω τὸν λ. σου (14)  
6. 7. λήψομαι ἐμὰντῶ ὑμᾶς λαὸν ἐμοί (14)  
7. 4. ἐξάρξω . . . τὸν λ. μου . . . ἐκ γῆς (14)  
— 14. τοῦ μὴ ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. (14)  
— 16; 8. 1 (7. 26). ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)  
8. 3 (7. 28). τῶν θεραπόντων σου καὶ τοῦ λ. σου (14)  
— 4 (7. 29). ἐπὶ τὸν λ. σου ἀναβήσονται (14)  
— 8 (4). ἀπ' ἐμοῦ καὶ ἀπὸ τοῦ ἐμοῦ λ. (14)  
— 8 (4). ἐξαποστελὼ αὐτοὺς [A τὸν λ.] (14)  
— 9 (5). εὐξομαι περὶ σοῦ . . . καὶ τοῦ λ. σου (14)  
— 9 (5). ἀπὸ σοῦ καὶ ἀπὸ τοῦ λ. σου (4)  
— 11 (7). περιαιρεθήσονται . . . ἀπὸ τοῦ λ. σου (14)  
— 20 (16). ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)  
— 21 (17). ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. μου (14)  
— 21 (17). ἐξαποστελῶ . . . ἐπὶ τὸν λ. σου (14)  
— 22 (18). ἐφ' ἧς ὁ λ. μου ἔπεστιν ἐπ' αὐτῆς (14)  
— 23 (19). ἀνὰ μέσον τοῦ ἐμοῦ λ. (14)  
— 23 (19). καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σοῦ λ. (14)  
— 29 (25). ἀπελευσεται . . . ἀπὸ τοῦ λ. σου (14)  
— 29 (25). τοῦ μὴ ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. (14)  
— 31 (27). ἀπὸ . . . τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
— 32 (28). οὐκ ἠθέλησεν ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. (14)  
9. 1. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)  
— 2. ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. μου —  
— 7. A<sup>2</sup> B καὶ οὐκ ἐξαπέστειλε τὸν λ. (14)  
— 13. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)  
— 14. εἰς τὴν καρδίαν σου . . . καὶ τοῦ λ. σου (14)  
— 15. καὶ τὸν λ. σου θανατώσω (14)  
— 17. ἔτι οὖν σὺ ἐμποῇ τοῦ λ. μου (14)  
— 17. ἐγὼ δὲ καὶ ὁ λ. μου ἀσβεῖς (14)  
10. 3. ἐξαπόστειλον τὸν λ. μου (14)  
— 4. ἐξαποστεῖλαι τὸν λ. μου (14)  
— 11. 2. λαλήσον . . . εἰς τὰ ὅρα τοῦ λ. (14)  
— 3. ἔδωκε τὴν χάριν τῷ λ. αὐτοῦ (14)  
— 8. ἐξέλθε σὺ καὶ πᾶς [B<sup>1</sup> om.] ὁ λ. σου (14)  
12. 27. καὶ κύνῃς ὁ λ. προσεκύνησε (14)  
— 31. ἐξέλθατε ἐκ τοῦ λ. μου (14)  
— 33. κατεβιάζοντο οἱ Αἰγύπτιοι τὸν λ. (14)  
— 34. ἀνέλαβε δὲ ὁ λ. τὸ σταῖς αὐτῶν (14)  
— 36. ἔδωκε κύριος τὴν χάριν τῷ λ. αὐτοῦ (14)  
18. 3. εἶπε δὲ Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)  
— 17. ὡς δὲ ἐξαπέστειλε Φαραὼ τὸν λ. (14)  
— 17. μεταμελήσῃ τῷ λ. ἰδόντι πόλεμον (14)  
— 18. ἐκύκλωσεν . . . τὸν λ. ὁδόν (14)  
— 22. οὐκ ἐξέλιπε . . . ἐναντίον τοῦ λ. παντός (14)  
14. 3. καὶ ἐρεῖ Φαραὼ τῷ λ. αὐτοῦ [A<sup>1</sup> om. τ.  
λ. αὐ.] —  
— 5. πέφυνεν ὁ λ. (14)  
— 5. μετεστράφη ἡ κηρδία . . . ἐπὶ τὸν λ. (14)  
— 6. πάντα τὸν λ. αὐτοῦ συναπάγαγε (14)  
— 13. εἶπε δὲ Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)  
— 31. ἐφοβήθη δὲ ὁ λ. τὸν κύριον (14)  
15. 13. ὠδήγησας . . . τὸν λ. σου (14)  
— 16. A B<sup>2</sup> R ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λ. σου (14)  
— 16. ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λ. σου οὗτος (14)  
— 24. διεγόγγυζεν ὁ λ. ἐπὶ [A κατά] Μωυσῇ (14)  
16. 4. ἐξελευσεται ὁ λ. (14)  
— 27. ἐξήλθουσάν τινες ἐκ τοῦ λ. (14)  
— 30. καὶ ἐσαββάτισεν ὁ λ. (14)  
17. 1. οὐκ ἦν δὲ ὕδωρ τῷ λ. πικρὸν (14)  
— 2. καὶ ἐλοιδορεῖτο ὁ λ. πρὸς Μωυσῆν (14)

Εκ. 17. 3. ἐδίψησεν δὲ ἐκεῖ ὁ λ. ὕδατι (14)	Εκ. 38. 5. πλήθος φέρει ὁ λ. κατὰ τὰ ἔργα (14)	Νυ. 20. 3. εὐλοδορεῖτο ὁ λ. πρὸς Μ. (14)
— 3. διενόγγυεν ἐκεῖ ὁ λ. (14)	— 6. ἐκώλυθη ὁ λ. ἐπὶ προσφύρειν (14)	— 24. προστεθῆται Ἄ. πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)
— 4. τί ποιῶσα τῷ λ. τοῦτῳ (14)	Le. 4. 3. ἀμάρτη τοῦ τὸν [ΑΒ <sup>3</sup> om.] λ. ἀμαρτεῖν (14)	21. 2. ἐάν μοι παραδῶς τὸν λ. τοῖτον ὑποχείριον (14)
— 5. προπορεύει τὸν λ. τοῦτου [Α om.] (14)	— 27. ψυχὴ μία . . . ἐκ τοῦ λ. τῆς γῆς (14)	— 4. ὠλιγυψύχουν ὁ λ. ἐν τῇ ὁδῷ (14)
— 5. λαβεῖ . . . ἀπὸ τὸν πρεσβυτέρων τοῦ λ. (14)	7. 10 (20), 11 (21). ἀπαλείψαι ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)	— 5. κατέλυται ὁ λ. πρὸς τὸν θεόν (14)
— 6. καὶ πείσται ὁ λ. (14)	— 15 (25). ἀπολείπαι . . . ἀπὸ [Α ἐκ] τοῦ λ. αὐτῆς (14)	— 6. ἀπέστειλε κύριος εἰς τὸν λ. τοὺς ὄφεις (14)
— 13. τὸν Ἀμαλὴκ καὶ πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)	— 17 (27). ἀπολείπαι ἡ ψυχὴ ἐκ. ἀπὸ τοῦ λ. αὐτῆς (14)	— 6. ἀπέθανε λ. πολὺς (14)
18. 1. ὅσα ἐποίησεν κύριος . . . τῷ ἱαντοῦ λαφ (14)	9. 7. καὶ ποιήσων τὰ δῶρα τοῦ λ. (14)	— 7. παραγενόμενος ὁ λ. πρὸς Μ. (14)
— 10. ἐξέλιπτο αὐτοὺς [Α τὸν λ. αὐτοῦ] (14)	— 15. καὶ προσήνεγκε τὸ δῶρον τοῦ λ. (14)	— 8 (7). ΑΒ <sup>3</sup> ἤδξατο Μ. . . . περὶ τοῦ λ. (14)
— 13. συνεκίσθη Μωυσῆς κρίνων τὸν λ. (14)	— 15. τὸν χίμαρον τὸν περὶ τῆς ἀμαρτίας τοῦ λ. (14)	— 16. Β συνάγαγε τὸν λ. (14)
— 13. παρεστήκει δὲ πᾶς ὁ λ. Μωυσῆ (14)	— 18. τῆς θυσίας τοῦ σωτηρίου τῆς τοῦ λ. (14)	— 23. συνήγαγε Σ. πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 14. ὅσα ποιεῖ [Α ἐποίει] τῷ λ. (14)	— 22. ἐξάρas Ἀαρὼν τὰς χεῖρας ἐπὶ τὸν λ. (14)	— 29. ἀπώλου, λαὸς Χαμῶς (14)
— 14. τί τοῦτο ὁ σὺ ποιεῖς τῷ λ. (14)	— 23. ἐξεληθάνει εὐλόγησαν πάντα τὸν λ. (14)	— 33. ἐξῆλθεν . . . πᾶς ὁ λ. αὐ. (14)
— 14. πᾶς δὲ ὁ λ. παρείστηκε σοι (14)	— 23. ὥσθῃ ἡ δόξα κυρίου παντὶ τῷ λ. (14)	— 34. παραδίδωκα . . . πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 15. παραγίνεται πρὸς μὲ ὁ λ. (14)	— 24. καὶ εἶδε πᾶς ὁ λ. (14)	— 35. ἐπάταξεν . . . πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 18. πᾶς ὁ λ. [Α add. σου] οὗτος (14)	16. 15. τὸν χίμαρον . . . τὸν περὶ τοῦ λ. (14)	22. 3. ἐφοβήθη Μ. τὸν λ. σφόδρα (14)
— 19. γίνων σὺ τῷ λ. τὰ πρὸς τὸν θεόν (14)	— 24. ποιήσει . . . τὸ ὁλοκάρπωμα τοῦ λ. (14)	— 5. ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ γῆς υἱῶν λαοῦ αὐ. (14)
— 21. σκαυτῶ σκέψαι ἀπὸ παντὸς τοῦ λ. (14)	— 24. Β καὶ περὶ τοῦ λ. (14)	— 5. λαὸς ἐξεληλυθεν ἐξ Αἴγ. (14)
— 22. καὶ κρίνουσι τὸν λ. πᾶσαν ὥραν (14)	17. 4. ἐξολοθρευθήσεται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)	— 6. θρασυαί μοι τὸν λ. τοῦτον (14)
— 23. καὶ πᾶς ὁ λ. οὗτος . . . ἤξει (14)	— 9. ἐξολοθρευθήσεται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)	— 11. λαὸς ἐξεληλυθεν ἐξ Αἴγ. (14)
— 26. καὶ ἐκρίνουσαν τὸν λ. πᾶσαν ὥραν (14)	— 10. ἀπολῶ αὐτὴν ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)	— 12. οὐδὲ καταράσῃ τὸν λ. (14)
19. 5. ἵστασθί μοι λ. περιούσιος (14)	18. 29 : 19. 8. ἐξολοθρευθήσονται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῶν (14)	— 17. ἐπικατάρσασαί μοι τὸν λ. τοῦτον (14)
— 7. τοὺς πρεσβυτέρους τοῦ λ. [Α Ἰσραὴλ] (14)	19. 18. οὐ μνησέαι τοῖς νοίοις τοῦ λ. σου (14)	— 41. ἔδειξεν αὐτῷ . . . μέρος τι τοῦ λ. (14)
— 8. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λ. (14)	20. 3. ἀπολῶ αὐτὸν ἐκ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)	23. 9. λ. μίνος κατοικήσει (14)
— 8. τοὺς λόγους τούτους [Α τοῦ λ.] (14)	— 5. ἀπολῶ αὐτὸν . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῶν (14)	— 24. λαὸς ὡς σκύμνος ἀναστήσεται (14)
— 9. ἴνα ἀκούσῃ ὁ λαὸς λαλοῦντός μου (14)	— 6. ἀπολῶ αὐτὴν ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)	24. 14. τί ποιήσει ὁ λ. οὗτος τὸν λ. σου (14)
— 9. ἀνιγγεῖτε δὲ Μωυσῆς τὰ ῥήματα τοῦ λ. (14)	21. 4. οὐ μανθήσεται [ΑΒ <sup>3</sup> om. οὐ μ.] ἐξάψαι ἐν τῷ λ. αὐτοῦ (14)	25. 1. ἐβεβλήθη ὁ λ. (14)
— 10. καταβάς διαμάρτυραν τῷ λ. (14)	— 14. παρθένοι ἐκ τοῦ λ. [Α om.] αὐ. λήψεται γυναῖκα (14)	— 2. ἔφαγεν ὁ λ. τὰν θυσίων αὐτῶν (14)
— 11. καταβήσεται . . . ἐναντίον παντὸς τοῦ λ. (14)	— 15. οὐ βεβλήσεται τὸ σπέρμα αὐ. ἐν τῷ λ. αὐ. (14)	— 4. λάβε πάντας τοὺς ἀρχηγούς τοῦ λ. (14)
— 12. καὶ ἀφορίσει τὸν λ. κύκλῳ (14)	23. 29. ἐξολοθρευθήσεται ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)	— 4. Α παραδειγμάτισον αὐτοὺς . . . κατέναντι τοῦ λ. [Β ἡλίον] (14)
— 14. κατέβη . . . ἐκ τοῦ θρόνου πρὸς τὸν λ. (14)	— 30. ἀπολείπει ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)	27. 13 : 31. 2. προστεθήσῃ πρὸς τὸν λ. σου (14)
— 15. καὶ εἶπε τῷ λ. (14)	26. 12. ὑμεῖς ἱστασθί μοι λαὸς (14)	31. 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς τὸν λ. (14)
— 16. πᾶς ὁ λ. ὁ [Α om.] ἐν τῇ παρεμβολῇ (14)	Νυ. 5. 21. ἐν μέσῳ τοῦ λ. σου (14)	33. 14. οὐκ ἦν ἐκεῖ ὕδωρ τῷ λ. πικρῖν (14)
— 17. καὶ ἐξηγάγε Μωυσῆς τὸν λ. (14)	— 27. εἰς ἀρὰν τῷ [Α Β <sup>3</sup> ἐν τῷ] λ. αὐτῆς (14)	De. 2. 4. καὶ τὸν λ. ἐντελείψω (14)
— 18. καὶ ἐξέστη πᾶς ὁ λ. σφόδρα (14)	9. 13. ἐξολοθρευθήσεται ἡ ψυχὴ ἐκ. ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)	— 16. ἐκ μέσου τοῦ λ. (14)
— 21. καταβάς διαμάρτυραν τῷ λ. (14)	11. 1. ἦν ὁ λ. γογγυῖον ποιητὰ (14)	— 32. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. αὐτοῦ (14)
— 23. οὐ δυνήσεται ὁ λ. προσαναβῆναι (14)	— 2. ἐκέκραξεν ὁ λ. πρὸς Μ. (14)	— 33. αὐτὸν . . . καὶ πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 24. οἱ δὲ ἱερεῖς καὶ ὁ λ. μὴ βιαζίσθωσαν (14)	— 8. διεπορεύετο ὁ λ. (14)	8. 1. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. αὐτοῦ (14)
— 25. κατέβη δὲ Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)	— 11. ἐπιθεῖναι τὴν ὁρμὴν [Α ὀργὴν] τοῦ λ. τ. ἐπ' ἐμέ (14)	— 2. αὐτὰν καὶ πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)
20. 18. πᾶς ὁ λ. ἔώρα τὴν φωνὴν (14)	— 12. μὴ ἐγὼ ἐν γαστρὶ λαβὼν πάντα τὸν λ. τ. (14)	— 3. καὶ τὸν Ὀγ . . . καὶ πάντα τὸν λ. αὐ. (14)
— 18. φοβηθέντες δὲ πᾶς ὁ λ. ἔστησαν (14)	— 13. κρέα δοῦναι παντὶ τῷ λ. τοῦτῳ (14)	— 28. διαβήσεται πρὸς προσώπου τοῦ λ. τ. (14)
— 21. εἰσπίκει δὲ ὁ λ. μακρόθεν (14)	— 14. φέρειν τὸν λ. τοῦτον (14)	4. 6. ἰδοὺ λ. σοφὸς καὶ ἐπιστήμων (14)
22. 25 (24). ἐάν δὲ ἀργύριον ἐκδανείσῃς τῷ ἀδελφῷ [Α λ. λαφ] (14)	— 16. οὗτοί εἰσι πρεσβύτεροι τοῦ λ. (14)	— 10. ἐκκλησίαν πρὸς μὲ τὸν λ. (14)
— 28 (27). ἀρχοντα τοῦ λ. σου οὐ κακῶς ἐρείς (14)	— 17. συναντλήσονται . . . τὴν ὁρμὴν τοῦ λ. (14)	— 20. εἶναι αὐτῷ λ. ἐγκλησὼν [Β <sup>3</sup> ἐεκλ.] (14)
23. 22. ἵστασθί μοι λ. περιούσιος (14)	— 18. καὶ τῷ λ. ἐρείς (14)	5. 28 (25). ἤκουσα τὴν φωνὴν τῶν λόγων τοῦ λ. τοῦτου (14)
24. 2. ὁ δὲ λ. οὐ συκαταβήσεται μετ' αὐτῶν (14)	— 21. ὁ λ. ἐν οἷς εἰμι ἐν αὐτοῖς (14)	7. 6. λ. ἄγιος εἰ κυρίῳ τῷ θεῷ σου (14)
— 3. διηγῶσατο τῷ λ. πάντα τὰ ῥήματα (14)	— 24. ἐλάλησε πρὸς τὸν λ. τὰ ῥήμ. κυρίου (14)	— 6. εἶναι αὐτῷ λ. περιούσιος (14)
— 3. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λ. (14)	— 24. ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. (14)	9. 2. λ. μέγαν καὶ πολὺν (14)
— 7. ἀνέγνω εἰς τὰ ὅρα τοῦ λ. (14)	— 29. τίς δὴν πάντα τὸν λ. κυρίου προφήτας (14)	— 6. λ. σκληροτράχηλος εἰ (14)
— 8. κατεσκεδάσατο τοῦ λ. (14)	— 32. ἀναστάς ὁ λ. δλην τὴν ἡμέραν (14)	— 12. ἠνόμουν ὁ λ. σου (14)
30. 33. ἐξολοθρευθήσεται ἐκ τοῦ λ. αὐτοῦ [Α om.] (14)	— 33. κύριος ἐθυμώθη εἰς τὸν λ. (14)	— 13. ὥρακα τὸν λ. τοῦτον (14)
— 38. ἀπολείπαι ἐκ τοῦ λ. αὐ. (14)	— 33. ἐπάταξε κύριος τὸν λ. [Α ἐν τῷ λ.] (14)	— 13. λ. σκληροτράχηλος ἐστὶ (14)
31. 14. ἐκ μέσου τοῦ λ. αὐ. (14)	— 34. ἐκεῖ ἔθυσαν τὸν λ. τὸν ἐπιθυμητὴν (14)	— 26. μὴ ἐξολοθρεύσῃς τὸν λ. σου (14)
32. 1. καὶ ἰδὼν ὁ λ. ὅτι κεκρόνιε Μ. (14)	— 35. ἐξῆρκεν ὁ λ. εἰς Ἀσ. (14)	— 27. ἐπὶ τὴν σκληρότητα τοῦ λ. τοῦτου (14)
— 1. συνίστη ὁ λ. ἐπὶ Ἀαρὼν (14)	— 35. ΑΒ <sup>3</sup> Ε ἐγένετο ὁ λ. ἐν Ἀσ. (14)	— 29. καὶ οὗτοι λαὸς σου (14)
— 3. περιελαττο πᾶς ὁ λ. τὰ ἐνώτια (14)	12. 15. ὁ λ. οὐκ ἐξῆρκεν (14)	10. 11. ἔπαρον ἐναντίον τοῦ λ. τοῦτου (14)
— 6. καὶ ἐκάθισεν ὁ λ. φαγεῖν (14)	13. 1 (12. 16). ἐξῆρκεν ὁ λ. ἐξ Ἀσ. (14)	13. 9 (10). οἱ χεῖρες παντὸς τοῦ λ. ἐπ' ἐσχάτῳ (14)
— 7. ἠνόμουν γὰρ ὁ λαὸς σου (14)	— 19 (18). ὤψασθε . . . τὸν λ. τὸν ἐγκαθήμ. ἐπ' αὐτῆς (14)	14. 2. λ. ἄγιος εἰ κυρίῳ τῷ θεῷ σου (14)
— 11. ἴνα τί . . . θυμοὶ ὀργῇ εἰς τὸν λ. σου (14)	— 31 (30). κατεσώπῃσεν Χ. τὸν λ. (14)	— 2. γενέσθαι σε αὐτῷ λ. περιούσιος (14)
— 12. ἴλεως γενοῦ ἐπὶ τῇ κακίᾳ τοῦ λ. σου (14)	— 33 (32). πᾶς ὁ λ. ὃν ἐωράκαμεν (14)	— 21. λ. ἄγιος εἰ κυρίῳ τῷ θεῷ σου (14)
— 14. περιποιήσεται [Α ποιήσεται] τὸν λ. αὐτοῦ (14)	14. 1. ἐκλαίει ὁ λ. δλην τὴν νύκτα ἐκ. (14)	16. 18. κρινουσί τὸν λ. κρίσειν δικαίαν (14)
— 17. τῆς φωνῆς τοῦ λ. κραδόντων (14)	— 9. μὴ φοβηθῇτε τὸν λ. τῆς γῆς (14)	17. 7. ἡ χεὶρ [Α add. παντὸς] τοῦ λ. ἐπ' ἐσ-χάτων (14)
— 21. τί ἐποίησέ σοι ὁ λ. οὗτος (14)	— 11. ἔως τίνος παροΐξῃ με ὁ λ. οὗτος (14)	— 13. καὶ πᾶς ὁ λ. ἀκούσας φοβηθήσεται (14)
— 22. σὺ γὰρ οἶδας τὸ ὄρημα τοῦ λ. τοῦτου (14)	— 13. ἀνήγαγες . . . τὸν λ. τοῦτον ἐξ αὐτῶν (14)	— 16. οὐδὲ μὴ ἀποστρίψῃ τὸν λ. εἰς Αἴγ. (14)
— 25. ἰδὼν Μωυσῆς τὸν λ. (14)	— 14. σὺ εἰ κύριος ἐν τῷ λ. τοῦτῳ (14)	18. 3. τὰ παρὰ τοῦ λ. παρὰ τῶν θυόντων (14)
— 28. ἔπεσαν ἐκ τοῦ λ. . . εἰς τρισχίλιους (14)	— 15. ἐκρίψῃς τὸν λ. τοῦτον (14)	20. 1. ἐάν δὲ . . . ἔλθῃ . . . λ. πλείονας σου (14)
— 30. εἶπε Μωυσῆς πρὸς τὸν λ. (14)	— 16. εἰσαγαγεῖν τὸν λ. τοῦτον [Α αὐτοῦ:] (14)	— 2. λαλήσει τῷ λ. (14)
— 31. ἡμάρτηκεν ὁ λ. οὗτος ἀμαρτίαν (14)	— 19. ἀφες τὴν ἀμαρτίαν τῷ λ. τοῦτῳ (14)	— 5. λαλήσουσιν οἱ γραμματεῖς πρὸς τὸν λ. (14)
— 34. καὶ ὀδύνησεν τὸν λ. τοῦτον (14)	— 39. ἐπένθησεν ὁ λ. σφόδρα (14)	— 8. λαλήσαι πρὸς τὸν λ. (14)
— 35. καὶ ἐπάταξε κύριος τὸν λ. (14)	16. 26. ὅτι παντὶ τῷ λ. ἀκουστοῦ (14)	— 9. λαλοῦντες πρὸς τὸν λ. (14)
33. 1. ἀνάβηθι ἐντευθεὶ σὺ καὶ ὁ λ. σου (14)	— 30. ἐξολοθρευθήσονται . . . ἐκ τοῦ λ. αὐτῆς (14)	— 9. καταστήσουσιν . . . προηγούμενος τοῦ λ. (14)
— 3. διὰ τὸ λαὸν σκληροτράχηλόν σε εἶναι (14)	16. 41 (17. 6). ὑμεῖς ἀπεκράγατε τὸν λ. κυρίου (14)	— 11. ἵσταται πᾶς ὁ λ. (14)
— 4. ἀκούσας ὁ λ. τὸ ῥῆμα τὸ ποιητὴν (14)	— 46 (17. 11). ἤρκαται θρανεῖν τὸν λ. (14)	21. 8. ἴλεως γενοῦ τῷ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 5. ὑμεῖς λ. σκληροτράχηλος (14)	— 47 (17. 12). ἦδη ἐντρίκτο ἡ θρασύτης ἐν τῷ λ. (14)	— 8. ἴνα μὴ γένηται αἷμα ἀναίτιον ἐν τῷ λ. σου Ἰσρ. (14)
— 8. εἰστήκει πᾶς ὁ λ. σκοπεύοντες (14)	— 47 (17. 12). ἐξέλιπτο περὶ τοῦ λ. (14)	26. 15. εὐλόγησον τὸν λ. σου τὸν Ἰσρ. (14)
— 10. ἔώρα πᾶς ὁ λ. τὸν στύλον τῆς νεφέλης (14)	— 48 (17. 13). Β <sup>3</sup> ἐκόπασεν ἡ θρασύτης ἐν τῷ λ. [ΑΒ <sup>3</sup> Ε om. ἐν τ. λ.] (14)	— 18. γενέσθαι σε αὐτῷ λ. περιούσιος (14)
— 10. σπάρτες πᾶς ὁ λ. προσεύκοντο (14)	20. 1. κατέμεινε ὁ λ. ἐν Κ. (14)	— 19. εἰναί σε λ. δγινον κ. τῷ θεῷ σου (14)
— 12. ἀνάγαγε τὸν λ. τοῦτον (14)		27. 9. γέγονας εἰς λαὸν κ. τῷ θεῷ σου (14)
— 13. ὅτι λ. σου τὸ ἔθνος τὸ μέγα τοῦτο (14)		— 11. ἐνετείλατο Μ. τῷ λ. (14)
— 16. εὐρῆκα χάριν . . . ἐγὼ τε καὶ ὁ λ. σου (14)		— 12. εὐλογεῖν τὸν λ. (14)
— 16. ΑΒ <sup>3</sup> Ε ἐνδοξασθήσομαι ἐγὼ τε καὶ ὁ λ. σου (14)		— 15. ΑΒ ἀποκριθεὶς πᾶς [Β om.] ὁ λ. ἐρούσι (14)
34. 9. ὁ λ. γὰρ σκληροτράχηλος ἐστὶ (14)		
— 10. διαβήκην ἐνώπιον παντὸς τοῦ λ. σου (14)		
— 10. καὶ ὤφεται πᾶς ὁ λ. (14)		

- De. 27. 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23. έρώσι πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 23. B έρώσι πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 24, 25, 26. έρώσι πᾶς ὁ λαός (14)  
 28. 9. ἀναστήσαι σε κ. εὐαγγ. λ. ἄγιον (14)  
 29. 13 (12). ἵνα στήσῃ σε αὐτῷ εἰς [A εὐα.] λαόν (14)  
 31. 7. εἰσελεύσῃ πρὸ προσώπου τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 12. ἐκκλησιάσας τὸν λ. (14)  
 — 16. ἀναστὰς ὁ λ. οὗτος ἐκπορεύσει (14)  
 32. 6. λ. μαρὸς καὶ οὐχὶ σοφός (14)  
 — 9. ἐγενήθη μερίς κυρίου λαὸς αὐ. 'Ι. (14)  
 — 36. κρινεῖ κυρίως τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 43. εὐφρανόντες ἔθνη μετὰ τοῦ λ. αὐ. (14)  
 — 43. ἐκκαθαρίει κ. τὴν γῆν τοῦ λ. αὐ. (14)  
 — 44. A προσήλθεν M. πρὸς τὸν λ. [B αλ.] (14)  
 — 44. ἐλάλησε . . . εἰς τὰ ὅτα τοῦ λ. (14)  
 — 50. προστεθήσῃ πρὸς τὸν λ. σου (14)  
 — 50. προστεθήσῃ πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 33. 3. φέισατο τοῦ λ. αὐ. (14)  
 — 5. συναχθέντων ἀρχόντων λαῶν (14)  
 — 7. εἰς τὸν λ. αὐτοῦ ἔλαθες ἄν (14)  
 — 21. συνηγμένοι λαὸν ἀρχηγούς λαῶν [A αὐτῶν] (14)  
 — 29. λ. σωζόμενος ὑπὸ κυρίου (14)  
 Jo. 1. 2. σὺ καὶ πᾶς ὁ λ. οὗτος (14)  
 — 6. ἀποδιείκεις τῷ λ. τούτῳ τὴν γῆν (14)  
 — 10. ἐνετείλατο 'Ι. τοῖς γραμματέουσιν τοῦ λ. (14)  
 — 11. κατὰ μέσον τῆς παρεμβολῆς τοῦ λ. (14)  
 — 11. ἐνετείλασθε τῷ λ. (14)  
 3. 3. ἐνετείλατο τῷ λ. (14)  
 — 5. εἶπεν 'Ι. τῷ λ. (14)  
 — 6. προπορεύσθε τοῦ λ. (14)  
 — 6. ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τοῦ λ. (14)  
 — 14. ἀπήρκεν ὁ λ. (14)  
 — 14. ἤρσαν τὴν κιβωτὸν . . . πρότεροι τοῦ λ. (14)  
 — 16. ὁ λ. εἰσῆλθε ἀπάναντι 'Ιερ. (14)  
 — 17. ἔως συνετέλεσε πᾶς ὁ λ. διαβαίνων (8)  
 4. 1. ἐπεὶ συνετέλεσε πᾶς ὁ λ. διαβαίνων (14)  
 — 2. παραλαβὼν ἄνδρας ἀπὸ τοῦ λ. (14)  
 — 10. ἀναγγεῖλαι τῷ λ. (14)  
 — 10. ἐπέστησαν ὁ λ. (14)  
 — 11. ὡς συνετέλεσε πᾶς ὁ λ. διαβῆναι (14)  
 — 19. ὁ λ. ἀνέβη ἐκ τοῦ 'Ι. (14)  
 6. 5. ἀνακραγέτω πᾶς ὁ λ. ἅμα [A om.] (14)  
 — 5. εἰσελεύσεται πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 6 (7). παραγγεῖλατε τῷ λ. (14)  
 — 9 (10). τῷ δέ λ. ἐνετείλατο 'Ι. (14)  
 — 19 (20). ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ λ. τὸν σαλπίζων (14)  
 — 19 (20). ἠλάλησε πᾶς ὁ λ. ἅμα (14)  
 — 19 (20). ἀνέβη πᾶς ὁ λ. εἰς τὴν πόλιν (14)  
 7. 3. μὴ ἀναβῆτω πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 3. μὴ ἀναγᾶγῃς ἐκεῖ τὸν λ. πάντα (14)  
 — 5. ἐπιθήσῃ ἡ καρδιά τοῦ λ. (14)  
 — 7. διεβίβασεν ὁ παῖς σου τὸν λ. τούτων τὸν 'Ι. (14)  
 — 11. ἡμάρτηκεν ὁ λ. (14)  
 — 13. ἄγιασον τὸν λ. (14)  
 — 16. προσήγαγε τὸν λ. (14)  
 — 24. καὶ πᾶς ὁ λ. [A 'Ισραὴλ] μετ' αὐτοῦ (14)  
 8. 3. ἀνέστη 'Ι. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστῆς (14)  
 — 5. A ἐγὼ καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ [B πάντες οἱ] μετ' ἐμοῦ (14)  
 — 10. ἐπισκέψατο τὸν λ. (14)  
 — 10. ἀνέβησαν . . . κατὰ πρόσωπον τοῦ λ. (14)  
 — 11. πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστῆς μετ' αὐτοῦ ἀνέβησαν (14)  
 — 14. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ μετ' [A om. ὁ μ.] αὐτοῦ (14)  
 9. 2 (8. 33). εὐλογῆσαι τὸν λ. (14)  
 — 5. αὐτοὶ καὶ πᾶς ὁ λ. αὐτῶν (14)  
 — 10. αὐτὸς καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστῆς (14)  
 — 15. B' ἐπέστρεψεν 'Ι. καὶ πᾶς ὁ λ. 'Ισρ. (14)  
 — 21. ἀπεστράφη πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 29. A 'Ι. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ [B π. 'Ισραὴλ] μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 33. ἐπάταξεν . . . τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 11. 7. 'Ι. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ πολεμιστῆς (14)  
 14. 8. μετέστησαν τὴν καρδίαν [A δύνανται] τοῦ λ. (14)  
 17. 14. ἐγὼ δὲ λ. πολὺς εἰμι (14)  
 — 15. 17. εἰ λ. πολὺς εἶ (14)  
 24. 2. εἶπεν 'Ι. πρὸς πάντα τὸν λ. (14)  
 — 16. ἀποκριθεὶς ὁ λ. εἶπε (14)  
 — 19. εἶπεν 'Ι. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 21. εἶπεν ὁ λ. πρὸς 'Ι. (14)  
 — 22. εἶπεν 'Ι. πρὸς τὸν λ. (14)  
 Jo. 24. 24. εἶπεν ὁ λ. πρὸς 'Ι. (14)  
 — 25. διέθετο 'Ι. διαθήκην πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 27. εἶπεν 'Ι. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 28. ἀπέστειλεν 'Ι. τὸν λ. (14)  
 Jd. 1. 16. κατήκτισαν μετὰ τοῦ λ. (14)  
 — 2. 3. A τοῦ μετοικίσει τὸν λ. (14)  
 — 4. ἐπήρκεν ὁ λ. τὴν φωνὴν αὐτῶν (14)  
 — 6. ἐξάπιστευεν 'Ι. τὸν λ. (14)  
 — 7. ἐδούλευσεν ὁ λ. τῷ κυρίῳ (14)  
 4. 13. ἐκάλεσε . . . πάντα τὸν λ. (14)  
 5. 2. ἐν τῷ ἐκουσιασθῆναι λαόν [A ἐν προ-αἰρέσει λαοῦ] (14)  
 — 9. οἱ ἐκουσιαζόμενοι ἐν λαῷ [A αλ.] (14)  
 — 11. κατέβη . . . λαὸς [A ὁ λ.] κυρίου (14)  
 — 12. A ἐξεγέρσαντο μυριάδας μετὰ λαοῦ (14)  
 — 13. λαὸς κυρίου κατέβη αὐτῷ [A αλ.] (14)  
 — 14. A λαὸς 'Εφρ. ἐτιμαρῆσαν αὐτοὺς [B αλ.] (14)  
 — 14. ὅπως σου B. ἐν τοῖς λ. σου [A αλ.] (14)  
 — 18. Z. λαὸς ὠνειδίσει ψυχὴν [A αλ.] (14)  
 7. 1. ὠρθησεν . . . πᾶς ὁ λ. μετ' [A ὁ μ.] αὐτοῦ (14)  
 — 2. πολὺς ὁ λ. ὁ μετὰ σοῦ (14)  
 — 3. ἄληθρον δὲ ἐν ὧσι [A εἰς τὰ δ.] τοῦ λ. (14)  
 — 3. ἐπιστρέψεν ἀπὸ τοῦ λ. (14)  
 — 4. ἔτι ὁ λ. πολὺς (14)  
 — 5. κατήγγεκε [A κατεβίβασεν] τὸν λ. (14)  
 — 6. πᾶν τὸ καταλοιπὸν τοῦ λ. (14)  
 — 7. πᾶς ὁ λ. πορεύονται (14)  
 — 8. ἔλαβον τὸν ἐπιστεμισμὸν τοῦ λ. (14)  
 8. 5. εἰς τροφὴν τῷ λ. τούτῳ (14)  
 9. 29. τίς ὄντι τὸν λ. τούτων ἐν χειρὶ μου (14)  
 — 32. σὺ καὶ ὁ λ. ὁ μετὰ σοῦ (14)  
 — 33. αὐτὸς καὶ ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 34. καὶ πᾶς ὁ λ. μετ' [A ὁ μ.] αὐτοῦ (14)  
 — 35. ἀνέστη 'Αβ. καὶ ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 36. εἶδε Γ. . . τὸν λ. (14)  
 — 36. ἰδοὺ λαὸς καταβάναι (14)  
 — 37. ἰδοὺ λαὸς καταβάνων (14)  
 — 38. μὴ οὐχὶ οὗτος ὁ λ. [A αλ.] (14)  
 — 42. ἐξῆλθεν ὁ λ. εἰς τὸν ἄγρον (14)  
 — 43. ἔλαβε [A παρέλ.] τὸν λ. (14)  
 — 43. B ὁ [A B om.] λ. ἐξῆλθεν ἐκ τῆς πόλεως (14)  
 — 45. τὸν λ. τὸν ἐν αὐτῇ ἀπέκτεινε (14)  
 — 48. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 48. εἶπε τῷ λ. τῷ [A πρὸς τὸν λ. τὸν] μετ' αὐτοῦ (14)  
 10. 16. A οὐκ εὐηρέστησαν ἐν τῷ λ. (14)  
 — 18. εἶπον ὁ λ. οἱ ἄρχοντες [A οἱ δ. τοῦ λ.] Γ. (14)  
 11. 11. ἔθηκαν αὐτὸν ὁ λ. ἐπ' αὐτοὺς (14)  
 — 20. συνῆκε Σ. πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 21. παρέδωκε κ. ὁ θεὸς . . . πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 23. ἀπὸ προσώπου [A ἐκ πρ.] λαοῦ αὐ. 'Ισρ. (14)  
 12. 2. ἐγὼ καὶ ὁ λ. μου (14)  
 14. 3. μὴ . . . ἐκ παντὸς τοῦ λ. [A ἐν παντὶ τῷ λ.] μου γυνή (14)  
 — 16. ὁ προσβάλλων τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. μου (14)  
 — 17. ἀπήγγειλε τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. αὐ. (14)  
 — 18. εἶδαν τὸν λ. τὸν ἐν μέσῳ αὐτῆς [A αλ.] (14)  
 — 9. A εἶδομεν τὸν λ. (14)  
 — 10. εἰσελεύσεσθε πρὸς λαόν [A αλ.] (14)  
 — 20. ἦλθεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)  
 — 22. A οἱ ἄνδρες ὁ λ. οἱ ὄντες ἐν τοῖς οἴκοις [B αλ.] (8)  
 — 27. ἦλθον . . . ἐπὶ λ. ἡσυχάζοντα (14)  
 20. 2. A ἔστη τὸ κλίμα παντὸς τοῦ λ. [B αλ.] (14)  
 — 2. ἐν ἐκκλησίᾳ τοῦ λ. τοῦ θεοῦ (14)  
 — 8. ἀνέστη πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 10. A λαβὴν ἐπιστοιμασὸν τῷ λ. [B αλ.] (14)  
 — 16. ἐλκετοὶ ἐκ παντὸς λ. [A αλ.] (14)  
 — 25. A διέφθειρεν ἐκ τοῦ λ. [B αλ.] (14)  
 — 26. ἀνέβησαν πάντες . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 31. ἐξῆλθον . . . εἰς συνάντησιν τοῦ λ. [A αλ.] (14)  
 — 31. πατάσσειν ἀπὸ τοῦ λ. τραυματίας [A αλ.] (14)  
 21. 2. ἦλθεν ὁ λ. εἰς B. [A αλ.] (14)  
 — 4. ὠρθησεν ὁ λ. (14)  
 — 9. ἐπέσκηπεν [A ἀπεσκόπει] ὁ λ. (14)  
 — 10. A καὶ τὰς γυναῖκας καὶ τὸν λ. (8)  
 — 15. ὁ λ. παρεκλήθη ἐπὶ τῷ B. (14)  
 Ru. 1. 6. ἐπισκεπται κυρίως τὸν λ. αὐ. (14)  
 — 10. ἐπιστρέφωμεν εἰς τὸν λ. σου (14)  
 — 14. ἐπέστρεψεν εἰς τὸν λ. αὐτῆς (14)  
 — 15. ἀνέστρεψεν . . . πρὸς λαὸν αὐτῆς (14)  
 — 16. ὁ λ. σου λαὸς μου (14, 14)  
 Ru. 2. 11. καὶ ἐπορεύθης πρὸς λαόν (14)  
 3. 11. οὐδὲ γὰρ πᾶσα φυλὴ λαοῦ μου (14)  
 4. 4. ἐναντίον τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. μου (14)  
 — 9. εἶπε B. . . . παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 10. καὶ ἐκ τῆς φυλῆς λαοῦ [A τοῦ λ.] αὐ. (11)  
 — 11. εἶπσαν πᾶς ὁ λ. (14)  
 I Ki. 2. 8. καθίσαι [A add. αὐτὸν] μετὰ δυναστῶν λαῶν (14)  
 — 13. τὸ δικαίωμα τοῦ ἱερέως παρὰ τοῦ λ. (14)  
 — 23. ἐκ στόματος παντὸς [A om.] τοῦ λ. κυρίου (14)  
 — 24. τοῦ μὴ δουλεύειν λαὸν θεῷ (14)  
 4. 3. ἦλθεν ὁ λ. εἰς τὴν παρεμβολὴν (14)  
 — 4. ἀπέστειλεν ὁ λ. εἰς Σ. (14)  
 — 17. ἐγένετο πληγὴ μεγάλη ἐν τῷ λ. (14)  
 5. 10. θανατῶσαι ἡμᾶς καὶ τὸν λ. ἡμῶν (14)  
 — 11. οὐ μὴ θανατώσῃ ἡμᾶς καὶ τὸν λ. ἡ. (14)  
 6. 5 (4). παῖσμα ἐν ὕμιν . . . καὶ τῷ λ. (14)  
 — 19. ἐπέστησεν ὁ λ. (14)  
 — 19. ἐπάταξε κυρίως ἐν τῷ λ. (14)  
 7. 9. ἀνίμηνεν αὐτὸν . . . σὺν παντὶ τῷ λ. (14)  
 8. 7. ἄκουε τῆς φωνῆς τοῦ λ. (14)  
 — 10. εἶπε Σ. . . πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 19. οὐκ ἐβόλευτο ὁ λ. ἀκούσαι τοῦ Σ. (14)  
 — 21. ἤκουσε Σ. πάντας τοὺς λόγους τοῦ λ. (14)  
 9. 9. τὸν προφήτην ἐκάλεε ὁ λ. ἔμπροσθεν 'Ο βλεπόν (14)  
 — 12. θυσία σήμερον τῷ λ. (14)  
 — 13. οὐ μὴ φάγῃ ὁ λ. (14)  
 — 16. εἰς ἄρχοντα ἐπὶ τὸν λ. μου 'Ισρ. (14)  
 — 16. σώσει τὸν λ. μου (14)  
 — 16. ἐπέβλεψα ἐπὶ τὴν ταπεινώσιν τοῦ λ. μου (14)  
 — 17. οὗτος ἄρξει ἐν τῷ λ. μου (14)  
 10. 1. εἰς ἄρχοντα ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 1. σὺ ἄρξεις ἐν [A om.] λαῷ κυρίου (14)  
 — 11. καὶ εἶπεν ὁ λ. (14)  
 — 17. παρήγγειλε Σαμ. παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 23. κατέστησεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)  
 — 23. ὑψώθη ὑπὲρ πάντα τὸν λ. (14)  
 — 24. εἶπε Σ. πρὸς πάντα τὸν λ. (14)  
 — 24. ἐγνώσαν πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 25. εἶπε Σ. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 25. ἐξαπέστειλε Σ. πάντα τὸν λ. (14)  
 11. 4. λαλοῦσι τοῖς λόγοις εἰς τὰ ὅτα τοῦ λ. (14)  
 — 4. ἦραν πᾶς ὁ λ. τὴν φωνὴν αὐτῶν (14)  
 — 5. τί ὅτι κλαίει ὁ λ. (14)  
 — 7. ἐπῆλθεν ἔκστασις κυρίου ἐπὶ τὸν λ. 'Ισρ. (14)  
 — 11. ἔθετο Σ. τὸν λ. εἰς τρεῖς ἀρχάς (14)  
 — 12. εἶπεν ὁ λ. πρὸς Σαμ. (14)  
 — 14. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 15. ἐπορεύθη πᾶς ὁ λ. εἰς Γ. (14)  
 12. 5. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 6. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 18. B ἐφοβήθησαν πᾶς ὁ λ. τὸν κ. σφόδρα (14)  
 — 19. B εἶπαν πᾶς ὁ λ. πρὸς Σαμ. (14)  
 — 20. B εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 22. B οὐκ ἀπόσεται κυρίως τὸν λ. αὐ. (14)  
 — 22. B προσελάβετο ἡμᾶς αὐτῷ εἰς λαόν (14)  
 13. 2. B τὸ καταλοιπὸν τοῦ λ. ἐξαπέστειλεν (14)  
 — 5. B ἀναβαίνουσιν . . . λαὸς ὡς ἡ ἄμμος (14)  
 — 6. B ἐκρύβη ὁ λ. ἐν τοῖς σπηλαιοῖς (14)  
 — 7. B πᾶς ὁ λ. ἐξέστη ὅπως αὐτοῦ (14)  
 — 8. B διεσπάρη ὁ λ. αὐ. ἀπ' αὐτοῦ (14)  
 — 11. B ὡς διεσπάρη ὁ λ. ἀπ' ἐμοῦ (14)  
 — 14. B εἰς ἄρχοντα ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 15. B τὸ καταλείψαι τοῦ λ. ἀνέβη . . . ὀπίσω τοῦ λ. τοῦ πολεμιστοῦ (14)  
 — 15. B ἐπεσκέψατο Σ. τὸν λ. (14)  
 — 16. B ὁ λ. . . ἐκάθισαν ἐν Γ. (14)  
 — 22. B ἐν χειρὶ παντὸς τοῦ λ. τοῦ μετὰ Σ. (14)  
 14. 3. B ὁ λ. οὐκ ᾔδει (14)  
 — 15. πᾶς ὁ λ. . . ἐξίστησαν (14)  
 — 17. εἶπε Σ. τῷ λ. τῷ μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 20. Σ. καὶ πᾶς ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 22 (23). πᾶς ὁ λ. ἦ μετὰ Σ. (14)  
 — 24. ἀράται τῷ λ. (14)  
 — 24. οὐκ ἐγένεστο πᾶς ὁ λ. ἀπρου (14)  
 — 26. ἐισῆλθεν ὁ λ. εἰς τὸν μελισσῶνα (14)  
 — 26. ἐφοβήθη ὁ λ. τὸν δρakon κυρίου (14)  
 — 27. ἐν τῷ ὀρέκει τὸν πατέρα αὐ. τὸν λ. (14)  
 — 28. ἀπεκρίθη εἰς ἐκ τοῦ λ. (14)  
 — 28. ὀρκίσας ὥρκεισε τὸν λ. [A τῷ λ.] (14)  
 — 28. ἐξελύθη ὁ λ. (14)  
 — 30. ἔφαγεν ἔσθων σήμερον ὁ λ. (14)  
 — 31. ἐκοπίασεν ὁ λ. σφόδρα (14)



- I Ki. 14. 32. ἐκλήθη δ λ. εἰς τὰ σκῦλα (14)  
 — 32. ἔλαβεν δ λ. ποίμνια — (14)  
 — 33. ὅσθιεν δ λ. σὺν τῷ αἵματι (14)  
 — 33. ἡμάρτηκεν δ λ. τῷ κυρίῳ (14)  
 — 34. διασπάργε ἐν τῷ λ. (14)  
 — 34. προσήγγε πᾶς δ λ. (14)  
 — 39. οὐκ ἦν δ ἀποκρίσιμ. ἐκ παντὸς τοῦ λ. (14)  
 — 40. εἶπεν δ λ. πρὸς Σ. (14)  
 — 41. δὲ δὴ τῷ λ. σου [A al.] — (14)  
 — 41. δ λ. ἐξῆλθε (14)  
 — 42. εἶπεν δ λ. πρὸς Σ. — (14)  
 — 42. κατεκράτησε Σ. τοῦ λ. — (14)  
 — 45. εἶπεν δ λ. πρὸς Σ. (14)  
 — 45. δ λ. τοῦ θεοῦ ἐποίησε τὴν ἡμ. ταύτην † (14)  
 — 45. προσῆξάτο δ λ. περὶ Ἰων. (14)  
 15. 1. εἰς βασιλεία [A add. ἐπὶ τὸν λ. αὐ.] ἐπὶ Ἰσρ. (14)  
 — 4. παρήγγειλε Σ. τῷ λ. (14)  
 — 8. πάντα τὸν λ. [A add. ἐξωλέθρευσε] λ. ἀπέκτεινε (14)  
 — 9. Σαούλ καὶ πᾶς δ λ. (14)  
 — 15. ἃ περιποιήσατο δ λ. (14)  
 — 20. διὰ τὸ ἀκούσαι μ. τῆς φωνῆς τοῦ λ. (14)  
 — 21. ἔλαβεν δ λ. τὸν σκῦλον ποίμνια (14)  
 — 24. ἐφοβήθη τὸν λ. (14)  
 — 30. ἐνώπιον πρεσβυτέρων Ἰσρ. [A λαοῦ μου] καὶ ἐνώπιον λαοῦ μου [A Ἰσρ.] (14, †)  
 17. 27. A εἶπεν αὐτῷ δ λ. (14)  
 — 30. A ἀπεκρίθη αὐτῷ δ λ. (14)  
 18. 5. A ἤρσαν ἐν ὁδωβαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. (14)  
 — 13. εἰσπορεύετο ἔμπροσθεν τοῦ λ. (14)  
 — 16. ἐξπορεύετο πρὸ προσώπου τοῦ λ. † (14)  
 23. 8. παρήγγειλε Σ. παντὶ τῷ λ. (14)  
 24. 10. ἵνα τί ἀκούεις τῶν λόγων τοῦ λ. (1)  
 26. 5. καὶ δ λ. παρεμβεβληκὼς κύκλῳ αὐτοῦ (14)  
 — 7. εἰσπορεύεται Δ. . . εἰς τὸν λ. (14)  
 — 7. δ λ. αὐ. ἐκάβευε κύκλῳ αὐτοῦ (14)  
 — 14. προσεκαλίσαστο Δ. τὸν λ. (14)  
 — 15. ἐσῆλθεν εἰς ἐκ τοῦ λ. (14)  
 27. 12. ἵσχυοντα αἰσχυρόμενος ἐν τῷ λ. αὐ. (14)  
 30. 6. εἶπεν δ λ. λιθοβολήσαι αὐτὸν (14)  
 — 6. κατόδυνος ψυχῇ παντὸς τοῦ λ. (14)  
 — 21. εἰς ἀπάντησιν τοῦ λ. τοῦ μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 21. προσήγγε Δ. ἔως τοῦ λ. (14)  
 31. 9. εὐαγγελίζοντες . . . τῷ λ. [A add. αὐ- τῶν] (14)  
 II Ki. 1. 2. ἀνὴρ ἦλθεν [A om.] . . . ἐκ τοῦ λ. Σ. † (14)  
 — 4. B ἔφθγγεν δ λ. ἐκ τοῦ πολέμου (14)  
 — 4. πεπτώκασι πολλοὶ ἐκ τοῦ λ. (14)  
 — 12. ἔκλαυσαν . . . ἐπὶ τὸν λ. Ἰούδα (14)  
 2. 26. ἔως πότε οὐ μὲν εἶπες τῷ λ. (14)  
 — 27. ἀνέβη δ λ. (14)  
 — 28. ἀπέστησαν πᾶς δ λ. (14)  
 — 30. συνήθροισεν πάντα τὸν λ. (14)  
 3. 31. εἶπε Δ. . . πρὸς πάντα τὸν λ. (14)  
 — 32. ἔκλαυσε πᾶς δ λ. ἐπὶ Ἀβ. (14)  
 — 34. συνήχθη πᾶς δ λ. τοῦ κλαύσαι αὐτόν (14)  
 — 35. ἦλθε πᾶς δ λ. (14)  
 — 36. ἔγνω πᾶς δ λ. (14)  
 — 36. ὅσα ἐποίησαν δ βασι. ἐνώπιον τοῦ λ. (14)  
 — 37. ἔγνω πᾶς δ λ. (14)  
 5. 2. σὺ ποιμαίνει [A -αίνεις] τὸν λ. μου (14)  
 — 2. B εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου [A B om. λ. μ.] Ἰσρ. (14)  
 — 12. ἐπὶ ῥῃ ἡ βασι. αὐ. διὰ τὸν λ. αὐ. (14)  
 6. 2. ἐπορεύθη Δ. καὶ πᾶς δ λ. (14)  
 — 18. εὐλόγησε τὸν λ. (14)  
 — 19. διέμερισε παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 19. ἀπῆλθε πᾶς δ λ. (14)  
 — 21. καταστήσῃ με εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. αὐ. (14)  
 7. 7. ὃ ἐνετελεύτησεν ποιεῖν τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)  
 — 8. εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου [A om. ε. τ. λ. μ.] ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (14)  
 — 10. θήσονται τόπον τῷ λ. μου (14)  
 — 11. ὡν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)  
 — 23. τίς ὡς λαὸς σου Ἰσρ. (14)  
 — 23. τοῦ λυτρώσασθαι αὐτῷ λαόν (14)  
 — 23. τοῦ ἐκβαλεῖν σε ἐκ προσώπου τοῦ λ. σου (14)  
 — 24. ἡτοίμασας σεαυτῷ τὸν λ. σου Ἰσρ. λαὸν ἔως αἰῶνος (14, 14)  
 8. 15. ἦν Δ. ποιὼν κρίμα . . . ἐπὶ πάντα τὸν λ. αὐ. (14)  
 10. 6. κατασχυνθήσαν δ λ. [A add. ἐν] Δ. (14)  
 — 10. τὸν καταλόπον τοῦ λ. ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀβ. (14)  
 — 12. κραταιώσωμεν ὑπὲρ τοῦ λ. ἡμῶν (14)  
 II Ki. 10. 13. προσῆλθεν ἰ. καὶ δ λ. αὐτοῦ (14)  
 11. 7. ἐπὶ ῥῃ ἡ βασι. Δ. . . εἰς εἰρήνην τοῦ λ. (14)  
 — 17. ἔπεσαν ἐκ τοῦ λ. (14)  
 12. 28. καὶ νῦν συνάγαγε τὸν λαόν σου τὸν λ. (14)  
 — 29. συνήγαγε Δ. πάντα τὸν λ. (14)  
 — 31. τὸν λ. τὸν ὄντα [A om.] ἐν αὐτῇ ἐξήγαγε (14)  
 — 31. ἐπιστρέψε Δ. καὶ πᾶς δ λ. (14)  
 — 13. 34. λ. πολλὸς πορευόμενος ἐν τῇ ὁδῷ (14)  
 14. 13. ἵνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο ἐπὶ λαόν θεοῦ (14)  
 — 15. ὀφεται μὲ δ λ. (14)  
 — 15. A B εἶρε δ λ. [B ἡ δούλη] σου † (14)  
 15. 12. δ λ. δ [A om.] πορευόμε. καὶ πολλὸς μετὰ Ἀβ. (14)  
 — 18. B πᾶς δ λ. παρεπορεύετο — (14)  
 — 23. πᾶς δ λ. παρεπορεύοντο (14)  
 — 23. πᾶς δ λ. καὶ δ βασι. [A om. κ. δ β.] παρεπορεύοντο (14)  
 — 24. ἔως ἐπάυστο πᾶς δ λ. παρελθεῖν (14)  
 — 30. καὶ πᾶς δ λ. δ [A oi] μετ' αὐτοῦ (14)  
 16. 6. πᾶς δ λ. ἦν [A om.] . . . ἐκ δεξιῶν αὐ. (14)  
 — 14. ἦλθεν δ βασι. καὶ πᾶς δ λ. αὐ. [A al.] (14)  
 — 15. A Ἀβ. καὶ πᾶς δ λ. [B π. ἀνὴρ] Ἰσρ. (14)  
 — 18. οὐ ἐξελέξατο κ. καὶ δ λ. οὗτος (14)  
 17. 2. φεύξεταί πᾶς δ λ. (14)  
 — 3. ἐπιστρέψω πάντα τὸν λ. πρὸς σέ (14)  
 — 3. B παντὶ τῷ λ. ἔσται ἐν εἰρήνῃ [A B ε. εἰρήνῃ] (14)  
 — 8. οὐ μὴ καταλύσῃ τὸν λ. (14)  
 — 9. ἐγενήθη θρασύς ἐν τῷ λ. (14)  
 — 16. μὴ ποτε καταστήσῃ [A -πῆρ] . . . πάντα [A om.] τὸν λ. (14)  
 — 22. ἀνέστη Δ. καὶ πᾶς δ λ. (14)  
 — 29. προσήγγεναν . . . τῷ λ. (14)  
 — 29. δ λ. πεινῶν καὶ ἐκλελυμένος (14)  
 18. 1. ἐπεσκέψατο Δ. τὸν λ. (14)  
 — 2. ἀπέστειλε Δ. τὸν λ. (14)  
 — 2. εἶπε Δ. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 4. πᾶς δ λ. ἐξπορεύετο (14)  
 — 5. B πᾶς δ λ. ἤκουσεν (14)  
 — 6. ἐξῆλθε πᾶς δ λ. (14)  
 — 7. ἔπαισαν ἐκεῖ [A add. πᾶς] δ λ. Ἰσρ. (14)  
 — 8. τοῦ καταφαγεῖν ἐκ τοῦ λ. ὑπὲρ ὅδε κατέ- φαγεν ἐν τῷ λ. [A om. ἐν τ. λ.] (14, -)  
 — 16. ἀπέστειλεν δ λ. (14)  
 — 16. ἐφείβετο ἰ. τοῦ λ. (14)  
 19. 2 (3). ἐγένετο . . . εἰς πένθος παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 2 (3). ἤκουσεν δ λ. (14)  
 — 3 (4). διεκλέπτετο δ λ. (14)  
 — 3 (4). καθὼς διεκλέπτεται δ λ. (14)  
 — 8 (9). πᾶς δ λ. ἀνῆγγεῖλαν (14)  
 — 8 (9). εἰσῆλθε πᾶς δ λ. (14)  
 — 9 (10). ἦν πᾶς δ λ. κρινόμενος (14)  
 — 39 (40). διέβη πᾶς δ λ. τὸν Ἰορδ. (14)  
 — 40 (41). A διέβη πᾶς δ λ. [B δ. δ βασι.] εἰς Γ. † (14)  
 — 40 (41). καὶ πᾶς δ λ. ἰ. διαβαίνοντες . . . καὶ γε τὸ ἥμισυ τοῦ λ. Ἰσρ. (14, 14)  
 20. 12. εἰσῆλθε πᾶς δ λ. (14)  
 — 15. πᾶς δ λ. . . ἐνούσαν καταβαλεῖν τὸ τεῖχος (14)  
 — 22. εἰσῆλθεν ἡ γυνὴ πρὸς πάντα τὸν λ. (14)  
 22. 28. τὸν λ. τὸν πτωχὸν σώσεις (14)  
 — 44. ῥύσῃ με ἐκ μάχης λαῶν (14)  
 — 44. λαὸς δν οὐκ ἔγνω ἐδούλευσάν [A -ἐν] μοι (14)  
 — 48. παιδεύων λαοὺς ὑποκίτω μου (14)  
 23. 10. δ λ. ἐκάθητο ὅπισω αὐτοῦ (14)  
 — 11. δ λ. ἔφθγγεν ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (14)  
 24. 2. ἐπίσκειψαι τὸν λ. (14)  
 — 2. γνώσωμαι τὸν ἀριθμὸν τοῦ λ. (14)  
 — 3. προσεβίη κ. δ θ. πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 4. ἐπισκέψασθαι τὸν λ. Ἰσρ. (14)  
 — 9. τὸν ἀριθμὸν τῆς ἐπισκέψεως τοῦ λ. (14)  
 — 10. μετὰ τὸ ἀριθμῆσαι τὸν λ. (14)  
 — 15. ἤρξατο ἡ θραύσις ἐν τῷ λ. (14)  
 — 15. ἀπέθανεν ἐκ τοῦ λ. (14)  
 — 16. τῷ ἀγγέλῳ τῷ διαφθείροντι ἐν τῷ λ. (14)  
 — 17. τὸν ἀγγέλον τὸν τυπτοῦτα ἐν τῷ λ. (14)  
 — 21. συνισχήθη ἡ θραύσις ἐπάνω τοῦ λ. (14)  
 III Ki. 1. 39. εἶπε πᾶς δ λ. (14)  
 — 40. ἀνέβη πᾶς δ λ. ὀπίσω αὐτοῦ (14)  
 3. 1 (σ'. 5. 16 [30]). ἐπιστάται τὸν λ. [A τῷ λ.] (14)  
 — 2. δ λ. ἦσαν [A om. δ λ. ἡ.] θυμώντες (14)  
 — 8. ἐν μέσῳ τῷ λ. σου δν ἐξέλεξω λ. πολὺν (14, 14)  
 — 9. διακρίνειν τὸν λ. σου ἐν δικαιοσύνῃ (14)  
 — 9. κρίνειν τὸν λ. σου τὸν βαρὺν τούτου (14)  
 III Ki. 4. 34 (5. 14). παρεγίνοντο πάντες οἱ λ. (14)  
 5. 7 (21). υἱὸν φρόνιμον ἐπὶ τὸν λ. τὸν πολλὸν τούτου (14)  
 — 16 (30). A ἐπιστάται τοῦ λ. [B om. τ. λ.] (14)  
 6. 13. A οὐκ ἐγκαταλείψω τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)  
 8. 16. ἐξήγαγον τὸν λ. μου (14)  
 — 16. τοῦ εἶναι ἐπὶ [A om.] τὸν λ. μου τὸν Ἰσρ. (14)  
 — 30. εἰσακοῦση τῆς δεήσεως . . . τοῦ λ. σου [A al.] (14)  
 — 32. κρίνεις τὸν λ. σου (13)  
 — 33. ἐν τῷ πταίσαι τὸν λ. σου Ἰσρ. (14)  
 — 34. A B ἴλεως ἔσῃ ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ δοῦ- λου [B B λαοῦ] σου (14)  
 — 36. A ἴλεως ἔσῃ ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ λ. [B δούλου] σου καὶ τοῦ λ. σου Ἰσρ. (13, 14)  
 — 36. ἦν ἔδωκε τῷ λ. σου (14)  
 — 38. A παντὶ ἀνθρώπῳ παντὸς λ. σου [B om. π. λ. σ.] (14)  
 — 41. ὅς οὐκ ἔστιν ἀπὸ λαοῦ σου (14)  
 — 43. ὅπως γνῶσι πάντες οἱ λ. (14)  
 — 43. καθὼς δ λ. σου Ἰσρ. (14)  
 — 44. ἐξελεύσεται δ λ. σου εἰς πόλεμον (14)  
 — 51. λαὸς σου καὶ κληρονομία σου (14)  
 — 52. εἰς τὴν δέσπον τοῦ λ. σου Ἰσρ. (14)  
 — 53. ἐκ πάντων τῶν λ. τῆς γῆς (14)  
 — 56. ὅς ἔδωκε κατὰπαντος τῷ λ. αὐ. (14)  
 — 59. A B καὶ τὸ δικαίωμα λαοῦ (14)  
 — 60. ὅπως γνῶσι πάντες οἱ λ. τῆς γῆς (14)  
 — 66. ἐξαπίστευτε τὸν λ. (14)  
 — 66. οἱς ἐποίησε κύριος . . . τῷ Ἰσρ. λαῷ αὐτοῦ (14)  
 9. 7. εἰς ἅλλημα εἰς πάντας τοὺς λ. (14)  
 — 23. A πεντακόσιοι ἐπικρατοῦντες ἐν τῷ λ. (14)  
 10. 22 (B), 20 (A). B πάντα τὸν λ. τὸν ὑποδαειγμ. [A B -λελειμμ.] (14)  
 12. 3. ἐλάλησεν δ λ. πρὸς τὸν βασι. P. (16 †)  
 — 6. πῶς . . . ἀποκριθῶ τῷ λ. τούτῳ λόγον (14)  
 — 7. εἰ . . . ἔσῃ δούλος τῷ λ. τούτῳ (14)  
 — 9. τί ἀποκριθῶ τῷ λ. τούτῳ (14)  
 — 10. τὰδε λαλήσεις τῷ λ. τούτῳ (14)  
 — 13. ἀπεκρίθη δ βασι. πρὸς τὸν λ. σκληρὰ (14)  
 — 15. οὐκ ἤκουσεν δ βασι. τοῦ λ. (14)  
 — 16. ἀπεκρίθη δ λ. τῷ βασι. [A add. λόγον] (14)  
 — 23. εἰπὼν . . . τῷ καταλόπῳ τοῦ λ. (14)  
 — 24. B εἶπεν δ λ. πρὸς P. — (14)  
 — 24. B εἶπεν Ἰερ. πρὸς τὸν λ. — (14)  
 — 24. B τί ἀποκριθῶ τῷ λ. ῥῆμα — (14)  
 — 24. B καθὼς ἀπέστειλεν δ λ. πρὸς αὐτόν — (14)  
 — 24. B εἶπον οἱ πρεσβύτεροι τοῦ λ. — (14)  
 — 24. B οὕτως ἐλάλησε πρὸς σέ δ λ. — (14)  
 — 24. B ταῦτα ἀπέστειλεν δ λ. πρὸς με λέγων — (14)  
 — 24. B οὕτως λαλήσεις πρὸς τὸν λ. — (14)  
 — 24. B ἀπεκρίθη τῷ λ. — (14)  
 — 24. B εἶπε πᾶς δ λ. — (14)  
 — 24. B διεσπάργε πᾶς δ λ. ἐκ Σ. — (14)  
 — 24. B εἰπὼν . . . πρὸς τὸν καταλείμμα τοῦ λ. — (14)  
 — 27. ἐὰν ἀναβῇ δ λ. οὗτος (14)  
 — 27. ἐπιστραφήσεται καρδία τοῦ [A om.] λ. (14)  
 — 28. εἶπε πρὸς τὸν λ. † (14)  
 — 30. ἐπορεύετο δ λ. πρὸς προσώπου τῆς μιᾶς (14)  
 — 31. ἐποίησεν ἱερεῖς μέρος τι ἐκ τοῦ λ. (14)  
 13. 33. ἐποίησεν ἐκ μέρους τοῦ λ. ἱερεῖς (14)  
 14. 2. A τοῦ βασιλεύσαι ἐπὶ τὸν λ. τούτου (14)  
 — 7. A ὑψώσῃ σε ἀπὸ μέσου λαοῦ (14)  
 — 7. A ἔδωκε σε ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)  
 15. 22. A παρήγγειλε παντὶ τῷ λ. [B om. τ. λ.] Ἰούδα — (14)  
 16. 2. ἔδωκε σε ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. [A δοῦ- λόν] μου Ἰσρ. (14)  
 — 2. ἐξήμαρτες τὸν λ. μου τὸν Ἰσρ. (14)  
 — 16. ἤκουσεν δ λ. . . λεγόντων (14)  
 — 21. μερίζεται δ λ. Ἰσρ. (14)  
 — 21. ἥμισυ τοῦ λ. γίνεται ὀπίσω Θ. (14)  
 — 21. τὸ ἥμισυ τοῦ λ. γίνεται ὀπίσω Z. — (14)  
 — 22. A ὑπερίσχυεν δ λ. ὁ ἀκολουθῶν τῷ Z. (14)  
 — 22. A ἡτήθη [B om.] δ λ. ὁ ὢν ὀπίσω Θ. (14 †)  
 — 22. B ὑπερεκράτησε τὸν λ. τὸν ὀπίσω Θ. (14)  
 18. 21. A προσήγγεν ἡ πρὸς πάντα τὸν λ. [B πάντας] (14)  
 — 21. οὐκ ἀπεκρίθη δ λ. [A add. αὐτῷ] λόγον (14)  
 — 22. εἶπεν ἡ πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 24. ἀπεκρίθησαν πᾶς δ λ. (14)  
 — 30. εἶπεν ἡ πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 30. προσήγαγε πᾶς δ λ. πρὸς αὐτόν (14)  
 — 36. γνώτωσαν πᾶς δ λ. οὗτος [A π. δ λ. οὐ.] — (14)  
 — 37. γνώτω [A -ωσαν] δ λ. (14)  
 — 37. ἐστρεψας τὴν καρδίαν τοῦ λ. τούτου † (14)



III Kι. 18. 39. ἔπεισε πᾶς ὁ λ. [A al.] (14)  
 — 40. εἶπε 'Η. πρὸς τὸν λ. (14)  
 19. 21. οὐκ ἔδωκε τὸν λ. (14)  
 20 (21). 9. καθίστασιν τὸν Ναβ. ἐν ἀρχῇ τοῦ λ. (14)  
 — 12. Α. ἐκάθισαν τὸν Ν. ἐν κεφαλῇ [B ἀρχῇ] τοῦ λ. (14)  
 — 13. Α. κατέναντι τοῦ λ. (14)  
 21 (20). 8. εἶπαν αὐτῷ οἱ πρεσβύτεροι καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 10. εἰ ἐκποιήσῃ... παντὶ τῷ λ. τοῖς περὶ οὖς μου (14)  
 — 15. ἐπισκέψατο [A add. σύμπαντα] τὸν λ. (14)  
 — 42. καὶ ὁ λ. σου ἀντὶ τοῦ λ. αὐτοῦ (14, 14)  
 22. 5 (4). καθὼς ὁ λ. μου ὁ λ. σου (14, 14)  
 — 28. Α. ἀκούσατε λ. πάντες (14)  
 — 44. ἔτι ὁ λ. ἐθυσίαζεν (14, 14)  
 IV Kι. 3. 7. ὥς ὁ λ. μου ὁ λ. σου (14, 14)  
 4. 13. ἐν μέσῳ τοῦ λ. [A add. μου] ἐγὼ εἰμι οὐκ ὡς (14)  
 — 41. ἔρχει τῷ λ. (14)  
 — 42. ὅσος τῷ λ. (14)  
 — 43. ὅσος τῷ λ. (14)  
 6. 30. εἶδεν ὁ λ. τὸν σάκκον (14)  
 7. 16. ἐξῆλθεν ὁ λ. (14)  
 — 17. 20. συνεπαύσαντο αὐτὸν ὁ λ. (14)  
 8. 21. ἐφυνεν ὁ λ. εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. (14)  
 9. 6. εἰς Βασιλῆα ἐπὶ λαὸν [A τὸν λ.] κυρίου (14)  
 10. 9. εἶπε πρὸς πάντα τὸν λ. (14)  
 — 18. Α. Β. ἐξήλθωσιν [B συνηθροίσαν] Εἰοὺ πάντα τὸν λ. (14)  
 — 13. ἤκουσε Γ. τὴν φωνὴν τῶν τρεχόντων τοῦ λ. (14)  
 11. 13. εἰσῆλθε πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 14. καὶ πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς χαίρων (14)  
 17. ἀνὰ μέσον τοῦ βασ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ λ. (14)  
 — 17. τοῦ εἶναι εἰς λαὸν τῷ κυρίῳ (14)  
 — 17. ἀνὰ μέσον τοῦ βασ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ λ. (14)  
 18. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)  
 — 19. ἔλαβε... πάντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 — 20. ἐξάρη πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)  
 12. 3 (4). ἔτι ὁ λ. ἐθυσίαζε (14)  
 — 8 (9). τὸν μὴ λαβεῖν ἀργύριον παρὰ τοῦ λ. (14)  
 13. 7. οὐχ ὑπελείφθη τῷ 'Ι. λαός (14)  
 14. 4. ὁ λ. ἐθυσίαζε (14)  
 — 21. ἔλαβε πᾶς ὁ λ. 'Ι. τὸν 'Αζ. (14)  
 15. 4. ὁ λ. ἐθυσίαζε (14)  
 — 5. κρίνων [A κρίνειν] τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 — 10. Α. ἐπάταξαν αὐτὸν κατέναντι τοῦ λ. [B αὐ. κεβλαάμ] (14)  
 — 35. ὁ λ. ἐθυσίαζεν (14)  
 16. 15. καὶ τὴν ὀλοκαύτωςιν παντὸς [A om.] τοῦ λ. (14)  
 18. 26. ἐν τοῖς ὅσι τοῦ λ. (14)  
 20. 5. πρὸς 'Εζ. τὸν ἡγούμενον τοῦ λ. μου [A om.] (14)  
 21. 24. ἐπάταξεν ὁ [A πᾶς ὁ] λ. τῆς γῆς πάντας (14)  
 — 24. ἐβασίλευσεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν 'Ιωσ. (14)  
 22. 4. ὁ συνηγαγόν... παρὰ τοῦ λ. (14)  
 — 13. περὶ ἐμοῦ καὶ περὶ παντὸς τοῦ λ. (14)  
 23. 2. καὶ πᾶς ὁ λ. [A add. μετ' αὐτοῦ] (14)  
 — 3. ἐστὶν πᾶς ὁ λ. ἐν τῇ διαθήκῃ (14)  
 — 6. εἰς τὸν τάφον τὸν νῆδον τοῦ λ. (14)  
 — 21. ἐνετείλατο ὁ βασ. παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 30. ἔλαβεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν 'Ιω. (14)  
 — 35. ἔδωκαν... τὸ χρυσίον μετὰ τοῦ λ. τῆς γῆς (14)  
 25. 3. οὐκ ἦσαν ἄρτοι τῷ λ. τῆς γῆς (14)  
 — 11. τὸ περισσὸν τοῦ λ. τὸ καταλειφθέν (14)  
 — 19. τὸν ἐκτάσσοντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 — 19. ἐξήκοντα ἄνδρας τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 — 22. ὁ λ. ὁ καταλειφθεὶς ἐν τῇ γῇ 'Ι. [A al.] (14)  
 — 26. ἀνέστη πᾶς ὁ λ. (14)  
 I Ch. 5. 25. Β. ἐπὶδρασαν ὀπίσω θεῶν λαῶν [A B τὸν θ.] τῆς γῆς (14)  
 10. 9. τοῦ εὐαγγελισθῆσαι... τῷ λ. (14)  
 11. 2. οὐ ποιμαίνει τὸν λ. μου τὸν 'Ισρ. (14)  
 — 13. ὁ λ. ἐφυνεν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (14)  
 12. 18. πορεύου καὶ ὁ [B om.] λ. σου (14)  
 13. 4. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. (14)  
 14. 2. πῆξθη... διὰ τὸν λ. αὐ. 'Ισρ. (14)  
 16. 2. ἐπὶλόγησεν τὸν λ. ἐν δόνατι κυρίου (14)  
 8. γνωρίσατε ἐν λαοῖς τὰ ἐπιτηδεύμ. αὐ. (14)  
 — 20. καὶ ἀπὸ βασιλείας εἰς λ. ἔτερον (14)  
 — 24. Β. ἐργασίον... ἐν πᾶσι τοῖς λ. τὰ θαυμασία αὐ. (14)  
 — 36. καὶ εἶρε πᾶς ὁ λ., Ἀμὴν (14)  
 — 43. ἐπορεύθη ὅσος ὁ λ. (14)  
 17. 6. τοῦ ποιμαίνειν τὸν λ. μου (14)  
 — 7. τοῦ εἶναι εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου 'Ι. (14)  
 — 9. ἡρώσμαι τόπον τῷ λ. μου 'Ισρ. (14)

I Ch. 17. 10. ἔταξα κράτας ἐπὶ τὸν λ. μου 'Ισρ. (14)  
 — 13. Β' αὐτὸς ἵσται μοι εἰς λαὸν [A B B' υἱόν] (5)  
 — 21. οὐκ ἔστιν ὡς ὁ λ. σου 'Ισρ. ἔθνος [B' -ν] (14)  
 — 21. τοῦ λυτρώσασθαι ἑαυτῷ λαόν (14)  
 — 21. τοῦ ἐκβαλεῖν ἀπὸ προσώπου λαοῦ σου (14)  
 — 22. ἔδωκε τὸν λ. σου 'Ισρ. σεαυτῷ λαόν (14, 14)  
 18. 14. ἡν ποιῶν κρίμα... τῷ παντὶ λ. αὐτοῦ (14)  
 19. 6. ἡσχύνθη λαός Δ. (14)  
 — 7. ἐμισθώσαντο... τὸν βασ. Μ. καὶ τὸν λ. αὐ. (14)  
 — 11. τὸ κατάλοιπον τοῦ λ. ἔδωκεν ἐν χειρὶ 'Α. (14)  
 — 13. Α. Β. ἐνισχύσωμεν περὶ τοῦ λ. ἡμῶν (14)  
 — 14. παρετάξατο 'Ι. καὶ ὁ λ. ὁ μετ' αὐτοῦ (14)  
 20. 3. τὸν λ. τὸν ἐν αὐτῇ ἐξήγαγε [A -ἡνεγκεν] (14)  
 — 3. ἀνέστρεψε Δ. καὶ πᾶς ὁ λ. αὐ. (14)  
 21. 3. προσθεὶς κύριος ἐπὶ τὸν λ. αὐ. (14)  
 — 3. Α. ὡς καὶ γέννηται εἰς ἁμαρτίαν τῷ λ. [B om.] 'Ι. (14)  
 — 5. τὸν ἀρμόνον τῆς ἐπισκέψεως τοῦ λ. (14)  
 — 17. Β. τοῦ ἀριθμῆσαι [A B add. ἐν] τῷ λ. (14)  
 — 17. καὶ μὴ ἐν τῷ λ. σου εἰς ἀπώλειαν (14)  
 — 22. παύσεται ἡ πληγὴ ἐκ [A om.] τοῦ λ. (14)  
 22. 18. ὑπετάγη ἡ γῇ... ἐναντίον λαοῦ [A τοῦ λ.] αὐ. (14)  
 23. 25. κατέπαυσε κ. ὁ θεός 'Ισρ. τῷ [A τῷ 'Ι.] λ. αὐ. (14)  
 27. 1. Α. Β. οἱ λειτουργοῦντες τῷ λ. [B βασιλεῖ] (14)  
 — 24. ἤρξατο ἀριθμεῖν ἐν τῷ λ. (14)  
 28. 2. ἀκούσατέ μου, ἀδελφοὶ καὶ λαός μου (14)  
 — 21. καὶ οἱ ἄρχοντες καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 29. 9. καὶ ἐνφράνθη ὁ λ. (14)  
 — 14. τίς ὁ λ. σου (14)  
 — 17. τὸν λ. σου τὸν εὐρεθίντα ὡς εἶδον (14)  
 — 18. ἐν διανοίᾳ καρδίας λαοῦ σου (14)  
 II Ch. 1. 9. ἐβασίλευσας με ἐπὶ λ. πολὺν (14)  
 — 10. ἐξέλευσάμαι ἐνώπιον τοῦ λ. τοῦτου (14)  
 — 10. τίς κρινεὶ τὸν λ. σου τὸν μέγαν τοῦτον (14)  
 — 11. ὅπως κρινῇς τὸν λ. μου (14)  
 — 14. καὶ ὁ λ. μετὰ τὸν λ. μου (14)  
 2. 11 (10). ἐν τῷ ἀγαπητῷ κύριον τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 18 (17). Β' τριαχιλίους ἐξοκίστους [A B' B add. εργοδιώκτας] ἐπὶ τὸν λ. (14)  
 6. 5. ἡς ἀνήγαγον τὸν λ. μου (14)  
 — 5. τοῦ εἶναι εἰς ἡγούμενον ἐπὶ τὸν λ. μου 'Ισρ. (14)  
 — 6. τοῦ [A' ὅστε] εἶναι ἐπὶ τὸν λ. [A' 2] τοῦ λ. μου 'Ισρ. (14)  
 — 21. Β. ἀκούσῃ τῆς δεήσεως τοῦ παιδὸς σου καὶ λαοῦ [A B add. σου] 'Ισρ. (14)  
 — 24. εἰς θρανῶν τοῦ λ. σου 'Ισρ. (14)  
 — 25. ὡς ἔση ταῖς ἁμαρτίαις [A add. τοῦ] λαοῦ σου 'Ισρ. (14)  
 — 27. ὡς ἔση ταῖς ἁμαρτίαις [A τὸν δ.]... τοῦ λ. σου 'Ισρ. (14)  
 — 27. ἡν ἔδωκε τὸν λ. σου (14)  
 — 29. ἡ ἐάν γέννηται... παντὶ λ. σου 'Ισρ. (14)  
 — 32. Β. ὅς οὐκ ἐκ τοῦ λ. [A B add. σου] 'Ισρ. ἐστὶν αὐτός (14)  
 — 33. ὅπως γνώσι πάντες οἱ λ. τῆς γῆς (14)  
 — 33. τοῦ φοβεῖσθαι σε ὡς ὁ λ. σου 'Ισρ. (14)  
 — 34. εἰς ἐξέλιθ ὁ λ. σου (14)  
 — 39. ὡς ἔση τῷ λ. τῷ ἁμαρτύνει σοι (14)  
 7. 4. καὶ πᾶς ὁ λαός θύοντες θύματα (14)  
 — 5. ὁ βασ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 10. ἀπίστευε τὸν λ. (14)  
 — 10. οἷς ἐποίησε κύριος... τῷ 'Ισρ. λ. αὐ. (14)  
 — 13. εἰς ἀποστείλα θάνατον ἐν τῷ λ. μου (14)  
 — 14. εἰς ἐντραπὴν ὁ λ. μου (14)  
 8. 7. πᾶς ὁ λ. ὁ καταλειφθεὶς (14)  
 — 10. εργοδιώκοντες ἐν τῷ λ. (14)  
 9. 8. Α. εἰς βασιλῆα τῷ λ. [B κυρίῳ θεῷ] σου (14)  
 10. 5. ἀπηλθὲν ὁ λ. (14)  
 — 6. τοῦ ἀποκριθῆναι τῷ λ. τοῦτω λόγον (14)  
 — 7. εἰς... γέννη εἰς ἀγαθὸν τῷ λ. τοῦτω (14)  
 — 9. ἀποκριθῆσμαι λόγον τῷ λ. τοῦτω (14)  
 — 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λ. (14)  
 — 12. ἦλθεν 'Ιερ. καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 15. οὐκ ἤκουσεν ὁ βασ. τοῦ λ. (14)  
 — 16. ἀπεκρίθη ὁ λ. πρὸς τὸν βασ. (14)  
 13. 9. ἐποίησατε ἑαυτοὺς ἱερεῖς ἐκ τοῦ λ. (14)  
 — 17. ἐπάταξεν ἐν αἰτοῖς 'Α. καὶ ὁ λ. αὐτοῦ (14)  
 14. 13 (12). κατεδίωξεν 'Α. καὶ ὁ λ. αὐτοῦ (14)  
 16. 10. ἐλυμήνατο 'Α. ἐν τῷ λ. (14)  
 17. 9. ἐδίδασκον τὸν λ. (14)  
 18. 2. ἔθυσεν αὐτῷ... καὶ τῷ λ. τῷ μετ' αὐτοῦ (14)  
 — 3. Β. ὡς ὁ λ. μου [A B σου] καὶ ὁ λ. σου [A B μου] (14, 14)  
 — 27. ἀκούσατε, λ. πάντες (14)

II Ch. 19. 4. ἐξῆλθεν εἰς τὸν λ. (14)  
 20. 7. Α. ἀπὸ προσώπου λαοῦ σου [B om. λ. σ.] 'Ισρ. (14)  
 — 21. ἐβουλεύσατο μετὰ τοῦ λ. (14)  
 — 25. ἦλθεν 'Ιωσ. καὶ ὁ λ. αὐ. (14)  
 — 33. ὁ λ. οὐ κατεῖθνε τὴν καρδίαν (14)  
 21. 9. ἐφυνεν ὁ λ. εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. (14)  
 — 14. πατάξει σε πληγὴν μεγάλην ἐν τῷ λ. σου (14)  
 — 19. οὐκ ἐποίησεν ὁ λ. αὐ. ἐκφορὰν (14)  
 23. 5. πᾶς ὁ λ. ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (14)  
 — 6. πᾶς ὁ λ. φυλασσέτω φυλακὰς (14)  
 — 10. ἐστῆσε πάντα τὸν λ. (14)  
 — 12. ἤκουσε Γ. τὴν φωνὴν τοῦ λ. (14)  
 — 13. πᾶς ὁ λ. ὑψοφράνθη (14)  
 — 16. ἀνὰ μέσον αὐτοῦ καὶ τοῦ λ. (14)  
 — 16. εἶναι λαὸν τῷ κυρίῳ (14)  
 — 17. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς εἰς οἶκον Β. (14)  
 — 20. ἔλαβε... τοὺς ἄρχοντας τοῦ λ. καὶ πάντα τὸν λ. τῆς γῆς (14, 14)  
 — 21. ὑψοφράνθη πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)  
 24. 10. πάντες ἄρχοντες καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 20. ἀνέστη ἐπάνω τοῦ λ. (14)  
 — 23. κατέφθειραν πάντας τοὺς ἄρχοντας τοῦ λ. ἐν τῷ λ. (14, 14)  
 25. 11. παρέλαβε τὸν λ. αὐ. (14)  
 — 15. τί ἐξήγῃς τοὺς θεοὺς τοῦ λ. οἱ οὐκ ἐξείλαντο τὸν λ. αὐ. (14, 14)  
 26. 1. ἔλαβε πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς τὸν 'Ο. (14)  
 — 21. κρίνων τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 27. 2. ἔτι ὁ λ. κατεφθείρειτο (14)  
 29. 36. ὑψοφράνθη 'Εζ. καὶ πᾶς ὁ λ. διὰ τὸ ἡτοιμακίαν τὸν θεὸν τῷ λ. (14, 14)  
 30. 3. ὁ λ. οὐ συνηχθὲν εἰς 'Ιερ. (14)  
 — 13. συνηχθῆσαν εἰς 'Ιερ. λ. πολὺς (14)  
 — 18. πλείστον τοῦ λ. ... οὐχ ἦγγισαν (14)  
 — 20. ἴσατο τὸν λ. (14)  
 — 24. ἀπῆρξαντο τῷ λ. μόσχους χυλίου (14)  
 — 27. ὑψοφράνθη τὸν λ. (14)  
 31. 4. εἶπαν τῷ λ. (14)  
 — 8. ὑψοφράνθη τὸν κ. καὶ τὸν λ. αὐ. 'Ισρ. (14)  
 — 10. κύριος ὑψοφράνθη τὸν λ. αὐ. (14)  
 32. 4. συνηγαγε λ. πολὺν (14)  
 — 6. ἔθετο ἄρχοντας τοῦ πολ. ἐπὶ [A εἰς] τὸν λ. (14)  
 — 8. κατεβάρσθησεν ὁ λ. (14)  
 — 13. ὁ τι [A τί] ἐποίησα... πᾶσι τοῖς λ. τῶν χωρῶν (14)  
 — 13. σώσαι τὸν λ. αὐ. ἐκ χειρὸς μου (14)  
 — 14. σώσαι τὸν λ. αὐ. ἐκ χειρὸς μου (14)  
 — 15. τοῦ σώσαι τὸν λ. αὐ. ἐκ χειρὸς μου (14)  
 — 17. οὐκ ἐξείλαντο λαοὺς αὐ. [A τοὺς λ. ἐαν.] (14)  
 — 17. οὐ μὴ ἐξέλθῃς ὁ θεός 'Εζ. λαὸν αὐ. (14)  
 — 18. ἐβόσθη... ἐπὶ λαὸν 'Ιερ. [A al.] (14)  
 — 19. Α. Β. ἐλάλησεν... ἐπὶ θεοὺς λαῶν [B θεοὺ Σαλ.] (14)  
 33. 10. ἐλάλησε κύριος... ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 17. ὁ λ. ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 25. ἐπάταξεν ὁ λ. τῆς γῆς τοὺς ἐπιθεμ. [A -τιθεμ.] (14)  
 — 25. ἐβασίλευσεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν 'Ιωσ. (14)  
 34. 30. καὶ πᾶς ὁ λ. ἀπὸ μεγάλου ὥς μικροῦ (14)  
 35. 3. λειτουργήσατε... τῷ [A om.] λ. αὐ. 'Ισρ. (14)  
 — 5. τοῖς ἀδελφοῖς ὑμῶν υἱοὺς τοῦ λ. (14)  
 — 7. ἀπῆρξατο 'Ι. τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. πρόβατα (14)  
 — 8. ἀπῆρξαντο τῷ λ. (14)  
 — 12. παραδούναί αὐτοῖς... τοῖς υἱοῖς τοῦ [A' om.] λ. (14)  
 — 13. ἐδραμον πρὸς πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. (14)  
 36. 1. ἔλαβεν ὁ λ. τῆς γῆς τὸν 'Ι. (14)  
 — 4. ἀπῆγει τὸ ἀργύριον... παρὰ τοῦ λ. τῆς γῆς (14)  
 — 14. ὁ λ. τῆς γῆς ἐπλήθυνεν τὸ ἀθετήσαι (14)  
 — 15. ἡν φειδόμενος τοῦ λ. αὐ. (14)  
 — 16. ὡς ἀνέβη ὁ θυμὸς κ. ἐν τῷ λ. αὐ. (14)  
 — 23. τίς ἐξ ὑμῶν ἐκ παντὸς τοῦ λ. αὐ. (14)  
 I Es. 1. 7. ἐδωρήσατο 'Ι. τῷ λ. (14)  
 — 7. ἐδόθη κατ' ἐπαγγελίαν τῷ λ. (14)  
 — 11. ἐστήσαν... ἐμπροσθεν τοῦ λ. (14)  
 — 13. ἀπῆνεγκαν πᾶσι τοῖς ἐκ τοῦ λ. (14)  
 — 49. καὶ οἱ ἡγούμεν. δὲ τοῦ λ. (14)  
 4. 10. πᾶς ὁ λ. αὐ. καὶ αἱ δυνάμεις αὐ. ἐνακούουσιν (14)  
 — 15. οἱ γυναῖκες ἐγέννησαν... πάντα τὸν λ. (14)  
 — 41. πᾶς ὁ λ. τότε ἐφώτισε (14)  
 5. 46. κατωκίσθησαν... οἱ ἐκ τοῦ λ. (14)  
 — 62. πᾶς ὁ λ. ἐσάλπισαν (14)  
 — 65. ὥστε τὸν λ. μὴ ἀκούειν... διὰ τὸν κλαυθμόν τοῦ λ. (14)  
 6. 16. τὸν λ. ἡχμολώτευσαν (14)

- 11 Ες. 1. 3. τίς ἐν ὑμῖν ἀπὸ παντός τοῦ λ. αὐ. (14)  
 2. 2. ΑΒ ἀνὴρ ἀρίμους λαοῦ [Β om.] Ἰσρ. (14)  
 — 70. Β ἐκάθισαν . . . ἀπὸ [ΑΒ οἱ ἀπὸ] τοῦ λ. (14)  
 3. 1. συνήχθη δ λ. (14)  
 — 3. ΑΒ ἀπὸ τῶν λ. τῶν γαιῶν (14)  
 — 11. Β πᾶς δ λ. ἐσημαίνον [Β -ε, Α -μην] (14)  
 — 13. ΑΒ οὐκ ἦν δ [Β om.] λ. ἐπιγινώσκων (14)  
 — 13. ΑΒ ἀπὸ τῆς φωνῆς τοῦ κλαυθμοῦ τοῦ λ. [Β al.] (14)  
 — 13. δ [Α om.] λ. ἐκράυγασε (14)  
 4. 4. ΑΒ ἦν δ λ. τῆς γῆς ἐκλύων χεῖρας τοῦ [Β om.] λ. Ἰ. (14, 14)  
 5. 12. τὸν λ. ἀπέκτισεν εἰς Βαβ. (14)  
 6. 12. Β καταστρέψει [ΑΒ -αι] πάντα βασ. καὶ λαὸν (14)  
 7. 13. πᾶς δ ἐκουσιαζόμεν . . . ἀπὸ λαοῦ Ἰσρ. (14)  
 — 16. μετὰ ἀκουσιασμοῦ τοῦ λ. (14)  
 — 25. ἵνα ὦσι κρίνοντες παντὶ τῷ λ. (14)  
 8. 15. συνήκα ἐν τῷ λ. (14)  
 — 36. ἐδόξασαν τὸν λ. (14)  
 9. 1. οὐκ ἐχωρίσθη δ λ. Ἰσρ. . . ἀπὸ λαῶν τῶν γαιῶν (14, 14)  
 — 2. παρήχθη σπέρμα τὸ θυγόν ἐν λαοῖς τῶν γαιῶν (14)  
 — 11. ἐν μετακινήσει λαῶν τῶν ἐθνῶν (14)  
 — 14. ΑΒ Ε ἐπιγαμβρεύσας [Β γ.] τοῖς λ. (14)  
 10. 1. ἐκλαυσε δ λ. (14)  
 — 2. γυναικας ἀλλοτριὰς ἀπὸ λαῶν τῆς γῆς (14)  
 — 9. ἐκάθισε πᾶς [Β om.] δ λ. (14)  
 — 11. διαστράφη ἀπὸ λαῶν τῆς γῆς (14)  
 — 13. ἀλλὰ δ λ. πολὺς (14)  
 Ne. 1. 8. διασκορπίω ὑμᾶς ἐν τοῖς λ. (14)  
 — 10. αὐτοὶ παῖδες σου καὶ λαὸς σου (14)  
 4. 13 (7). ἔστησαν τὸν λ. κατὰ δῆμους (14)  
 — 14 (8), 19 (13). εἶπα . . . πρὸς τοὺς καταλοί-  
 — 22 (16). εἶπα τῷ λ. (14)  
 5. 1. ἦν κραυγὴ τοῦ λ. . . μεγάλη (14)  
 — 13. ἐποίησεν δ λ. τὸ ῥῆμα τοῦτο (14)  
 — 15. ἐξουσιάζονται ἐπὶ τὸν λ. (14)  
 — 18. βαρεῖα ἡ δουλεία ἐπὶ τὸν λ. τούτων (14)  
 — 19. ὅσα ἐποίησα τῷ λ. τούτῳ (14)  
 6. 1. ἔως τοῦ καιροῦ [Β<sup>2</sup> λαοῦ] ἐκείνου (14)  
 7. 4. καὶ δ λ. ὀλίγος ἐν αὐτῇ (14)  
 — 5. συνῆξα . . . τὸν λ. (14)  
 — 7. ἀνδρες λαοῦ [Β<sup>1</sup> υἱοῦ, Β<sup>2</sup> τοῦ] Ἰσρ. (14)  
 — 72. Β Β ἔδωκαν οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. (14)  
 — 73. οἱ ἀπὸ τοῦ λ. καὶ οἱ Ναβ. (14)  
 8. 1. συνήχθησαν πᾶς δ λ. (14)  
 — 3. καὶ ὅσα παντός τοῦ λ. εἰς τὸ βιβλίον τοῦ νόμου (14)  
 — 5. ἐνόησαν παντός τοῦ λ. (14)  
 — 5. αὐτὸς ἦν ἐπ' αὐτῷ τοῦ λ. (14)  
 — 5. ἔστι πᾶς δ λ. (14)  
 — 6. ἀπεκρίθη πᾶς δ λ. (14)  
 — 7. ἦσαν συνετίζοντες τὸν λ. (14)  
 — 8. καὶ δ λ. ἐν τῇ στάσει αὐ. (14)  
 — 8. συνηκεν δ λ. [ΑΒ add.] ἐν τῇ ἀνα-  
 — 9. ΑΒ Β καὶ οἱ συνετίζοντες τὸν λ. [Β al.] (14)  
 — 9. εἶπαν παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 9. ἔκλειε πᾶς δ λ. (14)  
 — 11. ΑΒ κατεσίωπον πάντα [Β Β om.] τὸν λ. (14)  
 — 12. ἀπῆλθε πᾶς δ λ. (14)  
 — 13. συνήχθησαν . . . σὺν [ΑΒ om.] τῷ παντὶ λ. (14)  
 — 16. καὶ ἐξῆλθεν δ λ. (14)  
 9. 10. ΑΒ Β<sup>2</sup> καὶ ἐν παντὶ τῷ λ. τῆς γῆς αὐ. (14)  
 — 22. ἔδωκαν αὐτοῖς . . . λαοὺς (14)  
 — 24. ἔδωκαν . . . τοὺς λ. τῆς γῆς (14)  
 — 30. ἔδωκαν αὐτοὺς ἐν χειρὶ λαῶν τῆς γῆς (14)  
 — 32. δε εὗρεν ἡμᾶς . . . ἐν παντὶ τῷ λ. σου (14)  
 10. 14 (15). ἄρχοντες τοῦ λ. (14)  
 — 28 (29). καὶ οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. (14)  
 — 28 (29). πᾶς δ προσπορευόμεν ἀπὸ λαῶν [ΑΒ οὐ λ.] τῆς γῆς (14)  
 — 30 (31). τοῦ μὴ δοῦναι θυγατέρας ἢ τοῖς λ. τῆς γῆς (14)  
 — 31 (32). καὶ λαοὶ τῆς γῆς . . . οὐκ ἀγορεύμεν παρ' αὐτῶν (14)  
 — 34 (35). οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ Α. καὶ δ λ. (14)  
 11. 1. ἐκάθισαν οἱ ἄρχοντες τοῦ λ. (14)  
 — 1. ΑΒ<sup>2</sup> Β οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. ἐβάλλσαν [Β Β<sup>1</sup> ἐλάβωσαν] (14)  
 — 2. εὐλόγησαν δ λ. τοὺς πάντας ἄνδρας (14)  
 — 24. εἰς πᾶν χρήμα [Β<sup>2</sup> ῥῆμα] τῷ λ. (14)
- Ne. 12. 30. ἐκάθισαν τὸν λ. (14)  
 — 38. Β<sup>2</sup> τὸ ἥμισυ τοῦ λ. ἐπάνω τοῦ τείχους (14)  
 13. 1. ἀνεγνώσθη . . . ἐν ὧσι τοῦ λ. (14)  
 — 24. Β<sup>2</sup> κατὰ γλώσσαν λαοῦ καὶ λαοῦ (14, 14)  
 To. 4. 13. ΑΒ Β μὴ ἐμφανέσθαι . . . ἀπὸ τῶν . . . θυγατέρων τοῦ λ. σου (14)  
 14. 7. δ λ. αὐτοῦ ἐξομολογήσεται τῷ θεῷ [Β al.] (14)  
 — 7. ὑψώσει κύριος τὸν λ. αὐτοῦ [Β al.] (14)  
 Ju. 4. 3. πωσὶ πᾶς δ λ. συνελλεκτο (14)  
 — 8. Α καὶ ἡ γερουσία παντός λ. [Β Β δῆμου] Ἰ. (14)  
 — 13. καὶ ἦν δ λ. νηστειῶν (14)  
 — 14. ΑΒ καὶ τὰ ἑκούσια δόματα τοῦ λ. (14)  
 5. 3. τίς δ λ. οὗτος δ καθήμενος ἐν τῇ ὀρεινῇ (14)  
 — 5. ἀναγγελῶ σοι τὴν ἀλήθειαν περὶ τοῦ λ. (14)  
 — 6. δ λ. οὗτος εἰσιν ἀπόγονοι Χαλδαίων (14)  
 — 20. εἰ μὲν ἐστὶν ἀγνόημα ἐν τῷ λ. τούτῳ (14)  
 — 22. ἐγγύγισται πᾶς δ λ. (14)  
 — 23. ἰδοὺ γὰρ λαὸς ἐν ᾧ οὐκ ἔστι δύναμις (14)  
 6. 6. διελύσεται . . . δ λ. τῶν θεραπόντων μου (14)  
 — 16. ἔστησαν τὸν Α. ἐν μέσῳ παντός τοῦ λ. (14)  
 — 18. πεσόντες δ λ. προσεκύνσαν (14)  
 7. 1. παρήγγειλεν Ὁλ. . . παντὶ τῷ [Α om.] λ. αὐ. (14)  
 — 7. ἀνέκυεν εἰς τὸν λ. αὐ. (14)  
 — 8. καὶ πάντες οἱ ἡγούμενοι τοῦ λ. Μ. (14)  
 — 10. δ γὰρ λ. οὗτος τὸν νῆψιν Ἰσρ. (14)  
 — 11. οὐ πεσείσται ἐκ τοῦ λ. σου (14)  
 — 13. ἡμεῖς καὶ δ λ. ἡμῶν ἀναβησόμεθα (14)  
 — 23. ἐπισυνήχθησαν πᾶς δ λ. ἐπὶ Ὁ. (14)  
 — 26. ἔκδοσθε τὴν πόλιν πᾶσαν εἰς προνομήν τῷ λ. Ὁλ. (14)  
 — 32. ἐσκόρπισε τὸν λ. (14)  
 8. 9. ἤκουσε τὰ ῥήματα τοῦ λ. τὰ πονηρὰ (14)  
 — 11. ὃν ἐλαλήσατε ἐναντίον τοῦ λ. (14)  
 — 29. ἔγνω πᾶς δ λ. τὴν συνέσιν σου (14)  
 — 30. δ λ. ἐδίψησε σφόδρα (14)  
 19. 19. τίς καταφρονεῖ τοῦ λ. τούτου (14)  
 11. 2. δ λ. σου ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινὴν (14)  
 — 13. ΑΒ ἄψαυται οὐδένα τῶν ἐκ τοῦ λ. (14)  
 — 22. ΑΒ ἀποστείλας σε ἔμπροσθεν τοῦ λ. (14)  
 12. 8. ΑΒ εἰς ἀνάστημα τῶν υἱῶν τοῦ λ. αὐ. (14)  
 13. 17. ἐξέστη πᾶς δ λ. σφόδρα (14)  
 — 17. δ ἐξουθενώσας . . . τοὺς ἐχθροὺς τοῦ λ. σου (14)  
 — 20. καὶ εἶπαν πᾶς δ λ. (14)  
 14. 6. ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ λ. (14)  
 — 8. ἀπήγγειλεν αὐτῷ Ἰ. ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)  
 — 9. ἡλάλαξεν δ λ. (14)  
 — 17. ἐξεπήδησεν εἰς τὸν λ. (14)  
 15. 10. καὶ εἶπε πᾶς δ λ. (14)  
 — 11. ἐλαφύρυσσε πᾶς [ΑΒ om.] δ λ. τὴν παρεμβ. (14)  
 — 13. προήλθε παντός τοῦ λ. (14)  
 — 14. ὑπερφώνει πᾶς δ λ. τὴν αἴνεσιν ταύτην (14)  
 16. 3. ἐν μέσῳ [Β add.] λαοῦ ἐξεϊλατό με (14)  
 — 18. ἡνίκα ἐκαθαρίσθη δ λ. (14)  
 — 19. ὅσα ἔδωκεν δ λ. αὐτῇ (14)  
 — 20. ἦν δ λ. εὐφρανόμενος (14)  
 — 22. προσετίθη πρὸς τὸν λ. αὐ. (14)  
 Es. 1. 1. κακοποιᾶσαι . . . τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 8. 13. ἀναμείχθαι δυσμενῇ λ. τινα (14)  
 4. 8. ἀξιώσαι αὐτὸν περὶ τοῦ λ. (14)  
 — 11. Β<sup>2</sup> καὶ λαὸς ἐπαρχίων τοῦ βασ. (14)  
 — 17. φέισαι τοῦ λ. σου (14)  
 7. 3. ΑΒ Β<sup>1</sup> καὶ ὁ λόγος [Β<sup>2</sup> Β λαός] μου τῷ ἀξιωματὶ μου (14)  
 — 4. ἐπράθημεν γὰρ ἐγὼ τε καὶ δ λ. μου (14)  
 8. 6. ἴδεν τὴν κάκωσιν τοῦ λ. μου (14)  
 — 11. Β<sup>2</sup> πᾶσαν δύναμιν λαοῦ καὶ χώρας (14)  
 10. 3. ἔσωσε κύριος τὸν λ. αὐ. (14)  
 — 3. Β ἐν τῷ λ. τοῦ θεοῦ [Β τῷ θεῷ τοῦ λ.] (14)  
 — 3. ἐμνήσθη δ θ. τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 — 3. ἐν τῷ λ. αὐ. Ἰσρ. (14)  
 Jb. 18. 19. οὐκ ἔσται ἐπιγνώστος ἐν λαῷ [Α τῷ λ.] αὐ. (14)  
 31. 30. θρυλῆσθην δι' ἄρα ὑπὸ λαοῦ μου κακού-  
 — 34. Α οὐ γὰρ διετράπην πολυλοχίαν λαοῦ [Β Β πλῆθος] (7)  
 84. 30. βασιλείων ἄνθρωπον ὑποκριτὴν ἀπὸ δυσκολίας λαοῦ (14)  
 36. 20. τοῦ ἀναβῆναι λαοὺς ἀντ' αὐτῶν (14)  
 — 31. ἐν γὰρ αὐτοῖς κρινεῖ λαοὺς (14)  
 Ps. 2. 1. λαοὶ ἐμελέτησαν κενὰ (14)  
 — 3. 6. οὐ φοβηθήσονται ἀπὸ μυριάδων λαοῦ (14)  
 — 8. ἐπὶ τὸν λ. σου ἡ εὐλογία σου (14)  
 — 7. συναγωγὴ λαῶν κυκλώσει σε (14)  
 — 8. κύριος κρινεῖ λαοὺς (14)  
 9. 8. κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐδότητι (14)
- Ps. 13 (14). 4. οἱ κατέσθοντες τὸν λ. μου (14)  
 — 7. ἐν τῷ ἐπιστρέφει κ. τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. αὐ. (14)  
 17 (18). 27. σὺ λαὸν ταπεινὸν σώσεις (14)  
 — 43. ἐξ ἀντιλογίων [Β<sup>2</sup> -ίας] λαοῦ [Α -ῶν] (14)  
 — 43. λαὸς ὃν [Α ὅς] οὐκ ἔγνω ἐδουλεύσει μοι (14)  
 — 47. καὶ ὑποτάξας λαοὺς ὑπ' ἐμέ (14)  
 21 (22). 6. καὶ ἐξουθένημα λαοῦ (14)  
 — 31. ἀναγγελοῖσι τὴν δικαιοσύνην αὐ. λαῷ τῷ τεχέσῳ. (14)  
 26 (27). 4. Β<sup>1</sup> καὶ ἐπισκέπτεσθαι τὸν λ. [ΑΒ Β<sup>2</sup> ναὸν] (14)  
 27 (28). 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 — 9. σώσον τὸν λ. σου (14)  
 28 (29). 11. κύριος ἰσχύει τῷ λ. αὐτοῦ δώσει κύριος εὐλογίῃσι τὸν λ. αὐτοῦ (14, 14)  
 32 (33). 10. ἀθετεῖ δὲ λογισμοὺς λαῶν (14)  
 — 12. λαὸς ὃν ἐξελέξατο εἰς κληρονομίαν αὐτῷ (14)  
 34 (35). 18. ἐν λαῷ βλαβεῖ αἰνέσω σε (14)  
 48 (44). 2. ἐκάκωσας λαοὺς (14)  
 — 12. ἀπέδου τὸν λ. σου ἀνευ τιμῆς (14)  
 — 14. κύνειν κεφαλὰς ἐν τοῖς λ. (14)  
 44 (45). 5. λαοὶ ὑποκάτω σου πεσοῦνται (14)  
 — 10. ἐπλάθου τοῦ λ. σου (14)  
 — 12. τὸ πρόσωπόν σου λιτανεύουσιν οἱ πλοῖοι τοῦ λ. (14)  
 — 17. λαοὶ [Α<sup>1</sup> om.] ἐξομολογήσονται σοι εἰς τὸν αἰῶνα τὸν αἰῶνα (14)  
 46 (47). 3. ὑπέταξε λαοὺς ἡμῖν (14)  
 — 9. ἀρχοντες λαῶν συνήχθησαν (14)  
 47 (48). 9. ἐν μέσῳ τοῦ λ. σου (14)  
 49 (50). 4. διακρίνει τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 7. ἄκουσον, λαὸς μου (14)  
 52 (53). 4. οἱ κατεσθίνοντες τὸν λ. μου (14)  
 — 6. ἐν τῷ ὑποστρέφει κύριος τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 55 (56) τίς. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τοῦ λ. (14)  
 — 7. ἐν ὀργῇ λαοὺς κατάξει (14)  
 56 (57). 9. ἐξομολογήσονται σοι ἐν λαοῖς (14)  
 59 (60). 3. ἔδειξας τῷ λ. σου σκληρὰ (14)  
 61 (62). 8. Β ἐλπίσατε ἐπ' αὐτὸν πᾶσα συνα-  
 — 66 (67). 2. Β<sup>1</sup> ἐν πᾶσιν τοῖς λ. [Β Β<sup>2</sup> π. ἔθνεσι] τὸ σωτηρίῳν σου (14)  
 — 3. ἐξομολογήσασθωσάν σοι λαοὶ, δ θεός, ἐξομολογήσασθωσάν σοι λαοὶ πάν-  
 — 4. Β κρινεῖς [Β κρινεῖ] λαοὺς ἐν εὐδότητι (14)  
 — 5. ἐξομολογήσασθωσάν σοι λαοὶ, δ θεός, ἐξομολογήσασθωσάν σοι λαοὶ πάν-  
 — 67 (68). 7. ἐν τῷ ἐκπορεύεσθαι σε ἐνώπιον τοῦ λ. σου (14)  
 — 30. ἡ συναγωγὴ τῶν ταύρων ἐν ταῖς δαμά-  
 — 35. δώσει δύναμιν καὶ κραταίωσιν τῷ λ. αὐ. (14)  
 71 (72). 2. κρινεῖν τὸν λ. σου ἐν δικαιοσύνῃ (14)  
 — 3. ἀναλαβέτω τὰ ὄρη εἰρήνην τῷ λ. σου (14)  
 — 4. κρινεῖ τοὺς πτωχοὺς τοῦ λ. (14)  
 72 (73). 10. ἐπιστρέψει δ λ. μου ἐνταῦθα (14)  
 73 (74). 14. ἔδωκεν αὐτὸν βρῶμα λαοῖς τοῖς Αἰθίοψι (14)  
 — 18. λαὸς ἄφρων παρώξυνε τὸ ὄνομά σου (14)  
 76 (77). 14. ἐγνώρισας ἐν τοῖς λ. τὴν δύναμίν σου (14)  
 — 15. ἐλυτρώσω ἐν τῷ βραχίονί σου τὸν λ. σου (14)  
 — 20. ὠδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λ. σου (14)  
 77 (78). 1. προσέχετε λαὸς μου τὸν νόμον μου (14)  
 — 20. ἐτοιμάσαι τράπεζαν τῷ λ. αὐτοῦ (14)  
 — 52. ἀπρεν ὡς πρόβατα τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 62. συνέκλινεν εἰς βομβήσαν τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 78 (79). 13. ἡμεῖς γὰρ λαὸς σου (14)  
 80 (81). 8. ἄκουσον λαὸς μου (14)  
 — 11. οὐκ ἤκουσεν δ λ. μου τῆς φωνῆς μου (14)  
 — 13. εἰ δ λ. μου ἤκουσε μου (14)  
 82 (83). 3. ἐπὶ τὸν λ. σου κατεπανουργήσαντο γνώμην (14)  
 84 (85). 2. ἀφῆκαν τὰς ἀνομίας τῷ λ. σου (14)  
 — 6. δ λ. σου εὐφρανθήσεται ἐπὶ σοί (14)  
 — 8. λαλήσει εἰρήνην ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 86 (87). 4. ἀλλόφυλος καὶ Τύρος καὶ λαὸς Αἰθιοπῶν (14)  
 — 6. κύριος διηγῆσεται ἐν γραφῇ λαῶν (14)  
 88 (89). 3. Β<sup>1</sup> ὑψώσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λ. μου (14)  
 — 15. μακρίσας δ λ. ὁ γνώσκων ἀλλαγμὸν (14)  
 — 19. ὑψώσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λ. μου (14)

- Ps. 93 (94). 5. τὸν λ. σου, κύριε, ἐταπείνωσαν (14)  
 — 8. συνέτε δὴ ἄφρονες ἐν τῷ λ. (14)  
 — 14. οὐκ ἀποστείλει κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 94 (95). 3. B S<sup>2</sup> οὐκ ἀποστείλει κύριος τὸν λ. αὐτοῦ —  
 — 7. ἡμίς λαὸς νομῆς αὐτοῦ (14)  
 95 (96). 3. ἐν πᾶσι τοῖς λ. τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (14)  
 — 10. κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐθιότητι (14)  
 — 13. κρινεῖ . . . λαοὺς ἐν τῇ ἀληθείᾳ αὐτοῦ (14)  
 96 (97). 6. εἶδον πάντες οἱ λ. τὴν δόξαν αὐτοῦ (14)  
 97 (98). 9. κρινεῖ . . . λαοὺς ἐν εὐθιότητι (14)  
 98 (99). 1. ὀργίσθησαν λαοὶ (14)  
 — 2. ὑψηλὸς ἵσταν ἐπὶ πάντας τοὺς λ. (14)  
 99 (100). 3. λαὸς αὐ. καὶ πρύβαρα τῆς νομῆς αὐ. (14)  
 101 (102). 18. λαὸς ὁ κτιζόμενος αἰνέσει τὸν κ. (14)  
 — 22. ἐν τῷ συναγῆναι λαοὺς ἐπὶ τὸ αὐτό (14)  
 104 (105). 13. καὶ ἐκ βασιλείας εἰς λαὸν ἕτερον (14)  
 — 20. ἀρχαν λυῶν καὶ ἀφίκεν αὐτὸν (14)  
 — 24. ᾤξθησεν τὸν λ. αὐτοῦ σφόδρα (14)  
 — 25. τοῦ μισῆσαι τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 43. ἐξήγειρε τὸν λ. αὐτοῦ ἐν ἀγγαλίᾳ (14)  
 — 44. πόνους λαῶν ἐκληρονομῆσαν (9)  
 105 (106). 4. ἐν τῇ ἐδοκίμα τὸν λ. σου (14)  
 — 40. ὀργίσθη θυμῷ κύριος ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 48. ἐρίαι πᾶς ὁ λ. (14)  
 106 (107). 32. A S<sup>2</sup> B ὑψώσαντες αὐτὸν ἐν ἐκκλησίᾳ [B<sup>1</sup> αἰς] λαοῦ (14)  
 107 (108). 3. ἐξομολογήσονται σοὶ ἐν λαοῖς (14)  
 110 (111). 6. ἰσχύοντες αὐ. ἀνίγειλε τῷ λ. αὐ. (14)  
 — 9. λυτρώσαντες ἀπέστειλε τῷ λ. αὐτοῦ (14)  
 112 (113). 8. τοῦ καθίσαι αὐτὸν . . . μετὰ ἀρχόντων λαοῦ αὐτοῦ (14)  
 113 (114). 1. ἐν ἐξόδῳ . . . οἴκου Ἰακώβ ἐκ λαοῦ βαρβάρου (14)  
 115. 5 (116. 14). B ἐναντίον παντὸς τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 — 9 (116. 18). ἐναντίον παντὸς τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 116 (117). 1. ἐπαινεῖσθε αὐτὸν πάντες οἱ λ. (2)  
 118 (119). 114. S<sup>1</sup> εἰς τὸν λ. σου ἤλπισα [A S<sup>2</sup> B αἰ.] (14)  
 124 (125). 2. κύριος κύκλω τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 134 (135). 12. B κληρονομίαν Ἰσραὴλ λαῷ [A B δούλῳ] αὐτοῦ (14)  
 — 14. A S<sup>2</sup> B οὗτοι κρινεῖ [S<sup>1</sup> οἰκτεῖται] κύριος τὸν λ. αὐ. (14)  
 135 (136). 16. τῷ διαγαγόντι τὸν λ. αὐ. ἐν τῇ ἐρίμῳ (14)  
 — 22. S<sup>1</sup> κληρονομίαν Ἰσραὴλ λαῷ [A S<sup>2</sup> B δούλῳ] αὐ. (13)  
 143 (144). 2. ὁ σπασάμενος τὸν λ. μου [A αὐτοῦ, S<sup>1</sup> σου] ὑπὲρ ἐμέ (14)  
 — 15. ἐμακάρισαν [S<sup>1</sup> -σα] τὸν λ. (14)  
 — 15. μακάριος ὁ λ. οὗ κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ (14)  
 148. 11. βασιλεῖς τῆς γῆς καὶ πάντες λαοὶ (9)  
 — 14. ὑψώσας κίρας λαοῦ αὐτοῦ (14)  
 — 14. λαῷ ἐγγίξονται αὐτῷ (14)  
 149. 4. εὐδοκίαν κύριος ἐν λαῷ [S<sup>2</sup> τῷ λ.] αὐ. (14)  
 — 7. τοῦ ποιῆσαι . . . ἐλεγεῖν ἐν τοῖς λ. (9)  
 Pr. 14. 28. ἐν δὲ ἐκλείπει λαοὺ συντριβὴ δυνά-  
 στου (9)  
 24. 39 (24). ἐπικατάρτας λαοὶς ἔσται (14)  
 29. 2. ἐγκωμιαζόμενοι δικαίον εὐφρανθήσονται λαοὶ (14)  
 Ec. 4. 16. οὐκ ἔστι παρασμός τῷ παντὶ λ. (14)  
 Wi. 3. 8. κρατήσουσι λαῶν (14)  
 4. 15. οἱ δὲ λ. [A<sup>2</sup> ἄλλοι] ἰδόντες (14)  
 6. 21. τύραννοι λαῶν, τιμῆσάτε σοφίαν (14)  
 8. 14. διακίσησιν λαοὺς (14)  
 9. 7. σὺ με προκίω βασιλεία λαοῦ σου (14)  
 — 12. διακίνησιν τὸν λ. σου δικαίως (14)  
 10. 15. αὐτὴ λαὸν ὄσιν . . . ἐρρύσατο (14)  
 12. 19. ἐδίδαξας δὲ σου τὸν λ. διὰ τῶν τοιοῦτων ἔργων (14)  
 15. 14. οἱ ἐχθροὶ τοῦ λ. σου καταδυναστεύσαντες αὐτὸν (14)  
 16. 2. εἰσεργησάντων τὸν λ. σου (14)  
 — 20. ἀγγέλων προφῆν ἐψώμασας τὸν λ. σου (14)  
 18. 5. S<sup>1</sup> τοὺς δὲ ἐχθρούς τοῦ λ. ὁμοθυμαδὸν ἀπό-  
 λεσας [A B S<sup>2</sup> αἰ.] (14)  
 — 7. προσεδέχθη ὑπὸ λαοῦ σου (14)  
 — 13. ὁμολόγησαν θεοῦ υἱὸν λαὸν εἶναι (14)  
 19. 5. ὁ μὲν λ. σου παράδοξον ὁδοιπορίαν περᾶσθ (14)  
 — 22. ἐμψάλυναν τὸν λ. σου (14)  
 Si. 9. 17. ὁ ἡγούμενος λαοῦ σοφὸς ἐν λόγῳ αὐτοῦ (14)  
 10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύει τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 2. κατὰ τὸν κριτὴν τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 Si. 10. 3. βασιλεὺς ἀπαιδευτὸς ἀπολεῖ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 16. 17. ἐν λαῷ πλείονι οὐ μὴ μνησθῶ (14)  
 24. 1. ἐν μέσῳ λαοῦ αὐτῆς κινηθήσεται (14)  
 — 6. ἐν παντὶ λαῷ καὶ ἐθνεῖ ἐκθησάμεν (14)  
 — 12. ἐρρίψατο ἐν λαῷ δεδοσμένῳ [S<sup>2</sup> δεδοκι-  
 μασμένῳ] (14)  
 30. 27 (38. 18). ἀκούσατέ μου, μεγιστάνες λαοῦ (14)  
 32 (35). 19. ὥς κρίνη τὴν κρίσιν τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 33 (38). 9. οἱ κακούντες τὸν λ. σου εὗρισαν ἀπό-  
 λειαν (14)  
 84 (81). 9. ἐποίησε γὰρ θαυμάσια ἐν λαῷ αὐτοῦ (14)  
 86. 17 (14). ἐλέησον λαόν, κύριε, κεκλημένον ἐπὶ  
 ὀνόματι σου (14)  
 — 19 (16). καὶ ἀπὸ τῆς δόξης σου τὸν λ. σου (14)  
 — 22 (19). κατὰ τὴν εὐλογίαν Ἰσραὴλ περὶ τοῦ  
 λ. [S<sup>1</sup> υἱοῦ] σου (14)  
 37. 23. ἀνὴρ σοφὸς τὸν ἑαυτοῦ λ. παιδεύσει (14)  
 — 26. ὁ σοφὸς ἐν τῷ λ. αὐτοῦ κληρονομίᾳ πίστιν (14)  
 38. 32. S<sup>2</sup> εἰς βουλὴν λαοῦ [ῥηθησονται] (14)  
 41. 18. ἀπὸ συναγωγῆς καὶ λαοῦ περὶ ἀνομίας (14)  
 42. 11. λαλίαν ἐν πόλει καὶ ἐκκλητὸν λαοῦ (14)  
 44. 4. ἡγούμενος λαοῦ ἐν διαβουλίοις καὶ συνέσει  
 [B ἐν σ.] γραμματείας λαοῦ (14)  
 — 15. σοφίαν αὐτῶν διηγήσονται λαοὶ (14)  
 45. 3. ἐνετείλατο αὐτῷ πρὸς λαὸν αὐτοῦ (14)  
 — 7. ἔδωκεν αὐτῷ ἐρατειάν λαοῦ (14)  
 — 9. εἰς μνημόσυνον υἱοῖς λαοῦ αὐτοῦ (14)  
 — 15. εὐλογεῖν τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 16. ἐξιλίσκεσθα περὶ τοῦ λ. σου (14)  
 — 22. πλὴν ἐν γῇ λαὸν οὐ κληρονομίᾳ καὶ μερίδι  
 οὐκ ἔσται αὐτῷ ἐν λαῷ (14)  
 — 23. καὶ στήσαι [A στήναι] αὐτὸν ἐν τροπῇ λαοῦ (14)  
 — 24. προστάτην ἁγίων καὶ λαῷ [S<sup>2</sup> -οῦ] αὐτοῦ (14)  
 — 26. κρίνει τὸν λ. αὐτοῦ ἐν δικαιοσύνῃ (14)  
 46. 7. κωλύσαι λαὸν ἀπὸ ἁμαρτίας (14)  
 — 13. ἐχρίσεν ὄρνιθας ἐπὶ τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 20. ἐξάλειψαι ἀνομίαν λαοῦ (14)  
 47. 4. ἐξήρην ὀνειδισμὸν ἐκ λαοῦ (14)  
 — 5. ἀνψώσας κίρας λαοῦ αὐτοῦ (14)  
 — 23. κατέλιπε μετ' αὐτὸν ἐκ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ  
 λαοὺ ἀφροσύνην καὶ ἔλασσόμενον συνέ-  
 σαι P. δὲ ἀπέστειλε λαόν [A τὸν λ.]  
 ἐκ βουλῆς αὐ. (14)  
 48. 15. ἐν πᾶσι τοῖς οὐ μετενόησεν ὁ λ. (14)  
 — 15. κατελείφθη ὁ λ. ὀλιγοστός (14)  
 49. 2. κατεβυβὴν ἐν ἐπιστροφῇ λαοῦ [S<sup>1</sup> αὐτοῦ] (14)  
 — 12. ἀνψώσαν λαόν [A ναόν] θύον (14)  
 — 15. ἡγούμενος ἀδελφῶν στήριγμα λαοῦ (14)  
 50. 4. ὁ φροντίζων τοῦ λ. [S<sup>1</sup> τὸ ἔλεον] αὐτοῦ (14)  
 — 5. ὡς [A δις] ἐδοξάσθη ἐν περιστροφῇ λαοῦ (14)  
 — 17. πᾶς ὁ λ. κοιτῇ κατεύθυνει (14)  
 — 19. ὀδεῖσθ ὁ [S<sup>1</sup> om.] λ. κυρίου νῆυστον (14)  
 — 26. ὁ [S om.] λ. μωρὸς ὁ κατὰ τὸν ἐν Σικίμοις (14)  
 Ho. 1. 9. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Οὐ λαὸς μου (14)  
 — 9. διῶτι ὑμεῖς οὐ λαὸς μου (14)  
 — 10 (2. 1). οὐ ἐρμήθη αὐτοῖς, Οὐ λαὸς μου  
 ὑμεῖς (14)  
 2. 1 (3). ἔπισται τῷ ἀδελφῷ ὑμῶν, λαὸς μου (14)  
 — 23 (25). καὶ ἐμὴ τῷ οὐ λαῷ μου, λαὸς μου  
 εἰ σὺ (14, 14)  
 4. 4. ὁ δὲ λ. μου ὡς ἀντιλεγόμενος ἱερεὺς (14)  
 — 6. ὁμοιωθὲν ὁ λ. μου ὡς οὐκ ἔχων γνῶσιν (14)  
 — 8. ἁμαρτίας λαοῦ μου φάγονται (14)  
 — 9. καὶ ἔσται καθὼς ὁ λ. (14)  
 — 12. μέθυμα ἐδέξατο καρδίᾳ λαοῦ μου (14)  
 — 14. καὶ ὁ λ. ὁ συνίων συνεπλέκετο μετὰ  
 πόρνῃς (14)  
 6. 12 (11). ἐν τῷ ἐπιστρέφειν τὴν αἰχμαλωσίαν  
 τοῦ λ. μου (14)  
 7. 8. Ἐ. ἐν τοῖς λ. αὐτοῦ συνεμήνυτο (14)  
 9. 1. μὴδὲ εὐφρανθῶν καθὼς οἱ λαοὶ (14)  
 10. 5. ἐπὶνῆσεν λαὸς [A ὁ λ.] αὐτοῦ ἐπ' αὐτὸν (14)  
 — 10. καὶ συναχθῶσιν ἐπ' αὐτοὺς λαοὶ (14)  
 — 14. καὶ ἐξαναστήσεται ἀπώλεια ἐν τῷ λ. σου (14)  
 11. 7. ὁ λ. αὐτοῦ ἐπικρεμάμενος ἐκ τῆς κατω-  
 κίας αὐ. (14)  
 — 12 (12. 1). καὶ λ. θγιὸς κεκληθήσεται θεοῦ (14)  
 Am. 1. 5. αἰχμαλωτευθήσεται λαός (14)  
 3. 6. καὶ λαὸς οὐ πτοηθήσεται (14)  
 7. 8. ἐν μέσῳ [A εἰς μέσον] λαοῦ μου (14)  
 — 15. προφῆτευσον ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσραὴλ (14)  
 8. 2. ἦκει τὸ πέραν ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσραὴλ (14)  
 9. 10. τελευτήσουσι πάντες ἁμαρτωλοὶ λαοῦ  
 μου (14)  
 — 14. A B ἐπιστρέψω τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ  
 [B om.] λ. μου (14)  
 Mi. 1. 2. ἀκούσατε λαοὶ λόγους (14)  
 — 9. καὶ ἦσαν ὡς πύλιν λαοῦ μου (14)  
 2. 4. μερίς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν σχοιῇ (14)  
 — 8. ὁ λ. μου εἰς ἐχθρὰν ἀντίστη [A ἀντι-  
 κατέστη] (14)  
 — 9. ἡγούμενος λαοῦ μου ἀπορριφθήσονται (14)  
 — 11. ἐκ τῆς σταγόνος τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 12. ἐκδέξομαι τοὺς καταλοιπούς τοῦ Ἰσ.  
 [A τοῦ λ. τούτου] (14)  
 3. 3. ὃν τρόπον κατέφαγον τὰς σάρκας τοῦ λ.  
 μου (14)  
 — 5. τοὺς προφῆτας τοὺς πλανῶντας τὸν λ.  
 μου (14)  
 4. 1. καὶ σπεύσουσι πρὸς αὐτὸ λαοὶ (14)  
 — 3. καὶ κρινεῖ ἀνὰ μέσον λαῶν πολλῶν (14)  
 — 5. ὅτι πάντες οἱ λαοὶ πορεύονται (14)  
 — 13. κατατρίβει [A λεπτεῖναι] λ. πολλούς (14)  
 5. 7 (6), 8 (7). ἐν μέσῳ λαῶν πολλῶν (14)  
 6. 2. B ἀκούσατε ὅρη [A Βουνοί, B λαοί] τὴν  
 κρίσιν (14)  
 — 2. ὅτι κρίσις τῷ κυρίῳ πρὸς τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 3. λαὸς μου, τί ἐποίησά σοι (14)  
 — 5. λαὸς μου μνησθήτι δὴ (14)  
 — 15. καὶ ἀφανισθήσεται νόμιμα λαοῦ μου (14)  
 — 16. καὶ ὀνειδὴ λαῶν λήψεται (14)  
 7. 14. ποίμαινε λαόν σου ἐν ῥάβδῳ σου (14)  
 J. 2. 2. χυθῆσεται ἐπὶ τὰ ὅρη λαὸς πολλὸς καὶ  
 ἰσχυρός (14)  
 — 5. καὶ ὡς λαὸς πολλὸς καὶ ἰσχυρός (14)  
 — 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ συντριβήσονται  
 λαοὶ (14)  
 — 16. συναγέγυρε λαόν [A τὸν λ.] (14)  
 — 17. φέισαι, κύριε, τοῦ λ. σου (14)  
 — 18. καὶ ἐφείσαστο τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 — 19. καὶ εἴπῃ τῷ λ. αὐτοῦ (14)  
 — 26. οὐ μὴ κατασχυνθῇ ὁ λ. μου εἰς τὸν  
 αἰῶνα (14)  
 — 27. οὐ μὴ κατασχυνθῶσιν ἔτι ὁ λ. μου εἰς  
 τὸν αἰ. (14)  
 8 (4). 2. διακριθῆσμαι . . . ἐκεῖ ὑπὲρ τοῦ λ.  
 μου (14)  
 — 3. ἐπὶ τὸν λ. μου ἔβαλον κλήρους (14)  
 — 16. ὁ δὲ κ. φέισεται τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 Ob. 1. 13. μὴδὲ εἰσελθῇ εἰς πύλας λαῶν [A S<sup>2</sup>  
 λαοῦ] (14)  
 Jn. 1. 8. καὶ ἐκ ποίου λαοῦ εἶ σὺ (14)  
 2. 5. πρὸς τὸν ναὸν [B<sup>1</sup> λαόν] τὸν ἁγίον σου (14)  
 3. 6. ἡγγισεν ὁ λόγος [S<sup>2</sup> λαὸς] πρὸς τὸν  
 βασιλεῖα (14)  
 Na. 3. 4. ἡ πάλουσα . . . λαοὺς [A S<sup>2</sup> φυλάς]  
 ἐν τοῖς φαρμάκοις (12)  
 — 13. ἰδοὺ ὁ λαὸς σου ὡς γυναῖκες ἐν σοὶ (14)  
 — 18. ἀπῆρην ὁ λ. σου ἐπὶ τὰ ὅρη (14)  
 Hb. 2. 5. εἰσεδέξαται πρὸς αὐτὸν πάντας τοὺς λ. (14)  
 — 8. πάντες οἱ ὑποκείμενοι μοι (14)  
 — 10. συνεπέρανας λαοὺς πολλοὺς (14)  
 — 13. καὶ ἐξέλειπον λαοὶ ἱκανοὶ ἐν πυρί (14)  
 3. 10. ὀφθαλμοὶ σε καὶ ὀδυνήσουσι λαοὶ (14)  
 — 13. ἐξῆλθες εἰς σωτηρίαν λαοῦ σου (14)  
 — 16. τοῦ ἀναβῆναι εἰς λαὸν παροικίας μου (14)  
 Ze. 1. 11. ὅτι ὁμοιωθὲν πᾶς ὁ λ. Χαναάν (14)  
 2. 8. ἐν οἷς ὠνειδίζον τὸν λ. μου (14)  
 — 9. οἱ κατάλοιποι [A add. τοῦ] λαοῦ μου  
 διαρπῶνται αὐτοὺς (14)  
 3. 9. τότε μεταστρέψω ἐπὶ λαοὺς γλώσσας (14)  
 — 12. ὑπολείψομαι ἐν σοὶ λαὸν πρᾶν [A  
 πλὴν] καὶ ταπεινὸν (14)  
 — 20. εἰς καύχημα ἐν πᾶσι τοῖς λ. τῆς γῆς (14)  
 Hg. 1. 2. ὁ λ. οὗτος λέγουσιν (14)  
 — 12. καὶ πάντες οἱ κατάλοιποι τοῦ λ. (14)  
 — 12. ἐφοβίθη ὁ λ. ἀπὸ προσώπου κυρίου (14)  
 — 13. εἶπεν Ἀγγαῖος . . . τῷ λ. (14)  
 — 14. τὸ πνεῦμα τῶν καταλοίπων παντὸς τοῦ λ. (14)  
 2. 3 (2). πάντας τοὺς καταλοιπούς τοῦ λ. (14)  
 — 5 (4). κατισχυέτω πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)  
 — 15 (14). οὕτως ὁ λαὸς οὗτος (14)  
 Za. 2. 11 (15). καὶ ἔσονται αὐτῷ εἰς λαόν (14)  
 7. 5. εἰπὼν πρὸς πάντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 8. 6. ἐνώπιον τῶν καταλοίπων τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 7. σώψω τὸν λ. μου (14)  
 — 8. καὶ ἔσονται μοι εἰς λαόν (14)  
 — 11. ἐγὼ ποιᾶ τοὺς καταλοιπούς τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 12. τοὺς καταλοιπούς τοῦ λ. μου τούτου [A S<sup>2</sup>  
 om. τ.] (14)  
 — 20. ἔτι ἤξουντι λαοὶ πολλοὶ (14)  
 — 22. καὶ ἤξουντι λαοὶ πολλοὶ (14)

- Za. 9. 16. σώσει αὐτοὺς κ. ὁ θ. . . ὡς πρῶτα λαὸν αὐτοῦ (14)  
 10. 9. σπερὸ αὐτοὺς ἐν λαοῖς [A ἀλλήλοις] (14)  
 11. 10. ἢν διεβήμεν πρὸς πάντας τοὺς λ. (14)  
 12. 2. τίθημι τὴν ἴ. . . πᾶσι τοῖς λ. κυκλῶ (14)  
 — 4. πάντας τοὺς ἱπποὺς τῶν λ. [B<sup>1</sup> τοῦ λ.] πατάξω (14)  
 — 6. καταφάγονται . . . πάντας τοὺς λ. κυκλόθεν (14)  
 13. 9. λαὸς μου οὗτός ἐστι (14)  
 14. 2. οἱ δὲ κατάλοιποι τοῦ λ. μου (14)  
 — 12. A B B<sup>2</sup> κόψει κύριος πάντας τοὺς λ. (14)  
 — 14. συνάζει τὴν ἰσχύον πάντων τῶν λ. κυκλόθεν (8)  
 Ma. 1. 4. λαὸς ἐφ' ὃν παρατίθεται κύριος (14)  
 Is. 1. 3. ὁ λ. με οὐ συνήκεν (14)  
 — 4. λ. πλήρης ἀμαρτιῶν (14)  
 — 7. ῥήματα καταστραμμένη ὑπὸ λαῶν ἀλλοτριῶν (17)  
 — 10. προσέχετε νόμον [B<sup>1</sup> λόγον] θεοῦ, λαὸς [B<sup>1</sup> -ὸν] Γομάρρας (14)  
 2. 4. ἐξελέγξει [A B εἰ.] λαὸν πολὺν (14)  
 — 6. αἵκη γὰρ τὸν λ. αὐ. τὸν οἶκον τοῦ ἱσ. (14)  
 3. 5. συμπεσέονται ὁ λ. (14)  
 — 7. οὐκ ἔσονται ἀρχηγὸς τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 12. λαὸς μου, οἱ πράκτορες ὑμῶν (14)  
 — 12. λαὸς μου, οἱ μακαρίζοντες ὑμᾶς (14)  
 — 13. στήθει εἰς κρίσιν τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 14. ἦγε μετὰ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. (14)  
 — 15. τί ὑμεῖς ἀδικεῖτε τὸν λ. μου (14)  
 5. 13. αἰχμαλώτους ὁ λ. μου ἐγενήθη (14)  
 — 25. ἐδυμῶθη ὀργὴ κύριος σαβαὼθ ἐπὶ [A εἰς] τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 6. 5. ἐν μέσῳ λαοῦ ἀκάθαρτα χεῖρα ἔχοντος (14)  
 — 8. τίς πορεύσεται πρὸς τὸν λ. τούτον (14)  
 — 9. ἐπὶ τὸν λ. τοῦτ' (14)  
 — 10. ἐπαυθὴν γὰρ καρδίᾳ τοῦ λ. τούτου (14)  
 7. 2. ἐξέστη ἡ ψυχὴ αὐ. καὶ ἡ ψυχὴ τοῦ λ. αὐ. (14)  
 — 8. ἐλκεῖται ἡ βασιλεία Ἐφραῖμ ἀπὸ λαοῦ (14)  
 — 17. ἐπάξει ὁ θεὸς . . . ἐπὶ τὸν λ. σου (14)  
 8. 6. διὰ τὸ μὴ βουλίσαι τὸν λ. τούτον τὸ ὕδωρ τοῦ Σ. (14)  
 — 11. ἀπειθούσι τῇ πορείᾳ τῆς ὁδοῦ τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 12. ὁ ἐὰν εἴπῃ ὁ λ. οὗτος (14)  
 9. 2 (1). ὁ λ. ὁ πορευόμενος [A καθύμ.] ἐν σκότει (14)  
 — 3 (2). τὸ πλείστον τοῦ λ. ὁ κατήγαγε (8)  
 — 9 (8). γνώσονται πᾶς ὁ λ. τοῦ Ἐφραῖμ (14)  
 — 13 (12). ὁ λ. οὐκ ἐπιστράφη [A B στ.] (14)  
 — 16 (15). ἔσονται οἱ μακαρίζοντες τὸν λ. τούτον πλυνθέντες (14)  
 — 19 (18). ἔσται ὁ λ. ὡς . . . κατακεκαυμένος (14)  
 10. 2. ἀρπάζοντες κρίμα πνιγνόν τοῦ λ. μου (14)  
 — 6. τῷ ἐμῷ λ. συντάξω ποιῆσαι σκίλα (14)  
 — 22. ἐὰν γένηται ὁ λ. Ἰσραὴλ ὡς ἡ ἄμμος τῆς θαλ. (14)  
 — 24. μὴ φοβῶ, ὁ λ. μου οἱ κατοικοῦντες ἐν Σιών (14)  
 11. 11. τοῦ ἡλώσας τὸ καταλειφθὲν ὑπόλοιπον τοῦ λ. (14)  
 — 16. τῷ καταλειφθέντι μου λαῷ ἐν Αἰγ. (14)  
 13. 14. ὥστε ἄνθρωπον εἰς τὸν λ. αὐτοῦ ἀποστραφῆναι (14)  
 14. 20. τὸν λ. μου ἀπέκτεινας (14)  
 — 32. δι' αὐτοῦ σωθήσονται οἱ ταπεινοὶ τοῦ λ. (14)  
 18. 2. πρὸς ἔθνος μετέωρον καὶ ξένον λαὸν καὶ χαλεπὸν (14)  
 — 7. ἀνευχεῖται δῶρα . . . ἐκ λ. τεθλιμμένου καὶ τετιμμένου καὶ ἀπὸ λ. μεγάλου (14, 14)  
 19. 25. εὐλόγημος ὁ λ. μου (14)  
 24. 2. ἔσται ὁ λ. ὡς ὁ ἱερεὺς (14)  
 25. 3. εὐλόγησι σε ὁ λ. ὁ πτωχός (14)  
 — 8. τὸ δυνεῖδος τοῦ λ. ἀφείλεν ἀπὸ πάσης τῆς γῆς (14)  
 26. 2. εἰσελεύσεται λ. φυλάσσει δικαιοσύνην (8)  
 — 11. ἡλὸς λήψεται λαὸν [A -ὸς] ἀπαιδεύον (14)  
 — 20. βᾶδις, [A add. ὁ] λ. μου, εἰσελθε (14)  
 27. 11. οὐ γὰρ λ. ἐστὶν ἔχων σύνεσιν (14)  
 28. 5. τῷ καταλειφθέντι τοῦ λ. [A B<sup>2</sup> κ. μου λαῷ] (14)  
 — 11. λαλῶσιν τῷ λ. τοῦτ' (14)  
 — 14. ἀρχοντες τοῦ λ. τούτου [B om.] τοῦ ἐν ἱερ. (14)  
 29. 13. ἐγγίξει μοι ὁ λ. οὗτος (14)  
 — 14. προσθήσω τὸ μεταβῆναι τὸν λ. τούτον (14)  
 Is. 30. 5. μάτην κοπιᾶσιν πρὸς λαὸν (14)  
 — 9. ὁ [A B<sup>1</sup> B om.] λ. ἀπειθήσ' ἐστὶν (14)  
 — 19. λ. ἄγιος ἐν Σιών οἰκήσει (14)  
 — 26. ὅταν ἰσχύει κύριος τὸ σύντριμμα τοῦ λ. αὐ. (14)  
 32. 13. ἡ γῆ τοῦ λ. μου (14)  
 — 18. κατοικήσει ὁ λ. αὐτοῦ ἐν πόλει εἰρήνης (14)  
 33. 3. ἐξέστησαν λαοὶ ἀπὸ τοῦ φόβου σου (14)  
 — 19. τοὺς τρεφομένους μικρὸν καὶ μέγαν λαὸν (14)  
 — 19. ὥστε μὴ ἀκούσαι λ. πεφαναλισμένους (14)  
 — 24. ὁ λ. ἐνοικῶν ἐν αὐτοῖς (14)  
 34. 1. ἡ οἰκουμένη καὶ ὁ λ. ὁ ἐν αὐτῇ (14)  
 — 5. ἐπὶ τὸν λ. τῆς ἀπωλείας μετὰ κρίσεως (14)  
 35. 2. ὁ λ. μου ὕψεται τὴν δόξαν κυρίου (14)  
 40. 1. παρακαλεῖτε τὸν λ. [B<sup>1</sup> π. λαός] μου (14)  
 42. 5. διδοὺς πνοὴν τῷ λ. τῷ ἐπ' αὐτῇ (14)  
 — 22. ἐγένετο ὁ λ. πεπνομένου (14)  
 43. 8. ἐξήγαγον λαὸν τοφλὸν (14)  
 — 21. ἔδωκα . . . λαὸν μου (14)  
 45. 13. τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. μου ἐπιστρέψει (14)  
 47. 6. παρωξύνθη ἐπὶ τῷ λ. μου (14)  
 48. 20. A ἐρρίσται κύριος τὸν λ. [B B<sup>2</sup> δούλον] αὐτοῦ (13)  
 — 21. πίεται ὁ λ. μου (14)  
 49. 13. ἡλέησεν ὁ θεὸς τὸν λ. αὐ. καὶ τοὺς ταπεινοὺς τοῦ λ. αὐ. παρεκάλει (14, -)  
 51. 4. ἀκούσατέ μου λ. μου (14)  
 — 7. λ. αὐ. ὁ νόμος μου ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν (14)  
 — 16. λ. μου εἰ σύ (14)  
 — 22. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ κρίνων τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 52. 4. εἰς Αἴγυπτον κατέβη ὁ λ. μου τὸ πρότερον (14)  
 — 5. ἐλθὼν ὁ λ. μου δωρεάν (14)  
 — 6. γνώσεται ὁ λ. μου τὸ ὄνομά μου (14)  
 53. 8. ἀπὸ τῶν ἀνομιῶν τοῦ λ. μου ἤχη εἰς θάνατον (14)  
 55. 5. λαοὶ . . . ἐπὶ σὲ καταφύζονται (8)  
 56. 3. ἀφορεῖ με ἀπὸ κύριος ἀπὸ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 57. 14. ἄρτε σκῶλα ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τοῦ λ. μου (14)  
 58. 1. ἀνγγέλιον τῷ λ. μου τὰ ἀμαρτήματα αὐ. (14)  
 — 2. ὡς λ. δικαιοσύνην [A add. θεοῦ] πεποι-  
 ηκώς (8)  
 60. 5. πλοῦτος θαλάσσης καὶ ἐθῶν καὶ λαῶν (8)  
 — 21. ὁ λ. σου πᾶς δικαίος (14)  
 61. 9. τὰ ἔκγονα αὐτῶν ἐν μέσῳ τῶν λ. [A B<sup>2</sup> om. ἐν μ. τ. λ.] (14)  
 62. 10. ὁδοποιήσατε τῷ λ. μου (14)  
 — 12. καλῶσαι αὐτὸν λαὸν ἄγιον (14)  
 63. 8. εἶπεν, Οὐχ ὁ λ. μου (14)  
 — 14. οὕτως ἤγαγεν τὸν λ. σου (14)  
 64. 9 (8). λ. σου πάντες ἡμεῖς (14)  
 65. 2. ἐξεπέτασα τὰς χεῖρας μου . . . πρὸς λαὸν ἀπειθόντα (14)  
 — 3. ὁ λ. οὗτος ὁ παροξύνων με ἐναντίον ἐμοῦ (14)  
 — 10. φάρμαξ Ἄχθ' εἰς ἀνάπαντιν βουκολίων τῷ λ. μου (14)  
 — 18. ποιῶ . . . τὸν λ. μου εὐφροσύνην (14)  
 — 19. εὐφρανθήσονται ἐπὶ τῷ λ. μου (14)  
 — 22. A B B<sup>2</sup> ἔσονται [B om.] αἱ ἡμέραι τοῦ λ. μου (14)  
 Je. 1. 18. τίθει καὶ σε . . . ὡς τεῖχος χαλκοῦν τῷ λ. μου (14)  
 — 2. 11. ὁ δὲ λ. μου ἠλλάξατο τὴν δόξαν αὐτοῦ (14)  
 — 13. δύο καὶ πονηρὰ ἐποίησεν ὁ λ. μου (14)  
 — 31. εἶπεν ὁ λ. μου, Οὐ κυριευθήσομεθα [A δουλεύθ.] (14)  
 — 32. ὁ δὲ λ. μου ἐπελάβετο μου ἡμέρας (14)  
 4. 10. ἀπατῶν ἡπάτρους τὸν λ. τούτον (14)  
 — 11. ἐροῦσι τῷ λ. τοῦτ' . . . ὁδὸς τῆς θυγατρὸς τοῦ λ. μου οὐκ εἰς καθάρων (14, 14)  
 — 22. οἱ ἡγουμένοι τοῦ λ. μου ἐμὲ οὐκ ᾔδεισαν (14)  
 5. 14. δέδωκα . . . τὸν λ. τούτον ζύλα (14)  
 — 21. λ. μαρὸς καὶ ἀκάθριος (14)  
 — 23. τῷ δὲ λ. τοῦτ' ἐγενήθη καρδίᾳ ἀνέκτος (14)  
 — 26. εὐρίθισαν ἐν τῷ λ. μου ἀσεβεῖς [A -εἰαι] (14)  
 — 31. ὁ λ. μου ἡγάπησεν οὕτως (14)  
 6. 14. ἰώοντο τὸ σύντριμμα τοῦ λ. μου (14)  
 — 19. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λ. τούτον κακὰ [B al.] (14)  
 — 21. δίδωμι ἐπὶ τὸν λ. τούτον δσθένεια (14)  
 — 22. λ. ἔρχεται ἀπὸ βορρᾶ (14)  
 — 26. A B θιγάται [B B<sup>2</sup> -τηρ, B<sup>1</sup> -τέρει] λαοῦ μου, περίξωμαι σάκκον (14)  
 — 27. δοκιμαστὴν δίδωκα σε ἐν λαοῖς δεδοκιμασμένοις (14)  
 7. 12. ἀπὸ προσώπου κακίας λαοῦ μου (14)  
 Je. 7. 16. μὴ προσεύχου περὶ [A ὑπὲρ] τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 23. ἔσεσθί μοι εἰς λαὸν (14)  
 — 33. ἔσονται οἱ νεκροὶ τοῦ λ. τούτου (14)  
 8. 5. ἀπέστρεψεν ὁ λ. μου [A om.] οὗτος [B om.] ἀποστρεφὼν ἀναιδῆ (14)  
 — 7. ὁ δὲ λ. μου οὐκ ἔγνω τὰ κρίματα κυρίου (14)  
 — 19. ἰδοὺ φωνὴ κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (14)  
 — 21. ἐπὶ συντρίμματι θυγατρὸς λαοῦ μου ἔσκοτώθη (14)  
 — 22. διὰ τὸ οὐκ ἀνέβη ἱστίς θυγατρὸς λαοῦ μου (14)  
 9. 1 (8. 23). κλιύσομαι τὸν λ. μου τούτον ἡμέρας καὶ νυκτός (14)  
 — 1 (8. 23). τοὺς τετραυματισμένους θυγατρὸς λαοῦ μου (14)  
 — 2 (1). καταλείψω τὸν λ. μου [B add. τούτον] (14)  
 — 7 (6). ποιῶ ἀπὸ προσώπου πονηρίας [B της] θυγατρὸς λαοῦ μου (14)  
 — 9 (8). ἐν λαῷ τοιούτῳ οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψυχὴ μου (8)  
 11. 4. ἔσεσθί μοι εἰς λαὸν (14)  
 — 11. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λ. τούτον κακὰ (14)  
 — 14. μὴ προσεύχου περὶ [A ὑπὲρ] τοῦ λ. τ. (14)  
 12. 14. ἦς ἐμέρισα τῷ λ. μου Ἰσραὴλ (14)  
 — 16. ἐὰν μαθόντες μάθωσι τὴν ὁδὸν τοῦ λ. [A om. τ. λ.] μου (14)  
 — 16. ἐδίδαξαν τὸν λ. μου ὁμνῆσαι τῇ Βαὰλ (14)  
 — 16. καὶ οἰκοδομήσονται ἐν μέσῳ τοῦ λ. μου (14)  
 13. 11. τοῦ γενέσθαι μοι εἰς λαὸν ὁμναστὸν (14)  
 — 12. ἐρεῖς πρὸς τὸν λ. τούτον (14)  
 14. 6. ὁ οὐκ ἦν χύρτος ἀπὸ λαοῦ ἀδικίας [B B<sup>2</sup> om. α. λ. α.] (14)  
 — 10. οὕτως λέγει κύριος τῷ λ. τοῦτ' (14)  
 — 11. μὴ προσεύχου περὶ τοῦ λ. τούτου εἰς ἀγαθὰ (14)  
 — 16. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ προφῆται καὶ ὁ λ. (14)  
 — 17. συντρίμματι συντερίβῃ θυγάτηρ λαοῦ μου (14)  
 15. 1. ἐξαπόστειλον τὸν λ. τούτον (14)  
 — 7. ἐν πύλαις λαοῦ μου ἠτεκνώθησαν ἀπό-  
 λισαν τὸν λ. μου [B al.] (14)  
 — 20. δώσω σε [B σε ἐν] τῷ λ. τοῦτ' ὡς τέρας (14)  
 16. 5. ἀφίστακα τὴν εἰρήνην μου ἀπὸ τοῦ λ. τούτου (14)  
 — 10. ὅταν ἀναγγέλῃς τῷ λ. τοῦτ' ἅπαντα τὰ ῥήμ. τ. (14)  
 17. 19. στήθι ἐν ταῖς πύλαις νῶν λαοῦ σου (14)  
 18. 15. ἐπελάθοντό μου [A B add. ὁ] λ. μου (14)  
 19. 1. ἀξίει ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ. [A add. σου] (14)  
 — 11. συντρίψω τὸν λ. τούτον (14)  
 — 14. εἶπε πρὸς πάντα τὸν λ. (14)  
 21. 7. δώσω . . . τὸν λ. τὸν καταλειφθέντα . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν (14)  
 — 8. πρὸς τὸν λ. τούτον ἐρεῖς (14)  
 22. 2. σύ καὶ ὁ οἶκός σου καὶ ὁ λ. σου (14)  
 — 4. αὐτοὶ καὶ οἱ παῖδες αὐτῶν καὶ ὁ λ. αὐτῶν (14)  
 23. 2. τὰς λέγει κύριος ἐπὶ τοῖς ποιμαίνοντες τὸν λ. μου (14)  
 — 3. εἰσδέξομαι τοὺς καταλοῖπους [A τὸ κ.] τοῦ λ. μου (15)  
 — 13. ἐπλάγησαν τὸν λ. μου Ἰσραὴλ (14)  
 — 14. B οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ὥστε λ. [A B om.] Γόμορρα (14)  
 — 22. τὸν λ. μου ἂν ἀπέστρεφον [A μ. ἀποστρέφειν] αὐτοὺς (14)  
 — 32. ἐπλάγησαν τὸν λ. μου ἐν τοῖς ψεύδεσιν αὐτῶν (14)  
 — 32. ὠφέλεια οὐκ ὠφέλησόν σου τὸν λ. τούτον (14)  
 — 33. ἐὰν ἐρωτήσῃς σε ὁ λ. οὗτος (14)  
 — 34. ὁ προφήτης καὶ οἱ ἱερεῖς καὶ ὁ λ. (14)  
 — 7. B δε ἀνίγαγε [B<sup>1</sup> συν.] τὸν λ. [A B οἶκον] Ἰσραὴλ (5)  
 24. 7. ἔσονται μοι εἰς λαὸν (14)  
 25. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος . . . ἐπὶ πάντα τὸν λ. Ἰουδα (14)  
 — 2. A B B<sup>2</sup> ὃν ἐλάλησε πρὸς πάντα τὸν λ. Ἰουδα (14)  
 26 (48). 16. ἀναστρέψωμεν πρὸς τὸν λ. ἡμῶν [A al.] (14)  
 — 24. παρεδόθη εἰς χεῖρας λαοῦ ἀπὸ βορρᾶ (14)  
 27 (50). 6. πρῶτα ἀπολωλότα ἐγενήθη ὁ λ. μου (14)  
 — 16. ἕκαστος εἰς τὸν λ. [A τόπον] αὐτοῦ ἀποστρέψουσι (14)  
 — 41. λαὸς ἔρχεται ἀπὸ [A add. γῆς] βορρᾶ (14)  
 28 (51). 11. ἐκόμισις λαοῦ αὐτοῦ ἐστὶν (14)

Je. 28 (51). 58. οὐ κοπίσονται λαοὶ εἰς κενόν (14)  
 30 (49). 1. ὁ λ. αὐ. ἐν πόλεσιν αὐ. ἐνοικήσει (14)  
 32 (25). 19. ἐπίτιστα . . . πάντα τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 33 (26). 7. ἤκουσαν οἱ ἱερεῖς . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 8. ἀσυνέταξεν αὐτῷ κύριος λαλήσαι [B om.]  
 παρὶ τῷ λ. καὶ συνελάβισαν αὐτὸν  
 οἱ ἱερεῖς . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14, 14)  
 — 9. ἐξεκκλησιάσθη πᾶς ὁ λ. ἐπὶ Ἱερემίαν (14)  
 — 11. εἶπαν οἱ ἱερεῖς . . . παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 12. εἶπεν Ἱερემίας . . . παντὶ τῷ λ. (14)  
 — 16. εἶπαν οἱ ἀρχόντες καὶ πᾶς ὁ λ. πρὸς τοὺς  
 ἱερεῖς (14)  
 — 17. εἶπαν πάση τῇ συναγωγῇ τοῦ λ. (14)  
 — 18. εἶπε παντὶ τῷ λ. Ἰουδα (14)  
 — 23. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μῆγμα [A -μῖον]  
 ὡς λαοῦ αὐ. (14)  
 — 24. τοῦ μὴ παραδοῦναι αὐτὸν εἰς χεῖρας τοῦ λ. (14)  
 34 (27). 16. παντὶ τῷ λ. τούτῳ καὶ τοῖς ἱερευσίν  
 ἐλάλησα (14)  
 35 (28). 1. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων καὶ παντὸς  
 τοῦ λ. (14)  
 — 5. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λ. (14)  
 — 7. εἰς τὰ ὄτα ὑμῶν καὶ εἰς τὰ ὄτα παντὸς  
 τοῦ λ. (14)  
 — 10. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. †  
 — 11. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς [B om.] τοῦ λ. (14)  
 — 15. πεποιθέναι ἐπ' αὐτὸν τὸν λ. τούτῳ ἐπ'  
 ἀδικῶ (14)  
 36 (29). 1. οὐκ ἀπέστειλεν Ἱερემίας . . . πρὸς  
 δαπανὰ τὸν λ. (14)  
 — 10. τοῦ τὸν λ. ὑμῶν ἀποστρέψαι εἰς τὸν  
 τόπον τούτων †  
 37 (30). 3. ἀποστρέψω τὴν ἀποικίαν λαοῦ μου (14)  
 — 18. ὁ λ. κατὰ τὸ κρῖμα αὐτοῦ καθεδεῖται †  
 38 (31). 1. ἔσονται μοι εἰς λαόν (14)  
 — 7. ἔσονται κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (14)  
 — 14. ὁ λ. μου τῶν ἀγαθῶν μου ἐμπλησθήσεται (14)  
 — 33. αὐτοὶ ἔσονται μοι εἰς λαόν (14)  
 — 38. οἰκοδομηθήσεται πύλις τῷ κ. [B<sup>1</sup> λαῶ] †  
 39 (32). 21. ἐξήγαγεν τὸν λ. σου Ἰσραὴλ (14)  
 — 38. ἔσονται μοι εἰς λαόν (14)  
 — 42. ἐπήγαγον ἐπὶ τὸν λ. τούτων πάντα τὰ κακά (14)  
 40 (33). 9. ἔσται εἰς εὐφροσύνην . . . παντὶ τῷ  
 λ. τῆς γῆς (6)  
 41 (34). 8. μετὰ τὸ συντελεῖσαι τὸν βασιλεῖα  
 Σεδ. διαθήκη πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 10. ἐπεστράφησαν πάντες οἱ μεμιστᾶνες καὶ  
 πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 19. δόσω . . . τοὺς ἱερεῖς καὶ τὸν λ. (14)  
 42 (35). 16. ὁ δὲ λ. οὗτος [A μου] οὐκ ἤκουσάν  
 μου (14)  
 43 (36). 6. ἀναγνώσθω . . . εἰς τὰ ὄτα τοῦ λ. (14)  
 — 6. ἐν ὧσι παντὸς Ἰουδα [A τοῦ λαοῦ] . . .  
 ἀναγνώσθω αὐτοῖς †  
 — 7. ἦν ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν λ. [A τόπον] τούτων (14)  
 — 9. ἐξεκκλησιάσθησαν ἠρωτιᾶν . . . πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 10. ἐν ὧσι [A εἰς τὰ ὄτα] παντὸς τοῦ λ. (14)  
 — 13. εἰς τὰ ὄτα τοῦ λ. [B<sup>1</sup> κυρίου τοῦ θεοῦ] (14)  
 — 14. ἐν ὧσι τοῦ λ. (14)  
 44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν αὐτοὺς . . . καὶ ὁ λ. τῆς  
 γῆς (14)  
 — 12. τοῦ ἀγοράσαι ἱκεῖθεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)  
 — 18. τί ἠδίκησας σ . . . καὶ τὸν λ. τούτων (14)  
 45 (38). 1. οὐδ' Ἱερემίας ἐλάλει ἐπὶ τὸν λ. [B<sup>1</sup>  
 δ'χλον] (14)  
 — 4. ἐκλύει . . . τὰς χεῖρας παντὸς τοῦ λ. (14)  
 — 4. οὐ χρησιμοποιοῦ ἐιρήνην τῷ λ. τούτῳ  
 [A om.] (14)  
 46 (39). 14. ἐκάθισεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)  
 47 (40). 5. οἰκισαν μετ' αὐτοῦ ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)  
 — 6. ἐκάθισεν ἐν μέσῳ τοῦ λ. (14)  
 48 (41). 10. ἀπέστρεψεν Ἰσραὴλ πάντα τὸν λ. (14)  
 — 13. εἴθε πᾶς ὁ λ. οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγύ. (14)  
 — 16. ἔλαβεν Ἰωάναν . . . πάντας τοὺς κατα-  
 λοιπούς τοῦ λ. (14)  
 49 (42). 1. πᾶς ὁ λ. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἔως μεγάλου (14)  
 — 8. ἐκάλεσε . . . πάντα τὸν λ. (14)  
 50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἱερემίας λέγων πρὸς τὸν λ. (14)  
 — 4. οὐκ ἤκουσεν Ἰωάναν . . . καὶ πᾶς ὁ λ. (14)  
 51 (44). 15. καὶ πᾶς ὁ λ. οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγύ. (14)  
 — 20. εἶπεν Ἱερემίας παντὶ τῷ λ. τοῖς δυνατοῖς  
 καὶ τοῖς γυναιξὶ καὶ παντὶ τῷ λ. (14, 14)  
 — 21. οἱ βασιλεῖς ὑμῶν καὶ οἱ ἀρχόντες ὑμῶν  
 καὶ ὁ λ. τῆς γῆς (14)  
 — 24. εἶπεν Ἱερემίας τῷ λ. (14)  
 52. 6. οὐκ ἦσαν ἄρτοι τῷ λ. τῆς γῆς (14)

Je. 52. 16. τοὺς καταλοιπούς [B λ.] τοῦ λ. κατέ-  
 λπεν ὁ ἀρχιμαγείρος †  
 — 25. ἔλαβεν . . . τὸν γραμματέοντα τῷ λ.  
 τῆς γῆς καὶ ἐξήκοιτο ἀνθρώπους ἐκ  
 τοῦ λ. τῆς γῆς (14, 14)  
 Ba. 1. 3, 4. ἐν ὧσι παντὸς τοῦ λ.  
 — 7. ἀπέστειλαν . . . πρὸς πάντα τὸν λ.  
 — 9. μετὰ τὸ ἀποικίσαι N . . . τὸν λ. τῆς γῆς  
 2. 4. εἰς ὀνειδισμόν καὶ ἄβαντον ἐν πᾶσι τοῖς λ.  
 — 11. ὅς ἐξήγαγεν τὸν λ. σου ἐκ γῆς Αἰγύπτου  
 — 30. λ. σκληροτράχηλός ἐστι  
 — 35. αὐτοὶ ἔσονται μοι εἰς λαόν  
 — 35. οὐ κινήσω ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσραὴλ ἀπὸ τῆς γῆς  
 4. 5. θαρσεῖτε λαῖς μου  
 — 10. Α ἰδὼν γὰρ τὴν αἰχμαλωσίαν τοῦ λ. [B om.  
 τ. λ.] τῶν ὡν μου (14)  
 La. 1. 1. ἡ πόλις ἡ πεπληθυμένη λαῶν (14)  
 — 7. ἐν τῷ πεσεῖν τὸν λ. αὐτῆς εἰς χεῖρας θλί-  
 βουτος (14)  
 — 11. πᾶς ὁ λ. αὐτῆς καταστεινάζοντες (14)  
 — 18. ἀκούσατε δὴ πάντες οἱ [B om.] λ. (14)  
 2. 11. ἐπὶ τὸ σύντριμμα τῆς θυγατρὸς [A B add.  
 τοῦ] λαοῦ μου (14)  
 3. 14. ἐγενήθη γέλωας παντὶ [A add. τῷ] λαῶ μου (14)  
 — 45. ἔθηκες ἡμᾶς ἐν μέσῳ τῶν λ. (14)  
 — 48. ἐπὶ τὸ σύντριμμα τῆς θυγατρὸς τοῦ λ. μου (14)  
 4. 3. ἐθῆλσαν σκῆμα αὐτῶν θυγατέρας [A  
 —ες] λαοῦ μου (14)  
 — 6. ἐμεγαλυνθῇ ἄνομία θυγατρὸς λαοῦ μου (14)  
 — 10. A B ἐν τῷ σύντριμματι τῆς θυγατρὸς  
 τοῦ [B om.] λ. μου (14)  
 Ez. 3. 5. οὐ πρὸς λ. βαθυγλώσσον σὺ ἐξαπο-  
 στέλλῃ [A al.] (14)  
 — 6. οὐδὲ πρὸς λ. πολλοὺς ἀλλοφώνους (14)  
 — 11. εἰσελθε . . . πρὸς τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)  
 7. 23. ἡ γῇ πλήρης λαῶν †  
 — 27. οἱ χεῖρες τοῦ λ. τῆς γῆς παραλυθήσονται (14)  
 9. 9. ἐπλήσθη ἡ γῇ λαῶν πολλῶν †  
 11. 1. ἴδον . . . τοὺς ἀφθονομένους τοῦ λ. (14)  
 — 20. ἔσονται μοι εἰς λαόν (14)  
 12. 19. ἐρεῖς πρὸς τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 13. 9. ἐν παιδείᾳ τοῦ λ. μου οὐκ ἔσονται (14)  
 — 10. ἐπλάγησαν τὸν λ. μου (14)  
 — 17. στήριξον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὰς θυ-  
 γατέρας τοῦ λ. σου (14)  
 — 18. αἱ ψυχαὶ διεστράφησαν τοῦ λ. μου (14)  
 — 19. ἐβεβίλουν με πρὸς τὸν λ. μου (14)  
 — 19. ἐν τῷ ἀποφθεγγέσθαι ὑμᾶς λαῶ (14)  
 — 21, 23. ῥύσονται τὸν λ. μου ἐκ χειρὸς ὑμῶν (14)  
 14. 1. B ἦλθον πρὸς με . . . ἄνδρες τοῦ λ. [A  
 om. τ. λ., B om. λ.] Ἰσρ. — (14)  
 — 8. ἐξαρῶ αὐτὸν ἐκ μέσου τοῦ λ. μου (14)  
 — 9. ἀφανῶ αὐτὸν ἐκ μέσου τοῦ λ. μου Ἰσραὴλ (14)  
 — 11. ἔσονται μοι εἰς λαόν (14)  
 17. 9. οὐκ ἐν βραχίονι μεγάλῳ οὐδὲ ἐν λαῶ πολλῷ (14)  
 — 15. τοῦ δούναί αὐτῷ ἵππους καὶ λαόν πολλόν (14)  
 18. 18. ἐναντία ἐπορεύσονται ἐν μέσῳ τοῦ λ. μου (14)  
 20. 34. ἐξάξω ὑμᾶς ἐκ τῶν λ. (14)  
 — 35. ἄξω ὑμᾶς εἰς τὴν ἐρημίαν τῶν λ. (14)  
 — 41. ἐν τῷ ἐξαγαγεῖν με ὑμᾶς ἐκ τῶν λ. (14)  
 — 41. ἀγιασθήσονται ἐν ὑμῖν κατ' ὀφθαλμοὺς  
 τῶν λ. (6)  
 21. 12 (17). αὐτὴ ἐγένετο ἐν τῷ λ. μου (14)  
 — 12 (17). ἐπὶ βομφαίᾳ [B<sup>2</sup> ἐπεὶ βομφαία]  
 ἐγένετο ἐν τῷ λ. μου (14)  
 22. 29. λαὸν [A τὸν λ.] τῆς γῆς ἐκπέζοντες (14)  
 23. 24. δρῆματα καὶ τροχοὶ μετ' ὄγλου λαῶν (14)  
 24. 9. B μεγάλυνά τὸν λ. [A B δαλόν] (14)  
 — 18. ἐλάλησα πρὸς τὸν λ. τὸ πρωτὶ (14)  
 — 19. εἶπε πρὸς με ὁ λ. (14)  
 25. 7. ἐξολεθρευθῶ σὲ ἐκ τῶν λ. (14)  
 — 14. δώσω ἐκδίκησιν μου . . . ἐν χειρὶ λαοῦ  
 μου Ἰσρ. (14)  
 26. 11. τὸν λ. σου μαχαίρῃ ἀνελεί (14)  
 — 20. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς βόθρον πρὸς  
 λαὸν αἰῶνος (14)  
 27. 3. ἐρεῖς τῇ Σὺρ . . . τῷ ἐμπορίῳ τῶν λ. (14)  
 28. 25. ἀγιασθήσονται ἐν αὐτοῖς καὶ ἐνώπιον  
 τῶν λ. (6)  
 30. 11. διὰ χειρὸς Ναβουχοδονόσορ . . . αὐτοῦ  
 καὶ τοῦ λ. αὐτοῦ (14)  
 31. 12. κατέβησαν . . . πάντες οἱ λ. τῶν ἐθνῶν (14)  
 32. 3. περιβαλὼ ἐπὶ σέ δικτὰ λαῶν πολλῶν  
 [A al.] (14)  
 — 9. παροργισθῇ καρδίαν λαῶν πολλῶν (14)  
 33. 2. ἀλλήλων τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. σου (14)

Ez. 33. 2. λάβῃ ὁ λ. τῆς γῆς ἄνθρωπον ἕνα ἐξ  
 αὐτῶν (14)  
 — 3. σημάξῃ τῷ λ. (14)  
 — 6. μὴ σημάξῃ [A add. τῷ λ.] τῇ σάλπιγγι  
 καὶ ὁ λ. μὴ φυλάξῃται (-, 14)  
 — 12. εἰπὼν πρὸς τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)  
 — 17. ἐροῦσιν οἱ υἱοὶ τοῦ λ. σου (14)  
 — 30. οἱ υἱοὶ τοῦ λ. σου οἱ λαλοῦντες περὶ σοῦ (14)  
 — 31. ἔρχονται πρὸς σέ ὡς συμπορεύεται λαὸς (14)  
 — 31. A κήνηται ἐναντίον σου ὁ λ. μου [B  
 om. ὁ λ. μ.] (14)  
 34. 30. αὐτοὶ λ. μου (14)  
 36. 8. τὸν καρπὸν ὑμῶν καταφάγεται ὁ λ. μου (14)  
 — 12. γεννήσω [A δώσω] ἐφ' ὑμᾶς ἀνθρώπους  
 τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)  
 — 15. ὀνειδισμοὺς λαῶν οὐ μὴ ἀνεγένητε ἐπὶ  
 [A al.] (14)  
 — 20. λ. κυρίου οὗτοι (14)  
 — 28. ἔσεσθε μοι εἰς λαόν (14)  
 — 30. A ὅπως μὴ λάβῃτε ἐπὶ ὀνειδισμόν λαοῦ  
 [B al.] †  
 37. 13. τοῦ ἀναγαγεῖν με ἐκ τῶν τάφων τὸν λ.  
 μου (14)  
 — 18. ὅταν λέγωσι πρὸς σέ οἱ υἱοὶ τοῦ λ. σου (14)  
 — 23. ἔσονται μοι εἰς λαόν (14)  
 — 27. αὐτοὶ μου ἔσονται [A ἔ. μοι] λ. (14)  
 38. 14. ἐν τῷ κατοικισθῆναι τὸν λ. μου Ἰσρ. (14)  
 — 16. ἀναβήσῃ ἐπὶ τὸν λ. μου Ἰσραὴλ ὡς  
 νεφέλῃ (14)  
 39. 7. γνωσθήσεται ἐν μέσῳ λαοῦ μου Ἰσραὴλ (14)  
 — 13. κατορύξουσιν αὐτοὺς πᾶς ὁ λ. τῆς γῆς (14)  
 42. 14. ὅταν ἀπνῶνται τοῦ λ. (14)  
 44. 11. σφύξουσιν . . . τὰς θυσίας τῷ λ. (14)  
 — 11. οὗτοι στήσονται ἐναντίον τοῦ λ. †  
 — 19. ἐν τῷ ἐκπορεύεσθαι αὐτοὺς . . . πρὸς  
 τὸν λ. (14)  
 — 19. οὐ μὴ ἀγιάσωσι τὸν λ. ἐν ταῖς στολαῖς αὐ. (14)  
 — 23. τὸν λ. μου διδάξουσιν (14)  
 45. 8. οὐ καταδυναστεύουσιν οὐκέτι . . . τὸν λ.  
 μου (14)  
 — 9. A τὸν λ. μου καὶ τὴν γῆν κατακληρονομή-  
 σουσιν —  
 — 9. ἐξάρτατε καταδυναστεῖαν ἀπὸ τοῦ λ. μου (14)  
 — 16. πᾶς ὁ λ. δώσει τὴν ἀπαρχὴν ταύτην (14)  
 — 22. ποιήσει . . . ἐπὶ παντὸς τοῦ λ. τῆς γῆς  
 μόσχον (14)  
 46. 3. προσκυνήσει ὁ λ. τῆς γῆς κατὰ τὰ πρό-  
 θυρα (14)  
 — 9. ὅταν εἰσπορεύηται ὁ λ. τῆς γῆς [A om.  
 τ. γ.] ἐναντίον κυρίου (14)  
 — 18. οὐ μὴ λάβῃ ὁ ἀφθονοῦ. ἐκ τῆς κληρονο-  
 μίας τοῦ λ. (14)  
 — 18. ὅπως μὴ διασκορπίσῃται ὁ λ. μου (14)  
 — 20. τοῦ ἀγιάξῃ τὸν λ. (14)  
 — 24. ἐψήσουσιν ἐκεῖ . . . τὰ θύματα τοῦ λ. (14)  
 Da. LXX. Su. 5. δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ  
 — 5. ἐδίκουν κυβερνᾶν τὸν λαόν  
 — 41. πρεσβύτερων ὄντων καὶ κριτῶν τοῦ λ.  
 — 59. ὥς ὁ λ. ἐξολεθρευοίεν ὑμᾶς  
 8. 4. ὑμῖν παραγγέλλεται . . . λαοὶ καὶ γλώσσαι (2)  
 — 31 (98). Ναβ. ὁ βασι. πᾶσι τοῖς λ. (14)  
 4. 19. ἐπὶ ταῖς ἀμαρτίαις τοῦ λ. τοῦ ἡγιασμένου —  
 — 34. ποιήσω ἐγὼ καὶ ὁ λ. —  
 — 34. ἐν τῷ λ. μου ἐκράτησα —  
 7. 27. ἔδωκε λαῶ ἀγίῳ ὑψίστου βασιλευσίν (14)  
 8. 19. ἔσται . . . τοῖς υἱοῖς τοῦ λ. σου —  
 9. 7. ἡμῖν ἡ αἰσχύνῃ . . . καὶ παντὶ τῷ λ. Ἰσρ. —  
 — 15. ὁ ἐξαγαγὼν τὸν λ. σου ἐξ Αἰγύ. (14)  
 — 19. τὸ δνομά σου ἐπεκλήθη . . . ἐπὶ τὸν λ.  
 σου (14)  
 — 20. τὰς ἀμαρτίας τοῦ λ. μου Ἰσρ. (14)  
 — 24. ἐβδόμη. ἐβδόμηδες ἐκρίθησαν ἐπὶ τὸν  
 λ. σου (14)  
 10. 14. τί ὑπαντήσεται τῷ λ. σου (14)  
 11. 32. ἐν ἀμαρτίαις διαθήκης μανούσιν ἐν  
 σκληρῷ λαῶ †  
 12. 1. ὁ ἐσθλὸς ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)  
 — 1. ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ ὑψωθήσεται πᾶς ὁ λ. (14)  
 — 7. ἡ συντέλεια χειρῶν ἀφίστως λαοῦ ἀγίου (14)  
 Da. TH. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ  
 τοῦ λ.  
 — 5. οἱ ἐδίκουν κυβερνᾶν τὸν λ.  
 — 7. ἡνίκα ἀπέτρεχεν ὁ λ. μέσον ἡμέρας  
 — 28. συνήλθεν ὁ λ. πρὸς τὸν ἄνδρα αὐτῆς Ἰ. —  
 — 29. εἶπαν ἐμπροσθεν τοῦ λ. —  
 — 34. ἀναστάντες . . . ἐν μέσῳ τῷ λ. [A τοῦ λ.]

Da. TH. Su. 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς... ὡς πρεσβυτέρους τοῦ λ.  
 — 47. ἐπιστρέψε δὲ πᾶς ὁ λ. πρὸς αὐτόν  
 — 50. ἀνέστρεψε πᾶς [B<sup>2</sup> om.] ὁ λ. μετὰ σπουδῆς  
 — 64. Δ. ἐγένετο μέγας ἐνόπιον τοῦ λ.  
 2. 44. λαφ' ἐτέρω οὐχ ὑπολειφθήσεται (14)  
 3. 4. ὕμιν λέγεται λαοῖς [A. ἔθνη λαοί] φυλαὶ γλώσσαι (14)  
 — 7. ὅταν ἤκουον οἱ λ. τῆς φωνῆς τῆς σάλπιγγος (14)  
 — 7. πίπτοντες πάντες οἱ λ. φυλαὶ γλώσσαι (14)  
 — 29 (96). πᾶς λαὸς φυλὴ γλώσσα (14)  
 — 31 (98). πᾶσι τοῖς λ. φυλαῖς καὶ γλώσσαις (14)  
 5. 19. πάντες οἱ λ. φυλαὶ γλώσσαις ἦσαν τριμίμους (14)  
 6. 25 (26). ἔγραψε πᾶσι τοῖς λ. φυλαῖς γλώσσαις (14)  
 7. 14. πάντες οἱ λ. φυλαὶ καὶ γλώσσαις (14)  
 8. 24. διωφθέρει ἰσχυροὺς καὶ λαὸν ἄγιον (14)  
 9. 6. οἱ ἐλάλουν... πρὸς πάντα τὸν λ. τῆς γῆς (14)  
 — 15. ὅς ἐξίγαγεν τὸν λ. σου ἐκ γῆς Αἰ. (14)  
 — 16. ὁ λ. σου εἰς ὀνειδιζόμενον ἐγένετο (14)  
 — 19. τὸ ὄνομα σου ἐπικέκληται... ἐπὶ τὸν λ. σου (14)  
 — 20. τὰς ἀμαρτίας τοῦ λ. μου Ἰσραὴλ (14)  
 — 24. ἱερόδομοι, ἱεροδομοὶς συνετμήθησαν ἐπὶ τὸν λ. σου (14)  
 10. 14. ὅσα ἀπαντήσεται τῷ λ. σου (14)  
 11. 14. ΑΒ οἱ υἱοὶ τῶν λοιμῶν [B. πᾶν] τοῦ λ. σου (14)  
 — 32. Α καὶ λαοὶ ἀνομοῦντες διαθήκη ἐξέζουσιν ἐν ὀλισθήματι καὶ λαὸς γινώσκων θεῶν [B. αἱ.] (-, 14)  
 — 33. οἱ συνετοὶ τοῦ λ. [A. σ. λ. μου] συνήσουσιν (14)  
 12. 1. ὁ ἐστῆκεν ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τοῦ λ. σου (14)  
 — 1. ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ σωθήσεται ὁ λ. σου (14)  
 — 7. Α διασκορπιστὸν λαὸν ἡγιασμένου [B. om. λ. ἡ.] (14)  
 I Ma. 1. 13. ΑΒ προεβμήθησαν τινες ἀπὸ [B. om.] τοῦ λ.  
 — 30. ἀπόλασε λαὸν πολλὸν ἐξ Ἰσραὴλ  
 — 41. εἶνα πάντας λαὸν [A. εἰς λ.] ἕνα  
 — 51. ΑΒ ἐποίησεν ἐπισκόπους ἐπὶ [B. κατὰ] πάντα τὸν λ.  
 — 52. συνιηρόσθησαν ἀπὸ τοῦ λ. πρὸς αὐτοὺς πολλοί  
 2. 7. SB τὸ σύντριμμα [A. τὰ σ.] τοῦ λ. μου  
 — 66. SB πολέμησεν [A. -σεν] πόλεμον λαῶν  
 — 67. ἐκδ-κίσατε ἐκδικιστὸν τοῦ λ. ὑμῶν  
 3. 3. ἐπλάτυνε δόξαν τῷ λ. αὐτοῦ  
 — 5. SB τοὺς ταράσσοντας τὸν λ. [A. om.] αὐτοῦ  
 — 42. ἐνετείλατο ποιῆσαι τῷ λ. εἰς ἀπόλειαν  
 — 43. ἀναστήσαντες τὴν καθύρσιν τοῦ λ. ἡμῶν  
 — 43. SB πολέμησωμεν περὶ [B<sup>1</sup> om.] τοῦ λ. ἡμῶν [A. om. πολ. ... ἡ.] καὶ τῶν ἁγίων [B<sup>1</sup> λαῶν]  
 — 55. κατέστησεν Ἰ. ἡγουμένους τοῦ λ.  
 4. 17. αἶπε πρὸς τὸν λ.  
 — 31. SB σύγκλεισον... ἐν χειρὶ [A. εἰς χεῖρας] λαοῦ σου Ἰσ.  
 — 55. ἔπεισον πᾶς ὁ λ. ἐπὶ πρόσκωπον  
 — 58. ἐγενήθη εὐφροσύνη μεγάλη ἐν τῷ λ. σφόδρα  
 — 61. τοῦ ἔχειν τὸν λ. ὀχυρωμα  
 5. 2. ἤρξαντο τοῦ θανατοῦν ἐν τῷ λ.  
 — 4. οἱ ἦσαν τῷ λ. εἰς παγίδα  
 — 6. εὖρε χεῖρα κραταῖαν καὶ λαὸν πολύν  
 — 16. ὡς δὲ ἤκουσεν Ἰ. καὶ ὁ λ. τοὺς λόγους τούτους  
 — 18. B κατέκρινεν Ἰ. ... καὶ Ἄ. ἡγουμένον τοῦ λ.  
 — 19. πρόστητε τοῦ λ. τούτου  
 — 30. ἰδοὺ λαὸς πολὺς  
 — 42. ἔστησε τοὺς γραμματεῖς τοῦ λ. ἐπὶ τοῦ χειμάρρου  
 — 43. SB πᾶς ὁ λ. ὀπισθεν αὐτοῦ [A. αἱ.]  
 — 53. παρακαλὼν τὸν λ. κατὰ πάσιν τὴν ὁδόν  
 — 60. SB ἔπεισον... ἐκ τοῦ λ. τοῦ [A. σου] Ἰσρ.  
 — 61. ἐγενήθη τροπὴ μεγ. ἐν τῷ λ. [B. om.]  
 6. 19. ἐξεκκλησίωσε πάντα τὸν λ.  
 — 24. B περικύθηται [B. -εκάθηται]... υἱὸς τοῦ λ. ἡμῶν [A. αἱ.]  
 — 44. ἔδωκεν ἐαυτὸν τὸν σῶσαι τὸν λ. αὐτοῦ  
 7. 6. κατηγορήσαν [B<sup>1</sup> -ρήσαι] τοῦ λ. πρὸς τὸν βασιλέα  
 — 18. ἐπέπεισον... ὁ τρίμος εἰς πάντα τὸν λ.  
 — 19. συνίλαβε... τινος τοῦ λ.  
 — 22. πάντες οἱ ταράσσοντας τὸν λ. αὐτῶν  
 — 26. ἐνετείλατο αὐτῷ ἐξίρει τὸν λ.  
 — 33. ἀπὸ τῶν πρεσβυτέρων τοῦ λ.

I Ma. 7. 37. οἶκον προσευχῆς καὶ δεήσεως τῷ λ. σου  
 — 48. ὑψώσαντες ὁ λαὸς σφόδρα  
 9. 73. ἤρξατο Ἰωνῖθαν κρίναι τὸν λ.  
 10. 7. εἰς τὰ ὅλα παῖτός τοῦ λ.  
 — 46. ὡς δὲ ἤκουσεν Ἰ. καὶ ὁ λ.  
 — 80. ἐξετίναξαν τὰς σχῆζας εἰς τὸν λ. [B<sup>1</sup> ναόν]  
 — 81. ὁ δὲ λ. εἰσῆλκε  
 12. 35. ἐξεκκλησίωσε τοὺς πρεσβυτέρους τοῦ λ.  
 — 44. ΑΒ ἴνα τί ἐκοψας πάντα [B. om.] τὸν λ. τ.  
 13. 2. εἶδε τὸν λ.  
 — 2. καὶ ἤθροισεν τὸν λ.  
 — 7. ἀνεζωοποίησε τὸ πνεῦμα τοῦ λ.  
 — 17. μή ποτε ἔχθραν ἄρη μεγάλην πρὸς τὸν λ.  
 — 42. ΑΒ ἤρξατο ὁ λ. Ἰσ. [B. om.] γράφειν  
 14. 14. ἐστήριξε πάντας τοὺς ταπεινοὺς τοῦ λ. αὐτοῦ  
 — 28. ἐπὶ συναγωγῆς μεγάλης ἱερῶν καὶ λαοῦ  
 — 30. προσετίθη πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ  
 — 35. ΑΒ<sup>2</sup> B εἶδεν ὁ λ. [B<sup>1</sup> om. εἰ. ὁ λ.] τὴν πράξιν [A. B. πίστιν] τοῦ Σ.  
 — 35. ὑψώσαντες τὸν λ. αὐτοῦ  
 — 44. οὐκ ἐξέστασιν οὐδὲν [B<sup>1</sup> οὐδὲν] τοῦ λ.  
 — 46. εὐδίκησε πᾶς ὁ λ.  
 15. 35. ἐποίησαν ἐν τῷ λ. πλῆγην μεγάλην  
 — 39. ὅπως πολέμησεν τὸν λ.  
 — 40. ἤρξατο τὸν ἐρεθίζειν τὸν λ.  
 — 40. ἤρξατο... αἰχμαλωτίζειν τὸν λ.  
 16. 6. παρενέβαλε κατὰ πρόσκωπον αὐ. αὐτὸς καὶ ὁ λ. αὐτοῦ  
 — 6. εἶδε τὸν λ. δειλούμενον  
 — 7. διεῖλε τὸν λ. καὶ τοὺς ἱππεῖς  
 II Ma. 1. 26. πρόσδεξαι τὴν θυσίαν ὑπὲρ παντὸς τοῦ λ. σου Ἰ.  
 — 29. καταφύτευσον τὴν λ. σου  
 2. 7. ἐπισυναγωγὴν τοῦ λ.  
 — 17. ὁ σῶσας τὸν πάντα λαὸν αὐτοῦ  
 6. 16. οὐκ ἐγκαταλείπει τὸν ἑαυτοῦ λαόν  
 8. 2. B τὸν ὑπὸ πάντων καταπατούμενον [A. -πονοῦμ.] λαόν  
 10. 21. συναγαγὼν τοὺς ἡγουμένους τοῦ λ.  
 13. 11. τὸν ἀπὸ βραχέως ἀνεψυχῶτα λαόν  
 14. 15. τὸν... συστήσαντα τὸν ἑαυτοῦ λαόν  
 15. 14. προσυγκρίνομεν περὶ τοῦ λ.  
 — 24. παραγενόμενοι ἐπὶ τὸν δῖόν σου λ.  
 III Ma. 2. 6. καταδουλωσάμενον τὸν λ. σου τὸν ἄγιον Ἰσ.  
 — 16. εὐδόκησας τὴν δόξιν σου ἐν τῷ λ. σου Ἰσ.  
 6. 3. μερίδος ἡγιασμένης σου λαὸν ἐν ξίφει γῆ ξένον  
 IV Ma. 4. 26. τὰ δόγματα αὐτοῦ κτεφρονεῖτο ὑπὸ τοῦ λ.  
 [Aq. Ge. 49. 10: Ex. 5. 16: 11. 3: 19. 12: 32. 25: Le. 4. 3: Nu. 14. 14: Dt. 2. 21: 4. 19: 7. 19: 10. 11: 32. 43: Jd. 5. 2: i Ki. 9. 24: 26. 14: i Ki. 9. 23: 14. 2: 7 bis: 18. 21: Jb. 18. 19: Ps. 17 (18). 28: 84 (35). 18: 44 (45). 18: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 79 (80). 5: 86 (87). 6: 88 (89). 51: 95 (96). 7: 118 (114). i. Pr. 14. 28: 29. 18: Ec. 4. 16: 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 1. 3: 2. 3: 8. 9: 11. 10. 11: 13. 14. 30. 28: 33. 3. 12: 40. 7: 51. 16. 22: 61. 9: 63. 3. 8: Jc. 6. 27: 9. 15 (14): 13. 10: 17. 19: 28. 27: 34 (41). 8. 19: 37 (44). 4: 41 (48). 10 bis: 44 (51). 20: 52. 15 bis: Ez. 26. 2: 38. 3: Da. 9. 24. 26: Or. 13: Hb. 8. 13: Zc. 8. 9.]  
 [Sm. Ex. 19. 5. 12: 32. 9 bis, 25: Dt. 4. 19: 7. 19: 10. 11: 33. 7: Jd. 5. 14: i Ki. 28. 14: i Ki. 14. 13: i Ki. 18. 21: 22. 28: Jb. 86. 20: Ps. 17 (18). 28. 48: 84 (35). 18: 43 (44). 13: 44 (45). 18: 46 (47). 10 bis: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 67 (68). 8. 31: 77 (78). 62: 79 (80). 5: 80 (81). 12: 82 (83). 4: 86 (87). 6: 88 (89). 20: 95 (96). 7: 109 (110). 3: 113 (114). i. Pr. 14. 28. 34: Ec. 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 2. 3: 6. 5. 10: 8. 9. 11. 12: 11. 11: 25. 8: 29. 14: 32. 13: 83. 12. 19 bis: 34. 1: 40. 1. 7: 51. 16. 22: 63. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 3. 8: Jc. 6. 27: 9. 15 (14): 12. 16: 13. 10: 23. 27: 30 (37). 22: 31 (38). 2: 44 (51). 20: La. 1. 1: Ez. 26. 2: 33. 3. 31: Da. 9. 24: Mt. 2. 8: Zc. 3. 9.]  
 [Th. Ex. 5. 16: 11. 3: 19. 12: 32. 9 bis, 25: Dt. 4. 19: 7. 19: 10. 11: 32. 43: Jd. 2. 12: 5. 2. 14: i Ki. 9. 24: 26. 14: i Ki. 14. 13: i Ki. 18. 21: 22. 28: Jb. 86. 20: Ps. 17 (18). 28. 48: 84 (35). 18: 43 (44). 13: 44 (45). 18: 46 (47). 10 bis: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 67 (68). 8. 31: 77 (78). 62: 79 (80). 5: 80 (81). 12: 82 (83). 4: 86 (87). 6: 88 (89). 20: 95 (96). 7: 109 (110). 3: 113 (114). i. Pr. 14. 28. 34: Ec. 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 2. 3: 6. 5. 10: 8. 9. 11. 12: 11. 11: 25. 8: 29. 14: 32. 13: 83. 12. 19 bis: 34. 1: 40. 1. 7: 51. 16. 22: 63. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 3. 8: Jc. 6. 27: 9. 15 (14): 12. 16: 13. 10: 23. 27: 30 (37). 22: 31 (38). 2: 44 (51). 20: La. 1. 1: Ez. 26. 2: 33. 3. 31: Da. 9. 24: Mt. 2. 8: Zc. 3. 9.]  
 [Th. Ex. 5. 16: 11. 3: 19. 12: 32. 9 bis, 25: Dt. 4. 19: 7. 19: 10. 11: 32. 43: Jd. 2. 12: 5. 2. 14: i Ki. 9. 24: 26. 14: i Ki. 14. 13: i Ki. 18. 21: 22. 28: Jb. 86. 20: Ps. 17 (18). 28. 48: 84 (35). 18: 43 (44). 13: 44 (45). 18: 46 (47). 10 bis: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 67 (68). 8. 31: 77 (78). 62: 79 (80). 5: 80 (81). 12: 82 (83). 4: 86 (87). 6: 88 (89). 20: 95 (96). 7: 109 (110). 3: 113 (114). i. Pr. 14. 28. 34: Ec. 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 2. 3: 6. 5. 10: 8. 9. 11. 12: 11. 11: 25. 8: 29. 14: 32. 13: 83. 12. 19 bis: 34. 1: 40. 1. 7: 51. 16. 22: 63. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 3. 8: Jc. 6. 27: 9. 15 (14): 12. 16: 13. 10: 23. 27: 30 (37). 22: 31 (38). 2: 44 (51). 20: La. 1. 1: Ez. 26. 2: 33. 3. 31: Da. 9. 24: Mt. 2. 8: Zc. 3. 9.]  
 [Th. Ex. 5. 16: 11. 3: 19. 12: 32. 9 bis, 25: Dt. 4. 19: 7. 19: 10. 11: 32. 43: Jd. 2. 12: 5. 2. 14: i Ki. 9. 24: 26. 14: i Ki. 14. 13: i Ki. 18. 21: 22. 28: Jb. 86. 20: Ps. 17 (18). 28. 48: 84 (35). 18: 43 (44). 13: 44 (45). 18: 46 (47). 10 bis: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 67 (68). 8. 31: 77 (78). 62: 79 (80). 5: 80 (81). 12: 82 (83). 4: 86 (87). 6: 88 (89). 20: 95 (96). 7: 109 (110). 3: 113 (114). i. Pr. 14. 28. 34: Ec. 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 2. 3: 6. 5. 10: 8. 9. 11. 12: 11. 11: 25. 8: 29. 14: 32. 13: 83. 12. 19 bis: 34. 1: 40. 1. 7: 51. 16. 22: 63. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 3. 8: Jc. 6. 27: 9. 15 (14): 12. 16: 13. 10: 23. 27: 30 (37). 22: 31 (38). 2: 44 (51). 20: La. 1. 1: Ez. 26. 2: 33. 3. 31: Da. 9. 24: Mt. 2. 8: Zc. 3. 9.]  
 [Th. Ex. 5. 16: 11. 3: 19. 12: 32. 9 bis, 25: Dt. 4. 19: 7. 19: 10. 11: 32. 43: Jd. 2. 12: 5. 2. 14: i Ki. 9. 24: 26. 14: i Ki. 14. 13: i Ki. 18. 21: 22. 28: Jb. 86. 20: Ps. 17 (18). 28. 48: 84 (35). 18: 43 (44). 13: 44 (45). 18: 46 (47). 10 bis: 55 (56). 8: 58 (59). 12: 61 (62). 9: 67 (68). 8. 31: 77 (78). 62: 79 (80). 5: 80 (81). 12: 82 (83). 4: 86 (87). 6: 88 (89). 20: 95 (96). 7: 109 (110). 3: 113 (114). i. Pr. 14. 28. 34: Ec. 12. 9: Ca. 6. 11 (12): Is. 2. 3: 6. 5. 10: 8. 9. 11. 12: 11. 11: 25. 8: 29. 14: 32. 13: 83. 12. 19 bis: 34. 1: 40. 1. 7: 51. 16. 22: 63. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 3. 8: Jc. 6. 27: 9. 15 (14): 12. 16: 13. 10: 23. 27: 30 (37). 22: 31 (38). 2: 44 (51). 20: La. 1. 1: Ez. 26. 2: 33. 3. 31: Da. 9. 24: Mt. 2. 8: Zc. 3. 9.]

51. 5: 53. 8: 57. 1: 61. 9: 63. 8: Jc. 6. 27: 8. 11: 9. 15 (14): 13. 10: 29 (36). 16. 25: 30 (37). 22: 33 (40). 24. 34 (41). 8: 39 (46). 8. 9 bis, 10: 48 (31). 46: 52. 28: Ez. 26. 2: 38. 31: Da. 7. 27: 9. 20. 24: 12. 7: Zc. 3. 9.]  
 [Hob. Ge. 49. 6: Dt. 32. 43 bis: Ps. 95 (96). 7.]  
 [Al. Ex. 9. 35: 15. 14: 17. 1: Le. 4. 3: 10. 3: 20. 2. 4: Nu. 7. 2: 11. 33: 14. 19: Dt. 32. 21: Jo. 3. 6: i Ki. 9. 2: Ps. 9. 12: 44 (45). 18: 124 (125). 2: Hb. 8. 13. 16.]  
 [Quint. Ps. 73 (74). 14: 86 (87). 6: Ca. 6. 11 (12): Hb. 3. 13.]  
 [Sext. Hb. 3. 13.]  
 λαπιστής.  
 Si. 20. 7. ὁ δὲ λ. ... υπερβήσεται καιρόν [B<sup>1</sup> -φ]  
 λαπτειν. (1) 𐤋𐤏𐤕𐤍 a. qal. b. pi.  
 Jd. 7. 5. δε ἐν λάπῃ [A. λήψῃ] τῇ γλώσσῃ αὐ. (1 a)  
 — 5. ὡς ἐὰν λάψῃ [A. λήψῃ] ὁ κύων (1 a)  
 — 6. ὁ ἀριθμὸς τῶν λαψάντων ἐν χειρὶ αὐτῶν [A. αἱ.] (1 b)  
 — 7. ἐν τοῖς τριακοσίοις ἀνδράσι τοῖς λάψασι (1 b)  
 [Sm. Jd. 7. 6: Ps. 67 (68). 24.]  
 λαράκιον.  
 [Sm. i Ki. 6. 8.]  
 [Al. i Ki. 6. 11.]  
 λάρναξ.  
 [Aq. i Ki. 6. 8.]  
 λάρος. (1) 𐤋𐤏𐤕𐤍  
 Le. 11. 15 (16): De. 14. 15. στρουθὸν καὶ γλαίκα καὶ λάρων (1)  
 λάρυγξ. (1) 𐤋𐤏𐤕𐤍 (2) 𐤋𐤏𐤕𐤍 (3) 𐤋𐤏𐤕𐤍  
 Jb. 6. 30. ὁ ὁ λ. μου οὐχὶ σύσεις μελετᾷ (2)  
 12. 11. λάρυγξ δὲ σῖτα γέεται (2)  
 20. 13. συνάξει αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ λ. αὐτοῦ (2)  
 29. 10. γλώσσα αὐτῶν τῷ λ. αὐτῶν ἐκκολληθῇ (2)  
 34. 3. λάρυγξ γεύεται βρώσιν (2)  
 Ps. 5. 9. τάφος ἀνεφωγμένος ὁ λ. αὐτῶν (1)  
 13 (14). 3. B S<sup>1</sup> τάφος ἀνεφωγμένος ὁ λ. αὐτῶν —  
 21 (22). 15. ἡ γλώσσά μου ἐκκολληθῇ τῷ λ. μου (3)  
 68 (69). 3. ἔβραγχισεν ὁ λ. μου (1)  
 118. 15 (115. 7). οὐ φωνήσονται ἐν τῷ λ. αὐτῶν (1)  
 118 (119). 103. ὡς γλυκεὶ τῷ λ. μου τὰ λόγια σου (2)  
 134 (135). 17. Α οὐ φωνήσονται ἐν τῷ λ. αὐτῶν —  
 136 (137). 6. κολληθεῖ ἡ γλώσσά μου τῷ λ. μου (2)  
 149. 6. αἱ ὑψώσεις τοῦ θεοῦ ἐν [A. B. add. τῇ] λάρυγγι αὐτῶν (1)  
 Ca. 2. 3. καρπὸς αὐτοῦ γλυκεὶ ἐν λάρυγγί μου (2)  
 7. 9 (10). ὁ [A. B. om.] λ. σου ὡς οἶνος ὁ ἀγαθός  
 Si. 6. 5. λάρυγξ γλυκεὶ πληθυνεῖ φίλους αὐτοῦ [Aq. Sm. Ez. 3. 26.]  
 [Th. Jb. 33. 2: Pr. 23. 2: Ez. 3. 26.]  
 λατομεῖν. (1) 𐤋𐤏𐤕𐤍 a. qal. b. pu. (2) 𐤋𐤏𐤕𐤍  
 Ex. 21. 33. ἡ λατομία [A. om. ἡ λατ.] λίκκον (2)  
 Nu. 21. 18. Α ἐλατόμωσαν [B. ἐξέλ.] αὐτὸ βασιλεῖς ἐθνῶν (2)  
 De. 6. 11. B λίκκον ἐλατομημένους οὐς οὐκ ἐλατόμωσαν [A. B<sup>2</sup> B. ἐξέλ.] (1 a, 1 a)  
 I Ch. 22. 2. λατομήσαι λίθους ἐπιστοῦς (1 a)  
 II Ch. 26. 10. ἐλατόμωσαν λίκκους πολλοὺς (1 a)  
 Ne. 9. 25. ἐκληρονόμησαν... λίκκους ἐλατομημένους (1 a)  
 Jb. 28. 2. χαλκὸς δὲ ἴσα λίθῳ λατομεῖται +  
 Is. 22. 16. ἐλατόμωσας σενατῶ ὅδε μνημεῖον (1 a)  
 51. 1. ἦν ἐλατομήσατε (1 b)  
 [Aq. Dt. 8. 9: Pr. 9. 1: Is. 51. 9: Ho. 6. 5.]  
 [Sm. i Ki. 7. 12 (49): Pr. 9. 1: Is. 51. 1, 9.]  
 [Th. Is. 51. 1, 9: Ho. 6. 5.]  
 λατομητός. (1) 𐤋𐤏𐤕𐤍  
 IV Ki. 12. 12 (13). τοῦ κτήσασθαι... λίθους λ. (1)  
 22. 6. τοῦ κτήσασθαι... λίθους λ. (1)  
 [Sm. i Ki. 7. 12 (49).]  
 λατόμος. (1) 𐤋𐤏𐤕𐤍  
 III Ki. 3. 1 (5. 15 [29]). ὁδοῦκοντα χιλιᾶδες λατόμων (1)  
 5. 15 (29). ὁδοῦκοντα χιλιᾶδες λατόμων (1)  
 IV Ki. 12. 12 (13). καὶ τοῖς λ. τῶν λίθων (1)





Ge. 18. 12. ἐγένετο δὲ Σάρρα ἐν ταύτῃ λέγουσα (1 α)	Ge. 50. 4. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ . . . λέγοντες (1 α)	Ex. 24. 3. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λαὸς . . . λέγοντες (1 α)
— 13. ἐγένετο Σ. ἐν ταύτῃ λέγουσα (1 α)	— 5. ὁ πατήρ μου με ὥρπισε λέγων (1 α)	25. 1 : 30. 11, 17, 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 15. ἠρῆσατο δὲ Σάρρα λέγουσα (1 α)	— 16. ὁ πατήρ σου ὥρπισε . . . λέγων (1 α)	30. 31. τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις λέγων (1 α)
19. 5. καὶ ἐλεγον πρὸς αὐτὸν (1 α)	— 24. εἶπεν Ἰ. τοῖς ἀδ. αὐτοῦ λέγων [A om.] —	31. 1, 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)
— 15. ἐσπούδαζον . . . τὸν Διὸς λέγοντες (1 α)	— 25. ὥρπισεν Ἰ. τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ λέγων (1 α)	— 13. σὺ σύνταξον τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λέγων (1 α)
— 37. Ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Μωάβ λέγουσα —	Ex. 1. 22. συνέταξε . . . τῷ λαφ' αὐτοῦ λέγων (1 α)	32. 1. καὶ λέγουσιν [A. ἐλεγόν] αὐτῷ (1 α)
— 39 (38). Β ἐκάλεισε τὸ ὄνομα αὐ. Ἀμμάν λέγουσα [A om.] —	2. 10. ἐπανάμισε δὲ τὸ ὄνομα . . . λέγουσα (1 α)	— 2. καὶ λέγει αὐτοῖς Ἀαρών (1 α)
21. 22. εἶπεν Ἀβιμέλεχ . . . λέγων (1 α)	— 13. καὶ λέγει τῷ ἀδικούντι (1 α)	— 5. καὶ ἐκήρυξεν Ἀαρών λέγων (1 α)
22. 7. Β εἶπε δὲ [A λέγων], Ἰδοὺ τὸ πῦρ (1 α)	— 22. ἐπανάμισε Μ. τὸ ὄνομα . . . λέγων (1 α)	— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων —
— 16. καὶ ἐκάλεισε . . . τὸν Ἀβραάμ . . . λέγων (1 α)	— 12. εἶπε δὲ ὁ θεὸς Μωυσῆ λέγων [A om. δ . . . λ.] —	— 12. μὴ ποτε εἰπωσιν οἱ Αἰγ. λέγοντες (1 α)
— 16. κατ' ἐμαυτοῦ ὄμοσα, λέγει κύριος (8)	— 14. εἶπεν ὁ θεὸς πρὸς Μωυσὴν λέγων [A om.] —	— 13. καὶ ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς λέγων —
— 20. καὶ ἀνηγγέλη . . . λέγοντες (1 α)	— 16. κύριος . . . ὁπταί μοι . . . λέγων (1 α)	— 17. λέγει πρὸς Μωυσὴν (1 α)
28. 3. καὶ εἶπεν . . . τοῖς υἱοῖς . . . λέγων (1 α)	4. 18. καὶ λέγει (1 α)	— 18. καὶ λέγει (1 α)
— 4 (5). ἀπεκρίθησαν . . . πρὸς Ἀβ. λέγοντες (1 α)	— 22. τὰδε λέγει κύριος (1 α)	— 22. εἶπεν Ἀ. πρὸς Μωυσὴν [A add. λέγων] —
— 8. καὶ ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς Ἀβ. λέγων (1 α)	5. 1. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1 α)	— 23. λέγουσι γὰρ μοι (1 α)
— 10. ἀποκρίθεις δὲ . . . εἶπεν . . . λέγων (1 α)	— 3. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 α)	— 27. καὶ λέγει [A εἶπεν] αὐτοῖς (1 α)
— 14. ἀπεκρίθη δὲ Ἐφρών τῷ Ἀβραάμ λέγων (1 α)	— 6. συνέταξε . . . τοῖς ἐργονιδιώταις . . . λέγων (1 α)	— 27. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1 α)
24. 7. ὥμοσε μοι λέγων (1 α)	— 8. διὰ τοῦτο κεκράγασι λέγοντες (1 α)	33. 1. ἦν ὄμοσα . . . λέγων (1 α)
— 30. τὰ ῥήματα Ρεβέκκας . . . λεγούσης (1 α)	— 10. ἐλεγον πρὸς τὸν λαὸν λέγοντες (1 α, 1 α)	— 12. σὺ μοι λέγεις (1 α)
— 37. καὶ ὥρπισέ με ὁ κύριός μου λέγων (1 α)	— 10. τὰδε λέγει Φαραὼ (1 α)	— 14. καὶ λέγει (1 α)
26. 11. συνέταξε . . . πατρὶ τῷ λαφ' αὐ. λέγων (1 α)	— 13. κατέσπευδον αὐτοὺς λέγοντες (1 α)	— 15. καὶ λέγει [A εἶπεν] πρὸς αὐτόν (1 α)
— 22. ἐπανάμισε τὸ ὄνομα . . . λέγων (1 α)	— 14. ἐμαστιγύωθησαν . . . λέγοντες (1 α)	— 18. καὶ λέγει (1 α)
27. 6. λαλοῦντος πρὸς Ἠσαῦ . . . λέγοντος (1 α)	— 15. κατεβύσαν πρὸς Φαραὼ λέγοντες (1 α)	35. 4. εἶπε Μ. . . . λέγων (1 α)
28. 1, 6. ἐνετείλατο αὐτῷ λέγων (1 α)	— 16. καὶ τὴν πλίνθον ἡμῖν λέγουσι ποιῶν (1 α)	— 4. ὁ συνέταξε κύριος λέγων (1 α)
— 20. ἤθετο Ἰακώβ εὐχὴν λέγων (1 α)	— 17. διὰ τοῦτο λέγετε (1 α)	36. 5. Α εἶπον πρὸς Μ. λέγοντες [B al.] (1 α)
29. 32. ἐκάλεσε δὲ τὸ ὄνομα . . . λέγουσα (1 α)	— 19. ἐὼρων . . . ἐαυτοὺς ἐν κακοῖς λέγοντες (1 α)	— 6. καὶ ἐκίρυξεν . . . λέγων (1 α)
30. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐ. Ἰωσήφ λέγουσα (1 α)	6. 6. εἰπὼν τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λέγων —	40. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)
31. 1. τὰ ῥήματα τῶν υἱῶν Α. λέγοντων (1 α)	— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)	Le. 1. 1. ἐλάλησε κύριος αὐτῷ . . . λέγων (1 α)
— 29. ὁ δὲ θεὸς . . . εἶπε πρὸς με λέγων (1 α)	— 12. ἐλάλησε δὲ Μ. ἑαυτῇ κυρίῳ λέγων (1 α)	4. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)
32. 4 (5). καὶ ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 α)	— 29. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)	— 2. λαλήσαν πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ λέγων (1 α)
— 4 (5). οὕτως λέγει ὁ παῖς σου Ἰακώβ (1 α)	— 29. λαλήσαν . . . ὅσα ἐγὼ λέγω πρὸς σέ (8 β)	5. 14 : 6. 1 (5, 20). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 6 (7). ἀνέστρεψαν . . . πρὸς Ἰακώβ λέγοντες (1 α)	7. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων —	6. 4 (5, 24). Β ἡ ἡμέρα ἐλέχθη [A B ἐλεγχθη] †
— 17 (18). ἐνετείλατο τῷ πρώτῳ λέγων (1 α)	— 8. εἶπε κ. πρὸς Μωυσὴν . . . λέγων (1 α)	— 7 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 17 (18). εὖν . . . ἐρωτᾷ σε λέγων (1 α)	— 9. καὶ εὖν λαλήσῃ πρὸς ὑμᾶς Φ. λέγων (1 α)	— 8 (2). ἐντελεῖαι Ἀαρών . . . λέγων (1 α)
— 19 (20). ἐνετείλατο τῷ πρώτῳ . . . λέγων (1 α)	— 16. ἀπέσταλκέ με πρὸς σέ λέγων (1 α)	— 19 (12) [B]. 24 (17). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
34. 4. εἶπε Συχεὶ πρὸς Ἐμῶρ . . . λέγων (1 α)	— 17 : 8. 1 (7, 26), 20 (16). τὰδε λέγει κύριος (1 α)	— 25 (18). λαλήσαν Ἀαρών . . . λέγων (1 α)
— 8. ἐλάλησεν Ἐμῶρ αὐτοῖς λέγων (1 α)	8. 25 (21). ἐκάλεσε . . . Ἀαρὼν λέγων (1 α)	7. 12 (22). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 20. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς ἀνδρας . . . λέγοντες (1 α)	9. 1. τὰδε λέγει κύριος ὁ θ. τῶν Ἑβρ. (1 α)	— 13 (23). λαλήσαν τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λέγων [B <sup>1</sup> om.] (1 α)
37. 15. ἠρώπησε δὲ αὐτόν . . . λέγων (1 α)	— 5. Α <sup>2</sup> Β καὶ ἔδωκεν ὁ θεὸς ὄρον λέγων (1 α)	— 18 (28). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 17. φκονσα γὰρ αὐτὸν λεγόντων (1 α)	— 8. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσὴν . . . λέγων —	— 19 (29). τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ λαλήσεις λέγων (1 α)
— 35. οὐκ ἤθελε παρακαλεῖσθαι λέγων (1 α)	— 13. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς τῶν Ἑβρ. (1 α)	8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)
38. 13. ἀπηγγέλη Θ. τῇ νύμφῃ αὐ. λέγοντες (1 α)	— 26. εὖν λέγωνι πρὸς ὑμᾶς οἱ υἱοὶ ὑμῶν (1 α)	— 31. ὃν τρόπον συντέτακται μοι λέγων (1 α)
— 22. λέγουσι μὴ εἶναι ὅδε πόρνη (1 α)	— 7. καὶ λέγουσιν οἱ θεράποντες (1 α)	9. 3. τῇ γενομένῃ Ἰσραὴλ λαλήσαν λέγων (1 α)
— 24. ἀνηγγέλη τῷ Ἰούδα λέγοντες (1 α)	— 9. καὶ λέγει Μωυσῆς (1 α)	10. 3. τοῦτο ἐστὶν ὃ εἶπε κύριος λέγων (1 α)
— 25. ἀπεστείλε πρὸς τὸν πενθερὸν αὐ. λέγουσα (1 α)	— 16. κατέσπευδε . . . καλέσαι Μωυσὴν . . . λέγων (1 α)	— 8. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἀ. λέγων (1 α)
— 28. ἔθηκεν ἐπὶ τὴν χεῖρα . . . λέγουσα (1 α)	— 24. ἐκάλεσε Φ. Μωυσὴν καὶ Ἀ. λέγων (1 α)	— 16. ἐδουλόθη Μ. ἐπὶ Ἐκιδάρ . . . λέγων (1 α)
39. 12. ἐπιστάσαντο αὐτόν . . . λέγουσα (1 α)	— 28. καὶ λέγει [A add. αὐτῷ] Φαραὼ (1 α)	— 19. ἐλάλησεν Ἀαρών πρὸς Μ. λέγων —
— 14. καὶ εἶπεν αὐτοῖς λέγουσα (1 α)	— 29. λέγει δὲ Μωυσῆς, Εἰρηκας (1 α)	11. 1. ἐλάλησε κ. πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 α)
— 14. ἐισήλθε πρὸς με λέγων —	11. 4. τὰδε λέγει κύριος (1 α)	— 2. λαλήσατε τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγοντες (1 α)
— 17. ἐλάλησεν αὐτῷ κατὰ τὰ ῥήμ. τ. λέγουσα (1 α)	— 8. καὶ προσκυνήσουσί με λέγοντες (1 α)	12. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 19. ὅσα ἐλάλησε πρὸς αὐτόν λέγουσα (1 α)	12. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσὴν . . . λέγων (1 α)	13. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 α)
— 40. 7. ἠρώτα τοὺς εὐνούχους . . . λέγων (1 α)	— 3. λαλήσαν . . . λέγων (1 α)	14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
41. 9. ἐλάλησεν . . . πρὸς Φαραὼ λέγων (1 α)	— 26. εὖν λέγωνι πρὸς ὑμᾶς οἱ υἱοὶ ὑμῶν (1 α)	— 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 α)
— 15. ἀκήκοα περὶ σοῦ λεγόντων (1 α)	— 31. καθὰ λέγετε (8 γ)	— 35. καὶ ἀνυγγέλι τῷ ἱερεὶ λέγων (1 α)
— 17. ἐλάλησε δὲ Φαραὼ τῷ Ἰωσήφ λέγων —	— 43. Β εἶπε δὲ κύριος . . . λέγων [A B om.] (1 α)	15. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς . . . Ἀ. λέγων (1 α)
— 51. Β ἐκάλεσε . . . Μανασσῆ [A add. λέγων] —	13. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)	16. 2. εἶπε κύριος πρὸς Μ. [A add. λέγων] —
42. 14. ἐστὶν ὁ εἰρηκα ὑμῖν λέγων (1 α)	— 8. ἀναγγελεῖς τῷ υἱῷ σου . . . λέγων (1 α)	17. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)
— 22. οὐκ ἐλάλησα ὑμῖν λέγων (1 α)	— 14. εὖν δὲ ἐρωτᾷ σε ὁ υἱός . . . λέγων (1 α)	— 2. τὸ ῥήμα ὃ ἐνετείλατο κύριος λέγων (1 α)
— 28. ἐταράχθησαν πρὸς ἀλλήλους λέγοντες (1 α)	— 19. ὥρπισε τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ λέγων (1 α)	18. 1. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 29. ἀπηγγέλειαν αὐτῷ πάντα . . . λέγοντες (1 α)	14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)	19. 1 : 20. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 37. εἶπε δὲ Ῥουβὴν τῷ πατρὶ αὐ. λέγων (1 α)	— 5. Α ἀνηγγέλη τῷ Φαραὼ λέγοντες [B al.] (1 α)	21. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων —
43. 3. εἶπε δὲ αὐτῷ Ἰούδας λέγων (1 α)	— 12. ὃ ἐλάλησαμεν πρὸς σέ . . . λέγοντες (1 α)	— 16 : 22. 1, 17, 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 3. Β μεμαρτύρηται [A διαμεμ.] . . . λέγων (1 α)	15. 1. καὶ εἶπεν λέγοντες [A τῷ λέγειν] (1 α)	23. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 5. εἶπεν ἡμῖν λέγων —	— 21. ἐξήρχε δὲ αὐτῶν Μαρίας λέγουσα —	— 9, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 7. ἐρωτῶν ἐπηρώτησεν ἡμᾶς . . . λέγων (1 α)	— 24. διεγόνγυζεν ὁ λ. . . λέγοντες (1 α)	— 24. λαλήσαν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 α)
— 20. ἐλάλησαν αὐτῷ . . . λέγοντες (1 α)	18. 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσὴν λέγων (1 α)	— 26, 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
44. 1. ἐνετείλατο . . . λέγων (1 α)	— 12. λαλήσαν πρὸς αὐτοὺς λέγων (1 α)	— 34. λαλήσαν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 α)
— 4. Β εἶπε τῷ ἐπὶ τῆς οἰκίας αὐ. [A add. λέγων] —	17. 2. ἐλοιδορεῖτο ὁ λαός . . . λέγοντες [A καὶ ἔλεγον] (1 α)	24. 1, 13. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 10. καὶ νῦν ὡς λέγετε οὕτως ἔσται (8 α)	— 3. διεγόνγυζεν ἐκεῖ ὁ λαός . . . λέγοντες (1 α)	25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 α)
— 19. ἠρώτησας τοὺς παῖδάς σου λέγων (1 α)	— 4. ἐβόησε δὲ Μωυσῆς πρὸς κύριον λέγων (1 α)	— 20. ἐάν δε λήγητε (1 α)
— 32. ἐκδέκεται τὸ παιδίον . . . λέγων (1 α)	— 7. διὰ τὸ πειράσαις κύριον λέγοντες (1 α)	27. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
45. 9. τὰδε λέγει ὁ υἱός σου Ἰωσήφ (1 α)	18. 3. ὄνομα τῷ ἐνὶ αὐ. Γηραμὸν λέγων (1 α)	Nu. 1. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. . . . λέγων (1 α)
— 16. διεβοήθη ἡ φωνή . . . λέγοντες (1 α)	— 4. τὸ ὄνομα . . . Ἐλίζερ λέγων [A om.] —	— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 26. ἀνιγγέλειαν αὐτῷ λέγοντες (1 α)	— 6. ἀνηγγέλη δὲ Μωυσῆ λέγοντες —	2. 1. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 α)
46. 3. Ε ὁ δὲ λέγει αὐτῷ [A λέγων], Ἐγὼ εἰμι (1 α)	— 14. ἰδὼν Ἰ. πάντα . . . λέγει (1 α)	3. 5, 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
47. 1. ἀπηγγέλει τῷ Φαραὼ λέγων (1 α)	— 15. καὶ λέγει Μωυσῆς τῷ γαμβρῷ (1 α)	— 14. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 α)
— 5. εἶπε Φαραὼ πρὸς Ἰωσήφ λέγων (1 α)	19. 3. ἐκάλεσεν αὐτόν ὁ θεός . . . λέγων (1 α)	— 40. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων —
— 15. ἦλθον δὲ . . . πρὸς Ἰωσήφ λέγοντες (1 α)	— 12. καὶ ἀφορίεις τὸν λαὸν κύκλῳ λέγων (1 α)	— 44. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
48. 2. ἀπηγγέλη δὲ τῷ Ἰακώβ λέγοντες (1 α)	— 21. εἶπεν ὁ θεὸς πρὸς Μωυσὴν λέγων —	4. 1, 17. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 α)
— 20. καὶ ἐλόγησεν αὐτοὺς . . . λέγων (1 α)	— 23. σὺ γὰρ διαμεμαρτύρησαι ἡμῖν λέγων (1 α)	— 21 : 5. 1, 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)
— 20. ἐν ὑμῖν εὐλογηθήσεται Ἰσραὴλ λέγοντες (1 α)	20. 1. ἐλάλησε . . . τοὺς λόγους τούτους λέγων (1 α)	5. 6. λαλήσαν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων —
50. 4. ἐλάλησεν Ἰ. . . λέγων (1 α)	— 20. καὶ λέγει αὐτοῖς Μωυσῆς (1 α)	

Nu. 5. 11: 6. 1, 2, ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 6. 23. ἀλάλησεν Ἰσραὴν... λέγων (1 α)  
 — 23. οὕτως εὐλογήσατε... λέγοντες αὐτοῖς (1 α)  
 7. 4. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 8. 1, 5, 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 9. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 10. ἀλάλησεν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 10. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 11. 12. ὅτι λέγεις μοι (1 α)  
 — 13. κλαίουσιν ἐπ' ἐμοὶ λέγοντες (1 α)  
 — 18. ἐκλαύσατε ἐναντίον κυρίου λέγοντες (1 α)  
 — 20. ἐκλαύσατε ἐναντίον αὐτοῦ λέγοντες (1 α)  
 — 27. καὶ εἶπε λέγων (1 α)  
 12. 13. ἐβόησε Μ. πρὸς κύριον λέγων (1 α)  
 13. 2 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 33 (32). ἐξήγγαλον ἑκαστασιν... λέγοντες (1 α)  
 14. 7. εἶπαν πρὸς πᾶσαν συναγ. λέγοντες (1 α)  
 — 15. ἐροῦντι τὰ ἔθνη... λέγοντες (1 α)  
 — 17. ὅν τρόπον εἶπας λέγων (1 α)  
 — 26. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 28. λέγει κύριος (8)  
 — 40. ἀνέβησαν... λέγοντες (1 α)  
 15. 1. εἶπε [Α. ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 35. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 37. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 16. 5. ἐλάλησε πρὸς Κορέ... λέγων (1 α)  
 — 20. ἐλάλησε κύριος... λέγων (1 α)  
 — 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 24. ἀλάλησεν τῇ συναγωγῇ λέγων (1 α)  
 — 26. ἐλάλησε πρὸς τὴν συναγ. λέγων (1 α)  
 — 34. ὅτι [Α. ἀλλ' εἶπαν] λέγοντες (1 α)  
 — 41 (17. 6). ἐγγόγγισαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 — 44 (17. 9). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 17. 1 (16). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 12 (27). εἶπαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Α. λέγων (1 α)  
 — 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 2. ὅσα συνέταξε κύριος λέγων (1 α)  
 20. 3. ἐκδοριεῖτο ὁ λαὸς... λέγοντες (1 α)  
 — 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 14. ἀπέστειλε Μ. λέγων (1 α)  
 — 14. τὰδε λέγει ὁ ἀδελφός σου Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 — 19. λέγουσιν αὐτῷ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 — 23. εἶπε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 21. 5. καταλείπει ὁ λαὸς... λέγοντες (1 α)  
 — 7. παραγενόμενος ὁ λ. λέγων (1 α)  
 — 14. λέγεται ἐν Βιβλίῳ [Α. λαφ.] λέγων (1 α)  
 — 20 (21). ἀπέστειλε Μ. λέγων λόγους εἰρην-  
 — 22. 5. ἀπέστειλε... καλίσαι αὐτὸν λέγων (1 α)  
 — 10. ἀπέστειλεν αὐτοῖς πρὸς με λέγων (1 α)  
 — 16. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 α)  
 — 16. τὰδε λέγει Βαλὰκ (1 α)  
 — 28. καὶ λέγει [Α. εἶπεν] τῷ Β. λέγων (1 α)  
 — 30. λέγει ἡ θύος τῷ Β. λέγων (1 α)  
 — 32. Α. λέγει [Β. εἶπεν] αὐτῷ ὁ ἀγγ. τοῦ θ. λέγων (1 α)  
 — 73. μετεπεμφσάτο με Β. λέγων (1 α)  
 — 26. οὐκ ἐλάλησά σοι λέγων (1 α)  
 24. 12. οὐχί... ἐλάλησα λέγων (1 α)  
 25. 10, 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 16. ἀλάλησεν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 26. 1. Α. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων [Β. om.] (1 α)  
 — 3. ἐλάλησε Μ. λέγων (1 α)  
 — 52. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 27. 2. καὶ σῶσαι... λέγοντας (1 α)  
 — 5 (6). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 7 (8). τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. ἀλάλησε λέγων (1 α)  
 — 18. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 2. εἶπες πρὸς αὐτοὺς λέγων (1 α)  
 30. 1. ἐλάλησε Μ. λέγων (1 α)  
 31. 2. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς τὸν λαὸν λέγων (1 α)  
 — 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 32. 2. εἶπαν πρὸς Μ. λέγοντες (1 α)  
 — 5. καὶ ἔλεγον [Α. ὡσαν] λέγων (1 α)  
 — 10. καὶ ὡσαν λέγων (1 α)  
 — 16. προσήλθον αὐτῷ καὶ ἔλεγον (1 α)  
 — 25. εἶπαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 — 27. ὃν τρόπον ὁ κύριος λέγει (3 β)

Nu. 32. 31. ἀπεκρίθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 — 31. ὅσα ὁ κύριος λέγει τοῖς θεράπονοις (3 c)  
 33. 50. Β' ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 [Α. Β' B. om.] κατὰ Ἰερ. [Α. Β' B. add. λέγων] (1 α)  
 34. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 13. ἐνετείλατο Μ. λέγων (1 α)  
 — 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 35. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 — 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 36. 5. ἐνετείλατο Μ. λέγων (1 α)  
 — 5. οὕτως φυλὴ υἱὸν Ἰ. λέγουσι (3 δ)  
 — 6. δ συνετάξε κύριος... λέγων (1 α)  
 De. 1. 5. ἤρξατο Μ. διασφῆσαι... λέγων (1 α)  
 — 6. ἐλάλησεν ἡμῖν ἐν Χ. λέγων (1 α)  
 — 9. εἶπα πρὸς ὑμᾶς... λέγων (1 α)  
 — 16. ἐνετείλαμην τοῖς κριταῖς ὑμῶν... λέγων (1 α)  
 — 25. καὶ ἔλεγον (1 α)  
 — 28. ἀπέστειλαν τὴν καρδίαν ὑμῶν λέγοντες (1 α)  
 — 34. παροξυνοῦντες ὡσαν λέγων (1 α)  
 — 37. ἐθυμώθη κ. δι' ὑμᾶς λέγων (1 α)  
 2. 4. καὶ τῷ λαφ' ἐντείλει λέγων (1 α)  
 — 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς με λέγων (1 α)  
 — 26. ἀπέστειλα... λόγους εἰρηνικοὺς λέγων (1 α)  
 3. 18. ἐνετείλαμην ὑμῖν... λέγων (1 α)  
 — 21. ἐνετείλαμην... λέγων (1 α)  
 — 23. ἐδεήθη κυρίου... λέγων (1 α)  
 4. 21. περὶ τῶν λεγομένων ὑφ' ὑμῶν (8 α)  
 5. 5. εἰσέτηκιν... λέγων (1 α)  
 — 24 (21). καὶ ἐλέγετε (1 α)  
 6. 20. ὅταν ἐρωτήσῃ σε ὁ υἱός σου αἰριον λέγων (1 α)  
 7. 17. εἰς δὲ λέγῃς ἐν τῇ διανοίᾳ σου (1 α)  
 9. 4. μὴ εἶπῃς ἐν τῇ καρδίᾳ σου... λέγων (1 α)  
 — 13. Α. Β' εἶπε κύριος πρὸς με [Β' B. add. λέγων] (1 α)  
 — 13. λελάληκα πρὸς σέ... λέγων (1 α)  
 — 23. ὅτι ἐξαπέστειλεν ὑμᾶς κ. λέγων (1 α)  
 — 28. μὴ εἰπῶσιν... λέγοντες (1 α)  
 12. 30. μὴ ἐκρίνησθε... λέγων [Α. al.] (1 α)  
 13. 2 (3). ὁ ἐλάλησε πρὸς σέ λέγων (1 α)  
 — 6 (7). εἰς δὲ παρακλήσῃ σε... λάβρα λέγων (1 α)  
 — 12 (13). εἰς δὲ ἀκούσῃς... λεγόντων (1 α)  
 — 13 (14). ἀπέστειλαν πάντας... λέγοντες (1 α)  
 15. 9. μὴ γένηται ῥῆμα... λέγων (1 α)  
 — 11. ἐγὼ σοι ἐντέλλομαι... λέγων (1 α)  
 — 16. εἰς δὲ λέγῃ πρὸς σέ... λέγων (1 α)  
 18. 16. ὅσα πῆρσῶ... λέγοντες (1 α)  
 19. 7. ἐντέλλομαι τὸ ῥῆμα τοῦτο λέγων (1 α)  
 20. 5. ἀλάλησεν οἱ γραμματεῖς... λέγοντες (1 α)  
 22. 14. καὶ λέγῃ (1 α)  
 — 17. ἐπιτίθῃσιν αὐτῇ προφασιστικούς λόγους λέγων (1 α)  
 27. 1. προσέταξε Μ. λέγων [Β' al.] (1 α)  
 — 9. ἐλάλησε Μ. λέγοντες (1 α)  
 — 11. ἐνετείλατο Μ. λέγων (1 α)  
 29. 19 (18). καὶ ἐπιδημῆσαι... λέγων (1 α)  
 30. 12. οὐκ ἐν τῷ οὐρανῷ ἀνω ἐστὶ λέγων (1 α)  
 — 13. Α. Β' B. οὐδὲ πέραν τῆς θαλ. ἐστὶ λέγων (1 α)  
 31. 10. ἐνετείλατο Μ. αὐτοῖς... λέγων (1 α)  
 — 25. ἐνετείλατο τοῖς Λευαῖταις... λέγων (1 α)  
 32. 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. λέγων (1 α)  
 33. 9. Β' λέγων [Α. Β' B. ὁ λ.] τῷ πατρί (1 α)  
 — 27. ἐκβαλεῖ... λέγων, Ἀπόλλοιο (1 α)  
 34. 4. ἡν ὡσαν Ἀβραάμ... λέγων (1 α)  
 Jo. 1. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ... λέγων (1 α)  
 — 10. ἐνετείλατο Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 11. ἐντείλασθε τῷ λαφ' λέγοντες (1 α)  
 — 13. ὁ ἐνετείλατο ὑμῖν Μ. λέγων (1 α)  
 2. 4. ἀπέστειλεν Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 2. ἀπηγγέλει τῷ βασιλ. Ἰερ. λέγοντες [Α. om.] (1 α)  
 — 3. εἶπε πρὸς Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 4. εἶπεν αὐτοῖς λέγουσα (1 α)  
 3. 8. ἐνετείλατο τῷ λαφ' λέγοντες (1 α)  
 — 8. ἐντείλει τοῖς ἱερεῦσι... λέγων (1 α)  
 4. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 3. συντάξον αὐτοῖς [Α. add. λέγων] (1 α)  
 — 6. ὅταν ἐρωτᾷ σε... λέγων (1 α)  
 — 7. Α' B. δηλώσεις τὸ πῶς σου λέγων (1 α)  
 — 15. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῦ λέγων (1 α)  
 — 17. ἐνετείλατο Ἰ. τοῖς ἱερεῦσι λέγων (1 α)  
 — 21. ἐστῆσιν Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 21. ὅταν ἐρωτᾷσιν ὑμᾶς... λέγοντες (1 α)  
 5. 15. λέγει [Α. εἶπεν] ὁ ἀρχιεπίσκοπος κ. πρὸς Ἰ. (1 α)

Jo. 6. 6 (7). εἶπεν αὐτοῖς λέγων (1 α)  
 — 9 (10). τῷ δὲ λαφ' ἐνετείλατο Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 25 (26). ὥρπισεν Ἰ. λέγων (1 α)  
 7. 2. ἀπέστειλεν Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 13. τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 8. 4. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 α)  
 9. 11. εἶπαν πρὸς ἡμᾶς... λέγοντες (1 α)  
 — 22. διὰ τί παρελογίσασθί με λέγοντες (1 α)  
 — 24. ἀπεκρίθησαν τῷ Ἰ. λέγοντες (1 α)  
 10. 3. ἀπέστειλεν Ἀδ. λέγων (1 α)  
 — 6. ἀπέστειλαν... εἰς Γ. λέγοντες (1 α)  
 — 17. ἀπηγγέλει τῷ Ἰ. λέγοντες (1 α)  
 — 24. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντα Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 14. 9. ὡσαν Μ. λέγων (1 α)  
 15. 18. συνεβουλεύσατο αὐτῷ λέγουσα (1 α)  
 17. 4. καὶ ἐστῆσαν... λέγουσαι (1 α)  
 — 14. ἀντίπαν δὲ... τῷ Ἰ. λέγοντες (1 α)  
 — 17. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱοῖς Ἰ. [Α. add. λέγων] (1 α)  
 18. 8. ἐνετείλατο Ἰ. λέγων (1 α)  
 20. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 2. ἀλάλησεν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 21. 2. εἶπον πρὸς αὐτοὺς... λέγοντες (1 α)  
 22. 8. Α. λέγων [Β. καὶ] ἐν χρήμασι πολλοῖς (1 α)  
 — 11. ἤκουσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λεγόντων (1 α)  
 — 15. ἐλάλησαν πρὸς αὐτοὺς λέγοντες (1 α)  
 — 16. τὰδε λέγει πᾶσα ἡ συναγ. κυρίου (1 α)  
 — 21. ἐλάλησαν τοῖς χιλιάρχοις Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 — 24. ἐποιήσαμεν τοῦτο λέγοντες (1 α)  
 — 24. Α. ἴνα μὴ εἰπῶσιν... λέγοντες [Β. om.] (1 α)  
 24. 2. τὰδε [Α. λέγων, Τ.] λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. [Α. add. λέγων] (1 α)  
 — 27. ἀκήκοα πάντα τὰ λεχθέντα αὐτῷ (1 α)  
 Jd. 1. 1. ἐπηρώτων οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 2. 1. τὰδε λέγει κύριος [Α. al.] (1 α)  
 5. 1. ἦσαν Δ. καὶ Β. λέγοντες [Α. al.] (1 α)  
 6. 8. τὰδε λέγει κύριος ὁ θ. Ἰσρ. (1 α)  
 — 13. διηγήσατο ἡμῖν... λέγοντες (1 α)  
 — 32. ἐκάλεσαν αὐτὸ... λέγων [Α. al.] (1 α)  
 7. 2. μὴ ποτε καυχῆσθαι Ἰσρ. ἐπ' ἐμὲ λέγων (1 α)  
 — 3. ἀλάλησεν δὴ... λέγων (1 α)  
 — 24. ἀγγέλους ἀπέστειλε Γ. λέγων (1 α)  
 8. 9. Α. εἶπεν... λέγων [Β. om.] (1 α)  
 — 15. ὠνεϊσάσμεν με λέγοντες (1 α)  
 9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς... λέγων (1 α)  
 — 31. ἀπέστειλεν ἀγγέλους... λέγων (1 α)  
 — 38. Α. ποῦ ἐστὶ νῦν τὸ στόμα σου τὸ λέγων [Β. al.] (1 α)  
 10. 10. ἐβόησαν... πρὸς κύριον λέγοντες (1 α)  
 11. 12. ἀπέστειλεν Ἰ. ἀγγέλους... λέγων (1 α)  
 — 15. Α. λέγων, τὰδε λέγει Ἰ. [Β. al.] (1 α, 1 α)  
 — 17. ἀπέστειλεν Ἰσρ. ἀγγέλους... λέγων (1 α)  
 13. 6. εἶπε τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς λέγουσα (1 α)  
 15. 2. εἶπεν ὁ πατὴρ αὐτῆς λέγων [Α. om.] (1 α)  
 — 23. εἶπον [Α. ὡσαν] αὐτῷ λέγοντες (1 α)  
 16. 2. ἀπηγγέλει [Α. απ.] τοῖς Γαλιλαίοις λέγοντες (1 α)  
 — 2. ἐκώφευσαν δὲ τὴν τὴν νύκτα λέγοντες (1 α)  
 — 15. πῶς λέγει [Α. εἶπες] (1 α)  
 — 18. ἐκάλεσε τοὺς ὄρνιθας... λέγουσα (1 α)  
 18. 8. Α. ἔλεγον αὐτοῖς οἱ ἀδελφοί [Β. al.] (1 α)  
 — 24. τί τοῦτο λέγετε πρὸς με (1 α)  
 19. 22. εἶπον πρὸς τὸν ἀνδρα... λέγοντες (1 α)  
 — 30. πᾶς ὁ βλέπων [Α. ὁρῶν] ἔλεγον (1 α)  
 — 30. Α. ἐνετείλατο τοῖς ἀνδράσιν... λέγων (1 α)  
 20. 8. ἀνέστη πᾶς ὁ λαὸς... λέγοντες [Α. λέγων] (1 α)  
 — 12. ἀπέστειλαν αἱ φυλαὶ Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 — 23. ἠρώτησαν ἐν κυρίῳ λέγοντες (1 α)  
 — 28. λέγοντες, εἰ προσβάμεν [Α. al.] (1 α)  
 21. 1. ὡσαν ἐν Μ. λέγοντες [Α. al.] (1 α)  
 — 5. ὁ ὄρκος μέγας ἦν... λέγοντες (1 α)  
 — 10. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγοντες (1 α)  
 — 18. ὡσαν ἐν τοῖς Ἰσρ. λέγοντες (1 α)  
 — 20. ἐνετείλατο τοῖς υἱοῖς Β. λέγοντες (1 α)  
 Ru. 2. 15. ἐνετείλατο Βοὸς... λέγων (1 α)  
 4. 4. ἀποκαλύψω τὸ οὐς σου λέγων (1 α)  
 — 17. ἐκάλεσαν... ὄνομα λέγουσαι (1 α)  
 I Ki. 1. 10. Β. προσήγγατο πρὸς κύριον λέγουσα [Α. B. om.] (1 α)  
 — 11. ἤρξατο εὐχὴν κυρίῳ λέγουσα (1 α)  
 2. 15. ἔλεγον τῷ ἀνδρὶ τῷ θύοντι (1 α)  
 — 16. ἔλεγον ὁ ἀνὴρ ὁ θύων [Α. al.] (1 α)  
 — 20. εὐλόγησεν ἡ τὸν Ε. λέγων (1 α)  
 — 27. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 30. Β. τὰδε λέγει [Α. B. εἶπεν] κ. ὁ θεός Ἰσρ. (1 α)  
 — 36. ἤξει προσκυνεῖ αὐτῷ... λέγων (1 α)

- I Ki. 5. 7, 8. καὶ λέγουσιν (1 α)  
 — 8. καὶ λέγουσιν οἱ Γ. (1 α)  
 — 10. ἐβόησαν οἱ Ἀσκ. λέγοντες (1 α)  
 6. 2. καλοῦσιν ἀλλοφύλοι . . . λέγοντες (1 α)  
 — 4. καὶ λέγουσι (1 α)  
 — 21. ἀποστέλλουσιν ἀγγέλους . . . λέγοντες (1 α)  
 7. 3. εἶπε Σαμ. . . λέγων (1 α)  
 9. 9. τὰδε ἔλεγεν [Α -αν] ἕκαστος (1 α)  
 — 11. καὶ λέγουσιν αὐταῖς (1 α)  
 — 12. καὶ λέγουσιν αὐτοῖς [Α om.] (1 α)  
 — 15. Α<sup>2</sup> Β ἀπεκάλυψε τὸ ὅτιον Σ. . . λέγων (1 α)  
 — 26. ἐκάλεσε Σαμ. τὸν Σ. . . λέγων (1 α)  
 10. 2. ἐδαψιλευσάτο δι' ὑμᾶς λέγων (1 α)  
 — 18. τὰδε εἶπε κ. ὁ θ. Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 11. 3. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 α)  
 — 7. ἀπέστειλε . . . ἐν χειρὶ ἀγγέλων λέγων (1 α)  
 — 14: 12. 6. εἶπε Σαμ. πρὸς τὸν λαὸν λέγων (1 α)  
 12. 10. καὶ ἔλεγον (1 α)  
 13. 3. Β σαλπίζει εἰς πᾶσαν τὴν γῆν λέγων (1 α)  
 — 4. Β πᾶς Ἰσρ. ἤκουσε λέγοντων (1 α)  
 14. 11. καὶ λέγουσιν οἱ ἀλλοφύλοι (1 α)  
 — 12. καὶ λέγουσιν (1 α)  
 — 24. δράται τῷ λαῷ λέγων (1 α)  
 — 28. ὥρκεισε τὸν λαὸν [Α τῷ λ.] . . . λέγων (1 α)  
 — 33. ἀπηγγέλη Σαουλ λέγοντες (1 α)  
 15. 10. ἐγένεθ' ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. λέγων (1 α)  
 — 12. ἀπηγγέλη τῷ Σ. λέγοντες (1 α)  
 16. 19. ἀπέστειλε Σ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 α)  
 — 22. ἀπέστειλε Σ. πρὸς Ἰ. λέγων (1 α)  
 17. 26. Α εἶπεν Δ. . . λέγων (1 α)  
 — 27. Α εἶπεν αὐτῷ ὁ λαός . . . λέγων (1 α)  
 18. 7. καὶ ἔλεγον (1 α)  
 — 22. ἐνετείλατο Σ. τοῖς παισὶν αὐ. λέγων (1 α)  
 — 22. λαλήσατε ὑμῖς λάθρα . . . λέγοντες (1 α)  
 19. 2. ἀπηγγέλειν Ἰων. τῷ Δ. λέγων (1 α)  
 — 6. καὶ ὤμοσε Σ. λέγων (1 α)  
 — 11. ἀπηγγέλει τῷ Δ. . . λέγουσα (1 α)  
 — 14. λέγουσιν ἐνοχλῆσθαι αὐτὸν (1 α)  
 — 15. ἀποστέλλει ἐπὶ τὸν Δ. λέγων [Α al.] (1 α)  
 — 19. ἀπηγγέλη τῷ Σ. λέγοντες (1 α)  
 — 24. διὰ τοῦτο ἔλεγον (1 α)  
 20. 21. ἀποστέλλω τὸ παιδᾶριον λέγων (1 α)  
 — 22. ἂν εἶπὼ λέγων τῷ παιδαριῷ (1 α)  
 — 38. ἀνέβησεν [Α ἐβ.] Ἰων. . . λέγων (1 α)  
 — 42. ὡς ὁμαρμόμεν . . . λέγοντες (1 α)  
 21. 2 (3). ἐν τῷ τόπῳ τῷ λεγόμεν. Θεοῦ πίστις (1 α)  
 — 11 (12). οὐχὶ τοῦτ' ἐξήρχον αἱ χορεύουσαι λέγουσαι (1 α)  
 23. 1. ἀπηγγέλη τῷ Δ. λέγοντες (1 α)  
 — 2. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κυρίου λέγων (1 α)  
 — 19. ἀνέβησαν οἱ Ζ. . . λέγοντες (1 α)  
 — 27. πρὸς Σ. ἦλθεν ἀγγελὸς λέγων (1 α)  
 24. 2. ἀπηγγέλη αὐτῷ λεγόντων [Α λέγων] (1 α)  
 — 9. ἐβόησε Δ. ὁπίσσω Σ. λέγων (1 α)  
 — 10. ἵνα τί ἀκούεις τῶν λόγων τοῦ λαοῦ λεγόντων (1 α)  
 — 14. καθὼς λέγεται ἡ παραβολὴ ἡ ἀρχαία (1 α)  
 25. 14. ἀπηγγέλειν ἐν τῶν παιδαριῶν λέγων (1 α)  
 — 40. ἐλάλησαν αὐτῇ λέγοντες (1 α)  
 26. 1. ἔρχονται οἱ Ζ. . . λέγοντες (1 α)  
 — 6. ἀπεκρίθη Δ. . . λέγων (1 α)  
 — 14. τῷ Ἀβ. ἐλάλησε λέγων (1 α)  
 — 19. ἐξέβαλον με . . . λέγοντες (1 α)  
 27. 1. εἶπε Δ. . . λέγων (1 α)  
 — 11. γυναῖκα οὐκ ἐξωγόνησα . . . λέγων (1 α)  
 — 11. μὴ ἀναγγεῖλαι . . . λέγοντες (1 α)  
 — 12. πιστεύει Δ. . . λέγων (1 α)  
 28. 10. ὤμοσεν αὐτῇ Σ. [Α add. ἐν κυρίῳ] λέγων (1 α)  
 — 29. 4. καὶ λέγουσιν αὐτῷ (1 α)  
 — 5. φ' ἐξήρχον ἐν χοροῖς λέγοντες (1 α)  
 — 9. οἱ σατράπαι τῶν ἀλλοφύλων λέγουσιν (1 α)  
 30. 8. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κυρίου λέγων (1 α)  
 — 20. τοῖς σκύλοις ἐκείνοις ἐλέγχο (1 α)  
 — 26. ἀπέστειλε τοὺς πρεσβυτέρους . . . λέγων (1 α)  
 II Ki. 1. 16. τὸ στόμα σου ἀπεκρίθη κατὰ σοῦ λέγων (1 α)  
 2. 1. ἐπηρώτησε Δ. ἐν κυρίῳ λέγων (1 α)  
 — 4. ἀπηγγέλειν τῷ Δ. λέγοντες (1 α)  
 — 22. προσέθετο ἐπὶ Ἀβ. λέγων τῷ Ἀσ. (1 α)  
 3. 12. ἀπέστειλεν Ἀβ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 α)  
 — 13. λόγον ἔνα ἐγὼ αἰτοῦμαι . . . λέγων (1 α)  
 — 14. ἐξαπέστειλε . . . ἀγγέλους λέγων (1 α)  
 — 17. εἶπεν Ἀβ. . . λέγων (1 α)  
 — 18. κύριος ἐλάλησε περὶ Δ. λέγων (1 α)  
 — 23. ἀπηγγέλη τῷ Ἰ. λέγοντες (1 α)  
 II Ki. 8. 35. ὤμοσε Δ. λέγων (1 α)  
 5. 6. ἀνέστησαν οἱ τυφλοὶ . . . λέγοντες (1 α)  
 — 19. πρῶτος Δ. διὰ κυρίου λέγων (1 α)  
 6. 9. ἐφοβήθη Δ. τὸν κύριον . . . λέγων (1 α)  
 — 12. ἀπηγγέλη τῷ Βασ. Δ. λέγοντες (1 α)  
 7. 4. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ν. λέγων (1 α)  
 — 5. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 7. φ' ἐνετείλαμην . . . λέγων (1 α)  
 — 8. τὰδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 27. Α λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 27. ἀπεκάλυψε τὸ ὅτιον τοῦ δούλου σου λέγων (1 α)  
 11. 6. ἀπέστειλε Δ. πρὸς Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 10. ἀνήγγειλαν τῷ Δ. λέγοντες (1 α)  
 — 15. ἔγραψεν ἐν βιβλίῳ λέγων (1 α)  
 — 19. ἐνετείλατο τῷ ἀγγέλῳ λέγων (1 α)  
 12. 7. τὰδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (1 α)  
 — 11. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 13. 7. ἀπέστειλε Δ. . . εἰς τὸν οἶκον λέγων (1 α)  
 — 18. ἐνετείλατο Ἀβ. τοῖς παιδαρίοις αὐ. λέγων (1 α)  
 — 30. ἡ ἀκοή ἦλθε πρὸς Δ. λέγων (1 α)  
 — 33. μὴ θέσθω ὁ κ. μου ὁ Βασ. . . ῥῆμα λέγων (1 α)  
 14. 32. ἀπέστειλε πρὸς σέ λέγων (1 α)  
 — 32. ἀποστελὼ σε πρὸς τὸν Βασ. λέγων (1 α)  
 15. 2. καὶ ἔλεγεν αὐτῷ (1 α)  
 — 8. εὐχὴν ᾤξαστο ὁ δούλος σου . . . λέγων (1 α)  
 — 10. ἀπέστειλε Ἀβ. κατασκοπεύειν . . . λέγων (1 α)  
 — 13. παρεγένετο ἀπαγγέλλων πρὸς Δ. λέγων (1 α)  
 — 31. ἀνηγγέλη Δ. λέγοντες (1 α)  
 16. 7. οὕτως ἔλεγε Σ. (1 α)  
 17. 6. εἶπεν Ἀβ. πρὸς αὐτὸν λέγων (1 α)  
 — 16. ἀναγγέλατε [Α ἀν.] τῷ Δ. λέγοντες (1 α)  
 18. 5, 12. ἐνετείλατο ὁ Βασ. . . λέγων (1 α)  
 19. 1 (2). ἀνηγγέλη τῷ Ἰ. λέγοντες (1 α)  
 — 2 (3). ἤκουσεν ὁ λαός . . . λέγων (1 α)  
 — 4 (5). ἔκραξεν ὁ Βασ. . . λέγων (1 α)  
 — 8 (9). πᾶς ὁ λαὸς ἀνήγγειλαν λέγοντες (1 α)  
 — 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λαός . . . λέγοντες (1 α)  
 — 11 (12). ὁ Βασ. Δ. ἀπέστειλε . . . λέγων (1 α)  
 — 11 (12). λαλήσατε πρὸς τοὺς πρεσβυτ. Ἰ. λέγοντες (1 α)  
 — 14 (15). ἀπέστειλαν πρὸς τὸν Βασ. λέγοντες (1 α)  
 — 21 (22). Α ἀπεκρίθη Ἀβ. . . λέγων [Β καὶ εἶπεν] (1 α)  
 20. 18. καὶ εἶπε λέγουσα (1 α)  
 — 18. λόγον ἐλάλησαν ἐν πρώτοις λέγοντες (1 α)  
 21. 4. τί ὑμῖς λέγετε (1 α)  
 — 17. ὡμοσαν οἱ ἄνδρες Δ. λέγοντες (1 α)  
 22. 3. λέγει ὁ θεός Ἰσρ. (1 α)  
 24. 1. ἐπέσειε τὸν Δ. ἐν αὐτοῖς λέγων (1 α)  
 — 11. λόγος κυρίου ἐγένετο . . . λέγων (1 α)  
 — 12. λαλήσαν πρὸς Δ. λέγων (1 α)  
 — 12. Β τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 III Ki. 1. 5. Ἀδ. . . ἐπηρώτη λέγων (1 α)  
 — 6. οὐκ ἀπεκάλυψεν αὐτὸν . . . οὐδέποτε λέγων (1 α)  
 — 11. εἶπε Ν. πρὸς Β. μητέρα Σαλ. λέγων (1 α)  
 — 13. ῥέει πρὸς αὐτὸν λέγουσα (1 α)  
 — 13. οὐχὶ σὺ . . . ὡμοσας . . . λέγων (1 α)  
 — 17. σὺ ὡμοσας . . . τῇ δοῦλῃ σου λέγων (1 α)  
 — 23. Α ἀνηγγέλη τῷ Βασ. λεγόντων [Β om.] (1 α)  
 — 30. καθὼς ὡμοσά σοι . . . λέγων (1 α)  
 — 47. εἰσῆλθον οἱ δούλοι τοῦ Βασ. . . λέγοντες (1 α)  
 — 51. ἀνηγγέλη τῷ Σαλ. λέγοντες (1 α)  
 — 51. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστ. λέγων (1 α)  
 2. 1. ἀπεκρίνω Σαλ. υἱὸς αὐ. λέγων (1 α)  
 — 4. ἐν ἐλάλει [Α add. περὶ ἐμοῦ] λέγων (1 α)  
 — 4. ἐὰν φυλάξωσιν . . . λέγων (1 α)  
 — 8. ὡμοσα αὐτῷ ἐν κυρίῳ λέγων (1 α)  
 — 23. ὡμοσεν ὁ Βασ. Σαλ. . . λέγων (1 α)  
 — 29. ἀπηγγέλη τῷ Σαλ. λέγοντες (1 α)  
 — 29. ἀπέστειλε Σαλ. πρὸς Ἰ. λέγων (1 α)  
 — 29. ἀπέστειλε Σαλ. . . λέγων (1 α)  
 — 30. τὰδε λέγει ὁ Βασ. (1 α)  
 — 30. εἶπε τῷ Βασ. Σαλ. λέγων (1 α)  
 3. 1. ἐνετείλατο τῷ Σαλ. λέγων (1 α)  
 — 1 (2. 8). ὡμοσα αὐτῷ . . . λέγων (1 α)  
 — 1 (2. 39). ἀπηγγέλη τῷ Σαμ. λέγοντες (1 α)  
 — 1 (2. 41). ἀπηγγέλη τῷ Σαλ. λέγοντες (1 α)  
 — 1 (2. 42). ἐπεμαρτυράμην σοι λέγων (1 α)  
 — 22. Α αὐτῇ ἔλεγεν, Οὐχί (1 α)  
 III Ki. 8. 23. σὺ λέγεις, Οὐδὲς ὁ υἱός μου ὁ ζῶν (1 α)  
 — 23. σὺ λέγεις, Οὐχί (1 α)  
 5. 2 (16). ἀπέστειλε Σαλ. πρὸς Χ. λέγων (1 α)  
 — 5 (19). καὶ ἰδοὺ ἐγὼ λέγω (1 α)  
 — 5 (19). καθὼς ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 α)  
 — 8 (22). ἀπέστειλε πρὸς Σαλ. λέγων (1 α)  
 6. 11. Α ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαλ. λέγων (1 α)  
 8. 15. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. ἐπλήρωσε λέγων (1 α)  
 — 25. ἃ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων (1 α)  
 — 47. καὶ δεηθῶσί σου λέγοντες (1 α)  
 — 55. εὐλόγησε . . . φωνῇ μεγάλῃ λέγων (1 α)  
 9. 5. καθὼς ἐλάλησα Δ. πατρί σου λέγων (1 α)  
 11. 31. τὰδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (1 α)  
 12. 3. ἐλάλησεν ὁ λαός . . . λέγοντες (1 α)  
 — 6. παρηγγέλειν ὁ Βασ. . . λέγων (1 α)  
 — 7. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὸν λέγοντες (1 α)  
 — 9. τῷ λαῷ τοῦτ' οἱ λέγουσι [Α λαλήσασιν] πρὸς μὴ λεγόντων (3 γ, 1 α)  
 — 10. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὸν . . . λέγοντες (1 α)  
 — 10. τοῖς λαλήσασιν πρὸς σέ λέγοντες (1 α)  
 — 12. ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ Βασ. λέγων (1 α)  
 — 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς . . . λέγων (1 α)  
 — 16. ἀπεκρίθη ὁ λαός . . . λέγων (1 α)  
 — 22. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 α)  
 — 23. εἶπον τῷ Ἰ. . . λέγων (1 α)  
 — 24. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 24. Β ἐλάλησεν εἰς τὰ ὄρη . . . λέγων (1 α)  
 — 24. τερ. Β τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 24. Β λόγος κυρίου ἐγένετο . . . λέγων (1 α)  
 — 24. Β τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 24. Β τὰδε λέγει κύριος ἐπὶ τὰς δέκα φυλάς (1 α)  
 — 24. Β ταῦτα ἀπέστειλεν πρὸς μὴ λέγων ὁ λαός [Β al.] (1 α)  
 — 24. Β λαλήσεις πρὸς τὸν λαὸν λέγων (1 α)  
 — 24. Β ἀνέκραξαν ἅπαντες λέγοντες (1 α)  
 — 24. Β ἐγένετο ῥῆμα κ. πρὸς Σ. ἄνθρ. τοῦ θ. [Β<sup>3</sup> add. λέγων] (1 α)  
 — 24. Β εἶπον τῷ Ἰ. . . λέγων (1 α)  
 — 24. Β τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 13. 2. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 3. ὁσέει ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ τέρας λέγων (1 α)  
 — 3. ὁ ἐλάλησε κύριος λέγων (1 α)  
 — 4. ἐξέτεινε ὁ Βασ. τὴν χεῖρα αὐ. . . λέγων (1 α)  
 — 9. ἐνετείλατο μοι ἐν λόγῳ κύριος λέγων (1 α)  
 — 12. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὁ πατήρ αὐ. λέγων (1 α)  
 — 17. ἐντέταται μοι ἐν λόγῳ κύριος λέγων (1 α)  
 — 18. ἀγγελος λελάληκε πρὸς με . . . λέγων (1 α)  
 — 21. εἶπε πρὸς τὸν ἄνθρ. τοῦ θ. . . λέγων (1 α)  
 — 21. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 22. ἐλάλησε πρὸς σέ λέγων (1 α)  
 — 27. Α ἐλάλησεν πρὸς τοὺς υἱούς αὐ. τῷ λέγων (1 α)  
 — 31. εἶπε τοῖς υἱοῖς αὐ. λέγων (1 α)  
 14. 7. Α τὰδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσραὴλ (1 α)  
 15. 18. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς [Α om. ε. αὐ.] . . . λέγων (1 α)  
 16. 16. ἤκουσεν ὁ λαός . . . λεγόντων (1 α)  
 17. 8. Α ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἡ. λέγων [Β om.] (1 α)  
 — 14. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 18. 1. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἡ. . . λέγων (1 α)  
 — 8. λέγε [Α εἶπον] τῷ κυρίῳ σου (1 α)  
 — 11. καὶ νῦν σὺ λέγεις (1 α)  
 — 14. καὶ νῦν σὺ λέγεις μοι (1 α)  
 — 14. λέγε τῷ κυρίῳ σου (1 α)  
 — 29. ἐλάλησεν Ἡ. . . λέγων (1 α)  
 — 31. ὡς ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 α)  
 20 (21). 2. ἐλάλησεν Ἀχ. . . λέγων (1 α)  
 — 6. ἐλάλησα πρὸς Ναβ. . . λέγων (1 α)  
 — 9. ἐγγράπητο ἐν τοῖς βιβλίοις λέγων (1 α)  
 — 10. Α Β καταμαρτυρήσας αὐτοῦ λέγοντες (1 α)  
 — 13. καταμαρτυρήσαν αὐτοῦ λέγοντες [Α al.] (1 α)  
 — 14. ἀπέστειλαν πρὸς Ἰεζ. λέγοντες (1 α)  
 — 17. εἶπε κύριος πρὸς Ἡ. . . λέγων (1 α)  
 — 19. λαλήσεις πρὸς αὐτὸν λέγων (1 α)  
 — 19. βί. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 23. τῷ Ἰεζ. ἐλάλησε κύριος λέγων (1 α)  
 21 (20). 3, 5. τὰδε λέγει υἱός Ἀδερ (1 α)  
 — 5. ἐγὼ ἀπέστρεψα λέγων [Α om.] (1 α)  
 — 9. λέγετε τῷ κυρίῳ ὑμῶν (1 α)  
 — 10. ἀπέστειλε [Α ἀνταπ.] . . . υἱός Ἀ. λέγων (1 α)  
 — 13, 14. τὰδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 17. καὶ ἀπαγγέλλουσιν τῷ Βασ. Σ. λέγοντες [Α al.] (1 α)

- III Κί. 21 (20). 28. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 32. δούλος σου υἱός Ἀδὲρ λέγει (1 α)  
 — 33. Ἀδελφός σου υἱός Ἀδὲρ λέγει [B om.] — (1 α)  
 — 42. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 22. 8. μὴ λεγέτω ὁ βασις οὕτως (1 α)  
 — 11. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 12. ἐπιοφύηεν οὕτως λέγοντες (1 α)  
 — 13. ἐλάλησεν αὐτῷ λέγων (1 α)  
 — 27. Α τάδε λέγει ὁ βασις (1 α)  
 — 31. ἐνετείλατο τοῖς ἀρχουσι . . . λέγων (1 α)  
 — 36. ἔστη ὁ στρατοκῆρυξ . . . λέγων (1 α)  
 IV Κί. 1. 3. ἐκάλεσεν Ἡ. τὸν Θ. λέγων — (1 α)  
 — 4. 6. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 11. τάδε λέγει ὁ βασις (1 α)  
 — 16: 2. 21. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 3. 7. ἐπαύσσειται πρὸς Ἰωσ. . . λέγων (1 α)  
 — 16. 17. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 4. 1. ἐβόα πρὸς Ἐλ. λέγουσα (1 α)  
 — 31. ἀπήγγειλεν αὐτῷ λέγων (1 α)  
 — 43. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 5. 6. ἤρξατο τὸ βιβλίον . . . λέγων (1 α)  
 — 8. ἀπέστειλεν πρὸς τὸν βασι. Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 — 10. ἀπέστειλεν Ἐλ. ἄγγελον . . . λέγων (1 α)  
 — 11. B¹ B ἰδοὺ εἶπον [B² δὲ ἔλεγον] (1 α)  
 — 22. ὁ κύριός μου ἀπέστειλε με λέγων (1 α)  
 6. 8. ἐβουλόεσθαι πρὸς τοὺς παῖδας αὐ. λέγων (1 α)  
 — 9. ἀπέστειλεν Ἐλ. . . λέγων (1 α)  
 — 13. ἀνήγγειλεν αὐτῷ λέγοντες (1 α)  
 — 26. γυνὴ ἐβόησε πρὸς αὐτὸν λέγουσα (1 α)  
 7. 1. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 10. ἀνήγγειλεν αὐτοῖς λέγοντες (1 α)  
 — 12. ἐκρύβισαν ἐν τῷ ἀργῷ λέγοντες (1 α)  
 — 14. ἀπέστειλεν ὁ βασις . . . λέγων (1 α)  
 — 18. καθὰ ἐλάλησεν Ἐλ. . . λέγων (1 α)  
 8. 1. Ἐλ. ἐλάλησεν . . . λέγων (1 α)  
 — 4. ὁ βασις. ἐλάλει [A -λήσεν] . . . λέγων (1 α)  
 — 6. ἔδωκεν αὐτῇ ὁ βασις. εὐνοῦχον ἑνα λέγων (1 α)  
 — 7. ἀνήγγειλεν αὐτῷ λέγοντες (1 α)  
 — 8. ἐπιτήρησον τὸν κύριον . . . λέγων (1 α)  
 — 9. ἀπέστειλε με . . . λέγων (1 α)  
 9. 3. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 6. τάδε λέγει κύριος ὁ θ. Ἰσρ. (1 α)  
 — 12. ἐλάλησε πρὸς με λέγων (1 α)  
 — 12. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 18. τάδε λέγει ὁ βασις (1 α)  
 — 18. ἀπήγγειλεν ὁ σκοπὸς λέγων (1 α)  
 — 19. τάδε λέγει ὁ βασις (1 α)  
 — 20. ἀπήγγειλεν ὁ σκοπὸς λέγων (1 α)  
 — 36. δν ἐλάλησεν . . . λέγων (1 α)  
 10. 1. ἔγραψεν Εἰοὺ . . . λέγων (1 α)  
 — 5. ἀπέστειλεν . . . πρὸς Εἰοὺ λέγοντες (1 α)  
 — 6. ἔγραψεν πρὸς αὐτοὺς . . . λέγων (1 α)  
 — 8. καὶ ἀπήγγειλε λέγων (1 α)  
 — 21. B ἀπέστειλεν Εἰοὺ . . . λέγων (1 α)  
 11. 5. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 α)  
 14. 6. ὡς ἐνετείλατο κύριος λέγων (1 α)  
 — 8. ἀπέστειλεν Ἀμ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 α)  
 — 9. ἀπέστειλεν Ἰ. . . λέγων (1 α)  
 — 9. ὁ ἄκαν . . . ἀπέστειλε . . . λέγων (1 α)  
 15. 12. δν ἐλάλησε πρὸς Εἰοὺ λέγων (1 α)  
 16. 7. ἀπέστειλεν Ἀχ. ἀγγέλους . . . λέγων (1 α)  
 — 15. ἐνετείλατο ὁ βασις. Ἀχ. . . λέγων (1 α)  
 17. 13. A B διεμαρτύρατο κύριος . . . λέγων [B λόγον] (1 α)  
 — 26. εἶπον τῷ βασι. Ἀσσ. λέγοντες (1 α)  
 — 27. ἐνετείλατο ὁ βασις. Ἀσσ. λέγων (1 α)  
 — 35. ἐνετείλατο αὐτοῖς λέγων (1 α)  
 18. 14. ἀπέστειλεν Ἐζ. . . λέγων (1 α)  
 — 19. 29. τάδε λέγει ὁ βασις (1 α)  
 — 30. μὴ ἐπιτελέστω ὑμᾶς Ἐζ. . . λέγων (1 α)  
 — 31. τάδε λέγει ὁ βασις. Ἀσσ. (1 α)  
 — 32. ἀπατῇ ὑμᾶς λέγων (1 α)  
 — 36. ἐτολῇ τοῦ βασις λέγων (1 α)  
 19. 3. τάδε λέγει Ἐζ. (1 α)  
 — 6. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 9. ἤκουσε περὶ Θ. . . λέγων (1 α)  
 — 9. ἀπέστειλεν ἀγγέλους πρὸς Ἐζ. λέγων (1 α)  
 — 10. Α τάδε ἐράει . . . τῷ λέγειν (1 α)  
 — 10. ἐφ' ᾧ οὐ πέποιθας ἐν αὐτῷ λέγων (1 α)  
 — 20. ἀπέστειλεν Ἡσ. . . λέγων (1 α)  
 — 20. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (1 α)  
 — 32. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 33. λέγει κύριος (8)  
 20. 1. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 2. πῶς ἀπὸ πρὸς κυρίου λέγων (1 α)  
 — 4. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτὸν λέγων (1 α)  
 IV Κί. 20. 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δ. (1 α)  
 21. 10. ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 α)  
 — 12. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 α)  
 22. 3. ἀπέστειλεν ὁ βασις . . . λέγων (1 α)  
 — 10. εἶπε Σ. . . λέγων (1 α)  
 — 12. ἐνετείλατο ὁ βασις . . . λέγων (1 α)  
 — 15. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 α)  
 — 16. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 18. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (1 α)  
 — 19. λέγει κύριος (8)  
 23. 21. ἐνετείλατο ὁ βασις. παντὶ τῷ λαῷ λέγων (1 α)  
 I Ch. 4. 9. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐ. Ἰ. λέγουσα (1 α)  
 — 10. ἐπεκάλεσάτο Ἰ. τὸν θεὸν Ἰσρ. λέγων (1 α)  
 11. 1. ἦλθε πᾶς Ἰσρ. . . λέγοντες (1 α)  
 12. 19. παρὰ τῶν στρατηγῶν τῶν ἀλλοφ. λε- γόντων (1 α)  
 13. 12. ἐφοβήθη Δ. . . λέγων (1 α)  
 14. 10. ἡρώτησε Δ. διὰ τοῦ θεοῦ λέγων (1 α)  
 16. 18. λέγων, σοὶ δώσω τὴν γῆν Χ. (1 α)  
 — 19. Α ἐν τῷ λέγεσθαι [B S γενέσθαι] αὐ- τοὺς διηγαστοὺς ἀριθμῶ † (1 α)  
 17. 3. Α ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων [B S om.] (1 α)  
 — 6. εἰ λαλῶν ἐλάλησα . . . λέγων (1 α)  
 — 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 24. λεγόντων, Κύριε κύριε παντοκρ. (1 α)  
 21. 9. Α B ἐλάλησε κύριος . . . λέγων [B om.] (1 α)  
 — 10. ἀλάλησον πρὸς Δ. λέγων (1 α)  
 — 10, 11. οὕτως λέγει κύριος (1 α)  
 22. 8. ἐγένετό μοι [A ἐπ' ἐμὲ] λόγος κ. λέγων (1 α)  
 29. 10. εὐλόγησεν ὁ βασις . . . λέγων (1 α)  
 II Ch. 2. 3 (2). ἀπέστειλε Σ. πρὸς Χ. . . λέγων (1 α)  
 — 11 (10). B ἀπέστειλε πρὸς Σαλ. λέγων [A B om.] — (1 α)  
 5. 13. καὶ ἔλεγον (1 α)  
 6. 4. ἐν χειρὶ αὐ. ἐπλήρωσε λέγων (1 α)  
 — 15. δ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων [A al.] — (1 α)  
 — 16. δ ἐλάλησας αὐτῷ λέγων (1 α)  
 — 37. καὶ δεσφώσῃ σου . . . λέγοντες (1 α)  
 7. 18. ὡς διεβέβην . . . λέγων (1 α)  
 10. 3. B ἤλθον πρὸς Ρ. λέγοντες [A B al.] (1 α)  
 — 6. συνήγαγον ὁ βασις . . . λέγων (1 α)  
 — 7. ἐλάλησεν αὐτῷ λέγοντες (1 α)  
 — 9. οἱ ἐλάλησαν πρὸς με λέγοντες (1 α)  
 — 10. B ἐλάλησαν αὐτῷ . . . λέγοντες [A B om.] (1 α)  
 — 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λαῷ . . . λέγων (1 α)  
 — 12. ὡς ἐλάλησεν ὁ βασις. λέγων (1 α)  
 — 14. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς . . . λέγων (1 α)  
 — 15. ἦν μεταστροφή παρὰ τοῦ θεοῦ λέγων — (1 α)  
 — 16. ἀπεκρίθη ὁ λαὸς πρὸς τὸν βασις. λέγων (1 α)  
 11. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 α)  
 — 3. εἶπον πρὸς Ρ. . . λέγων (1 α)  
 — 4. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 12. 7. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 α)  
 13. 8. λέγετε ὑμῖς ἀντιστῆναι (1 α)  
 16. 2. καὶ ἀπέστειλε . . . λέγων (1 α)  
 18. 10. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 11. ἐπιοφύηεν οὕτως λέγοντες (1 α)  
 — 23. ἐλάλησεν αὐτῷ λέγων (1 α)  
 — 30. ἐνετείλατο τοῖς ἀρχουσι . . . λέγων (1 α)  
 19. 9. ἐνετείλατο πρὸς αὐτοὺς λέγων (1 α)  
 20. 2. ὑπέβειν τῷ Ἰ. λέγοντες (1 α)  
 — 8. φκοδόμωσαν . . . ἀγίσμα . . . λέγοντες (1 α)  
 — 15. τάδε λέγει κύριος υἱοῖς αὐτοῖς (1 α)  
 — 21. B¹ καὶ ἔλεγον [B² B -ον] (1 α)  
 — 37. ἐπιοφύηεν Ἐλ. . . λέγων (1 α)  
 21. 12. ἦλθεν αὐτῷ ἐν γραφῇ . . . λέγων (1 α)  
 — 12. τάδε λέγει κ. θεὸς Δ. τοῦ πατρὸς σου (1 α)  
 24. 20. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 25. 4. ὡς ἐνετείλατο κύριος λέγων (1 α)  
 — 7. ἦλθε πρὸς αὐτὸν λέγων (1 α)  
 — 17. Α B ἀπέστειλε πρὸς Ἰ. . . λέγων (1 α)  
 — 18. ἀπέστειλεν Ἰ. . . λέγων (1 α)  
 — 18. ὁ χορεῖ . . . ἀπέστειλε . . . λέγων (1 α)  
 28. 10. υἱοὺς . . . λέγετε κατακτασέσθαι (1 α)  
 — 13. ἐφ' ἧς ὑμεῖς λέγετε (1 α)  
 30. 6. ἐπορεύθησαν οἱ τρέχοντες . . . λέγοντες (1 α)  
 — 18. προσηύξατο Ἐζ. περὶ αὐτῶν λέγων (1 α)  
 32. 4. ἐσέφραξε τὰ ὕδατα . . . λέγων (1 α)  
 — 6. ἐλάλησεν . . . λέγων (1 α)  
 — 9. ἀπέστειλε πρὸς Ἐζ. . . λέγων (1 α)  
 — 10. οὕτως λέγει Σ. ὁ βασις. Ἰ. (1 α)  
 — 11. οὐχὶ Ἐζ. ἀπατᾷ ὑμᾶς . . . λέγων (1 α)  
 — 12. εἶπε τῷ Ἰουδᾷ . . . λέγων (1 α)  
 — 17. εἶπε περὶ αὐτοῦ λέγων (1 α)  
 II Ch. 34. 18. ἀπήγγειλε Σ. . . λόγον [A om.] λέγων (1 α)  
 — 20. ἐνετείλατο ὁ βασις . . . λέγων (1 α)  
 — 24. οὕτως λέγει κύριος (1 α)  
 — 26. οὕτως λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (1 α)  
 35. 21. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν ἀγγέλους λέγων (1 α)  
 36. 22. παρήγγειλε κηρύττει . . . λέγων (1 α)  
 — 23. τάδε λέγει Κύριος (1 α)  
 I Es. 1. 26. διεπέψατο πρὸς αὐτὸν . . . λέγων (1 α)  
 2. 2. ἐκήρυξεν . . . διὰ γραπτῶν λέγων (1 α)  
 — 3. τάδε λέγει ὁ βασις. Περσῶν (1 α)  
 4. 58. εὐλόγησε τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐρ. λέγων (1 α)  
 6. 68. λέγουσιν αὐτοῖς (1 α)  
 6. 11. ἐπυνθανόμεθα . . . λέγοντες (1 α)  
 — 13. ἀπεκρίθησαν ἡμῖν λέγοντες (1 α)  
 8. 22. καὶ ἡμῖν δὲ λέγεται (1 α)  
 — 41. ἐπὶ τὸν λεγόν. Ο. ποταμὸν (1 α)  
 — 68. προσήλθοσαν μοι . . . λέγοντες (1 α)  
 — 73. ἐκτείνας τὰς χεῖρας πρὸς τὸν κ. ἔλεγον (1 α)  
 — 82. ἀ ἔδωκας . . . λέγων (1 α)  
 9. 53. ἐκέλευον . . . λέγοντες (1 α)  
 II Es. 1. 1. παρήγγειλε φωνῇ . . . λέγων (1 α)  
 5. 11. ἀπεκρίθησαν ἡμῖν λέγοντες (1 α)  
 8. 22. εἶπαμεν τῷ βασι. λέγοντες (1 α)  
 9. 1. ἤγγισαν πρὸς με οἱ ἀρχ. λέγοντες (1 α)  
 — 11. Α B B ἄς ἔδωκας ἡμῖν . . . λέγων [B om.] (1 α)  
 Ne. 1. 8. δν ἐνετείλω . . . λέγων [S om.] (1 α)  
 5. 2. ἥσαν τινες λέγοντες (1 α)  
 — 3. 4. εἰσὶ τινες λέγοντες (1 α)  
 — 12. καθὼς σὺ [S¹ σοὶ] λέγεις [B¹ κ. οἱ λέ- γοντες] (1 α)  
 6. 2. ἀπέστειλε . . . πρὸς με λέγων (1 α)  
 — 3. ἀπέστειλε ἐπ' αὐτοὺς . . . λέγων (1 α)  
 — 8. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν λέγων (1 α)  
 — 8. Α B¹ B ὡς [B S² οὐς] σὺ λέγεις (1 α)  
 — 9. φοβερί(ου)σαν ἡμᾶς λέγοντες (1 α)  
 — 19. τοὺς λόγους αὐ. ἥσαν λέγοντες πρὸς με (1 α)  
 8. 11. κατεστύψαν πάντα τὸν λαὸν λέγοντες (1 α)  
 To. 2. 3. B καὶ ἐπιστρέψας λέγει [A B al.] (1 α)  
 — 6. B ὅσα ἐλάλησεν Α. ἐπὶ Β. λέγων [A B al.] (1 α)  
 — 8. οἱ πησιον ἐπεγέλων λέγοντες [S al.] (1 α)  
 — 14. S λέγει μοι αὐτῇ [A B al.] (1 α)  
 — 14. ἔλεγον ἀποδιδοῦν αὐτὸ τοῖς κυρίοις [S al.] (1 α)  
 — 14. S ἀποκρίθαις λέγει μοι [A B al.] (1 α)  
 8. 1. προσευξάμεν μετ' ὀδύνης λέγων [S al.] (1 α)  
 — 10. S καὶ λέγει [A B ἐπὶν] (1 α)  
 6. 10. S λέγει Ρ. τῷ παιδαρίῳ [A B al.] (1 α)  
 — 13. S ἤκουσα λεγόντων αὐτῶν (1 α)  
 — 15. S καὶ λέγει αὐτῷ [A B al.] (1 α)  
 7. 1. S λέγει αὐτῷ (1 α)  
 — 8. ἀλάλησον ὑπὲρ ὧν ἔλεγον [S al.] (1 α)  
 8. 5. ἤρξατο Τωβίας λέγειν (1 α)  
 — 10. ἔρξατε τάφον λέγων [S al.] (1 α)  
 — 15. εὐλόγησε Ραγουὴλ τὸν θεὸν λέγων [S al.] (1 α)  
 10. 4. S Ἀ. ἡ γυνὴ αὐ. λέγει [A B al.] (1 α)  
 — 6. Τωβ. λέγει [S ἔλεγον] αὐτῇ (1 α)  
 — 10. Τωβίας λέγει [S al.] (1 α)  
 — 12. ἐξαπέστειλε λέγων [S al.] (1 α)  
 — 13. S Ἐ. λέγει Τωβίᾳ [A B al.] (1 α)  
 11. 11. προσέειπε τὴν χολῆν . . . λέγων [S al.] (1 α)  
 — 17. κατελύθησεν αὐτὴν λέγων [S al.] (1 α)  
 13. 8. Α B λεγέτωσαν πάντες (1 α)  
 — 18. ἐραοὺσι πᾶσαι οἱ ῥωμα αὐ. . . λέγοντες [S al.] (1 α)  
 14. 3. S ἐνετείλατο αὐτῷ λέγων [A B al.] (1 α)  
 — 11. Α B ταῦτα αὐτοῦ λέγοντος (1 α)  
 Ju. 2. 5. τάδε λέγει ὁ βασις. ὁ μέγας (1 α)  
 8. 1. ἀπέστειλεν . . . ἀγγέλους . . . λέγοντες (1 α)  
 4. 7. λέγων διακατασχῆν τὰς ἀναβάσεις (1 α)  
 6. 4. λέγει ὁ βασις. Ναβ. (1 α)  
 — 18. ἐβόησαν λέγοντες (1 α)  
 11. 3. καὶ νῦν λέγε μοι (1 α)  
 12. 6. ἀπέστειλε πρὸς Ὀλ. λέγουσα (1 α)  
 14. 17. S ἐξηγήθησεν . . . λέγων [A καὶ ἐβόησεν, B κράζων] (1 α)  
 Es. 1. 18. ἀκούσασαι τὰ τῷ βασι. λεχθέντα [A δχθ.] ὑπ' αὐτῆς (8 α)  
 2. 15. δν ἐνετείλατο [A S² ἔλεγον] ὁ εὐνοῦχος (1 α)  
 3. 3. τί παρακούεις τὰ ὑπὸ τοῦ βασι. λεγόμενα (4 α)  
 — 4. ἐλάλουν [A S² ἔλεγον] αὐτῷ — (1 α)  
 — 8. ἐλάλησε πρὸς τὸν βασις. Ἀρτ. λέγων (1 α)  
 4. 15. ἐξαπέστειλεν Ἐ. . . λέγουσα (1 α?)  
 6. 9. καὶ κηρυσσέτω . . . λέγων — (1 α)  
 — 11. καὶ ἐκήρυσσε λέγων — (1 α)  
 8. 14. τὰ ὑπὸ τοῦ βασις. λεγόμενα ἐπιτελεῖν (8 α)  
 9. 25. λέγων κρεμάσαι τὸν Μαρδ. (1 α)  
 Jb. 1. 5. ἔλεγε γὰρ Ἰώβ (1 α)

- Jb. 1. 17. Α καί λέγει αὐτῷ [B B al.] (1 α)  
 — 18. ἄλλος ἄγγελος ἔρχεται λέγων τῷ 'Ιώβ [A al.] (1 α)  
 2. 9. μέχρι τίνος καρτερήσεις λέγων — (1 α)  
 3. 2. Α καί ἀπεκρίθη 'Ιώβ [B B om. καί ἀπ. 'I.] (1 α)  
 λέγων (1 α)  
 4. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ελισάφς ὁ Θαιμανίτης λέγει (1 α)  
 6. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 7. 4. εἰς κοιμηθῶ λέγων, Πότε ἡμέρα (1 α)  
 8. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (1 α)  
 9. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 — 7. ὁ λέγων τῷ ἡλίῳ [A ἡ, μὴ ἀνατέλλειν] (1 α)  
 καὶ οὐκ ἀνατίλλει (1 α)  
 11. 1. ὑπολαβὼν δὲ Σαφάρ ὁ Μιναιὸς λέγει (1 α)  
 — 2. ὁ τὰ πολλὰ λέγων καὶ ἀντακούσεται (9 α)  
 — 4. μὴ γὰρ λέγεις, Ὅτι καθαρός εἰμι τοῖς ἔργοις; (1 α)  
 12. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 15. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ελισάφς ὁ Θ. λέγει (1 α)  
 16. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 18. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (1 α)  
 19. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 20. 1. ὑπολαβὼν δὲ Σαφάρ ὁ Μιναιὸς λέγει (1 α)  
 21. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 — 14. λέγει δὲ κυρίῳ (1 α)  
 22. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ελισάφς ὁ Θαιμανίτης λέγει (1 α)  
 — 17. οἱ λέγοντες, Κύριος τί ποιήσει ἡμῖν (1 α)  
 23. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 24. 15. ὀφθαλμοὶ μοιχοῦ ἐφύλαξε σκότος λέγων (1 α)  
 — 25. τίς ἐστιν ὁ φάμενος [B<sup>2</sup> λέγων] ψευδῇ (8 α)  
 με λέγειν (8 α)  
 25. 1. ὑπολαβὼν δὲ Βαλδὰδ ὁ Σαυχίτης λέγει (1 α)  
 — 5. Α ὁ λέγων τῷ ἡλίῳ μὴ ἀνατέλλειν (1 α)  
 26. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει (1 α)  
 29. 1. Α λέγει [B B εἶπε] τῷ προσιμῷ (1 α)  
 32. 6. Α ὑπολαβὼν δὲ 'Ελιούς . . . λέγει [B B εἶπε] (1 α)  
 — 17. ὑπολαβὼν δὲ 'Ελιούς λέγει (1 α)  
 33. 9. διότι λέγεις, Καρθαίος εἰμι — (1 α)  
 — 12. πῶς γὰρ λέγεις, Δικαίος εἰμι — (1 α)  
 — 13. λέγεις δὲ, Διὰ τί τῆς δικῆς [A B<sup>2</sup> δικαιοσύνης] μου — (1 α)  
 — 27. ἀπομυμνέται [A — πέμψεται] ἄνθρωπος αὐτὸς ἐαυτῷ λέγων (1 α)  
 — 31 (34. 1): 34. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ελιούς λέγει (1 α)  
 34. 18. ἀσβῆς ὁ λέγων βασιλεῖ, Παρανομεῖς (1 α)  
 — 31. πρὸς τὸν ἰσχυρὸν ὁ λέγων [B<sup>2</sup> om. ὁ λ.] (1 α)  
 35. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ελιούς λέγει (1 α)  
 36. 1. προσθεῖς δὲ 'Ελιούς ἐνὶ λέγει (1 α)  
 37. 19. παυσάμεθα πολλὰ λέγοντες — (1 α)  
 38. 25. σάπτιγγος δὲ σημαινούσης λέγει [A εἶπει], Εὐγε (1 α)  
 — 33 (40. 3). ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει [A εἶπει] τῷ κυρίῳ (1 α)  
 41. 1. οὐδὲ ἐπὶ τοῖς λεγομένοις τεθαύμακας — (1 α)  
 42. 1. ὑπολαβὼν δὲ 'Ιώβ λέγει τῷ κυρίῳ (1 α)  
 Ps. 3. 2. πολλοὶ λέγουσι τῇ ψυχῇ μου (1 α)  
 4. 4. καὶ λέγετε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν — (1 α)  
 — 6. πολλοὶ λέγουσι, Τίς δείξει ἡμῖν τὰ ἀγαθὰ (1 α)  
 11 (12). 5. νῦν ἀναστήσομαι, λέγει κύριος (1 α)  
 28 (29). 9. ἐν τῷ ναοῦ αὐτοῦ πᾶς τις λέγει δόξαν (1 α)  
 39 (40). 15. οἱ λέγοντές μου, Εὐγε εὐγε (1 α)  
 41 (42). 3. ἐν τῷ λέγεσθαί μοι καθ' ἐκάστην ἡμέραν (1 α)  
 — 10. ἐν τῷ λέγειν αὐτοῖς μοι καθ' ἐκάστην ἡμέραν (1 α)  
 44 (45). 1. λέγω ἐγὼ τὰ ἔργα μου τῷ βασιλεῖ (1 α)  
 69 (70). 3. οἱ λέγοντές μοι, Εὐγε εὐγε (1 α)  
 — 4. καὶ λεγόμενοι διὰ παντός (1 α)  
 70 (71). 11. ἐβούλευσάντο ἐπὶ τὸ αὐτὸ λέγοντες (1 α)  
 72 (73). 15. εἰ ἔλεγον, Διηγέσομαι οὗτος (1 α)  
 98 (94). 18. εἰ ἔλεγον, Στάλυνται ὁ πούς μου (1 α)  
 104 (105). 11. λέγων, Σοὶ δώσω τὴν γῆν Καναάν (1 α)  
 118 (119). 82. Ε λέγοντες, Πότε παρακαλέσεις με [B al.] (1 α)  
 186 (187). 7. μνησθήτι, κύριε, τῶν νιών 'Εδὼμ . . . τῶν λεγόντων (1 α)  
 Pr. 1. 11. ἐάν παρακλέσωσί σε λέγοντες — (1 α)  
 — 21. ἐπὶ δὲ πύλας πόλεως θαροῦσα λέγει (1 α)  
 4. 4. οἱ ἔλεγον καὶ διδάσκον με (1 α)  
 9. 4. λέγουσα, Ὅς ἐστιν ἄφρων ἐκκλινάτω πρὸς μέ — (1 α)  
 — 16. ἐνδέεσιν δὲ φρονήσεως παρακελεύομαι λέγουσα (1 α)  
 12. 18. εἰσὶν οἱ λέγοντες τιτρώσκουσι μάχαιραι [A — αὐ] (2 α)  
 22. 13. προφασίζεται καὶ λέγει ὁ κνηρὸς (1 α)  
 Pr. 23. 9. εἰς ὅσα ἄφρωνος μὴδὲν λέγε (3 α)  
 24. 23 (29. 27). μὴδὲν ψεύδος ἀπὸ γλώσσης βασιλεῖ λεγέσθω — (1 α)  
 — 24 (30. 1). τάδε λέγει ὁ ἀνὴρ τοῖς πιστεύουσιν θεῷ (8 α)  
 — 38 (23). ταῦτα δὲ λέγω ὑμῖν τοῖς σοφοῖς ἐπιγινώσκουσιν — (1 α)  
 — 70 (81. 2). πρωτογενεῖς, σοὶ λέγω υἱέ — (1 α)  
 25. 7. ἂ εἶδον οἱ ὀφθαλμοί σου λέγε (1 α)  
 26. 13. λέγει ὁ κνηρὸς ἀποστελλόμενος εἰς ὁδόν (1 α)  
 — 19. λέγουσιν ὅτι παῖζων ἔπραξα (1 α)  
 Ec. 1. 16. ἐλάλησα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου τῷ [B τοῦ] λέγειν (1 α)  
 Ca. 2. 10. καὶ λέγει μοι [B om.] (1 α)  
 Wi. 7. 15. Α Β ἐνθυμηθῆναι ἀξίως τῶν λεγομένων [B δεδομ.] (1 α)  
 Si. prol. 6. τοῖς ἐκτός δύνασθαι τοὺς φιλομαθοῦντας χρησίμους εἶναι καὶ λέγοντας καὶ γράφοντας — (1 α)  
 — 16. οὐ γὰρ ἰσοδυναμεῖ αὐτὰ ἐν αὐτοῖς 'Εβραῖσι λεγόμενα (1 α)  
 — 19. τὰ λοιπὰ τῶν βιβλίων οὐ μικρὰν ἔχει τὴν διαφορὰν ἐν [B om.] αὐτοῖς λεγόμενα (1 α)  
 12. 16. B<sup>2</sup> εἶρε σοι καλὰ λέγων (1 α)  
 19. 10. ἀκήσας λόγον [B<sup>2</sup> λέγων] (1 α)  
 23. 18. λέγων ἐν [A om.] τῇ ψυχῇ αὐ., Τίς με ὁρᾷ (1 α)  
 33 (36). 10. συντρίψον κεφαλὰς ἀρχόντων ἐχθρῶν λεγόντων (1 α)  
 35 (32). 9. ἐτέρου λέγοντος μὴ πολλὰ ἀδολάσχει (1 α)  
 51. 24. Α B<sup>2</sup> ὑπεραίρετε λέγετε [B om., B<sup>2</sup> ἡ λ.] ἐν τούτοις (1 α)  
 Ho. 2. 13 (15), 16 (18), 21 (23). λέγει κύριος (8 α)  
 6. 1. ὀρθριούσι πρὸς μέ λέγοντες (1 α)  
 11. 11. λέγει κύριος (1 α)  
 18. 2. αὐτοὶ λέγουσι, Θύσατε ἀνθρώπους (1 α)  
 Am. 1. 5. λέγει κύριος (1 α)  
 — 6. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 8. λέγει κύριος (1 α)  
 — 9, 11, 13. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 15. λέγει κύριος (1 α)  
 2. 1. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 3. λέγει κύριος (1 α)  
 — 4, 6. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 11. λέγει κύριος (1 α)  
 — 12. τοῖς προφῆταις ἐνετέλλεσθε λέγοντες (1 α)  
 — 16. λέγει κύριος (1 α)  
 3. 1. ὃν ἐλάλησε κύριος . . . λέγων (1 α)  
 — 10. λέγει κύριος (1 α)  
 — 11. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κύριος ὁ θεός (1 α)  
 — 12. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 13. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (1 α)  
 — 15. Α Β λέγει κύριος [B om.] (1 α)  
 4. 1. δαμάλεις . . . αἱ λέγουσαι τοῖς κυρίοις αὐτὰν (1 α)  
 — 3. λέγει κύριος (1 α)  
 — 5. λέγει κ. ὁ θεός (1 α)  
 — 6, 8, 9, 10, 11. λέγει κύριος (1 α)  
 5. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 α)  
 — 4. διότι τάδε λέγει κ. πρὸς τὸν οἶκον 'I. (1 α)  
 — 16. τάδε λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (1 α)  
 — 25. Α λέγει κύριος (1 α)  
 — 27. λέγει κ. (1 α)  
 6. 14 (13). οἱ εὐφρανόμενοι ἐπ' οὐδενὶ λόγῳ οἱ λέγοντες (1 α)  
 — 15 (14). Β λέγει κύριος τῶν δυνάμεων (1 α)  
 7. 3, 6. λέγει κύριος (1 α)  
 — 10. ἐξαπέστειλεν 'Αμ. . . πρὸς 'Ιερ. . . λέγων (1 α)  
 — 11. διότι τάδε λέγει 'Αμὸς (1 α)  
 — 16. σὺ λέγεις, Μὴ προφῆτευσεν (1 α)  
 — 17. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 8. 3. λέγει κύριος κύριος [A om.] (1 α)  
 — 5. λέγοντες [A οἱ λ.], Πότε διελεύσεται ὁ μῆν (1 α)  
 — 9. λέγει κύριος κύριος (1 α)  
 — 11. λέγει κύριος (1 α)  
 — 14. καὶ οἱ λέγοντες, Σὴ ὁ θ. σου (1 α)  
 9. 7, 8. λέγει κύριος (1 α)  
 — 10. οἱ λέγοντες, Οὐ μὴ ἐγγίσῃ (1 α)  
 — 12. λέγει κύριος ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (1 α)  
 — 13. λέγει κύριος (1 α)  
 — 15. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (1 α)  
 Mi. 2. 3. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 4. θρηνηθήσεται θρῆνος ἐν μέλει λέγων (1 α)  
 — 7. ὁ λέγων, Οἶκος 'I. παρώρισσε πνεῦμα κ. (1 α)  
 3. 5. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς προφῆτας (1 α)  
 Mi. 3. 11. ἐπὶ τὸν κύριον ἐπαυπαύοντο λέγοντες (1 α)  
 4. 6. λέγει κύριος (1 α)  
 — 11. ἐπισυνήχθη ἐπὶ σὲ ζῆνη πολλὰ [A add. οἱ] λέγοντες (1 α)  
 5. 10 (9). λέγει κύριος (1 α)  
 7. 10. περιβαλεῖται αἰσχύνῃ ἡ λέγουσα πρὸς μέ (1 α)  
 Jl. 2. 12. καὶ νῦν λέγει κ. ὁ θ. ὑμῶν (1 α)  
 3 (4). 10. ὁ ἀδύνατος [B<sup>2</sup> δυνατός] λεγέτω (1 α)  
 Ob. 1. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θ. τῇ 'Id. (1 α)  
 — 3. λέγων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (1 α)  
 — 4, 8. λέγει κύριος (1 α)  
 Jn. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς 'I. . . . λέγων (1 α)  
 3. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς 'I. ἐκ δευτέρου λέγων (1 α)  
 — 7. ἐκπρόχρηται καὶ ἐρρήθη ἐν τῇ Ν. . . . λέγων (1 α)  
 — 8. ἀπώστρεψαν ἑκάστος ἀπὸ τῆς ὁδοῦ . . . λέγοντες — (1 α)  
 Na. 1. 12. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 2. 13 (14). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 3. 5. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (1 α)  
 Hb. 2. 19. οὐαὶ ὁ λέγων [B<sup>2</sup> οἱ λ.] τῷ ξυλφ (1 α)  
 3. 9. λέγει κύριος (1 α)  
 Ze. 1. 2, 3, 10. λέγει κ. (1 α)  
 — 12. οἱ δὲ λέγοντες ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν [A om. ἐν τ. κ. α.] (1 α)  
 2. 9. λέγει κύριος τῶν δυνάμεων (1 α)  
 3. 1 (2. 15). ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ αὐτῆς — (1 α)  
 — 8. λέγει κύριος (1 α)  
 — 19. λέγει κύριος (1 α)  
 — 20. λέγει κύριος (1 α)  
 Hg. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ 'Αγ. . . . λέγων — (1 α)  
 — 1. εἶπον πρὸς Σ. . . λέγων [B<sup>2</sup> om.] (1 α)  
 — 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ λέγων (1 α, 1 α)  
 — 2. ὁ λαὸς οὗτος λέγουσιν (1 α)  
 — 3. ἐγένετο λόγος κ. ἐν χειρὶ 'Αγ. . . . λέγων (1 α)  
 — 5. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 6. Α διότι τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ — (1 α)  
 — 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 13. λέγει κύριος (1 α)  
 2. 2 (1). ἐλάλησε κ. ἐν χειρὶ 'Αγ. . . . λέγων (1 α)  
 — 3 (2). εἶπον δὴ πρὸς Σ. . . . λέγων (1 α)  
 — 5 (4) δις. λέγει κύριος (1 α)  
 — 5 (4). λέγει κύριος ὁ παντοκράτωρ (1 α)  
 — 7 (6). Α Β τάδε [B B om.] λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 8 (7). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 9 (8). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 10 (9). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 10 (9). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 11 (10). ἐγένετο λόγος κ. πρὸς 'Αγ. . . . λέγων (1 α)  
 — 12 (11). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 12 (11). ἐπερώτησεν τοὺς ἱερεῖς νόμον λέγων (1 α)  
 — 15 (14), 18 (17). λέγει κύριος (1 α)  
 — 21 (20). ἐγένετο λόγος κυρίου . . . πρὸς 'Αγ. . . . λέγων (1 α)  
 — 22 (21). εἶπον πρὸς Σ. τὸν τοῦ Σ. . . . λέγων (1 α)  
 — 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 24 (23). λέγει κύριος (1 α)  
 — 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σ. . . . λέγων (1 α)  
 — 3. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 3. λέγει κύριος τῶν δυνάμεων [B<sup>2</sup> al.] (1 α)  
 — 3. λέγει κύριος τῶν δυνάμεων [A al.] (1 α)  
 — 4. ἐνεκάλεσαν . . . λέγοντες (1 α)  
 — 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 4. λέγει κύριος (1 α)  
 — 7. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Σ. . . . λέγων (1 α)  
 — 14. ἀνέκραγε λέγων, Τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (1 α, 1 α)  
 — 16. τάδε λέγει κύριος (1 α)  
 — 16. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 17. ἀνέκραγε λέγων, Τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (1 α, 1 α)  
 2. 4 (8). εἶπε πρὸς αὐτὸν λέγων [B<sup>2</sup> om.] — (1 α)  
 — 4 (8). ἀλλήλων πρὸς τὸν νεανίαν ἐκ. λέγων (1 α)  
 — 5 (9). λέγει [A φησὶν] κύριος (1 α)  
 — 6 (10) δις. λέγει κύριος (1 α)  
 — 8 (12). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 α)  
 — 10 (14). λέγει κύριος (1 α)  
 3. 5 (4). εἶπε πρὸς τοὺς ἐστῆκotas . . . λέγων (1 α)

- Za. 3. 7 (6). διμαρτύρητο ὁ ἄγγελος κ. πρὸς ἰ. λέγων (1a)  
 — 8 (7). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 10 (9), 11 (10). λέγει κύριος παντοκράτωρ (θ)  
 4. 4. εἶπα πρὸς τὸν ἄγγελον . . . λέγων [A om.] (1a)  
 — 5. εἶπε πρὸς μέ λέγων [A om. πρὸς μέ λ.] (1a)  
 — 6. A B S<sup>2</sup> ἀπεκρίθη καὶ εἶπε πρὸς μέ λέγων (1a)  
 — 6. οὕτως ὁ λόγος κ. πρὸς Z. λέγων (1a)  
 — 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 8. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς μέ λέγων (1a)  
 — 13. εἶπε πρὸς μέ [B<sup>1</sup> add. λέγων] (1a)  
 5. 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (θ)  
 6. 8. ἐλάλησε πρὸς μέ λέγων (1a)  
 — 9. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς μέ λέγων (1a)  
 — 12. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 7. 3. λέγων πρὸς τοὺς ἱερεῖς . . . καὶ πρὸς τοὺς προφῆτας λέγων [A om.] (1a, 1a)  
 — 4. ἐγένετο λόγος κ. τῶν δαυμμένων πρὸς μέ λέγων (1a)  
 — 5. εἰπὼν πρὸς ἅπαντα τὸν λαὸν . . . λέγων (1a)  
 — 8. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Z. λέγων (1a)  
 — 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 13. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 8. 1. ἐγένετο λόγος κ. παντοκράτορος λέγων (1a)  
 — 2, 3, 4, 6. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (θ)  
 — 7, 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 11. λέγει κύριος παντοκράτωρ (θ)  
 — 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 14. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 17. λέγει κύριος παντοκράτωρ (θ)  
 — 18. A B<sup>2</sup> R ἐγένετο λόγος κυρίου . . . πρὸς μέ λέγων [B S<sup>1</sup> om.] (1a)  
 — 19. A B<sup>2</sup> R τάδε [B S<sup>1</sup> om.] λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 20. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 21. συνελεύσονται κατοικοῦντες . . . λέγοντες (1a)  
 — 23. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 23. ἐπιλαμβάνται τοῦ κρασπέδου ἀνδρὸς ἰ. λέγοντες (1a)  
 10. 12. λέγει κύριος (θ)  
 — 11. 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 5. οἱ παλοῦντες αὐτὰ ἔλεγον (1a)  
 — 6. λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (θ)  
 12. 1. λέγει κύριος (θ)  
 — 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (θ)  
 13. 2. λέγει κύριος σαβαώθ [A om.] (θ)  
 — 7. λέγει κύριος παντοκράτωρ (θ)  
 — 8. λέγει κύριος (θ)  
 Ma. 1. 2. λέγει κύριος (1a)  
 — 2. λέγει κύριος (θ)  
 — 3. B λέγει κύριος (θ)  
 — 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 7. ἐν τῷ λέγειν ὑμᾶς (1a)  
 — 8, 9, 10, 11. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 12. ἐν τῷ λέγειν ὑμᾶς (1a)  
 — 13 bis, 14 : 2, 4, 8. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 2. 16. λέγει κ. ὁ θ. τοῦ Ἰσραὴλ (1a)  
 — 16. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 17. ἐν τῷ λέγειν ὑμᾶς (1a)  
 3. 1, 5, 7, 10, 11, 12. λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 13. ἐβάρυνάτε . . . τοὺς λόγους ὑμῶν, λέγει κ. (1a)  
 — 17 : 4. 1 (8. 19), 3 (8. 21). λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 Is. 1. 11, 18. λέγει κύριος (1a)  
 — 24. τάδε λέγει κύριος (θ)  
 3. 6. ἐπιλήθεται ἄνθρωπος τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ . . . λέγων (θ)  
 — 16 (15). τάδε λέγει κύριος (θ)  
 4. 1. ἐπιλήθονται ἐπὶ τὰ γυναικὲς ἀνθρώπου ἐνὸς λέγουσαι (1a)  
 5. 19. οἱ λέγοντες, τὸ τάχος ἐγγισάτω (1a)  
 — 20. οἱ αὖ οἱ λέγοντες τὸ πονηρὸν καλόν (1a)  
 6. 3. ἔλεγον, ἅγιος ἄγιος ἄγιος (1a)  
 — 8. ἤκουσα τῆς φωνῆς κυρίου λέγοντος (1a)  
 7. 2. ἀνγγέλιε εἰς τὸν οἶκον Δαυὶδ λέγων [A om.] (1a)  
 — 5. A B ἐβουλεύσαντο . . . λέγοντες [B om.] (1a)  
 — 7. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (1a)  
 — 10. προσέθετο κύριος λαλῆσαι τῷ Ἀχαζ, λέγων (1a)  
 8. 11. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 Is. 8. 11. ἀπειθοῦσι τῇ πορείᾳ τῆς οδοῦ τοῦ λαοῦ τούτου λέγοντες (1a)  
 9. 9 (8). γνώσκονται πᾶς ὁ λαὸς τοῦ Ἑφραϊμ . . . λέγοντες (1a)  
 10. 24. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (1a)  
 14. 22. λέγει κύριος σαβαώθ . . . τάδε λέγει κύριος (θ, θ)  
 — 24 (23). τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (θ?)  
 16. 14. νῦν λέγω (8c + 1a)  
 17. 3. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (θ)  
 — 6. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (θ)  
 19. 4. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (θ)  
 — 25. εὐλόγησε κύριος σαβαώθ λέγων (1a)  
 20. 2. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἡ. υἱὸν Ἀμὼς λέγων (1a)  
 22. 13. A B S λέγοντες [B om.], Φάγωμεν καὶ πῶμεν (1a)  
 — 15. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (1a)  
 — 25. τάδε λέγει κύριος σαβαώθ (θ)  
 26. 1. A B<sup>2</sup> ἴσονται . . . λέγοντες [B S<sup>1</sup> om.] (1a)  
 28. 12. λαλήσουσι τῷ λαῷ τούτῳ λέγοντες αὐτοῖς [A B<sup>2</sup> -φ] (1a)  
 — 16. οὕτως λέγει κύριος κύριος (1a)  
 29. 11. ὁ ἐὰν δῶσιν αὐτὸ ἀνδράσιν ἐπισταμένῳ γράμματα λέγοντες (1a)  
 — 22. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακώβ (1a)  
 30. 1. λέγει [A B τάδε λ.] κύριος (θ [θ])  
 — 10. οἱ λέγοντες τοῖς προφῆταις (1a)  
 — 12. τάδε [A B<sup>2</sup> οὕτως] λέγει [A B add. κύριος] ὁ θεὸς τοῦ Ἰσρ. (1a)  
 — 15. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 — 21. οἱ λέγοντες [S<sup>1</sup> οἱ λέγονται], Αὕτη ἡ ὁδὸς (1a)  
 31. 9. τάδε λέγει κύριος (θ)  
 33. 10. λέγει κύριος (1a)  
 36. 4. τάδε λέγει ὁ βασιλεὺς (1a)  
 — 7. εἰ δὲ λέγετε [S<sup>1</sup> al.] (1a)  
 — 14. τάδε λέγει ὁ βασιλεὺς (1a)  
 — 15. μὴ λεγέτω ὑμῖν Ἑζεκίας (1a?)  
 — 16. τάδε λέγει ὁ βασιλεὺς Ἀσσυρίων (1a)  
 — 18. μὴ ἀπατάτω ὑμᾶς Ἑζεκίας λέγων (1a)  
 37. 3. τάδε λέγει Ἑζεκίας (1a)  
 — 6. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 9. ἀπεστείλεν ἀγγέλους πρὸς Ἑζεκίαν λέγων (1a)  
 — 10. εἰφ' ὃ πέποιθας ἐπ' αὐτὰ λέγων (1a)  
 — 15. προσήγατο Ἑζεκίας πρὸς κύριον λέγων (1a)  
 — 21. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1a)  
 — 33. οὕτως λέγει κύριος ἐπὶ βασιλεῖα Ἀσσ. (1a)  
 — 34. τάδε λέγει κύριος (θ)  
 38. 1. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 3. προσήγατο πρὸς κύριον λέγων (1a)  
 — 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἠσαΐαν λέγων (1a)  
 — 5. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Δαυὶδ (1a)  
 39. 3. τί λέγουσιν οἱ ἄνθρωποι οὗτοι (1a)  
 — 6. A λέγει κύριος (1a)  
 40. 1. λέγει ὁ θεὸς [A λ. κύριος] (1a)  
 — 6. φωνῇ λέγοντος, Βόησον (1a)  
 41. 13. ἐγὼ ὁ θεὸς σου . . . ὁ λέγων σοι (1a)  
 — 14. λέγει ὁ θεὸς (θ)  
 — 21. λέγει κύριος ὁ θεὸς . . . λέγει ὁ βασιλεὺς Ἰακώβ (1a, 1a)  
 42. 5. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς (1a)  
 — 17. οἱ λέγοντες τοῖς χωνευτοῖς (1a)  
 — 22. οὐκ ἦν ὁ λέγων, Ἀπόδος (1a)  
 43. 1. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς (1a)  
 — 10. λέγει κύριος ὁ θεὸς (θ)  
 — 12. A κἀγὼ μάρτυς, λέγει [B καὶ ἐγὼ] κύριος ὁ θεὸς (θ)  
 — 14. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς (1a)  
 — 16. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 — 26. λέγε σὺ τὰς ἀνομίας σου πρῶτος (7)  
 44. 2. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς (1a)  
 — 6. οὕτως λέγει ὁ θεὸς (1a)  
 — 17. A B προσεχεται [B S add. πρὸς αὐτὸ] λέγων (1a)  
 — 24. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 — 26. ὁ λέγων Ἱερουσαλὴμ, Κατοικηθήσῃ (1a)  
 — 27. ὁ λέγων τῇ ἀβύσσῳ, Ερρημωθήσῃ (1a)  
 — 28. ὁ λέγων Κύριε φρονεῖν . . . ὁ λέγων Ἱερουσαλὴμ, Οἰκοδομηθήσῃ (1a, 1a)  
 45. 1. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς τῷ χρηστῷ μου Κύριε (1a)  
 — 10. ὁ λέγων τῷ πατρὶ, Τί γεννήσεις (1a)  
 — 11. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς (1a)  
 — 14. οὕτως λέγει κύριος σαβαώθ (1a)  
 — 18. οὕτως λέγει κ. (1a)  
 Is. 45. 25 (24). λέγων, Δικαιοσύνη καὶ δόξα [B<sup>1</sup> εἰρήνη] πρὸς αὐτὸν ἔξει (1a)  
 47. 8. ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ αὐτῆς (1a)  
 48. 17. A B S οὕτως λέγει κύριος ὁ βυσσάμενός σε (1a)  
 — 20. λέγετε, Ἐρρύσατο κύριος (1a)  
 — 22. λέγει κύριος (1a)  
 49. 1. λέγει κύριος (1a)  
 — 5. οὕτως λέγει κύριος ὁ πλάσας με (1a)  
 — 7. οὕτως λέγει κύριος ὁ βυσσάμενός σε (1a)  
 — 8. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 — 9. λέγοντα τοῖς ἐν δεσμοῖς, Ἐξέλθατε (1a)  
 — 15. B<sup>1</sup> δ λέγων [B<sup>2</sup> -ω, A B al.] (1a)  
 — 18. λέγει κύριος (θ)  
 — 22, 25 : 50. 1. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 51. 22. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς (1a)  
 52. 3. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 4. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 — 5 bis. τάδε λέγει κύριος (θ)  
 — 7. λέγων, Σιών βασιλεύσεις σου ὁ θεὸς (1a)  
 54. 17 : 55. 8. λέγει κύριος (θ)  
 56. 1. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 3. μὴ λεγέτω ὁ ἀλλογενὴς . . . μὴ λεγέτω ευνούχος (1a, 1a)  
 — 4. τάδε λέγει κύριος τοῖς ευνούχοις (1a)  
 57. 6. B λέγει κύριος (1a)  
 — 15. τάδε λέγει [A add. κύριος] ὁ ὕψιστος (1a)  
 58. 2. ἐγγίξειν θεῷ ἐπιθυμοῦσι λέγοντες (1a)  
 — 6. λέγει κύριος (θ)  
 65. 5. οἱ λέγοντες, Πόρρω ἀπ' ἐμοῦ (1a)  
 — 7. λέγει κύριος (1a)  
 — 8. οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 — 13. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 25. λέγει κύριος (1a)  
 66. 1. A B S οὕτως λέγει κύριος (1a)  
 — 2. λέγει κύριος (θ)  
 — 12. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 22. λέγει [B<sup>1</sup> εἶπεν] κύριος (θ)  
 Je. 1. 4. A ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων [B S πρὸς αὐτόν] (1a)  
 — 7. μὴ λέγε, Ὅτι πλεόντες ἐγὼ εἰμι (1a)  
 — 8. λέγει κύριος (θ)  
 — 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1a)  
 — 13. A B S<sup>2</sup> ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ . . . λέγων (1a)  
 — 15. λέγει κύριος (θ)  
 — 17. λέγει κύριος (θ)  
 — 19. A λέγει [B S εἶπε] κύριος (θ)  
 2. 2. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 2. λέγει κύριος (θ)  
 — 5. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 9. A B S<sup>2</sup> λέγει κύριος (θ)  
 — 12. λέγει κύριος (θ)  
 — 15. ἐπ' αὐτὸν ὠρῶντο λέοντες [B<sup>1</sup> λέγ.] (1a)  
 — 17, 19. λέγει κύριος ὁ θεὸς σου (θ)  
 — 19. λέγει κύριος ὁ θεὸς σου (θ)  
 — 22, 29. λέγει κύριος (θ)  
 — 31. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 35. ἐν τῷ λ. σε, Οὐχ ἤμαρτον (1a)  
 3. 1. λέγει κύριος (θ)  
 — 2. A λέγει κύριος (θ)  
 — 12 bis, 13, 14, 16, 20 : 4. 1. λέγει κύριος (θ)  
 4. 3. B S τάδε [B<sup>1</sup> οὕτως] λέγει κύριος τοῖς ἀνδράσιν ἰ. (1a)  
 — 9. λέγει κύριος (θ)  
 — 10. ἠπάτησας . . . τὴν Ἱερ. λέγων (1a)  
 — 17. λέγει κύριος (θ)  
 — 27. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 5. 1. λέγει κύριος (θ)  
 — 2. ζῇ κύριος, λέγουσι (1a)  
 — 9, 11 (B). λέγει κύριος (θ)  
 — 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (1a)  
 — 15. λέγει κύριος (θ)  
 — 18. λέγει κύριος ὁ θεὸς σου (θ)  
 — 22, 29. λέγει κύριος (θ)  
 6. 6, 9. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 12. λέγει κύριος (θ)  
 — 14. καὶ λέγοντες, Εἰρήνη (1a)  
 — 16, 21, 22. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 7. 3. τάδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1a)  
 — 4. μὴ πεποιθάτε ἐφ' ἑαυτοῖς . . . λέγοντες (1a)  
 — 11, 19. λέγει κύριος (θ)  
 — 20, 21. τάδε λέγει κύριος (1a)  
 — 23. τὸ ῥῆμα τοῦτο ἐνετειλμένον αὐτοῖς λέγων (1a)  
 — 30, 32 : 8. 1. λέγει κύριος (θ)  
 8. 4. τάδε λέγει κύριος (1a)

Je. 8. 6. οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος μετανοῶν ἀπὸ τῆς κακίας αὐτοῦ λέγων (1 a)  
 — 10 (13). λέγει κύριος (8)  
 9. 7 (6). τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 9 (8). λέγει κύριος (8)  
 — 15 (14). τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1 a)  
 — 17 (16), 23 (22). τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 24 (23), 25 (24). (Δ Β Β<sup>3</sup>). λέγει κύριος (8)  
 10. 2, 18. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 11. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)  
 — 3. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1 a)  
 — 4. ἥς ἐνετείλαμην . . . λέγων (1 a)  
 — 6. ἀναγνώθι τοὺς λόγους τούτους . . . λέγων (1 a)  
 — 11. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 19. ἐλογίσαντο λογισμὸν πονηρὸν λέγοντες —  
 — 21. τὰδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς ἀνδράς Ἰσραὴλ . . . τοὺς λέγοντας (1 a, 1 a)  
 12. 14. τὰδε λέγει κ. περὶ πάντων τῶν γειτόνων (1 a)  
 13. 1. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 3, 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 9, 13. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 14, 25. λέγει κύριος (8)  
 14. 10. οὕτως λέγει [Β εἶπεν] κύριος τῷ λαῷ τούτῳ (1 a)  
 — 13. προφητεύουσι καὶ λέγουσιν (1 a)  
 — 15. τὰδε λέγει κύριος περὶ τῶν προφητῶν . . . οἱ λέγουσι [Α οἱ λέγοντες] (1 a, 1 a)  
 15. 2. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 3, 6. λέγει κύριος (8)  
 — 19. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 16. 2. λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ —  
 — 3. τὰδε λέγει κύριος περὶ τῶν υἱῶν (1 a)  
 — 5. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 9. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1 a)  
 — 11, 14, 16. λέγει κύριος (8)  
 17. 15. αὐτοὶ λέγουσι πρὸς μέ (1 a)  
 — 19, 21. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 24. λέγει κύριος (8)  
 18. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)  
 — 5. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 13. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 19. 3. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1 a)  
 — 6. λέγει κύριος (8)  
 — 11. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 12. λέγει [Β εἶπεν] κύριος (8)  
 — 15 : 20. 4. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 20. 15. ὁ ἄνθρωπος ὁ εὐαγγελισμένος τῷ πατρὶ μου λέγων (1 a)  
 21. 1. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν ὁ βασιλ. Σεδ. τὸν Π. . . λέγων (1 a)  
 — 4. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 7. οὕτως λέγει κύριος (8)  
 — 8, 12. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 13. ἐγὼ πρὸς σέ . . . τοὺς λέγοντας, τίς πτοῖσέ ἡμᾶς (1 a)  
 22. 1, 3. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 11. λέγει κύριος (8)  
 — 6, 11. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 16. λέγει κύριος (8)  
 — 18. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 24. λέγει κύριος (8)  
 23. 2. τὰδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς ποιμαίνοντας (1 a)  
 — 4, 5. λέγει κύριος (8)  
 — 15. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 16. Δ Β οὕτως λέγει κύριος παντοκράτωρ (1 a)  
 — 17. λέγουσι τοῖς ἀποδουμένοις τὸν λόγον κυρίου (1 a)  
 — 23 (Δ Β<sup>3</sup> Β), 24. λέγει κύριος (8)  
 — 25. προφητεύουσιν ἐπὶ τῷ ὀνόματί μου ψευδῇ λέγοντες (1 a)  
 — 28, 29 (Δ Β Β). λέγει κύριος (8)  
 — 30. Δ Β λέγει κύριος ὁ θεὸς (8)  
 — 33. ἐὰν ἐρωτήσωσιν . . . Ἱερεὺς ἢ προφήτης [Β<sup>3</sup> add. λέγων] (1 a)  
 — 33. λέγει κύριος (8)  
 — 38. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς (1 a)  
 — 38. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς λέγων (1 a)  
 — 7. λέγει κύριος (8)  
 24. 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 5. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1 a)  
 — 8. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 25. 2. ὃν ἐλάλησε . . . πρὸς πάντα τὸν λαὸν Ἰουδα . . . λέγων (1 a)  
 — 3. ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς ὁ ἄρχων καὶ λέγων (3 c)

Je. 25. 5. ἀπέστειλλον πρὸς ὑμᾶς τοὺς δούλους μου . . . λέγων (1 a)  
 — 8, 14 (49. 35). τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 18 (49. 39) : 26 (46). 5. λέγει κύριος (8)  
 26 (46). 18. λέγει κύριος ὁ θεὸς (8)  
 — 23. λέγει κύριος [Β ὁ θεός, Δ add. ὁ θ.] (8)  
 — 28. λέγει κύριος (8)  
 27 (50). 17. λίσσονται [Β<sup>3</sup> λέγοντες] ἔξωσαν αὐτὸν +  
 — 18. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 20, 21, 31. λέγει κύριος (8)  
 — 33 : 28 (51). 1. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 28 (51). 24, 26. λέγει κύριος (8)  
 — 27. Β<sup>3</sup> λέγει κύριος —  
 — 33, 36. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 39. λέγει κύριος (8)  
 — 52. λέγει [Β τὰδε λ.] κύριος (8 [9])  
 — 53. λέγει κύριος (8)  
 — 57. λέγει ὁ βασιλεὺς (8)  
 — 58 : 29 (47). 2. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 29 (49). 7. τῇ Ἰδουμαίᾳ τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 12. Δ τὰδε λέγει [Β Β εἶπεν] κύριος (1 a)  
 — 13. λέγει κύριος (8)  
 30 (49). 4. θύγατερ Ἰταμίας . . . ἡ λέγουσα —  
 32 (26). 31. λέγει κύριος (8)  
 33 (26). 8. συνελάβαν . . . λέγων [Β<sup>3</sup> ἔλεγον] (1 a)  
 — 9. ἐπροφητεύσαντες τῷ ὀνόματι κυρίου λέγων (1 a)  
 — 12. εἶπεν Ἱερ. πρὸς τοὺς ἀρχοντας . . . λέγων (1 a)  
 — 18. Δ εἶπε παντὶ τῷ λαῷ Ἰουδα λέγων [Β Β<sup>3</sup> om.] (1 a)  
 34 (27). 9. μὴ ἀκούετε τῶν ψευδοπροφητῶν ὑμῶν . . . τῶν λεγόντων (1 a)  
 — 12. ἐλάλησα κατὰ πάντας τοὺς λόγους τούτους λέγων (1 a)  
 — 16. τοῖς ἱερεῦσιν ἐλάλησα λέγων . . . μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν προφητῶν . . . λεγόντων (1 a, 1 a)  
 — 21 (22). λέγει κύριος (8)  
 35 (28). 1. εἶπε μοι Ἀνανίας . . . λέγων (1 a)  
 — 7. ὃν ἐγὼ λέγω εἰς τὰ ὅσα ὑμῶν (8 b)  
 — 11. εἶπεν Ἀνανίας κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λαοῦ λέγων (1 a)  
 — 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. . . λέγων (1 a)  
 — 13. εἶπὸν πρὸς Ἀνανίαν λέγων (1 a)  
 36 (29). 3. ὃν ἀπέστειλε Σ. . . εἰς Βαβ. λέγων (1 a)  
 — 22. λήψονται ἀπ' αὐτῶν κατάραν . . . λέγοντες (1 a)  
 — 28. ἀπέστειλε πρὸς ὑμᾶς εἰς Βαβ. λέγων (1 a)  
 — 30. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)  
 — 31. ἀποστείλω πρὸς τὴν ἀποικίαν λέγων (1 a)  
 37 (30). 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσ. λέγων (1 a)  
 — 12. Α οὕτως λέγει [Β Β εἶπε] κύριος (1 a)  
 38 (31). 31. Δ Β λέγει [Β φησὶ] κύριος (8)  
 — 34. οὐ μὴ διδῶσιν ἕκαστος τὸν πολίτην αὐτοῦ . . . λέγων (1 a)  
 39 (32). 3. Α Β Β<sup>3</sup> ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου . . . λέγων, διὰ τί σὺ προφητεύεις λέγων (1 a, 1 a)  
 — 6. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἱερεμίαν λέγων (1 a)  
 — 7. ἔρχεται πρὸς σέ λέγων (1 a)  
 — 13. συνέταξα τῷ Βαρούχ κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτῶν λέγων (1 a)  
 — 16. προσευξάμην πρὸς κύριον . . . λέγων (1 a)  
 — 25. λέγει πρὸς μέ (1 a)  
 — 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 36. ἦν σὺ λέγεις (1 a)  
 — 43. ἐν τῇ γῇ ἧς σὺ λέγεις (1 a)  
 40 (38). 1. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 a)  
 — 10. φ ὑμεῖς λέγετε (1 a)  
 — 11. φωνὴ λεγόντων [Α -ος] (1 a)  
 41 (34). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν . . . λέγων (1 a)  
 — 4. οὕτως λέγει κύριος (1 a)  
 — 12. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. λέγων (1 a)  
 — 13. διεβήμεν διαθήκη . . . λέγων (1 a)  
 42 (36). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν . . . λέγων (1 a)  
 — 6. ὁ πατήρ ἡμῶν ἐνετείλατο ἡμῖν λέγων [Α εἶπας] (1 a)  
 — 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 13. οὕτως λέγει κύριος (1 a)  
 — 15. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς . . . τοὺς προφήτας λέγων (1 a)  
 43 (38). 1. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 5. ἐνετείλατο Ἱερεμίᾳ τῷ Βαρούχ λέγων (1 a)  
 — 14. ἀπέστειλαν πάντες οἱ ἀρχόντες . . . λέγοντες [Β<sup>3</sup> om.] (1 a)

Je. 43 (36). 17. τὸν Βαρούχ ἠρώτησαν λέγοντες (1 a)  
 — 27. ἐγένετο λόγος κυρίου . . . λέγων (1 a)  
 — 29. κατέκαυσας τὸ χαρτίον τοῦτο λέγων, διὰ τί ἔγραψας ἐπ' αὐτῷ λέγων (1 a, 1 a)  
 44 (37). 3. ἀπέστειλεν . . . τὸν Ἱερέα πρὸς Ἱερεμίαν λέγων (1 a)  
 — 6. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν λέγων (1 a)  
 — 9. μὴ υπολάβετε ταῖς ψυχαῖς ὑμῶν λέγοντες (1 a)  
 — 13. συνέλαβε τὸν Ἱερεμίαν λέγων (1 a)  
 — 19. ποῦ εἰσιν οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ προφητεύσαντες ὑμῖν λέγοντες (1 a)  
 45 (38). 1. οὗς Ἱερεμίᾳς ἐλάλει ἐπὶ τὸν λαὸν λέγων (1 a)  
 — 10. ἐνετείλατο ὁ βασιλεὺς τῷ Ἀβδ. λέγων (1 a)  
 — 16. ὤμωσεν αὐτῷ ὁ βασιλεὺς λέγων (1 a)  
 — 20. ὃν ἐγὼ λέγω πρὸς σέ (3 b)  
 — 22. αὐτὰς ἔλεγον, Ἠπάτησάν σε (1 a)  
 46 (39). 15. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν τῇ αὐτῇ τῆς φυλακῆς λέγων (1 a)  
 47 (40). 9. ὤμωσεν αὐτοῖς ὁ θεὸς καὶ τοῖς ἀνδράσιν αὐτῶν λέγων (1 a)  
 — 16. ψευδὴς σὺ λέγεις ὑπὲρ [Α κατὰ, Β περὶ] Ἰσρ. (8 b)  
 49 (42). 13. εἰ λέγετε ὑμεῖς (1 a)  
 — 20. ἀποστείλαντες με λέγοντες (1 a)  
 50 (43). 1. λέγων πρὸς τὸν λαὸν πάντας τοὺς λόγους (3 c)  
 — 2. εἶπεν Ἀζ. υἱὸς Μ. καὶ Ἰ. . . λέγοντες (1 a?)  
 — 2. οὐκ ἀπέστειλές σε κύριος πρὸς ἡμᾶς λέγων [Α εἶπέν] (1 a)  
 — 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. ἐν Τάφνας λέγων (1 a)  
 51 (44). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν . . . λέγων (1 a)  
 — 4. ἀπέστειλα λέγων (1 a)  
 — 15. ἀπεκρίθησαν τῷ Ἱερεμίᾳ . . . λέγοντες (1 a)  
 — 20. εἶπεν Ἱερεμίᾳς παντὶ τῷ λαῷ . . . λέγων (1 a)  
 — 25. ταῖς χερσὶν ὑμῶν ἐπληρώσατε λέγουσαι (1 a)  
 — 26. Α λέγει [Β Β εἶπε] κύριος (1 a)  
 51. 35 (45. 5). λέγει κύριος (8)  
 Βα. 2. 20. Α ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν σου τῶν προφητῶν λέγων [Β om.]  
 — 28. καθὰ ἐλάλησας . . . λέγων (1 a)  
 Εζ. 2. 4 : 8. 11. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 8. 12. Α ἤκουσα κατ' ὀφθαλμοὺς μου φωνὴν σεισμοῦ μεγάλου λεγόντων [Β om.] —  
 — 16. Δ Β ἐγένετο . . . λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 18. ἐν τῷ λ. με τῷ ἀνὴρ (1 a)  
 — 27. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 4. 13. τὰδε λέγει κύριος ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ (1 a?)  
 5. 5, 7, 8. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 11. λέγει κύριος (8)  
 6. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 3, 11. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 2, 5. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 9. 1. ἀνέκραγεν εἰς τὰ ὅσα μου φωνὴ μεγάλη λέγων (1 a)  
 — 11. ἀπεκρίνατο λέγων (1 a)  
 10. 6. ἐγένετο ἐν τῷ ἐντέλλεσθαι αὐτὸν τῷ ἀνδρὶ . . . λέγων (1 a)  
 11. 3. οὗτοι οἱ ἄνδρες . . . οἱ λέγοντες (1 a)  
 — 5. λέγει, τὰδε λέγει κύριος (1 a, 1 a)  
 — 7. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 8. λέγει κύριος (8)  
 — 14. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 16, 17. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 20. Α λέγει κύριος —  
 — 21. λέγει κύριος (8)  
 12. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ τὸ πρῶτον λέγων (1 a)  
 — 10. τὰδε λέγει κύριος κύριος (1 a)  
 — 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 19. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 21. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 22. τίς ἡ παραβολὴ ὑμῖν ἐπὶ τῆς γῆς τοῦ Ἰσρ. λέγοντες (1 a)  
 — 23. τὰδε λέγει κύριος (1 a)  
 — 25. λέγει κύριος (8)  
 — 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)  
 — 27. λέγοντες λέγουσιν, Ἡ θρᾶσις ἦν οὗτος ὁρᾶ (1 a, -)



Εζ. 12. 28. τάδε λέγει κύριος . . . λέγει κύριος [B <sup>1</sup> om. λ. κ.] (1 a, θ)	Εζ. 23. 35. τάδε λέγει κύριος (1 a)	Εζ. 36. 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)
13. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 46. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 5. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)	24. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ . . . λέγων (1 a)	— 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 5. οὐκ ἀνέστησαν οἱ λέγοντες —	— 3, 6, 9. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 13. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
6. μαντευόμενοι μάταια οἱ λέγοντες [A <sup>3</sup> add. τάδε] λέγει κύριος (1 a, θ)	— 14. λέγει κύριος (θ)	— 14, 15. λέγει κύριος κύριος (θ)
— 7. Α λέγετε, φησὶν κύριος (1 a)	— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 16. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)
— 8. τάδε λέγει κύριος . . . λέγει κύριος (1 a, θ)	— 20. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς μέ λέγων [Δ τάδε λέγει ἀδωναὶ κύριος] (1 a)	— 20. ἐν τῇ λέγεσθαι αὐτοῦς (1 a)
— 10. ἐπλήσαν τὸν λαόν μου λέγοντες (1 a)	— 21. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)	25. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 23. Α λέγει ἀδωναὶ κύριος (θ)
— 16. λέγει κύριος (θ)	— 3, 6, 8, 12, 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 32. λέγει κύριος κύριος (θ)
— 18. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 14. λέγει κύριος [A <sup>3</sup> om.] (θ)	— 32. Α λέγει κύριος —
— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 15, 16. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 33, 37. τάδε λέγει ἀδωναὶ κύριος (1 a)
14. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	26. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	37. 5, 9. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ λέγων . . . αὐ- τοὶ λέγουσι (-, 1 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 5. λέγει κύριος (θ)	— 12. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 11. λέγει κύριος (θ)	— 7. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 14. λέγει κύριος (θ)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 14. λέγει κύριος (θ)	— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)
— 14, 16, 18, 20. λέγει κύριος (θ)	— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος τῇ [Δ ἐπὶ σέ] Σόρ (1 a)	— 18. ὅταν λέγωσι πρὸς σέ οἱ υἱοὶ τοῦ λαοῦ σου [Δ add. λέγοντες] (1 a, 1 a)
— 21. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 19. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 19. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 23. λέγει κύριος (θ)	— 21. λέγει κύριος κύριος (θ)	— 21. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
15. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	27. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 28. Α λέγει κύριος —
— 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 3. τάδε λέγει κύριος τῇ [Δ ἐπὶ] Σόρ (1 a)	38. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)
— 8. λέγει κύριος (θ)	— 36. Α λέγει κύριος ὁ θεός —	— 3, 10. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	28. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 14. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 3. τάδε λέγει κύριος τῇ Ἱερουσαλὴμ (1 a)	— 2, 6. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 17. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 8, 14, 19, 23, 30. λέγει κύριος (θ)	— 9. μὴ λέγων εἶπαι (1 a)	— 18. λέγει κύριος κύριος (θ)
— 36. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 10. λέγει κύριος [A <sup>3</sup> om.] (θ)	— 21. λέγει κύριος (θ)
— 43. λέγει κύριος (θ)	— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	39. 1. τάδε λέγει κύριος (1 a)
— 44. ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ ἐν παραβολῇ λέγοντες (1 a)	— 12. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 5. λέγει κύριος (θ)
— 48, 58. λέγει κύριος (θ)	— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 8. λέγει κύριος κύριος (θ)
— 59. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 10, 13. λέγει κύριος (θ)
— 63. λέγει κύριος (θ)	— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 17. τάδε λέγει κύριος (1 a)
17. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	29. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 20. λέγει κύριος (θ)
— 3, 9. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 3. ἐπὶ Φαραῶν . . . τὸν λέγοντα, Ἐμοὶ εἰσὶν οἱ ποταμοὶ (1 a)	— 29. λέγει κύριος κύριος (θ)
— 16. λέγει κύριος (θ)	— 8. τάδε λέγει κύριος (1 a)	48. 18. τάδε λέγει κύριος ὁ θεός Ἰσραὴλ (1 a)
— 19, 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 9. ἀπὸ τοῦ λ. σε, Οἱ ποταμοὶ ἐμοὶ εἰσὶ (1 a)	— 19. λέγει κύριος ὁ θεός (θ)
18. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 13. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 27. λέγει κύριος (θ)
— 2. τί ὑμῖν ἡ παραβολὴ αὕτη . . . λέγοντες (1 a)	— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	44. 6, 9. τάδε λέγει κύριος ὁ θεός (1 a)
— 3. λέγει κύριος, ἐάν γένηται ἐνι λεγομένη ἡ παραβολὴ αὕτη (θ, 5 a)	— 19. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 12, 15, 27. λέγει κύριος ὁ θεός (θ)
— 9, 23. λέγει κύριος (θ)	— 17. τάδε λέγει κύριος κύριος (θ)	45. 9. τάδε λέγει κύριος θεός (1 a)
— 29. λέγουσιν ὁ οἶκος τοῦ Ἰσραὴλ (1 a)	— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (θ)	— 9, 15. λέγει κύριος θεός (θ)
— 30. λέγει κύριος (θ)	30. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 18, 46, 1, 16, 47. 13. τάδε λέγει κύριος θεός (1 a)
— 31. Α λέγει κύριος —	— 2. τάδε λέγει κύριος (1 a)	47. 23, 48. 29. λέγει κύριος θεός (θ)
— 32. λέγει κύριος (θ)	— 6. λέγει κύριος (θ)	Da. LXX. Su. 13. εἰς τὸν ἕτερον ἀνέκρινε λέγων
20. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 10, 13. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 35. ἀνακρίψας ἐκλαυσεν ἐν αὐτῇ λέγουσα
— 3. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 38. συνεπιπάμβη ἀλλήλους λέγοντες
— 3. λέγει κύριος (θ)	— 22. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 51. μὴ βλέψητε . . . λέγοντες
— 5. τάδε λέγει κύριος . . . ἀπελαβόμεν τῇ χειρὶ μου αὐτῶν λέγων [B <sup>1</sup> -ει] (1 a, 1 a)	31. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 53. τοῦ κυρίου λέγοντος, Ἀβφον . . . οὐκ ἀπο- κτενεῖς
— 27, 30. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 10. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 58. νῦν οὖν λέγε μοι
— 31. λέγει κύριος (θ)	— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	2. 7. ἀπεκρίθησαν δὲ ἐκ δευτέρου λέγοντες (1 c)
— 32. ὅν τρόπον ὑμεῖς λέγετε (1 a)	— 18. λέγει κύριος κύριος (θ)	— 15. ἐπυνθάνετο αὐτοῦ λέγων (1 c)
— 33 (A B <sup>3</sup> B), 36. λέγει κύριος (θ)	— 8. λέγει κύριος κύριος (1 a)	8. (36). ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς λέγων
— 39. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 11. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— (51). ἐξύψουν τὸν θεόν ἐν τῇ καμῶν λέγοντες
— 40. λέγει κύριος κύριος (θ)	— 14. λέγει κύριος (θ)	4. 28. σοὶ λέγεται, Ν. Βασιλεῦ (1 c)
— 44. λέγει κύριος (θ)	— 16. λέγει κύριος κύριος (θ)	— 32. ἀγγελος εἰς ἐκάλεσέ με . . . λέγων
— 45 (21. 1). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	5. 7. ὁ βασιλεὺς ἐξέθηκε πρόσταγμα λέγων (1 c ?)
— 47 (21. 3). τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 31, 32. λέγει κύριος κύριος (θ)	6. 4 (5). οἱ δύο νεανίσκοι πρὸς ἀλλήλους λέγοντες —
— 49 (21. 5). αὐτοὶ λέγουσι πρὸς μέ, Οὐχὶ παραβολὴ ἐστὶ λεγομένη αὕτη (1 a, 5 b)	33. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 12 (13). οὕτως ποιῶσα καθὼς λέγετε —
21. 1 (6). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 10. οὕτως ἐλάλησατε λέγοντες (1 a)	— 20 (21). ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσε τὸν Δ. φωνῇ μεγ. . . λέγων (1 c)
— 3 (8). A B <sup>2</sup> B <sup>3</sup> τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 11. τάδε [A om.] λέγει κύριος (θ [θ])	— 25 (26). Δ. ἔγραψε πᾶσι τοῖς ἀθροῖς . . . λέγων —
— 7 (12). λέγει κύριος (θ)	— 20. Α λέγει κύριος —	7. 16. ἀποκριθεὶς δὲ λέγει μοι
— 8 (13). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 21. ἦλθε . . . πρὸς μέ . . . λέγων (1 a)	Bel 26. ἔδειξεν αὐτὸν τῷ βασιλεὶ λέγων
— 9 (14). τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 23. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 33. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἀ. λέγων
— 13 (18). λέγει κύριος κύριος (θ)	— 24. οἱ κατοικοῦντες τὰς ἡρμῶμα. . . λέγου- σιν (1 a)	— 33. τάδε λέγει σοὶ κ. ὁ θ.
— 18 (23). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 27. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	Da. Th. Su. 53. λέγοντος τοῦ κυρίου, Ἀβφον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς
— 24 (29), 26 (31), 28 (33). τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 30. λαλοῦσιν ἄνθρωποι τῷ ἀδελφῷ αὐ. λέ- γοντες (1 a)	— 58. νῦν οὖν λέγε μοι ὑπὸ τὸ δένδρον
22. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	34. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	2. 10. ἀπεκρίθησαν οἱ Χαλδαῖοι . . . καὶ λέγουσιν (1 c)
— 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 2. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 15. Α ἐπυνθάνετο αὐτοῦ λέγων
— 12. λέγει κύριος (θ)	— 8. λέγει κύριος κύριος (θ)	— 27. ἀπεκρίθη Δ. . . καὶ εἶπε [B <sup>1</sup> λέγει] (1 c)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 10, 11. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	8. 4. ὑμῖν λέγεται λαοὶ φυλαὶ γλώσσαι (1 c)
— 19. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος (θ)	— 16. ἀπεκρίθησαν Σ. Μ. Α. λέγοντες τῷ βασιλ. (1 c)
— 23. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 17, 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— (51). ὑπὸ λόγων τὸν θ. . . λέγοντες
— 28. λέγοντες, Τάδε λέγει κύριος (1 a, 1 a)	— 30, 31. λέγει κύριος κύριος (θ)	4. 28. σοὶ λέγουσι, Ναβουχοδονόσορ Βασιλεῦ (1 c)
— 31. λέγει κύριος κύριος (θ)	35. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	6. 12 (13). προσελθόντες λέγουσι τῷ βασιλεὶ (1 c)
23. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ λέγων (1 a)	— 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 13 (14). λέγουσιν ἐνώπιον τοῦ βασιλ. (1 c)
— 22. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 6. λέγει κύριος κύριος (θ)	— 15 (16). οἱ ἄνδρες ἐκείνοι λέγουσι τῷ βασιλεὶ (1 c)
— 28. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	— 11. λέγει κύριος (θ)	7. 5. οὕτως ἐλεγον αὐτῇ
— 32. τάδε λέγει κύριος (1 a)	— 14. τάδε λέγει κύριος (1 a)	Bel 37. ἐβόησεν Ἀ. λέγων
— 34. λέγει κύριος (θ)	86. 2, 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (1 a)	1 Ma. 1. 11. ἀπέτεισαν πολλοὺς λέγοντες



I Ki. 8. 1. τὸ παιδάριον Σαμ. ἦν λειτουργῶν τῷ κ. (4)  
 II Ki. 19. 18 (19). ἐλειτουργήσαν τὴν λειτουργίαν †  
 III Ki. 1. 4. ἐλειτουργεῖ αὐτῷ (4)  
 — 15. B. AB. ἡ 2. ἡ [A om., B ἦν] λειτουργοῦσα τῷ βασι. (4)  
 8. 11. οὐκ ἔδωκε οἱ ἱερεῖς στήκεν λ. (4)  
 19. 21. καὶ ἐλειτουργεῖ αὐτῷ (4)  
 IV Ki. 6. 15. A. ὥρμισεν λειτουργεῖν [B ὁ λειτουργός] (4)  
 25. 14. ἐν οἷς λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (4)  
 I Ch. 6. 32 (17). ἦσαν λειτουργοῦντες ἐναντίον τῆς σκηνῆς (4)  
 15. 2. καὶ λειτουργοῖν αὐτῷ ἕως αἰῶνος (4)  
 16. 4. ἔταξε . . . ἐκ τῶν Λ. λειτουργοῦντας [B<sup>1</sup> -ων] (4)  
 — 37. τοῦ λειτουργεῖν ἐναντίον τῆς κιβωτοῦ (4)  
 23. 13. λειτουργοῖν καὶ ἐπύχεσθαι (4)  
 — 28. 32. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (2 b)  
 26. 12. λειτουργοῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (4)  
 27. 1. AB οἱ λειτουργοῦντες τῷ λαῷ [B βασιλεῖ] (4)  
 II Ch. 5. 14. οὐκ ἔδωκε οἱ Λ. τοῦ στήγει λειτουργεῖν (4)  
 8. 14. B τοῦ Λ. καὶ αἰνῆν [A B αἰ. κ. λ.] (4)  
 11. 14. μὴ [A τοῦ μὴ] λειτουργεῖν κυρίῳ (1)  
 13. 10. λειτουργοῦσι τῷ κυρίῳ (4)  
 15. 16. τοῦ μὴ [A om.] εἶναι τῇ Ἀσάτρη λειτουργοῦσαν †  
 17. 19. οὗτοι οἱ [A om.] λειτουργοῦντες τῷ βασι. (4)  
 22. 8. B λειτουργοῦντας τῷ Ὁχ. (4)  
 23. 6. καὶ οἱ λειτουργοῦντες τῶν Λ. (4)  
 29. 11. στήγει ἐναντίον αὐτοῦ λειτουργεῖν καὶ εἶναι αὐτῷ λειτουργοῦντας (4, 4)  
 31. 2. ἐξομολογήσασθαι καὶ λειτουργεῖν (4)  
 35. 3. λειτουργήσατε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (2 a)  
 Ne. 10. 36 (37). τοῖς Ι. τοῖς λειτουργοῦσιν ἐν οἴκῳ (4)  
 Ju. 4. 14. A B καὶ οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ Ps. 100 (101). 6. οὗτός μοι ἐλειτουργεῖ (4)  
 Si. 4. 14. οἱ λατρεύοντες αὐτῇ λειτουργήσουσιν ἀγίῳ 7. 30. B<sup>1</sup> τοὺς λειτουργοῦντας αὐτῷ [A B B<sup>1</sup> τοὺς λειτουργοῦντας αὐτοῦ] μὴ ἐγκαταλίπῃς (4)  
 8. 8. μαθήσῃ . . . λειτουργῆσαι μεγιστάταις (4)  
 10. 25. οὐκέτι σοφὸς ἐλευθεροὶ λειτουργήσουσι (4)  
 24. 10. ἐν σκηνῇ ἀγίᾳ ἐνώπιον αὐτοῦ ἐλειτουργῆσαι [A -γουν] (4)  
 45. 15. λειτουργεῖν αὐτῷ ὅμα καὶ ἱερατεύειν (4)  
 50. 14. συντέλειαν λειτουργῶν ἐπὶ βωμῶν (4)  
 — 19. B<sup>1</sup> τὴν λειτουργίαν αὐτοῦ ἐλειτουργῆσαν [A B B<sup>1</sup> ἐτελείωσαν] (4)  
 Jl. 1. 9. ἱερεῖς οἱ λειτουργοῦντες θυσιαστηρίῳ (4)  
 — 13. θρηγέετε οἱ λειτουργοῦντες θυσιαστηρίῳ (4)  
 — 17. ὑπνώσατε ἐν σάκκοις λειτουργοῦντες θεῷ (4)  
 2. 17. οἱ ἱερεῖς οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ (4)  
 Je. 52. 18. ἐν οἷς ἐλειτουργοῦν [A -γουν] ἐν αὐτοῖς (4)  
 Ez. 40. 46. οἱ ἐγγίζοντες ἐκ τοῦ Λευὶ πρὸς κύριον λ. αὐτῷ (4)  
 42. 14. ἐν οἷς λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (4)  
 43. 19. τοῦ [A om.] λ. μοι μόνον ἐκ βωμῶν (4)  
 44. 11. ἔσονται ἐν τοῖς ἀγίοις μου λειτουργοῦντες . . . καὶ λειτουργοῦντες τῷ οἴκῳ . . . στήσουσιν ἐναντίον τοῦ λαοῦ τοῦ [A om.] λ. αὐτοῖς (4 ter)  
 — 12. ἐλειτουργοῦν αὐτοῖς πρὸ προσώπου τῶν εἰδῶλων αὐ. (4)  
 — 15. προσάξουσιν πρὸς μὲ τοῦ λ. μοι (4)  
 — 16. προσελεύσονται πρὸς τὴν τράπεζάν μου τοῦ λ. μοι (4)  
 — 17. οὐκ ἐνδύσονται ἔργα ἐν τῷ λ. αὐτοῖς (4)  
 — 19. ἐν αἷς αὐτοῖς λειτουργοῦσιν ἐν αὐταῖς (4)  
 — 27. τοῦ λ. ἐν τῷ ἀγίῳ (4)  
 45. 4. ἔσται τοῖς ἱερεῖσι τοῖς λειτουργοῦσιν ἐν τῷ ἀγίῳ καὶ ἔσται τοῖς ἐγγίζουσιν λ. τῷ κυρίῳ (4, 4)  
 — 5. τοῖς Λευίταις τοῖς λειτουργοῦσι τῷ οἴκῳ αὐτοῖς (4)  
 46. 24. ἐθήσουσιν ἐκεῖ οἱ λειτουργοῦντες τῷ οἴκῳ (4)  
 Da. TH. 7. 10. χιλιάς χιλιάδες ἐλειτουργοῦν αὐτῷ (5)  
 I Ma. 10. 42. τοῖς ἱερεῖσι τοῖς λειτουργοῦσι [Aq. Ge. 40. 4 : Dt. 21. 5 : Is. 56. 6 : 60. 7 : Ez. 27. 25.] (4)  
 [Sm. Ex. 39. 1 (13) : Is. 56. 6 : 60. 7.] (4)  
 [Th. Ex. 39. 1 (13) : Is. 56. 6 : 60. 7 : Je. 38 (40), 21, 22 : Jl. 1. 9.] (4)

λειτουργημα. (1) לְעִוְדָה  
 Nu. 4. 32. καὶ πάντα τὰ λ. αὐτῶν (1)  
 7. 9. τὰ λ. τοῦ ἁγίου ἔχουσιν (1)  
 λειτουργήσιμος. (1) לְעִוְדָה  
 I Ch. 28. 13. τῶν ἀποθηκῶν τῶν λ. σκευῶν (1 ?)  
 λειτουργία (-εία). (1) לְעִוְדָה (2) לְעִוְדָה  
 (3) לְעִוְדָה (4) לְעִוְדָה (5) לְעִוְדָה  
 Ex. 37. 19 (38. 21). τὴν λ. εἶναι τῶν Λευιτῶν (2)  
 Nu. 4. 24. αὕτη ἡ λ. τοῦ δήμου τοῦ Γ. (2)  
 — 27. ἔσται ἡ λ. τῶν υἱῶν Γ. κατὰ πάσας τὰς λ. αὐτῶν (2, 2)  
 — 28. αὕτη ἡ λ. τῶν υἱῶν Γ. (2)  
 — 33. αὕτη ἡ λ. δήμου υἱῶν Μ. (2)  
 7. 5. ἐκάστη κατὰ τὴν αὐτὴν λ. (2)  
 — 7. 8. κατὰ τὰς λ. αὐτῶν (2)  
 8. 22. λειτουργοῖν τὴν λ. αὐτῶν (2)  
 — 24. A λειτουργοῖν λειτουργίαν ἐν αὐτοῖς [B al.] (5)  
 — 25. B<sup>1</sup> ἀποστήσεται [A B<sup>2</sup> B add. ἀπὸ] τῆς λ. (5 + 2)  
 16. 9. λειτουργοῖν τὰς λ. τῆς σκηνῆς κυρίου (2)  
 18. 4. κατὰ πάσας τὰς λ. τῆς σκηνῆς (2)  
 — 6. λειτουργοῖν τὰς λ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (2)  
 — 7. λειτουργήσατε τὰς λ. (2)  
 — 21. δέδοκα πᾶν ἐπιδέκατον . . . ἀπὸ τῶν λ. αὐ. (2)  
 — 21. ὅσα αὐτοῖς λειτουργοῦσι λειτουργίαν (2)  
 — 23. λειτουργήσῃ . . . τὴν λ. τῆς σκηνῆς (2)  
 — 31. μισθὸς οὗτος ὑμῖν ἐστὶν ἀπὸ [B<sup>2</sup> ἀπὸ] τῶν λ. υἱῶν (2)  
 II Ki. 19. 18 (19). ἐλειτουργῆσαν τὴν λ. [A add. τοῦ βασι.] †  
 I Ch. 6. 32 (17). ἔστησαν . . . ἐπὶ τὰς λ. αὐτῶν — 48 (33). εἰς πάσαν ἐργασίαν λειτουργίας σκηνῆς (2)  
 9. 13. εἰς ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου τοῦ θεοῦ (2)  
 — 19. ἐπὶ τῶν ἔργων τῆς λ. (2)  
 — 28. ἐπὶ τὰ σκευὴ τῆς λ. (2)  
 28. 24. ποιοῦντες τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου κ. — 26. οὐκ ἦσαν αἰρόντες . . . εἰς τὴν λ. αὐ. (2)  
 — 28. ἐπὶ τὰ ἔργα λειτουργίας (2)  
 24. 3, 19. κατὰ τὴν λ. αὐτῶν (2)  
 26. 30. εἰς πάσαν λ. κυρίου (1)  
 28. 13. εἰς πάσαν ἐργασίαν λειτουργίας (2)  
 — 20. πάσαν ἐργασίαν λειτουργίας (2)  
 — 21. εἰς πάσαν λ. οἴκου κυρίου [A τοῦ θ.] (2)  
 II Ch. 8. 14. κατὰ τὰς λ. αὐτῶν (2)  
 31. 2. κατὰ τὴν ἐπανοῦν λ. (2)  
 — 4. ἐν τῇ λ. οἴκου κυρίου †  
 — 16. λειτουργίαν ἐφημερίας διατάξεως αὐ. (2)  
 35. 10. καταρθώσῃ ἡ λ. (2)  
 — 15. οὐκ ἦν αὐτοῖς κινεῖσθαι ἀπὸ τῆς λ. ἁγίου (2)  
 — 16. ἡτομάσθη πᾶσα ἡ λ. κυρίου (2)  
 II Es. 7. 19. τὰ διδῶν σοι εἰς λειτουργίαν οἴκου θεοῦ (8)  
 Wi. 18. 21. τὸ τῆς ἰδίας λ. ἔπλον . . . κομίσας (4)  
 Si. 50. 19. τὴν λ. αὐτοῦ ἐτελείωσαν [B<sup>1</sup> ἐλειτουργήσαν] (4)  
 Ez. 29. 20. ἀπὸ τῆς λ. αὐτοῦ [A τ. δουλείας] (4)  
 II Ma. 8. 3. πάντα τὰ πρὸς τὰν λ. τῶν θυσιῶν (4)  
 4. 14. περὶ τὰς τοῦ θυσιαστηρίου λ. προθύμους εἶναι [Al. Nu. 8. 25 : 18. 7.] (4)  
 λειτουργικός. (1) לְעִוְדָה (2) לְעִוְדָה  
 Ex. 31. 9 (10). καὶ τὰς στολὰς τὰς λ. †  
 39. 13 (1). ἐποίησαν στολὰς λ. †  
 Nu. 4. 12. λήψονται πάντα τὰ σκευὴ τὰ λ. (2)  
 — 26. καὶ πάντα τὰ σκευὴ τὰ λ. (1)  
 7. 5. πρὸς τὰ ἔργα τὰ λ. τῆς σκηνῆς (1)  
 II Ch. 24. 14. σκευὴ λειτουργικὰ ὁλοκαυτωμάτων (2)  
 [Sm., Th. Ex. 39. 1 (13).] (4)  
 λειτουργός. (1) לְעִוְדָה (2) לְעִוְדָה  
 Jo. 1. 1. A τῷ Ἰησοῦ υἱῷ Ν. τῷ λ. [B ὑπουργῷ] M. (2)  
 II Ki. 13. 18. ἐξήγαγεν αὐτὴν ὁ λ. αὐ. ἔξω (2)  
 III Ki. 10. 5. καὶ τὴν στάσιν λειτουργῶν αὐτοῦ (2)  
 IV Ki. 4. 43. ἔλεον ὁ λ. αὐτοῦ (2)  
 6. 15. ὥρμισεν ὁ λ. [A λειτουργοῖν] (2)  
 II Ch. 9. 4. καὶ στάσιν λειτουργῶν αὐτοῦ (2)  
 II Es. 7. 24. ἐν . . . λειτουργοῖς οἴκου θεοῦ (1)  
 Ne. 10. 39 (40). καὶ ἐκεῖ . . . οἱ λ. (2)  
 Ps. 102 (103). 21. λειτουργοὶ αὐτοῦ ποιοῦντες τὰ θελήματα αὐτοῦ (2)  
 103 (104). 4. καὶ τοὺς λ. αὐτοῦ πῦρ φλέγον (2)

Si. 7. 30. τοὺς λ. αὐτοῦ [B<sup>1</sup> -γούντας αὐτῷ] μὴ ἐγκαταλίπῃς (4)  
 10. 2. κατὰ τὸν κριτὴν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ οὕτως καὶ οἱ λ. αὐτοῦ (4)  
 Is. 61. 6. ἱερεῖς κυρίου κληθήσεσθε λειτουργοὶ θεοῦ (2)  
 III Ma. 5. 5. οἱ τε πρὸς τούτοις λειτουργοὶ [Aq., Sm., Th. Ex. 24. 13 : Pr. 29. 12.] (4)  
 λείχειν. (1) לֵיכֵן pi. (2) לֵיכֵן  
 III Ki. 20 (21). 19. φ. ἔλειξαν αἱ δες (2)  
 — 19. ἐκεῖ λείξουσιν οἱ κύνες τὸ αἷμά σου (2)  
 Ps. 71 (72). 9. οἱ ἐχθροὶ αὐτοῦ χοῖν λείξουσιν (1)  
 Mi. 7. 17. λείξουσιν χοῖν ὡς ὄφεις σύροντες γῆν (1)  
 Is. 49. 23. τὸν χοῖν τῶν ποδῶν σου λείξουσιν (1)  
 λειχήν (λειχίν). (1) לֵיכֵן (2) λειχίνας  
 ἔχων לֵיכֵן  
 Le. 21. 20. ψώρα ἀγρία ἡ λειχήν (1)  
 22. 22. A<sup>2</sup> B ἡ λειχίνας ἔχοντα (2)  
 λείψανον. [Sm., Jd. 5. 13 : Ps. 16 (17). 14 : 75 (76). 11 : Ez. 11. 13.] (4)  
 λεκάνη (λακ.). (1) לֵיכֵן  
 Jd. 5. 25. γάλα ἔδωκεν ἐν λεκάνῃ [A al.] (1)  
 6. 38. πλήρης λεκάνη ὕδατος (1)  
 λεκτίς. [Sm. Is. 66. 20.] (4)  
 λεληθότως. II Ma. 6. 11. λεληθότως ἄγειν τὴν ἐβδομάδα 8. 1. παρεισπορευόμενοι λεληθότως εἰς τὰς κόμας λείξῃς. (1) לֵיכֵן (2) לֵיכֵן (3) לֵיכֵן  
 Es. 1. 22. κατὰ τὴν λ. αὐτῶν (1 + 2)  
 8. 12. κατὰ τὴν αὐτῶν λ. [B<sup>2</sup> λῆξιν] (1 + 2)  
 8. 9. κατὰ τὴν αὐτῶν λ. (1 + 2)  
 Jb. 36. 2. ἔτι γὰρ ἐν ἐμοὶ ἐστὶ [A μοι ἔκαστιν] λείξῃς (8)  
 38. 1. μετὰ δὲ τὸ παύσασθαι Ἐλιὸν τῆς λ. — Si. prol. 15. συγγνώμην ἔχειν ἐφ' οἷς ἀν δοκῶμεν τὴν κατὰ τὴν ἐρμηνείαν πεφλοπονημένον τισὶ τῶν λ. ἀδυναμῆν [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> om.] (4)  
 23. 12. ἔστι λείξῃς ἀντιπεριβεβλημένη θανάτῳ II Ma. 2. 31. τὸ δὲ σύστημα τῆς λ. μεταδιώκειν λειοντήδον. II Ma. 11. 11. B λ. [A λείοντινον] δὲ ἐντινάξωτες λείοντινος. II Ma. 11. 11. A λείοντινον [? A., B λειοντήδον] δὲ ἐντινάξωτες λειοπετρία, vid. λειοπετρία. λειπιδωτός. [Sm., Th., I Ki. 17. 5.] λειπίειν. (1) לֵיכֵן pi. Ge. 30. 37. καὶ ἐλείψεν αὐτὰς Ἰ. λειπίσματα (1) — 37. τὸ λευκὸν ὁ ἐλείψεν — 38. τὰς ῥάβδους δὲ ἐλείψεν (1) To. 8. 17. τοῦ Ταβίτ λειπίσαι τὰ λευκάματα [A<sup>2</sup> S al.] 11. 13. ἐλείψθη ἀπὸ τῶν καθῶν . . . τὰ λευκάματα [B al.] I Ma. 1. 22. καὶ ἐλείψῃς πάντα λειπίς. (1) לֵיכֵן (2) לֵיכֵן Le. 11. 9. B ἐστὶν αὐτοῖς πετρίδια καὶ λειπίδες (2) — 10. οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πετρίδια οὐδὲ λειπίδες (2) — 12. οὐκ . . . πετρίδια καὶ λειπίδες (2) Nu. 16. 38 (17. 3). ποιήσαν αὐτὰ λ. ἐλάτας (1) De. 14. 9. ἐστὶν ἐν [A om.] αὐτοῖς πετρίδια καὶ λειπίδες (2) — 10. οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πετρίδια καὶ λειπίδες (2) [Aq., Sm. Ez. 29. 4 bis.] [Th. Ez. 29. 4.] [Al. Le. 13. 2, 7.] λειπίσμα. (1) לֵיכֵן Ge. 30. 37. ἐλείψεν αὐτὰς Ἰ. λ. λευκά (1) λειπιστός. [Al. Le. 28. 14.] λέπρα. (1) a. לֵיכֵן b. לֵיכֵן Le. 13. 2. γένηται ἐν δερματί . . . ἀφή λέπρας (1 a) — 3. ἀφή λέπρας ἐστὶ (1 a) — 8. ἐστὶ (1 a)

Le. 13. 9. ἀφ' ἧς λέπρας ἐὰν γένηται ἐν ἀνθρώπῳ (1 α)  
 — 11. λ. παλαιουμένη ἐστὶν ἐν τῷ δέρματι (1 α)  
 — 12. ἐὰν δὲ ἀνθρώπος ἐξαθήσῃ ἡ λ. (1 α)  
 — 13. καὶ καλύψῃ ἡ λ. πᾶν τὸ δέρμα τῆς ἀφῆς (1 α)  
 — 13. ἐκάλυψε ἡ λ. πᾶν τὸ δέρμα τοῦ χωρῆτος (1 α)  
 — 15. λ. ἐστὶν (1 α)  
 — 20. λ. ἐστὶν (1 β)  
 — 22. ἀφ' ἧς λέπρας ἐστὶν (1 α)  
 — 25. λ. ἐστὶν (1 α)  
 — 25 (Α<sup>2</sup> Β), 27. ἀφ' ἧς λέπρας ἐστὶν (1 α)  
 — 29. γένηται . . . ἀφ' ἧς λέπρας ἐν τῇ κεφαλῇ (1 α)  
 — 30. λ. [Α. add. ἐστὶν] τῆς κεφαλῆς (1 α)  
 — 30. ἡ λ. τοῦ πάγωνος ἐστὶ (1 α)  
 — 42. λ. ἐστὶν ἐν τῷ φαλακρόματι αὐτοῦ (1 α)  
 — 43. ὡς εἶδος λέπρας ἐν δέρματι τῆς σαρκός (1 α)  
 — 47. ἐν γένηται ἀφ' ἧς ἐν αὐτῷ λέπρας (1 α)  
 — 49. ἀφ' ἧς λέπρας ἐστὶ (1 α)  
 — 51. λ. ἐμμονός ἐστιν ἡ ἀφ' ἧς (1 α)  
 — 52. Β<sup>2</sup> Ε. δὲ λ. ἐμμονός ἐστιν [Α. Β<sup>1</sup> om. ἐμ. ἐστὶν] (1 α)  
 — 57. λ. ἐξαποσταλὴς ἐστὶν (1 α)  
 — 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφῆς λέπρας ἱματίου (1 α)  
 14. 3. ἵαται ἡ ἀφ' ἧς λ. ἀπὸ τοῦ λεπροῦ (1 α)  
 — 7. ἐπὶ τὸν καθαρῶς θένον ἀπὸ τῆς λ. (1 α)  
 — 32. ὁ νόμος ἐν ᾧ ἐστὶν ἡ ἀφ' ἧς [Α. om.] λ. (1 α)  
 — 34. καὶ ὡς ἀφ' ἧς λέπρας ἐν ταῖς οἰκίαις (1 α)  
 — 44. λ. ἐμμονός ἐστιν ἐν τῇ οἰκίᾳ (1 α)  
 — 54. οὗτος ὁ νόμος κατὰ πᾶσαν ἀφ' ἧς λέπρας (1 α)  
 — 55. καὶ τῆς λ. ἱματίου καὶ οἰκίας (1 α)  
 — 57. οὗτος ὁ νόμος τῆς λ. (1 α)  
 De. 24. 8. πρόσθε στανὼν ἐν τῇ ἀφ' ἧς λ. (1 α)  
 IV Ki. 5. 3. ἀποσυνάξει αὐτὸν ἀπὸ τῆς λ. αὐ. (1 α)  
 — 6. ἀποσυνάξει αὐτὸν ἀπὸ [Α. ἐκ] τῆς λ. αὐ. (1 α)  
 — 7. ἀποσυνάξει ἄνδρα ἀπὸ [Α. ἐκ] τῆς λ. αὐ. (1 α)  
 — 27. ἡ λ. Ν. κολληθήσεται ἐν σοί (1 α)  
 II Ch. 26. 19. ἡ λ. ἀνέτειλεν ἐν τῷ μετώπῳ αὐ. (1 α)  
 λεπρῶν. (1) Ὑ<sup>1</sup> α. qal. δ. pu.  
 Le. 22. 4. καὶ οὗτος λεπρῶν [Α. λεπρός] (1 α)  
 Nu. 12. 10. Μ. λεπρῶσα ὥσει χιών (1 β)  
 — 10. καὶ ἰδοὺ λεπρῶσα (1 β)  
 [Α. q. Th. Ex. 4. 6.]  
 [Α. L. E. 21. 7.]  
 λεπρός. (1) Ὑ<sup>1</sup> α. qal. δ. pu.  
 Le. 13. 44. ἀνθρώπος λ. ἐστὶ (1 α)  
 — 45. καὶ ὁ λ. ἐν ᾧ ἐστὶν ἡ ἀφ' ἧς (1 α)  
 14. 2. οὗτος ὁ νόμος τοῦ λεπροῦ (1 β)  
 — 3. ἵαται ἡ ἀφ' ἧς λέπρας ἀπὸ τοῦ λ. (1 α)  
 22. 4. Α. καὶ οὗτος λεπρός [Β. ρῶ] (1 α)  
 Nu. 5. 2. ἐξαποστεύσας . . . πάντα λ. (1 α)  
 II Ki. 3. 29. μὴ ἐκλείπῃ . . . γονορρυῆς καὶ λεπρός (1 β)  
 IV Ki. 5. 11. ἀποσυνάξει [Α. συν.] τὸ λ. (1 β)  
 — 7. τίσσας ἀνδρὲς ἦσαν λ. παρὰ τὴν θύραν (1 β)  
 — 8. ἐισήλθον οἱ λ. οὗτοι (1 β)  
 II Ch. 26. 20. ἰδοὺ αὐτὸς λ. ἐν τῷ μετώπῳ (1 β)  
 — 21. ἦν Ὁ. ὁ βασιλεὺς λεπρός (1 β)  
 — 21. ἐν οἴκῳ ἀφ' ἧς ἐκάθητο λεπρός (1 β)  
 — 23. λεπρός ἐστὶ (1 β)  
 [Σμ. Nu. 5. 2.]  
 [Α. L. E. 22. 4.]  
 λεπροῦσθαι. (1) Ὑ<sup>1</sup> pu.  
 IV Ki. 5. 1. ὁ ἀνὴρ ἦν δυνατὸς ἰσχυρῶς λεπερω-  
 μένος (1)  
 — 27. ἐξῆλθεν ἐκ προσώπου αὐ. λεπερωμένος (1)  
 [Σμ. Ex. 4. 6.]  
 λεποκοπεῖν.  
 [Α. q. Th. Is. 28. 28.]  
 [Σμ. Is. 27. 9: 28. 28.]  
 λεπτός. (1) Α. Π<sup>1</sup> δ. Ρ<sup>2</sup> qal. c. hi. d. λ.  
 γίνεσθαι Ρ<sup>2</sup> (2) Π<sup>2</sup> (3) Ρ<sup>2</sup> pu.  
 (4) Ρ<sup>1</sup> (5) Α. Ρ<sup>1</sup> δ. Ρ<sup>1</sup> (6) λεπτὸν ποιεῖν Π<sup>1</sup>  
 Ge. 41. 3. ἐπτά βόες . . . λεπταὶ ταῖς σαρκί (1 α)  
 — 4. αἱ ἐπτά βόες αἱ αἰσχροὶ καὶ λ. ταῖς σαρκί (1 α)  
 — 6. στάχυν λεπτοὶ καὶ ἀνεμόφθοροι (1 α)  
 — 7. οἱ ἐπτά στάχυν οἱ λεπτοὶ (1 α)  
 — 19. αἰσχροὶ . . . καὶ λεπταὶ ταῖς σαρκί (4)  
 — 20. αἱ ἐπτά βόες αἱ αἰσχροὶ καὶ λεπταὶ (4)  
 — 23. ἐπτά στάχυν λεπτοὶ καὶ ἀνεμόφθοροι (1 α)  
 — 24. οἱ ἐπτά στάχυν οἱ λ. καὶ ἀνεμόφθοροι (1 α)

Ge. 41. 27. αἱ ἐπτά βόες αἱ λ. αἱ ἀναβαίνουσαι (4)  
 — 27. οἱ ἐπτά στάχυν οἱ λ. (5 α)  
 Ex. 16. 14. ἰδοὺ . . . λεπτὸν ὥσει κόριον λευκὸν (1 α)  
 30. 7. θυμῶμα σύνθετον λ. (1 α)  
 — 36. καὶ συγκολληθεὶς ἐκ τούτων λεπτὸν (1 α)  
 32. 20. καὶ κατέλυσεν αὐτὸν [Α. om.] λεπτὸν (1 β)  
 Le. 13. 30. ἐν αὐτῇ δὲ θριεὶ ξανθίζουσα λεπτὴ (1 α)  
 — 16. 12. θυμῶματος συνθέσεως λεπτῆς (1 α)  
 De. 9. 21. ὥς ἐγένετο λεπτὸν (1 β)  
 III Ki. 19. 12. μετὰ τὸ πῦρ φωνὴ αἶρας λεπτῆς (1 α)  
 II Ch. 34. 7. τὰ εἰδωλα κατέκρυψε λεπτὰ (1 α)  
 Wi. 5. 14. ὡς πάχνη ὑπὸ λαίλαπος διωχθεῖσα λεπτὴ (1 α)  
 7. 22. ἐστὶ γὰρ ἐν [Α. om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . λεπτὸν  
 — 23. διὰ πάντων χωρῶν πνευμάτων . . . καθαρῶν  
 λεπτῶν  
 Is. 27. 9. κατακεκομμένους ὡς κόνιν λεπτὴν (3 γ)  
 30. 14. ἐκ κεραμίου λεπτὰ [Α. -τόν] (2)  
 — 22. τὰ περιεχρυσωμένα λεπτὰ ποιήσεις (6)  
 Je. 28 (51). 34. καταλαβέ με σκότος λεπτὸν (6 β)  
 Da. LXX. 2. 35. τότε λεπτὰ ἐγένετο ἅμα ὁ σιδήρος (1 δ)  
 — 35. ἐγένετο ὥσει λεπτότερον ἀχύρου (1 δ)  
 [Α. q. Th. Is. 29. 5: 40. 15, 22.]  
 [Σμ. Ex. 16. 14 bis: Is. 29. 5: 40. 15, 22.]  
 λεπτύνειν. (1) Ρ<sup>2</sup> α. qal. δ. hi. c. Ρ<sup>2</sup> peal.  
 d. aph. (2) Ρ<sup>2</sup> pi. (3) Ρ<sup>2</sup> pi.  
 II Ki. 22. 43. ὡς πλὴν ἐξόδων ἐλέπτυνα αὐτοὺς (1 β)  
 IV Ki. 23. 6, 15. καὶ ἐλέπτυνε αὐτοὺς ἔχον (1 β)  
 II Ch. 28. 17. καὶ τὰ εἰδωλα αὐ. ἐλέπτυναν (2)  
 34. 4. καὶ ἐλέπτυνε (1 β)  
 Ps. 17 (18). 42. λεπτύνω αὐτοὺς ὡς χροὺν (1 β)  
 28 (29). 6. λεπτύνει αὐτὰς ὡς τὸν μύσχον τὸν Διβανον (1 β)  
 Mi. 4. 13. καὶ κατατήξεις [Α. λεπτύνεις] λαοὺς πολλοὺς (1 β)  
 Is. 41. 15. λεπτύνεις βουνοὺς (1 α)  
 Je. 31 (48). 12. τὰ σκευὴ αὐτοῦ λεπτύνουσι (1 α)  
 Da. Th. 2. 34. καὶ ἐλέπτυνε αὐτοὺς εἰς τέλος (1 δ)  
 — 35. τότε ἐλεπτήθησαν εἰσάγε (1 α)  
 — 40. ὃν τρόπον ὁ σιδήρος λεπτύνει (1 δ)  
 — 40. οὕτως πάντα λεπτύνει (1 δ)  
 — 44. λεπτύνει καὶ λιμῆσει πᾶσας τὰς βασ. (1 δ)  
 — 45. καὶ ἐλέπτυνε τὸ δόρακον (1 δ)  
 6. 24 (25). πάντα τὰ δὲ αὐτῶν ἐλέπτυναν (1 δ)  
 7. 19. ἐσθλὸν καὶ λεπτύνει (1 δ)  
 [Σμ. Is. 28. 28.]  
 [Th. Is. 28. 28: Da. 2. 45.]  
 λεπυρον. (1) Ρ<sup>2</sup> pi.  
 Ca. 4. 3. ὡς λεπυρον ῥοὰς μῆλον σου (1)  
 6. 6 (7). ὡς λεπυρον τῆς ῥοὰς μῆλον σου (1)  
 λεσχη. (1) Π<sup>1</sup> pi.  
 Pr. 23. 29. τίνι δὲ ἀρδίαι καὶ λεσχαί (1)  
 λευιαθάν.  
 [Α. q. Ez. 32. 2.]  
 λευκαθίζειν (?). (1) Π<sup>1</sup> pi.  
 Le. 13. 39. Β. αὐγάζοντα λευκαθίζοντα [Α. Β. λευκαθ.] (1)  
 Ca. 8. 15. Β. τίς αὐτῇ ἡ ἀναβαίνουσα λελευκαθισμένη [Α. Β. Β. -καθ.] (1)  
 λευκαίνειν. (1) Α. Π<sup>1</sup> hi. δ. Π<sup>1</sup> pi.  
 Ps. 13. 19. οὐλὴ λευκὴ ἡ τηλαυγὴ λευκαίνουσα (1 β)  
 Ps. 50 (51). 7. ὑπὲρ χιόνα λευκαθήσεται (1 α)  
 J. 1. 7. ἔλευκε τὰ κλήματα αὐτῆς (1 α)  
 Is. 1. 18. ὡς χιόνα λευκανῶ (1 α)  
 — 18. ὡς ἔριον λευκανῶ (1 α)  
 λευκανθίζειν. (1) Π<sup>1</sup> pi.  
 Le. 13. 38. αὐγάσματα αὐγάζοντα λευκανθίζοντα (1)  
 — 39. Β. αὐγάζοντα λευκανθίζοντα [Α. Β. λευκαθ.] (1)  
 Ca. 8. 5. Α. Β. τίς αὐτῇ ἡ ἀναβαίνουσα λελευκανθισμένη [Β. -καθ.] (1)  
 λεύκη. (1) Π<sup>1</sup> pi.  
 Ho. 4. 13. ἔθνον ὑποκάτω θνύος κ. λεύκης (1)  
 Is. 41. 19. θήσω εἰς τὴν ἀνδρὸν γῆν . . . κυπάρισσον καὶ λεύκη (1)  
 [Α. q. Ho. 4. 13.]  
 λευκόπους.  
 [Σμ. Ge. 30. 35.]

λευκός. (1) Π<sup>1</sup> pi. (2) Π<sup>1</sup> pi. (3) Π<sup>1</sup> pi. (4) Π<sup>1</sup> pi.  
 (5) Π<sup>1</sup> pi. (6) Π<sup>1</sup> pi. (7) Π<sup>1</sup> pi.  
 Ge. 30. 32. Α. διάρσαντον καὶ λ. [Β. αλ.] (5)  
 — 35. Α. ὁ ἦν λευκὸν ἐν αὐτοῖς [Β. αλ.] (3)  
 — 35. Β. ὁ ἦν λευκὸν ἐν αὐτοῖς [Α. αλ.] (1)  
 — 37. ἐλέγισεν αὐτὰς ἰ. λεπίσματα λ. (3)  
 — 37. ἐφαινότο ἐπὶ ταῖς ῥάβδους τὸ λ. (3)  
 31. 8. τὰ λ. ἐστὰς σου μισθός (6)  
 — 8. τέξεται πάντα τὰ πρόβατα λευκά (6)  
 49. 12. λευκοὶ οἱ ὀδόντες αὐτοῦ ἡ γάλα (3)  
 Ex. 16. 14. ἰδοὺ . . . λεπτὸν ὥσει κόριον λευκὸν (1 α)  
 — 31. ἦν δὲ ὥσει σπέρμα κορίου λευκὸν (3)  
 Le. 13. 3. καὶ ἡ θριεὶ ἐν τῇ ἀφ' ἧς μεταβίβη λευκὴ (3)  
 — 4. τηλαυγὴς λευκὴ ἦν ἐν τῷ δέρματι (3)  
 — 4. ἡ θριεὶ αὐτοῦ οὐ μετέβιβε τρίχα λ. (3)  
 — 10. ἰδοὺ οὐλὴ λευκὴ ἐν τῷ δέρματι (3)  
 — 10. καὶ αὐτῇ μετέβιβε τρίχα λευκὴν (3)  
 — 13. σὺ πᾶν μετέβιβε λευκὸν (3)  
 — 16. καὶ μεταβίβη λευκὴ (3)  
 — 17. μετέβιβε ἡ ἀφ' ἧς εἰς τὸ λ. (3)  
 — 19. γένηται ἐν τῷ τόπῳ τοῦ ἔλκου οὐλὴ λ. (3)  
 — 20. ἡ θριεὶ αὐτῆς μετέβιβε εἰς λευκὴν (3)  
 — 21. οὐκ ἐστὶν ἐν αὐτῷ θριεὶ λ. (3)  
 — 24. γένηται . . . αὐγάς (3)  
 — 25. μετέβιβε θριεὶ λ. εἰς τὸ δέρματι (3)  
 — 26. οὐκ ἐστὶν ἐν τῷ αὐγάσῳ θριεὶ λ. (3)  
 — 42. ἡ ἐν τῷ ἀναφανένῳ αὐτῷ ἀφ' ἧς λ. (3)  
 — 43. ἡ ὄψις τῆς ἀφῆς λευκὴ ἡ πυρρίουσα (3)  
 Ec. 9. 8. ἐστῶσαν ἱματὶ σου λευκά (3)  
 Ca. 5. 10. ἀδελφίδος μου λευκὸς καὶ πυρρός (7)  
 Za. 1. 8. ἴπποι . . . φαρὶ καὶ ποικιλίαι καὶ λ. (3)  
 6. 3. ἐν τῷ δέρματι τῷ τρίτῳ ἴπποι λ. (3)  
 — 6. οἱ λ. ἐξεπορεύοντο κατόπισθεν αὐτῶν (3)  
 Da. LXX. 7. 9. ὥσει ἔριον λευκὸν καθαρὸν (4)  
 Da. Th. 7. 9. τὸ ἐνδύμα αὐτοῦ ὥσει χιών λευκὸν (2)  
 II Ma. 11. 8. ἐφάνη . . . ἐν λευκῇ ἰσθίῳ  
 [Α. q. Sm., Th. L. E. 13. 4.]  
 [Α. L. E. 24. 10: L. E. 6. 10 (3) bis: 13. 30: 16. 4 bis, 23.]  
 λευκότης.  
 Si. 48. 18. κάλλος λευκότητος αὐτῆς ἐκθαυμάσει ὀφθαλμοί  
 λεύκωμα.  
 To. 2. 10. Β. ἐγενήθη λευκώματα [Β. αλ.] (1)  
 — 10. Β. ἐγενήθη λευκώματα οἱ ὀφθ. μου τοῖς λ. (1)  
 3. 17. τοῦ Ἰωβὶτ λεπίσαι τὰ λ. [Β. αλ.] (1)  
 6. 8. ἐγγίξαι ἀνθρώπων ὅς ἐχει λευκώματα [Α. -μα, Β. αλ.] (1)  
 — 8. Β. ἐμφύσῃ ἐπ' αὐτοὺς ἐπὶ τῶν λ. (1)  
 11. 8. ἀποβαλεῖται [Β. -λεπίσαι] τὰ λ. (1)  
 — 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν καθῶν τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ τὰ λ. [Β. αλ.] (1)  
 [Α. q. Sm., Th., L. E. 21. 20.]  
 λεχός, λοχός.  
 Ep. Je. 29. τῶν θυσιῶν αὐτῶν ἀποκαθμένη καὶ λεχός [? -ω, Α. Β<sup>2</sup> λοχός, Β<sup>2</sup> λοχός] ἀπ-  
 νοται  
 λέων. (1) Α. Π<sup>1</sup> pi. δ. Π<sup>1</sup> pi. (2) Π<sup>1</sup> pi.  
 (3) Α. Π<sup>1</sup> pi. δ. Π<sup>1</sup> pi. (4) Π<sup>1</sup> pi. (5) Π<sup>1</sup> pi.  
 λέοντος Α. Π<sup>1</sup> pi. δ. Π<sup>1</sup> pi.  
 Ge. 49. 9. σκύμος λέοντος Ἰούδα (1 β)  
 — 9. ἀναπεσὼν ἐκοιμήθη ὡς λέων (1 β)  
 Nu. 23. 24. ὡς λέων γαυριυθήσεται (1 α)  
 — 24. 9. ἀνεπαύσατο ὡς λέων (1 α)  
 De. 33. 20. ὡς λέων ἀνεπαύσατο (3 α)  
 — 22. Δὲν σκύμος λέοντος (1 β)  
 Jd. 14. 5. σκύμος λέοντος [Α. -ων] ὠρνούμενος (1 α)  
 — 8. ἰδεῖν τὸ πᾶμα τοῦ λ. (1 β)  
 — 8. ἐν τῷ στόματι τοῦ λ. (1 β)  
 — 9. ἀπὸ στόματος τοῦ λ. ἐξῆλθε τὸ μέλι (1 β)  
 — 18. τί ἰσχυρότερον λέοντος (1 α)  
 I Ki. 17. 34. ὅταν ἤρχετο ὁ λ. (1 α)  
 — 36. τὸν λ. . . ἐτυπεν (1 α)  
 — 37. ὅς ἐξῆλθον με ἐκ χειρὸς τοῦ λ. (1 α)  
 II Ki. 1. 23. ὑπὲρ λέοντος ἐκραταιώθησαν (1 α)  
 17. 10. καθὼς ἡ καρδία τοῦ λ. (1 β)  
 23. 20. ἐπάταξε τὸν λ. (1 α, 1 β\*)  
 III Ki. 7. 29. λέοντες καὶ βόες καὶ χερ. (1 α)  
 — 29. ὑποκάτωθεν τῶν λ. . . χερ. (1 α)  
 — 36. χερ. καὶ λέοντες καὶ φοίνικες (1 α)

III Ki. 10. 19. καὶ δύο λέοντες ἐστηκότες [A. cm.] (1 a)  
 — 20. B καὶ δώδεκα λέοντες (1 a)  
 13. 24. εὐρεν αὐτὸν λέων ἐν τῇ ὁδῷ (1 b)  
 — 24. B ὁ λ. εἰστέκει (1 b)  
 — 25. ὁ λ. εἰστέκει ἐχόμενα τοῦ θησιμαίου (1 b)  
 — 26. Δ ἔδωκεν αὐτὸν ὁ κύριος τῷ λ. (1 b)  
 — 28. ὁ δὸς καὶ ὁ λ. εἰστέκεισαν (1 b)  
 — 28. οὐκ ἔφαγεν ὁ λ. τὸ σῶμα (1 b)  
 21 (20). 36. πατάζει σε λέων (1 b)  
 — 36. εὐρίσκει αὐτὸν λέων (1 b)  
 IV Ki. 17. 25. ἀπέστειλε κύριος ἐν αὐτοῖς τοὺς λ. (1 a)  
 — 26. ἀπέστειλεν εἰς αὐτοὺς τοὺς λ. (1 a)  
 I Ch. 11. 22. ἐπάταξε τὸν λ. ἐν τῷ λίκκι (1 a)  
 12. 8. καὶ πρόσωπον λέοντος πρόσωπα αὐτῶν (1 b)  
 II Ch. 9. 18. καὶ δύο λέοντες ἐστηκότες (1 a)  
 — 19. καὶ δώδεκα λ. ἐστηκότες ἐκεῖ (1 a)  
 I Es. 4. 24. τὸν λ. θεωρεῖ (1 a)  
 Es. 4. 17. δὸς λόγον εὐρυθρον . . . ἐνώπιον τοῦ λ. (1 a)  
 Jb. 4. 10. σθένος λέοντος φωνῇ δὲ λαλήσει (1 b)  
 — 11. σκύμιο δὲ λέοντων ἔλιπον ἀλλήλους (3 a)  
 6. 7. βρόμον γὰρ ὡς τὰ σῖτά μου ὥσπερ ὁ σμῆν λέοντες (1 a)  
 10. 16. ἀγρεύομαι γὰρ ὥσπερ λέων εἰς σφαγὴν (4)  
 28. 8. οὐ παρήλθεν ἐπ' αὐτῆς λέων (4)  
 38. 39. θηρεύσεις δι' λέουσι βοράν (3 a)  
 Ps. 7. 2. μὴ ποτε ἀρπάξῃ ὡς λέων τὴν ψυχὴν μου (1 b)  
 9. 30 (10. 9). B B ὡς λέων ἐν τῇ μάνδρᾳ αὐτοῦ (1 b)  
 16 (17). 12. ὥσπερ λέων ἐτοιμος εἰς θήραν (1 b)  
 21 (22). 13. ὡς λέων ὁ ἀρπάξων καὶ ὠρυόμενος (1 b)  
 — 21. σῶσάν με ἐκ στόματος λέοντος (1 b)  
 34 (35). 17. ἀπὸ λέοντων τὴν μονογενὴ μου (2)  
 57 (58). 6. τὰς μύλας τῶν λ. συνέθλασεν κύριος (2)  
 90 (91). 13. καταποτῖσαι λέοντα καὶ δράκοντα (2)  
 Pr. 19. 12. βασιλεὺς ἀπειλὴ ὁμοία βρυγμῇ λέοντος (2)  
 20. 2. οὐ διαφέρει ἀπειλὴ βασιλέως θυμοῦ λέοντος (2)  
 22. 13. λέων ἐν ταῖς ὁδοῖς (1 a)  
 24. 65 (30. 30). σκύμνος λέοντος ἰσχυρότερος κτηνῶν (5 b)  
 26. 13. λέων ἐν ταῖς ὁδοῖς (4)  
 28. 1. δικαίος δὲ ὥσπερ λέων πέποιθε (2)  
 — 15. λέων πεινῶν καὶ λίκος διψῶν (1 a)  
 Ec. 9. 4. ὁ κύων ὁ ζῶν αὐτὸς ἀγαθὸς ὑπὲρ τὸν λ. τὸν νεκρὸν (1 b)  
 Ca. 4. 8. ἀπὸ μυνδρῶν λέοντων (1 a)  
 Wi. 11. 17. ἐπιτέμνῃ αὐτοῖς . . . θρασεῖς λέοντας (1 a)  
 Si. 4. 30. μὴ ἰσθὶ ὡς λέων ἐν τῷ οἴκῳ σου (1 a)  
 19. κυνὴγα λέοντων θανατοῖ ἐν ἐρήμῳ (1 a)  
 21. 2. ὁδόντες λέοντες οὐ ὁδόντες αὐτῆς (1 a)  
 25. 16. συνοικισαὶ λέοντι καὶ δράκοντι (1 a)  
 27. 10. Δ B B λέων θήραν [B θήραν] ἐνεδρεύει (1 a)  
 — 28. ἡ ἐκδικίσις ὡς λέων ἐνεδρεύει αὐτὸν (1 a)  
 28. 23. ἐξαποσταλήσεται ἐπ' αὐτοῖς ὡς λέων (1 a)  
 40. 5. λ. ἐγὼ εἶμι . . . ὡς λέων τῷ οἴκῳ 'Ιούδα (2)  
 11. 10. ὡς λέων ἐρύσσεται (1 b)  
 Am. 3. 4. εἰ ἐρύσσεται λέων ἐκ τοῦ θρυμοῦ αὐτοῦ (1 b)  
 — 8. λέων ἐρύσσεται (1 b)  
 — 12. ἐκσπύσῃ ὁ ποιμὴν ἐκ στόματος τοῦ λ. (1 a)  
 5. 19. εἰς φύγῃ ἀνθρ. ἐκ προσώπου τοῦ λ. (1 a)  
 Mi. 5. 8 (7). ἔσται τὸ ὑπόλειμμα 'Ι. . . ὡς λέων ἐν κτήσιν (1 b)  
 J1. 1. 6. οἱ ὁδόντες αὐτοῦ ὁδόντες λέοντος (1 b)  
 Na. 2. 11 (12). ποῦ ἐστὶ τὸ κατοικητήριον τῶν λ. (1 a)  
 — 11 (12). ποῦ ἐπορεύθη λέων τοῦ εἰσελθεῖν ἐκεῖ σκύμνος [A B<sup>2</sup>-os] λέοντος (1 b, 1 b)  
 — 12 (13). λέων ἤρπασε τὰ ἱκανὰ τοῖς σκύμνοις (1 b)  
 — 12 (13). καὶ ἀπέκρινε τοῖς λ. αὐτοῦ (8 b)  
 — 13 (14). τοὺς λ. σου καταφάγεται ῥομφαία (2)  
 Ze. 3. 3. οἱ ἄρχοντες αὐτῆς . . . ὡς λέοντες ὠρυόμενοι (1 a)  
 Za. 11. 3. φωνῇ ὠρυόμενων λέοντων (2)  
 Is. 5. 29. ὠρυάσιν ὡς λέοντες καὶ παρόστηκαν ὡς σκύμνοι λέοντος [A B al.] (3 a, 5 a)  
 11. 6. ταῦρος καὶ λέων ἅμα βοσκηθήσονται (2)  
 — 7. λέων ὡς [A B] βοῖς φάγονται ἀχυρά (1 b)  
 30. 6. λέων καὶ σκύμνος λέοντος (3 a, 5 b)  
 31. 4. ὃν τρώπον βοῖσσι ὁ [A. om.] λ. (1 b)  
 35. 9. οὐκ ἐστὶ ἐκεῖ λ. (1 b)  
 38. 13. παρεδόθην εὖς πρῶτ' ὡς λέοντι (1 a)  
 65. 25. λ. ὡς βοῖς φάγεται ἀχυρά (1 b)

Je. 2. 15. ἐπ' αὐτὸν ὠρύοντο λέοντες [B<sup>1</sup> λέγ.] (2)  
 — 30. κατέφαγε τοὺς προφῆτας ἡμῶν ὡς λ. [B<sup>1</sup> om.] ὁλεθρευαν (1 b)  
 4. 7. ἀνέβη λ. ἐκ τῆς μάνδρας αὐτοῦ (1 b)  
 5. 6. ἔπαισαν αὐτοὺς λ. ἐκ τοῦ θρυμοῦ (1 b)  
 12. 8. ἐγενήθη . . . ὡς λ. ἐν θρυμῷ (1 b)  
 27 (50). 17. λέοντες [B<sup>1</sup> λέγ.] ἔξωσαν αὐτὸν (1 a)  
 — 44. ὥσπερ λ. ἀναβήσεται ἀπὸ τοῦ 'Ιορδάνου (1 b)  
 28 (51). 38. ἅμα ὡς λέοντες ἐξηγμῆθησαν καὶ ὡς σκύμνοι λέοντων (2, 1 a)  
 29 (49). 19. ὥσπερ λ. ἀναβήσεται ἐκ μέσου τοῦ 'Ιορδάνου (1 b)  
 32 (25). 38. ἐγκατέλιπεν ὥσπερ λ. κατὰ λυμὰ αὐτοῦ (2)  
 La. 3. 10. αὐτὸς μοι λ. ἐν κρυφαίοις (1 b\*, 1 a)  
 Ez. 1. 10. πρόσωπον λέοντος ἐκ δεξιῶν τοῖς τέσσαρσι (1 b)  
 10. 14. Δ τὸ πρόσωπον τοῦ τρίτου πρόσωπον λέοντος (1 b)  
 19. 2. τί ἡ μήτηρ σου σκύμνος ἐν μέσῳ λεόντων ἐγενήθη ἐν μέσῳ λεόντων ἐπλήθυσε σκύμνος αὐ. (1 a, 2)  
 — 3. λ. ἐγένετο (2)  
 — 5. λέοντα ἔταξεν αὐτὸν (2)  
 — 6. ἀκαστρίφето ἐν μέσῳ λεόντων λ. ἐγένετο (1 a)  
 22. 25. οἱ ἀφῆγούμην ἐν μέσῳ αὐτῆς ὡς λέοντες ὠρυόμενοι [A ἐρευνῶν.] (1 a)  
 32. 2. λέοντι ἐθῶν ὁμοιωθῆς σὺ (2)  
 41. 19. πρόσωπον λέοντος πρὸς τὸν φοῖνικα (2)  
 Da. LXX. 4. 31. ἐγένοντο . . . οἱ ὄνυχες μου ὡς λέοντος (1 a)  
 6. 5 (6). ἴνα . . . ῥιφῇ εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 7 (8), 12 (13). ῥιφῆσεται εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 14 (17). εἶπεν ῥιφῆναι τὸν Δ. εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 16 (17). αὐτὸς ἐξελεύεται ἐκ χειρὸς τῶν λ. (1 b)  
 — 17 (18). Δ. ἐρρίφη εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 18 (19). ἀπέκλεισε τὰ στόματα τῶν λ. (1 b)  
 — 19 (20). ἔσθη ἐπὶ τοῦ στόματος τοῦ λάκκου τῶν λ. (1 b)  
 — 20 (21). σίσσασκε σε ἀπὸ τῶν λ. (1 b)  
 — 22 (23). σέσωκέ με ὁ θεὸς ἀπὸ τῶν λ. (1 b)  
 — 22 (23). ἐρρίψαν με εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 23 (24). οὐ παρηνέχθησαν αὐτῷ οἱ λ. (1 b)  
 — 24 (25). ἐρρίφθησαν τοῖς λ. (1 b)  
 — 24 (25). καὶ οἱ λ. ἀπέκτενον αὐτοῦ (1 b)  
 Bel 31. ἦν δὲ λάκκος ἐν ᾧ ἐτρέφοντο λέοντες ἐπὶ — 33. ἀπένεγκε Δ. εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 Da. TH. 4. 30. αἱ τριχες αὐτοῦ ὡς λεόντων ἐμεγαλύνθησαν (1 b)  
 6. 7 (8), 12 (13). ἐμβλήσθησεται εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 16 (17). ἐνέβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 18 (19). ἐκλείσεν ὁ θεὸς τὰ στόματα τῶν λ. (1 b)  
 — 19 (20). ἤλθεν ἐπὶ τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 20 (21). ἐξελεύσθαι σε ἐκ στόματος τῶν λ. (1 b)  
 — 22 (23). ἐνέφρασε τὰ στόματα τῶν λ. (1 b)  
 — 24 (25). εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. ἐνεβλήθησαν (1 b)  
 — 24 (25). ἐκυρίευσαν αὐτῶν οἱ λ. (1 b)  
 — 27 (28). ἐξεῖλκε τὸν Δ. ἐκ χειρὸς τῶν λ. (1 b)  
 Bel 31. ἐβαλον αὐτὸν εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 — 32. ἦσαν δὲ ἐν τῷ λάκκῳ ἐπὶ λέοντες (1 b)  
 — 34. ἀπένεγκε τὸν ἀριστον . . . εἰς τὸν λάκκον τῶν λ. (1 b)  
 I Ma. 2. 60. Δ B Δ . . . ἐρρίψθη ἐκ στόματος λεόντων [B -os] (1 a)  
 3. 4. ὁμοιωθῇ λέοντι ἐν τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (1 a)  
 III Ma. 6. 7. τὸν διαβολαῖς φθόνου λέουσι κατὰ γῆς ῥιφέντα (1 a)  
 IV Ma. 16. 3. οἱ περὶ Δ. λέοντες ἦσαν ἄγριοι (1 a)  
 — 20. Δ. ὁ δίκαιος εἰς λέοντας ἐβλήθη (1 a)  
 18. 13. ἐδόξαζε δὲ καὶ τὸν ἐν λάκκῳ λεόντων Δ. (1 a)  
 [Aq. GE. 49. 9: III Ki. 18. 26: Ps. 21 (22). 14: Is. 21. 8.] (1 a)  
 [Sm. GE. 49. 9: Jb. 4. 11: Ps. 21 (22). 14: 56 (57). 5: Ec. 9. 4.] (1 a)  
 [Th. III Ki. 18. 26: Is. 28. 13: Ez. 10. 14: Da. 6. 18: Mt. 1. 8.] (1 a)  
 [Heb. Jb. 10. 16.] (1 a)  
 λεωπετρία (λεωπ.). (1) ὡς π. π. π. (1 a)  
 Ez. 24. 7. ἐπὶ λεωπετρίαν τέταχα αὐτὸ (1 a)  
 — 8. δέδοκα τὸ αἷμα αὐτῆς ἐπὶ λεωπετρίαν (1 a)  
 26. 4. δῶσω αὐτῇ [A σε] εἰς λεωπετρίαν (1 a)  
 — 14. δῶσω σε [A add. eis] λεωπετρίαν (1 a)

## λεωπετρίανδε.

[Aq. Ps. 67 (68). 7.]

## λήγειν.

II Ma. 9. 7. ὁ δ' οὐδαμῶς τῆς ἀγερωχίας ἔληγεν (1 a)  
 — 11. B ἤρξατο . . . λῆγειν [A λῆγειν] ὑποθεθρανο- μνος (1 a)  
 — 18. οὐδαμῶς δὲ ληγόντων τῶν πόρων (1 a)  
 15. 24. οὗτος μὲν ἐν τοῖς τῶν λῆγεν (1 a)  
 III Ma. 3. 16. μηδέποτε ληγόντων τῆς ἀνοίας (1 a)  
 6. 16. τοῦ δὲ 'Ε. ληγόντος ἄρτι τῆς προσευχῆς (1 a)  
 λῆθη. (1) ὡς (2) π. π. (3) ποιεῖν λῆθην π. π.  
 Le. 5. 15. ψυχὴ ἡ ἀν. λάθη αὐτὸν λῆθη (1)  
 Nu. 6. 27. καὶ λῆθη λάθη τὸν ἀνδρα αὐτῆς (1)  
 De. 8. 19. εἰς λῆθη ἐπιλάβη κ. τοῦ θεοῦ σου (2)  
 Jb. 7. 21. διὰ τί οὐκ ἐποίησεν τῆς ἀνομίας [A ἀμαρτίας] μου λῆθη (3)  
 Wi. 16. 11. εἰς βαθεῖαν ἐμπεσόντες λῆθη (1)  
 17. 3. ἀφῆγναι λῆθης παρακαλύμματι ἐσκορπίσθησαν (1)  
 Si. 14. 7. κἂν εὐ ποιῇ ἐν λῆθῃ ποιεῖ (1)  
 III Ma. 5. 28. τῶν πρὶν αὐτῷ μεμνηγανμένων λῆθη (1)  
 6. 20. λῆθη τὸ θράσος αὐτοῦ τὸ βαρύθυμον ἔλιβε (1)  
 IV Ma. 1. 5. λῆθης καὶ ἀνοίας οὐ δεσποῦνται (1)  
 2. 24. A B λῆθης καὶ ἀνοίας οὐ κρατεῖ (1)  
 ληκῶν. [Aq. III Ki. 17. 12.] (1 a)  
 λῆμμα. (1) α. π. π. β. π. π. γ. π. π. (2) π. π. π.  
 II Ki. 14. 7. Δ ὥστε μὴ θέσθαι . . . ὄνομα καὶ λῆμμα [B κατάλειμμα κ. δ.] (2)  
 IV Ki. 9. 25. ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ λ. [A ῥῆμα] τοῦτο (1 a)  
 19. 4. B λῆψῃ προσευχὴν περὶ τοῦ λ. [A B λείμ.] τοῦ εὐρισκοῦ (2)  
 Jb. 31. 23. ἀπὸ τοῦ λ. αὐτοῦ οὐχ ὑπόσω (1 b)  
 Na. 1. 1. λῆμμα N. βιβλίον ὁράσεως N. (1 a)  
 Hb. 1. 1. τὸ λ. ὁ εἶδεν 'Αμ. ὁ προφήτης (1 a)  
 — 7. τὸ λ. αὐτοῦ ἐξ αὐτοῦ ἐξελεύσεται (1 b)  
 Hg. 2. 15 (14). μανθηθήσεται ἐνεκεν τῶν λ. αὐ. τῶν ὁρθινῶν (1 a)  
 Za. 9. 1. λῆμμα λόγου κ. ἐν γῇ Σ. καὶ Δ. (1 a)  
 12. 1. Ma. 1. 1. λῆμμα λόγου κ. ἐπὶ τὸν 'Ισ. (1 a)  
 Jc. 23. 33. τί τὸ λ. κυρίου . . . ὑμεῖς ἐστε τὸ λ. [B<sup>1</sup> ῥῆμα] (1 a, 1 a)  
 — 34. οἱ ἀν. εἰπώσι, Δ. κυρίου (1 a)  
 — 36. λ. κυρίου μὴ ὀνομάζετε ἔτι ὅτι τὸ λ. [A ὅτι λ. κυρίου] τῷ ἀνθρώπῳ ἔσται ὁ λόγος αὐ. (1 a, 1 a)  
 — 38. λῆμμα κυρίου . . . οὐκ ἐρεῖτε, Δ. κυρίου (1 a, 1 a)  
 La. 2. 14. εἰδοσάν σοι λήματα μάταια (1 c)  
 [Aq. Pr. 31. 1: Jc. 28. 39: Ez. 24. 25.] (1 a)  
 [Sm. Pr. 26. 26: 31. 1: Is. 15. 1: 17. 1: 19. 1: 21. 13: 22. 1: 23. 1: 30. 6: Jc. 28. 33: 39: 40 (47): 5: Ez. 12. 10: 20. 31: Hb. 1. 1: Ma. 1. 1.] (1 a)  
 [Th. Jb. 31. 23: Pr. 31. 1: Is. 15. 1: 17. 1: 19. 1: 21. 13: 22. 1: 23. 1: 30. 6, 27: Jc. 28. 33, 38: Ez. 20. 40: Hb. 1. 1: Ma. 1. 1.] (1 a)  
 ληνός. (1) α. π. π. β. π. π. (2) π. π. (3) π. π.  
 (4) π. π. π. (5) π. π. π.  
 Ge. 30. 38. B τοῖς [A ταῖς] λ. τῶν ποιστηρίων (5)  
 — 41. B τὰς βάβλους . . . ἐν τοῖς [A ταῖς] λ. (5)  
 Ex. 22. 29 (28). ἀπαρχὰς ἄλλωνος καὶ ληνοῦ σου (2)  
 Nu. 18. 27. ὡς . . . ἀφαίρεμα ἀπὸ ληνοῦ (3)  
 — 30. ὡς γέννημα ἀπὸ ληνοῦ (3)  
 De. 15. 14. A ἀπὸ τοῦ σίτου σου καὶ ἀπὸ τῆς λ. [B τοῦ οἴνου] σου (3)  
 16. 13. ἐν τῷ συναγωγῇ σε . . . ἀπὸ τῆς λ. σου (3)  
 Jd. 6. 11. ῥαβδίζων σίτον ἐν ληνῷ [A al.] (1 a)  
 IV Ki. 6. 27. μὴ ἀπὸ ἄλλωνος ἢ ἀπὸ ληνοῦ [A τῆς λ.] (3)  
 Ne. 13. 15. εἶδον ἐν 'Ι. πατούντας ληνούς (1 a)  
 Ps. 8. τίς. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν λ. (1 b)  
 80 (81). τίς. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν λ. [A ἀλ- λωισθησόμενους] (1 b)  
 83 (84). τίς. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν λ. (1 b)  
 Pr. 3. 10. οἶνον δὲ αἶ λ. σου ἐκβλύσων (3)  
 Si. 30. 25 (33. 16). ὡς τρυγὸν ἐπληρώσα ληνόν (3)  
 Ho. 9. 2. ἄλων καὶ ληνός οὐκ ἔργον αὐτοῦ (3)

- J1. 1. 17. κατεσκάφησαν ληνοί (4)  
 2. 24. ὑπερχυθήσονται αἱ λ. οἴνου (3)  
 3 (4). 13. διότι πλήρης ἡ ληνός (1 a)  
 Is. 63. 2. τὰ ἐνδύματά σου ὡς ἀπὸ πατητοῦ ληνοῦ (1 a)  
 Je. 31 (48). 33. οἶνος ἦν ἐπὶ ληνοῖς σου (3)  
 La. 1. 15. ληνὸν ἐπάτησε κύριος (1 a)  
 [Aq. Ps. 83 (84). 1: Is. 63. 2.]  
 [Sm. Ps. 8. 1: 88 (84). 1: Is. 10. 33: 63. 3.]  
 [Th. Ps. 83 (84). 1: Is. 10. 33.]  
 λήξις.  
 Es. 3. 12. κατὰ τὴν αὐτὴν λέξιν [B<sup>2</sup> λήξιν] +  
 ληπτός.  
 [Th. Ez. 17. 5.]  
 λήρος.  
 IV Ma. 6. 10. ἀποσκεδάσεις τῶν λογισμῶν σου τὸν λ.  
 ληρώδης.  
 II Ma. 12. 44. B. περισσὸν ἂν ἦν καὶ ληρώδες ὑπὲρ  
 νεκρῶν προσευχεσθαι [A al.]  
 ληροτεύειν.  
 I Es. 4. 23. ἐκπορεύεται ἐξοδεύειν καὶ λ.  
 [Quint. Ho. 7. 1.]  
 ληστήριον. (1) לַחֲשִׁי (1)  
 II Ch. 22. 1. τὸ λ. τὸ ἐπελθὼν ἐπ' αὐτοῖς (1)  
 36. 5. ἀπέστειλε . . . ληστήρια Σ. [A om. λ. Σ.]  
 [Sm. Ho. 7. 1.]  
 ληστής. (1) לַחֲשִׁי (2) לַחֲשִׁי (3) לַחֲשִׁי  
 Si. 38. 31 (28). τίς γὰρ πιστεύσει εὐνόῳ ληστῇ  
 Ho. 7. 1. ἐκδιδύσκων ληστής ἐν τῇ ὁδῷ αὐτοῦ (1)  
 Ob. 1. 5. εἰ κλέπτει εἰσῆλθον . . . ἡ λησταὶ νυκτός (3)  
 Je. 7. 11. μὴ σπῆλαιον ληστῶν ὁ οἶκος μου (2)  
 12. 9. A μὴ σπῆλαιον ληστῶν [B S ὑαίνης] ἡ  
 κληρονομία μου ἐμοί +  
 18. 22. ἐπάξει ἐπ' αὐτοὺς ληστὰς ἄφνω (1)  
 Ep. Je. 15. αὐτὸν δὲ ἐκ πολέμου καὶ ληστῶν οὐκ  
 ἐξελεύεται  
 — 18. ὅπως ὑπὸ τῶν λ. μὴ συληθῶσι  
 — 57. οὕτε ἀπὸ ληστῶν οὐ μὴ διασωθῶσι θεοὶ  
 ἔθνη  
 Ez. 22. 9. A B ἄνδρες λησταί [B om.] ἦσαν +  
 [Th. Ho. 7. 1.]  
 [Al. Je. 12. 9.]  
 ληστρικός.  
 [Quint. Ho. 6. 9.]  
 ληστρίς.  
 [Sm. Ps. 136 (137). 8.]  
 λήψις. (1) לָקַח (2) לָקַח (3) לָקַח  
 Pr. 15. 27. ὁ δὲ μῶσιν δῶρων λήψις σώζεται (1)  
 — 29 (16. 8). κρείσσων ὀλίγη λήψις μετὰ  
 δικαιοσύνης -  
 Si. 41. 19. ἀπὸ σκορακισμού λήψεως καὶ δόσεως  
 42. 7. δόσις καὶ λήψις παντὶ [A B πάντα] ἐν γραφῇ  
 [Aq. Pr. 16. 23: Is. 29. 24.]  
 [Th. Is. 49. 24.]  
 [Th. Ge. 2. 23.]  
 λῆαν. (1) לָקַח (2) לָקַח (3) σφόδρα  
 λ. λῆαν.  
 Ge. 1. 31. καὶ ἰδοὺ καλὰ λ. (1)  
 4. 5. B ἐλυτήθη K. [A ἐλύπησεν τὸν K.] λ. (1)  
 I Ki. 11. 15. εὐφράνθη Σαμ. . . ὥστε [A ἔως  
 τε] λ. (1)  
 II Ki. 2. 17. ἐγένετο ὁ πόλεμος σκληρὸς ὥστε λ. (1)  
 III Ki. 8. 4. A αὐτὴ ὑψηλοτάτη καὶ μεγάλη λ. +  
 [B al.]  
 I Es. 1. 30. ἠσθίεσσα γὰρ λ.  
 To. 6. 12. τὸ κοράσιον . . . καλὸν λ. [A B al.]  
 — 17. B λῆαν ἠγάπησεν αὐτὴν [A B al.]  
 9. 4. ὀδυνήθησεται [B λυπήσων αὐτὸν] λ.  
 10. 3. ἐλυπείτο λ. [S al.]  
 Jb. 29. 5. ὅτε ἤμην ὑλῶδης λ. +  
 81. 31. λ. μου χρηστοῦ ὄντος -  
 Ps. 138 (139). 7. ἐμοὶ δὲ λ. ἐτιμήθησαν οἱ  
 φίλοι σου, ὁ θ., λ. ἐκραταιώθησαν  
 αἱ ἀργαὶ αὐτῶν (2, 2)  
 Je. 24. 3. σῦκα τὰ χρηστὰ χρηστὰ λ. καὶ τὰ  
 ποιηρὰ ποιηρὰ λ. (1, 1)  
 Je. 30 (49). 30. λ. ἐμβαθύνεται εἰς κάθισιν (1)  
 31 (48). 29. ὕβρισε λ. [A σφόδρα καὶ] ὕβριν  
 αὐτοῦ (1)  
 Da. LXX. 11. 25. ἐν δ' ἄλλω ἰσχυρῶ σφόδρα λῆαν (8)  
 Da. TH. Bel 28. ἠγανάκτησαν λῆαν καὶ συνστρά-  
 φησαν  
 II Ma. 11. 1. λῆαν βαρέως φέρων ἐπὶ τοῖς γεγονόσι  
 IV Ma. 8. 17. δ. τάλανες ἡμεῖς καὶ λῆαν ἀνόητοι  
 λίβανος. (1) לִבְנוֹת, לִבְנוֹת  
 Ex. 30. 34. στακτήν . . . καὶ λίβανον διαφανῇ (1)  
 Le. 2. 1. καὶ ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ λίβανον (1)  
 — 2. θραξάμενος . . . πάντα τὸν λ. αὐτῆς (1)  
 — 4. A B θυσίαν πεπεμένην ἐκ λίβανου [B κλιβ.] +  
 — 15. καὶ ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὴν λίβανον (1)  
 — 16. ἀνοίσει . . . πάντα τὸν λ. αὐτῆς (1)  
 5. 11. οὐκ ἐπιχειρεῖ ἐπ' αὐτὸ ἐλαιον [B<sup>1</sup> λίβανον] +  
 — 11. οὐδὲ ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ λίβανον (1)  
 6. 15 (8). τῆς θυσίας . . . σὺν τῷ λ. αὐτῆς (1)  
 24. 7. ἐπιθήσετε . . . λ. καθαρόν (1)  
 Nu. 5. 15. οὐδὲ ἐπιθήσει ἐπ' αὐτὸ λίβανον (1)  
 Ne. 13. 5. A B<sup>2</sup> B R διδόντες τὸν λ. (1)  
 — 9. ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὸν λ. (1)  
 Ca. 3. 6. τεθυμαμένην σμύρναν καὶ λίβανον (1)  
 4. 6. πορεύσομαι ἐμάνθ . . . πρὸς τὸν βουνὸν  
 τοῦ λ. (1)  
 — 11. ὁσμὴ ἱματίων σου ὡς ὁσμὴ λίβανου +  
 Si. 24. 15. ὡς λίβανον ἀτμίς ἐν σκερῇ  
 39. 14. ὡς λίβανος [B -on] εὐωδιάσατε ὁσμὴν  
 50. 9. ὡς πῦρ καὶ λίβανος ἐπὶ πυρίου  
 — 12. ὡς βλάστημα κείδου ἐν τῷ λ.  
 Is. 43. 23. οὐδὲ ἔγκοπον ἐποίησά σε ἐν λίβανῳ (1)  
 60. 6. λίβανον οἴσουσι (1)  
 66. 3. ὁ διδοὺς λίβανον εἰς μνημόσυνον (1)  
 Je. 6. 20. ἵνα τί μοι λίβανον ἐκ Σαβὰ φέρετε (1)  
 17. 26. φέροντες . . . μάννα καὶ λίβανον (1)  
 48 (41). 5. μάννα καὶ λ. ἐν χερσίν αὐτῶν (1)  
 Ba. 1. 10. ἀγοράσατε τοῦ ἀργυρίου . . . λίβανον  
 III Ma. 5. 10. τοῦ λίβανου μεμετωμένους  
 [Aq. Ca. 4. 6.]  
 [Sm. Je. 41 (48). 5.]  
 λίβανού.  
 III Ma. 5. 45. B πόμασιν οἴνου λελιβανωμένου [A  
 πόμασιν οἴνω λελιβανωμένῳ]  
 λίβανωτός. (1) לִבְנוֹת  
 I Ch. 9. 29. καὶ ἐπὶ . . . τοῦ λ. καὶ τῶν ἀρωμάτων (1)  
 III Ma. 5. 2. θαψύλλῃσι θράκεσι λίβανωτοῦ . . . ποτίσαι  
 [Aq. Je. 41 (48). 5.]  
 λίβας.  
 [Al. Ge. 49. 14.]  
 λιγνίειν (?), cf. λιγκῶν. (1) לִיגְנִי hi.  
 Am. 9. 9. ἐγὼ ἐντέλλομαι καὶ λιγκῶ [A λιγμῶ] (1)  
 λιγύριον. (1) לִיגְרִי  
 Ex. 28. 19. λ. ἀχάτης ἀμέθυστος (1)  
 38. 19 (39. 12). λ. καὶ ἀχάτης καὶ ἀμέθυστος (1)  
 Ez. 28. 13. ἐνδίδεσαι . . . λ. καὶ ἀχάτην -  
 λιθάξιν. (1) לִיגְרִי pi.  
 II Ki. 16. 6. λιθάξων ἐν [A om.] λίθοις τὸν Δ. (1)  
 — 13. καὶ λιθάξων ἐν λίθοις (1)  
 λιθέα.  
 [Aq. Ca. 5. 11.]  
 λιθία.  
 [Sext. Ca. 5. 11.]  
 λίθινος. (1) לִיגְרִי (2) לִיגְרִי  
 Ge. 35. 14. ἔστησεν . . . στήλην λ. (1)  
 Ex. 24. 12. καὶ δώσω σοι τὰ πεζιὰ τὰ λ. (1)  
 31. 18. πλάκας λ. γεγραμμένας τῷ δακτύλῳ (1)  
 32. 15. πλάκας λ. καταγεγραμμένας  
 84. 1. λάξευσον σενατῶ δύο πλάκας λ. (1)  
 — 4. καὶ ἐλάξευσε δύο πλάκας λ. (1)  
 — 4. ἐλαβε M. τὰς δύο πλάκας τὰς λ. (1)  
 De. 4. 13. ἔγραψεν αὐτὰ ἐπὶ δύο πλάκας λ. (1)  
 5. 22 (19). B<sup>1</sup> ἔγραψαν αὐτὰ ἐπὶ δύο πλάκας  
 [A B<sup>2</sup> B add. λ.] (1)  
 9. 9. λαβεῖν τὰς πλάκας τὰς λ. (1)  
 — 10. ἔδωκε μοι κύριος τὰς δύο πλάκας τὰς λ. (1)  
 — 11. ἔδωκε κ. ἐμοὶ τὰς δύο πλάκας τὰς λ. (1)  
 10. 1. λάξευσον σενατῶ δύο πλάκας λ. (1)  
 — 1. A ποιήσεις σενατῶ κιβωτὸν λ. [B ξυλίνην] +  
 De. 10. 3. ἐλάξευσα τὰς πλάκας λ. [A τὰς δύο  
 πλ. τὰς λ.] (1)  
 III Ki. 8. 9. οὐκ ἦν ἐν τῇ κιβωτῇ πλὴν δύο  
 πλάκας λ. (1)  
 IV Ki. 16. 17. ἔδωκεν αὐτὴν ἐπὶ βάσιν λ. (1)  
 I Es. 6. 25. διὰ δόμων λ. ξυστῶν τριῶν  
 II Es. 6. 4. B δόμοι λ. [A B add. κραταιοί] τρεῖς (1)  
 Es. 1. 6. ἐπὶ στύλοις παρίνοις καὶ λ. (2)  
 Si. 27. 2. B<sup>2</sup> ἀνὰ μέσον ἀρμῶν λιθίων [A B S<sup>1</sup> λίθων]  
 παρήσεται πᾶσσοις  
 Ez. 11. 19. ἐκπάσω τὴν καρδίαν τὴν λ. (1)  
 36. 26. ἀφελῶ τὴν καρδίαν τὴν λ. (1)  
 40. 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν ὀλοκαυτωμάτων  
 λιθίνοι (1)  
 Da. TH. 5. 4. ἦνσαν τοῖς θεοῖς . . . λιθίνοις (1)  
 — 23. τοὺς θεοὺς . . . λιθίνοις . . . ἦνσαν (1)  
 λιθοβολεῖν. (1) לִיגְרִי a. qal. ὁ. ni. c. pu.  
 (2) לִיגְרִי  
 Ex. 8. 26 (22). ἐὰν γὰρ θύσωμεν . . . λιθοβολή-  
 θησόμεθα (1 a)  
 19. 13. ἐν γὰρ λίθοις λιθοβολήσεται (1 b)  
 21. 28. λίθοις λιθοβολήσεται ὁ ταῦρος (1 b)  
 — 29. ὁ ταῦρος λιθοβολήσεται (1 b)  
 — 32. καὶ ὁ ταῦρος λιθοβολήσεται (1 b)  
 Le. 20. 2. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν ἐν λίθοις (2)  
 — 27. λίθοις λιθοβολήσεται αὐτοὺς (2)  
 24. 14. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν πᾶσα ἡ συναγ. (2)  
 — 16. λίθοις λιθοβολεῖται αὐτὸν (2)  
 — 23. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν ἐν [B<sup>2</sup> om.] λίθοις (2)  
 Nu. 15. 35. λιθοβολήσατε αὐτὸν [A add. ἐν]  
 λίθοις (2)  
 — 36. ἐλιθοβόλησεν [A -αν] αὐτὸν . . . λίθοις  
 [A ἐν λ.] (2)  
 De. 13. 10 (11). λιθοβολήσουσιν αὐτὸν ἐν λίθοις (1 a)  
 17. 5. λιθοβολήσατε [A -σουσιν] αὐτοὺς ἐν  
 λίθοις (1 a)  
 21. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν . . . ἐν λίθοις (2)  
 22. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὴν ἐν λίθοις (1 a)  
 — 24. λιθοβολήσονται ἐν λίθοις (1 a)  
 Jo. 7. 25. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν λίθοις [A ἐν λ.] (2)  
 I Ki. 30. 6. εἶπεν ὁ λαὸς λιθοβολῆσαι αὐτὸν (1 a)  
 III Ki. 12. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν ἐν λίθοις (2)  
 20 (21). 10. A B λιθοβολησάτωσαν αὐτὸν (1 a)  
 — 13. B ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν [A B add. ἐν]  
 λίθοις (1 a)  
 — 14. 15 (A). ἐλιθοβόληται Ναβ. (1 c)  
 II Ch. 10. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν ὁ υἱὸς Ἰσρ.  
 λίθοις (2)  
 24. 21. καὶ ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν (2)  
 Si. 22. 1. B<sup>2</sup> λίθῳ ἠρδαλωμένῳ ἐλιθοβολήθη [A B S<sup>1</sup>  
 συνεβλήθη] ὁ σαρδ. (2)  
 Ez. 16. 40. λιθοβολήσουσι σε ἐν λίθοις (2)  
 23. 47. λιθοβόλησον ἐπ' [A om.] αὐτὰς λίθοις  
 ὀχλῶν (2)  
 λιθοβολία.  
 [Al. Le. 24. 16.]  
 λιθοβόλον.  
 I Ma. 6. 51. ἔστησεν ἐκεῖ . . . πυροβόλα καὶ λιθοβόλα  
 λιθολογεῖσθαι.  
 [Aq. Mi. 3. 12.]  
 λιθολογία.  
 [Aq. Ps. 78 (79). 1.]  
 λιθόριον.  
 [Aq. Ps. 78 (79). 1.]  
 λίθος. (1) a. לִיגְרִי δ. לִיגְרִי (2) לִיגְרִי  
 (3) לִיגְרִי (4) לִיגְרִי (5) לִיגְרִי (6) לִיגְרִי  
 (7) לִיגְרִי (8) λ. πολυτελής לִיגְרִי (9) λίθος  
 τίμιος לִיגְרִי (10) λίθοις πολυτελείς a. לִיגְרִי  
 δ. לִיגְרִי (11) λαξεύειν λίθους לִיגְרִי לִיגְרִי  
 Ge. 2. 12. ὁ ἀνθράξ καὶ ὁ λ. ὁ πρᾶσιμος (1 a)  
 11. 3. καὶ ἐγένετο αὐτοῖς ἡ πλὴθος εἰς λίθον (1 a)  
 28. 11. ἐλαβεν ἀπὸ τῶν λίθων τοῦ τόπου (1 a)  
 — 18. ἐλαβε τὸν λ. (1 a)  
 — 22. ὁ λ. οὗτος ὃν ἔστησεν στήλην (1 a)  
 29. 2. λ. δὲ ἦν μέγας ἐπὶ τῷ στόματι (1 a)  
 — 3. ἀπεκύλιον τὸν λ. ἀπὸ τοῦ στόματος (1 a)  
 — 3. ἀπεκαθίστανον τὸν λ. ἐπὶ τὸ στόμα (1 a)

- Ge. 29. 8. ἀποκυλίσουσι τὸν λ. (1α)  
 — 10. ἀπεκύλισεν τὸν λ. ἀπὸ τοῦ στόματος (1α)  
 — 45. λαβὼν δὲ ἰ. λίθον (1α)  
 — 46. συλλέγετε λίθους (1α)  
 — 46. καὶ συνέλεξεν λίθους (1α)  
 Ek. 7. 19. ἐν τε τοῖς ξύλοις καὶ ἐν τοῖς λ. (1α)  
 15. 5. κατέβυσαν εἰς βυθὸν ὥσπερ λίθος (1α)  
 17. 12. λαβόντες λίθον ὑπέθηκαν ἐπ' αὐτόν (1α)  
 19. 13. ἐν γὰρ λίθοις λιθοβολήσεται (1α)  
 20. 25. εἰδὼν δὲ θυσιαστήριον ἐκ λίθων ποιῆς (1α)  
 21. 18. πατάξωσι τὸν πλησίον λίθῳ (1α)  
 — 28. λίθοις λιθοβολήσεται ὁ ταῦρος (4)  
 24. 4. φικοδόμησε . . . δώδεκα λίθους (1α)  
 — 6 (7). καὶ λίθους σαρδίου (1α)  
 — 25. καὶ λίθους εἰς τὴν γλυφὴν (1α)  
 28. 9. λήψῃ τοὺς δύο λίθους λίθους σμαράγδου (1α, -)  
 — 10. ἐξ ὀνόματα ἐπὶ τὸν λ. τὸν ἔνα (1α)  
 — 10. τὰ λοιπὰ ἐπὶ τὸν λ. τὸν δευτέρον (1α)  
 — 11. διαγλύψεως τοὺς δύο λ. (1α)  
 — 12. Ἀ Β θήσεις τοὺς δύο λίθους (1α)  
 — 12. λίθοις μνημοσύνου εἰς τοὺς υἱοὺς ἰ. (1α)  
 — 17. στίχους λίθων ἱστίου (1α)  
 — 21. καὶ οἱ λ. ἔστησαν ἐκ τῶν ὀνομάτων (1α)  
 35. 8 (9). καὶ λίθους σαρδίου (1α)  
 — 9. καὶ λίθους εἰς τὴν γλυφὴν (1α)  
 — 13. τοὺς λ. τοὺς τῆς σμαράγδου (1α)  
 — 27. ἤνεγκαν τοὺς λ. τῆς σμαράγδου (1α)  
 — 27. τοὺς λ. τῆς πληρώσεως εἰς τὴν ἐπωμίδα (1α)  
 — 33. καὶ διουρνήσας τὸν λ. (1α)  
 36. 13 (39. 6). τοὺς λ. τῆς σμαράγδου (1α)  
 — 14 (39. 7). λίθους μνημοσύνου τῶν υἱῶν ἰσρ. (1α)  
 — 17 (39. 10). στίχους λίθων σαρδίου (1α)  
 — 21 (39. 14). οἱ λ. ἦσαν ἐκ τῶν ὀνομάτων (1α)  
 Le. 14. 40. ἐξελθούσι τοὺς λ. ἐν οἷς ἐστὶν ἡ ἀφή (1α)  
 — 42. καὶ λήψονται λίθους ἀπεψυσμένους (1α)  
 — 42. καὶ ἀντιθήσουσιν ἀντὶ τῶν λ. (1α)  
 — 43. μετὰ τὸ ἐξελεῖν τοὺς λ. (1α)  
 — 45. τὴν οἰκίαν . . . καὶ τοὺς λ. αὐτῆς (1α)  
 20. 2. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν ἐν λίθοις (1α)  
 — 27. λίθοις λιθοβολήσατε αὐτούς (1α)  
 24. 16. ἐλιθοβόλησαν αὐτόν (7)  
 — 23. ἐλιθοβόλησαν αὐτόν ἐν [B<sup>2</sup> om.] λίθοις (1α)  
 26. 1. οὐδὲ λίθον σκαπὸν θήσετε (1α)  
 Nu. 14. 10. Β' καταλιθοβολήσας αὐτούς [A<sup>2</sup>B<sup>2</sup> add. ἐν λίθοις] (1α)  
 15. 35. λιθοβολήσατε αὐτόν [A add. ἐν] λίθοις (1α)  
 — 36. ἐλιθοβόλησαν αὐτόν . . . [A add. ἐν] λίθοις (1α)  
 35. 17. εἰδὼν δὲ ἐν λίθῳ . . . πατάξῃ αὐτόν (1α)  
 — 23. ἡ παντὶ λίθῳ ἐν ᾧ ἀποθανεῖται (1α)  
 De. 4. 28. λατρεύσεις ἐκεῖ . . . λίθοις (1α)  
 8. 9. γῆ ἥς οἱ λ. [A add. αὐτῆς] σιδήρος (1α)  
 13. 10 (11). λιθοβολήσουσιν αὐτόν ἐν λίθοις (1α)  
 17. 5. λιθοβολήσατε [A -σουσιν] αὐτούς ἐν λίθοις (1α)  
 21. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτόν . . . ἐν λίθοις (1α)  
 22. 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὴν ἐν λίθοις (1α)  
 — 24. λιθοβολήσονται ἐν λίθοις (1α)  
 27. 2. στήσεις σεαυτῷ λ. μεγάλους (1α)  
 — 3. γράψεις ἐπὶ τῶν λ. τούτων (1α)  
 — 4. στήσεις τοὺς λ. τούτους (1α)  
 — 5. οἰκοδομήσεις . . . θυσιαστήριον ἐκ λίθων (1α)  
 — 6. λ. οὐκ ὀφείλουσι οἰκοδομήσεις (1α)  
 — 8. γράψεις ἐπὶ τῶν λ. (1α)  
 28. 36. λατρεύσεις ἐκεῖ . . . λίθοις (1α)  
 — 64. δουλεύσεις ἐκεῖ . . . λίθοις (1α)  
 29. 17 (16). τὰ εἰδωλά αὐτῶν ξύλων καὶ λίθων (1α)  
 Jo. 4. 3. ἀνέλεσθε . . . εἰσάγετε δώδεκα λίθους (1α)  
 — 5. ἀνελθόντες ἐκεῖθεν ἕκαστος λίθον (1α)  
 — 6. Α<sup>2</sup> Β τὸ εἶπον οἱ λ. οὗτοι ἡμῖν (1α)  
 — 7. ἔσονται οἱ λ. οὗτοι υἱὸν μνημοσύνου (1α)  
 — 8. λαβόντες δώδεκα λίθους (1α)  
 — 9. ἔστησε δὲ ἰ. καὶ ἄλλους δώδεκα λ. (1α)  
 — 11. καὶ οἱ λ. ἔμπροσθεν αὐτῶν (1α)  
 — 20. τοὺς δώδεκα λ. τοῦτους . . . ἔστησεν ἰ. (1α)  
 — 21. τὸ εἶπον οἱ λ. οὗτοι (1α)  
 7. 25. ἐλιθοβόλησαν αὐτόν [A add. ἐν] λίθοις (1α)  
 — 26. ἐπέστησαν ἀπὸ σωρὸν λίθων μέγαν (1α)  
 8. 29. ἐπέστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων (1α)  
 9. 2 (8. 31). θυσιαστήριον λ. ὁλοκλήρων (1α)  
 — 2 (8. 32). ἔγραψεν ἰ. ἐπὶ τῶν λ. (1α)  
 10. 11. ἐπέρριψεν αὐτοὺς λίθους χαλάζης (1α)  
 — 11. οἱ ἀποθάνοντες διὰ τοὺς λ. τῆς χαλάζης (1α)  
 — 18. κυλίσας λίθους ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ σπηλαίου (1α)  
 Jo. 10. 27. ἐπεκύλισαν λίθους ἐπὶ τὸ ὑπὸ λαίον (1α)  
 15. 6. προσαναβαίνει . . . ἐπὶ λίθον Β. (1α)  
 18. 18 (17). καταθήσεται ἐπὶ λίθον Β. (1α)  
 24. 26. ἔλαβε λ. μέγαν (1α)  
 — 27. ὁ λ. οὗτος ἔσται ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον (1α)  
 Jd. 9. 5. ἀπέκτεινε τοὺς ἀδ. αὐ. . . ἐπὶ λ. ἔνα (1α)  
 — 18. ἀπεκτείνετε τοὺς υἱοὺς αὐ. . . ἐπὶ λ. ἔνα (1α)  
 20. 16. σφενδονήσται ἐν λίθοις [A βάλλοντες λίθους] (1α)  
 I Ki. 6. 14. ἔστησαν ἐκεῖ παρ' αὐτῇ λ. μέγαν (1α)  
 — 15. ἔθεντο ἐπὶ τοῦ λ. τοῦ μεγάλου (1α)  
 — 18. καὶ ἔως λ. τοῦ μεγάλου (1α)  
 7. 12. ἔλαβε Σαμ. λ. ἔνα (1α)  
 — 12. Ἀβενέζερ λίθος τοῦ βοηθοῦ (1α)  
 14. 33. κυλίσας τὸν λ. ἐνταῦθα μέγαν (1α)  
 17. 40. Β ἐξελέξατο ἐαυτῷ πέντε λ. τελείους [B λίους, A om.] (1α)  
 — 43. σὺ ἔρχῃ . . . ἐν βάθρῳ καὶ λίθοις [A -ω] (1α)  
 — 49. ἔλαβεν ἐκεῖθεν λ. ἔνα (1α)  
 — 49. διέδωκε τῷ λ. . . εἰς τὸ μέτωπον αὐ. (1α)  
 — 50. Α ἐκραταίωσεν Δ. . . ἐν τῷ λ. (1α)  
 25. 37. αὐτοὺς γίνεται ὡς λίθος (1α)  
 II Ki. 5. 11. ἀπέστειλε Χ. . . τέκτονες λίθων (1α)  
 12. 30. τάλαντον χρυσίου καὶ λ. τιμίον (1α)  
 16. 6. λιθάων ἐν [A om.] λίθοις τὸν Δ. (1α)  
 — 13. καὶ λιθάων ἐν λίθοις (1α)  
 17. 13. ὅπως μὴ καταλειφθῇ ἐκεῖ μηδὲ λίθος (6)  
 18. 17. ἐστήλωσεν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων (1α)  
 20. 8. καὶ αὐτοὶ παρὰ τῷ λ. τῷ μεγάλῳ (1α)  
 III Ki. 1. 9. Α παρὰ τὸν λ. τοῦ Ζ. [B al.] (1α)  
 5. 17 (32). ἠτοίμασαν τοὺς λ. (1α)  
 6. 1 (5. 17 [31]). λ. μεγάλους [A add. λίθους] (1α)  
 — 7. λίθοις ἀκροπόριος ἀγροῖς φικοδομήθη (1α)  
 — 18. Α οὐκ ἐφαίνετο λίθος (1α)  
 7. 9. πάντα ταῦτα ἐκ λ. τιμίων (1α)  
 — 10. τὴν τεβμελιωμένην ἐν τιμίῳ λ. μεγάλῳ λ. δεκαπέντε (1α, 1α)  
 — 11. Α καὶ ἐπάνωθεν λ. [B om.] τιμίους (1α)  
 10. 2. κάμηλοι αἰρουντοί . . . λ. τιμίον (1α)  
 — 10. ἔδωκε τῷ Σαλ. . . λ. τιμίον (1α)  
 — 11. ἤνεγκε . . . λ. τιμίον (1α)  
 23. 2. ναὺς . . . λ. τορευτῶν [A al.] (1α)  
 — 27. ἔδωκεν ὁ βασιλ. τὸ χρυσίον . . . ὡς λίθους (1α)  
 12. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτόν ἐν λίθοις (1α)  
 15. 22. αἰρουντοί τοὺς λ. τῆς 'Ρ. (1α)  
 18. 31. ἔλαβεν 'Η. δώδεκα λίθους (1α)  
 — 32. φικοδόμησε τοὺς λ. (1α)  
 — 38. τοὺς λ. . . ἐξέλεξε τὸ πῦρ (1α)  
 20 (21). 13. Β ἐλιθοβόλησαν αὐτόν [A add. ἐν] λίθοις (1α)  
 IV Ki. 3. 19. πᾶσαν μερίδα ἀγαθὴν ἀχρεώσετε ἐν λίθοις (1α)  
 — 25. ἔρριψαν ἀντὶ τὸν λ. (1α)  
 — 25. ἔως τὸ καταλίπει τοὺς λ. τοῦ τοίχου καθηρμῇ. (1α)  
 12. 12 (13). καὶ τοὺς λατομῆς τῶν λ. (1α)  
 — 12 (13). τοῦ κτήσασθαι . . . λ. λατομῆς (1α)  
 19. 18. οὐ θεοὶ ἴσταν ἄλλ' ἢ . . . λίθος (1α)  
 22. 6. τοῦ κτήσασθαι . . . λ. λατομῆς (1α)  
 23. 15. συνέτριψε τοὺς λ. αὐτοῦ (1α)  
 I Ch. 12. 2. καὶ σφενδονήσται ἐν λίθοις (1α)  
 20. 2. καὶ ἐν αὐτῷ λ. τιμίος (1α)  
 22. 2. λατομῆσαι λ. ἐυστοῦς (1α)  
 — 14. ξύλα καὶ λίθους ἠτοίμασα (1α)  
 — 15. τεχνίται καὶ οἰκοδόμοι λίθων (1α)  
 29. 2. ἠτοίμασα . . . λίθους συνὺ καὶ . . . λ. πολυτελεῖς . . . καὶ πάντα λ. τιμίον (1α)  
 — 8. οἱς ἐρέθῃ παρ' αὐτοὺς λίθος (1α)  
 II Ch. 1. 15. ἔθηκεν ὁ βασιλ. τὸ χρυσίον . . . ὡς λίθους (1α)  
 2. 14 (13). εἰδὼτα ποιῆσαι . . . ἐν λίθοις (1α)  
 8. 6. ἐκόσμησε τὸν οἶκον λ. τιμίους (1α)  
 9. 1. κάμηλοι αἰρουντοί . . . λ. τιμίον (1α)  
 — 9. ἔδωκε τῷ βασιλ. . . λ. τιμίον (1α)  
 10. 10. ἔφερον . . . λ. τιμίον (1α)  
 — 27. ἔδωκεν ὁ βασιλ. τὸ χρυσίον . . . ὡς λίθους (1α)  
 10. 18. ἐλιθοβόλησαν αὐτόν . . . λίθοις (1α)  
 16. 6. ἔλαβε τοὺς λ. τῆς 'Ρ. (1α)  
 26. 14. ἠτοίμαζεν . . . σφενδόναν εἰς λίθους (1α)  
 — 15. βάλλεν . . . λ. μεγάλους (1α)  
 32. 27. θησαυροὺς ἐποίησεν . . . τοῦ λ. τοῦ τιμίου (1α)  
 34. 11. ἀγοράσας λ. τετραπέδους (1α)  
 I Es. 6. 9. οἶκον . . . καινὸν διὰ λ. ἐυστοῶν πολυτελῶν (1α)  
 II Es. 5. 8. οἰκοδομήσται λ. ἐκλεκτοί (1α)  
 Ne. 4. 2 (8. 34). Β λίπουνται τοὺς λ. (1α)  
 Ne. 4. 3 (8. 35). καὶ καθελεῖ τὸ τεῖχος λίθων αὐ. (1α)  
 9. 11. ἐμψύψας εἰς βυθὸν ὥσπερ λίθον (1α)  
 To. 13. 16. καὶ λ. ἐντὶ τὰ τεῖχη σου [A S al.] (1α)  
 — 17. λίθῳ ἐκ [B om.] Σουφείρ ψηφολογηθήσονται (1α)  
 Ju. 1. 2. τεῖχη ἐκ λ. λελαθμένων (1α)  
 6. 12. ἐβάλλον ἐν λίθοις ἐπ' αὐτούς (1α)  
 10. 21. ὁ ἦν ἐκ . . . λ. πολυτελῶν (1α)  
 Es. 1. 6. ἐπὶ λιθοστρώτων σμαραγδῖτον λ. καὶ πυννίνου καὶ παρίνου λ. [A S al.] (1α)  
 5. 1. ὅλος διὰ χρυσοῦ καὶ λ. πολυτελῶν (1α)  
 Jb. 5. 23. Α μετὰ τῶν λ. τοῦ ἀγροῦ ἡ διαθήκη σου (1α)  
 6. 12. μὴ ἰσχύς λίθων ἡ ἰσχύς μου (1α)  
 8. 17. ἐπὶ συναγωγῇν λίθων κοιμάται (1α)  
 14. 19. λίθους ἐλέαναν ὕδατα (1α)  
 28. 2. χαλκὸς δὲ ἴσα λίθῳ λατομῆται (1α)  
 — 3. Α Β Ε λίθος σκοτία [B -ας] καὶ σκάδα τῶν (1α)  
 — 6. τόπος σαφείρου οἱ λ. αὐτῆς (1α)  
 31. 24. εἰ δὲ καὶ λίθῳ πολυτελεῖ ἐπεποιήσας (8)  
 38. 6. τίς δὲ ἐστὶν ὁ βαλὼν λίθον γωνιαῖον ἐπ' αὐτῆς (1α)  
 — 38. κεκόλληκα δὲ αὐτὸν ὥσπερ λίθῳ κύβου [A al.] (1α)  
 41. 6 (7). σύνδεσμος δὲ αὐτοῦ ὥσπερ σμυρίτης λίθος (1α)  
 — 15 (16). ἡ καρδία αὐτοῦ πέπηγεν ὡς λίθος (1α)  
 Ps. 18 (19). 10. ἐπιθυμητὰ ὑπὲρ χρυσίου καὶ λίθων τιμίον πολὺν (9)  
 20 (21). 3. ἔθηκεν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ στέφανον ἐκ λίθου τιμίου (9)  
 90 (91). 12. μὴ ποτε προσκύνῃς πρὸς λίθον τὸν πόδα σου (1α)  
 101 (102). 14. εὐδόκησαν οἱ δοῦλοί σου τοὺς λ. αὐτῆς (1α)  
 117 (118). 22. λίθον ἐν ἀπεδοκίμασαν οἱ οἰκοδομοῦντες (1α)  
 Pr. 3. 15. τιμιωτέρα δὲ ἐστὶ λίθων πολυτελῶν (10 α\*, 10 β)  
 8. 11. κρίσιον γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (10 β)  
 — 12. Β' κρίσιον γὰρ σοφία λ. πολυτελῶν (10 β)  
 — 19. βέλτων ἐμέ καρπίζεσθαι ὑπὲρ χρυσίου καὶ λίθων τιμίον (9)  
 24. 46 (31). οἱ δὲ φραγμοὶ τῶν λ. αὐτοῦ κατασκάπτονται (1α)  
 26. 8. δεσποδεσμεύει λίθον ἐν σφενδόνῃ (1α)  
 — 27. ὁ δὲ κυλίων λίθον ἐφ' αὐτόν κυλίει (1α)  
 27. 3. βαρὺ λίθος καὶ δυσβάστακτον ἄμμος (1α)  
 31. 10. τιμιωτέρα δὲ ἐστὶ λίθων πολυτελῶν ἡ τοιαύτη (10 β)  
 Ec. 3. 5. καιρὸς τοῦ βαλεῖν λίθους καὶ καιρὸς τοῦ συναγαγεῖν λίθους (1α, 1α)  
 10. 8. Α ὁ κυλίων λίθον ἐφ' αὐτόν κυλίει (1α)  
 — 9. ἐξαιρῶν λίθους διαπονηθήσεται ἐν αὐτοῖς (1α)  
 Ca. 5. 14. πυξίον ἐλεφάντινον ἐπὶ λίθου σφαίρου (1α)  
 Wi. 7. 9. οὐδὲ ὁμοιωσάσθαι αὐτῇ λίθον ἀτίμητον (1α)  
 11. 4. ἱαμα διψῆς ἐκ λίθου σκληροῦ (1α)  
 13. 10. ἡ λίθον ἀχρηστον χειρὸς ἔργον ἀρχαίας (1α)  
 14. 21. τὸ ἀκουσῶν τὸν ὄνομα λίθους . . . περιέβησαν (1α)  
 18. 24. πατέρων δόξαι ἐπὶ τετραστίχου λίθου [A -ων] γλυφῆς (1α)  
 Si. 6. 21. ὡς λίθος δοκιμασίας ἰσχυρὸς [B<sup>1</sup> -χὺς, B<sup>2</sup> -υος] ἐστὶ ἐπ' αὐτῷ (1α)  
 21. 8. συνάγων αὐτοῦ τοὺς λ. εἰς χεῖμῶνα (1α)  
 — 10. ὁδὸς ἀμαρτωλῶν ὁμαλισμένη ἐκ λίθων (1α)  
 22. 1. λίθῳ ἠδολαμμένῳ συνεβλήθη [B<sup>1</sup> ἐλιθοβολήθη] ὁκνηρός (1α)  
 — 20. βάλλον λίθον ἐπὶ πετεινὰ ἀποσσοβῆ αὐτὰ (1α)  
 27. 2. ἀνὰ μέσον ἀρμάτων λίθων [B<sup>2</sup> λιθίων] παγίσειται πᾶσσοις (1α)  
 — 25. ὁ βάλλον λίθον εἰς ὑψος (1α)  
 29. 10. μὴ ἰωθῆτω ὑπὸ τὸν λ. εἰς ἀπώλειαν (1α)  
 43. 15. διεθρήβησαν λίθοι χαλάζης (1α)  
 45. 11. λίθοις πολυτελεῖς γλυμματοῦ σφραγίδος (1α)  
 46. 6. ἐν [A S om.] λίθοις χαλάζης δυνάμει κραταίει (1α)  
 47. 4. ἐν τῷ ἐπάραι χεῖρα ἐν λίθῳ σφενδόνῃς (1α)  
 50. 9. κεκοσμημένον παντὶ λ. πολυτελεῖ (1α)  
 Mi. 1. 6. κατασπάσας εἰς χάος τοὺς λίθους αὐτῆς (1α)  
 Hb. 2. 11. διότι λίθος ἐκ τοίχου βοσῆται (1α)  
 — 19. οὐαὶ ὁ λέγων . . . τῷ λ. Ὑψώθητι (1α)  
 Hg. 2. 16 (15). πρὸ τοῦ θειοῦ λίθον ἐπὶ λίθον ἐν τῷ ναφ' κυρίου (1α, 1α)  
 Za. 3. 10 (9). ὁ λ. ὃν ἔδωκα πρὸ προσώπου ἰ. (1α)  
 — 10 (9). ἐπὶ τὸν λ. τὸν ἔνα ἐπὶ τὰ ὀφθαλμοὺς εἰσιν (1α)  
 4. 7. ἐξοίσω τὸν λ. τῆς κληρονομίας (1α)  
 — 10. ὀφνυται τὸν λ. τὸν κασιτερίνον (1α)



2α. 5. 4. συντελέσει αὐτὸν . . . καὶ τοὺς λ. αὐτοῦ (1 α)  
 — 8. ἔρριψε τὸν λ. τοῦ μολίβου (1 α)  
 9. 15. καταχόσονται αὐτοὺς ἐν λίθοις σφενδόνης (1 α)  
 — 16. διότι λίθοι θῆγιοι κυλίσονται ἐπὶ τῆς γῆς (1 α)  
 12. 3. θήσονται τὴν ἱερ. λίθον καταπατούμενον (1 α)  
 15. 8. 14. οὐχ ὡς λίθον προσκόμματα συναντή-  
 σσθε (1 α)  
 9. 10 (9). λαξεύσωμεν λίθους (11)  
 13. 12. ἄνθρωπος μάλλον ἐντιμος ἔσται ἢ ὁ λ.  
 ὁ ἐν Σουφίρ (2)  
 27. 9. ὅταν θῶσι πάντα τοὺς λ. τῶν βωμῶν  
 κατακεκομμένους (1 α)  
 28. 16. ἐμβάλλω εἰς τὰ θεμέλια Σιών λίθον  
 πολυτελεῖ (1 α)  
 37. 19. ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων ξύλα καὶ λίθοι (1 α)  
 54. 11. ἐτοιμάω σοι ἀνθρακὰ τὸν λ. σου (1 α)  
 — 12. καὶ τὰς πύλας σου λίθους κρυστάλλου  
 καὶ τὸν περιβόλον σου λίθους ἐκλεκ-  
 τούς (1 α, 1 α)  
 60. 6. λίθανον οἰσους [A B<sup>1</sup> add. καὶ λίθον  
 τίμιον] — (1 α)  
 — 17. ἀντὶ δὲ λίθων σιδήρων (1 α)  
 62. 10. τοὺς λ. ἐκ τῆς οδοῦ διαρρίψατε (1 α)  
 Je. 2. 27. εἶπαν . . . τῷ λ., Σὺ ἐγέννησάς με (1 α)  
 8. 9. ἐμοίχευσε τὸ ξύλον καὶ τὸν λ. (1 α)  
 18. 3. ἐποίει ἔργον ἐπὶ τῶν λ. (1 β)  
 28 (51). 26. οὐ μὴ λάβωσιν ἀπὸ σοῦ λίθον εἰς  
 γονάιν καὶ λίθον εἰς θεμέλιον (1 α, 1 α)  
 — 63. ἐπιθήσεις ἐπ' αὐτὸν λίθον (1 α)  
 38 (81). 39. περικυκλοθήσεται κύκλῳ ἐξ ἐλεκ-  
 τῶν λίθων [A κύκλῳ] +  
 50 (48). 9. λάβε σταντὴ λίθους μεγάλους (1 α)  
 — 10. θῆσιν αὐτοῦ τὸν θρόνον ἐπάνω τῶν λ. τ. (1 α)  
 52. 4. B περιεκοδόμησαν αὐτὴν τετραπέδοις λ.  
 [A B B om.] +  
 La. 3. 53. ἐπιθήκων λίθον ἐπ' ἐμοί (1 α)  
 4. 1. ἐξεχύθησαν λίθοι ἀγιοί (1 α)  
 — 7. ἐπυρώθησαν [A ἐτυρ.] ὑπὲρ λίθους  
 σαπφείρου (5)  
 Ep. Je. 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ θρόνου λίθοις ὁμοιωμένοι εἰσὶ  
 Ez. 1. 26. ὅς ὅρασις λίθου σαπφείρου (1 α)  
 10. 1. ὡς λ. σαπφείρου ὁμοίωμα θρόνου (1 α)  
 — 9. ὡς θῆγιοι λίθου ἀνθρακός (1 α)  
 18. 11. ὥσῳ λ. πετροβόλου εἰς τοὺς ἐνδύ-  
 μους αὐ. (1 α)  
 — 13. τοὺς λ. τοὺς πετροβόλους ἐν θυμῷ ἐπάξω (1 α)  
 16. 40. λιθοβολήσουσί σε ἐν λίθοις (1 α)  
 20. 32. τοῦ λατρεύειν ἔθλους καὶ λίθους (1 α)  
 28. 47. λιθοβολήσαν ἐπ' [A om.] αὐτὰς λίθοις  
 ὄχλων (1 α)  
 26. 12. τοὺς λ. σου καὶ τὰ ξύλα σου . . . ἐμβαλεῖ (1 α)  
 27. 22. πᾶν πρῶτον ἡδυσμάνων καὶ λίθων  
 χρηστῶν [A ἐκλεκτῶν] (1 α)  
 28. 13. πᾶν λίθον χρυσὸν ἐνδύσονται (1 α)  
 — 14. ἐγενήθη [A ὁμοῖον] ἐν μύσῳ λίθων πυρίνων (1 α)  
 — 16. ἡγάγετέ με τὸν Χερουβὶ ἐκ μίστου [A ἐμ-  
 μίστω] λίθων πυρίνων (1 α)  
 38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . λίθοις χαλάξω (1 α)  
 Da. LXX. 2. 34. ἐώρακας ὥς ὅπου ἐνμήθη λίθος (1 α)  
 — 35. ὁ λ. ὁ πατάξας τὴν εἰκόνα ἐγένετο θρος (1 α)  
 — 45. ἐώρακας ἐξ ὁρους τμηθῆναι λίθον (1 α)  
 6. 17 (18). ἡνέχθη λίθος καὶ ἐτίθη εἰς τὸ στόμα (1 α)  
 11. 38. ἐν χρυσίῳ . . . καὶ λ. πολυτελεῖ (1 α)  
 Da. TH. 2. 34. ἐθεώρεις ὥς ἀπεσχίσθη λίθος  
 [A αὐτός] (1 α)  
 — 35. ὁ λ. ὁ πατάξας τὴν εἰκόνα ἐγενήθη θρος (1 α)  
 — 45. ἀπὸ θρόνου ἐτμήθη λίθος ἀνευ χειρῶν (1 α)  
 6. 17 (18). ἡνέκων λίθον καὶ ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ  
 στόμα (1 α)  
 11. 38. ἐν χρυσίῳ καὶ ἀργύρῳ καὶ λίθῳ τιμίῳ  
 I Ma. 2. 36. οὐδὲ λίθον ἐνέτιζαν αὐτοῖς  
 4. 43. ἤραν τοὺς λ. τοῦ μισμοῦ εἰς τόπον ἀκάθ.  
 — 46. ἀπέθεντο τοὺς λ. ἐν τῷ θρεῖ  
 — 47. ἔλαβον λίθους ὀλοκλήρους  
 5. 47. ἐνέφραξαν τὸς πύλας λίθους  
 10. 11. A B οἰκοδομῶν . . . ἐκ λίθων τετραγώνων  
 [B<sup>1</sup> ἀπὸδων, B<sup>2</sup> ἀπὸδων]  
 — 73. οὐκ ἔστι λίθος οὐδέ κόχλας  
 13. 27. B ὑψώσεν αὐτὸν τῇ ὁράσει λίθῳ ἔσοτῃ  
 [A ἔυστῳ]  
 II Ma. 1. 31. ὁ N. ἐκέλευσε λίθους μεϊζονας καταχεῖν  
 10. 3. πρῶτα πᾶν λίθους καὶ πῦρ ἐκ τούτων λαβόντες  
 [Aq. Ex. 28. 17: Dt. 25. 13: I Ki. 4. 1: 5. 1:  
 17. 50: III Ki. 1. 9: 6. 18: Jb. 28. 3: 41. 20: Ps.  
 20: 90 (91). 12: Ec. 10. 9: Is. 8. 14:  
 28. 16: 34. 11: 54. 11, 12: Ez. 28. 13:]

[Sm. Ex. 28. 17: I Ki. 4. 1: 17. 50: 20. 19:  
 III Ki. 1. 9: 6. 18: Jb. 28. 3: 41. 20: Ps.  
 90 (91). 12: Ec. 10. 9: Ca. 5. 11: Is. 8. 14:  
 28. 16: 34. 11: 54. 11, 12: Ez. 28. 13:]  
 [Th. Ex. 28. 17: I Ki. 4. 1: 5. 1: 17. 50: 20:  
 19: III Ki. 1. 9: 6. 18: Jb. 28. 3: 41. 20:  
 Pr. 17. 8: Is. 8. 14: 28. 16: 34. 11: 54. 11:]  
 [Al. Le. 19. 36: Jb. 5. 23:]  
 [Heb. Jb. 28. 2.]  
**λιθόστρωτον.** (1) α. **Πῆγ** δ. **Πῆγ**  
 II Ch. 7. 3. ἔπασον . . . ἐπὶ τὸ λ. (1 α)  
 Es. 1. 6. ἐπὶ λιθόστρωτον σμαραγδίου λίθου (1 α)  
 Ca. 3. 10. ἐντὸς αὐτοῦ λιθόστρωτον (1 β)  
**λιθοουργεῖν.** (1) **Πῆγ**  
 Ex. 35. 33. καὶ λιθοουργῆσαι τὸν λ. (1)  
**λιθοουργικός.** (1) λ. **τέχνη** **Πῆγ**  
 (2) τὰ λ. **Πῆγ** **Πῆγ**  
 Ex. 28. 11. ἔργον λιθοουργικῆς τέχνης (1)  
 31. 5. τὸ κόκκινον τὸ πηκτόν καὶ τὰ λ. (2)  
**λιθοουργός.**  
 Si. 45. 11. A B B ἐν δέσει χρυσίου ἔργῳ [B -ων]  
 λιθοουργοῦ  
**λιθώδης.**  
 Si. 35 (32). 20. μὴ προσκόψης ἐν λιθώδεσι  
**λικμᾶν** (λικ.), **cf.** **λικμίζειν.** (1) **Πῆγ** α. **qal.**  
 δ. ni. c. pi. d. **Πῆγ** (2) **Πῆγ** α. ni.  
 δ. hi. (3) **Πῆγ** aph. (4) **Πῆγ** pi.  
 (5) **Πῆγ** pi.  
 Ru. 8. 2. **λικμᾶν** τὸν ἀλωνα τῶν κριθῶν (1 α)  
 III Ki. 14. 15. A καὶ **λικμῆσαι** αὐτοὺς (1 β)  
 Jb. 27. 21. **λικμῆσαι** αὐτὸν ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (5)  
 Wi. 11. 18. ἢ βρόμους [A B-ον] **λικμῶμενοι** [A λικ-]  
 καπνοῦ  
 — 20. **λικμῆσται** ὑπὸ πνεύματος δυνάμεως σου  
 Si. 5. 9. μὴ **λικμᾶν** ἐν παντὶ ἀνέμῳ  
 Am. 9. 9. ἐγὼ ἐντέλλομαι καὶ **λικμῆσω** [A  
**λικμῶ]** (2 β)  
 — 9. ὃν τρόπον **λικμᾶται** ἐν τῷ **λικμῶ** (2 α)  
 Is. 17. 13. διώκεται ὡς χροὶν ἀχρύρου **λικμῶντων**  
 ἀπέναντι ἀνέμου —  
 30. 22. **λικμῆσαι** ὡς ὕδωρ ἀποκαθήμενης (1 α)  
 — 24. φάγονται ἀχρύρα ἀναπεποιημένα ἐν κριθῇ  
**λικμῆσται** [A B -ου] (1 α)  
 41. 16. καὶ **λικμῆσαι** [B<sup>1</sup> λικ-] (1 α)  
 Je. 30 (49). 32. **λικμῆσω** αὐτοὺς παντὶ πνεύ-  
 ματι (1 β)  
 38 (31). 10. ὁ **λικμῆσας** τὸν Ἰσραὴλ **συνάξει**  
 αὐτὸν (1 β)  
 Ez. 26. 4. **λικμῆσω** [A -σουσιν] τὸν χοῦν αὐ. (4)  
 29. 12: 30. 23, 26. **λικμῆσω** αὐτοὺς εἰς τὰς  
 χώρας (1 β)  
 38. 19. **ἐλικμῆσω** αὐτοὺς εἰς τὰς χώρας (1 β)  
 Da. TH. 2. 44. **λικμῆσαι** πᾶσας τὰς βας. (3)  
 [Aq. III Ki. 14. 15: Is. 30. 22: 41. 16: Je. 15: 7:  
 7: 51 (28): 44. 12: Is. 41. 16: Je. 15. 7:  
 [Sm. Ps. 48 (44). 12: Is. 41. 16: Je. 15. 7:  
 51 (28). 2.]  
 [Th. Pr. 20. 8: Is. 41. 16.]  
 [Al. Le. 26. 33: Jb. 18. 15.]  
**λικμητήριον.**  
 [Sm. Je. 15. 7.]  
 [Th. Is. 30. 24.]  
**λικμητής.**  
 [Aq. Sm. Je. 51 (28). 2.]  
**λικμητήρ.** (1) **Πῆγ** pi.  
 Pr. 20. 26. **λικμητήρ** ἀσβάρων βασιλεὺς σοφός (1)  
**λικμός.** (1) **Πῆγ**  
 Am. 9. 9. ὃν τρόπον **λικμᾶται** ἐν τῷ **λικμῶ** (1)  
 [Aq. Je. 15. 7.]  
**λilίθ.**  
 [Aq. Is. 34. 14.]  
**λιμαγχόειν.** (1) **Πῆγ** hi.  
 De. 8. 3. καὶ **λιμαγχόησέ** σε (1)  
 [Sm., Th. Pr. 10. 3.]

**λιμήν.** (1) **Πῆγ**  
 I Es. 5. 55. διαφέρειν σχεδία εἰς τὸν Ἰόππη λ.  
 Ps. 106 (107). 30. A B<sup>2</sup> B ὠδήγησεν αὐτοὺς ἐπὶ  
 λιμένα θαλάσσης αὐ. [B<sup>1</sup> al.] (1)  
 — 35. B ἔθετο ἔρημον εἰς λιμένας [A B λιμένας]  
 ἰδῶτων +  
 I Ma. 14. 5. **λαβε** τὴν Ἰόππη [B<sup>1</sup> ἔπικον] εἰς λιμένα  
 II Ma. 12. 6. τὸν μὲν λ. **νύκτωρ** ἐνέπρησε  
 — 9. ὑψήσεν τὸν λ.  
 14. 1. διὰ τοῦ κατὰ Τρ. λιμένος ἐσπλεύσαντα  
 IV Ma. 7. 3. B B ἐπλευσεν ἐπὶ τὸν τῆς ἀθανάτου  
 [A θαν.] νίκης λιμένα  
 13. 6. B B προβλήτες λιμένων πύργου [A al.]  
 — 7. τὸν τῆς εἰσελεύσεως ὁχυρώσασα λιμένα  
**λίμμα, cf.** **λείμμα.**  
 [Sm., Th. Is. 37. 4.]  
 [Al. Le. 18. 6, 12 (1), 17: 20. 19.]  
**λίμνη.** (1) **Πῆγ** (2) **Πῆγ**  
 Ps. 106 (107). 35. A B ἔθετο ἔρημον εἰς λιμένας  
 [B λιμένας] ἰδῶτων (1)  
 118 (114). 8. τοῦ στρέψαντος τὴν πέτραν εἰς  
 λιμένα ἰδῶτων (1)  
 Ca. 7. 4 (5). οἱ ὀφθαλμοὶ σου ὡς **λίμνη** ἐν Ἑσ. (2)  
 I Ma. 11. 35. τὰς τοῦ ἄλλος λιμένας [B<sup>1</sup> al.]  
 II Ma. 12. 16. ὥστε τὴν παρακειμένην λ. τὸ πλάτος  
 ἔχουσιν  
 [Aq. Ec. 2. 6: Is. 35. 7: 41. 18:]  
 [Al. Ex. 7. 19:]  
**λιμοκτονεῖν.** (1) **Πῆγ** hi.  
 Pr. 10. 3. οὐ **λιμοκτονεῖ** κύριος ψυχὴν δικαίαν (1)  
**λιμός** (λοιμός). (1) **Πῆγ** (2) α. **Πῆγ** δ. **Πῆγ**  
 c. **Πῆγ**  
 Ge. 12. 10. ἐγένετο λ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 α)  
 — 10. ἐνίσχυσεν ὁ λ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 α)  
 26. 1. ἐγένετο δὲ λ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 α)  
 — 1. χωρὶς τοῦ λ. τοῦ πρότερου (2 α)  
 41. 27. ἐσονται ἐπὶ τῇ λιμῷ (2 α)  
 — 30. ἦξει δὲ ἐπὶ τῇ λιμῷ (2 α)  
 — 30. καὶ ἀναλώσει ὁ λ. τὴν γῆν (2 α)  
 — 31. οὐκ ἐπιγνωθήσεται . . . ἀπὸ τοῦ λ. (2 α)  
 — 36. εἰς τὰ ἐπὶ τῇ τοῦ λ. (2 α)  
 — 36. οὐκ ἐπερβήσεται ἡ γῆ ἐν τῷ λ. (2 α)  
 — 50. πρὸ τοῦ εἰλύνει τὰ ἐπὶ τῇ τοῦ λ. (2 α)  
 — 54. τὰ ἐπὶ τῇ τοῦ λ. (2 α)  
 — 54. καὶ ἐγένετο λ. ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 α)  
 — 56. ὁ λ. ἦν ἐπὶ προσώπου πάσης τῆς γῆς (2 α)  
 — 57. ἐπεκράτησε γὰρ ὁ λ. ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 α)  
 42. 5. ἦν γὰρ ὁ λ. ἐν γῇ Χαναάν (2 α)  
 48. 1. ὁ δὲ λ. ἐνίσχυσεν ἐπὶ τῆς γῆς (2 α)  
 45. 6. τοῖτο γὰρ δευτερον ἔτος λιμός ἐπὶ τῆς γῆς (2 α)  
 — 11. ἔτι γὰρ πένητες ἐτὶ λιμός (2 α)  
 47. 4. ἐνίσχυσε γὰρ ὁ λ. ἐν γῇ Χαναάν (2 α)  
 — 13. ἐνίσχυσε γὰρ ὁ λ. σφόδρα (2 α)  
 — 13. ἐξέλιπε . . . ἡ γῇ Χαναάν ἀπὸ τοῦ λ. (2 α)  
 — 20. ἐπεκράτησε γὰρ αὐτῶν ὁ λ. (2 α)  
 Ex. 16. 3. ἀποκτείνεται πᾶσαν τὴν συναγωγὴν ἐν λ. (2 α)  
 De. 28. 48. ἐν λιμῷ . . . καὶ ἐν ἐκλείψει πάντων (2 α)  
 32. 24. τηκέμενοι λιμῷ (2 α)  
 Ru. 1. 1. ἐγένετο λιμός ἐν τῇ γῇ (2 α)  
 II Ki. 21. 1. ἐγένετο λ. ἐν ταῖς ἡμ. Δ. (2 α)  
 24. 13. ἐλθὼν [A ἐσέλθῃ] σοι τρία ἔτη λιμός (2 α)  
 III Ki. 8. 37. λιμός ἐάν γένηται (2 α)  
 18. 2. καὶ ἡ [A ἦν] λ. κραταιά [A -ὄς] ἐν Σαμ. (2 α)  
 IV Ki. 4. 38. καὶ ὁ λ. ἐν τῇ γῇ (2 α)  
 6. 25. ἐγένετο λ. μέγας ἐν Σαμ. (2 α)  
 7. 4. καὶ ὁ λ. ἐν τῇ πόλει (2 α)  
 8. 1. κέκληκε κύριος λιμόν ἐπὶ τὴν γῆν (2 α)  
 25. 3. ἐνίσχυσεν ὁ λ. ἐν τῇ πόλει (2 α)  
 I Ch. 21. 12. ἡ τρία ἔτη λιμοῦ (2 α)  
 II Ch. 6. 28. λιμός ἐάν γένηται ἐπὶ τῆς γῆς (2 α)  
 20. 9. ἐάν ἐπὶ τῇ γῇ ἡμᾶς . . . λιμός (2 α)  
 32. 11. τοῦ παραδοῦναι ἡμᾶς . . . εἰς λιμόν (2 α)  
 To. 4. 13. A B ἡ γὰρ ἀρχιότης μήτηρ ἐστὶ τοῦ λ.  
 Ju. 6. 10. ἐκάλυψε γὰρ τὸ πρόσωπον τῆς γῆς X.  
 λιμός [B ὁ λ.]  
 7. 14. τακῆσονται ἐν τῷ λ.  
 Jb. 5. 20. ἐν λιμῷ ῥύσεται σε ἐκ θανάτου (2 α)  
 18. 12. ἔλθοισαν ἐν [A ἐλθοι] λιμῷ στενῇ (2 β)  
 30. 3. ἐν ἐνδία καὶ λιμῷ [A -ὢν] ἄγονος (1)  
 — 4. A B<sup>2</sup> B B ῥίσις ξύλων ἑμασάντο ὑπὸ λ.  
 μεγάλου —  
 Ps. 32 (33). 19. διαβρέψαι αὐτοὺς ἐν λιμῷ (2 α)

Ps. 36 (37). 19. ἐν ἡμέραις λιμοῦ χορτασθήσονται (2 α)  
104 (105). 16. ἐκάλεσε λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (2 α)  
Si. 18. 25. μνήσθητι καιρὸν [A κατὰ κ.] λιμοῦ  
39. 29. πῦρ καὶ χύλαρα καὶ λιμὸς καὶ θάνατος  
40. 9. A B<sup>2</sup> B λιμὸς καὶ συντριμμα καὶ μάλιστα  
48. 2. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς λιμὸν  
51. 19. ἐν ποιήσει λιμοῦ [A μου] διηκριβασάμεν  
Am. 8. 11. ἐξαποστελὼ λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν οὐ  
λιμὸν ἄρτων οὐδὲ δίψαν ὕδατος ἀλλὰ  
λιμὸν τοῦ ἀκούσαι λόγον κυρίου  
(2 α, 2 α, -)  
Is. 5. 13. πληθὺς ἐγενήθη νεκρῶν διὰ λιμὸν (2 α)  
8. 21. ἦξει ἐφ' ὑμᾶς σκληρὰ λ. (2 β)  
14. 30. ἀνελείβει δι' ἐμὲ τὸ σπέρμα σου (2 α)  
51. 19. πτώμα καὶ συντριμμα λ. καὶ μάχαιρα (2 α)  
Je. 5. 12. μάχαιραν καὶ λιμὸν οὐκ ὀφύμεθα (2 α)  
11. 22. τελευτήσουσιν ἐν λιμῷ (2 α)  
14. 12. ἐν λιμῷ . . . ἐγὼ συντέλεισω αὐτοὺς (2 α)  
— 13. οὐδὲ λ. ἔσται ἐν ὑμῖν (2 α)  
— 15. μάχαιρα καὶ λ. οὐκ ἔσται ἐπὶ τῆς γῆς  
ταύτης (2 α)  
— 15. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ προφῆται (2 α)  
— 16. ἀπὸ προσώπου μάχαιρας καὶ τοῦ [B  
om.] λ. (2 α)  
— 18. ἰδοὺ πόνος λιμοῦ (2 α)  
15. 2. δοσι εἰς λιμὸν εἰς λιμὸν (2 α, 2 α)  
16. 4. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται (2 α)  
17. 18. A ἐπάγαγε ἐπ' αὐτοὺς λιμὸν [B ἡμέ-  
ραν] πονηρὰν † (2 α)  
18. 21. δὸς τοὺς υἱοὺς αὐτῶν εἰς λιμὸν (2 α)  
21. 7. τὸν λαὸν τὸν καταλειφθέντα . . . ἀπὸ  
τοῦ λ. καὶ ἀπὸ τῆς μάχαιρας (2 α)  
— 9. ἀποθάνειν ἐν μάχαιρα καὶ ἐν λιμῷ (2 α)  
24. 10. ἀποστελὼ εἰς αὐτοὺς τὸν [A τῆν] λ. (2 α)  
34 (27). 8. ἐν λιμῷ ἐπισκέψονται αὐτοὺς (2 α)  
39 (32). 24. ἀπὸ προσώπου μάχαιρας καὶ τοῦ λ. (2 α)  
— 36. παραδοθήσεται . . . ἐν μάχαιρα καὶ ἐν  
λιμῷ (2 α)  
41 (34). 17. καλῶ ἄφελον ὑμῖν . . . εἰς τὸν λ. (2 α)  
45 (38). 24. ἀποθάνειν ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 α)  
— 9. τοῦ ἀποκτείνειν τὸν ἄνθρωπον τοῦτον ἀπὸ  
προσώπου τοῦ λ. (2 α)  
49 (42). 16. δ [B om.] λ. . . . καταλήψεται  
ὑμᾶς (2 α)  
— 17. ἐκλείψουσιν ἐν τῇ ρομφαίᾳ καὶ ἐν  
τῷ λ. (2 α)  
— 22. ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐκλείψετε (2 α)  
51 (44). 12. πεσοῦνται ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 α)  
— 13. ἐπεσκέψαμιν ἐπὶ ἱερ. . . ἐν λιμῷ (2 α)  
— 18. ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐξελεῖτομεν (2 α)  
— 27. ἐκλείψουσι . . . ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2 α)  
52. 6. ἐστερεώθη ὁ λ. ἐν τῇ πόλει (2 α)  
Ba. 2. 25. ἀπεθάνουσιν ἐν πόντοις πονηροῖς ἐν λιμῷ  
καὶ ἐν ρομφαίᾳ (2 α)  
La. 2. 19. τῶν ἐκλυομένων λιμῷ (2 α)  
— 21. ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἀπέκτεινας -  
4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τραυματίαι ρομφαίας ἢ οἱ  
τραυματίαι λιμοῦ (2 α)  
5. 10. συνεσπάρσαν ἀπὸ προσώπου κυταιγί-  
δων λιμοῦ (2 α)  
Ez. 5. 12. τὸ τέταρτόν σου ἐν λιμῷ συντελεσθή-  
σεται (2 α)  
— 16. B ἐν τῷ ἀποστελεῖται με βολίδας τοῦ λ.  
ἐπ' αὐτοὺς [A B al.] (2 α)  
— 17. ἐξαποστελὼ ἐπὶ σὲ λιμὸν (2 α)  
6. 11. ἐν θανάτῳ καὶ ἐν λιμῷ πεσοῦνται (2 α)  
— 12. ὁ περιεχόμενος ἐν λιμῷ συντελεσθή-  
σεται (2 α)  
7. 15. ὁ λ. καὶ ὁ θάνατος ἔσθω ἐν . . . τοὺς δ' ἐν  
τῇ πόλει λ. καὶ θάνατος συντελέσει (2 α, 2 α)  
12. 16. ὑπολείψονται ἐξ αὐτῶν ἄνδρες ἀρσενῆ  
. . . ἐκ λιμοῦ (2 α)  
14. 13. ἐξαποστελὼ ἐπ' αὐτὴν λιμὸν (2 α)  
— 21. λιμὸν . . . καὶ θάνατον ἐξαποστελὼ (2 α)  
34. 29. οὐκ ἐστὶν ἀπολλύμενοι λιμῷ (2 α)  
36. 29. οὐ δώσω ἐφ' ὑμᾶς λιμὸν (2 α)  
— 30. ὅπως ἐν μὴ λάβητε διειδυμένον λιμοῦ  
[A λαοῦ] (2 α)  
I Ma. 6. 54. κατεκράτησεν αὐτῶν ὁ λ.  
9. 24. B ἐγενήθη λιμὸς μέγας [A μεγάλη] σφόδρα  
13. 49. A B ἀπώλοντο ἐξ αὐτῶν ἱκανοὶ τῇ [B τῷ] λ.  
[Aq. Je. 14. 15, 18 : 44 (51). 12 : Ez. 5. 16.]  
[Sm. Je. 6. 5 : Ps. 32 (33). 19.]  
[Th. Je. 14. 15 : 29 (36). 17, 18 : 44 (51). 12.]  
[Al. Je. 5. 22 : 18. 11.]

λιμώδης.

[Sm. Jb. 6. 5 : 80. 7.]

λιμώσσειν.

(1) ἰψῃ

Ps. 58 (59). 6, 14. λιμώσουσιν ὡς κύων  
[Aq. Is. 65. 13.]

λινοκαλᾶμν.

(1) ἰψῃ ἡψῃ

Jo. 2. 6. ἔκρυνεν αὐτοὺς ἐν τῇ λ.

λίνον.

(1) ἰψῃ (2) α. ἡψῃ δ. ἡψῃ

Ex. 9. 31. τὸ δὲ λ. καὶ ἡ κριθὴ ἐπλήγη (2 β)  
— 31. τὸ δὲ λ. σπερματίζον (2 β)

De. 22. 11. ἔρια καὶ λίνον ἐν τῷ αὐτῷ (2 α)

I Ki. 22. 18. A πάντας αἰρόντας ἐφ' οὗδ' λίνον  
[B om.]

Pr. 31. 13. μνημονεῖν ἔρια καὶ λίνον (2 α)

Is. 19. 9. τοὺς ἐργαζομένους τὸ λ. τὸ σχιστόν (2 α)

42. 3. λ. καπνιζόμενον οὐ σβεσθῇ (2 β)

43. 17. ἐσβεσθήσαν ὡς λ. ἐσβεσμένον [B<sup>2</sup> -ων] (2 β)

[Sm. Ez. 9. 2, 11 : 10. 2.]

λινούς.

(1) ἰψῃ (2) ἡψῃ

Ex. 28. 38 (42). ποιήσεις αὐτοὺς περισκελῆ λινὰ (1)

Le. 6. 10 (3). ἐνδύσεται ὁ ἱερεὺς χιτῶνα λινούν (1)

— 10 (3). καὶ περισκελὲς λινούν ἐνδύσεται (1)

18. 48. ἡ ἐν τοῖς λινούσι ἡ ἐν τοῖς ἐρέοις (2)

— 52. ἐν τοῖς ἐρέοις ἡ ἐν τοῖς λινούσι (2)

16. 4. χιτῶνα λινούν ἡγασμένον ἐνδύσεται (1)

— 4. περισκελὲς λινούν ἔσται ἐπὶ τοῦ χρωτός (1)

— 4. ζώνη λινῇ ῥάσσεται (1)

— 4. καὶ κίδανιν λινὴν περιθήσεται [A al.] (1)

— 23. ἐκδύσεται τὴν στολὴν τὴν λινὴν (1)

— 32. καὶ ἐνδύσεται τὴν στολὴν τὴν λινὴν (1)

Ju. 16. 8. ἔλαβε στολὴν λ.

Je. 13. 1. κτήσας σεαυτῷ περιζῶμα λινούν (2)

Ez. 44. 17. στολὰς λινὰς ἐνδύσονται (2)

— 18. κιδάρεαι λινὰς ἔξουσιν ἐπὶ ταῖς κεφα-  
λαῖς αὐτῶν καὶ περισκελῆ λινὰ  
ἔξουσιν ἐπὶ τὰς ὀσφύδας αὐ.

[Sm. I Ki. 2. 18 : II Ki. 6. 14.]

[Al. Le. 18. 47.]

λιπαίνειν.

(1) ἰψῃ pi. (2) ῥῃ (3) ἰψῃ

a. qal. b. hi. c. ἰψῃ adj.

De. 32. 15. ἐλιπαρήθη ἐπαχύνῃ ἐπλατύνῃ (3 α)

Ne. 9. 25. καὶ ἐλιπαρήσαν (3 β)

Ps. 22 (23). 5. ἐλιπανε ἐν εἰλαίῳ τὴν κεφαλὴν μου (1)

140 (141). 5. ἔλαιον δὲ ἀμαρτωλῶν μὴ λιπανῶτω  
τὴν κεφαλὴν μου †

Pr. 5. 3. ἡ πρὸς καιρὸν λιπαίνει σὸν φάρυγγα (2)

Si. 32 (35). 6. προσφορά δίκαιου λιπαίνει θυσιασ-  
τήριον

38. 11. λιπάνον προσφοράν ὡς μὴ ὑπάρχον

Hb. 1. 16. οὗτοι ἐν αὐτοῖς ἐλιπανε μερίδα αὐτοῦ (3 β)

[Aq. Ps. 118 (119). 70 : Jb. 5. 28.]

[Sm. Th. Is. 84. 7 : Jb. 5. 28.]

[Al. Pr. 15. 30.]

λιπαρός.

(1) ἰψῃ

Jd. 3. 29. ἐπάταξαν . . . πᾶν λ. [A al.] (1)

Ne. 9. 35. ἐν τῇ γῇ τῇ πλατείᾳ καὶ λ. (1)

Is. 30. 23. ὁ ἄρτος τοῦ γεννήματος τῆς γῆς σου  
ἔσται πλησμονὴ καὶ λιπαρός [B<sup>1</sup> al.] (1)

[Aq. Ps. 21 (22). 30 : 77 (78). 31 : Is. 28. 1.]

[Sm. Ps. 21 (22). 30 : 77 (78). 31 : Ez. 27. 18.]

λιπαρότης.

[Sm. Ps. 72 (73). 7.]

λιπασμα.

(1) ὀψῃ

I Es. 9. 51. φάγετε λιπάσματα

Ne. 8. 10. φάγετε λιπάσματα (1)

[Th. Is. 25. 6.]

λιποθυμεῖν.

IV Ma. 6. 26. μέλλον λιποθυμεῖν ἀνέτεινε τὰ ὄμματα

[Sm. Ge. 45. 26 : Jd. 4. 21 : Ps. 76 (77). 4.]

λιπος.

[Sm. Nu. 11. 8 : Jd. 9. 9 : Ps. 72 (73). 7 : Is.  
66. 11.]

λιποτακτεῖν.

IV Ma. 9. 23. μὴ μου τὸν αἰῶνα λιποτακτήσῃτε

λιποθυχεῖν.

[Sm. Ge. 45. 26.]

λίς.

[Aq. Jb. 4. 11.]

[Th. Ho. 5. 14.]

λίσσεσθαι.

Jb. 17. 2. A B B<sup>2</sup> λίσσομαι κύμων †

λιτανεία (-νία).

II Ma. 3. 20. ἐποιούοντο τὴν λιτανείαν

10. 16. οἱ δὲ περὶ τὸν M. ποιησάμενοι λιτανείαν

III Ma. 2. 21. εἰσκούσας τῆς ἐνθέου λιτανείας

6. 9. ἡ λ. ἐκτενῶς ἀνέβαιναν εἰς οὐρανόν

λιτανεύειν.

(1) ἡῖπ pi.

Ps. 44 (45). 12. τὸ πρόσωπόν σου λιτανεύουσιν

οἱ πλουτοὶ τοῦ λαοῦ (1)

II Ma. 14. 15. B ἐλιτάνουν [A -νευσαν] τὸν ἄχρη

αἰῶνα συστήσαντα

[Aq. Is. 57. 10 : Ho. 8. 10.]

[Sm. I Ki. 13. 12 : Ps. 27 (28). 2.]

λιτός.

(1) ῥῃ

Jd. 11. 3. A συνελέγοντο πρὸς τὸν Ἰ. ἄνδρες λ.

[B κενοί] (1)

λιχός.

[Aq. Is. 40. 12.]

λιχήν, vid. λειχήν.

λιχμᾶν, vid. λικμᾶν.

λιχνεία.

III Ma. 6. 36. οὐ πότου χάριν καὶ λιχνείας

λίψ.

(1) ὀῖπ (2) α. βῖπ (3) δ. βῖπ

(3) βῖπ (4) ὀῖπ

Ge. 18. 14. καὶ ἰδε . . . πρὸς Βορρᾶν καὶ λίβα (3)

20. 1. ἐκύνεισεν ἐκεῖθεν Ἄβ. εἰς γῆν πρὸς λίβα (3)

24. 62. κατῴκει ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς λίβα (3)

28. 14. ἐπὶ θάλασσαν καὶ ἐπὶ λίβα (3)

Ex. 27. 9. εἰς τὸ κλίτος τὸ πρὸς λίβα (3 + 4)

87. 7 (88. 9). τὴν αὐλὴν τὰ πρὸς λίβα [A<sup>1</sup>  
νότον] (3 + 4)

Nu. 2. 10. πρὸς λίβα δύναμαι αὐτῶν

3. 29. ἐκ πλαγίων τῆς σκηνῆς κατὰ λίβα [A<sup>1</sup>  
νότον] (4)

10. 6. αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσαι λίβα [A<sup>1</sup>  
νότον] (4)

34. 3. τὸ κλίτος τὸ πρὸς λίβα [A Βορρᾶ] (3)

— 3. ἔσται ὑμῖν τὰ ὄρια τὰ πρὸς λίβα (3)

— 4. κυκλώσει ὑμᾶς τὰ ὄρια ἀπὸ λιβός (3)

— 4. ἔσται ἡ διεξόδος αὐτοῦ πρὸς λίβα (3)

35. 5. καὶ τὸ κλίτος τὸ πρὸς λίβα (3)

De. 1. 7. πρὸς λίβα καὶ παραλίαν γῆν (3)

3. 27. κατὰ θάλασσαν . . . καὶ λίβα [A νότον] (4)

33. 23. θάλασσαν καὶ λίβα κληρονομήσει (1)

Jo. 16. 1. ἕως Κἀθης πρὸς λίβα [A νότον] (3 + 4)

— 2. τὰ ὄρια ἀπὸ λιβός [A νότον] . . . ἀπὸ  
τῆς λοφίας τῆς φερούσης ἐπὶ λίβα  
[A νότον] (3, 3)

— 3. B<sup>1</sup> ἀναβαίνει ἐπὶ [A B<sup>2</sup> B ἀπὸ] λιβός [A  
νότον] (3)

— 4. τοῦτό ἐστιν αὐ. ὄρια ἀπὸ λιβός [A νότον] (3)

— 7. ἡ ἐστὶ κατὰ λίβα [A νότον] τῇ φάραγγι (3)

— 8. B ἐπὶ νότου [A B νότον] τοῦ Ἰ. ἀπὸ λιβός  
[A om. d. l.] (3)

— 10. παρελεύσεται ἐπὶ λίβα [A νότον] †

— 11. παρελεύσεται ὄρια ἐπὶ λίβα [A al.] †

17. 9. ἐπὶ φάραγγα K. ἐπὶ λίβα (3)

— 10. ἀπὸ λιβός τῷ Εφ. (3)

18. 5. Ἰ. στήσεται αὐτοῖς ὄριον ἀπὸ λιβός (3)

— 13. ἐπὶ νότον [A νότον] Λ. ἀπὸ λιβός  
αὐτῆς (3)

— 13. ἡ ἐστὶ πρὸς λίβα Βαιθ. (3)

— 14. τὸ θλίπον παρὰ θάλασσαν ἀπὸ λιβός (3)

— 14. ἀπὸ τοῦ ὄρους ἐπὶ πρόσωπον B. λίβα (3)

— 15. μέρος τὸ πρὸς λίβα ἀπὸ μέρους K. (3)

— 16. B ἐπὶ νότον [A νότον, B νότον] Ἰ. ἀπὸ  
λιβός (3)

— 19. εἰς μέρος τοῦ Ἰορδ. ἀπὸ λιβός (3)

— 19. ταῦτα τὰ ὄρια ἐστὶν ἀπὸ λιβός (3)

19. 8. πορευομένων B. κατὰ λίβα (3)

II Ch. 28. 18. καὶ ἀπὸ λιβός τοῦ Ἰ. (3)

32. 30. πρὸς λίβα τῆς πύλεως Δ. (2 β)

33. 14. B<sup>1</sup> ἀπὸ λιβός κατὰ Γ. [A B<sup>2</sup> B νότον] (2 β)

Ps. 77 (78). 26. ἐπήγαγεν ἐν τῇ θυναστείᾳ αὐτοῦ  
λίβη (4)  
Is. 43. 6. ἐρῶ . . . τῷ λ., Μὴ κάλυε  
Εζ. 47. 19. τὰ πρὸς νότον καὶ λίβα (4)  
— 19. τοῦτο τὸ μέρος νότος καὶ λ. (3)  
48. 28. ὥς τὸν πρὸς λίβα (3+4)  
Da. TH. 8. 4. κερατίζονται κατὰ . . . βορρῆν καὶ  
νότον [A. add. καὶ λίβα] (3)  
— 5. τράγος αἰγῶν ἤρχετο ἀπὸ λίβας (2 a)  
[Aq. Is. 80. 6.]  
[Sm. Ez. 20. 46 (21. 2): 40. 24.]  
[Al. Hb. 3. 3.]  
**λοβός.** (1) לִבָּי (2) לִבְיָהּ (3) לִבְיָהּ  
Ex. 29. 13. λήψη . . . τὸν λ. τοῦ ἥπατος (2)  
— 20. ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός Ἀαρὼν (3)  
— 20. καὶ ἐπὶ τοὺς λ. τῶν ὠτων τῶν υἱῶν (3)  
— 22. λήψη . . . τὸν λ. τοῦ ἥπατος (2)  
Le. 3. 4. 10. καὶ τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος (2)  
— 15. καὶ τὸν λ. τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς νεφροῖς (2)  
4. 9: 6. 34 (7. 4). τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος (2)  
7. 20 (30). τὸν λ. τοῦ ἥπατος προσοίσει †  
8. 16. Α Β τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος [B al.] (2)  
— 22 (23). ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός Ἀαρὼν τοῦ  
δεξιῦ (3)  
— 23 (24). ἐπὶ τοὺς λ. τῶν ὠτων τῶν δεξιῶν (3)  
— 24 (25). τὸν λ. τοῦ ἥπατος καὶ τοὺς δύο  
νεφροὺς (2)  
9. 10. τοὺς νεφροὺς καὶ τὸν λ. τοῦ ἥπατος (2)  
— 19. καὶ τὸν λ. τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος (2)  
14. 14. 17. ἐπιθήσεις ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός (2)  
— 25. καὶ ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός (3)  
— 28. ἐπιθήσεις . . . ἐπὶ τὸν λ. τοῦ ὠτός (3)  
Am. 3. 12. ἐκσπάσει ὁ ποιμὴν . . . δύο σκέλη ἢ  
λοβὸν ὠτίου (1)  
[Th. Ex. 29. 20.]  
**λοβῶ, vid. λαβῶ.**  
**λογός.**  
[Sm. Je. 51 (28): 27.]  
**λόγγη.**  
[Al. Le. 10. 10.]  
**λογεῖον (-ιον).** (1) לֹגִיִּן  
Ex. 28. 15. ποιήσεις λ. τῶν κρίσεων (1)  
— 22. ποιήσεις ἐπὶ τὸ λ. κρωσσῶν (1)  
— 23 (29). λήψεται . . . ἐπὶ τοῦ λ. [A τὸ λ.]  
τῆς κρίσεως (1)  
— 24 (29). θήσεις ἐπὶ τὸ λ. τῆς κρίσεως  
— 24 (29). ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν κλιτῶν τοῦ λ. —  
— 26 (30). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸ λ. τῆς κρίσεως  
29. 5. καὶ τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸ λ. (1)  
— 5. Α Β συνάψεις αὐτῶ τὸ λ. †  
35. 27. καὶ [A. add. εἰς] τὸ λ. καὶ τὰς συνθέσεις (1)  
36. 15 (39. 8). ἐποίησαν [A -σεν τὸ] λ. (1)  
— 16 (39. 9). διέποιον ἐποίησαν τὸ λ. (1)  
— 22 (39. 15). ἐποίησαν ἐπὶ τὸ λ. κρωσσῶν (1)  
— 24 (39. 16). ἀμφοτέρως τὰς ἀρχὰς τοῦ λ. (1)  
— 25 (39. 17). ἀμφοτέρων τῶν μερῶν τοῦ λ. (1)  
— 27 (39. 19). πτερύγια ἐπ' ἄκρον τοῦ λ. (1)  
— 29 (39. 21). συνέσφιγξε τὸ λ. (1)  
— 29 (39. 21). Α Β ἔνα μὴ χαλάται τὸ λ. (1)  
— 8. 8. ἐπεθήκεν ἐπ' αὐτὴν [A αὐτὸ] τὸ λ. (1)  
— 8. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ λ. τὴν δὴλωσιν (1)  
Si. 45. 10. λογίει κρίσεως δόλους ἀληθείας  
[Aq. Ex. 25. 6 (7): 28. 4: 35. 9.]  
[Sm. Ex. 28. 4, 28.]  
[Th. Ex. 25. 6 (7): 28. 4, 23 δις, 24, 26, 28: 35. 9.]  
**λογίζεσθαι.** (1) לִיָּן (2) לִיָּן a. qal. δ. ni.  
c. pi. d. לִיָּן (3) לִיָּן ni. (4) לִיָּן ni.  
(5) לִיָּן  
Ge. 15. 6. καὶ ἐλογίσθη αὐτῷ εἰς δικαιοσύνην (2 a)  
31. 15. οὐχ ὥς αἱ ἀλλότριαι λελογισμένα αὐτῷ (2 b)  
Le. 7. 8 (18). οὐ λογιζήσεται [A. λογίσειται]  
αὐτῷ (2 b)  
17. 4. λογισθήσεται τῷ ἀνθρώπῳ ἐκείνῳ αἷμα (2 b)  
25. 31. Α Β ἔνα πρὸς τὸν ἄνθρωπον τῆς ἡγῆς λογισθί-  
τωςαν [B ἔ-θισονται] (2 b)  
27. 23. λογίζεται πρὸς αὐτὸν . . . τὸ τέλος τῆς  
τιμῆς (2 c)  
Nu. 18. 27. λογισθήσεται ὑμῖν τὰ ἀφαιρέμ. ὑμῶν (2 b)  
— 30. λογισθήσεται τοῖς Λευαῖς (2 b)  
De. 2. 11. ῥαφαὶν λογιζήσονται καὶ οὗτοι (2 b)

De. 2. 20. γῇ ῥαφαὶν λογιζήσεται (2 b)  
3. 13. γῇ ῥαφαὶν λογιζήσεται (4)  
I Ki. 1. 13. ἐλογίσαντο αὐτὴν Ἡ. εἰς μεθούσαν (2 a)  
18. 25. Β ἐλογίσαντο ἐμβλεῖν αὐτὸν (2 a)  
II Ki. 4. 2. Β Β. ἐλογίζετο τοῖς υἱοῖς Βεν. (2 b)  
14. 13. ἵνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο ἐπὶ λαὸν θεοῦ (2 a)  
— 14. καὶ λογιζόμενος [A. διαλ. λογιζομῶν]  
τοῦ ἐξώσαι (2 a)  
19. 19 (20). Β. μὴ δὴ λογισάσθω [A. Β. διαλ.]  
ὁ κύριός μου ἀνομιαν (2 a)  
— 43 (44). καὶ οὐκ ἐλογίσθη ἡ λόγος μου (1)  
III Ki. 10. 21. οὐκ ἦν λογιζόμενος [A. -ισμένον]  
ἐν ταῖς ἡμέρ. 2. (2 b)  
II Ch. 5. 6. καὶ οἱ οὐ λογιζήσονται (3)  
9. 20. οὐκ ἦν ἀργύριον λογιζόμενον (2 b)  
Ne. 6. 2. καὶ αὐτοὶ λογιζομ. ποιῆσαι μοι ποτηρίαν (2 a)  
— 6. λογιζέσθε ἀποστατῆσαι (2 a)  
13. 13. πιστοὶ ἐλογίσθησαν ἐπ' αὐτοὺς (2 b)  
To. 3. 10. Β καὶ πάλιν ἐλογίσαντο [A. B al.]  
10. 1. ἐλογίσαντο ἐκάστης ἡμέρας [A. B al.]  
14. 4. Β οἱ ἀδ. ἡμῶν . . . λογιζήσονται [A. B al.]  
Jb. 31. 28. καὶ τοῦτο μοι ἄρα ἀνομία ἡ μεγίστη  
λογισθείη [A. λ. μεγάλη] —  
34. 37. ἀνομία δι' ἐφ' ἧμιν λογιζήσεται [A. ἔσται] †  
41. 20 (21). ὡς καλὰ μὴ ἐλογίσθησαν [B. -ισατο] †  
σφύρα (2 b)  
— 23 (24). ἐλογίσαντο ἄβυσσον εἰς περιπάτον (2 a)  
Ps. 51 (32). 2. Α Β ἔ-φ' [B ἔ-φ'] οὐ μὴ λο-  
γίσται κύριος ἁμαρτιαν (2 a)  
34 (35). 4. οἱ λογιζόμενοι μοι κακά (2 a)  
35 (36). 4. ἀνομίαν ἐλογίσαντο [A. B. διελ.] ἐπὶ  
τῆς κοίτης αὐτοῦ (2 a)  
40 (41). 7. ἐλογίζοντο κακά μοι (2 a)  
43 (44). 22. ἐλογίσθημεν ὡς πρόβατα σφαγῆς (2 b)  
51 (52). 2. ὅλην τὴν ἡμερὰν ἀδικίαν ἐλογίσαντο  
ἡ γλῶσσά μου (2 a)  
105 (106). 31. ἐλογίσθη αὐτῷ εἰς δικαιοσύνην (2 b)  
118 (119). 119. παραβαίνοντας ἐλογισάμεν  
πάντας τοὺς ἁμαρτωλοὺς †  
139 (140). 2. οὕτως ἐλογίσαντο ἀδικίας ἐν  
καρδίᾳ (2 a)  
— 4. οὔτως ἐλογίσαντο ὑποσκελίσαι τὰ δια-  
βήματα μου (2 a)  
143 (144). 3. ἡ υἱὸς ἀνθρώπου οὐκ ἐλογίη αὐτόν (2 c)  
Pr. 16. 1 (9). καρδία ἀνδρὸς λογιζέσθω δίκαια (2 c)  
— 30. Α Β λογιζέται [B. διαλ.] διεστραμμένα (2 a)  
17. 28. ἀνοήτως ἐπεροτῶσιν σοφίαν [A. om.]  
σοφία λογιζήσεται (2 b)  
24. 7. λογιζοῦνται ἐν συνέδριοις —  
Ec. 10. 3. ἂ λογιέται πάντα ἀφροσύνη ἔστιν †  
Wi. 2. 1. εἰπον γὰρ ἐν ἑαυτοῖς λογιζόμενοι οὐκ ὀρθῶς  
— 16. εἰς κίβδηλον ἐλογίσθημεν [B' ἐγενήθημεν]  
αὐτῷ (2 b)  
— 21. ταῦτα ἐλογίσαντο [B' -ισθησαν]  
3. 2. ἐλογίσθη κακῶς ἡ ἐξουσία αὐτῶν  
— 10. καθὰ ἐλογίσαντο ἐξουσίαν ἐπιτιμίαν  
— 17. εἰς οὐδὲν λογιζήσονται  
5. 4. τὸν βίον αὐτοῦ ἐλογισάμεθα μαριαν  
7. 9. ὡς πηλὸς λογιζήσεται ἀργύριον  
8. 17. ταῦτα λογιζάμενος ἐν ἑμαυτῷ  
9. 6. εἰς [B' om.] οὐδὲν λογιζήσεται [B' -σονται]  
14. 20. τὸν . . . ἀνθρώπον νῦν σέβασμα ἐλογίσαντο  
15. 2. εἰδότες ὅτι σοὶ λελογισμένα  
— 12. ἐλογίσαντο [B' B' -ατο] παίγμων εἶναι τὴν  
ζωὴν ἡμῶν  
— 15. πάντα τὰ εἰδωλὰ τῶν ἐθνῶν ἐλογίσαντο θεοὺς  
17. 13. πλείονα λογιζέται τὴν [B. ἀναλογ.] ἄνοιαν  
Si. 29. 6. λογιέται αὐτὸ ὡς εὐεργετα  
40. 19. ὑπὲρ ἀμφοτέρων γυνὴ ἄμμος λογιέται  
Ho. 7. 15. εἰς ἐμὲ ἐλογίσαντο πονηρὰ (2 c)  
8. 12. τὰ νόμιμα αὐ. εἰς ἀλλότρια ἐλογίσθησαν (2 b)  
Am. 6. 5. ὡς ἐπὶ τῇ ἐλογίσαντο (2 a)  
Mi. 2. 1. ἐγένοντο λογιζόμενοι κόπους (2 a)  
— 3. ἰδοὺ ἐγὼ λογιζομαι ἐπὶ τὴν φυλὴν ταύτην  
κακά (2 a)  
Na. 1. 9. τί λογιζέσθε ἐπὶ τὸν κύριον (2 c)  
— 11. Α' λογιζόμενος ποιήσει [A. -εταί] ἑκαστίᾳ  
[B. al.] †  
Za. 8. 17. μὴ λογιζέσθε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν (2 a)  
Is. 5. 28. οἱ πόδες τῶν ἱππῶν αὐτῶν ὡς στερεὰ  
πέτρα ἐλογίσθησαν (2 b)  
10. 7. τῇ ψυχῇ οὐχ οὕτως λελογίσται [B' -θαι] (2 a)  
13. 17. οὐ λογιζοῦνται ἀργύριον (2 a)  
29. 16. οὐχ ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κεραμέως λογιζή-  
σεσθε [B' -εσται] (2 b)  
— 17. ὁ Χερμελ εἰς δρυμὸν λογιζήσεται (2 b)

Is. 32. 15. ὁ Χερμελ εἰς δρυμὸν λογιζήσεται (2 b)  
33. 8. Α Β Ε. οὐ μὴ λογιζήσθε [B. -οθήσεσθε] (2 a)  
αὐτοὺς ἀνθρώπους (2 a)  
40. 15. ὡς ῥοπή (ζυγοῦ) ἐλογίσθησαν ὡς σιέλος  
λογισθήσονται [A. al.] (2 b, †)  
— 17. εἰς οὐδὲν ἐλογίσθησαν (2 b)  
44. 19. οὐκ ἐλογίσαντο [A. B. add. τῇ καρδίᾳ αὐ.  
οὐδ' ἂν ἐλογίσαντο (? ἀνελ.) ἐν] τῇ  
ψυχῇ αὐτοῦ (5, -)  
53. 3. ἡτιμώσθη καὶ οὐκ ἐλογίσθη (2 a)  
— 4. ἐλογισάμεθα αὐτὸν εἶναι ἐν πόνῳ (2 a)  
— 12. ἐν τοῖς ἀνόμοις ἐλογίσθη (3)  
Je. 11. 19. ἐπ' ἐμὲ ἐλογίσαντο λογισμὸν πονη-  
ρῶν (2 a)  
18. 8. ὡν ἐλογισάμεν [A. ἐλάλησα] τοῦ ποιῆσαι  
αὐτοὺς (2 a)  
— 11. λογιζομαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν (2 a)  
— 18. λογιζάμεθα ἐπὶ Ἱερριαν λογισμὸν (2 a)  
23. 27. τῶν λογιζομένων τοῦ ἐπὶ λαθίσθαι τοῦ  
νόμου μου (2 a)  
27 (50). 45. οὐδ' ἐλογίσαντο [A. διελ.] ἐπὶ τοὺς  
κατοικοῦντας Χαλδ. (2 a)  
29 (49). 20. ἐν ἐλογίσαντο ἐπὶ τοὺς κατοικοῦν-  
τας Θ. (2 a)  
30 (49). 30. ἐλογίσαντο [A. add. ἐφ' ὑμᾶς] λο-  
γισμὸν (2 a)  
31 (48). 2. ἐλογίσαντο [B' om., B' -σαντο] ἐπ'  
αὐτὴν κακά (2 a)  
33 (26). 3. ὡν ἐγὼ λογιζομαι τοῦ ποιῆσαι αὐτοὺς (2 a)  
38 (29). 11. λογιζομαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν εἰ-  
ρήνης (2 a)  
43 (36). 3. ἂ ἐγὼ λογιζομαι ποιῆσαι αὐτοὺς  
[A. al.] (2 a)  
Ba. 3. 35. οὐ λογιζήσεται ἕτερος πρὸς αὐτόν  
La. 4. 2. πῶς ἐλογίσθησαν εἰς ἀγρία δασυράκια (2 b)  
Ez. 11. 2. οὗτοι οἱ ἄνθρωποι οἱ λογιζόμενοι μάταια (2 a)  
38. 10. λογιζομαι λογισμὸν πονηρῶν (2 a)  
Da. TH. 4. 32. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν ὡς οὐδὲν  
ἐλογίσθησαν (2 d)  
11. 24. ἐπ' Αἴγ. λογιέται λογισμοὺς [A. al.] (2 c)  
— 25. λογιούνται ἐπ' αὐτὸν λογισμοὺς (2 a)  
I Ma. 2. 52. ἐλογίσθη αὐτῷ εἰς δικαιοσύνην [A. αὐ.  
δικαιοσύνη]  
3. 52. ἂ λογιζοῦνται ἐφ' ἡμᾶς  
4. 35. ἐλογίετο πάλιν παραγενέσθαι  
6. 9. ἐλογίσαντο ὅτι ἀποθνήσκει  
— 19. ἐλογίσαντο ἰ. ἐξῆραι αὐτοὺς  
10. 38. Α Β πρὸς τὸ [B. om.] λογιζήσονται τοῦ γένεσθαι  
ἐφ' ἑα  
II Ma. 6. 12. λογιζέσθαι δὲ τὰς τιμωρίας μὴ πρὸς  
διδόνον . . . εἶναι  
11. 2. λογιζόμενος τὴν μὲν πόλιν Ἐ. οικητήριον  
ποιεῖται  
III Ma. 4. 4. λογιζόμενος τὴν ἀδελφὸν τοῦ βίου  
καταστροφήν  
5. 16. ὅν ὁ βασιλεὺς λογιζάμενος  
IV Ma. 3. 15. ἐλογίσαντο πάνδημον εἶναι κίνδυνον τῇ  
ψυχῇ λογιζέμεν ἰσοδύναμον τὸ ποτὺν  
αἵματι  
8. 16. καίτοι λογιζάμεθα  
— 19. λογιούμεθα τὰς τῶν βασιλέων ἀπειλὰς  
[Aq. Jb. 41. 21: Ps. 81 (32). 2: 34 (35). 20:  
72 (73). 16: Pr. 17. 28: Is. 2. 22: 13. 17:  
53. 3: Ho. 8. 12.]  
[Sm. Ge. 11. 6: 42. 30: I Ki. 26. 24: II Ki.  
14. 13 δις: Ps. 20 (21). 12: 31 (32). 2: 34  
(35). 20: 72 (73). 16: 87 (88). 5: 118 (119).  
119: Pr. 17. 28: Is. 2. 22: 53. 3: 4: Ho.  
8. 12.]  
[Th. II Ki. 14. 13: Jb. 41. 21, 24: Ps. 72 (73).  
16: Is. 2. 22: 53. 3.]  
[Al. Nu. 6. 12.]  
[Quint. Ps. 34 (35). 20.]  
**λόγιον.** (1) a. לֹגִיִּן δ. לֹגִיִּן (2) לֹגִיִּן  
(3) לֹגִיִּן  
Nu. 24. 4. Β φησὶν ἀκούων λόγια θεοῦ [A. add.  
ἰσχυροῦ, B. ἰσχυροῦ] (1 a)  
— 16. ἀκούων λόγια θεοῦ (1 a)  
De. 33. 9. ἐφύλαξε τὰ λ. σου (1 b)  
Ps. 11 (12). 6. τὰ λ. κυρίου λόγια ἀγάπῃ (1 b, 1 b)  
17 (18). 30. τὰ λ. κυρίου πεπρωμένα (1 b)  
18 (19). 14. ἔσονται εἰς εὐδοκίαν τὰ λ. τοῦ  
στόματός μου (1 a)  
104 (105). 19. τὸ λ. τοῦ κυρίου ἐπύρωσεν αὐτόν (1 a)  
106 (107). 11. παρέκριναν τὰ λ. τοῦ θεοῦ (1 a)

- Ps. 118 (119). 11. ἐν τῇ καρδίᾳ μου ἔκρυψα τὰ  
λ. σου (1δ)  
— 25. Δ Β² ζῆσόν με [B ζῆσμαι] κατὰ τὸ λ.  
[Δ¹ B τὸν λόγον] σου (2)  
— 38. στήθον τῷ δούλῳ σου [B¹ add. εἰς] τὸ  
λ. σου (1δ)  
— 41. Δ τὸ σωτήριόν σου κατὰ λόγον [B¹ τὸ  
ἔλεος, B² τὸν λόγον] σου (1δ)  
— 50. Δ Β² τὸ λ. σου ἐζήσέ με [B¹ σου οὐκ  
ἐξέλινα] (1δ)  
— 58. B² ἐλίσσον με κατὰ τὸ [A om.] λ. σου (1δ)  
— 65. Δ Β¹ κύριε, κατὰ τὸ λ. [B² B τὸν λόγον]  
σου (2)  
— 67. τὸ λ. σου ἐφύλαξα (1δ)  
— 76. κατὰ [B καί] τὸ λ. σου τῷ δούλῳ σου (1δ)  
— 82. ἐξέλιπον οἱ ὀφθαλμοί μου εἰς τὸ λ. σου (1δ)  
— 103. ὡς γλυκίαν τῷ λάρυγγί μου τὸ λ. σου (1δ)  
— 107. B¹ ζῆσόν με κατὰ τὸ λ. [Δ Β² B τὸν  
λόγον] σου (2)  
— 116. ἀντιλαβού μου κατὰ τὸ λ. σου (1δ)  
— 123. καὶ εἰς τὸ λ. τῆς δικαιοσύνης σου (1δ)  
— 124. Δ Β¹ ποίησον μετὰ τοῦ δούλου σου κατὰ  
τὸ λ. [B² B ἑλός] σου +  
— 133. τὰ διαβήματά μου κατείδον κατὰ τὸ  
λ. σου (1δ)  
— 140. πεπρωμένον τὸ λ. σου σφόδρα (1δ)  
— 148. τὸ μελετᾶν τὸ λ. σου (1δ)  
— 149. B¹ τῆς φωνῆς μου ἀκουσον, κύριε, κατὰ  
τὸ λ. [Δ Β² B ἑλός] σου +  
— 158. τὸ λ. σου οὐκ ἐφύλαξαντο (1δ)  
— 162. ἀγαλλιάσομαι ἐνῷ ἐπὶ τὰ λ. σου (1δ)  
— 169. κατὰ τὸ λ. σου συνέτισόν με [A al.] (1δ)  
— 170. B² κατὰ τὸ λ. σου βύσαι με [A al.] (1δ)  
— 172. Δ Β¹ φθέγγετο ἡ γλῶσσά μου τὸ λ.  
[B² B τὰ λ.] σου (1δ)  
147. 4 (15). ὁ ἀποστέλλων τὸ λ. αὐτοῦ τῇ γῇ (1δ)  
Wi. 16. 11. εἰς γὰρ ὑπόμνησιν τῶν λ. σου ἐνεκε-  
ντίζοντο  
Si. 36. 19 (16). B πλῆθον Σιών ἔρει τὰ λ. [B ἀρετα-  
λογίας, Δ B ἀρεταλογία] σου (1δ)  
Is. 5. 24. τὸ λ. τοῦ ἁγίου [A om.] Ἰσραὴλ παρ-  
ώξυναν (1δ)  
28. 13. ἔσται αὐτοῖς τὸ λ. κυρίου (2)  
30. 11. ἀφέλετε ἀφ' ἡμῶν τὸ λ. τοῦ Ἰσραὴλ +  
— 27. μετὰ δόξης τὸ λ. σου χελεύων αὐτοῦ τὸ  
λ. ὁργῆς πλῆρες (8, -)  
[Aq. Ps. 118 (119). 41: 187 (188). 2: Is. 82. 9:  
Je. 8. 9.]  
[Th. Ps. 118 (119). 41.]  
[Quint. Ps. 187 (188). 2.]

**λογισμός.** (1) α. ἡβψῆ, ἡβψῆ δ. ἡβψῆ  
c. ἡβψῆ d. βψῆ

- II Ki. 14. 14. Δ διαλογίζομενος λογισμούς τοῦ  
ἐξώσαι [B al.] (1α)  
Je. 8. 14. τὸν λ. αὐ. κατανοήσετε  
Us. 1. 1. ἴκουσέ τε αὐτὸν τοὺς λ.  
Ps. 82 (83). 10. ἀθετεῖ δὲ λογισμούς λαῶν (1α)  
— 11. λογισμοὶ τῆς καρδίας αὐτοῦ ἀπὸ γενεῶν  
εἰς γενεάς (1α)  
Pr. 6. 18. καὶ καρδία τεκτανομένη λ. κακοῦς (1α)  
12. 5. λογισμοὶ δικαίων κρίματα (1α)  
15. 22. ὑπερτίθενται λογισμοὺς οἱ μὴ τιμῶντες  
συνέδρια (1α)  
— 26. Βδελύγμα κυρίου λογισμὸς ἀδικος (1α)  
21. πολλοὶ λογισμοὶ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (1α)  
Ec. 7. 28 (27). μία τῇ μὲν τοῦ εὐρεῖ λογισμὸν (1δ)  
— 30 (29). αὐτοὶ ἐξήγησαν λ. πολλοὺς (1c)  
9. 10. οὐκ ἔστι . . . λογισμὸς . . . ἐν ᾧ (1δ)  
Wi. 1. 3. σκολοὶ γὰρ λ. χωρίζουσιν ἀπὸ θεοῦ  
— 5. ἀπαναστήσεται ἀπὸ λ. ἀσυνέτων  
9. 14. λογισμοὶ γὰρ θνητῶν δειλοὶ  
11. 15. ἀντὶ δὲ λ. ἀσυνέτων ἀδικίας αὐτῶν  
12. 10. οὐ μὴ ἀλλὰ ὅ λ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα  
17. 12. προσδοκία [B προσδοκία] τῶν ἀπὸ λογισμοῦ  
βοηθημάτων  
19. 3. ἔτερον ἐπισπάσαντο λογισμὸν ἀνοίας  
Si. 27. 4. σκιῶβαλα ἀνθρώπου ἐν λογισμῷ αὐτοῦ  
— 5. Δ Β² περασμοὶ ἀνθρώπου ἐν λογισμῷ [B B¹  
διαλ.] αὐτοῦ  
— 7. πρὸ λογισμοῦ μὴ ἐπαίσης ἀνδρα  
40. 29. οὐκ ἔστιν αὐτοῦ ὁ βίος ἐν λογισμῷ [B διαλ.]  
ζῶης  
43. 23. λογισμῷ αὐτοῦ ἐκόσασεν ἄβυσσον  
Mi. 4. 12. οὐκ ἔγνωσαν τὸν λογισμὸν κυρίου (1α)

- Na. 1. 11. ἐκ σοῦ ἐξελεύσεται λογισμὸς κατὰ  
τοῦ κ. ποιηρᾶ (1d)  
Is. 82. 7. Δ διασκεδάσαι λογισμοὺς [B B-γους] +  
ταπεινῶν ἐν κρίσει  
66. 18. τὰ ἔργα αὐ. καὶ τὸν λ. αὐ. [B add. ἐπί-  
σταμαι] (1α)  
Je. 4. 14. B² B ὥς ποτε ὑπάρχουσιν ἐν σοὶ λο-  
γισμοὶ [Δ B¹ B διαλ.] πόρων σου (1α)  
11. 19. ἐπ' ἐμὲ ἐλογίσαντο λογισμὸν ποιητῶν (1α)  
18. 11. λογιζομαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν (1α)  
— 18. λογισμὸς ἐπὶ Ἱερειαν λογισμὸν (1α)  
27 (50). 45. ἀκούσατε . . . λογισμοὺς αὐτοῦ  
[Δ διαλ.] (1α)  
28 (51). 29. ἐξάνισθη ἐπὶ Βαβυλῶνα λ. κυρίου (1α)  
29 (49). 20. ἀκούσατε . . . λογισμὸν αὐτοῦ (1α)  
30 (49). 30. ἐλογίσαστο [Δ add. ἐφ' ὑμᾶς] λο-  
γισμὸν, (1α)  
36 (29). 11. λογιζομαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν  
εἰρήνης (1α)  
Ez. 38. 10. λογιζομαι λογισμοὺς ποιητῶν  
Da. LXX. 11. 24. εἰ λ. αὐτοῦ εἰς μάτην  
Da. TH. 11. 24. ἐπ' Ἀγγ. λογιεῖται λογισμοὺς  
[Δ διαλ. αὐτοῦ] (1α)  
— 25. λογιζομαι ἐπ' αὐτὸν λογισμοὺς (1α)  
I Ma. 11. 8. διελογίζετο περὶ Ἀ. λογισμοὺς ποιητῶν  
II Ma. 6. 23. ὁ δὲ λογισμὸν ἄσπειρον ἀναλίσβων  
7. 21. τὸν θλῆν λογισμὸν ἄσπειρον θυμῷ διεγείρασα  
III Ma. 5. 12. τοῦ δὲ ἀμαρτανίου λ. μεγάλως διε-  
ψευσμένους  
IV Ma. 1. 1. αὐτοδιδασκός ἐστι τῶν παθῶν ὁ εὐ-  
σεβὴς λ.  
— 3. εἰ ἄρα τῶν . . . παθῶν ὁ λ. φαίνεται ἐπικρατεῖν  
— 5. εἰ τῶν παθῶν ὁ λ. κρατεῖ  
— 6. οὐ γὰρ τῶν ἐνυτοῦ παθῶν ὁ λ. κρατεῖ  
— 7. Δ Β Α αυτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς  
[B om.] λ.  
— 9. περικρατεῖ τῶν παθῶν ὁ λ.  
— 13. αυτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ λ.  
— 14. διακρινόμεν δὲ τί ποτε ἐστὶ λογισμὸς  
— 14. εἰ πάντων ἐπικρατεῖ τούτων ὁ λογισμὸς  
— 15. λογισμὸς μὲν δὲ τοῖν ἐστὶ νοῦς  
— 19. τῶν παθῶν ὁ λ. ἐπικρατεῖ  
— 29. ὁ παγγέωργος λογισμὸς περικαθαίρων  
— 30. ὁ γὰρ λ. τῶν μὲν ἀρετῶν ἐστὶν ἡγεμών  
— 30. αὐτοδιδασκός ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ λ.  
— 32. τοῦτων . . . ὁ λ. ἐπικρατεῖν φαίνεται  
— 33. δύναται τῶν ὀρέξεων ἐπικρατεῖν ὁ λ.  
— 34. ἀπεχόμεθα διὰ τὴν τοῦ λ. ἐπικρατεῖν  
— 35. B² φιλοῦται [Δ φιλοτιμοῦνται] . . . ὑπὸ τοῦ λ.  
2. 2. Δ Β ἐστὶ τῷ λ. [B om. τῷ λ.] διανοίᾳ περικρατῆσε  
— 3. ἡκέρωσε τῷ λ. τὸν τῶν παθῶν οἶστρον  
— 4. ἐπικρατεῖν ὁ λογισμὸς φαίνεται  
— 6. τῶν ἐπιθυμιῶν κρατεῖν δύναται ὁ λ.  
— 7. κύριος ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ λ.  
— 9. ὑπὸ τοῦ νόμου κρατεῖται διὰ τὸν λ.  
— 9. τῶν παθῶν ἐστὶν ὁ λ. κρατῶν  
— 13. ὁ λ. ἐπικρατεῖν δύναται διὰ τὸν νόμον  
— 15. τῶν . . . παθῶν ἐπικρατεῖν ὁ λ. φαίνεται  
— 17. ἀλλὰ λογισμῷ τὸν θυμὸν διήτησεν  
— 19. μὴ λογισμῷ τοὺς Σ. ἐθνηδὸν ἀποσφάζοντας  
— 20. ἰδύνατο τῶν θυμῶν ὁ λ. κρατεῖ  
— 24. Δ Β εἰ τῶν παθῶν ὁ λ. κρατεῖ [B al.]  
3. 1. B ἐστὶ δὲ κομιδὴ γελῶσις ὁ λόγος [Δ λογισμὸς]  
— 1. Δ Β ἐστὶ ἐνυτοῦ παθῶν ὁ λ. ἐπικρατεῖν φαίνεται  
[B al.]  
— 2. δύναται ὁ λ. παρασχέσθαι  
— 3. B τῷ θυμῷ δύναται τὸν λ. [Δ B om. τ. λ.]  
βοηθῆσαι  
— 4. B² δύναται [Δ -τόν] ὁ λ. συμμαχεῖσθαι  
— 5. οὐ γὰρ ἐκρινεῖται τῶν παθῶν ὁ λ. ἐστὶν  
— 16. ἀντιθεῖται τῇ ἐπιθυμίᾳ τὸν λ.  
— 18. τῇ καλοκαθάρᾳ τοῦ λ. ἀποσπύσται  
— 19. τῆς ἱστορίας τοῦ σώφρονος λογισμοῦ  
6. 10. B B ἀποσκεδάσει τὸν λ. [Δ τὸν λ.] σου τὸν  
λθρον  
— 31. ὥστε μοι διὰ τὴν εὐσεβίαν μὴ νεάξιν τὸν λ.  
— 38. τῶν δὲ ἑμῶν περὶ τῆς εὐσεβείας λογισμῶν  
6. 7. ὁρθὸν εἶχε καὶ ἀκλίην τὸν λ.  
— 30. ἀντίστη τῷ λ. διὰ τὸν νόμον  
— 31. διεσπότης ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.  
— 32. εἰ γὰρ τὰ πάθη τοῦ λ. ἐκκρατῆται  
— 33. νυνὶ δὲ τοῦ λ. τὰ πάθη νικησαντος  
— 34. ὁμολογῶν . . . τὸ κράτος εἶναι τοῦ λ.  
— 35. τῶν ἀλγυθίων . . . ἐκκρατῆται τὸν λ.  
7. 1. κυβερνήτης ὁ τοῦ πατρὸς ἡμῶν Ἐ. λογισμὸς  
— 4. διὰ τὸν ὑπερασπίζοντα τῆς εὐσεβείας λογισμὸν

- IV Ma. 7. 12. οὐ μετετρέπη τὸν λ.  
— 14. Δ Β ἀνέναντι τῷ πνεύματι [B add. διὰ] τοῦ λ.  
— 14. τῷ Ἰσ. λ. τὴν πολυκεφαλὸν στρέβλαν ἡε-  
ρωσεν  
— 16. ἡγμῶν ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.  
— 17. οὐδὲ πάντες φρόνιμον ἔχουσιν τὸν λ.  
— 20. παθοκρατεῖσθαι διὰ τὸν ἀσθενῆ λογισμὸν  
— 24. μερικίσκοι τῷ τῆς εὐσεβείας λ. φιλοσο-  
φούντες  
9. 17. ὥστε μοι τὸν λ. ἔξει  
— 30. Δ Β νικώμενον τὸν [B om.] τῆς τυραννίδος  
ὑπερῆφανον λ.  
10. 19. οὐ γὰρ παρὰ τοῦτο τὸν λ. ἡμῶν γλωσσο-  
τομήσεις  
11. 25. μεταπέσει τὸν λ. ἡμῶν  
— 27. διὰ τοῦτο ἀνίκητον ἔχοντα τὸν λ.  
13. 1. αὐτοδιδασκός ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.  
— 3. τῷ ἐπαίνουμένῳ λ. παρὰ θ. περιεχόμενον τῶν  
παθῶν  
— 16. τῇ τοῦ θεοῦ λογισμοῦ παθοκρατεῖα  
14. 2. ὁ βασιλεὺς λογισμοὶ βασιλικώτεροι  
— 11. εἰ ὁ λ. περικρατῆσε τῶν ἀνδρῶν ἐκείνων  
— 15. 1. ὁ λογισμὸς τῶν παθῶν τύραννε  
— 11. ἐπ' οὐδενὸς αὐτῶν τὸν λ. αὐ. . . ἴσχυσαν  
μετατρέψαι  
— 23. ὁ εὐσεβὴς λογισμὸς . . . ἐπέτεινε  
16. 1. αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λ.  
— 4. τῷ λ. τῆς εὐσεβείας κατέσβεσε τοσαῦτα . . .  
πάθη  
18. 2. τῶν παθῶν δεσπότης ἐστὶν ὁ εὐσεβὴς λ.  
[Aq. Ec. 7. 26 (25), 28 (27): Is. 65. 2: Je. 18.  
18: 29 (30). 11: 49. 20 (29, 31).]  
[Sm. II Ki. 14. 13: Ec. 7. 26 (25), 28 (27): Je.  
18. 18: 49. 20 (29, 31).]  
[Th. Pr. 15. 22: 16. 3: 20. 18: 21. 5: Ec. 7.  
28 (27): Is. 65. 2: Je. 29 (30). 11: Ez. 5. 7:  
Da. 11. 25.]  
[Al. Je. 17. 1: Pr. 15. 6.]  
[Sext. Ps. 82 (83). 10.]  
**λογιστής.** (1) βψῆ  
II Ch. 26. 15. μηχανὰς μεμηχανεμένους λογιστοῦ (1)  
**λογιστοία.**  
[Sm. Ps. 101 (102). 1.]  
**λόγος.** (1) α. ἡβψῆ δ. ἡβψῆ c. ἡβψῆ d. βψῆ  
c. ἡβψῆ d. βψῆ  
2. 2. α. ἡβψῆ δ. ἡβψῆ c. ἡβψῆ  
d. βψῆ qal. e. pi. (8) βψῆ (4) ἡβψῆ  
(5) ἡβψῆ (6) ἡβψῆ (7) βψῆ (8) βψῆ  
(9) βψῆ (10) ἡβψῆ (11) ἡβψῆ (12) βψῆ  
(13) ἡβψῆ (14) ἡβψῆ (15) λόγον ἔχειν βψῆ  
(16) σκοτεινὸς λ. ἡβψῆ (17) φοβερός  
λ. ἡβψῆ  
Ge. 4. 23. ἐνωτίσασθί μου τοὺς λ. (1δ)  
29. 13. διηγήσατο τῷ λ. πάντα τοὺς λ. τούτους (2α)  
34. 18. ἤρεσαν οἱ λ. ἐναντίον Ἑμῶν (2α)  
Ex. 4. 28. ἀνιγγίλει . . . πάντας τοὺς λ. κυρίου (2α)  
5. 9. μὴ μερικνύσων ἐν λ. κενούς (2α)  
18. 19. ἀνοίσεις τοὺς λ. αὐτῶν πρὸς τὸν θεόν (2α)  
19. 7. παρέθηκεν αὐτοῖς πάντας τοὺς λ. τ. (2α)  
— 8. ἀνιγγίλει . . . τοὺς λ. τούτους [Δ τοῦ λαοῦ] (2α)  
20. 1. ἐλάλησε κύριος πάντας τοὺς λ. τούτους (2α)  
24. 3. π. τοὺς λ. οὐς ἐλάλησε κύριος ποιήσαντες (2α)  
— 8. διέθετο . . . περὶ πάντων τῶν λ. τούτων (2α)  
33. 17. τοῖτον σοι τὸν λ. ὃν εἰρήκας ποιῶν (2α)  
34. 27. ἐπὶ γὰρ τῶν λ. τούτων τέθειμά σοι (2α)  
— 28. τὰ ῥήματα ταῦτα . . . τοὺς δέκα λ. (2α)  
35. 1. οὗτοι οἱ λ. οὐς εἶπε κύριος ποιήσῃ (2α)  
Le. 8. 36. εἰποίησεν . . . πάντας τοὺς λ. (2α)  
Nu. 5. 21. B ὀρκίει . . . ἐν τοῖς λ. [Δ B ὀρκίους]  
τῆς ἀρᾶς ταύτης +  
11. 23. εἰ ἐπικαταλύψεται σε ὁ λ. μου (2α)  
12. 6. ἀκούσατε τῶν λ. μου (2α)  
16. 31. ὥς δὲ ἐπαύσατο λαλῶν πάντας τοὺς λ.  
τούτους (2α)  
21. 20 (21). ἀπέστειλε Μ. . . λ. εἰρηνοκίς -  
De. 1. 1. οὗτοι οἱ λ. οὐς ἐλάλησε Μ. (2α)  
— 18. ἐνετείλαμην ὑμῖν . . . πάντας τοὺς λ. (2α)  
— 32. ἐν τῷ λ. τοῦτ' οὐκ ἐνεπιστεύσατε (2α)  
— 34. ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λ. (2α)  
2. 26. ἀπέστειλα . . . λ. εἰρηνοκίς (2α)  
3. 26. μὴ προσθῆς ἔτι λαλήσαι τὸν λ. τούτον (2α)

De. 4. 9. μὴ ἐπιλάβῃ πάντας τοὺς λ. (2 α)  
— 30. εὐρησούσι σε πάντες οἱ λ. οὗτοι (2 α)  
5. 28 (25). ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λ. ὑμῶν (2 α)  
— 28 (25). ἤκουσα τὴν φωνὴν τῶν λ. τοῦ λαοῦ (2 α)  
9. 10. ἐγγύγραπτο πάντες οἱ λ. (2 α)  
10. 4. ἔγραψεν . . . τοὺς δέκα λ. (2 α)  
12. 28. ποιήσεις πάντας τοὺς λ. (2 α)  
13. 3 (4). οὐκ ἀκούσῃτε τῶν λ. τοῦ προφήτου  
ἐκ. (2 α)  
— 14 (15). Β ἀληθῶς [Α Β -ῆς] σαφῶς ὁ λ. (2 α)  
16. 19. ἐξαιρεί λόγους δικαίων (2 α)  
18. 19. ὅς ἐάν μὴ ἀκούσῃ [Α add. τῶν λ. αὐ.] (2 α)  
22. 14. καὶ ἐπιθῇ αὐτῇ προφασιστικούς λ. (2 α)  
— 17. ἐπιτίθῃσιν αὐτῇ προφασιστικούς λ. (2 α)  
— 20. ἐὰν δὲ ἐπ' ἀληθείας γένηται ὁ λ. οὗτος (2 α)  
27. 3. γράψῃς . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου  
τούτου (2 α)  
— 26. ὅς οὐκ ἐμμένει ἐν πᾶσι τοῖς λ. τοῦ  
νόμου τ. (2 α)  
28. 14. Α οὐ παραβῆσθαι ἀπὸ πάντων τῶν λ.  
[Β α.] (2 α)  
29. 1 (28. 69). οὗτοι οἱ λ. τῆς διαθήκης (2 α)  
— 9 (8). φυλάξεσθε ποιῆν πάντας τοὺς λ. (2 α)  
31. 1. λαλῶν πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 α)  
— 12. ποιῶν πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τούτου (2 α)  
— 24. γράφων πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τούτου (2 α)  
— 28. ἵνα λαλήσῃ . . . πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 α)  
32. 44. ἐλάλησε πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τ. (2 α)  
— 46. προσέειπε . . . ἐπὶ πάντας τοὺς λ. τ. (2 α)  
— 46. ποιῶν πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου τούτου (2 α)  
— 47. οὐχ ἰ. κενός [Α κενός] οὗτος ὑμῖν (2 α)  
— 47. ἐνεκεν τοῦ λ. τούτου μακρομυρεῖσθε (2 α)  
33. 3. ἐδέξατο ἀπὸ τῶν λ. αὐτοῦ (2 β)  
Jo. 2. 20. ἐὰν δὲ τίς . . . ἀποκαλύψῃ τοὺς λ. ἡμῶν  
τούτους (2 α)  
14. 7. ἀπεκρίθη αὐτῷ λόγον (2 α)  
20. 4. Α λαλήσει . . . τοὺς λ. τοὺτους (2 α)  
22. 30. ἀκούσας . . . τοὺς λ. (2 α)  
— 32. ἀπεκρίθησαν αὐτοῖς τοὺς λ. (2 α)  
23. 14. οὐκ ἔπαιον εἰς λ. ἀπὸ πάντων τῶν λ. (2 α, 2 α)  
Jd. 2. 4. ὡς ἐλάλησεν . . . τοὺς λ. τοὺτους (2 α)  
— 17. τοῦ ἐλακοῦναι τὸν λ. [Α ἐντολὰς] κυρίου (5)  
3. 19. λ. μοι κρύφιος πρὸς σέ (2 α)  
— 20. λόγος θεοῦ μοι πρὸς σέ (2 α)  
5. 29. ἀπέστρεψε λόγους αὐτῆς ἐαυτῇ [Α α.] (1 α)  
8. 3. ἐν τῇ λαλήσῃ αὐτὸν τὸν λ. τοῦτον (2 α)  
9. 3. ἐλάλησαν . . . πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 α)  
— 30. ἤκουσε Ζ . . . τοὺς λ. Γ. (2 α)  
11. 11. ἐλάλησαν Ἰ. πάντας τοὺς λ. αὐ. (2 α)  
— 28. οὐκ ἤκουσε . . . τῶν λ. Ἰ. [Α α.] (2 α)  
— 37. ποιήσαντες δὲ . . . τὸν λ. τοῦτον [Α α.] (2 α)  
13. 12. νῦν ἐλευσεται ὁ λ. σου [Α α.] (2 α)  
16. 16. ἐξέθλιψεν αὐτὸν ἐν λόγοις [Α αὐ. τοῖς  
λ.] αὐ. (2 α)  
18. 7. οὐκ ἔστι . . . κατασιγήσαν λόγον [Α α.] (2 α)  
— 7. λόγον οὐκ ἔχοντι πρὸς ἄνθρωπον [Α λόγος  
οὐκ ἦν αὐτοῖς μετὰ Συρίας] (2 α)  
— 9. Α λόγος οὐκ ἦν αὐτοῖς μετὰ Συρίας  
— 28. λόγος οὐκ ἔστιν αὐτοῖς μετὰ ἄνθρωπον (2 α)  
20. 7. δότε αὐτοῖς λόγον (2 α)  
21. 11. Α οὗτος ὁ λ. ὃν ποιήσετε [Β α.] (2 α)  
Ru. 4. 7. τοῦ στήσθαι πάντα [Α τὸν] λ. (2 α)  
I Ki. 3. 17. ἐκ πάντων λ. τῶν λαληθέντων σοι  
— 18. ἀπήγγειλε Σ. πάντας τοὺς λ. (2 α)  
— 19. οὐκ ἔπαιον ἀπὸ πάντων [Β' om.] τῶν λ. αὐ. (2 α)  
8. 21. ἤκουσε Σ. πάντας τοὺς λ. τοῦ λαοῦ (2 α)  
11. 4. λαλοῦσι τὸν λ. (2 α)  
15. 1. ἀκούε τῆς φωνῆς [Α add. τῶν λ.] κυρίου (2 α)  
— 11. τοὺς λ. μου οὐκ ἐτήρησε (2 α)  
— 24. παρέβησαν τὸν λ. κυρίου (8)  
16. 18. ὁ ἀνὴρ πολεμιστὴς καὶ σοφὸς [Α συ-  
μετός] λόγον (2 α)  
17. 31. Α ἠκούσθησαν οἱ λ. (2 α)  
18. 8. ποιητὴν ἐφάνη τὸ ῥῆμα . . . περὶ τοῦ λ.  
τούτου (2 α?)  
— 26. εὐθύνη ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς Δ. (2 α)  
20. 22. Β οὐκ ἔστι λόγος κυρίου [Α B om.]  
— 22. 15. μὴ δότω ὁ βασις . . . λόγον (2 α)  
24. 8. ἔπαιον Δ. τοὺς ἄνδρας αὐ. ἐν λόγοις (2 α)  
— 10. ἵνα τί ἀκούει τῶν λ. τοῦ λαοῦ (2 α)  
25. 9. λαλοῦσι τοὺς λ. τοὺτους πρὸς Ν. [Α α.] (2 α)  
— 24. Β ἀκούσαν τῆς δοῦλης σου λόγον [Α τὸν  
λ., Β -ων] (2 α)  
28. 10. εἰ ἀπαντήσῃ σοι ἀδικία ἐν τῇ λ.  
τούτῃ (2 α)  
— 20. ἐφοβήθη σφόδρα ἀπὸ τῶν λ. Σαμ. (2 α)

I Ki. 28. 21. ἤκουσα τοὺς λ. (2 α)  
29. 10. λ. λοιπὸν μὴ θῆς  
20. 24. Β τίς ὑπακούσεται [Α Β ἐπ.] ὑμῶν τῶν  
λ. τούτων (2 α)  
II Ki. 1. 4. τίς ὁ λ. οὗτος (2 α)  
3. 8. Α' Β ἐθυμώθη σφόδρα ἈΒ. περὶ τοῦ λ. (2 α)  
— 13. λ. ἐνα ἐγὼ αἰτοῦμαι παρὰ σοῦ (2 α)  
7. 17. κατὰ πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 α)  
— 21. Α δ. ὁ τὸν λ. [Β δοῦλόν] σου πεποιήκας (2 α)  
— 28. οἱ λ. σου ἔσονται ἀληθινοί (2 α)  
11. 18. ἀπήγγειλε . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ  
πολέμου (2 α)  
— 19. ἐν τῇ συντελέσει πάντας τοὺς λ. τοῦ  
πολέμου (2 α)  
12. 9. ἐφαύλισας τὸν λ. κυρίου (2 α)  
13. 21. ἤκουσεν ὁ βασις Δ. πάντας τοὺς λ. τ. (2 α)  
— 22. ἐπὶ λόγον οὐ ἐταπεινώσε Θ. (2 α)  
— 35. κατὰ τὸν λ. τοῦ δούλου σου (2 α)  
14. 3. ἔθηκεν Ἰ. τοὺς λ. ἐν τῇ στόματι αὐ. (2 α)  
— 13. ἡ ἐκ στόματος τοῦ βασι. ὁ λ. οὗτος (2 α)  
— 17. εἴη δὲ ὁ λ. τοῦ κ. μου τοῦ βασι. εἰς  
θυρίαν (2 α)  
— 19. ἔθετο ἐν τῇ στόματι . . . πάντας τοὺς  
λ. τοὺτους (2 α)  
— 20. Β δ' ἐποίησεν . . . τὸν δόλον [Α Β λόγον]  
τούτον (2 α)  
— 21. ἐποίησά σοι κατὰ τὸν λ. σου τούτον (2 α)  
— 22. ἐποίησεν . . . τὸν λ. τοῦ δούλου αὐ. (2 α)  
15. 3. οἱ λ. σου ἀγαθοὶ καὶ εὐκολοὶ (2 α)  
16. 23. ὃν τρόπον ἐπερωτήσῃ ἐν λόγῳ τοῦ θ. (2 α)  
17. 4. εὐθὺς ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς ἈΒ. (2 α)  
— 6. ποιήσομεν κατὰ τὸν λ. αὐτοῦ (2 α)  
18. 13. πᾶς ὁ [Α om.] λ. οὐ λήσεται ἀπὸ τοῦ  
βασι. (2 α)  
19. 11 (12). λόγος παντός [Α -ῖ] Ἰσρ. ἦλθε  
πρὸς τὸν βασι. (2 α)  
— 29 (30). ἵνα τί λαλεῖς ἔτι τοὺς λ. σου (2 α)  
— 42 (43). ἵνα τί . . . ἐθυμώσῃ περὶ τοῦ λ.  
τούτου (2 α)  
— 43 (44). καὶ οὐκ ἐλογίσθη ὁ λ. μου πρῶτος  
μοι (2 α)  
— 43 (44). ἐσκλήρυνθαι ὁ λ. ἀνδρὸς Ἰ. ὑπὲρ  
τὸν λ. ἀνδρὸς Ἰσρ. (2 α, 2 α)  
20. 17. ἀκούσαν τοὺς λ. τῆς δοῦλης σου (2 α)  
— 18. λόγον ἐλάλησαν ἐν πρῶτοις (2 α)  
— 21. οὐκ οὗτος ὁ λ. (2 α)  
22. 1. ἐλάλησε Δ. τῇ κ. τοὺς λ. τῆς φῆξης  
ταύτης (2 α)  
23. 1. οὗτοι οἱ λ. Δ. οἱ ἔσχατοι (2 α)  
— 2. ὁ λ. αὐ. ἐπὶ γλώσσης μου (4)  
24. 3. ἵνα τί βουλίσται ἐν τῇ λ. τούτῃ (2 α)  
— 4. ὑπερίσχυεν ὁ λ. τοῦ βασι. πρὸς Ἰ. (2 α)  
— 11. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Γ'. (2 α)  
— 19. ἀνίβη Δ. κατὰ τὸν λ. Γάδ (2 α)  
III Ki. 1. 7. ἐγένοντο οἱ λ. αὐ. μετὰ Ἰ. (2 α)  
— 14. πληρώσαν τοὺς λ. σου (2 α)  
2. 4. ἵνα στήσῃ κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (2 α)  
— 13 (14). λόγος μοι πρὸς σέ (2 α)  
— 23. ἐλάλησαν Ἀδ. τὸν λ. τοῦτον (2 α)  
3. 10. Α ἤμεσαν ὁ λ. [Β om. ὁ λ.] ἐνώπιον  
κυρίου (2 α)  
4. 27 (5. 7). οὐ παραλλάσσουσιν λόγον (2 α)  
5. 7 (21). καθὼς ἤκουσε Χ. τῶν λ. Σαλ. (2 α)  
6. 1 (38). εἰς πάντα λ. αὐ. καὶ εἰς πᾶσαν διά-  
ταξιν αὐ. (2 α)  
— 11. Α ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαλ. (2 α)  
— 12. Α στήσῃ τὸν λ. μου σὺν σοί (2 α)  
8. 56. οὐ διεφώνησε λ. εἰς ἐν πᾶσι τοῖς λ.  
αὐτοῦ τοῖς ἀγαθοῖς (2 α, 2 α)  
— 59. ἔστωσαν οἱ λ. [Α add. μου] οὗτοι . . .  
ἐνώπιον κυρίου (2 α)  
10. 3. ἀπήγγειλεν αὐτῇ Σ. πάντας τοὺς λ. αὐ. (2 α)  
— 3. οὐκ ἦν λ. παρεωραμένος παρὰ τοῦ  
βασι. (2 α)  
— 6. ἀληθινὸς ὁ λ. ὃν ἤκουσα ἐν τῇ γῇ μου  
περὶ τοῦ λ. σου (2 α, 2 α)  
11. 10. καὶ ἐντεταμένον αὐτῷ ὑπὲρ τοῦ λ.  
τούτου (2 α)  
— 41. Α Β τὰ λοιπὰ τῶν λ. [Β ῥημάτων] Σαλ. (2 α)  
12. 6. πᾶς . . . ἀποκριθὼ τῷ λαῷ τούτῳ λόγον (2 α)  
— 7. καὶ λαλήσῃ αὐτοῖς λ. ἀγαθοῖς (2 α)  
— 16. Α ἀπεκρίθη ὁ λαὸς τῷ βασι. λόγον  
[Β om.] (2 α)  
— 22. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σ. (2 α)  
— 24. ἤκουσαν τοὺς λ. κυρίου (2 α)  
— 24. Β λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Σ. (2 α)

III Ki. 12. 24. Β ἤκουσαν τοῦ λ. κυρίου  
— 30. ἐγένετο ὁ λ. οὗτος εἰς ἀμαρτίαν (2 α)  
13. 1. παρεγένετο ἐν λόγῳ κυρίου (2 α)  
— 2. ἐπεκάλεσε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (2 α)  
— 4. ὡς ἤκουσεν . . . τῶν λ. τοῦ ἀνθρώπου  
τοῦ θ. (2 α)  
— 5. δ' ἔδωκεν ὁ ἀνθρ. τοῦ θ. ἐν λόγῳ κυρίου (2 α)  
— 9. ἐνετείλατό μοι ἐν λόγῳ κυρίου (2 α)  
— 11. τοὺς λ. οὐς ἐλάλησε τῷ βασι. (2 α)  
— 17. ἐντέταλται μοι ἐν λόγῳ κυρίου (2 α)  
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς τὸν προφ. (2 α)  
— 32. δ' ἐλάλησεν ἐν λόγῳ κυρίου (2 α)  
14. 29. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ρ. (2 α)  
— 29. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
15. 7. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Αβ. (2 α)  
— 7. ἐπὶ βιβλίῳ [Α -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 23. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ασά (2 α)  
— 23. ἐπὶ βιβλίῳ [Α -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 31. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ν. (2 α)  
— 31. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Εἰοῦ (2 α)  
— 5. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Β. (2 α)  
— 5. ἐν [Α ἐπὶ] βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 14. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Η. (2 α)  
— 14. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 20. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ζ. (2 α)  
— 20. ἐν βιβλίῳ [Α ἐπὶ βιβλίῳ] λόγων τῶν  
ἡμερῶν (2 α)  
— 27. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ζ. (2 α)  
— 27. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 28 (22. 45 [46]). Β ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν  
ἡμερῶν (2 α)  
17. 1. διὰ σήμερον λόγου μου (2 α)  
— 2. Α ἐγένετο λόγος [Β ῥῆμα] κυρίου πρὸς  
'Η. (2 α)  
18. 21. οὐκ ἀπεκρίθη ὁ λαὸς [Α add. αὐτῷ]  
λόγον (2 α)  
20 (21). 4. Α ἐκτελειώμενος ἐπὶ τῇ λ. [Β α.] (2 α)  
— 27. ὑπὲρ τοῦ λ. ὡς [Α οὐ] κατενύγη Ἀχ. (2 α)  
21 (20). 9. ἐπίστρεψαν [Α ἀνέστρ.] αὐτῷ  
λόγον (2 α)  
— 12. ἀπεκρίθη αὐτῷ τὸν λ. τοῦτον (2 α)  
— 33. ἀνέλεσεν τὸν λ. (2 α)  
— 35. εἶπε πρὸς τὸν πλησίον αὐ. ἐν λόγῳ  
κυρίου (2 α)  
22. 13. γίνου δὲ καὶ σὺ εἰς λόγους σου κατὰ  
τοὺς λ. ἐνὸς τούτων (2 α, 2 α)  
— 39. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Αχ. (2 α)  
— 39. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 46. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ιωσ. (2 α)  
— 46. Β ἐν βιβλίῳ λόγων 'Ιωσ. [Α Β α.] (2 α)  
IV Ki. 1. 7. καὶ λαλήσαντες πρὸς ὑμᾶς τοὺς λ.  
τούτους (2 α)  
— 18. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Οχ. (2 α)  
— 18. ἐπὶ βιβλίῳ [Α -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
4. 13. εἰ ἔστι λόγος σοι πρὸς τὸν βασι. (2 α)  
5. 13. μέγας λ. ἐλάλησεν ὁ προφήτης (2 α)  
— 18. λήσεται ἡ κύριος . . . ἐν τῇ λ. τούτῃ (2 α)  
6. 11. ἐξεκινήθη . . . περὶ τοῦ λ. τούτου (2 α)  
— 12. ἀναγγέλλει . . . πάντας τοὺς λ. (2 α)  
— 30. ὡς ἤκουσεν ὁ βασι. Ἰσρ. τοὺς λ. τῆς γυν. (2 α)  
7. 1. ἀκούσαν λόγον κυρίου (2 α)  
8. 23. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ι. (2 α)  
— 23. ἐπὶ [Α ἐν] βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
9. 5. λόγος μοι πρὸς σέ (2 α)  
— 36. λόγος κυρίου ὃν ἐλάλησεν (2 α)  
10. 34. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Εἰοῦ (2 α)  
— 34. Β ἐπὶ βιβλίῳ [Α Β -ου] λόγων τῶν  
ἡμερῶν (2 α)  
11. 5. οὗτος ὁ λ. ὃν ποιήσετε (2 α)  
12. 19 (20). καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ι. (2 α)  
— 19 (20). ἐπὶ βιβλίῳ [Α -ου] λόγων τῶν  
ἡμερῶν (2 α)  
13. 8. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ι. (2 α)  
— 8. ἐπὶ βιβλίῳ [Α -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 12. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ι. (2 α)  
— 12. ἐπὶ βιβλίῳ [Α -ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
14. 15. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ι. (2 α)  
— 15. ἐπὶ [Α ἐν] βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 18. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Αμ. (2 α)  
— 18. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
— 28. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ιερ. (2 α)  
— 28. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
15. 6. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Αζ. (2 α)  
— 6. ἐπὶ βιβλίῳ [Α ἐν βιβλίῳ] λόγων τῶν  
ἡμερῶν (2 α)

IV Ki. 15. 11. και τα λοιπα των λ. Ζ. (2 α)  
 — 11. ἐπὶ βιβλίῳ [Α-ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 12. ὁ λ. κυρίου ὃν ἐλάλησε (2 α)  
 — 15. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Σ. (2 α)  
 — 15. ἐπὶ βιβλίῳ [Α-ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 21. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Μ. (2 α)  
 — 21. ἐπὶ βιβλίῳ [Α-ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 26. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Φ. (2 α)  
 — 26. ἐπὶ βιβλίῳ [Α-ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 31. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Φ. (2 α)  
 — 31. ἐπὶ βιβλίῳ [Α-ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 36. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ί. (2 α)  
 — 36. ἐπὶ βιβλίῳ [Α-ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 16. 19. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. "Αχαζ (2 α)  
 — 19. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 17. 9. ὅσοι ἠμφιεσάντο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λόγους (2 α)  
 — 13. Β διεμαρτύρατο κύριος . . . λόγους [Α Β λέγων] (1 c)  
 18. 20. πῇν λόγῳ χειλέων (2 α)  
 — 27. λαλήσαι τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 28. ἀκούσας τοὺς λ. τοῦ μεγάλου βασι-  
 'Ασσ. (2 α)  
 — 29. μὴ ἐπαρέτω ὑμᾶς 'Εζ. λόγους [Α om.] (2 α)  
 — 36. οὐκ ἀπεκρίθησαν αὐτῷ λόγους (2 α)  
 — 37. ἀνγγειλαν αὐτῷ τοὺς λ. 'Ρ. (2 α)  
 19. 4. εἰσακούσας κ. δ θ. σου πάντα [Α om.] (2 α)  
 — 4. βλασφημῆεν ἐν λόγοις [Α λόγους] (2 α)  
 — 6. μὴ φοβήσῃς ἀπὸ τῶν λ. (2 α)  
 — 16. ἀκούσιν τοὺς λ. Σεν. (2 α)  
 — 21. οὗτος ὁ λ. ὃν ἐλάλησε κύριος (2 α)  
 20. 9. ποιήσει κύριος τὸν λ. (2 α)  
 — 13. οὐκ ἦν λόγος [Α τόπος] ὃν οὐκ ᾔδειξεν αὐτοῖς (2 α)  
 — 16. ἀκούσαν λόγον [Α τὸν λ.] κυρίου (2 α)  
 — 19. ἀγαθὸς ὁ λ. κυρίου (2 α)  
 — 20. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Εζ. (2 α)  
 — 20. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων [Α om.] τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 21. 17. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Μ. (2 α)  
 — 17. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 25. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Α. (2 α)  
 — 25. ἐπὶ βιβλίῳ [Α-ου] λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 22. 11. ὡς ἤκουσεν ὁ βασι. τοὺς λ. βιβλίου (2 α)  
 — 13. περὶ τῶν λ. τοῦ βιβλίου τοῦ εὐρεθέντος τ. (2 α)  
 — 13. οὐκ ἤκουσαν . . . τῶν λ. τοῦ βιβλίου τ. (2 α)  
 — 16. ἐπάγω . . . πάντα τοὺς λ. τοῦ βιβλίου [Α τῆς βιβλίου] (2 α)  
 — 18. οἱ λ. οὓς ἤκουσας (2 α)  
 23. 2. ἀνέγνω . . . πάντα τοὺς λ. τοῦ βιβλίου (2 α)  
 — 30. τὸ ἀναστήσαι τοὺς λ. τῆς διαθήκης τ. (2 α)  
 — 16. τοῦ λαλήσαντος τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 17. ὁ . . . ἐπικαλούμενος τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 24. ἵνα στήσῃ τοὺς λ. τοῦ νόμου (2 α)  
 — 28. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ιωσ. (2 α)  
 — 28. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 24. τὸ κατισχύσαι κατὰ τὸν λ. κυρίου (2 α)  
 — 5. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'Ιω. (2 α)  
 — 5. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 25. 30. λόγους ἡμέρας ἐν τῇ ἡμέρᾳ αὐ. (2 α)  
 I Ch. 10. 13 : 11. 3, 10. κατὰ τὸν λ. κυρίου (2 α)  
 12. 23. κατὰ τὸν λ. κυρίου (8)  
 13. 4. εὐθὺς ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ (2 α)  
 15. 15. ἐν λόγῳ θεοῦ κατὰ τὴν γραφὴν (2 α)  
 16. 15. λόγους αὐ. ὃν ἐνετείλατο (2 α)  
 17. 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ν. (2 α)  
 — 15. κατὰ πάντα τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 23. ὁ λ. σου . . . πιστωθῆτω (2 α)  
 21. 6. κατισχύσει [Α προσώχισεν δ] λόγος τοῦ βασι. τὸν Ί. (2 α)  
 — 12. τὶ ἀποκριθὼ τῷ ἀποστείλαντι λόγον (2 α)  
 — 19. ἀνέβη Δ. κατὰ τὸν λ. Γ. (2 α)  
 22. 8. ἐγένετό μοι [Α ἐπ' ἐμέ] λόγος κυρίου (2 α)  
 23. 27. ἐν τοῖς λ. Δ. τοῖς ἐσχάτοις (2 α)  
 25. 5. ἐν λόγοις θεοῦ ὑψώσαι κέρας (2 α)  
 26. 32. Α εἰς πάντα λ. τοῦ θ. καὶ λόγον βασι-  
 λέως [Β al.] (2 α, 2 α)  
 27. 1. εἰς πᾶν λόγον τοῦ βασι. . . πᾶν λόγον τοῦ εἰσπορευομένου (2 α, -)  
 — 24. ἐν βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 28. 21. εἰς πάντας τοὺς λ. σου (2 α)  
 29. 29. οἱ δὲ λοιποὶ Α. τοῦ βασι. Δ. . . γεγραμ-  
 μένοι εἰσὶν ἐν λόγοις Σαρ. . . καὶ ἐπὶ λόγους Ν. . . καὶ ἐπὶ λόγους Γαδ (2 α quater)  
 II Ch. 6. 10. ἀνέστησε κύριος τὸν λ. τούτων [Α αὐτοῦ] (2 α)

II Ch. 8. 13. κατὰ τὸν λ. ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ (2 α)  
 — 14. κατὰ τὸν λ. ἡμέρας ἐν τῇ ἡμέρᾳ (2 α)  
 — 15. εἰς πάντα λ. καὶ εἰς τοὺς θησαυρούς (2 α)  
 9. 2. ἀνγγεῖλεν αὐτῇ Σ. πάντα τοὺς λ. αὐ. (2 α)  
 — 2. Β οὐκ ἀνγγεῖλεν αὐτῇ (2 α, -)  
 — 5. ἀληθινὸς ὁ λ. ὃν ἤκουσα . . . περὶ τῶν λ. σου (2 α, 2 α)  
 — 6. οὐκ ἐπίστευσα τοῖς λ. (2 α)  
 — 29. καὶ οἱ κατάλοιποι λ. Σαλ. (2 α)  
 — 29. γεγραμμένοι ἐπὶ τῶν λ. Νάθαν . . . καὶ ἐπὶ τῶν λ. 'Α. (2 α, 6)  
 10. 6. τοῦ ἀποκριθῆναι τῷ λαῷ τοῦτ' λόγον (2 α)  
 — 7. ἐάν . . . λαλήσῃς αὐτοῖς λ. ἀγαθούς (2 α)  
 — 9. ἀποκριθήσονται λόγον τῷ λαῷ τοῦτ' (2 α)  
 — 15. ἀνέστησε κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (2 α)  
 11. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σ. (2 α)  
 — 4. ἐπήκουσαν [Α ὑπ.] τοῦ λ. κυρίου (2 α)  
 12. 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σ. (2 α)  
 — 12. ἐν 'Ιουδα ἦσαν λ. ἀγαθοὶ (2 α)  
 — 15. λόγοι 'Ρ. οἱ πρῶτοι καὶ οἱ ἐσχατοὶ (2 α)  
 — 15. γεγραμμένοι ἐν τοῖς λ. Σ. (2 α)  
 13. 22. καὶ οἱ λοιποὶ λ. 'Αβία . . . καὶ οἱ λ. αὐ-  
 τοῦ (2 α, 2 α)  
 15. 8. ἐν τῷ ἀκούσαι τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 16. 11. οἱ λ. 'Α. οἱ πρῶτοι καὶ οἱ ἐσχατοὶ (2 α)  
 18. 12. ἔστωσαν δὲ οἱ λ. σου ὡς ἐνός αὐτῶν (2 α)  
 — 18. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 α)  
 19. 3. λ. ἀγαθοὶ πρήσθησαν ἐν σοὶ (2 α)  
 — 6. μεθ' ὑμῶν λόγῳ τῆς κρίσεως (2 α)  
 — 11. εἰς πᾶν λόγον κυρίου (2 α)  
 — 11. πρὸς πᾶν λόγον βασιλέως (2 α)  
 20. 34. οἱ λοιποὶ λ. 'Ιωσ. οἱ πρῶτοι . . . γεγραμ-  
 μένοι ἐν λόγοις Ί. (2 α, 2 α)  
 23. 4. νῦν ὁ λ. οὗτος ὃν ποιήσετε (2 α)  
 25. 26. καὶ οἱ λοιποὶ λ. 'Αμ. οἱ πρῶτοι (2 α)  
 26. 22. καὶ οἱ λοιποὶ λ. 'Ο. (2 α)  
 27. 7. καὶ οἱ λοιποὶ λ. Ί. [Α οἱ λ. Ί. οἱ λοιποὶ] (2 α)  
 28. 26. καὶ οἱ λοιποὶ λ. αὐ. (2 α)  
 29. 30. ὑμνεῖν τὸν κύριον ἐν λόγοις Δ. (2 α)  
 — 36. ἐξάπναι ἐγένετο ὁ λ. (2 α)  
 30. 4. ἤρσαν ὁ λ. ἐναντίον τοῦ βασι. (2 α)  
 — 5. καὶ ἔστησαν λόγον (2 α)  
 — 12. τοῦ ποιῆσαι . . . ἐν λόγῳ κυρίου (2 α)  
 31. 5. ὡς προστάξας τὸν λ. (2 α)  
 — 16. εἰς λόγον ἡμερῶν εἰς ἡμέρας (2 α)  
 32. 1. μετὰ τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 8. κατεβάρυσεν ὁ λαὸς ἐπὶ τοῖς λ. 'Εζ. (2 α)  
 — 32. Β καὶ τὰ κατάλοιπα [Α Β λ.] τῶν λ. 'Εζ. (2 α)  
 33. 18. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Μαν. . . καὶ [Α add. οἱ] λόγοι τῶν ὁρώτων (2 α, 2 α)  
 — 19 (18). ἰδοὺ ἐπὶ λόγον προσευχῆς αὐτοῦ (2 α)  
 — 19. γέγραπται ἐπὶ τῶν [Α om.] λ. τῶν ὁρώτων (2 α)  
 34. 16. ἀπέδωκεν ἐπὶ [Α ἐπὶ] τῷ βασι. λόγον (2 α)  
 — 18. ἀπῆγγειλε Σ. . . λόγους [Α om.] (2 α)  
 — 19. Α Β ὡς ἤκουσεν ὁ βασι. τοὺς λ. [Β om. τ. λ.] τοῦ νόμου (2 α)  
 — 21. περὶ τῶν λ. τοῦ βιβλίου τοῦ εὐρεθέντος (2 α)  
 — 21. Β οὐκ ἤκουσαν [Α Β εἰσήκ.] οἱ πατ. ἡμῶν τῶν λ. κυρίου (2 α)  
 — 24. ἐπάγω . . . τοὺς πάντας λ. τοὺς γεγραμμ. † (2 α)  
 — 26. τοὺς λ. οὓς ἤκουσας (2 α)  
 — 27. ἐν τῷ ἀκούσαι σε τοὺς λ. μου (2 α)  
 — 28. ἀπέδωκαν τῷ βασι. λόγους (2 α)  
 — 30. Β ἀνέγνω . . . τοὺς [Α Β om.] πάντας λ. βιβλίου (2 α)  
 — 31. τοῦ φυλάσσειν . . . τοὺς λ. τῆς διαθήκης (2 α)  
 35. 6. κατὰ τὸν λ. κυρίου διὰ χειρὸς Μ. (2 α)  
 — 19. ἵνα στήσῃ τοὺς λ. τοῦ νόμου (2 α)  
 — 22. οὐκ ἤκουσε τῶν λ. Ν. (2 α)  
 — 26. ἦσαν λόγοι Ί. καὶ ἡ ἐλπίς αὐ. (2 α)  
 — 27. καὶ οἱ [Α add. λοιποὶ] λ. αὐ. οἱ πρῶτοι (2 α)  
 36. 5. ἀπέστησαν μετὰ τὸν λ. τούτων κατὰ τὸν λ. κυρίου (2 α)  
 — 8. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. Ί. (2 α)  
 — 8. ἐπὶ βιβλίῳ λόγων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 — 16. ἦσαν . . . ἐξουσιάζοντες τοὺς λ. αὐτοῦ (2 α)  
 — 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κυρίου (2 α)  
 I Es. 1. 24. οἱ λ. τοῦ κυρίου ἀνέστησαν ἐπὶ Ἰσρ. (2 α)  
 — 47. οὐκ ἐνετράπη ἀπὸ τῶν ῥηθέντων λ. ὑπὸ Ί. (2 α)  
 — 57. Α εἰς ἀναπλήρωσιν λόγον κυρίου [Β al.] (2 α)  
 3. 5. εἰπάμεν ἕκαστος ἡμῶν ἕνα λ. (2 α)  
 — 8. γράψαντες ἕκαστος τὸν ἑαυτοῦ λ. (2 α)  
 — 9. οὐ [Α om.] ὁ λ. αὐ. σοφώτερος (2 α)

I Es. 3. 16. δηλώσουσι τοὺς λ. ἑαυτῶν (2 α)  
 4. 5. τὸν λ. τοῦ βασι. οὐ παραβαίνουσιν (2 α)  
 5. 6. δὲ ἐλάλησεν . . . λ. σοφοῖς (2 α)  
 II Es. 1. 1. Β' τοῦ τελεσθῆναι [Α Β' B add. λόγον, Α Β add. κυρίου] ὁπὸ σπύ-  
 μιτος 'Ιερ. (2 α)  
 3. 4. λόγον ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ (2 α)  
 7. 11. τῷ γραμματεῖ βιβλίου λόγον ἐντολῶν κ. (2 α)  
 — 12. Β τετελείσθω [Α -ται ὁ, Β -το] λόγος (2 α)  
 8. 17. λόγους λαλήσαι πρὸς τοὺς ἀδ. αὐ. (2 α)  
 9. 3. ὡς ἤκουσα τὸν λ. τούτων (2 α)  
 — 4. πᾶς ὁ διώκων λόγον θεοῦ 'Ισρ. (2 α)  
 Ne. 1. 1. λόγοι Ν. υἱοῦ Χ. (2 α)  
 — 4. ἐν τῷ ἀκούσαι με τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 8. μνησθῇ δὴ τὸν λ. (2 α)  
 2. 18. Β ἀπῆγγειλα . . . πρὸς [Α Σ τοὺς] λόγους τοῦ βασι. (2 α)  
 — 20. ἐπέστρεψα αὐτοῖς λόγον (2 α)  
 5. 6. καθὼς ἤκουσα . . . τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 8. οὐκ εὐρυσαν λόγον (2 α)  
 — 9. Α Β Ε οὐκ ἀγαθὸς ὁ [Β om.] λ. (2 α)  
 — 13. δὲ οὐ στήσῃ τὸν λ. τούτων (2 α)  
 — 13. ἤρσαν τὸν κύριον [Β' λόγον κυρίου] (2 α)  
 — 13. ἐποίησεν ὁ λαὸς τὸ ῥῆμα τοῦτο [Β' τὸν λ. τ.] (2 α)  
 6. 5. Β' κατὰ τὸν λ. τούτων τὸ πέμπτον (2 α)  
 — 7. ἀπαγγελλήσονται . . . οἱ λ. οὗτοι (2 α)  
 — 8. οὐκ ἐγενήθη ὡς οἱ λ. οὗτοι (2 α)  
 — 12. ἡ προφητεία λόγους κατ' ἐμοῦ (2 α)  
 — 19. τοὺς λ. αὐ. ἦσαν λέγοντες πρὸς με καὶ λόγους μου ἦσαν ἐκφέροντες αὐτῷ (†, 2 α)  
 8. 9. ὡς ἤκουσαν τοὺς λ. τοῦ νόμου (2 α)  
 — 12. συνῆκαν ἐν τοῖς λ. (2 α)  
 — 13. ἐπιστήσαν πρὸς πάντας τοὺς λ. τοῦ νόμου (2 α)  
 9. 8. ἔστησαν τοὺς λ. σου (2 α)  
 12. 23. ἐπὶ βιβλίῳ [Β' -ου] λόγων τῶν ἡμ. (2 α)  
 — 47. λόγον ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ αὐ. (2 α)  
 13. 17. τίς ὁ λ. οὗτος ὁ ποιηρὸς (2 α)  
 To. 1. 1. βιβλὸς λόγων Τωβίτ τοῦ Τωβιὺλ (2 α)  
 5. 20. μὴ λόγον ἔχε (2 α)  
 — 20. Σ μὴ λόγον ἔχε (2 α)  
 6. 15. οὐ μνησθαι τῶν λ. [Β τὰς ἐντολάς] (2 α)  
 — 15. Δ' ὃν ἐνετείλατο . . . ὑπὲρ τοῦ λ. τούτου [Α' Β Σ al.] (2 α)  
 — 15. τοῦ δαιμονίου μὴδένα λ. ἔχε [Σ al.] (2 α)  
 — 17. Σ μὴ λόγον ἔχε (2 α)  
 — 17. Σ ὅτε ἤκουσε Τ. τῶν λ. 'Ρ. [Α Β al.] (2 α)  
 7. 9. μετέδωκε τὸν λ. τῷ 'Ραφαὴλ [Σ al.] (2 α)  
 8. 2. ἐμνήσθη τῶν λ. 'Ραφαὴλ (2 α)  
 10. 6. μὴ λόγον ἔχε (2 α)  
 12. 6. τοὺς λ. τῶν ἔργων θεοῦ ἐντίμως ὑποδεκνύοντες [Σ al.] (2 α)  
 13. 12. Β οἱ ἐρούσιν λ. σκληρὸν [Α Β al.] (2 α)  
 14. 1. Σ συνετελέσθησαν οἱ λ. τῆς ἐξουσιοθέτησός Τ. [Α Β al.] (2 α)  
 — 4. Σ οὐ μὴ διαπέσῃ ῥῆμα ἐκ τῶν λ. (2 α)  
 Ju. 2. 1. ἐγένετο λόγους ἐν οἴκῳ Ναβ. (2 α)  
 — 3. οἱ οὐκ ἠκολούθησαν τῷ λ. τοῦ στόματος αὐ. (2 α)  
 3. 1. ἀπέστειλαν . . . ἀγγέλους λ. εἰρηνικοὺς (2 α)  
 5. 5. ἀκουσάτω δὴ λόγον ὁ κύριός μου (2 α)  
 — 22. λαλῶν τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 6. 4. τὰ ῥήματα τῶν λ. [Β τοῦ στόματος] αὐ. (2 α)  
 — 5. δὲ ἐλάλησας τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 7. 9. ἀκουσάτω δὴ λόγον ὁ δεσπότης ἡμῶν (2 α)  
 — 16. ἤρσαν οἱ λ. αὐ. ἐνώπιον 'Ολ. (2 α)  
 8. 9. ἤκουσε πάντας τοὺς λ. Ί. (2 α)  
 — 11. οὐκ εἰσῆς ὁ λ. ὑμῶν (2 α)  
 — 14. λόγους τῆς διανοίας αὐ. οὐ διαλίψεσθε (2 α)  
 — 28. δὲ ἀντιστήσεται τοῖς λ. σου (2 α)  
 9. 13. δὸς λόγον μου [Σ μοι] (2 α)  
 10. 9. εἰς τελείωσιν τῶν λ. (2 α)  
 11. 6. ἐάν κατακολουθήσῃς τοῖς λ. τῆς παιδείας σου (2 α)  
 — 9. καὶ νῦν [Α Β add. ὁ] λόγος [Β' add. σου] ὃν ἐλάλησεν (2 α)  
 — 10. μὴ παρέλθῃς τὸν λ. αὐτοῦ (2 α)  
 — 20. ἤρσαν οἱ λ. αὐ. ἐναντίον 'Ολ. (2 α)  
 — 21. Α Β ἐν καλῷ προσώπῳ καὶ συνείσει λόγους (2 α)  
 — 23. καὶ ἀγαθὴ ἐν τοῖς λ. σου (2 α)  
 Es. 1. 1. ἐν παντὶ λ. ἤθελεν ἐπιγνώσκειν αὐτό (2 α)  
 — 1. ἔγραψεν ὁ βασι. τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 1. ἔγραψε περὶ τῶν λ. τούτων (2 α)  
 — 1. καὶ ἐγένετο μετὰ τοὺς λ. τούτους (2 α)  
 — 20. ἀκουσθήτω ὁ νόμος [Α Β' λόγος] (9)  
 — 21. ἤρσαν ὁ λ. τῷ βασιλεῖ (2 α)  
 2. 1. μετὰ τοὺς λ. τούτους (2 α)

Es. 22. ἐδὴλῶθη Μαρδοχαίῳ ὁ [A. om.] λ. (2 a)  
 8. 4. Μαρδοχαίῳ τοῖς τοῦ βασιλ. ἀντιστ. (2 a)  
 4. 9. ἐλάλησεν αὐτῇ πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)  
 — 12. ἀπηγγείλει . . . πάντας τοὺς λ. 'Ε. (2 a)  
 — 17. δὲς λόγον εὐρυθμον εἰς τὸ στόμα μου (2 a)  
 5. 1. παρεκάλει αὐτὴν λ. εἰρηνοκίς (2 a)  
 — 5. ὅπως ποιήσωμεν τὸν λ. 'Ε. [A. al.] (2 a)  
 6. 1. εἰσφέρειν γράμματα μνημόσυνα [B<sup>1</sup> add. λ. γὰρ] (2 a)  
 — 10. μὴ παραπέσάτω σου λόγος (2 a)  
 7. 3. A B B<sup>1</sup> καὶ ὁ λ. [B<sup>2</sup> B λαός] μου τῷ ἀξιώματι μου + (2 a)  
 — 8. B<sup>2</sup> ὁ λ. ἐξήλθεν ἐκ τοῦ στόματος τοῦ βασιλ. (2 a)  
 8. 5. B<sup>2</sup> καὶ εὐθὺς ὁ λ. ἐνώπιον τοῦ βασιλ. (2 a)  
 — 17. B<sup>2</sup> ὁ λ. τοῦ βασιλ. [A B B<sup>1</sup> al.] (2 a)  
 9. 20. ἔγραψε δὲ M. τοὺς λ. τοῖς τοῖς (2 a)  
 — 26. διὰ τοὺς λ. τῆς ἐπιστολῆς ταύτης (2 a)  
 — 32. 'Ε. λόγῳ ἔστησεν (2 c)  
 10. 3. οὐδὲ εἶδον περὶ τῶν λ. τοῖς (2 a)  
 — 3. οὐδὲ γὰρ παρήλθεν ἀπ' αὐτῶν λόγος (2 a)  
 j b. 2. 13. A οὐδέτις αὐτῶν ἐλάλησεν πρὸς αὐτὸν λόγον [B B<sup>1</sup> al.] (2 a)  
 4. 12. εἰ δέ τίς ῥῆμα ἀληθινὸν ἐγγέγονε ἐν λόγοις σου - (2 a)  
 7. 13. ἀνοίξας δὲ πρὸς ἑμαυτὸν ἰδίᾳ λόγον [A. διὰ.] + (2 a)  
 9. 3. ἵνα μὴ ἀντίστη πρὸς ἕνα λόγον αὐτοῦ ἐκ χιλιῶν - (2 a)  
 11. 12. ἀνθρώπος δὲ ἄλλος νύχεται λόγους [A<sup>1</sup> ἀλόγους] + (2 a)  
 14. 3. οὐχὶ καὶ τοῦτου λόγον ἐποιήσω + (2 a)  
 15. 3. ἐλέγχων . . . ἐν λόγοις οἷς οὐδὲν ὄφελος (2 a)  
 16. 5 (4). A ἐπ' ἐναλοῦμαι ὑμῖν λόγους [B ῥήματα] (4)  
 19. 2. ἔως τίνος . . . καθαιρέιτε με λόγους (4)  
 — 28. ῥίζαν λόγον ἐρύσσωμεν ἐν αὐτῷ (2 a)  
 21. 2. ἀκούσατέ μου τῶν λ. (4)  
 22. 4. ἡ λόγον σου ποιοῦμενος ἐλέγξει σε + (2 a)  
 26. 14. B<sup>1</sup> ταῦτα μέρη λόγου [A B B<sup>2</sup> ὁδοῦ] αὐτοῦ καὶ ἐπὶ ἰσμάδα λόγου ἀκουσόμεθα ἐν αὐτῷ (2 a)  
 32. 11. A φέουσιν τοὺς λ. ὑμῶν - (2 a)  
 — 11. ἄρχισ ἐν ἐπάσσει λόγους [A τοὺς λ. ὑμῶν] (4)  
 — 15. ἐπαλάωσαν ἐξ αὐτῶν λόγους (4)  
 33. 32. A B<sup>2</sup> B εἰ εἰσὶ σοὶ λόγοι [B B<sup>1</sup> εἰ ἔστι λόγοι] (4)  
 34. 3. οὐς [A νοῖς] λόγους δοκιμάζει (4)  
 41. 3 (4). λόγον [A -ος] δυνάμει ελεήσει τὸν ἴσον αὐτοῦ (2 a)  
 Ps. 7. τί. ὃν ἦσεν τῷ κ. ὑπὲρ τῶν λ. X. (2 a)  
 16 (17). 4. διὰ τοὺς λ. τῶν χειλῶν σου (2 a)  
 17 (18). τί. δὲ ἐλάλησεν τῷ κυρίῳ τοὺς λ. τῆς φωνῆς ταύτης (2 a)  
 18 (19). 3. οὐκ εἰσὶ λαλῶν οὐδὲ λόγος (2 a)  
 21 (22). 1. μακρὰν ἀπὸ τῆς σωτηρίας μου οἱ λ. τῶν παραπτωμάτων μου (2 a)  
 82 (83). 4. εὐθὺς ὁ λ. τοῦ κυρίου (2 a)  
 — 6. τῷ λ. τοῦ κυρίου οἱ οὐρανοὶ ἔστρεβλώσαν (2 a)  
 44 (41). 8. λόγον παράνομον κατέθεντο κατ' ἑμὸν (2 a)  
 44 (45). 1. ἐξηρεύετο ἡ καρδιά μου λόγον ἀγαθῶν (2 a)  
 49 (50). 17. ἐξέβηλες τοὺς λ. μου εἰς τὰ ὀπίσω (2 a)  
 50 (51). 4. ὅπως ἀνδραγαθῆς ἐν τοῖς λ. σου (2 a)  
 54 (55). 21. ἠπαλύνθησαν οἱ λ. αὐτοῦ ὑπὲρ ἑλάνων (2 a)  
 55 (56). 3. ἐν τῷ θεῷ ἐπαύεσθαι τοὺς λ. μου (2 a)  
 — 5. ὅλην τὴν ἡμέραν τοὺς λ. μου ἐβδελύσσομαι (2 a)  
 — 10. ἐπὶ τῷ κυρίῳ αἰνέσω λόγον (2 a)  
 58 (59). 12. λόγον [B<sup>2</sup> -ος] χειλῶν αὐτῶν (2 a)  
 63 (64). 5. ἐκπαταῖσαν ἐν τοῖς λόγον ποτηρῶν (2 a)  
 64 (65). 3. λόγοι ἀνόμων ὑπερεδυνάμωσαν ἡμᾶς (2 a)  
 90 (91). 3. ῥύσεται με . . . ἀπὸ λόγου ταραχῶδους + (2 a)  
 102 (103). 20. ποιούντες τὸν λ. αὐ. τοῦ ἀκούσαι τῆς φωνῆς τῶν λ. αὐ. (2 a, 2 a)  
 104 (105). 8. ἐμνήσθη . . . λόγον οὐ ἐνετείλατο (2 a)  
 — 19. μετρίον τοῦ ἐλθεῖν τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 27. ἔθετο ἐν αὐτοῖς τοὺς λ. τὸν σημείων αὐ. (2 a)  
 — 28. παρεπύκρναν τοὺς λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 42. ἐμνήσθη τοῦ λ. τοῦ ἀγίου αὐτοῦ (2 a)  
 105 (106). 12. A B B<sup>1</sup> ἐπίστευσαν ἐν [B<sup>2</sup> B om.] τοῖς λ. [B<sup>2</sup> τῷ λ.] αὐτοῦ (2 a)  
 — 24. οὐκ ἐπίστευσαν τῷ λ. αὐτοῦ (2 a)  
 106 (107). 20. ἀπέστειλε τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)

Ps. 108 (109). 3. λόγους μίσους ἐκινῶσάν με (2 a)  
 111 (112). 5. οικονομῆσαι τοὺς λ. αὐτοῦ ἐν κρίσει (2 a)  
 118 (119). 9. ἐν τῷ φυλάσσει τοὺς λ. σου (2 a)  
 — 16. οὐκ ἐπιλήσονται τὸν λ. σου (2 a)  
 — 17. φυλάξω τοὺς λ. σου (2 a)  
 — 25. A<sup>1</sup> B (ἦσαν με [B ἦσονται] κατὰ τὸν λ. [A<sup>2</sup> B τὸ λόγιον] σου (2 a)  
 — 28. βασιλεύσων με ἐν τοῖς λ. σου (2 a)  
 — 41. B<sup>2</sup> B τὸ σωτήριόν σου κατὰ τὸν λ. [A κ. λόγον, B<sup>1</sup> κ. τὸ ἐλεός] σου (1 b)  
 — 42. A B ἀποκρίθησονται τοῖς ὀνειδίζουσι με λόγον ὅτι ἠλπίσα ἐπὶ τοῖς λ. [B τοῖς λ.] σου (2 a, 2 a)  
 — 43. μὴ περιέλθῃ ἐκ τοῦ στόματος μου λόγον ἀληθείας (2 a)  
 — 49. A B<sup>1</sup> μνήσθητι τὸν λ. [B<sup>2</sup> B τὸν λ.] σου τῷ δούλῳ σου (2 a)  
 — 65. B<sup>2</sup> B κατὰ τὸν λ. [A B<sup>2</sup> τὸ λόγιον] σου (2 a)  
 — 74. εἰς τοὺς λ. σου ἐπὶ ἠλπίσα (2 a)  
 — 81. A B<sup>1</sup> εἰς τὸν λ. [B<sup>2</sup> B τοὺς λ.] σου ἐπὶ ἠλπίσα (2 a)  
 — 89. εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε, ὁ λ. σου διαμένει (2 a)  
 — 101. ὅπως ἂν φυλάξω με τὸν λ. σου (2 a)  
 — 107. A B<sup>2</sup> B (ἦσαν με κατὰ τὸν λ. [B<sup>1</sup> τὸ λόγιον] σου (2 a)  
 — 114. A B<sup>2</sup> B εἰς τοὺς λ. [B<sup>1</sup> τὸν λαόν] σου ἐπὶ ἠλπίσα (2 a)  
 — 130. ἡ δόξα σου τὸν λ. σου φωτιεῖ (2 a)  
 — 139. B<sup>2</sup> B ἐπελάθοντο τὸν λ. [A B<sup>1</sup> ἐντολῶν] σου (2 a)  
 — 142. B<sup>1</sup> ὁ λ. [A B<sup>2</sup> B νόμος] σου ἀλήθεια (14)  
 — 147. εἰς τοὺς λ. σου ἐπὶ ἠλπίσα (2 a)  
 — 154. διὰ τὸν λ. σου ἦσαν με (1 b)  
 — 160. ἀρχὴ τῶν λ. σου ἀληθείας (2 a)  
 — 161. ἀπὸ τῶν λ. σου ἐδίδασκεν ἡ καρδιά μου (2 a)  
 129 (130). 5. A B<sup>2</sup> B ὑπὸ μιν ἡ ψυχὴ μου εἰς τὸν λ. [B<sup>1</sup> νόμον] σου (2 a)  
 136 (137). 3. ἐπηρώτησαν ἡμᾶς . . . λόγους φθῶν (2 a)  
 138 (139). 4. οὐκ ἔστι λόγος ἀδικος [B<sup>2</sup> ἔστι δόλος] ἐν γλώσσῃ μου (4)  
 140 (141). 4. μὴ ἐκκλίνῃς τὴν καρδίαν μου εἰς λόγους ποτηρίων [B -ρούς] (2 a)  
 144 (145). 13. πιστὸς κύριος ἐν τοῖς [B<sup>2</sup> πᾶσι] τοῖς λ. αὐτοῦ - (2 a)  
 147. 4 (15). ἔως τάχους θραμεῖται ὁ λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 7 (18). ἀποστρέψει τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 8 (19). ἀπαγγέλλων τὸν λ. αὐτοῦ τῷ 'Ιακώβ (2 a)  
 148. 8. τὰ ποιοῦντα τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)  
 Pr. 1. 2. νοῦσαι τὸν λόγον φρονήσεως (1 a)  
 — 3. διέσασθαι τὴν στροφὴν λόγον + (2 a)  
 — 6. νοῦσαι τὴν παραβολὴν καὶ σκοτεῖνόν λόγον (18)  
 — 23. διδάξω δὲ ὑμᾶς τὸν ἔμὸν λ. + (2 a)  
 — 24. ἐξέτεινον λόγους + (2 a)  
 — 29. τὸν δὲ λ. [B<sup>2</sup> φθῶν] τοῦ κυρίου οὐ προείπαντο + (2 a)  
 4. 4. ἐρειδέτω ὁ ἡμέτερος λ. εἰς τὴν καρδίαν [B δαίμονα] (2 a)  
 — 10. δέξαι ἑμὸν λ. (1 a)  
 — 20. τοῖς δὲ ἑμοῖς λ. παράβαλε σὺν οὐς (1 a)  
 5. 1. ἑμοῖς δὲ λ. παράβαλε σὺν οὐς (18)  
 — 7. μὴ ἀκύρους [B μακρύνει] ποιήσης ἑμὸν λ. (1 a)  
 7. 1. υἱέ, φυλάσσε ἑμὸν λ. (1 a)  
 — 2. τοὺς δὲ ἑμὸν λ. ὥσπερ κόρας ὀμμάτων (14)  
 — 5. εἰς τὸν λόγον τοῖς πρὸς χάριν ἐμβάλλεται (1 a)  
 12. 5. B<sup>1</sup> κυβερνήσας δὲ ἀσεβεῖς λόγους [A B B<sup>2</sup> δόλους] + (2 a)  
 — 6. λόγοι ἀσεβῶν δόλιοι (2 a)  
 — 25. φοβερός λόγος καρδίαν ταρασσεί ἀνδρὸς δίκαιου (17)  
 13. 5. λόγον ἀδικον μισεῖ δίκαιος (2 a)  
 14. 15. ἀκακος πιστεύει πᾶσι λόγῳ (2 a)  
 15. 1. λόγος δὲ λυπρὸς ἐγγίρει ὀργάν (2 a)  
 16. 13. λόγους δὲ ὀρθοῦς ἀγαπᾷ (2 a)  
 — 21. οἱ δὲ γλυκεῖς ἐν λόγῳ πλεονα ἀκούονται (11)  
 — 24. κηρίῳ μέλιτος λόγοι καλοὶ (1 a)  
 17. 14. ἐξουσίαν δίδωσι λόγοις ἀρχὴ δικαιοσύνης + (2 a)  
 18. 4. ὁδὸν βαθὺν λόγος ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (2 a)  
 — 13. δε ἀποκρίνεται λόγον πρὶν ἀκούσαι (2 a)  
 19. 7. δε δὲ ἐρεβίζει δὲ λόγους οὐ σωθήσεται (1 a)  
 22. 12. φανλίζει δὲ λόγους παράνομους (2 a)  
 — 17. λόγους σοφῶν παράβαλε σὺν οὐς καὶ ἀκούε ἐμὸν λ. (2 a, -)  
 — 21. διδάσκει οὖν σε ἀληθὴ λόγον (1 a)

Pr. 22. 21. τοῦ ἀποκρίνεσθαι σε λόγους [A -οις, B -ον] ἀληθείας (1 a)  
 23. 8. λυμαινέται τοὺς λ. σου τοὺς καλοὺς (2 a)  
 — 9. μὴ ποτε μνηστῆρσιν τοὺς συνετοὺς λόγους σου (4)  
 — 12. τὰ δὲ ὅσα σου ἐτοίμασεν λόγοις αἰσθησεως (1 a)  
 — 16. ἐνδιατρίψει λόγους τὰ σὰ χεῖλῃ πρὸς τὰ ἐμὰ χεῖλῃ (2 c)  
 24. 23 (29, 27). λόγον φυλασσόμενος υἱὸς ἀπωλείας ἐκτός ἐστι - (2 a)  
 — 23 (29, 27). τοὺς ἑμοῖς λ., υἱέ, φοβήθητι - (2 a)  
 — 28 (30, 5). πάντες γὰρ λόγοι θεοῦ πεπυρωμένοι (1 b)  
 — 29 (30, 6). μὴ προσθῇς τοῖς λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 31 (30, 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδὴ μακρὰν μου ποίησον (2 a)  
 — 41 (26). χεῖλῃ δὲ φιλήσουσιν ἀποκρινόμενα λόγους ἀγαθοῦς [A B<sup>2</sup> σοφοῦς] (2 a)  
 — 68 (30, 33). εἰς δὲ ἐξέλκυσ λόγους + (2 a)  
 — 69 (31, 1). οἱ ἑμοῖ λ. εἰρηναὶ ὑπὸ θεοῦ (2 a)  
 — 76 (31, 8). ἀνοίγει σὺν στόμα λόγῳ θεοῦ + (2 a)  
 25. 2. δόξα θεοῦ κρύπτει λόγον (2 a)  
 — 11. οὕτως εἰπὲν λόγον (2 a)  
 — 12. λόγος σοφὸς εἰς εὐήκοον οὐς + (2 a)  
 — 27. τιμὰν δὲ χρὴ λόγους ἐνδοξούς + (2 a)  
 26. 6. ὁ ἀποστρέψας δι' ἀγγέλου ἀφρονος λόγον (2 a)  
 — 18. προβάλλουσι λόγους εἰς ἀνθρώπους ὁ δὲ ἀπατήσας τῷ λ. πρῶτος ὑποκρίσθεται +, - (2 a)  
 — 22. λόγοι κερκόπων μαλακοὶ (2 a)  
 — 24. A B<sup>2</sup> B ἐν δὲ τῇ καρδίᾳ τεκταινέται δόλος [A<sup>1</sup> -ος, B<sup>1</sup> B λόγους] + (2 a)  
 27. 11. ἀπόστρεψον ἀπὸ σοῦ ἐπονειδιστοὺς λόγους (2 a)  
 29. 12. βασιλεὺς ἐπακούοντος λόγον ἀδικον (2 a)  
 — 19. λόγους οὐ παιδεύθησεται οἰκίτης σκληρὸς (2 a)  
 — 20. εἰς ἵδρι ἀνδρα ταχὺν ἐν λόγοις (2 a)  
 Ec. 1. 8. πάντες οἱ λ. ἔργοποι (2 a)  
 5. 1. τοῦ ἐξεργάσαι λόγον πρὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (2 a)  
 — 1. ἔστωσαν οἱ λ. σου ὀλίγοι (2 a)  
 — 2. φωνὴ ἀφρονος ἐν πληθεί λόγων (2 a)  
 — 6. ἐν πληθεί ἐνυπνίων . . . καὶ λ. πολλῶν (2 a)  
 6. 11. A B ἐστὶ λ. [B ὀλίγοι] πολλοὶ πληθύνοντες ματαιότητος (2 a)  
 7. 9 (8). ἀγαθὴ ἐσχάτη λόγων ὑπὲρ ἀρχὴν αὐτοῦ (2 a)  
 — 22 (21). εἰς πάντα λ. . . μὴ θῇς καρδίαν σου (2 a)  
 8. 2. περὶ λόγου ὅρκου θεοῦ μὴ σπουδάσης (2 c)  
 — 3. μὴ στήξ ἐν λ. πονηρῷ (2 a)  
 9. 16. οἱ λ. αὐτοῦ οὐκ εἰσακούονται [A B al.] (2 a)  
 — 17. λόγοι σοφῶν ἐν ἀναπαύσει ἀκούονται (2 a)  
 10. 1. B<sup>1</sup> τῶν λ. [A B<sup>2</sup> B ὀλίγων] σοφίας ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλῃν - (2 a)  
 — 12. λόγοι [B<sup>2</sup> -οις] στόματος σοφοῦ χάρις (2 a)  
 — 13. ἀρχὴ λόγων στόματος αὐτοῦ ἀφροσύνη (2 a)  
 — 14. ὁ ἀφρων πληθύνει λόγους (2 a)  
 — 20. ὁ ἔχων τὰς πτέρυγας ἀπαγγελεῖ λόγον σου (2 a)  
 12. 10. τοῦ εὐρεῖν λόγους θελήματος καὶ γεγραμμένων εὐδότητος λόγους ἀληθείας (2 a, 2 a)  
 — 11. λόγοι σοφῶν ὥς τὰ βούκεντρα (2 a)  
 — 13. τίλος λόγου τὸ πᾶν ἔκτου (2 a)  
 Ca. 5. 6. ἐξήλθεν [B ἀπῆλθεν] ἐν λόγῳ αὐτοῦ (2 c)  
 Wi. 1. 9. λόγων δὲ αὐτοῦ ἀκοή πρὸς κύριον ἦξει + (2 a)  
 — 16. ἀσεβεῖς δὲ . . . τοῖς λ. προσεκαλέσαστο αὐτὸν (2 a)  
 2. 2. ὁ λ. σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἦν (2 a)  
 — 17. ἴδωμεν εἰ οἱ λ. αὐτοῦ ἀληθεῖς (2 a)  
 — 20. ἔσται γὰρ αὐτοῦ ἐπισκοπὴ ἐκ λόγων αὐτοῦ (2 a)  
 6. 9. πρὸς ὑμᾶς οὖν, ὡ τῶν οὐρανῶν, οἱ λ. μου - (2 a)  
 — 11. ἐπιθυμήσατε οὖν τῶν λ. μου (2 a)  
 7. 16. ἐν γὰρ χεὶρὶ αὐτοῦ καὶ ἡμέρι καὶ οἱ λ. ἡμῶν (2 a)  
 8. 8. ἐπιστάται στροφὰς λόγων - (2 a)  
 — 18. ἐν κοινωρίᾳ λόγων αὐτῆς (2 a)  
 9. 1. ὁ ποιήσας τὰ πάντα ἐν λόγῳ σου (2 a)  
 12. 9. ἡ λόγῳ ἀποτόμῳ ὑφ' ἐν ἐκτρίψαι (2 a)  
 16. 12. ὁ σὸς, κύριε, λ. [B ὁ λ.] ὁ πάντα ἰώμενος (2 a)  
 18. 15. ὁ παντοδυναμὸς σου λ. ἀπ' οὐρανῶν . . . ἦλατο (2 a)  
 — 22. λόγους τὸν κολάζοντα ὑπέταξεν (2 a)  
 Si. 1. 23. ἔως καιροῦ κρύψει τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)  
 3. 8. ἐν ἔργῳ καὶ λόγῳ τίμα τὸν πατέρα σου (2 a)



Si. 4. 23. μὴ κωλύσεις λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας  
— 24. ἐν γὰρ λόγῳ γνωσθήσεται σοφία  
— 29. παρεμύνης ἐν τοῖς ἔργοις [B<sup>1</sup> λόγους] σου  
5. 10. εἰς ἔσχατον σου ὁ λ.  
7. 14. μὴ δευτερώσεις λόγον ἐν προσευχῇ σου  
— 36. ἐν πᾶσι τοῖς λ. σου μνημόσυνον τὰ ἔσχατά σου  
8. 17. οὐ γὰρ δυνησεται λόγον στέζειν  
9. 17. ὁ ἡγουμένος λαοῦ σοφὸς ἐν λόγῳ [B<sup>1</sup>-οἱς] αὐ.  
— 18. ὁ προπετής ἐν λόγῳ αὐτοῦ μισθώσεται  
11. 8. ἐν μέσῳ λόγων μὴ παρεμβάλλου  
12. 12. ἐπ' ἐσχάτῳ ἐπιγνώσῃ τοὺς λ. μου  
13. 11. μὴ πιστεύω τοῖς πλείοσι λ. αὐτοῦ  
— 12. ἀνελέημων ὁ μὴ συντηρῶν λόγους  
— 23. τὸν λ. αὐτοῦ ἀνέψωσαν ἕως τῶν νεφελῶν  
16. 24. ἐπὶ τῶν λ. μου πρόσθε τῇ καρδίᾳ σου  
18. 15. μὴ φῶς . . . ἐν πάσῃ δώσει λύπην λόγων  
— 16. οὕτως κρείσσων λόγος ἢ δόσις  
— 17. οὐκ ἰδοὺ λόγος ὑπὲρ δόμα ἀγαθόν  
— 29. συνετοὶ ἐν λόγοις καὶ αὐτοὶ ἐσφίσαντο  
19. 7. μηδέποτε δευτερώσεις λόγον  
— 10. ἀκήκοας λόγον [B<sup>1</sup> λέγων] συναποθανέντων σου  
— 11. ἀπὸ προσώπου λόγον ὠδίνοντες μωροί  
— 12. οὕτως λίγος ἐν κοιλίᾳ μωροῦ  
— 15. μὴ παντὶ λόγῳ πιστεύε  
20. 8. ὁ πλεονάζων λόγῳ [A-ov] βδελυχθήσεται  
— 13. ὁ σοφὸς ἐν λόγῳ [A B-ous] αὐτῶν προσφιλὴ ποιήσει  
— 27. λόγος παραβλάν  
— 27. ὁ σοφὸς ἐν λόγοις προΐξει ἑαυτὸν  
21. 15. λόγον σοφὸν ἂν ἀκούσῃ ἐπιστήμων  
— 17. τοὺς λ. αὐτοῦ διανοήσεται ἐν καρδίᾳ  
— 18. γνώσις ἀσυνένου ἀδιεξέταστοι λόγοι  
— 25. λόγοι δὲ φρονίμων ἐν ἡγῶν σταθίζονται  
22. 13. μετὰ ἀφρονος μὴ πληθύνης λόγον  
23. 13. ἔστι γὰρ ἐν αὐτῇ λόγος ἀμαρτίας  
— 15. ἄνθρωπος συνεπιζόμενος λόγους ὀνειδισμοῦ  
27. 6. οὕτως λόγος ἐνθυμήματος καρδίας [A-ia] ἀνθρώπου  
— 23. ἐπὶ τῶν λ. σου ἐκθαυμάσει  
— 23. ἐν τοῖς λ. σου δώσει σκάδαλον  
28. 25. τοῖς λ. σου ποίουν ζυγὸν καὶ σταθμόν  
29. 3. στερέωσον λόγον  
— 5. ἀποδώσει λόγους ἀκηδίας  
31 (34). 11. πλείονα τῶν λ. μου σύνεσις μου  
34 (31). 22. εὐρήσεις τοὺς λ. μου  
— 22. A ἐν πᾶσι τοῖς λ. [B S ἔργοις] σου γίνου ἐντρέχης  
— 31. λόγους ὀνειδισμοῦ μὴ εἴπῃς αὐτῷ  
35 (32). 8. κεφαλαιώσων λόγον [B om.]  
— 12. μὴ ἀμάρτης λόγῳ ὑπερφάνῳ [B<sup>1</sup> al.]  
36 (38). 4. ἐτοιμασον λόγον  
36. 24 (21). οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς  
37. 16. ἀρχὴ παντὸς ἔργου λόγος  
— 20. ἔστι σοφίζόμενος ἐν λόγοις μισθός  
39. 17. ἐν λόγῳ αὐτοῦ ἔσθ' ὡς θημῶν ὕδωρ  
— 31. ἐν τοῖς καιροῖς αὐτ. οὐ παραβήσονται λόγον  
41. 22. ἀπὸ φίλων περὶ λόγων [A B-ou] ὀνειδισμοῦ  
42. 1. ἀπὸ δευτερώσεως καὶ λόγον ἀκοῆς καὶ ἀπὸ ἀποκαλύψεως λόγων κρυφίων  
— 3. περὶ λόγου κοινωτοῦ [B-ōw] καὶ δούλων  
— 15. ἐν λόγοις κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ  
— 20. οὐκ ἐκρύβη ἀπ' αὐτοῦ οὐδὲ [A om.] εἰς λόγους  
43. 5. ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέπεισε πορείαν  
— 10. A B ἐν λόγοις ἀγίου [B-οἱς] στήσονται κατὰ κρίμα  
— 26. ἐν λόγῳ αὐτοῦ σῴζεται πάντα  
— 27. συνελέξατο λόγους τῶν πᾶν ἐστιν αὐτός  
44. 4. σοφοὶ λόγοι ἐν [A ἐν λόγοις] παιδείᾳ αὐτῶν  
45. 3. ἐν λόγοις αὐτοῦ σημεία κατέπασεν  
— 10. λογιῶ [B λόγους] κρίσεις  
48. 1. ὁ λ. αὐτοῦ ὡς λαμπρὰ ἱκαίεται  
— 3. ἐν λόγῳ κυρίου ἀνίσχεν οὐρανὸν  
— 5. ὁ ἐργίας νεκρὸν . . . ἐξ ἄδου ἐν λόγῳ ὑψίστου  
— 13. πᾶς λόγος οὐχ [B κυρίου] ὑπερῆγεν αὐτὸν  
51. 5. ἀπὸ γλώσσης ἀκαθάρτου καὶ λόγον ψευδοῦς  
Ho. 1. 1. λόγους κυρίου δε ἐγένεθ' ἡ πρὸς 'Ωσηέ (2 a)  
— 2. ἀρχὴ λόγου κυρίου ἐν [A πρὸς] 'Ωσηέ (2 c)  
4. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
13. 1. κατὰ τὸν λ. 'Εφ. δικαίωμα αὐτὸς ἔλαβεν (2 c)  
14. 3. λάβετε μεθ' ἑαυτῶν λόγους (2 a)  
Am. 1. 1. λόγους 'Αμὰς οἱ ἐγένοντο ἐν ἀκκαρείμ (2 a)  
3. 1 : 4. 1. ἀκούσατε τὸν λ. τοῦτον (2 a)  
5. 1. ἀκούσατε τὸν λ. κυρίου τοῦτον (2 a)  
— 10. καὶ λόγον ὅστιον ἐβδελύξαντο (2 d)  
6. 14 (13). οἱ εὐφρανόμενοι ἐπ' οὐδενὶ λόγῳ (2 a)

Am. 7. 10. ὑπενεγκεῖν πάντας τοὺς λ. αὐτοῦ (2 a)  
— 16. καὶ νῦν ἀκούε λόγον κυρίου (2 a)  
8. 11. λιμὸν τοῦ ἀκούσαι λόγον κ. (2 a)  
— 13. ζητοῦντες τὸν λ. τοῦ κυρίου (2 a)  
Mi. 1. 1. καὶ ἐγένετο λόγους κυρίου πρὸς Μιχαῖαν (2 a)  
— 2. ἀκούσατε λαοὶ λόγους +  
2. 7. οὐχ οἱ λ. αὐτοῦ εἰσι καλοὶ μετ' αὐτοῦ (2 a)  
4. 2. ἐξελεύσεται . . . λόγους κυρίου ἐξ 'Ιερουσ. (2 a)  
6. 1. ἀκούσατε δὴ λόγον -  
7. 3. ὁ κριτὴς ἐιρηνικοὺς λόγους ἐλάλησε (2 d)  
Jl. 1. 1. λόγους κυρίου δε ἐγένεθ' ἡ πρὸς 'Ιωήλ (2 a)  
2. 11. ὅτι ἰσχυρὰ ἔργα λόγων αὐτοῦ (2 a)  
Jn. 1. 1 : 3. 1. ἐγένετο λόγους κ. πρὸς 'Ιωνᾶν (2 a)  
3. 6. ἤγγισεν ὁ λ. [B<sup>1</sup> λαὸς] πρὸς τὸν βασιλεῖα (2 a)  
4. 2. οὐχ οὕτοι οἱ λ. μου (2 a)  
Hb. 8. 5. πρὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύεται λόγος +  
Zc. 1. 1. λόγους κ. δε ἐγένεθ' ἡ πρὸς Σ. (2 a)  
2. 5. λόγους κ. ἐφ' [A πρὸς] ὑμᾶς (2 a)  
Hg. 1. 1. 3. ἐγένετο λόγους κ. ἐν χειρὶ 'Α. (2 a)  
— 12. πάντες οἱ καταλοιποὶ . . . τῶν λ. 'Α. (2 a)  
2. 11 (10). ἐγένετο λόγους κ. πρὸς 'Α. (2 a)  
— 21 (20). ἐγένετο λόγους κ. δε δευτέρου πρὸς 'Α. (2 a)  
Za. 1. 1. ἐγένετο λόγους κ. πρὸς Σ. (2 a)  
— 6. πλην τοὺς λ. μου . . . δεχέσθε (2 a)  
— 7. ἐγένετο λόγους κ. πρὸς Σ. (2 a)  
— 13. λαλοῦντι ἐν ἐμοὶ . . . λόγους παρακλητικούς (2 a)  
4. 6. οὕτος ὁ λ. κ. πρὸς Σ. (2 a)  
— 8 : 9. ἐγένετο λόγους κ. πρὸς μέ (2 a)  
7. 1. ἐγένετο λόγους κ. πρὸς Σ. (2 a)  
— 4. ἐγένετο λόγους κ. τῶν δυνάμεων πρὸς μέ (2 a)  
— 7. οὐχ οὕτοι οἱ λ. εἰσιν (2 a)  
— 8. ἐγένετο λόγους κ. πρὸς Σ. (2 a)  
— 12. τοὺς λ. οὐς ἐξαπέστειλε κύριος (2 a)  
8. 1. ἐγένετο λόγους κυρίου παντοκράτορος (2 a)  
— 9. τῶν ἀκουσάντων . . . τοὺς λ. τούτους (2 a)  
— 16. οὕτοι οἱ λ. οὐ ποίησετε (2 a)  
— 18. ἐγένετο λόγους κ. παντοκράτορος πρὸς μέ (2 a)  
9. 1. ἡμίμα λόγου κ. ἐν γῇ Σ. καὶ Δ. (2 a)  
11. 11. οὕτοι λόγους κ. [A<sup>1</sup> om.] ἐστὶ (2 a)  
12. 1 : Ma. 1. 1. ἡμίμα λόγου κ. ἐπὶ τὸν 'Ισ. (2 a)  
Ma. 2. 17. οἱ παροξυνάτες τὸν θ. ἐν τοῖς λ. ὑμῶν (2 a)  
3. 13. ἐβάρυναν ἐπ' ἐμέ τοὺς λ. ὑμῶν (2 a)  
Is. 1. 10. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
— 10. προσέχετε νόμον [B<sup>1</sup> λόγον] θεοῦ (14)  
2. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος [A B add. παρὰ κυρίου] πρὸς 'Ησαῖαν (2 a)  
— 3. λ. κυρίου ἐξ 'Ιερουσαλὴμ (2 a)  
8. 10. λόγον [A τὸν λ.] ὃν ἐὰν λαλήσητε (2 a)  
9. 8 (7). B<sup>1</sup> λόγον [A B S<sup>1</sup> θάνατον] ἀπέστειλε κύριος ἐπὶ 'Ι. (2 a)  
10. 23 (22). λόγον συντελῶν καὶ συντεμνῶν ἐν δικαιοσύνῃ -  
— 23. ὅτι λόγον συντεμνόμενον ποιήσει κύριος -  
11. 4. πατάξει γῆν τῶν λ. τοῦ στόματος αὐτοῦ (12)  
28. 14. ἀκούσατε λόγον τοῦ κυρίου (2 a)  
— 23. ἀκούετε τοὺς λ. μου (1 b)  
29. 4. ταπεινώσονται εἰς τὴν γῆν οἱ λ. σου καὶ εἰς τὴν γῆν οἱ λ. σου δύσονται (2 e, 1 b)  
— 11. ὡς οἱ λ. τοῦ βιβλίου τοῦ ἐσφραγισμένου τοῦτου (2 a)  
— 18. ἀκούσονται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ κωφοὶ λόγους βιβλίου (2 a)  
— 21. οἱ ποιοῦντες ἀμαρτίαν ἀνθρώπων ἐν λόγῳ (2 a)  
30. 12. ἠπειθήσατε τοῖς λ. τούτοις . . . πεποιθὲς ἐγένου ἐπὶ τῷ λ. τοῦτῳ (2 a, +)  
— 21. τὰ ὅρα σου ἀκούσονται τοὺς λ. τῶν ὀπίσω σε πληθυνσάντων (2 a)  
31. 2. ὁ λ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἀθετηθῇ (2 a)  
32. 2. ἔσται ὁ ἀνθρώπος κρύπτων τοὺς λ. αὐτοῦ [A τούτους] +  
— 7. καταφθείρει ταπεινοὺς ἐν λόγοις ἀδίκους καὶ διασκεδάσει λόγους [A-γισμούς] ταπεινῶν ἐν κρίσει (1 a, 2 c)  
— 9. εἰσακούσατε λόγους [A B<sup>1</sup> τοὺς λ.] μου (1 b)  
36. 5. μὴ . . . λόγους [A ἐν λ.] χελεύων παραταξίς γίνεται (2 a)  
— 12. λαλήσαι τοὺς λ. τούτους [B<sup>1</sup> om. λ. τ. λ. τ.] (2 a)  
— 13. ἀκούσατε τοὺς λ. τοῦ βασιλεῖος τοῦ μεγάλου (2 a)  
— 14. μὴ ἀπατάτω ὑμᾶς 'Εξέκίας λόγους -  
— 21. οὐδεὶς ἀπεκρίθη αὐτῷ λόγον (2 a)  
— 22. ἀνῆγγελλον [A ἀπ.] αὐτῷ τοὺς λ. 'Ρ. (2 a)

Is. 37. 4. εἰσακούσαι κύριος ὁ θεός σου τοὺς λ. 'Ρυβσάκου . . . ὀνειδίζειν λόγους (2 a, 2 a)  
— 6. μὴ φοβήθῃς ἀπὸ τῶν λ. ὃν ἤκουσας (2 a)  
— 17. ἴδε τοὺς λ. Σενναχηρείμ (2 a)  
— 22. οὕτος ὁ λ. ὃν ἐλάλησε περὶ αὐτοῦ (2 a)  
38. 4. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ησαῖαν (2 a)  
39. 5. ἀκούσον τὸν λ. κυρίου σιβαῶθ (2 a)  
— 8. A B S<sup>1</sup> ἀγάθος ὁ [B om.] λ. κυρίου (2 a)  
41. 26. οὐδὲ ὁ ἀκύνων ὑμῶν τοὺς λ. (1 a)  
45. 23. οἱ λ. μου οὐκ ἀποστραφήσονται (2 a)  
50. 4. ἥνικα δεῖ εἰπεῖν λόγον (2 a)  
51. 16. ἥσῳ τοὺς λ. μου εἰς τὸ στόμα σου (2 a)  
58. 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὄργῃ (2 a)  
59. 13. ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους ἀδίκους (2 a)  
66. 2. ἐπὶ τὸν ταπεινὸν . . . καὶ τρέμοντα τοὺς λ. μου (2 a)  
— 5. οἱ τρέμοντες τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)  
Je. 1. 2. δε ἐγένεθ' ἡ τοῦ θεοῦ πρὸς αὐτὸν (2 a)  
— 4. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς αὐτὸν [A μέ] (2 a)  
— 9. δέδωκα τοὺς λ. μου εἰς τὸ στόμα σου (2 a)  
— 11. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
— 12. A B S<sup>1</sup> ἐργόνορα ἐγὼ ἐπὶ τοὺς λ. μου (2 a)  
— 13. A B S<sup>1</sup> ἐγένετο λόγους κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
2. 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
— 31. ἀκούσατε [A add. τὸν] λόγον κυρίου (2 a)  
3. 12. ἀνάγνωθι τοὺς λ. τούτους (2 a)  
5. 13. λ. [B<sup>1</sup>-ov] κυρίου οὐχ ὑπῆρχεν ἐν αὐτοῖς (2 c)  
— 14. δέδωκα τοὺς λ. μου εἰς τὸ στόμα σου πῦρ (2 a)  
6. 19. τῶν λ. [A τοὺς λ., B τῷ λ.] μου οὐ προσέσχον (2 a)  
7. 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
— 4. μὴ πεποιθᾶτε ἐφ' ἑαυτοῖς ἐπὶ λ. ψευδεῖς (2 a)  
— 8. εἰ δε ὑμεῖς πεποιθᾶτε ἐπὶ λόγοις ψευδεῖς (2 a)  
— 27. ἐρεῖς αὐτοῖς τὸν λ. τοῦτον (2 a)  
8. 9. A B τὸν λ. [B νόμον] κυρίου ἀπεδοκίμασαν (2 a)  
9. 12 (11). φ' [A S<sup>1</sup> ὁ] λ. στόματος κυρίου πρὸς αὐτὸν (2 c)  
— 20 (19). ἀκούσατε δὴ γυναικες λόγον θεοῦ καὶ δεξάσθε τὰ ὅρα ὑμῶν λόγους στόματος αὐτοῦ (2 a, 2 a)  
10. 1. ἀκούσατε τὸν [A om.] λ. κυρίου (2 a)  
11. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς 'Ιερ. (2 a)  
— 2. ἀκούσατε τοὺς λ. τῆς διαθήκης ταύτης (2 a)  
— 3. οὐκ ἀκούσεται τῶν λ. [B-οἱ τῆς φωνῆς] τῆς διαθήκης ταύτης (2 a)  
— 6. ἀνάγνωθι τοὺς λ. τούτους ἐν πόλεσιν 'Ιουδα (2 a)  
— 6. ἀκούσατε τοὺς λ. τῆς διαθήκης ταύτης (2 a)  
— 10. οὐκ ἠθέλησαν εἰσακούσαι τῶν λ. μου (2 a)  
13. 2. ἐκτητάμην τὸν περιζύμα κατὰ τὸν λ. κυρίου (2 a)  
— 3. 8. ἐγένεθ' ἡ λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
— 10. τοὺς μὴ βουλομένους ὑπακούειν τῶν λ. μου (2 a)  
14. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ιερ. [A al.] (2 a)  
— 17. ἐρεῖς πρὸς αὐτοὺς τὸν λ. τοῦτον (2 a)  
15. 16. ὑπὸ τῶν ἀθετούντων τοὺς λ. σου (2 a)  
— 16. ἔσται ὁ λ. σου ἐμοὶ εἰς εὐφροσύνην (2 a)  
17. 15. ποῦ ἐστίν ὁ λ. κυρίου (2 a)  
— 20. ἀκούσατε [B<sup>1</sup> om.] τὸν [A S om.] λ. κυρίου (2 a)  
18. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς 'Ιερ. (2 a)  
— 2. ἐκεῖ ἀκούσῃ τοὺς λ. μου (2 a)  
— 5. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
— 18. οὐκ ἀπολείται . . . λ. ἀπὸ προφήτου (2 a)  
— 18. ἀκουσόμεθα πάντας τοὺς λ. αὐ. (2 a)  
— 22. ἐνεχείρισαν λόγον εἰς σὺλληψίν μου +  
19. 2. ἀνάγνωθι ἐκεῖ πάντας τοὺς λ. (2 a)  
— 3. ἀκούσατε τὸν λ. [B τοὺς λ., A λόγους] κυρίου (2 a)  
— 15. A τοῦ μὴ εἰσακοῦν ἐν τῶν λ. [B S ἐντολῶν] μου (2 a)  
20. 1. τοῦ 'Ιερ. προφητεύοντος τοὺς λ. τούτους (2 a)  
— 8. κικρὼ λόγῳ μου γελᾶσθαι (2 c)  
— 8. ἐγένεθ' ἡ λ. κυρίου εἰς ὀνειδισμόν ἐμοὶ (2 a)  
21. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς 'Ιερ. (2 a)  
— 11. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
22. 1. λαλήσεις ἐκεῖ τὸν λ. τοῦτον (2 a)  
— 2. ἀκουε λόγον κυρίου (2 a)  
— 4. εἰαν ποιοῦντες ποιήσητε τὸν λ. τοῦτον (2 a)  
— 5. εἰαν δε μὴ ποιήσητε τοὺς λ. τούτους (2 a)  
— 29. ἀκουε λόγον κυρίου (2 a)  
23. 16. μὴ ἀκούετε τοὺς λ. [B τῶν λ.] τῶν προφητῶν (2 a)  
— 17. λέγουσι τοῖς ἀπαθουμένοις τὸν λ. κυρίου (2 c)

Je. 23. 18. εἶδε τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 22. εἰ ἤκουσαν [B εἰσίγ.] τὸν λ. μου (2 a)  
 — 28. ἐν ᾧ ὁ λ. μου πρὸς αὐτὸν (2 a)  
 — 28. διηγησάσθω τὸν λ. μου ἐπ' ἀληθείας (2 a)  
 — 28. οὕτως οἱ λ. μου —  
 — 29. οὐκ ἰδοὺ οἱ λ. μου ὡσπερ [A add. φλέγον] πύρ (2 a)  
 — 30. A B R πρὸς τοὺς προφῆτας . . . τοὺς κλέπτοντας τὸν λ. μου (2 a)  
 — 36. τὸ λῆμμα τῷ ἄνθρ. ἔσται ὁ λ. αὐ. [A al.] (2 a)  
 — 38. ἀνθ' ὃν εἶπατε τὸν λ. τοῦτον (2 a)  
 24. 4. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 25. 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 8. οὐκ ἐπιστεύσατε τοῖς λ. μου (2 a)  
 — 13. ἐπάξω ἐπὶ τὴν γῆν ἐκ. πάντας τοὺς λ. μου (2 a)  
 26 (48). 1. ἐγένετο ὁ λ. οὗτος (2 a)  
 27 (50). 1. λ. [A B ὁ λ.] κυρίου ὃν ἐλάλησεν ἐπὶ Βαβ. (2 a)  
 28 (51). 59. ὁ λ. ὃν ἐνετείλατο κύριος 'Ιερემία (2 a)  
 — 60. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)  
 — 61. ἀναγνώσθαι πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 32 (25). 30. προφητεῖσεις ἐπ' αὐτοὺς τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 30. λόγον χρηματιεῖ ἐπὶ [A ἀπὸ] τοῦ τόπου τοῦτου (2 a)  
 33 (26). 1. ἐγενήθη ὁ λ. οὗτος παρὰ κυρίου (2 a)  
 — 2. χρηματιεῖς . . . ἀπαντας τοὺς λόγους (2 a)  
 — 5. εἰσάκουεν τὸν λ. [A add. μου καὶ] τὸν παῖδων μου (2 a)  
 — 7. τοῦ 'Ιερემίου λαλοῦντος τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 10. ἤκουσαν οἱ ἄρχοντες 'Ιούδα τὸν λ. τοῦτον [A τὸν λ. τ.] (2 a)  
 — 12. προφητεύουσι . . . πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 15. λαλήσαι εἰς τὰ ὄρια ὑμῶν πάντος τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 20. ἐπροφητεύσε . . . κατὰ πάντας τοὺς λ. 'Ιερემίου (2 a)  
 — 21. ἤκουσεν . . . πάντας τοὺς λ. αὐτοῦ (2 a)  
 34 (27). 12. ἐλάλησα κατὰ πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)  
 — 16. μὴ ἀκούετε τῶν λ. τὸν προφητῶν (2 a)  
 — 18. εἰ ἔστι λ. [B' νόμος] κυρίου ἐν αὐτοῖς (2 a)  
 35 (28). 6. στήσαι τὸν λ. σου ἐν σὺ προφητεύεις (2 a)  
 — 7. ἀκούσατε τὸν λ. κυρίου (2 a)  
 — 9. ἐλθόντος τοῦ λ. γνώσονται τὸν προφήτην (2 a)  
 — 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς 'Ιερ. (2 a)  
 36 (29). 1. οὗτοι οἱ λ. τῆς βίβλου (2 a)  
 — 10. ἐπιστήσω τοὺς λ. μου ἐφ' ὑμᾶς (2 a)  
 — 23. λόγον ἐχηματίσαν ἐν τῷ ὀνόματί μου (2 a)  
 — 30. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 37 (30). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 2. γράψων πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 4. οὗτοι οἱ λ. οὓς ἐλάλησε κύριος (2 a)  
 38 (31). 10. ἀκούσατε λόγους [B -ον] κυρίου (2 a)  
 — 20. οἱ λ. μου ἐν αὐτῷ (2 a)  
 — 23. ἔτι ἐροῖσι τὸν λ. τοῦτον ἐν γῇ 'Ιουδα (2 a)  
 39 (32). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου (2 a)  
 — 6. λ. κυρίου ἐγενήθη πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 8. ἔγνωσεν ὁ λ. κυρίου ἐστὶ (2 a)  
 — 26. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 40 (33). 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 41 (34). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 4. ἀκούσων τὸν λ. κυρίου (2 a)  
 — 5. λόγον ἐγὼ ἐλάλησα (2 a)  
 — 6. ἐλάλησεν 'Ιερ. . . πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 8. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς 'Ιερ. παρὰ κυρίου (2 a)  
 — 12. ἐγενήθη λ. κυρίου [B' om.] πρὸς 'Ιερ. (2 a)  
 42 (35). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς 'Ιερ. παρὰ κυρίου (2 a)  
 — 12. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 13. οὐ μὴ λάβητε παιδείαν τοῦ ἀκούειν τοὺς λ. μου (2 a)  
 43 (36). 1. ἐγενήθη λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 2. γράψων ἐπ' αὐτοῦ πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 4. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λ. κυρίου (2 a)  
 — 8. A B τὸ ἀναγνώσθαι ἐν τῷ βιβλίῳ τοὺς [B B om.] λ. κυρίου (2 a)  
 — 10. ἀνεγίνωσκε B. . . τοὺς [A om.] λόγους 'Ιερ. (2 a)  
 — 11. ἤκουσε M. . . ἀπαντας τοὺς λ. κυρίου (2 a)  
 — 13. ἀνγγέλειν αὐτοῖς M. πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 16. ὡς ἤκουσαν πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 16. ἀναγγέλιωμεν τῷ βασι. ἀπαντας τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 17. ποῦ ἔγραψας πάντας [B om.] τοὺς λ. τοὺτους (2 a)

Je. 43 (36). 18. ἀνγγέλει μοι 'Ιερ. πάντας τοὺς λ. τ. (2 a)  
 — 20. ἀνγγέλειαν τῷ βασι. πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 24. οἱ ἀκούοντες πάντως [A -ες] τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 27. A B S' ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 27. μετὰ τὸ κατακαῦσαι τὸν βασι. τὸ χαρτίον πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 28. γράψων πάντας τοὺς λ. (2 a)  
 — 32. ἔγραψεν . . . ἀπαντας τοὺς λ. τοῦ βιβλίου (2 a)  
 — 32. προστεθήσαν αὐτῷ λόγοι πλείονες (2 a)  
 44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν . . . τοὺς λ. κυρίου (2 a)  
 — 6. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 17. εἰ ἔστιν ὁ [A B om.] λ. παρὰ [A B' om.] κυρίου (2 a)  
 45 (38). 1. ἤκουσε Σαφάριος . . . τοὺς λ. (2 a)  
 — 4. λαλῶν πρὸς αὐτοὺς κατὰ τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 14. ἐρωτήσω σε λόγον (2 a)  
 — 19. λόγον ἔχω τῶν 'Ιουδαίων τῶν πεφευγόντων (15)  
 — 20. ἀκούσων τὸν [A om.] λ. κυρίου (10)  
 — 21. A B R οὗτος [B -ως] ὁ λ. ὃν ἔδειξέ μοι κύριος (2 a)  
 — 24. πῶθ' ὠρῶν μὴ γνῶτω ἐκ τῶν λ. τοῦτον (2 a)  
 — 27. ἀνγγέλειν αὐτοῖς κατὰ πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 — 27. οὐκ ἤκουσεν λ. κυρίου (2 a)  
 46 (39). 15. πρὸς 'Ιερემίαν ἐγένετο λ. κυρίου (2 a)  
 — 16. φέρω τοὺς λ. μου . . . εἰς κακὰ (2 a)  
 47 (40). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου (2 a)  
 49 (42). 3. ἀναγγελάτω ἡμῖν κύριος . . . λόγον (2 a)  
 — 4. A' B B κατὰ τοὺς λ. ὑμῶν (2 a)  
 — 4. ὁ λ. ὃν ἂν ἀποκριθῇς κύριος (2 a)  
 — 5. κατὰ πάντα τὸν λ. ὃν ἂν ἀποστείλῃ κύριος (2 a)  
 — 7. ἐγενήθη λ. κυρίου πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 15. ἀκούσατε λόγον [B -ους] κυρίου (2 a)  
 — 16. ὁ λῆμος σὺ ὑμῖν λόγον ἔχετε (15)  
 50 (43). 1. ἐπαύσατο 'Ιερ. λόγον . . . πάντας τοὺς λ. κυρίου . . . πάντας τοὺς λ. τοὺτους (2 a, 2 a)  
 — 8. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 51 (44). 1. ὁ λ. ὁ γενόμενος πρὸς 'Ιερემίαν (2 a)  
 — 16. ὁ λ. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς (2 a)  
 — 17. ποιήσωμεν πάντα τὸν λ. (2 a)  
 — 20. εἶπεν . . . τοὺς ἀποκριθῆσαν αὐτῷ λόγους (2 a)  
 — 24. A B ἀκούσατε [B add. τὸν] λόγον κυρίου (2 a)  
 — 26. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
 — 28. λ. τίνος ἐμμενέι (2 a)  
 51. 31 (45. 1). ὁ λ. ὃν ἐλάλησεν 'Ιερემίας (2 a)  
 — 31 (45. 1). ὅτε ἔγραφε τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 Ba. 1. 1. οὗτοι οἱ λ. τοῦ βιβλίου οὓς ἔγραψε Βαρούχ (2 a)  
 — 3. ἀνέγνω Βαρούχ τὸν λ. τοῦ βιβλίου τοῦτου (2 a)  
 — 21. κατὰ πάντας τοὺς λ. τὸν προφητῶν (2 a)  
 2. 1. ἔστησε κύριος τὸν λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 24. ἔστησε τοὺς λ. σου (2 a)  
 Ez. 1. 3. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς 'Ιεζεκιήλ (2 a)  
 — 24. ἐν τῷ πορεύεσθαι αὐτὰ φωνή τοῦ λ. (2 a)  
 — 2. τοὺς λ. αὐτῶν μὴ φοβήθητε (2 a)  
 — 7. λαλήσεις τοῖς λ. μου πρὸς αὐτοὺς (2 a)  
 3. 4. λαλήσων τοὺς λ. μου πρὸς αὐτοὺς (2 a)  
 — 6. ὃν οὐκ ἀκούσῃ τοὺς λ. (2 a)  
 — 10. πάντως τοὺς λ. οὓς λελάληκα μετὰ σοῦ λάβε (2 a)  
 — 16. ἐγένετο . . . λ. κυρίου πρὸς μέ [A' om.] λ. κ. πρ. μέ (2 a)  
 — 17. A' B ἀκούσθαι ἐκ στόματός μου λόγον (2 a)  
 6. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 3. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
 7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 9. 11. A ἀπεκρίνατο λόγον [B om.] λέγων (2 a)  
 11. 14. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λ. τοῦ κυρίου (2 a)  
 12. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 8. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ τὸ πρῶτ' (2 a)  
 — 17. 21. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 23. ἡγγίκασι αἱ ἡμέραι καὶ λ. πᾶσης ὁράσεως (2 a)  
 — 25. ἐγὼ κύριος λαλήσω τοὺς λ. μου . . . λαλῶν λόγον (2 a, 2 a)  
 — 26. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 28. οὐ μὴ μεκύνισον οὐκέντι πάντες οἱ λ. μου (2 a)  
 — 28. λαλήσω [A ὅτι λ. λόγον] (2 a)  
 13. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
 — 6. ᾤρασαν τοῦ ἀναστήσαι λόγον (2 a)  
 — 8. ἀνθ' ὃν οἱ λ. ὑμῶν ψευδεῖς (2 a)

Ez. 14. 2, 12 : 15. 1 : 16. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 16. 35. ἄκουε λόγον κυρίου (2 a)  
 17. 1, 11 : 18. 1 : 20. 2, 45 (21. 1). ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 20. 47 (21. 3). ἄκουε λόγον κυρίου (2 a)  
 21. 1 (6), 8 (13), 18 (23) : 22. 1, 17, 23 : 28. 1 : 24. 1, 15. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 24. 20. B λ. κυρίου ἐγένετο πρὸς μέ [A' al.] (2 a)  
 25. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 3. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
 26. 1 : 27. 1 : 28. 1, 11, 20 : 29. 1, 17 : 30. 1, 20 : 31. 1 : 32. 1, 17 : 33. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 33. 7. ἀκούσθαι ἐκ στόματός μου λόγον (2 a)  
 — 8. A μὴ λαλήσῃς τοὺς λόγους [B om. τ. λ.] (2 a)  
 — 23. ἐγενήθη λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 34. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 — 7, 9 (A). ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
 35. 1. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 36. 1, 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
 — 16. ἐγένετο λ. κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 37. 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 a)  
 — 15 : 38. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (2 a)  
 Da. LXX. 1. 20. ἐν παντὶ λόγῳ καὶ συνέσει (2 a)  
 2. 5. ὁ λόγος ἀπ' ἐμοῦ ἀπέστη (4)  
 — 9. συνέπεισθε γὰρ λίγους ψευδεῖς (4)  
 — 11. ὁ λ. ὃν ἡρεῖς, βασιλεῦ (4)  
 4. 25. τοὺτους τοὺς λ. ἀγάπησον (2 a)  
 — 25. ἀκριβῆς γὰρ μου ὁ λ. (2 a)  
 — 25. ἐπὶ συντελείᾳ τῶν λ. N. (2 a)  
 — 25. τοὺς λ. ἐν τῇ καρδίᾳ συντήρησε (2 a)  
 — 28. εἰ τοῦ λ. ἐν τῷ στόματι τοῦ βασι. οὗτος (4)  
 — 28. ἐπὶ συντελείᾳ τοῦ λ. αὐτοῦ (2 a)  
 6. 12 (13). ἀκριβῆς ὁ λ. (4)  
 7. 1. ἔγραψεν εἰς κεφάλαια λόγων (4)  
 — 11. ἐθεώρουν τότε τὴν φωνὴν τῶν λ. (4)  
 — 16. καὶ τὴν κρίσιν τῶν λ. ἐδήλωσέ μοι (4)  
 — 28. ὥς καταστροφῆς τοῦ λ. (4)  
 12. 3. οἱ κατιχίζοντες τοὺς λ. μου (2 a)  
 — 8. τίς ἡ λύσις τοῦ λ. τοῦτου (2 a)  
 Bel 12. ἤρεσε δὲ ὁ λ. τῷ βασιλεῖ (4)  
 Da. TH. Su. 27. εἶπαν οἱ πρεσβύτες τοὺς λ. αὐτῶν (4)  
 — 27. οὐκ ἐρρήθη λίγους τοιοῦτος περὶ Σ. (4)  
 — 47. τίς ὁ λόγος οὗτος ἐν σὺ λελάληκας (4)  
 2. 5. ὁ λ. ἀπ' ἐμοῦ ἀπέστη (4)  
 — 11. ὁ λ. ὃν ὁ βασιλεὺς ἐπερωτᾷ βαρὺς (4)  
 4. 14. διὰ συγκρίματος εἰρὸς ὁ λόγος (2 a)  
 — 14. καὶ ῥῆμα [A λόγος] ἁγίων τὸ ἐπερωτήμα (1 a)  
 — 18. ἔτι τοῦ λ. ἐν τῷ στόματι τοῦ βασι. οὗτος (4)  
 — 30. αὐτῇ τῇ ὥρᾳ ὁ λ. συνετελέσθη ἐπὶ N. (4)  
 6. 2 (3). τοῦ ἀποδοῦναι αὐτοῖς τοὺς σατράπας λίγους (3)  
 — 12 (13). εἶπεν ὁ βασιλεὺς, Ἀληθινὸς ὁ λ. (4)  
 7. 11. ἀπὸ φωνῆς τῶν λ. τῶν μεγάλων [A λ. ὃν ἐλάλει] (4)  
 — 16. τὴν συγκρίσιν τῶν λ. ἐγνώρισέ μοι (4)  
 — 25. λόγους πρὸς τὸν ὑψίστον λαλήσει (4)  
 — 28. ὥς ὡς τὸ πέρας τοῦ λόγου (4)  
 9. 2. ὅς ἐγενήθη λόγος κ. πρὸς 'Ι. τὸν προφήτην (2 a)  
 — 12. ἔστησε τοὺς λ. αὐτοῦ οὓς ἐλάλησεν (2 a)  
 — 23. ἐξήλθε λόγος (2 a)  
 — 25. ὅπου ἐξόδου λόγου τοῦ ἀποκριθῆναι (2 a)  
 10. 1. λίγους ἀπεκαλύφθη τῷ Δ. (2 a)  
 — 1. καὶ ἀληθινὸς ὁ λ. (2 a)  
 — 6. ἡ φωνὴ τῶν λ. αὐτοῦ ὡς φωνὴ ὄχλου (2 a)  
 — 9. καὶ ἤκουσα τὴν φωνὴν τῶν λ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 11. σίνες ἐν τοῖς λ. (2 a)  
 — 11. ἐν τῷ λαλήσαι αὐτὸν πρὸς μέ τὸν λ. τ. (2 a)  
 — 12. ἤκουσθησαν οἱ λ. σου (2 a)  
 — 12. ἐγὼ ἤλθον ἐν τοῖς λ. σου (2 a)  
 — 15. ἐν τῷ λαλήσαι αὐτὸν . . . κατὰ τοὺς λ. τοὺτους (2 a)  
 12. 4. σὺ Δ. ἐμφραξὼν τοὺς λ. [A τὸ βιβλίον] καὶ σφράγισαν τὸ βιβλίον [A τοὺς λ.] (2 a [7])  
 — 9. ἐμφραγμαίνουσι καὶ ἐσφραγισμένοι οἱ λ. (2 a)  
 I Ma. 1. 12. ἡγαβύθη ὁ λ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτῶν (2 a)  
 — 30. ἐλάλησεν αὐτοῖς λόγους ἐιρηνηκοῦς (2 a)  
 — 42. κατὰ τὸν λ. τοῦ βασιλεῖος (2 a)  
 — 50. A B ἐν μὴ ποιήσῃ κατὰ τὸ ῥῆμα [B τὸν λ.] τοῦ βασι. (2 a)  
 — 51. κατὰ πάντας τοὺς λ. τοὺτους ἔγραψε (2 a)  
 2. 22. B τῶν λ. [B τὸν λ., A τὸν νόμον] τοῦ βασι. οὐκ ἀκουσόμεθα (2 a)

I Ma. 2. 23. ὡς ἐπαύσατο λαλῶν τοὺς λ. τοῦτους [B' om. τ. λ. τ.]  
 — 33. ποιήσαντες κατὰ τὸν λ. τοῦ βασιλέως  
 — 34. οὐδὲ ποιήσαντες τὸν λ. τοῦ βασιλέως  
 — 55. 'I. ἐν τῷ πληρώσει λόγον ἐγένετο κριτής  
 — 62. ἀπὸ λόγον ἀνδρὸς ἀμαρτωλοῦ μὴ φοβηθῆτε  
 3. 14. τοὺς ἐξουθενούντας τὸν λ. τοῦ βασιλέως  
 — 27. ὡς δὲ ἤκουσεν 'A. ὁ βασιλεὺς τοὺς λ. τοῦτους  
 — 39. καταφθείρα αὐτὴν [B' om.] κατὰ τὸν λ. τοῦ βασιλ.  
 — 42. SB ἐπέγνωσαν τοὺς λ. τοῦ βασιλ. [A τῆς βασιλείας]  
 5. 16. ὡς δὲ ἤκουσεν 'I. καὶ ὁ λαὸς τοὺς λ. τοῦτους  
 — 48. ἀπέστειλε πρὸς αὐτοὺς 'I. λόγους εἰρηνικοὺς  
 6. 3. ἐγνώσθη [B' οὐκ ἐγ.] ὁ λ. τοῖς ἐκ τῆς πόλεως  
 — 6. ὡς ἤκουσεν ὁ βασιλεὺς τοὺς λ. τοῦτους  
 — 60. ἤρπεν ὁ λ. ἐναντίον τοῦ βασιλέως  
 7. 10. ἀπέστειλεν ἀγγέλους . . . λόγους εἰρηνικοὺς  
 — 11. οὐ προσέσχον τοὺς λ. αὐτῶν  
 — 15. εὐλόγησε μετ' αὐτῶν λόγους εἰρηνικοὺς  
 — 16. SB κατὰ τὸν λ. ὃν [A τοὺς λ. οὗς] ἔγραψεν  
 — 27. ἀπέστειλε πρὸς 'I. . . λόγους εἰρηνικοὺς  
 — 30. ἐγνώσθη ὁ λ. τῷ 'Ιουδα  
 — 33. μετὰ τοὺς λ. τοῦτους ἀνέβη N.  
 8. 10. ἐγνώσθη ὁ λ. αὐτοῖς  
 — 21. ἤρπεν ὁ λ. ἐναντίον αὐτῶν  
 — 29. κατὰ τοὺς λ. τοῦτους οὕτως ἔστησαν  
 — 30. ἐὰν δὲ μετὰ τοὺς λ. τοῦτους θουλεύσονται  
 9. 22. τὰ περισσὰ τῶν λόγων 'I.  
 — 37. μετὰ δὲ τοὺς λ. τοῦτους ἀπήγγειλαν  
 — 55. οὐκ ἤδυνάτο ἐτι λαλῆσαι λόγον  
 — 71. ἐποίησε κατὰ τοὺς λ. αὐτοῦ [B' -φ]  
 10. 3. ἀπέστειλε Δ. πρὸς 'I. ἐπιστολάς λόγους εἰρηνικοὺς  
 — 17. ἔγραψεν ἐπιστολάς . . . κατὰ τοὺς λ. τοῦτους  
 — 22. ἤκουσε Δ. τοὺς λ. τοῦτους  
 — 24. γράψω αὐτοὺς κατὰ λόγους παρακλήσεως  
 — 25. ἀπέστειλεν αὐτοὺς κατὰ τοὺς λ. τοῦτους  
 — 40. διδῶμι . . . ἀπὸ τῶν λ. τοῦ βασιλ.  
 — 42. σκέλους . . . οὗς ἐλάβανον . . . ἀπὸ τοῦ λ.  
 — 44. δοθήσεται ἐκ τοῦ λ. τοῦ βασιλέως [B' om. δ. . . β.]  
 — 45. δοθήσεται ἐκ τοῦ λ. τοῦ βασιλέως  
 — 46. ὡς δὲ ἤκουσεν 'I. τὸν λόγον 'A.  
 — 47. ἐγένετο αὐτοῖς ἀρχηγὸς λόγον εἰρηνικῶν  
 — 51. ἀπέστειλεν 'A. πρὸς Πτ. . . κατὰ τοὺς λ. τοῦτους  
 — 63. μηδεὶς αὐτῷ παρενοχλεῖται περὶ παντὸς λ.  
 — 74. ὡς δὲ ἤκουσεν 'I. τὸν λόγον 'A.  
 — 88. ὡς ἤκουσεν 'A. ὁ βασιλεὺς τοὺς λ. τοῦτους  
 11. 2. ἐξήλθεν εἰς τ. λόγους εἰρηνικοὺς [B λέγων λόγους εἰρηνικοὺς]  
 13. 7. ἅμα τῷ ἀκούσαι τῶν λ. τοῦτων  
 — 35. ἀπέστειλεν αὐτῷ Δ. . . κατὰ τοὺς λ. τοῦτους  
 14. 23. τοῦ θέσθαι τὸ ἀντίγραφον τῶν λ. αὐτῶν  
 — 25. ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ δῆμος τῶν λ. τοῦτων  
 — 46. ποιῆσαι κατὰ τοὺς λ. τοῦτους  
 15. 32. ἀπήγγειλεν αὐτῷ τοῦς λ. τοῦ βασιλ.  
 — 35. οὐκ ἀπεκρίθη αὐτῷ 'Aθ. λόγον  
 — 36. ἀπήγγειλεν αὐτῷ τοὺς λ. τοῦτους  
 16. 23. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν λ. 'I. . . ταῦτα γέγραπται  
 II Ma. 1. 14. τοῦ λαβεῖν τὰ χρήματα εἰς φερνῆς λόγον  
 2. 30. B περὶ πάντων ποιείσθαι λόγον [A περίπατον π. λόγον]  
 3. 6. μὴ προσήκειν αὐτὰ πρὸς τὸν τῶν θυσιῶν λ.  
 4. 36. ἐπὶ τοῦ παρὰ λόγον τὸν 'O. ἀπεκρίνανθα  
 6. 29. διὰ τὸ τοὺς προειρημένους λόγους [A διὰ τῶν πρ. λόγων]  
 7. 24. οὐ μόνον διὰ λόγον ἐποιεῖτο τὴν παράκλησιν  
 9. 5. ἄρτι δὲ αὐτοῦ καταλήξαντος τὸν λόγον  
 10. 34. λόγους ἀδελφίτους ποιοῦντος  
 15. 11. ὡς τὴν ἐν τοῖς ἀγαθοῖς λόγους παράκλησιν  
 — 17. παρακληθέντες δὲ τοῖς 'I. λόγους πάντων κυλοῖς  
 — 37. καταπαύσω τὸν λ. [A τὸν λ. καταπαύσω]  
 — 39. τὸ τῆς κατασκευῆς τοῦ λ. τέρπει τὰς ἀκοάς  
 III Ma. 1. 1. Μακαβαίων λόγος  
 3. 14. κατὰ λόγον ἐπ' ἄριστον [A om.] τέλος ἀχέσσης  
 — 17. οἱ δὲ λόγῳ μὲν τὴν ἡμετέραν ἀποδεξάμενοι παρουσίαν  
 — 23. βδελύσσονται λόγῳ τε καὶ σιγῇ  
 5. 15. τὸν περὶ λόγον ποιούμενος  
 7. 8. περὶ τῶν γεγενημένων παρὰ λόγον  
 IV Ma. 1. 1. φιλοσوفάτων λόγον ἐπιδείκνυσθαι μέλλων

IV Ma. 1. 2. ἀναγκαῖος εἰς ἐπιστήμην παντὶ ὁ λ.  
 — 12. οὕτως εἰς τὸν περὶ αὐτῶν τρέφομαι λόγον  
 — 15. B τοὺς μετὰ ὀρθοῦ λόγον [A ὀρθοῦς βίον] προτιμῶν τὸν σοφίας βίον [A λόγον]  
 3. 1. B ἔστι δὲ κομὴ γελίοις ὁ λόγος [A λογισμός]  
 4. 7. τοῦ ἔθνους πρὸς τὸν λόγον σχετλιάσαντος  
 — 13. τοῖσι ἐπαχθεῖσι τοῖς λ. 'Oν. ὁ ἀρχιμεύς  
 5. 14. λόγον ἤτησεν ὁ 'Ελεάζαρος  
 — 35. οὐδὲ κατασχινῶ σε, φιλόσοφε λόγε  
 — 38. οὕτε λόγους δεσπόσεις  
 7. 10. τοὺς τῆς θείας φιλοσοφίας λόγους  
 8. 16. ποιοῖς ἂν ἐχρήσαντο λόγους  
 14. 9. ἀκούοντες τὸν παραχρήμα ἀπειλῆς λόγον  
 16. 14. λόγους εὐρέθης ἀνδρὸς  
 — 24. διὰ τοῦτων τῶν λ. ἡ ἐπταμήτωρ . . . ἔπεισε [Aq. Jo. 8. 10: IV Ki. 17. 11: Jb. 8. 25: Ps. 5. 2: 18 (19): 4: 55 (56): 11: 64 (65): 4: Pr. 26. 22: Ec. 12. 10: Is. 8. 10: 9. 8 (7): 36. 5: Jb. 1. 1: 5. 28: 6. 10, 19: 7. 1, 2 δις, 22, 23: 10. 1: 14. 1: 16. 1: 18. 2: 25. 3: 27 (34): 1: 29 (36): 23: 38 (48): 1: 38 (45): 24: 44 (51): 29: 46 (26): 13: 47 (29): 1: 51 (28): 59, 64: Ez. 14. 9: 34: 9.]  
 [Sm. Ge. 41. 32: 47. 12: Ex. 16. 18: 18. 14: Jo. 6. 10: Jd. 18. 7: III Ki. 8. 10: 12. 16: IV Ki. 17. 11: Jb. 2. 13: 4. 2: 6. 3: 16. 4: 21. 3: 24. 25: 26. 14: 32. 4. 11, 14: 33. 13: 35. 16: 36. 4: 37. 2: Ps. 18 (19): 4: 21 (22): 2: 34 (35): 30: 40 (41): 9: 44 (45): 2: 48 (49): 14: 51 (52): 6: 54 (55): 22: 55 (56): 5, 6, 11: 58 (59): 13: 63 (64): 4. 6: 64 (65): 4: 90 (91): 3: 118 (119): 49, 57, 116: 140 (141): 4: Pr. 2. 16: 4. 4: 11. 13: 17. 9: 25. 11: 28. 22: 31. 1: Ec. 5. 6: 7 (8): 10 (9): 8. 4 δις: 12. 10: Is. 8. 10: 9. 8 (7): 29. 21: 36. 5: 37. 4: 40. 8: Jb. 1. 1: 5. 28: 7. 1, 2 δις, 22, 23: 8. 9: 10. 1: 11. 6: 14. 1: 16. 1: 29 (36): 23: 32 (33): 27: 38 (43): 1: 38 (45): 24: 27: 44 (51): 4. 20: 47 (29): 1: Ez. 14. 9.]  
 [Th. Ge. 20. 10: Jo. 6. 10: II Ki. 12. 25: 14. 13: III Ki. 12. 16: Jb. 2. 13: 19. 28: 32. 11 δις, 15: 36. 4: 41. 4: Ps. 21 (22): 2: 63 (64): 4: 118 (119): 116: 147. 8 (19): Pr. 17. 9: 26. 22: Is. 8. 10: 9. 8 (7): 36. 5: 37. 4: 58. 13: Jb. 1. 1: 2. 1: 5. 28: 7. 1, 2 δις: 10. 1: 11. 8: 18. 2: 23: 36: 25. 3: 29 (36): 19, 20: 33 (40): 14, 19, 23: 34 (41): 18: 44 (51): 29: Ez. 1. 24: 2. 6: 14. 9: 34. 9: 36. 13: Da. 2. 5: 4. 28: 5. 10: 7. 17, 25, 28: 10. 1: AM. 4. 13: 5. 10: Hb. 3. 5.]  
 [Al. Le. 4. 13: Dt. 22. 24: Jd. 5. 29: III Ki. 15. 5: Ps. 144 (145): 5: Pr. 18. 4: Ca. 2. 14.]  
 [Sm. Nu. 31. 16.]  
 [Hob. Jb. 19. 28: Jb. 1. 1.]  
 [Quint. IV Ki. 17. 11: Ps. 21 (22): 2: 55 (56): 5: 147. 8 (19).]  
 [Sext. Ps. 21 (22): 2: 129 (130): 4: 147. 8 (19).]  
**λόγχη.** (1) לִּחְיָה (2) לִּחְיָה לִּחְיָה (3) לִּחְיָה  
 (4) לִּחְיָה (5) לִּחְיָה  
 Jd. 5. 8. θυρεὸς ἐὰν ὀφθῇ καὶ λόγχη [A al.] (6)  
 I Ki. 17. 7. ἡ λ. αὐ. ἐξακοσίω σίκλων σιδήρου. (2)  
 Ne. 4. 13 (7). ἔστησα . . . λόγχας αὐ. (5)  
 — 16 (10). καὶ λόγχα καὶ θυρεοί (5)  
 — 21 (15). κρατούμεν τὰς λ. (5)  
 Jb. 16. 14 (13). ἐκέλευσάν με λόγχα (4)  
 41. 17 (18). ἐὰν συναντήσωσιν αὐτῷ λόγχα (1)  
 Ez. 26. 8 (9). τὰς λ. αὐτοῦ ἀπέναντί σου [A ἐπὶ σέ] δώσει (3?)  
 39. 9. βάβδος χειρῶν καὶ λόγχα (5)  
 II Ma. 5. 2. λόγχα σπειροῦν ἐξουλισμένους  
 15. 11. οὐ τὴν ἀσπίδα καὶ λογχα ἀσφάλειαν [Aq. Ps. 34 (35): 3: 54 (55): 22.]  
 [Sm. Jb. 41. 18: Ps. 34 (35): 3.]  
 [Th. Jb. 39. 23: Ps. 34 (35): 3.]  
 [Quint. Ps. 34 (35): 3.]  
**λοιδορεῖν.** (1) לִּיְדוֹר (2) לִּיְדוֹר  
 Ge. 49. 23. εἰς ὃν διαβουλεύομενοι ἐλοιδοροῦν +  
 Ez. 17. 2. ἐλοιδορεῖτο ὁ λαὸς πρὸς Μωυσῆν (2)  
 — 2. τί λοιδορήσῃ μοι (2)  
 21. 18. ἐὰν δὲ λοιδορῶνται δύο ἄνδρες (2)  
 Nu. 20. 3. ἐλοιδορεῖτο ὁ λαὸς πρὸς Μ. (2)  
 — 13. ἐλοιδορήσαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (2)  
 De. 33. 8. ἐλοιδορήσαν αὐτὸν (2)  
 Jc. 36 (29). 27. B διὰ τί ἐλοιδορήσατε [A B συνελ.] 'Ιερεμίαν (1)

II Ma. 12. 14. τοῖς περὶ τὸν 'I. λοιδοροῦντες [Aq., Th. Jc. 29 (36): 27.]  
 [Sm. Le. 24. 15: I Ki. 17. 43: Ec. 7. 22 (21), 23 (22): 10. 20: Jc. 29 (36): 27.]  
 [Al. Le. 19. 14: 24. 11, 15, 16.]  
**λοιδορῆσι.** (1) לִּיְדוֹר  
 Ex. 17. 7. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. Πειρασμός καὶ Α. (1)  
**λοιδορία.** (1) לִּיְדוֹר (2) α. לִּיְדוֹר δ. לִּיְדוֹר  
 Ex. 17. 7. διὰ τὴν λ. τῶν υἱῶν 'Ισραὴλ (2 α)  
 Nu. 20. 24. ἐπὶ τοῦ ὕδατος τῆς λ. (2 β)  
 Pr. 10. 18. οἱ δὲ ἐκφέροντες λοιδορίας ἀφρονεσ-  
 τασαὶ εἰσιν (1)  
 20. 3. δύο ἄνδρι ἀποστρέφεται λοιδορίας (2 α)  
 Si. 22. 24. οὕτως πρὸ αἱμάτων λοιδορίας  
 23. 8. λοιδοροῖς [B' -ρίαι] καὶ ὑπερήφανος  
 27. 21. λοιδορίας ἐστὶ διαλλαγή  
 29. 6. κατὰρας καὶ λοιδορίας ἀποδώσει αὐτῷ [Al. Nu. 20. 13.]  
**λοιδορός.** (1) α. לִּיְדוֹר δ. לִּיְדוֹר  
 Pr. 25. 24. μετὰ γυναῖκες λοιδοροῦ ἐν οἰκίᾳ κοινῇ (1 α\*, 1 β)  
 26. 21. ἀνὴρ δὲ λοιδορὸς εἰς παραχρὴν μάχης (1 α\*, 1 β)  
 27. 15. ὡσαύτως καὶ γυνὴ λοιδορὸς ἐκ [B ἀπὸ] τοῦ ἰδίου οἴκου (1 α\*, 1 β)  
 Si. 23. 8. λοιδοροῖς [B' -ρίαι] καὶ ὑπερήφανος σκαν-  
 δαλισθῆσονται ἐν αὐτοῖς  
**λοιμυένεσθαι.**  
 Pr. 19. 19. ἐὰν δὲ λοιμυῆται καὶ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ προσθήσει +  
**λοιμός (adj.).** (1) לִּיְדוֹר (2) α. לִּיְדוֹר gal.  
 δ. pil. c. לִּיְדוֹר (3) לִּיְדוֹר (4) לִּיְדוֹר  
 (5) לִּיְדוֹר (6) לִּיְדוֹר (7) לִּיְדוֹר (8) לִּיְדוֹר  
 I Ki. 1. 16. μὴ ὄφει τὴν δούλην σου εἰς θυγατέρα λ. (1)  
 2. 12. οἱ υἱοὶ 'H. τοῦ ἱερέως υἱοὶ λ. (1)  
 10. 27. υἱοὶ λ. εἶπαν (1)  
 25. 17. καὶ οὕτως υἱὸς λ. (1)  
 — 25. ἐπὶ τὸν ἄνθρωπον τὸν λ. τοῦτον (1)  
 29. 10. λόγον λ. μὴ ὄφει (1)  
 30. 22. ἀπεκρίθη πᾶς ἀνὴρ λ. (6)  
 II Ch. 13. 7. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἄνδρες λ. (7)  
 Ps. 1. 1. ἐπὶ καθέδρᾳ λοιμῶν οὐκ ἐκάθισεν (2 α)  
 Pr. 19. 25. λοιμοῦ μαστιγοῦμένου ἄφρον παν-  
 ουργότερος γίνεται (2 α)  
 21. 24. θρασὺς καὶ ἀδράχης καὶ ἀλάζων λοιμός καλεῖται (2 α)  
 22. 10. ἔκβαλε ἐκ συνεδρίου λοιμόν (2 α)  
 24. 9. ἀκαθαρσία δὲ ἀνδρὶ λοιμῷ ἐμολυνθή-  
 σεται (2 α)  
 29. 8. A ἄνδρες λοιμοὶ [B B ἄνθρωποι] ἐξέκανσαν πόλιν (2 α)  
 Ho. 7. 5. ἐξέτεινε τὴν χεῖρα αὐτοῦ μετὰ λοιμῶν (2 β)  
 Am. 4. 2. ἐμβαλοῦσιν [A om.] ἔμπροσθεν λοιμῷ +  
 Is. 5. 14. καταβήσονται . . . οἱ λ. αὐτῆς (3)  
 Jc. 15. 21. λυτρωσάμενοι σὲ ἐκ χειρὸς λοιμῶν [B al.] (4)  
 Ez. 7. 21. παραδώσω αὐτὰ . . . τοῖς λ. τῆς γῆς εἰς σκύλα (8)  
 18. 10. ἐὰν γεννήσῃ υἱὸν λοιμόν (5)  
 28. 7. ἐπάγω ἐπὶ σὲ ἄλλοτριους λοιμούς (4)  
 30. 11. λοιμοὶ ἀπὸ ἐθνῶν ἀπεσταλμένοι (4)  
 31. 12. ἐξωλέθρουν αὐτὸν ἄλλοτριος λοιμοὶ (4)  
 32. 12. λοιμοὶ ἀπὸ ἐθνῶν πάντες (4)  
 Da. Th. 11. 14. A B οἱ υἱοὶ τῶν λ. [B λοιπῶν] τοῦ λαοῦ (5)  
 I Ma. 10. 61. ἐπισυνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἄνδρες λ.  
 15. 3. B ἐπειδὴ ἄνδρες [A τινες α, B ἐπεί τινες] λοιμοὶ κατεκράτησαν  
 — 21. αἱ τινες οὖν λοιμοὶ διατεφεύγαν [Sm. Pr. 9. 12: 14. 6: 15. 12: 19. 29: 20. 1: 24. 9.]  
 [Th. Is. 35. 9: Ez. 18. 10: Da. 11. 14.]  
**λοιμός (subst.).**  
 III Ki. 8. 37. B λοιμοὶ [A B λιμοὶ] ἐὰν γένηται +  
 Ez. 38. 29. οὐ δώσω ἐφ' ὑμᾶς λιμόν [B' λιμόν] +  
 IV Ma. 15. 32. A καρτεροὶ ἂν λοιμοὶ ταῖς . . . βασάνοις συνεχόμεναι [B B al.]  
 [Aq. Ex. 5. 3: 9. 3, 15: Dt. 28. 21: Ez. 6. 12: 12. 16: Am. 4. 10.]  
 [Sm. Ex. 5. 3: 9. 3, 15: Ps. 77 (78): 48: 90 (91): 6: Jc. 38 (45): 2: Ez. 6. 12: 12. 16.]

λοιμότης (λυμ.).  
Es. 8. 13. τῶν τῶν ἀνάξια δυναστευόντων λ. [A al.]  
λοιός (?).  
[Sma. Is. 58. 5.]  
λοιπός. (1) α. 𐤋𐤏𐤐 qal. δ. ni. c. 𐤋𐤏𐤐.  
(2) 𐤋𐤏𐤐 (3) 𐤋𐤏𐤐 (4) α. 𐤋𐤏𐤐 δ. 𐤋𐤏𐤐 ni.  
c. 𐤋𐤏𐤐.  
Ge. 45. 6. καὶ εἶπε λοιπὰ πέντε ἔτη —  
Ex. 28. 10. τὰ ἐξ ἀνάμια τὰ λ. ἐπὶ τὸν λίθον (1 δ)  
29. 12. τὸ δὲ λ. πᾶν [A om.] αἵμα ἐκχεῖς —  
34. κατακαύσεις τὰ λ. πυρὶ (1 δ)  
39. 12 (32). τὸ δὲ λ. χρυσίον —  
21 (34). τὸ δὲ λ. τὰ ἐπικαλύμματα —  
Le. 2. 3. τὸ λ. ἀπὸ τῆς θυσίας 'Α. (1 δ)  
23. 22. οὐ συντελείσκει τὸ λ. τοῦ θερμμοῦ (3)  
De. 8. 20. καθὰ καὶ τὰ λ. ἔθνη —  
17. 14. καθὰ καὶ τὰ λ. ἔθνη τὰ κύκλῳ μου (2)  
Jo. 6. 12 (13). καὶ ὁ λ. ὄχλος ἔπιθεν τῆς κιβωτοῦ —  
— 13 (14). καὶ ὁ λ. ὄχλος ἄσπας —  
13. 27. καὶ τὴν λ. βσιλείαν Σ. (1 c)  
17. 2. ἐγενήθη τοῖς υἱοῖς Μ. τοῖς λ. (1 δ)  
21. 34. τῷ δήμῳ υἱῶν Μ. τοῖς Λευταῖς τοῖς λ. (1 δ)  
Jd. 20. 45. 47. ἐπέβλεψαν οἱ λ. [A al.]  
I Ki. 8. 5. καθὰ καὶ τὰ λ. ἔθνη (2)  
15. 15. τὰ λ. ἐξολόβησεν (1 a)  
III Ki. 11. 41. Β καὶ τὰ λ. τὸν ῥήματιον [A B λc-  
γων] Σαλ. (1 c)  
14. 29. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ρ. (1 c)  
15. 7. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Αβ. (1 c)  
— 23. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ασά (1 c)  
— 31. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Ν. (1 c)  
16. 5. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Β. (1 c)  
— 14. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Η. (1 c)  
— 20, 27. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Ζ. (1 c)  
— 28 (22. 46 [47]). Β καὶ τὰ λ. τὸν συμπλο-  
κῶν (1 c)  
22. 39. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Αχ. (1 c)  
— 46. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ιωσ. (1 c)  
IV Ki. 1. 18. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Οχ. (1 c)  
8. 23. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ι. (1 c)  
10. 34. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Εἰού (1 c)  
12. 19 (20). καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ι. (1 c)  
13. 8. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ιω. (1 c)  
— 12 : 14. 15. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ι. (1 c)  
14. 18. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Αμ. (1 c)  
— 28. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ιερ. (1 c)  
16. 6. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Αζ. (1 c)  
— 11. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Ζ. (1 c)  
— 15. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Σ. (1 c)  
— 21. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Μ. (1 c)  
— 26, 31. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Φ. (1 c)  
— 36. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ι. (1 c)  
18. 19. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Α. (1 c)  
20. 20. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Εζ. (1 c)  
21. 17. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Μ. (1 c)  
— 25. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Α. (1 c)  
23. 28. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ιωσ. (1 c)  
24. 5. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ιω. (1 c)  
25. 11. τὸ λ. τοῦ στηρίγματος μετῆρε Ναβ. (1 c)  
I Ch. 16. 41. καὶ οἱ λ. ἐκλεγέντες (4 a)  
29. 9. οἱ δὲ λ. λόγοι τοῦ βασιλ. Δ. —  
II Ch. 13. 22. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Αβιά (1 c)  
20. 34. οἱ λ. λόγοι 'Ιωσ. οἱ πρῶτοι (1 c)  
24. 27. καὶ τὰ λ. ἰδοὺ [A 'Ιούδα] γεγραμμένα —  
25. 26. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Αμ. οἱ πρῶτοι (1 c)  
26. 22. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Ο. (1 c)  
27. 7. καὶ οἱ λ. λόγοι 'Ι. [A οἱ λόγοι 'Ι. οἱ λ.] (1 c)  
28. 26. καὶ οἱ λ. λόγοι αὐ. (1 c)  
32. 32. ΔΕ καὶ τὰ λ. [B κατάλ.] τὸν λόγων 'Εζ. (1 c)  
33. 18. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων Μαν. (1 c)  
35. 26. Β ἦσαν οἱ λ. λόγοι 'Ιωσία [A B al.] (1 c)  
— 27. Α καὶ οἱ λ. [B om.] λόγοι αὐ. οἱ πρῶτοι —  
38. 8. καὶ τὰ λ. τὸν λόγων 'Ι. (1 c)  
I Es. 2. 16. καὶ οἱ λ. οἱ τοῦτοις συντασσόμενοι —  
25. ἀντέγραφεν . . . τοῖς λ. τοῖς συντασσου-  
5. 8. καὶ τὴν λ. 'Ιουδαίαν —  
7. 6. οἱ λ. οἱ ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας —  
8. 18. καὶ τὰ λ. ὅσα ἂν υποπίπτῃ σοι —  
II Es. 4. 7. ἔγραψεν . . . τοῖς λ. συνδούλοις (4 a)  
Ne. 11. 20. Β<sup>2</sup> τὸ δὲ λοιπὸν τοῦ 'Ισρ. οἱ ἱερεῖς (4 a)  
To. 1. 7. Β εἰδίδουν . . . τὴν δεκάτην τῶν λ. ἀκροδρῶν  
[A B al.]  
8. 21. καὶ τὰ λ. ὅταν ἀποθάνω [B al.]

Ju. 7. 18. καὶ ἡ λ. στρατιὰ τῶν 'Α. —  
11. 3. ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ (ἤσθη καὶ εἰς τὸ λ. —  
15. 6. οἱ δὲ λ. πᾶν [A κατοικοῦντες Β. —  
7. ἐκυρίευσαν τὸν λ. —  
Es. 1. 3. δοχὴν ἐποίησε . . . τοῖς λ. ἔθνεσι —  
— 18. αἱ τυριννίδες αἱ λ. τῶν ἀρχόντων Περσῶν —  
2. 3. δοχὴν . . . ἡ λ. ἐπὶ μέλαινα —  
9. 16. οἱ δὲ λ. τῶν 'Ι. οἱ ἐν τῇ βασ. (4 a)  
Si. prol. 18. τὰ λ. τῶν βιβλίων οὐ μικρὰν ἔχει τὴν  
διαφορὰν —  
Za. 11. 9. Α Β τὰ κατάλοιπα [B S λοιπὰ] κατ-  
εσθίευσαν . . . τὰς σάρκας (4 δ)  
Is. 9. 1 (8. 23). οἱ λ. [B<sup>2</sup> κατάλ.] οἱ τὴν παρα-  
λίαν [A B<sup>2</sup> add. κατοικοῦντες] +  
17. 3. τὸ λ. τῶν Σύρων [A B add. ἀπολείπει] (4 a)  
21. 17. Β τὸ λ. [A B κατάλ.] τῶν τοξοματῶν  
τῶν ἰσχυρῶν υἱῶν Κηθάρ ἔσται  
ὄλγον (4 a)  
38. 12. Α κατέλιπον τὸ λ. [B S ἐπὶ λ.] τῆς ζωῆς —  
44. 15. τὸ δὲ λ. ἐργάσαντο [A B add. εἰς] θεοῦς —  
— 17. τὸ δὲ λ. ἐποίησεν εἰς [A om.] θεοῦ  
γλυπτόν (4 c)  
— 19. τὸ λ. αὐτοῦ εἰς βδολύγμια ἐποίησε (1 c)  
Je. 48 (41). 16. ἔλαβεν 'Ιωάννην . . . τὰ λ. [B<sup>1</sup>  
τὰς λ.] καὶ τοὺς εἰνούχους —  
50 (43). 5. Α ἔλαβεν 'Ιωάννην . . . ἅπαντας  
τοὺς λ. [B κατάλ.] 'Ιούδα (4 c)  
— 6. Α ἔλαβεν . . . τὰς γυναῖκας καὶ τὰ ῥήπια  
καὶ [B S om. τ. ν. καὶ] τὰ λ. —  
52. 16. Β τοὺς λ. [A B κατάλ.] τοῦ λαοῦ κατ-  
έλιπον ὁ ἀρχιμειγερὸς +  
Ez. 34. 18. τὸ λ. τοῖς ποσὶν ὑμῶν ἐταράσσεται (1 δ)  
36. 5. εἰ μὴν . . . ἐλάλησα ἐπὶ τὰ λ. ἔθνη (4 c)  
Da. TH. 7. 12. τῶν λ. θηρίων ἡ ἀρχὴ μετεστάθη (4 a)  
— 20. ἡ ὁρσις αὐτοῦ μείζων τῶν λ. +  
11. 14. Β οἱ υἱοὶ τῶν λ. [A B λοιμότης] τοῦ λαοῦ  
σου +  
12. 4. Β ἐμφραξον τοὺς λ. [B λόγους, Α τὸ  
βιβλίον] +  
I Ma. 2. 44. οἱ λ. ἐφύγον εἰς τὰ ἔθνη σωθῆναι  
3. 24. οἱ δὲ λ. ἐφύγον εἰς γῆν Φ. —  
5. 27. ἐν ταῖς λοιπαῖς [B ἀλλαις] πόλεσι τῆς Γ. —  
— 36. προκατελήβετο . . . τὰς λ. πόλεις τῆς Γ. —  
9. 18. 'Ιούδας ἔπαισε καὶ οἱ λ. ἐφύγον —  
10. 72. καὶ οἱ λ. οἱ βοηθοῦντες ἡμῖν (1 c)  
12. 6. οἱ ἱερεῖς καὶ ὁ λ. δῆμος τῶν 'Ι. (1 c)  
— 11. ἐν . . . ταῖς λοιπαῖς καθηκούσαις ἡμέραις —  
— 14. Β παρενοχλεῖν ἡμῖν καὶ τοῖς λ. συμμάχοις  
[A B τοὺς λ. σ.] —  
— 45. Β παραδόσω σου αὐτὴν καὶ τὰ λ. ὀχυρώ-  
ματα καὶ τὰς δυνάμεις τὰς λ. [A πολλὰς] +  
14. 20. Σπαρτιατῶν ἀρχόντων . . . τῷ λ. ὀχυρῶ-  
ματι —  
16. 23. τὰ λ. τὸν λόγων 'Ι. . . γέγραπται —  
II Ma. 1. 23. τὸν δὲ λοιπὸν ἐπιφωσκόντων —  
7. 4. τὸν λ. ἀδελφῶν καὶ τῆς μητρος συνορώντων —  
— 5. Β ἐχρηστον δὲ αὐτὸν τοῖς ὅλοις [A λοιποῖς]  
γενόμενον —  
8. 28. μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων τὰ λοιπὰ —  
— 31. τὰ δὲ λοιπὰ τῶν σκύλων ἤνεγκαν εἰς 'Ιερ. —  
10. 36. εἰσδεχόμενοι δὲ τὴν λ. τάξιν —  
11. 3. καθὼς τὰ λ. τῶν ἰθὺν τεμνέη —  
— 19. εἰς τὸ λοιπὸν πειράσομαι παραιτίος . . .  
γενέσθαι —  
12. 11. ἐν τοῖς λ. ωφέλησεν αὐτοῖς —  
— 31. εἰς τὰ λ. πρὸς τὸ γένος ἐμνεῖναι εἶναι —  
14. 11. θάπτον οἱ λ. φίλοι δυσμῶν ἔχοντες —  
III Ma. 5. 5. τὴν τε λοιπὴν ἐμνησκόντων περὶ αὐ-  
τῶν ἀσφάλειαν —  
6. 30. τὰ λ. πρὸς ἐνώληαν ἐπιτίθεται  
[Aq. Je. 41 (48). 10.] —  
[Th. Je. 39 (46). 9 bis.] —  
[Al. Ex. 10. 5 : III Ki. 22. 47.] —  
λοδ. (1) 𐤋𐤏𐤐  
III Ki. 4. 10. Β υἱὸς 'Εσώθ Βηρνεμὰ λού  
λούειν. (1) 𐤋𐤏𐤐 α. qal. δ. ru. (2) 𐤋𐤏𐤐 hi.  
Ex. 2. 5. κατέβη . . . λούσασθαι ἐπὶ τὸν ποταμὸν (1 a)  
29. 4. καὶ λούσεις αὐτοὺς ἐν ὕδατι (1 a)  
40. 12. καὶ λούσεις αὐτοὺς ὕδατι (1 a)  
Le. 8. 6. καὶ ἔλουσεν αὐτοὺς ὕδατι (1 a)  
11. 40. πλυνεὶ τὰ ἱμάτια [A add. καὶ λούσεται  
ὕδατι] —  
— 40. Α<sup>2</sup> Β πλυνεὶ τὰ ἱμάτια καὶ λούσεται  
ὕδατι —

Le. 14. 8. καὶ λούσεται ἐν ὕδατι (1 a)  
— 9. καὶ λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ ὕδατι (1 a)  
15. 5, 6, 7, 8, 10. καὶ λούσεται ὕδατι (1 a)  
— 11, 13. καὶ λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1 a)  
— 16. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σῶμα αὐτοῦ (1 a)  
— 18. καὶ λούσονται ὕδατι (1 a)  
— 21. καὶ λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ ὕδατι (1 a)  
— 22. καὶ λούσεται ὕδατι (1 a)  
— 27. καὶ λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1 a)  
16. 4. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σῶμα αὐτοῦ (1 a)  
— 24, 26, 28. καὶ λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ  
ὕδατι (1 a)  
17. 15. καὶ λούσεται ὕδατι (1 a)  
— 16. ἐὰν δὲ . . . τὸ σῶμα μὴ λούσῃται ὕδατι (1 a)  
22. 6. ἐὰν μὴ λούσῃται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1 a)  
Nu. 19. 7. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1 a)  
— 8. λούσεται τὸ σῶμα αὐτοῦ (1 a)  
— 19. καὶ λούσεται ὕδατι (1 a)  
De. 23. 11 (12). λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1 a)  
Ru. 3. 3. σὺ δὲ λούσῃ (1 a)  
II Ki. 11. 2. εἶδε γυναῖκα λουομένην [A λουμ.] (1 a)  
12. 20. ἐλούσατο καὶ ἠλείψατο (1 a)  
III Ki. 20 (21). 19. αἱ πόρται λούσονται ἐν τῷ  
αἵματι σου —  
22. 38. αἱ πόρται ἐλούσαντο ἐν τῷ αἵματι (1 a)  
IV Ki. 5. 10. λούσαι ἐπτάκις ἐν τῷ 'Ιορδ. (1 a)  
— 12. οὐχὶ πορευθεὶς λούσομαι [A πορεύσ.]  
ἐν αὐτοῖς (1 a)  
— 13. λούσαι καὶ καθαρίσθῃ (1 a)  
To. 2. 5. ἐπιτρέψας ἐλουσάμην —  
— 9. Β ἐλουσάμην καὶ εἰσῆλθον [A B al.]  
7. 8. Β ὅτε ἐλουσάμην —  
Ps. 6. 6. λούσω καθ' ἑκάστην νύκτα τὴν κλίην  
μου (2)  
Ca. 5. 12. ὡς περιστεραὶ . . . λουομένης [A B  
λελουμένης] ἐν γάλακτι (1 a)  
Is. 1. 16. λούσασθε καθαροὶ γένεσθε (1 a)  
Ez. 16. 4. ἐν ὕδατι οὐκ ἐλουσῃς (1 δ)  
— 9. ἐλουσά σε ἐν ὕδατι (1 a)  
23. 40. εἰθὺς ἐλουοὺ καὶ ἐστειβίζου τοὺς ὀφθαλ-  
μοὺς σου (1 a)  
Da. TH. Su. 15. ἐπεθύμησε λούσασθαι ἐν τῷ παρι-  
δείσῳ —  
— 17. τὰς θύρας . . . κλείσατε ὅπως λούσωμαι  
[Al. Is. 25. 11.]  
λουτήρ. (1) 𐤋𐤏𐤐 (2) 𐤋𐤏𐤐 𐤋𐤏𐤐  
Ex. 30. 18. ποίησον λουτήρα χαλκοῦν (2)  
— 28. καὶ τὸν λ. [A add. καὶ τὴν βάσιν αὐτοῦ] (2)  
31. 9. καὶ τὸν λ. καὶ τὴν βάσιν αὐτοῦ (2)  
38. 26 (8). ἐποίησε τὸν λ. τὸν χαλκοῦν (2)  
— 27 (40. 30). ἐποίησε τὸν λ. (2)  
Le. 8. 11. καὶ τὸν λ. καὶ τὴν βάσιν αὐτοῦ (2)  
Nu. 4. 14. συγκαλύψουσι τὸν λ. —  
I Ki. 2. 14. ἐπάταξεν αὐτὴν [A add. εἰς τὸν λ.] (2)  
II Ki. 8. 8. ἐν αὐτῷ ἐποίησε . . . τοὺς λ. (2)  
III Ki. 8. 1. ἐποίησε . . . τοὺς λ. τοὺς μεγάλους  
7. 30. ὁμίμυ ὑποκάτω τῶν λ. (2)  
10. 21. καὶ λ. χρυσοῖ —  
IV Ki. 16. 17. μετῆρεν ἀπ' αὐτῶν τὸν λ. (2)  
II Ch. 4. 3. περιέχουσι [A -σαι] τὸν λ. κυκλόθεν (1)  
— 6. ἐποίησε λουτήρας δέκα (2)  
— 14. τοὺς λ. ἐποίησεν ἐπὶ τῶν μεχ. (2)  
[Aq. I Ki. 2. 14 : III Ki. 7. 38 (24) bis.]  
[Sma. Ex. 35. 16 : 39. 39 (10) : III Ki. 7. 38  
(24) bis.]  
[Th. Ex. 39. 39 (10).]  
[Heb. Ex. 40. 11 (9).]  
λουτρός. (1) 𐤋𐤏𐤐  
Ca. 4. 2 : 6. 5 (6). ἀγγέλοι . . . ἀνέβησαν ἀπὸ  
τοῦ λ. (1)  
Si. 81 (84). 25. τὸ ὠφέλησε τῷ [A B ἐν τῷ] λ. αὐτοῦ  
[Aq. Ps. 59 (60). 10 : 107 (108). 10.]  
[Quint. Ps. 107 (108). 10.]  
λοφιδ. (1) 𐤋𐤏𐤐  
Jo. 15. 2. ἀπὸ τῆς λ. τῆς φερόσης ἐπὶ λίβαν  
[A νότον] —  
— 5. τὰ ὅρα αὐ. . . ἀπὸ τῆς λ. τῆς θαλ. (1)  
18. 19. ἐπὶ λοφίαν τῆς θαλάσσης τῶν ὁλῶν (1)  
λόφος.  
[Quint. Ps. 64 (65). 11.]  
λοχαγός.  
[Sma. II Ki. 4. 2.]

λοχᾶν.  
Wi. 14. 24. ἕτερος δ' ἕτερον ἢ λοχᾶν [S<sup>2</sup> λοχεύων] ἀναιρεῖ  
λοχεύειν. (1) לִחַי  
Ge. 33. 13. αἱ βόες λοχεύονται ἐπ' ἐμέ (1)  
Ps. 77 (78). 71. ἐξέπαισθεν τῶν λοχευομένων  
ἔλαβεν αὐτὸν (1)  
Wi. 14. 24. S<sup>2</sup> ἕτερος δ' ἕτερον ἢ λοχεύων [A B S<sup>1</sup> λοχῶν] ἀναιρεῖ  
[Aq. i Ki. 6. 7.]  
λόχος.  
[Sm. Ge. 49. 19: i Ki. 30. 8, 15: ii Ki. 3. 22: Jb. 19. 12.]  
[Quint. Ho. 6. 9.]  
λοχῶς, vid. sub λεχῶς.  
λυγμός.  
[Aq., Th. i Ki. 25. 31.]  
λυδεοῦν (?).  
[Aq. Is. 33. 9.]  
λύειν. (1) לִיֵּץ (2) לִיֵּץ (3) לִיֵּץ hi.  
(4) לִיֵּץ (5) לִיֵּץ a. qal. δ. ni. c. pi.  
(6) לִיֵּץ ni. (7) לִיֵּץ a. peal. δ. pa.  
Ge. 42. 27. λύσας δὲ εἰς τὸν μάρσιπον αὐτοῦ (5 a)  
Ex. 3. 5. λύσαι τὸ ὑπόδημα ἐκ τῶν ποδῶν σου (2)  
Jo. 5. 15. λύσαι [A λύσον] τὸ ὑπόδημα (3)  
I Es. 1. 55. ἔλυσαν τὰ τεῖχη Ἱερ.  
9. 13. ἔως τοῦ λύσαι τὴν ὀργὴν κ. ἀφ' ἡμῶν  
— 46. ἐν τῷ λύσαι τὸν ν.  
II Es. 5. 12. B τὸν ὅλον ἔλυσεν τοῖτον [A B al.](4)  
To. 3. 17. B λύσαι Ἀσμ. τὸ δαιμόνιον τὸ ποιητὸν  
[A B al.]  
Ju. 6. 14. λυαντες αὐτὸν ἀπήγαγον  
9. 2. οἱ ἔλυσαν μῆτραν παρθένου  
Jb. 5. 20. ἐκ χειρὸς σιδήρου λύσει [A ῥύσει] σε —  
39. 2. ὠδίνας δὲ αὐτῶν ἔλυσας +  
— 5. δεισμούς δὲ αὐτοῦ τίς ἔλυσεν (5 c)  
42. 9. ἔλυσεν τὴν ἀμαρτίαν αὐτοῖς [A S<sup>1</sup> -ὦν]  
δὲ ἰάβ (1)  
Ps. 101 (102). 20. τοῦ λύσαι τοὺς υἱοὺς τῶν  
τεθανωμένων (5 c)  
104 (105). 20. καὶ ἔλυσεν αὐτὸν (3)  
145 (146). 7. κύριος λύει πεπιδμένους (3)  
Si. 28. 2. δευθέντος σου αἱ ἀμαρτίαι σου λιθίσονται  
Is. 5. 27. οὐδὲ λίσουσι τὰς ζώνας αὐτῶν ἀπὸ  
τῆς ὀφύθου αὐτῶν (5 b)  
14. 17. τοὺς ἐν ἐπαγωγῇ οὐκ ἔλυσε (5 a)  
40. 2. ἀλυσται αἵνες ἡ ἀμαρτία (6)  
58. 6. λύε πάντα συνδεσμον ἀδικίας (5 c)  
Je. 47 (40). 4. ἔλυσά σε ἀπὸ τῶν χειροπέδων (5 c)  
Da. LXX. 3. 25 (92). ὁρᾷ ἄνθρωπος τέσσαρας  
λελυμένους (7 a)  
Da. TH. 3. 25 (92). ὁρᾷ ἄνθρωπος τέσσαρας λελυ-  
μένους (7 a)  
5. 12. καὶ λύων συνδέσμον (7 b)  
III Ma. 1. 4. B μετὰ . . . δακρύων τοὺς πλοκάμους  
[A πολέμους] λελυμένη  
6. 27. λύσατε ἐκλύσατε ἀδικα δεσμά  
— 29. οἱ δὲ ἐν ἀμείνῃ χρόνῳ λυθέντες  
IV Ma. 3. 11. λύονσα κατέφλεγεν  
7. 13. B B λελυμένων μὲν ἦδη τῶν τοῦ σώματος τῶν  
[A πόνων]  
12. 8. B λύσατε [A B ἀπολ.] με, φησὶν  
— 9. ταχέως ἔλυσαν αὐτὸν  
[Aq. Jb. 37. 1.]  
[Sm. Ps. 72 (73). 2.]  
[Th. Is. 54. 3: 58. 6: Da. 5. 16+: Am. 8. 4.]  
[Al. Ge. 44. 11.]  
λυθῶδης.  
Wi. 11. 6. ἀπὶ μὲν πηγῆς . . . ποταμοῦ αἵματι  
λυθῶδεις παραχθέντες [A S -ος]  
λύκος. (1) לִיֵּץ (2) לִיֵּץ  
Ge. 49. 27. Βενιαμὴν λ. ἀρπάζ τὸ πρωῒνόν ἔδεται (2)  
Pr. 28. 15. λέων πεινῶν καὶ λύκος διψῶν (1)  
Si. 13. 17. τὴν κοινοῦναι λύκος ἀμύνει  
Hb. 1. 8. ὀξύτερον ἢ τὸν λύκον λ. τῆς Ἀρ. (2)  
Ze. 3. 3. οἱ κριταὶ αὐτῆς ὡς λύκοι τῆς Ἀρ. (2)  
Is. 11. 6. συμβιωθήσεται λ. μετὰ ἀνθρώπου (2)  
65. 25. λύκοι καὶ ἄρνες βοσκηθήσονται ἅμα (3)

Je. 5. 6. λ. ἔως τῶν οἰκῶν ὠλέθρευεν αὐτοὺς (2)  
Ez. 22. 27. οἱ ἀρχόντες αὐτῆς ἐν μέσῳ αὐτῆς ὡς  
λύκοι (2)  
λυμαίνειν (λομ.). (1) לִיֵּץ po. (2) לִיֵּץ pa.  
(3) לִיֵּץ (4) לִיֵּץ pi. (5) לִיֵּץ pi.  
(6) לִיֵּץ a. pi. δ. hi. c. ho. (7) לִיֵּץ pi.  
Ex. 28. 8. τὰ γὰρ δῶρα . . . λυμαίνεται ῥήματα  
δικαία (4)  
II Ch. 16. 10. ἐλυμῆντο Ἀσὰ ἐν τῷ λαῷ (5)  
Ps. 79 (80). 13. ἐλυμῆντο αὐτὴν σὺς ἐκ δρυμοῦ (8)  
Pr. 18. 9. ἀδελφός ἐστι τοῦ λυμαίνοντος ἐαυτοῦ (8 b)  
— 22 (19. 3). ἀφροσύνη ἀνδρὸς λυμαίνεται τὰς  
ὁδοὺς αὐτοῦ (4)  
23. 8. λυμαίνεται τοὺς λόγους σου τοὺς καλοὺς (6 a)  
25. 26. ὥσπερ εἰ τις . . . ὕδατος ἐξοδὸν λυμαι-  
νοῖτο (6 c)  
27. 13. ὑβριστὴς ὅστις τὰ ἀλλότρια λυμαίνεται +  
Si. 28. 23. ὡς παράλιος λυμαίνεται αὐτοὺς  
Am. 1. 11. καὶ ἐλυμῆντο μητέρα [A μήτραν]  
ἐπὶ γῆς (6 a)  
Is. 65. 8. μὴ λυμῆν [S<sup>1</sup> -νγη, S<sup>2</sup> -νγη] αὐτὸν (6 b)  
— 25. οὐδὲ λυμαίνονται ἐπὶ τῷ ὄρει τῷ ἁγίῳ  
μου (6 b)  
Je. 28 (51). 2. λυμαίνονται τὴν γῆν αὐτῆς (1)  
31 (48). 18. ἀνέβη εἰς σὺ λυμαίνοντος ὁ χρωμαῖ  
σου (6 a)  
Ez. 16. 25. ἐλυμῆντο τὸ κάλλος σου (7)  
Da. TH. 6. 22 (23). οὐκ ἐλυμῆντό με (2)  
IV Ma. 18. 8. οὐδὲ ἐλυμῆντό μου τὰ ἀγὰ τῆς παρ-  
θενίας  
λυμεῶν.  
IV Ma. 18. 8. οὐ διέφθειρέ με λυμεῶν τῆς ἐρημίας  
— 8. B οὐδὲ ἐλυμῆντό μου . . . λυμεῶν ἀπατηλός  
[A S -της] ὄφεις  
λυπεῖν. (1) לִיֵּץ (2) לִיֵּץ (3) לִיֵּץ  
(4) לִיֵּץ (5) לִיֵּץ (6) לִיֵּץ (7) לִיֵּץ hi.  
(8) לִיֵּץ ni. (9) לִיֵּץ a. qal. δ. hithp.  
(10) לִיֵּץ (11) לִיֵּץ hi. (12) a. לִיֵּץ hi.  
δ. לִיֵּץ  
Ge. 4. 5. B ἐλυπήθη Κάιν [A ἐλύπησεν τὸν Κ.] (5)  
45. 5. νῦν οὖν μὴ λυπέσθῃ (8)  
De. 15. 10. οὐ λυπήθησθι [A -πίσθ] τὴν καρδίαν  
σου (12 a)  
I Ki. 29. 4. ἐλυπήθησαν ἐπ' αὐτῷ οἱ στρατηγοὶ (9 a)  
II Ki. 13. 21. οὐκ ἐλύπησεν τὸ πνεῦμα Ἀ.  
19. 2 (3). λυπεῖται ὁ βασιλ. ἐπὶ τῷ νύφ. αὐ. (8)  
IV Ki. 13. 19. ἐλυπήθη ἐπ' αὐτῷ ὁ ἄνθρωπος  
τοῦ θ. (9 a)  
I Es. 1. 24. ἃ [A om.] ἐλύπησαν αὐτὸν  
9. 52. 53. μὴ λυπέσθῃ  
Ne. 5. 6. καὶ ἐλυπήθη [A<sup>1</sup> -θησαν] σφόδρα (6)  
To. 2. 10. S ἐλυποῦντο περὶ ἐμοῦ  
3. 1. λυπηθεὶς ἔκλαυσα [S al.]  
— 10. ἐλυπήθη σφόδρα [S ἐν τῇ ψυχῇ]  
4. 3. μὴ λυπήσῃς αὐτὴν [S τὸ πνεῦμα αὐ.]  
7. 7. ἐλυπήθη καὶ ἔκλαυσε [S al.]  
9. 4. S λυπήσω αὐτὸν λίαν [A B al.]  
10. 3. ἐλυπέτο λίαν [S al.]  
— 6. S μὴ λυποῦ περὶ αὐτοῦ  
— 13. μὴ λυπήσῃς αὐτήν  
13. 14. ὅσοι ἐλυπήθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μαστιγῇ σου  
[S al.]  
Es. 1. 12. ἐλυπήθη [S ὠργίσθη] ὁ βασιλ. καὶ  
ὠργίσθη [S ἐλυπήθη] (9 a, +)  
2. 21. ἐλυπήθησαν οἱ δύο εἰνούχοι (9 a)  
6. 12. Ἀ. δὲ ἰπέστρεψεν . . . λυπούμενος (1)  
Jb. 31. 39. εἰ δὲ καὶ ψυχὴν κυρίου τῆς γῆς ἐκλα-  
βὼν [A -βυλῶν] ἐλύπησα +  
Ps. 54 (55). 2. ἐλυπήθη ἐν τῇ ἀδολεσχίᾳ μου (11)  
Pr. 25. 20. A S οὕτως προσπεσὼν πάθος σώματι  
[B ἐν σ.] καρδίαν λυπεῖ (12 b)  
Si. 3. 12. μὴ λυπήσῃς αὐτὸν ἐν τῇ ζωῇ αὐτοῦ  
4. 2. ψυχὴν πεινώσαν μὴ λυπήσῃς  
26. 28. ἐπὶ δυσὶ λελυπηταὶ ἡ καρδία μου  
30. 5. ἐν τῇ τελευτῇ αὐτοῦ οὐκ ἐλυπήθη  
— 9. συμπαιζὼν αὐτῷ καὶ λυπήσει σε  
Mi. 6. 3. τί ἐποίησά σοι ἢ τί ἐλύπησά σε (7)  
Jn. 4. 1. ἐλυπήθη Ἰωάννης ὁ μαθητὴς (12 a)  
— 4. εἰ σφόδρα λελύπηται σὺ (5)

Jn. 4. 9. εἰ σφόδρα λελύπηται σὺ ἐπὶ τῇ κολοκυνθῇ (5)  
— 9. σφόδρα λελύπηται ἐγὼ ἔως θανάτου (5)  
Is. 8. 21. λυπηθήσεσθε (9 b)  
15. 2. λυπέσθε ἐφ' ἐαυτοῦς [A S -οῖς] +  
19. 10. πάντες οἱ ποιῶντες τὸν ζῆλον λυπηθή-  
σονται (2)  
32. 11. λυπήθητε αἱ πεποιθυῖαι (10)  
57. 17. βραχύ τι ἐλύπησα αὐτὸν . . . καὶ ἐλυ-  
πήθη (9 a, 9 a)  
Je. 15. 18. ἵνα τί οἱ λυποῦντές με κατισχύουσιν μου (8)  
Ba. 2. 18. ἡ ψυχὴ ἡ λυπομένη ἐπὶ τὸ μέγεθος  
4. 8. ἐλυπήσατε δὲ καὶ τὴν ἐκθρέψασαν ὑμᾶς  
— 33. λυπηθήσεται ἐπὶ τῇ ἐαυτῆς ἐρημία  
La. 1. 22. ἡ καρδία μου λυπεῖται (4)  
Ez. 16. 43. ἐλύπει με ἐν πᾶσι τοῖτοις (10)  
Da. LXX. 3. (50). οὐκ ἐλύπησε καὶ οὐ παρηνώχλησεν  
αὐτοὺς  
6. 14 (15). καὶ λυπούμενος ὁ βασιλεὺς εἶπεν —  
— 14 (15). τότε ὁ βασιλ. σφόδρα ἐλυπήθη ἐπὶ  
τὸν Δ. (3)  
— 18 (19). ἦν λυπούμενος περὶ τοῦ Δ. —  
Da. TH. 3. (50). οὐκ ἐλύπησεν οὐδὲ παρηνώχλησεν  
αὐτοῖς  
6. 14 (15). πολὺ ἐλυπήθη ἐπ' αὐτῷ (3)  
I Ma. 10. 22. καὶ ἐλυπήθη καὶ εἶπε  
— 68. καὶ ἐλυπήθη σφόδρα  
14. 16. καὶ ἐλυπήθησαν σφόδρα  
IV Ma. 16. 12. ὡς οὐδ' ἀποθησκόντων ἐλυπήθη  
[Aq. i Ki. 30. 6: ii Ki. 6. 8: Jn. 4. 4.]  
[Sm. i Ki. 15. 11: ii Ki. 6. 8: Jn. 4. 4.]  
[Th. i Ki. 20. 34: ii Ki. 6. 8: Jn. 4. 4.]  
λύπη. (1) לִיֵּץ (2) לִיֵּץ (3) a. לִיֵּץ δ. ἰβָּץ  
c. לִיֵּץ d. לִיֵּץ (4) לִיֵּץ (5) לִיֵּץ  
(6) προσμύγνυται λύπη לִיֵּץ (7) δ ἐν  
λύπη לִיֵּץ  
Ge. 3. 16. πληθύνων πληθυνθὼ τὰς λ. σου (3 b)  
— 16. ἐν λύπαις τέξῃ τέκνα (3 a)  
— 17. ἐν λύπαις φάγῃ αὐτήν (3 b)  
5. 29. διανοῦσαι ἡμᾶς . . . ἀπὸ τῶν λ. (3 b)  
42. 38. κατὰξέτε μου τὸ γῆρας μετὰ λύπης (2)  
44. 29. κατὰξέτε μου τὸ γῆρας μετὰ λύπης (4)  
— 31. κατὰξουσιν . . . μετὰ λύπης [A μετ'  
ὀδύνης] (2)  
I Es. 3. 20. οὐ μνησται πᾶσαν λ.  
To. 2. 5. ἥσθιον τὸν ἄρτον μου ἐν λύπῃ [S al.]  
3. 6. λ. ἐστὶ πολλὴ ἐν ἐμοὶ [S al.]  
— 10. B κατὰξ τὸ γῆρας τοῦ πατρός μου μετὰ  
λύπης [A B al.]  
7. 18. ὅψῃ σοι χάριν ἀντὶ τῆς λ. σου ταύτης  
14. 4. S καὶ ὁ οἶκος τοῦ θ. ἐν λύπῃ [A B al.]  
Pr. 10. 1. υἱὸς δὲ ἀφρων λύπη τὴν μητρί (5)  
— 10. ὁ ἐννεύων ὀφθαλμοὺς μετὰ δόλου συν-  
— 22. οὐ μὴ προστεθῇ αὐτῇ λύπη ἐν καρδίᾳ (3 a)  
14. 13. ἐν εὐφροσύναις οὐ προσμύγνυται λύπη (6)  
15. 13. ἐν δὲ λύπαις οὐσῃς σκυθρωπάζει (3 c)  
24. 74 (31. 6). δίδοτε μέθην τοῖς ἐν λύπαις (7)  
25. 20. οὕτως λύπη ἀνδρὸς βλάπτει καρδίαν +  
Wi. 8. 9. παραινέσεις φροντίζαν καὶ λύπης  
11. 12. διπλὴ γὰρ αὐτοῖς ἔλαβε λύπη  
Si. 12. 9. ἐν ἀγαθοῖς ἀνδρὸς οἱ ἐχθροὶ αὐτοῦ ἐν λύπῃ  
14. 1. οὐ κατενύγη ἐν λύπῃ ἀμαρτίας [A B -ῶν]  
18. 15. μὴ θῶς . . . ἐν πίσθῃ δυσὶς λύπην λόγων  
22. 4. ἡ κατασχύνουσα εἰς λύπην γενήσασθαι  
30. 21. μὴ θῶς εἰς λύπην τὴν ψυχὴν σου  
— 23. λύπην μακρὰν ἀπόστησεν ἀπὸ σου πολλοὺς  
γὰρ ἀπικνέει ἡ [A om.] λ.  
36. 25 (22). καρδία στρεβλὴ δώσει λύπην  
37. 2. οὐχὶ λύπη ἐνι [B<sup>2</sup> S<sup>1</sup> μένει] ἔως θανάτου  
38. 17. παρακληθῆτι λύπης ἔνεκα  
— 18. ἀπὸ λύπης γὰρ ἐκβαίνει θάνατος καὶ λύπη  
καρδίας κάμφει ἰσχύιν  
— 19. ἐν ἀπαγωγῇ παραβαίνει [A S<sup>2</sup> -μένει] καὶ  
λύπη  
— 20. μὴ θῶς εἰς λύπην τὴν καρδίαν σου  
Jn. 4. 1. ἐλυπήθη Ἰωάννης ὁ μαθητὴς (4)  
Is. 1. 5. πᾶσα καρδία εἰς λύπην (1)  
35. 10. ἀπέδρα ὀδύνῃ λ. καὶ στενιγμός (2)  
40. 29. διδοὺς . . . τοῖς μὴ δυνωμένοις λύπην +  
50. 11. ἐν λύπῃ κοιμηθήσεσθε (8 d)  
51. 11. ἀπέδρα ὀδύνῃ καὶ λύπῃ καὶ στεναγμός (2)  
I Ma. 6. 4. ἀπῆρην [A ἀπῆλθεν] ἐκείθεν μετὰ λύπης  
μεγ.



<b>λυτρωτής.</b> (1) לַחֲוֹשׁ	Je. 52. 19. τὰς λ. [B om. τ. λ.] καὶ τὰς θυίσκας (1)	Ps. 118 (118). 105. λύχνος τοῖς ποσὶ μου ὁ νόμος σου (1δ)
Ps. 18 (19). 14. κύριε βοηθῆ μου καὶ λυτρώσά μου (1)	... λαβεν (1)	131 (132). 17. ἡτοίμασα λύχνον τῷ χριστῷ μου (1δ)
77 (78). 35. καὶ ὁ θεὸς ὁ ὑψίστος λυτρωτὴς αὐτῶν ἐστί	1 Ma. 1. 21. ἔλαβε ... τὴν λ. τοῦ φωτός (1)	Pr. 8. 23. λύχνος ἐντολὴ νόμου καὶ φῶς (1δ)
[A1, Sam. I. 25. 25.]	4. 49. εἰσῆλθον τὴν λ. ... εἰς τὸν ναόν (1)	20. 27. Α. φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων ἡ λύχνος [B om. ἡ λ.] (1δ?)
<b>λυτρωτός.</b> (1) לַחֲוֹשׁ	— 50. ἐξῆψαν τοὺς λύχνους τοὺς ἐπὶ τῆς λ. [A1. II Ki. 21. 17.]	31. 18. οὐκ ἀποσβέννυνται ὁ λ. αὐτῆς ὅλην τὴν νύκτα (1δ)
Le. 25. 31, 32. λυτρωταὶ διὰ παντὸς ἔσονται (1)	<b>λύχνος.</b> (1) א. לִיז ב. לִיז ג. לִיז	Si. 26. 17. λύχνος ἐκλάμπων ἐπὶ λυχνίας ἁγίας
(1) לַחֲוֹשׁ	Ex. 25. 36 (37). ποιῶσεις τοὺς λ. αὐτῆς ἐπτά (1δ)	Ze. 1. 12. ἐξερυνήσω τὴν Ἱερ. μετὰ λύχνου (1δ)
Ex. 25. 30 (31). ποιῶσεις λυχνίαν ἐκ χρυσοῦ καθαροῦ (1)	— 36 (37). καὶ ἐπιθήσεις τοὺς λ. [A add. αὐτῆς] (1δ)	Za. 4. 2. καὶ ἐπτά λύχνου ἐπάνω αὐτῆς (1δ)
— 30 (31). τορευντὴν ποιῶσεις τὴν λυχνίαν (1)	27. 20. ἵνα κείνηται λ. διὰ παντός (1δ)	— 2. ἐπτά ἐπαρυστρίδες τοῖς λ. τοῖς ἐπάνω αὐτῆς (1δ)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσχοι τῆς λ. (1)	30. 8 (7). ὅταν ἐπισκευάξῃ τοὺς λ. (1δ)	Je. 25. 10. ἀπολῶ ἀπ' αὐτῶν ... φῶς λύχνου (1δ)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσχοι τῆς λ. [A om. τῆς λ.] (1)	— 8. καὶ ὅταν ἐξάπτη Ἀαρὼν τοὺς λ. (1δ)	Ep. Je. 19. λύχνους καίονσι καὶ πλείους ἢ ἑαυτοῖς [A πλείους αὐτοῖς]
— 32 (33). τοὺς ἐκπορευομένους ἐκ τῆς λ. (1)	38. 16 (37. 19). ὥσιν οἱ λ. ἐπ' [A ἐξ] αὐτῶν (1δ)	Da. LXX. 6. 1. ἐπὶ τοῦ κοιμήματος κατέναντι τοῦ λ. —
— 33 (34). καὶ ἐν τῇ λ. [A ἐκ τῆς λ.] τέσσαρες (1)	— 17 (37. 23). ἐπτά λύχνους ... χρυσοῦς (1δ)	I Ma. 4. 50. ἐξῆψαν τοὺς λ. τοὺς ἐπὶ τῆς λυχνίας
— 34 (35). τοὺς ἐκπορευομένους ἐκ τῆς λ. (1)	39. 17 (37). τὴν λυχνίαν ... καὶ τοὺς λ. αὐτῆς (1δ)	II Ma. 1. 8. B ἐξῆψαμεν [A ἐξῆγαμεν] τοὺς λύχνους
— 34 (35). καὶ ἐν τῇ λ. [A ἐκ τῆς λ.] τέσσαρες (1)	— 40. 4. καὶ ἐπιθήσεις τοὺς λ. αὐτῆς (1δ)	10. 3. θυμίαμα καὶ λυχνους ... ἐποιήσαντο [Aq., Sm. III Ki. 11. 36: 15. 4: Pr. 20. 27: 24. 20.]
— 35 (36). Α. τοὺς ἐκπορευομένους ἐκ τῆς λ. (1)	— 25. ἐπέθηκε τοὺς λ. αὐτῆς ἐναντι κυρίου (1δ)	[Th. Ex. 35. 14: Pr. 20. 27: 24. 20.]
26. 35. ἐπιθήσεις ... τὴν λ. (1)	Le. 24. 2. καύσαι λύχνον διὰ παντός (1δ)	<b>λωιαβίν.</b>
30. 27. τὴν λ. καὶ πάντα τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	— 4. καύσετε τοὺς λ. (1δ)	[Heb. Ps. 91 (92). 7.]
31. 8. καὶ τὴν λ. τὴν καθαρὰν (1)	Nu. 4. 9. τὴν λυχνίαν τὴν φωτίζουσαν καὶ τοὺς λ. αὐ. (1δ)	<b>λῶμα.</b> (1) לִיז (2) לִיז
35. 16 (14). καὶ τὴν λ. τοῦ φωτός (1)	8. 2. ὅταν ἐπιτιθῇς τοὺς λύχνους (1δ)	Ex. 28. 29 (33). ὑπὸ [A B <sup>2</sup> ἐπὶ] τὸ λ. τοῦ ὑπο-δύτου (2)
38. 13 (37. 17). ἐποίησε τὴν λ. ἡ φωτίζει (1)	— 2. φωτιοῦσαν οἱ ἐπτά λ. (1δ)	— 29 (33). ἐπὶ τοῦ λ. τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (2)
39. 17 (37). καὶ τὴν λ. τὴν καθαρὰν (1)	— 3. ἐξῆψε τοὺς λ. αὐτῆς (1δ)	— 30 (34). ἐπὶ [B <sup>1</sup> ὑπὸ] τοῦ λ. [A δῶμ.] τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (2)
40. 4. εἰσπίπτει τὴν λ. (1)	I Ki. 8. 3. ὁ λ. τοῦ θεοῦ πρὶν ἐπισκευασθῆναι (1δ)	36. 32 (39. 24). ἐπὶ τοῦ λ. τοῦ ὑποδύτου (2)
— 24. ἔθηκε τὴν λ. εἰς τὴν σκηνὴν (1)	II Ki. 21. 17. οὐ μὴ σβέσσης τὸν λ. Ἰσρ. [A μου] (1δ)	— 33 (39. 25). ἐπὶ τὸ λ. τοῦ ὑποδύτου (2)
Le. 24. 4. ἐπὶ τῆς λ. τῆς καθαρᾶς καύσετε (1)	22. 29. σὺ δὲ λ. μου (1δ)	— 34 (39. 26). ἐπὶ τοῦ λῶματος [A <sup>2</sup> τὸ λ.] (2)
Nu. 8. 31. ἡ τράπεζα καὶ ἡ λ. (1)	III Ki. 7. 49. τὰ λαμπηδῖα καὶ τοὺς λ. (1δ)	— 40 (39. 31). ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ λ. ὑακίνθινον (1)
4. 9. καλύψουσι τὴν λ. τὴν φωτίζουσιν (1)	IV Ki. 8. 19. δοῦναι αὐτῷ λύχνον (1δ)	<b>λωποδυτεῖν.</b>
8. 2. ἐκ μέρους κατὰ πρόσωπον τῆς λ. (1)	I Ch. 28. 15. λυχνίων τὴν ὁλκὴν ἔδωκεν αὐτῷ καὶ τὸν λ. (1δ)	I Es. 4. 24. ὅταν ... ἀρπάξῃ καὶ λωποδυτήσῃ
— 3. ἐκ τοῦ ἐνὸς μέρους κατὰ πρόσωπον τῆς λ. (1)	II Ch. 4. 20. ἐποίησε Σ. ... τοὺς λ. τοῦ φωτός (1δ)	<b>λωποδυτής.</b>
— 4. αὐτὴ ἡ κατασκευὴ τῆς λ. (1)	— 21. καὶ οἱ λ. αὐτῶν (1δ)	[Quint. Ho. 7. 1.]
— 4. ὅπως ἐποίησε τὴν λ. (1)	13. 11. καὶ οἱ λ. τῆς καύσεως (1δ)	<b>λωφάν.</b>
III Ki. 7. 49. καὶ τὰς λ. πέντε ἐξ ἀριστερῶν (1)	21. 7. δοῦναι αὐτῷ λύχνον (1δ)	[Sm. Gz. 8. 1.]
IV Ki. 4. 10. θῶμεν αὐτῷ ἐκεῖ ... λυχνίαν (1)	29. 7. ἔσβησαν τοὺς λ. (1δ)	
I Ch. 28. 15. λυχνίων τὴν ὁλκὴν ἔδωκεν αὐτῷ (1)	To. 8. 13. B ἦψαν τὸν λ. (1δ)	
II Ch. 4. 7. ἐποίησε τὰς λ. τὰς χρυσὰς δέκα (1)	Jb. 18. 6. ὁ δὲ λ. ἐπ' αὐτῷ σβεσθήσεται (1δ)	
— 20. ἐποίησε Σ. ... τὰς λ. (1)	21. 17. ἀσβεβῶν λύχνος σβεσθήσεται (1δ)	
13. 11. καὶ ἡ λ. ἡ χρυσή (1)	29. 3. ὡς ὅτε ἦγαι ὁ [A om.] λ. αὐτοῦ (1δ)	
Si. 26. 17. λύχνος ἐκλάμπων ἐπὶ λυχνίας ἁγίας (1)	Ps. 17 (18). 28. σὺ φωταῖς λύχνον μου (1δ)	
Za. 4. 2. ἰδοὺ λυχνία χρυσή ὅλη (1)		
— 11. αἱ ἐκ δεξιῶν τῆς λ. [B <sup>1</sup> om. τ. λ.] (1)		

## M

<b>μά.</b>	<b>μαγειρεύειν.</b> (1) מַבְרִיז	Da. TH. 5. 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν μάγους (1)
IV Ma. 5. 29. B <sup>2</sup> οὐ μὰ τοὺς ἱερούς ... ὅρκους [A B <sup>1</sup> B al.] (1)	La. 2. 21. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς σου ἐμαγείρευσας (1)	— 11. ἀρχόντα ἐπαιδῶν μάγων ... κατέστησεν αὐτὸν (1)
10. 15. μὰ τὸν μακάριον ... θάνατον (1)	<b>μαγειρίσσα.</b> (1) מַבְרִיז	— 15. εἰσῆλθον ... οἱ σοφοὶ μάγοι (1)
<b>μαανά.</b> (1) מַנְאָה	I Ki. 8. 13. τὰς θυγ. ὑμῶν λήψεται ... εἰς μαγειρίσας (1)	[Aq. Dt. 18. 11: I Ki. 28. 3, 7, 8, 9: IV Ki. 21. 6: 23. 24: Is. 29. 4.]
IV Ki. 8. 8. B λάβε ἐν τῇ χειρὶ σου μ. [A B maanah] (1)	<b>μάγειρος.</b> (1) מַבְרִיז pi. (2) מַבְרִיז	[Sm. Gz. 41. 8, 24.]
— 9. B ἔλαβε μ. [A B maanah] ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)	I Ki. 9. 23. εἶπε Σ. τῷ μ. (2)	<b>μαγωγός.</b>
Ne. 13. 9. B <sup>2</sup> ἐπὶ στρεψα ἐκεῖ ... τὴν μ. [B <sup>1</sup> μάνα, B <sup>2</sup> μααναιμ, B <sup>3</sup> βαανά, A maanah, B maanah] (1)	— 24. ἦψεν ὁ μ. τὴν κωλέαν (2)	[Aq., Sm. Ez. 27. 24.]
<b>μαασαναί (B), μεσαναί (A).</b> (1) מַנְאָה	La. 2. 20. ἐπιφυλλίδα ἐποίησε μ. (2)	<b>μαδάν.</b> (1) מַדָּן a. qal. δ. ni.
II Ch. 34. 22. κατόκει ἐν Ἱερ. ἐν μ. (1)	Ez. 46. 24. οὗτοι οἱ οἶκοι τῶν μ. [A μαγειρείων] (1)	Le. 13. 40. εἰς δὲ τινι μαδρήσῃ ἡ κεφαλὴ αὐ- τοῦ (1δ)
<b>μαβά.</b>	<b>μαγκός.</b>	— 41. εἰς δὲ κατὰ πρόσωπον μαδρήσῃ ἡ κεφαλὴ (1δ)
II Ch. 1. 13. B ἦλθε Σαλ. ἐκ μ. [A B βαμά] (1)	Wi. 17. 7. μαγκῆς δὲ ἐμπαίγματα κατέκειτο τέχνης (1)	Ez. 29. 18. πᾶς ὅμος μαδῶν (1δ)
<b>μαβδαρίτις (μαδβ.).</b> (1) מַבְדָּרִית	<b>μαγίς.</b> (1) א. מַגִּיז δ. מַגִּיז	<b>μαδαρούν.</b> (1) מַדָּר
Jo. 5. 15. ἐν τῇ ἐρήμῳ τῇ μ. [B <sup>1</sup> μαδβ.] (1)	Jd. 7. 13. μαγίς ἀρτου κριθίνου στρεφο- μένη (1δ*) (1δ)	Ne. 18. 25. B καὶ ἐμαδάρωσα αὐτούς (1)
18. 12. ἔσταται αὐτῷ ἡ διέξοδος ἡ [B <sup>1</sup> om.] μ. (1)	<b>μάγος.</b> (1) מַגִּיז	<b>μαδβαρίτις, vid. sub μαδβαρίτις.</b>
<b>μαγάλ.</b>	Da. LXX. 2. 2. εἰσενεχθῆκα ... τοὺς μ. (1)	<b>μαδών.</b> (1) א. מַדָּן δ. מַדָּן
[Th. I Ki. 26. 7.]	— 10. οὐκ ἐπερωτᾷ πάντα σοφὸν καὶ μ. (1)	II Ki. 21. 20. ἦν ἀνὴρ μ. (1δ*) (1δ)
<b>μαγειρείον.</b> (1) א. מַבְרִיז δ. מַבְרִיז pi.	Da. TH. 1. 20. δεκαπλησιῶνας παρὰ ... τοὺς μ. (1)	<b>μαεβέρ.</b> (1) מַבְרִיז
Ez. 46. 23. μαγειρίαι γεγονότα ὑποκάτω τῶν ἐξεδρών κύκλῳ (1α)	2. 2. καλέσαι ... τοὺς μ. (1)	III Ki. 4. 12. ἔως μ. Α. [A al.] (1)
— 24. Α. οὗτοι οἱ οἶκοι τῶν μ. [B μαγειρίων] (1δ)	— 10. οὐκ ἐπερωτᾷ ἐπαίδων μάγον (1)	
	— 27. οὐκ ἔστι σοφὸν μάγον ἐπαίδων (1)	
	4. 4. εἰσεπορεύοντο οἱ ἐπαίδοι μάγοι (1)	



**μαελέθ.** (1) מַלְאָח  
Ps. 52 (53). *יִי. אֵל תֹּלֵד וְיִפְרֹץ* (1)  
87 (88). *יִי. וְיִפְרֹץ וְיִפְרֹץ* (1)  
1 Ki. 21. 2 (3). *φελλανει μ.* [A al.] †  
**μάζα.**  
Da. LXX. Bel 26. *ἐποίησε μάζαν*  
Da. TH. Bel 27. *ἐποίησε μάζας*  
[Aq. Hb. 2. 11.]  
[Th. Da. 14. 26.]  
**μαζούρ.**  
[Aq. Jb. 37. 9.]  
**μαζουράθ.** (1) מַזְרֹחַ  
IV Ki. 23. 5. *τοὺς θυμῶντας . . . τοῖς μ.* †  
Jb. 38. 32. *ἡ διανοξίεις μαζουράθ ἐν καιρῷ αὐτοῦ* (1)  
[Th. Jb. 38. 32.]  
**μάθημα.** (1) מַלְמֻדָּה  
Je. 13. 21. *ἐδίδαξας αὐτοὺς ἐπὶ σὲ μαθήματα*  
[A - ητὰς] *εἰς ἀρχὴν* (1)  
**μάθησις.**  
[Sm. Pr. 2. 17.]  
**μαθητής.** (1) מַלְמֻדָּה  
Je. 13. 21. *ἡ δὲ διδασκαλία αὐτοῦ ἐπὶ σὲ μαθητὰς*  
[BS - ἡματα] *εἰς ἀρχὴν* (1)  
20. 11. *ἡ καθὼς μ. ἰσχυρὸς [BS μαθητὴς ἰσχυρῶν]* †  
26 (46). *ἡ δὲ ἐξέλεσθε οἱ μαθηταὶ [A - B μαχ.]*  
*ἀλθίσπων* †  
**μαῖα.** (1) מַיָּה  
Ge. 35. 17. *εἶπεν αὐτῇ ἡ μ.* (1)  
38. 28. *ληθούσα δὲ ἡ μ. ἔδωκεν* (1)  
Ex. 1. 15. *εἶπεν . . . ταῖς μ. τῶν Ἑβρ.* (1)  
— 17. *ἐφοβήθησαν δὲ αἱ μ. τὸν θεόν* (1)  
— 18. *ἐκάλεσε δὲ ὁ βασιλεὺς Αἰγύπτου τὰς μ.* (1)  
— 19. *εἶπαν δὲ αἱ μ. τῷ Φαραῶ* (1)  
— 19. *πρὶν ἢ εἰσελθεῖν πρὸς αὐτὰς τὰς μ.* (1)  
— 20. *εὖ δὲ ἐποίησε ὁ θεὸς ταῖς μ.* (1)  
— 21. *ἐπειδὴ ἐφοβούτο αἱ μ. τὸν θεόν* (1)  
[Sm. Ex. 1. 19 bis.]  
**μαίμασσειν.** (1) מַיָּה (2) מַיָּה  
Jb. 38. 8. *ὅτε ἐμαίμασεν [S' - αζεν, A ἐμαίοντο*  
*καὶ] ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς ἐκ-*  
*πορευομένη* (1)  
Je. 4. 19. *τὰ αἰσθητήρια τῆς καρδίας μου μαί-*  
*μάσει [? με μάσει] ἡ ψυχὴ μου*  
[S' om. μ. ἡ ψ. μ.] (2)  
[Th. Je. 4. 19.]  
**μαίνεσθαι.** (1) מַלְמֻדָּה hithpo. (2) מַלְמֻדָּה pu.  
Wi. 14. 28. *ἡ γὰρ εὐφρανόμενοι μεμῆσαν*  
Je. 32 (25). 16. *μανησονται ἀπὸ προσώπου τῆς*  
*μαχαίρας* (1)  
36 (29). 26. *γενέσθαι ἐπιστάτην . . . παντὶ ἀν-*  
*θρώπῳ μοινομένη* (2)  
II Ma. 4. 4. *καὶ Ἀπολλώνιον μαίνεσθαι*  
IV Ma. 7. 5. *AB περιέλασε τοὺς μαίνομ. [S ἐπιμ.]*  
*τῶν παθῶν κλίδωνας*  
8. 5. *μὴ μαῖναι τὴν αὐτὴν . . . μαῖαν*  
10. 13. *μὴ μαῖνῃς . . . τὴν αὐτὴν μαῖαν*  
[Sm. I Ki. 21. 15 (16) bis.]  
**μαιοῦσθαι.** (1) מַיָּה (2) מַיָּה pul. (3) מַיָּה pi.  
Ex. 1. 16. *ὅταν μαιοῖσθε τὰς Ἑβραίας* (3)  
Jb. 26. 5. *μὴ γίναντες μαιωθήσονται [S' al.]* (2)  
38. 8. *ὅτε ἐμαίοντο καὶ [BS' ἐμαίμασεν, S'*  
*ἐμαίμαζεν] ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς*  
*ἐκπορευομένη* (1)  
[Sm. Pr. 8. 25.]  
[Th. Jb. 26. 5.]  
[Quint. Ps. 28 (29). 9.]  
**μακαρίζω.** (1) מַלְאָח a. pi. b. pu. c. מַלְאָח  
Ge. 30. 13. *Β μακαριοῖσι [A - ἰζουσίν] με* (1a)  
Nu. 24. 17. *μακαρίζω καὶ οὐκ ἐγγίξει* †  
Jb. 29. 10. *οἱ δὲ ἀκούσαντες [A ἀ. περὶ ἐμοῦ]*  
*ἐμακαρίσαν με* †  
— 11. *οὓς ἤκουσε καὶ ἐμακαρίσεν με* (1a)  
Ps. 40 (41). 2. *κύριος . . . μακαρίσας αὐτὸν ἐν τῇ γῇ* (1b)  
71 (72). 17. *πάντα τὰ ἔθνη μακαριοῦσιν αὐτόν* (1a)  
143 (144). 15. *ἐμακαρίσαν [S' - σα] τὸν λαὸν*  
*ὃ ταῦτά ἐστι* (1c)

Ca. 6. 8 (9). *καὶ μακαριοῦσιν αὐτὴν* (1a)  
— 9 (10). *Β καὶ ἐμακαρίσαν αὐτὴν* —  
Wi. 2. 16. *μακαρίζει ἔσχατα δικαίων*  
18. 1. *ὅτι μὲν οὖν [A οὐ] κάκεινοι ἐπεπόνθεισαν*  
*ἐμακαρίον*  
Si. 11. 28. *πρὸς τελευτῆς μὴ μακαρίξει μηδὲνα*  
25. 7. *ἐννέα ὑπονοήματα ἐμακαρίσα ἐν καρδίᾳ*  
— 23. *ἦν οὐ μακαρίει τὸν ἄνδρα αὐτῆς*  
34 (31). 9. *τίς ἐστὶ καὶ μακαριοῦμεν αὐτόν*  
37. 24. *μακαριοῦσιν αὐτὸν πάντες οἱ ὄραντες*  
45. 7. *ἐμακαρίσεν αὐτὸν ἐν εὐκοσμίᾳ*  
Ma. 3. 12. *μακαριοῦσιν ὑμᾶς πάντα τὰ ἔθνη* (1a)  
— 15. *καὶ νῦν ἡμεῖς μακαρίζομεν ἀλλοτρίους* (1a)  
Is. 3. 12. *οἱ μακαρίζοντες ὑμᾶς πλανῶσιν ὑμᾶς* (1a)  
9. 16 (15). *ἔσονται οἱ μακαρίζοντες τὸν λαὸν*  
*τούτων πλανῶντες* (1a)  
IV Ma. 1. 10. *τῶν δὲ τιμῶν μακαρίσαιμ' ἂν*  
16. 9. *οὐδὲ μάλιστα κληθεῖσα μακαρισθῆσθαι*  
18. 13. *ὃν καὶ ἐμακαρίζω*  
[Aq. Th. Pr. 4. 14: 31. 28.]  
[Sm. Ps. 16 (17). 11: Pr. 31. 28: Ec. 4. 2.]  
**μακάριος.** (1) a. מַלְאָח δ. מַלְאָח  
Ge. 30. 13. *μακάριά ἐγώ ὅτι μακαριοῦσί με* (1a)  
De. 33. 29. *μακάριος σὺ, Ἰσραὴλ* (1b)  
III Ki. 10. 8. *μ. αἱ γυναῖκες σου μ. οἱ παῖδες*  
*σου οὗτοι* (1b, 1b)  
II Ch. 9. 7. *μ. οἱ ἄνδρες μ. οἱ παῖδες σου οὗτοι*  
*(1b, 1b)*  
To. 13. 14. *μ. οἱ ἀγαπῶντές σε*  
— 14. *Β μ. οἱ χαρήσονται ἐπὶ τῇ εἰρήνῃ σου [A B*  
*al.]*  
— 14. *μ. ὅσοι ἐλυπήθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μαστιξί-*  
*σου [S al.]*  
— 16. *Β μακάριος ἔσομαι*  
Jb. 5. 17. *μακάριος δὲ ἄνθρωπος ὃν ἤλεγξεν ὁ*  
*κύριος* (1b)  
Ps. 1. 1. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς οὐκ ἐπορεύθη ἐν βουλῇ*  
*ἀσεβῶν* (1b)  
2. 12. *μακάριοι πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ* (1b)  
31 (32). 1. *μακάριοι ὧν ἀφάρθησαν αἱ ἀνομίαι* (1b)  
— 2. *μακάριος ἄνθρωπος οὗ οὐ μὴ λογίσσῃται κύριος*  
*ἁμαρτίαν* (1b)  
32 (33). 12. *μακάριον [B' - os] τὸ ἔθνος οὗ ἐστὶ*  
*κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ* (1b)  
33 (34). 8. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς ἐλπίζει ἐπ' αὐτόν* (1b)  
39 (40). 4. *μακάριος ἄνθρωπος οὗ ἐστὶ τὸ ὄνομα κυ-*  
*ρίου ἐλπὶς αὐτοῦ* (1b)  
40 (41). 1. *μακάριος ὁ συνίων ἐπὶ πτωχόν* (1b)  
64 (65). 4. *μακάριος ὃς ἐξέλεξεν καὶ προσελάβου* (1b)  
83 (84). 4. *μακάριοι πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν*  
*τῷ οἴκῳ σου* (1b)  
— 5. *μακάριος ἄνθρωπος οὗ ἐστὶν ἡ ἀντίληψις αὐτοῦ*  
*παρὰ σοῦ* (1b)  
— 12. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς ἐλπίζει ἐπὶ σέ* (1b)  
88 (89). 15. *μακάριος ὁ λαὸς ὃς γινώσκων ἀλα-*  
*λαγμὸν* (1b)  
93 (94). 12. *μακάριος ὁ ἄνθρωπος ὃν ἂν σὺ*  
*παιδεύσῃς* (1b)  
105 (106). 3. *μακάριοι οἱ φυλάσσοντες κρίσιν* (1b)  
111 (112). 1. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς φοβούμενος τὸν*  
*κύριον* (1b)  
118 (119). 1. *μακάριοι ἄνθρωποι ἐν ὁδῷ* (1b)  
— 2. *μακάριοι οἱ ἐξερευνῶντες τὰ μαρτύρια*  
*αὐτοῦ* (1b)  
126 (127). 5. *μακάριος ὃς πληρώσει τὴν ἐπιθυ-*  
*μίαν* (1b)  
127 (128). 1. *μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι*  
*τὸν κύριον* (1b)  
— 2. *μακάριος εἶ καὶ καλὸς σοὶ ἔσται* (1b)  
136 (137). 8. *μακάριος ὃς ἀνταποδώσει σοὶ τὸ*  
*ἀνταπόδομά σου* (1b)  
— 9. *μακάριος ὃς . . . ἑδαιφίει τὰ νήπια σου*  
*πρὸς τὴν πέτραν* (1b)  
143 (144). 15. *μακάριος ὁ λαὸς οὗ κύριος ὁ*  
*θεὸς αὐτοῦ* (1b)  
145 (146). 5. *μακάριος ὃς ὁ θεὸς Ἰακώβ βοηθῇ* (1b)  
Pr. 3. 13. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς εὖρε σοφίαν* (1b)  
8. 32. *AB' μακάριοι οἱ οὐδοὺς μου φυλάσσοντες* (1b)  
— 32 (34). *μακάριος ἄνθρωπος ὃς εἰσακούσεται μου* (1b)  
20. 7. *μακαρίους τοὺς παῖδας αὐ. καταλείψει* (1b)  
28. 14. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς καταπτήσεται πάντα* (1b)  
Ec. 10. 17. *μακαρία σὺ γῇ* (1b)  
Wi. 3. 13. *μακαρία στείρα ἡ ἁμίαντος*  
Si. 14. 1. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς οὐκ ὀλισθίσεν*  
— 2. *μακάριος οὗ [A ἄνθρωπος] κατέγνω ἡ ψυχὴ*

Si. 14. 20. *μακάριος ἄνθρωπος ὃς ἐν σοφίᾳ τελευτήσῃ* [S' *μελετήσῃ*]  
25. 8. *μακάριος ὁ συνοικὼν γυναῖκα συνετῇ*  
— 9. *μακάριος ὃς [S' ἄνθρωπος] εὖρε φρόνησιν*  
26. 1. *γυναικὸς ἀγαθῆς μακάριος ὁ ἄνθρωπος*  
28. 19. *μακάριος ὁ σκεπασθεὶς ἀπ' αὐτῆς*  
31 (34). 15. *φοβούμενον τὸν κύριον μακαρία ἡ ψυχὴ*  
34 (31). 8. *μακάριος πλοῦσιος δὲ εὐρέθη ἄμωμος*  
48. 11. *μακάριοι οἱ ἰδόντες σε*  
50. 28. *μακάριος ὃς ἐν τοῖσι ἀναστραφῆσεται*  
Is. 30. 18. *μακάριοι οἱ ἐμμένοντες ἐπ' [A S ἐν]*  
*αὐτῷ* (1b)  
31. 9. *μ. ὃς ἔχει ἐν Σιών σπέρμα* †  
32. 20. *μακάριοι οἱ σπείροντες ἐπὶ πᾶν ὕδωρ* (1b)  
56. 2. *μ. ἄνθρωπος ὃς ποῖται ταῦτα* (1b)  
Ba. 4. 4. *μακάριοι ἔσμεν, Ἰσραὴλ*  
Da. LXX. 12. 12. *μ. ὁ ἐμμένων* (1b)  
Da. TH. 12. 12. *μ. ὁ ὑπομένων* (1b)  
IV Ma. 7. 15. *ὁ μακάριος γῆρας*  
— 22. *τὸ . . . ὑπομένειν μακαρίον ἐστίν*  
10. 15. *μ. τὸν μ. τῶν ἀδ. μόνον θάνατον*  
17. 18. *τὸν μ. βιοῦσιν αἰῶνα*  
18. 9. *μακάριος μὲν ἐκείνος*  
[Aq. Sm. Ps. 31 (32). 1: 126 (127). 5: 127  
(128). 2.]  
[Th. Ps. 126 (127). 5: 127 (128). 2.]  
[Quint., Sext. Ps. 31 (32). 1.]  
**μακαριότης.**  
IV Ma. 4. 12. *ὕμνησιν . . . τὴν τοῦ ἱεροῦ τύπον μ.*  
18. 19. *Α καὶ ἡ μ. [SE μακρότης] τῶν ἡμερῶν*  
**μακαριστός.** (1) מַלְאָח  
Pr. 14. 21. *ἐλεῶν δὲ πτωχοὺς μακαριστός [A*  
*add. ἔσται]* (1)  
16. 20. *πεισιφύων δὲ ἐπὶ θεῷ μακαριστός* (1)  
29. 18. *ὁ δὲ φυλάσσων τὸν νόμον μακαριστός* (1)  
II Ma. 7. 24. *ἅμα πλουτῶν καὶ μακαριστὸν ποιήσῃ*  
[Sm. Ps. 40 (41). 3.]  
**μακάρως.**  
IV Ma. 12. 1. *μ. ἐναπέθανε*  
**μακράν.** cf. μακρός. (1) מַלְאָח (2) מַלְאָח  
(3) a. מַלְאָח qal. b. hi. c. מַלְאָח d. מַלְאָח  
e. מַלְאָח f. מַלְאָח g. מַלְאָח (4) ὁ μ.  
a. מַלְאָח b. מַלְאָח c. מַלְאָח (5) οἱ μ.  
d. מַלְאָח (6) μ. ἀπέχων a. מַלְאָח qal.  
b. hi. c. מַלְאָח (7) μ. ἀποθεῖν מַלְאָח hi.  
(8) ἀφεστάναι μ., ἀποστῆναι μ. מַלְאָח (9) μ.  
γίνεσθαι a. מַלְאָח b. מַלְאָח hi. (10) μ. εἶναι  
a. מַלְאָח b. מַלְאָח c. מַלְאָח (11) μ. οἰκῶν  
מַלְאָח (12) μ. ποιεῖν a. מַלְאָח b. מַלְאָח hi.  
Ge. 44. 4. *οὐκ ἀπέσχον μακράν* (6b)  
Ex. 8. 28 (24). *ἀλλ' οὐ μακράν ἀποστενέτε*  
*πορευθῆναι* (3b)  
33. 7. *ἔφηξεν . . . μακράν ἀπὸ τῆς παρεμβολῆς*  
*[B' om. μ. . . π.]* (3b)  
Nu. 9. 10. *ἡ ἐν ὁδῷ μακράν ὑμῖν [A ἡ ἐν ὑ.]* (3c)  
— 13. *AB ἐν ὁδῷ μ. [B - α] οὐκ ἐστίν* —  
De. 12. 21. *ἐὰν δὲ μ. [A - ῥότερον] ἀπέχη σου*  
*ὁ τόπος* (6a)  
13. 7 (8). *ἡ τῶν μ. ἀπὸ σοῦ* (4a)  
14. 24. *ἐὰν δὲ μ. γένηται ἡ ὁδὸς ἀπὸ σοῦ* (9a)  
— 24. *μ. ἀπὸ σοῦ ὁ τόπος* (3a)  
20. 15. *πάσας τὰς πόλεις τὰς μ. οὐσας σου* (10c)  
30. 11. *AB οὐδὲ μακράν ἀπὸ σοῦ ἐστίν [B*  
*om.]* (10c [3c])  
Jo. 3. 4. *μακράν ἔστω ἀνὰ μέσον ἡμῶν* (3c)  
— 16. *ἀπεστηκὸς μακράν σφόδρα* (3b)  
8. 4. *μὴ μ. γίνεσθαι ἀπὸ [A om.] τῆς πόλεως* (9b)  
9. 22. *μ. ἀπὸ σοῦ ἐσμεν σφόδρα* (10c)  
Jd. 18. 7. *μ. εἰσι Σιδωνίων [A ἀπὸ Σιδωνος]* (10c)  
— 9. *μ. ἀπέχοντες ἐκ Σιδωνος* —  
— 28. *μ. ἐστίν ἀπὸ Σιδωνίων* (10c)  
II Ki. 7. 19. *ἐλάλησας ἐπὶ τοῦ οἴκου . . . εἰς μ.* (3d)  
15. 17. *ἔστησαν ἐν οἴκῳ τῷ μ.* (3f)  
III Ki. 8. 46. *εἰς γῆν μ. καὶ ἐγγὺς* (3c)  
II Ch. 6. 36. *εἰς γῆν μ. ἡ ἐγγὺς* (3c)  
II Es. 6. 6. *μ. ὄντες ἐκείθεν* (3g)  
Ne. 4. 19 (13). *σκορπίόμεθα . . . μ. ἀνὴρ ἀπὸ*  
*τοῦ ἀδ. αὐ.* (3c)

Es. 9. 20. τοῖς ἐγγύς καὶ τοῖς μ. (8 c)  
 Jb. 30. 10. ἐβδελύξατο δὲ με ἰπποστάντες μ. (8)  
 36. 3. ἀναλίσθων ἐν ἐπιστήμῃ μου μ. (8 e)  
 Ps. 21 (22). 1. μ. ἀπὸ τῆς σωτηρίας μου οἱ  
 λόγοι τῶν πασιπρωμάτων μου (8 c)  
 64 (65). 5. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> καὶ ἐν [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> τῶν ἐν] θαλάσῃ (8 c)  
 118 (119). 155. μ. ἀπὸ ἀμαρτωλῶν σωτηρία (8 c)  
 Pr. 2. 16. τοῦ μ. σε ποιῆσαι ἀπὸ ὁδοῦ εὐθείας (12 a)  
 4. 24. ἀδικα χεὶλῃ μ. ἀπὸ σου ἄπυσαι (7)  
 5. 8. μ. ποιήσων ἀπ' αὐτῆς σὴν ὁδὸν (12 b)  
 13. 19. ἔργα δὲ ἀσεβῶν μ. ἀπὸ γνώσεως (2)  
 15. 29. μ. ἀπέχει ὁ θεὸς ἀπὸ ἀσεβῶν (6 c)  
 19. 7. φίλιός μ. ἔσται (10 b)  
 22. 15. ῥάβδος δὲ καὶ παιδεία μ. ἀπ' αὐτοῦ (8 b)  
 24. 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδῆ μ.  
 μου ποιήσων (12 b)  
 27. 10. ἡ ἀδελφὸς μ. οἰκὼν (11)  
 Ec. 7. 25 (24). αὐτὴ ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ μ.  
 ὑπὲρ ὃ ἦν (8 c)  
 Wi. 14. 17. μὴ δυνάμενοι τιμᾶν ἀνθρώποι διὰ τὸ μ.  
 οἰκεῖν  
 Si. 9. 13. μακρὸν ἀπέχε ἀπὸ ἀνθρώπου  
 13. 10. μὴ μ. ἀφίστα ἵνα μὴ ἐπιλησθῇς  
 15. 8. μακρὰν ἔστιν ὑπερφανίας  
 16. 22. μακρὰν γὰρ ἡ διαθήκη  
 24. 32. ἐκφανῶ αὐτὰ ἕως εἰς μακρὰν  
 27. 20. μὴ αὐτὸν διώξεις ὅτι μ. ἀπέστη  
 30. 23. λυτὴν μακρὰν ἀπόστησον ἀπὸ σοῦ  
 Mi. 4. 3. ἔως εἰς [A. add. γῆν] μ. (8 c)  
 J1. 3 (4). 8. εἰς ἔθνος μακρὰν ἀπέχον (6 c)  
 Za. 6. 15. καὶ οἱ μακρὰν ἀπ' αὐτῶν ῥέξουσιν  
 10. 9. καὶ οἱ μακρὰν μασηθήσονται μου (4 a)  
 Is. 5. 26. ἀρεὶ συστήσω ἐν τοῖς ἔθνεσι τοῖς μ. (4 b)  
 27. 9. τὰ εἰδωλα αὐτῶν ἐκκεκομμένα ὥσπερ  
 δρυμὸς μ. +  
 46. 12. οἱ μ. ἀπὸ τῆς δικαιοσύνης (3 c)  
 57. 9. πολλοὺς ἐποίησας τοὺς μ. ἀπὸ σοῦ +  
 — 19. ἔδωκα . . . εἰρήνην ἐπ' εἰρήνην τοῖς μ. (3 c)  
 59. 11. μ. ἀφέστηκεν ἀφ' ἡμῶν (8)  
 — 14. ἡ δικαιοσύνη μ. ἀφέστηκεν [A. add. ἀφ'  
 ἡμῶν] (3 d)  
 Je. 2. 5. ἀπέστησαν μ. ἀπ' ἐμοῦ (8)  
 36 (29). 28. μ. ἔστιν (10 a)  
 38 (31). 10. A. ἀναγγεῖλαι εἰς νήσους τὰς μ.  
 [B. ῥόθεν, B<sup>8</sup> ῥότερον] (4 c)  
 Ba. 2. 29. A. ἡ βόμβησις ἡ μεγ. . . ἀποστρέψει εἰς  
 μ. [B. μακρὰν]  
 Ep. Je. 73. ἔσται γὰρ μ. ἀπὸ οὐνειδισμού  
 Ez. 6. 12. ὁ δὲ μ. ἐν θανάτῳ τελευτήσει (8 c)  
 11. 15. μ. ἀπέχετε ἀπὸ τοῦ κυρίου (8 a)  
 12. 22. A. μ. [B. μακρὰ] αἱ ἡμέραι (1)  
 22. 5. τοῖς μ. ἀπεχούσας [B<sup>2</sup> οἱ. 1] ἀπὸ σοῦ (8 c) [8 c]  
 Da. LXX. Su. 51. διαχωρίσατέ μοι αὐτοὺς ἀπ' ἀλλή-  
 λων μ.  
 Da. TH. Su. 51. διαχωρίσατε αὐτοὺς ἀπ' ἀλλήλων μ.  
 9. 7. τοῖς ἐγγύς καὶ τοῖς μ. (8 c)  
 I Ma. 8. 4. ὁ τόπος ἦν μ. ἀπέχων ἀπ' αὐτῶν σφόδρα  
 — 12. A. B. τῶν βασιλείων [B. -λίων] τῶν ἐγγύς  
 καὶ τῶν μ.  
 [Aq. Ps. 21 (22). 2: Is. 17. 13: 57. 9 (eis μ.).]  
 [Sm. Jd. 18. 7: Ps. 37 (38). 12: 87 (88). 9:  
 19: Is. 6. 12: 57. 9 (eis μ.): 59. 9: Ez. 11. 16.]  
 [Th. Ps. 21 (22). 2: Is. 57. 9 (eis μ.).]  
 [Al. Jb. 18. 6.]  
 [Quint., Sext. Ps. 21 (22). 2.]  
**μακρόβιος.** (1) מִצְרַיִם הָיִינוּ  
 Wi. 3. 17. εἴν τε γὰρ μακρόβιοι γίνονται  
 Is. 53. 10. ἡ ψυχὴ ὧν ὀφείτα σπέρμα μακρό-  
 βιον (1)  
 [Sm. Ec. 7. 16 (15).]  
**μακροβίως.**  
 Ba. 3. 14. τοῦ γινῶαι ἅμα πού ἐστι μ. καὶ ζωὴ  
**μακροθυμίας.** (1) מִצְרַיִם הָיִינוּ (2) מִצְרַיִם הָיִינוּ  
 De. 5. 33 (30). ὅπως . . . μακροθυμύσητε ἐπὶ  
 τῆς γῆς (1)  
 6. 2. ἵνα μακροθυμύσητε (1)  
 11. 9. ἵνα μακροθυμύσητε ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 — 21. ἵνα μακροθυμύσητε [A. πολὺν] (2)  
 32. 47. μακροθυμύσητε [A. -σητε] ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 [d. 2. 7. ὅσοι ἐμακροθυμύσαν μετὰ 'I. (1)  
 Si. 1. 20. B<sup>1</sup> οἱ κλάδοι αὐτῆς μακροθυμύσουσιν  
 [A. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> -ευσίς]  
 3. 6. ὁ δοξάζων πατέρα μακροθυμύσει

**μακροθυμύσει.**  
 Si. 1. 12. φόβος κυρίου . . . δώσει . . . μακροθυμύ-  
 σιν  
 — 20. οἱ κλάδοι αὐτῆς μακροθυμύσουσιν [B<sup>1</sup> -ευσί-  
 σιν]  
 30. 22. ἀγαλλίαμα ἀνδρὸς μακροθυμύσουσι [B<sup>1</sup> με-  
 γαλοῦμ.]  
**μακροθύμερος.** (1) μακροθύμερος γίνεσθαι  
 מִצְרַיִם הָיִינוּ  
 De. 4. 40. ὅπως μακροθύμεροι [A. -χρόνιοι] γέ-  
 ησθε (1)  
 [Al. Dt. 5. 33 (30).]  
**μακρόθεν.** (1) אֶרֶץ חֵי. δ. רִיחָה. c. רִיחָה  
 d. רִיחָה. e. רִיחָה. f. רִיחָה. g. ἀπὸ μ.  
 רִיחָה. h. ἀπὸ μ. רִיחָה. i. δ. μ. רִיחָה  
 j. δ. μ. רִיחָה  
 Ge. 21. 16. B. ἐκάθηντο ἀπέναντι αὐτοῦ μ. [A.  
 μακρότερον] (1 a)  
 — 16. B. ἐκάθισεν [A. -ητο] ἀπέναντι αὐτοῦ [A.  
 add. μακρόθεν] (1 a)  
 22. 4. οἶδε τὸν τόπον μακρόθεν (1 b)  
 37. 18. προεῖδον δὲ αὐτὸν μ. (1 b)  
 Ex. 2. 4. κατασκόπεν ἡ ἀδελφὴ αὐτοῦ μ. (1 b)  
 20. 18. φοβηθέντες δὲ πᾶς ὁ λαὸς ἔστησαν μ. (1 b)  
 — 21. εἰσῆλθαι δὲ ὁ λαὸς μ. (1 b)  
 24. 1. καὶ προσκυνήσουσιν μ. τῷ κυρίῳ (1 b)  
 De. 28. 49. ἐπάξει κ. ἐπὶ σέ ἔθνος μ. (1 b)  
 29. 22 (21). δε ἂν ἔλθῃ ἐκ γῆς μ. (1 c)  
 Jo. 9. 6. ἐκ γῆς μ. ἦκαμεν (1 c)  
 — 9. ἐκ γῆς μ. σφόδρα ἦκασιν (1 c)  
 I Ki. 26. 13. ἔστη ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ ὄρους μ. (1 b)  
 III Ki. 8. 41. A. καὶ ἔλθῃ ἀπὸ γῆς μ. (1 c)  
 IV Ki. 2. 7. ἔστησαν ἐξ ἐναντίας μ. (1 b)  
 19. 25. A. μὴ οὐκ ἤκουσας ἀπὸ μ. (1 b)  
 II Ch. 6. 32. καὶ ἔλθῃ ἐκ γῆς μ. (1 c)  
 I Es. 5. 65. ὥστε μ. ἀκούεσθαι (1 c)  
 II Es. 8. 13. ἤκουτο ὡς ἀπὸ μ. (1 g)  
 Ne. 12. 43. ἠκούσθη ἡ εὐφροσύνη . . . ἀπὸ μ. (1 h)  
 To. 13. 11. ἔβη πολλὰ μ. ἤξει [B. al.] (1 c)  
 Ju. 13. 11. εἶπεν 'I. μ. τοῖς φυλάττουσιν  
 Ps. 9. 22 (10. 1). ἵνα τί, κύριε, ἀφέστηκας μ. (1 d)  
 37 (38). 11. οἱ ἐγγιστά μου μ. [A. B<sup>2</sup> ἀπὸ μ.]  
 ἔστησαν (1 b) [1 c]  
 137 (138). 6. τὰ ὑψηλὰ ἀπὸ μ. γινώσκει (1 c)  
 138 (139). 2. σὺ συνήκας τοὺς διαλογισμούς  
 μου ἀπὸ μ. (1 c)  
 Pr. 25. 25. οὕτως ἀγγεῖλαι ἀγαθὴ ἐκ γῆς μ. (1 f)  
 31. 14. ἐγίνετο ὥστε ναὺς ἐμπορευομένη μ. (1 f)  
 Si. 21. 7. γνωστὸς ὁ δ. δυνατὸς ἐν γλώσσῃ  
 Hb. 1. 8. καὶ ὁρμήσουσι μακρόθεν (1 b)  
 Is. 60. 4. ἦκασιν πάντες οἱ υἱοὶ σου μ. (1 b)  
 — 9. ἀγαγὲν τὰ τέκνα σου μ. (1 b)  
 Je. 4. 16. συστροφὰι ἔρχονται ἐκ γῆς μ. (1 c)  
 6. 20. καὶ κινῶμενον ἐκ γῆς μ. (1 c)  
 8. 19. φωνὴ κραγγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου ἀπὸ  
 γῆς μ. (1 c)  
 26 (46). 27. σῶζων σε μ. (1 b)  
 28 (51). 50. οἱ [B. εἰς γῆν] μ. μῆσθητε τοῦ  
 κυρίου (1 d)  
 38 (81). 10. ἀναγγεῖλαι εἰς νήσους τὰς μ. [A.  
 -ράν, B<sup>8</sup> ῥότερον] (1 f)  
 Ba. 4. 15. ἐπήγαγε γὰρ ἐπ' αὐτοὺς [A. add. ὁ θεὸς]  
 ἔθνος μ. (1 f)  
 Ez. 23. 40. τοῖς ἀνδράσι τοῖς ἐρχομένοις μ. (1 f)  
 [Aq. iv Ki. 19. 25 (eis ἀπὸ μ.): Ps. 137 (138).  
 6: Is. 30. 27: 49. 1.]  
 [Sm. Jb. 36. 25: Is. 30. 27: 49. 1.]  
 [Th. Is. 30. 27: 49. 1: Je. 30 (37). 10.]  
**μακροθυμεῖν.** (1) אֶרֶץ חֵי. δ. הָיִינוּ  
 Jb. 7. 16. οὐ γὰρ εἰς τὸν αἰῶνα ζήσομαι ἵνα  
 μακροθυμῶ  
 Pr. 19. 11. ἐλεῆμων ἀνὴρ μακροθυμεῖ (1 b)  
 Ec. 8. 12. B<sup>2</sup> μακροθυμεῖ ἐπ' αὐτῷ (1 a)  
 Si. 2. 4. ἐν ἀλλήγμασι ταπεινώσεώς σου μακροθυ-  
 μῶσον  
 18. 11. ἐμακροθύμησε κύριος ἐπ' αὐτοῖς  
 29. 8. πλὴν ἐπὶ ταπεινῷ μακροθύμησον  
 32 (35). 18. οὐδὲ μὴ μακροθύμησαι [A. B. -ση] ἐπ'  
 αὐτοῖς  
 Ba. 4. 25. μακροθυμήσατε τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ἐπελ-  
 θούσαν ὑμῖν ὀργὴν

II Ma. 6. 14. ἀνομείνει μακροθυμῶν ὁ δεσπότης  
 8. 26. B. οὐκ ἐμακροθύμησαν [A. -οτόνησαν]  
 [Aq. Jb. 6. 11.]  
**μακροθυμία.** (1) אֶרֶץ חֵי. δ. הָיִינוּ  
 Pr. 25. 15. ἐν μακροθυμίᾳ εὐδοία βασιλεύει (1 a)  
 Si. 5. 11. ἐν μακροθυμίᾳ φθίγγον ἀπέκρινεν  
 Is. 57. 15. ὀλιγοψύχους διδοὺς μακροθυμίαν +  
 Je. 15. 15. ἀφώσων με ἀπὸ [B. ἐκ] τῶν καταδιω-  
 κόντων με μὴ εἰς μακροθυμίαν (1 b)  
 I Ma. 8. 4. τῇ βουλῇ αὐ. καὶ τῇ μ.  
 [Aq. Pr. 19. 11.]  
 [Sm. Ec. 8. 12.]  
 [Th. Pr. 19. 11: Da. 4. 24+.]  
**μακρόθυμος.** (1) מִצְרַיִם הָיִינוּ (2) מִצְרַיִם הָיִינוּ  
 (3) מִצְרַיִם הָיִינוּ (4) מִצְרַיִם הָיִינוּ  
 Ex. 34. 6. μ. καὶ πολυέλεος καὶ ἀληθινός (2)  
 Nu. 14. 18. κύριος μ. καὶ πολυέλεος (2)  
 Ne. 9. 17. καὶ σὺ θεὸς . . . μ. καὶ πολυέλεος (2)  
 Ps. 7. 11. ὁ θεὸς κριτὴς δικαίος καὶ ἰσχυρὸς καὶ μ. —  
 85 (86). 15. σὺ, κύριε ὁ θεός, . . . μακρόθυμος  
 καὶ πολυέλεος (2)  
 102 (103). 8: 144 (145). 8. ἐλεῆμων ὁ κύριος μ. (2)  
 καὶ πολυέλεος (2)  
 Pr. 14. 29. μακρόθυμος ἀνὴρ πολλὸν ἐν φρονήσει (2)  
 15. 18. μακρόθυμος δὲ καὶ τὴν μέλλουσαν κατα-  
 πράττει (2?)  
 — 18. μακρόθυμος ἀνὴρ κατασβέσει κρίσεις (2)  
 16. 32. κρίσεων ἀνὴρ μακρόθυμος ἰσχυροῦ (2)  
 17. 27. μακρόθυμος δὲ ἀνὴρ φρόνιμος (4)  
 Ec. 7. 9 (8). A. B<sup>2</sup> B. ἀγαθὸν μακρόθυμος ὑπὲρ  
 ὑψηλὸν πνεύματι [B<sup>3</sup> al.] (3)  
 Wi. 15. 1. σὺ δὲ ὁ θεὸς ἡμῶν . . . μακρόθυμος  
 Si. 1. 22. ἕως καιροῦ ἀνδέξετα μακρόθυμος  
 2. 11. ἐλεῆμων ὁ κύριος [B<sup>2</sup> add. μ. καὶ πολυέλεος]  
 5. 4. ὁ γὰρ κύριος ἐστὶ μακρόθυμος (2)  
 J1. 2. 13: J1. 4. 2. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος  
 καὶ μετανῶν (2)  
 Na. 1. 3. κύριος μακρόθυμος καὶ μεγάλη ἡ ἰσχὺς (2)  
 Da. TH. 4. 24. ἴσως ἔσται μ. τοῖς παραπτώμασί  
 σου ὁ θεός (1)  
 [Th. Da. 4. 24+.]  
**μακρός, cf. μακράν.** (1) אֶרֶץ חֵי. δ. הָיִינוּ  
 c. הָיִינוּ. d. הָיִינוּ (2) אֶרֶץ חֵי. δ. הָיִינוּ  
 (3) μακρότερος εἶναι מִצְרַיִם (4) ἐκ μακρῶν  
 מִצְרַיִם (5) μ. χρόνον [הָיִינוּ מִצְרַיִם הָיִינוּ]  
 (6) γῆ μ. מִצְרַיִם  
 Nu. 9. 13. B. ἐν ὁδῷ μ. [A. B. -ὰν] οὐκ ἔστιν —  
 De. 19. 6. B. ἐὰν μακρότερα ἦν [A. B. ἡ] ἡ ὁδός (8)  
 I Ch. 17. 17. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν οἶκον . . . ἐκ  
 μακρῶν (4)  
 Jb. 11. 9. ἡ μακρότερα μέτρον γῆς [A. al.] (1 a)  
 12. 12. A. ἐν δὲ μακρῷ [B. πολλῷ] βίῳ ἐπι-  
 στήμη (1 b)  
 Pr. 7. 19. πεπόμεναι δὲ ὁδὸν μακράν (2 b)  
 28. 16. ὁ δὲ μισῶν ἀδικίαν μακρὸν χρόνον  
 ζήσεται (6)  
 Wi. 4. 13. ἐπλήρωσε χρόνους μακροὺς  
 12. 24. τῶν πλάνης ὁδῶν μακρότερον ἐπλανήθησαν  
 17. 2. μακρὰς πεδίτας νυκτὸς  
 Si. 10. 10. μακρὸν ὁρμήστημα σκάπτει ἱατροὺς [B<sup>2</sup> -ὄν]  
 M1. 4. 3. ἕως εἰς μακράν [A. γῆν μακ.] (8)  
 Is. 5. 18. οὐαὶ οἱ ἐπισπόμενοι τὰς ἀμαρτίας ὡς  
 σχοινίῳ μακρῷ +  
 Ba. 4. 35. πῦρ γὰρ ἐπελεύσεται αὐτὴ . . . εἰς ἡμέρας μ.  
 Ep. Je. 3. ἔσσεθε ἐκεῖ τῇ πλείονα καὶ χρόνον μακρὸν  
 Ez. 12. 22. μακρὰι [A. -ὰν] αἱ ἡμέραι (1 c)  
 — 27. εἰς καιροὺς μακροὺς ὅσους προφητεύει (2 a)  
 7. 3. ἀετὸς ὁ μέγας ὁ μεγαλοπτερυγὸς ὁ μ. τῇ  
 ἐκτάσει [A. ἐκστ.] (1 d)  
 [Aq. Ez. 17. 3 (μήκιστος).]  
 [Sm. II Ki. 3. 1: Jb. 36. 3 (διὰ μακροῦ): Ec. 8. 13.]  
 [Th. Am. 1. 11 (eis μακρὸν).]  
 [Al. Pr. 28. 16.]  
**μακρότερον** (adv.). (1) מִצְרַיִם הָיִינוּ (2) μ.  
 ἀπέχειν מִצְרַיִם  
 Ge. 21. 16. A. ἐκάθηντο ἀπέν. αὐτοῦ μακρότερον  
 [B. μακρόθεν] (1)  
 De. 12. 21. A. ἐὰν δὲ μακρότερον [B. μακράν]  
 ἀπέχη σου ὁ τόπος (2)

**μακρότης.** (1) *α.* 𐤓𐤓𐤕 *δ.* 𐤓𐤓𐤕 (2) ἀπὸ μακρότητος 𐤓𐤓𐤕𐤓  
De. 30. 20. ὅτι τοῦτο . . . ἡ μ. τῶν ἡμερῶν σου (1 *α*)  
Ps. 20 (21). 4. ἔδωκας αὐτῷ μακρότητα ἡμερῶν (1 *α*)  
22 (23). 6. καὶ τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου εἰς μακρότητα ἡμερῶν (1 *α*)  
90 (91). 16. μακρότητι [Α-τα] ἡμερῶν ἐμπλήσω αὐτὸν (1 *α*)  
92 (93). 5. τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἀγίασμα, κύριε, εἰς μακρότητα ἡμερῶν (1 *α*)  
Ec. 8. 12. ἀπὸ τότε καὶ ἀπὸ μακρότητος αὐτῶν (2)  
La. 5. 20. καταλείψεις ἡμᾶς εἰς μακρότητα ἡμερῶν (1 *α*)  
Da. TH. 7. 12. μακρότης ζωῆς ἐδίδθη αὐτοῖς (1 *δ*)  
IV Ma. 18. 19. *Β Β* καὶ ἡ μ. [Α μακαριότης] τῶν ἡμερῶν  
**μακροτονεῖν.**  
II Ma. 8. 26. Α οὐκ ἐμακροτόνησαν [Β -οθύμηναν]  
**μακροχρονεῖν.**  
[Sm. Jb. 12. 12.]  
**μακροχρονίζεῖν.** (1) 𐤓𐤓𐤕𐤓𐤕 (2) 𐤓𐤓𐤕𐤓𐤕  
De. 17. 20. ὅπως ἂν μακροχρονίσῃ [Α -νιος ἦ] (1)  
32. 27. ἵνα μὴ μακροχρονώσῃ [Α -σους] (1)  
**μακροχρονόω.** (1) μ. γίνεσθαι 𐤓𐤓𐤕𐤓𐤕𐤓𐤕  
(2) μ. εἶναι 𐤓𐤓𐤕𐤓𐤕𐤓𐤕  
Ex. 20. 12. εἶναι μ. γένῃ ἐπὶ τῆς τῆς ἀγαθῆς (1)  
De. 4. 40. Α ὅπως μακροχρονόει [Β -ἡμεροι γίνῃσθε] (1)  
5. 16. Β ἵνα μακροχρονόει ἦτε [Α Β -ος γένῃ] (2 [1])  
17. 20. Α ὅπως ἂν μακροχρονόει ἦ [Β -νίση] (2)  
[Al. Dt. 5. 16.]  
**μακρύμμα.** (1) 𐤓𐤓𐤕𐤓𐤕  
II Es. 9. 1. οὐκ ἐχωρήσθη ὁ λαὸς 'I. . . ἐν μακρύμμασιν αὐ. (1)  
— 11. ἐν μακρύμμασιν [Β' μακρύνσει] αὐτῶν (1)  
**μακρύνειν.** (1) 𐤓𐤓𐤕 hi. (2) 𐤓𐤓𐤕 (3) 𐤓𐤓𐤕  
(4) 𐤓𐤓𐤕 a. qal. δ. pi. c. hi. d. 𐤓𐤓𐤕  
(5) ὁ μακρύνω αὐτὸν 𐤓𐤓𐤕  
Jd. 18. 22. αὐτοὶ ἐμάκρυναν [Α αὐτῶν δὲ μεμακρυνόντων] ἀπὸ οἴκου Μ. (4 *α*)  
Ju. 2. 13. οὐ μακρύνεις [Α' -εἰ] τοῦ ποιῆσαι αὐτὰ  
Ps. 21 (22). 19. μὴ μακρύνης τὴν βοήθειάν μου (4 *α*)  
39 (40). 11. μὴ μακρύνης τοὺς οὐκτιμούς σου ἀπ' ἐμοῦ (2)  
54 (55). 7. ἰδοὺ ἐμάκρυνα φυγαδεύων (4 *α*)  
55 (56). 11. ὑπὲρ τοῦ λαοῦ τοῦ ἀπὸ τῶν ἁγίων μεμακρυνμένου (4 *α*)  
70 (71). 12. ὁ θεός, μὴ μακρύνης ἀπ' ἐμοῦ (4 *α*)  
72 (73). 27. οἱ μακρύνοντες ἑαυτοὺς ἀπὸ σοῦ ἀπολούνται (5)  
87 (88). 8. ἐμάκρυνας τοὺς γνωστοὺς μου ἀπ' ἐμοῦ (4 *α*)  
— 18. ἐμάκρυνες ἀπ' ἐμοῦ φίλον (4 *α*)  
102 (103). 12. ἐμάκρυνες ἀπ' ἐμῶν τὰς ἀνομίας ἡμῶν (4 *α*)  
108 (109). 17. καὶ μακρυνθήσεται ἀπ' αὐτοῦ (4 *α*)  
118 (119). 150. ἀπὸ δὲ τοῦ νόμου σου ἐμακρύνθησαν (4 *α*)  
119 (120). 5. οἶμοι ὅτι ἡ παροιμία μου ἐμακρύνθη + 128 (129). 3. ἐμάκρυναν τὴν ἀνομίαν αὐτῶν (1)  
Pr. 5. 7. *Β'* μὴ μακρύνης [Α Β *Β'* ἀκύρους] ποιήσης ἐμοὺ λόγους (3)  
Ec. 3. 5. καιρὸς τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περιλήψεως (4 *α*)  
7. 24 (23). αὕτη ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ μακράν (4 *α*)  
8. 13. οὐ μακρύνει ἡμέρας ἐν σκιά (1)  
Is. 6. 12. μακρυνεῖ ὁ θεὸς τοὺς ἀνθρώπους (4 *δ*)  
49. 19. μακρυνθήσονται ἀπὸ σοῦ οἱ καταπίνοντές σε (4 *α*)  
54. 2. μακρύνον τὰ σχοινιάματά σου (1)  
Je. 34 (27). 10. πρὸς τὸ μακρύναι ἡμᾶς ἀπὸ τῆς γῆς ὑμῶν (4 *α*)  
La. 1. 16. ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ ὁ παρακαλῶν με (4 *α*)  
I Ma. 8. 23. ἐχθρὸς μακρυνθεῖ ἀπ' αὐτῶν  
[Aq. Jb. 13. 21: Pr. 4. 24: 22. 5: Ec. 7. 16 (15): Ez. 8. 6.]  
[Sm. Pr. 4. 24: 22. 5: Ez. 44. 10.]  
[Th. Jb. 13. 21: Pr. 4. 24: 22. 5: Is. 26. 15: 46. 13: Ez. 8. 6: 11. 15.]

**μακρύνεις.** (1) 𐤓𐤓𐤕  
II Es. 9. 11. ἐν μακρύμμασιν [Β' μακρύνσει] αὐτῶν (1)  
**μακρυσμός.**  
[Aq. Ps. 55 (56). 1: 119 (120). 5.]  
**μάλα** (*valde*). (1) καὶ μ. 𐤓𐤓𐤕  
II Ki. 14. 5. καὶ μ. γυνὴ χήρα ἐγὼ εἰμι (1)  
III Ki. 1. 43. καὶ μ. ὁ κ. ἡμῶν . . . ἐβασίλευσε τὸν Σ. (1)  
IV Ki. 4. 14. καὶ μ. υἱὸς οὐκ ἔστιν αὐτῇ (1)  
To. 7. 10. *Β* καὶ μ. τὴν ἀλήθειάν σου ὑποδείξω [Α Β α.] (1)  
10. 6. *Β* καὶ μ. περισπασμός αὐτοῖς ἐγένετο ἐκεῖ  
Da. LXX. 10. 21. καὶ μ. ὑποδείξω σοι (1)  
II Ma. 8. 30. εὐ μ. ἐγκρατεῖς ἐγένοντο  
10. 18. εἰς δύο πύργους ὀχυροὺς εὐ μάλα — 32. εἰς Γ. λεγόμενον ὀχυρῶμα εὐ μ. φρούριον  
12. 18. καταλειπούσα δὲ φρουράν . . . μ. ὀχυράν  
IV Ma. 13. 13. φαιδρὸν καὶ μ. θαρραλέον  
[Sm. GE. 42. 21.]  
**μάλα** (*vox Hebr.*). (1) 𐤓𐤓𐤕  
II Ki. 8. 13. Α ἐπάταξε τὴν 'Id. ἐν γῇ μ. [Β α.] (1)  
**μαλάβαθρον.**  
[Boxt. Ca. 2. 17.]  
**μαλάγμα.** (1) 𐤓𐤓𐤕 (2) 𐤓𐤓𐤕 ru.  
Wi. 16. 12. οὐτε μάλαγμα ἐθεράπευσεν αὐτοὺς  
Is. 1. 6. οὐκ ἔστι μ. ἐπιθεῖναι  
Ez. 30. 21. τοῦ δοθῆναι ἐπ' αὐτὸν μ. (1)  
**μαλαγματίειν.**  
[Sm. Ho. 6. 1.]  
**μαλακία.** (1) 𐤓𐤓𐤕 (2) *α.* 𐤓𐤓𐤕 *δ.* 𐤓𐤓𐤕  
*α.* 𐤓𐤓𐤕 (3) 𐤓𐤓𐤕, 𐤓𐤓𐤕 (4) 𐤓𐤓𐤕  
Ge. 42. 4. μὴ ποτε συμβῇ αὐτῷ μ. (1)  
44. 29. καὶ συμβῇ αὐτῷ μ. ἐν τῇ ὁδῷ (1)  
Ex. 23. 25. καὶ ἀποστρέψω μ. ἀπ' ὑμῶν (2 *δ*)  
De. 7. 15. περιελεῖ . . . πᾶσαν μ. (2 *α*)  
28. 61. πᾶσαν μ. . . ἐπάξει κ. ἐπὶ σέ (2 *α*)  
II Ch. 6. 29. εἰς γὰρ ἄνθρωπος . . . τὴν μ. αὐ. (3)  
16. 12. ἐν τῇ μ. αὐ. οὐκ ἐζήτησε τὸν κύριον (2 *α*)  
21. 15. καὶ σὺ ἐν μ. πονηρᾷ (2 *α*)  
— 15. ὥς οὐ ἐξέλιθῃ ἡ κοιλία σου μετὰ τῆς μ. (2 *α*)  
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν κ. εἰς τὴν καλίαν μαλακίαν [Α -α] (2 *α*)  
— 19. ἀπέθανεν ἐν μ. πονηρᾷ (4)  
24. 25. ἐν τῷ ἐγκαταλείπειν αὐτὸν ἐν μ. μεγάλαις (2 *α*)  
Jb. 33. 19. πάλιν δὲ ἤλεγξεν αὐτὸν ἐπὶ [Α om., Β ἐν] μαλακίᾳ ἐπὶ κοίτης (3)  
Is. 38. 9. ἀνίστη ἐκ τῆς μ. αὐτοῦ (2 *α*)  
53. 3. ἄνθρωπος ἐν πληγῇ ὦν καὶ εἰδὼς φέρειν μαλακίαν (2 *α*)  
[Th. Is. 53. 3.]  
**μαλακίζεσθαι.** (1) 𐤓𐤓𐤕 (2) 𐤓𐤓𐤕 ru. (3) 𐤓𐤓𐤕  
(4) 𐤓𐤓𐤕 a. qal. δ. ni. c. hi. d. 𐤓𐤓𐤕  
Ge. 42. 38. αὐτὸν μαλακισθῆναι ἐν τῇ ὁδῷ (1)  
II Ki. 13. 5. καὶ μαλακισθῆναι (4 *α*)  
II Ch. 16. 12. καὶ ἐμαλακίσθη 'Α . . . τοὺς πόδας ἕως σφόδρα ἐμαλακίσθη (3, 4 *α*)  
Jb. 24. 23. μαλακισθεῖς μὴ ἐλιγίτω ἡνασθῆναι [Α ὑγίαναι] (1)  
Is. 38. 1. ἐμαλακίσθη 'Εζεκίας ἕως θανάτου (4 *α*)  
— 9. ἡνικά ἐμαλακίσθη καὶ ἀνέστη (4 *α*)  
39. 1. ἐμαλακίσθη ἕως θανάτου (4 *α*)  
53. 5. μεμαλάκισται [Α ἐμαλακίσθη] διὰ τὰς ἀνομίας [Α Β ἀμαρτίας] ἡμῶν (2)  
Da. TH. 8. 27. ἐκοιμήθη καὶ ἐμαλακίσθη [Th. I Ki. 30. 13.] (4 *δ*)  
**μαλακός.** (1) 𐤓𐤓𐤕 (2) 𐤓𐤓𐤕  
Jb. 40. 22 (27). λαλήσει δέ σοι δεήσει ικετηρία μαλακός [Β' -κη, Α α.] (1)  
Pr. 25. 15. γλώσσα δὲ μαλακὴ συντρίβει ὅσα (1)  
26. 22. λόγος κερκόπων μαλακοί (2)  
[Hob. Jb. 40. 22 (27).]  
**μαλακοφυχεῖν.**  
IV Ma. 6. 17. ὥστε μαλακοφυχίσαντας . . . ὑποκρίνασθαι

**μαλακύνειν.** (1) 𐤓𐤓𐤕 hi.  
Jb. 23. 16. κύριος δὲ ἐμαλάκυνε τὴν καρδίαν μου (1)  
**μαλακός.** (1) 𐤓𐤓𐤕  
Jb. 40. 22 (27). λαλήσει δέ σοι δεήσει ικετηρία μ. [Α Β α.] (1)  
**μαλάλ.**  
III Ki. 5. 11 (25). ἔδωκε . . . μαχεῖρ [Α' μαλάλ, Α' μαχάλ] τῷ οἴκῳ αὐ. (1)  
**μαλάσσειν.**  
[Sm. Ez. 23. 3.]  
**μαλεεῖν.**  
[Th. Je. 38 (45). 12.]  
**μάλῃ.**  
[Aq., Th. Pr. 26. 15.]  
[Sm. Pr. 19. 24: 26. 15.]  
**μᾶλλον** (*incl. μέλιστα*). (1) 𐤓𐤓𐤕 (2) μ. ἢ 𐤓𐤓𐤕  
Ge. 19. 9. σε κακώσωμεν μᾶλλον ἢ ἐκείνους (2)  
29. 30. ἡγάπησε δὲ 'Ραχὴλ μᾶλλον ἢ Λείαν (2)  
Nu. 13. 32 (31). ὅτι ἰσχυρότερον ἐστὶν ἡμῶν μᾶλλον (1)  
14. 12. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πολὺ μᾶλλον ἢ τοῦτο (2)  
De. 9. 1. καὶ ἰσχυρότερα μᾶλλον ἢ ὑμεῖς (2)  
— 14. καὶ πολὺ μᾶλλον ἢ τοῦτο (2)  
11. 23. καὶ ἰσχυρά [Α -ρότερα] μᾶλλον ἢ ὑμεῖς (2)  
I Es. 4. 19. πάντες αὐτὴν αἰρεῖτε [οὐσίαι μ. ἢ τὸ χρυσίον — 25. πλείον ἀνηπά ἄνθρωπος τὴν ἰδίαν γυναικα μ. ἢ τὸν πατ.]  
To. 2. 10. *Β* τοσοῦτον μ. ἐξετυφλοῦντο οἱ ὀφθ. μου  
3. 6. λυσiteléi μοι [Α add. μ.] ἀποθανεῖν [Β add. μ.] ἢ ζῆν  
— 6. *Β* λυσiteléi μοι ἀποθανεῖν μ. ἢ βλάτειν  
12. 8. *Β* μ. ἢ πλείους μετὰ ἀδικίας [Α Β α.]  
— 8. *Β* μ. [Α Β om.] ἢ θησαυρίσαι χρυσίον  
14. 4. ἔσται εἰρήνη μ. ἕως καιροῦ [Β α.]  
Jb. 20. 2. οὐχὶ συνίετε [Α Β' -ιέναι] μᾶλλον ἢ καὶ ἐγὼ (1)  
30. 26. ἰδοὺ συνήτησάν μοι μᾶλλον ἡμέραι κακῶν (1)  
42. 12. Α εὐλόγησε τὰ ἔσχατα 'I. μᾶλλον [Β Β om.] ἢ τὰ ἔμπροσθεν (2)  
Ps. 83 (84). 10. μᾶλλον ἢ οἰκίαν ἐπὶ σκηνώμασιν ἀμαρτωλῶν (2)  
Pr. 5. 4. ἡ κοσμήμων μᾶλλον μαχαίρας διατόμου (1)  
15. 18. ὁ δὲ ἀσεβὴς ἐγείρει μᾶλλον —  
16. 5. δεκάτ' ἐπὶ παρὰ θεῷ ἀφάρτος ἢ θύνας θυσίας —  
18. 2. μᾶλλον γὰρ ἀγεται ἀφροσύνη (1)  
21. 3. ἀρεστά παρὰ θεῷ μᾶλλον ἢ θυσιῶν αἶμα (2)  
26. 12. ἐλπίδα μέντοι ἔσχε μᾶλλον ἀφρων αὐτοῦ (1)  
28. 23. χάριτας ἔχει ἄνθρωπος τοῦ γλωσσόσχαρα- τούτου (1)  
29. 20. ἐλπίδα ἔχει μᾶλλον ὁ ἄφρων αὐτοῦ (1)  
Wi. 8. 6. τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλον ἐστὶ τεχνηίτης — 20. μᾶλλον δὲ ἀγαθὸς ὢν ἤλθον εἰς σῶμα ἀμίαντον  
Si. prol. 12. ὅπως . . . πολλὰ μᾶλλον ἐπιπροσθῶσι [Β ἐτι προσθήσουσιν]  
4. 10. ἀγαπήσει σε μᾶλλον ἢ μήτηρ σου  
11. 11. τότε [Α πόσφ, Β' τοσοῦτον] μᾶλλον ὑστερεῖται  
13. 9. τόσφ μᾶλλον προσκαλεσεται σε  
20. 18. ὀλίσιμα ἀπὸ ἰδάφους μᾶλλον ἢ ἀπὸ γλώσσης  
28. 21. λυσiteléi μᾶλλον ὁ ἄφρων αὐτῆς  
29. 11. λυσiteléi σοι μᾶλλον ἢ τὸ χρυσίον  
Jn. 1. 11. ἐξηγγείλει μᾶλλον κλύδωνα —  
— 13. ἐξηγγείλει μᾶλλον ἐπ' αὐτοὺς  
4. 3. καλὸν τὸ ἀποθανεῖν με [Β' add. μᾶλλον] ἢ ζῆν (2)  
Is. 13. 12. ἔσονται οἱ καταλειμμένοι ἐντοιμοὶ μ. ἢ τὸ χρυσίον τὸ ἔμπροσθεν καὶ ἀνθρώπων μ. ἐντοιμοὶ ἔσονται ἢ ὁ λίθος ὁ ἐν Ζουφὶρ (2, 2)  
54. 1. πολλὰ τὰ τέκνα τῆς ἐρήμου μ. ἢ τῆς ἐχούσης τὸν ἄνδρα (2)  
Je. 8. 3. Α εἰλατόν τὸν θάνατον μ. [Β om.] ἢ τὴν ζωὴν (2)  
II Ma. 6. 19. τὸν . . . θάνατον μ. ἢ τὸν μετὰ μύσους βίον  
— 23. μ. δὲ τῆς ἀγίας καὶ θεοκτίστου νομοθεσίας  
7. 18. Α μὴ πλανᾷ μ. [Β μάτην]

- II Ma. 8. 7. μάλιστα τὰς νύκτας . . . ἐλάμβανε  
 III Ma. 1. 4. τὸν πραγμάτων μάλλον ἐρρωμένον  
 — 8. συνίβη μ. αὐτὸν προθυμῶς  
 5. 3. συναγαγὼν τοὺς μάλιστα τῶν φίλων  
 6. 31. μάλλον δὲ ἐπ' αὐτῷ βεβηκότες  
 7. 5. μάλλον δὲ ὡς ἐπιβούλους  
 IV Ma. 3. 10. ὁ δὲ βασ. ὡς μάλιστα διψῶν  
 4. 22. μάλιστα χairoien οἱ ἱεροσολυμίται  
 12. 9. ἐπιχαρίεντες μάλιστα  
 13. 24. μάλλον ἑαυτοὺς ἡγάπων  
 15. 3. τὴν εὐσέβειαν μάλλον ἡγάπησε  
 — 4. μάλιστα διὰ τὸ πύθος  
 — 5. τοσοῦτ' μάλλον εἰσι φιλοτεκνότεραι  
 16. 13. μάλλον ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας . . . προετρέπετο  
 — 24. μάλιστα ἢ παραβῆναι τὴν ἐντολὴν τοῦ θ.  
 [Aq. Ge. 42. 21: III Ki. 1. 43.]  
 [Sm. I Ki. 14. 30: II Ki. 4. 11: 16. 11: Jb. 4. 19: 15. 16: 25. 6: Ps. 68 (69). 32: Ec. 9. 17.]

## μαλλός.

[Sm. Ez. 8. 3.]

## μαμήρη.

[Aq., Sm. Dt. 28. 2 (3).]

## μάμμη.

- IV Ma. 16. 9. οὐδὲ μάμμη κληθεῖσα μακαρισθίσομαι  
 μάν. (1) מָן  
 Ex. 16. 31. ἐπώνομασαν . . . τὸ δρομα αὐτοῦ μ. (1)  
 — 32. πλῆσατε τὸ γομὸν τοῦ μ. εἰς ἀποθήκην †  
 — 33. ΔΒ ἐμβαλε . . . πλῆρες τὸ γομὸν τοῦ  
 [B om.] μ. (1)  
 — 35. ἔφαγον τὸ μ. [A μάννα] (1)  
 — 35. ἐφίγισαν τὸ μ. (1)  
 [Al. Ex. 16. 15.]

## μανά.

(1) מָנָה

- Da. TH. 2. 46. Δ Β' μανὰ [B' μανὰ, B μανὰ] †  
 καὶ εὐδοκίας (1)

## μανά, μαναάν (?), μαναάμ.

(1) מָנָה

- IV Ki. 8. 8. Δ Β' λαβεῖν ἐν τῇ χειρὶ σου μ. [B μανὰ] (1)  
 — 9. Δ Β' ἐλαβε μ. [B μανὰ] ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)  
 17. 3. Δ Β' ἐπέστρεψεν αὐτῷ μ. [B μανὰ] (1)  
 — 4. οὐκ ἤνγκε μ. τῷ βασ. Ἀσσ. (1)  
 20. 12. Β ἀπέστειλε Μ. . . μαναάν [B -ὰ, Δ παυὰ] πρὸς Ἑζ. (1)  
 II Ch. 7. 7. δέξασθαι . . . τὰ μ. (1)  
 Ne. 13. 5. Β' διδόντες τὴν μαναάμ [Δ Β -άν, B -α] (1)  
 — 9. Δ ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὴν μαναάν [B' μάννα, B' μανναίμ, B' βαανὰ, B' μανὰ, B μανὰ] (1)  
 Ez. 45. 25. καθὼς τὸ μ. [A μανὰ] καὶ καθὼς τὸ ἔλαιον (1)  
 46. 5. μ. [A μανὰ] πέμμα τῷ κρῶ (1)  
 — 7. πέμμα τῷ μόσχῳ ἔσται μ. [A μαννί] (1)  
 — 11. ἔσται τὸ μ. [A μανὰ] πέμμα τῷ μόσχῳ (1)  
 — 14. μ. [A μανὰ] ποιήσει ἐπ' αὐτῷ (1)  
 — 14. τοῦ ἀναμίξει τὴν σιμιδαλιν μ. [A μανὰ] τῷ κυρίῳ (1)  
 — 15. τὸ μ. [A μανὰ] καὶ τὸ ἔλαιον ποιήσετε τὸ πρῶν (1)  
 — 20. ἐκεῖ πέψουσιν τὸ μ. [A μανὰ] τὸ παράπαν (1)  
 Da. TH. 2. 46. Β μανὰ [A Β' μάννα, B' μανὰ] . . . εἴτε σπείσας αὐτῷ (1)

[Th. Is. 66. 3: Da. 2. 46.]

[Al. Le. 6. 23 (16): Jo. 22. 23.]

[Heb. IV Ki. 16. 15: Jz. 14. 12.]

## μανάχ.

(1) מָנָח

- IV Ki. 17. 3. Β ἐπέστρεψεν αὐτῷ μ. [Δ Β μανὰ] (1)

## μάνδρα.

(1) מָנְדְּרָה

- (2) מָנְדְּרָה (3) מָנְדְּרָה (4) מָנְדְּרָה  
 (5) מָנְדְּרָה (6) מָנְדְּרָה (7) מָנְדְּרָה  
 (8) מָנְדְּרָה

- Jd. 6. 2. Δ ἐποίησαν . . . μάνδρας [B αλ.] (3)  
 I Ki. 13. 6. Β ἐκρύβη ὁ λαὸς . . . ἐν ταῖς μ. (3)  
 II Ki. 7. 8: I Ch. 17. 7. ἐλαβὼν σκ ἐκ τῆς μ. (2)  
 II Ch. 32. 28. ἐποίησαν . . . μάνδρας εἰς τὰ ποίμνια (8)  
 Ju. 2. 26. ἔπρουνοντες τὰς μ. αὐ. (3)  
 3. 3. Δ Β' καὶ πάσαι αἱ μ. τὸν σσηνὼν ἡμῶν  
 Ps. 30 (10. 9). Β Β' ὡς λέων ἐν τῇ μ. αὐτοῦ (7)

- Ps. 103 (104). 22. ἐν ταῖς μ. [B' ἐπὶ τ. μ., B' εἰς τὰς μ.] αὐτὰν κοιτασθήσονται (4)  
 Ca. 4. 8. ἀπὸ μανδρῶν λείοντων (4)  
 Am. 3. 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐτοῦ ἐκ τῆς μ. αὐ. (4)  
 Ze. 2. 6. ἔσται Κρ. . . μάνδρα προβάτων (1)  
 Je. 4. 7. ΔΒΒ ἀνέβη λέων ἐκ τῆς [B om.] μ. αὐτοῦ (8)  
 Ez. 34. 14. ἔσονται αἱ μ. αὐτῶν ἐκεῖ (5)  
 [Aq. Je. 25. 38 (32. 24).]  
 [Sm. Ez. 25. 4.]  
 [Th. Jd. 6. 2.]  
 [Al. Hb. 3. 17.]

## μανδραγόρας (-ος).

(1) מָנְדְּרָגוֹרָא (2) מָהְלָא

## μανδραγορῶν (-ου) מָנְדְּרָגוֹרָוִן

- Ge. 30. 14. Β ἔδρε μῆλα μανδραγορῶν [A -ου] (2)  
 — 14. δός μοι τῶν μ. τοῦ νιού σου (1)  
 — 15. τοὺς μανδραγορῶς τοῦ νιού (1)  
 — 15. ἀντὶ τῶν μ. τοῦ νιού σου (1)  
 — 16. ἀντὶ τῶν μ. τοῦ νιού μου (1)  
 Ca. 7. 13 (14). οἱ μ. [A -es] ἔδωκαν ὁσμὴν (1)

## μανδύας.

(1) א. מָדְיָא ב. מָדְיָא

- Jd. 3. 16. περιέζωσατο αὐτὴν ὑπὸ τὸν μ. (1 a)  
 I Ki. 17. 38. ἐνέδυσε Σ. τὸν Δ. [A om.] μανδύαν (1 a)  
 — 39. ἔζωσε . . . τὴν ῥομφαίαν αὐ. ἐπάνω τοῦ μ. αὐ. (1 a)  
 18. 4. Δ ἔδωκε . . . τὸν μ. αὐ. (1 a)  
 II Ki. 10. 4. ἀπέκρυψε τοὺς μ. αὐτῶν (1 b)  
 20. 8. καὶ Ἰ. περιέζωσμένος μανδύαν (1 a)  
 I Ch. 19. 4. ἀφείλε τὸν μ. αὐ. τὸν ἡμισυ (1 b)  
 [Aq. I Ki. 4. 12.]

## μανή.

(1) מָנִי

- Da. LXX. 5. 1. μανή φάρες θεκέλ — 1. μανή ἠρίθμηται —  
 Da. TH. 5. 26 (25). μανή θεκέλ φάρες (1)  
 — 26. μανή ἐμέτρησεν ὁ θ. τὴν βασ. σου (1)

## μανθάειν.

(1) מָנְתָּא (2) מָנְתָּא (3) מָנְתָּא

(4) א. מָנְתָּא ב. pi. c. מָנְתָּא d. מָנְתָּא

- Ex. 2. 4. μαθεῖν τί [A om.] τὸ ἀποβησόμενον (8)  
 De. 4. 10. ὅπως μάθωσι φοβεῖσθαι με (4 a)  
 5. 1. καὶ μαθήσεσθε αὐτὰ (4 a)  
 14. 23. ἵνα μάθῃ φοβεῖσθαι κύριον (4 a)  
 17. 19. ἵνα μάθῃ φοβεῖσθαι κύριον (4 a)  
 18. 9. οὐ μαθήσιν ποιεῖν (4 a)  
 31. 12. ἵνα μάθωσι φοβεῖσθαι κύριον (4 a)  
 — 13. μαθήσονται φοβεῖσθαι κύριον (4 a)  
 I Ki. 1. 9. Δ ἐμάθετο [ἐκύθητο, B om.] ἐπὶ τοῦ διφθρου †  
 I Ch. 25. 8. τελέων καὶ μανθανόντων (4 c)  
 Es. 1. 1. μαθεῖν ὅτι ἐτοιμάζουσι (1)  
 4. 5. μαθεῖν αὐτῇ [? αὐτῇ, Δ Β' -ὸν] . . . τὸ ἀκρίβες (3)  
 Jb. 34. 36. οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ μίθε, Ἰάββ †  
 Ps. 105 (106). 35. ἔμαθον τὰ ἔργα αὐτῶν (4 a)  
 118 (119). 7. ἐν τῷ μεμαθήκειν με τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου (4 a)  
 — 71. ὅπως ἂν μάθω τὰ δικαιώματά σου (4 a)  
 — 73. μαθήσομαι τὰς ἐντολάς σου (4 a)  
 Pr. 6. 8. μάθε ὡς ἐργάτης ιστί —  
 17. 16. ὁ δὲ σκολιζῶν τοῦ μαθεῖν ἐμπεσείται εἰς κακά —  
 22. 5. μὴ ποτε μάθῃς τῶν δδῶν αὐτοῦ (1)  
 Wi. 6. 1. μάθετε, δικαστοὶ περάτων γῆς — 9. ἵνα μάθῃτε σοφίαν (1)  
 7. 13. ἀδόλως τε ἔμαθον —  
 16. 26. ἵνα μάθωσιν οἱ υἱοὶ σου οὕς ἡγάπησας Si. 8. 8. παρ' αὐτῶν μαθήσῃ παιδείαν [B σοφίαν] — 9. καὶ γὰρ αὐτοὶ ἔμαθον παρὰ τῶν πατέρων αὐτῶν ὅτι παρ' αὐτῶν μαθήσῃ συνέσει (1)  
 16. 24. ἀκούσαν μου, τέκνον, καὶ μάθε ἐπιστήμην —  
 18. 19. πρὶν ἢ λαλῆσαι μάθαινε —  
 Mi. 4. 3. καὶ οὐκίτι μὴ μάθουσιν πολεμεῖν (4 a)  
 Is. 1. 17. μάθετε καλὸν ποιεῖν (4 a)  
 2. 4. οὐ μὴ μάθουσιν τι πολεμεῖν (4 a)  
 8. 16. οἱ σφραγισμένοι τὸν νόμον τοῦ μὴ [A om.] μαθεῖν (4 d)  
 26. 9. δικαιοσύνην μάθετε — 10. οὐ μὴ μάθῃ δικαιοσύνην ἐπὶ τῇ γῆς (4 a)  
 28. 20. μάθετε ἀκοῦεν στενωφοῦ μου —  
 29. 24. οἱ γογγίζοντες μαθήσονται ὑπακούειν καὶ αἱ γλῶσσαι αἱ ψιλλίζουσιν μαθήσονται λαλεῖν εἰρήνην (4 a, 4 a?)

- Is. 32. 4. μαθήσονται λαλεῖν εἰρήνην —  
 47. 12. ἂ ἐμάνθουν ἐκ νεότητός σου (2)  
 Je. 9. 5 (4). μεμάθηκεν ἡ γλῶσσα αὐτῶν λαλεῖν ψεῖδῃ (4 b)  
 10. 2. κατὰ τὰς ὁδοὺς τῶν ἐθνῶν μὴ μαθύνετε [A πορεύεσθε] (4 a)  
 12. 16. ἐὰν μαθύνετε [A μαθύνοντες] μάθωσι τὴν ὁδὸν τοῦ λαοῦ μου (4 a, 4 a)  
 13. 23. δυνήσεσθε εὖ ποιῆσαι μεμαθικότες τὰ κακά (4 d)  
 Ba. 3. 14. μάθε πού ἐστι φρόνησις —  
 Ez. 19. 3. ἔμαθε τοῦ ἀρπάζειν ἀρπάγματα (4 a)  
 — 6. ἔμαθεν ἀρπάζειν ἀρπάγματα (4 a)  
 Da. LXX. Su. 38. μάθωμεν τίς εἰσιν οὗτοι —  
 Da. TH. 7. 16. τὴν ἀκρίβειαν ἐξήτουν παρ' αὐτοῦ μαθεῖν [B' om.] —  
 I Ma. 10. 72. μάθε τίς εἰμι —  
 II Ma. 7. 2. Β ἐρωτῶν καὶ μαθάνειν παρ' [A om.] ἡμῶν —  
 III Ma. 1. 1. παρὰ τῶν ἀνακομισθόντων μαθόν —  
 IV Ma. 1. 17. δι' ἧς τὰ ὅτια σεμνῶς . . . μαθάνομεν 9. 5. παρὰ Ἑλεαζάρου μαθόν —  
 10. 16. ἵνα καὶ διὰ τούτων μάθῃς [Aq. Is. 26. 10.]  
 [Sm. Ps. 118 (119). 71: Is. 26. 10: 29. 24 hii.]  
 [Th. Is. 26. 10: Ez. 16. 61.]

## μανία.

(1) מָנְיָא

- Ps. 39 (40). 4. οὐκ ἐπέβλεψεν εἰς . . . μανίας ψευδούς †  
 Wi. 5. 4. τὸν βίον αὐτοῦ ἐλογισάμεθα μανίαν —  
 Ho. 9. 7. ἐπληθύνη μανία [A μνεία] σου (1)  
 — 8. μανίαν ἐν οἴκῳ θεοῦ κατέπηξαν (1)  
 IV Ma. 8. 5. μὴ μανίαν τὴν αὐτὴν . . . μ. —  
 10. 13. μὴ μανίης . . . τὴν αὐτὴν μ. [Quint. Ho. 7. 16.]

## μανιάκης.

(1) א. מָנְיָאִי (2) מָנְיָאִי ב. מָנְיָאִי

- I Es. 3. 6. δώσει αὐτῷ . . . μανιάκην περὶ τὸν τράχ. —  
 Da. LXX. 5. 7. μ. χρυσοῖν περιθήσει αὐτῷ (1 a\*, 1 b)  
 — 16. μ. χρυσοῖν περιθήσω σοι (1 a\*, 1 b)  
 — 29. μ. χρυσοῖν περιέθηκεν αὐτῷ (1 a\*, 1 b)  
 Da. TH. 5. 7. καὶ ὁ μ. ὁ χρυσοῦς ἐπὶ τὸν τράχ. χλόν αὐ. (1 a\*, 1 b)  
 — 16. ὁ μ. ὁ χρυσοῦς ἔσται ἐπὶ τῷ τραχύλῳ σου (1 a\*, 1 b)  
 — 29. τὸν μ. τὸν χρυσοῖν περιέθηκαν (1 a\*, 1 b)  
 [Aq. Ge. 41. 42.]  
 [Sm. Ge. 41. 42: Is. 3. 18.]

## μανιώδης.

- III Ma. 5. 45. εἰς κατὰστημα μανιώδες ἀγροχῶς

## μάννα.

(1) מָן (2) מָנָה

- Ex. 16. 35. ἔφαγον τὸ μάν [A μ.] (1)  
 Nu. 11. 6. οὐδὲν πλὴν εἰς τὸ μ. οἱ ὀφθ. ἡμῶν (1)  
 — 7. τὸ δὲ μ. ὡς ἐστὶ σπέρμα κορίου ἐστίν (1)  
 — 9. κυτρίβαινε τὸ μ. ἐπ' αὐτίς (1)  
 De. 8. 3. ἐψώμισέ σε τὸ μ. (1)  
 — 16. τοῦ ψωμισαυτός σε τὸ μ. (1)  
 Jo. 5. 11 (12). ἐξέλιπε τὸ μ. —  
 — 11 (12). οὐκίτι ὑπῆρχε τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. μάννα (1)  
 Ne. 9. 20. τὸ μ. σου οὐκ ἀφυστέρησας (1)  
 13. 9. Β' ἐπέστρεψα ἐκεῖ . . . τὴν μ. [B' μανναίμ, B' βαανὰ, B' μανὰ, Δ μανασά, B μανὰ] (2)  
 Ps. 77 (78). 24. ἔβρεξεν αὐτοῖς μάννα φαγεῖν (1)  
 Je. 17. 26. θυμιάματα καὶ μ. καὶ λίβανον (2)  
 48 (41). 5. μ. καὶ λίβανος ἐν χειρὶν αὐτῶν (2)  
 Ba. 1. 10. ποιήσατε μ. —  
 Ez. 45. 25. Α καθὼς τὸ μ. [B μανὰ] καὶ καθὼς τὸ ἔλαιον (2)  
 46. 5. Α μ. [B μανὰ] πέμμα τῷ κρῶ — (2)  
 — 7. Α πέμμα τῷ μόσχῳ ἔσται μ. [B μανὰ] (2)  
 — 11. Α ἔσται τὸ μ. [B μανὰ] πέμμα τῷ μόσχῳ (2)  
 — 14. Α μ. [B μανὰ] ποιήσει ἐπ' αὐτῷ . . . τοῦ ἀναμίξει τὴν σιμιδαλιν μ. [B μανὰ] τῷ κυρίῳ (2, 2)  
 — 15. Α τὸ μ. [B μανὰ] καὶ τὸ ἔλαιον ποιήσετε πρῶν (2)  
 — 20. Α ἐκεῖ πέψουσιν τὸ μ. [B μανὰ] τὸ παράπαν (2)  
 Da. TH. 2. 46. Α Β' μ. [B' μανὰ, B μανὰ] . . . εἴτε σπείσας αὐτῷ (2)



Le. 4. 14. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	Nu. 18. 2. ἀπέναντι τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(2 c)	Ps. 118 (119). 144. δικαιοσύνη τὰ μ. σου εἰς τὸν αἰῶνα	(2 b)
— 16. αἰσῶσαι . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 4. τὰς φυλάκας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 146. φυλάξω τὰ μ. σου	(2 b)
— 18. δ ἔστιν ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	— 6. τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 152. κατ' ἀρχὰς ἔγνωμ ἐκ τῶν μ. σου	(2 b)
— 18. τὸν πρὸς τῇ θύρᾳ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 21. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	— 157. ἐκ τῶν μ. σου οὐκ ἐξέκλινα	(2 b)
6. 16 (9), 26 (19). ἐν αὐτῇ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 22. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 167. ἐφύλαξεν ἡ ψυχὴ μου τὰ μ. σου	(2 b)
— 30 (23). εἰσενεχθῇ . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 23. τὴν λειτουργίαν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 168. ἐφύλαξα τὰς ἐντολάς σου καὶ τὰ μ. σου	(2 b)
8. 3. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 31. τῶν ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	121 (122). 4. φυλαὶ κυρίου μαρτύριον τῷ Ἰσραὴλ	(2 c)
— 31. ἐν τῇ αὐτῇ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	19. 4. ἀπέναντι τοῦ προσώπου τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	181 (182). 12. ἐὰν φυλάσσῃται οἱ υἱοὶ σου . . .	(2 b)
— 33. τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	20. 6. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	τὰ μ. μου ταῦτα	(2 b)
— 35. τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	25. 6. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	Pr. 29. 14. ὁ θρόνος αὐτοῦ εἰς μαρτύριον κατασταθῆσεται	†
9. 5. ἀπέναντι τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	27. 2. ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	Wi. 10. 7. μαρτύριον τῆς πονηρίας κατηχομένη καθέστηκε χέρσος	†
— 23. ἐσθλὰς . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	31. 54. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	Si. 36. 20 (17). δὸς μαρτύριον τοῖς ἐν ἀρχῇ κτίσμασι σου	†
10. 7. ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	De. 4. 45. ταῦτα τὰ μ. καὶ τὰ δικαιώμ.	(2 b)	45. 17. διδάξαι τὸν Ἰακώβ τὰ μ. [A. Ἰ. μαρτυρίαν]	†
— 9. εἰσπορευθεὶς εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	6. 17. τὰ μ. καὶ τὰ δικαιώματα	(2 b)	Ho. 2. 12 (14). καὶ θήσομαι αὐτὰ εἰς μαρτύριον	†
12. 6. 14. 11, 23. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 20. τί [A. τίνα] ἔστι τὰ μ.	(2 b)	Am. 1. 11. ἤρπασεν εἰς μαρτύριον φρίκην αὐτοῦ	†
15. 14. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	9. 15. A. B. αἱ δύο πλάκες τῶν μ. [B. om. τ. μ.]	†	Mi. 1. 2. ἔσται κ. κ. ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον	(2 a)
— 29. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	31. 14. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	7. 18. καὶ οὐ συνίσχον εἰς μαρτύριον ὀργὴν αὐ.	†
16. 2. δ ἔστιν ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ τοῦ μ.	(1)	— 14. A. B. ἐπορεύθη . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	—	Ze. 3. 8. εἰς ἡμέραν ἀναστάσεώς μου εἰς μαρτύριον	†
— 7. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 14. A. B. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	Is. 55. 4. μ. ἐν θένεσιν ἔδωκα αὐτὸν	(2 a)
— 13. τὸ ἱλαστήριον τὸ ἐπὶ τῶν μ.	(2 c)	— 15. A. B. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς	—	Je. 37 (30). 20. τὰ μ. αὐτῶν κατὰ πρόσωπόν μου ὀρθωθήσεται	(2 b)
— 16. τῇ σκηνῇ τοῦ μ. τῇ ἐκτίσμένῃ	(1)	[A. B. B. add. τοῦ μ.]	—	51 (44). 23. ἐν τοῖς μ. αὐτοῦ οὐκ ἐπορεύθητε	(2 b)
— 17. οὐκ ἔσται ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	— 19. A. εἰς μαρτύριον [B. μαρτυροῦσα] ἐν υἱοῖς Ἰσρ.	(2 a)	[Aq. Dr. 31. 21: Is. 8. 16: 30. 8: Ze. 3. 8.]	†
— 20. τὸ ἄγιον καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 26. ἔσται ἐκεῖ ἐν σοὶ εἰς μαρτύριον	(2 a)	[Sm. Ex. 33. 7: IV Ki. 11. 12: Is. 8. 16: 30. 8: Ze. 3. 8.]	†
— 23. ἐσπεύσεται Ἰ. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 26. ἔσται ἐκεῖ ἐν σοὶ εἰς μαρτύριον	(2 a)	[Th. Ex. 33. 7: 40. 30 (26): Nu. 3. 7: Jb. 19. 24: Is. 30. 8: Ze. 3. 8.]	†
— 33. ἄγιον τοῦ ἁγίου καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	Jo. 4. 16. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης τοῦ μ. κ.	(2 c)	[Sam. Ex. 38. 8 (26).]	†
17. 4. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	18. 1. ἐπηξάν ἐκεῖ τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	[Al. Dr. 31. 19.]	†
— 4. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	19. 51. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	[Quint. Mi. 7. 18.]	†
— 5. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	22. 27. ἵνα ᾗ τοῦτο μαρτύριον	(2 a)	μάρτυς. (1) γῆ (2) κληρονομία	
— 6. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 28. μαρτύριον ἔστιν ἀνὰ μέσον ὑμῶν	(2 a)	Ge. 31. 44. ὁ θεὸς μ. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ	—
— 9. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 34. μαρτύριον ἔστιν ἀνὰ μέσον αὐτῶν	(2 a)	— 47. A. βουνοὶ μάρτυς [B. τῆς μαρτυρίας]	(2)
19. 21. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	24. 27. ὁλίθος οὗτος ἔσται ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον	(2 b)	— 47. B. βουνοὶ μ. [A. μαρτυρεῖ]	(1)
24. 3: Nu. 1. 1. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	— 27. οὗτος ἔσται ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον	(2 b)	— 50. B. θεὸς μ. μεταξὺ ἐμοῦ	(1)
Nu. 1. 50. ἐπὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(2 c)	Ru. 4. 7. τοῦτο ἦν μ. ἐν Ἰσρ.	(2 d)	— 51. B. καὶ μ. ἡ στήλη αὐτῇ	—
— 53. κύκλω τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(2 c)	I Ki. 2. 22. A. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	Ex. 23. 1. γενέσθαι μ. ἄδικος	(1)
— 53. τὴν φυλακὴν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(2 c)	9. 24. εἰς μαρτύριον [A. -αν] τέθειται σοι	(1)	Le. 5. 1. καὶ οὗτος μ. ἡ ἐώρακεν ἡ συνόδειν	(1)
2. 2. κύκλω τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	13. 8. B. διέλιπεν ἐπὶ τῆς σκηνῆς τῷ μ.	(1)	Nu. 5. 13. καὶ μάρτυς μὴ ᾗ μετ' αὐτῆς	(1)
— 17. ἀρθήσεται ἡ σκηνὴ τοῦ μ.	(1)	— 11. B. ὡς διετάξεν ἐν τῷ μ. τῶν ἡμερῶν	(1)	23. 18. ἐνώτισαι μάρτυς υἱὸς Δ.	†
3. 7. ἐναντι τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	20. 35. καθὼς ἐτάξατο εἰς τὸ μ. Δ.	(1)	35. 30. διὰ μαρτύρων φωνεῖσιν τὸν φονεύσαντα	(1)
— 8. πάντα τὰ σκεύη τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	III Ki. 2. 3. A. καὶ τὰ μ. αὐτοῦ	(2 b)	— 30. μ. εἰς οὐ μαρτυρήσει ἐπὶ ψυχῆς	(1)
— 10. ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	8. 4. καὶ τὸ σκῆνωμα τοῦ μ. καὶ τὰ σκεύη τὰ ὄντα ἐν τῷ σκηνώματι τοῦ μ.	(1, —)	De. 17. 6. ἐπὶ δυοῖ μ. ἢ ἐπὶ τρισὶ μ. ἀποδυναίεται	(1, 1)
— 25. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	IV Ki. 11. 12. ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν . . . τὸ μ.	(2 c)	— 6. οὐκ ἀποθνήσκει ἐφ' ἐνὶ μ.	(1)
— 25. τὸ κατακάλυμμα τῆς θύρας [A. om. τ. θ.]	(1)	17. 15. καὶ τὰ μ. αὐ. ὅσα διεμαρτύρατο αὐτοῖς	(2 b)	23. 18. ἐνώτισαι μάρτυς υἱὸς Δ.	†
— 38. κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	28. 3. τοῦ φυλάσσειν . . . τὰ μ. αὐτοῦ	(2 b)	35. 30. διὰ μαρτύρων φωνεῖσιν τὸν φονεύσαντα	(1)
4. 3. 4. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	I Ch. 6. 32 (17). ἐναντίον τῆς σκηνῆς οἴκου μαρτυρίου	(1)	— 30. μ. εἰς οὐ μαρτυρήσει ἐπὶ ψυχῆς	(1)
— 5. τὴν κιβωτὸν [A. σκηνὴν] τοῦ μ.	(2 c)	9. 21. πύλωρος τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	De. 17. 6. ἐπὶ δυοῖ μ. ἢ ἐπὶ τρισὶ μ. ἀποδυναίεται	(1, 1)
— 15. 23. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	23. 32. τὰς φυλάκας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 6. οὐκ ἀποθνήσκει ἐφ' ἐνὶ μ.	(1)
— 25. καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	29. 19. ποιεῖν . . . τὰ μ. σου	(2 b)	— 7. ἡ χεὶρ τῶν μ. ἔσται ἐπ' αὐτῷ	(1)
— 25. καὶ τὸ κάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	II Ch. 1. 3. οὐ ἐκεῖ ἦν ἡ σκηνὴ τοῦ μ. τοῦ θεοῦ	(1)	19. 15. οὐκ ἐμμένει μ. εἰς	(1)
— 26. A. B. B. ὅσα ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 13. B. πρὸ [A. ἀπὸ] προσώπου σκηνῆς [A. B. τῆς σκ. τοῦ] μαρτυρίου	(1)	— 15. ἐπὶ στόματος δύο μαρτύρων καὶ ἐπὶ στόματος τριῶν μ.	(1, 1)
— 28. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	5. 5. καὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 16. ἐὰν δὲ καταστή μ. ἄδικος κατὰ ἀνθρώπου	(1)
— 30. λειτουργεῖν τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	23. 11. ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν . . . τὰ μ.	(2 c)	— 18. μ. ἄδικος ἐμαρτύρησεν ἄδικα	(1)
— 31. κατὰ πάντα τὰ ἔργα αὐ. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	24. 6. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(2 c)	Jo. 24. 22. μάρτυρες ὑμεῖς καθ' ὑμῶν	(1)
— 33. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	34. 31. τοῦ φυλάσσειν . . . μαρτυρία	(2 b)	Ru. 4. 9, 10. μάρτυρες ὑμεῖς σημεῖον	(1)
— 35. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. [A. αἱ.]	(1)	Ne. 9. 34. οὐ προσέσχον . . . τὰ μ. σου	(2 b)	— 11. καὶ εἰποσαν . . . Μάρτυρες	(1)
— 37. 39, 41. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	Jb. 15. 34. μαρτύριον γὰρ ἄσεβοις θάνατος	(2 b)	I Ki. 12. 5. μάρτυς κυρίου ἐν ὑμῖν καὶ μάρτυς χριστοῦ αὐ.	(1, 1)
— 43. πρὸς τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 18. 9 (8). εἰς μαρτύριον ἐγενήθη [A. B. -ην]	(2 a)	— 5. καὶ εἶπαν, Μάρτυς	(1)
— 47. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	Ps. 24 (25). 10. τοῖς ἐκζητοῦσι τὴν διαθήκην αὐτοῦ καὶ τὰ μ. αὐτοῦ	(2 b)	— 6. μάρτυς κυρίου ὁ ποιήσας τὸν M.	(1)
5. 17. ἐπὶ τοῦ ἐδύφους τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	77 (78). 5. ἀνέστησε μαρτύριον ἐν Ἰακώβ	(2 c)	20. 23. κύριος μάρτυς ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ	—
6. 10. ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 56. τὰ μ. αὐτοῦ οὐκ ἐφύλασσονται	(2 b)	— 42. κύριος ἔσται μ. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ	—
— 13. 18. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	79 (80). τίς μαρτύριον τῷ Ἀσάφ	(2 c)	III Ki. 17. 20. ὁ μ. τῆς χήρας μεθ' ἧς ἐγὼ κατοικῶ	(1)
— 89. ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(2 c)	80 (81). 5. μαρτύριον ἐν τῷ Ἰωσήφ θέτο αὐτὸν	(2 c)	Jb. 16. 20 (19). A. B. B. ἰδοὺ ἐν οὐρανοῖς ὁ μ. μου	(1)
— 89. ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ τοῦ μ.	(2 c)	92 (93). 5. τὰ μ. σου ἐπιστάθωσαν σφόδρα	(2 b)	Ps. 26 (27). 12. ἐπανάστησάν μοι μάρτυρες ἄδικοι	(1)
— 15. τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	98 (99). 7. ἐφύλασσον τὰ μ. αὐτοῦ	(2 b)	84 (35). 11. ἀναστάντες μάρτυρες ἄδικοι	(1)
— 19. 22, 24, 26. ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(1)	118 (119). 2. μακάριοι οἱ ἐξερευνῶντες τὰ μ. αὐτοῦ	(2 b)	88 (89). 37. καὶ ὁ μ. ἐν οὐρανῷ πιστός	(1)
9. 15. τὸν οἶκον τοῦ μ.	(2 c)	— 14. ἐν τῇ ὁδῷ τῶν μ. σου ἐτίρφηθον	(2 b)	Pr. 6. 19. ἐκκαίει ψευδὴ μάρτυς ἄδικος	(1)
10. 3. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 22. τὰ μ. σου ἐξεζήτησα	(2 b)	12. 17. ὁ δὲ μ. τῶν ἀδικῶν δόλιος	(1)
— 11. ἀπὸ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(2 c)	— 24. τὰ μ. σου μελέτη μου ἔστι	(2 b)	— 19. μάρτυς δὲ ταχὺς γλώσσαν ἔχει ἄδικον	†
11. 16. πρὸς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 31. ἐκολλήθην τοῖς μ. σου	(2 b)	14. 5. μ. πιστὸς οὐ ψεύδεται ἔκκαίει δὲ ψευδὴ μ. ἄδικος	(1, 1)
12. 4. τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	—	— 36. κλίνον τὴν καρδίαν μου εἰς τὰ μ. σου	(2 b)	— 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχῇ μάρτυς πιστός	(1)
— 5 (4). ἐξῆλθον . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	—	— 46. ἐλάλουν ἐν τοῖς μ. σου ἐναντίον βασιλείων	(2 b)	19. 5. 9. μάρτυς ψευδὴς οὐκ ἀτιμώρητος ἔσται	(1)
— 5. ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 59. ἐπιστρέψα τὸν πόδα μου εἰς τὰ μ. σου	(2 b)	21. 28. μάρτυς ψευδὴς ἀπολείεται	(1)
14. 10. ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 79. οἱ γνωσθέντες τὰ μ. σου	(2 b)	24. 43 (28). μὴ ἱσθὶ ψευδὴς μάρτυς ἐπὶ σὸν πόλιν	(1)
16. 18. A. B. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 88. φυλάξω τὰ μ. τοῦ στόματός σου	(2 c)	Wi. 1. 6. τῶν νεφρῶν αὐτοῦ μάρτυς ὁ θεός	
— 19. A. B. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 95. τὰ μ. σου συνήκα	(2 b)	4. 6. μάρτυρες εἰσι πονηρίας κατὰ γονάων	
— 42 (17. 7). ἐπὶ τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(1)	— 99. τὰ μ. σου μελέτη μου ἔστιν	(2 b)	17. 11. A. B. δεῖλόν γὰρ ἰδίως πονηρία μαρτυρεῖ [B. -υρεῖ]	
— 43 (17. 8). κατὰ πρόσωπον τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 111. ἐκληρονομήσα τὰ μ. σου εἰς τὸν αἰῶνα	(2 b)	Ma. 3. 5. ἔσονται μάρτυς [A. om.] ταχὺς ἐπὶ τὰς φαρμακοῦς	(1)
— 50 (17. 15). ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς τοῦ μ.	(1)	— 119. ἠγάπησα τὰ μ. σου	(2 b)	Is. 8. 2. μάρτυράς μοι ποιήσαν πιστοὺς ἀνθρώπους	(1)
17. 4 (19). ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ. κατεναντι τοῦ μ.	(1, 2 c)	— 125. γινώσκωμαι τὰ μ. σου	(2 b)	43. 9. ἀγαγέτωσαν τοὺς μ. αὐτῶν	(1)
— 7 (22). ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μ.	(2 c)	— 129. θανατώσας τὰ μ. σου	(2 b)		
— 8 (23). εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ μ.	(2 c)	— 138. ἐνετείλω δικαιοσύνην τὰ μ. σου	(2 b)		
— 10 (25). ἀποδοὺς τὴν ῥάβδον Ἰ. ἐνώπιον τῶν μ.	(2 c)				



Is. 43. 10. γένεσθί μοι μάρτυρες καὶ ἐγὼ μ. (1, -)  
— 12. υἱεῖς ἐμοὶ μάρτυρες καὶ ἐγὼ [A. καὶ γὼ  
μ., λέγει] κύριος (1, -)  
44. 8. μάρτυρες υἱεῖς ἐστε (1)  
Je. 36 (29). 23. ἐγὼ μ. φησὶ κύριος (1)  
39 (32). 10. διεμαρτυράμην μάρτυρας (1)  
— 25. ἐπεμαρτυράμην μάρτυρας (1)  
— 44. διαμαρτύρη μάρτυρας (1)  
49 (42). 5. ἐστὼ κύριος ἐν [A. om.] ἡμῖν εἰς  
μάρτυρα δικαίων καὶ πιστῶν (1)  
[Aq. Dt. 17. 6: Ps. 26 (27). 12: Pr. 19. 28:  
Is. 55. 4: Je. 32 (39). 12.]  
[Sm. Pr. 12. 17: Is. 55. 4: Je. 32 (39). 12.]  
[Th. Pr. 19. 28: Is. 44. 9.]  
[Al. Ge. 31. 47, 52 bis: Nu. 35. 30.]

## μαρυκάσθαι.

De. 14. 8. μρυκισμὸν οὐ μαρυκάται [A. οὐκ ἀναμ.] -  
μασαναί. (1) **חַרְצָה**  
II Ch. 34. 22. B κατῴκει ἐν Ἱερ. ἐν μ. [A. μεσ.,  
B. μασα.] (1)

μασῶν (μασσ.). (1) **מָסָה**

Jb. 30. 4. A B<sup>2</sup> S R **ρίξας** ἐξ ὧν ἐμασῶντο ὑπὸ  
λοιμοῦ μεγάλου (1)

Si. 19. 9. A ἐν καρφῇ μασήσει [B S μισήσει] σε  
μασέκ. (1) **מָסָה**

Ge. 15. 2. B ὁ δὲ υἱὸς μ. τῆς οἰκογενεῦς μου  
μασενά. (1) **מָסָה**

IV Ki. 22. 14. κατῴκει ἐν Ἱερ. ἐν τῇ μ.  
μασερέθ, μασερέμ. (1)

I Ki. 23. 14. A ἐκάθισεν . . . ἐν μ. [B -έμ] +  
μασθός, *vid.* μαστός.

## μασμαρώθ.

Je. 52. 19. A S<sup>1</sup> R τὰς [B S<sup>2</sup> τὰ] μ. . . . ἔλαβεν  
ὁ ἀρχιμάρτυρος +

## μασογά, μασογάβ.

[Aq., Th. Je. 48 (31). 1.]

μασσῶν, *vid.* μασῶν.μασσεῖν. (1) **מָסָה**

Je. 4. 19. A B S<sup>2</sup> μ. μασσεῖ [? μαιμάσσει] ἡ  
ψυχὴ μου (1)

μαστιγοῦν. (1) **מָסָה** (2) **מָסָה** a. qal. δ. pu.

(3) **מָסָה** a. hi. δ. ho. (4) **מָסָה**

Ex. 5. 14. ἐμαστιγώθησαν οἱ γραμματεῖς (3 b)  
— 16. οἱ παῖδες σου μεμαστιγώνται (3 b)

De. 25. 2. A R μεμαστιγώσουσιν αὐτὸν [B om. μ.  
αὐ.] ἀντίον αὐτῶν (3 a)

— 3. ἀριεμὸν τεσσαράκοντα μεμαστιγώσουσιν  
αὐτὸν (3 a)

— 3. ἐὰν δὲ προσθῇς μεμαστιγώσαι [A. add.  
αὐτῶν] (3 a)

III Ki. 12. 24. B ἐμαστιγὼν ὑμᾶς μαστιγὴν -  
II Ch. 25. 16. πρόσεχε μὴ μεμαστιγώθῃς (3 a)

To. 3. 9. τί ἡμᾶς μεμαστιγώσῃς  
11. 15. ἐμαστιγώσας καὶ ἐλέησάς με [S al.]

13. 2. αὐτοὺς μεμαστιγώσῃς καὶ ἐλεᾷ  
— 5. μεμαστιγώσῃς ἡμᾶς ἐν ταῖς ἀδικίαις ἡμῶν [S al.]

— 9. A B μεμαστιγώσῃς ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν νῶν σου  
Ju. 8. 27. μεμαστιγώσῃς κύριος τοὺς ἐγγίζοντας αὐτῷ +

Jb. 15. 11. ὅλγῃ ὧν ἡμάρτηκας μεμαστιγώσας +  
30. 21. χειρὶ κραταιᾷ μεμαστιγώσας (4)

Ps. 72 (73). 5. μετὰ ἀνθρώπων οὐ μεμαστιγώθη-  
σονται (2 b)

— 14. ἐγενήμην μεμαστιγώμενος ὅλην τὴν ἡμέ-  
ραν (2 a)

Pr. 3. 12. μεμαστιγώσῃς δὲ πάντα νῶν ὧν παραδέ-  
χεται +

17. 10. ἄφρων δὲ μεμαστιγώθῃς οὐκ αἰσθάνεται (3 a)  
19. 25. λοιμοὶ μεμαστιγώμενον ἄφρων πανουρη-  
γότερος γίνεται (3 a)

27. 22. ἐὰν μεμαστιγώσῃς φθονα (1)  
Wi. 12. 22. τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν ἐν μυριότητι μεμα-  
στιγώσῃς

16. 16. ἐν ἰσχυρῇ βραχίονί σου ἐμαστιγώθῃς  
Si. 80. 14. πλούσιος μεμαστιγώμενος εἰς σάμα αὐτοῦ  
Je. 5. 3. ἐμαστιγώσας αὐτοὺς (3 a)  
Da. LXX. 4. 23. καὶ μεμαστιγώσουσί σε -

II Ma. 3. 26. ἐμαστιγώσιν αὐτὸν  
— 34. R σὺ δὲ ὑπ' αὐτοῦ μεμαστιγώμενος [A al.]

— 38. μεμαστιγώμενον αὐτὸν προσδέξῃ  
5. 18. μεμαστιγώθῃς ἀνερπάτη τὸν θράσους  
6. 30. σκληρὰς ἀποφέρει . . . ἀλλοθύνοντας μεμαστιγώ-  
μενος

[Aq. Ez. 28. 24.]  
[Sm. Ex. 5. 16.]  
[Th. Ex. 5. 16: Is. 58. 4.]

μαστιγέειν. (1) **מָסָה** hi.

Nu. 22. 25. προσέθετο ἔτι μεμαστιγέει αὐτὴν (1)  
Wi. 5. 11. πληγὴ δὲ τερσῶν μεμαστιγώμενον πνεῦμα  
κούφον

III Ma. 2. 21. τὸν . . . μεγάλως ἐπηρμένον ἐμαστιγέειν  
μαστιγέ. (1) **מָסָה** (2) **מָסָה** (3) a. **מָסָה**

δ. **מָסָה** (4) **מָסָה** (5) **מָסָה** (6) **מָסָה**  
(7) **מָסָה**

III Ki. 12. 11, 14. ἐπαίδευσεν ὑμᾶς ἐν μαστιγῇ (6)  
— 24. B ἐμαστιγὼν ὑμᾶς μαστιγῇ -

II Ch. 10. 11, 14. ἐπαίδευσεν ὑμᾶς ἐν μαστιγῇ (6)  
To. 13. 14. ἐληλύθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μ. σου

Jb. 5. 21. ἀπὸ μαστιγῶν γλώσσης σε κρύψει (6)  
21. 9. μαστιγέει δὲ παρὰ κυρίου οὐκ ἔστιν ἐπ' [B<sup>1</sup>  
om.] αὐτοῖς (5)

Ps. 31 (32). 10. πολλὰ αἰ μ. τοῦ ἀμαρτωλοῦ (1)  
34 (35). 15. συνήχθησαν ἐπ' ἐμὲ μαστιγῆς (3 a)

37 (38). 17. ἐγὼ εἰς μαστιγῆς ἔτοιμος (4)  
38 (39). 10. ἀπόστησον ἀπ' ἐμοῦ τὰς μ. σου (2)

72 (73). 4. καὶ στέρνωμα ἐν τῇ μ. αὐτῶν +  
88 (89). 32. A μ. ἐν μαστιγῇ τὰς ἀδικίας [B  
ἀμαρτίας] αὐτῶν (2)

90 (91). 10. μαστιγέει οὐκ ἐγγίγει τῷ σκηνώματί  
σου (2)

Pr. 19. 29. ἐτοιμάζονται ἀκολάστοις [S<sup>1</sup> -οι]  
μαστιγῆς (7)

26. 3. ὥσπερ μαστιγέει ἵππον καὶ κέντρον ὄνυξ (6)  
Si. 22. 6. μαστιγῆς καὶ παιδεία ἐν παιτὶ καιρῷ σοφίας  
[S<sup>1</sup> -ία]

23. 2. τίς ἐπιστήσις ἐπὶ τοῦ διανοήματός μου μασ-  
τιγῆς

— 11. οὐκ ἀποστήσεται ἀπὸ τοῦ οἴκου αὐ. μαστιγέ  
26. 6. μαστιγέει γλώσσης πᾶσιν ἐπικονωνοῦσα

28. 17. πληγὴ μαστιγῶν ποιεῖ μώλωπας  
30. 1. ἐνδελεχῶσει μαστιγῆς αὐτῷ

39. 28. ἐν θυμῷ αὐτῶν ἐστερέωσαν μαστιγῆς αὐ.  
40. 9. A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> R λιμὸς καὶ σὺντριμμα καὶ μαστιγέ  
[S<sup>1</sup> -ιγες]

Na. 3. 2. φωνὴ μεμαστιγῶν καὶ φωνὴ σεισμοῦ (6)  
Is. 50. 6. τὸν νῶτον μου ἔδωκα εἰς μαστιγῆς (3 b)

Je. 6. 7. πόνος καὶ μαστιγὴ παιδεύσεως (3 b)  
II Ma. 7. 1. μαστιγῇ καὶ νευραῖς αἰκίζομένους

— 37. μετὰ ἐτασίων καὶ μεμαστιγῶν ἐξομολογή-  
σασθαι

9. 11. θεία μ. . . ἐπιτετινόμενος  
IV Ma. 6. 3. μαστιγῇ κατὰ κῆρυξιν

— 6. ἀπέβαινε ταῖς μ. τὰς σάρκας  
9. 12. ὡς δὲ τύπτονται ταῖς μ. ἐκοπίσαν

[Aq. Is. 28. 15, 18.]  
[Sm. Pr. 6. 33: Is. 28. 15.]

μαστιγιώσῃς (?).

IV Ma. 9. 11. A τὸν πρεσβύτατον αὐ. . . παρήγαγον  
οἱ μ. [S R ἱεραποστολαί]

μαστός (μασθός). (1) **מָסָה** (2) a. **מָסָה** δ. **מָסָה**

Ge. 49. 25. αἰολογίας μαστῶν καὶ [A om.] μή-  
τρας (2 a)

Jb. 3. 12. ἵνα τί δὲ μαστοὺς ἐθλόλασας (2 a)  
24. 9. ἥρπασαν ὀφθαλμοὺς ἀπὸ μαστοῦ (2 b)

Ps. 21 (22). 9. ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ μαστῶν τῆς  
μητρός μου (2 a)

Ca. 1. 2. ἀγαθοὶ μαστοὶ σου ὑπὲρ οἶνον (1)  
— 4. ἀγαπῶμεν μαστοὺς σου ὑπὲρ οἶνον (1)

— 13. A S R ἀνὰ μέσον τῶν μ. μου αὐλοσθή-  
σεται (2 a)

4. 5. δύο μαστοὶ σου ὡς δύο νεβροὶ δίδυμοι  
δορκάδος (2 a)

— 10. τί ἐκαλλιώθησαν μαστοὶ σου (1)  
— 10. τί ἐκαλλιώθησαν μαστοὶ σου [B<sup>1</sup> om. τί  
ἐ, μ. σ.] ἀπὸ οἶνου (1)

6. 11 (12). ἐκεῖ δώσω τοὺς μ. μου σοί -  
7. 3 (4). δύο μαστοὶ σου ὡς δύο νεβροὶ δίδυμοι  
δορκάδος (2 a)

— 7 (8). οἱ μαστοὶ σου τοῖς βότρυσιν (2 a)

Ca. 7. 8 (9). ἔσονται δὲ μαστοὶ σου ὡς βότρυες  
τῆς ἀμπέλου (2 a)

— 12 (13). ἐκεῖ δώσω τοὺς μαστοὺς μου σοί (1)  
8. 1. τίς ὄψῃ σε . . . θηλάζοντα μαστοὺς μητρός  
μου (2 a)

— 8. μαστοὺς οὐκ ἔχει (2 a)  
— 10. μαστοὶ [S οἱ μ.] μου ὡς πύργοι (2 a)

Ho. 2. 2 (4). ἐξαρῶ . . . τὴν μοιχείαν αὐ. ἐκ  
μέσων μαστῶν αὐ. (2 a)

9. 14. μήτραν ἀτεκνοῦσαν καὶ μ. ξηρὸς (2 a)  
Jl. 2. 16. συναγάγετε νήπια θηλάζοντα μαστοὺς (2 a)

Is. 28. 9. οἱ ἀπεσπασμένοι ἀπὸ μαστοῦ (2 a)  
32. 12. ἐπὶ τῶν μ. κῆπτεσθε (2 a)

66. 11. ἵνα . . . ἐμπλησθῇτε ἀπὸ μαστοῦ παρα-  
κλήσεως αὐτῆς (2 b)

Je. 18. 14. μὴ ἐκλείψουσιν ἀπὸ πέτρας μαστοὶ +  
La. 2. 20. φονευθήσονται νήπια θηλάζοντα μαστοὺς +

4. 3. δράκοντες ἐξέδυσαν μαστοὺς (2 a)  
Ez. 16. 4. οὐκ ἐδῆσας τοὺς μ. σου +

— 7. οἱ μ. σου ἀνωρθώθησαν (2 a)  
23. 3. ἐκεῖ ἔπесον οἱ μ. αὐτῶν (2 a)

— 21. οὐ οἱ μ. [A. add. ἔπесαν] νεότητός σου (2 a)  
II Ma. 3. 19. ὑπεσώμεναι δὲ ὑπὸ τοὺς μ.

6. 10. τοῦτων δὲ ἐκ τῶν μ. κρεμάσαντες τὰ βρέφη  
III Ma. 5. 49. νεογνά πρὸς μαστοὺς ἔχουσιν βρέφη

— 50. τὰ νήπια χωρίζαντες τῶν μ.  
IV Ma. 13. 21. B ἀφ' ὧν συντρέφονται ἐν ἀγκάλαις  
μαστῶν [A S al.]

[Aq. Nu. 11. 8: Is. 60. 16: 66. 11: Ez. 16.  
8: 23. 34.]

[Sm. Is. 60. 16: 66. 11: Ez. 23. 21, 34.]  
[Th. Is. 60. 16: 66. 11: Ez. 16. 8: 23. 34.]  
[Quint. Ca. 8. 8.]

μασφάλ.

[Th. Le. 13. 6.]

μασφασσάτ.

Jo. 19. 29. ἕως πηγῆς μ. [A al.] +

μασχάλη.

[Aq. Pr. 19. 24.]

μάτ.

[Heb. Ps. 8. 6.]

ματαιοπονεῖν.

[Sm. Ps. 61 (62). 4.]

μάταιος. (1) **מָסָה** (2) **מָסָה** (3) **מָסָה**

(4) **מָסָה** (5) **מָסָה** (6) **מָסָה** (7) **מָסָה**

(8) **מָסָה**, **מָסָה** (9) **מָסָה** (10) **מָסָה**

(11) **מָסָה**

Ex. 20. 7. οὐ λήψῃς τὸ ὄνομα . . . ἐπὶ ματαίῳ (10)  
— 7. λαμβάνοντα τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐπὶ ματαίῳ (10)

23. 1. οὐ παραδίδῃς ἀκοὴν ματαίαν (10)  
Le. 17. 7. οὐ θύουσιν . . . τοῖς μ. (9)

De. 5. 11. οὐ λήψῃς τὸ ὄνομα κυρίου . . . ἐπὶ  
ματαίῳ (10)

— 11. τὸν λαμβάνοντα τὸ ὄνομα αὐ. ἐπὶ ματαίῳ (10)  
III Ki. 18. 2. τοῦ παροργίσαι με ἐν τοῖς μ. αὐτῶν (5)

— 13. τοῦ παροργίσαι κ. τὸν θ. Ἰσρ. ἐν τοῖς  
μ. αὐ. (4)

— 26. B τοῦ παροργίσαι [A B. add. τὸν κ. θ.  
Ἰσρ.] ἐν τοῖς μ. αὐ. (4)

IV Ki. 17. 15. B ὅπως τῶν μ. (4)  
II Ch. 11. 15. κατέστησεν αὐτῷ ἱερεῖς . . . τοῖς μ. (9)

Es. 4. 17. εἰς ἀρετὴς ματαίων +  
Jb. 20. 18. εἰς κερὰ καὶ μάταια ἐκοπίασε +

Ps. 5. 9. ἡ καρδία αὐτῶν ματαία +  
11 (12). 2. μάταια ἐλάλησεν ἕκαστος πρὸς τὸν  
πλησίον αὐ. (10)

23 (24). 4. δε οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ ματαίῳ τὴν ψυχὴν  
αὐτοῦ (10)

59 (60). 11. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (10)

61 (62). 9. μάταιοι οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (4)

93 (94). 11. κύριος γινώσκει τοὺς διαλογισμοὺς  
τῶν ἀνθρώπων ὅτι εἰσὶ μάταιοι (10)

107 (108). 12. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (4)

Pr. 12. 11. οἱ δὲ δώκοντες μάταια ἐνδεεῖς  
φρηνῶν (8)

21. 6. μάταια δίδωκε ἐπὶ παγίδας θανάτου (4)

24. 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδὴ μακ-  
ρὰν μου ποίησον (10)

26. 2. οὕτως ἀρὰ ματαία οὐκ ἐπελίσσεται οὐδεὶς (6)



Pr. 81. 30. μάταιον κάλλος γυναῖκος (4)  
 Wi. 13. 1. μάταιον μὲν γὰρ πάντες ἄνθρωποι φύσει  
 15. 8. κακόμοχθος θεὸν μάταιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει πηλοῦ  
 Si. 31 (84). 5. οἰωνισμοὶ καὶ ἐνύπνια μάταιά ἐστι  
 Ho. 5. 11. ἤρξατο πορεύεσθαι ὀπίσω τῶν μ.  
 6. 9 (83). πόλις ἐργαζομένη μάταια  
 12. 1 (2). κενὰ καὶ μάταια ἐπλήθυσε  
 Am. 2. 4. ἐπλήθυνεν αὐτοὺς τὰ μ. [Δ' αἵματα] αὐ.  
 Mi. 1. 14. οἴκους ματαίους εἰς κενὸν ἐγένοντο  
 Jn. 2. 9. φυλασσόμενοι μάταια καὶ ψευδῆ  
 Zc. 13. 3. καὶ οὐ λαλήσουσι μάταια  
 Za. 10. 2. τὰ ἐνύπνια ψευδῆ ἐλάλουν μάταια παρεκάλουν  
 11. 17. ὧ οἱ ποιμαίνοντες τὰ μάταια  
 Ma. 3. 14. μάταιος ὁ δουλεύων θεῷ  
 Is. 1. 13. ἐὰν φέριστε σερμίδαλιν μάταιον  
 2. 20. ἐκβαλεῖ ἄνθρωπος τὰ βδελύγματα αὐτοῦ . . . τοῖς μ.  
 22. 1. ἀνέβητε πάντες εἰς δώματα μάταια  
 28. 29. ὑψώσατε ματαίαν παράκλησιν  
 29. 8. ἐξωσάσαντων μάταιον [B' -ων] τὸ ἐνύπνιον  
 30. 7. Αἰγύπτιοι μάταια καὶ κενὰ ὠφέλησαν αὐτοὺς ὅτι ἡ παράκλησις ὑμῶν αὕτη (4, †)  
 — 15. ἐπεποιθεῖς ἐπὶ τοῖς μ. ματαίᾳ ἡ ἰσχὺς ὑμῶν ἐγενήθη  
 — 28. τοῦ παραθεῖναι ἐπὶ πλανήσει ματαίᾳ καὶ διώκεται αὐτοὺς πλάνησις [A B' add. ματαίᾳ] (10, †)  
 31. 2. ἐπαυσθήσεται . . . ἐπὶ τὴν ἐλπίδα αὐτῶν τὴν μ.  
 32. 6. ἡ καρδίᾳ αὐ. μάταια νοήσει  
 33. 11. μ. ἔσται ἡ ἰσχὺς τοῦ πνεύματος ὑμῶν  
 44. 9. Α B' B' πάντες μάταιοι [B' -a]  
 45. 19. A B B' μάταιον ἤρξατε [B' ἤρξατε]  
 49. 4. εἰς μάταιον καὶ εἰς οὐδὲν ἔδωκα τὴν ἰσχύν μου [B' al.]  
 49. 4. ἐποιοῦσιν ἐπὶ ματαίᾳ  
 Je. 2. 5. ἐπορεύθησαν ὀπίσω τῶν μ.  
 4. 30. εἰς μάταιον [A -την] ὁ ὠραϊσμός σου  
 8. 19. παροργισάν με ἐν μ. ἀλλοτρίοις  
 10. 3. τὰ νόμιμα τῶν ἐθνῶν μάταια  
 — 15. μάταιά ἐστιν ἔργα ἐπιπαιγνίμῃ  
 28 (51). 18. μάταιά ἐστιν ἔργα μεμωκημένα  
 La. 2. 14. προφηταὶ σου εἰδοσάν σοι μάταια . . . εἰδοσάν σοι λήμματα μ. (10, 10)  
 4. 17. μάταια ἀποσκοπεύονταν ἡμῶν  
 Ez. 8. 10. μάταια βδελύγματα  
 11. 2. οὗτοι οἱ ἄνδρες οἱ λογιζόμενοι μάταια  
 13. 6. μαγευόμενοι μάταια  
 — 7. μαγεύει ματαίᾳς εἰρήκατε  
 — 8. αἱ μαντεῖαι ὑμῶν μάταιαι  
 — 9. ἐπὶ τοὺς προφήτας . . . τοὺς ἀποφθεγγόμενοι μάταια  
 — 19. ἐν τῇ ἀποφθεγγεσθαι ὑμᾶς λαφ' εἰσάκουσιν μάταια ἀποφθεγμάτων  
 21. 29 (34). ὅπως στίλβεις ἐν τῇ ὁράσει σου τῇ μ.  
 22. 28. οἱ προφῆται αὐτῆς . . . πεσοῦνται ὁρώντες μάταια  
 III Ma. 6. 11. μὴ τοῖς μ. . . εὐλογησάτωσαν  
 IV Ma. 16. 7. ὧ μάταιοι ἐπὶ τὰ κνοφορία  
 [Aq. Je. 14. 22: Ez. 21. 29 (34).]  
 [Sm. I Ki. 12. 21: Ps. 40 (41). 7: 59 (60). 13: 118 (119). 118: 126 (127). 2: Is. 29. 21: 59. 4: Je. 14. 22: 16. 19: Ez. 12. 24: 21. 23 (28). 29 (34): Ho. 10. 4: Jn. 2. 9.]  
 [Th. Is. 80. 7: Je. 10. 8: Ez. 12. 24.]  
 ματαιότης. (1) α. לַבָּיָה (2) לַבָּיָה (3) לַבָּיָה  
 (3) לַבָּיָה (4) לַבָּיָה  
 Ps. 4. 2. ἵνα τί ἀγαπᾷτε ματαιότητα [A -as] (3)  
 25 (26). 4. οὐκ ἐκάθισα μετὰ συνεδρίου ματαιότητος [A -as] (4)  
 30 (31). 6. B B' ἐμίσησας τοὺς φυλάσσοντας [A B διοφ.] ματαιότητας [B' -a] διὰ κενῆς (1 a)  
 37 (38). 12. οἱ ἤρπυζοντες τὰ κακὰ μοι ἐλάλῃσαν ματαιότητας [B' -a] (2)  
 38 (39). 5. τὰ σύμματα ματαιότης (1 a)  
 89 (40). 4. οὐκ ἐπέβλεψεν εἰς ματαιότητα  
 51 (52). 7. ἐνεδυναμώθη ἐπὶ τῇ μ. αὐτοῦ (3)  
 61 (62). 9. αἰτοὶ ἐκ ματαιότητος ἐπὶ τὸ αὐτὸ (1 a)

Ps. 77 (78). 33. ἐξέλιπον ἐν ματαιότητι αἱ ἡμέραι αὐτῶν (1 a)  
 118 (119). 37. τοῦ μὴ ἰδεῖν ματαιότητα (4)  
 138 (139). 20. λήψονται εἰς ματαιότητα τὰς πόλεις σου (4)  
 143 (144). 4. ἄνθρωπος ματαιότητι ὁμοιώθη (1 a)  
 — 8. 11. ὃν τὸ στόμα ἐλάλησε ματαιότητα (4)  
 Pr. 22. 8. ματαιότητα δι' ἔργων αὐτοῦ συντελέσει  
 Ec. 1. 2. ματαιότης ματαιότητων . . . ματαιότης ματαιότητων τὰ πάντα ματαιότης (1 b, 1 a, 1 b, 1 a, 1 a)  
 — 14. τὰ πάντα ματαιότης (1 a)  
 2. 1. καὶ ἰδοὺ καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 11. καὶ ἰδοὺ τὰ πάντα ματαιότης (1 a)  
 — 15. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 17. πάντα ματαιότης (1 a)  
 — 19. 21. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 23. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης ἐστὶν (1 a)  
 — 26. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 3. 19. πάντα ματαιότης (1 a)  
 4. 4. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 7. εἶδον ματαιότητα ὑπὸ τῶν ἡλίων (1 a)  
 — 8. 16. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 5. 6. ἐν πληθεὶ ἐνυπνίων καὶ ματαιότητων (1 a)  
 — 9. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 6. 2. τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 4. ἐν ματαιότητι ἤλθε (1 a)  
 — 9. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 11. εἰσι λόγοι [B' οἵλογοι] πολλοὶ πληθύνοντες ματαιότητα (1 a)  
 7. 1 (6. 12). ἀριθμὸν ἡμερῶν ζωῆς ματαιότητος αὐτοῦ (1 a)  
 — 7 (6). καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 16 (15). ἐν ἡμέραις ματαιότητός μου (1 a)  
 8. 10. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 — 14. ἔστι μ. ἡ πεποιθήσις ἐπὶ τῆς γῆς (1 a)  
 — 14. καὶ γὰρ τοῦτο ματαιότης (1 a)  
 9. 2. ματαιότης ἐν τοῖς πᾶσι  
 — 9. πάσας ἡμέρας ζωῆς ματαιότητός σου (1 a)  
 — 9. B πάσας ἡμέρας ματαιότητός σου [B πᾶσαι ἡμέραις ἡμέραις αἰμοῦ σου] (1 a)  
 11. 8. πᾶν τὸ ἐρχόμενον ματαιότης (1 a)  
 — 10. ἡ νεότης καὶ ἡ ἡλικία ματαιότης (1 a)  
 12. 8. ματαιότης ματαιότητων . . . τὰ πάντα ματαιότης (1 b, 1 a, 1 a)  
 [Aq. Jb. 7. 16: Pr. 18. 11: Is. 57. 13: Je. 10. 8: Jn. 2. 9.]  
 [Sm. Jb. 4. 18: 31. 5: Ps. 106 (107). 40: Ec. 5. 6: Is. 5. 18: 80. 28: Je. 10. 8: 14. 14.]  
 [Th. Jb. 31. 5.]  
 ματαιοῦν. (1) לַבָּיָה ni. (2) לַבָּיָה a. qal. δ. hi.  
 (3) לַבָּיָה a. ni. δ. hi.  
 I Ki. 13. 13. B μεματαιώταί σοι (8 a)  
 26. 21. ἐν τῇ σημερον μεματαιώμαι (8 b)  
 IV Ki. 17. 15. B καὶ ἐματαιώθησαν (8 a)  
 I Ch. 21. 8. ἐματαιώθησαν σφόδρα (8 a)  
 Ju. 6. 4. οὐ ματαιωθήσεται τὰ ῥήματα  
 Jb. 26. 5. B' μὴ γένοιτο ματαιωθήσονται [A B S' al.]  
 Je. 2. 5. καὶ ἐματαιώθησαν (2 a)  
 23. 16. ματαιοῦσιν ἑαυτοὺς ὄρασιν (2 b)  
 28 (51). 17. ἐματαιώθη [A ἐμαρώθη] πᾶς ἄνθρωπος ἀπὸ γνώσεως (1)  
 [Aq. Ps. 61 (62). 11.]  
 [Sm. Ps. 61 (62). 10.]  
 [Th. I Ki. 15. 31: Jb. 15. 20: Ps. 61 (62). 11.]  
 ματαιόφρων.  
 III Ma. 6. 11. μὴ τοῖς ματαίοις οἱ μ. εὐλογησάτωσαν  
 ματαίως. (1) לַבָּיָה (2) לַבָּיָה (3) לַבָּיָה  
 (4) לַבָּיָה  
 III Ki. 20 (21). 25. πλὴν μ. [A add. ἐπράθη] ἄχ.  
 Jb. 35. 16. ἰδοὺ μ. ἀνοίγει τὸ στόμα αὐτοῦ  
 Ps. 3. 7. σὺ ἐπάταξας πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ  
 34 (35). 19. μὴ ἐπιχαρείσῃς μοι οἱ ἐχθροί μου  
 72 (73). 13. ἀρα μ. ἐδικάωσα τὴν καρδίαν μου  
 88 (89). 47. μὴ γὰρ μ. ἐκτίσας πάντας τοὺς νιούς τῶν ἀνθρώπων  
 [Sm. Ps. 7. 5: 138 (139). 20: Is. 45. 19.]

μάτην. (1) לַבָּיָה (2) לַבָּיָה (3) לַבָּיָה  
 (4) a. לַבָּיָה δ. לַבָּיָה (5) לַבָּיָה (6) εἰς μ. לַבָּיָה  
 III Ki. 20 (21). 20. μ. πέπρασαι  
 Ps. 34 (35). 7. μ. ὠνεῖδισαν τὴν ψυχὴν μου  
 88 (89). 6. πλὴν μ. ταράσσονται  
 — 11. A B πλὴν μ. [B μ. ταράσσεται] πᾶς ἄνθρωπος (2)  
 40 (41). 6. A B' S B μ. ἐλάλει (4 a)  
 62 (63). 9. εἰς μ. ἐζήτησαν τὴν ψυχὴν μου  
 126 (127). 1. εἰς μ. ἐκοπίασαν οἱ οἰκοδομοῦντες  
 — 1. εἰς μ. ἡγρύπνησεν ὁ φυλάσσων  
 — 2. εἰς μ. ὑμῶν ἐστὶ τοῦ ὁρβρίζειν  
 Pr. 3. 30. μὴ φιλεχθρήσης πρὸς ἄνθρωπον μ.  
 Is. 27. 3. μ. ποτιῶ αὐτήν  
 28. 17. οἱ πεποιθότες μ. ψεύδει  
 29. 13. μ. δὲ σίβονται με  
 30. 5. μ. κοπίασουσιν πρὸς λαόν  
 41. 29. μ. οἱ πλανῶντες ὑμᾶς  
 Je. 2. 30. μ. ἐπάταξα τὰ τέκνα ὑμῶν (4 b)  
 4. 30. A εἰς μ. [B S μάταιον] ὁ ὠραϊσμός σου (4 a)  
 8. 8. εἰς μ. ἐγενήθη σχοίσις ψευδῆς γραμματεῦσιν  
 Ez. 14. 23. οὐ μ. πεποιθία πάντα  
 Da. LXX. 11. 24. καὶ οἱ λογιζόμενοι αὐ. εἰς μ.  
 II Ma. 7. 18. B μὴ πλανῶ μ. [A μᾶλλον]  
 — 34. μὴ μ. μετεωρίζω  
 IV Ma. 16. 8. μ. ἐφ' ὑμῶν . . . πολλὰς ὑπέμεινα ὥδινας  
 [Aq. Jb. 9. 29: Ps. 38 (39). 12: Is. 59. 4: Je. 46 (26). 11 (eis μ.).]  
 [Sm. I Ki. 19. 5: Ps. 72 (73). 13: Je. 46 (26). 11 (eis μ.).]  
 [Al. I Ki. 25. 21 (eis μ.).]  
 μάχαιρα. (1) לַבָּיָה (2) לַבָּיָה (3) לַבָּיָה  
 (4) לַבָּיָה  
 Ge. 22. 6. ἔλαβε δὲ . . . τὴν μ.  
 — 10. ἐξέτεινεν . . . τὴν χεῖρα αὐ. λαβεῖν τὴν μ. (4)  
 27. 40. ἐπὶ τῇ μ. σου ζήσῃ  
 31. 26. ἀπήγαγες . . . ὡς αἰχμαλωτίδας μαχαίρα  
 34. 25. ἔλαβον . . . ἕκαστος τὴν μ. αὐτοῦ  
 — 26. ἀπέκτειναν ἐν στόματι μαχαίρας  
 48. 22. ἦν ἔλαβον . . . ἐν μ. μου καὶ τόξῳ  
 Ex. 15. 9. ἀνέλω τῇ μ. μου  
 17. 13. ἐτρέψατο . . . ἐν φόβῳ μαχαίρας  
 22. 24 (23). καὶ ἀποκτενῶ ὑμᾶς μαχαίρα  
 Le. 26. 8. πεσοῦνται οἱ ἐχθροὶ ὑμῶν . . . μαχαίρα  
 — 25. ἐπάξω ἐφ' ὑμᾶς μάχαιραν  
 — 33. ἐξανάλωσει ὑμᾶς ἐκπορευομένη ἡ μ.  
 Nu. 14. 43. καὶ πεσίσθε μαχαίρα  
 21. 24. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰσρ. φόβῳ μαχαίρας  
 22. 29. εἰ εἶχον μάχαιραν ἐν τῇ χειρὶ  
 — 31. καὶ τὴν μ. ἐσπασμένην ἐν τῇ χειρὶ αὐ.  
 De. 13. 15 (16). ἀνέλεις . . . ἐν φόβῳ μαχαίρας  
 20. 13. πατάξεις . . . ἐν φόβῳ μαχαίρας  
 32. 25. ἔξωθεν ἀτεκνώσει αὐτοὺς μάχαιρα  
 — 41. παροξύνω ὡς ἀστραπὴν τὴν μ. μου  
 — 42. A B ἡ μ. μου φάγεται κρέα  
 33. 29. καὶ ἡ μ. καύχημά σου  
 Jo. 5. 2. ποιήσαν σεαυτῷ μ. πετρίνας  
 — 3. ἐποίησεν Ἰ. μ. πετρίνας  
 8. 24. ἐν στόματι ῥομφαίας [B' μαχαίρας]  
 10. 11. οὐς ἀπέκτειναν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. μαχαίρα  
 — 28. B' ἐν στόματι μαχαίρας [A B' B' ξίφους]  
 — 30. ἐν στόματι ξίφους [B' μαχαίρας]  
 19. 47. ἐν στόματι μαχαίρας  
 21. 40. ἔλαβεν Ἰ. τὰς μ. τὰς πετρίνας  
 24. 30. ἔθηκαν . . . τὰς μ. τὰς πετρίνας  
 Jd. 1. 8. A ἐν στόματι μαχαίρας [B ῥομφαίας]  
 3. 16. ἐποίησεν σεαυτῷ Ἄ. μ. δίστομον  
 — 21. ἔλαβε τὴν μ.  
 — 22. οὐκ ἐξίστασε τὴν μ. ἐκ τῆς κοιλίας αὐ.  
 7. 22. A ἔθετο κύριος μάχαιραν [B al.]  
 8. 20. A οὐκ ἔσπασε . . . τὴν μ. [B ῥομφ.] αὐτοῦ  
 9. 54. A σπᾶσον τὴν μ. [B ῥομφαίαν]  
 19. 29. A ἔλαβεν τὴν μ. [B ῥομφαίαν]  
 20. 38. A πρὸς τὸ ἐνεθρον. μάχαιρα [B al.]  
 I Ki. 25. 13. A περιέκωσαντο ἀνὴρ τὴν μ. αὐ. καὶ περιέκωσαντο καὶ Δ. τὴν μ. αὐ. (3, 3)  
 II Ki. 2. 16. μάχαιρα αὐ. εἰς πλενρὰν [A πλάγιον] τοῦ πλησίον αὐ. (3)

II Kt. 11. 25. φάγεται ἡ μ. (8)  
 15. 14. καὶ πατάξῃ τὴν πόλιν στόματι μαχαίρας (8)  
 18. 8. ὑπὲρ οὗ κατέφαγεν . . . ἡ μ. (8)  
 20. 8. ἐπ' αὐτῷ περιεζωμένους μαχαίραν (8)  
 — 8. ἡ μ. ἐξήλθεν +  
 — 10. Ἀμ. οὐκ ἐφυλάξατο τὴν μ. (8)  
 23. 10. προσεκλήθη ἡ χεὶρ αὐ. πρὸς τὴν μ. (8)  
 III Kt. 3. 24. λάβετε [A add. μοι] μαχαίραν (8)  
 — 24. προσήνεγκαν τὴν μ. (8)  
 18. 28. B κατεγέμοντο ἐν μαχαίρᾳ [A B -αις] (8)  
 IV Kt. 19. 37. ἐπάταξαν αὐτὸν ἐν μαχαίρᾳ (8)  
 I Ch. 5. 18. ἄνδρες αἰρόντες . . . μαχαίραν (8)  
 21. 5. ἀνδρῶν ἐσπασμένων μαχαίραν (8)  
 — 5. A ἀνδρῶν ἐσπασμένων μαχαίραν (8)  
 — 12. καὶ μάχαιρα [A -αν] ἐχθρῶν σου (8)  
 II Ch. 28. 9. ἔδωκε τὰς μ. . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (2)  
 — 14. ἀποθανέντων μαχαίρᾳ (8)  
 — 21. A τὴν Γοθ. ἐθανάτωσαν μαχαίρᾳ [B om.] (8)  
 29. 9. πεπλήσαν οἱ πατέρες ὑμῶν μαχαίρᾳ (8)  
 I Es. 8. 22. A B μετ' οὐ πολὺ σπῶνται τὰς [B om.] μ. (8)  
 Es. 8. 13. ἀπολέσαι . . . τὰς τῶν ἐχθρῶν μ. [A al.] (8)  
 Jb. 1. 15. τοὺς παῖδας ἀπέκτειναν ἐν μαχαίραις [A al.] (8)  
 — 17. A B τὸν παῖδα ἀπέκτειναν [S'] (8)  
 — ἄλλοι ἐν [B om.] μαχαίραις (8)  
 39. 23. ἐπ' αὐτῷ γαυριᾷ τόξον καὶ μάχαιρα [A δέσυνθης μ.] (2)  
 Ps. 56 (57). 4. ἡ γλῶσσα αὐτῶν μάχαιρα ὀξεῖα (8)  
 151. 7. σπασάμενος τὴν παρ' αὐτοῦ [A ἐκείνου] μ. (8)  
 Pr. 5. 4. ἡ κνημὴν μάλλον μαχαίρας διστόμου (8)  
 12. 18. εἰσὶν οἱ λέγοντες τιτρώσκουσι μαχαίραι [A -αν] (8)  
 24. 23 (29. 27). μάχαιρα γλῶσσα βασιλείας (8)  
 — καὶ οὐ σαρκίῃ —  
 — 37 (30. 14). ἔκγονον κακὸν μαχαίρας τοὺς δόδοντας ἔχει (8)  
 25. 18. ῥόπαλον καὶ μάχαιρα καὶ τόξον ἀκιδωτὸν [A ἀκιδωτῶν] (8)  
 Si. 28. 18. πολλοὶ ἔπασαν ἐν στόματι μαχαίρας (8)  
 Za. 11. 17. μάχαιρα ἐπὶ τοὺς βροχίους αὐτοῦ (8)  
 Is. 1. 20. μ. ὑμᾶς κατέδετα (8)  
 2. 4. συγκόψουσιν τὰς μ. αὐ. εἰς ἄστρον . . . οὐ λήψεται ἔθνος ἐπ' ἔθνος μαχαίραν (8, 3)  
 3. 25. μαχαίρα πεσεῖται . . . μαχαίρα πεσοῦνται (3, 1)  
 10. 34. πεσοῦνται ὑψηλοὶ μαχαίρᾳ [A al.] (1)  
 13. 15. οἵτινες συνηγμένοι εἰσὶ μαχαίρᾳ πεσοῦνται (8)  
 14. 19. μετὰ πολλῶν τεθνηκότων ἐκκεκνηγμένων μαχαίραις (8)  
 21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῆς μ. (8)  
 22. 2. οἱ τραυματίαι σου οὐ τραυματίαι ἐν μαχαίραις [A B τρ. μαχαίρας] (8)  
 27. 1. ἐπάξει ὁ θεὸς τὴν μ. τὴν ἁγίαν καὶ τὴν μεγάλην (8)  
 31. 8. οὐ μ. ἀνδρὸς οὐδὲ μ. ἀνθρώπου καταφάγεται αὐτὸν καὶ φεῦγεται οὐκ ἀπὸ προσώπου μαχαίρας [A διώκοτος] (S ter) (8)  
 34. 5. ἐμεθύσθη ἡ μ. μου ἐν τῷ οὐρανῷ (8)  
 — 6. ἡ μ. τοῦ κυρίου ἐνεπλήσθη αἵματος (8)  
 87. 7. πεσεῖται μαχαίρᾳ ἐν τῇ γῇ αὐτοῦ (8)  
 — 38. ἐπάταξαν αὐτὸν μαχαίραις [S' -αις] (8)  
 41. 2. δώσει εἰς γῆν τὰς μ. αὐτῶν (8)  
 49. 2. ἔθηκε τὸ στόμα μου ὡς μαχαίραν ὀξεῖαν (8)  
 51. 19. πτώμα καὶ σὺντριμμα λιμὸς καὶ μ. (8)  
 65. 12. παραδώσω ὑμᾶς εἰς μαχαίραν (8)  
 Je. 2. 30. μ. κατέφαγε τοὺς προφῆτας ὑμῶν (8)  
 4. 10. ἤφατο ἡ μ. ἐως τῆς ψυχῆς αὐτῶν (8)  
 5. 12. μαχαίραν καὶ λιμὸν οὐκ ὀψόμεθα (8)  
 9. 16 (15). ἐπαποστελῶ ἐπ' αὐτοὺς τὴν μ. (8)  
 11. 22. οἱ νεανίσκοι αὐτῶν ἐν μαχαίρᾳ ἀποθάνονται [A πεσοῦνται] (8)  
 12. 12. μ. τοῦ κυρίου καταφάγεται (8)  
 14. 12. ἐν μαχαίρᾳ καὶ ἐν λιμῷ καὶ ἐν θανάτῳ (8)  
 — 13. οὐκ ὕψεθε μαχαίραν (8)  
 — 15. μ. καὶ λιμὸς οὐκ ἔσται ἐπὶ τῆς γῆς ταύτης (8)  
 — 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ λιμοῦ (8)  
 — 18. ἰδοὺ τραυματίαι μαχαίρας [A ῥομφαίας] (8)  
 15. 2. ὅσοι εἰς μαχαίραν εἰς μαχαίραν (8, 3)  
 — 3. ἐκδικήσω ἐπ' αὐτοὺς . . . τὴν μ. εἰς σφαγὴν (8)  
 — 9. τοὺς καταλόπους αὐτῶν εἰς μαχαίραν δώσω (8)  
 16. 4. ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται (8)  
 18. 21. ἀβροῖσον αὐτοὺς εἰς χεῖρας μαχαίρας [S' om.] . . . οἱ νεανίσκοι αὐ. πεπτοκότες [A add. ἐν] μαχαίρᾳ ἐν πολέμῳ (8, 3)

Je. 19. 7. καταβαλὼ αὐτοὺς ἐν μαχαίρᾳ (8)  
 20. 4. πεσοῦνται ἐν μαχαίρᾳ ἐχθρῶν αὐτῶν . . . καὶ κατακόψουσιν ἐν μαχαίραις [A -ρα] (8, 3)  
 21. 7. ἀπὸ τοῦ λιμοῦ καὶ ἀπὸ τῆς μ. . . κατακόψουσιν αὐτοὺς ἐν στόματι μαχαίρας (8, 3)  
 — 9. ἀποθάνονται ἐν μαχαίρᾳ (8)  
 24. 10. ἀποστελῶ εἰς αὐτοὺς . . . τὴν μ. (8)  
 25. 16 (49. 37). ἐπαποστελῶ ὅπως αὐτῶν τὴν μ. μου (8)  
 26 (46). 10. καταφάγεται ἡ [B om.] μ. κυρίου (8)  
 — 14. κατέφαγε μ. τὴν σμῆλκά σου (8)  
 — 16: 27 (50). 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας Ἑλληνικῆς (8)  
 27 (50). 21. ἐκδικήσουσιν μ. [B -αν] +  
 — 35. παροξύνει τοὺς κατοικοῦντι Βαβυλῶνα μαχαίραν (8)  
 — 36. μαχαίραν ἐπὶ τοὺς μαχητὰς αὐτῆς (8)  
 — 36. μαχαίραν ἐπὶ τοὺς ὑπστούς αὐτῶν (8)  
 — 37. μαχαίραν ἐπὶ τοὺς μαχητὰς αὐτῶν (8)  
 — 37. μαχαίραν ἐπὶ τοὺς θησαυροὺς (8)  
 29 (47). 6. ὥς τίνος κόνηις, ἡ μ. τοῦ κυρίου (8)  
 31 (48). 2. ὅπισθεν σου βαδίζει μ. (8)  
 — 10. ἐξαίρων μαχαίραν αὐτοῦ ἀπὸ αἵματος (8)  
 32. 2 (25. 16). μαρτυροῦνται ἀπὸ προσώπου τῆς μ. (8)  
 — 13 (25. 27). οὐ μὴ ἀναστήτῃ ἀπὸ προσώπου τῆς μ. (8)  
 — 15 (25. 29). μαχαίραν ἐγὼ καλῶ (8)  
 — 17 (25. 31). οἱ δὲ ἀσβεῖς ἐδόθησαν εἰς μάχαρᾳν (8)  
 — 24 (25. 38). ἀπὸ προσώπου τῆς [A om.] μ. τῆς μεγάλης +  
 33 (26). 23. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐν μαχαίρᾳ (8)  
 34 (27). 8. ἐν μαχαίρᾳ [A B' add. πεσοῦνται] καὶ ἐν λιμῷ ἐπιτεκνέσονται αὐτοὺς (8)  
 38 (31). 2. μετὰ ὀκλωτῶν ἐν μαχαίρᾳ (8)  
 39 (32). 24. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ λιμοῦ (8)  
 — 36. ἐν μαχαίρᾳ καὶ ἐν λιμῷ καὶ ἐν ἀποστολῇ (8)  
 41 (34). 17. καλῶ ἄφεςιν ὑμῖν εἰς μάχαρᾳν [A. 1. 20. ἔξωθεν ἠτέκνωσέ με μ. (8)  
 Ez. 5. 2, 12. μαχαίραν ἐκκένωσω ὀπίσω αὐτῶν (8)  
 26. 6. αἱ θυγατέρες αὐτῆς ἐν πεδίῳ μαχαίρᾳ ἀναυθισθῶσιν [A al.] (8)  
 — 8. τὰς θυγατέρας σου τὰς ἐν τῷ πεδίῳ μαχαίρᾳ ἀνελεῖ (8)  
 — 9. τοὺς πύργους σου καταβαλεῖ ἐν ταῖς μ. αὐτοῦ (8)  
 — 11. τὸν λαόν σου μαχαίρᾳ ἀνελεῖ (8)  
 — 15. ἐν τῷ σπᾶσι μαχαίραν ἐν μέσῳ σου +  
 28. 7. ἐκκένωσουσι τὰς μ. αὐτῶν ἐπὶ σέ (8)  
 — 23. πεσοῦνται τετραυματισμένοι [A add. ἐν] μαχαίραις (8)  
 30. 4. ἔξει μ. [A ἡ μ.] ἐπ' Αἰγυπτίους (8)  
 — 5. 6. μαχαίρα πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (8)  
 — 11. ἐκκένωσουσι πάντες τὰς μ. αὐτῶν (8)  
 — 17. ἐν [A om.] μαχαίρᾳ πεσοῦνται (8)  
 — 21. τοῦ δοθῆναι ἰσχὺν ἐπιλαβεῖσθαι μαχαίρας (8)  
 — 22. καταβαλὼ τὴν μ. αὐ. ἐκ τῆς χειρὸς αὐ. (8)  
 31. 17. ἐν τοῖς τραυματίαι ἀπὸ [A μετὰ τραυματιῶν] μαχαίρας (8)  
 — 18. κοιμηθῇ μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας (8)  
 32. 12. ἔξει σοι ἐν μαχαίρᾳ γιγάντων (8)  
 — 19 (20). ἐν μέσῳ μαχαίρας τραυματιῶν [A τρ. μαχαίρᾳ] πεσοῦνται (8)  
 — 21. ἐν μέσῳ τραυματιῶν μαχαίρας ἀργῷ (8)  
 — 23. οἱ τραυματίαι οἱ πεπτοκότες μαχαίρᾳ (8)  
 — 23. A πάντες αὐτοὶ τραυματίαι πίπτοντες μαχαίρᾳ (8)  
 — 24. οἱ τραυματίαι οἱ πεπτοκότες μαχαίρᾳ [A -αῖς] (8)  
 — 26. πάντες ἀπερίτμητοι τραυματίαι ἀπὸ [A om. τρ. α.] μαχαίρας (8)  
 — 27. ἔθηκαν τὰς μ. αὐ. ὑπὸ τὰς κεφαλὰς αὐ. (8)  
 — 28. κοιμηθῇ μετὰ τετραυματισμένων μαχαίρας (8)  
 — 29. οἱ δότες τὴν ἰσχὺν αὐ. εἰς τραῦμα μαχαίρας οὗτοι μετὰ τραυματιῶν ἐκοιμήθησαν [A τρ. μαχαίρας] (8, -)  
 — 30. ἐκοιμήθησαν ἀπερίτμητοι μετὰ τραυματιῶν [A τετραυματισμένων] μαχαίρας (8)  
 — 31. A τραυματίαι μαχαίρᾳ Φαραώ (8)

Ez. 32. 32. μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας Φαραώ (8)  
 38. 27. εἰ μὴ οὐ ἐν ταῖς ἡρημώμεναις μαχαίραις [A -α] πεσοῦνται (8)  
 35. 5. ἐν χειρὶ ἐχθρῶν μαχαίρᾳ [A ἐν καιρῷ ἐ. ἐν χ. μαχαίρας] (8)  
 — 8. τετραυματισμένοι μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν σοὶ (8)  
 38. 4. πέλται καὶ περικεφαλαῖαι καὶ μαχαίραι (8)  
 — 8. ἔξει εἰς τὴν γῆν τὴν ἀπεστραμμένην ἀπὸ μαχαίρας (8)  
 — 21. καλέσω ἐπ' αὐτὸ καὶ πᾶν φόβον [A add. μαχαίρας] . . . μ. ἀνθρώπου ἐπὶ τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ ἔσται (3, 3)  
 39. 23. ἔπασαν πάντες μαχαίρᾳ (8)  
 Da. Th. Bel 26. ἀποκτενῶ τὸν δράκοντα ἀπὸ μαχαίρας +  
 I Ma. 3. 12. τὴν μ. Ἀπ. ἔλαβεν ἰ. (8)  
 4. 6. B μαχαίρας [A -αν] οὐκ εἶχον (8)  
 10. 85. ἐγένοντο οἱ πεπτοκότες μαχαίρᾳ (8)  
 II Ma. 5. 3. καὶ μαχαίρῶν σπασμῶς [Aq. Ex. 5. 3: 20. 25: Jd. 7. 22: Ps. 63 (64). 4: 75 (76). 4: 149. 6: Pr. 28. 1: Ca. 8: Is. 8. 25: 21. 15: Je. 6. 25: 81 (88). 2: 33 (40). 4: 47 (29). 6: 48 (31). 10: Ez. 32. 25: Za. 18. 7.] (8)  
 [Sm. Ex. 5. 3: 20. 25: Jd. 7. 22: II Kt. 21. 16: Jb. 15. 22: 19. 29: 39. 22: 40. 14 (19): 41. 18: Ps. 7. 13: 16 (17). 13: 44 (45). 4: 58 (59). 8: 63 (64). 4: 75 (76). 4: 77 (78). 62: Is. 21. 15: Je. 81 (88). 2: 33 (40). 4: 47 (29). 6: 48 (31). 10: 50 (27). 21: 51 (28). 50: Ez. 21. 3 (8), 14 (19): 31. 17: 32. 25: Za. 18. 7.] (8)  
 [Th. Jd. 7. 22: Jb. 39. 22: Ps. 63 (64). 4: Pr. 12. 18: 23. 1: 25. 18: Is. 21. 15: Ez. 29 (36). 17: 33 (40). 4: 50 (27). 36: Ez. 5. 12: 21. 3 (8): 32. 23, 25, 31: 33. 26.] (8)  
 [Al. Ps. 43 (44). 4: 44 (45). 4: Je. 33 (40). 6: La. 2. 21: Ez. 32. 25: Hb. 1. 17: 3. 11.] (8)  
 [Bext. Ps. 75 (76). 4.] (8)

μαχάλ. (1) מַחֲלָל  
 III Kt. 5. 11 (25). Σαλ. ἔδωκε . . . μαχεῖρ [A<sup>1</sup> μαλάλ, A<sup>2</sup> μαχάλ] τῷ οἴκῳ αὐ. (8)

μαχαλίμ. (1) מַחֲלִים  
 [Th. Ez. 27. 24.] (8)

μαχβάρ. (1) מַחֲבָר  
 IV Kt. 8. 15. B ἔλαβε τὸ μ. [A B al.] (1)  
 [Th., Heb. IV Kt. 8. 15.] (8)

μαχεῖρ. (1) מַחֵר  
 III Kt. 5. 11 (25). Σαλ. ἔδωκε . . . μ. [A<sup>1</sup> μαλάλ, A<sup>2</sup> μαχάλ] τῷ οἴκῳ αὐ. + (8)

μάχεσθαι. (1) מַחֵה ni. (2) מַחֵה ni. (8)  
 (3) מַחֵה ni. (4) מַחֵה hi. (5) מַחֵה ni. (8)  
 (6) מַחֵה (8)

Ge. 26. 20. ἐμαχέσαντο . . . μετὰ τῶν ποιμένων (8)  
 — 22. καὶ οὐκ ἐμαχέσαντο περὶ αὐτοῦ (8)  
 31. 36. καὶ ἐμαχέσαντο τῷ Λάβαν (8)  
 Ex. 21. 22. εἰς δὲ μάχωνται δύο ἄνδρες (5)  
 Le. 24. 10. ἐμαχέσαντο ἐν τῇ παρεμβολῇ (5)  
 De. 25. 11. εἰς δὲ μάχωνται ἄνθρωποι ἐπὶ τὸ αὐτό (5)  
 Jo. 9. 18. οὐκ ἐμαχέσαντο αὐτοὶ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (4)  
 Jd. 11. 25. μ. μάχομενος [A μάχῃ] ἐμαχέσαντο μετὰ Ἰσρ. (8, 6)  
 II Kt. 14. 6. ἐμαχέσαντο ἀμφότεροι ἐν τῷ ἀργῷ (5)  
 IV Kt. 8. 23. ἐμαχέσαντο οἱ βασιλεῖς (1)  
 II Ch. 27. 5. ἐμαχέσαντο πρὸς βασιλεῖα υἱῶν Ἀ. (8)  
 Ne. 5. 7. ἐμαχέσαντο πρὸς τοὺς ἐντίμους (8)  
 13. 11. B<sup>3</sup> B ἐμαχέσαντο τοὺς στρατηγούς [A B S' om. τ. στ.] (8)  
 — 17. ἐμαχέσαντο τὸν υἱὸς Ἰ. (8)  
 — 25. ἐμαχέσαντο μετ' αὐτῶν (8)  
 Ca. 1. 6. υἱὸς μητρὸς μου ἐμαχέσαντο ἐν ἐμοὶ (2)  
 Is. 27. 8. μαχόμενος καὶ διειδίξων ἐξαποστελεῖ αὐτοὺς (8)  
 28. 20. οὐ δυνάμεθα μ. +  
 Je. 40 (33). 5. τοῦ μ. πρὸς τοὺς Χαλδαίους (8)  
 II Ma. 10. 17. πάντας τε τοὺς ἐπὶ τῷ τείχει μαχομένους (8)  
 12. 36. τῶν δὲ περὶ τὸν Ἑ. ἐπὶ πλείον μαχομένων [Sm. Ge. 45. 24.] (8)  
 [Th. Ca. 1. 6.] (8)

**μάχη.** (1) מָחָה (2) מַחֲרִיב (3) מַחֲרִיב (4) מַחֲרִיב (5) *a.* מַחֲרִיב subst. *b.* מַחֲרִיב *c.* מַחֲרִיב verb.

Ge. 13. 7. καὶ ἐγένετο μ. ἀνὰ μέσον τῶν ποι-  
μένων (5 a)  
— 8. μὴ ἔστω μ. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ (5 b)  
Jo. 4. 13. τετρακισμύριοι εὗζωνοι εἰς μάχην (4)  
Jd. 11. 25. Ἀ μὴ μάχη [B μαχόμενος] ἐμαχέ-  
σατο (5 c)

20. 38. μετὰ τοῦ ἐνέδρου τῆς μ. [A al.] +  
II Ki. 22. 44. ῥύθη με ἐκ μάχης λαῶν (5 a)  
I Es. 1. 30. ἀποστήσατέ με ἀπὸ τῆς μ.  
Es. 3. 13. Ἀ ἀπολέσαι . . . ταῖς τῶν ἐθνῶν μ. [B S al.]

Jb. 38. 23. εἰς ἡμέραν πολέμων [A S -ου] καὶ μάχης (2)  
Pr. 15. 18. ἀνὴρ θυμώδης παρασκευάζει μάχας (1)  
17. 1. Ἀ S οἶκος πλήρης [B om.] πολλῶν αγα-  
θῶν . . . μετὰ μάχης (5 a)

— 14. προηγήται δὲ τῆς ἐνδείας στάσις καὶ μάχη (5 a ?)  
— 19. φιλαμαρτυρίων χαίρει [A κείρει] μάχαις (3)  
24. 67 (30. 32). εἰς . . . ἐκτείνης τὴν χεῖρά σου μετὰ μάχης +

— 68 (30. 33). ἐξελίσσονται κρίσεις καὶ μάχαι (5 a)  
25. 8. μὴ πρόσπιπτε εἰς μάχην ταχέως (5 c)  
— 10 (9). ἡ δὲ μ. σου καὶ ἡ ἔχθρα οὐκ ἀπέσται +  
26. 20. ἡσυχάζει μάχη (1)

— 21. ἀνὴρ δὲ λιδοφόρος εἰς ταραχὴν μάχης (5 a)  
Si. 6. 9. Ἀ B S<sup>2</sup> μάχην οὐκιδισμοῦ σου ἀποκαλύψει  
8. 16. μετὰ θυμώδους μὴ ποιήσης μάχην  
27. 14. ἡ μ. αὐτῶν ἐμφραγμός [S<sup>1</sup> στεναγμός] ὧτιον

— 15. ἔσθυσαι αἵματος μάχην ὑπερφάνων  
28. 8. ἀπόσχου ἀπὸ μάχης [S<sup>2</sup> ἀπόλυσαι ἀπὸ μέθης]  
— 8. ἀνθρώπος γὰρ θυμώδης ἐκκαύσει μάχην  
— 10. κατὰ τὴν στερέρειαν τῆς μ. ἐκκαυθήσεται  
— 11. μάχη καταστειδύουσα ἐκφέρει αἶμα

34 (31). 26. οὐτως οἶος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερφάνων  
Is. 58. 4. εἰς κρίσεις καὶ μάχας ἠγοστήτετε (3)  
I Ma. 7. 28. μὴ ἔστω μάχη  
10. 53. συνήγαγε πρὸς αὐτὴν μάχην  
II Ma. 10. 29 : 12. 11 : III Ma. 1. 4. γενομένης δὲ καρτερὰς μ.

[Aq. Pr. 13. 10 : J. E. 15. 10.]  
[Sm. Jd. 12. 2 : Ps. 73 (74). 22 : 79 (80). 7 :  
Pr. 10. 12 : 13. 10 : 16. 28 : 18. 6 : 19. 13 :  
22. 10 : 29. 22 : J. E. 15. 10.]  
[Th. Pr. 10. 12 : 13. 10 : 17. 14 : 22. 10 : Is. 41. 11, 12.]

**μαχητής.** (1) מַחֲרִיב (2) מַחֲרִיב (3) מַחֲרִיב

Jo. 6. 3. Ἀ περίστησαν αὐτῇ πάντας τοὺς μ. κύκλῳ [B al.] (1)  
Jd. 3. 29. Ἀ ἐπάταξαν . . . πάντας τοὺς μ. [B al.] +  
5. 23. Ἀ βοήθης ἡμῶν κύριος ἐν μ. δυνατοῖς [B al.] (2)  
12. 2. ἀνὴρ μαχητής [A ἀντιδικῶν] ἤμην ἐγώ (3)  
II Ki. 15. 18. B πάντες οἱ ἄνθρωποι καὶ πάντες οἱ μ. —  
24. 9. πεντακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν μαχητῶν —  
I Ch. 28. 1. B ἐξεκκλησίασε . . . τοὺς μ. [A R add. τῆς στρατίας] ἐν Ἱερ. (2)

Am. 2. 14. Ἀ<sup>2</sup> B οὐ μὴ σῶσθαι τὴν ψυχὴν αὐτοῦ [A<sup>2</sup> om. οὐ μὴ . . . αὐτοῦ] (2)  
Jl. 2. 7. ὡς μαχηταὶ δρομοῦνται (2)  
3 (4). 9. ἐξεγείρατε τοὺς μαχητάς (2)  
— 11. ὁ παῖς ἔστω μαχητής (2)  
Ob. 1. 9. πτοηθήσονται οἱ μ. σου οἱ ἐκ Θαιμίν (2)  
Hb. 1. 6. Ἀ ἐξεγείρω . . . τοὺς X. τοὺς μ. [B S om. τ. μ.] —

Za. 9. 13. ψαλφίσθω σε ὡς ῥομφαία μαχητοῦ (2)  
10. 5. ἔσονται ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλὸν (2)  
— 7. ἔσονται ὡς μαχηταὶ τοῦ Ἐφραίμ (2)  
Je. 20. 11. ὁ δὲ κύριος μετ' ἐμοῦ καθὼς μ. ἰσχύων [A al.] (2)

26 (46). 9. ἐξέλθατε οἱ μ. [A<sup>1</sup> μαθ.] Αἰθίοπων (2)  
— 12. μ. πρὸς μαχητὴν ἠσθένησεν (2, 2)  
27 (50). 9. ὡς βολίς μαχητοῦ συνετοῦ οὐκ ἐπι-  
στρέψει κενὴ (2)

— 36. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς μ. αὐτῆς (2)  
— 37. μάχαιραν ἐπὶ τοὺς μ. αὐτῶν +  
28 (51). 30. ἐξέλτε μ. Βαβυλῶνος τοῦ πολεμῆν (2)  
— 56. ἐάλωσαν οἱ μ. αὐτῆς (2)

**μαχθάμ.**

[Quint., Sext. Ps. 15 (16). 1.]

**μάχιμος.** (1) מַחֲרִיב (2) מַחֲרִיב (3) *a.* מַחֲרִיב *b.* מַחֲרִיב (4) מַחֲרִיב ni.

Jo. 5. 6. ἀπερίτμητοι ἦσαν οἱ πλείστοι αὐ. τῶν μ. (1)  
6. 3. περίστησαν αὐτῇ τοὺς μ. κύκλῳ [A al.] (1)  
— 6 (7). οἱ μ. παραπορευέσθωσαν (2)  
— 8 (9). οἱ δὲ μ. ἐμπροσθεν παραπορευέσθωσαν (2)  
— 12 (13). εἰσπορεύονται οἱ μ. (2)

IV Ki. 19. 25. ἐγενήθη εἰς ἐπάρσεις ἀπὸ οἰκεσιῶν μ. (4)  
Pr. 21. 9. B<sup>2</sup> μετὰ γυναικὸς μ. (3 a\*, 3 b)  
— 49. Ἀ B S μετὰ γυναικὸς μαχίμου καὶ γλωσσώδους [B γλ. κ. μ.] (3 a\*, 3 b)  
[Sm. Pr. 21. 9 : 27. 15.]  
[Th. Pr. 21. 9.]

**μαχούς (?)**  
Ne. 13. 21. Ἀ ἐκτενὸν τὴν μ. —  
**μάφαρ.** (1) מַחֲרִיב

II Ki. 24. 7. ἦλθον εἰς μ. Τύρου (1)  
**μαωξεί, μαωξείμ, μαωξείν.** (1) מַחֲרִיב  
Da. Th. 11. 38. θεὸν μ. . . δοξάσει (1)  
[Th. Da. 11. 38.]

**μαωξί.** (1) מַחֲרִיב  
Jd. 6. 26. B ἐπὶ κορυφῇ μ. τούτου (1)  
**μαώχ.**  
Jd. 6. 26. Ἀ ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄρους μ. [B al.] +  
**μεγαλαυχεῖν.** (1) מַגְלִיחַ (2) מַגְלִיחַ

Ps. 9. 39 (10. 18). Ἀ S ἵνα μὴ προσθῇ ἔτι τοῦ [B om.] μεγαλαυχεῖν ἄνθρωπος (2)  
Si. 48. 18. ἐμεγαλύνῃσεν ὑπερφανία [S -ian] αὐτοῦ  
Ze. 3. 11. οὐκ εἶ μὴ προσθῇς τοῦ μεγαλαυχεῖν (1)  
Ez. 16. 50. καὶ ἐμεγαλύνουν (1)  
II Ma. 15. 32. ἐπὶ τῶν . . . οἶκον ἐμεγαλύνῃσεν

**μεγαλαύχημα.**  
[Sm. Ez. 32. 12.]  
**μεγαλαυχία.**  
IV Ma. 2. 15. καὶ μεγαλαυχίας καὶ βασκανίας

**μεγαλείος (-λιος).** (1) *a.* מַגְלִיחַ *b.* מַגְלִיחַ (2) מַגְלִיחַ  
De. 11. 2. οὐδὲ ἴδωσαν . . . τὰ μ. αὐτοῦ (1 a)  
To. 11. 15. ἀπήγγειλε . . . τὰ μ. τὰ γενόμενα αὐτῷ [S al.] (1 b)  
Ps. 70 (71). 19. Ἀ ἐποίησας μεγαλεία (1 b)  
104 (105). 1. S<sup>1</sup> ἀπαγγέλλεται ἐν τοῖς ἔθνεσι τὰ μ. [A B S<sup>2</sup> ἔργα] αὐτοῦ (2)  
105 (106). 21. A<sup>2</sup> τοῦ ποιήσαντος μεγαλεία [A<sup>1</sup> B S -λα] ἐν Αἰγ. (1 b)

Si. 17. 8. δεῖξαι αὐτοῖς τὸ μ. τῶν ἔργων αὐτοῦ  
— 9. ἵνα διηγῶνται τὰ μ. τῶν ἔργων αὐτοῦ  
— 13. μεγαλείον δόξης ἴδωσιν οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. (2)  
18. 4. τίς ἐξιγιάσει τὰ μ. αὐτοῦ  
33 (36). 8. ἐκδιηγῆσάσθωσαν τὰ μ. σου  
42. 21. τὰ μ. τῆς σοφίας αὐτοῦ ἐκόσμησε  
43. 15. ἐν μεγαλείῳ αὐτοῦ ἰσχυσε νεφέλας  
45. 24. ἱερωσύνης μεγαλείον εἰς τοὺς αἰῶνας  
II Ma. 3. 34. διέγγελλε πᾶσι τὸ μ. τοῦ θ. κράτος  
7. 17. θεωρεῖ τὸ μ. αὐ. κράτος  
III Ma. 7. 22. B τὰ μ. τοῦ μεγίστου [A μεγάλου] θεοῦ ποιήσαντος

[Aq., Sext. Ps. 70 (71). 19.]  
[Sm. Ps. 70 (71). 19 : J. E. 32 (39). 21.]  
**μεγαλειότης.** (1) מַגְלִיחַ (2) מַגְלִיחַ

I Es. 1. 5. κατὰ τὴν μ. Σαλ.  
4. 40. καὶ ἡ μ. τῶν πάντων αἰῶνων  
Je. 40 (33). 9. ἔσται . . . εἰς μεγαλειότητα [S -λωνσύνην] παντὶ τῷ λαῷ  
Da. LXX. 7. 27. τὴν μ. αὐτῶν . . . ἔδωκε λαῷ ἀγίῳ (1)

[Aq. Ps. 70 (71). 21.]  
[Sm. Ps. 70 (71). 21 : 130 (131). 1.]  
[Al. L. E. 7. 35.]  
**μεγαλοδόξος.**  
III Ma. 6. 18. ὁ μ. παντοκράτωρ καὶ ἀληθινὸς θεός

**μεγαλοδόξως.**

III Ma. 6. 39. μ. ἐπιφάνας τὸ ἔλεος αὐ.

**μεγαλομέρευσις.**  
Si. 30. 22. S<sup>1</sup> ἀγγελλίμα ἀνδρὸς μεγαλομέρευσις [A B S<sup>2</sup> μακρομήμ.]

**μεγαλόθυμος.**

[Th. Pr. 19. 19.]

**μεγαλοκράτωρ.**

III Ma. 6. 2. βασιλεὺς μεγαλοκράτωρ

**μεγαλομερής.**

III Ma. 5. 8. ῥύσασθαι αὐτοὺς μετὰ μ. ἐπιφανείας

**μεγαλομερὺς.**

II Ma. 4. 22. Ἀ μ. [B -οπερὼς] δὲ . . . ἀπο-  
δεχθεῖς  
— 49. Ἀ μ. [B -οπερὼς] ἐχορήγησαν  
III Ma. 6. 33. εἰς οὐρανὸν ἀνθρομολογίτω μ.

**μεγαλοποιεῖν.**

Si. 50. 22. εὐλογῆσατε τῷ θεῷ πάντες τῷ μεγαλο-  
ποιούντι [A S πάντων τῷ μεγάλα ποι-  
οῦντι] πάντῃ  
**μεγαλοπρέπεια (-πία).** (1) מַגְלִיחַ (2) מַגְלִיחַ

(3) מַגְלִיחַ (4) מַגְלִיחַ  
Ps. 8. 1. ἐπὶ ῥῆθ' ἡ μ. σου ὑπεράνω τῶν οὐρανῶν (3)  
20 (21). 5. δόξαν καὶ μεγαλοπρέπειαν ἐπιθήσεις ἐπ' αὐτόν (2)  
28 (29). 4. Φωνὴ κυρίου ἐν μεγαλοπρεπείᾳ (2)  
67 (68). 34. ἐπὶ τὸν Ἰσραὴλ ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
70 (71). 8. ὄλην τὴν ἡμέραν τὴν μ. [S<sup>1</sup> τῆς μ.] (4)

95 (96). 6. ἀγιωσύνη καὶ μεγαλοπρέπεια ἐν τῷ ἀγιάσματι αὐτοῦ (4)  
103 (104). 1. Ἀ S<sup>2</sup> ἐξομολόγησιν καὶ μεγαλο-  
πρέπειαν [B S<sup>1</sup> εὐπρέπειαν] ἐνεδύσω (2)  
110 (111). 3. ἐξομολόγησις καὶ μεγαλοπρέπεια τὸ ἔργον αὐτοῦ (2)  
144 (145). 5. τὴν μ. τῆς δόξης τῆς ἀγιωσύνης σου λαλήσουσι (2)

— 12. καὶ τὴν δόξαν τῆς μ. τῆς βασιλείας σου (2)  
[Th. Ps. 103 (104). 1 : Is. 35. 2.]  
[Al. Ps. 144 (145). 5.]

**μεγαλοπρεπής.** (1) מַגְלִיחַ  
De. 33. 26. καὶ ὁ μ. τοῦ στερέωματος (1)  
II Ma. 8. 15. τῆς . . . ἐπικλήσεως τοῦ . . . μ. δνόματος αὐ. (1)  
15. 13. μεγαλοπρεπεστάτην εἶναι τὴν περὶ αὐτὸν ὑπεροχὴν

III Ma. 2. 9. καὶ παρεδόξασας ἐν ἐπιφανείᾳ μ.  
**μεγαλοπρεπὺς.**  
II Ma. 4. 22. B μ. [A -ομερὼς] δὲ . . . παρα-  
δεχθεῖς  
— 49. B μ. [A -ομερὼς] ἐχορήγησαν  
IV Ma. 5. 24. ὥστε μόνον τὸν ὄντα θεὸν σέβειν μ.

**μεγαλοπτερυγος.** (1) מַגְלִיחַ (2) מַגְלִיחַ  
Ez. 17. 3. ἀετὸς ὁ μέγας ὁ μ. (1)  
— 7. ἐγένετο ἀετὸς ἕτερος μέγας μ. (1)  
**μεγαλορρημονεῖν (-ορη-).** (1) מַגְלִיחַ hi.

(2) מַגְלִיחַ  
Ju. 6. 17. ὅσα ἐμεγαλορρημόνησεν Ὁλ.  
Ps. 34 (35). 26. οἱ μεγαλορρημονοῦντες ἐπ' ἐμέ (1)  
37 (38). 16. ἐπ' ἐμέ ἐμεγαλορρημόνησαν  
54 (55). 12. εἰ ὁ μισθὸν ἐπ' ἐμέ ἐμεγαλορρημό-  
νησεν (1)

Ob. 1. 12. B μὴ μεγαλορρημονῇ [B -ῆς, Ἀ S μεγαλορρημόνησιν] (2)  
Ez. 35. 13. ἐμεγαλορρημόνησας ἐπ' ἐμέ τῷ στό-  
ματί σου (1)

**μεγαλορρημοσύνη (-ορη-).** (1) מַגְלִיחַ  
I Ki. 2. 3. μὴ ἐξελεθάτω μ. ἐκ τοῦ στόματος ὑ. (1)  
**μεγαλορρήμων (-ορη-).** (1) מַגְלִיחַ (2) מַגְלִיחַ  
Ps. 11 (12). 3. ἐξελεθρεύσας κύριος . . . γλώσσας μεγαλορρήμονα (1)

III Ma. 6. 4. ἐπαρθένα . . . γλώσση μ.



Ge. 18. 18. γινόμενος ἔσται εἰς ἔθνος μ. καὶ πολὺ (2 α)  
 — 20. καὶ αἱ ἀμαρτίαι αὐτῶν μ. σφόδρα (5 α)  
 19. 11. τοὺς δὲ ἄνδρας . . . ἀπὸ μικροῦ ἕως  
 μεγάλου (2 α)  
 20. 9. ἐπήγαγεν ἐπ' ἐμέ . . . ἀμαρτίαν μεγάλην (2 α)  
 21. 8. ἐποίησεν Ἀβραὰμ δοχὴν μ. (2 α)  
 — 13. εἰς ἔθνος μ. ποιῶσιν αὐτὸν  
 — 18. εἰς γὰρ ἔθνος μ. ποιῶσιν αὐτόν (2 α)  
 25. 23. ὁ μείζων δουλεύσει τῷ ἐλάσσονι (21 ε)  
 26. 13. καὶ προβαίνων μείζων ἐγένετο  
 — 13. ἔως οὐ μ. ἐγένετο σφόδρα (16 β)  
 27. 33. ἐξίστη . . . ἔκστασιν μεγάλην σφόδρα (2 α)  
 — 34. ἀνέβησεν φωνὴν μεγάλην (2 α)  
 29. 2. λίθος δὲ ἦν μ. ἐπὶ τῷ στόματι  
 — 16. ὄνομα τῇ μείζονι Λεία (21 β)  
 38. 11. ἔως μ. γέννηται Σηλῶμ ὁ νῖός μου  
 — 14. ἰδε γὰρ οὐ μ. γέγονε Σηλῶμ (16 β)  
 39. 14. καὶ ἐβόσθη φωνὴ μ. (2 α)  
 45. 7. ἐκθρόνισαι ἡμῶν κατέλειψιν μεγάλην  
 — 28. μέγα μοι ἔστιν (12 α)  
 46. 3. εἰς γὰρ ἔθνος μ. ποιῶσιν σε ἐκεί  
 48. 16. ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ . . . μείζων αὐτοῦ ἔσται (22 β)  
 50. 9. καὶ ἐγένετο ἡ παρεμβολὴ μ. σφόδρα (5 β)  
 — 10. καὶ ἐκόψαντο αὐτὸν κοπετόν μ. (2 α)  
 — 11. πείθομαι γὰρ τοῦτο ἐστὶ τοῖς Αἰγυπτίοις (5 β)  
 Ex. 1. 9. τὸ γένος τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ μ. πλήθος (18)  
 2. 11. μ. γεγόμενος Μωϋσὴς ἐξῆλθε (16 β)  
 3. 3. ὄνομα τὸ ὄραμα τὸ μ. τοῦτο (2 α)  
 6. 6. ἐν βραχίονι ὑψηλῇ καὶ κρίσει μ. (2 α)  
 7. 4. ἐξέξω . . . τὸν λ. . . σὺν ἐκδικήσει μ. (2 α)  
 9. 3. ἐπίσται [Α ἔσται] . . . θάνατος μ. σφόδρα (5 β)  
 11. 3. μ. ἐγενήθη σφόδρα (2 α)  
 — 6. καὶ ἔσται κραυγὴ μ. κατὰ πᾶσαν γῆν (2 α)  
 12. 30. καὶ ἐγενήθη κραυγὴ μ. (2 α)  
 14. 31. εἶδε . . . τὴν γαίαν τὴν μ. (2 α)  
 18. 11. μ. κύριος παρὰ πάντας τοὺς θεοὺς (2 α)  
 19. 16. φωνὴ τῆς σάλπιγγος ἤχει μέγα (6)  
 23. 31. ἔως τοῦ ποταμοῦ [Α τ. π. τοῦ μ.] (2 α)  
 32. 10. καὶ ποιῶσιν σε εἰς ἔθνος μ. (2 α)  
 — 11. οὐς ἐξήγαγεν . . . ἐν ἰσχυρί μ. (2 α)  
 — 21. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς ἀμαρτίαν μ. (2 α)  
 — 20. ἡμεῖς ἡμαρτήκατε ἀμαρτίαν μ. (2 α)  
 — 31. ἡμαρτήκεν ὁ λαὸς οὗτος ἀμαρτίαν μ. (2 α)  
 38. 13. λαὸς σου τὸ ἔθνος τὸ μ. [Α ἔσται, τὸ μ.] τοῦτο - (2 α)  
 Le. 21. 10. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. ἀπὸ τῶν ἀδ. αὐτοῦ (2 α)  
 Nu. 11. 33. ἐπάταξε . . . πληγὴν μ. σφόδρα (12 α)  
 13. 29 (28). καὶ πόλεις ὄχυραί τετελιχίσθη μ. (2 α)  
 14. 12. ποιῶσιν σε . . . εἰς ἔθνος μ. (2 α)  
 — 19. κατὰ τὸ μ. ἐλεός σου (2 α)  
 22. 18. ποιῶσαι αὐτὸ μικρόν ἢ μέγα (2 α)  
 34. 6. ἡ θάλασσα ἡ μ. ὀρεῖ (2 α)  
 — 7. ἀπὸ τῆς θαλάσσης τῆς μ. (2 α)  
 35. 25, 28. ἔως ἀν ἀποδύω ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 α)  
 — 28. μετὰ τὸ ἀποδυέναι τὸν ἱερέα τὸν μ. (2 α)  
 — 32. ἔως ἀν ἀποδύω ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 α)  
 De. 1. 7. ἔως τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. (2 α)  
 — 17. κατὰ τὸν μικρόν καὶ κατὰ τὸν μ. κρινεῖς (2 α)  
 — 19. πᾶσαν τὴν ἐρημον τὴν μ. (2 α)  
 — 28. ἔθνος μ. καὶ πολὺ (2 α)  
 — 28. πόλεις μ. καὶ τετελιχισμέναι (2 α)  
 2. 7. πᾶς διήλθεν τὴν ἐρημον τὴν μ. (2 α)  
 — 10, 21. ἔθνος μ. καὶ πολὺ (2 α)  
 4. 6. τὸ ἔθνος τὸ μ. τοῦτο (2 α)  
 — 7. 8. ποῖον ἔθνος μ. (2 α)  
 — 11. Β<sup>3</sup> θύελλα φωνῇ μ. [Β<sup>1</sup> οτ. μ., Α Β  
 οτ. φ. μ.] (2 α)  
 — 32. κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ μ. τοῦτο (2 α)  
 — 34. Α Β<sup>3</sup> Β καὶ ἐν ὁράμασι μ. (2 α)  
 — 36. θδεῖξέ σοι τὸ πῦρ αὐ. τὸ μ. (2 α)  
 — 37. ἐν τῇ ἰσχυρί αὐτοῦ τῇ μ. (2 α)  
 — 38. ἐξολοθρευθεὶς ἔσται μ. (2 α)  
 5. 22 (19). γρόθος θύελλα φωνῇ μ. (2 α)  
 — 25 (22). ἐξανωλόκει ἡμᾶς τὸ πῦρ τὸ μ. τοῦτο (2 α)  
 6. 10. δοῖνά σοι πόλεις μ. (2 α)  
 — 22. σημεῖα καὶ τέρατα μ. (2 α)  
 7. 1. ἐξάρει ἔθνη μ. (12 α)  
 — 1. ἐπὶ ἔθνη πολλὰ [Β<sup>1</sup> μ., Α μ. καὶ π.] (12 α)  
 — 19. τοὺς πειρασμούς τοὺς μ. (2 α)  
 — 19. Β<sup>1</sup> καὶ τὰ τέρατα [Α Β<sup>3</sup> Β add. τὰ μ. ἐκ.] (2 α)  
 — 21. β. μέγας καὶ κραταῖος (2 α)  
 — 23. ἀπολεῖς αὐτοὺς ἀπωλεία μ. (2 α)  
 8. 15. διὰ τῆς ἐρήμου τῆς μ. (2 α)  
 — 17. ἐπαίσει μοι τὴν δύναμιν τὴν μ. τ. (2 α)  
 9. 1. κληρονομήσαι ἔθνη μ. (2 α)  
 — 1. πόλεις μ. καὶ τεύχερες (2 α)  
 — 2. λαὸν μ. καὶ πολὺν (2 α)

De. 9. 14. ποιῶσιν σε εἰς ἔθνος μ. (2 α)  
 — 26. Α ἐν τῇ ἰσχυρί σου τῇ μ. (20)  
 — 26. ἐν τῇ ἰσχυρί σου τῇ μ. (2 α)  
 — 26. Α καὶ ἐν τῇ βραχίονί σου τῇ μ. [Β ὑψηλῇ] (2 α)  
 — 29. ἐν τῇ ἰσχυρί σου τῇ μ. (2 α)  
 10. 17. ὁ θεὸς ὁ μ. καὶ ἰσχυρὸς (2 α)  
 — 21. ὅστις ἐποίησεν ἐν σοὶ τὰ μ. (2 α)  
 11. 7. Α Β πάντα τὰ ἔργα κυρίου τὰ μ. [Β οτ.  
 τ. μ.] (2 α)  
 — 23. κληρονομήσετε ἔθνη μ. (2 α)  
 — 24. ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. (2 α)  
 15. 9. ἔσται ἐν σοὶ ἀμαρτία μ. (2 α)  
 18. 16. τὸ πῦρ τὸ μ. τοῦτο οὐκ ὀφύμεθα ἔτι (2 α)  
 25. 13. στάθμον καὶ στάθμον μ. ἡ μικρόν (2 α)  
 — 14. μέτρον καὶ μέτρον μ. ἡ μικρόν (2 α)  
 26. 5. ἐγένετο ἐκεί εἰς ἔθνος μ. καὶ πληθὸς πολὺ  
 [Α add. καὶ μ.] (2 α, 12 α ?)  
 — 8. ἐν ἰσχυρί αὐ. τῇ [Α οτ. αὐ. τῇ] μ. . . καὶ  
 ἐν ὁράμασι μ. (2 α)  
 27. 2. στήσεις σεαυτῷ λίθους μ. (2 α)  
 — 14. ἐροῦσι παντὶ Ἰσρ. φωνῇ μ. (14)  
 28. 59. πληγὰς μ. καὶ θανάτους μ. (2 α)  
 29. 3 (2). τοὺς πειρασμούς τοὺς μ. (2 α)  
 — 3 (2). καὶ τὰ τέρατα τὰ μ. ἐκείνα (2 α)  
 — 24 (23). τίς ὁ θυμὸς τῆς ὀργῆς ὁ μ. οὗτος (2 α)  
 — 28 (27). ἐν . . . παροξυσμῷ μ. σφόδρα (2 α)  
 34. 12. τὰ θαυμάσια τὰ μ. καὶ τὴν χεῖρα τὴν  
 κραταίαν (2 α)  
 Jo. 1. 4. ἔως τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. ποταμοῦ (2 α)  
 6. 19 (20). ἀλλαγμὸν μ. καὶ ἰσχυρῶ (2 α)  
 7. 1. ἐπλημμελίησαν . . . πλημμελίαν μ. [Α οτ.] †  
 — 9. τί ποιήσεις τὸ ὄνομά σου τὸ μ. (2 α)  
 — 26. ἐπίστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων μέγαν (2 α)  
 9. 1. οἱ ἐν πάσῃ τῇ παραλίᾳ τῆς θαλ. τῆς μ. (2 α)  
 10. 2. πόλεις μ. Γαβδὰν (2 α)  
 — 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κ. συντρίψει μ. [Α  
 — τιν μ.] (2 α)  
 — 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπὴν μ. σφόδρα (2 α)  
 11. 2. τοὺς βασιλεῖς τοὺς κατὰ Σιδῶνα τὴν μ. (2 α)  
 — 8. κατεδιόκουν ἕως Σιδῶνος τῆς μ. (12 α)  
 13. 8. ἀπὸ τοῦ Ἰ. ἔως τῆς θαλάσσης τῆς μ. (2 α)  
 — 8. ἡ θάλασσα ἡ μ. ὀρεῖ (2 α)  
 14. 12. πόλεις ὄχυραί καὶ μ. (2 α)  
 15. 12. ἡ θάλασσα ἡ μ. ὀρεῖ (2 α)  
 — 47. ἡ θάλασσα ἡ μ. διορίζει (†\*, 2 α)  
 17. 17. εἰ . . . ἰσχύιν μ. ἔχεις (2 α)  
 19. 9. ἐγενήθη ἡ μερίς υἱῶν Ἰ. μείζων τῆς αὐτῶν (21 ε)  
 — 28. ἔως Σιδῶνος τῆς μ. (12 α)  
 20. 6. Α ἔως ἀποδύω ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 α)  
 22. 10. Β<sup>1</sup> βωμόν μ. ἐπὶ [Α Β<sup>3</sup> Β οτ.] τοῦ ἰδεῖν (2 α)  
 23. 4. ἀπὸ τῆς θαλάσσης τῆς μ. ὀρεῖ (2 α)  
 — 9. ἔθνη μ. καὶ ἰσχυρά (2 α)  
 24. 4. ἐγένετο ἐκεί εἰς ἔθνος μ. (2 α)  
 — 26. ἐλαβε λίθους μ. (2 α)  
 j. d. 2. 7. πᾶν τὸ ἔργον κυρίου τὸ μ. (2 α)  
 6. 15. μεγάλοι ἐξουσιούμενοι καρδίας [Α α.] (2 α)  
 — 16. μεγάλοι ἐξέτασμοι καρδίας [Α α.] (2 α)  
 11. 33 : 15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς . . . πληγὴν μ. (2 α)  
 15. 18. τὴν σωτηρίαν τὴν μ. ταύτην (2 α)  
 16. 5. ἰδε ἐν τίνι ἡ ἰσχύς αὐ. ἡ μ. (2 α)  
 — 6, 15. ἐν τίνι ἡ ἰσχύς σου ἡ μ. (2 α)  
 — 23. θύσαι θυσιάσμα μ. [Α θυσίαν μ.] (2 α)  
 21. 2. ἐκλαυσαν κλαυθρόν μ. (2 α)  
 — 5. ὁ ὄρκος μ. ἦν (2 α)  
 I Ki. 2. 14. ἐπάταξεν αὐτὴν εἰς τὸν λίσθητα  
 τὸν μ. (2 α)  
 — 17. ἦν ἡ ἀμαρτία . . . μεγάλη σφόδρα (2 α)  
 4. 5. ἀνέκραξε πᾶς Ἰσρ. φωνῇ μ. (2 α)  
 — 6. τίς ἡ κραυγὴ ἡ μ. αὐτῇ (2 α)  
 — 10. ἐγένετο πληγὴ μ. σφόδρα (2 α)  
 — 17. ἐγένετο πληγὴ μ. ἐν τῷ λαῷ (2 α)  
 5. 6. ἐγένετο σύγχυσις [Α χ.] θανάτου μ. (2 α)  
 — 9. ταραχὸς μ. σφόδρα (2 α)  
 — 9. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (2 α)  
 6. 9. πεποίηκεν ἡμῖν τὴν κακίαν τ. τὴν μ. τ. (2 α)  
 — 14. ἔστησαν ἐκεί παρ' αὐτῇ λίθους μ. (2 α)  
 — 15. ἔθεντο ἐπὶ τοῦ λίθου τοῦ μ. (2 α)  
 — 18. καὶ ἔως λίθου τοῦ μ. (2 α)  
 — 19. ἐπάταξε κύριος . . . πληγὴν μ. σφόδρα (2 α)  
 7. 10. ἐβρόντησε κύριος ἐν φωνῇ μ. (2 α)  
 10. 2. εὐρήσεις δύο ἄνδρας . . . ἀλλομένους μεγάλα - (2 α)  
 12. 16. ἰδετε τὸ ῥῆμα τὸ μ. τοῦτο (2 α)  
 — 17. ἡ κακία ὑμῶν μ. (12 α)  
 — 22. Β διὰ τὸ ὄνομα αὐτοῦ τὸ μ. (2 α)  
 14. 20. σύγχυσις μ. σφόδρα (2 α)  
 — 24. ἡγρόνησαν ἄγνοια μ. † (2 α)

I Ki. 14. 30. Β<sup>1</sup> νῦν ἀν μείζων [Α Β<sup>3</sup> Β add.  
 ἦν] ἡ πληγὴ (21 d [22 a]) (2 α)  
 — 33. κυλίσσεται μοι λίθον ἐνταῦθα μ. (2 α)  
 — 45. ὁ ποιῶσας τὴν σωτηρίαν τὴν μ. ταύτην (2 α)  
 17. 13. Α οἱ τρεῖς υἱοὶ Ἰ. οἱ μείζονες (21 β)  
 — 14. Α οἱ τρεῖς οἱ μείζονες ἐπορεύθησαν  
 ὀπίσω Σ. (21 β)  
 — 25. Α πλουτίζει αὐτὸν ὁ βασιλ. πλοῦτον μ. (2 α)  
 — 28. Α ἔλ. ὁ ἀδ. αὐτοῦ ὁ μείζων (21 β)  
 18. 17. Α ἡ θυγάτηρ μου ἡ μείζων Μ. (21 β)  
 19. 5. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μ. (2 α)  
 — 8. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μ. σφόδρα (2 α)  
 — 22. Α ἔως τοῦ φρέατος τοῦ μ. [Β ἄλω] (2 α)  
 20. 2. Α Β οὐ μὴ ποιῇσθ ὁ πατήρ μου ῥῆμα μ.  
 ἡ [Β οτ. ρ. μ. ἡ] μικρόν (2 α)  
 — 41. ἔως συντελείας μ. (2 α)  
 22. 15. ῥῆμα μικρόν ἡ μ. (2 α)  
 23. 5. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς πληγὴν μ. (2 α)  
 25. 2. καὶ ὁ ἀνθρώπος μ. σφόδρα (2 α)  
 — 36. ῥῆμα μικρόν ἡ μ. (2 α)  
 28. 12. ἀνέβησεν φωνὴν μ. (2 α)  
 30. 2. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (2 α)  
 — 16. ἐν πᾶσι τοῖς σκύλοις τοῖς μ. (2 α)  
 — 19. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (2 α)  
 II Ki. 3. 38. ἡγούμενος μ. πέπτωκεν (2 α)  
 7. 9. κατὰ τὸ ὄνομα τῶν μ. (2 α)  
 13. 15. ἐμίσησεν αὐτὴν Ἀ. μίσος μ. σφόδρα (2 α)  
 — 15. μ. τὸ μίσος ὁ ἐμίσησεν αὐτὴν (2 α)  
 — 15. Β μείζων ἡ κακία ἡ ἐσχάτη (2 α)  
 — 16. εἶπεν αὐτῷ Θ. περὶ τῆς κακίας τῆς μ.  
 ταύτης (2 α)  
 — 36. ἐκλαυσαν κλαυθρόν μ. (2 α)  
 15. 23. πᾶσα ἡ γῆ ἐκλαυε φωνῇ μ. (2 α)  
 18. 7. ἐγένετο ἡ θραύσις μ. (2 α)  
 — 9. ὑπὸ τὸ δάσος τῆς δρυὸς τῆς μ. (2 α)  
 — 17. ἔτριψεν αὐτὸν [Α οτ.] εἰς χάσμα μ. . . .  
 εἰς τὸν βόθυνον τὸν μ. (2 α)  
 — 17. σωρὸν λίθων μέγαν σφόδρα (2 α)  
 — 29. εἶδον τὸ πλῆθος τὸ μ. (2 α)  
 19. 4 (5). ἐκραξεν ὁ βασιλ. [Α add. ἐν] φωνῇ μ. (2 α)  
 — 32 (33). ἀνὴρ μ. ἐστὶν σφόδρα (2 α)  
 20. 8. καὶ αὐτοὶ παρὰ τῷ λίθῳ τῷ μ. (2 α)  
 23. 10, 12. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μ. (2 α)  
 24. 6. ἐκύκλωσαν εἰς Σ. [Α add. τὴν μ.] (2 α)  
 III Ki. 1. 40. καὶ εὐφρανόμενοι εὐφροσύνην μ. (2 α)  
 2. 22. οὗτος ἀδελφός μου ὁ [Α οτ.] μ. ντὲρ  
 ἐμέ (2 α)  
 3. 1. ἐποίησε . . . τοὺς λουτήρας τοὺς μ. (2 α)  
 — 4. αὐτὴ ὑψηλοτάτη καὶ μ. (2 α)  
 — 6. σὺ ἐποίησας . . . ἔλαος μ. (2 α)  
 — 6. ἐφύλαξας αὐτὸ τὸ ἔλκος τὸ μ. τοῦτο (2 α)  
 — 15. ἐποίησε πότον μ. ἐαυτῷ (2 α)  
 4. 13. ἐξήκοντα πόλεις μ. τεύχερες (2 α)  
 6. 1 (5. 17 [31]). αἶρουσι λίθους μ. (2 α)  
 7. 9. καὶ ἐξέθεν ἐἰς τὴν αὐλὴν τὴν μ. (2 α)  
 — 10. τὴν τεθμενίαν μ. ἐν τιμίοις λίθοις μ. (2 α)  
 — 12. Β τῆς αὐλῆς τῆς μ. κύκλοι [Α Β -φ] (2 α)  
 8. 42. Α ἀκούσουσιν τὸ ὄνομα σου τὸ μ. (2 α)  
 — 55. εὐλόγησε . . . φωνῇ μ. (2 α)  
 — 65. ἐκκλησία μ. ἀπὸ τῆς εἰσόδου Ἰ. Η. (2 α)  
 10. 18. ἐποίησεν ὁ βασιλ. θρόνον ἐλεφάντινον μ. (2 α)  
 11. 19. Β ἀδελφὴν Θεκ. τῆς [Α τὴν, Β οτ.]  
 μείζω (21 α)  
 12. 24. Β αὐτὴ ἦν μ. ἐν μέσῳ τῶν θυγ. τοῦ βασιλ. (2 α)  
 13. 27. ἐπικαλείσθαι ἐν φωνῇ μ. (2 α)  
 — 28. ἐπεκαλοῦντο ἐν φωνῇ μ. (2 α)  
 — 45. ἐγένετο ὁ υἱὸς μ. (2 α)  
 19. 11. πνεῦμα μ. κραταῖον διαλύον ὄρη (2 α)  
 21 (20). 13. εἰ ἐώρακας τὸν ὄχλον τὸν μ. τοῦτον (2 α)  
 — 21. ἐπάταξε πληγὴν μ. (2 α)  
 — 28. ὥσω [Α -σει] τὴν δύναμιν τὴν μ. τ. (2 α)  
 22. 31. μὴ πολεμεῖτε μικρόν καὶ μέγαν (2 α)  
 IV Ki. 3. 27. ἐγένετο μετὰ μελὸς μ. ἐπὶ Ἰσρ. (2 α)  
 4. 8. καὶ ἐκεί γυνὴ μ. (2 α)  
 — 38. Α ἐπίστησεν τὸν λίσθητα τὸν μ. [Β οτ.  
 τ. μ.] (2 α)  
 5. 1. Ναϊμὰν . . . ἦν ἀνὴρ μ. (2 α)  
 — 13. μέγαν λόγον ἐλάλησεν ὁ προφήτης (2 α)  
 6. 23. παρέθηκεν αὐτοῖς παράθεσις μ. (2 α)  
 — 25. ἐγένετο λιμός μ. ἐν Σαμ. (2 α)  
 7. 6. φωνὴν δυνάμους μεγάλης (2 α)  
 8. 4. διηγῆσαι δὴ μοι πάντα τὰ μ. (2 α)  
 10. 19. θυσία μ. μοι τῷ Βάλ. (2 α)  
 — 21. Β θυσίαν μ. ποιῶ (2 α)  
 12. 10 (11). ἀνέβη . . . ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2 α)  
 16. 15. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὸ μ. πρόσφερε (2 α)



IV Kt. 17. 21. ἐξήμαρτεν αὐτοὺς ἀμαρτίαν μ. (2a)  
— 36. ὁ ἀνήγαγεν ὑμᾶς . . . ἐν ἰσχύϊ μ. (2a)  
18. 19. τὰδε λέγει ὁ βασις. ὁ μ. βασιλεὺς Ἀσσ. (2a)  
— 28. Α Β ἐβόσθη μεγάλη [B φωνή μ.] ἰου-  
δαϊστί (2a)  
— 28. ἀκούσατε τοὺς λόγους τοῦ μ. βασι. (2a)  
20. 3. ἔκλαυσεν Ἐξ. κλαυθμῷ μ. (2a)  
22. 4. ἀνάβηθι πρὸς Χ. τὸν ἱερέα τὸν μ. (2a)  
— 8. εἶπε Χ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2a)  
— 13. μ. ἡ ὀργὴ κυρίου ἡ ἐκκεχυμένη (2a)  
23. 2. ἀπὸ μικροῦ καὶ ὥς μεγάλου (2a)  
— 4. ἐνετειλάτο . . . τῷ ἱερεὶ τῷ μ. (2a)  
— 26. Β ἀπὸ θυμοῦ τῆς ὀργῆς αὐ. τοῦ μ. [A B  
τῆς μ.] (2a)  
25. 26. ἀπὸ μικροῦ καὶ ὥς μεγάλου (2a)  
I Ch. 9. 31. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς θυσίας τοῦ τηγάνου  
τοῦ μ. ἱερέως -  
11. 14. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μ. (2a)  
12. 14. εἰς τοὺς ἑκατὸν μικροὺς καὶ μέγας τοὺς  
χιλίας (2a)  
— 22. ἤρχοντο πρὸς Δ. εἰς δύναμιν μ. (2a)  
16. 25. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (2a)  
17. 8. κατὰ τὸ ὄνομα τῶν μ. τῶν ἐπὶ τῆς γῆς  
— 21. τοῦ θέσθαι αὐτῷ ὄνομα μ. (2d)  
22. 8. πολέμους μ. ἐποίησας (2a)  
25. 8. 26. 13. κατὰ τὸν μικρὸν καὶ κατὰ τὸν μ. (2a)  
29. 1. κατὰ τὸ ἔργον μ. (2a)  
II Ch. 1. 8. ἐποίησας μετὰ Δ. τοῦ πατρὸς μου  
ἔλεος μ. (2a)  
— 10. τίς κρινεῖ τὸν λαόν σου τὸν μ. τοῦτον (2a)  
2. 5 (4). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας ὅτι μ.  
ὁ θεὸς ἡμῶν (2a, 2a)  
— 9 (8). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (2a)  
3. 5. τὸν οἶκον τὸν μέγαν ἐξύλωσε (2a)  
4. 9. ἐποίησε . . . τὴν αὐλήν τὴν μ. (2a)  
6. 32. καὶ ἔλθῃ . . . διὰ τὸ ὄνομα σου τὸ μ. (2a)  
7. 8. πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ ἐκκλησία μ. σφόδρα (2a)  
9. 17. ἐποίησεν ὁ βασις, θρόνον . . . μέγαν (2a)  
13. 17. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μ. (12a)  
15. 14. ὤμωσαν . . . ἐν φωνῇ μ. (2a)  
16. 14. ἐποίησαν αὐτῷ ἐκφορὰ μ. (2a)  
17. 12. ἦν Ἰ. πορευόμενος μέζων (21c)  
18. 30. μὴ πολεμεῖτε τὸν μικρὸν καὶ τὸν μ. (2a)  
20. 19. αἰνεῖν κ. θεῷ Ἰσρ. ἐν φωνῇ μ. (2a)  
— 27. καὶ Ἰωσ. ἡγουμένος αὐ. ἐν εὐφροσύνῃ μ. -  
21. 14. πατάξει σε πληγὴν μ. (2a)  
24. 11. ὁ προστάτης τοῦ ἱερέως τοῦ μ. (11)  
— 25. ἐν τῷ ἐγκαταλιπεῖν αὐτὸν ἐν μαλακίαις  
μ. (12a)  
26. 15. βάλλειν . . . λίθοις μ. (2a)  
28. 5. Β ἐπάταξεν ἐαυτῷ [A B ἐν αὐ.] πλη-  
γὴν μ. (2a)  
30. 21. ἐποίησαν . . . τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζ. . .  
ἐν εὐφροσύνῃ μ. (2a)  
— 26. ἐγένετο εὐφροσύνη μ. ἐν Ἱερ. (2a)  
31. 15. κατὰ τὸν μ. καὶ τὸν μικρόν (2a)  
32. 18. ἐβόσθη φωνῇ μ. Ἰουδαϊστί (2a)  
34. 9. ἦλθον πρὸς Χ. τὸν ἱερέα τὸν μ. (2a)  
— 21. μ. ὁ θυμὸς κυρίου ἐκκέκασται (2a)  
— 30. πᾶς ὁ λαὸς ἀπὸ μεγάλου ὥς μικροῦ (2a)  
35. 19. ἀπὸ ὀργῆς θυμοῦ αὐ. τοῦ μ. -  
36. 18. πάντα τὰ σκεύη οἴκου θεοῦ τὰ μ. (2a)  
I Es. 1. 54. πάντα τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. τὰ μ.  
3. 1. ἐποίησαν . . . τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζ. . .  
ἐν εὐφροσύνῃ μ. (2a)  
— 5. δώσει αὐτῷ Δ. ὁ βασις, δωρεὰς μ. καὶ ἐπινίκια μ.  
4. 14. οὐ μέγας ὁ βασις. (2a)  
— 28. οὐχὶ μέγας ὁ βασις. τῇ ἐξουσίᾳ αὐ. (2a)  
— 34. μεγάλη ἡ γῆ καὶ ὑψηλὸς ὁ οὐρ. (2a)  
— 35. οὐχὶ μέγας δε ταῖτα ποιεῖ (2a)  
— 35. ἡ ἀλήθεια μεγάλη (2a)  
— 41. μεγάλη ἡ ἀλήθεια καὶ ὑπερισχύει (2a)  
5. 62. ἐβόσθη φωνῇ μ. (2a)  
— 64. ἦλθον . . . μετὰ . . . κλαυθμοῦ μ. (2a)  
— 64. καὶ χαρὰ [A -ās] μεγάλη τῇ φωνῇ (2a)  
6. 9. οἰκοδομούντας οἶκον τῷ κ. μέγαν (2a)  
— 14. διὰ βασιλείας τοῦ Ἰσρ. μεγάλου (2a)  
8. 76. ἐσμέν ἐν μ. ἀμαρτία (2a)  
— 86. γίνετα διὰ . . . τὰς μ. ἀμαρτίας (2a)  
— 91. κλαυθμὸς γὰρ ἦν μ. ἐν τῷ πληθεῖ (2a)  
9. 2. Β πνεύθων ὑπὲρ [A B ἐπὶ] τῶν ἀνομιῶν τῶν μ.  
— 10. εἶπον μ. τῇ φωνῇ (2a)  
II Es. 3. 11. Β ἐσημαίνον φωνῇ μ. [A B al.] (2a)  
— 12. ἐκλαυθ φωνῇ μ. (2a)  
— 13. ἐκραύησας φωνῇ μ. (2a)  
4. 10. ὃν ἀπῆκισεν Ἀρ. ὁ μ. (12a)  
5. 8. εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ τοῦ μ. (12a)

II Es. 5. 11. βασιλεὺς τοῦ Ἰ. μέγας ᾠκοδό-  
μησεν αὐτόν (12a)  
9. 7. ἐσμέν ἐν πλημμυρίᾳ μ. (2a)  
— 13. ἐν πλημμυρίᾳ ἡμῶν τῇ μ. (2a)  
10. 12. μέγα τοῦτο τὸ ῥῆμά σου (2a)  
Ne. 1. 3. ἐν ποτηρίᾳ μ. καὶ ἐν ὀνειδισμῷ (2a)  
— 5. ὁ ἱσχυρὸς ὁ μ. καὶ φοβερός (2a)  
— 10. ἐν τῇ δυνάμει σου τῇ μ. [S<sup>1</sup> om. τ. μ.] (2a)  
3. 1. ἀνίστη Ἐλ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. (2a)  
— 20. ὥς θύρας Β. τοῦ ἱερέως τοῦ μ. (2a)  
— 27. ἐξ ἐναντίας τοῦ πυργου τοῦ μ. (2a)  
4. 14 (8). μνησθήτε τοῦ λαοῦ ἡμῶν τοῦ μ. (2a)  
5. 1. ἦν κραυγὴ τοῦ θεοῦ . . . μεγάλη (2a)  
— 7. ἔδωκα ἐπ' αὐτοὺς ἐκκλησίαν μ. (2a)  
6. 3. ἔργον μ. ἐγὼ ποιῶ (2a)  
— 16. S ἐπέπεσε φόβος μ. [A B om.] σφόδρα -  
7. 4. ἡ πόλις πλατεία καὶ μ. (2a)  
8. 6. ἠυλόγησε Ἐ. κ. τὸν θεὸν τὸν μ. (2a)  
— 12. καὶ ποιήσῃ εὐφροσύνην μ. (2a)  
— 17. καὶ ἐγένετο εὐφροσύνη μ. (2a)  
9. 4. ἐβόσθη φωνῇ μ. [A om.] (2a)  
— 18. ἐποίησαν παροργισμοὺς μ. (2a)  
— 19. Α σὺ ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς μ. [B S  
πολλοῖς] (12a)  
— 25. ἐν ἀγαθότητι σου τῇ μ. (2a)  
— 26. ἐποίησαν παροργισμοὺς μ. (2a)  
— 27. ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς μ. (12a)  
— 32. ὁ ἱσχυρὸς ὁ μ. ὁ κραταίος (2a)  
— 37. ἐν θλίψει μ. ἐσμέν (2a)  
11. 14. S<sup>2</sup> B υἱὸς τῶν μ. (2a)  
12. 31. S<sup>2</sup> B ἔσθητα [R -an] δύο περὶ αἰνέσεως  
μεγάλους (2a)  
— 43. ἔθυσαν . . . θυσιασμάτων μ. (2a)  
13. 5. ἐποίησεν ἐαυτῷ γαστρονομίαν μ. [B<sup>1</sup>  
om.] (2a)  
— 27. ποιῆσαι πᾶσαν ποτηρίαν [S<sup>2</sup> add. τὴν  
μ.] ταύτην (2a)  
— 28. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. τοῦ Ἐλ. τοῦ ἱερέως τοῦ μ.  
νυμφίου τοῦ Σ. (2a)  
To. 3. 17. ἐνώπιον τῆς δόξης τοῦ μ. Ἰ. [S τοῦ θ.]  
4. 13. Α Β ἐν τῇ ἀχρεΐᾳ ἐλάττωσι καὶ ἐνδεῖα μ.  
5. 12. ἐγὼ Ἀδρίας Ἀνανίου τοῦ μ.  
— 13. τοὺς υἱοὺς Σεμ. τοῦ μ.  
— 13. Α ἐκ βίβης μ. [B καλῆς, S ἀγαθῆς] εἰ  
6. 2. S ἀναπῆρξας ἰχθύος μ. [A B al.]  
9. 4. ἐν χρόνῳ μέγα [S al.]  
11. 14. S εὐλογοῦν τὸ ὄνομα τὸ μ. αὐ. [A B al.]  
— 14. S γίνετο τὸ ὄνομα τὸ μ. αὐ. ἐφ' ἡμᾶς  
12. 22. ἐξωμολογούντο τὰ ἔργα τὰ μ. [S al.]  
13. 2. S ἀνίγει ἐκ τῆς ἀπωλείας τῆς μ. [A B al.]  
— 15. Α B ἐλλογίω τὸν θεὸν τὸν βασιλέα τὸν μ.  
[B S al.]  
Ju. 1. 1. ἐν Νιν. τῇ πόλει τῇ μ. [S τῇ μ. π.]  
— 5. Α S B ἐποίησαν πόλεμον . . . ἐν [B om.] τῷ  
πεδίῳ τῷ μ.  
— 8. καὶ τὸ μ. πεδίον Ἑσρ.  
2. 5. τὰδε λέγει ὁ βασιλεὺς ὁ μ.  
3. 2. ἡμεῖς οἱ παῖδες Ναβ. βασιλεὺς μεγάλου  
— 9. Α B S<sup>2</sup> ἡ ἔστιν ἀπάντη τοῦ πρίονος τοῦ μ.  
4. 6. ἔγραψεν Ἰω. ὁ ἱερεὺς ὁ μ.  
— 8. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς Ἰ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ.  
— 9. ἀνεβόσθη . . . ἐν εκτενεῖ μ.  
— 9. ἐταπεινούσαν τὰς ψυχὰς αὐ. [S<sup>2</sup> add. νη-  
στιά μ.] ἐν εκτενεῖ μ. [S om. ἐν ἐ. μ.]  
— 14. Ἰω. ὁ ἱερεὺς ὁ μ. [S<sup>1</sup> om. ὁ μ.]  
7. 23. ἀνεβόσθη [A ἐβ.] φωνῇ μ.  
— 24. ἐποίησατε ἐν ἡμῖν ἀδικίαν μ.  
— 25. ἐν δίψῃ καὶ ἀπολείᾳ μ.  
— 29. καὶ ἐγένετο κλαυθμὸς μ.  
— 29. ἐβόσθη πρὸς κ. τὸν θεὸν φωνῇ μ.  
8. 19. ἔπεσον πτώμα μ.  
9. 1. ἐβόσθη φωνῇ μ. [A -ῖν μ.]  
13. 4. 13. ἀπὸ μικροῦ ὥς μεγάλου  
— 14. εἶπε πρὸς αὐτοὺς φωνῇ μ.  
14. 9. ἠλάλαξεν ὁ λαὸς φωνῇ μ.  
— 16. ἐβόσθη φωνῇ μ.  
— 19. ἐγένετο αὐτῶν κραυγὴ καὶ βοή μ.  
15. 5. ὑπερέκρασαν αὐτοὺς πληγῇ μ. [A -ῖν μ.]  
— 8. Ἰ. ὁ ἱερεὺς ὁ μ.  
— 9. σὺ γανυρία μ. τοῦ Ἰσρ.  
— 9. σὺ καυχῆμα μ. τοῦ γένους ἡμῶν  
16. 13. κύριε, μέγας εἰ  
— 16. ὁ δὲ φοβούμενος τὸν κύριον μέγας διὰ παντός  
— 23. καὶ ἦν προβαίνουσα μεγάλη σφόδρα  
Es. 1. 1. βασιλεὺς Ἀρ. τοῦ μ. βασιλέως [A S  
om.]

Es. 1. 1. ἄνθρωπος μ. θεραπεύων ἐν τῇ αὐτῇ τοῦ βασι.  
— 1. καὶ ἰδοὺ δύο δράκοντες μ.  
— 1. ἐγένετο αὐτῶν φωνὴ μ. [A -αὶ μ.]  
— 1. κώκωσι καὶ τάρachος μ.  
— 1. ἀπὸ μικρὰς πηγῆς ποταμὸς μ.  
— 5. S<sup>2</sup> ἀπὸ μεγάλου καὶ ὥς μικροῦ (2a)  
3. 13. βασιλεὺς μ. Ἀρτ. τοῖς ἀπὸ τῆς Ἰνδ.  
4. 1. ἐβόα φωνῇ μ. (2a)  
— 3. πένθος μ. τοῖς Ἰουδαίοις (2a)  
8. 13. βασιλεὺς μ. Ἀρτ. τοῖς ἀπὸ τῆς Ἰνδ.  
— 13. πολλοὶ . . . μέζων [S<sup>1</sup> ἀμεινων] ἐφρόνησαν  
— 13. ὄντας δὲ υἱοὺς τοῦ ὑψίστου μεγίστου  
ζώωτος θεοῦ  
10. 3. καὶ μέγας ἦν ἐν τῇ βασι. (2a?)  
— 3. ἐποίησεν ὁ θ. . . τὰ τέρατα τὰ μ.  
Jb. 1. 3. ἔργα μεγάλα ἦν αὐτῷ ἐπὶ τῆς γῆς (12a)  
— 19. πνεῦμα μέγα ἐπῆλθεν ἐκ τῆς ἐρήμου (2a)  
2. 12. βοήσαντες φωνῇ μεγάλῃ ἐκλαυσαν -  
— 13. ὥρων γὰρ τὴν πληγὴν δευῖν οὐσαν καὶ  
μ. σφόδρα (2c)  
3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κῆτος χειρώσασθαι (18)  
— 19. μικρὸς καὶ μέγας ἐκεῖ ἐστὶ (2a)  
5. 9. τὸν ποιοῦντα μεγάλα καὶ ἀνεξίτηλα (2a)  
9. 4. σοφὸς γὰρ ἐστὶ διανοία κραταίος τε καὶ  
μέγας -  
— 10. ὁ ποίων μεγάλα καὶ ἀνεξίτηλα (2a)  
— 22. μέγαν καὶ δυνάστην ἀπολλύει ὀργή +  
10. 17. ὀργὴ δὲ μεγάλη μοι ἐχρήσω (13a)  
24. 12. ψυχὴ δὲ ἠπνέουσα ἐστὶν ἐν μέγα [A μεγάλως] -  
26. 3. σὺ ὡς μεγίστη [A ἡ μ.] δύναμις (23)  
30. 4. Α B<sup>2</sup> S R βίβας ἐξῶν ἐμασῶντο ὑπὸ  
λιμῷ μεγάλῳ -  
31. 28. τοῦτο μοι ἄρα ὀνομα ἡ μεγίστη λογισ-  
θεῖ [A λ. μεγάλη] +  
36. 24. μεγάλα ἐστὶν αὐτοῦ τὰ ἔργα (17)  
37. 5. ἐποίησε γὰρ μεγάλα (2a)  
— 22. ἐπὶ τοῖς μέγα ἡ δόξα (4)  
38. 7. ἦν σὺ μ. φωνῇ [A ἐν φ.] μεγίλη -  
40. 17 (22). σκιάζονται δὲ ἐν αὐτῷ δένδρα με-  
γάλα -  
42. 3. μεγάλα καὶ θαυμαστά ἃ οὐκ ἐπιστάμεν (9a)  
Ps. 18 (19). 13. καθαρσθήσομαι ἀπὸ ἀμαρτίας  
μεγάλων (12a)  
20 (21). 5. μεγάλη ἡ δόξα αὐτοῦ ἐν τῷ σωτη-  
ρίῳ σου (2a)  
21 (22). 25. παρὰ σοῦ ὁ ἔπαινος μου ἐν ἐκκλη-  
σίᾳ μεγάλῃ (12a)  
39 (40). 9. εὐηγγελισάμεν δικαιοσύνην ἐν ἐκ-  
κλησίᾳ μεγάλῃ (12a)  
46 (47). 2. βασιλεὺς μέγας ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (2a)  
47 (48). 1. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (2a)  
— 2. ἡ πόλις τοῦ βασιλέως τοῦ μ. (12a)  
50 (51). 1. ἐλέησόν με, ὁ θεὸς, κατὰ τὸ μ. ἔλεος  
σου -  
75 (76). 1. ἐν τῷ Ἰσραὴλ μέγα τὸ ὄνομα αὐτοῦ (2a)  
76 (77). 13. B S<sup>2</sup> τίς θεὸς [S<sup>1</sup> om.] μέγας ὥς  
ὁ θεὸς ἡμῶν (2a)  
85 (86). 10. μέγας εἰ σὺ καὶ ποιῶν θαυμάσια  
σὺ εἰ ὁ θεὸς μόνος ὁ μ. [A S om. ὁ  
μ.] (2a, -)  
— 13. τὸ ἔλεός σου μέγα ἐπ' ἐμέ (2a)  
88 (89). 7. μέγας καὶ φοβερός ἐπὶ πάντας τοὺς  
περικύκλω αὐτοῦ (12a)  
94 (95). 3. θεὸς μ. κύριος καὶ βασιλεὺς μ. (2a, 2a)  
95 (96). 4. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (2a)  
98 (99). 2. κύριος ἐν Σιών μέγας (2a)  
— 3. ἐξωμολογήσασθωσαν τῷ ὀνόματι σου  
τῷ μ. (2a)  
103 (104). 25. αὐτῇ ἡ θάλασσα ἡ μ. καὶ εὐρύ-  
χωρος (2a)  
— 25. ζῶα μικρὰ μετὰ μεγάλων (2a)  
105 (106). 21. τοῦ ποιήσαντος μεγάλα [A<sup>2</sup>  
-λεία] ἐν Αἰγύπτῳ (2a)  
107 (108). 4. μέγα ἐπάνω τῶν οὐρανῶν τὸ  
ἔλεός σου (2a)  
108 (109). 26. κατὰ τὸ [S<sup>1</sup> add. μ.] ἔλεός σου -  
110 (111). 2. μεγάλα τὰ ἔργα κυρίου (2a)  
113. 21 (115. 13). εὐλόγησε . . . τοὺς μικροὺς  
μετὰ τῶν μ. (2a)  
130 (131). 1. οὐδὲ ἐπορεύθη ἐν μεγάλοις (2a)  
134 (135). 5. ἐγὼ ἔγνων ὅτι μέγας κύριος (2a)  
135 (136). 4. τῷ ποιήσαντι θαυμάσια μεγάλα  
μόνῳ (2a)  
— 7. τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνῳ (2a)  
— 17. τῷ πατάξαντι βασιλεὺς μεγάλους (2a)  
137 (138). 5. μεγάλη ἡ δόξα κυρίου (2a)

- Ps. 144 (145). 3. μέγας ὁ κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (2 α)  
 146 (147). 5. μέγας ὁ κύριος ἡμῶν καὶ μεγάλη ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ (2 α, 12 α)  
 151. 5. οἱ ἀδελφοί μου καλοὶ καὶ μεγάλοι  
 Pr. 2. 3. Α Β³ τὴν δι' αἰσθήσιν ζήτησιν μεγάλην τῇ φωνῇ -  
 15. 16. θησαυροὶ μεγάλοι μετὰ ἀφοβίας (12 α)  
 16. 32. Α Β³ καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου -  
 18. 11. ἡ δὲ δόξα αὐτῆς μέγα [Β³ μεγάλη] ἐπισκιάει +  
 20. 6. μέγα ἄνθρωπος καὶ τίμιον ἀνὴρ ἐλεῖμων (12 α)  
 — 10. στάθμων μέγα καὶ μικρόν +  
 24. 5. καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου +  
 26. 25. εἰς σου δέχται ὁ ἐχθρὸς μεγάλην τῇ φωνῇ -  
 27. 14. δὲ ἂν εὐλόγη φῶλον τὸ πρῶτον μεγάλην τῇ φωνῇ (2 α)  
 28. 16. βασιλεὺς ἐνδεὴς προσδύων [Β³ χρημάτων] μέγας συκοφάντης (12 α)  
 29. 6. ἀμαρτάνονται ἀνδρὶ μεγάλην παγίς +  
 Ec. 2. 21. τοῦτο ματαιότης καὶ ποτηρία μ. (12 α)  
 9. 13. τοῦτο εἶδον σοφίαν . . . καὶ μεγάλη ἐστὶ πρὸς μὲ (2 α)  
 — 14. καὶ ἔλθῃ ἐπ' αὐτὴν βασιλεὺς μ. (2 α)  
 — 14. καὶ οὐκ οὐκ ἐπ' αὐτὴν χιράκας μ. (2 α)  
 10. 1. Α Β³ ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλῃν [Β Β³ -λως] +  
 — 4. ἵμας καταπαύσει ἀμαρτίας μεγάλας (2 α)  
 — 6. Β ἐδόθη ἀφρων ἐν ὕψει μ. καὶ πλούσιος μ. [Α Β ομ.] ἐν ταπεινῇ καθίσταται (12 α, -)  
 Wi. 3. 5. ὀλίγα παιδευθέντες μεγάλα εὐεργετηθήσονται  
 6. 7. μικρόν καὶ μέγαν αὐτὸς ἐποίησεν  
 14. 22. μεγάλῳ [Α Β³ ἐν μ., Β¹ -ως] ζῶντες ἀγνοοῖς πολέμῳ  
 17. 1. μεγάλα γὰρ σου αἱ κρίσεις  
 18. 1. τοῖς δι' οἰκίαν σου μέγιστον ἦν φῶς  
 Si. 18. 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῶν διὰ τοῦ νόμου . . . δεδομένων  
 3. 18. ὁσφ' μέγας εἰ  
 — 20. μεγάλη ἡ δυναστεία τοῦ κυρίου  
 5. 15. ἐν μεγάλῳ καὶ ἐν μικρῷ μὴ ἀγνέει  
 7. 25. ἔσπ' τετελεσμένον ἔργον μέγα  
 10. 24. οὐκ ἔστιν αὐτῶν τις μείζων τοῦ φοβουμένου [Α τὸν φ.] τὸν κύριον  
 17. 29. ὥς μεγάλη ἡ ἐλεημοσύνη τοῦ κυρίου  
 24. 29. ἡ βουλὴ αὐ. ἀπὸ βιβύσου μεγάλῃς  
 25. 10. ὥς μέγας ὁ ἐνὶ δόξῃ σοφίαν  
 — 22. αἰσχρὴν μεγάλην γυνὴ ἐὰν ἐπιχορηγῇ τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς  
 28. 8. ὁργὴ μεγάλη γυνὴ μέθυστος  
 29. 23. ἐπὶ μικρῷ καὶ μεγάλῳ εὐδοκίαν ἔχει  
 34 (31). 12. ἐπὶ τραπέζῃς μεγάλῃς ἐκάθισας  
 39. 6. εἰς κύριος ὁ μ. διέληψεν  
 40. 1. ἀσχολία μεγάλη ἐκτίσται παντὶ ἀνθρώπῳ  
 — 13. ὥς βροτὴν μεγάλη ἐν ὑετῷ ἐξηγήσει  
 41. 12. χίλις μεγάλοι θησαυροὶ χρυσοῦ  
 48. 5. μέγας κύριος ὁ ποιήσας αὐτόν  
 — 28. αὐτὸς γὰρ ὁ μ. παρὰ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ  
 — 29. φοβερός κύριος καὶ σφόδρα μέγας  
 — 32. πολλὰ ἀπόκρυφα ἐστὶ μείζονα τούτων  
 44. 19. Ἀβραάμ μέγας πατὴρ πληθύνει ἐθνῶν  
 46. 1. ἐγένετο κατὰ τὸ ὄνομα αὐτοῦ μέγας  
 — 6. ἐπὶκουσεν αὐτὸν μέγας κύριος  
 — 17. ἐν ἡσχ' μεγάλῳ ἀκουσθὴν ἐποίησε τὴν φωνὴν αὐ.  
 48. 22. ἄς ἐνεταίετο Ἡσαίας ὁ προφήτης ὁ μ.  
 — 24. πνεύματι μεγάλῳ εἶδε τὰ ἔσχατα  
 50. 1. Σίμων Ὁπίου υἱὸς ἱερέως ὁ μ.  
 — 16. ἀκουστὴν ἐποίησαν φωνὴν μεγάλην  
 — 22. Α Β εὐλόγησάτε τῷ θεῷ πάντων τῶν μεγάλα ποιούντων [Β πάντες τῶν μεγαλοποιούντων]  
 Ho. 1. 11 (2. 2). μεγάλη ἡ ἡμέρα τοῦ 'Ιεζ' (2 α)  
 Am. 6. 12 (11). πατάξει τὸν οἶκον τὸν μ. θλάσματος (2 α)  
 Jl. 2. 11. διότι μεγάλη ἡ ἡμέρα τοῦ κ. μεγάλη ἡ ἐπιφάνει (2 α, -)  
 — 25. ἡ δύναμις μου ἡ μεγάλη ἦν ἐξοπέσειτα (2 α)  
 — 31 (3. 4). τὴν ἡμέραν κ. τὴν μεγάλην καὶ ἐπιφανή (2 α)  
 Jn. 1. 2. εἰς Νινευὴ τὴν πόλιν τὴν μεγάλην (2 α)  
 — 4. ἐγένετο κλυδων μέγας ἐν τῇ θαλάσσῃ (2 α)  
 — 10. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβον μέγαν [Β³ -φ μ.] (2 α)  
 Jn. 1. 12. δι' ἐμὲ ὁ κλυδων ὁ μ. οὗτος ἐφ' ὑμᾶς (2 α)  
 — 16. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβον μεγάλῳ (2 α)  
 2. 1. προσέταξε κύριος κίττι μεγάλῳ (2 α)  
 3. 2. εἰς Νινευὴ τὴν πόλιν τὴν μεγάλην (2 α)  
 — 3. ἡ δὲ Νινευὴ ἦν πόλις μ. τῷ θεῷ (2 α)  
 — 5. ἀπὸ μεγάλου αὐτῶν ἔως μικροῦ αὐτῶν [Α Β³ αλ.] (2 α)  
 4. 1. καὶ ἐλυπήθη Ἰωάννης λύπην μεγάλην (2 α)  
 — 6. ἐχάρη Ἰ. ἐπὶ τῇ κολοκύνθῃ χαρὰν μεγάλην (2 α)  
 — 11. ὑπὲρ ὀμνίᾳ τῆς πόλεως τῆς μεγάλης [Α ομ. τ. μ.] (2 α)  
 Na. 1. 3. κ. μακρόδυνος καὶ μ. ἡ ἰσχὺς αὐ. (2 α)  
 Ze. 1. 10. καὶ συντριμμός μέγας ἀπὸ τῶν βουνῶν (2 α)  
 — 14. ὅτι ἐγγύς ἡμέρα κυρίου ἡ μεγάλη (2 α)  
 Hg. 1. 1. εἰπὼν . . . πρὸς Ἰ. τὸν τοῦ Ἰ. τὸν ἱερέα τὸν μέγαν (2 α)  
 — 12. ἤκουσε . . . Ἰ. οὗ τοῦ Ἰ. οὗ ἱερέως οὗ τοῦ Ἰ. (2 α)  
 — 14. τὸ πνεῦμα Ἰ. τοῦ Ἰ. τὸν ἱερέα τὸν μέγαν (2 α)  
 2. 3 (2). πρὸς Ἰ. τὸν τοῦ Ἰ. τὸν ἱερέα τὸν μέγαν (2 α)  
 — 5 (4). κατισχυ, Ἰ. οὗ τοῦ Ἰ. οὗ ἱερέως οὗ τοῦ Ἰ. (2 α)  
 — 10 (9). μεγάλη ἔσται ἡ δόξα τοῦ οἴκου τ. (2 α)  
 Za. 1. 2. ὠργίσθη κύριος . . . ὀργὴν μ. -  
 — 14. ἐζήλωκα . . . ζῆλον μ. (2 α)  
 — 15. ὀργὴν μ. ἐγὼ ὀργίζομαι (2 α)  
 3. 1. ἔδειξέ μοι κ. τὸν Ἰ. τὸν ἱερέα τὸν μέγαν (2 α)  
 — 9 (8). ἄκουε δὴ, Ἰ. οὗ ἱερέως οὗ τοῦ Ἰ. (2 α)  
 4. 6. οὐκ ἐν δυνάμει μεγάλη οὐδὲ ἐν ἰσχύϊ -  
 — 7. τίς εἰ σὺ τὸ ὄρος τὸ μέγα (2 α)  
 6. 11. ἐπὶ τὴν κεφ. Ἰ. τοῦ Ἰ. τοῦ ἱερέως τοῦ μεγάλου (2 α)  
 7. 12. ἐγένετο ὀργὴ [Α ὀρμή] μεγάλη παρὰ κ. (2 α)  
 8. 2. ἐζήλωκα τὴν Ἰ. . . ζῆλον μέγαν (2 α)  
 — 2. καὶ θυμὸς μεγάλῳ ἐζήλωκα αὐτὴν (2 α)  
 14. 4. χάος μέγα σφόδρα (2 α)  
 — 13. ἔσται . . . ἔκστασις κ. μεγάλη ἐπ' αὐ. τοὺς (12 α)  
 Ma. 1. 11. διότι μέγα τὸ ὄνομα μου ἐν τοῖς ἔθνεσι (2 α)  
 — 14. διότι βασιλεὺς μέγας ἐγὼ εἰμι (2 α)  
 4. 5 (3. 23). ἡμέραν κ. τὴν μ. καὶ ἐπιφανή (2 α)  
 Is. 1. 13. τὰ σάββατα καὶ ἡμέραν μεγάλην οὐκ ἀνέχομαι +  
 5. 9. εἰς ἔρημον ἔσονται μεγάλα καὶ καλά (2 α)  
 — 14. καταβήσονται οἱ ἐνδοξοὶ καὶ οἱ μ. (8)  
 7. 20. Α Β ἐνρησὶς κύριος [Β add. ἐν] τῷ ξυρῷ τῷ μ. καὶ μεμεθυσμένῳ [Β ξ. τῷ μεμεθυσμένῳ] -  
 8. 1. λάβε σεαυτὸν τόμον [Α add. χάρτου] καὶ νοῦ μ. (2 α)  
 9. 2 (1). ἴδετε φῶς μέγα (2 α)  
 — 6 (5). μεγάλης βουλῆς ἄγγελος (9 β)  
 — 7 (6). μεγάλη ἡ ἀρχὴ αὐτοῦ (13 β)  
 — 14 (13). ἀφείλετο κύριος . . . μέγαν καὶ μικρόν +  
 10. 12. Β ἐπισκεπόμεθα [Α Β ἐπείξει] ἐπὶ τὸν νοῦν τὸν μ. (2 α)  
 18. 7. ἀπὸ λαοῦ μεγάλου ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (4)  
 19. 22. Α Β πατάξει κύριος τοὺς Αλγυπτίους πληγὴν μεγάλην [Β ομ.] -  
 22. 5. ἀπὸ μικροῦ ἔως μεγάλου πλανῶνται ἐπὶ τὰ ὄρη +  
 — 18. ῥίψει σε εἰς χώραν μεγάλην +  
 — 24. ἀπὸ μικροῦ ἔως μεγάλου +  
 26. 4. ὁ θεὸς ὁ μ. ὁ αἰώνιος (10)  
 27. 1. ἐπάξει ὁ θεὸς τὴν μάχαιραν τὴν ἁγίαν καὶ τὴν μ. (2 α)  
 — 13. σάλπιγγος [Α add. ἐν] τῇ σάλπιγγι τῇ μ. (2 α)  
 29. 6. Α Β Β ἐπισκοπὴ γὰρ ἐστὶ μετὰ . . . σεισμοῦ καὶ φωνῆς μεγάλης [Β -ῆ μ.] (2 α)  
 38. 4. συναχθήσεται τὰ σκύλα ὑμῶν [Α add. ἀπὸ] μικροῦ καὶ μεγάλου +  
 — 19. ποῦ ἐστὶν ὁ ἀριθμῶν τοὺς τρεφόμενους [Α Β συστρ.] μικρὸν καὶ μ. λαόν +  
 — 21. τὸ ὄνομα κυρίου μέγα ὑμῶν [Α ἔστιν] (1 α)  
 — 22 (21). ὁ γὰρ θεὸς μου μέγας ἐστίν (1 α)  
 34. 6. σφάγη μεγάλη ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ (2 α)  
 36. 4. ὁ μ. βασιλεὺς Ἀσσυρίων (2 α)  
 — 13. ἀνέβησεν [Α Β ἐβ.] φωνὴ μεγάλη Ἰουδαίῳ . . . ἀκούσας τοὺς λόγους τοῦ βασιλέως τοῦ μ. βασιλέως Ἀσσυρίων [Β¹ αλ.] (2 α, 2 α)  
 38. 3. ἐκλαυσεν Ἐζ' κλαυθμὸς μεγάλῳ (2 α)  
 39. 2. Α Β ἐχάρη ἐπ' αὐτοῖς Ἐζεκίας χαρὰν μεγάλην [Β ομ. χ. μ.] -  
 Is. 49. 6. μέγα σοὶ ἐστί τοῦ κληθῆναι σε παῖδά μου +  
 54. 7. μετ' ἐλέους μεγάλου ἐλεῖσθαι σε (2 α)  
 60. 22. ὁ ἐλάχιστος εἰς ἔθνος μέγα (8)  
 Je. 4. 5. κεκράξατε μέγα (24)  
 — 6. ἐπάγω . . . συντριβὴν μεγάλην (2 α)  
 6. 1. συντριβὴ μεγάλη γίνεταί (2 α)  
 — 13. ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν καὶ ἔως [Α ομ.] μεγάλου (2 α)  
 — 22. Α Β³ ἔθνος μέγα ἐξεγερθήσεται [Β Β³ αλ.] (2 α)  
 10. 22. σεισμός μ. ἐκ γῆς βορρᾶ (2 α)  
 11. 16. μεγάλη ἡ θλίψις ἐπὶ σέ (2 α)  
 21. 5. μετὰ θυμοῦ καὶ ὀργῆς μεγάλης [Α ὁ. καὶ παροργισμοῦ μεγάλου] (2 α)  
 — 6. πατάξω πάντας . . . ἐν θανάτῳ μεγάλῳ (2 α)  
 22. 8. διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτως τῇ πόλει ταύτῃ τῇ μ. (2 α)  
 27 (50). 22. συντριβὴ μεγάλη ἐν γῇ Χαλδαίων (2 α)  
 — 41. ἔθνος μέγα καὶ βασιλεῖς πολλοὶ (2 α)  
 28 (51). 54. συντριβὴ μεγάλη ἐν γῇ [Α ἐκ γῆς] Χαλδαίων (2 α)  
 — 55. ἀπώλεσαν ἀπ' αὐτῆς φωνὴν μεγάλην (2 α)  
 31 (48). 3. ὄλεθρον καὶ σύστημα μέγα (2 α)  
 32. 18 (26. 32). λαίλαψ μεγάλη ἐκπορεύεται (2 α)  
 — 24 (26. 38). ἀπὸ προσώπου τῆς μαχαίρας τῆς μ. +  
 33 (26). 19. ἐποίησαμεν κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς [Α -αἰς] ἡμῶν (2 α)  
 34 (27). 5. ἐν τῇ ἰσχύϊ μου τῇ μ. (2 α)  
 35 (28). 8. ἐπὶ βασιλείας μεγάλας [Β -ης] εἰς πόλεμον (2 α)  
 37 (30). 7. Β ἐπὶ ἐγενήθη [Α Β Σ ἐ. δ.] μεγάλη ἡ ἡμέρα ἐκείνη (2 α)  
 38 (31). 34. ἐδῆσονται μ. ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν ἔως μεγάλου αὐτῶν (2 α)  
 39 (32). 17. ἐποίησας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν [Α add. ἐν] τῇ ἰσχύϊ σου τῇ μ. (2 α)  
 — 18. ὁ θεὸς ὁ μ. ὁ [Α Β καὶ] ἰσχυρὸς (2 α)  
 — 19. κύριος μεγάλῃς βουλῆς καὶ δυνατὸς τοῖς ἔργοις ὁ θεὸς ὁ μ. ὁ παντοκράτωρ [Α αλ.] (2 α, -)  
 — 21. ἐν ὁράμασι μεγάλοις (2 α)  
 — 37. ἐν ὀργῇ μου καὶ τῷ θυμῷ μου καὶ παροργισμῷ μεγάλῳ (2 α)  
 — 42. ἐπὶ ἡμέραν ἐπὶ τὸν λαόν τοῦτον πάντα τὰ κακὰ τὰ μ. ταῦτα (2 α)  
 40 (33). 3. ἀπαγγέλω σοι μεγάλα καὶ ἰσχυρά (2 α)  
 43 (36). 7. μ. ὁ θυμὸς καὶ ἡ ὀργὴ κυρίου (2 α)  
 48 (41). 9. φέρεται μέγα τοῦτο ἐστίν -  
 49 (42). 1. πᾶς ὁ λαὸς ἀπὸ μικροῦ καὶ ἔως μεγάλου (2 α)  
 — 8. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἔως μεγάλου (2 α)  
 50 (48). 9. λάβε σεαυτὸν λίθους μεγάλους (2 α)  
 51 (44). 7. ποιεῖτε κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχαῖς [Β¹ -χας] ὑμῶν (2 α)  
 — 12. ἐκλείψουσιν ἀπὸ μικροῦ ἔως μεγάλου (2 α)  
 — 15. ἀπεκρίθησαν . . . συναγάγῃ τῇ μ. (2 α)  
 — 26. ὡμοσα τῷ ὀνόματι μου τῷ μ. (2 α)  
 51. 35 (45. 5). ζητήσεις σεαυτὸν μέγα (2 α)  
 52. 13. πᾶσαν οἰκίαν μεγάλην ἐνέπρησεν (2 α)  
 Ba. 1. 4. ἐν ὧσι παντὸς τοῦ λαοῦ ἀπὸ μικροῦ ἔως μεγάλου  
 2. 2. Α Β τοῦ ἀγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μεγάλα  
 — 11. ἐν δυνάμει μεγάλη καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ  
 — 27. κατὰ πάντα οἰκτιρῶν σου τὸν μ.  
 — 29. ἡ βόμβησις ἡ μ. ἡ πολλὴ αὐτῇ ἀποστρέψει εἰς μικράν [Α μακ.]  
 3. 24. ὥς μ. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ  
 — 25. μέγας καὶ οὐκ ἔχει τελευτήν  
 4. 9. ἐπὶ γὰρ μοι ὁ θεὸς πένθος μέγα  
 — 24. ἡ ἐπελεύσεται ὑμῶν μετὰ δόξης μεγάλης  
 Ez. 1. 4. νεφέλη μεγάλη ἐν αὐτῷ (2 α)  
 12. 12. ἤκουσα κατ'ὸπισθὲν μου φωνὴν σεισμοῦ μεγάλου (2 α)  
 8. 6. ἀνομίας μεγάλας ποιοῦσιν ὧδε τοῦ ἀπέχεσθαι ἀπὸ τῶν ἁγίων μου καὶ ἐπὶ θφει ἀνομίας μείζονας [Α αλ.] (2 α, 21 β)  
 — 13. ἐπὶ ὕψει ἀνομίας μείζονας (21 β)  
 — 15. ἐπὶ ὕψει ἐπιτηδεύματα μείζονα τούτων (21 β)  
 9. 1. ἀνέκραγεν εἰς τὰ ὀνόματα τῶν φωνῶν μεγάλην (2 α)  
 11. 13. ἀνέβησεν φωνὴ μεγάλη (2 α)  
 17. 3. ἀπὸς ὁ μ. ὁ μεγαλοκτείνεργος (2 α)  
 — 6. ἔγένετο εἰς ἁμπελον μεγάλην [Β ομ.] -  
 — 7. ἐγένετο αὐτὸς ἕτερος μ. (2 α)  
 — 8. τοῦ εἶναι εἰς ἁμπελον μεγάλην (1 β)  
 — 9. οὐκ ἐν βραχίονι μεγάλῳ (2 α)  
 — 17. οὐκ ἐν δυνάμει μεγάλῳ (2 α)



Εζ. 17. 23. ἔσται εἰς κέδρον μεγάλην (1 α)  
 21. 14 (19). βομφαία τραυματιῶν ἡ μ. (2 α)  
 25. 17. ποιῶν ἐν αὐτοῖς ἐδικρίσεις μ. (2 α)  
 29. 3. **ΑΒ** ἐγὼ ἐπὶ [**B add. σέ**] Φαραὼ τὸν δρᾶ-  
 κοντα τὸν μ. (2 α)  
 — 18. κατεδουλώσατο τὴν δύναμιν αὐτοῦ δου-  
 λείᾳ μεγάλῃ (2 α)  
 31. 10. ἐγένου μ. τῷ μεγέθει (16 α)  
 36. 23. ἀγίστω τὸ ὄνομα μου τὸ μ. [**Δ ἄγιον**] (2 α)  
 37. 10. **Δ** συναγωγὴ μεγάλη [**B πολλή**] σφόδρα (2 α)  
 38. 15. συναγωγὴ μεγάλη καὶ δύναμις πολλή (2 α)  
 — 19. ἔσται σεσμὸς μ. ἐπὶ γῆς Ἰσραὴλ (2 α)  
 39. 17. ἦν τέθυκα ὑμῖν θυσίαν μεγάλην (2 α)  
 43. 14. πρὸς τὸ ἱλαστήριον τὸ μ. τοῦτο . . . ἀπὸ  
 τοῦ ἱλαστηρίου τοῦ μικροῦ ἐπὶ τὸ  
 ἱλαστήριον τὸ μ. πῆχεις τέσσαρες (†, 2 α)  
 47. 10. ὡς [**Δ om.**] οἱ ἰχθύες τῆς θαλάσσης τῆς  
 μ. [**Δ al.**] (2 α)  
 — 15. ἀπὸ θαλάσσης τῆς μ. τῆς καταβαίνουσας (2 α)  
 — 19. παρεκτείνων ἐπὶ τὴν θάλασσαν τὴν μ. (2 α)  
 — 20. τοῦτο τὸ μέρος τῆς θαλάσσης τῆς μ. (2 α)  
 48. 28. ἔως τῆς θαλάσσης τῆς μ. (2 α)  
**Da. LXX. 2. 20.** ἔστω τὸ ὄνομα τοῦ κ. τοῦ μ.  
 εὐλογημένον —  
 — 31. ἦν ἡ εἰκὼν ἐκείνη μ. σφόδρα (15)  
 — 35. ὁ λίθος . . . ἐγένετο ὅρος μ. (12 α)  
 — 45. ὁ θεὸς ὁ μ. ἐσήμανε τῷ βασι. (12 α)  
 — 48. δοὺς δωρεὰς μ. καὶ πολλὰς (12 β)  
 3. 3. συνήχθησαν . . . τύραννοι μ. ἐπ' ἐξουσιῶν —  
 — 33 (100). τὰ σημεῖα . . . ὡς μεγάλα καὶ  
 ἰσχυρά (12 β)  
 — 33 (100). ὡς μ. καὶ ἰσχυρά ἡ βασ. αὐτοῦ (12 β ?)  
 4. 8. καὶ ἡ ὄρασις αὐ. μ. (13 ε ?)  
 — 9. καὶ ἡ ὄρασις αὐ. μ. —  
 — 17. οὐ ἡ ὄρασις μ. —  
 — 20. ἡ κρίσις τοῦ θεοῦ τοῦ μ. ἤξει ἐπὶ σέ (13 ε)  
 — 27. αὕτη ἐστὶ βαβ. ἡ μ. (12 α)  
 — 31. τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ μ. εἰδείθην —  
 — 32. εἰδείθην . . . τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ μ. —  
 — 34. ποιῆσαι . . . θαυμάσια μ. καὶ φοβερά (2 α)  
 — 34. ἡλλοίωσεν ἐπ' ἐμοὶ μ. πρᾶγματα —  
 — 34. ἀν ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεὸς ὁ μ. —  
 — 34. καὶ τὰ θαυμάσια αὐτοῦ μ. —  
 5. 1. ἐποίησε δοχὴν μ. (12 α)  
 — 1. ἐποίησεν ἐστιατορίαν μ. (12 α ?)  
 — 7. ὁ βασ. ἐφώτισε φωνὴν μ. —  
 — 10. ὑπέδειξεν αὐτῇ ὡς μέγα ἐστὶ —  
 6. 3 (4). **Δ.** ἦν . . . μ. καὶ ἐνδοξος —  
 — 20 (21). ἐκάλεισε τὸν **Δαν.** φωνῇ μ. (7)  
 — 21 (22). **Δαν.** ἐπήχυνσε φωνῇ μ. —  
 7. 2. ἐνέπεσον εἰς τὴν θάλασσαν τὴν μ. (12 α)  
 — 7. ἔχον δόδοντας σιδηροῖς μ. (12 β)  
 — 8. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 β)  
 — 11. τὴν φωνὴν τῶν λόγων τῶν μ. (12 β)  
 — 17. ταῦτα τὰ θηρία τὰ μ. (12 β)  
 — 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 β)  
 8. 3. εἶδον κρινὸν ἓνα μ. —  
 — 8. συνετρίβη αὐτοῦ τὸ κέρας τὸ μ. (2 α)  
 — 21. τὸ κέρας τὸ μ. τὸ ἀνὰ μέσον τῶν ὀφθ. αὐ. (2 α)  
 9. 4. σὺ εἶ ὁ θεὸς ὁ μ. (2 α)  
 — 12. ἐπαγαγὲν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μ. (2 α)  
 10. 4. ἦμην ἐπὶ τοῦ χέλους τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. (2 α)  
 — 7. εἶδον ἐγὼ **Δ.** τὴν ὄρασιν τὴν μ. ταύτην —  
 — 8. εἶδον τὴν ὄρασιν τὴν μ. ταύτην (2 α)  
 11. 2. πλουτῆσαι πλουτοῦν μ. (2 α)  
 — 5. δυναστεία μ. ἡ δυναστεία αὐ. (12 α)  
 — 13. συνάξει πώλεος συναγωγὴν μείζονα  
 παρὰ τὴν πρώτην (21 ε)  
 12. 1. παρελευσεται **M.** ὁ ἀγγελος ὁ μ. (2 α)  
**Bel 17.** μ. ἐστὶν ὁ Βῆλ —  
 — 40. μ. ἐστὶ κ. ὁ θεός —  
**Da. TH. Su. 24.** ἀνεβόησε φωνῇ μ. **Σωσ.** —  
 — 42. ἀνεβόησε δὲ φωνῇ μ. **Σωσ.** —  
 — 46. ἐβόησε φωνῇ μ. —  
 — 60. ἀνεβόησε πᾶσα ἡ συν. φωνῇ μ. —  
 — 64. **Δ.** ἐγένετο μέγας ἐνώπιον τοῦ λαοῦ  
 2. 10. πᾶς βασιλεὺς μ. (12 α)  
 — 31. μ. ἡ εἰκὼν ἐκείνη (15)  
 — 35. ὁ λίθος . . . ἐγενήθη ὅρος μέγα (12 α)  
 — 45. ὁ θεὸς ὁ μ. ἐγνώρισε τῷ βασι. (12 α)  
 — 48. δόματα [**Δ add. πολλὰ καὶ**] μ. . . ἔδω-  
 κεν αὐτῷ (12 β)  
 3. 3. συνήχθησαν . . . τύραννοι μ. οἱ ἐπ' ἐξουσιῶν —  
 — 33 (100). τὰ σημεῖα . . . ὡς μεγάλα καὶ  
 ἰσχυρά (12 β)  
 4. 27. οὐχ αὕτη ἐστὶ βαβ. ἡ μ. (12 α)

**Da. TH. Su. 5. 1.** ἐποίησε δείπνον μ. [**Δ om.**] (12 α)  
 6. 20 (21). **Δ** ἐβόησε φωνῇ μ. [**B ἰσχυρῇ**] (7)  
 7. 2. προσέβαλλον εἰς τὴν θάλασσαν τὴν μ. (12 α)  
 — 3. τέσσαρα θηρία μ. ἀνέβαινον (12 β)  
 — 7. **Δ** οἱ ὀδόντες αὐ. σιδηροὶ μ. [**B om.**] (12 β)  
 — 8. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 β)  
 — 11. ἀπὸ φωνῆς τῶν λόγων τῶν μ. [**Δ om.**  
 τ. μ.] (12 β)  
 — 17. **Δ** ταῦτα τὰ θηρία τὰ μ. [**B om. τὰ μ.**] (12 β)  
 — 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (12 β)  
 — 20. καὶ ἡ ὄρασις αὐ. μείζων [**Δ -ω**] τῶν  
 λοιπῶν (21 ε)  
 8. 8. συνετρίβη τὸ κέρας αὐτοῦ τὸ μ. (2 α)  
 — 21. καὶ τὸ κέρας τὸ μ. (2 α)  
 9. 4. κύριε ὁ θεὸς ὁ μ. (2 α)  
 — 12. ἐπαγαγὲν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μ. (2 α)  
 10. 1. δύναμις μ. καὶ σύνεσις ἐδόθη αὐτῷ (2 α)  
 — 4. ἦμην ἐχόμενα τοῦ ποταμοῦ τοῦ μ. (2 α)  
 — 7. ἔκστασις μ. ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτοῖς (2 α)  
 — 8. ἴδον τὴν ὄρασιν τὴν μ. ταύτην (2 α)  
 11. 2. πλουτῆσαι πλουτοῦν μ. (2 α)  
 — 13. ἐπελευσεται εἰσοδία ἐν δυνάμει μ. (2 α)  
 — 25. ἐξεγερθήσεται . . . ἐν δυνάμει μ. (2 α)  
 — 25. συνάξει πόλεμον ἐν δυνάμει μ. (2 α)  
 12. 1. Μιχαὴλ ὁ ἄρχων ὁ μ. (2 α)  
**Bel 18.** ἐβόησε φωνῇ μ. —  
 — 18. μέγας εἶ, Βῆλ —  
 — 23. ἦν δράκων μ. —  
 — 41. ἀναβόησας φωνῇ μ. —  
 — 41. μέγας εἶ, κυρίε —  
**I Ma. 1. 17.** εἰσῆλθεν . . . ἐν στύλῳ μ. —  
 — 24. ἐκάλεισεν ἱερῆρβανίαν μ. —  
 — 25. ἐγένετο πένθος μ. —  
 — 30. ἐπάταξεν αὐτὴν πληγὴν μ. —  
 — 33. ὠκυδούμωσαν τὴν πόλιν **Δ.** τελεῖται μ. —  
 — 35. ἐγένετο εἰς μ. παιδία —  
 — 64. ἐγένετο ὄργη μ. ἐπὶ Ἰ. σφόδρα  
 2. 17. ἄρχων καὶ ἐνδοξος καὶ μέγας εἶ  
 — 19. εἶπε φωνῇ μ. —  
 — 27. ἀνέκραξε **M.** . . . φωνῇ μ. —  
 — 51. δέξασθε δόξαν μ. —  
 — 70. ἐκόφισαν αὐτὸν πᾶς Ἰ. κοπετόν μ. —  
 3. 10. συνήγαγον . . . δύναμιν μ. —  
 — 54. ἐβόησαν φωνῇ μ. —  
 4. 23. ἔλαβον . . . πλουτοῦν μ. —  
 — 25. ἐγενήθη σωτηρία μ. τῷ Ἰ. —  
 — 39. ἐκόφισαν κοπετόν μ. —  
 — 58. ἐγενήθη εὐφροσύνη μ. —  
 5. 3. ἐπάταξεν αὐτοὺς πληγὴν μ. —  
 — 16. ἐπισυνήχθη ἐκκλησία μ. —  
 — 23. ἦγγαγον . . . μετ' ἐφροσύνης μ. —  
 — 26. πᾶσαι αἱ πόλεις αὐταὶ ὀχυραὶ καὶ μ. —  
 — 31. **Δ S** ἡ κραυγὴ . . . ἀνέβη . . . κραυγῇ [**R**  
 φωνῇ] μ. —  
 — 34. **S R** ἐπάταξεν αὐτοὺς πληγὴν μ. [**Δ πληγῇ μ.**] —  
 — 45. ἀπὸ μικροῦ ἔως μεγάλου μ. —  
 — 45. συνήγαγον . . . παρεμβόλην μ. σφόδρα —  
 — 46. αὕτη ἡ πόλις μ. ἐπὶ τῆς εἰσοδου —  
 — 52. διέβησαν τὸν Ἰ. εἰς τὸ πεδίον τὸ μ. —  
 — 61. ἐγενήθη τροπὴ μ. —  
 6. 4. ἀπῆρην ἐκεῖθεν μετὰ λύπης μ. —  
 — 9. ἀνεκαίνισθη ἐπ' αὐτὸν λύπη μ. —  
 — 11. ἔως τίνος θλίψως ἦλθον καὶ κλύδωνος μ. —  
 — 13. ἀπόλλυμαι λύπῃ μ. —  
 — 27. μείζονα τούτων ποιήσουσι —  
 — 41. ἦν γὰρ ἡ παρεμβολὴ μ. σφόδρα  
 7. 8. ἐπέλεξε ὁ βασ. τὸν **B.** . . . μέγαν ἐν τῇ  
 βασ. —  
 — 19. ἔθυσαν αὐτοὺς εἰς τὸ φρέαρ τὸ μ. —  
 — 22. ἐποίησαν πληγὴν μ. ἐν Ἰ. —  
 — 35. **S R** ἐξῆλθε μετὰ θυμοῦ μ. [**Δ om.**] —  
 — 48. **S<sup>2</sup> R** ἡμέραν ἐνφροσύνης μεγάλης [**Δ S<sup>1</sup> -ην**] —  
 8. 4. ἐπάταξαν ἐν αὐτοῖς πληγὴν μ. —  
 — 6. καὶ Ἀντίοχον τὸν μ. βασιλέα —  
 — 7. διδόναι αὐτὸν . . . φόρον μέγαν [**S<sup>1</sup> μεγάλην**] —  
 9. 20. ἐκόφισαν αὐτὸν . . . κοπετόν μ. —  
 — 24. **S R** ἐγενήθη λιμός μέγας [**Δ μεγάλην**] σφόδρα —  
 — 27. ἐγένετο θλίψις μ. ἐν τῷ Ἰ. —  
 — 37. ποιήσει γάμον μ. —  
 — 37. ἀγνοοῖ . . . θυγατέρα ἐνὸς τῶν μ. μεγιστάνων  
**X.** μετὰ παρατομῆς μ. —  
 — 56. **Δ R** ἀπέθανε **\*A.** . . . μετὰ βασάνων μεγάλης  
 [**S -ου**] —  
 10. 8. ἐφοβήθησαν φόβον μ. —  
 — 37. **Δ R** ἐν τοῖς ὀχυρώμασι τοῦ βασ. τοῖς μ.  
 [**S al.**]

**I Ma. 10. 46.** ἐπεμνήσθησαν τῆς κακίας τῆς μ. —  
 — 48. **Δ R** συνήγαγον . . . δυνάμεις μ. [**S al.**] —  
 — 58. ἐποίησε τὸν γάμον αὐ. . . ἐν δόξῃ μ. —  
 — 69. συνήγαγε δύναμιν μ. —  
 — 86. ἐξῆλθον . . . ἐν δόξῃ μ. —  
 12. 20. Ὁ βασιλεὺς **Σπαρτ.** Ὀνιά ἱερεὶ μ. χαίρειν —  
 — 36. ὑψώσαι ὕψος μ. —  
 — 49. εἰς τὴν Γαλ. καὶ τὸ πεδίον τὸ μ. —  
 — 52. ἐπένθησε πᾶς Ἰσρ. πένθος μ. —  
 13. 8. καὶ ἀπεκρίθησαν φωνῇ μ. —  
 — 17. μή ποτε ἔχθραν ἀρῇ μεγάλῃν —  
 — 26. ἐκόφισαν αὐτὸν πᾶς Ἰ. κοπετόν μ. —  
 — 29. περιβέεις στύλους μ. —  
 — 32. ἐποίησε πληγὴν μ. —  
 — 33. καὶ περιτείχισε . . . τεῖχος μ. —  
 — 37. τοῦ ποιῆν ὑμῖν εἰρήνην μ. —  
 — 42. ἐπὶ Σίμωνος ἀρχιερέως μ. —  
 — 44. ἐγένετο κίνημα μ. ἐν τῇ πόλει —  
 — 45. ἐβόησαν φωνῇ μ. —  
 — 51. συνετρίβη ἑχθρὸς μ. ἐξ Ἰ. —  
 14. 11. εὐφράνθη Ἰ. εὐφροσύνην μ. —  
 — 20. Σπαρτιατῶν ἀρχόντες . . . Σίμωνι ἱερεὶ μ. —  
 — 24. ἔχοντα ἀσπίδα χρυσῇν μ. —  
 — 27. **Δ R** ἐπὶ Σίμωνος τοῦ ἀρχιερέως [**S add.**  
 μεγάλου] —  
 — 28. ἐπὶ συναγωγῆς μ. ἱερέων —  
 — 29. δόξῃ μ. εἰδοῦσαν τὸ ἔθνος αὐ. —  
 — 36. ἐποίησαν πληγὴν μ. —  
 — 39. ἐδόξασεν αὐτὸν δόξῃ μ. —  
 15. 2. βασιλεὺς Ἀντίοχος Σίμωνι ἱερεὶ μ. —  
 — 9. δοξάζομεν σε . . . δόξῃ μ. —  
 — 29. ἐποίησθε πληγὴν μ. ἐπὶ τῆς γῆς —  
 — 35. ἐποίησαν ἐν τῷ λαῷ πληγὴν μ. —  
 — 36. **Δ R** ὠργίσθη ὁ βασ. ὄργην μ. [**S ὄργῃ μ.**] —  
 16. 15. **S R** ἐποίησεν αὐτοὺς πότον μέγαν [**Δ -α**] —  
 — 17. ἐποίησεν ἀθεσίαν μ. —  
**II Ma. 1. 3.** ποιῆν αὐ. τὰ θελήμ. καρδία μ. —  
 — 11. ἐκ μ. κινδύνων ὑπὸ τοῦ θ. σεσωσμένοι —  
 — 22. ἀνέφθη πυρὰ μ. —  
 — 31. **R** ἐκέλευσε λίθους μείζονας κατασχεῖν [**Δ**  
 -αχείν] —  
 2. 18. ἐξέλιτο γὰρ ἡμᾶς ἐκ μ. κακῶν —  
 — 19. **R** καὶ τὸν τοῦ ἱεροῦ τοῦ μ. [**Δ μεγίστου**] —  
 καθαρισμὸν —  
 3. 24. ἐπιφάνειαν μ. ἐποίησεν —  
 — 35. εὐχὰς μεγίστας εὐχόμενος —  
 — 36. ἔργα τοῦ μεγίστου θεοῦ —  
 4. 50. μ. τῶν πολιτῶν ἐπίβουλος καθεστώς —  
 5. 6. δυσμερίαν εἶναι τὴν μεγίστην —  
 — 20. ἐν τῇ τοῦ μ. δεσπότου καταλλαγῇ —  
 6. 13. μ. εὐεργεσίας σημείων ὄντων —  
 9. 20. **R** εὐχομαι μὲν τῷ θ. τὴν μεγίστην χάριν —  
 12. 15. ἐπικαλεσάμενοι τὸν μ. τοῦ κίσμου δυνάστην —  
 14. 13. καταστήσῃς δὲ **\*A.** ἀρχιερέα τοῦ μεγίστου  
 ἱεροῦ —  
 — 31. παραγνόμενος ἐπὶ τὸ μέγιστον . . . ἱερόν —  
 15. 18. μέγιστος δὲ καὶ πρῶτος ὁ . . . φόβος —  
**III Ma. 1. 9.** **R** θύσας τῷ μεγίστῳ [**Δ πιστῷ**] θεῷ —  
 — 16. καὶ δεόμενον τοῦ μεγίστου θεοῦ —  
 2. 6. ἐγνώρισας τὸ μ. σου κράτος —  
 — 9. πρὸς δόξαν τοῦ μ. . . ὀνόματός σου —  
 — 12. **R** ἐρρίσω αὐτοὺς ἐκ μ. κινδύνων [**Δ κακῶν**] —  
 — 13. διὰ τὰς . . . μ. ἡμῶν ἀμαρτίας —  
 — 31. ὡς μεγάλης τινος κοινωνήσαντες εὐκλείας —  
 3. 7. μέγα τῇ τοῖς πρᾶγμασιν ἐναντιούμενος —  
 — 11. οὐ καθορῶν τὸ τοῦ μεγίστου θεοῦ κράτος —  
 4. 16. **R** εἰς δὲ τὸν μέγιστον θεὸν τὰ μὴ καθήκοντα  
 λαλῶν [**Δ al.**] —  
 5. 23. ἐν τῷ μ. περιστύλῳ διεκίνει —  
 — 25. ἐδέοντο τοῦ μεγίστου θεοῦ —  
 — 51. ἀνέβησαν φωνῇ μ. —  
 6. 17. μέγα εἰς οὐρανὸν ἀνέκραξαν —  
 7. 2. κατεβύοντο ἡμῖν τοῦ μ. θεοῦ τὰ πρᾶγματα —  
 — 22. μετὰ φόβου μεγίστου ἀποδοῖναι αὐτοῖς —  
 — 22. **R** τὰ μεγαλῖα τοῦ μεγίστου [**Δ μεγάλου**] —  
 θεοῦ ποιήσαντος —  
**IV Ma. 1. 2.** τῆς μεγίστης ἀρετῆς . . . περιέχει  
 ἔπαινον —  
 5. 21. **Δ R** τὸ γὰρ ἐν [**S ἐπὶ**] μικροῖς καὶ ἐν [**S om.**] —  
 μεγάλαις παρανομίαις —  
 7. 10. καὶ παθὼν μέγιστε βασιλεῦ Ἐλ. —  
 11. 23. μέγαν σοι προσβάλλων καὶ αὐτὸς ἀλάστορα —  
 13. 15. μέγας γὰρ ψυχῆς ἀγών —  
 15. 9. **R** μείζω τὴν [**Δ -ων τὴν, S -ον**] ἐν αὐτοῖς  
 ἔσχε φιλοσοφίαν —  
 16. 2. γυνὴ τῶν μεγίστων βασιάνων ὑπερεφρόνησε

- [Aq. Ge. 1. 16, 21: 10. 21: 39. 9: 45. 7: Ex. 18. 22: Dt. 2. 21: 7. 23: Jd. 5. 16: II Ki. 5. 10: IV Ki. 18. 19: 23. 4: 25. 9: Jb. 1. 19: Ps. 39 (40). 11: 94 (95). 3: 103 (104). 25: Ec. 10. 6: Is. 8. 1: 56. 12: Jb. 6. 22: 10. 6: 14: 17: 18. 10: 25. 14: 44 (51). 15: Ez. 3. 13: 37. 10: 48. 14: Da. 10. 1.]
- [Sm. Ge. 1. 16, 21: 41. 40: Ex. 18. 22: Dt. 7. 23: I Ki. 6. 18: 14. 38: II Ki. 7. 22: IV Ki. 18. 19: 23. 4: Jb. 1. 3: Ps. 15 (16). 3: 77 (78). 25: 94 (95). 3: 103 (104). 1, 25: 125 (126). 2: Ec. 2. 4: 9. 13: 10. 4: 6: Is. 8. 1: 30. 25: Jb. 6. 22: 14. 3: 17: 16. 10: 25. 14: 32 (39). 19: 51 (25). 55: Ez. 3. 13: 37. 10: Am. 6. 2: Jn. 1. 4.]
- [Th. Ge. 1. 16, 21: Ex. 18. 22: Dt. 7. 23: IV Ki. 18. 19: 25. 9: Jb. 37. 22: Ps. 39 (40). 11: 94 (95). 3: 103 (104). 25: Is. 8. 1: 56. 12: Jb. 6. 22: 8. 10: 10. 6: 16. 6. 10: 25. 14: Ez. 3. 13: 8. 18: 30. 22: 37. 10: Da. 2. 10, 31: 7. 7, 17: 10. 1.]
- [Al. Ge. 21. 8: Ex. 11. 8: Lk. 19. 15: Nu. 24. 13: III Ki. 1. 40: IV Ki. 8. 27: II Ch. 16. 14: Jb. 1. 3: 37. 5: Ps. 8. 2: 184 (135). 5: Ez. 8. 18: Hb. 3. 5, 10.]
- [Sam. Dt. 34. 1.]
- [Quint. IV Ki. 18. 19: 28. 4.]
- μέγεθος.** (1) מִגְדָּל (2) מִגְדָּל (3) מִגְדָּל
- Ex. 15. 16. μεγέθει βραχίονός σου ἀπολιθώθη-  
— τωσαν (2)
- I Ki. 16. 7. μηδὲ εἰς τὴν ἑξῆς μεγέθους αὐτοῦ (3)
- III Ki. 6. 23. δέκα πήχεις μεγέθους ἐσταθω-  
— μένων (3)
7. 35. ἤμισον τοῦ πύχους μέγεθος αὐτῆς (3)
- IV Ki. 19. 23. ἔκοψα τὸ μ. τῆς κέδρης αὐ. (3)
- Ca. 7. 7 (8). τοῦτο μέγεθος σου (8)
- Wi. 6. 7. οὐδὲ ἐντραπήσαναι μεγέθους (8)
13. 5. A B ἐκ γὰρ μεγέθους κυλλοῦνης [B S<sup>1</sup> κ. καὶ, S<sup>2</sup> καὶ κ.] κτισμάτων (3)
- Ba. 2. 18. ἡ ψυχὴ ἡ λυπομένη ἐπὶ τὸ μ. (3)
- Ez. 17. 6. A εἰς ἀμπελον . . . μεκρὰν τῷ μ. [B om. τ. μ.] (3)
19. 11. ὑψώθη [A add. ἐν] τῷ μ. αὐ. ἐν μέσῳ στελεχῶν καὶ εἶδε τὸ μ. αὐ. (3, 1)
31. 3. 'Ασσοῦρ . . . ὑψήλως τῷ μ. (3)
- 5. ὑψώθη τὸ μ. αὐτοῦ παρὰ πάντα τὰ ξύλα τοῦ πεδίου (3)
- 10. ἐγένοντο μέγας τῷ μ. (3)
- 14. μὴ ὑψώσωσιν ἐν τῷ μ. αὐτῶν πάντα τὰ ξύλα (3)
- II Ma. 15. 24. μεγέθει βραχίονός σου καταπλα-  
— γήσαν (3)
- [Sm. Ec. 2. 9: Is. 37. 24.]
- [Th. Is. 37. 24.]
- [Al. Pr. 18. 10.]
- μεγεθύνειν.**
- [Aq. Nu. 6. 5.]
- [Sext. Ca. 6. 9 (10).]
- μεγιστάν.** (1) מִגְדָּל (2) מִגְדָּל (3) מִגְדָּל
- (4) מִגְדָּל (5) מִגְדָּל
- II Ch. 36. 18. καὶ πάντα τοὺς θησαυροὺς . . .  
— μεγιστάνων (5)
- I Es. 1. 38. ἔδραυν 'Ι. τοὺς μ.  
3. 1. ἐποίησε δοχὴν μεγ. . . πᾶσι τοῖς μ. τῆς M.  
— 9. ὃν ἂν κρίνῃ ὁ βασις καὶ οἱ τρεῖς μ. τῆς Π.  
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς μ. τῆς Π.  
4. 33. οἱ μ. ἔβλεπον εἰς τὸν ἕτερον [A al.]  
8. 26. ἐμὲ ἐτίμησαν ἔναντι . . . μεγιστάνων αὐτοῦ  
— 55. A B καὶ οἱ [B om.] μ. καὶ πᾶς 'Ισρ.  
— 70. μετέχον . . . οἱ μ. τῆς ἀνομίας ταύτης  
Ju. 2. 2. συνεκάλεσαν . . . πάντας τοὺς μ. αὐ.  
5. 22. εἶπαν οἱ μ. 'Ολ.  
Es. 8. 14. S<sup>2</sup> καὶ ἐπιβάται τῶν πορίων οἱ μ. +  
Pr. 8. 16. δι' ἐμοῦ μεγιστάνες μεγαλύνονται (5)  
Si. 4. 7. μεγιστάνι [S<sup>2</sup> πρὸς βενέτωρ] ταπεινὸν τὴν  
— κεφαλὴν σου  
8. 8. μαθίστην . . . λειτοουργῆσαι μεγιστάσι  
10. 24. μεγιστάν καὶ κριτὴς καὶ δυνάστης δοξασθ-  
— σεται  
11. 1. ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθίσει αὐτὸν  
20. 27. ἄνθρωπος φρόνιμος ἀρίστης μεγιστάνων  
— 28. ὁ ἀρέσκων μεγιστάνων ἐξιδάσκει ἀδικίαν  
23. 14. ἀνὰ μέσον γὰρ μεγιστάνων συνειρνεύει  
28. 14. οἰκίας μεγιστάνων κατέστρεψε  
30. 27 (33. 18). ἀκούσατέ μου, μεγιστάνες λαοῦ
- Si. 35 (32). 9. ἐν μέσῳ μεγιστάνων μὴ ἐξισάζου [S<sup>2</sup> ἐξουσιάζου]
38. 3. ἔναντι μεγιστάνων θαυμασθήσεται  
39. 4. ἀνὰ μέσον μεγιστάνων ὑπηρετήσῃ  
Jn. 8. 7. παρὰ τοῦ βασι. καὶ παρὰ τῶν μ. αὐ. (2)
- Na. 2. 5 (6). καὶ μνησθήσονται οἱ μ. αὐτῶν (1)
3. 10. πάντες οἱ μ. αὐτῆς δεθῶσονται χειροπέδαις (2)
- Za. 11. 2. οἱ μεγάλους μεγιστάνες ἐταλαιπώρησαν (1)
- Is. 34. 12. B<sup>1</sup> B οἱ μ. αὐτῆς ἔσονται εἰς ἀπώλειαν [A B<sup>2</sup> S al.] (5)
- Je. 14. 3. οἱ μ. αὐτῆς ἀπέστειλαν [S<sup>1</sup> -τησαν] τοὺς νεωτέρους αὐτῶν ἐφ' ὕδωρ (1)
24. 8. παραδώσω τὸν Σεδ. . . καὶ τοὺς μ. αὐ. (5)
25. 17 (49. 38). ἐξαποστελὼν ἐκείδην βασιλείαν καὶ μεγιστάναν (5)
- 27 (50). 35. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα καὶ ἐπὶ τοὺς μ. αὐτῆς (5)
32. 5 (25. 19). τὸν Φαραῶ . . . καὶ τοὺς μ. αὐτοῦ (5)
- 41 (34). 10. ἐπιστράφησαν πάντες οἱ μ. (5)
- Ez. 30. 13. ἀπολὼν [A add. βδελύγματα καὶ καταπίστω] μεγιστάνας ἀπὸ Μίμφως +  
Da. LXX. 1. 3. ἐκ τῶν νείων τῶν μ. τοῦ 'Ισρ. — (4)
5. 23. σὺ καὶ οἱ μ. σου (4)
6. 17 (18). καὶ ἐν τοῖς δακτυλίοις τῶν μ. αὐ. (4)
- Da. TH. 3. 24 (91). εἶπε τοῖς μ. αὐ. (8)
4. 33. οἱ μ. μου ἐξήρουν τοῖς μ. αὐ. χιλιούς (4)
5. 1. ἐποίησε δειπνῶν μέγα τοῖς μ. αὐ. χιλιούς (4)
- 2, 3. ὁ βασι. καὶ οἱ μ. αὐτοῦ (4)
- 9. οἱ μ. αὐ. συνεταράσσοντο [A -ον αὐτόν] (4)
- 23. σὺ καὶ οἱ μ. σου (4)
6. 17 (18). καὶ ἐν τῷ δακτυλῷ τῶν μ. αὐτοῦ (4)
- I Ma. 9. 37. θιγατέρα ἐνὸς τῶν μεγάλων μ. [Aq. Is. 32. 5: Da. 3. 24 (91).] (4)
- [Sm. La. 1. 15.]
- [Th. Jb. 39 (46). 13: Da. 3. 24 (91): 5. 10.]
- [Al. Jb. 39 (46). 3.]
- μεθαρμόζειν.**
- Wi. 19. 18. δι' ἐαυτῶν γὰρ τὰ στοιχεῖα μεθαρμοζό-  
— μενα
- μεθαχαβεῖν.** (1) מִתְחַבֵּי (2) מִתְחַבֵּי
- I Ch. 21. 20. τέσσαρας υἱούς αὐ. μ. [A κρυβό-  
— μενοι] (1)
- μεθερμηνεύειν.**
- Si. prol. 23. τοῦ μεθερμηνεύσαι τήνδε τὴν βίβλον
- μέθη.** (1) מִדְּבַר (2) α. מִדְּבַר δ. מִדְּבַר
- 3. מִדְּבַר (3) μεθύσκειν μέθη מִדְּבַר hi.
- To. 4. 15. A B οἶνον εἰς μέθην μὴ πίης  
— 15. A B μὴ πορευθῆτω μετὰ τοῦ μέθης ἐν τῇ δόξῃ σου
- Ju. 13. 15. ἐν ᾧ κατέκειτο ἐν ταῖς μ. αὐ.  
Pr. 20. 1. ἀκόλαστον οἶνος καὶ ὑβριστικὸν μέθη (2 a)
24. 74 (31. 6). δίδετε μέθην τοῖς ἐν λήπαις (2 a)
- Si. 28. 8. S<sup>2</sup> ἀπόλιπε ἀπὸ μέθης [A B S<sup>1</sup> al.] (2 a)
- 34 (31). 30. πληθύνει μέθη θυμὸν ἀφρονος εἰς πρόσκομμα
- Jl. 1. 5. θρηνήσατε πάντες οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην (1)
- Hg. 1. 6. ἐπίετε καὶ οὐκ εἰς μέθην (2 b)
- Is. 28. 7. ἐσείσθησαν ἀπὸ τῆς μ. [A B add. τοῦ σίκερα] (2 a)
- Je. 28 (51). 57. μεθύσει μέθη τοὺς ἱγμονάρας αὐτῆς (3)
- Ez. 23. 33. τοῦ συντελέσαι μέθην (2 c)
39. 19. πίεσθε αἶμα εἰς μέθην ἀπὸ τῆς θυσίας μου (2 c)
- [Sm. Ez. 23. 33.]
- [Th. Is. 28. 7: 56. 12.]
- μεθιστάν, μεθιστάναι, μεθιστάνειν.** (1) מִתְחַבֵּי (2) מִתְחַבֵּי (3) מִתְחַבֵּי
- (2) מִתְחַבֵּי (3) מִתְחַבֵּי hi. (4) מִתְחַבֵּי a. qal. (5) מִתְחַבֵּי aph. (6) מִתְחַבֵּי
- De. 17. 17. B<sup>2</sup> οὐδὲ μεταστήσεται [A B ἴνα μὴ μεταστή] αὐ. ἡ καρδιά (4 a)
30. 17. ἐὰν μεταστή ἡ καρδιά σου (6)
- Jo. 14. 8. μετέστησαν τὴν καρδίαν [A διάνοιαν] τοῦ λαοῦ (3)
- Jd. 7. 5. A μεταστήσεις αὐτὸν καθ' αὐτόν —  
9. 29. μεταστήσω τὸν 'Αβ. (4 b)
10. 16. A μετέστησαν [B ἐξέκλιαν] τοὺς θεοὺς τοὺς ἀλλοτρίους (4 b)
- I Ki. 6. 12. οὐ μεθιστάνοις δεξιὰ (4 a)
- III Ki. 15. 13. τὴν 'Α. τὴν μητέρα αὐ. μετέστησε (4 b)
- III Ki. 18. 29. μετέστητε ἀπὸ τοῦ νῦν —  
— 29. μετέστησαν καὶ ἀπὸ πλῶν (4 b)
- IV Ki. 8. 2. B μετέστησε τὰς στήλας τοῦ B. (4 b)
12. 3 (4). πλὴν τῶν ὑψηλῶν οὐ μετεστάθησαν (4 a)
17. 23. μετέστησε κύριος τὸν 'Ισρ. ἀπὸ πρὸς-  
— που αὐ. (4 b)
23. 33. μετέστησεν αὐτὸν Φ. Ν. +  
II Ch. 15. 16. τὴν M. τὴν μητέρα αὐ. μετέστησε (4 b)
- Atm. 5. 23. μετέστησεν ὅπ' ἐμοῦ ἦγον ἐξ ὧν σου (4 b)
- Is. 54. 10. μηδὲ ἐν ἀπειλῇ σου τὰ ὄρη [S ὄρη] μεταστήσονται [A B -ήσας] . . . οὐδὲ ἡ διαθήκη τῆς εἰρήνης σου οὐ μὴ μεταστή (2, 1)
59. 15. μετέστησαν τὴν διάνοιαν τοῦ συνιναῖ (4 a)
- Da. LXX. Su. 56. τοῦτον μεταστήσας  
2. 21. μεθιστάν βασιλεῖς καὶ καθιστάν (5)
- Da. TH. Su. 56. καὶ μεταστήσονται αὐτὸν (5)
2. 21. καθιστὰ βασιλεῖς καὶ μεθιστὰ (5)
7. 12. ἡ ἀρχὴ μετεστάθη (5)
- 26. τὴν ἀρχὴν μεταστήσουσι (5)
11. 31. μεταστήσουσι τὸν ἐνδελεχισμόν (4 b)
- I Ma. 8. 13. οὐδ' ἂν βούλωνται μεθιστάσθαι  
11. 63. βουλόμενοι μεταστήσονται αὐτῶν τῆς χρείας  
II Ma. 4. 10. A τοὺς ὁμοφύλους μετέστησε [B με-  
— τήγη]
11. 23. τοῦ πατρὸς ἡμῶν εἰς θεοὺς μεταστάντος  
III Ma. 2. 28. τοὺς δὲ ἀπτελέγοντας . . . τοῦ ζῆν μεταστήσονται  
3. 1. χειρίσθη μόρφῳ τοῦ ζῆν μεταστήσονται  
6. 12. B τοὺς . . . ἐκ τοῦ ζῆν μεθιστανόμεν. [A -σταμ.]  
— 24. ἐπιχειρεῖτε . . . τοῦ πνεύματος μεθιστάν  
[Sm. Ex. 14. 25: II Ki. 7. 10.]  
[Th. Jb. 12. 24: Is. 17. 1.]
- μεθλά.**
- Jd. 20. 48. ἀπὸ πόλεως μ. [A al.] +
- μεθοδεύειν.** (1) מִתְחַבֵּי ri.
- II Ki. 19. 27 (28). A B<sup>1</sup> μεθόδευσεν ὁ δούλος σου πρὸς τὸν κ. μου [B<sup>2</sup> B al.] (1)
- [Aq. Ex. 21. 13.]
- μέθοδος.**
- Es. 8. 13. πολυπλόκοις μεθόδων παραλογισμοῖς  
II Ma. 13. 18. κατεπέρισε διὰ μεθόδων τῶν τύπων [Sext. Ps. 24 (25): 4.]
- μεθόριον.**
- Jo. 19. 27. A πορεύεται τὸ μ. —  
[Sm. Ez. 47. 8.]
- μεθύειν, μεθύσκειν.** (1) מִתְחַבֵּי (2) מִתְחַבֵּי a. qal. (3) מִתְחַבֵּי b. pi. c. hi. d. מִתְחַבֵּי e. מִתְחַבֵּי (3) מִתְחַבֵּי pil. (4) מִתְחַבֵּי a. qal. b. pi. c. hi. d. מִתְחַבֵּי e. מִתְחַבֵּי (5) מִתְחַבֵּי (6) μεθύσκειν μέθη מִתְחַבֵּי hi.
- Ge. 9. 21. καὶ ἐμεθύσθη (4 a)
43. 34. ἐμεθίσθησαν μετ' αὐτοῦ (4 a)
- De. 32. 42. μεθύσω τὰ βέλη μου ἀφ' αἵματος (4 c)
- I Ki. 1. 13. ἐλογίσαστο αὐτὴν 'Η. εἰς μεθύουσιν (4 c)
- 14. ἕως πότε μεθύσθησιν (4 d)
25. 36. καὶ αὐτὸς μεθύων ἕως σφόδρα (4 c)
- II Ki. 11. 13. καὶ ἐμεθύσαν αὐτὸν (4 b)
- III Ki. 16. 9. αὐτὸς ἦν ἐν Θ. πίνων μεθύων (4 c)
- 21 (20). 16. υἱὸς 'Α. πίνων μεθύων (4 c)
- Ju. 6. 4. τὰ ὄρη αὐ. μεθύσθησεται [A -σονται] (4 c)
- Jb. 12. 25. πλανηθεῖσαν δὲ ὥσπερ ὁ μεθύων (4 c)
- Ps. 22 (23). 5. τὸ ποτήριόν σου μεθύσκον ὡς [S<sup>2</sup> με ὥσει] κράτιστον (2 d)
- 35 (38). 8. μεθύσθησονται ἀπὸ πικρῆς οἴκου (2 a)
- 64 (65). 9. καὶ ἐμεθύσας αὐτὴν (3)
- 10. τοὺς αἰλακας αὐτῆς μεθύσκον (2 b)
- 106 (107). 27. ἐσαλεύθησαν ὡς ὁ μεθύων (4 c)
- Pr. 4. 17. οἶνον δὲ παρνομίαν μεθύσκονται  
23. 30. μὴ μεθύσκεσθε ἐν [A B om.] οἴνοις [A -ψ] —  
Ca. 5. 1. πίετε καὶ μεθύσθητε ἀδελφοί (4 a)
- Si. 1. 16. μεθύσκει αὐτοὺς ἀπὸ τῶν καρπῶν αὐτῆς  
24. 31. μεθύσω μου τὴν πρᾶσιν  
35 (32). 13. εὐλόγησον τὸν . . . μεθύσκοντά σε ἀπὸ τῶν ἀγαθῶν αὐτοῦ  
39. 22. ὡς κατακλυσμός ξηρὰν ἐμεθύσεν  
Ho. 14. 8. ζῖζονται καὶ μεθύσθησονται σίτω —  
[Jl. 1. 5. ἐκίνησθε οἱ μεθύοντες ἐξ οἴνου αὐτῶν (4 c)]  
Na. 3. 11. καὶ σὺ μεθύσθησιν (4 a)

Hb. 2. 15. μεθύσκων ὅπως ἐπιβλήθη ἐπὶ τὰ στήθια (4 δ)

Is. 7. 20. Α Β τῷ θυρῷ τῷ μεγάλῳ καὶ μεμεθυ- σμένῳ [B al.] +

19. 14. ὡς πλανᾶται ὁ μεθύων (4 ε)

24. 20. ἐκλινεν ὡς ὁ μεθύων καὶ κραπαλῶν (4 ε)

28. 1. οἱ μεθύοντες ἀνεν οἶνου (1)

84. 5. ἐμεθύσθη ἡ μάχαιρά μου ἐν τῷ οὐρανῷ (2 δ)

— 7. μεθύσθησεται ἡ γῆ ἀπὸ τοῦ αἵματος (2 δ)

36. 12. καὶ πῖσιν οὖρον μεθ' ὑμῶν [B<sup>1</sup> -αν μεθύων] ἄμα +

49. 26. καὶ μεθύσθησονται (4 α)

51. 21. ἀκούε τεταπεινωμένη καὶ μεθύουσα οὐκ ἀπὸ οἶνου (4 α)

55. 10. ἔως ἂν μεθύσῃ τὴν γῆν (2 ε)

58. 11. ἔσται ὡς κῆπος μεθύων (2 ε)

Je. 26 (46). 10. μεθύσθησεται ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῶν (2 α)

28 (51). 7. ποτήριον χρυσοῦν βαθυλὼν . . . μεθύσκον πᾶσαν τὴν γῆν (4 β)

— 39. μεθύσω αὐτοὺς (4 ε)

— 57. μεθύσει [B<sup>1</sup> -ύει] μέθη τοὺς ἡγεμόνας αὐτῆς (θ)

81 (48). 26. μεθύσατε αὐτὸν (4 ε)

82. 13 (25. 27). πῖετε μεθύσθητε (4 α)

38 (31). 14. μεθύσω τὴν ψυχὴν τῶν ἱερῶν (2 β)

— 25. ἐμεθύσα πᾶσαν ψυχὴν διψώσαν (2 ε)

La. 8. 15. ἐμεθύσε με χολῆς (2 α)

4. 21. μεθύσθησιν αἱ ἀποχεῖς (4 ε)

I Ma. 16. 16. ὅτε ἐμεθύσθη Σ. [Aq. Dt. 29. 19 (18): Pr. 5. 19: Is. 7. 20: 28. 1: Je. 81 (38). 12: Ez. 23. 42.]

[Sm. Dt. 29. 19 (18): Ps. 22 (28). 5: Pr. 7. 18: Is. 28. 1: 63. 6: Je. 31 (38). 14.]

[Th. Dt. 29. 19 (18): I Ki. 1. 14: Pr. 7. 18: Is. 24. 20: 28. 1, 3: 63. 6.]

[Al. I Ki. 1. 13.]

[Quint. Ps. 22 (28). 5: 64 (65). 11.]

[Sext. Ps. 22 (28). 5.]

μέθυσμα. (1) α. ῥῥῥ δ. ῥῥῥ (2) ῥῥῥ

Jd. 13. 4, 7. μὴ πῖς . . . μέθυσμα [A σίκερα] (1 α)

— 14. σίκερα μέθυσμα [A om.] μὴ πῖετω (1 α)

I Ki. 1. 11. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πῖεται —

— 15. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πῖετωκα (1 α)

Ho. 4. 11. μέθυσμα ἐξέξατο καρδία λαοῦ (2)

Mi. 2. 11. ἐστάλαξέ σοι εἰς οἶνον καὶ μέθυσμα (1 α)

Je. 13. 13. πληρῶ . . . πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν ἱερ. μεθύσματι [B al.] (1 β)

[Aq. Dt. 14. 25 (26): 29. 6 (5): Ps. 68 (69). 13: Is. 5. 11: 28. 7 bis: 56. 12.]

[Sm. Ps. 68 (69). 13: Is. 5. 11: 28. 7.]

[Th. Is. 28. 7.]

[Al. Le. 10. 9.]

μέθυσος. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥῥ

Pr. 23. 21. πᾶς γὰρ μέθυσος καὶ πορνόκοπος πτωχὸς (1)

26. 9. ἀκανθαί φύονται ἐν χειρὶ μεθύσου [A B τοῦ μ.] (2)

Si. 19. 1. ἐργάτης μεθύσος οὐ [B<sup>1</sup> -σου] πλουτισθήσεται

26. 8. ὀργὴ μεγάλη γυνὴ μέθυσος

IV Ma. 2. 7. τὴν τρόπον . . . μέθυσος μεταπαίδευεται [Sm. Pr. 11. 25.]

μεθωσείμ. (1) ῥῥῥῥῥ

II Es. 2. 62. ἐξήγησαν γραφὴν αὐ. οἱ μ. (1)

μειάβ.

I Ki. 14. 15. Α δ ἐν μ. [B οἱ ἐν μεσσάφ] καὶ οἱ διαφθείροντες +

μειδιχέμ.

[Heb. Ma. 2. 13.]

μειδιάν (μηδ., μιδ.).

Si. 21. 20. ἀνὴρ δὲ πανούργος μόλις ἡσυχῇ μειδιάσει [Aq. Am. 5. 9:]

[Sm. Ps. 38 (39). 14.]

μεῖζων, vid. sub μέγας.

μεινεί.

[Aq., Th. Is. 65. 11.]

μειουόσαι.

Si. 43. 7. φωστήρ μειούμενος ἐπὶ συντελείᾳ [A B<sup>1</sup> -α]

## μερρίκων.

II Ma. 7. 25. γενέσθαι τοῦ μ. σύμβουλον

IV Ma. 8. 14. μερρίκια, φοβήθητε

11. 24. ἐξ μερρίκια κατελύσαμέν σου τὴν τυραννίδα

14. 4. οὐδεὶς ἐκ τῶν ἐπτά μ.

μερρίκισκος.

IV Ma. 7. 24. μερρίκισκος . . . χαλεπωτέρων βασανιστηρίων ἐπεκράτησαν

11. 13. ὁ ἔκτος ἦγετο μ.

μερράξ.

IV Ma. 14. 6. οὗτος οἱ ἱεροὶ μ.

— 8. χορεύοντες οἱ μ. ἐκύκλουν

μεισώρ. μισώρ. (1) ῥῥῥ, ῥῥῥ

De. 3. 10. πᾶσαι πόλεις μ. (1)

Jo. 13. 9. καὶ πᾶσαν τὴν μ. ἀπὸ M. (1)

— 16. καὶ πᾶσαν τὴν μ. (1)

— 17. καὶ πᾶσας τὰς πόλεις τὰς οὐσας ἐν τῇ μ. [A B<sup>1</sup> -ει.] (1)

— 21. καὶ πᾶσας τὰς πόλεις τοῦ μ. [Aq. Je. 48 (31). 8:]

[Al. II Ch. 28. 10.]

μελαθρον. (1) α. ῥῥῥ δ. ῥῥῥ (2) ῥῥῥ

(3) ῥῥῥ

III Ki. 6. 5. ἔδωκεν . . . μελαθρα κυκλόθεν (1 α\*, 1 β)

7. 20. καὶ μελαθρον ἐπ' ἀμφότερον τῶν πύλων (2)

— 20. ἐπίθεμα τὸ [A om.] μ. τῷ πύχει +

— 4. καὶ μ. τρία (3)

[Th. III Ki. 7. 20 (9).]

μελαθροῦσθαι. (1) ῥῥῥ

III Ki. 7. 5. καὶ αἱ χῶραι τετραγώναι μεμελαθρο- μέναι (1)

μελαίνεσθαι.

[Aq., Sm., Th. Jb. 30. 30.]

μελαν.

[Heb. Ez. 9. 2.]

μελάνθιον. (1) ῥῥῥ

Is. 28. 25. σπείρει μικρὸν μ. (1)

— 27. οὐ γὰρ μετὰ σκληρότητος καθαίρεται τὸ μ. (1)

— 27. ῥάβδω τινάσσεται [A B ἐκτ.] τὸ μ. (1)

[Aq. Is. 28. 25, 27.]

μελανία.

Si. 19. 26. ἔστι ποτηρεῦόμενος συγκεκυφὼς μελανίᾳ

μελανοδοχείων.

[Aq. Ez. 9. 2, 11.]

μελανοῦσθαι. (1) α. ῥῥῥ δ. ῥῥῥῥῥ

Jb. 30. 30. Α τὸ δὲ δέρμα μου μεμελάνωται [B B<sup>1</sup> ἐσκότωται] μεγάλως (1 α)

Ca. 1. 6. ἐγὼ εἰμι μεμελάνωμένη (1 β)

Er. Je. 21. οὐκ αἰσθάνονται μεμελάνωμένοι τὸ πρόσ- ωπον αὐτῶν

μέλας. (1) ῥῥῥῥῥ (2) ῥῥῥ, ῥῥῥ

Le. 13. 37. καὶ θρίξ μ. ἀνατελῇ ἐν αὐτῷ

Pr. 23. 29. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> τίνος πελινοῦ [A B<sup>1</sup> πέλειος, B<sup>2</sup> μέλας, B<sup>1</sup> πελίοι] οἱ ὄφθ. (1)

Ca. 1. 5. μελανία εἰμι καὶ καλὴ (2)

5. 11. βάσταρτοι αὐτοῦ ἐλάται μέλας ὡς κόραξ (2)

Za. 6. 2. ἐν τῷ ἄρματι τῷ δευτέρῳ ἵπποι μ. (2)

— 6. ἐν τῷ ἵππῳ οἱ ἵπποι οἱ μέλας (2)

μέλειν. (1) ῥῥῥ

To. 10. 5. οὐ μέλει μοι τέκνον [B al.]

Jb. 22. 3. τί γὰρ μέλει τῷ κυρίῳ (1)

Wi. 12. 13. φ. μέλει περὶ πάντων

Is. 59. 5. ὁ μέλλων [B<sup>1</sup> μέλων] τῶν φῶν αὐ. φαγεῖν —

I Ma. 14. 42, 43. Α B ὅπως μέλη [B -οι] αὐτῷ

μέλεος.

IV Ma. 16. 6. ὁ μελῖα ἔγωγε

μελετᾶν. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥῥ pi. (3) ῥῥῥ a. qal.

δ. po. c. ῥῥῥ (4) ῥῥῥ a. qal. δ. pil.

(5) ῥῥῥ (6) ῥῥῥ a. pilp. δ. hithp.

Jo. 1. 8. μελετήσεται ἐν αὐτῇ (3 α)

Jb. 6. 30. ἡ ὁ λάρυγξ μου οὐχὶ σύνευσεν μελετᾶ (1)

Jb. 27. 4. οὐδὲ ἡ ψυχὴ μου μελετήσεται ἀδικα (3 α)

Ps. 1. 2. ἐν τῷ νόμῳ αὐτοῦ μελετήσεται (3 α)

2. 1. καὶ λαοὶ ἐμελέτησαν κενὰ (3 α)

84 (85). 28. ἡ γλῶσσά μου μελετήσεται τὴν δι- καιοσύνην σου (3 α)

36 (37). 30. B<sup>1</sup> στόμα δικαίου μελετήσεται σο- φίαν καὶ ἡ γλῶσσα αὐτοῦ μελετήσεται [A B B<sup>1</sup> λαλήσει] κρίσιν (3 α, 2)

37 (38). 12. δολιότης δλην τὴν ἡμέραν ἐμελέ- τησαν (3 α)

62 (63). 6. ἐν τοῖς ὄρθροις ἐμελέτων εἰς σέ (3 α)

70 (71). 24. ἡ γλῶσσά μου . . . μελετήσεται τὴν δικαιοσύνην σου (3 α)

76 (77). 6. ἐπὶ αἰῶνα ἐμνήσθη καὶ ἐμελέτησα +

— 12. μελετήσω ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου (3 α)

89 (90). 9. τὰ ἔτη ἡμῶν . . . ἐμελέτων (3 ε)

118 (119). 16. ἐν τοῖς δικαίωμασι σου μελετήσω (6 β)

— 47. ἐμελέτων ἐν ταῖς ἐντολαῖς σου (6 β)

— 70. ἐγὼ δὲ τὸν νόμον σου ἐμελέτησα (6 α)

— 117. μελετήσω ἐν τοῖς δικαίωμασι σου (5)

— 148. τοῦ μελετᾶν τὰ λόγια σου (4 α)

142 (143). 5. ἐμελέτησα ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου ἐν ποιήμασι τῶν χειρῶν σου ἐμελέ- των (3 α, 4 β)

Pr. 8. 7. ἀλήθειαν μελετήσῃ ὁ φάρυγξ μου (3 α)

11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν —

15. 28. καρδία [B<sup>1</sup> -α] δικαίων μελετᾷ πίστις (3 α)

19. 27. μελετήσῃ ὁ σοφὸς κατὰ +

24. 2. ψευδὴ γὰρ μελετᾷ ἡ καρδία αὐτῶν (3 α)

Si. 6. 37. ἐν ταῖς ἐντολαῖς αὐτοῦ μελετᾷ διὰ παντός

14. 20. B<sup>1</sup> δε ἐν σοφίᾳ μελετήσῃ [A B B<sup>1</sup> τελεντήσῃ]

Is. 16. 7. τοῖς κατοικοῦσι δὲ Σιδὼ μελετήσῃς (3 α)

27. 8. οὐ σὺ ἦσθα [A B add. δ] μελετῶν τῷ πνεύματι τῷ σκληρῷ (3 α)

38. 18. ἡ ψυχὴ ὑμῶν μελετήσῃ φόβον (3 α)

38. 14. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> ὡς περιστέρω σὺ μελετᾷ [A B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> -τῶς] (3 α)

59. 3. ἡ γλῶσσα ὑμῶν ἀδικίαν μελετᾷ (3 α)

— 13. ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους ἀδίκους (3 β)

[Aq. Ps. 142 (143). 5: Is. 16. 7.]

[Sm. Ps. 62 (63). 7: Is. 59. 11.]

[Th. Is. 27. 8: 59. 11: Je. 48 (31). 31.]

μελέτη. (1) α. ῥῥῥ δ. ῥῥῥ c. ῥῥῥ

(2) ῥῥῥ (3) ῥῥῥ (4) ῥῥῥ (5) ῥῥῥ

(6) ῥῥῥῥῥ

Jb. 33. 15. ἐνύπνιον ἢ [A ὡς φάσμα] ἐν μ. νυκ- τερινῇ (3)

37. 2. μελέτη ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐξελεύσεται (1 α)

Ps. 18 (19). 14. ἡ μ. τῆς καρδίας μου ἐνώπιόν σου (1 β)

38 (39). 3. ἐν τῇ μ. μου ἐκκαυθήσεται πῦρ (2)

48 (49). 3. λαλήσει . . . ἡ μ. τῆς καρδίας μου σύνεσιν (1 ε)

118 (119). 24. τὰ μαρτύριά σου μελέτη μου ἐστί (6)

— 77. ὁ νόμος σου μελέτη μου ἐστί (6)

— 92. εἰ μὴ ὅτι ὁ νόμος σου μελέτη μου ἐστί (6)

— 97. δλην τὴν ἡμέραν μελέτη μου ἐστί (5)

— 99. τὰ μαρτύριά σου μελέτη μου ἐστί (6)

— 143. αἱ ἐντολαὶ σου μελέτη μου ἐστί (6)

— 174. ὁ νόμος σου μελέτη μου ἐστί (6)

Ec. 12. 12. μελέτη πολλῆς κόπωσης σαρκός (4)

La. 3. 62. ἡκούσας . . . μελέτας αὐτῶν κατ' ἐμοῦ (1 β)

[Sm. Is. 59. 11.]

[Th. Jb. 37. 2: Is. 59. 11.]

μελετητικός.

Ez. 7. 16. Α ἔσονται ἐπὶ τῶν ὁρέων ὡς περι- στερὰι μ. [B om. ὡς π. μ.] +

[Th. Ez. 7. 16.]

μεληδόν.

[Al. Ex. 29. 17.]

μέλι. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥῥ

Ge. 43. 11. δῶρα τῆς ῥήτης καὶ τοῦ μ. (1)

De. 6. 3. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)  
 8. 3. γῆ ἐλαιᾶς ἐλαίου καὶ μελίτος (1)  
 11. 9. 26. 9. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)  
 26. 10. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι — 15. 27. 3. 31. 20. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)  
 32. 13. ἐθήλασαν μέλι ἐκ πέτρας (1)  
 Jo. 5. 6. γῆν ῥέουσαν γάλα καὶ μέλι (1)  
 Jd. 14. 8. συναγωγὴ μελισσῶν . . . καὶ μέλι — 9. ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ λέοντος ἐξείλε τὸ μ. — 18. τὴ γλυκύτερον μελίτος (1)  
 I Ki. 14. 27. ἔβαψεν αὐτὸ εἰς τὸ κρήνιον τοῦ μ. — 29. ἐγενεσάμην βραχὺ τοῦ μ. τούτου — 43. ἐγενεσάμην . . . βραχὺ μ. (1)  
 II Ki. 17. 29. ἤνεγκαν . . . μέλι (1)  
 III Ki. 12. 24. (cf. A 14. 3). Β λάβε . . . στάμνον μελίτος — 24. Β ἔλαβεν . . . στάμνον μελίτος — 24. Β ἴνα τί μοι ἐνήνοχας . . . στάμνον μελίτος — 14. 3. Α λάβε . . . στάμνον μελίτος (1)  
 IV Ki. 18. 32. γῆ ἐλαιᾶς ἐλαίου καὶ μελίτος (1)  
 I Ch. 31. 5. ἀπαρχή . . . ἐλαίου καὶ μελίτος (1)  
 Jb. 20. 17. μὴ ἴδω . . . νομᾶς μελίτος καὶ βουτύρου (1)  
 Ps. 18 (19). 10. καὶ γλυκύτερα ὑπὲρ μέλι καὶ κρήνιον (1)  
 80 (81). 16. ἐκ πέτρας μέλι ἐχόρτασαν αὐτοῖς (1)  
 118 (119). 103. ΑΒ<sup>2</sup> Ε ὑπὲρ μέλι [B<sup>1</sup> μ. καὶ κρήνιον] τῷ στόματί μου (1)  
 Pr. 5. 3. μέλι γὰρ ἀποσπάσει ἀπὸ χειλέων γυναικὸς πόνητος (2)  
 16. 24. κηρία μελίτος λόγοι καλοὶ (1)  
 24. 13. φάγε μέλι, υἱέ, ἀγαθὸν γὰρ κρήνιον (1)  
 25. 16. μέλι εὐρὼν φάγε τὸ ἱκανόν — 27. ἐσθίειν μέλι πολὺ οὐ καλόν (1)  
 Ca. 4. 11. μέλι καὶ γάλα ὑπὸ τὴν γλῶσσάν σου (1)  
 5. 1. Φάγοντες ἄρτον μου μετὰ μελιτός μου (1)  
 Si. 24. 20. τὸ γὰρ μνημόσυνόν μου ὑπὲρ μέλι γλυκὺ [AB τὸ μ. τὸ γλ.] καὶ ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μελίτος κρηνοῦ [A καὶ κρήνιον] (1)  
 39. 26. ΒΒ σεμιδαλις πυροῦ [AB πυρός] καὶ μέλι καὶ γάλα (1)  
 46. 8. εἰς γῆν ῥέουσιν γάλα καὶ μέλι (1)  
 49. 1. ἐν παντὶ στόματι ὡς μέλι γλυκανθήσεται (1)  
 Is. 7. 15. 22. βουτύρον καὶ μ. φάγεται (1)  
 Je. 11. 5. τοῦ δοῦναι αὐτοῖς γῆν ῥέουσιν γάλα καὶ μ. (1)  
 39 (32). 22. γῆν ῥέουσιν γάλα καὶ μ. (1)  
 48 (41). 8. εἰσὶν ἡμῖν θησαυροὶ ἐν ἀργαῖς πυροὶ καὶ κριθαὶ καὶ καὶ ἔλαιον (1)  
 Ba. 1. 20. δοῦναι ἡμῖν γῆν ῥέουσιν γάλα καὶ μ. (1)  
 Ez. 3. 3. ἐγένετο ἐν τῷ στόματί μου ὡς μ. γλυκός (1)  
 16. 13. ἔλαιον καὶ μ. ἔφαγες — 19. ἔλαιον καὶ μ. ἐνέμισά σε (1)  
 20. 6. 15. γῆν ῥέουσιν γάλα καὶ μ. (1)  
 27. 17. πρῶτον μ. καὶ ἔλαιον καὶ ῥήτιν (1)  
 [Aq. III Ki. 14. 3. JE. 41 (48). 8.]  
 [Sm. Ex. 16. 31. Jb. 20. 17. Ca. 4. 11. JE. 41 (48). 8.]  
**μελίζειν.** (1) מִלִּיזַי (2) מִלִּיזֵי  
 Le. 1. 6. μελίσουσιν αὐτὸ κατὰ μέλη (1)  
 Jd. 19. 29. ἐμέλισεν αὐτήν (1)  
 20. 6. καὶ ἐμέλισα αὐτήν (1)  
 I Ki. 11. 7. καὶ ἐμέλισαν αὐτὰς (1)  
 III Ki. 18. 23. μελιστάσων καὶ ἐπιθέτωσαν [A om. κ. ἐ.] (1)  
 — 33. ἐμέλισε τὸ ὀλοκαύτωμα (1)  
 Mi. 3. 3. τὰ δόντια αὐτῶν . . . ἐμέλισαν ὡς σάρκας [Aq., Sm., Th. Le. 8. 20.] [Al. Ex. 29. 17. Le. 1. 12.]  
**μελικήριον.** [Sm. Ex. 16. 31.]  
**μελισσα.** (1) מְלִישָׁה  
 De. 1. 44. ὥσπερ ποιήσονται αἱ μ. (1)  
 Jd. 14. 8. συναγωγὴ [A συστροφή] μελισσῶν ἐν τῷ στόματι τοῦ λέοντος (1)  
 Ps. 117 (118). 12. ἐκύκλωσάν με ὥσπερ μελίτσοι κρήνιον (1)  
 Pr. 6. 8. πορεύθητι πρὸς τὴν μ. (1)  
 Si. 5. 7. B<sup>2</sup> ὡς μελίτσοι ἐκτριβήθη (1)  
 11. 3. μικρὰ ἐν πετεινοῖς μελίτσοι [B ἡ μ.] (1)  
 Is. 7. 18. σὺν αἰ . . . τῇ μ. ἢ ἐστὶν ἐν χώρᾳ Ἀσσυρίων (1)  
 IV Ma. 14. 19. μελίτσοι . . . ἀπαμύνονται τοὺς προσ-  
 ἰόντας [Al. Gr. 35. 8.]

**μελισσών.** (1) מְלִישָׁה  
 I Ki. 14. 25. θρυμὸς ἦν μελισσῶνος (1)  
 — 26. εἰσῆλθεν ὁ λαὸς εἰς τὸν μ. +  
**μέλλειν.** (1) מִלֵּי (2) מִלֵּי (3) מִלֵּי  
 (4) ὁ μέλλων αἰὼν ὧν  
 Ge. 43. 25. ἐκεῖ μέλλει ἀριστᾶν (1)  
 Ex. 4. 12. δ [A δ] μέλλεις λαλήσαι (1)  
 To. 6. 17. B ὅταν μέλλης γίνεσθαι μετ' αὐτῆς [A B al.]  
 Ju. 10. 12. μέλλουσι διδοῦναι ὑμῖν (1)  
 Jb. 8. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κῆτος χειρώσασθαι (9)  
 19. 25. ὁ ἐκλύνει με μέλλον ἐπὶ γῆς (2)  
 26. 2. τί μοι μέλλεις βοηθεῖν —  
 Pr. 15. 18. μακρόθυμος δὲ καὶ τὴν μέλλουσαν καταπραΰνει —  
 Wi. 8. 8. οἷδε τὰ ἀρχαία καὶ τὰ μέλλοντα εἰκάζειν [A B<sup>2</sup> -ει]  
 14. 1. ἀργαίαν μέλλων διδοῦναι κύματα (1)  
 15. 9. ζῶσαν αὐτῷ φροντίσιν οὐχ ὅτι μέλλει κάμνειν (1)  
 17. 21. εἰκὼν τοῦ μέλλοντος αὐτοῖς διαδέχεσθαι σκότους —  
 18. 4. ἤμελλε τὸ ἀφθαρτον νόμου φῶς τῷ αἰῶνι διδοῦναι (1)  
 19. 2. προσθεῖ γὰρ αὐτῶν καὶ τὰ μέλλοντα (1)  
 Is. 9. 6 (5). ΑΒ<sup>2</sup> πατὴρ τοῦ μέλλοντος αἰῶνος (4)  
 15. 7. μὴ καὶ οὕτως μέλλει σωθῆναι +  
 28. 24. ΑΒ<sup>2</sup> μὴ ὅλην τὴν ἡμέραν μέλλει [B ἀποτρίψει] ὁ ἀποτρίψειν ἀποτρίαν [B om.] (1)  
 47. 13. τί μέλλει ἐπὶ σὲ ἔρχεσθαι (1)  
 48. 6. δ μέλλει γίνεσθαι +  
 59. 5. ὁ μέλλων [B<sup>1</sup> μέλων] τῶν ψῶν αὐ. φαγεῖν —  
 Je. 36 (29). 10. ὅταν μέλλῃ πληροῦσθαι Βαβυ-  
 λὼν ἐβδωμήκοντα ἐτη —  
 Ep. Je. 46. πῶς τε δὴ μέλλει τὰ ὑπ' αὐτῶν κατα-  
 σκευασθέντα [A add. εἶναι] (1)  
 I Ma. 18. 14. BΒ συνάπτειν αὐτῷ μέλλει [A add. εἰς] πόλεμον (1)  
 II Ma. 1. 18. μέλλοντες οὖν ἄγειν . . . τὸν καθα-  
 ρισμόν (1)  
 2. 16. μέλλοντες οὖν ἄγειν τὸν καθαρισμόν — 22. τοὺς μέλλοντας καταλύσθαι νόμους (1)  
 3. 18. B διὰ τὸ [A add. μὴ] μ. εἰς καταφρόνησιν ἔρχεσθαι (1)  
 6. 29. μέλλον δὲ ταῖς πληγαῖς τελευτᾶν (1)  
 7. 2. B τί [A om.] μέλλεις ἐρωτᾶν — 18. μέλλων ἀποθήσκειν ἐφη (1)  
 8. 3. καὶ μέλλουσιν ἰσάπεδον γίνεσθαι (1)  
 — 11. τὴν . . . μέλλουσιν παρακολουθήσων . . . δίκην (1)  
 13. 10. τοῖς τοῦ νόμου . . . στερεῖσθαι μέλλουσι (1)  
 14. 4. τῶν δὲ πληθύνειν μέλλόντων τὸν πύργον καταλαβείσθαι (1)  
 IV Ma. 1. 1. φιλοσφώτατον λόγον ἐπιδείκνυσθαι μέλλον (1)  
 6. 23. τί μέλλετε — 26. καὶ μέλλον λιποθυμεῖν (1)  
 8. 27. οἱ νεανίαι βασανίσθησαν μέλλοντες (1)  
 — 28. B ἦσαν γὰρ μέλλοντες [A B om.] περιφρονεῖς τῶν παθῶν (1)  
 9. 1. τί μέλλεις (1)  
 10. 9. μέλλον δὲ ἀποθήσκειν (1)  
 11. 2. οὐ μέλλω . . . παραιτέσθαι (1)  
 12. 16. ἀποθήσκειν μέλλον ἐφη (1)  
 17. 1. ἔμελλε καὶ αὐτὴ συλλαμβάνεσθαι [Aq. Ge. 19. 16. II Ki. 15. 28. Ps. 36 (37). 37. Hb. 2. 3.] [Sm. Jb. 3. 8. Ps. 36 (37). 37. Ec. 1. 9.] [Th. Ps. 36 (37). 37.]  
**μελοκοπία.** [Sm. Na. 3. 1.]  
**μέλος.** (1) מְלִישָׁה (2) מְלִישָׁה  
 Ex. 29. 17. τὸν κρῖον διχοτομήσεις κατὰ μέλη (2)  
 Le. 1. 6. μελίσουσιν αὐτὸ κατὰ μέλη (2)  
 — 12. διελοῦσιν αὐτὸ κατὰ μέλη (2)  
 8. 19 (20). τὸν κρῖον ἐκρεάτωσε κατὰ μέλη (2)  
 — 19 (20). τὴν κεφαλὴν καὶ τὰ μ. καὶ τὸ στέας (2)  
 9. 13. προσῆνεγκαν αὐτὸ κατὰ μέλη (2)  
 Jd. 19. 29. ἐμέλισεν αὐτήν εἰς δώδεκα μέλη [A al.] (2)  
 Jb. 9. 28. σείομαι πᾶσι τοῖς μέλεσιν +  
 81. 12. πῦρ γὰρ ἐστὶ καύμενον ἐπὶ πάντων τῶν μερῶν [B<sup>2</sup> λερών, ? μελών] +

Si. 35 (32). 6. μέλος μουσικῶν ἐφ' ἧδε οὐφ (1)  
 40. 21. αὐλὸς καὶ ψαλτήριον ἡδύνουσι μέλη (1)  
 44. 5. ἐκζητοῦντες μέλη μουσικῶν (1)  
 47. 9. ἐξ ἡχῶν αὐτῶν γλυκαίνει μέλη (1)  
 50. 12. ἐν δὲ τῷ δέχεσθαι μέλη ἐκ χειρῶν ἱερέων — 18. ἐν πλείστῳ οἴκῳ [B<sup>2</sup> ἡχη] ἐγλυκάνθη [A B ἐμεγαλύνθη] μέλος (1)  
 Mi. 2. 4. καὶ θρηνηθήσεται θρήνος ἐν μέλει — (2)  
 Ez. 2. 10. ἐγγράπτο [A add. εἰς αὐτήν] θρήνος καὶ μ. καὶ οὐαί (1)  
 24. 6. κατὰ μ. αὐτῆς ἐξηνεγκεν (2)  
 II Ma. 1. 16. καὶ μέλη ποιήσαντες (1)  
 7. 7. πρὸ τοῦ τιμωρηθῆναι κατὰ μέλος τὸ σῶμα (1)  
 8. 24. τοῖς μ. ἀναπήρους . . . ἐποίησαν (1)  
 9. 7. πάντα τὰ μ. τοῦ σώματος ἀποστρεβλοῦσθαι (1)  
 III Ma. 2. 22. καὶ τοῖς μ. παραλελυμένοι (1)  
 5. 25. ἐν μ. γεοροῖσι τείνοντες τὰς χεῖρας (1)  
 6. 32. καταλήξαντες δὲ θρήνον πανόδυρτον μ. (1)  
 IV Ma. 9. 14. κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος — 17. BΒ ἐμέμπετ' ἐμὸν τὰ [A om.] μ. (1)  
 10. 20. τὰ τοῦ σώματος μ. ἀκρωτηριαζόμεθα [Aq. Je. 9. 10 (9), 19 (18): 48 (31). 31: Ez. 24. 4 bis.] [Sm. III Ki. 12. 10: Ps. 9. 17: 67 (68). 14: JE. 9. 18 (17), 19 (18): 48 (31). 31: La. 4. 7: Ez. 2. 10: 17. 3: 24. 4 bis: 27. 32. Am. 5. 16.] [Th. Ez. 2. 10: 24. 4 bis: 27. 32: 32. 18.] [Al. Le. 1. 8: 8. 20.]  
**μελύνειν (?)**  
 Si. 50. 18. ἐγλυκάνθη [A B<sup>2</sup> ἐμεγαλύνθη, B<sup>1</sup> ἐμε-  
 λύνθη] μέλος (1)  
**μελχό.** (1) מְלִישָׁה  
 III Ki. 11. 7. Α καὶ τῷ μ. (1)  
**μελχόλ.** (1)  
 II Ki. 12. 30. ἔλαβε τὸν στέφανον μ. [A om.] τοῦ βασ. αὐ. +  
**μελχόμ.** [Aq., Sm. Am. 1. 15.]  
**μελωδία.**  
 IV Ma. 18. 15. τὸν ὕμνογράφον ἐμελῶδι ὑμῖν Δ. [Aq. Ps. 26 (27). 6: 29 (30). 5: 32 (33). 2: 70 (71). 22: 137 (138). 1: 146 (147). 7.] [Sm. Ps. 26 (27). 6: 65 (66). 4: 70 (71). 23: 100 (101). 1: 146 (147). 7.] [Quint. Ps. 137 (138). 1.]  
**μελωδία.**  
 [Aq. Ps. 4. 1: 6. 1: 8. 1: 9. 1: 11 (12). 1: 18 (19). 1: 19 (20). 1: 21 (22). 1: 22 (23). 1: 23 (24). 1: 28 (29). 1: 29 (30). 1: 38 (39). 1: 40 (41). 1: 45 (46). 1: 46 (47). 1: 48 (49). 1: 61 (62). 1: 76 (77). 1.] [Al. Ps. 9. 17.]  
**μελωδία.**  
 IV Ma. 15. 21. ΑΒ οὐχ οὕτω σειρήνιοι μ. [B -δοί] [Aq. Jb. 35. 10: Ps. 80 (81). 3: Is. 24. 16.] [Sm. Jb. 30. 9: Ps. 91 (92). 4.]  
**μελωδός.**  
 IV Ma. 10. 21. τὴν γὰρ τῶν θείων ὕμνων μ. γλῶσ-  
 σαν ἐκτέμνει (1)  
 15. 21. B οὐχ οὕτω σειρήνιοι μ. [A B -δία] [Al. Ps. 67 (68). 26.]  
**μεμβραδέ.** +  
 III Ki. 4. 12. Α ἔως μ. 'Ι. [B al.] +  
**μέμφεσθαι.**  
 Si. 11. 7. πρὶν ἐξετάσης μὴ μέμψῃ (1)  
 41. 7. πατρὶ ἀσεβεῖ μέμψεται τέκνα (1)  
 II Ma. 2. 7. μεμψόμενος αὐτοῖς εἶπεν [Heb. Jb. 1. 22.]  
**μέμψις.** (1) מְלִישָׁה (2) מְלִישָׁה  
 Jb. 15. 15. Α εἰ κατὰ ἀγίον οὐ πιστεύει μέμψις [B B om.] (1)  
 33. 10. μέμψιν δὲ κατ' ἐμοῦ εὗρεν (1)  
 — 23. ἀναγνώστη δὲ ἀνθρώπων τὴν ἐαυτοῦ μ. (1)  
 39. 7. μέμψιν δὲ φορολόγον οὐκ ἀκούων (2)  
 Wi. 13. 6. ἐπὶ [A ἐπὶ] τοῖς τοῖς μέμψις ὀλίγη [Sm. Ec. 7. 15 (14).]

**μέν.** \* **μέν οδν.**  
 Ge. 18. 12 : 27. 22† : 30. 42† : 33. 23 : 43. 4\*, 14 : 44. 8, 26.  
 Ex. 1. 16 : 4. 23\* : 9. 2\* : 13. 21 : 32. 32.  
 Le. 8. 1 : 4. 3 : 7. 2 (12)† : 27. 7.  
 Nu. 5. 27† : 15. 3 : 22. 33.  
 De. 20. 11.  
 I Ki. 20. 14.  
 II Ki. 11. 25 : 15. 33†.  
 To. 3. 10† : 14. 10†.  
 Ju. 5. 20.  
 Es. 3. 11 : 5. 1 : 8. 13†, 14\*.  
 Jb. 2. 10† : 8. 7 : 9. 19 : 12. 3, 11 : 26. 12† : 28. 2 : 32. 6† : 41. 18 (19), 19 (20)† **bis** : 42. 5, 14, 17 **bis**, 17†.  
 Ps. 34 (35). 20.  
 Pr. 6. 10 : 11. 31 : 23. 14 : 25. 9.  
 Wi. 5. 13 : 7. 1, 30 : 11. 6, 10 : 13. 1†, 3, 16\*, 18 : 14. 2, 8, 19 : 15. 9, 17 : 16. 3, 4†, 9, 14† **bis**, 18, 21 : 17. 5, 15 : 18. 1†, 1\*†, 3, 4, 7, 16, 17 : 19. 5, 10, 14.  
 Si. 14. 18 **bis** : 23. 23 : 48. 16.  
 Hg. 1. 4.  
 Za. 1. 15 : 11. 7†.  
 Is. 6. 2 : 41. 7.  
 Je. 1. 16†.  
 Ep. Je. 20†, 55, 60.  
 Da. LXX. 1. 7 : 2. 24, 33, 41, 42 : 3. 15, 23\*, (46) : 12. 2 : Bel 6.  
 Da. Th. Su. 39, 53 : 2. 33†, 41, 42 : Bel 7†.  
 II Ma. 2. 25, 26, 27†, 28, 30, 32 : 3. 8, 19, 22\*, 26, 29, 40 : 4. 11, 14, 15, 20†, 25, 26, 27, 29, 41, 42, 47 : 5. 7, 11, 14, 21, 22 **bis** : 6. 4, 16, 27 **bis** : 7. 9, 14, 36, 42\* : 8. 18 : 9. 14, 20†, 28\* : 10. 1, 9, 22\*, 28\*† : 11. 2, 5, 16, 18\*, 19\* : 12. 1, 6, 18, 24 : 14. 8 **bis**, 13, 27 : 15. 6, 12, 24, 27, 38†.  
 III Ma. 1. 20, 24 : 2. 1\*†, 15, 31\*† : 3. 3, 6\*, 8, 11\*, 17, 30 : 4. 9, 15\*, 16†, 18 : 5. 3, 9\*, 12, 42 : 6. 29\*.  
 IV Ma. 1. 7\*, 10\*, 15†, 22\*, 26, 30, 32, 33† : 2. 18 : 3. 9\* : 4. 4, 14 : 5. 26, 38 : 6. 2, 12, 15†, 19, 21, 22 : 7. 13† : 8. 2 : 9. 8, 31† : 10. 10 : 11. 22† : 12. 4 **bis**, 14 : 13. 5, 11 : 14. 15 : 15. 16† : 16. 9, 17 : 18. 9†, 18.  
 [Sm. Ex. 14. 20 : Jb. 42. 11 : Ps. 58 (59). 8 : 74 (75). 8 : 75 (76). 13 : Ec. 4. 14 : Ho. 7. 1 : Za. 11. 7.]  
 [Th. Da. 13. 53.]  
 [Al. I Ki. 21. 5 (6).]  
 [Quint. Ho. 7. 1.]  
**μένειν.** (1) מִנֵּה pi. (2) מִנֵּה hi. (3) מִנֵּה  
 (4) מִנֵּה pi. (5) מִנֵּה hi. (6) מִנֵּה  
 (7) מִנֵּה (8) מִנֵּה ni. (9) מִנֵּה pi.  
 (10) מִנֵּה (11) מִנֵּה c. neg. (12) מִנֵּה  
 (13) c. neg. מִנֵּה hi. (14) מִנֵּה pi.  
 (15) a. מִנֵּה b. מִנֵּה (16) מִנֵּה ni.  
 Ge. 24. 55. מִנֵּה אֶת הַפָּרְכִּים מִבְּיָמָיו (7)  
 45. 9. καὶ μὴ μείνῃς (12)  
 Ex. 9. 28. οὐκ ἔτι προστεθήσεσθε μένειν (12)  
 Le. 13. 5. ἰδοὺ ἡ ἀφ' ἧς μένει ἐναγίστιον αὐτοῦ (12)  
 — 23. εἰς τὴν γῆν καὶ τὴν γῆν αὐτοῦ (12)  
 — 28. εἰς τὴν γῆν καὶ τὴν γῆν αὐτοῦ (12)  
 — 37. εἰς τὴν γῆν καὶ τὴν γῆν αὐτοῦ (12)  
 Nu. 30. 5. πάντες οἱ ὁρίσμοι... μενοῦσιν αὐτῇ (15 a)  
 — 9. οἱ ὁρίσμοι αὐτῆς... οὐ μενοῦσιν (13)  
 — 10. μενοῦσιν αὐτῇ (15 a)  
 — 13. οὐ μενοῦσιν αὐτῇ (15 a)  
 Jd. 16. 2. Αὐτῶν καὶ ἀποκτείνωμεν αὐτοὺς [B al.] —  
 19. 9. καὶ μενοῦσιν αὐτοῖς (10)  
 I Ki. 20. 11. μένει εἰς ἀγρόν (16)  
 II Ki. 18. 14. Β μενοῦσιν αὐτοῖς (5)  
 III Ki. 8. 16. Β μενοῦσιν [B εἰς] τὸ δόγμα μου ἐκεί (3)  
 IV Ki. 7. 9. μενοῦσιν ὡς φωτὸς τοῦ πρωῒ (4)  
 9. 3. καὶ οὐ μενοῦσιν (4)  
 II Ch. 29. 19. ἀ ἐρίσαν [A ἐμεῖν] "Α. —  
 I Es. 4. 38. καὶ ἡ ἀλήθεια μένει (1)  
 To. 2. 2. ἰδοὺ μένω [B προσμένω] σε (10)  
 5. 7. Β μενοῦν [A B ὑπόμ.] με (1)  
 6. 7. Β οὐ μενοῦσιν μετ' αὐτοῦ [A B al.] (1)  
 8. 20. Β αὐτοῦ μενοῦσιν ἐσθλῶν

To. 10. 9. μένον παρ' ἐμοί [B μένον, παιδίον, μένον μετ' ἐμοί]  
 14. 8. Β μενίχης ὡδε  
 Ju. 7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες  
 — 20. ἔμενε [A ἐμεῖν] κύκλῳ αὐτῶν πᾶσα παρεμβολή 'Α.  
 8. 7. καὶ ἔμενε [A B' ἐμεῖν] ἐπ' αὐτῶν  
 11. 17. καὶ νῦν μενὼ παρὰ σοί  
 15. 2. οὐκ ἦν ἀνθρ. μένων κατὰ πρόσωπον τοῦ πλησίον  
 Jb. 15. 23. μένει εἰς πῶμα (8)  
 — 29. οὐτε μὴ μείνῃ αὐτοῦ τὰ ὑπάρχοντα (15 a)  
 21. 11. μένουσι δὲ ὡς πρόβατα αἰώνια —  
 36. 2. μενόν με μακρόν ἐτι (9)  
 Ps. 9. 7. ὁ κύριος εἰς τὸν αἰῶνα μένει (7)  
 32 (33). 11. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κυρίου εἰς τὸν αἰῶνα μένει (12)  
 88 (89). 36. τὸ σπέρμα αὐτοῦ εἰς τὸν αἰῶνα μένει (3)  
 101 (102). 12. σὺ δὲ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα μένεις (7)  
 110 (111). 3. ἡ δικαιοσύνη αὐτοῦ μένει εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰ. (12)  
 — 10. ἡ αἰνέσις αὐτοῦ μένει εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (12)  
 111 (112). 3, 9. ἡ δικαιοσύνη αὐτοῦ μένει εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (12)  
 116 (117). 2. ἡ ἀλήθεια τοῦ κυρίου μένει εἰς τὸν αἰῶνα —  
 Pr. 15. 22. ἐν δὲ καρδίᾳς βουλευομένων μένει βουλὴ (15 a)  
 19. 21. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κυρίου εἰς τὸν αἰῶνα μένει (15 a)  
 Ec. 7. 16 (15). ἔστιν ἀσέβης μένων ἐν κακίᾳ αὐτοῦ (2)  
 Wi. 7. 27. μένουσα ἐν αὐτῇ τὰ πάντα καίξει (1)  
 11. 25. πῶς δὲ ἔμενε [B διέμ.] ἂν τι [B' ἐναντι]  
 16. 5. οὐ μέχρη τέλους ἔμενε ἡ ὁργὴ σου  
 17. 17. τὴν δυσάρεστον ἔμενε ἀπάκη  
 20. 20. ἐπὶ πολὺ ἔμενε ἡ ὁργὴ  
 19. 18. τὰ στοιχεῖα... πάντοτε μένοντα ἡχφ [B' ἐν ἡ.]  
 Si. 18. 22. μὴ μείνῃς ὡς θανάτου δικαιοφθῆραι  
 22. 18. οὐ μὴ ὑπομείνων [A μενοῦσιν, B' μενῶσιν]  
 37. 2. B' S' οὐχὶ λύπη μένει [A B' S' B' ἐν] ζωῇ θανάτου  
 42. 23. καὶ μένει εἰς τὸν αἰῶνα  
 44. 13. ὡς αἰῶνος μένει [B' διέμ.] σπέρμα αὐτῶν  
 Za. 14. 10. Ῥαμὰ δὲ ἐπὶ τόπου μένει (7)  
 Is. 5. 2. ἔμενε τοῦ ποιῆσαι σταφυλὴν (14)  
 — 4. διότι ἔμενε τοῦ ποιῆσαι σταφυλὴν (14)  
 — 7. ἔμενε τοῦ ποιῆσαι κρίσιν (14)  
 — 11. οὐαὶ... οἱ μένοντες τὸ εἶπε (1)  
 7. 7. οὐ μὴ μείνῃ [A B' ἐμ.] ἡ βουλὴ αὐτῇ (15 a)  
 8. 17. μενὼ τὸν θεόν (4)  
 10. 32. παρακαλεῖτε σήμερον ἐν ὁδῷ τοῦ μέναι (12)  
 14. 20. οὐ μὴ μείνῃς εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (16)  
 — 24. ὃν τρόπον βεβούλευμαι οὕτως μένει (15 a)  
 27. 9. οὐ μὴ μείνῃ τὰ δένδρα αὐτῶν (15 a)  
 30. 18. πάλιν μένει ὁ θεὸς τοῦ οὐκ ἐκτελεῖσθαι ὑμᾶς (4)  
 32. 8. αὐτῇ ἡ βουλὴ μένει (15 a)  
 40. 8. τὸ δὲ ῥῆμα τοῦ θεοῦ ἡμῶν μένει εἰς τὸν αἰῶνα (15 a)  
 46. 7. εἰς τὸν αἰῶνα αὐτῇ ἐπὶ τοῦ τόπου αὐτοῦ μένει (12)  
 59. 9. μενῶντες αὐγὴν ἐν ἀωρίᾳ περιπάτησαν —  
 66. 22. ὁ οὐρανὸς καινὸς καὶ ἡ γῆ καινὴ ἂ ἐγὼ ποιῶ μένει ἐνώπιον ἐμοῦ (12)  
 Je. 26 (46). 15. ὁ μὸχος ὁ ἐκλεκτός σου οὐκ ἔμενε (12)  
 Ez. 48. 8. Β ἀπὸ τὴν πρὸς ἀνατολὰς μένει [A B om.] ἔσται [A om.] (8 ?)  
 Da. LXX. 6. 12 (13). μένει ὁ ὁρίσμος (11)  
 — 26 (27). αὐτὸς γὰρ ἔστι θεὸς μένων (15 b)  
 8. 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μένει —  
 11. 6. καὶ μενί εἰς ὥρας —  
 Bel 15. ἐπιδίτε τὰς σφραγίδας ὑ, εἰ μενοῦσιν Da. Th. Su. 59. μένει γὰρ ὁ ἀγγελος τοῦ θ. (15 b)  
 4. 23. ἡ βασιλεία σου σοὶ μένει (15 b)  
 6. 26 (27). θεὸς... μένων εἰς τοὺς αἰῶνας (15 b)  
 I Ma. 11. 40. ἔμενε ἐκεί ἡμέρας πολλὰς (1)  
 13. 11. ἔμενε ἐκεί ἐν αὐτῇ  
 15. 7. τὰ ὀχυρώματα... μενέτω σοι  
 II Ma. 4. 50. Β μενε ἐπὶ τῆς ἀρχῆς [A τῇ α.]

II Ma. 7. 30. τίνα μένετε  
 8. 1. τοὺς μεμνηκότας ἐν τῇ 'Ιουδαίᾳ  
 IV Ma. 18. 8. ἔμενε δὲ χρόνον ἀκμήs  
 [Sm. Ge. 18. 12 : Ps. 88 (89). 38 : Is. 87. 37 : Je. 37 (44). 21 : 38 (45). 2, 13 : La. 1. 1 : Ho. 8. 10.]  
 [Th. Mi. 5. 7 (6).]  
 [Al. Dt. 1. 46 : Jd. 19. 4, 6.]  
**μενί.**  
 [Heb. Ps. 43 (44). 19.]  
**μέντοι.**  
 Le. 7. 2 (12)†.  
 Pr. 5. 4† : 16. 25, 27 : 22. 9 : 26. 12.  
 IV Ma. 6. 15†.  
 [Sm. III Ki. 15. 14 : Ps. 115. 1 (116. 10).]  
 [Al. I Ki. 21. 5 (6).]  
**μέντοιγε.**  
 Ps. 38 (39). 6.  
 [Sm. Jb. 18. 5 : Je. 36 (43). 25.]  
**μεργάβ (?)**  
 III Ki. 4. 34 (9. 16). Β τὸν Χαν. τὸν κατοικούντα ἐν μ. [A al.] †  
**μεριδάρχη.**  
 I Ma. 10. 65. ἔθετο αὐτὸν... μεριδάρχη  
**μεριδάρχια.**  
 I Es. 1. 5. κατὰ τὴν μ. τὴν πατρικὴν ὡμῶν — 11. κατὰ τὰς μ. τῶν πατέρων  
 5. 4. τῶν ἀναβαινόντων... ἐπὶ τὴν μ. αὐ. 8. 28. κατὰ... τὰς μ.  
**μερίζειν.** (1) מִרְּצֵה a. qal. δ. ni. c. pi. d. מִרְּצֵה e. מִרְּצֵה f. מִרְּצֵה  
 (3) מִרְּצֵה a. qal. δ. ni. (4) מִרְּצֵה (5) מִרְּצֵה  
 a. qal. δ. hi. c. מִרְּצֵה  
 Ex. 15. 9. μερίω σκύλα (2 c)  
 Nu. 26. 53. τοῖσι μερισθήσεται ἡ γῆ (2 b)  
 — 55. διὰ κληρῶν μερισθήσεται ἡ γῆ (2 b)  
 — 56. μερίεις τὴν κληρονομίαν αὐ. (2 b)  
 De. 18. 8. μερίδα μεμερισμένη φάγεται (2 d)  
 33. 21. ἐκεῖ ἐμερίσθη γῆ ἀρχόντων (2 c)  
 Jo. 13. 7. μερίσαν τὴν γῆν ταύτην (2 c)  
 — 27. Α δ' ἰορδ. μερίει [B ὀρέει] (1)  
 14. 5. ἐμερίσαν [A -σαρτο] τὴν γῆν (2 a)  
 18. 6. μερίσατε τὴν γῆν ἐπὶ τὴν μερίδα (4)  
 I Ki. 23. 28. πέτρα ἡ μερισθῆσα (2 f)  
 30. 24. κατὰ τὸ αὐτὸ μεριούται (2 a)  
 III Ki. 16. 21. τότε μερίζεται ὁ λαὸς 'Ισρ. (2 b)  
 18. 6. ἐμερίσαν ἑαυτοῖς [A -σαν αὐ.] τὴν ὁδόν (2 c)  
 Ne. 9. 22. ἐμερίσας [A διέμ.] αὐτοῖς (2 a)  
 13. 13. μερίζουν τοῖς ἰσραήλ αὐ. (2 a)  
 To. 6. 17. Β σοὶ γὰρ ἔστιν μεμρισμαμένη [A B al.]  
 Jb. 31. 2. B τί [B S' ἐτι, A S' om.] ἐμερίσαν [B' διέμ., A ἐπεμ.] ὁ θεὸς ἀνωθεν [B' ἀπάν.] (2 d)  
 39. 17. οὐκ [B' om.] ἐμερίσαν αὐτῇ ἐν τῇ συνέσει (2 a)  
 40. 25 (30). μεριτενῶνται [B' μεριούνται] δι' αὐτῶν (3 a)  
 Pr. 8. 21. ἵνα μερίσω τοῖς ἐμὲ ἀγαπῶσιν ὑπαρξίν (5 b)  
 14. 18. μεριούται ἀφρονες κηκία (5 a)  
 19. 14. ὑπαρξίν μερίζοντα [A -οῖσιν] πατέρες παῖσι (5 c)  
 29. 24. δε μερίζεται [B' ἐρίξ, B' συμμερ.] κλέπται (2 a)  
 Si. 41. 9. εἰς ἀποθήκην εἰς κατάρτην μερισθήσεσθε  
 44. 23. ἐν φυλαῖς ἐμερίσε δέκα διό (2 a)  
 45. 20. ἀπαρχὰς πρωτογεννημάτων ἐμερίσαν αὐτοῖς  
 Ho. 10. 2. ἐμερίσαν καρδίαν αὐτῶν (2 a)  
 Is. 53. 12. τὸν ἰσχυρὸν μερίε σκύλα (2 c)  
 Je. 12. 14. ἡς ἐμερίσα τῷ λαῷ μου 'Ισραήλ (5 b)  
 28 (51). 34. ἐμερίσατό με —  
 Da. LXX. 11. 4. μερισθήσεται εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐρ. (8 b)  
 I Ma. 5. 20. ἐμερίσθησαν Σιμωνι ἀνδρες τρισχιλαιοι  
 9. 11. ἐμερίσθη ἡ ἵππος εἰς δύο μερῇ  
 II Ma. 8. 28. Β ὀρθανοὶς μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων τὰ λοιπὰ... ἐμερίσαντο [A διέμ.] —  
 30. λάφυρα πλείστα ἐμερίσαντο

iv Ma. 13. 19. ἄπερ ἡ . . . πρόνοια . . . τοῖς γενομ. ἐμέρισε  
[Aq. GE. 49. 27 : Dt. 4. 19 : 29. 26 (35) : Jo. 11. 17 : 12. 7 : Ps. 67 (68). 13 : Pr. 17. 2 : Is. 83. 23 : Je. 37 (44). 12 : Ez. 5. 1.]  
[Sm. GE. 49. 27 : Pr. 17. 2 : Je. 37 (44). 12 : Ez. 5. 1.]  
[Th. Jb. 39. 17 : Pr. 17. 2 : Je. 37 (44). 12 : Ez. 5. 1.]

## μέριμμα.

(1) מֵרִימָה

Ju. 8. 29. οὐκ ἐν τῇ σήμερον [B<sup>1</sup> σὴ μερίμνη] ἡ σοφία σου πρὸδῆλός ἐστιν  
Es. 1. 1. τὰς μ. αὐ. ἐξηρεύνησε  
Jb. 11. 18. ἐκ δὲ μερίμνης καὶ φροντίδος ἀναφα-  
νείται σοι εἰρήνη +  
Ps. 54 (55). 22. ἐπὶ ῥίψον ἐπὶ κύριον τὴν μ. σου (1)  
Pr. 17. 12. ἐμπιστεύεται μερίμνα ἀνδρὶ νοήμονι +  
Si. 30. 24. πρὸ καιροῦ γῆρας [B<sup>2</sup> -ρους] ἄγει μερίμνα [B<sup>2</sup> -αν]

34 (31). 1. ἡ μ. αὐτοῦ ἀφιστᾷ [A<sup>2</sup> -ατο] ὕπνον  
— 2. μερίμνα ἀγρυπνίας ἀπαιτήσει νυσταγμὸν  
33. 29. ἐν μερίμνῃ κείται διὰ παντός ἐπὶ τὸ ἔργον αὐτοῦ

42. 9. ἡ μ. αὐ. ἀφιστᾷ ὕπνον  
Da. LXX. 11. 26. καταναλώσουσιν αὐτὸν μερίμ-  
να αὐτοῦ +

i Ma. 6. 10. συμπίπτει τῇ καρδίᾳ ἀπὸ τῆς μ.

[Aq. Ps. 80 (81). 11 : Ez. 4. 16 : 12. 19.]

[Sm. Ps. 12 (13). 3.]

[Th. Pr. 12. 25 : Ez. 12. 19.]

[Al. Ps. 54 (55). 3.]

## μερίμναι.

(1) מֵרִימָה

(2) מֵרִימָה

(3) מֵרִימָה

(4) מֵרִימָה (5) מֵרִימָה (6) מֵרִימָה

Ex. 5. 9. καὶ μεριμνῶσαν [A<sup>2</sup> -άσθωναι] ταῦτα (4)  
— 9. μὴ μεριμνῶσαν [A<sup>2</sup> -άσθωναι] ἐν λόγοις  
κενοῖς (6)

ii Ki. 7. 10. οὐ μεριμνήσεις οὐκίτι (5)  
i Ch. 17. 9. καὶ οὐ μεριμνήσεις ἐτι (5)  
Ps. 37 (38). 18. μεριμνήσω ὑπὲρ τῆς ἁμαρτίας  
μου (1)

Pr. 14. 23. ἐν παντὶ μεριμνῶντι ἔνεστι περισσό (9)  
Wi. 12. 22. ἵνα σου τὴν ἀγαθότητα μεριμνῶμεν  
κρίνοντας (2)

Ba. 3. 18. οἱ τὸ ἀργύριον τεκταίνοντες καὶ μεριμ-  
νῶντες (2)

Ez. 16. 42. οὐ μὴ μεριμνήσω οὐκίτι  
[Aq. Is. 57. 11 : Je. 42 (49). 16.]  
[Sm. Je. 42 (49). 16.]  
[Th. Is. 57. 11.]

[Al. i Ki. 9. 20 : Ps. 118 (119). 27.]

## μερίς.

(1) מֵרִימָה

(2) מֵרִימָה

(3) מֵרִימָה

(4) מֵרִימָה (5) מֵרִימָה (6) מֵרִימָה

Ge. 14. 24. πλὴν . . . τῆς μ. τῶν ἀνδρῶν (1 a)  
— 24. οὗτοι λήφονται μερίδα (1 a)  
23. 9. B τὸ σπῆλαιον . . . τὸ δὲ ἐν ἐν μέρει [A<sup>2</sup> μερίδι] τοῦ ἀγροῦ (8)

31. 14. μὴ ἔστιν ἡμῖν ἐτι μ. (1 a)  
33. 19. ἐκτίσασο τὴν μ. τοῦ ἀγροῦ (1 b)  
43. 34. B ἦσαν δὲ μερίδας [A<sup>2</sup> -a] παρ' αὐτοῦ (3)  
— 34. ἐμεγαλυνθὲ δὲ ἡ μερίς B. παρὰ τὰς μ.  
πάντων (3, 3)

Ex. 29. 26. καὶ ἔσται σοι ἐν μερίδι (2 a)  
Le. 6. 17 (10). μερίδα αὐτῶν ἔδωκε (1 a)  
7. 23 (33). αὐτῶν ἔσται ὁ βραχίον . . . ἐν μερίδι (2 a)  
8. 28 (29). καὶ ἐγένετο Μανουὴ ἐν μερίδι (2 a)  
Nu. 18. 20. μερίς οὐκ ἔσται σοι ἐν αὐτοῖς (1 a)  
— 20. ἐγὼ μερίς σου (1 a)  
31. 36. ἡ μ. τῶν ἐκπεπορευμ. εἰς τὸν πόλεμον (1 a)  
De. 9. 26. μὴ ἐξολοθρεύσεως . . . τὴν μ. [A<sup>2</sup> κληρονομία] σου (5)

10. 9. οὐκ ἔστι τοῖς Λευίταις μερίς (1 a)  
12. 12 : 14. 27, 29. οὐκ ἔστιν αὐτῶ μερίς (1 a)  
18. 1. οὐκ ἔσται . . . μερίς οὐδὲ κληρος (1 a)  
— 8. μερίδα μεμεριμμένη φάγεται (1 a)  
32. 9. ἐγενήθη μερίς κ. λαὸς αὐτοῦ 'I. (1 a)  
Jo. 14. 4. οὐκ ἔδωκε μ. . . τοῖς Λευίταις (1 a)  
15. 13. ἔδωκε μερίδα ἐν μέσῳ υἱῶν 'I. (1 a)  
18. 5. διέδωκε αὐτοῖς ἐπὶ μερίδας (1 a)  
— 6. μερίσασε τὴν γῆν ἐπὶ μερίδας (1 a)  
— 7. οὐ γὰρ ἐστι μ. τοῖς υἱοῖς Λ. (1 a)

30. 18. 7. ἱερατεία γὰρ κυρίου μερίς αὐ. (5)  
— 9. ἔγραψαν αὐτὴν κατὰ πόλεις ἐπὶ μερίδος (1 a)  
19. 9. ἐγενήθη ἡ [A<sup>2</sup> om.] μ. υἱῶν 'I. μείζων  
τῆς αὐτῶν (1 a)  
— 48. ἔθλιψαν ἀπ' αὐτῶν τὸ ὄριον τῆς μ. αὐτῶν  
— 21. 40. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ 'Iσρ. μερίδα τῇ 'I. (1 a)  
22. 25, 27. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερίς κυρίου (1 a)  
24. 32. καταρῶσαν . . . ἐν τῇ μ. τοῦ ἀγροῦ (1 b)  
— 32. A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἔδωκεν αὐτὴν 'I. ἐν μερίδι (5)  
Jd. 5. 15. εἰς τὰς μ. 'P. [A<sup>2</sup> al.] (7)  
19. 29. A ἐμίλυσεν αὐτὴν . . . εἰς δώδεκα μερί-  
δας [B<sup>2</sup> al.] (6)

Ru. 2. 3. περιέπεσε περιπτώματι τῇ μ. τοῦ  
ἀγροῦ B. (1 b)  
3. 7. κοιμηθῆναι ἐν μερίδι τῆς στοιβῆς (8)  
4. 3. τὴν μ. τοῦ ἀγροῦ ἡ ἐστὶ τοῦ ἀδ. ἡμῶν (1 b)  
i Ki. 1. 4. ἔδωκε τῇ Φ. . . μερίδας (2 a)  
— 5. τῇ 'A. ἔδωκε μ. μίαν (2 a)  
9. 23. δὸς μοι τὴν μ. (2 a)  
30. 24. B κατὰ τὴν μ. τοῦ κυτταβαίνοντος . . .  
οὕτως ἔσται μερίς [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἡ μ. τοῦ]  
καθημένου (1 a, 1 a)

ii Ki. 2. 16. μερίς τῶν ἐπιβούλων (1 b)  
14. 30. ἡ [A<sup>2</sup> ei] μ. ἐν ἀγρῷ τοῦ 'I. ἐχομένῃ μου (1 b)  
— 30. ἐνεπύρσαν αὐτὰς ὁ παῖδες 'Aβ. τὴν μ. (1 b)  
— 30. ἐνεπύρσαν οἱ δοῦλοι 'Aβ. τὴν μ. (1 b)  
— 31. ἵνα τὴν ἐνεπύρσαν οἱ παῖδες σου τὴν μ.  
τὴν ἐμὴν (1 b)  
20. 1. οὐκ ἔστιν ἡμῖν μ. ἐν Δ. (1 a)  
23. 11. ἦν ἐκεῖ μερίς τοῦ ἀγροῦ (1 b)  
— 12. ἐσθλάθη ἐν μέσῳ τῆς μ. (1 b)

iii Ki. 12. 16. τίς ἡμῖν μερίς ἐν Δ. (1 a)  
— 24. B οὐ μερίς ἡμῖν ἐν Δ. (1 a)  
iv Ki. 3. 19. πᾶσαν μ. ἀγαθὴν ἀχρεΐωστετε (1 b)  
— 25. καὶ πᾶσαν μ. ἀγαθὴν (1 b)  
9. 10. καταφάγονται οἱ κύνας ἐν τῇ μ. τοῦ 'Iσρ. (1 a)  
— 21. ἐφρον αὐτὸν ἐν τῇ μ. Ναβ. (1 b)  
— 25. ῥίψαι αὐτὸν ἐν τῇ μ. ἀγροῦ N. (1 b)  
— 26. ἀνταποδώσω αὐτῷ ἐν τῇ μ. ταύτῃ (1 b)  
— 26. ῥίψον αὐτὸν ἐν τῇ μ. (1 b)  
— 36. ἐν τῇ μ. 'I. καταφάγονται (1 a)  
— 37. ἔσται τὸ θνησιμῖον . . . ἐν τῇ μ. 'I. (1 a)  
i Ch. 11. 13. ἦν μερίς τοῦ ἀγροῦ πλήρης κριθῶν (1 b)  
— 14. ἔσται ἐν μέσῳ τῆς μ. (1 b)

ii Ch. 10. 16. τίς ἡμῶν [A<sup>2</sup> -in] μερίς ἐν Δ. (1 a)  
31. 3. καὶ μερίς τοῦ βῆσ. ἐκ τῶν ὑπαρχ. αὐτοῦ (2 b)  
— 4. δοῦναι τὴν μ. τῶν ἱερῶν (2 b)  
— 19. δοῦναι μερίδα παντὶ ἀρσενικῷ (2 a)  
35. 5. καὶ μερίς οἴκου πατριᾶς τοῖς Λ. (1 c)  
Ne. 2. 20. ὑμῖν οὐκ ἔστι μερίς (1 a)  
8. 10. B ἀποστελεῖται μερίδα [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -as] τοῖς  
μὴ ἔχουσιν (2 a)  
— 12. καὶ ἀποστελεῖται μερίδας (2 a)  
11. 36. ἀπὸ τῶν Λ. μερίδες 'I. τῷ Βεν. (1 d)  
12. 44. κατέστησαν . . . μερίδας [B<sup>2</sup> add. τοῦ  
νόμου] τοῖς Λ. (2 b)  
— 47. B<sup>1</sup> διδόντες μερίδας τῶν ἀδόντων  
— 47. διδόντες μερίδας τῶν ἀδόντων (2 b)  
18. 10. μερίδες τῶν Λ. οὐκ ἐδόθησαν (2 b)  
Es. 2. 9. ἔσπευσεν δοῦναι αὐτῇ . . . τὴν μ. (2 a)  
4. 17. μὴ ὑπερίδης τὴν μ. σου (2 a)  
9. 19. ἀποστελλόντες μερίδας [B<sup>1</sup> -a] (2 a)  
— 19. A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἐξαποστελλόντες μερίδας [B<sup>1</sup> -a] (2 a)  
— 22. ἐξαποστελλόντες μερίδας τοῖς φίλοις (2 a)  
Jb. 17. 5. A B B<sup>2</sup> τῇ μ. ἀναγγελίᾳ κακίας (1 a)  
20. 29. αὐτῇ ἡ μ. ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ  
κυρίου (1 a)  
24. 18. καταραθῆναι ἡ μ. αὐτῶν ἐπὶ γῆς (1 b)  
27. 13. αὐτῇ ἡ μ. ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ  
κυρίου (1 a)  
30. 19. ἐν γῇ καὶ σποδῷ μου ἡ μ. +  
Ps. 10 (11). 7. θεῖον καὶ πνεῦμα καταγίγδους ἡ μ.  
τοῦ πηρηίου αὐτῶν (2 b)  
15 (16). 5. A B B<sup>1</sup> κύριος ἡ [B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> om.] μ. τῆς  
κληρονομίας μου (2 a)  
49 (50). 18. μετὰ μοιχῶν τὴν μ. σου εἰτίσεις (1 a)  
62 (63). 10. μερίδες ἀλοπέκων ἔσονται (2 b)  
72 (73). 26. ἡ μ. μου ὁ θεὸς εἰς τὸν αἰῶνα (1 a)  
118 (119). 57. μερίς μου εἰ, κύριε (1 a)  
141 (142). 5. μερίς μου ἐν γῇ ζώντων (1 a)  
Pr. 16. 16. κρείσσον μακρὰ μερίς μετὰ φόβου  
κυρίου (5)  
20. 21. μερίς ἐπισπουδαζομένη ἐν πρώτοις (1 a)  
Ec. 2. 10. τοῦτο ἐγένετο μερίς μου ἀπὸ παντός  
μόχθου μου (1 a)  
— 21. δώσει αὐτῷ [A<sup>2</sup> -on] μερίδα αὐτοῦ (1 a)

Ec. 3. 22 : 5. 17. αὐτὸ μερίς αὐτοῦ (1 a)  
9. 6. καὶ γὰρ μερίς οὐκ ἔστιν αὐτοῖς ἐτι (1 a)  
— 9. αὐτὸ [B<sup>2</sup> -os] μερίς σου ἐν τῇ ζωῇ σου (1 a)  
11. 2. δὸς μερίδα τοῖς ἐπτά (1 a)  
Wi. 1. 16. ἀξίῳ εἶσι τῆς ἐκείνου μερίδος εἶναι  
2. 9. αὐτῇ ἡ μ. ἡμῶν  
— 24. οἱ τῆς ἐκείνου μερίδος ὄντες

Si. 7. 31. δὸς τὴν μ. αὐτῷ καθὼς ἐντέταλται σοι  
11. 18. αὐτῇ ἡ μ. τοῦ [B<sup>1</sup> ἀπὸ τοῦ] μισθοῦ αὐτοῦ  
14. 9. πλεονέκτου ὀφθαλμὸς οὐκ ἐμπύπταται μερίδι  
[A<sup>2</sup> -δα]  
— 14. μερίς ἐπιθυμίας ἀγαθῆς μὴ σε παρελθίτω  
18. 26. ἀπὸ ποιήσεως αὐτῶν διέστειλε μερίδας αὐ.  
17. 17. μερίς κυρίου 'Iσρηὴλ ἐστίν  
24. 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομίας αὐτοῦ  
26. 3. γυνὴ ἀγαθὴ μερίς ἀγαθῇ ἐν μερίδι φοβουμέ-  
νων κυρίου δοδισσεται  
41. 21. ἀπὸ ἀφαιρέσεως μερίδος καὶ δόσεως  
44. 23. διέστειλε [A<sup>2</sup> -ίστην] μερίδας αὐτοῦ  
45. 22. μερίς οὐκ ἔστιν αὐτῷ ἐν λαῷ αὐτοῦ γὰρ  
μερίς σου κληρονομία [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> καὶ κλ.]  
Am. 4. 7. μερίς μία βραχίσταται καὶ μερίς ἐφ'  
ἡν οὐ βρέξω ξηρανθήσεται (1 b, 1 b)  
7. 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου [A<sup>2</sup> om.] (1 a)  
Mi. 2. 4. μερίς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν  
σχυνίῳ (1 a)  
Na. 3. 8. ἐτοίμασαι μερίδα [B<sup>2</sup> om. εἰ. μ.] . . .  
ἐτοίμασαι [B<sup>2</sup> om.] μερίδα [B<sup>2</sup> -is] (1, 4?)  
Hb. 1. 16. ὅτι ἐν αὐτοῖς ἔλιπεν μερίδα αὐτοῦ (1 a)  
Za. 2. 12 (16). A B κατακληρονομήσει κ. τὸν  
'I. τὴν μ. [B<sup>2</sup> τῇ μ.] αὐ. (1 a)  
Is. 17. 14. αὐτῇ ἡ μ. τῶν ὑμᾶς προνομευσάντων (1 a)  
57. 6. ἐκείνη σου ἡ μ. (1 a)  
Je. 10. 16. οὐκ ἔστι τοιαύτη μ. τῷ 'Iακώβ (1 a)  
12. 10. A B ἐμόλυναν τὴν μ. μου (1 b)  
— 10. ἔδωκαν τὴν μ. τὴν [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -μ.] ἐπιθυμητὴν  
μου εἰς ἔρημον ἄβυστον (1 b)  
13. 25. οὗτος ὁ κληρὸς [B<sup>2</sup> -ονόμος] σου καὶ μ.  
τοῦ ἀπειθεῖν ὑμᾶς ἐμοί (2 a)  
28 (51). 19. οὐ τοιαύτη μ. τῷ 'Iακώβ [A<sup>2</sup> al.] (1 a)  
La. 3. 24. B μ. μου κύριος (1 a)  
4. 16. πρὸς ὅσων κυρίου μ. αὐτῶν (1 c)  
Ez. 46. 7. ὡς μία τῶν μ. ἀπὸ τῶν ὁρίων τῶν  
πρὸς θάλασσαν (1 a)  
48. 8. καθὼς μία τῶν μ. (1 a)  
— 21. ἐχόμενα τῶν μ. τοῦ ἀφηγουμένου (1 a)  
Da. TH. 4. 12. μετὰ τῶν θηρίων ἡ μ. αὐ. (1 f)  
— 20. μετὰ θηρίων ἀγρίων ἡ μ. αὐ. (1 f)  
ii Ma. 1. 26. διαφύλαξον τὴν μ. σου  
14. 15. ἀνταλμαβανόμενον τῆς ταυτοῦ (1 a)  
iii Ma. 6. 3. μερίδος γίγασμένης σου λαόν  
iv Ma. 18. 3. θείας μερίδος κατηξιώθησαν  
[Aq. Je. 48 (51). 28 : 51 (28). 19.]  
[Sm. Jb. 17. 5 : Ps. 16 (17). 14 : Ec. 5. 18 : Je.  
51 (28). 19.]  
[Th. Jb. 17. 5 : Is. 57. 6 bis : 61. 7.]  
[Sam. Ge. 49. 23.]  
[Al. Ge. 47. 22 : Le. 7. 34, 36 : 10. 14 : Nu. 36.  
3 : Is. 61. 7.]

μερισμός. (1) מֵרִימָה δ. מֵרִימָה  
Jo. 11. 23. ἔδωκεν αὐτοῖς . . . ἐν μερισμῷ (1 a)  
ii Es. 6. 18. ἔστησαν . . . τοὺς Λ. ἐν μερισμοῖς  
αὐ. (1 b)

μεριτεύεσθαι. (1) מֵרִימָה  
Jb. 40. 25 (30). μεριτεύονται [B<sup>2</sup> μεριούνται] δὲ  
αὐτὸν Φοινίκων ἔθνη (1)

μέρος. (1) מֵרִימָה (2) מֵרִימָה (3) מֵרִימָה (4) מֵרִימָה  
(5) מֵרִימָה (6) מֵרִימָה (7) מֵרִימָה (8) מֵרִימָה  
(9) מֵרִימָה (10) מֵרִימָה (11) מֵרִימָה (12) מֵרִימָה  
(13) מֵרִימָה (14) מֵרִימָה (15) מֵרִימָה (16) מֵרִימָה  
δ. מֵרִימָה c. מֵרִימָה d. מֵרִימָה (17) מֵרִימָה  
(18) מֵרִימָה (19) מֵרִימָה (20) מֵרִימָה  
(21) τὸ πέμπτον μ. 'Iσρ. (22) τρίτον  
μ. α. מֵרִימָה δ. 'Iσρ.

Ge. 23. 9. B τὸ δὲ ἐν ἐν μ. [A<sup>2</sup> μερίδι] τοῦ ἀγροῦ (16 a)  
47. 24. δώσατε τὸ πέμπτον μ. τῷ Φ. (21)  
— 24. τὰ δὲ τέσσαρα μ. ἔσται ὑμῖν αὐτοῖς (4)  
Ex. 16. 35. παρεγίνοντο εἰς μ. τῆς Φοινίκης (16 a)  
25. 25 (26). ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. τῶν ποδῶν  
αὐτῆς (11)

Ex. 26. 4. ἐκ τοῦ ἐνὸς μ. εἰς τὴν συμβολὴν (16 d)  
 — 5. ἐκ τοῦ μ. τῆς αὐαίας (16 a)  
 — 19. τῷ στυλῷ . . . εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ (4)  
 — 19. B<sup>3</sup> B εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ (4)  
 — 21. τῷ στυλῷ τῷ ἐνὶ εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐ. —  
 — 21. A B εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ  
 — 22. κατὰ τὸ μ. τὸ πρὸς θάλασσαν (5)  
 — 25. τῷ ἐνὶ στυλῷ εἰς ἀμφότερα τὰ μ. αὐτοῦ —  
 — 26. τῷ ἐνὶ στυλῷ ἐκ τοῦ ἐνὸς μ. τῆς σκηνῆς (15)  
 — 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς νότον (15)  
 — 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς βορρᾶν (15)  
 28. 7. ἐπὶ τοῖς δυσὶ μέρεσιν ἐξηρησιμῆναι (16 d)  
 32. 15. εἰς ἀμφότερων τῶν μ. αὐτῶν (10)  
 36. 11 (39. 4). ἐπωμίδας συνεχύσας ἐξ ἀμφο-  
 τέρων τῶν μερῶν (16 b)  
 — 25 (39. 17). ἀμφοτέρων τῶν μ. τοῦ λοχείου (16 b)  
 38 (37). 3. A ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτῆς (13)  
 — 14 (37. 17). εἰς ἀμφοτέρων τῶν μ. αὐτῆς (14 ?)  
 — 24 (5). ἐκ τῶν τεσσάρων μ. (16 b)  
 Nu. 8. 2. ἐκ μέρους κατὰ πρόσωπον τῆς λυχνίας (8)  
 — 3. ἐκ τοῦ ἐνὸς μ. κατὰ πρὸς τῆς λυχνίας  
 11. 1. κατέφαγε μ. τὴν παρεμβολήν (16 a)  
 20. 16. ἐκ μέρους τῶν ὁρίων σου (16 a)  
 22. 36. ὅ ἐστιν ἐκ μέρους τῶν ὁρίων (16 a)  
 — 41. ἔδειξεν αὐτῷ . . . μ. τὴν τοῦ λαοῦ (16 a)  
 23. 13. μ. τὴν αὐτοῦ ὄψην (16 a)  
 33. 6. ὅ ἐστιν μέρος [A<sup>2</sup> add. ti] τῆς ἐρήμου (16 a)  
 34. 3. ἀπὸ μέρους τῆς διὰσσεως τῆς ἀλκῆς (16 a)  
 Jo. 2. 18. εἰσπορευόμεθα εἰς μέρος τῆς πόλεως τ.  
 3. 8. A ἐπὶ μέρος [B μέσον] τοῦ ὕδατος τοῦ I. (16 a)  
 — 15. εἰς μέρος [A τὸ μ.] τοῦ ὕδατος τοῦ I. (16 a)  
 — 16. ὥς μέρος K. (14)  
 4. 19. κατὰ μέρος τὸ πρὸς ἡλίου ἀνατολᾶς (16 a)  
 12. 2. ἡ ἐστὶν . . . κατὰ μέρος τῆς φάραγγος (20)  
 13. 27. ὥς μέρος τῆς θαλάσσης X. (16 a)  
 15. 2. ὥς μέρος θαλάσσης τῆς ἀλκῆς (16 a)  
 — 5. τὰ ὅρια αὐ. . . ἀπὸ τοῦ μ. τοῦ I. (16 a)  
 — 8. ἡ ἐστὶν ἐκ μέρους γῆς P. (16 a)  
 18. 14. B<sup>3</sup> παρελεύσεται ἐπὶ τὸ ὅρος [A B<sup>2</sup> B  
 μέρος] (11)  
 — 14. τοῦτο ἔστι τὸ μ. τὸ πρὸς θάλασσαν (11)  
 — 15. μέρος τὸ πρὸς λιβα ἀπὸ μέρους K. (11, 16 a)  
 — 16. καταβήσεται τὰ ὅρια ἐπὶ μέρους [A add.  
 τοῦ δρους] (16 a)  
 — 16. ὅ ἐστιν ἐκ μέρους E. —  
 — 19. εἰς μέρος τοῦ I. (16 a)  
 — 20. ὁ I. ὅριον ἀπὸ μέρους ἀνατολῶν (11)  
 Jd. 7. 11. A κατέβη . . . εἰς μέρος [B πρὸς  
 ἀρχήν] τῶν πενήτης. (16 a)  
 — 19. A ἐν μέρει [B ἀρχή] τῆς παρεμβολῆς (16 a)  
 18. 2. ἀπέστειλαν . . . πέντε ἄνδρας [A add.  
 ἀπὸ μέρους αὐτῶν] (16 d)  
 I Ki. 6. 8. οὐ θύσσετε . . . ἐκ μέρους αὐτῆς (14)  
 9. 27. αὐτὰν καταφανόντων εἰς μέρος τῆς πόλεως (16 a)  
 23. 26. πορεύονται . . . ἐκ μέρους τοῦ δρους  
 τούτου καὶ ἦν Δ. . . ἐκ μέρους  
 τοῦ δρους τούτου [A al.] (14, 14)  
 30. 14. ἐπεβήμεθα . . . ἐπὶ τὰ τῆς I. (14)  
 II Ki. 13. 34. ἐκ μέρους τοῦ δρους (14)  
 III Ki. 3. 1 (B), 4. 24 (B, 4). ἦν αὐτῇ εἰρήνη  
 ἐκ πάντων τῶν μ. —  
 6. 24. ἀπὸ μέρους πτερυγίου αὐτοῦ (16 d)  
 — 24. A καὶ ὥς μέρος πτερυγίου αὐ. [B al.] (16 d)  
 7. 30. καὶ τέσσαρα μ. αὐτῶν (18)  
 12. 31. ἐποίησαν ἱερεῖς μέρος τι ἐκ τοῦ λαοῦ (16 d)  
 13. 33. ἐποίησαν ἐκ μέρους τοῦ λαοῦ ἱερεῖς (16 d)  
 IV Ki. 7. 5. A<sup>2</sup> B<sup>3</sup> εἰς μέσον [B<sup>2</sup> μέρος] παρεμ-  
 βολῆς Σ. (16 a)  
 — 8. εἰσῆλθον . . . ὥς μέρος τῆς παρεμβ. (16 a)  
 19. 23. εἰς ὕψος ὁρίων μηρῶν [B<sup>2</sup> μέρος, A  
 μέρους] τοῦ Διβ. (5)  
 — 23. A εἰς μέρος τέλους αὐ. δρυμοῦ [B al.]  
 (16 a\*, 16 c)  
 II Ch. 36. 7. μέρος τῶν σκευῶν οἴκου κ. ἀπὸνεγκεν (7)  
 II Es. 4. 20. μέρος δίδωται αὐτοῖς (2)  
 Ne. 3. 15. B ἀρχὴν μέρους τῆς M. (12)  
 7. 70. ἀπὸ μέρους ἀρχηγῶν τῶν πατριῶν (16 b)  
 11. 1. καὶ ἐνέει μέρη ἐν ταῖς πόλεσι (4)  
 To. 8. 3. B εἰς τὰ μ. [A ἀνώτατα] Aἰγ. —  
 Es. 8. 13. B<sup>3</sup> ὅσον ἐστὶ παρὰ μέρος ὕμιν ἐκζητοῦν  
 [A B<sup>2</sup> al.] —  
 Jb. 26. 14. ἰδοὺ ταῦτα μέρη ὁδοῦ [B<sup>3</sup> λόγον]  
 αὐτοῦ (16 d)  
 30. 1. νῦν νοουθετοῦσι με ἐν μέρει —  
 31. 12. πῶρ γὰρ ἔστι καίμενον ἐπὶ [A ἐκ]  
 πάντων τῶν μ. —

Pr. 17. 2. ἐν δὲ ἀδελφοῖς διελέγεται μέρη (8)  
 29. 11. σφοδρὸν δὲ ταμεύεται κατὰ μέρος —  
 Ec. 5. 18. λαβεῖν τὸ μ. αὐτοῦ (3)  
 Si. 28. 19. κατανοοῦντες εἰς [A om.] ἀπόκρυφα μέρη  
 37. 18. τέσσαρα μέρη ἀνατέλλει —  
 Za. 13. 8. τὰ δύο μ. αὐτῆς ἐξολοθρευθήσεται —  
 Is. 7. 18. κυριεύσει μέρος [A B<sup>2</sup> -ους] ποταμοῦ  
 Aἰγύπτου (16 a)  
 9. 1 (8. 23). Γαλιλαία τῶν ἰθῶν [A B<sup>2</sup> B add.  
 τὰ μ. τῆς Iουδαίας] —  
 18. 7. ὅ ἐστιν ἐν μέρει ποταμοῦ τῆς χώρας αὐτοῦ (1 ?)  
 37. 24. εἰσῆλθον εἰς ὕψος μέρους τοῦ δρυμοῦ (16 c)  
 Je. 30. 10 (49. 32). A ἐκ παντὸς μέρους [B  
 πέραν] αὐτῶν οἷον τὴν τροπὴν αὐτῶν —  
 32. 17 (25. 31). ἡκεῖ ὁλεθρὸς ἐπὶ μ. [B<sup>3</sup> -ους]  
 τῆς γῆς (16 a)  
 — 19 (25. 33). ἐκ μέρους τῆς γῆς καὶ ἔως εἰς  
 μ. τῆς γῆς [B<sup>3</sup> om. καὶ . . . γῆς]  
 (16 a, 16 a)  
 52. 23. ἦσαν αἱ ῥοαὶ ἐνενηκοντα ἐξ τὸ ἐν μ. (18)  
 Ez. 1. 8. ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτῶν (17)  
 — 17. ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτῶν ἐπορεύοντο (17)  
 10. 11. εἰς τὰ τέσσαρα μ. αὐτῶν ἐπορεύοντο (17)  
 40. 47. διεμέτρησε τὴν αἰλὴν . . . ἐπὶ τὰ τέσ-  
 σαρα μ. αὐτῆς —  
 42. 20. τὰ τέσσαρα μέρη τοῦ αὐτοῦ καλᾶμου  
 [A εἰς τ. γ. μ. τ. αὐ. μέτρον] (18)  
 43. 16. τετραγώνον ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. αὐτοῦ (17)  
 — 17. τὸ ἔνθος ἐπὶ [A τετραγώνον ε. τὰ] τέσ-  
 σαρα μέρη αὐτοῦ (17)  
 46. 21. περιμέτρησε με ἐπὶ τὰ τέσσαρα μ. τῆς  
 αἰλῆς (8)  
 47. 19. τοῦτο τὸ μ. νότος καὶ λίψ (11)  
 — 20. τοῦτο τὸ μ. τῆς θαλάσσης τῆς μεγάλης  
 ὁρίει (11)  
 48. 1. κατὰ τὸ μ. [A μέτρον] τῆς καταβάσεως  
 τοῦ περιχίζοντος . . . κατὰ μ.  
 [A τὸ μ.] Ἡμῶν αἰλῆς (4, 4)  
 Da. LXX. 1. 2. καὶ μέρος τι τῶν ἰερῶν σκευῶν  
 τοῦ κ. (16 b)  
 2. 33. μέρος μὲν τι σιδήρου μέρος δέ τι  
 ὀστράκου (7, 7)  
 — 41. μέρος μὲν τι ὀστράκου κεραμικοῦ (7)  
 — 41. μέρος δέ τι σιδήρου (7)  
 — 42. μέρος μὲν τι σιδήρου (7)  
 — 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον (7)  
 — 42. μέρος δέ τι τῆς βασ. ἔσται ἰσχυρόν (16 b)  
 — 42. μέρος τι ἔσται συντετριμμένον (7)  
 5. 7. ἐξουσία τοῦ τρίτου μ. τῆς βασ. (22 b)  
 — 16. ἐξουσία τοῦ τρίτου μ. τῆς βασ. μου (22 a)  
 — 29. ἔδωκεν ἐξουσίαν αὐτῷ τοῦ τρίτου μ.  
 τῆς βασ. αὐ. (22 a)  
 Da. TH. 1. 2. ἀπὸ μέρους σκευῶν οἴκου τοῦ θ. (16 b)  
 2. 33. μέρος μὲν τι σιδήρου (7)  
 — 33. καὶ μέρος δέ τι ὀστράκινον (7)  
 — 41. μέρος μὲν τι ὀστράκινον (7)  
 — 41. μέρος δέ τι σιδήρου (7)  
 — 42. μέρος μὲν τι σιδήρου (7)  
 — 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον (7)  
 — 42. μέρος τι τῆς βασ. ἔσται ἰσχυρόν (16 b)  
 7. 5. εἰς μέρος ἐν ἐστᾶθ [A add. δρους] αὐτοῦ (16 c)  
 11. 45. ἡξεῖ ὥς μέρος [A add. δρους] αὐτοῦ (16 c)  
 I Ma. 4. 19. ὥφθη μ. τὴν ἐκκλῖνον ἐκ τοῦ δρους  
 6. 38. ἔστησαν ἐπὶ τὰ δύο μ. τῆς παρεμβ.  
 — 40. ἐξέταθ μ. τῆς παρεμβ. [B<sup>3</sup> al.]  
 9. 11. ἐμερίσθη ἡ ἴππος εἰς δύο μέρη  
 — 12. ἤγγισεν ἡ φάλαγξ ἐκ τῶν δύο μ.  
 — 15. B συνετρίβη τὸ δεξιὸν μ. [A B κέρας]  
 II Ma. 2. 30. B πολυπραγμονίῳ ἐν τοῖς [A ταῖς]  
 κατὰ μέρος  
 3. 26. παραστάντες ἐξ ἐκατέρου μ.  
 8. 24. B ἀναπήρους τὸ πλείστον μ. τῆς τοῦ N. στρα-  
 τίας ἐποίησαν [A al.]  
 11. 20. B ὑπὲρ δὲ τῶν [A τοῦτων] κατὰ μέρος  
 16. 18. ἦν γὰρ . . . ἐν ἥττοι μ. κείμενοι αὐτοῖς  
 — 20. τῶν θηρίων ἐπὶ μ. εὐκαίρην ἀποκατασταθέντων  
 — 21. A ἐπὶ μ. εὐκαίρην  
 — 33. B ἔφη κατὰ μέρος δώσω τὶς ὀρνέοις [A al.]  
 III Ma. 5. 11. ὕπνον μέρος ἀπέστειλε  
 — 17. εἰς ἐφορυσίην καθάβουσαι μέρος  
 [Aq. Ex. 25. 11 (12): 37 (38). 3: 37. 18: Ps.  
 16 (17). 14: Je. 49. 32 (30. 10).]  
 [Sm. Ex. 25. 11 (12): Jb. 32. 17: Is. 7. 18: J.  
 Th. Ex. 25. 11 (12): 37. 13 (38. 11): Jd. 7.  
 11: Is. 7. 18: Je. 52. 23: Da. 2. 42: 11. 45: J.  
 Al. IV Ki. 11. 7.]

μεσάβ. (1) α. מִסָּבָה δ. מִסָּבָה  
 I Ki. 14. 11. A εἰσῆλθον ἀμφοτέροις εἰς μ. [B  
 μεσάβ] τῶν ἀλλοφ. (1 a)  
 — 12. A ἀπεκρίθησαν οἱ ἄνδρες τῆς μ. [B δ.  
 μεσάβ] (1 b)  
 μεσάβειν.  
 Wi. 18. 14. νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάχει μεσαζούσης [B<sup>3</sup> μ.  
 τὰ πάντα]  
 [Aq. I Ki. 17. 4.]  
 μεσακλον. (1) מִסָּבָה  
 I Ki. 17. 7. ὥστε μέσακλον ὑφανόντων [A -ος] (1)  
 μεσαναί. מִסָּבָה. מִסָּבָה.  
 μεσαρά. מִסָּבָה.  
 I Ki. 23. 19. A οἶκ ἰδοὺ Δ. κέρρυται . . . ἐν μ.  
 [B μεσο.] —  
 μεσαράς. מִסָּבָה.  
 I Ki. 24. 23. A ἀνέβησαν εἰς τὴν μ. [B μεσαρά] —  
 στενήν —  
 μεσημβρία. (1) מִסָּבָה (2) מִסָּבָה (3) מִסָּבָה  
 (4) מִסָּבָה (5) מִסָּבָה  
 Ge. 18. 1. καθήμενον αὐτοῦ . . . μεσημβρίας (4)  
 43. 16. φάγονται οἱ ἄνθρωποι ἄρτους τῆς μ. (3)  
 — 25. B ἔως τοῦ εἰλεῖν Iωσηφ μεσημβρίας  
 [A -ία] (9)  
 De. 28. 29. ἔση ψηλαφῶν μεσημβρίας (3)  
 Jd. 5. 10. ἐπιβεβηκότες ἐπὶ δνο θηλείας μεσημ-  
 βρίας [A al.] —  
 II Ki. 4. 5. ἐκάθην ἐν τῇ κοίτῃ τῆς μ. (3)  
 III Ki. 18. 26. ἐκ πρωΐ ἐως μεσημβρίας (3)  
 — 27. καὶ ἐγένετο μεσημβρία (3)  
 21 (20). 16. καὶ ἐξῆλθε μεσημβρίας (3)  
 IV Ki. 4. 20. ἐκοιμήθη . . . ὥς μεσημβρίας  
 Jb. 11. 17. ἐκ δὲ μεσημβρίας ἀνατελεῖ σοι ζωή (3)  
 Ps. 38 (37). 6. καὶ τὸ κρίμα σου ὥς μεσημβρίας (3)  
 54 (55). 17. ἔσπερας καὶ πρωὶ καὶ μεσημβρίας (3)  
 Ca. 1. 7. πού κοιτάσεις ἐν μεσημβρία (3)  
 Si. 81 (84). 16. καὶ σκέπη ἀπὸ μεσημβρίας  
 43. 3. ἐν μεσημβρία αὐτοῦ ἀναζητεῖν χώραν (3)  
 Am. 8. 9. δύσεται ὁ ἥλιος μεσημβρίας (3)  
 Ze. 2. 4. καὶ Ἄζωτος μεσημβρίας ἐκρίφεται (3)  
 Is. 58. 4. ὥς φῶς καύματος μεσημβρίας (3)  
 15. 10. τὸ σκότος σου ὥς μ. —  
 59. 10. πεσόντα ἐν μεσημβρία ὥς ἐν μεσο-  
 νυκτίῳ (3)  
 Je. 6. 4. ἀναβῶμεν ἐπ' αὐτὴν μεσημβρίας (3)  
 16. 8. ἐπὶ γὰρ ἐπὶ μητέρα νεανίσκος [B -ου]  
 τάλαιπωριαν ἐν μεσημβρία (3)  
 20. 16. ἀκουσάτω κραυγὴς τὸ πρωὶ καὶ ἀλαλαγ-  
 μὸν μεσημβρίας (5)  
 Da. LXX. 8. 4. εἶδον τὸν κρινὸν κερατίζοντα πρὸς  
 . . . μεσημβρίαν (2)  
 — 9. ἐπάταξεν ἐπὶ μεσημβρίαν (2)  
 [Aq. Ps. 90 (91). 6.]  
 [Sm. I Ki. 27. 10: 30. 1, 27: Ps. 90 (91). 6: Ez.  
 20. 47 (21. 3).]  
 [Th. Ez. 40. 2.]  
 μεσημβρινός. (1) מִסָּבָה  
 I Es. 9. 41. B ὥς μεσημβρινῶν [A B al.]  
 Jb. 5. 14. τὸ δὲ μ. ψηλαφῆσαι ἴσα νυκτὶ (1)  
 Ps. 90 (91). 6. ἀπὸ συμπτώματος καὶ δαιμονίου  
 μεσημβρινῶν (1)  
 Is. 16. 3. αὐτὴν διὰ παντὸς ἐν μ. σκοτία φέιγεται (1)  
 [Aq. Ge. 6. 17 (16).]  
 [Sm. Ez. 20. 46 (21. 2).]  
 μεσθαδλ.  
 IV Ki. 10. 22. εἶπε τῇ ἐπὶ τοῦ οἴκου μ. [A al.] —  
 μεσίτης. (1) מִסָּבָה  
 Jb. 9. 33. εἶδε [A εἰ γὰρ] ἦν ὁ μ. ἡμῶν (1)  
 μεσόγειος.  
 II Ma. 8. 35. τὴν δοξίην ἀποθίμενος ἐσθῆτα διὰ  
 τῆς μ. —  
 μεσουνύκτιον. (1) α. מִסָּבָה (2) מִסָּבָה (3) מִסָּבָה  
 (4) מִסָּבָה (5) מִסָּבָה  
 Jd. 16. 3. ἐκοιμήθη Σ. ὥς μεσουνύκτιον (1 b)  
 — 3. A ἀνέστη περὶ τὸ μ. [B al.] (1 b)





Nu. 1. 4, 5: 8. 4: 5. 13, 13†, 19: 10. 29, 31, 32: 11. 16, 17 bis: 13. 31 (31): 14. 23, 42: 16. 10, 25, 32: 18. 1†, 2, 7, 11: 19: 22. 13, 14, 21, 22, 35 bis, 39, 40: 23. 6, 13, 17, 21: 25. 13†, 14: 26. 3†: 30. 11: 32. 29, 30: 34. 13.

De. 1. 30, 42: 2. 7: 3. 1†: 5. 31 (28): 8. 9: 11. 6\*: 12. 10, 12, 23: 14. 27, 29: 17. 19, 20†: 18. 1: 19. 5: 20. 1, 4, 10: 22. 2, 4, 6, 9, 22 bis, 23†, 25 bis, 28, 29: 28. 4 (5), 16 (17): 25. 11: 27. 20, 21, 22, 23, 23†: 29. 15 (14) bis: 31. 6, 8†, 16, 23, 27: 32. 12, 14 bis, 24, 25, 43: 38. 2, 21.

Jo. 1. 5 bis, 9, 17 bis: 2. 14†, 19: 3. 7 bis: 6. 26 (27): 7. 12†: 8. 1, 5\*, 11, 14†: 9. 4: 10. 7, 15†, 29†, 31, 34, 36: 11. 4: 13. 8\*†: 14. 8, 12: 20. 4†: 22. 7, 8, 14, 30, 31: 23. 12†: 24. 31, 30.

Jd. 1. 3 ter, 16†, 17, 19, 21, 22, 24: 2. 1†, 7, 18: 3. 19†: 4. 6, 8, 8†, 8, 9 bis, 10, 13†: 5. 12†, 4 bis, 18†, 19†: 8. 1†, 4†, 5†, 5†, 9, 10, 35 bis: 9. 16 bis, 19, 19†, 31†, 32\*, 33\*, 34†, 35\*, 44\*, 48\* bis: 11. 3, 4, 8†, 11, 13†, 20†, 25, 27: 12. 1: 18. 9: 14. 11: 15. 3: 16. 13†, 14†, 15, 30: 17. 10: 18. 7†, 9†, 19, 22†, 25, 28: 19. 3, 4, 10 bis, 19†: 20. 14†, 18†, 20† bis, 23†, 28†, 38†.

Ru. 1. 7, 8 ter, 10, 11, 18, 22†: 2. 4, 6, 8, 11, 19, 20 bis, 21, 22: 3. 1, 2.

I Ki. 1. 18, 22, 24 bis, 26†: 2. 8, 19, 26 bis: 3. 19: 4. 4: 5. 7: 6. 15: 9. 3, 5\*, 7\*, 7†, 19, 24: 10. 6†, 7, 26: 12. 24†: 13. 2† bis, 15†, 16†, 22† bis: 14. 2†, 7†, 13, 17\*, 20\*, 21 bis, 21\*, 22 (23): 15. 6 bis, 25, 26, 30: 16. 5, 12, 18: 17. 19†, 23†, 26†, 32, 33†, 37, 42: 18. 12†, 14, 28: 20. 5†, 8 bis, 13 bis, 14, 35: 21. 1 (2): 22. 2, 4, 6\*, 8, 17, 23: 23. 5\*, 6, 13\*, 23: 24. 3: 25. 7, 13, 25†, 25: 26. 1†, 2, 6 bis: 27. 2†, 3, 5: 28. 1†, 1, 8, 16, 19 bis: 29. 2, 3, 4, 6, 9, 10: 30. 9, 21\*, 22 bis: 31. 5.

II Ki. 1. 11\*, 24: 2. 3\*, 6† bis, 32\*: 3. 8, 14 bis, 16, 20, 20\*, 21, 22 bis, 31\*: 5. 10, 21\*: 6. 2†, 13, 15 bis, 22: 7. 3, 9, 12: 8. 11, 11†: 9. 1, 3, 7: 10. 2 bis, 13†, 17, 19: 11. 1, 4, 9, 11, 13, 17: 12. 3 bis, 11, 24: 13. 11, 14, 16, 20, 22, 24, 26 bis, 27: 14. 17, 19: 15. 11, 12, 14\*, 19 bis, 20, 20†, 20 bis, 22, 22\*, 24, 27, 30\*, 31, 33, 35, 36: 16. 14†, 15, 17 bis, 18, 21†: 17. 2\*, 10\*, 12\*, 16\*, 22†, 24, 29†: 18. 1\*, 2: 19. 7 (8), 16 (17), 17 (18) bis, 17 (18)†, 25 (26), 26 (27), 31 (32), 33 (34), 33 (34)†, 34 (35), 36 (37), 37 (38), 38 (39), 40 (41) bis, 41 (42): 20. 6†, 15†: 21. 4 bis, 15 ter, 17, 18, 19: 22. 26 bis, 17 bis: 23. 5, 9: 24. 2\*.

III Ki. 1. 2, 7 bis, 9†, 14, 21, 22, 33, 37 bis, 44: 2. 8, 10: 3. 1, 6 bis, 18†: 5. 6 (20): 8. 9, 21, 27, 57 bis, 62†, 65: 9. 12, 20, 26: 11. 4 (3), 10†, 11, 17, 18, 21, 22, 38, 43, 44†: 12. 8 bis, 10, 24, 24† quinquies: 13. 7, 8, 15, 16, 31: 14. 20†, 31 bis: 15. 3, 8, 8†, 14, 24†, 24: 16. 6, 17, 28, 28 (22. 4 [45]†, 28 (22. 50 [51]†) bis: 17. 20 bis: 20 (21). 8: 21 (20). 1, 12†, 16†: 22. 4, 29, 40, 45, 50†, 51.

IV Ki. 1. 15 bis: 2. 16: 3. 7, 26: 4. 28: 5. 26†: 6. 3, 4, 16\* bis, 32, 33: 8. 21\*†, 24, 24†, 28 bis, 29: 9. 15 bis, 16, 28†, 30: 10. 2 bis, 15 bis, 16, 23, 35: 11. 3, 8, 9†: 12. 21 (22): 13. 9, 9†, 12, 13, 13†, 13, 23\*: 14. 10, 15, 16 bis, 20, 22, 29 bis: 15. 7, 7†, 19†, 22, 25 ter, 38, 38†: 16. 20, 20†: 17. 35†, 38: 18. 7, 26†, 27, 31: 19. 9: 20. 21: 21. 18: 28. 2, 2†, 18, 35: 24. 6: 25. 6, 25 bis, 28, 28\*.

I Ch. 4. 10, 23: 5. 19: 6. 15 (6. 41): 7. 4†: 8. 32: 9. 1, 20, 25, 38†: 11. 9†, 9, 10 bis, 13: 12. 27, 32, 34: 13. 1: 2. 15. 18: 16. 4†, 42: 17. 2, 8, 11: 18. 11: 19. 2 bis, 14\*, 19: 20. 4, 5: 21. 20, 20†: 22. 11, 15, 16, 18: 25. 6, 7†: 27. 32: 28. 20, 21: 29. 22.

II Ch. 1. 1, 3†, 8, 14: 2. 3 (2), 7 (6), 7 (6)\*, 8 (7), 14 (13): 5. 10, 12: 6. 18: 7. 8: 8. 8†, 18: 9. 9, 21, 25: 10. 8 bis, 10: 12. 1, 3, 16: 13. 8, 12: 14. 1 (18. 23): 15. 2 bis, 9 bis, 19: 16. 9, 13: 17. 3, 8, 8\*, 9, 14, 15, 16, 17, 18: 18. 2\*, 2, 3 bis, 30\*: 19. 6, 7, 11: 20. 1, 17 bis, 21: 21. 1, 3, 9 bis, 15, 19: 22. 5, 7, 12: 23. 1, 3, 7: 24. 16 ter, 22, 24: 25. 7 bis, 13, 19, 28: 26. 2, 13, 17, 23 bis, 23†: 27. 9: 28. 10, 27: 32. 3, 7\*, 7 bis, 8†, 8, 9, 21, 33: 33. 20: 35. 21\*, 24: 36. 8 bis, 10, 23: 37. 1. 12, 27 bis, 56†: 2. 5, 7, 30: 3. 2\*†: 4. 2, 36, 47\*, 48, 63: 5. 2 ter, 3, 8, 59, 64: 6. 22: 7.

4: 8. 16, 28, 30, 31, 32 bis, 33, 34†, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 52, 54, 63 bis, 70†, 77, 95.

II Es. 1. 3, 4, 11†: 2. 2: 3. 12: 4. 2: 5. 2: 6. 8: 7. 13, 16, 28: 8. 1, 3, 4, 5†, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13†, 14, 24, 33 bis: 10. 4, 14, 15.

Ne. 2. 9, 12 ter: 3. 20†, 28†: 4. 13 (7), 22 (16)†: 7. 7: 9. 17: 10. 38 (39): 12. 1, 40†: 13. 25.

To. 1. 3: 2. 2†, 5†, 14: 3. 1, 6, 6†, 8, 9, 10: 4. 15†: 5. 3† bis, 4†, 5†, 6†, 7†, 8, 9†, 11†, 13†, 14†, 15†, 16, 16† bis: 6. 1† ter, 4†, 7†, 12†, 14, 17†, 17: 8. 8, 9†, 16, 17, 21†: 9. 2, 2†: 10. 6†, 9†: 11. 6, 19†: 12. 1†, 2†, 3†, 6, 8, 8†, 8 bis, 8†, 18† bis: 13. 6, 10: 14. 7†, 10, 12, 12† bis.

Ju. 1. 16: 2. 2, 5: 3. 7: 5. 17 bis: 6. 8: 7. 11†, 17, 24: 8. 3, 26, 33: 10. 9, 10†: 11. 6, 16†: 12. 3† bis, 4†, 11†, 13†, 16†, 17†: 13. 11, 16: 14. 14, 16: 15. 8, 10, 11†, 12†, 13\*, 13: 16. 20.

Es. 1. 1 bis, 12\*†: 2. 20†: 3. 13: 5. 12, 12†: 6. 13, 14†: 7. 8†: 8. 13†, 13 quinquies: 9. 17, 18, 19: 10. 3.

Jb. 1. 4, 6: 2. 9: 3. 14, 15: 5. 23†: 9. 3†: 11. 5: 12. 2: 17. 16: 20. 11: 21. 21†: 26. 10: 28. 14: 29. 20: 31. 5: 33. 29, 31†: 34. 8 bis: 36. 7: 37. 18: 39. 32 (40. 2): 40. 23 (28): 42. 17.

Ps. 9, 6, 29 (10. 8): 15 (18). 11: 17 (18). 23, 25 bis, 26 bis: 20 (21). 6: 22 (23). 4: 25 (26). 4 bis, 5, 9 bis: 27 (28). 3 ter: 37 (38). 10: 45 (46). 7, 11: 46 (47). 9: 49 (50). 11, 18: 65 (66). 15 bis: 68 (69). 28, 30: 72 (73). 5, 23, 24: 76 (77). 6: 77 (78). 8, 33, 37: 80 (81). 2: 82 (83). 7, 8: 85 (86). 17: 87 (88). 4: 88 (89). 13, 24: 90 (91). 15: 91 (92). 3: 100 (101). 6: 101 (102). 9: 108 (104). 25: 105 (106). 5, 6: 108 (109). 21: 109 (110). 3: 112 (113). 8 bis: 113. 21 (115. 13): 118 (119). 65, 124: 119 (120). 5, 6: 124 (125). 5: 125 (126). 2, 3: 138 (139). 18: 140 (141). 4: 142 (143). 2: 148. 12.

Pr. 1. 11, 15: 2. 18: 5. 5, 18, 23: 6. 22: 8. 8: 9. 3: 10. 7, 10 bis: 13. 10, 11 bis, 16: 14. 17: 15. 12, 16 bis, 17†, 17, 29 (16. 8) bis: 16. 5, 5 (4), 12, 19 bis: 17. 1 bis: 19. 10: 20. 11: 21. 9, 9†, 19: 23. 7, 11, 35: 24. 1, 3 bis, 4, 6 bis, 6† (30. 32), 7† (31. 3) bis: 25. 24, 28: 26. 23: 28. 8: 31. 23.

Ec. 1. 11: 2. 8†, 16 bis: 3. 22†: 4. 15: 6. 10: 7. 12 (11): 9. 9.

Ca. 1. 11: 4. 13 bis, 14 bis: 5. 1 ter, 17 (6. 1).

Wi. 4. 1: 5. 8: 7. 11: 9. 9, 16: 11. 9†: 12. 18, 20, 21: 19. 2, 16.

Si. prol. 1. 1, 10, 14, 15 bis: 2. 9†: 4. 17: 7. 34: 8. 1, 2, 3, 14, 15, 16 bis, 17: 9. 4, 9 bis, 10†, 14, 15: 12. 15: 13. 11, 13, 26: 14. 19: 16. 2: 17. 12, 22: 20. 26: 22. 13, 23: 24. 7: 25. 16: 27. 17: 28. 16: 29. 3: 34 (31). 20 bis: 35 (32). 18: 37. 10, 11 octies, 12: 40. 8, 23: 41. 6: 42. 10: 44. 11, 20: 47. 12†, 23: 50. 22, 24: 51. 20.

Ho. 2. 18 (20) bis, 18 (20)†: 3. 1: 4. 5, 14 ter: 5. 5, 6: 7. 5: 9. 8: 12. 1 (2), 4 (5): 14. 3.

Am. 1. 14: 2. 2 bis, 3: 4. 2\*, 5: 5. 14: 8. 10.

Mi. 2. 7: 3. 11 ter: 6. 2, 8, 10: 7. 13†.

Jl. 2. 26.

Jn. 1. 3†: 2. 10.

Na. 1. 2.

Hb. 3. 1.

Ze. 1. 12.

Hg. 1. 13: 2. 5 (4).

Za. 8. 23 bis: 10. 5: 14. 5.

Ma. 2. 5, 6: 3. 8.

Is. 1. 27 bis: 3. 8, 14, 14†: 4. 2: 5. 12: 7. 24: 8. 8, 10: 9. 5 (4): 10. 33: 11. 6: 12. 3: 14. 7, 19: 15. 3: 16. 5 bis: 28. 3\*†: 28. 15 bis, 21, 27, 28: 29. 6: 30. 27, 29, 30, 32: 32. 1, 10, 18: 33. 17: 34. 5, 7, 15: 35. 10: 36. 2, 12†: 38. 3, 20: 40. 10 ter: 41. 10: 42. 13: 43. 2, 5: 45. 13 ter: 48. 1 bis: 51. 11: 52. 3, 12: 54. 7: 57. 8, 9: 58. 10†: 59. 19: 60. 9: 62. 5†: 63. 1, 3: 65. 23: 66. 20 ter.

Je. 1. 8, 16, 17, 19: 3. 15: 4. 2: 6. 11: 7. 21: 8. 8, 18: 14. 21\*†: 15. 20: 16. 8: 17. 11: 19. 10: 20. 11: 21. 5: 22. 13: 26 (40). 28: 28 (51). 40: 33 (26). 24: 38 (31). 2, 4: 41 (34). 3†: 47 (40). 4, 5: 48 (41). 1, 2, 3, 11\*, 13\*†, 13\*, 16\*: 49 (42). 11: 50 (48). 6: 52. 9, 14\*†, 32\*.

Ba. 1. 7: 3. 11, 34: 4. 11 bis, 23 bis, 24, 29: 5. 6, 9.

Ep. Je. 3, 7, 43†, 48.

Ez. 3. 10: 7. 7 bis, 11 bis: 8. 18: 10. 17: 12. 18 bis, 19 bis: 13. 13, 14: 16. 8, 34, 60\*, 62: 17. 16, 21†: 18. 13: 21. 22 (27): 22. 29: 23. 8, 23, 24, 25: 26. 7, 20: 27. 7, 20, 22: 28. 14, 17: 31. 16, 17, 17†, 18 bis: 32. 19†, 19, 20, 24, 27, 28, 29 bis, 30 bis, 32, 32†: 34. 16: 36. 5: 37. 26: 38. 6, 7, 9, 15, 22\*, 22: 39. 4\*†: 44. 5: 46. 10, 10†: 47. 22, 23\*.

Da. LXX. Su. 37: 2. 11, 13\*, 18\*: 3. (42), 32 (99): 4. 12, 26, 29, 31, 34 bis: 6. 3 (4), 19 (20), 20 (21): 8. 18: 9. 22, 26†, 26: 10. 7, 11, 13, 15, 17, 19, 20, 21: 11. 6, 8 bis, 11, 15, 17, 23 bis, 39.

Da. TH. Su. 15, 20, 21, 36, 37, 50, 63: 1. 13, 19: 2. 11, 18, 22, 43, 43†: 3. (42), 32 (99): 4. 12, 20, 22, 29: 5. 21 bis: 7. 13, 21: 8. 18: 9. 22: 10. 7\*, 13, 15, 17, 19, 20, 21: 11. 6, 8 bis, 11, 17, 39, 40, 40†: Bel 10, 16.

I Ma. 1. 11: 8. 2, 13, 15, 39: 4. 8\*, 13\*†, 18, 56, 59: 5. 18, 23, 58†: 6. 4, 49, 56†, 56, 58†, 58: 7. 10 bis, 11, 15, 19\*, 20, 23\*, 25\*, 27, 28, 30, 35 bis: 8. 12, 20, 28: 9. 1, 5, 9†, 16\*, 24, 33\*, 37, 39, 48\*, 56, 60, 60\*, 62\*, 67\*: 10. 4 bis, 27, 60, 63 bis, 66, 71†: 11. 6, 7, 49, 54, 63, 73: 12. 4, 24, 35, 42, 45 bis, 47, 48†, 50\*, 51, 52\*: 13. 11, 12 bis, 31, 51, 52†: 14. 5, 8: 15. 32, 36: 16. 3, 10, 15, 16\*†.

II Ma. 1. 7\*, 15: 2. 22: 3. 1, 22, 28: 4. 22, 34, 39: 5. 20, 24, 27\*: 6. 4, 7, 16, 19\* bis: 7. 1, 23, 37: 10. 4, 6, 8, 28, 38: 11. 6, 31: 12. 24, 28, 33, 37\*, 39, 45: 13. 3, 12, 15: 14. 1, 15, 32, 38: 15. 1, 2, 6, 7, 17, 24, 25, 26, 28, 36.

III Ma. 1. 4, 16: 2. 24: 3. 20, 21, 23†, 25: 4. 1 bis, 2, 4, 7, 8, 15, 20: 5. 6, 7, 8, 18, 21, 24, 27, 31, 37, 44, 51: 6. 14, 15, 23, 27, 28, 34, 35: 7. 5, 12, 13, 14, 15, 16, 19, 21, 22.

IV Ma. 1. 10, 15: 3. 7: 4. 5, 8, 9, 10, 11, 25: 5. 1, 22: 8. 3, 11, 26: 11. 22: 15. 21: 16. 15.

[Aq. Ge. 16. 6: 26. 31: 32. 24 (25), 28 (29): 44. 31: Ex. 38. 23 (37. 21): Dt. 31. 27: 32. 25: Jo. 2. 12, 14: Jd. 2. 7: II Ki. 1. 24: III Ki. 14. 20: 15. 14, 24: 22. 50: IV Ki. 9. 28: Ju. 9. 14: 10. 12: 13. 20: 23. 6: 30. 1, 81: 13: 20. 10 (15): Ps. 17 (18): 26: 25 (26): 9: 27 (28): 1, 3 ter: 32 (33): 3: 38 (39): 41 (42): 9: 72 (73): 25: 80 (81): 3: 86 (87): 4: 58 (89): 14, 39: 109 (110): 3: 125 (126): 2: 142 (143): 7: Pr. 8. 18: 29. 24: Ec. 1. 16: 15. 8. 10: 34. 7: 38. 11: Je. 12. 3: 81 (38): 2: 84 (41): 8. 60 (27): 39: 61 (28): 49: Ez. 23. 36: 30. 11: 34. 30: Ho. 4. 14: Mi. 2. 7.]

[Sm. Ge. 26. 31: 32. 24 (25): Ex. 38. 23 (37. 21): Jo. 2. 12: Jd. 2. 7: 5. 14 bis: 18. 7: I Ki. 1. 24: II Ki. 1. 24: IV Ki. 9. 28: Ju. 29. 18: 30. 1: 31. 5: 36. 11: Ps. 9. 28: 10. 10: 17 (18): 14, 26: 25 (26): 7. 9 bis: 26 (27): 6: 27 (28): 3 bis: 32 (33): 3, 4: 37 (38): 11: 41 (42): 5: 42 (43): 4: 43 (44): 14: 62 (58): 2: 54 (55): 4: 58 (59): 13: 67 (68): 24. 31: 68 (69): 11: 72 (73): 5: 25: 79 (80): 6: 80 (81): 3: 86 (87): 4: 87 (88): 5: 88 (89): 14: 99 (100): 2: 111 (112): 5: 119 (120): 4: 138 (139): 18: Pr. 16. 8: 21. 9: Ec. 1. 16: 4. 6: 9: 7, 17: 10. 17: CA. 1. 11: 6. 9 (10): Is. 8. 10: 34. 7: 38. 11: 40. 14: 58. 12: 62. 11: 65. 23: 66. 10: Je. 6. 14: 12. 3\*, 5: 25. 26 (32. 12): 31 (38). 4, 9: 38 (45): 10: 46 (26): 22: 50 (27): 39: Ez. 4. 16, 17: 12. 18, 19 bis: 28. 14: 30. 11: 31. 17: 34. 4: Ho. 4. 14: Ze. 1. 18.]

[Th. Ge. 8. 18 (17): 26. 31: 32. 28 (29): Ex. 28. 1: Le. 26. 39: Nu. 8. 26: Jo. 2. 12, 14: Jd. 2. 7: 3. 19\*: III Ki. 15. 14, 24: IV Ki. 11. 9: Ju. 9. 14: 10. 12: 13. 20: 23. 20: 30. 1: 31. 5: 33. 26, 29: 34. 9: 36. 4: 29. 32 (40): 2: Ps. 17 (18): 26: 56 (57): 5: 125 (126): 2: Pr. 8. 18: 11. 2: 21. 9: Is. 8. 10: 15. 34: 37: 7: 38. 11: 45. 9: 54. 17: 62. 11: 65. 23: Je. 21. 2: 26 (33): 22: 29 (36): 16: 30 (37): 11: 33 (40): 21: 39 (46): 5. 12: Ez. 2. 6: 12. 18: 25. 6\*: 30. 11: 32. 19: 34. 30: Da. 3. (42): 10. 13: 11. 6: Mi. 6. 8.]

[Al. Ge. 8. 17: Ex. 11. 8: 14. 25: Le. 20. 20: Nu. 14. 43: Jo. 2. 12: 23. 12: Jd. 5. 8: I Ki. 28. 19 bis: IV Ki. 1. 14: Ju. 5. 23: Ps. 9. 29 (10. 7): 148. 12: Pr. 5. 5: 16. 19: Ez. 21. 22 (27): Hb. 3. 12 bis, 14.]

[Sam. Le. 20. 11, 20.]

[Quint. IV Ki. 9. 28: 11. 9: Ps. 17 (18): 26: 25 (26): 9: 27 (28): 3 bis: 56 (57): 5: 109 (110): 3.]

[Sext. Ps. 27 (28): 3 bis: Ca. 1. 11.]

μετά. II. *c. dat.* (?).

Si. 9. 10†.

μετά. III. *c. acc.* \* μετά τούτο \*\* μετά ταῦτα † ὁ μετά

Ge. 4. 3: 5. 4, 7, 10, 13, 16, 19, 22, 26, 30: 6. 4 (μετ' ἐκείνου): 7. 10: 8. 3, 6: 9. 9, 28: 10. 1, 18\*, 32: 11. 10, 11, 13 bis, 15, 17, 19, 21, 23, 25: 18. 14: 14. 17†: 15. 1, 14\*\*: 16. 3: 17. 7 bis, 8, 9, 10, 19: 18. 5\*, 19†: 22. 1, 6, 20: 23. 19\*\*: 24. 36, 55\*\*: 25. 11, 26\*: 26. 18: 27. 1, 30: 28. 4: 30. 21\*: 32. 20 (21): 33. 7\*\*: 35. 12: 38. 24, 30†: 39. 5, 7: 40. 1: 41. 1, 3, 6, 30\*\*, 31\*\*: 45. 15\*\*: 48. 1, 4, 6\*\*.

Ex. 2. 23: 3. 20\*\*: 4. 18: 5. 1\*\*: 7. 25: 10. 14\*\*†: 11. 1\*\*, 8\*\*: 12. 4†: 13. 14\*\*: 18. 2, 13: 28. 39 (43): 29. 29: 30. 21: 32. 30: 34. 32\*\*.

Le. 5. 3\*: 13. 7, 34, 35, 55, 56: 14. 8\*\*, 19\*, 36\*\*, 43 ter, 48: 15. 25, 28\*\*: 16. 1, 26\*\*, 28\*\*, 32: 25. 15, 46, 48, 54\*\*: 26. 21\*\*: 27. 18.

Nu. 4. 15\*\*: 5. 26\*\*: 6. 19, 20\*\*: 7. 88 bis: 8. 15\*\*, 22\*\*: 9. 17\*\*: 12. 14\*\*: 13. 1 (12. 16)\*\*: 26 (25): 18. 8, 19: 19. 7\*\*: 25. 13†: 26. 1 (25. 19): 30. 16†: 31. 24\*\*: 32. 22\*\*: 35. 28.

De. 1. 4, 8: 4. 37, 40: 10. 15: 11. 9: 12. 25, 30: 14. 28: 21. 13\*\*: 24. 4: 29. 22 (21): 31. 10.

Jo. 1. 1: 2. 16\*\*: 3. 2: 5. 11 (12): 6. 12 (13)\*\*: 9. 2 (8, 34)\*\*: 16 bis: 22. 27: 23. 1 bis: 24. 6\*\*, 29 (μετ' ἐκείνου), 33\*\*.

Jd. 1. 1, 9\*: 2. 10: 3. 31: 7. 10\*†, 10\*\*†: 10. 1, 3: 11. 4 (μετ' ἡμέρας)†, 39†: 12. 8, 11, 13: 14. 8 (μετ' ἡμέρας): 15. 1 (μετ' ἡμέρας): 16. 4\*†, 4\*\*†: 19. 5\*, 23.

Ru. 2. 11: 4. 4.

I Ki. 1. 9, 9†: 5. 9: 6. 9†: 9. 13\*\*: 10. 5\*\*: 11. 1, 5, 11: 24. 6\*\*: 30. 23.

II Ki. 1. 1, 10: 2. 1\*: 3. 28\*\*: 5. 13: 7. 12: 8. 1\*\*: 10. 1\*\*: 13. 1\*\*: 15. 1\*\*: 17. 21: 19. 30 (31): 21. 14\*, 18\*\*: 23. 9, 11: 24. 10.

III Ki. 1. 13, 17, 20, 27, 30: 3. 1, 1\*\*†, 1 (2. 39), 12: 8. 1†: 10. 22 (B) [9. 21 (A)]†: 13. 23, 31, 33: 15. 4: 16. 22: 17. 7 (μετ' ἡμέρας), 17\*\*†: 18. 1: 19. 11, 12 bis: 20 (21). 1†, 16\*: 21 (20). 15\*\*.

IV Ki. 1. 1: 3. 5: 6. 24\*\*: 8. 3: 9. 19†: 14. 17, 22: 18. 5: 28. 25.

I Ch. 2. 21\*\*, 24: 8. 8: 11. 12: 17. 11: 18. 1\*\*: 19. 1\*\*: 20. 4\*\*: 25. 3, 7†: 26. 16, 18: 27. 34: 28. 8†.

II Ch. 1. 12: 2. 17 (16): 8. 1, 8†: 11. 20\*\*: 17. 15, 16, 18: 20. 1\*\*, 35\*\*: 21. 18\*\*: 22. 4: 24. 4\*, 17, 23, 25: 25. 14, 25: 26. 2: 32. 1, 9\*\*, 23\*\*: 33. 14\*\*: 35. 14, 19 bis: 36. 5, 22.

I Es. 1. 13\*\*, 25, 40†, 45: 3. 22 (μετ' οὐ πολὺ): 5. 1\*\*, 52\*\*.

II Es. 8. 5\*: 7. 1: 9. 10\*, 13.

Ne. 3. 18, 20†, 21, 22, 23 bis, 24, 25, 27, 29 bis, 30 bis, 31: 4. 2 (3. 34)†: 13. 6.

To. 1. 9†, 21†: 11. 1\*\*†, 4†: 14. 2† bis, 5\*\*.

Ju. 2. 4: 4. 9, 33: 13. 9 (μετ' ὀλίγου): 16. 21, 25.

Es. 1. 1, 4\*\*, 4†: 2. 1: 3. 1\*\*: 8. 13†, 13\*\*.

Jb. 3. 1\*†, 1\*\*†: 10. 8\*\*: 21. 21†: 38. 1: 42. 7, 16, 17 ter.

Ps. 15 (16). 4\*\*: 48 (49). 13\*\*: 95 (96). tit. 126 (127). 2.

Pr. 20. 25.

Ec. 2. 18: 3. 22†.

Wi. 2. 2\*: 4. 18\*: 5. 11\*: 8. 13†: 15. 8 (μετ' ὀλίγου).

Si. 3. 31†\*\*: 13. 7\*\*: 16. 29\*\*: 17. 23\*\*: 23. 20: 30. 4: 35 (32). 18: 41. 22: 44. 9, 12†: 46. 20: 47. 1\*†, 12†, 23: 48. 8.

Ho. 3. 5\*\*: 6. 3 (2).

Jl. 2. 2, 28 (3. 1)\*\*.

Ze. 3. 1 (2. 15).

Is. 1. 26\*: 6. 12\*\*: 23. 15, 17: 27. 11: 43. 10: 44. 6\*\*.

Je. 3. 7: 5. 31\*\*†: 12. 15: 13. 6, 13†: 16. 16\*\*: 21. 7\*\*: 24. 1: 35 (28). 12: 38 (31). 33: 39 (32). 16, 18, 39: 41 (34). 8: 43 (38). 27: 47 (40). 1: 49 (42). 7.

Ba. 1. 9: 3. 37\*.

La. 1. 1.

Ep. Je. 3\*, 50\*\*.

Ez. 3. 16†: 18. 20 (19)\*\*†, 23: 20. 39\*\*: 29. 13: 39. 14: 40. 1: 43. 23: 44. 26: 46. 12.

Da. LXX. 1. 15, 18: 2. 39: 4. 26, 31: 7. 5, 6\*\*, 7\*\*, 24: 8. 1, 4\*\*: 9. 26, 27: Bel 39\*\*.

Da. TH. 1. 5\*, 15, 18: 2. 29\*, 45\*\*: 4. 26, 31: 8. 1: 9. 26: 11. 2, 6.

I Ma. 1. 1, 5\*\*, 9, 20, 29: 3. 55\*: 4. 13\*†, 18\*\*: 6. 37: 7. 33: 8. 7, 30: 9. 23, 37: 10. 34: 11. 10† (?), 54\*\*: 13. 20\*\*: 14. 24\*\*: 16. 24.

II Ma. 2. 12†: 4. 14, 23: 6. 1 (μετ' οὐ πολὺν δὲ χρόνον): 7. 10, 18: 8. 28: 10. 3: 11. 1: 12. 4†, 27, 32: 14. 1: 15. 33†.

III Ma. 4. 17.

IV Ma. 1. 22, 23: 5. 6: 12. 7 (μετὰ μικρὸν ὕστερον).

[Aq. Ge. 18. 12: Dt. 31. 29: III Ki. 15. 4: 21 (20). 1: Ec. 10. 14†: Je. 81 (88). 19 bis: 42 (49). 7: 49 (30). 6\*\*: Da. 9. 26.]

[Sm. Ge. 14. 17: 18. 12: III Ki. 9. 10: 15. 4: IV Ki. 18. 10: Jb. 21. 3: Ps. 48 (49). 14†: 118 (119). 109: Ec. 1. 11\*\*: 3. 22\*\*: 10. 14†: 12. 2: Is. 18. 2: Je. 18. 27\*\*: Ez. 20. 39: Da. 9. 26.]

[Th. Ex. 38. 23 (37. 21)\*\*: Jd. 11. 39: III Ki. 15. 4: Jb. 21. 21: Pr. 20. 17\*: Ec. 10. 14†: Je. 34 (41). 8: 48 (26). 26\*\*: 49 (30). 6\*\*: Da. 1. 15: 2. 29\*: 9. 26: 11. 2.]

[Heb. Ge. 5. 26: III Ki. 9. 10.]

[Sam. Ge. 5. 26.]

[Al. Ex. 18. 2: Le. 23. 11†: Jo. 8. 2.]

[Quint. Ho. 7. 4 (μ. μικρὸν).]

μεταβαίνειν.

Wi. 7. 27. κατὰ γενεὰς εἰς ψυχὰς ὁσίας μεταβαίνουσα

19. 19. ἡκετὰ μετέβαιναν ἐπὶ γῆς [B<sup>1</sup> εἰς γῆν]

II Ma. 6. 1. Α μεταβαίνειν ἀπὸ τῶν πατρῶν νόμων [B al.]

— 9. τοὺς δὲ μὴ προαιρουμ. μεταβαίνειν ἐπὶ τὰ Ἑλληνικά

— 24. Β Ἐλεά(aron) . . . μεταβεθήκεναι [A -βῆναι] εἰς ἀλλοφυλισμόν

μεταβάλλειν. (1) ἡβῆ† a. qal. δ. ni.

(2) ἡ† (3) ἡ† (4) ἡ† (5) ἡ†

Ex. 7. 17. μεταβαλεῖ εἰς αἷμα (1 δ)

— 20. μετέβαλε πᾶν τὸ ὕδωρ . . . εἰς αἷμα (1 δ)

10. 19. μετέβαλε κύριος ἄνεμον (1 α)

Le. 13. 3. καὶ ἡ θριεξ ἐν τῇ ἀφῇ μεταβάλλῃ λευκή (1 α)

— 4. ἡ θριεξ αὐτοῦ οὐ μετέβαλε τρίχα λευκήν (1 α)

— 7. μεταβαλοῦσα μεταπίσῃ ἡ σημασία (4)

— 10. καὶ αὕτη μετέβαλε τρίχα λευκήν (1 α)

— 13. ὅτι πᾶν μετέβαλε λευκόν (1 α)

— 16. εἰς δὲ . . . μεταβάλλῃ λευκή (1 δ)

— 17. μετέβαλεν ἡ ἀφῇ εἰς τὸ λευκόν (1 δ)

— 20. ἡ θριεξ αὐτῆς μετέβαλεν εἰς λευκήν (1 α)

— 25. μετέβαλε θριεξ λευκή εἰς τὸ αὐγάον (1 δ)

— 55. καὶ ἦδε μὴ μετέβαλεν ἡ ἀφῇ τὴν ὄψιν (1 α)

Jo. 7. 8. μετέβαλεν Ἰσρ. αὐχίνα (1 α)

8. 21. Β μεταβαλόμενοι [A B -βαλλ.] ἐπάταξαν τοὺς ἀνδρας (δ)

Ju. 10. 7. ὡς δὲ εἶδον . . . τὴν στολὴν μεταβεβληκυῖαν

Es. 5. 1. μετέβαλε [B -ετο] τὸ χρῶμα αὐ.

— 1. μετέβαλεν [B<sup>1</sup> -ελαθεν] ὁ δ. τὸ πνεῦμα

Jb. 10. 8. μετὰ ταῦτα μεταβάλων με ἔπαϊσας +

— 16. πάλιν γὰρ μεταβάλων δυνῶς με ὀλέκεις

11. 19. μεταβαλόμενοι [B<sup>1</sup> -βαλλ., A -ου] δὲ πολλοὶ σου δεσφύουσιν -

Wi. 19. 19. χερσαία γὰρ εἰς ἐνδρα μετεβάλλετο

Si. 18. 26. ἀπὸ πρῶθεν ἕως ἐσπέρας μεταβύλλει καιρὸς

Hb. 1. 11. τότε μεταβαλεῖ [B<sup>1</sup> -βάλλει] τὸ πνεῦμα (3)

Is. 13. 8. τὸ πρόσωπον αὐτῶν ὡς φλόξ μεταβαλοῦσιν +

29. 22. οὐδὲ νῦν τὸ πρόσωπον μεταβαλεῖ [A B add. Ἰσραήλ] (2)

60. 5. μεταβαλεῖ εἰς [B ἐπὶ] σὲ πλοῦτος θαλάσσης (1 δ)

II Ma. 6. 29. Β τὴν μικρὴν πρότερον εὐμένειαν . . . μεταβαλόντων [A om.]

III Ma. 1. 3. ὕστερον δὲ μεταβάλων τὰ νόμιμα

IV Ma. 6. 18. εἰ νῦν μεταβαλοῖμεθα

— 24. S B μὴ μὴ πρὸς τὸν οἰκτιρμὸν αὐ. μεταβαλλόμενον [A -οι]

IV Ma. 15. 14. A B οὐ μετεβάλετο [B -βάλλ.] διὰ τὴν εὐσέβειαν

[Sm. i Ki. 21. 13 (14): Ps. 29 (30). 12: 65 (66). 6: 77 (78). 44: Je. 18. 23.]

[Al. Le. 18. 6.]

μεταβολή. (1) ἡβῆ† (2) ἡβῆ†

Es. 4. 17. ἀφ' ἡμέρας μεταβολῆς μου

8. 13. χρόνιοι [A B<sup>1</sup> οὐ χρ.] ταῖς μ.

Wi. 7. 18. τροπῶν ἀλλαγὰς καὶ μεταβολὰς καιρῶν

Si. 37. 11. B μετὰ ἐμπορίου περὶ μεταβολῆς [A B -λίας]

Is. 30. 32. πολέμησους αὐτὸν ἐκ μεταβολῆς (2†)

47. 15. ἐκοπίσας ἐν τῇ μ. [A B add. σου] ἐκ νεότητος (1)

III Ma. 5. 40. B ἐκ μεταβολῆς ἀναλύνων τὰ σοὶ δεδομένα [A al.]

— 42. τὰς γυναικ. . . ἐν αὐτῇ μ. τῆς ψυχῆς [Al. Hb. 8. 3.]

μεταβολία.

Si. 37. 11. μετὰ ἐμπορίου περὶ μεταβολίας [B -λῆς]

μεταβόλος. (1) α. ἡβῆ† δ. ἡβῆ†

Is. 23. 2. μεταβόλοι Φοινίκης (1 α)

— 3. σπέρμα μεταβόλων +

— 3. οἱ μ. τῶν ἐθνῶν (1 δ)

[Sm. Jb. 40. 25 (30).]

[Th. Ez. 17. 4: Ze. 1. 11.]

[Al. Ho. 12. 7 (8).]

μεταβούλευμα.

[Sm. Jb. 21. 2.]

μετάγειν. (1) ἡβῆ† hi. (2) ἡβῆ† a. qal. δ. ni.

III Ki. 8. 47. οὐ μετήγησαν ἐκεῖ (2 δ)

— 48. οὐ μετήγαγεν αὐτοὺς (2 α)

II Ch. 6. 37. οὐ μετήγησαν ἐκεῖ (2 δ)

36. 3. μετήγαγεν αὐτὸν ὁ βασις εἰς Αἴγ.

I Es. 1. 45. μετήγαγεν αὐτὸν εἰς Βαβ.

2. 10. B δ μετήγαγεν [A B -ήγεγκε] Ναβ.

5. 69. δε μετήγαγεν ἡμᾶς ἐνταῦθα

Es. 8. 17. τὴν τῶν Π. ἐπικράτησιν εἰς τοὺς M. μετᾶσαι

Si. prol. 16. ὅταν μεταχθῇ εἰς ἑτέραν γλῶσσαν

10. 8. βασιλεία . . . μετᾶγεται διὰ ἀδικίας

II Ma. 1. 33. οὐ τὸ πῦρ ἀπέκρυναν οἱ μεταχθέτες ἱερεῖς

4. 10. B τοὺς ὁμοφύλους μετήγε [A μετέστησε]

[Aq. Ps. 32 (33). 10: 90 (91). 10.]

[Sm. Ec. 2. 3.]

μεταγενής.

I Es. 8. 1. μεταγενέστερος τούτων ἐστί

[Sm. Ps. 47 (48). 14.]

μεταγίνεσθαι.

II Ma. 2. 1. B τοῦ πυρός λαβεῖν τοὺς μεταγινομ.

[A -γεν.]

— 2. ὡς ἐνετείλατο τοῖς μεταγινομ.

μεταγινώσκειν.

Es. 8. 13. A μεταγινούσα μετὰ τῶν ἀδφῶν [B S al.]

μεταδιαιτᾶν.

IV Ma. 8. 8. μεταδιαιτηθέντες ἐντροφίστατε

μεταδιδόναι. (1) ἡβῆ† hi.

To. 7. 9. μετέδωκε τὸν λόγον τῷ Ῥαγουήλ [S al.]

Jb. 31. 17. οὐχὶ ὀρφανὸν μετέδωκα +

Pr. 11. 26. εὐλογία δὲ εἰς κεφαλὴν τοῦ μεταδιδόντος (1)

Wi. 7. 13. ἀφθόνως τε μεταδίδωμι

Ep. Je. 28. οὐτε πτωχῷ οὐτε ἀδυνάτῳ μὴ [A om.]

μεταδόσω [A -διδόσω]

II Ma. 1. 35. πολλὰ διάφορα ἐλάμβανε καὶ μετεδίδου

8. 12. μεταδόντος αὐτοῦ . . . τὴν παρουσίαν τοῦ στρατοπέδου

μεταδιώκειν.

II Ma. 2. 31. τὸ δὲ σύντομον τῆς λέξεως μεταδιώκειν

μετάθεσις.

II Ma. 11. 24. τῇ τοῦ πατρὸς ἐπὶ τὰ Ἑλληνικά μ.

μεταίρειν. (1)  $\text{הִיָּח}$  hi. (2)  $\text{וַיִּחַ}$  hi. (3)  $\text{וַיִּח}$  hi.

(4)  $\text{וַיִּח}$  hi.

IV Ki. 16. 17. μετήρειν ἀπ' αὐτῶν τὸν λουτήρα (4)  
25. 11. τὸ λοιπὸν τοῦ στηρίγματος μετήρει Ναβ. (1)  
Ps. 79 (80). 8. ἀμπέλον ἐξ Αἰγύπτου μετήρας (2)  
Pr. 22. 28. μὲταίρει ὄρια αἰῶνα (3)

[Aq. Ge. 12. 8: Ps. 6. 8: Pr. 25. 1.]

[Sm. Ps. 23 (24). 7.]

[Al. Pr. 23. 10.]

μεταίχιμιον.

[Sm. Ju. 5. 16.]

μετακαλεῖν. (1)  $\text{קָרָא}$

I Es. 1. 50. ἀπείστειλεν . . . μετακαλέσαι αὐτοὺς  
Ho. 11. 1. καὶ ἐξ Αἰ. μετεκίλεται τὰ τέκνα αὐτοῦ (1)  
— 2. καθὼς μετεκίλεται [A-ατο] αὐτοὺς (1)

[Sm. Jb. 33. 30.]

μετακινεῖν. (1)  $\text{וַיִּחַ}$  (2)  $\text{הִיָּח}$  (3)  $\text{וַיִּח}$  hi.

(4)  $\text{וַיִּח}$  a. qal. δ. hi. (5)  $\text{וַיִּח}$  hi.

De. 19. 14. οὐ μετακινήσεις ὄρια τοῦ πλησίον (5)  
32. 30. δύο μετακινήσαντι μυριάδας (3)  
II Ki. 15. 20. B μετακινήσω σε μεθ' ἡμῶν (4 a\*, 4 b)  
II Es. 9. 11. γῇ μετακινουμένη ἐστίν (2)  
Is. 54. 10. οὐδ' οἱ βουνοὶ σου μετακινήθονται (1)  
IV Ma. 14. 20. οὐχὶ τὴν . . . μητέρα μετεκίνησε

[Sm. Pr. 23. 10: 27. 8.]

[Th. I Ki. 20. 30: Is. 22. 3.]

[Al. II Ki. 7. 10.]

[Quint. Ps. 10 (11). 1.]

μετακίνημα.

[Al. Ps. 43 (44). 15.]

μετακινήσεις. (1)  $\text{קָרָא}$  (2)  $\text{הִיָּח}$

II Es. 9. 11. ἐν μετακινήσει λαῶν τῶν ἐθνῶν (2)  
Za. 13. 1. ἔσται πᾶς τόπος διανοιγόμενος . . . εἰς  
τὴν μ. (1)

[Aq. Za. 13. 1.]

[Al. Le. 15. 19: Ps. 54 (55). 23: 65 (66). 9.]

μετακινῶσθαι.

Wi. 16. 21. πρὸς ὃ τις ἐβούλετο μετεκινῶντο [B<sup>2</sup>  
μετεκρίν. το]

μετακλάν.

[Sm. Ps. 74 (75). 11.]

μετακλίνειν.

[Sm. I Ki. 8. 3: Ps. 43 (44). 19.]

μετακρίνεσθαι.

Wi. 16. 21. B<sup>2</sup> πρὸς ὃ τις ἐβούλετο μετεκρίνατο  
[A B B<sup>2</sup>-κινῶντο]

μεταλαμβάνειν.

Es. 5. 1. μετέλαβεν [B<sup>1</sup>-ἐλαβεν] ὁ θ. τὸ πνεῦμα  
Wi. 18. 9. τῶν αὐτῶν . . . κινδύνων μεταλήψεσθαι  
τοὺς ἀγκύρας

II Ma. 4. 21. μεταλαβὼν Ἀντίοχος ἀλλότριον αὐτῶν  
11. 6. ὥς δὲ μετέλαβον . . . αὐτόν

12. 5. μεταλαβὼν δὲ ὁ Ἰ. τὴν γαλονίαν . . . ὠμότητα  
— 8. μεταλαβὼν δὲ καὶ τοὺς ἐν Ἰ.

— 21. τὴν δὲ ἐφοδὸν μεταλαβὼν  
13. 10. μεταλαβὼν δὲ Ἰ. ταῦτα

— 23. μετέλαβεν ἀπονενοῆσθαι τὸν Φίλ.  
15. 1. μεταλαβὼν τοὺς περὶ τὸν Ἰ. ὄντας

III Ma. 3. 1. ἀ καὶ μεταλαβάνων ὁ δουσεβής  
4. 6. ἀντὶ τέρψεως μεταλαβούσαι γόοντες  
IV Ma. 8. 8. A B μεταλαβόντες [B λαβ.] Ἑλληνικοῦ  
βίου

16. 18. τοῦ κόσμου μεταλάβετε  
[Sm. II Ki. 8. 35.]

μεταλλάσσειν. (1)  $\text{הִיָּח}$

I Es. 1. 31. μετέλλαξε τὸν βίον αὐ.  
Es. 2. 7. ἐν δὲ τῷ μεταλλάξει αὐτῆς τοὺς γονεῖς (1)  
— 20. οὐ μετέλλαξε [A οὐκ ἦλλ.] τὴν ἀγωγὴν αὐ. +

II Ma. 4. 7. μεταλλάξαντος δὲ τὸν βίον Σελευκου  
— 37. διὰ τὴν τοῦ μετρηλαχότος σωφροσύνην  
5. 5. μετρηλαχότος Ἀντίοχου τὸν βίον

6. 31. τοῦτον τὸν τρόπον μετέλλαξεν  
7. 7. μεταλλάξαντος δὲ τοῦ πρώτου  
— 13. καὶ τοῦτον δὲ μεταλλάξαντος  
— 14. B μεταλλάσσοντα ὑπ' ἀνθρώπων [A al.]

II Ma. 7. 40. B τὸν βίον [A om. τ. β.] μετέλλαξε  
14. 46. τόνδε τὸν τρόπον μετέλλαξεν

μεταλλεύειν. (1)  $\text{צָרַח}$

De. 8. 9. ἐκ τῶν ὀρέων ἀντὶς μεταλλεύσεις χαλκόν (1)  
Wi. 4. 12. βεμβασιμὸς ἐπιθυμίας μεταλλεύει νοῦν  
ἀκακόν

16. 25. εἰς πάντα [B om. εἰς π.] μεταλλουμένη

μετάλλων.

I Ma. 8. 3. τοῦ κατακρατῆσαι τῶν μ. τοῦ ἀργυρίου  
μεταμανθάνειν.

[Sm. Jb. 39. 35 (40. 5).]

μεταμελεῖα. (1)  $\text{דִּרְשִׁינָּה}$

Ho. 11. 8. συνταράχθη ἡ μεταμελεία μου (1)  
[Th. Pr. 31. 3.]

μεταμελεῖν.

[Sm. Ps. 109 (110). 4.]

μεταμελεῖν. (1)  $\text{דִּרְשִׁינָּה}$  (2)  $\text{דִּרְשִׁינָּה}$  (3)  $\text{דִּרְשִׁינָּה}$  ni.

Ex. 18. 17. μή ποτε μεταμελήσῃ τῷ λαῷ (8)  
I Ki. 15. 35. καὶ κύριος μετεμελήσῃ (8)  
I Ch. 21. 15. μετεμελήθη ἐπὶ τῇ κακίᾳ (8)

Ps. 105 (106). 45. μετεμελήθη κατὰ τὸ πλῆθος  
τοῦ ἐλέους αὐτοῦ (8)  
109 (110). 4. ὄμμετε κύριος καὶ οὐ μεταμελήθη-

σεται (8)

Pr. 5. 11. μεταμελήσῃ [A μὴ μ.] ἐπ' ἐσχάτων (2)  
25. 8. ἵνα μὴ μεταμελήσῃς ἐπ' ἐσχάτων +

Wi. 19. 2. προπέμψαντες αὐτοὺς διώξουσι μεταμελη-  
θέντες

Si. 30. 28 (33. 19). ἵνα μὴ μεταμελήθῃς δέη περὶ  
αὐτῶν

35 (32). 19. ἐν τῷ ποιῆσαι σε μὴ μεταμελοῦ  
Za. 11. 5. καὶ οὐ μετεμελούντο (1)

Je. 20. 16. οὐ μετεμελήθῃ  
Ez. 14. 22. A B<sup>2</sup> B μεταμεληθήσεσθε ἐπὶ τὰ  
κακά (3)

I Ma. 11. 10. μεταμεμῆλμαι γάρ [B<sup>1</sup> al.]  
[Aq. Ge. 6. 7 (6). 8 (7): I Ki. 15. 29 bis:]  
[Sm. I Ki. 15. 11: Ho. 14. 1.]  
[Th. II Ki. 24. 16.]  
[Al. Dt. 32. 36: IV Ki. 13. 4.]

μετάμελος. (1)  $\text{הִיָּח}$

IV Ki. 3. 27. ἐγένετο μ. μέγας ἐπὶ Ἰσρ. (1)  
Pr. 11. 3. ἀποθῶν δίκαιος ἔλπε μετάμελον +  
III Ma. 2. 24. οὐδαμῶς εἰς μετάμελον ἦλθεν

μεταμορφοῦν.

[Sm. Ps. 33 (34). 1.]

μετανάστατος.

[Th. Is. 58. 7.]

μεταναστεύειν. (1)  $\text{וַיִּח}$  ni. (2)  $\text{וַיִּח}$  (3)  $\text{וַיִּח}$

Ps. 10 (11). 2. μεταναστεύον ἐπὶ τὰ ὄρη ὡς  
στρουθίον (2)  
51 (52). 5. μεταναστεύσαι σε ἀπὸ σκηνώματος (3)

61 (62). 6. οὐ μὴ [B<sup>1</sup> om.] μεταναστεύσω (1)  
[Aq. Ps. 30 (31). 12: Is. 18. 2.]  
[Th. Is. 18. 3.]

μετανάστης.

[Aq. Th. Je. 49 (30). 5.]

μεταναστρέφειν.

[Sm. Zc. 8. 9.]

μετανοστέναι. (1)  $\text{וַיִּח}$

II Ki. 15. 20. B μετανουστήθεις τὸν πόπον σου  
Ps. 108 (109). 10. σκαλενόμενοι μετανουστήσαν  
οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (1)

μετανοεῖν. (1)  $\text{וַיִּח}$  ni. (2)  $\text{וַיִּח}$  hi.

I Ki. 15. 29. οὐδὲ μετανοήσει (1)  
— 29. οὐχ ὡς ἀνθρώπος ἐστὶ τοῦ μετανοῆσαι  
αὐτός (1)

Pr. 20. 25. μετὰ γὰρ τὸ εἵσασθαι. μετανοεῖν  
γίνεται +

24. 24 (29. 27). δεξιμὸς αὐτοὺς μετανόει -  
— 47 (32). ὑστερον ἐγὼ μετενόησα -  
Wi. 5. 3. B ἐρούσης ἑαυτοῖς [A B S<sup>2</sup> ἐν ε.] μετανο-  
οῦντες

Si. 17. 24. πλὴν μετανοοῦσιν ἔδωκεν ἐπάνοδον

Si. 48. 15. ἐν πᾶσι τούτοις οὐ μετενόησεν ὁ λαός  
Am. 7. 3, 6. μετανόησον κύριε ἐπὶ τούτῳ (1)

Jl. 2. 13. πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κακίαις (1)  
— 14. τίς οἶδεν εἰ ἐπιστρέψει καὶ μετανοήσει (1)  
Jn. 3. 9. τίς οἶδεν εἰ μετανοήσει ὁ θεός (1)

— 10. μετενόησεν ὁ θεός ἐπὶ τῇ κακίᾳ [A τὰ  
κακά] (1)

4. 2. πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κακίαις (1)  
Za. 8. 14. καὶ οὐ μετενόησα (1)  
Is. 48. 8. μετανόησατε οἱ πεπλανημένοι (2?)

— 9. S<sup>1</sup> μετανόησατε [A B S<sup>2</sup> om.] μνήσθητε  
τὰ πρότερα -  
Je. 4. 28. ἐλάλησα καὶ οὐ μετανόησω (1)

8. 6. οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος μετανοῶν ἀπὸ τῆς  
κακίας αὐτοῦ (1)

18. 8. μετανόησω περὶ τῶν κακῶν (1)  
— 10. μετανόησω περὶ τῶν ἀγαθῶν (1)  
38 (31). 19. ὕστερον αἰχμαλωσίας μου μετενόησα (1)

[Sm. Jb. 38. 10: Is. 31. 6: 55. 7: Jc. 18. 8:  
Ez. 33. 13.]  
[Al. Le. 5. 5: 26. 40: Nu. 23. 19.]  
[Quint. Ho. 7. 10.]

μετάνοια.

Pr. 14. 15. πανούργος δὲ ἔρχεται εἰς μετάνοιαν +  
Wi. 11. 23. παρορθῆς ἀμαρτήματα ἀνθρώπων εἰς  
μετάνοιαν

12. 10. ἰδίδους τόπον μετάνοιαν  
— 19. διδως ἐπὶ ἀμαρτήματι μετάνοιαν  
Si. 44. 16. Ἐνῶχ . . . μετετέθη ὑπόδειγμα μετάνοιαν  
ταῖς γενεαῖς

[Sm. Is. 30. 15.]  
μεταξύ.

Ge. 31. 50t bis.

Jd. 5. 27t.

III Ki. 15. 6t bis, 3at bis.

Wi. 4. 10: 16. 19: 18. 23.

[Aq. Ge. 1. 4 bis, 6, 14 bis: 49. 10 (ἀπὸ μ.):  
I Ki. 20. 3: III Ki. 15. 6 bis, 3a bis: Jb. 40.  
25 (30).]

[Sm. I Ki. 20. 3: Jb. 30. 7: 40. 25 (30): Ps.  
56 (57). 5: 67 (68). 14: Je. 52. 7: Ez. 8. 16:  
Da. 11. 45.]  
[Al. Ge. 31. 51 bis.]

μεταπαιδεύειν.

IV Ma. 2. 7. τίνα τρόπον . . . μέθυσος μεταπαιδεύεται

μεταπίθειν.

IV Ma. 11. 25. μεταπίσεια τὸν λογισμὸν ἡμῶν

μεταπέμψεσθαι. (1)  $\text{הִיָּח}$  (2)  $\text{הִיָּח}$  hi.

Ge. 27. 45. ἀποστείλασα μεταπέμψομαι σε  
ἐκεῖθεν (1)

Nu. 23. 7. ἐκ Μεσ. μετεπέμψατό με B. (2)  
II Ma. 15. 31. μετεπέμψατο τοὺς ἐκ τῆς ἄκρας  
III Ma. 5. 18. B τὸν Ἑρμῶνα μεταπεψφάμενος ὁ  
βασ. [A al.]

IV Ma. 12. 3. πλησιέστερον αὐτὸν μετεπέμψατο  
— 6. τὴν μητέρα τοῦ παιδὸς μετεπέμψατο  
[Sm. Je. 18. 16.]

μεταπίπτειν. (1)  $\text{הִיָּח}$

Le. 13. 5. 6. οὐ μετέπεισεν ἡ ἀθή ἐν τῷ δέρματι (1)  
— 7. μεταβαλοῦσα μεταπίσῃ ἡ σημασία (1)  
— 8. μετέπεισεν ἡ σημασία ἐν τῷ δέρματι (1)

III Ma. 3. 8. μεταπίσεισθαί ταῦτα ὑπελάμβανον  
μέταρος.

[Aq. I Ki. 2. 3: Ps. 30 (31). 19: Is. 23. 18.]

μετασκευάζειν.

Am. 5. 8. ὁ ποῶν πάντα καὶ μετασκευάζων +

μετασπενάζειν. (1)  $\text{רָפָה}$

Je. 38 (31). 19. ὕστερον τοῦ γνώαι με ἐστίνηξα  
[B<sup>1</sup> γν. μετεστ.] (1)

μεταστρέφειν. (1)  $\text{הִיָּח}$  a. qal. δ. ni.

(2)  $\text{וַיִּח}$  a. ni. δ. hi.

Ex. 14. 5. μετεστρέφη ἡ καρδία Φ. (1 b)  
De. 23. 5 (6). μετέστρεψε κ. ὁ θ. σου τὰς κατά-  
ρας εἰς εὐλογίαν (1 a)

Jd. 5. 28. **Α** ἐπιβλέπουσα ἐπὶ τοὺς μεταστρέφοντας **Σ**. [B al.]  
 I Ki. 10. 9. μετέστρεψεν αὐτὸν ὁ **θ**. καρδίαν ἄλλην (1a)  
 II Ch. 36. 4. μετέστρεψε τὸ δόγμα αὐ. **Ι**. (2b)  
 I Es. 3. 20. πᾶσαν διύκριναν μεταστρέφει  
 7. 15. μετέστρεψε τὴν βουλὴν τοῦ βασι. **Α**σσ.  
 Ps. 65 (66). 6. ὁ μεταστρέφων τὴν θάλασσαν εἰς ξηρὰν (1a)  
 77 (78). 44. μετέστρεψεν εἰς αἶμα τοὺς ποταμούς αὐτῶν (1a)  
 — 57. μετεστράφησαν εἰς τόξον στρεβλόν (1b)  
 104 (105). 25. μετέστρεψε τὴν καρδίαν αὐ. (1a)  
 — 29. μετέστρεψε τὰ ὕδατα αὐτῶν εἰς αἶμα (1a)  
 Si. 11. 31. τὰ γὰρ ἀγαθὰ εἰς κακὰ μεταστρέφων ἐνδρανεῖ  
 39. 23. ὡς μετέστρεψεν ὕδατα εἰς ἄλμην  
 Ho. 7. 8. **Ε**. ἐγένετο ἐγκρηφίας οὐ μεταστρεφόμενος (1a)  
 11. 8. μετεστράφη ἡ καρδία μου ἐν τῷ αὐτῷ (1b)  
 Am. 8. 10. μεταστρέψω τὰς ἰσχύας ὧμων εἰς πένθος (1a)  
 Jl. 2. 31 (3. 4). ὁ ἥλιος μεταστραφήσεται εἰς σκότος (1b)  
 Ze. 3. 9. τότε μεταστρέψω ἐπὶ λαοὺς γλώσσας (1a)  
 Je. 6. 12. μεταστραφίσονται αἱ οἰκίας αὐτῶν εἰς ἐτέρους (2a)  
 21. 4. μεταστρέφω [B<sup>1</sup> -στέφω] τὰ ὅπλα τὰ πυλεμικὰ (2b)  
 La. 5. 2. κληρονομία ἡμῶν μετεστράφη ἀλλοτριῶσι (1b)  
 Da. Th. 10. 8. ἡ δοῦξα [A ζέις] μου μετεστράφη (1b)  
 I Ma. 9. 41. μετεστράφη ὁ γάμος εἰς πένθος  
 III Ma. 5. 7. τὴν κατ' αὐτῶν μεταστρέψει βουλὴν ἀνοσίαν  
 6. 22. μετεστράφη τοῦ βασι. ἡ ὀργὴ εἰς οἶκτον [Aq. Ex. 28. 11 : Ps. 59 (60). 3.]  
 [Sm. I Ki. 22. 18 : Jb. 8. 3 δὲ : Ps. 31 (32). 4 : Ze. 3. 9.]  
**μεταστροφή.** (1) α. η̅ϛδ δ. η̅ϛδ  
 III Ki. 12. 15. ἦν μεταστροφή παρὰ κυρίου (1a)  
 II Ch. 10. 15. ἦν μεταστροφή παρὰ τοῦ θεοῦ (1b)  
 [Aq. Jb. 37. 12.]  
**μετασχηματίζεω.**  
 IV Ma. 9. 22. μετασχηματίζόμενος εἰς ἀφάρσιν  
 [Sm. I Ki. 28. 8.]  
**μετατιθέναι.** (1) η̅ϛδ (2) η̅ϛδ (3) η̅ϛδ hi. (4) η̅ϛδ hi. (5) η̅ϛδ hi. (6) η̅ϛδ  
 Ge. 5. 24. μετέθηκεν αὐτὸν ὁ θεός (1)  
 De. 27. 17. ἐπικυτάρατος ὁ μετατιθείς ὄριον (1)  
 III Ki. 20 (21). 25. μετέθηκεν αὐτὸν ἰεζ. (4)  
 Es. 4. 17. μετῴδης τὴν καρδίαν αὐ.  
 Ps. 45 (46). 2. ἐν τῷ . . . μετατίθεσθαι ὄρη ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (2)  
 Pr. 23. 10. μὴ μεταθῇς ὄριον αἰῶνα (3)  
 Wi. 4. 10. ζῶν μεταξύ ὁμαρτωλῶν μετετίθη  
 Si. 6. 9. B<sup>2</sup> ὥστι φίλος μετατιθέμενος εἰς ἐχθρὸν [A -όν]  
 44. 16. μετετίθη ὑπόδειγμα μετανοίας ταῖς γενεαῖς  
 49. 14. **Α** καὶ αὐτὸς μετετίθη [B<sup>2</sup> ἀνελήφθη] ἀπὸ τῆς γῆς  
 Ho. 5. 10. ἐγένοντο . . . ὡς μετατιθέντες ὄρια (3)  
 Is. 29. 14. προσθήκω τοῦ μετατιθέναι τὸν λαὸν τούτων καὶ μεταθῶ αὐτοὺς (5, 6)  
 — 17. μετατιθήσεται ὁ Λιβανὸς ὡς τὸ ὄρος τὸ Χέρμελ (6)  
 II Ma. 4. 46. ὡς ἀναψύζοντα τὸν βασι. μετέθηκε  
 7. 24. μεταβιόμενον ἀπὸ τῶν πατριῶν νόμων  
 III Ma. 1. 16. τὴν ὁρμὴν τοῦ κακῶς ἐπιβαλλομ. μεταθῆναι  
 IV Ma. 2. 18. τὰ μὲν αὐτῶν μεταθῆναι [Aq. Ec. 10. 9.]  
 [Sm. IV Ki. 16. 14 : Jb. 18. 8.]  
**μετατρέπειν.**  
 IV Ma. 6. 5. κατ' οὐδένα τρόπον μετετρέπετο  
 7. 3. **Α** B κατ' οὐδένα τρόπον μετέτρεψε [B ἔτρ.] τοὺς τῆς εὐσεβείας οἰκίας  
 — 12. οὐ μετετρέπη τὸν λογισμὸν  
 15. 11. τὸν λογισμὸν αὐ. . . ἰσχυσαν μετατρέφαι  
 — 18. οὐ μετέτρεψε σε πρωτότοκος ἀποπνέων [Aq. Ez. 1. 9.]  
 [Sm. Ez. 1. 9 : 10. 11.]

**μεταφέρειν.** (1) η̅ϛδ hi.  
 I Ch. 13. 3. μετενέγκωμεν τὴν κιβωτὸν τοῦ **θ**. ἡμῶν (1)  
 I Es. 2. 10. **Α** B ἀ μετένεγκε [B -ήγαγεν] Νάβ. 4. 48. μεταφέρειν ξύλα κέδρινα  
**μεταφορά.**  
 [Th. Ho. 8. 13.]  
**μετάφρασις.**  
 II Ma. 2. 31. τῷ τὴν μ. ποιούμενῳ συγχωρητέον  
**μετάφρεον.** (1) η̅ϛδ (2) η̅ϛδ  
 De. 32. 11. ἀνέλαθεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν μ. αὐ. (1)  
 Ps. 67 (68). 13. τὰ μ. αὐτῆς ἐν χλωρότητι χρυσίου (1)  
 90 (91). 4. ἐν τοῖς μ. αὐτοῦ ἐπισκιάσει σοι (1)  
 Is. 51. 23. **Α** B ἔθηκε ἰσα τῇ γῇ τὰ μ. [B μέσα] σου ἔξω [Aq. Ez. 17. 3.]  
 [Hob. Ge. 49. 8.]  
**μεταφρονεῖν.**  
 To. 4. 18. **Α** μὴ μεταφρονήσης [B καταφρ.] ἐπὶ πάσης συμβουλίας  
**μεταφουτεύειν.**  
 [Aq. Ps. 1. 3 : 91 (92). 14.]  
 [Sm., Th. Ps. 91 (92). 14.]  
**μεταχεῖν.**  
 IV Ma. 1. 29. **Α** B καὶ πάντα τρόπον μεταχέων [B μετοχετεύω]  
**μεταχρονῶναι.**  
 [Sm. Le. 13. 13.]  
**μετέπειτα.**  
 Ju. 9. 5. καὶ τὰ [A om.] μ. . . διανοήσης  
 Es. 3. 13. εἰς τὸν μ. χρόνον  
 III Ma. 3. 24. αἰφνιδίον μ. παραχρῆς ἐνστάσης ἡμῶν  
**μετέρχσθαι.** (1) η̅ϛδ a. qal. δ. hi.  
 I Ki. 5. 8. μετελθέτω κιβωτός τοῦ θεοῦ (1a)  
 — 8. μετῴδης κιβωτός τοῦ θεοῦ ἱερ. (1b)  
 — 9. μετὰ τὸ μετελθεῖν αὐτὴν (1b)  
 Wi. 14. 30. ἀμφότερα δὲ αὐτοὺς μετελεύσεται τὰ δίκαια [A<sup>1</sup> ἀδικα]  
 I Ma. 15. 4. ὥπως μετελθὼ τοὺς κατεφθαρκότες  
 IV Ma. 10. 21. σὲ δὲ ταχέως μετελεύσεται ὁ θεός  
 18. 22. ἡ θεία δικὴ μετῴδης καὶ μετελεύσεται τὸν ἀλάστορα  
**μετέχειν.** (1) η̅ϛδ  
 I Es. 5. 40. μὴ μετέχειν τῶν ἁγίων [A add. αὐτοὺς]  
 8. 70. καὶ μετέχειν οἱ προηγούμενοι  
 Pr. 1. 18. αὐτοὶ γὰρ οἱ φόνου μετέχοντες θησαν-ρίζουσιν ἑαυτοῖς κακὰ  
 5. 17. μηδεὶς ἀλλοτρίως μετασχέτω σοι (1)  
 Wi. 16. 3. καὶ ζήνης μετῴδης γένεως  
 19. 16. τοὺς ἦδη τῶν αὐτῶν [B om. τῶν αὐ.] μετεσχηκότες δικαίων  
 Si. 51. 28. **Α** B<sup>2</sup> μετῴδης παιδείας [B B<sup>1</sup> -αν]  
 II Ma. 4. 14. ἔσπευδον μετέχειν τῆς . . . χορηγίας  
 5. 10. B οὕτε πατρός τοῦ νόμου [A νόμου] μετέχε — 27. πρὸς τὸ μὴ μετασχεῖν τοῦ μολυσμοῦ  
 [Aq. Ps. 93 (94). 20.]  
 [Sm. Ex. 22. 11 (10).]  
 [Al. Ex. 22. 8 (7).]  
**μετεωρεῖν.**  
 [Sm. Ec. 10. 9.]  
**μετεωρίζειν.** (1) η̅ϛδ hi. (2) η̅ϛδ ni. (3) η̅ϛδ a. qal. δ. ni.  
 Ps. 180 (181). 1. οὐδὲ ἐμετεωρίσθησαν οἱ ὀφθαλμοί μου (3a)  
 Mi. 4. 1. καὶ μετεωρισθήσεται ὑπεράνω τῶν βουνῶν (2)  
 Ob. 1. 4. ἐὰν μετεωρίσθης ὡς ἀστὴρ (1)  
 Ez. 10. 16. τοῦ μετεωρίζεσθαι ἀπὸ τῆς γῆς (3a)  
 — 17. ἐν τῷ μετεωρίζεσθαι αὐτὰ ἐμετεωρίζοντο μετ' αὐτῶν (3a, 3b)  
 — 19. ἐμετεωρίσθησαν ἀπὸ τῆς γῆς (3b)  
 II Ma. 5. 17. ἐμετεωρίζετο τὴν διάνοιαν ὁ Ἄντ.  
 7. 34. μὴ μᾶλλον μετεωρίζου

III Ma. 6. 5. καὶ μετεωρισθέντα ἐπὶ τὴν ἀγίαν σου πόλιν  
 [Aq. Is. 7. 11 : 52. 13 : 55. 9.]  
 [Sm., Th. Is. 52. 13.]  
**μετεωρισμός.** (1) η̅ϛδ  
 Ps. 41 (42). 7. πάντες οἱ μ. σου καὶ τὰ κύματά σου ἐπ' ἐμὲ διήλθον (1)  
 87 (88). 7. πάντας τοὺς μ. σου ἐπήγαγες ἐπ' ἐμὲ (1)  
 92 (93). 4. θανμαστοὶ οἱ μ. τῆς θαλάσσης (1)  
 Si. 23. 4. μετεωρισμὸν ὀφθαλμῶν μὴ δῶς μοι  
 26. 9. πορνείν γυναικὸς ἐν μετεωρισμοῖς ὀφθαλμῶν  
 Jn. 2. 4. πάντες οἱ μ. σου . . . ἐπ' ἐμὲ διήλθον (1)  
 II Ma. 5. 21. διὰ τὸν μ. τῆς καρδίας  
 [Aq. Ps. 9. 25 (10. 4).]  
**μετέωρος.** (1) η̅ϛδ (2) η̅ϛδ (3) η̅ϛδ  
 (4) η̅ϛδ ru. (5) η̅ϛδ (6) η̅ϛδ ni. (7) η̅ϛδ (8) a. qal. δ. η̅ϛδ c. qal. (9) η̅ϛδ (10) εἰς τὸ μ. η̅ϛδ  
 Jd. 1. 15. ἔδωκεν αὐτῇ . . . λύτερωσιν μετέωρων (7)  
 II Ki. 22. 28. ὀφθαλμοὺς ἐπὶ μετέωρων ταπεινώσει (8a)  
 Jb. 28. 18. μετέωρα καὶ γαβίς οὐ μνησθήσεται (8b)  
 Si. 22. 18. χίρακες [A χάλικες] ἐπὶ μετέωρον κείμενοι  
 37. 14. ἐπὶ σκοποὶ ἐπὶ μετέωρον καθήμενοι ἐπὶ σκοπῆς  
 Is. 2. 12. ἡμέρα κυρίου . . . ἐπὶ πάντα ὑψηλὸν καὶ μετέωρον (6)  
 — 13. ἐπὶ πᾶσαν κέδρον τοῦ Λιβανίου τῶν ὑψηλῶν καὶ μ. (6)  
 5. 15. οἱ ὀφθαλμοὶ οἱ μ. ταπεινωθήσονται (2)  
 17. 6. ὡς ῥῶγες ἐλαίας δύο ἢ τρεῖς ἐπ' ἄκρου μετέωρου (1?)  
 18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι πρὸς ἔθνος μετέωρον (4)  
 30. 25. ἐπὶ παντὸς βουνοῦ μετέωρον (6)  
 57. 7. ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν καὶ μετέωρον (6)  
 Je. 38 (31). 37. εἰς ὑψηλὴν ὁ οὐρανὸς εἰς τὸ μετέωρον (10)  
 39 (32). 17. τῷ βραχίονι σου τῷ ὑψηλῷ καὶ τῷ μ. [B om. κ. τ. μ.] (5)  
 Ez. 8. 14. **Α** ἐπορεύθη μ. [B om.] (3?)  
 — 15. εἰσῆλθον εἰς τὴν αἰχμαλωσίαν μ. (9?)  
 17. 23. κρεμάσω αὐτὸν ἐν δρεὶ μετέωρῳ Ἰσραὴλ [B c] [Aq., Sm. Is. 10. 33.]  
 [Th. Jb. 28. 18 : Is. 10. 33 : Ez. 6. 13.]  
 [Al. Ps. 137 (138). 6.]  
**μετεωρότης.**  
 [Aq. I Ki. 16. 7 : Jb. 11. 8 : 40. 5 (10) : Ez. 1. 18.]  
 [Th. I Ki. 16. 7.]  
**μετοικεῖν.** (1) η̅ϛδ  
 II Ki. 15. 19. μετόικηκας σὺ **Σ** τοῦ τόπου σου (1)  
**μετοικεσία.** (1) a. η̅ϛδ b. η̅ϛδ  
 c. η̅ϛδ (2) η̅ϛδ  
 Jd. 18. 30. **Α** ἔως τῆς μ. τοῦ Δάν [B al.] (1a)  
 IV Ki. 24. 16. ἦγαγεν αὐτοὺς . . . μετοικεσίαν εἰς Βαβ. (1b)  
 25. 27. **Α** ἐν τῷ τριακοσθῷ . . . ἔτει τῆς μ. [B ἀποικίας] (1c)  
 I Ch. 5. 22. κατόικησαν ἀντ' αὐτῶν ἔως τῆς μ. (1b)  
 Ob. 1. 20. καὶ τῆς μ. ἡ ἀρχὴ αὐτῆς τοῖς υἱοῖς ἱερ. (1c)  
 — 20. καὶ ἡ μ. ἱερ. ἔως Ἐφ. (1c)  
 Na. 3. 10. αὐτὴ εἰς μετοικεσίαν πορεύσεται αἰχμάλωτος (1b)  
 Je. 50 (43). 5. B τοὺς ἀποστρέψαντας εἰς μετοικεσίαν [AB δ. κατοικεῖν] ἐν τῇ γῇ +  
 La. 1. 7. **Α**<sup>2</sup> ἐγέλασαν ἐπὶ μετοικεσίας [A<sup>1</sup> -κίς, B κατοικεσία] αὐτῆς (2)  
 Ez. 12. 11. ἐν μετοικεσίᾳ . . . πορεύσονται (1b)  
 [Aq. Ez. 3. 11 : 12. 3.]  
**μετοικία.** (1) η̅ϛδ (2) η̅ϛδ hi. (3) η̅ϛδ  
 (4) η̅ϛδ  
 III Ki. 8. 47. ἐν γῇ μετοικίας αὐτῶν (4)  
 I Ch. 6. 15 (5. 41). ἐπορεύθη ἐν τῇ μ. (2)  
 Je. 9. 11 (10). δώσω τὴν Ἰερουσαλὴμ εἰς μετοικίαν (1)  
 20. 4. δίδωμι σε εἰς μετοικίαν (3)

**μετοικίζω.** (1) מִתְּכִיזָה a. qal. b. hi. (2) מִתְּכִיזָה pi.  
Jd. 2. 3. Α οὐ προσθήσω τοῦ μετοικίσαι τὸν λαόν [B al.] (2)  
I Ch. 5. 6. δὲ μετόπισθε Θ. (1 δ)  
— 26. μετόπισθε τὸν 'Ρ. (1 δ)  
8. 6. μετόπισσαν αὐτοὺς εἰς Μ. (1 δ)  
I Es. 5. 7. οὐδὲ μετόπισσε Ναβ. (1 δ)  
Ju. 11. 14. τοὺς μετοικίσαντας αὐτοῖς τὴν ἄφεισιν (1 α)  
Ho. 10. 5. οὐ μετοκίσθη ἀπ' αὐτοῦ (1 δ)  
Am. 5. 27. καὶ μετοικίᾳ ὑμᾶς ἐπέκεινα Δαμασκού (1 δ)  
Je. 20. 4. μετοικιούσιν αὐτοὺς (1 δ)  
22. 12. ἐν τῇ τόπῳ οὐ μετόπισσε αὐτὴν (1 δ)  
La. 1. 3. μετοκίσθη 'Ιουδαία ἀπὸ ταπεινώσεως αὐτῆς (1 α)  
**μετοίκος.** (1) מִתְּכִיזָה  
Je. 20. 3. οὐχὶ Πασφὼ ἐκάλεσε κύριος τὸ ὄνομα σου ἄλλ' ἢ Μέτοικον (1)  
[Th. Je. 20. 3.]  
**μετουσία.**  
IV Ma. 2. 1. πρὸς τὴν τοῦ κώλλους μ. ἀκυροῦνται (1)  
**μετοχετεύειν.**  
IV Ma. 1. 29. Β καὶ πάντα τρόπον μετοχετεύειν [AB μεταχέειν]  
**μετοχή.** (1) מִתְּכִיזָה ru.  
Ps. 121 (122). 3. SB ὡς πόλις ἥς ἡ μ. [A οἱ μετόχοι] αὐτῆς ἐπὶ τὸ αὐτό (1)  
**μέτοχος.** (1) א. בִּרְבִּי δ. בִּרְבִּי qal. c. ru.  
(2) μ. εἶναι מִתְּכִיזָה (3) αἱμάτων μ. מִתְּכִיזָה  
I Ki. 20. 30. μέτοχος εἶ σὺ τῷ υἱῷ 'Ι. (2 ?)  
Es. 8. 13. μετόχους αἱμάτων ἀδφών καταστήσασα [AB al.] (2 ?)  
Ps. 44 (45). 7. ἐκρίνε σε ὁ θεὸς . . . παρὰ τοὺς μ. σου (1 α)  
118 (119). 63. μέτοχος ἐγὼ εἰμι πάντων τῶν φοβουμένων σε (1 α)  
121 (122). 3. Α ὡς πόλις ἥς οἱ μ. [SB ἡ μετοχή] αὐτῆς ἐπὶ τὸ αὐτό (1 c)  
Pr. 29. 10. ἄνδρες αἱμάτων μέτοχοι μισοῦσιν δαίμονα [AB al.] (3)  
Ec. 4. 10. ὁ εἰς ἐγερεῖ τὸν μ. αὐτοῦ (1 α)  
Ho. 4. 17. μέτοχος εἰδῶλων 'Εφ. ἔθηκεν ἐαυτῷ σκάνδαλα (1 δ)  
III Ma. 3. 21. μέτοχος τῶν δαὶ ἱερῶν καταστήσαιο [Aq., Sm., Th. Pr. 28. 24.]  
**μετρεῖν.** (1) מִתְּכִיזָה (2) מִתְּכִיזָה  
Ex. 18. 18. Β καὶ μετρήσαντες γομόρ [B τῷ γ., Α² τὸ γ.] (1)  
Nu. 35. 5. μετρήσεις . . . τὸ κλίτος τὸ πρὸς ἀνατολάς (1)  
Ru. 3. 15. ἐμέτρησεν ἐξ κριθῶν (1)  
Wi. 4. 8. οὐδὲ ἀριθμῶν ἔτων μεμέτρηται (1)  
Is. 40. 12. τίς ἐμέτρησε τῇ χειρὶ τὸ ὕδωρ (1)  
Da. TH. 6. 26. ἐμέτρησεν ὁ θ. τὴν βας. σου (2)  
[Aq. Is. 40. 12 : Jb. 81 (38). 37 : Ez. 42 20.]  
[Sm. II Ki. 8. 2 : Is. 40. 12.]  
[Th. Is. 40. 12.]  
**μέτρησις.**  
III Ki. 7. 38. τὸν χυτράκαυλον τὸν ἕνα μετρήσει [A al.]  
**μετρητής.** (1) מִתְּכִיזָה (2) מִתְּכִיזָה (3) מִתְּכִיזָה  
III Ki. 18. 32. χωροῦσαν δύο μετρητὰς σπέρματος (2)  
II Ch. 4. 5. χωροῦσαν [A -σα] μ. τρισχιλίου (1)  
I Es. 8. 20. ὥς . . . οἶνον μετρητῶν ἐκατὶν (1)  
Hs. 2. 17 (16). ἐξαντλήσαι πενήντα μετρητὰς (3 ?)  
Da. LXX. Bel 2. καὶ ἐλαίου μετρηταὶ [cod. -ας] ἐξ (1)  
Da. TH. Bel 3. καὶ οἶνον μετρηταὶ ἐξ (1)  
[Aq. Ez. 45. 14 bis.]  
[Th. Da. 14. 2.]  
**μετριάξω.** (1) מִתְּכִיזָה  
Ne. 2. 2. καὶ οἱ ἐκ μετριάξων (1)  
**μέτριος.**  
Si. 84 (81). 20. ὕπνος ὑγιείας ἐπὶ ἐντέρῳ μετρίῳ  
**μετρίως.**  
II Ma. 15. 38. εἰ δὲ εὐτελῶς καὶ μ.

**μέτρον** (-ος). (1) מִתְּכִיזָה, מִתְּכִיזָה (2) מִתְּכִיזָה  
(3) מִתְּכִיזָה (4) מִתְּכִיזָה (5) א. בִּרְבִּי δ. בִּרְבִּי c. מִתְּכִיזָה  
(6) מִתְּכִיזָה (7) מִתְּכִיזָה (8) א. בִּרְבִּי δ. בִּרְבִּי  
(9) מִתְּכִיזָה (10) τρία μ. מִתְּכִיזָה  
Ge. 18. 6. φύρασαν τρία μ. σμυδάλεως (7)  
Ex. 16. 36. τὸ δὲ γόμορ τὸ δέκατον τῶν τριῶν μ. ἦν (10)  
28. 2. μ. τὸ αὐτὸ ἔσται πάσαις ταῖς αὐλαῖς (5 α)  
— 8. τὸ αὐτὸ μ. [A om.] ἔσται ταῖς ἐνδεκα δέρρεσι (5 α)  
Le. 19. 35. οὐ ποιήσετε ἄδικον . . . ἐν μέτροις (5 α)  
De. 2. 6. ὕδωρ μέτρον λήψεσθε (1)  
25. 14. οὐκ ἔσται ἐν τῇ οἰκίᾳ σου μ. καὶ μ. (1, 1)  
— 15. AB'E μ. ἀληθινὸν καὶ δίκαιον ἔσται σοι (1)  
III Ki. 6. 25. ἐν μ. ἐν συντέλει μία (5 α)  
7. 37. μέτρον ἐν πάσαις (5 α)  
— 9. Α ἐκ λίθων τιμίων μέτρον ἀπελεκήτων [B om. μ. δ.] (5 α)  
— 11. κατὰ τὸ μ. ἀπελεκήτων (5 α)  
IV Ki. 7. 1, 16, 18. μέτρον σμυδάλεως σίκλου (7)  
21. 13. ἐκτένω ἐπὶ 'Ιερ. τὸ μ. Σαρ. (8 α)  
I Ch. 28. 29. καὶ εἰς πᾶν μ. (6 + 5 α)  
II Ch. 2. 10 (9). AB'E καὶ οἶνον μέτρον ἑκοσι χιλιάδας καὶ ἐλαίου μέτρον [A καδων, B' om. εἰ. . .] ἑκοσι χιλιάδας (3, 8)  
Ne. 3. 19. μ. δεύτερον πύργου ἀναβάσεως (5 α)  
— 20. μ. δεύτερον ἀπὸ τῆς γωνίας (5 α)  
— 21. μ. [A -οι] δεύτερον ἀπὸ θύρας Β. (5 α)  
— 24. μ. δεύτερον ἀπὸ Β. (5 α)  
— 27. μ. δεύτερον ἐξ ἐναντίας τοῦ πύργου (5 α)  
— 30. ἐκράτησεν 'Αν. . . μ. δεύτερον (5 α)  
Ju. 7. 21. ἐν μέτρῳ ἔλιδσαν αὐτοῖς πιεῖν (1)  
Jb. 11. 9. ἡ μακρότερα μέτρον γῆς [A μέτρων γῆς ἐπιστάσαι] (5 α)  
28. 25. ὕδατος μέτρα ὅτε ἐποίησεν (5 α)  
38. 5. τίς ἔθετο τὰ μ. αὐτῆς εἰ οὐδας (5 δ)  
Ps. 79 (80). 5. ποτίεις ἡμᾶς ἐν δάκρυσιν ἐν μέτρῳ (9)  
Pr. 20. 10. στάθμον μέγα καὶ μικρὸν καὶ μέτρα διστά (1)  
Wi. 11. 20. πάντα μέτρον . . . διατάξας (1)  
Si. 84 (81). 27. ἐὰν πύργος αὐτὸν μέτρον [B' ἐν μ.] αὐτοῦ (1)  
Am. 8. 5. τοῦ ποιῆσαι μικρὸν μέτρον (1)  
Za. 1. 16. μέτρον ἐκταθήσεται [A ἐκτεθ.] ἐπὶ 'Ιερ. (8 α, 8 δ\*)  
5. 6. τοιοῦτο τὸ μ. τὸ ἐκπορευόμενον (1)  
— 7. ἐκάθητο ἐν μέσῳ τοῦ μ. [A ταλάντου] (1)  
— 8. ἐρρίψεν αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ μ. (1)  
— 9. καὶ ἀνέλαβον τὸ μ. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς (1)  
— 10. ποῦ αὐτὰ ἀποφέρουσι τὸ μ. (1)  
Is. 5. 10. ὁ σπείρων ἀράβας ἐξ ποιῆσει μέτρα τρία (10)  
44. 13. ἔστησεν αὐτὸ ἐν μέτρῳ (8 α ?)  
La. 2. 8. ἐξέτεινε μ. (8 α)  
Ez. 4. 11. ὕδωρ ἐν μέτρῳ πίσεις (6)  
— 16. ὕδωρ ἐν μέτρῳ καὶ ἐν ἀφανισμῷ πίνονται (6)  
40. 3. ἦν σπαρτίον οἰκοδόμων καὶ κάλαμος μ. [A add. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ] (5 α)  
— 5. κάλαμος τὸ μ. πηχῶν ἐξ ἐν πῆχει (5 α)  
— 10. μ. ἐν τοῖς τρισὶ μ. ἐν τοῖς [A τῷ] αὐτῶν (5 α, 5 α)  
— 21. ἐγένετο κατὰ τὰ μ. τῆς πύλης (5 α)  
— 24. διεμέτρησεν αὐτὴν . . . κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 α)  
— 28. διεμέτρησε τὴν πύλιν κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 α)  
— 30 (29). τὰ αἰλαμῶν κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 α)  
— 32. διεμέτρησεν αὐτὴν κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 α)  
— 33. τὰ αἰλαμῶν κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 α)  
— 35. διεμέτρησε κατὰ τὰ μ. ταῦτα (5 α)  
41. 17. Α ἐν τῷ ἔσωθεν καὶ ἐν τῷ ἔξωθεν μέτρα [B om.] (5 α)  
42. 11. κατὰ τὰ μ. ἐξεδῶν τῶν πρὸς βορρᾶν (1)  
— 16. διεμέτρησε πεντακοσίους ἐν τῷ καλῶν τοῦ μ. (5 α)  
— 17. πῆχεις πεντακοσίους ἐν τῷ καλῶν τοῦ μ. (5 α)  
— 18. 19. πεντακοσίους ἐν τῷ καλῶν τοῦ μ. (5 α)  
— 20. Α τὰ τέσσαρα μέρη τοῦ αὐτοῦ μ. [B καλῶν] (5 c)  
43. 13. ταῦτα τὰ μ. τοῦ θυσιαστηρίου (5 α)  
45. 10. μ. δίκαιον καὶ χοῖνις δίκαια ἔσται [B -τω] ὅμιον τοῦ μ. (1, 1)  
— 11. Α τὸ μ. πρὸς τὸ γομόρ ἔσται ἴσον [B al.] (1)  
— 13. Α Β ἔκτον [A ἑκατὸν τοῦ] μέτρον [B -ον] ἀπὸ τοῦ γομόρ τοῦ πυροῦ (1)  
46. 14. τὸ πρὶν ἔκτον τοῦ μ. (1)  
— 22. μ. ἐν ταῖς τέσσαραις (5 α)

Ez. 47. 3. μ. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ καὶ διεμέτρησε χιλίους ἐν τῷ μ. (8 α, 2)  
— 4. Α καὶ διεμέτρησεν ἐν τῷ μ. [B om. ἐν τ. μ.] χιλίους (1)  
48. 1. Α κατὰ τὸ μ. [B μέρος] τῆς καταβάσεως τοῦ περισχίζοντος (4)  
— 16. ταῦτα τὰ μ. αὐτῆς (5 α)  
— 30. αὐταὶ αἱ διεκβολαὶ τῆς πόλεως αἱ πρὸς βορρᾶν τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι μέτρον (5 α)  
— 33. τὰ πρὸς νότον τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι μέτρον (5 α)  
— 34. τὰ πρὸς θάλασσαν τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι μέτρον (5 α)  
[Aq. Is. 9. 6 (5), 7 (6) : 28. 17 : 34. 11, 17.]  
[Sm. Jb. 28. 25 : 38. 5 : Ps. 79 (80). 6 : Is. 34. 11, 17.]  
[Th. Is. 27. 8 bis : 28. 17 : 34. 11, 17.]  
[Al. Jo. 3. 4.]  
**μέτρωπον.** (1) מִתְּכִיזָה  
Ex. 28. 34 (38) bis. ἔσται ἐπὶ τοῦ μ. 'Ασρών (1)  
I Ki. 17. 49. ἐπάταξε τὸν ἀλλόφ. ἐπὶ τὸ μ. αὐτοῦ (1)  
— 49. διέθυ ὁ λίθος . . . εἰς [A ἐπὶ] τὸ μ. αὐ. (1)  
II Ch. 28. 19. ἡ λέπρα ἀνέτειλεν ἐν τῷ μ. αὐ. (1)  
— 20. αὐτὸς λεπρὸς ἐν τῷ μ. (1)  
Is. 48. 4. τὸ μ. σου χαλκῶν (1)  
Ez. 9. 4. δὸς σημεῖον ἐπὶ τὰ μ. τῶν ἀνδρῶν (1)  
[Aq. Ez. 3. 7.]  
[Sm. Je. 9. 26 (25) : Ez. 3. 7.]  
[Th. Ez. 28. 25 : Ez. 3. 8 bis, 9.]  
**μεχωνώθ.**  
[Aq. Je. 52. 17.]  
**μέχρι, μέχρις.** \* μέχρις οὐ.  
Jo. 4. 23\*.  
I Es. 1. 57\*† : 2. 30 : 3. 2 : 4. 51 : 6. 6\*†, 20, 28 : 8. 77.  
To. 2. 2†, 4†, 10† : 5. 7 (μέχρι οὐτου)† : 11. 1\*† : 14. 4.  
Ju. 5. 10\* : 12. 5, 9\*.  
Es. 3. 13† : 4. 17 (μ. νῦν) : 5. 1\*.  
Jb. 2. 7†, 9 : 4. 20† : 8. 2 : 18. 2 : 26. 10 : 32. 11†, 12† : 38. 11.  
Ps. 45 (46). 9 : 49 (50). 1 : 70 (71). 17 (μ. νῦν)† : 103 (104). 23 : 104 (105). 19 : 112 (113). 3 : 129 (130). 6.  
Ec. 3. 11.  
Wi. 16. 5 : 19. 1.  
Si. 47. 10.  
Da. TH. 11. 36\*†.  
I Ma. 4. 46 : 9. 13†.  
II Ma. 6. 14 : 11. 30 : 13. 14.  
III Ma. 1. 1 : 3. 27 bis : 4. 7 : 5. 40 : 6. 6, 28, 40 : 7. 4, 16.  
IV Ma. 5. 37 : 6. 18, 21, 26, 30 : 7. 8, 16 : 9. 28 : 13. 1, 27 : 15. 10, 15 : 16. 1 : 17. 7†, 10.  
[Sm. Jb. 27. 3\* : 32. 12 : Ps. 35 (36). 6 : 78 (74). 23.]  
[Th. Jb. 32. 12.]  
[Al. Nu. 21. 15.]  
**μεχωνώθ.** (1) מִתְּכִיזָה, מִתְּכִיזָה (2) א. בִּרְבִּי δ. בִּרְבִּי  
III Ki. 7. 27. ἐποίησε δέκα μ. [A τὰς μ. δ.] χαλκῶν (2 δ)  
— 27. πέντε πῆχεις μήκος τῆς μ. τῆς μῆας (2 α)  
— 28. τοιοῦτο τὸ ἔργον τῶν μ. (2 α)  
— 30. τέσσαρες τροχοὶ χαλκοὶ τῇ μ. τῇ μῆ (2 α)  
— 32. χεῖρες ἐν τοῖς τροχοῖς ἐν τῷ μ. (2 α)  
— 34. Β ἐπὶ τὴν πεντακῶν γωνίων τῆς μ. τῇ μῆ [A B τῆς μῆας] ἐκ τῆς μ. οἱ ὅμοι αὐ. (2 α, 2 α)  
— 35 bis. ἐπὶ τῆς κεφαλῆς τῆς μ. (2 α)  
— 37. ἐποίησε πάσας τὰς δέκα μ. (2 δ)  
— 38. ἐπὶ τῇ μ. τῇ μῆ [A τῆς μ. τῆς μῆας] ταῖς δέκα μ. (2 α, 2 δ)  
— 39. ἔθετο τὰς πέντε μ. (2 δ)  
— 42. τὰ στρεπτά τῆς μ. (1)  
— 43. καὶ τὰς μ. δέκα καὶ τοὺς χυτροκαύλους δέκα ἐπὶ τῶν μ. [A τῆς μ.] (2 δ, 2 δ)  
IV Ki. 18. 17. τὰ συγγλίσματα τῶν μ. (2 δ)  
25. 13. τοὺς μ. . . συνέτριψαν οἱ Χ. (2 δ)  
— 16. καὶ τὰ μ. ἀ ἐποίησε Σαλ. (2 δ)

II Ch. 4. 14. τὰς μ. ἐποίησε δέκα καὶ τοὺς λου-  
τήρας ἐποίησεν ἐπὶ τῶν μ. (2 δ, 2 δ)  
Ne. 7. 70. ΒΒ<sup>8</sup> ἔδωκαν ... μ. [ΑΒ<sup>8</sup> ὁδωνῶδ, Ε  
χωδ.] (1)

— 72. ΒΒ<sup>8</sup> καὶ μ. [ΑΒ<sup>8</sup> ὁδωνῶδ, Ε χωδ.]  
τῶν ἱερέων (1)  
[Th. Jε. 27 (84). 19.]

μή. ἐὰν μή *vid. sub* ἐὰν εἰ δὲ μή *vid. sub* εἰ  
εἰ μή *vid. sub* εἰ ἵνα μή *vid. sub* ἵνα  
ὅπως μή *vid. sub* ὅπως ὅταν μή *vid. sub*  
ὅταν οὐ μή *vid. sub* οὐ οὐδὲ μή *vid. sub*  
*sub* οὐδὲ οὐδὲ οὐ μή *vid. sub* οὐδὲ  
οὐκέτι μή, οὐκέτι οὐ μή *vid. sub* οὐκέτι  
οὔτε μή, οὔτε οὐ μή *vid. sub* οὔτε ὥστε  
μή *vid. sub* ὥστε \* μή *interrog.*

Ge. 3. 11, 17: 4. 9\*, 15: 7. 2, 3, 8 bis: 13. 8. 15.  
1: 16. 2: 18. 3, 14, 17\*, 23: 19. 7, 8, 9\*,  
17, 19†, 21: 20. 6: 21. 12, 17, 23: 22. 12:  
23. 5: 24. 6, 8, 56: 26. 2, 24, 29: 27. 38\*: 28.  
13: 30. 2\*, 15\*: 31. 14\*, 20, 35: 37. 8\*, 22 bis,  
27: 38. 9, 22: 41. 38\*: 42. 22: 43. 7\*, 22: 44.  
7, 17, 18, 26, 31, 34: 45. 5, 9, 20, 24: 46. 3:  
47. 29: 49. 4, 6 bis: 50. 19, 21.  
Ex. 2. 14†: 3. 5: 5. 9: 7. 14: 8. 29 (25) bis:  
9. 17, 21 (ὅς δὲ μὴ προσέσχε) 10. 10\*, 11: 14.  
5, 11: 19. 15, 24: 20. 19, 19†: 21. 22: 22. 8 (7)†,  
11 (10): 23. 21: 32. 22: 33. 5, 15: 34. 3.

Le. 6. 40 (7. 10): 10. 19\*: 11. 47: 13. 55 (ἵδε μὴ  
μετέβαλεν)†: 14. 32: 16. 2: 18. 24: 19. 26, 30†:  
20. 4: 21. 3: 23. 29 (ἵστε μὴ ταπεινωθήσεσθε)  
25. 14, 17, 23†.

Nu. 4. 18: 5. 13†: 9. 7, 10, 31: 11. 12\*, 22\*,  
29\*: 12. 2\*, 12: 14. 9, 16, 42†: 16. 9\*,  
13\*, 15, 26 bis: 20. 10\*: 21. 34, 35: 22. 16, 30\*:  
23. 8 bis: 27. 3 (4): 32. 5, 7.

De. 1. 21, 29: 2. 5, 9 bis, 19, 19†: 3. 2, 3, 26:  
4. 9 bis, 16, 19, 23: 5. 25 (22): 6. 12, 15: 7.  
2, 8, 11, 11†, 12, 17: 9. 4, 7, 26, 27, 28: 11.  
16: 12. 19, 23, 30: 15. 9: 17. 12†: 20. 3  
bis, 5, 6, 7, 19\*: 22. 1, 1†, 4: 23. 4 (5): 25. 5:  
28. 13, 55, 61: 29. 15 (14): 31. 6, 8: 32. 27:  
33. 6, 11.

Jo. 1. 9, 18 (ὅστις μὴ ἀκούσθη)†: 2. 16: 3. 4: 5. 6:  
6. 9 (10, 9)†: 7. 3 bis, 19: 8. 1, 4, 22: 9. 7:  
10. 6, 8, 19 bis, 25, 33: 11. 6, 8: 22. 17\*, 19,  
19†, 20\*, 22, 29: 24. 16.

Jd. 2. 23: 3. 1: 4. 18: 6. 18, 23, 27†, 31\*, 39 (μὴ  
ῥῆ)†: 8. 1, 6\*, 15\*: 9. 9\*, 11\*, 13\*, 4†: 11.  
25\* bis: 12. 5\*: 13. 4 bis, 14 bis: 15. 12†:  
16. 7, 8: 18. 7†, 9, 19, 25: 19. 23†, 23 bis, 24†:  
21. 5† bis, 7.

Ru. 1. 11\*, 12, 13\*, 13, 13 (μὴ ῥῆ), 16, 20 (μὴ ῥῆ)†:  
2. 8, 9, 15: 3. 3, 10, 11, 14, 17.

I Ki. 1. 6, 16: 2. 3, 10, 10†, 24†: 3. 17 (μὴ  
ῥῆ)†: 4. 20: 6. 3 (μὴ ῥῆ)†: 7. 8 bis: 8. 7: 9. 5,  
20: 12. 20† bis, 21†: 13. 6†, 19†: 14. 36: 15. 6,  
23, 26: 16. 1, 7: 17. 32 (μὴ ῥῆ)†: 18. 17†: 19. 4:  
20. 3, 26, 38: 21. 2 (3)†, 15 (16)\*†: 22. 5, 15,  
23: 23. 17, 28: 25. 25 (μὴ ῥῆ), 26, 33: 26. 9, 19,  
20: 27. 11†: 28. 13: 29. 4 bis, 10: 30. 15 bis:  
31. 4.

II Ki. 1. 20†, 20, 21, 21†: 2. 26\*: 3. 8\*, 29: 6.  
22†: 9. 7: 10. 3†: 11. 25: 12. 23\*: 13. 12 ter,  
20\*, 20, 25 (μὴ ῥῆ), 25, 28, 32, 33: 14. 2, 13, 18  
(μὴ ῥῆ), 19\*, 24: 17. 16: 18. 13, 16: 19. 20 (μὴ  
ῥῆ)†, 19 (20), 21 (22)\*, 35 (36)\*†, 42 (43)\*†:  
21. 5.

III Ki. 2. 15 (16), 20, 27: 3. 1, 26, 27: 8. 35, 57,  
64: 9. 20: 10. 22 (9. 19): 11. 2, 10: 12. 24†  
ter: 13. 9 ter, 17†, 17 bis, 22†, 22: 15. 13†, 17:  
18. 23, 25, 44: 20. 3: 21 (20). 8 bis, 11, 19: 22.  
8, 31.

IV Ki. 1. 3, 6, 15, 16†: 2. 18: 3. 13\*: 4. 3, 16  
bis, 24, 28\*: 5. 20: 6. 9, 16, 27, 27\*, 32†\*: 7.  
2\*: 9. 15†: 10. 19, 25: 12. 7 (8), 8 (9) bis: 17.  
15: 18. 25\*, 27\*, 29, 30, 31, 32, 33\*, 34†: 19.  
6, 10, 12\*: 23. 18, 33: 25. 24.

I Ch. 4. 10†: 10. 4: 16. 22 bis, 30: 19. 3\*: 21.  
17: 22. 13: 26. 27, 28, 20.

II Ch. 6. 26, 42: 11. 4, 14: 18. 9, 12†: 14. 11  
(10): 15. 7, 16†: 16. 1, 7: 18. 7, 30: 20. 15,

17: 23. 6, 14: 25. 13, 16\*, 16: 29. 11: 30. 7, 8,  
17: 32. 4, 7, 13\*, 14\*, 15 ter: 35. 21: 36. 2, 13.  
I Es. 1. 27, 35†: 2. 20: 4. 49†: 5. 39, 40: 8. 21,  
23, 24†, 84 bis, 88: 9. 51, 52, 53, 54.

II Es. 2. 63: 6. 8: 7. 24, 25, 26: 9. 12 bis, 14†,  
14.

Ne. 1. 5 (μὴ ῥῆ)†, 11 (μὴ ῥῆ), 11†: 4. 3 (8. 35)\*, 6  
(3. 38), 14 (8)†: 8. 9, 10†, 10, 11: 9. 32: 10. 30  
(31): 13. 14, 27.

To. 1. 11: 2. 13†\*: 3. 3, 6, 6†, 9, 10†, 13: 4. 3  
bis, 5 bis, 7† bis, 8†, 12†, 13†, 14†, 15† bis, 16†,  
17†, 18†, 19, 21: 5. 8, 13, 15†, 18, 20, 20† bis:  
6. 14, 14†, 15†, 17: 7. 11†: 8. 20†: 9. 3†: 10.  
6, 6†, 7, 13: 12. 6, 17: 14. 8†, 10†.

Ju. 4. 12: 5. 4: 6. 2, 9: 7. 11, 13: 8. 14, 16:  
10. 16: 11. 1, 10, 12: 12. 7, 13.

Es. 1. 19†: 2. 10: 3. 4†, 13†, 13 bis: 4. 13, 16, 17  
septiens: 6. 10: 8. 13 bis.

Jb. 1. 9\*, 12: 3. 4, 6, 7, 9, 9† bis: 4. 2\*, 11, 17\*,  
20, 21: 6. 17: 6. 5\*, 9, 10†, 12\*, 29: 8. 3\*,  
11\*: 9. 7†, 16†, 17\*, 34: 10. 2: 11. 3, 4, 7\*,  
14: 12. 2\*, 25†: 13. 15†, 21: 14. 15: 15. 6, 7\*,  
22, 31: 16. 3†, 19: 18. 21: 20. 4\*, 17, 26†: 21.  
3†, 4\*, 20: 22. 12†, 15\*: 24. 8, 3†: 25. 6†: 26.  
5\*: 27. 4†, 5, 9\*, 10\*: 31. 34: 33. 18, 24, 28:  
34. 9, 10, 33\*, 36: 36. 12, 20, 21: 37. 20\*:  
39. 32 (40. 2)\*: 40. 2 (7), 3 (8)†: 41. 17 (18)  
(οὐδὲν μὴ ποίησιν).

Ps. 4. 4: 6. 1†: 7. 2, 11: 9. 19, 32 (10. 11), 33  
(10. 12): 21 (22), 11, 19, 24 (25), 2, 7, 20: 25  
(26). 9: 26 (27), 9, quater, 12: 27 (28), 1, 3 bis:  
29 (30). 9\*: 30 (31). 1, 17: 31 (32). 9 bis: 33  
(34). 13: 34 (35). 19, 22 bis, 24, 25: 35 (36). 11

bis: 36 (37). 1, 7, 8: 37 (38). 1, 21 bis: 38 (39).  
1: 39 (40), 11, 17: 40 (41). 2, 8\*: 43 (44). 23:  
48 (49). 16: 49 (50). 13\*, 22†: 50 (51). 11 bis:  
54 (55). 1: 56 (57). 10 ter: 57 (58). 11: 58 (59).

tit. 5, 11: 61 (62). 10 ter: 65 (66). 7, 9, 18: 67  
(68). 30†: 68 (69). 6 bis, 15, 17†, 23, 25, 27, 28:  
70 (71). 1, 9 bis, 12, 18: 73 (74). 19 bis, 21, 23:  
74 (75). tit. 4 bis, 5 bis: 76 (77). 7\*, 9\*† bis: 77  
(78). 7, 19\*, 20\*: 78 (79). 6†, 8: 82 (83). 1: 84  
(85). 5\*†: 87 (88). 10\*, 11\*, 12\*: 88 (89). 47\*:  
89 (90). 3: 93 (94). 20\*†: 94 (95). 8: 101 (102).

2, 24: 102 (103). 2: 104 (105). 15 bis: 105 (106).  
23†, 23: 108 (109). 1, 12, 14: 118. 9 (116. 1)  
bis: 118 (119). 8, 10, 19, 31, 36, 37, 43, 116, 121,  
122, 133†: 120 (121). 3: 131 (132). 10: 137  
(138). 8: 139 (140). 8 bis: 140 (141). 4, 5, 8: 142  
(143). 2, 7: 145 (146). 3.

Pr. 1. 8, 10, 15: 2. 16: 3. 1, 5, 6†, 7, 11, 21,  
27, 28, 29, 30, 31: 4. 2, 5, 6† bis, 13, 14, 15,  
27: 5. 2, 7, 9, 11†, 16†, 20 bis: 6. 3, 4, 7, 20,  
25: 7. 2, 25, 25†: 8. 10, 33†: 9. 8, 18 bis: 10.  
12: 11. 14 (οὐκ ὑπάρχει), 29: 14. 4 (οὐ μὴ εἰσὶν):  
15. 22: 18. 9: 19. 18: 20. 23: 21. 13: 22.

22 bis, 24 bis, 26, 28, 29: 23. 3, 4, 6, 10 bis, 13,  
17, 20, 22, 30: 24. 1, 11, 15, 17 bis, 19, 23 (29.  
27)†, 29 (30. 6), 30 (30. 7), 31 (30. 8), 33 (30.  
10), 43 (28), 44 (29), 60 (30. 25) (οὐκ ὑπάρχει),  
71 (31. 3), 72 (31. 4), 75 (31. 7): 25. 6, 8, 9 bis:  
26. 4, 25: 27. 1, 2 bis, 10 bis: 28. 9, 24.

Ec. 5. 1 bis, 3, 4, 4†, 5 bis, 7: 7. 10 (9), 11 (10),  
17 (16), 17 (16)†, 18 (17) bis, 19 (18), 22 (21):  
8. 2, 3: 9. 2, 8: 10. 4, 20 bis: 11. 6, 9†: 12. 1,  
2, 6†.

Ca. 1. 6: 8. 3\*: 7. 2 (3).

Wi. 1. 2 bis, 8, 12: 2. 7, 10: 3. 14: 4. 11, 15:  
9. 4: 10. 8: 11. 25: 12. 15, 26: 14. 5, 17: 16.  
27†: 17. 6†.

Si. 1. 27 bis, 30: 2. 2, 3, 7: 3. 10, 12, 13, 21  
bis, 23: 4. 1 bis, 2 bis, 3 bis, 4 bis, 5 bis, 9, 20, 22  
bis, 23, 25, 26 bis, 27 bis, 29, 30, 31: 5. 1 bis, 2†,  
3†, 4, 5, 6, 7 bis, 8, 9 bis, 14 bis, 15: 6. 1, 2, 7,  
23, 25, 27, 35: 7. 1, 3, 4, 5 bis, 6, 7 bis, 8, 9, 10  
bis, 11, 12, 13, 14 bis, 15, 16, 18, 19, 20, 21, 24,  
25†, 26, 27, 30, 33, 34, 35: 8. 1, 2, 3 bis, 4, 5, 6,  
7, 8, 9, 10 bis, 11, 12, 13, 14, 15, 16 bis, 17, 18,  
19 bis: 9. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 bis, 8, 9 bis, 10, 11,  
12, 13: 10. 6 bis, 26 bis: 11. 2 bis, 4 bis, 7, 8 bis,  
9 bis, 10, 21, 23, 24, 28, 29: 12. 3†, 3, 4, 5 bis,  
7, 10, 12 ter, 12†: 13. 2 bis, 8, 8†, 10 bis, 11 bis,  
12, 24 (ὅ μὴ ἔστιν): 14. 14 bis: 15. 11, 12: 16.  
1 bis, 2, 3 bis, 17†: 17. 15†: 18. 15, 22 bis, 23, 30,  
30†, 32, 32†, 33: 19. 8 bis, 15: 21. 1: 22. 13  
bis, 21, 22: 23. 1 bis, 4, 6 bis, 9 bis, 12, 13, 14†:

25. 13 bis, 14 bis, 21 bis, 25: 26. 11: 27. 7, 20:  
28. 7, 26: 29. 8†, 9, 10, 15, 20, 23†: 30. 10, 11,  
11†, 21 bis, 28 (33. 19) bis, 29 (33. 20), 31 (33. 22),  
38 (33. 28) (καὶ μὴ), 38 (33. 29), 31 (34). 6,  
14†, 14: 32 (35). 4, 8, 12 bis: 33 (36). 9†: 34  
(31). 12, 12†, 14 bis, 16 bis, 17, 18, 22, 25, 31  
quater: 35 (32). 1, 3, 4 bis, 9 bis, 11 bis, 12, 19,  
20 bis, 21: 36. 31 (28): 37. 6 bis, 10, 11, 27,  
29 bis: 38. 9, 11, 12, 16, 20, 21: 40. 28: 41. 3,  
22 bis: 42. 1 bis, 12 bis: 43. 30: 51. 10, 29.

Ho. 2. 9 (11): 4. 6†, 15 quater: 9. 1.

Am. 5. 5 ter, 14, 25\*: 6. 11 (10), 15 (14): 7. 16.

Mi. 1. 10 bis: 2. 6: 4. 9\*: 6. 10\*: 7. 5 bis, 8.

Jl. 2. 13, 17: 3 (4). 4\*.

Ob. 1. 12 ter, 13†.

Jn. 1. 14† bis: 3. 7.

Hb. 1. 13: 2. 5: 8. 8\*.

Ze. 1. 6 bis: 3. 6, 16.

Za. 1. 4, 5\*: 7. 5\*, 10 bis, 11, 12: 8. 6\*, 12\*, 17,  
bis: 9. 8.

Ma. 2. 15: 3. 5, 18: 4. 6 (3. 24).

Is. 1. 30: 5. 6, 8\*, 13, 14: 6. 11 bis: 7. 4, 13\*:  
8. 6, 12†, 16†: 10. 4, 15\*, 24: 13. 2†: 14. 29:  
15. 7\*: 16. 1\*, 3: 21. 3 bis: 22. 4: 23. 8\*: 24.

10: 25. 2†: 27. 7\*: 28. 18, 22, 24\*: 29. 12,  
16\*: 30. 10 bis, 33\*: 35. 4: 36. 5\*, 10\*, 11, 12\*,  
14, 15 bis, 18, 18\*, 19\*: 37. 6, 10, 12\*: 40. 9, 19,  
27, 29: 41. 10 bis, 14: 42. 14\*: 43. 1, 5, 6, 18†, 18:  
44. 2, 8, 21: 45. 9 bis, 9\*: 48. 5† bis: 49. 15\*, 15,  
24\*: 50. 2\*: 51. 7†: 52. 11: 54. 2, 4, 9: 55. 1  
(ὅσοι μὴ ἔχοντες): 56. 2 bis, 3 bis, 6: 58. 1, 2, 11  
(ἡν μὴ ἐξέλιπεν), 13: 59. 1\*, 2: 63. 17: 64. 9 (8)  
bis: 65. 1 bis, 5, 8.

Je. 1. 7, 8, 17: 2. 14\*, 15, 31\*, 32\*: 3. 1\*, 5\*,  
12†: 4. 3, 4, 6, 7: 5. 9\*, 10†, 22\*, 22††, 29\*: 6.  
8 bis, 25 bis: 7. 4, 6 ter, 10, 11\*, 16 bis, 16† bis, 19\*,  
32: 8. 4\*, 19\*, 22\*: 9. 4 (3), 9 (8)\*†, 10 (9), 11  
(10), 12 (11), 23 (22) ter: 10. 2 bis, 5, 24, 25: 11.  
12 (οὐ μὴ σώσονται), 14 bis, 15\*: 12. 6, 9\*: 13. 10,  
12\*, 15: 14. 9\*, 9, 12, 17, 19\*, 21 bis, 22\*: 15.  
15: 16. 1, 5 bis, 5†, 12: 17. 13†, 17, 18 bis, 21†,  
21, 21†, 22†, 23, 23†, 24 bis, 27, 27†: 18. 10,  
14†, 14\*, 23 bis: 19. 15: 20. 14: 22. 3 ter, 6,  
10, 15\*, 16, 18†: 23. 14, 16, 36: 25. 6: 26 (46).  
6 bis, 19, 27, 28: 27 (50). 2, 7, 15, 26, 29: 28  
(51). 3, 6, 29, 50, 62: 30 (49). 1\*: 33 (26). 2,  
19\*, 24 bis: 34 (27). 9, 16: 36 (29). 6, 8 ter: 38  
(81). 2: 39 (32). 27\*, 40: 40 (38). 10, 12: 41  
(34). 9, 18†: 42 (35). 8, 9, 14: 43 (36). 19, 25†:  
44 (37). 9: 45 (38). 14 (μὴ ῥῆ)†, 19, 24, 25 (μὴ  
ῥῆ)†, 26: 47 (40). 9, 15†, 16: 48 (41). 8: 49  
(42). 11 bis, 13, 19: 50 (43). 2: 51 (44). 4†, 5, 7,  
9\*, 19\*: 51. 35 (45. 5)†.

Ba. 1. 19: 2. 5: 8. 5, 28: 4. 3.

La. 1. 4, 6†, 10: 2. 18 bis: 3. 49, 56†, 57†: 4.  
14, 15, 18.

Ep. Je. 5, 16, 23, 27† ter, 29, 41†, 45†, 65, 67†  
bis, 69.

Ex. 2. 6 ter, 8: 3. 9, 21: 4. 8†: 7. 12 bis: 8. 15\*†,  
17\*: 9. 5 bis, 6: 13. 3, 22: 15. 4\*, 5\*, 5\*†: 17.  
10\*, 14, 18\*: 18. 23††, 25\*, 29\*: 20. 7, 15, 18  
quater: 21. 30 (35): 22. 30: 24. 8: 26. 19: 28.  
3\*, 4\*, 9\*: 29. 15: 33. 4, 8\*, 15, 28: 34. 2†,  
5, 8, 10: 36. 31: 44. 2: 46. 20.

Da. LXX. Su. 9, 23, 51: 2. 24: 3. 6, 11, 15, (34) bis,  
(35), (42): 9. 11, 19: 10. 12, 19: Bel 8, 23\*, 37.

Da. TH. Su. 9, 23, 43: 2. 24: 3. 6, 11, (34) bis,  
(35), (42): 4. 16†: 5. 10 bis: 9. 11, 19: 10. 12,  
19: Bel 7, 19, 24††.

I Ma. 1. 50, 62: 2. 62: 3. 22: 4. 8 bis, 17: 5.  
19, 42: 6. 15†: 7. 3, 28, 38: 9. 10 bis, 71: 10.  
16\*, 38: 11. 22: 12. 10, 44: 13. 5, 16, 46: 15.  
25†.

II Ma. 1. 5, 20: 2. 3†, 11: 3. 5, 6, 18†: 4. 19,  
19†: 6. 1, 4, 9, 12 bis, 13: 7. 16, 18, 19, 29, 34:  
8. 16: 9. 12: 10. 4: 11. 24: 12. 14 (ἀ μὴ θέμεις):  
13. 11: 14. 32, 43: 15. 8, 17.

III Ma. 1. 11, 15, 27, 29: 2. 17, 23, 28: 3. 9\*,  
15: 4. 13, 16 bis: 6. 6, 11, 24.

IV Ma. 2. 6, 10, 13, 19: 3. 2, 4: 4. 3, 13: 5. 8,  
18 (εἰ καὶ μὴ), 19, 37: 6. 7, 17, 21: 8. 1, 5, 17†,  
24: 9. 3, 7, 23: 10. 13: 11. 16, 25: 13. 10, 14,  
18: 14. 1, 11: 16. 22, 23: 17. 20.

[Aq. GE. 3. 2 (1)\*, 2 (1): 18. 20 (μὴ ῥῆ): 49. 4,  
6: 50. 19\*: EX. 28. 21: Jo. 10. 19: I Ki. 15.  
6: 16. 11\*: 19. 24:



iv Ki. 1. 16: Jb. 3. 8: 4. 11: 6. 29: 10. 2: 11. 14: 13. 20: 16. 3\*: 20. 26: 27. 9, 20: 88. 18\*: 40. 27 (32): Ps. 4. 5: 6. 2 bis: 18 (19). 4: 24 (25). 2, 7, 20: 25 (26). 9: 26 (27). 9 ter: 27 (28). 1, 3: 36 (37). 1: 38 (39). 9, 13: 50 (51). 13: 61 (62). 11: 71 (72). 7: 76 (77). 10\*: 82 (83). 2: 88 (94). 20\*: 108 (109). 1: 118 (119). 10. 121: 120 (121). 3: 131 (132). 10: 140 (141). 8: Pr. 3. 1, 30: 5. 7, 16: 6. 25, 27\*: 14. 4: 19. 18: 23. 4: 24. 17, 19, 28: 25. 6: 30. 7: Is. 28. 22, 24\*: 40. 19\*: 41. 14: 57. 6\*: 62. 6: 64. 9 (8): Jc. 2. 2: 7. 16: 8. 18: 9. 11 (10): 13. 23\*: 14. 21, 22\*: 15. 12\*: 18. 23 bis: 19. 11: 27 (84). 17: 31 (38). 36: 32 (39). 40: 34 (41). 9: 36 (43). 19: 37 (44). 9, 20: 38 (45). 24: 40 (47). 9: 44 (51). 22: 49. 7 (29. 8\*: 51 (23). 29, 37: Ez. 13. 22: 17. 14, 15\*: 18. 18: 20. 9: Ho. 4. 15: Mi. 1. 10: 2. 6: Ma. 2. 13: 3. 8\*.]

[Sm. Ge. 18. 25: 45. 24: 50. 19\*: Ex. 21. 8\*: 23. 21: 28. 28: Jo. 10. 19: Jd. 16. 7: i Ki. 10. 11\*: 15. 22\*: 18. 23\*, 26: 22. 15: 25. 25, 33: i Ki. 2. 20\*: Jb. 3. 4, 9: 6. 5\*, 6: 7. 6: 8. 3\*: 10. 2: 11. 2\*, 14: 13. 10\*: 15. 8\*: 21. 22\*: 22. 3\*: 23. 6: 25. 3\*: 26. 5\*: 27. 9, 20: 36. 20: 38. 4\*, 18\*: 39. 35 (40. 5): 40. 24 (29)\*, 26 (31)\*: Ps. 4. 5: 6. 2: 14 (15). 4: 24 (25). 7: 25 (26). 9: 28 (27). 9 bis, 12: 27 (28). 1 bis, 3: 29 (30). 4, 10\*: 34 (35). 8 (9) ὁ δὲ, 22, 25: 88 (37). 1: 38 (39). 2, 3, 9, 13, 14: 43 (44). 24: 50 (51). 13: 58 (59). 5: 61 (62). 11 bis: 62 (63). 2: 65 (66). 7, 9, 18: 68 (69). 7 bis, 26: 70 (71). 9: 72 (73). 22: 73 (74). 23: 74 (75). 5 bis, 6: 77 (78). 38: 80 (81). 10: 82 (83). 2, 5: 87 (88). 9: 93 (94). 20\*: 108 (109). 1: 118 (119). 130: 120 (121). 3: 131 (132). 10: 137 (138). 8: 139 (140). 9 bis: 140 (141). 4, 8: Pr. 1. 8: 3. 1, 5, 11 bis: 4. 12, 21: 6. 25, 27\*: 14. 4: 22. 22, 24: 23. 10: 24. 15, 17, 19, 28: 25. 6, 8: 26. 20: 30. 7, 10: Ec. 1. 15: 5. 1: 7. 15 (14): 8. 3 bis, 11: 10. 4, 20: 11. 5 (ἐπεὶ μὴ ὁδός), 6, 8: Is. 2. 9: 5. 8: 8. 11: 16. 3: 28. 20, 24\*: 30. 10: 33. 1, 21 (ὅπου μὴ): 38. 17: 40. 28\*: 41. 14: 43. 18: 49. 24\*: 54. 9 bis: 57. 1, 6\*: 62. 6: 64. 12 (17)\*: 66. 9\*: 72 (78). 14: 7. 6: 14. 21 bis: 15. 12\*: 20. 9: 22. 15\*: 27 (34). 17: 34 (41). 9: 35 (42). 13: 37 (44). 9, 20: 40 (47). 9: 44 (51). 4 (μὴ δὴ): 49. 11 (29. 13): 50 (27). 33: 51 (28). 6: La. 3. 49: Ez. 3. 18, 20 (ἐπεὶ μὴ προσηλάσας): 13. 7, 22: 18. 18: 20. 39: 22. 14\*, 24: 26. 18: Da. 4. 16: Ho. 4. 15: 7. 16: Mi. 1. 10: 2. 6: Ma. 2. 13: 3. 8\*.]

[Th. Ge. 4. 7: 49. 4: Jo. 10. 19: Jd. 11. 25\*: 16. 7: 19. 20: i Ki. 28. 12\*: 25. 33: i Ki. 1. 21: 14. 13: Jb. 3. 16: 11. 14: 13. 20: 20. 4\*, 26: 22. 4\*, 15\*: 26. 5\*: 27. 9, 20: 36. 20: 38. 18\*: 39. 11, 32\*: 40. 23 (28)\*: Ps. 36 (37). 1: 38 (39). 2, 13: 50 (51). 13: 61 (62). 11: 108 (109). 1: 120 (121). 3: 131 (132). 10: 140 (141). 8: Pr. 3. 1, 5, 11: 4. 21: 5. 43: 6. 25, 27\*: 7. 25: 15. 22: 17. 12: 20. 19: 23. 23: 24. 17, 19, 28: 25. 6: 30. 7, 10: 15. 5. 8: 7. 13\*: 10. 4: 16. 3: 28. 20, 22, 24\*: 30. 6: 41. 14: 44. 8: 49. 15: 54. 9 ter: 57. 1, 6\*: 58. 13: 62. 6, 7: Jc. 2. 2: 14. 19\*: 19. 11: 27 (34). 17, 18: 29 (36). 16: 30 (37). 10: 33 (40). 20, 21, 24, 26: 39 (46). 12: 44 (51). 22: 51 (28). 37: Ez. 17. 14, 15\*: 18. 18: 22. 14\*: 24. 14: Da. 4. 16\*: Ho. 4. 15: Ma. 2. 13: 3. 8\*.]

[Al. Ge. 45. 24: I. E. 18. 31: 25. 14: 26. 13: Nu. 12. 12: 14. 9: 16. 15: 22. 30\*: 27. 8: Dt. 2. 5: i Ki. 9. 20: 22. 15: i Ki. 8. 33\*: i Ch. 4. 10: Ps. 9. 20: 139 (140). 9: 140 (141). 4: 142 (143). 7: Pr. 1. 15: 3. 11: 22. 24: 24. 21: Ca. 2. 7: Jc. 10. 1: 12. 9\*.]

[Sam. Ge. 50. 19: Heb. Ge. 17. 14: 49. 5 bis.]

[Quint. Ps. 26 (27). 9: 36 (37). 1: 38 (39). 9: 55 (56). 8: 93 (94). 20\*: 137 (138). 8: Ho. 4. 15.]

μή οὐ, μη οὐχί.

Nu. 11. 23. Jd. 6. 13†: 9. 38†: 10. 11†: 14. 3: 15. 2†. i Ki. 6. 3: 20. 3. iv Ki. 18. 35†: 20. 19†. Jb. 22. 12†. Ec. 6. 6. Si. 7. 6. Am. 2. 11.

Is. 50. 2: 59. 1.

Je. 23. 24.

i Ma. 3. 30.

[Aq. iv Ki. 19. 25: Ps. 18 (14). 4: [Sm. Dt. 32. 34: Jd. 10. 11: Jb. 13. 11: Ps. 18 (14). 4: 55 (56). 9: Is. 7. 13: Jc. 22. 15: AM. 9. 7\*.]

μή ποτε. \* μή ποτε οὐ \*\* interrog.

Ge. 3. 22: 19. 17, 19†: 20. 2: 24. 5\*, 39 (ind. fut.†)\*: 26. 7, 9: 27. 12, 45: 31. 24, 29, 31: 32. 11 (12): 38. 11, 23: 42. 4: 43. 12: 47. 18\*: 50. 15. Ex. 1. 10: 5. 3 (ind. fut.†): 13. 17: 19. 21, 22, 24: 20. 19†: 32. 12: 34. 12, 12†, 15.

Nu. 16. 34.

De. 9. 28†.

Jo. 6. 17 (18).

Jd. 3. 24\*: 7. 2: 9. 54: 14. 15: 15. 12: 18. 25.

Ru. 4. 6.

i Ki. 4. 9†: 23. 22.

ii Ki. 1. 20 bis: 17. 16: 20. 6.

iii Ki. 18. 27 bis.

iv Ki. 2. 16.

ii Es. 4. 22: 6. 8: 7. 23.

Ne. 6. 3.

To. 2. 13†: 3. 10†: 8. 10††: 10. 2\*\* bis.

Ju. 5. 21.

Jb. 1. 5.

Ps. 2. 12: 7. 2: 12 (13). 3, 4: 27 (28). 1: 37 (38).

16: 49 (50). 22: 58 (59). 11: 78 (79). 10: 90 (91). 12: 113. 10 (115. 2): 139 (140). 8.

Pr. 22. 25: 23. 9: 24. 33 (30. 10): 25. 16, 17 (ind. fut.†).

Ec. 7. 17 (16).

Ca. 1. 7.

Si. 7. 6: 8. 1, 2: 9. 3, 4, 5, 9: 11. 33: 12. 12: 19. 7†, 13\*, 13\*†, 14\*†: 23. 14: 30. 12 (ind. fut.†): 34 (31). 17: 37. 8: 42. 9 bis, 10 ter, 11.

Is. 6. 10: 8. 12†.

Je. 47 (40). 15†.

Ep. Je. 27† ter.

Da. Th. 1. 10.

i Ma. 4. 45, 60 (ind. fut.†): 12. 40 bis: 13. 17.

ii Ma. 3. 32: 14. 22.

iii Ma. 3. 24: 7. 4†.

iv Ma. 4. 13.

[Aq. Ex. 19. 22: i Ki. 20. 3: Ps. 2. 11: 27 (28). 1: 90 (91). 12: Jc. 1. 17: 51 (28). 6: Ho. 7. 2.]

[Sm. Ps. 2. 11: 58 (59). 12: 139 (140). 11: Pr. 5. 9: Jc. 1. 17: 6. 8.]

[Th. Jc. 1. 17.]

[Al. Dt. 7. 25: Ps. 139 (140). 9, 11.]

μή πως.

Si. 28. 26 (ind.†).

[Sm. Is. 6. 10.]

μή τις, μή τι.

\* μή τι οὐ.

Ge. 18. 30, 32: 20. 9.

De. 29. 18 (17) bis.

ii Es. 7. 23†.

Jb. 6. 22: 25. 3.

Pr. 3. 30.

Ma. 3. 8†.

Da. LXX. Bel 15.

[Aq. Ex. 2. 14: Jd. 4. 14\*: Jb. 4. 2: 7. 1\*: 10. 3: 11. 7: 14. 14: 15. 2, 8: 23. 6: 26. 5: 38. 28: 40. 26 (31): 15. 14. 22\*: 24. 12\*: Is. 7. 13: 66. 8, 9: Ez. 18. 7, 12\*: AM. 9. 7\* bis: Mi. 2. 7\*: ZA. 8. 2\*.]

[Sm. Ex. 2. 14: Jb. 6. 6: 40. 3 (8): AM. 9. 7\*.]

[Th. Jb. 14. 14.]

[Al. i Ki. 22. 7: Jb. 10. 3: 13. 9.]

μηδ (ῥ).

(1) ἡδ

Ne. 12. 39. 8† ἀπὸ πύργου τοῦ μ. (1)

μηδαμῶθεν.

Wi. 17. 10. τὸν μηδαμῶθεν φευκτὸν αἶρα προσιδεῖν ἀρνούμενοι

μηδαμῶς. (1) ἡδ (2) α. ἡδ δ. ἡδ-ἡδ

(3) ἡδ (4) α. ἡδ ἡδ ἡδ ἡδ δ. ἡδ ἡδ ἡδ

(ἡδ ἡδ)

Ge. 18. 25. μ. σὺ ποιήσεις ὡς τὸ ῥῆμα τοῦτο (4 b)

— 25. καὶ ἔσται ὁ δίκαιος ὡς ὁ ἀσεβὴς μ. (4 a)

Ge. 19. 7. μ., ἀδελφοί, μὴ ποτηρεύσασθε (2 b)

Jd. 19. 23. Α. μ. [B μὴ], ἀδελφοί, μὴ κακοποιή- (2 a)

σθε (2 a)

i Ki. 2. 30. μ. ἐμοί (2 a)

12. 23. B καὶ ἐμοί μ. τοῦ ὁμαρτεῖν τῷ κ. (4 b)

20. 2, 9. μ. σοι [A σύ] (4 a)

22. 15. μ. μὴ δότω ὁ βασις. (4 a)

24. 7. μ. μοι παρὰ κυρίου [A -φ] (4 a)

26. 11. μ. μοι [A om.] παρὰ κυρίου (4 a)

To. 10. 10. 8 εἶπεν αὐτῷ, M.

Ju. 8. 14. μ., ἀδελφοί, μὴ παροργίζετε

Jn. 1. 14. ἀνεβόησαν . . . καὶ εἶπαν, M., κύριε (3)

Ez. 4. 14. εἶπα, M., κύριε (1)

20. 49 (21. 5). μ., κύριε (1)

Da. LXX. Bel 6. μ. μηδεῖς σε παραλογίζεσθω

ii Ma. 7. 25. τοῦ δι' ἐνεννίου μ. προσέχοντος

15. 2. μ. ὅπως ἀγρίως . . . ἀπολέσῃς

— 36. μ. ἔσται ἀπαράσιμῶν τὴν ἡμέραν

[Sm. Ge. 8. 23 (22): Ez. 4. 14.]

[Th. i Ki. 1. 15.]

μηδ.

Ge. 19. 17: 21. 23 bis: 22. 12: 31. 52†: 45. 5.

Ex. 4. 1, 8, 9: 34. 3†.

Le. 25. 20: 26. 14.

De. 1. 21, 29: 2. 19†: 20. 3 bis: 22. 2: 31. 6 bis, 8.

Jo. 1. 9: 6. 9 (10)†: 8. 1: 10. 25: 22. 19†.

i Ki. 16. 7.

ii Ki. 1. 21†: 17. 13.

iii Ki. 8. 57.

i Ch. 22. 13: 28. 20.

ii Ch. 20. 15, 17: 32. 7†.

i Es. 8. 22.

Ne. 8. 9.

Da. 3. 9†.

Es. 1. 19: 4. 16.

Jb. 3. 4, 6, 7, 9†: 16. 19 (18): 20. 17: 40. 3 (8)†.

Ps. 6. 1: 7. 2: 24 (25). 2: 34 (35). 25: 36 (37).

1: 37 (38). 1: 68 (69). 15 (38): 82 (83). 1: 108 (109). 12: 120 (121). 3.

Pr. 1. 10: 8. 11, 31: 4. 5, 6† bis, 14, 27: 5. 20: 6. 4, 7 bis, 25 bis: 9. 18: 23. 6, 7, 20: 24. 1, 15, 19, 43 (28): 25. 6.

Ec. 7. 17 (16)†.

Wi. 1. 12: 2. 10: 3. 14: 4. 15: 10. 8: 13. 18.

Si. 7. 4, 12, 18, 20: 9. 1: 16. 1†: 17. 28: 18. 3†: 25. 25.

Ho. 9. 1.

Mi. 2. 6: 5. 7 (6).

Ob. 1. 13 bis, 13†, 14 bis.

Jn. 3. 7 bis.

Zc. 3. 6.

Za. 9. 8: 14. 18.

Is. 1. 20: 7. 4: 28. 22: 44. 8†: 54. 4, 9.

Je. 1. 17: 22. 10: 26 (40). 27.

Ez. 2. 6: 3. 9: 26. 20.

Da. LXX. Su. 9: 3. 28 (95): 6. 12 (13) bis: Bel 30.

Da. Th. Su. 9: 3. 28 (95)†.

ii Ma. 8. 16: 9. 12, 15: 13. 7.

iii Ma. 1. 11 bis: 2. 17 bis, 22: 4. 11, 11†: 7. 11.

iv Ma. 2. 13†: 6. 24, 35†: 8. 24: 9. 23: 13. 18.

[Aq. Pr. 4. 14: Is. 62. 7: Jc. 7. 16 bis.]

[Sm. Jb. 8. 6: 35. 15: Ps. 24 (25). 2: 26 (27). 9: 68 (69). 16: 50 (51). 10: 140 (141). 4: Ec. 7. 22 (21): Is. 54. 9: 62. 7: Jc. 7. 16: Ez. 3. 9, 18.]

[Th. Pr. 4. 14: Is. 44. 8: 58. 13 bis: 62. 7: Jc. 30 (37). 10.]

[Al. Pr. 8. 31: 6. 25: Ca. 2. 7.]

μηδέποτε.

Si. 19. 7†.

iii Ma. 3. 16: 7. 4†, 11.

μηδεῖς, μηθείς. (1) ἡδ (2) α. ἡδ δ. ἡδ

c. pccp. (8) ἡδ c. neg. (4) ἡδ (5) ἡδ

(6) ἡδ c. neg. (7) ἡδ (8) ἡδ

(9) ἡδ (10) τὰ μηδὲν ὄντα ἡδ

(11) μηδὲν πιστὸν ἡδ

Ge. 19. 8. Α. μὴ ποιήσῃς μηδὲν [B om.]

ἀδικῶν (5)

Εκ. 16. 29. μ. ἐκπορεύεσθω [Α μ. ἑμὼν ἐκπ. (3)  
 22. 10 (9). εἰν . . . μ. γῆφ (2 δ)  
 34. 3. καὶ μ. ἀναβῆτω μετὰ σοῦ (3)  
 — 3. μηδέ [Α καὶ μηδεῖς] ὀφθῆτω (3)  
 Nu. 16. 40 (17. 5). ὅπως ἂν μὴ προσέλθῃ μ.  
 ἀλλογενεῖς (3)  
 De. 28. 55. Α διὰ τὸ μὴ καταλείβεσθαι αὐτῶ  
 μηδὲν [Β οὐδέν] (6)  
 Jo. 6. 9 (10). μηδὲ ἀκουσάτω μηδεῖς ὑμῶν ἐν  
 φωνῇ — (3)  
 I Ki. 12. 21. Β μὴ παραβῆτε ὀπίσω τῶν μηδὲν  
 ὄντων (10)  
 21. 2 (3). μηδεῖς γινώτω [Α μ. γν. μ.] τὸ ῥῆμα (3)  
 III Ki. 18. 40. μηδεῖς σωθῆτω ἐξ αὐτῶν (3)  
 IV Ki. 10. 21. Β μηδεῖς ἀπολείπεσθω — (3)  
 I Es. 2. 28. Β ὅπως μηδὲν [ΑΒ μηδὲν] παρὰ ταῦτα  
 γένηται — (3)  
 8. 7. εἰς τὸ μηδὲν παραλείπειν τῶν ἐκ τοῦ νόμου  
 — 22. ὅπως . . . μ. φορολογία . . . γίνηται (3)  
 — 22. μηδένα ἔχειν ἐξουσίαν ἐπιβαλεῖν τι τούτοις  
 To. 4. 15. ΑΒ δ μῆσαι μὴ ἐνὶ ποιήσῃς (10)  
 6. 15. τοῦ δαίμονι μὴδένα λόγον ἔχε [Β αλ.] (3)  
 8. 12. ἵνα . . . μηδεῖς γῆφ [Α Β αλ.] (3)  
 11. 16. Β καὶ οὐ μὴδὲν χειραγωγούμενον (3)  
 14. 4. Β<sup>3</sup> οὐ μὴδὲν [Β<sup>2</sup> οὐ μὴ οὐδὲν] ἐλαττωσθῇ (3)  
 Es. 4. 1. ἀρεταὶ ἔθνων μὴδὲν ἡδικηκῶς (3)  
 Jb. 12. 5. μηδεῖς [Β -θεῖς] πεποιθῆτω πονηρὸς  
 ὢν ἀδὸς ἔσεσθαι — (3)  
 39. 34 (40. 4). Α μὴδὲν ἂν ἐγὼ [Β Β αλ.] (3)  
 Ps. 56 (56). 7. ὑπὲρ τοῦ μηδενὸς σώσεις αὐτοῦς (1)  
 80 (81). 14. ἐν τῷ μηδενὶ ἂν τοὺς ἐχθρούς αὐτῶν  
 ἐταπεινώσῃ (9)  
 Pr. 2. 12. ἀπὸ ἀνδρὸς λαλοῦντος μὴδὲν πιστόν (11)  
 5. 17. μηδεῖς ἀλλότριος μετασχεῖται σοι (2 α)  
 13. 7. εἰσὶν οἱ πλουτίοντες ἑαυτοὺς μὴδὲν  
 ἔχοντες (6)  
 23. 9. εἰς ὅσα ἀφρονος μὴδὲν λέγει (4)  
 24. 23 (29. 27). μὴδὲν ψεύδος ἀπὸ γλώσσης  
 βασιλεὺς λεγέσθω — (3)  
 28. 1. φεύγει ἀρετὴς μὴδενὸς δώκοντος (2 β)  
 Ec. 7. 15 (14). ΑΒ ἵνα μὴ εὐρὴ ἀνθρώπος ὀπίσω  
 αὐτοῦ μὴδὲν [Β οὐδὲν] (8)  
 Wi. 2. 9. μηδεῖς ἡμῶν ἄμοιρος ἔστω τῆς ἡμετέρας  
 ἀγρυπνίας — (3)  
 17. 9. εἰ μὴδὲν αὐτοὺς παραχάδεσ [Β<sup>3</sup> τερατώδεσ]  
 ἐφθάρη (3)  
 Si. 4. 25. Β<sup>3</sup> μὴ ἀντίλεγε τῇ ἀληθείᾳ κατὰ μὴδὲν  
 [ΑΒΒ<sup>1</sup> οἱ κατὰ μ.] (3)  
 10. 6. μὴ πράσσει μὴδὲν ἐν ἔργῳ ὕβρεως (3)  
 11. 28. πρὸς τελευτῆς μὴ μακάριζε μὴδένα (3)  
 30. 32 (33. 29). ἀνεκ κρίσεως μὴ ποιήσῃς μὴδὲν  
 35 (32). 19. ἀνεκ βουλής μὴδὲν [Α μὴδὲν] ποιήσῃς  
 Ho. 4. 4. ὅπως μ. μήτε δικάζῃται μήτε ἐλέγχῃ μ. (3, 8)  
 Mi. 5. 7 (6). ὅπως μ. συναχθῇ μηδεῖς (3 ?)  
 Ju. 3. 7. ΒΒ μὴ γενοσάσθων μὴδὲν [Α -θεν, Β οἱ μ.]  
 μὴδὲν μεσάσθων [Β<sup>1</sup> add. μὴδὲν] (8, -)  
 Ze. 3. 6. παρὰ [Α Β<sup>3</sup> διὰ] τὸ μὴδένα ὑπάρχειν (3)  
 Is. 36. 21. διὰ τὸ προστάζει τὸν βασιλεῖα μὴδένα  
 [Β<sup>1</sup> -ἐν] ἀποκριθῆναι (7)  
 Je. 47 (40). 15. μ. γινώτω (3)  
 51 (44). 7. πρὸς τὸ μὴ καταλειφθῆναι ὑμῶν μὴδένα †  
 Ba. 4. 12. μ. ἐπιχαίρετω μοι τῇ χηρᾷ (3)  
 Da. LXX. 2. 35. ὥστε μὴδὲν καταλειφθῆναι ἐξ  
 αὐτῶν (6 ?)  
 Bel 6. μηδεῖς σε παραλογίζεσθω  
 Da. TH. Su. 43. ἀποδυνήσω μὴ ποιήσασα μὴδὲν  
 I Ma. 10. 63. τὸ μὴδένα ἐντυγχάνειν . . . περὶ μ.  
 πράγματος καὶ μηδεῖς αὐτῶ παρανοχλεῖτω  
 II Ma. 12. 3. ὥς μὴδεμίας ἐνεστάσῃς πρὸς αὐτοὺς  
 δυσμενείας — (3)  
 — 4. καὶ μὴδὲν ὑποσπονδὴν ἔχοντων (3)  
 14. 28. μὴδὲν τὰνδρὸς ἡδικηκός (3)  
 III Ma. 2. 28. μὴδένα . . . εἰς τὰ ἱερὰ αὐ. εἰσέναι (3)  
 4. 9. Β παροραθήσεται . . . μὴδὲν ἡγνοῦνός (3)  
 4. 13. μὴ λειτουργοῖς κατὰ μ. τρώπων τῆς ἐκείνων  
 τιμωρίας (3)  
 7. 8. μὴθενὸς αὐτοὺς τὸ σύνολον καταβλάπτοντος  
 — 21. ὑπὸ μὴθενὸς διασεισθέντος τῶν ὑπαρχόντων  
 IV Ma. 4. 24. κατὰ μὴδ. τρόπον ἰσχυρὰ καταλῦσαι  
 6. 35. Β καὶ μὴδὲν [ΑΒ μὴδὲ] αὐταῖς ὑπέκειν  
 9. 12. μὴδὲν ἀνίσταται (3)  
 10. 7. κατὰ μὴδένα τρόπον ἰσχύοντες αὐτὸν ἀγχαί  
 [Sm. Ju. 18. 7 ὅς: IV Ki. 23. 10: CA. 8. 1: †  
 Je. 88 (45). 24: Ez. 13. 3: 33. 28.] (3)  
 [Aq. Je. 39 (46). 12.] (3)

μηδέποτε, vid. sub μηδέ.  
 μηδέτερος, μηδέτερος.  
 Pr. 24. 21. μηδετέρφ [Α μὴδ.] αὐτῶν ἀπειθήσῃς †  
 μηελωεῖμ.  
 [Hob. Ps. 8. 6.] (3)  
 μῆγν.  
 [Hob. Ma. 2. 13.] (3)  
 μηθεῖς, vid. μηδεῖς.  
 μηθότερος, vid. μηδέτερος.  
 μηκέτι. (1) α. 𐤍𐤊𐤃 δ. 𐤍𐤊𐤃𐤃 (2) 𐤍𐤊𐤃  
 (3) 𐤍𐤊𐤃  
 Ex. 38. 6. ἀνὴρ καὶ γυνὴ μ. ἐργασέσθων (1 δ)  
 Jo. 22. 33. εἰπαν μ. ἀναβῆναι πρὸς αὐτοὺς (2)  
 II Ch. 16. 5. τοῦ μ. οἰκοδομῆν τὴν 'Ρ. (3)  
 To. 8. 10. Β ὅπως . . . μ. ὀνειδισμὸς ἀκούσω  
 — 13. μὴ ἀκούσαι με μ. ὀνειδισμῶν (3)  
 — 15. Β μ. ἐλεῆσαι με [ΑΒ Β αλ.] (3)  
 5. 9. Β οἱ μ. θεωροῦντες τὸ φῶς (3)  
 6. 7. Β μ. [Α οὐκέτι οὐ μὴ, Β οὐ μ.] ὀχληθῇ [Β αλ.] (3)  
 14. 10. μ. αὐλισθῆτε εἰς Νινευὴ [Β αλ.] (3)  
 Jb. 40. 27 (32). ΑΒ<sup>3</sup> Β καὶ μ. γινέσθω (1 α)  
 Si. 21. 1. τέκνον, ἡμᾶρες μὴ προσθῇς μ. (1 α)  
 I Ma. 13. 39. μ. τελευτήσῃς (1 α)  
 II Ma. 4. 14. ὥστε μ. . . προθύμους εἶναι τοὺς ἱερεῖς  
 10. 4. μ. περὶπεσιτοῖς τοῖς κακοῖς (1 α)  
 III Ma. 4. 17. μ. ἰσχύειν τὴν τῶν 'Ι. ἀπογραφὴν  
 ποιέσθαι (1 α)  
 [Sm. Ez. 32. 13.] (3)  
 μῆκος. (1) α. 𐤍𐤊𐤃 δ. 𐤍𐤊𐤃𐤃  
 Ge. 6. 15. τριακοσίων πῆχων τὸ μῆκος (1 α)  
 12. 6. Β δώδεκον . . . τὴν γῆν [Α οἱ τ. γ.] (1 α)  
 — εἰς τὸ μ. αὐτῆς — (3)  
 13. 17. διώδοντες τὴν γῆν εἰς τε τὸ μῆκος αὐ. (1 α)  
 Ex. 26. 9 (10), 16 (17). δύο πῆχων καὶ ἡμίσεως  
 τὸ μ. (1 α)  
 — 22 (23). ποιήσεις τράπεζαν . . . δύο πῆχων  
 τὸ μ. (1 α)  
 26. 2. μ. τῆς αὐλαίας . . . ὀκτὼ . . . πῆχων (1 α)  
 — 8. τὸ μ. τῆς δερρέως . . . τριακοντα πῆχων (1 α)  
 — 13. Β ἐκ τοῦ μ. τῶν δερρέων (1 α)  
 27. 1. πέντε πῆχων τὸ [Α οἱ μ.] (1 α)  
 — 9. μ. ἑκατὸν πῆχων τὸ ἐνὶ κλίτει (1 α)  
 — 11. ἰστία ἑκατὸν πῆχων μ. (1 α)  
 — 18. τὸ δὲ μ. τῆς ἄλλης ἑκατὸν ἐφ' ἑκατόν (1 α)  
 28. 16. διπλοῦν σπιθαμῆς τὸ μ. αὐτοῦ [Α οἱ μ.] (1 α)  
 30. 2. ποιήσεις αὐτὸ πῆχους τὸ μ. (1 α)  
 36. 16 (39. 9). σπιθαμῆς τὸ μ. [Α add. αὐτοῦ] (1 α)  
 37. 2 (38. 9). εἰκοσι πῆχων μ. τῆς αὐλαίας (1 α)  
 — 16 (38. 18). εἰκοσι πῆχων τὸ μ. (1 α)  
 38 (37). 1. Α δύο πῆχων καὶ ἡμίσεως τὸ μ. αὐ. (1 α)  
 De. 3. 11. ἐνῆκα πῆχων τὸ μ. αὐτῆς (1 α)  
 Jd. 8. 16. σπιθαμῆς τὸ μ. αὐτῆς [Α οἱ μ.] (1 α)  
 III Ki. 6. 2. Β<sup>3</sup> τεσσαράκοντα [Β<sup>2</sup> add. πῆχους]  
 μῆκος αὐ. [Α αλ.] (1 α)  
 — 3. εἰκοσὶν ἐν πῆχει μῆκος αὐ. (1 α)  
 — 20. εἰκοσι πῆχους μῆκος (1 α)  
 7. 27. πέντε πῆχους μῆκος τῆς μεχ. τῆς μᾶς  
 — 2. ἑκατὸν πῆχους [Α add. τὸ] μῆκος αὐ. (1 α)  
 — 6. τὸ ἀλῆμ τῶν στύλων πεντήκ. μῆκος  
 [Α αλ.] (1 α)  
 II Ch. 3. 3. μῆκος πῆχων ἡ διαμετρήσις ἡ πρώτη (1 α)  
 — 4. μῆκος . . . πῆχων εἰκοσι (1 α)  
 — 8. μῆκος αὐτοῦ ἐπὶ πρόσωπον (1 α)  
 — 8. καὶ τὸ μ. [Α εὖρος] πῆχων εἰκοσι †  
 — 11. τὸ μ. πῆχων εἰκοσι (1 α)  
 4. 1. εἰκοσι πῆχων μῆκος (1 α)  
 6. 13. πέντε πῆχων τὸ μ. αὐτῆς (1 α)  
 24. 13. ἀνέβη μῆκος τῶν ἔργων (1 δ)  
 Ju. 1. 2. εἰς μῆκος πηλῶν ἐξ — (3)  
 — 2. Α εἰποίησε τὸ μ. [ΒΒ ὕψος] τοῦ τεύχους  
 7. 3. παρέτευναν . . . εἰς μῆκος (1 α)  
 Pr. 3. 2. μῆκος γὰρ βίου . . . προσθήσουσί σοι (1 α)  
 — 16. μῆκος γὰρ βίου . . . ἐν τῇ δεξιᾷ αὐ. (1 α)  
 16. 17. μῆκος δὲ βίου ὁδοὶ δικαιοσύνης — (3)  
 Za. 2. 6 (6). τοῦ ἰδεῖν . . . πηλίκον τὸ μῆκος (1 α)  
 5. 2. ὁρῶ δρέπανον . . . μῆκους [Α μῆκος] πῆ-  
 χων εἰκοσι (1 α)  
 [Je. 62. 22. πέντε πῆχων τὸ μ. † (1 α)  
 Ez. 40. 7. τὸ θεῖ ἴσον τῷ καλᾷ τὸ μ. (1 α)

Ez. 40. 7. Β καὶ ἴσον τῷ καλᾷ μ. — (3)  
 — 8. τὸ θεῖ τὸ τρίτον ἴσον τῷ καλᾷ μ. —  
 [Α τὸ μ.] (3)  
 — 18. κατὰ τὸ μ. τῶν πυλῶν τὸ περίστυλον (1 α)  
 — 20. διεμέτρησεν αὐτὴν τὸ τε μ. αὐτῆς (1 α)  
 — 21, 25. πηλῶν πεντήκοντα τὸ μ. αὐτῆς (1 α)  
 — 30 (29). πῆχους πεντήκοντα τὸ μ. αὐτῆς (1 α)  
 — 30. αἰλαμῶδ κύκλω μ. πέντε καὶ εἰκοσι  
 πῆχων (1 α)  
 — 33. πῆχους πενήκοντα μ. αὐτῆς (1 α)  
 — 36. πῆχους πενήκοντα [Α add. τὸ] μ. αὐτῆς (1 α)  
 — 42. πῆχων δύο ἡμίσεως τὸ μ. (1 α)  
 — 47. διεμέτρησε τὴν αὐλήν μ. πῆχων ἑκατόν (1 α)  
 — 49. τὸ μ. τοῦ ἀλῆμ πηλῶν εἰκοσι (1 α)  
 41. 2. διεμέτρησε τὸ μ. αὐ. πηλῶν [Α -χεῖς]  
 τεσσαράκοντα (1 α)  
 — 4. διεμέτρησε τὸ μ. τῶν θυρῶν πηλῶν τεσσα-  
 ράκοντα [Α αλ.] (1 α)  
 — 12. μ. αὐτοῦ πῆχων ἐνενήκοντα (1 α)  
 — 13. διεμέτρησε κατὰν τοῦ οἴκου μ. πηλῶν  
 ἑκατόν . . . οἱ τοῖχοι αὐτῶν μ. πηλῶν  
 ἑκατόν (1 α, 1 α)  
 — 15. διεμέτρησε μ. [Α τὸν τοῖχον] τοῦ διορί-  
 ζοντος . . . τὰ ἀπόλοιπα ἐνθεν καὶ  
 ἐνθεν πηλῶν ἑκατόν τὸ μ. (1 α, -)  
 — 22. τὸ μ. πηλῶν δύο (1 α)  
 42. 2. ἐπὶ πῆχους ἑκατόν μ. πρὸς βορρᾶν (1 α)  
 — 4. ἐπὶ πῆχους ἑκατόν τὸ μ. †  
 — 7. μ. πῆχων πενήκοντα (1 α)  
 — 8. τὸ μ. τῶν ἐξεδῶρων . . . ἦν πηλῶν πενή-  
 κοντα (1 α)  
 — 11. κατὰ τὸ μ. αὐτῶν καὶ κατὰ τὸ ἐδρος αὐτῶν (1 α)  
 43. 16. τὸ ἀριεὶ πηλῶν δώδεκα μῆκους (1 α)  
 — 17. τὸ ἱλαστήριον πηλῶν δέκα τεσσάρων τὸ μ. (1 α)  
 45. 1. ἀφοριεῖται ἀπαρχὴν . . . πέντε καὶ εἰκοσι  
 χιλιάδας μ. (1 α)  
 — 3. διαμετρήσεις μ. πέντε καὶ εἰκοσι χιλιάδας (1 α)  
 — 5. εἰκοσι καὶ πέντε χιλιάδας μ. (1 α)  
 — 6. μ. πέντε καὶ εἰκοσι χιλιάδας (1 α)  
 — 7. τὸ μ. ὡς μία τῶν μερίδων . . . καὶ τὸ μ. ἐπὶ  
 τὰ ὄρια τὰ πρὸς ἀνατολάς τῆς γῆς (1 α, -)  
 46. 22. αὐλὴ μικρὰ μῆκους πηλῶν τεσσαράκοντα (1 α)  
 48. 8. μ. καθὼς μία τῶν μερίδων (1 α)  
 — 9. μ. [Α οἱ μ.] πέντε καὶ εἰκοσι χιλιάδες (1 α)  
 — 10. Α πρὸς νότον μ. [Β οἱ μ.] εἰκοσι καὶ  
 πέντε χιλιάδες (1 α)  
 — 13. μ. πέντε καὶ εἰκοσι χιλιάδες . . . πᾶν τὸ  
 μ. πέντε καὶ εἰκοσι χιλιάδες (1 α, 1 α)  
 — 18. τὸ περισσὸν τοῦ μ. τὸ ἐχόμενον τῶν  
 ἀπαρχῶν τῶν ὁρίων (1 α)  
 — 21. ἐπὶ πέντε καὶ εἰκοσι χιλιάδας μ. †  
 Da. LXX. 4. 9. οἱ κλάδοι αὐ. τῷ μ. ὡς σταθίων  
 τριακόντα — (3)  
 9. 27. ἀνοικοδομηθήσεται εἰς πλάτος καὶ μῆκος —  
 [Aq. III Ki. 6. 20: Ez. 42. 20.] (3)  
 [Sm. I Ki. 28. 20: III Ki. 6. 20: Ps. 22 (23). 6.] (3)  
 [Th. Ex. 37 (38). 1: 37. 10 (38. 11): III Ki. 6. 20.] (3)  
 [Hob. Ez. 32. 23.] (3)  
 μῆκύνει. (1) 𐤍𐤊𐤃𐤃 pi. (2) 𐤍𐤊𐤃𐤃 ni.  
 Is. 44. 14. ὑετὸς ἐμήκυνεν (1)  
 Ez. 12. 25. οὐ μὴ μῆκύνω ἔτι (2)  
 — 28. οὐ μὴ μῆκύνωσιν οὐκέτι πάντες οἱ λόγοι  
 μου (2)  
 [Aq. Ps. 128 (129). 3: Is. 57. 4.] (3)  
 [Sm. Is. 57. 4.] (3)  
 μῆλεα.  
 [Sm. Ca. 8. 5.] (3)  
 μῆλον. (1) 𐤍𐤊𐤃 (2) 𐤍𐤊𐤃𐤃 (3) μῆλα  
 μανδραγοῶν (-ου) 𐤍𐤊𐤃𐤃𐤃  
 Ge. 30. 14. Β εὖρε μῆλα μανδραγοῶν [Α -ου] (3)  
 Pr. 25. 11. μῆλον χυρυσὸν ἐν ὁμίῳ σαρκίου (2)  
 Ca. 2. 3. ὡς μῆλον ἐν τοῖς ἔξυλοι τοῦ δρυμοῦ (2)  
 — 5. στοιβάσατέ με [Α οἱ μ.] ἐν μῆλοις (2)  
 4. 3. ὡς λέπυρον ῥοὰς μῆλόν σου (1)  
 6. 6 (7). ὡς λέπυρον τῆς ῥοὰς μῆλόν σου (1)  
 7. 8 (9). ὁσμὴ μῆλόν σου ὡς μῆλα (2)  
 8. 5. ὑπὸ μῆλον ἐξήγειρά σε (2)  
 Jl. 1. 12. ῥοὰ καὶ φωνὴ καὶ μῆλον . . . ἐξηράν-  
 θησαν (2)  
 [Aq. Ca. 4. 3: 8. 5.] (3)  
 [Sm. Ca. 2. 5.] (3)

μηνολογία. (1) Πηγή  
 III Ki. 19. 13. ἐπεκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐ. ἐν  
 τῇ μ. αὐ. (1)  
 — 19. ἐπέριψε τὴν μ. αὐ. ἐπ' αὐτόν (1)  
 IV Ki. 2. 8. ἔλαβεν ἡλ. τὴν μ. αὐτοῦ (1)  
 — 13. ὕψωσε τὴν μ. ἡλ. (1)  
 — 14. ἔλαβε τὴν μ. ἡλ. (1)  
 μήν (certe). εἰ μήν vid. sub εἰ ἡ μήν vid.  
 sub ἡ \*οὐ μήν δὲ ἀλλά. (1)  
 Es. 9. 27.  
 Jb. 2. 5\*: 5. 8\*: 12. 5\*: 13. 3\*: 15\*†: 14. 12†:  
 17. 10\*: 21. 17\*: 27. 3, 6†, 7\*, 8†: 28. 13†:  
 32. 21: 33. 1\*: 34. 36\*: 39. 22†.  
 Wi. 1. 8†: 6. 23.  
 Si. 9. 13†.  
 Is. 59. 6†.  
 III Ma. 5. 50\*.  
 IV Ma. 15. 9\*.  
 [Aq. Is. 28. 10.]  
 [Sm. Ec. 10. 3: Mi. 3. 8.]  
 [Th. Jb. 6. 21.]  
 μήν (mensis). (1) שָׁנָה (2) א. פָּנָה δ. פָּנָה  
 Ge. 7. 11. τοῦ δευτέρου μ. ἐβδόμη καὶ εἰκάδι  
 τοῦ μηνός (1, 1)  
 8. 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κιβωτός ἐν μ. τῇ ἐβδόμῃ (1)  
 — 3 (4). ἐβδόμη καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 — 4 (5). ἡλαιοποιήθη ὡς τοῦ δεκάτου μ. (1)  
 — 5. καὶ ἐν τῇ δεκάτῃ [A. ἐν δὲ τῇ ἑνδεκάτῃ] μ. (1)  
 — 5. τῇ πρώτῃ τοῦ μ. (1)  
 — 13. B. ἐγένετο . . . τοῦ πρώτου μ. [A. τοῦ μ.  
 τοῦ πρ.] (1)  
 — 13. μᾶ τοῦ μ. ἐξέλιπε τὸ ὕδωρ (1)  
 — 14. ἐν δὲ τῇ δευτέρῃ μ. [A. τῇ μ. τῇ δ.] (1)  
 — 14. ἐβδόμη καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 29. 14. ἦν μετ' αὐτοῦ μήνα ἡμερῶν (1)  
 Ex. 2. 2. ἐσκέπασαν αὐτὸ μήνας τρεῖς (2 a)  
 12. 2. ὁ μ. οὗτος ἔμεινεν ἀρχὴ μηνῶν (1, 1)  
 — 2. πρώτος . . . ἐν τοῖς μ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (1)  
 — 3. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τούτου λαβέτωσαν (1)  
 — 6. τῆς τεσσαρεσκαίδεκάτης τοῦ μ. τούτου (1)  
 — 18. τῇ . . . ἡμέρᾳ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 18. ὥς ἡμέρας μίας καὶ εἰκάδος τοῦ μ. (1)  
 13. 4. ἐκπορεύσθαι ἐν μηνὶ τῶν νέων (1)  
 — 5. ποιήσεις . . . ἐν τῇ μ. τούτῃ (1)  
 16. 1. τῇ δὲ . . . ἡμέρᾳ τῇ μ. τῇ δευτέρῃ (1)  
 19. 1. τοῦ δὲ μ. τοῦ τρίτου τῆς ἐβδόμης (1)  
 23. 15. κατὰ τὸν καιρὸν τοῦ μ. τῶν νέων (1)  
 34. 18. εἰς τὸν καιρὸν ἐν μηνὶ τῶν νέων (1)  
 — 18. ἐν γὰρ [A. add. τῇ] μηνὶ τῶν νέων (1)  
 40. 2. ἐν ἡμέρᾳ μᾶ [A. om.] τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 17. ἐγένετο ἐν τῇ μηνὶ τῇ πρώτῃ (1)  
 Le. 16. 29. B<sup>3</sup> B<sup>4</sup> ἐν τῇ μ. τῇ ἐβδόμῃ δεκάτῃ  
 τοῦ μ. [A. B<sup>1</sup> om. δ. τ. μ.] ταπεινώ-  
 σετε (1, 1)  
 23. 5. ἐν τῇ πρώτῃ μ. ἐν τῇ τεσσαρεσκαίδεκα  
 ἡμ. τοῦ μ. (1, 1)  
 — 6. ἐν τῇ πεντεκαίδεκα. ἡμ. τοῦ μ. τούτου (1)  
 — 24. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. μᾶ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 27. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τούτου (1)  
 — 32. ἀπὸ ἐνάτης τοῦ μ. (1)  
 — 34. τῇ πεντεκαίδεκα. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τούτου (1)  
 — 39. ἐν τῇ πεντεκαίδεκα. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τ. (1)  
 — 41. ἐν τῇ μ. τῇ ἐβδ. ἐορτάσεται αὐτήν (1)  
 25. 9. ἐν [A. om.] τῇ μ. τῇ ἐβδ. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)  
 Nu. 1. 1, 18. ἐν μᾶ τοῦ μ. τοῦ δευτέρου ἔτους (1)  
 9. 1. ἐν τῇ μ. τῇ πρώτῃ (1)  
 — 3. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 5. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. ἡμ. τοῦ μ. (1)  
 — 11. ἐν τῇ μ. τῇ δευτέρῃ (1)  
 — 22. μηνὸς ἡμέρας πλεοναχούσης τῆς νεφ. (1)  
 11. 20. ἐν τῇ μ. τῇ δευτέρῃ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)  
 — 21. φάγονται μήνα ἡμερῶν (1)  
 20. 1. ἐν τῇ μ. τῇ πρώτῃ [B<sup>1</sup> τρίτῃ] (1)  
 28. 14. μήνα ἐκ μηνός εἰς τοὺς μ. τοῦ ἐνι-  
 αυτοῦ (1 ter)  
 — 16. ἐν τῇ μ. τῇ πρώτῃ τεσσαρεσκαίδεκα.  
 ἡμέρα τοῦ μ. (1, 1)  
 — 17. B. καὶ τῇ πεντεκαίδεκα. ἡμ. τοῦ μ. (1)  
 29. 1. καὶ τῇ μ. τῇ ἐβδόμῃ μᾶ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 7. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τούτου (1)  
 — 12. τῇ πεντεκαίδεκα. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τ. (1)  
 33. 3. τῇ μ. τῇ πρώτῃ τῇ πεντεκαίδεκα. ἡμ. τοῦ  
 μ. τοῦ πρώτου (1, 1)

Nu. 38. 38. τῇ μ. τῇ πέμπτῃ μᾶ τοῦ μ. (1, 1)  
 De. 1. 3. ἐν τῇ ἑνδεκάτῃ μ. μᾶ τοῦ μ. (1, 1)  
 16. 1. φυλάττει τὸν μ. τῶν νέων (1)  
 — 1. ἐν τῇ μ. τῶν νέων ἐξήλθες (1)  
 21. 13. κλαυσεὶν τὸν πατέρα . . . μηνός  
 ἡμέρας (2 a)  
 38. 14. καὶ ἀπὸ συνόδων μηνῶν (2 a)  
 Jo. 4. 19. δεκάτῃ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 5. 9 (10). τῇ τεσσαρεσκαίδεκάτῃ ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1)  
 Jd. 11. 37. ἵστανται μὲν δύο μηνῶν (1)  
 — 38. ἀπέστειλεν αὐτὴν δύο μηνῶν (1)  
 — 39. ἐν τέλει [A. μετὰ τέλος] τῶν δύο μηνῶν (1)  
 19. 2. ἦν ἐκεῖ ἡμέρας μηνῶν τεσσάρων [A. al.] (1)  
 20. 47. ἐκάθισαν . . . τεσσαρας μ. [A. al.] (1)  
 I Ki. 6. 1. ἦν ἡ κιβ. ἐν ἀργῇ τῶν ἀλλοφ. ἐπὶ τὰ  
 μηνῶν (1)  
 11. 1 (10. 27). ὥς μετὰ μῆνα (1)  
 20. 24. παραγίνεται ὁ μ. (1)  
 — 27. τῇ ἐπαύριον τοῦ μ. (1)  
 — 34. ἐν [A. add. ἡμέρᾳ] τῇ δευτέρᾳ τοῦ μ. (1)  
 27. 7. ἐγενήθη ὁ ἀριθμὸς τῶν ἡμ. . . . τεσ-  
 σαρᾶς μ. (1)  
 II Ki. 2. 11. A. B. ἐπὶ τῇ καὶ μῆνας ἔξ  
 5. 5. ἐπὶ τῇ καὶ μῆνας ἔξ ἐβδούλειον (1)  
 6. 11. ἐκάθισαν . . . μηνῶν τρεῖς (1)  
 24. 8. ἀπὸ τέλους ἐννεα μηνῶν (1)  
 — 13. ἡ τρεῖς μηνῶν φέγγειν σε (1)  
 III Ki. 4. 7. μήνα ἐν τῇ [A. om. ἐν τῇ] ἐνιαυτῷ  
 ἐγένετο (1)  
 — 27 (5. 7). ἔκατος μῆνα αὐτοῦ (1)  
 5. 14 (28). δέκα χιλιάδες ἐν τῇ μ. (1)  
 — 14 (28). μήνα ἥσαν ἐν τῇ Λιβάνῃ καὶ δύο  
 μηνῶν ἐν οἴκῳ αὐ. (1, 1)  
 6. 1. ἐν μ. τῇ δευτέρῃ βασιλεύοντος τοῦ βασ. (1)  
 — 1 (37). ἐν μηνὶ N. [A. Z.] καὶ τῇ δευτέρῃ  
 [B<sup>1</sup> om.] μ. (2 a, -)  
 — 1 (38). ἐν μηνὶ B. οὗτος ὁ μ. ὁ ὄγδοος (2 a, 1)  
 8. 2. ἐν μηνὶ Ἀδ. (2 a)  
 — 2. αὐτὸς ὁ μ. ἐβδωμοκοστος ἔβδωμος (1)  
 11. 16. ἐξ μηνῶν ἐνεκάθητο ἐκεῖ 1. (1)  
 12. 32. ἐν τῇ μ. τῇ ὀγδόῃ ἐν τῇ πεντεκα-  
 ικάτῃ ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 33. ἐν τῇ μ. τῇ ὀγδόῃ (1)  
 IV Ki. 15. 13. B. ἐβδωμοκοστος Σ. μήνα ἡμερῶν  
 [A. B. al.] (2 a)  
 22. 3. ἐν τῇ μ. τῇ ὀγδόῃ [A. ἐβδόμῃ] (1)  
 23. 31. A. τρεῖς μηνῶν [B. τριμήνων] ἐβδωμοκοστος (1)  
 25. 1. ἐν τῇ μ. τῇ δεκάτῃ [A. δευτέρῃ τεσσα-  
 ρεσκαίδεκάτῃ τοῦ μ.] (1, 1)  
 — 2 (3). ἐνάτῃ τοῦ μ. (1)  
 — 8. ἐν τῇ μ. τῇ πέμπτῃ ἐβδόμῃ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 25. ἐν [A. om.] τῇ ἐβδόμῃ μ. (1)  
 — 27. ἐν τῇ δεκάτῃ μ. ἐβδόμῃ καὶ εἰκάδι  
 τοῦ μ. (1, 1)  
 I Ch. 12. 15. ἐν τῇ μ. τῇ πρώτῃ (1)  
 13. 14. ἐκάθισεν ἡ κιβωτός . . . τρεῖς μηνῶν [A.  
 ἡμέρας] (1)  
 21. 12. ἡ τρεῖς μηνῶν φέγγειν σε (1)  
 27. 1. μήνα ἐκ μηνός εἰς πάντας τοὺς μ. τοῦ  
 ἐνιαυτοῦ (1 ter)  
 — 2. ἐπὶ τῆς διαίρεσως τῆς πρώτης τοῦ μ.  
 τοῦ πρώτου (1)  
 — 3. ἀρχῶν πάντων τῶν ἰσχυρῶν . . . τοῦ μ.  
 τοῦ πρώτου (1)  
 — 4. ἐπὶ τῆς διαίρεσως τοῦ μ. τοῦ δευτ.  
 — 5. ὁ τρίτος τὸν μ. τὸν τρίτον (1)  
 — 7. ὁ τέταρτος εἰς τὸν μ. τὸν τέταρτον (1)  
 — 8. ὁ πέμπτος τῇ μ. τῇ πέμπτῃ (1)  
 — 9. ὁ ἕκτος τῇ [A. om.] μ. τῇ ἕκτῃ (1)  
 — 10. ὁ ἔβδομος τῇ μ. τῇ ἐβδόμῃ (1)  
 — 11. ὁ ὄγδοος τῇ μ. τῇ ὀγδόῃ (1)  
 — 12. ὁ ἑνάτος τῇ μ. τῇ ἐνάτῃ (1)  
 — 13. ὁ δέκατος τῇ μ. τῇ δεκάτῃ (1)  
 — 14. ὁ ἐνδεκάτος τῇ μ. τῇ ἐνδεκάτῃ (1)  
 — 15. ὁ δωδεκάτος εἰς τὸν μ. τὸν δωδεκάτον (1)  
 II Ch. 3. 2. ἐν τῇ μ. τῇ δευτέρῃ (1)  
 5. 3. οὗτος ὁ μ. ἔβδωμος (1)  
 7. 10. ἐν τῇ τρίτῃ καὶ εἰκοστῇ [A. εἰκάδι] τοῦ  
 μ. τοῦ ἐβδόμου (1)  
 8. 13. ἐν τοῖς μ. καὶ ἐν ταῖς ἐορταῖς (1)  
 15. 10. ἐν τῇ μ. τῇ τρίτῃ (1)  
 29. 3. ἐν τῇ πρώτῃ μ. (1)  
 — 17. νομηνία τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀγδόῃ τοῦ μ. (1)  
 — 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρισκαίδεκα. τοῦ μ. τοῦ  
 πρώτου [A. al.] (1)

II Ch. 30. 2. ποιῆσαι τὸ φασκὶ τῇ μ. τῇ δευτέρῃ (1)  
 — 13. ἐν τῇ μ. τῇ δευτέρῃ (1)  
 — 15. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. τοῦ μ. τοῦ δευτέρου (1)  
 31. 7. ἐν τῇ μ. τῇ τρίτῃ (1)  
 — 7. ἐν τῇ ἐβδόμῃ μ. (1)  
 35. 1. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 I Es. 1. 1. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου  
 — 35. ἐβδωμοκοστος . . . μηνῶν τρεῖς (1)  
 — 44. βασιλεύει δὲ μηνῶν τρεῖς (1)  
 5. 6. μηνὶ Νισάν τοῦ πρώτου μ. (1)  
 — 47. ἐνστάτος δὲ τοῦ ἐβδόμου μ. (1)  
 — 53. B. ἀπὸ τῆς νομηνίας τοῦ πρώτου [A. B.  
 ἐβδ.] μ. (1)  
 — 56. παραγενόμενος . . . εἰς Ἱ. μ. δευτέρου (1)  
 — 57. τῇ νομηνίᾳ τοῦ δευτέρου μ. (1)  
 7. 5. ὥς τρίτης καὶ εἰκάδος μ. Ἀ. (1)  
 — 10. ἐν τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. τοῦ πρώτου μ. (1)  
 8. 6. ἐν τῇ πέμπτῃ μ. (1)  
 — 6. τῇ νομηνίᾳ τοῦ πρώτου μ. (1)  
 — 6. A. ἐν τῇ νομηνίᾳ τοῦ πέμπτου μ. (1)  
 — 61. τῇ δωδεκάτῃ τοῦ πρώτου [A. om.] μ. (1)  
 9. 5. οὗτος ὁ μ. ἑνάτος τῇ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 — 16. τῇ νομηνίᾳ τοῦ μ. τοῦ δεκάτου (1)  
 — 17. ὥς τῆς νομηνίας τοῦ πρώτου μ. (1)  
 — 37. B. τῇ νομηνίᾳ τοῦ ἐβδόμου μ. [A. B. μ. τοῦ ἐ.] (1)  
 — 40. νομηνία τοῦ ἐβδόμου μ. (1)  
 II Es. 3. 1. ἐφθασεν ὁ μ. ὁ ἔβδομος (1)  
 — 6. ἐν ἡμέρᾳ μᾶ τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. (1)  
 — 8. ἐν μ. τῇ δευτέρῃ (1)  
 6. 15. ὥς ἡμέρας τρίτης μηνός Ἀ. (2 b)  
 — 19. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 7. 8. τῇ μ. τῇ πέμπτῃ (1)  
 — 9. ἐν μᾶ τοῦ μ. τοῦ πέμπτου (1)  
 — 9. B. ἐν δὲ τῇ πρώτῃ τοῦ μ. τοῦ πέμπτου (1)  
 8. 31. ἐν τῇ δωδεκάτῃ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 10. 9. A. B. οὗτος ὁ [B. om.] μ. ὁ ἑνάτος (1)  
 — 9. ἐν εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 — 16. A. B. B. ἐν ἡμέρᾳ μᾶ τοῦ μ. [B. om.] τοῦ  
 δεκάτου [B<sup>2</sup> δωδεκάτῃ] (1)  
 — 17. A. B. B. ὥς ἡμέρας μίας τοῦ μ. τοῦ  
 πρώτου (1)  
 Ne. 1. 1. ἐν μηνὶ X. (1)  
 2. 1. ἐγένετο ἐν μηνὶ N. (1)  
 6. 15. S. B. πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ ἑ. μηνός  
 [A. B. al.] (1)  
 — 8. 1 (7. 73). ἐφθασεν ὁ μ. ὁ ἔβδομος (1)  
 — 1. B<sup>1</sup> ἐφθασεν ὁ μ. ὁ ἔβδομος (1)  
 — 2. ἐν ἡμέρᾳ μᾶ τοῦ μ. τοῦ ἐβδόμου (1)  
 — 14. ἐν ἐορτῇ ἐν μ. τῇ ἐβδόμῃ (1)  
 9. 1. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μ. τούτου (1)  
 Ju. 2. 1. δευτέρᾳ καὶ εἰκάδι τοῦ πρώτου μ. (1)  
 3. 10. ἦν ἐκεῖ μήνα ἡμερῶν (1)  
 8. 4. ἔτῃ τρία καὶ μηνῶν τεσσάρων (1)  
 16. 20. ἦν ὁ λαὸς εὐφρανόμενος . . . ἐπὶ μηνῶν τρεῖς  
 Es. 2. 12. ὅταν ἀναπληρώσῃ μηνῶν δέκα δύο [A. al.] (1)  
 — 12. μηνῶν ἐξ ἀλεφόμενων (1)  
 — 12. καὶ μηνῶν ἐξ ἐν τοῖς ἀράμασι (1)  
 — 16. τῇ δωδεκάτῃ [B<sup>2</sup> δεκάτῃ] μ. (1)  
 3. 7. B<sup>2</sup> ἐν τῇ μ. τῇ πρώτῃ αὐτὸς ὁ μ. Νισάν (1, 1)  
 — 7. ἔβαλε κλήρους . . . μῆνα ἐκ μηνός (1, 1)  
 — 7. εἰς τὴν τεσσαρεσκαίδεκάτῃ τοῦ μ. (1)  
 — 12. ἐκλήθησαν . . . μηνὶ πρώτῃ [B<sup>2</sup> add.  
 αὐτὸς ὁ μ. Νισάν] (1, -)  
 — 13. ἐν ἡμέρᾳ μᾶ μηνός δωδεκάτου (1)  
 — 13. τῇ τεσσαρεσκαίδεκάτῃ τοῦ δωδεκάτῃ [B<sup>1</sup> om.]  
 μ. Ἀ. (1)  
 8. 9. ἐν τῇ πρώτῃ [B<sup>2</sup> τρίτῃ] μ. (1)  
 — 9. A. τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ [B<sup>1</sup> δευτε-  
 ροῦ] μ. [B. B. ἔτους] (1)  
 — 12. τῇ τρισκαίδεκα. τοῦ δωδεκάτου [A. B<sup>1</sup>  
 om.] μ. (1)  
 — 13. τῇ τρισκαίδεκα. τοῦ δωδεκάτου μ. Ἀ. (1)  
 9. 1. ἐν γὰρ τῇ δωδεκάτῃ μ. τρισκαίδεκα. [B<sup>1</sup> τεσ-  
 σαρεσκαίδεκα] τοῦ μ. (1, 1)  
 — 15. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. [B<sup>2</sup> τρισκαίδεκα] τοῦ  
 Ἀ. [B<sup>1</sup> μηνός, B<sup>2</sup> Ἀ. μ.] (1)  
 — 16. A. τῇ τεσσαρεσκαίδεκάτῃ τοῦ Ἀ. [B. B. al.] (1)  
 — 17. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. τοῦ αὐτοῦ [B. αὐ.  
 τοῦ] μ. (1)  
 — 17. A. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. τοῦ αὐτοῦ μ. (1)  
 — 19. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. τοῦ Ἀ. [B<sup>1</sup> μηνός,  
 B<sup>2</sup> μ. Ἀδάρ] (1)  
 — 21. ἄγειν τε τὴν τεσσαρεσκαίδεκα. [B<sup>2</sup> add.  
 τοῦ μ. Ἀ.] (1)  
 — 22. καὶ τὸν μ. . . . ἄγειν (1)  
 10. 3. ἔσονται αὐτοῖς . . . ἐν μηνὶ Ἀ. (1)

Es. 10. 3. τῇ τεσσαρεσκαίδεκ. . . τοῦ αὐτοῦ μ.  
 Jb. 3. 6. μηδὲ ἀριθμηθεῖς εἰς ἡμέρας μηνῶν (2 a)  
 7. 3. οὕτως κατὰ ὑπέμειναι μηνῶν κενούς (2 a)  
 14. 5. ἀριθμητοὶ δὲ μηνῶν αὐ. παρ' αὐτοῦ (1)  
 21. 21. ἀριθμοὶ μηνῶν αὐτοῦ διηρέθησαν (1)  
 29. 2. Ἄ τις ἂν με θείῃ μῆνα [BS om.] κατὰ μῆνα ἡμερῶν τῶν [BS om. ἡ. τ.] ἔμπροσθεν ἡμερῶν (-, 2 a)  
 39. 2. ἡριθμῆσας δὲ μηνῶν αὐ. πλήρεις τοκετοῦ (2 a)  
 Si. 43. 8. μὴν κατὰ τὸ ὄνομα αὐτῆς ἐστίν (1)  
 Atm. 4. 7. πρὸ τριῶν μηνῶν τοῦ τρυγητοῦ (1)  
 8. 5. πότε διελευσεται ὁ μ. (1)  
 Hg. 1. 1. ἐν τῷ μηνὶ τῷ ἑκτῷ μᾶ τοῦ μηνός (1, 1)  
 2. 1 (1. 15). ἈΒ τῇ τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ [BS om.] μ. τοῦ ἑκτοῦ (1)  
 — 2 (1). τῷ μ. τῷ ἐβδόμῳ [A τῷ ε. μ.] μᾶ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (-, 1)  
 — 11 (10). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ ἐνάτου μ. [A μηνὶ τῷ ἐνάτῳ] -  
 — 19 (18). ἀπὸ τῆς τετράδος καὶ εἰκάδος τοῦ ἐνάτου μ. -  
 — 21 (20). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ μ. -  
 Za. 1. 1. ἐν τῷ ὄγδω μηνὶ ἔτους δευτέρου (1)  
 — 7. τῷ ἐνδεκάτῳ μ. οὗτος ἐστίν ὁ μ. Σ. (1, 1)  
 7. 1. τετράδι τοῦ μ. τοῦ ἐνάτου [A al.] (1)  
 — 3. ἐν τῷ μ. τῷ πέμπτῳ (1)  
 11. 8. ἔξαρῳ τοὺς τρεῖς ποιμένας ἐν μηνὶ ἐνὶ (2 a)  
 Is. 66. 23. ἔσται μῆνα ἐκ μηνός . . . ἥξει πᾶσα σὰρξ (1, 1)  
 Je. 1. 3. ὥς τινι αἰχμαλωσίας Ἱερουσαλὴμ ἐν τῷ πέμπτῳ μ. (1)  
 35 (28). 1. ἐν μηνὶ τῷ πέμπτῳ (1)  
 — 17. ἀπέδανεν ἐν [S om.] τῷ μ. τῷ ἐβδόμῳ [A τῷ ε. μ.] (1)  
 36 (29). 28. B διὰ τοῦ μ. τοῦτον (1)  
 43 (36). 9. A B ἐν [BS om.] τῷ μ. τῷ ἐνάτῳ (1)  
 46 (39). 1. ἐγένετο τῷ [A B ἐν τῷ] μ. [A ἔτι:] τῷ ἐνάτῳ τοῦ Σεδ. βασ. 1. [A add. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ] (†, 1)  
 — 2. ἐν τῷ μ. τῷ τετάρτῳ ἐνάτῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 48 (41). 1. ἐγένετο τῷ μ. τῷ ἐβδόμῳ (1)  
 52. 4. ἐν μηνὶ τῷ ἐνάτῳ [A ε. τῷ μ. τ. ἐβδόμῳ] δεκάτῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 6. ἐν τῇ [A om. ἐν τῇ] ἐνάτῃ τοῦ μ. (1)  
 — 12. ἐν μηνὶ πέμπτῳ δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 31. ἐν τῷ δωδεκάτῳ μ. ἐν τῇ τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)  
 Ba. 1. 2. ἐν [A om.] ἐβδόμῳ τοῦ μ. (1)  
 La. 8. 22 (23). B μηνῶν εἰς τὰς πρῶτας ἐλέησον (1)  
 Ez. 1. 1. ἐν τῷ [B<sup>1</sup> om. ἐν τῷ] τετάρτῳ μηνὶ πέμπτῳ τοῦ μ. (-, 1)  
 — 2. ἴδον ὁράσεις θεοῦ πέμπτῃ τοῦ μ. (1)  
 8. 1. ἐν τῷ πέμπτῳ μ. πέμπτῃ τοῦ μ. (-, 1)  
 20. 1. τῇ πεντεκαδεκάτῃ [A ἐν τῷ πέμπτῳ μ. δεκάτῃ] τοῦ μ. (-, 1)  
 24. 1. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)  
 26. 1. μᾶ τοῦ μ. [A add. τοῦ πρώτου] (1)  
 29. 1. ἐν τῷ δεκάτῳ [A ἐνδ.] μ. μᾶ τοῦ μ. (-, 1)  
 — 17. μᾶ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 30. 20. ἐν τῷ πρώτῳ μ. ἐβδόμῃ τοῦ μ. (-, 1)  
 31. 1. ἐν τῷ τρίτῳ μ. μᾶ τοῦ μ. (-, 1)  
 32. 1. ἐν τῷ δεκάτῳ [A<sup>1</sup> δωδ.] μηνὶ μᾶ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 17. ἐν τῷ δωδεκάτῳ ἔτει τοῦ πρώτου μ. [A ἐν τῷ πρώτῳ μ.] πεντεκαδεκάτῃ τοῦ μ. (-, 1)  
 33. 21. ἐν τῷ δωδεκάτῳ μ. πέμπτῃ τοῦ μ. (-, 1)  
 40. 1. ἐν τῷ πρώτῳ μ. δεκάτῃ τοῦ μ. (†, 1)  
 45. 18. ἐν τῷ πρώτῳ μ. μᾶ τοῦ μ. (-, 1)  
 — 20. A B οὕτως ποιήσεις ἐν τῷ μ. τῷ ἐβδόμῳ [B ε. μ.] μᾶ τοῦ μ. λήψῃ [B om.] παρ' ἐκάστου ἀπομοιραν [A ἀγνοοῦντος] (1, -)  
 — 21. ἐν τῷ πρώτῳ [A add. μ.] τεσσαρεσκαίδεκάτῃ τοῦ μ. ἔσται ὕμν τὸ πᾶσα ἑορτή (-, 1)  
 — 25. A B ἐν τῷ ἐβδόμῳ μ. [B om.] πεντεκαδεκάτῃ [A add. ἡμέρᾳ] τοῦ μ. (-, 1)  
 Da. LXX. 4. 26. μετὰ μηνῶν δώδεκα (2 b)  
 10. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τετάρτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 Da. TH. 10. 4. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 I Ma. 1. 58. τοῖς εὐρίσκοιμ. ἐν παντὶ μ. καὶ μηνὶ — 59. τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 4. 52. A B τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. τοῦ ἐνάτου [S om. τ. ε.] οὗτος ὁ μ. Χασ. (1)  
 — 59. ἀπὸ τῆς πέμπτῃς καὶ εἰκάδος τοῦ μ. Χασ.

I Ma. 7. 43. τῇ τρισκαδεκάτῃ τοῦ μ. Ἄδαρ 9. 3. τοῦ μ. τοῦ πρώτου ἔτους τοῦ δευτέρου — 54. τῷ μ. τῷ δευτέρῳ ἐπέταξεν Ἄ. 10. 21. τῷ ἐβδόμῳ μ. ἔτους ἐξηκοστοῦ 13. 51. A B τῇ τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ δευτέρου μ. [S τοῦ μ.] 16. 14. ἐν μ. ἑνδεκάτῳ οὗτος ὁ μ. Σ. II Ma. 1. 9. τὰς ἡμέρας τῆς σκηνοπηγίας τοῦ Χασ. μηνός 6. 7. εἰς τὴν κατὰ μῆνα τοῦ βασ. γενέθλιον ἡμέραν 7. 24. τὴν ἐν γαστρὶ περιενέγκασάν σε μηνῶν ἐννέα 10. 5. τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ μ. 15. 36. τὴν τρισκαδεκάτῃ τοῦ δωδεκάτου μ. [Aq. Ex. 40. 2: IV Ki. 25. 1: Jb. 29. 2.] [Sm. III Ki. 8. 2: Jb. 29. 2: Ez. 40. 1.] [Th. Ex. 40. 2: Jb. 21. 21.] [Al. Ez. 47. 12.] **μηνι.** [Sm. Ps. 88 (89). 38.] **μηνιαίος.** (1) מְנִיָּהּ Le. 27. 6. ἀπὸ δὲ μηνιαίου ἔως πενταετοῦς (1) Nu. 3. 15, 22, 28, 34, 39, 40, 43. ἀπὸ μηνιαίου καὶ ἐπάνω (1) 18. 16. ἡ λυτρωσίς αὐ. ἀπὸ μηνιαίου (1) 26. 62. ἀπὸ μηνιαίου καὶ ἐπάνω (1) [Sm. Ps. 80 (81). 4.] **μηνίαμα.** Si. 40. 5. φόβος θανάτου καὶ μηνίαμα [A S μήνιμα] **μηνιαν.** Si. 10. 6. ἐπὶ παντὶ ἀδικίᾳ μὴ μηνιάσης [A S -ισης] τῷ πλησίον **μηνιέν.** (1) מְנִיָּהּ Le. 19. 18. οὐ μηνιεύς [A<sup>1</sup> -οῖς] τοῖς υἱοῖς τοῦ λαοῦ σου (1) Ps. 102 (103). 9. οὐδὲ εἰς τὸν αἰῶνα μηνιέ (1) Si. 10. 6. A S ἐπὶ παντὶ ἀδικίᾳ μὴ μηνιάσης [B -ιάσης] τῷ πλησίον 28. 7. μὴ μηνιάσης τῷ πλησίον Je. 3. 12. οὐ μηνιώ ὑμῖν εἰς τὸν αἰῶνα (1) **μηνίμα.** Si. 40. 5. A S φόβος θανάτου καὶ μήνιμα [B -ίαμα] **μηνίως.** (1) מְנִיָּהּ (2) מְנִיָּהּ Ge. 49. 7. ἐπικατάρατος . . . ἡ μ. αὐτῶν (2) Nu. 35. 21. ἡ διὰ μηνῶν ἐπάταξεν αὐτόν (1) Si. 27. 30. μηνίως καὶ ὀργῇ καὶ [S om.] ταῦτά ἐστι βδελύγματα 28. 5. αὐτὸς σὰρξ ὧν διατρεῖ μηνῶν [Aq. Je. 48 (31). 30.] [Sm. Ez. 25. 12, 15: Am. 1. 11.] [Th. Is. 13. 9: 10. 6.] **μηνίσκος.** (1) מְנִיָּהּ Jd. 8. 21. ἔλαβε τοὺς μ. (1) — 26. παρέξ τῶν μ. καὶ τῶν στραγγαλίδων [A al.] (1) Is. 3. 18. ἀφελεῖ κύριος . . . τοὺς μ. [Aq. Jd. 8. 26.] **μηνύειν.** II Ma. 3. 7. περὶ τῶν μηνυθέντων αὐτῷ χρημάτων 6. 11. μηνυθέντες τῷ Φ. συνεφλογίσθησαν 14. 37. ἐμνήσθη τῷ N. III Ma. 3. 28. μηνύειν δὲ τὸν βουλόμενον IV Ma. 4. 3. B μηνύσαν [A S -ών] πολλὰς . . . μυριάδας . . . τεθροασαρίσθαι [Sm. Jb. 12. 8.] **μὴ οὐ, vid. sub μή.** **μὴ ποτε, vid. sub μή.** **μὴ πως, vid. sub μή.** **μηνρέμ.** [Heb. Ps. 109 (110). 3.] **μηνρίον.** (1) מְנִיָּהּ Le. 3. 4, 10, 15. τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν τὸ ἐπὶ τῶν μ. (1) 4. 9. τὸ ἐπ' αὐτῶν ὃ ἐστίν [A τῷ] ἐπὶ τῶν μ. (1) 6. 34 (7. 4). τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν τὸ ἐπὶ τῶν μ. (1)

Jb. 15. 27. ἐποίησε περιστόμῳ ἐπὶ τῶν μ. [A S μηνῶν] (1) [Th. Jb. 15. 27.] **μηνρός.** (1) מְנִיָּהּ (2) א. מְנִיָּהּ δ. מְנִיָּהּ c. מְנִיָּהּ (3) מְנִיָּהּ (4) מְנִיָּהּ Ge. 24. 2. θῆς τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μ. μου (2 a) — 9. ἔθηκεν . . . τὴν χεῖρά αὐ. ὑπὸ τὸν μ. Ἀβ. (2 a) 32. 25 (26). ἤψατο τοῦ πλάτους τοῦ μ. αὐτοῦ (2 a) — 25 (26). ἐνάρκησε τὸ πλάτος τοῦ μ. Ἰακώβ (2 a) — 31 (32). ἐπέσκαψε τῷ μ. αὐτοῦ (2 a) — 32 (33). ἐπὶ τοῦ πλάτους τοῦ μ. [A<sup>2</sup> add. Ἰακώβ] (2 a) — 32 (33). ἤψατο τοῦ πλάτους τοῦ μ. Ἰακώβ (2 a) 46. 26. οἱ ἐξεληθόντες ἐκ τῶν μ. αὐτοῦ (2 a) 47. 29. ὑπόθες τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μ. μου (2 a) 49. 10. οὐκ ἐκλείψει . . . ἡγουμένος ἐκ τῶν μ. αὐ. (4) 50. 23. ἐτέθησαν ἐπὶ μηνῶν Ἰασηφ (1) Ex. 28. 38 (42). ἀπὸ ὁσφύος ἕως μηνῶν ἔσται (2 a) 32. 27. θέσθε ἕκαστος τὴν ἐαυ. ῥομφαίαν ἐπὶ τὸν μ. (2 a) Nu. 5. 21. ἐν τῷ δοῦναι κύριον τὸν μ. σου δια- πεπτωκότα (2 a) — 22. καὶ διαπεσύν μηνὸν σου (2 a) — 27. διαπεσείσται ὁ μ. αὐτῆς (2 a) De. 28. 57. τὸ ἐξελεθὼν διὰ τῶν μ. αὐτῆς (4) Jd. 3. 16. περιεζώσατο αὐτὴν . . . ἐπὶ τὸν μ. τὸν δεξιῶν (2 a) — 21. ἐπάνωθεν τοῦ μ. αὐτοῦ τοῦ δεξιῶν (2 a) 8. 30. υἱοὶ ἐβδόμη. ἐκπεπορευμένοι ἐκ μηνῶν αὐ. (2 a) 15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς κνήμην ἐπὶ μηνῶν (2 a) 19. 1. παροικῶν ἐν μηροῖς ὄρους Ἐφρ. (2 b) — 18. ἕως μηνῶν [A add. ἕως] ὄρους Ἐφρ. (2 b) IV Ki. 16. 14. εἰδείξεν αὐτὸ ἐπὶ μηνῶν τοῦ θυ- σιαστηρίου (2 a) 19. 23. εἰς ὕψος ὀρέων μηνῶν [B<sup>3</sup> μέρος, A μέρου] τοῦ Λιβ. (2 b) [Ju. 9. 2. ἐγύμνωσαν μηνῶν εἰς ἀσχυρὴν [B<sup>1</sup> al.] Jb. 15. 27. A S ἐποίησε περιστόμῳ ἐπὶ τῶν μ. [B μηνῶν] (3) Ps. 44 (45). 3. περὶζώσαι τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μ. σου (2 a) Ca. 3. 8. ῥομφαία αὐτοῦ ἐπὶ μηνῶν αὐτοῦ (2 a) 7. 1 (2). ῥύθμοι μηνῶν σου ὅμοιοι ὀρμίσκοις (2 a) Si. 19. 12. βέλους πεπηγὸς ἐν μηνῷ σαρκὸς Ez. 7. 17: 21. 7 (12). πάντες μηνροὶ μολυνθή- σονται ὑγρασία (1) 32. 23. A ἔδωκαν τὰς ταφὰς αὐτῆς ἐν μηνροῖς λάκκου (2 b) 47. 4. διήλθεν ἐν τῷ ὕδατι ὕδωρ ἕως τῶν μ. (1) Da. LXX. 2. 32. ἡ κοιλία καὶ οἱ μ. χαλκοὶ (2 c) [Aq. Ge. 49. 13: Ex. 25. 30 (31): Le. 1. 11: Ps. 47 (48). 3: 127 (128). 3: Is. 14. 15: Je. 31 (38). 19: Ez. 24. 4.] [Sm. Ex. 25. 30 (31): Ps. 44 (45). 4: 47 (48). 3: Je. 31 (38). 19: Ez. 24. 4.] [Th. Ge. 49. 10: Ex. 1. 5: 25. 30 (31): Is. 14. 15: 37. 24: Ez. 24. 4: 32. 23.] [Al. Ps. 44 (45). 4.] [Quint. Ps. 47 (48). 3.] **μηνρέσθαι.** (1) מְנִיָּהּ Pr. 31. 13. μηνρομένη ἔρια καὶ λίνον (1) **μηνρυκάσθαι (μαρ.).** (1) מְנִיָּהּ hi. Le. 11. 26. μηνρυκισμὸν οὐ μηνρυκάται [A al.] (1) **μηνρυκισμός.** (1) מְנִיָּהּ Le. 11. 3. ἀνάγον μηνρυκισμὸν ἐν τοῖς κτήρεσι (1) — 4. ἀπὸ τῶν ἀναγόντων μηνρυκισμὸν (1) — 4, 5, 6. ὅτι ἀνάγει μηνρυκισμὸν τοῦτο — 7. καὶ τοῦτο οὐκ ἀνάγει μηνρυκισμὸν — 26. μηνρυκισμὸν οὐ μηνρυκάται [A al.] (1) De. 14. 6. πᾶν κτήνος . . . ἀνάγον μηνρυκισμὸν — 7. ἀπὸ τῶν ἀναγόντων μηνρυκισμὸν (1) — 7. ὅτι ἀνάγουσι μηνρυκισμὸν (1) — 8. μηνρυκισμὸν οὐ μαρυκάται [A οὐκ ἀναμ.] (1) **μήτε.** Ge. 31. 52†. III Ki. 8. 26 bis. II Es. 7. 23†. Ho. 4. 4 bis. Ep. Je. 27† bis. I Ma. 12. 36† bis. II Ma. 10. 13.

μηνωτή. (1) Πῶς  
 III Ki. 19. 13. ἐπεκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐ. ἐν τῇ μ. ἑαυ. (1)  
 — 19. ἐπέρριψε τὴν μ. αὐ. ἐπ' αὐτόν (1)  
 IV Ki. 2. 8. ἔλαβεν ἥλ. τὴν μ. αὐτοῦ (1)  
 — 13. ὕψωσε τὴν μ. ἥλ. (1)  
 — 14. ἔλαβε τὴν μ. ἥλ. (1)  
 μῆν (certie). εἰ μῆν vid. suō εἰ ἡ μῆν vid. suō ἡ \* οὐ μῆν δὲ ἀλλὰ.  
 Es. 9. 27.  
 Jb. 2. 5\*: 5. 8\*: 12. 5\*: 18. 3\*, 15\*†: 14. 12†: 17. 10\*: 21. 17\*: 27. 3, 6†, 7\*, 8†: 28. 13†: 32. 2†: 33. 1\*: 34. 36\*: 39. 22†.  
 Wi. 1. 8†: 6. 23.  
 Si. 9. 13†.  
 Is. 59. 6†.  
 III Ma. 5. 50\*.  
 IV Ma. 15. 9\*.  
 [Aq. Is. 26. 10.]  
 [Sm. Ec. 10. 3.: Mi. 3. 8.]  
 [Th. Jb. 6. 2†.]  
 μῆν (mensis). (1) ὡς (2) α. Πῶς δ. Πῶς  
 Ge. 7. 11. τοῦ δευτέρου μ. ἐβδόμη καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός (1, 1)  
 8. 3 (4). ἐκάστη ἐν κιβωτὸς ἐν μ. τῷ ἐβδόμῳ (1)  
 — 3 (4). ἐβδόμῳ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 — 4 (5). ἡλαττονούτο ἕως τοῦ δεκάτου μ. (1)  
 — 5. καὶ ἐν τῷ δεκάτῳ [A. ἐν δὲ τῷ ἑνδεκ.] μ. — (1)  
 — 5. τῇ πρώτῃ τοῦ μ. (1)  
 — 13. B ἐγένετο . . . τοῦ πρώτου μ. [A τοῦ μ. τοῦ πρ.] — (1)  
 — 13. μῆ τοῦ μ. ἐξέλιπε τὸ ὕδωρ (1)  
 — 14. ἐν δὲ τῷ δευτέρῳ μ. [A τῷ μ. τῷ δ.] (1)  
 — 14. ἐβδόμῳ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 29. 14. ἡν μετ' αὐτοῦ μῆνα ἡμερῶν (1)  
 Ex. 2. 2. ἐσκέπασαν αὐτὸ μῆνας τρεῖς (2 a)  
 12. 2. ο. μ. οὗτος ὡς ἀρχὴ μηνῶν (1, 1)  
 — 2. πρώτος . . . ἐν τοῖς μ. τοῦ ἑνιαυτοῦ (1)  
 — 3. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τούτου λαβέτωσαν (1)  
 — 6. τῆς τεσσαρεσκαδεκάτης τοῦ μ. τούτου (1)  
 — 18. τῇ . . . ἡμέρᾳ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 18. ἕως ἡμέρας μῆας καὶ εἰκάδος τοῦ μ. (1)  
 13. 4. ἐκπορεύσθε ἐν μηνὶ τῶν νέων (1)  
 — 5. ποιήσεις . . . ἐν τῷ μ. τούτῳ (1)  
 16. 1. τῇ δὲ . . . ἡμέρᾳ τοῦ μ. τῷ δευτέρῳ (1)  
 19. 1. τοῦ δὲ μ. τοῦ τρίτου τῆς ἐξόδου (1)  
 28. 15. ἐκ τῶν καυρῶν ἐν μηνὶ τῶν νέων (1)  
 34. 18. ἐκ τῶν καυρῶν ἐν μηνὶ τῶν νέων (1)  
 — 18. ἐν γὰρ [A. ἀδ. τῷ] μηνὶ τῶν νέων (1)  
 40. 2. ἐν ἡμέρᾳ μῆ [A. om.] τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 17. ἐγένετο ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρώτῳ (1)  
 Le. 16. 29. B<sup>3</sup> B ἐν τῷ μ. τῷ ἐβδόμῳ δεκάτῃ τοῦ μ. [A B<sup>1</sup> om. δ. τ. μ.] ταπεινώσente (1, 1)  
 23. 5. ἐν τῷ πρώτῳ μ. ἐν τῇ τεσσαρεσκαδικῇ ἡμ. τοῦ μ. (1, 1)  
 — 6. ἐν τῇ πεντεκαδικῇ ἡμ. τοῦ μ. τούτου (1)  
 — 24. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. μῆ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 27. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τούτου (1)  
 — 32. ἀπὸ ἐνάτης τοῦ μ. (1)  
 — 34. τῇ πεντεκαδικῇ. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τούτου (1)  
 — 39. ἐν τῇ πεντεκαδικῇ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τ. (1)  
 — 41. ἐν τῷ μ. τῷ ἐβδ. ἐορτάσente αὐτήν (1)  
 25. 9. ἐν [A. om.] τῷ μ. τῷ ἐβδ. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. (1, 1)  
 Nu. 1. 1, 18. ἐν μῆ τοῦ μ. τοῦ δευτέρου ἔτους (1)  
 9. 1. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ (1)  
 — 3. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 5. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. ἡμ. τοῦ μ. (1)  
 — 11. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)  
 — 22. μηνὸς ἡμέρας πλεονάζουσας τῆς νεφ. (1)  
 10. 11. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)  
 11. 20. ἕως μηνός ἡμερῶν φάγισθε (1)  
 — 21. φάγονται μῆνα ἡμερῶν (1)  
 20. 1. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ [B<sup>1</sup> τρίτῳ] (1)  
 28. 14. μῆνα ἐκ μηνός εἰς τοὺς μ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (1 ter)  
 — 16. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ τεσσαρεσκαδικῇ ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 17. B καὶ τῇ πεντεκαδικῇ. ἡμ. τοῦ μ. (1)  
 29. 1. καὶ τῷ μ. τῷ ἐβδόμῳ μῆ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 7. τῇ δεκάτῃ τοῦ μ. τούτου (1)  
 — 12. τῇ πεντεκαδικῇ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. τ. (1)  
 33. 3. τῷ μ. τῷ πρώτῳ τῇ πεντεκαδικῇ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1, 1)

Nu. 33. 38. τῷ μ. τῷ πέμπτῳ μῆ τοῦ μ. (1, 1)  
 De. 1. 3. ἐν τῷ ἑνδεκ. μ. μῆ τοῦ μ. (1, 1)  
 18. 1. φύλαξαι τὸν μ. τῶν νέων (1)  
 — 1. ἐν τῷ μ. τῶν νέων ἐξήλθες (1)  
 21. 13. κλαυσεται τὸν πατέρα . . . μηνός ἡμέρας (2 a)  
 33. 14. καὶ ἀπὸ συνόδων μηνῶν (2 a)  
 Jo. 4. 19. δεκάτῃ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 5. 9 (10). τῇ τεσσαρεσκαδικῇ ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1)  
 Jd. 11. 37. ἔασόν με δύο μῆνας (1)  
 — 38. ἀπέστειλεν αὐτὴν δύο μῆνας (1)  
 — 39. ἐν τέλει [A. μετὰ τέλος] τῶν δύο μηνῶν (1)  
 19. 2. ἡν ἐκεῖ ἡμέρας μηνῶν τεσσάρων [A. al.] (1)  
 20. 47. ἐκάθισαν . . . τεσσαρας μ. [A. al.] (1)  
 I Ki. 6. 1. ἡν ἡ καθ. ἐν ἀγρῷ τῶν ἀλλοφ. ἐπὶ τῷ μηνῶν (1)  
 11. 1 (10. 27). ὅς μετὰ μῆνα (1)  
 20. 24. παραγίνεται ὁ μ. (1)  
 — 27. τῇ ἑαυρίον τοῦ μ. (1)  
 34. ἐν [A. ἀδ. ἡμέρᾳ] τῇ δευτέρᾳ τοῦ μ. (1)  
 27. 7. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς τῶν ἡμ. . . . τεσσαρας μ. (1)  
 II Ki. 2. 11. A B ἐπὶ τῇ καὶ μῆνας ἔξ (1)  
 5. 5. ἐπὶ τῇ καὶ μῆνας ἔξ ἐβασίλευσεν (1)  
 6. 11. ἐκάθισαν . . . μῆνας τρεῖς (1)  
 24. 8. ἀπὸ τέλους ἑνέα μηνῶν (1)  
 — 13. ἡ τρεῖς μῆνας φεύγειν σε (1)  
 III Ki. 4. 7. μῆνα ἐν τῷ [A. om. ἐν τῷ] ἑνιαυτῷ ἐγένετο (1)  
 — 27 (5. 7). ἕκαστος μῆνα αὐτοῦ (1)  
 5. 14 (28). δέκα χιλιάδες ἐν τῷ μ. (1)  
 — 14 (28). μῆνα ἦσαν ἐν τῷ Διάνῳ καὶ δύο μῆνας ἐν ὁκτῷ αὐ. (1, 1)  
 6. 1. ἐν μ. τῷ δευτέρῳ βασιλεύοντος τοῦ βασ. (1)  
 — 1 (37). ἐν μηνὶ N. [A. Z.] καὶ τῷ δευτέρῳ [B<sup>1</sup> om.] μ. (2 a, -)  
 — 1 (38). ἐν μηνὶ B. οὗτος ὁ μ. ὁ θυόος (2 a, 1)  
 8. 2. ἐν μηνὶ Ἀδ. (2 a)  
 — 2. αὐτὸς ὁ μ. ἐβδομηκοστὸς ἔβδομος (1)  
 11. 16. ἔξ μηνῶν ἐνεκάθητο ἐκεῖ ἴ. (1)  
 12. 32. ἐν τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ ἐν τῇ πεντεκαδικῇ ἡμέρᾳ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 33. ἐν τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ (1)  
 IV Ki. 15. 13. B ἐβασίλευσε Σ. μῆνα ἡμερῶν [A B al.] (2 a)  
 22. 3. ἐν τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ [A. ἐβδόμῳ] (1)  
 23. 31. A τρεῖς μῆνας [B τρίμηνον] ἐβασίλευσεν (1)  
 25. 1. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ [A. δευτέρῳ τεσσαρεσκαδικῇ τοῦ μ.] (1, 1)  
 — 2 (3). ἐνάτῃ τοῦ μ. (1)  
 — 8. ἐν τῷ μ. τῷ πέμπτῳ ἐβδόμῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 25. ἐν [A. om.] τῷ ἐβδόμῳ μ. (1)  
 — 27. ἐν τῷ δεκάτῳ μ. ἐβδόμῳ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)  
 I Ch. 12. 15. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ (1)  
 13. 14. ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς . . . τρεῖς μῆνας [A. ἡμέρας] (1)  
 21. 12. ἡ τρεῖς μῆνας φεύγειν σε (1)  
 27. 1. μῆνα ἐκ μηνός εἰς πάντας τοὺς μ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (1 ter)  
 — 2. ἐπὶ τῆς διαιρέσεως τῆς πρώτης τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 3. ἀρχῶν πάντων τῶν ἀρχόντων . . . τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 4. ἐπὶ τῆς διαιρέσεως τοῦ μ. τοῦ δευτ. (1)  
 — 5. ὁ τρίτος τὸν μ. τὸν τρίτον (1)  
 — 7. ὁ τέταρτος εἰς τὸν μ. τὸν τέταρτον (1)  
 — 8. ὁ πέμπτος τῷ μ. τῷ πέμπτῳ (1)  
 — 9. ὁ ἕκτος τῷ [A. om.] μ. τῷ ἕκτῳ (1)  
 — 10. ὁ ἔβδομος τῷ μ. τῷ ἐβδόμῳ (1)  
 — 11. ὁ ὀγδόος τῷ μ. τῷ ὀγδόῳ (1)  
 — 12. ὁ ἑνάτος τῷ μ. τῷ ἐνάτῳ (1)  
 — 13. ὁ δέκατος τῷ μ. τῷ δεκάτῳ (1)  
 — 14. ὁ ἐνδέκατος τῷ μ. τῷ ἐνδεκάτῳ (1)  
 — 15. ὁ δωδέκατος εἰς τὸν μ. τὸν δωδέκατον (1)  
 II Ch. 3. 2. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)  
 5. 3. οὗτος ὁ μ. ἔβδομος (1)  
 7. 10. ἐν τῇ τρίτῃ καὶ εἰκοστῇ [A. εἰκάδι] τοῦ μ. τοῦ ἐβδόμου (1)  
 8. 13. ἐν τοῖς μ. καὶ ἐν ταῖς ἐορταῖς (1)  
 15. 10. ἐν τῷ μ. τῷ τρίτῳ (1)  
 29. 3. ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ μ. (1)  
 — 17. νομηνία τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀγδόῃ τοῦ μ. (1)  
 — 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρισκαδικῇ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου [A. al.] (1)

II Ch. 30. 2. ποιῆσαι τὸ φασὲκ τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)  
 — 13. ἐν τῷ μ. τῷ δευτέρῳ (1)  
 — 15. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. τοῦ μ. τοῦ δευτέρου (1)  
 31. 7. ἐν τῷ μ. τῷ τρίτῳ (1)  
 — 7. ἐν τῷ ἐβδόμῳ μ. (1)  
 35. 1. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 I Es. 1. 1. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. ἡμ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 — 35. ἐβασίλευσεν . . . μῆνας τρεῖς (1)  
 — 44. βασιλεύει δὲ μῆνας τρεῖς (1)  
 5. 6. μὴν Νισάν τοῦ πρώτου μ. (1)  
 — 47. ἐνστάτος δὲ τοῦ ἐβδόμου μ. (1)  
 — 53. B ἀπὸ τῆς νομηνίας τοῦ πρώτου [A B ἐβδ.] μ. (1)  
 — 56. παραγενόμενος . . . ἐς ἴ. μ. δευτέρου (1)  
 — 57. τῇ νομηνίᾳ τοῦ δευτέρου μ. (1)  
 7. 5. ἕως τρίτης καὶ εἰκάδος μ. Ἀ. (1)  
 — 10. ἐν τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. τοῦ πρώτου μ. (1)  
 8. 6. ἐν τῷ πέμπτῳ μ. (1)  
 — 6. τῇ νομηνίᾳ τοῦ πρώτου μ. (1)  
 — 6. A ἐν τῇ νομηνίᾳ τοῦ πέμπτου μ. (1)  
 — 61. τῇ δωδεκάτῃ τοῦ πρώτου [A. om.] μ. (1)  
 9. 5. οὗτος ὁ μ. ἑνατος τῇ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 — 16. τῇ νομηνίᾳ τοῦ μ. τοῦ δεκάτου μ. (1)  
 — 17. ἕως τῆς νομηνίας τοῦ πρώτου μ. (1)  
 — 37. B τῇ νομηνίᾳ τοῦ ἐβδόμου μ. [A B μ. τοῦ ἐ.] (1)  
 — 40. νομηνία τοῦ ἐβδόμου μ. (1)  
 II Es. 3. 1. ἐφθασεν ὁ μ. ὁ ἔβδομος (1)  
 — 6. ἐν ἡμέρᾳ μῆ τοῦ μ. τοῦ ἐβδ. (1)  
 — 8. ἐν μ. τῷ δευτέρῳ (1)  
 6. 15. ἕως ἡμέρας τρίτης μηνός Ἀ. (2 b)  
 — 19. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου μ. (1)  
 7. 8. τῷ μ. τῷ πέμπτῳ (1)  
 — 9. ἐν μῆ τοῦ μ. τοῦ πέμπτου (1)  
 — 9. B ἐν δὲ τῇ πρώτῃ τοῦ μ. τοῦ πέμπτου (1)  
 8. 31. ἐν τῇ δωδεκ. τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 10. 9. A B B οὗτος ὁ [B. om.] μ. ὁ ἑνατος (1)  
 — 9. ἐν εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 — 16. A B B ἐν ἡμέρᾳ μῆ τοῦ μ. [B. om.] τοῦ δεκάτου [B<sup>1</sup> δωδεκ.] (1)  
 — 17. A B B<sup>3</sup> ἕως ἡμέρας μῆας τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 Ne. 1. 1. ἐν μηνὶ X. (1)  
 2. 1. ἐγένετο ἐν μηνὶ N. (1)  
 6. 15. S B πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ Ἑ. μηνός [A B al.] (1)  
 8. 1 (7. 73). ἐφθασεν ὁ μ. ὁ ἔβδομος (1)  
 — 10. A<sup>1</sup> ἐφθασεν ὁ μ. ὁ ἔβδομος (1)  
 — 2. ἐν ἡμέρᾳ μῆ τοῦ μ. τοῦ ἐβδόμου (1)  
 — 14. ἐν ἑορτῇ ἐν μ. τῷ ἐβδόμῳ (1)  
 9. 1. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μ. τούτου (1)  
 Ju. 2. 1. δευτέρᾳ καὶ εἰκάδι τοῦ πρώτου μ. (1)  
 3. 10. ἡν ἐκεῖ μῆνα ἡμερῶν (1)  
 4. 2. τρία καὶ μῆνας τέσσαρας (1)  
 16. 20. ἡν ὁ λαὸς ἐφθραμύμ. . . ἐπὶ μῆνας τρεῖς (1)  
 Es. 2. 12. θαν ἀναπληρώση μῆνας δέκα δύο [A. al.] (1)  
 — 12. μῆνας ἔξ ἀλειφόμενοι (1)  
 — 12. καὶ μῆνας ἔξ ἐν τοῖς ἀρώμασι (1)  
 — 16. τῷ δωδεκ. [B<sup>1</sup> δεκάτῳ] μ. (1)  
 3. 7. S<sup>2</sup> ἐν τῷ μ. τῷ πρώτῳ αὐτοῦ ὁ μ. Νισάν (1, 1)  
 — 7. ἐβαλε κλήρους . . . μῆνα ἐκ μηνός (1, 1)  
 — 7. εἰς τὴν τεσσαρεσκαδικήν τοῦ μ. (1)  
 — 12. ἐκλήρῳσαν . . . μηνὶ πρώτῳ [B<sup>3</sup> add. αὐτὸς ὁ μ. Νισάν] (1, -)  
 — 13. ἐν ἡμέρᾳ μῆ μηνός δωδεκάτου (1)  
 — 13. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ τοῦ δωδεκ. [B<sup>1</sup> om.] μ. Ἀ. (1)  
 8. 9. ἐν τῷ πρώτῳ [B<sup>2</sup> τρίτῳ] μ. (1)  
 — 9. A τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ [B<sup>1</sup> δευτέρου] μ. [B S ἔτους] (1)  
 — 12. τῇ τρισκαδικῇ. τοῦ δωδεκάτου [A B<sup>1</sup> om.] μ. (1)  
 — 13. τῇ τρισκαδικῇ. τοῦ δωδεκάτου μ. Ἀ. (1)  
 9. 1. ἐν γὰρ τῷ δωδεκ. μ. τρισκαδικῇ. [B<sup>1</sup> τεσσαρεσκαδικῇ] τοῦ μ. (1, 1)  
 — 15. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. [B<sup>2</sup> τρισκαδικῇ] τοῦ Ἀ. [B<sup>1</sup> μηνός, B<sup>2</sup> Ἀ. μ.] (1)  
 — 16. A τῇ τεσσαρεσκαδικῇ τοῦ Ἀ. [B S al.] (1)  
 — 17. τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. τοῦ αὐτοῦ [B. al.] (1)  
 — 17. A τῇ τεσσαρεσκαδικῇ. τοῦ αὐτοῦ μ. (1)  
 — 19. τὴν τεσσαρεσκαδικῇ. τοῦ Ἀ. [B<sup>1</sup> μηνός, B<sup>2</sup> μ. Ἀδάρ] (1)  
 — 21. ἄγειν τε τὴν τεσσαρεσκαδικῇ. [B<sup>2</sup> add. τοῦ μ. Ἀ.] (1)  
 — 22. καὶ τὸν μ. . . . ἄγειν (1)  
 10. 3. ἔσονται αὐτοῖς . . . ἐν μηνὶ Ἀ. (1)

Es. 10. 3. τῇ τεσσαρεσκαίδεκα. . . τοῦ αὐτοῦ μ. (2 a)  
 Jb. 3. 6. μηδὲ ἀριβμθηίς εἰς ἡμέρας μηνῶν (2 a)  
 7. 3. οὕτως καὶ γὰρ ὑπέμεινε μῆνας κενούς (2 a)  
 14. 5. ἀριβμτοὶ δὲ μῆνες αὐ. παρ' αὐτοῦ (1)  
 21. 21. ἀριβμτοὶ μηνῶν αὐτοῦ διηρέθησαν (1)  
 29. 2. Α τίς ἂν με θείῃ μῆνα [B S om.] κατὰ μῆνα ἡμερῶν τῶν [B S om. ἡ. τ.] ἔμπροσθεν ἡμερῶν (-, 2 a)  
 39. 2. ἡρίβμσας δὲ μῆνας αὐ. πλήρεις τοκετοῦ (2 a)  
 Si. 43. 8. μὴν κατὰ τὸ ὄνομα αὐτῆς ἐστίν (1)  
 Am. 4. 7. πρὸ τριῶν μηνῶν τοῦ τρυγητοῦ (1)  
 8. 5. πότε διελεύσεται ὁ μ. (1)  
 Hg. 1. 1. ἐν τῷ μηνί τῷ ἑκτῷ μᾶ τοῦ μηνός (1, 1)  
 2. 1 (1. 15). ΑΒ τῇ τετραδί καὶ εἰκάδι τοῦ [B S om.] μ. τοῦ ἑκτου (1)  
 — 2 (1). τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ [A τῷ ε. μ.] μᾶ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (-, 1)  
 — 11 (10). τετραδί καὶ εἰκάδι τοῦ ἐνάτου μ. [A μηνί τῷ ἐνάτῳ] -  
 — 19 (18). ἀπὸ τῆς τετραδὸς καὶ εἰκάδος τοῦ ἐνάτου μ. (-)  
 — 21 (20). τετραδί καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 Za. 1. 1. ἐν τῷ ὀγδόῳ μηνί ἔτους δευτέρου (1)  
 — 7. τῷ ἑνδεκάτῳ μ. οὗτος ἐστίν ὁ μ. Σ. (1, 1)  
 7. 1. τετραδί τοῦ μ. τοῦ ἐνάτου [A al.] (1)  
 — 3. ἐν τῷ μ. τῷ πέμπτῳ (1)  
 11. 8. ἔξαρῳ τοῦ τρεῖς ποιμένας ἐν μηνί ἐνί (2 a)  
 Is. 66. 23. ἔσται μῆνα ἐκ μηνός . . . ἥξει πᾶσα σὰρξ (1, 1)  
 Je. 1. 3. ἔως τῆς αἰχμαλωσίας Ἱερουσαλὴμ ἐν τῷ πέμπτῳ μ. (1)  
 35 (28). 1. ἐν μηνί τῷ πέμπτῳ (1)  
 — 17. ἀπέθανεν ἐν [B om.] τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ [A τῷ ε. μ.] (1)  
 36 (29). 28. B διὰ τοῦ μ. τοῦτου (1)  
 43 (36). 9. ΑΒ ἐν [B S om.] τῷ μ. τῷ ἐνάτῳ (1)  
 46 (39). 1. ἐγένετο τῷ [A S ἐν τῷ] μ. [A ἔτει] τῷ ἐνάτῳ τοῦ Σεδ. βασι. I. [A add. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ] (1, 1)  
 — 2. ἐν τῷ μ. τῷ τετάρτῳ ἐνάτῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 48 (41). 1. ἐγένετο τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ (1)  
 52. 4. ἐν μηνί τῷ ἐνάτῳ [A ε. τῷ μ. τ. ἑβδόμῳ] δεκάτῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 6. ἐν τῇ [A om. ἐν τῇ] ἐνάτῳ τοῦ μ. (1)  
 — 12. ἐν μηνί πέμπτῳ δεκάτῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 31. ἐν τῷ δωδεκάτῳ μ. ἐν τῇ τετραδί καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1, 1)  
 Ba. 1. 2. ἐν [A om.] ἑβδόμῳ τοῦ μ. (1)  
 La. 3. 22 (23). B μῆνας εἰς τὰς πρῶτας ἐλέησον (1)  
 Ez. 1. 1. ἐν τῷ [B' om. ἐν τῷ] τετάρτῳ μηνί πέμπτῳ τοῦ μ. (-, 1)  
 — 2. ἴδον ὁράσεις θεοῦ πέμπτῳ τοῦ μ. (1)  
 8. 1. ἐν τῷ πέμπτῳ μ. πέμπτῳ τοῦ μ. (-, 1)  
 20. 1. τῇ πεντεκαίδεκῃ [A ἐν τῷ πέμπτῳ μ. δεκάτῳ] τοῦ μ. (-, 1)  
 24. 1. ἐν τῷ μ. τῷ δεκάτῳ δεκάτῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 26. 1. μᾶ τοῦ μ. [A add. τοῦ πρώτου] (1)  
 29. 1. ἐν τῷ δεκάτῳ [A ἐνδ.] μ. μᾶ τοῦ μ. (-, 1)  
 — 17. μᾶ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 30. 20. ἐν τῷ πρώτῳ μ. ἑβδόμῳ τοῦ μ. (-, 1)  
 31. 1. ἐν τῷ τρίτῳ μ. μᾶ τοῦ μ. (-, 1)  
 32. 1. ἐν τῷ δεκάτῳ [A' δωδ.] μηνί μᾶ τοῦ μ. (1, 1)  
 — 17. ἐν τῷ δωδεκάτῳ ἔτει τοῦ πρώτου μ. [A ἐν τῷ πρώτῳ μ.] πεντεκαίδεκάτῳ τοῦ μ. (-, 1)  
 33. 21. ἐν τῷ δωδεκάτῳ μ. πέμπτῳ τοῦ μ. (-, 1)  
 40. 1. ἐν τῷ πρώτῳ μ. δεκάτῳ τοῦ μ. (1, 1)  
 45. 18. ἐν τῷ πρώτῳ μ. μᾶ τοῦ μ. (-, 1)  
 — 20. ΑΒ οὕτως ποιήσεις ἐν τῷ μ. τῷ ἑβδόμῳ [B ε. μ.] μᾶ τοῦ μ. λήγῃ [B om.] παρ' ἐκαστοῦ ἀπέρμοραν [A ἀγνοοῦντος] (1, -)  
 — 21. ἐν τῷ πρώτῳ [A add. μ.] τεσσαρεσκαίδεκάτῳ τοῦ μ. ἔσται ὑμῖν τὸ πάχος ἰορτῆ (-, 1)  
 — 25. ΑΒ ἐν τῷ ἑβδόμῳ μ. [B om.] πεντεκαίδεκάτῳ [A add. ἡμέρῳ] τοῦ μ. (-, 1)  
 Da. LXX. 4. 26. μετὰ μῆνας δώδεκα (2 b)  
 10. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τετάρτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 Da. TH. 10. 4. ἐν ἡμέρᾳ ἐικοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μ. τοῦ πρώτου (1)  
 I Ma. 1. 58. τοῖς εὐρισκομ. ἐν παντὶ μ. καὶ μηνί — 59. τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. (1)  
 4. 52. ΑΒ τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μ. τοῦ ἐνάτου [B om. τ. ε.] οὗτος ὁ μ. Χασ. (1)  
 — 59. ἀπὸ τῆς πέμπτῃς καὶ εἰκάδος τοῦ μ. Χασ. (1)

I Ma. 7. 43. τῇ τρισκαίδεκάτῃ τοῦ μ. \*Αδαρ 9. 3. τοῦ μ. τοῦ πρώτου ἔτους τοῦ δευτέρου — 54. τῷ μ. τῷ δευτέρῳ ἐπέταξεν \*Α. 10. 21. τῷ ἑβδόμῳ μ. ἔτους ἐξηκοστοῦ 13. 51. ΑΒ τῇ τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ δευτέρου μ. [B τοῦ μ.] 16. 14. ἐν μ. ἐνδεκάτῳ οὗτος ὁ μ. Σ. II Ma. 1. 9. τὰς ἡμέρας τῆς σκηνοπηγίας τοῦ Χασ. μηνός 6. 7. εἰς τὴν κατὰ μῆνα τοῦ βασι. γενέθλιον ἡμέραν 7. 24. τὴν ἐν γαστρὶ περιενέγκασάν σε μῆνας ἐννέα 10. 5. τῇ πέμπτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ μ. 15. 36. τὴν τρισκαίδεκάτῃ τοῦ δωδεκάτου μ. [Aq. Ex. 40. 2: IV Ki. 25. 1: Jb. 29. 2.] [Sm. III Ki. 8. 2: Jb. 29. 2: Ez. 40. 1.] [Th. Ex. 40. 2: Jb. 21. 21.] [Al. Ez. 47. 12.] μήνη. [Sm. Ps. 88 (89). 38.] μηνιαίος. (1) מְחִיָּאִי Le. 27. 6. ἀπὸ δι' μηνιαίου ἕως πενταετοῦς (1) Nu. 8. 15, 22, 28, 34, 39, 40, 43. ἀπὸ μηνιαίου καὶ ἐπάνω (1) 18. 16. ἡ λύτρωσις αὐ. ἀπὸ μηνιαίου 20. 62. ἀπὸ μηνιαίου καὶ ἐπάνω (1) [Sm. Ps. 80 (81). 4.] μηνίαμα. Si. 40. 5. φόβος θανάτου καὶ μηνίαμα [A S μῆνιμα] μηνιαν. Si. 10. 6. ἐπὶ παντὶ ἀδικίᾳ μὴ μηνιάσης [A S -ιάσης] τῷ πλησίον (1) μηνίειν. (1) נָכַר Le. 19. 18. οὐ μηνίεις [A' -οῖς] τοῖς υἱοῖς τοῦ λαοῦ σου (1) Ps. 102 (103). 9. οὐδὲ εἰς τὸν αἰῶνα μηνίει (1) Si. 10. 6. ΑΒ ἐπὶ παντὶ ἀδικίᾳ μὴ μηνιάσης [B -ιάσης] τῷ πλησίον 28. 7. μὴ μηνιάσης τῷ πλησίον Jc. 3. 12. οὐ μηνιώ ὑμῖν εἰς τὸν αἰῶνα (1) μηνίμα. Si. 40. 5. ΑΒ φόβος θανάτου καὶ μῆνιμα [B -ίαμα] μῆνις. (1) מְחִיָּאִי (2) מְחִיָּאִי Ge. 49. 7. ἐπικατάρατος . . . ἡ μ. αὐτῶν (2) Nu. 35. 21. ἡ διὰ μῆνιν ἐπάταξεν αὐτὸν (1) Si. 27. 30. μῆνις καὶ ὀργή καὶ [B om.] ταῦτά ἐστι βδελύγματα 28. 5. αὐτὸς σὰρξ ὢν διατηρεῖ μῆνιν [Aq. Jb. 48 (81). 30.] [Sm. Ez. 25. 12, 15. Am. 1. 11.] [Th. Is. 18. 9: 16. 6.] μηνίσκος. (1) מְחִיָּאִי Jd. 8. 21. ἔλαβε τοὺς μ. — 26. παρέξ τῶν μ. καὶ τῶν στραγγαλίδων [A al.] (1) Is. 8. 18. ἀφελεῖ κύριος . . . τοὺς μ. [Aq. Jd. 8. 26.] μηνύειν. II Ma. 8. 7. περὶ τῶν μηνυθέντων αὐτῷ χρημάτων 6. 11. μηνυθέντες τῷ Φ. συνεφλογίσθησαν 14. 37. ἐμνήσθη τῷ Ν. III Ma. 3. 28. μηνύειν δὲ τὸν βουλούμενον IV Ma. 4. 3. B μηνύσων [A S -ύων] πολλὰς . . . μηνιάδας . . . τιθησασίνας [Sm. Jb. 12. 8.] μὴ οὐ, vid. suō μή. μὴ ποτε, vid. suō μή. μὴ πως, vid. suō μή. μηνέμ. [Heb. Ps. 109 (110). 3.] μηνίον. (1) מְחִיָּאִי Le. 3. 4, 10, 15. τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν τὸ ἐπὶ τῶν μ. (1) 4. 9. τὸ ἐπ' αὐτῶν ὁ ἔστιν [A τὸ] ἐπὶ τῶν μ. (1) 6. 34 (7. 4). τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν τὸ ἐπὶ τῶν μ. (1)

Jb. 15. 27. ἐποίησε περιστόμῳ ἐπὶ τῶν μ. [A S μηνῶν] (1) [Th. Jb. 15. 27.] μηρός. (1) מְחִיָּאִי (2) a. מְחִיָּאִי δ. מְחִיָּאִי c. מְחִיָּאִי (8) מְחִיָּאִי (4) מְחִיָּאִי Ge. 24. 2. θές τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μ. μου (2 a) — 9. ἔθηκεν . . . τὴν χεῖρά αὐ. ὑπὸ τὸν μ. \*Αβ. (2 a) 32. 25 (26). ἤψατο τοῦ πλάτους τοῦ μ. αὐτοῦ (2 a) — 25 (26). ἐνάρκησε τὸ πλάτος τοῦ μ. \*Ιακώβ (2 a) — 31 (32). ἐπέσκαζε τῷ μ. αὐτοῦ (2 a) — 32 (33). ἐπὶ τοῦ πλάτους τοῦ μ. [A' add. \*Ιακώβ] (2 a) — 32 (33). ἤψατο τοῦ πλάτους τοῦ μ. \*Ιακώβ (2 a) 46. 26. οἱ ἐξεληθόντες ἐκ τῶν μ. αὐτοῦ (2 a) 47. 29. ὑπόβες τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μ. μου (2 a) 49. 10. οὐκ ἐκλείψει . . . ἡγοῦμένους ἐκ τῶν μ. αὐ. (4) 50. 23. ἐτίχθησαν ἐπὶ μνηρῶν \*Ιωσήφ (1) Ex. 28. 38 (42). ἀπὸ ὀσφύος ἕως μνηρῶν ἔσται (2 a) 32. 27. θέσθε ἑκάστος τὴν ἐαυ. ρομφαίαν ἐπὶ τὸν μ. (2 a) Nu. 5. 21. ἐν τῷ δοῦναι κύριον τὸν μ. σου διαπεπνυκότα (2 a) — 22. καὶ διαπεσύν μνηρὸν σου (2 a) — 27. διαπεσύνεται ὁ μ. αὐτῆς (2 a) De. 28. 57. τὸ ἐξελεθὼν διὰ τῶν μ. αὐτῆς (4) Jd. 8. 16. περιέψασα αὐτὴν . . . ἐπὶ τὸν μ. τὸν δεξιὸν (2 a) — 21. ἐπάνωθεν τοῦ μ. αὐτοῦ τοῦ δεξιοῦ (2 a) 8. 30. υἱοὶ ἑβδομήκ. ἐκπεπορευμένοι ἐκ μνηρῶν αὐ. (2 a) 15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς κνήμην ἐπὶ μνηρῶν (2 a) 19. 1. παροικῶν ἐν μνηροῖς ὄρους \*Εφρ. (2 a) — 18. ἕως μνηρῶν [A add. ἕως] ὄρους \*Εφρ. (2 b) IV Ki. 16. 14. ἔδειξεν αὐτὸ ἐπὶ μνηρῶν τοῦ θυσιαστηρίου (2 a) 19. 23. εἰς ὕψος ὀρέων μνηροῦς [B' μέρος, A μέρους] τοῦ Λιβ. (2 b) Ju. 9. 2. ἐγύμνωσαν μνηρὸν εἰς αἰσχύνην [B' al.] Jb. 15. 27. ΑΒ ἐποίησε περιστόμῳ ἐπὶ τῶν μ. [B μηνίων] (8) Ps. 44 (45). 3. περιέψατο τὴν ρομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μ. σου (2 a) Ca. 3. 8. ρομφαία αὐτοῦ ἐπὶ μνηρὸν αὐτοῦ (2 a) 7. 1 (2). ρυθμοὶ μνηρῶν σου ὁμοιοὶ ὁρμισκοῖς (2 a) Si. 19. 12. βέλους πεπηγὸς ἐν μνηρῷ σαρκὸς Ez. 7. 17: 21. 7 (12). πάντες μνηροὶ μολυνθήσονται ἱγρασσί (1) 32. 23. Α ἔδωκαν τὰς ταφὰς αὐτῆς ἐν μνηροῖς λάκκου (2 b) 47. 4. διῆλθεν ἐν τῷ ὕδατι ὕδωρ ἕως τῶν μ. (1) Da. LXX. TH. 2. 32. ἡ κοιλία καὶ οἱ μ. χαλκοὶ (2 c) [Aq. Ge. 49. 13: Ex. 25. 30 (31): Le. 1. 11: Ps. 47 (48). 3: 127 (128). 3: Is. 14. 15: Jb. 81 (88). 19: Ez. 24. 4.] [Sm. Ex. 25. 30 (31): Ps. 44 (45). 4: 47 (48). 3: Jb. 81 (88). 19: Ez. 24. 4.] [Th. Ge. 49. 10: Ex. 1. 5: 25. 30 (31): Is. 14. 15: 87. 24: Ez. 24. 4: 32. 23.] [Al. Ps. 44 (45). 4.] [Quint. Ps. 47 (48). 3.] μηνύεσθαι. (1) מְחִיָּאִי Pr. 31. 13. μηνυμένη ἔρια καὶ λίνον (1) μηνυκᾶσθαι (μηνρ.). (1) מְחִיָּאִי hi. Le. 11. 26. μηνυκισμὸν οὐ μηνυκᾶται [A al.] (1) μηνυκισμός. (1) מְחִיָּאִי Le. 11. 3. ἀνάγον μηνυκισμὸν ἐν τοῖς κτήνεσι (1) — 4. ἀπὸ τῶν ἀναγόντων μηνυκισμὸν (1) — 4, 5, 6. ὅτι ἀνάγει μηνυκισμὸν τοῦτο (1) — 7. καὶ τοῦτο οὐκ ἀνάγει μηνυκισμὸν (1) — 26. μηνυκισμὸν οὐ μηνυκᾶται [A al.] (1) De. 14. 6. πᾶν κτήνος . . . ἀνάγον μηνυκισμὸν (1) — 7. ἀπὸ τῶν ἀναγόντων μηνυκισμὸν (1) — 7. ὅτι ἀνάγουσι μηνυκισμὸν (1) — 8. μηνυκισμὸν οὐ μηνυκᾶται [A οὐκ ἀναμ.] (1) μήτε. Ge. 31. 52†. III Ki. 8. 26 bis. II Es. 7. 23†. Ho. 4. 4 bis. Ep. Je. 27† bis. I Ma. 12. 36† bis. II Ma. 10. 13.

III Ma. 3. 7 bis : 7. 8.

IV Ma. 2. 9 bis, 13† : 11. 25.

[Th. II Ki. 1. 21 : Ps. 6. 2.]

μήτηρ. (1) **DN** (2) **PN** (3) **PN**  
(4) **PN**

Ge. 2. 24. τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μ. αὐτοῦ (1)  
8. 20. αὐτὴ μ. πάντων (1)  
20. 12. ἀδελφὴ . . . ἐκ πατρὸς ἀλλ' οὐκ ἐκ μητρὸς (1)  
21. 21. ἔλαβεν αὐτὴν ἡ μ. γυναῖκα (1)  
24. 28. εἰς τὸν οἶκον τῆς μ. αὐτῆς (1)  
— 53. δῶρα ἔδωκε . . . τῇ μ. αὐτῆς (1)  
— 55. εἰπαν δὲ οἱ ἀδελφοὶ αὐτῆς καὶ ἡ μ. (1)  
— 67. εἰς τὸν οἶκον τῆς μ. αὐτοῦ (1)  
— 67. περὶ Σάρρας τῆς μ. αὐτοῦ (1)  
27. 11. πρὸς Ῥεβέκκας τὴν μ. αὐτοῦ (1)  
— 13. εἶπε δὲ αὐτὴ ἡ μ. (1)  
— 14. ἔλαβε καὶ ἠνεγκε τῇ μ. (1)  
— 14. ἐποίησεν ἡ μ. αὐτοῦ ἰδέσθαι (1)  
28. 2. Βαθουλλὰ τοῦ πατρὸς τῆς μ. σου (1)  
— 2. Λάβαν τοῦ ἀδελφοῦ τῆς μ. σου (1)  
— 5. Ῥεβέκκας τῆς μ. Ἰακώβ καὶ Ἡσαὺ (1)  
— 7. τοῦ πατρὸς καὶ τῆς μ. αὐτοῦ (1)  
29. 1. Ῥεβέκκας μητρὸς Ἰακώβ καὶ Ἡσαὺ (1)  
— 10. Λάβαν ἀδελφὸς τῆς μ. αὐτοῦ (1)  
— 10. B τοῦ ἀδελφοῦ τῆς μ. αὐτοῦ (1)  
— 10. Λάβαν τοῦ ἀδελφοῦ τῆς μ. αὐτοῦ (1)  
30. 14. ἠνεγκεν αὐτὰ πρὸς Λεὶαν τὴν μ. αὐ. (1)  
32. 11 (12). παραθή μ. καὶ μητέρα ἐπὶ τέκνους (1)  
37. 10. ἔγωγε καὶ ἡ μ. σου καὶ οἱ ἀδελφοί (1)  
44. 20. ὑπελείφθη τῇ μ. [A τῇ πατρὶ] αὐτοῦ (1)  
48. 7. ἀπέθανε Ῥαχὴλ ἡ μ. σου ἐν γῇ Χαναάν (1)  
49. 26. εὐλογίας πατρὸς σου καὶ μητρὸς σου (1)  
Ex. 2. 3. ἔλαβεν αὐτὴν ἡ μ. αὐτοῦ [A ἡ μ. αὐτῆς] (1)  
— 8. ἐκάλεισε τὴν μ. σου παιδίον (1)  
20. 12. τὸν πατέρα σου καὶ τὴν μ. σου (1)  
21. 15. τίποτε πατέρα [B' μητέρα] αὐ. ἡ μητέρα (1)  
— 16 (17). πατέρα αὐτοῦ ἡ μητέρα αὐτοῦ (1)  
22. 30 (29). ἔσται ὑπὸ τὴν μ. (1)  
23. 19 : 34. 26. ἐν γαλακτὶ μητρὸς αὐτοῦ (1)  
Le. 18. 7. ἀσχημασίην μητρὸς σου (1)  
— 7. μ. γὰρ σου ἔστιν (1)  
— 9. τῆς ἀδελφῆς σου . . . ἐκ μητρὸς σου (1)  
— 13. B ἀσχημασίην ἀδελφῆς μητρὸς σου (1)  
— 13. οικία [A om.] γὰρ μητρὸς σου ἔστιν (1)  
19. 3. πατέρα αὐ. καὶ μητέρα αὐ. [A om. κ. μ. αὐ.] (1)  
20. 9. δεῖν κακῶς εἶπῃ . . . τὴν μ. αὐτοῦ (1)  
— 9. μητέρα αὐτοῦ κακῶς εἶπεν (1)  
— 14. δεῖ ἐὰν λάβῃ γυναῖκα καὶ τὴν μ. αὐτῆς (1)  
— 17. ἐκ πατρὸς αὐτοῦ ἡ ἐκ μητρὸς αὐτοῦ (1)  
— 19. ἀσχημασίην . . . ἀδελφῆς μητρὸς σου (1)  
21. 2. ἐπὶ πατρὶ καὶ [A add. ἐπὶ] μητρὶ (1)  
— 11. ἐπὶ πατρὶ αὐτοῦ οὐδὲ ἐπὶ μητρὶ αὐτοῦ (1)  
22. 27. ἔσται ἐπὶ ἡμέρας ὑπὸ τὴν μ. (1)  
24. 11. τὸ δόγμα τῆς μ. αὐ. Σαλ. (1)  
Nu. 6. 7. A B' ἐπὶ πατρὶ καὶ ἐπὶ [B' B om.] μητρὶ (1)  
12. 12. ἔκρωμα ἑκπορεύμενον ἐκ μήτρας μητρὸς (1)  
De. 5. 16. τίμα . . . τὴν μ. σου (1)  
13. 6 (7). ἐκ πατρὸς σου ἡ ἐκ μητρὸς σου (1)  
14. 21. ἐν γαλακτὶ μητρὸς αὐτοῦ (1)  
21. 13. κλαύσεται . . . τὴν μ. (1)  
— 18. οὐχ ὑπακούων . . . φωνῇ μητρὸς (1)  
— 19. συλλαβόντες αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐ. καὶ ἡ μ. αὐ. (1)  
22. 6. καὶ ἡ μ. θάλπη ἐπὶ τῶν νοσθῶν (1)  
— 6. οὐ λήψῃ τὴν μ. μετὰ τῶν τέκνων (1)  
— 7. ἀποστειλεῖς τὴν μ. (1)  
— 15. ὁ πατὴρ τῆς παιδὸς καὶ ἡ μ. (1)  
27. 16. ἐπικατάρατος ὁ ἀτιμῶν . . . μητέρα αὐ. (1)  
— 22. ὁ κοιμῶν μετὰ ἀδελφῆς . . . μητρὸς [A ἐκ μ.] αὐ. (1)  
Jb. 9. 6. λέγων . . . τῇ μ. (1)  
30. 2. 13. ὡρῆσατε . . . τὴν μ. μου (1)  
— 23. τῆς μ. σου . . . συνάξεις (1)  
6. 22 (23). ἐξηγάγουν . . . τὴν μ. αὐτῆς (1)  
Jd. 5. 7. B εὖ οὐ ἀναστήτῃ μήτηρ ἐν Ἰσρ. [A B al.] (1)  
— 28. παρέκλυσε μήτηρ Σισάρα [A al.] (1)  
8. 19. υἱὸς τῆς μ. μου ἦσαν [A εἰς] (1)  
9. 1. ἐπορεύθη Ἄβ. . . πρὸς ἀδελφούς [A τοὺς ἀ. τῆς] μητρὸς αὐ. (1)  
— 1. πρὸς πᾶσαν συγγένειαν οἴκου πατρὸς [A om.] μητρὸς αὐτοῦ (1)  
— 3. ἐλάλησαν . . . οἱ ἀδελφοὶ τῆς μ. αὐτοῦ (1)

Jd. 14. 2. ἀπήγγειλε . . . τῇ μ. αὐτοῦ (1)  
— 3. εἶπεν αὐτῇ . . . ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
— 4. ὁ πατὴρ αὐ. καὶ ἡ μ. αὐ. οὐκ ἔγνωσαν (1)  
— 5. κατέβη . . . ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
— 6. οὐκ ἀπήγγειλε . . . τῇ μ. αὐτοῦ (1)  
— 9. ἐπορεύθη . . . πρὸς τὴν μ. αὐτοῦ (1)  
— 16. εἰ . . . τῇ μ. μου οὐκ ἀπήγγειλε (1)  
16. 17. ἀπὸ κοιτίας μητρὸς μου (1)  
17. 2. εἶπε τῇ μ. αὐτοῦ (1)  
— 2. εἶπεν ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
— 3. ἀπέδωκε τοὺς χιλιούς . . . τῇ μ. αὐτοῦ (1)  
— 3. εἶπεν ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
— 4. ἀπέδωκε τὸ ἀργύριον τῇ μ. αὐτοῦ (1)  
— 4. ἔλαβεν ἡ μ. αὐ. διακοσίους ἀργυρίου (1)  
Ru. 1. 8. εἰς οἶκον μητρὸς αὐτῆς [A al.] (1)  
2. 11. πῶς κατέλιπε . . . τὴν μ. σου (1)  
I Ki. 1. 25. προσήγαγεν Ἀ. ἡ τοῦ παιδαρίου (1)  
— [A τὸ π.] (1)  
2. 19. διπλοῖδα μικρὰν ἐποίησεν αὐτῇ ἡ μ. αὐ. (1)  
15. 33. οὕτως ἀτεκνωθήσεται . . . ἡ μ. σου (1)  
20. 30. εἰς αἰσχύνην ἀποκαλύψεναι μητρὸς σου (1)  
22. 3. ὁ πατὴρ μου καὶ ἡ μ. μου (1)  
II Ki. 17. 25. Ἀβ. θυγατέρα N. ἀδελφοῦ Σ. (1)  
— 19. 37 (38). παρὰ τῷ τάφῳ . . . τῆς μ. μου (1)  
III Ki. 1. 11. εἶπε N. πρὸς B. μητέρα Σαλ. (1)  
2. 13. εἰσῆλθεν Ἀδ. πρὸς B. μητέρα Σαλ. (1)  
— 19. ἐτίθη θρόνον τῇ μ. τοῦ βασιλ. (1)  
— 20. B αἰτήσαι, μήτηρ [A B -ε] ἐμή (1)  
— 22. εἶπε τῇ μ. αὐτοῦ (1)  
3. 27. αὐτὴ ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
11. 26. A καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Σ. [B al.] (1)  
12. 24. B καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. N. (1)  
— 24. B καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Σ. (1)  
14. 21. καὶ τὸ δόγμα τῆς μ. αὐ. N. (1)  
— 31. A καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. N. (1)  
15. 2. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. M. (1)  
— 10. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀ. (1)  
— 13. τὴν Ἀ. τὴν μ. αὐ. μετέστησε (1)  
16. 28 (22. 42). B καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Γ. (1)  
17. 23. B ἔδωκεν αὐτὸν [A B -δ] τῇ μ. αὐ. (1)  
22. 42. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀζ. (1)  
— 53. ἐν δόφῳ Ἰεζ. τῆς μ. αὐτοῦ (1)  
IV Ki. 1. 18 (3. 2). οὐδὲ ὥς ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
3. 2. B καὶ οὐχ ὥς ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
— 13. A καὶ πρὸς τὸν προφήτῃ τῆς μ. σου (1)  
4. 19. ἄρουν αὐτὸν πρὸς τὴν μ. αὐ. (1)  
— 20. B ἤρεν αὐτὸν πρὸς τὴν μ. αὐ. (1)  
— 30. εἶπεν ἡ μ. τοῦ παιδαρίου (1)  
8. 26. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐτοῦ Γ. (1)  
9. 22. αἱ πορνεῖαι Ἰεζ. τῆς μ. σου (1)  
11. 1. Γοθ. ἡ μ. Ὀχ. εἶδεν (1)  
12. 1 (2). καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀβιά (1)  
14. 2. καὶ δόγμα τῆς μ. [A τῇ μ.] αὐ. Ἰ. (1)  
15. 2. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. X. (1)  
— 33. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)  
18. 2. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀβ. (1)  
21. 1. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ὀ. (1)  
— 19. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. M. (1)  
22. 1. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)  
— 14. πρὸς Ὀλδαν τὴν προφήτιν μητέρα Σ. (1)  
23. 31. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀμ. (1)  
— 36. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)  
24. 8. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. N. (1)  
— 12. οἱ παῖδες αὐ. καὶ ἡ μ. αὐ. (1)  
— 15. ἀπέκτισε . . . τὴν μ. τοῦ βασιλ. (1)  
— 18. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. M. (1)  
I Ch. 2. 26. αὐτὴ ἐστὶ μ. Ὀζόμ (1)  
4. 9. ἡ μ. ἐκάλεισε τὸ δόγμα αὐ. Ἰ. (1)  
II Ch. 2. 14 (13). ἡ μ. αὐ. ἀπὸ θυγατέρας Δάν (1)  
12. 13. δόγμα τῆς μ. αὐ. N. (1)  
13. 2. δόγμα τῆς μ. αὐ. M. (1)  
15. 16. τὴν M. τὴν μ. αὐ. μετέστησε (1)  
20. 31. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀζ. (1)  
22. 2. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Γοθ. (1)  
— 3. μήτηρ αὐ. ἡν ἑμβόλους τοῦ ἀμαρτάνειν (1)  
— 10. Γοθολία ἡ μ. Ὀχ. (1)  
24. 1. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀ. (1)  
25. 1. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)  
26. 3. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)  
27. 1. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἰ. (1)  
29. 1. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Ἀ. (1)  
36. 2. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Z. (1)  
— 5. καὶ δόγμα τῆς μ. αὐ. Z. (1)  
I Es. 4. 21. οὐτε τὸν πατ. μέμνηται οὐτε τὴν μ. (1)

I Es. 4. 25. πλείων ἀγαπᾷ ἄνθρ. τὴν ἰδίαν γυν. μάλ- (1)  
— λον ἢ . . . τὴν μ. (1)  
To. 1. 8. ἐνετείλατο Δεβζωρὰ ἡ μ. τοῦ πατρὸς μου (1)  
4. 3. μὴ ὑπερίδης τὴν μ. σου [B al.] (1)  
— 13. A B ἡ γὰρ ἀρχιεὶς μήτηρ ἐστὶ τοῦ λιμοῦ (1)  
5. 16. B ἐφίλησεν . . . τὴν μ. (1)  
— 17. ἐκλαυσε δὲ Ἄννα ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
6. 14. μὴ . . . κατάξω τὴν γυν. . . τῆς μητρὸς μου (1)  
7. 14. B ἐκίλησεν τὴν μ. αὐ. [A B al.] (1)  
8. 21. B ἐγὼ σου ὁ πατὴρ καὶ Ἄ. ἡ μ. σου (1)  
9. 6. B δῶν σοι κ. εὐλογίαν . . . καὶ τῇ μ. τῆς γυν- (1)  
— ναϊκὸς σου (1)  
10. 8. ὁ πατὴρ μου καὶ ἡ μ. μου οὐκέτι ἐλπίζουσιν [B al.] (1)  
— 13. B ἀπὸ τοῦ νῦν ἐγὼ σου μήτηρ (1)  
11. 17. καὶ ὁ πατὴρ σου καὶ ἡ μ. σου [B al.] (1)  
14. 10. θάψον . . . τὴν μ. σου μετ' ἐμοῦ [B al.] (1)  
— 12. B ὅτε ἀπέθανεν ἡ μ. αὐ. [A B al.] (1)  
Ju. 8. 26. τὰ πρόβατα Λ. τοῦ ἀδ. τῆς μ. αὐ. (1)  
Jb. 1. 21. αὐτὸς γυνὴς ἐξῆλθεν ἐκ κοιτίας μη- (1)  
— τρὸς μου (1)  
3. 10. ὅτι οὐ συνέκλεισε πύλας γαστρὸς μη- (1)  
— τρὸς μου (1)  
— 12. A ἴνα τί δὲ μαστοὺς ἐθήλασα μητρὸς (1)  
— μου [B om. μ. μου] (1)  
— 16. ὥσπερ ἑκτρωμα ἐκπορευόμενον ἐκ μή- (1)  
— τρας μητρὸς (1)  
17. 14. μήτερα δέ μου καὶ ἀδελφὴν σαπρίαν (1)  
31. 18. ἐκ γαστρὸς μητρὸς μου ᾤδρησα (1)  
38. 8. ἐκ κοιτίας μητρὸς αὐτῆς ἐκπορευομένη (1)  
42. 18. ἦν δὲ αὐτὸς πατὴρ μὲν . . . μητρὸς δὲ (1)  
— βοσκόρας (1)  
Ps. 21 (22). 9. ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ μαστῶν τῆς μ. (1)  
— μου (1)  
— 10. ἐκ κοιτίας [B' ἀπὸ γαστρὸς] μητρὸς μου (1)  
— θεὸς μου εἰ σύ (1)  
26 (27). 10. ὅτι ὁ πατὴρ μου καὶ ἡ μ. μου ἐγ- (1)  
— κατέλιπον με (1)  
49 (50). 20. κατὰ τοῦ υἱοῦ τῆς μ. σου ἐτίθει (1)  
— σκάνδαλον (1)  
50 (51). 5. ἐν ἀμαρτίαις ἐκίστησέ με ἡ μ. μου (1)  
68 (69). 8. καὶ ἔξινος τοῖς υἱοῖς τῆς μ. μου (1)  
70 (71). 6. ἐκ κοιτίας μητρὸς μου σύ μου εἰ (1)  
— σκεπαστῆς (1)  
86 (87). 5. μήτηρ Σιών ἐρεῖ ἀνθρώπων (1)  
108 (109). 14. ἡ ἀμαρτία τῆς μ. αὐτοῦ μὴ ἐξα- (1)  
— λειφθεῖ (1)  
112 (113). 9. A B ὁ κατοικίζων . . . μητέρα ἐπὶ (1)  
— τέκνους [B' μ. τέκνων] εὐφρανόμενῃ (1)  
[B' -ων, B' -η] (1)  
180 (181). 2. ὥς τὸ ἀπογεγαλακτισμένον ἐπὶ (1)  
— τὴν μ. αὐτοῦ (1)  
188 (189). 13. ἀντελάβου μου ἐκ γαστρὸς μη- (1)  
— τρὸς μου (1)  
Pt. 1. 8. μὴ ἀπόψη θεσμούς μητρὸς σου (1)  
4. 3. ἀγαπώμενος ἐν προσώπῳ μητρὸς (1)  
6. 20. μὴ ἀπόψη θεσμούς μητρὸς σου (1)  
10. 1. υἱὸς δὲ ἀφρων λύπη τῇ [B om.] μ. (1)  
13. 1. B' υἱὸς πανουργὸς ὑψηλοῦς μητρὶ [A B B' (1)  
— πατρὶ] (1)  
15. 20. υἱὸς δὲ ἀφρων νυκτηρίζει μητέρα αὐτοῦ (1)  
17. 21. υἱὸς δὲ φρόνιμος εὐφραίνει μητέρα αὐτοῦ (1)  
19. 26. ὁ . . . ἀποθνήσκων μητέρα αὐτοῦ κατα- (1)  
— στυγνύσεται (1)  
20. 20. κακολογούντος πατέρα ἡ μητέρα (1)  
23. 22. μὴ καταφρόνεις ὅτι γενηράκι σου ἡ μ. (1)  
— 25. εὐφραίνεισθω ὁ πατὴρ καὶ ἡ μ. ἐπὶ σοί (1)  
24. 34 (30. 11). τὴν δὲ μ. οὐκ εὐλόγει (1)  
— 54 (30. 17). ὀφθαλμοὶν . . . ἀτιμῶντα γῆ- (1)  
— ρας μητρὸς (1)  
— 69 (31. 1). ὃν ἐπαίδευσεν ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
28. 24. δεῖ ἀποβάλλεται [A -βιάζεται] πατέρα (1)  
— ἡ μητέρα (1)  
Ec. 5. 14. καθὼς ἐξῆλθεν ἀπὸ γαστρὸς μητρὸς (1)  
— αὐτοῦ γυνὸς (1)  
Ca. 1. 6. υἱοὶ μητρὸς μου ἐμαχέσαντο ἐν ἐμοί (1)  
3. 4. εἰσῆγαγον αὐτὸν εἰς οἶκον μητρὸς μου (1)  
— 11. ἐστεφάνωσαν αὐτὸν ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
6. 8 (9). μία ἐστὶ τῇ μ. αὐτῆς (1)  
8. 1. τίς δὴν σε . . . θηλάζοντα μαστοὺς μητρὸς (1)  
— μου (1)  
— 2. εἰσάξω σε εἰς οἶκον μητρὸς μου (1)  
— 5. ἐκεῖ ἀδύνησέ σε ἡ μ. σου (1)  
Wi. 7. 2. ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλύφην σάβε (1)  
Si. 3. 2. κρίστιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς (1)  
— 4. ὥς ὁ ἀποθησαυρίζων ὁ δοξάζων μητέρα αὐτοῦ (1)



Si. 8. 6. ὁ εἰσακούων κυρίου ἀναπαύσει μητέρα αὐτοῦ  
 — 9. πατέρα δὲ μητρός ἐκροῖσι θεμέλια  
 — 11. ὄνιδος τέκνοισι μήτηρ ἐν ἀδοξίᾳ  
 — 16. ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ  
 4. 10. γίνου . . . ἀπὶ ἀνδρός τῇ μ. αὐτῶν  
 — 10. ἀγαπήσει σε μᾶλλον ἢ μήτηρ σου  
 7. 27. μητρός ὠδίναν μὴ ἐπιλάβῃ  
 15. 2. ὑπαντήσεται αὐτῷ ὡς μήτηρ  
 23. 14. μνήσθητι πατρός καὶ μητρός σου  
 40. 1. ἀφ' ἡμέρας ἐξόδου ἐκ γαστρὸς μητρός αὐτῶν  
 ἕως ἡμέρας ἐπὶ ταφῇ εἰς μητέρα πάντων  
 [A B al.]  
 41. 17. πισχύνεσθε ἀπὸ πατρός καὶ μητρός  
 Ho. 2. 2. (4). κρήνη πρὸς τὴν μητέρα ὕμνων (1)  
 — 5 (7). ὅτι ἐξεπόρνευσεν ἡ μ. αὐτῶν (1)  
 4. 5. νυκτὶ ὁμοίῳσεν τὴν μ. σου (1)  
 10. 14. μητέρα ἐπὶ τέκνοισι ἠδύφισαν (1)  
 Am. 1. 11. ἐλυμνῆτο μητέρα [A μήτραν] ἐπὶ  
 γῆς +  
 Mi. 7. 6. θυγάτηρ ἐπαναστήσεται ἐπὶ τὴν μ.  
 αὐτῆς (1)  
 Za. 13. 3. εἶπὲς πρὸς αὐτὸν . . . ἡ μ. αὐτοῦ (1)  
 — 3. συμπόδιοισιν αὐτὸν ὁ πατήρ αὐ. καὶ ἡ μ.  
 αὐτοῦ (1)  
 Is. 8. 4. πρὶν ἢ γῶναί τοι παῖδιν καλεῖν πατέρα  
 ἢ μητέρα (1)  
 45. 10. ὁ λόγος . . . τῇ μ. (8)  
 49. 1. ἐκ κοιλίας μητρός μου ἐκάλυψε τὸ ὄνομά  
 μου (1)  
 — 15. A μὴ ἐπιλάβεται μ. [B S γυνή] τοῦ  
 παῖδιν αὐτῆς (8)  
 50. 1. ποῖον τὸ βιβλίον τοῦ ἀποστασίου τῆς μ.  
 ὕμνων . . . τοῖς ἀνομίαις ὕμνων ἐξα-  
 πέσειλα τὴν μ. ὕμνων (1, 1)  
 66. 13. ὡς εἴ τινα μ. παρακαλέοις (1)  
 Je. 15. 8. ἐπήγαγον ἐπὶ μητέρα νεανίσκους [B  
 —ου] ταλαπωρίαν (1)  
 — 10. οἶμοι ἐγὼ, μήτηρ (1)  
 16. 3. περὶ τῶν μ. αὐτῶν τῶν τετοκυῶν αὐτοῦς (1)  
 — 7. οὐ ποτιοῦσιν αὐτὸν ποτήριον εἰς πυρά-  
 κλησιν ἐπὶ πατρὶ καὶ μητρὶ αὐτοῦ (1)  
 20. 14. ἐν [B om.] ἢ ἔτεκεν με ἡ μ. μου (1)  
 — 17. οὐκ ἀπέκτεινε με ἐν μήτρᾳ [A add. μη-  
 τρός] καὶ ἐγένετό μοι ἡ μ. μου τάφος  
 μου (-, 1)  
 — 18. B' ἵνα τί τοῦτο ἐξῆλθεν ἐκ μητρός  
 [A B S' —as] +  
 22. 26. ἀπορρίψω [A παραδώσω] σε καὶ τὴν  
 μ. σου (1)  
 27 (50). 12. ἡσχύνθη ἡ μ. ὕμνων σφόδρα ἐνε-  
 τράπη ἢ τεκοῖσα ὕμνης [B S om. ε.  
 ἡ τ. ὑ.] μ. ἐπ' ἀνάβῃ (1, 4)  
 52. 1. A B R ὄνομα τῇ μ. [B —α] αὐ. 'Αμειτάλα (1)  
 La. 2. 12. ταῖς μ. αὐτῶν ἔπαιον (1)  
 — 12. ἐν τῇ ἐκείνῃ ψυχῇ αὐτῶν εἰς κἀλ-  
 πον μητῶν αὐτῶν (1)  
 5. 3. μητέρες ἡμῶν ὡς αἱ χῆραι (1)  
 Ez. 16. 3. ἡ μ. σου Χετταία (1)  
 — 44. A B καθὼς ἡ μ. καὶ ἡ θυγάτηρ [B add.  
 θυγάτηρ] τῆς μ. (1)  
 — 45. ἡ μ. ὕμνων Χετταία (1)  
 19. 2. τί ἡ μ. σου σκύμνος ἐν μέσῳ λεόντων (1)  
 — 10. ἡ μ. σου ὡς ἄμπελος (1)  
 22. 7. πατέρα καὶ μητέρα ἐκακολόγουν ἐν σοὶ (1)  
 23. 2. δύο γυναῖκες ἦσαν θυγατέρες μητρός μᾶς (1)  
 44. 25. ἐπὶ πατρὶ καὶ ἐπὶ μητρὶ . . . μανθῆσεται (1)  
 Da. LXX. Su. 30. σὺν τῇ πατρὶ ἐαυτῆς καὶ τῇ μ.  
 I Ma. 18. 28. μίαν κινεῖναι τῆς μᾶς . . . τῇ μ.  
 I Ma. 7. 1. ἐπὶ ἀδελφούς μετὰ τῆς μ. συλλήφ-  
 θέντας  
 — 4. τῶν λοιπῶν ἀδ. καὶ τῆς μ. συνορώντων  
 — 5. σὺν τῇ μ. γενναίως τελευτῶν  
 — 20. ὑπεραγόντως δὲ ἡ μ. θαυμαστῇ  
 — 25. προσκαλεσάμενος ὁ βασι. τὴν μ.  
 — 41. ἐσχάτῃ δὲ τῶν υἱῶν ἡ μ. ἐτελευτήσῃ  
 III Ma. 1. 20. αἱ τε πρὸς τοῖσι μητέρες  
 5. 49. γονεῖς παῖσι καὶ μητέρες νεανίσκων  
 IV Ma. 1. 8. καὶ ἐπὶ ἀδελφῶν καὶ τῆς τούτων μ.  
 — 10. τοὺς . . . ἀποθανόντας μετὰ τῆς μ. ἀνδρας  
 8. 3. ἀγόμενοι μετὰ γραιῶς μ. ἐπὶ ἀδελφοί  
 — 4. περιέχοντας μέσσην τὴν μ. [B' al.]  
 — 20. κατοικειρώσωμεν τὸ τῆς μ. γῆρας  
 10. 2. καὶ ἡ αὐτῇ μ. ἐγέννησε  
 12. 6. τὴν μ. τοῦ παιδὸς μετεπέμψατο  
 — 7. ὁ δὲ τῆς μ. . . . προτρέψαμένης αὐτὸν  
 14. 12. ἡ μ. γὰρ τῶν ἐπὶ νεανίσκων

IV Ma. 14. 20. τὴν 'Αβρ. ὁμόψυχον τῶν νεανιῶν μ.  
 [B al.]  
 15. 1. εὐσέβεια μητρὶ τέκνων ποθεινότερα  
 — 2. μήτηρ . . . τὴν εὐσέβειαν μᾶλλον ἡγάπησε  
 — 4. τὰς μ. τῶν πατέρων [B παθῶν, A om. τ. π.]  
 καθιστάνα συμπαθεστέρας  
 — 5. S R πολυγονότεραι ὑπάρχουσιν αἱ [A om.] μ.  
 — 6. A B' R πᾶσαν δὲ τῶν μ. ἐγένετο ἡ τῶν ἐπὶ  
 μ. φιλοτεκνότερα  
 — 11. εἰς συμπάθειαν ἐλκύνων τὴν μ.  
 — 12. ἡ μ. ἐπὶ τὸν . . . προετρέπετο θάνατον  
 — 13. καὶ μητέρων ἀδάμαστα πάθη  
 — 14. καθ' ἓνα στρεβλοῦμενον . . . ὁρώσα μήτηρ  
 — 16. ὁ πικροτέρως μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασ-  
 θείσα  
 — 21. τέκνων φωναὶ μετὰ βασάνων μητέρα φω-  
 νούντων  
 — 22. πηλίκαις καὶ πόσαις τότε ἡ μ. . . ἐβασανίζετο  
 βασάνους  
 — 24. S R ἂς πάσας ἡ γενναία μ. ἐξέλυσε [A al.]  
 — 26. δύο ψήφους κρατοῦσα μήτηρ  
 — 29. ὁ μήτηρ θένους  
 18. 1. καὶ ἐπὶ τὰ παῖδιν μήτηρ  
 — 4. κατέσβεσε . . . τηλικαῦτα πάθη ἡ μ.  
 — 5. καίπερ μήτηρ οὕτω  
 — 6. οὐδενὸς μήτηρ γεγέννηται  
 — 11. ἡ ἱερὰ καὶ θεοσεβής μ.  
 — 14. B ὁ μήτηρ [A B πατήρ] . . . στρατιῶτι  
 17. 2. ὁ μήτηρ σὺν ἐπὶ τὰ παῖσι  
 — 4. ὁ μήτηρ ἱερόφυγε  
 — 7. A' B οὐκ ἂν ἐφρίκτον οἱ θεωροῦντες [B add.  
 ὁρώντες] μητέρα  
 — 13. ἡ δὲ μ. τῶν ἐπὶ τὰ παῖδιν ἐνήθλει  
 18. 6. ἔλεγε δὲ ἡ μ. τῶν ἐπὶ τὰ παῖδιν  
 — 23. σὺν τῇ ἀδελφῇ μ. . . . συναγαλάσσονται  
 [B' al.]  
 [Aq. Ge. 24. 67 : III Ki. 11. 16 : IV Ki. 8. 13.]  
 [Sm. Ex. 28. 19 : IV Ki. 8. 13 : Ps. 50 (51). 7 :  
 70 (71). 6 : 180 (181). 2 : Ca. 7. 13 (14) : Je.  
 15. 10.]  
 [Th. Nu. 12. 12 : IV Ki. 8. 13 : Ca. 1. 6.]  
 [Al. Ge. 48. 29 : Pr. 29. 15.]  
 [Sam. Le. 20. 20.]  
 μή τις, vid. σω μή.  
 μήτρα. (1) מִטְרָא (2) מִטְרָא, מִטְרָא (8) מִטְרָא  
 (4) τὰ περὶ τὴν μ. מִטְרָא  
 Ge. 20. 18. συνέκλεισε κύριος ξέωθεν πᾶσαν μ. (2)  
 29. 31. ἤνοιξε τὴν μ. αὐτῆς (2)  
 30. 22. καὶ ἀνέφην αὐτῆς τὴν μ. (2)  
 49. 25. εὐλογίας μαστῶν καὶ [A om.] μῆτρας (2)  
 Ex. 18. 2. διανοίγον πᾶσαν μ. ἐν τοῖς υἱοῖς 'Ισ. (2)  
 — 12. ἀφελείς πᾶν διανοίγον μήτραν (2)  
 — 12. πᾶν διανοίγον μήτραν ἐκ βουκολίων (2)  
 — 13. πᾶν διανοίγον μήτραν δνου (2)  
 — 15 : 34. 19. πᾶν διανοίγον μήτραν (2)  
 Nu. 8. 12. ἀντιπαῖτος πρωτοτόκου διανοίγοντος  
 μήτραν (2)  
 8. 16. ἀπὶ τῶν διανοιγόντων πᾶσαν μ. (2)  
 12. 12. ἔκρωμα ἐκπορεύου. ἐκ μῆτρας μητρός (2)  
 18. 15. πᾶν διανοίγον [A add. πᾶσαν] μήτραν (2)  
 25. 8. καὶ τὴν γυναῖκα διὰ τῆς μ. αὐ. (1)  
 I Ki. 1. 5. ἀπέκλεισε τὰ περὶ τὴν μ. αὐ. (4)  
 — 6. συνέκλεισε κ. τὰ περὶ τὴν μ. αὐ. (2)  
 III Ki. 8. 26. ἐπαράχθη ἡ μ. αὐτῆς (2)  
 Ju. 9. 2. οἱ ἔθυσαν μήτραν παρθένου  
 — 2. ἐγύνωσαν [B' add. μήτραν παρθένου εἰς  
 μίασμα] μηρόν (2)  
 — 2. ἐβεβήλυσαν μήτραν εἰς ὄνιδος (2)  
 Jb. 3. 16. ὥσπερ ἔκρωμα ἐκπορεύομενον ἐκ μή-  
 τρας μητρός (-)  
 Ps. 21 (22). 10. ἐπὶ σὺ ἐπερρίφην ἐκ μῆτρας (2)  
 57 (58). 3. ἀπηλλοτριώθησαν οἱ ἀμαρτωλοὶ ἀπὸ  
 μῆτρας (2)  
 Si. 1. 14. μετὰ πιστῶν ἐν μήτρᾳ συνεκτίσθη αὐτοῖς  
 49. 7. αὐτὸς ἐν μήτρᾳ ἡγάσθη προφῆτης  
 50. 22. τὸν ὑψούντα ἡμέρας ὕμνων ἐκ μῆτρας  
 Ho. 9. 14. μήτραν ἀτεκνοῦσαν (2)  
 Am. 1. 11. ἐλυμνῆτο μητέρα [A μήτραν] ἐπὶ γῆς (2)  
 Je. 1. 5. πρὸ τοῦ σε ἐξελεῖν ἐκ μῆτρας [B' om.  
 ἐκ μ.] (2)  
 20. 17. οὐκ ἀπέκτεινε με ἐν μήτρᾳ [A add.  
 μητρός] . . . ἡ μ. συλλήψεως (2, 2)  
 — 18. ἵνα τί τοῦτο ἐξῆλθεν ἐκ μῆτρας [B' —ός] (2)

Ez. 20. 26. ἐν τῇ διαπορεύεσθαι με πᾶν διανοίγον  
 μήτραν (2)  
 [Aq. Ps. 109 (110). 3 : Pr. 80. 16 : Je. 20. 17 :  
 Ez. 20. 26.]  
 [Sm. Pr. 80. 16.]  
 [Th. Nu. 12. 12 : Ps. 109 (110). 3.]  
 [Al. Jd. 5. 30 : I Ki. 1. 6.]  
 [Quint. Ps. 109 (110). 3.]  
 μητριά (?). (1) מִטְרָא  
 Je. 52. 1. B καὶ ὄνομα τῇ μ. [A S B μητρί] αὐ. 'Αμ. (1)  
 μητρόπολις. (1) מִטְרָא (2) מִטְרָא (8) מִטְרָא  
 (4) מִטְרָא עיר (5) מִטְרָא עיר (8) מִטְרָא  
 Jo. 10. 2. ὥσπερ μία τῶν μ. (4)  
 14. 15. μητρόπολις τῶν 'Εν. αὐτῇ +  
 15. 13. ἔδωκεν αὐτῷ 'Ι. τὴν πόλιν 'Α. μητρό-  
 πόλιν 'Ε. (1)  
 21. 11. ἔδωκεν αὐτοῖς τὴν Κ. μητρόπολιν τῶν 'Ε. (1)  
 II Ki. 20. 19. θανατώσας . . . μητρόπολιν ἐν 'Ισρ. (2)  
 Ne. 1. 1. B' τοῖς Σούσις μητροπόλει (3 ?)  
 Es. 9. 19. A B' S οἱ δὲ κατοικοῦντες ἐν ταῖς μ. (5 ?)  
 Is. 1. 26. μ. πιστῇ Σιών (8)  
 [Aq., Th. Je. 49. 25 (80. 14).]  
 [Sm. Ps. 47 (48). 3 : Je. 49. 25 (80. 14).]  
 μητρός.  
 IV Ma. 13. 19. διὰ τῆς μ. φυτεύσασα γαστρός  
 μηχανᾶσθαι.  
 Es. 8. 13. τοῖς ἐαυ. ἐεργάταις ἐπιχειροῦσι μηχανᾶσθαι  
 III Ma. 6. 5. τὴν τε λοιπὴν ἐμχανῶντο περὶ αὐτοὺς  
 ἀσφάλεια  
 — 22. ὡς εἰς τὸ παντοῖους μηχανᾶσθαι . . . ἐμπαίγους  
 — 28. τῶν πρὶν αὐτῷ μεμηχανημ. λήθην . . . ἐντε-  
 θεϊκός  
 6. 22. B ὑπὲρ τῶν ἐμπροσθεν αὐτῷ μεμηχανημ.  
 [A —νεμ.]  
 — 24. λάθρα μηχανῶμενοι τὰ μὴ συμφέροντα  
 μηχανεῖν. (1) מִכְנָה  
 II Ch. 26. 15. μηχανὰς μεμηχανεμένας λογιστοῦ (1)  
 III Ma. 6. 22. A ὑπὲρ τῶν ἐμπροσθεν αὐτῷ μεμη-  
 χανημ. [B —νημ.]  
 μηχανή. (1) מִכְנָה  
 II Ch. 26. 15. ἐποίησεν . . . μ. μεμηχανεμένας (1)  
 I Ma. 5. 30. αἰρώντας κλίμακας καὶ μηχανὰς  
 6. 20. ἐποίησεν . . . μηχανὰς  
 — 31. ἐποίησαν μηχανὰς  
 — 37. ἐζωσμένοι ἐπ' αὐτοῦ μηχαναῖς  
 — 51. ἔστησεν ἐκεῖ . . . μηχανὰς  
 — 52. ἐποίησαν καὶ αὐτοὶ μηχανὰς πρὸς τὰς μ. αὐ.  
 9. 64. καὶ ἐποίησε μηχανὰς  
 — 67. ἐνεπύρισαν τὰς μ.  
 11. 20. ἐποίησεν . . . μ. πολλὰς  
 15. 25. καὶ μηχανὰς ποιούμενος  
 II Ma. 12. 15. τὸν ἄτερ . . . μ. ὀργανικῶν κατα-  
 κρημνίσαντα  
 III Ma. 4. 19. εἰς μηχανὴν τῆς ἐκφυγῆς  
 [Sm. Ps. 9. 12.]  
 μηχανήμα.  
 I Ma. 18. 29. A B ταῦταις [B ταῦτα] ἐποίησε μη-  
 χανήματα  
 IV Ma. 7. 4. πολλοὺς καὶ ποικίλους μ. ἀντέσχε  
 [Sm. Ps. 65 (66). 5 : 76 (77). 13.]  
 [Al. Ps. 9. 12.]  
 μηχανώμα.  
 [Sm. Le. 8. 7.]  
 [Th. Ex. 28. 27, 28 : Le. 8. 7.]  
 μαινείν. (1) מִיָּנִי. (2) מִיָּנִי. (8) מִיָּנִי  
 a. ni. δ. pi. (4) מִיָּנִי a. qal. δ. hi.  
 (5) מִיָּנִי a. qal. δ. ni. c. pi. d. pu.  
 e. hithp. f. hothp. g. מִיָּנִי h. מִיָּנִי  
 Ge. 34. 5. ἐμίανεν ὁ υἱὸς 'Εμμὼρ Δείναν (5 c)  
 — 13. 27. ἐμίανεν Δείναν τὴν ἀδελφὴν αὐ. (5 c)  
 49. 4. ἐμίανεν τὴν στρωμνὴν (3 δ)  
 Ex. 20. 25. καὶ μεμίανται (3 δ)  
 Le. 5. 3. ἦν ἀν' ἀφ' ἑαυτοῦ μεμιανθῇ (5 a)  
 11. 24. καὶ ἐν τοῖσι μεμιανθῆσθε (5 e)  
 — 43. οὐ μεμιανθῆσθε ἐν τοῖσι (5 e)  
 — 44. οὐ μεμιανθῆσθε τὰς ψυχὰς ὕμνων (5 c)

Le. 13. 3. καὶ μιαίνει αὐτὸν (5 c)  
 — 8. καὶ μιαίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (5 c)  
 — 11. μιαίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (5 c)  
 — 14. ἢ ἂν ἡμέρα ὀφθῇ . . . μανθῆσεται (5 a)  
 — 15. καὶ μιαίνει αὐτὸν ὁ χρὸς ὁ ὑγιής (5 c)  
 — 20, 22, 25 (A<sup>2</sup>B), 27, 30. καὶ μιαίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (5 c)  
 — 44. μιαίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (5 c)  
 — 59. εἰς τὸ καθαρῶσαι αὐτὸ ἢ μῶνα αὐτό (5 c)  
 16. 31. ἐν τῷ μιαίνειν αὐτοὺς τὴν σκηνὴν μου (5 c)  
 — 32. ὥστε μανθῆναι ἐν αὐτῇ (5 a)  
 18. 24. μὴ μιαίνεσθε ἐν πᾶσι τοῖτοις (5 c)  
 — 24. ἐν πᾶσι γὰρ τοῖτοις ἐμάνθησαν (5 b)  
 — 25. B καὶ ἐξεμάνθη [AB ἐμάνθη] ἡ γῆ (5 a)  
 — 27. ἐμάνθη ἡ γῆ (5 a)  
 — 28. ἐν τῷ μιαίνειν ὑμᾶς αὐτὴν (5 c)  
 — 30. καὶ οὐ μανθῆσθε ἐν αὐτοῖς (5 c)  
 20. 3. ἵνα μῆναι τὰ ἅγια μου (5 c)  
 21. 1. οὐ μανθῆσονται [A -σεσθε] ἐν τῷ ἔθνει αὐτῶν (5 c)  
 — 3. B<sup>2</sup>B ἐπὶ τοῖτοις μανθῆσεται [AB<sup>1</sup> -σεσθαί] (5 c)  
 — 4. B<sup>2</sup>B οὐ μανθῆσεται [AB<sup>1</sup> om. οὐ μ.] ἐξάτια (5 c)  
 — 11. ἐπὶ πατρὶ αὐτοῦ . . . οὐ μανθῆσεται (5 c)  
 22. 5. δ μιαίνει αὐτὸν (5 a)  
 — 5. ἐν ᾧ μιαίνει αὐτὸν (5 a)  
 — 8. μανθῆναι αὐτὸν ἐν αὐτοῖς (5 a)  
 Nu. 5. 3. οὐ μὴ [A om.] μανούσι τὰς παρεμβ. αὐ. (5 c)  
 — 13. αὐτῇ δὲ ἢ [A μὴ ἢ] μεμαμμένη (5 b)  
 — 14. αὐτῇ δὲ μεμάνται (5 b)  
 — 14. αὐτῇ δὲ μὴ ἢ μεμαμμένη (5 b)  
 — 19. εἰ μὴ παραβέβηκας μανθῆναι (5 g)  
 — 20. εἰ δὲ σὺ . . . μεμάνται (5 b)  
 — 27. ἐὰν ἢ μεμαμμένη (5 b)  
 — 28. ἐὰν δὲ μὴ μανθῇ ἡ γυνή (5 b)  
 — 29. καὶ μανθῇ (5 b)  
 6. 7. οὐ μανθῆσεται ἐπ' αὐτοῖς (5 c)  
 — 9. μανθῆσεται ἡ κεφαλὴ εὐχῆς αὐτοῦ (5 c)  
 — 12. ἐμάνθη κεφαλὴ εὐχῆς αὐτοῦ (5 h)  
 19. 13. τὴν σκηνὴν κυρίου ἐμίανεν (5 c)  
 — 20. ἀνθρώπος δὲ ἂν μανθῇ (5 a)  
 — 20. τὰ ἅγια κυρίου ἐμίανεν (5 a)  
 35. 34. οὐ μιανεῖτε τὴν γῆν (5 c)  
 De. 21. 23. B οὐ [AB οὐ μὴ] μιανεῖτε τὴν γῆν (5 c)  
 24. 4. μετὰ τὸ μανθῆναι αὐτὴν (5 f)  
 — 4. οὐ μιανεῖτε τὴν γῆν (5 c)  
 IV Ki. 23. 8. ἐμίανεν [A -αν] τὰ ὑψηλά (5 c)  
 — 10. B<sup>1</sup> μιανεῖτε [A -νεῖ τις, B<sup>2</sup> ἐμίαναν, B ἐμίανει] τὸν ταφῆθ (5 c)  
 — 13. τὸν οἶκον . . . ἐμίανεν ὁ βασι. (5 c)  
 — 16. καὶ ἐμίανεν αὐτό (5 c)  
 II Ch. 29. 19. ὁ ἐμίανεν [A<sup>1</sup> ἔμεινεν] "A. (1)  
 38. 14. ἐμίαναν τὸν οἶκον κυρίου (5 c)  
 I Es. 1. 49. ἐμίαναν τὸ ἱερὸν τοῦ κυρίου (5 c)  
 To. 2. 9. ἐκοίμηθην μεμαμμένος [S om.] παρὰ τὸν τοῖχον (5 c)  
 Ju. 9. 8. ἐβουλεύσαντο . . . μῶναι τὸ σκῆνωμα (5 c)  
 Jb. 31. 11. τὸ μῶναι ἀνδρὸς γυναῖκα (5 c)  
 Ps. 78 (79). 1. ἐμίαναν τὸν ναὸν τὸν ἁγ. σου (5 c)  
 105 (106). 39. SB ἐμάνθη ἐν τοῖς ἔργοις αὐτῶν (5 a)  
 Ec. 7. 19 (18). ἀπὸ τοῦτου μὴ μῆναι τὴν χεῖρά σου † (5 c)  
 Wi. 7. 25. οὐδὲν μεμαμμένον εἰς αὐτὴν παρεμπίπτει (5 b)  
 Ho. 5. 3: 6. II (10). ἐμάνθη Ἰσραὴλ (5 b)  
 9. 4. οἱ ἐσθοντες αὐτὰ μανθῆσονται (5 c)  
 Hg. 2. 14 (13). SB ἐὰν ἀψηται μεμασμένος [AB μεμαμμένος] ἀκάθαρτος [A ἡ ἀκάθ. ψυχῇ] ἐπὶ ψυχῇ ἐπὶ [A ἀπὸ] παντός τούτων εἰ μανθῆσεται (5 h, 5 a)  
 — 14 (13). καὶ εἴπαν, Μιανθῆσεται (5 a)  
 — 15 (14). μανθῆσεται ἐνεκεν τῶν λημμάτων αὐτῶν (5 h)  
 Is. 30. 22. μιαίνει [A S<sup>2</sup> ἐξαρῆς] τὰ εἰδῶλα τὰ περιγυρωμένα (5 c)  
 43. 28. ἐμίαναν οἱ ἀρχόντες τὰ ἅγια μου (5 b)  
 47. 6. ἐμίανας τὴν κληρονομίαν μου (5 b)  
 Je. 2. 7. ἐμάνετε τὴν γῆν μου (5 c)  
 — 23. πῶς ἔρεῖς, Οὐκ ἐμάνθη (5 b)  
 — 33. ἐπονηρεύσω τοῦ μῶναι τὰς δόδους σου † (5 c)  
 8. 1. οὐ μαινομένη μανθῆσεται ἡ γυνὴ ἐκείνη (4 a, 4 a)  
 — 2. ἐμίανας τὴν γῆν ἐν ταῖς πορνείαις σου (4 b)  
 7. 30. τοῦ μῶναι αὐτὸν (5 c)  
 Ez. 4. 14. εἰ ἡ ψυχὴ μου οὐ μεμάνται (5 d)  
 5. 11. τὰ ἅγια μου ἐμίανας (5 c)

Ez. 7. 22. μαουοῦσι τὴν ἐπισκοπὴν μου (5 b)  
 — 24. μανθῆσεται τὰ ἅγια αὐτῶν (5 a)  
 9. 7. μῶναι τὸν οἶκον (5 c)  
 14. 11. ἵνα μὴ μαινώνται ἔτι (5 c)  
 18. 6. τὴν γυν. τοῦ πλησίον αὐ. οὐ μὴ μῆναι (5 c)  
 — 11. τὴν γυναῖκα τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἐμίανει (5 c)  
 — 15. τὴν γυν. τοῦ πλησίον αὐ. οὐκ ἐμίανει (5 c)  
 20. 7. ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν ἁγ. μὴ μιαίνεσθε (5 c)  
 — 18. μὴ μιαίνεσθε (5 c)  
 — 26. B μανὰ αὐτοῖς ἐν τοῖς δόγμασιν [AB δόμ.] αὐτῶν (5 c)  
 — 30. ἐν ταῖς ἀνομίαις τῶν πατέρων ὑμῶν ὑμεῖς μιαίνεσθε (5 b)  
 — 31. οἷς [A om.] ὑμεῖς μιαίνεσθε (5 b)  
 — 43. ἐν οἷς ἐμιαίνεσθε ἐν αὐτοῖς (5 b)  
 22. 3. τοῦ μ. αὐτὴν ἐν τοῖς αἵμασιν αὐτῶν (5 a)  
 — 4. ἐν τοῖς ἐνθυμημασί σου οἱ ἐποίεις ἐμῶν (5 a)  
 — 11. τὴν νύμφην αὐτοῦ ἐμίανεν [A al.] (5 c)  
 23. 7. ἐν πᾶσι τοῖς ἐνθυμημασιν αὐτοῖς [A -ῆς] ἐμῶν (5 b)  
 — 13. μεμῶνται ὁδοὶ μία τῶν δύο (5 b)  
 — 17. ἐμίανον αὐτὴν ἐν τῇ πορνείᾳ αὐτῆς καὶ ἐμάνθη ἐν αὐτοῖς (5 c, 5 a)  
 — 30. ἐμῶνται ἐν τοῖς ἐνθυμημασιν [A ἐπίθ.] αὐτῶν (5 b)  
 — 38. τὰ ἅγια μου ἐμίανον (5 c)  
 24. 13. ἀνθ' ὧν ἐμῶνται [A<sup>1</sup> -άνης, A<sup>2</sup> -άνης] σὺ (5 g)  
 33. 26. A ἀνὴρ τὸν πλησίον αὐτοῦ ἐμῶνται (5 c)  
 36. 17. ἐμίανον αὐτὴν ἐν τῇ ὁδῷ αὐτῶν (5 c)  
 — 18. A ἐν τοῖς εἰδῶλοις αὐτῶν ἐμίανον αὐτὴν (5 c)  
 37. 23. ἵνα μὴ μαινώνται ἔτι ἐν τοῖς εἰδῶλοις αὐ. (5 c)  
 44. 25. ἐπὶ ψυχὴν ἀνθρώπου οὐκ εἰσελεύσονται τοῦ μανθῆναι ἀλλ' ἡ ἐπὶ πατρὶ . . . μανθῆσεται (5 a, 5 c)  
 Da. LXX. 7. 26. καὶ βουλεύσονται μῶναι (5 c)  
 11. 31. μανούσι τὸ ἄγιον τοῦ φόβου (5 b)  
 — 32. μανούσιν ἐν σκληρῷ λαῷ (5 b)  
 I Ma. 1. 46. μῶναι ἀγίασμα καὶ ἀγίους (5 c)  
 — 63. ἵνα μὴ μανθῶσι τοῖς βρώμασι (5 c)  
 4. 45. ἐμίαναν τὰ ἔθνη αὐτοῦ (5 c)  
 7. 34. ἐμίανεν αὐτοῖς (5 c)  
 14. 36. καὶ ἐμίανον κύκλῳ τῶν ἁγίων (5 c)  
 III Ma. 7. 14. τὸν ἐμπεσόντα τῶν μεμαμμένων ὁμοεῖται (5 c)  
 IV Ma. 5. 36. A S<sup>2</sup>B οὐδὲ μιαίνει [S<sup>1</sup> -εἰ] μου τὸ σεμνὸν γῆρας στόμα (5 c)  
 7. 6. οὐκ ἐμίανας τοὺς ἱεροὺς δόδοντας [Aq. Jb. 14. 4: Is. 30. 22: 52. 1: Ez. 20. 26: 86. 18: Ho. 9. 3:] (5 c)  
 [S<sup>1</sup> Is. 30. 22: Ez. 7. 21: Da. 1. 8.] (5 c)  
 [Th. Is. 30. 22: Ez. 18. 6: 83. 26: 86. 18.] (5 c)  
 [Al. Le. 14. 36: 15. 9: Nu. 5. 2: 19. 7.] (5 c)  
 μιαίφονία.  
 IV Ma. 9. 9. SB διὰ τὴν ἡμῶν μ. [A μαροφ.] αὐτάρκη (5 c)  
 10. 11. διὰ τὴν ἀσέβειαν καὶ μ. (5 c)  
 μιαίφονος.  
 II Ma. 4. 38. τὸν μ. ἀπεκόσμησε (5 c)  
 12. 6. παρεγένετο ἐπὶ τοὺς μ. τῶν ἀδελφῶν [S<sup>1</sup> Ps. 25 (26). 9: 54 (55). 24: 138 (139). 19.] (5 c)  
 μῖανσις. (1) N<sup>2</sup> pi.  
 Le. 13. 44. μῖανσις [A B<sup>1</sup> om.] μιαίνει αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (5 c)  
 μαρός (-ερ-).  
 II Ma. 4. 19. ἀπέστειλεν Ἰ. ὁ μ. θεωροῦς (5 c)  
 5. 16. ταῖς μ. χερσὶ τὰ ἱερὰ σκεύη λαμβάνων (5 c)  
 7. 34. ὁ . . . πάντων ἀνθρώπων μαρώτατε (5 c)  
 9. 13. ἤρχετο δὲ ὁ μ. (5 c)  
 15. 32. τὴν τοῦ μ. Νικάνορος κεφαλὴν (5 c)  
 IV Ma. 4. 26. μαρῶν ἀπογενομένους τροφῶν (5 c)  
 9. 15. τύραννε μαρώτατε (5 c)  
 — 17. ὁ μαροῖ διάκονοι (5 c)  
 — 32. μαρώτατε τύραννε (5 c)  
 10. 10. ὁ μαρώτατε τύραννε (5 c)  
 11. 4. S ὁ μαρώτατε [AB μισῶτε] καὶ μισύνθρωπε (5 c)  
 μαροφαγεῖν (-ερ-).  
 IV Ma. 5. 3. εἰ δὲ τινας μὴ θέλουν μαροφαγεῖν (5 c)  
 — 19. εἰ μαροφαγεῖσθαι (5 c)  
 — 25. οὐ μαροφαγεῖν (5 c)  
 — 27. S<sup>1</sup> ἀναγκάειν ἡμᾶς μ. [A S<sup>2</sup>B παρανομεῖν] (5 c)  
 8. 1. ἀναγκάσαι γέροντα μαροφαγεῖν (5 c)  
 — 2. εἰ μὲν μαροφαγεῖται (5 c)

IV Ma. 8. 12. ὅπως . . . πείσειεν αὐτοὺς μαροφαγεῖσαι (5 c)  
 — 29. συμβουλευόντα αὐτοῖς μαροφαγεῖσαι (5 c)  
 11. 16. AB βασανίειν μὴ μαροφαγεῖν [S -a] (5 c)  
 13. 2. εἰ . . . ἐμαροφαγεῖσαν (5 c)  
 μαροφαγία (-ερ-). (-εία).  
 IV Ma. 5. 27. ὅπως τῇ ἐχθίστῃ ἡμῶν μ. ταύτῃ ἐπεγ- γελᾶσθαι (5 c)  
 6. 19. ἵνα παρίδωγμα γενώμεθα τῆς μ. (5 c)  
 7. 6. SB ἐκοίνωσας [A -νώρησας] μαροφαγία (5 c)  
 11. 25. μήτε βιάσασθαι πρὸς τὴν μ. (5 c)  
 μαροφονία (-ερ-).  
 IV Ma. 9. 9. A διὰ τὴν ὑ. μ. [SB μιαφ.] αὐτάρκη (5 c)  
 μῖασμα. (1) N<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> (3) N<sup>2</sup> (3)  
 Le. 7. 8 (18). μ. ἐστιν (5 c)  
 Ju. 9. 2. οἱ ἔλυνον μίτραν παρθένου εἰς μῖασμα (5 c)  
 — 2. καὶ ἐγύνωσαν [B<sup>1</sup> add. μίτραν παρθένου εἰς μῖασμα] μῆρον (5 c)  
 — 4. ἐβδελύξαντο μῖασμα αἵματος αὐτῶν (5 c)  
 18. 16. εἰς μῖασμα καὶ αἰσχύνην (5 c)  
 Je. 39 (32). 34. ἔθηκαν τὰ μ. αὐτῶν ἐν τῷ οἴκῳ (3)  
 Ez. 33. 31. ὀπίσω τῶν μ. ἡ καρδιά αὐτῶν (1)  
 I Ma. 13. 50. ἐκαθάρισε τὴν ἄκραν ἀπὸ τῶν μ. [Al. Le. 14. 14: 16. 16: 18. 19: 20. 21.] (5 c)  
 μασμός.  
 Wi. 14. 26. ψυχῶν μασμὸς γενέσθαι ἐναλλαγῇ (5 c)  
 I Ma. 4. 43. ἤραν τοὺς λίθους τοῦ μ. (5 c)  
 [Aq. Dt. 28. 14:] (5 c)  
 [S<sup>1</sup> II Ki. 11. 4:] (5 c)  
 μίγμα.  
 Si. 38. 8. μυρεψὸς ἐν τοῖτοις ποιήσει μίγμα (5 c)  
 μινγῖναι. (1) N<sup>2</sup> pu. (2) N<sup>2</sup> hithpa. (3) N<sup>2</sup> (5 c)  
 Ge. 30. 40. οὐκ ἔμεινεν αὐτὰ εἰς τὰ πρόβατα (3)  
 Ex. 30. 35. μυρεψικὸν ἔργον μυρεψοῦ μεμινγμένου (1)  
 IV Ki. 18. 23. μίχθητε δὲ τῷ κυρίῳ μου (2)  
 Ps. 105 (106). 35. ἐμίγησαν ἐν τοῖς ἔθνεσι (2)  
 Pr. 14. 16. ὁ δὲ ἄφρων ἐαυτῷ πεποιθὸς μίγγεται ἀνόμῳ (5 c)  
 Is. 36. 8. μίχθητε τῷ κυρίῳ μου (2)  
 μικρολόγος.  
 Si. 14. 3. ἀνδρὶ μικρολόγῳ οὐ καλὸς ὁ πλοῦτος (5 c)  
 μικρός (incl. σμικρότατος). (1) a. N<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> (3) N<sup>2</sup> (3)  
 δ. N<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> (3) N<sup>2</sup> (3)  
 (4) a. N<sup>2</sup> δ. N<sup>2</sup> c. N<sup>2</sup> (5) N<sup>2</sup> (3)  
 N<sup>2</sup> (6) N<sup>2</sup> ni. (7) N<sup>2</sup> N<sup>2</sup> (3)  
 (8) N<sup>2</sup> (9) μαροῦ N<sup>2</sup> (10) μικρό- (11) μικρόν (12) μικρότατος N<sup>2</sup> (13) μ. δάκτυ- (14) μ. μερὶς N<sup>2</sup> (15) στάθμιον (16) μ. ποιεῖν μικρόν (17) κατὰ μικρόν μικρόν N<sup>2</sup> (18) μικρόν δσον δσον N<sup>2</sup> N<sup>2</sup> (19) N<sup>2</sup> (20) N<sup>2</sup> (21) N<sup>2</sup> (22) N<sup>2</sup> (23) N<sup>2</sup> (24) N<sup>2</sup> (25) N<sup>2</sup> (26) N<sup>2</sup> (27) N<sup>2</sup> (28) N<sup>2</sup> (29) N<sup>2</sup> (30) N<sup>2</sup> (31) N<sup>2</sup> (32) N<sup>2</sup> (33) N<sup>2</sup> (34) N<sup>2</sup> (35) N<sup>2</sup> (36) N<sup>2</sup> (37) N<sup>2</sup> (38) N<sup>2</sup> (39) N<sup>2</sup> (40) N<sup>2</sup> (41) N<sup>2</sup> (42) N<sup>2</sup> (43) N<sup>2</sup> (44) N<sup>2</sup> (45) N<sup>2</sup> (46) N<sup>2</sup> (47) N<sup>2</sup> (48) N<sup>2</sup> (49) N<sup>2</sup> (50) N<sup>2</sup> (51) N<sup>2</sup> (52) N<sup>2</sup> (53) N<sup>2</sup> (54) N<sup>2</sup> (55) N<sup>2</sup> (56) N<sup>2</sup> (57) N<sup>2</sup> (58) N<sup>2</sup> (59) N<sup>2</sup> (60) N<sup>2</sup> (61) N<sup>2</sup> (62) N<sup>2</sup> (63) N<sup>2</sup> (64) N<sup>2</sup> (65) N<sup>2</sup> (66) N<sup>2</sup> (67) N<sup>2</sup> (68) N<sup>2</sup> (69) N<sup>2</sup> (70) N<sup>2</sup> (71) N<sup>2</sup> (72) N<sup>2</sup> (73) N<sup>2</sup> (74) N<sup>2</sup> (75) N<sup>2</sup> (76) N<sup>2</sup> (77) N<sup>2</sup> (78) N<sup>2</sup> (79) N<sup>2</sup> (80) N<sup>2</sup> (81) N<sup>2</sup> (82) N<sup>2</sup> (83) N<sup>2</sup> (84) N<sup>2</sup> (85) N<sup>2</sup> (86) N<sup>2</sup> (87) N<sup>2</sup> (88) N<sup>2</sup> (89) N<sup>2</sup> (90) N<sup>2</sup> (91) N<sup>2</sup> (92) N<sup>2</sup> (93) N<sup>2</sup> (94) N<sup>2</sup> (95) N<sup>2</sup> (96) N<sup>2</sup> (97) N<sup>2</sup> (98) N<sup>2</sup> (99) N<sup>2</sup> (100) N<sup>2</sup> (101) N<sup>2</sup> (102) N<sup>2</sup> (103) N<sup>2</sup> (104) N<sup>2</sup> (105) N<sup>2</sup> (106) N<sup>2</sup> (107) N<sup>2</sup> (108) N<sup>2</sup> (109) N<sup>2</sup> (110) N<sup>2</sup> (111) N<sup>2</sup> (112) N<sup>2</sup> (113) N<sup>2</sup> (114) N<sup>2</sup> (115) N<sup>2</sup> (116) N<sup>2</sup> (117) N<sup>2</sup> (118) N<sup>2</sup> (119) N<sup>2</sup> (120) N<sup>2</sup> (121) N<sup>2</sup> (122) N<sup>2</sup> (123) N<sup>2</sup> (124) N<sup>2</sup> (125) N<sup>2</sup> (126) N<sup>2</sup> (127) N<sup>2</sup> (128) N<sup>2</sup> (129) N<sup>2</sup> (130) N<sup>2</sup> (131) N<sup>2</sup> (132) N<sup>2</sup> (133) N<sup>2</sup> (134) N<sup>2</sup> (135) N<sup>2</sup> (136) N<sup>2</sup> (137) N<sup>2</sup> (138) N<sup>2</sup> (139) N<sup>2</sup> (140) N<sup>2</sup> (141) N<sup>2</sup> (142) N<sup>2</sup> (143) N<sup>2</sup> (144) N<sup>2</sup> (145) N<sup>2</sup> (146) N<sup>2</sup> (147) N<sup>2</sup> (148) N<sup>2</sup> (149) N<sup>2</sup> (150) N<sup>2</sup> (151) N<sup>2</sup> (152) N<sup>2</sup> (153) N<sup>2</sup> (154) N<sup>2</sup> (155) N<sup>2</sup> (156) N<sup>2</sup> (157) N<sup>2</sup> (158) N<sup>2</sup> (159) N<sup>2</sup> (160) N<sup>2</sup> (161) N<sup>2</sup> (162) N<sup>2</sup> (163) N<sup>2</sup> (164) N<sup>2</sup> (165) N<sup>2</sup> (166) N<sup>2</sup> (167) N<sup>2</sup> (168) N<sup>2</sup> (169) N<sup>2</sup> (170) N<sup>2</sup> (171) N<sup>2</sup> (172) N<sup>2</sup> (173) N<sup>2</sup> (174) N<sup>2</sup> (175) N<sup>2</sup> (176) N<sup>2</sup> (177) N<sup>2</sup> (178) N<sup>2</sup> (179) N<sup>2</sup> (180) N<sup>2</sup> (181) N<sup>2</sup> (182) N<sup>2</sup> (183) N<sup>2</sup> (184) N<sup>2</sup> (185) N<sup>2</sup> (186) N<sup>2</sup> (187) N<sup>2</sup> (188) N<sup>2</sup> (189) N<sup>2</sup> (190) N<sup>2</sup> (191) N<sup>2</sup> (192) N<sup>2</sup> (193) N<sup>2</sup> (194) N<sup>2</sup> (195) N<sup>2</sup> (196) N<sup>2</sup> (197) N<sup>2</sup> (198) N<sup>2</sup> (199) N<sup>2</sup> (200) N<sup>2</sup> (201) N<sup>2</sup> (202) N<sup>2</sup> (203) N<sup>2</sup> (204) N<sup>2</sup> (205) N<sup>2</sup> (206) N<sup>2</sup> (207) N<sup>2</sup> (208) N<sup>2</sup> (209) N<sup>2</sup> (210) N<sup>2</sup> (211) N<sup>2</sup> (212) N<sup>2</sup> (213) N<sup>2</sup> (214) N<sup>2</sup> (215) N<sup>2</sup> (216) N<sup>2</sup> (217) N<sup>2</sup> (218) N<sup>2</sup> (219) N<sup>2</sup> (220) N<sup>2</sup> (221) N<sup>2</sup> (222) N<sup>2</sup> (223) N<sup>2</sup> (224) N<sup>2</sup> (225) N<sup>2</sup> (226) N<sup>2</sup> (227) N<sup>2</sup> (228) N<sup>2</sup> (229) N<sup>2</sup> (230) N<sup>2</sup> (231) N<sup>2</sup> (232) N<sup>2</sup> (233) N<sup>2</sup> (234) N<sup>2</sup> (235) N<sup>2</sup> (236) N<sup>2</sup> (237) N<sup>2</sup> (238) N<sup>2</sup> (239) N<sup>2</sup> (240) N<sup>2</sup> (241) N<sup>2</sup> (242) N<sup>2</sup> (243) N<sup>2</sup> (244) N<sup>2</sup> (245) N<sup>2</sup> (246) N<sup>2</sup> (247) N<sup>2</sup> (248) N<sup>2</sup> (249) N<sup>2</sup> (250) N<sup>2</sup> (251) N<sup>2</sup> (252) N<sup>2</sup> (253) N<sup>2</sup> (254) N<sup>2</sup> (255) N<sup>2</sup> (256) N<sup>2</sup> (257) N<sup>2</sup> (258) N<sup>2</sup> (259) N<sup>2</sup> (260) N<sup>2</sup> (261) N<sup>2</sup> (262) N<sup>2</sup> (263) N<sup>2</sup> (264) N<sup>2</sup> (265) N<sup>2</sup> (266) N<sup>2</sup> (267) N<sup>2</sup> (268) N<sup>2</sup> (269) N<sup>2</sup> (270) N<sup>2</sup> (271) N<sup>2</sup> (272) N<sup>2</sup> (273) N<sup>2</sup> (274) N<sup>2</sup> (275) N<sup>2</sup> (276) N<sup>2</sup> (277) N<sup>2</sup> (278) N<sup>2</sup> (279) N<sup>2</sup> (280) N<sup>2</sup> (281) N<sup>2</sup> (282) N<sup>2</sup> (283) N<sup>2</sup> (284) N<sup>2</sup> (285) N<sup>2</sup> (286) N<sup>2</sup> (287) N<sup>2</sup> (288) N<sup>2</sup> (289) N<sup>2</sup> (290) N<sup>2</sup> (291) N<sup>2</sup> (292) N<sup>2</sup> (293) N<sup>2</sup> (294) N<sup>2</sup> (295) N<sup>2</sup> (296) N<sup>2</sup> (297) N<sup>2</sup> (298) N<sup>2</sup> (299) N<sup>2</sup> (300) N<sup>2</sup> (301) N<sup>2</sup> (302) N<sup>2</sup> (303) N<sup>2</sup> (304) N<sup>2</sup> (305) N<sup>2</sup> (306) N<sup>2</sup> (307) N<sup>2</sup> (308) N<sup>2</sup> (309) N<sup>2</sup> (310) N<sup>2</sup> (311) N<sup>2</sup> (312) N<sup>2</sup> (313) N<sup>2</sup> (314) N<sup>2</sup> (315) N<sup>2</sup> (316) N<sup>2</sup> (317) N<sup>2</sup> (318) N<sup>2</sup> (319) N<sup>2</sup> (320) N<sup>2</sup> (321) N<sup>2</sup> (322) N<sup>2</sup> (323) N<sup>2</sup> (324) N<sup>2</sup> (325) N<sup>2</sup> (326) N<sup>2</sup> (327) N<sup>2</sup> (328) N<sup>2</sup> (329) N<sup>2</sup> (330) N<sup>2</sup> (331) N<sup>2</sup> (332) N<sup>2</sup> (333) N<sup>2</sup> (334) N<sup>2</sup> (335) N<sup>2</sup> (336) N<sup>2</sup> (337) N<sup>2</sup> (338) N<sup>2</sup> (339) N<sup>2</sup> (340) N<sup>2</sup> (341) N<sup>2</sup> (342) N<sup>2</sup> (343) N<sup>2</sup> (344) N<sup>2</sup> (345) N<sup>2</sup> (346) N<sup>2</sup> (347) N<sup>2</sup> (348) N<sup>2</sup> (349) N<sup>2</sup> (350) N<sup>2</sup> (351) N<sup>2</sup> (352) N<sup>2</sup> (353) N<sup>2</sup> (354) N<sup>2</sup> (355) N<sup>2</sup> (356) N<sup>2</sup> (357) N<sup>2</sup> (358) N<sup>2</sup> (359) N<sup>2</sup> (360) N<sup>2</sup> (361) N<sup>2</sup> (362) N<sup>2</sup> (363) N<sup>2</sup> (364) N<sup>2</sup> (365) N<sup>2</sup> (366) N<sup>2</sup> (367) N<sup>2</sup> (368) N<sup>2</sup> (369) N<sup>2</sup> (370) N<sup>2</sup> (371) N<sup>2</sup> (372) N<sup>2</sup> (373) N<sup>2</sup> (374) N<sup>2</sup> (375) N<sup>2</sup> (376) N<sup>2</sup> (377) N<sup>2</sup> (378) N<sup>2</sup> (379) N<sup>2</sup> (380) N<sup>2</sup> (381) N<sup>2</sup> (382) N<sup>2</sup> (383) N<sup>2</sup> (384) N<sup>2</sup> (385) N<sup>2</sup> (386) N<sup>2</sup> (387) N<sup>2</sup> (388) N<sup>2</sup> (389) N<sup>2</sup> (390) N<sup>2</sup> (391) N<sup>2</sup> (392) N<sup>2</sup> (393) N<sup>2</sup> (394) N<sup>2</sup> (395) N<sup>2</sup> (396) N<sup>2</sup> (397) N<sup>2</sup> (398) N<sup>2</sup> (399) N<sup>2</sup> (400) N<sup>2</sup> (401) N<sup>2</sup> (402) N<sup>2</sup> (403) N<sup>2</sup> (404) N<sup>2</sup> (405) N<sup>2</sup> (406) N<sup>2</sup> (407) N<sup>2</sup> (408) N<sup>2</sup> (409) N<sup>2</sup> (410) N<sup>2</sup> (411) N<sup>2</sup> (412) N<sup>2</sup> (413) N<sup>2</sup> (414) N<sup>2</sup> (415) N<sup>2</sup> (4

De. 7. 22. κατὰ μικρὸν μικρὸν (17)  
 25. 13. στάθμιον καὶ στάθμιον μέγα ἢ μ. (5)  
 — 14. μέτρον καὶ μέτρον μέγα ἢ μ. (5)  
 Jo. 22. 17. μὴ μικρὸν ἡμῶν τὸ ἀμάρτημα Φ. (3)  
 — 19. εἰ μ. ἢ γὰρ ὑμῶν τὴν κατασχίσσεως (3)  
 Jd. 4. 19. πότισόν με δὴ μ. ὕδωρ (9)  
 6. 15. ἐγὼ εἰμι ὁ μικρότερος [A. εἰ, μικρός] (10a) [4δ]  
 Ru. 2. 7. οὐ κατέπανσεν ἐν τῷ ἀγρῷ μικρὸν (3)  
 I Ki. 2. 19. διπλοῖδα μ. ἐποίησεν αὐτῷ (5)  
 5. 9. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 9. 21. οὐχὶ . . . υἱὸς . . . τοῦ μ. [A. -οτέρου] (5)  
 σκίπτρου φυλῆς 'Isr. (5) [10δ]  
 15. 17. οὐχὶ μικρὸς σὺ εἰ ἐνώπιον αὐτοῦ (5)  
 16. 11. ἔτι δ. μ. (5)  
 17. 28. A ἐπὶ τίνα ἀφήκας τὰ μ. πρόβατα ἐκεῖνα (8)  
 20. 2. B οὐ μὴ ποιήσῃ ὁ πατήρ μου ῥῆμα μ. [A B al.] (5)  
 — 35. καὶ παιδάριον μ. μετ' αὐτοῦ (5)  
 22. 15 + 25. 36. ῥῆμα μ. ἢ μέγα (5)  
 30. 2, 19. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 I Ki. 7. 19. κατεσκευάσθη [A. -η] μικρὸν — (5)  
 9. 12. τῷ Μερμ. υἱὸς μ. (5)  
 12. 3. οὐδὲν ἀλλ' ἢ ἡμῶς μία μ. (5)  
 — 8. εἰ μικρὸν ἐστίν (3)  
 17. 20. παρήλθαν μικρὸν τοῦ ὕδατος (2)  
 24. 25. μικρὸν ἦν ἐν πρώτοις — (5)  
 III Ki. 2. 20. αἰτήσιν μίαν μικρὰν ἐγὼ αἰτοῦμαι (5)  
 3. 7. ἐγὼ εἰμι παιδάριον μ. (5)  
 8. 64. τὸ θυσιαστήριον . . . μικρὸν τοῦ μὴ δύ-  
 νασθαι (5)  
 11. 17. καὶ Ἀδὲρ παιδάριον μ. (5)  
 17. 13. ποιήσων ἰμοὶ ἐκεῖθεν ἐγκρυφίαν μ. (5)  
 18. 44. νεφέλη μ. ὡς ἔχουσ ἀνδρός (5)  
 22. 31. μὴ πολεμεῖτε μικρὸν καὶ μέγαν (5)  
 IV Ki. 2. 23. παιδάριον μ. ἐξήλθεν (5)  
 4. 10. ποιήσωμεν ἡμεῖς ὑπερφύον τόπον μ. (5)  
 5. 2. ἡμαλῶτευσαν . . . νεάνιδα μ. (5)  
 — 14. ὡς σὰρξ παιδαρίου μ. (5)  
 28. 2. 25. 26. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου (5)  
 I Ch. 12. 14. εἰς τοὺς ἐκατὸν μικροὺς (5)  
 25. 8: 26. 13. κατὰ τὸν μ. καὶ κατὰ τὸν μέγαν (5)  
 II Ch. 10. 10. ὁ μ. δάκτυλός μου παχύτερος (13)  
 12. 7. ὅσους αὐτοὺς ὡς μικρὸν εἰς σωτηρίαν (3)  
 18. 30. μὴ πολεμεῖτε τὸν μ. (5)  
 21. 17. Ὁχ. ὁ μικρότατος τῶν υἱῶν αὐ. (12)  
 22. 1. τὸν Ὁχ. τὸν υἱὸν αὐ. τὸν μ. (5)  
 31. 15. κατὰ τὸν μέγαν καὶ [A. add. κατὰ] τὸν μ. (5)  
 34. 30. πᾶς ὁ λαὸς ἀπὸ μεγάλου ἕως μικροῦ (5)  
 36. 18. πάντα τὰ σκεῦός σου θεοῦ . . . τὰ μ. (5)  
 I Es. 1. 54. πάντα τὰ ἱερά σκεῦός σου κ. . . τὰ μ. (3)  
 II Es. 9. 8. καὶ δοῦναι ζωοποιήσιν μ. (3)  
 Ju. 13. 4, 13. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 16. 16. μικρὸν πᾶσα θυσία εἰς δέσμην ἐνώδιας (5)  
 Es. 1. 1. ἀπὸ μ. πηγῆς ποταμοῦ μέγας — 5. B<sup>3</sup> ἀπὸ μεγάλου καὶ ἕως μικροῦ (5)  
 10. 3. ἡ μ. πηγὴ ἡ ἐγένετο ποταμὸς (5)  
 Jb. 2. 9. ἰδοὺ ἀναμείνω [B<sup>1</sup> om.] χρόνον ἔτι μικρὸν — (5)  
 3. 19. μικρὸς καὶ μέγας ἐκεῖ ἐστὶ (5)  
 10. 20. ἔσόν με ἀναπαύσασθαι μικρὸν [B<sup>1</sup> δλίγον] (8)  
 36. 2. μεῖνόν με μικρὸν ἔτι (1a)  
 Ps. 41 (42). 6. καὶ Ἐρμωνίειμ ἀπὸ θρῶν μικροῦ (4a)  
 72 (73). 2. ἐμοὶ δὲ παρὰ μικρὸν ἐσαλεύθησαν οἱ πόδες (3)  
 103 (104). 25. ζῶα μικρὰ μετὰ μεγάλων (5)  
 113. 21 (115. 13). εὐλόγησε . . . τοὺς μ. μετὰ τῶν μεγάλων (5)  
 151. 1. μικροὶ ἦμιν ἐν τοῖς ἀδελφοῖς μου (5)  
 Pr. 6. 10. μικρὸν δὲ νυστάζεις (3)  
 15. 16. κρείσσων μικρὰ μερὶς μετὰ φύβου κυρίου (14)  
 20. 10. στάθμιον μέγα καὶ μικρὸν (15)  
 Ec. 9. 14. πόλις μ. καὶ ἀνδρες ἐν αὐτῇ δλίγοι (5)  
 Ca. 2. 15. πώσατε ἡμῖν ὀλοέκας μικροὺς (5)  
 3. 4. ὡς μικρὸν ὅτε παρήλθον ἀπ' αὐτῶν (3)  
 8. 8. ἀδειφὴ ἡμῶν μικρὰ (5)  
 Wi. 6. 7. μικρὸν καὶ μέγαν αὐτοὺς ἐποίησεν (5)  
 15. 8. πρὸ μικροῦ ἐκ γῆς γεννηθεῖς (5)  
 Si. prol. 18. τὰ λοιπὰ τῶν βιβλίων οὐ μικρὰν ἔχει τὴν διαφορὰν — (5)  
 — 21. εἶδον οὐ μικρὰς παιδείας ἀφ' ὁμοίων (5)  
 5. 15. ἐν μεγάλῳ καὶ ἐν μικρῷ μὴ ἀγνῶναι (5)  
 11. 3. μικρὰ ἐν πετεινοῖς μέλισσα (5)

Si. 19. 1. ὁ ἐξουθενῶν τὰ δλίγα κατὰ μικρὸν πεσεῖται (5)  
 25. 18. ἀνεστίνεψε πικρὰ [B<sup>1</sup> μικρά] (5)  
 — 19. μικρὰ πᾶσα κακία πρὸς κακίαν γυναικός (5)  
 29. 23. ἐπὶ μικρῷ καὶ μεγάλῳ εὐδοκίαν ἔχε (5)  
 Ho. 1. 4. ἔτι μικρὸν καὶ ἐκδικίσω τὸ αἷμα τοῦ 'I. (8)  
 8. 10. κοπάσουσι [A<sup>1</sup> κοπιᾶσουσιν] μικρὸν [A. om.] τοῦ χρίειν βασιλεία (8)  
 Am. 6. 12 (11). πατάξει . . . τὸν οἶκον τὸν μ. ῥάγμασιν [A. ῥήγ.] (5)  
 8. 5. τοῦ ποιῆσαι μικρὸν μέτρον (18)  
 Jn. 3. 5. ἀπὸ μεγάλου αὐτῶν ἕως μικροῦ αὐ. [A B<sup>3</sup> al.] (5)  
 Za. 4. 10. διότι τίς ἐξουθενῶσιν εἰς ἡμέρας μικρὰς (5)  
 13. 7. ἐπάξω τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τοὺς μικροὺς [A. ποιμένας, B<sup>2</sup> ποιμένας τοὺς μικροὺς] (4c)  
 Is. 7. 13. μὴ μικρὸν ὑμῶν ἀγῶνα παρέχειν ἀνθρώ-  
 ποις (8)  
 9. 14 (13). ἀφείλε κύριος . . . μέγαν καὶ μικρὸν + (8)  
 10. 25. ἔτι γὰρ μικρὸν καὶ παύσεται ἡ ὀργή (8 + 1b)  
 11. 6. παῖδιον μικρὸν ἀξεί αὐτοῦ (5)  
 18. 5. ἀφείλετὰ τὰ βοτρυδία τὰ μ. τοῖς δρεπάνοις — (5)  
 22. 5. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 — 24. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 26. 16. ἐν θλίψει μικρὰ ἡ παιδεία σου ἡμῖν — (5)  
 — 20. ἀποκριθῆναι μικρὸν ὅσον ὅσον (18)  
 28. 10. ἔτι μικρὸν ἔτι μικρὸν διὰ φαυλισμὸν χειλῶν (1, 1)  
 — 13. ἔτι μικρὸν ἔτι μικρὸν (1, 1)  
 — 25. σπεῖρειν μικρὸν μελάνθιον — (5)  
 29. 17. οὐκέτι μικρὸν καὶ μετατεθήσεται ὁ Λί-  
 βανος (8 + 1b)  
 30. 14. ἐν φ. πῦρ ἀρείσι καὶ ἐν φ. ἀποσυρῆς ὕδωρ [B<sup>1</sup> om. ἀρ. κ. ἐν φ. δ. ὕ.] μικρὸν + (5)  
 33. 4. συναχθήσεται τὰ σκέλια ὑμῶν [A. add. ἀπὸ] μικροῦ καὶ μεγάλου + (5)  
 — 19. μικρὸν καὶ μέγαν λαόν — (5)  
 54. 7. ἈΒΒ χρόνον μικρὸν κατελείπον [B ἔγκ.] σε (5)  
 — 8. ἐν θυμῷ μικρὰ ἀπέστρεψα τὸ πρόσωπόν μου ἀπὸ σοῦ (8)  
 63. 18. ἵνα μικρὸν [B<sup>1</sup> add. τι] κληρονομήσωμεν τοῦ θρῶν τοῦ ἁγίου σου (4a)  
 Je. 6. 13. ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν καὶ ἕως [A. om.] μεγάλου (5)  
 28 (51). 33. ἔτι μικρὸν καὶ ἦξει ὁ ἀμνηστὸς αὐτῆς (9)  
 29 (49). 15. μικρὸν ἔδοκα σε ἐν ἔθνεσιν (5)  
 38 (31). 34. ἀπὸ μικροῦ αὐτῶν ἕως μεγάλου αὐτῶν (5)  
 49 (42). 1. 8. ἀπὸ μικροῦ καὶ ἕως μεγάλου (5)  
 51 (44). 12. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 Ba. 1. 4. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 2. 29. ἡ βόμβησις ἡ μεγάλη ἢ πολλή αὐτῆ ἀπο-  
 στρέψει εἰς μικράν [A. μακ.] + (5)  
 La. 4. 18. ἐθρηνησάμεν μικροὺς ἡμῶν + (5)  
 Ez. 8. 15. A μὴ μικρὰ τῷ οἴκῳ 'Ιουδα τοῦ ποιεῖν τὰς ἀνομίας — (5)  
 — 17. μὴ μικρὰ τῷ οἴκῳ 'Ιουδα [A. 'Ισραὴλ] τοῦ ποιῆσαι τὰς ἀνομίας (8)  
 11. 16. ἔσονται αὐτοὶ εἰς ἀγίασμα μικρὸν (3)  
 16. 20. ὡς μικρὰ ἐξεπάρμευσας (3)  
 — 47. κατὰ τὰς ἀνομίας αὐτῶν ἐποίησας παρὰ μικρὸν καὶ ὑπερκεῖσαι οὕτως [A. add. παρὰ πικρὸν, ? μικρὸν] ἐν πάσαις ταῖς δ. σου (3, -)  
 17. 6. ἐγένετο εἰς ἀμπελον ἀσθενοῦσαν [A. εὐ-  
 θην.] καὶ μικράν [A. add. τῷ μεγέθει] (7)  
 43. 14. ἀπὸ τοῦ Ἰακωβίου τοῦ μ. (5)  
 46. 22. αὐτὴ μικρὰ μήκου πηχῶν τεσσαράκοντα + (5)  
 Da. LXX. Su. 56. ἡ μ. ἐπιθυμία (1a)  
 7. 8. ἄλλο ἐν κέρας ἀνεφύη . . . μικρὸν (1a)  
 Da. TH. 7. 8. κέρας ἑτέρον μ. ἀνέβη (1a)  
 11. 34. βοηθήσονται βοήθειαν μ. (8)  
 I Ma. 5. 45. ἀπὸ μικροῦ ἕως μεγάλου (5)  
 II Ma. 3. 14. ἦν δὲ οὐ μικρὰ . . . ἀγωνία — 30. τὸ μικρὰ πρότερον δέουσι . . . γέμον ἱερὸν (5)  
 6. 25. διὰ τὸ μικρὸν καὶ ἀκαρίαῖον ἐν — 29. B τὴν μικρὰν πρότερον ἐνεύειαν . . . μετα-  
 βαλόντων [A. al.] (5)  
 8. 8. κατὰ μικρὸν εἰς προκοπὴν ἐρχόμενον (5)  
 9. 10. τὸν μικρὸν πρότερον . . . ἀπτεσθὰ δοκούντα (5)  
 10. 6. ὡς πρὸ μ. χρόνον . . . ἥσαν νεμόμενοι (5)  
 IV Ma. 5. 19. μὴ μικρὰν οὖν εἶναι νομίσης ταύτην . . . ἀμαρτίαν — (5)  
 — 20. AB τὸ γὰρ ἐν [B ἐπὶ] μικροῖς καὶ ἐν [B om.] μεγάλους παρανομῶν (5)  
 12. 7. ὡς ἐρούμεν μετὰ μικρὸν ὕστερον (5)

IV Ma. 15. 4. B B εἰς μικρὸν παῖδος χαρακτῆρα [A παιδοχ.] (5)  
 [Aq. Ge. 1. 16: Ca. 2. 15: Je. 31 (38). 34: 42 (49). 8: 48 (31). 4: Ez. 43. 14.] (5)  
 [Sm. I Ki. 2. 19: III Ki. 12. 10: Ps. 41 (42). 7: 67 (68). 28: Is. 38. 9: Je. 50 (27). 45: Ez. 20. 43: Za. 13. 7.] (5)  
 [Th. Ge. 1. 16: I Ki. 2. 19: Pr. 10. 20: Is. 7. 13: 22. 24: Je. 8. 10: 18. 6.] (5)  
 [Al. Nu. 24. 13.] (5)  
 [Quint. Ca. 8. 8: Ho. 7. 4.] (5)  
 μικρότης. (1) ἰβ<sup>3</sup>  
 III Ki. 12. 10. ἡ μ. μου παχύτερα τῆς ὀσφύος τοῦ πατρός μου [A. al.] (1)  
 — 24. B ἡ μ. μου παχύτερα ὑπὲρ τὴν ὀσφύν — (5)  
 μικρόφυκος. (1) ἰβ<sup>3</sup>  
 [Al. Pr. 14. 29.] (5)  
 μικρύνειν (σμ.). (1) ἰβ<sup>3</sup> pul. (2) ἰβ<sup>3</sup> a. gal. (5)  
 δ. hi. c. ἰβ<sup>3</sup> (8) ἰβ<sup>3</sup> (4) ἰβ<sup>3</sup> hi. (5)  
 I Ch. 16. 19. ὡς [A ἕως] ἐσμικρύνθησαν (2c)  
 17. 17. ἐσμικρύνθη ταῦτα ἐνώπιόν σου (3)  
 Ps. 88 (89). 45. ἐσμικρύνεας τὰς ἡμέρας 106 (107). 38. τὰ κτήνη αὐ. οὐκ ἐσμικρύνε (2b)  
 Si. 17. 25. σμικρύνων πρόσκομμα 32 (35). 8. A B S<sup>1</sup> μὴ μικρύνῃς [B<sup>2</sup> B σμικρ.] ἀπαρ-  
 χῶν χειρῶν σου (5)  
 Ho. 4. 3. A B πενήσσει ἡ γῆ καὶ σμικρυνθήσε-  
 ται [B μικρ.] (1)  
 Je. 36 (29). 6. καὶ μὴ σμικρυνθῇτε (2a)  
 Ba. 2. 34. οὐ μὴ σμικρυνθῶσι [B<sup>1</sup> μικρ.] (5)  
 Da. LXX. TH. 3. (37). ἐσμικρύνθημεν παρὰ πάντα τὰ ἔθνη (5)  
 [Aq. Ge. 32. 10 (11): Jd. 16. 16.] (5)  
 [Th. Je. 30 (37). 19: Ho. 4. 3.] (5)  
 μικρὸς. (1) ἰβ<sup>3</sup>  
 II Ma. 14. 8. τὸ σύμπαρ ἡμῶν γένος οὐ μ. ἀκληρεῖ (5)  
 μίλας (μιλάς), vid. συὸ σμίλας. (5)  
 μίλτος. (1) ἰβ<sup>3</sup>  
 Wi. 13. 14. καταχρίσας μίλτην (5)  
 Je. 22. 14. ὑπερβα . . . κεχρισμένα ἐν μίλτῳ (1)  
 μιμείσθαι (μιμῶν?). (5)  
 Ps. 80 (81). 6. ἐμίσησας [B<sup>1</sup> ἐμίμ.] τοὺς διαφ-  
 λασσοτάς ματαίωτας + (5)  
 Wi. 4. 2. παροῦσάν τε μιμουμένη [A. τιμώσα] αὐτήν 15. γ. χαλκοπλάστας τε μιμῶται (5)  
 IV Ma. 9. 23. μιμήσασθέ με, ἀδελφοί (5)  
 13. 9. μιμησώμεθα τοὺς τρεῖς . . . νεανίσκους [Aq. Ez. 16. 61.] (5)  
 μίμημα. (5)  
 Wi. 9. 8. μίμημα σκηνῆς ἁγίας ἦν προητοίμασας [Aq. Ez. 23. 14.] (5)  
 μιμήσκεισθαι. (1) ἰβ<sup>3</sup> a. gal. δ. ni. c. hi. (5)  
 (2) ἰβ<sup>3</sup> (8) c. neg. ἰβ<sup>3</sup> (4) ἰβ<sup>3</sup> hithp. (5) ἰβ<sup>3</sup>  
 Ge. 8. 1. A ἐμνήσθη [B ἀνεμν.] ὁ θ. τοῦ Νῶε (1a)  
 9. 15. καὶ μνησθήσονται τῆς διαθήκης μου (1a)  
 — 16. καὶ ὀφθαλμοὶ τοῦ μνησθῆναι διαθήκην (1a)  
 19. 29. ἐμνήσθη ὁ θεὸς τοῦ 'Αβραάμ (1a)  
 30. 22. ἐμνήσθη δὲ ὁ θεὸς 'Ραχὴλ (1a)  
 40. 13. μνησθήσεται Φαραὼ τῆς ἀρχῆς σου (2)  
 — 14. ἀλλὰ μνησθήθι μου διὰ σεαυτοῦ (1a)  
 — 14. μνησθήσῃ περὶ ἐμοῦ (1c)  
 — 20. ἐμνήσθη τῆς ἀρχῆς τοῦ οἰνοχόου (2)  
 — 23. καὶ οὐκ ἐμνήσθη . . . τοῦ 'I. (1a)  
 42. 9. ἐμνήσθη 'Ιωσήφ τῶν ἐνυπνίων (1a)  
 Ex. 2. 24. ἐμνήσθη ὁ θεὸς τῆς διαθήκης αὐτοῦ (1a)  
 6. 5. καὶ ἐμνήσθη τῆς διαθήκης ὑμῶν (1a)  
 20. 8. μνησθήθι τὴν ἡμέραν (1a)  
 32. 13. μνησθεῖς . . . τῶν σῶν οἰκετῶν (1a)  
 Le. 26. 42. μνησθήσονται τῆς διαθήκης 'I. (1a)  
 — 42. τῆς διαθήκης 'Αβρ. μνησθήσονται (1a)  
 — 43 (42). τῆς γῆς μνησθήσονται (1a)  
 — 45. μνησθήσονται αὐτῶν τῆς διαθήκης (1a)  
 Nu. 11. 5. ἐμνησθήμεν τοὺς ἰχθύας (1a)  
 15. 39. μνησθήσεσθε πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (1a)  
 — 40. ὅπως ἐν μνησθήσῃ (1a)  
 De. 5. 15. μνησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἦσθα (1a)

De. 7. 18. μνησθήσῃ ὅσα ἐποίησε κ. (1 a)	Ps. 70 (71). 16. μνησθήσομαι τῆς δικαιοσύνης σου μόνου (1 c)	Si. 38. 20. ἀπόστησον αὐτὴν μνησθεὶς τὰ ἔσχατα — 22. μνησθήτι τὸ κρίμα αὐτοῦ (1 a)
8. 2. μνησθήσῃ πᾶσαν τὴν ὁδὸν (1 a)	78 (74). 2. μνησθήτι τῆς συναγωγῆς σου (1 a)	41. 3. μνησθήτι προτέρων σου καὶ ἐσχάτων (1 a)
— 18. μνησθήσῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (1 a)	— 18. μνησθήτι ταύτης τῆς κτίσεώς σου [B om. τῆς κτ. σου] (1 a)	42. 15. μνησθήσομαι δὴ τὰ ἔργα κυρίου (1 a)
9. 7. μνησθήτι μὴ ἐπιλάβῃ (1 a)	— 22. μνησθήτι τῶν ὀνειδιζμῶν [B* τοῦ δ.] σου (1 a)	49. 9. ἐμνήσθη τῶν ἐχθρῶν ἐν ὕμνῳ (1 a)
— 27. μνησθήτι Ἀβραάμ (1 a)	76 (77). 3. ἐμνήσθην τοῦ θεοῦ (1 a)	51. 8. ἐμνήσθην τοῦ ἐλέους σου, κύριε (1 a)
15. 15. μνησθήσῃ ὅτι οἰκίτης ἦσθα (1 a)	— 6. ἐπὶ αἰῶνια ἐμνήσθην (1 a)	Ho. 2. 17 (19). οὐ μὴ μνησθῶσιν οἰκίται [A ἐπὶ τὰ νόμ. αὐτῶν] (1 b)
16. 3. ἵνα [A* om.] μνησθήτε τὴν ἡμέραν τῆς ἐξορίας ὑ. (1 a)	— 11. ἐμνήσθην τῶν ἔργων κυρίου ὅτι μνησθήσομαι ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τῶν θανάσιων σου (1 a, 1 c*, 1 a)	7. 2. πάσας τὰς κακίας αὐτῶν ἐμνήσθην (1 a)
— 12. μνησθήσῃ ὅτι οἰκίτης ἐγένονο (1 a)	77 (78). 35. ἐμνήσθησαν ὅτι ὁ θεὸς βοήθη αὐτῶν ἐστί (1 a)	8. 13. νῦν μνησθήσεται τὰς ἀδικίας αὐτῶν (1 a)
— 18. B* ὅτι [A B* B μνησθήσῃ ὅτι] οἰκίτης ἦσθα (1 a)	— 39. ἐμνήσθητι τὴν σὰρξ εἰσι (1 a)	9. 9. μνησθήσεται ἀδικίας αὐ. (1 a)
— 20. μνησθήσῃ ὅτι οἰκίτης ἦσθα (1 a)	— 42. οὐκ ἐμνήσθησαν τῆς χειρὸς αὐτοῦ ἡμέρας (1 a)	Am. 1. 9. οὐκ ἐμνήσθησαν διαθήκης ἀδελφῶν (1 a)
— 22. μνησθήσῃ ὅτι οἰκίτης ἦσθα (1 a)	78 (79). 8. μὴ μνησθῆς ἡμῶν ἀνομῶν ἀρχαίων (1 a)	Mi. 6. 5. λυὸς μου μνησθήτι δὴ τί ἐβουλεύσατο (1 a)
25. 17. μνησθήτι ὅσα ἐποίησέν σοι Ἀμ. (1 a)	82 (83). 4. οὐ μὴ μνησθῇ τὸ ὄνομα Ἰσραὴλ ἐπὶ (1 b)	Jn. 2. 8. τοῦ κυρίου ἐμνήσθην (1 a)
32. 7. μνησθήτε ἡμέρας αἰῶνος (1 a)	86 (87). 4. μνησθήσομαι Ραὰβ καὶ Βαβυλῶνος (1 c)	Na. 2. 5 (6). μνησθήσονται οἱ μεγιστάνες αὐ. (1 a)
Jo. 1. 13. μνησθήσῃ τὸ ῥήμα (1 a)	87 (88). 5. ὅν οὐκ ἐμνήσθης ἐπὶ (1 a)	Hb. 8. 2. ἐν ὁργῇ ἐλέους μνησθήσῃ (1 a)
Jd. 8. 34. οὐκ ἐμνήσθησαν . . . κ. τοῦ θεοῦ (1 a)	88 (89). 47. μνησθήτι τίς μου ἡ ὑπόστασις (1 a)	Za. 10. 9. καὶ οἱ μακρὰν μνησθήσονται μου (1 a)
9. 2. μνησθήτε ὅτι ὁσόντων ὑμῶν . . . εἰμι (1 a)	— 50. μνησθήτι, κύριε, τοῦ ὀνειδισμοῦ τῶν δούλων σου (1 a)	Ma. 4. 4 (3. 22). μνησθήτε νόμου Μωσῆ τοῦ δούλου μου (1 a)
16. 28. μνησθήτι δὴ μου (1 a)	97 (98). 3. ἐμνήσθη τοῦ ἐλέους αὐτοῦ (1 a)	Is. 12. 4. μνησθήσεσθαι ὅτι ἰψώθη τὸ ὄν. αὐ. (1 c)
I Ki. 1. 11. εἰάν . . . μνησθῆς μου (1 a)	102 (103). 14. μνησθήτι [A B* ἐμνήσθη] ὅτι χούτις ἐσμεν (1 a)	17. 10. κυρίου τοῦ βοηθοῦ σου οὐκ ἐμνήσθης (1 a)
— 19. ἐμνήσθη αὐτῆς κύριος (1 a)	— 18. τοῖς . . . μνησθῆναι τῶν ἐντολῶν αὐτοῦ (1 a)	26. 16. ἐν θλίψει ἐμνήσθην σου (5)
4. 18. ὡς ἐμνήσθη τῆς κιβωτοῦ τοῦ θεοῦ (1 c)	104 (105). 5. μνησθήτε τῶν θαυμασιῶν αὐτοῦ (1 a)	38. 3. μνησθήτι, κύριε, ὡς ἐπορεύθην ἐνώπιόν σου (1 a)
25. 31. μνησθήσῃ τῆς δούλης σου (1 a)	— 8. ἐμνήσθη εἰς τὸν αἰῶνα διαθήκης αὐτοῦ (1 a)	43. 25. οὐ μὴ μνησθήσομαι [A add. τὰς ἀδικίας σου] (1 a)
II Ki. 19. 19 (20). μὴ μνησθῆς ὅσα ἠδίκησεν (1 a)	— 42. ἐμνήσθη τοῦ λόγου τοῦ ἁγίου αὐτοῦ (1 a)	— 26. σὺ δὲ μνησθήτι (1 c)
IV Ki. 20. 3. μνησθήτι δὴ ὅσα περιεπάτησα (1 a)	105 (106). 4. μνησθήτι ἡμῶν, κύριε (1 a)	44. 21. μνησθήτι ταῦτα Ἰακώβ (1 a)
II Ch. 6. 42. μνησθήτι τὰ ἐλεῖ Δ. (1 a)	— 7. οὐκ ἐμνήσθησαν τοῦ πληθους τοῦ ἐλέους σου (1 a)	46. 8. μνησθήτε ταῦτα καὶ στενάξατε (1 a)
24. 22. οὐκ ἐμνήσθη ἰ. τοῦ ἐλέους (1 a)	— 45. ἐμνήσθη τῆς διαθήκης αὐτοῦ (1 a)	— 9. μνησθήτε τὰ πρότερα ἀπὸ τοῦ αἰῶνος (1 a)
22. 20. οὐ μέμνηται πᾶσαν λύπην (1 a)	108 (109). 16. οὐκ ἐμνήσθη τοῦ ποιῆσαι ἔλεος (1 a)	47. 7. οὐδὲ ἐμνήσθη τὰ ἔσχατα (1 a)
— 21. οὐ μέμνηται βασιλεία (1 a)	110 (111). 5. μνησθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα διαθήκης αὐτοῦ (1 a)	48. 1. μνησθήσομαι οὐ μετὰ ἀληθείας (1 c)
— 22. οὐ μέμνηται ὅταν πίνωσι (1 a)	113. 20 (115. 12). κύριος μνησθεὶς ἡμῶν [B* ἐμνήσθη ἡ. καὶ] εὐλόγησεν ἡμᾶς (1 a)	54. 4. ὀνειδὸς τῆς χηρείας σου οὐ μὴ μνησθήσῃ (1 a)
— 23. B οὐ μέμνηται [A B -ηται] ἃ ἐπραξαν (1 a)	118 (119). 49. A* μνησθήτι τὸν λόγον [B* B* τὸν λ.] σου (1 a)	57. 11. οὐκ ἐμνήσθησιν οὐδὲ ἐλαβίς με εἰς τὴν διάνοιαν (1 a)
4. 21. οὐτε τὸν πατέρα μέμνηται (1 a)	— 52. ἐμνήσθην τῶν κριμάτων σου ἀπ' αἰῶνος (1 a)	62. 6. οὐ σιωπήσονται μνησθήσομαι κυρίῳ (1 c)
— 43. μνησθήτι τὴν ἐνύχνη (1 a)	— 55. ἐμνήσθη ἐν νυκτὶ τοῦ ὀνόματός [B* τὸ δ.] σου (1 a)	63. 7. τὸν ἔλεον κυρίου ἐμνήσθην (1 c)
Ne. 1. 8. μνησθήτι δὴ τὸν λόγον (1 a)	181 (182). 1. μνησθήτι, κύριε, τοῦ Δαυὶδ (1 a)	— 11. ἐμνήσθη ἡμερῶν αἰῶνων (1 a)
4. 14 (8). μνησθήτε τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1 a)	185 (186). 23. A B* E ἐμνήσθη ἡμῶν ὁ κύριος (1 a)	64. 5 (4). τῶν ὁδῶν σου μνησθήσονται (1 a)
5. 19. μνησθήτι μου ὁ θ. εἰς ἀγαθὸν πάντα (1 a)	186 (187). 1. ἐν τῇ μνησθῆναι ἡμᾶς τῆς Σιών (1 a)	— 7 (6). οὐκ ἔστιν . . . ὁ μνησθεὶς ἀντιλαβέσθαι [B -τελαβεσθ] σου (4)
6. 14. μνησθήτι ὁ θ. T. (1 a)	— 6. εἰάν μὴ σου μνησθῇ (1 a)	— 9 (8). μὴ ἐν καιρῷ μνησθῆς ἀμαρτιῶν ἡμῶν (1 a)
9. 17. A B* E οὐκ ἐμνήσθησαν [B B* ἀνεμν.] τῶν θαυμασιῶν σου (1 a)	— 7. μνησθήτι, κύριε, τῶν ἰσθμῶν Ἐδὼμ τὴν ἡμέραν Ἱερουσαλὴμ (1 a)	65. 17. οὐ μὴ μνησθῶσι τῶν προτέρων (1 b)
13. 14. 22. μνησθήτι μου ὁ θεός (1 a)	142 (143). 5. ἐμνήσθην ἡμερῶν ἀρχαίων (1 a)	66. 9. οὐκ ἐμνήσθησιν μου (1 a)
— 29. μνησθήτι αὐτοῖς ὁ θεός (1 a)	Pr. 24. 75 (31. 7). ἵνα . . . τὸν πόνον μὴ μνησθῶσιν ἐπὶ (1 a)	Je. 2. 2. ἐμνήσθην ἐλέους νεότητός σου (1 a)
— 31. μνησθήτι μου ὁ θεός ἡμῶν (1 a)	Ec. 5. 19. B* E οὐ πολλὰ [A B -ας, B* οὐκ ἀλλὰ] μνησθήσεται τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1 a)	11. 19. τὸ ὄνομα αὐ. οὐ μὴ μνησθῇ οὐκίται (1 b)
To. 1. 12. ἐμνήσθην τοῦ θεοῦ ἐν ὅλῃ τῇ ψυχῇ μου (1 a)	9. 15. ἀνθρωπος οὐκ ἐμνήσθη σὺν τοῦ ἀνδρὸς τοῦ πένιτος ἐκείνου (1 a)	14. 10. νῦν μνησθήσεται τῆς ἀδικίας [A B τῶν α.] αὐτῶν (1 a)
2. 2. δε μέμνηται τοῦ κυρίου [A B al.] (1 a)	11. 8. μνησθήσεται τὰς ἡμέρας τοῦ σκότους (1 a)	— 21. μνησθήτι μὴ διασκεδάσῃς τὴν διαθήκην σου (1 a)
— 6. ἐμνήσθην τῆς προφητείας Ἀμώς [B al.] (1 a)	12. 1. μνησθήτι τοῦ κτίσαντός σε (1 a)	15. 15. μνησθήτι μου καὶ ἐπισκεψάι με (1 a)
3. 3. μνησθήτι μου (1 a)	Wi. 19. 10. ἐμνήσθητο γὰρ ἐπὶ τῶν ἐν τῇ παροικίᾳ αὐ. (1 a)	18. 20. μνησθήσιν ἰσθηκότος μου κατὰ πρόσ-ωπόν σου (1 a)
4. 1. ἐμνήσθη Tωβίτ περὶ [B om.] τοῦ ἀργυρίου (1 a)	Si. 8. 31. μέμνηται εἰς τὰ μετὰ ταῦτα (1 a)	28 (51). 50. μνησθήτι τοῦ κυρίου (1 a)
— 4. μνησθήτι [B add. αὐτῆς] παιδίον (1 a)	7. 16. μνησθήτι ὅτι ὁργὴ οὐ χρονεῖ (1 a)	38 (31). 20. μνησθῇ [B* -αν] μνησθήσομαι αὐτοῦ (1 a)
— 12. A B Nde . . . μνησθήτι, παιδίον (1 a)	— 28. μνησθήτι ὅτι δι. αὐτῶν ἐγενήθη [A B ἐγενν.] (1 a)	— 34. τῶν ἀμαρτιῶν αὐτῶν οὐ μὴ μνησθῶ ἐπὶ (1 a)
6. 15. οὐ μέμνηται τῶν λόγων [B τὰς ἐκτολάς] (1 a)	— 36. ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις σου μνησθήσου τὰ ἔσχατα σου (1 a)	40 (33). 8. οὐ μὴ μνησθήσομαι [B -θω] ἀμαρτιῶν αὐτῶν (8)
8. 2. ἐμνήσθη τῶν λόγων Ῥαφαήλ (1 a)	8. 5. μνησθήτι ὅτι πάντες ἐσμέν ἐν ἐπιτίμοις (1 a)	51 (44). 21. οὐχὶ τοῦ θυμῆματός . . . ἐμνήσθη κύριος (1 a)
14. 7. B ἵνα ὅσιν μνησθῶμεν τοῦ θ. (1 a)	— 7. μνησθήτι ὅτι πάντες τελευτῶμεν (1 a)	Ba. 2. 32. μνησθήσονται τοῦ ὀνόματός μου (1 a)
Ja. 8. 26. μνησθήτε δὲ ἐποίησε (1 a)	9. 12. μνησθήτι ὅτι ἐὼς θῶο οὐ μὴ δικαιώσω (1 a)	— 33. μνησθήσονται τῆς ὁδοῦ πατέρων αὐτῶν (1 a)
Es. 2. 1. οὐκίται ἐμνήσθη τῆς Α. [A al.] (1 a)	11. 25. ἐν ἡμέρᾳ κακῶν οὐ μνησθήσονται ἀγαθῶν (1 a)	8. 5. μὴ μνησθῆς ἀδικιῶν πατέρων ἡμῶν ἀλλὰ μνησθήτι χειρὸς σου (1 a)
4. 8. μνησθεὶς [B* -εις ἀφ'] ἡμερῶν ταπεινώσεώς σου (1 a)	14. 12. μνησθήτι ὅτι θάνατος οὐ χρονεῖ (1 a)	— 23. οὐδὲ ἐμνήσθησαν τὰς τρίβους αὐτῆς (1 a)
— 17. μνησθήτι, κύριε (1 a)	15. 8. ἀνδρες ψεύσται οὐ μὴ μνησθήσονται [B* -σονται] αὐτῆς (1 a)	4. 14. μνησθήτε τὴν αἰχμαλωσίαν τῶν ἰσθμῶν (1 a)
10. 3. ἐμνήσθην γὰρ περὶ τοῦ ἐνυπνίου (1 a)	16. 17. μὴ [A B καὶ] ἐξ ὕψους τίς μου [B* ὑψίστου] μνησθήσεται (1 a)	La. 1. 7. ἐμνήσθη Ἱερ. ἡμερῶν ταπεινώσεως αὐτῆς (1 a)
— 3. ἐμνήσθη ὁ θ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (1 a)	— 17. ἐν λαῷ πλείονι οὐ μὴ μνησθῶ [A B γνωσθῶ] (1 a)	— 9. οὐκ ἐμνήσθη ἔσχατα [A -ων] αὐτῆς (1 a)
Jb. 4. 7. μνησθήτι οὐν τίς [A οὐν ὅτι οὐδεὶς] καθάρως ὢν ἀπώλετο (1 a)	18. 24. μνησθήτι θυμοῦ [B* θεοῦ] ἐν ἡμέραις τελευτῆς (1 a)	2. 1. οὐκ ἐμνήσθη ὑποποδίου ποδῶν αὐτοῦ (1 a)
7. 7. μνησθήτι οὐν ὅτι πνεῦμά μου ἡ ζωή (1 a)	— 25. μνησθήτι καιρὸν [A κατὰ κ.] λιμοῦ (1 a)	3. 19. ἐμνήσθην ἀπὸ πτωχείας μου (1 a)
10. 9. μνησθήτι ὅτι πηλὸν με ἐπλάσας (1 a)	23. 14. τῶν ἀμαρτιῶν μου οὐ μὴ μνησθήσεται ὁ ὑψίστος (1 a)	— 20. χολή μου μνησθήσεται (1 a)
21. 6. εἰάν τε γὰρ μνησθῶ ἐσπούδακα (1 a)	28. 6. μνησθήτι τὰ ἔσχατα (1 a)	5. 1. μνησθήτι, κύριε (1 a)
24. 20. A εἰτα ἐμνήσθη αὐτῶν [B B ἀνεμνήσθη αὐτοῦ] ἡ ἀμαρτία (1 b?)	— 7. μνησθήτι ἐντολῶν (1 a)	Ez. 8. 20. οὐ μὴ μνησθῶσιν αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ (1 b)
28. 18. μετῴρα καὶ γοῖβις οὐ μνησθήσεται (1 b)	33 (36). 8. μνησθήτι ὀρκισμοῦ [B ὀρισμοῦ] (1 a)	6. 9. μνησθήσονται μὴ οὐ ἀνασφύζοντες ἐξ ὑμῶν (1 a)
36. 24. μνησθήτι ὅτι μεγάλα ἔστιν αὐτοῦ τὰ ἔργα (1 a)	34 (31). 13. μνησθήτι ὅτι κακὸν ὀφθαλμὸς πονηρὸς (1 c)	16. 22. οὐκ ἐμνήσθης [A -θη τὰς ἡμέρας] τῆς νηπιότητός σου (1 a)
40. 27 (32). μνησθεὶς πόλεμον τὸν γινόμενον [A -μου τοῦ γιγνομένου] (1 a)		— 43. οὐκ ἐμνήσθης [A add. τὴν ἡμέραν] τῆς νηπιότητός σου (1 a)
Ps. 8. 4. ὅτι μνησθήσῃ αὐτοῦ (1 a)		— 60. μνησθήσομαι ἐγὼ τῆς διαθήκης μου (1 a)
9. 12. ἐκίτων τὰ αἵματα αὐτῶν ἐμνήσθη (1 a)		— 61. μνησθήσῃ τὴν ὁδόν σου (1 a)
15 (16). 4. οὐδὲ μὴ μνησθῶ τῶν ὀνομ. αὐ. (2)		— 63. ὅπως μνησθῆς καὶ αἰσχυνθῆς (1 a)
19 (20). 3. μνησθεὶς πάσης θυσίας σου (1 a)		18. 22. B πάντα τὰ παραπτώματα . . . οὐ μνησθήσονται [B -σεται, A al.] (1 b)
21 (22). 27. μνησθήσονται . . . πάντα τὰ πέματα τῆς γῆς (1 a)		— 24. πᾶσαι αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ δὲ ἐποίησαν οὐ μὴ μνησθῶσιν (1 b)
24 (25). 6. μνησθήτι τῶν ολκτιμῶν σου (1 a)		
— 7. ἀγνοίαι μου μὴ μνησθῆς (1 a)		
— 7. κατὰ τὸ ἔλεος σου μνησθήτι μου (1 a)		
41 (42). 4. ταῦτα ἐμνήσθην (1 a)		
— 6. μνησθήσομαι σου ἐκ γῆς Ἰορδάνου (1 a)		
44 (45). 17. μνησθήσονται [B* -σομαι] τοῦ ὀνόματός σου (1 c)		

Εξ. 20. 43. **μισήθησθε** ἐκεῖ τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (1 α)  
 21. 23 (28). **αὐτοὺς ἀνιμμήσκειν** ἀδικίας αὐτοῦ  
 μισθῆναι +  
 23. 27. Αἰνῶντι οὐ μὴ **μισήθης** οὐκ ἐτί (1 α)  
 33. 13. Α αὶ δικαιώσιν αὐ. ἄς ἐποίησεν οὐ  
 μὴ **μισήθω** [B αὐ. οὐ μὴ ἀναμν.] (1 β)  
 — 16. Α αὶ ἀμαρτίας αὐτοῦ ἡς ἐποίησεν οὐ μὴ  
 μισθῶσιν ἐτί [B αλ.] (1 β)  
 36. 31. **μισήθησθε** τὰς ὁδοὺς ὑμῶν τὰς πονη-  
 ράς (1 α)  
 Da. LXX. 5. 11. ἐμνήσθη πρὸς αὐτὸν περὶ τοῦ Δ. —  
 Bel 37. ἐμνήσθη γὰρ μου κ. ὁ θεός  
 — 38. ὁ δὲ κ. ὁ θεός ἐμνήσθη τοῦ Δ.  
 Da. TH. Bel 38. ἐμνήσθη γὰρ μου  
 I Ma. 2. 51. **μνήσθητε** τῶν πατέρων ἡμῶν  
 4. 9. **μνήσθητε** ὡς ἐσώθησαν  
 — 10. καὶ **μνήσθησιν** διαθήκης πατέρων  
 5. 4. ἐμνήσθη τῆς κακίας νῶν B.  
 6. 12. R νὺν δὲ **μνήσκονται** [A S μνήσκ.]  
 7. 38. **μνήσθητι** τῶν δυσφημιῶν αὐ.  
 9. 38. ἐμνήσθησαν Ἰωάννου [S' τοῦ αἵματος 'I.]  
 10. 5. **μισήθησεται** γὰρ πάντων τῶν κακῶν  
 — 46. S ἐμνήσθησαν [A B ἐπεμν.] τῆς κακίας τῆς  
 μεν.  
 12. 11. A B **μνήσκόμεθα** [S μνήσκ.] ὑμῶν  
 II Ma. 1. 2. R **μνήσκει** [A -θῆναι] τῆς διαθήκης αὐ.  
 8. 4. **μνήσθαι** δὲ καὶ τῆς . . . ἀπολείας  
 9. 26. **μνημονεύοντες** τῶν ἐνεργειῶν  
 IV Ma. 13. 12. A B **μνήσθητε** [S' om.] πόθεν ἐστὶ  
 15. 28. τῆς θεοσεβοῦς 'Αβρ. καρτερίας ἡ θυγάτηρ  
 ἐμνήσθη  
 [Aq. Jb. 40. 27 (32) : Ps. 24 (25). 7 : 87 (88).  
 6 : 118 (119). 49 : Ec. 11. 8. Ho. 7. 2.]  
 [Sm. Jb. 28. 18.]  
 [Th. Jb. 28. 18 : Ps. 102 (103). 14 : Ez. 18. 22.]  
 [Al. Dt. 5. 12 : Es. 2. 1.]  
**μυυρίζειν.**  
 [Al. Ps. 48 (49). 4.]  
**μίξις.**  
 Wi. 14. 25. S' πάντα δὲ ἐπὶ μίξιν [? ἐπίμειν, A B  
 ἐπίμειξ, S' ἐπίμειξιν] ἔχει [S' om.]  
 αἶμα  
**μισάνθρωπος.**  
 IV Ma. 11. 4. A B δὲ **μισάρετε** [S μισαρώτατε] καὶ  
 μισάνθρωπε  
**μισάρετος.**  
 IV Ma. 11. 4. A B δὲ **μισάρετε** [S μισαρώτατε] καὶ  
 μισάνθρωπε  
**μίγειν.** (1) 𐤇𐤒 (2) 𐤇𐤒  
 Ho. 4. 2. αἵματα ἐφ' αἵμασι **μίγουσι** (3)  
 Is. 1. 22. **μίσγονται** τὸν οἶνον ὕδατι (1)  
**μισέειν.** (1) 𐤇𐤒 (2) 𐤇𐤒 a. qal. ὁ. ni.  
 (3) 𐤒𐤒 (4) 𐤇𐤒 (5) 𐤇𐤒 a. qal. ὁ. ni.  
 c. pi. d. 𐤇𐤒𐤒 e. 𐤇𐤒𐤒 f. 𐤇𐤒𐤒 (6) 𐤇𐤒𐤒  
 Ge. 26. 27. ὑμεῖς δὲ ἐμίσησάτε με (5 α)  
 29. 31. ἐμίσειτο [A μισείται] Λεῖα (5 α)  
 — 33. ἤκουσε κύριος ὅτι μισοῖμαι (5 α)  
 37. 4. ἐμίσησαν αὐτὸν (5 α)  
 — 8. προσέθεντο ἐπὶ μισῶν αὐτὸν (5 α)  
 Ex. 18. 21. ἄνδρες δικαίους μισούντας ὑπερη-  
 φανίαν (5 α)  
 20. 5. ἀποδιδοὺς . . . τοῖς μισοῦσί με (5 α)  
 Le. 19. 17. οὐ μισήσεις τὸν ἀδελφὸν σου (5 α)  
 26. 17. διώξονται ὑμᾶς οἱ μισούντες ὑμᾶς (5 α)  
 Nu. 10. 35. φονέτωσαν πάντες οἱ μισούντες σε (5 α)  
 De. 1. 27. διὰ τὸ μισεῖν κύριον ἡμᾶς (5 α)  
 4. 42. καὶ οὗτος οὐ μισῶν αὐτὸν (5 α)  
 5. 9. ἐπὶ τρίτην . . . γεγένηται τοῖς μισοῦσί με (5 α)  
 7. 10. καὶ ἀποδιδοὺς τοῖς μισοῦσι (5 α)  
 — 10. οὐχὶ βραδυνεῖ τοῖς μισοῦσι (5 α)  
 — 15. ἐπὶ πάντας τοὺς μισούντας σε (5 α)  
 9. 28. παρὰ τὸ μισῆσαι [A add. κύριον] αὐτοῦς (5 α)  
 12. 31. ἡ ἐμίσησεν (5 α)  
 16. 22. ἡ ἐμίσησε κ. ὁ θεός σου (5 α)  
 19. 4. καὶ οὗτος οὐ μισῶν αὐτὸν (5 α)  
 — 6. οὐ μισῶν ἦν αὐτὸν (5 α)  
 11. ἀνθρώπος μισῶν τὸν πλησίον (5 α)  
 21. 15. καὶ μία αὐτῶν μισομένη (5 α)  
 — 15. ἡ ἡγαπημένη καὶ ἡ μισομένη (5 α)  
 — 15. καὶ γέννηται υἱὸς πρωτότοκος τῆς μισουμ. (5 α)

De. 21. 16. τὸν υἱὸν τῆς μισουμ. τὸν πρωτότοκον (5 α)  
 — 17. τὸν πρωτότοκον υἱὸν τῆς μισουμ. (5 α)  
 22. 13. καὶ μισήσῃ αὐτὴν (5 α)  
 — 16. μισήσας αὐτὴν νῦν οὗτος (5 α)  
 24. 3. καὶ μισήσῃ αὐτὴν ὁ ἀνὴρ ὁ ἔσχατος (5 α)  
 30. 7. καὶ ἐπὶ τοὺς μισούντας σε (5 α)  
 32. 41. B καὶ τοῖς μισοῦσιν [A B add. με]  
 ἀνταποδώσω (5 α)  
 — 43. καὶ τοῖς μισοῦσιν ἀνταποδώσει (5 α)  
 33. 11. οἱ μισούντες αὐτὸν μὴ ἀναστήτωσαν (5 α)  
 Jo. 20. 5. A οὐ μισῶν αὐτὸς αὐτόν (5 α)  
 Jd. 11. 7. οὐχὶ ὑμεῖς ἐμίσησάτε με (5 α)  
 14. 16. μεμίσχης με (5 α)  
 15. 2. μισῶν ἐμίσχας [A -σα] αὐτήν (5 α, 5 α)  
 II Ki. 6. 8. ἀπείσθω . . . τοῖς μισούντας τὴν  
 ψυχὴν Δ. (5 α)  
 13. 15. ἐμίσχεν αὐτὴν 'A. μίσος μέγα σφόδρα (5 α)  
 — 15. μέγα τὸ μίσος δὲ ἐμίσχεν αὐτήν (5 α)  
 — 22. ἐμίση 'A. τὸν 'A. (5 α)  
 18. 28. B ἀπέκλεισε τοὺς ἀνδρας τοὺς μισούντας  
 τὴν χεῖρα αὐ. [A B αλ.] +  
 19. 6 (7). τοῦ ἀγαπᾶν τοὺς μισούντας σε καὶ  
 μισῶν τοὺς ἀγαπῶντάς σε (5 α, 5 α)  
 22. 18. ἐρρύσατό με . . . ἐκ τῶν μισούντων με (5 α)  
 — 41. ἔδοκας μοι νῶτον τοὺς μισούντας με (5 α)  
 III Ki. 22. 8. καὶ ἐγὼ μεμίσχα αὐτὸν (5 α)  
 II Ch. 18. 7. ἐγὼ ἐμίσχα αὐτόν (5 α)  
 19. 2. ἡ μισομένη ὑπὸ κυρίου φιλάει (5 α)  
 To. 4. 15. A B δὲ μισεῖς μηδενὶ ποιήσης  
 13. 12. ἐπικρίναται πάντες οἱ μισούντες σε [S αλ.]  
 Ju. 6. 17. θεὸς μῶν ἀδικίαν  
 Es. 4. 17. ἐμίσχα δόξαν ἀνόμων  
 Jb. 34. 17. ἴδε σὺ [A εἰ δὲ σοὶ οὐκ οἶε] τὸν  
 μισούντα ἄνομα (5 α)  
 Ps. 5. 5. ἐμίσχας, κύριε, πάντας τοὺς ἐργαζο-  
 μένους τὴν ανομίαν (5 α)  
 10 (11). 6. μισεῖ τὴν ἐαυτοῦ ψυχὴν (5 α)  
 17 (18). 17. ῥύσεται με . . . ἐκ τῶν μισούν-  
 των με (5 α)  
 — 20. A B καὶ ἐκ τῶν μισούντων με (5 α)  
 — 40. τοὺς μισούντας με ἐξωλέθρευσας (5 α)  
 20 (21). 8. ἡ δεξιὰ σου εὖρος πάντας τοὺς  
 μισούντας σε (5 α)  
 24 (25). 19. μίσος ἀδικον ἐμίσχον με (5 α)  
 25 (26). 5. ἐμίσχα ἐκκλησίαν πορνευομένων (5 α)  
 30 (31). 6. A B S ἐμίσχας [B' ἐμύ.] τοὺς  
 φυλάσσοντας [A B διαφ.] ματαιώ-  
 ντας (5 α)  
 33 (34). 21. οἱ μισούντες τὸν δικαίον πλημμε-  
 λήσουσι (5 α)  
 34 (35). 19. οἱ μισούντες με [A om.] δωρεάν (5 α)  
 35 (36). 2. τοῦ εὖρεν τὴν ανομίαν αὐτοῦ καὶ  
 μισήσαι (5 α)  
 37 (38). 19. ἐπληθύνθησαν οἱ μισούντες με [A  
 om.] ἀδικος (5 α)  
 43 (44). 7. A B S τοὺς μισούντας ἡμᾶς κατῆ-  
 σχυνας (5 α)  
 — 10. οἱ μισούντες ἡμᾶς διήραζον ἐαυτοῖς (5 α)  
 44 (45). 7. ἐμίσχας ἀνομίαν [A ἀδικίαν] (5 α)  
 49 (50). 17. σὺ δὲ ἐμίσχας παιδείαν (5 α)  
 54 (55). 12. εἰ δὲ μισῶν ἐπ' ἐμὲ ἐμεγαλορρη-  
 μόσην (5 α)  
 67 (68). 1. φονέτωσαν οἱ μισούντες αὐτόν (5 α)  
 68 (69). 4. ἐπληθύνθησαν . . . οἱ μισούντες με  
 δωρεάν (5 α)  
 — 14. ῥύσθην ἐκ τῶν μισούντων με (5 α)  
 73 (74). 4. ἐνεκαυχῆσθαι οἱ μισούντες σε (5 α)  
 — 23. ἡ ὑπερηφάνια τῶν μισούντων σε ἀναβαλεῖ  
 [B' ἀνέβη] (5 α)  
 82 (83). 2. οἱ μισούντες σε ἦσαν κεφαλὴν (5 α)  
 85 (86). 17. ἰδέτωσαν οἱ μισούντες με [B'  
 σε] (5 α)  
 88 (89). 23. τοὺς μισούντας αὐτὸν τροπώσονται (5 α)  
 96 (97). 10. μισεῖτε πορνὴν (5 α)  
 100 (101). 3. ποιούντας παραβάσεις ἐμίσχα  
 [S' αλ.] (5 α)  
 104 (105). 25. τοῦ μισήσαι τὸν λαὸν αὐτοῦ (5 α)  
 105 (106). 10. ἐξώσαν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς μισούν-  
 των [A B' -ος] (5 α)  
 — 41. ἐκρίνυσαν αὐτῶν οἱ μισούντες αὐτοῦς (5 α)  
 118 (119). 104. ἐμίσχα πᾶσαν ὁδὸν ἀδικίας (5 α)  
 — 113. παρανόμους ἐμίσχα (5 α)  
 — 128. πᾶσαν ὁδὸν ἀδικον ἐμίσχα (5 α)  
 — 163. ἀδικίαν ἐμίσχα καὶ ἐβδελύξην (5 α)  
 119 (120). 6. μετὰ τῶν μισούντων τὴν εἰρήνην  
 ἤμην εἰρηκός (5 α)

Ps. 128 (129). 5. ἀποστραφῆτωσαν εἰς τὰ ὀπίσω  
 πάντες οἱ μισούντες Σιών (5 α)  
 188 (139). 21. οὐχὶ τοὺς μισούντας σε, κύριε,  
 ἐμίσχα (5 α, 5 α)  
 — 22. τέλειον μίσος ἐμίσχον αὐτοῦς (5 α)  
 Pr. 1. 22. ἀσεβεῖς γενόμενοι ἐμίσχον αἰσθησὶν (5 α)  
 — 29. ἐμίσχον γὰρ σοφίαν (5 α)  
 5. 12. πῶς ἐμίσχα παιδείαν (5 α)  
 6. 16. χαίρει πᾶσιν οἷς μισεῖ ὁ θεός (5 α)  
 8. 13. φόβος κυρίου μισεῖ ἀδικίαν (5 α)  
 — 13. μεμίσχα δὲ ἐγὼ διεστραμμένας ὁδοὺς  
 κακῶν (5 α)  
 — 36. οἱ μισούντες με [S' om.] ἀγαπῶσι  
 θάνατον (5 α)  
 9. 8. ἵνα μὴ μισώσι σε (5 α)  
 — 8. A S' ἀσοφον καὶ μισήσει σε (5 α)  
 11. 15. μισεῖ δὲ ἡχον ἀσφαλείας (5 α)  
 — 16. θρόνος δὲ ἀτιμίας γυνὴ μισοῦσα δίκαια (5 α)  
 12. 1. ὁ δὲ μισῶν ἐλέγχους ἄφρων (5 α)  
 18. 5. λόγον ἀδικον μισεῖ δίκαιος (5 α)  
 — 24. μισεῖ τὸν νῖον αὐ. (5 α)  
 14. 20. φίλοι μισήσουσι [A -σωσιν] φίλους  
 πτωχοῦς (5 α)  
 15. 10. οἱ δὲ μισούντες ἐλέγχους τελευτῶσιν  
 αἰσχροῦς (5 α)  
 — 27. ὁ δὲ μισῶν δῶρον λήψεται σῶζεται (5 α)  
 16. 3 (15. 32). ὅς ἀπαθεῖται παιδείαν μισεῖ  
 ἐαυτόν (2 α)  
 17. 9. ὅς δὲ μισεῖ κρύπτειν διόδοσιν φίλους +  
 19. 7. πᾶς δὲ ἀδελφὸν πτωχὸν μισεῖ [S' ποιεῖ] (5 α)  
 22. 14. ὁ δὲ μισήσῃ ὑπὸ κυρίου ἐμπεσεῖται  
 εἰς αὐτόν (1)  
 25. 17. μὴ ποτε πλησθεῖς σου μισήσῃ [A -σει]  
 σε (5 α)  
 26. 28. γλώσσα ψευδὴς μισεῖ ἀλήθειαν (5 α)  
 28. 16. ὁ δὲ μισῶν ἀδικίαν μακρὸν χρόνον  
 ῥήσεται (5 α)  
 29. 10. ἄνδρες αἱμάτων μέτοχοι μισοῦσιν [S  
 -σῶσιν, A -ητήσιν] ὅσιον (5 α)  
 — 24. μισεῖ τὴν ἐαυτοῦ ψυχὴν (5 α)  
 Ec. 2. 17. ἐμίσχα σὺν τὴν ζωῇ (5 α)  
 — 18. ἐμίσχα ἐγὼ σύμπατα μόχθον μου (5 α)  
 3. 8. καὶρός τοῦ μισήσαι (5 α)  
 8. 1. ἀναιδὲς προσώπῳ αὐτοῦ μισθήσεται +  
 Wi. 11. 24. οὐδὲ γὰρ ἂν μισῶν τι κατεσκεύασας  
 12. 3. τοὺς παλαιούς οἰκίτορας τῆς ἀγίας σου γῆς  
 μισήσας  
 Si. 7. 15. μὴ μισήσης ἐπίπονον ἐργασίαν  
 — 25. S' μισομένη [B' μισούση σε] μὴ ἐμπιστευ-  
 σης σεαυτὸν  
 9. 18. ὁ προπετὴς ἐν λόγῳ αὐτοῦ μισθήσεται  
 12. 6. ὁ ὕψιστος ἐμίσχεν ἀμαρτανόλους  
 15. 11. ἡ γὰρ ἐμίσχεν οὐ ποιήσεις  
 — 13. πᾶν βδέλυγμα ἐμίσχον κύριος  
 17. 26. σφόδρα μισήσων βδέλυγμα  
 19. 5. ὁ μισῶν λαλίαν ἐλαττονοῦται κακίᾳ [A  
 καρδία]  
 — 9. ἐν κτηρὶ μισήσει [A μισ.] σε  
 20. 8. ὁ ἐνεξουσιαζόμενος [A ἐξ.] μισθήσεται  
 21. 6. μισῶν ἐλεγμὸν [A ἐλεγχον] ἐν ἔχνει ἀμαρ-  
 τωλοῦ  
 — 28. ἐν παροικήσει μισθήσεται  
 25. 2. τρία δὲ εἶδη ἐμίσχεν ἡ ψυχὴ μου  
 — 14. πᾶσαν ἐπαγωγὴν καὶ μὴ ἐπαγωγὴν μισούντων  
 27. 24. πολλὰ ἐμίσχα καὶ οὐχ ὁμοίωσα αὐτῷ  
 — 24. ὁ κύριος μισήσει [A ἐμίση, S' μισεῖ] αὐτόν  
 34 (31). 16. μὴ διαμῶσθαι μὴ μισήσῃ  
 36 (33). 2. ἀνὴρ σοφὸς οὐ μισήσει νόμον  
 42. 9. συνωκῆκυια [S' σ. ἀνδρὶ] μὴ ποτε μισήσῃ  
 Ho. 9. 15. ὅτι ἐκεί αὐτοὺς ἐμίσχα (5 α)  
 Atm. 5. 10. ἐμίσχον ἐν πύλιν ἐλέγχοντα (5 α)  
 — 15. μεμίσχοντα τὰ πονηρὰ (5 α)  
 — 21. μεμίσχα ἀπῶσμαι ἐορτάς ὑμῶν (5 α)  
 6. 8. καὶ τὰς χώρας αὐ. μεμίσχα (5 α)  
 Mi. 3. 2. μισούντες [A οἱ μ.] τὰ καλὰ (5 α)  
 Hg. 2. 15 (14). ἐμισεῖτε ἐν πύλιν ἐλέγχοντας  
 —  
 Za. 8. 17. διότι ταῦτα πάντα ἐμίσχα (5 α)  
 Ma. 1. 3. τὸν δὲ 'H. ἐμίσχα (5 α)  
 2. 13. καὶ ταῦτα ἡ ἐμίσχον ἐποίησε +  
 — 16. ἀλλὰ ἐὰν μισήσας ἐξοπιστεύῃς (5 α)  
 Is. 1. 14. τὰς ἐορτάς ὑμῶν μισεῖ ἡ ψυχὴ μου (5 α)  
 33. 15. μισῶν ἀνομίαν καὶ ἀδικίαν (2 α)  
 54. 6. οὐδ' ὡς γυναῖκα ἐκ νεότητος μεμισμένην (2 β)  
 60. 15. διὰ τὸ γεγενῆσθαι σε . . . μεμισμένην (5 α)  
 61. 8. ἐγὼ γὰρ ἐμὶ κύριος . . . μισῶν ἀρπαγ-  
 ματα ἐξ ἀδικίας (5 α)

Is. 66. 5. εἶπατε ἀδελφοὶ ἡμῶν τοῖς μουσοῖν ἡμᾶς (5 a)  
 Je. 12. 8. διὰ τοῦτο ἐμίσησα αὐτήν (5 a)  
 51 (44). 4. μὴ ποιήσῃς τὸ πρᾶγμα τῆς μολύν-  
 σεως ταύτης ἥς ἐμίσησα (5 a)  
 Ez. 16. 27. παραδώσω [A add. σε] εἰς ψυχὰς  
 μουσούντων σε (5 a)  
 — 37. σὺν πᾶσιν οἷς ἐμίσεις (5 a)  
 23. 28. παραδιδώμι σε εἰς χεῖρας ὧν μισεῖς (5 a)  
 — 38. Α ἡ ἐμίσησαν ἐποίησαν —  
 35. 11. Α ἐκ τοῦ μεμισήκεται σε ἐν αὐτοῖς (5 d)  
 36. 3. ἀντὶ τοῦ ἀτιμωσθῆναι ὑμᾶς καὶ μισθῆναι  
 ὑμᾶς (6 ?)  
 Da. LXX. 4. 16. τὸ ἐνύπνιον τοῦτο τοῖς μουσοῖ  
 σε (5 f)  
 Da. TH. 4. 16. τὸ ἐνύπνιον ἔσται τοῖς μουσοῖ  
 σε (5 f)  
 I Ma. 7. 26. Νικάνορα . . . μουσούντα καὶ ἐχθραίνοντα  
 τῷ 'Ι.  
 11. 21. ἐπορεύθησάν τινες μουσούντες τὸ ἔθνος αὐ.  
 IV Ma. 9. 3. μὴ ἡμᾶς μισῶν ὑπὲρ αὐτοῦς ἡμᾶς ἐλέα  
 [Aq. Dt. 21. 16: Jb. 34. 17: Ps. 10 (11). 5:  
 44 (45). 9: 118 (119). 163: Pr. 26. 24: Is.  
 66. 5: Jc. 44 (51). 4.]  
 [Sm. Jb. 34. 17: Ps. 20 (21). 9: 35 (36). 3:  
 40 (41). 8: 48 (44). 11: 68 (69). 5: 82 (83).  
 3: 88 (89). 24: 118 (119). 163: Pr. 1. 22,  
 29: 8. 13: 11. 15: 26. 24: 30. 23: Is. 66. 5:  
 Ez. 35. 6.]  
 [Th. Pr. 1. 29: 8. 13: 11. 15: 14. 17: 26.  
 24: Is. 66. 5: Ez. 35. 6, 11.]  
 [Sam. Ge. 49. 23.]  
 [Al. Pr. 8. 13.]  
 μισητός. (1) מִשֵּׂה (2) μισητὸν ποιεῖν מִשֵּׂה  
 (3) μ. γυνή מִשֵּׂה  
 Ge. 34. 30. μισητὸν μὲ πεποιήκατε (2)  
 Pr. 24. 39 (24). ἐπικατάρατος λαοὶς ἔσται καὶ  
 μισητὸς εἰς ἔθνη (1)  
 — 58 (80. 23). μιστητὴ γυνὴ ἐν τύχῃ ἀνδρὸς  
 ἀγαθοῦ (3)  
 26. 11. ὥσπερ κύων ὅταν . . . μισητὸς γέννηται †  
 Wi. 14. 9. ἐν ἰσφ γὰρ μισητὰ θεοῦ καὶ ὁ ἀσεβῶν καὶ  
 ἡ ἀσέβεια αὐ.  
 Si. 10. 7. μισητὴ ἔνατιν κυρίου καὶ ἀνθρώπων ὑπερ-  
 φονία  
 20. 5. ἔστι μισητὸς ἀπὸ πολλῆς λαλιᾶς  
 — 15. μισητὸς ἀνθρώπος ὁ τοιοῦτος  
 37. 20. ἔστι σοφίζομενος ἐν λόγοις μισητός  
 μισθαδλ.  
 IV Ki. 10. 22. Α εἶπεν 'Ι. τοῖς ἐπὶ τοῦ μ. [B al.] †  
 μισθαρινν.  
 [Sm. I Ki. 2. 36.]  
 [Al. I Ki. 2. 5.]  
 μισθιος. (1) מִשְׁיָה  
 Le. 19. 13. Α ὁ μισθιος τοῦ μ. [B -θωτοῦ] (1)  
 25. 50. ἔσται τὸ ἀργ. τῆς πράξεως αὐ. ὡς  
 μισθίου (1)  
 To. 5. 11. πατριὰν σὺ ζητεῖς ἢ μισθιον [B al.]  
 Jb. 7. 1. καὶ ὥσπερ μισθιον [A -θου] αὐθμερι-  
 νου ἢ ζωῇ αὐτοῦ (1)  
 Si. 7. 20. μηδὲ μισθιον διδόντα ψυχὴν αὐτοῦ  
 31 (34). 22. ἐκχέων αἷμα ὁ ἀποστερῶν μισθὸν  
 μισθιον  
 37. 11. B<sup>1</sup> R μετὰ μισθίου ἐφιστίον [B αφ., A B<sup>2</sup>  
 ἐπατίον] περὶ συντελείας  
 [Al. Le. 25. 50.]  
 μισθός. (1) מִשְׁכָּר (2) מִשְׁכָּר (3) מִשְׁכָּר  
 (4) מִשְׁכָּר (5) א. מִשְׁכָּר ב. מִשְׁכָּר (6) א. מִשְׁכָּר  
 ב. מִשְׁכָּר (7) מִשְׁכָּר  
 δ. מִשְׁכָּר (7) מִשְׁכָּר  
 συνάγειν מִשְׁכָּר hitp.  
 Ge. 15. 1. ὁ μ. σου πολλὸς ἔσται σφόδρα (6 a)  
 29. 15. τίς ὁ μ. σου ἔστι (6 b)  
 30. 18. δέδωκέ μοι ὁ θεὸς τὸν μ. μου  
 — 18. 'Ισάακ ὁ ἔστι μισθός †  
 — 28. διάστατον τὸν μ. σου πρὸς μέ (6 a)  
 — 32. πᾶν διάλεκον τὸν μ. σου πρὸς μ. μου (6 a)  
 — 33. ἔστιν ὁ μ. μου ἐνώπιόν σου (6 b)  
 31. 7. ἡλλαξέ τὸν μ. μου (6 a)  
 — 8. τὰ ποικίλα ἔσται σου μ. (6 a)  
 — 8. τὰ λευκά ἔσται σου μ. (6 a)  
 — 41. παρελογίσω τὸν μ. μου (6 b)

Ex. 2. 9. ἐγὼ δὲ δώσω σοι τὸν μ. (6 a)  
 22. 15 (14). ἔσται αὐτῷ ἀντὶ τοῦ μ. αὐτοῦ (6 a)  
 Le. 19. 13. οὐ μὴ κοιμηθήσεται ὁ μ. τοῦ μισθω-  
 τοῦ (5 b)  
 Nu. 18. 31. μισθὸς οὗτος ὑμῖν ἔστιν (6 a)  
 De. 15. 18. Α Β ἐφέτιον [B ἐπέτειον] μ. τοῦ  
 μισθωτοῦ (6 a)  
 24. 14. οὐκ ἀπαδικήσεις μισθὸν πέντητος  
 — 15. ἀποδώσεις τὸν μ. αὐτοῦ (6 c)  
 Ru. 2. 12. γένοιτο ὁ μ. σου πλήρης (6 b)  
 III Ki. 5. 6 (20). Α μισθὸν δουλείας σοι δου-  
 λείσω [B al.] (6 a)  
 II Ch. 15. 7. ἔστι μισθὸς τῇ ἐργασίᾳ ὑμῶν (6 a)  
 To. 2. 12. ἀπέδωκαν αὐτῇ καὶ αὐτοὶ τὸν μ. [B al.]  
 — 14. δῶρον διδοῖται μοι ἐπὶ τῷ μ. [B al.]  
 4. 14. Α Β μισθὸς παντὸς ἀνθρώπου . . . μὴ αὐλι-  
 σθήτω  
 5. 3. δώσω [B -σομεν] αὐτῷ μισθὸν  
 — 7. 9. B δώσω σοι τὸν μ. σου  
 — 14. τίνα σοι ἔσομαι μ. διδόναι [B al.]  
 — 15. ἔτι προσθήσω σοι ἐπὶ τὸν μ. [B al.]  
 12. 1. δρα, τέκνον, μισθὸν [B al.]  
 — 1. B προσθεῖναι αὐτῷ εἰς τὸν μ. [A B al.]  
 — 2. B πόσον αὐτῷ δώσω τὸν μ.  
 — 3. B πόσον αὐτῷ ἔτι δὲ μισθὸν  
 — 5. ὧν ἔχων ἡλθες εἰς τὸν μ. σου [A B al.]  
 Jb. 7. 1. Α ὥσπερ μισθὸν [B B<sup>1</sup> -ιον] αὐθμερινου  
 ἢ ζωῇ αὐ. (6 c)  
 — 2. ἡ ὥσπερ μισθὸς ἀναμένων τὸν μ. αὐτοῦ (6 a)  
 Ps. 126 (127). 3. ὁ μ. τοῦ καρποῦ τῆς γαστρὸς (6 a)  
 Pr. 11. 18. σπέρμα δὲ δικαίων μισθὸς ἀληθείας (6 d)  
 — 21. ὁ δὲ σπείρων δικαιοσύνην λήψεται μισθὸν  
 πιστόν [A -ων] †  
 17. 8. μισθὸς χαρίτων παιδεία τοῖς χρωμένοις †  
 Ec. 4. 9. ἔστιν αὐτοῖς μ. ἀγῖος ἐν μόχθῳ αὐτῶν (6 a)  
 9. 5. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς ἔτι μισθός (6 a)  
 — 6. Α καὶ γὰρ μισθός [B B<sup>1</sup> -ισος] αὐτῶν . . .  
 ἦδη ἀπώλετο †  
 Wi. 2. 22. οὐδὲ μισθὸν ἤλπισαν ὁσιώητος  
 5. 15. ἐν κυρίῳ ὁ μ. αὐτῶν  
 10. 17. ἀπέδωκεν ὁσίοις μισθὸν κόπων αὐτῶν  
 Si. 2. 8. οὐ μὴ πταισῇ ὁ μ. ὑμῶν  
 11. 18. αὐτῇ ἡ μερίς τοῦ [B<sup>1</sup> ἀπὸ τοῦ] μ. αὐτοῦ  
 — 22. εὐλογία κυρίου ἐν μισθῷ [A ἐμίσησθ] εἰσεβούς  
 31 (34). 22. ἐκχέων αἷμα ὁ [A καὶ] ἀποστερῶν  
 μισθὸν μισθιον  
 36. 21 (18). δὲς μισθὸν τοῖς ὑπομένουσιν σε  
 51. 22. ἔδωκε κύριος γλῶσσάν μοι [A B μου] μισθὸν  
 μου [B μοι]  
 — 30. δώσει τὸν μ. ὑμῶν ἐν καιρῷ αὐτοῦ  
 Mi. 3. 11. οἱ ἱερεῖς αὐτῆς μετὰ μισθοῦ ἀπεκρί-  
 νοντο (9)  
 Hg. 1. 6. ὁ τοῦ μ. συνάγων συνήγαγεν (7)  
 Za. 8. 10. πρὸ τῶν ἡμ. ἐκ. ὁ μ. τῶν ἀνθρ. οὐκ  
 ἔσται εἰς ὄνησιν καὶ ὁ μ. τῶν κτηνῶν  
 οὐχ ὑπάρξει (6 a, 6 a)  
 11. 12. δότε [A δότε στήσαντες] τὸν μ. μου (6 a)  
 — 12. ἔστησαν τὸν μ. μου τριάκοντα ἀργυροῦς (6 a)  
 Ma. 8. 5. ἐπὶ τοὺς ἀποστεροῦντας μισθὸν μισ-  
 θωτοῦ (6 a)  
 Is. 23. 18. ἔσται αὐτῆς ἡ ἐμπορία καὶ ὁ μ. ἁγίων  
 κυρίῳ (2)  
 40. 10. ἰδοὺ ὁ μ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (6 a)  
 62. 11. παραγέγονεν ἔχων τὸν ἑαυτοῦ μ. (6 a)  
 Je. 22. 13. τὸν μ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἀποδώσει αὐτῷ (6 a)  
 28 (31). 16. ἔστι μ. τοῖς σοῖς ἔργοις (6 a)  
 Ez. 27. 15. τοῖς εἰσαγομ. ἀντιδίδους τοὺς μ. σου  
 — 27. ὁ μ. σου καὶ τῶν συμμικτών [A ἐν  
 τῷ σ.] σου (4)  
 — 33. πόσον τίνα [A καὶ τίνα] εὖρες μισθὸν  
 ἀπὸ τῆς θαλάσσης (4)  
 29. 18. μ. οὐκ ἐγενήθη αὐτῷ (6 a)  
 — 19. ἔσται μ. τῇ δυνάμει αὐτοῦ (6 a)  
 II Ma. 8. 33. ἄξιον τῆς δυσσεβείας ἐκομίσαντο μισθὸν  
 [Aq. Za. 11. 12.]  
 [Sm. Ge. 31. 7: Za. 11. 12.]  
 [Al. Le. 25. 50: Ps. 126 (127). 3.]  
 μισθουσθαι. (1) מִשְׁכָּר (2) מִשְׁכָּר (3) א. מִשְׁכָּר  
 ב. מִשְׁכָּר הִיךָ c. מִשְׁכָּר  
 Ge. 30. 16. μεμισθώμαι γὰρ σε (3 a)  
 De. 23. 4 (5). ἐμισθώσαντο ἐπὶ σὲ τὸν B. (3 a)  
 Jd. 9. 4. ἐμισθώσαντο . . . ἀνδρας κενούς (3 a)  
 — 18. 4. ἐμισθώσαντό με (3 a)  
 II Ki. 10. 6. ἐμισθώσαντο τὴν Συρίαν (3 a)

IV Ki. 7. 6. ἐμισθώσαντο . . . τοὺς βασ. τῶν X. (3 a)  
 I Ch. 19. 6. τοῦ μισθώσασθαι ἱαντοῖς . . .  
 ἄρματα (3 a)  
 — 7. B B<sup>1</sup> ἐμισθώσαντο ἑαυτοῖς ἄρματα [A  
 om.] (3 a)  
 II Ch. 24. 12. ἐμισθούνο λατόμους (3 b)  
 25. 6. ἐμισθώσαντο ἀπὸ 'Ισρ. ἑκατὸν χιλιάδας (3 a)  
 II Es. 4. 5. μισθούμενοι ἐπ' αὐτοὺς (2)  
 Ne. 6. 12. ἐμισθώσαντο ἐπ' ἐμὲ δχλον (3 a)  
 13. 2. ἐμισθώσαντο ἐπ' αὐτὸν τὸν B. (3 a)  
 Ho. 3. 2. καὶ ἐμισθώσαμην ἐμαυτῷ πέντε καὶ  
 δέκα ἀργ. (1)  
 Is. 7. 20. ἐν τῷ ξυρφετῷ μεμισθωμένῳ [A B al.] (3 c)  
 46. 6. μισθωσάμενοι χρυσοχόον (3 a)  
 I Ma. 5. 39. Α B<sup>1</sup> Ἀραβες μεμισθωνται [B al.]  
 [Sm., Th. Is. 7. 20.]  
 [Quint. Ho. 8. 10.]  
 μισθοφορία.  
 [Sm. I Ki. 17. 18.]  
 μίσθωμα. (1) מִשְׁכָּר (2) מִשְׁכָּר, מִשְׁכָּר  
 (3) מִשְׁכָּר (4) מִשְׁכָּר  
 De. 23. 18 (19). οὐ προσποιείσιν μίσθωμα πόρνης (2)  
 Pr. 19. 13. οὐχ ἄγνοι εὐχαὶ ἀπὸ μισθώματος ἑταίρας †  
 Ho. 2. 12 (14). μισθώματα μου ταῦτα ἔστιν  
 Mi. 1. 7. πάντα τὰ μ. αὐτῆς ἐμπρήσουσιν ἐν πυρὶ (2)  
 — 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνήγαγε (2)  
 — 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνείστροφεν (2)  
 Ez. 16. 31. ὡς πόρνη συνάγουσα μισθώματα (2)  
 — 32. παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς λαμβάνουσα  
 μισθώματα †  
 — 33. πᾶσι τοῖς ἐκπορεύουσιν αὐτὴν προσ-  
 ἐδίδου μισθώματα καὶ σὺ δέδωκας  
 μισθώματα [A om. κ. σ. δ. μ.] πᾶσι  
 τοῖς ἐρασταῖς σου (3, 4)  
 — 34. ἐν τῷ προσδιδόναι σε μισθώματα καὶ  
 σοὶ μισθώματα οὐκ ἐδόθη (2, 2)  
 — 41. μισθώματα οὐ μὴ δῶς οὐκέτι (2)  
 [Aq. Is. 23. 18.]  
 [Sm. Ez. 16. 33.]  
 μίσθωσις.  
 [Aq. Ge. 31. 7.]  
 μισθωτής.  
 I Ma. 6. 29. ἦλθον πρὸς αὐτὸν δυνάμεις [B<sup>1</sup> -ει] μισ-  
 θωταί  
 [Aq., Sm., Th. Is. 16. 14.]  
 μισθωτός. (1) מִשְׁכָּר  
 Ex. 12. 45. πάροικος ἢ [A καὶ] μ. οὐκ ἔδεται (1)  
 22. 15 (14). εἰν δὲ μ. ἢ (1)  
 Le. 19. 13. ὁ μισθὸς τοῦ μ. [A -θίου] (1)  
 22. 10. πάροικος ἱερέως ἢ μισθωτός (1)  
 25. 6. καὶ τῷ μ. σου (1)  
 — 40. ὡς μισθωτός [A ὁ μ.] ἢ πάροικος ἔσται σοι (1)  
 — 53. ἀποδώσει τὰ λύτρα αὐ. ὡς μισθωτός †  
 De. 15. 18. Α Β ἐφέτιον [B ἐπέτειον] μισθὸν τοῦ μ. (1)  
 Ju. 4. 10. καὶ πᾶς πάροικος ἢ μ.  
 6. 2. καὶ οἱ μ. τοῦ 'Εφρ.  
 — 5. σὺ δὲ 'Αχ. μισθωτὴ τοῦ 'Α.  
 Jb. 7. 2. ἡ ὥσπερ μισθωτός ἀναμένων τὸν μισθὸν  
 αὐτοῦ (1)  
 14. 6. καὶ εὐδοκήσῃ τὸν βίον ὥσπερ ὁ μ. [A al.] (1)  
 Ma. 8. 5. ἐπὶ τοὺς ἀποστεροῦντας μισθὸν μισ-  
 θωτοῦ (1)  
 Is. 16. 14. ἐν τρισὶν ἔτεσιν ἐτῶν μισθωτοῦ (1)  
 21. 16. ἐτι ἑναυτὸς ὡς ἑναυτὸς μισθωτοῦ (1)  
 28. 1. οἱ μ. 'Εφραῖμ †  
 — 3. καταπατηθήσεται ὁ στέφανος τῆς ὕβρεως  
 οἱ μ. τοῦ 'Εφραῖμ †  
 Je. 28 (40). 21. οἱ μ. αὐτῆς ἐν αὐτῇ (1)  
 I Ma. 6. 29. ἦλθον πρὸς αὐτὸν δυνάμεις [B<sup>1</sup> -μει] μ.  
 [Aq., Th. Dt. 24. 16 (14).]  
 [Sm. Dt. 24. 16 (14): Jc. 46 (26). 21.]  
 μισοξενία.  
 Wi. 19. 13. χαλεπωτέρων μ. ἐπετιθέουσιν  
 μισποιοῖν.  
 [Aq. Ps. 80 (81). 16: 82 (83). 3.]  
 μισποιοίς.  
 [Sm. Ps. 80 (81). 16.]

**μισοπονηρεῖν** (-ρεύειν).  
 II Ma. 4. 49. B μισοπονηρήσαντες [A -ρεύειν.] τὰ πρὸς τὴν κηδεῖαν αὐ.  
 8. 4. καὶ μισοπονηρήσαι.  
**μισοπονηρία**.  
 II Ma. 3. 1. διὰ τὴν Ὁνίου . . . μ.  
**μισοπόνηρος**.  
 Es. 8. 13. μισοπόνηρον ὑπολαμβάνουσιν ἐκφύξεσθαι δίκην [S<sup>1</sup> om.]  
**μίσος**. (1) מִשְׁנָה (2) מִשְׁנָה  
 II Ki. 13. 15. ἐμίσησεν αὐτὴν Ἀ. μ. μέγα σφόδρα (1)  
 — 15. μίγα τὸ μ. δ' ἐμίσησεν αὐτὴν (1)  
 Es. 4. 17. εἰς μίσος τοῦ πολεμουίντος ἡμᾶς  
 Ps. 24 (25). 19. μίσος ἄδικον ἐμίσησάν με (1)  
 108 (109). 3. λόγους μίσους ἐκύκλωσάν με (1)  
 — 5. ἔθεντο . . . μίσος ἀντὶ τῆς ἀγαπήσεως μου (1)  
 138 (139). 22. τέλειον μίσος ἐμίσους αὐτούς (1)  
 Pr. 10. 12. μίσος ἐγίρει νείκος (1)  
 Ec. 9. 1. καὶ γὰρ μίσος οὐκ ἔστιν εἰδὼς ὁ ἄνθρωπος (1)  
 — 6. καὶ γὰρ μίσος [A μισθός] αὐτῶν . . . ᾗθη ἀπάλετο (1)  
 Je. 24. 9. εἰς παραβόλῃν καὶ εἰς μ. (2)  
 Ez. 23. 29. ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐν μίσει [S<sup>1</sup> om. Ps. 64 (55). 13: Pr. 28. 26.]  
**μισοβρί** (-σύβρ).  
 III Ma. 6. 9. καὶ τὸν μισοβρί  
**μισώρ**, *vid.* **μισοῦρ**.  
**μίτρα**. (1) מִטְרָה (2) מִטְרָה  
 Ex. 28. 33 (37). καὶ ἔσται ἐπὶ τῆς μ. (1)  
 — 33 (37). κατὰ πρόσκωνον τῆς μ. ἔσται (1)  
 28. 6. ἐπιθήσεις τὴν μ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν  
 — 6. ἐπιθήσεις τὸ πέταλον . . . ἐπὶ τὴν μ. (1)  
 36. 36 (39. 28). ἐποίησαν . . . μίτραν ἐκ βύσσου (1)  
 — 40 (39. 31). ἐπικεκοσμίαν ἐπὶ τὴν μ. (1)  
 Le. 8. 9. ἐπέθηκε τὴν μ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν  
 — 9. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν μ. (1)  
 Ju. 10. 3. ἐπέθετο μίτραν ἐπ' αὐτῆς  
 16. 8. εἰδὼσά τοι τρεῖς ἀν. ἐν μίτρᾳ  
 Is. 61. 10. ὡς νυμφίᾳ περιεβέη μοι μίτραν (2)  
 Ba. 5. 2. ἐπέθετο τὴν μ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν σου τῆς δόξης τοῦ αἰωνίου [A ἀγίου]  
 Ez. 28. 16. ἀποδύονται [A<sup>2</sup> ἐλούσιν] τὰς μ. ἀπὸ τῶν κεφαλῶν αὐτῶν +  
 [Aq. Ex. 28. 39.]  
 [Sam. Ex. 28. 41.]  
 [Al. Le. 16. 4.]  
**μῆ**. (1) מִנְהָ (2) מִנְהָ  
 III Ki. 10. 17. τρεῖς μναὶ ἐνήσαν χρυσοῦ [A -ίου] (2)  
 I Es. 5. 45. δούνα . . . χρυσοῦ μνᾶς χιλίας καὶ ἀργυρίου μνᾶς πεντακισχιλίας  
 II Es. 2. 69. μναὶ ἐξ μυριάδων καὶ χιλιάδων καὶ ἀργυρίου μναὶ πεντακισχιλίας [A al.] (1, 2)  
 Ne. 7. 71. καὶ ἀργυρίου [A ἀδά, μυριάς] μνᾶς δισχ. τριακοσ. (2)  
 — 72. 8<sup>1</sup> B καὶ ἀργυρίου μνᾶς [S<sup>2</sup> al.] (2)  
 Ez. 45. 12. δέκα καὶ πενήντα σίκλοι ἡ μῆ ἔσται ὑμῶν (2)  
 Da. LXX. Bel 26. λαβὼν ὁ Δ. πίσης μνᾶς τριάκοντα  
 I Ma. 14. 24. 8<sup>1</sup> B ἀσπίδα . . . ὀκτὶς [AS<sup>1</sup> -ῆν] μνῶν χιλίων  
 15. 18. 8<sup>1</sup> B ἀσπίδα χρυσοῦ ἀπὸ μνῶν χιλίων [A al.]  
 III Ma. 1. 4. δόσαν νικήσασιν ἐκάστω δύο μνᾶς χρυσοῦ  
**μνεία**. (1) α. מְנִיָּה δ. מְנִיָּה (2) μνείαν ποιεῖν מְנִיָּה (3) ἐστὶ μνεία מְנִיָּה ni. (4) μνεία γίνετα מְנִיָּה ni.  
 De. 7. 18. μνεία μνησθήσῃ δσα ἐποίησε κ. (1 a)  
 Jb. 14. 13. ἐν γὰρ μνείᾳ μου ποιήσῃ (2)  
 Ps. 110 (111). 4. μνείαν ἐποίησά τοι τῶν θανόντων αὐτοῦ (1 b)  
 Wi. 5. 14. ὡς μνεία [S<sup>1</sup> -αν] καταλύτου μονοήμερου παρώδετου (1)  
 Ho. 9. 7. ἐπληθύνη μνεία [A μνεία] σου  
 Za. 13. 2. καὶ οὐκ εἶπαι αὐτῶν μνεία (3)  
 Is. 23. 16. ἴνα σου μν. [A ἡ μν.] γένηται (4)  
 28. 8. ἡλπίσαμεν . . . ἐπὶ τῇ μν. (1 b)  
 33. 10. ἡμέρας ἐνισατοῦ μνείαν ποιήσασθε +

Je. 38 (31). 20. μνεία [S<sup>1</sup> -αν] μνησθήσονται αὐτοῦ (1 a)  
 Ba. 4. 27. ἔσται γὰρ ὑμῶν ὑπὸ τοῦ ἐπάγοντος μν. 5. χαίροντας τῇ τοῦ θεοῦ μν.  
 Ez. 21. 32 (37). οὐ μὴ γένηται σου μν. (4)  
 25. 10. ὅπως μὴ μν. γένηται τῶν υἱῶν Ἀμὼν (4)  
 IV Ma. 17. 8. καὶ ταῦτα . . . εἰς μνείαν λεγόμενα  
**μνήμα**. (1) α. מְנִיָּה δ. מְנִיָּה  
 Ex. 14. 11. παρὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν μνήματα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1 a)  
 Nu. 11. 34. μνήματα τῆς ἐπιθυμίας (1 a)  
 — 35. ἀπὸ Μνημάτων ἐπιθυμίας ἐξήρην (1 a)  
 19. 16. δὲ ἂν ἀψηφῇ . . . μνήματος (1 a)  
 — 18. ἐπὶ τὸν ἡμίονον . . . τοῦ μν. (1 a)  
 33. 16. παρετίβαλον ἐν Μνήμασι τῆς ἐπιθυμίας (1 a)  
 — 17. ἀπῆραν ἐκ Μνημάτων ἐπιθυμίας (1 a)  
 De. 9. 22. ἐν τοῖς Μν. τῆς ἐπιθυμίας (1 a)  
 Jo. 24. 30. εἶδκαν μετ' αὐτοῦ εἰς τὸ μν. [A μνημεῖον] —  
 II Ch. 16. 14. εἶδκαν αὐτὸν ἐν τῷ μν. (1 a)  
 34. 4. ἐπὶ πρόσκωνον τῶν μν. τῶν θυσιάζοντων αὐτοῖς (1 a)  
 — 28. προστεθήσῃ πρὸς τὸ μν. σου (1 a)  
 Jb. 10. 19. διὰ τί γὰρ ἐκ γαστροῦ εἰς μνήμα οὐκ ἀπηλλάγην [A ἀπῆλθον] (1 a)  
 Is. 65. 4. ἐν τοῖς μν. καὶ ἐν τοῖς σπηλαίοις κοιμῶνται διὰ ἐνύπνια (1 a)  
 Je. 33 (26). 23. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μν. [A μνημεῖον] υἱῶν λαοῦ αὐτοῦ (1 a)  
 Ez. 32. 23. περικύκλω τοῦ μν. αὐτοῦ πάντες οἱ τραυματίαι (1 b)  
 — 24. πᾶσα ἡ δύναμις αὐ. περικύκλω τοῦ μν. αὐ. (1 b)  
 — 26. περικύκλω τοῦ μν. αὐτοῦ πάντες τραυματίαι αὐτοῦ (1 a)  
 87. 12. ἀνοίγω τὰ μν. ὑμῶν καὶ ἀνάξω ὑμᾶς ἐκ τῶν μν. ὑμῶν (1 a, 1 a)  
**μνημεῖον**. (1) α. מְנִיָּה δ. מְנִיָּה  
 Ge. 28. 6. ἐν τοῖς ἐκλεκτοῖς μνημεῖοις ἡμῶν (1 a)  
 — 6. οὐδεὶς . . . καλῶσει τὸ μν. αὐτοῦ (1 a)  
 — 9. εἰς κτήσιν μνημεῖον (1 a)  
 35. 20. ἔστησεν Ἰ. στήλην ἐπὶ τοῦ μν. αὐτῆς (1 b)  
 — 20. B ἡ στήλη ἐπὶ τοῦ [A om. ἑ. τ.] μν. P. (1 b)  
 49. 30. ἐκτίσας . . . ἐν κτήσιν μνημεῖον (1 a)  
 50. 5. ἐν τῷ μν. φ' ὥρξα ἐμαυτῷ (1 a)  
 — 13. δ' ἐκτίσας . . . ἐν κτήσιν μνημεῖον (1 a)  
 Jo. 24. 30. A εἶδκαν μετ' αὐτοῦ εἰς τὸ μν. [B μνήμα] +  
 Ne. 2. 3. οἶκος μνημεῖων πατέρων μου (1 a)  
 5. εἰς πόλιν μνημεῖων πατέρων μου (1 a)  
 Wi. 10. 7. ἀπιστοῦσῃς ψυχῆς μνημεῖον ἑστηκυῖα στήλη ἀλός  
 Is. 22. 16. ἐλατόμηντας σεαυτῷ ὦδε μν. καὶ ἐποίησας σεαυτῷ ἐν ὑψηλῷ μνημεῖον (1 a, 1 a)  
 26. 19. ἄνερθον αὐτοῖς οἱ ἐν τοῖς μν. +  
 Je. 33 (26). 23. A ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μν. [B μνήμα] υἱῶν λαοῦ αὐτοῦ (1 a)  
 Ez. 39. 11. δώσω τῷ Ἰσραὴλ τόπον ὀνομαστὸν μν. ἐν Ἰσραὴλ [A om. ἐν Ἰ.] (1 a)  
**μνήμη**. (1) α. מְנִיָּה δ. מְנִיָּה  
 Ps. 29 (30). 4: 98 (97). 12. ἐξομολογήσῃ τῇ μν. τῆς ἀγνωστῆς αὐτοῦ (1 a)  
 144 (145). 7. μνήμην τοῦ πληθους τῆς χρηστότητος σου ἐξερεῖξάντων (1 a)  
 Pr. 1. 12. ἀρωμην αὐτοῦ τὴν μν. ἐκ γῆς (1 a)  
 10. 7. μνήμη δικαίου μετ' ἐγκωμίων +  
 Ec. 1. 11. οὐκ ἔστι μν. τοῖς πρώτοις καὶ γὰρ τοῖς ἐσχάτοις γενομένοις οὐκ ἔστι αὐτῶν μνήμη (1 b, 1 b)  
 2. 16. AB<sup>2</sup> οὐκ ἔστιν μνήμη [S<sup>1</sup> B ἡ μν.] τοῦ σοφοῦ μετὰ τὸ ἀφρονεῖν (1 b)  
 9. 5. ἐπληρώθη [AB ἐπλήσθη] ἡ μν. αὐτῶν (1 a)  
 Wi. 4. 1. ἀθανασία γὰρ ἔστιν ἐν μνήμῃ αὐτῆς — 19. ἡ μν. αὐτῶν ἀπολείπει (1 a)  
 8. 13. μνήμην αἰώνιον τοῖς μετ' ἐμὲ ἀπολείψω (1 a)  
 10. 8. S<sup>1</sup> τῆς ἀφροσύνης ἀπέλιπον τῷ βίῳ μνήμην [AB<sup>2</sup> μνημόσυνον]  
 11. 12. στεναγμοῦ ἡμῶν τῶν παρελθόντων [AB -δόντων]  
 II Ma. 2. 25. εἰς τὸ διὰ μνήμης ἀναλαβεῖν εὐκοσίαν  
 7. 20. καὶ μν. ἀγαθῆς ἀξία [Aq. Ps. 6. 6.]  
 [Sam. II Ki. 8. 16: Is. 28. 14.]

**μνημονεύειν**. (1) α. זָכַר δ. זָכַר  
 Ex. 13. 3. μνημονεύετε τὴν ἡμέραν ταύτην (1 a)  
 II Ki. 14. 11. μνημονεύσατέ με δὲ ὁ βασιλ. τὸν κ. θεὸν αὐ. (1 a)  
 IV Ki. 9. 25. ὅτι μνημονεύω (1 a)  
 I Ch. 16. 12. μνημονεύετε [A -σατε] τὰ θανόντα αὐ. (1 a)  
 — 15. μνημονεύομεν [A -εἰς] εἰς αἰῶνα διαθήκης αὐ. (1 a)  
 To. 4. 5. κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν μνημονέυετε — 19. μνημονέυετε τῶν ἐντολῶν μου [S<sup>2</sup> τὰς ἐντ. ταύτας]  
 14. 7. 8 μνημονεύοντες τοῦ θ. ἐν ἀληθείᾳ  
 Ju. 13. 19. ἀπὸ καρδίας ἀνθρώπων μνημονεύοντων ἰσχύιν θεοῦ  
 Es. 2. 1. μνημονεύον ὅλα ἐλάλησεν [A al.] (1 a)  
 4. 17. μνημονεύον πάντα τὰ ἔργα κυρίου  
 Ps. 6. 5. οὐκ ἔστιν ἐν τῷ θανάτῳ ὁ μνημονεύων σου (1 b)  
 62 (63). 6. εἰ ἐμνημόνευσεν σου ἐπὶ τῆς στρωμνῆς μου (1 a)  
 Pr. 8. 21. μνημονεύσω τὰ ἐξ αἰῶνος ἀμείψασαι — Wi. 2. 4. οὐδεὶς μνημονεύσει [S<sup>1</sup> -εἰς] τῶν ἔργων ἡμῶν  
 Si. 37. 6. S<sup>1</sup> μὴ μνημονεύσης [A B S<sup>2</sup> ἀμνημόνησῃς] αὐτοῦ  
 Is. 43. 18. μὴ [A om.] μνημονεύετε τὰ πρῶτα (1 a)  
 Da. LXX. Th. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κριμάτων δικαίων  
 I Ma. 12. 11. ὡς δέον ἐστὶ . . . μνημονεύειν ἀδελφῶν  
 II Ma. 9. 21. τὴν εὐνοίαν ἐμνημόνεον  
 10. 6. μνημονεύοντες ὡς . . . ἦσαν νεμόμενοι [Sam. Ps. 24 (25). 7: Is. 73 (74). 22: 87 (88). 6: 96 (97). 12: 102 (103). 14: 110 (111). 5: 118 (119). 49: Je. 15. 15: Ez. 21. 24 (29).] [Quint. Ps. 8. 5:]  
**μνημόσυνον**. (1) α. זָכַר δ. זָכַר c. מְנִיָּה d. זָכַר ni. (2) διδόναι εἰς μν. זָכַר hi.  
 Ex. 3. 15. μν. γενέων [A om.] γενεαῖς (1 a)  
 12. 14. καὶ ἔσται ἡ ἡμέρα ὑμῶν αὐτῇ μν. (1 b)  
 18. 9. ἔσται σοι . . . μν. πρὸ ὀφθαλμῶν σου (1 b)  
 17. 14. κατὰγραφον τοῦτο εἰς μν. εἰς βιβλίον (1 b)  
 — 14. ἐξαλείψω τὸ [A τὸν] μν. [A om.] Ἀμαλὴκ (1 a)  
 28. 12. λῖθοι μνημόσυνον εἰσὶ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1 b)  
 — 12. μν. [A add. ἐναντὶ κυρίου] περὶ αὐτῶν (1 b)  
 — 23 (29). εἰσιόντι εἰς τὸ ἄγιον μν. (1 b)  
 30. 16. ἔσται τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. μν. ἔναυτι κυρίου (1 b)  
 38. 14 (89. 7). λῖθους μνημόσυνον τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 b)  
 Le. 2. 2. ἐπιθήσει ὁ ἱερεὺς τὸ μν. αὐτῆς (1 c)  
 — 9. ἀφελεί . . . ἀπὸ τῆς θυρίας τὸ μν. αὐτῆς (1 c)  
 — 16. ἀνοίσει . . . τὸ μν. αὐτῆς ἀπὸ τῶν χιτῶνων (1 c)  
 5. 12. τὸ μν. αὐτῆς ἐπιθήσει (1 c)  
 6. 15 (8). ὁσμὴν εὐωδίας τὸ μν. αὐτῆς τῷ κυρίῳ (1 c)  
 23. 24. μνημόσυνον σαλπείγων (1 b)  
 Nu. 5. 15. θυσία μνημόσυνον ἀναμνήσκουσα ἁμαρτιῶν (1 b)  
 — 18. δώσει . . . τὴν θυσίαν τοῦ μν. [B<sup>1</sup> om. τ. μν.] (1 b)  
 — 26. δράζεται . . . τὸ μν. αὐ. (1 c)  
 18. 40 (17. 5). μνημόσυνον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1 b)  
 De. 32. 26. παύσω . . . τὸ μν. αὐτῶν (1 a)  
 Jo. 4. 7. ἔσονται οἱ λῖθοι οὗτοι ὑμῶν μνημόσυνον (1 b)  
 Ne. 2. 20. ὑμῶν οὐκ ἔστι . . . μνημόσυνον ἐν Ἰ. (1 b)  
 To. 12. 12. προσήγαγον τὸ μν. τῆς προσευχῆς ὑμῶν  
 Es. 1. 1. ἔγραψεν ὁ βασιλ. τοὺς λόγους ταύτους εἰς μνημόσυνον  
 2. 23. καταχωρίσας εἰς μνημόσυνον —  
 8. 13. μνημόσυνον τῆς ἀπωλείας  
 9. 27 (28). αἱ δὲ ἡμ. αὐταὶ μνημόσυνον ἐπιτελούμενον [A al.] (1 d)  
 — 28. τὸ μν. αὐ. οὐ μὴ ἐκλείπῃ (1 a)  
 — 32. ἐγράφη εἰς μνημόσυνον  
 10. 2. γέγραπται . . . εἰς μνημόσυνον +  
 Jb. 2. 9. ἠφάνισται σου τὸ μν. ἀπὸ τῆς γῆς —  
 18. 17. τὸ μν. αὐτοῦ ἀπόλοιτο ἐκ γῆς (1 a)  
 Ps. 9. 6. ἀπόλετο τὸ μν. αὐτῶν μετ' ἡχοῦ (1 a)  
 33 (34). 16. τοῦ ἐξολοθρεῖσθαι ἐκ γῆς τὸ μν. αὐτῶν (1 a)  
 101 (102). 12. καὶ τὸ μν. σου εἰς γενεὰν καὶ γενεάν (1 a)





## μονήμερος.

Wi. 5. 14. **Β** ὥς μεία καταλύτου μονήμερου [A B μονοημ.]

**μόνιμος.** (1) **ῥ** (2) **ῥῥῥ**

Ge. 49. 26. ὑπὲρ εὐλογίας ὁρέων **μονίμων** [A al.] (1)  
Je. 38 (31). 17. **μόνιμον** τοῖς σοῖς τέκνοις (2)

**μονιός.** (1) **ῥ**

Ps. 79 (80). 13. **A B<sup>2</sup> B** **μονιός** [B<sup>1</sup> B **δνος**] ἀγ-  
ριος κατενημάστω αὐτὴν (1)  
[Sm. Ps. 79 (80). 14.]

**μονογενής.** (1) **A** **ῥῥῥ** **δ.** **ῥῥῥ** **ῥῥ**

Jd. 11. 34. αὕτη ἦν **μονογενής** (1 δ)  
To. 3. 15. **μονογενής** εἰμι τῷ πατρί μου  
6. 10. **A** **ἔστιν** αὐτῷ θυγάτηρ μ. [B S om.]  
— 14. **B** **μονογενής** [A B **μόνος**] εἰμι τῷ πατρί  
— 17. ἡλέσας δύο **μονογενεῖς**  
Ps. 21 (22). 20. καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν **μονο-**  
**γενή** [A -ῆν] μου (1 α)  
24 (25). 16. **μονογενής** καὶ πτωχός εἰμι ἐγώ (1 α)  
34 (35). 17. ἀπὸ **λεόντων** τὴν **μονογενή** [A B<sup>2</sup>  
-ῆν] μου (1 α)

Wi. 7. 22. **ἔστι** γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα ...

Ba. 4. 16. **A** ἀπὸ τῶν **θυγατέρων** τὴν **μονογενή** [B  
-ῆν, B S **μόνην**] ἤρῃμωσαν  
[Aq. Ge. 22. 2: Ps. 67 (68). 7: PR. 4. 3: JE.  
6. 26.]  
[Sm. Ge. 22. 12: PR. 4. 3: JE. 6. 26.]  
[Th. PR. 4. 3:]

**μονόζωνος.** (1) **ῥῥῥ**

II Ki. 22. 30. ἐν σοὶ **δραμοῦμαι** **μονόζωνος** (1)  
IV Ki. 5. 2. **Συρία** ἐξήλθεν **μονόζωνοι**  
6. 23. οὐ **προσέθεντο** **ἔτι** **μονόζωνοι** Σ. τοῦ  
ἐλθεῖν (1)  
13. 20. **μονόζωνοι** **Μαῶβ** ἦλθον (1)  
— 21. **ἶδον** τὸν μ. (1)  
24. 2. ἀπέστειλε κ. αὐτῷ τοὺς μ. τῶν Χ. καὶ τοὺς  
μ. [A om. τ. Χ. κ. τ. μ.] Σ. καὶ τοὺς  
μ. Μ. καὶ τοὺς μ. νίων Ἀ. (1 *quater*)

Jb. 29. 25. **κατεσκήνουν** ὡσεὶ **βασιλεὺς ἐν** **μονο-**  
**ζώνοις** (1)  
[Aq. II Ki. 3. 22.]  
[Th. Jb. 19. 12: 39. 25.]  
[Quint. Ps. 67 (68). 7.]

**μονόζωος.**

[Quint. Ps. 67 (68). 7.]

**μονοήμερος.**

Wi. 5. 14. ὥς **μεία** καταλύτου **μονοήμερου** [S  
μονημ.]

**μονόκερως.** (1) **Δ** **ῥῥῥ**, **Δ** **ῥῥῥ**, **Δ** **ῥῥῥ**

Nu. 23. 22: 24. 8. ὡς **δόξα** **μονοκέρωτος** αὐτῷ (1)  
De. 33. 17. **κέρατα** **μονοκέρωτος** τὰ **κέρατα** αὐ. (1)  
Jb. 39. 9. **βουλήσεται** δὲ **σοι** **μονόκερως** [A ἀτρά-  
πελος μ.] **δουλεύσει** (1)

Ps. 21 (22). 21. **σῶσον** ... ἀπὸ **κεράτων** **μονο-**  
**κέρωτων** τὴν **ταπεινώσιν** μου (1)  
28 (29). 6. ὁ **ἡγαπημένος** ὡς **νίδος** **μονοκέρωτων** (1)  
77 (78). 69. **φκοδύμisen** ὡς **μονοκέρωτων** τὸ  
**ἀγίσμα** αὐτοῦ

91 (92). 10. **ὑψωθήσεται** ὡς **μονοκέρωτος** τὸ  
**κέρας** μου (1)  
[Sm. Ps. 28 (29). 6: Is. 34. 7.]

**μονομαχεῖν.** (1) **Δ** **ῥῥῥ** **ni.**

I Ki. 17. 10. **μονομαχῆσομεν** [A -ωμεν] ἀμφό-  
τεροι (1)  
Ps. 151. *tit.* **ὅτε** **ἐμονομάχησε** τῷ [A πρὸς τὸν] Γ.  
[Sm. I Ki. 17. 8.]

**μόνον.** (1) **ῥῥ** (2) **ῥῥῥ** c. suff. (3) **ῥῥ**

Ge. 19. 8. μ. εἰς τοὺς ἄνδρας τ. μὴ **ποιήσητε** (3)  
24. 8. μ. τὸν **νιόν** μου μὴ **ἀποστρέψης** (3)  
27. 13. μ. **ὑπάκουσόν** μου (1)  
34. 15. **B** μ. [A om.] ἐν **τούτῳ** ὁμοιωθῆσθ<sup>α</sup> **μέθα**  
— 22. μ. ἐν **τούτῳ** ὁμοιωθῆσονται (1)  
— 23. μ. ἐν **τούτῳ** ὁμοιωθῶμεν (1)  
47. 2. **χωρὶς** τῆς γῆς τῶν **ιερέων** μ. (3?)  
— 26. **B** **χωρὶς** τῆς γῆς τῶν **ιερέων** μ. [A -ων] (2)

Ex. 12. 16. **τούτο** μ. **ποιήσεται** ὑμῖν (2)  
De. 22. 25. **ἀποκτενεῖ** τὸν **κοιμώμ. μετ'** αὐτῆς μ. (2)

Jd. 6. 37. **ἐὰν** **δράσος** **γένηται** ἐπὶ τὸν **πόκον** μ. (2)  
— 39. **γενέσθω** ἡ **ξηρασία** ἐπὶ τὸν **πόκον** μ. (2)  
— 40. **ἐγένετο** **ξηρασία** ἐπὶ τὸν **πόκον** μ. (2)

II Ki. 20. 21. **δότε** αὐτὸν **μοι** **μόνον** (2)  
II Ch. 18. 30. **ἀλλ'** ἡ **τὸν** **βασ.** Ἰσρ. μ. (2)

To. 5. 8. **B** **μόνον** [A B καὶ] μὴ **χρονίσσης**  
Ju. 11. 7. οὐ **μόνον** **ἄνθρωποι** διὰ σέ **δουλεύουσιν**  
Es. 1. 16. οὐ **τὸν** **βασ.** **μόνον** ἠδίκησεν Ἀ. (2)  
8. 13. οὐ **μόνον** τοὺς **ὑποταγαμ.** ἡμῖν **ζητοῦσι** **κακο-**  
**ποιεῖν**

— 13. οὐ **μόνον** ἐκ τῶν **ἄνθρ.** **ἀνταναιρουντες**  
— 13. οὐ **μόνον** **ἄνθρωποις** ἄβασος  
Jb. 2. 6. **μόνον** τὴν **ψυχὴν** αὐ. **διαφύλαξον** (1)  
19. 2. **γνώτε** **μόνον**

Wi. 10. 8. οὐ μ. ἡ **ἐβλάβησαν** τοὺ **μὴ** **γνώσαν** τὰ **καλά**  
11. 19. **ὦν** οὐ μ. ἡ **ἐβλάβη** ἡδύνατο **συνεκτριψαί**  
**αὐτοὺς**

18. 4. **τούτοις** δὲ μ. **δειχθῆναι**  
17. 6. **διεφαίνετο** δ' αὐτοῖς μ. **αὐτομάτῃ** **πυρά**  
19. 15. καὶ οὐ μ. **ἀλλ'** ἦτις **ἐπισκοπῇ** **ἔσται**  
Si. prol. 4. οὐ μ. αὐτοὺς τοὺς **ἀναγινώσκοντας** **ξέον**  
**ἔστιν** **ἐπιστήμονας** **γίνεσθαι**

— 17. οὐ μ. **δὲ** **ταῦτα**  
37. 1. **ἔστι** **φίλος** **δυνάμει** μ. **φίλος**  
45. 13. **πλήν** τῶν **νιόν** αὐτοῦ μ.

I Ma. 6. 25. **οὐκ** **ἐβ'** ἡμᾶς **μόνον** **ἐξέτειναν** **χεῖρα**  
11. 42. οὐ **μόνον** **ταῦτα** **ποιήσω** **σοι**  
II Ma. 4. 55. οὐ **μόνον** Ἰουδαῖοι ... **ἐδείναζον**  
6. 31. οὐ **μόνον** τοῖς **νέοις** ... **ὑπὸ** **δείγμα** ... **κατα-**  
**λείπων**

7. 24. οὐ **μόνον** διὰ **λόγων** **ἐποικεῖτο** τὴν **παράκλησιν**  
11. 9. οὐ **μόνον** **ἄνθρωποις** ... **τιτρώσκειν** **ὄντες**  
**ἔτοιμοι**

III Ma. 1. 29. μὴ **μόνον** τοὺς **ἄνθρώπους** ... **ἡχεῖν**  
2. 26. οὐ **μόνον** ταῖς **ἀναριθμήτοις** **ἀσελγείαις** **διηρ-**  
**κέσθη**

3. 1. **ὥστε** οὐ **μόνον** ... **διηγριζέσθαι**  
— 23. οὐ **μόνον** **ἀπεστρέφοντο** τὴν **ἀτίμητον** **πολι-**  
**τείαν**

IV Ma. 1. 11. οὐ **μόνον** ὑπὸ **πάντων** **ἄνθρώπων**  
2. 4. οὐ **μόνον** δὲ τὴν ... **οἰστηλασίαν**  
2. 40. **ὥστε** μὴ **μόνον** **ἐπ'** αὐτῇ τῇ **ἀκρα**

5. 27. οὐ **μόνον** **ἀναγκάζειν** ἡμᾶς  
6. 35. οὐ **μόνον** τῶν **ἀληθδόνων**  
8. 5. οὐ **μόνον** **συμβουλευέ**  
— 15. οὐ **μόνον** **οὐκ** **ἐφοβήθησαν**

9. 10. οὐ **μόνον** ὡς **κατὰ** **ἀπειθούντων**  
14. 1. ὡς μὴ **μόνον** τῶν **ἀληθδόνων**  
— 9. οἱ δὲ οὐ **μόνον** **ὀρώμεν** **ἀλλ'** οὐδὲ **μόνον** **ἀκού-**  
**οντες**

16. 2. οὐ **μόνον** **τῶν** **παθῶν**  
17. 20. οὐ **μόνον** **ὄν** **ταύτῃ** **τῇ** **τιμῇ**  
18. 2. οὐ **μόνον** τῶν **ἐνδοθῶν**  
— 3. οὐ **μόνον** ὑπὸ **τῶν** **ἄνθρωπων** **ἐθανυμάσθησαν**

[Aq. Ec. 7. 30 (29).]  
[Sm. Jb. 23. 6: Ps. 38 (39). 6: Ec. 5. 10: 7. 30  
(29): Is. 28. 19: 45. 14.]  
[Th. I Ki. 1. 13.]

**μόνορχις.** (1) **ῥῥῥ** **ῥῥῥ**  
Le. 21. 20. ἡ **λίχην** ἡ **μόνορχις** (1)

**μόνος.** cf. **μόνον.** (1) **ῥῥ** (2) **ῥῥῥ** c. suff.  
(3) **α.** **ῥῥῥ** c. suff. **δ.** **ῥῥῥῥ** c. **ῥῥῥ**  
(4) **κατὰ** **μόνας** **α.** **ῥῥῥ** c. suff. **δ.** **ῥῥῥ**  
**ῥῥῥ** **ῥῥῥ** **ῥῥῥ** **ῥῥῥῥ** (5) **ῥῥ** (6) **μονά-**  
**τατος** **ῥῥῥ** c. suff.

Ge. 2. 18. οὐ **καλὸν** εἶναι τὸν **ἄνθρωπον** **μόνον** (3 α)  
3. 11, 17. **τούτου** μ. μὴ **φάγη** —  
7. 23. καὶ **κατελῖφθῃ** μ. **Νῶε** (1)  
21. 28. **ἔσθισεν** Ἀβ. **ἐπὶ** **ἀμνάδας** ... **μόνας** (3 α)  
— 29. **δε** **ἔσθισας** **μόνας** (3 α)  
32. 16 (17). **ἔδοκεν** αὐτὰ ... **ποιήμιον** **κατὰ**  
**μόνας** (4 α)

— 24 (25). **ὑπελῖφθῃ** δὲ Ἰακώβ μ. (3 α)  
42. 38. καὶ αὐτὸς μ. **καταλείπεται** (3 α)  
43. 32. καὶ **παρέθikan** αὐτῷ **μόνη** (3 α)  
44. 20. αὐτὸς δὲ **μόνος** **ὑπελῖφθῃ** (3 α)  
47. 26. **χωρὶς** τῆς γῆς τῶν **ιερέων** **μόνον** [A  
-ων] (3 α)

Ex. 18. 14. διὰ τὴν σὺ **κάθησαι** μ. (3 α)  
— 18. **B** οὐ **δυνήσῃ** **ποιεῖν** σὺ μ. (3 α)  
21. 3. **ἐὰν** αὐτὸς μ. **εἰσέλθῃ** (2)  
— 3. καὶ μ. **ἐξέλκεται** (2)  
— 4. αὐτὸς δὲ μ. **ἐξέλκεται** (2)

Ex. 22. 20 (19). ὁ **θυσιάζων** **θεοῖς** ... **πλήν** **κυρίῳ** (3 α)  
— 27 (26). **ἔστι** γὰρ ... **μόνον** **τούτου** **τὸ** **ἱμί-**  
**τιον** (3 α)

24. 2. **ἐγγίει** **Μωυσῆς** μ. **πρὸς** τὸν **θεόν** (3 α)  
Le. 16. 11. **A B** τὸν ... **τοῦ** **οἴκου** αὐ. **μόνον**  
[B al.] —

Nu. 3. 9. **A** **δεδομένοι** **δόμα** **οὔτοι** μ. [B **μοί**]  
**εἰσιν** †

11. 14. οὐ **δυνήσομαι** ἐγὼ **μόνος** **φέρειν** (3 α)  
— 17. **οὐκ** **οἴσεις** αὐτοὺς σὺ **μόνος** (3 α)  
12. 2. μὴ **Μωυσῆ** **μόνη** **λελάληκε** κ. (5)  
23. 9. **λαὸς** μ. **κατοικήσει** (3 δ)

De. 1. 9. οὐ **δυνήσομαι** **μόνος** **φέρειν** ὑμᾶς (3 α)  
— 12. **πῶς** **δυνήσομαι** **μόνος** **φέρειν** τὸν **κόπον**  
**ὑμῶν** (3 α)

6. 13. **A** καὶ αὐτῷ **μόνη** [B om.] **λατρεύσης** —  
8. 3. **οὐκ** **ἐπ'** **ἀργῶ** **μόνη** **ζῆσεται** ὁ **ἄνθρ.** (3 α)  
10. 20. **A** καὶ αὐτῷ **μόνη** [B om.] **λατρεύσεις** —  
29. 14 (13). **οὐχ** ὑμῖν **μόνοις** ἐγὼ **διατίθεμαι** (3 α)

32. 12. **κύριος** **μόνος** ἦγεν αὐτοὺς (3 α)  
33. 28. **κατασκηνώσει** Ἰσρ. **πεισιθῶς** **μόνος** (3 α)  
Jo. 11. 13. Ἀσὼρ **μόνην** **ἐνέπρησεν** Ἰσρ. (3 α)  
22. 20. **B** οὗτος εἰς μ. αὐτὸς **ἀπέθανεν** [A B al.] —

Jd. 3. 20. αὐτὸς **ἐκάθητο** ... **μονώτατος** (6)  
7. 5. **στήσεις** αὐτὸν **κατὰ** **μόνας** (4 δ)  
10. 16. **ἐδούλευσαν** τῷ **κυρίῳ** **μόνη** [A al.] —  
17. 3. **A** ἡγίακα ... **κατὰ** **μόνας** [B τῷ **νιῳ**]  
**μου** †

I Ki. 7. 3. **δουλεύσατε** αὐτῷ **μόνη** (3 α)  
— 4. **ἐδούλευσαν** **κυρίῳ** **μόνη** (3 α)  
21. 1 (2). **τί** **ἐστι** σὺ **μόνος** (3 α)  
II Ki. 10. 8. **παρετάξαντο** **πόλεμον** ... **μόνοι** ἐν  
**ἀργῷ** (3 α)

13. 32, 33. Ἀμὼν **μονώτατος** **ἀπέθανεν** (6)  
17. 2. **πατάξω** τὸν **βασίλεα** **μονώτατον** (6)  
18. 24. **ἄνθρ** **τρέχων** **μόνος** **ἐνώπιον** αὐτοῦ (3 α)  
— 25. **εἰ** **μόνος** **ἐστίν** (3 α)  
— 26. **ἶδον** **ἄνθρ** **ἑτερος** **τρέχων** **μόνος** (3 α)

III Ki. 8. 39. σὺ **μονώτατος** **ὅλας** τὰς **καρδίας**  
11. 29. **B** ἀμφότεροι **μόνοι** [A B om.] ἐν τῷ  
**πεδίῳ** (3 α)

12. 20. **παρέξ** **σκήπτρου** Ἰ. καὶ **Βεν.** **μόνοι** (3 α)  
14. 13. **A** οὗτος **μόνος** **εἰσελεύσεται** τῷ Ἰερ. (3 α)  
18. 6. Ἀβδ. **ἐπορεύθη** ἐν ὁδῷ **ἄλλῳ** **μόνος** (3 α)  
— 7. ἦν Ἀβδ. ἐν τῇ ὁδῷ **μόνος** [A om.] —  
— 7. ἦλθεν Ἰ. εἰς **συνάντησιν** αὐ. **μόνος** —  
— 22. **ὑπολέλειμαι** **προφήτης** τοῦ κ. **μονώτατος** (6)  
— 37. **A** σὺ **εἰ** κ. ὁ **θεός** **μόνος** [B om.] —

19. 10, 14. **ὑπολέλειμαι** ἐγὼ **μονώτατος** (6)  
22. 31. **ἀλλ'** ἡ τὸν **βασ.** Ἰσρ. **μονώτατος** (6)  
IV Ki. 10. 23. **ὅτι** **ἀλλ'** ἡ οἱ **δοῦλοι** τοῦ **B.**  
**μονώτατοι** (6)

17. 18. **οὐχ** **ὑπελῖφθῃ** **πλήν** **φυλῇ** Ἰ. **μονωάτῃ** (6)  
19. 15. σὺ **εἰ** ὁ **θεός** μ. (3 α)  
— 19. σὺ **κύριος** ὁ **θεός** **μόνος** (3 α)

II Ch. 6. 30. **μόνος** [A **μονώτατος**] **γινώσκεις**  
**τὴν** **καρδίαν** (3 α [6])

I Es. 4. 7. **B<sup>1</sup>** αὐτὸς **εἰ** [A B<sup>2</sup> B **εἰς**] **μόνος** **ἐστίν**  
6. 71. ἡμεῖς γὰρ **μόνοι** **οἰκοδομήσομεν**  
8. 25. **εὐλογητός** μ. ὁ **κύριος**

Ne. 9. 6. σὺ **εἰ** αὐτὸς **κύριος** **μόνος** (3 α)  
To. 1. 6. **κἀγὼ** **μόνος** [B **μονώτατος**] **ἐπορεύομαι**  
6. 11. **B** **πλήν** **Σάρρας** **μόνης**

— 11. σὺ **μόνος** **εἰ** **τού** **γένους** αὐτῆς [S al.]  
— 14. **μόνος** [S **μονογενής**] **εἰμι** τῷ **πατρί**  
8. 6. οὐ **καλὸν** **εἶναι** τὸν **ἄνθρωπον** **μ.**

Ju. 8. 8. **ὅπως** αὐτῷ **μόνη** [B om.] τῷ **Ναβ.** **λα-**  
**τρεύσωσι**

11. 8. σὺ **μόνος** **ἀγαθὸς** ἐν **πάσῃ** **βασ.**  
12. 10. **ἐποίησεν** Ὁλ. **πότον** τοῖς **δουλοῖς** αὐ. **μόνοις**  
13. 2. **ὑπελῖφθῃ** δὲ Ἰ. **μόνη**

Es. 3. 13. **διελιφθότες** οὖν **τούδε** τὸ **ἔθνος** **μονώτατον**  
4. 13. **σωθήσῃ** **μόνη** ἐν τῇ **βασ.**  
— 17. σὺ **εἰ** **μόνος**  
— 17 **bis.** **βοήθησον** μοι τῇ μ.

Jb. 1. 15, 16. **σωθῆς** δὲ [A καὶ **ἐσώθῃ**] ἐγὼ  
**μόνος** (5 + 3 α)  
— 17, 19. **ἐσώθῃ** δὲ ἐγὼ **μόνος** (5 + 3 α)  
9. 8. ὁ **τανύσας** τὸν **οὐρανόν** **μόνος** (3 α)

12. 2. **A** μὴ [B S **εἶτα**] ὑμεῖς **ὅστε** **ἄνθρωποι** —  
**μόνοι** [B S om.] —

15. 19. αὐτοῖς **μό**

Ps. 4. 8. σὺ, κύριε, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι κατέ-  
κισάς με (4 c)  
32 (33). 15. ὁ πλάσας κατὰ μόνας τὰς καρδίας  
αὐτῶν (4 c)  
50 (51). 4. σοὶ μόνη ἡμαρτον (3 a)  
70 (71). 16. μνησθήσομαι τῆς δικαιοσύνης σου  
μόνον (3 a)  
71 (72). 18. ὁ ποιῶν θαυμάσια μόνος (3 a)  
76 (77). 14. ὁ ποιῶν θαυμάσια [B<sup>3</sup> add. μόνος] -  
82 (83). 18. σὺ μόνος ὕψιστος ἐπὶ πάντων τὴν  
γῆν (3 a)  
85 (86). 10. σὺ εἶ ὁ θεὸς μόνος (3 a)  
135 (136). 4. τῷ ποιήσαντι θαυμάσια μεγάλα  
μόνη (3 a)  
— 7. τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνη -  
140 (141). 10. κατὰ μόνας ἐλμὶ ἐγώ (4 c)  
148. 13. ὑψώθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ μόνον (3 a)  
Pr. 5. 17. Α Β Ε ἔστω σοὶ μόνη [B μόνη] ὑπάρ-  
χοντα (3 a)  
9. 12. μόνος ἂν ἀντλήσεις κακὰ (3 a)  
Wi. 10. 1. πατέρα κόσμου μόνον κτισθέντα διε-  
φύλαξε  
17. 21. Ε μόνους δὲ ἐκείνους ἐπετέτατο [Α Β ἐπέ-  
τατο, Β ἐπέκειτο] βαρεῖα νύξ  
18. 25. ἦν γὰρ μόνη ἡ πείρα τῆς ὀργῆς Ἰκαρῆ  
Si. 18. 2. κύριος μόνος δικαιώσεται  
24. 5. γύρον οὐρανὸν ἐκύκλωσα μόνη  
— 34 : 30. 26 (33. 17). οὐκ ἐμοὶ μόνη ἐκποίασα  
45. 25. κληρονομία βασιλείας υἱοῦ ἐξ υἱοῦ μόνου  
Is. 2. 11, 17. ὑψώσεται κύριος μόνος (3 a)  
8. 26. καταλείψῃς μόνη  
5. 8. μὴ οἰκίσῃς μόνος ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)  
10. 8. σὺ μ. εἰ ἄρχων  
37. 16. σὺ εἶ ὁ θεὸς μ. πάσης βουσιλείας τῆς  
οἰκουμένης (3 a)  
— 20. σὺ εἶ ὁ θεὸς μ. (3 a)  
44. 24. ἐξέτασε τὸν οὐρανὸν μόνος (3 a)  
49. 21. καταλείψῃς μόνη  
Je. 15. 17. κατὰ μόνας ἐκαθήμην (4 d)  
30. 9 (49. 31). μόνος καταλύνουσι (3 c)  
39 (32). 30. οἱ υἱοὶ Ἰουδα μόνου ποιούντες τὸ  
πονηρὸν (1)  
Ba. 4. 16. ἀπὸ τῶν θυγατέρων τὴν μ. [Α μονογενὴν]  
ἠρμήσαν  
La. 1. 1. πᾶς ἐκάλυψε μόνη ἡ πόλις (3 c)  
3. 28. καθίσταται κατὰ μόνας καὶ σωπῆσεται (4 d)  
Ez. 14. 16, 18. αὐτοὶ μόνου σωθήσονται (3 a)  
Da. LXX. 2. 47. ὁ ἐκφαίνων μυστήρια κρυπτά  
μόνος -  
3. (45). σὺ εἶ μ. κύριος ὁ θεός  
10. 8. ἐγὼ κατελείφην μόνος (3 a)  
11. 27. δύο βασιλεῖς μ. δεσπύσουσιν  
Da. TH. Su. 14. ὅτε αὐτὴν δυνήσονται εὐρεῖν μόνην  
— 15. εἰσῆλθε . . . μετὰ δύο μόνων κορασίων  
— 36. περιπατοῦντων ἡμῶν ἐν τῷ παραδείσῳ  
μόνων  
3. (45). σὺ εἶ κύριος θεός μ.  
10. 7. ἴδον ἐγὼ Δ. μόνος τὴν ὁπτασίαν (3 a)  
— 8. Β μόνος [Α Β om.] ὑπελείφην μόνος (-, 3 a)  
Bel 14. ἐνώπιον τοῦ βασι. μόνου  
I Ma. 10. 70. σὺ μονώτατος ἐπαίρη ἐφ' ἡμᾶς  
12. 36. ἵνα ἡ αὐτὴ κατὰ μόνας  
13. 4. κατελείφην ἐγὼ μόνος  
II Ma. 1. 24. ὁ μ. βασιλεὺς καὶ χρηστός ὁ μ.  
χορηγός  
— 25. ὁ μ. δικίος καὶ παντοκράτωρ καὶ αἰώνιος  
7. 37. μόνος αὐτὸς θεός ἐστιν  
15. 39. οἶνον κατὰ μόνας πίνειν  
III Ma. 1. 2. ὡς μόνος κτείνας αὐτόν  
— 11. ἀλλ' ἡ μόνη τῷ προφητῷ. πάντων ἀρχιερεῖ  
8. 19. ὡς μονώτατος . . . ὑψαυγενοῦντες  
IV Ma. 5. 24. ὥστε μόνον τὸν ὄντα θεὸν εἰσεῖν  
7. 18. οὗτοι μόνου δυνάτα κρατεῖν  
— 23. μόνος γὰρ ὁ σοφός . . . ἐστὶ τῶν παθῶν  
κύριος  
9. 18. μόνου παιδὲς Ἑβραῖον . . . εἰσιν ἀνίκητοι  
15. 17. ὁ μ. γυνὴ τὴν ἐνέειπεν . . . ἀποκνήσασα  
16. 10. γυνὴ χίρα καὶ μὴ πολὺβλητος  
[Aq. III Ki. 14. 13 : Ez. 10. 2.]  
[Sm. GE. 22. 2 : Jd. 3. 20 (κατὰ μόνας) : Ps. 24  
(25). 16 : 82 (33). 15 (κατὰ μόνας) : Pr. 9. 12 :  
Ec. 8. 15 : Is. 5. 8 : 6. 13 : 27. 10 : 63. 3 : Je.  
82 (39). 30.]  
[Th. Pr. 9. 12 : Je. 32 (39). 30 : Da. 14. 13.]  
[Al. Le. 13. 46 (κατὰ μόνας) : Dt. 3. 11 : 33.  
28 (κατὰ μόνας).]

## μονότης.

[Sm. Ps. 21 (22). 21 : 34 (35). 17.]

## μονότροπος. (1) ὁ

Ps. 67 (68). 6. κατοικίξει μονοτρόπους ἐν οἴκῳ (1)

## μονοῦσθαι.

[Aq. GE. 49. 6.]

[Heb. Jb. 8. 7.]

[Al. Jb. 30. 3.]

## μονοφαγία.

IV Ma. 1. 27. Β Ε λαιμαργία καὶ μονοφαγία [Α νομοφ.]

## μονοφάγος.

IV Ma. 2. 7. μονοφάγος τις ὢν τὸ ἥθος

## μόριον.

[Sm. Jb. 38. 31.]

## μόρον.

I Ma. 6. 34. ᾄδειξαν αἶμα σταφυλῆς καὶ μόρον

## μόρος.

II Ma. 9. 28. οἰκίστῳ μ. κατέστρεψε τὸν βίον

13. 7. τοιοῦτ' μ. τὸν παράνομον συνέβη θανεῖν

III Ma. 8. 1. χειρίστῳ μ. τοῦ ζῆν μεταστῆται

5. 2. πρὸς συνάντησιν τοῦ μ. τῶν 1.

— 8. ἐκ τοῦ παρὰ πόδας ἐν ἑτοιμῳ μόρου

6. 10. ἀπόλεσον ἡμᾶς μόρη

— 31. ἀντὶ πικροῦ καὶ δυσαισάτου μ.

## μορφή.

(1) ὁ (2) ὁ (3) ὁ

(4) ὁ (5) ὁ

Jd. 8. 18. Α ὡς εἶδος μορφῆς υἱῶν βασιλείων

[B al.]

To. 1. 13. ἔδωκεν ὁ ὕψιστος χάριν καὶ μορφὴν

Jb. 4. 16. οὐκ ἦν μορφή πρὸ ὀφθαλμῶν μου

Wi. 18. 1. μορφὴν δὲ οὐχ ὀρώντες

Is. 44. 13. ἐποίησεν αὐτὸ ὡς μορφὴν ἀνδρός

Da. LXX. 3. 19. ἡ μ. τοῦ προσώπου αὐ. ἡλλοιώθη (2)

Da. TH. 4. 33. ἡ μ. μου ἐπίστρεψε ἐπ' ἐμέ

5. 6. τοῦ βασι. ἡ μ. ἡλλοιώθη

— 9. ἡ μ. αὐ. ἡλλοιώθη ἐν αὐτῷ

— 10. ἡ μ. σου μὴ ἡλλοιούσῃ

7. 28. ἡ μ. μου ἡλλοιώθη

IV Ma. 15. 4. ψυχῆς τε καὶ μορφῆς ὁμοιότητα

[Aq. Is. 52. 14.]

[Sm. Dt. 4. 12.]

[Th. Da. 5. 6 : 7. 28.]

## μορφοῦν.

[Aq. Is. 44. 13.]

## μόρφωμα.

[Aq. GE. 81. 19 : Jd. 17. 5 : I Ki. 15. 23 : 19.

13 : Ho. 8. 4.]

## μοσθᾶθ, μωσθᾶθ, μωσθᾶθ. (1) ὁ

IV Ki. 23. 13. Β τὸν ἐκ δεξιῶν τοῦ θρόνου τοῦ μ.

[Α -οθ, Β μωσθᾶθ]

## μοσθαῖδμ. (1) ὁ

Jd. 5. 16. Α ὡς τί μοι κάθηται ἀπὸ μέσον τῶν

μ. [B al.]

## μοσχάριον. (1) ὁ (2) ὁ (3) ὁ

Ge. 18. 7. ἔλαβον ἀπαλὸν μ. καὶ καλόν

— 8. ἔλαβε δὲ βοῦντρον . . . καὶ τὸ μ.

Ex. 24. 5. ἔθυσαν θυσίαν . . . τῷ θεῷ μοσχάρια

29. 1. λήψῃ δὲ μ. ἐκ βοῶν ἐν

— 3. προσοίσεις αὐτὰ . . . καὶ τὸ μ.

— 36. τὸ μ. [Α add. τοῦ] τῆς ἁμαρτίας ποιήσεις

Le. 9. 2. λάβε . . . ἐκ βοῶν περὶ ἁμαρτίας

— 3. λάβετε . . . μ. καὶ ἁμῶν ἐναυσίον

— 8. τὸ μ. τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας

Am. 6. 4. μοσχάρια ἐκ μέσου [Α om.] βου-

κολίων γαλαθηνᾶ

Ma. 4. 2 (3. 20). σκιστήσεται ὡς μοσχάρια ἐκ

δεσμῶν ἀνέμιντα

Is. 11. 6. μοσχάρια καὶ ταῦρος καὶ λέων ἅμα

βόσκησονται

[Th. II Ki. 17. 29.]

[Heb. Jd. 2. 23.]

## μόσχευμα.

Wi. 4. 3. ἐκ νόθων μ. οὐ δώσει ρίζαν εἰς βάθος

## μόσχος. (1) α. ὁ (2) α. ὁ

δ. ὁ (3) ὁ (4) α. ὁ δ. ὁ

(5) μ. ἐκ βοῶν ὁ (6) μόσχος βοῶν ὁ

Ge. 12. 16. πρόβατα καὶ μόσχοι καὶ δνοὶ (1 a)

20. 14. ἔλαβ' . . . πρόβατα καὶ μόσχοι (1 a)

21. 27. ἔλαβεν Ἀβραὰμ πρόβατα καὶ μόσχοι (1 a)

24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ πρόβατα καὶ μόσχοι (1 a)

Ex. 20. 24. τὰ πρόβατα καὶ τοὺς μ. ὕμῶν (1 a)

21. 33. καὶ ἐμπέση ἐκεῖ μ. (4 a)

22. 1 (21. 37). εἰς δὲ τὴν κλέψῃ μόσχον (4 a)

— 1 (21. 37). πέντε μόσχοις ἀποτίσσει ἀντὶ

τοῦ μ. (1 a, 4 a)

— 9 (8). ἀδίκημα περὶ τε μόσχου καὶ ὑπο-

ζυγίου (4 a)

— 10 (9). εἰς δὲ τὴν δὲ τῶν πλησίων ὑποζύγιον

ἢ μόσχον (4 a)

— 30 (29). οὕτω ποιήσεις τὸν μ. σου (4 a)

29. 10. προσάξεις τὸν μ. ἐπὶ τὰς θύρας (3)

— 10. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μ. (3)

— 11. Β καὶ σφάζεις τὸν μ. ἐναντὶ κυρίου (3)

— 12. λήψῃ ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. [Α<sup>1</sup> al.] (3)

— 14. τὰ δὲ κρέα τῶν μ. (3)

32. 4. ἐποίησεν αὐτὰ μόσχον χωνευτόν (2 a)

— 8. ἐποίησαν ἑαυτοὶς μόσχον (2 a)

— 19. ὁρᾷ τὸν μ. καὶ τοὺς χορούς (2 a)

— 20. καὶ λαβὼν τὸν μ. . . κατέκαυσεν (2 a)

— 24. καὶ ἐξῆλθεν ὁ μ. οὗτος (2 a)

— 35. περὶ τῆς ποιήσεως τοῦ μ. οὐ ἐποίησεν (2 a)

34. 19. πᾶν [Α om.] πρωτότοκον μόσχου (4 a)

Le. 1. 5. καὶ σφάζουσι τὸν μ. ἐναντὶ κυρίου (1 b)

4. 3. προσάξει . . . μόσχον ἐκ βοῶν (3)

— 4. προσάξει τὸν μ. παρὰ τὴν θύραν (3)

— 4. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μ. (3)

— 4. σφάζει τὸν μ. ἐνώπιον κυρίου (3)

— 5. λαβὼν . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)

— 7. ἐπιθήσει . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)

— 7. καὶ πᾶν τὸ αἷμα τοῦ μ. ἐκείει (3)

— 8. τὸ στέαρ τοῦ μ. τοῦ τῆς ἁμαρτίας (3)

— 10. τοῦ μ. τοῦ τῆς θυσίας τοῦ σωτηρίου (4 a)

— 11. τὸ δέρμα τοῦ μ. καὶ . . . τὴν σάρκα (3)

— 12. ἐξοίσουσιν ὅλον τὸν μ. (3)

— 14. προσάξει ἡ συναγωγὴ μόσχον ἐκ βοῶν (3)

— 15. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μ. (3)

— 15. Α Β<sup>3</sup> Ε σφάζουσι τὸν μ. ἐναντὶ κυρίου (3)

— 16. εἰσοίσει ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)

— 17. βάψει . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)

— 20. καὶ ποιήσει τὸν μ. (3)

— 20. ἐποίησε τὸν μ. τὸν τῆς ἁμαρτίας (3)

— 21. Β<sup>3</sup> Ε ἐξοίσουσιν τὸν μ. ὅλον [Α Β<sup>3</sup> om.] ἔξω (3)

— 21. κατεκαύσουσι τὸν μ. (3)

— 21. κατέκαυσαν τὸν μ. τὸν πρότερον (3)

8. 2, 14. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (3)

— 14. τοῦ μ. τοῦ τῆς ἁμαρτίας (3)

— 17. τὸν μ. . . κατέκαυσεν (3)

9. 4. καὶ μόσχον καὶ κριὸν εἰς θυσίαν (4 a)

— 18. ἔσφαξε τὸν μ. καὶ τὸν κριόν (4 a)

— 19. καὶ τὸ στέαρ τὸ ἀπὸ τοῦ μ. (4 a)

16. 3. ἐν μόσχῳ ἐκ βοῶν περὶ ἁμαρτίας (3)

— 6. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐτοῦ (3)

— 11 δὲ. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (3)

— 14. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)

— 15. ὃν τρόπον ἐποίησε τὸ αἷμα τοῦ μ. (3)

— 18. λήψεται ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ μ. (3)

— 27. τὸν μ. τὸν περὶ τῆς ἁμαρτίας (3)

17. 3. μόσχον ἢ πρόβατον ἢ αἶγα (4 a)

22. 23. Α<sup>2</sup> Β καὶ μόσχον ἢ πρόβατον ὁπότ' ἂν (4 a)

— 27. μόσχον ἢ πρόβατον ἢ αἶγα (4 a)

— 28. καὶ μόσχον ἢ πρόβατον (4 a)

23. 18. καὶ μόσχον ἢ αἶγα ἐκ βοουκολίου (3)

25. 43. οὐ κατατενεῖς αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ [Β<sup>1</sup>

μόσχῳ] (3)

27. 26. εἰς τὴν μόσχον εἰς τὴν πρόβατον (4 a)

Nu. 7. 3. καὶ μόσχον παρὰ ἐκάστου (4 a)

— 15. 21, 27, 33, 39, 45, 51, 57, 63, 69, 75, 81. μόσχον ἢ αἶγα ἐκ βοῶν (3)

— 87. πᾶσαι αἱ βόες . . . μόσχοι δώδεκα (3)

8. 8. λήφονται μ. ἕνα ἐκ βοῶν (3)

— 8. μ. ἐναυσίον ἐκ βοῶν λήψῃ (3)

— 12. ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν μ. (3)

15. 9. προσοίσει ἐπὶ τοῦ μ. θυσίαν (1 b)

— 11. οὕτω ποιήσεις τῷ μ. τῷ ἐνί (4 a)

— 24. καὶ ποιήσει πᾶσα ἡ συναγ. μ. ἕνα (3)

18. 17. πρωτότοκα μόσχων . . . οὐ λυτρώσῃ (4 a)

22. 4. ὥστε ἐκλείπει ὁ μ. τὰ χλωρὰ (4 a)

Nu. 22. 40. καὶ ἔθυσεν Β. . . μόσχους (1 α)  
 23. 1. ἐτοιμάσθαι μοι ἐνταῦθα ἐπὶ τῶν μόσχων (3)  
 — 2. ἀνέγκει μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βοῶν (3)  
 — 4. ἀνέβιβασα μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βοῶν (3)  
 — 14. ἀνέβιβασε μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βοῶν (3)  
 — 29. ἐτοιμάσθαι μοι ὡς ἐπὶ τῶν μόσχων (3)  
 — 30. ἀνέγκει μόσχον . . . ἐπὶ τὸν βοῶν (3)  
 28. 11. προσάγετε . . . μόσχους ἐκ βοῶν δύο (3)  
 — 12. τρία δέκατα σεμιδάλεως . . . τῷ μ. τῷ ἐνί (3)  
 — 14. τὸ ἥμισυ τοῦ ἐν ἔσται τῷ μ. τῷ ἐνί (3)  
 [B<sup>1</sup> om. τ. μ. τ. ἐ.] (3)  
 — 19. προσάγετε . . . μόσχους ἐκ βοῶν δύο (3)  
 — 20. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἐνί (3)  
 — 27. μόσχους ἐκ βοῶν δύο (3)  
 — 28. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἐνί (3)  
 29. 2. ποιήσετε . . . μ. ἐνα ἐκ βοῶν (3)  
 — 3. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἐνί (3)  
 — 8. προσάγετε . . . μ. ἐκ βοῶν ἑνα (3)  
 — 9. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἐνί (3)  
 — 13. προσάγετε . . . μόσχους ἐκ βοῶν (3)  
 — 14. τρία δέκατα τῷ μ. τῷ ἐνί τοῖς τρισκαί-  
 δεκα μ. (3, 3)  
 — 17. τῷ ἡμ. τῷ δευτ. μόσχους δώδεκα (3)  
 — 18. ἡ σπονδὴ αὐτῶν τοῖς μ. (3)  
 — 20. τῷ ἡμ. τῷ τρίτῳ μόσχους ἑνδεκα (3)  
 — 21. ἡ θυσία αὐ. . . τοῖς μ. (3)  
 — 23. τῷ ἡμ. τῷ τετάρτῳ μόσχους δέκα (3)  
 — 24. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)  
 — 26. τῷ ἡμ. τῷ πέμπτῳ μόσχους ἑννέα (3)  
 — 27. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)  
 — 29. τῷ ἡμ. τῷ ἕκτῳ μόσχους ὀκτώ (3)  
 — 30. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)  
 — 32. τῷ ἡμ. τῷ ἑβδ. μόσχους ἐπτά (3)  
 — 33. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τοῖς μ. (3)  
 — 36. μόσχον ἑνα κριὸν ἑνα (3)  
 — 37. αἱ σπονδαὶ αὐτῶν τῷ μ. (3)  
 De. 9. 16. Α ἐποίησαν ἡμῖν αὐτοῖς μ. [B om.]  
 χωνευτῶν (2 α)  
 — 21. τὴν ἀμαρτ. ἡμῶν ἣν ἐποίησατε τὸν μ. (2 α)  
 14. 4. μόσχον ἐκ βοῶν (3)  
 15. 9. οὐκ ἐργά εἰ τῷ πρωτοτόκῳ μ. σου (4 α)  
 17. 1. οὐ θύσεις κ. τῷ θεῷ σου μόσχον (4 α)  
 18. 3. ἅν τε μόσχον ἅν τε πρόβατον (4 α)  
 22. 1. ὁδὸν τὸν μ. τοῦ ἀδελφοῦ σου (4 α)  
 — 4. οὐκ ὀψῃ [A<sup>2</sup> ὑπερόψῃ] . . . τὸν μ. αὐτοῦ (4 α)  
 — 10. ἐν μόσχῳ καὶ ὄνῳ ἐπὶ τὸ αὐτό (4 α)  
 28. 31. ὁ μ. σου σφραγισμένος ἐναντίον σου (4 α)  
 Jo. 6. 20 (21). καὶ ἔως μόσχου καὶ ὑποζυγίου (4 α)  
 7. 24. ἀνήγαγεν . . . τοὺς μ. αὐτοῦ (4 α)  
 Jd. 3. 31. Α ἐν τῷ ἀποτρόπαιῳ ἐκτὸς μόσχων  
 βοῶν [B α. τὸν β.] (3)  
 6. 4. Α οὐχ ὑπελείπετο . . . μόσχον [B al.] (4 α)  
 — 25. λάβε τὸν μ. τὸν ταύρον [A σιτευτὸν]  
 . . . καὶ μ. δευτέρου ἑπταετῆ (3, 3)  
 — 26. λήψῃ τὸν μ. τὸν δευτέρου (3)  
 — 28. εἰδὼν τὸν μ. τὸν δευτέρου [A ὁ μ. οὐ σιτευτός] (3)  
 I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν μ. τριετίῳ (3)  
 — 25. ἔσφαξε τὸν μ. (3)  
 12. 3. μόσχον τίνος εἴληφα (4 α)  
 14. 34. προσάγαγιν ἐνταῦθα ἕκαστος τὸν μ. αὐ. (4 α)  
 15. 3. ἀπὸ μόσχου ἔως προβάτου (4 α)  
 22. 19. ἀπὸ . . . μόσχου καὶ ὄνου (4 α)  
 II Ki. 8. 6. περιέσπασεν αὐτὸν ὁ μ. (1 α)  
 — 13. καὶ θύμα μόσχους (4 α)  
 III Ki. 1. 9. ἐθυσίανεν Ἀδ. . . μόσχους [A βόας] (1 α)  
 — 19. ἐθυσίανε μόσχους (4 α)  
 — 19. ἐθυσίανε [A ἐθυσίανεν] μόσχους (4 α)  
 3. 1 (cf. 4. 23 [δ. 3]). Β δέκα μ. ἐκλεκτοὶ (1 α)  
 4. 23 (δ. 3). δέκα μ. ἐκλεκτοὶ (1 α)  
 10. 19. καὶ προτομαὶ μόσχων τῷ θρόνῳ (1 α)  
 18. 25. ἐκλίεσθε ἐναντίον τὸν μ. τὸν ἑνα (3)  
 — 26. ἔλαβον τὸν μ. (3)  
 I Ch. 12. 40. ἔφερον . . . ἐπὶ τῶν μ. βρώματα . . .  
 μόσχους καὶ πρόβατα (1 α, 1 α)  
 13. 9. ἐξέκλειεν αὐτὴν ὁ μ. (1 α)  
 15. 26. ἔθυσαν ἀν' [A B om.] ἐπτά μόσχους (3)  
 21. 23. δέδωκα τοὺς μ. εἰς ὁλοκαύτωσιν (1 α)  
 29. 21. ἀνένεγκεν . . . μ. χιλίους (3)  
 II Ch. 4. 3. ὁμοίωμα μόσχων ὑποκάτω αὐτῆς (1 α)  
 — 3. ΑΒ ἐχώρουν τοὺς μ. [B μόχλους] (1 α)  
 4. 4. ἐποίησαν αὐτοὺς δώδεκα μόσχους (1 α)  
 — 15. καὶ τοὺς μ. τοὺς δώδεκα ὑποκάτω αὐτῆς (1 α)  
 5. 6. θύοντες μόσχους καὶ πρόβατα (1 α)  
 7. 5. μόσχων ἑκοσι καὶ δύο χιλιάδας (1 α)  
 11. 15. κατέστησεν αὐτῷ ἱερεῖς . . . τοῖς μ. (2 α)  
 13. 8. μεθ' ἡμῶν μ. χρυσοὶ [A<sup>2</sup> πολλοὶ] (2 α)

II Ch. 13. 9. Β πληρῶσαι τὰς χεῖρας ἐκ μόσχων  
 [A ἐξ μόσχους, B ἐν μόσχῳ] (3)  
 15. 11. ἔθυσεν . . . μ. ἑπτακοσίους [A al.] (1 α)  
 18. 2. ἔθυσεν αὐτῷ Ἀχ. . . μ. πολλούς (1 α)  
 29. 21. ἀνένεγκε μόσχους ἐπτά (3)  
 — 22. ἔθυσαν τοὺς μ. (1 α)  
 — 32. μόσχους ἐβδόμηκοντα (1 α)  
 — 33. καὶ οἱ ἡγιασμ. μ. ἑξακόσιοι (1 α)  
 30. 24. ἀπῆρξαντο τῷ ἱ. τῇ ἐκκλησίᾳ χιλίους μ. (3)  
 — 24. ἀπῆρξαντο τῷ λαῷ μ. χιλίους (3)  
 31. 6. ἤνεγκαν ἐπιδέκατα μόσχων (1 α)  
 35. 7. καὶ μόσχων τρεῖς χιλιάδας (1 α)  
 — 8. ἔδωκαν . . . μ. τριακοσίους (1 α)  
 — 9. ἀπῆρξαντο . . . μ. πεντακοσίους (1 α)  
 I Es. 1. 7. ἐδωρίσαντο 1. τῷ λαῷ . . . μ. τρισχιλίους  
 — 8. ἔδωκε . . . μ. τριακοσίους (3)  
 — 9. ἔδωκαν . . . μ. ἑπτακοσίους (3)  
 II Es. 6. 17. προσῆνεγκαν . . . μόσχους ἑκατόν (4 β)  
 — 33. καὶ οἱ ἡγιασμ. μ. ἑξακόσιοι (4 β)  
 7. 17. μόσχους κριοὺς ἄμους (4 β)  
 8. 35. προσῆνεγκαν . . . μόσχους δώδεκα (3)  
 Ne. 5. 18. ἣν γινόμενον εἰς ἡμέραν μίαν μ. εἰς (4 α)  
 9. 18. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μ. χωνευτῶν (2 α)  
 To. 1. 5. Β ἐθυσίανεν ἐκείνῳ τῷ μ. (1 α)  
 Jb. 1. 5. μόσχον ἑνα περὶ ἀμαρτίας (3)  
 42. 8. λήβετε ἐπτά μόσχους καὶ ἐπτά κριοὺς (3)  
 Ps. 21 (22). 12. περικυκλώσαν με μόσχους πολλοὶ (3)  
 28 (29). 6. λεπτυνεῖ αὐτὰς ὡς τὸν μ. τὸν Α. (2 α)  
 49 (50). 9. οὐ δέξομαι ἐκ τοῦ οἴκου σου μόσχους (3)  
 50 (51). 19. τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστή-  
 ριον σου μόσχους (3)  
 68 (69). 31. ἀρέσει τῷ θεῷ ὑπὲρ μόσχον νέον  
 κέρατα ἐκφέροντα (4 α + 3)  
 105 (106). 19. ἐποίησαν μόσχον ἐν Χωρίβ (3)  
 — 20. ἐν ὁμοίωματι μόσχου ἑσθοντος χόρτον (4 α)  
 Pr. 15. 17. παράθεις μόσχων μετὰ ἔχθρας (4 α)  
 Ho. 5. 6. μετὰ προβάτων καὶ μόσχων πορεύ-  
 σονται (1 α)  
 8. 5. ἀποτρίψαι τὸν μόσχον σου (2 α)  
 — 6. διότι πλανῶν ἦν ὁ μ. σου (2 α)  
 10. 5. τῷ μ. τοῦ οἴκου ὄν παροικήσουσιν (2 β)  
 13. 2. μόσχους γὰρ ἐκλελοίπασιν (2 α)  
 Mi. 6. 6. ἐν ὁλοκαυτώματι ἐν μόχοις ἐνιαυσίους (2 α)  
 Is. 22. 13. ἐποίησαντο εὐφροσύνην καὶ ἀγαλλί-  
 αμα σφάζοντες μοσχούς (1 α)  
 66. 3. ὁ θύων μόσχον ὡς ὁ ἀποκτείνων κύνα (4 α)  
 Je. 3. 24. καταγέλασε . . . τὰ πρόβατα αὐτῶν  
 καὶ τοὺς μ. [A μόχλους] αὐτῶν (1 α)  
 5. 17. κατέδονται . . . τοὺς μ. ἡμῶν [A om.] (1 α)  
 26 (46). 15. ὁ μ. ὁ ἐκλεκτός σου οὐκ ἔμεινεν  
 — 21. ὥσπερ μ. σιτευτὸν τρεφόμενον ἐν αὐτῇ (2 α)  
 38 (81). 18. ὥσπερ μ. οὐκ ἐδιδάχθη (2 α)  
 41 (94). 18. τὸν μ. ὃν ἐποίησεν (2 α)  
 52. 20. οἱ μ. δώδεκα χαλκοὶ ὑποκάτω τῆς θαλ. (1 α)  
 Ez. 1. 10. πρόσπορον μόσχον ἐξ ἁριστέρων τοῖς  
 τέσσαρσι (4 α)  
 27. 21. Α καμήλους καὶ κριοὺς καὶ μόσχους  
 [B ἄμους] (3)  
 39. 18. κριοὺς καὶ μόσχους καὶ τράγους καὶ οἱ  
 μ. ἐσταυμένον πάντες (†, 3)  
 43. 19. τοῦ λειτουργεῖν μοι μόσχον ἐκ βοῶν  
 περὶ ἀμαρτίας (3)  
 — 21. λήφονται τὸν μ. τὸν περὶ [A ὑπὲρ]  
 ἀμαρτίας (3)  
 — 22. καθὺ ἐξιλιάσαντο ἐν τῷ μ. (3)  
 — 23. προσάξουσιν μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον  
 — 25. ποιήσεις . . . μόσχον ἐκ βοῶν (3)  
 45. 18. λήψεται μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον  
 — 19. Α λήψεται ὁ ἱερεὺς ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ  
 μ. [B om. τ. μ.] τοῦ ἐξέλασμου (3)  
 — 22. ποιήσει ὁ ἀφῆγγόμενος . . . μόσχον ὑπὲρ  
 ἀμαρτίας (3)  
 — 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα τῷ κυρίῳ  
 ἐπτά μόσχους (3)  
 — 24. πέμμα τῷ μ. καὶ πέμμα τῷ κριῷ ποιήσεις (3)  
 46. 6. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς νομηνίας μόσχον [A  
 add. υἱὸν βοουκόλου] ἄμωμον (3)  
 — 7. πέμμα τῷ μ. ἔσται μακά (3)  
 — 11. ἔσται τὸ μακά πέμμα τῷ μ. (3)  
 [Aq. Ps. 28 (29). 6 : Is. 66. 3 : Je. 31 (38). 18 :  
 84 (41). 18, 19 : 50 (27). 11 : Ho. 8. 5 : 13. 2 :  
 [Sm. Ps. 28 (29). 6 : Pr. 14. 4 : Is. 27. 10 : 84. 7 :  
 66. 3 : Je. 31 (38). 18 : 46 (26). 21 : Ez. 1. 7 :  
 [Th. Ex. 22. 4 (3) : Le. 27. 26 : Ps. 28 (29). 6 :  
 Is. 66. 3 : Ez. 48. 19 : Ho. 10. 5 : 13. 2 :  
 [Quint. Ps. 28 (29). 6 : Ho. 8. 5 :  
 [Boet. Ps. 28 (29). 6.]

## μοσχόταυρος.

[Al. Le. 4. 3.]

μοτουῖν (μωτ.). (1) שָׁבִי

Ho. 6. 2 (1). πατάξει καὶ μοτώσει ἡμᾶς (1)

[Aq. Jb. 5. 18 : Is. 30. 26 : 61. 1 : Ez. 30. 21.]

μότωσις.

[Aq. Is. 1. 6.]

μουσικός. (1) מוֹזֵק (2) מוֹזֵק

Ge. 31. 27. μετὰ μουσικῶν καὶ τυμπάνων (2)

I Es. 4. 63. ἐκωθωνίζοντο μετὰ μουσικῶν

5. 2. μετὰ μουσικῶν τυμπάνων καὶ αὐλῶν

— 59. ἔστησαν . . . μετὰ μουσικῶν

Si. 22. 6. μουσικά ἐν πένθει ἄκαιρος διήγησις

85 (82). 3. μὴ ἐμποδίσῃς μουσικά

— 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίῳ [A -q] οἶνον

— 6. μέλινε μουσικῶν ἐφ' ἥδε οἶνον

40. 20. οἶνος καὶ μουσικά εὐφραίνουσι καρδίαν

44. 5. ἐκζητοῦντες μέλη μουσικῶν

49. 1. ὡς μουσικά ἐν συμποσίῳ οἶνον

Ez. 26. 13. καταλύσει τὸ πλῆθος τῶν μ. σου (2)

Da. LXX. 8. 5. συμφωνίας καὶ παντὸς γένους

μουσικῶν (1)

— 7, 10, 15. καὶ παντὸς ἡχου μουσικῶν (1)

Da. TH. 8. 5, 7, 10, 15 (B). καὶ παντὸς γένους

μουσικῶν (1)

I Ma. 9. 39. ἐξῆλθε . . . μετὰ τυμπάνων καὶ μουσικῶν

— 41. μετεστράφη . . . φωνὴ μουσικῶν αὐ. εἰς θῆρην

μωών. (1) מוֹזֵק

I Ki. 2. 32. Α ἐπιβλέψῃ κραταίωμα μ. (1)

μοχθεῖν. (1) מָצָה (2) א. מָצָה ב. מָצָה

(3) מָצָה

I Es. 4. 22. οὐχὶ πονεῖτε καὶ μοχθεῖτε

Ec. 1. 3. ὡς μοχθεῖ ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 α)

2. 11. ὡς ἐμόχθησα τοῦ ποιῆν (2 α)

— 18. Α B ἐν ἐγὼ μοχθῶ [B κοπιῶ] ὑπὸ τὸν

ἥλιον (2 β)

— 19. ἐν παντὶ μόχθῳ μου ὡς ἐμόχθησα (2 α)

— 20. ὡς ἐμόχθησα ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 α)

— 21. ὡς [A om., B<sup>2</sup> δε] οὐκ ἐμίχθησεν ἐν αὐτῷ (2 α)— 22. ὡς [B<sup>1</sup> om.] αὐτὸς μοχθεῖ ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 β)

3. 9. ἐν οἷς αὐτὸς μοχθεῖ (2 β)

4. 8. τίμι ἐγὼ μοχθῶ (2 β)

5. 15. ἡ μοχθεῖ εἰς ἀνεμον (3 α)

— 17. ὡς ἐν μοχθῇ [A B -ῆση] ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 α)

8. 17. ὅσα ἀν μοχθήσῃ [A ποιήσῃ] ἀνθρώπος (2 α)

9. 9. ὡς σὺ μοχθεῖς ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 β)

Is. 62. 8. ἐφ' ὡς ἐμόχθησας (1)

La. 3. 5. ἐκούλας κεφαλῶν μου καὶ ἐμόχθησεν (3)

[Aq. Ps. 67 (68). 10 : Pr. 26. 15.]

[Sm. Jb. 4. 2 : Ec. 2. 19 : 5. 15.]

[Th. Pr. 26. 15.]

[Al. Je. 12. 5.]

μοχθηρός.

Si. 26. 5. καταφουσὸν ὑπὲρ θάνατον πάντα μοχθηρὰ

27. 15. ἡ διαλοιδόρησις αὐτῶν ἀκοή μοχθηρὰ [B<sup>2</sup>

πονηρὰ]

μοχθηροῦσθαί.

[Aq. Jb. 6. 25.]

μόχθος. (1) מָצָה (2) מָצָה (3) מָצָה (4) מָצָה

(5) מָצָה (6) מָצָה (7) מָצָה

Ex. 18. 8. πάντα τὸν μ. τὸν γενόμενον αὐτοῖς (7)

Le. 25. 43. οὐ κατατενεῖς αὐτὸν ἐν τῷ μ. [B<sup>1</sup>

μόσχῳ] (3)

— 46. οὐ κατατενεῖς αὐτὸν ἐν τοῖς μ. (3)

— 53. οὐ κατατενεῖς [A -τενίσῃς] αὐτὸν ἐν τῷ μ. (3)

Nu. 20. 14. σὺ ἐπίστη πάντα τὸν μ. (1)

23. 21. οὐκ ἔσται μ. ἐν ἱ. (7)

De. 26. 7. Β τὴν ταπεινώσιν ἡμῶν [A B add.

καὶ τὸν μ. ἡ.] (4)

Ne. 9. 32. μὴ ὀλιγωρήτω . . . πᾶς ὁ μ. (7)

Jb. 2. 9. οὐς εἰς τὸ κενὸν ἐκοπίσασα μετὰ μόχθων

— 9. ἵνα ἀναπαύσῃμαι τὸν μ. μου (3)

Ec. 1. 3. τίς περιεσεία τῷ ἀνθρώπῳ ἐν παντὶ μ. αὐτοῦ

(4)

2. 10. καρδία μου εὐφράνθη ἐν παντὶ μ. μου

καὶ τοῦτο ἐγένετο μερὶς μου ἀπὸ

παντὸς μ. μου (4, 4)

- Ec. 2. 11. ἐπέβλεψα . . . ἐν μόχθῳ [A μ. μου] (4)  
 — 18. ἐμίσησα ἐγὼ σύμπαντα μ. [S τὸν μ.] μου (4)  
 — 19. εἰ ἐξουσιάζεται ἐν παντὶ μ. μου (4)  
 — 20. τοῦ ἀποτάσσειν τὴν καρδίαν [AB τῇ κ.] μου ἐν παντὶ μ. μου [A ἐπὶ π. τῷ μ.] (4)  
 — 21. ἐστὶν ἄνθρωπος οὗτος μόχθος αὐτοῦ ἐν σοφίᾳ (4)  
 — 22. γίνεται ἐν τῷ ἀνθρώπῳ ἐν παντὶ μ. αὐτοῦ (4)  
 — 24. δὲ δείξει τῇ ψυχῇ αὐτοῦ ἀγαθὸν ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (4)  
 3. 13. καὶ ἰδὼ ἀνθρώδον ἐν παντὶ μόχθῳ αὐτοῦ (4)  
 4. 4. εἶδον ἐγὼ σύμπαντα [S σὺν πάντα] τὸν μ. (4)  
 — 6. πληρώματα δύο δρακῶν μόχθου (4)  
 — 8. οὐκ ἔστι περασμός τῷ παντὶ μ. αὐτοῦ (4)  
 — 9. ἐστὶν αὐτοῖς μαθὸς ἀγαθὸς ἐν μόχθῳ αὐτῶν (4)  
 5. 14. οὐδὲν οὐ [A οἱ.] λήγεται ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (4)  
 — 17. τοῦ ἰδεῖν ἀγαθὸν ἐν παντὶ μ. αὐτοῦ (4)  
 — 18. τοῦ εὐφρανθῆναι ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (4)  
 6. 7. πᾶς μ. ἀνθρώπου εἰς στόμῳ αὐτοῦ (4)  
 8. 15. αὐτὸ συμπρόσβεται αὐτῷ ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (4)  
 9. 9. αὐτὸ μερὶς σου . . . ἐν [S οἱ.] τῷ μ. σου (4)  
 10. 15. μόχθος τῶν ἀφρόνων [AB τοῦ δ.] κακώ-  
 σει [A σκοτώσει, S κοτώσει] αὐτούς (4)  
 Wi. 10. 10. εὐπρόσβην ἐντὸν ἐν μόχθῳ (4)  
 17. τὸν κατ' ἐρημίαν [S -as] ἐργάτης μόχθων (4)  
 Is. 55. 2. ἵνα τί τιμᾶσθε ἀργυρίου καὶ τὸν μ. ἡμῶν οὐκ εἰς πλησμονήν (9)  
 61. 8. δώσω τὸν μ. αὐτῶν δικαίους (5)  
 Je. 3. 24. ἡ δὲ αἰσχρὴ κατηγάγετο τοὺς μ. τῶν πατέρων ἡμῶν (8)  
 — 24. A τὰ πρόβατα αὐ. καὶ τοὺς μ. [BS μόσχους] αὐ. +  
 20. 18. B<sup>1</sup> τοῦ βλέπειν κόπους καὶ μόχθους [AB S<sup>2</sup> πόρους] (2)  
 28 (51). 35. ἔξωσαν με οἱ μ. [S ἔχθροί] μου +  
 La. 3. 65. ἀποδώσει αὐτοῖς ὑπερασπισμὸν καρ-  
 δίας μόχθων +  
 Ez. 23. 29. λήφονται . . . τοὺς μ. σου (8)  
 34. 4. τὸ Ἰσραὴλ κατεργάσατο μόχθῳ (8)  
 [Aq. Ps. 72 (78). 16.]  
 [Sm. Ps. 9. 25 (10. 14) : 72 (78). 16 : 139 (140). 10 : Hb. 1. 13.]  
 [Th. Ge. 3. 18 (17) : Ps. 72 (78). 16.]

## μοχθοῦν.

[Aq. Is. 7. 13 δις.]

## μοχλός.

(1) מֹכֶלֶת

- Ex. 26. 26. καὶ ποιήσεις μοχλοὺς ἐκ ξύλων (1)  
 — 27. καὶ πέντε μοχλοὺς τῷ στύλῳ τῷ ἐνί (1)  
 — 27. καὶ πέντε μοχλοὺς τῷ στύλῳ τῷ ὀπισθίῳ (1)  
 — 28. καὶ ὁ μ. ὁ μέσος ἀνὰ μέσον τῶν στύλων (1)  
 — 29. εἰς οὓς εἰσάξεις τοὺς μ. (1)  
 — 29. καὶ καταχρυσώσεις τοὺς μ. χρυσίῳ (1)  
 35. 11. καὶ τοὺς μ. καὶ τοὺς στύλους (1)  
 38. 18 (36. 34). ἐχρυσώσας τοὺς μ. χρυσίῳ (1)  
 — 24 (7). δακτυλίους . . . εὔρεις τοῖς μ. (1)  
 39. 14 (33). τὴν σκηνὴν . . . καὶ τοὺς μ. αὐτῆς (1)  
 40. 18. διεβέβαλε τοὺς μ. (1)  
 Nu. 3. 36. καὶ τοὺς μ. αὐ. καὶ τοὺς στύλους αὐ. (1)  
 4. 31. καὶ τοὺς μ. καὶ τοὺς στύλους αὐ. (1)  
 De. 3. 5. τεῖχη ὑψηλὰ πύλαι καὶ μοχλοὶ (1)  
 Jd. 16. 3. ἀνεβίασται ἐν αὐτῶν σὺν τῷ μ. (1)  
 I Ki. 28. 7. εἰς πόλιν θυρῶν καὶ μοχλῶν (1)  
 III Ki. 4. 13. καὶ μοχλοὶ χαλκοὶ (1)  
 II Ch. 4. 3. B ἔχωνεσαν τοὺς μ. [A B μόσχους] +  
 8. 5. τεῖχη πύλαι καὶ μοχλοὶ (1)  
 14. 7 (6). ποιήσωμεν . . . πύλας καὶ μοχλοὺς (1)  
 Ne. 3. 3. ἐστέρησαν [A ἐστέρησαν] . . . μοχλοὺς αὐ. (1)  
 — 6. ἐστέρησαν . . . μοχλοὺς αὐ. [A οἱ μ. αὐ.] (1)  
 — 13. ἐστέρησαν . . . μοχλοὺς [S -οὐ] αὐ. (1)  
 — 14. ἐστέρησαν . . . μοχλοὺς [A<sup>1</sup> -οὐ] αὐ. (1)  
 — 15. B ἐστέρησε τὰς θύρας αὐ. καὶ μοχλοὺς αὐ. (1)  
 Ps. 106 (107). 16. A B μοχλοὺς σιδηροῦς συν-  
 ἔβλασαν [B -ἐκλάσαν] (1)  
 147. 2 (13). ἐνίσχυσε τοὺς μ. τῶν πύλων σου (1)  
 Si. 28. 25. τῷ στόματί σου ποιήσας θύραν καὶ μοχλόν (1)  
 49. 13. τοῦ . . . στήσαντος πύλας καὶ μοχλοὺς (1)  
 Am. 1. 5. καὶ συντρίψω μοχλοὺς Δαμασκού (1)  
 Jn. 2. 7. ἦς οἱ μοχλοὶ αὐτῆς κάτοχοι αἰῶνιοι (1)  
 Na. 3. 13. καταφάγεται πύρ τοὺς μ. σου (1)  
 Is. 45. 2. μοχλοὺς σιδηροῦς συγκλάσῃ (1)  
 Je. 28 (51). 30. συντρίβησαν οἱ μ. αὐτῆς (1)  
 30. 9 (49. 31). οὐ βάλανοι οὐ μοχλοὶ (1)  
 La. 2. 9. συντρίψε μοχλοὺς αὐτῆς (1)  
 Ep. Je. 18. τοὺς αἰῶνες αὐτῶν ὀχυροῦσιν οἱ ἱερεῖς . . . μοχλοῖς

- Ez. 38. 11. ἐν ᾧ [A αἰς] οὐκ ὑπάρχει τείχος οὐδὲ μοχλοὶ (1)  
 I Ma. 9. 50. ἐν τείχεσιν ὑψηλοῖς . . . καὶ μοχλοῖς (1)  
 12. 38. A B ὥκρωσε . . . μοχλοὺς [S αἰ.] (1)  
 13. 33. καὶ περιτείχισε . . . μοχλοῖς (1)  
 [Aq. Pr. 18. 19 : Is. 27. 1 : Am. 1. 5.]  
 [Sm. Ps. 78 (74). 6 : 147. 2 (13) : Je. 29 (36). 26 : Am. 1. 5.]  
 [Th. Am. 1. 5.]  
 μυγάλη. (1) מִגְדָּל  
 Le. 11. 30. μ. καὶ χαμαιλέον καὶ χαλαβώτης (1)  
 μείσθαι.  
 III Ma. 2. 30. ἐν τοῖς κατὰ τὰς τελετὰς μεμνημένοις ἀνστηρέσεσθαι (1)  
 [Sm. Nu. 25. 5.]  
 μέιν.  
 [Sm. Is. 6. 10.]  
 μυελός. (1) מֶלֶךְ (2) מֶלֶךְ  
 Ge. 45. 18. καὶ φάγεσθε τὸν μ. τῆς γῆς (1)  
 Jb. 21. 24. μυελὸς δὲ [A ὁ δὲ μ.] αὐ. διαχέεται (2)  
 33. 24. τὰ δὲ ὀστά αὐτοῦ ἐμπλήσει μυελοῦ (2)  
 [Sm. Jb. 21. 24.]  
 μυελῶν. (α-λ.). (1) מֶלֶךְ  
 Ps. 65 (66). 15. ὀλοκαυτώματα μεμυλωμένα ἀνοίσω σοι (1)  
 [Sm. Ps. 118 (119). 70.]  
 μυῖαν.  
 [Aq., Sm., Th. Jb. 20. 16.]  
 μυῖλητης.  
 [Sm. Ps. 77 (78). 46.]  
 μυθολόγος.  
 Ba. 8. 23. οἱ μ. καὶ οἱ ἐκζητῆται τῆς συνέσεως (1)  
 μῦθος.  
 Wi. 17. 4. A οὐδὲ γὰρ ὁ κατέχων αὐτοὺς μῦθος ἀφ-  
 βους διεφύλαττεν [B S αἰ.]  
 Si. 20. 19. μῦθος ἄκαιρος ἐν στόματι ἀπαιδεύτων ἐνδελεχισθήσεται (1)  
 μυῖα. (1) מִיָּא  
 IV Ki. 1. 2. ἐπιζητήσατε ἐν τῷ B. μυῖαν θεῶν 'Ακκ. [A αἰ.] (1)  
 — 3. ἐπιζητήσαι ἐν τῷ B. μυῖαν θεῶν 'Ακκ. (1)  
 — 6. ζητήσαι ἐν τῷ B. μυῖαν θεῶν 'Ακκ. (1)  
 — 16. B ζητήσαι ἐν τῷ B. μυῖαν θεῶν 'Ακκ. [A αἰ.] (1)  
 Ec. 10. 1. A S<sup>2</sup> B μυῖαι θανατοῦσαι σαπριοῦσι σκενασμοὶ ἐλαίου [B S<sup>1</sup> -ον] ἡδύματος (1)  
 Wi. 16. 9. οὐς μὲν γὰρ ἀκρίδων καὶ μυῖαν ἀπέκτεινε δῆγματα (1)  
 Is. 7. 18. σურიε κύριοις μυῖαις (1)  
 [Sm. Ec. 10. 1.]  
 μυκάσθαι.  
 [Sm. Jb. 6. 5.]  
 [A. I Ki. 6. 12.]  
 μυκτῆρ. (1) מִקְטָר (2) מִקְטָר  
 Nu. 11. 20. ὥς ἂν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν μ. ἡμῶν (1)  
 IV Ki. 19. 28. θῆσω τὰ ἀγκιστρά μου ἐν τοῖς μ. σου (1)  
 Jb. 40. 21 (26). ἡ δῆσει κρίκον [A εἰλήσει κλοιὸν] ἐν τῷ μ. αὐτοῦ (1)  
 41. 11 (12). ἡ ἐμυκτῆρὼν αὐτοῦ ἐκπορεύεται καπνὸς (2)  
 Pr. 24. 68 (30. 33). ἐὰν δὲ ἐκπέιρῃς μυκτῆρας [S -α] (1)  
 Ca. 7. 4 (5). μυκτῆρ σου ὡς πύργος τοῦ Λιβάνου (1)  
 Ez. 16. 12. ἔδωκα ἐνώπιον περὶ [A ἐπὶ] τὸν μ. σου (1)  
 23. 25. A B μυκτῆρ [B -ας] σου καὶ ὧτά σου ἀφελούσι (1)  
 IV Ma. 8. 25. δυσώδεις χυλοὺς εἰς τοὺς μ. αὐ. κατέχεον (1)  
 15. 19. καὶ τοὺς μ. προσημειούμενους αὐτῶν τὸν θάνατον (1)  
 [Aq. Ge. 2. 7 : 24. 47 : Is. 2. 22 : La. 4. 20 : Ez. 8. 17 : Am. 4. 10.]  
 [Sm. Ge. 2. 7 : Is. 2. 22 : 37. 29 : La. 4. 20 : Ez. 8. 17 : 16. 12 : Am. 4. 10.]  
 [Th. Ge. 2. 7 : Jb. 40. 21 (26) : Is. 2. 22 : Ez. 8. 17 : Am. 4. 10.]

μυκτῆριζεν. (1) מִקְטָר (2) a. מִקְטָר δ. pass. מִקְטָר  
 c. מִקְטָר (8) מִקְטָר pi. (4) מִקְטָר hi. (5) מִקְטָר  
 (6) מִקְטָר

- III Ki. 18. 27. καὶ ἐμυκτῆρισεν αὐτοὺς 'H. (8)  
 IV Ki. 19. 21. ἐμυκτῆρισε σε παρθένος θυγάτηρ Σ. (5)  
 II Ch. 36. 16. ἦσαν μυκτῆριζοντες τοὺς ἀγγέλους αὐ. (4)  
 I Es. 1. 51. ἐμυκτῆρισαν ἐν τοῖς ἀγγέλοις αὐ. [A αἰ.] (1)  
 Jb. 22. 19. ἀμειψτοὶ δὲ ἐμυκτῆρισαν [A S<sup>2</sup> ἐμ. αὐτοῖς] (5)  
 Ps. 43 (44). 13. A<sup>1</sup> οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν ἐμυκτῆρισαν ἡμᾶς (5)  
 79 (80). 6. οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν ἐμυκτῆρισαν [S<sup>2</sup> -ισον] ἡμᾶς (5)  
 Pr. 1. 30. ἐμυκτῆριζον δὲ ἐμοὺς ἐλέγχους (5)  
 11. 12. μυκτῆριζει πολίτας ἐνδεῆς φρενῶν (2 a)  
 12. 8. νωθοκαρδὸς δὲ μυκτῆριζεται (2 b)  
 15. 5. ἀφρων μυκτῆριζει παιδείαν πατρός (5)  
 — 20. υἱὸς δὲ ἀφρων μυκτῆριζει μητέρα αὐτοῦ (2 c)  
 23. 9. μὴ ποτε μυκτῆριση τοὺς συνετοὺς λόγους σου (2 a)  
 Is. 37. 22. ἐμυκτῆρισέ σε παρθένος θυγάτηρ Σιών (5)  
 Je. 20. 7. πᾶσαν ἡμέραν διετέλεσα μυκτῆριζόμενος (5)  
 Ez. 8. 17. αὐτοὶ [A add. ἐκτείνουσιν τὸ κλημα] ὡς μυκτῆριζοντες (1)  
 I Ma. 7. 34. ἐμυκτῆρισεν αὐτοὺς (1)  
 [Aq. Pr. 1. 26.]  
 [Sm. Ps. 72 (78). 14 : Pr. 1. 26.]  
 [Th. Pr. 1. 26 : 2. 15.]  
 [Quint. Ca. 8. 1.]  
 μυκτῆρισμός. (1) a. מִקְטָר δ. מִקְטָר (2) מִקְטָר  
 (3) מִקְטָר  
 Ne. 4. 4 (3. 36). ἐγενήθημεν εἰς μυκτῆρισμόν (1 a)  
 — 4 (3. 36). δὲ αὐτοὺς εἰς μυκτῆρισμόν [B<sup>2</sup> ὀνειδιζμόν] (1 b)  
 Jb. 34. 7. πῶς ἐμυκτῆρισαν ὥσπερ ὕδωρ (2)  
 Ps. 34 (35). 16. ἐμυκτῆρισαν με μυκτῆρισμόν (3 ?)  
 43 (44). 13. B μυκτῆρισμόν καὶ καταγέλωτα [A S<sup>2</sup> χλευασμόν] τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (2)  
 78 (79). 4. ἐγενήθημεν . . . μυκτῆρισμός καὶ χλευασμός τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (2)  
 Ez. 23. 32. A ἔσται . . . εἰς μυκτῆρισμόν (2)  
 II Ma. 7. 39. πικρῶς φέρον ἐπὶ τῷ μ. [Th. Ez. 23. 32.]  
 μύλη. (1) מִלְחָה (2) מִלְחָה  
 Jb. 29. 17. συνέτριψα δὲ μύλας ἀδικῶν (2)  
 Ps. 57 (58). 6. τὰς μ. τῶν λέοντων συνέθλασεν (1)  
 Pr. 24. 37 (30. 14). A B μίχαιρας τοὺς ὀδόντας ἔχει καὶ τὰς μ. στομίδας [B τομ.] (2)  
 Jl. 1. 6. καὶ αἱ μύλας αὐτοῦ σκμνον (2)  
 [Sm. Jd. 15. 19 : Ec. 12. 3.]  
 μύλος. (1) מִלְחָה (2) κλάσμα μύλου מִלְחָה מִלְחָה  
 Ex. 11. 5. τῆς θεραπείας τῆς παρὰ τὸν μ. (1)  
 Nu. 11. 8. ἤλθον αὐτὸ ἐν τῷ μ. (1)  
 De. 24. 6. οὐκ ἐνεχυράσεις μύλον (1)  
 Jd. 9. 53. A ἔρριψε γυνὴ μία κλάσμα μύλου [B αἰ.] (2)  
 II Ki. 11. 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψε κλάσμα μύλου ἐπ' αὐτὸν (2)  
 — 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν ἐπ' αὐτὸν κλάσμα μύλου (2)  
 Is. 47. 2. λάβε μ. (1)  
 [Aq., Sm., Th. Jd. 9. 53.]  
 μυλών. (1) מִלְחָה  
 Je. 52. 11. ἔδωκεν αὐτὸν εἰς οἰκίαν μυλώνος (1 ?)  
 μυξωτήρ. (1) מִקְטָר  
 Za. 4. 12. ἐν ταῖς χερσὶ τῶν δύο μ. τῶν χρυσῶν (1)  
 μυρεψήτριον.  
 [Aq. Jb. 41. 23.]  
 μυρεψικός. (1) מִרְעָפִים (2) a. מִרְעָפִים δ. מִרְעָפִים  
 c. מִרְעָפִים d. מִרְעָפִים  
 Ex. 30. 25. μύρον μ. τέχνη μυρεψοῦ (2 b)  
 — 35. θυμίαμα μυρεψικὸν ἔργον μυρεψοῦ μεμιγμένον (2 a)  
 Ca. 3. 6. B<sup>1</sup> ἀπὸ πάντων κοινοτῶν μυρεψικοῦ [A B S<sup>2</sup> -ψοῦ] (1)  
 5. 13. ὡς φυλάκι τοῦ ἀρώματος φύουσαι μυρεψικά (2 c)  
 8. 2. ποτιῶ σε ἀπὸ οἴνου τοῦ μ. (2 d)

**μυρέσιον.**

[Sm. Is. 57. 9.]

**μυρεψός.** (1) **לַרְבֵּי** (2) **א. קרֶבֶת** **δ. קרֶבֶת**

**ε. קרֶבֶת**

Ex. 30. 25. **μύρον μυρεψικόν τέχνη μυρεψού** (2 **α**)  
— 35. **θυμίαμα μυρεψικόν ἔργον μυρεψού**

**μεμυγμένον** (2 **α**)

38. 25 (87. 29). **καθαρόν ἔργον μυρεψού** (2 **α**)

I Ki. 8. 13. **τὰς θυγ. ὑ. λήφεται εἰς μυρεψούς** (2 **β**)

I Ch. 9. 30. **ἥσαν μυρεψοὶ τοῦ μύρου** (2 **α**)

II Ch. 16. 14. **καὶ γένη μύρων μυρεψών** (2 **ε**)

Ca. 3. 6. **ἀπὸ πάντων κοινορτῶν μυρεψού** [B<sup>1</sup> -φυκοῦ] (1)

Si. 38. 8. **μυρεψὸς ἐν τούτοις ποιήσει μέγμα**

49. 1. **ἐσκεπασμένον** [B -ον] **ἔργον** [A -ον] **μυρεψού**

[A -μοῦ]

[Sm. Ec. 10. 1.]

[Th. Is. 57. 9.]

**μυριάς.** (1) **א. קרֶבֶת** **δ. מֵיָבֵר** **ε. יָבֵר**

(2) **ἐξήκοντα μυριάδες** **הָשֵׁשׁ הָאֶלֶף**

Ge. 24. 60. **γίνου εἰς χιλιάδας μυριάδων** (1 **α**)

Ex. 39. 3 (38. 26). **εἰς τὰς ἐξήκοντα μ.** (2)

Le. 26. 8. **ἐκατὸν ὕμιν διώζονται μυριάδας** (1 **α**)

Nu. 10. 36. **ἐπίστρεφε κύριε χιλιάδας μυριάδας**

**ἐν τῷ ἴσρ.** (1 **α**)

De. 32. 30. **δύο μετακινήσουσι μυριάδας** (1 **α**)

33. 2. **κατέσπευσεν . . . σὺν μυριάσι K.** (1 **α**)

— 17. **αὐτὰς μυριάδες ἔφθρ.** (1 **α**)

Jd. 5. 12. **Α ἐξέγειρον μυριάδας μετὰ λαοῦ** —

I Ki. 18. 7. **ἐπάταξε . . . Δ. ἐν μυριάσιν** (1 **α**)

**αὐτοῦ** (1 **α**)

— 8. **τῷ Δ. ἔδωκαν τὰς μ.** (1 **α**)

21. 11 (12) : 29. 5. **ἐπάταξε . . . Δ. ἐν μυριά-**

**σιν αὐτοῦ** (1 **α**)

II Ch. 9. 25. **Α τέσσαρες μ. θήλειαι ἵππων** (1 **α**)

[B **α**].

I Es. 5. 41. **μυριάδες τέσσαρες δισχιλίοι τριακασίοι**

**ἐξήκοντα** [A **α**].

II Es. 2. 64. **ὥσει τέσσαρες μ. δισχιλίοι τρια-**

**κασίοι ἐξήκοντα** (1 **β**)

— 69. **μναὶ ἐξ μ. καὶ χιλίας** [A **α**]. (1 **β**)

Ne. 7. 66. **ὥσει τέσσαρες μ. δισχ. τριακόσ.** (1 **β**)

**ἐξήκ.** [A **α**]. (1 **β**)

— 71. **χρυσίου δύο μυριάδας** (1 **β**)

— 72. **B<sup>1</sup> χρυσίου ἑβδομηκοντα μυριάδας** (1 **β**)

[B<sup>2</sup> B **α**].

Ju. 2. 5. **B<sup>1</sup> καὶ πλήθος ἵππων . . . μυριάδας** [B -ων,

**A B<sup>2</sup> B χιλιάδας** **δέκα δύο**

— 15. **εἰς μυριάδας δέκα δύο**

16. 4. **B ἦλθεν ἐν μυριάσι δυνάμεων** [A B B -ως

**αὐ.**

Ps. 8. 6. **οὐ φοβήθησονται ἀπὸ μυριάδων λαοῦ** (1 **α**)

90 (91). **πείσεται . . . μυριάς ἐκ δεξιάν**

**σου** (1 **α**)

Ca. 5. 10. **ἐκλελοχισμένους ἀπὸ** [B<sup>1</sup> **ἐκ**] **μυριάδων** (1 **α**)

Si. 47. 6. **ἐν μυριάσιν ἔδωσαν αὐτὸν**

Mi. 6. 7. **εἰ προσδέξεται κ. . . ἐν μυριάσι χι-**

**μάρων** [A ἀρνών] (1 **α**)

Jn. 4. 11. **πλείους ἢ δώδεκα μ. ἀνθρώπων** (1 **ε**)

Da. LXX. 3. (40). **ὡς ἐν μυριάσιν ἀρνῶν πίνων**

7. 10. **μύρια μ. παριστήκεισαν αὐτῷ** (1 **ε**)

Da. TH. 3. (40). **ἐν μυριάσιν ἀρνῶν πίνων**

7. 10. **μύρια μ. παριστήκεισαν αὐτῷ** (1 **ε**)

11. 12. **καταβαλεῖ μυριάδας** (1 **β**)

I Ma. 11. 45. **εἰς ἀνδρῶν δώδεκα μυριάδας**

— 47. **ἀπέκτειναν . . . εἰς μυριάδας δέκα**

15. 13. **καὶ σὺν αὐτῷ δώδεκα μ. ἀνδρῶν**

II Ma. 5. 14. **ὅκτω δὲ μυριάδες . . . κατεφθά-**

**ρσαν**

8. 20. **τὰς δώδεκα μ. [A<sup>1</sup> χιλιάδας] ἀπώλειαν**

10. 20. **B ἐπτάκις δὲ μυριάδας** [A **μυρίας**] **δραχμὰς**

**λαβόντες**

11. 2. **συναθροίσας περὶ τὰς ὀκτὼ μ.**

— 4. **πεφρενωμένους δὲ ταῖς μυριάσι**

12. 20. **ἔχοντα περὶ αὐτὸν μυριάδας δώδεκα πεζῶν**

— 23. **διέφθειρε δὲ εἰς μ. τρεῖς ἀνδρῶν**

— 26. **κατέσφαξε μυριάδας σωματίων δύο**

— 28. **κατέστρωσαν δὲ τῶν ἑνδον εἰς μυριάδας**

**δύο**

13. 2. **ἔκαστον ἔχοντα δύναμις Ἑλλ. πεζῶν μυριάδας**

**ἐνδεκα**

15. 27. **κατέστρωσαν οὐδὲν ἦγον μυριάδων τριῶν**

IV Ma. 4. 3. **πολλὰς ἰδιωτικῶν χρημάτων μ. . . .**

**τεθσαυρίσθαι**

[Aq. Dt. 33. 2 : Ca. 5. 10.]

[Sm. Ps. 67 (68). 18 : Ca. 5. 10.]

[Th., Quint. Ca. 5. 10.]

[Al. Nu. 10. 36 (35).]

**μυρίκη.**

[Aq. Je. 48 (81). 6.]

**μύριοι.**

Jd. 20. 10.

I Ch. 29. 7 **bis.**

Ne. 7. 711.

Ju. 2. 15.

Es. 3. 9 : 4. 7 : 9. 16.

Jb. 42. 12.

Si. 16. 37.

Da. LXX., TH. 7. 10.

II Ma. 10. 207 : 11. 11 : 12. 19.

III Ma. 3. 21.

**μυριοπλάσιος.** (1) **מֵיָבֵר**

Ps. 67 (68). 17. **τὸ ἔργον τοῦ θεοῦ μυριοπλάσιον** (1)

**μυριοπλάσιος.**

Si. 23. 19. **ὀφθαλμοὶ κυρίου μ. ἡλίου φωτεινότεροι**

**μυριότης.**

Wi. 12. 22. **τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν ἐν μυριότητι μαστι-**

**γοῖς**

**μυρισμός.**

Ju. 16. 8. **ἡλείψατο τὸ πρόσωπον αὐ. ἐν μυρισμῷ**

[A<sup>1</sup> **α**].

**μυρμηκιδαν.** (1) **מִרְמָקָה**

Le. 22. 22. **A<sup>2</sup> B ἡ γλωσσόμυρμον ἡ μυρμη-**

**κιδαντα** (1)

**μυρμηκολέων.** (1) **מִרְמָקָה**

Jb. 4. 11. **μυρμηκολέων ὄλετο παρὰ τὸ μὴ ἔχειν**

**βοράν** (1)

**μύρμηξ.** (1) **מִרְמָקָה**

Pr. 6. 6. **ἴθι πρὸς τὸν μ., δὲ ὀκνηρέ** (1)

24. 60 (30. 25). **οἱ μ. οἷς μὴ ἔστιν ἰσχύς** (1)

**μυροβραχής** (**-βρεχής**).

III Ma. 4. 6. **τὴν μ. πεφυρμένην κόμην**

**μύρων.** (1) **מִרְמָקָה** (2) **א. קרֶבֶת** **δ. מֵיָבֵר** **ε. יָבֵר**

**ε. קרֶבֶת** **ru.**

Ex. 30. 25. **μ. μυρεψικόν τέχνη μυρεψού** (2 **α**)

I Ch. 9. 30. **ἥσαν μυρεψοὶ τοῦ μ.** (2 **β**)

II Ch. 16. 14. **καὶ γένη μύρων μυρεψών** (2 **ε**)

Ju. 10. 3. **καὶ ἐχρίσατο μύρον παχεί**

Ps. 132 (133). 2. **ὡς μύρον ἐπὶ κεφαλῇς** (3 **β**)

Pr. 27. 9. **μύροις καὶ οἶνος καὶ θυμιάμασι τέρ-**

**πεται καρδία** (3 **α**)

Ca. 1. 3. **ὁσμὴ μύρων σου ὑπὲρ πάντα τὰ ἀρώ-**

**ματα** (3 **α**)

— 3. **μύρον ἐκκενωθὲν ὀνομά σου** [A **σοι**] (3 **α**)

— 4. **ὁπίσω σου εἰς ὁσμὴν μύρων σου δρα-**

**μοῦμαι** —

2. 5. **στηρίξασέ με ἐν μύροις** +

4. 10. **B ὁσμὴ μύρων** [A B ἱματίων] **σου ὑπὲρ**

**πάντα ἀρώματα** (3 **α**)

— 14. **σμίρνα ἀλὼθ μετὰ πάντων πρώτων μ.** (1)

Wi. 2. 7. **οἶνον πολυτελοῦς καὶ μύρων πλησθόμεν**

Am. 6. 6. **καὶ τὰ πρῶτα μύρα χρίμενοι** (3 **α**)

Is. 25. 7. **χρίσονται μ. ἐν τῷ ὄρει τοῦτῳ** +

39. 2. **ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον τοῦ νεχωθᾶ . . .**

**καὶ τοῦ μ.** (3 **β**)

[e. 25. 10. ἀπολῶ . . . ὁσμὴν μύρου +

Ex. 27. 17. **ἐν σίτῳ πράσει καὶ μύρων καὶ καοίας** +

[Aq. Ec. 10. 1.]

[Sm. Ps. 132 (133). 2 : Ec. 7. 2 (1) : Am. 6. 6.]

**μυσινεών.**

[Aq., Sm. Za. 1. 8.]

**μυροσίνη.** (1) **מִרְמָקָה**

Ne. 8. 15. **ἐνέγκασε . . . φύλλα μυροσίνης** (1)

Is. 41. 19. **θήσω εἰς τὴν ἀνύδρον γῆν κέδρον καὶ**

**πύξον μυροσίνην καὶ κηπάρισσον** (1)

55. 13. **ἀπὶ τῆς κοινῆς ἀναβήσεται μ.** (1)

[Sm. Is. 55. 13.]

**μυροσινών.**

Jd. 1. 35. **A κατοικεῖν ἐν τῷ ὄρει τοῦ μ.** [B **α**]. +

— 35. **B ἐν τῷ μ. καὶ ἐν θ.** —

**μῦς.** (1) **מִרְמָקָה**

Le. 11. 29. **ἡ γαλῆ καὶ ὁ μ. καὶ ὁ κροκόδειλος** (1)

I Ki. 5. 6. **ἀνεφύησαν μῦες** —

6. 1. **ἐξέειπεν ἡ γῆ αὐτῶν μῦας** —

— 5 (4). **A καὶ πέντε μῦες χρυσοῦς** [B **α**]. (1)

— 5. **καὶ μῦς χρυσοῦς ὁμοίωμα τῶν μ. ὕμῶν**

**τῶν χρυσῶν** [A **α**]. (—, 1)

— 11. **ἔθεντο . . . ἐπὶ τὴν ἀμᾶξαν . . . τοὺς μ.**

**τοὺς χρυσοῦς** (1)

— 18. **καὶ μῦς οἱ χρυσοὶ** [A **οἱ**] **κατ' ἀριθμόν** (1)

Is. 66. 17. **ἔσθοντες . . . καὶ τὸν μ.** (1)

**μυσάειν.**

[Aq. I Ki. 25. 26.]

**μυσαρία.**

[Sm. Ez. 16. 58 : 23. 27. 29.]

**μυσαρὸς** (**-σερ**). (1) **מִרְמָקָה**

Le. 18. 23. **μυσάρων γάρ ἐστι** (1)

[Al. Le. 26. 30.]

**μυσάρχη.**

II Ma. 5. 24. **ἐπεμψε δὲ τὸν μ. Ἀπ.**

**μύσος.**

Wi. 12. 6. **B<sup>2</sup> ἐκ μύσου μυσταθείας σου** [A B<sup>1</sup> S **α**].

II Ma. 6. 19. **τὸν . . . θάνατον μάλλον ἢ τὸν μετὰ**

**μύσου βίον**

— 25. **καὶ μύσος . . . κατακτήσομαι**

[Aq. Ps. 25 (26). 10.]

[Sm. Le. 18. 17 : Ps. 25 (26). 10 : Ez. 22. 9 :

23. 21, 48.]

<p><b>μύστης.</b> Wi. 12. 6. <b>A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup></b> θοῖναν καὶ αἵματος ἐκ μίσου [B<sup>2</sup> μίσου] μύστας θιάσου [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> μυστα- θεία, B μυσταθείας] σου</p> <p><b>μυστικὸς.</b> [Sm. Is. 8. 3.]</p> <p><b>μυστικῶς.</b> III Ma. 3. 10. μ. τινος ἐπισπώμενοι</p> <p><b>μύστις.</b> Wi. 8. 4. μύστις γὰρ ἐστὶ τῆς τοῦ θεοῦ ἐπιστή- μης</p> <p><b>μυχθίζειν.</b> [Aq. Ps. 2. 4.]</p> <p><b>μυχθισμός.</b> [Aq. Ps. 122 (123). 4: Ho. 7. 16.]</p> <p><b>μυχός.</b> Wi. 17. 4. οὐδὲ γὰρ ὁ κατέχων αὐτοὺς μυχὸς ἀφύβως διεφύλασεν [A S<sup>1</sup> al.] — 14. ἐξ ἀδυνάτου ἄδου μυχὼν ἐπελθοῦσαν</p> <p><b>μωήδ.</b> (1) מוהד Je. 26 (46). 17. B σαὼν ἐσβεί μ. [A B S al.] (1)</p> <p><b>μωκάσθαι.</b> (1) מוהא Si. 31 (34). 18. θυσιάων ἐξ ἀδίκου προσφορά με- μωκημένη [A μεμωμ.]</p> <p>Je. 28 (51). 18. μάταιά ἐστιν ἔργα μεμωκημένα (1) [Aq. Je. 10. 15.]</p> <p><b>μώκημα.</b> Si. 31 (34). 18. οὐκ εἰς εὐδοκίαν μώκηματα [A S<sup>2</sup> μωμήματα] ἀνόμων</p> <p><b>μώκος.</b> Si. 36 (38). 6. ἵππος εἰς ὀχείαν ὡς φίλος μώκος [S<sup>2</sup> μωρός]</p> <p><b>μωκάρ.</b> [Heb. Ps. 35 (36). 10.]</p> <p><b>μωλωπίζειν.</b> [Aq. Ca. 5. 7.]</p> <p><b>μώλωψ.</b> (1) מוהא, מוהא Ge. 4. 23. ἀπέκτεινα . . . νεανίσκον εἰς μ. ἐμοί (1) Ex. 21. 25. δώσει . . . μώλωπα ἀντὶ μώλωπος (1, 1) Ju. 9. 13. εἰς τραῦμα καὶ μώλωπα αὐτῶν Ps. 37 (38). 5. ἐσάψαν οἱ μ. μου (1) Si. 23. 10. ὥσπερ γὰρ οἰκίτης . . . ἀπὸ μώλωπος οὐκ ἐλαττωθῆσεται 28. 17. πληγὴ μώστινος ποιεῖ μώλωπας [A S - πα] Is. 1. 6. οὐτε τραῦμα οὐτε μ. (1) 53. 5. τῷ μώλωπι αὐτοῦ ἡμεῖς λάθμεν [Aq., Th. Pr. 20. 30.] [Sm. Is. 1. 6.]</p>	<p><b>μωμᾶσθαι.</b> (1) מוהא Pr. 9. 7. ἐλγύνων δὲ τὸν ἀσεβῆ μωμῆσται ἑαυτὸν (1) Wi. 10. 14. ψευδεῖς τε εἰδεῖτε τοὺς μωμωσαμένους αὐτόν</p> <p>Si. 81 (34). 18. A θυσιάζων ἐξ ἀδίκου προσφορά μεμωμημένη [B S μεμωκημ.]</p> <p><b>μώμημα.</b> - Si. 31 (34). 18. A S<sup>2</sup> οὐκ εἰς εὐδοκίαν μωμήματα [B S<sup>1</sup> μωκήματα] ἀνόμων</p> <p><b>μωμητός.</b> (1) מוהא De. 32. 5. ἡμάρτησαν οὐκ αὐτῷ τέκνα μωμητά (1)</p> <p><b>μώμος.</b> (1) מוהא, מוהא Le. 21. 17. τίνοι ἐὰν ᾗ ἐν αὐτῷ μώμος (1) — 18. ὃ ἂν ᾗ ἐν αὐτῷ μώμος (1) — 21. ὃ [A S<sup>2</sup>] ἐστὶν ἐν αὐτῷ μώμος (1) — 21. ὅτι μώμος ἐν αὐτῷ (1) — 23. ὅτι μώμον ἔχει (1) 22. 20. ὅσα ἂν ἔχη μώμον ἐν αὐτῷ (1) — 21. πᾶς μ. οὐκ ἔσται ἐν αὐτῷ (1) — 25. B μώμος ἐν αὐτοῖς (1) 24. 19. ἐὰν τις δὴ μώμον τῷ πλησίον (1) — 20. καθότι ἂν δὴ μώμον τῷ ἀνθρ. (1) Nu. 19. 2. ἥτις οὐκ ἔχει ἐν αὐτῷ μώμον (1) De. 15. 21. ἐὰν [B<sup>1</sup> add. μῆ] ᾗ ἐν αὐτῷ μώμος . . . μ. πονηρόν [A ἡ καὶ πᾶς μ. (1, 1) πονηρός] (1)</p> <p>17. 1. ἐν ᾧ ἐστὶν ἐν αὐτῷ μώμος (1) 19. 21. A B<sup>2</sup> καθότι ἂν δὴ μώμον τῷ πλησίον - II Ki. 14. 25. οὐκ ἦν ἐν αὐτῷ μώμος (1) Ca. 4. 7. μώμος οὐκ ἔστιν ἐν σοί (1) Si. 11. 31. ἐν τοῖς αἰρετοῖς [A ἐτέροις] ἐπιθήσει μώμον — 33. μὴ ποτε μώμον εἰς τὸν αἰῶνα δῶ σοι 18. 15. ἐν ἀγαθοῖς μὴ δῶς μώμον 20. 24. μώμος πονηρὸς ἐν ἀνθρώπῳ ψεύδος 30. 31 (33. 22). μὴ δῶς μώμον ἐν τῇ δόξῃ σου 47. 20. ἐδωκας μώμον ἐν [B om.] τῇ δόξῃ σου Da. Th. 1. 4. οἷς οὐκ ἔστιν ἐν [B<sup>1</sup> om.] αὐτοῖς μ. (1)</p> <p><b>μωραίνειν.</b> (1) מוהא ni. (2) מוהא a. ni. δ. pi. II Ki. 24. 10. ἐμωράνθη σφόδρα (2 a) Si. 23. 14. καὶ τῷ ἔθισμῳ σου μωρανθήσεται Is. 19. 11. ἡ βουλὴ αὐτῶν μωραίνων [A B S — ρένων] (2 b) Je. 10. 14. ἐμωράνθη πᾶς ἄνθρωπος ἀπὸ γνώσεως (1) 28 (51). 17. A ἐμωράνθη [B S ἐματαιώθη] πᾶς ἄνθρωπος ἀπὸ γνώσεως (1) [Aq. Je. 51 (28). 17.] [Sm. Jb. 38. 36.]</p> <p><b>μωρεύειν.</b> (1) מוהא pi. Is. 44. 25. A B S τὴν βουλήν αὐτῶν μωρεύων [R - ραίνων] (1)</p>	<p><b>μωρία.</b> Si. 20. 31 : 41. 15. κρείσσων ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν μ. αὐ.</p> <p>[Sm. Jb. 24. 12.]</p> <p><b>μωρός.</b> (1) מוהא (2) a. מוהא b. מוהא (3) מוהא (4) מוהא hi. De. 82. 6. λαὸς μ. καὶ οὐχὶ σοφός (2 a) Jb. 16. 8. νῦν δὲ κατὰ σὺν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπτότα + Ps. 98 (94). 8. καὶ μωροὶ, ποτε φρονήσατε (4) Si. 4. 27. μὴ ὑποστρώσης σεαυτὸν ἀνθρώπῳ μωρῷ 8. 17. μετὰ μωρῷ μὴ συμβουλευέου 16. 23. ἀνὴρ ἄφρων καὶ πλανώμενος διανοεῖται μωρά 18. 18. μωρὸς ἀγαρίστος ὀνειδιεῖ 19. 11. ἀπὸ προσώπου λόγου ὠδινήσει μωρός — 12. οὕτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μωροῦ 20. 13. χάριτες δὲ μωρῶν ἐκχυθήσονται — 16. μωρὸς ἐρεῖ, Οὐκ ὑπάρχει μοι φίλος — 20. ἀπὸ στόματος μωροῦ ἀποδοκιμασθήσεται παραβολή 21. 14. ἔγκατα μωρῷ ὡς ἀγγεῖον συντετριμμένον — 16. ἐξήγησις μωροῦ ὡς ἐν ὁδῷ φορτίον — 18. ὡς οἶκος ἡφανισμένος οὕτως μωρὸς σοφία — 20. μωρὸς ἐν γέλῳ ἀνυψοῖ φωνὴν αὐτοῦ — 22. πους μωροῦ ταχὺς εἰς οἰκίαν — 26. ἐν στόματι μωρῶν ἡ καρδιὰ αὐτῶν 22. 7. συγκολλῶν δοτράκον [B -ων] ὁ διδάσκων μωρὸν — 8. διηγούμενος νυστάζοντι ὁ διηγούμενος μωρῷ — 11. ἐπὶ μωρῷ κλαύουσιν — 11. τοῦ δὲ μ. ὑπὲρ θάνατον ἡ ζωὴ πονηρά — 12. μωροῦ δὲ καὶ ἀσεβοῦς πᾶσαι αἱ ἡμέραι τῆς ζωῆς — 14. τί αὐτῷ ὄνομα ἀλλ' ὁ μωρός — 18. καρδιά δειλὴ ἐπὶ διανοήματος μωροῦ 25. 2. S<sup>2</sup> γέροντα μωρὸν καὶ μοιχὸν καὶ [A B S<sup>1</sup> γ. μοιχὸν] ἐλαττούμενον συνέσει 27. 13. διήγησις μωρῶν προσόχισμα 36 (33). 5. τροχὸς ἀμάξης σπλάγχνα μωροῦ — 6. S<sup>2</sup> ἵππος εἰς ὀχείαν ὡς φίλος μωρός [A B S<sup>1</sup> μώκος] 42. 8. περὶ παιδείας ἀνοήτου καὶ μωροῦ 50. 26. ὁ λαὸς μωρός [A S ὁ μ.] ὁ κατοικῶν ἐν Σικίμοις Is. 19. 11. μωροὶ ἔσονται οἱ ἄρχοντες Τάνεως (1) 32. 5. οὐκέτι μὴ εἰπωσιν τῷ μ. ἄρχειν (2 a) — 6. ὁ γὰρ μ. μωρὰ λαλήσει (2 a, 2 b) Je. 5. 21. ἀκούσατε δὴ ταῖτα λαὸς μ. καὶ ἀκάρ- διος (3) Da. LXX. Su. 48. οὕτως μ. υἱοὶ Ἰσρ. Da. Th. Su. 48. οὕτως μ. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. [Sm. Pr. 17. 21 : Je. 10. 8.]</p> <p><b>μωφέθ.</b> [Sm. Je. 48 (31). 28.]</p>
---	--	---

## N

<p><b>ναάλ.</b> (1) נאאל II Ki. 23. 30. A 'A. ἐκ ν. 'Eas (1)</p> <p><b>ναβαί.</b> Jo. 10. 40. B ἐπάταξεν ἰ. . . τὴν ν. [A B ναγέβ] +</p> <p><b>νάβαλ.</b> (1) נבאל (2) נבאל (3) נבאל I Ki. 10. 5. B καὶ ἔμπροσθεν αὐτῶν ν. [A B νάβαλ] (1)</p> <p>II Ki. 8. 33. εἰ κατὰ τὸν θάνατον ν. ἀποθανεῖται — 34. οὐ προσήγαγεν ὡς ν. [A ναβά] (2) [Heb. Je. 17. 11.] (3)</p> <p><b>νάβαλα.</b> (1) נבאל I Ki. 10. 5. A B καὶ ἔμπροσθεν αὐτῶν ν. [B νάβαλ] (1)</p>	<p>II Ki. 6. 5. παίζοντες . . . ἐν νάβλαις (1) III Ki. 10. 12. ἐποίησεν . . . νάβλαις καὶ κινύρας (1) I Ch. 18. 8. καὶ ἐν κινύραις καὶ ἐν νάβλαις (1) 15. 16. ἐν ὀργάνοις νάβλαις κινύραις (1) — 20. ἐν νάβλαις ἐπὶ αἰ. (1) — 28. ἀναφωνοῦντες νάβλαις (1) 16. 5. ἐν ὀργάνοις νάβλαις κινύραις (1) 25. 1. ἐν κινύραις καὶ ἐν νάβλαις (1) — 6 : II Ch. 5. 12. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβ- λαις (1) II Ch. 9. 11. ἐποίησεν . . . νάβλαις τοῖς ψόδοις (1) 20. 28. εἰσῆλθον . . . ἐν νάβλαις (1) 29. 25. ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις (1) I Ma. 13. 51. εἰσῆλθον . . . ἐν νάβλαις (1) [Aq. Ps. 80 (81). 3 : Am. 5. 23.] [Sm. Ps. 80 (81). 3.] [Al. Is. 6. 12.]</p>	<p><b>ναβρά.</b> IV Ki. 8. 15. A ἔλαβεν τὸ ν. [? τὸν ἀβρά, B al.] +</p> <p><b>ναγέβ.</b> (1) נגב (2) ὁ ἐν ν. נגב (3) ἡ γῆ ἡ ν. נגב Jo. 10. 40. A B ἐπάταξεν ἰ. . . τὴν ν. [B να- βαί] (1) 11. 16. A ἔλαβεν ἰ. . . πᾶσαν τὴν γῆν τὴν ν. [B γ. ν., B al.] (3) 12. 8. ἐν τῇ ἐρήμῳ καὶ ν. [A ἐν Ἀγέβ] (1) 15. 19. εἰς γῆν ν. δέδωκάς με (1) Ob. 1. 19. κατακληρονομήσουσιν οἱ ἐν ναγέβ [B<sup>1</sup> d.] τὸ ὄρος (2) — 20. κληρονομήσουσι τὰς πόλεις τοῦ ναγέβ (1) Je. 39 (32). 44 : 40 (33). 13. ἐν πόλει τῆς ν. (1)</p>
---	--	--



- Ez. 20. 46 (21. 2.) προφήτευσον ἐπὶ δρυμὸν ἡγούμενον ν. (1)  
 — 47 (21. 3.) εἶρεῖς τῷ δρυμῷ ν. (1)  
 ναδᾶβ. (1) נָדָב  
 Ca. 7. 1 (2.) ἐν ὑποδήμασι, θύγατερ ναδάβ [A Λιμναδάβ] (1)  
 ναζαράιως.  
 [A1. LE. 25. 5.]  
 ναζείρ (ναζίρ). (1) נָזִיר  
 Jd. 18. 5. ν. θεοῦ ἔσται τὸ παιδάριον [A al.] (1)  
 ναζέρ.  
 [Th. LE. 21. 12.]  
 ναζηραίως.  
 [Sm. Nu. 6. 18, 19.]  
 ναζιραίος (-ειρ.). (1) נָזִיר  
 Jd. 18. 5. A ἡγιασμένον ναζιραῖον ἔσται τῷ θ. [B al.] (1)  
 — 7. A ναζιραῖον [B ἄγιον] θεοῦ ἔσται (1)  
 16. 17. A ναζιραῖος [B ἄγιος] θεοῦ ἐγὼ εἰμι (1)  
 [A1. LE. 25. 5, 11.]  
 ναθουρέμ.  
 Ne. 3. 11. B S καὶ ἔως πύργου τῶν ν. [A B al.] +  
 ναί. (1) נָא (2) ν. δὴ ἤκ; (3) נָא  
 (4) ναί μὴν נָא  
 Ge. 17. 19. εἶπε δὲ ὁ Θ. πρὸς Ἀβ., Ναί (1)  
 42. 21. ναί, ἐν ἀμαρτίαις γὰρ ἔσμεν (1)  
 To. 5. 6. B εἶπεν αὐτῷ, Ναί [A B al.]  
 Ju. 9. 12. ναί ναί ὁ θεὸς τοῦ πατρὸς μου (1)  
 Jb. 19. 4. ναί δὴ ἐν ἀληθείας ἐγὼ ἐπληρώθην (2)  
 27. 8. A ναί μὴν τίς [B S καὶ τίς] γὰρ ἔστιν ἑλπίς ἀσεβεῖ (4)  
 Is. 48. 7. ν. γινώσκω αὐτά (8)  
 ναίειν.  
 Jb. 22. 12. μὴ οὐχὶ ὁ τὰ ὑψηλὰ ναίων ἐφορᾷ +  
 ναίως, cf. ναός, νεώς.  
 II Ma. 4. 14. A τοὺς μὲν ναίφ καταφρονούντας [B al.] (1)  
 10. 3. A τὸν ναῖδ [B ναὸν] καθαρίσαντες  
 νακτά.  
 [Aq. Ex. 13. 16: Dt. 6. 8.]  
 ναῦμα. (1) נָוֶמָה  
 Ca. 8. 2. ἀπὸ νήματος ρούον μου [B<sup>1</sup> σου] (1)  
 ναῖος.  
 [A1. LE. 21. 20.]  
 ναός, cf. ναίως, νεώς. (1) נָוֶה (2) נָוֶה  
 (3) נָוֶה (4) a. נָוֶה δ. נָוֶה  
 I Ki. 1. 9. ἐπὶ τῶν φλιῶν ναοῦ κυρίου (4 a)  
 8. 3. ἐκάθευδεν ἐν τῷ ν. [A οἶκος κυρίου] (4 a)  
 II Ki. 22. 7. ἐπακούσεται ἐκ ναοῦ αὐ. φωνῆς μου (4 a)  
 III Ki. 6. 3. τὸ αἰλᾶμ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4 a)  
 — 5. ἔδωκεν . . . μέλαθρα κυκλόθεν τῷ ν. (4 a)  
 — 17. τεσσαράκ. πηχῶν ἦν ὁ ν. [A οἶκος οὗτος ὁ ν. ὁ ἱερότατος] (2 [4 a])  
 — 33. A οὗτος ἐποίησεν τῷ πυλῶνι τοῦ ν. [A<sup>1</sup> om. τ. ν.] (4 a)  
 — 36. B τοῦ οἴκου τοῦ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. —  
 7. 21. ἔστησεν τοὺς στύλους τοῦ αἰλᾶμ τοῦ ν. (4 a)  
 — 50. καὶ τὰς θύρας [A add. τοῦ οἴκου] τοῦ ν. (2 + 4 a [4 a])  
 — 12. A τοῦ οἴκου τοῦ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. [B al.] —  
 IV Ki. 18. 16. συνήκυσεν Ἐζ. τὰς θύρας ναοῦ (4 a)  
 23. 4. ἐξαγαγὲν ἐκ τοῦ ν. κυρίου πάντα τὰ σκεύη (4 a)  
 24. 13. ἂ ἐποίησε Σαλ. . . ἐν τῷ ν. κυρίου (4 a)  
 I Ch. 28. 11. ἔδωκε . . . τὸ παράδειγμα τοῦ ν. —  
 — 20. τὸ παράδειγμα τοῦ ν. —  
 II Ch. 3. 17. ἔστησεν τοὺς στύλους κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4 a)  
 4. 7, 8. ἔθηκεν ἐν τῷ ν. (4 a)  
 — 22. εἰς τὰς θύρας τοῦ οἴκου τοῦ ν. χρυσᾶς (4 a)  
 8. 12. ὁ φεκοδόμησεν ἀπέναντι τοῦ ν. (1)  
 15. 8. ὁ ἦν ἔμπροσθεν τοῦ ν. κυρίου (1)  
 II Ch. 26. 16. εἰσῆλθεν εἰς τὸν ν. κυρίου (4 a)  
 — 19. τοῦ θυμᾶσαι ἐν τῷ ν. —  
 27. 2. οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸν ν. κυρίου (4 a)  
 29. 7. ἀπέκλεισαν τὰς θύρας τοῦ ν. (1)  
 — 17. εἰσῆλθαν εἰς τὸν ν. κυρίου (1)  
 36. 7. ἔθηκεν αὐτὰ ἐν τῷ ν. αὐ. (4 a)  
 I Es. 1. 41. ἀπηρεύσατο ἐν τῷ ν. αὐ. —  
 2. 18. καὶ ναὸν ὑποβάλλονται —  
 — 20. ἐνεργεῖται τὰ κατὰ τὸν ν. —  
 4. 45. οἰκοδομήσας τὸν ν. —  
 5. 53. ὁ ν. τοῦ θεοῦ οὐκ ὀφείδεται —  
 — 57. ἐθμελίωσαν τὸν ν. [A οἶκον] —  
 — 58. φεκοδόμησαν οἱ οἰκοδόμοι τὸν ν. τοῦ κ. —  
 — 67. οἰκοδομοῦσι τὸν ν. τῷ κυρίῳ —  
 6. 18. ἀπηρεύσατο αὐτὰ ἐν τῷ ναοῦ ναφ —  
 — 18. ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ἐκ τοῦ ν. τοῦ ἐν Βαβ. —  
 — 19. ἀποθεῖναι ἐν τῷ ν. τῷ ἐν Ἱερ. —  
 — 19. τὸν ν. τοῦ κ. [A add. τοῦτον] οἰκοδομηθῆναι —  
 II Es. 5. 14. ἀπῆνεγκεν αὐτὰ εἰς ναὸν τοῦ βασ. (4 b)  
 — 14. A B ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ἀπὸ τοῦ [A om.] ν. (4 b)  
 6. 5. A B ἀπελθᾶτω εἰς τὸν ν. τὸν ἐν Ἱερ. (4 b)  
 To. 1. 4. ἡγιάσθη ὁ ν. τῆς κατασκευῆς —  
 Ju. 4. 2. περὶ . . . τοῦ ν. κυρίου θεοῦ αὐ. ἐταράχθησαν —  
 — 11. κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. —  
 5. 18. ὁ ν. τοῦ θεοῦ αὐ. ἐγενήθη εἰς ἔδαφος —  
 Ps. 6. 7. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἀγίου σου (4 a)  
 10 (11). 5. κύριος ἐν ναφ ἀγίου αὐτοῦ (4 a)  
 17 (18). 6. ἤκουσεν ἐκ ν. ἁγίου αὐτοῦ φωνῆς μου (4 a)  
 26 (27). 4. ἐπισκέπτεσθαι τὸν ν. [B<sup>1</sup> λαὸν] αὐ. (4 a)  
 27 (28). 2. ἐν τῷ αἵρειν με χεῖρας μου εἰς [A B<sup>1</sup> πρὸς] ναὸν ἁγίου σου (8)  
 28 (29). 9. ἐν τῷ ν. αὐτοῦ πᾶς τις λέγει δόξαν (4 a)  
 44 (45). 15. ἀχθῶσονται εἰς ναὸν βασιλείας (4 a)  
 64 (65). 4. ἄγιος ὁ ν. σου (4 a)  
 67 (68). 29. ἀπὸ τοῦ ν. σου ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ —  
 σοὶ οἰσονται βασιλεῖς δῶρα (4 a)  
 78 (79). 1. ἐμίαναν τὸν ν. τὸν ἁγίον σου (4 a)  
 137 (138). 2. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἁγίου σου (4 a)  
 143 (144). 12. περικεκασμῆναι ὡς δμοίωμα ναοῦ (4 a)  
 Wi. 8. 14. κληῖρος ἐν ναφ κυρίου θυμῆρεστος —  
 9. 8. οἰκοδομήσαι ναὸν ἐν ὄρει ἁγίῳ σου —  
 Si. 46. 9. ἀκούσονται ποιήσαι ἦχον ἐν ναφ —  
 49. 12. A ἀνύψωσαν ναὸν [B S λαὸν] ἁγίου κυρίου —  
 50. 1. ἐν ἡμέραις αὐτοῦ ἐστερέωσεν τὸν ν. —  
 — 7. ὡς ἥλιος ἐλάμπων ἐπὶ ναὸν ὑψίστου —  
 51. 14. ἔναντι ναοῦ ἡξίου περὶ αὐτῆς —  
 Am. 8. 3. ὀλοῦξαι τὰ φαντάσματα τοῦ ναοῦ (4 a)  
 Jl. 3 (4). 5. ἐρησύνετε εἰς τοὺς ν. [A θησαυροὺς] ὑμῶν (4 a)  
 Jn. 2. 5. ἐπιβλέψαι πρὸς ναὸν [B<sup>1</sup> λαὸν] τὸν ἁγίου σου (4 a)  
 — 8. ἔλθοι . . . ἡ προσευχὴ μου εἰς ναὸν ἁγίου (4 a)  
 Hb. 2. 20. ὁ δὲ κύριος ἐν ναφ ἀγίου αὐτοῦ (4 a)  
 Hg. 2. 10 (9). τοῦ ἀναστήσαι τὸν ν. τοῦτον —  
 — 16 (15). πρὸ τοῦ θείναι λίθον ἐπὶ λίθον ἐν τῷ ν. κυρίου (4 a)  
 — 19 (18). ἥς τεθμελίωται ὁ ν. κ. (4 a)  
 Za. 8. 9. καὶ ὁ ν. ἀφ' οὗ φεκοδόμηται (4 a)  
 Ma. 8. 1. ἤξει εἰς τὸν ν. ἐν αὐτοῦ κύριος (4 a)  
 Is. 68. 6. φωνὴ ἐκ ναοῦ (4 a)  
 Je. 7. 4. ν. κυρίου ν. κυρίου ἐστίν (4 a, 4 a)  
 24. 1. κατὰ πρόσωπον ναοῦ κυρίου (4 a)  
 Ba. 1. 8. τὰ σκεύη οἴκου κυρίου τὰ ἐξενεχθέντα ἐκ τοῦ ν. —  
 Ez. 8. 16. ἐπὶ τῶν προθύρων τοῦ [A om.] ν. κυρίου . . . τὰ ὀπίσθια αὐτῶν [A add. δεδωκότες] πρὸς τὸν ν. τοῦ κυρίου (4 a, 4 a)  
 41. 1. εἰσῆγαγέ με εἰς τὸν ν. (4 a)  
 — 4. κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4 a)  
 — 15. ὁ ν. καὶ αἱ γωνίαι (4 a)  
 — 21. τὸ ἁγίον καὶ ὁ ν. ἀναπαυσόμενος [A -να] τετράγωνος (4 a)  
 — 23. δύο θυρώματα τῷ ν. (4 a)  
 — 25. ἐπὶ τὰ θυρώματα τοῦ ν. Χερ. (4 a)  
 42. 19. διεμέτρησε κατέναντι τοῦ νότου [B<sup>2</sup> ναοῦ] —  
 Da. LXX. 8. (53). εὐλογημένος εἰ ἐν τῷ ν. τῆς ἁγίας δόξης σου —  
 Bel 12. ἐπισφραγίσαι τὰς κλειδας τοῦ ν. —  
 — 13. ἐκβαλόντας πάντας ἐκ τοῦ ν. —  
 — 13. καταστήσαι ὅλον τὸν ν. σποδῶ —  
 — 13. σφραγισμένους τὸν ν. —  
 Da. TH. 8. (53). εὐλογημένος εἰ ἐν τῷ ν. τῆς ἁγίας δόξης σου —  
 4. 26. ἐπὶ τῷ ν. τῆς βασ. αὐ. . . περιπατῶν (4 b)  
 5. 2. ἂ ἐξήνεγκεν . . . ἐκ τοῦ ν. τοῦ ἐν Ἱερ. (4 b)  
 — 3. ἂ ἐξήνεγκεν ἐκ τοῦ ν. τοῦ θεοῦ (4 b)  
 Bel 14. κατέσπισαν ὅλον τὸν ν. —  
 I Ma. 1. 23. τὸν κόσμον . . . τὸν κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. —  
 2. 8. ἐγένετο ὁ ν. αὐ. ὡς ἀνὴρ ἔνδοξος —  
 4. 49. εἰσῆνεγκαν τὴν λυχνίαν . . . εἰς τὸν ν. —  
 — 50. ἐφαίνονσαν ἐν τῷ ν. —  
 — 57. κατεκόσμησαν τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. —  
 7. 36. ἔστησαν κατὰ πρόσωπον . . . τοῦ ν. —  
 10. 80. ἐξετίναξαν τὰς σχίσας εἰς τὸν λαόν [B<sup>1</sup> ναόν] —  
 II Ma. 4. 14. B τοῦ μὲν ν. καταφρονούντες [A al.] —  
 8. 2. οἰκτεῖται δὲ καὶ τὸν ν. —  
 10. 5. τὸν καθαρῶν γενέσθαι τοῦ ν. —  
 14. 35. πύδοκτας ναὸν . . . ἐν ἡμῖν γενέσθαι —  
 15. 18. ὁ περὶ τοῦ καθηγιασμ. ν. φόβος —  
 — 33. τὰ δὲ ἐπίχειρα . . . κατέναντι τοῦ ν. κρεμάσαι —  
 III Ma. 1. 10. εἰς τὸν ν. εἰσελθεῖν —  
 2. 1. B ἐξ ἐναντίας τοῦ ν. κάμψας τὰ γόνατα —  
 5. 17. εἰσελθεῖν εἰς τὸν ν. αὐ. —  
 5. 43. καὶ τὸν ἄβανον αὐ. ἡμῖν ναὸν πυρὶ πρηγνέει —  
 IV Ma. 8. 25. A οὐδὲ αὐτὸς ὁ ν. [B ἔννομος] . . . ἡμᾶς θανατοῖ —  
 [Aq. III Ki. 6. 17: Ps. 5. 8: 44 (45). 9: 47 (48). 10: Pr. 30. 28: Je. 50 (27). 28: Ez. 9. 6.] —  
 [Sm. III Ki. 6. 17: Ps. 5. 8: 26 (27). 4: 44 (45). 9: 47 (48). 10: 67 (68). 30: Pr. 30. 28: Is. 6. 1: 44. 28: Je. 50 (27). 28: Jn. 2. 5.] —  
 [Th. III Ki. 6. 17: Ps. 47 (48). 10: Pr. 30. 28: Is. 6. 1: Je. 50 (27). 28: Ez. 9. 6: Da. 14. 13: Jn. 2. 5.] —  
 [Quint., Sext. Ps. 47 (48). 10.] —  
 [Al. Is. 13. 22.] —  
 νάπη. (1) נָפֶה (2) נָפֶה (3) נָפֶה, נָפֶה  
 (4) נָפֶה (5) נָפֶה (6) נָפֶה  
 Nu. 21. 19 (20). A ἀπὸ Βαμὼδ εἰς νάπη [B Ἰανῶν] (3)  
 24. 6. ὥσπερ νάπη σκιάουσαι (5)  
 De. 3. 29. ἐνεκαθήμεθα ἐν νάπη (3)  
 Jo. 18. 16. κατὰ πρόσωπον νάπης Σ. (3)  
 Is. 40. 12. τίς ἔστησε . . . τὰς ν. (υγῶ) (2)  
 Je. 14. 6. ὄνοι ἀγριοὶ [B ἀναγροὶ] ἔστησαν ἐπὶ νάπης (6)  
 Ez. 6. 3. τάδε λέγει κύριος . . . ταῖς φάραγξί καὶ ταῖς ν. [A<sup>1</sup> ν. κ. ταῖς φ.] (2 [1])  
 36. 4. A τάδε λέγει κύριος . . . ταῖς ν. ταῖς ἐρημωμέναις [B al.] (4)  
 — 6. εἰπὸν . . . ταῖς φάραγξί καὶ ταῖς ν. (3)  
 [Sm. II Ki. 2. 24: Ca. 4. 6.] —  
 [Al. Hb. 3. 6.] —  
 νάρδος. (1) נָרְדָּס  
 Ca. 1. 12. νάρδος μου ἔδωκεν ὁσμήν αὐτοῦ (1)  
 4. 13. κῆπροι μετὰ νάρδων (1)  
 — 14. νάρδος καὶ κρόκος (1)  
 [Aq. Ca. 1. 12.] —  
 ναρκᾶν. (1) נָרְקָא  
 Ge. 32. 25 (26). ἐνάρκησε τὸ πλάτος τοῦ μηροῦ (1)  
 — 32 (33). τὸ νεῦρον δὲ ἐνάρκησεν +  
 — 32 (33). τοῦ νεῦρου δὲ [A καὶ] ἐνάρκησεν +  
 Jb. 33. 19. πληθὺς δὲ τῶν αὐτοῦ ἐνάρκησεν +  
 Da. LXX. 11. 6. ὁ βραχίον αὐ. ναρκᾶσει +  
 [Th. Jb. 33. 19.] —  
 νασειβ (-ίβ). (1) a. נָסִיב δ. נָסִיב c. נָסִיב  
 I Ki. 1. 1. ἐν ν. Ἐφρ. [A al.] +  
 10. 5. ἐκεῖ ν. ὁ ἀλλόφυλος (1 b)  
 13. 3. B ἐπάταξεν Ἰ. τὸν ν. τὸν ἀλλόφυλον (1 a)  
 — 4. B πέπαικε Σ. τὸν ν. τὸν ἀλλόφυλον (1 a)  
 III Ki. 16. 28 (22. 47 [48]). B ν. ὁ βασιλεὺς (1 c)  
 [Al. III Ki. 22. 48.] —  
 νασέφ, νασίφ. (1) נָסִיפ  
 III Ki. 4. 19. ν. [A<sup>2</sup> -ίφ] εἰς [A om.] ἐν γῇ Ἰ. (1)  
 ναύλα.  
 [Aq. Ps. 32 (33). 2.] —  
 [Sm. Ps. 91 (92). 4: 150. 3.] —

ναῦλον. (1) נָחֵל  
Jn. 1. 3. ἈΒΒ<sup>2</sup> ἔθηκε τὸ ναῦλον αὐτοῦ (1)  
ναῦλος.  
[Aq. Ps. 150. 3.]  
ναῦς. (1) א. נָחֵל δ. נָחֵל (2) נָחֵל  
(3) נָחֵל  
I Ki. 5. 6. ἐξέτισαν αὐτοὺς εἰς τὰς ν. [A. ἔδρας] (2, 8\*)  
III Ki. 9. 26. ναῦν . . . τὴν οὖσαν ἐχομένην Αλ. (1 α)  
— 27. ἀπέστειλε Χ. ἐν τῇ ν. (1 α)  
10. 11. ἡ ν. Χ. ἡ αἰρούσα τὸ χρυσίον (1 α)  
— 22. ναῦς Θ. τῷ βασ. ἐν τῇ θαλ. μετὰ τῶν  
νηῶν Χ. μία . . . ἤρχτο τῷ βασ. νῆος (1 α ter)  
16. 28 (22. 48 [49]). Β ἐποίησε ναῦν εἰς Θ. (1 β)  
— 28 (22. 48 [49]). Β συνετίθη ἡ ν. ἐν Γ. (1 β)  
— 28 (22. 49 [50]). Β ἐξαποστελὼν τοὺς παῖδας  
σου . . . ἐν τῇ ν. (1 β)  
22. 49. Α ἐποίησεν νῆας τοῦ πορευθῆναι Ὡ. (1 β)  
— 49. Α συνετίθησαν νῆες ἐν Ἀ. (1 β)  
— 50. Α πορευθῆσαν δούλοι σου . . . ταῖς ν. (1 β)  
II Ch. 9. 21. ναῦς τῷ βασ. ἐπορεύετο (1 β)  
Jb. 9. 26. ἡ καὶ ἐστὶ ναυσὶν ἔχουσ ὁδοῦ (1 β)  
Pr. 24. 54 (30. 19). καὶ τριβῶν νῆος [B<sup>2</sup> -ως]  
ποντοπορεύσῃς (1 β)  
31. 14. ἐγένετο ὥστε ναῦς ἐμπορευομένη μακ-  
ρόθεν (1 β)  
Wi. 5. 10. ὡς ναῦς διερχομένη κυμαίνουμένη ὕδωρ  
Da. Th. 11. 40. συναχθήσεται . . . ἐν ν. πολλαῖς (1 β)  
IV Ma. 7. 1. πηδاليούχων τὴν τῆς εὐσεβείας ν.  
[Aq. III Ki. 22. 49 bis, 50: Ps. 47 (48). 8: Is.  
88. 21.]  
[Sm. Jb. 9. 26: Ps. 47 (48). 8.]  
[Al. III Ki. 22. 49 bis, 50: Is. 43. 14.]  
ναυτίς.  
[Aq. Ez. 27. 9.]  
[Sm. Ez. 27. 29.]  
ναυτικός. (1) נָחֵל (2) נָחֵל  
III Ki. 9. 27. ἀπέστειλε Χ. . . ἄνδρας ν. (1)  
Jn. 1. 5. καὶ ἐφοβήθησαν οἱ ναυτικοί (2)  
ναφά. (1) נָפֵא  
II Ki. 3. 34. Α οὐ προσήγαγεν ὥς ν. [B νάβαλ] (1)  
νάφα. (1)  
Da. LXX. 3. (46). ὑπέκαιον ὑποκάτωθεν αὐτῶν νάφθαν  
Da. Th. 3. (46). κιοῦντες τὴν κάμινον νάφθαν  
ναχάλ. (1) נָחַל  
Je. 38 (31). 40. πάντες ἀσπαρημῶθ ἔως ν. [A. ἔ.  
χειμάρρου ν.] Κέδρων (1)  
ναχαλεί [BB<sup>1</sup>], ναχαλή (A). (1) נָחַל  
I Ch. 11. 32. Οὐρεὶ ἐκ ν. Γάας (1)  
νεάσειν.  
IV Ma. 5. 31. ὥστε . . . μὴ ν. τὸν λογισμὸν  
νεανίας. (1) α. נָחֵל δ. נָחֵל (2) נָחֵל  
(3) α. נָחֵל δ. נָחֵל  
Jd. 16. 26. εἶπε Σ. πρὸς τὸν ν. [A τὸ παιδάριον] (3 α)  
17. 7. ἐγενήθη ν. ἐκ Β. [A. al.] (3 α)  
— 11. ἐγενήθη ὁ ν. παρ' αὐτῷ [A. al.] (3 α)  
19. 3. B<sup>2</sup> R νεανίας [B<sup>1</sup> -νις, A τὸ παιδάριον]  
αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (3 α)  
— 9. αὐτὸς . . . καὶ ὁ ν. [A τὸ παιδάριον] αὐτοῦ (3 α)  
— 11. εἶπεν ὁ ν. [A τὸ παιδάριον] πρὸς τὸν  
κύριον αὐ. (3 α)  
— 13. εἶπε τῷ ν. [A παιδάρι] αὐτοῦ (3 α)  
Ru. 3. 10. τὸ μὴ πορευθῆναι σε ὀπίσω νεανιῶν (1 α)  
I Ki. 20. 31. λάβε τὸν ν. (3 α)  
— 37 (38). ὀπίσω τοῦ ν. (3 α)  
II Ki. 6. 1. συναγαγὲν ἔτι Δ. πάντα ν. (1 α)  
10. 9. Α ἐπέλεξεν ἐκ πάντων ν. [B τῶν νεανί-  
σκων] Ἰσρ. (1 β)  
III Ki. 12. 21. ἑκατὸν καὶ εἰκοσι χιλιάδες νεανιῶν (1 α)  
I Ch. 19. 10. ἐξελέξατο ἐκ παντὸς ν. ἐξ Ἰσρ. (1 α)  
I Es. 8. 91. ΔΒ ἄνδρες καὶ γυναῖκες καὶ [Bom.] νεανία  
Pr. 7. 7. ὃν ἂν ἴδῃ τῶν ἀφρόνων τέκνων νεανίαν  
ἐνδὲ φρενῶν (3 α)  
20. 29. κόσμος νεανίας σοφία (1 α)  
Ca. 2. 15. B ταῖς ν. ὁ νυμφίος ταῖδε

Za. 2. 4 (8). ἀλήθσον πρὸς τὸν ν. [B νεανίσκον] (3 α)  
Da. LXX. 1. 10. παρὰ τοὺς συντρεφόν. ὑμῖν ν.  
τῶν ἀλλογενῶν (2)  
II Ma. 3. 26. ἔτεροι δὲ δύο προεφάτησαν αὐτῷ νεανία  
— 33. οἱ αὐτοὶ ν. πάλιν ἐφάνησαν τῷ Ἰ.  
7. 25. τοῦ δὲ ν. μηδ' ὡς προσέχοντος  
— 30. ὁ ν. εἶπε  
10. 35. B εἰκοσι νεανία . . . πυρωθέντες [A. al.]  
12. 27. νεανία δὲ πρὸ τῶν τειχῶν καθεστῶτες  
IV Ma. 8. 5. ὁ νεανία  
— 27. οἱ ν. βασιανίσθησαν μέλλοντες  
9. 13. περὶ ὃν κατατείνουσαν ὁ εὐγενὴς ν.  
— 21. ὁ μεγαλόφρων καὶ Ἀβραμίου ν.  
— 25. ὁ ἱεροπρεπὴς ν. ἀπέρριξε τὴν ψυχὴν  
14. 9. τὴν θλίψιν τῶν ν. ἐκείνων φρίττομεν  
— 20. ΔΒ τὴν Ἀβρ. ὁμόφρων τῶν ν. [B -ίσκων]  
μητέρα  
[Sm. Is. 9. 6 (5).]  
νεανικός. (1) נָחֵל  
Je. 30. 15 (49. 26). B<sup>1</sup> πεσοῦνται νεανικοί [A B S<sup>2</sup>  
-ίσκοι] ἐν πλατείαις σου (1)  
III Ma. 4. 8. μετὰ ἀκαμίας καὶ ν. ἡλικίας  
νεανικότης.  
[Sext. Ps. 9. 1: 109 (110). 3.]  
νεανιότης.  
[Aq. Ps. 9. 1: 45 (46). 1.]  
νεάνις. (1) α. נָחֵל δ. נָחֵל (2) נָחֵל  
Ex. 2. 8. Ἐλθοῖσα δὲ ἡ ν. ἐκάλεσε (2)  
De. 22. 19. δώσουσι τῷ πατρὶ τῆς ν. (1 β)  
— 20. καὶ μὴ εὐρεθῇ παρθένια τῇ ν. (1 α\*, 1 β)  
— 21. ἐξάξουσιν τὴν ν. (1 α\*, 1 β)  
— 24. τὴν ν. ὅτι οὐκ ἐβόησεν (1 α\*, 1 β)  
— 26. Α Β<sup>2</sup> τῇ δὲ ν. οὐ ποιήσετε οὐδὲν [B<sup>1</sup> R  
al.] (1 α\*, 1 β)  
— 26. Α Β<sup>2</sup> οὐκ ἔστιν τῇ ν. ἀμάρτημα θανάτου  
[B<sup>1</sup> R al.] (1 α\*, 1 β)  
— 27. ἐβόησεν ἡ ν. ἡ μεμνηστευμένη (1 α\*, 1 β)  
— 29. δώσε . . . τῷ πατρὶ τῆς ν. (1 α\*, 1 β)  
Jd. 5. 8. Α σκέπη νεανίδων σιρομαστῶν  
19. 3. B<sup>2</sup> R νεανίας [B<sup>1</sup> νεάνις, A τὸ παιδάριον]  
αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1 α)  
— 3. εἶδεν αὐτὸν ὁ πατήρ τῆς ν. (1 β)  
— 4. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ πατήρ τῆς ν. (1 β)  
— 5. 6. 8. εἶπεν ὁ πατήρ τῆς ν. (1 β)  
— 9. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ πατήρ τῆς ν. (1 β)  
21. 12. εὐρον . . . τετρακοσίας ν. παρθένους  
Ru. 2. 5. τίνος ἡ ν. αὕτη (1 β)  
III Ki. 1. 2. ζητήσάτωσαν . . . παρθένους ν. (1 β)  
— 3. ἐζήτησαν ν. καλὴν (1 β)  
— 4. ἡ ν. καλὴ ἔως σφόδρα (1 β)  
IV Ki. 5. 2. ἡ γαμβροῦς . . . ν. μικράν (1 β)  
— 4. οὗτος καὶ οὗτος ἐλάλησεν ἡ ν. (1 β)  
Ps. 67 (68). 25. ἐν μέσθω νεανίδων τυμπανι-  
στροῶν (2)  
Ca. 1. 3. διὰ τοῦτο νεανίδες ἡγήγησάν σε (2)  
— 4. B ταῖς ν. ἡ νύμφη διηγείται (2)  
— 4. B τῆς νύμφης διηγησάμενης ταῖς ν. (2)  
— 4. B αἱ ν. τῷ νυμφίῳ βοῶσιν (2)  
— 10. B αἱ νεανίδες πρὸς τὴν νύμφην  
2. 4. B ταῖς ν. ἡ νύμφη φησὶν (2)  
— 7. B ταῖς ν. ἡ νύμφη (2)  
— 9. B ἡ νύμφη πρὸς τὰς ν. (2)  
3. 5. B τὰς ν. ὀρκίζει ἡ νύμφη (2)  
6. 7 (8). νεανίδες ὧν οὐκ ἔστιν ἀριθμὸς (2)  
Si. 20. 4. ἐπιθυμία εὐνοῦχοι ἀποπαρθενώσαι νεανίδα  
Da. Th. 11. 6. καὶ ἡ ν. καὶ ὁ κατισχύων αὐτὴν  
III Ma. 4. 6. αἱ δὲ . . . γαμικὸν ὑπερῆλθον παστὸν ν.  
5. 49. γονεῖς παῖσι καὶ μητέρες νεανισιν  
[Aq. Dt. 22. 28: Is. 7. 14.]  
[Sm. Ex. 21. 9: Pr. 30. 19: Is. 7. 14.]  
[Th. Jd. 5. 8: Pr. 9. 3: Is. 7. 14.]  
[Al. I Ki. 9. 11.]  
νεανίσκος. (1) נָחֵל (2) α. נָחֵל δ. נָחֵל  
(3) נָחֵל (4) נָחֵל (5) נָחֵל  
Ge. 4. 23. ἀπέκτεινα . . . νεανίσκον εἰς μῶλωπα (8)  
14. 24. πλὴν ὧν ἐφάγον οἱ ν. (4)  
19. 4. ἀπὸ ν. ἔως πρὸςβυτέρου (4)  
25. 27. ὑψέθησαν δὲ οἱ ν. (4)  
34. 19. οὐκ ἐχρόνισεν ὁ ν. τοῦ ποιῆσαι (4)  
41. 12. ἦν δὲ ἐκεῖ μεθ' ἡμῶν ν. παῖς Ἑβραῖος (4)

Ex. 10. 9. τοῖς ν. [A. add. ἡμῶν] καὶ πρὸςβυτέ-  
ροις (4)  
24. 5. ἐξαπέστειλε τοὺς ν. τῶν νῶν Ἰσραὴλ (4)  
Nu. 11. 27. προσδραμὼν ὁ ν. (4)  
De. 32. 25. νεανίσκος ἐν παρθένῳ (2 α)  
Jo. 2. 1. ἀπέστειλεν Ἰ. . . δύο νεανίσκους (1)  
— 1. πορευθέντες οἱ δύο ν. εἰσῆλθοσαν (1)  
— 23. ἰπείστησαν οἱ δύο ν. (1)  
6. 20 (21). ἀπὸ νεανίσκου καὶ ἔως πρὸςβυτέρου (4)  
— 21 (22). τοῖς δυσὶ ν. . . εἶπεν Ἰ. (1)  
— 22 (23). εἰσῆλθον οἱ δύο ν. (4)  
Jd. 14. 10. οὕτως ποιοῦσιν οἱ ν. (2 α)  
18. 3. ἐπέγνων τὴν φωνὴν τοῦ ν. [A. al.] (4)  
— 15. εἰς τὸν ὄλον τοῦ ν. [A. παιδάριον] (4)  
19. 19. οὗτος ἔστιν . . . τῷ ν. [A. al.] (4)  
20. 16. Α ἐλεγκτοὶ ν. [B al.] (2 α)  
I Ki. 9. 27. εἶπεν τῷ ν. (4)  
17. 55. Α υἱὸς τίνος ὁ ν. οὗτος (4)  
— 56. Α υἱὸς τίνος ὁ ν. οὗτος (5)  
20. 22. ἀν τὰδε εἶπα τῷ ν. (5)  
II Ki. 10. 9. Β ἐπέλεξεν ἐκ πάντων τῶν ν. [A B  
π. νεανιῶν] Ἰσρ. (2 β)  
II Ch. 11. 1. Β ἑκατὸν ὀγδοήκ. χιλιάδες [A B  
-ας] νεανίσκων (2 α)  
36. 17. ἀπέκτεινε τοὺς ν. αὐτῶν (2 α)  
I Es. 1. 53. ἀπέκτειναν τοὺς ν. αὐτῶν  
— 53. οὐκ ἐφείσαντο νεανίσκου  
8. 4. οἱ τρεῖς ν. . . εἶπαν  
— 16. καλέσατε τοὺς ν.  
4. 58. ὅτε ἐξῆλθεν ὁ ν.  
8. 50. εὐχάμεν ἐκεῖ νηστίαν τοῖς ν.  
II Es. 10. 1. ἄνδρες καὶ γυναῖκες καὶ νεανίσκοι (3)  
Ne. 4. 22 (16). B ἑκατὸς μετὰ τοῦ ν. αὐ. αὐλί-  
σθητε (4)  
To. 5. 5. B πόθεν εἶ, νεανίσκε  
— 7. B μείνον με, νεανίσκε [A B al.]  
— 9. B νεανίσκε, ὁ πατήρ καλεῖ σε  
7. 2. ὡς ὁμοῖος ὁ ν. Τωβ.  
8. 1. B ἀπήγαγον τὸν ν.  
Ju. 2. 27. ἐπάταξε πάντας τοὺς ν. αὐτῶν  
6. 16. πᾶς ν. αὐ. καὶ αἱ γυναῖκες  
7. 22. οἱ ν. ἐξέλιπον ἀπὸ τῆς δίψης  
— 23. ἐπισυνήχθησαν . . . οἱ ν.  
10. 9. συντάξαν τοῖς ν.  
16. 5. καὶ τοὺς ν. μὴ ἀνελθὶν ἐν ῥομφαίᾳ  
— 7. οὐ γὰρ ὑπέκεινεν ὁ δυνατὸς αὐ. ὑπὸ νεανίσκων  
Es. 8. 13. B<sup>2</sup> ἀπὸ νεανίσκου (4)  
Jb. 29. 8. ἰδόντες με νεανίσκοι ἐκρύβησαν (4)  
Ps. 77 (78). 63. τοὺς ν. αὐτῶν κατέφαγε πῦρ (2 α)  
148. 12. νεανίσκοι καὶ παρθέναι . . . ἀνεσάτω-  
σαν τὸ δόγμα κυρίου (2 α)  
Pr. 20. 11. συμποδοισθῆται νεανίσκος μετὰ  
ὀπίου (4)  
Ec. 4. 15. εἶδον σύμπαντας τοὺς ζῶντας . . . μετὰ  
τοῦ ν. τοῦ δευτέρου (3)  
11. 9. εὐφραίνου, νεανίσκε, ἐν νεότητι σου (2 α)  
Si. 85 (82). 7. ἀλήθσον, νεανίσκε, εἰ χρεῖά σου  
Am. 2. 11. ἔλαβον . . . ἐκ τῶν ν. ὡμῶν εἰς  
ἀγιασμόν (2 α)  
4. 10. καὶ ἀπέκτεινα ἐν ῥομφαίᾳ τοὺς ν. ὡμῶν (2 α)  
8. 13. ἐκλείψουσιν . . . οἱ νεανίσκοι ἐν δίψει (2 α)  
Jl. 2. 28 (3. 1). καὶ οἱ ν. ὡμῶν ὁράσεις θύονται (2 α)  
Za. 2. 4 (8). ἀλήθσον πρὸς τὸν νεανίαν [B -νίσκον]  
ἐκ. (4)  
9. 17. σίτος νεανίσκος καὶ οἶνος εὐωδιαζών (2 α)  
Is. 3. 4. ἐπιστήσω νεανίσκους ἀρχοντας αὐτῶν (4)  
9. 17 (16). ἐπὶ τοὺς ν. αὐτῶν οὐκ εὐφρανθήσε-  
ται ὁ κύριος (2 α)  
13. 18. τοξόματα νεανίσκων συντρίψουσι (4)  
20. 4. ἄξει βασιλεὺς Ἀσσυρίων . . . νεανίσκους  
καὶ πρὸςβυτάς (4)  
23. 4. οὐδὲ ἐξέβηψα νεανίσκους (2 α)  
31. 9 (8). οἱ δὲ ν. ἴσονται εἰς ἡγῆτμα (2 α)  
40. 30. κοπιῶσιν νεανίσκοι (2 α ?)  
62. 5. ὡς συνοικῶν ν. παρθένῳ (2 α)  
Je. 6. 11. ἐκχεῶ . . . ἐπὶ συναγωγὴν νεανίσκων  
ἀμα (2 α)  
9. 21 (20). τοῦ ἐκτρίψαι . . . νεανίσκους ἀπὸ  
τῶν πλατειῶν (2 α)  
11. 22. οἱ ν. αὐτῶν ἐν μαχαίρᾳ ἀποθανοῦνται [A  
πεσοῦνται] (2 α)  
15. 8. ἐπήγαγον ἐπὶ μητέρα νεανίσκου [B -ου]  
ταλαιπωρίαν (2 α)  
18. 21. οἱ ν. αὐτῶν πεπτωκότες μαχαίρᾳ (2 α)  
27 (50). 30. πεσοῦνται οἱ ν. αὐτῆς ἐν ταῖς  
πλατείαις αὐτῆς (2 α)

Je. 27 (50). 44. πάντα νεανίσκον ἐπ' αὐτὴν ἐπιστήσω (2 a)  
 28 (51). 3. μὴ φέισθητε ἐπὶ νεανίσκους αὐτῆς (2 a)  
 — 22. διασκορπίω ἐν σοὶ νεανίσκον καὶ παρθένον (4)  
 29 (49). 19. τοὺς ν. ἐπ' αὐτὴν ἐπιστήσατε (2 a)  
 30. 15 (49. 26). πεσοῦνται νεανίσκοι [B<sup>1</sup>-ικοί] ἐν πλατείαις σου (2 a)  
 31 (48). 15. ἐκλεκτοὶ νεανίσκοι αὐτοῦ κατέβησαν εἰς σφαγὴν (2 a)  
 38 (31). 13. χαρήσονται παρθένοι ἐν συναγωγῇ νεανίσκων (2 a)  
 La. 1. 18. νεανίσκος [B οὐ ν.] μου ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (2 a)  
 2. 21. νεανίσκοι μου ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (2 a)  
 5. 13. νεανίσκοι ἐν ζύλῳ ἡσθένησαν (4)  
 Ez. 9. 6. πρῶτον καὶ νεανίσκον . . . ἀποκτείνετε (2 a)  
 23. 6. νεανίσκοι καὶ ἐπικλεκτοὶ [A ν. ἐπικλεκτοὺς] (2 a)  
 — 12. νεανίσκοι ἐπικλεκτοὶ πάντες (2 a)  
 — 23. ἐπάξω . . . νεανίσκους ἐπικλεκτοὺς (2 a)  
 30. 17. νεανίσκοι Ἰλίου πόλεως καὶ Βουβάστου ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται (2 a)  
 Da. LXX. Su. 39. 6. δὲ ν. ἐφυγε συγκαλυμμένος (8)  
 1. 4. ἀγαγὲν αὐτὸν . . . ν. ἀνώμους (8)  
 — 13. παρὰ τοὺς ἄλλους ν. τοὺς ἱσθίοντας (8)  
 — 15. κρίσιν τῶν ἄλλων ν. (8)  
 — 17. τοὺς ν. ἔδωκεν ὁ κ. ἐπιστήμην (8)  
 6. 4 (5). γνώμην ἐβουλεύσαντο ἐν ταῖς οὐαῖς οἱ δύο ν. — Da. Th. Su. 21. ἦν μετὰ σοῦ νεανίσκος (8)  
 — 37. ἦλθε πρὸς αὐτὴν νεανίσκος (8)  
 — 40. ἐπρωτῶμεν τίς ἦν ὁ ν. (8)  
 1. 4. εἰσαγαγὲν . . . νεανίσκους (8)  
 I Ma. 1. 26. παρθένου καὶ νεανίσκου ἡσθίονσαν (8)  
 2. 9. οἱ ν. αὐ. ἐν ῥομφαίᾳ ἐχθροῦ (8)  
 14. 9. οἱ ν. ἐνεδούσαντο δόξας (8)  
 II Ma. 7. 12. ἐκπλήσσεισθαί τὴν τοῦ ν. ψυχὴν (8)  
 13. 15. μετὰ ν. ἀρίπτων κεκρυμμένων ἐπιβῶντων (8)  
 IV Ma. 8. 12. δύο νεανίσκοι στρατιώται κηρυτοὶ (8)  
 13. 7. ἡ ἐπὶ τὰς πύργους τῶν ν. εὐλογιστὰ (8)  
 — 9. μιμνήσκωμεν τοὺς τρεῖς . . . ν. (8)  
 14. 12. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> ἡ μήτηρ γὰρ τῶν ἐπτά ν. ἐκ. [A B<sup>1</sup> om.] (8)  
 — 20. B τὴν Ἀβρ. ὁμόψυχον τῶν ν. [A B-ιών] (8)  
 16. 17. B ὕμᾱς δὲ τοὺς ν. [A B-ωτέρους] καταπλάγῃ (8)  
 [Aq. Je. 31 (38). 13.]  
 [Sm. II Ki. 1. 6: Jb. 24. 5: Ps. 77 (78). 31: CA. 5. 15: JE. 6. 11.]  
 [Th. Da. 13. 40.]  
 νεαρός.  
 [Al. Ex. 13. 4.]  
 νέβελ. (1) נֶבֶל  
 I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . ν. οἴνου (1)  
 II Ki. 18. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς . . . ν. οἴνου (1)  
 Ho. 3. 2. γομὸν κριθῶν καὶ νέβελ οἴνου (1)  
 [Aq. Je. 18. 12: 48 (31). 12.]  
 [Sm. I Ki. 1. 24: 10. 3.]  
 [Th. I Ki. 25. 18: Ho. 3. 2.]  
 νέβλ.  
 [Hob. Ps. 91 (92). 4.]  
 νεβρός. (1) נֶבֶר  
 Ca. 2. 9. θμῶν ἐστὶν ἀδελφιδὸς μου . . . νεβρὸν ἐλάφω (1)  
 — 17. ὁμοιωθῇ σὺ . . . νεβρὸν ἐλάφω (1)  
 4. 5: 7. 3 (4). ὡς δύο νεβροὶ διδύμοι δορκάδος (1)  
 8. 14. ὁμοιωθῇ . . . τῷ [A om.] ν. τῶν ἐλάφω (1)  
 [Sm. I Ki. 10. 3.]  
 [Th. Jb. 39. 1.]  
 νεγβαί.  
 [Th. Ez. 20. 46 (21. 2).]  
 νεδδά.  
 [Al. Le. 20. 21.]  
 νελασσα (-ασα). (1) נֶלָסָא  
 Jb. 39. 13. A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> πτέρωδες τερπομένων νελασσα [B B<sup>1</sup> om.] (1)

νέσσα, vid. νέσσα.  
 νεσσαράν (νεσσ.) (1) נֶסְסָא  
 I Ki. 21. 7 (8). συνεχόμενος ν. [A νεσσ.] ἐνώπιον κυρίου (1)  
 νεξέρ. (1) נֶזֶר  
 IV Ki. 11. 12. B ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν ν. [A B al.] (1)  
 [Th., Quint. IV Ki. 11. 12.]  
 νείκος, vid. νίκος. (1) נֶיֶק (2) a. נֶיֶק  
 δ. נֶיֶק  
 Pr. 10. 12. μῖσος ἐγείρει νείκος (2 b)  
 22. 10. συνελεσθήσεται αὐτῷ νείκος (2 a)  
 29. 22. ἀνὴρ θυμώδης ἐγείρει [A B δρύσσει] νείκος (2 a)  
 Ho. 10. 11. Ἐφ. δάμαλις δεδιδαγμένη ἀγαπᾷ νείκος (1)  
 Ze. 3. 5. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> καὶ οὐκ εἰς νείκος [A B<sup>1</sup> S νίκος] ἀδικίαν (1)  
 Ez. 3. 8. A B τὸ ν. [B νίκος] σου κατισχύσω κατέναντι τοῦ ν. [B νίκος] σου (1)  
 — 9. A δέδωκα τὸ ν. σου (1)  
 νεκριμαῖος. (1) נֶקְרִימָיוֹס  
 III Ki. 13. 30. A ἀνέπαυσε τὸ ν. αὐτοῦ [Aq. Dt. 14. 8.] (1)  
 νεκρός. (1) נֶקֶד (2) נֶקֶד (3) נֶקֶד  
 (4) נֶקֶד (5) נֶקֶד  
 Ge. 23. 3. ἀνέστη Ἀβ. ἀπὸ τοῦ ν. αὐτοῦ (8)  
 — 4. θάψω τὸν νεκρόν μου ἐκεῖ ἀπ' ἐμοῦ (8)  
 — 6. θάψον τὸν ν. σου (8)  
 — 6. τοῦ θάψαι τὸν ν. σου ἐκεῖ (8)  
 — 8. ὥστε θάψαι τὸν ν. μου ἀπὸ προσώπου μου (8)  
 — 11. θάψον τὸν ν. σου (8)  
 — 13. καὶ θάψω τὸν ν. μου ἐκεῖ (8)  
 — 15. σὺ δὲ τὸν ν. σου θάψον (8)  
 Le. 21. 5. φθαλάκρμα δὲ ξυρτήσῃσθε τὴν κεφ. ἐπὶ νεκρῷ (8)  
 Nu. 19. 16. δε εἶν ἀψηται . . . νεκροῦ (8)  
 De. 14. 1. οὐκ ἐπιθήσετε . . . ἐπὶ νεκρῷ (8)  
 18. 11. ἐπερωτῶν τοὺς ν. (8)  
 28. 26. ἔσονται οἱ ν. ὑμῶν κατὰ βρωμα (4)  
 Jd. 4. 22. Σεισάρα ἐρριμμένος [A πεπτωκὸς] νεκρός (8)  
 19. 28. ὅτι ἦν νεκρά [A al.] (8)  
 I Ki. 31. 8. ἐρχονται οἱ ἀλλοφ. ἐκδιδύσκουν τοὺς ν. (2)  
 II Ki. 19. 6 (7). πάντες ἡμῖς σήμερον νεκροί (8)  
 III Ki. 8. 22. A ὁ υἱὸς σοῦ ἐστὶν ὁ ν. (8)  
 IV Ki. 19. 35. καὶ ἰδοὺ πάντες σώματα νεκρά (8)  
 23. 30. ἐπεβίβασαν αὐτὸν οἱ παῖδες αὐ. νεκρόν (8)  
 II Ch. 20. 24. πάντες ν. πεπτωκότες ἐπὶ τῆς γῆς (8)  
 To. 2. 8. ἰδοὺ πάλιν θάπτει τοὺς ν. (8)  
 5. 9. B ὥσπερ οἱ ν. οἱ μηκέτι θεωροῦντες τὸ φῶς — 9. B ὡν ἐγὼ ἐν νεκροῖς εἰμι (8)  
 12. 12. ὅτε ἔθαπτες τοὺς ν. (8)  
 — 13. ὅπως ἀπελθὼν περιστελῇ τὸν ν. [B al.] (8)  
 Ju. 2. 8. ποταμὸς ἐπικλύων τοὺς ν. αὐ. πληρωθήσεται (8)  
 6. 4. τὰ πεδία αὐ. πληρωθήσεται [A add. τῶν] νεκρῶν αὐ. (8)  
 14. 15. εὗρεν αὐτὸν . . . ἐρριμμένον νεκρόν (8)  
 Ps. 30 (31). 12. ἐπελήσθη ὡσεὶ νεκρὸς ἀπὸ καρδίας (8)  
 87 (88). 5. ὡς ἀνθρώπος ἀβοήθητος ἐν νεκροῖς ἐλευθερός (8)  
 — 10. μὴ τοῖς ν. ποιᾶσαι θυμῶσιν (8)  
 105 (106). 28. ἔφαγον θυσίας νεκρῶν (8)  
 113. 25 (115. 17). οὐχ οἱ ν. αἰνέσουσι σε (8)  
 142 (143). 3. ἐκίσθη με ἐν σκοτεινοῖς ὡς νεκροῦ αἰῶνος (8)  
 Ec. 9. 3. περιφέρει . . . ὅπισθεν αὐτῶν πρὸς τοὺς ν. (8)  
 — 4. ὁ κύνων ὁ ζῶν αὐτοὺς ἀγαθὸς ὑπὲρ τὸν λείοντα τὸν ν. (8)  
 — 5. οἱ ν. οὐκ εἰσὶ γινώσκοντες οὐδὲν (8)  
 Wi. 4. 18. ἔσονται . . . εἰς ὕβριν ἐν νεκροῖς δι' [A om.] αἰῶνος (8)  
 18. 10. ταλαίπωροι δὲ καὶ ἐν νεκροῖς αἱ ἐλπίδες αὐτῶν (8)  
 — 18. B περὶ δὲ ζῶντων τὸν [A B S τὸ] ν. ἀξιοῖ (8)  
 14. 15. εἰκόνα ποιήσας τὸν τότε [A ποτὲ] ν. ἀνθρωπον (8)  
 15. 5. ποθεῖ τε νεκρὰς εἰκόνας εἰδος ἄπνουν [A ἀγνουν] (8)

Wi. 15. 17. θνητὸς δὲ ὢν νεκρὸν ἐργάζεται χερσὶν ἀνόμοις (8)  
 18. 12. ἐν [B<sup>1</sup> om.] ἐν ὀνόματι θανάτου νεκροῦ εἶχον ἀναριθμήτους (8)  
 — 23. σωρηδὼν γὰρ ἦδη πεπτωκότες ἐπ' ἀλλήλων νεκρῶν (8)  
 19. 3. προσδοκῶμενοι τάφοις νεκρῶν (8)  
 Si. 7. 33. ἐπὶ νεκρῷ μὴ ἀποκώλυτς χάριν (8)  
 8. 7. μὴ ἐπὶ χεῖρ ἐπὶ νεκρῷ (8)  
 17. 28. ἀπὸ νεκροῦ ὡς μηδὲ ὄντος ἀπόλλυται ἐξομολόγησις (8)  
 22. 11. ἐπὶ νεκρῷ κλαῦσον (8)  
 — 11. κλαῦσον ἐπὶ νεκρῷ (8)  
 — 12. πένθος νεκροῦ ἐπὶ τῇ ἡμέρᾳ (8)  
 81 (84). 25. βαπτίζομενος ἀπὸ νεκροῦ καὶ πάλιν ἀπτόμενος αὐτοῦ (8)  
 38. 16. ἐπὶ νεκρῷ κατάγαγε δάκρυα (8)  
 — 23. ἐν ἀναπαύσει νεκροῦ κατάπαυσαν τὸ μνημύσινον (8)  
 48. 5. ὁ ἐγείρας νεκρὸν ἐκ θανάτου (8)  
 Is. 5. 13. πληθὸς ἐγενήθη νεκρῶν διὰ λιμὸν (8)  
 8. 19. τί ἐκζητοῦσι περὶ τῶν ζώντων τοὺς ν. (3)  
 14. 19. ῥήψῃ ἐν τοῖς ὄρεσιν ὡς ν. ἐβδελυγμένος (8)  
 22. 2. οὐδὲ οἱ ν. σου νεκροὶ πολέμων (8)  
 26. 14. οἱ δὲ ν. ζῶντες οὐ μὴ ἰδῶσιν (8)  
 — 19. ἀνστήσονται οἱ ν. (8)  
 34. 3. οἱ δὲ τραυματῆται αὐ. ῥιφθήσονται καὶ οἱ ν. (8)  
 37. 36. εὗρον πάντα τὰ σώματα νεκρά (8)  
 Je. 7. 33. ἔσονται οἱ ν. τοῦ λαοῦ τούτου εἰς βρωμα [A κατὰ βρωμα] (8)  
 9. 22 (21). ἔσονται οἱ ν. τῶν ἀνθρώπων εἰς παραδειγμα (8)  
 19. 7. ὥσως τοὺς ν. αὐτῶν εἰς βρωμα (8)  
 40 (38). 5. πληρώσιν αὐτὴν τῶν [A om.] ν. τῶν ἀνθρώπων (8)  
 Ba. 3. 10. συνεμάνθη τοῖς ν. (8)  
 La. 3. 6. ἐν σκοτεινοῖς ἐκάθισα με ὡς νεκροῦ [A με ἐν σκοτεινοῖς] αἰῶνος (8)  
 Ep. Je. 27. ὥσπερ νεκροῖς τὰ ὄψα αὐτοῖς παρατίθεται (8)  
 — 32. ὥσπερ τινὲς ἐν παραδείπνῳ νεκροῦ (8)  
 — 71. νεκρῷ ἐρριμμένῳ ἐν σκότη ἀφωμόνεται οἱ θεοὶ αὐτῶν (8)  
 Ez. 9. 7. πλησάτε [A -ηρώσ.] τὰς οὐδοὺς νεκρῶν (2)  
 11. 6. ἐπληθύνετε νεκροὺς ὑμῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (2)  
 — 7. τοὺς ν. ὑμῶν οὐς ἐπατάξτε [A ἐφονεύσατε] (2)  
 82. 18. καταβιβάζουσιν αὐτὴν τὰς θυγατέρας τὰ ἐθνη νεκρά (8)  
 37. 9. ἐμφύσησον εἰς τοὺς ν. τούτους (1)  
 II Ma. 12. 44. ὑπὲρ νεκρῶν εἰσχεσθαι (8)  
 IV Ma. 15. 20. καὶ ἐπὶ νεκροῖς [B<sup>1</sup> -οὺς] νεκροὺς πίπτοντας (8)  
 [Sm. Ps. 16 (17). 14: 87 (88). 6, 11: Ec. 9. 3: Is. 26. 19.]  
 [Th. Is. 26. 14, 19: 41. 14.]  
 [Al. Le. 21. 11: Nu. 9. 6: 12. 12.]  
 [Hob. Ez. 44. 25.]  
 νέμειν. (1) נֶמֶן (2) נֶמֶן (3) נֶמֶן (4) נֶמֶן  
 Ge. 38. 24. ὅτε ἐνεμε τὰ ὑποζύγια Σαρ. (4)  
 41. 3. ἐνέμοντο αἱ βόες παρὰ τὰς βόας (2)  
 — 18. καὶ ἐνέμοντο ἐν τῷ ἀγρῷ (2)  
 — 19. A καὶ ἐνέμοντο ἐν τῷ ἀγρῷ (2)  
 Ex. 34. 3. μὴ νεμέσθωσαν πλησίον τοῦ ὄρους (4)  
 Nu. 14. 33. ἔσονται νεμώμενοι ἐν τῇ ἐρήμῳ (4)  
 I Ki. 21. 7 (8). νέμων τὰς ἡμῶνος Σ. (4)  
 Ca. 4. 5. δύο νεβροὶ . . . οἱ νεμώμενοι ἐν κρίνοις (4)  
 Wi. 19. 9. ὡς γὰρ ἱπποὶ ἐνεμήθησαν (4)  
 Si. 49. 13. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> νέμονται [A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> Νεεμίου] ἐπὶ πολὺ τὸ μνημόσυνον (4)  
 Ho. 4. 16. νῦν νεμήσει αὐτοὺς κύριος (4)  
 Mi. 7. 14. νεμήσονται τὴν B. καὶ τὴν Γ. (4)  
 Jn. 3. 7. μηδὲ νεμέσθωσαν (4)  
 Ze. 2. 7. νεμήσονται ἐν τοῖς οἴκοις (4)  
 — 14. καὶ νεμήσονται ἐν μέσῳ αὐτῆς ποίμνια (4)  
 8. 13. αὐτοὶ νεμήσονται καὶ κοιτασθήσονται (4)  
 Je. 27 (50). 19. νεμήσονται ἐν τῷ Καρμὴλ (4)  
 Ez. 19. 7. ἐνέμετο [A add. ἐν] τῷ θράσει αὐτοῦ (4)  
 34. 18. τὴν καλὴν νομὴν ἐνέμεσθε (4)  
 — 19. τὰ πρόβατά μου τὰ πατήματα τῶν ποδῶν ὑμῶν ἐνέμεντο (4)  
 Da. LXX. 4. 12. ὅπως . . . χόρτον ὡς βοὺς νέμῃ (1?)



I Ma. 1. 6. B τοὺς συντροφούς [AB συνεκτρ.] αὐ.  
ἀπὸ [B ἐκ] νεότητος  
2. 66. AB λοχυρὸς δυνάμει ἐκ νεότητος αὐ. [B αὐ.]  
16. 2. ἀπὸ νεότητος ἕως τῆς σημερινῆς ἡμέρας  
IV Ma. 8. 8. ἐντροφήσασταί ταις ν. ὑμῶν  
[Aq. Jb. 38. 25: Ps. 88 (89). 46: Is. 47. 15:  
Je. 31 (38). 19: 48 (31). 11: Ez. 16. 60.]  
[Sm. Jb. 29. 4: Ps. 87 (88). 16: 88 (89). 46:  
109 (110). 3: 126 (127). 4: Is. 47. 15: 54:  
4: 6: Je. 48 (31). 11: Ez. 16. 60: 23. 21:  
Ho. 2. 15 (17).]  
[Th. Jb. 31. 18: 33. 25: Ps. 109 (110). 3: 126  
(127). 4: Is. 47. 15: 54. 4: Ez. 16. 60: Ho.  
2. 15 (17).]  
[Quint. Ps. 109 (110). 3.]  
[Heb. Ge. 6. 6 (5).]  
νεοττός.  
IV Ma. 14. 15. προσοψίζει τῶν ν.  
νεοττοτροφία.  
[Al. Jb. 39. 16.]  
νεοῦν.  
(1) נִי  
Je. 4. 3. νεώσατε ἑαυτοῖς νεώματα (1)  
νεόφυτος. (1) α. נִבְּרָא ב. נִבְּרָא (2) לְהַנִּיחַ  
Jb. 14. 9. ποιήσει δὲ θερισμὸν ὡς περ νεόφυτον (1 α)  
Ps. 127 (128). 3. οἱ υἱοὶ σου ὡς νεόφυτα ἐλαίων (2)  
143 (144). 12. ὡς οἱ υἱοὶ ὡς νεόφυτα ἰδρυμένα  
ἐν τῇ νεότητι αὐτῶν (1 β)  
Is. 5. 7. ἀνθρώπου τοῦ ἰοῦδα νεόφυτον ἡγαπη-  
μένον (1 α)  
νέρ.  
[Heb. Ho. 11. 1.]  
νέσσα (νέσσα). (1) נִבְּרָא  
Jb. 39. 13. ἐὰν συλλάβῃ ἀσία καὶ νέσσα [A  
νέσσα] (1)  
[Th. Jb. 39. 13.]  
νεσσαράν, vid. νεσσαράν.  
νεύειν.  
Pr. 4. 25. τὰ δὲ βλέφαρά σου νεύτω δίκαια +  
21. 1. οὐ δὲ ἐὰν θέλων νεύσαι [AS<sup>3</sup> -ση] ἔκει  
ἐκλινεν αὐτὴν -  
[Aq. Ex. 16. 10: Dt. 1. 40: I Ki. 13. 18: Ps.  
45 (46). 6: Is. 13. 14: 58. 6: La. 4. 15: Ez.  
10. 11: Ma. 2. 13.]  
[Sm. Ma. 2. 13.]  
νεῦμα.  
(1) נִבְּרָא pi.  
Is. 8. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλὴ τραχήλῳ καὶ ἐν  
[AB om.] νεύμασιν ὀφθαλμῶν (1)  
II Ma. 8. 18. B τὸν δὸλον κόμον ἐν [A om.] ἐν ν.  
καταβαλεῖν  
νευρά, νευρέα. (1) נִבְּרָא  
Jd. 16. 7. B ἐὰν δῶσώ με ἐν ἐπτά νευρέας  
[A B -raís] (1)  
— 8. ἀνήνεγκαν . . . ἐπτά νευράς ὑγρὰς  
— 9. B διόσπασε τὰς νευρέας [A B -ράς] (1)  
II Ma. 7. 1. μαστίξαι καὶ νευραὶ αἰκισμοῦ  
[Aq. Sm. Ps. 10 (11). 2.]  
νευροκοπεῖν. (1) נִבְּרָא pi. (2) נִבְּרָא  
Ge. 49. 6. ἐνευροκόπησαν ταῦρον (1)  
De. 21. 4. νευροκόπησιν τὴν δάμαλιν  
— 6. τῆς δαμάλεως τῆς νευροκοπημένης  
Jo. 11. 6. τοὺς ἱπποὺς αὐ. νευροκοπήσεις (1)  
— 9. τοὺς ἱπποὺς αὐ. ἐνευροκόπησε (1)  
[Sm. II Ki. 8. 4.]  
νεῦρον. (1) נִבְּרָא (2) נִבְּרָא  
Ge. 32. 32 (33). οὐ μὴ φάγωσιν . . . τὸ ν. (1)  
— 32 (33). B ἤψατο . . . τοῦ ν. δ [A<sup>2</sup> καὶ] ἐνάρ-  
κησεν -  
49. 24. ἐξέλιθον τὰ ν. βραχιόνων χειρὸς αὐτῶν -  
Jb. 10. 11. ὁστέοις δὲ καὶ νεύροις με ἔνειρας (1)  
30. 17. τὰ δὲ ν. μου διαλελυτά (1)  
40. 12 (17). τὰ δὲ ν. αὐτοῦ [A αὐ. ὡς περ σχοί-  
νια] συμπεπλεκταί (1)  
Pr. 24. 23 (29. 27). σὺν νεύροις ἀνθρώπου  
[A -ου] ἀναλίσκει -  
Is. 48. 4. ν. σιδηροῦν ὁ τράχηλός σου (1)

Ex. 37. 6. δάσω ἐφ' ὑμᾶς νεῦρα (1)  
— 8. ἐπ' αὐτὰ νεῦρα καὶ σάρκες ἐφύοντο (1)  
IV Ma. 7. 13. κεκμηκέναι δὲ καὶ τῶν ν.  
νεφέλη. (1) נִבְּרָא (2) נִבְּרָא (3) נִבְּרָא  
(4) נִבְּרָא (5) נִבְּרָא (6) α. נִבְּרָא β. נִבְּרָא  
(7) נִבְּרָא  
Ge. 9. 13. τὸ τόξον μου τίθημι ἐν τῇ ν. (8 α)  
— 14. ἐν τῷ συννεφίῳ με νεφέλαις (8 α)  
— 14. ὀφθησεται τὸ τόξον μου ἐν τῇ ν. (8 α)  
— 16. καὶ ἔσται τὸ τόξον μου ἐν τῇ ν. (8 α)  
Ex. 13. 21. ἡγήτο αὐτῶν . . . ἐν στύλῳ νεφέλης (8 α)  
— 22. οὐκ ἐξέλιπε δὲ ὁ στύλος τῆς ν. (8 α)  
14. 19. ἐξῆρε δὲ καὶ ὁ στύλος τῆς ν. (8 α)  
— 24. ἐν στύλῳ πυρὸς καὶ νεφέλης (8 α)  
16. 10. ἡ δόξα κυρίου ὥφθη ἐν νεφελῇ (8 α)  
19. 9. παραγινόμεναι . . . ἐν στύλῳ νεφέλης (8 α)  
— 13. ὅταν . . . ἡ ν. ἀπέλθῃ -  
— 16. ἐγίνοντο φωναὶ . . . καὶ ν. γνοφώδης (8 α)  
24. 15. καὶ ἐκάλυπεν ἡ ν. τὸν δρόσον (8 α)  
— 16. καὶ ἐκάλυπεν αὐτὸ ἡ ν. ἐξ ἡμέρας (8 α)  
— 16. ἐκάλεσε κ. τὸν Μωσῆν . . . ἐκ μέσου τῆς ν. (8 α)  
— 18. ἐσθλὴν Μ. εἰς τὸ μέσον τῆς ν. (8 α)  
33. 9. κατέβαιναν ὁ στύλος τῆς ν. (8 α)  
— 10. ἰώρα . . . τὸν στύλον τῆς ν. ἐστῶτα (8 α)  
34. 5. καὶ κατέβη κύριος ἐν νεφελῇ (8 α)  
40. 34. ἐκάλυπεν ἡ ν. τὴν σκηνὴν (8 α)  
— 35. ἐπισκίαζεν ἐπ' αὐτὴν ἡ ν. (8 α)  
— 36. ἡνίκα δ' ἂν ἀνέβῃ ἡ ν. (8 α)  
— 37. εἰ δὲ μὴ ἀνέβῃ ἡ ν. (8 α)  
— 37. ὡς ἡμέρας ἦς ἀνέβῃ ἡ ν. -  
— 38. ν. γὰρ ἦν ἐπὶ τῆς σκηνῆς ἡμέρας (8 α)  
Le. 16. 2. ἐν γὰρ νεφελῇ ὀφθησάμεναι (8 α)  
Nu. 9. 15. ἐκάλυπεν ἡ ν. τὴν σκηνὴν (8 α)  
— 16. ἡ ν. ἐκάλυπτεν αὐτὴν ἡμέρας (8 α)  
— 17. ἡνίκα ἀνέβῃ ἡ ν. (8 α)  
— 17. οὐ δὲ ἔσθη ἡ ν. (8 α)  
— 18. ἐν αἷς σκιάει ἡ ν. (8 α)  
— 19. ὅταν ἐφέλκῃται ἡ ν. (8 α)  
— 20. ὅταν σκεπᾶσθαι ἡ ν. (8 α)  
— 21. ὅταν γίνῃται ἡ ν. ἀφ' ἑσπέρας ἕως πρωῆ  
καὶ ἀναβῇ ἡ ν. τὸ πρωῆ (8 α, 8 α)  
— 21. A καὶ ἀναβῇ ἡ ν. (8 α)  
— 22. πλεοναχούσης τῆς ν. [A om. τ. ν.] (8 α)  
10. 11. ἀνέβῃ ἡ ν. (8 α)  
— 12. ἔσθη ἡ ν. ἐν τῇ ἐρήμῳ τοῦ Φ. (8 α)  
— 34. ἡ ν. ἐγένετο σκιάουσα ἐπ' αὐτοῖς (8 α)  
11. 25. κατέβη κύριος ἐν νεφελῇ (8 α)  
12. 5. κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης (8 α)  
— 10. ἡ ν. ἀπέστη ἀπὸ τῆς σκηνῆς (8 α)  
14. 10. ἡ δόξα κυρίου ὥφθη ἐν νεφελῇ +  
— 14. ἡ ν. σου ἐφίστηεν ἐπ' αὐτῶν (8 α)  
— 14. ἐν στύλῳ νεφέλης σὺ περεύῃ (8 α)  
16. 42 (17. 7). ἐκάλυπεν αὐτὴν ἡ ν. (8 α)  
De. 1. 33. καὶ ἐν νεφελῇ ἡμέρας (8 α)  
31. 15. κατέβη κύριος ἐν νεφελῇ [A στύλῳ  
νεφέλης] (8 α)  
— 15. ἔσθη ὁ στύλος τῆς ν. (8 α)  
Jo. 24. 7. ἔδωκε νεφέλην καὶ γνόφον (2)  
Jd. 5. 4. αἱ [A om.] ν. ἔστασαν ὕδωρ (4)  
II Ki. 22. 12. ἐπάχυνεν ἐν νεφέλαις ἀέρος [A  
-ων] (4)  
III Ki. 8. 10. ἡ ν. ἐπλησε τὸν οἶκον (8 α)  
— 11. ἀπὸ προσώπου τῆς ν. (8 α)  
18. 44. ν. μικρὰ ὡς ἔχρον ἀνδρός (4)  
— 45. ὁ οὐρανὸς συννεκώσατο νεφέλαις (4)  
II Ch. 5. 13. οἱ οἴκοι ἐνεπλήσθη νεφέλης δόξης  
κυρίου (8 α)  
— 14. A<sup>2</sup> B ἀπὸ προσώπου τῆς ν. [A<sup>1</sup> om. τ. ν.] (8 α)  
Ne. 9. 12. ἐν στύλῳ νεφέλης ὠδήγησας αὐτοὺς (8 α)  
— 19. τὸν στύλον τῆς ν. οὐκ ἐξέκλινας (8 α)  
Jb. 22. 14. A<sup>2</sup> B νεφέλη [B νέφη] ἀποκρυφῇ  
[B -ῆς] αὐτοῦ (4)  
26. 8. δεσμεύων ὕδωρ ἐν νεφέλαις αὐτοῦ (4)  
35. 4 (5). κατέμαθε δὲ [A τὰ] νέφη [B<sup>1</sup> δὲ  
νεφέλη] (7)  
36. 27. ἐπιχυθίσονται ὑπερῷ εἰς νεφέλην (1)  
— 29. ἐὰν συνη [A B<sup>2</sup> -ῆς] ἀπέκτασις [A B<sup>3</sup>  
ἐπέκτασιν] νεφέλης (4)  
37. 11. ἐκλεκτὸν καταπλάσσει [A B<sup>2</sup> -ῆσσει]  
νεφέλη (4)  
Ps. 17 (18). 11. σκοτεινὸν ὕδωρ ἐν νεφέλαις ἀέρων (4)  
— 12. ἀπὸ τῆς θλαυνήσεως ἐνώπιον αὐτοῦ αἱ  
ν. διηλθον (4)  
35 (36). 5. καὶ ἡ ἀληθεία σου ἕως τῶν ν. (7)

Ps. 56 (57). 10. ἕως τῶν ν. ἡ ἀληθεία σου (7)  
67 (68). 34. ἡ δύναμις αὐτοῦ ἐν ταῖς ν. (7)  
76 (77). 17. φωνὴν ἔδωκαν αἱ ν. (7)  
77 (78). 14. ὠδήγησεν αὐτοὺς ἐν νεφελῇ ἡμέρας (8 α)  
— 23. ἐνετείλατο νεφέλαις ὑπερανῶθεν (7)  
88 (89). 6. τίς ἐν νεφέλαις ἰσωθῆσεται τῷ κυρίῳ (7)  
96 (97). 2. νεφέλη καὶ γνόφος κύκλω αὐτοῦ (8 α)  
98 (99). 7. ἐν στύλῳ νεφέλης ἐλάλει πρὸς αὐτοὺς (8 α)  
103 (104). 3. ὁ τιθεὶς νέφη τὴν [B<sup>1</sup> νεφέλην]  
ἐπίβασιν αὐ. (4)  
104 (105). 39. διεπέτασε νεφέλην [B<sup>1</sup> -η] εἰς  
σκεπὴν αὐτοῖς (8 α)  
107 (108). 4. ἕως τῶν ν. ἡ ἀληθεία σου (7)  
134 (135). 7. ἀνάγων νεφέλαις ἐξ ἐσχάτου τῆς  
γῆς (8)  
146 (147). 8. τῷ περιβάλλοντι τὸν οὐρανὸν ἐν  
νεφέλαις (4)  
Ec. 11. 4. βλέπων ἐν ταῖς ν. οὐ βέβαιος (4)  
Wi. 2. 4. παρελεύσεται ὁ βίος ἡμῶν ὡς ἔχρη νεφέλης  
5. 21. B ὡς ἀπὸ εὐκύνου τόξου τῶν ν. [A B νεφῶν]  
19. 7. ἡ τὴν παρεμβολὴν σκιάουσα ν. [A τῇ . . .  
σκιάουσα ν.]  
Si. 13. 23. τὸν λόγον αὐτοῦ ἀνύψωσαν ἕως τῶν ν.  
24. 4. ὁ ὁρόνος μου ἐν στύλῳ νεφέλης  
32 (35). 16. ἡ θέσις αὐτοῦ ἕως νεφελῶν συνάψει  
— 17. προσευχὴ ταπεινῶ νεφέλαις διηλθε  
— 20. ὡς νεφέλαι ἱετοῦ ἐν καιρῷ ἀβροχίας  
43. 14. ἐξέστησαν νεφέλαι ὡς πετεινὰ  
— 15. ἐν μεγάλῳ αὐτοῦ ἰσχυρὸς νεφέλαις [A -αῖς]  
50. 6. ὡς ἀστὴρ ἐωθίον ἐν μέσῳ νεφέλης [B -ὦν]  
— 7. ὡς τόξον φωτίζον [B -ων] ἐν νεφέλαις δόξης  
— 10. ὡς κυπάριστος ὑψομένη ἐν νεφέλαις  
Ho. 6. 5 (4). τὸ δὲ ἔλεος ὑμῶν ὡς νεφέλη πρωῆν (8 α)  
13. 3. διὰ τοῦτο ἔσονται ὡς νεφέλη πρωῆν (8 α)  
Jl. 2. 2. ἡμέρα νεφέλης καὶ ὀμίχλης (8 α)  
Na. 1. 3. καὶ νεφέλαι κοινοῦσιν ποδῶν αὐτοῦ (8 α)  
Ze. 1. 15. ἡμέρα νεφέλης καὶ ὀμίχλης (8 α)  
Za. 2. 13 (17). ἐξεγγήγερται καὶ νεφελὼν ἀγίων  
αὐτοῦ +  
Is. 4. 5. πάντα τὰ περικύκλω αὐτῆς σκιάσει ν.  
ἡμέρας (8 α)  
5. 6. ταῖς ν. ἐντελοῦμαι τὸ μὴ βρέξαι εἰς αὐτὸν  
ὑέτον (4)  
14. 14. A<sup>2</sup> ἀναβήσομαι ἐπάνω τῶν ν. [B  
νεφῶν] (4)  
18. 4. ὡς ν. ὁρόσου ἡμέρας ἀμνητοῦ ἔσται πρὸ  
τοῦ θερισμοῦ (4)  
19. 1. ἰδοὺ κύριος καθῆται ἐπὶ νεφέλης κούφης (4)  
44. 22. ἀπῆλθον ὡς νεφέλην τὰς ἀνομίαις σου (4)  
45. 8. αἱ [B<sup>1</sup> om.] ν. βαντίωσαν δικαιοσύνην (7)  
60. 8. τίνες οἶδε ὡς νεφέλαι πέτανται (4)  
Je. 4. 13. ὡς ν. ἀνυβήσεται (8 α)  
10. 13. ἀνήγαγε νεφέλαις ἐξ ἐσχάτου τῆς γῆς (3)  
28 (51). 16. ἀνήγαγε νεφέλαις ἀπ' ἐσχάτου τῆς  
γῆς (3)  
Ba. 3. 29. κατεβίβασεν αὐτὴν ἐκ τῶν ν.  
La. 3. 44. ἐπεσκέπασαν νεφέλην σεαυτῷ (8 α)  
Ep. Je. 62. νεφέλαις [A -λη] ὅταν ἐπιταγῇ ὑπὸ τοῦ  
θεοῦ ἐπιπορεύεσθαι ἐφ' ὅλην τὴν οἰκου-  
μένην  
Ez. 1. 4. ν. μεγάλη ἐν αὐτῷ (8 α)  
— 20. οὐ δὲ ἦν ἡ ν. ἐκεῖ τὸ πνεῦμα τοῦ πορευ-  
εσθαι -  
— 28. A<sup>2</sup> B ὡς θρασὺς τόξον ὅταν ἦ ἐν τῇ ν. (8 α)  
10. 3. ἡ ν. ἐπλησε τὴν αὐλὴν τῆς ἱερωτείας σου (8 α)  
— 4. ἐπλησε [B<sup>1</sup> ἐνέπλ.] τὸν οἶκον ἡ ν. (8 α)  
30. 3. A<sup>2</sup> B ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κυρίου ἡμέρα νεφέ-  
λης [B om.] (8 α)  
— 18. ταύτην νεφέλη καλύψει (8 α)  
31. 3. εἰς μέσον νεφελῶν [A τῶν ν.] ἐγένετο ἡ  
ἀρχὴ αὐτοῦ (5)  
— 10. ἔδωκε τὴν ἀρχὴν σου εἰς μέσον νεφελῶν  
[A τῶν ν.] (5)  
— 14. ἔδωκεν [A οὐκ ἔ.] τὴν ἀρχὴν αὐτῶν εἰς  
μέσον νεφελῶν (5)  
32. 7. ἡλιον ἐν νεφελῇ καλύψω (8 α)  
34. 12. ἐν ἡμέρᾳ ὅταν ἦ γνόφος καὶ ν. [A ἡ  
γνόφος κ. νεφέλης] . . . ἐν ἡμέρᾳ  
νεφέλης καὶ γνόφου (-, 8 α)  
38. 9. ἤξει ὡς νεφέλη κατακαλύψει γῆν (8 α)  
— 16. ἀναβήσῃ ἐπὶ τὸν λαὸν μου Ἰσραὴλ ὡς ν. (8 α)  
Da. LXX. 8. (73). εὐλογεῖτε . . . νεφέλαι τὸν κυριον  
4. 9. καὶ τὸ κύτος αὐ. ἕως τῶν ν. -  
— 19. καὶ τὸ κύτος αὐ. ἀφασθαι τῶν ν. -  
7. 13. ἐπὶ τῶν ν. τοῦ οὐρανοῦ (8 β)  
Da. TH. 3. (73). εὐλογεῖτε . . . νεφέλαι τὸν κυριον

Da. Th. 7. 13. μετὰ τῶν ν. τοῦ οὐρανοῦ (6 δ)  
 II Ma. 2. 8. ἀφθήσεται . . . ἡ ν.  
 [Aq. Ex. 14. 20: Dt. 4. 11: Jc. 51 (28). 9: Ez.  
 8. 11: 80. 3.]  
 [Sm. Ex. 14. 20: Dt. 4. 11: Jb. 7. 9: 36. 29:  
 37. 11: 88. 9: Ec. 12. 2: Jc. 51 (28). 9: Ez.  
 80. 3.]  
 [Th. Dt. 4. 11: Jb. 36. 27, 29: 37. 11: Ez.  
 8. 11: 10. 4: 80. 3.]  
 [Al. Gz. 9. 14: Lx. 16. 13.]

νεφθά. (1) נִפְתָּא

III Kī. 4. 11. B νιού Ἀμ. πᾶσα ν. Δώρ [A B al.] (1)

νέφος. (1) נֶפֶס (2) נֶפֶס (3) נֶפֶס (4) נֶפֶס

(5) νέφη χρυσαυγούτα ΝΨ

Jb. 7. 9. ὥσπερ νέφος ἀποκαθάρθην ἀπ' οὐρανοῦ (2)  
 20. 6. ἡ δὲ θυσία αὐτοῦ νεφῶν ἀνήγει (3)  
 22. 14. B νέφη [A B νεφέλη] ἀποκρυφῇ [B -ης] (2)  
 αὐτοῦ (2)  
 26. 8. οὐκ ἐράργει νέφος ὑποκάτω αὐτοῦ (3)  
 — 9. ἐκπετάζων [A σκέπων] ἐπ' αὐτὸν νέφος (3)  
 αὐτοῦ (3)  
 30. 15. ὥσπερ νέφος ἡ σωτηρία μου [A μ. παρ-  
 ἥλθεν] (2)  
 35. 4 (5). κατὰμθε δὲ [A τὰ] νέφη [B<sup>1</sup> -φέλη] (4)  
 36. 28. ἐκίπασε δὲ νέφη (4)  
 37. 11. διασκορπίει νέφος φῶς αὐτοῦ (3)  
 — 16. ἐπίσταται [A -σαι] δὲ διάκρισιν [B  
 -θεσιν] νεφῶν (2)  
 — 21. ὥσπερ τὸ παρ' αὐτοῦ ἐπὶ νεφῶν [A ν.  
 ἐξήλθεν] (4) (?)  
 — 22. ἀπὸ βορρᾶ νέφη χρυσαυγούτα (5)  
 38. 1. εἶπεν ὁ κύριος τῷ Ἰωβ διὰ λαίλαπος καὶ  
 νεφῶν [A -ους] — (2)  
 — 9. ἐθέμην δὲ αὐτῇ νέφος ἀμφίσιν (2)  
 — 34. καλῶσαι δὲ νέφος φωνῇ (2)  
 — 37. τίς δὲ ὁ ἀριμῶν νέφη σοφία [B<sup>1</sup> al.] (2)  
 40. 1 (6). εἶπε τῷ Ἰωβ ἐκ [A διὰ] τοῦ ν. (2)  
 Ps. 108 (104). 3. ὁ τιθεὶς νέφη τὴν [B<sup>1</sup> νεφέλην]  
 ἐπιβάσιν αὐτοῦ (2)  
 Pr. 3. 20. νέφη δὲ ἐρύγησαν δρόσους [B<sup>1</sup> -φ] (4)  
 8. 28. ἰσχυρά ἐπιοῦν τὰ ἄνω νέφη (4)  
 16. 15. οἱ δὲ προσδεκτοὶ αὐτῶ ὥσπερ νέφος  
 ὄψμων [B<sup>1</sup> -οι] (2)  
 25. 14. ὥσπερ ἄνθρωποι καὶ νέφη καὶ ὑετοὶ ἐπι-  
 φανέσονται (1) (?)  
 — 23. ἄνεμος βορέας ἐξεγείρει νέφη (2)  
 Ec. 11. 3. ἐὰν πληθῶσι [A B πληρωθῶσι] τὰ ν.  
 υἱοῦ (2)  
 12. 2. ἐπιστρέψουσιν τὰ ν. ὀπίσω τοῦ υἱοῦ (2)  
 Wī. 5. 21. ὡς ἀπὸ εὐκύνου τόξου τῶν ν. [B νεφελών]  
 Is. 14. 14. ἀναβήσονται ἐπάνω τῶν ν. [A B -φελών] (2)  
 [Th. Jb. 26. 9: Is. 25. 5:]  
 [Sm. Ex. 14. 20:]

νεφρός. (1) נֶפֶס

Ex. 29. 13. λήψῃ . . . τοὺς δύο νεφροὺς (1)  
 — 22. τὸν λοβὸν τοῦ ἥπατος καὶ τοὺς δύο ν. (1)  
 Le. 3. 4. καὶ τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ (1)  
 — 4. τὸν λοβὸν τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς ν. (1)  
 — 10. ἀμφοτέρους τοὺς ν. καὶ τὸ στέαρ (1)  
 — 10. τὸν λοβὸν τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς ν. (1)  
 — 15. ἀμφοτέρους τοὺς ν. καὶ πᾶν τὸ στέαρ (1)  
 — 15. τὸν λοβὸν τοῦ ἥπατος σὺν τοῖς ν. (1)  
 4. 9. τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 — 9. καὶ τὸν λοβὸν . . . σὺν τοῖς ν. (1)  
 6. 34 (7. 4). τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ (1)  
 — 34 (7. 4). τὸν λοβὸν τὸν ἐπὶ τοῦ ἥπατος  
 σὺν τοῖς ν. (1)  
 8. 16. τὸν λοβὸν . . . καὶ ἀμφοτέρους τοὺς ν. (1)  
 — 24 (25). καὶ τοὺς δύο ν. καὶ τὸ στέαρ (1)  
 9. 10. καὶ τὸ στέαρ καὶ τοὺς ν. (1)  
 — 19. τοὺς δύο νεφροὺς καὶ τὸ στέαρ (1)  
 De. 32. 14. μετὰ στέατος νεφρῶν πυροῦ (1)  
 Jb. 16. 14 (13). ἐκύλωσάν με λόγχαις βάλλοντες  
 εἰς νεφροὺς μου (1)  
 Ps. 7. 9. ἐτάζων καρδίαν καὶ νεφροὺς ὁ θεός (1)  
 15 (16). 7. ὥς νυκτὸς ἐπαίδευσάν με οἱ ν. μου (1)  
 25 (26). 2. πύρρουν τοὺς ν. μου (1)  
 72 (73). 21. οἱ ν. μου ἠλλοιώθησαν (1)  
 138 (139). 13. σὺ ἐκτίσας τοὺς ν. μου (1)  
 Wī. 1. 6. τῶν ν. αὐτοῦ μάρτυς ὁ θεός (1)  
 Jc. 11. 20. δοκιμάζων νεφροὺς καὶ καρδίας (1)  
 12. 2. πόρρω ἀπὸ τῶν ν. αὐτῶν (1)  
 17. 10. ἐτάζων καρδίαν καὶ δοκιμάζων νεφροὺς (1)

Je. 20. 12. κύριε . . . συνίω νεφροὺς καὶ καρδίας (1)  
 La. 3. 13. εἰσάγαγον τοὺς ν. μου τοὺς φαρέτρας  
 αὐτοῦ (1)

I Ma. 2. 24. ἐτρόμησαν οἱ ν. αὐ. (1)

[Aq. Is. 34. 6.]

[Sm. Ps. 72 (73). 21: Pr. 23. 16: Is. 34. 6.]

[Th. Jb. 19. 27: Ps. 7. 10: Is. 34. 6.]

νεφῶδες. (1) [Aq. Is. 13. 2.]

νεφῶσις. (1) [Aq. Jb. 8. 5.]

νεχῶθ. (1) α. נֶחֱוָה δ. נֶחֱוָה

IV Kī. 20. 13. ἔδειξεν αὐτοῖς δλον τὸν οἶκον  
 τοῦ ν. (1 a<sup>2</sup>, 1 b)

Is. 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον τοῦ ν. (1 a)

νεχῶθ. (1) נֶחֱוָה

Is. 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον τοῦ νεχῶθ [B<sup>1</sup>  
 -τά] (1)

νέωμα. (1) נֶוָה

Je. 4. 3. νεώσατε ἑαυτοὺς νεώματα (1)

νέως. (1) נֶוָה

II Ma. 6. 2. A μολύνει δὲ καὶ τὸν ἐν Ἱερ. νεώ [B -ών]

9. 16. A δὲν δὲ πρότερον ἐσκύλευσεν ἅγιον νεώ [B  
 -ών]

10. 3. B τὸν νεών [A ναῖς] καθαρῶσαντες

— 5. ἐν ᾗ δὲ ἡμ. ὁ ν. . . . βεβηλώθη

13. 23. ἐτίμησεν τὸν νεών

14. 33. B προτείνας τὴν δεξιάν εἰς [A ἐπὶ] τὸν νεώ

νεωστή (-ει).

Ju. 4. 3. ν. πᾶς ὁ λαὸς συνελέετο

νεωτερίζειν.

IV Ma. 8. 21. πρὸς τὴν κοινὴν νεωτερίσαντες ὁμό-  
 νων

νεωτετικός.

III Ma. 4. 8. ἀντὶ εὐνοχίας καὶ ν. βαθυμίας

νῆ. (1) נֶה נῆ τὴν ὑγίειαν ἢ

Ge. 42. 15. 16. νῆ τὴν ὑγίειαν Φαραώ (1)

[Sm. I Kī. 1. 26: II Kī. 15. 21.]

νῆθιν. (1) α. נֶה δ. נֶה (2) נֶה hop.

Ex. 28. 31. ὑακίνθου . . . καὶ βύσσου νεση-  
 μένης (2)

35. 25. σοφὴ τῇ διανοῇ ταῖς χερσὶ νῆθιν (1 a)

— 25. ἤνεγκαν νεσημένα (1 b)

— 26. αἱ γυναῖκες . . . ἔνησαν τὰς τρίχας (1 a)

36. 9 (39. 2). κοκκίνου νεσημένου (2)

— 32 (39. 24). κοκκίνου νεσημένου (2)

— 37 (39. 29). κοκκίνου νεσημένου (2)

37. 3 (36. 35). καὶ κοκκίνου νεσημένου (2)

— 5 (36. 37). κοκκίνου νεσημένου καὶ βύσσου (2)

— 16 (38. 18). ἔργον . . . κοκκίνου νεσημένου (2)

[Sm., Th. Ex. 39. 1 (13).]

νηκτός.

Wī. 19. 19. νηκτὰ μετέβαιναν ἐπὶ γῆς

νημα.

[Sm. Ge. 14. 23.]

[Al. Ca. 6. 5 (6).]

νηποκτόνος.

Wī. 11. 7. εἰς ἔλεγχον νηποκτόνου διατάγματος

νήπιος. (1) נֶה (2) παιδίον ν. נֶה (3) α. נֶה

δ. נֶה (4) נֶה, נֶה (5) נֶה

I Kī. 15. 3: 22. 19. ἀπὸ νηπίου ὥς θηλάζοντος (4)

IV Kī. 8. 12. τὰ ν. αὐτῶν ἐνείσει (4)

Ju. 4. 10. καὶ τὰ ν. αὐ. καὶ τὰ κτήνη αὐ. (4)

— 12. τοῦ μὴ δοῦναι εἰς διαρπαγὴν τὰ ν. αὐ. (1)

7. 22. ἡδύμουν τὰ ν. αὐτῶν (1)

— 27. οὐκ ὀφύμεθα τὸν θάνατον τῶν ν. ἡμῶν (1)

16. 5. καὶ τὰ ν. μου ὥσπερ εἰς προνομῆν (1)

Es. 8. 11. B<sup>1</sup> τοὺς θλίβοντας αὐτοὺς νήπια καὶ  
 γυναῖκας (1)

Jb. 3. 16. ὥσπερ νήπιοι οἱ οὐκ εἶδον φῶς (1)

24. 12. ψυχὴ δὲ νηπίον ἐστένεζε μέγα (1)

31. 10. τὰ δὲ ν. μου ταπεινωθήει (1)

Jb. 33. 25. ἀπαυκνί δὲ αὐτοῦ τὰς σάρκας ὥσπερ  
 νηπίου (3 a)

Ps. 8. 2. ἐκ στόματος νηπίων καὶ θηλαζόντων  
 κατηρίσας αὐτῶν (4)

16 (17). 14. ἀφῆκαν τὰ κατάλοιπα τοῖς ν. αὐτῶν (4)

18 (19). 7. ἡ μαρτυρία κυρίου πιστὴ σοφίζουσα  
 νήπια (5)

68 (64). 7. βέλος νηπίων ἐγενήθησαν αἱ πλη-  
 γαὶ αὐτῶν (4)

114 (116). 6. φυλάσσω τὰ ν. ὁ κύριος (5)

118 (119). 130. ἡ δόλωσις τῶν λόγων σου . . .  
 συνετιεῖ νηπίους (5)

136 (137). 9. ἐδαφίει τὰ ν. σου πρὸς τὴν πέτραν (4)

Pr. 1. 32. ἀνθ' ὧν γὰρ ἡδίκουν νηπίους (5)

23. 13. μὴ ἀπόσχη νηπίον παιδεύειν [A -ων] (5 b)

Wi. 10. 21. γλώσσας νηπίων ἔθηκε τρανὰς (2)

12. 24. νηπίων δικὴν ἀφρόνων ψευδοῦντες (4)

15. 14. τάλαντες ὑπὲρ ψυχῆν [A -ας] νηπίον [A -ων]

18. 5. βουλευσαμένους δ' αὐτοὺς τὰ τῶν ὁσίων ἀπο-  
 κτείναι ν. (4)

Si. 30. 12. θλάσων τὰς πλευρὰς αὐτοῦ ὡς [A ἔως]  
 ἔστι νήπιος (4)

Ho. 11. 1. ὅτι νήπιος Ἰσ. (3 b)

Jl. 2. 16. συναγάγετε νήπια θηλάζοντα μαστούς (4)

Na. 8. 10. καὶ τὰ ν. αὐτῆς ἐδαφίουν (4)

Is. 11. 8. παιδίον νηπίον ἐπὶ τραυλῶν [A B -ην]  
 ἀσπίδων (2)

Je. 6. 11. ἐκχεῶ ἐπὶ νήπια ἔξωθεν (4)

9. 21 (20). τοῦ ἐκτρίψαι νήπια ἔξωθεν (4)

50 (43). 6. A B τὰς γυναῖκας καὶ τὰ ν. [B B  
 om. τ. ν., A add. καὶ] τὰ λοιπὰ (1)

51 (44). 7. ἐκκόψαι [A -ψω ἀφ'] ὑμῶν . . . νῆ-  
 πιον καὶ θηλάζοντα (4)

La. 1. 5. τὰ ν. αὐτῆς ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμα-  
 λωσίᾳ (4)

2. 11. ἐν τῷ ἐκλείπειν νηπίον καὶ θηλάζοντα (4)

— 19. ἄρουν πρὸς αὐτὸν χεῖράς σου περὶ ψυχῆς  
 νηπίων σου (4)

— 20. φονευσθήσονται νήπια θηλάζοντα μαστούς (4)

4. 4. νήπια ἤτησαν ἄρτων (4)

Ez. 9. 6. νήπια καὶ γυναῖκας ἀποκτείνετε (1)

45. 20. A παρ' ἐκάστου ἀγνοοῦντος καὶ ἀπὸ  
 νηπίου [B ἐ. ἀπομόριον] (5)

I Ma. 2. 9. ἀπεκράνθη τὰ ν. αὐ.

II Ma. 5. 13. παρβένων τε καὶ νηπίων σφαγαί

8. 4. τῆς τῶν ἀναμαρτήτων ν. παρανομίον ἀπωλείας

9. 15. οἰονοβρώτους δὲ σὺν τοῖς ν. ἐκρίψεν θηρίους

III Ma. 3. 27. ἀπὸ γειραιῶ μέχρι νηπίου

5. 50. τὰ ν. χωρίζαντες τῶν μαστῶν

6. 14. ἵκετενεῖ σε τὸ πᾶν πλῆθος τῶν ν.

[Aq. Ge. 43. 8: 47. 12: Ex. 10. 10: 12. 37:  
 Nu. 31. 17, 18: Dt. 20. 14: Pr. 1. 22: Jc.  
 8. 11.]

[Sm. Ge. 43. 8: Nu. 31. 17: Jb. 5. 2: Ps. 16  
 (17). 14: 18 (19). 8: Pr. 1. 4, 32: 9. 4: 14.  
 15: 21. 11: Is. 65. 20: Jc. 6. 11: Ez. 45. 20:  
 Ho. 14. 1.]

[Th. Le. 2. 14 (ap. Sw.): Ez. 45. 20: Ho. 11. 1.]

[Sm. Nu. 31. 18.]

νηπιότης. (1) נֶה

Ho. 2. 15 (17). κατὰ τὰς ἡμέρας νηπιότητος αὐτῆς (1)

Ez. 16. 22. οὐκ ἐμνήσθης [A add. τὰς ἡμέρας]  
 τῆς ν. σου (1)

— 43. οὐκ ἐμνήσθης [A add. τὴν ἡμέραν] τῆς  
 ν. σου (1)

— 60. ἐν ἡμέραις νηπιότητός σου (1)

[Aq. Pr. 1. 22.]

νήσος. (1) נֶה

Ge. 10. 5. ἀφωρίσθησαν νῆσοι τῶν ἐθνῶν (1)

— 32. ἀπὸ τούτων διεσπάρησαν νῆσοι τῶν ἐθνῶν (1)

Ps. 71 (72). 10. αἱ ν. δῶρα προσοῖουσιν (1)

96 (97). 1. εὐφρανθήσονται νῆσοι πολλὰι (1)

Si. 43. 23. ἐφύττειν αὐτὴν Ἰησοῦς [ἐν αὐτῇ νήσῳ]

47. 16. εἰς νήσους πόρρω ἀφίκετο τὸ δνομά σου

Zc. 2. 11. προσκυνήσουσιν αὐτῇ . . . πᾶσαι αἱ  
 ν. τῶν ἐθνῶν (1)

Is. 20. 6. ἐροῦσιν οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ ν. ταύτῃ (1)

23. 2. οἱ ἐνοικοῦντες ἐν τῇ ν. (1)

— 6. ὁλολύξατε οἱ κατοικοῦντες [A B ἐνοικ.] ἐν  
 τῇ ν. ταύτῃ (1)

24. 15. ἡ δόξα κυρίου ἐν ταῖς ν. ἔσται τῆς θα-  
 λάσσης (1)

41. 1. ἐγκαταίξασθε πρὸς μέ νῆσοι (1)

42. 10. αἱ ν. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτὰς (1)

— 12. τὰς ἀρετάς αὐτοῦ ἐν ταῖς ν. ἀναγγελοῦσι (1)

Is. 42. 15. θῆσω ποταμούς εἰς νήσους  
45. 16. ἐκκινήσῃ πρὸς με νῆσοι  
49. 1. ἀκούσατέ μου [B add. ai] νῆσοι  
— 22. εἰς τὰς ν. πρὸ σύσσημόν μου  
51. 5. ἐμε νῆσοι ὑπομενοῦσι  
60. 9. ἐμε αἱ [A<sup>3</sup> om.] ν. ὑπέμειναν  
68. 19. ἐξαποστελῶ ἐξ αὐτῶν σεσωσμένους...  
εἰς τὰς ν. τὰς πύρραι  
Je. 2. 10. ἔλθετε [B διέλθατε] εἰς νήσους X.  
27 (50). 38. ἐν ταῖς [B<sup>1</sup> τοῖς] ν. οὐ [A om.,  
B σου] κατεκαυχῶντο  
— 39. κατοικήσουσιν ἐν δάματι ἐν ταῖς ν.  
29 (47). 4. ἐξολεθρεύσει κύριος τοὺς [A τὰς]  
καταλοιπούς τῶν ν.  
38 (31). 10. B ἀναγγέλλετε εἰς νήσους τὰς  
μακρόθεν [A -ράν, B S -ρότερν]  
Ez. 26. 15. εἰσαθροῦνται αἱ ν.  
— 18. φοβηθήσονται αἱ ν. ἀπὸ ἡμέρας πτώσεώς  
σου [A add. καὶ παραθήσονται νή-  
σοι] (1, 1)  
27. 3. τῇ ἐμπορίᾳ τῶν λαῶν ἀπὸ νήσων πολλῶν  
— 6. ἐποίησαν... οἰκοὺς ἀλωάδεις ἀπὸ νήσων  
τῶν X.  
— 7. περιβαλεῖν σε... πορφύραν ἐκ τῶν ν. 'E.  
— 15. ἀπὸ νήσων ἐπλήθυνον τὴν ἐμπορίαν σου  
ὁδόντας  
— 35. οἱ κατοικοῦντες τὰς ν. ἐστύγγισαν ἐπὶ σέ  
39. 6. κατοικήσουσιν αἱ ν. ἐπ' εἰρήνης  
Da. TH. 11. 18. ἐπιστρέψει τὸ πρῶτον σου αὐ. εἰς  
τὰς ν. (1)  
I Ma. 6. 29. ἀπὸ νήσων θαλασσῶν ἦλθον  
8. 11. τὰς ν. κατέφθειραν  
11. 38. ὡν ἐξενολόγησεν ἀπὸ τῶν ν.  
14. 5. ἐποίησαν εἰσοδόν ταῖς ν. [B<sup>1</sup> νόσοις] τῆς θαλ.  
15. 1. ἀπέστειλεν... ἐπιστολὰς ἀπὸ τῶν ν. τῆς θαλ.  
[Aq. Is. 23. 2: 40. 15: 41. 1: 42. 4: 59. 18:  
Je. 25. 22 (32. 8): Ez. 27. 3.]  
[Sm. Is. 23. 2: 40. 15: 41. 1: 42. 4: 49. 1:  
59. 18.]  
[Th. Is. 40. 15: 41. 1: 42. 4: 59. 18: Je. 25.  
20 (32. 6), 22 (32. 8): Ez. 26. 18: 27. 3.]  
[Heb. Is. 42. 4.]  
**νῆστεία.** (1) D15  
II Ki. 12. 16. ἐνήστευσε Δ. νηστείαν (1)  
III Ki. 20 (21). 9. νηστεύσατε νηστείαν (1)  
— 12. A B ἐκάλεσεν νηστείαν  
II Ch. 20. 3. ἐκήρυξαν νηστείαν (1)  
I Es. 8. 50. εὐζήμεν ἐκεί νηστείαν  
— 73. ἐξεγέρθεῖς ἐκ τῆς ν.  
II Es. 8. 21. ἐκάλεσα ἐκεί νηστείαν (1)  
Ne. 9. 1. συνήχθησαν οἱ υἱοὶ 'Isr. ἐν νηστείᾳ (1)  
To. 12. 8. ἀγαθὸν προσεχὴ μετὰ νηστείας [S ἀλη-  
θείας]  
Ju. 4. 9. ἐταπεινούσαν τὰς ψυχὰς αὐ. [B<sup>2</sup> add. νη-  
στεία μεγάλη]  
Ps. 34 (35). 13. ἐταπεινὸν ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχὴν μου  
(1)  
68 (69). 10. B S<sup>1</sup> συνέκαμψα [B<sup>2</sup> -εκάλυσα]  
ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχὴν μου  
108 (109). 24. τὰ γόνατά μου ἠσθένησαν ἀπὸ  
νηστείας (1)  
Jl. 1. 14. ἀγιάσατε νηστείαν (1)  
2. 12. ἐν νηστείᾳ καὶ ἐν κλαυθμῷ καὶ ἐν κοπετῷ  
— 15. ἀγιάσατε νηστείαν (1)  
Jn. 3. 5. καὶ ἐκήρυξεν νηστείαν (1)  
Za. 7. 5. μὴ νηστείαν νενηστευκάτε μοι  
(1)  
8. 19. νηστεία ἡ τετράς καὶ νηστεία ἡ πέμπτη  
καὶ ν. ἡ ἑβδόμη καὶ ν. ἡ δεκάτη  
ἔσονται (1, 1)  
Is. 1. 14. νηστείαν καὶ ἀργίαν... μυστὴ ἡ ψυχὴ μου  
— 58. 3. ἐν τὰς ἡμέραις τῶν ν. ὑμῶν εὐρίσκετε τὰ  
θελήματα ὑμῶν  
— 5. οὐ ταῦτην τὴν ν. ἐξελεξάμην... οὐδ'  
οὕτως καλίστετε νηστείαν δεκτὴν (1, 1)  
— 6. οὐκ τοιαύτην νηστείαν ἐγὼ ἐξελεξάμην (1)  
Je. 43 (36). 6. ἐν ἡμέρᾳ νηστείας (1)  
— 9. ἐξεκκλησίασαν νηστείαν (1)  
Da. LXX. 2. 18. παρήγγειλε νηστείαν  
9. 3. εὐρέιν... ἔλεος ἐν νηστείας  
Da. TH. 9. 3. τοῦ ἐκλήρησαι προσεχὴν... ἐν  
νηστείας (1)  
II Ma. 13. 12. καὶ καταξιώσαντων... μετὰ... νη-  
στείων  
[Aq., Sm. Ps. 68 (69). 11: Za. 8. 19.]  
[Th. Za. 8. 19.]

**νηστεύειν.** (1) D15 (2) K7P  
Ex. 38. 26 (8). κατόπτρων τῶν νηστευσάσων αἱ  
ἐνήστευσαν παρὰ τὰς θύρας  
Jd. 20. 26: I Ki. 7. 6. ἐνήστευσαν ἐν τῇ ἡμέρᾳ  
ἐκείνῃ (1)  
I Ki. 31. 13. νηστεύουσιν ἐπτά ἡμέρας (1)  
II Ki. 1. 12. ἐκόφισαν καὶ ἐνήστευσαν (1)  
12. 16. ἐνήστευσε Δ. νηστείαν (1)  
— 21. ἔτι ζώοντες ἐνήστευσε [A al.] (1)  
— 22. ἐνήστευσε καὶ ἔκλαυσε (1)  
— 23. ἵνα τί τοῦτο ἐγὼ νηστεύω (1)  
III Ki. 20 (21). 9. νηστεύσατε νηστείαν (2)  
— 27. B καὶ ἐνήστευσε (1)  
I Ch. 10. 12. ἐνήστευσαν ἐπτά ἡμέρας (1)  
II Es. 8. 23. ἐνήστευσαν καὶ ἐζήτησαν (1)  
Ne. 1. 4. καὶ ἤμην νηστεύων (1)  
Ju. 4. 13. ἦν ὁ λαὸς νηστεύων  
8. 6. ἐνήστευε πάσας τὰς ἡμέρας τῆς χρηρεύσεως αὐ.  
Es. 4. 16. νηστεύσατε ἐπ' ἐμοί (1)  
Si. 31 (34). 26. οὕτως ἄνθρωπος νηστεύων ἐπὶ τῶν  
ἁμαρτιῶν αὐτοῦ  
Za. 7. 5. ἐάν νηστεύσητε ἡ κόψῃσθε ἐν ταῖς  
πέμπταις (1)  
— 5. μὴ νηστείαν νενηστευκάτε μοι (1)  
[Is. 58. 3. τί ὅτι ἐνήστευσαν] (1)  
— 4. εἰς κρίσεις καὶ μάχας νηστεύετε... ἵνα  
τί μοι νηστεύετε ὥς σήμερον (1, 1)  
Je. 14. 12. ἐάν νηστεύωσιν [A -σουσιν] (1)  
Ba. 1. 5. ἔκλειον καὶ ἐνήστευον  
I Ma. 3. 47. ἐνήστευσαν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ  
[Aq., Sm., Th. Is. 58. 4.]  
[Al. Lb. 23. 29.]  
**νήστης, νήστις.** (1) Γ15  
Da. LXX. 6. 18 (19). ἡλιθιστὴς νήστης [cod. νήστις] (1)  
**νηστός.**  
Ex. 31. 4. καὶ τὸ κόκκινον τὸ ν.  
**νήχσθαι.**  
Jb. 11. 12. ἄνθρωπος δὲ ἄλλως νήχεται λόγους  
[A ἀλόγους] +  
**νικᾶν.** (1) K7P (2) T7P (3) P15 pi.  
I Es. 8. 12. ὑπὲρ διὰ πάντα νικᾷ ἡ ἀλήθεια  
4. 5. ἐάν διὰ νικήσῃ  
Ps. 50 (51). 4. ὥπως ἂν... νικήσης ἐν τῷ κρί-  
νωσθαί σε (1)  
Pr. 6. 25. μὴ σε νικήσῃ κάλλους ἐπιθυμία (2)  
Wi. 4. 2. τὸν τῶν ἀμαρτιῶν ἀθλὸν ἀγῶνα νικήσῃ  
16. 10. τοὺς δὲ νίους σου οὐδὲ ἰσθλῶν δρακόντων  
ἐνίκησαν ὁδόντες  
18. 22. ἐνίκησε δὲ τὸν ὄχλον οὐκ ἰσχύϊ τοῦ σώματος  
Hb. 3. 19. τοῦ νικήσαι [A S<sup>1</sup> add. με] ἐν τῇ φθῇ  
[S<sup>1</sup> ὁφθ] αὐ. (3)  
II Ma. 3. 5. νικήσαι τὸν 'O. μὴ δυνάμενος  
8. 6. B οὐκ ὀλίγους τῶν πολεμίων ἐνίκη [A om.]  
III Ma. 1. 4. δώσανε νικασίαν ἐκαστῷ δύο μῶνις  
χρυσίου  
IV Ma. 1. 11. νικήσαντες τὸν τύραννον τῇ ὑπομονῇ  
3. 17. νικήσαι τὰς τῶν παθῶν ἀνίγκας  
6. 10. ἐνίκη τοὺς βασανίζοντας  
— 33. τοῦ λογισμοῦ τὰ πάθη νικήσαντος  
7. 4. ἐνίκησε τοὺς πολιορκούντας  
— 11. τὸν ἐμπυρσθῆν ἐνίκησεν ἀγγελὸν [S<sup>1</sup> al.]  
8. 1. ἐνίκηθι περιφανῶς ὁ τύραννος  
9. 6. δε καὶ ὁ παιδεύτης ἡμῶν γέρον ἐνίκησε  
— 30. ὁρῶν σου νικώμενον τὸν... λογισμὸν  
11. 20. οὐκ ἐνίκηθην  
13. 2. ἐλέγομεν ἂν αὐτοὺς τοῖς νικηθῆσαι  
— 7. A B τὴν τῶν παθῶν ἐνίκησεν ἀκολασίαν  
[B κόλασιν]  
16. 14. διὰ καρτερίαν καὶ τύραννον ἐνίκησα  
17. 15. θεοσέβεια δὲ ἐνίκη  
— 24. ἐνίκησε πάντας τοὺς πολεμίους  
[Sm., Th., Al. Ps. 50 (51). 6.]  
**νίκη.** (1) Γ15  
I Ch. 29. 11. B σὺ [A B σοί], κύριε... ἡ ν. (1)  
I Es. 4. 59. παρὰ σοῦ [A add. ἡ] νίκη  
Pr. 22. 9. νίκη καὶ τιμὴν περιποιεῖται ὁ δῶρα δοῖς -  
I Ma. 3. 19. οὐκ ἐν πλῆθει δυνάμεως νίκη πολέμου  
ἐστίν  
II Ma. 10. 28. ἔγγινον ἔχοντες ἐνυμνίαν καὶ νίκης  
13. 15. A ἀνάδοις δὲ... σύνθημα θεοῦ νίκης  
[B al.]

II Ma. 15. 8. προσδοκῶν τὴν... ἐσομ. αὐτοῖς νίκη  
— 21. B οἱ ἐστὶ δι' ὅλων ἡ ν. [A om. ἡ ν.]  
— 21. τοῖς ἀξίοις περιποιεῖται τὴν ν.  
III Ma. 3. 20. μετὰ νίκης διακρισθέντες  
IV Ma. 7. 3. ἐπὶ τὸν τῆς ἀθανάτου ν. λημένα  
νίκημα.  
I Es. 3. 9. A αὐτῷ δοθήσεται τὸ ν. [B νίκος]  
**νικοποιός.**  
[Aq. Ps. 4. 1: 5. 1: 6. 1: 8. 1: 9. 1: 10 (11).  
1: 11 (12). 1: 12 (13). 1: 13 (14). 1: 17 (18).  
1: 18 (19). 1: 19 (20). 1: 21 (22). 1: 30  
(31). 1: 35 (36). 1: 38 (39). 1: 39 (40). 1:  
40 (41). 1: 41 (42). 1: 43 (44). 1: 44 (45). 1:  
45 (46). 1: 46 (47). 1: 48 (49). 1: 52 (53).  
1: 53 (54). 1: 54 (55). 1: 55 (56). 1: 59  
(60). 1: 61 (62). 1: 76 (77). 1: 108 (109). 1:]  
[Th. Ps. 9. 1: 10 (11). 1:]  
[Quint. Ps. 9. 1: 30 (31). 1: 55 (56). 1:]  
[Sext. Ps. 30 (31). 1:]  
**νίκος, cf. νείκος.** (1) Γ15  
II Ki. 2. 26. μὴ εἰς νίκος καταφάγεται ἡ βομφ. (1)  
I Es. 3. 9. αὐτῷ δοθήσεται τὸ ν. [A νίκημα]  
Jb. 36. 7. κατέειπεν αὐτοῖς εἰς [A καὶ εἰς] νίκος (1)  
Am. 1. 11. τὸ ὄρυγμα αὐ. ἐφύλαξεν εἰς νίκος (1)  
8. 7. εἰ ἐπιλησθήσεται εἰς νίκος (1)  
Zc. 3. 5. A B<sup>1</sup> B καὶ οὐκ εἰς νίκος [B<sup>2</sup> B νείκος]  
ἀδικίαν  
Je. 3. 5. φυλαχθήσεται [A S διαφ.] εἰς νίκος (1)  
La. 3. 18. ἀπώλετο νίκος μου καὶ ἡ ἐλπίς μου  
ἀπὸ κυρίου (1)  
5. 20. ἵνα τί εἰς νίκος ἐπλήρη ἡμῶν  
Ez. 8. 8. B τὸ ν. [A B νείκος] σου κατισχύσω  
κατέναντι τοῦ ν. [A B νίκους] αὐ-  
τῶν +, +  
II Ma. 10. 38. τῷ κυρίῳ... τὸ ν. αὐτοῖς διδόντι  
IV Ma. 17. 12. B τὸ ν. ἀφθαρσία ἐν κοίτῃ πολυχρονίῳ  
[A S al.]  
[Aq. Ps. 48 (49). 10: 73 (74). 1: 88 (89). 47:  
Pr. 21. 28: Is. 25. 8: 33. 20: 34. 10: 48: 57.  
16: 63. 6: Je. 15. 18: Ez. 3. 9.]  
[Sm. Ps. 73 (74). 3: Pr. 21. 28: Is. 63. 6.]  
[Th. Ps. 4. 1: 6. 1: 8. 1: 12 (13). 1: 18 (19).  
1: 19 (20). 1: 38 (39). 1: 40 (41). 1: 44  
(45). 1: 48 (49). 1: 52 (53). 1: 55 (56). 1:  
Pr. 21. 28: Is. 25. 8: 33. 20: 63. 6.]  
[Quint. Ps. 48 (49). 10.]  
**νίπτειν.** (1) T7P hi. (2) Γ1P (3) S15P  
a. qal. δ. ni.  
Ge. 18. 4. B καὶ νιψάτωσαν [A -άτω] τοὺς  
πόδας ὑμῶν (2)  
19. 2. B καὶ νίψασθε [A νίψατε] τοὺς πόδας (2)  
24. 32. B ἔδωκεν... ὕδωρ νιψάσθαι [A om.]  
τοῖς ποσίν (2)  
43. 24. ἤρεγεν ὕδωρ νίψαι τοὺς πόδας αὐτῶν  
— 31. νιψάμενος τὸ πρόσωπον (2)  
Ex. 30. 18. ποίησον λουτήρα... ὥστε νίπτεσθαι (2)  
— 19. νίψεται 'Israhel... τὰς χεῖρας (2)  
— 20. νίψονται ὕδατι (2)  
— 21. νίψονται τὰς χεῖρας... ὕδατι (2)  
— 21. νίψονται ὕδατι  
88. 27 (40. 31). ἵνα νίπτονται... τὰς χεῖρας (2)  
— 27 (40. 32). ἐνίπτοντο ἐξ αὐτοῦ (2)  
Le. 15. 11. τὰς χεῖρας οὐ νίπεται (3 a)  
— 12. σκευὸς ξύλινον νιψήσεται ὕδατι (3 b)  
De. 21. 6. νίψονται τὰς χεῖρας (2)  
Jd. 19. 21. ἐνίψαντο [A ἐνίψεν] τοὺς πόδας  
αὐτῶν (2)  
I Ki. 25. 41. νίψαι πόδας τῶν παίδων σου (2)  
II Ki. 11. 8. νίψαι τοὺς πόδας σου (2)  
II Ch. 4. 6. εἰς τὸ νίπτεσθαι τοὺς ἱερεῖς ἐν αὐτῇ  
To. 7. 8. S δε... ἐνίψαντο  
Jb. 20. 23. νίψαι [A S<sup>1</sup> ρίψαι] ἐπ' αὐτὸν ὀδύνas (1)  
Ps. 25 (26). 6. νίψομαι ἐν ὀδοῖς τὰς χεῖράς μου (2)  
57 (58). 10. τὰς χεῖράς αὐτοῦ νίψεται ἐν τῇ  
αἵματι τοῦ ἁμαρτωλοῦ (2)  
72 (73). 13. ἐνίψανται ἐν ὀδοῖς τὰς χεῖράς  
μου (2)  
Ca. 5. 3. ἐνίψανται τοὺς πόδας μου  
[Sm. Ps. 57 (58). 11: 72 (73). 13.]  
**νίτρον.** (1) T7P  
Je. 2. 22. ἐάν ἀποπλύνῃ [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> -ης] ἐν νίτρῳ (1)  
[Sm. Pr. 25. 20.]



νιφετός. (1) נִיפְתּוֹת  
De. 32. 2. ὡσεὶ νιφετός ἐπὶ χόρτον (1)  
Da. LXX. 3. (68). εὐλογεῖτε . . . νιφετοὶ τὸν κύριον  
Da. TH. 8. (68). Α. εὐλογεῖτε . . . νιφετοὶ τὸν κύριον  
[Sbm., Th. Mi. 5. 7. (6).]

νοεῖν. (1) נֹא a. qal. δ. hi. c. hithpal.

(2) נִשְׁח (8) נִשְׁח (4) נִשְׁח hi.

(5) נִשְׁח hi. (6) נִשְׁח (7) ἀδύνατος

νοῆσαι נִשְׁח ni.

I Ki. 4. 20. οὐκ ἐνόησεν ἡ καρδιά αὐ. (6)

II Ki. 12. 19. ἐνόησε Δ. (1a)

20. 15. ἐνοούσαν καταβαλεῖν τὸ τεῖχος (6)

Jb. 15. 9. Α. τί σὺ νοήσεις [B S τί συνίεις σύ] (1a)

83. 3. σύμεις δὲ χελεύω μου καθαρά νοήσεις  
[A al.] +

— 23. ἐὰν νοήσῃ τῇ καρδίᾳ (1b)

Pr. 1. 2. νοῆσαι τε λόγους φρονήσεως (1b)

— 3. νοῆσαι τε δικαιοσύνην ἀληθῆ (4)

— 6. νοήσει τε παραβολὴν καὶ σκοτεινὸν λόγον (1b)

8. 5. νοήσατε ἄκατοι πανουργίαν (1b)

16. 23. καρδία σοφοῦ νοήσῃ τὰ ἀπὸ τοῦ ἰδίου  
στόματος (4)

19. 25. νοήσῃ αἰσθῆσιν (1a)

20. 24. θνητὸς δὲ πῶς ἂν νοήσαι τὰς ὁδοὺς  
αὐτοῦ (1a)

23. 1. νοητὸς νοεῖ τὰ παρατιθέμενά σοι (1a)

24. 53 (80. 18). τρία δὲ ἔστιν ἀδυνατά μοι  
νοῆσαι (7)

28. 5. B<sup>2</sup> S ἄνδρες κακοὶ οὐ νοήσουσιν [A B<sup>2</sup> R  
συνήσουσι] κρίμα (1a)

29. 7. δὲ ἀσβήσῃ οὐ νοεῖ [A S<sup>2</sup> συνήσῃ]  
γνώσιν (1a)

— 19. ἐὰν γὰρ καὶ νοήσῃ (1a)

Wi. 4. 14. οἱ δὲ λαοὶ [A<sup>1</sup> ἄλλοι] ἰδόντες καὶ μὴ νοή-  
σαντες

— 17. οὐ νοήσουσι τί βουλεύσατο περὶ αὐτοῦ

13. 4. νοησάτωσαν ἀπ' αὐτῶν

Si. 11. 7. νόησον πρῶτον καὶ τότε ἐπιτίμα

14. 21. ἐν τοῖς ἀποκρύφους αὐτῆς νοηθήσεται [A S  
ἐνοηθῇ].

34 (81). 15. νοεῖ τὰ τοῦ πλησίων ἐκ σεαυτοῦ

Is. 20. 4. S νοήσουσιν [A B om.] ὅτι οὕτως  
ἔξει . . . τὴν αἰχμαλωσίαν

32. 6. ἡ καρδιά αὐ. μάταια νοήσῃ (2)

44. 18. τοῦ νοήσαι τῇ καρδίᾳ αὐτῶν (4)

47. 7. οὐκ ἐνόησας ταῦτα ἐν τῇ καρδίᾳ σου (8)

Jc. 2. 10. νοήσατε σφόδρα (1c)

10. 21. οὐκ ἐνόησε [S<sup>1</sup> ἠνόησεν] πᾶσα ἡ νομή (4)

20. 11. νοήσαι οὐκ ἠδυνάτω . . . οὐκ ἐνόησαν  
ἀτιμίαι αὐτῶν (f, 4)

23. 20. ἐπ' ἐσχάτου [A -ων] τῶν ἡμερῶν  
νοήσουσιν αὐτό (1c)

Ep. Jc. 42. οὐ δύναται αὐτοὶ νοήσαντες καταλείπειν  
αὐτά

Da. TH. 12. 10. Α. οὐ νοήσουσιν [B συνήσ.]

πάντες ἄνομοι (1a)

II Ma. 14. 30. νοήσας οὐκ ἀπὸ τοῦ βελτίστου τὴν  
αὐστηρίαν εἶναι

IV Ma. 4. 7. S πάνθειον εἶναι νοήσαντες [A R  
νομίσ.]

[Aq. Ec. 2. 3.]

[Sbm. Jb. 31. 1: Pr. 8. 5: Ec. 2. 3.]

[Al. Ps. 49 (50). 22.]

νοερός.

Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα νοερόν

— 23. διὰ πάντων χωρῶν πνευματικῶν νοερὸν καθα-  
ρῶν

νόημα.

Si. 21. 11. κατακρατεῖ τοῦ ἐνοήματος αὐ. [S<sup>1</sup> om. τ.  
ἐ. αὐ. S<sup>2</sup> τοῦ ν. αὐ.]

Ba. 2. 8. τοῦ ἀποστρέφειν ἕκαστον ἀπὸ τῶν ν. τῆς  
καρδίας αὐτῶν τῆς πονηρίας

III Ma. 5. 30. B αὐτὰ . . . διεσκεδάσθαι πᾶν αὐ.  
τὸ [A om.] ν.

νόημων. (1) נֹא a. ni. δ. hi. (2) נִשְׁח hi.

Pr. 1. 5. οὐ δὲ ν. κυβέρινται κτήνεται (1a)

10. 5. διεσώθη ἀπὸ καίματος υἱὸς νόημων (2)

— 19. φειδόμενος δὲ χελεύω νόημων ἔσθῃ (2)

14. 35. δεκτὸς βασιλεὶς ὑπηρέτης νόημων (2)

17. 2. οἰκίτης νόημων κρατῆσι δεσποτῶν ἀφρό-  
νων (2)

Pr. 17. 12. ἐμπειρεῖται μέριμνα ἀνδρὶ νόημον †

28. 11. πένις δὲ νόημον καταγνώσεται αὐτοῦ (1b)

Si. 19. 29. S<sup>1</sup> ἀπὸ ὁράσεως ἐπιγνωσθήσεται νόημων  
[A B S<sup>2</sup> ἀνὴρ] καὶ ἀπὸ ἀπαντήσεως  
προσώπου ἐπιγνωσθήσεται νόημων

21. 7. οὐδὲ ν. οἶδεν ἐν τῷ ὀλισθαίνειν αὐτόν

Da. TH. 12. 10. οἱ ν. συνήσουσι (2)

[Th. Da. 12. 10.]

νόησις.

[Th. Jc. 23. 20.]

νοητῶς. (1) נֹא

Pr. 23. 1. ν. νοεῖ τὰ παρατιθέμενά σοι (1)

νοθεύειν.

Wi. 14. 24. ἡ νοθεύων ὀδυνᾷ

νόθος.

Wi. 4. 3. ἐκ νόθων μοσχευμάτων οὐ δώσει ρίζαν

νόθος.

III Ma. 8. 17. τῷ δὲ πράγματι ν.

νομάς. (1) נֹא (2) נִשְׁח (3) α. נִשְׁח

δ. נִשְׁח

I Ki. 28. 24. ἦν δάμαλις νομάς ἐν τῇ οἰκίᾳ (1)

III Ki. 3. 1 (4. 23 [5. 3]). B εἰκοσι βόες νομάδες (3a)

— 1 (4. 23 [5. 3]). [A B al.] B ἐκτός . . .  
ὀρίθων ἐλέκτων ν.

4. 23 (5. 3). εἰκοσι βόες νομάδες (3a)

I Ch. 27. 29. ἐπὶ τῶν βῶων τῶν ν. τῶν ἐν τῷ Σ. (3b)

Jb. 1. 3. θνοὶ θήλειαι νομάδες πεντακόσται [A  
— ni]

20. 17. μὴ ἴδοι ἀμελεῖν νομάδων

30. 1. οὐδὲ οὐχ ἡγησάμην ἀξίους κυνῶν τῶν  
ἐμῶν ν. (2)

42. 12. θνοὶ θήλειαι νομάδες χιλιαί

II Ma. 12. 11. ἐλαττωθέντες οἱ ν. Ἀραβες

νομεύς.

[Aq. Is. 58. 11: 68. 11: Am. 1. 2: Mi. 5. 5 (4).]

[Sbm. I Ki. 21. 7 (8).]

νομή. (1) נֹא (2) α. נִשְׁח δ. נִשְׁח

(3) α. נִשְׁח δ. נִשְׁח c. נִשְׁח

Ge. 47. 4. οὐ γὰρ ἔστι ν. τοῖς κτήνεσι (2a)

I Ch. 4. 39. τοῦ ἡγήσασθαι νομάς τοῖς κτήνεσιν αὐ. (2a)

— 40. B<sup>2</sup> ἔνρον ν. πίνους [A B<sup>2</sup> R πλείονας]  
καὶ ἀγαθὰς (2a)

— 41. νομαὶ τοῖς κτήνεσιν αὐτῶν ἐκεῖ (2a)

Jb. 20. 17. μὴ ἴδοι . . . νομάς μέλιτος καὶ βο-  
νύρων +

— 27. S<sup>1</sup> ἀνακαλύψαι δὲ αὐτοῦ δὲ οὐρανὸς τὰς  
ν. [A B S<sup>2</sup> ἀνομίας] +

39. 8. κατασκέπεται θρὸν νομῆν αὐτοῦ (2a)

Ps. 78 (74). 1. ὥρμησθαι δὲ θυμὸς σου ἐπὶ πρό-  
βατα τῆς ν. πίνους σου (2b)

78 (79). 13. B S<sup>1</sup> ἡμεῖς γὰρ λαὸς σου καὶ πρό-  
βατα τῆς ν. [S<sup>2</sup> B om.] ν. σου (2b)

94 (95). 7. ἡμεῖς λαὸς νομῆς αὐτοῦ (2b)

99 (100). 3. λαὸς αὐτοῦ καὶ πρόβατα τῆς [A S<sup>2</sup>  
om.] ν. αὐτοῦ (2b)

Pr. 24. 15. A S B μὴ προσαγάγῃς ἀσεβῆ νομῆν  
[B -ῆν] δικαίων (3b)

Si. 18. 19. οὕτως νομαὶ πλουσίων πτωχοὶ

Ho. 13. 6. ἐν γῇ ἀοικήθῃ κατὰ τὰς ν. αὐτῶν (2b)

Am. 1. 2. καὶ ἐπένθησαν αἱ ν. τῶν ποιμένων (3a)

Jl. 1. 18. ὅτι οὐχ ὑπῆρχε νομὴ αὐτοῖς (2a)

Na. 2. 11 (12). καὶ ἡ [S<sup>2</sup> om.] νομὴ ἡ οὐσα τοῖς  
[A ἐν τοῖς] σκύμοις (2a)

Ze. 2. 6. καὶ ἔσται Κρήνη νομὴ ποιμῶν (3c)

3. 1 (2. 15). νομὴ θηρίων (1)

Is. 49. 9. ἐν πᾶσι τοῖς τριβῶσι ἡ ν. αὐτῶν (2b)

Jc. 10. 21. οὐκ ἐνόησε [S<sup>1</sup> ἠνόησεν] πᾶσα ἡ ν. (2b)

— 25. τῶν ν. [S<sup>2</sup> τὸν νόμον] αὐτοῦ ἠρῆμωσαν (3b)

23. 1. διασκορπίζοντες τὰ πρόβατα τῆς ν. αὐ-  
τῶν [A S al.] (2b)

— 3. καταστήσω αὐτοὺς εἰς τὴν ν. αὐτῶν (3b)

— 10. ἐξηράνθησαν αἱ ν. τῆς ἐρήμου (3a)

27 (50). 7. ν. δικαιοσύνης τῷ συναγαγόντι τοὺς  
πατέρας αὐτῶν (3b)

— 19. ἀποκαταστήσω τὸν 'Ισρ. εἰς τὴν ν. αὐ. (3b)

— 45. ἐὰν μὴ ἀφανισθῇ ν. ἀπ' αὐτῶν (3b)

La. 1. 6. ὧς κροῖ οὐχ εὐρίσκοντες νομῆν (2a)

Ez. 25. 5. δώσω τὴν πόλιν τοῦ 'Αμμὸν εἰς νομάς

καμήλων καὶ τοὺς υἱοὺς 'Αμμὸν εἰς

νομῆν [A πρὸν.] προβάτων (3b, 1)

34. 14. ἐν [A om.] νομῇ ἀγαθῇ βοσκήσῃ αὐ-  
τούς . . . ἐν νομῇ πῖονι βοσκηθή-  
σονται [A<sup>1</sup> om. ἐν . . . β.] (2a, 2a)

— 18. τὴν καλὴν ν. ἐνέμεσθε καὶ τὰ καταλοιπα  
τῆς ν. ὑμῶν κατεπατεῖτε (2a, 2a)

Da. LXX. 4. 29. ἀπὸ τῆς χλῆδος τῆς γῆς ἔσται  
ἡ ν. σου

II Ma. 5. 14. B τέσσαρες μὲν ἐν χειρῶν νομαῖς  
[A -οῖς]

[Aq. Ec. 1. 14, 17: 2. 11: 6. 9: Is. 32. 14:  
Jc. 10. 21.]

[Sbm. II Ki. 7. 8: Ps. 64 (65). 13: Ec. 1. 17:  
Jc. 10. 21: Ho. 13. 6: Jl. 2. 22.]

[Th. Ec. 1. 14: 2. 11: 6. 9.]

νομίζεω.

Wi. 13. 2. ἡ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου  
θεοὺς ἐνόμισαν

17. 3. λαμβάνειν γὰρ νομίζοντες ἐπὶ κρυφαίοις  
δραμῆμασιν

Si. 29. 4. πολλοὶ ὡς εὔρεμα ἐνόμισαν δάνος

II Ma. 4. 32. νομίσας δὲ ὁ Μεν.

7. 19. μὴ νομίσῃς ἀβδὸς ἔσεσθαι

8. 35. ὑπὸ τῶν κατ' αὐτὸν νομίσμῳ. ἐλαχίστων εἶναι

14. 4. B πρὸς δὲ τοῖς νομίσμῳ. [A τοῖς νομ.]  
θαλλῶν τοῦ ἱεροῦ

IV Ma. 2. 13. μὴ νομίσῃς παράδοξον εἶναι

4. 7. A B πάνθειον εἶναι νομίσαντες [S νόησ.]

— 13. μὴ ποτε νομίσαιεν ὁ βασιλ. Σ.

5. 16. οὐδεμίαν ἀνάγκην βαιοτέρων νομίζομεν

— 18. B B ἐνομίζομεν [A νομ.] αὐτὸν εἶναι θεόν

— 19. μὴ μικρὰν οὐν εἶναι νομίσῃς ταύτην . . .  
ἀμαρτίαν

9. 4. χαλεπώτερον γὰρ αὐτοῦ τοῦ θανάτου νομίζο-  
μεν εἶναι

— 7. μὴ νομίσῃς ἡμᾶς βλάπτειν βασανίζων

[Sbm. Jb. 13. 5: Ps. 49 (50). 21.]

νομικός.

IV Ma. 5. 4. τὴν ἐπιστήμην νομικός

νόμιμος. (1) נֹא (2) α. נִשְׁח δ. נִשְׁח

(3) נִשְׁח

Ge. 26. 5. τὰ δικαιώματά μου καὶ τὰ ν. μου (3)

Ex. 12. 14. νόμιμον αἰώνιον [A om. ν. αἰ.] ἐορ-  
τάσσει αὐτήν (2b)

— 17. ποιήσετε τὴν ἡμέραν . . . ν. αἰώνιον (2b)

— 24. τὸ ῥῆμα τοῦτο ν. [A add. αἰώνιον]  
σεαυτῶν (2a)

27. 21. νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (2b)

28. 39 (43). νόμιμον αἰώνιον αὐτῷ καὶ τῷ σπέρ-  
ματι (2b)

29. 28. ἔσται . . . τοῖς υἱοῖς αὐ. νόμιμον αἰώνιον (2a)

30. 21. ἔσται αὐτοῖς νόμιμον αἰώνιον (2a)

Le. 8. 17. νόμιμον εἰς τὸν αἰῶνα εἰς τὰς γενεὰς (2b)

6. 18 (11). νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (2a)

— 22 (15). B<sup>1</sup> νόμιμος [B<sup>2</sup> νόμος] αἰώνιος (2a)

7. 24 (34). νόμιμον αἰώνιον παρὰ τῶν υἱῶν (2a)

— 26 (36). νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς αὐ. (2b)

10. 9. νόμιμον αἰώνιον εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (2b)

— 11. συμβιβάζεις . . . ἅπαντα τὰ ν. (2a)

— 13. A B νόμιμον [B add. αἰώνιον] γὰρ σοὶ  
ἔστι (2a)

— 13. καὶ νόμιμον τοῖς υἱοῖς σου τοῦτο (2a)

— 14. νόμιμον γὰρ σοι (2a)

— 14. καὶ νόμιμον τοῖς υἱοῖς σου ἐδόθη (2a)

— 15. καὶ ἔσται σοι . . . νόμιμον αἰώνιον (2a)

16. 29. ἔσται τοῦτο ὑμῖν νόμιμον αἰών

Nu. 19. 21. ἔσται ὑμῖν νόμιμον αἰώνιον (2 δ)  
 I Es. 1. 48. παρέβη τὰ ν. κυρίου θεοῦ Ἰσρ.  
 Es. 8. 13. χρῆσθαι τοῖς ἐαν. ν. [A B νόμοις]  
 Pr. 3. 1. νίε, ἔμῳν νομίμων μὴ ἐπιλιπθάνου (3)  
 Ho. 8. 12. τὰ ν. αὐ. εἰς ἀλλοτρίαν ἐλογίσθησαν (3)  
 Mi. 6. 15. καὶ ἀφανισθῇσεται νόμιμα λαοῦ μου —  
 7. 11. ἀποτρίψεται νόμμά σου ἢ ἡμ. ἐκ. [A al.] (2 α)  
 Za. 1. 6. τοὺς λόγους μου καὶ τὰ ν. μου δέχεσθε (2 α)  
 Ma. 8. 7. ἐξέκλινετε νόμμά μου (2 α)  
 Je. 10. 3. τὰ ν. τῶν ἔθνῶν μάταια (2 δ)  
 33 (28). 4. τοὺ πορεύεσθαι ἐν τοῖς ν. [A νόμοις] μου (3)  
 Ez. 5. 6. τὰ ν. μου [A add. ἐκ] τῶν χωρῶν τῶν κυκλῶν αὐτῆς . . . ἐν τοῖς ν. μου οὐκ ἐπορεύθησαν (2 δ, 3 δ)  
 — 7. ἐν τοῖς ν. μου οὐκ ἐπορεύθητε (2 δ)  
 18. 27. ἐξάρω τὰ ν. σου (2 α)  
 19. πάντα τὰ ν. μου συνετήρησε (2 δ)  
 20. 18. ἐν τοῖς ν. τῶν πατέρων ὑμῶν μὴ πορεύεσθε (2 α)  
 43. 11. πάντα τὰ ν. αὐτοῦ γνωρίαι αὐτοῖς (3)  
 44. 5. κατὰ πάντα τὰ ν. αὐ. (3)  
 — 24. τὰ ν. μου καὶ τὰ προστάγματά μου . . . φυλάσσονται (3)  
 Da. Th. 6. 5 (6). εἰ μὴ ἐν νομίμοις [A νόμοις] θεοῦ αὐτοῦ (1)  
 I Ma. 1. 14. κατὰ τὰ [B<sup>1</sup> om.] ν. τῶν ἔθνῶν — 41. ἐγκαταλείπειν ἑκαστὸν τὰ ν. αὐ. — 44. πορευθῆναι ὅπως νομίμων ἀλλοτρίων  
 3. 21. πολεμήμον περὶ . . . τῶν ν. ἡμῶν — 29. τοὺ ἄροι τὰ ν.  
 6. 59. τοὺ πορεύεσθαι τοῖς ν. αὐ. — 59. χάριν γὰρ τῶν ν. αὐ. . . ὠργίσθησαν  
 II Ma. 4. 11. E. τὰς ἐν νομίμοις [A-as] καταλύων πολιτείας  
 11. 24. συγχωρηθῆναι αὐτοῖς τὰ ν.  
 III Ma. 1. 3. ὑπερτον δὲ μεταβαλὼν τὰ ν. 3. 2. ὥς ἀν ὅπῳ τῶν ν. αὐτοῖς κωλύοντες  
 IV Ma. 5. 36. οὐδὲ νομίμον βίου ἡλικίαν  
 7. 6. E καθαρίσμων ν. [A B om.] χωρίσσαν γιστήρα — 15. δ . . . βίου νομίμου  
 15. 10. μέχρι θανάτου τὰ ν. φυλάσσοντας [Th. Le. 23. 41: 24. 9.]  
 νομίμως.  
 IV Ma. 6. 18. τὴν ἐπ' αὐτῷ δόξαν ν. φυλάσσοντες νόμισμα. (1) ἸΩΞΥ (2) ΠΥ  
 II Es. 8. 36. ἔδωκαν τὸ ν. τοῦ βασ. (2)  
 Ne. 7. 71. B χρυσὸν νομίματος δύο μυριάδας [A B al.] (1)  
 — 72. B<sup>3</sup> χρυσὸς ἐν νομίμασιν δύο μυριάδας [B<sup>1</sup> E al.] (1)  
 I Ma. 15. 6. ποιῆσαι κόμμα ἴδιον ν. [B<sup>2</sup> om.] [Sm. Nu. 8. 47: JB. 42. 11.]  
 νομιστέον.  
 Ep. Je. 40. πῶς οὖν νομιστέον ἢ κλητέον αὐτοῖς ὑπάρχειν θεοὺς — 44. πῶς οὖν νομιστέον ἢ κλητέον ὡς θεοὺς αὐτοῖς ὑπάρχειν — 56. πῶς οὖν ἐκδεκτέον [A δ.] ἢ νομιστέον ὅτι εἰσι θεοί — 64. οὕτε νομιστέον οὕτε κλητέον [A ἐκδεκτ.] ὑπάρχειν αὐτοῖς θεοὺς  
 νομοδότης.  
 [Sm. Ps. 75 (76). 12.]  
 νομοθεσία.  
 II Ma. 6. 23. μᾶλλον δὲ τὴν ἀγίαν καὶ θεοκτίστου ν.  
 IV Ma. 5. 35. καὶ νομοθεσίας ἐπιστήμη  
 17. 16. B τοὺς τῆς θείας [A ἀληθείας] ν. [B<sup>1</sup> -a] ἀληγίας (1) ἸΥΠ  
 Pr. 31. 27 (26). ἀνοίγει σοφῶς καὶ [B B<sup>1</sup> -φοῖς] νομοθέσιμος [B<sup>1</sup> -ους] (1)  
 νομοθέσιμος. (1) ἸΥΠ  
 Pr. 31. 27 (26). τὸ στόμα δὲ ἀνοίγει-σοφῶς καὶ [B B<sup>1</sup> -φοῖς] ν. [B<sup>1</sup> -ους] (1)  
 νομοθετεῖν. (1) ἸΥΠ hi.  
 Ex. 24. 12. ἀς ἔγραψα νομοθετήσαι αὐτοῖς (1)  
 De. 17. 10. ὅσα ἂν νομοθετήθῃ σοι (1)

Ps. 24 (25). 8. διὰ τοῦτο νομοθετήσῃ ἀμαρτάνωντας ἐν ὁδῷ (1)  
 — 12. νομοθετήσῃ αὐτῷ ἐν ὁδῷ ἢ ἡμεῖς αὐτοῖς (1)  
 26 (27). 11. νομοθετήσων με, κύριε (1)  
 88 (84). 6. εὐλογίας δώσει ὁ νομοθετῶν (1)  
 118 (119). 33. νομοθετήσων με, κύριε, τὴν ὁδὸν τῶν δικαιοσύμων σου (1)  
 — 102. A B σὺ ἐνομοθετήσας με [B μοι] (1)  
 — 104. A B<sup>1</sup> σὺ ἐνομοθετήσας με  
 II Ma. 3. 15. ἐπεκαλούντο . . . τὸν περὶ παραβίης νομοθετήσαντα  
 IV Ma. 5. 25. συμπαθεῖ νομοθετῶν ὁ τοῦ κόσμου κτίστης  
 νομοθέτης.  
 Ps. 9. 20. κατὰστησον, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐτοὺς τὸν νόμον. (1) נָתַן (2) נָתַן (3) α. ρή δ. נָתַן (4) נָתַן (5) נָתַן (6) נָתַן (7) נָתַן  
 Ex. 12. 43. οὗτος ὁ ν. τοῦ πάσχα (3 δ)  
 — 49. ν. εἰς ἔσται τῷ ἐγγωρίῳ (7)  
 13. 9. γίνηται ὁ ν. κυρίου ἐν τῷ στόματι (7)  
 — 10. φυλάσσεθαι τὸν ν. τοῦτον (3 δ)  
 16. 4. εἰ πορεύσονται τῷ ν. [A νόματι] μου (7)  
 — 28. τὰς ἐντολάς μου καὶ τὸν ν. μου (7)  
 18. 16, 20. τὰ προστάγματα τοῦ θεοῦ καὶ τὸν ν. αὐ. (7)  
 24. 12. τὸν ν. καὶ τὰς ἐντολάς ἀς ἔγραψα (7)  
 Le. 6. 9 (2). οὗτος ὁ ν. τῆς ὁλοκαυτώσεως — 14 (7). οὗτος ὁ ν. τῆς θυσίας — 22 (15). B<sup>1</sup> E ν. [B<sup>1</sup> νόμιμος] αἰώνιος ἅπαν ἐπιτελεσθῆσεται (3 α)  
 — 25 (18). οὗτος ὁ ν. τῆς ἀμαρτίας (7)  
 — 31 (7. 1). οὗτος ὁ ν. τοῦ κριτοῦ (7)  
 — 37 (7). ν. εἰς αὐτῶν (7)  
 7. 1 (11). οὗτος ὁ ν. θυσίας σωτηρίου (7)  
 — 27 (37). οὗτος ὁ ν. τῶν ὁλοκαυτωμάτων (7)  
 11. 46. οὗτος ὁ ν. περὶ τῶν κτηνῶν (7)  
 12. 7. οὗτος ὁ ν. τῆς τιμωρίας ἀρετῆς (7)  
 13. 59. οὗτος ὁ ν. ἀφῆς [A ἀφή] λέπρας (7)  
 14. 2. οὗτος ὁ ν. τοῦ λεπροῦ (7)  
 — 32. οὗτος ὁ ν. ἐν ᾧ ἵστην ἡ ἀφή (7)  
 — 54. οὗτος ὁ ν. κατὰ πᾶσαν ἀρῆν λέπρας (7)  
 — 57. οὗτος ὁ ν. τῆς λ. (7)  
 16. 3. οὗτος ὁ ν. τῆς ἀκαθαρσίας αὐτοῦ (7)  
 — 32. οὗτος ὁ ν. τοῦ γορρονοῦς (7)  
 19. 19. τὸν ν. μου φυλάξτε (3 δ)  
 — 37. φυλάσσεθαι πάντα τὸν ν. μου (3 δ)  
 26. 46. ὁ ν. δὲ ἔδωκε κύριος (7)  
 Nu. 5. 29. οὗτος ὁ ν. τῆς ἡλοτυπίας (7)  
 — 30. ποιῆσαι αὐτῇ ὅ λ. πάντα τὸν ν. τοῦτον (7)  
 6. 13, 21. οὗτος ὁ ν. τοῦ εὐαίμου (7)  
 — 21. ἢν ἂν εὐξῆται κατὰ νόμον [A τὸν ν.] ἀρχίας (7)  
 9. 3. κατὰ τὸν ν. αὐτοῦ . . . ποιήσεις (3 δ)  
 — 12, 14. κατὰ τὸν ν. τοῦ πάσχα (3 δ)  
 — 14: 15. 15. ν. εἰς ἔσται ὑμῖν (3 δ)  
 15. 15. ν. αἰώνιος εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (3 δ)  
 — 16. ν. εἰς ἔσται (7)  
 — 29. ν. εἰς ἔσται αὐτοῖς (7)  
 19. 2. αὕτη ἡ διαστολή τοῦ ν. (7)  
 — 14. καὶ οὗτος ὁ ν. (7)  
 31. 21. τοῦτο τὸ δικαίωμα τοῦ ν. (7)  
 De. 1. 5. διασαφῆσαι τὸν ν. τοῦτον (7)  
 4. 8. κατὰ πάντα τὸν ν. τοῦτον (7)  
 — 44. οὗτος ὁ ν. ὃν παρέθετο M. (7)  
 17. 11. κατὰ τὸν ν. καὶ κατὰ τὴν κρίσιν (7)  
 24. 8. κατὰ πάντα τὸν ν. — 27. 3. πάντα τοὺς λόγους τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 8. γράψαι . . . πάντα τὸν ν. τοῦτον (7)  
 — 26. ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 28. 58. πάντα τὰ ῥήματα τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 61. ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 29. 20 (19). A ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τοῦτον [B β. τοῦτε] (7)  
 — 21 (20). ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 27 (26). ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 29 (28). ποιῆν πάντα τὰ ῥήματα τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 30. 10. ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 31. 9. ἔγραψε M. τὰ ῥήματα τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 11. ἀνυμνώσας τὸν ν. τοῦτον (7)  
 — 12. ποιῆν πάντα τοὺς λόγους τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 24. γράφω πάντα τοὺς λόγους τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 26. λαβόντες τὸ βιβλίον τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 32. 44. ἐλάλησε πάντα τοὺς λόγους τοῦ ν. τοῦτον τ

De. 32. 45. ἐξετέλεσε M. λαλῶν [A add. τοὺς ν. τοῖτους] (1)  
 — 46. ποιῆν πάντα τοὺς λόγους τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 33. 4. νόμον ὃν ἐνετείλατο ἡμῖν M. (7)  
 — 10. δηλώσουσι . . . τὸν ν. σου τῷ Ἰσρ. (7)  
 Jo. 1. 8. ἢ βίβλος τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 9. 2 (8. 31). καθὰ γέγραπται ἐν τῷ ν. M. (7)  
 — 2 (8. 32). ἔγραψεν Ἰ. . . νόμον Μωυσῆ (7)  
 — 2 (8. 34). πάντα τὰ ῥήματα τοῦ ν. τοῦτον (7)  
 — 2 (8. 34). κατὰ πάντα τὰ γεγραμμ. ἐν τῷ ν. M. (7)  
 22. 5. φυλάσσεθαι σφόδρα ποιῆν . . . τὸν ν. (7)  
 23. 6. πάντα τὰ γεγραμμ. ἐν τῷ βιβλίῳ τοῦ ν. (7)  
 24. 25. ἔδωκεν αὐτῷ νόμον (3 α)  
 — 26. ἔγραψε . . . νόμον τοῦ θεοῦ (7)  
 II Ki. 7. 19. οὗτος δὲ ὁ ν. τοῦ ἀνθρώπου (7)  
 III Ki. 2. 3. B τὰ γεγραμμένα ἐν [A B add. τῷ] νόμῳ M. (7)  
 IV Ki. 10. 31. πορεύεσθαι ἐν νόμῳ κυρίου (7)  
 14. 6. ἐν βιβλίῳ νόμων [A βιβλῶν νόμῳ] M. (7)  
 17. 13. φυλάξατε . . . πάντα τὸν ν. (7)  
 — 34. κατὰ τὸν ν. καὶ κατὰ τὴν ἐπιτολὴν (7)  
 — 37. τὸν ν. . . φυλάσσεσθε (7)  
 22. 8. βιβλίον τοῦ ν. εἶρον (7)  
 — 11. τοὺς λόγους βιβλίου τοῦ ν. (7)  
 23. 24. ἵνα στήσῃ τοὺς λόγους τοῦ ν. (7)  
 — 25. κατὰ πάντα τὸν ν. Μωυσῆ (7)  
 I Ch. 16. 40. κατὰ πάντα τὰ γεγραμμ. ἐν νόμῳ κυρίου (7)  
 22. 12. τοῦ ποιῆν τὸν ν. κ. τοῦ θεοῦ σου (7)  
 II Ch. 6. 16. A B τοῦ πορεύεσθαι ἐν τῷ ν. [B ὀνόματι] μου (7)  
 14. 4 (3). καὶ ποιῆσαι τὸν ν. (7)  
 15. 3. καὶ ἐν οὐ νόμῳ (7)  
 17. 9. βίβλος νόμον κυρίου (7)  
 23. 18. A<sup>2</sup> B καθὼς γέγραπται ἐν νόμῳ M. (7)  
 25. 4. κατὰ τὴν διαθήκην τοῦ [A om.] ν. κυρίου (7)  
 31. 3. τὰς ἐορτὰς τὰς γεγραμμ. ἐν τῷ ν. κυρίου (7)  
 — 21. ἐν τῷ ν. καὶ ἐν τοῖς προστάγμασιν (7)  
 33. 8. κατὰ πάντα τὸν ν. (7)  
 34. 14. εἶρε X. ὁ ἱερεὺς βιβλίον νόμου κυρίου (7)  
 — 15. βιβλίον νόμου εἶδρον (7)  
 — 18. A βιβλίον νόμου [B om.] δ [A B<sup>3</sup> om.] — 19. B ὥς ἤκουσεν ὁ βασ. [A B add. τοὺς λόγους] τοῦ ν. (7)  
 35. 12. A ἐν βιβλίῳ νόμῳ [B om.] M. (7)  
 — 19. ἵνα στήσῃ τοὺς λόγους τοῦ ν. — 19. κατὰ πάντα τὸν ν. M. — 26. γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (7)  
 I Es. 1. 33. ἐν τῷ ν. κυρίου  
 5. 51. ὥς ἐπιτέτακται ἐν τῷ ν. — 8. 3. ὥς γραμματεὺς εὐφύης ὢν ἐν τῷ M. ν. — 7. εἰς τὸ μὴδὲν παραλείπειν ἐκ τοῦ ν. κυρίου — 8. ἀναγνώστην τοῦ ν. κυρίου — 9. ἀναγνώστη τοῦ ν. κυρίου — 12. B ἀκολουθεῖς ᾧ ἔχει νόμῳ κυρίου [A B al.] — 19. ἀναγνώστης τοῦ ν. τοῦ θ. τοῦ ὑψίστου — 21. κατὰ τὸν τοῦ θεοῦ ν. — 23. πάντα τοὺς ἐπιστάμ. τὸν ν. τοῦ θ. σου — 24. ὅσοι ἐὰν παραβιάζωσι τὸν ν. τοῦ θ. σου — 87. παραβῆναι τὸν ν. σου — 94. ὅσοι πειθαρχοῦσι τοῦ ν. [A τῷ ν.] κυρίου 9. 39. κόμισαι τὸν ν. M. — 40. A B ἐκόμισεν [B ἐδοκίμασεν] . . . τὸν ν. — 40. B ἀκούσαι τὸν ν. [A B τοῦ ν.] — 41. A B ἐπέδωκαν πᾶν τὸ πλῆθος τὸν ν. οὖν ἐἰς τὸν ν. [B al.] — 42. ἀναγνώστης τοῦ ν. — 45. A ἀναλαβὼν E. τὸ βιβλίον τοῦ ν. [B om. τ. ν.] — 46. ἐν τῷ λῦσαι τὸν ν. — 48. ἐδίδασκον τὸν ν. κυρίου — 48. B ἀνεγνώσκον τὸν ν. τοῦ κυρίου — 50. B ἐν τῷ ἀκούσαι τὸν ν. [A B τοῦ ν.] II Es. 8. 2. κατὰ τὰ γεγραμμ. ἐν νόμῳ M. (7)  
 7. 6. αὐτοὺς γραμματεὺς ταχὺς ἐν νόμῳ M. (7)  
 — 10. ἴρησαι τὸν ν. — 12. Eσδρα γραμματεὺς νόμου κυρίου (2)  
 — 14. A B ἀπεστᾶλην . . . νόμῳ [B -ον] θεοῦ αὐτῶν (2)  
 — 21. E . . . γραμματεὺς τοῦ ν. τοῦ θεοῦ (2)  
 — 25. πᾶσι τοῖς εἰδόσι νόμον τοῦ θεοῦ (2)  
 — 26. ὅς ἂν μὴ ἦ ποιῶν [A add. τὸν] νόμον τοῦ θ. καὶ νόμον τοῦ βασ. ἐτόιμας (2, 2)  
 10. 3. ὥς ὁ ν. γενηθήτω [B<sup>3</sup> al.] (7)  
 Ne. 8. 1. ἐνέγκαι τὸ βιβλίον νόμου M. — 2. ἤνεγκεν . . . τὸν νόμον [A om. τ. ν.] (7)

- Ne. 8. 3. καὶ ὅτα παντὸς τοῦ λαοῦ εἰς τὸ βιβλίον τοῦ ν. (7)  
 — 7. συνειζόντες τὸν λαὸν εἰς τὸν ν. (7)  
 — 8. ἀνέγνωσαν ἐν βιβλίῳ νόμου τοῦ θ. (7)  
 — 9. ὡς ἤκουσαν τὸν λόγον τοῦ ν. (7)  
 — 13. ἐπιστάσαι πρὸς πάντας τοὺς λόγους τοῦ ν. (7)  
 — 14. εὐρῶσαν γεγραμμένον ἐν τῷ ν. (7)  
 — 18. ἀνέγνω ἐν βιβλίῳ νόμου [S -φ] τοῦ θ. (7)  
 9. 3. ἀνέγνωσαν ἐν βιβλίῳ νόμου θεοῦ αὐ. (7)  
 — 13. ἔδωκαν αὐτοῖς . . . νόμους ἀληθείας (7)  
 — 14. νόμον [S<sup>2</sup> add. δν] ἐνετείλω αὐτοῖς (7)  
 — 26. ἔρριψαν τὸν ν. σου ὀπίσω σώματος αὐ. (7)  
 — 29. ἐπιστρίψαι αὐτοὺς εἰς τὸν ν. σου (7)  
 — 34. οὐκ ἐποίησαν τὸν ν. σου (7)  
 10. 28 (29). πᾶς ὁ ποροποιεῖται . . . πρὸς [A add. τὸν] νόμον τοῦ θ. (7)  
 — 29 (30). τὸν ποροποιεῖται ἐν νόμῳ τοῦ θ. (7)  
 — 34 (35). A S B ὡς γέγραπται ἐν τῷ ν. [B ἐν βιβλίῳ] (7)  
 — 36 (37). ὡς γέγραπται ἐν τῷ ν. (7)  
 12. 44. κατέστησαν . . . μερίδας [S<sup>2</sup> add. τοῦ ν.] τοῖς ἰ. (7)  
 13. 3. ὡς ἤκουσαν τὸν ν. M. (7)  
 To. 1. 8. S ἐν τῷ ν. M. (7)  
 6. 12. κατὰ τὸν ν. Μωσῆ [S al.] (7)  
 7. 13. κατὰ τὸν ν. Μωυσέως [S al.] (7)  
 — 14. B κατὰ τὴν κρίσιν τοῦ M. νόμου (7)  
 14. 9. A B τήρουν τὸν ν. (7)  
 Ju. 11. 12. διεστειλὸν αὐτοῖς ὁ θ. τοῖς ν. αὐτοῦ (7)  
 Es. 1. 8. οὐ [S om.] κατὰ προκείμενον ν. ἐγένετο (2)  
 — 13. ποιήσατε οὐν περὶ τούτου νόμον (2)  
 — 15. ἀπήγγειλαν αὐτῷ κατὰ τοὺς ν. (2)  
 — 19. γραφίῳ κατὰ τοὺς ν. Μῆδων καὶ Π. (2)  
 — 20. ἀκουσθήτω ὁ ν. [A S<sup>2</sup> λόγος] (2)  
 3. 8. οἱ δὲ ν. αὐ. ἔξαλλοι (2)  
 — 8. τῶν δὲ ν. τοῦ βασι. παρακρίουσιν (2)  
 — 13. τοῖς ν. ἀντίθετον [A B ἀντίτυπον] πρὸς πᾶν ἔθνος (2)  
 — 13. διαγογγῆν νόμον ξενίζουσιν παραλλάσσον [A S<sup>2</sup> al.] (7)  
 4. 16. εἰσελθίσαι . . . παρὰ τὸν ν. (2)  
 8. 11. χρῆσθαι τοῖς ν. αὐτῶν (7)  
 — 13. δικαιοσύνην οἱ ν. πολιτευομένους νόμους [S<sup>2</sup> al.] (7)  
 — 13. A B χρῆσθαι τοῖς ἐαυ. ν. [B νομίμοις] (7)  
 Jb. 34. 27. ἐξέκλιναν ἐκ νόμου θεοῦ (7)  
 Ps. 1. 2. ἐν τῷ ν. κυρίου τὸ θέλημα αὐτοῦ (7)  
 — 2. ἐν τῷ ν. αὐτοῦ μελετήσῃ ἡμέρας καὶ νυκτὸς (7)  
 18 (19). 7. ὁ ν. τοῦ κυρίου ἄνωμος (7)  
 36 (37). 31. ὁ ν. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (7)  
 39 (40). 8. τὸ ποιῆσαι . . . τὸν ν. σου (7)  
 58 (59). 11. μὴ ποτε ἐπιλάθωνται τοῦ ν. [S<sup>2</sup> ὀνομαστός] σου (7)  
 77 (78). 1. προσέχετε λόγος μου τὸν ν. μου (7)  
 — 5. νόμον ἔθετο ἐν Ἰσραὴλ (7)  
 — 10. ἐν τῷ ν. αὐτοῦ οὐκ ἤθελον πορεύεσθαι (7)  
 88 (89). 30. ἔὰν ἐγκαταλείπωνται οἱ υἱοὶ αὐτοῦ τὸν ν. μου (7)  
 93 (94). 12. καὶ ἐκ τοῦ ν. σου διδάξῃς αὐτόν (7)  
 104 (105). 45. καὶ τὸν ν. αὐτοῦ ἐκζητήσωσιν (7)  
 118 (119). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν νόμῳ κυρίου (7)  
 — 18. κατανοήσω τὰ θαυμάσια ἐκ τοῦ ν. σου (7)  
 — 29. τῷ ν. σου ἐλέησόν με (7)  
 — 34. ἐξερκενίσω [S<sup>2</sup> ἐκζητήσω] τὸν ν. σου (7)  
 — 44. φυλάξω τὸν ν. σου διὰ παντός (7)  
 — 51. A B ἀπὸ δὲ τοῦ ν. σου οὐκ ἐξέκλιναν (7)  
 — 53. ἀπὸ ἁμαρτωλῶν τῶν ἐγκαταλειμμάτων τὸν ν. σου (7)  
 — 55. ἐφύλαξα τὸν ν. σου (7)  
 — 57. εἴπα τοῦ φυλάξασθαι τὸν ν. [S<sup>2</sup> τὰς ἐντολάς] σου (7)  
 — 61. τοῦ ν. σου οὐκ ἐπελαθόμην (7)  
 — 70. ἐγὼ δὲ τὸν ν. σου ἐμελέτησα (7)  
 — 72. A B<sup>2</sup> ἀγαθὸν [S<sup>2</sup> B -ὄς] μοι ὁ ν. τοῦ στόματός σου (7)  
 — 77. ὁ ν. σου μελέτῃ μου ἐστίν (7)  
 — 85. ἀλλ' οὐχ ὡς ὁ ν. σου, κύριε (7)  
 — 92. εἰ μὴ ὅτι ὁ ν. σου μελέτῃ μου ἐστίν (7)  
 — 97. ὡς ἠγάπησα τὸν ν. σου (7)  
 — 105. λυχνος τοῖς ποσὶ μου ὁ ν. σου (7)  
 — 109. τοῦ ν. [S<sup>2</sup> τὸν ν.] σου οὐκ ἐπελαθόμην (7)  
 — 113. τὸν δὲ ν. σου ἠγάπησα (7)  
 — 126. διεσκέδασαν τὸν ν. σου (7)  
 — 136. οὐκ ἐφύλαξα τὸν ν. σου (7)  
 — 142. ὁ ν. [S<sup>2</sup> λόγος] σου ἀληθία (7)  
 — 150. ἀπὸ δὲ τοῦ ν. σου οὐκ ἐμακρύνθησαν (7)  
 Ps. 118 (119). 153. τοῦ ν. [S<sup>2</sup> τὸν ν.] σου οὐκ ἐπέλαθόμην (7)  
 — 163. τὸν δὲ ν. σου ἠγάπησα (7)  
 — 165. S B εἰρήνη πολλὰ τοῖς ἀγαπῶσι τὸν ν. (7)  
 — [A τὸ δόγμα] σου (7)  
 — 174. ὁ ν. σου μελέτῃ μου ἐστίν (7)  
 129 (130). 5. S<sup>2</sup> ὑπέμεινον ἡ ψυχὴ μου εἰς τὸν ν. [A S<sup>2</sup> B λόγους] (1)  
 Pr. 1. 8. A S ἄκουε, υἱέ, νόμους [B παιδείαν] πατρὸς σου (7)  
 8. 16. νόμον δὲ καὶ ἔλεον ἐπὶ γλώσσης φορεῖ (7)  
 4. 2. τὸν ἐμὸν ν. μὴ ἐγκαταλίπη (7)  
 6. 20. φυλάσσει νόμους πατρὸς σου (7)  
 — 23. λυχνος ἐντολῇ νόμου καὶ φῶς (7)  
 9. 10. τὸ γὰρ γνῶναι νόμον διανοίας ἐστίν ἀγαθὸς (7)  
 13. 14. νόμος σφικτὴ πηγὴ ζωῆς (7)  
 — 15. τὸ δὲ γνῶναι νόμον διανοίας ἐστίν ἀγαθὸς (2)  
 28. 4. οἱ ἐγκαταλείποντες τὸν ν. ἐγκαμαύζουσιν ἀσέβειαν (7)  
 — 4. οἱ δὲ ἀγαπῶντες τὸν ν. περιβάλλουσιν ἐαυτοὺς τείχος (7)  
 — 7. φυλάσσει νόμον [S<sup>2</sup> -ους] υἱὸς συνετός (7)  
 — 9. ὁ ἐκκλίνων τὸ σὺς αὐτοῦ μὴ εἰσακούσαι νόμου (7)  
 29. 18. ὁ δὲ φυλάσσω τὸν ν. μακαριστός (7)  
 Wi. 2. 11. ἔστω δὲ ἡμῶν ἡ ἰσχύς νόμος τῆς δικαιοσύνης (7)  
 — 12. ἀνειδίξει ἡμῶν ἀμαρτήματα νόμον (7)  
 6. 4. οὐδὲ ἐφύλιζατε νόμον (7)  
 — 18. ἀγάπη δὲ τήρησις νόμον αὐτῆς προσοχὴ δὲ νόμον βεβαίως ἀφάρσας (7)  
 7. 20. φύσεις [φῶν] καὶ νόμους καὶ [A B S<sup>2</sup> ζ. κ. θυμὸς] θηρίων (7)  
 9. 5. ἐλάσσω ἐν συνέσει κρίσεως καὶ νόμον (7)  
 14. 16. τὸ ἀσεβὲς ἔθος [S<sup>2</sup> ἔθνος] ὡς νόμος [S<sup>2</sup> -ον] ἐφύλαχθη (7)  
 16. 6. εἰς ἀνάμνησιν ἐντολῆς νόμου [A -ον] σου [S om.] (7)  
 18. 4. ἤμελλε τὸ ἀφθαρτὸν νόμου φῶς [S<sup>2</sup> φωτὸς] τῷ αἰῶνι διδοῦναι (7)  
 — 9. τὸν τῆς θεότητος [S οὐσίτης] ν. ἐν ὁμονοίᾳ διέθεντο (7)  
 Si. prol. 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῶν διὰ τοῦ ν. . . . δεδομένων (7)  
 — 8. ἐπὶ πλείον ἐαυτὸν δοῦν εἰς τὴν τοῦ [A om.] ν. . . ἀνάγκωσιν (7)  
 — 12. S<sup>2</sup> διὰ τῆς ἐκ νόμου [A B S<sup>2</sup> ἐν νόμῳ] βιώσεως (7)  
 — 17. αὐτὸς ὁ ν. . . οὐ μικρὰν ἔχει τὴν διαφορὰν (7)  
 — 27. A B S<sup>2</sup> προκατασκευαζομένους [S<sup>2</sup> B -οις] τὰ ἦθη ἐν νόμῳ [A ἐννόμῳ] βιοτεύειν (7)  
 2. 16. οἱ ἀγαπῶντες αὐτὸν ἐμπισθεύονται τοῦ [S om.] ν. (7)  
 9. 15. πᾶσα διήγησις σου ἐν νόμῳ ὑψίστου (7)  
 15. 1. ὁ ἐγκρατὴς τοῦ ν. καταλήψεται αὐτὴν [A -όν] (7)  
 17. 11. νόμον ζωῆς ἐκλήροδότησεν αὐτοῖς [A S<sup>2</sup> -ους] (7)  
 19. 17. δὲς τόπον νόμῳ ὑψίστου (7)  
 — 20. ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποιήσεις νόμον (7)  
 — 24. περισσεύων ἐν φρονήσει [A συνέσει] καὶ παραβαίνων νόμον (7)  
 21. 11. ὁ φυλάσσω νόμον (7)  
 23. 23. πρῶτον μὲν γὰρ ἐν νόμῳ ὑψίστου [A -φ] ἠπειθήσε (7)  
 24. 23. νόμον δν ἐνετείλατο Μωυσῆς (7)  
 31 (34). 8. ἀνευ ψεύδους συντελεσθήσεται νόμος (7)  
 32 (35). 1. A B<sup>2</sup> S B ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει προσφορὰς [B<sup>2</sup> συμφορὰς] (7)  
 35 (32). 15. ὁ ζητῶν νόμον ἐμπισθεύεται [S<sup>2</sup> ἐπιλησθ.] αὐτοῦ (7)  
 — 24. ὁ πιστεύων νόμῳ προσέχει ἐντολαῖς (7)  
 36 (33). 2. ἀνὴρ σοφὸς οὐ μῆσσει νόμον (7)  
 — 3. ἀνθρώπος συνετός ἐμπιστεύσει νόμῳ καὶ ὁ ν. αὐτῷ πιστός (7)  
 38. 34. πλὴν τοῦ . . . διανοουμένου [A -φ] ἐν νόμῳ ὑψίστου (7)  
 39. 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχῆσεται (7)  
 41. 8. οἵτινες ἐγκατέλιπε νόμον θεοῦ [S om.] ὑψίστου (7)  
 42. 2. περὶ νόμον ὑψίστου καὶ διαθήκης (7)  
 44. 19. δς συντηρήσει νόμον ὑψίστου (7)  
 45. 5. ἔδωκεν αὐτῷ . . . νόμον [ζωῆς καὶ ἐπιστήμης] (7)  
 — 17. A B ἐν νόμῳ αὐτοῦ φωτισαί [B S φωνήσαι] Ἰσραὴλ (7)  
 46. 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγὴν (7)  
 49. 4. κατέλιπον γὰρ τὸν ν. τοῦ ὑψίστου (7)  
 Ho. 4. 6. καὶ ἐπελάθοντο νόμον [A νόμου] θεοῦ σου (7)  
 8. 1. κατὰ τοῦ ν. μου ἡσέβησαν [B<sup>2</sup> om.] (7)  
 Am. 2. 4. ἔρεκα τοῦ ἀπόσσωθαί αὐτοὺς τὸν ν. τοῦ κ. (7)  
 4. 5. καὶ ἀνέγνωσαν ἔξω νόμον (7)  
 Mi. 4. 2. ἐκ Σ. ἐξελεύσεται νόμος (7)  
 Hb. 1. 4. διὰ τοῦτο διεσκέδασται νόμος (7)  
 Ze. 3. 4. ἱερεῖς αὐτῆς . . . ἀσεβοῦσι νόμον [S<sup>2</sup> al.] (7)  
 Hg. 2. 12 (11). ἐπερώτησαν τοὺς ἱερεῖς νόμον (7)  
 Za. 7. 12. τοῦ μὴ εἰσακούειν τοῦ ν. μου (7)  
 Ma. 2. 6. νόμος ἀληθείας ἦν ἐν τῷ στόματι αὐτοῦ (7)  
 — 7. νόμον ἐκζητήσουσιν ἐκ στόματος αὐτοῦ (7)  
 — 8. καὶ ἡσθενήσατε πολλοὺς ἐν νόμῳ (7)  
 — 9. ἀλλὰ ἐλαμβάνετε πρόσωπα ἐν νόμῳ (7)  
 4. 4 (8. 22). μνήσθητε νόμον M. τοῦ δούλου μου (7)  
 Is. 1. 10. προσέχετε νόμον θεοῦ (7)  
 2. 3. ἐκ γὰρ Σιών ἐξελεύσεται ν. (7)  
 5. 24. οὐ γὰρ θέλησαν τὸν ν. κυρίου σαβαώθ (7)  
 8. 16. φανεροὶ ἐσονται οἱ σφραγισμένοι τὸν ν. (7)  
 — 20. νόμον γὰρ εἰς βοήθειαν ἔδωκαν (7)  
 24. 5. παρήλθοσαν [A παρέβησαν] τὸν ν. (7 a)  
 — 17. οἱ ἀθετοῦντες τὸν ν. (7)  
 30. 9. οὐκ ἠβούλουντο ἀκοῦειν τὸν ν. τοῦ θεοῦ (7)  
 33. 6. ἐν νόμῳ παραδοθήσονται (7)  
 42. 24. οὐδὲ ἀκούειν τοῦ ν. αὐτοῦ [S al.] (7)  
 51. 4. ν. παρ' ἐμοῦ ἐξελεύσεται (7)  
 — 7. λαὸς οὗ ὁ ν. μου ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν (7)  
 Je. 2. 8. οἱ ἀντεχόμενοι τοῦ ν. [A S add. μου] οὐκ ἠπίσταντο με (7)  
 6. 19. τὸν ν. μου ἀπόσαντο (7)  
 8. 8. ν. κυρίου ἐστὶν μεθ' ἡμῶν (7)  
 — 9. τὸν ν. [A S λόγους] κυρίου ἀπεδοκίμασαν (1)  
 9. 13 (12). διὰ τὸ ἐγκαταλείπειν αὐτοὺς τὸν ν. μου (7)  
 13. 25. A ὡς ἐπελείθον νόμον [B S om.] μου (7)  
 16. 11. τὸν ν. μου οὐκ ἐφύλαξαντο (7)  
 18. 18. οὐκ ἀπολείπειν ν. ἀπὸ ἱερῶς (7)  
 23. 27. τοῦ ἐπιλαθέσθαι τοῦ ν. μου ἐν τοῖς ἐμπνεύσις αὐτῶν (7)  
 29 (49). 12. οἱ οὐκ ἦν ν. πεινὲς τὸ ποτήριον (5)  
 33 (26). 4. A τοῦ πορεύεσθαι ἐν τοῖς ν. [B S νομίμοις] μου (7)  
 34 (27). 18. S<sup>2</sup> ἐστὶ ν. [A B S<sup>2</sup> λόγους] κυρίου ἐν αὐτοῖς (1)  
 38 (31). 33. διδοὺς δώσω νόμους μου εἰς τὴν διάδωκαν αὐ. [S<sup>2</sup> al.] (7)  
 — 36. ἐὰν παύσωνται οἱ ν. οὗτοι ἀπὸ προσώπου μου (3 a)  
 51 (44). 23. ἐν τῷ ν. . . οὐκ ἐπορεύθητε (3 b)  
 Ba. 2. 2. κατὰ τὰ γεγραμμένα ἐν τῷ ν. Μωσῆ (7)  
 — 28. γράψαι τὸν ν. σου ἐναντίον υἱῶν Ἰσ. (7)  
 4. 1. ὁ ν. ὁ ὑπάρχων εἰς τὸν αἰῶνα (7)  
 — 13. ἐξέκλιναν ἐκ νόμου θεοῦ (7)  
 La. 2. 9. οὐκ ἔστι ν. (7)  
 Ez. 7. 26. ν. ἀπολείπει ἐξ ἱερῶς (7)  
 22. 26. οἱ ἱερεῖς αὐτῆς ἠθέτησαν νόμον [A τὸν ν.] μου (7)  
 43. 12. A ὁ νόμος ὁ ν. τοῦ οἴκου (7)  
 Da. LXX. Su. 3. κατὰ τὸν ν. M. (7)  
 — 61. ὡς ὁ ν. διαγορεύειν (7)  
 3. (30). τῶν ἐντολῶν τοῦ ν. σου οὐχ ὑπήκουσαν (2)  
 7. 25. ἀλλοιωσάντες καιροὺς καὶ νόμον (7)  
 9. 10. κατακολουθήσαι τῷ ν. σου (7)  
 — 11. πᾶς Ἰσρ. ἐγκατέλιπε τὸν ν. σου (7)  
 — 11. ὁ ὄρκος ὁ γεγραμμ. ἐν τῷ ν. M. (7)  
 Da. TH. Su. 3. 62. κατὰ τὸν ν. M. (7)  
 6. 5 (6). A εἰ μὴ ἐν νόμοις [B νομίμοις] θεοῦ αὐτοῦ (2)  
 7. 25. τοῦ ἀλλοιωσάντες καιροὺς καὶ νόμον (7)  
 9. 10. πορεύεσθαι ἐν [A om.] τοῖς ν. αὐ. (7)  
 — 11. πᾶς Ἰσρ. παρέβησαν τὸν ν. σου (7)  
 — 11. ὁ ὄρκος ὁ γεγραμμ. ἐν τῷ ν. M. (7)  
 — 13. κηδὸς γέγραπται ἐν τῷ [A om.] ν. M. (7)  
 I Ma. 1. 49. ὥστε ἐπιλαθέσθαι τοῦ ν. (7)  
 — 52. πᾶς ὁ ἐγκαταλείπων τὸν ν. (7)  
 — 56. τὰ βιβλία τοῦ ν. . . ἐνεπύρισαν (7)  
 — 57. εἰ τις συνεδδύκει τῷ ν. (7)  
 2. 21. ἴλεως ἡμῶν καταλείπειν νόμον (7)  
 — 22. A τὸν ν. [S λόγους, B τῶν λ.] τοῦ βασι. οὐκ ἀκουσόμεθα (7)  
 — 26. ἐζήλωσε [S<sup>2</sup> ἔδωκαν] τῷ ν. (7)  
 — 27. πᾶς ὁ ζήλων τῷ ν. (7)  
 — 42. πᾶς ὁ ἐκονισαζόμενος τῷ ν. (7)  
 — 48. ἀντελάβοντο τοῦ ν. (7)  
 — 50. ζήλωσατε τῷ ν. (7)  
 — 58. A B ἐν τῷ ζῆλωσιν ζῆλον νόμου [B νόμον ζήλους] (7)  
 — 64. ἀνδρίζεσθε ἐν τῷ ν. (7)  
 — 67. προσάγετε πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς ποιητὰς τοῦ ν. (7)

- I Ma. 2. 68. προσέχετε εἰς τὰ προστάγματα τοῦ ν.  
3. 48. ἐξεπέτασαν τὸ βιβλίον τοῦ ν.  
— 56. ἀποστρέφειν ἐκόντων . . . κατὰ τὸν ν.  
4. 42. ἐπέλεξε ἐν ἱερῇ ἀμόμουσιν θελήσας νόμου  
— 47. ἔλθον λίθους ὁλοκλήρους κατὰ τὸν ν.  
— 53. ἀνήγγεγκαν θυσίαν κατὰ τὸν ν.  
10. 14. τινὲς τῶν καταλιπόντων τὸν ν.  
— 37. πορευθέντων τοῖς ν.  
13. 3. ΑΒ δσα . . . ἐποίησαν περὶ τῶν ν. [S al.]  
— 48. οἵτινες τὸν ν. ποιοῦσι  
14. 14. τὸν ν. ἐξέζητησε  
— 29. ὅπως σταθῇ . . . ὁ ν.  
15. 21. ὅπως ἐκδικήσῃ . . . κατὰ τὸν ν. αὐ.  
II Ma. 1. 4. διανοίξει τὴν κυρίαν ἡμῶν ἐν τῷ ν. αὐ.  
2. 2. ΑΒ δούεσ αὐτοῖς τὸν ν.  
— 3. ΑΒ μὴ ἀποστῇ τὸν ν. ἀπὸ τῆς καρδίας αὐ.  
— 18. καθὼς ἐπηγγέλματο διὰ τοῦ ν.  
— 22. τοὺς μέλλοντας καταλιθεῖν νόμους  
3. 1. Β τὸν ν. ἔτι [Α τάφου] μετέσχε  
4. 2. τὸν . . . ἡλωτῆν τῶν ν.  
— 17. ἀσβεῖν γὰρ εἰς τοὺς θεῖους ν.  
5. 8. στυγνομένοις ὡς τῶν ν. ἀποστάτης  
— 10. Οὕτε πατῆρυν ν. [Β τάφου] μετέσχε  
— 15. τὸν καὶ τῶν ν. καὶ τῆς πατρίδος προδότην  
6. 1. Α μεταβαίνειν ἀπὸ τῶν πατρίων ν. καὶ τοῖς τοῦ  
θεοῦ νόμῳ μὴ πολιτευέσθαι [B al.]  
— 5. τοὺς ἀποδιεσταλμ. ἀπὸ τῶν ν. ἀθεμίτους  
— 28. εἰς τὸ . . . γενναίως ὑπὲρ τῶν . . . ἀγίων ν.  
ἀπειθανκαίξει  
7. 2. Β παραβαίνειν τοὺς πατρίους ν. [A al.]  
— 9. ἀποθανόντις ἡμᾶς ὑπὲρ τῶν αὐτῶν ν.  
— 11. διὰ τοὺς αὐτοῦ ν. ἐπερωρῶ ταῦτα  
— 23. ὑπερκότῃς ἑαυτοὺς διὰ τοὺς αὐτοῦ νόμους  
— 24. Β μεταθέμενον ἀπὸ τῶν πατρίων ν. [A om.]  
— 30. τοῦ διὰ προστάγματος ἀκούου τοῦ ν.  
— 37. σῶμα . . . προδίδωμι περὶ τῶν πατρίων ν.  
8. 21. ἐτόιμους ὑπὲρ τῶν ν. . . ἀποδύσκειν  
— 36. διὰ τὸ ἀκολουθεῖν τοῖς ὑπ' αὐτοῦ προτε-  
ταγμ. νόμοις  
10. 26. κυβὼς καὶ ὁ ν. διασφαῖ  
11. 31. χρῆσθαι τοὺς ἴ. τοῖς ἐνυτῶν . . . ν.  
12. 40. ἀφ' ὧν ὁ ν. ἀπέρχεται τοὺς ἴ.  
13. 10. τοῖς τοῦ ν. . . στρεῖσθαι μέλλουσι  
— 14. Α ἀγωνιάσθαι μέχρι θανάτου περὶ νόμων  
ἱεροῦ [B al.]  
15. 9. παραμυθισμένοι αὐτοὺς ἐκ τοῦ ν.  
III Ma. 1. 12. Β τοῦ τε ν. παραναγνοσθέντος [Α  
παραγν.]  
— 23. θαρραλέως ὑπὲρ τοῦ πατῆρος ν. τελευτᾷ  
3. 4. τῷ τοῖτον νόμῳ πολιτευόμενοι  
5. 36. Β κατὰ δὲ τούτων τοὺς [Α τοὺς αὐτοὺς] ν.  
7. 5. νόμον Σκυθῶν ἀγριοτέρων ἐμπεπαρημένον  
ὠμότητα  
— 10. παραβηκτικὰς τὸν θεοῦ τὸν ν.  
— 12. τοὺς παραβηκτικὰς τὸν θεοῦ τὸν ν.  
IV Ma. 1. 17. αὕτη δὴ τοῖνυν ἐστὶν ἡ τοῦ ν. παιδεία  
— 34. ΑΒ τὸν ν. ἀπηγορευμ. ἡμῖν κατὰ [B δὲ] διὰ  
τὸν ν.  
2. 5. λέγει γοῦν ὁ ν.  
— 6. ὅτε μὴ ἐπιθυμῶν εἰρηκεν ἡμᾶς ὁ ν.  
— 8. τῷ ν. πολιτευόμενος  
— 9. ὑπὸ τοῦ ν. κρατεῖται  
— 10. ὁ γὰρ ν. καὶ τῆς πρὸς γονεῖς εὐνοίας κρατεῖ  
— 13. ἐπικρατεῖν δύναται διὰ τὸν ν.  
— 23. καὶ τοῦτῳ νόμῳ ἔδωκε  
4. 23. τῷ πατρίῳ πολιτευόμενον ν.  
5. 16. θεῖω πεπειγμένοι νόμῳ πολιτευέσθαι  
— 16. τῆς πρὸς τὸν ν. ἡμῶν ἐπιειθείας  
— 18. εἰ καὶ κατὰ ἀληθείαν μὴ ἦν ὁ ν. ἡμῶν  
— 21. ὡς ὁμοίως ὁ ν. ὑπερφηανταῖς  
— 25. πιστεύουσιν γὰρ θεοῦ κριθεῖσάναι τὸν ν.  
— 29. περὶ τοῦ φυλάξαι τὸν ν.  
— 33. τὸν πατρίων καταλύσαι ν.  
— 34. οὐ ψεύσομαι σε, παιδεύειν νόμῳ  
6. 21. τὸν δὲ θεῖον ἡμῶν ν. . . μὴ προσάσπασαι  
— 27. ἀποθήσκω διὰ τὸν ν.  
— 30. ἀντίστη τῷ λογισμῷ διὰ τὸν ν.  
7. 7. ὁ σύμφωνε νόμου  
— 8. Β τοὺς ἱεροποιούντας [ΑΒ δημιουργ.] τὸν ν.  
8. 25. ΒΒ οὐδὲ αὐτοὶ ὁ ν. [Α ναὺς] . . . ἡμᾶς θανατοῖ  
9. 2. εἰ μὴ τῷ ν. εἰπιειδεία  
— 15. θεῖον ν. προσάσποντα  
10. 20. ὑπὲρ τοῦ ν. τοῦ θ. . . ἀκρωτηριαζόμεθα  
11. 5. κατὰ τὸν ἐνάρετον αὐ. ζῶμεν ν.  
— 12. παρέχων τὴν εἰς τὸν ν. ἡμῶν καρτερίαν  
— 27. θεῖον ν. προσετίκασιν ἡμῶν οἱ δορυφόροι

- IV Ma. 13. 9. ἀποθάνωμεν ἀδελφοὶ περὶ τοῦ ν.  
— 13. χρῶμεν τῇ περὶ τὸν ν. φυλακῇ τὰ σώματα  
— 22. καὶ τῆς ἡμετέρας ἐν νόμῳ θεοῦ ἀσκήσεως  
— 24. νόμῳ γὰρ τῷ αὐτῷ παιδευθέντες  
15. 9. καὶ τὴν πρὸς τὸν ν. αὐ. εὐπειθείαν  
— 29. ἐκδικε τοῦ ν.  
16. 16. ΑΒ ἐναγωνιάσθε . . . ὑπὲρ τοῦ πατρίου  
[S πατῆρος] ν.  
18. 1. πείθεσθε τῷ ν. τούτῳ  
— 10. ὅς ἐδίδασκεν ὑμᾶς . . . τὸν ν.  
[Aq. Ge. 26. 5: Lc. 26. 46: Jo. 1. 7: Jn. 22.  
22: Ps. 1. 2 bis: 39 (40). 9: 118 (119). 109.  
126: Pr. 6. 23: Is. 1. 10: 8. 16: 42. 4: JE.  
81 (88). 33: Ho. 8. 12.]  
[Sm. Ge. 26. 5: Lc. 26. 46: Dt. 33. 2: Jo. 1.  
7: Ps. 1. 2 bis: 9. 21: 89 (40). 9: 118 (119).  
105, 126, 136: 129 (130). 4: Pr. 6. 23: 31.  
26: Is. 1. 10: 8. 16: 42. 4, 21: JE. 81 (88).  
33: Ho. 8. 12: Ma. 2. 9.]  
[Th. Ge. 26. 5: Lc. 26. 46: Jo. 1. 7: Ps. 39  
(40). 9: 118 (119). 165: 129 (130). 4: Pr. 6.  
23: 31. 26: Is. 1. 10: 42. 4: JE. 81 (88). 33:  
44 (51). 10.]  
[Al. Jo. 8. 34 (9. γ).]  
[Quint., Sext. Ps. 1. 2 bis.]  
[Heb. Is. 42. 4.]  
**νομός.** (1) **נְהוֹם** (2) **נְהוּ**  
Is. 19. 2. καὶ νομὸς ἐπὶ νομῶν (1, 1)  
Je. 10. 25. τὴν νομὴν [B τὸν ν.] αὐ. ἠρήμωσαν (2)  
I Ma. 10. 30. καὶ ἀπὸ τῶν τριῶν ν. τὸν προστίθεμαι αὐτῇ  
— 38. τοὺς τρεῖς ν. τοὺς προστίθεντας τῇ ἴ.  
11. 34. ἐστάκαμεν οὐδ' αὐτοῖς . . . τοὺς τρεῖς ν.  
— 57. καθίσταμι σε ἐπὶ τῶν τεσσάρων ν.  
II Ma. 5. 14. Α ἑσσομαρς μὲν ἐν χειρῶν νομοῖς [B αἰς]  
III Ma. 4. 3. τίς ν. ἡ πόλις  
**νομοφαγία.**  
IV Ma. 1. 36. Α λιμαργίᾳ καὶ νομοφαγίᾳ [S B μονοφ.]  
**νομοφύλαξ.**  
IV Ma. 15. 32. οὕτως σὺ, ἡ ν.  
**νοσεῖν.**  
Wi. 17. 8. παραχῆς ἀπελαύνειν ψυχῆς νοσοῦσας [B  
al.]  
— 8. οὗτοι καταγέλαστον ἐλάβειν ἐνόσουν  
[Sm. Ge. 48. 1: I Ki. 80. 13.]  
**νοσερός.** (1) **נִסְרֹס**  
Je. 14. 15. ἐν θανάτῳ νοσερῶ ἀποθανοῦνται +  
16. 4. ἐν θανάτῳ νοσερῶ ἀποθανοῦνται (1)  
**νόσος.** (1) **אֵלָה** **ב.** **הִלְךָ** **ד.** **הִלְךָ** **הִלְךָ**  
(2) **הִלְךָ** (3) **הִלְךָ** (4) **הִלְךָ**  
Ex. 15. 26. pāsān ν. . . οὐκ ἐπάξω ἐπὶ σέ (1b)  
De. 7. 15. καὶ π. νόσους . . . οὐκ ἐπιθήσει (2)  
28. 59. ΑΒ τὸν ν. πονηρίας καὶ πιστῶς (3)  
29. 22 (21). θῶνται . . . τὰς ν. αὐτῆς (4)  
II Ch. 21. 15. ἐν μαλακίᾳ πονηρῇ ἐν νόσῳ κοιλίας (1c)  
— 19. ἐξῆλθεν ἡ κοιλία αὐ. μετὰ τῆς ν. (1a)  
Jb. 24. 23. ἀλλὰ πεσέται νόσῳ +  
Ps. 102 (103). 3. τὸν ὥμενον πάσας τὰς ν. σου (4)  
Si. 2. 5. B ἐν νόσοις καὶ πενίᾳ ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς γίνου  
37. 30. ΑΒ ἐν πολλοῖς γὰρ βρώμασιν ἔσται νόσος  
[B πόνος]  
Ho. 5. 13. καὶ εἶδεν Ἐφ. τὴν ν. αὐτοῦ (1a)  
Da. LXX. Su. 57. τὴν ν. ὑμῶν ἐν ἀνομίᾳ ὑπενεγκέιν  
I Ma. 14. 5. εἰσόδον τὰς νόσους [S νόσεις] τῆς θαλ.  
[Aq. Is. 58. 4.]  
[Sm. Ec. 5. 12: Is. 1. 5: 53. 3: Je. 6. 7.]  
**νοσεῖν.** (1) **נִסְרֹס** (2) **נִסְרֹס** (3) **נִסְרֹס**  
Si. 1. 15. μετὰ ἀνθρώπων θεμελίον αἰῶνος ἐνόσσευσεν  
Is. 34. 15. ἐκεῖ ἐνόσσευσεν ἐχίνος (2)  
Je. 31 (48). 28. ὥστε περισσότεραι νοσεύουσιν  
[A al ν.] ἐν πέτραις (2)  
Ez. 31. 6. ἐν ταῖς παραφάνσιν αὐτοῦ ἐνόσσευσαν  
πάντα τὰ πετεινὰ (2)  
Da. LXX. 4. 9. ἐν αὐτῷ τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ  
ἐνόσσεον (1)  
— 18. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ. τὰ νοσεύοντα  
ἐν αὐτῷ (3)  
[Aq. Ps. 103 (104). 17.]  
**νοσσία.** **νοσσία** (—εία). (1) **נִסְרֹס** (2) **נִסְרֹס**  
Ge. 6. 14. νοσσία ποιήσεις τὴν κιβωτόν (2)  
Nu. 24. 21. ἐὰν θῆς ἐν πέτρᾳ τὴν ν. σου (2)

- Nu. 24. 22. B<sup>1</sup> ἐὰν γίνῃται τῷ B. νοσσία +  
[A B<sup>2</sup> E νοσ.] πανουργίας  
De. 22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς νοσσία ὀρέων (2)  
32. 11. ὡς ἀεὶ σκεπασαί νοσσία αὐ. (2)  
Jb. 39. 27. γυψὶ δὲ ἐπὶ νοσσίαι αὐτοῦ καθεσθῆις  
αὐλίσσεται (2)  
Ps. 83 (84). 3. εἶρεν . . . τριγῶν νοσσίαν ἐνυτῇ (2)  
Pr. 16. 16. νοσσία σοφίας αἰρετώτερα χρυσίου  
νοσσία δὲ φρονήσεως αἰρετώτερα ὑπὲρ ἀργύριον +, +  
27. 8. ὥστε ὅταν ὀρεῖται καταπετασθῇ ἐκ τῆς  
ἰδίας ν. (2)  
Si. 36. 31 (28). οὕτως ἀνθρώπῳ μὴ ἔχοντι νοσσίαν  
Ob. 1. 4. ἐὰν ἀνὰ μέσον τῶν ἀστρῶν θῆς νοσ-  
σίαν σου (2)  
Na. 2. 12 (13). καὶ ἐπληρεθῇ θῆρας νοσσίαν αὐτοῦ (1)  
Hb. 2. 9. τοῦ τάξαι εἰς ὕψος [B<sup>1</sup> οἶκον] νοσσίαν  
αὐτοῦ (2)  
Is. 10. 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι τῇ  
χειρὶ ὡς νοσσίαν (2)  
Je. 29 (49). 16. ὑψώσω [A ἐὰν ὑψώσω] ὥστε  
ἀεὶς νοσσίαν αὐτοῦ (2)  
IV Ma. 14. 19. πληρῶσαι τοὺς προσόντας τῇ ν.  
αὐτῶν  
[Aq. Ps. 83 (84). 4: Is. 16. 2.]  
[Sm. Jb. 29. 18.]  
**νοσσίον.** (1) **נִסְרֹס**  
Ps. 83 (84). 3. οὐ θῆσει τὰ ν. αὐτῆς (1)  
**νοσσοποιεῖν.**  
Is. 18. 22. νοσσοποιήσουσιν ἐχίνος ἐν τοῖς οἴκοις  
αὐτῶν +  
IV Ma. 14. 16. τὰ δὲ κατὰ τὰς κορυφὰς ὀρέων . . .  
νοσσοποιήσονται [B<sup>1</sup> ἐνοσσοποιήσονται,  
B<sup>2</sup> ἐνοσσοποιήσονται.]  
**νοσσός, νεοσός.** (1) **נִסְרֹס** (2) **נִסְרֹס** (3) **נִסְרֹס**  
(4) **נִסְרֹס** (5) **נִסְרֹס**  
Le. 5. 7, 11. δύο νοσσοὶ [A νεοσσοὶ] περι-  
στερῶν (2)  
12. 8: 14. 22. ἡ δύο νοσσοὶ [A νεοσσοὶ] περι-  
στερῶν (2)  
14. 30. τῶν νοσσοῶν [A<sup>1</sup> νεοσσοῶν] τῶν περιστερῶν (2)  
16. 14, 29. δύο νοσσοὶ [A νεοσσοὶ] περι-  
στερῶν (2)  
Nu. 6. 10. οἶσαι . . . δύο νοσσοὶ [A νεοσσοὶ] περι-  
στερῶν (2)  
De. 22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς . . . νοσσοῖς (1)  
— 6. καὶ ἡ μήτηρ θάλην ἐπὶ τῶν ν. (1)  
32. 11. ἐπὶ τοῖς ν. αὐ. ἐπεπλήθη (3)  
Jb. 5. 7. νεοσοὶ δὲ γυπὸς τὰ ὑψηλὰ πέτονται (2)  
88. 41. νεοσοὶ γὰρ αὐτοῦ πρὸς κύριον κεκράγασι (4)  
89. 30. νεοσοὶ δὲ αὐτοῦ φύρονται ἐν αἵματι (1)  
Ps. 146 (147). 9. καὶ τοῖς ν. τῶν κοράων τοῖς  
ἐκκαλομένοις αὐτῶν (2)  
Pr. 24. 23 (29. 27). ὥστε ἄβρῳτα εἶναι νεοσοῖς  
αὐτῶν —  
— 5a (30. 17). καταφάγοισαν αὐτὸν νεοσοὶ  
αὐτῶν (2)  
Is. 16. 2. ἔσθῃ γὰρ ὡς πετεινοῦ ἀνιπαμένου ν.  
ἀφρημένους (5)  
60. 8. ὡς περισσότεραι σὺν νοσσοῖς [A νεοσοῖς]  
ἐπ' ἐμέ [A B<sup>1</sup> om. ἐ. ἐ.] +  
[Aq. Ps. 83 (84). 4.]  
[Sm. Lc. 1. 14.]  
[Th. Ge. 15. 9.]  
**νοσφίεσθαι.** (1) **נִסְרֹס**  
Jo. 7. 1. ἐνοσφίσαντο ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (1?)  
II Ma. 4. 32. εὐφυῆ χρυσώματά τινα τῶν τοῦ ἱεροῦ  
νοσφισάμενος  
**νότιον.**  
[Aq. I Ki. 20. 41.]  
[Th. Hb. 8. 3.]  
**νότονδε.**  
[Aq. Ge. 12. 9.]  
**νότος.** (1) **נִסְרֹס** (2) **נִסְרֹס** (3) **נִסְרֹס**  
(4) **נִסְרֹס** (5) **נִסְרֹס**  
Ex. 10. 13. ἐπήγαγεν ἄνεμον [A om.] νότον (4)  
— 13. ὁ ἄνεμος ὁ ν. ἀνέλαβε τὴν ἀκρίδα (4)  
14. 21. ἐν ἀνέμῳ νότῳ βιάψω (4)

Ex. 26. 20. τὸ κλίτος τὸ δεύτερον τὸ πρὸς νότον +  
— 35. ἐπὶ μέρους τῆς σκηπῆς τὸ πρὸς νότον (5)  
27. 13. τὸ πρὸς νότον [A ἀνατολάς] (6)  
37. 7 (38. 9). ἐπορεύσαν τὴν αὐλὴν τὰ πρὸς λίβα [A' νότον] (3)  
— 9 (38. 11). B τὸ κλίτος τὸ πρὸς νότον —  
40. 24. τὸ κλίτος τῆς σκηπῆς τὸ πρὸς νότον (3)  
Nu. 2. 3. B οἱ παρεμβάλλοντες κατὰ νότον [A B π. πρώτοι] (6)  
3. 29. παρεμβάλλουσιν . . . κατὰ λίβα [A' νότον] (5)  
10. 6. A αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσιν νότον [B λίβα] (5)  
13. 30 (29). ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς νότον (3)  
34. 15. ἀπὸ νότου κατ' ἀνατολάς (6)  
De. 3. 27. A κατὰ θάλασσαν . . . καὶ νότον [B λίβα] (3)  
Jo. 15. 1. A ἔως Κάδης πρὸς νότον [B λίβα] (3)  
— 2. A ἐγένθη αὐτὸν τὰ ὅρια ἀπὸ νότου [B λίβος] . . . ἀπὸ τῆς λοφίας τῆς φερούσης ἐπὶ νότον [B λίβου] (3, 3)  
— 3. ἀναβαίνει ἐπὶ [A B ἀπὸ] λίβος [A νότου] (3)  
— 4. A ταῦτά ἐστιν αὐτὸν τὰ ὅρια ἀπὸ νότου [B αἰ.] (3)  
— 7. A ἡ ἐστὶ κατὰ νότον [B λίβα] φάραγι (3)  
— 8. B ἐπὶ νότον [A B νότον] τοῦ Ἰεζου (3)  
— 10. A παρεμβάλλεται ἐπὶ νότον [B λίβα] (6)  
18. 13. A διελύσεται . . . ἐπὶ νότον [B νότον] (2)  
— 16. B καταβήσεται Γ. ἐπὶ νότον [A B νότον] (1)  
19. 34. A συναψέει τῷ Z. ἀπὸ νότου [B νότον] (3)  
Jd. 1. 9. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα . . . τὸν ν. —  
— 14. εἰς γῆν νότον ἐκδεδόσθαι με — (3)  
— 15. εἰς γῆν νότον ἐκδεδόσθαι με — (3)  
— 16. τὴν ἔρημον τὴν οὐσαν ἐν τῇ ν. I. (3)  
21. 19. καὶ ἀπὸ νότου τῆς Λ. (3)  
I Ki. 13. 5. B ἐξ ἐναντίας β. κατὰ νότον [B νότον] —  
14. 5. B ἡ ὁδὸς ἡ ἀλλὰ ἀπὸ νότον (3)  
27. 10. κατὰ νότον τῆς Ἰουδ. καὶ κατὰ νότον Ἰερου. καὶ κατὰ νότον τὸν Κεν. (3 ter)  
80. 1. 'Αμ. ἐπέθου ἐπὶ τὸν ν. (3)  
— 14. A B ἐπεθέμεθα ἐπὶ νότον τοῦ Χ. . . καὶ ἐπὶ νότον Χ. [B ἐ. τὸν Γ.] (3, 3)  
— 27. καὶ τοῖς ἐν 'Ρ. νότον (3)  
II Ki. 24. 7. ἤλθον κατὰ νότον Ἰουδα [A κ. τὸν Ἰορδ.] (3)  
III Ki. 7. 25. οἱ τρεῖς ἐπιβλέποντες νότον (3)  
— 39. ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ ν. (3)  
I Ch. 9. 24. κατὰ ἀνατολάς θάλασσαν βορρᾶν νότον (3)  
26. 15. τῷ A. νότον (3)  
— 17. B νότον τῆς ἡμέρας τέσσαρες (3)  
— 18. καὶ τῷ ν. τέσσαρες (3)  
II Ch. 4. 4. καὶ οἱ τρεῖς [A add. βλέποντες] νότον (3)  
33. 14. B' ἀπὸ λίβος κατὰ Γ. [A B B' νότον] (6)  
Ju. 2. 23. πρὸς νότον τῆς Χ. —  
— 25. ἦλθεν ἔως ὁρίων Ἰ. τὰ [B τοῦ] πρὸς νότον (3)  
7. 18. ἀπέστειλαν ἐξ αὐτῶν πρὸς νότον (3)  
Jb. 9. 9. οὐ ποῦν . . . ταμεῖα νότον (5)  
37. 17. B' ἀπὸ νότου [?] νότον (1)  
38. 24. ἡ διασκεδινύνται νότος εἰς τὴν ὑπ' οὐρανὸν (3)  
39. 26. ἱεράς . . . καθορῶν τὰ πρὸς νότον (3)  
Ps. 77 (78). 26. ἀπὴρ νότον ἐξ οὐρανοῦ (3)  
125 (126). 4. ὡς χεῖμαρρος ἐν τῇ ν. (3)  
Ec. 1. 6. πορεύεται πρὸς νότον (1)  
11. 3. εἰς πύση ἐξ ὧν ἐν τῇ ν. (1)  
Ca. 4. 16. ἐξεγέρθητι, βορρᾶ, καὶ ἔρχου, νύττε (3)  
Si. 43. 16. ἐν θελήματι πνεύσεται νότος (3)  
Za. 6. 6. ἐξεπορεύοντο ἐπὶ γῆν νότον (3)  
— 7. οἱ ψαροὶ ἐξεπορεύοντο [B' add. ἐπὶ γῆν νότον] —  
14. 4. καὶ τὸ ἦμισυ αὐτὸ πρὸς νότον (3)  
— 10. ἀπὸ Γ. ἔως 'Ρ. κατὰ νότον Ἰερ. (3)  
Je. 13. 19. πολεῖς αἱ πρὸς νότον συνεκλείσθησαν (3)  
17. 26. ἐκ τοῦ ὅρου καὶ ἐκ τῆς πρὸς νότον (3)  
Ez. 27. 26. τὸ πνεῦμα τοῦ ν. συνεστρέφη σε (3)  
40. 24. ἤγαγεν [A εἰσῆγ.] με κατὰ νότον καὶ ἰδοὺ πύλη βλέπουσα πρὸς νότον (1, 1)  
— 27. πύλη κατέναντι τῆς πύλης τῆς αὐλῆς τῆς ἐσωτέρας πρὸς νότον . . . πῆχες ἑκατὸν τὸ εὖρος πρὸς νότον (1, 1)  
— 28. εἰσῆγαγε με εἰς τὴν αὐλὴν τὴν ἐσωτέραν τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον (1)  
— 44. μία . . . φέρουσα πρὸς νότον καὶ μία κατὰ νότον τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον (1, 4)  
— 45. ἡ ἐξέδρα αὐτῆς ἡ βλέπουσα πρὸς νότον (1)  
41. 11. ἡ θύρα ἡ μία πρὸς νότον (1)  
42. 10. τὰ πρὸς νότον κατὰ πρόσωπον τοῦ ν. (4, —)

Ex. 42. 12. τὸν ἐξεδρῶν τὸν πρὸς νότον (1)  
— 13. αἱ ἐξέδρα αἱ πρὸς νότον οὐσαι (1)  
— 19. ἐπέστρεψε πρὸς νότον καὶ διέμετρε κατάναντι τοῦ ν. [B' καὶ] (6)  
48. 9 bis. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον (3)  
47. 1. ἀπὸ νότου ἐπὶ τὸ θεσιαστήριον (3)  
— 19. τὰ πρὸς νότον καὶ λίβα ἀπὸ Θαιμάν (3)  
— 19. τοῦτο τὸ μέρος ν. καὶ λίβη (3)  
48. 10. πρὸς νότον [A add. μήκος] εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες (4+3)  
— 16. ἀπὸ τῶν πρὸς νότον πεντακίοσι καὶ τέσσαρες χιλιάδες (3)  
— 17. B πρὸς νότον διακίοσι καὶ πεντήκοντα (3)  
— 33. τὰ πρὸς νότον τετρακισχίλιοι καὶ πεντακίοσι μέτροι (3)  
Da. LXX. 8. 9. ἐπάταρ . . . ἐπὶ νότον [cod. 1 om. ἐ. ν.] (3 ?)  
Da. TH. 8. 4. τὸν κρῶν κερατίζοντα κατὰ . . . νότον (3)  
— 9. ἐμεγαλύνθη περισσῶς πρὸς τὸν ν. (3)  
11. 5. ἐνισχυσε ὁ βασιλεὺς τοῦ ν. (3)  
— 6. θυγίτηρ βασιλείας τοῦ ν. (3)  
— 9. εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ βασ. τοῦ ν. (3)  
— 11. ἀγριασθήσεται βασιλεὺς τοῦ ν. (3)  
— 14. ἐπαναστήσονται ἐπὶ βασιλεία τοῦ ν. (3)  
— 15. οἱ βραχίονες τοῦ βασ. τοῦ ν. (3)  
— 25. ἐξεγερθήσεται . . . ἐπὶ βασιλεία τοῦ ν. (3)  
— 25. ὁ βασ. τοῦ ν. συναψέει πύλεμον (3)  
— 29. ἦξει ἐν τῇ ν. (3)  
— 40. συνεκρατισθήσεται μετὰ τοῦ βασ. τοῦ ν. (3)  
I Ma. 3. 57. παρενέβητε κατὰ νότον 'Ε. (3)  
5. 65. B' ἐν τῇ γῇ [A B' add. τῇ] πρὸς νότον [Aq. Nu. 34. 3: Dt. 3. 27: Jo. 10. 40: I Ki. 20. 41: 27. 10: Ps. 88 (89). 13: Je. 18. 19: 17. 26: 82 (89). 44: Ez. 20. 46 (21. 2) ter, 47 (21. 3): Am. 1. 12: Ob. 19.] (3)  
[Sm. Ge. 12. 9: 13. 1, 3: Nu. 34. 3: Dt. 3. 27: Jo. 10. 40: Ps. 77 (78). 26: 88 (89). 13: 15. 30. 6: Jb. 82 (89). 44: Ez. 20. 46 (21. 2): 40. 2: Am. 1. 12: Ob. 19.] (3)  
[Th. Nu. 34. 3: Dt. 3. 27: Jb. 37. 17: Ps. 88 (89). 13: 15. 30. 6: Ez. 20. 47 (21. 3): Da. 8. 9: 11. 5, 9: Am. 1. 12: Ob. 19: Hb. 3. 3.] (3)  
[Al. Nu. 2. 10: 3. 29: 10. 6: 21. 1: 85. 5: Dt. 1. 7: 38. 23: 34. 3: Jo. 15. 21: I Ki. 20. 41: Za. 14. 10.] (3)  
[Heb. Jb. 9. 9.] (3)  
[Quint. Ps. 88 (89). 13.] (3)  
νοῦά.  
Jd. 20. 43. εἰδῶσαν αὐτὸν ἀπὸ ν. [A al.] (6)  
νοουεσία.  
Wi. 16. 6. εἰς νοουεσίαν δὲ πρὸς ὀλίγον ἐταράχθησαν νοουεσίαν. (1) α. Ἰῆ hithpal. ὁ. Ἰῆ (2) Ἰῆ. pi. (3) Ἰῆ. pi. (3)  
I Ki. 3. 13. οὐκ ἐνουθέει αὐτοὺς (3)  
Jb. 4. 3. εἰ γὰρ σὺ ἐνουθέησας πολλούς (3)  
23. 14. νοουθετοῦμενος δὲ ἐφρόντισα αὐτοῦ (6)  
30. 1. ἐλάχιστοι νῦν νοουθετοῦσι με ἐν μέρει (1, 6)  
34. 16. εἰ δὲ μὴ νοουθετῇ (3)  
36. 12. διότι νοουθετοῦμενοι ἀνέκοι ἦσαν (3)  
37. 14. στήθι νοουθετοῦμενος [A B -τοῦ] δύναμιν κυρίου (1 a)  
38. 18. νοουθετήσας δὲ τὸ εὖρος τῆς ὑπ' οὐρανὸν (1 a)  
39. 34 (40. 4). τί ἐτι ἐγὼ κρίνομαι νοουθετοῦμενος — (3)  
Wi. 11. 10. τούτους μὲν γὰρ ὡς πατὴρ νοουθετῶν ἐδοκίμασας (3)  
12. 2. ἐν οἷς ἀμαρτάνουσιν ὑπομνήσκειν νοουθετεῖς — 26. οἱ δὲ παγινῶς ἐπιτιμώσεις μὴ νοουθετηθέντες (1 ?)  
νοουθέτημα. (1) Ἰῆ. (3)  
Jb. 5. 17. νοουθέτημα δὲ παντοκράτορος μὴ ἀπα- ναίνου (1)  
νοουθέτησις. (1) Ἰῆ. (3)  
Ju. 8. 27. εἰς νοουθέτησιν μαστιγοῦ κύριος (3)  
Pr. 2. 2. παραβαλεῖς δὲ αὐτὴν ἐπὶ νοουθέτησιν τῇ νύφ σου (1 ?)  
νουμηνία (νομ.). (1) Ἰῆ. (2) Ἰῆ. (3) Ἰῆ. (4) Ἰῆ. (3)  
Ex. 40. 2. ἐν ἡμέρᾳ μὲν . . . νουμηνία στήσεις (3)  
— 17. νουμηνία ἐστάθῃ ἡ σκηπῆ (3)

Nu. 10. 10. ἐν ταῖς ν. ὑμῶν (3)  
28. 11. A ἐν ταῖς ν. [B νομ.] προσάγετε ὀλοκαυτώματα (3)  
— 31. A πλὴν τοῦ ὀλοκαυτώματος τῆς ν. [B om. τ. ν.] —  
29. 6. πλὴν τῶν ὀλοκαυτῶμα. τῆς ν. (1)  
I Ki. 20. 5. ἰδοὺ δὴ νομηνία αἰθρῶν (1)  
— 18. B αἰθρῶν νομηνία [A B νομ.] (1)  
IV Ki. 4. 23. οὐ νομηνία οὐδὲ σάββατον (1)  
I Ch. 23. 31: II Ch. 2. 4 (3). ἐν ταῖς ν. καὶ ἐν ταῖς ἑορταῖς (1)  
II Ch. 29. 17. νομηνία τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (4)  
31. 3. εἰς τὰς ν. καὶ εἰς τὰς ἑορτάς (1)  
I Es. 5. 52. θυσίας σαββάτων καὶ νομηνιῶν — 53. B ἀπὸ τῆς ν. τοῦ πρώτου [A B ἐβδ.] μηνὸς — 57. τῇ ν. τοῦ δευτέρου μηνὸς (1)  
8. 6. τῇ ν. τοῦ πρώτου μηνὸς — 6. A ἐν τῇ ν. τοῦ πέμπτου μηνὸς (1)  
9. 16. τῇ ν. τοῦ μηνὸς τοῦ δεκάτου — 17. ἔως τῆς ν. τοῦ πρώτου μηνὸς — 37. τῇ ν. τοῦ μηνὸς τοῦ ἐβδόμου — 40. νομηνία τοῦ ἐβδόμου μηνὸς (1)  
II Es. 3. 5. εἰς τὰς ν. καὶ εἰς πᾶσας ἑορτάς (1)  
Ne. 10. 33 (34). εἰς ὀλοκαύτωμα . . . τῶν ν. (1)  
Ju. 8. 6. χωρὶς . . . προνομηνιῶν καὶ νομηνιῶν [A' om. κ. ν.] (3)  
Ps. 80 (81). 3. σάλπιστε ἐν νομηνίᾳ σάλπιγγι (1)  
Ho. 2. 11 (13). καὶ ἀποστρέψω . . . τὰς ν. αὐ. (1)  
Is. 1. 13. τὰς ν. ὑμῶν . . . οὐκ ἀνέχομαι — 14. τὰς ν. ὑμῶν [B om. τ. ν. ὑ.] καὶ τὰς ἑορτάς ὑμῶν μου εἰ ψυχὴ μου (1)  
Ez. 23. 34. τὰς ἑορτάς καὶ τὰς ν. αὐτῆς ἀπο- στρέψω (1)  
45. 17. αἱ θυσίαι καὶ αἱ σπονδαὶ [A add. ἴσον- ται] . . . ἐν ταῖς ν. (1)  
46. 1. ἐν τῇ γῇ τῆς ν. ἀνοικήσεται (1)  
— 3. προσκυνήσει . . . ἐν ταῖς ν. (1)  
— 6. ἐν τῇ γῇ τῆς ν. μόνον ἄμμορον (1)  
I Ma. 10. 34. καὶ νομηνία [B' -ία] καὶ ἡμέραι ἀπο- δεδειγμ. [Aq. Je. 2. 24.] (3)  
νοῦς. (1) Ἰῆ. (2) Ἰῆ. (3) Ἰῆ. (4) ν. ἐπιγνώμων Πῆ. (3)  
Ex. 7. 23. οὐκ ἐπίστησε τὸν νοῦν αὐτοῦ (2)  
Jo. 14. 7. ἀπεκρίθη αὐτῷ λόγον κατὰ τὸν ν. αὐ. (2)  
I Es. 2. 9. ὡς ὁ ν. ἡγέρθη (3)  
9. 41. A B ἐπέδωκαν πᾶν τὸ πλῆθος τὸν ν. [B al.] (3)  
Ju. 8. 14. τὸν ν. αὐτοῦ ἐπιγνώσεσθε (3)  
Jb. 7. 17. ἡ ὅτι προσέχεις τὸν ν. εἰς αὐτόν — 20. ὁ ἐπιστάμενος τὸν ν. τὸν ἀνθρώπου (2)  
12. 11. A B B' νοῦς [B οὐς] μὲν γὰρ ῥήματα διακρίνει (1)  
33. 16. τότε ἀνακαλύπτει νοῦν ἀνθρώπων (1)  
34. 3. A νοῦς [B οὐς] λόγους δοκιμάζει (1)  
36. 19. μὴ σε ἐκκλινάτω [A -νη] ἔκον ὁ ν. δεήσεις (1)  
Pr. 24. 71 (31. 3). καὶ τὸν σὸν νοῦν καὶ βίον εἰς ὑπεροβουλίαν (3)  
29. 7. πτωχὸς οὐχ ὑπάρχει νοῦς [B' γνοῦς] (4 ?)  
Wi. 4. 12. βέμβασμος ἐπιθυμίας μεταλλεῖ νοῦν ἄκακον (3)  
9. 15. βρίθει τὸ γεῶδες σκῆψος νοῦν πολυφροντίδα (2)  
Is. 10. 7. ἀπαλλάξει ὁ ν. αὐτοῦ — 12. B ἐπισκέψομαι [A B S ἐπάξει] ἐπὶ τὸν ν. τὸν μέγαν (2)  
40. 13. τίς ἔγνω νοῦν κυρίου (3)  
41. 22. ἐπιστήσομεν τὸν ν. (2)  
Da. LXX. Su. 9. διέστρεψαν τὸν ν. αὐ. (3)  
Da. TH. Su. 9. διέστρεψαν τὸν ν. αὐτῶν ν. (3)  
II Ma. 15. 8. ἐχρητάς δὲ κατὰ νοῦν τὰ προγεγονότα αὐτοῖς . . . βοηθήματα (3)  
III Ma. 1. 25. τὸν ἀγέρων αὐ. ν. ἐξιστάνει (3)  
IV Ma. 1. 15. λογισμός . . . ἐστὶ νοῦς — 35. ὑπὸ τοῦ σώφρονος νοῦς ἀνακαμπτόμην (3)  
2. 16. ὁ σώφρων νοῦς ἀπωθεῖται — 18. A B δυνατός [B ἱκανός] γὰρ ὁ σώφρων νοῦς — 22. τὸν ἱερὸν ἡγεμόνα νοῦν . . . ἐνεθρόνισε (3)  
3. 17. δυνατός γὰρ ὁ σώφρων . . . νοῦς νικῆσαι (3)  
5. 11. ἀξίον τῆς ηλικίας ἀναλαβῶν νοῦν (3)  
14. 11. γυναικὸς νοῦς πολυτροπώτερον ὑπερφερό- νησεν ἀλγυδῶνα (3)  
16. 13. ὥσπερ ἀδαμάτινον ἔχουσα τὸν νοῦν (3)

<b>νυκτερεύειν.</b> [Sm. Ps. 90 (91). 1.]	Ca. 1. 5. Α Β ἡ ν.	Ca. 2. 15. Σ τοῖς νεανίας δ ν. τάδε
<b>νυκτερινός.</b> (1) נָחֵל	— 8. Β δ νυμφίος πρὸς τὴν ν.	3. 4. Β εὐρύσσει τὸν ν.
Jb. 4. 13. φόβῳ δὲ καὶ ἤχῳ νυκτερινῇ [Α φόβοι καὶ ἤχῳ νυκτερινῇ]	— 10. Β αὶ νεάνιδες πρὸς τὴν ν.	— 6. Α δ ν. [B add. πρὸς τὴν νύμφην]
20. 8. ἔπτη δὲ ὥσπερ φάσμα [Α φάντασμα, Β <sup>1</sup> θαῦμα] νυκτερινόν	— 12. Β ἡ ν. πρὸς ἑαυτήν	5. 1. Β ἴνα καταβῇ δ ν.
33. 15. ἡ [Α ὡς φάσμα] ἐν μελέτῃ ν.	— 15. Β δ νυμφίος πρὸς τὴν ν.	— 1. Β δ ν. πρὸς τὴν νύμφην [Α δ ν.]
35. 10. δ κατατάσσων φυλακὰς νυκτερινὰς	— 16. Β ἡ ν. πρὸς τὸν νυμφίον [Α ἡ ν.]	— 1. Β τοῖς πλησίον δ ν.
Ps. 90 (91). 5. οὐ φοβήσῃ ἀπὸ φάβου ν.	2. 2. Β καὶ πρὸς τὴν ν.	— 2. Β ἡ νύμφη αἰσθεται τὸν ν.
Pt. 7. 9. ἦν ἡ ἀν ἡσυχία νυκτερινῇ [Α Β ν. ἦ]	— 3. Β ἡ ν. πρὸς τὸν νυμφίον	— 2. Β <sup>2</sup> δ ν. [B <sup>1</sup> ἡ νύμφη τάδε]
[Aq. CA. 5. 2.]	— 4. Β ταῖς νεάνισιν ἡ ν. φησιν	6. 3 (4). Β δ ν. πρὸς τὴν νύμφην [Α δ ν.]
[Sm. Jb. 4. 13: Ps. 89 (90). 4: CA. 3. 8: 5. 2.]	— 6. Β πρὸς τὸν νυμφίον ἡ ν.	— 10 (11). Β δ ν. πρὸς τὴν νύμφην
<b>νυκτερίς.</b> (1) חֲסִידָה	— 7. Β ταῖς νεάνισιν ἡ ν.	— 11 (12). Β ἡ νύμφη τάδε πρὸς τὸν ν.
Le. 11. 19. καὶ ἐποπα καὶ νυκτερίδα	— 8. Β ἀκήκοεν τοῦ νυμφίου ἡ ν.	— 12 (13). Β δ ν. πρὸς τὴν νύμφην
De. 14. 18. πορφύριον καὶ νυκτερίδα	— 9. Β ἡ ν. πρὸς τὰς νεάνιδας	7. 1. Β ταῖς θυγατράσιν δ ν. τάδε
Is. 2. 20. ἐκβαλεῖ ἀνθρωπος τὰ βδελύγματα αὐτοῦ . . . ταῖς ν.	— 16. Β ἡ ν. τάδε	8. 5. Β οἱ τοῦ ν. εἶπαν
Ep. Je. 22. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν ἐφίπτανται νυκτερίδες χελιδόνες [Α χ. καὶ ν.]	— 17. Α ἡ ν.	— 5. Β δ ν. τάδε πρὸς τὴν νύμφην [Α δ ν.]
<b>νυκτικόραξ.</b> (1) צִיָּה (2) מְרִיב (3) חֲסִידָה	3. 3. Β ἡ ν. τοῖς φύλαξιν εἶπεν	Jl. 2. 16. ἐξελεύσεται νυμφίος ἐκ τοῦ κοιτῶνος αὐτοῦ
Le. 11. 17. καὶ νυκτικόρακα καὶ καταράκτην	— 5. Β τὰς νεάνιδας ὀρκίζει ἡ ν.	Is. 61. 10. ὡς νυμφίῳ περιέθηκε μοι μίτραν
De. 14. 16 (17). ὕποπα . . . καὶ νυκτικόρακα	— 6. Β δ νυμφίος πρὸς τὴν ν. [Α al.]	62. 5. εὐφρανθήσεται ν. ἐπὶ νύμφῃ [B -ην]
I Ki. 26. 20. κηδὼς καταπόδι καὶ δ ν. ἐν τοῖς ὄρεσιν	4. 8. δεῦρὸ ἀπὸ Λιβάνου, νύμφῃ	Je. 7. 34: 16. 9: 26. 10. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης
Ps. 101 (102). 6. ἐνεγέρῃ ὥστε νυκτικόραξ ἐν οἰκοπόδι	— 9. ἐκαρόμισας ἡμᾶς, ἀδελφὴ μου νύμφῃ	40 (33). 11. φωνὴ νυμφίου καὶ φωνὴ νύμφης
[Aq., Th., Quint. Ps. 101 (102). 7.]	— 10. τί ἐκαλλιώθησιν μαστοὶ σου, ἀδελφὴ μου νύμφῃ [B <sup>1</sup> ὅτι, α. μ. ν.]	Ba. 2. 23. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης
<b>νυκτοπότιον.</b> [Sm. I Ki. 26. 11.]	— 11. κηρίον ἀποσταῖ σου χεῖλ σου, νύμφῃ	I Ma. 1. 27. πᾶς ν. ἀνέλαβε θρόνον
<b>νύκτωρ.</b>	— 12. κηπος κεκλησμένος ἀδελφὴ μου, νύμφῃ	9. 39. καὶ δ ν. ἐξῆλθε
Si. 38. 27. ὅστις ν. ὡς ἡμέρα [Α Β -ας] διάγει	— 16. Α ἡ ν.	[Aq., Sm. Ex. 4. 25, 26: I Ki. 22. 14: Is. 61. 10.]
II Ma. 12. 6. τὸν μὲν λιμένα ν. ἐνέπρησε	5. 1. Β ἡ ν. αἰτεῖται τὸν πατέρα	[Th. Ex. 4. 25, 26.]
13. 15. ἐπιβαλὼν ν. ἐπὶ τὴν βασιλικὴν αὐλὴν	— 1. Β δ νυμφίος πρὸς τὴν ν.	[Heb. Ex. 4. 25.]
III Ma. 1. 2. τὰ κράτιστα διεκομίσθη ν.	— 1. εἰσῆλθον εἰς κηπὸν μου, ἀδελφὴ μου νύμφῃ (2)	<b>νυμφών.</b>
<b>νυμφαγωγός.</b> (1) צִיָּה	— 2. Β ἡ ν. αἰσθεται τὸν νυμφίον	To. 6. 13. πάντας ἐν τῷ ν. ἀπολωλότας [B al.]
Ge. 21. 22. Ἀβιμὲλεχ καὶ Ὁχοζᾶδ δ ν. αὐτοῦ	— 2. Β <sup>1</sup> ἡ ν. τάδε [B <sup>2</sup> δ νυμφίος]	— 16. εἰς εἰσελθὼς εἰς τὸν ν.
— 32. Ἀβιμ. καὶ Ὁχοζ. δ ν. αὐτοῦ	— 3. Β ἡ ν. τάδε [Α ἡ ν.]	<b>νῦν, νυν.</b> (1) הָנֵה (2) מֵעַתָּה (3) א. הָנֵה
26. 26. Ὁχοζᾶδ δ ν. αὐτοῦ	— 9. Β πυνθάνονται τῆς ν.	δ. מָה־הָנֵה (4) הָנֵה (5) א. דִּין
Jd. 14. 20. Α συνώκησεν ἡ γυνὴ Σ. τῷ ν. αὐτοῦ [B al.]	— 10. Β ἡ ν. σημαίνει τὸν ἀδελφιδόν	הָנֵה δ. הָנֵה וְהָנֵה (6) הָנֵה (7) ν. οὐν הָנֵה
<b>νυμφεύειν.</b> [Aq. I Ki. 18. 21.]	— 17. Β πυνθάνονται τῆς ν.	(8) מָה (9) א. הָנֵה δ. הָנֵה c. הָנֵה ב
<b>νυμφεύσεις.</b> (1) הָנֵה	6. 1 (2). Β ἡ δὲ ν. ἀποκρίνεται	(10) הָנֵה (11) καὶ νῦν α. הָנֵה δ. ב. הָנֵה
Ca. 3. 11. ἐν ἡμέρᾳ νυμφεύσεις αὐτοῦ	— 3 (4). Β δ νυμφίος πρὸς τὴν ν. [Α al.]	c. הָנֵה d. הָנֵה וְהָנֵה e. הָנֵה (12) νῦν
<b>νυμφευτής.</b> [Aq. Ex. 3. 1: 18. 1, 5.]	— 9 (10). Β εἶδον τὴν ν. [Α ἡ ν.]	δὲ, νυνὶ δὲ α. הָנֵה δ. ב. c. הָנֵה d. הָנֵה
<b>νύμφη.</b> (1) הָנֵה (2) הָנֵה	— 10 (11). Β δ νυμφίος πρὸς τὴν ν.	הָנֵה e. הָנֵה f. הָנֵה g. הָנֵה (13) νῦν οὐν
Ge. 21. 31. ἔλαβε . . . τὴν Σ. τὴν ν. αὐ.	— 11 (12). Β ἡ ν. τάδε πρὸς τὸν νυμφίον	a. הָנֵה δ. הָנֵה c. הָנֵה d. הָנֵה e. ב
38. 11. εἶπε δὲ Ἰούδας Θάμαρ τῇ ν. αὐτοῦ	— 12 (13). Β δ νυμφίος πρὸς τὴν ν.	הָנֵה f. הָנֵה (14) νῦν ἔτι τοῦτο הָנֵה
— 13. καὶ ἀπαγγέλλῃ Θάμαρ τῇ ν. αὐτοῦ	7. 9 (10). Β ἡ ν.	(15) τὸ νῦν α. הָנֵה δ. הָנֵה c. הָנֵה
— 16. οὐ γὰρ ἔγνω ὅτι νύμφη αὐτοῦ	8. 5. Β δ νυμφίος τάδε πρὸς τὴν ν.	d. הָנֵה (16) ἀπὸ τοῦ νῦν הָנֵה (17) ἕως
— 24. ἐκπεπόμενε Θάμαρ ἡ ν. σου	— 10. Β ἡ ν. παρηργάζεται	τοῦ νῦν הָנֵה (18) ἐν τῷ νῦν καιρῷ α. הָנֵה
Le. 18. 15. ἀσχημοσύνην νύμφης σου	— 13. Β ἡ ν.	δ. הָנֵה הָנֵה c. הָנֵה
20. 12. εἰς τὴν κοιμηθῇ μετὰ νύμφης αὐτοῦ	Wi. 8. 2. ἐξήγησα νύμφην ἀγαγίσθαι ἐμαυτῷ	Ge. 2. 23. τοῦτο ν. ὁστοῦν ἐκ τῶν ὁστέων μου (10)
De. 27. 23. δ κοιμώμ. μετὰ νύμφης [Α πυνθε- rās] αὐ.	Ho. 4. 13. καὶ οἱ νύμφαι ὑμῶν μοιχεύουσιν	3. 22. καὶ ν. μὴ ποτε ἐκείνη τὴν χεῖρα (9 a)
Ru. 1. 6. ἀνίστη αὐτὴ καὶ αἱ δύο ν. αὐ.	— 14. οὐ μὴ ἐπισκέψωμαι . . . ἐπὶ τὰς ν. ὑμῶν	4. 11. καὶ ν. ἐπικατάρατος σὺ (9 a)
— 7. καὶ αἱ δύο ν. αὐτῆς μετ' αὐτῆς	Mi. 7. 6. ἐπαναστήσεται . . . νύμφη ἐπὶ τὴν πενθεράν αὐτῆς	11. 6. καὶ ν. οὐκ ἐκλείψει ἀπ' αὐτῶν πάντα (9 a)
— 8. Β εἶπε Ν. ταῖς [Α B add. δυοί] ν. αὐτῆς	Jl. 1. 8. θρήνησον πρὸς με ὑπὲρ νύμφην	12. 19. καὶ ν. ἰδοὺ ἡ γυνὴ σου ἔναντί σου (9 a)
— 22. καὶ Ρουθ ἡ Μ. ἡ ν. αὐτῆς	2. 16. ἐξελεύσεται . . . νύμφη ἐκ τοῦ παστοῦ αὐτῆς	13. 14. οὐ ν. σὺ εἶ
2. 20. εἶπε Ν. τῇ ν. αὐτῆς	Is. 49. 18. Β περιβήσεις αὐτοὺς ὡς κόσμον ὡς νύμφη [Α Β -ης]	15. 16. Β οὐπω γὰρ . . . ἕως τοῦ ν. (15 a)
— 22. εἶπε Ν. πρὸς Ρουθ τὴν ν. αὐτῆς	61. 10. ὡς νύμφην κατεκόσμησέ με κόσμῳ	18. 12. οὐπω μὲν μοι γέγονεν ἕως τοῦ ν. †
3. 1. Α εἶπε δὲ Ν. τῇ ν. αὐ. [B al.]	62. 5. εὐφρανθήσεται νυμφίος ἐπὶ νύμφῃ [B -ην]	— 27. νῦν ἡρξάμην λαλήσαι πρὸς τὸν κ. (8 b)
4. 15. ἡ ν. ἡ ἀγαπήσασά σε ἔτεκεν αὐτόν	Je. 2. 32. μὴ ἐπιλήσεται ν. τὸν κόσμον αὐτῆς	19. 9. ν. οὐν σε κακώσωμεν (13 c)
I Ki. 4. 19. νύμφη αὐ. γυνὴ Φ. συνεληφύα	7. 34: 16. 9: 26. 10. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης	20. 7. νῦν δὲ ἀπόδος τὴν γυναῖκα τῷ ἀνθρώπῳ (9 a)
II Ki. 17. 3. ὃν τρόπον ἐπιστρέφει ἡ ν. πρὸς τὸν ἀνδρα αὐ.	40 (33). 11. φωνὴ νυμφίου καὶ φωνὴ νύμφης	21. 23. νῦν οὐν ὕμνος μοι τὸν θεόν (13 d)
I Ch. 2. 4. καὶ Θ. ἡ ν. αὐ. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Φ.	Ba. 2. 23. φωνὴν νυμφίου καὶ φωνὴν νύμφης	22. 12. ν. γὰρ ἔγνω
To. 6. 12. Β ληφύμεθά σοι αὐτὴν νύμφην	Ez. 22. 11. ἕκαστος τὴν ν. [Α ἀδελφὴν] αὐτοῦ ἐμίαιεν [Α -ον]	24. 42. ἐν ἡ νῦν ἐγὼ πορεύομαι
11. 16. ἐξῆλθε Τ. εἰς συνάντησιν τῇ ν. αὐ. [B al.]	I Ma. 9. 37. ἄγουσι τὴν ν. ἀπὸ Ν. [Aq., Sm. Is. 61. 10.]	26. 22. νῦν ἐπλάτυνε κυριὸς ἡμῖν (9 a)
— 17. ὡς ἤγγισεν Τωβίτ Σάρρα τῇ ν. αὐτοῦ [B al.]	<b>νυμφίος.</b> (1) הָנֵה	— 29. καὶ ν. εὐλογημένος σὺ ὑπὸ κυρίου (11 c)
12. 12. σὺ καὶ ἡ ν. σου Σάρρα [B al.]	Jd. 15. 6. Σ. δ ν. [Α γαμβρός] τοῦ Θ.	27. 3. ν. οὐν λάβε τὸ σκεῦός σου (13 d)
— 14. ἰάσασθαί σε καὶ τὴν ν. σου Σ.	19. 5. εἶπεν . . . πρὸς τὸν ν. [Α γαμβρόν] αὐ.	— 8. ν. οὐν, υἱέ μου, ἀκούσον (13 d)
Ca. 1. 2. Α Β ἡ ν.	Ne. 18. 28. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. τοῦ Ἐλ. τοῦ Ἰ. τοῦ μεγάλου ν. τοῦ Σ.	— 36. καὶ ν. ἔλαβε τὴν εὐλογίαν (8 a + 9 a)
— 4. Β ἡ ν. διηγείται	Ps. 18 (19). 5. αὐτὸς ὡς νυμφίος ἐκπορευόμενος ἐκ παστοῦ αὐτοῦ	— 43. ν. οὐν, τέκνον, ἀκούσον μου (13 d)
— 4. Β τῆς ν. διηγραμένης ταῖς νεάνισιν	Ca. 1. 3. Α δ ν.	29. 32. Β ν. οὐν [Α om.] ἀγαπήσει με ὁ ἀνὴρ μου (13 c [9 a])
— 4. Β βοῶσιν τὸ ὄνομα τῆς ν.	— 4. Β διηγείται τὰ περὶ τοῦ ν.	— 34. ἐν τῷ ν. καιρῷ . . . ἔσται ὁ ἀνὴρ μου (18 c)
	— 4. Β αὶ νεάνιδες τῷ ν. βοῶσιν	— 35. ν. ἐπὶ τοῦτο ἐξομολογήσονται κυρίῳ (14)
	— 7. Β πρὸς τὸν ν. χρυσόν	30. 0. δὲδωρηται ὁ θεός . . . ἐν τῷ ν. καιρῷ (18 a)
	— 8. Β δ ν. πρὸς τὴν νύμφην	— 30. ν. οὐν πότε ποιήσω κἀγὼ . . . οἶκον (13 d)
	— 16. Β ἡ νύμφη πρὸς τὸν ν. [Α al.]	31. 13. ν. οὐν ἀνάστηθι
	2. 1. Β δ ν. πρὸς ἑαυτόν	— 16. ν. οὐν ὅσα σοι εἰργκεν ὁ θ. ποίει (13 d)
	— 3. Β ἡ νύμφη πρὸς τὸν ν.	— 28. ν. δὲ ἀφρόνως ἔπραξας (12 c)
	— 6. Β πρὸς τὸν ν. ἡ νύμφη	— 29. καὶ ν. ἰσχύει ἡ χεῖρ μου †
	— 8. Β ἀκήκοεν τοῦ ν. ἡ νύμφη	— 30. ν. οὐν πεπόμεναι (13 d)
	— 9. Β σημαίνουσα αὐταῖς τὸν ν.	
	— 10. Α δ ν.	

Ge. 31. 42. ν. ἄν . . . ἐξηπίστευλας (9 c)	Jo. 22. 4. νῦν οὖν ἀποστραφέντες (13 d)	1 Ki. 29. 10. καὶ νῦν ὄρθρισον τὸ πρωΐ (9 a)
— 44. ν. οὖν δεῦρο διαβῶμαι (13 d)	— 19. καὶ νῦν εἰ μικρὰ ἡ γῆ (1)	11 Ki. 2. 6. Α. Β. καὶ νῦν ποιήσαι κ. μεθ' ὧμων ἔλεος (9 a)
32. 4 (5). ἐχρόνια ἕως τοῦ ν. (15 d)	24. 14. καὶ νῦν φοβήθητι κύριον (9 a)	— 7. Α. Β. καὶ νῦν κραταυόσθωσαν αἱ χεῖρες ὧμων (9 a)
— 10 (11). νυνὶ δὲ γέγονα εἰς δύο παρεμβολάς (9 a)	— 23. καὶ νῦν περιέλεσθε τοὺς θεοὺς τοὺς ἄλλοι. (9 a)	3. 18. καὶ νῦν ποιήσατε ὧμων (9 a)
37. 20. ν. οὖν δεῦτε ἀποκτείνωμεν αὐτόν (13 d)	Jd. 6. 13. καὶ νῦν ἐξέριψεν ἡμᾶς — 31. μὴ ὑμεῖς νῦν δικάζεσθε — (9 a)	4. 11. καὶ νῦν ἄνδρες πονηροὶ ἀπεκτάγασι ἀνδρα δίκαιον (11 b)
41. 33. ν. οὖν σκέψαι ἄνθρωπον φρόνιμον (13 d)	7. 3. καὶ νῦν λάλησον δὴ [Α. α.] (9 a)	— 11. καὶ νῦν ἐκρήγισω τὸ αἷμα αὐτοῦ (9 a)
43. 21. τὸ ἀργύριον . . . ἀπεστρέψαμεν ν. — (9 a)	8. 2. τί ἐποίησα νῦν — 6, 15. μὴ χεῖρ Ζ. καὶ Σ. νῦν (9 a)	7. 8. καὶ νῦν τάδε ἐρεῖς — 20. καὶ νῦν σὺ οἶδας τὸν δοῦλόν σου (9 a)
44. 10. καὶ ν. ὡς λέγετε οὕτως ἔσται (9 a)	9. 16. καὶ νῦν εἰ ἐν ἀληθείᾳ . . . ἐποίησατε (9 a)	— 25. καὶ νῦν, κύριέ μου — 25. Α. καὶ νῦν [Α. ποιήσον] καθὼς ἐλάλησας (9 a)
— 28. οὐκ ἴδον αὐτὸν ἀκρι [Α. ἐτι] ν. [Α. om.] (4)	— 32. καὶ νῦν ἀνίστηθι νυκτός (9 a)	— 27. Α. καὶ νῦν καθὼς ἐλάλησας — 28. καὶ νῦν, κύριέ μου (9 a)
— 30. ν. οὖν ἐὰν εἰσπορεύωμαι (13 d)	— 38. Α. ποῦ ἐστὶ νῦν [Β. om.] τὸ στόμα σου (2)	— 29. καὶ νῦν ἄρξαι (9 a)
— 33. ν. οὖν παραμένω σοι παῖς (13 d)	11. 7. διὰ τί ἤλασθε πρὸς με νῦν [Α. α.] (9 a)	12. 10. καὶ νῦν οὐκ ἀποστήσεται ῥομφαία (9 a)
45. 5. ν. οὖν μὴ λυπέσθε (13 d)	— 8. διὰ τοῦτο νῦν ἐπεστρέψαμεν [Α. α.] (9 a)	— 23. καὶ νῦν τίσθηται (9 a)
— 8. ν. οὖν οὐχ ὑμεῖς με ἀπεστάλακτε (13 d)	— 13. καὶ νῦν ἐπιστρέψον αὐτάς (9 a)	— 28. καὶ νῦν συνάγαγε τὸ κατάλοιπον τοῦ λαοῦ (9 a)
46. 30. ἀποθανοῦμαι ἀπὸ τοῦ ν. (16)	— 23. καὶ νῦν κ. ὁ θεός 'Ισρ. ἐξῆρε τὸν 'Α. (9 a)	13. 13. καὶ νῦν λάλησον δὴ πρὸς τὸν βασι. (9 a)
— 34. κτηνοτρόφοι . . . ἐκ παιδὸς ἕως τοῦ ν. (15 d)	— 25. καὶ νῦν νῦν ἐν ἀγαθῷ ἀγαθώτερος σὺ (9 a)	— 20. καὶ νῦν, ἀδελφὴ μου, κώφευσον (9 a)
47. 3. Α. καὶ παιδεύειν ἕως τοῦ ν. — (9 a)	— 27. καὶ νῦν [Α. om.] ἐγὼ εἰμι οὐχ ἡμαρτόν σοι — (9 a)	— 33. καὶ νῦν μὴ θεσθῶ ὁ κύριός μου (9 a)
— 4. ν. οὖν καυχήσομαι (13 d)	13. 4. καὶ νῦν φυλάξαι δὴ — 7. καὶ νῦν μὴ πίης οἶνον (9 a)	14. 15. καὶ νῦν δ' ἦλθον λιλιθσαι (9 a)
48. 5. ν. οὖν οἱ δύο υἱοὶ σου . . . ἐμοὶ εἰσιν (13 d)	— 12. νῦν ἐλευσεται ὁ λόγος (9 a)	— 32. καὶ νῦν ἰδοὺ τὸ πρόσωπον τοῦ βασι. οὐκ εἶδον (9 a)
50. 5. ν. οὖν ἀναβῆς θάψω τὸν πατέρα μου (13 d)	14. 2. καὶ νῦν λάβετε αὐτὴν μοι (9 a)	15. 34. καὶ νῦν παῖς σοῦ εἰμι — (9 a)
— 17. καὶ ν. δεῖξαι τὴν δίκαιαν (9 a)	15. 18. καὶ νῦν ἀποθανοῦμαι (9 a)	— 34. καὶ νῦν ἐγὼ δοῦλος σὺς (9 a)
Ex. 3. 9. καὶ ν. ἰδοὺ κρηνὴ τῶν νιῶν . . . ἦκει (9 a)	16. 10. νῦν οὖν [Α. om.] ἀνάγγελόν μοι (13 c [9 a])	16. 11. καὶ προσέτι νῦν ὁ υἱός τοῦ 'Ι. (9 c)
— 10. καὶ ν. δεῦρο ἀποστείλω σε (9 a)	— 13. Α. ὡς νῦν [Β. ἰδοὺ] παρελογίσω με — 28. Β. μνησθήθι δὴ μοι νῦν [Α. Β. om.] (9 a)	17. 9. νῦν κέκρυπται ἐν ἐνὶ τῶν βουνῶν (9 a)
4. 12. καὶ ν. πορεύου (9 a)	17. 3. καὶ νῦν [Α. om.] ἀποδώσω σοι αὐτό — 13. νῦν ἔγνων ὅτι ἀγαθυνεῖ μοι κύριος (9 a)	— 16. καὶ νῦν ἀποστελλετε ταχὺ (9 a)
5. 5. ἰδοὺ ν. πολυπληθεὶς ὁ λαός (9 a)	18. 14. καὶ νῦν γινώτε ὅ τι ποιήσετε (9 a)	18. 3. καὶ νῦν ἀγαθὸν ἐστὶ ἔσθ' ἡμῖν (9 a)
— 18. νῦν οὖν πορευθέντες ἐργάζεσθε (13 d)	20. 9. καὶ νῦν τοῦτο τὸ ῥῆμα — 13. καὶ νῦν δότε τοὺς ἄνδρας (9 a)	19. 7 (8). καὶ νῦν ἀναστὰς ἐξέλθε (9 a)
9. 14. ἐν τῷ γὰρ ν. καὶ φῶς ἐξαποστέλλω (13 b)	Ru. 3. 2. καὶ νῦν οὐχὶ ῥόδος γινώμους ἡμῶν (9 a)	— 7 (8). ἐκ νεότητός σου ἕως τοῦ νῦν (15 d)
— 15. ν. γὰρ ἀποστελεῖς τὴν χεῖρα πατάξω (9 a)	— 11. καὶ νῦν, θυγάτηρ (9 a)	— 9 (10). καὶ νῦν πέφηνεν ἀπὸ τῆς γῆς (9 a)
19. ν. οὖν κατὰ πνεῦσον συναγαγίην (13 d)	— 12. Β. καὶ ν. ὁ [Α. Β. καὶ ὅτι] ἀληθῶς ἀγγι- στεύει ἐγὼ εἰμι (9 a)	— 10 (11). καὶ νῦν ἴνα τί ὑμεῖς κωφεύετε (9 a)
— 27. ἡμῶντα τὸ ν. (15 b)	I Ki. 1. 16. ἐκτέτακα ἕως νῦν — 2. 16. ὅτι [Α. τί] νῦν δώσεις (9 a)	— 13 (14). καὶ νῦν τάδε ποιήσαι μοι ὁ θ. — (9 a)
10. 17. προεδέξασθε . . . τὴν ἁμαρτίαν ἐτι ν. (10)	— 30. καὶ νῦν φησὶ κύριος (9 a)	20. 6. νῦν κακοποιοί ἐσθε ἡμᾶς Σ. — (9 a)
18. 11. ν. ἔγνων ὅτι μέγας κύριος (9 a)	6. 7. καὶ νῦν λάβετε . . . ὁμαξαν καὶ νῦν (9 a)	— 6. καὶ νῦν σὺ λάβε . . . τοὺς παιδας — (9 a)
— 19. Β. ν. οὖν ἀκούσον μου (13 c)	8. 5. καὶ νῦν κατὰστῃσον ἐφ' ἡμᾶς βασιλεία — 9. καὶ νῦν ἀκούε τῆς φωνῆς αὐ. (9 a)	24. 10. νῦν, κύριε, παραβίβυσον δὴ τὴν ἀρο- μίαν (9 b)
19. 5. καὶ ν. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσῃτε (9 a)	9. 6. καὶ νῦν πορευθώμεν — 12. νῦν διὰ τὴν ἡμέραν ἦκει (9 a)	— 13. νῦν οὖν γινώθι (13 c)
32. 10. καὶ ν. ἐπιστῶ με (9 a)	— 13. καὶ νῦν ἀνίσβητε (9 a)	— 16. πολλὸν νῦν [Α. πολὺν] ἄρες τὴν χεῖρά σου (9 a)
— 30. καὶ ν. ἀναβήσομαι πρὸς τὸν θεόν (9 a)	10. 19. καὶ νῦν κατὰστῃτε ἐνώπιον κυρίου (9 a)	III Ki. 1. 12. καὶ νῦν δεῦρο συμβουλευσώ σοι (9 a)
— 32. καὶ ν. εἰ μὲν ἀφείς . . . ἀφες (9 a)	12. 2. καὶ νῦν ἰδοὺ ὁ βασι. διαπορεύεται (9 a)	— 18. καὶ νῦν ἰδοὺ 'Αρ. ἐβασίλευσε (9 a)
— 34. νυνὶ [Β' σὺ] δὲ βιάδιζε (9 a)	— 7. καὶ νῦν κατὰστῃτε (9 a)	2. 15 (16). καὶ νῦν αἰτησον μίαν ἐγὼ αἰτούμαι (9 a)
33. 5. ν. οὖν ἀφέλεσθε τὰς στολὰς (13 d)	— 10. καὶ νῦν ἐξελθὺ ἡμᾶς (9 a)	— 24. καὶ νῦν ζῆ κύριος (9 a)
Nu. 11. 6. νυνὶ δὲ ἡ ψυχὴ ἡμῶν κυτάρηρος (9 a)	— 13. καὶ νῦν ἰδοὺ ὁ θ. οὐκ ἀρέσκεται (9 a)	3. 1. καὶ νῦν μὴ ἀθωάσθω αὐτόν — (9 a)
14. 3. νῦν οὖν βέλκτιον ἡμῖν ἐστίν (9 a)	— 10. καὶ νῦν ἐξελθὺ ἡμᾶς (9 a)	— 2. οὐκ ἀφωδομήθ' . . . ἕως νῦν [Α. α.] (5 b)
— 17. καὶ νῦν ὑψώθῃτω ἡ ἰσχὺς σου (9 a)	— 13. καὶ νῦν ἰδοὺ ὁ βασιλεὺς (9 a)	— 7. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός μου (9 a)
— 19. ἀπ' Ἀλγυπτου ἄπὸ τοῦ ν. (15 a)	— 16. καὶ νῦν κατὰστῃτε (9 a)	5. 4 (18). καὶ νῦν ἀνέπαυσε κ. ὁ θ. μου ἐμοὶ (9 a)
20. 16. καὶ νῦν ἐσμέν ἐν Κадис (9 a)	13. 12. Β. νῦν κατὰστῃται οἱ ἀλλοφύλοι — 13. Β. νῦν ἡτοίμασε κ. τὴν βασιλείαν σου (9 a)	— 6 (20). καὶ νῦν ἐντεταίκα (9 a)
22. 4. νῦν ἐκλείπει ἡ συναγ. αὐτὴ πάντας (9 a)	— 14. Β. καὶ νῦν ἡ βασιλεία σου οὐ στήσεται (9 a)	8. 25, 26. καὶ νῦν, κύριε ὁ θ. 'Ισρ. (9 a)
— 6. καὶ νῦν δεῦρο ἀρᾶσαι μοι τὸν λαόν τ. (9 a)	14. 30. Β' νῦν ἀνέμειζον [Α. Β. add. ἦν] ἡ πληγὴ (9 a)	12. 4. καὶ σὺ νῦν κούφισον (9 a)
— 11. καὶ νῦν δεῦρο ἀρᾶσαι μοι αὐτόν (11 c)	15. 1. καὶ νῦν ἀκούε τῆς φωνῆς — 2. νῦν ἐκδικήσω δ' ἐποίησεν 'Αμ. — (9 a)	— 10. καὶ σὺ νῦν κούφισον — (9 a)
— 19. καὶ νῦν ὑπομείνατε αὐτοῦ (9 a)	— 3. καὶ νῦν πορεύου (11 c)	— 11. καὶ νῦν ὁ πατήρ μου ἐπισάσσετο ὑμᾶς (9 a)
— 33. νῦν οὖν [Α. om.] σὲ μὲν ἀπέκτεινα (13 c [9 c])	— 25. καὶ νῦν ἄρον δὴ τὸ ἀμάρτημά μου (9 a)	— 16. νῦν βόσκε τὸν οἶκόν σου (9 a)
— 34. καὶ νῦν εἰ μὴ σὺ ἀρέσκεαι (9 a)	17. 29. Α. τί ἐποίησα νῦν (9 a)	— 24. Β. καὶ νυνὶ κούφισε σὺ ἐφ' ἡμᾶς [Β. α.] — (9 a)
— 38. ἦκω πρὸς σὲ νῦν (9 a)	20. 29. καὶ νῦν εἰ [Α. νυνὶ] εὐρηκα χάριν (9 a)	— 26. νῦν ἐπιστρέφει ἡ βασιλεία (9 a)
24. 11. νῦν οὖν φεγγεῖ εἰς τὸν τόπον σου (13 d)	— 31. νῦν οὖν ἀποστείλας (13 d)	14. 14. καὶ τί καὶ νῦν (9 a)
— 11. καὶ νῦν ἐστέρησέ σε κύριος (9 a)	21. 3 (4). Β. καὶ νῦν [Α. Β. add. εἰ] εἰσὶν ὑπὸ τὴν χεῖρά σου (9 a)	18. 11. καὶ νῦν σὺ λέγεις (9 a)
— 14. καὶ νῦν ἰδοὺ ἀποτρέχω (9 a)	23. 11. καὶ νῦν εἰ καταβήσεται Σ. — (9 a)	— 14. καὶ νῦν σὺ λέγεις μοι (9 a)
— 17. δεῖξω αὐτῷ καὶ οὐχὶ νῦν (9 a)	24. 15. καὶ νῦν ὅπως τίνος σὺ ἐκπορεύῃ — 24. καὶ νῦν ἰδοὺ ἐγὼ γινώσκω (9 a)	— 19. καὶ νῦν ἀποστείλον — (9 a)
31. 17. καὶ νῦν ἀποκτείναντα πᾶν ἀρσενικόν (9 a)	— 22. καὶ νῦν ἄρον μοι (9 a)	— 29. μετὰστῃτε ἀπὸ τοῦ νῦν — (9 a)
De. 2. 13. νῦν οὖν ἀνάστητε (13 c)	25. 7. καὶ νῦν ἀκούστω οἱ ποιμένες σου (9 a, 9 a)	19. 4. ἱκανοῦσθω νῦν (9 a)
— 24. νῦν οὖν [Α. om.] ἀνάστητε (9 a)	— 17. καὶ νῦν γινώθι (9 a)	20 (21). 7. σὺ νῦν οὕτως ποιεῖς βασιλεία ἐπὶ 'Ισρ. (9 a)
4. 1. καὶ νῦν 'Ισραὴλ ἀκούε (9 a)	— 26. καὶ νῦν, κύριε, ζῆ κύριος (9 a)	22. 23. καὶ νῦν ἰδοὺ ἔδωκε κύριος (9 a)
5. 25 (22). καὶ νῦν μὴ ἀποθάνωμεν (9 a)	— 26. καὶ νῦν γένοιτο ὡς Ν. (9 a)	IV Ki. 1. 14. καὶ νῦν ἐντιμωθῇται δὴ (9 a)
9. 14. καὶ νῦν [Α. om. κ. ν.] ἥσασον με (9 a)	27. καὶ νῦν λάβε τὴν εὐλογίαν (9 a)	3. 15. καὶ νῦν λάβε [Α. ἰδε] μοι ψάλλοντα (9 a)
10. 12. καὶ νῦν, 'Ισραὴλ (9 a)	28. 8. καὶ νῦν πατάξω αὐτὸν — 11. καὶ νῦν λάβε δὴ τὸ δόρυ (9 a)	— 23. καὶ νῦν ἐπὶ τὰ σκῦλα, Μωάβ (9 a)
— 22. νυνὶ δὲ ἐποίησέ σε κ. ὁ θεός σου (9 a)	— 16. καὶ νῦν ἴδε δὴ τὸ δόρυ τοῦ βασι. (9 a)	4. 26. νῦν δράμα εἰς ἀπαντὴν αὐ. (9 a)
12. 9. οὐ γὰρ ἦκατε ἕως τοῦ νῦν (15 d)	— 19. καὶ νῦν ἀκουσάτω ὁ κύριός μου (9 a)	5. 6. καὶ νῦν ὡς ἂν ἔλθῃ τὸ βιβλίον (9 a)
22. 17. νῦν οἵτως [Α. αὐτὸς νῦν] ἐπιτίθησιν αὐτῇ (9 c)	— 20. καὶ νῦν μὴ πέσοι τὸ αἷμά μου (9 a)	— 15. καὶ νῦν λάβε τὴν εὐλογίαν (9 a)
26. 10. καὶ νῦν ἰδοὺ ἐνιμῶνα (9 a)	27. 1. νῦν προστεθήσονται . . . εἰς χεῖρας Σ. (9 a)	— 22. ἰδοὺ νῦν ἦλθον πρὸς με [Α. α.] (9 a)
29. 28 (27). ἐξέβαλεν αὐτοὺς εἰς γῆν ἐτ. ὥρει νῦν (5 a)	28. 2. οὕτως νῦν γινώθ' — 15. καὶ νῦν κέκληκα σε — (9 a)	— 26. καὶ νῦν ἔλαβες τὰ ἱμάτια — (9 a)
31. 19. Α. Β. καὶ νῦν [Β. om.] γράψατε (9 a)	— 22. καὶ νῦν ἀκουσὼν δὴ φωνῆς (9 a)	7. 4. καὶ νῦν δεῦτε — (9 a)
Jo. 1. 2. νῦν οὖν ἀναστᾶς (13 d)	29. 7. καὶ νῦν ἀνίστασθε (9 a)	— 6. νῦν ἐμυσθώσατο ἐφ' ἡμᾶς (9 a)
1. 12. καὶ νῦν ὁμολογέτω μοι (9 a)		— 9. καὶ νῦν δεῦρο (9 a)
3. 8. καὶ νῦν ἐντεταίκα τοῖς ἱερεῦσι (9 a)		8. 6. ἀπὸ τῆς ἡμέρας . . . ἕως τοῦ νῦν (15 d)
5. 13 (14). νυνὶ [Α. νῦν] παραγέγονα (9 a)		9. 26. καὶ νῦν ἄρας δὴ (9 a)
— 15. ἐφ' ᾧ νῦν [Α. σὺ] ἔστηκας (9 a)		10. 2. καὶ νῦν ὡς ἂν ἔλθῃ (9 a)
9. 6, 11. καὶ νῦν διέθεσθε ἡμῖν διαθήκην (9 a)		— 19. καὶ νῦν πάντες οἱ προφῆται (9 a)
— 12. νῦν δὲ ἐξηράθησαν (9 a + 3 a)		— 21. Β. καὶ νῦν πάντες οἱ δοῦλοι αὐ. — (9 a)
— 19. καὶ νῦν οὐκ ὀνησάμεθα διψᾶσθαι αὐτῶν (9 a)		12. 7 (8). καὶ νῦν μὴ λάβετε ἀργύριον (9 a)
— 23. καὶ νῦν ἐπακαταρτοί ἐστε (9 a)		
— 25. καὶ νῦν ἰδοὺ ὑμεῖς ὑποχείριοι ὧμῶν (9 a)		
13. 7. καὶ νῦν μέρισον τὴν γῆν ταύτην (9 a)		
14. 10. καὶ νῦν διεθρήψεν με κύριος (9 a + 3 a)		
— 10. καὶ νῦν ἰδοὺ ἐγὼ (9 a)		
— 11. ἰσχύω νῦν ἐλεεθῆναι (9 a)		
— 12. καὶ νῦν αἰλουμαί σε (9 a)		
— 12. νυνὶ δὲ οἱ 'Εν. ἐκέειν (13 b)		
22. 4. νῦν [Α. νυνὶ] δὲ κατέπαυσε κύριος (9 a)		



IV Ki. 18. 19. και νυν τρις πατάξει την Σ. (9 a)  
 18. 20. νυν ουν [A και νυν] τινι πεποιθώς (13 c) [11 c]  
 — 21. νυν ιδου πέποιθας σαντφ (9 a)  
 — 23. και νυν μήχητε δη τφ κυρίω μου (9 a)  
 — 25. και νυν [A νυν ουν] μη άνευ κυρίου  
 άνεβημεν (11 c [13 c])  
 19. 19. και νυν, κύριε ο θεός ήμών (9 a)  
 I Ch. 17. 7. και νυν ούτως έρεις (9 a)  
 — 23. και νυν, κύριε, ο λόγος σου (9 a)  
 — 26. και νυν, κύριε, σὺ εἰ αὐτὸς θεός (9 a)  
 — 27. και νυν ήρξει τοῦ εὐλογησαι (9 a)  
 21. 8. και νυν περίελε δη την κακίαν (9 a)  
 — 12. και νυν ἴδε τί ἀποκριθῶ (9 a)  
 22. 11. και νυν, νιέ μου, ἔσται μετὰ σοῦ κύριος (11 c)  
 — 19. νυν δότε καρδίας ὑμῶν (9 a)  
 28. 8. και νυν κατὰ πρόσωπον πάσης ἐκκλ. (9 a)  
 — 9. και νυν, Σαλωμών νιέ, γινῶθι (9 a)  
 — 10. A B ἴδε νυν [B τοῖνυν] (9 a)  
 29. 13. και νυν, κύριε, ἐξομολογούμεθά σοι (9 a)  
 — 17. και νυν τὸν λαόν σου . . . εἶδον (9 a)  
 II Ch. 1. 9. και νυν, κύριε ο θεός (11 c)  
 — 10. νυν σοφίαν και συνέσιν δός μοι (9 a)  
 2. 7 (6). και νυν ἀπέστειλάν μοι ἄνδρα (9 a)  
 — 13 (12). και νυν ἀπέσταλκά σοι (9 a)  
 — 15 (14). κ·ὶ νυν τὸν σῖτον και την κριθήν (9 a)  
 6. 16, 17. και νυν, κύριε ο θεός Ἰσρ. (9 a)  
 — 40. νυν, κύριε, ἔστωσαν δη οἱ ὀφθ. σου (9 a)  
 — 41. και νυν ἀνίστηθι (9 a)  
 7. 15. νυν οἱ ὀφθ. μου ἔσονται ἀνεφγμ. (9 a)  
 — 16. και νυν ἐξελεξάμην (9 a)  
 10. 4. και νυν ἄφετε ἀπὸ τῆς δουλείας (9 a)  
 — 11. και νυν ο παττήρ μου ἐπαίδευεν ὑμᾶς (9 a)  
 — 16. νυν βλέπε τὸν οἶκόν σου (9 a)  
 13. 8. και νυν λέγετε ὑμείς (9 a)  
 16. 9. A και νυν [B om. κ. ν.] ἡγνήκας —  
 — 9. ἀπὸ τοῦ νυν ἔσται μετὰ σοῦ πόλεμος (15 d)  
 18. 22. και νυν ἰδου ἔθωκε κύριος (9 a)  
 19. 7. και νυν γενέσθω φόβος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς (9 a)  
 20. 10. και νυν ἰδου υἱοί Ἀ. (9 a)  
 — 11. και νυν ἰδου αὐτοὶ ἐπιχειροῦσιν —  
 23. 4. νυν ο λόγος οὗτος δν ποιήσετε (9 a)  
 25. 19. νυν κάθησο ἐν οἴκῳ σου (9 a)  
 28. 10. και νυν υἱός Ἰ. . . λέγετε (9 a)  
 — 11. και [A om.] νυν ἀκούσατέ μου (9 a [9 d])  
 29. 5. νυν ἀγρίσθητε (9 a)  
 — 9. ο και νυν ἔστιν —  
 — 10. νυν ἔστιν ἐπὶ καρδίας (9 a)  
 — 11. και νυν μὴ διαλίπητε (11 c)  
 — 31. νυν ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν (9 a)  
 30. 8. και νυν μὴ σκληρύνετε (11 c)  
 32. 15. B ν. ουν [AB om.] μη ἀπατάτω ὑμᾶς Ἐξ. (13 d [9 d])  
 35. 3. νυν ουν λειτουργήσατε (18 c)  
 I Es. 1. 4. και νυν Χαρτεῖναι —  
 — 27. και νυν κύριος μετ' ἐμοῦ ἔστι —  
 — 33. τὰ νυν ἰσθόρηται —  
 2. 18. και νυν γνώριον ἔστω —  
 — 24. νυν ουν ὑποδικνύμεν σοι —  
 — 28. νυν ουν [A om.] ἐπίταξα —  
 4. 28. και νυν οὐ πιστεύετε μοι —  
 — 46. και νυν τοῦτο ἔστιν —  
 6. 20. ἀπ' ἐκείνου μέχρι τοῦ νυν —  
 — 21. B νυν ουν [A B add. εἰ] κρίνεται —  
 8. 78. και νυν κατὰ πόσον τι ἐγενήθη ἡμῖν —  
 — 82. και νυν τί ἱροῦμεν —  
 — 84. και νυν τὰς θυγ. ὑ. μὴ συνοικίσσητε —  
 — 90. A B ἰδου νυν [B om.] ἔργον ἐνώπιόν σου —  
 — 92. και νυν ἔστιν ἐπάνω πᾶς Ἰσρ. —  
 9. 8. και νυν δότε δολογιάν —  
 II Es. 4. 13. νυν ουν γνωστὸν ἔστω (13 b)  
 — 21. B νυν [A B και νυν] θέτε γνώμην (9 [11 c])  
 5. 16. ἀπὸ τότε ἔως τοῦ [A om.] νυν (15 c [8])  
 — 17. και νυν εἰ ἐπὶ τὸν βυσσ. ἀγαθόν (9 a)  
 6. 6. νυν δώσετε (9 a)  
 — 7. A B νυν [B om.] ἀφετε τὸ ἔργον —  
 9. 3. A οὕτως δεῖ και ν. —  
 — 8. και νυν ἐπισκευάσατο ἡμῖν ο θ. ἡ. (9 a)  
 — 10. τί [B<sup>3</sup> και νυν τί] ἐπώμεν (9 a)  
 — 12. και νυν τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ δώτε (9 a)  
 10. 2. και νυν ἔστιν ὑπομονή (9 a)  
 — 3. και νυν διδωθήμεθα (9 a)  
 — 11. και νυν δότε αἰνεσιν (9 a)  
 Ne. 5. 4. A B και [B S om.] νυν ὡς σὰρξ ἀδελφῶν ἡ. σὰρξ ἡμῶν (9 a [9 d])  
 6. 7. και νυν ἀπαγγελήσονται (9 a)  
 — 7. και νυν δεῦρο βουλευσώμεθα (9 a)

Ne. 6. 9. και νυν [S<sup>3</sup> om.] ἐκραταίωσα τὰς χεῖράς μου (9 a)  
 9. 32. και νυν ο θεός ἡμῶν (9 a)  
 To. 2. 3. B αὐτοῖσι νυν ἐστραγγαλήται [A B al.]  
 8. 3. B και νυν σὺ, κύριε —  
 — 5. και νυν πολλὰ αἱ κρίσεις σου —  
 — 6. και νυν κατὰ τὸ ἀρεστόν —  
 — 12. και νυν, κύριε [B al.] —  
 — 15. B νυν ἐλάουσιν οὐκ ἐκείνους μου [A B al.]  
 4. 13. A B και νυν, παιδίον, ἀγάπα —  
 — 19. και νυν, παιδίον, μηνύμενε —  
 — 20. και νυν ὑποδεικνύω σοι [B al.]  
 5. 3. B και νυν ἰδου ἔτη εἰκοσι —  
 — 3. B και νυν παιδίον —  
 6. 12. και νυν [S om.] ἀκουσόν μου —  
 — 12. B και νυν ἀκουσόν μου —  
 — 14. και νυν ἐγὼ μόνος εἰμι [B al.] —  
 — 14. και νυν ἐγὼ φοβοῦμαι —  
 — 15. και νυν ἀκουσίν μου —  
 7. 11. τὸ νυν ἔχον ἡδὺς γίνου [B al.]  
 — 12. κομίζον αὐτὴν ἀπὸ τοῦ νυν [B al.]  
 8. 7. και νυν, κύριε [B al.] —  
 — 21. B παρὰ σοῦ νυν ἔργον ἡμεῖς —  
 — 21. B ἀπὸ τοῦ νυν εἰς τὸν αἰῶνα —  
 10. 8. B και νυν ἀξίω σε —  
 — 13. αὐτοὶ νυν γονεῖς σοῦ εἰσιν [B al.] —  
 — 13. B ἀπὸ τοῦ νυν ἐγὼ σου μήτηρ —  
 11. 9. ἀπὸ τοῦ νυν ἀποθάνομαι —  
 12. 12. και νυν δετε προσοῦσιν —  
 — 14. και νυν ἀπείτελέ με ο θ. [B al.] —  
 — 20. και νυν ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ [B al.]  
 13. 6. B και νυν [A B om.] θεάσασθε —  
 14. 7. B και νυν, παιδία —  
 — 8. και νυν, τέκνον —  
 — 11. και νυν, παιδία —  
 Ju. 6. 19. και νυν ἐπιστρέψαντες —  
 — 20. και νυν, δέσποτα κύριε —  
 7. 4. νυν ἐκλείουσιν οὔτοι —  
 — 11. και νυν, δέσποτα —  
 — 25. και νυν οὐκ ἔστι βοηθός ἡμῶν —  
 — 26. και νυν ἐπικαλεσάσθε αὐτούς —  
 8. 12. και νυν τίνες ἐστέ ὑμεῖς —  
 — 13. και νυν κύριον παντοκράτορα ἐξετάζετε —  
 — 24. και νυν, ἀδελφοί —  
 — 31. και νυν δεήθητι —  
 9. 5. και τὰ νυν . . . διενόηθης —  
 10. 15. και νυν πρόσελθε ἐπὶ τὴν σκηνὴν αὐ. —  
 11. 2. και νυν ο λαός σου —  
 — 3. και νυν λέγε μοι —  
 — 9. και ν. ο λόγος δν ἐλάλησεν Ἀχ. —  
 — 11. και νυν ἴνα μὴ γίνηται —  
 — 17. και νυν μενὰ πῦρὰ σοί —  
 — 23. και νυν ἀστέία εἰ σὺ —  
 13. 5. ὅτι νυν καρδὸς ἀντιλαβέσθαι —  
 14. 8. και νυν ἀνὰ γυναικῶν μοι —  
 Es. 8. 13. οἱ πάλαι και νυν δυσμενεῖς —  
 4. 17. και νυν, κύριε —  
 — 17. και νυν ἡμάρτομεν [A al.] —  
 — 17. και νυν οὐχ ἱκανώθησαν —  
 — 17. ἀφ' ἡμέρας μεταβολῆς μου μέχρι νυν —  
 8. 13. και νυν και μετὰ ταῦτα —  
 Jb. 2. 9. αἶ με νυν συνέχουσιν —  
 8. 13. νυν ἂν κοιμηθεῖς ἡσύχασα (9 c)  
 4. 5. νυν [A νυν] δὲ ἥκει ἐπὶ σὲ πόνος (12 c)  
 6. 16. νυν ἐπεπεπτώκασι μοι δσπερ χιών —  
 — 28. νυν δὲ εἰσβλήσας εἰς πρόσωπα ὑμῶν (9 a)  
 — 29. B<sup>3</sup> νυν ἤρξασθαι —  
 7. 21. νυν [S<sup>3</sup> νυν] δὲ εἰς γῆν ἀπελεύσομαι (12 c)  
 13. 19. νυν κοφένω και ἐκλείνω (9 a)  
 16. 8 (7). νυν δὲ κατὰκόπιν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπῆναι (12 d)  
 — 20 (19). A B B<sup>3</sup> νυν ἰδου ἐν οὐρανοῖς ο μαρτυς σου (9 a)  
 30. 1. νυν δὲ κατεγελασάν μου ἐλάχιστοι νυν νουθετοῦσί με (9 a, —)  
 — 9. νυν δὲ ἐκείνη ἐγὼ εἰμι αὐτῶν (9 a)  
 — 16. νυν ἐπ' ἐμὲ ἐκχυθήσεται [S<sup>3</sup> ἐκλυθ.] ἡ ψυχὴ μου (9 a)  
 35. 15. και νυν ὅτι οὐκ ἔστιν ἐπισκεπτόμενος ὀργὴν αὐτοῦ (9 a)  
 42. 5. νυν δὲ ο δόξα μου ἐώρακε σε (9 a)  
 — 8. νυν δὲ λάβετε ἐπὶ τὰς πόδας (9 a)  
 Ps. 2. 10. και νυν, βασιλεῖς, συνέτε (9 a)  
 11 (12). 5. νυν ἀναστήσομαι, λέγει κύριος (9 a)  
 16 (17). 11. ἐκβαλόντες με νυν περιεκύκλωσάν με (9 a)

Ps. 19 (20). 6. νυν ἔγνω ν ἐξώσω κύριος τὸν χριστὸν αὐτοῦ (9 a)  
 26 (27). 6. και νυν ἰδου ὕψωσε τὴν κεφ. μου (9 a)  
 88 (89). 7. και νυν τίς ἡ ὑπομονή μου (9 a)  
 43 (44). 9. νυν δὲ ἀπάσω και κατασχυνας ἡμᾶς (12 a)  
 70 (71). 17. μέχρι νυν [S<sup>3</sup> τοῦ νυν] ἀπαγγελῶ τὰ θαυμάσια σου (4 [15 a])  
 76 (77). 10. και εἶπα, Νυν ἡρξάμην —  
 112 (118). 2. εἰ τὸ ὄνομα κυρίου εὐλογημένον ἀπὸ τοῦ νυν (15 d)  
 113. 26 (115. 18). εὐλογήσωμεν τὸν κύριον ἀπὸ τοῦ νυν (15 d)  
 120 (121). 8. κύριος φυλάξει τὴν εἰσοδὸν σου . . . ἀπὸ τοῦ νυν (15 d)  
 124 (125). 2. κύριος κύκλω τοῦ λαοῦ αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ νυν (15 d)  
 130 (131). 3. ἐλπισάτω Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κύριον ἀπὸ τοῦ νυν (15 d)  
 Pr. 5. 7 : 7. 24 : 8. 32. νυν ουν, νιέ, ἀκούε μου (13 d)  
 Ec. 4. 2. ὅσοι αὐτοὶ ζῶσιν ἔως τοῦ νυν (17)  
 Wi. 14. 15. τὸν τότε [A ποτε] νεκρὸν ἄνθρωπον νυν ὡς θεὸν ἐτίμησε —  
 — 20. τὸν . . . τιμηθῆναι ἄνθρωπον νυν σέβασμα ἐλογίσαντο —  
 Si. 11. 19. νυν φάγομαι ἐκ τῶν ἀγαθῶν μου —  
 — 23. τίνα ἀπὸ τοῦ νυν ἔσται μου τὰ ἀγαθά —  
 — 24. τί ἀπὸ τοῦ νυν κακωθήσομαι —  
 39. 35. και νυν ἐν πάσῃ καρδίᾳ και στόματι ὑμῶν —  
 — 50. 22. και νυν εὐλογήσατε τῷ θεῷ —  
 Ho. 2. 7 (9). καλῶς μου ἦν τότε ἡ ν. (9 a)  
 — 10 (12). και ν. ἀποκαλύψω τὴν ἀκαθαρσίαν αὐ. (9 a)  
 4. 16. νυν νευμήσει αὐτοὺς κύριος (9 a)  
 5. 3. ν. ἐξεπρόρνευσεν Ἐφρ. (9 a)  
 — 7. ν. καταφάγετα αὐτοὺς ἡ ἐρυσίβη (9 a)  
 7. 2. ν. ἐκύκλωσαν αὐτοὺς τὰ διαβούλια αὐ. (9 a)  
 8. 8. ν. ἐγένετο ἐν τοῖς ἔθνεσιν (9 a)  
 — 10. ν. ἐισδύξομαι αὐτοὺς (9 a)  
 — 13. ν. μωπηστήσεται τὰς ἀδικίας αὐ. (9 a)  
 10. 2. ν. ἀφανισθήσονται (9 a)  
 — 3. διότι ν. ἐροῦσιν (9 a)  
 11. 12 (12. 1). ν. ἔγνω αὐτοὺς ο θεός —  
 13. 2. B και νυν [A B om.] προσέθεντο τοῦ ἁμαρτάνειν (9 a)  
 Am. 6. 7. ν. αἰχμάλωτοι ἔσονται (9 a)  
 7. 16. και ν. ἀκούε λόγον κυρίου (9 a)  
 Mi. 4. 7. βασίλευσει κ. . . ἀπὸ τοῦ νυν ἔως εἰς τὸν αἰ. (15 d)  
 — 9. και ν. ἴνα τί ἔγνω κακά (11 c)  
 — 10. ν. ἐξέλευσιν ἐκ πόλεως (9 a)  
 — 11. και νυν ἐπισυνήχθη ἐπὶ σὲ ἔθνη (9 a)  
 5. 1 (4. 14). νυν ἐμφραχθήσεται θυγάτηρ (9 a)  
 — 4 (3). ν. μεγαλυνθήσονται (9 a)  
 7. 4. ν. ἔσονται κλαυθμοὶ αὐτῶν (9 a)  
 — 10. ν. ἔσται εἰς καταπᾶγμα (9 a)  
 Jl. 2. 12. και ν. λέγει κ. ο θεός ὑμῶν (11 d)  
 Jn. 4. 3. και νυν, δέσποτα κύριε (9 a)  
 Na. 1. 13. και ν. συντρίψω τὴν βάβδον αὐ. (9 a)  
 Hg. 1. 5. και ν. τῷδε λέγει κύριος παντοκρ. (9 a)  
 2. 4 (3). πῶς ὑμεῖς βλέπετε αὐτὸν ν. (9 a)  
 — 5 (4). και ν. κατίσχυε (9 a)  
 — 16 (15). και ν. θέσθε δη εἰς τὰς καρδίας ὑμῶν (9 a)  
 Za. 8. 11. και ν. οὐ κατὰ τὰς ἡμ. τὰς ἔμπροσθεν ἐγὼ ποιῶ (9 a)  
 9. 8. διότι νυν ἐώρακα ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς μου (9 a)  
 Ma. 1. 9. και ν. ἐξέλκεσθε τὸ πρόσωπον τοῦ θεοῦ ὑ. (9 a)  
 2. 1. και νυν ἡ ἐντολή αὐτὴ πρὸς ὑμᾶς (9 a)  
 8. 15. και νυν ἡμεῖς μακαρίζομεν ἀλλοτρίους (9 a)  
 Is. 1. 21. νυν δὲ φονεῦται (9 a)  
 2. 5. και νυν, ο οἶκος Ἰ. —  
 — 10. και νυν, εἰσέλθετε —  
 8. 9 (8). διότι νυν ἐταπεινώθη ἡ δόξα αὐ. —  
 — 13. ἀλλὰ νυν καταστήσεται εἰς κρίσιν —  
 5. 3. και νυν, οἱ ἐνοικούντες ἐν Ἱερ. (9 a)  
 — 5. νυν δὲ ἀναγγελῶ ὑμῖν (9 a)  
 9. 7 (6). ἀπὸ τοῦ νυν και εἰς τὸν αἰῶνα [B ἔως τοῦ αἰ.] (15 d)  
 14. 15. νυν δὲ εἰς ἄβδν καταβήσῃ (12 g)  
 16. 14. και νυν λέγω (9 a)  
 18. 2. A ἔθνος ἀνέλπιστον και καταπεπηγμένον νυν [B S om.] —  
 — 2. νυν οἱ ποταμοὶ τῆς γῆς —  
 — 7. ἀπὸ τοῦ νυν και εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον —

Is. 19. 12. πού εἶσαι νῦν οἱ σοφοί σου (2)  
 21. 2. νῦν στενάξω -  
 22. 1. τί ἐγένετό σοι ὅτι νῦν [A σοι ν. ὅτι] ἀνέβητε (2)  
 26. 11. καὶ νῦν πῦρ τοὺς ὑπεναγνίστους ἔδεται (11 a)  
 29. 22. οὐ νῦν αἰσχυρῶνεται Ἰ. (9 a)  
 — 22. οὐδὲ νῦν τὸ πρόσωπον μεταβαλεῖ (9 a)  
 — 23. S<sup>1</sup> ἀλλὰ τὰ νῦν δώσει [A B S<sup>2</sup> al.] †  
 30. 8. νῦν οὖν καθίσας γράψον (13 c)  
 33. 4. νῦν δὲ συναχθήσεται τὰ σκῦλα ὑμῶν (13 f)  
 — 10. νῦν ἀναστήσομαι . . . νῦν δοξασθήσομαι νῦν ὑψωθήσομαι (9 a ter)  
 — 11. νῦν ὄψεσθε νῦν αἰσθηθήσεσθε - , -  
 36. 5. καὶ νῦν ἐπὶ τῖνα πέποιδας (11 c)  
 — 8. νῦν μίχθητε τῷ κυρίῳ μου (9 b)  
 — 10. καὶ νῦν μὴ ἀνευ κυρίου ἀνέβημεν (9 a)  
 37. 20. νῦν [A B su] δὲ, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (9 a)  
 — 26. νῦν δὲ ἐπιδείξα ἐξηρημῶσαι ἔθνη (12 c)  
 — 28. νῦν δὲ τὴν ἀνάστασιν σου . . . ἐπίσταμαι (12 f)  
 40. 25. νῦν οὖν τί μοι ὁμιώσατε (13 f)  
 — 28. καὶ νῦν οὐκ ἔγνωσ -  
 48. 1. καὶ νῦν οὕτως λέγει (9 a)  
 — 19. δὲ νῦν ἀνατελεῖ (9 a)  
 — 22. οὐ νῦν ἐκάλεσά σε -  
 44. 1. νῦν δὲ ἄκουσον (9 a)  
 47. 8. νῦν δὲ ἄκουε ταῦτα (9 a)  
 — 9. νῦν δὲ ἦξει ἐπὶ σέ (12 f)  
 — 12. στήθῃ νῦν ἐν ταῖς ἐπαοιδαῖς σου (8)  
 48. 6. ἀκούσά σοι ἐποίησα τὰ κατὰ ἀπὸ τοῦ νῦν (15 d)  
 — 7. νῦν γίνονται καὶ οὐ πάλα (9 a)  
 — 16. καὶ νῦν κύριος κύριος ἀπέστειλέ με (9 a)  
 — 19. οὐδὲ νῦν οὐ μὴ ἐξυλευθρήσῃς -  
 49. 5. καὶ νῦν οὕτως λέγει κύριος (9 a)  
 — 19. νῦν στενωχῶρσιν (9 a)  
 51. 3. καὶ σὺ ἐν παρακαλῶσ - †  
 — 13. καὶ νῦν πού ὁ θυμὸς τοῦ θλιβόντός σε -  
 52. 5. καὶ νῦν τί ᾄδῃ ἔσται -  
 58. 2. αἰτοῦσί με νῦν κρίσιν δικαίαν -  
 59. 21. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα (15 d)  
 64. 8 (7). καὶ νῦν, κύριε (9 a)  
 — 9 (8). καὶ νῦν ἐπὶ βλῶσιν (8)  
 Je. 2. 18. καὶ νῦν τί σοι (9 a)  
 4. 12. νῦν δὲ ἐγὼ λαλῶ κρίματα (12 c)  
 7. 13. καὶ νῦν ἀνθ' ὧν ἐποῦσατε (9 a)  
 14. 10. νῦν μνησθήσεσται τῆς ἀδικίας αὐ. (9 a)  
 18. 11. καὶ νῦν εἰπὸν πρὸς ἄνδρας Ἰ. (9 a)  
 33 (26). 13. καὶ νῦν βελτίους ποιήσατε τὰς δόδους ὑμῶν (9 a)  
 38 (29). 27. καὶ νῦν διὰ τί συνειλοδηρήσατε Ἰερ. (9 a)  
 39 (32). 36. καὶ νῦν οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 a)  
 44 (37). 20. καὶ νῦν, κύριε βασιλεῦ (9 a)  
 49 (42). 19. καὶ νῦν γνόντες γνώσεσθε -  
 — 22. καὶ νῦν ἐν ῥομφαίᾳ . . . ἐκλείψετε (9 a)  
 51 (44). 7. καὶ νῦν οὕτως εἶπε κύριος παντοκρ. (9 a)  
 Ba. 2. 11. καὶ νῦν [A om. κ. ν.], κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 a)  
 4. 24. ὥσπερ γὰρ νῦν ἐράκασιν οἱ πάροικοι Σ. -  
 — 28. A οὕτως νῦν [B om. οὐ. ν.] δεκαπλασιάσατε  
 Ep. Je. 4. 14. ἀπὸ γενιᾶς μου ὥς τοῦ νῦν (15 d)  
 7. 8. νῦν ἐγγύθεν ἐκχεῶ (9 a)  
 — 7. νῦν τὸ πέρασ πρὸς σέ -  
 16. 57. δὲν τρόπον νῦν δριεὶς εἰ †  
 19. 13. καὶ νῦν πεφύτευκαν αὐτὴν (9 a)  
 26. 18. A καὶ νῦν [B om.] φοβηθήσονται (11 c)  
 27. 34. νῦν συνετρίβης ἐν θαλάσῃ †  
 39. 25. νῦν ἀποστρέψω [A ἀναστρ. τὴν] αἰχμαλωσίαν (9 a)  
 43. 9. καὶ νῦν ἀποσάσσωσαν (11 c)  
 Da. LXX. Su. 51. καὶ νῦν διαχωρίσατέ μοι αὐτοὺς -  
 — 51. νῦν μὴ βλῆνγτε -  
 — 52. νῦν ἦκασι σου αἱ ἁμαρτίαι -  
 — 54. νῦν οὐν ὑπὸ τί δένδρον -  
 — 58. νῦν οὖν λέγε μοι -  
 — 59. νῦν ὁ ἄγγελος κυρίου  
 2. 9. νῦν οὖν ἐάν τὸ ῥῆμα ἐπιγέ μοι (7)  
 — 23. καὶ νῦν ἐξηγῶμαι μοι (8)  
 8. 15. καὶ νῦν εἰ μὴ ἔχετε ἐτόιμος (11 c)  
 — (31). καὶ νῦν πάντα ὅσα ἡμῖν ἐπιγάγες  
 — (33). καὶ νῦν οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀνοίξαι  
 — (41). καὶ νῦν ἐξακολουθοῦμεν  
 — 29 (96). καὶ νῦν ἐγὼ κρίνω -  
 4. 34. ἀπὸ τοῦ νῦν αὐτῷ λατρεύσω -  
 — 34. καὶ νῦν ὑποδείξω ὑμῖν -

Da. LXX. 8. 26. καὶ νῦν πεφραγμένον τὸ δράμα †  
 9. 15. καὶ νῦν, δέσποτα κύριε (9 a)  
 — 17. καὶ νῦν ἐπάκουσον (9 a)  
 10. 20. καὶ νῦν ἐκστρέψω (9 a)  
 11. 2. καὶ νῦν ἦλθον (9 a)  
 Da. TH. Su. 52. νῦν ἦκασιν αἱ ἁμαρτίαι σου -  
 — 54. νῦν οὖν ταύτην εἶπερ εἶδες  
 — 58. νῦν οὖν λέγε μοι  
 2. 23. A καὶ νῦν [B om.] ἐγνώρισάς μοι (8)  
 3. 15. νῦν οὖν εἰ ἔχετε ἐτόιμος (11 f)  
 — (33). καὶ νῦν οὐκ ἔστιν ἡμῖν  
 — (41). καὶ νῦν ἐξακολουθοῦμεν  
 4. 34. νῦν οὖν ἐγὼ Ἰαβ. (13 b)  
 5. 12. νῦν οὖν κληθῆτω (13 b)  
 — 15. καὶ νῦν εἰσέλθω (8)  
 — 16. νῦν οὖν ἐάν δινηθῇς (13 b)  
 6. 8 (9). νῦν οὖν, βασιλεῦ (13 b)  
 9. 15. καὶ νῦν, κύριε ὁ θ. ἡμῶν (9 a)  
 — 17. καὶ νῦν εἰσέλθω (9 a)  
 — 22. νῦν ἐξῆλθον συμβιβάζαι σε (9 a)  
 10. 11. νῦν ἀποστάνη πρὸς σέ (9 a)  
 — 17. ἀπὸ τοῦ νῦν οὐ στήσεται ἐν ἐμοὶ ἰσχύς (15 d)  
 — 20. καὶ νῦν ἐκστρέψω (9 a)  
 11. 2. καὶ νῦν ἀλήθειαν ἀναγγελεῖ σοι (9 a)  
 I Ma. 2. 18. A B νῦν [R add. οὖν] πρότερον πρῶτος  
 — 33. B ὥς τοῦ νῦν ἱκανόν [A B om.]  
 — 40. νῦν ταχίων ἡμᾶς ἀθροεῖσόντες  
 — 49. νῦν ἐστὶν ἡμεῖς ὑπερηφανία  
 — 50. A B καὶ [B om.] νῦν, τέκνα  
 4. 10. καὶ νῦν βοηθώμεν  
 — 18. ἀλλὰ στήτε νῦν  
 5. 12. νῦν οὖν ἔλθω ἐξελοῦ ἡμᾶς  
 6. 11. ἐν ᾧ νῦν εἰμι  
 — 12. νῦν δὲ μνησθήσομαι  
 — 58. νῦν οὖν δομεν δεξιῶν  
 7. 7. νῦν οὖν ἀποστείλον ἄνδρα  
 — 35. ἐάν μὴ παραδοθῇ Ἰ. . . τὸ νῦν  
 9. 9. σώξω τὰς ναυτῶν ψυχὰς τὸ νῦν  
 — 30. νῦν οὖν σε ῥητευσάμεθα  
 — 44. A B ἀναστήσωμεν νῦν [B dh]  
 — 46. νῦν οὖν κεκράξατε  
 — 58. νῦν οὖν ἄξωμεν τὸν B.  
 10. 16. καὶ νῦν ποιήσωμεν αὐτὸν φίλον  
 — 20. καὶ νῦν καθιστάμεν σε  
 — 27. A B καὶ [B om.] νῦν ἐμμένετε  
 — 29. καὶ νῦν ἀπολύω ὑμᾶς  
 — 41. ἀπὸ τοῦ νῦν δόσωμεν  
 — 54. S B καὶ νῦν στήσωμεν [A al.]  
 — 54. A B καὶ νῦν [B om.] δός μοι  
 — 56. καὶ νῦν ποιῶσα σοι  
 — 71. νῦν οὖν εἰ πεισώσας  
 — 73. καὶ νῦν οὐ δινηθῇ  
 11. 35. τὰ ἀνηκόησιν ἡμῖν ἀπὸ τοῦ νῦν  
 — 36. S<sup>2</sup> B ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρόνον [A B<sup>1</sup> al.]  
 — 37. νῦν οὖν ἐπιμείνετε  
 — 43. νῦν οὖν ὀρθὸς ποιήσεις  
 12. 18. καὶ νῦν καλῶς ποιήσατε  
 — 22. καὶ νῦν ἀφ' οὗ ἐγνωμεν ταῦτα  
 — 45. καὶ νῦν ἀποστείλον αὐτούς  
 — 53. νῦν οὖν πολέμησωμεν αὐτούς  
 13. 5. καὶ νῦν μὴ μοι γίνετο  
 — 16. καὶ νῦν ἀποστείλον  
 — 20. ἦλθε Τρύφων [S<sup>1</sup> add. νῦν]  
 15. 5. νῦν οὖν ἰσθμὶ σοι  
 — 8. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρόνον  
 — 30. νῦν οὖν παράδοτε  
 16. 3. A B νῦν [B νῦν] δὲ γεγήρακα  
 II Ma. 1. 6. καὶ νῦν ᾄδῃ ἔσμεν  
 — 9. καὶ νῦν ἴνα ἀγῇτε  
 6. 27. ἀνδρείως μὲν νῦν διαλλάξας τὸν βίον  
 7. 23. ὥς νῦν ὑπεροπάτε ἑαυτοὺς  
 — 36. οἱ μὲν γὰρ νῦν ἡμέτεροι ἀδελφοί  
 10. 10. νῦν δὲ . . . δηλώσωμεν  
 13. 10. εἰποτε ἄλλοτε καὶ νῦν  
 14. 7. B δεῦρο [A δευτερον] νῦν ἐλήλυθα  
 — 36. καὶ νῦν, ἄγε . . . κύριε  
 15. 8. καὶ τὰ νῦν προσδοκᾷ τὴν . . . νίκην  
 — 23. καὶ νῦν, δυνιστὰ τὸν οὐρανόν  
 III Ma. 1. 19. A πρὸς ἅπαν τὸν διατεταγμένον [R al.]  
 2. 13. ἰδοὺ δὲ νῦν, ἄγε βασιλεῦ  
 4. 1. A μετὰ παρηγορίας νῦν ἐκφαίνονμένης [R π. σικκφ.] ἀπεχθίας  
 — 29 (96). καὶ νῦν ἐγὼ κρίνω -  
 5. 38. τοὺς ἐλέφ. ἔτι καὶ νῦν καθόπισον  
 6. 9. καὶ νῦν, μαστίβρι  
 — 12. νῦν ἐπίτε

III Ma. 6. 28. ἀφ' ἡμετέρων μέχρι τοῦ νῦν προγόνων  
 IV Ma. 1. 12. νῦν αὐτίκα δὲ λέγειν ἔξεσται  
 6. 13. εἰ νῦν μεταβαλοῦμεθα  
 — 33. νῦν δὲ τοῦ λογιζομένου . . . κησάντος  
 9. 30. A B πλεονέμου σε νῦν [B om.] βασιανίσσεται  
 11. 8. A B νῦν δὲ ἀλλότριος ὢν  
 12. 19. σὲ δὲ καὶ ἐν τῷ νῦν βίῳ . . . τιμωρήσεται  
 13. 3. νῦν δὲ οὐκ οὕτως  
 14. 9. νῦν ἡμεῖς ἀκούοντες  
 15. 16. δὲ πικροτέρων μὲν νῦν μῆτην πειρασθεῖσα  
 17. 18. τῷ θεῷ νῦν παρστήσας θρόνῳ  
 [Aq. Nu. 24. 17. II Ki. 16. 11. 18. 3. III Ki. 14. 14. JB. 6. 21. 42. 5. Ps. 2. 10. 26 (27). 6. 15. 52. 5. JE. 27 (34). 6. 16. 87 (44). 20. 40 (47). 4 (Sw.). 42 (49). 15. Ez. 28. 43.]  
 [Sm. Ge. 3. 23 (22). I Ki. 12. 7. II Ki. 16. 11. IV Ki. 2. 14. 10. 10. JB. 9. 24. 24. 25. 42. 5. Ps. 26 (27). 6. 38 (39). 8. 73 (74). 6. 15. 16. 14. 52. 5. JE. 27 (34). 16. 42 (49). 15.]  
 [Th. JD. 13. 12. II Ki. 12. 10. 18. 3. JB. 18. 19. 30. 16. 35. 15. 42. 5. Is. 16. 14. 29. 22. 52. 5. JE. 27 (34). 6. 16. 87 (44). 20. 40 (47). 4 (Sw.). 42 (49). 15. DA. 6. 8.]  
 [Al. Ex. 9. 27.]  
 [Quint. IV Ki. 5. 22. Ps. 26 (27). 6.]  
 νύξ. (1) α. 72 δ. 72 δ. 72 δ. 72 δ.  
 Ge. 1. 5. τὸ σκότος ἐκάλεσε νύκτα (1 a)  
 — 14. A καὶ ἄρχεν τῆς ἡμέρας καὶ τῆς νύκτος -  
 — 14. ἀνὰ μέσον τῆς ἡμ. καὶ ἀνὰ μέσον τῆς ν. (1 a)  
 — 16. τὸν φωστῆρα . . . εἰς ἀρχὰς τῆς ν. (1 a)  
 — 18. καὶ ἄρχεν τῆς ἡμέρας καὶ τῆς ν. (1 a)  
 7. 4, 12. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκοντα νύκτας (1 a)  
 — 17. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νύκτας -  
 8. 22. ἡμέραν καὶ νύκτα οὐ καταπαύουσιν (1 a)  
 14. 15. ἐπέπεσαν ἐπ' αὐτοὺς τὴν ν. (1 a)  
 19. 5. οἱ εἰσελθόντες πρὸς σέ τὴν ν. (1 a)  
 — 33. B ἐπώρισαν . . . ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ [A ταύτῃ] (1 a)  
 — 33. B ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ [A τὴν ν. ἐκείνην] -  
 — 34. B ἐν τῇ ν. ταύτῃ [A τὴν ν. ταύτην] (1 a)  
 — 35. ἐπώρισαν δὲ καὶ ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)  
 20. 3. εἰσῆλθεν . . . πρὸς Ἀδ. ἐν ὑπνῷ τὴν ν. (1 a)  
 28. 24. ὥσθι αὐτῷ κύριος ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1 a)  
 30. 15. κοιμήθη μετὰ σοῦ τὴν ν. ταύτην (1 a)  
 — 16. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς τὴν ν. ἐκείνην (1 a)  
 31. 4. ἦλθε . . . ὁ θεός . . . καθ' ὑπνόν τὴν ν. (1 a)  
 — 39. καὶ κλέμματα [A add. τῆς] νυκτός (1 a)  
 — 40. τῆς ἡμέρας . . . καὶ . . . τῆς ν. (1 a)  
 32. 13 (14). ἐκοιμήθη ἐκεῖ τὴν ν. ἐκείνην (1 a)  
 — 21 (22). ἐκοιμήθη τὴν ν. ἐκείνην (1 a)  
 — 22 (23). ἀναστὰς δὲ τὴν ν. ἐκείνην (1 a)  
 40. 5. εἶδον . . . ἐνύπνιον ἐν μῇ ν. (1 a)  
 41. 11. εἶδον ἐνύπνιον . . . ἐν ν. μῇ (1 a)  
 46. 2. εἶπε δὲ ὁ θεός . . . ἐν ὁράματι τῆς ν. (1 a)  
 Ex. 10. 13. ἐπήγαγεν . . . νότον . . . ὀλην τὴν ν. (1 a)  
 11. 4. περὶ μέσας ν. ἐγὼ εἰσπορεύομαι (1 a)  
 12. 8. φάγονται τὰ κρέα τῇ ν. ταύτῃ ὅπτα (1 a)  
 — 12. διελυσσομαι ἐν γῇ . . . ἐν τῇ ν. ταύτῃ (1 a)  
 — 29. ἐγενήθη δὲ μεσουσῆς τῆς ν. (1 a)  
 — 30. καὶ ἀναστὰς [A ἀνέστη] Φαραὼ νυκτός (1 a)  
 — 31. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν . . . νυκτός (1 a)  
 — 41. ἐξῆλθε πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου . . . νυκτός [A<sup>1</sup> om.] -  
 — 42. ἐκείνη ἡ ν. αὐτῇ προφυλακῇ κυρίῳ (1 a)  
 13. 21. τὴν δὲ ν. ἐν στύλῳ πυρός (1 a)  
 — 22. οὐκ ἐξέλιπε δὲ ὁ στύλος . . . νυκτός (1 a)  
 14. 20. καὶ διήλθεν ἡ ν. (1 a)  
 — 20. οὐ συνέμειξαν ἀλλήλους ὀλην τὴν ν. (1 a)  
 — 21. ὑπήγαγε κ. τὴν θάλασσαν . . . ὀλην τὴν ν. (1 a)  
 24. 18. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκοντα ν. (1 a)  
 34. 28. ἦν ἐκεῖ . . . τεσσαράκοντα νύκτας (1 a)  
 40. 38. πῦρ ἦν ἐπ' αὐτῆς νυκτός (1 a)  
 Le. 6. 9 (2). ἐπὶ τῆς καύσεως . . . ὀλην τὴν ν. (1 a)  
 8. 35. ἡμέραν [A -as] καὶ νύκτα [A -as] (1 a)  
 Nu. 9. 16. καὶ εἶδος πυρός τὴν ν. (1 a)  
 — 21. ἡμέρας ἡ νυκτός (1 a)  
 11. 9. ὅταν κατέβῃ ἡ δρόσος . . . νυκτός (1 a)  
 — 32. ὀλην τὴν ἡμέραν καὶ ὀλην τὴν ν. (1 a)  
 14. 1. ὀλην τὴν ν. ἐκείνην (1 a)  
 — 14. καὶ ἐν στύλῳ πυρός τὴν ν. (1 a)  
 22. 8. καταλύσατε αὐτοῦ τὴν ν. (1 a)  
 — 19. ὑπομένετε αὐτοῦ . . . τὴν ν. ταύτην (1 a)  
 — 20. B<sup>1</sup> ἦλθεν ὁ θεός πρὸς B. [A B<sup>2</sup> R add. νυκτός] (1 a)  
 De. 1. 33. ὁδῶν ὑμᾶς ἐν πυρὶ νυκτός (1 a)

De. 9. 9. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νυκτὰς (1a)  
 — 11. διὰ τεσσαράκ. ἡμερῶν καὶ διὰ τεσσαράκ. νυκτῶν (1a)  
 — 18, 25. 10. 10. τεσσαράκ. ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νυκτὰς (1a)  
 16. 1. ἐξῆλθες ἐξ Αἰγύπτου νυκτός (1a)  
 — 3. ἐξήλθετε ἐξ Αἰγύπτου [Δ<sup>3</sup> add. νυκτός] (1a)  
 28. 10 (11). ἐκ ῥύσεως αὐτοῦ νυκτός (1a)  
 28. 66. φοβηθήσῃ ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 Jo. 1. 8. ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 2. 3. τοὺς εἰσπεπορευμ., εἰς τὴν οἶκ. σου τὴν ν. (1a)  
 4. 3. οὐ εἶαν παρεμβάλητε ἐκεῖ τὴν ν. (1a)  
 8. 3. ἀπέστειλεν αὐτοὺς νυκτός (1a)  
 10. 9. ὅλην τὴν ν. εἰσπορεύσῃ (1a)  
 Jd. 6. 25. καὶ ἐγένετο ἐν [Δ<sup>3</sup> om.] τῇ ν. ἐκείνῃ (1a)  
 — 27. καὶ ἐποίησε νυκτός (1a)  
 — 40. ἐποίησαν ὁ θ. οὕτως ἐν τῇ ν. ἐκ. (1a)  
 7. 9. ἐγενήθη ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1a)  
 9. 32. καὶ νῦν ἀνάστηθι νυκτός (1a)  
 — 34. ἀνίστη. Ἀβ. . . νυκτός (1a)  
 18. 2. ἐνήθρευσαν . . . ὅλην τὴν ν. (1a)  
 — 2. ἐκώφευσαν ὅλην τὴν ν. (1a)  
 — 3. ἀνίστη. ἐν ἡμέσῃ τῆς ν. [Δ<sup>3</sup> al.] (1a)  
 — 16. Δ<sup>3</sup> ἐξήλθινεν αὐτὸν . . . ὅλην τὴν ν. [B al.] † (1a)  
 19. 25. ὅλην τὴν ν. ἕως πρωῒ (1a)  
 20. 5. ἐκύλισαν ἐπ' ἐμὲ . . . νυκτός (1a)  
 Ru. 3. 2. λιμᾶ τὸν δάονα τῶν κριθῶν ταύτῃ τῇ ν. (1a)  
 — 13. αὐλισθητὶ τὴν ν. (1a)  
 I Ki. 14. 34. προσήγεν . . . τὸν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. [add. τὴν ν.] (1a)  
 — 36. καταβῶμαι ὅπισω τῶν ἀλλοφ. τὴν ν. (1a)  
 15. 11. ἐβόησε πρὸς κύριον ὅλην τὴν ν. (1a)  
 — 16. Δ<sup>3</sup> ἐλάλησε κύριος πρὸς με τὴν ν. (1a)  
 19. 10. καὶ ἐγενήθη ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1a)  
 — 11. εἰ μὴ σὺ σώσεις τὴν ψυχὴν σαυτοῦ τὴν ν. ταύτην (1a)  
 — 24. ἔπεσε γυμνὸς . . . ὅλην τὴν ν. (1a)  
 25. 16. ὡς τεῖχος ἦσαν περὶ ἡμᾶς καὶ τὴν ν. (1a)  
 26. 7. ὥστε ἐπορεύεταί Δ. . . εἰς τὸν λαὸν τὴν ν. (1a)  
 28. 8. ἔρχονται πρὸς τὴν γυναῖκα νυκτός (1a)  
 — 20. οὐ γὰρ ἔδωκαν ἄρτον . . . ὅλην τὴν ν. ἐκείνην [Δ<sup>3</sup> om.] (1a)  
 — 25. ἀπῆλθον τὴν ν. ἐκείνην (1a)  
 30. 12. τρεῖς ἡμέρας καὶ τρεῖς ν. (1a)  
 31. 12. ἐπορεύθησαν ὅλην τὴν ν. (1a)  
 II Ki. 2. 29. ὅλην τὴν ν. ἐκείνην (1a)  
 — 32. ἐπορεύθη. . . ὅλην τὴν ν. (1a)  
 4. 7. ἀπῆλθον . . . ὅλην τὴν ν. (1a)  
 7. 1. καὶ ἐγένετο [Δ<sup>3</sup> add. ἐν] τῇ ν. ἐκείνῃ (1a)  
 17. 1. καταδιώξω ὅπισω Δ. τὴν ν. (1a)  
 — 16. μὴ αὐλισθῇς τὴν ν. (1a)  
 17. 8 (7). εἰ αὐλισθήσεται ἀνὴρ μετὰ σοῦ τὴν ν. ταύτην (1a)  
 21. 10. καὶ τὰ θῆρια τοῦ ἀγροῦ νυκτός (1a)  
 III Ki. 3. 5. ὥφθη κύριος τῷ Σαλ. . . τὴν ν. (1a)  
 — 19. ἀπέθανεν ὁ υἱὸς . . . τὴν ν. (1a)  
 — 20. ἀνίστη μέσος τῆς ν. (1a)  
 8. 29. τοῦ εἶναι ὀφθαλμοῦ σου ἡνεωγμ. . . νυκτός (1a)  
 — 29. ἦς προσεύχεται ὁ δοῦλός σου . . . νυκτός (1a)  
 — 59. ἐγγίζοντες πρὸς κ. θιόν ἡμῶν . . . νυκτός (1a)  
 19. 8. τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκ. νυκτὰς (1a)  
 IV Ki. 6. 14. καὶ ἦλθον νυκτός (1a)  
 7. 12. Β<sup>3</sup> ἔστη [Δ<sup>3</sup> ἀνέστη] ὁ βυσ. νυκτός (1a)  
 8. 21. Α<sup>3</sup> αὐτοῦ ἀναστήσαντος νυκτός [B om.] (1a)  
 19. 35. καὶ ἐγένετο [Δ<sup>3</sup> add. ὥς] νυκτός (1a)  
 25. 4. ἐξῆλθον νυκτός ὁδὸν πύλης (1a)  
 I Ch. 9. 33. ἡμέρα καὶ νύξ ἐπ' αὐτοῖς (1a)  
 17. 3. II Ch. 1. 7. ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ (1a)  
 II Ch. 6. 20. τοῦ εἶναι ὀφθαλμοῦ σου ἀνεωγμένους . . . ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 7. 12. ὥφθη ὁ θ. τῷ Σαλ. τὴν ν. (1a)  
 21. 9. ἡγήσθη νυκτός (1a)  
 35. 14. ἐν τῷ ἀναφέρειν . . . τὰ ὀλοκαυτῶμ. ἕως νυκτός (1a)  
 Ne. 1. 6. ἦν ἐγὼ προσεύχομαι . . . ἡμέραν καὶ νυκτά (1a)  
 — 12. καὶ ἀνέστην νυκτός (1a)  
 — 13. ἐξῆλθον ἐν πύλῃ τοῦ γ. [B<sup>3</sup> add. νυκτός] (1a)  
 — 15. ἦσαν ἀναβαίνων . . . νυκτός (1a)  
 4. 9. ἔστησαντες προφύλακας . . . ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 — 22 (16). ἔστω ἡμῖν ἡ ν. προφυλακή (1a)  
 6. 10. ἔρχονται νυκτός φωνεῖσάι σε (1a)

Ne. 9. 12. καὶ ἐν στύλῳ πυρός τὴν ν. (1a)  
 — 19. καὶ τὸν στυλὸν τοῦ πυρός τὴν ν. (1a)  
 To. 2. 9. ἐν αὐτῇ τῇ ν. [B al.] (1a)  
 6. 1. Β<sup>3</sup> ἔτυχεν αὐτοῖς νύξ μία (1a)  
 — 10. Β<sup>3</sup> τὴν ν. ταύτην δεῖ ἡμᾶς αὐλισθῆναι [Δ<sup>3</sup> B al.] (1a)  
 — 12. Β<sup>3</sup> λαλήσω . . . τὴν ν. ταύτην [Δ<sup>3</sup> B al.] (1a)  
 — 12. Β<sup>3</sup> λαλήσωμεν . . . τὴν ν. ταύτην (1a)  
 — 13. Β<sup>3</sup> τὴν ν. ὅποτε εἰσπορεύοντο (1a)  
 — 15. τὴν ν. ταύτην δοθήσεται σοι (1a)  
 7. 9. Β<sup>3</sup> ἡδέως γενοῦ τὴν ν. ταύτην [Δ<sup>3</sup> B al.] (1a)  
 — 11. ἀπέθνησκον ὑπὸ τὴν ν. [B al.] (1a)  
 — 12. Β<sup>3</sup> εὐδῶσει ὑμᾶς . . . τὴν ν. ταύτην [Δ<sup>3</sup> B al.] (1a)  
 8. 9. ἐκοιμήθησαν ἀμφότεροι τὴν ν. (1a)  
 10. 7. τὰς δέ ν. [Δ<sup>3</sup> add. ὅλας] οὐ διελίμψαν θρηνοῦσα [B al.] (1a)  
 Ju. 6. 21. ἐπεκαλέσασθαι τὸν θ. . . ὅλην τὴν ν. ἐκείνην (1a)  
 7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες ὅλην [B<sup>3</sup> om.] τὴν ν. ἐκ. [B om.] (1a)  
 8. 33. στήσασθε ἐπὶ τῆς πύλης τὴν ν. ταύτην (1a)  
 11. 3. ἐν τῇ ν. ταύτῃ ὤρεθον (1a)  
 — 5. οὐκ ἀναγελῶ φεύδω . . . ἐν τῇ ν. ταύτῃ (1a)  
 — 17. θεραπεύουσιν αὐτοὺς νυκτός καὶ ἡμέρας (1a)  
 — 17. ἐξελεύσεται ἡ δούλη σου κατὰ νύκτα (1a)  
 12. 5. μέχρῃ μεσοῦσης τῆς ν. [Δ<sup>3</sup> om.] (1a)  
 — 7. ἐξεπορεύετο κατὰ νύκτα (1a)  
 13. 14. ἔθραυσε τοὺς ἐχθρούς ἡμῶν . . . ἐν τῇ ν. ταύτῃ (1a)  
 Es. 1. 1. ἤβλεπεν ἐπιγνώσκων αὐτὸ ἕως τῆς [Δ<sup>3</sup> om.] ν. (1a)  
 4. 16. ἐπὶ ἡμέρας τρεῖς νύκτα καὶ ἡμέραν (1a)  
 6. 1. ἀπέστησε τὸν ὕπνον . . . τὴν ν. ἐκείνην (1a)  
 Jb. 2. 13. ἐπὶ τὰς ἡμέρας καὶ ἐπὶ τὰς νύκτας (1a)  
 3. 3. ἡ [B<sup>3</sup> σῆ] ν. ἐκείνη [Δ<sup>3</sup> ἐν] ἥ εἶπεν (1a)  
 — 4. ἡ ν. [Δ<sup>3</sup> ἡμέρα] ἐκείνη εἴη σκότος † (1a)  
 — 6. Δ<sup>3</sup> Β<sup>3</sup> καταρθεῖν ἡ ἡμέρα καὶ ἡ ν. ἐκείνη (1a)  
 — 7. ἡ ν. ἐκείνη εἴη ὁδὸς [Δ<sup>3</sup> -ῥα] (1a)  
 — 9. σκοτωθεῖται τὰ ἄστρον τῆς ν. ἐκείνης (2)  
 5. 14. τὸ δὲ μεσημβρινὸν ψηλαφῆσαισαν ἴσα νυκτὶ (1a)  
 7. 3. νυκτὸς δὲ ὁδὸν δαδόμεναι μοί εἰσιν (1a)  
 17. 12. Δ<sup>3</sup> Β<sup>3</sup> νύκτα εἰς ἡμέραν ἔθηκεν (1a)  
 18. 15. κατασηκνῶσιν ἐν τῇ σκηνῇ αὐτοῦ ἐν νυκτὶ [Δ<sup>3</sup> καὶ ἐν σώματι] αὐτοῦ † (1a)  
 24. 14. νυκτὸς ἔσται ὡς κλέπτῃς (1a)  
 27. 20. νυκτὶ δὲ ὑφέλειτο αὐτὸν γνώφος [B λαίλαψ] (1a)  
 30. 17. νυκτὶ [Δ<sup>3</sup> νυκτες] δέ μου τὰ ὀστά συγκέχυται [Δ<sup>3</sup> συνιέλασαν] (1a)  
 34. 25. στρέψει νύκτα καὶ ταπεινώθουσιν αὐτὴν (1a)  
 36. 20. μὴ ἐξελεύσῃς τὴν ν. (1a)  
 Ps. 1. 2. ἐν τῷ νόμῳ αὐτοῦ μελετήσῃ ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 6. 6. λούσω καθ' ἐκάστην νύκτα τὴν κλίνην μου (1a)  
 12 (18). 2. ὁδὸν αὐ. καρδίᾳ μου ἡμέρας [Δ<sup>3</sup> Β<sup>3</sup> add. καὶ νυκτός] (1a)  
 15 (16). 7. ἔτι δὲ καὶ ἕως νυκτός ἐπαίδευσάν με οἱ νεφροὶ μου (1a)  
 16 (17). 3. ἐπισκέψω νυκτός (1a)  
 18 (19). 2. νύξ νυκτὶ ἀναγγέλλει γνώσιν (1a, 1a)  
 21 (22). 2. καὶ νυκτός καὶ οὐκ εἶδον αἰμοὶ (1a)  
 31 (32). 4. ἡμέρας καὶ νυκτός ἐβάρυνθ' ἐπ' ἐμὲ ἡ χεὶρ σου (1a)  
 41 (42). 3. ἐγενήθη τὰ δάκρυά μου ἐμὸι ἄρτος ἡμέρας καὶ νυκτός [Δ<sup>3</sup> φθὶ αὐτοῦ, B<sup>3</sup> φθὶ αὐτῶ] (1a)  
 — 8. καὶ νυκτός δηλώσῃ [Δ<sup>3</sup> φθὶ αὐτοῦ, B<sup>3</sup> φθὶ αὐτῶ] (1a)  
 54 (55). 10. ἡμέρας καὶ νυκτός κυκλώσει αὐτὴν (1a)  
 73 (74). 16. σὴ ἔσται ἡ ν. (1a)  
 78 (77). 2. ταῖς χερσὶ μου νυκτός ἐναντίον αὐτοῦ (1a)  
 — 6. νυκτός μετὰ τῆς καρδίας μου ἠδολίσχουν (1a)  
 77 (78). 14. ὅλην τὴν ν. ἐν φωτισμῷ πυρός [B<sup>3</sup> φωτός] (1a)  
 87 (88). 1. ἡμέρας ἐκείρακα καὶ ἐν νυκτὶ ἐναντίον σου (1a)  
 89 (90). 4. καὶ φυλάξῃ ἐν νυκτὶ (1a)  
 91 (92). 2. καὶ τὴν ἀληθείαν σου κατὰ νύκτα (1a)  
 103 (104). 20. ἔθου σκότος καὶ ἐγένετο νύξ (1a)  
 104 (105). 39. καὶ πῦρ τοῦ φωτισαί αὐτοῖς τὴν ν. (1a)  
 118 (119). 55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ ὀνόμ. σου (1a)  
 120 (121). 6. οὐδὲ ἡ σελήνη τὴν ν. (1a)  
 129 (130). 6. ἀπὸ φυλάκῃς πρωῒας μέχρις νυκτός † (1a)  
 133 (134). 1. ἐν ταῖς ν. ἐπάρασε τὰς χεῖρας ὑμῶν (1a)  
 135 (136). 9. τὴν σελήνην . . . εἰς ἐξουσίαν τῆς ν. (1a)  
 138 (139). 11. νύξ φωτισμὸς ἐν τῇ τρυφῇ μου (1a)  
 — 12. Β<sup>3</sup> Β<sup>3</sup> νύξ ὡς ἡμέρα φωτισθήσεται (1a)  
 Pr. 31. 15. ἀνίσταται ἐκ νυκτῶν (1a)  
 — 18. οὐκ ἀποσβέννεται ὁ λόγος αὐτῆς ὅλην τὴν ν. (1a)

Ec. 2. 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμᾶται ἡ καρδία αὐτοῦ (1a)  
 8. 16. καὶ ἐν ἡμέρᾳ καὶ ἐν νυκτὶ (1a)  
 Ca. 8. 1. ἐν νυκτὶ ἐζήτησα δὴ γνῶσιν ἡ ψυχὴ μου (1a)  
 — 8. ἀπὸ θάμβους ἐν νυκτὶ (1a)  
 5. 2. οἱ βόστρυχοί μου ψεκᾶδων νυκτός (1a)  
 Wi. 7. 30. τοῦτο μὲν γὰρ διαδέχεται νύξ (1a)  
 10. 17. ἐγένετο αὐτοῖς . . . εἰς φλόγα ἀστρων τὴν ν. (1a)  
 17. 2. μακρὰς πεδῆται νυκτός κατακλίσθεντες ὁρόφοις (1a)  
 — 5. οὐτε . . . ὑπόμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα (1a)  
 — 14. τὴν ἀδύνατον ὄντως ν. καὶ ἐξ . . . ἄδου μυκῶν ἐπελθοῦσαν (1a)  
 — 21. Β<sup>3</sup> μόνους δὲ ἐκείνους ἐπετίτατο [Δ<sup>3</sup> ἐπίτατο, B<sup>3</sup> ἐπέκειτο] βαρεῖα νύξ (1a)  
 18. 6. ἐκείνη ἡ ν. προεγνώσθη πατράσιν ἡμῶν (1a)  
 — 14. νυκτός ἐν ἰδίῳ τάχει μεσαζούσης (1a)  
 Si. 4. 5. ὕπνος νυκτός [B<sup>3</sup> καὶ νύξ] ἀλλοιοῖ γνῶσιν αὐτοῦ (1a)  
 Ho. 4. 5. νυκτὶ ὡμοίωσα τὴν μητέρα σου (1a)  
 — 6. ὡμοίωθ' [Δ<sup>3</sup> νυκτὶ ὡμ.] ὁ λαὸς μου (1a)  
 7. 6. ἐν τῇ καταράσειν αὐτοῖς ὅλην τὴν ν. (1a)  
 Am. 5. 8. καὶ ἡμέραν εἰς νύκτα συνοικίῃς (1a)  
 Mi. 3. 6. διὰ τοῦτο νύξ ὑμῖν ἔσται ἐξ ὁράσεως (1a)  
 Ob. 1. 5. εἰ κλέπται εἰσῆλθον . . . ἡ λησταὶ νυκτός (1a)  
 Jn. 2. 1. ἦν '1. ἐν τῇ κοιλίᾳ . . . τρεῖς ἡμέρας καὶ τρεῖς νυκτὸς (1a)  
 4. 10. ἐγενήθη ὑπὸ νύκτα καὶ ὑπὸ νύκτα ἀπῶλετο (1a, 1a)  
 Za. 1. 8. εἶδρακα τὴν νύκτα (1a)  
 14. 7. οὐχ ἡμέρα καὶ οὐ νύξ (1a)  
 Is. 4. 5. ὡς καπνὸς καὶ φωτὸς πυρός καιομένου νυκτός (1a)  
 15. 1. νυκτός ἀπολείπει ἡ Μωαβίτις νυκτός γὰρ ἀπολείπει τὸ τεῖχος τῆς M. (1a, 1a)  
 21. 8. ἔστην ὅλην τὴν ν. (1a)  
 — 12. φυλάσσω τὸ πρωῒ καὶ τὴν ν. (1a)  
 26. 9. ἐκ νυκτός ὀρθρίζει τὸ πνεῦμά μου (1a)  
 27. 3. ἀλώσεται γὰρ νυκτός (1a)  
 28. 19. ἐν νυκτὶ ἔσται ἐπὶ πονηρὰ (1a)  
 29. 7. ὡς ἐντυπνάζομενος καθ' ὕπνου [Δ<sup>3</sup> ἐν ὑπνῷ, B<sup>3</sup> ἐν ὑπνῷ] νυκτός [Δ<sup>3</sup> B om.] (1a)  
 34. 10. ἔσται ἡ γῆ αὐτῆς ὡς πῖσσα καιομένη νυκτός καὶ ἡμέρας (1a)  
 38. 13. ἀπὸ γὰρ τῆς ἡμέρας ἕως νυκτός [Δ<sup>3</sup> B τῆς ν.] παρεδόθη (1a)  
 60. 11. ἡμέρας καὶ νυκτός οὐ κλεισθήσονται (1a)  
 — 19. οὐδὲ ἀνατολὴ σελήνης φωτισεῖ σου τὴν ν. (1a)  
 62. 6. κατιστήσῃ φυλάκας . . . ὅλην τὴν ν. (1a)  
 Je. 6. 5. ἀναβῶμεν ἐπ' αὐτὴν [Δ<sup>3</sup> διαβ. ἐν τῇ, B ἐπ. αὐ. ἐν τῇ] νυκτὶ (1a)  
 9. 1 (8, 23). κλαύσομαι τὸν λαόν μου τοῦτον ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 14. 17. καταγάγετε ἐπ' ὀφθαλμοῦς ὑμῶν δάκρυα ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 29 (49). 9. ὡς κλέπτει ἐν νυκτὶ (1a)  
 38 (31). 35. εἰς φῶς τῆς ν. (1a)  
 43 (38). 30. καὶ ἐν τῷ παγετῷ τῆς ν. (1a)  
 52. 7. οἱ πολεμισταὶ ἐξῆλθον νυκτός (1a)  
 Ba. 2. 25. καὶ τῷ παγετῷ τῆς ν. (1a)  
 La. 1. 2. ἔκλαυσεν [Δ<sup>3</sup> ἐδάκρυσεν] ἐν νυκτὶ (1a)  
 2. 18. καταγάγετε ὡς χειμάρρους δάκρυα ἡμέρας καὶ νυκτός (1a)  
 — 19. ἀγαλλίασαι ἐν [B om.] νυκτὶ (1a)  
 Da. LXX. 2. 9. δὲ τὴν ν. εἴωρακα (1a)  
 — 19. ἐν αὐτῇ τῇ ν. (1a)  
 3. (71). εὐλογεῖτε νυκτὸς . . . τὸν κύριον (1a)  
 5. 1. ἐν αὐτῇ τῇ ν. (1a)  
 7. 2. ἐθεώρουν καθ' ὕπνου νυκτός (1a)  
 — 7, 13. ἐθεώρουν ἐν ὁράματι τῆς ν. (1a)  
 — 15. ἐν τῷ ὁράματι τῆς ν. (1a)  
 Da. TH. 2. 19. ἐν ὁράματι τῆς ν. (1a)  
 3. (71). εὐλογεῖτε νυκτὸς . . . τὸν κύριον (1a)  
 4. 10. ἐν ὁράματι τῆς ν. (1a)  
 5. 30. ἐν αὐτῇ τῇ ν. ἀνηρέθη B. (1a)  
 7. 2. Δ<sup>3</sup> ἐν ὁράματι τῆς ν. (1a)  
 — 13. ἐθεώρουν ἐν ὁράματι τῆς ν. (1a)  
 Bel. 15. ἦλθον τὴν ν. (1a)  
 I Ma. 4. 1. ἀπῆρκεν ἡ παρεμβολὴ νυκτός (1a)  
 — 5. ἦλθε Γ. εἰς τὴν παρεμβολὴν '1. νυκτός (1a)  
 5. 29. ἀπῆρκεν ἐκείθεν νυκτός (1a)  
 — 50. ὅλην τὴν ἡμέραν ἐκ. καὶ ὅλην τὴν ν. (1a)  
 9. 58. συλλήψεται αὐτοὺς πάντας ἐν ν. μᾶ (1a)  
 12. 26. ἐπισπεύσει ἐπ' αὐτοὺς τὴν ν. (1a)  
 — 27. ἐτοιμάζεσθαι εἰς πόλεμον δι' ὅλης τῆς ν. (1a)  
 18. 22. Δ<sup>3</sup> ἐν τῇ ν. ἐκείνῃ ἦν χιών πολλή [B al.] (1a)

II Ma. 8. 7. τὰς ν. . . . συνεργούς ἐλάμβανε  
12. 9. τοῖς ἱσμηναῖς νυκτὸς ἐπιβαλὼν  
13. 10. δι' ἡμέρας καὶ νυκτὸς ἐπικαλεῖσθαι τὸν κ.  
III Ma. 5. 11. ἐν νυκτὶ καὶ ἡμέρᾳ ἐπιβαλλόμενον  
— 19. νυκτὸς τὸ προστάγειν ἐπὶ τέλος ἡγήχεαι  
— 22. κατεχρήσαντο τὸν χρόνον τῆς ν.  
[Aq. Ge. 1. 5, 16; 8. 22; Ex. 14. 20; Jo. 2. 2; IV Ki. 8. 21; Jb. 4. 13; 17. 12; 27. 20; 38. 15; Ps. 1. 2; 21 (22). 3; 31 (32). 4; 41 (42). 9; 138 (139). 11; Pr. 31. 15; Ca. 3. 8; Is. 29. 7; 80. 29; 38. 12; Jb. 14. 17; 16. 13.]  
[Sm. Ge. 1. 5, 16; 8. 22; Ex. 13. 21; Jo. 2. 2; Jb. 3. 3; 27. 20; 35. 10; 36. 20; Ps. 1. 2; 21 (22). 3; 31 (32). 4; 41 (42). 9; 54 (55). 11; 76 (77). 3; 7; 138 (139). 11, 12; Pr. 31. 15; Is. 28. 19; 30. 29; 38. 12; Jb. 14. 17; 16. 13; Za. 14. 7.]  
[Th. Ge. 1. 5, 16; Ex. 13. 21; Jo. 2. 2; Jb. 17. 12; 18. 15; 24. 14; 27. 20; 34. 25; 35. 10; 36. 20; Ps. 21 (22). 3; Pr. 31. 15; Is. 30. 29; 38. 12; Jb. 16. 13; 33 (40). 20 δις, 25; 89 (46). 4; Da. 6. 30; 7. 27, 77.]  
[Sam. Ex. 14. 20.]  
[Al. I Ki. 14. 34; Jb. 80. 17; Ps. 135 (136). 9.]  
[Quint. IV Ki. 8. 21; Ps. 1. 2.]  
[Sext. Ps. 1. 2.]  
[Heb. Jb. 3. 3.]

## νύσσειν.

Si. 22. 19. A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> οὐ νύσσειν ὀφθαλμὸν κατάξει δάκρυα καὶ ὁ [B S<sup>1</sup> om.] νύσσειν καρδίαν ἐκφαίνει αἰσθῆσιν  
III Ma. 5. 14. ἀρόρους τοὺς κλητοὺς ἰδὼν ἔνυξε  
νύσταγμα. (1) נָחַץ  
Jb. 33. 15. ἐπὶ νυσταγμάτων ἐπὶ κοίτης (1)  
νυσταγμός. (1) נָחַץ  
Ps. 181 (182). 4. εἰ δώσω . . . τοῖς βλεφάροις μου νυσταγμὸν (1)  
Si. 34 (31). 2. μέριμνα ἀγρυπνίας ἀπαιτῆσει νυσταγμὸν  
Je. 23. 31. A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> πρὸς τοὺς προφῆτας τοὺς . . . νυστάζοντας νυσταγμὸν αὐτῶν +  
Da. LXX. 4. 32. νυσταγμός ἐπέπεσε μοι -  
[Aq. Sm. Pr. 6. 4.]  
[Th. Ps. 181 (182). 4; Pr. 6. 4.]  
νυστάζειν. (1) נָחַץ (2) נָחַץ (3) נָחַץ ni.  
(4) נָחַץ  
II Ki. 4. 6. ἐνύσταξεν καὶ ἐκάθευθεν +  
Ps. 75 (78). 6. ἐνύσταξαν οἱ ἐπιβεβηκότες τοὺς ἵππους [B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> τοῖς ἵπποις] (3)  
118 (119). 28. ἐνύσταξεν ἡ ψυχὴ μου ἀπὸ ἀκηδίας (1)  
120 (121). 3. μηδὲ νυστάξει ὁ φυλάσσω σε (2)  
— 4. οὐ νυστάξει . . . ὁ φυλάσσω τὸν Ἰσραὴλ (2)  
Pr. 6. 10. μικρὸν δὲ νυστάζεις (4?)  
24. 48 (33). ὀλίγον νυστάζω (4)

Si. 22. 8. διηγούμενος νυστάζοντι ὁ διηγούμενος μωρῶ  
Na. 3. 18. ἐνύσταξαν οἱ ποιμένες σου (2)  
Is. 5. 27. οὐδὲ νυστάξουσιν οὐδὲ κοιμηθήσονται (2)  
56. 10. κύνες ἐνίοι . . . φιλοῦντες νυστάζει (2)  
Je. 23. 31. A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> πρὸς τοὺς προφῆτας τοὺς . . . νυστάζοντας νυσταγμὸν αὐτῶν +  
[Aq., Sm. Is. 56. 10.]  
νυθρεύειν.  
[Aq. Jd. 19. 8.]  
νυθροκάρδιος. (1) נָחַץ  
Pr. 12. 8. νυθροκάρδιος δὲ μυκτηρίζεται (1)  
νυθρός. (1) ἀνὴρ νυθρός ἦν  
Pr. 22. 29. καὶ μὴ παρεστάναι ἀνδράσι νυθροῖς (1)  
Si. 4. 29. μὴ γίνου . . . νυθρός καὶ παρεμένος  
11. 12. ἔστι νυθρός καὶ προσδεόμενος ἀντιλήψεως  
νυθρότης.  
III Ma. 4. 5. τὴν ἐκ τοῦ γήρως νυθρότητα  
νυκεδεῖν.  
[Th. Am. 1. 1.]  
νυκτὶς (B), νυκτὶς (AB). (1) נָחַץ  
IV Ki. 3. 4. M. βυσσιλεύς Μωῦβ ἦν ν. (1)  
νυτοκοπεῖν.  
[Th. Ex. 13. 13; Is. 66. 3.]  
νύτων, νύτως. (1) נָחַץ (2) נָחַץ (3) נָחַץ  
(4) נָחַץ (5) נָחַץ (6) נָחַץ (7) נָחַץ  
Ge. 9. 23. ἐπέθεντο ἐπὶ τὰ δύο νῶτα (7)  
49. 8. αἱ χεῖρες σου ἐπὶ νῶτον τῶν ἐχθρῶν σου (6)  
Ex. 37. 12 (38. 14). πηχῶν τὸ κατὰ νῶτον (8)  
— 13 (38. 15). ἐπὶ τοῦ ν. τοῦ δευτέρου (3)  
Nu. 34. 11. ἐπὶ νῶτον θαλάσσης X. (3)  
Jo. 15. 8. A B<sup>2</sup> ἐπὶ νῶτον [B νῶτον] τοῦ Ἰεβοῦς (3)  
— 10. παρελύνεται . . . ἐπὶ νῶτον ὅλιν 'I. (3)  
— 11. διεκβάλλει τὸ ὄριον κατὰ νῶτον 'A. (3)  
18. 12. προσαναβήσεται τὰ ὄρια κατὰ νῶτον 'Ier. (3)  
— 13. διελεύσεται . . . ἐπὶ νῶτον [A νῶτον] Λ. (3)  
— 16. A B καταβήσεται Γ. ἐπὶ νῶτον [B νῶτον] 'I. (3)  
— 18. διελεύσεται κατὰ νῶτον B. (3)  
— 18 (19). ἐπὶ νῶτον [A -ου] θάλασσαν ἀπὸ βορρᾶ (3?)  
19. 34. B συνάψει τῷ Z. ἀπὸ νῶτον [A B νῶτον] +  
I Ki. 4. 18. συνεπρήθη ὁ ν. αὐ. (4)  
13. 5. B ἐξ ἐναντίας B. κατὰ νῶτον [B νῶτον] -  
II Ki. 22. 41. τοὺς ἐχθρούς μου ἔδωκάς μοι νῶτον (6)  
III Ki. 7. 33. οἱ ν. αὐτῶν καὶ ἡ πραγματεία αὐ. (1)  
IV Ki. 17. 14. ἐσκέλησαν τὸν ν. αὐτῶν ὑπὲρ τὸν ν. τῶν πατέρων αὐ. (6, 6)  
Ne. 9. 29. ἔδωκαν ν. ἀπειθοῦντα (3)  
Jb. 15. 26. ἐν πάχει νῶτον [A πανεχίνῳ τῆς] ἀσπίδος αὐτοῦ (1)

Jb. 37. 17. B<sup>2</sup> ἀπὸ νῶτον [νῶτον] +  
Ps. 17 (18). 40. τοὺς ἐχθρούς μου ἔδωκάς μοι νῶτον (6)  
20 (21). 12. θήσεις αὐτοὺς νῶτον (7)  
65 (68). 11. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> ἔθου θλίψεις ἐπὶ τὸν ν. [B S<sup>1</sup> ἐνῶπιον] ἡμῶν (5)  
68 (69). 23. τὸν ν. αὐτῶν διὰ παντὸς σὺγκαμφῶν (6)  
80 (81). 6. ἀπέστησεν ἀπὸ ἄρσεων τὸν ν. αὐτοῦ (7)  
128 (129). 3. A B ἐπὶ τοῦ ν. [B τὸν ν.] μου ἐτέκταινον οἱ ἁμαρτωλοὶ (1)  
Si. 21. 15. ἀπέστρεψεν αὐτὸν ὁπίσω τοῦ ν. [A τὸν ὄντων] αὐτοῦ  
Za. 7. 11. καὶ ἔδωκαν νῶτον παραφρονοῦντα (3)  
Is. 17. 12. ν. ἐθνῶν πολλῶν ὡς ὕδωρ ἤχησε +  
50. 6. τὸν ν. μου ἔδωκα εἰς μάστιγας  
Je. 2. 27. ἐστρεψαν [B ἐπέστρεψ.] ἐπ' ἐμὲ νῶτα (6)  
31 (48). 39. πῶς ἐστρεψε νῶτον Μωῦβ (6)  
39 (32). 33. ἀπέστρεψιν [B ἐπ.] πρὸς μὲ νῶτον (6)  
Ba. 2. 33. ἀποστρέψουσιν [A ἐπιστρεψ.] ἀπὸ τοῦ ν. αὐτῶν τοῦ σκληροῦ  
Ez. 1. 18. οὐκ ἐπέστρεφον ἐν τῷ πορείῳσθαι αὐτὰ οὐδ' οἱ ν. αὐτῶν . . . καὶ οἱ ν. αὐτῶν πληρεῖς ὀφθαλμῶν (1, 1)  
10. 12. οἱ ν. αὐτῶν . . . πληρεῖς ὀφθαλμῶν (1)  
40. 18. αἱ στοαὶ κατὰ νῶτον τῶν πυλῶν (3)  
— 40. κατὰ νῶτον τοῦ ῥόακος τῶν ὁλοκαυτωμάτων . . . πρὸς ἀνατολὰς κατὰ νῶτον τῆς δευτέρας (3, 3)  
— 41. τέσσαρες ἔθενεν καὶ τέσσαρες ἔθενεν κατὰ νῶτον τῆς πύλης (3)  
— 44. μία κατὰ νῶτον τῆς πύλης τῆς βλεπούσης πρὸς βορρᾶν φέρουσα πρὸς νῶτον καὶ μία κατὰ νῶτον τῆς πύλης τῆς πρὸς νῶτον (3, 3)  
42. 16. ἔστη κατὰ νῶτον τῆς πύλης τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολὰς -  
46. 19. εἰς τὴν εἰσοδὸν τῆς κατὰ νῶτον τῆς πύλης (3)  
III Ma. 8. 24. τοὺς δυσσεβεῖς τούτους κατὰ νῶτον προῤῥάδας  
IV Ma. 11. 19. τοῖς ν. προσφέρον  
[Aq. Dt. 33. 11; Jb. 40. 11 (16); Ps. 65 (66). 11; 68 (69). 24; Pr. 30. 31; 31. 17; Jb. 7. 26; 18. 17; Ez. 1. 27; 9. 11.]  
[Sm. Is. 51. 23.]  
[Th. Jb. 15. 26; Pr. 10. 13; 19. 29; 30. 31; 31. 17.]  
[Quint. Ho. 5. 8.]  
νυτοφόρος. (1) נָחַץ  
II Ch. 2. 2 (1). ἐβδομῇ. χιλιάδας ἀνδρῶν [A<sup>2</sup> B add. νυτοφόρων] (1)  
— 18 (17). ἐβδομῇ. χιλιάδας νυτοφόρων (1)  
34. 13. καὶ ἐπὶ τῶν ν. (1)  
νυχελεύσθαι.  
[Aq. Pr. 18. 9; 24. 10; Hb. 2. 4.]



ξανθίζειν. (1) נָחַץ (2) נָחַץ  
Le. 13. 30. ἐν αὐτῇ δὲ θριξὶ ξανθίζουσα λεπτή (1)  
— 31. καὶ θριξὶ ξανθίζουσα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῇ (2)  
— 32. καὶ θριξὶ ξανθίζουσα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῇ (1)  
ξανθός. (1) נָחַץ  
Le. 13. 36. περὶ τῆς τριχὸς τῆς ξ. (1)  
[Aq. Le. 13. 36; Za. 1. 8.]  
[Th. Le. 13. 36.]  
ξένιν.  
Jb. 7. 5. A τήκω δὲ βάλανος γῆς ἀπὸ λήκωρος ξένων [B ξένων] +  
ξηνητία.  
Wi. 18. 3. A B<sup>2</sup> ἥλιον δὲ ἀβλαβῇ φιλοτίμου ξηνητίας [B<sup>3</sup> φιλοτιμίας, B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> ξηνητίας] παρέσχες

ξενία.  
Si. 29. 27. B<sup>1</sup> ἐπεξενώται μοι ὁ ἀδελφός χρεία τῆς ξ. [A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> οἰκίας]  
ξενίζεω.  
Es. 3. 13. διαγωγήν νόμων ξενίζουσιν παραλλάσσον [A B<sup>2</sup> al.]  
Si. 29. 25. ξενίζει καὶ ποτιεῖς εἰς [A B<sup>2</sup> om.] ἀχάριστα  
II Ma. 9. 6. τὸν . . . ξενιζούσας συμφοραῖς ἑτέρων σπλάγχχων βασανίσαντα  
III Ma. 7. 3. B κολάσασθαι ξενιζούσας ἀποστατῶν τιμωρίας [A al.]  
ξένιον. (1) נָחַץ (2) נָחַץ  
Ki. 8. 2, 6. εἰς δούλους φέροντας ξένια (2)  
Es. 1. 6. ἐνίχυσαν [A ἰσχ.] . . . ἐν ξενίοις (1)

Si. 20. 29. ξένια καὶ δῶρα ἀποτυφλοὶ ὀφθαλμοὺς σοφῶν  
Ho. 10. 6. ἀπηνέγκαν ξένια τῷ βασιλεῖ Ἰαρεὶμ (2)  
I Ma. 10. 36. δοθήσεται αὐτοῖς ξένια  
11. 24. B B<sup>2</sup> λαβὼν . . . ἕτερα ξ. [A al.]  
III Ma. 1. 8. καὶ ξένια κομμοῦντας  
ξένιος.  
II Ma. 6. 2. B καὶ τὸν ἐν Γ. . . Διὸς ξ. [A al.]  
ξενισμός. (1) נָחַץ  
Pr. 15. 17. κρείσσων ξενισμός μετὰ [A om.] λαχάνων (1)  
ξηνητία.  
Wi. 18. 3. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> ἥλιον δὲ ἀβλαβῇ φιλοτίμου ξηνητίας [A B<sup>1</sup> ξηνητίας, B<sup>1</sup> φιλοτιμίας] παρέσχες

**ξενολογεῖν.**

- I Ma. 4. 35. ἀπῆρυν εἰς Ἄντ. καὶ ἐξενολόγη  
11. 38. ὡν ἐξενολόγησεν  
15. 3. ἐξενολόγησα δι' [S<sup>1</sup> καὶ ἐξενολόγησαν] πλῆθος  
**ξένος.** (1) 𐤒𐤍𐤔 (2) 𐤒𐤍 (3) 𐤒𐤍𐤔 (4) 𐤒𐤍𐤔  
Ru. 2. 10. καὶ ἐγὼ εἰμι ξένος (3)  
I Ki. 9. 13. ἐσθίουσιν οἱ ξ. (4)  
II Ki. 12. 4. τοῦ ποιῆσαι τῷ ξ. ὁδοιπόρῳ [A om.] (1)  
15. 19. ξένος εἰ σύ (3)  
Jb. 31. 32. εἴω δὲ οὐκ ἠυλίξτο ξένος (2)  
Ps. 68 (69). 8. καὶ ξένους τοὺς υἱοὺς τῆς μητρὸς μου (3)  
Ec. 6. 2. ἀνὴρ ξ. φάγεται [S<sup>1</sup> καταφ.] αὐτόν [A S<sup>2</sup>-d] (3)  
Wi. 16. 2. εἰς ἐπιθυμίαν ὀρέξω ξένον γεῖναι  
— 3. καὶ ξένος μετὰ σοφίᾳ γεύσεως  
— 16. ξένος ὑποτασσόμενος . . . διωκόμενος  
— 22. πῦρ . . . ἐν τοῖς [S<sup>2</sup> ξένους] ὑποτασσόμενοι διαστράπτει  
19. 5. ἐκείνους δὲ ξένον εὐρασί θάνατον  
— 14. εὐεργέτας ξένους ἐδουλοῦντο  
Si. 46. 12. καὶ τὸ ὄνομα αὐ. ἀντικαταλασσομένον [S<sup>1</sup>-αξοὶ ξένον]  
Is. 18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι πρὸς . . . ξένον λαὸν καὶ χαλεπὸν +  
La. 5. 2. οἱ οἴκοι ἡμῶν ξένους (3)  
I Ma. 11. 38. S πλὴν τῶν ξένων δυναμένων [A B -μῶν]  
II Ma. 5. 9. ἐπὶ ξένου ἀπόλετο  
9. 28. ἐπὶ ξένου . . . κατέσφραξε τὸν βίον  
10. 24. συναγαγὼν ξένους δυνάμεις παμπληθεῖς  
III Ma. 6. 3. λαὸν ἐν ξένῃ γῇ ξένον ἀδίκως ἀπολλύμενον  
[Aq. Ex. 2. 22: Dt. 14. 20 (21): Jb. 19. 15: Pr. 27. 2, 13: Is. 28. 21.]  
[Sm. II Ki. 12. 4: Ps. 80 (81), 10: Pr. 2. 16: 6. 24: 27. 2: Is. 61. 5.]  
[Th. Jb. 19. 15: Pr. 6. 24: 20. 16: 23. 27: 27. 13.]

**ξενοτροφεῖν.**

- II Ma. 10. 14. Γ. δὲ . . . ἐξενοτρόφει

**ξίστης.**

- [Al. Le. 14. 10.]

**ξεστός.** (1) 𐤒𐤍𐤔

- Si. 22. 17. S<sup>2</sup> ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοῖχον ξεστοῦ [A B S<sup>1</sup> ξεστοῦ]  
Am. 5. 11. οἴκους ξεστοὺς φλοκομήσατε [A ξεστοὺς οἰκοδομήσατε] (1)  
I Ma. 13. 27. S B ὕψωσεν αὐτόν . . . λίθω ξ. [A ξεστοῦ]

**ξηραίνειν.** (1) 𐤒𐤍𐤔 (2) 𐤒𐤍𐤔 a. qal. δ. pi.

- c. hi. (3) 𐤒𐤍𐤔 (4) 𐤒𐤍𐤔 (5) 𐤒𐤍𐤔 hi.  
Ge. 8. 7. ἔως τοῦ ξηρανθῆναι τὸ ὕδωρ (2 a)  
— 14. ξηρανθῆναι τὴν γῆν (2 a)  
Jo. 9. 12. νῦν δὲ ξηρανθήσεται (2 a)  
III Ki. 13. 4. ξηρανθῆναι τὴν χεῖρ αὐτοῦ (2 a)  
17. 7. ξηρανθῆναι τὸν χειμάρρου (2 a)  
Jb. 4. 21. καὶ ξηρανθήσεται [A al.] +  
8. 12. πρὸ τοῦ πῦρ πᾶσα βοτάνη οὐχὶ ξηραίνεται [A al.] (2 a)  
12. 15. ξηραίνει τὴν γῆν (2 a)  
14. 11. ποταμὸς δὲ ἐρημωθείς ξηρανθήσεται [A al.] (2 a)  
18. 16. ὑποκάτωθεν αἱ ρίζαι αὐτοῦ ξηρανθήσονται (2 a)  
Ps. 21 (22). 15. ξηρανθήσεται ὡς τὰ ἵσχυρά μου (2 a)  
73 (74). 15. R σὺ ξηράνας ποταμούς ἠθάμ (2 c)  
89 (90). 6. σκληρυνθήσεται καὶ ξηρανθήσεται (2 a)  
101 (102). 4. ξηρανθήσεται ἡ καρδία μου (2 a)  
— 11. κἀγὼ ὡς εἰς χόρτος ξηρανθήσεται (2 a)  
105 (106). 9. ἐπετίμησε τῇ ἐρυθρᾷ θαλάσῃ καὶ ξηρανθήσεται [S<sup>1</sup>-ησαν] (1)  
128 (129). 6. ὅς πρὸ τοῦ ἐκπαστῆναι ξηρανθήσεται (2 a)  
Pr. 17. 22. ἀνδρὸς δὲ λυπηροῦ ξηραίνεται τὰ ὀστά (2 b)  
Si. 10. 17. ἐξηράναν ἐξ αὐτῶν [A S al.]  
40. 13. χρήματα ἀδίκως ὡς ποταμὸς ξηρανθήσεται  
Ho. 9. 16. τὰς ρίζας αὐτοῦ ξηράνησιν (2 a)  
Am. 1. 2. καὶ ξηράνησιν τὴν κορυφὴν τοῦ Καρμὴλ (2 a)  
2. 9. καὶ ἐξηράνα τὸν καρπὸν αὐτοῦ (5)

- Am. 4. 7. μερίς ἐφ' ἣν οὐ βρέξω ξηρανθήσεται (2 a)  
Jl. 1. 10. ξηρανθήσεται οἶνος (2 c)  
— 11. ξηρανθήσεται [S<sup>2</sup> κατασχύνθησαν] γεωργοί (2 c ?)  
— 12. ἡ ἀμπέλος ξηρανθήσεται (2 c)  
— 12. πάντα τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ ξηρανθήσονται [S<sup>3</sup>-η] (2 a)  
— 16. S<sup>2</sup> ξηρανθήσεται [? -ήρηθη, A B S<sup>1</sup> -ωλεθρεύθη] . . . εὐφροσύνη (2 a)  
— 17. ξηρανθήσεται σίτος (2 c)  
— 20. ξηρανθήσεται ἀφ᾽ ὕδατος (2 a)  
Na. 1. 4. ἀπειλὴν θαλάσσης καὶ ξηραίνων αὐτήν (2 b)  
Za. 10. 2. ξηρανθήσεται [S<sup>3</sup> -ήρηθη] ὡς πρόβατα +  
— 11. ξηρανθήσεται [A -σονται] πάντα τὰ βῆθη ποταμῶν (2 c)  
11. 17. ὁ βραχίον αὐ. ξηραίνοντος ξηρανθήσεται (2 a, 2 a)  
Is. 19. 5. ὁ δὲ ποταμὸς ἐκλείψει καὶ ξηρανθήσεται (2 a)  
— 6. ξηρανθήσεται πᾶσα συναγωγὴ ὕδατος (1)  
— 7. πᾶν τὸ σπειρόμενον διὰ τοῦ ποταμοῦ ξηρανθήσεται ἀνεμόφθορον (2 a)  
27. 11. οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ πᾶν χλωρὸν διὰ τὸ ξηρανθῆναι (2 a)  
37. 27. ἀνῆκα τὰς χεῖρας καὶ ξηρανθήσονται +  
40. 8. ἐξηράνηθ' ὁ χόρτος (2 a)  
— 24. ἐπνευσεν ἐπ' αὐτοὺς καὶ ξηρανθήσονται (2 a)  
41. 17. ἡ γλῶσσα αὐτῶν ἀπὸ τῆς δίλνης ἐξηρανθήσεται [S<sup>1</sup> ξηρανθήσεται] (3)  
42. 14. ἐκστῆσιν καὶ ξηρανῶ ἅμα (4)  
— 15. B πάντα χόρτον αὐτῶν ξηρανῶ (2 c)  
— 15. καὶ ἔλη ξηρανῶ (2 c)  
44. 11. πάντες ὅθεν ἐγένοντο ξηρανθήσονται +  
— 27. τοὺς ποταμούς σου ξηρανῶ (2 c)  
50. 2. ξηρανθήσονται οἱ ἰχθύες αὐτῶν ἀπὸ τοῦ μὴ εἶναι ὕδωρ +  
51. 12. ὡσεὶ χόρτος ξηρανθήσονται +  
Je. 12. 4. πᾶς ὁ χόρτος τοῦ ἀγροῦ ξηρανθήσεται (2 a)  
23. 10. ἐξηράνησάν αὐ νομαὶ τῆς ἐρήμου (2 a)  
28 (51). 36. ξηρανῶ [S<sup>2</sup> ἐξαρά] τὴν πηγὴν [A S γῆν] αὐτῆς (2 c)  
La. 4. 8. ἐξηρανθήσονται ἐγγενήσονται ὥσπερ ξύλον (2 a)  
Ez. 17. 9. ξηρανθήσονται πάντα τὰ προανατέλλοντα αὐτῆς (2 a)  
— 10. οὐχὶ ἅμα τῷ ἀψαθῆναι αὐτῆς ἀνεμον τὸν καύσωνα ξηρανθήσεται [A add. ξηρασία] (2 a)  
— 10. σὺν τῷ βῶλῳ ἀνατολῆς αὐτῆς ξηρανθήσεται [A om.] (2 a)  
— 24. ἐγὼ κύριος ὁ . . . ξηραίνων ξύλον χλωρὸν (2 c)  
19. 12. ἐξηράνη τὰ ἐκλεκτὰ αὐτῆς (2 c)  
— 12. ἐξηράνη τὴν ῥάβδον ἰσχύος αὐτῆς (2 a)  
Da. LXX. 7. 8. ἐξηράνησάν δι' αὐτοῦ +  
[Aq. Ps. 128 (129). 6: Is. 40. 8: 51. 10.]  
[Sm. Jb. 16. 7: Ps. 73 (74). 15: Is. 27. 11: 40. 8: 42. 15: 50. 2.]  
[Th. Jb. 18. 16: Is. 40. 8: 42. 15.]  
[Al. Is. 51. 10.]  
**ξηρασία.** (1) 𐤒𐤍𐤔 (2) a. 𐤒𐤍𐤔 adj. δ. 𐤒𐤍𐤔  
c. 𐤒𐤍𐤔 verb.  
Jd. 6. 37. καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ξηρασία (1)  
— 39. γενέσθω ἡ [A om.] ξ. ἐπὶ τὸν πόκον (1)  
— 40. ἐγένετο ξ. ἐπὶ τὸν πόκον μόνον (1)  
Ne. 9. 11. παρήλθοσαν . . . ἐν ξηρασίᾳ (2 b)  
Na. 1. 10. καὶ ὡς καλὰ ξηρασίας μεστή (2 a)  
Ez. 17. 10. A ξηρανθήσεται ξηρασία [B om.] (2 c)  
40. 43. τοῦ καλυπτεσθαι ἀπὸ τοῦ νεοῦ καὶ ἀπὸ τῆς ξ. +  
[Aq., Sm., Th. Hg. 1. 11.]  
**ξηρός** (incl. ἡ ξηρά). (1) 𐤒𐤍𐤔 (2) a. 𐤒𐤍𐤔  
δ. 𐤒𐤍𐤔 c. 𐤒𐤍𐤔 (3) 𐤒𐤍𐤔 (4) 𐤒𐤍𐤔  
(5) ξ. γίνεσθαι 𐤒𐤍𐤔  
Ge. 1. 9. καὶ ὁφθήτω ἡ ξ. (2 a)  
— 9. καὶ ὁφθή ἡ ξ. (2 a)  
— 10. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὴν ξ. Γῆν (2 a)  
7. 22. R πᾶν ὁ [A πᾶς ὁ] ἦν ἐπὶ τῆς ξ. (1)  
Ex. 4. 9. καὶ ἐκχεῖς ἐπὶ τὸ ξ. (2 a)  
— 9. ἔσται τὸ ὕδωρ . . . αἷμα ἐπὶ τῷ ξ. (2 b)  
14. 16. εἰς μέσον τῆς θαλάσσης κατὰ τὸ ξ. (2 a)  
— 21. καὶ ἐπλοῖσεν τὴν θάλασσαν ξηρὰν (1)  
— 22. εἰς μέσον τῆς θαλάσσης κατὰ τὸ ξ. (2 a)  
— 29. ἐπορεύθησαν διὰ ξηρὰς (2 a)

- Ex. 15. 19. διὰ ξηρὰς ἐν μέσῳ τῆς θαλάσσης (2 a)  
Jo. 3. 17. ἔτισσαν οἱ ἱερεῖς . . . ἐπὶ ξηρὰς (1)  
— 17. διέβαινον διὰ ξηρὰς (1)  
4. 18. A ἔθηκαν τοὺς πόδας ἐπὶ τῆς ξ. [B γῆς] (1)  
— 22. ἐπὶ ξηρὰς διέβη Ἰσρ. [A<sup>1</sup> om.] (2 a)  
9. 5. ὁ ἄρτος αὐτῶν τοῦ ἐπισιτισμοῦ ξηρὸς [A al.] (2 c)  
Jb. 24. 19. ἀναφανείη δὲ τὰ φυτὰ αὐτῶν ἐπὶ γῆς ξηρᾷ (3 ?)  
Ps. 65 (66). 6. ὁ μεταστρέφων τὴν θάλασσαν εἰς ξηρὰν (2 a)  
94 (95). 5. τὴν ξ. αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἔπλασαν (2 b)  
Wi. 19. 7. ξηρὰς ἀνάδυσεν γῆς ἐθεωρήθη  
Si. 6. 3. ἀφήσεις σεαυτὸν ὡς ξύλον [A φύλλον] ξηρόν  
37. 3. πόθεν ἐνεκλίσθης καλῶσαι τὴν ξ. ἐν δοιότητι  
39. 22. ὡς κατακλυσμὸς ξηρὰν ἐμέθυσε  
Ho. 9. 14. μήτραν ἀτεκνοῦσαν καὶ μαστοὺς ξηρούς (4)  
Jn. 1. 9. ἐποίησεν τὴν θάλασσαν καὶ τὴν ξηρὰν (2 a)  
2. 11. ἐξέβαλε τὸν Ἰ. ἐπὶ τὴν ξηρὰν (2 a)  
Hg. 2. 7 (6). σείσω . . . τὴν θάλασσαν καὶ τὴν ξηρὰν (1)  
— 22 (21). σείω . . . τὴν θάλασσαν καὶ τὴν ξηρὰν —  
Is. 9. 18 (17). ὡς ἀγρῶσται ξηρὰ βρωθήσεται ὑπὸ πυρὸς +  
37. 27. ἐγένοντο ὡς χόρτος ξ. [A χλωρὸς] ἐπὶ δοματίων +  
56. 3. ἐγὼ εἰμι ξύλον ξηρόν (2 c)  
Ez. 17. 24. ἀναβύλων ξύλον ξηρόν [B<sup>1</sup> ξυρ.] (2 c)  
20. 47 (21. 3). καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν ξύλον χλωρὸν καὶ πᾶν ξύλον ξηρόν (2 c)  
37. 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου [A add. καὶ ἰδοὺ] ξηρὰ σφόδρα (2 c)  
— 4. ἐρεῖς αὐτοῖς, τὰ ὀστά τὰ ξ. (2 c)  
— 11. ξηρὰ γέγονε τὰ ὀστά ἡμῶν (5)  
Da. Th. 2. 10. οὐκ ἔστιν ἀνθρώπος ἐπὶ τῆς ξ. (2 b)  
I Ma. 8. 23. ἐν τῇ θαλάσῃ καὶ ἐπὶ τῆς ξ.  
— 32. διὰ τῆς θαλάσσης καὶ διὰ τῆς ξηρὰς  
IV Ma. 18. 17. ἐλθῆσεται τὰ ὀστά τὰ ξ. ταῦτα [Aq., Th. Ge. 1. 10: Jo. 9. 5 (11): Sm. Ge. 1. 10: Ex. 14. 16, 21: Jo. 9. 5 (11): Ps. 65 (66). 6.]  
[Al. Le. 7. 10.]  
**ξηρότης.**  
[Sm. Ps. 67 (68). 7: Je. 17. 6.]  
**ξηροφόρος.**  
IV Ma. 16. 20. τὴν πατρίαν χεῖρα ξ.  
**ξίφος.** (1) 𐤒𐤍𐤔  
Jo. 10. 28. B<sup>1</sup> ἐν στόματι μαχαίρας [A B<sup>2</sup> ξίφους] (1)  
— 30. ἐν στόματι ξίφους [B<sup>2</sup> μαχαίρας] (1)  
— 32. ἐν στόματι ξίφους (1)  
— 33. ἐν στόματι ξίφους (1)  
— 35, 37, 39. ἐν στόματι ξίφους (1)  
11. 11. ἀπέκτειναν . . . ἐν ξίφεϊ [A στόματι ξίφους] (1)  
— 12, 14. ἐν στόματι ξίφους (1)  
Jb. 3. 14. οἱ ἡγαιώοντες ἐπὶ ξίφεσιν +  
Wi. 18. 16. ξίφος δὲ τὴν . . . ἐπιταγὴν [A ὑποτ.] σου φέρων  
Ez. 16. 40. κατασφάξουσίν σε ἐν τοῖς ξ. αὐτῶν (1)  
23. 47. κατακτείνει αὐτὰς ἐν τοῖς ξ. αὐτῶν (1)  
II Ma. 12. 22. ταῖς τῶν ξ. ἀκμαῖς ἀναπείρεσθαι  
14. 41. A ὑπέθηκεν ἑαυτῷ τὸ [B om.] ξ.  
**ξόανον.**  
[Aq. Ez. 6. 4.]  
**ξύειν.** (1) 𐤒𐤍𐤔 hithp.  
Jb. 2. 8. ἵνα τὸν ἰχθῶρα ξῇ [A ἀποξῇ] (1)  
7. 5. τῆκος δὲ βῶλακος γῆς ἀπὸ ἰχθῶρος ξύων [A ξύων]  
**ξύλαριον, ξυλήριον.** (1) 𐤒𐤍𐤔  
III Ki. 17. 12. συλλέγω δύο ξυλάρια [A ξυλήρια] (1)  
**ξύλιμος.** (1) a. 𐤒𐤍𐤔 δ. 𐤒𐤍𐤔 (2) τὸ ξύλινον  
**χειροποίητον** 𐤒𐤍𐤔  
Le. 11. 32. ἀπὸ παντὸς σκεύους ξ. ἡ ἱματίου (1 a)  
15. 12. σκεῦος ξύλινον νιφθίται ὕδατι (1 a)  
26. 30. ἐξολοθρεύσω τὰ ξ. χειροποίητα ἡμῶν (2)  
27. 30. ἀπὸ . . . τοῦ καρποῦ τοῦ ξ. (1 a)  
Nu. 31. 20. πᾶν σκεῦος ξ. ἀφαινεῖτε (1 a)

Nu. 35. 18. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει ξ. . . πατάξῃ αὐτὸν (1 a)  
 De. 10. 1. ποιήσεις σεαυτὸν κιβωτὸν ξ. [A λιθί-  
 νη] (1 a)  
 28. 42. πάντα τὰ ξ. σου . . . ἔξαναλώσει ἡ ἐρι-  
 σύβη (1 a)  
 III Ki. 6. 31. B ἐποίησε θύρας [A add. ἐκ]  
 ξυλίνων [A B ξύλων] ἀρκευθίνων (1 a)  
 I Es. 6. 25. διὰ . . . δόμου ξ. ἐγγωρίου καινοῦ ἐνός  
 9. 42. ἴσθη . . . ἐπὶ τοῦ ξ. βήματος (1 b)  
 II Es. 6. 4. καὶ δόμος ξ. τίς (1 b)  
 Ne. 8. 4. ἴσθη 'Ε. . . ἐπὶ βήματος ξ. (1 a)  
 Si. 22. 16. ἡμάντως ξυλινὴ ἐνδεμένη [A' om.]  
 εἰς οἰκοδομὴν  
 Je. 35 (28). 13. κλοιούς ξυλίνους συνέντριψας (1 a)  
 Ep. Je. 4. ὅψεσθε ἐν βαβ. θεοῦ . . . ξ.  
 — 11. κομμοῖς . . . θεοὺς χρυσοῦ καὶ ξυλίνους  
 — 30. παρατίθασι θεοὶ ἀργυροῦ . . . καὶ ξ.  
 — 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ θρόνου λίθοις ἁμοιωμένοι εἰσι  
 τὰ ξ.  
 — 50. ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα . . . γνωσθήσεται  
 — 55. ὅταν ἡμῶσι εἰς οἰκίαν θεῶν ξυλίνων  
 — 57. B οὐ μὴ διασωθῶσι [A -σώσονται, B διαβ.]  
 θεοὶ ξυλίνου  
 — 59. ξ. στύλος ἐν βασιλείᾳ  
 — 70. οἱ θεοὶ αὐτῶν εἰσι ξυλίνου  
 — 71. νεκρὸν ἐρριμμένον ἐν σκότει ἀφωμοιώνται οἱ  
 θεοὶ αὐτῶν ξυλίνου  
 Ez. 41. 22. ἀς θύραι θυσιαστηρίου ξυλίνου . . . οἱ  
 τοῖχοι αὐτοῦ ξυλίνου (1 a, 1 a)  
 Da. TH. 5. 4. ἦψαν τοὺς θεοὺς τοὺς . . . ξ. (1 b)  
 — 23. τοὺς θεοὺς τοὺς . . . ξ. . . ἦψαν (1 b)  
 I Ma. 6. 37. πύργοι ξ. ἐπ' αὐτοὺς [B al.]  
 10. 30. ἀπὸ τοῦ ἡμῶσι τοῦ καρποῦ τοῦ ξ.  
 [Sma. Ps. 73 (74). 5: Hb. 2. 11.]  
**ξύλοκόπος.** (1) γϣ ϣϣ  
 De. 29. 11 (10). ἀπὸ ξυλοκόπου ὕμῶν (1)  
 Jo. 9. 21. ἔσονται ξυλοκόποι (1)  
 — 23. οὐ μὴ ἐκλείπῃ ξ. ὕμῶν . . . ξυλοκόπος (1)  
 — 27. κατέστησαν αὐτοὺς . . . ξυλοκόπους (1)  
 — 27. B ἐγένοντο οἱ κατοικοῦντες Γ. ξυλοκόποι —  
**ξύλον.** (1) 𐤅𐤋𐤍 (2) 𐤅𐤋 (8) a. γϣ δ. 𐤅𐤋  
 (4) 𐤅𐤋𐤍  
 Ge. 1. 11, 12. καὶ ξ. κάρμιον ποιοῦν καρπὸν (3 a)  
 — 29. πᾶν ξ. δ' ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπὸν (3 a)  
 2. 9. πᾶν ξ. ὡραῖον εἰς ὄραον (3 a)  
 — 9. καὶ τὸ ξ. τῆς ζωῆς (3 a)  
 — 9. τὸ ξ. τοῦ εἰδέναι γνωστὸν καλοῦ (3 a)  
 — 16. ἀπὸ παντὸς ξ. τοῦ ἐν τῷ παραδείσῳ (3 a)  
 — 17. ἀπὸ δὲ τοῦ ξ. τοῦ γνωστέον καλόν (3 a)  
 3. 1. οὐ μὴ φάγητε ἀπὸ παντὸς ξ. (3 a)  
 — 2. B ἀπὸ καρποῦ τοῦ ξ. [A ἀπὸ παντὸς ξ.] (3 a)  
 — 3. τοῦ ξ. δ' ἔστιν ἐν μέσῳ τοῦ παραδείσου (3 a)  
 — 6. καλὸν τὸ ξ. εἰς βρώσιν (3 a)  
 — 8. ἐν μέσῳ τοῦ ξ. τοῦ παραδείσου (3 a)  
 — 11. εἰ μὴ ἀπὸ τοῦ ξ. . . ἀπ' αὐτοῦ ἔφαγες (3 a)  
 — 12. αὐτὴ μοι ἔδωκεν ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)  
 — 17. καὶ ἔφαγες ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)  
 — 22. B καὶ λαβὴ ἀπὸ [A om.] τοῦ ξ. τῆς ζωῆς (3 a)  
 — 24. φυλάσσειν τὴν ὁδὸν τοῦ ξ. τῆς ζωῆς (3 a)  
 6. 14. κιβωτὸν ἐκ ξύλων τετραγώνων (3 a)  
 22. 3. καὶ σχίσας ξύλα εἰς ὀλοκάρπωσιν (3 a)  
 — 6. ἔλαβε δὲ 'Αβ. τὰ ξ. τῆς ὀλοκαρπώσεως (3 a)  
 — 7. ἰδοὺ τὸ πῖρ καὶ τὰ ξ. (3 a)  
 — 9. καὶ ἐπέθηκε τὰ ξ. (3 a)  
 — 9. ἐπέθηκε αὐτὸν . . . ἐπάνω τῶν ξ. (3 a)  
 40. 19. καὶ κρεμάσει σε ἐπὶ ξύλου (3 a)  
 Ex. 7. 19. ἐγένετο αἷμα . . . ἐν τοῖς ξ. (3 a)  
 9. 25. καὶ πάντα τὰ ξ. τὰ ἐν τοῖς πεδίοις (3 a)  
 10. 5. πᾶν ξ. [A τὸ ξ.] τὸ φύμῳ. ὕμιν ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)  
 — 12. πάντα τὸν καρπὸν τῶν ξ. (3 a)  
 — 15. κατέφαγε . . . πάντα τὸν καρπὸν τῶν ξ. (3 a)  
 — 15. χλωρὸν οὐδὲν ἐν τοῖς ξ. (3 a)  
 15. 25. καὶ ἔδειξεν αὐτῷ κύριος ξ. (3 a)  
 25. 5. δέρματα ὑακίνθινω καὶ ξύλα ἴσητα  
 — 9 (10). ποιήσεις . . . ἐκ ξύλων ἀσπίτων (3 a)  
 — 12 (13). ξύλα ἀσπίτα [A ἐκ ξύλων ἀσπί-  
 των] (3 a)  
 — 27 (28). ποιήσεις . . . ἐκ ξύλων ἀσπίτων (3 a)  
 28. 15. ποιήσεις στύλους . . . ἐκ ξύλων ἀσπί-  
 των (3 a)  
 — 26. ποιήσεις μοχλοὺς ἐκ ξύλων ἀσπίτων (3 a)  
 27. 1. ποιήσεις θυσιαστήριον ἐκ ξ. ἀσπίτων (3 a)

Ex. 27. 6. ποιήσεις . . . ἀναφορεῖς ἐκ ξύλων  
 ἀσπίτων (3 a)  
 30. 1. ποιήσεις . . . ἐκ ξύλων ἀσπίτων (3 a)  
 — 5. ποιήσεις σκυτάλας ἐκ ξύλων ἀσπίτων (3 a)  
 31. 5. τὰ ἔργα [A add. καὶ] τὰ τεκτονικὰ τῶν ξ. (3 a)  
 35. 7. δέρματα ὑακίνθινω καὶ ξύλα ἀσπίτα  
 — 24. παρ' οἷς εὐρέθη ξύλα ἀσπίτα (3 a)  
 — 33. καὶ κατεργάσονται τὰ ξύλα (3 a)  
 Le. 1. 7. ἐπιστοιβάσονται ξύλα ἐπὶ τὸ πῦρ  
 — 8. ἐπιστοιβάσονται . . . ἐπὶ [A καὶ] τὰ ξ. (3 a)  
 — 12. ἐπιστοιβάσονται . . . αὐτὰ ἐπὶ τὰ ξ. (3 a)  
 — 17. ἐπιθήσει αὐτὸ . . . ἐπὶ τὰ ξ. (3 a)  
 3. 5. ἐπὶ τὰ ξ. τὰ ἐπὶ τοῦ πυρὸς (3 a)  
 4. 12. κατακαύσονται αὐτὸν ἐπὶ ξύλων (3 a)  
 6. 12 (5). καύσει ὁ ἱερεὺς ἐπ' αὐτὸ ξύλα  
 — 14. 4. ξ. κέρνον καὶ κεκλωσμένον κόκκινον  
 — 6. τὸ ξ. τὸ κέρνον καὶ τὸ . . . κόκκινον (3 a)  
 — 45. καθελούσι τὴν οἰκίαν καὶ τὰ ξ. αὐτῆς (3 a)  
 — 49. δύο ὀρνίθια . . . καὶ ξ. κέρνον (3 a)  
 — 51. καὶ λήφεται τὸ ξ. τὸ κέρνον (3 a)  
 — 52. ἀφαιρήσει . . . ἐν τῷ ξ. τῷ κέρνῳ (3 a)  
 19. 23. καταφυνευστέ πάν ξ. βρώσιμον (3 a)  
 23. 40. καρπὸν ξύλου ὥραον . . . καὶ κλάδους  
 ξύλου [A -ων] δασεῖς (3 a, 3 a)  
 26. 4. τὰ ξ. τῶν πεδίων ἀποδώσει τὸν καρπὸν  
 αὐ. (3 a)  
 — 20. τὸ ξ. τοῦ ἀγροῦ ὃ. οὐ δώσει τὸν καρπὸν  
 αὐ. (3 a)  
 Nu. 15. 32. εἶρον ἄνθρωπ συλλέγοντα ξύλα (3 a)  
 — 33. οἱ εὐρόντες [A add. αὐτὸν] συλλέγοντα  
 ξύλα [A τὰ ξ.] (3 a)  
 19. 6. λήφεται ὁ ἰ. ξ. κέρνον (3 a)  
 De. 4. 28. λατρεύετε ἐκεῖ . . . ξύλοις (3 a)  
 10. 3. ἐποίησα κιβωτὸν ἐκ ξ. ἀσπίτων (3 a)  
 16. 21. πᾶν ξ. . . οὐ ποιήσεις σεαυτῷ  
 19. 5. δεῖν εἰσελθῇ . . . συναγαγεῖν ξύλα  
 — 5. τῇ ἀείνῃ κόπτοντες τὸ ξ. (3 a)  
 — 5. ἐκπέσον τὸ σιδήριον ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)  
 20. 19. μὴ ἄνθρωπος τὸ ξ. τὸ ἐν τῷ ἀργῷ  
 — 20. ξύλον [A τὸ ξ.] δ' ἐπιστάσαι (3 a)  
 21. 22. καὶ κρεμάσῃτε αὐτὸν ἐπὶ ξύλου  
 — 23. οὐ κοιμηθήσεται τὸ σῶμα αὐ. ἐπὶ τοῦ ξ. (3 a)  
 — 23. πᾶς κρεμᾶται ἐπὶ ξύλου  
 23. 36. λατρεύετε ἐκεῖ . . . ξύλοις (3 a)  
 — 64. δουλεύετε ἐκεῖ . . . ξύλοις (3 a)  
 29. 17 (16). τὰ εἰδωλα αὐτῶν ξύλον καὶ λίθον (3 a)  
 Jo. 8. 29. τὸν βασ. τῆς Γ. ἐκρέμασεν ἐπὶ ξ. δι-  
 δύμου (3 a)  
 — 29. ἦν ἐπὶ τοῦ ξ. (3 a)  
 — 29. καθελούσαν τὸ σῶμα αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ ξ. (3 a)  
 10. 26. ἐκρέμασεν αὐτοὺς ἐπὶ πέντε ξύλων (3 a)  
 — 26. ἦσαν κρεμᾶται ἐπὶ τῶν ξ. (3 a)  
 — 27. καθύλου αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ξ. (3 a)  
 Jd. 6. 26. ἀνοίσεις ὀλοκαύτωμα ἐν τοῖς ξ. τοῦ  
 ἁλσους (3 a)  
 9. 8. ἐπορεύθη τὰ ξ. τοῦ χρύσου (3 a)  
 — 9. μὴ . . . πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξ.  
 [A al.] (3 a)  
 — 10. εἶπον τὰ ξ. τῇ συκῇ (3 a)  
 — 11. μὴ . . . πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξ.  
 [A al.] (3 a)  
 — 12. εἶπαν τὰ ξ. πρὸς τὴν ἄμπελον (3 a)  
 — 13. μὴ . . . πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξ.  
 [A al.] (3 a)  
 — 14. εἶπαν πάντα τὰ ξ. τῇ ῥάμῳ (3 a)  
 — 15. εἶπεν ἡ ῥάμνος πρὸς τὰ ξ. (3 a)  
 — 48. ἔκρινε κλάδον ξύλου [A φορτίον ξύλου] (3 a)  
 I Ki. 6. 14. σγίλῃσι τὰ ξ. τῆς ἀμάξης (3 a)  
 II Ki. 5. 11. ἀπέστειλε Χ. . . ξ. κέδρινα καὶ  
 τέκονας ξύλων (3 a, 3 a)  
 21. 19. τὸ ξ. τοῦ δόρατος αὐ. ὡς ἀντίον (3 a)  
 23. 7. πληρὲς σιδήρου καὶ ξύλου δόρατος (3 a)  
 — 21. B ὁρὸν ὡς ξύλον διαβίβρας  
 24. 22. τὰ σκεύη τῶν βοῶν εἰς ξύλα (3 a)  
 III Ki. 4. 33 (5. 13). ἐλάλησεν ὑπὲρ [A περὶ]  
 τῶν ξ. (3 a)  
 5. 6 (20). κοινάτωσαν μοι ξύλα  
 — 6 (20). ξύλα κόπτοντες καθὼς οἱ Σιδ. (3 a)  
 — 8 (22). ξύλα κέδρινα καὶ πεύκινα (3 a)  
 — 17 (32). ἠτοίμασαν . . . τὰ ξ. (3 a)  
 6. 10. συνέσχε τὸν σύνδεσμον [A ἐνδ.] ἐν ξ.  
 κεδρίνοις (3 a)  
 — 15. φκοδόμησε . . . διὰ ξ. κεδρίνων (3 a)  
 — 15. ἐκοιλοστάθμισεν συνεχόμενα ξύλοις (3 a)  
 — 23. A ἐποίησεν . . . δύο χερ. ξ. κυπαρι-  
 σίνων [B om. ξ. κ.] (3 a)

III Ki. 6. 31. A B ἐποίησε θύρας ἐκ [B om.]  
 ξύλων [B θ. ξυλίνων] ἀρκευθίνων (3 a)  
 — 32. A καὶ δύο θύρας ξύλων πευκίνων (3 a)  
 — 33. A φλῖαι ξύλων ἀρκευθίνων (3 a)  
 — 34. ἐν ἀμφοτέρωσι ταῖς θύραις ξ. πεύκινα (3 a)  
 9. 11. ἀντελάβετο τοῦ Σαλ. ἐν ξ. κεδρίνοις (3 a)  
 — 11. B καὶ ἐν ξ. πευκίνους (3 a)  
 10. 11. ἦνεγκε ξ. πελεκητὰ πολλὰ σφόδρα (3 a)  
 — 12. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξ. τὰ πελεκητὰ [A  
 om.] (3 a)  
 14. 23. καὶ ὑποκάτω παντὸς ξ. συσκίου (3 a)  
 15. 22. αἶρουσι . . . τὰ ξ. αὐτῆς (3 a)  
 17. 10. γυνὴ χήρα συνήλασε ξύλα (3 a)  
 18. 23. B ἐπιδέτωσαν ἐπὶ τῶν ξ. (3 a)  
 — 23. A δώσω ἐπὶ τὰ ξ. (3 a)  
 IV Ki. 8. 19. πᾶν ξ. ἀγαθὸν καταβαλεῖτε  
 — 25. πᾶν ξ. ἀγαθὸν κατέβαλον (3 a)  
 6. 4. ἔτεμενον τὰ ξ. (3 a)  
 — 6. ἀπέκρινε ξύλον (3 a)  
 12. 11 (12). ἐξίδοναν τοῖς τέκτοις τῶν ξ. (3 a)  
 — 12 (13). τοῦ κτήσασθαι ξύλα (3 a)  
 16. 4: 17. 10. ὑποκάτω παντὸς ξ. ἀλσώδους (3 a)  
 19. 18. οὐ θεοὶ εἰσιν ἀλλ' ἡ . . . ξύλα (3 a)  
 22. 6. τοῦ κτήσασθαι ξύλα (3 a)  
 I Ch. 14. 1. ἀπέστειλε Χ. . . ξ. κέδρινα . . .  
 καὶ τέκονας ξύλων (3 a, 3 a)  
 16. 32. ξύλον ἀγροῦ καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτῷ  
 — 33. εὐφρανθήσεται τὰ ξ. τοῦ θυμοῦ (3 a)  
 20. 5. ξύλον [A τὸ ξ.] δόρατος αὐ. ὡς ἀντίον  
 ὑφαινότων (3 a)  
 21. 23. δέδωκα . . . τὸ ἄστρον εἰς ξύλα (3 a)  
 22. 4. ξ. κέδρινα οὐκ ἦν ἀριθμός (3 a)  
 — 4. ξ. κέδρινα εἰς πληθός (3 a)  
 — 14. ξύλα καὶ λίθους ἠτοίμασα (3 a)  
 — 15. οἰκοδόμοι λίθων καὶ τέκτονες ξύλων (3 a)  
 29. 2. ἠτοίμακα . . . ξύλα (3 a)  
 II Ch. 2. 8 (7). ἀπέστειλάν μοι ξ. κέδρινα (3 a)  
 — 8 (7). οἶδαι κόπται ξύλα (3 a)  
 — 9 (8). ἠτοίμασαι μοι ξύλα (3 a)  
 — 10 (9). τοῖς ἐργαζομένοις τοῖς κόπτοις  
 ξύλα (3 a)  
 — 14 (13). εἰδὸτα ποιῆσαι . . . ἐν λίθοις καὶ  
 ξύλοις (3 a)  
 — 16 (15). κόψομαι ξύλα ἐκ τοῦ λιθάνου (3 a)  
 3. 5. τὸν ὅλον τὸν μέγαν ἐξέλωσε ξ. κεδρίνοις (3 a)  
 — 10. ἔργον ἐκ ξύλων  
 7. 13. καταφαγεῖν τὸ ξ. (3 a)  
 9. 10. ἔφερον . . . ξ. πεύκινα (3 a)  
 — 11. ἐποίησεν ὁ βασ. τὰ ξ. τὰ πεύκινα ἀνα-  
 βάσεις (3 a)  
 16. 6. ἔλαβε . . . τὰ ξ. αὐτῆς (3 a)  
 28. 4. καὶ ὑποκάτω παντὸς ξ. ἀλσώδους (3 a)  
 34. 11. ἀγοράσαι . . . ξύλα εἰς δοκοὺς (3 a)  
 I Es. 4. 48. μεταφέρει ξ. κέδρινα  
 6. 55. εἰς τὸ παράγειν αὐτοὺς . . . ξ. κέδρινα  
 6. 9. B διὰ . . . ξ. τιθεμένων ἐν τοῖς οἴκοις [A B  
 τοίχοις]  
 — 32. ληφθῆναι ξύλον ἐκ τῶν ἰδίων αὐ. (3 a)  
 II Es. 3. 7. ἐνέγκαι ξ. κέδρινα (3 a)  
 5. 8. ξύλα ἐντίθηται ἐν τοῖς τοίχοις (3 a)  
 6. 11. καθαιρεθήσεται ξύλον ἐκ τῆς οἰκίας αὐ. (3 a)  
 Ne. 2. 8. ὥστε δυνάμι μοι ξύλα (3 a)  
 8. 15. ἐνέγκετε . . . φύλλα ξ. κυπαρισίνων . . .  
 καὶ φύλλα ξ. δασέος (3 a, 3 a)  
 9. 25. καὶ πᾶν ξ. βρώσιμον εἰς πληθός (3 a)  
 10. 35 (36). πρωτογενήματα καρποῦ παντὸς ξ. (3 a)  
 — 37 (38). καὶ τὸν καρπὸν παντὸς ξ. (3 a)  
 Es. 5. 14. κοπήτω σοι ξύλον (3 a)  
 — 14. κρεμασθήτω Μαρδ. ἐπὶ τοῦ ξ. (3 a)  
 — 14. ἠτοιμάσθω τὸ ξ. (3 a)  
 6. 4. κρεμάσαι τὸν Μαρδ. ἐπὶ τῷ ξ. (3 a)  
 7. 9. ξύλον [A B² τὸ ξ. δ.] ἠτοίμασεν 'Α. (3 a)  
 — 9. ὥρθωνται ἐν τοῖς 'Α. [B² add. ὑψηλόν]  
 ξύλον [A om.] (3 a)  
 — 10. ἐκρεμάσθω 'Α. ἐπὶ τοῦ ξ. (3 a)  
 8. 7. αὐτὸν ἐκρέμασα ἐπὶ [A add. τοῦ] ξύλου (3 a)  
 9. 13. B² κρεμασθῆναι ἐπὶ ξύλου [A B B² al.] (3 a)  
 — 25. ἐκρεμάσθη αὐτὸς καὶ τὰ τέκνα αὐ. [B²  
 add. ἐπὶ τοῖς ξ., A B² add. ἐπὶ  
 τῶν ξ.] (3 a)  
 Jb. 24. 20. συντριβεῖ δὲ πᾶς ἀδικος ὡς ξύλῳ  
 ἀνάτω (3 a)  
 30. 4. A B² B³ μί(ας ξύλων ἑμασῶντο  
 33. 11. ἔθετο δὲ ἐν ξύλῳ [A κυκλώματι] τὸν  
 πόδα μου (2)



Jb. 41. 18 (19). χαλκόν δι' ὥσπερ ξύλον σαθρόν (3 α)  
 Ps. 1. 3. ὡς τὸ ξ. τὸ πεφυτευμένον παρὰ τὰς  
 διεξόδους τῶν ὑδάτων (3 α)  
 73 (74). 5. ὡς ἐν δρυμῷ ξύλον ἀξίαις ἐξέκο-  
 ναν [B<sup>1</sup> διέκ.] (3 α)  
 95 (96). 12. ἀγαλλιάσονται πάντα τὰ ξ. τοῦ  
 δρυμοῦ (3 α)  
 103 (104). 16. χορτασθήσεται τὰ ξ. τοῦ πεδίου  
 [B<sup>1</sup> κυρίου] (3 α)  
 104 (105). 33. συνέντριψε πᾶν ξύλον ὀρίου αὐ. (3 α)  
 148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (3 α)  
 Pr. 3. 18. ξύλον [ὡς ἐστὶ πᾶσι τοῖς ἀντεχομέ-  
 νοις αὐτῆς] (3 α)  
 12. 4. ὥσπερ δὲ ἐν ξύλῳ σκώληξ (3 α)  
 25. 20. ὥσπερ σῆς ἐν ἱματίῳ καὶ σκώληξ ξύλῳ +  
 26. 20. ἐν πολλοῖς ξύλοις θαλλεῖ πυρ (3 α)  
 — 21. ἐσχάρα ἀνθραξὶ καὶ ξύλα πυρὶ (3 α)  
 Ec. 2. 5. ἐφύτευσα ἐν αὐτοῖς ξύλον πᾶν καρποῦ (3 α)  
 — 6. A B δρυμὸν βλαστῶντα ξύλα [B om.] (3 α)  
 10. 9. σχίζων ξύλα κινδυνεύει ἐν αὐτοῖς (3 α)  
 11. 3. τὰν πέτρῃ ξύλον ἐν τῇ νότῃ (3 α)  
 — 3. οὐ πιστεύει τὸ ξ. (3 α)  
 Ca. 2. 3. ὡς μῆλον ἐν τοῖς ξ. τοῦ δρυμοῦ (3 α)  
 3. 9. φορέοι ἐποίησεν . . . ἀπὸ ξύλων [B -ου]  
 τοῦ Λιβ. (3 α)  
 4. 14. κινάωμαι μετὰ πάντων ξ. τοῦ Λιβ. (3 α)  
 Wi. 10. 4. δι' εὐτελεῖς ξύλου τὸν δίκαιον κυβερνή-  
 σασα  
 13. 13. ξύλον σκολιὸν καὶ ὄξιος συμπεφυκὸς λαβὼν  
 14. 1. A τοῦ φέροντος αὐτὸν ξύλου [B πλοίου]  
 σαθρότερον ξύλον ἐπιβόται  
 — 5. ἐλαχίστῳ ξύλῳ πιστεύουσιν ἄνθρωποι ψυχὰς  
 — 7. ἐλλόγηται γὰρ ξύλον  
 — 21. τὸ ἀκονιωνήτων ὄνομα λίθους καὶ ξύλοις περι-  
 ῖδισαν  
 Si. 6. 3. ἀφῆσαι σεαυτὸν ὡς ξύλον [A φύλλον] ἐξηρόν  
 8. 3. μὴ ἐπιστοιβάσῃς ἐπὶ τὸ πῦρ αὐτοῦ ξύλα  
 27. 6. γεωργίον ξύλου ἐκφαίνει ὁ καρπὸς αὐτοῦ  
 34 (31). 7. ξύλον προσκόμματος [B<sup>1</sup> οὐδὲ προστάγ-  
 ματός] ἐστὶ τοῖς ἐνδοσιάζουσιν αὐτῷ  
 38. 5. οὐκ ἀπὸ ξύλου ἐγκυκάσθη ὕδωρ  
 J. 1. 12. πάντα τὰ ξ. τοῦ ἀγροῦ ἐξηράνθησαν  
 [B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> al.] (3 α)  
 — 19. φλόξ ἀνήψε πάντα τὰ ξ. τοῦ ἀγροῦ (3 α)  
 2. 22. ὅτι ξύλον ἤνεγκε τὸν καρπὸν αὐτοῦ (3 α)  
 Hb. 2. 11. καὶ κάρβαρος ἐκ ξύλου φθέγγεται  
 αὐτὰ (3 α)  
 — 19. οὐαὶ ὁ λέγων τῷ ξύλῳ  
 Hg. 1. 8. καὶ κόψατε ξύλα (3 α)  
 2. 20 (19). ἡ ρόα καὶ τὰ ξ. [B<sup>1</sup> φύλλα] τῆς  
 εἰλαίας (3 α)  
 Za. 5. 4. συντελέσει αὐτὸν καὶ τὰ ξύλα αὐτοῦ (3 α)  
 12. 6. ὡς δαλὸν πυρὸς ἐν ξύλοις [B<sup>1</sup> om.] (3 α)  
 Is. 7. 2. ὃν τρόπον ἐν δρυμῷ ξ. ὑπὸ πνεύματος  
 σαλευθῇ (3 α)  
 — 4. μοδὲ ἡ ψυχὴ σου ἀσθενεῖται ἀπὸ τῶν  
 δύο ξύλων +  
 — 19. A B καὶ ἐν παντὶ ξύλῳ  
 10. 15. ὡς ἐν τῇ ἀρῇ ῥάβδον ἡ ξ. (3 α)  
 14. 8. τὰ ξ. τοῦ Λιβάνου [B<sup>1</sup> δρυμοῦ] εὐφράν-  
 θησαν ἐπὶ σοὶ +  
 30. 33. ξύλα κείμενα πυρὶ καὶ ξύλα πολλὰ (†, 3 α)  
 34. 13. ἀναψήσεις εἰς τὰς πόλεις αὐτῶν ἀκά-  
 θηνα [A -θα καὶ] ξύλα +  
 37. 19. ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων ξύλα καὶ λίθοι (3 α)  
 40. 20. ξ. γὰρ ἀσπλην ἐκλέγεται τέκτων (3 α)  
 44. 13. ἐκλεξιόμενος τέκτων ξ. (3 α)  
 — 14. ἔκοψε ξ. ἐκ τοῦ δρυμοῦ (3 α)  
 — 23. οἱ βουνοὶ καὶ πάντα τὰ ξ. τὰ ἐν αὐτοῖς (3 α)  
 45. 20. οὐκ ἔγνωσαν οἱ αἰροντες τὸ ξ. [B<sup>1</sup> αὐ-  
 τῶν] γλῆμμα αὐτῶν (3 α)  
 55. 12. πάντα τὰ ξ. τοῦ ἀγροῦ ἐπικροτήσιν τοῖς  
 κλάδοις (3 α)  
 56. 3. ἐγὼ εἰμι ξ. ξηρόν (3 α)  
 60. 17. ἀντὶ δὲ ξύλων [A -ου] οἶσω σοι χαλκόν (3 α)  
 65. 22. κατὰ γὰρ τὰς ἡμέρας τοῦ ξ. τῆς ζωῆς  
 Jc. 2. 20. ὑποκίτω παντὸς ξύλου κατασκήνιον  
 — 27. τῷ ξ. κῆπιν (3 α)  
 3. 6. ὑποκάτω παντός ξ. ἀλσώδους (3 α)  
 — 9. ἐμοίχευσε τὸ ξύλον καὶ τὸν λίθον (3 α)  
 — 13. ὑποκάτω παντός ξ. ἀλσώδους (3 α)  
 5. 14. δίδωκα . . . τὸν λαὸν τοῦτον ξύλα (3 α)  
 6. 6. ἔκαψον τὰ ξύλα αὐτῆς (3 α)  
 7. 18. οἱ νῆπιοι αὐτῶν συλλέγουσι ξύλα (3 α)  
 — 20. καὶ ἐπὶ πᾶν ξ. τοῦ ἀγροῦ αὐτῶν (3 α)  
 10. 3. ξ. ἐστὶν ἐκ τοῦ δρυμοῦ ἐκκεκομμένον (3 α)

Je. 11. 19. ἐμβάλωμεν ξ. εἰς τὸν ἄρτον [A<sup>1</sup> τρά-  
 χηλον, A<sup>2</sup> add. τράχηλον] αὐτοῦ (3 α)  
 17. 8. ἔσται ὡς ξ. εὐθροῦν παρ' ὕδατα (3 α)  
 26 (46). 22. ὡς κόπτοντες ξύλα ἐκκόψουσιν τὸν  
 δρυμὸν αὐτῆς (3 α)  
 38 (31). 12. ἔσται ἡ ψυχὴ αὐτῶν ὥσπερ ξ. ἐγ-  
 καρπον +  
 Ba. 5. 8. οἱ δρυμοὶ καὶ πᾶν ξ. εὐωδίας  
 La. 4. 8. ἐγενήθησαν ὥσπερ ξ. (3 α)  
 5. 4. ξύλα ἡμῶν ἐν ἀλλάγματι ἦλθεν ἐπὶ τὸν  
 τράχηλον ἡμῶν (3 α)  
 — 13. νεανίσκοι ἐν ξύλῳ ἠσθένησαν (3 α)  
 Ez. 15. 2. τί ἂν γίνοντο τὰ ξ. τῆς ἀμπέλου ἐκ  
 πάντων τῶν ξ. τῶν κλημάτων τῶν  
 ὄντων ἐν τοῖς ξ. τοῦ δρυμοῦ (3 α ter)  
 — 3. εἰ λήθονται ἐξ αὐτῆς ξ. (3 α)  
 — 6. ὃν τρόπον τὸ ξ. τῆς ἀμπέλου ἐν τοῖς ξ.  
 τοῦ δρυμοῦ (3 α, 3 α)  
 17. 24. γνώσκοναι πάντα τὰ ξ. τοῦ πεδίου [A  
 ἀγροῦ] διότι ἐγὼ κύριος ὁ ταπεινῶν  
 ξ. ὑψηλὸν καὶ ὑψὸν ξ. ταπεινὸν καὶ  
 ἐξηραίνων ξ. χλωρὸν καὶ ἀναβάλλον  
 ξ. ξηρόν (3 α quinquies)  
 20. 28. ἴδων . . . πᾶν ξ. κατὰσκιον (3 α)  
 — 32. τοῦ λατρεῖντος ξύλου καὶ λίθου (3 α)  
 — 47 (21. 3). καταγράφεται ἐν σοὶ πᾶν ξ. χλω-  
 ρὸν καὶ πᾶν ξ. ξηρόν (3 α, 3 α)  
 21. 10 (15). B ἀπόδον [A B ἀπωδον] πᾶν ξ. (3 α)  
 24. 10. πληθυνῶ τὰ ξ. (3 α)  
 26. 12. τὰ ξ. σου καὶ τὸν χροῖν σου εἰς μέσον  
 τῆς θαλάσσης σου ἐμβαλεῖ (3 α)  
 31. 4. τὰ συστήματα αὐτῆς ἐξαπείσκειν εἰς  
 πάντα τὰ ξ. τοῦ πεδίου (3 α)  
 — 5. ὑψώθη τὸ μέγεθος αὐτοῦ παρὰ πάντα τὰ  
 ξ. τοῦ πεδίου (3 α)  
 — 8. πᾶν ξ. ἐν τῇ παραδείσῳ τοῦ θεοῦ οὐχ  
 ὁμοιωθήσεται (3 α)  
 — 9. ἐξήλυσαν αὐτὸν τὰ ξ. τοῦ παραδείσου (3 α)  
 — 14. ὅπως μὴ ὑψώσω ἐν τῇ μεγεθὶ αὐτῶν  
 πάντα τὰ ξ. τὰ ἐν τῇ ὕδατι (3 α)  
 — 15. πάντα τὰ ξ. τοῦ πεδίου ἐπ' αὐτῷ ἐξελύ-  
 θησαν (3 α)  
 — 16. παρεκίλουν αὐτὸν ἐν γῇ [A add. κάτω]  
 πάντα τὰ ξ. τῆς τρυφῆς (3 α)  
 — 18. καταβιβάζοι μετὰ τῶν ξ. τῆς τρυφῆς (3 α)  
 34. 27. τὰ ξ. τὰ ἐν τῇ πεδίῳ δώσει [A ξ. τοῦ  
 π. ἀποδ.] τὸν καρπὸν αὐτῶν [A  
 -οῖς] (3 α)  
 36. 30. πληθυνῶ τὸν καρπὸν τοῦ ξ. (3 α)  
 39. 10. οὐ μὴ λάβωσι ξύλα ἐκ τοῦ πεδίου (3 α)  
 41. 25. σπουδαία ξύλα κατὰ πρόσωπον τοῦ  
 αἰλᾶν ἔξωθεν (3 α)  
 47. 12. ἀναθήσεται ἐπὶ τοῦ χειλοῦς αὐ. ἔνθεν  
 καὶ ἔνθεν πᾶν ξ. θρώσμον (3 α)  
 I Ma. 14. 8. καὶ τὰ ξ. τῶν πεδίων τὸν καρπὸν αὐ.  
 II Ma. 1. 21. ἐπύρρηναι τῷ ὕδατι τὰ τε ξ.  
 4. 41. οἱ δὲ ξύλων πᾶχη  
 IV Ma. 18. 16. ξύλον [ὡς ἐστὶ]  
 [Aq. Ge. 3. 2 (1): III Ki. 10. 11: 18. 23: Ps.  
 1. 3: 95 (96): 12: 103 (104): 16: Pr. 11. 30:  
 Is. 7. 2: 57. 5: Je. 10. 8: 11. 19.]  
 [Sm. Ge. 1. 29 bis: 2. 17: Ex. 35. 7: Jd. 9.  
 13: II Ki. 6. 5: III Ki. 10. 11: Jb. 13. 27:  
 30. 4: Ps. 103 (104): 16: Pr. 11. 30: 26. 20:  
 Is. 10. 19: 41. 19 bis: 57. 5: Je. 11. 19.]  
 [Th. Ge. 1. 29 bis: Ex. 25. 22 (23): 37 (38).  
 1. 4: 37. 10 (38. 11): 15 (38. 11): Jo. 2. 6:  
 Jd. 9. 11: Ps. 103 (104): 16: Pr. 11. 30: Is.  
 57. 5: Je. 10. 8: 17. 2 (Sw.): Ez. 31. 18:  
 Hb. 2. 11.]  
 [Al. Ge. 6. 15 (14): Nu. 19. 6: Is. 7. 19.]  
 [Heb. Ps. 103 (104): 16.]  
 [Quint. Hb. 2. 11.]  
 ξυλοπέδη. (1) Πῆρ. 13. 27: 38. 11.]  
 ξυλοῦ. (1) Πῆρ. pi. (2) Πῆρ. (3) Πῆρ.  
 (4) Πῆρ. Πῆρ. Πῆρ.  
 II Ch. 3. 5. τὰν οἶκον τὸν μέγαν ἐξύλωσε ξύλοις  
 καθρίοις (1)  
 Je. 22. 14. ὑπερφᾶ . . . ἐξύλωμένα ἐν κέδρῳ (2)  
 Ez. 41. 16. ὁ οἶκος καὶ τὰ πλησίον ἐξύλωμένα  
 κύκλῳ (4)  
 — 26. A τὰ πλευρὰ τοῦ οἴκου ἐξύλωμένα [B  
 ἐζυγμ.] (8)

ξύλοφορία. (1) Πῆρ. 13. 27  
 Ne. 10. 34 (35). περὶ κλήρου ξυλοφορίας (1)  
 ξυλοφόρος. (1) Πῆρ.  
 Ne. 18. 31. καὶ τὸ δῶρον τῶν ξ. (1)  
 [Al. Dt. 20. 11 (10).]  
 ξυνωρίς. (1) Πῆρ. 13. 27  
 Is. 21. 9. αὐτὸς ἔρχεται ἀναβάτης ξυνωρίδος (1)  
 ξυρᾶν. (1) Πῆρ. a. pi. δ. pu. c. hihrp.  
 (2) Πῆρ. (8) Πῆρ. a. qal. δ. ni. c. Πῆρ.  
 Ge. 41. 14. ἐξύρηναν αὐτὸν (1 α)  
 Le. 13. 33. καὶ ξυρῆθήσεται τὸ δέρμα (1 α)  
 — 33. τὸ δὲ θραυσμα οὐ ξυρῆθήσεται (1 α)  
 — 34. μετὰ τὸ ξυρῆθῃαι αὐτὸν  
 14. 8. ξυρῆθήσεται αὐτοῦ πᾶσαν τὴν τρίχα (1 α)  
 — 9. ξυρῆθήσεται πᾶσαν τὴν τρίχα αὐτοῦ (1 α)  
 — 9. πᾶσαν τὴν τρίχα αὐτοῦ ξυρῆθήσεται (1 α)  
 21. 5. φαλᾶκρωμα οὐ ξυρῆθήσεται [A -ῆσεται]  
 τὴν κεφ. (3 α)  
 — 5. τὴν ὄψιν τοῦ πάγωνος οὐ ξυρῆσονται (1 α)  
 Nu. 6. 9. ξυρῆσεται τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ (1 α)  
 — 9. τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδ. ξυρῆσεται (1 α)  
 — 18. ξυρῆσεται ὁ πύγμιος . . . τὴν κεφ. (1 α)  
 — 19. μετὰ τὸ ξυρῆσασθαι αὐτὸν τὴν εὐχὴν  
 [A κεφαλὴν] αὐ. (1 α)  
 De. 21. 12. ξυρῆσῃ τὴν κεφαλὴν αὐτῆς  
 Jd. 16. 17. εἰν οὖν ξυρῆσωμαι [A -σομαι] (1 α)  
 — 19. ἐξύρῃσι τὰς ἐπὶ τὰς σειρὰς τῆς κεφ. αὐ.  
 [A al.] (1 α)  
 — 22. καθὼς ἐξύρῃσατο [A ἡνίκα ἐξύρῃθ] (1 α)  
 II Ki. 10. 4. ἐξύρῃσι τοὺς πάγωνας αὐ. (1 α)  
 I Ch. 19. 4. ἐξύρῃσιν αὐτοῖς (1 α)  
 Mi. 1. 16. ξυρῆσαι καὶ κείρα ἐπὶ τὰ τέκνα  
 Is. 7. 20. ξυρῆσαι κύριος ἐν [A B om.] τῷ ξυρῷ  
 . . . τὴν κεφαλὴν (1 α)  
 Je. 16. 6. οὐ ξυρῆθήσονται (3 α)  
 31 (48). 37. πᾶσαν κεφαλὴν ἐν παντὶ τόπῳ  
 ξυρῆθήσονται [A B ξυρῆσ.] καὶ πᾶς  
 πάγων ξυρῆθήσεται (3 α, 2)  
 48 (41). 5. ἤλθωσαν . . . ὀδοῦκοι ἀνδρες  
 ἐξυρῆμιν πάγωνας  
 Ep. Je. 31. τοὺς πάγωνας ἐξυρῆμιν [A -οι] (1 α)  
 Ez. 44. 20. τὰς κεφαλὰς αὐτῶν οὐ ξυρῆσονται (1 α)  
 [Sm. Je. 48 (31). 37.]  
 [Al. Nu. 6. 19.]  
 ξυρῆσις. (1) Πῆρ.  
 Is. 22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . ξυρῆσιν (1)  
 ξυρόν. (1) Πῆρ. (2) Πῆρ.  
 Nu. 6. 5. ξ. οὐκ ἐπελεύσεται ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (2)  
 8. 7. ἐπελεύσεται ξυρόν ἐπὶ πᾶν τὸ σῶμα αὐ. (2)  
 Jd. 16. 17. A ξυρόν οὐκ ἀναθήσεται [B al.] (1)  
 Ps. 51 (52). 2. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> ὥσει ξυρόν ἐξυρῆμιν  
 [B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> Hk.] ἐποίησας δόλον (2)  
 Is. 7. 20. ξυρῆσαι κύριος ἐν [A B om.] τῷ ξ. τῷ  
 μεμυσθωμένῳ [A B μεγάλῳ καὶ με-  
 μευσθωμένῳ] . . . τὴν κεφαλὴν (2)  
 Je. 43 (36). 23. ἀπέτεμεν αὐτὰς τῷ ξ. τοῦ γραμ-  
 ματέως (2)  
 Ez. 5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν ὀξείαν ὑπὲρ ξ.  
 κουρέως (2)  
 [Th. Jd. 16. 17.]  
 ξυρός (?).  
 Ez. 17. 24. B<sup>1</sup> ἀναβάλλον ξύλον ξυρόν [A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup>  
 ξηρ.] +  
 ξυστός. (1) Πῆρ.  
 I Ch. 22. 2. λατομήσαι λίθους ξ. (1)  
 I Es. 6. 9. διὰ λίθων ξ. πολυτελῶν  
 — 25. διὰ δόμων λιθίνων ξ. τῶν  
 Si. 22. 17. ὡς κόσμος φαρμακῶς τοῦ ξυστοῦ [B<sup>3</sup>  
 ξεστοῦ]  
 Atm. 5. 11. A οἶκος ξυστοῦς οἰκοδομήσετε [B  
 ξεστοῦς φκοδομήσατε] (1)  
 I Ma. 13. 27. A ὑψώσαν αὐτὸν . . . λίθῳ ξ. [B B  
 ξεστοῦ]  
 ξυστρωτός.  
 [Aq. Th. III Ki. 6. 18.]



## O

ὁ, ἡ, τό, <i>passim</i> .	I Ch. 25. 15. ὁ δ. Ἰωσ. (1 a)	I Ki. 10. 18. τὰδε εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
ὀβελίσκος. (1) 𐤀𐤁𐤋𐤍𐤏	26. 4. B Ἀβδεδὸμ ὁ δ. ὅσος (1 a)	11. 7. κατὰ τὰδε ποιήσουσι τοῖς βουσίαν αὐ. (6)
Jb. 41. 21 (22). ἡ στρωμνὴ αὐτοῦ ὀβελίσκοι ὀξεῖς (1)	— 5. A B Φ. ὁ δ. [B om. ὁ δ.] (1 a)	— 9. τὰδε ἐρεῖτε τοῖς ἀνδράσιν Ἰ. (4 a)
IV Ma. 11. 19. ὀβελίσκους ὀξεῖς πυρώσαντες	27. 11. ὁ δ. τῷ μὲν τῷ δ. (1 a, 1 a)	14. 9 (B), 10. εἰν τὰδε εἰπωσιν πρὸς ἡμῶς (4 a)
ὀβολός. (1) 𐤀𐤁𐤋𐤍𐤏 (2) 𐤀𐤁𐤋𐤍𐤏	II Ch. 7. 9. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. (1 a)	— 41. εἰν τὰδε εἶπη [A -ης] —
Ex. 30. 13. εἰκοσι ὀβολοὶ τὸ διδραχμον (2)	16. 1. ἐν τῷ δ. καὶ τριακοστῷ ἔτει τῆς βασι. Ἀ. +	— 44. τὰδε ποιήσαι μοι ὁ θεὸς καὶ τὰδε προσ- θεῖη (4 a, 4 a)
Le. 27. 25. εἰκοσι ὀβολοὶ ἔσται τὸ διδραχμον (2)	29. 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. τοῦ μηνός (1 d)	15. 2. τὰδε εἶπε κύριος σαβ. (4 a)
Nu. 8. 47. εἰκοσι ὀβολοὺς τοῦ σίκλου [A -οι ὁ σ.] (2)	84. 3. ἐν τῷ δ. ἔτει τῆς βασι. αὐτοῦ (1 c)	18. 25. τὰδε ἐρεῖτε τῷ Δαυὶδ (4 a)
18. 16. εἰκοσι ὀβολοὶ εἰσι (2)	Ne. 8. 18. καὶ [B' add. ἐν] τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. ἐξόδιον (1 a)	20. 7. εἰν τὰδε εἶπη [A -ης] (4 a)
I Ki. 2. 36. προσκυνέει αὐτῷ ὀβολοὶ ἀργυρίου	Ps. 6. 11. ὑπὲρ τῆς ὕδνης ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ (1 a)	— 13. τὰδε ποιήσαι ὁ θεὸς τῷ Ἰων. καὶ τὰδε προσθεῖη (4 a, 4 a)
Pr. 17. 6 (A 4). τοῦ δὲ ἀπίστου οὐδὲ ὀβολός	11 (12). τί. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῆς ὕδνης ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ (1 a)	— 22. εἰν τὰδε εἶπω τῷ νεανίσκῳ (4 a)
Ez. 45. 12. τὰ στάθμια εἰκοσι ὀβολοὶ (2)	Si. prol. 19. ἐν γὰρ τῷ δ. καὶ τριακοστῷ ἔτει ἐπὶ τοῦ Εὐεργέτου βασιλείας (1 a)	25. 6. καὶ ἐρεῖτε τὰδε (4 a)
[Aq., Th. Nu. 8. 47.]	Za. 1. 1. ἐν τῷ δ. μηνὶ ἔτους δευτέρου (1 a)	— 22. τὰδε ποιήσαι ὁ θ. τῷ Δ. καὶ τὰδε προσ- θεῖη (4 a, 4 a)
ὀγδοήκοντα.	Je. 43 (38). 9. ἐγενήθη ἐν τῷ ἔτει τῷ ὀγδόῳ [A πεμπτῷ] +	27. 11. τὰδε Δ. ποιεῖ (4 a)
Ge. 5. 25†, 26†, 28. 16. 35. 28.	Ez. 43. 27. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς δ. καὶ ἐπέκεινα (1 a)	— 11. τὸδε [A τὰδε] τὸ δικαίωμα αὐ. (4 a)
Ex. 7. 7 δι.	I Ma. 4. 52. τοῦ [B' ἔτους] δ. καὶ τεσσαρακοστοῦ καὶ ἑκατοστοῦ ἔτους	II Ki. 3. 9. τὰδε ποιήσαι ὁ θ. τῷ Ἀβ. καὶ τὰδε προσθεῖη αὐτῷ (4 a, 4 a)
Nu. 2. 9. 4. 48†.	II Ma. 1. 10. B ἔτους ἑκατοστοῦ [A om.] ὀγδοηκοστοῦ καὶ ὀγδόου	— 35. τὰδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τὰδε προσ- θεῖη (4 a, 4 a)
Jo. 14. 10.	11. 21, 33, 38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ. [Aq., Th. Ps. 11 (12). 1.]	7. 5. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
Jd. 3. 30.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 8. τὰδε ἐρεῖ τῷ δούλῳ μου Δ. (4 a)
II Ki. 19. 32 (33), 35 (36).	[Aq., Th. Ps. 11 (12). 1.]	— 8. τὰδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)
III Ki. 8. 1 (6. 29)†: 5. 15 (29): 12. 21†.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	11. 25. τὰδε ἐρεῖ πρὸς Ἰ. (4 a)
IV Ki. 10. 24†: 19. 35.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	12. 7. τὰδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (4 a)
I Ch. 7. 5: 15. 9: 21. 5†: 25. 7.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 11. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
II Ch. 2. 2 (1), 18 (17): 11. 1: 14. 8 (7)†: 17.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	19. 13 (14). τὰδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τὰδε προσθεῖη (4 a, 4 a)
15, 18: 26. 17.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	24. 12. B τὰδε λέγει κύριος (4 a)
II Es. 8. 8, 14†.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	III Ki. 2. 23. τὰδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τὰδε προσθεῖη (4 a, 4 a)
Ne. 11. 18.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 30. τὰδε λέγει ὁ βασι. (4 a)
To. 14. 2†.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 30. τὰδε λελάληκεν Ἰ. καὶ τὰδε ἀποκρίνεται (4 a, 4 a)
Es. 1. 4.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	11. 31. τὰδε λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (4 a)
Ps. 89 (90). 10.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	12. 10. τὰδε λαλήσεις τῷ λαῷ τούτῳ (4 a)
Ca. 6. 7 (8).	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 10. τὰδε λαλήσεις πρὸς αὐτοὺς (4 a)
Is. 87. 36.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 24. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
Je. 48 (41). 5.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 24. <i>scilicet</i> . B τὰδε λέγει κύριος —
I Ma. 7. 41.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	13. 2, 21. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
II Ma. 4. 8: 8. 19: 11. 4: 15. 22.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	14. 7. A τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
[Aq., Sm., Th. Ge. 5. 25, 26: I Ki. 22. 18.]	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	17. 14. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
[Heb., Sam. Ge. 5. 25, 26.]	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	19. 2. τὰδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τὰδε προσθεῖη [A al.] (4 a, 4 a)
ὀγδοηκοστός.	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	20 (21). 19 δι. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
II Ma. 1. 10. B ἔτους ἑκατοστοῦ [A om.] δ. καὶ ὀγδόου	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	21 (20). 3, 5. τὰδε λέγει υἱὸς Ἀδὲρ —
[Aq., Sm. III Ki. 6. 1.]	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 10. τὰδε ποιήσαι μοι ὁ θ. καὶ τὰδε προσθεῖη [A al.] (4 a, 4 a)
ὀγδοός. (1) a. 𐤀𐤁𐤋𐤍𐤏 b. 𐤀𐤁𐤋𐤍𐤏 c. 𐤀𐤁𐤋𐤍𐤏	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 13, 14, 28, 42: 22. 11. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
d. 𐤀𐤁𐤋𐤍𐤏	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	22. 27. A τὰδε λέγει ὁ βασι. (4 a)
Ge. 17. 14. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. —	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	IV Ki. 1. 4, 6. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
21. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. (1 b)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 11. τὰδε λέγει ὁ βασι. (4 a)
Ex. 22. 30 (29). τῇ δὲ ὀγδοῇ ἡμέρᾳ [A ἡ. τῇ δ.]	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 16: 2. 21: 3. 16, 17: 4. 43. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
ἀποδώσεις μοι (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	6. 8. εἰς τὸν τόπον τ. τινὰ ἐλμῶνι παρεμβαλῶ —
Le. 9. 1. καὶ ἐγενήθη τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 31. τὰδε ποιήσαι μοι ὁ θεὸς καὶ τὰδε προσ- θεῖη (4 a, 4 a)
12. 3. καὶ τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. περικτεμεῖ (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	7. 1: 9. 3. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
14. 10. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. λήψεται δύο ἁμνοὺς (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	9. 6. τὰδε λέγει κύριος ὁ θ. Ἰσρ. (4 a)
— 23. προσοίσεις αὐτὰ τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 12. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
15. 14. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. κλητὴ ἀγία ἔσται (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 18, 19: 18. 19, 29. τὰδε λέγει ὁ βασι. (4 a)
— 29. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. λήψεται (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	18. 31. τὰδε λέγει ὁ βασι. Ἀσσ. (4 a)
22. 27. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	19. 3. τὰδε λέγει Ἐζ. (4 a)
23. 36. ἡ ἡμέρα τῇ δ. κλητὴ ἀγία ἔσται (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 6. τὰδε ἐρεῖτε πρὸς τὸν κύριον ἡμῶν (4 a)
— 39. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. ἀνάπαυσις (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 6. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
25. 22. σπεριεὶ τὸ ἔτος τὸ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 10. A τὰδε ἐρεῖτε πρὸς Ἐζ. (4 a)
Nu. 6. 10. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. οἶσει δύο τρυγόνες (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 20. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (4 a)
7. 54. τῇ ἡμ. τῇ δ. ἀρχον τῶν υἱῶν Μαν. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 32: 20. 1. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
29. 35. τῇ ἡμ. τῇ δ. ἐξόδιον ἔσται ὑμῖν (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	20. 5. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δ. (4 a)
III Ki. 6. 1 (38). οὗτος ὁ μὴν ὁ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	21. 12: 22. 15. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
8. 66. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	22. 16. τὰδε λέγει κύριος (4 a)
12. 32, 33. ἐν τῷ μηνὶ τῷ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 18. τὰδε ἐρεῖτε πρὸς αὐτόν (4 a)
16. 29. A ἐν ἔτει τριακοστῷ καὶ ὁ. τοῦ Ἀσά [B al.] (1 c)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	— 18. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (4 a)
IV Ki. 15. 8. ἐν ἔτει τριακοστῷ καὶ ὁ. τῷ Ἀζ. (1 c)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	
22. 3. ἐν τῷ μηνὶ τῷ δ. [A ἐβδόμῳ] —	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	
24. 12. ἐν ἔτει δ. τῆς βασιλείας αὐ. (1 c)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	
I Ch. 12. 12. Ἰωανὰν ὁ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	
24. 10. τῷ Ἀβ. ὁ δ. (1 a)	38. ἔτους ἑκατοστοῦ τεσσαρακοστοῦ δ.	

I Ch. 17. 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	Jc. 4. 27. τάδε λέγει κύριος (4 a)	Ez. 31. 10. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)
II Ch. 11. 4. 18. 10. τάδε λέγει κύριος (4 a)	5. 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	— 15. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (4 a)
20. 15. τάδε λέγει κύριος ὑμῖν αὐτοῖς (4 a)	6. 6, 9, 16, 21, 22. τάδε λέγει κύριος (4 a)	32. 3. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)
21. 12. τάδε λέγει κ. θεός Δ. (4 a)	7. 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (4 a)	— 11. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ., B <sup>1</sup> om.] κύριος (4 a)
24. 10. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 20, 21: 8. 4: 9. 7 (6). τάδε λέγει κύριος (4 a)	33. 11. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] (8)
36. 23. τάδε λέγει Κύριος (4 a)	9. 15 (14). τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (4 a)	— 27: 34. 2. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
I Es. 2. 3. τάδε λέγει ὁ βασιλ. Περσῶν (4 a)	— 17 (16), 23 (22): 10. 2, 18. τάδε λέγει κύριος (4 a)	34. 10. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (4 a)
6. 23. ἐν ᾧ ὑπομνηματίστο τάδε (4 a)	11. 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (4 a)	— 11. τάδε λέγει κύριος κύριος [B <sup>1</sup> om., A. add. ὁ θεός] (4 a)
8. 10. καὶ τῶνδε ἐν τῇ ἡμετέρᾳ βασιλείᾳ [A. al.] (4 a)	— 11, 21: 12. 14: 13. 1, 9, 13: 14. 15: 15, 2, 19: 18. 3, 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 15. τάδε λέγει κύριος κύριος (8)
II Es. 4. 9. τάδε ἔκρινε ῥ. β. (5 a)	16. 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (4 a)	— 17. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
5. 7. τάδε γέγραπται ἐν αὐτῷ (5 a)	17. 19, 21: 18. 13. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)
3. 2. ἰδοὺ [S <sup>1</sup> οἶδε] ἡμεῖς οἱ παῖδες Ναβ. (4 a)	19. 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (4 a)	35. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. om.] (4 a)
Es. 3. 13. τῆς δὲ ἐπιστολῆς ἐστὶ τὸ ἀντίγραφον τάδε (4 a)	— 11, 15: 20. 4: 21. 4, 8, 12: 22. 1, 3, 6, 11, 18: 23. 2, 15. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 14. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 13. βασιλεὺς μέγας Ἀρτ. . . . τάδε γράφει (4 a)	23. 38. τάδε λέγει κ. ὁ θεός ἡμῶν (4 a)	36. 2. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)
— 13. διεληφθέντες οὖν τὸδε τὸν [A. om.] ἔθνος (4 a)	— 8: 25. 8, 15 (49. 35): 27 (60). 18, 33: 28 (51). 1, 33, 36. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 3. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)
Jb. 30. 11. A. ἀνείκας γὰρ ὁδε [B S om.] φαρέ- (4 a)	28 (51). 52. S τάδε [A. B om.] λέγει κύριος (8)	— 4. τάδε λέγει κύριος (4 a)
33. 22. B <sup>1</sup> ἦδε ἡ ζωὴ αὐ. ἐν ᾗ [A B <sup>1</sup> S R al.] (4 a)	— 58: 29 (47). 2: 29 (49). 7. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 5. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. om.] (4 a)
Pr. 4. 17. οἶδε γὰρ σιτοῦνται σῖτα ἀσεβείας (4 a)	29 (49). 12. τάδε εἶπε [A λέγει] κύριος (4 a)	— 6. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)
24. 24 (30. 1). τάδε [S <sup>1</sup> τί δε] λέγει ὁ ἀνὴρ (5 b)	31 (48). 33. οὐκ ἐποίησαν αὐδε (4 a)	— 13. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (4 a)
Ca. 1. 4. S αἶδε εἶπαν (4 a)	32 (25). 30. οἶδε ὥσπερ τρυφῶντες ἀποκριθῆσονται (4 a)	— 22. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)
2. 15. S τοῖς νεανίαις ὁ νυμφίος τάδε (4 a)	Ez. 2. 4: 8. 11, 27. τάδε λέγει κύριος [A. add. κύριος] (4 a)	— 33. τάδε λέγει ἀδ. κύριος [A. λ. κ. ὁ θεός] (4 a)
— 16: 5, 2, 3. S ἡ νύμφη τάδε (4 a)	4. 13. τάδε λέγει κ. ὁ θ. τοῦ Ἰσρ. (4 a)	— 37. τάδε λέγει ἀδ. κύριος [A. λ. κ. κύριος ὁ θεός] (4 a)
6. 11 (12). S ἡ νύμφη τάδε πρὸν τὸν νυμφίον (4 a)	5. 5, 7, 8: 6. 3, 11: 7. 2. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	37. 5, 9. τάδε λέγει κύριος [A. add. κύριος] (4 a)
7. 1. S ταῖς θυγατράσιν ὁ νυμφίος τάδε (4 a)	7. 5: 11. 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 12, 19. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)
8. 5. S ὁ νυμφίος τάδε πρὸς τὴν νύμφην (4 a)	11. 7, 16, 17. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	— 21. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. λ. ἀδ. κ. κ. ὁ θεός] (4 a)
Sl. prol. 23. τοῦ μεμερηνέσθαι τήνδε [A. om.] τὴν βίβλον (4 a)	12. 10. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)	38. 3. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (4 a)
Am. 1. 6, 9, 11, 13: 2. 1, 4, 6. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 19, 23, 28: 13. 3. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	— 10. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)
3. 11. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (4 a)	13. 6. A <sup>2</sup> τάδε [A <sup>1</sup> B om.] λ. κύριος (8)	— 14. τάδε λέγει κύριος [A. add. κύριος ὁ θεός] (4 a)
— 12. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 8, 13, 18. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	— 17. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. λ. ἀδ. κ. ὁ θεός] (4 a)
5. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)	— 20. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)	39. 1. τάδε λέγει κύριος [A. add. κύριος] (4 a)
— 4. τάδε λέγει κύριος (4 a)	14. 4. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	— 17. τάδε λέγει κύριος (4 a)
— 16. τάδε λέγει κ. ὁ θεός ὁ παντοκρ. (4 a)	— 6. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)	— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)
7. 11. τάδε λέγει Ἄ. (4 a)	— 21: 15. 6. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	43. 18. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (4 a)
— 17: Mi. 3. 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)	16. 3. τάδε λέγει κύριος (4 a)	44. 6, 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (4 a)
Ob. 1. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (4 a)	— 36, 59. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	45. 9, 18: 46. 1. τάδε λέγει κύριος θεός [A. ὁ θ.] (4 a)
Na. 1. 12. τάδε λέγει κύριος (4 a)	17. 3, 9, 19, 22: 20. 3, 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)	46. 16. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] θεός (4 a)
Hg. 1. 2, 5. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	20. 27. τάδε λέγει κύριος [A <sup>2</sup> ἀδ. κ.] (4 a)	47. 13. τάδε λέγει κύριος θεός [A. ὁ θεός] (4 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος παντοκρ. (4 a)	— 30. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κύριος ὁ θεός] (4 a)	Da. LXX. Bel 33. τάδε λέγει σοι κ. ὁ θεός (4 a)
— 7. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	39. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)	Da. TH. 3. 25 (92). ὁδε [? ὁ δε, A ἰδοὺ] ἐγὼ ὁρῶ (2)
— 9. τάδε λέγει κύριος παντοκρ. (4 a)	— 47 (21. 3). τάδε λέγει κύριος κύριος [A. ὁ θεός Ἰσρ.] (4 a)	I Ma. 15. 15. A R ἐν αἷς ἐγγέγραπτο τάδε [S ταῦτα] (4 a)
2. 7 (6). A B τάδε [B S om.] λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	21. 3 (8). B <sup>2</sup> R τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. ὁ θεός] (4 a)	II Ma. 6. 12. τοὺς ἐντυγχάνοντας τήνδε τὴν βίβλον (4 a)
— 12 (11): Za. 1. 3, 4, 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	— 9 (14). τάδε λέγει κύριος [A <sup>2</sup> ἀδ. κ.] (4 a)	10. 8. B ἀγειν τάσδε τὰς ἡμέρας [A. al.] (4 a)
Za. 1. 16. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 24 (29), 26 (31). τάδε λέγει κύριος [A. add. κ. ὁ θεός] (4 a)	12. 40. διὰ τήνδε τὴν αἰτίαν τοῦσδε πεπτωκένας (4 a)
— 17: 2. 8 (12): 3. 8 (7): 6. 12: 7. 9: 8. 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	— 28 (33). τάδε λέγει κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)	14. 33. τόνδε τὸν τοῦ θ. σκῆν εἰς πεδίου ποιήσω (4 a)
8. 3. τάδε λέγει κύριος (4 a)	22. 3. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)	— 36. διατήρησον . . . ἀμίαντον τόνδε τὸν . . . οἶκον (4 a)
— 4, 6, 7, 9, 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	— 19. B τάδε λέγει κύριος [A. add. κ. ὁ θεός, R add. κύριος] (4 a)	— 46. τόνδε τὸν τρόπον μετέλλαξεν (4 a)
— 19. A S <sup>2</sup> R τάδε [B S <sup>1</sup> om.] λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	— 28. τάδε λέγει κύριος (4 a)	15. 15. διδόντα δε προσφωτισθῆσαι τάδε (4 a)
— 20, 23: 11. 4: Ma. 1. 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (4 a)	23. 22. τάδε λέγει κύριος [A. add. κύριος ὁ θεός] (4 a)	— 22. ἔλεγε δε . . . τόνδε τὸν τρόπον (4 a)
Is. 1. 4. τάδε λέγει κύριος ὁ δεσπότης σαβ. (8)	— 28. τάδε λέγει κ. κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)	— 36. μηδ' αὖτος εἶσαι ἀπαρσιζήσαντων τήνδε τὴν ἡμέραν (4 a)
3. 16 (15). τάδε λέγει κύριος (8)	— 32. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ. κ. ὁ θεός] (4 a)	III Ma. 3. 11. ἔγραψε κατ' αὐτῶν ἐπιστολὴν τ. (4 a)
7. 7: 10. 24. τάδε λέγει κύριος σαβ. (4 a)	— 35. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	— 25. ὅμα τῷ προσπισεύ τὴν ἐπιστολὴν τ. (4 a)
14. 22. τάδε λέγει κύριος (8)	— 46. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (4 a)	5. 3. ὁ μὲν τάδε προστάσων (4 a)
— 24 (23): 17. 3. τάδε λέγει κύριος σαβ. (8)	24. 3, 6, 9. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	— 31. τήνδε . . . ἐσκεύασαν ἀν διψήλῃ θοῖαν (4 a)
17. 6. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (8)	— 20. A <sup>2</sup> τάδε λέγει ἀδ. κύριος [B al.] (4 a)	— 35. τήσδε τῆς βοηθείας αὐ. τετευχότες (4 a)
19. 4. τάδε λέγει κύριος σαβ. (8)	— 21. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κύριος ὁ θεός] (4 a)	— 39. προσφύροnton τάδε (4 a)
22. 15. τάδε λέγει κύριος σαβ. (4 a)	25. 3. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κύριος] (4 a)	6. 1. προσήγατο τάδε (4 a)
— 25. τάδε λέγει κύριος σαβ. (8)	— 6. τάδε λέγει κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)	IV Ma. 5. 7. τὴν τοῦδε τοῦ ζῶον σαρκαφαγίαν (4 a)
29. 22. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 8, 12, 13, 15, 16: 26. 3, 7. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ. κ.] (4 a)	— 13. τίς ἐστὶ τήσδε τῆς θρησκείας ἐποπτικὴ δύναμις (4 a)
30. 1. A S τάδε [B om.] λέγει κύριος (8)	26. 15. τάδε λέγει [A. add. ἀδ.] κύριος κύριος (4 a)	8. 2. A τῶδε [B R τότε] δὴ . . . ἐκέλευσεν (4 a)
— 12. τάδε λέγει ὁ ἄγιος τοῦ Ἰσρ. [A S al.] (4 a)	— 19. τάδε λέγει κύριος (4 a)	9. 8. διὰ τήσδε τῆς κακοπαθείας καὶ ὑπομοχλῆς (4 a)
31. 9. τάδε λέγει κύριος (8)	27. 3: 28. 2. τάδε λέγει κύριος (4 a)	[Aq. I Ki. 21. 2 (3): II Ki. 14. 7: I Ki. 6. 8: 19. 10: Is. 30. 12 (Sw.): Jc. 13. 12: 14. 10: 22. 30: 30 (87). 12: 31 (38). 7, 37: Ez. 28. 25 (P.): 30. 6.] (4 a)
36. 4, 14, 16. τάδε λέγει ὁ βασιλ. (4 a)	28. 6. τάδε λέγει κύριος [A. add. κ. ὁ θεός] (4 a)	[Sm. Ru. 4. 1: Is. 30. 12 (Sw.): Jc. 11. 22: 13. 12: 22. 30: 31 (38). 7, 37: Ez. 28. 25 (P.): 30. 6.] (4 a)
37. 3. τάδε λέγει Ἐξ. (4 a)	— 12. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. om.] (4 a)	[Th. I Ki. 21. 2 (3): Is. 30. 12 (Sw.): Jc. 9. 22 (21): 11. 22: 13. 12: 17. 5 (Sw.): 22. 30: 27 (34). 19, 21, 22: 29 (36). 16, 17, 25: 33 (40). 17, 20, 25: Ez. 21. 3 (8) (Sw.): 28. 25 (P.): 30. 6: 33. 27.] (4 a)
— 6. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 25. τάδε λέγει κύριος κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)	ὁδεύειν. (1) ἦδ
— 21. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Ἰσρ. (4 a)	29. 3, 8. τάδε λέγει κύριος [A. add. ὁ θεός] (4 a)	III Ki. 6. 12. A ἐὰν ὀδεῖς τοῖς προστάγμασιν μου (4 a)
— 34. τάδε λέγει κύριος (8)	— 13. τάδε λέγει κύριος [A. add. κύριος] (4 a)	
38. 1. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 19. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (4 a)	
— 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεός Δ. (4 a)	— 20. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (8)	
52. 3. τάδε λέγει κύριος (4 a)	30. 2. τάδε λέγει κύριος (4 a)	
— 5 bis. τάδε λέγει κύριος (8)	— 10, 13. τάδε λέγει κύριος [A. ἀδ.] κύριος (4 a)	
56. 1, 4. τάδε λέγει κύριος (4 a)	— 22. τάδε λέγει κύριος κύριος (4 a)	
57. 15. τάδε λέγει ὁ [A S <sup>2</sup> κύριος ὁ] ὑψιστος (4 a)		
60. 8. τίνες οἶδε ὡς νεφέλαι πέτανται (1)		
65. 13: 66. 12: Je. 2. 1, 5. τάδε λέγει κύριος (4 a)		
Je. 2. 31. τάδε λέγει κύριος (4 a)		
4. 3. B S <sup>2</sup> τάδε λέγει κύριος [S <sup>1</sup> al.] (4 a)		

Το. 6. 5. ὠδονεν ἀμφότεροι [B al.]  
 Wi. 5. 7. ἄ ὠδούσαμεν [B S διωδ.] ἐρήμους ἀβάτους  
 [Sm. Ex. 13. 21: Jb. 29. 25: Ps. 25 (26). 1,  
 11: 81 (82). 8: 49 (50). 23: 55 (56). 14: 80  
 (81). 13: 88 (84). 8, 12: 85 (86). 11: 90 (91).  
 6: Ec. 6. 9: Ez. 5. 17.]  
 [Th. Ex. 13. 21: Ps. 25 (26). 11.]  
 [Al. Jb. 9. 13 (12).]

ὁδηγεῖν. (1) הָלַךְ hi. (2) הָלַךְ a. qal. δ. hi.

(3) הָלַךְ hi. (4) הָלַךְ hi. (5) הָלַךְ (6) הָלַךְ  
 a. qal. δ. hi.

Ex. 13. 17. οὐχ ὠδήγησεν αὐτοὺς . . . ὁδὸν  
 γῆς (6 a)  
 15. 13. ὠδήγησας τῇ δικαιοσύνῃ σου τὸν λαόν (6 a)  
 32. 34. ὠδήγησεν τὸν λαόν τοῖτον (6 a)  
 Nu. 24. 8. θεὸς ὠδήγησεν αὐτὸν ἐξ Αἰγ.  
 De. 1. 33. ὠδήγησεν ὑμᾶς ἐν πυρὶ νυκτός  
 Jo. 24. 3. ὠδήγησεν αὐτὸν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 b)  
 II Ki. 7. 23: I Ch. 17. 21. ὡς ὠδήγησεν αὐτὸν  
 ὁ θς. (2 a)

Ne. 9. 12. ἐν στύλῳ νεφέλης ὠδήγησας αὐτοὺς  
 ἡμέρας καὶ ἐν στύλῳ πυρός [S' add.  
 ὠδήγησας] τὴν νύκτα (6 b, -)

— 19. ὠδήγησας αὐτοὺς ἐν τῇ ὁδῷ (6 b)  
 Jb. 31. 18. ἐκ γαστροῦ μητροῦ μου ὠδήγησα (6 b)  
 Ps. 5. 8. ὠδήγησόν με ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου (6 a)

22 (23). 3. ὠδήγησέν με ἐπὶ τριβύς δικαιοσύνης (6 b)  
 24 (25). 5. ὠδήγησόν με ἐπὶ τὴν ἀληθειάν σου  
 [A B' al.] (1)

— 9. ὠδήγησας πρὸς ἐν κρίσει (1)  
 26 (27). 11. ὠδήγησόν με ἐν τριβύς εὐθείας (6 a)  
 30 (31). 3. ἐνεκεν τοῦ ὀνόματός σου ὠδήγησας  
 με (6 b)

42 (43). 3. αὐτὰ με ὠδήγησαν (6 b)  
 44 (45). 4. ὠδήγησέν σε θαυμαστὸς ὁ δεξιός σου (4)  
 59 (60). 9. τίς ὠδήγησέν με ἕως τῆς Ἰουδαίας (6 a)

60 (61). 2. ὠδήγησάς με (6 b)  
 66 (67). 4. ἔθνη ἐν τῇ γῇ ὠδήγησας [S -σει] (6 b)  
 72 (73). 24. ἐν τῇ βουλή σου ὠδήγησάς με (6 b)  
 76 (77). 20. ὠδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λαόν  
 σου (6 a)

77 (78). 14. ὠδήγησεν αὐτοὺς ἐν νεφέλῃ ἡμέρας (6 b)  
 — 53. ὠδήγησεν αὐτοὺς ἐν ἐλπίδι (6 b)  
 — 72. ἐν τῇ συνέσει τῶν χειρῶν αὐτοῦ ὠδή-  
 γησεν αὐτοὺς (6 b)

79 (80). 1. ὁ ὁδηγὼν ὡσεὶ πρόβατα τὸν Ἰωσήφ (5)  
 85 (86). 11. ὠδήγησόν με, κύριε, τῇ ὁδῷ σου (4)  
 89 (90). 16. ὠδήγησόν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν  
 105 (106). 9. ὠδήγησεν αὐτοὺς ἐν ἀβύσσῳ (2 b)

106 (107). 7. ὠδήγησεν αὐτοὺς εἰς ὁδὸν εὐθείαν (1)  
 — 30. ὠδήγησεν αὐτοὺς ἐπὶ λιμένα [S' ἐπι-  
 μελῆς] θελήματος αὐ. (6 b)

107 (108). 10. τίς ὠδήγησέν με ἕως τῆς Ἰδ. (6 a)  
 118 (119). 35. ὠδήγησόν με ἐν τῇ τριβύ τῶν  
 ἐντολῶν σου (1)

138 (139). 10. ἐκεῖ ἡ χεὶρ σου ὠδήγησέν με (6 b)  
 — 24. ὠδήγησόν με ἐν ὁδῷ αἰωνίου (6 a)  
 142 (143). 10. τὸ πνεῦμά σου τὸ ἀγαθὸν ὠδη-  
 γήσει με ἐν τῇ εὐθείᾳ (6 b)

Pr. 11. 3. Ἀ τελειότης εὐθείαν ὠδήγησέν αὐ-  
 τοὺς (6 b)

Ec. 2. 3. καρδία μου ὠδήγησεν [S' ὡδ. με] ἐν  
 σοφίᾳ (5)

Wi. 9. 11. ὠδήγησέν με ἐν ταῖς πράξεσί μου σω-  
 φρονῶς

10. 10. δίκαιον ὠδήγησεν ἐν τριβύς εὐθείας  
 — 17. ὠδήγησεν αὐτοὺς ἐν ὁδῷ θαυμαστῇ

Is. 63. 14. ὠδήγησεν αὐτοὺς  
 [Aq. Ps. 42 (43). 3: Pr. 4. 11: 6. 22.]  
 [Sm. Jb. 29. 25: Ps. 42 (43). 3: 60 (61). 3:  
 72 (73). 24: 77 (78). 53, 72: 138 (139). 10:  
 Pr. 6. 22: Is. 55. 12.]

[Th. Jb. 31. 18: Ps. 42 (43). 3: 77 (78). 72:  
 Pr. 6. 22: 11. 3: Is. 55. 12.]  
 [Quint. Ec. 2 (43). 3.]  
 [Al. Am. 2. 10.]

ὁδηγός.

II Es. 8. 1. οἱ δ. ἀναβαίνοντες μετ' ἐμοῦ  
 Wi. 7. 15. αὐτοὶ καὶ τῆς σοφίας ὁδηγός ἐστι

18. 3. στυλὸν ὁδηγόν [S' ὀλίγον] μὲν ἀγνώστου  
 ὁδοπορίας

I Ma. 4. 2. οἱ υἱοὶ τῆς ἁκρας ἦσαν αὐτῷ ὁδηγοί  
 II Ma. 5. 15. ὁδηγὸν ἔχον τὸν Μεν.

[Th. Da. 3. 24 (91) (Sw.).]

ὁδοπορία (-εία).

Wi. 13. 18. περὶ δι' ὁδοπορίας [S' πορείας] τὸ μηδὲ  
 βάσει χρῆσθαι δυνάμενον

18. 3. στυλὸν ὁδηγόν μὲν ἀγνώστου ὁδοπορίας  
 19. 5. καὶ ὁ μὲν λαὸς σου παράδοξον ὁδοπορίαν  
 περᾶσθαι

I Ma. 6. 41. πάντες οἱ ἀκούοντες . . . ὁδοπορίας τοῦ  
 πλῆθους  
 [Al. Jb. 6. 19.]

ὁδοπόρος. (1) a. הָלַךְ δ. הָלַךְ (2) הָלַךְ  
 pi.

Ge. 37. 25. ὁδοπόροι Ἰσραηλῖται ἤρχοντο (1 b)  
 Jd. 19. 17. εἶδε τὸν δ. ἄνδρα [A δ. τ. δ.] (1 a)

II Ki. 12. 4. τοῦ ποιῆσαι τῷ ξένῳ δ. [A om.] (1 a)  
 Pr. 6. 11. ἐμπαράγινεται σοὶ ὥσπερ κακὸς ὁδο-  
 πόρος ἡ πείνι (2)

Si. 26. 12. ὡς δὲ δι' ὁδοπόρος τὸ στόμα ἀνοίγει  
 42. 3. περὶ λόγου κοινοῦ καὶ ὁδοπόρων  
 [Aq. Jb. 31. 32: Jb. 9. 2 (1): 14. 8.]  
 [Sm. Jb. 9. 2 (1).]

[Th. Jd. 19. 17: II Ki. 12. 4: Jb. 14. 8.]  
 ὁδοποιεῖν. (1) הָלַךְ (2) הָלַךְ pi. (3) a. הָלַךְ pi.

δ. הָלַךְ הָלַךְ  
 Jb. 30. 12. ὠδοποίησαν [S' -εν] ἐπ' ἐμὲ τριβύς  
 ἀπαλίας αὐ. (1)

Ps. 67 (68). 4. ὠδοποίησας τῷ ἐπιβησκότη ἐπὶ  
 δυσμῶν (1)  
 77 (78). 50. ὠδοποίησε τριβὸν τῇ ὁρῇ αὐτοῦ (2)

79 (80). 9. ὠδοποίησας ἔμπροσθεν αὐτῆς (3 a)  
 Wi. 5. 17. S' ὠδοποιεῖ [A B S' ὁπλοπ.] τὴν κτίσιν  
 εἰς ἄμνησιν ἐχθρῶν (3 b)

Is. 62. 10. ὠδοποίησας τῷ λαῷ σου (3 b)  
 [Aq. Ps. 77 (78). 50: Pr. 4. 26.]  
 [Sm. Is. 57. 14.]

ὁδός. (1) a. הָלַךְ δ. הָלַךְ (2) הָלַךְ  
 (3) a. הָלַךְ δ. הָלַךְ (4) a. הָלַךְ δ. הָלַךְ

(5) הָלַךְ (6) הָלַךְ (7) הָלַךְ (8) הָלַךְ  
 (9) הָלַךְ (10) הָלַךְ (11) הָלַךְ  
 (12) הָלַךְ (13) הָלַךְ (14) הָלַךְ  
 (15) הָלַךְ (16) הָלַךְ (17) הָלַךְ  
 (18) הָלַךְ ἡ δ. ἡ πονηρὰ הָלַךְ

Ge. 3. 24. φυλάσσειν τὴν δ. τοῦ ξύλου τῆς  
 ζωῆς (3 a)

6. 12. κατέφθειρε πᾶσα σὰρξ τὴν δ. αὐτοῦ (3 a)  
 16. 7. B ἐπὶ τῆς πηγῆς ἐν τῇ δ. Σ. (3 a)

18. 5. παρελεύσεσθε εἰς τὴν ὁδὸν ὑμῶν  
 — 19. φυλάσσειν τὰς δ. κυρίου (3 a)

19. 2. ἀπελεύσεσθε εἰς τὴν δ. ὑμῶν (3 a)  
 24. 21. εἰ εὐώδως κ. τὴν δ. αὐτοῦ ἡ οὐ (3 a)

— 40. κύριος ὁ θς . . . εὐωδῶσει τὴν δ. σου (3 a)  
 — 42. εἰ σὺ εὐοδῶς τὴν δ. μου (3 a)

— 48. εὐωδῶσέ με [A μοι] ἐν ὁδῷ ἀληθείας (3 a)  
 — 56. εὐωδῶσε τὴν δ. μου (3 a)

28. 15. ἐν τῇ δ. πάσῃ οὐ ἂν πορευθῆς  
 — 20. ἐν τῇ δ. ταύτῃ ἡ ἐγὼ πορευοίμαι (3 a)

30. 36. ἀπέστρεψεν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 a)  
 31. 23. ἐδίωξεν . . . ὁδὸν ἡμερῶν ἐπτά (3 a)

32. 1 (2). ἀπῆλθεν εἰς τὴν δ. εἰαντοῦ (3 a)  
 33. 14. ἐπισχῶσα ἐν τῇ δ. κατὰ σχολὴν  
 — 16. ἀπέστρεψε . . . εἰς τὴν δ. αὐτοῦ (3 a)

35. 3. δίσσασθαι με ἐν τῇ δ. ἡ ἐπορευθῆν  
 — 19. B ἐν τῇ δ. τοῦ ἱπποδρόμου [A om. τ. i.] (3 a)

38. 16. ἐξέκλινε διὰ πρὸς αὐτὴν τὴν δ.  
 — 21. ἡ γενομένη ἐν Αἰγὶν ἐπὶ τῆς δ. (3 a)

42. 25. δοῦναι αὐτοῖς ἐπισπισμὸν εἰς τὴν δ.  
 — 38. ἐν τῇ δ. ἡ ἐάν πορευθῆς (3 a)

44. 29. καὶ συμῶν αὐτῷ μαλακία ἐν τῇ δ.  
 45. 21. ἔδωκεν αὐτοῖς ἐπισπισμὸν εἰς τὴν δ. (3 a)

— 23. αἰρῦστας ἄρτους τῷ πατρὶ αὐ. εἰς ὁδόν (3 a)  
 — 24. μὴ ὀργίζεσθε ἐν τῇ δ. (3 a)

48. 7. κατὰρξά . . . ἐν τῇ δ. τοῦ ἱπποδρόμου (3 a)  
 49. 17. ὅφει ἐφ' ὁδὸν ἐγκαθήμενος ἐπὶ τριβῶν (3 a)

Ex. 3. 18. πορευσόμεθα . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 a)  
 4. 24. ἐγένετο δὲ ἐν τῇ δ. ἐν τῷ καταλύματι (3 a)

5. 3. πορευσόμεθα οὖν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 a)  
 8. 27 (23). ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν πορευσόμεθα (3 a)  
 12. 39. οὐδὲ ἐπισπισμὸν ἐποίησαν . . . εἰς τὴν δ. —  
 13. 17. οὐχ ὠδήγησεν αὐτοὺς . . . ὁδὸν γῆς (3 a)

Ex. 13. 18. ἐκίλωσεν . . . ὁδὸν τὴν εἰς τὴν  
 ἔρημον (3 a)

— 21. δέξει αὐτοὺς τὴν δ. (3 a)  
 18. 8. μόχθον τὸν γενόμενον . . . ἐν τῇ δ. (3 a)

— 20. σημαίνει αὐτοὺς τὰς δ. (3 a)  
 23. 20. ἵνα φυλάξῃ σε ἐν τῇ δ. (3 a)

32. 8. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς δ. (3 a)  
 33. 3. ἵνα μὴ ἐξαναλώσω σε ἐν τῇ δ. (3 a)

Le. 26. 22. ἐρημωθίσονται αἱ δ. ὑμῶν (3 a)  
 Nu. 9. 10. ἡ ἐν ὁδῷ μακρὰν ὑμῖν (3 a)

— 13. B ἐν ὁδῷ μικρὰ [A B μακρὰν] οὐκ ἔστι (3 a)  
 10. 33. ἐξήραν . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 a)

— 33. προεπορεύετο . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 a)  
 11. 31. ὁδὸν ἡμέρας ἐντεῦθεν (3 a)

— 31. A B' B καὶ ὁδὸν ἡμέρας ἐντεῦθεν (3 a)  
 14. 25. ὁδὸν θάλασσαν ἐρυθρὰν (3 a)

20. 17. ὁδῷ βασιλικῇ πορευσόμεθα (3 a)  
 21. 1. ἦλθε γὰρ Ἰσρ. ὁδὸν Ἀδ. (3 a)

— 4. ὁδὸν ἐπὶ θάλασσαν ἐρυθρὰν (3 a)  
 — 4. ὠλιγοψύχησεν ὁ λαὸς ἐν τῇ δ. (3 a)

— 21 (22). τῇ [A om.] δ. πορευσόμεθα —  
 — 22. ὁ βασιλικῇ πορευσόμεθα (3 a)

— 33. ἀνέβησαν ὁδὸν τὴν εἰς B. (3 a)  
 22. 23. τὸν ἀγγέλων τοῦ θ. ἀνθεστηκότα ἐν  
 τῇ δ. (3 a)

— 23. ἐξέκλινεν ἡ ὁδὸς ἐκ τῆς δ. (3 a)  
 — 23. τοῦ εὐθύναι αὐτὴν ἐν τῇ δ. (3 a)

— 31. τὸν ἀγγ. κυρίου ἀνθεστηκότα ἐν τῇ δ. (3 a)  
 — 32. ὅτι οὐκ ἄσπεια ἡ δ. σου (3 a)

— 34. σὺ μοι ἀνθεστήσῃς ἐν τῇ δ. (3 a)  
 33. 8. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 a)

De. 1. 2. ἐνδεκα ἡμερῶν ἐκ X. ὁδός  
 — 19. ὁδὸν ὁρους τοῦ Ἀμμοραίου (3 a)

— 22. τὴν δ. δι' ἧς ἀναβησόμεθα (3 a)  
 — 31. B ὁδὸν ὁρους τοῦ Ἀμ. —

— 31. κατὰ πᾶσαν τὴν δ. εἰς ἣν ἐπορεύθητε (3 a)  
 — 33. δε προπορεύεται πρῶτερος ὑμῶν ἐν τῇ δ. (3 a)

— 33. δεικνύων ὑμῖν τὴν δ. (3 a)  
 — 40. ὁδὸν τὴν ἐπὶ τῆς ἱερῆς θαλ. (3 a)

2. 1. ὁδὸν θάλασσαν ἐρυθρὰν (3 a)  
 — 8. παρὰ τὴν δ. τὴν Ἀρβια (3 a)

— 8. παρηλθόμεν ὁδὸν ἔρημων M. (3 a)  
 — 27. ἐν τῇ δ. πορευοίμαι (3 a)

8. 1. ἀνέβημεν ὁδὸν τὴν εἰς B. (3 a)  
 5. 33 (30). κατὰ πᾶσαν τὴν δ. ἣν ἐνενεδιατό σοι (3 a)

6. 7. πορευόμενος ἐν ὁδῷ (3 a)  
 8. 2. μνησθήσῃ πᾶσαν τὴν δ. (3 a)

— 6. B' πορευοίμαι [A B' B add. ἐν] ταῖς δ. αὐ. (3 a)  
 9. 12. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς δ. (3 a)

— 16. παρέβητε ἀπὸ τῆς δ. (3 a)  
 10. 12. πορευέσθαι ἐν πάσαις ταῖς δ. αὐ. (3 a)

11. 19. πορευομένου σου ἐν ὁδῷ (3 a)  
 — 22. πορευέσθαι ἐν πάσαις ταῖς δ. αὐ. (3 a)

— 28. καὶ πλανήθητε ἀπὸ τῆς δ. (3 a)  
 — 30. ὁδὸν δυσμῶν ἴλιον (3 a)

13. 5 (6). ἐξῴσαι σε ἀπὸ [A ἐκ] τῆς δ. (3 a)  
 14. 24. ἐὰν δὲ μακρὰν γέννηται ἡ δ. ἀπὸ σοῦ (3 a)

17. 16. ἀποστρέψαι τῇ δ. ταύτῃ (3 a)  
 19. 3. στοχασαί σοι τὴν δ. (3 a)

— 6. ἐὰν μακροτέρα ᾖ ἡ δ. (3 a)  
 — 9. πορευέσθαι ἐν πάσαις ταῖς δ. αὐτοῦ (3 a)

22. 1. πλανώμενα ἐν τῇ δ. —  
 — 4. πεπτωκότας ἐν τῇ δ. (3 a)

— 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς . . . ἐν τῇ δ. (3 a)  
 23. 4 (5). παρὰ τὸ μὴ συναντήσαι αὐτοὺς ὑμῖν  
 . . . ἐν τῇ δ. (3 a)

24. 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός . . . ἐν τῇ δ. (3 a)  
 25. 17. ὅσα ἐποίησέν σοι Ἀμ. ἐν τῇ δ. (3 a)

— 18. πῶς ἀνέστη σοι ἐν τῇ δ. (3 a)

- Jo. 8. 4. οὐ γὰρ πεπόμενος εἶναι τὴν ὁ. (3 α)  
 5. 4. οὐκ οὐδὲ ἐγγύς ἐστιν τὴν ὁ. (3 α)  
 — 7. τὴν δὲ αὐτὴν γεγενημένην κατὰ τὴν ὁ. ἀπεριτμήτους (3 α)  
 9. 11. λάβετε ἑαυτοὺς ἐπισιτισμὸν εἰς τὴν ὁ. (3 α)  
 — 13. πεπαλαίωται ἀπὸ τῆς πολλῆς ὁ. (3 α)  
 10. 10. κατεδίωξαν αὐτοὺς ὁδὸν ἀναβάσεως Ὡ. (3 α)  
 12. 3. ὁδὸν τὴν κατὰ Ἀσ. (3 α)  
 21. 40. τοὺς γενομένους ἐν τῇ ὁ. — (3 α)  
 22. 5. πορεύσασθαι [A. add. ἐν] πάσαις ταῖς ὁ. αὐτῶν (3 α)  
 23. 14. ἐγὼ δὲ ἀποτρέχω τὴν ὁ. (3 α)  
 24. 17. διεφύλαξεν ἡμᾶς ἐν πάσῃ τῇ ὁ. (3 α)  
 Jd. 2. 17. ἐξέκλιναν ταχὺ ἐκ τῆς ὁ. (3 α)  
 — 19. οὐκ ἀπερίψαν . . . τὰς ὁ. αὐ. [A. al.] (3 α)  
 — 20. εἰ φυλάσσονται τὴν ὁ. κυρίου (3 α)  
 4. 9. οὐκ ἔσται τὸ προτερόμη μου ἐπὶ [A. eis] τὴν ὁ. (3 α)  
 5. 6. ἐξέλκων ὁδοὺς [A. βασιλείς] (1 α)  
 — 6. ἐπορεύθησαν ὁ. διαστραμμένας (1 α)  
 — 10. B πορεύμενοι ἐπὶ ὁδοὺς συνιδρὼν ἐφ' ὁδῷ (3 α, —)  
 8. 11. ἀνέβη Γ. ὁδὸν τῶν σκηνούντων (3 α)  
 9. 21. A ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ [B. al.] — (3 α)  
 — 25. δεσπεριάζοντες ἐπ' αὐτοὺς ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 37. ἀρχὴ ἑτέρα ἔρχεται δι' ὁδοῦ Ἡ. [A. al.] (3 α)  
 15. 15. A συγγὰ ἀνὸς ἐρριμμένη ἐν τῇ ὁ. — (3 α)  
 17. 8. τοὺ ποιήσαι [A. add. τὴν] ὁδὸν αὐτοῦ (3 α)  
 18. 5. εἰ εὐδοκῶμεν ἡμᾶς ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 6. ἐνώπιον κυρίου ἡ ὁ. ὑμῶν (3 α)  
 — 26. ἐπορεύθησαν . . . εἰς [A. add. τὴν] ὁδὸν αὐτῶν (3 α)  
 19. 9. ὁρρίκειτε αὐτοὺς εἰς [A. add. τὴν] ὁδὸν ὑμῶν (3 α)  
 — 27. τοῦ πορεύσασθαι τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 20. 31. πατάσκειν . . . τραυματίας . . . ἐν ταῖς ὁ. (10)  
 — 32. ἐκκενώσωμεν αὐτοὺς . . . εἰς τὰς ὁ. (10)  
 — 42. B ἐπέβλεψαν . . . εἰς [A. B. add. τὴν] ὁδὸν τῆς ἐρίμου (3 α)  
 — 45. A ἐκαλαμήσαντο . . . ἐν ταῖς ὁ. [B. al.] (10)  
 21. 19. ἐπὶ τῆς ὁ. τῆς ἀναβαίνουσας [A. ἐν τῇ ὁ. τῇ ὁ.] (10)  
 Ru. 1. 7. ἐπορεύοντο ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 I Ki. 1. 18. ἐπορεύθη ἡ γυνὴ εἰς τὴν ὁ. αὐτῆς (3 α)  
 — 19. πορεύονται [A. add. καὶ ἦλθον] τὴν ὁ. αὐτῶν — (3 α)  
 3. 21. πορηρὰ ἡ ὁ. αὐ. ἐνώπιον κυρίου (3 α)  
 4. 13. σκοπεῖν τὴν ὁ. (3 α)  
 6. 9. εἰ εἰς ὁδὸν ὁρίων αὐτῆς πορεύσεται (3 α)  
 — 12. κατεύθυναν αἱ βόες ἐν τῇ ὁ. εἰς ὁδὸν Βαιθ. (3 α, 3 α)  
 8. 3. οὐκ ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ αὐ. ἐν ὁδῷ αὐτοῦ (3 α)  
 — 5. οὐ πορεύονται ἐν τῇ ὁ. σου (3 α)  
 9. 6. ὅπως ἀπαγγεῖλῃ ἡμῖν τὴν ὁ. ἡμῶν (3 α)  
 — 8. ἀπαγγεῖλε ἡμῖν τὴν ὁ. ἡμῶν (3 α)  
 12. 23. B δεῖξω ὑμῖν τὴν ὁ. τὴν ἀγαθὴν (3 α)  
 13. 15. B ἀπῆλθεν ἐκ Γ. εἰς ὁδὸν αὐτοῦ [B. om. εἰς ὁ. αὐ.] — (3 α)  
 — 17. B ἐπιβλέπουσα ὁδὸν Γ. (3 α)  
 — 18. B ἐπιβλέπουσα ὁδὸν Β. (3 α)  
 — 18. B ἐπιβλέπουσα ὁδὸν Γ. (3 α)  
 14. 5. B ἡ ὁ. ἡ μία ἀπὸ βορρᾶ . . . καὶ ἡ ὁ. ἡ ἄλλη ἀπὸ νότου +, + (3 α)  
 15. 2. ὡς ἀπῆλθον αὐτῶν ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 18. ἀπιστεύει σε κυριὸς ἐν ὁδῷ (3 α)  
 — 20. ἐπορεύθη [A. add. ἐν] τῇ ὁ. (3 α)  
 17. 5. ἔπεισον τραυματίας . . . ἐν τῇ ὁ. τῶν πυλῶν (3 α)  
 18. 14. ἦν Δ. ἐν πάσαις ταῖς ὁ. αὐ. συνιῶν (3 α)  
 21. 5 (6). ἐν τῇ ἐξέλθειν με εἰς ὁδὸν — 5 (6). αὐτῇ ἡ ὁ. βέβηλος (3 α)  
 24. 4. εἰς τὰς ἀγέλας τῶν ποιμῶν τὰς ἐπὶ τῆς ὁ. (3 α)  
 — 8. κατέβη [A. add. εἰς] τὴν ὁ. (3 α)  
 — 20. καὶ ἐπέμψον αὐτὸν ἐν ὁ. ἀγαθῇ (3 α)  
 25. 12. ἀπεστράφησαν . . . εἰς ὁδὸν αὐτῶν (3 α)  
 26. 3. παρεβίβλεε Σ. . . ἐπὶ τῆς ὁ. (3 α)  
 — 13. καὶ πολλὰ ἡ ὁ. ἀνὰ μέσον αὐτῶν (14)  
 — 25. ΔΕ ἀπῆλθε Δ. εἰς τὴν ὁ. [B τὸν τύπον] αὐ. (3 α)  
 27. 7. A B ὡν ἐκάθισε Δ. ἐν ὁδῷ [B ἀγρόφ] τῶν ἀλλοφ. (17)  
 28. 22. οἱ πορεύονται ἐν ὁδῷ (3 α)  
 29. 10. ὁρρίσατε [A. διορρί.] ἐν τῇ ὁ. + (3 α)  
 I Ki. 80. 2. ἀπῆλθον εἰς τὴν ὁ. αὐτῶν (3 α)  
 II Ki. 2. 24. ὁδὸν ἔρημον Γαζῶν (3 α)  
 4. 7. ἀπῆλθον ὁδὸν τὴν κατὰ δυσμάς (3 α)  
 11. 10. οὐχὶ ἐξ ὁδοῦ σὺ ἔρχῃ (3 α)  
 13. 30. αὐτῶν ὄντων ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 34. λαὸς πολλὸς πορευόμενος ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 34. ἄνδρας ἑώρακα ἐκ τῆς ὁ. — (3 α)  
 15. 2. ἔστη ἀνὰ χεῖρα τῆς ὁ. τῆς πύλης (3 α)  
 — 23. παρεπορεύοντο ἐπὶ πρόσωπον ὁδοῦ τὴν ἔρημον (3 α)  
 16. 13. ἐπορεύθη Δ. . . ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 18. 23. ἔδραμον Ἀχ. ὁδὸν τὴν τοῦ Κ. (3 α)  
 22. 22. ἐφύλαξε ὁδοὺς κυρίου (3 α)  
 — 31. ἄμωμος ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 33. ἐξετίναξεν ἄμωμον τὴν ὁ. μου (3 α)  
 — 43. ὡς πηλὸν ἐξέδωκε [B' ἐξ ὁδῶν] ἐλεπ-  
 τυνα αὐτοὺς (5)  
 III Ki. 1. 49. ἦλθον [A. ἀπῆλθεν] ἀνὴρ εἰς τὴν ὁ. αὐ. (8 α)  
 2. 2. πορεύομαι ἐν ὁδῷ πάσης τῆς γῆς (3 α)  
 — 3. τοῦ πορεύεσθαι ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 4. εἰς φυλάξωσιν οἱ υἱοὶ σου τὴν ὁ. αὐ. (3 α)  
 3. 14. εἰς πορεύσῃς ἐν τῇ ὁ. μου (3 α)  
 8. 25. εἰς φυλάξωσιν τὰ τέκνα σου τὰς ὁ. αὐ. (3 α)  
 — 32. δοῦναι τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 36. δηλώσεις αὐτοῖς τὴν ὁ. τὴν ἀγαθὴν (3 α)  
 — 39. ὁδοὺς ἀνδρὶ κατὰ [A. add. πάσας] τὰς ὁ. αὐ. (3 α)  
 — 44. ἐν ὁδῷ ἡ ἐπιστρέψει αὐτοὺς (3 α)  
 — 44. προσεζήνουν . . . ὁδὸν [A. -δε] τῆς πόλεως (3 α)  
 — 48. προσεζήνουν πρὸς σὲ ὁδὸν γῆς αὐτῶν (3 α)  
 — 58. τοῦ πορεύεσθαι ἐν πάσαις ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 11. 29. εὗρεν αὐτὸν Ἀχ. . . ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 29. ἀπίστησεν αὐτὸν ἐκ τῆς ὁ. (3 α)  
 — 33. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ταῖς ὁ. μου (3 α)  
 — 38. εἰς . . . πορεύσῃς ἐν ταῖς ὁ. μου (3 α)  
 12. 24. B οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Δ. — (3 α)  
 13. 9. μὴ ἐπιστρέψῃς ἐν [B' om.] τῇ ὁ. (3 α)  
 — 10. ἀπῆλθεν ἐν ὁ. ἄλλῃ (3 α)  
 — 10. οὐκ ἀνέστρεψεν ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 12. ποῖα ὁδὴ πεπορεύεται (3 α)  
 — 12. δεκνύουσιν αὐτῶν οἱ υἱοὶ αὐ. τὴν ὁ. (3 α)  
 — 17. μὴ ἐπιστρέψῃς ἐκεῖ ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 24. εὗρεν αὐτὸν λέων ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 24. ἦν τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμ. ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 25. εἶδον τὸ θνητῶμα ἐρριμ. ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 26. ὁ ἐπιστρέψας αὐτὸν ἐκ τῆς ὁ. (3 α)  
 — 28. εὗρε τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμ. ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 15. 26. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ τοῦ πατρὸς αὐ. (3 α)  
 — 34. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἱερ. (3 α)  
 16. 2. ἐπορεύσῃς ἐν τῇ ὁ. Ἱερ. (3 α)  
 — 19. πορεύσῃς ἐν ὁδῷ Ἱερ. (3 α)  
 — 26. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ [A. add. τῇ] ὁ. Ἱερ. (3 α)  
 — 28 (22. 43). B ἐπορεύθη ἐν τῇ ὁ. Ἀσά (3 α)  
 18. 6. ἐμέρισαν ἑαυτοὺς τὴν ὁ. (2)  
 — 6. Ἀχ. ἐπορεύθη ἐν ὁ. μαρ [A. ἄλλῃ μόνος] καὶ Ἀβδ. ἐπορεύθη ἐν ὁ. ἄλλῃ (3 α, 3 α)  
 — 7. ἦν Ἀβδ. ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 43. ἐπιβλεψὼν ὁδὸν τῆς θαλάσσης (3 α)  
 19. 4. ἐπορεύθη . . . ὁδὸν ἡμέρας (3 α)  
 — 7. πολλὴ ἀπὸ σοῦ ἡ ὁ. (3 α)  
 — 15. ἀνάστρεψε εἰς τὴν ὁ. σου (3 α)  
 — 15. ἦξε εἰς τὴν ὁ. ἐρήμου Δαμ. — (3 α)  
 21 (20). 38. ἔστη τῷ βασι. Ἱσρ. ἐπὶ τῆς ὁ. (3 α)  
 22. 43. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁ. Ἀσά (3 α)  
 — 53. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἀχ. τοῦ πατρὸς αὐ. καὶ ἐν ὁδῷ Ἱερ. (3 α, 3 α)  
 IV Ki. 2. 23. ἀναβάντων αὐτοῦ ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 8. 8. ποῖα ὁ. ἀναβῶν (3 α)  
 — 8. ὁδὸν ἔρημον Ἐδώμ (3 α)  
 — 9. ἐκκλῶσαν ὁδὸν ἐπὶ τὰς ἡμέρας (3 α)  
 — 20. ὕδατα ἤρχοντο ἐξ ὁδοῦ Ἐδώμ (3 α)  
 6. 19. οὐχὶ . . . αὐτῇ ἡ ὁ. (3 α)  
 7. 15. πᾶσα ἡ ὁ. πληρὴ ἱματίων (3 α)  
 8. 18. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλῆων Ἱσρ. (3 α)  
 — 27. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (3 α)  
 9. 27. ἔφηνον ὁδὸν Β. (3 α)  
 10. 12. αὐτοὶ ἐν Β. τῶν ποιμῶν ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 11. 6. καὶ τὸ τρίτον ἐν τῇ πύλῃ τῶν ὁ. + (3 α)  
 — 16. εἰσῆλθον ὁδοὺ ἐισόδου τῶν ἱππῶν (3 α)  
 — 19. εἰσῆλθον ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόν-  
 των (3 α)  
 16. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλῆων Ἱσρ. (3 α)  
 17. 13. ἀποστράφηκε ἀπὸ τῶν ὁ. ὁ. τῶν πον. (3 α)  
 18. 17. ἡ ἔστιν ἐν τῇ ὁ. τοῦ ἀγροῦ τοῦ γραφέως (10)  
 IV Ki. 19. 28. ἀποστρέψω σε ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 33. τῇ ὁ. ἡ ἦλθεν (3 α)  
 21. 21. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁ. (3 α)  
 — 22. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ κυρίου (3 α)  
 22. 2. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁ. Δ. (3 α)  
 25. 4. ἐξῆλθον νυκτὸς ὁδὸν πύλης (3 α)  
 — 4. ἐπορεύθη ὁδὸν τὴν Ἀραβα (3 α)  
 II Ch. 6. 16. εἰς φυλάξωσιν οἱ υἱοὶ σου τὴν ὁ. αὐ. (8 α)  
 — 23. ἀποδοῦναι ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. (3 α)  
 — 27. δηλώσεις αὐτοῖς τὴν ὁ. τὴν ἀγαθὴν (3 α)  
 — 30. ὁδοὺς ἀνδρὶ κατὰ τὰς ὁ. αὐ. (3 α)  
 — 31. ὅπως φασβῶνται πάσας [A. τὰς] ὁ. σου (3 α)  
 — 34. ἐν ὁδῷ ἡ ἀποστρέψει αὐτοὺς (3 α)  
 — 34. κατὰ τὴν ὁ. τῆς πόλεως ταύτης (3 α)  
 — 38. καὶ προσεζήνουν ὁδὸν γῆς αὐ. (3 α)  
 7. 14. καὶ ἀποστρέψωσιν ἀπὸ τῶν ὁ. αὐ. τῶν πον. (3 α)  
 11. 17. ἐπορεύθη ἐν [A. om.] ταῖς ὁ. Δ. (3 α)  
 17. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδοὺ τοῦ πατρὸς (3 α)  
 — 6. ὑψώθη καρδία αὐ. ἐν ὁδῷ κυρίου (3 α)  
 18. 23. B ποῖα τῇ ὁ. πνεῦμα [A. B. al.] (3 α)  
 20. 32. ἐπορεύθη ἐν [A. om.] ταῖς ὁ. τοῦ πατρὸς αὐ. (3 α)  
 21. 6. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλῆων Ἱσρ. (3 α)  
 — 12. B οὐκ ἐπορεύσῃς ἐν ὁδῷ Ἱσρ. (3 α)  
 — 12. καὶ ἐν ὁδοὺ Ἀσά (3 α)  
 — 13. ἐπορεύσῃς ἐν ὁδοὺ βασιλῆων Ἱσρ. (3 α)  
 22. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (3 α)  
 27. 6. ἠτοίμασε τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 28. 2. κατὰ τὰς ὁ. βασιλῆων Ἱσρ. (3 α)  
 34. 2. ἐπορεύθη ἐν ὁδοὺ Δ. (3 α)  
 II Es. 8. 21. ζητήσαι παρ' αὐτοῦ ὁ. εὐθείαν ἡμῖν (3 α)  
 — 22. σῶσαι ἡμᾶς ἀπὸ ἐχθροῦ ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 27. χρυσοὶ εἰκοσι εἰς τὴν ὁ. + (3 α)  
 — 31. ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ . . . ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 Ne. 9. 12. τοῦ φωνάσαι αὐτοὺς τὴν ὁ. (3 α)  
 — 19. ὁδηγήσαι αὐτοὺς ἐν τῇ ὁ. (3 α)  
 — 19. φωτίζῃν αὐτοὺς τὴν ὁ. (3 α)  
 To. 1. 3. ἐγὼ Τωβίτ ὁδοὺς ἀληθείας ἐπορεύομαι (3 α)  
 — 15. αἱ ὁ. αὐτοῦ ἡκατοστάδην [B. al.] (3 α)  
 2. 6. B καὶ πᾶσαι αἱ ὁ. ὑμῶν εἰς ὁδοὺς [A. B. al.] (3 α)  
 3. 2. πᾶσαι αἱ ὁ. σου ἐλεημοσύναι (3 α)  
 — 5. B' ἀληθῆναι αἱ ὁ. σου [A. B. S' om. αἱ ὁ. σου] (3 α)  
 4. 5. μὴ πορεύσῃς ταῖς ὁ. τῆς ἀδικίας (3 α)  
 — 15. A B μὴ πορευθῇ μετὰ σοῦ μέθῃ ἐν τῇ ὁ. σου (3 α)  
 — 19. A B ὅπως αἱ ὁ. σου εὐθείαι γίνονται (3 α)  
 5. 2. B τὰς ὁ. τὰς εἰς Μηδείαν οὐ γνώσκω (3 α)  
 — 4. B ὅς ἐμπεριεῖ τῆς ὁ. (3 α)  
 — 5. B ἐπίστη τὴν ὁ. [A. B. al.] (3 α)  
 — 6. τῆς ὁ. ἐμπεριῶ [B. al.] (3 α)  
 — 6. B ἀπέχει ὁδὸν ἡμερῶν δύο τεταγμένων (3 α)  
 — 9. B ἐπίσταμαι ἐγὼ τὰς ὁ. πάσας (3 α)  
 — 9. B πάσας τὰς ὁ. αὐτῆς ἐγὼ γνώσκω (3 α)  
 — 15. B ἡ ὁ. ἀσφαλῆς (3 α)  
 — 16. ἔτομος γίνου πρὸς τὴν ὁ. [B. al.] (3 α)  
 — 16. A B ἠτοίμασεν ὁ υἱὸς αὐτοῦ τὰ πρὸς τὴν ὁ. (3 α)  
 — 16. εὐδοκῶσι τὴν ὁ. ὑμῶν [B. al.] (3 α)  
 — 16. B πορεύσῃται τὴν ὁ. αὐ. [A. B. al.] (3 α)  
 — 21. εὐδοκῶσεται ἡ ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 6. 1. οἱ δὲ πορευόμενοι τὴν ὁ. [B. al.] (3 α)  
 10. 7. B περιβλήπετο τὴν ὁ. (3 α)  
 — 7. ἐπορεύτο καθ' ἡμέραν εἰς τὴν ὁ. [B. al.] (3 α)  
 — 13. B εὐδόκωκεν τὴν ὁ. αὐ. (3 α)  
 11. 1. A B εὐδόκωκεν τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 5. περιβλεπομένη εἰς [B. om.] τὴν ὁ. (3 α)  
 — 15. B εὐδόκωκε ἡ ὁ. αὐ. (3 α)  
 Ju. 2. 21. ἀπῆλθον . . . ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3 α)  
 4. 7. S δι' αὐτῶν ἐν ὁδοῖς [A. B. ἡ εἰς.] εἰς τὴν Ἱ. (3 α)  
 5. 8. ἐξέβησαν ἐξ [B. ek τῆς] ὁδοῦ τῶν γονέων αὐ. (3 α)  
 — 14. ἔγαγον αὐτοὺς εἰς ὁδὸν τοῦ Σ. (3 α)  
 — 18. ὅτε δὲ ἀπέστησαν ἀπὸ τῆς ὁ. (3 α)  
 7. 22. S καὶ ἐν ταῖς διόδοις τῶν ὁ. [A. B. πυλῶν] (3 α)  
 9. 6. πᾶσαι γὰρ αἱ ὁ. σου ἐτοίμοι (3 α)  
 10. 13. δεῖξω πρὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδὸν (3 α)  
 12. 8. κατεβίβηναι τὴν ὁ. αὐ. (3 α)  
 13. 16. δε διεφύλαξε με ἐν τῇ ὁ. μου (3 α)  
 14. 4. καταστράσεται αὐτοὺς ἐν ταῖς ὁ. αὐ. (3 α)  
 15. 2. ἔφηνον ἐπὶ πᾶσαν ὁ. τοῦ πεδίου (3 α)  
 Jb. 3. 23. A οὐ ἡ ὁ. ἀπεκρίθη (3 α)  
 4. 6. ἡ ἐλπίς σου καὶ ἡ κακία τῆς ὁ. σου (3 α)  
 6. 19. ἴδετε ὁδοὺς Θαιμῶν (1 α)  
 8. 14. A καὶ ἡ ὁ. αὐτοῦ — (3 α)  
 9. 26. ἡ καὶ ἐστὶ ναυσὶν ἔχρος ὁδοῦ — (3 α)  
 12. 24. ἐπλάττει δὲ αὐτοὺς ἐν [A. S. om.] ὁδῷ (3 α)

- jb. 13. 9. Α. εἰ γὰρ . . . προστεθήσεσθε ὁδῷ  
[ΒΒ om.] αὐτοῦ [ΒΒ -φ] -  
16. 23 (22). ΑΒΒ<sup>2</sup> ὁδῷ δὲ ἡ οὐκ ἐπανα-  
στροφῆσμαι πορεύομαι (1 α)  
17. 9. ΑΒΒ<sup>2</sup> σχοίη δὲ πιστὸς τὴν ἐαυτοῦ ὁ. (3 α)  
19. 12. ταῖς ὁ. μου ἐκύκλωσαν ἐγκάθετοι (3 α)  
21. 14. ὁδοὺς [Α τὰς ὁ.] σου εἰδέναι οὐ βού-  
λομαι (3 α)  
— 29. ἐρωτήσατε παραπορευομένους ὁδὸν (3 α)  
— 31. τίς ἀπαγγελεῖ ἐπὶ προσώπου αὐ. τὴν  
ὁ. αὐ. (3 α)  
22. 3. ἡ ὠφέλεια ὅτι ἀπλώσῃς τὴν ὁ. σου (3 α)  
— 28. ἐπὶ δὲ ὁδοῖς [Β<sup>1</sup> -οὐς] σου [Α σοί]  
ζῆται φέγγος (3 α)  
23. 10. οἶδε γὰρ ἦδη ὁδὸν μου (3 α)  
— 11. ὁδοὺς γὰρ αὐτοῦ ἐφύλαξα (3 α)  
24. 4. ἐξέκλειαν ἀδυνάτους ἐξ ὁδοῦ δικαίας  
[Β<sup>1</sup> -ων] (3 α)  
— 11. ὁδὸν δὲ δικαίαν [ΑΒ<sup>1</sup> -ων] οὐκ ᾔδεισαν (3 β?)  
— 13. ὁδὸν δὲ δικαιοσύνης οὐκ ᾔδεισαν (3 α)  
26. 14. ἰδοὺ ταῦτα μέρη ὁδοῦ [Β<sup>1</sup> λόγου] αὐτοῦ (3 α)  
28. 4. οἱ δὲ ἐπιλανθανόμενοι ὁδὸν δικαίαν [Α  
ὁδοὺς δικαιοσύνης] ἠσθένεισαν +  
— 13. οὐκ οἶδε βροτοὶ ὁδὸν αὐτῆς +  
— 23. ἐν συνίστασιν αὐτῆς τὴν ὁ. (3 α)  
— 26. καὶ ὁδὸν ἐν τινάγματι φωνᾶς [Α<sup>1</sup> -ῆς] (3 α)  
29. 4. ὅτε ἦμην ἐπιβριθῶν [Β<sup>1</sup> -τριβῶν] ὁδοὺς  
[ΑΒ<sup>2</sup> -οὐς] +  
— 6. ὅτε ἐχέοντο αἱ ὁ. μου βουτύρῳ (4 α)  
— 25. ἐξελέξαμην ὁδὸν αὐτῶν (3 α)  
31. 4. οὐχὶ αὐτοὶ ὄψηται ὁδὸν μου (3 α)  
— 7. εἰ ἐξέκλειεν ὁ ποῦς μου ἐκ [Α ἀπὸ] τῆς ὁ. (3 α)  
33. 11. ἐφύλαξε δὲ μου πᾶσας τὰς ὁ. (1 α)  
— 29. ταῦτα πάντα ἐργάται ὁ ἰσχυρὸς ὁδοὺς  
τρεῖς μετὰ ἀνδρὸς +  
— 31. Α. ταῦτα πάντα ἐργάται ὁ ἰσχυρὸς ὁδοὺς  
τρεῖς μετὰ ἀνδρὸς -  
34. 8. Α. ἡ οὐδὲ κοινοῦσθαι ὁδοὺ μετὰ τῶν ποι-  
ούντων τὰ ἄνομα [ΒΒ αλ.] (1 β?)  
38. 25. τίς δὲ ἠτόκασεν νεφρὸν λάβρῳ ῥύσιν  
ὁδὸν δὲ κυδομῶν (3 α)  
Ps. 1. 1. ἐν ὁδῷ ἀμαρτωλῶν οὐκ ἔστη (3 α)  
— 6. γινώσκει κύριος ὁδὸν δικαίων καὶ ὁδὸς  
ἀσεβῶν ἀπολείπει (3 α, 3 α)  
2. 12. ἀπολείπει ἐξ ὁδοῦ δικαίας (3 α)  
5. 8. κατεβύθων ἐνώπιόν σου τὴν ὁ. μου (3 α)  
9. 26 (10. 5). βεβηλοῦνται αἱ ὁ. αὐτοῦ ἐν παντὶ  
καιρῷ (3 α)  
13 (14). 3. ΒΒ συντριμμία καὶ ταλαιπωρία ἐν  
ταῖς ὁ. αὐτῶν καὶ ὁδὸν εἰρήνης οὐκ  
ἔγνωσαν -  
15 (16). 11. ἐγνώρισάς μοι ὁδοὺς ζωῆς (1 α)  
16 (17). 4. ἐγὼ ἐφύλαξα ὁδοὺς σκληρὰς (1 α)  
17 (18). 21. ἐφύλαξα τὰς ὁ. κυρίου (3 α)  
— 30. ὁ θεὸς μου, ἄμωμος ἡ ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
— 32. ἔθετο ἄμωμον τὴν ὁ. μου (3 α)  
18 (19). 5. ἀγαλλιάσεται ὡς γίγας δραμεῖν ὁδὸν  
αὐτοῦ (1 α)  
24 (25). 4. τὰς ὁ. σου, κύριε, γνώρισόν μοι (3 α)  
— 8. νομοθετήσας ἀμαρτανόνας ἐν ὁδῷ (3 α)  
— 9. ΑΒΒ<sup>2</sup> διδάξει πρᾶξις ὁδοῦς αὐτοῦ (3 α)  
— 10. πᾶσαι αἱ ὁ. κυρίου ἔλεος καὶ ἀλήθεια (1 α)  
— 12. νομοθετήσας αὐτῷ ἐν ὁδῷ (3 α)  
26 (27). 11. ΑΒΒ<sup>1</sup> νομοθέτησόν με, κύριε, τῇ  
[Β<sup>1</sup>Β ἐν τῇ] ὁ. σου (3 α)  
31 (32). 8. συμμειβῶ σε ἐν ὁδῷ ταύτῃ (3 α)  
34 (35). 6. γεννηθῶ ἡ ὁ. αὐτῶν σκότος (3 α)  
35 (36). 4. παρῆντι πάσῃ ὁδῷ οὐκ ἀγαθῇ (3 α)  
36 (37). 5. ἀπακάλυφον πρὸς κύριον τὴν ὁ. σου (3 α)  
— 7. ΑΒΒ<sup>1</sup> μὴ παραγῇλον ἐν τῇ κατανοουμένῃ  
ἐν τῇ ὁ. [ΒΒ<sup>1</sup> ζωῇ] αὐ. (3 α)  
— 18. γινώσκει κύριος τὰς ὁ. τῶν ἀμώμων (3 α)  
— 23. τὴν ὁ. αὐτοῦ θελήσει [Α θ. σφόδρα] (3 α)  
— 34. φύλαξον τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
38 (39). 1. εἰπά, Φυλάξω τὰς ὁ. μου (3 α)  
44 (44). 18. ἐξέκλειαν τὰς τριβύνας ἡμῶν ἀπὸ  
τῆς ὁ. σου (1 α)  
48 (49). 13. αὐτῇ ἡ ὁ. αὐτῶν σκάνδαλον αὐτοῖς (3 α)  
49 (50). 23. ἐκεῖ ὁδοὶ ἡ [Β<sup>1</sup> ἦν] δείξω αὐτῷ τὸ  
σωτήριον θεοῦ (3 α)  
50 (51). 13. διδάξω ἀνέμους τὰς ὁ. σου (3 α)  
66 (67). 2. τοῦ γνῶναι ἐν τῇ γῇ τὴν ὁ. σου (3 α)  
78 (74). 5. Β<sup>1</sup> ὡς εἰς τὴν ὁ. [Β εἰσόδον, Β<sup>2</sup> ἔξο-  
δον] ὑπεράνω +  
76 (77). 13. ὁ θ., ἐν τῷ ἁγίῳ ἡ ὁ. σου (3 α)  
— 19. ἐν τῇ θαλάσῃ ἡ ὁ. σου (3 α)  
Ps. 79 (80). 12. τρυφῶσιν αὐτὴν πάντες οἱ παρα-  
πορευόμενοι τὴν ὁ. (3 α)  
80 (81). 13. Ἰσραὴλ ταῖς ὁ. μου εἰ ἐπορεύθῃ (3 α)  
84 (85). 13. θῆσει εἰς ὁδὸν τὰ διαβήματα αὐτοῦ (3 α)  
85 (86). 11. ὁδηγήσων με, κύριε, τῇ ὁ. σου (3 α)  
88 (89). 41. πάντες οἱ διουδαιότες [Α παρα-  
πορευόμενοι τὴν] ὁδὸν (3 α)  
90 (91). 11. ΑΒ τοῦ διαφυλάξαι σε ἐν πάσαις  
[ΒΒ om.] ταῖς ὁ. σου (3 α)  
94 (95). 10. αὐτοὶ οὐκ ἔγνωσαν τὰς ὁ. μου (3 α)  
100 (101). 2. ΑΒΒ συνίσω ἐν ὁδῷ [Β ψδῷ]  
ἀμώμῳ (3 α)  
— 6. πορευόμενος ἐν ὁδῷ ἀμώμῳ (3 α)  
101 (102). 23. ἀπεκρίθη αὐτὸς ἐν ὁδῷ ἰσχύος  
αὐτοῦ (3 α)  
102 (103). 7. ἐγνώρισε τὰς ὁ. αὐτοῦ τῷ Μωυσῇ (3 α)  
106 (107). 4. ὁδὸν πύλως κατοικητήριον οὐχ  
ἐγρον (3 α)  
— 7. ὠδήγησεν αὐτοὺς εἰς ὁδὸν εὐθείαν (3 α)  
— 17. ἀντελάβετο αὐτῶν ἐξ ὁδοῦ ἀνομίας αὐτῶν (3 α)  
— 40. ἐπλάησεν αὐτοὺς ἐν ἀβάτῳ καὶ οὐχ ὁδῷ (3 α)  
109 (110). 7. ΒΒ ἐκ χειμάρρου ἐν ὁδῷ πίεται  
[Α π. ὑδῶρ] (3 α)  
118 (119). 1. μακάριοι ὁ μωμοὶ ἐν ὁδῷ (3 α)  
— 3. οὐ γὰρ οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἄνομίαν ἐν ταῖς  
ὁ. αὐτοῦ ἐπορεύθησαν (3 α)  
— 5. θρέλον κατευθυνθήσαν αἱ ὁ. μου (3 α)  
— 9. ἐν τίνι κατορθώσει νεότερος τὴν ὁ. αὐτοῦ (1 α)  
— 14. ἐν τῇ ὁ. τῶν μαρτυρίων σου ἐτέφθη (3 α)  
— 15. κατανοήσω [Β<sup>1</sup> ἐκρήγησιν] τὰς ὁ. σου (1 α)  
— 26. τὰς ὁ. σου ἐξήγγελα (3 α)  
— 27. ὁδὸν δικαιομάτων σου συνέτισόν με (3 α)  
— 29. ὁδὸν ἀδικίας ἀποστήσων ἀπ' ἐμοῦ (3 α)  
— 30. ὁδὸν ἀληθείας ᾔρησται ἡμῶν (3 α)  
— 32. ὁδὸν ἐντολῶν σου ἔδραμον (3 α)  
— 33. νομοθέτησόν με, κύριε, τὴν ὁ. τῶν δι-  
καιωμάτων σου (3 α)  
— 37. ἐν τῇ ὁ. σου ἵσταν με (3 α)  
— 59. ΑΒ<sup>1</sup> διελογισάμην κατὰ [Β<sup>2</sup>Β om.] τὰς  
ὁ. σου (3 α)  
— 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πονηρὰς ἐκώλυσα τοὺς  
πόδας μου (1 α)  
— 104. ἐμίσσησα πᾶσαν ὁδὸν ἀδικίας (1 α)  
— 128. πᾶσαν ὁδὸν ἄδικον ἐμίσησα (1 α)  
— 151. πᾶσαι αἱ ὁ. σου ἀλήθεια (13)  
— 168. πᾶσαι αἱ ὁ. μου ἐναντίον σου (3 α)  
127 (128). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
137 (138). 5. ἀσάτωσαν ἐν ταῖς ὁ. κυρίου (3 α)  
138 (139). 3. πᾶσας τὰς ὁ. μου προεῖδες (3 α)  
— 24. ἰδε εἰ ὁδοὶ [Α ἡ εἶδες ὁδὸν, Β<sup>1</sup>Β<sup>1</sup> ἡ  
εἶδες] ἀνομίας ἐν ἐμοί (3 α)  
— 24. καὶ ὁδηγήσων με ἐν ὁδῷ αἰωνία (3 α)  
141 (142). 3. ἐν ὁδῷ ταύτῃ ἡ ἐπορευομένη (1 α)  
142 (143). 8. γνῶρισόν μοι, κύριε, ὁδὸν (3 α)  
144 (145). 17. δικαίος κύριος ἐν πᾶσαις ταῖς ὁ.  
αὐτοῦ (3 α)  
145 (146). 9. ὁδὸν ἀμαρτωλῶν ἀφανίει (3 α)  
Pr. 1. 15. μὴ πορευθῇς ἐν ὁδῷ [Α π. ὁδοῦς] μετ'  
αὐτῶν (3 α)  
— 19. αὐταὶ αἱ ὁ. εἰσι πάντων τῶν συντελούντων  
τὰ ἄνομα (1 α)  
— 31. ἔδονται τῆς ἐαυτῶν ὁ. τοὺς καρπούς (3 α)  
2. 8. τοῦ φυλάξαι ὁδοὺς [Α -ὸν] δικαιομάτων  
καὶ ὁδὸν εὐλαβουμένων αὐτὸν διαφυ-  
λάξει (1 α, 3 α)  
— 12. ἵνα ῥύσῃται σε ἀπὸ δόλου κακῆς (3 α)  
— 13. ὡ οἱ ἐγκαταλείποντες ὁδοὺς εὐθείας τοῦ  
πορεύεσθαι ἐν ὁδοῖς σκότους (1 α, 3 α)  
— 16. τοῦ μακρὰν σε ποιῆσαι ἀπὸ ὁδοῦ εὐθείας +  
— 22. ὁδοὶ ἀσεβῶν ἐκ γῆς δλοῦνται -  
3. 6. πᾶσαι [Α ἐν π.] ὁδοὶ σου γινώριζε αὐτὴν  
ἵνα ὀρθοσθῇ τὰς ὁ. σου (3 α, 1 α)  
— 17. αἱ ὁ. αὐτῆς ὁδοὶ καλαὶ (3 α, 3 α)  
— 23. ἵνα πορευῇ πεποιοῦσθαι ἐν εἰρήνῃ πᾶσας τὰς  
ὁ. σου (3 α)  
— 26. ὁ γὰρ κύριος ζῆται ἐπὶ πασῶν ὁδῶν σου +  
— 31. μηδὲ ζηλώσῃς τὰς ὁ. αὐτῶν (3 α)  
4. 10. ἵνα σοὶ γένωνται πολλαὶ ὁδοὶ βίου +  
— 11. ὁδοὺς γὰρ σοφίας διδάσκει σε (3 α)  
— 14. ὁδοὺς ἀσεβῶν μὴ ἐπὶ λόγῃς μηδὲ ἡλώσῃς  
ὁδοὺς παρανομῶν (1 α, 3 α)  
— 18. αἱ δὲ ὁ. τῶν δικαίων ὁμοίως φωτὶ λάμ-  
πουναι (1 α)  
— 19. αἱ δὲ ὁ. τῶν ἀσεβῶν σκοτειναὶ (3 α)  
— 26. τὰς ὁ. σου κατεβύθων (3 α)  
— 27. ἀποστρέψων δὲ σὸν πόδα ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς +  
Pr. 4. 27. ὁδοὺς γὰρ τὰς ἐκ δειξάντων οὐδεν ὁ θεός -  
5. 6. ὁδοὺς γὰρ ζωῆς οὐκ ἐπέρχεται (1 α)  
— 8. μακρὰν ποιήσων ἀπ' αὐτῆς σὴν ὁδὸν (3 α)  
— 21. ἐνώπιον γὰρ εἰσι τῶν τοῦ θεοῦ ὀφθαλμῶν  
ὁδοὶ ἀνδρὸς (3 α)  
6. 6. ζήλωσον ἰδὼν τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
— 12. ἀνὴρ ἀφρων καὶ παράνομος πορεύεται  
ὁδοὺς οὐκ ἀγαθὰς +  
— 23. λύχνος ἐντολὴ νόμου καὶ φῶς ὁδοῦς [ΑΒ<sup>2</sup>  
καὶ ὁ.] ζωῆς (3 α)  
7. 19. πεπόμεναι δὲ ὁδὸν μακρὰν (3 α)  
— 25. μὴ ἐκκλινάτω εἰς τὰς ὁ. [Β<sup>1</sup> om. εἰς τὰς ὁ.]  
αὐτῆς ἡ καρδία σου (3 α)  
— 27. ὁδοὶ ἄδου ὁ οἶκος αὐτῆς (3 α)  
8. 13. ὕβρις τε καὶ ὑπερηφανία καὶ ὁδοὺς πονη-  
ρῶν (3 α)  
— 13. μεμίσσηκα δὲ ἐγὼ διεστραμμένας ὁδοὺς  
κακῶν -  
— 20. Β<sup>1</sup> ἐν ὁδοῖς δικαιοσύνης περιπατῶ καὶ  
ἀνὰ μέσον ὁδῶν [ΑΒΒ<sup>2</sup> τριβῶν]  
δικαιοματός [ΑΒ<sup>2</sup> δικαιοσύνης] ἀνα-  
στρέφομαι (1 α, 15)  
— 22. κύριος ἐκτίσέ με ἀρχὴν ὁδῶν αὐτοῦ (3 α)  
— 32. ΑΒ<sup>2</sup> μακάριοι οἱ ὁδοὺς μου φυλάσσοντες (3 α)  
— 33. ἀνθρώπος δε τὰς ἐμὰς ὁ. φυλάξει -  
9. 12. ἀπέλιπε γὰρ ὁδοὺς τοῦ ἐαυτοῦ ἀμπελώνας -  
— 15. Α. προσκαλούμεν τοὺς παριόντας ἐν ταῖς  
[ΒΒ om.] καὶ κατευθυνόντας ἐν ὁδοῖς  
ὁ. αὐτῶν (3 α, 1 α)  
10. 9. ὁ δὲ διαστρέφων τὰς ὁ. αὐτοῦ γνωσθή-  
σεται (3 α)  
— 17. ὁδοὺς δικαίας [ΑΒ<sup>2</sup> om.] ζωῆς φυλάσσει  
παιδεία (1 α)  
11. 5. ΑΒ δικαιοσύνη ἀμώμου [Β -ους] ὀρθο-  
τομεῖ ὁδοὺς (3 α)  
— 20. βδελύγμα κυρίῳ διεστραμμένας ὁδοὺς  
προσδεκτοὶ δὲ αὐτῷ πάντες ἄμωμοι  
ἐν ταῖς ὁ. αὐτῶν (+, 3 α)  
12. 15. ὁδοὶ ἀφρώνων ὁρθαὶ ἐνώπιον αὐτῶν (3 α)  
— 26. ἡ δὲ ὁ. τῶν ἀσεβῶν πλανήσῃ αὐτοὺς (3 α)  
— 28. ἐν ὁδοῖς δικαιοσύνης ζωὴ ὁδοῖ δὲ μνηστ-  
κάκων εἰς θάνατον (1 α, 3 α)  
13. 6. Α. δικαιοσύνη φυλάσσει ἀκάκουσ ὁδῷ (3 α)  
— 13. κατευθυνθήσεται ἡ ὁ. αὐτοῦ -  
— 15. ὁδοὶ δὲ καταφρονούντων ἐν ἀπωλείᾳ (3 α)  
14. 2. ὁ δὲ σκολιάων τὰς ὁ. αὐτοῦ ἀτιμασθή-  
σεται (3 α)  
— 8. σοφία πανούργων ἐπιγνώσεται τὰς ὁ. αὐ. (3 α)  
— 12. ἔστιν ὁδὸς ἡ δοκεῖ παρὰ ἀνθρώποις ὁρθεῖ  
εἶναι (3 α)  
— 14. τῶν ἐαυτοῦ ὁ. πλησθήσεται θρασυκά-  
ριος (3 α)  
15. 9. βδελύγμα κυρίῳ ὁδοὶ ἀσεβοῦς (3 α)  
— 19. ὁδοὶ ἀεργῶν ἐστρωμέναι ἀκάθαρται (3 α)  
— 24. ὁδοὶ ζωῆς διανοήματα συνεντοῦ (1 α)  
— 28 (16. 7). δεκταὶ παρὰ κυρίῳ ὁδοὶ ἀνθρώπων  
δικαίων (3 α)  
16. 5. ἀρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς τὸ ποιεῖν τὰ δίκαια -  
— 17. μήκος δὲ βίου ὁδοὶ δικαιοσύνης -  
— 17. δε φυλάσσει τὰς ἐαυτοῦ ὁ. τηρεῖ τὴν  
ἐαυτοῦ ψυχὴν (3 α)  
— 25. εἰσὶν ὁδοὶ δοκοῦσαι εἶναι ὁρθαὶ ἀνδρὶ (3 α)  
— 29. ἀπάγει αὐτοὺς ὁδοὺς οὐκ ἀγαθὰς (3 α)  
— 31. ἐν δὲ ὁδοῖς δικαιοσύνης εὐρίσκειται (3 α)  
17. 23. λαμβάνοντες δῶρα ἐν κύλποις [Α -φ]  
ἀδικῶς οὐ κατενοοῦνται ὁδοὶ ἀσεβῶν  
δὲ ἐκκλίνει ὁδοὺς δικαιοσύνης (-, 1 α)  
18. 22 (19. 3). ἀφροσύνη ἀνδρὸς λυμᾶνεται τὰς  
ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
19. 16. ὁ δὲ καταφρονῶν τῶν ἐαυτοῦ ὁ. ἀπολείπει (3 α)  
20. 11. εὐθεῖα ἡ ὁ. αὐτοῦ +  
— 24. θνητὸς δὲ πῶς ἀν νοήσας τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
21. 8. πρὸς τοὺς σκολιοὺς σκολιάς ὁδοὺς ἀπο-  
στέλλει ὁ θεός (3 α)  
— 16. ἀνὴρ πλανώμενος ἐξ ὁδοῦ δικαιοσύνης (3 α)  
— 21. ὁδοὶ δικαιοσύνης καὶ ἐλεημοσύνης εὐρή-  
σει ζωὴν +  
— 29. ὁ δὲ εὐθὺς αὐτὸς συνίει τὰς ὁ. αὐτοῦ (3 α)  
22. 5. τριβῶλοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολιαῖς (3 α)  
— 13. λέων ἐν ταῖς ὁ. (5)  
— 14. εἰσὶν ὁδοὶ κακαὶ ἐνώπιον ἀνδρὸς -  
— 14. ἀποστρέφειν δὲ δεῖ ἀπὸ ὁδοῦ σκολιᾶς  
καὶ κακῆς -  
— 19. ἵνα . . . γνῶρισῃ σοὶ τὴν ὁ. σου (+)  
— 25. μὴ ποτε μάθης τῶν ὁ. αὐτοῦ (1 α)  
23. 26. οἱ δὲ σοὶ ὀφθαλμοὶ ἐμὰς ὁ. τηρεῖτωσαν (3 α)

Pr. 24. 54 (30. 19). ὁδοὺς ὄφρως ἐπὶ πέτρας . . .  
καὶ ὁδοὺς ἀνδρὸς ἐν νεότητι (3 α, 3 α)  
— 55 (30. 20). τοιαύτη ὁδὸς γυναικὸς μοιχα-  
λίδος (3 α)  
25. 10. φύλαξον τὰς δ. σου εὐσυναλλάκτως —  
— 19. ὁδὸς [A ὁδοῦς] κακοῦ καὶ ποὺς παρα-  
γόμενους ὀλεῖται †  
26. 6. ἐκ τῶν ἐαυτοῦ δ. θνείδος ποιεῖται †  
— 13. λέγει οὐκ ὀνείδος ἀποστελλόμενος εἰς ὁδόν,  
Λέων ἐν ταῖς δ. (—, 3 α)  
28. 10. ὅς πλανᾷ εὐθείας ἐν ὁδῷ κακῇ (3 α)  
— 18. ὁ δὲ σκολιαῖς ὁδοῖς πορευόμενος ἐμ-  
πλακῆσται (3 α)  
— 23. ὁ ἐλέγχων ἀνθρώπου ὁδοῦς †  
29. 27. βδελύγμα δὲ ἀνόμῳ κατευθύνουσα ὁδός (3 α)  
Ec. 10. 3. ἐν ὁδῷ ὅταν ἀφῶν [B ἀφῶν] πορευέ-  
ται (3 α)  
— 9. ἄσβεστον ἐν ὁδοῖς καρδίας σου  
[B om. κ. σου] ἄμωμος (3 α)  
12. 5. θάμβος ἐν τῇ δ. (3 α)  
Wi. 2. 16. ἀπέχεται τῶν δ. ἡμῶν ὡς ἀπὸ ἀκαθαρσιῶν  
5. 6. ἄρα ἐπλανήθημεν ἀπὸ ὁδοῦ ἀληθείας  
— 7. τὴν δὲ δ. κυρίου οὐκ ἔγνωμεν [B ἐπέγν.]  
— 12. B' ὡς ἀγνοῦσιν τὴν ὁδὸν [A B S' διοδόν] αὐ.  
10. 17. ὠδῶντες αὐτοὺς ἐν ὁδῷ θυμασται  
12. 4. τῶν πλάνης δ. μακρότερον ἐπλανήθησαν  
14. 3. ἔδωκε καὶ ἐν θαλάσῃ ὁδὸν  
18. 23. διέσχισε [B' διέκοψεν] τὴν πρὸς τοὺς  
ζωντας δ.  
19. 7. ἐξ ἐρυθρᾶς θαλάσσης ὁδὸς ἀνεμπόδιστος  
Si. 2. 6. εὐθύοντες τὰς δ. σου  
— 15. οἱ ἀγαθόντες αὐτὸν συντηρήσουσι τὰς δ. [B'  
ἐντολὰς] αὐτοῦ  
6. 26. συντηρήσαν [AS τήρ.] τὰς δ. αὐτῆς  
8. 15. μετὰ τοῖς ποταμοῖς μὴ πορεύου ἐν ὁδῷ  
11. 26. ἀποδοῦναι ἀνθρώπῳ κατὰ τὰς δ. αὐτοῦ  
14. 21. ὁ διανοόμενος τὰς δ. αὐτῆς ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ  
— 22. AS ἐν ταῖς δ. [B εὐδοκίαις] αὐτῆς ἐνέδρευε  
18. 20. τὰς δ. αὐτοῦ τὴν ἐρυθρὰν ποιεῖται  
17. 15. αἱ δ. αὐ. ἐναντίον αὐτοῦ διὰ παντός  
— 19. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ἐνδελχεῖς ἐπὶ τὰς δ. αὐτῶν  
21. 10. ὁδὸς ἀμαρτανῶν ὁμαλισμένη ἐκ λίδων  
— 16. ἐξήγγισεν μαρὸν ὡς ἐν ὁδῷ φορτίον  
23. 19. ἐπιβλέποντες πᾶσας [B' ἐπὶ π.] ὁδοὺς ἀν-  
θρώπων  
30. 40 (33. 31). ἐν ποίᾳ ὁδῷ ζητήσῃς αὐτόν  
35 (32). 20. ἐν ὁδῷ ἀντιπώματος μὴ πορεύου  
— 21. μὴ πιστεύσῃς ἐν ὁδῷ ἀπροσκόπη  
36 (33). 11. ἡλιώσας τὰς δ. αὐτῶν  
— 13. πᾶσαι αἱ δ. αὐτοῦ κατὰ τὴν εὐδοκίαν αὐτοῦ  
37. 9. καλὴ ἡ δ. σου  
— 15. ἵνα εὐθύνη ἐν ἀληθείᾳ τὴν δ. σου  
39. 24. αἱ δ. αὐτοῦ τὴν οὐσίαν εὐθείας  
47. 23. ἔδωκε τῷ Ἐφραίμ ὁδὸν ἁμαρτίας  
48. 22. ἐνίσχυον ἐν ὁδοῖς Δαυὶδ τὸν πατέρα αὐτοῦ  
49. 3. A κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν δ. [B καρδίαν]  
αὐτοῦ  
— 6. ἤρῃωσαν τὰς δ. αὐτῆς ἐν χειρὶ Ἱερουσαλὴμ  
— 9. ἀγαθῶσαι τοὺς ἐνθύνοντας ὁδοῦς [B' τὰς δ.]  
Ho. 2. 6 (8). ἐγὼ φράσσω τὴν δ. αὐτῆς ἐν σκό-  
λοις (3 α)  
— 6 (8). καὶ ἀνοικοδομήσω τὰς ὁδοὺς †  
4. 9. ἐκδικήσω ἐπ' αὐτὸν τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (3 α)  
6. 10 (9). ἐκρυψάν ἱερεῖς ὁδὸν [A ὁδὸν κυρίου] (3 α)  
7. 1. ἐκδιώσκον ληστὰς ἐν τῇ δ. αὐτοῦ (5)  
9. 8. προφήτης παγὶς σκολία ἐπὶ πᾶσας τὰς δ.  
αὐτοῦ (3 α)  
12. 2 (3). κατὰ τὰς δ. αὐτοῦ . . . ἀποδώσει  
[A ἀναπαύ.] αὐτῷ (3 α)  
13. 7. κατὰ τὴν δ. 'A. (3 α)  
14. 10. εὐθεία αἱ δ. τοῦ κυρίου (3 α)  
Am. 2. 7. καὶ ὁδὸν ταπεινῶν ἐξέκλιναν (3 α)  
4. 10. ἐξαπέστειλε αἱς ὑμᾶς θάνατον ἐν ὁδῷ A. (3 α)  
5. 16. καὶ ἐν πᾶσαις ταῖς [A om.] δ. ῥηθήσεται (5)  
— 17. καὶ ἐν πᾶσαις δ. κοπετός †  
Mi. 4. 2. καὶ δεῖξουσιν ἡμῖν τὴν δ. αὐτοῦ (3 α)  
— 5. οἱ λαοὶ πορεύονται ἑκαστος τὴν δ. αὐτοῦ †  
6. 16. καὶ ἐπορεύθητε ἐν ταῖς δ. [A βουλαῖς]  
αὐτῶν (8)  
7. 10. ἔσται εἰς καταπάτημα ὡς πηλὸς ἐν ταῖς δ. (5)  
Jl. 2. 7. ἕκαστος ἐν τῇ δ. αὐτοῦ πορεύσεται (3 α)  
Jn. 3. 3. ὥστε πορεύσῃ ὁδὸν ἡμέραν τριῶν (4 β?)  
— 4. A ὥστε πορεύσῃ ὁδὸν ἡμέρας μίας [B S  
al.] (4 β?)  
8. 8. ἀπέστρεψαν ἕκαστος ἀπὸ τῆς δ. αὐτοῦ (3 α)

Jn. 3. 10. ἀπέστρεψαν ἀπὸ τῶν δ. αὐτῶν (3 α)  
Na. 1. 3. ἐν συσσεισμῷ ἡ δ. αὐτοῦ (3 α)  
20. 1. σκόπευσον ὁδὸν κράτησον ὁσφύς (3 α)  
— 4 (5). οἱ ἱππεῖς θορυβηθήσονται ἐν ταῖς δ. (5)  
8. 10. ἐδαφίουμέν ἐπ' ἀρχὰς πασῶν τῶν δ. [S'  
ὁρῶν] αὐτῆς (5)  
Hb. 3. 19. S' τοῦ μικτοῦ ἐν τῇ ὁδῷ [A B S'  
ψδῇ] αὐ. †  
Ze. 3. 6. ἐξερημώσω τὰς δ. αὐτῶν (6)  
Hg. 1. 5. τάξεται δὴ τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς δ.  
ὑμῶν (3 α)  
— 7. θέσθε τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς [S' om.] δ. (3 α)  
Za. 1. 4. ἀποστρέψατε ἀπὸ τῶν δ. ὑμῶν τῶν  
πονηρῶν (3 α)  
— 6. τοῦ ποιῆσαι ὑμῖν κατὰ τὰς δ. ἡμῶν (3 α)  
8. 8 (7). ἐὰν ταῖς δ. μου πορεύῃ (3 α)  
9. 3. χρυσὸν ὡς πηλὸν ὁδῶν (6)  
— 7. S' ἐκ μέσου ὁδῶν [A B S' ὁδόντων] αὐ. †  
10. 5. πατοῦντες πηλὸν ἐν ταῖς δ. ἐν πολέμῳ (5)  
Ma. 2. 8. ὑμεῖς δὲ ἐξεκλίνετε ἐκ τῆς ὁδοῦ (3 α)  
— 9. ὑμεῖς οὐκ ἐφυλάξαθε τὰς δ. μου (3 α)  
3. 1. καὶ ἐπιβλέψατε ὁδὸν πρὸς προσώπου μου (3 α)  
Is. 2. 3. ἀναγγελεῖ ἡμῖν τὴν δ. αὐτοῦ (3 α)  
6. 25. ἐγενηθή τὰ θνησιμαῖα αὐτῶν ὡς κοπρία  
ἐν μέσῳ ὁδοῦ (5)  
7. 3. πρὸς τὴν κολυμβήσαν τῆς ἄνω δ. ἀγροῦ  
τοῦ γναφῆος (10)  
8. 11. ἀπειθούσιν τῇ πορείᾳ τῆς δ. τοῦ λαοῦ  
τούτου (3 α)  
9. 1 (8. 23). A S' B' ἡ γῆ Νεφθαλὶμ ὁδὸν θα-  
λάσσης [B S' om. δ. θ.] (3 α)  
10. 24. τοῦ ἰδεῖν ὁδὸν Αἰγύπτου (3 α)  
— 26. ὁ θυμὸς αὐτοῦ τῇ δ. τῇ κατὰ θάλασσαν  
εἰς τὴν δ. τὴν κατ' Αἰγύπτου (—, 3 α)  
— 32. παρακαλεῖτε σήμερον ἐν ὁδῷ [A τῇ δ.]  
τοῦ μείναι †  
11. 16. A ἔσται δ. [B S' διοδός] τῷ καταλειφ-  
θῆντι μου λαῷ (10)  
15. 5. κλαίοντες ἀναβήσονται τῇ δ. Ἀρμενίᾳ (3 α)  
19. 23. ἔσται ἡ [A S' om.] δ. Αἰγύπτου πρὸς  
Ἀσσυρίους (10)  
21. 13. ἐν τῇ δ. Δαυὶδ (1 α)  
26. 7. ὁ εὐσεβὴς εὐθείας ἐγένετο ἡ δ. τῶν εὐσε-  
βῶν καὶ παρσεκενασμένη (1 α, —)  
— 8. ἡ γὰρ δ. κυρίου κρίνεις (1 α)  
30. 11. ἀποστρέψατε ἡμᾶς ἀπὸ τῆς δ. ταύτης (3 α)  
— 21. αὐτὴ ἡ δ. πορευόμεναι ἐν αὐτῇ (3 α)  
33. 8. ἐρημωθήσονται γὰρ αἱ τοῦτων ὁδοί †  
— 15. λαλῶν εὐθείαν ὁδὸν (10)  
— 21. οὐ πορεύσῃ ταύτην τὴν δ. †  
35. 8. ἔσται ἐκεῖ δ. καθαρὰ καὶ δ. ἁγία κληθή-  
σεται . . . οὐδὲ ἔσται ἐκεῖ δ. ἀκά-  
θαρτος (11 + 3 α, †)  
36. 2. ἐν τῇ δ. τοῦ ἀγροῦ τοῦ γναφῆος (10)  
37. 29. ἀποστρέψω σε τῇ δ. ἡ ἡλὸς ἐν αὐτῇ (3 α)  
— 34. τῇ δ. ἡ ἡλὸς ἐν αὐτῇ ἀποστραφθήσεται (3 α)  
40. 3. ἐτοιμάσατε τὴν δ. κυρίου (3 α)  
— 4. A S' ἡ τραχὺ εἰς ὁδοὺς λείας [B S' εἰς  
πεδία] †  
— 14. ὁδὸν συνέσωσε τίς ἔδειξεν αὐτῷ (3 α)  
— 27. ἀπεκρύβη ἡ δ. μου ἀπὸ τοῦ θεοῦ (3 α)  
41. 3. διελείπονται ἐν εἰρήνῃ ἡ δ. τῶν ποδῶν  
αὐ. (1 α)  
— 27. Ἱερουσαλὴμ παρακλίσει εἰς ὁδὸν [A ἐν  
ὁδῷ] †  
42. 16. ἔξω τυφλοὺς ἐν ὁδῷ ἢ οὐκ ἔγνωσαν (3 α)  
— 24. οὐκ ἡβούλουντο ἐν ταῖς δ. αὐτοῦ πορευέ-  
σθαι (3 α)  
43. 16. κύριος ὁ διδούς ἐν θαλάσῃ ὁδὸν (3 α)  
— 19. ποιῶν ἐν τῇ ἐρήμῳ ὁδὸν (3 α)  
46. 13. πᾶσαι αἱ δ. αὐτοῦ εὐθείαι (3 α)  
46. 11. εὐώδιστα τὴν δ. αὐτοῦ †  
48. 15. εὐώδιστα τὴν δ. αὐτοῦ (3 α)  
— 17. A S' B' δέδειχα σοι τοῦ εὐρεῖν σε τὴν δ. (3 α)  
49. 9. ἐν πᾶσαις ταῖς δ. βοσκοθήσονται (3 α)  
— 11. θήσω πᾶν ὄρος εἰς ὁδὸν (3 α)  
51. 10. ἡ θεία τὰ βάθη τῆς θαλάσσης ὁδὸν  
διαβάσει μοι νομίμους (3 α)  
53. 6. ἀνθρώπος τῇ δ. αὐτοῦ ἐπλανήθη (3 α)  
55. 3. ἐπακολούθησας ταῖς δ. μου —  
— 7. ἀπολιπέτω δ' ἀσεβὴς τὰς δ. αὐτοῦ (3 α)  
— 8. οὐδ' ὥσπερ αἱ δ. ὑμῶν αἱ δ. μου (3 α, 3 α)  
— 9. ἀπέγει ἡ δ. μου ἀπὸ τῶν δ. ὑμῶν (3 α)  
— 11. εὐώδιστα τὰς δ. σου †  
56. 11. πάντες [A S' add. ἐν] ταῖς δ. αὐτῶν ἐξη-  
κολούθησαν (3 α)

Is. 57. 14. καθαρῶσαι ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ  
ὁδοὺς καὶ ἄρατε σκόλα ἀπὸ τῆς δ.  
τοῦ λαοῦ μου (3 α, 3 α)  
— 17. ἐπορεύθη σιγγὺς ἐν ταῖς δ. αὐ. [S' al.] (3 α)  
— 18. τὰς δ. αὐτοῦ ἑώρακα (3 α)  
58. 2. γυνῶναι μου τὰς δ. ἐπιθυμοῦσιν (3 α)  
59. 7. σύντριμμα καὶ ταλαιπωρία ἐν ταῖς δ. αὐτῶν (10)  
— 8. ὁδὸν εἰρήνης οὐκ οἶδασιν [A ἔγνωσαν] καὶ  
οὐκ ἔστι κρίσις ἐν ταῖς δ. αὐτῶν (3 α, 12)  
— 14. κατηνάλωθη ἐν ταῖς δ. αὐτῶν ἡ ἀλήθεια (16)  
62. 10. τοὺς λίθους ἐκ τῆς δ. διαρρίψατε (10)  
63. 17. τί ἐπλάγησας ἡμᾶς, κύριε, ἀπὸ τῆς δ. σου (3 α)  
64. 5 (4). τῶν δ. σου μνησθήσονται (3 α)  
65. 2. τοῖς πορευομένοις ὁδῷ οὐ καλῇ [AS al.] (3 α)  
66. 3. ἐξελέξαντο τὰς δ. αὐτῶν (3 α)  
Jc. 2. 18. τί σοι καὶ τῇ δ. [A κ. γῆ] Αἰγύπτου (3 α)  
— 18. καὶ τί σοι καὶ τῇ δ. [A γῆ] Ἀσσυρίων (3 α)  
— 23. ἴδε τὰς δ. σου ἐν τῷ πολυανδρίῳ (3 α)  
— 23. τὰς δ. αὐτῆς ἐπλάτυνεν ἐφ' ὕδατα ἐρήμου (3 α)  
— 25. ἀπώστρεψον τὸν πόδα σου ἀπὸ ὁδοῦ  
τραχείας †  
— 33. τί ἐτι καλὸν ἐπιτηδεύσεις ἐν ταῖς δ. σου (3 α)  
— 33. ἐπονηρέσω τοῦ μᾶται τὰς δ. σου (3 α)  
— 36. τοῦ δευτερώσαι τὰς δ. σου (3 α)  
3. 2. ἐπὶ τὰς δ. [A add. αἱς] ἐκάθισας αὐτοῖς  
ὥστε κοράνη (3 α)  
— 13. διέχεας τὰς δ. σου εἰς ἀλλοτρίους (3 α)  
— 21. ἠδίκησαν ἐν ταῖς δ. αὐτῶν (3 α)  
4. 11. ὁδὸς τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου οὐκ εἰς  
καθάρων (3 α)  
— 18. αἱ δ. σου καὶ τὰ ἐπιτηδεύματά σου ἐποίη-  
σαν ταῦτά σοι (3 α)  
5. 1. περιδράμετε ἐν ταῖς δ. Ἱερουσαλὴμ (5)  
— 4. οὐκ ἔγνωσαν ὁδὸν κυρίου καὶ κρίσιν θεοῦ (3 α)  
— 5. ἐπέγνωσαν ὁδὸν κυρίου καὶ κρίσιν θεοῦ (3 α)  
6. 16. στήθε ἐπὶ ταῖς δ. (3 α)  
— 16. ποία ἐστὶν ἡ δ. ἡ ἀγαθὴ (3 α)  
— 25. ἐν ταῖς δ. μὴ βαδίζετε (3 α)  
— 27. ἐν τῷ δοκιμάσει με τὴν δ. αὐτῶν (3 α)  
7. 3. διορθώσατε τὰς δ. ὑμῶν (3 α)  
— 5. ἐὰν διορθώσῃτε διορθώσῃτε τὰς δ. ὑμῶν (3 α)  
— 17. τί αὐτοὶ ποιούσιν . . . ἐν ταῖς δ. Ἱερ. (5)  
— 23. πορεύεσθε ἐν πᾶσαις [B om.] ταῖς δ. μου (3 α)  
10. 2. κατὰ τὰς δ. τῶν ἐθνῶν μὴ μανθάνετε  
[A πορεύεσθε] (3 α)  
— 23. οὐχὶ τοῦ ἀνθρώπου ἡ δ. αὐτοῦ (3 α)  
12. 1. τί ἐτι ὁδὸς ἀσεβῶν εὐδοκίαι (3 α)  
— 4. οὐκ ὄφεται δ' θεὸς ὁδοῦς ἡμῶν †  
— 16. ἐὰν μαθόντες μάθωσι τὴν δ. τοῦ λαοῦ  
μου [A al.] (3 α)  
14. 16. ἔσονται ἐρριμμένοι ἐν ταῖς δ. [A διω-  
δοῖς] Ἱερουσαλὴμ (5)  
— 18. A ἐπορεύθησαν ὁδὸν [B S' εἰς γῆν] ἣν  
οὐκ ᾔδεισαν (3 α)  
16. 17. οἱ ὀφθαλμοὶ μου ἐπὶ πᾶσας τὰς δ. αὐ. (3 α)  
17. 10. τοῦ δοῦναι ἐκάστην κατὰ τὰς δ. αὐτοῦ (3 α)  
— 11. ἀποστραφῆτω ὁ δὲ ἕκαστος ἀπὸ ὁδοῦ αὐ. (3 α)  
— 15. ἀσθενήσουσιν ἐν ταῖς δ. αὐτῶν σχοίνοις  
αἰωνίους τοῦ ἐπιβῆναι τριβῶν οὐκ  
ἐχοντας ὁδὸν εἰς πορείαν [A δ.  
πορείας] (3 α, 3 α)  
21. 8. δέδωκα πρὸς προσώπου ὑμῶν τὴν δ. τῆς  
ζωῆς καὶ τὴν δ. τοῦ θανάτου (3 α, 3 α)  
22. 21. B S' αὐτὴ ἡ δ. σου ἐκ νεότητός σου (3 α)  
23. 12. γενέσθω ἡ δ. αὐτῶν αὐτοῖς εἰς ὁλισθήμα (3 α)  
— 14. τοῦ μὴ ἀποστραφῆναι ἑκάστον ἀπὸ τῆς  
δ. αὐτοῦ τῆς πορείας (18)  
26. 5. ἀποστράφητε ἕκαστος ἀπὸ τῆς δ. αὐτοῦ  
τῆς πορείας (3 α)  
27 (50). 5. ὥς [A S' add. εἰς] Σιών ἐρωτήσουσι  
τὴν δ. (3 α)  
31 (48). 5. ἀναβήσεται κλαῖων ἐν ὁδῷ Ὁρωναῖμ (9)  
— 19. ἐφ' ὁδοῦ στήθῃ (3 α)  
33 (26). 3. ἀποστραφῆσονται ἕκαστος ἀπὸ τῆς  
[A om.] δ. αὐ. τῆς πορείας (3 α)  
— 13. βελτίους ποιήσατε τὰς δ. ὑμῶν (3 α)  
35 (28). 11. ὄψατο Ἱερουσαλὴμ εἰς τὴν δ. αὐτοῦ (3 α)  
38 (31). 9. αὐλίζων ἐπὶ διώρυγας ὑδάτων ἐν ὁδῷ  
ὁρῇ (3 α)  
— 21. ὁδὸν ἢ ἐπορεύθης ἀποστραφῆθῃ (3 α)  
39 (32). 19. οἱ ὀφθαλμοὶ σου εἰς τὰς δ. τῶν  
υἱῶν τῶν ἀνθρώπων δοῦναι ἐκάστην  
κατὰ τὴν δ. [S' τὰς δ.] αὐ. (3 α, 3 α)  
— 39. δώσω αὐτοῖς ὁδὸν ἐτέραν (3 α)  
42 (35). 4. S' τοῦ φυλάσσοντος τὴν ὁδὸν [A B S'  
αὐλὴν] †



Je. 42 (36). 15. ἀποστρέψατε ἑκαστον ἀπὸ τῆς [B om.] ὁ. αὐτοῦ τῆς πονηρίας (3 a)  
 43 (36). 3. ἡ ἀποστρέψαται ἀπὸ ὁδοῦ αὐτῶν τῆς πονηρίας (3 a)  
 — 7. ἀποστρέψουσιν ἐκ [A ἀπὸ] τῆς ὁ. αὐτῶν τῆς πονηρίας (3 a)  
 49 (42). 3. ἀναγγελλάτω ἡμῖν κύριος ὁ θεός σου τὴν ὁ. (3 a)  
 52. 7. ἐξῆλθον νυκτὸς κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης . . . ἐπορεύθησαν [A φῆχοντο] ὁδὸν τὴν εἰς Ἀραβα (3 a, 3 a)  
 — 24. τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάττοντας τὴν ὁ. †  
 Ba. 2. 33. μνησθήσονται τῆς ὁ. πατέρων αὐτῶν  
 13. 13. τῇ ὁ. τοῦ θεοῦ εἰ ἐπορεύθης  
 — 20. ὁδὸν δὲ ἐπιστήμης οὐκ ἔγνωσαν  
 — 21. οἱ υἱοὶ αὐ. ἀπὸ τῆς ὁ. αὐ. πύρρον ἐγενήθησαν  
 — 23. ὁδὸν δὲ [A τῇ] σοφίας οὐκ ἔγνωσαν  
 — 27. οὐδὲ ὁδὸν ἐπιστήμης ἔδωκεν αὐτοῖς  
 — 31. οὐκ ἔστιν ὁ γινώσκων τὴν ὁ. αὐτῆς  
 — 36. ἐξέυρε πᾶσαν ὁδὸν ἐπιστήμης  
 4. 13. οὐδὲ ἐπορεύθησαν ὁδοὺς ἐντολῶν θεοῦ  
 — 26. οἱ τρυφεροὶ μὴ ἐπορεύθησαν ὁδοὺς τραχείας  
 La. 1. 4. ὁδοὶ Σιών πενθοῦσι (3 a)  
 — 12. οἱ πύρρον ἡμᾶς πάντες παραπορευόμενοι ὁδὸν (3 a)  
 2. 15. πάντες οἱ παραπορευόμενοι ὁδὸν (3 a)  
 3. 9. ἀνακοδόμησεν ὁδοὺς σου (3 a)  
 — 40. ἐξηρπυίσθη ὁ. ἡμῶν (3 a)  
 Ep. Je. 43. ἐν ταῖς ὁ. ἐγκάθηται θυμῶσαι τὰ πίπυρα  
 Ez. 3. 18. ἀποστρέψαται ἀπὸ τῶν ὁ. αὐτοῦ  
 — 19. μὴ ἀποστρέψῃ ἀπὸ . . . τῆς ὁ. αὐ. (3 a)  
 7. 8. κρινῶ σε ἐν ταῖς ὁ. σου (3 a)  
 — 9. τὰς ὁ. σου ἐπὶ σὲ δώσω (3 a)  
 — 7 (3). ἐκδικήσω ἐν ταῖς ὁ. σου (3 a)  
 — 4. τὴν ὁ. σου ἐπὶ σὲ δώσω (3 a)  
 — 27. κατὰ τὰς ὁ. αὐτῶν ποιήσω αὐτοῖς (3 a)  
 9. 2. ἤρχοντο ἀπὸ τῆς ὁ. τῆς πύλης τῆς ὑψηλῆς (3 a)  
 — 7. πλῆσται [A -ηρώς.] τὰς ὁ. νεκρῶν †  
 — 10. τὰς ὁ. αὐτῶν εἰς κεφαλὰς αὐτῶν δέδωκα (3 a)  
 11. 6. ἐνεπλήσται τὰς ὁ. αὐ. τραυματιῶν (5)  
 — 21. τὰς ὁ. αὐ. εἰς τὰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (3 a)  
 13. 22. τὸ καθόλου μὴ ἀποστρέψαι [A add. τὸν] ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ τῆς πονηρίας (3 a)  
 14. 22, 23. [A B<sup>2</sup> R]. ὕψισθε τὰς ὁ. αὐτῶν (3 a)  
 16. 25. ἐπ' ἀρχῆς πᾶσης ὁδοῦ [A -ῆν πᾶσιν ἐξέδωκ] φκοδόμησας τὰ πορνεία σου (3 a)  
 — 27. θυγατέρες ἀλλοφύλων τὰς ἐκκλινούσας σε ἐκ τῆς ὁ. σου (3 a)  
 — 31. τὸ πορνείον φκοδόμησας ἐν πᾶσι ἀρχῇ [A ἐπὶ πᾶσι ἀρχῇ] ὁδοῦ (3 a)  
 — 43. τὰς ὁ. σου εἰς κεφαλὰς σου δέδωκα (3 a)  
 — 47. οὐδ' ἐν ταῖς ὁ. αὐ. ἐπορεύθης . . . ὑπέρκειται αὐτὸς ἐν πᾶσι ταῖς ὁ. σου (3 a, 3 a)  
 — 61. μνησθήσῃ τὴν ὁ. σου (3 a)  
 18. 11. ἐν τῇ ὁ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ τοῦ δικαίου οὐκ ἐπορεύθῃ †  
 — 23. ὡς τὸ ἀποστρέψαι αὐτὸν ἐκ τῆς ὁ. [A add. αὐτοῦ] τῆς πονηρίας (3 a)  
 — 25. οὐ κατενθύνει [A κατορθοί] ὁ. κυρίου (3 a)  
 — 25. μὴ ὁ. μου οὐ κατενθύνει (3 a)  
 — 25. οὐχὶ ὁ. ὁ. ὁ. ὁ. κατενθύνει (3 a)  
 — 29. οὐ κατορθοί ὁ. κυρίου· μὴ ὁ. μου οὐ κατορθοί (3 a, 3 a)  
 — 29. οὐχὶ ὁ. ὁ. ὁ. οὐ κατορθοί (3 a)  
 — 30. ἑκαστον κατὰ τὴν ὁ. αὐτοῦ κρινῶ ἡμᾶς (3 a)  
 20. 43. μνησθήσεται ἐκεῖ τὰς ὁ. ὕμῶν (3 a)  
 — 44. ὅπως τὸ ὄνομα μου μὴ βεβηλωθῇ κατὰ τὰς ὁ. ὕμῶν τὰς κακὰς (3 a)  
 21. 19 (24). διατάξον σεαυτὸν δύο ὁδοὺς . . . χεῖρ ἐν ἀρχῇ [A χεῖρα ἐνομήσουσιν ἐπ' ἀρχῇ] ὁδοῦ πόλεως (3 a, 3 a)  
 — 20 (25). ἐπ' ἀρχῇ ὁδοῦ διατάξαι (3 a)  
 — 21 (26). στήσεται βασιλεὺς βαβ. ἐπὶ τὴν ἀρχαίαν ὁ. ἐπ' ἀρχῇ τῶν δύο ὁ. (3 a, 3 a)  
 22. 31. τὰς ὁ. αὐτῶν εἰς κεφαλὰς αὐτῶν δέδωκα (3 a)  
 23. 13. μεμνῶμαι ὁ. μία τῶν δύο (3 a)  
 — 31. ἐν τῇ ὁ. τῆς ἀδεκλῆς σου ἐπορεύθῃ (3 a)  
 24. 14. κατὰ τὰς ὁ. σου . . . κρινῶ σε (3 a)  
 27. 3. Ἀφ' οὗ τῆς πόρτῃ κατήκατο ἐπὶ τῆς ὁ. [B εἰσόδου] τῆς θαλάσσης (7)  
 33. 8. τοῦ φυλάσσει τὸν ἀσεβῆ [A ἀποστήναι τὸν ἀνομιον] ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ (3 a)  
 — 9. εἰς προπαγγελίας τῇ ἀσεβείᾳ τὴν ὁ. αὐτοῦ (3 a)  
 — 9. καὶ μὴ ἀποστρέψῃ ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ (3 a)

Ez. 33. 11. ὡς [A add. τὸ] ἀποστρέψαι τὸν ἀσεβῆ ἀπὸ τῆς ὁ. αὐτοῦ (3 a)  
 — 11. ἀποστρέψατε ἀπὸ τῆς ὁ. ὕμῶν [A τῶν ὁ. ὁ. τῶν πονηρῶν] (3 a)  
 — 17. οὐκ εὐθεία ὁ. τοῦ κυρίου· καὶ αὐτῇ ὁ. αὐτῶν οὐκ εὐθεία (3 a, 3 a)  
 — 20. οὐκ εὐθεία ὁ. κυρίου· ἑκαστον ἐν ταῖς ὁ. αὐτοῦ [A κατὰ τὰς ὁ. ὕμῶν] κρινῶ ὑμᾶς (3 a, 3 a)  
 36. 17. ἐμίαναν αὐτὴν ἐν τῇ ὁ. αὐτῶν (3 a)  
 — 17. κατὰ τὴν ἀκαθαρσίαν τῆς ἀποκαθήμενης [A ἀφ' ἐδρου] ἐγενήθη ὁ. αὐτῶν πρὸς πρὸς ὅπου (3 a)  
 — 19. κατὰ τὴν ὁ. [A τὰς ὁ.] αὐ. . . ἔκρινα αὐτοῖς (3 a)  
 — 31. μνησθήσεται τὰς ὁ. ὕμῶν τὰς πονηρίας [A ἀφ' ἐδρου] ἐγενήθη ὁ. αὐτῶν πρὸς πρὸς ὅπου (3 a)  
 — 32. ἐντρίπτει ἐκ τῶν ὁ. ὕμῶν (3 a)  
 42. 15. ἐξήγαγέ με καθ' ὁδὸν τῆς πύλης τῆς βλεπούσης πρὸς [A B<sup>2</sup> κατ'] ἀνατολάς (3 a)  
 43. 2. δόξα θεοῦ Ἰσραὴλ ἤρχετο κατὰ τὴν ὁ. τὴν [A τῆς πύλης τῆς βλεπούσης] πρὸς ἀνατολάς (3 a)  
 — 4. κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς βλεπούσης κατὰ ἀνατολάς (3 a)  
 44. 1. ἐπέστρεψέ με κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῶν ἁγίων (3 a)  
 — 3. κατὰ τὴν ὁ. αἰλὰμ τῆς πύλης εἰσελεύσεται (3 a)  
 — 3. καὶ κατὰ τὴν ὁ. αὐτοῦ ἐξελεύσεται (3 a)  
 — 4. εἰσῆγαγε με κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς Βορρᾶν (3 a)  
 46. 2. εἰσελεύσεται ὁ ἀφ' ἡμῶν κατὰ τὴν ὁ. τοῦ αἰλὰμ (3 a)  
 — 8. κατὰ τὴν ὁ. τοῦ αἰλὰμ τῆς πύλης εἰσελεύσεται (3 a)  
 — 8. κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης ἐξελεύσεται (3 a)  
 — 9. ὁ ἐσπορευόμενος κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς βλεπούσης [A om.] πρὸς Βορρᾶν προσκυνεὶ ἐξελύσεται κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον καὶ ὁ ἐσπορευόμενος κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς νότον ἐξελεύσεται κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς Βορρᾶν (3 a quater)  
 47. 2. ἐξήγαγέ με κατὰ τὴν ὁ. τῆς πύλης τῆς πρὸς Βορρᾶν καὶ περιεγάγε με τὴν ὁ. ἔξωθεν (3 a, 3 a)  
 Da. LXX. 3. (27). καὶ αἱ ὁ. σου εὐθείαι  
 Da. TH. 3. (27). καὶ εὐθείαι αἱ ὁ. σου  
 5. 23. καὶ πᾶσαι αἱ ὁ. σου (1 a)  
 I Ma. 5. 4. ἐν τῇ ἐνεδρεύον αὐτοῖς ἐν ταῖς ὁ. — 24. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν — 28. ἀπὸστρέψεν . . . ὁδὸν εἰς τὴν ἔρημον — 46. Β αὐτῇ ἡ πόλις μεγάλη ἐπὶ τῆς ὁ. [A B εἰσόδου] — 53. παρακαλῶν τὸν λαὸν κατὰ πᾶσαν τὴν ὁ. 6. 33. A B κατὰ τὴν ὁ. [B add. αὐτῆς] B. 7. 45. ὁδὸν ἡμέρας μίαν ἀπὸ Ἀ. 8. 19. καὶ ὁ. ὁ. πολλὰ σφόδρα 9. 2. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τὴν εἰς Γ. 11. 4. ἐποίησαν γὰρ θημῶνας αὐτῶν ἐν τῇ ὁ. αὐ. 13. 20. ἐκύκλωσεν ὁδὸν τὴν εἰς Ἀ. 15. 41. ὅπως . . . ἐξοδεύσει τὰς ὁ. τῆς Ἰ. II Ma. 2. 6. ὥστε ἐπισπείναι τὴν ὁ. 3. 19. κατὰ τὰς ὁ. ἐπλήθον III Ma. 7. 14. B κατὰ τὴν ὁ. ἐκολάζοντο [A al.] IV Ma. 14. 5. ὥσπερ ἐπ' ἀθανάσιος ὁδὸν τρέχοντες [Aq. Ge. 19. 31: 85. 16: Nu. 21. 1: 22. 23: Dt. 11. 19: Jd. 9. 37: I Ki. 13. 18: Jb. 4. 24: 38. 25: 40. 14 (19): Ps. 5: 18 (19): 6: 24 (25): 8, 9, 10, 12: 28 (27): 11: 81 (82): 8: 48 (49): 14: 85 (86): 11: 90 (91): 11: 118 (119): 29, 59: 138 (139): 3: Pr. 4. 14: 9. 6: 10. 29: 14. 12: 23. 19: 30. 19 δις: Ec. 12. 5: Is. 9: 1 (8. 23): 15. 5: 40. 14: 58. 11: 65. 2: Je. 6. 16: 7. 23: 18. 11, 15: Ez. 20. 46 (21. 2): 28. 15: 33. 9, 20.] [Sma. Nu. 21. 1: Dt. 11. 19: Jd. 5. 6: I Ki. 13. 18: 11 Ki. 24. 6: Jb. 22. 3: 24. 4, 23: 34. 11: 40. 14 (19): Ps. 6. 9: 18 (17). 4: 18 (19): 6: 24 (25): 8, 9, 12: 26 (27): 11: 81 (82): 8: 86 (87): 23: 38 (39): 2: 43 (44): 19: 48 (49): 14: 87 (88): 5: 76 (77): 14: 84: (85): 14: 85 (86): 11: 90 (91): 11: 100 (101): 2: 101 (102): 24: 118 (119): 9, 29, 59: 138 (139): 3 δις: Pr. 2. 13: 8. 22: 9. 6: 10. 29: 14. 12: 15. 19: 23. 19: 30. 19: Ec. 10. 3: Is. 8. 11: 9. 1 (8. 23): 10. 24: 30. 11: 40. 3,

14: 45. 13: 62. 19: 65. 2: Je. 7. 23: 12. 16: 18. 11: 52. 7: Ez. 8. 18: 7. 3: 20. 46 (21. 2): 28. 15: 33. 9, 11, 20: 40. 10. 44. 4.] [Th. Dt. 11. 19: I Ki. 13. 18: Jb. 4. 23: 17. 9: 19. 12: 22. 3: 29. 25: 38. 29: 40. 14 (19): Ps. 18 (19): 6: 26 (27): 11: 118 (119): 59: 138 (139): 3: Pr. 4. 14: 8. 22: 10. 29: 14. 12: 16. 17: 22. 6: 23. 19: 30. 19 δις: Is. 9. 1 (8. 23): 40. 14: 58. 13: 62. 10: 65. 2: Je. 89 (46): 4 δις: Ez. 7. 3: 28. 15: 33. 9, 20: 42. 4.] [Heb. Ps. 118 (119). 59.] [Al. Dt. 6. 7: Jd. 9. 21: I Ki. 21. 5 (6): 11 Ki. 13. 34: Jb. 6. 19: 36. 26: Ps. 137 (138). 5: Pr. 1. 15: 2. 20: 10. 17: 15. 10: 16. 2: Hb. 3. 6.] [Quint. Ps. 24 (25). 10: 26 (27): 11: 43 (44). 19: 138 (139). 3.] [Sext. Ps. 26 (27). 11: 138 (139). 3.]  
 ὁδοῦς. (1) ἡ (2) ὁ. ἐλεφάντινοι. a. ἡ  
 ὁ. ὁ. ὁ. ὁ.  
 Ge. 49. 12. λευκοὶ οἱ ὁ. αὐτοῦ ἡ γὰρα (1)  
 Ex. 21. 24. ὁδὸν ἀντὶ ὁδόντος (1, 1)  
 — 27. εἰς τὸν ὁ. τοῦ κίτου ἡ τὸν ὁ. τῆς θεραπεύει αὐτοῦ ἐκφύη (1, 1)  
 — 27. ἐξαποστελεῖ αὐτοὺς ἀντὶ τοῦ ὁ. αὐτῶν (1)  
 Le. 24. 20. ὁδὸν ἀντὶ ὁδόντος (1, 1)  
 Nu. 11. 33. τὰ κρέα ἐπὶ ἡν ἐν τοῖς ὁ. αὐτῶν (1)  
 De. 19. 21. ὁδὸν ἀντὶ ὁδόντος (1, 1)  
 32. 24. ὁδόντας θηρίων ἀποστέλλω εἰς αὐτοὺς —  
 I Ki. 13. 21. B τρεῖς σίκλοι τὸν τὸν ὁ. —  
 14. 4. A B ὁδοὺς πέτρας ἐκ τοῦτου [B al.] (1)  
 — 4. καὶ ὁδοὺς πέτρας ἐκ τοῦτου (1)  
 III Ki. 10. 22. A καὶ . . . ὁ. ἐλεφαντίνων [B al.] (2 b)  
 II Ch. 9. 17. θρόνον ἐλεφάντινον ὁδόντων μέγαν (1 ?)  
 — 21. πλῖν [A -ον] . . . γέμοντα [A -ον] . . . ὁδόντων ἐλεφαντίνων (2 b)  
 II Es. 8. 17. B τοῦ ἐνέγκαι ἡμῖν ὁδόντας [A B ὁδόντας] †  
 Jb. 13. 14. ἀναλαβὼν τὰς σφόδρας μου τοῖς ὁ. (1)  
 16. 10 (9). ἔβρυξεν ἐπ' ἐμέ [B ἐμοί] τοῖς ὁ. (1)  
 19. 20. τὰ δὲ ὁδοὶ μου ἐν ὁδοῖσιν [A ὁδοῖσιν] ἐχεται (1)  
 9. 17. ἐκ μέσου [B -ων] τῶν [A om.] ὁ. αὐ. ἀρπαγμα ἐξήρπασα [A -ἔσπασα] (1)  
 41. 5 (6). κίλκω ὁδόντων αὐτοῦ φόβος (1)  
 Ps. 3. 7. ὁδόντας ἀμυρτωλῶν συνέτριψας (1)  
 34 (35). 16. ἔβρυξεν ἐπ' ἐμέ τοῖς ὁ. αὐτῶν (1)  
 36 (37). 12. βρύξει ἐπ' αὐτὸν τοῖς ὁ. αὐτοῦ (1)  
 56 (57). 4. οἱ ὁ. αὐτῶν ὅπλον [B<sup>2</sup> ὅπλα] καὶ βέλη (1)  
 57 (58). 6. ὁ θεὸς συνέτριψε τοῖς ὁ. αὐτῶν (1)  
 111 (112). 10. τοῖς ὁ. αὐτοῦ βρύξει (1)  
 123 (124). 6. δε οὐκ ἔδωκεν ἡμᾶς εἰς θῆραν τοῖς ὁ. αὐτῶν (1)  
 Pr. 10. 26. ὥσπερ ὁμφαξ ὁδοῖσι βλαβερὸν (1)  
 24. 37 (30. 14). ἔκγονον κακὸν μαχαίρας τοῖς ὁ. ἐχει (1)  
 25. 19. A ὁδοὺς [B S ὁδοὺς] κακοῦ καὶ ποῦς παρανόμου ὁλείται (1)  
 Ca. 4. 2: 6. 5 (6). ὁδοῖς σου ὡς ἀγγελοὶ τῶν κεκαρμένων (1)  
 7. 9 (10). ἱκανοῦμενος χελειοῖ [A ἐν χ.] μου καὶ ὁδοῖσιν †  
 Wi. 16. 10. τοῖς δὲ υἱοῖς σου οὐδὲ ἰοβόλων δρακόντων ἐνίκησαν ὁδόντες  
 18. 2. S<sup>1</sup> καὶ τοῦ διενεχθῆναι χάριν ὁδόντων [ABS<sup>2</sup> ἐδόντων]  
 Si. 19. 30. σολισμὸς ἀνδρὸς καὶ γέλως ὁδόντων  
 21. 2. ὁδόντες λέοντος οἱ ὁ. αὐτῆς  
 30. 10. ἐπ' ἐσχάτω [A -ων] γομφίαις τοῖς ὁ. σου  
 39. 30. θηρίων ὁδόντες καὶ σκορπιοὶ καὶ ἐχεις  
 Am. 4. 6. ἐγὼ δώσω ὑμῖν γομφίαις ὁδόντων (1)  
 Mi. 3. 5. τοῖς δάκνοισιν ἐν τοῖς ὁδοῖσιν αὐτῶν (1)  
 J. 1. 6. οἱ ὁ. αὐτῶν ὁδόντες λέοντος (1, 1)  
 Za. 9. 7. ἐξαρῶ . . . τὰ βδελύγματα αὐ. ἐκ μέσου ὁδόντων [S<sup>1</sup> ὁδῶν] αὐ. (1)  
 Je. 38 (31). 29. οἱ ὁ. τῶν τέκνων ἠμωδίσαν (1)  
 — 30. τοῦ φαγόντος τὸν ὁμφακα αἰμοδιᾶσιν οἱ ὁ. αὐτοῦ (1)  
 La. 2. 16. ἔβρυξεν ὁδόντας (1)  
 3. 16. ἐξέβαλε ψήφω ὁδόντας [A τοῖς ὁ.] μου (1)  
 Ez. 18. 2. οἱ ὁ. τῶν τέκνων ἐγομφίσαν (1)  
 — 4. τοῦ φαγόντος τὸν ὁμφακα αἰμοδιᾶσιν οἱ ὁ. αὐτοῦ —



Ez. 27. 15. ἐπλήθυναν τὴν ἐμπορίαν σου ὀδύντας  
ἐλεφαντίνους (2 a)  
Da. LXX. 7. 5. ἐν μέσῳ ὀδύνων αὐτῆς  
— 7. ἔχον ὀδύντας σιδηροὺς μεγάλους  
— 19. οἱ δὲ αὐτοῦ σιδηροὶ  
Da. TH. 7. 5. ἀπὸ μέσον τῶν δ. αὐτῆς  
— 7. 19. οἱ δ. αὐ. σιδηροὶ  
IV Ma. 7. 6. οὐκ ἐμίνας τοὺς ἱερτοὺς δ.  
[Aq. Ps. 44 (45). 9: Pr. 25. 19: Ca. 6. 5 (6):  
7. 9 (10).]  
[Sm. Jb. 19. 20: Ps. 34 (35). 16: 38 (37). 12:  
77 (78). 30: Pr. 25. 19: Ca. 6. 5 (6).]  
[Th. Jb. 41. 6: Pr. 25. 19: Da. 7. 5.]  
[Al. I Ki. 14. 5.]  
[Hob. Pr. 25. 19.]

διδύναν. (1) דָּוָן (2) חָל (3) כָּר hi.

To. 9. 4. ὀδυνήσεται λίαν [S al.]  
Pr. 29. 21. ἔσχοντο δὲ ὀδυνήσονται ἐφ' ἑαυτῷ  
Wi. 14. 24. ἔτρεος δ' ἔτρεον . . . νοσέειαν ὀδυνῶ  
Hg. 2. 15 (14). ὀδυνήσονται ἀπὸ προσώπου  
πόνων [S<sup>2</sup> πονηρίων] αὐτῶν  
Za. 9. 5. καὶ ὀδυνήσεται [S<sup>1</sup> -σονται] σφόδρα (3)  
12. 10. ὀδυνήσονται ὀδύνῃ [S -η] (8)  
Is. 21. 10. οἱ [A om.] ὀδυνώμενοι ἀκούσατε  
40. 29. διδοὺς . . . τοῖς μὴ ὀδυνώμενοις λύπην  
53. 4. περὶ ἡμῶν ὀδυνῶνται  
La. 1. 13. ἔδοκε με . . . ἄλλαν τὴν ἡμέραν ὀδυνώ-  
μεν [A ὀδυνῶμ.] (1)  
IV Ma. 18. 9. τὸν τῆς ἀτεκνίας οὐκ ὠδυνήθη καιρὸν  
[Aq. Jb. 19. 2.]  
[Sm. Ge. 34. 7: I Ki. 20. 34: Is. 29. 2: Ez.  
18. 7.]

διδύνῃ. (1) מָל (2) מָן (3) בָּהֶה

(4) a. דָּוָן δ. דָּוָן (5) a. הָהָ δ. הָהָ  
(6) חָל (7) חָל (8) יָנָן (9) לָעֵנָה  
(10) מָל (11) מָן (12) מָן (13) מָן  
δ. מָן hi. (14) a. מָן δ. מָן c. מָן hi.  
δ. מָן (15) מָן (16) מָן (17) מָן  
(18) מָן (19) מָן (20) מָן  
(21) a. מָן δ. מָן (22) מָן (23) מָן  
(24) מָן (25) מָן (26) מָן  
ποιεσθαι ἐν διδύνῃ (27) διδύνῃ λαμ-  
βάνει חָל (28) δ ἐν διδύνῃ נָשָׂה מָן

Ge. 45. 18. υἱὸς διδύνῃς μου  
44. 31. B μετὰ λύπης [A μετ' ὀδύνῃς] εἰς  
ἄδου (8)  
Ex. 3. 8 (7). οἶδα γὰρ τὴν δ. αὐτῶν (13 a)  
De. 28. 14. οὐκ ἔφαγον ἐν ὀδύνῃ ἀπ' αὐτῶν (2)  
28. 60. ἐπιστρέψω πᾶσαν τὴν δ. Ἀλγ. (10)  
I Ki. 15. 23. διδύνῃ καὶ πόνος θεραπεῖαν [A  
θεραπεῖν] ἐπάγουσιν (15)  
To. 3. 1. προσευξάμεν μετ' ὀδύνῃς [S al.]  
— 10. τὸ γῆρας αὐτοῦ κατὰξω μετ' ὀδύνῃς εἰς ἄδου  
[S al.]  
6. 14. μὴ . . . κατὰξω τὴν ζωὴν . . . μετ' ὀδύνῃς  
Es. 9. 22. B ἀπὸ οδυνῇ εἰς ἀγαθὴν ἡμέραν [A  
εἰς χαράν] (1)  
Jb. 2. 9. ἴνα ἀναπαύσωμαι . . . τῶν [A τῶν περι-  
οισῶν με] δ. (1)  
3. 7. ἡ νύξ ἐκείνη εἴη ὀδύνῃ [A -ηρά] +  
— 20. ἡ νύξ δὲ ταῖς ἐν ὀδύναις ψυχαῖς (14 a)  
4. 8. οἱ δὲ σπείροντες αὐτὰ ὀδύναις θεριοῦσιν  
ἐαυτοὺς (19)  
6. 2. τὰς δὲ δ. μου ἦραν ἐν ζυγῷ δημοθυμῶν  
(8 δ\*, 5 a)  
7. 3. νύκτες δὲ ὀδυνῶν δεδομένα μοι εἰσιν  
— 4. πλήρη δὲ γυναικῶν ὀδυνῶν (17)  
— 19. A B S ἴος ἂν καταπίω τὸν πτύελόν μου  
ἐν ὀδύνῃ [B om. ἐν δ.]  
15. 35. ἐν γαστρὶ δὲ λήγεται ὀδύναις (19)  
18. 11. κύκλω [A κυκλόθεν] ὀλέαισαν αὐτὸν  
ὀδύναις (8)  
19. 20. A τὰ δὲ ὀστά μου ἐν ὀδύναις [B S  
δοσούμαι] ἔχεται +  
20. 10. αἱ δὲ χεῖρες αὐτοῦ πυρσεύσαισαν [A  
ψηλαφῆσαι] ὀδύναις [B S<sup>1</sup> -αις] (2)  
— 23. νύξαι [A ρίψαι δὲ] ἐπ' αὐτὸν ὀδύναις  
21. 6. ἔχουσι δὲ μου τὰς σάρκας ὀδύναις (22)

Jb. 27. 20. συνήρτησαν [A κοιμηθέντι συναντή-  
σονται] αὐτῷ ὥστερ ὕδωρ [S<sup>1</sup> σῆτες]  
αἱ [A om.] δ. (8)  
80. 14. ἐν ὀδύναις πέφουμαι +  
— 15. ἐπιστρέφονται μοι αἱ δ. (8)  
— 16. ἔχουσιν δὲ με ἡμέραι ὀδυνῶν (20)  
— 22. ἔταξας δὲ με ἐν ὀδύναις +  
87. 9. ἐκ ταμείων ἐπέρχονται [A ἐξέρχ.] ὀδύναις  
Ps. 12 (13). 2. ὀδύναις ἐν καρδίᾳ μου ἡμέρας (8)  
80 (81). 10. ἐξέλιπεν ἐν ὀδύνῃ ἡ ζωὴ μου (8)  
40 (41). 3. βοηθήσαι αὐτῷ ἐπὶ κλίης ὀδύνῃς  
αὐτοῦ (4 b)  
93 (94). 19. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν δ. μου ἐν τῇ  
καρδίᾳ μου (24)  
106 (107). 39. ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν  
καὶ ὀδύνῃς (8)  
114 (116). 3. θλίψιν καὶ ὀδύνῃν εὐρον (8)  
126 (127). 2. οἱ ἐσθίνοντες ἄρτον ὀδύνῃς (21 a)  
Pr. 6. 33. ὀδύναις τε καὶ ἀτιμίας ὑποφέρει (18)  
17. 21. καρδία δὲ ἀφρονος ὀδύνῃ τῇ κεκτημένῃ  
αὐτῇ (25)  
— 25. καὶ ὀδύνῃ τῇ τεκούσῃ αὐτὸν (14 b)  
19. 13. A καὶ ὀδύνῃ τῇ τεκούσῃ αὐτοῦ  
24. 74 (31. 6). καὶ οἶνον πίνεις τοῖς ἐν ὀδύναις (28)  
Wi. 4. 19. ἔσονται ἐν ὀδύνῃ  
8. 16. οὐδὲ ὀδύνῃν ἡ συμβίωσις αὐτῆς  
Si. 27. 29. ὀδύνῃ καταναλώσει αὐτοὺς πρὸ τοῦ θανά-  
του αὐτῶν  
Ho. 5. 13. εἶδεν . . . Ἰούδας τὴν δ. αὐτοῦ (11)  
— 13. καὶ οὐ μὴ διαπαύσῃ ἐξ ὧν ὀδύνῃ (11)  
Am. 8. 10. θήσομαι . . . τοὺς μετ' αὐτοῦ ὡς ἡμέ-  
ραν ὀδύνῃς (14 a)  
Mi. 1. 11. λήψεται ἐξ ὧν πλεγήνῃ ὀδύνῃς +  
— 12. τίς ῥέξω εἰς ἀγαθὰ κατοικοῦσιν ὀδύναις (14 a)  
Hb. 1. 13. ἐπιβλέπειν ἐπὶ πόνους ὀδύνῃς [A S<sup>2</sup>  
οὐ δυνηθῇ] +  
Za. 12. 10. ὀδυνήσονται ὀδύνῃ [S ὀδύνῃ] (14 c)  
Is. 14. 3. ἀναπαύσει σε κύριος ἀπὸ [A S<sup>2</sup> ἐκ] τῆς  
δ. καὶ τοῦ θυμοῦ σου (21 b)  
19. 10. ἔσονται οἱ ἐργαζόμενοι [A διαλογίζ.] +  
αὐτὰ ἐν ὀδύνῃ  
28. 5. λήψεται αὐτοὺς δ. περὶ Τύρου (27)  
30. 26. τὴν δ. τῆς πλεγγῆς σου ἰάσεται (12)  
32. 10. ἡμέρας ἑναιαυτοῦ μνείαν ποιήσασθε ἐν  
ὀδύνῃ μετ' ἐλπίδος (26)  
85. 10. ἀπέθρα δ. καὶ λύπη καὶ στεναγμός (8)  
88. 14 (15). ἀφελισατο μοι τὴν δ. τῆς ψυχῆς (14 a)  
51. 11. ἀπέθρα δ. καὶ λύπη καὶ στεναγμός (8)  
Je. 8. 18. δῆξονται ὑμᾶς ἀνάτα μετ' ὀδύνῃς καρ-  
δίας ὑμῶν ἀπορουμένης (8)  
22. 23. ἐν τῷ ἔλθειν σοι ὀδύναις [A ὠδύναις] (8+7)  
23. 15. ψωμῶ αὐτοῦ ὀδύνῃν [A -ας] (9)  
La. 1. 14. ἔδοκε κύριος ἐν χερσὶ μου ὀδύναις  
5. 17. ἐγενήθη δ. [A om.] ὀδυνῇ ἡ καρδία  
ἡμῶν (4 a?)  
Ez. 12. 18. τὸν ἄρτον σου μετ' ὀδύνῃς φάγεσαι (28)  
21. 6 (11). ἐν ὀδύναις στενάζεις (14 d)  
28. 24. οὐκ ἔσονται . . . σκόλοψ πικρίας καὶ  
ἀκανθὰ ὀδύνῃς (13 b)  
Da. LXX. Su. 14. ἐξωμολογήσαντο πρὸς ἀλλήλους  
ἐκότερος τὴν δ. αὐ.  
Da. TH. Su. 10. οὐκ ἀνήγγειλαν ἀλλήλοις τὴν δ.  
ἐαυτῶν  
II Ma. 9. 9. ζῶντος ἐν ὀδύναις  
IV Ma. 14. 9. καὶ τοῦτο ταῖς διὰ πυρὸς δ.  
[Aq. Jb. 15. 20.]  
[Sm. Jb. 5. 6: Ps. 80 (81). 11: 54 (55). 11:  
Pr. 19. 13: Is. 50. 11: Je. 8. 18.]  
[Th. Lk. 12. 2.]  
[Al. Lk. 12. 5: Pr. 5. 5.]  
[Quint., Sext. Ps. 93 (94). 23.]

διδυνήρ. (1) הָרָה (2) הָרָה ni. (3) מָן ni.

III Ki. 2. 8: 3. I (2. 8). καταράσασθαι με κατὰ-  
ραν δ. (8)  
Jb. 3. 7. A ἡ νύξ ἐκείνη εἴη ὀδυνῇ [B S  
ὀδύνῃ] +  
Je. 14. 17. πλεγήνῃ ὀδυνῇ σφόδρα (2)  
37 (80). 17. ἀπὸ πλεγγῆς ὀδυνῇς ἰατρεύσω σε  
La. 5. 17. ἐγενήθη ὀδύνῃ [A om.] ὀδυνῇ ἡ  
καρδία ἡμῶν (1)  
[Aq. Je. 8. 18: 30 (37). 17.]  
[Th. Is. 30. 22.]  
[Al. Lk. 15. 33.]

διδυρεσθαι. (1) הָרָה (2) הָרָה hi.thp.

Je. 38 (31). 18. ἀκοὴν ἤκουσα Ἐφρ. ὀδυρομένου (2)

La. 1. 13. A ἔδοκε με . . . ἄλλαν τὴν ἡμέραν  
ὀδυρομένην [B S ὀδυρωμ.] (1)  
[Sm. Ps. 31 (32). 3.]

διδυρμός. (1) הָרָה

Je. 38 (31). 15. φωνὴ ἐν Ῥαμᾶ [A S<sup>1</sup> τῇ ὑψηλῇ]  
ἡκούσθη θρήνον καὶ κλαυθμὸν καὶ  
ὀδυρμὸν (1)

II Ma. 11. 6. μετ' ὀδυρμῶν καὶ δακρύων ἰκέτευον  
[Sm. Ps. 21 (22). 2.]

διδυρ. (1) הָרָה

Ex. 8. 14 (10). καὶ ὤρεσεν ἡ γῆ (1)

διδυρ. (1) הָרָה

Wi. 13. 13. ξύλον σκολιὸν καὶ δίκαιος συμπεφυκός  
ἔθεν. \* ὅθεν ἄν, ὅθεν ἔάν.

Ge. 10. 14: 18. 3: 24. 5.

Ex. 5. 11\*: 30. 36.

De. 9. 28: 11. 10.

Jo. 20. 6†.

Ru. 2. 9\*.

IV Ki. 17. 33.

I Ch. 1. 12†.

To. 12. 18†.

Ju. 8. 20: 11. 16.

Jb. 10. 21: 28. 1: 84. 15.

Ps. 120 (121). 1†.

Wi. 12. 23: 15. 12.

Is. 30. 32: 44. 11.

Je. 7. 8.

Ep. Je. 16, 23, 64.

Ez. 29. 14.

Da. LXX. 2. 11: Bel 38.

I Ma. 8. 26† (?).

II Ma. 4. 21, 34, 46: 5. 11: 10. 13: 12. 45:  
14. 7.

III Ma. 2. 23: 5. 42.

IV Ma. 3. 12, 16: 4. 2: 6. 12: 9. 11: 12. 16.

[Aq. Jb. 28. 1.]

[Sm. Jb. 28. 1: Ps. 44 (45). 9: Is. 51. 1 δις.]

[Th. Jb. 28. 1: Is. 51. 1: Je. 29 (38). 14.]

διδύνιον. (1) מָן (2) מָן

Jd. 14. 13. δώσετε . . . τράκοντα διδύναι [A  
σινδύναις] (1)

Ho. 2. 5 (7). τῶν διδύνων μοι . . . τὰ δδ. μου (2)

— 9 (11). ἀφελούμαι . . . τὰ δδ. μου (2)

οἶ.

[Aq. Ze. 3. 18.]

οἰακίζεω.

Jb. 37. 10. οἰακίζει δὲ τὸ ὕδωρ ὡς ἂν βούληται +  
[A al.]

οἰάκωσις.

[Aq. Jb. 37. 12.]

οἰάξ.

IV Ma. 7. 3. μετέτρεψε τοὺς τῆς εὐσεβείας οἱ.

οἰεσθαι. (1) הָרָה

Ge. 37. 7. ὥμην ὑμᾶς δεσμεύειν δράγματα (1)

40. 16. ὥμην τρία κατὰ χοδριτῶν αἰρεῖν (1)

41. 1. φέτο ἐστάναι ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ (1)

— 17. ἐν τῷ ὑπνῷ μου ὥμην ἐστάναι (1)

Es. 8. 13. φῶβη λαβὼν [A S<sup>2</sup> -εἶν] ἡμᾶς ἐρήμους  
9. 12. πῶς οἶει [S<sup>1</sup> αἰεῖ] ἐχρήσαντο  
Jb. 11. 2. ἡ καὶ οὐδ' ἀλλοδαοὶ οἰεῖται εἶναι δίκαιος  
84. 12. οἷη δὲ τὸν κύριον ἄποπα ποιήσειν  
— 17. A εἰ δὲ σοὶ οὐκ οἶει [B S ἴδε σὺ] τὸν  
μυστῖνα τὰ ἄνομα  
37. 23. οὐκ οἶει ἐπακοῦειν αὐτὸν [A al.]  
38. 2. ἐμὲ δὲ οἶεται κρύπτειν  
40. 3 (8). οἶει [B -η] δὲ [A μὴ δὲ οἶον] με ἄλλως  
σοι κεχορηματικέαι  
42. 3. καὶ σὲ οἶεται κρύπτειν  
Is. 57. 8. φου [B ὥς] ὅτι ἐάν ἀπ' ἐμοῦ ἀποστῇς  
πλείον τι ἐξεῖς  
Da. LXX. 2. 11. καθάπερ οἶει  
I Ma. 5. 6†. οἰόμενοι ἀνδραγαθῆσαι  
6. 43. S φῶβη [A B ὥφθη] ὅτι ἐν αὐτῷ ἐστὶν ὁ  
βασ.  
II Ma. 5. 21. οἰόμενος . . . τὸ πέλαιος πορευτὸν  
θεσθαι  
7. 24. ὁ δὲ Ἄντ. οἰόμενος καταφρονεῖσθαι

II Ma. 9. 4. ὅτε καὶ τὴν . . . κακίαν . . . ἐναπερεί-  
σασθαι  
— 8. τὰ τῶν ὁρίων ὁλομένους ὕψη στήσιν  
18. 3. ολόμενος δὲ ἐπὶ τῇ ἀρχῇ κατασταθῆσθαι  
IV Ma. 1. 33. ἐγὼ μὲν οἶμαι  
οικεῖν (ἡτλ. ἡ οἰκούμενη). (1) שָׁנָה (2) נָח  
(8) נָח (4) שָׁנָה a. gal. d. ni. c. ho.  
d. נָח. c. נָח (5) נָח (6) נָח  
(7) ἡ οἰκούμενη a. נָח d. נָח c. שָׁנָה  
d. נָח  
Ge. 4. 16. ὥρηνεν ἐν γῇ נאִיִּד (4 a)  
— 20. ἢν πατὴρ οἰκούντων ἐν σκηναῖς (4 a)  
16. 3. τοῦ οἰκίσαι Ἀβραμ ἐν γῇ Χαναάν (4 a)  
19. 30. Α. ὥρηνεν [B. κατὰ] ἐν τῷ σπηλαίῳ (4 a)  
20. 1. καὶ ὥρηνεν ἀνὰ μέσον Κάνθης (4 a)  
24. 3. B μεθ' αὐτὸν ἐγὼ οἰκῶ ἐν αὐτοῖς [A μετ' αὐ-  
τῶν, B' om. ἐν αὐτ.] (4 a)  
— 13. θυγατέρες τῶν οἰκούντων τὴν πόλιν (1)  
25. 27. ἀνθρώπος ἀπλῆστος οἰκῶν οἰκίαν (4 a)  
27. 44. οἰκῶν μετ' αὐτοῦ ἡμέρας τινάς (4 a)  
28. 19. οἰκῶν μετ' ἐμοῦ (4 a)  
34. 16. B καὶ οἰκίσανεν [A -σωμεν] παρ' ὕμιν  
— 21. οἰκίσαντες ἐπὶ τῇ γῇ (4 a)  
— 23. καὶ οἰκίσαντες μετ' ἡμῶν (4 a)  
35. 1. καὶ οἰκεῖ ἐκεῖ (4 a)  
36. 7. ἢν . . . πολλὰ τοῦ οἰκεῖν ἔμα (4 a)  
— 8. B κατῴκησεν [A ὥρηνεν] δὲ Ἡ. ἐν τῷ ὄρει (4 a)  
Ex. 2. 15. καὶ ὥρηνεν [A κατὰ] ἐν γῇ Μαδ. (4 a)  
16. 35. ἦλθον εἰς τὴν [A γῆν] οἰκούμενην (4 b)  
De. 28. 30. οὐκ οἰκίσῃς ἐν αὐτῇ (4 a)  
Jo. 21. 40. ὥρηνεν ἐν αὐτῇ  
Jd. 9. 21. ὥρηνεν [A κατὰ] ἐκεῖ (4 a)  
— 41. μὴ οἰκεῖν ἐν Σ. (4 a)  
10. 1. ὥρηνεν [A κατὰ] ἐν Σ. (4 a)  
11. 3. ὥρηνεν [A κατὰ] ἐν γῇ Τάβ (4 a)  
— 18. B πᾶσι τοῖς οἰκοῦσιν [A B κατοικ.] Γ. (4 a)  
— 26. ἐν τῷ οἰκίσαι [A οἰκῶ] Ἰσρ. ἐν Ἑσ. (4 a)  
20. 15. ἐκτός τῶν οἰκούντων τὴν Γ. [A αἰ.] (4 a)  
21. 9. ἀπὸ [A add. τῶν] οἰκούντων Ἰαβείθ Γ. (4 a)  
— 10. πατάξας τοὺς οἰκούντας Ἰ. [A αἰ.] (4 a)  
— 12. ἀπὸ οἰκούντων [A τῶν κατοικ.] Ἰ. (4 a)  
— 21. αἱ θυγατέρες τῶν οἰκούντων [A κατοικ.] Σ. —  
II Ki. 15. 8. ἐν τῷ οἰ. με ἐν Γ. (4 a)  
— 19. οἰκεῖ μετὰ τοῦ βασιλέως (4 a)  
19. 32. (33). ἐν τῷ οἰ. αὐτὸν ἐν Μ. (4 c)  
22. 16. ἀπεκαλύφθη θεμέλια τῆς οἰκουμένης (7 d)  
III Ki. 8. 17. A B οἰκοῦνεν [B οἰκ.] ἐν οἰκῷ ἐν Ἰ. (4 a)  
IV Ki. 4. 13. ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ ἐγὼ εἰμι οἰκῶ (4 a)  
6. 1. ἐν ᾧ ἡμεῖς οἰκοῦμεν (4 a)  
— 2. πούσωμεν ἐκεῖ ἐκεῖ τοῦ οἰ. ἐκεῖ (4 a)  
19. 36. ὥρηνεν ἐν Νιν. (4 a)  
I Ch. 4. 41. ὥρηναν ἀντ' αὐτῶν (4 a)  
II Ch. 34. 9. ἀπὸ . . . οἰκούντων ἐν Ἱερ. (4 a, +)  
I Es. 2. 3. ἐμὲ ἀνέδειξε βασιλεὺς τῆς οἰκου-  
— 6. ὅσοι οὐ κατὰ τοὺς τόπους οἰκοῦσι  
— 16. οἰκούντες [A οἰ. οἰ.] δὲ ἐν Σαμ.  
— 18. B' τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτην . . . οἰκοῦσιν  
[A B' οἰκοδομοῦσι]  
— 25. τοῖς . . . οἰκοῦσιν ἐν τῇ Σαμ.  
II Es. 4. 6. ἔγραψαν . . . ἐπὶ οἰκούντας Ἰ. (4 a)  
— 17. τοῖς οἰκούντας ἐν Σαμ. (4 d)  
Ne. 3. 26. οἱ Ν. ἦσαν οἰκούντες ἐν τῷ Ὄ. (4 a)  
4. 12 (6). οἱ Ἰ. οἱ [B' om.] οἰκούντες ἐχόμενα  
αὐτῶν (4 a)  
7. 3. στήσας προφύλακας οἰκούντων ἐν Ἰ. (4 a)  
13. 4. Ἐλ. ὁ ἱερεὺς οἰκῶν ἐν γαζοφυλακίῳ (5)  
To. 5. 6. B τῷ ἀδ. ἡμῶν τῷ οἰκοῦντι ἐν Ἐκβ. [A B  
αἰ.]  
— 16. ὁ δὲ ἐν τῷ οὐρανῷ οἰκῶν [A κατοικῶν] θεός  
[B αἰ.]  
14. 7. B οἰκοῦσιν . . . ἐν τῇ γῇ Ἀβρ.  
— 12. B ὥρηνεν ἐν Ἐκβ. [A B αἰ.]  
Ju. 5. 5. δε κατοικεῖ τὴν ὁρενὴν τ. πλησίον σου  
οἰκούντος  
— 15. ὥρηναν ἐν γῇ [B γῆν] Ἀμορραίων  
Es. 1. 1. ἀνθρώπος Ἰ. οἰκῶν ἐν Σουσοῖς  
8. 13. B B καὶ πάσης ἐπικρατίας [A' add. τῆς  
οἰκουμένης]  
— 13. ἐν πᾶσαις ταῖς κατὰ τὴν οἰκουμένην φυλαῖς  
9. 19. B' οἱ δικασταὶ οἰκούντες [A B' om.]  
ἐν πάσῃ χώρᾳ (4 a)  
Ps. 9. 8. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (7 d)  
16 (17). 12. ὥστε σκύμνος οἰκῶν ἐν ἀποκρίφοις (4 a)

Ps. 17 (18). 15. ἀνεκαλύφθη τὰ θεμέλια τῆς  
οἰκου. (7 d)  
18 (19). 4. εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμένης (7 d)  
23 (24). 1. ἡ οἰκουμένη καὶ πάντες οἱ κατοικοῦν-  
τες ἐν αὐτῇ (7 d)  
32 (33). 8. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκου. (7 d)  
48 (49). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκου. (7 b)  
49 (50). 12. ἐμὴ γὰρ ἐστὶν ἡ οἰκουμένη (7 d)  
66 (67). 4. B' κρινεῖ τὴν οἰκου. ἐν δικαιοσύνῃ —  
71 (72). 8. ὥς περὰ τῶν τῆς οἰκουμένης (7 a)  
76 (77). 18. B' B ἔφαναν αἱ ἀστραπαὶ σου  
τῇ οἰκουμένην (7 d)  
88 (84). 10. A B B' μᾶλλον ἡ οἰκεῖν [B' B οἰκ.  
με] ἐπὶ [A B' ἐν] σκηνώμασιν ἁμαρ-  
τωλῶν (8)  
88 (89). 11. τὴν οἰκου. καὶ τὸ πλήρωμα αὐ. (7 d)  
89 (90). 2. καὶ πλησθήσιν τὴν γῆν καὶ τὴν [A'  
om. κ. τ.] οἰκουμένην (7 d)  
92 (93). 1. ἐσπερέσεις τὴν οἰκουμένην (7 d)  
95 (96). 10. κατάρθωσεν τὴν οἰκουμένην (7 d)  
— 13. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (7 d)  
96 (97). 4. ἔφαναν αἱ ἀστραπαὶ αὐ. τῇ οἰκου. (7 d)  
97 (98). 7. ἡ οἰκου. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (7 d)  
— 9. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (7 d)  
Pr. 8. 26. καὶ ἅπαντα οἰκούμενα τῆς γῆς οὐρανῶν  
[A B -όν] +  
— 31. ὅτε ἐνευρήσῃτο [A ὑψρ.] τὴν οἰκου-  
μένην συντελέσας (7 d + 7 a)  
10. 30. ἀσβεῖς δὲ οὐκ οἰκίσουσιν [B' ἡκουσιν] γῆν (6)  
21. 9. κρείσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας ὑπαίθρου (4 a)  
— 19. κρείσσον οἰκεῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 a)  
25. 24. κρείσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας δώματος (4 a)  
27. 10. κρείσσον φίλος ἐγγυῆς ἢ ἀδελφός μακ-  
ρὰν οἰκῶν —  
Wi. 1. 7. πνεῦμα κυρίου πεπλήρωκε τὴν οἰκουμένην  
14. 17. μὴ δυνάμειοι τιμᾶν ἀνθρώποις διὰ τὸ μακρὰν  
οἰκεῖν  
Si. 38. 32. A B' ἀνευ αὐτῶν οὐκ οἰκίσεται [B' -ηθί-  
σεται, B -ισθήσεται] πόλις  
Ho. 10. 14. τὰ τετελεσμένα σου οἰκίσεται [A  
οἰκίσεται] +  
Hg. 1. 4. εἰ καιρὸς μεν ὕμιν ἐστὶ τοῦ οἰκεῖν ἐν  
οἰκοῖς ὑμῶν (4 a)  
Is. 5. 8. μὴ οἰκίσῃτε [B -σῃτε] μόνοι ἐπὶ τῆς γῆς (4 c)  
6. 5. ἐν μέσῳ λαοῦ ἀκάθαρτα χεῖρ ἔχοντος  
ἐγὼ οἰκῶ (4 a)  
10. 14 (15). τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι  
τῇ χειρὶ (7 c ?)  
— 23. λόγον συντηρημένην ποιήσει κ. ἐν τῇ  
οἰκουμένῃ ὅλην (7 a)  
13. 5. καταβήσονται πᾶσαν τὴν οἰκου. [A B τ.  
οἰ. ὅλην] (7 a)  
— 9. θείναι τὴν οἰκου. ἔρημον (7 a)  
— 11. ἐντελόμενοι τῇ οἰκου. ὅλη κακὰ (7 d)  
14. 17. ὁ θεὸς τὴν οἰκου. ὅλην ἔρημον (7 d)  
— 26. A B ἢν βεβούληται κ. ἐπὶ τὴν οἰκου.  
ὅλην καὶ αὐτὴ ἡ χεῖρ ἡ ὑψηλὴ ἐπὶ  
πάντα τὰ ἔθνη τῆς οἰκου. [B om.  
τ. οἰ.] (7 a, +)  
21. 12. παρ' ἐμοὶ οἰκεῖ [B ἔκει] +  
23. 17. ἐστὶ ἐμπόριον πᾶσαις ταῖς βασιλείαις  
τῆς [B' om.] οἰκου. (7 a)  
24. 1. κύριος καταβήσεται τὴν οἰκου. (7 a)  
— 4. ἐφθάρη ἡ οἰκου. (7 d)  
27. 6. ἐμπλησθήσεται ἡ οἰκου. τοῦ καρποῦ αὐ. (7 d)  
30. 19. λαὸς ἅγιος ἐν Σ. οἰκίσει (4 a)  
32. 18. B οἰκίσει [A B κατοικ.] ὁ λαὸς αὐ. (4 a)  
ἐν πόλει εἰρήνης (4 a)  
33. 16. οἰκίσει [B -σῃ] ἐν ὑψηλῇ σπηλαίῳ (6)  
34. 1. ἡ [B' om.] οἰκου. [B' οἰ οἰκούντες] καὶ  
ὁ λαὸς ὃ ἐν αὐτῇ (7 d)  
— 11. ὀνοκύνταυροι οἰκίσουσιν ἐν αὐτῇ —  
37. 16. σὺ εἰ ὁ θεὸς μόνος πάσης βασιλείας τῆς  
οἰκου. (7 a)  
— 18. ἡ ἡρώδης βασιλεὺς Ἀσσυρίων τὴν  
οἰκου. ὅλην (7 a)  
— 26 (27). καὶ οἰκούντας [A B ἐνοικ.] ἐν πό-  
λεσιν ὀχυραῖς (4 a)  
— 37. ὥρηνεν ἐν Νιν. (4 a)  
82. 4. καὶ τῇ γῇ σου Οἰκουμένη +  
Je. 5. 7. B ἐν τοῖς οἰκοῦσιν [A B B οὐκ οὐσι  
θεοῖς] +  
10. 12. ὁ ἀνορθώσας τὴν οἰκου. ἐν τῇ σοφίᾳ  
αὐ. (7 d)  
28 (51). 15. ἐτοιμάζων οἰκουμένην ἐν τῇ σοφίᾳ  
αὐ. (7 d)

Je. 31 (48). 28. A ὥρηναν ἐν πέτραις οἰκούντες  
[B B π. οἱ κατοικ.] Μωάβ (6, 4 a)  
42 (35). 4. A ὅς ἐστιν ἐγγὺς οἰκούντων [B B  
τοῦ οἰκοῦ τῶν] ἀρχόντων +  
— 7. ἐν σκηναῖς οἰκίσετε [A κατοικ.] (4 a)  
— 9. A' πρὸς τὸ μὴ οἰκεῖν [A' B B οἰκοδομεῖν]  
οἰκίας +  
— 10. ὥρηναν ἐν σκηναῖς (4 a)  
— 11. ὥρηναν [A -κίσαντες, B οἰκούντες] ἐκεῖ (4 a)  
— 15. οἰκίσετε ἐπὶ τῆς γῆς (4 a)  
47 (40). 5. οἰκίσον μετ' αὐτοῦ (4 a)  
— 10. οἰκίσατε [A -σετε] ἐν ταῖς πόλεσιν (4 a)  
49 (42). 14. ἐκεῖ οἰκίσαντες [B -σωμεν] (4 a)  
50 (43). 2. μὴ εἰσελθῇτε εἰς Αἴγυπτον οἰκεῖν  
[A κατοικ.] ἐκεῖ (2)  
La. 4. 12. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκου. (7 d)  
Er. Je. 62. ἐπιπορεύεσθαι ἐφ' ὅλην τὴν οἰκου.  
Ez. 38. 11. ἦξω ἐπὶ . . . οἰκούντας [A κατοικ.]  
ἐπ' εἰρήνης (4 a)  
Da. LXX. Su. 1. ἢν ἀνὴρ οἰκῶν ἐν Βαβ. —  
3. 37. τὴν δόξαν ἔδωκεν ἐν πάσῃ τῇ οἰκου. —  
3. 2. καὶ κρινεῖ τὴν οἰκου. ὅλην —  
— 2. καὶ πᾶν τὸν κατὰ τὴν οἰκου. —  
— (45). καὶ ἐνδοξὸς ἐφ' ὅλην τὴν οἰκου. —  
— 31 (98). τοῖς οἰκοῦσιν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2)  
4. 9. ἐν αὐτῷ ὥρηναν —  
— 34. γλώσσας πᾶσαις ταῖς οἰκοῦσαις ἐν πᾶ-  
σαις ταῖς χώραις —  
— 34. καὶ πᾶσι τοῖς οἰκοῦσιν ἐν αὐταῖς —  
6. 25 (26). τοῖς οἰκοῦσιν ἐν πάσῃ τῇ γῇ αὐ. (2)  
Da. TH. Su. 1. ἢν ἀνὴρ οἰκῶν ἐν Βαβ. —  
3. (45). καὶ ἐνδοξὸς ἐφ' ὅλην τὴν οἰκου. —  
— 31 (98) : 6. 25 (26). τοῖς οἰκοῦσιν ἐν πάσῃ  
τῇ γῇ (2)  
I Ma. 9. 73. ὥρηναν Ἰ. ἐν Μ. —  
10. 10. B B ὥρηναν [A ἡκουσεν] Ἰ. ἐν Ἱερ. —  
13. 52. καὶ ὥρηναν ἐκεῖ —  
— 53. καὶ ὥρηναν ἐν Γ. —  
14. 34. B B ἐν τῇ ὥρηναν [A -ουσιν] οἱ πολέμοι —  
II Ma. 2. 22. τὸ περιζώσθον καθ' ὅλην τὴν οἰκου.  
ἰερὸν  
5. 17. διὰ τὰς ἁμαρτίας τῶν τὴν πόλιν οἰκούντων  
6. 2. καθὼς ἐτίγγανον οἱ τὸν τόπον οἰκούντες  
12. 3. παρακαλέσαντες τοὺς σὺν αὐτοῖς οἰκούντας Ἰ.  
[A q. Ps. 32 (33). 8 : 89 (90). 2 : Is. 14. 21 : Je.  
35 (42). 7 : 44 (51). 1 : Hb. 8. 3.]  
[Sm. Ex. 2. 21 : IV Ki. 15. 5 : Ps. 32 (33). 8 :  
60 (61). 8 : 67 (68). 7 : 89 (90). 2 : 95 (96).  
10 : 97 (98). 7 ὅς : 124 (125). 1 : 126 (127).  
2 : Is. 6. 5 : 8. 14 : 14. 21 : 58. 12 : Je. 35.  
(42). 7 : 44 (51). 1, 14 : 49. 8 (29. 9).]  
[Th. Is. 14. 21 : 58. 12 : Hb. 8. 3.]  
[Al. Le. 13. 46 : Dt. 1. 7 : 3. 29 : II Ch. 36.  
23 : Je. 22. 12 : Hb. 3. 6.]  
οικείως. (1) ἡδύ (2) ὡς (3) ὡς (4) ὡς  
(4) ὡς (5) α. ὡς d. ὡς  
Le. 18. 6. πρὸς πάντα οἰκία σαρκὸς αὐτοῦ (5 a)  
— 12. B οἰκία γὰρ πατὴρ σου ἐστίν (5 a)  
— 13. οἰκία γὰρ μητὴρ σου ἐστίν (5 a)  
— 17. οἰκία γὰρ σου εἰσίν (5 b)  
21. 2. ἀλλ' ἡ ἐν τῷ οἰ. τῷ ἔγγιστῳ αὐτῶν (5 a)  
25. 49. ἡ ἀπὸ τῶν οἰ. τῶν σαρκῶν αὐ. (5 a)  
Nu. 25. 5. ἀποκτενεῖτε ἕκαστος τὸν οἰ. αὐτοῦ (2)  
27. 11. δώσατε τὴν κληρονομίαν τῷ οἰ. (5 a)  
I Ki. 10. 14. εἶπεν ὁ οἰ. αὐ. πρὸς αὐτὸν (4)  
— 15. εἶπεν ὁ οἰ. πρὸς Σ. (4)  
— 16. εἶπεν Σ. πρὸς τὸν οἰ. αὐτοῦ (4)  
14. 50. Ἀβ. υἱὸς Νηρὶ υἱοῦ οἰκίου Σ. (4)  
I Ch. 4. 21. B γενέσεις οἰκίαν [A B οἰκίαν]  
ἐφρ. (3)  
Jb. 19. 15. A γείτονας οἰκίᾳ θεράποντες [B B  
γ. οἰκίας] (3)  
37. 10. A οἰκία δὲ τὸ ὕδωρ [B B αἰ.] +  
Pr. 17. 9. διόσσησι φίλους καὶ οἰκείους (1)  
Am. 6. 10. καὶ λήγονται οἱ οἰ. αὐτῶν (4)  
Is. 3. 6. ἐπιλήψεται ἄνθρωπος . . . τοῦ οἰ. τοῦ  
πατρὸς αὐ. (3)  
31. 9. ἔχει . . . οἰκείους ἐν Ἱερουσαλὴμ +  
58. 7. ἀπὸ τῶν οἰ. [B οἰκίαν] τοῦ σπέρματός  
σου οὐκ ὑπερόψη +  
I Ma. 1. 61. A ἐκρίμασαν τοὺς οἰ. [B B οἰκίαν] αὐ.  
[B B αἰ.]  
II Ma. 3. 18. A οἱ δὲ ἐκ τῶν οἰ. [B -κίαν] . . . ἔξε-  
πύδων  
8. 33. A εἰς ἐν οἰ. [? οἰκίαν] πεφνευγὰ [B αἰ.]

<p>II Ma. 15. 12. B ἐκμελετηκὸτα πάντα τὰ τῆς ἀρετῆς οἱ. [A ἰδία]</p> <p>III Ma. 6. 8. ἀπημάνον πᾶσιν οἱ. ἀνέδειξας οἰκεύτης. (1) 𐤀𐤌𐤁𐤏</p> <p>Le. 20. 19. τὴν γὰρ οἱ. ἀπεκύλυνεν [A -as] (1)</p> <p>οἰκειοῦν.</p> <p>IV Ma. 5. 26. τὰ μὲν οἰκειωθῶσιν. . . ἐσθίειν οἰκεσία.</p> <p>IV Ki. 19. 25. ἐγενήθη εἰς ἐπάρευσιν ἀπὸ οἰκεσιῶν μαχίμων +</p> <p>οἰκέτης. (1) 𐤀𐤌𐤁𐤏</p> <p>Ge. 9. 25. οἰκέτης ἔσται τοῖς ἀδελφοῖς αὐτοῦ (1)</p> <p>— 26. B καὶ ἔσται Χαναάν παῖς οἰκέτης [A om.] αὐτοῦ (1)</p> <p>27. 37. τοὺς ἀδ. αὐ. πεποιήκα αὐτοῦ οἰκέτας (1)</p> <p>44. 16. ἰδοὺ ὅρμεν οἰκέται τῷ κυρίῳ ἡμῶν (1)</p> <p>— 33. παῖς ἀντὶ τοῦ παιδίου οἰκέτης τοῦ κυρίου (1)</p> <p>50. 18. οἶδε ἡμεῖς σὺ οἰκέται (1)</p> <p>Ex. 5. 15. σὺ [A om.] οὕτως ποιεῖς τοῖς σοῖς οἱ. (1)</p> <p>— 16. ἄχρον οὐ δίδωσι τοῖς οἱ. σου (1)</p> <p>12. 44. πάντα οἰκέτην [A add. τινός] (1)</p> <p>21. 26. τὸν ὀφθαλμὸν τοῦ οἱ. αὐτοῦ (1)</p> <p>— 27. ἐὰν δὲ τὸν ὀδόντα τοῦ οἱ. . . ἐκκόψῃ (1)</p> <p>32. 13. Ἰσραὴλ καὶ Ἰακώβ τῶν σῶν οἱ. (1)</p> <p>Le. 25. 39. οὐ δουλεύσεις σου δουλείαν οἰκέτου (1)</p> <p>— 42. οἰκέται μοῦ εἰσιν οἱτοὶ (1)</p> <p>— 42. οὐ πραθήσεται ἐν πράσει οἰκέτου (1)</p> <p>— 55. ἔμοι οἱ υἱοὶ Ἰσρ. οἰκέται εἰσιν (1)</p> <p>Nu. 32. 5. διηθροτὴ γῆ αὐτῆς τοῖς οἱ. [A παῖσι] σου (1)</p> <p>De. 5. 15. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)</p> <p>6. 21. οἰκέται ἦμεν τῷ Φ. (1)</p> <p>15. 15. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)</p> <p>— 17. ἔσται καὶ [A σου] οἰκέτης (1)</p> <p>16. 12. μυησθήσῃ ὅτι οἰκέτης ἐγένου (1)</p> <p>24. 18. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)</p> <p>— 20. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)</p> <p>— 22. οἰκέτης ἦσθα ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)</p> <p>34. 5. B<sup>2</sup> B ἐτελείεσθε M. οἱ [A B<sup>1</sup> om.] οἱ. κυρίου (1)</p> <p>Jo. 5. 14. τί προστάσεις τῷ σφ. οἱ. (1)</p> <p>9. 8. 11. οἰκέται σοῦ ὅρμεν (1)</p> <p>I Es. 8. 19. τὴν τὴ τοῦ οἱ. καὶ τὴν τοῦ ἐλευθέρου (1)</p> <p>4. 59. καὶ ἐγὼ σὺς οἱ. (1)</p> <p>To. 8. 9. B ἐκάλεισεν τοὺς οἱ. (1)</p> <p>— 18. ἐκάλεισε δὲ τοὺς οἱ. [S al.] (1)</p> <p>9. 2. B παράλαβε μετὰ σεαυτοῦ τέσσαρας οἱ. [A B al.] (1)</p> <p>— 5. B ἐπορεύθη P. καὶ οἱ τέσσαρες οἱ. [A B om. κ. οἱ τ. οἱ.] (1)</p> <p>Pr. 13. 13. οἰκέτης δὲ σοφῆς ἐβδοὶ ἔσονται πράξεις - (1)</p> <p>17. 2. οἰκέτης νομίμων κρατήσῃ δεσποτῶν ἀφρόνων (1)</p> <p>19. 10. ἐὰν οἰκέτης ἀρετῆται μετ' ὕβρεως δυναστεύειν (1)</p> <p>22. 7. οἰκέται ἰδιοῖς δεσπόταις δανειοῦσιν (1)</p> <p>24. 33 (80. 10). μὴ παραδῶς οἰκέτην εἰς χεῖρας δεσποτῶν (1)</p> <p>— 57 (80. 2). ἐὰν οἰκέτης βασιλεύσῃ (1)</p> <p>— 58 (80. 23). B<sup>2</sup> καὶ οἰκέτης [A B B<sup>1</sup> -is] εἰὼν ἐκβάλλῃ τὴν ἐν. κυρίαν +</p> <p>29. 19. λόγους οὐ παιδεύθησάντι οἰκέτης σκληρὸς [B<sup>1</sup> σκληροτέρητος] (1)</p> <p>— 21. δὲ καταπατάλῃ ἐκ παιδὸς οἰκέτης ἔσται (1)</p> <p>Si. 4. 30. καὶ ἰσθι . . . φαντασιοκοπῶν ἐν τοῖς οἱ. σου (1)</p> <p>6. 11. ἐπὶ τοὺς οἱ. σου παρησιάζεται (1)</p> <p>7. 20. μὴ κακῶσθῃ οἰκέτην ἐργαζόμενον ἐν ἀληθείᾳ (1)</p> <p>— 21. A B οἰκέτην συνεντὸν [B ἀγαθὸν] ἀγαπᾷτω σου ἡ ψυχὴ +</p> <p>10. 25. οἰκέτῃ σοφῇ [B<sup>1</sup> συνετῇ] ἐλευθέρῳ λειτουργήσουσιν (1)</p> <p>23. 10. ὥσπερ γὰρ οἰκέτης ζήτηζόμενος ἐνδελεχῶς (1)</p> <p>30. 33 (83. 24). ἀγρος καὶ παιδεία καὶ ἔργον οἰκέτῃ (1)</p> <p>— 35 (83. 26). οἰκέτῃ κακούργῳ στρέβλαι καὶ βιάσονται (1)</p> <p>— 39 (83. 30). 39 (83. 31). εἰ ἔστι σοι οἰκέτης (1)</p> <p>36. 22 (19). A B εἰσακούσων, κύριε, δέσμεως τῶν οἱ. [B ἰκετών] σου (1)</p> <p>37. 11. οἰκέτῃ ἀργῷ περὶ πολλὰς ἡγρᾶσις (1)</p> <p>42. 5. οἰκέτῃ πονηρῷ πλευρίαν αἱμῆται (1)</p> <p>Is. 36. 9. οἰκέται εἰσὶν οἱ πεποιθότες ἐπ' Αἰγ. (1)</p>	<p>οἰκετικός.</p> <p>III Ma. 2. 28. εἰς λαογραφίαν καὶ οἱ. διάθεσιν ἀχθῆναι οἰκέτης. (1) 𐤀𐤌𐤁𐤏 (2) 𐤀𐤌𐤁𐤏</p> <p>Ex. 21. 7. ἀποδοτὰς τὴν ἐν. θυγατέρα οἰκέτην (1)</p> <p>Ez. 19. 20. καὶ αὐτὴ οἱ. διαπεφυλαγμένη (2)</p> <p>Pr. 24. 58 (80. 23). οἰκέτης [B<sup>2</sup> -ης] εἰὼν ἐκβάλλῃ τὴν ἐν. κυρίαν (2)</p> <p>[Aq. Ex. 21. 7.] (1)</p> <p>[Al. Ex. 2. 5.] (1)</p> <p>οἰκεμα. (1) 𐤀𐤌𐤁𐤏</p> <p>To. 2. 4. ἀνευλόμητι ἐν τῷ οἱ. [S al.] (1)</p> <p>Wi. 13. 15. παύσας αὐτῷ αὐτοῦ [S om.] ἄξιον οἰκεμα (1)</p> <p>Ez. 18. 24. φκοδόμησας σεαυτὴν οἱ. πορνικόν (1)</p> <p>οἰκήσις. (1) 𐤀𐤌𐤁𐤏</p> <p>II Ch. 17. 12. φκοδόμησεν οἰκήσεις (1)</p> <p>27. 4. φκοδόμησεν . . . οἰκήσεις (1)</p> <p>To. 13. 12. B καὶ ἐμυτρίοντες τὰς οἱ. σου (1)</p> <p>Ju. 7. 14. ἐν ταῖς πλατείαις τῆς οἱ. αὐ. (1)</p> <p>I Ma. 13. 48. φκοδόμησεν ἐαυτῷ ἐν αὐτῇ οἰκισιν [Sm. I. Ki. 19. 22 : Jb. 88. 20 : Ps. 48 (49). 15 : 90 (91). 9 : 103 (104). 17.] (1)</p> <p>[Th. Je. 9. 21 (30) : Am. 2. 5.] (1)</p> <p>οἰκητήριον.</p> <p>II Ma. 11. 2. τὴν μὲν πόλιν Ἑλλήσιν οἰκητήριον ποιήσιν (1)</p> <p>III Ma. 2. 15. B τὸ μὲν γὰρ οἱ. [A κατοικ.] σου οὐρανὸς . . . ἐστίν (1)</p> <p>[Aq. Ps. 67 (68). 6 : 90 (91). 9.] (1)</p> <p>[m., Th. Ps. 90 (91). 9.] (1)</p> <p>[Al. Je. 25. 30 (32. 16).] (1)</p> <p>οἰκητός. (1) 𐤀𐤌𐤁𐤏</p> <p>Le. 25. 29. ἐὰν δέ τις ἀποδοτὰς οἰκίαν οἱ. (1)</p> <p>II Ma. 9. 17. πάντα τόπον οἱ. ἐπελεσκεσθαι (1)</p> <p>III Ma. 4. 3. B τίς τὸ σύνολον οἱ. [A οἰκιστος] τόπος (1)</p> <p>οἰκήτωρ. (1) 𐤀𐤌𐤁𐤏 (2) εἶναι οἱ. 𐤀𐤌𐤁𐤏</p> <p>I Ch. 4. 41. A ἐπάταξεν τοὺς οἱ. [B οἰκου.] αὐ. (1)</p> <p>Pr. 2. 21. A B χρηστοὶ ἔσονται οἰκίκορες γῆς (2)</p> <p>Wi. 12. 3. τοὺς παλαιούς [B παλαι.] οἱ. τῆς ἀγίας σου γ</p>
--	---

- Jd. 18. 22. οἱ ἄνδρες οἱ ἐν ταῖς οἰ. [A al.] (2)  
 19. 15. συνάγον αὐτοὺς εἰς οἰκίαν [A τὸν οἶκον] (2)  
 — 18. συνάγον με εἰς τὴν οἰ. (2)  
 — 21. Α εἰσῆγγαγεν αὐτὸν εἰς τὴν οἰ. αὐ. [B al.] (2)  
 — 22. ἐκύκλωσαν τὴν οἰ. (2)  
 — 22. Α τὸν ἄνδρα τὸν κύριον τῆς οἰ. [B τοῦ οἴκου] (2)  
 — 22. δε εἰσῆλθεν [A τὸν ἐλθόντα] εἰς τὴν οἰ. σου (2)  
 — 23. Α ὁ ἄνθρωπος οὗ κύριος τῆς οἰ. [B τοῦ οἴκου] (2)  
 — 23. μετὰ τὸ εἰσελθεῖν τὸν ἄνδρα τ. εἰς τὴν οἰ. μου (2)  
 20. 5. ἐκύκλωσαν ἐπ' ἐμὲ ἐπὶ τὴν οἰ. [A al.] (2)  
 I Ki. 21. 15 (16). οὗτος οὐκ εἰσελεύσεται εἰς οἰκίαν (2)  
 28. 24. ἡ δὲ βασιλὴς νομάς ἐν τῇ οἰ. (2)  
 II Ki. 16. 2. τὰ ὑποζύγια τῆς οἰ. τοῦ βασιλ. (2)  
 17. 18. εἰσῆλθον εἰς οἰκίαν ἀνδρός (2)  
 — 20. ἦλθαν οἱ παῖδες Ἀβ. . . εἰς τὴν οἰ. (2)  
 III Ki. 13. 15. Α δεῦρο μετ' ἐμοῦ εἰς τὴν οἰ. [B οἶκός σου τ. οἰ.] (2)  
 IV Ki. 4. 35. ἐπορεύθη ἐν τῇ οἰ. (2)  
 I Ch. 4. 21. γενέσθαι οἰκίαν ἐφ' ἧς ἀβάκ [A al.] (2)  
 12. 28. καὶ τῆς πατρικῆς οἰ. αὐ. ἀρχοντες (2)  
 15. 1. ἐποίησαν αὐτῷ οἰκίαν (2)  
 II Es. 6. 11. καθαιρέσθαι ξύλον ἐκ τῆς οἰ. αὐ. (2)  
 Ne. 3. 10. καὶ κατέναντι οἰκίας [A -α] αὐτοῦ (2)  
 4. 14 (8). B παρατάραξθε περὶ . . . οἰκίων [A B οἴκων] ὅ. (2)  
 5. 3. καὶ οἰκία ἡμῶν ἡμεῖς διεγυῶμεν (2)  
 — 4. καὶ ἀμπελώνες ἡμῶν καὶ οἰκίαι ἡμῶν (2)  
 — 11. ἐπιστρέψατε δὴ . . . οἰκίας αὐτῶν (2)  
 7. 3. ἀνὴρ ἀπέναντι οἰκίας αὐ. (2)  
 — 4. οὐκ ἦσαν οἱ οἰκοδομημένοι (2)  
 9. 25. ἐκληρονόμησαν οἰκίας πλήρεις πάντων ἀγαθῶν (2)  
 To. 7. 1. Α Β παρεγένετο εἰς τὴν οἰ. Ῥαγουήλ (2)  
 — 1. εἰσῆγγαγεν αὐτοὺς εἰς τὴν οἰ. [B al.] (2)  
 8. 11. ἦλθε Ῥ. εἰς τὴν οἰ. [B τὸν οἶκον] (2)  
 11. 3. ἐτοιμάσαμεν τὴν οἰ. (2)  
 — 17. B εἰσελθε εἰς τὴν οἰ. σου (2)  
 13. 18. B πᾶσαι αἱ οἰ. αὐ. ἐρούσιν [A B al.] (2)  
 14. 13. B ἐκληρονόμησεν τὴν οἰ. Ῥ. [A B al.] (2)  
 Es. 1. 22. ὅσπερ εἶναι φόβον αὐτοῖς ἐν ταῖς οἰ. αὐ. (2)  
 7. 8. βιάζῃ ἐν τῇ οἰ. μου (2)  
 Jb. 1. 10. οὐ οὐν περιέφραζας . . . τὰ ἔστω τῆς οἰ. αὐτοῦ (2)  
 — 13. ζῆτιον οἶκον ἐν τῇ οἰ. τοῦ ἀδελφοῦ αὐτῶν (2)  
 — 19. ἤψατο τῶν τεσσάρων γωνιῶν τῆς οἰ. καὶ ἔπεσεν ἡ οἰ. ἐπὶ τὰ παῖδιά σου (2, -)  
 2. 9. κἀγὼ πλανώμενος [A B<sup>3</sup> πανήγεις] . . . οἰκίαν ἐξ οἰκίας [B<sup>3</sup> add. περιερχομένη] (2, -)  
 4. 19. τοὺς δὲ κατοικοῦντας οἰκίας πηλίνος (2)  
 8. 15. ἐὰν ὑπερέσῃ τὴν οἰ. αὐτοῦ (2)  
 19. 15. γένοιτο οἰκίας [A οἰκίαι θεράποντες] (2)  
 20. 15. ἐξ οἰκίας αὐτοῦ ἐξελεύσεται αὐτὸν ἄγγελος (2)  
 24. 12. Α ἐξ οἰκίων ἰδίων ἐξέβαλον αὐτοὺς [B B al.] (2)  
 — 16. διώρυσεν ἐν σκότει οἰκίας (2)  
 30. 23. οἰκία γὰρ παντὶ θυγῇ γῇ (2)  
 Ps. 48 (49). 11. οἱ τάφοι αὐτῶν οἰκία αὐτῶν εἰς τὸν αἶωνα (2)  
 83 (84). 3. στρουθίον εὗρεν ἑαυτῷ οἰκίαν (2)  
 100 (101). 7. οὐ κατὰ κεῖ ἐν μέσῳ τῆς οἰ. μου (2)  
 103 (104). 17. τοῦ ἔρωδιου ἡ οἰ. ἡγείται αὐτῶν (2)  
 127 (128). 3. ὡς ἀμπελὸς εὐθνήσασα ἐν ταῖς κλίσεσι τῆς οἰ. σου (2)  
 Pr. 14. 9. οἰκίας παρανόμων [A ἀφρόνων] ὀφείλῃσιν καθαρισμὸν οἰκίας δὲ δικαίων δεκάτι + (2)  
 — 11. οἰκία ἀσεβῶν ἀφανισθήσονται (2)  
 25. 24. μετὰ γυναικὸς λαιδῶρον ἐν οἰκίᾳ κοιῇ (2)  
 Ec. 10. 18. ἐν ἀργείᾳ χειρῶν στάζει [A στενάζει] ἡ οἰ. (2)  
 12. 3. ἐὰν σαλευθῶσι φυλάκες τῆς οἰ. (2)  
 Si. 4. 30. B μὴ ἴσθι ὡς λέων ἐν τῇ οἰ. [A B τῷ οἴκῳ] σου (2)  
 21. 8. ὁ οἰκοδόμῳ τὴν οἰ. αὐτοῦ ἐν χρήμασιν ἀλλοτριῶς (2)  
 — 22. πῶς μαροῦ ταχὺς εἰς οἰκίαν (2)  
 — 23. ἀφῶν ἀπὸ θύρας παρακίππει εἰς οἰκίαν (2)  
 26. 16. κἄλλος ἀγαθὸς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οἰκίας αὐ. (2)  
 28. 14. οἰκίας μεγιστῶν κατέστρεψε (2)  
 29. 23. B<sup>3</sup> οὐκ ἐκτίσθη οἰκία σου μὴ ἀκούσῃς (2)  
 — 24. ζωὴ πονηρὰ ἐξ οἰκίας εἰς οἰκίαν (2)  
 Si. 29. 27. ἐπεξένωται μοι ὁ ἀδελφὸς χρεια τῆς οἰ. [B<sup>3</sup> ξενίας] (2)  
 — 28. ἐπιτίμησιν οἰκίας καὶ οὐκ ἐκτίσθη δανειστοῦ (2)  
 Am. 6. 9. Α Β ἐὰν ὑποληφθῶσι δέκα ἄνδρες [B om. ἄν.] ἐν οἰκίᾳ μιᾷ (2)  
 — 10. ἐρεῖ τοῖς προσετηκόσι τῆς οἰ. (2)  
 Mi. 2. 9. ἀπορριφθήσονται ἐκ τῶν οἰ. τρυφῆς αὐτῶν (2)  
 J1. 2. 9. ἐπὶ ταῖς οἰ. [A τὰς οἰ.] ἀναβήσονται (2)  
 Ze. 1. 13. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (2)  
 Za. 5. 11. οἰκοδομήσουσι αὐτῶν οἰκίαν ἐν γῇ B. (2)  
 14. 2. καὶ διαρπαγῇσονται αἱ οἰ. (2)  
 Is. 3. 22. τὰ ἐπιβλήματα τὰ κατὰ τὴν οἰ. (2)  
 5. 8. οὐαὶ οἱ συνάπτοντες οἰκίαν πρὸς οἰκίαν (2, 2)  
 — 9. ἐὰν γὰρ γένωνται οἰκία πολλὰ (2)  
 13. 16. τὰς οἰ. αὐτῶν προνομήσουσι [B<sup>3</sup> al.] (2)  
 — 21. ἐμπεληθήσονται αἱ οἰ. [A πλ. οἰ.] ἤχου (2)  
 24. 10. κλείσει οἰκίαν (2)  
 32. 13. ἐκ πάσης οἰκίας εὐφροσύνη ἀρθήσεται (2)  
 58. 7. B ἀπὸ τῶν οἰ. [A B οἰκίων] τοῦ σπέρματός σου + (2)  
 65. 21. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (2)  
 Je. 5. 6. λύκος ὥς τῶν οἰ. ὠλεθρυνεν αὐτοὺς + (2)  
 6. 12. μεταστραφήσονται αἱ οἰ. αὐτῶν εἰς ἑτέρας (2)  
 16. 8. εἰς οἰκίαν πότον οὐκ εἰσελεύσῃ (2)  
 17. 22. B<sup>3</sup> μὴ ἐκφέρετε βαστάγματα ἐξ οἰκίων [A -κων] ἡμῶν (2)  
 18. 22. γεννηθήτω κραυγὴ ἐν ταῖς οἰ. αὐτῶν (2)  
 19. 13. ἐν πάσαις ταῖς οἰ. ἐν αἷς ἐθύμισαν (2)  
 22. 13. ὁ οἰκοδόμῳ οἰκίαν αὐτοῦ οὐ μετὰ δικαιοσύνης (2)  
 36 (29). 5. Α Β<sup>3</sup> οἰκοδομήσατε οἰκίαν [B<sup>3</sup> -ας, B -κους] (2)  
 — 28. οἰκοδομήσατε οἰκίας (2)  
 39 (32). 15. κτισθήσονται [A κτήσ.] ἀγροὶ καὶ οἰκία (2)  
 — 29. κατακαύσουσι [A καύσωσιν] τὰς οἰ. [B<sup>3</sup> τὴν οἰ.] (2)  
 40 (33). 4. Α Β<sup>3</sup> περὶ οἰκίας [B B<sup>3</sup> οἴκων] τῆς πόλεως ταύτης [B<sup>3</sup> al.] (2)  
 42 (35). 2. B βάδιον εἰς οἰκίαν [A B -κον] Ἀρχαζείν (2)  
 — 3. ἐξήγγαγεν [A ἤγγ.] . . . πᾶσαν τὴν οἰ. Ἀρχαζείν (2)  
 — 7. Α Β οἰκίας [B B<sup>3</sup> -αν] οὐ μὴ οἰκοδομήσῃτε (2)  
 — 9. πρὸς τὸ μὴ οἰκοδομεῖν οἰκίας (2)  
 43 (36). 12. κατέβη εἰς οἰκίαν [A B -κον] τοῦ βασιλέως (2)  
 44 (37). 4. B οἱ ἔδωκαν αὐτὸν εἰς οἰκίαν [A B οἶκον] τῆς φυλακῆς (2)  
 — 15. ἀπέστειλαν αὐτὸν εἰς τὴν οἰ. Ἰωνάθαν τοῦ γραμματέως ὅτι ταύτην ἐποίησαν εἰς οἰκίαν [A -κον] φυλακῆς (2, 2)  
 — 16. ἦλθεν Ἰερემίας εἰς οἰκίαν τοῦ λακκου (2)  
 — 18. δίδως με εἰς οἰκίαν φυλακῆς (2)  
 — 20. τί ἀποστρέψει με εἰς οἰκίαν Ἰωνάθαν (2)  
 — 21. ἀνέβαλον αὐτὸν εἰς οἰκίαν τῆς φυλακῆς (2)  
 45 (38). 7. αὐτὸς ἐν οἰκίᾳ τοῦ βασιλέως (2)  
 — 11. εἰσῆλθεν εἰς τὴν οἰ. τοῦ βασιλέως τὴν ὑπόγειον (2)  
 — 14. ἐκάλεσαν αὐτὸν πρὸς ἑαυτὸν εἰς οἰκίαν ἀσελειαῖ (2)  
 — 17. ζῆσθ σὺ καὶ ἡ οἰ. σου (2)  
 — 22. αἱ καταλειφθείσαι ἐν οἰκίᾳ βασιλέως (2)  
 — 26. πρὸς τὸ μὴ ἀποστρέψαι [A B ἐπιστρ.] με εἰς οἰκίαν Ἰωνάθαν (2)  
 50 (43). 9. ἐν πύλῃ τῆς οἰ. Φαραώ [A om.] (2)  
 — 12. καῦσει πῦρ ἐν οἰκίᾳ τῶν θῶν αὐτῶν (2)  
 — 13. τὰς οἰ. αὐτῶν κατακαύσει ἐν πυρὶ (2)  
 52. 11. ἔδωκεν αὐτὸν εἰς οἰκίαν μολῶτος (2)  
 — 13. ἐνέπρησε . . . πᾶσας τὰς οἰ. τῆς πόλεως καὶ πᾶσαν οἰκίαν μεγάλῃ ἐνέπρησεν (2, 2)  
 — 31. ἐξήγγαγεν αὐτὸν ἐξ οἰκίας (2)  
 Ep. Je. 13. ἐκτίσονται τὸ πρόσωπον αὐτῶν διὰ τὸν ἐκ τῆς οἰ. κοινοῦ (2)  
 — 20. ἔστι μὲν ὥσπερ δοκὸς τῶν ἐκ τῆς οἰ. (2)  
 — 21. μεμελανωμένοι τὸ πρόσωπον αὐτῶν ἀπὸ τοῦ καπνοῦ τοῦ ἐκ τῆς οἰ. [A γῆς καιομένου] (2)  
 — 55. ὅταν ἐμπέσῃ εἰς οἰκίαν θεῶν ξυλίνων (2)  
 — 59. σκεῦος ἐν οἰκίᾳ χρῆσμον . . . θύρα ἐν οἰκίᾳ διασώσεται τὰ ἐν αὐτῇ ὄντα (2)  
 Ez. 11. 3. οὐκ ἔσονται οἰκοδομημένοι αἱ οἰ. (2)  
 28. 26. οἰκοδομήσουσιν οἰκίας (2)  
 33. 30. ἐν τοῖς πυλῶσι τῶν οἰ. (2)  
 Da. LXX. 3. 29 (96). ἡ οἰ. αὐ. δημευθήσεται (2)  
 Da. TH. Su. 6. προσεκατέρουν ἐν τῇ οἰ. ἡ. (2)  
 Da. TH. Su. 26. ὡς δὲ ἤκουσαν . . . οἱ ἐκ [A ἀπὸ] τῆς οἰ. (2)  
 5. 17. τὴν θυρὰν τῆς οἰ. σου ἐτέρω δὸς (2)  
 I Ma. 1. 55. B B<sup>3</sup> ἐπὶ τῶν θυρῶν [A -ρίδων] τῶν οἰ. . . ἐθυμίαν (2)  
 8. 36. B B<sup>3</sup> εἶπεν τοῖς οἰκοδομοῦσιν οἰκίας [A -αν] (2)  
 11. 46. B κατελάβοιτο οἱ ἐκ τῆς οἰ. [A B πόλεως] (2)  
 13. 24. B<sup>3</sup> ἀπῆλθεν εἰς τὴν αὐ. οἰ. [A B<sup>3</sup> B τὴν γῆν αὐ.] (2)  
 — 47. ἐκαθάρισε τὰς οἰ. (2)  
 II Ma. 2. 29. τῆς καινῆς οἰ. ἀρχιτέκτονι (2)  
 3. 18. B οἱ δὲ ἐκ τῶν οἰ. [A -κειων] . . . ἐξεπῆδον (2)  
 5. 12. B τοὺς εἰς τὰς οἰ. [A ἐν ταῖς οἰ.] ἀναβαίνοντας (2)  
 13. 15. B σὺν τῇ κατ' οἰκίαν ὀχλῳ [A ὄντι] (2)  
 III Ma. 4. 18. τῶν μὲν κατὰ τὰς οἰ. ἐπὶ συνεστηκῶν (2)  
 5. 40. Α ἀναλίνω τὰς οἰ. [B al.] (2)  
 6. 25. τῆς οἰ. ἀποστήσας ἑαστον (2)  
 7. 18. B ἔως οἰ. [A ἐπὶ] τὴν ἰδίαν οἰ. (2)  
 IV Ma. 14. 15. τὰ μὲν ἡμέρα κατὰ τὰς οἰ. ὁροφοι- τῶντα (2)  
 [Aq. GE. 15. 2 : Jo. 2. 19 : JE. 39 (46). 14.] (2)  
 [Sm. Jo. 2. 19 : III Ki. 5. 11 (25) : 13. 15 : Jb. 4. 19 : 20. 19 : 21. 21 : Ps. 48 (49). 12 : 67 (68). 7 : JE. 37 (44). 16.] (2)  
 [Th. GE. 15. 2 : Jo. 2. 19 : III Ki. 13. 15 : JE. 37 (44). 16.] (2)  
 [Al. LE. 14. 36 : Drg. 6. 7 : JE. 32 (39). 29 : 37 (44). 16, 17.] (2)  
 οικιάζειν (?).  
 Jb. 37. 10. B<sup>3</sup> οικιάζει [A B B<sup>3</sup> οἰακίζει] δὲ τὸ ὕδωρ ὡς ἐὰν βούληται [A al.] + (2)  
 οικίδιον.  
 To. 2. 4. B εἰς ἐν τῶν οἰ. ἔθηκα [A B al.] (2)  
 II Ma. 8. 33. B εἰς ἐν οἰ. [A οικίον, οἰκίον] πεφε- γότας (2)  
 οικίειν.  
 Jb. 22. 8. φίκας [A ἐκόμσας] δὲ τοὺς [A B<sup>3</sup> παγῶν] ἐπὶ τῆς γῆς + (2)  
 Si. 10. 3. πόλις οἰκισθήσεται ἐν συνείσει δυναστῶν (2)  
 38. 32. ἀνευ αὐτῶν οὐκ οἰκισθήσεται [A B<sup>3</sup> -κήσεται, B<sup>3</sup> -κηθήσεται] πόλις (2)  
 οικίον (?).  
 II Ma. 8. 33. Α εἰς ἐν οἰ. πεφευγότα [B al.] (2)  
 οικογενής. (1) Π' (2) (3) (4) (4)  
 α. Π' (2) (3) (4) (4)  
 Ge. 14. 14. ἠρίθμισε τοὺς ἰδίους οἰ. αὐτοῦ (4 b)  
 15. 2. B ὁ δὲ υἱὸς Μασκί τῆς οἰ. μου (1)  
 — 3. B ὁ δὲ οἰ. μου κληρονομήσει με (4 a)  
 17. 12. καὶ οἰ. [A ὁ οἰ. τῆς οἰκίας σου] (4 a [2])  
 — 13. περιτομὴ περιτμήσεται ὁ οἰ. τῆς οἰ- κίας σου (9)  
 — 23. ἔλαβεν . . . πάντας τοὺς οἰ. αὐτοῦ (4 b)  
 — 27. περιεμήθη . . . καὶ οἱ οἰ. αὐτοῦ [A om.] (4 b)  
 Le. 22. 11. B<sup>3</sup> καὶ οικογενεῖς [A B<sup>3</sup> B οἱ οἰ.] αὐτοῦ (4 b)  
 I Es. 3. 1. ἐποίησε δοχὴν μεγ. . . πᾶσι τοῖς οἰ. αὐ. (2)  
 Ec. 2. 7. οικογενεῖς ἐγενοντό μοι (4 a)  
 Je. 2. 14. μὴ δούλῳ ἔστιν Ἰσραὴλ ἡ οἰ. ἔστι (4 b)  
 οικοδομεῖν. (1) Π' (2) a. qal. b. ni. c. Π' (2), Π' (2) pe. d. ithp. (2) Π' (2) hithp. (3) Π' (2)  
 Ge. 2. 22. φκοδόμησεν . . . τὴν πλευρὰν (1 a)  
 4. 17. καὶ ἦν οἰκοδόμῳ πόλιν (1 a)  
 8. 20. φκοδόμησε Νῶε θυσιαστήριον τῷ κυρίῳ (1 a)  
 10. 11. καὶ φκοδόμησε τὴν Νινευί (1 a)  
 11. 4. δεῦτε οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοὺς πόλιν (1 a)  
 — 5. τὸν πύργον ὃν φκοδόμησαν οἱ υἱοὶ (1 a)  
 — 8. καὶ ἐπαναστατοῦσιν οἰκοδομούντες τὴν πόλιν (1 a)  
 12. 7. φκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον κυρίῳ (1 a)  
 — 8 : 13. 18. φκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον τῷ κυρίῳ (1 a)  
 22. 9. φκοδόμησεν ἐκεῖ Ἀβ. τὸ θυσιαστ. (1 a)  
 26. 25 : 35. 7. φκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)  
 Ex. 1. 11. φκοδόμησαν πόλεις ὀχυράς τῷ Φ. (1 a)  
 17. 15. φκοδόμησε Μ. θυσιαστήριον κυρίῳ (1 a)  
 20. 25. οὐκ οἰκοδομήσεις αὐτοὺς τμητοὺς (1 a)  
 24. 4. φκοδόμησε θυσιαστήριον ὑπὸ τὸ ἔρος (1 a)  
 32. 5. φκοδόμησε θυσιαστήριον (1 a)  
 Nu. 13. 23 (23). X. ἐπὶ ἔτεσιν φκοδομήθη πρὸ τοῦ Τάνιν (1 b)

- Nu. 21. 27. ἵνα οικοδομηθῇ . . . πόλις Σ. (1 b)  
 28. 1. οικοδομήσαν μου ἐν ταῖς ἐπτά βαμοῖς (1 a)  
 — 14. οικοδομήσαν ἐκεῖ ἐπτά βαμούς (1 a)  
 — 29. οικοδομήσαν μου ὡς ἐπτά βαμούς (1 a)  
 32. 16. ΑΒ' ἐπαύλει πρὸς τὸν οικοδομῶν (1 a)  
 [B<sup>3</sup> B -σεν] (1 a)  
 — 24. Β' καὶ οικοδομήσῃ [Α Β<sup>3</sup> B -ετ] ὑμῖν αὐτοῖς πόλεις (1 a)  
 — 34. οικοδομήσαν οἱ υἱοὶ Γὰδ τὴν Δ. (1 a)  
 — 37. οικοδομήσαν τὴν Ἑσ. (1 a)  
 — 38. ὡς οικοδομήσαν (1 a)  
 De. 6. 10. ὡς οὐκ οικοδομήσας (1 a)  
 8. 12. οἰκίας καλὰς οικοδομήσας [Α φκ.] (1 a)  
 20. 5. τίς ὁ ἄνθρ. ὁ οικοδομήσας οἰκίαν καὶ τὴν (1 a)  
 — 20. οικοδομήσεις χαρίκωσιν ἐπὶ τὴν πόλιν (1 a)  
 22. 8. ἐὰν οικοδομήσῃς οἰκίαν καὶ τὴν (1 a)  
 25. 9. ὡς οὐκ οικοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)  
 27. 5. οικοδομήσεις ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)  
 — 6. λίθους ὁλοκλήρους οικοδομήσεις (1 a)  
 28. 30. οἰκίαν οικοδομήσεις (1 a)  
 Jo. 6. 25 (26). δε οικοδομήσεις τὴν πόλιν ἐκείνην (1 a)  
 9. 2 (8. 30). οικοδομήσιν Ἰ. θυσιαστήριον (1 a)  
 19. 50. οικοδομήσει τὴν πόλιν (1 a)  
 21. 40. οικοδομήσιν Ἰ. τὴν πόλιν (1 a)  
 22. 10. οικοδομήσαν . . . ἐκεῖ βωμόν (1 a)  
 — 11. οικοδομήσαν . . . βωμόν (1 a)  
 — 16. οικοδομήσαντες ὑμῖν ἐαυτοῖς βωμόν (1 a)  
 19. διὰ τὸ οικοδομήσαι ὑμᾶς βωμόν (1 a)  
 — 23. εἰ οικοδομήσαντες ἐαυτοῖς βωμόν (1 a)  
 — 26. τοῦ οικοδομήσαν τὸν βωμόν τοῦτον (1 a)  
 — 29. ὥστε οικοδομήσαι ἡμᾶς θυσιαστήριον (1 a)  
 24. 13. δε οὐκ [Α. σμ.] οικοδομήκατε [Α -σατε] (1 a)  
 Jd. 1. 26. οικοδομήσαν ἐκεῖ πόλιν (1 a)  
 6. 24. οικοδομήσαν ἐκεῖ Ἰ. θυσιαστήριον (1 a)  
 — 26. οικοδομήσεις θυσιαστήριον τῷ κ. (1 a)  
 — 28. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὸ οικοδομήμ. [Α. αλ.] (1 a)  
 18. 38. οικοδομήσαν τὴν πόλιν (1 a)  
 21. 4. οικοδομήσαν [Α -εν] ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)  
 — 23. οικοδομήσαν τὰς [Α. ἐντοῖς] πόλεις (1 a)  
 Ru. 4. 11. αἱ οικοδομήσαν ἀμφοτέραι τὸν οἶκον τοῦ Ἰερ. (1 a)  
 I Ki. 2. 35. οικοδομῶσα αὐτῷ οἶκον πιστόν (1 a)  
 7. 17. οικοδομήσαν ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)  
 14. 35. οικοδομήσαν ἐκεῖ Σ. θυσιαστήριον (1 a)  
 — 35. τοῦτο ἤρξαντο Σ. οικοδομήσαι θυσιαστήριον (1 a)  
 II Ki. 5. 9. οικοδομήσαν αὐτὴν πόλιν (1 a)  
 — 11. οικοδομήσαν οἶκον τῷ Δ. (1 a)  
 7. 5. οὐ σὺ οικοδομήσεις μοι οἶκον (1 a)  
 — 7. οὐκ οικοδομήκατέ μοι οἶκον κέδρινον (1 a)  
 — 11. οἰκοδομήσεις αὐτῷ (3)  
 — 13. οἰκοδομήσει μοι οἶκον τῷ ὀνόματί μου (1 a)  
 — 27. οἶκον οικοδομήσει σοι (1 a)  
 24. 21. τοῦ οικοδομήσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (1 a)  
 — 25. οικοδομήσαν ἐκεῖ Δ. θυσιαστήριον (1 a)  
 III Ki. 3. 1. Β. οικοδομήσαι [Α Β. σμ.] τὸν οἶκον αὐ. [Β. σμ. τ. οἱ. αὐ.] (1 a)  
 — 1. οικοδομήσει τὴν ἄκραν ἐπαλξιν ἐπ' αὐτῆς (1 a)  
 — 1 (cf. Α. 9. 24). ὃν οικοδομήσαν αὐτῇ (1 a)  
 — 1 (cf. Α. 9. 24). τότε οικοδομήσει τὴν ἄκραν (1 a)  
 — 1 (cf. Α. 9. 25). ὃν οικοδομήσει τῷ κυρίῳ (1 a)  
 — 1. οικοδομήσει τὴν Ἀ. (1 a)  
 — 1. μετὰ τὸ οικοδομήσαι αὐτὸν τὸν οἶκον τοῦ κ. (1 a)  
 — 1. οικοδομήσει τὰς πόλεις ταύτας (1 a)  
 — 1 (2. 36). οικοδομήσου σταντῷ οἶκον (1 a)  
 — 1. Α. ὡς οὐ συνετέλεσεν οικοδομῶν τὸν οἶκον ἔ. (1 a)  
 — 1. Β. οικοδομήσει τὴν Θ. (1 a)  
 — 2. οὐκ οικοδομήσῃ οἶκος (1 b)  
 4. 34 (9. 17). Β. Σαλ. οικοδομήσει τὴν Γ. (1 a)  
 5. 3 (17). οὐκ ἠδύνατο οικοδομήσαι οἶκον (1 a)  
 — 5 (19). οικοδομῶσα οἶκον (1 a)  
 — 5 (19). οικοδομήσεις τὸν οἶκον τῷ ὀνόματί μου (1 a)  
 6. 1. Α. οικοδομήει τὸν οἶκον τῷ κυρίῳ (1 a)  
 1 (38). Α. οικοδομήσαν αὐτὸν ἐν ἐπτά ἔτεσιν (1 a)  
 — 2. ὃν οικοδομήσει ὁ βασις. (1 a)  
 — 3 (14). οικοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)  
 — 7. ἐν τῷ οικοδομῶν αὐτὸν λίθους ἀκροτάμους ἀργοῖς οικοδομήσει (1 b, 1 b)  
 — 7. ἐν τῷ οικοδομῶν αὐτὸν (1 b)  
 — 9. οικοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)  
 — 10. οικοδομήσει τοὺς ἐνδύμους (1 a)  
 — 12. Α. ὁ οἶκος οὗτος ὃν σὺ οικοδομήεις (1 a)  
 — 14. Α. οικοδομήσαν Σαλ. τὸν οἶκον (1 a)  
 — 15. οικοδομήσει τοὺς τοίχους (1 a)  
 — 16. οικοδομήσει τοὺς εἰκοσι πῆχους (1 a)  
 III Ki. 6. 36. οικοδομήσει τὴν αὐλὴν τὴν ἰσωτάτην (1 a)  
 — 36. Β. οικοδομήσει καταπέτασμα τῆς αὐλῆς (1 a)  
 7. 1. τὸν οἶκον ἐαυτῷ οικοδομήσει Σαλ. (1 a)  
 — 2. οικοδομήσει τὸν οἶκον ὁρμῷ [Α. -οῦ] (1 a)  
 — 12. Α. οικοδομήσει αὐτὸν οἶκον κυρίου (1 a)  
 8. 1. Β. τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον κυρίου (1 a)  
 — 13. Α. οικοδομήσει οἶκον κατοικητηρίου (1 a)  
 — 16. τοῦ οικοδομήσαι οἶκον (1 a)  
 — 17. οικοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (1 a)  
 — 18. τοῦ [Α. σμ.] οικοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι μου (1 a)  
 — 19. σὺ οὐκ οικοδομήσεις τὸν οἶκον (1 a)  
 — 19. οὗτος οικοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)  
 — 20. οικοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)  
 — 27. ὁ οἶκος οὗτος ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 — 43. ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 — 44. σὺ οικοδομήσει τῷ ὀνόματί σου (1 a)  
 — 48. καὶ τοῦ οἶκου οὗ οικοδομήσει [Α. -σα] (1 a)  
 — 53. ὡς συνετέλεσε τοῦ οικοδομήσαι αὐτόν (1 a)  
 — 53. οικοδομήσαν οἶκον μου (1 a)  
 — 65. ἐν τῷ οἶκῳ ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 9. 1. Β' Β. οικοδομῶν [Α Β<sup>2</sup> -μῶν] τὸν οἶκον κυρίου (1 a)  
 — 3. ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 — 9. ὃν οικοδομήσει ἐαυτῷ (1 a)  
 — 10. ἐν οἷς οικοδομήσει Σ. τοὺς δύο οἴκους (1 a)  
 — 11. Α. οικοδομήσει [Β. ἔδωκεν] ὁ βασις Σ. τῷ Χ. εἰκοσι πόλεις (1 a)  
 — 24 (8. 1). Α. ὃν οικοδομήσει σὺν τὴν Μ. (1 a)  
 — 25 (8. 1). Α. ὃν οικοδομήσει τῷ κυρίῳ (1 a)  
 10. 4. καὶ τὸν οἶκον ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 — 22 (Β), 9. 15 (Α). οικοδομήσει τὸν οἶκον κ. (1 a)  
 — 22 (Β), 9. 17 (Α). Α. οικοδομήσει Σαλ. τὴν Γ. (1 a)  
 — 22 (Β), 9. 19 (Α). οικοδομήσει ἐν Ἰερ. (1 a)  
 11. 7 (5). οικοδομήσει Σ. ὑψηλὸν τῷ Χ. (1 a)  
 — 27. οικοδομήσει τὴν ἄκραν (1 a)  
 — 38. οικοδομήσει σοὶ οἶκον πιστὸν καθὼς οικοδομήσει τῷ Δ. (1 a, 1 a)  
 12. 24. Β. οικοδομήσει Σαλ. τὴν Σ. (1 a)  
 — 24. Β. οικοδομήσει τὴν ἄκραν (1 a)  
 — 24. Β. οικοδομήσει Ἰερ. ἐκεῖ χάρακα (1 a)  
 — 25. οικοδομήσει Ἰερ. τὴν Σικ. (1 a)  
 — 25. οικοδομήσει τὴν Φ. (1 a)  
 14. 23. οικοδομήσαν ἐαυτοῖς ὑψηλὰ (1 a)  
 15. 17. οικοδομήσει τὴν Ρ. (1 a)  
 — 21. τοῦ οικοδομήσει τὴν Ρ. (1 a)  
 — 22. ὃν οικοδομήσει Β. (1 a)  
 — 22. οικοδομήσει . . . πᾶν βουρὸν Βεν. (1 a)  
 — 23. Α. Β. ὡς οικοδομήσει (1 a)  
 16. 24. οικοδομήσει τὸ ὄρος (1 a)  
 — 24. Β. ὡς οικοδομήσαν [Α Β -σεν] (1 a)  
 — 32. ὃν [Α. ὃν] οικοδομήσει ἐν Σαμ. (1 a)  
 — 34. οικοδομήσει Ἰερ. . . τὴν Ἰερ. (1 a)  
 18. 32. οικοδομήσει τοὺς λίθους (1 a)  
 21 (20). 12. οικοδομήσει χάρακα (1 a)  
 22. 39. ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 IV Ki. 14. 22. οικοδομήσει τὴν Αλ. (1 a)  
 15. 35. οικοδομήσει τὴν πύλιν οἶκον κυρίου (1 a)  
 16. 11. οικοδομήσει Οὐ. . . τὸ θυσιαστήριον (1 a)  
 — 18. τὸν θεμέλιον τῆς καθέδρας οικοδομήσει (1 a)  
 17. 9. ὃν οικοδομήσαν ἐαυτοῖς ὑψηλὰ (1 a)  
 21. 3. οικοδομήσει τὰ ὑψηλὰ (1 a)  
 — 4. οικοδομήσει θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (1 a)  
 — 5. οικοδομήσει θυσιαστήριον (1 a)  
 23. 13. ὃν οικοδομήσει Σαλ. (1 a)  
 25. 1. οικοδομήσει ἐπ' αὐτὴν περὶ τοίχους (1 a)  
 I Ch. 6. 10 (5. 36). ἐν τῷ οἴκῳ ὃν οικοδομήσει Σαλ. (1 a)  
 — 32 (17). ἔως οὐ οικοδομήσει Σ. τὸν οἶκον (1 a)  
 7. 24. οικοδομήσει Βαβ. τὴν κύτω (1 a)  
 8. 12. οικοδομήσει τὴν Ὁ. (1 a)  
 11. 8. οικοδομήσει τὴν πόλιν κύκλω (1 a)  
 14. 1. τοῦ οικοδομήσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)  
 17. 4. οὐ σὺ οικοδομήσεις μοι οἶκον (1 a)  
 — 6. οὐκ οικοδομήκατέ μοι οἶκον κέδρινον (1 a)  
 — 10. οἰκοδομήσει σε [Α. σοι] κύριος (1 a)  
 — 12. αὐτὸς οικοδομήσει μοι οἶκον (1 a)  
 — 25. τοῦ [Α. σμ.] οικοδομήσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)  
 21. 22. οικοδομήσει ἐπ' αὐτῷ θυσιαστήριον (1 a)  
 — 26. οικοδομήσει Δ. ἐκεῖ θυσιαστήριον (1 a)  
 22. 3. τοῦ οικοδομήσαι οἶκον τῷ θεῷ (1 a)  
 — 5. ὁ οἶκος τοῦ οικοδομήσαι τῷ κυρίῳ (1 a)  
 — 6. τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον (1 a)  
 — 7. τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον (1 a)  
 — 8. οὐκ οικοδομήσεις οἶκον (1 a)  
 — 10. οὗτος οικοδομήσει οἶκον (1 a)  
 — 11. οικοδομήσεις οἶκον τῷ κ. θεῷ σου (1 a)  
 I Ch. 22. 19. οικοδομήσατε ἀγίασμα τῷ θεῷ ὑμῶν (1 a)  
 — 19. εἰς οἶκον τὸν οικοδομήσει τῷ ὀνόματι κ. (1 b)  
 28. 2. οικοδομήσαι οἶκον ἀναπαύσεως (1 a)  
 — 3. οὐκ οικοδομήσεις ἐμοὶ οἶκον (1 a)  
 — 6. Α. Β. οικοδομήσει [Β. κληρονομήσει] τὸν οἶκον μου (1 a)  
 — 10. οικοδομήσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)  
 29. 16. οικοδομήθητι οἶκον τῷ ὀνόματι τῷ ἁγ. σου (1 a)  
 II Ch. 2. 1 (1. 18). τοῦ οικοδομήσαι οἶκον (1 a)  
 — 3 (2). τοῦ οικοδομήσαι ἐαυτῷ οἶκον (1 a)  
 — 4 (3). οικοδομῶ οἶκον (1 a)  
 — 5 (4). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οικοδομῶ μέγας (1 a)  
 — 6 (5). τίς ἰσχύσει οικοδομήσαι αὐτῷ οἶκον (1 a)  
 — 6 (5). τίς ἐγὼ οικοδομῶν αὐτῷ οἶκον (1 a)  
 — 9 (8). ὁ οἶκος ὃν ἐγὼ οικοδομῶ μέγας (1 a)  
 — 12 (11). δε οικοδομήσεις οἶκον τῷ κυρίῳ (1 a)  
 3. 1. τοῦ οικοδομήσει τὸν οἶκον κυρίου (1 a)  
 — 2. Α. Β' ἤρξαντο οικοδομήσαι [Β' -μή] (1 a)  
 — 3. τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (1 a)  
 6. 2. οικοδομήσει οἶκον τῷ ὀνόματί σου (1 a)  
 — 5, 7, 8. τοῦ οικοδομήσαι οἶκον (1 a)  
 — 9. οὐκ οικοδομήσεις τὸν οἶκον (1 a)  
 — 9. οικοδομήσει τὸν οἶκον τῷ ὀνόματί μου (1 a)  
 — 10. οικοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)  
 — 18. τίς ὁ οἶκος οὗτος ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 — 33. ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 — 34. σὺ οικοδομήσει [Α. -σα] τῷ ὀνόματί σου (1 a)  
 — 38. σὺ οικοδομήσει τῷ ὀνόματί σου (1 a)  
 8. 1. ἐν οἷς οικοδομήσει Σ. τὸν οἶκον κυρίου (1 a)  
 — 2. Β. οικοδομήσαν αὐτὰς Σαλ. (1 a)  
 — 4. οικοδομήσει τὴν Θ. (1 a)  
 — 4. Β. πᾶσαι τὰς πόλεις τὰς ὀχ. [Α. Β. add. δς] οικοδομήσει (1 a)  
 — 5. οικοδομήσει τὴν Β. τὴν ἄνω (1 a)  
 — 6. κατὰ τὴν ἐπιθυμίαν τοῦ οικοδομήσαι (1 a)  
 — 11. ὃν οικοδομήσει αὐτῇ (1 a)  
 — 12. ὃν οικοδομήσει ἀπέναντι τοῦ ναοῦ (1 a)  
 9. 3. τὸν οἶκον ὃν οικοδομήσει (1 a)  
 11. 5. οικοδομήσει πόλεις τείχεις (1 a)  
 — 6. οικοδομήσει τὴν Β. (1 a)  
 14. 6 (5). Β. καὶ οικοδομήσει (1 a)  
 — 7 (6). οικοδομήσωμεν τὰς πόλεις ταύτας (1 a)  
 16. 1. οικοδομήσει τὴν Ρ. (1 a)  
 — 5. τοῦ μηκέτι οικοδομήσει τὴν Ρ. (1 a)  
 — 6. ὃν οικοδομήσει Β. (1 a)  
 — 6. οικοδομήσει ἐν αὐτοῖς τὴν Γ. (1 a)  
 17. 12. οικοδομήσει οἰκίστας (1 a)  
 20. 8. οικοδομήσαν [Β' σμ.] ἐν αὐτῇ ἀγίασμα (1 a)  
 26. 2. οικοδομήσει τὴν Αλ. (1 a)  
 — 6. οικοδομήσει πόλεις Ἀζάτω (1 a)  
 — 9. οικοδομήσει Ὁ. πύργους (1 a)  
 — 10. οικοδομήσει πύργους ἐν τῇ ἐρήμῳ (1 a)  
 27. 3. οικοδομήσει τὴν πύλιν οἶκον κυρίου (1 a)  
 — 3. οικοδομήσει πολλὰ (1 a)  
 — 4. Α. Β. πόλεις οικοδομήσει (1 a)  
 32. 5. οικοδομήσει πᾶν τὸ τεῖχος (1 a)  
 — 29. πόλεις δε οικοδομήσει αὐτῷ [Α. ἐαν.] (3)  
 33. 3. οικοδομήσει τὰ ὑψηλὰ (1 a)  
 — 4. 5. καὶ οικοδομήσει θυσιαστήρια (1 a)  
 — 14. μετὰ ταῦτα οικοδομήσει τείχους (1 a)  
 — 15. ὃν οικοδομήσει ἐν ὄρει οἶκου κυρίου (1 a)  
 — 19. ἐφ' οἷς οικοδομήσει τὰ ὑψηλὰ (1 a)  
 35. 3. ὃν οικοδομήσει Σαλ. (1 a)  
 36. 23. οικοδομήσαι οἶκον αὐτῷ (1 a)  
 I Es. 1. 3. ἐν τῷ οἴκῳ ὃν οικοδομήσει Σ. (1 a)  
 2. 4. οικοδομήσαι αὐτῷ [Α. ἐαν.] οἶκον (1 a)  
 — 5. οικοδομήσει τὸν οἶκον (1 a)  
 — 8. οικοδομήσαι οἶκον τῷ κυρίῳ (1 a)  
 — 18. Α. Β' ἔτι τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτην . . . οικοδομήσει [Β' οἰκοῦν] (1 a)  
 — 19. ἐὰν οὖν ἡ πόλις αὕτη οικοδομηθῇ (1 a)  
 — 24. ἐὰν ἡ πόλις αὕτη οικοδομηθῇ (1 a)  
 — 28. τοῦ οικοδομήσαι τὴν πόλιν (1 a)  
 — 30. ἤρξαντο κωλύειν τοὺς οικοδομοῦντας (1 a)  
 4. 8. εἴπεν οικοδομήσαι οικοδομοῦντας (1 a)  
 — 43. οικοδομήσαι τὴν Ἰερ. (1 a)  
 — 45. οικοδομήσαι τὸν ναόν (1 a)  
 — 47. οικοδομήσαι τὴν Ἰερ. (1 a)  
 — 48. ὅπως οικοδομήσωσι μετ' αὐτοῦ τὴν πόλιν (1 a)  
 — 51. μέχρι τοῦ οικοδομηθῆναι (1 a)  
 — 55. καὶ Ἰερ. οικοδομηθῆναι (1 a)  
 — 63. καὶ οικοδομήσαι Ἰερ. (1 a)  
 5. 53. ὁ ναὸς τοῦ θεοῦ οὕτως οικοδομήτω (1 a)  
 — 58. οικοδομήσαν οἱ οικοδόμοι τὸν ναόν (1 a)  
 — 67. οικοδομοῦσι τὸν ναόν τῷ κυρίῳ (1 a)  
 — 70. τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον κυρίου (1 a)

1 Es. 5, 71. ἡμεῖς γὰρ μόνοι οικοδομήσομεν  
— 72. εἰργον τοὺς οικοδομῶν  
6. 2. ἤρξαντο οικοδομῆν τὸν οἶκον τοῦ κ.  
— 4. τὸν οἶκον τοῦτον οικοδομήτε  
— 9. οικοδομοῦντας οἶκον τῷ κ. μέγαν  
— 11. οικοδομήτε τὸν οἶκον τοῦτον  
— 14. φκοδομεῖτο οἶκος  
— 17. τὸν οἶκον τοῦτον οικοδομήσαι [A -ηθῆναι]  
— 19. τὸν ναὸν τοῦ κυρίου οικοδομηθῆναι  
— 20. οικοδομοῦντες [A -ον] οὐκ ἔλαβε συντέλειαν  
— 24. τὸν οἶκον τοῦ κυρίου . . . οικοδομήσαι  
— 27. τὸν οἶκον τοῦ κυρίου ἐκ. οικοδομῶν  
— 28. ἐπέταξα ὁλοσχερῶς οικοδομήσαι  
11 Es. 1. 2. A B τὸ [B om.] οικοδομήσαι αὐτῷ  
οἶκον (1 a)  
— 3. A B οικοδομήσατ' τὸν οἶκον θεοῦ 'Ι. (1 a)  
— 5. οικοδομήσαι τὸν οἶκον (1 a)  
3. 2. φκοδόμωσαν τὸ θυσιαστ. θεοῦ 'Ισρ. (1 a)  
— 10. τοῦ οικοδομήσαν τὸν οἶκον κυρίου (1 a)  
4. 1. οικοδομοῦσιν οἶκον τῷ κυρίῳ (1 a)  
— 2. οικοδομήσομεν μετ' ὑμῶν (1 a)  
— 3. τοὺς οικοδομήσαι οἶκον τῷ θεῷ ἡ. (1 a)  
— 3. οικοδομήσομεν τῷ κ. θεῷ ἡμῶν (1 a)  
— 4. ἐπέταξα αὐτοὺς [A -οὐς τοῦ] οικοδομῆν (1 a)  
— 12. A B ἦν [B om.] οικοδομοῦσι (1 c)  
— 13. B ἐὰν ἡ πόλις ἐκ. οικοδομηθῇ [A B ἀνοικ.] (1 d)  
— 16. ἐὰν ἡ πόλις ἐκ. οικοδομηθῇ (1 d)  
— 21. ἡ πόλις ἐκ. οὐκ οικοδομηθήσεται (1 d)  
5. 2. ἤρξαντο οικοδομήσαι [A -μεν] τὸν οἶκον (1 c)  
— 3. τοὺς οικοδομήσαι τὸν οἶκον (1 c)  
— 4. τῶν ἀνδρῶν τῶν οικοδομούντων τὴν πόλιν τ. (1 c)  
— 8. οικοδομεῖται λίθος ἐκλεκτοῖς (1 d)  
— 9. A B τὸν οἶκον τοῦτον οικοδομήσαι [B al.] (1 c)  
— 11. οικοδομῶμεν τὸν οἶκον δε ἦν φκοδο-  
μημ. (1 c, 1 c)  
— 11. βασιλεὺς τοῦ 'Ι. μέγας φκοδόμησεν αὐ-  
τόν (1 c)  
— 13. τὸν οἶκον τοῦ θ. τοῦτον οικοδομηθῆναι (1 c)  
— 16. ἀπὸ τότε ἕως τοῦ νῦν φκοδομηθῇ (1 d)  
— 17. οικοδομήσαι τὸν οἶκον τοῦ θ. ἐκείνου (1 c)  
6. 3. A B οἶκος οικοδομηθῆτω (1 d)  
— 7. οἶκον τοῦ θ. ἐκείνου οικοδομείτωσαν (1 c)  
— 8. A B τὸν οικοδομήσαι [B -ηθῆναι] οἶκον  
τοῦ θ. ἐκείνου (1 c)  
— 14. A B οἱ πρεσβύτεροι τῶν 'Ι. φκοδομοῦσαν  
[B οικοδομοῦσιν] (1 c)  
— 14. B καὶ φκοδόμωσαν [A B ἀνφκ.] (1 c)  
Ne. 2. 18. ἀναστῶμεν καὶ οικοδομήσωμεν (1 a)  
— 20. A B καὶ οικοδομήσομεν [B -ωμεν] (1 a)  
3. 1. φκοδόμωσαν τὴν πύλιν τὴν προβατ. (1 a)  
— 3. τὴν πύλιν τὴν ἰχθ. φκοδόμωσαν (1 a)  
— 13. αὐτοὶ φκοδόμωσαν αὐτήν (1 a)  
4. 1 (3. 33). οικοδομοῦμεν τὸ τεῖχος (1 a)  
— 2 (3. 34). οικοδομοῦσι τὴν ἐκτὼν πόλιν +  
— 10 (4). οὐκ οἰκοδομήσονται οἱ ἐν τῷ τείχει (1 a)  
— 17 (11). ὅπως . . . τῶν οικοδομούντων ἐν  
τῷ τείχει (1 a)  
— 18 (12). καὶ φκοδομοῦσαν (1 a)  
Ps. 27 (28). 5. οὐ μὴ οικοδομήσονται αὐτοὺς (1 a)  
6. 1. B S' φκοδομήθ' [A S' B -μωσα] τὸ τεῖχος (1 a)  
— 6. οικοδομεῖ τὸ τεῖχος (1 a)  
7. 1. ἦνικα φκοδομήθ' τὸ τεῖχος (1 b)  
— 4. οὐκ ἦσαν οἰκίαι φκοδομημέναι (1 a)  
12. 29. ἐπαυλεῖς φκοδόμωσαν ἑαυτοῖς (1 a)  
To. 1. 4. φκοδομήθ' εἰς πάσας τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος  
13. 10. ἡ σκηνὴ αὐτοῦ οικοδομηθῇ σοι μετὰ χαρὰς  
[B al.]  
— 16. οικοδομηθήσεται 'Ιερουσαλὴμ  
— 16. B αἱ θύραι 'Ιερ. . . οικοδομηθήσονται  
— 16. B οἱ πύργοι 'Ιερ. χρυσοῦ οικοδομηθήσονται  
[A B al.]  
14. 5. οικοδομήσουσι τὸν οἶκον  
— 5. οικοδομήσουσιν 'Ιερουσαλὴμ ἐντίμως  
— 5. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ οικοδομηθήσεται  
Ju. 1. 2. φκοδόμωσαν ἐπ' Ἐκβατάνων [S' -α]  
16. 14. καὶ φκοδόμωσαν [B -ηθῆσαν] (1 b)  
Jb. 12. 14. ἐὰν κατιβῇ τίς οικοδομήσει (1 b)  
Ps. 27 (28). 5. οὐ μὴ οικοδομήσονται αὐτοὺς (1 a)  
60 (51). 18. οικοδομηθῶν τὰ τεῖχη 'Ιερουσαλὴμ (1 a)  
68 (69). 35. οικοδομηθήσονται αἱ πόλεις τῆς  
'Ιουδαίας (1 a)  
77 (78). 69. φκοδόμωσαν ὡς μονοκερῶν τὸ  
ἀγίασμα αὐτοῦ (1 a)  
88 (89). 2. εἰς τὸν αἰῶνα ἔλεος οικοδομηθήσεται (1 b)  
— 4. οικοδομῶσω εἰς γενεὰν καὶ γενεὰν τὸν  
θρόνον σου (1 a)

Ps. 95 (96). tit. A B S' ὅτε ὁ οἶκος φκοδομεῖτο  
[B -μητιν, B' οικοδομεῖται] -  
101 (102). 16. οικοδομήσει κύριος τὴν Σιών (1 a)  
117 (118). 22. ὃν ἀπεδοκίμασαν οἱ οικοδομοῦν-  
τες (1 a)  
121 (122). 3. 'Ιερ. οικοδομουμένη ὡς πόλις (1 a)  
126 (127). 1. A B' ἐὰν μὴ κύριος οικοδομήσῃ  
[A -σει] οἶκον εἰς μίτην ἐκοπίασαν  
οἱ οικοδομοῦντες αὐτόν [S' B om.] (1 a, 1 a)  
146 (147). 2. οικοδομῶν 'Ιερουσαλὴμ ὁ κύριος (1 a)  
Pr. 9. 1. ἡ σοφία φκοδόμησεν ἐαυτῇ οἶκον (1 a)  
14. 1. σοφαὶ γυναῖκες φκοδόμησαν οἶκους (1 a)  
24. 3. μετὰ σοφίας οικοδομεῖται οἶκος (1 b)  
Ec. 2. 4. φκοδόμησα μοι οἶκους (1 a)  
8. 3. καιρὸς τοῦ οικοδομῆν [A B -ῆσαι] (1 a)  
9. 14. καὶ οικοδομήσῃ [S -σει] ἐπ' αὐτὴν χάρακας  
μεγάλους (1 a)  
Ca. 4. 4. ὡς πύργος Δαυὶδ . . . ὁ φκοδομημένος  
εἰς θαλπιῶθ (1 a)  
8. 9. οικοδομήσωμεν ἐπ' αὐτὴν ἐπάλλεῖς ἀργυρᾶς (1 a)  
Wi. 9. 8. οικοδομήσαι ναὸν ἐν ὄρει ἀγίῳ σου  
Si. 21. 8. ὁ οικοδομῶν τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐν χρήμασιν  
ἀλλοτρίοις  
31 (34). 23. εἰς οικοδομῶν καὶ εἰς καθαίρων  
48. 17. φκοδόμησε κρήνας εἰς ὕδατα  
49. 7. ἡγιάσθη προφήτης . . . οικοδομῶν  
— 12. ἐν ἡμέραις αὐτῶν φκοδόμωσαν οἶκον [A B' πύργον] (1 a)  
Ho. 8. 14. καὶ φκοδόμησαν τεμένη (1 a)  
10. 1. φκοδόμησε στήλας +  
Am. 5. 11. οἶκους ξεστοὺς φκοδόμησατε [A  
ξεστοὺς οικοδομήσατε] (1 a)  
9. 6. ὁ οικοδομῶν εἰς τὸν οὐρανὸν ἀνάβασιν (1 a)  
— 14. οικοδομοῦσιν πόλεις τὰς ἡφαιόμενας (1 a)  
Mi. 3. 10. οἱ οικοδομῶντες Σιών [A om.] ἐν  
αἵματι (1 a)  
Hb. 2. 12. οὐαὶ ὁ οικοδομῶν πόλιν ἐν αἵματι (1 a)  
Ze. 1. 13. καὶ οικοδομήσουσιν οἰκίας (1 a)  
Hg. 1. 2. ὁ καιρὸς τοῦ οικοδομήσαι τὸν οἶκον  
κυρίου (1 b)  
— 8. οικοδομήσατε τὸν οἶκον (1 a)  
Za. 5. 11. οικοδομήσαι αὐτῷ οἰκίαν ἐν γῇ B.  
6. 12. καὶ οικοδομήσει τὸν οἶκον κυρίου (1 a)  
— 15. καὶ οικοδομήσουσιν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (1 a)  
8. 9. ὁ ναὸς ἀφ' οὗ φκοδόμηται [S' -ῆθη] (1 b)  
9. 3. καὶ φκοδόμησε T. οὐράματα αὐτῇ (1 a)  
Ma. 1. 4. αὐτοὶ οικοδομήσουσι (1 a)  
Is. 5. 2. φκοδόμησα πύργον ἐν μέσῳ αὐτοῦ  
9. 10 (9). οικοδομήσωμεν ἑαυτοῖς πύργον (1 a)  
10. 9. οὐδ' ὁ πύργος φκοδομήθ' -  
25. 2. τῶν ἀσεβῶν πόλις τὸν αἰῶνα οὐ μὴ οἰ-  
κοδομηθῇ (1 b)  
44. 26. ὁ λέγων . . . ταῖς πόλεσι τῆς 'Ι. Οἰκοδο-  
μηθήσεσθε (1 b)  
— 28. ὁ λέγων 'Ιερουσαλὴμ, Οἰκοδομηθήσῃ (1 b)  
45. 13. οικοδομήσει τὴν πόλιν μου (1 a)  
49. 17. ταχὺ οικοδομηθήσῃ ὑφ' ὧν καθρέθῃς (1 a)  
54. 14. ἐν δικαιοσύνῃ οικοδομηθήσῃ +  
58. 12. οικοδομηθήσονται σου αἱ ἑρμῆς αἰῶνιοι (1 a)  
60. 10. οικοδομήσουσιν ἀλλογενεῖς τὰ τεῖχη σου (1 a)  
61. 4. οικοδομήσουσιν ἐρήμους αἰῶνας (1 a)  
65. 21. οικοδομήσουσιν οἰκίας (1 a)  
— 22. οὐ μὴ οικοδομήσουσι καὶ ἄλλοι ἐνοικί-  
σουσι (1 a)  
66. 1. ποῖον οἶκον οικοδομήσετέ μοι (1 a)  
Je. 7. 31. φκοδόμησαν τὸν βωμὸν τοῦ Ταφῆθ  
12. 16. οικοδομηθήσεται [A -σονται] ἐν μέσῳ  
τοῦ λαοῦ μου (1 b)  
19. 5. φκοδόμωσαν ὑψηλὰ τῇ Βάαλ (1 a)  
22. 13. ὁ οικοδομῶν οἰκίαν αὐτοῦ (1 a)  
— 14. φκοδόμωσαν σεαυτῷ οἶκον σύμμετρον (1 a)  
36 (29). 5. οικοδομήσατε οἶκους (1 a)  
— 28. οικοδομήσατε οἰκίας (1 a)  
37 (30). 18. οικοδομηθήσεται πόλις ἐπὶ τὸ ὕψος  
[A ε. τεῖχος] αὐτῆς (1 b)  
38 (31). 4. οικοδομήσατε καὶ οικοδομηθήσῃ (1 a, 1 b)  
— 28. γρηγορήσατε ἐπ' αὐτοῖς τοῦ οἴ. (1 a)  
— 38. οικοδομηθήσεται [A S' -μῆσεται] πόλις  
τῷ κυρίῳ [S' λαφ] (1 b)  
39 (32). 31. ἀφ' ἧς ἡμέρας φκοδόμωσαν αὐτήν (1 a)  
— 35. φκοδόμωσαν τοὺς βωμοὺς τῇ Βάαλ (1 a)  
40 (33). 7. οικοδομήσω αὐτοὺς καθὼς καὶ τὸ  
πρότερον (1 a)  
42 (35). 7. οἰκίας οὐ μὴ οικοδομήσῃτε  
— 9. πρὸς τὸ μὴ οἱ [A' οἰκῶν] οἰκίας (1 a)

Je. 49 (42). 10. οικοδομήσω ὑμᾶς καὶ οὐ μὴ καθελῶ (1 a)  
51. 34 (45. 4). οὐδ' ἐγὼ φκοδόμησα ἐγὼ καθαιρῶ (1 a)  
Ez. 4. 2. οικοδομήσεις ἐπ' αὐτὴν προμαχῶνας (1 a)  
11. 3. οὐχὶ προσφάτως φκοδομηθήσεται αἱ οἰκίαι (1 a)  
13. 10. οὗτος οικοδομεῖ τοίχον (1 a)  
16. 24. φκοδόμωσαν σεαυτῇ οἰκίαν πορνικὸν (1 a)  
— 25. φκοδόμωσαν τὰ πορνεία σου (1 a)  
— 31. τὸ πορνεῖον φκοδόμωσαν -  
21. 22 (27). οικοδομήσαι βελουστάσεις (1 a)  
26. 14. οὐ μὴ οικοδομήσῃς ἑτι (1 b)  
27. 5. κέθρος ἐκ Σενείρ φκοδομήθῃ σοι (1 a)  
28. 26. οικοδομήσουσιν οἰκίας (1 a)  
36. 10. ἡ ἡρημωμένη οικοδομηθήσεται [A al.] (1 b)  
— 33. οικοδομηθήσονται ἑρμῆς (1 b)  
— 36. φκοδόμωσαν τὰς καθρημένους (1 a)  
39. 15. οικοδομήσει παρ' αὐτὸ σημεῖον (1 a)  
Da. LXX. 4. 27. ἦν ἐγὼ φκοδόμησα (1 c)  
9. 25. οικοδομήσεις 'Ιερ. πόλιν κυρίῳ (1 a)  
Da. TH. 4. 27. ἦν ἐγὼ φκοδόμησα (1 c)  
9. 25. καὶ τοῦ οικοδομήσαι 'Ιερ. (1 a)  
— 25. οικοδομηθήσεται πλατεία (1 b)  
I Ma. 1. 14. φκοδόμωσαν γυμνάσιον ἐν 'Ιερ.  
— 33. φκοδόμωσαν τὴν πόλιν Δ.  
— 47. οικοδομήσαι βωμούς  
— 54. φκοδόμωσαν [S' -σεν] βέλγυμα ἐρημώσεως  
— 54. φκοδόμωσαν βωμούς  
3. 56. εἶπεν τοῖς οικοδομοῦσιν οἰκίας  
4. 47. B' φκοδόμωσαν [A S' -σεν] τὸ θυσιαστήριον  
— 48. φκοδόμωσαν τὰ ἀγία  
— 60. φκοδόμωσαν . . . τὸ ὄρος Σιών  
— 61. φκοδομηθῇ τὸ [S' -μωτο] θυσιαστήριον  
6. 7. A B ὁ φκοδόμωσαν [B καὶ φκοδόμωσαν] ἐπὶ τὸ  
θυσιαστ.  
9. 50. B' φκοδόμωσαν [A S' -σαν] πόλεις θυράδας  
— 62. φκοδόμωσαν τὰς καθρημένους αὐ.  
10. 10. καὶ ἤρξαντο οικοδομῆν  
— 11. οικοδομῶν τὰ τεῖχη  
— 12. οἱς φκοδόμωσαν B.  
— 44. τοῦ οικοδομηθῆναι . . . τὰ ἔργα τῶν ἁγίων  
— 45. τοῦ οικοδομηθῆναι τὰ τεῖχη 'Ιερ.  
— 45. A B τοῦ οικοδομήσαι [B -μῆθῆναι] τὰ τεῖχη  
12. 35. τοῦ οικοδομήσαι θυρώματα  
— 37. A S' B τοῦ [S' τῷ] οικοδομῆν τὴν πόλιν  
[A om. τ. π.]  
— 38. φκοδόμωσαν τὴν 'Α.  
13. 27. φκοδόμωσαν Σ. ἐπὶ τὸν τάφον  
— 33. S B φκοδόμωσαν Σ. τὰ θυρώματα [A τὸ δ.]  
— 38. S B ὁ φκοδομήκατε [A -ῆσατε]  
— 48. φκοδόμωσαν ἑαυτῶν ἐν αὐτῇ οἰκίᾳ  
15. 7. ὁ φκοδόμωσαν  
— 39. S οικοδομήσαι K. καὶ οικοδομήσαι [A B  
θυρώματα] τὰς πύλας  
— 41. καὶ φκοδόμωσαν τὴν K.  
16. 9. ἦν φκοδόμωσαν  
— 15. ὁ φκοδόμωσαν  
— 23. ὧν φκοδόμωσαν  
II Ma. 1. 18. A ὁ [B om.] οικοδομήσας τὸ τε ἱερόν  
9. 14. καὶ πολυάνθρωπον οικοδομήσαι  
III Ma. 3. 2. A τοῦτον δὲ οικοδομοῦντων [B οἰκονο-  
μουμ.]  
IV Ma. 18. 7. B ἐφύλασσαν δὲ τὴν φκοδομημ.  
[A S -μουμ.] πλεονά  
[Aq. Gz. 16. 2 : III Kt. 5. 18 (32) : 6. 10, 16 :  
8. 13 δὲ : 9. 24 δὲ : 25 : Ps. 77 (78). 69 : 121  
(122). 3 : Je. 45. 4 (51. 34) : 62. 4.]  
[Sm. III Kt. 6. 10, 16 : Jb. 3. 14 : Ps. 77 (78).  
69 : 88 (89). 5 : 121 (122). 3 : 146 (147). 2 :  
Is. 45. 13 : Ez. 22. 30 : 27. 4.]  
[Th. III Kt. 15. 23 : Ez. 13. 5 : 22. 30 : Da.  
9. 25.]  
οικοδομή. (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) a. 𐤒𐤓𐤕 b. 𐤒𐤓𐤕  
I Ch. 26. 27. τοῦ μὴ καθυστερήσαι τὴν οἰ. τοῦ  
οἶκου -  
29. 1. A οὐκ ἀνθρώπων ἡ οἰ. [B om. ἡ οἰ.] (1)  
II Ch. 3. 2. B' ἤρξαντο οικοδομῆν [A B' B -μῆσαι] (2 a)  
I Es. 2. 30. ἤρξαντο ἡ οἰ. τοῦ ἱεροῦ  
4. 51. εἰς τὴν οἰ. τοῦ ἱεροῦ δόξαν  
5. 64. ἤλθον . . . πρὸς τὴν τούτων οἰ.  
— 73. τοῦ ἀποτελεσθῆναι [A ἐπιτ.] τὴν οἰ.  
— 73. ἐκρήθησαν τῆς οἰ.  
6. 6. οὐκ ἐκώλυθησαν τῆς οἰ.  
— 22. γενεὴν τὴν οἰ. τοῦ οἶκου κυρίου  
To. 14. 5. A B' οικοδομηθήσεται εἰς πάσας τὰς γενεὰς  
τοῦ αἰῶνος οικοδομή [B' B B al.]  
Si. 22. 16. ἱμάντως ἐξυλὴν ἐνδεμένη [A' om.] εἰς  
οικοδομή

Si. 40. 19. τέκνα καὶ οικοδομὴ πόλεις στηρίζουσιν δομα	Ge. 17. 27. καὶ πάντες οἱ ἄνδρες τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)	Ex. 18. 29. καθήσεσθε ἱκαστος εἰς τοὺς οἴ. ὑμῶν (20)
Ez. 16. 61. δώσω αὐτάς σοι εἰς οικοδομὴν +	18. 19. τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ καὶ τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)	— 29. Ἀ. ἐκπορεύεσθω ἐκ. ἐκ τοῦ οἴ. [B τόπου] (13)
17. 17. ἐν οικοδομῇ βελουδάσεων (2a)	19. 2. Ἐ ἐκκλίνατε εἰς [A πρὸς] τὸν οἴ. τοῦ παιδ. (5)	αὐτοῦ (5)
40. 2. ἐν' αὐτῷ [A -οὐ] ὥσει οἱ πόλεις ἀπέ- ναντι (2b)	— 3. B εἰσῆλθον εἰς τὸν οἴ. [A τὴν οἰκίαν] (5)	19. 3. τὰδε ἐρεῖς τῷ οἴ. Ἰακώβ (5)
I Ma. 16. 23. τὰ λοιπὰ . . . τῆς οἴ. τῶν τειχέων [Aq. Ez. 40. 5.] [Sm. Ez. 40. 5 : Hb. 2. 11.] [Th. Ez. 11. 1 (P.).]	— 10. εἰσεπάσαντο τὸν Ἀ. . . εἰς τὸν οἴ. (5)	20. 2. ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐξ οἴκου δουλείας (5)
οικοδόμημα.	αὐτοῦ (5)	— 22. τὰδε ἐρεῖς τῷ οἴ. Ἰακώβ (5)
[Aq. Am. 9. 1.]	— 10. καὶ τὴν θύραν τοῦ οἴ. ἀπέκλεισαν (5)	23. 19. εἰσοῖσες εἰς τὸν οἴ. κυρίου τοῦ θεοῦ (5)
οικοδόμος. (1) בָּנִי (2) בָּנָה (3) בָּנָה	— 11. τοὺς δυντὰς ἐπὶ τῆς θύρας τοῦ οἴ. (5)	34. 26. θῆσεις [A εἰσοῖσες] εἰς τὸν οἴ. κυρίου (5)
IV Ki. 12. 11 (12). ἐξέδοσαν . . . τοῖς οἴ. (1)	20. 13. ἐξήγαγέ με δ' ὁ θεὸς τοῦ οἴ. τοῦ πατρός (5)	Le. 9. 7. ἐξήλασαι περὶ σεαυτοῦ καὶ τοῦ οἴ. σου +
22. 6. τοῖς τέκτοις καὶ τοῖς οἴ. (1)	— 18. μήτραν ἐν τῷ οἴ. [A add. τοῦ] Ἀβιμέλεχ (5)	10. 6. οἱ δὲ ἀδ. ὑμῶν πᾶς δ' [A om.] οἱ Ἰσραὴλ (5)
I Ch. 14. 1. ἀπέστειλε X. . . οικοδόμους [A add. τοῖς] (8)	24. 7. ἔλαβε με ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός μου (5)	— 14. σὺ καὶ οἱ υἱοὶ σου καὶ ὁ οἴ. σου +
22. 15. τεχνίται καὶ οικοδόμοι λίθων (5)	— 27. εὐδωκε κ. εἰς οἴ. τοῦ ἀδελφοῦ (5)	14. 8. διατρίψει ἔξω τοῦ οἴ. αὐτοῦ (1)
29. 6. καὶ οἱ οἴ. [A -νόμοι] τοῦ βασ. (5)	— 28. ἀνήγειρεν εἰς τὸν οἴ. τῆς μητρός (5)	16. 6. περὶ αὐτοῦ καὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
II Ch. 34. 11. ἔδωκαν . . . τοῖς οἴ. (1)	— 38. εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου παρεύση (5)	— 11. Ἀ. B αὐτοῦ καὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ [B al.] (5)
I Es. 5. 58. φκοδόμησαν οἱ οἴ. τὸν ναὸν τοῦ κ. 6. 4. τίνες εἰσὶν οἱ οἴ. (1)	— 40. καὶ ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός (5)	— 11, 17. περὶ αὐτοῦ καὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)
Ne. 4. 18 (12). Ἀ. B καὶ οἱ [B om.] οἱ ἀνὴρ ρομφαίαν αὐ. ἐνωσμένους (1)	— 67. εἰς τὸν οἴ. τῆς μητρός αὐτοῦ (1)	22. 13. ἐπακαστρέψει ἐπὶ τὸν οἴ. τὸν πατρικόν (5)
Is. 58. 12. κληθήσιν οἱ φραγμῶν (2)	27. 15. ἡ ἦν παρ' αὐτῇ ἐν τῷ οἴ. (5)	26. 45. ὅτε ἐξήγαγον αὐτοὺς . . . ἐξ οἴκου δου- λείας (5)
Ez. 40. 3. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ἦν σπαρίων οικοδόμων + [Th. Is. 58. 12.]	28. 2. ἀπὸδραβὶ . . . εἰς τὸν οἴ. Βαθουήλ (5)	Nu. 1. 2. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
οἰκοδόμη.	— 17. οὐκ ἔστι τοῦτο ἀλλ' ἡ οἴ. θεοῦ (5)	— 4. κατ' οἴκους πατριῶν ἔσονται (5)
[Aq. Ex. 28. 26 : Ps. 67 (68). 7.]	— 19. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου, Οἶκος θεοῦ (5)	— 20, 22, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
οἰκονομεῖν. (1) בָּלַי pilp.	— 21. εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρός μου (5)	— 44. κατὰ φυλὴν οἴκων πατριῶν ἦσαν (5)
Ps. 111 (112). 5. οἰκονομῶσι τοὺς λόγους αὐτοῦ ἐν κρίσει (1)	22. ὁ λίθος οὗτος . . . ἔσται μοι οἴ. θεοῦ (5)	2. 2, 32, 34 : 3. 15, 20. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
II Ma. 3. 14. τὴν περὶ τούτων ἐπίσκεψιν οἰκονομῶσαν	29. 13. εἰσῆγαγεν αὐτὸν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)	3. 24. ὁ ἀρχων οἴκου πατριῶς τοῦ δήμου τοῦ Γ. (5)
III Ma. 3. 2. B τούτων δὲ οἰκονομῶντων [A οἰκοδ.] [Sm. Ps. 111 (112). 5.]	30. 30. πᾶτε ποιήσω κτλ. ἑμαυτῶν οἶκον (5)	— 30. ὁ ἀρχων οἴκου πατριῶν τῶν δὴμων τοῦ Κ. (5)
οἰκονομία. (1) מְשָׁלָה (2) מְשָׁלָה	31. 14. κληρονομία ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός ἡμῶν (5)	— 35. ὁ ἀρχων οἴκου πατριῶν τοῦ δήμου τοῦ Μ. (5)
Is. 22. 19. ἀφαιρήσῃ ἐκ τῆς οἴ. σου (2)	— 30. εἰς τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου ἀπελθεῖν (5)	4. 2. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 21. τὴν οἴ. σου δώσω εἰς τὰς χεῖρας αὐτοῦ (1)	— 33. ἡρένησεν εἰς τὸν οἴ. Λείας (1)	— 4. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
οἰκονόμος. (1) מְשָׁלָה (2) מְשָׁלָה (3) מְשָׁלָה	— 33. B ἐξήλθεν [A ἐξελθὼν] ἐκ τοῦ οἴ. Λείας (1)	— 22, 29, 34, 38, 40, 42. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
III Ki. 4. 6. Ἀχ. ἦν οἰκονόμος καὶ Ἑλ. ὁ οἴ. (1-)	— 33. B ἡρένησεν [A add. εἰς] τὸν οἴ. Ἰακώβ καὶ ἐν τῷ οἴ. τῶν δυο παιδικῶν (1, 1)	— 44. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
18. 9. ἐν τῷ οἴκῳ Ὁ. τοῦ οἴ. ἐν Θ. (1)	— 33. εἰσῆλθε δὲ . . . εἰς τὸν οἴ. Ραχὴλ (1)	— 46. κατ' οἴκους πατριῶν (5)
18. 3. ἐκάλεσεν Ἀχ. τὸν Ἀβδ. τὸν οἴ. (1)	— 35. ἡρένησεν Ἀββὰν ἐν δολφ τῷ οἴ. (1)	7. 2. ἀρχόντες οἴκων πατριῶν αὐτῶν (5)
IV Ki. 18. 18, 37. Ἑλ. υἱὸς Χελ. ὁ οἴ. (1)	— 37. πάντα τὰ σκεύη τοῦ οἴ. μου (5)	9. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφ. . . τὸν οἴ. τοῦ μαρτυ- ρίου (1)
19. 2. ἀπέστειλεν Ἑλ. τὸν οἴ. (1)	— 37. ἀπὸ πάντων τῶν σκευῶν τοῦ οἴ. μου (5)	12. 7. ἐν δολφ τῷ οἴ. μου πιστὸς ἔστι (5)
I Ch. 29. 6. A καὶ οἱ οἴ. [B -δόμοι] τοῦ βασ. (5)	34. 19. πάντων τῶν ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός αὐ. (5)	14. 12. ποιήσω . . . τὸν οἴ. τοῦ πατρός σου εἰς ἔθνος μέγα (5)
I Es. 4. 47. B ἔγραψεν . . . πρὸς πάντας [A B add. τοὺς] οἴ. (1)	— 26. ἔλαβον τὴν Δ. ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ Συχέμ (5)	16. 30. καταπίεται . . . τοὺς οἴ. αὐτῶν (5)
— 49. πάντα . . . οἱ μὴ [A' καὶ] ἐπελεύεσθαι (5)	— 30. ἐκτριβήσονται ἐνὶ γῶ καὶ ὁ οἴ. μου (5)	— 32. κατέπιεν . . . τοὺς οἴ. αὐτῶν (5)
8. 67. ἀπέδωκαν τὰ προστάγμ. . . τοῖς βασιλικῶς οἴ. (5)	35. 2. εἶπε δὲ Ἰ. τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)	17. 2 (17). ῥάβδον κατ' οἴκους πατριῶν (5)
Es. 1. 8. καὶ ἐπέταξε τοῖς οἴ. (2)	36. 6. πάντα τὰ σώματα τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)	— 2 (17). κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
8. 9. ὅσα ἐνετέλειστο τοῖς οἴ. (3)	38. 11. καθὺν χίρα ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός σου (5)	— 3 (18). κατὰ φυλὴν οἴκου πατριῶν αὐτῶν (5)
Is. 36. 3. Ἑλαιοὶς ὁ τοῦ Χελκίου ὁ οἴ. (1)	— 11. ἐκάθον ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός αὐτῆς (5)	— 6 (21). κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 11. B' εἶπε πρὸς αὐτὸν Ἑλαιοὶς ὁ τοῦ Χ. ὁ οἴ. [A B S' om. δ' τ. Χ. ὁ οἴ.] (5)	39. 2. ἐγένετο ἐν τῷ οἴ. παρὰ τῷ κυρίῳ (5)	— 8 (23). ἐβλάστησεν ἡ ῥάβδος Ἀ. εἰς οἶκον Ἀ. (5)
— 22. εἰσῆλθεν Ἑλαιοὶς ὁ τοῦ Χελκίου ὁ οἴ. (1)	— 4. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)	18. 1. B οἱ υἱοὶ σου καὶ ὁ οἴ. πατριῶς [AB τοῦ πατρός] σου (5)
37. 2. ἀπέστειλεν Ἑλαιοὶς τὸν οἴ. (1)	— 5. μετὰ τὸ καταστήσαι αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴ. αὐ. (5)	— 11, 13. πᾶς καθαρὸς ἐν τῷ οἴ. σου ἔδετα (5)
οἰκόπεδον. (1) מְשָׁלָה	— 5. ἡλλόγησε κύριος τὸν οἴ. τοῦ Αἰγυπτίου (5)	— 31. ὑμεῖς καὶ οἱ οἴ. ὑμῶν (5)
Ps. 101 (102). 6. ἐγενήθη ὥσει νυκτικέραξ ἐν οἰκῷ (1)	— 5. ἐν τῷ οἴ. καὶ ἐν τῷ ἀγρῷ αὐτοῦ (5)	19. 18. περιρρανεῖ ἐπὶ τὸν οἴ. (1)
108 (109). 10. ἐβλαβήθησαν ἐκ τῶν οἴ. αὐτῶν (1)	— 8. οὐ γινώσκει . . . οὐδὲν ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)	20. 29. ἐκλαυσαν τὸν Ἀ. . . πᾶς οἴ. Ἰσρ. (5)
Si. 49. 13. ἀνεγείραντος τὰ οἴ. ἡμῶν	— 16. ἦλθεν ὁ κύριος εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)	22. 18. ἐὰν δῶ μοι B. πλήρη τὸν οἴ. αὐ. ἀργυρίου (5)
οἶκος. (1) מֵוֶה (2) מֵוֶה (3) מֵוֶה	41. 10. ἐν φυλακῇ ἐν τῷ οἴ. τοῦ ἀρχιμαγείρου (5)	24. 5. ὡς καλοὶ οἱ [A om.] οἱ σου (1)
(4) מֵוֶה (5) מֵוֶה (6) מֵוֶה (7) מֵוֶה	42. 33. ἐπὶ τῷ οἴ. μου (5)	— 13. εἰν μοι δῶ B. πλήρη τὸν οἴ. αὐ. ἀργυρίου (5)
(8) a. מֵוֶה (9) מֵוֶה (10) מֵוֶה	43. 3. B τῆς συνοδοσίας τοῦ οἴ. [A om. τ. οἴ.] ὑμῶν (5)	25. 14. ἀρχων οἴκου πατριῶς τῶν Σ. (5)
(11) מֵוֶה (12) מֵוֶה (13) מֵוֶה	48. 17. B εἰς τὸν οἴ. [A τὴν οἰκίαν] Ἰωσήφ (5)	— 15. οἶκον πατριῶς ἔστι τῶν Μ. (5)
(14) a. מֵוֶה (15) מֵוֶה (16) מֵוֶה	— 18. εἰσῆλθον εἰς τὸν οἴ. τοῦ Ἰωσήφ (5)	26. 2. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
(17) מֵוֶה (18) מֵוֶה (19) מֵוֶה (20) מֵוֶה	— 19. τὸν ἐπὶ τοῦ οἴ. τοῦ Ἰωσήφ (5)	30. 4. ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρός αὐτῆς (5)
(21) οἴ. πατριῶς (πατριῶν) מֵוֶה	— 19. ἐν τῷ πυλῶνι τοῦ οἴ. (5)	— 11. ἐν τῷ οἴ. τοῦ ἀνδρός αὐτῆς (5)
Ge. 7. 1. εἰσελθε σὺ καὶ πᾶς ὁ οἴ. σου (5)	— 26. προσήγγειον . . . τὰ δῶρα . . . εἰς τὸν οἴ. (5)	— 17. ἐν οἴκῳ πατρός (5)
9. 21. ἐγυμνάσθη ἐν τῷ οἴ. αὐ. (1)	44. 8. πῶς ἀν κληψάμεν ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ κυρίου σου (5)	34. 14. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)
— 27. κατοικησάντων ἐν τοῖς οἴ. τοῦ Σῆμ (1)	45. 2. ἀκουστὸν ἐγένετο εἰς τὸν οἴ. Φαραῶ (5)	36. 1. ἐναντὶ τῶν ἀρχόντων οἴκων πατριῶν +
12. 1. ἐξέλθε . . . ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρός σου (5)	— 8. καὶ κύριον παντὸς τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)	De. 3. 29. ἐνεκαθήμεθα . . . σύγγενος οἴκου Φ. (5)
— 15. B εἰσῆγαγον αὐτὴν εἰς τὸν οἴ. Φ. [A al.] (5)	— 16. διεβλήθη ἡ φωνὴ εἰς τὸν οἴ. Φαραῶ (5)	4. 46. ἐν φάραγγι ἐγγύς οἴκου Φ. (5)
— 17. τὸν Φαραῶ καὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)	46. 27. πᾶσαι ψυχαὶ οἴκου Ἰακώβ αὶ εἰσελθούσαι (5)	5. 6. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
17. 23. τῶν ἀνθρώπων τῶν ἐν τῷ οἴ. Ἀβραάμ (5)	— 31. οἱ ἀδελφοὶ μου καὶ ὁ οἴ. τοῦ πατρός (5)	— 30 (27). ἀποστράφητε ὑμεῖς εἰς τοὺς οἴ. ὑμῶν (1)
	47. 12. τοῖς ἀδελφοῖς καὶ παντὶ τῷ οἴ. τοῦ πατρός (5)	6. 7. καθήμενος ἐν οἴκῳ (5)
	— 14. εἰσῆγγεν . . . εἰς τὸν οἴ. Φαραῶ (5)	— 12. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
	48. 2. Ἀ. B καὶ πᾶσι τοῖς ἐν τοῖς [B om. ἐν τ.] οἴ. ὑμῶν (5)	— 22. ἐν Φαραῶ καὶ ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)
	50. 7. οἱ πρεσβύτεροι τοῦ οἴ. αὐτοῦ (5)	7. 8. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
	Ex. 6. 14. ἀρχηγοὶ οἴκων πατριῶν αὐτῶν (5)	— 26. οὐκ εἰσοῖσες βδελύγμια εἰς τὸν οἴ. σου (5)
	— 17. υἱοὶ Γεδσών . . . οἱ οἴ. πατριῶς αὐτῶν (21)	8. 14. ἐξ οἴκου δουλείας (5)
	— 19. οὗτοι οἱ [A om.] οἱ πατριῶν Λευὶ (21)	11. 6. κατέπιεν . . . τοὺς οἴ. αὐτῶν (5)
	7. 23. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)	— 19. καθήμενος σου ἐν οἴκῳ (5)
	8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται εἰς τοὺς οἴ. σου (5)	— 20. Ἀ. ἐπὶ τὰς φλιάς τῶν οἴ. [B -κιων] ὑμῶν (5)
	— 3 (7. 28). ἐπὶ [A εἰς] τοὺς οἴ. τῶν θεραπόντων (5)	12. 7. ὑμεῖς καὶ οἱ οἴ. ὑμῶν (5)
	— 21 (17). ἐξαποστειλάτω . . . ἐπὶ τοὺς οἴ. ὑμῶν (5)	13. 10 (11). ἐξ οἴκου δουλείας (5)
	— 24 (20). παρεγένετο . . . εἰς τοὺς οἴ. Φαραῶ (5)	14. 26. Ἀ. B σὺ καὶ ὁ οἴ. [B υἱός] σου (5)
	— 24 (20). καὶ εἰς τοὺς οἴ. τῶν θεραπόντων (5)	15. 20. σὺ καὶ ὁ οἴ. σου (5)
	9. 20. συνήγαγε τὰ κτήνη αὐτοῦ εἰς τοὺς οἴ. (5)	16. 7. ἐλείψῃ εἰς τοὺς οἴ. σου (1)
	12. 3. κατ' οἴκους πατριῶν (5)	
	— 3. θῆσαντες . . . ἐπὶ τὴν φλιάν ἐν τοῖς οἴ. (5)	
	— 22. οὐκ ἐξελεύσεσθε . . . τὴν θύραν τοῦ οἴ. αὐ. (5)	
	— 27. ἐσκέπασε τοὺς οἴ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (5)	
	— 27. τοὺς δὲ οἱ ἡμῶν ἐρρύσαντο (5)	
	18. 3. ἐξήλθατε ἐκ γῆς Αἰγ. ἐξ οἴκου δουλείας (5)	
	— 14. ἐξήγαγε κ. ἡμᾶς . . . ἐξ οἴκου δουλείας (5)	



- De. 19. 1. καὶ κατοικήσῃτε . . . ἐν τοῖς οἷς αὐτῶν (5)  
 22. 21. Α ἐπὶ τὰς θύρας οἴκου [B om.] τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 — 21. ἐκπορεύσιναι τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 23. 1 (2). Δ<sup>2</sup> οὐκ ἐισελεύσεται . . . εἰς οἶκον [B ἐκκλησίαν] κ. (19)  
 — 18 (19). οὐ προσοίσεις . . . εἰς τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 25. 9. δε οὐκ οἰκοδομήσεις τὸν οἶ. τοῦ ἀδ. αὐ. (5)  
 — 10. οἶκος τοῦ ὑπολυθέντος τὸ ὑπόδημα (5)  
 26. 15. κἀτίθε ἐκ τοῦ οἶ. τοῦ ἀγίου σου (12)  
 34. 6. ἔβαψαν αὐτὸν . . . ἑγγὺς οἴκου Φ. (5)  
 Jo. 2. 12. ἐν τῷ οἷ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 13. ζωγρήσατε τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 13. B καὶ πάντα τὸν οἶ. μου (5)  
 — 18. πάντα τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς σου συναΐξεις (5)  
 6. 16 (17). ὅσα ἐστὶν ἐν τῷ οἷ. αὐτῆς (5)  
 — 24 (25). πάντα [A om.] τὸν οἶ. τὸν πατρικὸν αὐ. ἐζώργησεν (5)  
 7. 14. προσάγετε κατ' οἶκον [A οἶκος] (5)  
 — 14. τὸν οἶ. . . προσάγετε κατ' ἀνδρα (5)  
 13. 17. καὶ οἶκον [A -ους] M. (5)  
 20. 6. Α ἐλεύσεται . . . πρὸς τὸν οἶ. αὐτοῦ (5)  
 22. 4. ἀπέλθατε εἰς τοὺς οἶ. ὑμῶν (1)  
 — 6. ἐπορεύθησαν εἰς τοὺς οἶ. αὐτῶν (1)  
 — 7. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς 1. εἰς τοὺς οἶ. αὐ. (1)  
 — 8. ἀπήλθουσιν εἰς τοὺς οἶ. αὐτῶν (1)  
 — 14. ἀρχων εἰς ἀπὸ οἴκου πατριᾶς (1)  
 — 14. ἀρχοντας οἶκον πατριᾶν εἰσι (5)  
 24. 15. Α ἐγὼ δε καὶ ὁ οἶ. [B ἡ οἰκία] μου (5)  
 Jd. 1. 23. Α παρεμβάλων οἶκος Ἰσρ. κατὰ B. [B al.] (5)  
 — 35. ἐβαρύνθη χεὶρ οἴκου Ἰ. ἐπὶ τὸν Ἀμ. (5)  
 2. 1. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὸν οἶ. Ἰσρ. (5)  
 — 6. Α ἀπήλθαν . . . ἑκαστος εἰς τὸν οἶ. αὐ. [B al.] (18)  
 4. 17. εἰρήνη ἦν . . . ἀνὰ μέσον οἴκου Χ. (5)  
 6. 8. B ἐξήγαγον ὑμᾶς ἐξ οἴκου δουλείας ὑμῶν (5)  
 — 15. ἐν οἴκῳ πατρὸς [A al.] (5)  
 — 27. ἐφοβήθη τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 8. 27. ἐγένετο . . . τῷ οἷ. αὐτοῦ εἰς σκῆλον (5)  
 — 29. ἐκάθισεν ἐν οἴκῳ [A τῷ οἷ.] αὐτοῦ (5)  
 — 35. οὐκ ἐποίησαν ἔλεος μετὰ τοῦ οἶ. Ἰ. (5)  
 9. 1. ἐλάλησε . . . πρὸς πάντας συγγενείαν [A τὴν σ. τοῦ] οἴκου πατρὸς μητρὸς αὐτοῦ (5)  
 — 4. ἔδωκαν αὐτῷ . . . ἐξ [A ἐκ τοῦ] οἴκου B. (5)  
 — 5. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 — 6. καὶ πᾶς [A add. δ] οἶ. B. (5)  
 — 16. εἰ ἀγαθωσύνην ἐποίησατε . . . μετὰ τοῦ οἶ. αὐ. (5)  
 — 18. ἐπανέστητε ἐπὶ τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 19. εἰ ἐν ἀληθείᾳ . . . ἐποίησατε . . . μετὰ τοῦ οἶ. αὐ. (5)  
 — 20. καὶ καταπάγει . . . τὸν οἶ. B. (5)  
 — 20. ἐξέλθαι πύρ . . . ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ οἶ. B. (5)  
 — 23. ἠθέγησαν ἄνδρες Σ. ἐν τῷ οἷ. Ἀβ. (5)  
 — 27. εἰσῆλθον εἰς οἶκον θεοῦ αὐτῶν (5)  
 — 46. Α εἰσῆλθον εἰς τὸ ὄχιρωμα οἴκου τοῦ B. [B al.] (5)  
 10. 9. Α ἐκοιλεμῆσαι . . . ἐν τῷ οἷ. Ἐφρ. [B al.] (5)  
 11. 2. οὐ κληρονομήσεις ἐν τῷ οἷ. τοῦ πατρὸς ἡ. (5)  
 — 7. ἐξεβάλετέ με ἐκ τοῦ οἶ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 26. Α ἐν τῷ οἷ. Ἰσρ. [B οἰκῆσαι] ἐν Ἐσ. (5)  
 — 31. δε ἂν ἐξέλθῃ ἀπὸ τῆς θύρας τοῦ οἶ. μου (5)  
 — 34. ἦλθεν Ἰ. . . εἰς τὸν οἶ. αὐτοῦ (5)  
 12. 1. τὸν οἶ. σου ἐμπρήσομεν (5)  
 14. 15. μὴ ποτε κατακαύσωμεν . . . τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς σου (5)  
 — 19. ἀνέβη εἰς τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 15. 6. B ἐνέπρησαν . . . τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. [A B al.] (5)  
 16. 21. ἦν ἀλήθων ἐν οἴκῳ τοῦ δεσμωντηρίου [A al.] (5)  
 — 25. καλέσατε τὸν Σ. ἐξ οἴκου φυλακῆς (5)  
 — 25. ἐκάλεσαν τὸν Σ. ἀπὸ οἴκου δεσμωντηρίου [A ἐξ οἶ. τῆς φυλακῆς] (5)  
 — 26. ἐφ' οἷς ὁ οἶ. στήκει ἐπ' αὐτοὺς [A al.] (5)  
 — 27. ὁ οἶ. πλήρης τῶν ἀνδρῶν (5)  
 — 29. περιέλαβε Σ. τοὺς δύο κίονας τοῦ οἶ. ἐφ' οὗς ὁ οἶ. εἰσῆκει [A al.] (†, 5)  
 — 30. ἔπεισεν ὁ οἶ. (5)  
 — 31. καταβῆσαν . . . ὁ [A πᾶς ὁ] οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 17. 4. ἐγενήθη ἐν οἴκῳ [A τῷ οἷ.] M. (5)  
 — 5. ὁ οἶ. [A ἀνὴρ] M. αὐτῷ οἶκος θεοῦ (†, 5)  
 Jd. 17. 8. καὶ ἔως οἴκου M. (5)  
 — 12. B ἐγένετο ἐν [A B ἐν τῷ] οἴκῳ M. (5)  
 18. 2. ἦλθον . . . ἔως οἴκου M. (5)  
 — 3. ἠλίσθησαν . . . ἐν οἴκῳ M. [A al.] (5)  
 — 13. ἦλθον ἔως οἴκου M. (5)  
 — 14. ἔστιν ἐν τῷ οἷ. τοῦτ' [A τοῖς οἷ. τ.] ἐφ' ὃ (5)  
 — 15. B<sup>1</sup> εἰσῆλθον εἰς τὸν οἶ. τοῦ νεανίσκου τοῦ Λ. [A B add. εἰς τὸν, B<sup>2</sup> add. εἰς] οἶκον M. (5, 5)  
 — 17 (18). εἰσῆλθον ἐκεῖ [A om.] εἰς οἶκον M. (5)  
 — 19. εἶναι σε ἱερέα οἴκου ἀνδρὸς ἐνός (5)  
 — 19. ἱερέα . . . οἴκου εἰς δῆμον Ἰσρ. [A al.] (5)  
 — 22. αὐτοὶ ἐμάκρυναν ἀπὸ οἴκου M. [A al.] (5)  
 — 22. Α οἱ ἄνδρες ὁ λαὸς οἱ ζῆτες ἐν τοῖς οἷ. οἱ σὺν τῷ οἷ. μετὰ M. [B al.] (5, 5)  
 — 25. προσθήσουσι . . . τὴν ψυχὴν τοῦ οἶ. σου (5)  
 — 26. ἐπέστρεψεν εἰς τὸν οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 28. ἐν τῇ κοιλίᾳ τοῦ οἶ. Ἰ. [A al.] (5)  
 — 31. δε ἦν ὁ οἶ. τοῦ θεοῦ ἐν Σ. (5)  
 19. 2. ἀπῆλθε . . . εἰς οἶκον [A τὸν οἶ. τοῦ] πατρὸς αὐ. (5)  
 — 3. εἰσῆλθον αὐτὸν εἰς οἶκον [A ἔως οἴκου] πατρὸς αὐ. (5)  
 — 15. Α ὁ σὺν γαμ. αὐτοῦ εἰς τὸν οἶ. [B εἰς οἰκίαν] (5)  
 — 18. εἰς τὸν οἶ. μου ἐγὼ πορεύομαι [A ἀποτρέχω] (5)  
 — 21. εἰσῆλθον αὐτὸν εἰς τὸν οἶ. [A τὴν οἰκίαν] αὐ. (5)  
 — 22. τὸν ἄνδρα τὸν κύριον τοῦ οἶ. [A τῆς οἰκίας] (5)  
 — 23. ὁ ἀνὴρ ὁ κύριος τοῦ οἶ. [A τῆς οἰκίας] (5)  
 — 26. παρὰ τὴν θύραν [A add. τοῦ πυλῶνος] τοῦ οἶ. (5)  
 — 27. ἤνοιξε τὰς θύρας τοῦ οἶ. (5)  
 — 27. παρὰ τὰς θύρας τοῦ οἶ. [A al.] (5)  
 — 29. Α ἦλθεν εἰς τὸν οἶ. αὐτοῦ (13)  
 20. 8. B οὐκ ἐπιστρέψομεν ἀνὴρ εἰς [A B add. τὸν] οἶκον αὐ. (5)  
 Ru. 1. 8. εἰς οἶκον μητρὸς [A τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς] αὐ. (5)  
 — 9. ἐκάστη ἐν οἴκῳ ἀνδρὸς αὐτῆς (5)  
 4. 11. τὴν γυν. σου τὴν ἐσπορευομένην εἰς τὸν οἶ. σου (5)  
 — 11. φκοδόμησαν ἀμφότεροι τὸν οἶ. τοῦ Ἰσρ. (5)  
 — 12. γένοιτο ὁ οἶ. σου ὡς ὁ οἶ. Φ. (5, 5)  
 I Ki. 1. 7. ἐν τῷ ἀναβαίνειν αὐτὴν εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 19. εἰσῆλθον Ἐ. εἰς τὸν οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 21. ἀνέβη . . . πᾶς ὁ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 24. εἰσῆλθον εἰς [A add. τὸν] οἶκον κυρίου (5)  
 2. 11. Α ἀπῆλθεν εἰς Ἀρμ. εἰς τὸν οἶ. αὐ. [B om. εἰς τ. οἶ. αὐ.] (5)  
 — 27. ἀπεκαλύφθη πρὸς οἶκον πατρὸς σου (5)  
 — 27. ὄντων αὐτῶν . . . δοῦλων τῷ οἷ. Φ. (5)  
 — 28. ἐξελεξάμην τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς σου (5)  
 — 28. ἔδωκα τῷ οἷ. τοῦ πατρὸς σου (5)  
 — 30. ὁ οἶ. σου καὶ ὁ οἶ. τοῦ πατρὸς σου (5, 5)  
 — 31. ἐξολεθρεῖσθε . . . τὸ σπέρμα οἴκου πατρὸς σου (5)  
 — 32. οὐκ ἔσται σου πρεσβύτες ἐν οἴκῳ μου (5)  
 — 32. Α οὐκ ἔσται πρεσβύτες ἐν τῷ οἷ. σου (5 ?)  
 — 33. πᾶς περισσεύων οἴκου σου (5)  
 — 35. οἰκοδομήσω αὐτῷ οἶ. πιστόν (5)  
 — 36. ὁ περισσεύων ἐν οἴκῳ [A add. σου] (5)  
 3. 3. Α ἐκάθυσεν ἐν τῷ οἷ. κυρίου [B ναφ] (8 a)  
 — 12. ὅσα ἐλάλησε εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 13. ἐκδοκ. ἐγὼ τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 14. ὡμοσα τῷ οἷ. Ἰ. (5)  
 — 14. εἰ ἐξέλασθήσεται ἀδικία οἴκου Ἰ. (5)  
 — 15. ἤνοιξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (5)  
 5. 2. εἰσῆλθον αὐτὴν εἰς οἶκον Δ. (5)  
 — 3. εἰσῆλθον εἰς οἶκον Δ. (5)  
 — 5. οὐκ ἐπιβάνουσιν . . . πᾶς ὁ εἰσπορευόμενος οἶκον Δ. ἐπὶ βαθμὸν οἴκου Δ. (5, —)  
 6. 7. ἀπαγάγετε τὰ τέκνα . . . εἰς οἶκον (5)  
 — 10. τὰ τέκνα αὐ. ἀπεκώλυσαν εἰς οἶκον (5)  
 7. 1. εἰσάγουσιν αὐτὴν εἰς οἶκον Ἀμ. (5)  
 — 2. ἐπέβλεψε πᾶς [A add. ὁ] οἶ. Ἰσρ. ὅπισω κυρίου (5)  
 — 3. εἶπε Σαμ. πρὸς πᾶσαν οἶ. Ἰσρ. (5)  
 — 17. ἐκεῖ ἦν ὁ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 9. 18. ποῖος ὁ [A om.] οἶ. τοῦ βλῆποντος (5)  
 — 20. οἱ σοὶ καὶ [A add. παντὶ] τῷ οἷ. τοῦ πατρὸς σου (5)  
 10. 26. Σ. ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 15. 34. Σ. ἀνέβη εἰς τὸν [A om.] οἶ. αὐ. (5)  
 I Ki. 17. 25. Α τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. ποιήσει ἐλεύθερον (5)  
 18. 2. Α ἐπιστρέψαι ἐν τῷ οἷ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 — 10. Α προσήγγισεν ἐν μέσῳ οἴκου αὐ. (5)  
 19. 9. καὶ αὐτὸς ἐν οἴκῳ καθεύδων (5)  
 — 11. ἀπέστειλε Σ. ἀγγέλους εἰς οἶκον Δ. (5)  
 20. 15. οὐκ ἐξαρεῖς ἔλεος σου ἀπὸ τοῦ οἶ. μου (5)  
 — 15 (16). εὐρεθῆναι [A ἐξαρβ.] τὸ δν. τοῦ Ἰων. ἀπὸ τοῦ οἶ. Δ. (5)  
 22. 1. οἱ ἀδ. αὐ. καὶ [A add. πᾶς] ὁ οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 — 14. καὶ ἔνδοξος ἐν τῷ οἷ. σου (5)  
 — 15. καὶ ἐφ' ὅλον τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 16. σὺ καὶ πᾶς ὁ οἶ. τοῦ πατρὸς σου (5)  
 — 22. αἰτίος τῶν ψυχῶν οἴκου τοῦ πατρὸς σου (5)  
 23. 18. Ἰων. ἀπῆλθεν εἰς οἶκον αὐτοῦ (5)  
 24. 22. οὐκ ἀφανίσεις τὸ δν. μου ἐκ τοῦ οἶ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 25. 1. θάπτουσιν αὐτὸν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (5)  
 — 6. ὁ οἶ. σου καὶ πάντα τὰ σὰ ὑγαίνοντα (5)  
 — 17. συντελεσθῶσι . . . εἰς [A add. πάντα] τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 28. ποιήσει . . . οἶ. πιστόν [A om.] (5)  
 — 35. ἀνάβηθι . . . εἰς οἶκόν σου (5)  
 — 36. B<sup>1</sup> B καὶ ἰδοὺ αὐτῷ πότος [B<sup>2</sup> add. ἐν οἴκῳ αὐ., A add. ἐν τῷ οἷ. αὐ.] (5)  
 27. 3. οἱ ἄνδρες αὐ. ἑκαστος καὶ ὁ οἶ. αὐ. (5)  
 II Ki. 1. 12. ἐκλαυσαν . . . ἐπὶ τὸν οἶ. Ἰσρ. (5)  
 2. 3. ἑκαστος καὶ ὁ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 4. τοῦ βασιλεὺς ἐπὶ τὸν οἶ. Ἰούδα (5)  
 — 7. ἐμέ κέκρικεν ὁ οἶ. Ἰούδα (5)  
 — 10. Α πλὴν τοῦ οἶ. Ἰ. οἱ ἦσαν ὅπισω Δ. (5)  
 — 11. Α δε Δ. ἐβασίλευσεν . . . ἐπὶ τὸν οἶ. Ἰ. (5)  
 3. 1. ἀνὰ μέσον τοῦ οἶ. Σ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ οἶ. Δ. (5, 5)  
 — 1. ὁ οἶ. Δ. ἐπορεύετο (5)  
 — 1. ὁ οἶ. Σ. ἐπορεύετο (5)  
 — 6. ἀνὰ μέσον τοῦ [A om.] οἶ. Σ. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ [A om.] οἶ. Δ. (5, 5)  
 — 6. Α<sup>2</sup> B Ἀβ. ἦν κριτὴν τοῦ οἶ. Σ. (5)  
 — 8. ἐποίησα σῆμ. ἔλεος μετὰ τοῦ οἶ. Σ. (5)  
 — 8. οὐκ ἠτόμασθαι εἰς τὸν οἶ. Δ. (5)  
 — 10. περιελθὶν τὴν βασιλείαν ἀπὸ τοῦ οἶ. Σ. (5)  
 — 12. ἐπιστρέψαι πρὸς σὲ πάντα τὸν οἶ. Ἰσρ. (5)  
 — 19. ὅσα ἤρπεν . . . ἐν ὀφθαλμοῖς πατρὸς οἶ. B. (5)  
 — 29. κατανατράσασαν . . . ἐπὶ πάντα τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 — 29. μὴ ἐκλίποι ἐκ τοῦ οἶ. Ἰ. γοηροῦντες (5)  
 4. 5. εἰσῆλθον . . . εἰς οἶκον Ἰεβ. (5)  
 — 6. ἡ θυρωρὸς τοῦ οἶ. ἐκάθαιρε πυρούς (5)  
 — 7. εἰσῆλθον εἰς τὸν οἶ. (5)  
 — 11. ἀπεκατέκρινον ἀνδρὰ δίκαιον ἐν τῷ οἷ. αὐ. (5)  
 5. 9 (8). οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 9. φκοδόμησεν . . . τὸν οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 11. φκοδόμησαν οἶκον τῷ Δ. (5)  
 6. 3. AB ἦρεν αὐτὴν εἰς οἶκον [B ἐξ οἴκου] Ἀμ. (5)  
 — 4. Α ἦρεν αὐτὴν ἀπὸ οἴκου Ἀμ. (5)  
 — 10. ἀπέκρινεν αὐτὴν Δ. εἰς οἶκον Ἀβ. (5)  
 — 11. ἐκάθισεν ἡ κιβ. τοῦ κ. εἰς οἶκον Ἀβ. [A al.] (5)  
 — 11. εὐλόγησε κύριος ὅλον τὸν οἶ. Ἀβ. [A al.] (5)  
 — 12. εὐλόγησε κύριος τὸν οἶ. Ἀβ. (5)  
 — 12. ἀνίγαγε τὴν κιβ. τοῦ κ. ἐκ τοῦ οἶ. Ἀβ. (5)  
 — 15. Δ. καὶ πᾶς ὁ οἶ. Ἰσρ. ἀνίγαγον τὴν κιβ. κυρίου (5)  
 — 19. ἀπῆλθε πᾶς ὁ λαὸς ἑκαστος εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 20. ἐπέστρεψε Δ. εὐλογῆσαι τὸν οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 21. δε ἐξελεξίτο με . . . ὑπὲρ πάντα τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 7. 1. ἐκάθισεν . . . ἐν τῷ οἷ. αὐτοῦ (5)  
 — 2. κατοικῶ ἐν οἷ. κέδριμῳ (5)  
 — 5. οὐ σὺ οἰκοδομήσεις μου οἶκον (5)  
 — 6. οὐ κατοικῆκα ἐν οἴκῳ (5)  
 — 7. οὐκ φκοδομήκατέ μοι οἶ. κέδριμον (5)  
 — 11. οἶκον οἰκοδομήσεις αὐτῷ (5)  
 — 13. οἰκοδομήσει μοι οἶκον τῷ ὀνόματί μου (5)  
 — 16. πιστωθήσεται ὁ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 18. τίς ὁ οἶ. μου (5)  
 — 19. ἐλάλησας ὑπὲρ τοῦ οἶ. τοῦ δούλου σου (5)  
 — 25. ὁ ἐλάλησας περὶ . . . τοῦ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 26. Α ὁ οἶ. τοῦ δούλου σου Δ. ἔσται ἀνωρθωμένος (5)  
 — 27. οἶκον οἰκοδομήσω σοι (5)  
 — 29. εὐλόγησον τὸν οἶ. τοῦ δούλου σου (5)  
 — 29. εὐλογηθήσεται ὁ οἶ. τοῦ δούλου σου (5)  
 9. 1. εἰ ἔστιν ἐτι ὑπολελειμμένος τῷ οἷ. Σ. (5)  
 — 2. ἐκ τοῦ οἶ. Σ. παῖς ἦν (5)

- II Ki. 9. 3. εἰ ὑπολείπεται ἐκ τοῦ οἴ. [A τῷ οἴ.] Σ. ἔτι ἀνὴρ (5)  
 — 4. ἰδοὺ ἐν οἴκῳ M. (5)  
 — 5. ἔλαβεν αὐτὸν ἐκ τοῦ οἴ. M. (5)  
 — 9. Α ὅσα ἐστὶ . . . ὀλοὴ τῷ οἴ. αὐ. δέδωκα τῷ οἴ. κυρίῳ [B τῷ νόμῳ τοῦ κ.] σου (5, 7)  
 — 12. πᾶσα ἡ κατοικησις αὐ. οἴκου Σ. (5)  
 11. 2. περιεπάτει ἐπὶ τοῦ δώματος τοῦ οἴ. τοῦ βασιλ. (5)  
 — 4. ἀπέστρεψεν [A add. αὐτὴν] εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 8. κατέβηθι εἰς τὸν οἴ. σου (5)  
 — 8. ἐξῆλθεν Οὐ. ἐξ οἴκου τοῦ βασιλ. (5)  
 — 9. Α παρὰ τῇ θύρᾳ οἴκου [B om.] τοῦ βασιλ. (5)  
 — 9. οὐ κατέβη εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 10. οὐ κατέβη Οὐ. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 10. τί οὐ κατέβης εἰς τὸν οἴ. σου (5)  
 — 11. ἐλεεῦσά μοι εἰς τὸν οἴ. μου (5)  
 — 13. εἰς τὸν οἴ. αὐ. οὐ κατέβη (5)  
 — 27. συνήγαγεν αὐτὴν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 12. 8. ἔδωκα σοι τὸν οἴ. τοῦ κυρίου σου (5)  
 — 8. ἔδωκα σοι τὸν οἴ. Ἰσρ. (5)  
 — 10. οὐκ ἀποστήσεται δομοφύια ἐκ τοῦ οἴ. σου (5)  
 — 11. ἐξέγίρῳ ἐπὶ σὲ κακὰ ἐκ τοῦ οἴ. σου (5)  
 — 15. ἀπῆλθε N. εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 17. ἀνέστησαν ἐπ' αὐτὸν οἱ πρεσβύτεροι τοῦ οἴ. (5)  
 — 20. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)  
 — 20. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 13. 7. ἀπέστειλε Δ. . . εἰς τὸν οἴ. (5)  
 — 7. πορεύθητι διὰ τὸν οἴ. (5)  
 — 8. ἐπορεύθη Θ. εἰς τὸν οἴ. (5)  
 — 17. τὸ παιδάριον αὐ. τὸν προσετηκῆτα τοῦ οἴ. † (5)  
 — 20. ἐκάθισεν Θ. χερύοντα ἐν οἴκῳ Ἰ. Αβ. (5)  
 14. 8. ὑπάκουσα βάδιζε εἰς τὸν οἴ. σου (5)  
 — 9. καὶ ἐπὶ τὸν οἴ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 24. ἀποστραφέντων εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 24. ἀπέστρεψεν [A ἐπ.] Ἰ. Αβ. εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 31. ἔλθε πρὸς Ἰ. Αβ. εἰς τὸν οἴ. (5)  
 15. 16. ἐξῆλθεν ὁ βασιλ. καὶ πᾶς ὁ οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 16. φυλάσσειν τὸν οἴ. (5)  
 — 17. ἔστησαν ἐν οἴκῳ τῷ μακρᾷ (5)  
 — 35. ὁ ἄν. ἀκούσας ἐξ οἴκου τοῦ βασιλ. (5)  
 16. 3. ἐπιστρέψον μοι [A add. ὁ] οἶκος Ἰσρ. τὴν βασιλ. (5)  
 — 5. ἐκ συγγενείας οἴκου Σαούλ (5)  
 — 8. ἐπέστρεψεν ἐπὶ σὲ κ. πάντα τὰ αἵματα τοῦ οἴ. Σ. (5)  
 — 21. φυλάσσειν τὸν οἴ. (5)  
 17. 23. ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 23. ἐνετείλατο τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 23. Α ἐτάφη ἐν τῷ οἴ. [B τάφη] τοῦ πατρὸς αὐ. † (5)  
 19. 5 (6). εἰσῆλθεν Ἰ. . . εἰς τὸν οἴ. (5)  
 — 11 (12). τοῦ ἐπιστρέφειν πρὸς τὸν βασιλ. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 11 (12). B ἦλθε πρὸς τὸν βασιλ. εἰς τὸν οἴ. αὐ. [A B om. εἰς τὸν οἴ. αὐ.] (5)  
 — 12 (13). τοῦ ἐπιστρέφειν τὸν βασιλ. εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 17 (18). καὶ Σ. τὸ παιδάριον τοῦ οἴ. Σ. (5)  
 — 18 (19). B ἐξέγερται [A B τοῦ ἐξ.] τὸν οἴ. τοῦ βασιλ. (5)  
 — 20 (21). πρότερος παντὸς οἴ. Ἰ. (5)  
 — 28 (29). οὐκ ἦν πᾶς ὁ οἴ. [A πάροικος] τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 30 (31). μετὰ τὸ παραγενέσθαι τὸν κ. μου . . . εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 33 (34). Α διαβρέψω τὸν οἴ. [B τὸ γῆρας] σου † (5)  
 — 41 (42). διεβίβασαν . . . τὸν οἴ. αὐ. τὸν Ἰσρ. (5)  
 20. 3. εἰσῆλθε Δ. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 3. ἀς ἀφῆκε φυλάσσειν τὸν οἴ. (5)  
 — 3. ἔδωκεν αὐτὰς ἐν οἴκῳ φυλακῆς (5)  
 21. 1. ἐπὶ Σ. καὶ ἐπὶ τὸν οἴ. αὐ. ἀδικία (5)  
 — 4. μετὰ Σ. καὶ μετὰ τοῦ οἴ. αὐ. (5)  
 — 22. ἐν Γιδ τῷ P. οἶκος [A om.] (5)  
 23. 5. οὐ γὰρ οὗτος ὁ οἴ. μου μετὰ ἰσχυροῦ (5)  
 24. 17. γενέσθω δὴ ἡ χεὶρ σου . . . ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 III Ki. 1. 53. δέυρο εἰς τὸν οἴ. σου (5)  
 — 2. 4. ἐποίησέ μοι οἶκον (5)  
 — 27. ὁ ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν οἴ. Ἰ. Η. (5)  
 — 31. ἀπ' ἐμοῦ καὶ ἀπὸ τοῦ οἴ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 — 33. τῷ οἴ. αὐτοῦ . . . γένοιτο εἰρήνη (5)  
 — 34. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)  
 8. 1. ὥς συντελέσαι αὐτὸν [A add. τὸν οἴ. αὐ.] καὶ τὸν οἴ. κυρίου [B al.] (5, 5)  
 — 1 (cf. A 9. 24). θυγάτηρ Φ. ἀνέβαιναν . . . εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 1 (cf. A 9. 25). συντελέσει τὸν οἴ. (5)  
 III Ki. 8. 1. μετὰ τὸ οἰκοδομήσαι αὐτὸν τὸν οἴ. τοῦ κ. — (5)  
 — 1 (2, 36). οἰκοδομήσαντες αὐτὸν οἶκον (5)  
 — 1. Α ὥς οὐ συντελέσειεν οἰκοδομῶν τὸν οἴ. αὐ. καὶ τὸν οἴ. κυρίου (5, 5)  
 — 1. B ἔδραμεν ἐπὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 2. οὐκ οἰκοδομήθη οἶκος (5)  
 — 17. φέκοντες ἐν οἴ. ἐνί (5)  
 — 17. ἐτίκοντες ἐν τῷ οἴ. (5)  
 — 18. Α οἶκος ἔστιν οὗτος ἐν τῷ οἴ. [B μεθ' ἡμῶν] παρὲς ἀμφοτέρων ἡμῶν ἐν τῷ οἴ. (5, 5)  
 4. 7. χορηγίην . . . τῷ οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 12. καὶ πᾶς ὁ οἴ. Δάν (5)  
 — 34 (8. 1). B ὥς συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ (5, 5)  
 5. 3 (17). οἶκος ἡδύνατο οἰκοδομήσαι οἶκον (5)  
 — 5 (19). οἰκοδομήσω οἶκον (5)  
 — 5 (19). οἰκοδομήσει τὸν οἴ. (5)  
 — 9 (23). τοῦ δοῦναι ἀρτους τῷ οἴ. μου (5)  
 — 11 (25). Σαλ. ἔδωκε . . . μαχ. τῷ οἴ. αὐ. (5)  
 — 14 (28). καὶ δύο μῆρας ἐν οἴκῳ αὐτῶν (5)  
 6. 1. Α οἰκοδομῶν τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 1 (5. 17 [31]). εἰς τὸν θεμέλιον τοῦ οἴ. (5)  
 — 1 (A 37). ἐθεμελίωσε τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 1 (A 38). συντελέσθη ὁ οἴ. (5)  
 — 2. ὁ οἴ. δὲν οἰκοδομήσαντες ὁ βασιλ. (5)  
 — 3. Α κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ τοῦ οἴ. [B om. τ. οἴ.] (5)  
 — 3. εἰς τὸν πλάτος τοῦ οἴ. κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴ. [A al.] (5, 5)  
 — 3. οἰκοδομήσει τὸν οἴ. (5)  
 — 4. ἐποίησε τῷ οἴ. θυρίδας (5)  
 — 5. B ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν [A B ἐπὶ τὸν] τοίχον τοῦ οἴ. (5)  
 — 5. Α σὺν τοίχοις τοῦ οἴ. (5)  
 — 6. διάστημα ἔδωκε τῷ οἴ. κυκλῶντες ἔξωθεν τοῦ οἴ. ὥστε μὴ ἐπιλαμβάνονται τῶν τοίχων τοῦ οἴ. (5, —, 5)  
 — 7. ὁ οἴ. ἐν τῷ οἰκοδομῆσθαι αὐτὸν (5)  
 — 7. οὐκ ἠκούσθη ἐν τῷ οἴ. [A al.] (5)  
 — 8. ὑπὸ τὴν ὁμίαν τὸν οἴ. τὴν δεξιάν (5)  
 — 9. οἰκοδομήσει τὸν οἴ. (5)  
 — 9. ἐκοιλοστάθμισεν τὸν οἴ. κείροις (5)  
 — 10. οἰκοδομήσει τοὺς ἐνδύοντες δι' ὅλου τοῦ οἴ. (5)  
 — 12. Α ὁ οἴ. οὗτος δὲν σὺ οἰκοδομῶν (5)  
 — 14. Α οἰκοδομήσει Σαλ. τὸν οἴ. (5)  
 — 15. οἰκοδομήσει τοὺς τοίχους τοῦ οἴ. . . ἀπὸ τοῦ ἐδάφους τοῦ οἴ. (5, 5)  
 — 15. περιεσχετὸν ἔσω τοῦ οἴ. (5)  
 — 16. Α ἀπὸ τοῦ ἐδάφους τοῦ οἴ. [B om. τ. οἴ.] (5)  
 — 17. Α τεσσαράκ. πηχῶν ἦν ὁ οἴ. οὗτος ὁ ναὸς ὁ ἐσώτατος [B al.] (5)  
 — 18. Α διὰ κείρου πρὸς τὸν οἴ. ἔσω πλοκὴν (5)  
 — 19. ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. ἔσθωθεν (5)  
 — 21. Α περιεπλήρησε Σαλ. τὸν οἴ. ἐνδοθεν (5)  
 — 21 (22). ὅλον τὸν οἴ. περιεσχε χρυσίῳ [A al.] (5)  
 — 21 (22). ὥς συντελείας παντὸς τοῦ οἴ. (5)  
 — 27. ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. τοῦ ἐσωτάτου (5)  
 — 27. αἱ πτέρυγες αὐ. αἱ ἐν μέσῳ τοῦ οἴ. (5)  
 — 29. πάντα τοὺς τοίχους τοῦ οἴ. (5)  
 — 30. τὸ ἔδαφος τοῦ οἴ. περιεσχε χρυσίῳ (5)  
 — 36. B καταπέτασμα τῆς αὐλῆς τοῦ αἰλᾶμ τοῦ οἴ. (5)  
 7. 15. B ἔχωνευσεν τὸν αἰλᾶμ τοῦ οἴ. [A B al.] (5)  
 — 25. πάντα τὰ ὀπίσθια εἰς τὸν οἴ. (5)  
 — 29. ἀπὸ τῆς ὁμίας τοῦ οἴ. (5)  
 — 39. Α πέντε ἐπ' ὁμίαν τοῦ οἴ. [B al.] (5)  
 — 39. ἀπὸ τῆς ὁμίας [A ὁμίος] τοῦ οἴ. (5)  
 — 40. Α ἐποίησε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 45. Α ἐποίησε Χ. . . τῷ οἴ. κυρίου (5)  
 — 45. οἱ στύλοι . . . τοῦ οἴ. τοῦ βασιλ. καὶ τοῦ οἴ. κυρίου (5, —)  
 — 48. Α ἐποίησεν ἐν οἴκῳ [A al.] (5)  
 — 50. καὶ τὰ θυρώματα τῶν θυρῶν τοῦ οἴ. (5)  
 — 50. Α καὶ τὰς θύρας τοῦ οἴ. [B om. τ. οἴ.] τοῦ ναοῦ (5)  
 — 51. ὁ ἐποίησε Σ. οἶκον κυρίου (5)  
 — 51. τὸ χρυσίον ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (5)  
 — 1. τὸν οἴ. αὐτῶν οἰκοδομήσει Σαλ. (5)  
 — 1. Α συντελέσειεν ὅλον τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 2. οἰκοδομήσει τὸν οἴ. ὁρμῶν [A -οῦ] τοῦ Ἰ. (5)  
 — 3. ἐφάτνωσε τὸν οἴ. † (5)  
 — 8. ὁ οἴ. αὐτῶν ἐν οἴκῳ [A οἴ. αὐτῶν ἐν φ.] καθίσταται ἐκεῖ (5, †)  
 — 8. καὶ οἶκον τῇ θυγατρὶ Φ. (5)  
 III Ki. 7. 12 (1). συντελέσει Σ. ὅλον τὸν οἴ. αὐ. [A οἰκοδομήσειεν αὐτὸν οἶκον κυρίου τὴν ἐσωτάτην τῶν αἰλᾶμ τοῦ οἴ.] (5 [5, 8])  
 8. 1. B τοῦ οἰκοδομήσαι τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 6. εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ [B<sup>3</sup> al.] (5)  
 — 10. ἡ νεφέλη ἐπλήρησε τὸν οἴ. (5)  
 — 11. ἐπλήρησε δόξα κυρίου τὸν οἴ. (5)  
 — 13. Α οἰκοδομήσει οἶκον κατοικητηρίου σοι (5)  
 — 16. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον (5)  
 — 17. οἰκοδομήσει οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (5)  
 — 18. τοῦ [A om.] οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ ὀνόματι μου (5)  
 — 19. σὺ οἶκος οἰκοδομήσεις τὸν οἴ. (5)  
 — 19. οὗτος οἰκοδομήσει τὸν οἴ. (5)  
 — 20. οἰκοδομήσει τὸν οἴ. (5)  
 — 27. πλὴν καὶ ὁ οἴ. οὗτος (5)  
 — 29. τοῦ εἶναι ὀφθαλμοῦ σου ἡνεργῶν εἰς τὸν οἴ. τοῦτον (5)  
 — 31. καὶ ἐξαγορεύσει . . . ἐν τῷ οἴ. τούτῳ (5)  
 — 33. δεηθήσονται ἐν τῷ οἴ. τούτῳ (5)  
 — 38. καὶ διαπεσθῇ τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οἴ. τοῦτον (5)  
 — 43. τὸν οἴ. σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὸν οἴ. [B<sup>3</sup> τόπον] (5)  
 — 44. καὶ τοῦ οἴ. οὐ οἰκοδομήσει (5)  
 — 48. καὶ τοῦ οἴ. οὐ οἰκοδομήσει (5)  
 — 53. ἐλάλησε Σαλ. ὑπὲρ τοῦ οἴ. (5)  
 — 53. B οἰκοδομήσαντες οἶκον μου οἶκον ἐκπερησῇ [A B εἰσπρ.] αὐτοῦ (5, —)  
 — 63. ἐνεκαίσει τὸν οἴ. κυρίου ὁ βασιλ. (5)  
 — 64. τὸ μέσον τῆς αὐλῆς τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴ. κυρίου (5)  
 — 65. ἐν τῷ οἴ. οὐ οἰκοδομήσει (5)  
 9. 1. οἰκοδομήσει [A B<sup>3</sup> -ων] τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασιλ. (5, 5)  
 — 3. ἡγίασα τὸν οἴ. τοῦτον (5)  
 — 7. τὸν οἴ. τοῦτον . . . ἀπορρίψω ἐκ προσώπου μου (5)  
 — 8. ὁ οἴ. οὗτος ἔσται ὁ ὑψηλός (5)  
 — 8. ἕνεκα τίνος ἐποίησε κ. οὕτως . . . τῷ οἴ. τούτῳ (5)  
 — 9. ἐξ οἴκου δουλείας (5)  
 — 9. ἀνήγαγε Σ. τὴν θυγ. Φ. . . εἰς [A add. τὸν] οἴ. αὐ. (5)  
 — 10. ἐν οἷς οἰκοδομήσει Σαλ. τοὺς δύο οἴ. τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασιλ. (5 ter)  
 — 24. Α θυγάτηρ Φ. ἀνέβη . . . πρὸς οἶκον αὐτῆς (5)  
 — 25. Α ἀπήγγισεν σὺν τὸν οἴ. (5)  
 10. 4. εἶδε βασιλίσσα Σ. . . τὸν οἴ. (5)  
 — 5. ἦν ἀνέφερον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 12. B ὑποστηρίγματα οἴκου [A B τοῦ οἴ.] κυρίου καὶ τοῦ οἴ. τοῦ βασιλ. (5, 5)  
 — 17. ἔδωκεν αὐτὰ εἰς οἶκον ὁρμῶν τοῦ Ἰ. (5)  
 — 21. πάντα τὰ σκεύη ὁρμῶν οἴκου [A οἴ. τοῦ δρ.] τοῦ Ἰ. (5)  
 — 22 (B): 9. 15 (A). οἰκοδομήσει τὸν οἴ. κυρίου καὶ τὸν οἴ. τοῦ βασιλ. (5, 5)  
 11. 18. ἔδωκεν αὐτῷ οἶκον (5)  
 — 28. ἐπὶ τὰς ἀρσεις οἴκου Ἰ. (5)  
 — 38. οἰκοδομήσει σοὶ οἴ. πιστόν (5)  
 12. 16. βόσκει τὸν οἴ. σου (5)  
 — 19. ἠθέτησεν Ἰσρ. εἰς τὸν οἴ. Δ. (5)  
 — 20. Α B οὐκ ἦν ὅπισθον τοῦ οἴ. [B om. τ. οἴ.] Δ. (5)  
 — 21. τοῦ πολεμῆν πρὸς οἶκον Ἰσρ. (5)  
 — 23. ἐλπὸν . . . πρὸς πάντα οἴ. Ἰ. (5)  
 — 24. ἀποστρεφόμενος ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 24. B ἐπὶ ἀρσεις οἴκου Ἰ. (5)  
 — 24. B ἐν ταῖς ἀρσεις οἴκου Ἰ. (5)  
 — 24. B ἐλπὸν . . . πρὸς πάντα οἶκον Ἰ. (5)  
 — 24. B ἀναστρέφεται ἕκαστος εἰς τὸν οἴ. αὐ. (5)  
 — 26. B ἐπιστρέψει ἡ βασιλ. ἐν οἴκῳ [A B εἰς τὸν οἴ.] Δ. (5)  
 — 27. ἀναφέρειν θυσίαν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 30. B εἶσαν τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 31. ἐποίησεν οἶκους ἐφ' ὑψηλῶν (5)  
 13. 2. υἱὸς τίκτεται τῷ οἴ. Δ. (5)  
 — 7. εἰσέλθε μετ' ἐμοῦ εἰς οἶκον (5)  
 — 8. ἐὰν δῶς μοι τὸ ἡμισυ τοῦ οἴ. σου (5)  
 — 18. ἐπιστρέψον αὐτὸν . . . εἰς τὸν [A om. εἰς τὸν] οἴ. σου (5)  
 — 19. ἔφαγεν ἄρτον ἐν τῷ οἴ. αὐ. (5)  
 — 32. ὁ ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς ὑψηλοὺς (5)  
 — 34. ἐγένετο . . . εἰς ἀμαρτίαν τῷ οἴ. Ἰερ. (5)  
 14. 4. Α εἰσῆλθεν ἐν οἴκῳ Ἀχ. (5)  
 — 8. Α ἔρρηξε σὺν τὸν βασιλεῖον ἀπὸ τοῦ οἴ. Δ. (5)

III Kι. 14. 10. Α. ἄνω κακίαν πρὸς σέ εἰς οἶκον Ἱερ. (5)  
 — 10. Α. ἐπιλέξω οἶκον Ἱερ. (5)  
 — 12. Α. πορεύθητι εἰς τὸν οἶ. σου (5)  
 — 13. Α. εὐρέθῃ ἐν αὐτῷ ῥῆμα καλὸν . . . ἐν οἴκῳ Ἱερ. (5)  
 — 14. Α. πληξεί τὸν οἶ. Ἱερ. (5)  
 — 17. Α. ὡς εἰσῆλθεν ἐν τῷ προθύρῳ τοῦ οἶ. (5)  
 — 26. πάντας τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)  
 — 27. οἱ φυλάσσοιτες τὸν πύλωνα οἴκου βασι-  
 λείας (5)  
 — 28. ὅτε εἰσπορεύετο ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 15. 15. τοὺς κίονας αὐ. εἰσῆγγεν εἰς τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 18. Α. τὸ εὐρεθῆν ἐν τοῖς θησαυροῖς τοῦ οἶ.  
 κυρίου καὶ ἐν τοῖς θησαυροῖς οἴκου  
 τοῦ βασ. [B al.] (5, 5)  
 — 20. ΑΒ καὶ τὴν Ἀβὶλ οἴκου Μ. [B al.] (5)  
 — 27. περιεκάθισεν αὐτὸν . . . ἐπὶ τὸν οἶ. Β. (5)  
 — 29. Β. ἐπάταξεν τὸν οἶ. Ἱερ. [A B al.] (5)  
 16. 3. ὅπως Β. καὶ ὅπως τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 3. Β. δάσω τὸν οἶ. αὐ. [A B σου] ὡς τὸν οἶ.  
 Ἱερ. (5, 5)  
 — 7. Β. καὶ ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 7. τοῦ εἶναι κατὰ τὸν οἶ. [A καθὼς ὁ οἶ.] Ἱερ. (5)  
 — 9. πίνων μεθύων ἐν τῷ οἶ. Ὡ. (5)  
 — 12 (11). ἐπάταξεν ὅλον τὸν οἶ. Β. (5)  
 — 12 (11). Α. ἐξέτριψε Ζ. ὅλον τὸν οἶ. Β. [A al.]  
 — 18. εἰς ἀντρον τοῦ οἶ. τοῦ βασ. (5)  
 — 18. ἐνεπύρσεν ἐπ' αὐτὸν τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5)  
 — 32. ἐν οἴκῳ [A ἐνώπιον] τῶν προσοχισμά-  
 των αὐ. (5)  
 17. 17. ὁ υἱὸς τῆς γυναικὸς τῆς κυρίας τοῦ οἶ.  
 — 23. κατήγαγεν αὐτὸν . . . εἰς τὸν οἶ. (5)  
 18. 18. σὺ καὶ ὁ οἶ. τοῦ πατρὸς σου (5)  
 20 (21). 2. ἐγγίον οὗτος τῷ οἶ. μου (5)  
 — 4. ἤλθεν Ἀχ. πρὸς οἶκον αὐ. (5)  
 — 22. δάσω τὸν οἶ. σου ὡς τὸν οἶ. Ἱερ. . .  
 καὶ ὡς τὸν οἶ. Β. (5 ter)  
 — 29. Α. ἐπάταξεν τὴν κακίαν ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. [B  
 om. ε. τ. οἶ. αὐ.] (5)  
 21 (20). 6. ἐρευνήσουσι τὸν οἶ. σου καὶ τοὺς οἶ.  
 τῶν παίδων σου (5, 5)  
 — 30. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶ. τοῦ κοινῶτος †  
 — 31. Α. βασιλείς οἴκου [B om.] Ἱερ. (5)  
 — 43. Α. ἀπῆλθεν ὁ βασ. Ἱερ. πρὸς οἶκον αὐ.  
 [B om. πρὸς οἶ. αὐ.] (5)  
 22. 17. ἕκατος εἰς τὸν οἶ. αὐ. . . ἀναστρέφω (5)  
 — 39. καὶ οἱ. ἐλεφάντινον ἐν φεκοδόμῃ (5)  
 — 53. ἐν ταῖς ἀμαρτίαις οἴκου [A om.] Ἱερ. —  
 IV Kι. 1. 18 (3, 3). ἐν ταῖς ἀμαρτίαις οἴκου Ἱερ. —  
 — 18 (3, 3). ἐθιμώδη ὄργη κ. εἰς τὸν οἶ. Ἀχ. —  
 4. 2. τί ἐστι σοὶ ἐν τῷ οἶ. (5)  
 — 2. Α. Β. οὐκ ἐστὶ τῇ δούλῃ σου οὐδὲν ἐν τῷ  
 οἶ. [B om. ἐν τ. οἶ.] (5)  
 — 32. εἰσῆλθεν Ἑλ. εἰς τὸν οἶ. (5)  
 — 33. εἰσῆλθεν Ἑλ. εἰς τὸν οἶ. (5)  
 5. 9. ἐστὶ ἐπὶ θύρας [A τῆς θ. τοῦ] οἴκου Ἑλ. —  
 — 18. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι τὸν κ. μου εἰς  
 οἶκον Ἱερ. (5)  
 — 18. προσκνήσω ἐν οἴκῳ Ἱερ. (5)  
 — 18. Β. ἐν τῷ προσκυνεῖν αὐτὸν ἐν οἴκῳ Ἱερ. (5)  
 — 24. παρέθετο ἐν οἴκῳ (5)  
 6. 32. ἐκάθιστο ἐν τῷ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 7. 9. ἀναγγεῖλωμεν εἰς τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5)  
 — 11. ἀνγγεῖλαιον εἰς τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5)  
 8. 1. δεῖρο σὺ καὶ ὁ οἶ. σου (5)  
 — 2. ἐπορεύθη αὐτὴ καὶ ὁ οἶ. αὐ. (5)  
 — 3. βοήσῃ πρὸς τὸν βασ. περὶ τοῦ οἶ. ἐαν. (5)  
 — 5. βόωσα πρὸς τὸν βασ. περὶ τοῦ οἶ. ἐαν. (5)  
 — 18. καθὼς ἐποίησαν οἶκος Ἀχ. (5)  
 — 27. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (5)  
 — 27. καθὼς ὁ οἶ. Ἀχ. (5)  
 — 27. Α. γαμβρὸς γὰρ οἴκου Ἀχ. ἐστὶν (5)  
 9. 6. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶ. (5)  
 — 7. ἐξολεθρεύσεις τὸν οἶ. Ἀχ. (5)  
 — 8. καὶ ἐκ χειρὸς ὁλοῦ τοῦ οἶ. Ἀχ. (5)  
 — 8. ἐξολεθρεύσεις τῷ οἶ. [A τοῦ οἶ.] Ἀχ. —  
 — 9. δάσω τὸν οἶ. Ἀχ. ὡς τὸν οἶ. Ἱερ. . . καὶ  
 ὡς τὸν οἶ. Β. [A al.] (5 ter)  
 10. 3. πολεμῇτε ὑπὲρ τοῦ οἶ. τοῦ κυρίου ὕμνων (5)  
 — 5. ἀπέστειλαν οἱ ἐπὶ [A ἀπὸ] τοῦ οἶ. (5)  
 — 10. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ τὸν οἶ. Ἀχ. (5)  
 — 11. ἐπάταξεν Ἰού πάντας τοὺς ἐν τῷ οἶ. Ἀχ.  
 καταλείφοντας (5)  
 — 21. εἰσῆλθον εἰς τὸν οἶ. τοῦ Β. (5)

IV Kι. 10. 21. ἐπλήσθη ὁ οἶ. τοῦ Β. (5)  
 — 22. εἶπε τῷ ἐπὶ τοῦ οἶ. μεσάλλ. [A al.] —  
 — 23. εἰσῆλθεν . . . εἰς οἶκον τοῦ Β. (5)  
 — 26 (25). ἐπορεύθησαν ἕως πάλους οἴκου τοῦ Β. (5)  
 — 26. Α. ἐξήνεγκαν τὴν στολὴν οἴκου [B om.]  
 τοῦ Β. (5)  
 — 27. Α. καθεῖλον τὸν οἶ. τοῦ Β. (5)  
 — 30. ὅσα ἐν τῇ καρδίᾳ μου ἐποίησας τῷ οἶ. Ἀχ. (5)  
 11. 3. Β. ἢ μὲν αὐτῆς κρυβόμενος ἐν οἴκῳ [A B  
 add. κυρίου] (5)  
 — 4. ἀπήγαγεν αὐτοὺς . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 6 (5). φυλάξτε φυλακὴν οἴκου τοῦ βασ. (5)  
 — 6. φυλάξτε τὴν φυλακὴν τοῦ οἶ. (5)  
 — 7. φυλάξουσιν τὴν φυλακὴν οἴκου κυρίου (5)  
 — 10. τυὺς τρισσοὺς τοῦ βασ. Δ. τοὺς ἐν  
 οἴκῳ κ. (5)  
 — 11. ἀπὸ τῆς ὤμιας τοῦ οἶ. τῆς δεξιᾶς ἕως  
 τῆς ὤμιας τοῦ οἶ. [A om. τ. δ. ε. τ. —  
 ὦ. τ. οἶ.] τῆς ἐνώπιον τοῦ θυσιασ-  
 τήριου καὶ τοῦ οἶ. (5 ter)  
 — 13. εἰσῆλθε . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 15. μὴ [A εἰ μὴ] ἀποθῇ ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 16. ὁδὸν εἰσόδου τῶν ἱππῶν οἴκου τοῦ βασ. (5)  
 — 18. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λαὸς . . . εἰς οἶκον τοῦ Β. (5)  
 — 18. ἔθηκεν ὁ ἱ. ἐπισκόπος εἰς τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 19. κατήγαγον τὸν βασ. ἐξ οἴκου κυρίου (5)  
 — 19. ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόντων οἴκου  
 τοῦ βασ. (5)  
 — 20. τὴν Γοθ. θανάτωσαν . . . ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5)  
 12. 4 (5). τὸ εἰσοδίζόμενον ἐν τῷ [A om.] οἶ.  
 κυρίου (5)  
 — 4 (5). ὁ ἐὰν λάβῃ . . . ἐνεγκεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 5 (6). κρατήσουσι τὸ [A τοῦ] βεδέκ τοῦ οἶ. (5)  
 — 6 (7). οὐκ ἐκραταιώσαν οἱ ἱ. τὸ βεδέκ τοῦ οἶ. (5)  
 — 7 (8). τί ὅτι οὐκ ἐκραταιοῦτε τὸ βεδέκ τοῦ οἶ. (5)  
 — 7 (8). εἰς τὸ βεδέκ τοῦ οἶ. δώσετε αὐτό (5)  
 — 8 (9). Β. τοῦ μὴ ἐνισχύσαι τὸ βδελύγμα  
 [A B βεδέκ] τοῦ οἶ. (5)  
 — 9 (10). Β. ἔδοκεν αὐτῇ . . . ἐν τῷ οἶ. ἀνδρὸς  
 οἴκῳ [A B -ου] κυρίου (†, 5)  
 — 9 (10). πᾶν τὸ ἀργύριον τὸ εὐρεθῆν ἐν οἴκῳ  
 κυρίου (5)  
 — 10 (11). τὸ ἀργύριον τὸ εὐρεθῆν ἐν οἴκῳ  
 κυρίου (5)  
 — 11 (12). τὰ ἔργα τῶν ἐπισκόπων οἴκου κυρίου  
 [A al.] (5)  
 — 11 (12). τοῖς οἰκοδόμοις τοῖς ποιοῦσιν ἐν  
 οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 12 (13). τοῦ κατασχεῖν τὸ βεδέκ οἴκου κυρίου (5)  
 — 12 (13). ὅσα ἐξωδιᾶσθαι ἐπὶ τὸν οἶ. (5)  
 — 13 (14). οὐ ποιηθήσεται οἴκῳ [A -ου] κυρίου (5)  
 — 13 (14). τοῦ ἀργ. τοῦ εἰσερχόμενου ἐν  
 οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 14 (15). ἐκραταίωσαν . . . τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 16 (17). ὅ τι [A add. οὐκ] εἰσπνέχθη ἐν  
 οἴκῳ κ. (5)  
 — 18 (19). ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου καὶ οἴκου  
 τοῦ βασ. (5, 5)  
 — 20 (21). ἐπάταξαν τὸν Ἱ. ἐν οἴκῳ Μ. (5)  
 13. 6. οὐκ ἀπέστησαν ἀπὸ μαρτιῶν οἴκου Ἱ. (5)  
 14. 10. ἐνδοξάσθητι καθήμενος ἐν τῷ οἶ. σου (5)  
 — 14. τὰ εὐρεθῆντα ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ ἐν θη-  
 σαυροῖς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)  
 15. 5. ἐβασιλευσεν ἐν οἴκῳ ἀφφουσῶθ (5)  
 — 5. Ἱ. υἱὸς τοῦ βασ. ἐπὶ τῷ οἶ. (5)  
 — 25. ἐπάταξεν αὐτὸν . . . ἐναντίον οἴκου τοῦ  
 βασ. (2 + 5)  
 — 35. φεκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (5)  
 16. 8. τὸ εὐρεθῆν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου καὶ  
 οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)  
 — 14. προσήγαγε τὸ πρῶτον τοῦ οἶ. κυρίου (5)  
 — 14. ἀπὸ τοῦ ἀνὰ μέσον τοῦ οἶ. κυρίου (5)  
 — 18. φεκοδόμησεν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 18. Β. ἐπείστην [A B add. ἐν] οἴκῳ κυρίου (5)  
 17. 4. ἔθηκεν αὐτὸν ἐν οἴκῳ φυλακῆς (5)  
 — 21. πλὴν Ἱερ. ἐπάνωθεν οἴκου Δ. (5)  
 — 29. ἔθηκαν ἐν οἴκῳ τῶν ὑψηλῶν (5)  
 — 32. κατέφικαν τὰ βδελύγματα. αὐ. ἐν τοῖς οἶ.  
 τῶν ὑψηλῶν —  
 — 32. ἐποίησαν ἑαυτοὺς ἐν οἴκῳ τῶν ὑψηλῶν (5)  
 18. 15. τὸ εὐρεθῆν ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ ἐν θησα-  
 υροῖς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)  
 19. 1. εἰσῆλθεν εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 14. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 30. τὸν [A τοῦ] διπασσωμένον οἴκου Ἱ. (5)  
 — 37. αὐτοῦ προσκυνούτος ἐν οἴκῳ Ἑ. (5)

IV Kι. 20. 1. ἐντεῖλαι τῷ οἶ. σου (5)  
 — 5. ἀναβήσῃ εἰς [A -σεται εἰς τὸν] οἶκον κυρίου (5)  
 — 8. ἀναβήσονται εἰς οἶκον [A τὸν οἶ.] κυρίου (5)  
 — 13. ἔδειξεν αὐτοῖς ὅλον τὸν οἶ. τοῦ μεχωθᾶ  
 . . . καὶ τὸν οἶ. τῶν σκευῶν. (5, 5)  
 — 13. ὃν οὐκ ἔδειξεν αὐτοῖς Ἑζ. ἐν τῷ οἶ. αὐ. (5)  
 — 15. τί εἶδον ἐν τῷ οἶ. σου (5)  
 — 15. ὅσα ἐν τῷ οἶ. μου (5)  
 — 15. οὐκ ἦν ἐν τῷ οἶ. μου —  
 — 17. ληφθήσεται πάντα τὰ ἐν τῷ οἶ. σου (5)  
 — 18. ἔσονται εὐνοχοὶ ἐν τῷ οἶ. τοῦ βασ. Β. (8 a)  
 21. 4. φεκοδόμησε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 5. ἐν ταῖς θυσιῖς [A πύσαις] αὐλαῖς οἴκου  
 κυρίου (5)  
 — 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν τοῦ ἄλσους ἐν τῷ οἶ.  
 [A κρυπτόν τοῦ οἶ. ἐν τῷ ἄλσει] (5 [†])  
 — 7. ἐν τῷ οἶ. τούτῳ ἐν Ἱερ. ἐξελεξάμην (5)  
 — 13. καὶ τὸ σταθμίον οἴκου Ἀχ. (5)  
 — 18. ἐτάφη ἐν τῷ κήπῳ τοῦ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 23. ἐθανάτωσαν τὸν βασιλέα ἐν τῷ οἶ. αὐ. (5)  
 22. 3. τὸν γραμματεῖα οἴκου [A τοῦ οἶ.] κυρίου (5)  
 — 4. τὸ εἰσερχεῖν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου (5)  
 — 5. τὸν καθεσταμένον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 5. τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα τοῖς [A om.] ἐν οἴκῳ  
 κυρίου (5)  
 — 5. τοῦ κατισχύσαι τὸ βεδέκ τοῦ οἶ. (5)  
 — 6. τοῦ κραταιώσαι τὸ βεδέκ τοῦ οἶ. (5)  
 — 8. βιβλίον τοῦ νόμου ἔνουν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 9. εἰσῆλθεν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου —  
 — 9. τὸ εὐρεθῆν ἐν τῷ οἶ. κυρίου (5)  
 — 9. καθεσταμένον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 23. 2. ἀνέβη ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 2. ἐν εὐρεθῆντος ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 6. ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος ἐξ οἴκου κυρίου (5)  
 — 7. καθεῖλε τὸν οἶ. τὸν καθ. τῶν ἐν τῷ οἶ.  
 κυρίου (5, 5)  
 — 8. καθεῖλε τὸν οἶ. τῶν πύλων †  
 — 11. ἐν τῇ εἰσόδῳ οἴκου κυρίου (5)  
 — 12. ἐν ταῖς θυσιῖς αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)  
 — 13. τὸν οἶ. τὸν ἐπὶ πρόσωπον Ἱερ. †  
 — 19. πάντας τοὺς οἶ. τῶν ὑψηλῶν (5)  
 — 24. οὐ εὔρε Χ. ὁ Ιερμὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 27. καὶ τὸν οἶ. οὐ εἶπον (5)  
 24. 13. πάντας τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου καὶ  
 τοὺς θησαυροὺς οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)  
 25. 9. ἐνέπρησε τὸν οἶ. κυρίου καὶ τὸν οἶ. τοῦ  
 βασ. καὶ πάντας τοὺς οἶ. Ἱερ. καὶ  
 πᾶν οἶ. ἐνέπρησεν (5 quarter)  
 — 13. τοὺς στύλους τοὺς χαλκοὺς τοὺς ἐν οἴκῳ  
 κυρίου . . . καὶ τὴν θύλ. τὴν χαλκὴν  
 τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (5, 5)  
 — 16. ἂ ἐποίησε Σαλ. τῷ οἶ. κυρίου (5)  
 — 27. ἐξήγαγεν αὐτὸν ἐξ οἴκου φυλακῆς αὐ. (5)  
 — 30. ἐδόθη αὐτῷ ἐξ οἴκου τοῦ βασ. —  
 I Ch. 2. 10. ἀρχοντα τοῦ οἶ. Ἱ. (7)  
 — 54. Ἀταρωθ οἴκου Ἰαβῆ (5)  
 — 55. ἐκ Μ. πατρὸς οἴκου Ἱερ. (5)  
 4. 21. γενεαίς οἰκῶν . . . τῷ οἶ. Ἑ. (5)  
 — 31. καὶ οἶκον Βαρουμ. (5)  
 — 38. ἐν οἴκῳ πατριῶν αὐτῶν (5)  
 — 41. ἐπάταξεν τυὺς οἶ. [A οἰκήτορας] αὐ. (1)  
 5. 13. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)  
 — 15. ἀρχων οἴκου πατριῶν (5)  
 — 24. οὗτοι ἀρχηγοὶ οἴκου πατριῶν αὐ. (5)  
 — 24. ἀρχοντες τῶν οἶ. πατριῶν αὐτῶν (5)  
 6. 10 (5, 36). ἱεράτευσεν ἐν τῷ οἶ. (5)  
 — 31 (16). οὐκ κατέστησε Δ. . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 32 (17). ἐναντίον τῆς σκηνῆς οἴκου μαρτυρίου (1)  
 — 32 (17). ἕως οὐ φεκοδόμησε Σ. τὸν οἶ. (5)  
 — 48 (33). ἀδελφοὶ αὐ. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. —  
 — 48 (33). εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας  
 σκηνῆς οἴκου τοῦ θεοῦ (5)  
 7. 2. ἀρχοντες οἰκῶν [A κατ' οἶκον] πατριῶν αὐ. (5)  
 — 4. κατ' οἴκους πατριῶν αὐ. (5)  
 — 7. ἀρχοντες οἰκῶν πατριῶν (5)  
 — 9. ἀρχοντες οἰκῶν πατριῶν αὐ. (5)  
 — 23. ἐν κακοῖς ἐγένετο ἐν οἴκῳ μου (5)  
 9. 9. κατ' οἴκους πατριῶν αὐτῶν (5)  
 — 11. ἡγουμένους οἴκου τοῦ θεοῦ (5)  
 — 13. ἀρχοντες οἰκῶν πατριῶν (5)  
 — 13. εἰς ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου τοῦ θεοῦ (5)  
 — 19. εἰς οἶκον πατρὸς αὐτοῦ (5)  
 — 23. ἐπὶ τῶν πύλων ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν οἴκῳ  
 τῆς σκηνῆς (5, 5)  
 — 26. εἰς τῶν θησαυρῶν οἴκου τοῦ θ. (5)  
 10. 6. πᾶς ὁ οἶ. αὐ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἀπέθανεν (5)

- 1 Ch. 10. 10. ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐτῶν (5)  
 — 10. τὴν κεφαλὴν αὐ. ἔθηκαν ἐν οἴκῳ Δ. (5)  
 12. 29. τὴν φυλακὴν [Δ φυλῆν] οἴκου Σ. (5)  
 — 30. κατ' οἴκου [B κατοικοῦντες] πατριῶν αὐ. (5)  
 13. 7. ἐξ οἴκου Ἀμναδάβ (5)  
 — 13. ἐξέκλινεν αὐτὴν εἰς οἶκον Ἀβ. (5)  
 14. 1. τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτῶν οἶκον (5)  
 15. 25. τοῦ ἀναγγεῖν τὴν κιβωτὸν . . . ἐξ οἴκου Ἀ. (5)  
 16. 43. ἐπορεύθῃ . . . ἕκαστος εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 43. τοῦ εὐλογῆσαι τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 17. 1. ὡς κατέφηκε Δ. ἐν οἴκῳ αὐ. (5)  
 — 1. κατοικῶ ἐν οἴ. κεδρίνῳ (5)  
 — 4. οὐ οὐ οἰκοδομήσεις μοι οἶκον (5)  
 — 5. οὐ κατέφηκε ἐν οἴκῳ (5)  
 — 6. οὐκ ἐφοδομήσεις μοι οἶ. κεδρίνον (5)  
 — 10. B οἶκον [A B om.] οἰκοδομήσεις σοι κύριος (5)  
 — 12. αὐτὸς οἰκοδομήσεις μοι οἶκον (5)  
 — 14. πιστώσω αὐτὸν ἐν οἴκῳ μου (5)  
 — 16. τίς δὲ οἶ. μου (5)  
 — 17. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν οἶ. τοῦ παιδὸς σου (5)  
 — 23. ἐν ἐλάλησας . . . ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 24. B οἶκος [A B δὲ οἶ.] Δ. παιδὸς σου ἀνθρωπώμενος (5)  
 — 25. τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτῶν οἶκον (5)  
 — 27. εὐλογῆσαι τὸν οἶ. τοῦ παιδὸς σου (5)  
 21. 17. γενηθήτω ἡ χεὶρ σου . . . ἐν τῷ οἴ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 22. 1. οὗτος ἐστὶν ὁ οἶ. κ. τοῦ θεοῦ (5)  
 — 2. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ θεῷ (5)  
 — 5. δὲ οἶ. τοῦ οἰκοδομῆσαι τῷ κυρίῳ (5)  
 — 6. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶ. (5)  
 — 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (5)  
 — 8. οὐκ οἰκοδομήσεις οἶκον (5)  
 — 10. οὗτος οἰκοδομήσεις οἶκον (5)  
 — 11. οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ κ. θεῷ σου (5)  
 — 14. ἡτοιμάσα εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 19. τοῦ εἰσελθεῖν τὴν κιβωτὸν . . . εἰς οἶκον (5)  
 23. 4. ἀπὸ τῶν ἐργολητῶν ἐπὶ τὰ ἔργα οἴκου (5)  
 — 11. ἐγένοντο εἰς οἶκον πατρίδας (5)  
 — 24. κατ' οἴκου πατριῶν αὐ. (5)  
 — 24. ποιούντες τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου κ. (5)  
 — 24. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 28. A B ἐπὶ τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου [B om.] τοῦ θεοῦ (5)  
 — 32. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 24. 3. κατ' οἴκου πατριῶν αὐ. (5)  
 — 4. εἰς οἴκου πατριῶν (5)  
 — 4. κατ' οἴκου πατριῶν (5)  
 — 6. οἶκον πατρίδας εἰς εἰς τῷ Ἐλ. (5)  
 — 19. τοῦ εἰσπορεύσθαι εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 30. κατ' οἴκου πατριῶν αὐτῶν (5)  
 25. 6. ὑμνοῦντες ἐν οἴκῳ θεοῦ [A κυρίου] (5)  
 — 6. B εἰς τὴν δουλείαν οἴκου τοῦ θεοῦ (5)  
 26. 6. εἰς τὸν οἶ. τὸν πατρὸς αὐ. (5)  
 — 12. λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 13. κατ' οἴκου πατριῶν αὐ. (5)  
 — 15. κατέναντι οἴκου ἐστ. (5)  
 — 20. 22. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (5)  
 — 27. τοῦ μὴ καθυστερῆσαι τὴν οἰκοδομὴν τοῦ οἶ. (5)  
 28. 2. οἰκοδομῆσαι οἶκον ἀναπαύσεως (5)  
 — 3. οὐκ οἰκοδομήσεις ἐμοὶ οἶκον (5)  
 — 4. ἀπὸ παντὸς οἶ. πατρὸς μου (5)  
 — 4. καὶ ἐξ οἴκου Ἰ. τὸν οἶ. τοῦ πατρὸς μου (5, 5)  
 — 6. B κληρονομήσεις [A B οἰκοδομήσεις] τὸν οἶ. μου (5)  
 — 10. οἰκοδομῆσαι αὐτῶν οἶκον (5)  
 — 11. τὸ παράδειγμα τοῦ ναοῦ καὶ τῶν οἶ. αὐ. . . καὶ τοῦ οἶ. τοῦ ἐξίλασμου (5, 5)  
 — 12. A B τὸ παράδειγμα . . . τῶν αὐλῶν οἴκου κ. καὶ . . . τῶν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου [B om.] κ. (5, 5)  
 — 13. εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κ. (5)  
 — 13. A B τῆς λατρείας οἴκου κυρίου (5)  
 — 20. πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κ. (5)  
 — 20. τὸ παράδειγμα . . . τοῦ οἶ. αὐ. . . καὶ τὸν οἶ. τοῦ ἱλασμοῦ καὶ τὸ παράδειγμα οἴκου κυρίου (5)  
 — 21. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν οἴκου κ. (5)  
 29. 2. ἡτοιμάσα εἰς οἶκον θεοῦ μου (5)  
 — 3. ἐν τῷ εὐδοκῆσαι με ἐν οἴκῳ θεοῦ μου (5)  
 — 3. διδῶκα εἰς οἶκον θεοῦ μου (5)  
 — 3. ἐκτός ἐν ἡτοιμάσα εἰς τὸν [A om.] οἶ. τῶν ἁγ. (5)  
 31 Ch. 29. 7. B ἔδωκεν εἰς τὰ ἔργα οἴκου [A B τοῦ οἶ.] κ. (5)  
 — 8. ἔδωκεν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου κ. (5)  
 — 16. οἰκοδομήσας οἶκον τῷ δυνάμ. τῷ ἁγ. σου (5)  
 — 19. τὴν κατασκευὴν τοῦ οἶ. σου (4)  
 32 Ch. 2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ δυνάμ. κυρίου καὶ οἶκον τῷ βασ. αὐτοῦ (5, 5)  
 — 3 (2). τοῦ οἰκοδομῆσαι αὐτῶν οἶκον (5)  
 — 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον (5)  
 — 5 (4). ὁ οἶ. δὲ ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (5)  
 — 6 (5). τίς ἰσχύσει οἰκοδομῆσαι αὐτῶν οἶκον (5)  
 — 6 (5). τίς ἐγὼ οἰκοδομῶν αὐτῶν οἶκον (5)  
 — 9 (8). ὁ οἶ. δὲ ἐγὼ οἰκοδομῶ μέγας (5)  
 — 12 (11). δε οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ κ. καὶ οἶκον τῷ βασ. αὐτοῦ (5, 5)  
 3. 1. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 3. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶ. τοῦ θεοῦ (5)  
 — 4. ἀλλὰ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἶ. (5)  
 — 4. B ἐπὶ πρόσωπον πλάτος [A B -ους] τοῦ οἶ. (5)  
 — 5. τὸν οἶ. τὸν μέγαν ἐξύλωσε (5)  
 — 6. ἐκόσμησε τὸν οἶ. λίθους τιμίους (5)  
 — 7. ἐχρίσας τὸν οἶ. (5)  
 — 8. ἐποίησε τὸν οἶ. τοῦ ἁγίου τῶν ἁγίων (5)  
 — 8. B πλάτος τοῦ οἴκου. [A B om. τοῦ οἶ.] πηγῶν εἰκόσι (5)  
 — 10. ἐποίησεν ἐν τῷ οἶ. τῷ ἁγίῳ τῶν ἁγίων χερ. δύο (5)  
 — 11. A B ἀπτομένη [B -αι] τοῦ τοίχου τοῦ οἶ. (5)  
 — 12. A ἀπτομένη τοῦ τοίχου τοῦ οἶ. (5)  
 — 13. τὰ πρόσωπα αὐτῶν εἰς τὸν οἶ. (5)  
 — 15. B ἐποίησεν ἐμπροσθεν τοῦ οἶ. [A B τοίχου] στύλους δύο (5)  
 4. 10. ἀπὸ γωνίας τοῦ οἶ. ἐκ δεξιῶν (5)  
 — 11. ἦν ἐποίησε . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (5)  
 — 16. ἀνήγαγε τῷ βασ. Σαλ. ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 17. ἐχώνευσεν αὐτὰ . . . ἐν οἴκῳ Σ. (5)  
 — 19. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (5)  
 — 22. καὶ ἡ θύρα τοῦ οἶ. ἡ ἐσωτέρα (5)  
 — 22. εἰς τὰς θύρας τοῦ οἶ. τοῦ ναοῦ χρυσεῖς (5)  
 — 22 (5. 1). ἦν ἐποίησε Σ. ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 5. 1. A B ἔδωκεν εἰς θησαυρὸν οἴκου [B om.] κυρίου (5)  
 — 7. εἰς τὸ δαβὴρ τοῦ οἶ. (5)  
 — 13. ὁ οἶ. ἐνεπλήσθη νεφέλης δόξης κυρίου (5)  
 — 14. A B ἐνέπλησε δόξας κυρίου τὸν οἶ. τοῦ θεοῦ (5)  
 6. 2. ἐφοδομήσα οἶκον τῷ δυνάμει σου (5 + 5)  
 — 5, 7, 8. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον (5)  
 — 9. οὐκ οἰκοδομήσεις τὸν οἶ. (5)  
 — 9. οἰκοδομήσεις τὸν οἶ. τῷ δυνάμει μου (5)  
 — 10. ἐφοδομήσα τὸν οἶ. (5)  
 — 18. τίς δὲ οἶ. οὗτος δὲν ἐφοδομήσα (5)  
 — 20. τοῦ εἶναι οφθαλμοὺς σου ἀνεφγμένους ἐπὶ τὸν οἶ. τούτων (5)  
 — 22. ἐν . . . ἀράσσει . . . ἐν τῷ οἶ. τούτῳ (5)  
 — 24. καὶ δευθῶν ἐναντίον σου ἐν τῷ οἶ. τ. (5)  
 — 29. καὶ διαπετάσῃ τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οἶ. τ. (5)  
 — 33. ἐπικέκληται τὸ δυνάμει σου ἐπὶ τὸν οἶ. τ. (5)  
 — 34. κατὰ τὴν ὁδὸν . . . οἴκου (5)  
 — 38. καὶ τοῦ οἶ. οὐ ἐφοδομήσα (5)  
 7. 1. δόξα κυρίου ἐπλησε τὸν οἶ. (5)  
 — 2. εἰσελθεῖν εἰς τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 2. ἐπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶ. (5)  
 — 3. ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ τὸν οἶ. (5)  
 — 5. ἐνεκαίνισεν τὸν οἶ. τοῦ θεοῦ ὁ βασ. (5)  
 — 7. τὸ μέσον τῆς αὐλῆς τῆς ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 11. συνετέλεσε Σ. τὸν οἶ. κυρίου καὶ τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5, 5)  
 — 11. τοῦ ποιῆσαι ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 11. ἐν οἴκῳ αὐτοῦ εὐδοκῶν (5)  
 — 12. ἐξέλεξιμην . . . εἰς οἶκον θυσίας (5)  
 — 16. ἡγάκα τὸν οἶ. τούτων (5)  
 — 20. τὸν οἶ. τούτων . . . ἀποστρέψω (5)  
 — 21. ὁ οἶ. οὗτος ὁ ὑψηλός (5)  
 — 21. χάριν τίς ἐποίησε κύριος . . . τῷ οἶ. τούτῳ (5)  
 8. 1. ἐν οἶς ἐφοδομήσε Σ. τὸν οἶ. κυρίου καὶ τὸν οἶ. αὐτοῦ (5, 5)  
 — 11. ἀνήγαγεν . . . εἰς τὸν οἶ. (5)  
 — 16. ὥς οὐ ἐτέλεισε Σ. τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 9. 3. εἶδε . . . τὸν οἶ. δὲν ἐφοδομήσε (5)  
 — 4. ἀνέφερον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 11. ἀναβάσεις τῷ οἶ. κυρίου καὶ τῷ οἶ. τοῦ βασ. (5, 5)  
 — 16. ἔδωκεν αὐτὰς ὁ βασ. ἐν οἴκῳ δρυμοῦ (5)  
 — 20. πάντα τὰ σκεύη οἴκου δρυμοῦ (5)  
 11 Ch. 10. 16. νῦν βλέπε τὸν οἶ. σου (5)  
 — 19. ἠθέτησεν Ἰσρ. ἐν τῷ οἶ. Δ. (5)  
 11. 4. ἀποστρέφετε ἕκαστος εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 12. 9. τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5, 5)  
 — 11. ἐν τῷ εἰσελθεῖν τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 15. 18. A B εἰσῆγγε . . . τὰ ἅγια οἴκου κυρίου [B om.] (5)  
 16. 2. ἐκ θησαυρῶν οἴκου κυρίου καὶ οἴκου τοῦ βασ. (5, 5)  
 17. 14. κατ' οἴκου πατριῶν αὐτῶν (5)  
 18. 1. ἐπεγαμβρεύσατο ἐν οἴκῳ Ἀχ. (5)  
 — 16. A B ἀναστρέφεται ἕκαστος εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 26. ἀπόθεσε τούτων εἰς οἶκον φυλακῆς (5)  
 19. 1. B ἀπέστρεψεν [A B ἐπ.] Ἰ. . . εἰς τὸν οἶ. αὐ. (5)  
 — 11. ὁ ἡγαύμενος εἰς οἶκον Ἰ. (5)  
 20. 5. ἀνίστη . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 9. σπασίματα ἐναντίον τοῦ οἶ. (5)  
 — 9. τὸ δυνάμει σου ἐπὶ τῷ οἶ. τούτῳ (5)  
 — 28. εἰσῆλθον . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 21. 6. ὡς ἐποίησεν οἶκος Ἀχ. (5)  
 — 7. οὐκ ἐβούλετο κ. ἐξολεθρευσαί τὸν οἶ. Δ. (5)  
 — 13. ὡς ἐξεπύρηνεν [A add. δ] οἶκος Ἀχ. (5)  
 — 17. ἦν εὐρον ἐν οἴκῳ τοῦ βασ. (5)  
 22. 3. ἐπορεύθῃ ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀχ. (5)  
 — 4. ἐποίησε τὸ πον. . . ὡς [A add. δ] οἶκος Ἀχ. (5)  
 — 7. B ἐξῆλθε . . . πρὸς νῆον N. . . τὸν [B εἰς τὸν] οἶ. Ἀχ. [A om. τ. οἶ. Ἀ.] (5)  
 — 8. ὡς ἐξεδίκησεν Ἰ. τὸν οἶ. Ἀχ. (5)  
 — 9. οὐκ ἦν ἐν οἴκῳ Ὁχ. (5)  
 — 10. πᾶν τὸ σπέρμα τῆς βασ. ἐν οἴκῳ Ἰ. (5)  
 — 12. ἦν μετ' αὐτοῦ ἐν οἴκῳ τοῦ θ. κατακερμαμένος (5)  
 23. 1. B ἔλαβε τοὺς ἱκανοτάτους . . . εἰς οἶκον [A add. κυρίου] (5)  
 — 3. A B διέθετο . . . διαθήκην ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)  
 — 3. βασίλευσάντων . . . ἐπὶ τὸν οἶ. Δ. (7)  
 — 5. A B καὶ τὸ τρίτον τὸν οἶ. τοῦ βασ. (5)  
 — 5. πᾶς ὁ λαὸς ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)  
 — 6. μὴ εἰσελθῆτω εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 7. ὁ εἰσπορεύμενος εἰς τὸν οἶ. ἀποθανεῖται (5)  
 — 9. ἔδωκε τὰς μαχαίρας . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ (5)  
 — 10. ἀπὸ τῆς ὀμίας τοῦ οἶ. τῆς δεξιᾶς (5)  
 — 10. ὥς τῆς ὀμίας . . . τοῦ οἶ. (5)  
 — 12. εἰσῆλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 14. ἐκβάλετε αὐτὴν ἐκτός τοῦ οἶ. (5?)  
 — 14. μὴ ἀποθανεῖται ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 15. διὰ τῆς πύλης τῶν ἱππέων τοῦ οἶ. τοῦ βασ. (5)  
 — 17. εἰσῆλθε πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς εἰς οἶκον B. (5)  
 — 18. A B ἐνεχείρησεν [B B -ισεν] . . . τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (5)  
 — 18. B δὲ [A om.] διέστειλε Δ. ἐπὶ τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 19. ἐπὶ τὰς πύλας οἴκου κυρίου (5)  
 — 20. ἐπεβίβασαν [A ἀνεβ.] τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 20. εἰσῆλθε . . . εἰς τὸν οἶ. τοῦ βασιλεῖος (5)  
 24. 4. ἐπισκευάσαι τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 5. κατισχύσαι τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 7. κατισχύσας τὸν οἶ. τοῦ θεοῦ (5)  
 — 7. τὰ ἅγια οἴκου κυρίου ἐποίησαν ταῖς B. (5)  
 — 8. τεθῆναι ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου (5)  
 — 12. εἰς τὴν ἐργασίαν οἴκου κυρίου (5)  
 — 12. ἐπισκευάσαι τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 12. B ἐπισκευάσαι τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 13. ἀνέστησαν τὸν οἶ. κυρίου (5)  
 — 14. ἐποίησαν σκεύη εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 14. ἀνήγαγον ὀλοκαυτώσεις ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 16. μετὰ τοῦ θεοῦ καὶ τοῦ οἶ. αὐτοῦ (5)  
 — 18. B ἐγκατέλιπον τὸν οἶ. κυρίου θεοῦ [A B al.] (5)  
 — 21. ἐν αὐλῇ οἴκου κυρίου (5)  
 25. 5. συνήγαγεν Ἀμ. τὸν οἶ. Ἰουδα (5)  
 — 5. κατ' οἴκου πατριῶν αὐτῶν (5)  
 — 19. γινῶσκον ἐν οἴκῳ σου (5)  
 — 24. τὰ εὐρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 24. καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου τοῦ βασ. (5)  
 26. 19. ἡ λέπρα ἀνέτειλεν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 21. ἐν οἴκῳ ἀφθ. ἐκάθηντο λεπροὶ (5)  
 — 21. ἀπεσχίσθη ἀπὸ οἴκου κυρίου (5)  
 27. 3. τὴν πύλην οἴκου κυρίου [A add. καὶ] τὴν ὑψ. (5)

- 11 Ch. 28. 7. καὶ τὸν Ἰ. ἡγούμενον τοῦ οἴ. αὐ. (5)  
 — 18. B ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ τὰ ἐν οἴκῳ τοῦ βασιλ. (5)  
 — 21. ἔλαβεν Ἀ. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου καὶ τὰ ἐν οἴκῳ τοῦ βασιλ. (5, 5)  
 — 24. ἀπέστησεν Ἀ. τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (5)  
 — 24. ἐκλείψεν τὰς θύρας οἴκου κυρίου (5)  
 — 23. ἀνέβη τὰς θύρας οἴκου κυρίου (5)  
 — 5. ἀγνίστατε τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 15. A B καθάρισαι τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 16. εἰσῆλθον . . . ὥς εἰς τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 16. τὴν εὐμεθεΐαν ἐν τῷ οἴ. κυρίου καὶ εἰς τὴν αἰλὴν οἴκου κυρίου (8 a, 5)  
 — 17. ἤγγισαν τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 18. ἠγγίσταμεν πάντα τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 20. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 25. ἔστησαν τοὺς Ἀ. ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 31. φέρετε θυσίας . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 31. B ἀνήγγεκεν . . . θυσίας . . . εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 35. πατωρθώθη τὸ ἔργον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 30. 1. ἔλθιν εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 15. εἰσῆλθον ὁλοκυντώματα ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 31. 2. ἐν ταῖς αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11)  
 — 4. ἐν τῇ λειτουργίᾳ οἴκου κυρίου (5)  
 — 10. Ἀ. ὁ ἱερεὺς ὁ ἄρχων εἰς οἶκον Σ. (5)  
 — 10. ἐξ οὗ ἔρχεται ἡ ἀπαρχὴ φέρεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 11. ἐτοιμάσαι παστοφόρια εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 13. Ἀ. ὁ ἡγούμενος οἴκου κυρίου (5)  
 — 16. παρτὶ τῷ εἰσπορευομ. εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 17. κατ' οἴκους πατριῶν (5)  
 — 21. φ. [A ἐν φ.] ἤρξατο . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 32. 21. ἦλθεν εἰς οἶκον θεοῦ αὐτοῦ [A al.] (5)  
 33. 4. φικοδόμησε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 5. ἐν ταῖς δυατὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (5)  
 — 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν . . . ἐν οἴκῳ θεοῦ (5)  
 — 7. ἐν τῷ οἴ. τούτῳ . . . θῆσω [A σωθῆτω] τὸ δν. μου (5)  
 — 15. περιελε . . . τὸ γλυπτὸν ἐξ οἴκου κυρίου (5)  
 — 15. ὁ φικοδόμησεν ἐν δρεὶ οἴκου κυρίου (5)  
 — 20. ἐν παραδείσῳ οἴκου αὐτοῦ (5)  
 — 24. ἐπάτασαν αὐτὸν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (5)  
 34. 8. τὸν καθάρισαι τὴν γῆν καὶ τὸν οἴ. (5)  
 — 8. κρατῶνται τὸν οἴ. κ. τοῦ θεοῦ αὐ. (5)  
 — 9. τὸ ἀργύριον τὸ εἰσενεχθὲν εἰς οἶκον θεοῦ (5)  
 — 10. οἱ καθισταμένοι ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 10. οἱ ἐποιοῦν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 10. κατισχύσιν τὸν οἴ. (5)  
 — 11. στεγάσαι τοὺς οἴ. (5)  
 — 14. τὸ εἰσοδιασθὲν εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 15. βιβλίων νόμου ἔφρον ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 17. τὸ εὐρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 30. ἀνέβη ὁ βασιλ. εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 30. τοὺς εὐρεθέντας [A τοῦ εὐρ.] ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 — 32. ἐποίησαν διαθήκην . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
 35. 2. εἰς τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (5)  
 — 3. ἔθηκεν τὴν κιβωτὸν τὴν ἀγ. εἰς τὸν οἴ. (5)  
 — 4. κατ' οἴκους πατριῶν ἡμῶν (5)  
 — 5. στήτε ἐν τῷ οἴ. κατὰ τὰς διαιρέσεις οἴκων πατριῶν ἡμῶν (18, 5)  
 — 5. καὶ μερὶς οἴκου πατριᾶς τοῖς Ἀ. (5)  
 — 8. οἱ ἄρχοντες οἴκου θεοῦ (5)  
 — 12. κατ' οἴκους πατριῶν (5)  
 — 19. ὁ ἔδρασαν Ἰ. ἐν τῷ οἴ. (5)  
 — 19. οἱ εὐρε Χ. ὁ Ἰ. ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5)  
 — 19. ἀπωσάμην . . . τὸν οἴ. (5)  
 36. 7. μέρος τῶν σκευῶν οἴκου κυρίου (5)  
 — 10. μετὰ τῶν σκευῶν τῶν ἐπιθυμητῶν οἴκου κυρίου (5)  
 — 14. ἰμίαναν τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 17. ἐν οἴκῳ ἀγιάσματος αὐ. (5)  
 — 18. πάντα τὰ σκεύη οἴκου θεοῦ (5)  
 — 18. B καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου [A B om. οἱ κ.] (5)  
 — 19. ἐνέπηρσε τὸν οἴ. κυρίου (5)  
 — 23. οἰκοδομήσας οἶκον αὐτῷ (5)  
 1 Es. 1. 3. ἐν τῷ οἴ. φ. φικοδόμησε Σ. (5)  
 — 55. ἐνέπηρσαν τὸν οἴ. τοῦ κυρίου (5)  
 2. 4. οἰκοδομήσας αὐτῷ οἶκον (5)  
 — 5. οἰκοδομήτω τὸν οἴ. τοῦ κυρίου (5)  
 — 8. οἰκοδομήσας οἶκον τῷ κυρίῳ (5)  
 4. 55. B ἦς [A B om.] ἐπιτελεσθῇ ὁ οἴ. (5)  
 5. 1. ἀρχηγοὶ οἴκου [A -ον] πατριῶν (5)  
 — 5. καὶ Ἰ. . . ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ Δ. (5)
- 1 Es. 5. 44. ἐγείρει τὸν οἴ. ἐπὶ τὸ τόπον αὐ. (5)  
 — 57. A ἐθμελίωσαν τὸν οἴ. [B ναὸν] (5)  
 — 58. ποιούντες . . . ἐν τῷ οἴ. τοῦ κυρίου (5)  
 — 62. ἐπὶ τῇ ἰγείρῃ τοῦ οἴ. κυρίου (5)  
 — 63. ἐωρακότες [A οἱ προσωρ.] τὸν πρὸ τούτου οἶκον (5)  
 — 70. τοῦ οἰκοδομήσαι τὸν οἴ. κυρίῳ (5)  
 6. 2. ἤρξαντο οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. τοῦ κυρίου (5)  
 — 4. τὸν οἴ. τούτων οἰκοδομεῖτε (5)  
 — 9. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κυρίῳ μέγαν (5)  
 — 9. A ξύλων τιθεμένων ἐν τοῖς οἴ. [A B τοίχοις] (5)  
 — 11. οἰκοδομεῖτε τὸν οἴ. τούτων (5)  
 — 14. B φκοδομήτω ὁ [A B om.] οἴ. (5)  
 — 16. τὸν τε οἴ. καθελόντες ἐνεπύρσαν (5)  
 — 17. τὸν οἴ. τούτων οἰκοδομήσας [A al.] (5)  
 — 18. ὁ ἐξήγγεκε Ναβ. ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ ἐν Ἱερ. (5)  
 — 20. τοὺς θεμελίους τοῦ οἴ. κυρίου (5)  
 — 22. A B ἦ γενομένην τὴν οἰκοδομήν τοῦ οἴκου [B om.] κυρίου (5)  
 — 24. τὸν οἴ. τοῦ κυρίου . . . οἰκοδομήσας (5)  
 — 25. τὸ διαπύριον δοθῆναι ἐκ τοῦ οἴ. κύρου (5)  
 — 26. καὶ τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴ. κυρίου (5)  
 — 26. ἐξήγγεκε Ναβ. ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ ἐν Ἱερ. (5)  
 — 26. ἀποκαταστάθηναι εἰς τὸν οἴ. τὸν ἐν Ἱερ. (5)  
 — 27. τὸν οἴ. τοῦ κυρίου ἐκείνου οἰκοδομῆσαι (5)  
 — 28. μέχρι τοῦ ἐπιτελεσθῆναι τὸν οἴ. τοῦ κυρίου (5)  
 — 33. κακοποιήσας τὸν οἴ. κυρίου ἐκείνου (5)  
 7. 5. B συνετελέσθη ὁ οἴ. [A B add. ὁ δγιος] (5)  
 8. 25. δοξάσαι τὸν οἴ. αὐτοῦ (5)  
 — 46. τοὺς ἱερατεύουσας ἐν τῷ οἴ. τοῦ κ. ἡμῶν [A al.] (5)  
 — 55. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴ. τοῦ κ. ἡμῶν (5)  
 — 59. ἐν ταῖς παστοφορίαις τοῦ οἴ. τοῦ κ. ἡ. (5)  
 — 62. τὸ χρυσίον παρεδόθη ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5)  
 — 79. ἐν τῷ οἴ. κυρίου (5)
- 11 Es. 1. 2. οἰκοδομήσας αὐτῷ οἶκον (5)  
 — 3. A B οἰκοδομήσας τὸν οἴ. θεοῦ Ἰ. (5)  
 — 4. λήφονται αὐτὸν . . . εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (5)  
 — 5. οἰκοδομήσας τὸν οἴ. (5)  
 — 7. ἐξήγγεκε τὰ σκεύη οἴκου (5)  
 — 7. ἔδωκεν αὐτὰ ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐ. (5)  
 2. 36. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Ἰ. τῷ οἴ. Ἰ. (5)  
 — 5. ἀναγγεῖλαι οἶκον πατριᾶς αὐ. (5)  
 — 68. ἐν τῷ ἔλθιν αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (5)  
 — 68. ἡκουσίσαντο εἰς οἶκον τοῦ θ. (5)  
 3. 6. ὁ οἴ. κυρίου οὐκ ἐθμελίωθη (8 a)  
 — 8. τοῦ ἔλθιν αὐτοὺς εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (5)  
 — 8. A B ἐπὶ τοὺς ποιούντας τὰ ἔργα ἐν οἴκῳ κυρίου [B al.] (5)  
 — 9. τοὺς ποιούντας τὰ ἔργα ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)  
 — 10. τοὺς οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. κυρίου (8 a)  
 — 11. ἐπὶ τῇ θεμελίῳ οἴκου κυρίου (5)  
 — 12. οἱ εἰδὸσαν τὸν οἴ. τὸν πρῶτον . . . καὶ τοῦτον τὸν οἴ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (5, 5)  
 4. 1. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κυρίῳ (8 a)  
 — 3. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ θ. ἡμῶν (5)  
 — 24. ἤρξατο τὸ ἔργον οἴκου [A om.] τοῦ θεοῦ (5)  
 5. 2. ἤρξαντο οἰκοδομῆσαι τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ (5)  
 — 3. B τοῦ οἰκοδομήσαι τὸν οἴ. [A B add. τοῦτον] (5)  
 — 8. ἐπορεύθημεν . . . εἰς οἶκον τοῦ θ. τοῦ μεγ. (5)  
 — 9. A B τὸν οἴ. τούτων οἰκοδομήσας [B al.] (5)  
 — 11. οἰκοδομοῦμεν τὸν οἴ. (5)  
 — 12. B τὸν οἴ. ἔλυσεν τοῦτον [A B al.] (5)  
 — 13. τὸν οἴ. τοῦ θ. τούτων οἰκοδομηθῆναι (5)  
 — 14. A B τὰ σκεύη τοῦ οἴ. [B om. τοῦ οἴ.] τοῦ θ. (5)  
 — 14. ὁ Ναβ. ἐξήγγεκεν ἀπὸ οἴκου (8 b)  
 — 15. θῆς αὐτὰ ἐν οἴκῳ (8 b)  
 — 16. ἔδωκε θεμελίους τοῦ οἴ. τοῦ θεοῦ (5)  
 — 17. ἐπισκεπῆται ἐν οἴκῳ τῆς γίγης (5)  
 — 17. οἰκοδομήσας τὸν οἴ. τοῦ θ. ἐκείνου (5)  
 6. 3. ἔθηκε γνώμην περὶ οἴκου (5)  
 — 3. A B οἶκος οἰκοδομηθῆτω (5)  
 — 4. ἡ διαπύρις ἐξ οἴκου τὸν βασιλ. δοθίσεται (5)  
 — 5. τὰ σκεύη οἴκου τοῦ θ. . . ὁ Ναβ. ἐξήγγεκεν ἀπὸ οἴκου τοῦ ἐν Ἱερ. (5, 8 b)  
 — 5. ἐτέθη ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)  
 — 7. ἄφετε τὸ ἔργον οἴκου [A om.] τοῦ θ. (5)  
 — 7. οἶκον τοῦ θ. ἐκείνου οἰκοδομήσας (5)  
 — 8. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τοῦ θ. ἐκείνου (5)  
 — 11. ὁ οἴ. αὐ. τὸ κατ' ἐμὴ ποιηθήσεται (5)  
 — 12. A B ἀφανίσαι τὸν οἴ. τοῦ θεοῦ [B al.] (5)  
 — 15. ἐτέλεσαν τὸν οἴ. τούτων (5)  
 — 16. ἐποίησαν . . . ἐγκαίνια τοῦ οἴ. τοῦ θ. (5)  
 — 17. προσήνεκαν εἰς τὰ ἐγκαίνια τοῦ οἴ. [A om. τ. οἴ.] (5)
- 11 Es. 6. 22. ἐν ἔργοις οἴκου τοῦ θ. Ἱερ. (5)  
 7. 15. εἰς οἶκον κυρίου ἀργύριον (5)  
 — 16. τῶν ἱκανισαζομ. εἰς οἶκον θεοῦ (5)  
 — 17. ἐπὶ θυσιαστηρίῳ τοῦ οἴ. τοῦ θ. ὕ. (5)  
 — 19. εἰς λειτουργίαν οἴκου θεοῦ (5)  
 — 20. καταλοποῦν χρεῖας οἴκου θεοῦ (5)  
 — 20. δώσεις ἀπὸ οἴκων γὰς βασιλείας (5)  
 — 23. εἰς οἶκον θεοῦ τοῦ οὐρανοῦ (5)  
 — 24. ἐν . . . λειτουργοῖς οἴκου θεοῦ (5)  
 — 27. A B τοῦ δοξάσαι τὸν οἴ. κυρίου [B al.] (5)  
 8. 17. εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (5)  
 — 25. τὰ σκεύη ἀπαρχῆς οἴκου θεοῦ ἡ. (5)  
 — 29. εἰς σκηνᾶς οἴκου κυρίου (5)  
 — 30. ἐνεγκέιν εἰς Ἱερ. εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (5)  
 — 33. ἐστήσαμεν τὸ ἀργύριον . . . ἐν οἴκῳ θεοῦ ἡ. (5)  
 — 36. ἐδοξασαν . . . τὸν οἴ. τοῦ θ. (5)  
 9. 9. τὸ ὑψώσαι αὐτοὺς τὸν οἴ. (5)  
 10. 1. προσεσυχόμενος ἐνάποιον [B add. τοῦ] οἴκου τοῦ θ. (5)  
 — 6. ἀπὸ προσώπου οἴκου τοῦ θ. (5)  
 — 9. ἐν πλατείᾳ οἴκου τοῦ θ. (5)  
 — 16. ἄνδρες ἀρχόντες πατριῶν τῷ οἴ. [A B<sup>1</sup> τῶν οἴ.] (5)  
 Ne. 1. 6. ἐγὼ καὶ ὁ οἴ. πατρός μου ἡμάρτομεν (5)  
 2. 3. οἶκος μνημεῖον πατέρων μου (5)  
 — 8. B<sup>2</sup> στεγάσαι τὰς πύλας τῆς βίβρωσ τοῦ οἴ. [A B<sup>1</sup> om. τ. β. τ. οἴ.] (5)  
 — 8. δοῦναι μοι ξύλα . . . εἰς [B add. τὸν] οἶκον (5)  
 3. 23. κατάνηται οἶκον αὐτῶν (5)  
 — 23. ἐχέμενα οἴκου αὐτοῦ (5)  
 — 25. ὁ πύργος ὁ ἐξέχων ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ βασιλ. (5)  
 — 28. ἀνὴρ ἐξ ἐναντίας οἴκου ἐαν. [A μετ' αὐ.] (5)  
 — 29. ἐξ ἐναντίας οἴκου ἐαν. (5)  
 — 29. B ὁ φύλαξ οἴκου τῆς ἀνατολῆς [A B al.] (5)  
 4. 14 (8). παρατάξασθε περὶ . . . οἶκων [B οἰκίων] ὕ. (5)  
 — 16 (10). ὅπως πάντες οἴ. Ἰ. (5)  
 5. 13. οὕτως ἐκτινάξαι . . . ἐκ τοῦ οἴ. αὐ. (5)  
 6. 10. εἰσῆλθον εἰς οἶκον Σ. (5)  
 — 10. συναχθώμεν εἰς οἶκον τοῦ θ. (5)  
 — 11. ὅς εἰσελεύσεται εἰς τὸν οἴ. (8 a)  
 7. 39. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Ἰ. εἰς οἶκον Ἰ. (5)  
 — 61. ἀπαγγεῖλαι οἶκους πατριῶν αὐ. (5)  
 8. 16. ἐν ταῖς αὐλαῖς οἴκου τοῦ θ. (5)  
 — 16. A καὶ ὥς οἶκον [B B<sup>2</sup> πύλη] Ἐφρ. (5)  
 10. 32 (33). εἰς δουλείαν οἴκου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (5)  
 — 33 (34). εἰς ἔργα οἴκου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (5)  
 — 34 (35). ἐνεγκέιν εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν εἰς οἶκον [A B οἶκους] πατριῶν ἡμῶν (5, 5)  
 — 35 (36). καὶ ἐνεγκέιν . . . εἰς οἶκον (5)  
 — 36 (37). ἐνεγκέιν εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (5)  
 — 36 (37). ἐν οἴκῳ θεοῦ ἡμῶν (5)  
 — 37 (38). εἰς τὸ γασφυλίκιον οἴκου τοῦ θεοῦ [A al.] (5)  
 — 38 (39). ἀνοίσουσι . . . εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν . . . εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ [B<sup>2</sup> θησαυροῦ] (5, 5)  
 — 39 (40). οὐκ ἐγκαταλείψομεν τὸν οἴ. τοῦ θ. ἡμῶν (5)  
 11. 11. ἀπέναντι οἴκου τοῦ θεοῦ (5)  
 — 12. ποιούντες τὸ ἔργον τοῦ οἴ. (5)  
 — 16. B<sup>2</sup> ἐπὶ τοῦ ἔργου τοῦ ἐξωτάτου οἴκου τοῦ θ. (5)  
 — 22. ἀπέναντι ἔργου οἴκου [B<sup>1</sup> οἴ. ἔ.] τοῦ θ. (5)  
 12. 37. ἐπᾶνωθεν τοῦ οἴ. Δ. (5)  
 — 40. B<sup>2</sup> ἔστησαν . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (5)  
 13. 4. ἐν γασφυλίκιῳ οἴκου θεοῦ ἡμῶν (5)  
 — 7. ἐν αὐτῷ οἴκου τοῦ θεοῦ (5)  
 — 8. ἐρριψα πάντα τὰ σκεύη οἴκου Τ. (5)  
 — 9. ἐπέστρεψα ἐκεί σκεύη οἴκου τοῦ θ. (5)  
 — 11. διὰ τὸ ἐγκατελείφθαι ὁ οἴ. τοῦ θ. (5)  
 — 14. ὁ ἐποίησα ἐν οἴκῳ κ. τοῦ θεοῦ (5)  
 To. 1. 4. ἀπέστη ἀπὸ τοῦ οἴ. Ἱεροσολύμων [B al.] (5)  
 — 5. ὁ οἴ. Νεφθ. τοῦ πατρὸς μου (5)  
 2. 1. κατῆλθον εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ [B al.] (5)  
 3. 17. εἰσῆλθον εἰς τὸν οἴ. αὐτοῦ [B al.] (5)  
 6. 12. B ἀπάγωμεν αὐτὴν . . . εἰς τὸν οἴ. σου (5)  
 — 15. B λαβὲν γυνῆκα ἐκ τοῦ οἴ. τοῦ πατρὸς σου [A B al.] (5)  
 — 17. B ἐκ τοῦ σπέρματος τοῦ οἴ. τοῦ πατρὸς αὐ. (5)  
 7. 1. B ἀπήγαγεν αὐτὸν εἰς τὸν οἴ. Ῥ. [A B al.] (5)  
 — 1. B ἤγαγεν αὐτοὺς εἰς τὸν οἴ. αὐ. [A B al.] (5)  
 8. 11. B ἦλθε Ῥ. εἰς τὸν οἴ. [A B τὴν οἰκίαν] (5)  
 13. 16. B Ἱερ. οἰκοδομήσεται . . . οἶκος αὐ. [A B al.] (5)  
 14. 4. ὁ οἴ. τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ κατακαίσεται [B al.] (5)

Το. 14. 5. οικοδομήσουσι τὸν οἶ.  
— 5. δ. οἶ. τὸν θεοῦ ἐν αὐτῇ οικοδομηθῆσεται  
Ju. 2. 1. ἐγένετο λόγος ἐν οἴκῳ Ναβ.  
— 18. ΑΒΒ<sup>3</sup> ἐξ οἴκου βασιλείας πολὺ σφόδρα  
3. καὶ δ. οἶ. ἐκ τῆς βεβηλώσεως  
— 15. ΑΒ εἰς ἀγαθὸν ἐπιστάσθαι πάντα οἶ. 'Ι.  
6. 17. δσα ἐμεγαλορρημόνησεν 'Ολ. εἰς τὸν οἶ. 'Ι.  
— 21. παρέλαβεν αὐτὸν . . . εἰς οἶκον αὐ.  
7. 32. τὰ τέκνα εἰς τοὺς οἶ. αὐ. ἀπέστειλεν  
8. 4. ἦν 'Ι. ἐν τῷ οἶ. αὐ.  
— 5. ἐπὶ τὸν δώματος τοῦ οἶ. αὐ.  
— 6. χωρὶς . . . χαρμοσύνην οἴκου 'Ι.  
— 24. δ. οἶ. . . ἐπιστήρῃσιν ἐφ' ἡμῖν  
9. 1. ἦν ἄρτι προσφερόμενος . . . εἰς τὸν οἶ. τοῦ θ.  
— 13. κατὰ τῆς διαθήκης σου καὶ οἶ. ἡγιασμένου  
σου . . . καὶ οἶκου κατασχέσεως νῶν σου  
10. 2. κατέβη εἰς τὸν οἶ.  
11. 7. Ναβ. καὶ πάντα τὸν οἶ. αὐ.  
— 23. ΑΒ ἐν οἴκῳ βασιλείας Ναβ. καθήση  
12. 13. ΑΒ αἱ παρεστήκασιν ἐν οἴκῳ Ναβ.  
13. 14. οὐκ ἀπέστησε τὸ ἔλεος αὐ. ἀπὸ τοῦ οἶ. 'Ι.  
14. 5. τὸν ἐφάπυσσαν τὸν οἶ. τοῦ 'Ισρ.  
— 6. ἐκάλεσαν τὸν 'Α. ἐκ τοῦ οἶ. 'Ο.  
— 10. προσετίθη πρὸς [ΑΒ εἰς] τὸν οἶ. 'Ισρ.  
— 18. ἐποίησεν αἰσχύνῃ . . . εἰς τὸν οἶ. τοῦ βασ.  
16. 21. Β. ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἶ. αὐ. [ΑΒ αἱ].  
— 23. ἐγήρασαν ἐν [Α. om.] τῷ οἶ. τοῦ ἀνδρὸς οἶ.  
— 24. ἐπείσθησεν [Α. -ω] αὐτὴν [Β add. δ. οἶκος  
'Ισρ.  
Es. 1. 5. ἐν αὐλῇ [ΑΒ add. τοῦ] οἴκου τοῦ βασ. (θ)  
4. 14. σὺ δὲ καὶ δ. οἶ. τοῦ πατρὸς σου (5)  
— 17. σβέναι δόξαν οἴκου σου  
6. 4. Β<sup>3</sup> ἐν τῇ αὐλῇ οἴκου τοῦ βασ. [ΑΒ Β<sup>3</sup> αἱ]. (5)  
7. 8. Β<sup>3</sup> εἰς τὸν οἶ. τοῦ πότου τοῦ οἴκου (5)  
Jb. 8. 15. οἱ ἐπῆλσαν τοὺς οἴκους αὐτῶν ἀργυρίου  
5. 24. ἐρμηνεύει σου δ. οἶκος [Α. αἱ]. (1)  
7. 10. οὐδ' οὐ μὴ ἐπιστρέψῃ εἰς τὸν ἴδιον οἶκον (5)  
8. 14. δοίκατος γὰρ αὐτοῦ ἔσται δ. οἶκος (5)  
12. 5 (6). οἴκους τε αὐτοῦ [Α. μου] ἐκπορεύει-  
σθαι ὑπὸ ἀνίμων (1)  
15. 28. εἰσέλθοι δὲ εἰς οἶκους ἀοικίτους (5)  
— 34. πῦρ δὲ καύσει [Α. κατακ.] οἴκους δωρο-  
δεκτῶν (1)  
17. 13. ᾄδῃ μου δ. οἶκος (5)  
18. 19. οὐδὲ σεσωσμένοι ἐν τῇ ἱπ' οὐρανὸν δ.  
οἶ. αὐ. —  
— 21. οὗτοί εἰσιν οἱ [Α. om.] οἶκοι ἀδίκων (14 a)  
20. 19. πολλῶν γὰρ δυνατῶν [ΑΒ<sup>3</sup> ἀδ.] οἴκους  
ἔθλασε (5)  
— 26. κακῶσαι δὲ αὐτοῦ ἐπῆλυνον τὸν οἶκον (1)  
— 28. ἐλκύσαι [Β<sup>3</sup> ἐλκύσαι] τὸν οἶκον αὐτοῦ (5)  
21. 9. οἱ οἶκοι αὐτῶν εὐδηνροῦσι (5)  
— 21. τὸ θέλημα αὐτῶν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (5)  
— 28. ποῦ ἔστιν οἶκος ἀρχόντος [Α. ἀρχαίος] (5)  
22. 18. ἐνέπλησε τοὺς οἴκους αὐτῶν ἀγαθῶν (5)  
24. 12. οἱ ἐκ πόντους καὶ οἶκων ἰδίων +  
27. 18. ἀπέβη δὲ δ. οἶ. αὐ. ὥστερ σῆτες [Α. -ός] (5)  
4. 8. δ. οἶ. δ. οἶ. ἐπισκοπῇ ἐποιεῖτο τὸν οἶ. μου (1)  
30. 6. ὡν οἱ οἶκοι αὐτῶν ἦσαν τρώγλαι πετρῶν (14 b)  
Ps. 5. 7. εἰσελεύσονται εἰς τὸν οἶκόν σου (5)  
22 (26). 6. τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (5)  
25 (26). 8. ἡγάπησα ἐμπρέπειαν οἴκου σου (5)  
26 (27). 4. τοῦ [ΑΒ<sup>3</sup> τὸ] κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ  
κυρίου (5)  
29 (30). τί. ψαλμὸς ψῆδς τοῦ ἐγκαινισμού τοῦ  
οἴκου (5)  
30 (81). 2. εἰς οἶκον καταφυγῆς τοῦ σώσαι με  
35 (36). 8. ΑΒ μεθυνοῦσιν ἀπὸ πότητος  
οἴκου [Β<sup>3</sup> τοῦ οἴκου] σου (5)  
41 (42). 4. διελύσονται . . . ὥς τοῦ οἶ. τοῦ θ. (5)  
44 (45). 10. ἐπύλαθον . . . τοῦ οἴκου τοῦ πατρὸς  
σου (5)  
48 (49). 16. ὅταν πληθυνθῇ ἡ δόξα τοῦ οἴκου  
αὐτοῦ (5)  
— 17. Β<sup>3</sup> οὐδὲ συγκρατήσεται αὐτῷ ἡ δόξα  
τοῦ οἶ. [ΑΒ om. τοῦ οἶ.] αὐτοῦ —  
49 (50). 9. οὐ δέξομαι ἐκ τοῦ οἴκου σου μόσχους (5)  
51 (52). τί. ἦλθε Δαυὶδ εἰς τὸν οἶκον 'Αβιμέλεχ (5)  
— 8. ἐγὼ δὲ ὥστε ἑλαία κατὰκαρπος ἐν τῷ οἶ.  
τοῦ θεοῦ (5)  
54 (55). 14. ἐν τῷ οἶ. τοῦ θεοῦ ἐπορεύθημεν  
58 (59). τί. ἐφύλαξε τὸν οἶκόν σου. (5)  
64 (65). 4. πληροῦσθε με ἐν τοῖς ἀγαθοῖς τοῦ  
οἴκου σου (5)  
65 (66). 13. εἰσελεύσονται εἰς τὸν οἶκόν σου  
67 (68). 6. δ. θεὸς κατοικεῖ μονοτρόπος ἐν οἴκῳ (5)

Ps. 67 (68). 12. καὶ ὠριώθητι τοῦ οἴκου διελίσθαι  
σκύλα (5)  
68 (69). 9. δ. ἥλδον τοῦ οἶ. σου κτεφάγῃ με (5)  
73 (74). 20. ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκαυόμενοι τῆς  
γῆς οἴκων ἀνομῶν (18)  
83 (84). 4. μακάριοι οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ  
σου (5)  
— 10. ἐξελεξιμένην παραμπτέσθαι ἐν τῷ οἴκῳ  
τοῦ θεοῦ (5)  
91 (92). 13. πεφουτενμένοι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (5)  
92 (93). 5. τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἁγίασμα (5)  
95 (96). τί. ὅτε δ. οἶκος φεκοδόμηται —  
97 (98). 3. ἐμνήσθη . . . τῆς ἀληθείας αὐτοῦ τῷ  
οἴκῳ 'Ισραὴλ (5)  
100 (101). 2. διεπορεύθη . . . ἐν μέσῳ τοῦ  
οἴκου [Β<sup>3</sup> τῷ οἴκῳ] σου (5)  
104 (105). 21. κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ  
οἴκου αὐτοῦ (5)  
111 (112). 3. δόξα καὶ πλοῦτος ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ (5)  
112 (113). 9. δ. κατοικίῳ στείραν ἐν οἴκῳ (5)  
113 (114). 1. ΑΒ οἶκος [Β. οἶκος] 'Ιακώβ ἐκ  
λαοῦ βαρβίρου (5)  
113. 17 (115. 9). οἶκος 'Ισραὴλ ἤλπισεν ἐπὶ  
κύριον —  
— 18 (115. 10). οἶκος 'Ααρὼν ἤλπισεν ἐπὶ κύριον (5)  
— 20 (115. 12). εὐλόγησε τὸν οἶ. 'Ισρ. εὐλόγησε  
τὸν οἶ. 'Α. (5, 5)  
115. 10 (116. 19). ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου  
117 (118). 2. εἰπάτω δὴ οἶκος 'Ισραὴλ ὅτι ἀγαθὸς —  
— 3. εἰπάτω δὴ οἶκος 'Ααρὼν ὅτι ἀγαθὸς (5)  
— 26. εὐλογώμενος ὑμᾶς ἐξ οἴκου κυρίου (5)  
118 (119). 139. ΑΒ<sup>3</sup> ἐξέτιξέ με δ. ὁ ζῆλος τοῦ  
οἴκου [Β<sup>3</sup> om. τοῦ οἴκου] σου —  
121 (122). 1. εἰς οἶκον κυρίου πορευσέμεθα (5)  
— 5. θρόνον ἐπὶ οἶκον Δαυὶδ (5)  
— 9. ἔνεκα τοῦ οἴκου κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (5)  
126 (127). 1. ἐὰν μὴ κύριος οἰκοδομήσῃ οἶκον (5)  
131 (132). 3. εἰ εἰσελεύσονται εἰς σκῆνωμα οἴ-  
κου μου (5)  
133 (134). 1. οἱ ἐσπῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου [Β<sup>3</sup> om.  
ἐν οἶ. κ.] ἐν αὐλαῖς οἴκου θεοῦ ἡμῶν (5, -)  
134 (135). 2. οἱ ἐσπῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν αὐ-  
λαῖς οἴκου θεοῦ ἡμῶν (5, 5)  
— 19. οἶκος 'Ισρ. εὐλόγησεν τὸν κύριον οἶκος  
'Α. εὐλόγησεν τὸν κύριον (5, 5)  
— 20. οἶκος Λευὶ εὐλόγησεν τὸν κύριον  
151. 1. καὶ νεώτερος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς μου  
Pr. 1. 13. πλησώμεν δὲ οἴκους ἡμετέρους [Β. -ων]  
σκύλων (5)  
2. 18. θέτω γὰρ παρά τῷ θανάτῳ τὸν οἶκον αὐτῆς (5)  
3. 33. κατὰρ θεοῦ ἐν οἴκῳ ἀσπίδων (5)  
5. 8. μὴ ἐγγίσῃς πρὸς θύρας οἴκου αὐτῆς  
— 10. οἱ δὲ σοὶ πόνοι εἰς οἶκους ἀλλοτρίων  
ἔλθωσι [Α. εἰσελθώσιν] (5)  
7. 6. ἀπὸ γὰρ θυμὸς ἐκ τοῦ οἴκου αὐτῆς εἰς  
τὰς πλατείας παρακίπτουσα (5)  
— 8. παραπορεύομενος παρά γυνικὴν ἐν δίοδοις  
οἴκου αὐτῆς (5)  
— 11. ἐν οἴκῳ δὲ οὐχ ὑψηλῶς οἰοῦσιν οἱ πόδες αὐτῆς (5)  
— 17. τὸν δὲ οἶκόν μου κινναμώμῳ +  
— 19. οὐ γὰρ πάρεστιν δ. ἄνιρ μου ἐν οἴκῳ (5)  
— 20. δὲ ἡμερῶν πολλῶν ἐπανήξει εἰς τὸν  
οἶκόν αὐτοῦ (5)  
— 27. ὁδοὶ ᾄδον δ. οἶκος αὐτῆς (5)  
9. 1. ἡ σοφία φεκοδόμησεν ἐαυτῇ οἶκον (5)  
— 14. ἐκάθισεν ἐπὶ θύραις τοῦ ἐαυτῆς οἴκου (5)  
11. 29. οὐ μὴ συμπεριφρομένης τῷ ἐαυτοῦ οἴκῳ (5)  
12. 7. οἶκοι δὲ δικαίων παρμένοντι (5)  
14. 1. σοφαὶ γυναῖκες φεκοδόμησαν οἴκους (5)  
15. 6. ΑΒΒ<sup>3</sup> οἶκος δικαίων ἰσχύει πολλή (5)  
— 25. οἴκους ὑβριστῶν καταστῆναι κυρίως (5)  
17. 1. ΑΒ οἶκος πλήρης [Β. om.] πολλῶν ἀγαθῶν (5)  
— 13. οὐ κινήσεται κικὰ ἐκ τοῦ οἴκου [Α. εἰς  
τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (5)  
— 16 (19). ὅς ὑψηλὸν ποιεῖ τὸν ἐαυτοῦ οἶκον  
ἡγεῖ συντηρῆσθαι +  
19. 14. οἶκον καὶ ὑπαρεῖν μερίζουσι πατέρες  
παισὶ (5)  
21. 9. ἐν κεκοιμημένοις μετὰ ἀδικίας καὶ ἐν οἴκῳ  
κοιμῇ (5)  
23. 5. ὑποστρέφει εἰς τὸν οἶκον τοῦ προεστη-  
κότος αὐτοῦ +  
— 27. πίσος γὰρ τετηρημένος ἐστὶν ἀλλότριος  
οἶκος —  
24. 3. μετὰ σοφίας οἰκοδομεῖται οἶκος (5)  
— 42 (27). ἀνοικοδομήσεις τὸν οἶκόν σου (5)

Pr. 24. 61 (30. 26). οἱ ἐποίησαντο ἐν πέτραις τοὺς  
ἐαυτῶν οἴκους (5)  
27. 10. εἰς δὲ τὸν οἶκόν τοῦ ἀδελφοῦ σου μὴ  
εἰσελθῇς ἀνυχαῖν (5)  
— 15. σταγόνες ἐκβάλλουσιν ἀνθρώπων . . .  
ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ —  
— 15. ὡσαύτως καὶ γυνὴ λοιδοροῦ ἐκ [Β. ἀπὸ]  
τοῦ ἰδίου οἴκου —  
31. 15. ἔδωκε βρώματα τῷ οἴκῳ (5)  
— 21. οὐ φροντίζει τῶν ἐν οἴκῳ δ. ἄνιρ αὐτῆς (5)  
— 26 (27). στεγναὶ διατριβαὶ οἴκων αὐτῆς (5)  
Ec. 2. 4. φεκοδόμησά μοι οἶκους (5)  
4. 14. ἐξ οἴκου τῶν δεσμίων [ΑΒ. -ων] ἐξελεύ-  
σεται (5)  
— 17. ἐν φ' ἐὰν πορεύῃ εἰς οἶκον [Α. τὸν οἶ.]  
τοῦ θεοῦ (5)  
7. 3 (2). ἀγαθὸν πορευθῆναι εἰς οἶκον πένθους  
ἢ ὅτι πορευθῆναι εἰς οἶκον πότου (5, 5)  
— 5 (4). καρδία συμφῶν ἐν οἴκῳ πένθους (5)  
— 5 (4). καρδία ἀφρόνων ἐν οἴκῳ εὐφροσύνης (5)  
12. 5. ἐπορεύθη δ. ἄνθρωπος εἰς οἶκον αἰῶνος αὐ. (5)  
Ca. 1. 17. δοκοὶ οἴκων [Β<sup>3</sup> om.] ἡμῶν κέρδιον (5)  
2. 4. εἰσαγγέτε με εἰς οἶκον τοῦ οἴκου (5)  
3. 4. εἰσάγαγον αὐτὸν εἰς οἶκον μητρὸς μου (5)  
8. 2. εἰσάξω σε [Β<sup>3</sup> om. εἰσ. σε] εἰς οἶκον  
μητρὸς μου (5)  
Wi. 8. 16. εἰσελθὼν εἰς τὸν οἶ. μου  
Si. 1. 17. πάντα τὸν οἶκον αὐτῆς ἐμπλήσει ἐπιθυμη-  
μάτων (5)  
8. 9. εὐλογία γὰρ πατρός στηρίζει οἴκους τέκνων  
4. 30. μὴ ἰσθὶ ὡς λέων ἐν τῷ οἴκῳ [Β. τῇ οἰκίᾳ] σου  
11. 29. μὴ πάντα ἀνθρώπων εἰσαγεῖ εἰς τὸν οἶκόν σου  
14. 24. δ. καταλύων σύνεγγυς τοῦ οἴκου αὐτῆς  
— 24. Β<sup>3</sup> πῆξαι πᾶσαλον ἐν τοῖς οἴκοις [ΑΒ Β<sup>3</sup>  
τοίχοις] αὐ. —  
21. 4. οὕτως οἶκος ὑπερήφανος [ΑΒ<sup>3</sup> -ων] ἐρρωμα-  
θήσεται —  
— 18. ὡς οἶκος ἡφανισμένος οὕτως μαρὼφ σοφία  
23. 11. οὐκ ἀποστήσεται ἀπὸ τοῦ οἴκου αὐτοῦ μάστιξ  
— 11. πλησθήσεται γὰρ ἐπαγωγὴν δ. οἶκος αὐτοῦ  
27. 3. ἐν τάχει καταστραφήσεται αὐτοῦ δ. οἶκος  
29. 1. οἶκος κυλιπτῶν ἀσχημοσύνην  
35 (32). 11. ἀπώρεχε εἰς οἶκον  
47. 13. ἵνα στήσῃ οἶκον ἐπ' ὀνόματι αὐτοῦ  
49. 15. ἄρχων τῷ [ΑΒ ἐν τῷ] οἴκῳ Δαυὶδ  
48. 12. ἐν ἡμέραις αὐτῶν φεκοδόμησαν οἶκον [Α.  
πύργον]  
50. 1. ἐν ᾧ αὐτοῦ ὑπεράψεν [Β<sup>3</sup> -ἔγραψεν] οἶκον  
— 5. ἐν ἐξόδῳ οἴκου καταστάσματος  
— 18. ἐν πλείστῳ οἴκῳ [Β<sup>3</sup> ἔχῃ] ἐγγυκαίνθη [ΑΒ<sup>3</sup>  
ἐμεγαλύνθη] μέλος (5)  
51. 23. αὐλίσθη ἐν οἴκῳ παιδείας  
Ho. 1. 4. ἐδικίησεν τὸ αἶμα τοῦ 'Ι. ἐπὶ τὸν οἶ. 'Ι. (5)  
— 4. καὶ καταπαύσῃ Βισυλείαν οἴκου 'Ισ. (5)  
— 6. οὐ μὴ προσθήσῃ ἐπὶ ἐλεῖσθαι τὸν οἶ. 'Ισ. (5)  
4. 15. μὴ ἀναβῇ ἐν εἰς τὸν οἶκόν 'Ων [ΑΒ<sup>3</sup> τῆς  
ἀδικίας] (5)  
5. 1. καὶ προσέχετε οἶκος 'Ισραὴλ (5)  
— 1. καὶ δ. [Α. om.] οἶκος τοῦ βασιλείας ἐνωτί-  
ζεσθε (5)  
— 8. κηρύξατε ἐν τῷ οἴκῳ 'Ων (5)  
— 12. καὶ ὡς κέντρον τῷ οἶ. 'Ιουδα (5)  
— 14. καὶ ὡς λέων τῷ οἶ. 'Ιουδα (5)  
6. 11 (10). ἀνομιάν ἐποίησαν ἐν τῷ οἶ. τοῦ  
'Ισραὴλ (5)  
8. 1. ὡς ἀέτος ἐπ' οἶκον κυρίου (5)  
9. 4. οὐκ εἰσελεύσονται εἰς τὸν [Α. om.] οἶ. κυρίου (5)  
— 8. μαρίαν ἐν οἴκῳ θεοῦ κατέπηξον (5)  
— 15. ἐκ τοῦ οἶ. μου ἐκβαλὼ αὐτούς (5)  
10. 5. τῷ μόσχῳ τοῦ οἶ. 'Ων παροικίουσιν (5)  
— 14. ὡς ἄρχων Σ. ἐκ τοῦ οἶ. 'Ισρ. (5)  
— 15. οὕτως ποιήσω ὑμῖν, οἶκος τοῦ 'Ι. (5)  
11. 11. ἀποκαταστήσω αὐτοὺς εἰς τοὺς οἶ. αὐτῶν (5)  
— 12 (12. 1). ἐκύκλωσέ με . . . ἐν ἀσεβείαις  
οἶκος [Α. οἴκου] 'Ισραὴλ (5)  
12. 4 (5). ἐν τῷ οἶ. 'Ων [Α. μου] εὐροσάν με (5)  
Am. 1. 4. ἐξαποστελὼ πῦρ εἰς τὸν οἶ. Αζ. (5)  
2. 8. οἶκον . . . ἔπικον ἐν τῷ οἶ. τοῦ θεοῦ αὐτῶν  
3. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον τούτου . . . οἶκος 'Ισ-  
ραὴλ (7)  
— 13. καὶ ἐπιμαρτύρασθε τῷ οἶ. 'Ι. (5)  
— 15. συγχέω καὶ πατάξω τὸν οἶ. τὸν περί-  
πτερον ἐπὶ τὸν οἶ. τὸν θερμὸν καὶ  
ἀπολοῦνται οἶκοι ἐλεφάντινοι καὶ  
προστεθήσονται ἑτέροι οἶκοι πολλοὶ  
(5 water)







iv Ma. 5. 33. **Α Β** οὐχ οὕτως οικτεῖρήσω [B -ρομαι]  
τὸ ἑμαυτοῦ γῆρας  
8. 10. οὐδ' . . . τῆς εὐμοφίας οικτεῖραμοι  
[Aq. Is. 54. 10: 60. 10: Je. 30 (87). 18: 50  
(27). 42.]  
[Sm. Ps. 30 (31). 10: 40 (41). 5. 11: 50 (51).  
3: Is. 33. 2: 49. 15: 54. 10: 60. 10: Je. 50  
(27). 42.]  
[Th. Is. 49. 15: 54. 10: 60. 10: Je. 33 (40).  
26.]  
[Al. iv Ki. 18. 4.]

**οικτεῖρμα, οικτεῖρα (ῥ).** (1) ῥῥῥ  
Je. 38 (31). 3. ἐλκυσά σε εἰς οἶ. [S<sup>1</sup> -τεῖρα] (1)  
**οικτιρμός (-ειρ).** (1) α. ῥῥ δ. ῥῥῥ  
(2) α. α. ῥῥ δ. ῥῥῥ

ii Ki. 24. 14. πολλοὶ οἱ οἱ αὐτοῦ σφόδρα (2 α)  
iii Ki. 8. 50. δώσεις αὐτοῦς εἰς οικτιρμούς (2 α)  
i Ch. 21. 13. πολλοὶ οἱ οἱ αὐτοῦ (2 α)  
ii Ch. 30. 9. τὰ τέκνα ὑμῶν ἔσονται ἐν οικτιρ-

μοῖς (2 α)  
Ne. 1. 11. δὲς αὐτὸν εἰς οικτιρμούς (2 α)  
9. 19. σὺ ἐν [B σὺν] οικτιρμαῖς σου τοῖς πολ-  
λοῖς (2 α)  
— 27. ἐν οἱ. σου τοῖς μεγάλοις ἔδωκας αὐτοῖς (2 α)  
— 28. ἔρρωσ αὐτοῦς ἐν οἱ. σου πολλοῖς (2 α)  
— 31. ἐν οἱ. σου τοῖς πολλοῖς (2 α)

Ps. 24 (25). 6. μνησθήτι τῶν οἱ. σου (2 α)  
39 (40). 11. μὴ μακρύνῃς τοὺς οἱ. σου ἀπ' ἐμοῦ (2 α)  
50 (51). 1. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν οἱ. σου ἐξάλει-

ψον τὸ ἀνθρώπιόν μου (2 α)  
68 (69). 16. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν οἱ. σου (2 α)  
76 (77). 9. ἡ συνέξι ἐν τῇ ὀργῇ αὐ. τοῦς οἱ. αὐ. (2 α)  
78 (79). 8. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἱ.  
σου (2 α)

102 (103). 4. τὸν στεφανοῦντά σε ἐν ἐλέει καὶ  
οικτιρμοῖς [B<sup>1</sup> -φ] (2 α)  
105 (106). 46. ἔδωκεν αὐτοῖς εἰς οικτιρμούς (2 α)  
118 (119). 77. ἐλθέτωσάν μοι οἱ οἱ. σου (2 α)  
— 156. οἱ οἱ. σου πολλοὶ (2 α)

144 (145). 9. οἱ οἱ. αὐ. ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐ. (2 α)  
Si. 5. 6. μὴ εἴπῃς, Ὁ οικτιρμός αὐτοῦ πολλὸς  
Ho. 2. 19 (21). μνηστεισώμαι σε ἑμαυτῷ . . .  
ἐν οικτιρμοῖς (2 α)

Za. 1. 16. ἐπιστρέφω ἐπὶ 'I. ἐν [B<sup>1</sup> ἐπ'] οικτιρμῷ (2 α)  
7. 9. ἔλεος καὶ οικτιρμὸν ποιεῖτε ἕκαστος (2 α)  
12. 10. πνεῦμα χάριτος καὶ οικτιρμῷ (1 β)  
Is. 63. 15. ποῦ ἔστι τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους σου  
καὶ οικτιρμῶν [A B<sup>2</sup> τῶν οἱ., B<sup>1</sup> -οἱ,  
B<sup>3</sup> οἱ οἱ.] σου (2 α)

Ba. 2. 27. κατὰ πάντα οικτιρμὴν σου τὸν μέγαν  
La. 3. 22. B οὐ συνετέλεσθον οἱ οἱ. αὐτοῦ  
— 22. B οὐ συνετέλεσθον οἱ οἱ. αὐ. (2 α)  
Da. Th. 1. 9. ἔδωκεν δ' ὁ. τὸν Δ. εἰς . . . οικτιρ-  
μόν (2 α)

2. 18. οικτιρμούς ἐξήρουν παρὶ τοῦ θεοῦ (2 β)  
4. 24. καὶ τὰ ἀδικίας ἐν οικτιρμοῖς πεινῶν (1 α)  
9. 9. τῷ κυρίῳ θεῷ ἡμῶν οἱ οἱ. (2 α)  
— 18. ῥηποῖμεν τὸν οἱ. ἡμῶν ἐνώπιόν σου (1 β)  
— 18. ἀλλ' ἐπὶ τοῖς οἱ. σου τοὺς πολλοὺς (2 α)

i Ma. 3. 44. αἰτήσας ἔλεος καὶ οικτιρμούς  
iii Ma. 2. 20. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ οἱ.  
σου

6. 2. τὴν πᾶσαν διακυβερνῶν ἐν οικτιρμοῖς κτίσιν  
iv Ma. 6. 24. καὶ μὴδὲ πρὸς τὸν οἱ. αὐ. μεταβαλλό-  
μενον  
[Aq. Ps. 102 (103). 4: Pr. 12. 10: Je. 31  
(38). 9.]  
[Sm. Ps. 102 (103). 4: Je. 31 (38). 9: Da. 2.  
18 (Sw.).]  
[Th. Ps. 102 (103). 4: Is. 63. 15 (Sw.): Je. 16.  
5: Da. 2. 18.]  
[Heb. Je. 31 (38). 2.]  
[Quint. Ho. 6. 4.]

**οικτιρμα (-ειρ).** (1) α. ῥῥ δ. ῥῥῥ  
(2) α. α. ῥῥ δ. ῥῥῥ

Ex. 34. 6. κύριος ὁ θεὸς οἱ. καὶ ἐλέημων (2 α)  
De. 4. 31. θεὸς οἱ. κ. ὁ θεὸς σου (2 α)  
jd. 5. 30. οικτιρμὸν οικτεῖρήσει εἰς κεφ. ἀνδρός  
[A al.] +

ii Ch. 30. 9. ἐλέημων καὶ οἱ. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 α)  
Ne. 9. 17. καὶ σὺ, ὁ θεός, ἐλέημων καὶ οἱ. (2 α)  
— 31. ἐλέημων καὶ οικτιρμὸν [B<sup>2</sup> add. εἰ] (2 α)  
Ps. 77 (78). 38. αὐτὸς δὲ ἔστιν οικτιρμὸν (2 α)

Ps. 85 (86). 15. σὺ, κύριε ὁ θεός, οικτιρμὸν καὶ  
ἐλέημων (2 α)  
102 (103). 8. οικτιρμὸν καὶ ἐλέημων ὁ κύριος (2 α)  
108 (109). 12. μὴδὲ γενήσῃς οικτιρμὸν τοῖς  
ὀρθαῖς αὐτοῦ (1 α)  
110 (111). 4. ἐλέημων καὶ οικτιρμὸν ὁ κύριος (2 α)  
111 (112). 4. ἐλέημων καὶ οικτιρμὸν καὶ δίκαιος (2 α)  
— 5. B χρηστὸς ἀνὴρ ὁ οἱ. [A B οικτεῖραν] (1 α)  
144 (145). 8. οικτιρμὸν καὶ ἐλέημων ὁ κύριος (1 β)  
Si. 2. 11. οικτιρμὸν καὶ ἐλέημων ὁ κύριος  
jl. 2. 13. ὅτι ἐλέημων καὶ οικτιρμὸν ἐστὶ (2 α)  
jn. 4. 2. ἔγνωσεν ὅτι σὺ ἐλέημων καὶ οικτιρμὸν (2 α)  
La. 4. 10. χεῖρες γυναϊκῶν οικτιρμῶν ἤψησαν  
τὰ παιδία αὐτῶν (2 β)

**οικτιστος.**  
ii Ma. 9. 28. οικτίστη μόρφ κατέστρεψε τὸν βίον  
iii Ma. 4. 3. A τίς τὸ συνολὸν οικτίστος [B οικη-  
τὸς] τόπος

**οἶκος (οικτρός).** (1) ῥῥ  
Es. 3. 13. ἀνευ παντὸς οἱ. [B<sup>1</sup> οἱκτροῦ] καὶ φειδούς  
Je. 9. 19 (18). φωνὴ οἱκτροῦ [B<sup>2</sup> οἱκτου] ἤκουσθη  
ἐν Σ.  
— 20 (19). διδάξατε τὰς θυγατέρας ὑμῶν  
οἶκτον [A -τρον] (1)

iii Ma. 1. 4. B μετὰ οἱκτου . . . τοὺς πλοκάμους  
[A πολέμους] λελυμένῃ  
5. 49. εἰς οἶκτον καὶ γόνους τραπέντες  
6. 22. μετστράφη τὸν βασ. ἡ ὀργὴ εἰς οἶκτον

**οικτρός, cf. οικτιστος, οἶκος.** (1) Ὀῖῖῖῖῖ  
Wi. 18. 10. οἱκτρά διεφίρετο [A -φένετο] θρηνη-  
μένον [A B φωνὴ ὅρ.] παῖδων  
Je. 6. 26. πένθος ἀγαπῶν ποιήσαι σευστὴ κοπε-  
τήν σου (1)

iii Ma. 5. 24. σικτήροιστο πρὸς τὴν οἱκτροτάτην  
θεωρίαν  
iv Ma. 15. 18. οὐδὲ δεύτερος εἰς σὲ οἱκτρὸν βλέπων  
ἐν βασάνοις

**οἶμα.**  
[Th. Je. 45. 3 (51. 33)†.]  
**οἶμμοι, οἶμοι.** (1) ῥῥῥ (2) α. ῥῥῥῥ  
δ. ῥῥῥῥ c. ῥῥ δ. ῥῥῥῥ (3) ῥῥῥῥ  
(4) ῥῥ

jd. 11. 35. A οἶμοι [B δ δ] θύγατερ μου (1)  
iii Ki. 17. 20. οἶμοι [B<sup>1</sup> οἶμοι] κύριε  
jb. 10. 15. ἐάν τε γὰρ ἀσεβήσω, οἶμοι (9)  
Ps. 119 (120). 5. οἶμοι ὅτι ἡ παροικία μου  
ἐμακρύνθη (2 α)

jl. 1. 15. οἶμοι οἶμοι οἶμοι εἰς ἡμέραν (1, -, -)  
Mi. 7. 1. οἶμοι ὅτι ἐγενήθη . . . οἶμοι ψυχῇ (3, +)  
Je. 4. 31. οἱ. ἐγώ (2 β)  
15. 10. οἱ. ἐγώ, μῆτερ (2 β)  
22. 18. B B οἱ. κύριε (4)  
51. 33 (45. 3). οἱ. οἱ. ὅτι προσέθηκε κύριος  
κόπον (2 α, -)

La. 1. 21. A καὶ ἐγένετο οἱ. οἱ. [B S al.] †, †  
Ez. 9. 8. οἱ. [A add. 'Αδωναῖ] κύριε (1)  
11. 13. οἱ. οἱ. [A add. 'Αδωναῖ] κύριε (1, -)  
i Ma. 2. 7. οἱ. ἡνα τί τοῦτο ἐγεννήθη ἰδεῖν  
[Aq. Je. 10. 19.]  
[Sm. Ps. 119 (120). 5: Is. 6. 5: 24. 16: Je.  
10. 19.]  
[Th. jd. 6. 22†: Je. 45. 3 (51. 33).]

**οἶμωγῇ.**  
iii Ma. 6. 17. B ὥστε . . . ἀκατάσχετον οἱ. [A  
πτοῖν] ποιῆσαι  
— 32. οἱ. τε πᾶσαν . . . ἀπωσάμενοι  
[Aq. Ex. 2. 24: Ps. 11 (12). 6: Ma. 2. 13.]  
[Sm. Ex. 2. 24: Ps. 11 (12). 6: 87 (88). 14:  
101 (102). 2.]

**οἶμῶζειν, οἶμῶσσειν.**  
iv Ma. 12. 15. κακὸς οἶμῶζεις  
[Sm. Ps. 71 (72). 12: Je. 51 (28). 52: Ma.  
2. 13.]

**οἶνῶδη.**  
[Sm. Ca. 2. 5, 13.]  
**οἶνια.**  
[Aq. Is. 62. 8: Za. 9. 17.]

**οἶνῶβρωτος (?)**.  
iii Ma. 6. 34. A οἶνῶβρωτος [B οἶνῶβρ.] αὐτοῦς  
ἔσεσθαι τιθέμενοι

**οἶνοδόχος.**  
To. 1. 22. A 'Λχ. δὲ ἦν ὁ οἱ. [B S al.]  
**οἶνοποτεῖν.**  
Pr. 24. 71 (31. 3). μετὰ βουλήν οἶνοποτεῖν -

**οἶνοσότης.** (1) ῥῥῥῥ  
Pr. 28. 20. μὴ ἴσθι οἶνοσότης (1)  
**οἶνος.** (1) α. ῥῥῥ δ. ῥῥῥ (2) ῥῥ (3) ῥῥῥ  
(4) ῥῥῥ (5) ῥῥῥ (6) ῥῥῥ (7) ῥῥῥῥ  
(8) οἱ. νέος ῥῥῥ

Ge. 9. 21. καὶ ἐπιεν ἐκ τοῦ οἶνου (2)  
— 24. ἐξένηψε δὲ Νῶε ἀπὸ τοῦ οἶνου (2)  
14. 18. ἐξένηγκεν ἀρτους καὶ οἶνον (2)  
19. 32. ποτίσμεν τὸν πατέρα ἡμῶν οἶνον (2)  
— 33. ἐπίτισαν δὲ τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον (2)  
— 34. ποτίσμεν αὐτὸν οἶνον (2)  
— 35. ἐπίτισαν δὲ . . . τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον (2)

27. 25. εἰσένηγκεν αὐτῷ οἶνον (2)  
— 28. καὶ πλῆθος σίτου καὶ οἶνου (2)  
— 37. σίτῳ καὶ οἶνῳ ἐσθίρησε αὐτὸν (2)  
49. 11. πλυνεῖ ἐν οἶνῳ τὴν στολὴν αὐτοῦ (2)  
— 12. χαροποιῶ . . . ὑπὲρ οἶνον [A ἀπὸ οἱ.] (2)  
Ex. 23. 25. εὐλογῶν . . . τὸν οἱ. σου [A<sup>1</sup> om.  
τ. οἱ. σ.] -

29. 40. τὸ τέταρτον τοῦ εἰν οἶνου (2)  
32. 18. φωνὴν ἐξαρχόντων οἶνου (2)  
Le. 10. 9. οἶνον καὶ σίκερα οὐ πείσθη (2)  
23. 13. τὸ τέταρτον τοῦ εἰν οἶνου (2)  
Nu. 6. 3. ἀπὸ οἶνου καὶ σίκερα -

— 3. ἀγοστήσεται ἀπὸ οἶνου (2)  
— 3. ὅξος ἐξ οἶνου . . . οὐ πίνεται (2)  
— 4. οἶνον ἀπὸ στεμφύλλων . . . οὐ φάγεται (2)  
— 20. πίνεται ὁ ἡγόμενος οἶνον (2)  
15. 5, 7, 10 (A B<sup>2</sup>). καὶ οἶνον εἰς σπονδὴν (2)  
18. 12. καὶ πᾶσα ἀπαρχὴ οἶνου (2)

28. 14. τὸ τέταρτον τοῦ εἰν οἶνου τῷ ἄμφω τῷ  
ἐνὶ οἶνον (2)  
De. 7. 13. εὐλογῶν . . . τὸν οἱ. σου (2)  
11. 14. εἰσοίσαι . . . τὸν οἱ. σου (2)  
12. 17. τὸ ἐπιδέκατον . . . τοῦ οἱ. σου (2)  
14. 23. οἶσθη τὰ ἐπιδέκατα . . . τοῦ οἱ. σου (2)  
— 26. A B ἐπὶ οἶνῳ ἢ ἐπὶ σίκερα (2)

15. 14. ἐφοδίασας αὐτὸν . . . ἀπὸ τοῦ οἱ. [A τῆς  
ληνοῦ] σου (3)  
18. 4. καὶ τὰς ἀπαρχὰς . . . τοῦ οἱ. σου (2)  
28. 31. A ὁ οἱ. [B ὄνος] σου ἡραρμένους ἀπὸ σου †  
— 39. οἶνον οὐ πείσαι (2)  
— 51. ὥστε μὴ καταλείπειν σοι . . . οἶνον (2)

29. 6 (5). οἶνον καὶ σίκερα οὐκ ἐπίετε (2)  
32. 14. αἶμα σταφυλῆς ἐπιεν οἶνον (1 α)  
— 33. θυμὸς δρακόντων ὁ οἱ. αὐτῶν (2)  
— 38. ἐπίετε τὸν οἱ. τῶν σπονδῶν αὐ. (2)  
38. 28. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἶνῳ [A σίτου κ. οἶνου] (2)  
Jo. 9. 4. λαβόντες . . . ἀσκούς οἶνον παλαιοῦς (2)  
— 13. οἶνοι οἱ ἀσκού τοῦ οἱ. (2)

jd. 9. 13. μὴ ἀπολείψατα τὸν οἱ. μου (2)  
13. 4, 7. μὴ πῖνῃς οἶνον (2)  
— 14. δ [A ὄσα] ἐκπορεύεται ἐξ ἀμπέλου τοῦ  
[A om.] οἱ. (2)

— 14. οἶνον . . . μὴ πίντω (2)  
19. 19. οὐδὲς ἐστὶν ἐμοῖ (2)  
i Ki. 1. 11. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πίνεται -

— 14. περιελού τὸν οἱ. σου (2)  
— 15. οἶνον καὶ μέθυσμα οὐ πίνωκα (2)  
— 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . νέβελ οἶνου (2)  
10. 3. ἐνα αἶνοντα ἀσκὸν οἶνου (2)  
16. 20. ἔλαβεν 'I. . . ἀσκὸν οἶνου (2)

25. 11. λήψομαι . . . τὸν οἱ. μου †  
— 18. ἔλαβον . . . δύο ἀγγεῖα οἶνου (2)  
— 37. ἐξένηψεν ἀπὸ τοῦ οἱ. N. (2)  
ii Ki. 13. 28. ὥς ἂν ἀγαθονθῇ ἡ καρδιά 'A. ἐν  
τῷ οἱ. (2)

16. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς . . . νέβελ οἶνου (2)  
— 2. καὶ ὁ οἱ. πνέει τοῖς ἐκκελυμένοις (2)  
iv Ki. 18. 32. σίτου καὶ οἶνον καὶ ἄρτου (2)  
i Ch. 9. 29. καὶ ἐπὶ τῆς σεμδάλεως τοῦ οἱ. τοῦ  
ἐλαίου (2)

12. 40. ἔφερον . . . οἶνον καὶ ἔλαιον (2)  
27. 7. τῶν ἐν τοῖς χωρίοις τοῦ οἱ. (2)

- 11 Ch. 2. 10 (9). καὶ οἶνον μέτρον εἴκοσι χιλιάδας (2)  
— 15 (14). καὶ τὸ ἔλαιον καὶ τὸν οἶ. (2)  
11. 11. ἔδωκεν ἐν [A. om.] αὐτοῖς . . . οἶνον (2)  
31. 5. ἀπαρχὴν σίτου καὶ οἶνον (7)  
32. 28. εἰς τὰ γεννητά . . . ἔλαιον καὶ οἶνον (7)  
I Es. 8. 10. ὑπερισχύει ὁ οἶ. (2)  
— 17. ὁ εἶπας περὶ τῆς ἰσχύος τοῦ οἶ. (2)  
— 18. πᾶς ὑπερισχύει ὁ οἶ. (2)  
— 23. ὅταν ἀπὸ τοῦ οἶ. ἐγερθῶσιν [A. γεννηθ.] (2)  
— 24. οὐχ ὑπερισχύει ὁ οἶ. (2)  
4. 14. καὶ ὁ οἶ. ἰσχύει (2)  
— 16. ἐξ ὧν ὁ οἶ. γίνεται (2)  
— 37. ἄδικος ὁ οἶ. (2)  
6. 30. ὁμοίως δὲ καὶ . . . οἶνον καὶ ἔλαιον (2)  
8. 20. ἔως . . . οἶνον μετρήσων ἑκατόν (2)  
II Es. 6. 9. πυρὸς ὡς οἶνον (1 b)  
7. 22. B ὥς οἶνον ἀποδοῦν ἑκατόν [A B al.] (1 b)  
Ne. 2. 1. A B<sup>2</sup> B ἦν ὁ [B S<sup>1</sup> om.] οἶ. ἐνώπιον (2)  
— 1. ἔλαβον τὸν οἶ. (2)  
5. 11. ἐπιστρέψατε δὴ . . . τὸν οἶ. (2)  
— 15. ἐν ἄρτοις καὶ ἐν οἶνῳ [S<sup>1</sup> al.] (2)  
— 18. ἐν πᾶσιν οἶνος τῶν πληθύνει (2)  
10. 37 (38). τὸν καρπὸν παντὸς ξύλου οἶνον καὶ ἔλαιον (7)  
— 39 (40). τὰς ἀπαρχὰς . . . τοῦ οἶ. (7)  
13. 5. A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> B διδόντες . . . τὴν δεκάτην τοῦ οἶ. [S<sup>1</sup> om. τ. οἶ.] (7)  
— 12. ἤνεγκαν δεκάτην . . . τοῦ οἶ. (7)  
— 15. ἐπιγίμνουντες ἐπὶ τοὺς δόνους καὶ οἶνον (7)  
To. 1. 7. B εἰδόντες . . . τὴν δεκάτην τοῦ οἶ. [A B al.] (2)  
4. 15. A B οἶνον εἰς μέθην μὴ πίης (2)  
Ju. 10. 5. ὅδε . . . ἀσκοπυτὴν [B ἀσκόν] οἶνον (2)  
11. 13. καὶ τὰς δεκάτας τοῦ οἶ. (2)  
12. 1. καὶ τοῦ οἶ. αὐ. πίνειν (2)  
— 13. πίεσαι μεθ' ἡμῶν εἰς εὐφροσύνην οἶνον (2)  
— 20. ἔπειον οἶ. πολλὸν σφόδρα (2)  
13. 2. ἦν γὰρ περικεχυμένοι αὐτῶν ὁ οἶ. (2)  
Es. 1. 7. οἶνος πολλὸς καὶ ἡδύς (2)  
4. 17. οὐδὲ ἔπινον οἶνον σπονδῶν (2)  
5. 6. B<sup>2</sup> ἐν δὲ τῷ πότῳ τοῦ οἶ. [A B S<sup>1</sup> om. τ. οἶ.] (2)  
— 7. B<sup>2</sup> ἐν τῷ πότῳ τοῦ οἶ. [A B S<sup>1</sup> om. τ. οἶ.] (2)  
— 8. B<sup>2</sup> εἰς τὸν οἶνον τοῦ πότου τοῦ οἶ. (2)  
Ps. 4. 7. ἀπὸ καρποῦ σίτου καὶ οἶνον . . . ἐπλη- θύνθησαν (7)  
59 (60). 3. ἐπόσας ἡμᾶς οἶνον κατανύξας (2)  
68 (69). 12. εἰς ἐμὲ ἔψαλλον οἱ πίνοντες τὸν [B<sup>2</sup> om.] οἶνον (2)  
74 (75). 8. οἶνον ἀκράτου πλήρες κεράσματος (2)  
77 (78). 65. ὡς δυνατὸς κεκραυγαλέως ἐξ οἶνον (2)  
108 (104). 15. οἶνος εὐφραίνει καρδίαν ἀνθρώ- που (2)  
Pr. 3. 10. οἶνον δὲ αἱ ληνοὶ σου ἐκβλύξωσιν (2)  
4. 17. οἶνον δὲ παρανόμῳ μεθύσκονται (2)  
9. 2. ἐκέρσανεν εἰς κρατῆρα τὸν ἑαυτοῦ οἶνον (2)  
— 5. πίετε οἶνον ὃν ἐκέρασεν ὑμῖν (2)  
12. 11. ὃς ἐστὶν ἡδὺς ἐν οἶνῳ διατριβαῖς (2)  
20. 1. ἀκόλαστον οἶνον καὶ ὑβριστικὸν μέθη (2)  
21. 17. φιλῶν οἶνον καὶ ἔλαιον εἰς πλοῦτον (2)  
23. 30. οὐ τῶν ἐγχροσίων ὄντων ἐν οἶνοισι (2)  
— 30. μὴ μεθύσκεσθε ἐν [A B om.] οἶνοισι [A οἶνῳ] (2)  
24. 73 (31. 4). οἶνον δὲ μὴ πινέτωσαν (2 + 5)  
— 74 (31. 6). καὶ οἶνον πίνειν τοῖς ἐν δόξαις (2)  
27. 9. μύροις καὶ οἶνοισι καὶ θυμιάμασι τέρπεται καρδία (2)  
Ec. 2. 3. εἰ ἡ καρδία μου ἐλκύσει ὡς οἶνον τὴν σάρκα μου (2)  
9. 7. πῖε ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ οἶνον σου (2)  
10. 19. οἶνον καὶ ἔλαιον τὸν εὐφρανθήσῃ [A B οἶνος εὐφραίνει] ζῶντας (2)  
Ca. 1. 2. ἀγαθοὶ μαστοὶ σου ὑπὲρ οἶνον (2)  
— 4. ἀγαπῶμεν μαστοὺς σου ὑπὲρ οἶνον (2)  
2. 4. εἰσαγαγέτω με εἰς οἶνον τοῦ οἶνον (2)  
4. 10. τί ἐκαλλισθῆσαν μαστοὶ σου ἀπὸ οἶνον (2)  
5. 1. ἔπινον οἶνον μου μετὰ γαλακτοῦ μου (2)  
7. 9 (10). ὁ λάργυξ σου ὡς οἶνος ὁ ἀγαθός (2)  
8. 2. ποτιῶ σε ἀπὸ οἶνον τοῦ μυρφικίου (2)  
Wi. 2. 7. οἶνον πολυτελοῦς καὶ μύρων πλησθῶμεν (2)  
Si. 9. 9. μὴ συμβολοκοπέης μετ' αὐτῆς ἐν οἶνῳ (2)  
— 10. οἶνος νίος φίλος ἐν παλαιότητι (2)  
19. 2. οἶνος καὶ γυναῖκες ἀποστήσουσι συνετούς (2)  
84 (31). 25. ἐν οἶνῳ μὴ ἀνδρῶν πολλοὺς γὰρ ἀπώ- ληνεν ὁ οἶνος (2)  
— 26. οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μάχῃ υπερηφάνων (2)  
Si. 34 (31). 27. ἔπινον ζωὴς οἶνος ἀνθρώπων (2)  
— 27. τίς ζωὴ ἔλασσουμένη οἶνῳ [A -ου, B<sup>2</sup> ἐν οἶνῳ] (2)  
— 28. οἶνος πινόμενος ἐν καιρῷ αὐτάρκειας (2)  
— 29. πικρία ψυχῆς οἶνος πινόμενος [A γιν.] πολὺς (2)  
— 31. ἐν συμποσίῳ οἶνον μὴ ἐλέγχετε τὸν πλησίον (2)  
35 (32). 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίῳ [A -ίῳ] οἶνον (2)  
— 6. μέλος μουσικῶν ἐφ' ἧδὲ οἶνῳ (2)  
40. 20. οἶνος καὶ μουσικὰ εὐφραίνουσι καρδίαν (2)  
49. 1. ὡς μουσικὰ ἐν συμποσίῳ οἶνον (2)  
Ho. 2. 8 (10). ἔδωκα αὐτῇ . . . τὸν οἶνον (7)  
— 9 (11). κομιούμαι . . . τὸν οἶνον μου (7)  
— 22 (24). ἡ γῆ ἐπακούσεται . . . τὸν οἶ. (7)  
3. 2. γομῶν κριθῶν καὶ νέβελ οἶνον (2)  
4. 11. οἶνον . . . ἐδέξατο καρδία λαοῦ μου (2)  
7. 5. ἤρξαντο οἱ ἀρχοντες θυμοῖσθαί ἐξ οἶνον (2)  
— 14. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἶνῳ κατεμένοντο (7)  
9. 2. καὶ ὁ [A<sup>1</sup> om.] οἶνος ἐνφύσων αὐτοὺς (7)  
— 4. οὐκ ἔσπεισαν τῷ κυρίῳ οἶνον (2)  
14. 8. ἐξανθήσει . . . ὡς οἶνος λιθ. τῷ Ἐφ. (2)  
Am. 2. 8. οἶνον ἐκ συνοφαντῶν ἔπινον (2)  
— 12. καὶ ἐποτίσει τὸν ἡγιασμένον οἶνον (2)  
5. 11. A B οὐ μὴ πίητε τὸν οἶ. αὐτῶν [B ἐξ αὐτῶν] (2)  
6. 6. οἱ πίνοντες τὸν διυλισμένον οἶνον (2)  
9. 14. καὶ πίνονται τὸν οἶνον αὐτῶν (2)  
Mi. 2. 11. ἐστύλαξέ σοι εἰς οἶνον καὶ μέθυσμα (2)  
6. 15. πείσεις . . . οἶνον καὶ οὐ μὴ πίητε (7)  
Jl. 1. 5. ἐκνήψατε οἱ μεθύοντες ἐξ οἶνον αὐτῶν (2)  
— 5. θρηνησατέ πάντες οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην (2)  
— 10. ἐξηράνηθ' οἶνος ὠλεγιώδης ἔλαιον (7)  
2. 19. ἐξέπασσέλω . . . τὸν σίτον καὶ τὸν οἶ. (7)  
— 24. ὑπερχυθήσονται αἱ ληνοὶ οἶνον (7)  
3 (4). 3. τὰ κοράσια ἐπώλουν ἀντὶ οἶνον (2)  
Ob. 1. 16. A B<sup>2</sup> B πίνονται πάντα τὰ ἔθνη οἶνον (2)  
Ze. 1. 13. οὐ μὴ πίωσι τὸν οἶ. αὐτῶν (2)  
Hg. 1. 11. ἐπάθω βομφαίαν . . . ἐπὶ τὸν οἶ. (7)  
2. 13 (12). ἐάν . . . ἀφῇται . . . οἶνον (2)  
Za. 9. 15. ἐκπίνονται αὐτοὺς ὡς [A B<sup>2</sup> τὸ αἶμα αὐτῶν ὡς] οἶνον (2)  
— 17. οἶνος ἐνωδιῶν εἰς παρθέτους (7)  
10. 7. καὶ χαρήσεται ἡ καρδία αὐτῶν ὡς ἐν οἶνῳ (2)  
Is. 1. 22. μίσγουσι τὸν οἶ. ὕδατι (4)  
5. 11. ὁ γὰρ οἶ. αὐτοὺς συγκινεῖ (2)  
— 12. μετὰ γὰρ κθάρας . . . τὸν οἶ. πίνουσι (2)  
— 22. οὐαὶ οἱ ἰσχύοντες ὑμῶν οἱ πίνοντες τὸν οἶ. (2)  
16. 10. οὐ μὴ πατήσουσιν οἶνον εἰς τὰ ὑπολήνια (2)  
22. 13. ὥστε φαγεῖν κρέα καὶ πίνειν οἶνον (2)  
24. 7. πενθήσει οἶνος (7)  
— 9. οὐκ ἔπινον οἶνον (2)  
— 11. ἀλλοιούμεθα περὶ τοῦ οἶ. πανταχῇ (2)  
25. 6. πίνονται οἶνον (2)  
28. 1. οἱ μεθύοντες ἄνευ οἶνον (2)  
— 7. οἱτοὶ γὰρ οἶνον πεπλημελημένοι . . . κατεπόθησαν διὰ τὸν οἶ. [A B al.] (2, 2)  
— 29. 9. κραυγαλέως οὐκ ἀπὸ σίκερα οὐδὲ ἀπὸ οἶνον (2)  
36. 17. γῆ σίτου καὶ οἶνον καὶ ἄρτων (7)  
49. 26. πίνονται ὡς οἶνον νῖον τὸ αἶμα αὐτῶν (2)  
51. 21. μεθύουσα οὐκ ἀπὸ οἶνον (2)  
55. 1. B φάγετε [A B πίετε] ἄνευ ἀργυρίου καὶ τιμῆς οἶνον [A B S<sup>1</sup> -ον] καὶ στέαρ (2)  
62. 8. εἰ ἐτι πίνονται νῖοι ἀλλότριον τὸν οἶ. σου (7)  
Je. 13. 12 bis. πᾶς ἄσκος πληρωθήσεται οἶνον (2)  
23. 9. ὡς ἄνθρωπος συνεχόμενος ἀπὸ οἶνον (2)  
28 (51). 7. ἀπὸ τοῦ οἶ. αὐτῆς ἐπίσταν ἐθνη (2)  
31 (48). 33. οἶνος ἦν ἐπὶ ληνοῖς σου (2)  
32. 1 (25. 15). λάβε τὸ ποτήριον τοῦ οἶ. τοῦ ἀκράτου (2)  
38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου καὶ οἶνον (7)  
42 (35). 2. ποτιεῖς αὐτοὺς οἶνον (2)  
— 5. ἔδωκα κατὰ πρόσωπον αὐτῶν κεράμιον οἶνον καὶ ποτήριον καὶ εἶπα, Πίετε οἶνον (2, 2)  
— 6. οὐ μὴ πῖωμεν οἶνον . . . οὐ πῇ πίητε οἶνον (2, 2)  
— 8. 14. πρὸς τὸ μὴ πίνειν οἶνον (2)  
47 (40). 10. συναγαγετέ οἶνον καὶ ὀπώραν (2)  
— 12. συνηγαγον οἶνον (2)  
La. 2. 12. ποῦ σίτος καὶ οἶνος (2)  
Ez. 16. 49. A ἐν εὐθηνίᾳ οἶνον [B om.] ἐσπα- τάλων (2)  
27. 18. οἶνος [A -ον] ἐκ Χελβάν (2)  
— 18 (19). οἶνον εἰς τὴν ἀγοράν σου ἔδωκαν (2)  
44. 21. οἶνον οὐ μὴ πῖωσι πᾶς ἱερεὺς (2)  
Da. LXX. 1. 5. διδοσθαι αὐτοῖς . . . ἀπὸ τοῦ οἶ. (2)  
— 8. ἐν ᾧ πίνει οἶνον (2)  
— 16. ἦν Ἀβ. ἀναρριπόμενος . . . τὸν οἶ. αὐ. (2)  
δ. 1. Βαλτ. ἐννυόμενος ἀπὸ τοῦ οἶ. (2)  
— 2 (1). ἔπινον οἶνον (1 b ?)  
— 23. καὶ ἔπινον οἶνον (1 b)  
10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στόμα μου (2)  
Bel 10. οἶνος κερασθείς εἰσῆλθέτω (2)  
— 14. ἐξέπινον τὸν οἶ. (2)  
— 20. καὶ εὖρε . . . τὸν οἶ. (2)  
— 32. καὶ στάμον οἶ. κεκρασμένον (2)  
Da. TH. 1. 5. καὶ ἀπὸ τοῦ οἶ. τοῦ πότου αὐ. (2)  
— 8. οὐ μὴ ἀλισγηθῇ . . . ἐν τῷ οἶ. (2)  
— 16. καὶ τὸν οἶ. τοῦ πόματος αὐ. (2)  
δ. 1. κατέναντι τῶν χιλιῶν ὁ οἶ. (1 b)  
— 2. εἶπεν ἐν τῇ γενεῇ τοῦ οἶ. (1 b)  
— 4. ἔπινον οἶνον (1 b)  
— 23. οἶνον ἐπίνετε ἐν αὐτοῖς (1 b)  
10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στόμα μου (2)  
Bel 3. καὶ οἶνον μετρήται ἐξ (2)  
— 11. καὶ τὸν οἶ. κεράσας θίς (2)  
II Ma. 15. 39. οἶνον κατὰ μόνους πίνειν (2)  
— 39. οἶνος ὕδατι συγκερασθείς (2)  
III Ma. 5. 2. οἶ. πλείους ἀκράτῳ δπ. τοὺς ἐλέφ. πο- τίσαι (2)  
— 10. πεπληρωμένους τῆς τοῦ οἶ. πολλῆς χορηγίας (2)  
— 45. B εὐδοκαστατοὶς πόμασιν οἶνον λελεβανωμέ- νον [A al.] (2)  
6. 30. ἐκέλευσεν οἶνον . . . χορηγεῖν (2)  
[Aq. i Ki. 1. 24 : Jb. 1. 18 : Ps. 59 (60). 5 : 77 (78). 65 : Pr. 4. 17 : 20. 1 : Is. 5. 12 (Sw.) : 28. 1 : 55. 1 : 56. 12 : Jz. 48 (81). 33 : Ez. 27. 18.] (2)  
[Sm. i Ki. 1. 24 : Jb. 32. 19 : Ps. 59 (60). 5 : 74 (75). 9 : 77 (78). 65 : 103 (104). 15 : Pr. 4. 17 : 20. 1 : Ca. 4. 10 : Is. 28. 1 : 55. 1 : 65. 8 : Jz. 48 (81). 33 : Ez. 27. 18 : Ho. 3. 2 : Am. 5. 11 (P.) : 2] (2)  
[Th. Pr. 20. 1 : Is. 28. 1 : 55. 1 : 56. 12 : 65. 8 : Da. 5. 1 : 14. 2 : Ho. 3. 2.] (2)  
[Al. Pr. 20. 1 : Is. 5. 12.] (2)  
[Quint. Ho. 7. 14.] (2)  
οἰνοῦσθαι. (1) N<sup>2</sup> D<sup>2</sup>  
Ez. 23. 42. A πρὸς ἄνδρας ἐκ πληθύντος ἀνθρώ- που ἤκοντας οἰνωμένους [B om.] ἐκ τῆς ἐρήμου (1)  
[Sm. Jz. 25. 38 (32. 24) : 46 (26). 16 : 50 (27). 16.] (2)  
[Th. Ez. 23. 42 (Sw.)] (2)  
οἰνοφλυγεῖν (-φρύγειν?). (1) N<sup>2</sup> D<sup>2</sup>  
De. 21. 20. συμβολοκοπέων οἰνοφλυγεῖ [B<sup>1</sup> -φρύγει] (1)  
[Aq., Th. Is. 56. 12.] (2)  
οἰνοφλυγιεῖν.  
[Th. Is. 56. 12 (Sw.)] (2)  
οἰνοχοεῖν. (1) N<sup>2</sup> D<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> H<sup>2</sup>  
Ge. 40. 13. ὡς ἡσθα οἰνοχοῶν (1)  
Da. LXX. 5. 2. καὶ οἰνοχοῖσθαι ἐν αὐτοῖς τοῖς ἐταίροις αὐ. (2)  
οἰνοχόη. (1) N<sup>2</sup> H<sup>2</sup>  
Ec. 2. 8. ἐποίησά μοι . . . οἰνοχόον [A B<sup>2</sup> -ους] καὶ οἰνοχόας (1 ?)  
οἰνοχόος. (1) N<sup>2</sup> D<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> H<sup>2</sup> (3) N<sup>2</sup> H<sup>2</sup>  
Ge. 40. 20. τῆς ἀρχῆς τοῦ οἶ. [A ἀρχύν.] (2)  
III Ki. 10. 5. τὸν ἱματισμὸν αὐ. καὶ τοὺς οἱ. αὐ. (1)  
II Ch. 9. 4. B ἱματισμὸν αὐ. καὶ οἰνοχῶν [A B -ους] αὐτοῦ (1)  
Ne. 1. 11. A B<sup>2</sup> B ἤμην οἰνοχόος [B B<sup>2</sup> ἐννοῶ- χος] τῷ βασι. (1)  
To. 1. 22. Ἀχιάχαρος δὲ ἦν ὁ οἶ. [A B al.] (2)  
Ec. 2. 8. ἐποίησά μοι . . . οἰνοχόον [A B<sup>2</sup> -ους] καὶ οἰνοχόας (3 ?)  
οἰνών.  
[Sm. Ca. 2. 4.] (2)  
οἶος. (1) N<sup>2</sup> H<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> H<sup>2</sup> (3) οἶος ἐγώ  
α. N<sup>2</sup> H<sup>2</sup> N<sup>2</sup> H<sup>2</sup> δ. N<sup>2</sup> H<sup>2</sup>  
Ge. 41. 19. αἰσχυρὰ . . . οἶος οὐκ εἶδον τοιαύτας (2)  
— 44. 15. B δ [A om.] ἀνθρώπος οἶ. ἐγώ (3 a)  
III Ki. 18. 13. οὐκ ἀπηγγέλη . . . οἶα πεποίηκα (1)

I Es. 1. 21. οἶον ἦγαγεν Ἰωσ.  
Ne. 6. 11. Α τίς ἔστιν ὁ ἀνὴρ οἷος ἐγὼ φεύ-  
ξεται ἢ τίς οἷος ὁ ἀνὴρ [B<sup>3</sup> οἱ. ἐγὼ,  
B<sup>3</sup> al.] (3 b, 2 [3 b])  
To. 10. 7. τὴν ὁδὸν ἐξω οἷας ἀπῆλθεν [B al.]  
14. 5. οὐχ οἷος ὁ πρότερος [B al.]  
Es. 2. 1. μνημονεύον οἷα ἐλάλησεν [A al.] (1)  
Jb. 33. 27. οἷα συνετέλουν [A -οῦμην]  
Si. 49. 14. οὐδὲ εἰς ἐκτίσθη οἷος Ἐνώχ  
Da. LXX. 9. 12. οἷα οὐκ ἐγενήθη ὑπὸ τῶν οὐ-  
ρανῶν (1)  
12. 1. οἷα οὐκ ἐγενήθη (1)  
Da. TH. 9. 12. οἷα [A δ] οὐ γέγονεν (1)  
12. 1. οἷα οὐ γέγονεν [B<sup>1</sup> om.] (1)  
I Ma. 4. 27. ΑΒ οὐχ οἷα ἠθέληε . . . καὶ οὐχ [B om.] (1)  
οἷα ἐνετείλατο αὐτῷ  
5. 56. οἷα ἐποίησαν  
IV Ma. 1. 4. οἷον κακοθελίας  
3. 2. οἷον, ἐπιθυμίας τις ὡμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι  
4. 7. ὡς οἷον τε ἦν [Bm. Jb. 33. 6.]  
**οιστρηλασία.**  
IV Ma. 2. 4. τὴν τῆς ἡδυπαθείας οἱ. ἐπικρατεῖν ὁ λο-  
γισμὸς φαίνεται  
**οἷστρος.**  
IV Ma. 2. 3. ἡκώρωσε . . . τὸν τῶν παθῶν οἷ.  
3. 18. σβέσσει τὰς τῶν οἱ. φλεγμονάς  
**οἷφι (-εί).** (1) ΠΡ<sup>1</sup>Κ, ΠΡ<sup>2</sup>Κ (2) ΠΝΡ  
Le. 5. 11. δέκατον τοῦ οἷφι σεμιδάλεως [A  
-λιν] (1)  
6. 20 (13). τὸ δέκατον τοῦ οἱ. σεμιδάλεως (1)  
Nu. 5. 15. προσοίσει . . . τὸ δέκατον τοῦ οἱ. (1)  
15. 4. προσοίσει . . . δέκατον τοῦ οἱ. (1)  
28. 5. ποιήσει τὸ δέκατον τοῦ οἱ. (1)  
Jd. 6. 19. ἐποίησεν . . . οἱ. ἀλεύρων (1)  
Ru. 2. 17. ἐγενήθη ὡς οἷφι κριθῶν (1)  
I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . οἱ. σεμιδάλεως (1)  
17. 17. Α λάβε δὴ τοῖς ἀδ. σου οἱ. τοῦτου (1)  
25. 18. ἔλαβε . . . πάντα οἱ. ἀλφίτου (2)  
Ez. 45. 13. τὸ ἐκτον αὐτοῦ τοῦ οἱ. (1)  
[Aq. Ex. 16. 36 (P.).]  
[Bm. Zā. 5. 6.]  
[Al. Ex. 16. 36; Le. 19. 36.]  
**οἷχεσθαι.** (1) ΚΙΒ (2) ΠΡ<sup>1</sup>Π (3) Π<sup>2</sup>Π  
(4) Π<sup>3</sup>Π ni. (5) Ρ<sup>2</sup>Π (6) Ρ<sup>3</sup>Π a. pu.  
δ. hoph.  
Ge. 12. 4. καὶ φέχετο μετ' αὐτοῦ Λώτ  
25. 34. καὶ ἀναστὰς φέχετο  
19. 19. Λάβαν δὲ φέχετο κείραι τὰ πρόβατα  
II Ch. 8. 17. φέχετο Σ. εἰς Γ.  
— 18. Β φέχετο [ΑΒ -οντο] μετὰ τῶν παί-  
δων Σ. (1)  
21. 9. φέχετο Ἰ. μετὰ τῶν ἀρχόντων  
I Es. 9. 54. φέχοντο πάντες φαγεῖν  
To. 2. 7. ὅτε ἔδιν ὁ ἥλιος φέχοντι  
5. 9. Β πολλὰκις φέχοντι εἰς Μηδείαν  
8. 9. Β καὶ φέχοντο  
10. 7. Β τὴν ὁδὸν ἢ φέχετο ὁ υἱὸς αὐ. [ΑΒ al.]  
12. 13. Β καὶ φέχου [ΑΒ al.]  
Jb. 14. 10. ἀνὴρ δὲ τελευτήσας φέχετο (3)  
— 20. ὥσας αὐτὸν εἰς τέλος καὶ φέχετο (2)  
19. 10. διέσπασέ με κύκλω καὶ φέχοντι (2)  
30. 15. φέχετό μου ἡ ἐλπίς ὥσπερ πνεῦμα  
Ho. 10. 14. τὰ περιτετεταγμένα σου οἰχίσσεται [Α οἰκίσσεται] (6 b)  
Je. 9. 10 (9). ἐξέστησαν φέχοντο (2)  
10. 20. Β<sup>1</sup> ἡ σκεπή σου ἐταλαιπώρησεν φέχετο [ΑΒ Β<sup>1</sup> ὤλετο] (6 a)  
16. 11. φέχοντο ὅπως θεῶν ἀλλοτρίων (2)  
27 (50). 6. ἐξ ἄρουρ ἐπὶ βουρὸν φέχοντο (2)  
29 (49). 7. φέχετο σοφία αὐτῶν (4)  
31 (48). 11. εἰς ἀποικισμὸν οὐκ φέχετο (2)  
35 (28). 11. φέχετο Ἱερემίας εἰς τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (2)  
48 (41). 10. φέχετο εἰς τὸ πέραν υἱὸν Ἀμμών (2)  
— 12. φέχοντο πολέμειν αὐτόν (2)  
— 15. φέχετο πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἀμμών (2)  
— 17. φέχοντο καὶ ἐκίδσαν ἐν Γαβρωχαμαδὰ (2)  
52. 7. Α φέχοντο [Β ἐπορεύθησαν] ὁδὸν τὴν εἰς  
ἀράβα  
Ba. 1. 22. φέχομεθα ἕκαστος ἐν διανοίᾳ καρδίας αὐτοῦ  
[Α ἡμῶν] (2)

IV Ma. 4. 1. φυγάς φέχετο τὴν πατρίδα προδώσω  
— 14. ὁ μὲν παραδόξως διασωθεὶς φέχετο  
[Aq. Jb. 4. 15.]  
**οἰωνίζεσθαι.** (1) Π<sup>1</sup>Π pi.  
Ge. 30. 27. εἰ εὖρον χάριν . . . οἰωνισάμην αὐ (1)  
44. 5. οἰωνισμῷ οἰωνίζεται ἐν αὐτῷ (1)  
— 15. οἰωνισμῷ οἰωνίζεται ὁ ἄνθρωπος (1)  
Le. 19. 26. οὐκ οἰωνοῖσθε (1)  
De. 18. 10. οὐχ εὐρεθήσεται . . . οἰωνίζομενος (1)  
III Ki. 21 (20). 33. οἱ ἄνθρωποι οἰωνίσαντο (1)  
IV Ki. 17. 17. Β καὶ οἰωνίζοντο (1)  
21. 6; II Ch. 33. 6. καὶ οἰωνίζετο (1)  
**οἰωνισμα.** (1) α. λ<sup>1</sup>η<sup>1</sup> δ. λ<sup>2</sup>η<sup>2</sup> (2) Π<sup>2</sup>Π po.  
(3) Ρ<sup>2</sup>Π  
I Ki. 15. 23. ἀμαρτίᾳ οἰωνισμῷ ἐστίν (3)  
Je. 14. 14. οἰωνισματα καὶ προαιρέσεις καρδίας  
αὐτῶν αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (1 a\*, 1 b)  
34 (27). 9. μὴ ἀκούετε . . . τῶν οἱ. ὑμῶν (2)  
**οἰωνισμός.** (1) α. Π<sup>1</sup>Π pi. δ. Π<sup>2</sup>Π (1 a)  
Ge. 44. 5. οἰωνισμῷ οἰωνίζεται ἐν αὐτῷ (1 a)  
— 15. οἰωνισμῷ οἰωνίζεται ὁ ἄνθρωπος (1 a)  
Nu. 23. 23. οὐ γὰρ ἐστὶν οἱ. ἐν Ἰ. (1 b)  
Si. 81 (84). 5. μαντεῖαι καὶ οἰωνισμοὶ . . . μάταιά  
ἐστι  
**οἰωνόβρωτος.**  
II Ma. 9. 15. οἰωνόβρωτος δὲ . . . ἐκρίψει θηρίοις  
III Ma. 6. 34. Β οἰωνόβρωτος [Α οἰονοβρ.] αὐτοὺς  
ἐσσεῖται τιθέμενοι  
**οἰωνός.** (1) Π<sup>1</sup>Π  
Nu. 24. 1. εἰς συνάντησιν τοῖς οἱ. (1)  
[Bm. Ps. 77 (78). 48.]  
**ὀκλάζειν.** (1) Γ<sup>1</sup>Π  
III Ki. 8. 54. ὀκλάκω ἐπὶ τὰ γόνατα αὐ. (1)  
19. 18. δ οὐκ ὤκλασαν γόνα [Α om.] τῷ Β. (1)  
[Aq. Ps. 82 (83). 3.]  
[Bm. Ge. 49. 9; Jd. 11. 35; I Ki. 4. 19; 24.  
9; Ps. 16 (17). 13; 21 (22). 30; 71 (72). 9;  
77 (78). 31.]  
**ὀκνεῖν.** (1) Γ<sup>2</sup>Π ni. (2) λ<sup>2</sup>Π ni.  
Nu. 22. 16. μὴ ὀκνήσῃς ἐλθεῖν πρὸς μέ (1)  
Jd. 18. 9. μὴ ὀκνήσῃς τοῦ παρευθῆναι (2)  
To. 12. 6. μὴ ὀκνεῖτε ἐξομολογεῖσθαι αὐτῷ  
— 13. ὅτε οὐκ ὤκνησας ἀναστήναι  
Jb. 12. 13. μὴ ὀκνησάτω δὴ ἡ παιδεία ἡ καλὴ αὐτῇ  
Si. 7. 35. μὴ ὀκνεῖ ἐπισκεπτεσθαι ἀρρωστον  
IV Ma. 14. 4. οὐδὲ πρὸς τὸν θάνατον ὤκνησεν  
**ὀκνηρεῖν.**  
[Al. Nu. 32. 9.]  
**ὀκνηρία.** (1) Γ<sup>1</sup>Π  
Ec. 10. 18. ἐν ὀκνηρίᾳ ταπεινωθήσεται ἡ δόκωσις (1)  
[Bm. Pr. 19. 15; Ec. 10. 18.]  
[Th. Pr. 19. 15.]  
[Al. Pr. 81. 27.]  
**ὀκνηρός.** (1) α. λ<sup>1</sup>Π δ. Γ<sup>1</sup>Π  
Pr. 6. 6. ἴθι πρὸς τὸν μύμηκα, ὃ ὀκνηρὸς (1 a)  
— 9. ἴθι πρὸς τὸν ὀκνηρὸν, κατέκλειται (1 a)  
11. 16. πλοῦτον ὀκνηρὸν ἐνδεῖα γίνονται  
18. 8. ὀκνηροὺς καταβάλλει φύβος  
20. 4. ἐνδεῖοι ὀκνηροὶ οὐκ αἰσχύνονται (1 a)  
21. 25. ἐπιθυμία ὀκνηρὸν ἀποκτείνουσιν (1 a)  
22. 13. προφασίζεται καὶ λέγει ὀκνηρὸς (1 a)  
26. 13. λέγει ὀκνηρὸς ἀποστελλόμενος εἰς ὁδόν (1 a)  
— 14. οὗτος ὀκνηρὸς ἐπὶ τῆς κλίτης αὐτοῦ (1 a)  
— 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χεῖρα ἐν τῷ κόλπῳ  
αὐτοῦ (1 a)  
— 16. σοφώτερος ἐάντῳ ὀκνηρὸς φαίνεται (1 a)  
31. 26 (27). σὶτα δὲ ὀκνηρὰ οὐκ ἐφαγε (1 b)  
Si. 22. 1. λίθῳ ἠρδαλωμένῳ συνεβλήθη [B<sup>3</sup> ἐλίσσο-  
βολήθη] ὀκνηρὸς  
— 2. βολβίτῳ κοπρίῳν συνεβλήθη ὀκνηρὸς  
37. 11. μετὰ ὀκνηροῦ περὶ παντός ἔργου  
[Aq. Pr. 15. 19.]  
[Bm. Pr. 13. 4; 15. 19; 20. 4; 21. 25.]  
[Th. Pr. 15. 19; 21. 25.]

**ὀκτακισχίλιοι.**  
Nu. 2. 24; 3. 28; 4. 48.  
I Ch. 29. 7.  
I Ma. 5. 20, 34†; 10. 85; 15. 13†.  
II Ma. 8. 20, 20†.  
**ὀκτακισχίλιος.**  
I Ma. 15. 13. ΑΒ καὶ ὀκτακισχίλια ἵππος [B al.]  
**ὀκτακόσιοι.**  
Ge. 5. 17, 19, 26†.  
II Ki. 23. 8†; 24. 9.  
I Ch. 12. 24, 30, 35.  
II Ch. 13. 3.  
I Es. 5. 11, 24†.  
II Es. 2. 6.  
Ne. 7. 11†, 12†, 13†, 14†; 11. 12†.  
I Ma. 3. 24; 8. 6.  
II Ma. 6. 21.  
[Aq. Sm. Ge. 5. 4.]  
[Th. Ge. 5. 4; Jb. 52. 29.]  
**ὀκτάπηγος.** (1) Γ<sup>1</sup>Πη<sup>1</sup> Π<sup>2</sup>Πη<sup>2</sup>  
III Ki. 7. 10. λίθους δεκαπήγχεσι καὶ τοῖς δ. (1)  
**ὀκτώ.**  
Ge. 5. 28; 14. 14; 17. 12; 22. 23; 46. 22.  
Ex. 26. 2, 25; 37. 2 (36. 9).  
Nu. 7. 8; 29. 29; 35. 7.  
De. 2. 14.  
Jo. 21. 39; 24. 33.  
Jd. 3. 8, 14; 10. 8; 12. 13 (14); 20. 25, 44.  
I Ki. 4. 15†; 17. 12†.  
II Ki. 8. 13.  
III Ki. 7. 15, 45.  
IV Ki. 8. 17†; 10. 24†, 36; 15. 13†; 22. 1; 24. 8;  
25. 17.  
I Ch. 5. 13†; 12. 31, 35; 16. 38; 18. 12; 23. 3;  
24. 4†; 25. 7; 26. 9.  
II Ch. 11. 21 bis; 21. 5, 20†; 29. 17; 34. 1; 36. 9.  
I Es. 1. 43; 5. 12, 18, 27; 8. 37, 47†.  
II Es. 2. 16†, 23, 41; 8. 9, 11, 18.  
Ne. 7. 11, 15, 16, 17†, 21, 22, 27†, 44, 45, 66†;  
11. 6, 8, 13†, 14.  
To. 14. 2† bis, 11†.  
Ju. 7. 2†.  
Jb. 42. 16†.  
Ec. 11. 2.  
Mi. 5. 5 (4).  
Je. 48 (41). 15; 52. 22.  
Ez. 10. 21; 40. 9, 15†, 31, 34, 37, 40†, 41; 43. 35.  
I Ma. 4. 56, 59.  
II Ma. 2. 12; 5. 14; 10. 6; 11. 2.  
[Aq. Th. Mi. 5. 5 (4).]  
[Bm. Je. 52. 21; Ez. 40. 49; Mi. 5. 5 (4).]  
**ὀκτωκαίδεκα.** vid. sub ὀκτώ εἰς δέκα.  
**ὀκτωκαίδεκάτος.** (1) α. Γ<sup>1</sup>Πη<sup>1</sup> Π<sup>2</sup>Πη<sup>2</sup>, Π<sup>3</sup>Πη<sup>3</sup>  
Π<sup>4</sup>Πη<sup>4</sup>  
III Ki. 15. 1. ἐν τῷ δ. ἔτει βασιλεύοντος Ἰ. (1)  
IV Ki. 1. 18 (3. 1). ἐν ἔτει δ. Ἰωσ. (1)  
3. 1. Β ἐν ἔτει δ. Ἰωσ. (1)  
22. 3. ἐν τῷ δ. ἔτει τῷ βασιλ. Ἰ. (1)  
23. 23. τῷ δ. ἔτει τοῦ βασιλ. Ἰωσ. (1)  
I Ch. 24. 15. τῷ Ἀ. ὁ δ. (1)  
25. 25. ὁ δ. Ἀναβίας (1)  
II Ch. 13. 1. ἐν τῷ δ. ἔτει τῆς βασιλ. Ἰερ. (1)  
34. 8. ἐν τῷ δ. ἔτει τῆς βασιλ. αὐτοῦ (1)  
35. 19. τῷ δ. ἔτει τῆς βασιλ. Ἰ. (1)  
I Es. 1. 22. ὁ δ. ἔτει βασιλεύοντος Ἰωσ. (1)  
Ju. 2. 1. ἐν τῷ ἔτει τῷ δ. (1)  
Je. 39 (32). 1. οὗτος ἐναντίας δ. τῷ βασιλεῖ  
Ναβουχοδονόσορ (1)  
Da. LXX. 3. 1. ἔτους δ. Ναβ. βασιλεύς (1)  
4. 1. ἔτους δ. τῆς βασιλ. Ναβ. (1)  
Da. TH. 3. 1. ἔτους δ. Ναβ. ὁ βασιλ. (1)  
I Ma. 14. 27. ΑΒ ὀκτωκαίδεκάτῳ [B<sup>3</sup> -φ] Ἐλὸν  
[B om.]  
[Th. Je. 52. 29.]  
**ὀλδος.**  
Si. 30. 15. σῶμα εὖρωστον ἢ ὀλδος ἀμέτρητος  
**ὀλδ.**  
[Heb. Ps. 48 (49). 2.]

**ὀλεθρεύειν** (ὀλοθρ.). (1) 𐤒𐤒 hi. (2) 𐤒𐤒𐤔  
a. qal. ὀ. pu. c. hi. (3) 𐤒𐤒𐤔 (4) 𐤒𐤒𐤔  
(5) 𐤒𐤒𐤔 hi. (6) 𐤒𐤒𐤔 hi. (7) θανάτῃ  
**ὀλεθρεύεσθαι** 𐤒𐤒𐤔 hoph.  
Ex. 12. 23. οὐκ ἀφίενε τὸν θλευρόντα (5)  
22. 20 (19). Β ὁ θουσιὰν θεοῦ θανάτῃ ὀλεθρευ-  
θήσεται [A B al.] (7)  
Nu. 4. 18. μὴ ὀλεθρεύσῃτε [A ἐξολ.] τῆς φυλῆς  
τὸν δῆμον (2 c)  
De. 20. 20. τοῖτο ὀλεθρεύσετε [A ἐξολ.] (5)  
Jo. 8. 10. ὀλεθρεύων ὀλεθρεύει . . . τὸν Χαν. (1)  
7. 25. τί ὀλεθρεύσεως ἡμᾶς (3)  
Jd. 6. 25. τὸ ἄλσος τὸ ἐπ' αὐτὸ ὀλεθρεύσεις  
[A al.] (2 a)  
— 28. τὸ ἄλσος τὸ ἐπ' αὐτῷ ὀλεθρεύτο [A al.] (2 b)  
— 30. ὀλεθρεύσε [A ἐκούψε] τὸ ἄλσος (2 a)  
Ju. 2. 3. ὀλεθρεύσαι πᾶσαν σάρκα  
8. 15. ἡ καὶ ὀλεθρεύσαι ἡμᾶς  
Wi. 18. 25. τούτοις εἴξεν ὁ ὀλεθρεύων  
Hg. 2. 23 (22). Β ὀλεθρεύσω [A B<sup>2</sup> ἐξολ.]  
δύναμιν βασιλείων (6)  
Je. 2. 30. μάκαιρα κατέφαγε τοὺς προφήτας ὑμῶν  
ὡς λέων [B<sup>1</sup> om.] ὀλεθρεύων (5)  
5. 6. λύκος ὥς τῶν οἰκίων ὀλεθρεύσεν αὐτούς (4)  
22. 7. ἐπάξω ἐπὶ σὲ ἄνδρα ὀλεθρεύοντα (5)  
32. 22 (26. 36). ὀλεθρεύσει κύριος τὰ βοσκήματα  
αὐτῶν (4)  
I Ma. 2. 40. A B νῦν τάχιον ἡμᾶς ὀλεθρεύουσιν  
[B ἐξολ.] (5)  
III Ma. 6. 21. κατεπάρουν αὐτὰς καὶ ὀλεθρεύον  
[A q. Ge. 41. 36 : Is. 9. 14 (13) : 56. 6.]  
[Bm. Ze. 2. 5.]  
**ὀλέθρευσις**. (1) 𐤒𐤒 hi.  
Jo. 17. 13. A ὀλεθρεύσει [B ἐξολεθρεύσει] δὲ  
αὐτοὺς οὐκ ἐξὼλεθρεύσαν (1)  
**ὀλεθρία** (-εία).  
Es. 8. 13. ἀντ' ὀλεθρίας τοῦ ἐκλεκτοῦ γένους  
III Ma. 4. 2. ὀλοθυρομένων τῇ ἀποροδοκίᾳ . . . ὁ.  
5. 3. λήγνῃσθαι τὸ φύλον πέρας τῆς ὁ.  
[Th. Ze. 2. 5.]  
**ὀλεθριος**. (1) 𐤒𐤒  
III Ki. 21 (20). 42. ἐξήνεγκας σὺ ἄνδρα ὁ ἐκ  
χειρὸς σου (1)  
Wi. 18. 15. ὁ . . . λόγος . . . εἰς μέσον τῆς ὀλεθρίας  
ῥητορ γῆς  
[A q. Quint. Ze. 2. 5.]  
[Bm. Ez. 25. 16.]  
**ὀλεθρος**. (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒𐤔 hi. (3) a. 𐤒𐤒𐤔  
δ. 𐤒𐤒𐤔 (4) 𐤒𐤒𐤔 (5) 𐤒𐤒𐤔 (𐤒𐤒𐤔)  
(6) a. 𐤒𐤒 δ. 𐤒𐤒  
III Ki. 13. 34. ἐγένετο τὸ ῥῆμα τοῦτο . . . εἰς  
ὀλεθρον (2)  
Ju. 11. 15. δοθήσονται σοι εἰς ὀλεθρον (4)  
Pr. 1. 26. ἥρκα ἂν ἔρχηται ὑμῖν ὀλεθρος  
— 27. ὅταν ἔρχηται ὑμῖν ὀλεθρος  
21. 7. ὀλεθρος ἀσεβείων ἐπιβουλήσεται (6 a)  
Wi. 1. 12. μηδὲ ἐπισπᾶσθε ὀλεθρον ἔργους [A ἐν ἔρ.]  
χειρῶν ὑμῶν  
— 14. οὐκ ἔστιν ἐν αὐταῖς φάρμακον ὀλεθρον  
18. 13. ἐπὶ τῷ τῶν προσηγοριῶν ὁ ὀμολόγησαν θεοῦ  
νῶν λαὸν εἶναι  
Si. 39. 30. βομφαία ἐκδικούσα [B<sup>2</sup> -διώκουσα] εἰς  
ὀλεθρον ἀσεβείας  
Ho. 9. 6. τὸ ἀργύριον αὐ. ὀλεθρος κληρονομήσεται  
αὐτῷ [A om.] (5 ?)  
Ob. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ ὀλεθρον αὐ. (1)  
Je. 28 (51). 55. ἔδοκεν εἰς ὀλεθρον φωνὴν αὐτῆς +  
81 (48). 3. ὀλεθρον καὶ σύστημα μέγα (6 a)  
— 8. ἦξει δ. ἐπὶ πᾶσαν πόλιν (6 b)  
— 32. ἐπὶ πυργαῖς σου δ. ἐπέπεσε (6 b)  
83. 17 (25. 31). ἐπὶ καθημένους τὴν γῆν ἦκει δ. +  
Ez. 6. 14. εἰς ἀφανισμόν καὶ εἰς ὀλεθρον (3 a)  
14. 16. ἡ δὲ γῆ ἔσται εἰς ὀλεθρον (3 b)  
II Ma. 6. 12. τὰς τιμωρίας μὴ πρὸς ὀλεθρον . . . εἶναι  
13. 6. ἀπαντες προσωδοῦσιν εἰς ὀλεθρον  
III Ma. 6. 30. ἐν ᾧ τόπῳ ἔδοξαν τὸν δ. ἀναλαμβάνειν  
— 34. οἱ τε πρὶς εἰς ὀλεθρον  
IV Ma. 10. 15. B<sup>1</sup> μὰ . . . τὸν αἰῶνα τοῦ τυράννου  
δ. καὶ τὸν δ. [A B<sup>2</sup> B om.] αἰδῶσ

**ὀλεθροφόρος**.  
IV Ma. 8. 19. φευξόμεθα τὴν . . . ὁ. ἀλαστίαν  
**ὀλέκειν**. (1) 𐤒𐤒 pu. (2) 𐤒𐤒 hi.  
Jb. 10. 16. πάλιν γὰρ μεταβαλὼν δεινῶς με ὀλέκεις +  
17. 1. A B B<sup>2</sup> ὀλέκεμαι πνεύματι φερόμενος (1)  
82. 18. A B B<sup>2</sup> ὀλέκει γὰρ με τὸ πνεῦμα τῆς  
γαστροῦ (2)  
**ὀλιγόβιος**. (1) 𐤒𐤒𐤔 𐤒𐤒  
Jb. 11. 2. ἐλογημένος γεννητὸς γυναικὸς ὀλιγόβιος -  
14. 1. βρώτος γὰρ γεννητὸς γυναικὸς ὀλιγόβιος (1)  
**ὀλιγοποιεῖν**.  
Si. 48. 2. τῷ ἔλθῃ αὐτοῦ ὀλιγοποίησεν αὐτοῦς  
**ὀλίγος**. (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒𐤔 (3) 𐤒𐤒𐤔  
(4) 𐤒𐤒𐤔 (5) 𐤒𐤒𐤔 (6) 𐤒𐤒 (7) ὁ τὸ  
δ. 𐤒𐤒𐤔 (8) δ. γίνεσθαι 𐤒𐤒𐤔 (9) δ.  
εἶναι 𐤒𐤒𐤔 (10) ὀλίγον ποιεῖν 𐤒𐤒𐤔 hi.  
(11) παρ' ὀλίγον 𐤒𐤒𐤔  
Ge. 29. 20. B ἦσαν ἐναντίον αὐτοῦ ὡς ἡμέραι δ. (1)  
Ex. 16. 18. A<sup>2</sup> ὁ τὸ ὀλίγον [B ἔλαττον] (7)  
Le. 25. 52. εἰς δὲ ὀλίγον καταλείψῃ (4)  
Nu. 11. 32. ὁ τὸ δ. συνήγαγε δέκα κάρους (7)  
18. 19 (18). ἡ ὀλίγοι εἰσὶν ἡ πολλοί (4)  
26. 56. ἀνὰ μέσον πολλῶν καὶ ὀλίγων (4)  
De. 4. 27. καταλείψῃσθε ὀλίγοι [A -φ]  
ἀριθμῷ (6)  
28. 38. καὶ ὀλίγα εἰσίοισις (4)  
Jo. 7. 3. ὀλίγοι γὰρ εἰσι (4)  
I Ki. 14. 6. B σῶζεν ἐν πολλοῖς ἡ ἐν ὀλίγοις (4)  
III Ki. 17. 10. Αἰβὶ δὴ μοι δ. ὅδωρ (4)  
— 12. καὶ δ. ἔλαιον ἐν τῷ καφάρῳ (4)  
IV Ki. 10. 18. Ἀχ. ἔδουλευσεν τῷ Βάαλ ὀλίγα  
14. 26. B εἶδε . . . ὀλίγους τοὺς συγκεχυμ.  
[A B al.] (2 ?)  
II Ch. 14. 11 (10). σῶζεν ἐν πολλοῖς καὶ ἐν  
ὀλίγοις +  
24. 24. ἐν δ. ἀνδράσι παρεγίνετο δύναμις Σ. (5)  
29. 34. οἱ Ιερεῖς δ. ἦσαν (4)  
Ne. 2. 12. καὶ ἄνδρες ὁ. μετ' ἐμοῦ (4)  
7. 4. καὶ ὁ λαὸς ὁ. ἐν αὐτῇ (4)  
To. 4. 8. A B ἐὰν ὀλίγον σοι ὑπάρχη  
— 8. A B κατὰ τὸ δ. μὴ φοβοῦ ποιεῖν ἐλεημοσύνην  
12. 8. ἀγαθὸν τὸ δ. μετὰ δικαιοσύνης [B al.]  
Ju. 18. 9. μετ' ὀλίγον ἐξῆλθε (5)  
Jb. 8. 7. ἔσται οὐδὲ τὰ μὲν πρῶτά σου ὀλίγα (5)  
10. 20. ἡ οὐκ ὀλίγος ἐστὶν ὁ βίος τοῦ χρόνου  
[A χρόνος τοῦ βίου] μου (4)  
— 20. B ἔσσαν ὁ ἀναπαύσασθαι ὀλίγον [A B  
μικρὸν] (4)  
14. 21. ἐὰν δὲ ὀλίγοι γένωνται (4)  
15. 11. ὀλίγα ὦν ἡμάρτησας μεμαστῖγωσαι (8)  
Ps. 16 (17). 14. A B<sup>2</sup> B κῦρις ἀπὸ ὀλίγων [B<sup>1</sup> B  
ἀπολύων] ἀπὸ γῆς (6)  
36 (37). 10. ἔτι ὀλίγον καὶ οὐ μὴ ὑπάρξῃ (4)  
— 16. κρείσσον ὀλίγον τῷ δικαίῳ (4)  
72 (73). 2. παρ' ὀλίγον ἐξέχῃς τὰ διαβήματά  
μου (11)  
108 (109). 8. γεννηθήσων αἱ ἡμέραι αὐτοῦ  
ὀλίγαι (4)  
Pr. 5. 14. παρ' ὀλίγον ἐγενόμην ἐν παντὶ κακῷ (4)  
6. 10. ὀλίγον μὲν ὑπνοῖς ὀλίγον δὲ κάθῃσαι (4, 4)  
— 10. ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίσῃ χερσὶ στήθῃ (4)  
15. 29 (16. 8). κρείσσων ὀλίγη λήψις μετὰ  
δικαιοσύνης (4)  
24. 48 (33). ὀλίγον νυστάξω ὀλίγον δὲ καθυπνώ  
ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίσω χερσὶ στήθῃ (4 ter)  
Ec. 5. 1. ἔστωσαν οἱ λόγοι σου ὁ. (4)  
— 11. εἰ ὀλίγον καὶ εἰ πολὺ φάγεται (4)  
6. 11. B εἰσὶν ὀλίγοι [A λόγοι] πολλοὶ πλη-  
θύνοντες ματαίωτα +  
9. 14. πόλις μικρὰ καὶ ἄνδρες ἐν αὐτῇ ὁ. (4)  
10. 1. τίμον ὀλίγον [B<sup>1</sup> ὁ λόγος] σοφίας (4)  
Wi. 2. 1. ὀλίγος ἐστὶ καὶ λυπηρὸς ὁ βίος ἡμῶν  
3. 5. ὀλίγα παιδεύοντες μεγάλα ἐνερgetηθήσονται  
4. 13. τελειωθείς ἐν ὀλίγῳ ἐπλήρωσε χρόνους μα-  
κροῦς  
7. 9. ὁ πᾶς χρόνος ἐν ᾧ αὐτῇ ψάμμος ὀλίγη  
12. 2. τοὺς παραπίπτοντας κατ' ὀλίγον ἐλέγχεις  
18. 6. ἐπὶ [A ἐπὶ] τούτοις ἐστὶ μέγιστος ὀλίγη  
14. 20. τὸν πρὸ ὀλίγου τιμηθέντα ἄνθρωπον

Wi. 15. 8. μετ' ὀλίγον πορεύεται ἐξ ἧς ἐλήφθη  
16. 3. αὐτοὶ δὲ ἐπ' ὀλίγον ἐνδύει γενόμενοι  
— 6. εἰς νομισίαν δὲ πρὸς ὀλίγον ἐταράχθησαν  
18. 3. B<sup>1</sup> ὀλίγον [A B B<sup>2</sup> ὀδηγόν] μὲν ἀγνώστου  
δοδοτορίας  
Si. 6. 19. ἐν γὰρ τῇ ἐργασίᾳ αὐτῆς ὀλίγον κοπίσας  
18. 10. οὕτως ὀλίγα ἐστὶ ἐν [B<sup>1</sup> om.] ἡμέρᾳ αἰῶνος  
19. 1. ὁ ἐξουθενῶν τὰ ὁ. κατὰ μικρὸν πεσείται  
20. 12. ἔστιν ἀγοράζων πολλὰ ὀλίγου  
— 15. ὀλίγα δάσει καὶ πολλὰ ἐνεδίσει  
81 (84). 10. ὅς οὐκ ἐπειράθη ὀλίγα αἰδῶν  
84 (81). 19. ὡς ἱκανὸν ἄνθρωπον πεπαιδευμένον τὸ ὁ.  
85 (82). 8. κεφαλαιώσων λόγον [B om.] ἐν ὀλίγοις  
πολλὰ  
40. 6. ὀλίγον ὡς οὐδὲν ἐν ἀναπαύσει  
42. 4. περὶ κτήσεως πολλῶν καὶ ὀλίγων  
48. 32. ὀλίγα γὰρ ἐώρακαμεν τῶν ἔργων αὐτοῦ  
51. 16. ἔελαιον ὀλίγον τὸ οὐδὲ μου  
— 27. ἴδετε ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν ὅτι ὀλίγον ἐκοπίσας  
Hg. 1. 6. ἐσπείρατε πολλὰ καὶ εἰσηγήκατε ὀλίγα (4)  
9. ἐπεβλέφατε εἰς πολλὰ καὶ ἐγένετο ὀλίγα (4)  
Za. 1. 15. ἀνθ' ὧν μὲν ἐγὼ ἀργύριον ὀλίγα (4)  
Is. 10. 7. τοῦ ἔθνη ἐξολεθρεύσαι οὐκ ὀλίγα (4)  
21. 17. τὸ κατὰλοιπον [B λ.] τῶν τοξευμάτων  
τῶν ἰσχυρῶν υἱὸν κληῖδός ἐστιν ὀλίγον (6)  
24. 6. καταλείψῃσονται ἄνθρωποι ὀλίγοι (3)  
Je. 10. 24. ἴνα μὴ ὀλίγους ἡμᾶς ποιῆσῃς (10)  
49 (42). 2. καταλείψῃσιν ὀλίγοι ἀπὸ πολλῶν (4)  
51 (44). 28. ἐπιστρέψουσιν εἰς γῆν Ἰουδα ὀλίγοι  
ἀριθμῷ [A -μοί] (6)  
Ba. 2. 13. καταλείψῃσιν ὀλίγοι ἐν τοῖς ἔθνεσιν  
Ez. 5. 3. λήψῃ ἐκεῖθεν ὀλίγους ἐν ἀριθμῷ (4)  
Da. Th. 11. 23. ὑπερσχύσει αὐτοὺς ἐν ὁ. ἔθνεσιν (4)  
I Ma. 3. 18. συγκελισθήσονται πολλοὺς ἐν χερσὶν ὀλίγων  
— 18. σῶζεν ἐν πολλοῖς ἡ ἐν ὀλίγοις  
— 29. A B καὶ οἱ φόροι [B φορολόγοι] τῆς χώρας  
ὀλίγοι  
6. 54. ὑπέλειψῃσιν ἐν τοῖς ἁγίοις ἄνδρες ὁ.  
— 57. ἡ τροφή ἡμῖν ὀλίγη  
7. 1. ἀνέβη σὺν [B<sup>1</sup> ἐν] ἀνδράσιν [B<sup>1</sup> add. ἐν] ὁ.  
— 28. ἦξεν ἐν ἀνδράσιν ὁ.  
— 50. ἡσυχασεν ἡ γῆ ἰ. ἡμέρας ὁ.  
9. 9. ἡμῖς δὲ ὀλίγοι  
12. 45. ἐπὶ λέξαι δὲ σενυτῶ ἄνδρας ὁ.  
15. 10. ὥστε ὀλίγους εἶναι τοὺς καταλείφοντας  
II Ma. 1. 15. κἀκεῖνοι προσελθόντες μετ' ὀλίγων  
2. 21. ὥστε τὴν ὀλην χώραν ὀλίγους ὄντας λεηλατεῖν  
6. 17. δι' ὀλίγων δὲ ἐλευσύνον ἐπὶ τὴν διεγερσιν  
8. 6. οὐκ ὀλίγους τῶν πολέμων ἐνίκα  
10. 34. τοὺς τῆς Ἀ. γενομ. ἵππους συναβείσας οὐκ  
ὀλίγους  
11. 1. B μετ' ὁ. δὲ ποντελῶς χρόνον [A χρονίσκον]  
12. 34. συνέβη πεπεῖν ὀλίγους τῶν Ἰουδ.  
18. 19. A φρουρίον ὁ. [B ὀχυρὸν] τῶν ἰ. προσήγεν  
13. 0. συστρέψας οὐκ ὀλίγους τῶν περὶ αὐτῶν  
III Ma. 3. 23. τοὺς ἐν αὐτοῖς ὀλίγους πρὸς ἡμᾶς  
γνησίως διακειμένους  
IV Ma. 6. 20. εἰ ἐπιβιωσόμεν ὁ. χρόνον  
15. 27. τὴν σῶζουσιν ἐπὶ αἰῶνα πρὸς ὁ. χρόνον  
σωτηρίαν  
[A q. II Ki. 12. 8 : 16. 1 : Ps. 8. 6 (P.) : Pr. 5.  
14 : 10. 20 : Is. 7. 13 : Ho. 8. 10.]  
[Bm. II Ki. 12. 8 : 16. 1 : Jb. 20. 5 : Ps. 106  
(107). 38 : Is. 24. 6 : Da. 11. 23 (Sw.).]  
[Th. II Ki. 12. 8 : Jb. 15. 20 (P.) : Is. 24. 6 :  
34. 12 : 54. 8 : Ez. 11. 23.]  
[Al. Ge. 44. 25 : Ez. 34. 29.]  
[Quint. Ho. 7. 4.]  
**ὀλιγοστός**. (1) 𐤒𐤒𐤔 (2) 𐤒𐤒𐤔 (3) 𐤒𐤒𐤔  
(4) 𐤒𐤒 (5) 𐤒𐤒𐤔 (6) 𐤒𐤒 (7) ὁ εἶναι  
𐤒𐤒𐤔 (8) ὀλιγοστὸν ποιεῖν 𐤒𐤒𐤔 hi.  
Ge. 34. 30. ἐγὼ δὲ ὁ. εἰμ ἐν ἀριθμῷ (4)  
Ex. 12. 4. ἐὰν δὲ ὀλιγοστοὶ ᾖσιν οἱ ἐν τῇ οἰκίᾳ (7)  
Le. 28. 22. ὀλιγοστὸν ποιήσω [A<sup>2</sup> -ει] ὑμᾶς (8)  
De. 7. 7. ὑμῖς γὰρ ἐστε ὁ. (5)  
IV Ki. 14. 26. A B εἶδε . . . ὀλιγοστοὺς συγ-  
κεχυμ. [B al.] (1 ?)  
I Ch. 16. 19. ἐν τῷ γενέσθαι [A λέγεσθαι] αὐ-  
τοὺς ὁ. ἀριθμῷ (4)  
Ps. 104 (105). 12. ἐν τῷ εἶναι αὐτῶν . . . ὀλι-  
γοστοὺς (3)  
Si. 48. 15. κατελείψῃς ὁ λαὸς ὀλιγοστός  
Am. 7. 2, 5. τίς ἀναστήσει τὸν ἰ. ἐπὶ ὀλιγοστός  
ἐστί (6)

Μι. 6. 2 (1). σὺ Βηθ. οἶκος Ἐφραθά ὀλιγοστὸς  
εἰ τοῦ εἶναι (5)  
Ob. 1. 2. ὀλιγοστὸν δίδωκε σε ἐν τοῖς ἔθνεσιν (6)  
Is. 16. 14. καταλειφθήσεται ὁ, καὶ οὐκ ἔντιμος (3+2)  
41. 14. μὴ φοβοῦ, ἱακὼβ ὀλιγοστὸς Ἰσραὴλ (4)  
60. 22. ὁ ὁ. ἔσται εἰς χιλιάδας (6)  
Ez. 29. 15. ὀλιγοστὸς αὐτοῦ ποιῶσα (8)  
Da. LXX. 11. 23. καὶ ἐπὶ ἔθνος ἰσχυρὸν ἐν ὁ. ἔθνεσι (3)  
I Ma. 3. 16. ἐξήλθεν Ἰούδας ... ὀλιγοστός  
— 17. πᾶς θυνησόμεθα ὀλιγοστοὶ ὄντες πολεμῶσι

[Aq. Jc. 10. 24.]  
[Sm. Ps. 29 (30). 6: 80 (81). 15.]  
[Al. I Ki. 9. 21.]

**ὀλιγότης.** (1) 𐤒𐤏𐤏 pi.  
Ps. 101 (102). 23. τὴν ὁ. τῶν ἡμερῶν μου ἀνέ-  
γειλόν μοι (1)

**ὀλιγοῦν.** (1) 𐤒𐤏𐤏 pul. (2) 𐤒𐤏𐤏 a. gal.

δ. pi. c. hi. (8) 𐤒𐤏𐤏 (4) 𐤒𐤏𐤏

Jd. 10. 16. ὀλιγώθη ἡ ψυχὴ αὐτοῦ [A al.] (4)  
IV Ki. 4. 3. μὴ ὀλιγώσῃς (2 c)  
Ne. 9. 32. μὴ ὀλιγώσῃς ... πᾶς ὁ μόχθος (2 a)  
Ps. 11 (12). 1. ὀλιγώθησαν αἱ ἀληθείαι ἀπὸ τῶν  
ὠνών τῶν ἀνθρ. (3)  
106 (107). 39. ὀλιγώθησαν καὶ ἐκακώθησαν ἀπὸ  
θλίψεως κακῶν (2 a)  
Pr. 10. 27. ἔτη δὲ ἀσεβῶν ὀλιγωθήσεται (4)  
Ec. 12. 3. ἤρρησαν αἱ ἀλήθειαι ὅτι ὀλιγώθησαν (2 b)  
Jl. 1. 10. ἐξηράθη οἶνος ὀλιγώθη ἔλαιον  
— 12. καὶ αἱ σκυαὶ ὀλιγώθησαν (1)  
Na. 1. 4. ὀλιγώθη ἡ B. καὶ ὁ K. (1)  
Hb. 3. 12. ἐν ἀπειρῇ ὀλιγώσεις γῆν  
[Aq. Ps. 106 (107). 38.]  
[Sm. Ps. 106 (107). 39.]

**ὀλιγοχρόνιος.**

Wi. 9. 5. ἀνθρώπος ἀσθενὴς καὶ ὁ.

**ὀλιγοφυχεῖν.** (1) 𐤒𐤏𐤏 (2) 𐤒𐤏𐤏 (3) 𐤒𐤏𐤏

hiithp. (4) 𐤒𐤏𐤏 hiithp. (5) 𐤒𐤏𐤏 𐤒𐤏𐤏

Nu. 21. 4. ὀλιγοφύχησεν ὁ λαὸς (5)  
Jd. 8. 4. ὀλιγοφύχοντες καὶ πεινῶντες [B al.] (2)  
10. 16. ὀλιγοφύχοντες ἐν τῇ κόπῃ Ἰσρ.  
[B al.] (5)  
18. 16. ὀλιγοφύχοντες ἔως τοῦ ἀποθανεῖν [A al.] (5)  
Ju. 7. 19. ὀλιγοφύχησε τὸ πνεῦμα αὐ. (1)  
8. 9. ὀλιγοφύχοντες [A -en] ἐπὶ [A B ἐν] τῇ σπάνει  
τῶν ὕδατων  
Ps. 76 (77). 3. ὀλιγοφύχησε τὸ πνεῦμα μου (3)  
Si. 4. 9. μὴ ὀλιγοφύχῃς ἐν τῇ κρίσει [B -ισθα] σε  
7. 10. μὴ ὀλιγοφύχῃς ἐν τῇ προσευχῇ σου  
Jn. 4. 8. ὀλιγοφύχησε καὶ ἀπελέγετο τὴν ψυχὴν (4)  
Hb. 2. 13. καὶ ἔθνη πολλὰ ὀλιγοφύχοντες (1)  
[Sm., Th. Za. 11. 8.]

**ὀλιγοφύχια.** (1) 𐤒𐤏𐤏 𐤒𐤏𐤏

Ex. 6. 9. οὐκ εἰσέκοισαν Μωσὴ ἀπὸ τῆς ὁ. (1)  
Ps. 54 (55). 8. προσεδέχονταν τὸν σῶντά με  
ἀπὸ ὀλιγοφύχιας +

**ὀλιγοφύχος.** (1) 𐤒𐤏𐤏 ni. (2) 𐤒𐤏𐤏 𐤒𐤏𐤏

(3) 𐤒𐤏𐤏 𐤒𐤏𐤏 (4) ὁ. ἀνθρ. 𐤒𐤏𐤏 𐤒𐤏𐤏

(5) 𐤒𐤏𐤏 𐤒𐤏𐤏 𐤒𐤏𐤏

Pr. 14. 29. ὁ δὲ ὁ. ἰσχυρὸς ἄφρων (3)  
18. 14. ὀλιγοφύχον δὲ ἄνθρωποις ὑποίσει (4)  
Is. 25. 5. ὡς ἄνθρωποι ὀλιγοφύχοι διψῶντες ἐν  
Ζιῶν +  
35. 4. παρακαλέσατε οἱ δ. τῇ διανοίᾳ  
54. 6. ὡς γυναῖκα καταλειμμένην καὶ ὀλιγό-  
ψυχον [A' om. κ. ὁ.] (2)  
57. 15. ὀλιγοφύχοις διδοῦς μακροθυμίαν (5)

**ὀλιγοφύειν.** (1) 𐤒𐤏𐤏

Pr. 3. 11. μὴ ὀλιγοφύει παιδείας κυρίου (1)

**ὀλίγως.**

[Aq. Is. 10. 7.]

**ὀλιον.** (?)

[Aq. Jc. 14. 2.]

**ὀλισθαίνειν, ὀλισθαίνειν.** (1) 𐤒𐤏𐤏

Pr. 14. 19. ὀλισθίσουσιν κακοὶ ἔναντι ἀγαθῶν (1)  
Si. 8. 24. ὑπόνοια πονηρὰ ὀλισθήσεται διανοίας [A' -θη  
ἐν διανοίᾳ] αὐτῶν

Si. 9. 9. μὴ ποτε ... τῇ πνεύματι σου ὀλισθήσῃς [A B'

-ση, B -ης] εἰς ἀπώλειαν  
14. 1. ὅς οὐκ ὀλισθήσῃς ἐν στόματι αὐτοῦ  
19. 16. A B' ἔστιν ὀλισθάνων [B' B' -αίνων] καὶ  
οὐκ ἀπὸ ψυχῆς

21. 7. A B S' ὁ δὲ νόμος οὐδὲν ἐν τῇ ὀλισθάνειν  
[B' B' -αίνειν] αὐτῶν

25. 8. ὅς ἐν γλώσσῃ οὐκ ὀλισθήσῃς

28. 26. πρόσχε μὴ πως ὀλισθήσῃς [A B' -θῇς, B'

-σεις] ἐν αὐτῇ

**ὀλισθημα (-θηρημα).** (1) 𐤒𐤏𐤏 (2) a. 𐤒𐤏𐤏

δ. 𐤒𐤏𐤏

Ps. 34 (35). 6. γενηθήτω ἡ ὁδὸς αὐτῶν σκότος (2 b)

55 (56). 13. ἐρρῶσα ... τοὺς πόδας μου ἐξ [B'

ἀπὸ] ὀλισθημάτων (1)

114 (116). 8. ἐξέλιτο ... τοὺς πόδας μου ἀπὸ  
ὀλισθημάτων (1)

Si. 20. 18. ὀλισθημα ἀπὸ ἐδάφους μᾶλλον ἢ ἀπὸ  
γλώσσης

Jc. 23. 12. γενέσθω ἡ ὁδὸς αὐτῶν αὐτοῖς εἰς  
ὀλισθημα (2 b)

45 (38). 22. καταλύουσιν ἐν ὀλισθημαῖσι πόδας σου +

Da. Th. 11. 21. A B κατισχύει βασιλείας ἐν  
ὀλισθημαῖσι [B -θηρημ.] (2 b)

— 32. A B διαθήκην ἐξέφουσιν ἐν ὀλισθημαῖσι  
[B -θηρημ.] (2 a)

— 34. A B προστεθήσονται ... πολλοὶ ἐν ὀλι-  
σθημαῖσι [B -θηρημ.] (2 b)

[Sm. Pr. 26. 28.]

[Th. Is. 30. 10.]

**ὀλισθηρός.**

[Aq. Is. 80. 10.]

[Sm. Pr. 2. 16; Ez. 12. 24.]

[Th. Pr. 7. 5.]

**ὀλισθος.**

[Sm. Ps. 72 (73). 18.]

**ὀλισθηρημα, vid. ὀλισθημα.**

**ὀλκή.** (1) 𐤒𐤏𐤏

Ge. 24. 22. B ἐνώτια χρυσὰ ἀνὰ δραχμὴν [A -ης]

ὀλκής (1)

— 22. δύο ψέλλια ... δέκα χρυσῶν ὁ. αὐτῶν (1)

Nu. 7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67,  
73, 79. τριάκοντα καὶ ἑκατὸν ὀλκή  
αὐτοῦ (1)

II Ki. 21. 16. ὁ σταθμὸς ... τριακοσίων σίκλων  
ὀλκή [A -ης] χαλκοῦ (1)

I Ch. 21. 25. σίκλους χρυσοῦ ὀλκής ἐξακοσίου (1)

28. 14. καὶ τὸν σταθμὸν τῆς ὁ. αὐτῶν (1)

— 15. λυχνίων τὴν ὁ. ἔδωκεν αὐτῷ (1)

II Ch. 3. 9. ὀλκή τῶν ἡλων ὀλκή τοῦ ἐνός (1, -)

4. 18. οὐκ ἐξέλειπεν ὀλκή τοῦ χαλκοῦ (1)

I Es. 8. 63. πρὸς ἀριμὸν καὶ δακτὴν πάντα  
— 64. ἐγράφη πᾶσα ἡ ὁ.

Si. 8. 2. μὴ ποτε ἀντιστήσῃ σου τὴν ὁ.

29. 13. A' B' ὑπὲρ δάρυ ὀλκής [A' B' ὀλκής] ... πολε-  
μήσει ὑπὲρ σοῦ

I Ma. 14. 24. B' B' ἀσπίδα χρυσοῦν μεγάλην ὀλκής  
[A B' -ην] μῶν χιλιῶν

II Ma. 12. 28. A τὸν ... συντριβύνα τὰς τῶν πολε-  
μίων ὁ. [B ἀλκής]

**ὀλκίον (ὀλκειον).**

Ju. 15. 11. ἔδωκεν τῇ Ἰ. ... τὰ ὁ.

**ὀλλύναι.** (1) 𐤒𐤏𐤏 a. gal. δ. pi. (2) 𐤒𐤏𐤏 pi.

(3) 𐤒𐤏𐤏 ni. (4) 𐤒𐤏𐤏 pi. (5) 𐤒𐤏𐤏 a. gal.

δ. pu.

Jb. 4. 11. μυρμηκοῖεν ὄλετο παρὰ τὸ μὴ ἔχειν  
βορᾶν (1 a)

8. 13. A ἔλπις γὰρ ἀσεβῶν ὀλείται [B S ἀπολ.] (1 a)

18. 11. B' B' ὀλέσασιν [A -σειον, B' -σαιαν,  
B' -σαιεν] αὐτὸν ὀδύναι (2)

20. 10. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ ὀλέσασιν [A θλά-  
σειαν] ἄνθρωποι (4 ?)

34. 17. τὸν ὀλλύντα τοὺς πονηροὺς +

Pr. 1. 32. ἔξετασθὼν ἀσεβεῖς ὀλαί (1 b)

2. 22. ὁδοὶ ἀσεβῶν ἐκ γῆς ὀλοῦνται (3)

9. 18. γηγενεῖς παρ' αὐτῇ ὀλλύνται [B' ὀλοῦνται] -

10. 28. A B ἔλπις δὲ ἀσεβῶν ὀλλύται [B ἀπο-  
λείται] (1 a)

Pr. 11. 7. τελευτήσαντος ἀνδρὸς δικαίου οὐκ ὀλλυ-  
ται ἔλπις τὸ δὲ καύχημα τῶν ἀσεβῶν  
ὀλλύται (1 a, 1 a)

18. 2. ψυχὰι δὲ παρανόμων ὀλοῦνται [B ὀλ-  
λύνται] ἄωροι +

15. 5 (6). A B' οἱ δὲ ἀσεβεῖς ὀλοῦνται ἐκ γῆς  
ὀλοῦνται [B S' ἀπολ.] +

16. 33 (2). οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἐν ἡμέρᾳ κακῇ ὀλοῦνται -

25. 19. ποὺς παρανόμου ὀλείται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ +

Jc. 10. 20. ἡ σκηνὴ σου ἐταλαμώρησεν ὄλετο  
[B' φκ.] (5 b)

29 (49). 10. ὄλοντο διὰ χεῖρα ἀδελφοῦ αὐτοῦ (5 b)

30 (49). 3. ὅτι ὄλετο (5 b)

31 (48). 1. οὐαὶ ἐπὶ Ναβὺ ὅτι ὄλετο (5 b)

— 15. ὄλετο Μωάβ πᾶσις αὐτοῦ (5 b)

— 18. ὄλετο Μωάβ (5 a)

— 20. ὄλετο Μωάβ (5 b)

38 (31). 2. εἶρον θερμὸν ἐν ἐρήμῳ μετὰ ὀλο-  
λῶν ἐν μαχαίρᾳ +

— 2. βαδίσαιτε καὶ μὴ ὀλέσεται τὸν Ἰσραὴλ +

[Aq. Jb. 4. 11.]

**ὄλμος.**

[Aq. Jd. 15. 19; Pr. 27. 22; Ze. 1. 11.]

[Sm. Jd. 15. 19; Ze. 1. 11.]

[Th. Jd. 15. 19; Pr. 27. 22.]

**ὄλεθρεύειν, vid. ὄλεθρεύειν.**

**ὄλοκαρπούν.**

Si. 45. 14. A B B' θυσίαι [B -ίαν] αὐ. ὄλοκαρπούνη-  
σονται

IV Ma. 18. 11. καὶ τὸν ὄλοκαρπούμενον Ἰσαάκ  
**ὄλοκαρπωμα.** (1) 𐤒𐤏𐤏

Le. 5. 10. B' B' τὸ δεύτερον ποιήσει ὁ. [A B'

-καῖτωμα] (1)

16. 24. A B ποιήσει ... τὸ ὁ. [B ὄλοκαῖτωμα] (1, 1)

αὐ. καὶ τὸ ὁ. τοῦ λαοῦ

Nu. 15. 3. ποιήσεις ... ὄλοκαρπωμα [A -καυτῶμα] (1)

Ju. 16. 16. B ἐλάχιστον πᾶν στέαρ εἰς ὄλοκαρπώμα  
[A B -καῖτωμα] σοι

Wi. 3. 6. ὡς ὄλοκαρπωμα θυσίαι προσεδέξατο αὐτοῦς  
[Al. Le. 8. 18; Nu. 29. 8.]

**ὄλοκαρπωσις.** (1) 𐤒𐤏𐤏, 𐤒𐤏𐤏

Ge. 8. 20. B ἀνήνεγκεν εἰς [A om.] ὄλοκαρπωσιν (1)

22. 2. ἀνένεγκε αὐτὸν ἐκεῖ εἰς ὄλοκαρπωσιν (1)

— 3. καὶ σχίσας ξύλα εἰς ὄλοκαρπωσιν (1)

— 6. ἔλαβε ... τὰ ξύλα τῆς ὄλοκαρπώσεως (1)

— 7. ποῦ ἐστὶ τὸ πρόβατον τὸ εἰς ὄλοκαρπωσιν (1)

— 8. ὁ θ. ὀφείλει εἰσαῖν πρόβατον εἰς ὄλοκαρ-  
πωσιν (1)

— 13. ἀνήνεγκεν αὐτὸν εἰς ὄλοκαρπωσιν (1)

Le. 4. 34. B' B' τοῦ θυσιαστηρίου τῆς ὁ. [A B'

ὄλοκαυτῶσιν] (1)

9. 3. λάβετε ... ἄμυν ... εἰς ὄλοκαρπωσιν (1)

I Ki. 6. 14. A τὰς βόας ἀνήνεγκαν ὄλοκαρπω-  
σιν [B al.] (1)

Is. 40. 16. πάντα τὰ τετράποδα οὐχ ἰκανὰ εἰς  
ὄλοκαρπωσιν (1)

43. 23. B οὐκ ἤνεγκάς μοι [A B S οὐκ ἐμοὶ]  
πρόβατα σου τῆς ὁ. σου (1)

**ὄλοκαυτος.** (1) 𐤒𐤏𐤏

Le. 6. 23 (16). B πᾶσα θυσία ἱερέως ὄλοκαυτος  
ἔσται (1)

**ὄλοκαῖτωμα.** (1) 𐤒𐤏𐤏 (2) 𐤒𐤏𐤏 (3) 𐤒𐤏𐤏

(4) 𐤒𐤏𐤏 (5) 𐤒𐤏𐤏, 𐤒𐤏𐤏

Ex. 10. 25. B ὀλώσει ἡμῖν ὄλοκαυτῶματα καὶ θυ-  
σίαις (2)

18. 12. ἔλαβεν Ἰ. ... ὄλοκαυτῶματα (5)

20. 24. θυσιεὶ ἐπ' αὐτοῦ τὰ ὁ. ὕμν [A om.] (5)

24. 5. ἀνήνεγκαν ὄλοκαυτῶματα (5)

29. 18. ἀνέσας διον τὸν κρῖον ... ὄλοκαῖτωμα  
τῇ κ. (5)

30. 20. ἀφαίρειν τὰ ὁ. κυρίῳ (1)

— 28. τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. (5)

32. 6. ἀνέβιβasen ὄλοκαυτῶματα (5)

Le. 1. 3. ἐὰν ὄλοκαῖτωμα τὸ δῶρον αὐτοῦ (5)

— 6. ἐκδίδαντες τὸ ὁ. μελοῦσιν αὐτὸ (5)

— 10. τῶν ἐρίφων εἰς ὄλοκαῖτωμα (5)

3. 2. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. κύκλῳ -

— 5. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον ἐπὶ τὰ ὁ. (5)

4. 7. τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)

— 24. οὐ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)

- Le. 4. 25. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)  
 — 25. τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)  
 — 29. οὐ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)  
 — 30. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5)  
 — 33. οὐ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)  
 — 35. ἐπιθήσει... ἐπὶ τὸ ὁ. κυρίῳ (1)  
 5. 7. οἷσε... ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 10. Α Β' τὸ δεύτερον ποιήσει ὁλοκαύτωμα [B<sup>2</sup> B -καρπ.] (5)  
 — 12. τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. (1)  
 6. 25 (18), 32 (7. 2). οὐ σφάζουσι τὸ ὁ. (5)  
 — 38 (7. 8). ὁ ἱερεὺς ὁ προσύγων ὁλοκαύτωμα ἀνθρώπου (5)  
 7. 27 (37). οὗτος ὁ νόμος τῶν ὁ. (5)  
 8. 18. τὸν κρὶν τὸν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 20 (21). ὁλοκαύτωμα ὅ ἐστιν εἰς ὁσμὴν εὐδίας (5)  
 — 27 (28). ἐπὶ τὸ ὁ. τῆς τελείωσης (5)  
 9. 2. λάβε... κρὶν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 7. ποιήσου... τὸ ὁ. σου (5)  
 — 12. καὶ ἔσφαξε τὸ ὁ. (5)  
 — 13. καὶ τὸ ὁ. προσήνεγκαν αὐτό (5)  
 — 14. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ ὁ. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (5)  
 — 16. προσήνεγκε τὸ ὁ. (5)  
 — 17. χωρὶς τοῦ ὁ. τοῦ πρωῒου (5)  
 — 22. τὰ ὁ. καὶ τὰ [A om. κ. τ.] τοῦ σωτηρίου (5)  
 — 24. κατέφαγε... τὰ τε ὁ. καὶ τὰ στίαι (5)  
 10. 19. τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐ. καὶ τὰ ὁ. αὐτῶν (5)  
 12. 6. προσοίσει ἄμῶν... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 8. λήψεται καὶ τὸν τρυγῶνα... μίαν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 14. 13. οὐ σφάζουσι τὰ ὁ. (5)  
 — 19. σφάζει ὁ ἱερεὺς τὸ ὁ. (5)  
 — 20. ἀνοίσει [A<sup>2</sup> οἷσε] ὁ ἱερεὺς τὸ ὁ. (5)  
 — 22. ἔσται... ἡ μία εἰς ὁ. (5)  
 — 31. καὶ τὴν μίαν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 15. 15. ποιήσει... μίαν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 30. ποιήσει... τὴν μίαν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 16. 3. καὶ κρὶν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 5. λήψεται... κρὶν ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 24. B καὶ ἐξελθὼν ποιήσει τὸ ὁ. [A B -καρπ.] αὐ. (5)  
 17. 4. ποιῆσαι αὐτὸ εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 8. δεῖν ποιῆσαι ὁλοκαύτωμα (5)  
 22. 18. ὅσα ἂν προσενέγκωσι... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 23. 8. προσάξετε ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (1)  
 — 12. εἰς ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (5)  
 — 18. ἔσονται ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (5)  
 — 25. προσάξετε ὁλοκαύτωμα κυρίῳ (1)  
 — 27. προσάξετε ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (1)  
 — 36. προσάξετε ὁλοκαύτωμα [A -μα] τῷ κ. (1)  
 — 37. προσάξετε ὁλοκαύτωμα [A -μα] κυρίῳ (1)  
 — 37. ὁλοκαύτωμα καὶ θυσίας αὐτῶν (5)  
 Nu. 6. 11. καὶ μίαν εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 14. Α ἄμῶν... ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα [B -ωσιν] (5)  
 — 16. ποιήσει... τὸ ὁ. αὐτοῦ (5)  
 7. 15. ἄμῶν... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 21, 27. ἄμῶν ἕνα ἐνιαύσιον εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 33. ἄμῶν ἕνα [A om.]... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 39. ἄμῶν ἕνα ἐνιαύσιον εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 45, 51, 57, 63. ἄμῶν ἕνα [A om.]... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 69. ἄμῶν ἕνα... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 75. ἄμῶν ἐνιαύσιον ἕνα [A om.] εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 81. ἄμῶν ἕνα [A<sup>1</sup> om.]... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 87. B<sup>1</sup> πᾶσαι αἱ βόες αἱ εἰς ὁλοκαύτωμα [A B<sup>2</sup> B -ωσιν] (5)  
 8. 12. καὶ τὸν ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 10. 10. σαλπτιεῖτε... ἐπὶ τοῖς ὁ. (5)  
 16. 3. ποιήσεις ὁλοκαύτωμα [A κάρπωμα] κυρίῳ ὁλοκαύτωμα [A -καυτώμα] (1, 5)  
 — 6. εἰς ὁλοκαύτωμα ἢ εἰς θυσίαν (5)  
 — 8. ἐὰν δὲ... ποιῆτε εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 24. μόσχον ἕνα... εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 23. 6. ἐφιστῇ ἐπὶ τῶν ὁ. αὐτοῦ (5)  
 28. 6. ὁλοκαύτωμα ἐνδελχισμού (5)  
 — 10. ὁλοκαύτωμα [A -ματος] σαββάτων (5)  
 — 11. προσάξετε ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (5)  
 — 14. B τοῦτο ὁλοκαύτωμα [A B τὸ ὁ.] μῆνα ἐκ μηνός (5)  
 — 19. προσάξετε ὁλοκαύτωμα [A -μα] (1)  
 — 23. ὅ ἐστιν ὁλοκαύτωμα ἐνδελχισμού (5)  
 — 24. ἐπὶ τοῦ ὁ. τοῦ διὰ παντός (5)  
 — 27. καὶ προσάξετε ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 30 (31). πλὴν τοῦ ὁ. τοῦ [A add. τῆς νομῆς]... καὶ τὸ ὁ. τὸ διὰ παντός (5, -)  
 Nu. 29. 2. καὶ ποιήσετε ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 6. πλὴν τῶν ὁ. τῆς νομῆς (5)  
 — 6. B<sup>1</sup> καὶ τὰ ὁ. [A B<sup>2</sup> B τὸ ὁ.] διὰ παντός (5)  
 — 8. καὶ προσοίσετε ὁλοκαύτωμα [A -μα] (5)  
 — 13, 36. καὶ προσάξετε ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 39. καὶ τὰ ὁ. ὑμῶν (5)  
 De. 12. 6. οἷσετε ἐκεῖ τὰ ὁ. ὑμῶν (5)  
 — 11. οἷσετε... τὰ ὁ. ὑμῶν (5)  
 — 13. μὴ ἀνέγκης τὰ ὁ. σου (5)  
 — 14. ἐκεῖ ἀνοίσετε τὰ ὁ. ὑμῶν (5)  
 — 27. ποιήσεις τὰ ὁ. σου (5)  
 27. 6. B ἀνοίσεις ἐπ' αὐτὸ τὰ [A B om.] ὁ. (5)  
 Jo. 9. 2 (8. 31). ἀνεβίβασεν ἐκεῖ ὁλοκαύτωμα κυρίῳ (5)  
 22. 23. ὥστε ἀναβίβασαι... θυσίαν ὁλοκαυμάτων (4)  
 — 28. Α ἀνήνεγκεν εἰς ὁλοκαύτωμα [B al.] (5)  
 11. 31. ἀνοίσω αὐτὸν ὁλοκαύτωμα (5)  
 13. 16. ἐὰν ποιήσῃς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 23. οὐκ ἂν ἔλαβεν... ὁλοκαύτωμα (5)  
 20. 26. Α ἀνήνεγκαν ὁλοκαύτωμα σωτηρίου [B al.] (5)  
 21. 4. Α ἀνήνεγκεν ὁλοκαύτωμα σωτηρίου [B al.] (5)  
 I Ki. 15. 22. εἰ θελήτῃ τῷ κ. ὁλοκαύτωμα [A -μα] (5)  
 II Ki. 6. 17. B ἀνήνεγκεν αὐτῇ ὁλοκαύτωμα [A B al.] (5)  
 24. 22. οἱ βόες εἰς ὁλοκαύτωμα [A -ματα] (5)  
 — 24. οὐκ ἀνοίσω... ὁλοκαύτωμα δωρεάν (5)  
 III Ki. 9. 25. Α ἀνεβίβασε Σ... ὁλοκαύτωμα (5)  
 18. 29. ποιήσω τὸ ὁ. μου (5)  
 — 33. ἐμέλισε τὸ ὁ. (5)  
 — 33 (34). ἐπιθήσει ἐπὶ τὸ ὁ. (5)  
 — 38. κατέφαγε τὰ ὁ. (5)  
 IV Ki. 3. 27. ἀνήνεγκεν αὐτὸν ὁλοκαύτωμα (5)  
 5. 17. οὐ ποιήσει ἐτι... ὁλοκαύτωμα... θεοῖς ἐγ. (5)  
 10. 24. τοῦ ποιήσαι... τὰ ὁ. (5)  
 I Ch. 6. 49 (34). θυμῶντες ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. (5)  
 16. 1. προσήνεγκαν ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 2. συνετέλεσε Δ. ἀναφέρον ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 40. τοῦ ἀναφέρειν ὁλοκαύτωμα τῷ κ. ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου τῶν ὁ. (5, 5)  
 21. 26. ἀνήνεγκεν ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 29. θυσιαστηρίων τῶν ὁ. ... ἐν Β. (5)  
 23. 31. ἐπὶ πάντων τῶν ἀναφορῶν. ὁ. τῷ κυρίῳ (5)  
 29. 21. ἀνήνεγκαν ὁλοκαύτωμα τῷ θεῷ (5)  
 II Ch. 2. 4 (3). καὶ τοῦ ἀναφέρειν ὁλοκαύτωμα (5)  
 4. 6. τοῦ πλύνειν ἐν αὐτοῖς τὰ ἔργα τῶν ὁ. (5)  
 7. 1. κατέφαγε τὰ ὁ. (5)  
 — 7. ἐποίησεν ἐκεῖ τὰ ὁ. (5)  
 — 7. δέξασθαι τὰ ὁ. (5)  
 8. 12. ἀνήνεγκε Σ. ὁλοκαύτωμα (5)  
 9. 4. καὶ τὰ ὁ. δ. ἀνέφερεν (5)  
 13. 11. θυμῶσι τῷ κυρίῳ ὁλοκαύτωμα [A -ματα] (5)  
 23. 18. ἀνένεγκαν ὁλοκαύτωμα κυρίῳ [A<sup>2</sup> al.] (5)  
 24. 14. σκευὴ λειτουργικὰ ὁλοκαυμάτων (5)  
 29. 7. ὁλοκαύτωμα οὐ προσήνεγκαν (5)  
 30. 15. εἰσήνεγκαν ὁλοκαύτωμα (5)  
 35. 14. ἐν τῷ ἀναφέρειν... τὰ ὁ. (5)  
 — 16. ἐνεγκὲν τὰ ὁ. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. κυρίου (5)  
 I Es. 4. 52. ὁλοκαύτωμα καρποῦσθαι (5)  
 5. 50. ἀνέφερον... ὁλοκαύτωμα κυρίῳ (5)  
 II Es. 8. 35. B τὰ πάντα ὁλοκαυμάτων [A B -τα τῷ κ.] (5)  
 Ne. 10. 33 (34). καὶ εἰς ὁλοκαύτωμα τοῦ ἐνδελχισμού (5)  
 Ju. 16. 16. ἔλαχιστον πᾶν στίερα εἰς ὁλοκαύτωμα [B -καρπωμα] σοι (5)  
 — 18. ἀνήνεγκαν τὰ ὁ. αὐ. (5)  
 Ps. 19 (20). 3. τὸ ὁ. σου πιαντῶ (5)  
 39 (40). 6. ὁλοκαύτωμα [A -ματα] καὶ περὶ ἁμαρτίας (5)  
 49 (50). 8. τὰ δὲ ὁ. σου ἐνώπιόν μου ἐστί διὰ παντός (5)  
 50 (51). 16. ὁλοκαύτωμα οὐκ εὐδοκίσεις (5)  
 — 19. εὐδοκίσεις... ἀναφορὰν καὶ ὁλοκαύτωμα (5)  
 65 (66). 13. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου ἐν ὁλοκαύτωμασιν (5)  
 — 15. ὁλοκαύτωμα μεμνημένα ἀνοίσω σοι (5)  
 Ho. 6. 7 (6). θίλω... ἐπίγνωνιν θεοῦ ἢ ὁλοκαύτωμα (5)  
 Am. 5. 22. ἐὰν ἐνέγκῃ μοι ὁλοκαύτωμα [A τὰ ὁ.] (5)  
 Mi. 6. 6. εἰ καταλήψομαι αὐτὸν ἐν ὁλοκαύτωμασιν (5)  
 Is. 1. 11. πλήρης εἰμι ὁλοκαυμάτων κρῶν (5)  
 56. 7. τὰ ὁ. αὐτῶν καὶ αἱ θυσίαι αὐτῶν (5)  
 Je. 6. 20. τὰ ὁ. ὑμῶν οὐκ εἰσι δεκτά (5)  
 7. 21. τὰ ὁ. ὑμῶν συναγάγετε (5)  
 — 22. οὐκ ἐντετελείμην αὐτοῖς... περὶ ὁλοκαυμάτων καὶ θυσίας [A -ίων] (5)  
 14. 12. ἐὰν προσενέγκωσιν ὁλοκαύτωμα (5)  
 17. 26. φέροντες ὁλοκαύτωμα καὶ θυσίαν (5)  
 Ba. 1. 10. ἀγοράσατε τοῦ ἀργυρίου ὁλοκαύτωμα (5)  
 Ez. 40. 40. κατὰ νότον τοῦ βράκος τῶν ὁ. (5)  
 — 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν ὁ. λίθιναι... σφάζουσιν ἐκεῖ τὰ ὁ. (5, 5)  
 43. 18. τοῦ ἀναφέρειν ἐπ' αὐτοῦ ὁλοκαύτωμα [A τὰ ὁ.] (5)  
 — 24. ἀνοίσουσιν αὐτὰ ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (5)  
 — 27. ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὰ ὁ. ὑμῶν (5)  
 44. 11. σφάζουσιν τὰ ὁ. καὶ τὰς θυσίας τῷ λαῷ (5)  
 45. 15. εἰς θυσίας καὶ εἰς ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 17. διὰ τοῦ ἀφηγγόμενου ζήτησι τὰ ὁ. ... ποιήσει... τὴν θυσίαν καὶ τὰ ὁ. (5, 5)  
 — 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (5)  
 — 25. καθὼς τὰ ὁ. καὶ καθὼς τὸ μαλαά (5)  
 46. 2. ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς τὰ ὁ. αὐτοῦ (5)  
 — 4. τὰ ὁ. [A τὸ ὁ.] προσοίσει ὁ ἀφηγούμεν. τῷ κ. (5)  
 — 12. ἐὰν δι' ποιήσῃ ὁ ἀφηγούμενος ὁμολογῇ ὁλοκαύτωμα σωτηρίου τῷ κ. ... καὶ ποιήσει τὸ ὁ. αὐτοῦ (5, 5)  
 — 13. ἄμῶν ἐνιαύσιον ἄμῶν ποιήσει εἰς [A om.] ὁλοκαύτωμα (5)  
 — 15. ὁλοκαύτωμα διὰ παντός (5)  
 Da. LXX. 3. (40). ὡς ἐν ὁλοκαύτωμασιν κρῶν (5)  
 Da. TH. 3. (40). Α ὡς ἐν ὁλοκαύτωμασιν [B -ώσει] κρῶν (5)  
 I Ma. 1. 45. Α B κωλύσαι [B κωλύσαι] ὁλοκαύτωμα (5)  
 4. 49. Α B καὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. καὶ [B om. ὁ. κ.] θυμῶντων (5)  
 — 53. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁ. τὸ καινόν (5)  
 — 56. προσήνεγκαν ὁλοκαύτωμα (5)  
 5. 54. προσήγαγον ὁλοκαύτωμα (5)  
 II Ma. 2. 10. ἀνήλωσε τὰ ὁ. (5)  
 [Aq. III Ki. 9. 25: Jb. 42. 8.]  
 [Sm. Ps. 50 (51). 21: Jb. 19. 5.]  
 [Th. Jb. 33 (40). 18: Ma. 2. 13.]  
 [Al. Le. 1. 4: 8. 18: Jo. 22. 23.]  
 ὁλοκαύτωσις. (1) α. ἦλν δ. ἦλν  
 Ex. 29. 25. ἀνοίσεις ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῆς ὁ. (1 α)  
 Le. 4. 34. Α B<sup>1</sup> θυσιαστηρίου τῆς ὁλοκαυτώσεως [B<sup>2</sup> B -καρπ.] (1 α)  
 — 34. τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῆς ὁ. (1 α)  
 6. 9 (2). οὗτος ὁ νόμος τῆς ὁ. (1 α)  
 — 9 (2). αὕτη ἡ ὁ. ἐπὶ τῆς καύσεως αὐτῆς (1 α)  
 — 10 (3). ἀφελεί... τὴν ὁ. ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου (1 α)  
 — 12 (5). στοιβάσει ἐπ' αὐτοῦ τὴν ὁ. (1 α)  
 — 38 (7. 8). τὸ δῆρμα τῆς ὁ. ἥς προσφέρει (1 α)  
 Nu. 6. 14. ἄμῶν... ἕνα εἰς ὁλοκαύτωσιν [A -ωμα] (1 α)  
 7. 87. πᾶσαι αἱ βόες αἱ εἰς ὁλοκαύτωσιν [B<sup>1</sup> -ωμα] (1 α)  
 15. 5. ποιήσετε ἐπὶ τῆς ὁ. (1 α)  
 — 8. B εἰς ὁλοκαύτωσιν [A B -ωμα] (1 α)  
 23. 17. ἐφειστήκει ἐπὶ τῆς ὁ. αὐτοῦ (1 α)  
 28. 3. εἰς ὁλοκαύτωσιν ἐνδελχῶς (1 α)  
 — 10, 15. ἐπὶ τῆς ὁ. τῆς διὰ παντός (1 α)  
 — 23. πλὴν τῆς [A om.] ὁ. τῆς διὰ παντός (1 α)  
 29. 11. καὶ ἡ ὁ. ἡ διὰ παντός (1 α)  
 — 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34, 38. πλὴν τῆς ὁ. τῆς διὰ παντός (1 α)  
 Jd. 20. 26: 21. 4. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις [A al.] (1 α)  
 I Ki. 6. 14. τὰς βόας ἀνήνεγκαν εἰς ὁλοκαύτωσιν [A -καρπωσιν] (1 α)  
 — 15. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
 7. 9. ἀνήνεγκαν αὐτὸν ὁλοκαύτωσιν (1 α)  
 — 10. ἦν Σαμ. ἀναφέρων τὴν ὁ. (1 α)  
 10. 8. ἀνένεγκεν ὁλοκαύτωσιν (1 α)  
 13. 9. B ὅπως ποιῶν ὁλοκαύτωσιν (1 α)  
 — 9. B ἀνήνεγκε τὴν ὁ. (1 α)  
 — 10. B ὡς συνετέλεσεν ἀναφέρειν τὴν ὁ. (1 α)  
 — 12. B ἀνήνεγκε τὴν ὁ. (1 α)  
 15. 12. ἀνέφερεν ὁλοκαύτωσιν τῷ κ. (1 α)

II Ki. 6. 18. συνετέλεσε Δ. συναγαγόντων τὰς δ. (1 α)  
24. 25. ἀνήγγεναν ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
III Ki. 3. 1 (cf. Δ 9. 25). ἀνέφερε τρεῖς ...  
ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
— 4. χιλίαν [Δ λαν] ὁ ἀνήγγεκε Σαλ. (1 α)  
— 15. ἀνήγγεναν ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
8. 64. ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν δ. (1 α)  
— 64. τοῦ μὴ δύνασθαι τὴν δ. ... ὑπενεγκεῖν [Δ om.] (1 α)  
10. 5. καὶ τὴν δ. αὐ. ἣν ἀνέφερεν (1 α)  
IV Ki. 10. 25. ὡς συνετέλεσε ποιῶν τὴν δ. (1 α)  
18. 13. ἐθύμισεν τὴν δ. αὐ. (1 α)  
— 15. πρόσφερε τὴν δ. τὴν πρῶτὴν ... καὶ τὴν δ. τοῦ βασ.... καὶ τὴν δ. παντός τοῦ λαοῦ ... καὶ πᾶν αἷμα ὁλοκαυτώσεως (1 α quater)  
I Ch. 21. 23. δέδωκα τοὺς μόσχους εἰς ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
— 24. τοῦ ἀνενέγκαι [Δ add. eis] ὁλοκαυτώσεων (1 α)  
— 26. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῆς δ. (1 α)  
— 26. καταλάσσει τὴν δ. (1 α)  
— 22. 1. τοῦτο τὸ θυσιαστήριον εἰς ὁλοκαυτώσεων (1 α)  
II Ch. 1. 6. ἤρκεεν ἐπ' αὐτὸ δ. χιλίαν (1 α)  
24. 14. ἀνήγγεναν ὁλοκαυτώσεις [Δ al.] (1 α)  
29. 18. ἡγίσσαμεν ... τὸ θυσιαστήριον τῆς δ. (1 α)  
— 24. Δ<sup>2</sup> B περὶ παντός Ἰσραὴλ ... ἡ δ. [Δ<sup>1</sup> B al.] (1 α)  
— 27. ἀνενέγκαι τὴν δ. (1 α)  
— 27. ἀναφέρειν τὴν δ. (1 α)  
— 28. ὥς οὐ συνετέλεσθη [Δ<sup>1</sup> -λεσιν] ἡ δ. (1 α)  
— 31. καὶ πᾶς πρόθυμος τῇ καρδ. ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
— 32. ἐγένετο δ' ἀριθμὸς τῆς δ. (1 α)  
— 32. εἰς ὁλοκαυτώσεων κυρίῳ πάντα ταῖτα (1 α)  
— 34. ἐκδείρει [Δ δ.] τὴν δ. (1 α)  
— 35. ἡ δ. πολλὴ ἐν τοῖς στέασι ... τῶν σπουδῶν τῆς δ. (1 α, 1 α)  
31. 2. εἰς τὴν δ. καὶ εἰς τὴν θυσίαν τοῦ σωτ. (1 α)  
— 3. εἰς τὰς δ. τὴν πρῶτὴν καὶ τὴν δευτέραν καὶ ὁλοκαυτώσεις εἰς σάββατα [Δ<sup>1</sup> al.] (1 α, 1 α)  
35. 12. ἡτοίμασαν τὴν δ. (1 α)  
I Es. 5. 49. προστέθηκαν ἐπ' αὐτοῦ ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
II Es. 8. 2. τοῦ ἀνενέγκαι ἐπ' αὐτὸ ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
— 3. ἀνέβη ἐπ' αὐτὸ ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
— 4. ἐποίησαν ... ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
— 5. ὁλοκαυτώσεις [B<sup>2</sup> -σις] ἐνδελεισμῷ (1 α)  
— 6. ἀναφέρειν ὁλοκαυτώσεις τῷ κ. (1 α)  
8. 9. καὶ ἀμύους εἰς ὁλοκαυτώσεις (1 α)  
8. 35. προσήγγεναν ὁλοκαυτώσεις τῷ θ. Ἰ. (1 α)  
Ju. 4. 14. προσέφερον τὴν δ. τοῦ ἐνδελεισμῷ (1 α)  
Ex. 40. 38. Δ ἐκεῖ πλυνούσιν τὴν δ. (1 α)  
— 39. Δ ὅπως σφάζωσιν τὴν δ. καὶ [B σφ. ἐν αὐτῇ] τὰ ὑπὲρ ἁμαρτίας (1 α)  
Da. LXX. 8. (38). οὐδὲ ὁλοκαυτώσεις οὐδὲ θυσία  
Da. TH. 8. (38). οὐδὲ ὁλοκαυτώσεις οὐδὲ θυσία  
(40). ὡς ἐν ὁλοκαυτώσει [Δ -ώμασιν] κριῶν  
I Ma. 4. 44. ἐβουλεύσαντο περὶ τοῦ θυσιαστ. τῆς δ. 7. 33. δεῖξαι αὐτῇ τὴν δ.  
[Δq. Ex. 31. 9: Ju. 42. 8: Jk. 19. 5.]  
[Sm. Ex. 31. 9: 85. 16: I Ki. 13. 12.]  
[Th. Ex. 31. 9: 85. 16: Ju. 42. 8: Ez. 40. 39 (Sw.)]

**ὁλοκληρία.** (1) דְּהָרָ (2) דְּהָרָ (3) דְּהָרָ  
Is. 1. 6. B οὐκ ἔσται ἐν αὐτῷ δ. (1)  
[Δq. Is. 1. 6.]  
**ὁλόκληρος.** (1) דְּהָרָ ni. (2) דְּהָרָ (3) דְּהָרָ  
Le. 23. 15. ἐπὶ ἔβρομάδας δ. (3)  
De. 16. 9. Δ ἐπὶ ἔβρομάδας δ. [B om.] (3)  
27. 6. λίθος δ. οὐλοδομήσεις (2)  
Jo. 9. 2. (8. 31). θυσιαστήριον λίθων ὁλόκληρων (2)  
I Ch. 24. 7: 25. 9. Δ ἐξήλθεν ὁλόκληρος [B δ κλ.] ὁ πῶτος +  
Wi. 15. 3. τὸ γὰρ ἐπίστασθαι σε ὁλόκληρος δικαιοσύνη  
Za. 11. 16. καὶ τὸ ὁλόκληρον οὐ μὴ κατενύγη (1)  
Ez. 15. 5. ἐπὶ αὐτοῦ ὄντος ὁλόκληρον οὐκ ἔσται εἰς ἐργασίαν (8)  
I Ma. 4. 47. ἔλαβον λίθους δ.  
IV Ma. 15. 17. τὴν ἐντέλειαν ὁλόκληρον ἀποκνήσασα [Sm. Lx. 8. 9: Ps. 89 (90). 10: Ca. 4. 2: Jk. 13. 19.]

**ὁλοθυμός.** (1) דְּהָרָ  
Ze. 1. 10. ἔσται ... ὁλοθυμός ἀπὸ τῆς δευτέρας (1)  
Is. 16. 8. ὁλοθυμός αὐ. ὥς τοῦ φρίατος τοῦ Αἰ. (1)  
[Δq. Dt. 32. 10.]  
**ὁλοθύειν.** (1) דְּהָרָ hi. (2) דְּהָרָ  
Ho. 7. 14. ἀλλ' ἡ ἀλόλυσον ἐν ταῖς κοίταις αὐτῶν (1)  
Am. 8. 3. καὶ ὁλοθύει τὰ φατνώματα τοῦ ναοῦ (1)  
Za. 11. 2. ὁλοθύετω πῖντος (1)  
— 2. ὁλοθύετε, ὁρῦες τῆς B. (1)  
Is. 10. 10. ὁλοθύετε τὰ γλυπτὰ ἐν Ἱερουσαλὴμ +  
13. 6. ὁλοθύετε (1)  
14. 31. ὁλοθύετε [Δ B -ετε] πύλαι πόλεων (1)  
15. 2. ὁλοθύετε [Δ B -ετε] (1)  
— 3. πάντες ὁλοθύετε μετὰ κλαυθμοῦ (1)  
16. 7. ὁλοθύει Μωῦβ ἐν γὰρ τῇ Μωαβίτιδι πάντες ἀλοθύουσι (1, 1)  
23. 1. ὁλοθύετε [Δ B -ετε] πλοῖα Καρχηδόνος (1)  
— 6. ὁλοθύετε [Δ -ετε] οἱ κατοικοῦντες [Δ B -ενοικ.] ἐν τῇ ἡσφ. ταύτῃ (1)  
— 14. ὁλοθύετε [Δ B -ετε], πλοῖα Καρχηδόνος (1)  
24. 11. ὁλοθύετε περὶ τοῦ οἴνου πανταχῇ (2)  
52. 5. θαυμάζετε καὶ ὁλοθύετε (2)  
65. 14. ἀπὸ συντριβῆς πνεύματος ὑμῶν ὁλοθύ-  
— ζετε [B<sup>1</sup> -ύζ.] (1)  
Je. 2. 23. ὅψι φωνῇ αὐτῆς ἀλόλυξε [B<sup>1</sup> -υζεν] +  
31 (48). 20. ὁλόλυσον καὶ κερῶνον (1)  
— 31. ἐπὶ Μωῦβ ὁλοθύετε παρανοθεύον (1)  
Ez. 21. 12 (17). ἀνάκραγε καὶ ὁλόλυσον (1)  
[Δq. Je. 47 (29). 2: 49 (30). 3: 51 (28). 8.]  
[Sm. Is. 52. 5: Je. 48 (31). 39 (Sw.): 51 (28). 8: Ez. 30. 2: Am. 8. 3:]  
[Th. Is. 52. 5: Je. 48 (31). 39 (Sw.): Ez. 30. 2.]  
**ὁλόληρος.**  
[Sm. Ps. 57 (58). 10.]  
**ὁλοπόρφυρος.** (1) דְּהָרָ (2) דְּהָרָ  
Nu. 4. 7. ἐπιβαλοῦσιν ... ἱμάτιον δ. (2)  
— 13. ἐπικαλύψουσιν ... ἱμάτιον δ. (1)  
**ὁλορριζή.** (ορι-).  
Es. 3. 13. πάντας ... ἀπολέσαι δ.  
**ὁλόρριζος.** (ορι-).  
Jb. 4. 7. πότε ἀληθινοὶ ὁλόρριζοι ἀπώλοντο -  
Pr. 15. 5. οἱ δὲ ἀσεβεῖς ὁλόρριζοι ἐκ γῆς ἀπο-  
— λοῦνται [Δ B<sup>1</sup> ὁλ.]  
**ὅλος.** cf. καθόλου. (1) α. דְּהָרָ δ. דְּהָרָ  
(2) דְּהָרָ (3) דְּהָרָ δ. דְּהָרָ  
Ge. 18. 26. B ὅλην τὴν πόλιν (1 α)  
25. 25. ὅλος ὥσει δορὰ θασύς (1 α)  
31. 35. ἠρῶνσεν Λάβαν ἐν ὅλῳ τῷ οἴ. (1 α)  
41. 19. τοιαύτας ἐν δ. γῇ [Δ om.] Αἰγύπτου (1 α)  
— 30. B ἐν ὅλῃ [Δ add. τῇ γῇ] Αἰγύπτου (1 α)  
— 43. ἐφ' ὅλης [Δ add. τῆς] γῆς Αἰγύπτου (1 α)  
Ex. 5. 12. διεσπάργη ὁ λαὸς ἐν δ. γῇ [Δ om.] Αἰγύπτου (1 α)  
10. 13. ὅλην τὴν ἡμέραν ἐκείνην καὶ ὅλην τὴν νύκτα (1 α, 1 α)  
14. 20. οὐ συνίμεξαν ... ὅλην τὴν νύκτα (1 α)  
— 21. ὑπὸ γῆγε ... ὅλην τὴν νύκτα (1 α)  
19. 18. τὸ ὅρος τὸ Σινὰ ἐκαπνίζετο ὅλον (1 α)  
22. 8 (7). ἐφ' ὅλης τῆς παρακαταθήκης -  
— 11 (10). Δ μὴ ... ἐφ' ὅλης [B καθόλου] τῆς παρακαταθήκης (1 α)  
25. 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἔξ ἐνός χρυσοῦ καθα-  
— ροῦ (1 α)  
— 39 (40). B<sup>1</sup> ὅλα [Δ B<sup>2</sup> B ὅρα] ποιήσεις +  
28. 27 (31). ὑποδύτην ποδὴν ὅλον ὑακίνθινον (1 α)  
29. 18. ἀνοίσεις ὅλον τὸν κριόν (1 α)  
36. 30 (39. 22). ἔργον ὑφαντὸν δ. ὑακίνθινον (1 α)  
38. 16 (37. 19). στερεὸν ὅλον χρυσαῖον (1 α)  
Le. 4. 12. ἐξοίσουσιν ὅλον τὸν μόσχον ἔξω -  
— 21. B<sup>2</sup> B ἐξοίσουσιν τὸν μόσχον δ. [Δ B<sup>1</sup> om.] (1 α)  
6. 9 (2). ὅλην τὴν νύκτα ὥς τὸ πρωῒ (1 α)  
8. 20 (21). ἀνιμγκεκε Μωυσῆς ὅλον τὸν κριόν (1 α)  
13. 12. καθ' ὅλην τὴν ὁρσιν τοῦ ἱερέως (1 α)  
25. 30. ὥς ἂν πληρωθῇ αὐτὰς ἐνάντιος δ. (1 α)  
Nu. 4. 6. ἱμάτιον ὅλον ὑακίνθινον (1 α)  
— 16. ἡ ἐπισκοπὴ ὅλης τῆς σκητῆς (1 α)  
8. 4. στερεὰ ὅλη -  
11. 32. δ. τὴν ἡμέραν καὶ δ. τὴν νύκτα καὶ δ. τὴν ἡμέραν τὴν [Δ τῇ] ἐπαύριον (1 α ter)  
12. 7. ἐν δ. τῷ οἴκῳ μου πιστός ἐστί (1 α)

Nu. 14. 1. δ. τὴν νύκτα ἐκείνην -  
32. 15. ἀνομίσετε εἰς δ. τὴν συναγωγὴν τ. (1 α)  
De. 4. 29. ἐξ δ. τῆς καρδίας σου καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς σου (1 α, 1 α)  
6. 5. ἐξ δ. τῆς διανοίας [Δ καρδίας] σου καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς σου καὶ ἐξ δ. τῆς δυνάμεώς σου (1 α ter)  
10. 12: 11. 13. ἐξ δ. τῆς καρδίας σου καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς σου (1 α, 1 α)  
13. 3 (4). ἐξ δ. τῆς καρδίας ὑμῶν καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς ὑμῶν (1 α, 1 α)  
18. 1. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς Δ. ὅλη φυλὴ Δ. (1 α)  
28. 16. ἐξ δ. τῆς καρδίας ὑμῶν καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς ὑμῶν (1 α, 1 α)  
30. 2, 6, 10. ἐξ δ. τῆς καρδίας σου καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς σου (1 α, 1 α)  
Jo. 8. 15. καθ' ὅλην τὴν κρηπίδα αὐτοῦ (1 α)  
4. 18. ἐπορευέτο ... δι' δ. τῆς κρηπίδος (1 α)  
10. 9. δ. τὴν νύκτα εἰσπορεύθη (1 α)  
22. 5. ἐξ δ. τῆς διανοίας [Δ καρδίας] ὑμῶν καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς ὑμῶν (1 α, 1 α)  
Jd. 7. 18. κύκλῳ δ. τῆς παρεμβολῆς (1 α)  
— 22. Δ ἐν δ. [B πάση] τῇ παρεμβολῇ (1 α)  
9. 45. δ. τὴν ἡμέραν ἐκείνην (1 α)  
16. 2. ἐνῆρυσαν ... δ. τὴν νύκτα (1 α)  
— 2. ἐκώφευσαν δ. τὴν νύκτα (1 α)  
— 16. Δ κατεργάσαντο αὐτὸν ... δ. τὴν νύκτα [B al.] (1 α)  
19. 25. δ. τὴν νύκτα ὥς πρωῒ (1 α)  
20. 37. Δ ἐπάταξεν δ. [B om.] τὴν πόλιν (1 α)  
Ru. 2. 21. ὥς ἂν τελείωσιν δ. τὸν ἀμῆνον (1 α)  
I Ki. 5. 12 (11). ἐγενήθη σύγχυσις ἐν δ. τῇ πόλει (1 α)  
7. 3. εἰ ἐν δ. καρδίᾳ ὑμῶν ὑμεῖς ἐπιστρέφετε (1 α)  
9. 21. καὶ τῆς φυλῆς τῆς ἐλαχίστης ἐξ δ. σκῆπτρου Βεν. (1 α)  
12. 20. B δουλεύσατε τῷ κ. ἐν δ. καρδίᾳ ὑμῶν (1 α)  
— 24. B δουλεύσατε αὐτῷ ... ἐν δ. καρδίᾳ ὑμῶν (1 α)  
14. 23. ἦν ὁ πόλεμος διεσπαρμένος εἰς δ. πόλιν -  
15. 11. ἐβόησε πρὸς κύριον δ. τὴν νύκτα (1 α)  
19. 24. δ. τὴν ἡμ. ἐκείνην καὶ δ. τὴν νύκτα (1 α, 1 α)  
20. 6. θυσία τῶν ἡμερῶν ἐκεῖ δ. τῇ φυλῇ (1 α)  
22. 15. καὶ ἐφ' ὅλον τὸν οἶκον τοῦ πατρὸς μου (1 α)  
28. 20. δ. τὴν ἡμ. [Δ add. ἐκείνην] καὶ δ. τὴν νύκτα ἐκείνην [Δ om.] (1 α, 1 α)  
31. 12. ἐπορεύθησιν δ. τὴν νύκτα (1 α)  
II Ki. 2. 29. ἀπῆλθον ... δ. τὴν νύκτα ἐκείνην (1 α)  
— 29. ἐπορεύθησιν δ. τὴν παρατείνουσιν (1 α)  
— 32. ἐπορεύθη Ἰ. ... ὅλην τὴν νύκτα (1 α)  
4. 7. ἀπῆλθον ... δ. τὴν νύκτα (1 α)  
6. 11. εὐλόγησε κύριος δ. τὸν οἶκον Ἀβ. [Δ al.] (1 α)  
9. 9. ὅσα ἐστὶ ... δ. τῷ οἴκῳ αὐ. (1 α)  
14. 7. ἐναντίστη δ. ἡ πατριὰ πρὸς τὴν δούλην σου (1 α)  
III Ki. 2. 4. πορεύεσθαι ... ἐν δ. καρδίᾳ αὐτῶν (1 α)  
— 4. Δ καὶ ἐν δ. ψυχῇ αὐτῶν (1 α)  
6. 10. ψωδοῦμμε τοὺς ἐνδύσμονες δι' δ. τοῦ οἴκου (1 α)  
— 21 (22). δ. τὸν οἶκον περιέσχε χρυσίῳ (1 α)  
— 22. Δ καὶ δ. τὸ ἔσω τοῦ θαβείρου (1 α)  
7. 1. Δ συνετέλεσεν δ. τὸν οἶκον αὐτοῦ (1 α)  
— 12 (1). συνετέλεσεν Σ. δ. τὸν οἶκον αὐ. [Δ al.] (1 α)  
8. 23. τῷ πορευομ. ἐναντίον σου ἐν δ. τῇ [Δ om.] καρδίᾳ αὐ. (1 α)  
— 48. ἐν δ. καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν δ. ψυχῇ αὐτῶν (1 α, 1 α)  
— 54. προσευχόμενος ... δ. τὴν προσευχὴν (1 α)  
10. 8. οἱ παρεστηκότες ἐναντίον σου δι' ὅλου (1 α)  
11. 13. δ. τὴν βασιλείαν [Δ add. ὅλην] οὐ μὴ λάβω (1 α, -)  
— 34. οὐ μὴ λάβω δ. τὴν βασιλείαν (1 α)  
15. 29. B ἐπάταξεν δ. τὸν οἶκον Ἱερ. [Δ B al.] (1 α)  
16. 12 (11). ἐπάταξεν δ. τὸν οἶκον B. (1 α)  
— 12. Δ ἐξέτριψε Z. δ. τὸν οἶκον B. (1 α)  
IV Ki. 9. 8. καὶ ἐκ χειρὸς ὅλου τοῦ οἴκου Ἀχ. (1 α)  
10. 31. πορεύεσθαι ... ἐν δ. καρδίᾳ αὐ. (1 α)  
20. 13. ἰδεῖν αὐτοὺς δ. τὸν οἶκον τοῦ νεχ. (1 α)  
23. 25. ἐν δ. καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν δ. ψυχῇ αὐ. καὶ ἐν δ. ἰσχυρί αὐ. (1 α ter)  
II Ch. 1. 5. Δ Σαλ. καὶ ἡ ἐκκλησία δ. [B om.] -  
6. 14. τοῖς πορευομ. ἐναντίον σου ἐν δ. καρδίᾳ (1 α)  
— 38. ἐν δ. [Δ om. ἐν δ.] καρδίᾳ καὶ ἐν δ. ψυχῇ αὐ. (1 α, 1 α)  
15. 12. ἐξ δ. τῆς καρδίας καὶ ἐξ δ. τῆς ψυχῆς (1 α, 1 α)  
— 15. ἐξ δ. τῆς ψυχῆς ὤμοσαν (1 α)



II Ch. 22. 9. ἐν δ. τῇ [A om.] καρδιά αὐ. (1a)  
 31. 21. ἐξ δ. ψυχῆς [A τῆ ψ.] αὐτοῦ (1a)  
 34. 31. ἐν δ. καρδίᾳ καὶ ἐν δ. ψυχῇ (1a, 1a)  
 85. 19. ἐν δ. καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν δ. ψυχῇ αὐ. καὶ ἐν δ. τῇ [A om.] ἰσχύι αὐ. (-ter)  
 I Es. 1. 32. ἐν δ. τῇ I. ἐπένησαν τὸν I. (1a)  
 2. 2. B ἐκήρυξεν [A B add. ἐν] δ. τῇ βασ. αὐ.  
 8. 23. ὅπως δικάζωσιν ἐν δ. Συρία  
 9. 3. ἐγένετο κήρυγμα ἐν δ. τῇ Iουδ.  
 II Es. 4. 20. A B ἐπικρατοῦντες δ. τῆς ἐσπέρας [B πέραν] τοῦ ποτ. (1a)  
 To. 1. 12. ἐξημένην τοῦ θεοῦ ἐν δ. τῇ [B om.] ψυχῇ μου  
 2. 2. S δὲ μένηται ἐν δ. καρδίᾳ αὐ. [A B al.]  
 10. 7. A τὰς δὲ νύκτας δ. [B om.] οὐ διελίμπανε θρηνοῖσα T. [B al.]  
 11. 15. S εὐλογῶν τὸν δ. ἐν δ. τῷ σώματι αὐ.  
 13. 6. ASB ἐν δ. τῇ [B om.] καρδίᾳ ὕμων καὶ ἐν δ. τῇ ψυχῇ ὕμων  
 — 6. A S B ἐν δ. τῷ στόματι [B σώματι] ὕμων  
 14. 6. S πάντα τὰ ἔθνη τὰ ἐν δ. τῇ γῇ [A B al.]  
 — 7. S ἐν ἀληθείᾳ καὶ δ. τῇ ἰσχύι αὐ.  
 Ju. 6. 21. ἐπεκαλέσθη τὸν δ. . . δ. τὴν νύκτα ἐκείνην  
 7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες δ. [B om.] τὴν νύκτα ἐκ.  
 Es. 6. 1. ὅλος διὰ χρυσοῦ καὶ λίθων πολυτελῶν  
 9. 22. τὸν μίση . . . ἄγειν ὅλον [A om.]  
 [b. 21. 23. ὅλος δὲ εὐθασιᾶ καὶ εὐδυνῶν (1a)  
 Ps. 9. 1. ἐξομολογήσασθαι σοι, κύριε, ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου (1a)  
 24 (25). 5. σὲ ὑπέμεινα ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 31 (32). 3. ἀπὸ τοῦ κράειν με ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 34 (35). 23. ὅλην τὴν ἡμέραν τὸν ἑπαινὸν σου (1a)  
 36 (37). 26. ὅλην τὴν ἡμέραν ἡλείει (1a)  
 37 (38). 6. ὅλην τὴν ἡμέραν σκυροπαζῶν ἐπορευόμεν (1a)  
 — 12. δοκίμασας ὅλην τὴν ἡμέραν ἐμελέτησαν (1a)  
 40 (41). 3. ὅλην τὴν κοίτην αὐτοῦ ἔστρεψας (1a)  
 43 (44). 8. ἐν τῷ θεῷ ἑπαινεθῆσάμεθα ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 — 15. ὅλην τὴν ἡμέραν ἡ ἐντροπὴ μου (1a)  
 — 22. ἐκένει σου θανατοῦμεθα ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 51 (52). 1. ὅλην τὴν ἡμέραν ἀδικίαν ἐλογίσασθαι γλῶσσά σου (1a)  
 55 (56). 1. ὅλην τὴν ἡμέραν πολεμῶν ἐθλιψέ με (1a)  
 — 2. κατεπάτησάν με οἱ ἐχθροί μου ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 — 3. B ἐπαίνεσά τοὺς λόγους μου ὅλην τὴν ἡμέραν [B om. δ. τὴν ἡ.]  
 — 5. ὅλην τὴν ἡμέραν τοὺς λόγους μου ἐβεβλυσσόντο (1a)  
 70 (71). 8. ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν μεγαλοπρεπείαν σου (1a)  
 — 15. ὅλην τὴν ἡμέραν τὴν σωτηρίαν σου (1a)  
 — 24. ἡ γλῶσσά μου ὅλην τὴν ἡμέραν μελετήσει τὴν δικαιοσύνην σου (1a)  
 71 (72). 15. ὅλην τὴν ἡμέραν εὐλογήσουσιν αὐτὸν (1a)  
 72 (73). 14. ἐγενόμεν μεμαστιγμένους ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 73 (74). 22. τῶν ὀνειδισμῶν σου τῶν ὑπὸ ἄφρονος ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 77 (78). 14. δ. τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ πυρός (1a)  
 85 (86). 3. πρὸς σὲ κεκράξομαι δ. τὴν ἡμέραν (1a)  
 — 12. ἐξομολογήσασθαι σοι . . . ἐν δ. καρδίᾳ [B τῇ κ.] μου (1a)  
 87 (88). 9. ἐκέκραξα πρὸς σὲ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 — 17. ἐκύλωσάν με ὡς ὕδωρ ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 88 (89). 16. ἀγαλλιᾶσθαι ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 101 (102). 8. ὅλην τὴν ἡμέραν ἀνείδων με (1a)  
 110 (111). 1. ἐξομολογήσασθαι σοι, κύριε, ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου (1a)  
 118 (119). 2. ἐν δ. τῇ καρδίᾳ ἐκζητήσουσιν αὐτὸν (1a)  
 — 10. ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου ἐκζητήσας σε (1a)  
 — 34. φυλάξω αὐτὸν ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου (1a)  
 — 58. ἰδεῖθην τοῦ προσώπου σου ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου (1a)  
 — 69. ἐγὼ δὲ ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου ἐξερευνησά τας ἐντολάς σου (1a)  
 — 97. ὅλην τὴν ἡμέραν μελέτη μου ἐστίν (1a)  
 — 145. ἐκέκραξα ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου (1a)  
 137 (138). 1. ἐξομολογήσασθαι σοι, κύριε, ἐν δ. τῇ καρδίᾳ μου (1a)  
 139 (140). 2. ὅλην τὴν ἡμέραν παρετάσσοντο πολέμου (1a)

Pr. 3. 5. ἴσθι πεποιθὼς ἐν δ. τῇ [A B om.] καρδίᾳ ἐπὶ θεῷ (1a)  
 17. 6 (A). 4. τοῦ πιστοῦ ὅλος ὁ κόσμος τῶν χρημάτων —  
 21. 26. ἀσεβὴς ἐπιθυμεῖ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐπιθυμίας κακῆς (1a)  
 23. 17. ἐν φόβῳ κυρίου ἴσθι ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 24. 46 (31). καὶ χορτομαρῆσαι ὅλος (1a)  
 29. 11. ὅλον τὸν θυμὸν αὐτοῦ ἐκφέρει ἄφρων (1a)  
 31. 18. οὐκ ἀποσβέννεται ὁ λυχνος αὐτῆς ὅλην τὴν νύκτα —  
 Ca. 4. 7. ὅλη καλὴ εἰ, πλησίον μου (1a)  
 5. 16. φάρυγγ αὐτοῦ γλυκασμοὶ καὶ ὅλος ἐπιθυμία (1a)  
 Wi. 8. 20. εἶπον ἐξ ὅλης τῆς καρδίας μου (1a)  
 11. 22. ὡς βωβὴ ἐκ πλαστίγων ὅλος ὁ κόσμος ἐναιτίον σου  
 17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελάμπητο φωτὶ  
 18. 24. ἐπὶ γὰρ ποδῶν ἐνδύματος ἦν δ. ὁ κόσμος  
 19. 6. ὅλη γὰρ ἡ κτίσις . . . πάλιν ἀνωθεν διεντυπῶται  
 Si. 6. 26. ἐν δ. δυνάμει σου συντήρησον τὰς ὁδοὺς αὐ.  
 7. 27. ἐν δ. τῇ καρδίᾳ [A συνάντησον] δόξασον τὸν πατέρα σου  
 — 29. ἐν δ. τῇ ψυχῇ σου εὐλαβῶ τὸν κύριον  
 — 30. ἐν δ. τῇ δυνάμει ἀγάπησον τὸν ποιησάτά σε  
 Ho. 7. 2. γὰρ καταράσσειν αὐτοὺς ὅλην τὴν νύκτα (1a)  
 12. 1 (2). ἰδὶαίς καύσωνα ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 J. 1. 12. ἐπιστράφητε πρὸς με ἐξ ὅλης τῆς καρδίας υἱ. (1a)  
 Na. 8. 1. ὁ πόλις αἰμάτων ὅλη ψευδὴ ἀδικίας πλήρης (1a)  
 Ze. 3. 14. κατατέρεπον ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου  
 Za. 4. 2. ἱεράκα καὶ ἰδοὺ λυχνία χρυσὴ ὅλη (1a)  
 Is. 9. 12 (11). τοὺς κατεσθίωντας τὸν Ἰσραὴλ ὅλη τῷ στόματι (1a)  
 — 19 (18). διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου συγκεκάνται ἡ γῆ δ. —  
 10. 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι (1a)  
 — 23. λόγον συντετηγμένην ποιήσει κύριος ἐν τῇ οἰκουμένῃ ὅλη (1a)  
 13. 5. A B καταφθίρειται τὴν οἰκουμένην ὅλην [B κ. πᾶσαν τ. οἱ.] (1a)  
 — 9. S θείναι τὴν οἰκουμένην ὅλην [A B om.] ἔρημον —  
 — 11. ἐντελοῦμαι τῇ οἰκουμένῃ ὅλη κακὰ —  
 — 17. ὁ θεὸς τὴν οἰκουμένην ὅλην ἔρημον —  
 — 26. ἦν βεβούλευται κύριος ἐπὶ τὴν οἰκουμένην ὅλην (1a)  
 21. 8. ἐπὶ τῆς παρεμβολῆς ἐγὼ ἔστην ὅλην τὴν νύκτα (1a)  
 24. 10. S ἡρημώθη ὅλη ἡ γῆ [A B om. δ. ἡ γ.] —  
 — πᾶσα πόλις —  
 28. 24. μὴ ὅλην τὴν ἡμέραν ἀροτριάσει [A B al.] (1a)  
 37. 18. ἡρημώσαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων τὴν οἰκουμένην ὅλην (1a)  
 45. 9. μὴ . . . ἀροτριάσει τὴν γῆν ὅλην τὴν ἡμέραν [A B om. δ. τ. ἡ.] —  
 62. 6. κατέστησα φύλκα ὅλην τὴν ἡμέραν καὶ ὅλην τὴν νύκτα (1a, 1a)  
 65. 2. ἐξεπέτασα τὰς χεῖράς μου ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 Je. 8. 10. οὐκ ἐπιστράφη . . . ἐξ ὅλης τῆς καρδίας αὐτῆς (1a)  
 6. 6. ὅλη κατεδυναστέα ἐν αὐτῇ (1a)  
 24. 7. ἐπιστράφησονται ἐπ' ἐμὲ ἐξ ὅλης τῆς καρδίας αὐτῶν (1a)  
 36 (29). 13. ζητήσετέ με ἐν δ. τῇ καρδίᾳ ὕμων [A al.] (1a)  
 La. 1. 13. ἔδωκεν με . . . ὅλην τὴν ἡμέραν ὀδυρμένην (1a)  
 3. 3. ἐν ἐμοὶ ἐπέστρεψε χεῖρα αὐτοῦ ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 — 14. ψαλμός αὐτῶν ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 — 62. μελέτων αὐτῶν κατ' ἐμοῦ ὅλην τὴν ἡμέραν (1a)  
 Ep. Je. 62. ἐπιπορεύεσθαι ἐφ' ὅλην τὴν οἰκουμένην  
 Ez. 29. 2. προσφύτουν . . . ἐπ' Αἴγυπτον ὅλην (1a)  
 38. 8. ἡ ἐγγύθη ἐρημὸς δι' ὅλον (8)  
 41. 17. ἐφ' ὅλον τὸν τοίχον κύλῳ [A al.] (1a)  
 — 19. A διαγεγλυμμένος δ. [B om.] ὁ οἶκος κυλῶν (1a)  
 Da. LXX. 3. 2. καὶ κυριεύων τῆς οἰκουμένης ὅλης —  
 — (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν δ. καρδίᾳ ἡμῶν

Da. LXX. 3. (45). καὶ ἐνδοξος ἐφ' δ. τὴν οἰκουμένην — 30 (97). ἐξουσίαν δοῦναι ἐφ' δ. τῆς χώρας — Bel 13. καταστῆσαι δ. τὸν ναὸν στοδῶν  
 Da. TH. 3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν δ. καρδίᾳ — (45). καὶ ἐνδοξος ἐφ' δ. τὴν οἰκουμένην  
 6. 1 (2). τοῦ εἶναι αὐτοὺς ἐν δ. [A πᾶσι] τῇ βασ. αὐ. (1a)  
 — 3 (4). κατέστησεν αὐτὸν ἐφ' δ. τῆς βασ. αὐ. (1a)  
 Bel 13. εἰσπορεύονται δι' ὅλου  
 — 14. κατέσπισαν δ. τὸν ναόν  
 I Ma. 5. 50. δ. τὴν ἡμέραν ἐκείνην καὶ δ. τὴν νύκτα  
 6. 18. ἡτοῦντες κακὰ δι' ὅλου  
 12. 27. ἐτοιμάζεσθαι εἰς πόλιν δι' δ. τῆς νυκτός  
 II Ma. 2. 21. ὥστε τὴν δ. χώραν ὀλίγους ὄντας λεηλατεῖν  
 — 22. τὸ περιβόητον καθ' δ. τὴν οἰκουμ. ἱερὸν  
 — 29. τῆς δ. καταβολῆς φροντιστόν  
 3. 14. ἦν δὲ οὐ μικρὰ καθ' δ. τὴν πόλιν ἀγωνία  
 4. 38. περιεργαζὼν καθ' δ. τὴν πόλιν  
 — 47. τὸν μὲν τῆς δ. κακίας αἰτίον M.  
 5. 2. καθ' δ. τὴν πόλιν . . . φαίνεται . . . ἱππεῖς  
 6. 3. A χαλεπὴ δὲ καὶ τοῖς δ. [B ὅλοις] ἦν  
 7. 5. B ἀχρηστοὶ δὲ αὐτὸν τοῖς δ. [A λοιποῖς] γενόμενοι  
 8. 18. δυναμένῳ . . . τὸν δ. κόσμον . . . καταβαλεῖν  
 14. 35. τὸν δ. ἀπροσδεῖς ὑπάρχον  
 III Ma. 2. 3. καὶ τῶν δ. ἐπικρατῶν  
 6. 9. τὸν δ. σκεπαστά  
 — 39. B ὁ τὸν δ. [A πάντων] δυνάστης  
 IV Ma. 3. 7. δι' δ. ἡμέρας προσβαλὼν τοῖς ἀλλοφ.  
 7. 18. προνοοῦσιν ἐξ δ. καρδίας  
 — 21. πρὸς δ. τὸν τῆς φιλοσοφίας κανόνα  
 11. 10. ὅλος . . . ἀνακλῶμενος ἐξεμελίζετο  
 12. 12. αἱ εἰς δ. τὸν αἰῶνα οὐκ ἀνήσονται σε  
 13. 13. ταυτοῦς . . . ἀφαιρώμενον ἐξ δ. τῆς καρδίας  
 17. 17. δ. τὸ συνέδριον αὐ. ἐξεβαύμασαν  
 [Aq. Ps. 31 (32). 3: 86 (87). 26: 43 (44). 23: 15. 28. 24: [Je. 6: 6: 85 (42). 3 (Sw.): 62. 14: Ez. 25. 6.]  
 [Bm. Dt. 4. 19: 1 Ki. 28. 20: Ps. 24 (25). 5: 43 (44). 16: 77 (78). 38: Pr. 22. 16: Ec. 12. 13: Is. 28. 24: 52. 5: Je. 20. 7: 32 (89). 30. 41 bis: 62. 14: Ez. 8. 10: 25. 15.]  
 [Th. Jb. 21. 23: Ps. 48 (44). 23: Is. 28. 24: Je. 35 (42). 3 (Sw.): Da. 3. (41): 14. 13.]  
 [Al. Dt. 20. 15: Ps. 9. 25 (10. 4): Ec. 12. 13.]  
 ὁλοσφύρητος.  
 Si. 60. 9. ὡς σκεῦος χρυσίου ὁλοσφύρητον [B' ὁλοφ.]  
 ὁλοσχερής.  
 Ez. 22. 30. A ἐστῶτα πρὸ προσώπου μου τὸ δ. [B μ. ὁλοσχερῶς] †  
 III Ma. 5. 31. ἀποδεδιγμένων ὁλοσχερῶς βεβαίαν πιστῶν †  
 ὁλοσχερῶς.  
 I Es. 6. 28. ἐπέταξα ὁ. οἰκοδομήσαι  
 Ez. 22. 30. ἐστῶτα πρὸ προσώπου μου ὁ. [A τὸ ὁλοσχερῶς] †  
 ὁλοτελῶς.  
 [Aq. Dt. 13. 16 (17).]  
 ὁλοφύρεσθαι.  
 III Ma. 4. 2. ὁλοφύρεσθαι τὴν ἀπροσδοκίαν . . .  
 ὁλοφύρεται.  
 IV Ma. 16. 5. ὁλοφύρεται ἂν ἐπ' αὐτοῖς  
 — 11. οὐδένα ὁλοφύρετο ἡ ἱερὰ . . . μήτηρ  
 ὁλυμπος. (1) ἡλῆ  
 Ca. 2. 13. ἡ σκετὴ ἐξήγγεικεν ὁλύνθους αὐτῆς (1)  
 ὁλύρα. (1) ἡλῆ  
 Ex. 9. 32. ὁ δὲ πυρὸς καὶ ὁ δ. οὐκ ἐπλήρησαν (1)  
 Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυρὸς . . . καὶ ὁλύρα (1)  
 [Th. Ez. 4. 9.]  
 ὁλυρίτης (-εί).  
 III Ki. 19. 6. πρὸς κεφαλῆς αὐ. ἐγκρυφίας δ. †  
 ὄλως.  
 Jb. 34. 8. B' οὐδ' ὄλως κοινωνήσας [A B S' al.] —  
 ὁμαλίζειν. (1) ἡλῆ. a. pi. ὁ. hi. (2) ἡλῆ. pi.  
 Si. 21. 10. ὁδὸς ἀμαρτανῶν ὁμαλίσθη ἐκ λίθων  
 Is. 28. 25. ὅταν ὁμαλίσθῃ τὸ πρόσωπον αὐτῆς (2)  
 45. 2. ὅρη ὁμαλῶ (1a, 1b\*)  
 [Bm. Jb. 39. 10: Ps. 5. 9: Is. 40. 3.]

**ὁμαλισμός.**  
 Mi. 7. 12. καὶ αἰ πόλεις σου ἤξουσιν εἰς ὁμαλισμὸν +  
 Ba. 5. 7. φάραγγας πληροῦσθαι εἰς ὁμαλισμὸν τῆς γῆς  
**ὁμαλός.**  
 [Aq. Nu. 31. 12: Dt. 1. 1, 7: 34. 1: Jo. 13. 6: 1 Ki. 28. 24: II Ki. 2. 29: 4. 7: Jb. 39. 6: Ps. 25 (26). 12 (P.): Is. 35. 6: 41. 19: 51. 3: Am. 6. 14.]  
 [Sm. Dt. 1. 1: 3. 10: Jo. 13. 9: Ps. 25 (26). 12: 142 (143). 10.]  
 [Th. II Ki. 2. 29: Ps. 25 (26). 12 (P.).]  
**ὁμβρεῖν.**  
 [Aq. Ps. 77 (78). 2.]  
**ὁμβρημα.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 Ps. 77 (78). 44. καὶ τὰ ὁ. αὐτῶν ὥπως μὴ πίωσιν (1)  
**ὁμβρος.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 De. 32. 2. ὥσει ὁμβρος ἐπ' ἄγρωσιν (1)  
 Wi. 16. 16. ὁμβροὶ διωκόμενοι ἀπαραίτητοι [A  
 — (77). εὐλογεῖτε, ὁμβροὶ . . . τὸν κύριον  
 Da. LXX. 3. (64). εὐλογεῖτε, πᾶς ὁ. καὶ δρόσος, τὸν  
 κύριον  
 — (77). εὐλογεῖτε, ὁμβροὶ . . . τὸν κύριον  
 Da. TH. 3. (64). εὐλογεῖτε πᾶς ὁ. . . τὸν κύριον  
 [Aq. Ge. 7. 12: Ps. 67 (68). 10: Pr. 25. 23.]  
 [Sm. Jb. 28. 27: 37. 6.]  
 [Th. Da. 8. (77).]  
 [Al. Hb. 8. 10.]  
**ὁμεῖρεσθαι.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍 pi.  
 Jb. 3. 21. A B S οἱ ὁμεῖρονται [B<sup>2</sup> R Im.] τοῦ  
 θανάτου (1)  
 [Sm. Ps. 62 (63). 2.]  
**ὁμηρος.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 Is. 18. 2. ὁ ἀποστέλλων ἐν θαλάσῃ ὁμηρα (1?)  
 I Ma. 1. 10. δεῖ ἡν ὁμηρα ἐν τῇ Ῥόμῃ  
 8. 7. A R διδόναι ὁμηρα [S -on]  
 9. 53. ἔλαβε τοὺς υἱοὺς τῶν ἡγόνων . . . ὁμηρα  
 10. 6. τὰ ὁ. τὰ ἐν τῇ ἁκρᾷ εἶπε παραδοῦναι αὐτῷ  
 — 9. παρεῖδων . . . τὰ ὁ.  
 11. 62. ἔλαβε τοὺς υἱοὺς τὸν ἀρχόντων αὐ. εἰς ὁμηρα  
 13. 16. καὶ δύο τῶν υἱῶν αὐ. ὁμηρα  
 [Aq. IV Ki. 14. 14: Pr. 13. 17.]  
 [Sm. Is. 57. 9.]  
 [Th. Is. 18. 2.]  
**ὁμίλειν.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍 pi. (2) 𐤁𐤓𐤁𐤍 (3) 𐤁𐤓𐤁𐤍 pi.  
 Ju. 12. 12. οὐχ ὁμίλησαντες αὐτῇ  
 Pr. 5. 19. ἔλαφος φίλιας καὶ πῶλος σῶν χαρί-  
 των ὁμιλεῖται σοι (3)  
 15. 12. μετὰ δὲ σοφῶν οὐχ ὁμιλήσει (2)  
 23. 30. ὁμιλεῖτε ἀνθρώποις δικαίοις καὶ ὁμι-  
 λείτε ἐν περιπάτοις —, —  
 Si. 11. 20. στήθι ἐν διαθήκῃ σου καὶ ὁμίλει ἐν αὐτῇ  
 Da. LXX. Su. 37. ἐθεωροῦμεν αὐτοὺς ὁμιλοῦντας  
 ἀλλήλους  
 — 57. ἐκείναι φοβούμεναι ὁμιλοῦσαν ὑμῖν  
 — 58. κατέλαβες αὐτοὺς ὁμιλοῦντας ἀλλήλους  
 1. 19. ὁμίλησεν αὐτοῖς ὁ βασις. (1)  
 Da. TH. Su. 54. εἶδες αὐτοὺς ὁμιλοῦντας ἀλλήλους  
 — 57. ἐκείναι φοβούμεναι ὁμιλοῦν ὑμῖν  
 — 58. κατέλαβες αὐτοὺς ὁμιλοῦντας ἀλλήλους  
 [Aq. Ge. 24. 63: Jd. 5. 10: Ps. 68 (69). 13: 118 (119). 23.]  
 [Sm. III Ki. 18. 27: Jb. 12. 8: 15. 4: Ps. 82 (83). 4.]  
**ὁμίλια.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍 (2) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 Ex. 21. 10. τὴν ὁ. αὐτῆς οὐκ ἀποστερήσει (2)  
 Pr. 7. 21. ἀπεπλάγησε δὲ αὐτὸν πολλὴ ὁμίλια (1)  
 23. 29. 8<sup>6</sup> τίνας φλυαρίαὶ ὁμίλια [A B S<sup>1</sup> al.] +  
 Wi. 8. 18. ἐν συγκυρῇ ὁμίλιας [A -ia] αὐτῆς  
 φρόνησις  
 III Ma. 5. 18. R ἐπὶ πλείον δὲ προβαίνουσης τῆς ὁ.  
 [A al.]  
 [Aq. III Ki. 18. 27: Ps. 54 (55). 3: 103 (104). 34: Am. 4. 13.]  
 [Sm. Jb. 15. 8: Ps. 24 (25). 14: 54 (55). 15: 88 (89). 8: Is. 3. 3: 50. 4: JE. 23. 18: Ez. 13. 9.]  
**ὁμιλος.**  
 [Aq. I Ki. 19. 20.]

**ὁμίχλη.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍 (2) 𐤁𐤓𐤁𐤍 (3) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 (4) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 Jb. 24. 20. ὥσπερ δὲ ὁμίχλη δρόσου ἀφανὴς  
 ἐγένετο +  
 38. 9. ὁμίχλη δὲ αὐτὴν ἐσπαργάνωσα (4)  
 Ps. 147. 5 (16). τοῦ . . . ὁμίχλην [S<sup>1</sup> -η] ὥσει  
 σποδὸν πάσσοντος (2?)  
 Wi. 2. 4. ὡς ὁμίχλη ἐπασκεδασθήσεται  
 Si. 24. 3. ὡς ὁμίχλη [A -ην] κατεκίλυψα γῆν  
 43. 22. ἴσους πάντων [S<sup>1</sup> πάγων] κατὰ σπουδὴν  
 ὁμίχλη  
 Am. 4. 13. ποῶν ὄρθρον καὶ ὁμίχλην (3)  
 Jl. 2. 2. Ze. 1. 15. ἡμέρα νεφέλης καὶ ὁμίχλης (4)  
 Is. 29. 18. ἀκούσονται . . . οἱ ἐν τῇ ὁ. (1)  
 [Aq. Dt. 4. 11: Jb. 3. 5.]  
 [Sm. Ex. 20. 21: Ps. 96 (97). 2.]  
**ὁμιχλοῦν.**  
 [Sm. Ps. 64 (65). 13.]  
**ὁμμα.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 Pr. 6. 4. μὴ δῆς ὕπνον σοὶ ὁμμασι (1)  
 7. 2. τοὺς δὲ ἐμοὺς λόγους ὥσπερ κύρας ὁμμάτω (1)  
 9. 18. A B μὴ δὲ ἐπιστήγης τὸ σὸν ὁμμα [S R  
 ὄμμα] πρὸς αὐτὴν —  
 10. 26. ὥσπερ ὁμμάς ὁδοῦναι βλαβερὸν καὶ  
 καπνὸς ὁμμασιν (1)  
 23. 5. ἐὰν ἐπιστήγης τὸ σὸν ὁμμα πρὸς αὐτὸν (1)  
 Wi. 11. 18. ἡ δεινὸς ἀπ' ὁμμάτων σπινθήρας ἀστράπ-  
 τιστας  
 15. 15. οὐτε ὁμμάτων χρῆσις εἰς ὄρασιν  
 IV Ma. 5. 30. οὐδ' ἂν ἐκκόψης μου τὰ ὁ.  
 6. 26. ἀνέτεινε τὰ ὁ. πρὸς τὸν θεόν  
 18. 21. καὶ τὰς τῶν ὁ. κύρας ἐπήρωσε  
**ὁμνύνει, ὁμνύναι.** (1) 𐤁𐤓𐤁𐤍 (2) 𐤁𐤓𐤁𐤍 a. ni.  
 ὁ. hi. (3) 𐤁𐤓𐤁𐤍  
 Ge. 21. 23. ὁμνῶσιν μοι τὸν θεὸν μὴ ἀδικήσιν (2 a)  
 — 24. καὶ εἶπεν Ἀβραάμ, Ἐγὼ ὁμνοῦμαι (2 a)  
 — 31. ὅτι ἐκεῖ ὁμνῶσαν ἀμφότεροι (2 a)  
 22. 16. κατ' ἐμαντοῦ ὁμῶσα (2 a)  
 24. 7. καὶ ὁμῶσέ μοι (2 a)  
 — 9. καὶ ὁμῶσαν αὐτῷ περὶ τοῦ ῥήματος τ.  
 25. 33. ὁμῶσάν μοι σήμερον (2 a)  
 — 33. καὶ ὁμῶσαν αὐτῷ (2 a)  
 26. 3. τὸν ὄρκον μου ἐν ὁμῶσα τῷ Ἀβραάμ (2 a)  
 — 31. ὥσπερ ἐκαστος [A ὁμῶσαν ἀνθρώπος]  
 τῷ πλησίον αὐ. (2 a)  
 31. 53. ὥμῶσαν Ἰ. κατὰ τὸ φόβου τοῦ πατρὸς (2 a)  
 47. 31. ὁμῶσάν μοι καὶ ὥμῶσαν αὐτῷ (2 a, 2 a)  
 50. 24. ἡν ὥμῶσαν ὁ θ. τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
 Ex. 13. 5. ἡν ὥμῶσε τοῖς πατράσι σου δοῦναι (2 a)  
 — 11. ἐν τρόπῳ ὥμῶσε τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 22. 8 (7). οἰεῖται ἡ μὴν μὴ [A om.] αὐτὸν  
 πεποινημένους  
 32. 13. οἷς ὥμῶσας [A add. αὐτοῖς] κατὰ  
 σεαυτοῦ (2 a)  
 33. 1. τὴν γῆν ἡν ὥμῶσα τῷ Ἀβραάμ (2 a)  
 Le. 6. 3 (5. 22). καὶ ὁμῶσθ' ἀδίκως περὶ ἐνός  
 — 4 (5. 24). οὐ ὥμῶσε περὶ αὐτοῦ ἀδίκως (2 a)  
 19. 12. οὐκ ὁμείσθη τῷ ὀνόματι μου ἐπ' ἀδικῶ (2 a)  
 Nu. 11. 12. ἡν ὥμῶσας τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 a)  
 14. 16. ἡν ὥμῶσαν αὐτοῖς (2 a)  
 — 23. ἡν ὥμῶσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 a)  
 30. 3. ἡ ὁμότης ὄρκων (2 a)  
 32. 10. καὶ ὥμῶσε λέγων (2 a)  
 — 11. B ἡν ὥμῶσε [A R -σα] τῷ Ἀβρ.  
 De. 1. 8. ἡν ὥμῶσα τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 34. παροξυνθεὶς ὥμῶσε λέγων (2 a)  
 — 35. ἡν ὥμῶσα τοῖς πατράσιν αὐ. (2 a)  
 2. 14. καθότι ὥμῶσε κ. ὁ θεὸς αὐτοῖς (2 a)  
 4. 21. ὥμῶσαν ἵνα μὴ διαβῶ (2 a)  
 — 31. ἡν ὥμῶσαν αὐτοῖς (2 a)  
 6. 10. ἡν ὥμῶσε τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 — 13. B<sup>1</sup> τῷ [A B<sup>2</sup> R ἐπὶ τῷ] ὀνόματι αὐ. ὁμῶ (2 a)  
 — 18. ἡν ὥμῶσε κύριος τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 23. ἡν ὥμῶσε δοῦναι (2 a)  
 7. 8. ἐν ὥμῶσε τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 12. ὁ ὥμῶσε τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 13. ἡς ὥμῶσε κ. τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 8. 1. ἡν ὥμῶσε . . . τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 18. ἡν ὥμῶσε κύριος τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 9. 5. ἡν ὥμῶσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
 — 27. οἷς ὥμῶσας κατὰ σεαυτοῦ —

De. 10. 11. ἡν ὥμῶσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 a)  
 — 20. B τῷ [A R ἐπὶ τῷ] ὀνόματι αὐτῶν ὁμῶ (2 a)  
 11. 9, 21. ἡς ὥμῶσε κ. τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 13. 17 (18): 19. 8. ἐν τρόπῳ ὥμῶσε τοῖς  
 πατράσι σου (2 a)  
 26. 3. ἡν ὥμῶσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
 — 15. καθὰ ὥμῶσας τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
 28. 9. ἐν τρόπῳ ὥμῶσε τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 — 11. ἡς ὥμῶσε κύριος τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 29. 13 (12). ἐν τρόπῳ ὥμῶσε τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 30. 20. ἡς ὥμῶσε κ. τοῖς πατράσι σου (2 a)  
 31. 7. ἡν ὥμῶσε κ. τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 20, 21. ἡν ὥμῶσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 a)  
 — 23. ἡν ὥμῶσε κύριος αὐτοῖς (2 a)  
 32. 40. ὁμῶμαι τὴν δεξιάν μου —  
 34. 4. ἡν ὥμῶσα Ἀβραάμ (2 a)  
 Jo. 1. 6. ἡν ὥμῶσα τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 2. 12. καὶ νῦν ὁμῶσατέ μοι (2 a)  
 5. 6. ἡν ὥμῶσε κ. τοῖς πατράσιν αὐ. (2 a)  
 9. 15. ὥμῶσαν αὐτοῖς οἱ ἀρχόντες τῆς συναγ.  
 — 18. ὥμῶσαν αὐτοῖς . . . κ. τὸν θεόν Ἰσρ. (2 a)  
 — 19. ὥμῶσαμεν αὐτοῖς κ. τὸν θεόν Ἰσρ. (2 a)  
 — 20. ἐν ὥμῶσῳ αὐτοῖς (2 a)  
 14. 9. ὥμῶσε M. ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμ. (2 a)  
 21. 41. ἡν ὥμῶσε δοῦναι τοῖς πατράσιν αὐ. (2 a)  
 — 42. καθότι ὥμῶσε τοῖς πατράσιν αὐ. (2 a)  
 Jd. 2. 1. ἡν ὥμῶσα [A -σεν] τοῖς πατράσιν ὑμῶν (2 a)  
 — 15. καθὼς ὥμῶσε κύριος αὐτοῖς (2 a)  
 8. 19. A καὶ ὥμῶσαν αὐτοῖς —  
 15. 12. ὁμῶσατέ μοι (2 a)  
 — 13. A ὥμῶσαν [B εἶπον] αὐτῷ (1)  
 21. 1. ὥμῶσαν [A -εν] ἐν M. (2 a)  
 — 7. ὥμῶσαμεν ἐν κυρίῳ (2 a)  
 — 18. ὥμῶσαμεν ἐν υἱοῖς [A οἱ υἱ.] Ἰσρ. (2 a)  
 I Ki. 3. 14. ὥμῶσα τῷ οἴκῳ Ἰ. (2 a)  
 19. 6. καὶ ὥμῶσε Σαυὺλ (2 a)  
 20. 17. προσέτιθετο ἔτι Ἰων. ὁμῶσαι τῷ Δ. (2 b)  
 — 42. ὡς ὁμῶσάμεν ἡμεῖς ἀμφότεροι (2 a)  
 24. 22. ὁμῶσάν μοι ἐν κυρίῳ (2 a)  
 — 23. ὥμῶσε Δ. τῷ Σ. (2 a)  
 28. 10. ὥμῶσαν αὐτῇ Σ. (2 a)  
 30. 15. ὁμῶσαν ὅμῳ μοι κατὰ τοῦ θεοῦ (2 a)  
 II Ki. 3. 9. καθὼς ὥμῶσε κύριος τῷ Δ. (2 a)  
 — 35. ὥμῶσε Δ. λέγων (2 a)  
 19. 7 (8). ἐν κυρίῳ ὥμῶσα (2 a)  
 — 23 (24). ὥμῶσαν αὐτῷ ὁ βασις. (2 a)  
 21. 2. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ὥμῶσαν αὐτοῖς (2 a)  
 — 17. ὥμῶσαν οἱ ἄνδρες Δ. (2 a)  
 III Ki. 1. 13. οὐχὶ σὺ . . . ὥμῶσας τῇ δούλῃ σου (2 a)  
 — 17. σὺ ὥμῶσας ἐν κ. τῷ θ. σου τῇ δούλῃ  
 σου (2 a)  
 — 29. ὥμῶσαν ὁ βασιλεὺς (2 a)  
 — 30. καθὼς ὥμῶσά σοι (2 a)  
 — 51. ὁμῶσάτω μοι σήμερον Σαλ. (2 a)  
 2. 8. ὥμῶσα αὐτῷ ἐν κυρίῳ (2 a)  
 — 23. ὥμῶσαν ὁ βασις, Σαλ. (2 a)  
 3. 1 (2. 8). ὥμῶσα αὐτῷ . . . λέγων (2 a)  
 IV Ki. 25. 24. ὥμῶσε Γοδ. αὐτοῖς (2 a)  
 II Ch. 15. 14. ὥμῶσαν [A -εν] ἐν κυρίῳ (2 a)  
 — 15. ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς ὥμῶσαν (2 a)  
 I Es. 8. 96. καὶ ὥμῶσαν (2 b)  
 II Es. 10. 5. καὶ ὥμῶσαν (2 b)  
 To. 9. 3. A B ὁμῶσκει 'P. μὴ ἐξέλθειν με [S al.]  
 10. 7. ὥμῶσε 'Ραγουὴλ ποιῆσαι  
 Ju. 1. 12. ὥμῶσε κατὰ τοῦ θρόνου  
 8. 9. ὡς ὥμῶσαν αὐτοῖς παραδώσειν τὴν πόλιν  
 Ps. 14 (15). 4. ὁ ὁμνῶν τῷ πλησίον αὐτοῦ (2 a)  
 23 (24). 4. οὐκ ὥμῶσαν ἐπὶ δόλῳ τῷ πλησίον  
 αὐτοῦ (2 a)  
 62 (63). 11. ἐπαινεθήσεται πᾶς ὁ ὁμνῶν ἐν  
 αὐτῷ (2 a)  
 88 (89). 3. ὥμῶσα Δαυὶδ τῷ δούλῳ μου (2 a)  
 — 35. ἀπαῖξ' ὥμῶσα ἐν τῷ ἁγίῳ μου (2 a)  
 — 49. ἡ ὥμῶσας τῷ Δαυὶδ ἐν τῇ ἀληθείᾳ σου (2 a)  
 94 (95). 1. ὡς ὥμῶσα ἐν τῇ ὀργῇ μου (2 a)  
 101 (102). 8. οἱ ἐπαινοῦντές με κατ' ἐμοῦ ὁμνῶν (2 a)  
 109 (110). 4. ὥμῶσε κύριος (2 a)  
 118 (119). 106. A B ὥμῶσα [S ὁμῶμοκα] καὶ  
 ἔστησα (2 a)  
 131 (132). 2. ὡς ὥμῶσε τῷ κυρίῳ (2 a)  
 — 11. ὥμῶσε κύριος τῷ Δαυὶδ ἀλθβειαν (2 a)  
 Pr. 24. 32 (30. 9). καὶ ὁμῶσω τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ (3)  
 Ec. 9. 2. ὡς ὁ ὁμνῶν καθὰς ὁ τὸν ὄρκον φοβοῦ-  
 μενος (2 a)  
 Wi. 14. 29. κακῶς ὁμῶσαντες ἀδικηθῆναι οὐ προσδέ-  
 χονται

Wi. 14. 30. ἰδίκως ὁμοσαν ἐν δόλῳ καταφρονή-  
σαντες διότιητος  
— 31. ἡ τῶν ὁμνυμένων δύναμις  
Si. 28. 10. ὁ ὁμνύων καὶ ὁνομάζων  
— 41. εἰ διὰ κινήσεως ὁμοσαν οὐ δικαιωθήσεται  
Ho. 4. 15. μὴ ὁμνύετε ζῶντα κύριον (2 a)  
Am. 4. 2. ὁμνύει κύριος κατὰ τῶν ἁγίων αὐτοῦ (2 a)  
6. 8. ὁμοσε κύριος καθ' ἑαυτοῦ (2 a)  
8. 7. ὁμνύει κύριος κατὰ τῆς ὑπερφανείας ἱ.  
— 14. οἱ ὁμνύοντες κατὰ τοῦ Ἰακώβου Σ. (2 a)  
Mi. 7. 20. καθότι ὁμοσαν τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
Ze. 1. 5. ΒΣ τοὺς ὁμνύοντας κατὰ τοῦ κ.  
— 5. τοὺς ὁμνύοντας κατὰ τοῦ βασιλέως (2 a)  
Ze. 5. 4. τὸν οἶκον τοῦ ὁμνύοντος τῷ ὀνόματι  
μου ἐπὶ ψεύδει (2 a)  
Ma. 3. 5. ἐπὶ τοὺς ὁμνύοντας τῷ ὀνόματι μου  
ἐπὶ ψεύδει (2 a)  
Is. 19. 17. Β' πᾶς δὲ ἐάν ὁμώσῃ [ABΣ' ὀνομάσῃ]  
αὐτὴν αὐτοῖς +  
— 18. ὁμνύοντες [Β' -ύοντες, ABΣ' -ύουσαι] τῷ  
ὀνόματι κυρίου (2 a)  
45. 23. Α' ΒΣ κατ' ἑμαυτοῦ ὁμνύω [Β' -ων] (2 a)  
— 24 (23). ὁμνείται πᾶσα γλῶσσα τὸν θεόν  
[ΑΒΣ' al.] (2 a)  
48. 1. οἱ ὁμνύοντες τῷ ὀνόματι κυρίου (2 a)  
54. 9. ὁμοσα αὐτῷ ἐν τῷ χρόνῳ ἐκείνῳ (2 a)  
62. 8. ὁμοσε κύριος κατὰ τῆς δόξης [Β' δεξιάς]  
αὐτοῦ (2 a)  
65. 16. οἱ ὁμνύοντες [Β' ὁμνύοντες] ἐπὶ τῆς γῆς  
ὁμνύοντα τὸν θεόν τὸν ἀληθινόν (2 a, 2 a)  
Je. 4. 2. ἀπὸ τοῦ προσώπου μου εὐλαβηθῇ καὶ  
ὁμῶς (2 a)  
5. 2. οὐκ ἐν [Α' ἐπὶ] ψεύδειαν ὁμνύουσι (2 a)  
— 7. ὁμνύουν ἐν τοῖς οὐκοῖς θεοῖς (2 a)  
7. 9. κλέπτετε καὶ ὁμνύετε ἐπὶ ἀδίκῳ (2 a)  
11. 5. ὁν ὁμοσα τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
12. 16. τοῦ ὁμνύει τῷ ὀνόματι μου (2 a)  
— 16. ἐδίδξαν τὸν λαόν μου ὁμνύνει τῇ Βαβυλ.  
22. 5. κατ' ἑμαυτοῦ ὁμοσα (2 a)  
28 (51). 14. ὁμοσε κύριος κατὰ τοῦ βραχίονος  
αὐτοῦ (2 a)  
29 (49). 13. κατ' ἑμαυτοῦ ὁμοσα (2 a)  
49 (32). 22. ἡ ὁμοσας τοῖς πατράσιν αὐτῶν (2 a)  
45 (38). 16. ὁμοσαν αὐτῷ δ. βασιλεὺς (2 a)  
47 (40). 9. ὁμοσαν αὐτοῖς Ὁδοῖας (2 a)  
51 (44). 26. ὁμοσα τὸν ὀνόματι μου τῷ μεγάλῳ (2 a)  
Ba. 2. 34. ἡ ὁμοσα τοῖς πατράσιν αὐτῶν +  
Ez. 6. 9. ὁμώμοκα [Α' -μεχεα] τῇ καρδίᾳ αὐτῶν +  
16. 8. ὁμοσά [Β' ὁμολόγησά] σοι (2 a)  
20. 6. Α' ἡ ὁμοσα [Β' ἡτοίμασα] αὐτοῖς +  
Da. LXX. 12. 7. ὁμοσε τὸν ζῶντα εἰς τὸν αἰῶνα  
θεόν (2 a)  
Bel 6. ὁμνύω δὲ σοι κ. τὸν θεόν τῶν θεῶν  
Da. TH. 12. 7. ὁμοσαν ἐν τῷ ζῶντι (2 a)  
I Ma. 6. 61. ὁμοσαν [Β' ὁμολόγησαν] αὐτοῖς ὁ βασις.  
— 62. ὁν ὁμοσε  
7. 15. καὶ ὁμοσαν αὐτοῖς  
— 18. τὸν ὁρκεν ὁν ὁμοσαν  
— 35. ὁμοσε μετὰ θυμοῦ  
9. 71. καὶ ὁμοσαν [Β' -αν] αὐτῷ  
II Ma. 13. 23. ὁμοσαν ἐπὶ πᾶσι τοῖς δικαίοις  
14. 33. ὁμοσε ταῦτα  
[Aq. Ps. 62 (63). 12 : 118 (119). 106 : Is. 19.  
18 : 54. 9 bis.]  
[Sm. II Ki. 21. 2 : Ps. 14 (15). 4 : 118 (119).  
106 : Is. 19. 18 : 54. 9 bis.]  
[Th. Ps. 118 (119). 106 : Is. 19. 18 : 54. 9 bis.]  
[Al. Dt. 28. 9.]  
**ὁμογνώμων.**  
[Sm. Ps. 118 (119). 24.]  
**ὁμοεθνή.**  
II Ma. 4. 2. τὸν κηδεμόνα τῶν δ.  
5. 6. πολεμίον καὶ οὐχ ὁμοεθνῶν τρόπαια κατα-  
βάλλεσθαι  
12. 5. τὴν γενομένην εἰς τοὺς δ. ὁμώτητα  
15. 30. ὁ τὴν τῆς ἡλικίας εὐνοῖαν εἰς ὁμοεθνεῖς δια-  
φυλάξας  
— 31. συγκαλέσας τοὺς δ.  
III Ma. 4. 12. τοὺς ἐκ τῆς πόλεως ὁμοεθνεῖς κρυβῆ  
ἐκπορευομένους  
7. 14. τὸν ἐμπεσόντα τῶν μεμιασμ. ὁμοεθνή  
**ὁμοζήλια.**  
IV Ma. 13. 25. ἡ γὰρ δ. τῆς καλοκάγαθίας

**ὁμοθυμαδόν.** (1) α. 717 δ. 1777, 1777  
Ex. 19. 8. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λαὸς δ. (1 b)  
Nu. 24. 24. αὐτοὶ δ. ἀπολύνονται +  
27. 21. αὐτοὶ καὶ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. δ. -  
I Es. 5. 47. συνήχθησαν δ. εἰς τὸ εὐρύχωρον  
— 58. πάντες οἱ Α. δ. ἐργοδιώκται  
9. 38. συνήχθη πᾶν τὸ πλῆθος δ.  
Ju. 4. 12. ἐβόησαν πρὸς τὸν θεόν ἱ. δ.  
7. 29. ἐν μέσῳ τῆς ἐκκλησίας πάντων δ.  
18. 17. καὶ εἶπαν δ.  
15. 2. ἐκχυθῆναι δ. ἐφυγον  
— 5. πάντες δ. ἐπέπεσον ἐπ' αὐτοὺς  
— 9. εὐλόγησαν αὐτὴν πάντες δ.  
Jb. 2. 11. παρεγένοντο πρὸς αὐτὸν δ. (1 b)  
3. 18. δ. δὲ οἱ αἰώνιοι [ΑΒΣ' δὲ αἰῶνες] οὐκ  
ἤκουσαν φωνῆν φορολόγου (1 a)  
6. 2. τὰς δὲ δόδους μου ἄρει ἐν ζυγῷ δ. (1 a)  
9. 32. ἵνα ἐλθωμεν δ. εἰς κρίσιν (1 b)  
18. 11 (10). δ. δὲ κατέδραμον ἐπ' ἐμοί (1 a)  
17. 16. ἡ δ. ἐπὶ χύματος καταβυσσόμεθα (1 a)  
19. 12. δ. δὲ ἤλθον τὰ πειραστήρια αὐτοῦ ἐπ' ἐμοί (1 a)  
21. 26. δ. δὲ ἐπὶ γῆς κοιμήσεται (1 a)  
24. 4. δ. δὲ ἐκρύβησαν πρᾶξι γῆς (1 a)  
— 17. δ. αὐτοῖς τὸ πρᾶσι σκία θανάτου [Α. πρ.  
δυσκοινοῦσαν] (1 b)  
31. 38. εἰ δὲ καὶ οἱ ἀδελφεοὶ αὐτῆς ἔκλιναν δ. (1 a)  
34. 15. τελευτήσῃ πᾶσα σὰρξ δ. (1 a)  
38. 33. τὰ ὑπ' οὐρανὸν δ. γινόμενα +  
40. 8 (13). κρῖνον δὲ εἰς γῆν δ. (1 a)  
Wi. 10. 20. τὴν τε ὑπερίστανον σου χεῖρα ἤμσαν δ.  
18. 5. δ. ἀπάλασσαν ἐν ὕδατι σφοδρῶς  
— 12. δ. δὲ πάντες ἐν ἐπὶ ὀνόματι θανάτου (1 a)  
Je. 5. 5. δ. συντήρησαν ζυγὸν (1 b)  
26 (46). 21. ἐφυγον δ. (1 b)  
La. 2. 8. τείχος δ. ἡσθένησε (1 b)  
III Ma. 4. 4. δ. ἐξέπεσεν ἄλλοτον  
— 6. θρήνον ἀνθ' ὑμῶν δ. ἐξήρχον  
5. 50. πρηγεῖς δ. ρίψαντες ἑαυτοὺς  
6. 39. ἀπαιτῶντες αὐτοὺς ἐρύσαστο δ.  
[Aq. Ps. 38 (34). 4 : Jb. 6. 11.]  
[Sm. Ps. 2. 2 : 40 (41). 8 : Is. 11. 7.]  
[Th. Jb. 24. 4 : Is. 11. 7 (Sw.). 22. 3.]  
[Al. I Ki. 11. 7.]  
**ὁμοιοπαθής.**  
Wi. 7. 3. ἐπὶ τὴν ὁμοιοπαθὴ κατέπεσον γῆν  
IV Ma. 12. 13. τοὺς δ. . . γλωστομοῖται  
**ὁμοιος.** (1) α. 717 δ. 1777 c. 1777  
(2) 7 (3) 777, 777 (4) 777 (5) 777  
(6) 777 (7) καὶ τὰ δ. αὐτῶν 777, 777  
(8) 777 (8) καὶ τὰ δ. αὐτῶν 777, 777  
(9) δ. γίνεσθαι 777 (10) δ. εἶναι  
α. 777 qal. δ. pi. c. hithp. d. 777  
Ge. 2. 20. οὐχ εὐρέθη βροτῶν δ. αὐτῷ (6)  
Ex. 15. 11. τίς δ. σοι ἐν θεοῖς (8)  
— 11. τίς δ. σοι (8)  
Le. 11. 14. καὶ τὸν ἰκτίνα καὶ τὰ δ. αὐτῷ [Α' -ὦν] (7 [8])  
— 15. καὶ λάρων καὶ τὰ δ. αὐτῷ [Α' αὐτῶν] (7 [8])  
— 16 (B), 14 (B'). κόρακα καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 16. Β καὶ ἱέρακα καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 19. ἐρωδιὸν καὶ χαρδριὸν καὶ τὰ δ. αὐτῷ  
[Α' -ὦν] (7 [8])  
— 22. τὸν βροῦχον καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 22. καὶ τὸν ἀτάρην καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 22. καὶ ὀφιομάχην καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 22. καὶ τὴν ἀκρίδα καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
De. 14. 13. τὸν ἰκτίνα καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 14. Α' πάντα κόρακα καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 14 (A), 16 (B). ἱέρακα καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
— 18. χαρδριὸν καὶ τὰ δ. αὐτῷ (7)  
33. 29. τίς ὁμοῖός σοι [Α. om.] λαός (8)  
Jd. 8. 18. Α' ὁμοῖός σοι ὁμοῖος αὐτῶν [Β al.] (3, 8)  
I Ki. 10. 24. οὐκ ἔστιν ὁμοῖος αὐτῷ (8)  
II Ki. 9. 8. ἐπὶ τὸν κυνὰ τὸν τεθηγῆκα τὸν δ. ἐμοί (8)  
III Ki. 3. 12. μετὰ σὲ οὐκ ἀναστῆσεται ὁμοῖός σοι (8)  
— 13. ὡς οὐ γέγονεν ἀνὴρ δ. σοι (8)  
IV Ki. 3. 7. ὁμοῖός μοι ὁμοῖός σοι (3, 8)  
18. 5. οὐκ ἐγενήθη ὁμοῖος αὐτῷ (8)  
23. 25. ὁμοῖος αὐτῷ οὐκ ἐγενήθη (8)  
— 25. μετ' αὐτὸν οὐκ ἀνέστη ὁμοῖος αὐτῷ (8)  
I Ch. 17. 20. οὐκ ἔστιν ὁμοῖός σοι (8)  
II Ch. 1. 12. ὡς [Α. add. σὺ] οὐκ ἐγενήθη ὁμοῖός σοι (4)

II Ch. 6. 14. οὐκ ἔστιν ὁμοῖός σοι θεός (8)  
35. 18. οὐκ ἐγένετο φασκὶς ὁμοῖον αὐτῷ (8)  
— 19. ὁμοῖος [Α' -ως] αὐτῷ οὐκ ἐγενήθη -  
— 19. μετ' αὐτὸν οὐκ ἀνέστη ὁμοῖος [Α. add. αὐτῷ] (8)  
Ne. 13. 26. οὐκ ἦν βασιλεὺς δ. αὐτῷ (8)  
To. 7. 2. ὡς δ. ὁ κενώσας Τωβ.  
8. 6. ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθὸν δ. [Α' om.] αὐτῷ  
9. 6. Β εἶδον Τ. τὸν ἀνεψιόν μου δ. αὐτῷ  
Ju. 12. 3. δοῦναι [Α. add. τὰ] ὁμοῖα αὐτοῖς  
Jb. 1. 8. Α' οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος ὁμοῖος αὐτῷ [ΒΣ  
ἔστι κατ' αὐτόν] (8)  
2. 3. Α' οὐκ ἔστι κατ' αὐτόν τῶν ἐπὶ τῆς γῆς  
ἄνθρωπος ὁμοῖος αὐτῷ [ΒΣ ἀνθρ.  
ἄκακος] (8)  
84. 29. Β' καὶ κατὰ ἀνθρώπου ὁμοῖον [ΑΒΣ' +  
ὁμοῦ] (8)  
35. 8. ἀνθρ. τῷ δ. σου ἡ ἀσιβεία σου (8)  
37. 23. οὐχ εὐρίσκωμεν ἄλλον ὁμοῖον [Α. add. αὐτῷ] -  
41. 24 (25). οὐκ ἔστιν οὐδὲν ἐπὶ τῆς γῆς ὁμοῖον  
αὐτῷ (6)  
Ps. 34 (35). 10. τίς ὁμοῖός σοι (8)  
49 (50). 21. ἔσομαι σοι ὁμοῖος (8)  
70 (71). 19. τίς ὁμοῖός σοι (8)  
85 (86). 8. οὐκ ἔστιν ὁμοῖός σοι ἐν θεοῖς (8)  
88 (89). 8. τίς ὁμοῖός σοι (8)  
118. 16 (115. 8). ΒΣ ὁμοῖοι αὐτοῖς [Α' -ὦν]  
γίνονται οἱ ποιοῦντες αὐτὰ (8)  
184 (185). 18. ὁμοῖοι αὐτοῖς γίνονται οἱ ποι-  
οῦντες αὐτὰ (8)  
Pr. 19. 12. βασιλεὺς ἀπειλή ὁμοῖα βρυγμῇ λείοντος (2)  
26. 4. ἵνα μὴ ὁμοῖος γένῃ αὐτῷ (9)  
— 8. ὁμοῖός ἐστι τῷ διδόντι ἀφρονι δόξαν (10 d)  
27. 19. Β' ὡς περὶ οὐχ ὁμοῖα πρὸς αὐτὸν προσώποις  
οὕτως οὐδὲ αἱ διώκοις [ΑΒΣ' καρδία]  
ὁμοῖα [ΑΒΣ' om.] τῶν ἀνθρ. +, -  
Ca. 2. 9. ὁμοῖός ἐστιν ἀδελφίδος μου τῇ δορκάδι (10 a)  
7. 1 (2). βύθιοι μνηρῶν σου ὁμοῖοι ὁρμίσκοις (8)  
Wi. 7. 3. πρῶτην φωνὴν τὴν ὁμοῖαν πᾶσιν ἴσα [Σ  
ἄπασιν] κλαίων  
11. 14. οὐχ ὁμοῖα δικαίως διηψάντες  
15. 16. οὐδεὶς γὰρ αὐτῷ ὁμοῖον ἀνθρώπος ἰσχύει  
πλάσαι θεόν [ΑΒΣ al.]  
16. α. δὲ ὁμοῖον ἐκολάσθησαν ἀξίως  
18. 11. ὁμοῖα δὲ δικὴ δούλων ἡμα διεσπότης κολασθεῖς  
Si. 7. 12. μηδὲ φίλῳ [Σ' ἐπὶ φ.] τὸ δ. ποιεῖ  
13. 15. πᾶν [φῶν ἀγαπᾷ τὸ δ. αὐτῷ]  
— 16. τῷ δ. αὐτοῦ προσκολληθήσεται ἀνὴρ  
27. 9. πετεινὰ πρὸς τὰ δ. αὐτοῖς [Α' -ὦν] καταλύσει  
28. 4. ἐπ' ἄνθρωπον ὁμοῖον [Β' τὸν δ.] αὐτῷ οὐκ  
ἔχει ἔλεος  
30. 4. ὁμοῖον γὰρ αὐτῷ κατέλιπε μετ' αὐτόν  
44. 19. οὐχ εὐρέθη ὁμοῖος [Α. δ. αὐτῷ] ἐν τῇ δόξῃ  
45. 6. Ἀπαρὼν ὑψώσωμεν ἄνθρωπον ὁμοῖον αὐτῷ  
48. 4. τίς ὁμοῖός σοι καυχῆσθαι [ΑΒ -χίσηται]  
[J. 2. 2. ὁμοῖος αὐτῷ [Α. αὐτοῖ] οὐ γέγονεν] (8)  
Is. 13. 4. φωνὴ ἐθνῶν πολλῶν ἐπὶ τῶν ὀρέων  
ὁμοῖα ἐθνῶν πολλῶν [Σ al.] (1 a)  
14. 14. ἔσομαι ὁμοῖος τῷ ὑψίστῳ (10 c)  
23. 2. τίς ὁμοῖος μαγνήσιον οἱ ἐνοικοῦντες ἐν  
τῇ νήσῳ +  
62. 7. οὐκ ἔστι γὰρ ὕμιν δ. [Β' ὁ οἶκος] +  
La. 1. 21. ἐγένοντο ὁμοῖοι ἐμοί [Α. al.] (3)  
Ez. 5. 9. ἀ οὐ ποιήσω ὁμοῖα αὐτοῖς ἐτι (8)  
16. 32. ἡ γυνὴ ἡ [Α. ὡς γ.] μαχρωμένη ὁμοῖα σοι -  
31. 8. αἱ πίπτες οὐχ ὁμοῖοι ταῖς παραφύσιν  
αὐ. καὶ ἐλάται οὐκ ἐγένοντο ὁμοῖα  
[Α' -οι] τοῖς κλάδοις αὐ. (1 b, 2)  
Da. LXX. 1. 19. οὐχ εὐρέθη ἐν τοῖς σοφοῖς  
ὁμοῖος τῷ Δ. (2)  
4. 8. οὐκ ἦν ἄλλο ὁμοῖον αὐτῷ -  
Da. TH. 1. 19. οὐχ εὐρέθησαν . . . ὁμοῖοι Δαν. (2)  
3. 25 (92). ἡ ὄρασις τὸν τετάρτον ὁμοῖα υἱὸς θεοῦ (1 c)  
7. 5. θηρίον δεύτερον ὁμοῖον ἀρκῷ (1 c)  
I Ma. 9. 29. ἀνθρ. δ. αὐτῷ οὐκ ἔστιν  
III Ma. 5. 20. κατὰ τὸ δ. ἐτοίμασαν τοὺς ἐλέφαντας  
IV Ma. 14. 14. ὁμοῖαν τὴν πρὸς τὰ ἐξ αὐτῶν γεννώμε-  
συμπάθειαν  
[Aq. Dt. 4. 32 : II Ki. 18. 3 : Ps. 49 (50). 21 :  
Jb. 10. 6, 7 : 49. 19 (29. 20).]  
[Sm. Ge. 44. 15 : Dt. 4. 32 : Jb. 31. 15 : Ps.  
91 (92). 8 : 188 (189). 12 : Ec. 8. 19 : 9. 2 :  
Jb. 49. 19 (29. 20) : La. 1. 21 (Sw.). Ez.  
18. 14.]  
[Th. Dt. 4. 32 : Jd. 8. 18 bis : Da. 3. 25 (92).]  
[Al. Nu. 23. 10 : Ps. 147. 9 (20).]  
[Quint. Ho. 5. 10.]

**ὁμοιότης.** (1) **ῥῶ**  
Ge. 1. 11. κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα —  
— 11. **Α** κατὰ γένος εἰς ὁμοιότητα [**B al.**] —  
— 12. κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα (1)  
Wi. 14. 19. ἐξεβίσαστο . . . τὴν δ. ἐπὶ τὸ κάλλιον  
IV Ma. 15. 4. **ψυχῆς** τε καὶ μορφῆς ὁμοιότητα  
**ὁμοιοῦν.** (1) **ῥῖα** ni. (2) **ῥῖα** a. gal.  
δ. ni. c. pi. (3) **ῥῖα** ni. (4) **ῥῖα**  
Ge. 34. 15. ἐν τούτῳ ὁμοιωθήσεται ὑμῖν (1)  
— 22. ἐν τούτῳ μόνον ὁμοιωθήσονται ἡμῖν (1)  
— 23. ἐν τούτῳ ὁμοιωθῶμεν αὐτοῖς (1)  
Ps. 27 (28). 1. ὁμοιωθήσονται τοῖς καταβαίνουσιν  
εἰς λάκκον (8)  
39 (40). 5. **ΑΒΒ** οὐκ ἔστι τις ὁμοιωθήσεται (4)  
48 (49). 12, 20. καὶ ὁμοιωθῇ αὐτοῖς (2 b)  
82 (83). 1. ὁ θεός, τις ὁμοιωθήσεται σοὶ +  
88 (89). 6. **τίς** [**ΑΒ** sm.] ὁμοιωθήσεται τῷ κ. (2 a)  
101 (102). 6. ὁμοιωθῶν περικεῖται ἐρημικῶ (2 a)  
142 (143). 7. ὁμοιωθήσονται τοῖς καταβαίνουσιν  
εἰς λάκκον (8)  
143 (144). 4. ἀνθρώπος ματαιότητι ὁμοιωθῇ (2 a)  
Ca. 1. 9. τῇ ἱππῇ μου . . . ὁμοιωσά γε (2 c)  
2. 17. ὁμοιωθῇ σὺ . . . τῷ δούλῳ μου (2 a)  
7. 7 (8). ὁμοιωθῇς [**Α** -θη, **Β** ὁμοιωθῇτι] τῷ  
φρονίῳ (2 a)  
8. 14. ὁμοιωθῇ τῇ δορκάδι (2 a)  
Wi. 7. 9. οὐδὲ ὁμοιωσάσιν αὐτῇ [**Α** -ην] λίθον ἀτίμητον  
13. 14. **ζωφ** τινὶ εὐτελεῖ ὁμοιωσέν [**Β** ἀφωμ.] αὐτό  
Si. 13. 1. ὁ κοινωνὸν ὑπερφάνη ὁμοιωθήσεται αὐτῷ  
25. 11. ὁ κρατὼν αὐτοῦ τινὶ ὁμοιωθήσεται  
27. 24. καὶ οὗχ ὁμοιωσάσιν αὐτῷ [**Α** -οῖς]  
36. 17 (14). ἐν πρωτοτόνῳ [**Β** -τόκω] ὁμοιωσας  
38. 27. καρδίαν αὐτοῦ ὥστε εἰς ὁμοιωσας ζωγραφίαν  
45. 2. ὁμοιωσέν αὐτὸν δόξῃ [**ΑΒ** ἐν δ.] ἀγίῳ  
Ho. 4. 5. νυκτὶ ὁμοιωσάσιν τὴν μητέρα σου (2 a)  
— 6. ὁμοιωθῇ [**Α** νυκτὶ ὡμ.] ὁ λαός μου (2 b)  
12. 10 (11). καὶ ἐν χειρὶ προφῆτῶν ὁμοιωθῶν (2 c)  
Ze. 1. 11. ὅτι ὁμοιωθῇ πᾶς ὁ λαός Χ. (2 b)  
Is. 1. 9. ὡς Γόμορρα ἂν ὁμοιωθῇ (2 a)  
40. 18. τινὶ ὁμοιωσάτε κύριον καὶ τινὶ ὁμοιωμάτι  
ὁμοιωσάτε αὐτόν (2 c, 4)  
— 25. 46. 5. τινὶ με ὁμοιωσάτε (2 c)  
La. 2. 13. τί ὁμοιωσάσιν σοὶ (2 c)  
Ep. Je. 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ θρόνου λίθοις ὁμοιωμένοι εἰσὶ  
Ez. 31. 2. τινὶ ὁμοιωσας σεαυτὸν ἐν τῷ ὕψει  
σου (2 a)  
— 8. πᾶν ξύλον . . . οὐχ ὁμοιωθῇ αὐτῷ (2 a)  
— 18. τινὶ ὁμοιωθῇ (2 a)  
32. 2. λέοντι ἐθνῶν ὁμοιωθῇ σὺ (2 b)  
I Ma. 3. 4. ὁμοιωθῇ λέοντι  
[Sm. Ex. 15. 11 : Ps. 27 (28). 1 : 130 (131). 2.]  
[Th. Ps. 143 (144). 4 : Ez. 31. 8.]  
**ὁμοιόφωτος.**  
II Ma. 14. 20. **Α** φανεῖσθαι ὁμοιόφωτος [**B** ὁμοφ.]  
γνώμης  
**ὁμοίωμα.** (1) **α. ῥῖα** δ. **ῥῖα** (2) **ῥῖα**  
(3) **ῥῖα** (4) **ῥῖα** (5) **ῥῖα** (6) **ῥῖα**  
(7) **ῥῖα**  
Ex. 20. 4. οὐδὲ παντὸς ὁμοίωμα (7)  
De. 4. 12. ὁμοίωμα οὐκ εἶδετε (7)  
— 15. οὐκ εἶδετε ὁμοίωμα (7)  
— 16. γλυπτὸν δ. . . ὁμοίωμα ἀρσενικοῦ (7, 8)  
— 17. ὁμοίωμα παντὸς κτήνους (6)  
— 17. ὁμοίωμα παντὸς ὀρνέου πτερωτοῦ (6)  
— 18. ὁμοίωμα παντὸς ἐρπετοῦ (6)  
— 18. ὁμοίωμα παντὸς ἰχθύος (6)  
— 23. καὶ ποιήσῃτε . . . γλυπτὸν δ. πάντων (7)  
— 25. καὶ ποιήσῃτε γλυπτὸν δ. παντός (7)  
5. 8. οὐ ποιήσῃτε . . . παντὸς ὁμοίωμα  
Jo. 22. 28. ἴδετε ὁμοίωμα τοῦ θυσιαστηρίου κ.  
Jd. 8. 18. εἰς ὁμοίωμα νιὸς βασιλείας [**Α** al.] (6)  
I Ki. 6. 5. **Α** ποιήσῃτε ὁμοίωμα τῶν ἐδρῶν ὑμῶν  
[**B** al.] (4)  
— 5. ὁμοίωμα τῶν μῶν ὑμῶν (4)  
IV Ki. 16. 10. ἀπὸτετελεον . . . τὸ δ. τοῦ θυσια-  
στηρίου (1 a)  
II Ch. 4. 3. ὁμοίωμα μύσων ὑποκάτω αὐτῆς (1 a)  
Ps. 105 (106). 20. ἐν ὁμοιωμάτι μύσων ἐσθοντος  
λόγρον (6)  
143 (144). 12. περικεκοσμημένοι ὡς ὁμοίωμα  
ναῶν (6)

Ca. 1. 11. ὁμοιώματα [**Β** -μα] χρυσίου ποιήσο-  
μέν σοι +  
Si. 31 (34). 3. κατέναντι προσώπου ὁμοίωμα προσώ-  
που  
38. 28. κατέναντι ὁμοιωμάτων σκεύους οἱ ὀφθ. αὐ.  
Is. 40. 18. τινὶ ὁμοιωμάτι ὁμοιωσάτε αὐτόν (1 a)  
— 19. ὁμοίωμα κατεσκεύασεν αὐτόν +  
Ez. 1. 4. **Α** ὡς ὁμοίωμα [**Β** ὁρασις] ἡλέκτρον (8)  
— 5. ὡς ὁμοίωμα τεσσάρων ζώων . . . ὁμοίωμα  
ἀνθρώπου ἐπ' αὐτοῖς (1 a, 1 a)  
— 16. **Α** **Β** ὁμοίωμα ἐν τοῖς τέσσαρσι (1 a)  
— 22. ὁμοίωμα ὑπὲρ κεφαλῆς αὐ. τῶν ζώων (1 a)  
— 26. ὁμοίωμα θρόνου ἐπ' αὐτοῦ καὶ ἐπὶ τοῦ  
δ. τοῦ θρόνου ὁμοίωμα (1 a ter)  
2. 1 (1. 28). αὐτῇ ἡ ὁρασις ὁμοιωμάτων [**Α** -μα  
τῆς] δόξης κυρίου (1 a)  
8. 2. ἰδοὺ ὁμοίωμα ἀνδρός (1 a + 2)  
— 3. ἐξέτεινεν ὁμοίωμα χειρὸς (6)  
10. 7. ὁμοίωμα θρόνου ἐπ' αὐτῶν (2 + 1 a)  
— 8. ἰδοὺ τὰ Χερουβὶμ ὁμοίωμα χειρῶν ἀν-  
θρώπων (6)  
— 10. ἡ ὄψις αὐτῶν ὁμοίωμα ἐν τοῖς τέσσαρσι (1 a)  
— 21. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπου ὑποκάτωθεν  
τῶν πτερίγων αὐτῶν (1 a)  
— 22. **Α** ὁμοίωμα [**Β** ὁμοιωσις] τῶν προσώ-  
πων αὐτῶν (1 a)  
28. 15. ὁμοίωμα νιῶν Χαλδαίων (1 a)  
Da. LXX. 3. 25 (92). ἡ ὁρασις τοῦ τετάρτου  
ὁμοίωμα ἀγγέλου θεοῦ (1 b)  
I Ma. 3. 48. ἐξημερώνον τὰ ἔθνη τὰ δ. τῶν εἰδῶλων αὐ.  
[Aq. Ge. 5. 1 : Is. 40. 18.]  
[Sm. Is. 40. 18 : Ez. 10. 1 : 28. 12.]  
[Th. Is. 40. 18 : Ez. 10. 1.]  
[Al. Le. 13. 10 : Ez. 1. 4.]  
**ὁμοίως.** (1) **ῥ**  
I Ch. 28. 16. ἔδωκεν αὐτῷ δ. τὸν σταθμόν +  
II Ch. 35. 19. **Α** **δ.** [**Β** -ος] αὐτῷ οὐκ ἐγενήθη -  
I Es. 5. 69. δ. γὰρ ὑμῖν ἀκούομεν  
6. 30. δ. δὲ καὶ πυρὸν καὶ ἄλα  
8. 20. δ. δὲ καὶ ἔως πυρὸς κόρων ἑκατόν  
To. 5. 14. **Β** τὰ δεικνῶ σοὶ δ. [**Α** **Β** ὡς καὶ] τῷ νιῷ  
μου  
12. 3. σὲ δ. [**Β** al.] ἐβερέπυσσε  
Es. 1. 18. τοιμήσουσιν δ. ἀνίστασαι τοὺς ἄνδρας αὐ. +  
Jb. 1. 16. τοὺς ποιμένας κατέφαγεν δ. -  
Ps. 67 (68). 6. δ. τοὺς παραπικαίνοντας τοὺς  
κατοικοῦντας ἐν τάφοις +  
Pr. 1. 27. ἡ δὲ καταστροφή δ. καταγίλη παρῇ (1)  
4. 18. αἱ δὲ ὁδοὶ τῶν δικαίων δ. φωτὶ λάμπουσι (1)  
19. 29. καὶ τιμωρίαν δ. ἀφροσύνῃ +  
Wi. 6. 7. δ. τε προνοεῖ περὶ πάντων  
11. 11. καὶ ἀπόντες δὲ καὶ παρόντες δ. ἐνρύχοντο  
15. 7. τὰ τε ἐναντία πάνθ' ὁμοίως  
18. 9. τῶν αὐτῶν δ. καὶ ἀγαθῶν καὶ κινδύνων  
Si. 24. 11. ἐν πόλει ἡγαπημένη δ. με κατέπαυσε  
Ez. 14. 10. κατὰ τὸ ἀδικημα δ. τῷ προφῆτῃ ἔσται -  
45. 11. ἡ χοιρὴ δ. μία ἔσται τοῦ λαμβάνειν +  
II Ma. 10. 36. ἔτεροι δ. δ. προσαναβάντες  
IV Ma. 5. 21. ὡς δ. δ. νόμος ὑπερφηναίνεται  
11. 15. ἀποδιδῶσκον ὀφειλομένον δ.  
13. 27. **Α** ἀλλ' δ. [**Β** **δ** ὡς] καίπερ  
[Aq. Ps. 28 (29). 6 bis : 57 (58). 9 : 77 (78).  
69 : 87 (88). 6 : 140 (141). 7 : Is. 30. 22 :  
Je. 52. 22 : Ho. 8. 12.]  
[Sm. Jb. 9. 26 : 13. 28 : Ec. 2. 14 : Je. 52. 22.]  
[Sext. Ps. 28 (29). 6.]  
**ὁμοίως.** (1) **α. ῥῖα** δ. **ῥῖα** (2) **ῥῖα**  
(3) **ῥῖα**  
Ge. 1. 26. κατ' εἰκόνα ἡμετέραν καὶ καθ' ὁμοίωσιν (1 a)  
Ps. 57 (68). 4. θμῶς αὐτοῖς κατὰ τὴν δ. τοῦ  
θεφους (1 a)  
Ez. 1. 10. ὁμοίωσις [**Α** ἡ δ.] τῶν προσώπων αὐ-  
τῶν πρόσκων ἀνθρώπου (1 a)  
8. 10. **Α** πᾶσα δ. ἐρπετοῦ καὶ κτήνους (2)  
10. 22. ὁμοίωσις [**Α** -ωμα] τῶν προσώπων αὐτῶν (1 a)  
28. 12. σὺ [**Α** add. εἰ] ἀποσφράγισμα ὁμοί-  
ωσις (8)  
Da. LXX. 7. 5. ἄλλο θηρίον ὁμοίωσιν ἔχον ἄρκου (1 b)  
10. 16. ὡς ὁμοίωσις χειρὸς ἀνθρώπου (1 a)  
Da. TH. 10. 16. ὡς ὁμοίωσις νιὸς ἀνθρώπου (1 a)  
[Aq. Ge. 1. 26 : Ps. 18 (17). 15 : Ca. 3. 6 : Ez.  
1. 13.]  
[Sm. Ge. 1. 26 : 5. 1 : Ps. 18 (17). 15 : Ez. 1. 5.]  
[Th. Ge. 1. 26 : Ez. 8. 10.]

**ὁμολογεῖν.** (1) **ῥῖα** hi. (2) **ῥῖα** (3) **ῥῖα** ni.  
I Es. 4. 60. καὶ σοὶ ὁμολογῶ  
6. 61. **Α** ὁμολογοῦντες [**Β** εὐλογ.] τῷ κυρίῳ  
Es. 1. 1. ὁμολογήσαντες ἀπήχθησαν  
Jb. 40. 9 (14). ὁμολογήσω ὅτι δύναται ἡ δεξιὰ  
σου σῶσαι (1)  
Wi. 18. 13. ὁμολόγησαν θεοῦ νῖον λαὸν εἶναι  
Si. 4. 26. μὴ αἰσχυρῶς ὁμολογήσαι ἐφ' ἁμαρτίαις σου  
Je. 51 (44). 25. ἄς ὁμολογήκαμεν [**Α** **Β** -σαμεν,  
**Β** ὁμολογήσωμεν] (2)  
Ez. 18. 8. **Β** καὶ ὁμολογήσῃ [**Α** **Β** **Β** ὁμολογῶ] σοὶ (3)  
Da. TH. Su. 14. ὁμολόγησαν τὴν ἐπιθυμίαν αὐ.  
I Ma. 6. 61. **Β** ὁμολόγησεν [**Α** **Β** **Β** ὁμολογῶ] αὐτοῖς  
ὁ βασις.  
II Ma. 6. 6. οὕτως ἀπλῶς Ἰουδαῖον ὁμολογεῖν εἶναι  
IV Ma. 6. 34. ὁμολογεῖν ἡμᾶς τὸ κράτος εἶναι τοῦ  
λογισμοῦ  
9. 16. ὁμολόγησον φαγεῖν  
13. 5. τὴν τῆς εὐλογίας παθοκράτειαν ὁμολογεῖν  
[Aq. Th. Pr. 28. 13.]  
[Sm. Ps. 98 (99). 3.]  
**ὁμολογία.** (1) **ῥῖα** (2) **ῥῖα**  
Le. 22. 18. κατὰ πάσαν δ. αὐτῶν (2)  
De. 12. 6. οἴσετε . . . τὰς δ. ὑμῶν (1)  
— 17. φαγεῖν . . . τὰς δ. ὑμῶν (1)  
I Es. 9. 8. ὅστε ὁμολογίαν δόξαν τῷ κυρίῳ  
Am. 4. 5. καὶ ἐπεκαλέσαντο ὁμολογίαν (1)  
Ez. 51 (44). 25. ποιήσωμεν τὰς δ. ἡμῶν . . . ἐνε-  
μύνετε τὰς δ. [**Β** τὰς δ.] ὑμῶν (2, 2)  
Ez. 48. 12. ἐὰν δὲ ποιῇσθ' ὁ ἀφηγούμεν. ὁμολογίαν (1)  
**ὁμόλογος.**  
Da. LXX. Su. 60. ὁμόλογους αὐτοὺς κατέστησεν  
ἀμφοτέρους ψευδομάρτυρας  
**ὁμολογουμένως.**  
IV Ma. 6. 31. δ. οὖν δεσπότης ἐστὶ τῶν παθῶν  
7. 16. δ. ἡγεμὼν ἐστὶ τῶν παθῶν  
16. 1. δ. αυτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβεὶς  
λογισμὸς  
**ὁμόλογος.** (1) **ῥῖα**  
Ho. 14. 5. ἀγαπήσω αὐτοὺς ὁμόλογος (1)  
**ὁμομητρίος.** (1) **ῥῖα**  
Ge. 43. 16. τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ τὸν δ. -  
— 29. τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ τὸν δ. (1)  
[Sm. Ps. 34 (35). 14.]  
[Al. Le. 18. 11.]  
**ὁμονομεῖν.** (1) **ῥῖα**  
Le. 20. 5. καὶ πάντας τοὺς ὁμονομούντας αὐτῷ +  
Es. 4. 17. εἰς συντέλειαν . . . τῶν ὁμονομούντων αὐτῷ  
Da. LXX. 2. 43. οὐκ ἔσονται δὲ ὁμονομούντες (1)  
[Aq. Dt. 1. 41.]  
**ὁμόνοια.** (1) **ῥῖα** (2) ἐν ὁμοιότητι **ῥῖα**  
Ps. 54 (55). 14. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θεοῦ ἐπορεύθη-  
μεν ἐν ὁμοιότητι (1)  
82 (83). 5. ἐβουλεύσαντο ἐν ὁμοιότητι ἐπὶ τὸ αὐτό (2)  
Wi. 10. 5. ἐν ὁμοιότητι πονηρίας ἐθνῶν συγχυθέντων  
18. 9. τὸν τῆς θεότητος [**Β** ὁσιότητος] νόμον ἐν  
ὁμοιότητι διέθετο  
Si. 25. 1. ὁμόνοια ἀδελφῶν καὶ φιλία τῶν πλησίων  
IV Ma. 3. 21. πρὸς τὴν κοινὴν νεωτερίσαντες δ.  
13. 23. ἔσχον τὴν πρὸς ἀλλήλους δ.  
— 25. ἐπέτεινεν αὐτῶν τὴν πρὸς ἀλλήλους δ.  
[Sm. Da. 11. 6 (Sw.).]  
**ὁμοπάτριος.** (1) **ῥῖα** **ῥῖα**  
Le. 18. 11. ὁμοπατρία ἀδελφῇ σου ἐστίν (1)  
**ὁμορεῖν, ὁμορεῖν** (**Α**) (-ορρ.) (1) **ῥῖα**  
(2) **ῥῖα**  
I Ch. 12. 40. καὶ οἱ ὁμοροῦντες αὐτοῖς (1)  
Je. 27 (50). 40. κατέστρεψεν δ. θεὸς Σῶμα  
καὶ Γόμορρα καὶ τὰς ὁμορούσας αὐταῖς (2)  
Ez. 16. 26. ἐξεπάρνευσας ἐπὶ τοὺς νιὸς Αἰγύπ-  
του τοὺς ὁμορούσας σοὶ (2)  
[Sm. Za. 9. 2.]  
**ὁμορος.** (1) **ῥῖα** **ῥῖα** (2) **ῥῖα**  
Nu. 35. 5. καὶ τὰ δ. τῶν πόλεων (2)  
II Ch. 21. 16. ἐπήγγειρε . . . τοὺς δ. τῶν Αἰθιόπων (1)  
[Sm. Ez. 27. 4.]



Je. 38 (81). 19. ἔλαβον ὀνειδισμὸν ἐκ νεότητός μου (8)  
 49 (42). 18. ἔσπευθε . . . εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 51 (44). 8. ἵνα γένησθε . . . εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 — 12. ἵστανται εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 Ba. 2. 4. εἰς ὀνειδισμὸν καὶ ἄβασον (8)  
 3. 8. διὰ πειρασμοῦ ἡμᾶς ἐκεῖ εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 La. 3. 30. χορησάσθε ὀνειδισμὸν (8)  
 — 61. ἤκουσας τὸν ὅ. αὐτῶν (8)  
 5. 1. ἴδε τὸν ὅ. ἡμῶν (8)  
 Ep. Je. 73. ἔσται γὰρ μακρὰν ἀπὸ ὀνειδισμοῦ (8)  
 E. 21. 28 (33). τὰδε λέγει κύριος . . . πρὸς τὸν ὅ. αὐτῶν (8)  
 22. 4. Ε. δίδωκά σε εἰς ὀνειδισμὸν [A B -δος] (8)  
 τοῖς ἐθνέσιν (8)  
 34. 29. ὀνειδισμὸν ἐθνῶν οὐ μὴ ἐνέγκωσιν ἔτι (8)  
 6. ἀπὸ τοῦ ὀνειδισμοῦ ἐθνῶν ἐνέγκαι ὑμᾶς (8)  
 — 15. ὀνειδισμοῦ λαῶν [A -ὄν ἐθνῶν] οὐ μὴ ἀνεγέκχητε (8)  
 — 30. ὅπως ἀν μὴ λάβητε ὀνειδισμὸν λιμοῦ (8)  
 [A λ. ἔτι ὁ. λαοῦ] (8)  
 Da. LXX. 9. 2. εἰς ἀναπλήρωσιν ὀνειδισμοῦ Ἰερ. † (8)  
 — 16. ὁ δὲ ὁμῶς σου, κύριε, εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 11. 18. ἐπιστρέψει ὀργὴν ὀνειδισμοῦ αὐτῶν ἐν ὁρκῷ κατὰ τὸν ὁ. αὐ. (8, 8)  
 12. 2. οἱ δὲ εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 Da. TH. 9. 16. ὁ λαὸς σου εἰς ὀνειδισμὸν ἐγένετο (8)  
 11. 18. ἀρχοντας ὀνειδισμοῦ αὐτῶν (8)  
 — 18. ὀνειδισμὸν [A ὁ. ὁ.] αὐ. ἐπιστρέψει αὐτῷ (8)  
 12. 2. καὶ οὕτως εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 I Ma. 1. 39. τὰ σάββατα αὐτῆς εἰς ὀνειδισμὸν [B<sup>1</sup> om. εἰς ὁ.] (8)  
 4. 58. B ἀπεστράφη ὀνειδισμὸς [A B -δος] ἐθνῶν (8)  
 10. 70. ἐγὼ δὲ ἐμεγαλύνθην . . . εἰς ὀνειδισμὸν (8)  
 [Aq. Jb. 19. 5: Ps. 68 (69). 11, 21: Jb. 31 (38). 19.] (8)  
 [Sm. Ps. 68 (69). 21.] (8)  
 [Th. Jb. 19. 5: Da. 9. 16.] (8)  
**ὄνειδος.** (1) 𐤛𐤓𐤕 (2) 𐤛𐤓𐤕 (8) 𐤛𐤓𐤕  
 (4) 𐤛𐤓𐤕 (5) 𐤛𐤓𐤕 (6) διδόναι εἰς ὁ.  
 𐤛𐤓𐤕 pi.  
 Ge. 30. 23. ἀφῆλκεν ὁ θεὸς μου τὸ ὁ. (2)  
 34. 14. ἔστι γὰρ ὁ. ἡμῶν (2)  
 Le. 20. 17. ὀνειδὸς ἐστίν (2)  
 I Ki. 11. 2. θήσομαι ὀνειδος ἐπὶ Ἰσρ. (2)  
 17. 36. ἀφῆλκεν σήμερον ὀνειδος ἐξ Ἰσρ. (2)  
 II Ki. 13. 13. πού ποῖοισα τὸ ὁ. μου (2)  
 Ne. 2. 17. οὐκ ἰσχύμεθα ἔτι ὀνειδος (2)  
 To. 3. 10. ὀνειδος αὐτῷ ἔσται [B al.] (2)  
 Ju. 1. 14. ἐθήκεν εἰς ὀνειδος αὐτῆς (2)  
 5. 21. A B ἐσόμεθα εἰς ὀνειδος [B -δισμὸν] (2)  
 8. 22. ἐσόμεθα . . . εἰς ὀνειδος (2)  
 9. 2. ἐβλάβησαν μὴτρὰν εἰς ὀνειδος (2)  
 Jb. 19. 5. ἐνέλασθε δὲ μοι ὀνειδος (2)  
 — 7. ἰδοὺ γελῶ [A B<sup>1</sup> λαλῶ] ὀνειδεῖς [A B<sup>2</sup> -λη] (5)  
 Ps. 21 (22). 6. ὀνειδος ἀνθρώπων καὶ ἐξουθενήμα λαοῦ (2)  
 80 (81). 11. παρὰ πάντας τοὺς ἐχθρούς μου ἐγενήθη ὀνειδος (2)  
 38 (39). 8. ὀνειδος ἀφρονι ἰδοῦκάς με (2)  
 48 (44). 13. ἔθου ἡμᾶς ὀνειδος [A εἰς ὁ.] τοῖς γείτοσιν ἡμῶν (2)  
 56 (57). 3. ἔδοκεν εἰς ὀνειδος τοὺς καταπατοῦντάς με (5)  
 77 (78). 66. ὀνειδος αἰώνιον ἔδωκεν αὐτοῖς (2)  
 78 (79). 4. ἐγενήθησαν εἰς ὀνειδος τοῖς γείτοσιν ἡμῶν (2)  
 88 (89). 41. ἐγενήθη ὀνειδος τοῖς γείτοσιν αὐτοῦ (2)  
 108 (109). 25. ἐγενήθη ὀνειδος αὐτοῖς (2)  
 118 (119). 22. περὶ ἐλπὶς ἡμῶν ὀνειδος (2)  
 — 39. B<sup>1</sup> περὶ ἐλπὶς τὸ ὁ. [A B<sup>2</sup> τὸν ὀνειδισμὸν] μου (2)  
 122 (123). 4. τὸ ὁ. τοῖς εἰθνηνοῦσι (2)  
 151. 7. ἡρᾶ ὀνειδος ἐξ υἱῶν Ἰσραὴλ (2)  
 Pr. 3. 31. μὴ κτήσῃ κακὸν ἀνδρῶν ὀνειδος (2)  
 6. 33. τὸ ὁ. αὐτοῦ οὐκ ἐξαλειφθήσεται (2)  
 18. 3. ἐπὶ ἔρχεται δὲ αὐτῷ ἀτιμία καὶ ὀνειδος (2)  
 — 13. ἀφροσύνη αὐτῷ ἔστι καὶ ὀνειδος (2)  
 19. 6. πᾶς δὲ ὁ κακὸς γίνεται ὀνειδος ἀνδρὶ [A al.] † (2)  
 26. 6. ἐκ τῶν αὐτοῦ ὁδῶν ὀνειδος ποιεῖται (5)  
 Ca. 1. 4. B βῶσιν τὸ ὁ. τῆς νύμφης (2)  
 Wi. 15. 5. ὡς ὅπως ἀφροσύνει εἰς ὀνειδος [A B δρεξίν] ἔρχεται (2)  
 Si. 3. 11. ὀνειδος τέκνοισι μήτρην ἐν ἀδοξίᾳ (2)  
 6. 1. ὄνομα γὰρ πομπρὸν . . . ὀνειδος κληρονομήσει (2)

Si. 28. 26. τὸ ὁ. αὐτῆς οὐκ ἐξαλειφθήσεται (2)  
 27. 28. B ἐμπαγισμός καὶ ὀνειδος [A B -δισμός] ὑπερφάνων (2)  
 41. 6. μετὰ τὸ σπέρματος αὐτῶν ἐνδελεχίει ὀνειδος (2)  
 Mi. 2. 6. οὐ γὰρ ἀποστείλει ὀνειδος (2)  
 6. 16. καὶ ὀνειδος λαῶν λήψεται (2)  
 J. 2. 17. μὴ ὁφείλῃ τὴν κληρονομίαν σου εἰς ὀνειδος (2)  
 Is. 25. 8. τὸ ὁ. τοῦ λαοῦ ἀφῆλκεν (2)  
 30. 3. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' Ἀλγυπτῶν ὀνειδος (2)  
 — 5. ἀλλὰ εἰς αἰσχύνην καὶ ὀνειδος (2)  
 — 6. A B ἀλλὰ εἰς αἰσχύνην καὶ ὀνειδος (2)  
 54. 4. ὀνειδος τῆς χηρείας σου οὐ μὴ μνησθήσῃ (2)  
 59. 18. ὡς ἀνταποδώσων ἀνταποδοῦσιν ὁ. τοῖς ἱερατοῖς (2)  
 Ep. Je. 47. κατελείπον γὰρ ψεύδη καὶ ὀνειδος τοῖς ἐπινομίοις (2)  
 — 72. ἔσται ὀνειδος ἐν τῇ χώρᾳ (2)  
 Ez. 16. 57. σὺν ὀνειδος εἰς γενεὰς Συρίας (2)  
 22. 4. δίδωκά σε εἰς ὀνειδος τοῖς ἐθνέσιν (2)  
 Da. LXX. 8. (33). ὀνειδος ἐγενήθη τῶν δούλων σου (2)  
 Da. TH. 8. (33). ὀνειδος ἐγενήθη τῶν δούλων σου (2)  
 I Ma. 4. 45. μὴ ποτε γένηται αὐτοῖς εἰς ὀνειδος (2)  
 — 58. A B ἀπεστράφη ὀνειδος [B -δισμός] ἐθνῶν (2)  
 IV Ma. 5. 8. τῶν χωρὶς ὀνειδους ἡέων (2)  
 [Aq. Ps. 38 (39). 9: Ez. 5. 14.] (2)  
 [Sm. Ps. 68 (69). 11: 78 (74). 22: Pr. 14. 34: Is. 25. 8: 64. 11 (10): Ez. 5. 14.] (2)  
 [Th. Jb. 29 (36). 18: Ez. 5. 14.] (2)  
 [Al. Le. 19. 20.] (2)  
 [Sam. Nu. 13. 33 (32).] (2)  
 [Quint. Ps. 38 (39). 9.] (2)  
**ὄνειρος.**  
 Wi. 18. 17. φαντασίαι μὲν ὀνείρων δεινῶς [A B -ὄν] ἐξετάραξαν αὐτούς (2)  
 — 19. οἱ γὰρ ὁ. θορυβήσαντες αὐτούς (2)  
 II Ma. 15. 11. προσεγγησάμενος δειρὸν ἀξιώσιν (2)  
 IV Ma. 6. 5. ὥσπερ ἐν ὀνείρῳ βασανίζομενος (2)  
 [Sm. Ps. 72 (73). 20: Ec. 5. 2, 6.] (2)  
**ὄνησις.**  
 Za. 8. 10. ὁ μισθὸς τῶν ἀνθρ. οὐκ ἔσται εἰς ὄνησιν (2)  
**ὄνιαναι.**  
 To. 8. 8. A B<sup>1</sup> ἐνὸς αὐτῶν οὐκ ὠνάσθη [B<sup>2</sup> B B<sup>3</sup> ὠνόμασθη] (2)  
 Si. 30. 2. ὁ παιδεύων τὸν υἱὸν αὐτοῦ ὀνήσεται [B<sup>1</sup> αἰνέσῃ.] ἐπ' αὐτῷ (2)  
**ὄνοκένταυρος.** (1) 𐤛𐤓𐤕 (2) 𐤛𐤓𐤕 (2)  
 Is. 13. 22. ὀνοκένταυροι ἐκεῖ κατοικήσουσι (1)  
 34. 11. ὀνοκένταυροι οἰκίσουσιν ἐν αὐτῇ † (2)  
 — 14. συναγέσονται δαμόνια ὀνοκένταυροι . . . ἐκεῖ ἀναπαύσονται ὀνοκένταυροι (1, 2)  
**ὄνομα.** (1) 𐤛𐤓𐤕 (2) 𐤛𐤓𐤕 (6) a. 𐤛𐤓𐤕 δ. 𐤛𐤓𐤕 (2)  
 (4) a. 𐤛𐤓𐤕 δ. 𐤛𐤓𐤕 (5) δ. καλὸν 𐤛𐤓𐤕 (2)  
 Ge. 2. 11. 6. τῷ ἐνὶ Φισὼν (8 a)  
 — 13. καὶ ὁ. τῷ ποταμῷ τῷ δευτέρῳ Γεὼν (8 a)  
 — 19. B τοῦτο ὁ. αὐτῷ [A -οῦ] (8 a)  
 — 20. ἐκάλεσεν A. ὀνόματα πᾶσι τοῖς κτήνεσι (8 a)  
 8. 20. ἐκάλεσεν A. τὸ ὁ. τῆς γυναίκος αὐτοῦ (8 a)  
 4. 17. ἐπωνόμασε . . . ἐπὶ τῷ ὁ. τοῦ υἱοῦ (8 a)  
 — 19. δ. τῷ μᾶ' Ἀδὰ (8 a)  
 — 19. καὶ ὁ. τῷ δευτέρῳ Σελλὰ (8 a)  
 — 21. καὶ ὁ. τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ Ἰουβάλ (8 a)  
 — 25. ἐπωνόμασε τὸ ὁ. αὐτοῦ Σὴθ (8 a)  
 — 26. ἐπωνόμασε δὲ τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἐνὼς (8 a)  
 — 26. ἤλπισεν ἐπικαλεῖσθαι τὸ ὁ. κυρίου (8 a)  
 5. 2. ἐπωνόμασε τὸ ὁ. αὐ. Ἀδάμ (8 a)  
 — 3. ἐπωνόμασε τὸ ὁ. αὐτοῦ Σὴθ (8 a)  
 — 29. καὶ ἐπωνόμασε τὸ ὁ. αὐτοῦ Νῶε (8 a)  
 10. 25. δ. τῷ ἐνὶ Φαλέκ (8 a)  
 — 25. καὶ ὁ. τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ Ἰεκτάν (8 a)  
 11. 4. B ποιήσωμεν ταῦτο [A εἰπὼν] ὄνομα (8 a)  
 — 9. ἐκλήθη τὸ ὁ. αὐ. Σὺγχυσις (8 a)  
 — 29. δ. τῷ γυναικὶ Ἀβραμ Σάρα (8 a)  
 — 29. καὶ ὁ. τῷ γυναικὶ Ναχωρ Μελλά (8 a)  
 12. 2. καὶ μεγαλυνθὲν τὸ ὁ. σου (8 a)  
 — 8. ἐπεκαλίστατο ἐπὶ τῷ ὁ. κυρίου (8 a)  
 13. 4. ἐπεκαλίστατο . . . τὸ ὁ. τοῦ κυρίου (8 a)  
 16. 1. παιδίσκη Ἀλγυπτία ἡ ὁ. Ἀγαρ (8 a)  
 — 11. καὶ καλεῖται τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰσραὴλ (8 a)  
 — 13. ἐκάλεσε τὸ ὁ. κυρίου (8 a)  
 — 15. ἐκάλεσεν A. τὸ ὁ. τοῦ υἱοῦ . . . Ἰσραὴλ (8 a)

Ge. 17. 5. οἱ κληθήσονται ἔτι τὸ ὁ. σου Ἀβραμ (8 a)  
 — 5. ἀλλ' ἔσται τὸ ὁ. σου Ἀβραάμ (8 a)  
 — 15. οὐ κληθήσεται τὸ ὁ. αὐτῆς Σάρα (8 a)  
 — 15. Σάρα ἔσται τὸ ὁ. αὐτῆς (8 a)  
 — 19. καὶ καλεῖται τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰσαὰκ (8 a)  
 19. 22. A ἐπωνόμασεν τὸ ὁ. τῆς πόλεως ἐκ. Σηγὼρ [B al.] (8 a)  
 — 37. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Μωάβ (8 a)  
 — 39 (38). καὶ ἐκάλεσε τὸ ὁ. Ἀμμὼν (8 a)  
 21. 3. ἐκάλεσεν Ἀβρ. τὸ ὁ. τοῦ υἱοῦ . . . Ἰσαὰκ (8 a)  
 — 23. μὴ ἀδικήσῃς με . . . μηδὲ τὸ ὁ. μου (2)  
 — 31. ἐπωνόμασε τὸ ὁ. τοῦ τόπου ἐκ. (2)  
 — 33. ἐπεκαλίστατο ἐκεῖ τὸ ὁ. κυρίου (8 a)  
 22. 14. ἐκάλεσεν Ἀβρ. τὸ ὁ. τοῦ τόπου ἐκ. (8 a)  
 — 24. ἡ παλλακὴ αὐτοῦ ἡ ὄνομα Ρεῦμα (8 a)  
 24. 29. ἀδελφὸς ἦν ὁ ὄνομα Λάβαν (8 a)  
 25. 1. γυναῖκα ἡ ὄνομα Χεττοῦρα (8 a)  
 — 13. ταῦτα τὰ ὁ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (8 a)  
 — 13. B κατ' ὄνομα [A ὄνομα] τῶν γεν. (8 a)  
 — 16. ταῦτα τὰ ὁ. αὐτῶν ἐν ταῖς σκηναῖς αὐ. (8 a)  
 — 25. ἐπωνόμασε δὲ τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰσαὰκ (8 a)  
 — 26. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰακώβ (8 a)  
 — 30. ἐκλήθη τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἐδὼμ (8 a)  
 26. 18. ἐπωνόμασεν αὐτοῖς ὀνόματα (8 a)  
 — 18. κατὰ τὰ ὁ. ὁ. ἀνῶρασε ὁ πατήρ (8 a)  
 — 20. B ἐκάλεσεν [A -εν] τὸ ὁ. τοῦ φρέατος (8 a)  
 — 21. καὶ ἐπωνόμασε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἐχθρία (8 a)  
 — 22. ἐπωνόμασε τὸ ὁ. αὐτοῦ Εὐρυχερία (8 a)  
 — 25. καὶ ἐπεκαλίστατο τὸ ὁ. κυρίου (8 a)  
 — 33. A ἐκάλεσεν τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰ. ἐκ. αὐτῷ † (8 a)  
 — 33. B ἐκάλεσεν [A add. τὸ] δ. τῇ πόλει ἐκ. (8 a)  
 27. 36. δικαίως ἐκλήθη τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰακώβ (8 a)  
 28. 19. ἐκάλεσε τὸ ὁ. τοῦ τόπου ἐκ. (8 a)  
 — 19. Οὐλαμολύζ ἦν ὄνομα τῇ πόλει (8 a)  
 29. 13. ὡς ἤκουσε Λάβαν τὸ ὁ. Ἰακώβ (4 a)  
 — 16. ὄνομα τῇ μέλει Λεία (8 a)  
 — 16. καὶ ὄνομα τῇ νεώτρῳ Ραχὴλ (8 a)  
 — 32. ἐκάλεσε δὲ τὸ ὁ. αὐτοῦ Ρουβὴν (8 a)  
 — 33. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Συμεὼν (8 a)  
 — 34. B ἐκάλεσε [A ἐκλήθη] τὸ ὁ. αὐτοῦ Λευεὶ (8 a)  
 — 35. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰούδαν (8 a)  
 30. 6. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Δάν (8 a)  
 — 8. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Νεφθαλαὶ (8 a)  
 — 11. ἐπωνόμασε τὸ ὁ. αὐτοῦ Γάδ (8 a)  
 — 13. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἀσέρ (8 a)  
 — 18. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰσάαχαρ (8 a)  
 — 20. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ζαβουλὼν (8 a)  
 — 21. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτῆς Δείνα (8 a)  
 — 24. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰωσήφ (8 a)  
 31. 48. B ἐκλήθη τὸ ὁ. [A add. αὐτοῦ] Βουνός (8 a)  
 32. 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὁ. τοῦ τόπου ἐκ. (8 a)  
 — 27 (28). τί τὸ ὁ. σου ἐστίν (8 a)  
 — 28 (29). οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὁ. σου Ἰακώβ (8 a)  
 — 28 (29). ἀλλ' ἔσται τὸ ὁ. σου Ἰσραὴλ (8 a)  
 — 29 (30). ἀναγγεῖλόν μοι τὸ ὁ. σου (8 a)  
 — 29 (30). B ἵνα τί τοῦτο [A om.] σὺ ἐρωτᾷς τὸ ὁ. μου (8 a)  
 — 30 (31). ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὁ. τοῦ τόπου ἐκ. (8 a)  
 33. 17. ἐκάλεσε τὸ ὁ. τοῦ τόπου ἐκ. Σκηνὰ (8 a)  
 35. 7. ἐκάλεσε τὸ ὁ. τοῦ τόπου Βαιθλῆλ (8 a)  
 — 8. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὁ. αὐτῆς Βάλανος (8 a)  
 — 10. τὸ ὁ. σου οὐ κληθήσεται ἔτι Ἰακώβ (8 a)  
 — 10. ἀλλ' Ἰσραὴλ ἔσται τὸ ὁ. σου (8 a)  
 — 10. B καὶ ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἰσραὴλ (8 a)  
 — 15. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὁ. τοῦ τόπου ἐκ. (8 a)  
 — 18. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Υἱὸς ὀδύνης μου (8 a)  
 — 18. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ [A ἐκαλ. αὐτῷ] † (8 a)  
 36. 10. ταῦτα τὰ ὁ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ † (8 a)  
 — 32. ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Δειναβὰ (8 a)  
 — 35. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Γετθαίμ (8 a)  
 — 39. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Φοργόρ (8 a)  
 — 39. ὄνομα δὲ τῇ γυναικὶ αὐτοῦ Μετεβεῖλ (8 a)  
 — 40. ταῦτα τὰ ὁ. τῶν ἡγεμόνων Ἰσραὴλ (8 a)  
 38. 1. ἀνθρώπων τινὰ Ὀδ. φ ὄνομα Εἰράς (8 a)  
 — 2. θυγατέρα ἀνθρώπου Χαναναίου ἡ ὄνομα Σαῦα (8 a)  
 — 3. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἥρ (8 a)  
 — 4. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ἀνάν (8 a)  
 — 5. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Σηλὼμ (8 a)  
 — 6. γυναῖκα . . . ἡ ὄνομα Θάμαρ (8 a)  
 — 29. ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Φαρές (8 a)  
 — 30. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὁ. αὐτοῦ Ζαρά (8 a)  
 41. 45. ἐκάλεσε Φ. τὸ ὁ. Ἰωσήφ Φουθομφανίχ (8 a)  
 — 51. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τὸ ὁ. . . Μανασσῆ (8 a)  
 — 52. τὸ δὲ ὁ. τοῦ δευτέρου ἐκάλεσεν Ἐφρ. (8 a)  
 46. 8. ταῦτα δὲ τὰ ὁ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (8 a)



Ge. 48. 6. ἔσονται ἐπὶ τῷ δ. τῶν ἀδελφῶν αὐτῶν (3 α)	Nu. 25. 15. καὶ ὄνομα τῇ γυναικὶ (3 α)	Ru. 1. 2. Α Β ὄνομα τῷ ἀνδρὶ Ἀβ. καὶ ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐ. Ν. [Β οπ. καὶ ... Ν.] καὶ ὄνομα τοῖς δυσὶν υἱοῖς αὐ. Μ. κ. Κ. (3 α ter)
— 16. καὶ ἐπικληθήσεται τὸ δ. μου ἐν αὐτοῖς (3 α)	26. 46. καὶ τὸ δ. θυγατρὸς Ἀ. (3 α)	— 4. ὄνομα τῇ μᾶρ Ὀρφα καὶ ὄνομα τῇ δευτέρᾳ Ροῦθ (3 α, 3 α)
— 16. καὶ τὸ δ. τῶν πατέρων μου (3 α)	— 33. ταῦτα τὰ δ. τῶν θυγατέρων Σ. (3 α)	2. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Β. (3 α)
50. 11. τὸ δ. αὐτοῦ [Α τοῦ τόπου ἐκείνου] (3 α)	— 53. κληρονομεῖν ἐξ ἀριθμοῦ ὀνομάτων (3 α)	— 19. τὸ δ. τοῦ ἀνδρός ... Β. (3 α)
Ex. 1. 1. ταῦτα τὰ δ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (3 α)	— 55. μερισθήσεται ἡ γῆ τοῖς δ. (3 α)	4. 5. ὥστε ἀναστήσῃ τὸ δ. τοῦ τεθνηκότος (3 α)
— 15. τῇ μᾶρ αὐτῶν ἡ ὄνομα Σ. (3 α)	— 59. τὸ δ. δ. τῆς γυναικὸς αὐ. (3 α)	— 10. τοῦ ἀναστήσῃ τὸ δ. τοῦ τεθνηκότος (3 α)
— 15. καὶ τὸ δ. τῆς δευτέρας Φουά (3 α)	27. 1. καὶ ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν (3 α)	— 10. οὐκ ἐξολοθρευθήσεται τὸ δ. τοῦ τεθνηκ. (3 α)
2. 10. ἐπωνόμασε δὲ τὸ δ. αὐτοῦ Μωυσῆν (3 α)	— 3 (4) μὴ ἐξελικθῶν τὸ δ. τοῦ πατρὸς ἡμῶν (3 α)	— 11. ἔσται ὄνομα ἐν Β. (3 α)
22. ἐπωνόμασε Μ. τὸ δ. αὐτοῦ Γηρσάμ (3 α)	32. 38. ἐπωνόμασαν κατὰ τὰ δ. αὐ. τὰ δ. τῶν πόλεων (3 α, 3 α)	— 14. καλέσαι τὸ δ. σου ἐν Ἰσρ. (3 α)
3. 13. τί δ. αὐτῷ (3 α)	— 42. ἐπωνόμασαν αὐτὰς Ν. ἐκ τοῦ δ. αὐ. (3 α)	— 17. ἐκάλεσαν αὐ. αἱ γείτονες ὄνομα. (3 α)
— 15. τοῦτό μου ἔστιν δ. αἰώνιον (3 α)	33. 54. εἰς δ. ἐν ἐξελθῇ τὸ δ. αὐ. ἐκεῖ (3 α)	— 17. ἐκάλεσαν τὸ δ. αὐ. Ὀβήδ (3 α)
5. 23. λαλήσαι ἐπὶ τῷ σφ. δ. (3 α)	84. 17, 19. ταῦτα τὰ δ. τῶν ἀνδρῶν (3 α)	1 Ki. 1. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἑλκανά (3 α)
6. 3. τὸ δ. μου κύριος οὐκ ἐδήλωσα αὐτοῖς (3 α)	De. 2. 25. ἀκούσατες τὸ δ. σου (3 α)	— 2. ὄνομα τῇ μᾶρ Ἀννα καὶ ὄνομα τῇ δευτέρᾳ Φειν. (3 α, 3 α)
— 16. ταῦτα τὰ δ. τῶν υἱῶν Λευὶ (3 α)	3. 14. ἐπωνόμασαν αὐτὰς ἐπὶ τῷ δ. αὐ. (3 α)	— 20. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐτοῦ Σαμ. (3 α)
9. 16. ὅπως διαγέλῃ τὸ δ. μου (3 α)	5. 11. οὐ λήψῃ τὸ δ. κυρίου ... ἐπὶ ματαίῳ (3 α)	7. 12. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐ. Ἀβ. (3 α)
15. 3. κύριος δ. αὐτῷ (3 α)	— 11. τὴν λαμβάνοντα τὸ δ. αὐ. ἐπὶ ματαίῳ (3 α)	8. 2. ταῦτα τὰ δ. τῶν υἱῶν αὐτοῦ (3 α ?)
— 23. ἐπωνόμασε [Α -μασθ] τὸ δ. τοῦ τόπου (3 α)	6. 13. Β' τῷ [Α Β' ἐπὶ τῷ] δ. αὐτοῦ ὅμῃ (3 α)	— 2. καὶ ὄνομα τοῦ δευτέρου Ἀβιά (3 α)
16. 4. Α εἰ πορεύσονται τῷ δ. [Β νόμῳ] μου (3 α)	7. 24. Α Β ἀπολείπει [Β -τε] τὸ δ. αὐτῶν (3 α)	9. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Κεῖς (3 α)
— 31. ἐπωνόμασαν αὐτὸ ... τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)	9. 14. ἐξαλείψῃ τὸ δ. αὐτῶν (3 α)	— 3. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σαουλ (3 α)
17. 7. ἐπωνόμασε τὸ δ. αὐτοῦ [Α τοῦ τόπου] (3 α)	10. 8. ἐπυχεῖσθαι ἐπὶ τῷ δ. αὐτοῦ (3 α)	12. 22. Β διὰ τὸ δ. αὐτοῦ τὸ μέγε (3 α)
— 15. ἐπωνόμασε τὸ δ. αὐτοῦ [Α τοῦ τόπου] (3 α)	— 20. Β τῷ [Α ἐπὶ τῷ] δ. αὐτοῦ ὅμῃ (3 α)	14. 4. Β ὄνομα τῷ ἐνὶ Β. καὶ ὄνομα τῷ ἄλλῳ Σ. (3 α, 3 α)
18. 3. ὄνομα τῷ ἐνὶ αὐ. Γηρσάμ (3 α)	12. 3. ἀπολείπει τὸ δ. αὐτῶν (3 α)	— 49. ὀνόματα τῶν δύο θυγατέρων αὐ. ὄνομα τῇ πρωτοτόκῳ Μερόβ καὶ ὄνομα τῇ δευτέρᾳ [Α οπ. Μ. κ. δ. τ. δ.] Μελχόλ (3 α ter)
— 4. καὶ τὸ δ. τοῦ δευτέρου Ἑλίζερ (3 α)	— 5. ἐπονόμασαι τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)	— 50. ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐ. Ἀχ. (3 α)
20. 7. οὐ λήψῃ τὸ δ. κυρίου ... ἐπὶ ματαίῳ (3 α)	— 11. ἐπικληθῆναι τὸ δ. αὐτοῦ ἐκεῖ (3 α)	— 50. ὄνομα τῷ ἀρχιστρατήγῳ Ἀβ. (3 α)
— 7. λαμβάνοντα τὸ δ. αὐτοῦ ἐπὶ ματαίῳ (3 α)	— 21. ἐπικληθῆναι τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)	17. 4. Γολιάθ ὄνομα αὐτῷ (3 α)
— 24. οὐ ἐάν ἐπονόμασω τὸ δ. μου ἐκεῖ (3 α)	26. ἐπικληθῆναι τὸ δ. αὐ. ἐκεῖ (3 α)	— 12. Α καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰ. (3 α)
23. 13. ὄνομα θεῶν ἐτέρων οὐκ ἀναμνησθήσεσθε (3 α)	14. 23, 24: 16. 2, 6, 11. ἐπικληθῆναι τὸ δ. αὐτοῦ ἐκεῖ (3 α)	— 13. Α καὶ ὄνομα τῶν υἱῶν αὐτοῦ (3 α)
— 21. τὸ γὰρ δ. μου ἔστιν ἐπ' αὐτῷ (3 α)	16. 15: 17. 8, 10. Α ἐπικληθῆναι τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)	— 23. Α Γολιάθ ὁ Φ. ὄνομα αὐτῷ (3 α)
28. 9. γλῶσσῃ ... τὰ δ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (3 α)	17. 12. λειτουργεῖν ἐπὶ τῷ δ. κ. τοῦ θεοῦ σου (3 α)	— 45. πορεύομαι πρὸς σέ ἐν ὀνόματι κυρίου (3 α)
— 10. ἐξ ὀνόματα ἐπὶ τὸν λῆδον τὸν ἑνα (3 α)	18. 5. εὐλογεῖν ἐπὶ τῷ δ. αὐτοῦ (3 α)	18. 30. Α ἐτιμήθη τὸ δ. αὐ. σφόδρα (3 α)
— 10. καὶ τὰ ἐξ δ. τὰ λοιπὰ ἐπὶ τὸν λῆδον (3 α)	— 7. λειτουργήσῃ τῷ δ. κυρίου (3 α)	20. 16. εὐρεθῆναι τὸ δ. τοῦ Ἰωρ. [Α al.] (3 α)
— 11. Α Β ἐπὶ τοῖς δ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3 α)	— 19. ὅσα τὰν λαλήσῃ ... ἐπὶ τῷ δ. μου (3 α)	— 42. ὡς ὁμωκόκαμεν ... ἐν ὀνόματι κυρίου (3 α)
— 12. ἀναλήψεται Ἀ. τὰ δ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (3 α)	— 20. λαλήσῃ ἐπὶ τῷ δ. μου ῥήμα (3 α)	21. 7 (8). καὶ ὄνομα αὐτῷ Δ. (3 α)
— 21. οἱ λῆδοι ἔστωσαν ἐκ τῶν δ. τῶν υἱῶν (3 α)	— 20. δε δὲν λαλήσῃ ἐν ὀνόματι θεῶν ἐτέρων (3 α)	22. 20. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἀβ. (3 α)
— 21. λῆδοι ... δέκα δύο κατὰ τὰ δ. αὐτῶν (3 α)	— 22. ὅσα ἐάν λαλήσῃ ... τῷ [Α ἐπὶ τῷ] δ. κυρίῳ (3 α)	24. 22. οὐκ ἀφανίσῃ τὸ δ. μου (3 α)
— 21. γλῶσσῃ σφραγίσαντες ἕκαστος [Α -ου] κατὰ τὸ δ. (3 α)	21. 5. εὐλογεῖν ἐπὶ τῷ δ. αὐτοῦ (3 α)	25. 3. καὶ ὄνομα τῷ ἀνδρὶ Νάβαλ καὶ ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐτοῦ Ἀβ. (3 α, 3 α)
— 23 (29). λήγεται Ἀ. τὰ δ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3 α)	— 5. Α ἐπὶ τῷ δ. [Β στόματι] αὐτῶν ἔσται (3 α)	— 5. ἐρωτήσῃτε αὐτὸν ἐπὶ τῷ δ. μου (3 α)
31. 2. ἀνακίκλημαι ἐξ ὀνόματος τὸν Βασιλεῖα (3 α)	22. 14. καὶ κατενέγκῃ αὐτῇ δ. ποιηρὸν (3 α)	— 9. λαλοῦσι ... ἐν τῷ δ. Δ. (3 α)
33. 19. Α Β καλέσω [Β λαλήσω ἐπὶ] τῷ δ. μου [Α κυρίῳ] κύριος (3 α)	— 19. ἐξήγγενε δ. ποιηρὸν (3 α)	— 25. κατὰ τὸ δ. αὐ. οὗτός ἐστι Νάβαλ ὄνομα αὐτῷ [Α al.] (3 α, 3 α)
34. 5. καὶ ἐκάλεσε τῷ δ. κυρίου (3 α)	25. 6. κατασταθήσεται ἐκ τοῦ δ. τοῦ τετελεσθέντος. (3 α)	11 Ki. 2. 16. ἐκλήθη τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκείνου (3 α)
— 14. ὁ γὰρ κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (3 α)	— 6. οὐκ ἐξαλειφθήσεται τὸ δ. αὐ. ἐξ Ἰσρ. (3 α)	4. 2. ὄνομα τῷ ἐνὶ Β. καὶ ὄνομα τῷ δευτέρῳ Ρ. (3 α, 3 α)
35. 30. ἀνακίκλημαι ... ἐξ ὀνόματος τὸν Β. (3 α)	— 7. ἀναστήσῃ τὸ δ. τοῦ δ. αὐτοῦ (3 α)	— 4. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μιμφ. (3 α)
36. 13 (39. 6), 21 (39. 14). ἐκ τῶν δ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (3 α)	— 10. κληθήσεται τὸ δ. αὐτοῦ ἐν Ἰσρ. (3 α)	5. 14. ταῦτα τὰ δ. τῶν γεννηθέντων αὐτῷ (3 α)
— 21 (39. 14). ἐκ τῶν δ. [Α κατὰ τὰ δ.] αὐτῶν (3 α)	— 10. ἐξαλείψῃ τὸ δ. Ἀμ. (1)	— 20. ἐκλήθη τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκείνου (3 α)
— 21 (39. 14). ἕκαστος ἐκ τοῦ ἑαυτοῦ δ. (3 α)	26. 2. ἐπικληθῆναι τὸ δ. αὐ. ἐκεῖ (3 α)	6. 2. ἐφ' ἣν ἐπεκλήθη τὸ δ. τοῦ κυρίου (3 α)
Le. 18. 21. οὐ βεβηλώσεις τὸ δ. τὸ ἅγιον (3 α)	28. 10. τὸ δ. κυρίου ἐπικληθῆναι σοι (3 α)	— 18. εὐλόγησε τὸν λαὸν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 α)
— 12. οὐκ ὁμείσθῃ τῷ δ. μου ἐπ' ἀδικίᾳ (3 α)	— 58. φοβεῖσθαι τὸ δ. τὸ ἐντιμον ... τοῦτο (3 α)	7. 9. κατὰ τὸ δ. τῶν μεγάλων (3 α)
— 12. οὐ βεβηλώσετε τὸ δ. τοῦ θ. (3 α)	29. 20 (19). ἐξαλείψει κυρίως τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)	— 13. οἰκοδομήσῃ μοι οἶκον τῷ δ. μου (3 α)
20. 3. ἴνα ... βεβηλώσῃ τὸ δ. τῶν ἡγιασμένων (3 α)	82. 3. τὸ [Α οπ.] δ. κυρίου ἐκάλεσα (3 α)	— 23. τοῦ θέσθαι σε ὄνομα (3 α)
21. 6. οὐ βεβηλώσουσι τὸ δ. τοῦ θεοῦ αὐτῶν (3 α)	Jo. 2. 1. ἡ ὄνομα Ραῖβ (3 α)	— 26. μεγαλυνθεῖ τὸ δ. σου (3 α)
— 9. τὸ δ. τοῦ πατρὸς αὐτῆς αὐτῇ βεβηλώσῃ (3 α)	5. 8 (9). ἐκάλεσε τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 α)	— 27. Α μεγαλυνθεῖ τὸ δ. σου (3 α)
22. 2. οὐ βεβηλώσουσι τὸ δ. τὸ ἅγιον μου (3 α)	6. 26 (27). ἦν τὸ δ. αὐτοῦ κατὰ πᾶσαν τὴν γῆν (4 β)	8. 13. ἐποίησε Δ. ὄνομα (3 α)
— 32. οὐ βεβηλώσετε τὸ δ. τοῦ ἁγίου (3 α)	7. 9. τί ποιήσεις τὸ δ. σου τὸ μέγα (3 α)	9. 2. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. (3 α)
24. 11. ἐπονόμασε ... τὸ δ. κατηράσατο (3 α)	9. 9. ἦσαν ... ἐν ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ σου (3 α)	— 12. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μ. (3 α)
— 11. τὸ δ. τῆς μητρὸς αὐ. Σαλ. (3 α)	— 9. ἀπεκόκαμεν γὰρ τὸ δ. αὐτοῦ (4 β)	12. 24. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐτοῦ Σαλ. (3 α)
— 16. ὀνομάζων δὲ τὸ δ. κυρίου (3 α)	14. 15. τὸ δ. δ. τῆς Χ. ἦν τὸ πρότερον πόλις Ἀ. (3 α)	— 25. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐτοῦ Ἰ. (3 α)
— 16. ἐν τῷ ὀνόματι αὐτῶν τὸ δ. κυρίου (3 α)	15. 15. Β τὸ δ. δ. (3 α)	13. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Θ. (3 α)
Nu. 1. 2. κατὰ ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (3 α)	17. 3. ταῦτα τὰ δ. τῶν θυγατέρων Σ. (3 α)	— 3. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰων. (3 α)
— 5. ταῦτα τὰ δ. τῶν ἀνδρῶν (3 α)	19. 47. ἐκάλεσαν τὸ δ. αὐτῆς Λ. (3 α)	14. 7. ὥστε ἡ θίσθα ... καταλείμμα καὶ ὄνομα [Α δ. κ. λήμμα] (3 α)
— 17. τοὺς ἀνακληθέντας ἐξ ὀνόματος (3 α)	23. 7. τὰ δ. τῶν θεῶν αὐ. οὐκ ὀνομασθήσεται (3 α)	— 27. καὶ ὄνομα αὐτῷ Θ. (3 α)
— 18. 20, 22, 26, 28, 30, 32, 34 (Α Β' Β), 36, 24, 38, 40, 42. κατὰ ἀριθμὸν ὀνομάτων αὐτῶν (3 α)	Jo. 1. 10. καὶ τὸ δ. ἦν Χ. τὸ πρότερον Κ. [Α al.] (3 α)	16. 5. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. (3 α)
3. 2, 3. ταῦτα τὰ δ. τῶν υἱῶν Ἀ. (3 α)	— 11. τὸ δ. δ. τῆς Δ. ἦν ἐμπροσθεν Κ. (3 α)	17. 25. καὶ ὄνομα αὐτῷ Ἰ. (3 α)
— 17. ἦσαν οὗτοι οἱ υἱοὶ Α. ἐξ ὀνομάτων αὐ. (3 α)	— 17. ἐκάλεσε τὸ δ. τῆς πόλεως Ἀντίμα (3 α)	18. 18. ἔσκενε τοῦ ἀναμνησῆαι τὸ δ. αὐτοῦ [Α μου] (3 α)
— 18. ταῦτα τὰ δ. τῶν υἱῶν Γ. (3 α)	— 23. τὸ δ. δ. τῆς πόλεως ἦν ἐμπροσθεν Λ. (3 α)	— 18. Α ἐκάλεσε τὴν στῆλην ἐπὶ τῷ δ. αὐ. (3 α)
— 40. λάβετε τὸν ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (3 α)	— 26. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐτῆς Λ. (3 α)	20. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Σ. (3 α)
— 43. κατὰ ἀριθμὸν ἐξ ὀνόματος (3 α)	— 26. Β τοῦτο τὸ [Α Β οπ.] δ. αὐτῆς (3 α)	— 21. Σ. υἱὸς Β. ὄνομα αὐτοῦ (3 α)
4. 27. ἐπισκέψῃ αὐτοὺς ἐξ ὀνομάτων (3 α)	2. 5. ἐπωνόμασαν τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκ. [Α al.] (3 α)	22. 50. ἐν τῷ δ. σου ψαλῶ (3 α)
— 32. ἐξ ὀνομάτων ἐπισκέψασθε αὐτούς (3 α)	8. 14. Β ἔγραψε ... τὰ [Α Β οπ.] δ. τῶν ἀρχόντων (3 α)	23. 8. ταῦτα τὰ δ. τῶν δυνατῶν Δ. (3 α)
6. 27. ἐπιθίσουσιν τὸ δ. μου ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (3 α)	— 31. ἔθηκε τὸ δ. αὐ. Ἀβ. (3 α)	— 18. καὶ αὐτῷ ὄνομα ἐν τοῖς τρισὶν (3 α)
11. 3. ἐκλήθη τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 α)	18. 2. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μανωὶ (3 α)	— 22. καὶ αὐτῷ ὄνομα ἐν τοῖς τρισὶν τοῖς δυνατοῖς (3 α)
— 26. ὄνομα τῷ ἐνὶ Ἑλδὰδ καὶ ὄνομα τῷ δευτέρῳ Μωδάδ (3 α, 3 α)	— 6. τὸ δ. αὐτοῦ οὐκ ἀπηγγεῖλῃ μοι (3 α)	
— 34. ἐκλήθη τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκείνου (3 α)	— 17. τί τὸ [Α οπ.] δ. σοι (3 α)	
13. 5 (4). ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν (3 α)	— 18. εἰς τί τοῦτο ἐρωτᾷς τὸ δ. μου (3 α)	
— 17 (16). ταῦτα τὰ δ. τῶν ἀνδρῶν (3 α)	— 24. ἐκίλεσε τὸ δ. αὐτοῦ Σ. (3 α)	
14. 15. ὅσοι ἀπεκασί τὸ δ. σου (4 α)	15. 19. ἐκλήθη τὸ δ. αὐτῆς (3 α)	
— 21. ὥν τὸ δ. μου (3 α)	16. 4. καὶ ὄνομα αὐτῇ Δαλ. (3 α)	
17. 2 (17). ἐκάστων τὸ δ. αὐτοῦ ἐπιγράψων (3 α)	17. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ Μειχαίας (3 α)	
— 3 (18). τὸ δ. Ἀ. ἐπιγράψων ἐπὶ τῆς ράβδου Δ. (3 α)	18. 29. ἐκάλεσαν τὸ δ. τῆς πόλεως Δὰν ἐν ὀνόματι Δὰν [Α κατὰ τὸ δ.] πατρὸς αὐτῶν (3 α, 3 α)	
21. 3. ἐπικάλεσαν τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκ. (3 α)	— 29. Β Οὐλ. τὸ [Α Β οπ.] δ. τῆς πόλεως (3 α)	
25. 14. τὸ δ. δ. τοῦ ἀνθρώπου (3 α)		



11 Ki. 23. 23. ταῦτα τὰ δ. τῶν δυνατῶν Δ.	—	1 Ch. 2. 29. καὶ ὄνομα τῆς γυναικὸς Ἀβ.	(3 α)	11 Ch. 22. 2. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Γοθ.	(3 α)
111 Ki. 1. 47. ἀγαθὸν ὁ θεὸς τὸ δ. Σαλ. ὑπὲρ τὸ δ. σου	(3 α, 3 β)	— 34. καὶ ὄνομα αὐτῆς Ἰ.	(3 α)	24. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀ.	(3 α)
3. 2. Ἀ οὐκ ἐφοδομήθη οἶκος τῷ δ. κυρίου [B τῷ κ.]	(3 α)	4. 3. καὶ ὄνομα ἀδελφῆς αὐτῶν Ἑσ.	(3 α)	25. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ.	(3 α)
4. 8. ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν	(3 α)	— 9. ἡ μήτηρ ἐκάλεσε τὸ δ. αὐ. Ἰ.	(3 α)	26. 3. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ.	(3 α)
5. 3 (17). οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	— 38. ἐν ὀνόματι ἀρχόντων	(3 α)	— 8. ἦν τὸ δ. αὐ. ἔως ἐισόδου Διγ.	(3 α)
— 5 (19). οἰκοδομήσω οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	— 41. ἤλθοσαν οὗτοι γεγραμμ. ἐπ' ὀνόματος	(3 α)	27. 1. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἰ.	(3 α)
— 5 (19). οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ δ. μου	(3 α)	6. 17 (2). ταῦτα τὰ δ. τῶν υἱῶν Γ.	(3 α)	28. 9. Ὡδὴ ὄνομα αὐτῆς	(3 α)
7. 21. ἐπέκαλεσε τὸ δ. αὐτοῦ Ἰ.	(3 α)	— 65 (50). Ἀ Β <sup>3</sup> Β ἔς ἐκάλεσεν αὐτὰς ἐπ' ὀνόματος [B <sup>1</sup> om. ε. δ.]	(3 α)	— 15. οἱ ἐπεκλήθησαν ἐν ὀνόματι	(3 α)
— 21. ἐπέκαλεσε τὸ δ. αὐτοῦ Β.	(3 α)	7. 15. ὄνομα ἀδελφῆς αὐ. Μ.	(3 α)	29. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀ.	(3 α)
8. 16. τοῦ εἶναι τὸ δ. μου ἐκεῖ	(3 α)	— 15. Β ὄνομα τῇ δευτέρᾳ [A B τῷ δ.] Σ.	(3 α)	31. 19. οἱ ὀνομάσθησαν ἐν ὀνόματι	(3 α)
— 16. Β μῦται [B εἶναι] τὸ δ. μου ἐκεῖ	—	— 16. Ἀ Β ἐκάλεσε τὸ δ. αὐ. Φ. καὶ ὄνομα ἀδελφῶν αὐ. [B om. Φ. . . αὐ.]	(3 α)	33. 4. ἐν Ἰερ. ἔσται τὸ δ. μου	(3 α)
— 17. οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	Σοῦρος	(3 α, 3 β)	— 7. θῶσω τὸ δ. μου εἰς τὸν αἰῶνα	(3 α)
— 18. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ δ. μου	(3 α)	— 23. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐ. Β.	(3 α)	— 18. λαλούντων πρὸς αὐτὸν ἐπ' ὀνόματι θεοῦ Ἰσρ.	(3 α)
— 19. οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ δ. μου	(3 α)	8. 29. καὶ ὄνομα γυνικὶ αὐ. Μ.	(3 α)	35. 19. ἔσται τὸ δ. μου ἐκεῖ	—
— 20. οἰκοδομησάτω τὸν οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	— 38. καὶ ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν	(3 α)	36. 2. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἀ.	—
— 27. ἐν ἐφοδομήσει τῷ δ. σου [A om. τ. δ. σ.]	(3 α)	9. 25. καὶ ὄνομα γυναικὸς αὐ. Μ.	(3 α)	— 4. μετέστρεψε τὸ δ. αὐ. Ἰ.	(3 α)
— 29. ἔσται τὸ δ. μου ἐκεῖ	(3 α)	— 44. καὶ ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν	(3 α)	— 5. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ζ.	—
— 33. 35. ἐξομολογήσονται τῷ δ. σου	(3 α)	11. 24. καὶ τοῦτ' [B -ο] ὄνομα ἐν τοῖς τρισὶ τοῖς δυνατοῖς	(3 α)	1 Es. 1. 48. ὀρκισθεῖς . . . τῷ δ. τοῦ κυρίου	(3 α)
— 41. Ἀ καὶ ἔλθῃ . . . ἔνεκα ὀνόματος σου	(3 α)	12. 23. ταῦτα τὰ δ. τῶν ἀρχόντων τῆς στρατίας	†	4. 63. οὐ ὀνομάσθη τὸ δ. αὐ. ἐπ' αὐτῶν	(3 α)
— 42. Ἀ ἀκούσουσιν τὸ δ. σου τὸ μέγα	(3 α)	— 31. ὀνομάσθησαν ἐν ὀνόματι	(3 α)	5. 4. καὶ ταῦτα τὰ δ. τῶν ἀνδρῶν	—
— 43. ὅπως γινώσι πάντες οἱ λαοὶ τὸ δ. σου	(3 α)	13. 6. οὐ ἐπεκλήθη ὄνομα αὐτοῦ	(3 α)	— 38. καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ δ. αὐτοῦ	(3 α)
— 43. τὸ δ. σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὸν οἶκον	(3 α)	14. 4. ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν	(3 α)	6. 1. ἐπροφῆτευσεν . . . ἐπὶ τῷ δ. κυρίου	(3 α)
— 44. προσεύχονται ἐν ὀνόματι κυρίου	—	— 11. ἐκάλεσε τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκ.	(3 α)	— 33. οὐ τὸ δ. αὐ. ἐπικέκληται ἐκεῖ	(3 α)
— 44. οὐ ἐφοδομήσα τῷ δ. σου	(3 α)	— 17. ἐγένετο ὄνομα [A τὸ δ.] Δ. ἐν πάσῃ τῇ γῇ	(3 α)	8. 39. καὶ ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν	(3 α)
— 48. οὐ ἐφοδομήκα τῷ δ. σου	(3 α)	16. 2. εὐλογῆσαν τὸν λαὸν ἐν ὀνόματι κυρίου	(3 α)	— 78. καταλειφθῆναι ἡμῖν . . . ὄνομα	(3 α)
9. 3. τοῦ θέσθαι τὸ δ. μου ἐκεῖ	(3 α)	— 8. ἐπικαλεσάσθαι αὐτὸν ἐν ὀνόματι αὐτοῦ	(3 α)	— 88. ἔως τοῦ μὴ καταλιπεῖν . . . ὄνομα ἡμῶν	(3 α)
— 7. ὃν ἠγάσα τῷ δ. μου	(3 α)	— 10. αἰνεῖτε [B <sup>1</sup> om.] ἐν ὀνόματι ἀγίῳ αὐ.	(3 α)	9. 16. ἐπιλέξατο . . . πάντας κατ' ὄνομα	(3 α)
10. 1. ἤκουσε τὸ δ. Σαλ. καὶ τὸ δ. κυρίου (4 α, 3 α)	(3 α)	— 29. Ἀ δότε τῷ κ. δόξαν ὀνόματος [B -τι] αὐ.	(3 α)	11 Es. 2. 61. Β ἐκλήθη ἐν [A B ἐπὶ τῷ] ὀνόματι αὐ.	(3 α)
11. 26. Ἀ καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Σ. [B al.]	(3 α)	— 35. τοῦ αἰνεῖν τὸ δ. τὸ ἅγιόν σου	(3 α)	5. 1. ἐπροφῆτευσεν . . . ἐν ὀνόματι θεοῦ	(3 β)
— 36. Β τοῦ θέσθαι ὄνομα [A B τὸ δ.] μου ἐκεῖ (3 α)	(3 α)	— 41. ἐκλεγέντες ἐπ' ὄνομα	(3 α)	— 4. τίνα ἐστὶ τὰ δ. τῶν ἀνδρῶν	(3 β)
12. 24 (cf. 14. 21). Β καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ν.	(3 α)	17. 8. ἐποίησά σοι ὄνομα κατὰ τὸ δ. τῶν μεγάλων	(3 α, 3 β)	— 10. τὰ δ. αὐτῶν πρωτήσαμεν αὐτοὺς	(3 β)
— 24. Β καὶ ὄνομα αὐτῆς Ἰερ.	(3 α)	— 21. τοῦ θέσθαι αὐτῶν δ. μέγα	(3 α)	— 10. ὥστε γράψαι σοι τὰ δ. τῶν ἀνδρῶν	(3 β)
— 24. Β καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Σ.	(3 α)	— 24. Β μεγαλυνήτω τὸ δ. σου	(3 α)	6. 12. οὐ κατασκηνοὶ τὸ δ. ἐκεῖ	(3 β)
— 24. Β καὶ ὄνομα αὐτῆς Ἀχ.	(3 α)	21. 19. ὃν ἐλάλησεν ἐν ὀνόματι κυρίου	(3 α)	8. 13. καὶ ταῦτα τὰ δ. αὐτῶν	(3 α)
13. 2. ἰσχύας ὄνομα αὐτῆς	(3 α)	22. 5. εἰς ὄνομα . . . ἐτοιμάσω αὐτῶν	(3 α)	— 20. συνήχθησαν ἐν ὀνόματι	(3 α)
14. 21. θέσθαι τὸ δ. αὐ. ἐκεῖ	(3 α)	— 6. Ἀ τοῦ οἰκοδομήσαι . . . τῷ δ. κυρίου [B al.]	(3 α)	10. 16. καὶ πάντες ἐν [A B <sup>3</sup> ἐπ'] ὀνόματι	(3 α)
— 21. καὶ τὸ δ. τῆς μητρὸς αὐ. Ν.	(3 α)	— 7. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ δ. κυρίου θεοῦ	(3 α)	Ne. 1. 9. κατασκηνώσει τὸ δ. μου ἐκεῖ	(3 α)
— 31. Ἀ καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ν.	(3 α)	— 8. οὐκ οἰκοδομήσας οἶκον τῷ δ. μου	(3 α)	— 11. τῶν θελόντων φοβεῖσθαι Σάρρα τὸ δ. σου	(3 α)
15. 2. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Μ.	(3 α)	— 9. Σαλ. ὄνομα αὐτῆς	(3 α)	6. 13. ὅπως . . . γίνεσθαι αὐτοὺς εἰς δ. ποιητῶν	(3 α)
— 10. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἀ.	(3 α)	— 10. οἰκοδομήσει οἶκον τῷ δ. μου	(3 α)	7. 63. ἐκλήθη ἐπ' [A τῷ] ὀνόματι αὐτῶν	(3 α)
16. 24. ἐπέκαλεσαν τὸ δ. τοῦ θρους . . . ἐπὶ τῷ δ. Σαμὴρ	(3 α, 3 β)	— 19. τὸν οἰκοδομοῦμενον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	9. 5. εὐλογῆσουσιν ὄνομα δόξης σου	(3 α)
— 28 (22. 42). Β καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Γ.	(3 α)	23. 13. ἐπείνευσθαι ἐπὶ τῷ δ. αὐ.	(3 α)	— 7. ἐπέθηκες αὐτῷ ὄνομα Ἀβρ.	(3 α)
18. 24. βοάτω ἐν ὀνόματι θεῶν [A -οὐ] ἡμῶν	(3 α)	— 24. κατὰ τὸν ἀριθμὸν ὀνομάτων αὐ.	(3 α)	— 10. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα	(3 α)
— 24. ἐπικαλέσονται ἐν ὀνόματι κ. τοῦ θ. μου	(3 α)	28. 3. τοῦ ἐπονομάσαι τὸ δ. μου	(3 α)	To. 1. 9. Β ἐκάλεσα τὸ δ. αὐ. Τ.	(3 α)
— 25. ἐπικαλέσασθε ἐν ὀνόματι θεοῦ ἡμῶν	(3 α)	29. 13. αἰνοῦμεν τὸ δ. τῆς καυχώσεώς σου	(3 α)	3. 11. εὐλογητὸν τὸ δ. σου	(3 α)
— 26. ἐπεκαλούντο ἐν ὀνόματι τοῦ Β.	(3 α)	— 16. οἰκοδομήθησαν οἶκον τῷ δ. τῷ ἁγίῳ σου (3 α)	(3 α)	— 15. οὐκ ἐμόλυνα τὸ δ. μου οὐδὲ τὸ δ. τοῦ πατρὸς μου	(3 α)
— 31. Ἰσρ. ἔσται τὸ δ. σου	(3 α)	11 Ch. 1. 9. πιστωθήτω τὸ δ. σου	†	5. 11. βούλομαι . . . ἐπιγινώσκαι . . . τὸ δ. [B al.]	(3 α)
— 32. ἐφοδομήσε τοὺς λίθους ἐν ὀνόματι κυρίου	(3 α)	2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	6. 10. ἔσται αὐτῷ θυγάτηρ ὀνόματι Σάρρα [B al.]	(3 α)
20 (21). 8. ἐργασίη βαβυλὼν ἐπὶ τῷ δ. Ἀχ.	(3 α)	— 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	8. 5. εὐλογητὸν τὸ δ. σου	(3 α)
22. 16. ὅπως λαλήσῃ πρὸς μέ ἀληθεῖαν ἐν ὀνόματι κυρίου	(3 α)	3. 7. ἐκάλεσε τὸ δ. τοῦ ἐκ δεξιῶν Κατόρθωσις καὶ τὸ δ. τοῦ ἐξ ἀριστερῶν Ἰσχυς	(3 α, 3 β)	11. 14. εὐλογητὸν τὸ δ. σου εἰς τοὺς αἰῶνας [B al.]	(3 α)
— 42. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀζ.	(3 α)	6. 2. ἐφοδομήκα οἶκον τῷ δ. σου	—	— 14. Β γένοιτο τὸ δ. τὸ μέγα αὐ. ἐφ' ἡμᾶς	(3 α)
IV Ki. 2. 24. κατηγοράτω αὐτοὺς ἐν ὀνόματι κυρίου	(3 α)	— 5. τοῦ εἶναι ὄνομα μου ἐκεῖ	(3 α)	12. 6. ὑψῶν [B ὑμνεῖν] τὸ δ. αὐτοῦ	(3 α)
5. 11. ἐπικαλέσεται ἐν ὀνόματι θεοῦ αὐ.	(3 α)	— 6. Ἀ τοῦ εἶναι [B γενέσθαι] τὸ δ. μου ἐκεῖ	(3 α)	13. 11. πρὸς τὸ δ. κ. τοῦ θεοῦ [B al.]	(3 α)
8. 26. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Γ.	(3 α)	— 7. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	— 11. Β καὶ ὄνομα τῆς ἐκλεκτῆς εἰς τὰς γενεάς	(3 α)
12. 1 (2). καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἀβιά	(3 α)	— 8. τοῦ οἰκοδομήσαι οἶκον τῷ δ. μου	(3 α)	— 18. Β εὐλογῆσουσιν τὸ δ. τὸ ἅγιόν	(3 α)
14. 2. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς [A τῇ μ.] αὐ. Ἰ.	(3 α)	— 9. οἰκοδομήσει τὸν οἶκον τῷ δ. μου	(3 α)	14. 7. Β ἴνα . . . εὐλογῶσιν τὸ δ. αὐτοῦ	(3 α)
— 7. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐ. Ἰ.	(3 α)	— 10. ἐφοδομήσα τὸν οἶκον τῷ δ. κυρίου	(3 α)	ju. 9. 8. κύριος ὀνομά σοι	(3 α)
15. 2. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ.	(3 α)	— 16. Β τοῦ πορεύεσθαι ἐν τῷ δ. [A B νόμφ]	(3 α)	— 8. τὸ σκῆνωμα τῆς καταπαύσεως τοῦ δ. τῆς δόξης σου	(3 α)
— 33. καὶ ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ἰ.	(3 α)	— 20. ἐπικλήθηται τὸ δ. σου ἐκεῖ	(3 α)	14. 7. οὔτινες ἀκούσαντες τὸ δ. σου	(3 α)
17. 34. οὐ ἔθηκε τὸ δ. αὐτοῦ Ἰσρ.	(3 α)	— 24. καὶ ἐξομολογήσονται τῷ δ. σου	(3 α)	16. 2. ἐπικαλεσθε τὸ δ. αὐ.	(3 α)
18. 2. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀβ.	(3 α)	— 26. καὶ αἰνεῖσονται τὸ δ. σου	(3 α)	— 7. καὶ ὄνομα αὐτῇ [A B τὸ δ. αὐτῆς] Ἑ.	(3 α)
21. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ὁ.	(3 α)	— 32. καὶ ἔλθῃ . . . διὰ τὸ δ. σου τὸ μέγα	(3 α)	— 14. ἐάν μὴ κληθῇ ὄνοματι [A -ασί]	(3 α)
— 4. ἐν Ἰερ. θῶσω τὸ δ. [A τὸν θρόνον] μου	(3 α)	— 33. ὅπως γινώσῃ . . . τὸ δ. σου	(3 α)	4. 17. ἵνα ζῶντες ὑμνωμένῃ σου τὸ δ.	(3 α)
— 7. θῶσω τὸ δ. μου εἰς τὸν αἰῶνα	(3 α)	— 34. ἐπικέκληται τὸ δ. σου ἐπὶ τὸν οἶκον τ.	(3 α)	8. 8. γράψατε καὶ ὑμεῖς ἐκ τοῦ δ. μου	(3 α)
— 19. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Μ.	(3 α)	— 38. οὐ ἐφοδομήσα τῷ δ. σου	(3 α)	10. 3. ἀπολέσει τὸ δ. τῶν Ἰ.	(3 α)
22. 1. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ.	(3 α)	7. 14. ἐφ' ὅς τὸ δ. μου ἐπικέκληται ἐπ' αὐτοὺς	(3 α)	jb. 1. 1. φ ὄνομα Ἰώβ	(3 α)
28. 27. ἔσται τὸ δ. μου ἐκεῖ	(3 α)	— 16. τοῦ εἶναι ὄνομα μου ἐκεῖ	(3 α)	— 21. εἴη τὸ δ. κυρίου εὐλογημένον	(3 α)
— 31. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀμ.	(3 α)	— 20. ὃν ἠγάσα τῷ δ. μου	(3 α)	18. 17. ὑπάρχει ὄνομα αὐτῶν	(3 α)
— 34. ἐπέστρεψε τὸ δ. αὐ. Ἰ.	(3 α)	9. 1. ἤκουσε τὸ δ. Σαλ.	(4 α)	19. 14. οἱ εἰδότες [A ἰδόντες] μου τὸ δ.	—
— 36. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἰ.	(3 α)	12. 13. ἐπονομάσει τὸ δ. αὐτοῦ ἐκεῖ	(3 α)	30. 8. ἀφρόνων υἱοὶ καὶ ἀτίμων ὄνομα	†
24. 8. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ν.	(3 α)	— 13. ὄνομα τῆς μητρὸς αὐ. Ν.	(3 α)	42. 18. προὔπηρχε δὲ αὐτῷ ὄνομα Ἰωβὰβ	—
— 17. ἐπέθηκε τὸ δ. αὐ. Σεδ.	(3 α)	13. 2. ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Μ.	(3 α)	— 18. γενεῇ υἱὸν φ ὄνομα Ἑνώων	—
— 18. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀ.	(3 α)	14. 11 (10). ἐπὶ τῷ δ. σου ἤλθομεν	(3 α)	— 18. ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Δεναβὰ	—
I Ch. 1. 19. Ἀ ὄνομα τῷ ἐνὶ Φαλίε	(3 α)	18. 15. πλην τὴν ἀλήθειαν ἐν ὀνόματι κυρίου	(3 α)	— 18. ὄνομα τῇ πόλει αὐτοῦ Γεθθαίμ	—
— 19. Ἀ καὶ ὄνομα τῷ ἀδελφῷ αὐ. Ἰ.	(3 α)	20. 8. ἐφοδομήσαν . . . ἀγίασμα τῷ δ. σου	(3 α)	— 18. Ἀ προὔπηρχεν δὲ τὸ δ. αὐτοῦ Ἰωβὰβ	(3 α)
— 43. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐ. Δ.	(3 α)	— 9. τὸ δ. σου ἐπὶ τῷ οἴκῳ τοῦτ'	(3 α)	Ps. 5. 11. πάντες οἱ ἀγαπῶντες τὸ δ. σου	(3 α)
— 46. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐ. Γ.	(3 α)	— 26. ἐκάλεσε τὸ δ. τοῦ τόπου ἐκείνου	(3 α)	7. 17. ψαλῶ τῷ δ. κυρίου τὸ ὑψίστου	(3 α)
— 50. καὶ ὄνομα τῇ πόλει αὐ. Φ.	(3 α)	— 31. καὶ ὄνομα τῇ μητρὶ αὐ. Ἀζ.	(3 α)	8. 1, 9. ὡς θαυμαστὸν τὸ δ. σου ἐν πάσῃ τῇ γῇ	(3 α)
— 50. Ἀ καὶ ὄνομα τῇ γυναικὶ αὐ. Μ.	(3 α)			9. 2. ψαλῶ τῷ δ. σου, ὕψιστε	(3 α)
2. 1. ταῦτα τὰ δ. τῶν υἱῶν Ἰσρ.	—			— 5. τὸ δ. αὐ. [A σου] ἐξήλειψας	(3 α)
— 26. καὶ ὄνομα αὐτῇ Ἀ.	(3 α)			— 10. οἱ γινώσκοντες τὸ δ. σου	(3 α)

Ps. 12 (18). 6. ψαλῶ τῷ δ. κυρίου τοῦ ὑψίστου - (3 α)  
 15 (16). 4. οὐδὲ μὴ μνησθῶ τῶν δ. αὐτῶν (3 α)  
 17 (18). 49. τῷ δ. σου ψαλῶ (3 α)  
 19 (20). 1. ὑπερασπίσαι σου τὸ δ. τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (3 α)  
 — 5. ἐν ὀνόματι θεοῦ ἡμῶν μεγαλυνθήσονται (3 α)  
 — 7. ἐν ὀνόματι κυρίου θεοῦ ἡμῶν (3 α)  
 21 (22). 22. διηγῶμαι σου τὸ δ. σου τοῖς ἀδελφοῖς μου (3 α)  
 22 (23). 3. ἀδύνησέν με . . . ἔνεκεν τοῦ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 24 (25). 11. ἔνεκα τοῦ δ. σου, κύριε (3 α)  
 — 14. Α Β' καὶ τὸ δ. κυρίου τῶν φοβουμένων [Α ἑπικαλεσάμενων] αὐτῶν - (3 α)  
 28 (29). 2. ἐνέγκας τῷ κυρίῳ δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (3 α)  
 30 (31). 3. ἔνεκεν τοῦ δ. σου ἀδύνησέν με (3 α)  
 32 (33). 21. ἐν τῷ δ. τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ ἠλπίσαμεν (3 α)  
 33 (34). 3. ὑψώσωμεν τὸ δ. αὐ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ (3 α)  
 39 (40). 4. οὐ ἔστι τὸ δ. κυρίου ἐλπίς αὐτοῦ †  
 40 (41). 5. καὶ ἀπολείπει τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 43 (44). 5. ἐν τῷ δ. σου ἐξουθενώσωμεν τοὺς ἐπανισταμένους ἡμῶν (3 α)  
 — 8. ἐν τῷ δ. σου ἐξομολογήσονται (3 α)  
 — 20. εἰ ἐπέλαβόμεθα τοῦ δ. [Α σπ. τοῦ δ.] τοῦ θεοῦ ἡμῶν (3 α)  
 — 26. λυτρώσαι ἡμᾶς ἔνεκεν τοῦ δ. σου †  
 44 (45). 17. μνησθήσονται [Β' -σομαι] τοῦ δ. σου (3 α)  
 47 (48). 10. κατὰ τὸ δ. σου, δ θεός (3 α)  
 48 (49). 11. ἐπικαλέσαντο τὸ δ. αὐτῶν ἐπὶ τῶν γαῶν αὐτῶν (3 α)  
 51 (52). 9. ὑπομνήτω τὸ δ. σου (3 α)  
 53 (54). 1. ἐν τῷ δ. σου σῶσόν με (3 α)  
 — 6. ἐξομολογήσονται τῷ δ. σου (3 α)  
 58 (59). 11. Β' μὴ ποτε ἐπιλάβονται τοῦ δ. [Β' νόμου] σου †  
 60 (61). 5. δόξας κληρονομίαν τοῖς φοβουμένοις τὸ δ. σου (3 α)  
 — 8. οὕτως ψαλῶ τῷ δ. σου (3 α)  
 62 (63). 4. ἐν τῷ δ. σου ἄρῃ τὰς χεῖράς μου (3 α)  
 — 5. χεῖρή ἀγαλλιάσας αἰνέσει τὸ δ. σου [Β' σπ. μου] †  
 65 (66). 2. ψάλατε θῆ τῷ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 4. ψάλλωσαν τῷ δ. σου (3 α)  
 67 (68). 4. ψάλατε τῷ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 4. κύριος ὄνομα αὐτῷ (3 α)  
 68 (69). 30. αἰνέσω τὸ δ. τοῦ θεοῦ μου (3 α)  
 — 36. Β οἱ ἀγαπῶντες τὸ δ. αὐτοῦ [Β σου] (3 α)  
 71 (72). 14. ἐντιμὸν τὸ δ. αὐ. ἐνώπιον αὐ. †  
 — 17. ἔστω τὸ δ. αὐτοῦ ἐλογυμένον (3 α)  
 — 17. ποῦ τὸ ἡλίον διαμείνῃ τὸ δ. αὐ. (3 α)  
 — 19. εὐλογητὸν τὸ δ. τῆς δόξης αὐτοῦ (3 α)  
 73 (74). 7. ἐβεβήλωσαν τὸ σκήνωμα τοῦ δ. σου (3 α)  
 — 10. παροξύνει δ' ἐπεναντίος τὸ δ. σου (3 α)  
 — 18. Β Β λαὸς ἀδρῶν παρῶν τὸ δ. σου [Β αὐ.] (3 α)  
 — 21. πωγὸς καὶ πῆνις αἰνέσουσι τὸ δ. σου (3 α)  
 74 (75). 1. ἐπικαλέσονται τὸ δ. σου (3 α)  
 75 (76). 1. ἐν τῷ Ἰσραὴλ μέγα τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 78 (79). 6. αἱ τὸ δ. σου οὐκ ἐπικαλέσαντο (3 α)  
 — 9. ἔνεκα τῆς δόξης τοῦ δ. σου (3 α)  
 — 9. ἰάσθητι ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν ἔνεκα τοῦ δ. σου (3 α)  
 79 (80). 18. τὸ δ. σου ἐπικαλεσόμεθα (3 α)  
 82 (83). 4. οὐ μὴ μνησθῇ τὸ δ. Ἰσραὴλ ἔτι (3 α)  
 — 16. ζητήσουσι τὸ δ. [Α πρόσωπόν] σου (3 α)  
 — 18. γνῶντες ὅτι ὄνομα σοι κύριος (3 α)  
 85 (86). 9. δοξάσονται τὸ δ. σου (3 α)  
 — 11. τοῦ φοβηθέντος τὸ δ. σου (3 α)  
 — 12. δοξάσω τὸ δ. σου εἰς τὸν αἰῶνα (3 α)  
 88 (89). 12. τῷ ὀνόματι σου ἀγαλλιάσονται (3 α)  
 — 16. ἐν τῷ δ. σου ἀγαλλιάσονται (3 α)  
 — 24. ἐν τῷ δ. μου ὑψώθησεται τὸ κέρας αὐτοῦ (3 α)  
 90 (91). 14. ἔγνω τὸ δ. μου (3 α)  
 91 (92). 1. ἀγαθόν . . . ψάλλειν τῷ δ. σου (3 α)  
 95 (96). 2. εὐλογῆσαι τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 8. ἐνέγκας τῷ κυρίῳ δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (3 α)  
 98 (99). 3. ἐξομολογήσονται τῷ δ. σου τῷ μεγάλῳ (3 α)  
 — 6. Σαμουὴλ ἐν τοῖς ἐπικυλοῦν. τὸ δ. αὐ. (3 α)  
 99 (100). 4. αἰνέει τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 101 (102). 15. φοβηθήσονται τὰ ἔθνη τὸ δ. σου (3 α)  
 — 21. τοῖς ἀναγγεῖλαι ἐν Σιών τὸ δ. κυρίου (3 α)  
 102 (103). 1. καὶ πάντα τὰ ἐντόπιον μου τὸ δ. τὸ ἄγιον αὐτοῦ (3 α)

Ps. 104 (105). 1. ἐπικαλίσθη τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 3. ἐπαινέσθη ἐν τῷ δ. τῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (3 α)  
 105 (106). 8. ἴσασιν αὐτοὺς ἔνεκεν τοῦ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 47. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ δ. σου τῷ ἁγίῳ (3 α)  
 108 (109). 13. ἐν γενεῇ μὲν ἐξελιφθήναι τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 21. Α Β' ποίησον μετ' ἐμοῦ ἔλεος [Β' Β σπ.] (3 α)  
 — 21. ἔνεκεν τοῦ δ. σου (3 α)  
 110 (111). 9. ἄγιον καὶ φοβερὸν τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 112 (113). 1. αἰνέειτε τὸ δ. κυρίου (3 α)  
 — 2. εἰπὶ τὸ δ. κυρίου εὐλογημένοι (3 α)  
 — 3. αἰνῶντες [Β' αἰνέταις] τὸ δ. κυρίου (3 α)  
 113. 9 (115. 1). τῷ δ. σου δὲς δόξαν (3 α)  
 114 (116). 4. τὸ δ. κυρίου ἐπικαλέσασθαι (3 α)  
 115. 4 (116. 13). τὸ δ. κυρίου ἐπικαλέσασθαι (3 α)  
 — 8 (116. 17). Α Β' ἐν ὀνόματι κυρίου ἐπικαλέσασθαι (3 α)  
 117 (118). 10, 11, 12. τῷ δ. κυρίου ἡμυνήμενοι αὐτοῖς (3 α)  
 — 26. εὐλογημένοι οἱ ἐρχόμεν. ἐν ὀνόματι κ. (3 α)  
 118 (119). 55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ δ. [Β' τὸ δ.] σου (3 α)  
 — 132. κατὰ τὸ κρίμα τῶν ἀγαπῶντων τὸ δ. σου (3 α)  
 — 165. Α εἰρήνη πολλὴ τοῖς ἀγαπῶσι τὸ δ. [Β τὸν νόμον] σου †  
 121 (122). 4. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ δ. κυρίου (3 α)  
 123 (124). 8. ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι κυρίου (3 α)  
 128 (129). 8. εὐλογῶμεν [Β' -σομεν] ὑμᾶς ἐν ὀνόματι κυρίου (3 α)  
 129 (130). 4. ἔνεκεν τοῦ δ. σου ὑπεμείναι σε †  
 134 (135). 1. αἰνέειτε τὸ δ. κυρίου (3 α)  
 — 3. ψάλατε τῷ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 13. κύριε, τὸ δ. σου εἰς τὸν αἰῶνα (3 α)  
 137 (138). 2. ἐξομολογήσονται τῷ δ. σου (3 α)  
 — 2. ἐμεγάλυνας ἐπὶ πάν τὸ [Β' σπ.] δ. τὸ ἄγιον σου (3 α)  
 139 (140). 13. δίκαιοι ἐξομολογήσονται τῷ δ. σου (3 α)  
 141 (142). 7. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ δ. σου (3 α)  
 142 (143). 11. ἔνεκα τοῦ δ. σου, κύριε, ἤσσεις με (3 α)  
 144 (145). 1. εὐλογῶ τὸ δ. σου (3 α)  
 — 2. αἰνέσω τὸ δ. σου (3 α)  
 — 21. εὐλογεῖτω πάσα σὰρξ τὸ δ. τὸ ἄγιον αὐτοῦ (3 α)  
 146 (147). 4. καὶ πᾶσιν αὐτοῖς ὀνόματα καλῶν (3 α)  
 148. 5, 13. αἰνεσάτωσαν τὸ δ. κυρίου (3 α)  
 — 13. ὑψώθη τὸ δ. αὐτοῦ μόνον (3 α)  
 149. 3. αἰνεσάτωσαν τὸ δ. αὐτοῦ ἐν χορῷ (3 α)  
 Pr. 9. 18. Β Β μὴδὲ ἐπιστήσης τὸ σὺν δ. [Α Β θμα] πρὸς αὐτὴν - (3 α)  
 10. 7. ὄνομα δὲ ἀρετῆς σφάντου (3 α)  
 18. 10. ἐκ μεγαλῶσιν ἰσχύος ὄνομα κυρίου (3 α)  
 22. 1. αἰρετωτέρων ὀνομα καλὸν ἢ πλουτοῦ πολὺς (5)  
 24. 27 (30. 4). τί ὄνομα αὐτῷ ἢ τί ὄνομα τοῖς τέκνοις αὐτοῦ [Α α.] (3 α, 3 α)  
 — 32 (30. 9). καὶ ὁπίσω τὸ δ. τοῦ θεοῦ (3 α)  
 27. 16. ὄνομα δὲ ἐπιδοξίας καλεῖται †  
 Ec. 6. 4. ἐν σκότει ὄνομα αὐτοῦ καλυφθήσεται (3 α)  
 — 10. κέκληται [Α -ηκεν] ὄνομα [Β' τὸ δ.] αὐτοῦ (3 α)  
 7. 2 (1). ἀγαθὸν ὄνομα ὑπὲρ ἑλίου ἀγαθόν (3 α)  
 Ca. 1. 3. μύρον ἐκκεκωθὲν ὄνομα σου [Α σοι] (3 α)  
 Wi. 2. 4. τὸ δ. ἡμῶν ἐπιλησθήσεται ἐν χρόνῳ (3 α)  
 10. 20. ὕμνησαν, κύριε, τὸ δ. τὸ ἄγιον σου (3 α)  
 14. 21. τὸ ἀκοινώνητον δ. λίθους καὶ ξύλους περιέβσαν (3 α)  
 18. 12. ἐν [Β' σπ.] ἐνὶ δ. θανάτου νεκροὺς εἶχον ἀναβιβασμένους (3 α)  
 19. 18. φθόγγου τοῦ ῥυθμοῦ τὸ δ. διαλλάσσοις (3 α)  
 Si. 6. 1. ὄνομα γὰρ ποιητῶν . . . δυνείους κληρονομήσει (3 α)  
 — 22. σοφία γὰρ κατὰ τὸ δ. αὐτῆς ἐστὶ (3 α)  
 15. 6. ὄνομα αἰώνιον [Α Β αἰῶνος] κατακληρονομήσει (3 α)  
 17. 10. ὄνομα ἀγασμοῦ αἰνέσουσιν (3 α)  
 22. 14. τί αὐτῷ ὄνομα ἀλλ' ἡ μωρὸς (3 α)  
 23. 10. Α Β' ὁ ὀνόμαζον διὰ παντὸς τὸ δ. κυρίου [Β Β' α.] (3 α)  
 36. 17 (14). ἐλέησον λαὸν . . . κεκλημένον ἐπ' ὀνόματι σου (3 α)  
 — 20 (17). ἔγειρον προφητείας τὰς ἐπ' ὀνόματι σου (3 α)  
 37. 1. ἔστι φίλος ὀνόματι μόνον φίλος (3 α)  
 — 26. τὸ δ. αὐτοῦ ζῆται εἰς τὸν αἰῶνα (3 α)  
 39. 9. ὄνομα [Α Β τὸ δ.] αὐτοῦ ζῆται [Α ζήτησ.] εἰς γενεὰς γενεῶν (3 α)  
 — 11. ἐὰν ἐμμεῖν ὄνομα καταλείψει ἡ χιλιὶς (3 α)  
 — 15. δόξε τῷ δ. αὐτοῦ μεγαλοσύνην (3 α)  
 — 35. εὐλογῆσατε τὸ δ. κυρίου (3 α)

Si. 40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν ὄνομα (3 α)  
 41. 11. ὄνομα δὲ ἁμαρτωλῶν οὐκ ἀγαθόν [Β' δ. οἶκ] ἐξελιφθήσεται (3 α)  
 — 12. φρόντισον περὶ ὀνόματος [Β' δ. καλοῦ] (3 α)  
 — 13. ἀγαθὸν ὄνομα εἰς αἰῶνα διαμένει (3 α)  
 43. 8. μὴν κατὰ τὸ δ. αὐτῆς ἐστὶν (3 α)  
 44. 8. κατέλιπον ὄνομα τοῦ ἐκδιηγῆσθαι ἑταίρους (3 α)  
 — 14. τὸ δ. αὐτῶν ζῇ εἰς γενεάς (3 α)  
 45. 15. εὐλογεῖν τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐν τῷ δ. (3 α)  
 46. 1. ἐγένετο κατὰ τὸ δ. αὐτοῦ μέγας (3 α)  
 — 11. Α Β οἱ κριταὶ ἕκαστος [Β Β -φ] τῷ αὐτοῦ δ. (3 α)  
 — 12. τὸ δ. αὐτῶν ἀντικαταλασσόμενον ἐφ' υἱοῖς δεδοξασμένων αὐτῶν (3 α)  
 47. 10. ἐν τῷ αἰνεῖν αὐτοὺς τὸ ἄγιον δ. αὐτοῦ (3 α)  
 — 13. ἵνα στήσῃ οἶκον ἐπ' ὀνόματι αὐτοῦ (3 α)  
 — 16. εἰς νῆσους πόρρω ἀφίκετο τὸ δ. σου (3 α)  
 — 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ (3 α)  
 50. 20. ἐν ὀνόματι αὐτοῦ καυχᾶσθαι (3 α)  
 51. 2. ἐξομολογούμεθα τῷ δ. σου (3 α)  
 — 3. λυτρώσω με κατὰ τὸ πλῆθος ἐλπίου καὶ ὀνόματος σου (3 α)  
 — 11. αἰνέσω τὸ δ. σου ἐνδελχῶς (3 α)  
 — 12. εὐλογῶ τῷ δ. κυρίου (3 α)  
 Ho. 1. 4. κἄλουν τὸ δ. αὐτοῦ Ἰσραὴλ (3 α)  
 — 6. κἄλουν τὸ δ. αὐτῆς Οἶκ ἡλεμένη (3 α)  
 — 9. κἄλουν τὸ δ. αὐτοῦ Οὐ λαὸς μου (3 α)  
 2. 17 (19). ἐξαρῶ τὰ δ. τῶν Β. ἐκ στόματος αὐτῆς (3 α)  
 — 17 (19). οὐ μὴ μνησθῶσιν οὐκέτι τὰ δ. αὐ. (3 α)  
 Am. 2. 7. ὅπως βεβήλωσι τὸ δ. τοῦ θεοῦ αὐ. (3 α)  
 4. 13. κ. ο. θ. ο. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῆς (3 α)  
 5. 8. κύριος ὄνομα αὐτῆς (3 α)  
 — 27. κ. ο. θεὸς ο. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῆς (3 α)  
 6. 11 (10). ἔνεκα τοῦ μὴ ὀνομάσαι τὸ δ. κ. (3 α)  
 9. 6. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῆς (3 α)  
 — 12. ἐφ' ὅδε ἐπικέκληται τὸ δ. μου ἐπ' αὐτοὺς (3 α)  
 Mi. 4. 5. ἡμεῖς δὲ πορευόμεθα ἐν ὀνόματι κ. θεοῦ (3 α)  
 5. 4 (3). ἐν τῇ δόξῃ ὀνόματος [Α τοῦ δ.] κ. θεοῦ (3 α)  
 6. 9. σῶσει φοβουμένους τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 Jl. 2. 26. αἰνέσετε τὸ δ. κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (3 α)  
 — 32 (3. 5). πάς δὲ ἄνθρωπος ἐπικαλέσεται τὸ δ. κ. σωθήσεται (3 α)  
 Na. 1. 14. οὐ σπαρήσεται ἐκ τοῦ [Β' ἐξ] δ. σου ἔτι (3 α)  
 Ze. 1. 4. ἐξαρῶ . . . τὰ δ. τῆς Β. καὶ τὰ δ. τῶν ἱερῶν (†, 3 α)  
 3. 9. τοῦ ἐπικαλέσθαι πάντας τὸ δ. κυρίου (3 α)  
 — 12. εὐλαβηθήσονται ἀπὸ τοῦ δ. κυρίου (3 α)  
 Za. 6. 4. τοῦ ὀμνύντος τῷ δ. μου ἐπὶ ψεύδει (3 α)  
 6. 12. Ἀνατολὴ ὄνομα αὐτῆς (3 α)  
 10. 12. ἐν τῷ δ. αὐτοῦ κατακαυθήσονται (3 α)  
 13. 2. ἐξολοθρεύσω τὰ δ. τῶν εἰδωλῶν (3 α)  
 — 3. ψευδὴ ἐλάλησας ἐπ' [Α ἐν] ὀνόματι κυρίου (3 α)  
 — 9. αὐτοὶ ἐπικαλέσονται τὸ δ. μου (3 α)  
 14. 9. ἔσται . . . τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν (3 α)  
 Ma. 1. 6. ὑμεῖς οἱ ἱερεῖς οἱ φαυλίζοντες τὸ δ. μου (3 α)  
 — 6. ἐν τίνι ἐφανλίσαντο τὸ δ. σου (3 α)  
 — 11. τὸ δ. μου δεδόξασται ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 α)  
 — 11. θυμίαμα προσάγεται τῷ [Α -υγάγετε ἐπὶ τῷ] δ. μου (3 α)  
 — 11. διότι μέγα τὸ δ. μου ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 α)  
 — 14. τὸ δ. μου ἐπιφανέες ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 α)  
 2. 2. τοῦ δοῦναι δόξαν τῷ δ. μου (3 α)  
 — 5. ἀπὸ προσώπου ὀνομάτων [Α τοῦ δ.] μου (3 α)  
 3. 5. ἐπὶ τοῖς ὀμνύνοντες τῷ δ. μου (3 α)  
 — 16. καὶ εὐλαβημένοις τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 4. 2 (3. 20). ἀνατελεῖ ὑμῖν τοῖς φοβουμένοις τὸ δ. μου (3 α)  
 Is. 4. 1. τὸ δ. τὸ σὺν κεκλήσθω ἐφ' ἡμᾶς (3 α)  
 7. 14. καλέσεις [Β -σει] τὸ δ. αὐτοῦ Ἐμμανουὴλ (3 α)  
 8. 3. κἄλουν τὸ δ. αὐτοῦ Ταχέως σκύλευσον (3 α)  
 9. 6 (5). καλεῖται [Α -εῖται] τὸ δ. αὐτοῦ (3 α)  
 12. 4. βοᾶτε τὸ δ. αὐτοῦ . . . ὑψώθη τὸ δ. αὐτοῦ (3 α, 3 α)  
 — 5. ὑμῆσατε τὸ δ. κυρίου (3 α)  
 14. 22. ἀπολῶ αὐτῶν ὄνομα (3 α)  
 18. 7. οὐ τὸ δ. κυρίου σαβᾶθ (3 α)  
 19. 18. ὀμνύντες [Α Β' -ιούσαις] τῷ δ. κυρίου (3 α)  
 24. 15. τὸ δ. κυρίου ἐνδοξον ἴσταται (3 α)  
 25. 1. ὑμῆσατε τὸ δ. σου (3 α)  
 26. 8. ἠλπίσαμεν ἐπὶ τῷ δ. σου (3 α)  
 — 13. τὸ δ. σου ὀνομάζομεν (3 α)  
 29. 23. δι' ἐμὲ ἀγιάσουσι τὸ δ. μου (3 α)  
 30. 27. τὸ δ. κυρίου ἐρχεται (3 α)

Is. 33. 21. τὸ δ. κυρίου μέγα ὑμῖν [A ἔστιν] †  
 40. 26. πάντας [A -α] ἐπ' ὀνόματι καλέσει (3 a)  
 41. 25. τὸν ἀφ' ἡλίου ἀνατολῶν κληθήσονται  
 [A κλησ.] τῷ δ. μου (3 a)  
 42. 4. ἐπὶ τῷ δ. αὐτοῦ ἔθνη ἐλπίουσιν †  
 — 8. τοῦτο μοῦ ἐστὶ τὸ [S om.] δ. (3 a)  
 — 10. A B S<sup>2</sup> δοξάζετε τὸ δ. αὐτοῦ —  
 — 24. S<sup>2</sup> οὐδὲ ἀκούει τὸ δ. αὐ. [A B S<sup>1</sup> al.] †  
 43. 1. ἐκάλεσά σε τὸ δ. σου (3 a)  
 — 7. ὅσοι ἐπικέκληται τῷ δ. μου (3 a)  
 44. 5. βοιστῆται [A ἐρεῖ] ἐπὶ τῷ δ. 'Ιακώβ . . .  
 ἐπὶ τῷ δ. 'Ισραὴλ βοιστῆται [A S<sup>2</sup>  
 om.] (3 a, 3 a)  
 45. 3. ὁ καλῶν τὸ δ. σου θεὸς 'Ισραὴλ (3 a)  
 — 4. S<sup>1</sup> B καλέσας σε τῷ δ. σου [A B S<sup>2</sup> μου] (3 a)  
 47. 4. ὄνομα αὐτῷ ἅγιος 'Ισραὴλ (3 a)  
 48. 1. οἱ κεκλημένοι ἐπὶ [A S<sup>2</sup> om.] τῷ δ. 'Ισ-  
 ραὴλ . . . οἱ ὀμνούντες τῷ δ. κ. θεοῦ  
 'Ισρ. (3 a, 3 a)  
 — 2. ἀντερχόμενοι τῷ δ. τῆς πόλεως τῆς ἁγίας †  
 — 2. κύριος σαβαώθ ὄνομα αὐτῷ (3 a)  
 — 9. ἔνεκεν τοῦ ἐμοῦ ὁ, δείξω σοι τὸν θυμὸν μου (3 a)  
 — 11. τὸ ἐμὸν δ. βεβηλόταν †  
 — 19. οὐδὲ ἀπολείπει τὸ δ. σου ἐνώπιον ἐμοῦ (3 a)  
 49. 1. ἐκ κοιλίας μητρὸς μου ἐκάλεσε τὸ δ. μου (3 a)  
 50. 10. πεποιθατε ἐπὶ τῷ δ. κυρίου (3 a)  
 51. 15. κύριος σαβαώθ ὄνομα μοι (3 a)  
 52. 5. τὸ δ. μου βλασφημῆται ἐν τοῖς ἔθνεσι (3 a)  
 — 6. γινώσκειται ὁ λαὸς μου τὸ δ. μου (3 a)  
 54. 5. κύριος σαβαώθ ὄνομα αὐτῷ (3 a)  
 — 9. S<sup>1</sup> τοῦτο μοι ἐστὶν ὄνομα [A B S<sup>2</sup> om.] —  
 55. 13. ἔσται κύριος εἰς ὄνομα (3 a)  
 56. 5. δ. αἰώνων δώσω αὐτοῖς (3 a)  
 — 6. ἅπαν τὸ δ. κυρίου (3 a)  
 57. 15. ἅγιος ἐν ἁγίοις ὄνομα αὐτῷ (3 a)  
 59. 19. φοβηθήσονται οἱ ἀπὸ δυσμῶν τὸ δ. κυ-  
 ρίου καὶ οἱ ἀπ' ἀνατολῶν ἡλίου τὸ  
 δ. τὸ ἔνδοξον (3 a, —)  
 60. 9. A S B διὰ [B om.] τὸ δ. κυρίου τὸ ἅγιον (3 a)  
 62. 2. καλέσει σε τὸ δ. [A S add. σου] τὸ καινόν (3 a)  
 63. 12. ποιῶσαι ἐναντῷ δ. αἰώνων (3 a)  
 — 14. ποιῶσαι ἐναντῷ ὄνομα δόξης (3 a)  
 — 16. ἀπ' ἀρχῆς τὸ δ. σου ἐφ' ἡμᾶς ἐστὶ  
 [A σου ἐστὶν ἐν ἡμῖν] (3 a)  
 — 19. οὐδὲ ἐκλήθη τὸ δ. σου ἐφ' ἡμᾶς (3 a)  
 64. 2 (1). φανερὸν ἔσται τὸ δ. σου [A S κυρίου]  
 ἐν τοῖς ὑπεραντιστοῖς (3 a)  
 — 7 (6). οὐκ ἔσται ὁ ἐπικαλούμενος τὸ δ. σου (3 a)  
 65. 1. οἱ οὐκ ἐκάλεσαν μου τὸ δ. (3 a)  
 — 15. καταλείψετε γὰρ τὸ δ. ὑμῶν εἰς πληρ-  
 μονήν τοις ἐκλεκτοῖς μου (3 a)  
 — 15. τοῖς δὲ δουλεύουσιν μοι κληθήσεται δ.  
 καινόν (3 a)  
 66. 5. ἴνα τὸ δ. κυρίου δοξασθῇ (3 a)  
 — 19. οὐκ ἀκηκούσας μου τὸ δ. (4 a)  
 — 22. στήσεται τὸ σπέρμα ὑμῶν καὶ τὸ δ. ὑμῶν (3 a)  
 Je. 12. 10, 11. οὐ ἐπικέκληται τὸ δ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)  
 — 12. οὐ κατεσκήνωσα τὸ δ. μου ἐκεῖ ἐμπροσθεν (3 a)  
 — 14. φ' ἐπικέκληται τὸ δ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)  
 — 30. οὐ ἐπικέκληται τὸ δ. μου ἐπ' αὐτόν (3 a)  
 10. 16. κύριος ὄνομα αὐτῷ [A -οῦ] (3 a)  
 — 25. αἱ τὸ δ. σου οὐκ ἐπεκαίλισαντο (3 a)  
 11. 16. εὐλαίαν θοῖραν εὐσκίων τῷ εἶδει ἐκάλεσε  
 [S add. σε] κύριος τὸ δ. σου (3 a)  
 — 19. τὸ [A om.] δ. αὐ. οὐ μὴ μνησθῇ οὐκίτι (3 a)  
 — 21. οὐ μὴ προφητεύσεις ἐπὶ τῷ δ. κυρίου (3 a)  
 12. 16. τοῦ ὀμνῶν τῷ δ. μου (3 a)  
 14. 9. τὸ δ. σου ἐπικέκληται ἐφ' ἡμᾶς (3 a)  
 — 14. ψευδὴ οἱ προφῆται προφητεύουσιν ἐπὶ  
 τῷ δ. μου (3 a)  
 — 15. περὶ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων  
 ἐπὶ [A om.] τῷ δ. μου ψευδῇ (3 a)  
 — 21. κῆπος μου διὰ τὸ δ. σου (3 a)  
 15. 16. ἐπικέκληται τὸ δ. σου ἐπ' ἐμοί (3 a)  
 16. 21. ὄνομα μοι κύριος [S<sup>2</sup> om. δ. μ. κ.] (3 a)  
 20. 3. οὐχὶ Παρχάρ ἐκάλεσε κ. τὸ δ. σου (3 a)  
 — 9. οὐ μὴ ὀνομάσω τὸ δ. κ. καὶ οὐ μὴ λαλήσω  
 ἐπὶ ἐπὶ τῷ δ. αὐ. [A τούτῳ] (—, 3 a)  
 23. 6. τοῖτο τὸ δ. αὐ. ὁ καλέσει αὐτὸν κ. 'Ι. (3 a)  
 — 13. A ἐπροφήτευσαν ἐπ' ὀνόματι μου [B S  
 om. ε. δ. μ.] —  
 — 25. A B α [B S om.] προφητεύουσιν ἐπὶ τῷ  
 δ. μου (3 a)  
 — 27. ἐπελάθοντο οἱ πατέρες αὐ. τοῦ δ. μου (3 a)  
 26 (48). 17. καλέσατε τὸ δ. Φαραώ †  
 27 (50). 34. κύριος παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)

Je. 28 (51). 19. κύριος ὄνομα αὐτῷ (3 a)  
 — 57. κύριος παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)  
 31 (48). 17. πάντες ἔκδοτε ὄνομα αὐτοῦ (3 a)  
 32. 15 (25. 29). ὀνομάσθη τὸ δ. μου (3 a)  
 33 (26). 9. ἐπροφήτευσας [S add. ἐπὶ] τῷ δ.  
 κυρίου (3 a)  
 — 16. ἐπὶ τῷ δ. κ. τοῦ θ. ἡμῶν ἐλάλησε (3 a)  
 — 20. ἄνθρωπος ἦν προφητεύων [A add. ἐπὶ]  
 τῷ δ. κυρίου (3 a)  
 34 (27). 14. προφητεύουσι [A add. ἐπὶ] τῷ δ.  
 μου ἐπ' ἀδικῶν —  
 36 (29). 9. ἀδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν ἐπὶ  
 τῷ δ. μου (3 a)  
 — 23. λόγον ἐχρημάτισαν ἐν τῷ δ. μου (3 a)  
 — 25. οὐκ ἀπίστευτά σε τῷ δ. μου (3 a?)  
 38 (31). 35. κύριος παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (3 a)  
 39 (32). 20. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)  
 — 34. οὐ [A φ'] ἐπεκλήθη τὸ δ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)  
 40 (33). 2. κύριος ὄνομα αὐτῷ (3 a)  
 41 (34). 15. οὐ ἐπεκλήθη τὸ δ. μου ἐπ' αὐτῷ (3 a)  
 — 16. ἐβεβηλώσατε τὸ δ. [A τὴν διαθήκην]  
 μου (3 a)  
 51 (44). 16. ἂν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς τῷ [S ἐν]  
 δ. κυρίου (3 a)  
 — 26. ὥμοσα τῷ δ. μου τῷ μεγάλῳ . . . ἐάν  
 γένηται ἐπὶ δ. μου ἐν τῷ στόματι (3 a, 3 a)  
 52. 1. ὄνομα τῇ μητρὶ αὐτοῦ 'Αμειτάλ (3 a)  
 53a. 2. 11. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)  
 — 14. A ἐξέλου ἡμᾶς ἐνεκεν τοῦ δ. [B om. τ. δ.] σου  
 — 15. τὸ δ. σου ἐπεκλήθη ἐπὶ 'Ισραὴλ  
 — 26. οὐ ἐπεκλήθη τὸ δ. σου  
 — 32. μνησθήσονται τοῦ δ. μου  
 3. 5. μνησθήτι χειρὸς σου καὶ ὀνόματός σου  
 — 7. ἐπικαλεῖσθαι τὸ δ. σου  
 5. 4. κληθήσεται γὰρ σου τὸ δ. παρὰ τοῦ θεοῦ  
 I.a. 3. 55. B ἐπεκαλεσάμην τὸ δ. σου (3 a)  
 Ez. 16. 14. ἐξῆλθέ σου δ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν  
 — 15. ἐπόμενους ἐπὶ τῷ δ. σου (3 a)  
 20. 9, 14, 22. ὅπως τὸ δ. μου τὸ παράπαν μὴ  
 βεβηλώθῃ (3 a)  
 — 29. ἐπεκαίλεσαν τὸ δ. αὐτοῦ 'Αβραμὰ (3 a)  
 — 39. τὸ δ. μου τὸ ἅγιον οὐ βεβηλώσετε οὐκίτι (3 a)  
 — 44. ὅπως τὸ δ. μου μὴ βεβηλώθῃ (3 a)  
 23. 4. τὰ δ. αὐτῶν ἦν 'Ο. ἡ πρεσβυτέρα καὶ 'Ο. (3 a)  
 — 4. τὰ δ. αὐ. Σαμάρια ἦν 'Ο. (3 a)  
 36. 20. ἐβεβηλώσαν τὸ δ. μου τὸ ἅγιον (3 a)  
 — 21. ἐφείσαμην αὐτῶν διὰ τὸ δ. μου τὸ ἅγιον (3 a)  
 — 22. ἀλλ' ἡ διὰ τὸ δ. μου τὸ ἅγιον (3 a)  
 — 23. ἀγιάσω τὸ δ. μου τὸ μέγα [A ἅγιον] (3 a)  
 39. 7. τὸ δ. μου τὸ ἅγιον γνωσθήσεται ἐν μέσῳ  
 λαοῦ μου 'Ισρ. καὶ οὐ βεβηλώσεται  
 τὸ δ. μου τὸ ἅγιον οὐκίτι (3 a, 3 a)  
 — 16. τὸ δ. τῆς πόλεως Πολυάνδριον (3 a)  
 — 25. ζηλώσω διὰ τὸ δ. τὸ ἅγιον μου (3 a)  
 43. 7. ἐν οἷς κατασκηνώσει τὸ δ. μου †  
 — 7. οὐ βεβηλώσουσιν οὐκίτι οἶκος 'Ισραὴλ τὸ  
 δ. τὸ ἅγιον μου (3 a)  
 — 8. ἐβεβηλώσαν τὸ δ. τὸ ἅγιον μου (3 a)  
 48. 1. ταῦτα τὰ δ. τῶν φυλῶν (3 a)  
 — 31. αἱ πύλαι τῆς πόλεως ἐπ' ὀνόμασι φυλῶν  
 τοῦ 'Ισραὴλ (3 a)  
 — 35. τὸ δ. τῆς πόλεως . . . ἔσται τὸ δ. αὐ. (3 a, †)  
 Da. LXX. Su. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ 'Ι.  
 — 2. ἡ ὄνομα Σουσ. †  
 — 7. γυναῖκα ἀδελφοῦ αὐ. . . ὄνομα Σουσάνναν  
 1. 7. ἐπέθηκεν αὐτοῖς ὁ ἀρχιεὺς. ὀνόματα (3 a)  
 2. 20. ἔστω τὸ δ. τοῦ κ. τοῦ μεγάλου εὐλογη-  
 μένον (3 b)  
 3. (26). δεδοσθαι τὸ δ. σου εἰς τοὺς αἰῶνας  
 — (34). μὴ παραδῶς ἡμᾶς εἰς τέλος διὰ τὸ δ. σου  
 — (43). δὸς δέξαν τῷ δ. σου  
 — (52). εὐλογῆμεν τὸ δ. τῆς δόξης σου  
 — 26 (93). ἐκάλεσεν αὐτοὺς εἰς ὄνοματος —  
 9. 6. οἱ ἐλάλουν ἐν τῷ δ. σου (3 a)  
 — 15. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)  
 — 18. ἐφ' ἧς ἐπεκλήθη τὸ δ. σου ἐπ' αὐτῆς (3 a)  
 — 19. τὸ δ. σου ἐπεκλήθη ἐπὶ τὴν πόλιν σου Σ. (3 a)  
 10. 1. ὁς ἐπεκλήθη τὸ δ. Β. (3 a)  
 Bel 1. φ ὄνομα Δαν.  
 Da. TH. Su. 1. καὶ ὄνομα αὐτῷ 'Ι.  
 — 2. ἡ ὄνομα Σουσάννα  
 — 45. φ ὄνομα Δαν.  
 1. 7. ἐπέθηκεν αὐτοῖς ὁ ἀρχιεὺς. ὀνόματα (3 a)  
 2. 20. εἶπ τὸ δ. τοῦ θ. εὐλογῆμεν (3 b)  
 — 26. οὐ τὸ δ. Βαλτ. (3 b)  
 3. (26). δεδοσθαι τὸ δ. σου εἰς τοὺς αἰῶνας

Da. TH. Su. 3. (34). διὰ τὸ δ. σου  
 — (43). δὸς δέξαν τῷ δ. σου  
 — (52). εὐλογῆμεν τὸ δ. τῆς δόξης σου  
 4. 5. οὐ τὸ δ. Βαλτ. κατὰ τὸ δ. τοῦ θεοῦ μου (3 b, 3 b)  
 — 16. οὐ τὸ δ. Βαλτ. (3 b)  
 5. 12. ὁ βασις ἐπέθηκεν αὐτῷ ὄνομα (3 b)  
 9. 6. οἱ ἐλάλουν ἐν τῷ δ. σου (3 a)  
 — 15. καὶ ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (3 a)  
 — 18. ἐφ' ἧς ἐπικέκληται τὸ δ. σου ἐπ' αὐτῆς (3 a)  
 — 19. τὸ δ. σου ἐπικέκληται ἐπὶ τὴν πόλιν σου (3 a)  
 10. 1. οὐ τὸ δ. ἐπεκλήθη Β. (3 a)  
 Bel 3. φ ὄνομα Βῆλ  
 I Ma. 2. 51. S R δέξασθε . . . ὄνομα [A δέξαν] αἰώνιον  
 3. 14. ποιῶσω ἐμαυτῷ ὄνομα  
 — 26. ἤγγισεν ἕως τοῦ βασι. τὸ δ. αὐ.  
 — 41. ἤκουσαν . . . τὸ δ. αὐτῶν  
 4. 33. πάντες οἱ εἰδότες τὸ δ. σου  
 5. 57. ποιῶμεν καὶ αὐτοὶ ἑαυτοῖς ὄνομα  
 — 63. οὐ ἤκουετο τὸ δ. αὐ.  
 6. 17. ἐκάλεσε τὸ δ. αὐ. Εὐπάτωρ  
 — 44. περιποιῶσαι ἑαυτῷ δ. αἰώνιον  
 7. 3. ἐπικλήθηται τὸ δ. σου  
 8. 1. ἤκουσεν 'Ι. τὸ δ. τῶν 'Ρωμαίων  
 — 12. ὅσοι ἤκουον τὸ δ. αὐτῶν  
 13. 29. ἐποίησεν . . . πανσπλίας εἰς δ. αἰώνων  
 14. 10. ὀνομάσθη τὸ δ. τῆς δόξης αὐ.  
 — 43. ὅπως γράφονται ἐπὶ τῷ δ. αὐ.  
 II Ma. 8. 4. περὶ τῶν γενομένων εἰς τὸ δ. αὐ. βλασφημιῶν  
 — 15. τῆς . . . ἐπικλήσεως τοῦ σεμενοῦ . . . δ. αὐ.  
 12. 13. ὄνομα διὰ Κόσμιον  
 III Ma. 2. 9. B ἀγιάσας τὸν τόπον τ. εἰς ὄνομα σοι  
 [A αἱ].  
 — 9. πρὸς δέξαν τοῦ μεγ. καὶ ἐντίμου δ. σου  
 — 14. τὸν . . . ἀναδεικνύμενον τῷ δ. τῆς δόξης σου  
 ἁγίων τόπον  
 4. 14. ἀπογραφῆται δὲ πᾶν τὸ φύλον ἐξ ὀνομάτων  
 IV Ma. 5. 4. εἰς πρῶτος . . . ὀνόματι 'Ελ.  
 [Aq. Ge. 4. 26 : 28. 19 : 36. 40 : Ex. 32. 25 :  
 II Ki. 3. 7 : 12. 25 : 28. 18 : III Ki. 11. 26 :  
 Ps. 24 (25). 11 : 28 (29). 2 : 30 (31). 4 : 32  
 (33). 21 : 44 (45). 18 : 48 (49). 12 : 71 (72).  
 17 : 82 (83). 19 : 85 (86). 11 : 88 (89). 13 :  
 95 (96). 8 : 112 (113). 1 : 117 (118). 26 : Pr.  
 4 bis : Is. 7. 14 : 9. 6 (5) : 52. 5 : 56. 5 bis :  
 60. 9 : 64. 2 (1) : 65. 5 : 66. 5 : Je. 3. 17  
 (Sw.) : 10. 6 : 33 (40). 9 : Ez. 20. 9, 44 : 24.  
 2 : Am. 6. 10.]  
 [Sm. Jd. 2. 5 : II Ki. 3. 7 : 6. 18 : 12. 25 : 23.  
 18 : Jb. 18. 17 : Ps. 9. 3 : 24 (25). 11 : 28 (29).  
 2 : 32 (33). 21 : 40 (41). 6 : 44 (45). 18 : 51  
 (52). 11 : 65 (66). 4 : 71 (72). 17 : 79 (80). 19 :  
 82 (83). 19 : 85 (86). 11 : 88 (89). 13 : 95  
 (96). 8 : 112 (113). 1 : 117 (118). 26 : 137  
 (138). 2 : 141 (142). 8 : Is. 7. 14 : 9. 6 (5) :  
 29. 23 : 52. 5 : 56. 5 bis : 60. 9 : 62. 2 : 63.  
 19 : 64. 2 (1) : 65. 5 : 66. 5 : Je. 33 (40). 9 :  
 Ez. 24. 2 : Am. 6. 10.]  
 [Th. Jd. 18. 29 : II Ki. 3. 7 : 12. 25 : Jb. 1. 1 :  
 18. 17 : Ps. 28 (29). 2 : 44 (45). 18 : 48 (49).  
 12 : 71 (72). 14 : 17 : 82 (83). 19 : 85 (86). 8 :  
 117 (118). 26 : Pr. 30. 4 bis : Is. 56. 5 bis :  
 60. 9 : 64. 2 (1) : 66. 5 : Je. 3. 17 (Sw.) : 10.  
 6 : 29 (36). 21 : 25 : 32 (39). 18 : 33 (40). 16 :  
 Ez. 20. 44 : 24. 2 : Am. 6. 10.]  
 [Al. Ps. 8. 2 : 104 (105). 1 : 146 (147). 4.]  
 [Quint. Ps. 67 (68). 5 : 117 (118). 26.]  
 [Sext. Ps. 117 (118). 26.]  
 [Heb. Ge. 4. 26.]  
 ὀνομάζειν. (1) 𐤒𐤏𐤁. a. qal. δ. hi. (2) 𐤒𐤏𐤁  
 a. qal. δ. ni. (3) 𐤒𐤏𐤁. a. qal. δ. ni.  
 Ge. 26. 18. κατὰ τὰ ὀνόματα ἃ ὀνόμασεν (3 a)  
 Le. 24. 16. ὀνομάζων δὲ τὸ ὄνομα κυρίου (2 a)  
 — 16. ἐν τῷ ὀνόματι αὐτῶν τὸ ὄνομα κυρίου (2 a)  
 De. 2. 20. B<sup>1</sup> ὀνομάζουσιν [A B<sup>2</sup> R ἔπον.] αὐτοῖς  
 Ζοχ. (3 a)  
 Jo. 23. 7. τὰ ὀνόματα τῶν θεῶν αὐ. οὐκ ὀνομα-  
 σθήσεται (1 b)  
 I Ch. 12. 31 : II Ch. 31. 19. οἱ ὀνομασθήσαν ἐν  
 ὀνόματι (2 b)  
 I Es. 4. 63. οὐ ὀνομάσθη τὸ ὄνομα αὐ. ἐπ' αὐτῷ  
 8. 49. A πάντων ὀνομάσθη [B ἐσημάνθη] ὀνομα-  
 τογραφία  
 To. 3. 8. B<sup>2</sup> S R ἐνὸς αὐτῶν οὐκ ὀνομάσθη [A B<sup>1</sup>  
 ὠνάσθη]  
 Es. 9. 4. ὀνομασθήσονται ἐν πάσῃ τῇ βασ. †  
 Wi. 2. 13. παῖδα κυρίου ἐναντὶν ὀνομάζει

Wi. 14. 8. τὸ δὲ φθαρτὸν θεὸς ὀνομάσθη  
 Si. 23. 10. καὶ [A S καὶ δ] ὀνομάζων διὰ παντός  
 [A S<sup>2</sup> δ. π. τὸν κυρίου]  
 Am. 6. 11 (1). ἔνεκα τοῦ μὴ ὀνομάσαι τὸ ὄνομα  
 κυρίου (1 b)  
 Is. 19. 17. δὲ ἐὰν ὀνομάσῃ [S<sup>1</sup> ὁμῶς] αὐτὴν αὐ-  
 τοῖς φροβηθήσονται (1 b)  
 26. 13. τὸ ὄνομα σου ὀνομάζομεν (1 b)  
 62. 2. ὁ δὲ κύριος ὀνομάσει αὐτό (2 a)  
 Je. 3. 16. οὐκ ὀνομασθήσεται οὐδὲ ἐπισκεφθή-  
 σεται (1 a)  
 20. 9. οὐ μὴ ὀνομάσω τὸ ὄνομα κυρίου (1 a)  
 23. 16. λήμμα κυρίου μὴ ὀνομάζετε (1 a)  
 32. 15 (25. 29). ὀνομάσθη τὸ ὄνομα μου ἐπ'  
 αὐτὴν [A -ης] (8 b)  
 Ba. 4. 30. παρακαλέσει σε ὁ ὀνομάσας σε  
 I Ma. 3. 9. ὀνομάσθη ἔως ἐσχάτου τῆς γῆς  
 11. 51. S<sup>1</sup> ὀνομάσθησαν ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐ.  
 14. 10. ὀνομάσθη τὸ ὄνομα τῆς δόξης αὐ.  
 III Ma. 7. 17. εἰς Πτ. τὴν ὀνομαζομ. . . ῥοδόφορον  
 [Aq. Jb. 3. 8.]  
 [Sm. Dt. 3. 9: Ps. 48 (49). 12.]  
 ὀνομασία.  
 Si. 23. 9. ὀνομασία τοῦ ἀγίου [A S<sup>2</sup> ὑψίστου] μὴ  
 συνεισθῆς  
 [Aq. Ps. 67 (68). 5.]  
 [Sm. Ps. 48 (49). 12: 67 (68). 5.]  
 [Quint. Ps. 67 (68). 5 (P.).]  
 ὀνομασί. (1) D<sup>2</sup> 7  
 Es. 2. 14. A ἐὰν μὴ κληθῇ δ. [B S -ατι] (1)  
 [Sm. Al. Ps. 146 (147). 4.]  
 ὀνομαστός. (1) M<sup>2</sup> 7 (2) a. D<sup>2</sup> 7 δ. D<sup>2</sup> 7  
 c. 7 7 7 (3) δ. D<sup>2</sup> 7  
 Ge. 6. 4. οἱ δὲ γίγαντες . . . οἱ ἄνθρωποι οἱ δ. (3)  
 Nu. 16. 2. σύγκληται βουλῆς καὶ ἄνδρες δ. (2 a)  
 De. 26. 19. ὡς ἐποίησας ὀνομαστόν (2 b)  
 II Ki. 7. 9. ἐποίησά σε ὀνομαστόν (2 c)  
 III Ki. 4. 31 (5. 11). A ἦν ὀνομαστός ἐν πᾶσιν  
 τοῖς ἔθνεσιν (2 a)  
 I Ch. 5. 24. οὗτοι ἀρχηγοὶ . . . ἄνδρες δ. (2 a)  
 11. 20. οὗτος ἦν δ. ἐν τοῖς τρισίν (2 a)  
 12. 30. δυνατοὶ ἰσχυροὶ ἄνδρες δ. (2 a)  
 Ju. 11. 23. καὶ ἔση ὀνομαστή παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν  
 Si. 39. 2. διηγῆσαι [A S -σιν] ἀνδρῶν ὀνομαστῶν  
 συντηρήσει  
 44. 3. ἄνδρες ὀνομαστοὶ ἐν δυνάμει  
 Ze. 3. 19. A S<sup>2</sup> R<sup>2</sup> θήσομαι [B S<sup>1</sup> om.] αὐτοὺς  
 . . . ὀνομαστοὺς ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2 b)  
 — 20. διότι δώσω ὑμᾶς ὀνομαστοὺς (2 b)  
 Is. 56. 5. δώσω αὐτοῖς . . . τόπον ὀνομαστόν (2 a)  
 Je. 13. 11. τοῦ γενέσθαι μοι εἰς λαὸν ὀνομαστόν (2 b)  
 52. 25. ἐπὶ ἄνδρας ὀνομαστοὺς —  
 Ba. 3. 26. ἐκεῖ ἐγεννήθησαν οἱ γίγαντες οἱ δ.  
 Ez. 22. 5. ἐμπαίζονται ἐν σοὶ ἀκαθάριτος ἡ ὀνο-  
 μαστή (3)  
 23. 23. ἐπάξω . . . πάντας τρισσοὺς καὶ δ. (1)  
 24. 14. ἡ ὀνομαστή καὶ πολλὴ τοῦ παραπικραίνειν —  
 39. 11. δώσω τῷ Γῶν τόπον ὀνομαστόν +  
 — 13. ἔσται αὐτῷ [A add. eis] ὀνομαστόν (2 b [2 a])  
 [Aq. Th. Jb. 3. 19.]  
 [Sm. Ez. 23. 10.]  
 ὀνοματογραφία.  
 I Es. 6. 12. τὴν δ. ἤτοῦμεν αὐτοὺς  
 8. 49. B πάντων ἐσημάνθη ὀνοματογραφία [A R al.]  
 ὄνος. (1) H<sup>2</sup> 7 (2) 7 7 (3) a. D<sup>2</sup> 7  
 δ. 7 7 (4) N<sup>2</sup> 7 (5) δ. ἀγριος N<sup>2</sup> 7  
 (6) δ. ἐρημίτης N<sup>2</sup> 7 7 (7) δ. θήλεια H<sup>2</sup> 7  
 Ge. 12. 16. πρόβατα καὶ μῆσχοι καὶ ὄνοι (2)  
 22. 3. ἐπέσασε τὴν δ. αὐτοῦ (2)  
 — 5. καλίστατε αὐτὸ μετὰ τῆς δ. (2)  
 24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . καμήλους καὶ ὄνους  
 30. 43. παιδίσκα καὶ κάμηλοι καὶ ὄνοι  
 32. 5 (6). βόες καὶ ὄνοι καὶ πρόβατα (2)  
 — 15 (16). ταύρους δέκα ὄνους εἴκοσι (2)  
 34. 28. τοὺς βόας αὐ. καὶ τοὺς ὄνους αὐτῶν (2)  
 42. 26. ἐπιθέτεν τὸν σίτον ἐπὶ τοὺς δ. αὐ.  
 — 27. δοῦναι χορτάσματα τοῖς δ. αὐτοῦ  
 43. 18. τοὺ λαβεῖν ἡμᾶς . . . καὶ τοὺς δ. ἡμῶν (2)  
 — 24. ἔδωκε χορτάσματα τοῖς δ. αὐτῶν (2)  
 44. 3. ἀπεστάλησαν αὐτοῖς καὶ οἱ δ. αὐτῶν (2)

Ge. 44. 13. τὸν μάρσιπον αὐτοῦ ἐπὶ τὸν δ. αὐτοῦ (2)  
 45. 23. δέκα ὄνους αἰρούτας ἀπὸ πάντων (2)  
 47. 17. ἀντὶ τῶν ἵππων . . . καὶ ἀντὶ τῶν δ.  
 49. 11. δεσμύνω . . . τὸν πῶλον τῆς δ. αὐτοῦ (1)  
 Ex. 13. 13. πᾶν διαιτῶν μύτραν ὄνου (2)  
 21. 33. καὶ ἐμπέση ἐκεῖ μῆσχος ἡ δ. (2)  
 22. 4 (3). τὸ κλέμμα ἀπὸ τε [A om.] ὄνου (2)  
 Le. 15. 9. πᾶν ἐπίσκαμα ὄνου ἐφ' ὃ ἂν ἐπιβῇ  
 Nu. 22. 21. ἐπέσασε τὴν δ. αὐτοῦ (1)  
 — 22. αὐτοὺς ἐπιβεβήκει ἐπὶ τῆς δ. αὐ.  
 — 23. ἰδοῦσα ἡ δ. τὸν ἄγγελον τοῦ θεοῦ (1)  
 — 23. ἐξέκλινεν ἡ δ. ἐκ τῆς ὁδοῦ (1)  
 — 23. ἐπάταξε τὴν δ. ἐν τῇ ῥάβδῳ (1)  
 — 25. 27. ἰδοῦσα ἡ δ. τὸν ἄγγελον τοῦ θ.  
 — 27. ἔτυπτε τὴν δ. τῇ ῥάβδῳ (1)  
 — 28. ἦνοιξεν ὁ θ. τὸ στόμα τῆς δ.  
 — 29. εἶπε Βαλαὰμ τῇ δ.  
 — 30. λέγει ἡ δ. τῷ θ.  
 — 30. οὐκ ἐγὼ ἡ δ. σου (1)  
 — 32. διὰ τί ἐπάταξας τὴν δ. σου (1)  
 — 32 (33). καὶ ἰδοῦσα με ἡ δ. (1)  
 31. 28. A R ἀπὸ τῶν προβάτων καὶ ἀπὸ τῶν δ.  
 [B αἰγῶν] (2)  
 — 30. ἀπὸ τῶν προβάτων καὶ ἀπὸ τῶν δ. (2)  
 — 34. ὄνοι [A ὄνων] μία καὶ ἐξήκ. χιλιᾶδες (2)  
 — 39. 45. ὄνοι τριάκοντα χιλιᾶδες καὶ πεντα-  
 κόσιοι (2)  
 De. 22. 3. οὕτως ποιήσεις τὸν δ. αὐτοῦ (2)  
 — 4. οὐκ ὄψῃ [A<sup>2</sup> ὑπερόψῃ] τὸν δ. τοῦ ἀδ. σου (2)  
 — 10. ἐν μῶσχι καὶ ὄνῳ ἐπὶ τὸ αὐτό (2)  
 28. 31. ὁ δ. [A οὐδὲ] σὺν ἡπασταμένοι ἀπὸ σοῦ (2)  
 Jo. 9. 4. A λαβόντες σάκκους παλαιοὺς ἐπὶ τῶν  
 δ. [B ὄνων] αὐτῶν (2)  
 15. 18. ἐβόηον ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ δ. (2)  
 Jd. 5. 10. ἐπιβεβήκοτες ἐπὶ δ. θηλείας [A al.] (1)  
 6. 4. B οὐ κατέλιπον . . . ὄνον [A R al.] (2)  
 15. 15. εὐρὲς σιαγὼν δονο (2)  
 — 16. ἐν τῇ σιαγὼν τοῦ δ. [A ἐν σ. δ.] (2)  
 19. 3. καὶ εὐγὸς ὄνων [A ὑποζυγίων] (2)  
 — 10. μετ' αὐτοῦ ζεύγους ὄνων [A ὑποζυγίων] (2)  
 — 19. χορτάσματα ἔσται τοῖς δ. ἡμῶν (2)  
 — 21. τόπον ἐποίησε τοῖς δ. [A al.] (2)  
 — 28. ἔλαβεν αὐτὴν ἐπὶ τὸν δ. [A al.] (2)  
 I Ki. 8. 16. τοὺς δ. ὑμῶν λήψεται  
 9. 3. ἀπόλονται αἱ [A οἱ] δ. Κεῖς (1)  
 — 3. ζητήσατε τὰς δ. (1)  
 — 5. μὴ ἀνέις ὁ πατήρ μου τὰς δ. (1)  
 — 20. περὶ τῶν δ. σου τῶν ἀπολωλυμένων (1)  
 10. 2. εὐρήναι αἱ δ. (1)  
 — 2. ἀποτείνανται τὸ ῥῆμα τῶν δ. (1)  
 — 14. ζητεῖν τὰς δ. (1)  
 — 16. εὐρήναι αἱ δ. (1)  
 12. 3. ὄνον τίνος ἐλῆφα (2)  
 15. 3. ἀπὸ καμήλου ὥς ὄνον (2)  
 22. 19. ἀπὸ . . . μῶσχι καὶ ὄνου (2)  
 25. 18. καὶ ἔδετο ἐπὶ τοὺς [A τὰς] δ. (2)  
 — 20. αὐτῆς ἐπιβεβήκοις ἐπὶ τὴν δ. (2)  
 — 23. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς δ. (2)  
 — 42. ἐπέβη ἐπὶ τὴν δ. (2)  
 27. 9. ἐλάμβανεν . . . ὄνους (2)  
 II Ki. 16. 1. καὶ εὐγὸς ὄνων ἐπισεσαγμένον (2)  
 17. 23. ἐπέσασε τὴν δ. αὐ. (2)  
 19. 26 (27). ἐπίσασζόν μου τὴν δ. (2)  
 III Ki. 3. 1 (2. 40). ἐπέσασε τὴν δ. αὐτοῦ (2)  
 13. 13. ἐπισάξατέ μοι τὸν [A τὴν] δ. (2)  
 — 13. ἐπέσασαν αὐτῷ τὸν [A τὴν] δ. (2)  
 — 23. ἐπέσασαν αὐτῷ τὸν [A τὴν] δ. (2)  
 — 24. ὁ δ. εἰστέκει παρ' αὐτό (2)  
 — 27. A ἐπισάξατέ μοι τὴν δ. (2)  
 — 28. ὁ [A om.] δ. καὶ ὁ λέων εἰστέκεισαν (2)  
 — 28. B οὐ συνέτριψε τὸν δ. (2)  
 — 29. ἐπέθηκεν αὐτό ἐπὶ τὸν δ. (2)  
 IV Ki. 4. 22. ἀπόστελλον δὴ μοι . . . μίαν τῶν δ. (1)  
 — 24. ἐπέσασε τὴν δ. (1)  
 6. 25. ἐγενήθη κεφαλὴ ὄνου πενήκοντα ἄργυριον (1)  
 7. 7. ἐγκατέλιπον . . . τοὺς δ. αὐτῶν (2)  
 — 10. A ἵππος δεδεμένος καὶ ὄνος δεδεμένος  
 [B om.] (2)  
 I Ch. 5. 21. ἡμαλώτευσαν . . . δ. δισχιλίους (2)  
 12. 40. ἐπὶ τῶν καμήλων καὶ τῶν δ. (2)  
 27. 30. ἐπὶ δὲ τῶν δ. ἱαδίας (2)  
 II Es. 2. 67. ὄνοι αὐτῶν ἐξακισχ. ἐπτακόσιοι  
 εἴκοσι (2)  
 Ne. 7. 69. ὄνοι δισχιλίοι ἐπτακόσιοι [A S al.] (2)  
 13. 15. ἐπιγεμίζοντας ἐπὶ τοὺς δ. (2)

To. 10. 11. S παρέδωκεν T. . . ὄνους καὶ καμήλους  
 [A B al.] (2)  
 Ju. 2. 17. ἔλαβε καμήλους καὶ ὄνους  
 Jb. 1. 3. ὄνοι θήλεια νομάδες πεντακόσιοι [A -οι] (7)  
 — 14. αἱ θήλεια δ. ἐβόσκοντο ἐχόμενοι αὐτῶν (7)  
 6. 5. μὴ διὰ κενῆς κεκράζεται ὄνος ἀγριος (5)  
 11. 12. βροτὸς δὲ γεννητὸς γυναικὸς ἴσα [A om.] (6)  
 — ὄνῳ ἐρημίτη (6)  
 24. 5. ἀπέβησαν δὲ ὥσπερ ὄνοι ἐν ἀγρῷ (4)  
 39. 5. τίς δὲ ἔσταν ὁ ἀφῆς ὄνον ἀγριον ἐλευθερον (5)  
 42. 12. ἦν δὲ τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . ὄνοι θήλεια  
 νομάδες χίλια (7)  
 Ps. 79 (80). 13. B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> ὄνος [A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> R<sup>2</sup> μονίος] +  
 ἀγριος κατενεμήσατο αὐτὴν (2)  
 Pr. 26. 3. ὥσπερ μάστιξ ὑπὸν καὶ κέντρον ὄνῳ (2)  
 Si. 30. 33 (33. 24). ῥάβδος καὶ φορτία ὄνῳ (2)  
 Za. 14. 15. αὐτὴ ἔσται ἡ πῶσις . . . τῶν δ. (2)  
 Is. 1. 3. ὄνος τὴν φάτην τοῦ κυρίου αὐτοῦ (2)  
 21. 7. εἶδον . . . ἀνυβήτην ὄνον (2)  
 30. 6. ἐφερον ἐπὶ ὄνων καὶ καμήλων τὸν πλοῦτον  
 αὐτῶν (3 a\*, 3 b)  
 32. 14. εὐφροσύνη ὄνων ἀγρίων (5)  
 — 20. οὐ βούς καὶ ὄνος πατεῖ (2)  
 Je. 14. 6. ὄνοι ἀγριοι [S ὄναγροι] ἔστησαν ἐπὶ  
 νίπας (5)  
 22. 19. ταφὴν ὄνου [S οὐ] ταφῆσεται (2)  
 31 (48). 6. ἔσεσθε ὥσπερ δ. ἀγριος ἐν ἐρήμῳ +  
 Ez. 23. 20. ὄν [A add. ἡσαν] ὡς ὄνοι αἱ σάρκες  
 αὐτῶν (2)  
 [Aq. Ge. 36. 24: 49. 14: Nu. 16. 15: Dt. 5.  
 14: III Ki. 13. 27: Jb. 24. 3: Za. 9. 9.]  
 [Sm. Jb. 24. 3: Za. 9. 9.]  
 [Th. Nu. 16. 15: III Ki. 13. 27: Jb. 24. 3:  
 Za. 9. 9. 9. 9.]  
 [Al. Jb. 24. 3.]  
 [Quint. Za. 9. 9.]  
 ὄντως. (1) H<sup>2</sup> 7 (2) H<sup>2</sup> 7 (3) D<sup>2</sup> 7 7  
 Nu. 22. 37. δ. οὐ δυνήσονται τιμησαί σε (3)  
 III Ki. 12. 24. B ὄντως ἐξαποστείλον με  
 Wi. 17. 14. τὴν ἀδύνατον ὄντως νικᾷ  
 Je. 8. 23. δ. εἰς ψεύδος ἦσαν οἱ βουνοὶ (2)  
 10. 19. δ. τοῦτο τὸ τραῦμα σου [A om.] (1)  
 [Aq. Is. 37. 18: 53. 4.]  
 [Sm. Ge. 28. 16: 42. 21: Jb. 32. 8: 36. 4:  
 Ps. 72 (73). 1, 18: Is. 45. 15: 53. 4: Je. 44  
 (51). 29.]  
 [Heb. IV Ki. 4. 14.]  
 [Sext. Ps. 80 (81). 23.]  
 ὄνυξ. (1) H<sup>2</sup> 7 (2) D<sup>2</sup> 7 (3) H<sup>2</sup> 7 7  
 (4) D<sup>2</sup> 7  
 Ex. 30. 34. στακτήν ὄνυχα [A add. καὶ] χαλβάνην (3)  
 Le. 11. 7. καὶ ὄνυχις ὄνυχας ὀπλῆς (4)  
 De. 14. 8. A ὄνυχις ὄνυχας [B -χιστήρας]  
 ὀπλῆς —  
 Jb. 28. 16. ἐν ὄνυχι τιμὴ καὶ σαπφείρῳ (2)  
 Si. 24. 15. ὡς χαλβάνη καὶ ὄνυξ καὶ στακτή  
 Ez. 17. 3. ἀετὸς ὁ μέγας . . . πλήρης ὄνυχος +  
 — 7. ἐγένετο ἀετὸς ἕτερος μέγας μεγαλοπτε-  
 ρυγος πολλὸν ὄνυξι +  
 Da. LXX. 4. 31. οἱ δ. μου ὡσεὶ λείοντος —  
 7. 19. οἱ δ. αὐτοῦ χαλκοῦ (1)  
 Da. TH. 4. 30. καὶ οἱ δ. αὐ. ὡς ὀρνέων (1)  
 7. 19. οἱ δ. αὐτοῦ χαλκοῦ (1)  
 IV Ma. 9. 26. σιδηρὰς ἐναρμολοσμένοι χεῖρας ὀξεῖαι  
 τοῖς δ. —  
 [Aq. Sm. Ge. 2. 12: Ex. 25. 6 (7): 28. 9: 35.  
 9: 39. 6 (13): Jb. 17. 1.]  
 [Th. Ge. 2. 12: Ex. 25. 6 (7): 28. 9: 35. 9:  
 39. 6 (13): Jb. 28. 16: Jb. 17. 1.]  
 ὄνυχίζεω. (1) D<sup>2</sup> 7  
 Le. 11. 3. καὶ ὄνυχιστήρας ὄνυχισζον δύο χηλῶν (1)  
 — 4. καὶ ὄνυχισζόντων ὄνυχιστήρας —  
 — 7. καὶ ὄνυχις ὄνυχας ὀπλῆς (1)  
 — 26. καὶ ὄνυχιστήρας ὄνυχισζοι (1)  
 De. 14. 6. πᾶν κτήνον . . . ὄνυχιστήρας ὄνυχισζον  
 [A -ων] (1)  
 — 7. καὶ ὄνυχισζόντων ὄνυχιστήρας —  
 — 8. ὄνυχις ὄνυχιστήρας [A -χας] ὀπλῆς —  
 II Ki. 19. 24 (25). οὐδὲ ὄνυχισατο —  
 ὄνυχιον. (1) H<sup>2</sup> 7  
 Ex. 28. 20. χρυσόλιθος καὶ βηρύλλιον καὶ δ. (1)  
 36. 20 (39. 13). βηρύλλιον καὶ δ. (1)  
 Ez. 28. 13. ἐνδέδεσται . . . βηρύλλιον καὶ δ. (1?)

**δουχιστήρ.** (1) *α. υρψ δ. υρψ*  
 Le. 11. 3. καὶ δουχιστήρας δουχίζον δύο χηλῶν (1*α*)  
 — 4. καὶ δουχίζοντων δουχιστήρας  
 — 26. καὶ δουχιστήρας δουχίζει (1*α*)  
 De. 14. 6. πᾶν κτήνος... δουχιστήρας δουχίζον (1*α*)  
 — 7. καὶ δουχίζοντων δουχιστήρας (1*δ*)  
 — 8. δουχίζει δουχιστήρας [A -χας] ὁπλῆς  
**δξίως.** (1) *ηπ (2) ηρ pi. (8) λρ*  
 Wi. 8. 18. ἐάν τε δ. τελευταῖων  
 16. 11. δξίως διωκόσιν  
 JI. 3 (4). 4. ἡ μνησικακίη ὑμῖς ἐπ' ἐμοὶ δξίως (8)  
 Is. 8. 1. τοῦ δ. προνομή ποιήσαι σκύλων (8)  
 — 3. ταχίως σκύλευσον δ. προνομήσουσιν (1)  
**δξος.** (1) *ηρ η*  
 Nu. 6. 3. δξος ἐξ οἴνου καὶ δξος ἐκ σίκερα οὐ  
 πίνεται (1, 1)  
 Ru. 2. 14. B' βάψεις τὸν ψωμόν σου [A B' B]  
*add. ἐν* τῷ δ. (1)  
 Ps. 68 (89). 21. ἐπότησάν με δξος (1)  
 Pr. 25. 20. ὥσπερ δξος ἔλκε ἀσύμφορον (1)  
 [Sm. Ps. 68 (89). 22: Pr. 25. 20.]  
**δξυγράφος.** (1) *ηρ η*  
 Ps. 44 (45). 1. ἡ γλώσσά μου κάλαμος γραμμα-  
 τῶς δξυγράφου (1)  
**δξύθυμος.** (1) *ηρ η*  
 Pr. 14. 17. δξύθυμος πράσσει μετὰ ἀβουλίας (1)  
 26. 20. A B' ὅπου δὲ οὐκ ἐστὶ δξύθυμος [B B']  
 δίδυμος] +  
**δξύνειν.** (1) *ηρ η a. gal. δ. hoph.*  
 Pr. 24. 23 (29. 27). ἐάν γὰρ δξύνῃ δ θυμὸς αὐτοῦ -  
 27. 17. σίδηρος σιδηρὸν δξύνει (1*α*)  
 Wi. 5. 20. δξύνει δὲ ἀπτόμενον ὄργην εἰς ῥομφαίαν  
 Za. 1. 21 (2. 4). τοῦ δξύναι αὐτὰ εἰς χεῖρας  
 αὐτῶν τὰ τέσσαρα κέρατα +  
 Is. 44. 12. δξύνει τέκνον σιδηρὸν  
 Ez. 21. 9 (14). δξύνου καὶ θυμώδητι (1*δ*)  
 — 10 (15). δξύνου ὅπως γένη εἰς στίλβωσιν (1*δ*)  
 — 16 (21). δξύνου ἐκ δξίων καὶ ἐξ ἐυνώνυμων +  
 [Sm. Jb. 16. 9.]  
**δξυντήρ.**  
 [Aq. Jb. 41. 22.]  
**δξύς.** (1) *α. ηρ δ. ηρ (2) ηρ (3) ηρ*  
 (4) *λρ (5) ηρ (6) ηρ*  
 Jb. 16. 11 (10). δξεί ἐπαύει με εἰς [A ἐπί] τὰ  
 γόνατα +  
 41. 21 (22). ἡ στρωμνὴ αὐτοῦ ὀβελίσκος δξείς (8)  
 Ps. 13 (14). 3. B B' δξείς οἱ πόδες αὐτῶν ἐκχαί-  
 αμα -  
 56 (57). 4. ἡ ῥάσση αὐτῶν μάχαιρα δξεία (1*α*)  
 Pr. 22. 29. ὁρατὶκὸν ἄνδρα καὶ δξύν ἐν τοῖς  
 ἔργοις αὐτοῦ (8)  
 27. 4. ἀνελκυσσὼν θυμὸς καὶ δξεία ὄργη (8)  
 Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα... δξύ  
 8. 11. δξύνει εὐερίστημον ἐν κρίσει  
 18. 16. ἐξίφους δξύν τὴν ἀνυπόκριτον ἐπιταγήν [A  
 ὑποστ.] σου φέρων  
 Am. 2. 15. A B' δ ξύν τοῖς ποσὶν αὐτοῦ οὐ μὴ  
 διασωθῇ (4)  
 Hb. 1. 8. δξύντεροι ὑπὲρ τοὺς λύκους τῆς 'A. (1*δ*)  
 Is. 5. 28. ὡν τὰ βέλη δξεία ἐστί (8)  
 49. 2. εἴθε καὶ τὸ στόμα μου ὡς μάχαιραν δξείαν (1*α*)  
 Ez. 5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν δξείαν ὑπὲρ  
 ξυρῶν κορυφῶν (1*α*)  
 III Ma. 2. 23. δξείαν ἰδόντες τὴν καταλαβοῦσαν  
 αὐτὸν ἐθύναν  
 4. 5. πρὸς δξείαν καταχυρόμενον πορείαν  
 IV Ma. 9. 26. σιδηρὰς ἐκταρσάμενοι χεῖρας δξείσι  
 τοῖς δουξί  
 11. 19. ὀβελίσκους ο. πυρῶσαντες (1)  
 14. 10. δξεία γὰρ... ἡ τοῦ πυρὸς οὐσα δύναμις  
 [Sm. Ez. 21. 15 (20).]  
**δξυσθενής.** (1) *ηρ η*  
 Jb. 39. 23. A ἐπ' αὐτῷ γανυρῇ τόξον καὶ δξυ-  
 σθενής [B B om.] μάχαιρα (1)  
**δξύντης.** (1) *φωνή δξύντος ηρ η*  
 Je. 8. 16. ἐκ δὲ ἀν' ἀκουσόμεθα [A -μαί] φωνὴν  
 δξύντης ἱππων αὐτοῦ (1)

**δπελ.** (1) *ηρ η*  
 II Ch. 33. 14. B καὶ εἰς δ. [A B al.] (1)  
**δπη.** (1) *ηρ η (2) ηρ (3) ηρ, ἡρ*  
 (4) *ηρ η (5) ηρ η*  
 Ex. 33. 22. θῆσω σε εἰς δπὴν τῆς πέτρας (4)  
 Jd. 15. 11. A ἐπὶ τὴν δ. τῆς πέτρας 'H. [B al.] (6)  
 Ec. 12. 3. σκοτάσουσιν αἱ βλέπουσαι ἐν ταῖς δ. (1)  
 Ca. 5. 4. ἀδελφίδος μου ἀπέστειλε χεῖρα αὐτοῦ  
 ἀπὸ τῆς δ. (8)  
 Ob. 1. 3. κατασκευοῦντα ἐν ταῖς δ. τῶν πετρῶν (8)  
 Za. 14. 12. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ρυήσονται ἐν ταῖς δ. [A  
 ἀπὸ] τῶν δ. αὐτῶν (8)  
 Ez. 8. 7. A δ. μία ἐν τῷ τοίχῳ (8)  
 IV Ma. 14. 16. τὰ δὲ κατὰ τὰς... δένδρων δ...  
 νοσοπονησάμενα  
 [Aq. Jb. 49. 16 (29. 17).]  
 [Sm. Ec. 12. 3: Jb. 49. 16 (29. 17).]  
 [Th. Is. 51. 1: Ez. 8. 7.]  
**δπηρῖκα.** \* δ. ἄν. δ. ἐάν.  
 Ju. 11. 11\*.  
 IV Ma. 2. 21.  
**δπητιον.** (1) *ηρ η*  
 Ex. 21. 6. τρυπήσει δ κύριος αὐ. τὸ οὖς τῷ δ. (1)  
 De. 15. 17. λήψῃ τὸ δ. (1)  
**δπιθε, δπισθεν.** (1) *α. ηρ η, ηρ η δ. ηρ η,*  
*ηρ η (2) ἡρ η (3) ἡρ η* τὸ δ., τὰ δ.  
*ηρ η (4) τὰ δ. ηρ η (5) ἐκ τῶν δ. ηρ η*  
 Ge. 18. 10. 2. δὲ ἤκουσε... οὐσα δ. αὐτοῦ (1*α*)  
 Ex. 14. 19. ἐπορεύθη ἐκ τῶν δ. (4)  
 Jo. 6. 12 (13). καὶ οἱ λοιποὶ ὄχλος δ. τῆς κιβωτοῦ (1*α*)  
 Ru. 1. 16. ἡ ἀποστρέψαι δ. σου (1*δ*)  
 2. 3. A συνέλεξεν... δ. [B κατόπ.] τῶν θερι-  
 ζόντων (1*α*)  
 — 7. συνάξω... δ. τῶν θεριζόντων (1*α*)  
 I Ki. 6. 7. ἀπαγάγετε τὰ τέκνα ἀπὸ [A om.] δ.  
 αὐτῶν (1*α* [1*δ*])  
 12. 20. B μὴ ἐκκλινῇ ἀπὸ δ. κυρίου (1*α*)  
 14. 46. ἀνίσθ. 2. ἀπὸ δ. τῶν ἀλλοφύλων (1*α*)  
 15. 11. ἀπέστρεψεν ἀπὸ δ. μου (1*α*)  
 24. 2. ὡς ἀνέστρεψεν 2. ἀπὸ δ. τῶν ἀλλοφύλων (1*α*)  
 II Ki. 2. 21. ἐκκλινεῖ ἐκ τῶν δ. αὐτοῦ (4)  
 — 26. ἀναστρέφειν ἀπὸ δ. τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν (1*α*)  
 — 30. ἀνέστρεψεν δ. ἀπὸ [A ἀπὸ ὀπίσω]  
 τοῦ 'Aβ. (1*α*)  
 7. 8. A εἰσβῶν σε... ἀπὸ δ. τῶν προβάτων  
 [B al.] (1*α*)  
 10. 9. ἐκ τοῦ κατὰ πρόσωπον ἐξ ἐναντίας καὶ  
 ἐκ τοῦ δ. (8)  
 11. 15. ἀποστραφίσσῃ ἀπὸ δ. αὐτοῦ (1*α*)  
 13. 34. λαὸς πολλὸς πορευόμενος... δ. αὐτοῦ (1*α*)  
 20. 2. ἀνέβη πᾶς ἀνὴρ 'Isr. ἀπὸ δ. Δ. (1*α*)  
 III Ki. 16. 3. ἐξέγειρε... δ. τοῦ οἴκου αὐ. (1*α*)  
 IV Ki. 10. 29. A οὐκ ἀπέστη 'I. δ. [B ἀπὸ δ.,  
 B ἔμπροσθεν] αὐτοῦ (1*δ* [1*α*])  
 11. 15. B ἐξαγάγετε αὐτὴν δ. τῶν ἀδ. [A B' B al.] (8)  
 18. 6. οὐκ ἀπέστη δ. αὐτοῦ (1*δ*)  
 II Ch. 13. 13. ἀπέστρεψε τὸ ἐνεδρον ἐλθὼν  
 αὐτῷ ἐκ τῶν δ. (4)  
 — 13. καὶ τὸ ἐνεδρον ἐκ τῶν δ. (4)  
 — 14. αὐτοῖς δ. πόλεμος... ἐκ τῶν δ. (5)  
 84. 33. οὐκ ἐξέκλινεν ἀπὸ δ. κ. θεοῦ πατέρων αὐ. (1*α*)  
 To. 11. 4. συνήλθεν δ. κύων δ. αὐτῶν [B al.]  
 Ho. 1. 2. ἐκπορεύσει ἡ γῆ ἀπὸ δ. τοῦ κυρίου (1*α*)  
 JI. 2. 3. A τὰ δ. [B B ὀπίσω] αὐτοῦ ἀναπομένη  
 φλέξ. (4)  
 — 3. τὰ δ. [B' ὀπίσω] αὐτοῦ πεδὶον ἀφανισμοῦ (4)  
 Is. 59. 13. ἀπέστημεν [A B add. ἀπὸ] δ. τοῦ  
 θεοῦ ἡμῶν (1*δ* [1*α*])  
 Je. 7. 24. ἐγενήθησαν εἰς τὰ δ. (8)  
 31 (48). 2. δ. [B ὀπίσω] σου βαδίζειται μάχαιρα (1*α*)  
 89 (82). 40. ἢ οὐ μὴ ἀποστρέψω δ. αὐτῶν (1*δ*)  
 Ep. Je. 5. ἰδόντας ὄχλον... δ. αὐτῶν [A om.]  
 Ez. 2. 10. A ἐν αὐτῇ γεγραμμένα ἦν τὰ δ. καὶ  
 τὰ ἔμπροσθεν [B τὰ δ. καὶ τὰ ὀπίσω] (8)  
 Da. LXX. 8. (40). ἐξέλθαι δ. σου  
 — (40). τελείωσαι δ. σου  
 Da. TH. 8. (40). ἐκτελείσαι δ. σου  
 I Ma. 4. 16. ἀπὸ τοῦ διακύνει δ. αὐτῶν  
 5. 43. B B καὶ πᾶς ὁ λαὸς δ. [A ἔμπροσθεν] αὐτοῦ  
 9. 16. καὶ ἐπέστρεψαν... ἐκ τῶν δ.

I Ma. 18. 27. A B ἐκ τῶν ὀπισθεν καὶ ἐκ τῶν [B om.  
 ἐκ τῶν] ἔμπροσθεν  
 [Aq. I Ki. 15. 11 (ἀπὸ δ.): II Ki. 7. 8 (ἀπὸ δ.):  
 Ps. 77 (78). 71 (ἀπὸ δ.): Is. 69. 13 (ἀπὸ δ.):]  
 [Sm. Is. 37. 22: Jb. 17. 16.]  
 [Quint. CA. 1. 8.]  
**ὀπίσθιος.** (1) *ηρ η (2) ηρ η (3) ηρ η*  
 Ex. 26. 23. ἐπὶ τῶν γωνιῶν τῆς σκηπῆς ἐκ τῶν δ. (2)  
 — 27. πέντε μοχλοὺς τῷ στύλῳ τῷ δ. (2?)  
 38. 27 (39. 19). τὸ ἄκρον τοῦ δ. τῆς ἐπωμίδος +  
 III Ki. 7. 25. πάντα τὰ δ. εἰς τὸν οἶκον (1)  
 II Ch. 4. 4. ἦσαν τὰ δ. αὐτῶν ἔσω (1)  
 Je. 13. 22. ἀπεκαλύφθη τὰ ὀπισθία σου (8)  
 — 26. A ἀποκαλύψω τὰ δ. [B B ὀπίσω] σου (8)  
 Ez. 8. 16. τὰ δ. αὐτῶν [A add. δεδωκότες] πρὸς  
 τὸν ναὸν τοῦ κυρίου (1)  
**ὀπισθίως.** (1) *ηρ η*  
 I Ki. 4. 18. ἔπαιεν ἀπὸ τοῦ διφρῶν δ. (1)  
**ὀπισθότονος.** (1) *ηρ η*  
 De. 32. 24. καὶ ὀπισθότονος ἀνιάτος (1?)  
**ὀπισθοφανής.** (1) *ηρ η*  
 Ge. 9. 23. A τὸ πρόσσωπον αὐτῶν ὀπισθοφανές  
 [B -γός] (1)  
**ὀπισθοφανῶς.** (1) *ηρ η*  
 Ge. 9. 23. ἐπορεύθησαν ὀπισθοφανῶς (1)  
 — 23. B τὸ πρόσσωπον αὐτῶν ὀπισθοφανῶς [A  
 -νός] (1)  
**ὀπίσω.** (1) *α. ηρ η, ηρ η δ. ηρ η c. λρ*  
*ηρ η d. ηρ η e. ηρ η f. ηρ η*  
*g. ηρ η h. ηρ η i. ηρ η j. ηρ η*  
*k. ηρ η l. ηρ η m. ηρ η n. ηρ η*  
*o. ηρ η p. ηρ η q. ηρ η r. ηρ η*  
*s. ηρ η t. ηρ η u. ηρ η v. ηρ η*  
*w. ηρ η x. ηρ η y. ηρ η z. ηρ η*  
 (5) *ηρ η (6) ηρ η (7) ηρ η (8) δ. αὐτοῦ*  
*ηρ η (9) δ. δ., τὰ δ., τὰ δ. a. ηρ η*  
*b. ηρ η c. ηρ η d. ηρ η e. ηρ η f. ηρ η*  
*g. ηρ η h. ηρ η i. ηρ η j. ηρ η k. ηρ η*  
*l. ηρ η m. ηρ η n. ηρ η o. ηρ η p. ηρ η*  
*q. ηρ η r. ηρ η s. ηρ η t. ηρ η u. ηρ η*  
*v. ηρ η w. ηρ η x. ηρ η y. ηρ η z. ηρ η*  
 (10) *ηρ η τὰ δ., εἰς τὰ δ. a. ηρ η δ. ηρ η*  
*c. ηρ η d. ηρ η e. ηρ η f. ηρ η g. ηρ η*  
*h. ηρ η i. ηρ η j. ηρ η k. ηρ η l. ηρ η*  
*m. ηρ η n. ηρ η o. ηρ η p. ηρ η q. ηρ η*  
*r. ηρ η s. ηρ η t. ηρ η u. ηρ η v. ηρ η*  
*w. ηρ η x. ηρ η y. ηρ η z. ηρ η*  
 (12) *ηρ η τὰ δ. ηρ η*  
 Ge. 8. 8. ἀπέστειλε τὴν περιστῆραν δ. αὐτοῦ (2)  
 14. 14. B κατεδίωξεν δ. αὐτῶν ὥς Δὴν -  
 19. 6. τὴν δὲ θύραν προσέειπεν δ. αὐτοῦ (1*α*)  
 — 17. B μὴ περιβλέψῃ [A -ψ] εἰς τὰ δ. (10*δ*)  
 — 26. ἐπέβλεψεν ἡ γυνὴ αὐτοῦ εἰς τὰ δ. (10*ε*)  
 24. 5. πορεύθηνα μετ' ἐμοῦ δ. εἰς τὴν γῆν (1*α*)  
 31. 23. ἐδίωξεν δ. αὐτοῦ ὁδὸν ἡμερῶν ἑπτὰ (1*α*)  
 — 36. ἐδίωξας δ. μου (1*α*)  
 32. 18 (19). καὶ ἰδοὺ αὐτὸς δ. ἡμῶν (1*α*)  
 — 19 (20). τοῖς προπορευομ. δ. τῶν ποιμνίων (1*α*)  
 — 20 (21). οὐ πάς σου 'I. παραγίνεται δ. ἡμῶν (1*α*)  
 83. 2. ἔθελον [A ἐποίησεν]... Λείαν... δ. (1*α*)  
 85. 5. οὐ κατεδίωξαν δ. τῶν υἱῶν 'Israhel (1*α*)  
 41. 19. βόες ἔτεροι ἀνέβαινον δ. αὐτῶν (1*α*)  
 — 27. αἱ ἀναβαίνουσαι δ. αὐτῶν (1*α*)  
 44. 4. ἀναστὰς ἐπιδίωξεν δ. τῶν ἀνθρώπων (1*α*)  
 49. 17. καὶ πεσεῖται ὁ ἱππεὺς εἰς τὰ δ. (10*α*)  
 Ex. 14. 4. καὶ καταδιώξεταί δ. αὐτῶν (1*α*)  
 — 8. κατεδίωξεν δ. τῶν υἱῶν 'Isr. (1*α*)  
 — 9. κατεδίωξαν οἱ Αἰγύπτιοι δ. αὐτῶν (1*α*)  
 — 10. ἐστρατοπέδωσαν δ. αὐτῶν (1*α*)  
 — 17. εἰσελεύσονται δ. αὐτῶν (1*α*)  
 — 19. ἔσθη ἐκ τῶν δ. αὐτῶν (9*δ*)  
 — 23. εἰσῆλθον δ. αὐτῶν (9*δ*)  
 — 28. τοὺς εἰσπεπορευμένους δ. αὐτῶν (1*α*)  
 15. 20. ἐξῆλθον πάσαι αἱ γυναῖκες δ. αὐτῆς (1*α*)  
 28. 12. ὑποκαλύψεις δ. τῆς σκηπῆς (1*ε*)  
 — 22. καὶ ἐκ τῶν δ. τῆς σκηπῆς (9*δ*)  
 33. 23. ὅψῃ τὰ δ. μου (9*α*)  
 34. 15. μὴ ποτε... ἐκπορεύσων δ. τῶν  
 θεῶν αὐ. (1*α*)  
 — 16. καὶ ἐκπορεύσων αἱ θυγ. σου δ. τῶν  
 θεῶν αὐ. (1*α*)  
 — 16. B καὶ ἐκπορεύσων οἱ υἱοὶ σου δ. τῶν  
 θεῶν αὐ. (1*α*)  
 Le. 17. 7. οἱς αὐτοὶ ἐκπορεύσονται δ. αὐτῶν (1*α*)  
 20. 6. ὥστε ἐκπορεύσονται δ. αὐτῶν (1*α*)  
 Nu. 8. 23. καὶ οἱ υἱοὶ Γ. δ. τῆς σκηπῆς (1*α*)  
 15. 39. A οὐ διαστραφίσσῃ δ. τῶν διανοίων  
 ὑμῶν καὶ δ. [B om.] τῶν ὀφθαλμῶν (1*α*, 1*α*)



- Nu. 15. 39. ἐν οὐς ἡμεῖς ἐκπορεύεσθε οὐκ αὐτῶν (1a)  
 16. 3. B<sup>1</sup> συνέστησαν δ. M. [A B<sup>2</sup> E al.] +  
 25. 8. ἐσθλὸν δ. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ Ἰσρ. (1a)  
 32. 11. οὐ γὰρ συνετηκολούθησαν δ. μου (1a)  
 — 12. συνετηκολούθησαν δ. κυρίου (1a)  
 De. 4. 3. ὅστις ἐπορεύθη δ. Βεελφ. (1a)  
 6. 14. οὐ πορεύσεθαι δ. θεῶν ἐτέρων (1a)  
 8. 19. εἰδὼν . . . πορεύεσθαι δ. θεῶν ἐτέρων (1a)  
 11. 4. καταδικάζοντες αὐτῶν ἐκ τῶν δ. ὑμῶν (1a)  
 — 30. οὐκ ἰδοὺ ταῦτα πέραν τοῦ Ἰσρ. δ. (1a)  
 13. 4 (5). δ. κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν πορεύεσθε (1a)  
 19. 6. ἵνα μὴ διώξαι . . . δ. τοῦ φονεύσαντος (1a)  
 24. 20. καλαμίσσασθαι τὰ δ. σου (9b)  
 — 21. οὐκ ἐπαπαυρήσεις αὐτὸν τὰ δ. σου (9b)  
 25. 18. τοὺς κοπιῶντας δ. σου (1a)  
 28. 14. πορεύεσθαι δ. θεῶν ἐτέρων (1a)  
 31. 16. ἐκπορεύσει δ. θεῶν ἀλλοτρίων (1a)  
 Jo. 2. 5. καταδιώξατε δ. αὐτῶν (1a)  
 — 7. καταδιώξαν δ. αὐτῶν (1a)  
 — 8 (7). ὡς ἐξήλθοσαν οἱ διώκοντες δ. αὐτῶν (1a)  
 — 16. οἱ καταδιώκοντες δ. αὐτῶν (1a)  
 3. 3. πορεύεσθε δ. αὐτῆς (1a)  
 6. 8 (9). οἱ οὐραγοῦντες δ. τῆς κιβωτοῦ (1a)  
 8. 2. κατὰστησαν δὲ σεαυτὶς ἔνεθρα τῇ πόλει (1a)  
 — 4. ἐνδρεύσατε δ. τῆς πόλεως (10c)  
 — 6. ὡς ἂν ἐξέλθοσαν δ. ἡμῶν (1b)  
 — 14. ἐνδρα αὐτῶς ἔστιν οὐκ τῆς πόλεως [A ἀπὸ τῆς π. δ.] (1b [1a])  
 — 16. καταδιώξαν δ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1a)  
 — 17. ὅς οὐ καταδιώξεν δ. Ἰσρ. (1a)  
 — 17. B καταδιώξαν δ. Ἰσρ. (1a)  
 — 20. περιθιγέμενοι οἱ κάτοικοι Γαλ εἰς τὰ δ. αὐτῶν (10b)  
 10. 19. καταδιώκοντες δ. τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν (1a)  
 14. 9. ἐπακολουθήσαι δ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A al.] (1a)  
 20. 5. A διώκεται δ. ἀγχιστεύων τὸ αἷμα δ. αὐτοῦ (1a)  
 24. 6. καταδιώξαν οἱ Αἰγ. δ. τῶν πατέρων ἡμῶν (1a)  
 Jd. 1. 6. καταδιώξαν δ. αὐτοῦ (1a)  
 2. 12. ἐπορεύσαν δ. θεῶν ἐτέρων (1a)  
 — 17. ἐξεπορεύσαν δ. θεῶν ἐτέρων (1a)  
 — 19. πορεύεσθαι δ. θεῶν ἐτέρων (1a)  
 3. 22. ἐπιστήρηκε καὶ γε τὴν λαβὴν δ. τῆς φλογός (1a)  
 — 28. κατὰβητε δ. μου (1a)  
 — 28. κατέβησαν δ. αὐτοῦ (1a)  
 4. 14. καὶ δέκα χιλιᾶδες ἀνδρῶν δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 16. καὶ B. διώκων δ. τῶν ἀρμάτων καὶ δ. τῆς παρεμβολῆς (1a, 1a)  
 5. 14. δ. σου. Βενιαμὴν [A al.] (1a)  
 6. 34. B ἐφοβήθη [A B ἐβόησεν] Ἀβ. δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 35. A ἐβόησεν καὶ αὐτὸς δ. αὐτοῦ (1a)  
 7. 23. ἐδίωξαν δ. Μαδ. (1a)  
 8. 5. ἐγὼ εἰμι διώκων δ. τοῦ Z. (1a)  
 — 12. ἐδίωξεν δ. αὐτῶν (1a)  
 — 27. ἐξεπορεύετο πᾶς Ἰσρ. δ. αὐτοῦ ἐκεῖ (1a)  
 — 33. ἐξεπορεύετο δ. τῶν B. (1a)  
 9. 3. ἐκλινεν ἡ καρδία αὐ. δ. Ἀβ. (1a)  
 — 4. ἐπορεύθησαν δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 49. ἐπορεύθησαν δ. Ἀβ. [A al.] (1a)  
 18. 11. ἐπορεύθη M. δ. τῆς γυναῖκος (1a)  
 18. 12. ἰδοὺ δ. [A κατόπισθεν] Καρ. (1a)  
 19. 3. ἐπορεύθη δ. [A κατόπισθεν] αὐτῆς (1a)  
 20. 40. ἐπέβλεψε Βεν. δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 45. κατέβησαν δ. αὐτῶν (1a)  
 Ru. 1. 15. ἐπιστράφητι δὲ καὶ σὺ δ. τῆς συν- νύμφου σου (1a)  
 3. 10. τὸ μὴ πορευθῆναι σε δ. νεανιῶν (1a)  
 I Ki. 6. 12. ἐπορεύονται δ. αὐτῆς (1a)  
 7. 2. ἐπέβλεψε πᾶς οἶκος Ἰσρ. δ. κυρίου (1a)  
 3. ἐξέκλιναν δ. τῆς συντελείας (1a)  
 11. 7. ὅς οὐκ ἔστιν ἐκπορεύμενος δ. Σ. καὶ δ. Σαμ. (1a, 1a)  
 12. 14. καὶ ἦτε . . . ὀπίσω κυρίου πορευόμενοι (1a)  
 — 21. B μὴ παραβῆτε δ. τῶν μηδὲν αὐτῶν (1a)  
 18. 4. B ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. δ. Σαούλ (1a)  
 — 7. B πᾶς δ. λαὸς ἐξέστη δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 15. B ἀνέβη δ. Σ. εἰς ἀπάντησιν δ. τοῦ λαοῦ — (1a)  
 14. 12. ἀνάβηθι δ. μου (1a)  
 — 13. ἐπεδίδου δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 22. συνάπτουσι καὶ αὐτοὶ δ. αὐτῶν (1a)  
 — 36. καταβῶμεν δ. τῶν ἀλλοφύλων (1a)  
 — 37. εἰ καταβῶ δ. τῶν ἀλλοφύλων (1a)  
 15. 31. ἀνέστρεψε Σαμ. δ. Σαούλ (1a)  
 17. 13, 14. A ἐπορεύθησαν δ. Σαούλ (1a)
- I Ki. 17. 31. A ἀπηγγέλησαν δ. Σ. (9)  
 — 35. ἐξεπορεύμενον δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 52. κατεδίωξαν δ. αὐτῶν (1a)  
 — 53. ἐκκλινόντες δ. τῶν ἀλλοφύλων (1a)  
 20. 37. ἀνέβησεν Ἰ. δ. τοῦ νεανίου [A al.] (1a)  
 — 38. ἀνέβησεν Ἰ. δ. τοῦ παιδαρίου αὐ. (1a)  
 21. 9 (10). A δ. τῆς ἐπωμιδος (1a)  
 22. 20. ἔφωγεν δ. Δαυὶδ (1a)  
 23. 25. κατεδίωξεν δ. Δαυὶδ (1a)  
 — 28. ἀνέστρεψε Σ. μὴ καταδιώκειν δ. Δαυὶδ (1a)  
 24. 9. ἀνίστη Δ. δ. αὐτοῦ (8)  
 — 9. ἐβόησε Δ. ὀπίσω Σ. (1a)  
 — 9. ἐπέβλεψε Σ. εἰς τὰ [A om. εἰς τὰ] δ. αὐτοῦ (10b [1a])  
 — 15. δ. τίνος σὺ ἐκπορεύη (1a)  
 — 15. δ. τίνος καταδιώκει σὺ (1a)  
 — 15. δ. κυνὸς τεθυγκότος καὶ δ. ψύλλου ἐνός (1a, 1a)  
 — 22. οὐκ ἐξολεθρεύσεις τὸ σπέρμα μου δ. μου (1a)  
 25. 13. ἀνέβησαν δ. Δαυὶδ (1a)  
 — 19. δ. ὑμῶν παραγινόμεναι (1a)  
 — 42. ἐπορεύθη δ. τῶν παίδων Δαυὶδ (1a)  
 26. 3. ἦκει Σ. δ. αὐτοῦ εἰς τὴν ἔρημον (1a)  
 — 18. ἵνα τὸ τοῦτο καταδιώκει δ. κ. δ. τοῦ δούλου αὐ. (1a)  
 30. 8. εἰ καταδιώξω δ. τοῦ γεδδούρου τούτου (1a)  
 — 21. τοῦ πορεύεσθαι δ. Δαυὶδ (1a)  
 II Ki. 1. 7. ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὰ δ. αὐτοῦ (12)  
 — 22. οὐκ ἀπεστράφη καὶ οὐκ εἰς τὰ δ. αὐτοῦ (10a)  
 2. 10. A B οἱ ἦσαν δ. Δαυὶδ (1a)  
 — 19. κατεδίωξεν Ἀσ. δ. Ἀβ. (1a)  
 — 20. ἐπέβλεψεν Ἀβ. εἰς τὰ δ. αὐτοῦ (10b)  
 — 23. τύπτει αὐτὸν Ἀβ. ἐν τῷ δ. τοῦ δόρατος (9b)  
 — 23. διεξῆλθεν τὸ δόρυ ἐκ τῶν δ. αὐτοῦ (9b)  
 — 24. κατεδίωξεν Ἰ. καὶ Ἀβ. δ. Ἀβερνήρ (1a)  
 — 25. συναθροίζονται υἱοὶ Βεν. οἱ δ. Ἀβ. (9b)  
 — 28. οὐ κατεδίωξαν δ. τοῦ Ἰσρ. (1a)  
 — 30. A ἀπέστρεψεν ὅπ. δ. τοῦ Ἀβ. [B al.] (1a)  
 3. 16. κλαίων δ. αὐτῆς Σος Βαρ. (1a)  
 — 26. ἀπέστρεψεν ἀγγέλους δ. Ἀβ. (1a)  
 — 31. ἐπορευετο δ. τῆς κλίνης (1a)  
 11. 8. ἐξῆλθεν δ. αὐτοῦ ὅστις τοῦ βασ. (1a)  
 13. 17. ἀπέκλειον τὴν θύραν αὐ. αὐτῆς (1a)  
 — 18. ἀπέκλεισε τὴν θύραν δ. αὐτῆς (1a)  
 15. 13. ἐγενήθη ἡ καρδία ἀνδρῶν Ἰσρ. δ. Ἀβ. (1a)  
 17. 1. καταδιώξω δ. Δαυὶδ τὴν νύκτα (1a)  
 — 9. ἐν τῷ λαῷ τῷ δ. Ἀβ. (1a)  
 18. 16. τοῦ μὴ διώκειν δ. Ἰσρ. (1a)  
 — 22. δράμω καὶ γε ἐγὼ δ. τοῦ Χουσί (1a)  
 20. 2. ἀνέβη πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. ἀπὸ ἐπισθεν Δ. δ. Σαβεῖ (1a)  
 — 6. καταδιώξαν δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 7. ἐξῆλθεν δ. αὐτοῦ Ἀβ. (1a)  
 — 7. διώξαι δ. Σαβεῖ (1a)  
 — 10. ἐδίωξεν ὀπίσω Σαβεῖ (1a)  
 — 11. τίς τοῦ Δ. δ. Ἰ. (1a)  
 — 13. παρήλθε πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. δ. Ἰ. τοῦ διώξαι δ. Σαβεῖ (1a, 1a)  
 23. 10. ὁ λαὸς ἐκίθητο δ. αὐτοῦ (1a)  
 III Ki. 1. 6. αὐτὸν ἔτεκεν δ. Ἀβ. (1a)  
 — 7. ἐβόησαν δ. Ἀδ. (1a)  
 — 8. οὐκ ἦσαν δ. Ἀδ. (5)  
 — 14. B ἐγὼ εἰσελεύσομαι δ. [A B add. σου] (1a)  
 — 24. Ἀδ. βασιλεύσει δ. μου (1a)  
 — 35. A ἀναβήσεσθε δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 40. ἀνέβη πᾶς ὁ λαὸς δ. αὐτοῦ (1a)  
 2. 28. Ἰ. ἦν κεκλικώς δ. Ἀδ. (1a)  
 — 28. δ. Ἀβ. οὐκ ἔκλινε (1a)  
 10. 19. προτομαὶ μὸσχων τῷ θρόνῳ ἐκ τῶν δ. αὐ. (9b)  
 11. 2. μὴ ἐκκλινῶσι τὰς καρδίας ὑμῶν δ. εἰδῶ- λων αὐτῶν (1a)  
 — 3. ἐξέκλιναν . . . τὴν καρδίαν αὐ. δ. θεῶν αὐτῶν — (1a)  
 — 5. A ἐπορεύθη Σαλ. δ. τῆς Ἀστ. . . καὶ δ. τῶν βασ. αὐ. (1a, 1a)  
 — 6. οὐκ ἐπορεύθη δ. κυρίου (1a)  
 — 10. μὴ πορευθῆναι δ. θεῶν ἐτέρων (1a)  
 12. 20. οὐκ ἦν δ. οἶκου Δ. παρὲς σκήπτρου Ἰ. (1a)  
 — 24. B πορεύονται δ. αὐτοῦ (1a)  
 14. 8. A δε ἐπορεύθη δ. μου (1a)  
 — 9. A καὶ εἰς ἐρήφας δ. σώματος σου (1a)  
 16. 3. ἐξεγείρω δ. B. (1a)  
 — 21. ἦμισυ τοῦ λαοῦ γίνεται δ. Θ. (1a)  
 — 21. τὸ ἦμισυ τοῦ λαοῦ γίνεται δ. Z. (1a)  
 — 22. ὁ λαὸς δ. ὧν δ. Θ. (1a)  
 — 22. B ὑπερεκράτησε τὸν λαὸν τὸν δ. Θ. [A B al.] (1a)
- III Ki. 17. 10, 11. ἐβόησεν δ. αὐτῆς Ἥλ. (8)  
 18. 18. ἐπορεύθη δ. τῶν B. (1a)  
 — 21. εἰς. πορεύεσθε δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 37. ἐστρέψας τὴν καρδίαν τοῦ λαοῦ τούτου δ. (1g)  
 19. 20. κατέβησαν δ. Ἥλ. (1a)  
 — 20. ἀκολουθήσω δ. σου (1a)  
 — 21. ἐπορεύθη δ. Ἥλ. (1a)  
 20 (21). 21. ἐκκαύσω δ. σου (1a)  
 — 26. πορεύεσθαι δ. τῶν βδελυγμάτων (1a)  
 21 (20). 19. καὶ ἡ δύναμις δ. αὐτῶν (1a)  
 IV Ki. 2. 24. ἐξέτισεν δ. αὐτῶν (1a)  
 4. 30. ἐπορεύθη δ. αὐτῆς (1a)  
 5. 20. θραμύνεται δ. αὐτοῦ (1a)  
 — 21. ἐδίωξε Γ. δ. τοῦ N. (1a)  
 — 21. εἶδεν αὐτὸν N. τρέχοντα δ. αὐτοῦ (1a)  
 6. 19. δεῦτε δ. μου (1a)  
 7. 14. ἀπέστειλεν . . . δ. τοῦ βασιλέως Συρίας (1a)  
 — 15. ἐπορεύθησαν δ. αὐτῶν (1a)  
 9. 18. ἐπίστρεψε εἰς τὰ [A πρὸς τὸ] δ. μου (9b)  
 — 19. B ἐπιστρέφοντες εἰς τὰ δ. μου (9b)  
 — 25. ἐπέβλεβήκατες ἐπὶ ζεύγη δ. Ἀχ. (1a)  
 — 27. ἐδίωξεν δ. αὐτοῦ Ἰ. (1a)  
 11. 6. καὶ τὸ τρίτον τῆς ψύλης δ. τῶν παρατρέ- χόντων (1a)  
 — 15. ὁ εἰσπορευόμενος δ. αὐτῆς (1a)  
 13. 2. ἐπορεύθη δ. ἀμυρτῶν Ἰερ. (1a)  
 14. 19. ἀπέστειλεν δ. αὐτοῦ εἰς λ. (1a)  
 17. 15. ἐπορεύθησαν δ. τῶν ματαιῶν [A om. δ. τ. μ.] (1a)  
 — 15. ἐπορεύθησαν . . . δ. τῶν ἐθνῶν [A al.] (1a)  
 20. 10. ἐπιστραφίγη ἡ σκιά . . . εἰς τὰ δ. (10d)  
 — 11. ἐπέστρεψεν ἡ σκιά . . . εἰς τὰ δ. (10d)  
 23. 3. τοῦ πορεύεσθαι δ. κυρίου (1a)  
 25. 5. ἐδίωξεν ἡ δύναμις τῶν X. δ. τοῦ βασ. (1a)  
 I Ch. 5. 25. ἐπόμεσαν δ. θεῶν τῶν λαῶν τῆς γῆς (1a)  
 10. 2. κατεδίωξαν ἀλλόφυλοι δ. Σ. καὶ δ. υἱῶν αὐ. (1a, 1a)  
 14. 14. οὐ πορεύση δ. αὐτῶν (1a)  
 II Ch. 13. 19. κατεδίωξεν Ἀβ. δ. Ἰερ. (1a)  
 23. 14. εἰσέλαθεν δ. αὐτῆς (1a)  
 26. 17. εἰσῆλθεν δ. αὐτοῦ Ἀζ. (1a)  
 Ne. 3. 16. δ. αὐτοῦ ἐκράτησε N. (1a)  
 — 17. δ. αὐτοῦ ἐκράτησαν οἱ Α. (1a)  
 4. 16 (10). καὶ οἱ ἀρχόντες δ. πατρὸς οἴκου Ἰ. (1a)  
 — 23 (17). καὶ οἱ ἄνδρες τῆς προφυλακῆς δ. [B<sup>2</sup> οἱ δ.] μου (1a)  
 9. 26. ἐρρίψαν τὸν νόμον σου δ. σώματος αὐτῶν (1a)  
 11. 8. καὶ δ. αὐτοῦ Γ. (1a)  
 12. 32. ἐπορεύθη δ. αὐτῶν Ὡσ. (1a)  
 — 38. B<sup>2</sup> καὶ ἐγὼ δ. αὐτῆς (1a)  
 13. 19. A B S<sup>1</sup> ὥστε μὴ ἀνοῦνηναι αὐτὰς δ. [B<sup>2</sup> E ἴως δ.] τοῦ σαββάτου (1d [1a])  
 To. 1. 2. B δ. δυσμῶν ἡλιου (1a)  
 — 17. ἐρριμμένοι δ. τοῦ τείχεος N. [A al.] (1a)  
 11. 4. B συνηλθεν αὐτοῖς ὁ κυριος ἐκ τῶν δ. αὐτοῦ [A B al.] (1a)  
 Jb. 21. 33. δ. αὐτοῦ πᾶς ἄνθρωπος ἀπελεύσεται (1a)  
 37. 4. δ. αὐτοῦ βοήσεται φωνῇ (1a)  
 39. 8. δ. παντὸς χλωροῦ ἵππευ. (1a)  
 Ps. 6. 10. A B ἀποστραφεῖσάν εἰς τὰ δ. [B al.] — (1a)  
 9. 3. ἐν τῷ ἀποστραφῆναι τὸν ἐχθρόν μου εἰς τὰ δ. (10a)  
 34 (35). 4. 39 (40). 14. ἀποστραφεῖσάν εἰς τὰ δ. (10a)  
 43 (44). 10. ἀπέστρεψας ἡμᾶς εἰς τὰ δ. (10a)  
 — 18. οὐκ ἀπέστη εἰς τὰ δ. ἡ καρδία ἡμῶν (10a)  
 44 (45). 14. ἀπενεχθήσονται τῷ βασ. παρθένοι δ. αὐτῆς [A -ou] (1a)  
 49 (50). 17. ἐξέβαλλες τοὺς λόγους μου εἰς τὰ δ. (10b)  
 55 (56). 9. ἐπιστρέψουσιν οἱ ἐχθροὶ μου εἰς τὰ δ. (10a)  
 62 (63). 8. ἐκολλήθη ἡ ψυχὴ μου δ. σου (1a)  
 69 (70). 2. ἀποστραφεῖσάν εἰς τὰ δ. (10a)  
 77 (78). 66. ἐπάταξε τοὺς ἐχθρούς αὐ. εἰς τὰ δ. (10a)  
 118 (114). 3. ὁ Ἰσρ. ἐστράφη εἰς τὰ δ. (9a)  
 — 5. ἐστράφη εἰς τὰ δ. [B<sup>2</sup> al.] (9a)  
 128 (129). 5. ἀποστραφῆσάν εἰς τὰ δ. (10a)  
 Pr. 25. 9. ἀναχώρει εἰς τὰ δ. — (1a)  
 Ec. 2. 12. ἐπελευσεται δ. τῆς βουλῆς (1a)  
 7. 1 (6. 12). τί ἔσται δ. αὐτοῦ ὑπὸ τὸν ἥλιον (1a)  
 — 15 (14). ἵνα μὴ εὖρη ἀδρόντος δ. αὐτοῦ οὐδὲν (1a)  
 9. 3. περιφύρεται . . . δ. αὐτῶν πρὸς τοὺς νεκ- ροὺς (1a)  
 10. 14. δ. αὐτοῦ τίς ἀναγγελεῖ αὐτῷ (1b)

Ec. 12. 2. ἐπιστρέφουσι τὰ νέφη δ. τοῦ ὕετος (1 α)  
 Ca. 1. 4. δ. σου εἰς ὁσμὴν μύρων σου δραμύ-  
 μεν (1 α)  
 2. 9. οὗτος δ. [A ἔστηκεν δ.] τοῦ τοίχου ἡμῶν (1 α)  
 Si. 14. 22. ἐξέλεθε δ. αὐτῆς ὡς λίχνης (1 α)  
 18. 30. δ. τῶν ἐπιθυμιῶν σου μὴ πορεύου  
 21. 15. ἀπέστρεψεν αὐτὸν δ. τοῦ νότου [A τῶν  
 ὁδῶν] αὐ. (1 α)  
 26. 11. δ. ἀναιδὸς ὀφθαλμοὶ φύλαξαι  
 27. 17. οὐ [A B<sup>3</sup> om.] μὴ καταδιώξῃς δ. αὐτοῦ  
 30. 25 (38. 16). ὡς καλαμώνος δ. τρυγητῶν  
 34 (31). 8. δ. δ. χρυσίου οὐκ ἐπορεύθη  
 46. 6. ἐπηκολούθησεν δ. δυνάστου  
 — 10. καλὸν τὸ πορεύεσθαι δ. κυρίου  
 Ho. 2. 5 (7). πορεύσομαι [A ἀκολουθήσω] δ.  
 τῶν ἐραστῶν (1 α)  
 — 13 (15). ἐπορεύετο δ. τῶν ἐραστῶν αὐ. (1 α)  
 5. 11. ἤρξατο πορεύεσθαι ὅπως τῶν ματαίων (1 α)  
 11. 10. ὅπως κυρίου πορεύσομαι (1 α)  
 13. 4. τοῦ πορεύεσθαι ὅπως αὐτῶν —  
 Am. 2. 4. ἐξηκολούθησαν οἱ πατέρες αὐ. δ. αὐτῶν (1 α)  
 J1. 2. 3. καὶ τὰ ὅσια [A ὁπίσθεν] αὐτοῦ ἀν-  
 απομεινὴ φλόξ (9 β)  
 — 3. S<sup>3</sup> τὰ δ. [A B S<sup>3</sup> ὁπίσθεν] αὐτοῦ πεδίων  
 ἀφανισμοῦ (9 β)  
 — 14. ὑπολείπεται δ. αὐτοῦ εὐλογίαν (1 α)  
 — 20. A<sup>2</sup> B<sup>3</sup> καὶ τὰ δ. αὐτοῦ εἰς τὴν θάλασσαν (9 ε)  
 Na. 3. 5. ἀποκαλῶν τὰ δ. σου ἐπὶ τὸ πρόσω-  
 πόν σου (9 ε)  
 Za. 1. 8. καὶ δ. αὐτοῦ ἵπποι πυρροὶ (1 α)  
 2. 8 (12). δ. δόξης ἀπείσταλκε με (1 α)  
 Is. 28. 13. ἵνα πορεύσονται [A S πορευθῶσιν] καὶ  
 πτώσονται [A S add. εἰς τὰ] δ. (1 ε [10 α])  
 30. 21. ἀκούσονται τοὺς λόγους τῶν δ. σε πλανη-  
 σάντων (9 ε)  
 38. 17. ἀπερρίψας δ. μου πάσας τὰς ἁμαρτίας (1 α)  
 42. 17. ἀπεστράφησαν εἰς τὰ δ. (10 α)  
 44. 25. ἀποστρέφω φρονίμως εἰς τὰ δ. (10 α)  
 45. 14. δ. σου ἀπολούθησονται (1 α)  
 57. 8. δ. τῶν σταθμῶν τῆς θύρας σου (1 α)  
 59. 14. ἀπεστράφησαν δ. τὴν κρίσιν (1 ε)  
 65. 2. ἀλλ' δ. τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν (1 α)  
 Je. 2. 5. ἐπορεύθησαν δ. τῶν ματαίων  
 — 8. δ. ἀνοφελῶς ἐπορεύθησαν (1 α)  
 — 23. δ. τῆς Βαβυλῶν ἐπορεύθη (1 α)  
 — 25. δ. αὐτῶν ἐπορεύετο (1 α)  
 3. 17. οὐ πορεύσονται ἐπὶ δ. τῶν ἐνθυμημάτων  
 τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς πονηρίας (1 α)  
 7. 6. δ. θεῶν ἁλλοτρίων μὴ πορεύσῃς (1 α)  
 — 9. ἐπορεύεσθε δ. θεῶν ἁλλοτρίων (1 α)  
 8. 2. ὡς ἐπορεύθησαν δ. αὐτῶν (1 α)  
 9. 14 (13). ἐπορεύθησαν δ. τῶν ἀρεστῶν [A  
 ἔρασαν] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κακῆς  
 καὶ δ. τῶν ἐδῶλων (1 α, 1 α)  
 — 22 (21). ὡς χάριτος δ. θεοῦ [S al.] (1 β)  
 11. 10. πορεύονται [A S βαδίζουσιν] δ. θεῶν  
 ἁλλοτρίων (1 α)  
 12. 6. ἐκ τῶν δ. σου ἐπισυνήχθησαν (11)  
 13. 10. πορευθέντες δ. θεῶν ἁλλοτρίων (1 α)  
 — 26. ἀποκαλῶν τὰ δ. [A ὁπίσθιά] σου (9 ε)  
 — 23. οὐκ ἐκαθάρσιν δ. μου ὥς τίνος ἐπὶ (1 α)  
 15. 6. δ. [A add. μου] πορεύσῃ (1 ε)  
 16. 11. φέροντο δ. θεῶν ἁλλοτρίων (1 α)  
 — 12. πορεύεσθε ἕκαστος δ. τῶν ἀρεστῶν [A  
 ἔρασαν] τῆς καρδίας ὑμῶν (1 α)  
 17. 16. οὐκ ἐκοπίασιν ἀκολουθῶν δ. σου (1 α)  
 18. 12. δ. τῶν ἀποστρεφῶν ἡμῶν πορευσόμεθα (1 α)  
 25. 6. μὴ πορεύεσθε δ. θεῶν ἁλλοτρίων (1 α)  
 — 16 (49. 37). ἐπαποστελῶ δ. αὐτῶν τὴν μά-  
 χαίρην μου (1 α)  
 26 (48). 5. ἀποχωροῦσιν εἰς τὸ [A S om. εἰς  
 τὸ] δ. (10 α [1 ε])  
 31 (48). 2. S δ. [A B ὁπίσθεν] σου βαδίζεταί  
 μάχηρα (1 α)  
 42 (35). 15. οὐ πορεύεσθε δ. θεῶν ἐτέρων [A S  
 ἁλλοτρίων] (1 α)  
 49 (42). 16. ὁ λῆμος ... καταλήγεται ὑμᾶς δ.  
 ὕμῶν (1 α)  
 52. 8. κατεδίωξεν ἡ δύναμις τῶν Χαλδαίων δ.  
 τοῦ βασιλέως (1 α)  
 La. 1. 8. ἀπεστράφη [A add. εἰς τὰ] δ. (1 ε [10 α])  
 — 13. ἀπέστρεψέ με εἰς τὰ δ. (10 α)  
 2. 3. ἀπέστρεψαν [A add. εἰς τὰ] δ. δεξιὰν  
 αὐτοῦ (1 ε [10 α])  
 Ez. 2. 10. ἐν αὐτῇ γεγραμμένα ἦν τὰ ἔμπροσθεν  
 καὶ τὰ δ. [A al.] (9 α)

Ez. 5. 2, 12. μάχαιραν ἐκεκένωσα δ. αὐτῶν (1 α)  
 6. 9. τοῖς ὀφθαλμοῖς αὐτῶν τοῖς ἐκπορευόμενοις  
 δ. τῶν ἐπιθυμιῶν αὐτῶν (1 α)  
 9. 5. πορεύεσθε δ. αὐτοῦ εἰς τὴν πόλιν (1 α)  
 12. 14. ῥομφαίαν ἐκεκένωσα [A ἐκέχω] δ. αὐτῶν (1 α)  
 20. 16. δ. τῶν ἐνθυμημάτων καρδίας αὐτῶν  
 ἐπορεύοντο (1 α)  
 — 24. δ. τῶν ἐνθυμημάτων τῶν πατέρων αὐτῶν  
 ἦσαν οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν (1 α)  
 — 30. δ. τῶν βδελυγμάτων αὐ. ὑμῶν ἐκπο-  
 νεύετε (1 α)  
 23. 30. ἐν τῇ ἐκπορεύσει σε δ. ἐθνῶν (1 α)  
 — 35. ἀπερρίψας με δ. τοῦ σώματος σου (1 α)  
 29. 16. ἐν τῇ αὐτοῖς ἀκολουθήσαι δ. [A add.  
 τῶν καρδιῶν] αὐτῶν (1 α)  
 33. 31. δ. τῶν μαρτύρων ἡ καρδία αὐτῶν (1 α)  
 Da. LXX. 8. 4. οὐκ ἔστησαν οἱ αὐτοῦ (6)  
 — 22. καὶ ἀναβάντα δ. αὐτοῦ (7)  
 Da. TH. 2. 39. δ. σου ἀναστήσεται ἐτέρα βασιλεία (4)  
 7. 6, 7. δ. τοῦτον ἰδεώμεθα (4)  
 — 24. δ. αὐτῶν ἀναστήσεται (1 α)  
 I Ma. 1. 9. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. δ. αὐτῶν  
 — 44. πορεύθησαν δ. νομίμων ἁλλοτρίων τῆς γῆς  
 2. 27. ἐξελθόντες δ. μου  
 — 32. ἔδραμον δ. αὐτῶν πολλοὶ  
 7. 45. ἐσάλπισαν δ. αὐτῶν  
 9. 15. ἐδίωκεν δ. αὐτῶν  
 — 47. ἐξέκλινεν ἀπ' αὐτοῦ εἰς τὰ δ.  
 10. 78. κατεδίωξεν δ. αὐτοῦ  
 — 78. συνήψαν αἱ παρεμβολαὶ δ. αὐτοῦ  
 12. 30. κατεδίωξαν 'I δ. αὐτῶν  
 [Aq. Jo. 10. 19: I Ki. 8. 3: III Ki. 14. 8. 9.  
 10: Jb. 23. 8: Ps. 48 (49). 18: 77 (78). 66:  
 93 (94). 15: Is. 1. 4: 37. 22: 57. 8: Je. 17.  
 16: Ez. 5. 2: 10. 11: 20. 16: 38. 31: Ho.  
 5. 8: Am. 7. 1.]  
 [Sm. Ps. 9. 4: 43 (44). 19: 55 (56). 10: 77  
 (78). 66: 93 (94). 15: Is. 1. 4: 37. 22: 66:  
 17: Je. 16. 12: Ez. 5. 2: 10. 11 (Sw.): 38.  
 31: Ho. 5. 8.]  
 [Th. Jo. 10. 19: I Ki. 8. 3: 21. 9 (10): III Ki.  
 1. 35: IV Ki. 9. 18: Ps. 15 (16). 4: 31 (32).  
 4: 77 (78). 66: 93 (94). 15: Is. 1. 4: 37. 22:  
 Je. 29 (36). 18: 50 (27). 21: Ez. 5. 2: 10.  
 11: 13. 3: 20. 16: 38. 31: Ho. 5. 8.]  
 [Al. Le. 20. 5 bis: II Ch. 11. 16: Ps. 43 (44).  
 19: 128 (129). 5.]  
 [Quint. IV Ki. 9. 18.]  
 ὁπλά. (1) ὄπρ  
 II Ch. 33. 14. B καὶ εἰς αὐτὸν δ. [A B al.] (1)  
 ὁπλή. (1) α. ὀρῖθ δ. ἐκφέρειν ὁπλὰς  
 ὀρῖθ hi.  
 Ex. 10. 26. καὶ οὐχ ὑπολενθόμεθα ὁπλήν (1 α)  
 Le. 11. 3. πᾶν κτήνος διχλοῦν ὁπλήν (1 α)  
 — 4. καὶ ἀπὸ τῶν διχλοῦντων τὰς δ. (1 α)  
 — 4. ὁπλήν δὲ οὐ διχλεῖ (1 α)  
 — 5. 6. καὶ ὁπλήν οὐ διχλεῖ (1 α)  
 — 7. ὅτι διχλεῖ ὁπλήν τοῦτο (1 α)  
 — 7. καὶ ὀνυχίζει ὄνυχας ὁπλῆς (1 α)  
 — 26. ὅ ἐστι διχλοῦν ὁπλήν (1 α)  
 De. 14. 6. πᾶν κτήνος διχλοῦν ὁπλήν (1 α)  
 — 7. ἀπὸ τῶν διχλοῦντων τὰς δ. (1 α)  
 — 7. ὁπλήν οὐ διχλοῦσιν (1 α)  
 — 8. ὅτι διχλεῖ ὁπλήν [A om.] τοῦτο (1 α)  
 — 8. ὀνυχίζει ὀνυχιστῆρας [A -χας] ὁπλῆς (1 α?)  
 Ps. 68 (69). 31. μόσχον νέον κέρατα ἐκφέροντα  
 καὶ ὁπλὰς (1 β)  
 Mi. 4. 13. καὶ τὰς πλάς σου θήσομαι χαλκᾶς (1 α)  
 Je. 29 (47). 3. ἀπὸ τῶν δ. τῶν ποδῶν αὐ. (1 α)  
 Ez. 26. 11. ἐν ταῖς δ. τῶν ἱππῶν αὐτοῦ (1 α)  
 II Ma. 3. 25. ἐνίστασε τῷ 'H. τὰς ἐμπροσθίων δ.  
 [Aq. Dt. 14. 6: Is. 5. 28.]  
 [Sm. Is. 5. 28: 28. 28.]  
 [Th. Is. 5. 28: 28. 28: Je. 47 (29). 3.]  
 ὁπλίζεω.  
 [Sm. Je. 52. 25.]  
 ὁπλιστής. (1) ὀρῖθ  
 Nu. 32. 21. A παρελεύσεται ὑμῶν πᾶς δ. [B  
 -ίτης] (1)  
 ὁπλίτης. (1) ὀρῖθ  
 Nu. 32. 21. παρελεύσεται ὑμῶν πᾶς δ. [A -ιστής] (1)  
 [Sm. Ex. 13. 18.]

ὁπλοδοτεῖν.  
 I Ma. 14. 32. ὁπλοδοτήσῃ τοὺς ἄνδρας τῆς δυνάμεως  
 ὁπλοθήκη. (1) ὀρῖθ  
 II Ch. 32. 27. θησανμοὺς ἐποίησεν ... καὶ ὁπλο-  
 θήκας (1)  
 ὁπλολογεῖν.  
 II Ma. 8. 27, 31. ὁπλολογήσαντες δι' αὐτοὺς  
 ὁπλομάχος. (1) ὀρῖθ (2) ὀρῖθ ὀρῖθ  
 Is. 13. 4. κύριος σαβαὶθ ἐντέλλεται ἔθνει δ. (1)  
 — 5. κύριος καὶ οἱ ὁπλομάχοι αὐτοῦ (2)  
 ὁπλον. (1) ὀρῖθ (2) ὀρῖθ (3) ὀρῖθ (4) ὀρῖθ  
 (5) ὀρῖθ (6) ὀρῖθ (7) ὀρῖθ (8) ὀρῖθ  
 I Ki. 17. 7. ὁ αἶρων τὰ δ. αὐτοῦ (6)  
 III Ki. 10. 17. καὶ τριακόσια δ. χρυσᾶ ἑλστά (8)  
 — 17. τρεῖς μναὶ ἐνήσαν χρυσοῦ εἰς τὸ δ. τὸ ἐν (8)  
 14. 26. ἔλαβεν δ. τὰ χρυσᾶ (8)  
 — 27. ἐποίησε 'P. ὁ βασιλ. χαλκᾶ (8)  
 IV Ki. 10. 2. μεθ' ὕμῶν ... τὰ δ. (4)  
 II Ch. 21. 3. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ πατὴρ αὐ. ... ὅπλα +  
 23. 9. ἔδωκεν ... τὰ δ. ... ἐν οἴκῳ τοῦ θ. (8)  
 — 10. ἕκαστον ἐν τοῖς δ. αὐτοῦ (7)  
 32. 5. κατεσκεύασεν δ. πολλὰ (7 + 8)  
 Ne. 4. 17 (11). οἱ αἰροῦντες ἐν τοῖς ἀρτήρησιν ἐν  
 ὁπλοῖς +  
 Ju. 6. 12. ἀνέλαβον τὰ δ. αὐτῶν  
 14. 11. ἀνέλαβε πᾶς ἄνθρωπος 'Isr. τὰ δ. αὐ. (8)  
 Ps. 5. 12. ὡς ὅπλα εὐδοκίας ἐστέφανώσας ἡμᾶς (6)  
 34 (35). 2. ἐπιλαβοῦ ὅπλου καὶ θυρεοῦ (8)  
 45 (46). 9. τόξον συντρέψῃ καὶ συγκλᾷσι ὅπλον (1)  
 56 (57). 4. B S<sup>1</sup> οἱ ὀδόντες αὐτῶν ὅπλον [S<sup>2</sup>  
 ὅπλα] καὶ βέλη (1)  
 75 (76). 3. ἐκεῖ συντρέψῃ ... ὅπλον καὶ ῥομφαίαν (8)  
 90 (91). 4. ὅπλῳ κυκλώσει σε ἡ ἀλήθεια αὐτοῦ (6)  
 Pr. 14. 7. ὅπλα δὲ αἰσθήσεως χεὶρ σοφῆ +  
 Wi. 18. 21. τὸ τῆς ἰδίας λειτουργίας δ. προσευχῇ  
 [S<sup>2</sup> -ης]  
 — 22. ἐνίκησε δι' τὸν ὄχλον ... οὐχ ὅπλων ἐνεργεία  
 Am. 4. 2. καὶ λήψονται ὑμᾶς ἐν ὁπλοῖς (6)  
 J1. 2. 8. καταβαρυνόμενοι ἐν τοῖς ὁπλοῖς αὐτῶν +  
 Na. 2. 3 (4). ὅπλα δυναστείας αὐτῶν ἐξ ἀνθρώπων (8)  
 3. 3. φωνή ... ἐξαστραπιδόντων ὁπλων (1)  
 Hb. 3. 11. εἰς φέγγος ἀστραπῆς ὁπλων [S<sup>1</sup> -ον] σου (1)  
 Je. 21. 4. μεταστρέφω τὰ δ. τὰ πολεμικά (2)  
 26 (46). 3. ἀναλάβετε ὅπλα καὶ ἀσπίδας (3)  
 — 9. Λίβυες καθωπλισμένοι ὅπλοις (3)  
 28 (51). 3. περιβέσθω ὅ ἐστιν ὅπλα αὐτοῦ (5)  
 — 12. ἐτοιμάσατε ὅπλα +  
 50 (43). 10. ἀρεῖ τὰ δ. ἐπ' αὐτοὺς +  
 Ez. 26. 8. ποιήσει ἐπὶ σέ ... περιστάσιν [A  
 βελουστάσις] ὁπλων (6?)  
 32. 27. κατέβησαν εἰς ἄβυσσον ἐν ὁπλοῖς πολεμικοῖς (2)  
 39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς δ. (4)  
 — 10. τὰ δ. κατακαύσουσιν πυρὶ (4)  
 I Ma. 1. 35. περιβέτω ὅπλα  
 5. 43. S B ἔρριψαν [A add. πάντα] τὰ δ. αὐ. (1)  
 6. 2. A B καὶ ἐκεῖ [S ἔχει] ... ὅπλα  
 — 6. A B ἐπίσχυσαν [S ἐνίσχυ.] ὁπλοῖς  
 — 41. πάντες οἱ ἀκούοντες ... συγκρουσμοῦ τῶν δ.  
 7. 44. A B ῥίψαντες τὰ δ. αὐ. [S om.] ἐφύγον  
 8. 26. οὐδὲ ἐπαρκεῖσιν ... ὅπλα  
 — 28. οὐ δοθήσεται σίτοις ὅπλα  
 9. 39. ἐξῆλθε ... μετὰ ... δ. πολλῶν  
 10. 6. κατεσκεύαζεν ὅπλα  
 — 21. κατεσκεύασεν δ. πολλὰ  
 11. 51. ἔρριψαν τὰ δ.  
 12. 27. εἶναι ἐπὶ τοῖς δ.  
 14. 33. οὐ ἦν τὰ δ. τῶν πολεμίων  
 — 42. καθίσταται ... ἐπὶ τῶν δ.  
 15. 7. πάντα τὰ δ. ... μετέω σοι  
 16. 16. ἐλάβουσιν τὰ δ. αὐ.  
 II Ma. 3. 28. A ἀβόηθον αὐτὸν τοῖς δ. [cod. χόλοις,  
 ? ὁλοις] καθεστῶτα [B al.]  
 5. 26. εἰς τὴν πόλιν σὺν τοῖς δ. εἰσδραμών  
 8. 18. οἱ μὲν γὰρ ὁπλοῖς πεποιθῶν  
 9. 2. ἐπὶ τὴν τῶν δ. βοήθειαν ἐτρέψαν  
 10. 23. τοῖς δὲ δ. ... ἀπώλεσαν  
 — 27. ἀναλαβόντες τὰ δ.  
 11. 7. ἀναλαβὼν τὰ δ.  
 15. 5. A ὁ προστάσων αἰρεῖν τὰ [B om.] δ.  
 — 21. καὶ τῶν δ. τὴν ποικίλην παρασκευὴν  
 — 21. οὐκ ἔστι δι' ὅπλων ἡ νίκη



III Ma. 1. 2. **Α**\* **Β** παραλαβὸν τῶν προϋποτεταγμ. αὐτῶ **δ**. [**Α**\* **Γ**όπων] Πτ. τὰ κράτιστα

— 23. τὴν ὁρμὴν ἐπὶ τὰ **δ**. ποιήσασθαι

IV Ma. 4. 10. περιστράτοντες τοῖς **δ**.

[**Aq.** Jb. 39. 21: Ho. 11. 8.]

[**Sm.** Ge. 15. 1: i Ki. 17. 54: 31. 9: **Am.** 4. 2.]

[**Th.** Jb. 39. 21: Ps. 75 (76). 4.]

[**Quint.** **Sext.** Ps. 75 (76). 4.]

**ὁπλοποιεῖν.**

Wi. 5. 17. ὁπλοποιήσει [**δ**\* ὁδοπ.] τὴν κρίσιν εἰς ἀμυνὰν ἐχθρῶν

**ὁπλοφόρος.** (1) **Π**ῶ **κ**ῶ

II Ch. 14. 8 (7). ἐγένετο τῷ **Α**. δύναμις ὁπλοφόρων (1)

[**Sm.** i Ki. 14. 13: 16. 21: 31. 4.]

**ὁποῖος.**

Ca. 5. 10. **Β** σημαίνει τὸν ἀδελφὸν ὁποῖός ἐστιν

II Ma. 11. 37. ὁποῖας ἐστὶ γνῶμης

**ὁπτόν.**

Jb. 29. 22 (**ind.**)†.

**ὁπότε.** \* **ὁπότε** ἐάν.

To. 6. 13†: 7. 11 (**ind.**)†.

Jb. 26. 14†: 29. 22†.

Ps. 8. 10†: 33 (34). 11†: 55 (56). 11†: 58 (59). 11†: 59 (60). 11†.

Is. 16. 13.

[**Sm.** Ge. 80. 42: Jd. 10. 12: Jb. 29. 4: 37. 17: Ps. 80 (31). 14: 33 (34). 1: 59 (60). 2: 67 (68). 15: Ec. 8. 10: Ez. 23. 21.]

[**Al.** Nu. 9. 19.]

[**Quint.** Ps. 55 (56). 1.]

**ὅπου.** \* **ὅπου** ἐάν, **ὅπου** ἄν. \*\* **ὅπου** γε καί.

Jd. 18. 10†: 20. 22†.

Ku. 1. 16†: 3. 4†.

i Ki. 23. 23†.

II Ch. 6. 38†.

i Es. 6. 24.

II Es. 6. 1.

Ne. 4. 13 (7)†.

To. 18. 5†.

Es. 1. 9 (*sine verbo*).

Pr. 26. 20.

Ec. 9. 10.

Si. 8. 16: 19. 22†, 27: 35 (32). 4 (*sine verbo*): 42. 6 (*sine verbo*).

Is. 42. 22.

Da. Th. 2. 38.

i Ma. 1. 57: 10. 73.

III Ma. 1. 1: 4. 1.

IV Ma. 2. 13: 6. 34\*: 14. 11\*, 14\*, 19\*\*.

[**Aq.** Ez. 20. 34.]

[**Sm.** III Ki. 7. 7 (44): 14. 28 (*sine verbo*): i Ki. 12. 5 (6)\*: 23. 7: Jb. 28. 14: 28. 1 (*sine verbo*): 39. 30: Ps. 35 (36). 13: 67 (68): 28: 103 (104). 17: Ca. 8. 5: Is. 33. 21 (*sine verbo*): Jb. 40 (47). 5: Ez. 1. 12 (*sine verbo*): 11. 17: 20. 34.]

[**Al.** Jb. 6. 17.]

**ὁπουδήποτε.**

[**Sm.** i Ki. 23. 13.]

**ὁπτάξεσθαι.** (1) **Π**ῶ **ν**ι.

Nu. 14. 14. ὅστις ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμοὺς ὁπτάξῃ (1)

**ὁπτάν.** (1) **Π**ῶ **π**ι. (2) **Π**ῶ **π**ι. (3) **Π**ῶ **π**ι.

Ge. 11. 3. καὶ ὁπτήσαντων αὐτὰς πυρὶ (1)

De. 16. 7. ἐφύρεις καὶ ὁπτήσεις (1)

i Ki. 2. 15. δὸς κρέας ὁπτήσαι τῷ Ιερεὶ (1)

II Ch. 35. 13. ὁπτήσαν τὸ φ. (1)

i Es. 1. 12. ὁπτήσαν τὸ πάχος (1)

— 12. **Α** τὰς θυσίας ὁπτήσαν [**Β** ἤψαν] (1)

To. 6. 5. τὸν δὲ ἰχθὺν ὁπτήσαντες ἔφαγον [**Β** **al.**] (1)

Is. 44. 16. ἐν' αὐτοῦ κρέας ὁπτήσαντες ἔφαγε (2)

— 19. ὁπτήσας κρέα [**ΑΒ** -as] ἔφαγε (2)

[**Aq.** **Sm.** **Th.** Is. 44. 16.]

[**Al.** Ex. 12. 39: Le. 23. 17.]

**ὁπτάνειν.** (1) **Π**ῶ **ν**ι.

III Ki. 8. 8. οὐκ ὁπτάνοντο ἔξω (1)

To. 12. 19. πάσας τὰς ἡμέρας ὁπτανόμην ὑμῖν [**Β** **al.**] (1)

**ὁπτάνειν.**

[**Quint.** Ho. 7. 4.]

**ὁπτασία.** (1) **α**. **Π**ῶ **ν**ι. **δ**. **Π**ῶ **ν**ι. **ε**. **Π**ῶ **ν**ι.

Es. 4. 17. ἐν ἡμέραις ὁπτασίας μου (1)

Si. 43. 2. ἥλιος ἐν ὁπτασίᾳ διαγυγῶν ἐν ἐξόδῳ (1)

— 16. ἐν ὁπτασίᾳ [**ΑΒ** -iq] αὐτοῦ σαλευθήσεται ὅρη (1)

Ma. 3. 2. ἡ τίς ὑποστήσεται ἐν τῷ **δ**. αὐτοῦ (1)

Da. Th. 9. 23. σύνες ἐν τῷ **δ**. (1)

10. 1. σύνεσις ἐδόθη αὐτῷ ἐν τῷ **δ**. (1)

— 7. Ἰδὼν ἐγὼ **Δ**. μόνος τὴν **δ**. (1)

— 7. οὐκ ἴδων τὴν **δ**. (1)

— 8. Ἰδὼν τὴν **δ**. τὴν μεγάλην ταύτην (1)

— 16. ἐν τῷ **δ**. σου ἐστράφη τὰ ἐντός μου (1)

[**Aq.** Ez. 1. 1.]

[**Sm.** Ge. 22. 2: Ez. 1. 1, 5.]

[**Th.** Ez. 1. 1: Da. 9. 23: 10. 1, 16.]

**ὁπτεσθαι.** *vid.* **σὺδ** ὁρᾶν.

**ὁπτός.** (1) **Π**ῶ

Ex. 12. 8. φάγονται τὰ κρέα ... ὁπτὰ πυρὶ (1)

— 9. οὐκ ἔδεσθε ... ὁμῶν ... ἀλλ' ἡ ὁπτὰ πυρὶ (1)

[**Aq.** **Sm.** **Th.** Is. 44. 16.]

**ὁπώρα.** (1) **Π**ῶ

Jc. 31 (48). 32. ἐπὶ ὁπώραν σου ... ὁλεθρος (1)

— ἐπέπεσε [**Α** **ἐπ**, **Β** **ἐνέπ**] (1)

47 (40). 10. συναγαγέτε οἶνον καὶ ὁπώραν (1)

— 12. συνήγαγον οἶνον καὶ ὁπώραν πολλὴν σφόδρα (1)

[**Aq.** Ca. 5. 1 (4. 16): **Am.** 8. 1.]

[**Sm.** Dt. 33. 13, 15: Ca. 4. 13: 5. 1 (4. 16): 6. 10 (11).]

[**Th.** **Quint.** Ps. 31 (32). 4.]

**ὁπωρισμός.**

[**Aq.** Dt. 7. 13: Is. 24. 7: 62. 8: 65. 8.]

**ὁπωροφυλάκιον.** (1) **Π**ῶ **ν**ι. (2) **Π**ῶ

Ps. 78 (79). 1. ἔθεντο ἱερ. εἰς ὁπωροφυλάκιον (2)

Mi. 1. 6. θήσονται **Σ**. εἰς [**Α** **ὧς**] ὁπωροφυλάκιον (2)

3. 12. καὶ **Ι**. ὧς [**Α** **εἰς**] ὁπωροφυλάκιον ἔσται (2)

Is. 1. 8. ὧς **δ**. ἐν σινυράφῳ (1)

24. 20. σινηθήσεται ὧς **δ**. ἡ γῆ (1)

Jc. 33 (26). 18. **Α** Ἱερουσαλὴμ ὧς **δ**. [**Β** **εἰς** (2)

ἄβασιν] ἔσται

[**Th.** Is. 24. 20.]

**ὅπως.** \* **ὅπως** ἄν **††** **ὅπως** μή.

Ge. 12. 13\*. 18. 19\*: 27. 4, 10, 19, 25†, 31 (1)

(*ind.*)†: 29. 21: 37. 22: 50. 20\*. (2)

Ex. 2. 20: 5. 3: 9. 16: 10. 2, 7: 11. 7: 13. 9\*: (1)

14. 12: 16. 4: 20. 20\*, 26\*†††: 23. 20: 33. 13\*†. (2)

Le. 17. 5\* (*ind.*)†: 18. 30\*††: 23. 43. (1)

Nu. 15. 40\*: 16. 40 (17. 5)\*††: 27. 20\*: 32. 9††. (2)

De. 4. 10, 40: 5. 33 (30): 6. 3†: 8. 2\*†: 17. 16††, 20\*. (1)

Jo. 4. 24: 11. 20††: 23. 7††. (2)

i Ki. 4. 9†††: 6. 5 (*ind.*)†: 9. 6: 13. 9†: 15. 15. (1)

ii Ki. 10. 3 (3. οὐκ)†: 13. 5: 17. 13††, 14\*. (2)

iii Ki. 6. 6††: 8. 40, 43; 60: 11. 36: 12. 15: 22. 16 (*ind.*)†. (1)

iv Ki. 17. 28†: 22. 17. (2)

i Ch. 19. 3†. (1)

ii Ch. 1. 11: 6. 31 (*ind.*)†, 33: 31. 4 (*ind.*)†: 32. 18. (2)

i Es. 2. 21, 28††: 4. 31, 48: 6. 26, 31: 8. 12, 22, 23. (1)

ii Es. 4. 21†: 5. 17: 9. 12. (2)

Ne. 6. 13 *bis*: 8. 14, 15†: 13. 1†††. (1)

To. 3. 6, 6†, 10†: 4. 19†: 5. 8†: 7. 8†: 8. 4†, 5†, 12\*†, 12†: 10. 8†, 10†: 12. 13†. (2)

Ju. 8. 8. (1)

Es. 3. 13 (*ind.*)†: 5. 5† (*ind.*)†: 8. 13, 13 (*sine verbo*): 9. 24 (*ind.*)†. (2)

Ps. 9. 14\*: 16 (17). 3\*††: 29 (30). 12\*: 47 (48). (1)

13\* (*ind.*)†: 50 (51). 4\*: 59 (60). 5\*: 67 (68). 23\*: (2)

70 (71). 8†: 77 (78). 6\*, 44††: 91 (92). 7\*: 104 (105). 45\*: 107 (108). 6\*: 118 (119). 11\*††, 71\*, 80\*††, 101\*: 124 (125). 3\*††. (1)

Pr. 4. 21††. (2)

Ec. 8. 11††: 7. 22 (21)††: 8. 12. (1)

Wi. 8. 18: 16. 28 (*ind.*)†. (2)

Si. prol. 11 (*ind.*)†: 23. 3††: 46. 1, 10. (1)

Ho. 2. 3 (5)\*: 4. 7. 2 (*ind.*)†: 8. 4: 14. 3††. (2)

Am. 1. 13 (*ind.*)†: 2. 7: 4. 1: 5. 6††, 14, 15 (*ind.*)†: 9. 12\*†. (1)

Mi. 5. 7 (6)††: 6. 5, 16. (2)

Jl. 2. 17††: 3 (4). 6. (1)

Ob. 1. 9. (2)

Jn. 1. 6†. (1)

Hb. 2. 2, 15. (2)

Ze. 2. 3. (1)

Za. 12. 7††. (2)

Is. 9. 16 (15). (1)

Jc. 7. 19, 23\*†: 10. 18: 11. 5: 21. 12††: 25. 6††: (2)

27 (50). 34: 28 (51). 39: 42 (35). 7\* (*ind.*)†, (1)

Ep. Jc. 18††. (2)

Ez. 4. 17: 6. 6: 11. 20: 12. 3, 12††, 16, 19: 14. (2)

5†††, 11††: 16. 54, 63††: 19. 9††: 20. 9††, (1)

14††, 22††, 26, 44††: 21. 10 (15) *bis*, 15 (20)††† (1)

(*ind.*)†, 29 (34): 22. 6, 9, 12, 27: 23. 33†: (2)

24. 10, 11, 11†: 25. 10††: 26. 20††: 27. 14††: (1)

38. 30\*†††: 40. 39: 41. 6††, 7: 42. 14††: (2)

46. 18††. (1)

Da. LXX. 1. 8††: 2. 18††: 4. 12, 29: 6. 17 (18)††. (2)

Da. Th. Su. 17, 32, 59 (*ind.*)†: 2. 16, 18\*†††: (1)

3. 28 (95)††: 4. 3: 6. 2 (3)††, 7 (8) (*ind.*), 8 (9)††, 12 (13) (*ind.*), 17 (18)††. (2)

i Ma. 1. 16: 9. 46, 60: 10. 24, 32\*, 56: 11. 31, (1)

40†, 40: 12. 4, 23, 34, 36†: 13. 16†† (*ind.*)†: (2)

14. 1, 29, 42, 43, 43 (*ind.*)† *bis*, 43, 49: 15. 3, 4, (1)

19††, 21 (*ind.*)†, 39, 41 (*ind.*)†: 16. 18, 19. (2)

ii Ma. 7. 22 (*ind.*)†: 9. 24††: 11. 26, 37. (1)

iii Ma. 4. 10: 7. 12. (2)

IV Ma. 1. 1: 4. 6 (*opt.*), 11, 23 (*opt.*): 5. 6 (*opt.*), (1)

27: 6. 8 (*ind.*)†, *opt.*)†: 8. 12 (*opt.*): 9. 16: 10. 1 (*opt.*): 11. 3: 12. 6 (*opt.*), 18. (2)

[**Aq.** Jb. 19. 29: Ps. 29 (30). 13: Jc. 10. 18: (1)

25. 7 (Sw.): 44 (51). 29: **Am.** 1. 13.] (2)

[**Sm.** Ge. 80. 38: Jb. 19. 29: Ps. 67 (68). 24.] (1)

[**Th.** Jb. 19. 29: Jc. 25. 7 (Sw.): 44 (51). 29: (2)

Da. 6. 8††, 8\*†††: **Am.** 1. 13.] (1)

[**Al.** Jb. 11. 5\*.] (2)

Da. LXX. 8. 27. ἐξελόμεν ἐπὶ τῷ δ. (4 b)  
9. 24. καὶ διασπορήσαν τὸ δ. —  
— 24. καὶ συνετελεσθήσαν τὰ δ. (1 a)  
10. 1. καὶ ἀληθεῖς τὸ δ. —  
— 1. διανοήσαν αὐτὸ ἐν ὁράματι (4 b)  
Da. TH. 2. 19. ἐν ὁράματι τῆς νυκτός (1 c)  
— 23. τὸ δ. τοῦ βασ. ἐγνώρισάς μοι †  
4. 10. 7. 2 (A), 13. ἐν ὁράματι τῆς νυκτός (1 c)  
8. 2. Ἰδὼν ἐν ὁράματι (1 a)  
[Aq. Is. 30. 6: Da. 10. 1.]  
[Sm. Ex. 24. 10: Jb. 4. 13.]  
[Th. Da. 7. 2†, 7†: 8. 2†.]  
[Sam. Ex. 38. 8 (26).]

**οραματίζεσθαι.**

[Aq. Ps. 10 (11). 4: 26 (27). 4: 57 (58). 9: CA. 6. 12 (7. 1): 7. 1 (2): Is. 30. 10: 33. 20.]  
[Th. Is. 30. 10.]

**οραματισμός.**

[Aq. Jb. 4. 13: 83. 15: Pr. 29. 18: Is. 22. 1: 29. 7: Ez. 13. 16: Da. 9. 24: Hb. 2. 2.]

**οραματίζεσθαι.**

[Sm. Is. 56. 10.]

ὁρᾶν (incl. ὁρατίζεσθαι, cf. ἰδεῖν. (1) 𐤠𐤏𐤓𐤁 (2) 𐤠𐤏𐤓𐤁 (3) 𐤠𐤏𐤓𐤁 ni. (4) 𐤠𐤏𐤓𐤁 (5) a. 𐤠𐤏𐤓𐤁

𐤠𐤏𐤓𐤁 c. 𐤠𐤏𐤓𐤁 𐤠𐤏𐤓𐤁 (6) 𐤠𐤏𐤓𐤁 (7) 𐤠𐤏𐤓𐤁

(8) 𐤠𐤏𐤓𐤁 a. qal. b. ni. c. hi. d. hithp.

e. 𐤠𐤏𐤓𐤁 f. 𐤠𐤏𐤓𐤁 (9) 𐤠𐤏𐤓𐤁 (10) 𐤠𐤏𐤓𐤁

Ge. 1. 9. καὶ ὁφθήτω ἡ ἔσρα (8 b)  
— 9. καὶ ὁφθῇ ἡ ἔσρα — (8 b)  
9. 14. ὁφθήσεται τὸ τόξον (8 b)  
— 16. καὶ ὁφθῇ τοῦ μνησθῆναι διαθήκη (8 a)  
12. 7. καὶ ὁφθῇ κύριος τῷ Ἀβραμ (8 b)  
— 7. κυρίῳ τῷ ὁφθέντι αὐτῷ (8 b)  
13. 15. πᾶσαν τὴν γῆν ἢν σὺ ὄρασ (8 a)  
16. 13. καὶ γὰρ ἐνώπιόν ἐίδον ὁφθέντα μοι (8 a)  
17. 1. καὶ ὁφθῇ κύριος τῷ Ἀβραμ (8 b)  
18. 1. ὁφθῇ δὲ αὐτῷ ὁ θεὸς πρὸς τῇ θρῳί (8 b)  
— 21. καταβὰς σὺν κύριῳ (8 a)  
22. 8. ὁ θεὸς ὁφθῇ ἐάντι πρόβατον (8 a)  
— 14. ἐν τῷ ὄρει κύριος ὁφθῇ (8 b)  
26. 2. ὁφθῇ δὲ αὐτῷ κύριος (8 b)  
— 24. καὶ ὁφθῇ αὐτῷ κύριος (8 b)  
— 28. ἰδόντες ἐωράκαμεν ὅτι ἦν κύριος (8 a)  
27. 1. ἡμεθ' ἐβλήθησαν οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. τοῦ ὁρᾶν (8 a)  
29. 2. καὶ ὁρᾶ καὶ ἰδοὺ φέρεται (8 a)  
31. 5. ὅρα ἐγὼ τὸ πρόσωπον τοῦ πατρὸς (8 a)  
— 12. ἔωρακα γὰρ ὅσα σοι Λάβαν ποιεῖ (8 a)  
— 13. ὁ θεὸς ὁφθῇ σοι ἐν τόπῳ θεοῦ —  
— 43. καὶ πάντα ὅσα σὺ ὄρας ἐμὲ ἐστὶ (8 a)  
— 50. ὅρα σὺ πάντα μετ' ἡμῶν ἐστὶν ὁρᾶν [A. om.] (—, 8 a)  
32. 20 (21). ὁφθῇ μοι τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (8 a)  
35. 1. τῷ θεῷ τῷ ὁφθέντι σοι (8 b)  
— 9. ὁφθῇ δὲ ὁ θεὸς τῷ Ἰακώβ (8 b)  
37. 20. καὶ ὁφθῇ μοι ἔσται τὰ ἐνύπνια (8 a)  
— 29. καὶ οὐχ ὄρα τὸν ἰωσήφ ἐν τῷ λάκκῳ (4)  
41. 15. ἐνώπιόν ἐώρακα (8 b)  
43. 3. οὐκ ὤφεισθε τὸ πρόσωπόν μου (8 a)  
— 5. οὐκ ὤφεισθέ μοι τὸ πρόσωπον (8 a)  
45. 28. πορευθεὶς ὁφθῇ μοι αὐτόν (8 a)  
46. 29. καὶ ὁφθῇ αὐτῷ ἐπέεσεν (8 b)  
— 30. ἐπεὶ ἔωρακα τὸ πρόσωπόν σου (8 a)  
48. 3. ὁ θεὸς μοι ὁφθῇ μοι ἐν Λουζᾷ (8 b)  
Ex. 2. 6. ὅρα παιδίον κλαίον ἐν τῇ θύρῃ (8 a)  
— 11. ὅρα ἀνθρώπον Αἰγύπτιον τύπτοντα (8 a)  
— 12. περιρριπέναι μόνος δὲ . . . οὐχ ὄρᾷ οὐδένα (8 a)  
— 13. ὄρα δύο ἄνδρας ἔβρ. διαπληκτιζομένους (4)  
3. 2. ὁφθῇ δὲ αὐτῷ ἄγγελος κυρίου ἐν πυρί (8 b)  
— 2. καὶ ὄρα ὅτι ὁ βάτος καίεται πυρὶ (8 a)  
— 3. ὁφθῇ μοι τὸ δράμα . . . τοῦτο (8 a)  
— 9. κατὰ ἔωρακα τὸν θλιμμένον (8 a)  
— 16. κυρίου ὁ θεὸς . . . ὁπταί μοι (8 b)  
4. 1. οὐκ ὁπταί σοι ὁ θεός (8 b)  
— 5. ὅτι ὁπταί σοι ὁ θεός (8 b)  
— 18. καὶ ὁφθῇ μοι ἐν τῷ ἔωσι (8 a)  
— 21. ὅρα πάντα τὰ τέρατα . . . ποιήσεις αὐτὰ (8 a)  
— 23. ὅρα σὺν ἐγὼ ἀποκτενῶ τὸν υἱόν σου (4)  
5. 19. ἔωρων δὲ . . . ταυτοὺς ἐν κακοῖς (8 a)

Ex. 6. 1. ἰδὲ θῖναι [A. ὄφθῃ] ἂ ποιήσω τῷ Φ. (8 a)  
— 3. ὁφθῇ πρὸς Ἀβραμ (8 b)  
10. 6. δ. οὐδέποτε ἐωράκασιν οἱ πατέρες (8 a)  
— 28. ἢ δ' ἂν ἡμέρα ὁφθῇ μοι (8 a)  
— 29. οὐκ ἐστὶν ὁφθῇ μοι οἱ εἰς πρόσωπον (8 a)  
12. 13. καὶ ὁφθῇ μοι τὸ αἷμα (8 a)  
— 23. καὶ ὁφθῇ μοι τὸ αἷμα ἐπὶ τῆς φιλίας (8 a)  
13. 7. οὐκ ὁφθῇ μοι σοι ζυμῶν (8 b)  
14. 10. ἀναβλέψαντες . . . ὁρώσι (4)  
— 13. στήτες καὶ ὁράτε τὴν σωτηρίαν (8 a)  
— 13. ὅν τρόπον γὰρ ἐωράκατε τοὺς Αἰγ. (8 a)  
16. 7. πρῶτ' ὤφεισθε τὴν δόξαν κυρίου (8 a)  
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὁφθῇ ἐν νεφέλῃ (8 b)  
19. 4. αὐτοὶ ἐωράκατε ὅσα πεποιήκα (8 a)  
20. 18. πᾶς ὁ λαὸς ἔωρα τὴν φωνήν (8 a)  
— 22. ἐωράκατε ὅτι . . . λελάληκα (8 a)  
23. 15. οὐκ ὁφθῇ μοι ἐνώπιόν μου κενός (8 b)  
— 17. ὁφθῇ μοι πᾶν ἄρσενικόν σου [A. om.] (8 b)  
24. 11. καὶ ὁφθῇ μοι ἐν τῷ τόπῳ τοῦ θεοῦ (8 a)  
25. 7 (8). καὶ ὁφθῇ μοι ἐν ἡμῖν (10)  
— 39 (40). ὅρα ποιήσεις κατὰ τὸν τύπον (8 a)  
31. 13. ὄρατε καὶ τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε (1)  
32. 19. ὄρα τὸν μέσυχον καὶ τοὺς χοροὺς (8 a)  
33. 5. ὄρατε μὴ πληγῇ ἄλλη ἐπάξω —  
— 10. ἔωρα . . . τὸν σὺλον . . . ἐστῶτα (8 a)  
— 23. τότε ὄφθῃ τὰ ὀπίσω μου (8 a)  
— 23. τὸ δὲ πρόσωπόν μου οὐκ ὁφθῇ μοι σοι (8 b)  
34. 3. μὴ δὲ ὁφθῇ μοι ἐν παντὶ τῷ ὄρει (8 b)  
— 10. καὶ ὁφθῇ μοι πᾶς ὁ λαός . . . τὰ ἔργα (8 a)  
— 20. οὐκ ὁφθῇ μοι ἐνώπιόν μου κενός (8 b)  
— 23. ὁφθῇ μοι πᾶν ἄρσενικόν σου (8 b)  
— 24. ὁφθῇ μοι ἐνώπιόν μου (8 b)  
Le. 5. 1. καὶ οὗτος μάρτυς ἡ ἐώρακεν (8 a)  
9. 4. σήμερον κύριος ὁφθῇ μοι ἐν ἡμῖν (8 b)  
— 6. ἰδὲ μοι ἐν ἡμῖν δόξα κυρίου (8 b)  
— 23. ὁφθῇ ἡ δόξα κυρίου παντὶ τῷ λ. (8 b)  
13. 3. ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφῆν ἐν δέρματι (8 a)  
— 3. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς καὶ μακεῖ αὐτόν (8 a)  
— 5. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφῆν (8 a)  
— 6. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς αὐτόν (8 a)  
— 7. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφῆν (8 a)  
— 8. καὶ ὁφθῇ μοι αὐτόν ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 10, 13. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 14. καὶ ἢ ἂν ἡμέρα ὁφθῇ ἐν αὐτῷ χρώς ζῶν (8 b)  
— 15. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς τὸν χρώτα τὸν ἰγίη (8 a)  
— 17. Ἀ. ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 19. καὶ ὁφθῇ μοι τῷ ἱερεῖ (8 b)  
— 20. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 25, 27. καὶ ὁφθῇ μοι αὐτόν ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 30, 32. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφῆν (8 a)  
— 34. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς τὸ θραῦσμα (8 a)  
— 36, 39. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 43. καὶ ὁφθῇ μοι αὐτόν ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 50, 51. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφῆν (8 a)  
— 55. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 57. ἐὰν δὲ ὁφθῇ ἐν [A. ὁφθῇ μοι] (8 b)  
14. 3. καὶ ὁφθῇ μοι ὁ ἱερεὺς (8 a)  
— 35. ὥσπερ ἀφῆν ἐώραται μοι (8 b)  
— 37. ὁφθῇ μοι τὴν ἀφῆν (8 a)  
— 39. καὶ ὁφθῇ μοι τὴν οἰκίαν (8 a)  
— 44. καὶ ἐισέλθῃ μοι ὁ ἱερεὺς καὶ ὁφθῇ μοι (8 a)  
16. 2. ἐν γὰρ νεφέλῃ ὁφθῇ μοι (8 b)  
Nu. 1. 49. ὅρα τὴν φυλὴν Λ. οὐ συνεπισκέψῃ (1)  
13. 19 (18). ὁφθῇ μοι τὴν γῆν (8 a)  
— 29 (28). τὴν γενεάν Ἐ. ἐωράκαμεν ἐκεῖ (8 a)  
— 33 (32). πᾶς ὁ λαὸς ὅν ἐωράκαμεν ἐν αὐτῇ (8 a)  
— 34 (33). ἐκεῖ ἐωράκαμεν τοὺς γίγαντας (8 a)  
14. 10. ἡ δόξα κυρίου ὁφθῇ ἐν νεφέλῃ (8 b)  
— 22. οἱ ἄνδρες οἱ ὁρώντες τὴν δόξαν μου (8 a)  
— 23. εἰ μὴν οὐκ ὄφθῃ μοι τὴν γῆν (8 a)  
— 23. οὐκ ὄφθῃ μοι αὐτήν (8 a)  
15. 39. καὶ ὁφθῇ μοι αὐτὰ (8 a)  
16. 19. ὁφθῇ μοι ἡ δόξα κυρίου πάσῃ τῇ συναγ. (8 b)  
— 42 (17. 7). ὁφθῇ μοι ἡ δόξα κυρίου (8 b)  
— 40. ὁφθῇ μοι ἡ δόξα κυρίου πρὸς αὐτούς (8 b)  
22. 31. ὄρα τὸν ἄγγελον κυρίου (8 a)  
28. 9. ἀπὸ κορυφῆς ὄρεων ὁφθῇ μοι αὐτόν (8 a)  
— 13. οὐκ ὄφθῃ μοι αὐτόν ἐκεῖ (8 a)  
— 13. μέγας τὸ αὐτὸ ὄφθῃ (8 a)  
— 21. οὐδὲ ὁφθῇ μοι πένος ἐν Ἰσρ. (8 a)  
24. 3. 15. ὁ ἄνθρωπος ὁ ἀληθινὸς ὄρων †  
27. 13. καὶ ὄφθῃ [B<sup>3</sup> -ει] αὐτήν (8 a)  
32. 11. εἰ ὄφθῃ μοι . . . τὴν γῆν (8 a)  
De. 1. 28. υἱὸς γυναικὸς ἐωράκαμεν ἐκεῖ (8 a)  
— 35. εἰ ὄφθῃ μοι . . . τὴν ἀγαθὴν ταύτην γῆν (8 a)

De. 1. 36. οὗτος ὄφθῃ μοι αὐτήν (8 a)  
3. 21. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ἐωράκασι πάντα (8 a)  
— 25. ὁφθῇ μοι τὴν γῆν τὴν ἀγαθὴν ταύτην (8 a)  
— 28. τὴν γῆν ἢν ἐώρακα (8 a)  
4. 3. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ἐωράκασι πάντα (8 a)  
— 9. οὐδὲ ἐωράκασιν οἱ ὀφθαλμοὶ σου (8 a)  
— 28. οἱ οὐκ ὄφθῃ μοι (8 a)  
7. 15. δὲ ἐώρακα (—)  
— 19. B<sup>3</sup>. οὐδὲ ἐωράκασιν [A. B<sup>1</sup> ἴδουσιν] οἱ ὀφθαλμοὶ σου (8 a)  
9. 13. ἐώρακα τὸν λαόν τούτων (8 a)  
11. 7. ἐώρακα [A. -ρων] πάντα τὰ ἔργα κυρίου (8 a)  
16. 4. οὐκ ὁφθῇ μοι σοι ζυμῇ (8 b)  
— 16. ὁφθῇ μοι πᾶν ἄρσενικόν σου (8 b)  
— 16. οὐκ ὁφθῇ μοι ἐνώπιόν μου κ. τοῦ θεοῦ σου κενός (8 b)  
18. 16. τὸ πῦρ τὸ μέγα τοῦτο οὐκ ὀφθῇ μοι ἐντὶ (8 a)  
21. 7. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν οὐχ ἐωράκασιν (8 a)  
22. 4. οὐκ ὄφθῃ [A. ὑπερόψῃ] τὸν ὄνον τοῦ ἀδ. σου (8 a)  
28. 14 (15). οὐκ ὁφθῇ μοι ἐν σοὶ ἀσχημοσύνη (8 a)  
28. 10. ὄφθῃ μοι σε πάντα τὰ ἔθνη τῆς γῆς (8 a)  
— 67. ὡν ὄφθῃ (8 a)  
29. 2 (1). ὑμεῖς ἐωράκατε πάντα (8 a)  
— 3 (2). οὐδὲ ἐωράκασιν [A. εἰδόν] οἱ ὀφθαλμοὶ σου (8 a)  
— 22 (21). ὄφθῃ μοι τὰς πληγὰς τῆς γῆς ἐκ. (8 a)  
31. 11. ὁφθῇ μοι ἐνώπιόν μου κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (8 b)  
32. 52. ἀπέναντι ὄφθῃ μοι τὴν γῆν (8 a)  
33. 9. οὐχ ἐώρακά σε (8 a)  
— 16. τὰ δεκτὰ τῷ ὁφθέντι ἐν τῷ βίῳ (10)  
Jo. 8. 20. A. ἐώρακα ἀναβάντα τὸν καπνόν [B. al.] (8 a + 4)  
9. 7. ὅρα μὴ ἐν ἐμοὶ κατοικεῖς †  
23. 3. ἐώρακατε ὅσα ἐποίησε κύριος (8 a)  
Jd. 6. 8. θυρεὸς ἐὰν ὁφθῇ [A. al.] (8 b)  
6. 12. ὁφθῇ αὐτῷ ὁ ἄγγελος κυρίου [A. al.] (8 b)  
— 26. A. τῷ κυρίῳ τῷ θεῷ σου τῷ ὁφθέντι σοι [B. al.] —  
7. 17. ἀπὸ ἐμοῦ ὄφθῃ μοι (8 a)  
9. 16. A. τὴν σκίαν τῶν ὀρέων σὺ ὄρας [B. ὁρᾷ - πεις] (8 a)  
13. 3. ὁφθῇ μοι ἄγγελος κυρίου (8 b)  
— 10. ὁπταί μοι [A. δ. μοι] ὁ ἀνὴρ (8 b)  
— 21. οὐ προσέειπεν ἐντὶ . . . ὁφθῇ μοι πρὸς M. (8 b)  
— 22. A. θεὸς ἐωράκαμεν [B. εἶδον] (8 a)  
14. 2. γυναικὰ ἐώρακα ἐν Θ. (8 a)  
19. 30. A. πᾶς ὁ ὄρων [B. βλέπων] ἔλεγεν (8 a)  
— 30. καὶ οὐχ ἐώρακα ὡς αὕτη [A. al.] (8 b)  
21. 21. καὶ ὄφθῃ μοι (8 a)  
I Ki. 1. 22. ὁφθῇ μοι τῷ προσώπῳ κυρίου (8 b)  
6. 9. καὶ ὄφθῃ μοι (8 a)  
— 16. οἱ πέντε σατράπαι τῶν ἀλλοφ. ἐώρακον (8 a)  
10. 24. εἰ ἐώρακατε ἐν ἐκκλησίᾳ (8 a)  
16. 1. ἐώρακα ἐν τοῖς υἱοῖς αὐ. ἐμοὶ βασιλεύειν (8 a)  
— 7. οὐχ ὡς ἐμὲ βλέπετε ἀνθρ. ὄφθῃ μοι ὁ θεός —  
— 7. ἀνθρώπος ὄφθῃ μοι ἐν τῷ προσώπῳ ὁ δὲ θεός ὄφθῃ μοι εἰς καρδίαν (8 a, 8 a)  
— 18. ἐώρακα υἱόν τῷ Ἰ. (8 a)  
17. 25. A. εἰ ἐώρακατε τὸν ἄνδρα (8 a)  
19. 3. ὄφθῃ μοι ὁ δὲ ἐν ἡ (8 a)  
20. 29. ὄφθῃ μοι τοὺς ἀδελφούς μου (8 a)  
22. 9. ἐώρακα τὸν υἱόν Ἰ. (8 a)  
24. 11. ἐωράκασιν οἱ ὀφθαλμοὶ σου (8 a)  
28. 13. εἰπὸν τίνα ἐώρακα (8 a)  
— 13. θεοὺς ἐώρακα ἀναβαίνοντας ἐκ τῆς γῆς (8 a)  
II Ki. 8. 13. οὐκ ὄφθῃ [A. -η] τὸ πρόσωπόν μου (8 a)  
13. 34. ἀνδραὶ ἐώρακα ἐκ τῆς ὁδοῦ (—)  
14. 15. ὄφθῃ μοι με ὁ λαός (8 b)  
17. 17. οὐκ εἶδον αὐτὸν ὁφθῇ μοι (8 b)  
18. 10. ἐώρακα τὸν Ἀβ. κερμαίνον (8 a)  
— 11. καὶ ἰδοὺ ἐώρακα (8 a)  
— 27. ὄρα τὸν δρόμον τοῦ πρώτου (8 a)  
22. 11. ὄφθῃ μοι ἐπὶ πτερύγων ἀνέμου (8 b)  
— 16. ὄφθῃ μοι ἀφίσσινε βαλίσσης (8 b)  
24. 3. καὶ ὀφθαλμοὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. ὄρωντες (8 a)  
— 11. πρὸς Γαδ τὸν προφήτην τὸν ὁρώντα Δ. (8 a)  
III Ki. 3. 5. ὄφθῃ μοι κύριος τῷ Σ. (8 b)  
— 16. ὄφθῃ μοι δύο γυναῖκες πόρνοι (2)  
9. 2. ὄφθῃ μοι κύριος τῷ Σαλ. δεύτερον καθὼς ὄφθῃ [A. add. αὐτῷ] ἐν Γ. (8 b, 8 b)  
10. 7. ἐωράκασιν οἱ ὀφθαλμοὶ μου (8 a)  
— 12. B. οὐδὲ ὄφθῃ μοι (8 b)  
11. 9. ἀπὸ κυρίου θεοῦ Ἰσρ. τοῦ ὁφθέντος αὐτῷ δις (8 b)  
18. 1. ὄφθῃ μοι τῷ Ἀχ. (8 b)

III Ki. 18. 2. ἐπορεύθη Ἡ. τοῦ [A τῷ] ὀφθῆναι τῷ Ἀχ. (8 b)	Jb. 38. 22. θησαυρούς δι' χαλᾶζης [B <sup>1</sup> θαλάσσης] ἑώρακας (8 a)	Jl. 2. 28 (3. 1). οἱ κενάριοι ὑμῶν ὁράσεις θύονται (8 a)
— 15. σήμειον ὀφθῆσθαι αὐτῷ (8 b)	41. 1. A. B <sup>2</sup> B οὐχ ἑώρακας αὐτόν — (8 a)	Na. 8. 7. πᾶς ὁ ὄρων σε καταβήσεται ἀπὸ σοῦ (8 a)
20 (21). 19. ἑώρακας ὡς κατενύγη Ἀχ. (8 a)	— 25 (26). πᾶν ὑψηλὸν ὄρε (8 a)	Hb. 1. 13. καθαρὸς ὁ ὀφθαλμὸς τοῦ μὴ ὄραν ποιητῆ (8 a)
21 (20). 13. εἰ ἑώρακας τὸν δόχλον τὸν μέγαν τοῦτον (8 a)	42. 5. νυνὶ δὲ ὁ ὀφθαλμὸς μου ἑώρακε σε (8 a)	3. 10. θύονται σε καὶ ὠδινήσουσι λαοὶ (8 a)
22. 17. ἑώρακα πάντα τὸν Ἰσρ. (8 a)	Ps. 8. 3. θύονται τοὺς οὐρανοὺς ἔργα τῶν δακτύλων σου (8 a)	Ze. 3. 15. οὐκ ὤψη κακὰ οὐκέτι (8 a)
— 25. ὤψη [B <sup>2</sup> -ει] τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (8 a)	16 (17). 15. ἐγὼ δὲ ἐν δικαιοσύνῃ ὀφθῆσθαι τῷ προσώπῳ σου χορτασθήσομαι ἐν τῷ ὀφθῆναι τῇ [A B <sup>2</sup> μοι τὴν] δόξαν σου (5 a, +)	2a. 1. 8. ἑώρακα τὴν νύκτα (8 a)
IV Ki. 2. 12. καὶ Ἐλ. ἑώρα (8 a)	17 (18). 15. ὠφθῆσαν αἱ πηγαὶ τῶν υδάτων (8 b)	4. 2. ἑώρακα καὶ ἰδοὺ λυχνία χρυσὴ ἅλη (8 a)
8. 17. B οὐκ ὤψεσθε πνεῦμα (8 a)	35 (36). 9. ἐν τῷ φωτὶ σου ὠφόμεθα φῶς (8 a)	— 10. θύονται τὴν λίθον τὸν κασσιτέρειον (8 a)
— 17. οὐκ ὤψεσθε νεφύς (8 a)	36 (37). 34. A B <sup>1</sup> B ἐν τῷ ἐξολοθρευέσθαι ἁμαρτωλοὺς ὤψη [B <sup>2</sup> B θύει] (8 a)	5. 2. ἐγὼ ὁρῶ ὁρέπαιον πετόμενον (8 a)
7. 2. ὤψη [B <sup>2</sup> -ει] τοῖς ὀφθαλμοῖς (8 a)	89 (40). 3. θύονται πολλοὶ καὶ φοβηθήσονται (8 a)	9. 5. θύεται Ἀ. καὶ φοβηθήσεται (8 a)
— 13. ἀποστελομένον ἐκεῖ καὶ ὠφόμεθα (8 a)	41 (42). 2. πότε ἦν καὶ ὀφθῆσθαι τῷ προσώπῳ τοῦ θεοῦ (8 b)	— 8. διότι νῦν ἑώρακα ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς μου (8 a)
19. ὤψη [B <sup>2</sup> -ει] ἐκεῖ ἰ. ἰδὼν Ἰωσ. (8 a)	48 (49). 9. οὐκ ὤψεται καταφθοράν (8 a)	10. 7. τὰ τέκνα αὐτῶν θύονται [A -εται] (8 a)
10. 3. ὤψεσθε τὸν ἀγαθόν (8 a)	— 19. ἕως αἰῶνος οὐκ ὤψεται φῶς (8 a)	12. 10. B <sup>1</sup> θύονται [A B <sup>2</sup> κόψ.] ἐπ' αὐτὸν κοπετύν +
14. 8. ὀφθῶμεν προσώποις (8 a)	51 (52). 6. θύονται δίκαιοι καὶ φοβηθήσονται (8 a)	Ma. 1. 5. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν θύονται (8 a)
— 11. B ὀφθῇ [A B -ισαν] προσώποις (8 a)	62 (63). 2. οὕτως ἐν τῷ ἁγίῳ ὠφθῆναι σοι (8 a)	8. 18. ὤψεσθε ἀπὸ μέσον δικαίου (8 a)
17. 13. ἐν χειρὶ πάντων τῶν προφητῶν αὐ. παντὸς ὁρόντος (5 a)	68 (64). 5. τίς ὤψεται αὐτοὺς (8 a)	Is. 1. 12. οὐδ' ἂν ἐρχήσθε ὀφθῆναι μοι (8 b)
22. 20. οὐκ ὀφθῆσθαι ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς σου (8 a)	83 (84). 7. ὀφθῆσθαι ὁ θεὸς τῶν θεῶν ἐν Σιών (8 b)	17. 8. οὐκ ὤψονται τὰ δένδρα [A δίσση, B <sup>1</sup> δ. ἐπὶ τὰ δ.] (8 a)
22. 17. ὁ ἐγὼ ὁρῶ (8 a)	88 (89). 48. ὅς ἤσκηται καὶ οὐκ ὤψεται θάνατον (8 a)	29. 10. οἱ ὁρώντες τὰ κρυπτά (8 a)
25. 19. πέντε ἀνδρες τῶν ὁρώντων τὸ πρόσωπον τοῦ βασι. (8 a)	90 (91). 8. A B <sup>1</sup> B ἀπαπόδοσιν ἁμαρτωλῶν ὤψη [B <sup>2</sup> B θύει] (8 a)	— 15. τίς ἑώρακεν ἡμᾶς (8 a)
I Ch. 21. 9. ἐλάληθη κ. πρὸς Γ. ὁρῶντα [A add. Δ.] (5 a)	98 (94). 7. οὐκ ὤψεται κύριος (8 a)	— 18. ὀφθαλμοὶ τυφλῶν θύονται [A B <sup>2</sup> βλέψ.] (8 a)
II Ch. 1. 7. ὠφθῇ ὁ θ. τῷ Σαλ. (8 b)	101 (102). 16. ὀφθῆσθαι ἐν τῇ δόξῃ αὐτοῦ (8 b)	30. 10. οἱ λέγοντες... τοῖς τὰ ὁράματα ὁρᾶσι (5 a)
3. 1. οὐ ὠφθῇ κύριος τῷ Δ. (8 b)	106 (107). 42. θύονται εὐθείας καὶ εὐφρανθήσονται (8 a)	— 20. οἱ ὀφθαλμοὶ σου θύονται τοῖς πλανάτοις σε (8 a)
7. 3. ἑώρων καταβαίνειν τὸ πῦρ (8 a)	111 (112). 10. ἁμαρτωλὸς θύεται καὶ ὀργισθήσεται (8 a)	33. 11. νῦν ὤψεσθε —
— 12. ὠφθῇ ὁ θεὸς τῷ Σαλ. (8 b)	118. 13 (115. 5). ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὤψονται (8 a)	— 17. βασιλεῖα μετὰ δόξης ὤψεσθε οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν θύονται γῆν πύρρωθεν (5 a, 8 a)
9. 11. οὐκ ὠφθῆσαν τοιαῦτα ἔμπροσθεν (8 b)	118 (119). 74. οἱ φοβούμενοί σε θύονται με (8 a)	— 20. οἱ ὀφθαλμοὶ σου θύονται ἱεροσολῶν (8 a)
— 29. ἐν ταῖς ὁράσεσιν ἰ. τοῦ ὁρώντος (5 a)	184 (185). 16. ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὤψονται (8 a)	35. 2. ὁ λαὸς μου θύεται τὴν δόξαν κυρίου (8 a)
12. 15. ἐν τοῖς λόγοις... Ἀ. τοῦ ὁρώντος (5 a)	Pr. 20. 20. αἱ δὲ κόραι τῶν ὀφθ. αὐ. θύονται [B ἔσονται] σκότος — (8 a)	40. 5. ὀφθῆσθαι ἡ δόξα κυρίου καὶ θύεται πᾶσα σὰρξ τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ (3, 8 a)
18. 24. ὤψη ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (8 a)	— 12. οὐκ ἀκούει καὶ ὀφθαλμοὺς ὁρᾶ (8 a)	41. 23. B B καὶ ὀφόμεθα ἅμα (8 a)
25. 17. A B ὀφθῶμεν προσώποις (8 a)	24. 18. θύεται κύριος καὶ οὐκ ἀρτεῖται αὐτῷ — 32 (30. 9). τίς με ὁρᾶ (8 a)	47. 13. οἱ ὁρώντες τοὺς ἀστέρας ἀναγγελεύσαν σοι (5 a)
— 21. καὶ ὠφθῆσαν ἀλλήλοις (8 a)	26. 19. ὅταν δὲ ὁραθῶσι [A B <sup>2</sup> φωραθῶσιν] — (8 a)	49. 7. βασιλεῖς θύονται αὐτόν (8 a)
29. 8. ὡς ἡμεῖς ὁράτε τοὺς ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (8 a)	Ec. 1. 8. οὐ πλησθήσεται ὀφθαλμὸς τοῦ ὄραν (8 a)	52. 8. ὀφθαλμοὶ πρὸς ὀφθαλμοὺς θύονται (8 a)
— 25. A B κατὰ τὴν ἐντολήν... Γ. τοῦ ὁρώντος τῷ βασι. [B al.] (5 a)	5. 10. ἀρχὴ [B <sup>2</sup> ἀλλ' ἦ] τοῦ ὄραν ὀφθαλμοῖς [B <sup>1</sup> -ὲν] αὐτοῦ (8 c, 8 f*)	— 10. θύονται πάντα ἄκρα τῆς γῆς τὴν σωτηρίαν (8 a)
30. 7. καθὼς ὑμεῖς ὁράτε (8 a)	12. 5. καὶ εἰς τὸ ὕψος [A B καὶ γὰρ ἀπὸ ὕψους] θύονται +	— 15. οἱς οὐκ ἀνηγγέλη περὶ αὐτοῦ θύονται (8 a)
33. 18. καὶ λόγοι τῶν ὁρώντων (5 a)	Ca. 2. 12. τὰ ἄνθη ὠφθῇ ἐν τῇ γῇ (8 b)	58. 10. ἡ ψυχὴ ὑμῶν θύεται σπέρμα μακροβίου (8 a)
— 19. γέγραπται ἐπὶ τῶν λόγων τῶν ὁρώντων (5 a)	6. 12 (7. 1). A καὶ ὀφόμεθα ἐν σοὶ (5 a)	57. 18. τὰς δόους αὐτοῦ ἑώρακα (8 a)
34. 28. οὐκ ὤψονται οἱ ὀφθαλμοὶ σου (8 a)	7. 1. τί ὤψεσθε ἐν τῇ Σουναμίτιδι (8 a)	60. 2. ἡ δόξα αὐτοῦ ἐπὶ σὲ ὀφθῆσθαι (8 b)
I Es. 5. 63. ἑωρακότες [A προεωρ.] τὸν πρὸ τούτου οἶκον (8 a)	Wi. 4. 17. θύονται γὰρ τελευτὴν σοφοῦ (8 a)	— 5. τότε ὤψη καὶ φυβήσῃ (8 a)
Ne. 4. 11 (5). οὐκ ὤψονται ἕως θου ἔλθωμεν (8 a)	— 18. θύονται [B <sup>1</sup> add. αὐτὸν] καὶ ἐξουθενήσουσιν (8 a)	61. 9. πᾶς ὁ ὄρων αὐτοὺς ἐπιγνώσεται αὐτοὺς (8 a)
To. 4. 4. πολλοὺς κινῶνους ἑώρακεν ἐπὶ σοὶ (8 a)	18. 1. ἐκ τῶν ὁραμένων ἀγαθὸν οὐκ ἔλχεται εἰδέναι τὸν ὄντα (8 a)	62. 2. θύονται ἔθνη τὴν δικαιοσύνην σου (8 a)
5. 20. οἱ ὀφθαλμοὶ σου θύονται αὐτόν [B om.] (8 a)	18. 1. μορφήν δὲ οὐχ ὁρώμεθα (8 a)	66. 5. ἴνα... ὀφθῇ ἐν τῇ εὐφροσύνῃ αὐτῶν (8 a)
11. 8. οὐκέτι ἐλπίζουσιν ὤψεσθαι με [B al.] (8 a)	Si. 13. 7. μετὰ ταῦτα θύεται σε (8 a)	— 8. τίς ἑώρακεν οὕτως (8 a)
12. 1. ὄρα, τέκνον, μυσθὸν [B al.] (8 a)	16. 5. πολλὰ τοιαῦτα ἑώρακα ἐν ὀφθαλμοῖς μου [B al.] (8 a)	— 14. ὤψεσθε [A -εται] καὶ χαρήσεται ἡ καρδία ὑμῶν (8 a)
— 22. ὡς ὠφθῇ αὐτοῖς ὁ ἀγγελικὸς κυρίου (8 a)	— 20. B <sup>2</sup> καθὼς ποιεῖ ἄνθρωπος θύεται ὁ ὀφθαλμὸς αὐτοῦ (8 a)	— 18. θύονται τὴν δόξαν μου (8 a)
13. 14. B θύονται πᾶσαν τὴν χαρὰν σου [A B al.] (8 a)	— 21. ἦν οὐκ ὤψεται ἄνθρωπος [B <sup>1</sup> πᾶς δ.] (8 a)	— 19. οὐτε ἑωρακασί μου τὴν δόξαν (8 a)
14. 10. B ὁρῶ γὰρ ἐπὶ πολλὰ ἰδικία ἐν αὐτῇ (8 a)	— 18. οὐδεὶς με ὁρᾶ (8 a)	— 24. θύονται τὰ καλὰ τῶν ἀνθρώπων (8 a)
Ju. 6. 5. οὐκ ὤψη ἐτι τὸ πρόσωπόν μου (8 a)	81 (84). 11. πολλὰ ἑώρακα ἐν τῇ ἀποπλάνῃσει μου (8 a)	Je. 1. 11. τί σὺ ὁρᾶς (8 a)
7. 27. οὐκ ὀφόμεθα τὸν θάνατον τῶν νηπίων ἡ. (8 a)	82 (85). 4. μὴ ὀφθῇ ἐν προσώπῳ κυρίου κενός (8 a)	— 12. A B B <sup>2</sup> καλῶς ἑώρακας (8 a)
Es. 1. 1. A B B M. ὁ [B om.] ἑωρακὸς τὸ ἐνὶ πνίον τοῦτο (8 a)	37. 24. μακαρινοὺς αὐτὸν πάντες οἱ ὁρώντες (8 a)	— 13. A B B <sup>2</sup> τί σὺ ὁρᾶς (8 a)
7. 7. ἑώρα γὰρ ἐαυτὸν ἐν κακοῖς ὄντα (8 a)	38. 25. A τίς ὀφθῆσθαι [B B <sup>2</sup> τί σοφισθήσεται] ὁ κρατὺν ἀνθρώπου (8 a)	4. 21. ἕως πότε ὀψομαι φεύγοντας (8 a)
Jb. 2. 13. ἑώρων γὰρ τὴν πληγὴν δεινὴν οὕσαν (8 a)	39. 4. θῆναι ἡγουμένον ὀφθῆσθαι (8 a)	5. 12. μάχαιραν καὶ λιμὸν οὐκ ὠφόμεθα (8 a)
5. 1. ἡ εἴ τινα ἀγγέλων ἁγίων ὤψη (7)	42. 5. τίς ἑώρακα ἐκδιηγῆσθαι (8 a)	7. 11. ἐγὼ ἑώρακα (8 a)
— 3. ἐγὼ δὲ ἑώρακα ἀφρονὰς βίξαν βάλλοντας (8 a)	— 25. τίς πλησθήσεται ὄραν δόξαν αὐτοῦ (8 a)	— 17. οὐχ ὁρᾶς εἴ αὐτοὶ ποιοῦσιν (8 a)
6. 7. βρομὸν γὰρ ὁρῶ τὰ στήτα μου + (8 a)	48. 31. τίς ἑώρακεν αὐτὸν καὶ ἐκδιηγῆσθαι — 32. ὀλίγα γὰρ ἑωρακᾶμεν τῶν ἔργων αὐτοῦ (8 a)	12. 4. οὐκ ὤψεται ὁ θεὸς δόους ἡμῶν (8 a)
— 20. A αἰσχύνῃ οἱ ὁρώντες [B S om. οἱ δ.] ὀφελήσουσιν + (8 a)	— 12. ὁ ὄραν Βαβίλ. (8 a)	13. 26. ὀφθῆσθαι ἡ ἀτιμία σου (8 b)
7. 8. οὐ περιβλέψεται με [A οὐκ ἀνείμι μοι] ὀφθαλμὸς ὁρώντος με (8 a)	8. 2. A τί σὺ ὁρᾶς [B βλέπει] (8 a)	— 27. ἑώρακα τὰ βδελυγματὰ σου (8 a)
8. 18. οὐχ ἑώρακας [B ἑώρα] τοιαῦτα (8 a)	Mi. 3. 7. κατασχυνθήσονται οἱ ὁρώντες τὰ ἐνύπνια (8 a)	14. 13. οὐκ ὤψεσθε [B <sup>1</sup> -όμεθα] μάχαιραν (8 a)
10. 4. ἡ ὥσπερ βροτὸς ὄρε καθορᾶς (8 a)	5. 4 (3). καὶ στήσεται καὶ θύεται + (8 a)	17. 6. οὐκ ὤψεται ὅταν ἔλθῃ τὰ αγαθά (8 a)
— 4. ἡ καθὼς ὄρε ἀνθρώπος βλέψῃ (8 a?)	7. 9. θύομαι τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ (8 a)	20. 4. οἱ ὀφθαλμοὶ σου θύονται (8 a)
— 21. οὐ οὐκ ἴσθι φέγγος οὐδὲ ὄραν (ὡν βροτῶν + (8 a)	— 10. καὶ θύεται ἡ ἐχθροί μου (8 a)	22. 10. οὐδὲ θύεται [B καὶ οὐ μὴ ἴδῃ] τὴν γῆν πατριδος αὐτοῦ (8 a)
13. 1. ἰδοὺ ταῦτα ἑωρακί μου ὁ ὀφθαλμὸς (8 a)	— 15. κατὰ τὰς ἡμέρας ἐξοδίας σου... ὤψεσθε θανυσσά (8 c)	— 12. τὴν γῆν ταύτην οὐκ ὤψεται ἐτι (8 a)
15. 17. δὲ ἡ ἑώρακα ἀναγγελῶ σοι (5 a)	— 16. θύονται ἔθνη καὶ κατασχυνθήσονται (8 a)	28. 14. ἑώρακα φρικτὰ μοιχωμένους (8 a)
17. 15. ἡ τὰ αγαθά μου θύομαι [A δ. ἐτι] (9)		— 24. ἐγὼ οὐκ ὤψομαι αὐτόν (8 a)
19. 27. δὲ ὁ [B om.] ὀφθαλμὸς μου ἑώρακε [A al.] (8 a)		24. 3. τί σὺ ὁρᾶς, ἱερεμία (8 a)
22. 14. καὶ οὐχ ὁραθήσεται (8 a)		28 (51). 61. ὤψη καὶ ἀναγνώσῃ πάντας τοὺς λόγους τούτους (8 a)
23. 9. περιβαλεῖ δεξιὰ καὶ οὐκ ὤψομαι (8 a)		29 (49). 22. ὥσπερ ἀέρος θύεται + (8 a?)
27. 12. A πάντες ὑμεῖς ἀκούετε [B S al.] (8 a)		36 (29). 32. οὐκ ὤψονται (8 a?)
31. 4. οὐχὶ αὐτοὶ θύεται ὁδὸν μου (8 a)		37 (30). 6. ἑώρακα πάντα ἄνθρωπον (8 a)
— 26. ἡ οὐχ ὁρώμεν ἥλιον τὸν ἐπιφάσκοντα ἐκλείποντα (8 a)		38 (31). 3. κύριος πόρρωθεν ὠφθῇ [A B ὀφθῆσθαι] αὐτῷ (8 b)
33. 28. ἡ ζωὴ μου φῶς θύεται (8 a)		— 33. A B <sup>1</sup> θύομαι αὐτοὺς —
34. 29. καὶ τίς θύεται αὐτόν (9)		89 (32). 4. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ τοὺς [B πρὸς] ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ θύονται (8 a)
— 32. ἀνεῖ ἐμάντου θύομαι [B <sup>1</sup> om.] (5 a)		41 (34). 3. ὀφθαλμοὶ σου τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ θύονται (8 a)
		51 (44). 2. ἑωρακάτε πάντα τὰ κακά (8 a)



Da. LXX. 8. 15. ἔστη κατεναντίον μου ὡς δρασίς ἀνθρώπου (4 a)

- 16. συνέτισον ἐκείνον τὴν δ. (4 a)  
— 16. ἐπὶ τὸ πρόσταγμα ἐκείνο ἡ δ. —  
10. 6. τὸ πρόσωπον αὐ. ὡσεὶ δρασίς ἀστραπῆς (4 a)  
— 7. εἶδον ἐγὼ Δ. τὴν δ. τὴν μεγάλην ταύτην (4 d)  
— 7. οὐκ εἶδον τὴν δ. ταύτην (4 d)  
— 8. εἶδον τὴν δ. τὴν μεγάλην ταύτην (4 d)  
— 14. Β ἔτι γὰρ δρασίς [cod. ὄρα] εἰς ἡμέρας (2 a)  
— 16. ὡς δρασίς ἀπεστράφη (4 d v. 4 a)  
— 18. ἤψατό μου ὡς δρασίς ἀνθρώπου (4 a)

Da. TH. Su. 64. Α δρασίς α

1. 1. Α δρασίς β —  
— 17. Δανιὴλ συνῆκεν ἐν πάσῃ δ. (2 a)  
— 21. Α δρασίς β —  
2. 1. Α δρασίς γ —  
— 28. καὶ αἱ δ. τῆς κεφαλῆς σου (2 f)  
— 31. καὶ ἡ δ. αὐτῆς φοβερά (7)  
— 49. Α δρασίς γ —  
3. 1. Α δρασίς β —  
— 25 (92). ἡ δ. τοῦ τετάρτου ὁμοία υἱῷ θεοῦ (7)  
— 30 (97). Α δρασίς δ —  
— 31 (98). Α δρασίς ε —  
4. 2. αἱ δ. τῆς κεφ. μου συνετάραξάν με (2 f)  
— 6. ἀκουσον τὴν δ. τοῦ ἐνυπνίου (2 f)  
— 34. Α δρασίς ε —  
5. 1. Α δρασίς ς —  
— 29. Α δρασίς ς —  
— 30. Α δρασίς ζ —  
6. 28 (29). Α δρασίς ζ —  
7. 1. Α δρασίς η —  
— 1. καὶ αἱ δ. τῆς κεφ. αὐ. ἐπὶ τῆς κοίτης αὐ. (2 f)

- 15. αἱ δ. τῆς κεφαλῆς μου ἐτάρασσόν με (2 f)  
— 20. καὶ ἡ δ. αὐ. μείζων τῶν λοιπῶν (2 f)  
— 28. Α δρασίς η —  
8. 1. Α δρασίς θ —

- 1. δρασίς ὡφθὶ πρὸς μέ (2 a)  
— 13. ἔως πότῃ ἡ δ. στήσεται (2 a)  
— 15. ἐν τῷ ἰδεῖν με . . . τὴν δ. (2 a)  
— 15. ἔστη ἐνώπιον ἐμοῦ ὡς δρασίς ἀνδρός (4 a)  
— 16. συνέτισον ἐκείνον τὴν δ. (4 a)  
— 17. ἔτι γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ δ. (2 a)  
— 19. ἔτι γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ δ. (2 a)  
— 26. καὶ ἡ δ. τῆς ἐσπέρας (4 a)  
— 26. σφραγίσον τὴν δ. (2 a)  
— 27. ἐθαύμαζον τὴν δ. (4 a)  
— 27. Α δρασίς θ —  
9. 1. Α δρασίς ι —  
— 21. ὃν ἶδον ἐν τῇ δ. (2 a)  
— 24. Α τοῦ σφραγίσαι δρασίην [B om.] ἀμαρ-  
τίας —

- 24. τοῦ σφραγίσαι δρασίην (2 a)  
— 27. Α δρασίς ι —  
10. 1. Α δρασίς ια —  
— 6. Β ὡσεὶ [A ὡς, B ὡς ἡ] δρασίς ἀστραπῆς (4 a)  
— 6. ὡς δρασίς χαλκοῦ στίλβοντος (6)  
— 14. ἔτι ἡ [A om. ἡ, ἡ] δ. εἰς ἡμέρας (2 a)  
— 18. ἤψατό μου ὡς δρασίς ἀνθρώπου (4 a)  
11. 14. τοῦ στήσαι δρασίην (2 a)  
12. 13. Α δρασίς ιβ —  
Bel 1. Α δρασίς ιβ —

I Ma. 13. 27. ὕψωσεν αὐτὸν τῇ δ.

III Ma. 5. 33. καὶ τῇ δ. . . συνεστάλη

[Aq. Jb. 37. 18: Ps. 88 (89). 20: Is. 52. 14: Ez. 1. 27, 28: 8. 2: 10. 1, 10: 23. 15.]

[Sm. II Ch. 26. 5: Ps. 88 (89). 20: Ec. 12. 3: Is. 11. 3: 22. 1: 28. 7: Ez. 1. 16: 8. 2: 11. 24: 13. 16: Da. 10. 16 (Sw.).]

[Th. Jd. 13. 6 bis: Jb. 37. 18: Is. 52. 1: Ez. 1. 13, 16, 27, 28: 7. 13: 10. 10, 22: 13. 16: Da. 2. 28: 3. 25 (92): 4. 7+: 7. 2+: 8. 2+: 16, 26: 9. 24: 10. 14: Am. 5. 26.]

[Heb. Ez. 1. 4.]

δρατής. (1) דָּרָאִי (2) δ. εἶναι לִי־נִי־יִי

(3) δ. εἶναι נִי־יִי

II Ki. 23. 21. Α ἐπάταξε . . . ἀνδρα δ. [B -όν] (1)

Jb. 34. 21. αὐτὸς γὰρ δρατής ἐστιν ἔργων ἀνθρώπων (2)

35. 13. δρατής ἐστι τῶν συνετελούντων τὰ ἄνομα (3?)

δρατικός. (1) דָּרָאִי

Pr. 22. 29. δρατικὸν ἄνδρα καὶ δέξιν ἐν τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (1)

δρατός. (1) אֲדָרָאִי δ. הָדָרָאִי

II Ki. 23. 21. ἐπάταξε . . . ἀνδρα δ. [A -ήν] (1 a)

I Ch. 11. 23. ἐπάταξε . . . ἀνδρα δ. πεντάπηχυν +

Jb. 34. 26. δρατοὶ δὲ ἐναντίον αὐτοῦ [A al.] (1 b?)

37. 21. πᾶσι δὲ οὐχ δρατὸν τὸ φῶς (1 b)

δραχ.

[Heb. Ps. 43 (44). 19.]

δργανικός.

II Ma. 12. 15. τὸν ἀτερ . . . μηχανῶν δ. κατακρημνίσαντα

δργανον. (1) אֲדָרָאִי δ. הָדָרָאִי (2) דָּרָאִי

(3) דָּרָאִי (4) דָּרָאִי (5) אֲדָרָאִי δ. הָדָרָאִי

II Ki. 6. 5. παίζοντες . . . ἐν δ. ἡρμωμένοις +

— 14. ἀνεκρούετο ἐν δ. ἡρμωμένοις +

I Ch. 6. 32 (17). ἦσαν λειτουργοῦντες . . . ἐν ὀργάνοις (5 a)

15. 16. στήσατε . . . τοὺς ψαλτῶδους ἐν ὀργάνοις [A δ. φῶν] (5 b [1 a])

16. 5. ἐν ὀργάνοις νάβλαις κυνύραις (1 a)

— 42. καὶ ὄργανα τῶν φῶν τοῦ θεοῦ (1 a)

23. 5. αἰνοῦντες τῷ κυρίῳ ἐν τοῖς δ. (1 a)

II Ch. 5. 13. καὶ ἐν ὀργάνοις τῶν φῶν (1 a)

7. 6. ἐν ὀργάνοις φῶν κυρίου (1 a)

23. 13. καὶ οἱ ᾄδοντες ἐν τοῖς δ. (1 a)

29. 26. ἔστησαν οἱ Α. ἐν ὀργάνοις Δ. (1 a)

— 27. καὶ σάλπιγγες πρὸς τὰ δ. Δ. (1 a)

30. 21. καὶ οἱ Α. ἐν ὀργάνοις τῶν φῶν (1 b)

34. 12. συνίων ἐν ὀργάνοις φῶν (1 a)

Ps. 136 (137). 2. ἐκρεμάσαμεν τὰ δ. ἡμῶν (2)

150. 4. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν . . . ὀργάνῳ [A -οις] (4)

151. 2. αἱ χεῖρες μου ἐπαύσαν ὄργανον

Am. 5. 23. καὶ ψαλμὸν ὀργάνων σου οὐκ ἀκούσονται (3)

6. 5. οἱ ἐπικροτοῦντες πρὸς τὴν φωνὴν τῶν δ. (3)

II Ma. 12. 27. ὀργάνων . . . πολλαὶ παραθέσεις ὑπάρχον

13. 5. Α ὄργανον δὲ εἶχε περιφερέες [B al.]

IV Ma. 6. 25. διὰ κακοτέχνων δ. καταφλέγοντες αὐτὸν

9. 20. περὶ τοὺς ᾄδοντας τοῦ δ.

— 26. Α R τοῖς δ. [B ὀργάνῳ] . . . προσέδωκεν αὐτὸν

10. 5. ἀρθερμολόγους δ. τὰς χεῖρας αὐ. . . ἐξήρθον

— 7. B<sup>1</sup> περιλάτταντες τὰ δ. [A B<sup>2</sup> R al.]

— 18. κἂν ἀφῆλθς τὸ τῆς φωνῆς δ.

[Aq. Jb. 21. 12: Ps. 150. 4.]

[Sm. Jb. 38. 37: JE. 18. 3.]

[Th. Jb. 38. 37: JE. 18. 3: Ez. 26. 13.]

[AL. LE. 14. 5.]

ὀργή. (1) הָרָא (2) עָרָא (3) הָרָא (4) אֲרָא

δ. הָרָא (5) אֲרָא δ. הָרָא c. הָרָא

(6) עָרָא (7) עָרָא (8) אֲרָא (9) אֲרָא

(10) עָרָא (11) עָרָא (12) עָרָא

(13) א. הָרָא (14) הָרָא c. הָרָא (15) הָרָא

(16) ἔστιν ἡ δ. הָרָא (17) ἡ δ. τοῦ

θυμοῦ הָרָא (18) ὀργὴν ἐπάγειν עָרָא (19) ὀργή

θυμοῦ אֲרָא δ. הָרָא

Ge. 27. 44. τοῦ ἀποστρέψαι . . . τὴν δ. τοῦ ἀδελφοῦ (4 a)

39. 19. καὶ ἐθυμώθη ὀργή (1)

Ex. 4. 14. θυμώδεις ὀργή κύριος ἐπὶ Μωυσῆν (1)

15. 7. ἀπέστειλες τὴν δ. σου (5 a)

32. 10. θυμώδεις ὀργή εἰς αὐτοὺς ἐκτρίψω (1)

— 11. ἵνα τί . . . θυμὸς ὀργῆς εἰς τὸν λαόν (1)

— 12. παύσαι τῆς δ. τοῦ θυμοῦ σου (5 a)

Nu. 11. 1. ἐθυμώθη ὀργή (1)

— 10. ἐθυμώθη ὀργή κύριος σφόδρα (1)

— 11. Α ἐπιθεῖναι τὴν δ. [B ὀρμήν] τοῦ λαοῦ τ. ἐπ' ἐμέ +

12. 9. ὀργὴ θυμοῦ κυρίου ἐπ' αὐτοὺς (5 b)

14. 34. γνώσεσθε τὸν θυμὸν τῆς δ. μου +

16. 22. ἐπὶ πᾶσαν τὴν συναγ. ὀργή [A ἡ δ.] κυρίου (13 a)

— 46 (17. 11). ἐξήλθε γὰρ ὀργή [A<sup>1</sup> om.] ἀπὸ προσώπου κυρίου (13 b)

25. 4. B<sup>1</sup> ἀποστραφίσεται ὀργή [A B<sup>2</sup> R add. θυμοῦ] κυρίου (5 a + 1 [5 a])

Nu. 32. 14. προσθεῖναι ἔτι ἐπὶ τὸν θυμὸν τῆς δ. (1)

De. 9. 19. ἐκφοβός εἰμι διὰ τὴν δ. (1)

11. 17. καὶ θυμώδεις ὀργῇ [A -γισθῇ] κύριος (1)

13. 17 (18). ἀπὸ θυμοῦ τῆς δ. αὐτοῦ (1)

29. 20 (19). ἐκαυθήσεται ὀργὴ κυρίου (1)

— 23 (22). ἃς κατέστρεψε κ. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ (4 a)

— 24 (23). τίς δ. θυμὸς τῆς δ. ὁ μέγας οὗτος (1)

— 28 (27). ἐξήρην αὐτούς . . . ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ (4 a)

32. 19. παρωξύνθη δι' ὀργὴν νῶον αὐτοῦ (6)

— 27. εἰ μὴ δι' ὀργὴν ἐχθρῶν (6)

33. 10. ἐπιθήσονται θυμίαμα ἐν ὀργῇ [A<sup>3</sup> εἰορτῇ] σου (1)

Jo. 7. 1. ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ (1)

— 26. ἐπαύσατο κ. τοῦ θυμοῦ τῆς δ. (1)

9. 20. οὐκ ἔσται καθ' ἡμῶν ὀργή (13 b)

22. 18. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. ἔσται ἡ [A om.] δ. (15)

— 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγ. Ἰσρ. ἐγένηθη δ. (13 b)

Jd. 9. 30. Α ἐθυμώθη ὀργῇ [B ὀργισθῇ θυμῷ] (1)

14. 19. Α ἐθυμώθη ὀργῇ [B ὀργισθῇ θυμῷ] Σ. (1)

I Ki. 11. 6. ἐθυμώθη ἐπ' αὐτούς ὀργῇ αὐ. σφόδρα (1)

19. 22. ἐθυμώθη ὀργῇ Σαουλ (1)

20. 30. ἐθυμώθη ὀργῇ Σ. ἐπὶ Ἰων. σφόδρα (1)

— 34. ἀνεπήδησεν Ἰων. . . ἐν ὀργῇ θυμοῦ [A -φ] (5 c)

28. 18. οὐκ ἐποίησας θυμὸν ὀργῆς αὐ. (1)

II Ki. 6. 7. B ἐθυμώθη ὀργῇ [A B om.] κύριος τῷ 'Ο. (1)

12. 5. ἐθυμώθη ὀργῇ Δ. σφόδρα τῷ ἀνδρὶ (1)

22. 9. ἀνέβη καπνὸς ἐν τῇ δ. αὐτοῦ (1)

24. 1. B<sup>1</sup> προσέθετο ὀργὴν κύριος [A B<sup>2</sup> ὀργή κυρίου] ἐκακῆραι (1)

IV Ki. 1. 18 (3. 3). ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος (1)

22. 13. μεγάλη ἡ δ. κυρίου ἡ ἐκκεχυμένη (4 a)

23. 26. B ἀπὸ θυμοῦ τῆς δ. αὐ. τοῦ μεγάλου [A B τῆς μ.] οὐ ἐθυμώθη [A add. ἐν τῇ] ὀργῇ αὐ. (1, 1)

I Ch. 13. 10. ἐθυμώθη [B add. ὀργῇ] κύριος [A add. ὀργῇ] (1)

27. 24. ἐγένετο ἐν τούτοις ὀργή (13 b)

II Ch. 12. 12. ἀπεστράφη ἀπ' αὐτοῦ [A add. ἡ] ὀργὴ κυρίου (1)

19. 2. ἐγένετο ἐπὶ σὲ ὀργὴ παρὰ κυρίου (13 b)

— 10. οὐκ ἔσται ἐφ' ὑμᾶς ὀργή (13 b)

24. 18. ἐγένετο ὀργὴ ἐπὶ Ἰουδαν (13 b)

25. 10. ἐπέστρεψαν . . . ἐν ὀργῇ θυμοῦ [A al.] (5 c)

— 15. ἐγένετο ὀργὴ κυρίου ἐπὶ Ἀμ. (1)

28. 9. ὀργὴ κυρίου . . . ἐπὶ τὸν 'Ι. (4 a)

— 9. ἀπεκτείνετε ἐν αὐτοῖς ἐν ὀργῇ (3)

— 11. B ὀργή [A R add. θυμοῦ] κυρίου ἐφ' ὑμῶν (5 a + 1 [5 a])

— 13. B οἱ πολλοὶ . . . ὀργῇ [A R add. θυμοῦ] κ. θεοῦ (5 a + 1 [5 a])

29. 8. ὀργισθῇ ὀργῇ [A θυμῷ] κύριος (13 b)

— 10. ἀποστρέψει τὴν δ. τοῦ θυμοῦ αὐ. [A al.] (5 a)

30. 8. ἀποστρέψει ἀφ' ὑμῶν θυμὸν ὀργῆς (1)

32. 25. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν ὀργή (13 b)

— 26. οὐκ ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτούς ὀργὴ κυρίου (13 b)

35. 19. οὐκ ἀπεστράφη κ. ἀπὸ ὀργῆς θυμοῦ αὐ. (1)

I Es. 8. 21. ἐνεκα τοῦ μὴ γενέσθαι ὀργὴν (1)

9. 13. ἔως τοῦ λύσαι τὴν δ. κυρίου ἀφ' ἡμῶν (13 c)

II Es. 7. 23. μὴ ποτε γένηται ὀργή (1)

10. 14. τοῦ ἀποστρέψαι ὀργὴν θυμοῦ [A om.] θεοῦ ἡ. (5 a [5 a + 1])

Ne. 13. 18. προστίθετε ὀργὴν ἐπὶ Ἰσρ. (5 a)

Ju. 9. 9. ἀπόστειλον τὴν δ. σου (1)

Es. 7. 7. S<sup>2</sup> ὁ δὲ βασιλ. ἐξανεόθη ἐν ὀργῇ αὐ. [A B S<sup>1</sup> al.] (4 a)

8. 13. καταναλωθήσεται μετ' ὀργῆς (1)

Jb. 3. 17. ἐξέκασαν [A ἔπαυσαν] θυμὸν ὀργῆς (16 a)

— 26. ἦλθε δέ μοι ὀργή (14)

4. 9. ἀπὸ δὲ πνεύματος ὀργῆς αὐτοῦ ἀφανισθή-  
σονται (1)

5. 2. ἀφρονα ἀναίρει ὀργή (7)

6. 2. εἰ [A τί] γὰρ τίς ἰστών στήσαι μου τὴν δ. (7)

— 7. οὐ δύναται γὰρ παύσασθαι μου ἡ δ. [A S<sup>2</sup> ψυχῇ] +

9. 5. ὁ καταστρέφει αὐτὰ ὀργῇ [A ἐν δ.] (1)

— 13. αὐτὸς γὰρ ἀπείσπραται ὀργὴν [A -ῃ] (1)

— 22. μέγαν καὶ δυνάστην ἀπολλεῖ ὀργῇ (1)

10. 17. ὀργῇ δὲ μεγάλῃ μοι ἐχρήσω (7)

14. 1. βροτὸς γὰρ γεννητὸς γυναῖκος . . . πλη-  
ρης ὀργῆς (14)

Jb. 17. 7. **Α Β Β** πεπώρωνται γὰρ ἀπὸ ὁργῆς οἱ ὀφθαλμοί μου (7)  
 18. 4. κέχηται αὖτις ὁργή [Α κέχηται δὲ ὁργή] (1)  
 19. 11. θένους δὲ μοι ὁργὴ ἐχρήσατο (1)  
 20. 23. ἐπισπορεύεται ἐπ' αὐτὸν θυμὸν ὁργῆς — 28. ἡμέρα ὁργῆς ἐπέλθοι αὐτῷ (1)  
 21. 17. ὠδίνες δὲ αὐτοὺς ἐξουσιν ἀπὸ ὁργῆς — 30. εἰς ἡμέραν ὁργῆς αὐτὸν ἀπαχθήσονται (12)  
 27. 13. **Α Β** ὁργή [Β Β] κτήμα] δὲ δυναστῶν ἐλευσεται +  
 31. 11. θυμὸς γὰρ ὁργῆς ἀκατάσχετος — 32. 5. ἐθυμώθη ὁργὴ αὐτοῦ (1)  
 35. 15. οὐκ ἔστιν ἐπισκεπτόμενος ὁργὴν αὐτοῦ (1)  
 37. 2. ἄκουε ἀκοῇ ἐν [Β ὁμ.] ὁργὴ θυμοῦ κυρίου (14)  
 39. 24. ὁργὴ ἀφανίζει τὴν γῆν (14)  
 40. 6 (11). ἀποστελεῖν δὲ ἀγγέλους ὁργὴ [Α ἐν ὁ. σου] (1)  
 Ps. 2. 5. λαλήσει πρὸς αὐτοὺς ἐν ὁργῇ αὐτοῦ (1)  
 6. 1. μὴ δὲ τῇ ὁ. σου παιδεύσῃ με' (4 a)  
 7. 6. ἀνάστηθι, κύριε, ἐν ὁργῇ σου — 11. μὴ ὁργὴν ἐπάγων καθ' ἐκάστην ἡμέραν (18)  
 9. 25 (10. 4). κατὰ τὸ πλῆθος τῆς ὁ. αὐτοῦ (1)  
 17 (18). 8. ἀνέβη καπνὸς ἐν ὁργῇ αὐτοῦ (1)  
 — 15. ἀπὸ ἐμπνεύσεως πνεύματος ὁργῆς σου (1)  
 20 (21). 9. **Α Β** κύριε, ἐν ὁργῇ αὐτοῦ συνταράξεις αὐτοὺς [Β Β α.] (1)  
 26 (27). 9. μὴ ἐκκλίνεις ἐν ὁργῇ ἀπὸ τοῦ δούλου σου (1)  
 39 (30). 5. ὁργὴ ἐν τῷ θυμῷ αὐτοῦ +  
 34 (35). 20. **Α Β** ἐπ' ὁργὴν [Β -η] δόλους διελόγιστο +  
 36 (37). 8. παύσαι ἀπὸ ὁργῆς (1)  
 37 (38). 1. μὴ δὲ τῇ ὁ. σου παιδεύσῃ με (4 a)  
 — 3. οὐκ ἔστιν ἱστίς . . . ἀπὸ προσώπου τῆς ὁ. σου (8)  
 54 (55). 3. ἐν ὁργῇ ἐνεκόντων μοι — 21. διεμερίσθησαν ἀπὸ ὁργῆς τοῦ προσώπου αὐτοῦ +  
 55 (56). 7. ἐν ὁργῇ λαοὺς κατάξει (1)  
 57 (58). 9. **Β** ὥσπερ ζῶντας ὥσπερ ἐν ὁργῇ καταπίεται ὑμᾶς [Β αὐτοὺς] (5 a)  
 58 (59). 13. ἐν ὁργῇ συντελείας (4 a)  
 68 (69). 24. ἔκχεον ἐπ' αὐτοὺς τὴν ὁ. σου καὶ ὁ θυμὸς τῆς ὁ. [Β ὁμ. τῆς ὁ.] σου καταλάβει [Β λάβει] αὐτοὺς (2, 1)  
 73 (74). 4. **Β** ἐν μέσῳ τῆς ὁ. [Β Β ἐορτῆς] σου +  
 75 (76). 7. **Β** τίς ἀντιστήσεται σοὶ ἀπὸ τῆς ὁ. [Β ἀπὸ τῆς ὁ.] σου (1)  
 76 (77). 9. ἡ συνίξει ἐν τῇ ὁ. αὐτοῦ τοὺς οἰκτιρμοὺς αὐτοῦ (1)  
 77 (78). 21. ὁργὴ ἀνέβη ἐπὶ τὸν Ἰσραὴλ (1)  
 — 31. ὁργὴ τοῦ θεοῦ ἀνέβη ἐπ' αὐτοὺς (1)  
 — 38. οὐχὶ ἐκκαύσει πᾶσαν τὴν ὁ. αὐτοῦ (4 a)  
 — 49. ἐξαπιστεύειν εἰς αὐτοὺς ὁργὴν θυμοῦ αὐτοῦ θυμὸν καὶ ὁργὴν (5 a, 2)  
 — 50. ὠδοποίησε τριβὴν τῇ ὁ. αὐτοῦ (1)  
 78 (79). 6. **Β Β** ἔκχεον τὴν ὁ. σου ἐπὶ ἔθνη (4 a)  
 82 (83). 15. ἐν τῇ ὁ. σου ταράξεις αὐτοὺς (9)  
 84 (85). 3. κατέπαυσας πᾶσαν τὴν ὁ. σου ἀπὸ στρεψφας ἀπὸ ὁργῆς θυμοῦ σου (12, 5 a)  
 — 5. ἡ διατενίσκει τὴν ὁ. σου (1)  
 87 (88). 16. ἐπ' ἐμὴ διήλθοι αἱ ὁ. σου (5 a)  
 88 (89). 46. ἐκκαυθήσεται ὡς πῦρ ἡ ὁ. σου (4 a)  
 89 (90). 7. ἐξελίπομαι ἐν τῇ ὁ. σου (1)  
 — 9. ἐν τῇ ὁ. σου ἐξελίπομαι (12)  
 — 11. τίς γινώσκει τὸ κράτος τῆς ὁ. σου (1)  
 94 (95). 11. ὡς ἄμωσα ἐν τῇ ὁ. μου (1)  
 101 (102). 10. ἀπὸ προσώπου τῆς ὁ. σου (2)  
 105 (106). 23. τοῦ [Β] τοῦ μὴ] ἀποστρέψαι ἀπὸ θυμοῦ ὁργῆς [Β] ἀποστρ. τὴν ὁ., **Α Β** ἀποστρ. τὸν θυμὸν] αὐτοῦ (18 b [4 a])  
 109 (110). 5. συνέθλασεν ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς αὐτοῦ βασιλεῖς (1)  
 137 (138). 7. ἐπ' ὁργὴν ἐχθρῶν μου ἐξέτεινας χιρὰς σου (1)  
 Pr. 12. 16. ἄφρων αὐθιμερὸν ἐξαγγέλλει ὁργὴν αὐτοῦ (8)  
 15. 1. ὁργὴ ἀπόλλυσι καὶ φρονίμους — 1. λόγος δὲ λυπηρὸς ἐφίρει ὁργάς (1)  
 16. 32. ὁ δὲ κρατῶν ὁργὴν κρίσειας καταλαμ- βανομένου πόλιν +  
 17. 25. ὁργὴ πατρὶ υἱὸς ἄφρων (1)  
 21. 14. δόσις λάθριος ἀνατρέψει ὁργάς (1)  
 27. 3. ὁργὴ δὲ ἄφρονος βασιλεῖρα ἀμφοτέρων — 4. ἀνελετήμων θυμὸς καὶ ὀξεία ὁργή (1)

Pr. 29. 8. σοφοὶ δὲ ἀπέστρεψαν [Β -ἐκρύψαν] ὁργὴν (1)  
 Wi. 5. 20. ὀξύνει δὲ ἀπότομον ὁργὴν εἰς βομφαίαν (1)  
 10. 3. ἀποστὰς δὲ ἀπ' αὐτῆς ἄδικος ἐν ὁργῇ αὐτοῦ — 10. φηγάδα ὁργῆς ἀδελφοῦ δικαίου ὠδύγησεν (1)  
 11. 9. ἐν ὁργῇ [Β μετ' ὁργῆς] κρινόμενοι ἀσεβεῖς ἰεραυνοῦντο (1)  
 16. 5. οὐ μέχρη τέλους ἔμεινεν ἡ ὁ. σου (1)  
 18. 20. οὐκ ἐπὶ πολὺ ἔμεινεν ἡ ὁ. [Β ὁ. σου] — 23. μεταξὺ στὰς ἀνέκοινη τὴν ὁ. — 25. ἦν γὰρ μόνῃ ἡ πείρα τῆς ὁ. [Β ὁ. σου] ἱκανή (1)  
 Si. 1. 21. **Β** ἡ γὰρ ὁ. [Α Β Β] ῥοπή] τοῦ θυμοῦ πτώσις αὐτῷ (1)  
 5. 6. ἔλαος γὰρ καὶ ὁργὴ παρ' αὐτοῦ [Α Β -ω] — 7. ἐξάστια γὰρ ἐξελεύσεται ὁργὴ [Β ἡ ὁ.] κυρίου [Β] αὐτοῦ (1)  
 7. 16. μῆσθητι ὅτι ὁργὴ οὐ χρονεῖ (1)  
 10. 18. οὐδὲ ὁργὴ θυμοῦ γεννημασι γυναικῶν (1)  
 16. 6. ἐν ἔθνεσιν ἀπειθεὶ ἐξεκαύθη ὁργή — 11. ἔλαος γὰρ καὶ ὁργὴ παρ' αὐτοῦ [Α Β] παρ' αὐτῷ, **Β** παρὰ κυρίου] δυνάστης [Α -ων] ἐξέλασμων καὶ ἐκχών ὁργὴν (1)  
 23. 16. τὸ τρίτον ἐπάξει ὁργὴν (1)  
 25. 22. ὁργὴ καὶ ἀναιδία καὶ ἀσχύνη (1)  
 26. 8. ὁργὴ μεγάλη γυνὴ μέθυτος (1)  
 27. 30. μήτις καὶ ὁργὴ καὶ [Β ὁμ.] ταῦτά ἐστι βδελύγματα (1)  
 28. 3. ἀνθρωπος ἀνθρώπων συντηρεῖ ὁργὴν — 10. κατὰ τὸν πλοῦτον ἀνυψώσει ὁργὴν αὐτοῦ (1)  
 33 (34). 7. ἔγειρον θυμὸν καὶ ἔκχεον ὁργὴν — 9. ἐν ὁργῇ πυρὸς καταβροχθήτω (1)  
 39. 23. οὕτως ὁργὴν [Β] αὐτοῦ ἔθνη κληρονομήσει (1)  
 44. 17. ἐν καιρῷ ὁργῆς ἐγένετο ἀντάλλαγμα (1)  
 45. 18. ἡ συναγωγὴ Κορὲ ἐν θυμῷ καὶ ὁργῇ — 19. συντελεσθήσαν ἐν θυμῷ ὁργῆς (1)  
 47. 20. ἐπαγαγὲν ὁργὴν ἐπὶ τὰ τέκνα σου (1)  
 48. 10. κοπάσαι ὁργὴν πρὸ θυμοῦ (1)  
 Ho. 11. 9. οὐ μὴ ποιῶσιν κατὰ τὴν ὁ. τοῦ θυμοῦ μου (5 a)  
 13. 11. ἔδωκα σοι βασιλείαν ἐν ὁργῇ μου (1)  
 14. 5. ἀπέστρεψε τὴν ὁ. μου ἀπ' αὐ. (1)  
 Am. 4. 10. ἀνήγαγον ἐν πυρὶ τὰς παρεμβολὰς ὑμῶν ἐν τῇ ὁ. (1)  
 Mi. 6. 15 (14). ποιῶσιν ἐν ὁργῇ καὶ ἐν θυμῷ [Α θ. κ. ἐν ὁ.] ἐκδικέσιν (1 [4 a])  
 7. 9. ὁργὴν κυρίου ὑποίστασθε ἡμάρτων αὐτῶν — 18. οὐ συνίσχεν εἰς μαρτύριον ὁργὴν αὐτοῦ (1)  
 Jn. 8. 9. καὶ ἀποστρέψεν ἐξ ὁργῆς θυμοῦ αὐτοῦ (5 a)  
 Na. 1. 6. ἀπὸ προσώπου ὁργῆς αὐτοῦ τίς ὑποστή- σεται (2)  
 — 6. τίς ἀντιστήσεται ἐν ὁργῇ θυμοῦ αὐτοῦ (5 a)  
 Hb. 8. 2. ἐν ὁργῇ ἡλέως μνησθήσῃ (14)  
 Ze. 1. 15. δυνατὴ ἡμέρα ὁργῆς ἡ ἡμέρα ἐκείνη — 18. ἐξελεσθαι αὐτοὺς ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς κυρίου (12)  
 2. 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν ἐφ' ὑμᾶς ὁργὴν κυρίου [Β ὁμ. πρὸ . . . κ.] (5 a + 1)  
 — 3. ὅπως σκεπασθήτε ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς κυρίου (1)  
 3. 8. τοῦ ἐκχεῖν ἐπ' αὐτοὺς πᾶσαν ὁργὴν θυμοῦ μου [Β] τὴν ὁ. μου πᾶσαν ὁ. θυμοῦ μου] (5 a [2, 5 a])  
 Za. 1. 2. ὠργίσθη κ. ἐπὶ τοὺς πατέρας ὑμῶν ὁργὴν μεγ. (13 b)  
 — 15. καὶ ὁργὴν μεγάλην ἐγὼ ὀργίζομαι (13 b)  
 7. 12. ἐγένετο ὁργὴ [Α ὁρμη] μεγάλη παρὰ κυρίου (13 b)  
 Is. 5. 25. ἐθυμώθη ὁργὴ [Β ὠργίσθη θυμῷ] κυρίου σαβαώθ (1)  
 7. 4. ὅταν γὰρ ὁ. τοῦ θυμοῦ μου γένηται (5 c)  
 9. 19 (18). διὰ θυμὸν ὁργῆς κυρίου (16 c)  
 10. 4. οὐκ ἀπεστράφη ἡ ὁ. [Α Β ὁ θυμὸς] (1)  
 — 5. ἡ βάβδος τοῦ θυμοῦ μου καὶ ἡ ὁ. [Α Β -ης] ἐστὶν ἐν ταῖς χερσὶν αὐτῶν +  
 — 6 (5). τὴν ὁ. μου εἰς ἔθνος ἄνομον ἀποστελῶ (2)  
 — 25. ἔτι γὰρ μικρὸν καὶ παύσεται ἡ [Β ὁμ.] ὁ. (2)  
 13. 9. ἡμέρα κυρίου ἔρχεται ἀνίστατο θυμοῦ καὶ ὁργῆς (5 a + 1)  
 — 13. διὰ θυμὸν ὁργῆς κυρίου σαβαώθ (16 c)  
 28. 20. ἔως ἀν παρέλθῃ ἡ ὁ. κυρίου (2)  
 — 21. ἐπάγει τὴν ὁ. ἐπὶ τοὺς ἐνοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς +  
 30. 27. τὸ λόγιον ὁργῆς πληρὲς καὶ ἡ ὁ. τοῦ θυμοῦ ὡς πῦρ ἵδεται (—, 2)  
 — 30. μετὰ θυμὸν καὶ ὁργῆς (1)  
 34. 2. ὁργὴ ἐπὶ τὸν ἀριμὸν αὐτῶν (4 a)  
 37. 3. ἡμέρα θλίψεως . . . καὶ ὁργῆς ἡ σήμερον ἡμέρα (8)

Is. 42. 25. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς ὁργὴν θυμοῦ αὐτοῦ (4 a)  
 58. 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὁργῇ ἐκ τοῦ στόματός σου —  
 59. 19. ἤξει γὰρ ὡς ποταμὸς βίαιος ἡ ὁ. παρὰ κυρίου +  
 60. 10. διὰ γὰρ ὁργὴν μου ἐπάταξέ σε (13 b)  
 63. 6. κατεπάτησα αὐτοὺς τῇ ὁ. μου (1 + 4 a)  
 Je. 4. 26. ἀπὸ προσώπου ὁργῆς θυμοῦ αὐ. (5 a)  
 7. 20. ὁ. καὶ θυμὸς μου χεῖται [Α ἐκχ.] (1)  
 10. 25. **Α** ἔκχεον τὴν ὁ. [Β Β τὸν θυμὸν] σου (4 a)  
 21. 5. μετὰ θυμοῦ καὶ ὁργῆς μεγάλης [Α καὶ παροργισμοῦ μεγάλου] (13 b [4 a])  
 — 12. ὅπως μὴ ἀναβῇ ὡς πῦρ ἡ ὁ. μου (4 a)  
 28. 19. ὁργὴ ἐκπορεύεται εἰς συσσεισμόν (4 a)  
 25. 16 (49. 37). κατὰ τὴν ὁ. τοῦ θυμοῦ μου (5 a)  
 27 (50). 13. ἔρημος ἀπὸ ὁργῆς κυρίου οὐ κατοικηθήσεται (18 b)  
 — 25. ἐξήνεγκε τὰ σκεῦη ὁργῆς αὐτοῦ (2)  
 28 (51). 11. εἰς Βαβυλῶνα ἡ ὁ. αὐτοῦ +  
 32. 23 (25. 37). ἀπὸ προσώπου ὁργῆς θυμοῦ μου (5 a)  
 37 (30). 23. ὁργὴ κυρίου ἐξῆλθε θυμῶν ἐξῆλ-θεν [Β ἐπὶ κ.] ὁ. στρεφόμενῃ (11, 10)  
 — 24. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ὁ. θυμοῦ [Β] ὁμ.] κυρίου (5 a [5 a + 1])  
 39 (32). 31. ἐπὶ τὴν ὁ. μου . . . ἦν ἡ πόλις αὐτῇ (1)  
 — 37. οὐ διεσπείρα αὐτοὺς ἐκεῖ ἐν ὁργῇ μου (1)  
 40 (33). 5. οὐδὲ ἐπάταξέ ἐν ὁργῇ [Α -ξεν ὁργῇ] μου (1)  
 43 (36). 7. μέγας ὁ θυμὸς καὶ ἡ ὁ. κυρίου (4 a)  
 51 (44). 6. ἔσταξεν ἡ ὁ. μου καὶ ὁ θυμὸς [Α ὁ θ. μ. κ. ἡ ὁ.] μου (4 a [1])  
 Ba. 1. 13. οὐκ ἀπέστρεψεν . . . ἡ ὁ. αὐτοῦ (1)  
 2. 20. ἐνέγκας τὸν θυμὸν σου καὶ τὴν ὁ. σου (1)  
 4. 9. εἶδε γὰρ τὴν ἐπελθοῦσαν ὑμῶν ὁργὴν — 25. μακροθυμήσατε τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ἐπελ-θοῦσαν ὑμῶν ὁ. (1)  
 La. 1. 12. ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς θυμοῦ [Β θ. ὁ.] αὐ-τοῦ (5 a [1])  
 2. 1. ἐγνώφωσεν ἐν [Β ὁμ.] ὁργῇ αὐτοῦ κύριος τὴν θυγατέρα Σιών (1)  
 — 2 (1). ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς [Α add. θυμοῦ] αὐ. (1 [10 a])  
 — 3. συνέκλασεν ἐν ὁργῇ θυμοῦ αὐτοῦ πᾶν κέρας Ἰσραὴλ (5 c)  
 — 6. παρώξυνεν ἐμβριμμάτι ὁργῆς αὐτοῦ βασιλείαν (1)  
 — 21. ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς σου ἐμαγειρεύσας (1)  
 — 22. οὐκ ἐγένοντο ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς κυρίου ἀνα-σώζομενος (1)  
 3. 66. αὐτοὺς καταδιώξεις [Α κατάξ.] ἐν ὁργῇ (1)  
 4. 11. ἐξέχεε θυμὸν ὁργῆς [Α ὁργὴν θυμῷ] αὐτοῦ (1 [5 a])  
 Ez. 5. 13. συντελεσθήσεται . . . ἡ ὁ. μου ἐπ' αὐτοὺς . . . ἐν τῷ συντελεσμένῳ με τὴν ὁ. μου ἐπ' αὐτοὺς (4 a, 4 a)  
 — 15. **Α** ἐν τῷ ποιῆσαι με ἐν σοὶ κρίματα ἐν ὁργῇ [Β ὁμ. ἐ. ὁ.] (1)  
 6. 12. συντελέσω τὴν ὁ. μου ἐπ' αὐτοὺς (4 a)  
 7. 8. ἐκχεῶ τὴν ὁ. μου ἐπὶ σέ (4 a)  
 — 12. **Α** ὁργὴ εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (5 a)  
 — 14. **Α** ἡ ὁ. μου εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (5 a)  
 — 19. **Α** ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς κυρίου (12)  
 13. 13. ὑετός κατακλύζων ἐν ὁργῇ μου ἔσται (1)  
 20. 8. τοῦ συντελέσαι ὁργὴν [Α τὴν ὁ.] μου ἐν αὐτοῖς (1)  
 — 21. **Β** τοῦ συντελέσαι τὴν ὁ. μου (1)  
 21. 31 (36). ἐκχεῶ ἐπὶ σέ [Α σοὶ] ὁργὴν μου ἐν πυρὶ ὁργῆς μου ἐμβρυσήσω ἐπὶ σέ (2, 12)  
 22. 20. εἰσδιδοίμαι [Α add. ὑμᾶς] ἐν ὁργῇ μου (1 + 4 a)  
 — 21. ἐκφύσῃσθε ἐφ' ὑμᾶς [Α εἰς ὑ. ἐκφύ-σμα] ἐν πυρὶ ὁργῆς μου (12)  
 — 24. οὐδὲ ὑετός ἐγένετο ἐπὶ σέ ἐν ἡμέρᾳ ὁργῆς [Α al.] (2)  
 — 30. **Α Β** ἐν καιρῷ τῆς ὁ. [Β γῆς] +  
 — 31. ἐξέχεα ἐπ' αὐτὴν θυμὸν μου ἐν πυρὶ ὁργῆς μου (12)  
 23. 25. ποιήσουσι μετὰ σοῦ ἐν ὁργῇ θυμοῦ (19 b)  
 25. 14. ποιήσουσιν ἐν τῇ 18. κατὰ τὴν ὁ. [Α add. τοῦ θυμοῦ] μου (1 [17])  
 38. 19. ἐν πυρὶ τῆς ὁ. μου (12)  
 Da. LXX. 3. 13. Ναβ. θυμωθείς ὁργῇ (4 b)  
 8. 6. ἔδραμε πρὸς αὐτὸν ἐν θυμῷ ὁργῆς +  
 — 19. ὁ ἔσται ἐπ' ἐσχάτῳ τῆς ὁ. (2)  
 9. 16. ἀποστραφῇ . . . ἡ ὁ. σου (4 a)  
 — 26. ἤξει ἡ συντελεία αὐ. μετ' ὁργῆς +



Da. LXX. 11. 18. ἐπιστρέψει ὀργὴν ὀνειδισμοῦ αὐτῶν

— 20. καὶ οὐκ ἐν ὀργῇ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (1)

— 36. ἔως ἐν συντελειᾷ ἡ δ. (2)

Da. TH. 2. 12. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ [B<sup>3</sup> add. πολλῇ] (13 c)

3. 13. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ (4 b)

8. 19. B ἐπ' ἐσχάτων [B-φ, A-ου] τῆς ὀργῆς (2)

9. 16. ἀποστραφίτω . . . ἡ δ. σου (4 a)

11. 36. μέχρ' οὐ συντελεσθῇ ἡ δ. (2 b)

I Ma. 1. 64. ἐγένετο δ. μεγάλη ἐπὶ 'Ι. σφόδρα

2. 44. ἐπάταξαν ἀμαρτωλοὺς ἐν ὀργῇ αὐ.

— 49. νῦν ἐστὶν ἡ δ. . . ὀργῇ θυμοῦ

3. 8. ἀπέστρεψεν ὀργὴν ἀπὸ 'Ισρ.

15. 36. A B ὀργισθὲν ὁ βασιλ. δ. μεγάλην [B ὀργῇ μ.]

II Ma. 4. 25. θηρὸς βαρβάρου ὀργίης ἔχων

— 40. καὶ ταῖς δ. διεμπεπλημέναν

5. 20. ἐν τῇ τοῦ παιτοκράτορος δ.

7. 38. στήναι τὴν τοῦ παιτοκράτορος δ.

8. 5. τῆς δ. τοῦ κ. εἰς ἔλεον τραπέσις

III Ma. 5. 1. βαρεῖα μεμεστομένοις ὀργῇ

— 47. ὁ δὲ δ. βαρεῖα γεμισίας δυσσεβῆ φρένα

6. 22. μετεστράφη τοῦ βασιλ. ἡ δ. εἰς ὀκτον

— 23. μετ' ὀργῆς τοῖς φίλοις διηπειλείτω

IV Ma. 9. 32. οὐκ ἐκφύεζεν δὲ . . . τὰς τῆς θεᾶς δ. δικας

[Aq. Ps. 55 (56). 8: 87 (88). 17: Is. 63. 3: Jē. 25. 28 (32. 24) bīs: 82 (89). 31: 42 (49). 18: Ez. 5. 13.]

[S<sup>m</sup>. Jb. 6. 2: 9. 13: 36. 13: 39. 24: Ps. 6. 2: 29 (30). 6: 54 (55). 4: 55 (56). 8: 77 (78). 31. 38. 50: 57 (88). 17: 89 (90). 7. 11: Pr. 21. 14. 24: 24. 18: 26. 10: Ec. 7. 10 (9): Is. 13. 5: 18. 6: 54. 8: 68. 3: 66. 15: Jē. 25. 38 (32. 24) bīs: 42 (49). 18: 47 (29). 3 (Sw.): La. 1. 12 (Sw.): Ez. 5. 13: Am. 1. 11.]

[Th. Jd. 9. 30: 10. 7: II Ki. 24. 1: Jb. 3. 17: 2: 32. 5: 37. 2: 42. 7: Ps. 77 (78). 21: Is. 13. 5: 68. 3: 66. 15: Jē. 10. 10: 25. 38 (32. 24) bīs: 42 (49). 18: Ez. 5. 13 (F.), 13, 15: 7. 12, 14, 19: 38. 18: Am. 1. 11.]

[Al. I Ki. 28. 18: Hb. 8. 3, 12.]

[Quint. Ps. 77 (78). 21: Hb. 2. 15.]

[Sext. Am. 1. 11.]

ὀργιᾶν. (1) 𐤌𐤓𐤕𐤔

Is. 5. 29. ὀργισῶν [A B ὀρώσων] ὡς λέοντες (1)

ὀργίζειν. (1) 𐤌𐤓𐤕𐤔 a. qal. δ. hithp. (2) 𐤌𐤓𐤕𐤔

(3) 𐤌𐤓𐤕𐤔 (4) 𐤌𐤓𐤕𐤔 (5) a. 𐤌𐤓𐤕𐤔 δ. 𐤌𐤓𐤕𐤔

(6) 𐤌𐤓𐤕𐤔 (7) 𐤌𐤓𐤕𐤔 hithp. (8) 𐤌𐤓𐤕𐤔

(9) 𐤌𐤓𐤕𐤔 (10) 𐤌𐤓𐤕𐤔 a. qal. δ. hi. c. hithp.

(11) 𐤌𐤓𐤕𐤔 (12) 𐤌𐤓𐤕𐤔 𐤌𐤓𐤕𐤔

Ge. 31. 36. ὀργισθὲν δὲ 'Ιακώβ (5 a)

40. 2. ὀργισθὲν Φαραὼ ἐπὶ τοῖς δυσὶν εὐν. (9)

41. 10. Φαραὼ ὀργισθὲν τοῖς παῖσιν αὐτοῦ (9)

45. 24. μὴ ὀργισθεῖς ἐν τῇ ὁδῷ (10 a)

Ex. 15. 14. καὶ ὀργισθήσαν [A ἐφραβήσαν] (10 a)

22. 24 (23). καὶ ὀργισθήσονται θυμῷ (5 a)

32. 19. ὀργισθεῖς θυμῷ Μωυσῆ (5 a)

— 22. μὴ ὀργίζου, κύριε (5 b)

Nu. 22. 22. ὀργισθὲν θυμῷ ὁ θεός (5 a)

25. 3. ὀργισθὲν θυμῷ κύριος τῷ 'Ισρ. (5 a)

31. 14. ὀργισθὲν M. ἐπὶ τοῖς ἐπισκόποις (9)

32. 10, 13. ὀργισθὲν θυμῷ κύριος (5 a)

De. 6. 15. μὴ ὀργισθεῖς θυμῷ κύριος (5 a)

7. 4. ὀργισθήσεται θυμῷ κ. εἰς ὑμᾶς (5 a)

11. 17. A καὶ θυμῷ ὀργισθῇ [B-γῇ] κύριος (2)

29. 27 (26). ὀργισθὲν θυμῷ κύριος (5 a)

31. 17. ὀργισθήσονται θυμῷ (5 a)

Jd. 2. 14. ὀργισθὲν θυμῷ κ. (5 a)

— 20: 3. 8. ὀργισθὲν θυμῷ κ. ἐν τῷ 'Ισρ. (5 a)

6. 39. μὴ δὴ ὀργισθῆτω ὁ θυμός σου (5 a)

9. 30. ὀργισθὲν θυμῷ [A ἐθυμώθη] ὀργῇ (5 a)

10. 7. ὀργισθὲν θυμῷ [A ἐθυμώθη] κ. ἐν 'Ισρ. (5 a)

14. 19. ὀργισθὲν θυμῷ [A ἐθυμώθη] ὀργῇ Σ. (5 a)

19. 2. A ὀργισθὲν αὐτῷ ἡ παλλακὴ αὐ. [B αλ.] (5 a)

I Ki. 17. 28. A ὀργισθὲν θυμῷ 'Ελ. (5 a)

III Ki. 11. 9. ὀργισθὲν κύριος ἐπὶ Σ. (1 b)

IV Ki. 13. 3. ὀργισθὲν θυμῷ κύριος ἐν τῷ 'Ισρ. (5 a)

19. 28. διὰ τὸ ὀργισθῆναι σε ἐπ' ἐμέ (10 c)

II Ch. 16. 10. A B<sup>3</sup> ὅτι ὀργισθὲν [B<sup>3</sup> om. δ. ὡ.] ἐπὶ τούτῳ (4)

29. 8. ὀργισθὲν ὀργῇ [A θυμῷ] κύριος (4)

35. 19. οὐ ὀργισθὲν θυμῷ κύριος (4)

I Es. 8. 88. οὐχ ὀργισθῆς ἡμῖν (4)

Ne. 4. 1 (8. 33). ὀργισθὲν ἐπὶ πολὺ (6)

To. 5. 13. μὴ μοι ὀργισθῆς [B πικρανῆς] (6)

Ju. 5. 2. ὀργισθὲν θυμῷ σφόδρα (6)

Es. 1. 12. ἐλυπήθη [B ὀργισθῇ] ὁ βασιλ. καὶ ὀργισθῇ [B ἐλυπήθη] ([9], 12)

Jb. 12. 6. A ὅσοι γὰρ ὀργίζουσιν [B B ὅσοι παροργ.] τὸν κ. (10 b)

32. 2. ὀργισθὲν δὲ 'Ελίας ὁ τοῦ Βαραχὴλ . . . ὀργισθὲν δὲ τῷ 'Ιωβ σφόδρα (5 b, 5 b)

— 3. καὶ κατὰ τῶν τριῶν δὲ φίλων ὀργισθῇ σφόδρα (5 b)

Ps. 2. 12. μὴ ποτε ὀργισθῇ κύριος (1 a)

4. 4. ὀργίεσθε καὶ μὴ ἁμαρτάνετε (10 a)

17 (18). 7. ὀργισθῇ αὐτοῖς ὁ θεός (5 a)

59 (60). 1. ὀργισθῇ καὶ ἀκείρισται ἡμᾶς (1 a)

73 (74). 1. ὀργισθὲν ὁ θυμός σου ἐπὶ πρόβατα νομῆς σου (8)

78 (79). 5. ἔως ποτε, κύριε, ὀργισθήσῃς εἰς τέλος (1 a)

79 (80). 4. ἔως ποτε ὀργίξῃ ἐπὶ τὴν προσευχὴν τοῦ δούλου [B τῶν δ.] σου (8)

84 (85). 5. A B<sup>3</sup> B μὴ εἰς τὸν αἰῶνα ὀργισθῆς [B B<sup>1</sup> ὀργῇ] ἡμῖν (1 a)

98 (99). 1. ὀργισθήσονται λαοὶ (10 a)

102 (103). 9. οὐκ εἰς τέλος ὀργισθήσεται (11)

105 (106). 40. ὀργισθὲν θυμῷ κύριος ἐπὶ τὸν λαὸν αὐτοῦ (5 a)

111 (112). 10. ἁμαρτωλοὶ δύνανται καὶ ὀργισθῆσθαι (6)

123 (124). 3. ἐν τῷ ὀργισθῆναι τὸν θυμὸν αὐ. (5 a)

Pr. 16. 30. A ὀργίξει [B B<sup>3</sup> ὀρίξει] διὰ τοῖς χεῖ- λουσιν αὐτοῦ πάντα τὰ κακά (5 a)

29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργίζομενος καταγε- λάται (10 a)

Ec. 5. 5. ἴνα μὴ ὀργισθῇ ὁ θεός ἐπὶ φωνῇ σου (9)

Hb. 3. 8. μὴ ἐν ποταμοῖς ὀργισθῆς [A ὀργ.] (5 a)

Za. 1. 2. ὀργισθὲν κ. ἐπὶ τοὺς πατέρας ὑμῶν ὀργὴν μετ. (10)

— 15. καὶ ὀργὴν μεγάλην ἐγὼ ὀργίζομαι [B<sup>3</sup> -ίσομαι] (9)

— 15. ἀνθ' ὧν μὴ ἐγὼ ὀργισθῶν ὀλίγα (9)

Is. 5. 25. B ὀργισθὲν θυμῷ [A B ἐθυμώθη] ὀργῇ κύριος σαβαώθ (5 a)

12. 1. ὀργισθῆς μοι (1 a)

28. 28. οὐ γὰρ εἰς τὸν αἰῶνα ἐγὼ ὑμῖν ὀργισθῆ- σομαι (4)

57. 6. ἐπὶ τούτοις οὐκ ὀργισθήσομαι (9)

— 16. οὐδὲ διὰ παντός ὀργισθήσομαι ὑμῖν (9)

64. 5 (4). ἰδοὺ σὺ ὀργισθήσῃς (9)

— 9 (8). μὴ ὀργίζου ἡμῖν σφόδρα (9)

La. 5. 22. ὀργισθῆς ἐφ' ἡμᾶς ὡς σφόδρα (9)

Da. LXX. 11. 11. ὀργισθήσεται βασιλεὺς Αἰγ. (7)

— 30. B ὀργισθήσεται [cod. -σονται] ἐπὶ τὴν διαθήκην τοῦ ἁγίου (8)

Da. TH. Bel. 20. ὀργισθεῖς ὁ βασιλεὺς (5 a)

I Ma. 8. 27. ὀργισθὲν θυμῷ (5 a)

5. 1. B R ὀργισθήσαν [A -η] σφόδρα (5 a)

— 2. ἐβουλεύσαντο [B<sup>1</sup> ὀργισθήσαν] τοῦ δραιο τὸ γένος 'Ι. (5 a)

6. 28. ὀργισθὲν ὁ βασιλεὺς (5 a)

— 9. χάριν γὰρ τῶν νομίμων αὐ. . . ὀργισθήσαν (5 a)

9. 69. B<sup>3</sup> B ὀργισθῇ [A B<sup>1</sup> -ησαν] θυμῷ [B<sup>3</sup> ἐν θ.] (5 a)

11. 22. καὶ ἀκούσας ὀργισθῇ (5 a)

15. 36. A B ὀργισθὲν ὁ βασιλ. ὀργὴν μετ. [B ὀργῇ μετ.] (5 a)

III Ma. 8. 1. A ὥστε οὐ μόνον τοῖς κατὰ 'Αλ. ὀργί- ζεσθαι [B διοργ.] (5 a)

IV Ma. 9. 10. κατὰ ἀχαρίστην ὀργισθῇ (5 a)

[Aq. Ps. 2. 11: Is. 57. 17.]

[Sm. Ge. 4. 5, 6: I Ki. 29. 4: Jb. 42. 7: Ps. 2. 11: 4. 5: 69 (60). 3: Pr. 19. 3: Is. 54. 9: 57. 17.]

[Th. I Ki. 20. 7 bīs: Is. 54. 9: 57. 17.]

[Al. Le. 20. 23: 26. 16: Nu. 16. 15: I Ki. 18. 8.]

ὀργίλος. (1) 𐤌𐤓𐤕𐤔 (2) 𐤌𐤓𐤕𐤔 (3) 𐤌𐤓𐤕𐤔

Ps. 17 (18). 48. ὁ ῥύσας μου ἐξ ἐχθρῶν ὀργίλος (1)

Pr. 21. 19. μετὰ γυναικὶ μάχιμον καὶ γλωσσώ- δους καὶ ὀργίλου (8)

22. 24. φίλῳ δὲ ὀργίλῳ μὴ συναλιζέου (2)

29. 22. ἀνὴρ δὲ ὁ ἐξώρυσεν ἁμαρτίαν (2)

[Aq. Ge. 4. 5: 18. 30: 34. 7: I Ki. 15. 11.]

[Sm. Ge. 34. 7: I Ki. 15. 11: II Ki. 6. 8.]

[Th. I Ki. 15. 11.]

ὀργίλος.

IV Ma. 8. 9. ἐὰν ὁ με διαθήσθῃ (5 a)

ὀρέγειν.

[Sm. Jb. 8. 20: Ez. 16. 49.]

ὀρευνός (ὀριν.). (1) ἡ δ. 𐤌𐤓𐤕𐤔 (2) ὁ ἐν τῇ δ. 𐤌𐤓𐤕𐤔

Ge. 14. 10. εἰς τὴν δ. ἔφυγον (1)

Nu. 13. 30 (29). ὁ 'Αμ. κατοικεῖ ἐν τῇ δ. (1)

De. 2. 37. καὶ τὰς πόλεις τὰς ἐν τῇ δ. (2)

11. 11. γῇ δ. καὶ πεδυνῇ (1)

Jo. 2. 16. εἰς τὴν δ. ἀπέλθετε (1)

— 22. ἦλθον εἰς τὴν δ. (1)

9. 1. οἱ ἐν τῇ δ. καὶ οἱ ἐν τῇ πεδυνῇ (1)

10. 6. οἱ κατοικοῦντες τὴν δ. (1)

— 40. ἐπάταξεν 'Ι. πᾶσαν τὴν γῆν τῆς δ. (1)

11. 2. ἀπέστειλε . . . εἰς τὴν δ. (1)

— 7. ἐπέτεσαν ἐπ' αὐτοὺς ἐν τῇ δ. (1)

— 16. ἔλαβεν 'Ι. πᾶσαν τὴν γῆν τῆς δ. (1)

— 21. ἐξωλίθρευσε τοὺς 'Εν. ἐκ τῆς δ. (1)

13. 6. πᾶς ὁ κατοικῶν τὴν δ. (1)

15. 48. καὶ ἐν τῇ δ. Σαμὴρ (1)

16. 1. ἀναβήσεται ἀπὸ 'Ι. εἰς τὴν δ. (1)

18. 13. καταβήσεται τὰ ὄρια M. 'Ο. ἐπὶ τὴν δ. (1)

Jd. 1. 9. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα τὴν δ. (1)

II Ch. 26. 10. καὶ ἀπέλαυρον ἐν τῇ δ. (1)

Ju. 1. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν δ. [B<sup>3</sup> om. τ. ὁ.] (1)

2. 22. ἀπῆλθεν ἐκεῖθεν εἰς τὴν δ. (1)

4. 7. διακατασχέιν τὰς ἀναβάσεις τῆς δ. (1)

5. 1. τὰς διόδους τῆς δ. συνέκλεισαν (1)

— 3. τίς ὁ λαὸς οὗτος ὁ καθήμενος ἐν τῇ δ. (1)

— 5. δε κατοικεῖ τὴν δ. ταύτην (1)

— 15. ἐκλήρονον ἡμᾶς πᾶσαν τὴν δ. (1)

— 19. κατεκίσθησαν ἐν τῇ δ. (1)

6. 7. ἀποκαταστήσουσι σε . . . εἰς τὴν δ. (1)

— 11. ἀπῆραν . . . εἰς τὴν δ. (1)

7. 1. ἀναβήσονται ἐπὶ . . . τὰς ἀναβάσεις τῆς δ. (1)



Pr. 15. 14. καρδιά ὁρθή ζητεῖ αἰσθῆσιν (1)  
 16. 13. λόγους δὲ ὁρθούς ἀγαπᾷ (2 c)  
 — 25. εἰσὶν ὁδοὶ δοκούσαι εἶναι ὁρθαὶ ἀνδρὶ (2 c)  
 21. 8. ἀγὰρ γὰρ καὶ ὁρθὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ (2 c)  
 23. 16. ἐνδιατρίψει λόγους τὰ σὰ χεῖλη πρὸς  
 τὰ ἐμὰ χεῖλη ἐὰν ὁρθὰ ᾖσι (2 b)  
 24. 73 (31. 5). ὁρθὰ κρίναι οὐ μὴ δύνανται τοὺς  
 ἀσθενεῖς +  
 Mi. 2. 3. οὐ μὴ πορευθῇτε ὁρθοὶ [A. ὁρθοί] (5)  
 — 7. οὐχ οἱ λόγοι αὐτοῦ . . . ὁρθοὶ πεπόμενοι (2 c)  
 3. 9. πάντα τὰ ὁρθὰ διαστρέφοντες (2 c)  
 Je. 38 (31). 9. αὐλίζων ἐπὶ διώρυγας ὑδάτων ἐν  
 ὁδῷ ὁρθῇ (2 c)  
 Ep. Je. 27. ἐάν τις αὐτὸ [A. -όν] ὁρθὸν στήσῃ  
 Ez. 1. 7. τὰ σκελὴ αὐτῶν ὁρθὰ (2 c)  
 IV Ma. 1. 15. νοῦς μετὰ ὁ. λόγους προσιμῶν  
 6. 7. ὁρθὸν εἶχε καὶ ἀκλίην τὸν λογισμὸν  
 [Aq. Ge. 42. 11.]  
 [Sm. Ps. 91 (92). 16 : Ez. 1. 23.]  
 [Th. Pr. 24. 26.]  
ὁρθότης.  
 [Aq. Is. 57. 2.]  
ὁρθοτομεῖν. (1) רָחַץ pi.  
 Pr. 3. 6. ἴσα ὁρθοτομῇ τὰς ὁδοὺς σου (1)  
 11. 5. Ἄς δὲ καὶ σὺν ἡμῶν [B. -ους] ὁρθοτομῇ  
 ὁδοὺς (1)  
ὁρθοτριχεῖν.  
 [Sm. Ps. 118 (119). 120 : Ez. 27. 35.]  
 [Th. Is. 13. 21 : 34. 14.]  
ὁρθοῦν. (1) הָרַץ (2) רָחַץ ni. (3) רָחַץ ni.  
 (4) רָחַץ  
 Ge. 37. 7. ἀνέστη τὸ ἐμὸν δράγμα καὶ ὠρθώθη (3)  
 I Es. 1. 23. ὠρθώθη τὰ ἔργα Ἰσραὴλ.  
 II Es. 6. 11. ὠρθωμένος πληγήσεται [A. παγ.]  
 ἐπ' αὐτοῦ (1)  
 Es. 7. 9. ὠρθώσαι ἐν τοῖς Ἄ. ξύλοις [A. om.] (4)  
 Si. 27. 14. λαλιά πολυὲς ὠρθώσεται [A. ἀνορθ.] τριχάς  
 Je. 37 (30). 20. τὰ μαρτυρία αὐτῶν κατὰ πρόσ-  
 ὀπὸν μου ὠρθώθησεται (2)  
 Ep. Je. 27. ἐάν κλιθῇ οὐ μὴ ὠρθώθῃ  
ὁρθρεύειν.  
 To. 9. 6. ὠρθρεύσαν [A. -ισαν] κοινῶς  
ὁρθεύειν (ὁρθεύειν). (1) רָחַץ pi. (2) רָחַץ hi.  
 (3) רָחַץ רָחַץ רָחַץ  
 Ge. 19. 2. καὶ ὁρθεύσαντες ἀπελεύσεσθε (2)  
 — 27. ὠρθεύσε δὲ . . . τῶν πρῶτ' εἰς τὸν τόπον (2)  
 20. 8. καὶ ὠρθεύσαν Ἀβ. τῶ πρῶτ' (2)  
 Ex. 8. 20 (16) : 9. 13. ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ' (2)  
 24. 4. ὠρθεύσας δὲ Μωσῆς τὸ πρῶτ' (2)  
 32. 6. ὠρθεύσας τῇ ἐπαύριον ἀνέβησεν (2)  
 34. 4. ὠρθεύσας Μωσῆς ἀνέβη (2)  
 Nu. 14. 40. ὠρθεύσαντες [B<sup>1</sup> add. eis] τὸ πρῶτ'  
 Jo. 3. 1. ὠρθεύσαν Ἰ. τὸ πρῶτ' (2)  
 7. 16. καὶ ὠρθεύσαν Ἰ. (2)  
 8. 10. ὠρθεύσας Ἰ. τὸ πρῶτ' (2)  
 Jd. 6. 28. ὠρθεύσαν οἱ ἄνδρες τῆς πόλεως  
 — 38. ὠρθεύσε [A. add. Γ.] τῇ ἐπαύριον  
 7. 1. καὶ ὠρθεύσαν Ἰ. (2)  
 9. 33. ὠρθεύει [A. -ισεις] καὶ ἐκτενεῖς  
 19. 5. ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ' (2)  
 — 8. ὠρθεύσε τὸ πρῶτ' (2)  
 — 9. ὠρθεύετε αὐτοὺς εἰς ὁδὸν ὕμων  
 21. 4. ὠρθεύσαν ὁ λαός (2)  
 I Ki. 1. 19. ὠρθεύουσι τὸ πρῶτ' (2)  
 3. 15. ὠρθεύσε τὸ πρῶτ' (2)  
 5. 3. ὠρθεύσαν οἱ Ἀζότιοι  
 — 4. ὅτε ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ' (2)  
 15. 12. καὶ ὠρθεύσε Σιμ. (2)  
 17. 16. Ἀ. προήγεν ὁ ἀλλόφυλος ὠρθεύων  
 — 20. Ἀ. ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ' (2)  
 29. 10. καὶ νῦν ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ' (2)  
 — 10. ὠρθεύσατε [A. διορθ.] ἐν τῇ ὁδῷ  
 — 11. καὶ ὠρθεύσε Δ. (2)  
 II Ki. 15. 2. καὶ ὠρθεύσαν Ἀβ. (2)  
 IV Ki. 3. 22. ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ' (2)  
 6. 15. ὠρθεύσαν ὁ λειτουργός [A. al.] (2)  
 19. 35. ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ' (2)  
 II Ch. 20. 20. ὠρθεύσαν πρῶτ' (2)  
 29. 20. ὠρθεύσαν Εἰ. ὁ βασι.

II Ch. 38. 15. ὠρθεύων καὶ ἀποστέλλων τοὺς  
 ἀγγέλους αὐ. (2)  
 To. 9. 6. Ἀ. ὠρθεύσαν [B. -ευσαν] κοινῶς  
 Jb. 7. 21. ὠρθεύων δὲ οὐκ εἶμι (1)  
 8. 5. σὺ δὲ ὠρθεύε πρὸς κύριον παντοκράτορα  
 θεόμενος (1)  
 Ps. 62 (68). 1. πρὸς σὲ ὠρθεύω (1)  
 77 (78). 34. ὠρθεύον πρὸς τὸν θεόν (1)  
 126 (127). 2. Ἀ. Β. εἰς μάτην ὕμιν ἐστὶ τοῦ  
 ὠρθεύειν [B. ὠρθεύειν] (2)  
 Ca. 7. 12 (13). ὠρθεύσωμεν εἰς ἀμπελώνας (2)  
 Wi. 6. 14. ὁ ὠρθεύσας ἐπ' [A. πρὸς] αὐτὴν οὐ κοπιᾷσει  
 Si. 4. 12. οἱ ὠρθεύοντες πρὸς αὐτὴν  
 6. 36. ὠρθεύε πρὸς αὐτὸν (2)  
 35 (32). 14. οἱ ὠρθεύοντες εὐρήσουσιν εὐδοκίαν  
 39. 5. ὠρθεύσαι πρὸς κύριον  
 Ho. 6. 1 (5. 15). ἐν θλίψει αὐτῶν ὠρθεύουσι  
 πρὸς μέ (1)  
 Ze. 3. 7. ἐτοιμάζω ὁρθεύσαν (2)  
 Is. 26. 9. ἐκ νυκτὸς ὠρθεύει τὸ πνεῦμά μου πρὸς σέ (1)  
 Je. 25. 3. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὠρθεύων (2)  
 Da. LXX. 6. 19 (20). ὁ βασι. Δ. ὠρθεύσε πρῶτ' (3)  
 Da. TH. Bel 16. ὠρθεύσαν ὁ βασι. τὸ πρῶτ'  
 I Ma. 4. 52. ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ'  
 6. 33. ὠρθεύσαν ὁ βασι. τὸ πρῶτ'  
 11. 67. ὠρθεύσαν τὸ πρῶτ'  
 [Aq. Jb. 24. 5 : Ps. 126 (127). 2 : Je. 7. 13, 25 :  
 35 (42). 14.]  
 [Sm. Je. 7. 13, 25 : 26 (33). 5.]  
 [Th. Je. 11. 7 : 29 (36). 19.]  
 [Al. Pr. 18. 24.]  
ὁρθεύω. (1) רָחַץ hi.  
 Wi. 11. 22. ὡς ῥάνις ὁρθεύου ὁρθεύω κατελθοῦσα  
 ἐπὶ γῆν [B<sup>1</sup> γῆς]  
 Ho. 6. 5 (4) : 18. 3. ὡς ὁρθεύς ὁ πορευόμενος (1)  
 Hg. 2. 15 (14). ἐνεκεν τῶν λημμάτων αὐτῶν  
 τῶν ὁ. —  
 [Aq. Ps. 21 (22). 1.]  
 [Sm. Ps. 21 (22). 1 : 89 (90). 14.]  
ὁρθεύω.  
 I Ki. 28. 14. Ἀ. ἄνδρα ὁ. [B. ὁρθεύον] ἀναβαίνοντα +  
 Jb. 29. 7. ὅτε ἐξεπορευόμενος ὁρθεύον ἐν πόλει +  
 III Ma. 5. 10. ὁρθεύον ἐπὶ τὴν αὐλὴν παρὴν  
 — 23. ἄρτι δὲ ἀλεκτρῶν ἐκκράνεις ὁρθεύον  
ὁρθεύω.  
 [Aq. Pr. 11. 27.]  
ὁρθεύω (ὁρθεύω). (1) רָחַץ (2) רָחַץ (3) רָחַץ  
 (4) πρὸς ὁρθεύον α. רָחַץ δ. תָּרַץ  
 (5) ὁρθεύον α. רָחַץ תָּרַץ δ. רָחַץ  
 c. רָחַץ d. רָחַץ e. רָחַץ hi. (θ) κατ'  
 ὁρθεύον רָחַץ (7) ὁρθεύς ἐστι רָחַץ hi.  
 Ge. 19. 15. ἦν καὶ ὁρθεύον ἐγένετο (3)  
 32. 26 (27). ἀνέβη γὰρ ὁ δ. (3)  
 Ex. 19. 16. γενηθήναι πρὸς ὁρθεύον (4 a)  
 Jo. 6. 14 (15). ἀνέστησαν ὁρθεύον (5 a)  
 Jd. 18. 2. ὥς διαφάση ὁ δ. [A. al.] (2)  
 19. 25. Ἀ. ἄμα τῶ ἀναβαίνειν τὸν δ. [B. al.] (3)  
 — 26. ἦλθεν ἡ γυνὴ πρὸς τὸν δ. [A. al.] (2)  
 I Ki. 9. 26. ὡς ἀνέβαινον ὁ δ. (3)  
 I Es. 9. 41. Ἀ. Β. ἐξ [B. ἀπὸ] ὁρθεύον ὥς μέσης  
 ἡμέρας (3)  
 Ne. 4. 21 (15). ἀπὸ ἀναβάσεως [B<sup>1</sup> add. ὥς]  
 τοῦ δ. (3)  
 To. 8. 18. B. πρὸ τοῦ ὁρθεύον γενέσθαι  
 Ju. 14. 2. ἦν καὶ ἐν διαφάση ὁ δ.  
 — 11. ἦν καὶ δὲ ὁ [A. om.] δ. ἀνέβη  
 Es. 5. 14. ὁρθεύον δὲ εἰπὸν τῶ βασι. (5 b)  
 Ps. 56 (57). 8. ἐξεγερθήσονται ὁρθεύον (5 c)  
 62 (63). 6. ἐν τοῖς δ. [B<sup>1</sup> τῶ δ.] ἐμελῶν εἰς σέ (1)  
 107 (108). 2. ἐξεγερθήσονται ὁρθεύον (5 c)  
 118 (119). 148. προέβησαν οἱ ὀφθαλμοί μου  
 πρὸς ὁρθεύον [B<sup>1</sup> al.] (4 b)  
 138 (139). 9. ἔάν ἀναλάβω τὰς πτέρυγας μου  
 κατ' ὁρθεύον [B. ὁρθεύον] (6)  
 Pr. 7. 18. ἀπολαύσωμεν φιλίας ὥς ὁρθεύον [B.  
 -θού] (3)  
 23. 35. πότε ὁρθεύον [B. -ὸς] ἔσται (7)  
 Ca. 6. 9 (10). τίς αὕτη ἡ ἐκκρίπτουσα ὡσεὶ ὁρθεύς (3)  
 Si. 24. 32. Ἀ. Β. ἔτι παιδεῖται ὡς ὁρθεύον [B. ὁρθεύον]  
 φωτῶ

Ho. 6. 4 (3). ὡς ὁρθεύον ἔτοιμον εὐρήσουμεν αὐτῶν (3)  
 11. 1 (10. 15). ὁρθεύον [B<sup>1</sup> -θού] ἀπερίφραστον (5 d)  
 Am. 4. 13. ποιῶν ὁρθεύον καὶ οὐκ ἔχον (3)  
 J1. 2. 2. ὡς ὁρθεύς [B. ὁ δ.] χυθήσεται (3)  
 Je. 7. 25. ἐξαπέστειλα . . . τὸν προφήτῃς ἡμέ-  
 ρας καὶ ὁρθεύον (5 e)  
 25. 4. ὁρθεύον [B<sup>1</sup> -θού] ἀποστέλλων (5 e)  
 38 (26). 5. ὅς ἐξαπέστειλα πρὸς ὑμᾶς ὁρθεύον  
 [B<sup>1</sup> -θού] (5 e)  
 39 (32). 33. ἐδίδαξα αὐτοὺς ὁρθεύον [B<sup>1</sup> -θού] (5 e)  
 42 (35). 14. ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς ὁρθεύον [B<sup>1</sup>  
 -θού] (5 e)  
 51 (44). 4. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παῖδας  
 [A. δούλους] μου τοὺς προφήτας  
 ὁρθεύον [B<sup>1</sup> -θού] (5 e)  
 Da. LXX. Su. 12. ὡς ἐγένετο ὁρθεύς  
 — 13. τί σὺ οὕτως ὁρθεύον ἐξήλθες  
 [Aq. Jb. 38. 12 : Is. 58. 8 : Ho. 10. 15.]  
 [Sm. Ps. 29 (30). 6 : 45 (46). 6 : 58 (59). 17 :  
 64 (65). 9 : 72 (73). 14 : 87 (88). 14 : 109  
 (110). 3 : 126 (127). 2 : Ho. 10. 15.]  
 [Th. Jb. 24. 17 : 38. 12 : Ho. 10. 15.]  
 [Al. Ps. 142 (143). 8.]  
 [Quint. Ps. 109 (110). 3 : Ho. 6. 3.]  
ὁρθεύω.  
 Ps. 118 (119). 148. B<sup>1</sup> προέβησαν οἱ ὀφθ. μου  
 πρὸς σέ ὁρθεύον [A. B<sup>1</sup> B. πρ. ὁρθεύον] +  
ὁρθεύω. (1) a. רָחַץ hi. δ. רָחַץ (2) רָחַץ  
 (3) רָחַץ  
 Ge. 4. 7. ἐάν ὁ. προσεγγένης ὁ δὲ μὴ διέλθῃ (1 a)  
 40. 16. εἶδεν . . . ὅτι ὁ. συνέκρινε (1 b)  
 Ex. 18. 17. οὐκ ὁ. σὺ ποιεῖς τὸ ῥῆμα τοῦτο (1 b)  
 Nu. 27. 6 (7). ὁ. θυγατέρες Σ. λελαλήκασι (3)  
 De. 5. 28 (25) : 18. 17. ὁ. πάντα ὅσα ἐλάλησαν (1 a)  
 I Ki. 16. 17. ἴδετε δὴ μοι ἄνδρα ὁ. ψάλλοντα (1 a)  
 Pr. 14. 2. ὁ πορευόμενος ὁ. φοβέται τὸν κύριον (2)  
 18. 5. οἱ δὲ ὁ. ζητοῦντες αὐτὸν εὐρήσουσιν  
 εἰρήνην —  
 Wi. 2. 1. εἶπον γὰρ ἐν ἐκείναις λογισάμενοι οὐκ ὁ.  
 6. 4. οὐκ ἐκρίνατε ὁρθεύς +  
 Ez. 22. 30. ἐξήτουν ἐξ αὐτῶν ἄνδρα ἀναστρεφό-  
 μενον ὁ. —  
 Da. LXX. Su. 55. ὁ. ἐψέυσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ ψυχῇ  
 Da. TH. Su. 55. ὁ. ἐψέυσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ κεφαλῇ  
 — 59. ὁρθεύς ἐψέυσαι καὶ σὺ  
 I Ma. 11. 43. νῦν οὖν ὁ. ποιήσεις  
 IV Ma. 1. 1. συμβουλευσάμην ἂν ὑμῖν ὁ.  
 [Aq. Ec. 12. 10.]  
 [Sm. Jb. 42. 7 : Ec. 12. 10 : Is. 30. 10.]  
 [Al. Nu. 36. 5.]  
ὁρίανον.  
 [Al. Nu. 19. 6.]  
ὁρίανον. (1) רָחַץ (2) a. רָחַץ רָחַץ δ. רָחַץ  
 (3) רָחַץ hi. (4) רָחַץ (5) רָחַץ  
 Nu. 30. 3. ἡ ὁρίανον ὁρίανον περὶ τῆς ψυχῆς  
 αὐ. [A. al.] (1)  
 — 4. ἡ ὁρίανον ὁρίανον (1)  
 — 4 (5), 5, 6. οὗς ὁρίανον κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)  
 — 7. οὗς [A. ὅσα] ὁρίανον κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)  
 — 8, 9, 12. οὗς ὁρίανον κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)  
 34. 6. ἡ θύλασσα ἡ μεγάλη ὁρίαν (2 a)  
 Jo. 13. 8. ἡ θύλασσα ἡ μεγάλη ὁρίαν  
 — 27. καὶ ὁ Ἰορδ. ὁρίαν [A. μερίαν] (2 a)  
 15. 12. ἡ θύλασσα ἡ μεγάλη ὁρίαν (2 a)  
 18. 20. ὁ Ἰορδ. ὁρίαν ἀπὸ μέρους ἀνατολῶν (2 b)  
 23. 4. ἀπὸ τῆς θαλάσσης τῆς μεγάλης ὁρίαν —  
 Pr. 16. 30. ὁρίαν [A. ὁρίαν] δὲ τοῖς χεῖλεσιν  
 αὐτοῦ πάντα τὰ κακὰ (4)  
 18. 18. ἐν δὲ δυναστείαις [A. δυνασταίς] ὁρίαν (3)  
 Ez. 47. 20. τοῦτο τὸ μέρος τῆς θαλάσσης τῆς  
 μεγάλης ὁρίαν [A. διορίαν] (2 a)  
 Da. LXX. 6. 12 (13). οὐκ ὁρίανον ὁρίαν (5)  
 III Ma. 5. 42. ὁρίανον τούτους μὲν . . . πέμψειν  
 εἰς ἀθῆν  
 6. 36. κοινὸν ὁρίανον περὶ τούτων θεσμός  
 [Sm. Ge. 30. 28 : Pr. 2. 18.]  
 [Th. Jb. 22. 28.]  
ὁρινός, vid. ὁρενός.



Is. 14. 25. **Β'** καὶ ἐπὶ [A δὲ ἀπὸ] τῶν δ. [A B S] **†**  
 15. 8. συνήψε γὰρ ἡ βοή τὸ δ. [A δρος] τῆς Μω-  
 αβιτίδος (3 a)  
 19. 19. στήλη πρὸς τὸ δ. αὐτῆς τῷ κυρίῳ (3 a)  
 28. 25. σπείρει πυρὸν . . . ἐν τοῖς δ. σου (3 b)  
 54. 10. **Β** μὴδὲ ἐν ἀπειλῇ σου τὰ δ. μεταστή-  
 σεσθαι [A B al.] **†**  
 57. 9. ἀπέστειλας πρὸς βίβας ὑπὲρ τὰ δ. σου **†**  
 60. 18. οὐδὲ ταλαιπωρία ἐν τοῖς δ. σου (3 a)  
 Je. 5. 22. τὸν τίξαντα ἄμμον ὅριον τῇ θαλάσῃ (3 a)  
 15. 13. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς δ. σου (3 a)  
 Ez. 29. 10. καὶ ἕως ὁρίων Αἰθιοπῶν (3 a)  
 40. 12. Α ὅριον [B om.] ἔνθεν καὶ ἔνθεν (3 a)  
 43. 12. πάντα τὰ δ. αὐ. κυκλόθεν ἄγια ἁγία (3 a)  
 45. 1. ἄγιον ἔσται ἐν πᾶσι τοῖς δ. αὐ. κυκ-  
 λόθεν (3 a)  
 — 7. ὡς μία τῶν μερίδων ἀπὸ τῶν δ. τῶν πρὸς  
 θάλασσαν (3 a)  
 — 7. καὶ τὸ μήκος ἐπὶ τὰ δ. τὰ πρὸς ἀνα-  
 τολάς (3 a)  
 47. 13. **A B** ταῦτα τὰ [B om.] δ. κατακληρονο-  
 μῆτε τῆς γῆς (3 a)  
 — 15. ταῦτα τὰ δ. τῆς γῆς τῆς πρὸς βορρᾶν (3 a)  
 — 16. ἀνὰ μέσον ὁρίων Δαμασκού καὶ ἀνὰ μέ-  
 στον ὁρίων Ἡμαθί [A δ. μ. τῶν δ.  
 Ἡμαθ καὶ δ. μ. τῶν δ. Δ.] . . . ἐπὶ τῶν  
 τῶν δ. Αἰμαθίτιδος (3 a ter)  
 — 17. ταῦτα τὰ δ. ἀπὸ τῆς θαλάσσης ἀπὸ τῆς  
 αὐλῆς τοῦ Αἰλὸν ὁρία Δαμασκού (3 a, 3 a)  
 — 17. Α τὸ δ. Αἰμαθ τὸ δ. βορρᾶ (3 a, 3 a)  
 48. 1. ὅριον Δαμασκού πρὸς βορρᾶν (3 a)  
 — 2. ἀπὸ τῶν δ. τοῦ Δάν τὰ πρὸς ἀνατολάς (3 a)  
 — 3. ἀπὸ τῶν δ. Ἀσσήρ (3 a)  
 — 4. ἀπὸ τῶν δ. Νεφθαλίμ (3 a)  
 — 5. ἀπὸ τῶν δ. Μανασσῆ (3 a)  
 — 6. ἀπὸ τῶν δ. Ἐφραΐμ (3 a)  
 — 7. ἀπὸ τῶν δ. Ῥοβὴν (3 a)  
 — 8. ἀπὸ τῶν δ. Ἰούδα (3 a)  
 — 12. ἄγιον ἁγίον ἀπὸ τῶν δ. [A ἀπαρχῶν]  
 τῶν Λευιτῶν (3 a)  
 — 13. τοῖς δὲ Α. τὰ ἐξόχονα τῶν δ. τῶν ἱερέων (3 a)  
 — 21. ἕως τῶν δ. τῶν πρὸς ἀνατολάς . . . ἕως  
 τῶν δ. τῶν πρὸς θάλασσαν [A ἀνα-  
 τολάς] (3 a, 3 a)  
 — 22. ἀνὰ μέσον τῶν δ. Ἰούδα καὶ ἀνὰ μέσον  
 τῶν δ. Βενιαμὴν (3 a, 3 a)  
 — 24. ἀπὸ τῶν δ. τῶν Βενιαμὴν (3 a)  
 — 25. ἀπὸ τῶν δ. τῶν Συμεὼν (3 a)  
 — 26. ἀπὸ τῶν δ. τῶν Ἰσάχαρ (3 a)  
 — 27. ἀπὸ τῶν δ. τῶν Ζαβουλὼν (3 a)  
 — 28. ἀπὸ τῶν δ. τῶν Γαδ . . . ἔσται τὰ [A  
 om.] δ. αὐτοῦ ἀπὸ Θαιμάν (3 a, 3 a)  
 I Ma. 2. 46. **A B** ὅσα εὗρον ἐν ὁρίοις [B υἱοῖς]  
 Ἰορ.  
 3. 36. τὸ ποταμὸν Εὐφρ. ἕως τῶν δ. Αἰγ.  
 — 36. ἐν πᾶσι τοῖς δ. αὐτῶν  
 — 42. παρεμβάλουσιν ἐν τοῖς δ. αὐ.  
 5. 9. τοὺς δυνάς ἐπὶ τοῖς δ. αὐ.  
 — 60. ἐδιώχθησαν ἕως τῶν δ. τῆς Ἰ.  
 6. 25. ἀλλὰ καὶ ἐπὶ πάντα τὰ δ. αὐ.  
 7. 24. ἐξῆλθεν εἰς πάντα τὰ δ. τῆς Ἰ.  
 9. 23. ἐξέκριναν . . . ἐν πᾶσι τοῖς δ. Ἰ.  
 — 72. ἐλθὼν εἰς τὰ δ. αὐ.  
 10. 31. Ἰερ. ἦτορ ἁγία . . . καὶ τὰ δ. αὐ.  
 — 43. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς δ. αὐ.  
 — 89. ἔδωκεν αὐτῷ . . . πάντα τὰ δ. αὐ.  
 11. 34. ἐστάκαμεν οὖν αὐτοῖς τὰ τε δ. τῆς Ἰ.  
 — 59. ἕως τῶν δ. Αἰγύπτου  
 14. 2. ἦλθε Δ. εἰς τὰ δ. αὐ.  
 — 6. ἐπλάτυνε τὰ δ.  
 — 33. τὴν Β. τὴν ἐπὶ τῶν δ. τῆς Ἰ.  
 — 34. καὶ τὴν Γ. τὴν ἐπὶ τῶν δ. Ἀζ.  
 15. 29. τὰ δ. αὐ. ἠρμώσατε  
 — 30. **B E** ὡν κατεκυρνεύσατε ἐκτός [A om.] τῶν  
 δ. [A add. τῶν ἐκ] τῆς Ἰ.  
 [Aq. III Ki. 1. 3. 4. 21 (5. 1): Is. 15. 8 (Sw.):  
 Je. 31 (38). 17: Ez. 27. 4: 43. 13.]  
 [Sm. I Ki. 13. 18: III Ki. 1. 3. 4. 21 (5. 1):  
 Is. 9. 1 (8. 23): 15. 8 (Sw.): Ez. 40. 12: Ho.  
 5. 1, 10.]  
 [Th. I Ki. 13. 18: III Ki. 1. 3: Is. 15. 8 (Sw.):  
 Je. 17. 3 (Sw.): Ez. 40. 12: 43. 13: 47.  
 17 bis.]  
 [Al. Dt. 2. 30: I Ki. 5. 6: Is. 24. 1.]  
 [Quint. Ho. 5. 10.]

ὁρισμός. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥῥ (3) ῥῥ  
 (4) ῥῥῥ  
 Ex. 8. 12 (8). ἔβόησε . . . περὶ τοῦ δ. τῶν  
 βατράχων (3)  
 Nu. 30. 3. ἡ ὁρίσται ὁρισμός (1)  
 — 4 (5). καὶ ἀκούσῃ . . . τοὺς δ. αὐτῆς (1)  
 — 5. πάντες οἱ δ. . . μενοῦσιν αὐτῇ (1)  
 — 6. ἢ ἂν ἡμ. ἀκούσῃ . . . τοὺς δ. (1)  
 — 8. οἱ δ. αὐτῆς . . . στήσονται (1)  
 — 9. οἱ δ. αὐτῆς . . . οὐ μενοῦσιν **†**  
 — 11. ἡ δ. κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)  
 — 12. πάντες οἱ δ. αὐ. . . στήσονται (1)  
 — 13. κατὰ τῶν δ. τοὺς κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (1)  
 — 15. τοὺς δ. τοὺς ἐπ' αὐτῆς στήσει (1)  
 Es. 4. 17. ἔξῃρα ὁρισμὸν στυμάτων σου  
 Si. 38 (38). **B** σπεύδον καὶ καὶ μῆσθητι  
 ὁρισμὸν [A B ὁρισμὸν]  
 Da. LXX. 6. 5 (6). στήσωμεν ὁρισμὸν καθ' ἑαυτῶν —  
 — 7 (8). ὁρισμὸν καὶ στάσιν ἐστήσαμεν (1 ?)  
 — 10 (11). ἐπιγνοὺς δὲ Δ. τὸν δ. (4)  
 — 12 (13). οὐχ ὁρισμὸν ὥρισω (1)  
 — 12 (13). μνησὶ δ. (3 ?)  
 — 12 (13). δὲ οὐκ ἐνέμεινε τῷ δ. τούτῳ  
 — 14 (15). κατὰ τὸν δ. δὲ ἐστήσῃ κατ' αὐτοῦ  
 Da. Th. 6. 7 (8). καὶ ἐνισχύσαι ὁρισμὸν (1)  
 — 8 (9). στήσιν τὸν [A om.] δ. (1)  
 — 12 (13). οὐχ ὁρισμὸν ἐτάξας (1)  
 — 13 (14). Α περὶ τοῦ δ. οὐ ἔταξας (1)  
 — 15 (16). τοῦ πᾶν ὁρισμὸν . . . οὐ δεῖ παραλ-  
 λάξαι (1)  
 I Ma. 6. 62. **B'** ἠθέτησε τὸν δ. [A B' B ὁρισμὸν]  
 II Ma. 12. 25. πιστώσαντος δὲ αὐτοῦ . . . τὸν δ.  
 [Sm. Ps. 39 (40). 8.]  
 [Th. Da. 6. 8, 12, 13.]  
 ὁρκίειν. (1) ῥῥῥ hi.  
 Ge. 24. 37. καὶ ὁρκισέ με ὁ κύριός μου (1)  
 50. 5. ὁρκισέ με [A add. πρὸ τοῦ τελευτήσαι] (1)  
 — 6. καθάπερ ὁρκισέ σε (1)  
 — 16. ὁ πατήρ σου ὁρκισέ **†**  
 — 25. ὁρκισέ ἰσχυρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰ. (1)  
 Ex. 13. 19. ὁρκῶ γὰρ ὁρκισέ τοὺς υἱοὺς Ἰ. (1)  
 Nu. 5. 19. ὁρκίει αὐτὴν ὁ ἱερεὺς (1)  
 — 21. ὁρκίει ὁ ἱερεὺς τὴν γυναῖκα (1)  
 Jo. 6. 25 (26). ὁρκισεν Ἰ. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (1)  
 I Ki. 14. 27. ἐν τῷ δ. τὸν πατέρα αὐ. τὸν λαόν (1)  
 — 28. ὁρκισας ὁρκισέ τὸν λαόν [A τῷ λ.] (1, 1)  
 III Ki. 3. 1 (2. 37). ὁρκισεν αὐτὸν ὁ βασις.  
 — 1 (2. 42). οὐχὶ ὁρκισά σε (1)  
 22. 16. **A B** ὁρκίει [B ἔσθ' ὁρ.] σε (1)  
 IV Ki. 11. 4. Α καὶ ὁρκισεν αὐτοὺς [B -κωσε] (1)  
 II Ch. 18. 15. ποσάκις ὁρκίει [A -ίσω] σε (1)  
 38. 13. Α ὁρκισεν αὐτὸν κατὰ τὸ θεοῦ (1)  
 I Es. 1. 48. ὁρκισθεὶς ἀπὸ τοῦ βασι. Ναβ.  
 8. 96. ὁρκισέ τοὺς φυλάρχους τῶν Ἰ.  
 II Es. 10. 5. ὁρκισέ τοὺς ἀρχ. [B om. τ. δ.] τοὺς Δ. (1)  
 Ne. 5. 12. ὁρκισα αὐτοὺς ποιῆσαι (1)  
 13. 25. ὁρκισα [A ἐνώρκ.] αὐτοὺς ἐν τῷ θεῷ (1)  
 Ca. 2. 7. ὁρκισα ὑμᾶς . . . ἐν δυνάμει . . . τοῦ  
 ἀγροῦ (1)  
 3. 5. **B** ταῖς νεανίαις ὁρκίει ἡ νύμφη  
 — 5. 5. ὁρκισα ὑμᾶς . . . ἐν ταῖς δυνάμει  
 . . . τοῦ ἀγροῦ (1)  
 5. 9. οὕτως ὁρκισας ἡμᾶς (1)  
 8. 4. ὁρκισα ὑμᾶς . . . ἐν ταῖς ἰσχυρῶσι τοῦ  
 ἀγροῦ (1)  
 Da. LXX. 6. 12 (13). ὁρκίζομεν σε τοῖς Μ. καὶ  
 Π. δόγμασι —  
 [Aq. Jo. 2. 17: III Ki. 22. 16: Ca. 2. 7.]  
 [Sm. Ex. 2. 21: Jo. 2. 17: III Ki. 22. 16: Ca.  
 2. 7.]  
 [Th. Jo. 2. 17: I Ki. 20. 17.]  
 [Al. III Ki. 18. 10: Je. 5. 7.]  
 [Quint. Ca. 2. 7.]  
 ὁρκωμοσία. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥῥ  
 Ge. 21. 31. ἐπωρκώσατο τὸν δ. τοῦ τόπου ἐκ. Φεράρ  
 ὁρκωμοσία (2)  
 — 32. **B** ἐν τῷ φέρετι τοῦ δ. [A ὅρκου] (2)  
 24. 41. καὶ ἔστη ἀφ' ὧν ἀπὸ τοῦ δ. μου (1)  
 Le. 5. 1. ἐὰν . . . ἀκούσῃ φωνὴν ὁρκωμοσίας (1)  
 Si. 33 (38). 8. σπεύδον καὶ καὶ μῆσθητι ὁρκωμοσίᾳ  
 [B ὁρκωμοσίᾳ]  
 I Ma. 6. 62. ἠθέτησε τὸν δ. [B' ὁρκωμοσίαν]

ὁρκος. (1) ῥῥῥ (2) α. ῥῥῥ, ῥῥῥ  
 δ. ῥῥῥ, ῥῥῥ c. ῥῥῥ hi. d. ῥῥῥῥ ῥῥῥ  
 Ge. 21. 14. κατὰ τὸ φέρετι τοῦ δ. (2 a)  
 — 32. Α τῷ φέρετι τοῦ δ. [B ὁρκωμοσίᾳ] (2 a)  
 — 33. ἐπὶ τῷ φέρετι τοῦ δ. (2 a)  
 22. 19. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὸ φέρετι τοῦ δ. (2 a)  
 — 19. **B** ἐπὶ τὸ φέρετι [A τῷ φέρετι] τοῦ δ. (2 a)  
 24. 8. **B** καθαρὸς ἔστη ἀπὸ τοῦ δ. μου [A S τούτου] (2 b)  
 26. 3. καὶ στήσω τὸν δ. μου (2 b)  
 — 23. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὸ φέρετι τοῦ δ. (2 a)  
 — 33. ἐκάλεσεν αὐτὸν [A τὸ ὄνομα αὐτοῦ] Ὅρκος (2 a)  
 — 33. ἐκάλεσεν ὄνομα . . . φέρετι ὁρκου (2 a)  
 28. 10. ἀπὸ τοῦ φερέματος τοῦ δ. (2 a)  
 46. 1. ἦλθεν ἐπὶ τὸ φέρετι τοῦ δ. (2 a)  
 — 5. ἀνίστη δὲ Ἰ. ἀπὸ τοῦ φερέματος τοῦ δ. (2 a)  
 Ex. 13. 19. ὁρκῶ γὰρ ὁρκισέ τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ (2 c)  
 22. 11 (10). δ. ἔσται τοῦ θεοῦ (2 b)  
 Le. 5. 4. ὅσα ἐὼν διαστείλῃ . . . μεθ' ὁρκου (2 b)  
 Nu. 5. 21. **A B** ὁρκίει . . . ἐν τοῖς δ. [B λόγους]  
 τῆς ἀράς τ. (2 b)  
 30. 3. ἡ ὁμολογία ὁρκου (2 b)  
 — 11. ἡ δ. ὁρισμὸς κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. μεθ'  
 ὁρκου (2 b)  
 — 14. πᾶς δ. δεσμοῦ κακώσαι ψυχὴν (2 b)  
 De. 7. 8. καὶ διατηρᾶν τὸν δ. (2 b)  
 Jo. 2. 17. ἀφ' οὗ ἐσμέν τῷ δ. σου τούτῳ (2 b)  
 — 19. ἡμεῖς δὲ ἀφ' οὗ τῷ δ. σου τούτῳ —  
 — 20. ἐσόμεθα ἀφ' οὗ τῷ δ. σου τούτῳ (2 b)  
 9. 20. διὰ τὸν δ. δὲ ὡμώσαμεν (2 b)  
 Jd. 21. 5. ὁ [A om.] δ. μέγας ἦν (2 b)  
 I Ki. 14. 26. ἐφοβήθη ὁ λαὸς τὸν δ. κυρίου (2 b)  
 II Ki. 21. 7. διὰ τὸν δ. κυρίου τὸν ἀνὰ μέσον  
 αὐτῶν (2 b)  
 III Ki. 3. 1 (2. 43). τί ὅτι οὐκ ἐφύλαξας τὸν δ.  
 κυρίου (2 b)  
 I Ch. 16. 16. καὶ τὸν δ. αὐ. τῷ Ἰσάακ (2 b)  
 II Ch. 15. 15. ἐνφρανθήσαντες πᾶς Ἰ. περὶ τοῦ δ. (2 b)  
 Ne. 6. 18. **B'** πολλοὶ ἐν Ἰ. δ. [A B' S E ἐνορκί] (2 b)  
 ἦσαν αὐτῷ (2 b)  
 10. 29 (30). εἰσηλθόντες . . . ἐν ὁρκῳ (2 b)  
 To. 9. 3. **S** οὐ δύναμαι παραβῆναι τὸν δ. αὐ.  
 Ju. 8. 11. καὶ ἐστήσατε τὸν δ. (1)  
 — 30. ἐπαγαγεῖν ὁρκὸν ἐφ' ἡμᾶς  
 Ps. 104 (105). 9. καὶ τοῦ δ. [A τῷ δ.] αὐτοῦ τῷ  
 Ἰσάακ (2 b)  
 Pr. 29. 24. ἐὰν δὲ ὁρκον προτεθέντος ἀκούσαιτες  
 μὴ ἀναγγεῖλωσι (1)  
 Ec. 8. 2. περὶ λόγου ὁρκου θεοῦ [A B om.] μὴ  
 σπουδάζῃς (2 b)  
 9. 2. ὅς ὁ ὁμῶν καθὼς ὁ τὸν δ. φοβούμενος (2 b)  
 Wi. 12. 21. ὡν τοῖς πατέρας ὁρκους . . . ἔδωκεν  
 ἀγαθὴν ὑποσχέσεων (1)  
 18. 6. οἱς ἐπίστευσαν ὁρκούς.  
 — 22. ὁρκους πατέρας καὶ διαθήκας ὑπομνήσας  
 Si. 23. 9. ὁρκῶ μὴ ἐθίσῃς τὸ στόμα σου  
 44. 21. ἐν ὁρκῳ ἔστησεν αὐτῷ  
 Am. 5. 5. ἐπὶ τὸ φέρετι τοῦ δ. μὴ διαβαίνειτε  
 [A ἀναβ.] (2 a)  
 Za. 8. 17. καὶ ὁρκον ψευδὴ μὴ ἀγαπᾶτε (2 b)  
 Je. 11. 5. ὅπως στήσω τὸν δ. μου (2 b)  
 Da. LXX. 9. 11. ἐπῆλθεν ἐφ' ἡμᾶς . . . ὁ δ. (2 b)  
 11. 18. ἐπιστρέψῃ ὁργὴν ὀνειδισμοῦ αὐ. ἐν ὁρκῳ —  
 Da. Th. 9. 11. ἐπῆλθεν ἐφ' ἡμᾶς . . . ὁ δ. (2 b)  
 I Ma. 7. 18. παρέβησαν γὰρ . . . τὸν δ.  
 II Ma. 4. 34. δεξιὰς μεθ' ὁρκων δούς  
 7. 24. ἀλλὰ καὶ δι' ὁρκων ἐπίσταν  
 14. 32. τῶν δὲ μεθ' ὁρκων φασκόντων  
 15. 10. παρεπίθεοντες . . . τὴν τὸν δ. παράβασιν  
 III Ma. 5. 42. ἀτελείστατον ἐξεβίασαν ὁρκον  
 IV Ma. 5. 29. **S E** μὰ τοὺς ἱερεῖς . . . δ. [A al.]  
 [Aq. Is. 65. 15.]  
 [Sm. I Ki. 20. 17: Ps. 101 (102). 9: Ec. 8. 2:  
 Is. 65. 15: Ho. 10. 4.]  
 [Th. Is. 65. 15: Je. 29 (36). 18: 44 (51). 12:  
 Ez. 16. 59.]  
 [Al. Le. 7. 16: 22. 21: Nu. 15. 3.]  
 ὁρκωμοσία. (1) ῥῥῥ hi.  
 IV Ki. 11. 4. καὶ ὁρκωσέ [A -κισεν αὐτοὺς] (1)  
 ὁρκωμοσία. (1) ῥῥῥ  
 I Es. 9. 93. γινώσθω ἡμῖν ὁρκωμοσία (1)  
 Ez. 17. 18. ἡτρώσαντες ὁρκωμοσίαν (1)  
 — 19. ἐὰν μὴ τὴν δ. μου . . . δώσω αὐτὴν εἰς  
 κεφαλὴν αὐτοῦ (1)

**ὁρμᾶν.** (1) חָרַח hi. (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח חָרַח חָרַח (5) חָרַח (6) δ. τοῦ  
θέσθαι חָרַח

Ge. 31. 21. καὶ ὥρμηνεν εἰς τὸ ὄρος (4)  
Nu. 16. 42 (17. 7). ὥρμησαν ἐπὶ τὴν σκηνὴν τοῦ  
μαρτ. (2)  
Jo. 4. 18. ὥρμησε τὸ ὕδωρ τοῦ Ἰ. κατὰ χώραν  
6. 5. εἰσελεύσεται πᾶς ὁ λαὸς ὁρμήσας (5)  
Jd. 20. 37. Ἄ τὸ ἐνέδρον ὥρμησαν [B ἐκνήθη] (1)  
1 Ki. 15. 19. ὥρμησας τοῦ θέσθαι ἐπὶ τὰ σκύλα (3)  
Na. 3. 16. βρούχους ὥρμησε καὶ ἐξεπετάσθη (6)  
Hb. 1. 8. καὶ ὁρμήσουσι μακρόθεν (3)  
Is. 5. 29. Ἀ ὁρμῶσιν [B ὁρμῶσιν] ὡς λέοντες (3)  
Je. 4. 28. ὥρμησα καὶ οὐκ ἀποστρέψω ἀπ' αὐτῆς (3)  
I Ma. 9. 2. τῶν πληθύν ὁρμῶσαντων ἐπὶ τὴν . . .  
βοήθειαν

10. 16. ἐπὶ τὰ τῶν Ἰ. ὁχυρώματα ὥρμησαν  
12. 20. Εἰ ἐπὶ τὸν Τ. ὥρμησεν [A -αν]  
— 22. Εἰ εἰς φυγὴν [A -γειν] ὥρμησαν  
— 29. ὥρμησαν ἐπὶ Σκυθῶν πόλιν  
— 32. ὥρμησαν ἐπὶ Γοργύν  
[Aq. Ps. 77 (78). 26 : Je. 6. 1.]  
[Sm. 1 Ki. 16. 13 : Je. 8. 6 : Ez. 1. 20.]  
[Th. Je. 48 (31). 40 : Ez. 28. 5.]

**ὁρμή.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

Nu. 11. 11. ἐπιτίθειν τὴν δ. [A ὁρμήν] τοῦ λαοῦ  
τ. ἐπ' ἐμέ (2)  
— 17. συνανιλήνυνται . . . τὴν δ. τοῦ λαοῦ (2)  
Pr. 3. 25. οὐδὲ ὁρμᾶς ἀνέβων ἐπερχομένης (5)  
21. 1. ὥσπερ ὁρμή ὕδατος (3)  
Za. 7. 12. Ἀ ἐγένετο ὁ [B ὁρμή] μεγάλην παρὰ  
κύριον (4)  
Je. 29 (47). 3. ἀπὸ φωνῆς ὁρμῆς αὐτοῦ (6)  
Ez. 3. 14. ἐπορεύθη [A add. μετέωρος] ἐν ὁρμῇ  
τοῦ πνεύματος μου (1)  
Da. Th. 8. 6. ἐν ὁρμῇ τῆς ἰσχύος αὐ. (1)  
III Ma. 1. 16. τὴν δ. τοῦ κακῶς ἐπιβαλλομ. μεταβίωαι  
— 23. τὴν δ. ἐπὶ τὰ ὅπλα πούσασθαι  
4. 5. ἀνατροπῆς ὁρμῇ βίαιας  
[Aq. Jb. 38. 34 : Ez. 3. 14 (P.).]  
[Sm. Ge. 3. 17 (16) : 4. 7 : Jb. 38. 34 : Ca. 8.  
6 bis : Ez. 1. 12.]  
[Th. Nu. 11. 11 : Jb. 38. 34 : Ez. 3. 14 (P.) :  
28. 11.]

**ὁρμημα.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

Ex. 32. 22. σὺ γὰρ οἶδας τὸ δ. τοῦ λαοῦ τούτου  
De. 28. 49. ὡσεὶ ὁρμημα ἀετοῦ (1)  
Ps. 45 (46). 4. τοῦ ποταμοῦ τὰ δ. εὐφραίνουσι  
τὴν πόλιν τοῦ θεοῦ (3)  
Ho. 5. 10. ἐπ' αὐτοὺς ἐκείνους ὡς ὕδωρ τὸ δ. μου (2)  
Am. 1. 11. καὶ τὸ δ. αὐτοῦ ἐφύλαξεν εἰς σίκου (2)  
Hb. 3. 8. ἈΒΣ<sup>2</sup> ἢ ἐν θαλάσῃ τὸ δ. σοῦ (2)  
I Ma. 4. 8. τὸ δ. αὐ. μὴ δειλωθῇ  
— 30. ὁ συντριψας τὸ δ. τοῦ δυνατοῦ  
6. 33. ἀπῆρε τὴν παρεμβολὴν ἐν ὁρμηματι αὐ.  
— 47. ΣΒ ἰδὼν . . . τὸ δ. [A τὰ δ.] τῶν δυνάμεων  
[Aq. Ps. 86 (87). 4 : Is. 30. 7 : 51. 9.]  
[Sm. Ez. 23. 20 : Ho. 5. 10.]

**ὁρμίσκος.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

Ge. 38. 18. τὸν δακτύλιόν σου καὶ τὸν δ.  
— 25. ὁ δακτύλιος καὶ ὁ δ. καὶ ἡ βίβλος (5)  
Jd. 8. 26. Ἀ πλὴν . . . τῶν δ. ἐνφάθ [B al.] (4)  
Pr. 25. 11. μὴλον χρυσοῦν ἐν ὁρμίσκῳ σαοῦ (3)  
Ca. 1. 10. τρύχηλός σου ὡς ὁρμίσκος [A -ος]  
7. 1 (2). ῥύθμοι μὴρῶν σου ὅμοιοι ὁρμίσκοι (1)  
[Sm. Ca. 4. 9.]

**ὄρμος.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

Ge. 49. 13. κατοικήσει . . . παρ' ὄρμον πλοίων (2)  
Ez. 27. 11. τὰς φαρέτρας αὐτῶν ἐκρέμασαν ἐπὶ  
τῶν δ. σου κύκλῳ (1)  
IV Ma. 18. 6. τοῖς εἰσπλέουσιν τὸν δ.

**ὄρνεον.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

Ge. 6. 20. ἀπὸ πάντων τῶν ὀρνέων τῶν πετεινῶν (1)  
7. 14. Β καὶ πᾶν ὄρνεον [A om.] πετεινὸν (1)  
9. 2. Β πάντα τὰ πετεινά [A ὄρνεα] τοῦ οὐρανοῦ (1)

Ge. 9. 10. καὶ πάση ψυχῇ . . . μετ' ὕμῶν ἀπὸ  
ὀρνέων (1)  
15. 10. τὰ δὲ ὄρνεα οὐ διείλε  
— 11. κατέβη δὲ ὄρνεα ἐπὶ τὰ σώματα (3 a)  
40. 19. φάγεταί τὰ δ. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
De. 4. 17. ὁμοίωμα παντός δ. περρωτοῦ (1)  
14. 11. πᾶν δ. καθαρὸν φάγεσθε (3 a)  
22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσῃς νοσσοῦν ὀρνέων (3 a)  
32. 24. τηκόμην . . . βρώσει ὀρνέων (3 a)  
Jb. 40. 24 (29). παίξῃ δὲ ἐν [A καὶ ἐμπαίξει] (3 a)  
αὐτῷ ὥσπερ ὀρνέω (3 a)  
Pr. 6. 5. ὥσπερ ὀρνέων ἐκ παγίδος (3 a)  
7. 23. σπεύδει δὲ ὥσπερ ὄρνικον εἰς παγίδα (3 a)  
9. 12. ΑΒ ὁ δ' αὐτοῦ διώκεται ὄρνεα πετόμενα (3 a)  
28. 2. ὥσπερ ὄρνεα πέταται καὶ στρουθοί (3 a)  
27. 8. ὥσπερ ὄρνικον καταπετάσῃ ἐκ τῆς  
ἰδίας νοσσίας (3 a)  
Ec. 9. 12. ὡς ὄρνεα τὰ θηρυνόμενα ἐν παγίδι (3 a)  
Wi. 5. 11. ὡς ὀρνέων διπταντὸς αἶρα (3 a)  
17. 18. ἡ περὶ ἀμφιλαφεῖς κλάδους ὀρνέων [A ἡ  
ὄρ.] ἤχος ἐυμελῆς (3 a)  
19. 11. εἶδον καὶ νέαν γενέσθαι ὀρνέων (3 a)  
Ho. 9. 11. Ἐφραΐμ ὡς ὄρνικον ἐξεπετάσθη (1)  
11. 11. Β<sup>2</sup> Εἰς ἐκότητάς [A Β<sup>2</sup> ἐκότης.] ὡς  
ὄρνικον ἐξ Αἰγ. (3 a)  
Am. 3. 5. εἰ πεσεῖται ὄρνικον ἐπὶ τῆς γῆς ἀνευ  
ἔξεντοῦ (3 a)  
Is. 31. 5. ὡς ὄρνεα πετόμενα (3 a)  
34. 11. ὄρνεα καὶ ἔχινος καὶ ἱβῆς καὶ κόρακες (4)  
35. 7. ἐκεῖ εὐφροσύνη ὀρνέων (3 a)  
Ba. 8. 17. οἱ ἐν τοῖς δ. τοῦ οὐρανοῦ ἐμπαίζοντες  
— 11. καὶ τὰ δ. ἀπὸ τῶν κλάδων αὐ. (3 a)  
— 71. ἐφ' ἧς πᾶν δ. ἐπιτάσθηται (3 a)  
Ez. 17. 23. ἀνπαύσεται ὑποκόντω αὐτοῦ πᾶν δ.  
[A θηρίον] (3 a)  
39. 4. δοθήσονται εἰς πλήθη ὀρνέων (3 a)  
— 17. εἰπὸν παντὶ ὀρνέῳ πετεινῷ (3 a)  
Da. Th. 4. 9. κατὰκούσιν τὰ δ. τοῦ οὐρανοῦ (3 b)  
— 11. καὶ τὰ δ. ἀπὸ τῶν κλάδων αὐ. (3 b)  
— 18. κατεσκήνου [A -φικον] τὰ δ. τοῦ οὐρ. (3 b)  
— 30. καὶ οἱ ὄνυχες αὐ. ὡς ὀρνέων (3 b)  
II Ma. 15. 33. ἔφη κατὰ μέρος ὥσπερ τοῖς δ.  
IV Ma. 1. 34. ἐνδύθων ἐπιθυμούντες καὶ ὀρνέων  
[Aq. Ps. 83 (84). 4 : 103 (104). 17 : Ez. 17. 23.]  
[Sm., Th. Ez. 17. 23.]

**ὀρνίξιν (?)**. (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
[Aq. Is. 38. 14.]

**ὀρνίθιον.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

Le. 14. 4. λήψονται . . . δύο ὀρνίθια ζῶντα (1)  
— 5. σφάζονται τὸ δ. τὸ ἐν εἰς ἀργίῳ (1)  
— 6. καὶ τὸ δ. τὸ ζῶν λήγεται αὐτό (1)  
— 6. βάψκει αὐτὰ καὶ τὸ δ. τὸ ζῶν εἰς τὸ αἷμα  
τοῦ δ. τοῦ σφάγιτος (1, 1)  
— 7. ἐξαποστελεῖ τὸ δ. τὸ ζῶν εἰς τὸ πεδίον (1)  
— 49. δύο ὀρνίθια ζῶντα καθαρά (1)  
— 50. σφάζει τὸ δ. τὸ ἐν εἰς σκεῦος (1)  
— 51. λήγεται . . . τὸ δ. τὸ ζῶν (1)  
— 51. εἰς τὸ αἷμα τοῦ δ. τοῦ ἐσφαγμένου (1)  
— 52. ἐν τῷ αἵματι τοῦ δ. (1)  
— 52. καὶ ἐν τῷ δ. τῷ ζῶντι (1)  
— 53. ἐξαποστελεῖ τὸ δ. τὸ ζῶν ἔξω (1)  
ὀρνίθιον. (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
Le. 19. 26. οὐδὲ ὀρνίθοσκοπήσῃς [A -πηθῇ.] (1)

**ὄρνις.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

III Ki. 3. 1 (4. 23) (5. 3). Β ἐκτός . . . δ. ἐλκε-  
τῶν νομάδων (1)  
4. 23 (5. 3). ἐκτός . . . δ. ἐλκετῶν [A al.] (1)  
[Aq., Sm., Th. Is. 46. 11.]

**ὄρος.** (1) חָרַח (2) חָרַח (3) חָרַח  
(4) חָרַח (5) חָרַח (6) חָרַח

Ge. 7. 19. ἐκάλυψε πάντα τὰ δ. τὰ ὑψηλά (2 b)  
— 20. ἐπεκάλυψε πάντα τὰ δ. τὰ ὑψηλά (2 b)  
8. 3 (4). ἐκάθισεν . . . ἐπὶ τὰ ὄρη τὰ Ἀρ. (2 b)  
— 5. ὥφθησαν αἱ κεφαλαὶ τῶν δ. (2 b)  
10. 30. εἰς Σαφρὰ ὄρος ἀνατολῶν (2 b)  
12. 8. ἀπέστη ἐκεῖθεν εἰς τὸ δ. (2 b)  
14. 6. τοὺς Χωρραῖους τοὺς ἐν τοῖς δ. Σηεῖρ (2 b)  
17. 17. εἰς τὸ δ. σῶν (2 b)  
— 19. οὐ δυνήσονται διασωθῆναι εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 30. ἐκάθην ἐν τῷ δ. (2 b)  
22. 2. ἀνέγκει αὐτὸν ἐκεῖ . . . ἐφ' ἧς τῶν δ. (2 b)

Ge. 22. 14. ἐν τῷ δ. κύριος ὠφθή (2 b)  
31. 21. καὶ ὥρμησεν εἰς τὸ δ. Γαλαὰδ (2 b)  
— 23. κατέλαβεν αὐτὸν ἐν τῷ δ. Γαλαὰδ (2 b)  
— 25. ἐπῆξε τὴν σκηνὴν αὐτοῦ ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 25. ἔστησε τοὺς ἀδ. αὐ. ἐν τῷ δ. Γαλαὰδ (2 b)  
— 54. ἔθυσεν θυσίαν ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 54. καὶ ἐκοιμήθησαν ἐν τῷ δ. (2 b)  
38. 8. κατέκρησε δι' Ἡσαὺ ἐν τῷ δ. Σηεῖρ (2 b)  
— 9. αἱ γενέσεις Ἡσαὺ . . . ἐν τῷ δ. Σηεῖρ (2 b)  
49. 26. Εἰς ὑπὲρ εὐλογίας ὀρέων μοιῶμαι [A B  
al.] (2 a)  
Ex. 3. 1. καὶ ἤλασεν εἰς τὸ δ. Χωρήβ (2 b)  
— 12. λατρεύσατε τῷ θεῷ ἐν τῷ δ. τούτῳ (2 b)  
4. 27. συνήντησεν αὐτῷ ἐν τῷ δ. τοῦ θεοῦ (2 b)  
15. 17. εἰς ὄρος κληρονομίας σου (2 b)  
18. 5. ἐπ' ὄρους [A εἰς τὸ ὄρος] τοῦ θεοῦ (2 b)  
19. 2. παρενέβαλεν ἐκεῖ Ἰσρ. κατέναντι τοῦ δ. (2 b)  
— 3. ἀνέβη εἰς τὸ δ. τοῦ θεοῦ (2 b)  
— 3. ἐκάλεσεν αὐτὸν ὁ θεὸς ἐκ τοῦ δ. (2 b)  
— 11. ἐπὶ τὸ δ. τὸ [A om.] Σινὰ (2 b)  
— 12. τοῦ ἀναβῆναι εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 12. πᾶς ὁ ἀψήμενος τοῦ δ. (2 b)  
— 13. ὅταν . . . ἡ νεφέλη ἀπέλθῃ ἀπὸ τοῦ δ. (2 b)  
— 13. ἐκείνοι ἀναβήσονται ἐπὶ τὸ δ. (2 b)  
— 14. κατέβη δὲ Μ. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ δ. (2 b)  
— 16. καὶ ἐγένοντο φωναὶ . . . ἐπ' ὄρους Σινὰ (2 b)  
— 17. παρεστήσαν ὑπὸ τὸ δ. (2 b)  
— 18. τὸ δὲ δ. τὸ [A om.] Σινὰ ἐκαπνίζετο (2 b)  
— 20. κατέβη . . . ἐπὶ τὸ δ. τὸ [A om.] Σινὰ (2 b)  
— 20. ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ δ. (2 b)  
— 20. ἐκάλεσε . . . ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ δ. (2 b)  
— 23. προσαναβῆναι πρὸς τὸ δ. τὸ Σινὰ (2 b)  
— 23. ἀφόρισται τὸ δ. (2 b)  
20. 18. ὅρα . . . τὸ δ. τὸ καπνίζον (2 b)  
24. 4. φεκοδόμησε θυσαστῆριον ὑπὸ τὸ δ. (2 b)  
— 12. ἀναβῆθι πρὸς με εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 13. ἀνέβησαν εἰς [A ἐπὶ] τὸ δ. (2 b)  
— 15. ἀνέβη Μ. καὶ Ἰησοῦς εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 15. καὶ ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὸ δ. (2 b)  
— 16. κατέβη . . . ἐπὶ τὸ δ. τὸ [A om.] Σινὰ (2 b)  
— 17. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ δ. (2 b)  
— 18. καὶ ἀνέβη εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 18. καὶ ἦν ἐκεῖ ἐν τῷ δ. (2 b)  
25. 8 (9). κατὰ πάντα ὅσα σοι δεικνύω ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 39 (40). τὸν τύπον τὸν δεδειγμένον σοι ἐν  
τῷ δ. (2 b)  
26. 30. τὸ εἶδος τὸ δεδειγμένον σοι ἐν τῷ δ. (2 b)  
27. 8. κατὰ τὸ παραδειχθέν σοι ἐν τῷ ὄρει (2 b)  
31. 18. λαλῶν αὐτῷ ἐν τῷ δ. τῷ Σινὰ (2 b)  
32. 1. καταβῆναι ἐκ τοῦ δ. (2 b)  
— 12. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἀποσκεῖναι ἐν τοῖς δ. (2 b)  
— 15. κατέβη ἀπὸ τοῦ δ. (2 b)  
— 19. συνιέναι αὐτὰς ὑπὸ τὸ δ. (2 b)  
33. 6. ἀπὸ τοῦ δ. τοῦ [A om.] Χωρήβ (2 b)  
34. 1. ἀνιῶσθι πρὸς με εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 2. ἀναβῆθι ἐπὶ [A εἰς] τὸ δ. τὸ Σινὰ (2 b)  
— 2. στήσῃ μοι ἐκεῖ ἐπ' ἄκρον τοῦ δ. (2 b)  
— 3. μὴ δὲ ὀφθῇ ἐν παντὶ τῷ δ. (2 b)  
— 3. μὴ νεμεσθῶσαν πλησίον τοῦ δ. ἐκείνου (2 b)  
— 4. ἀνέβη εἰς τὸ δ. τὸ Σινὰ (2 b)  
— 29. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ δ. [A add. Σινὰ] (2 b)  
— 29. καταβαίνοντος δὲ αὐτοῦ ἐκ [A ἀπὸ]  
τοῦ δ. (2 b)  
— 32. ἐνετείλατο . . . ἐν τῷ δ. Σ. (2 b)  
Le. 7. 28 (38). ἐνετείλατο κ. . . ἐν τῷ δ. Σ. (2 b)  
19. 26. μὴ ἑσθε ἐπὶ τῶν δ. (2 b)  
25. 1. ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ δ. Σ. (2 b)  
28. 46. ὃν ἔδωκε κύριος . . . ἐν τῷ δ. Σ. (2 b)  
27. 34. ὃς ἐνετείλατο κύριος . . . ἐν τῷ δ. Σ. (2 b)  
Nu. 3. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Μ. ἐν ὄρει [A τῷ  
δ.] Σ. (2 b)  
10. 33. ἐξήραν ἐκ τοῦ δ. κυρίου (2 b)  
13. 19 (17). ἀναβήσασθε εἰς τὸ δ. (2 b)  
14. 40. εἰς [A ἐπὶ] τὴν κορυφὴν τοῦ δ. (2 b)  
— 44. ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ δ. (2 b)  
— 45. ὁ ἐγκαθήμενος ἐν τῷ δ. ἐκείνῳ (2 b)  
20. 19 bis. παρὰ τὸ δ. παρελθόντος αὐτοῦ (2 b)  
— 22. παρεγένοντο εἰς Ὁρ τὸ δ. (2 b)  
— 23. εἴπε κύριος . . . ἐν Ὁρ τῷ δ. (2 b)  
— 25. ἀναβίβασον αὐτοὺς εἰς Ὁρ τὸ δ. (2 b)  
— 27. ἀνεβίβασον αὐτὸν εἰς Ὁρ τὸ δ. (2 b)  
— 28. ἀπέδανεν Ἀ. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ δ. (2 b)  
— 28. κατέβη Μ. καὶ Ἐλ. ἐκ τοῦ δ. (2 b)  
21. 4. ἀπάραντες ἐξ Ὁρ τοῦ δ. (2 b)  
23. 7. μετεπέμφατο με . . . ἐξ ὄρους (2 b)  
— 9. ἀπὸ κορυφῆς ὄρους ὄφθαλμοι αὐτοῦ (5)

Nu. 27. 12. ἀνάβηθι εἰς τὸ δ. . . τοῦτο τὸ  
[A B<sup>2</sup> om.] δ. N. (2 b, -)  
— 13. καθὰ προσετίθη Ἀ. . . ἐν τῷ \*Ωρ τῷ δ. (2 b)  
28. 6. ἡ γενομένη ἐν τῷ δ. Σ. (2 b)  
33. 32. παρενέβαλον εἰς τὸ [A om.] δ. Γ. +  
— 33. ἀπῆραν ἐκ τοῦ δ. Γ. +  
— 37. παρενέβαλον εἰς \*Ωρ τὸ δ. (2 b)  
— 38. Α πλησίον τοῦ δ. (2 b)  
— 39. ὅτε ἀπέθνησκεν ἐν \*Ωρ τῷ δ. (2 b)  
— 41. ἀπῆραν ἐξ \*Ωρ. τοῦ δ. (2 b)  
— 47. παρενέβαλον ἐπὶ τὰ δ. τὰ \*Αβ. (2 b)  
— 48. ἀπῆραν ἀπὸ ὁρέων \*Αβ. (2 b)  
34. 7. καταμετρήσετε . . . παρὰ τὸ δ. τὸ δ.  
[A om. τὸ δ.] (2 a, 2 b)  
— 8. ἀπὸ τοῦ δ. τὸ δ. καταμετρήσετε αὐτοῖς (2 a, 2 b)  
De. 1. 2. ὁδὸς ἐπ' ὁρος Σ. (2 b)  
— 6. κατοικεῖν ἐν τῷ δ. τούτῳ (2 b)  
— 7. εἰσπορεύσεθαι εἰς ὁρος \*Αμορραίων . . . εἰς  
ὁρος καὶ πεδίων (2 b, 2 b)  
— 19. ὁδὸν ὁρους τοῦ \*Αμορραίων (2 b)  
— 20. ἦλθατε ἕως τοῦ [A om.] δ. τοῦ \*Αμορ-  
ραίων (2 b)  
— 24. ἀνέβησαν εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 31. Β ὁδὸν ὁρους τοῦ \*Αμ. (2 b)  
— 41. ἀνέβαινετε εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 43. ἀνέβητε εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 44. ὁ κατοικῶν ἐν τῷ δ. ἐκείνῳ (2 b)  
2. 1. ἐκυκλοστράφη ἐν τῷ δ. τὸ [A om.] Σ. (2 b)  
— 3. ἰκυνόσθω ὑμῖν κυκλόθεν τὸ δ. τοῦτο (2 b)  
— 5. δειδῶκα . . . τὸ δ. τὸ Σπείρ (2 b)  
— 36. καὶ ἕως ὁρους τοῦ Γ. (2 b)  
3. 12. καὶ τὸ ἥμισυ τοῦ [B<sup>1</sup> om.] ὁρους Γαλ. (2 b)  
— 25. ὄψομαι . . . τὸ δ. τοῦτο [B<sup>1</sup> om.] τὸ  
ἀγαθόν (2 b)  
4. 11. ἔστητε ὑπὸ τὸ δ. (2 b)  
— 11. τὸ δ. ἐκαίειτο πυρὶ (2 b)  
— 12. ΑΒ<sup>2</sup> ἐλάλησε κ. πρὸς ὑμᾶς ἐν τῷ δ.  
[B<sup>1</sup> R om. ἐν τ. δ.] (2 b)  
— 15. ἡ ἐλάλησε κ. . . ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 48. ἡ ἔστιν . . . ἐπὶ τοῦ δ. τοῦ Σ. (2 b)  
5. 4. ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ δ. [A om. ἐν τ. δ.] (2 b)  
— 5. οὐκ ἀνέβητε εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 22 (19). ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 23 (20). τὸ δ. ἐκαίειτο πυρὶ (2 b)  
8. 7. ἐκπορεύμενοι . . . διὰ τῶν ὁ. (2 b)  
— 8. ἐκ τῶν ὁ. αὐτῆς μεταλλεύσεις χαλκῶν (2 b)  
9. 9. ἀναβαινόντες μου εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 9. κατεγινόμεν ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 10. οὐς ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 15. κατέβην ἐκ τοῦ δ. (2 b)  
— 15. τὸ δ. ἐκαίειτο πυρὶ (2 b)  
— 21. τὸν χειμάρρουν τὸν καταβαίνοντα ἐκ  
[A ἀπὸ] τοῦ δ. (2 b)  
10. 1. ἀνάβηθι πρὸς με εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 3. ἀνέβην εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 4. οὐς ἐλάλησε κύριος . . . ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 5. κατέβην ἐκ τοῦ δ. (2 b)  
— 10. εἰστήκειν ἐν τῷ δ. (2 b)  
11. 29. δώσεις εὐλογίαν ἐπ' ὁρος Γαρ. καὶ τὴν  
κατάραν ἐπ' ὁρος Γαιβάλ (2 b, 2 b)  
12. 2. ἐπὶ τῶν ὁ. τῶν ὑψηλῶν (2 b)  
27. 4. στήσετε τοὺς λίθους τούτους . . . ἐν  
ὁρει Γ. (2 b)  
— 12. οὗτοι στήσονται . . . ἐν ὁρει Γαρ. (2 b)  
— 13. οὗτοι στήσονται . . . ἐν ὁρει Γαιβάλ (2 b)  
32. 29. φέλειε θεμελίαι ὁρέων (2 b)  
— 49. ἀνάβηθι εἰς τὸ δ. τὸ \*Αβ. τοῦτο δ. N. (2 b, 2 b)  
— 50. τελευτᾶ ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 50. ἀπέθανεν \*Α. . . ἐν \*Ωρ τῷ δ. (2 b)  
— 33. 2. κατέπεσαν ἐξ ὁρους Φ. (2 b)  
— 13. Α ἀπὸ ὁρέων [B ὁρέων] οὐρανοῦ +  
— 15. ἀπὸ κορυφῆς ὁρέων ἀρχῆς (2 b)  
34. 1. ἀνέβη Μ. . . ἐπὶ τὸ δ. N. (2 b)  
Jo. 2. 23. κατέβησαν ἐκ τοῦ δ. (2 b)  
8. 24. τοὺς ἐν τοῖς πεδίοις καὶ ἐν τῷ δ. +  
9. 2 (8. 30). ἠκούσθησαν ἱ. . . ἐν ὁρει Γ. (2 b)  
— 2 (8. 33). οἱ ἥσαν ἡμισυ πλησίον ὁρους Γαρ. (2 b)  
— 2 (8. 33). οἱ ἥσαν ἡμισυ πλησίον ὁρους Γαιβ. (2 b)  
11. 3. καὶ ἱεβουσαῖους τοὺς ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 16. ἔλαβεν ἱ. . . τὸ δ. [A ὁρίων] ἱσρ. (2 b)  
— 17. τὰ πρὸς τῷ δ. ἀπὸ ὁρους [A om. ἀ. δ.] Ἀ. (2 b)  
— 17. τὰ πεδία τοῦ Λιβ. ὑπὸ τὸ δ. τὸ Ἀ. (2 b)  
— 21. Α ἐξωλέθρευσεν . . . ἐκ παντός ὁ. [B  
γένους] ἱσρ. καὶ ἐκ παντός ὁ. ἰουδα (2 b, 2 b)

Jo. 12. 1. ἀπὸ φάραγγος \*Αρναῖν ἕως τοῦ δ. Ἀ. (2 b)  
— 5. ἄρχων ἀπὸ ὁρους Ἀ. (2 b)  
— 7. Β ἕως τοῦ δ. [A B ε. δ. γ.] Χελχά (2 b)  
— 8. ἐν τῷ δ. καὶ ἐν τῷ πεδίῳ (2 b)  
13. 5. ἀπὸ Γ. ὑπὸ τὸ δ. τὸ Ἀ. (2 b)  
— 11. πάν δ. Ἀερμών (2 b)  
— 19. καὶ Σ. ἐν τῷ δ. Ἐνάβ (2 b)  
14. 12. αἰτοῦμαι σε τὸ δ. τοῦτο (2 b)  
15. 8. διεκβάλλει τὰ ὅρια ἐπὶ κορυφὴν ὁρους (2 b)  
— 9. διεκβάλλει τὸ ὅριον ἀπὸ κορυφῆς τοῦ δ. (2 b)  
— 9. διεκβάλλει εἰς τὸ δ. [A δ. ὁρους] Ἐ. (2 b)  
— 10. παρελεύσεται εἰς ὁρος Ἀ. [A al.] (2 b)  
— 11. Α παρελεύσεται ὁρος γῆς Β. [B al.] (2 b)  
17. 15. εἰ στενωχωρεῖς σε τὸ δ. τὸ [A om.] Ἐφ. (2 b)  
— 16. οὐκ ἀρέσκει ἡμῖν τὸ δ. (2 b)  
18. 12. ἀναβήσεται ἐπὶ τὸ δ. (2 b)  
— 14. Β<sup>1</sup> παρελεύσεται ἐπὶ τὸ δ. [A B<sup>2</sup> R μέρος] +  
— 14. ἀπὸ τοῦ δ. ἐπὶ πρόσωπον Β. λίβα (2 b)  
— 16. Α καταβήσεται τὰ ὅρια ἐπὶ μέρους τοῦ  
δ. [B om. τ. δ.] (2 b)  
19. 48. τὸν θλίβοντα αὐτοὺς ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 50. ἡ ἔστιν ἐν τῷ δ. Ἐφρ. (2 b)  
20. 7. τὴν Κάδης . . . ἐν τῷ δ. τῷ Νεφθ. (2 b)  
— 7. καὶ Συχέμ ἐν τῷ δ. τῷ Ἐφρ. (2 b)  
— 7. αὕτη ἔστι Χ. ἐν τῷ δ. τῷ ἱ. (2 b)  
21. 11. αὕτη ἔστι Χ. ἐν τῷ δ. τῷ ἱ. [A τῷ ἱ.] (2 b)  
— 40. ἔδωκαν αὐτῶν ἐν τῷ δ. Ἐφρ. (2 b)  
24. 4. ἔδωκα τῷ ἱ. τὸ δ. τὸ Σπείρ (2 b)  
— 30. ἔδωκαν αὐτὸν . . . ἐν τῷ δ. τῷ [A om.]  
Ἐφρ. ἀπὸ Βορρὰ τοῦ δ. τοῦ [A om.]  
Γ. (2 b, 2 b)  
— 33. ἡν ἔδωκεν αὐτῶν ἐν τῷ δ. τῷ Ἐφρ. (2 b)  
Jd. 1. 19. ἐκληρονόμησε τὸ δ. (2 b)  
— 34. ἐξέβλησεν ὁ Ἀμ. τοὺς υἱοὺς Δὰν εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 35. κατοικεῖν ἐν τῷ δ. τῷ ὁστρακώδει [A al.] (2 b)  
2. 9. Α ἔθιψαν αὐτὸν ἐν ὁρει [B ὁρίῳ] τῆς  
κληρον. αὐτοῦ . . . ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
— ἀπὸ Βορρὰ τοῦ δ. Γ. (2 b, 2 b)  
3. 3. ἀπὸ τοῦ δ. τοῦ Ἀ. ἕως Ἀ. (2 b)  
— 27. ἐσάλπισεν . . . ἐν τῷ δ. Ἐφρ. (2 b)  
— 27. κατέβησαν . . . ἀπὸ τοῦ δ. (2 b)  
4. 5. ἐκάθον . . . ἐν τῷ δ. [A om.] δ. Ἐφρ. (2 b)  
— 6. ἀπελεύσει εἰς ὁρος Θ. (2 b)  
— 12. ἀνέβη Β. . . εἰς ὁρος Θ. (2 b)  
— 14. κατέβη Β. κατὰ [A ἀπὸ] τοῦ δ. Θ. (2 b)  
5. 5. ὅρη ἐσαλειψήσαν (2 b)  
6. 2. τὰς τριμαλῖας τὰς ἐν τοῖς δ. [A al.] (2 b)  
— 26. Α ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ δ. Μ. [B al.] (2 b)  
7. 3. ἐκχωρεῖται ἀπὸ ὁρους Γ. [A al.] (2 b)  
— 24. Β<sup>2</sup> R ἐν παντὶ δ. [A B<sup>1</sup> ὁρίῳ] Ἐφρ. (2 b)  
9. 7. ἔστη ἐπὶ κορυφῆς [A add. τοῦ] ὁρους Γ. (2 b)  
— 25. ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν δ. (2 b)  
— 36. λαὸς καταβαίνει ἀπὸ τῶν κεφαλῶν τῶν  
δ. [A al.] (2 b)  
— 36. τὴν σκίαν τῶν ὁ. σὺ βλέπεις [A ὁράς] (2 b)  
— 48. ἀνέβη Ἀβ. εἰς ὁρος Ἐ. (2 b)  
10. 1. ὤκει [A κατέκει] . . . ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
11. 37. καταβήσονται ἐπὶ τὰ δ. (2 b)  
— 38. ἔκλαυσεν . . . ἐπὶ τὰ δ. (2 b)  
12. 14 (15). ἐτάφη . . . ἐν ὁρει τοῦ Ἀμ. (2 b)  
16. 3. ἀνέβη ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ δ. (2 b)  
17. 1. ἐγένετο ἀνὴρ ἀπὸ [A ἐξ] ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
— 8. ἦλθεν ἕως ὁρους [A ἐγενήθη εἰς ὁρος]  
Ἐφρ. (2 b)  
18. 2. ἦλθεν ἕως ὁρους [A παρεγένοντο εἰς  
ὁρος] Ἐφρ. (2 b)  
— 13. παρήλθον ἐκείθεν ὁρος Ἐφρ. [A al.] (2 b)  
19. 1. παροικῶν ἐν μισροῖς ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
— 16. ὁ ἀνὴρ ἦν ἐξ ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
— 18. ἕως μισρῶν [A add. ἕως] ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
I Ki. 1. 1. ἀνθρόπος ἦν . . . ἐξ ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
9. 4. διήλθον δι' ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
10. 2. εὐρήσεις δύο ἀνδρας . . . ἐν τῷ δ. Βεν. (2 b)  
13. 2. Β ἦσαν . . . ἐν τῷ δ. Β. (2 b)  
— 23. Β ἦν ὁ πόλεμος διασπαρμένους . . . ἐν τῷ  
δ. τῷ [A R om.] Ἐφρ. (2 b)  
— 3. ἱστανται ἐπὶ τοῦ δ. ἐνταῦθα (2 b)  
— 3. ἱσρ. ἱστανται ἐπὶ τοῦ δ. ἐνταῦθα (2 b)  
23. 14. Α ἐκάθον ἐν τῇ ἐρήμῳ ἐν τῷ δ. Ζ. εἰς  
τὸ δ. αὐχμῶδες [B al.] (2 b)  
— 15. καὶ Δ. ἐν τῷ δ. τῷ αὐχμῶδες +  
— 26. πορεύονται . . . ἐκ μέρους [A μέσου]  
τοῦ δ. ἐκ τούτου καὶ ἦν Δ. . . ἐκ  
μέρους [A μέσου] τοῦ δ. [B<sup>2</sup> om.]  
ἐκ τούτου (2 b, 2 b)

I Ki. 25. 20. καταβαίνουσιν ἐν σκέπῃ τοῦ δ. (2 b)  
26. 13. ἔστη ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ δ. μακρόθεν (2 b)  
— 20. καθὼς καταδιώκει ὁ νυκτικόρας ἐν τοῖς δ. (2 b)  
31. 1. πίπτουσι τραυματίαι ἐν τῷ δ. τῷ Γ. (2 b)  
— 8. πεπιωκῶτας ἐπὶ τὰ δ. Γ. (2 b)  
II Ki. 1. 6. περιέπεσαν ἐν τῷ δ. τῷ Γ. (2 b)  
— 21. ὄρη τὰ ἐν Γ. (2 b)  
13. 34. ἐκ πλευρᾶς τοῦ δ. ἐν τῇ καταβάσει (2 b)  
— 34. ἐκ τῆς ὁδοῦ τῆς Ὡ. [A τῶν ὁρέων ἦν?] +  
ἐκ μέρους τοῦ δ. (2 b)  
16. 13. ἐπορεύετο ἐκ πλευρᾶς τοῦ δ. (2 b)  
20. 21. ἀνὴρ ἐξ ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
21. 9. ἐξηλίσσαν αὐτοὺς ἐν τῷ δ. (2 b)  
III Ki. 3. 1 (5. 29). ὁδοῦκ. χιλιᾶδες λατόμων  
[A om. ὁ. χ. λ.] ἐν τῷ δ. (2 b)  
4. 8. Β. υἱὸς \*Ωρ ἐν ὁρει Ἐφρ. [A al.] (2 b)  
5. 15 (29). ὁδοῦκ. χιλιᾶδες λατόμων ἐν τῷ δ. (2 b)  
11. 7. Α ἐν τῷ δ. ὁ ἐπὶ πρόσωπον ἱερ. (2 b)  
— 43. Β εἰς τὴν γῆν Σ. τὴν ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
12. 24. Β ἦν ἀνθρώπος ἐξ ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
— 24. Β τὴν Σ. τὴν ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
— 24. Β εἰς γῆν Σ. τὴν ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
— 24. Β εἰς Σικ. τὴν ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
— 25. τὴν Σικ. τὴν ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
16. 24. ἐκτίσας Ζ. τὸ δ. τὸ Σεμ. παρὰ Σ. τοῦ  
κυρίου τοῦ δ. (2 b, -)  
— 24. ὠκοδόμησε τὸ δ. (2 b)  
— 24. ἐπεκάλεσαν τὸ ὄνομα τοῦ δ. (2 b)  
— 24. ἐπὶ τὸ ὄνομα Σ. τοῦ κυρίου τοῦ δ. (2 b)  
18. 19. συνάθροισον . . . πάντα ἱσρ. εἰς Ἀ πρὸς  
τὸ δ. τὸ Καρμ. (2 b)  
— 20. ἐπισυνήγαγε . . . εἰς τὸ δ. τὸ Καρμ. (2 b)  
19. 8. ἐπορεύθη . . . ἕως ὁρους [A add. τοῦ  
θεοῦ τοῦ] Χ. (2 b)  
— 11. στήση ἐνώπιον κυρίου ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 11. πνεῦμα μέγα κραταίων διαλύων ὄρη (2 b)  
21 (20). 23. θεὸς ὁρέων θεὸς ἱσρ. (2 b)  
— 28. θεὸς ὁρέων κ. ὁ θεὸς ἱσρ. (2 b)  
22. 17. διασπαρμένους ἐν τοῖς δ. (2 b)  
IV Ki. 1. 9. ἐκάθον ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ δ. (2 b)  
2. 16. ἔρριψεν αὐτὸν . . . ἐφ' ἐν τῶν δ. (2 b)  
— 25. ἐπορεύθη ἐκείθεν εἰς τὸ δ. τὸ Καρμ. (2 b)  
4. 24 (25). ἐλεύσῃ . . . εἰς τὸ δ. τὸ Καρμ. (2 b)  
— 25. R ἦλθεν . . . εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 27. ἦλθε πρὸς Ἐλ. εἰς τὸ δ. (2 b)  
5. 22. ἦλθεν . . . δύο παιδάρια ἐξ ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
6. 17. καὶ ἰδοὺ τὸ δ. πληρὴς ἱσπαν (2 b)  
19. 23. ἀναβήσονται [A ἀνέβη] εἰς ὕψος ὁρέων (2 b)  
— 31. καὶ ἀνασφόμενος ἐξ ὁρους Σ. (2 b)  
23. 13. τὸν ἐκ δεξιῶν τοῦ δ. τοῦ μ. (2 b)  
I Ch. 4. 42. ἐπορεύθησαν ἐν ὁρει Σ. (2 b)  
5. 23. κατέκτισαν . . . ὁρος Ἀ. (2 b)  
6. 67 (52). τὴν Σ. . . ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
10. 1. ἔπεσον τραυματίαι ἐν ὁρει Γ. (2 b)  
— 8. πεπιωκῶτας ἐν τῷ δ. Γ. (2 b)  
12. 8. ὡς δορκάδες ἐπὶ τῶν ὁ. τῷ τάχει (2 b)  
II Ch. 2. 2 (1). ὁδοῦκ. χιλιᾶδες λατόμων ἐν  
τῷ δ. (2 b)  
3. 1. τοῦ οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον κ. . . ἐν ὁρει  
τοῦ Ἀμ. (2 b)  
13. 4. ἀνέστη Ἀ. ἀπὸ τοῦ δ. Σ. ὁ ἔστιν ἐν τῷ  
δ. Ἐφρ. (2 b, 2 b)  
15. 8. ὡς κατέσχευ ἐν ὁρει Ἐφρ. (2 b)  
16. 16. διασπαρμένους ἐν τοῖς δ. (2 b)  
19. 4. ἀπὸ Β. ἕως ὁρους Ἐφρ. (2 b)  
20. 10. υἱοὶ Ἀ. καὶ Μ. καὶ ὁρος Σ. (2 b)  
— 22. ἐπὶ Μωάβ καὶ ὁρος Σπείρ (2 b)  
— 23. Α<sup>2</sup> B ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ὁρος Σ. (2 b)  
27. 4. πόλεις ὠκοδόμησαν ἐν ὁρει ἱ. (2 b)  
30. 10. διαπορεύμενοι . . . ἐν τῷ δ. Ἐφρ. +  
33. 15. ἡ ὠκοδόμησαν ἐν ὁρει οἴκου κυρίου (2 b)  
I Es. 4. 4. καταργῶνται τὰ δ. (2 b)  
Ne. 8. 15. ἐξέλιθε εἰς τὸ δ. (2 b)  
9. 13. ἐπὶ ὁρος Σ. κατέβη (2 b)  
To. 1. 5. Σ ἐπὶ πάντων ὁ. τῆς Γαλ. (2 b)  
— 21. ἐφυγον εἰς τὰ δ. Ἀρ. (2 b)  
5. 6. S<sup>2</sup> κείνται γὰρ ἐν τῷ δ. (2 b)  
— 9. Σ τὰ δ. καὶ πᾶσας τὰς ὁδοὺς αὐτῆς (2 b)  
Ju. 1. 12. Α<sup>3</sup> πάντα τὰ ὄρη [A<sup>1</sup> B S ὅρια] τῆς Κιλ.  
— 15. ἔλαβε τὸν Ἀρρ. ἐν τοῖς δ. Ἀρ. (2 b)  
2. 21. πλησίον τοῦ δ. τοῦ ἐπ' ἀρστερᾶ (2 b)  
— 25. S προκατελήβετο τὰ δ. τῆς Κ. [A B al.] (2 b)  
4. 5. πᾶσας τὰς κορυφὰς τῶν ὁ. τῶν ὑψηλῶν (2 b)  
5. 1. εἰτίχισαν πᾶσαν κορυφὴν ὁ. ὑψηλῶν (2 b)  
6. 4. Α S R τὰ δ. [B ὅρια] αὐ. μεθυσθήσεται  
— 12 bis. ἐπὶ τὴν κορυφὴν τοῦ δ. (2 b)

Ju. 6. 13. ὑποδύσαντες ὑποκάτω τοῦ δ.  
 — 13. ἀφῆκαν ἐρριμμένον ὑπὸ τὴν ρίζαν τοῦ δ.  
 7. 4. οὐτὲ τὰ δ. τὰ ὑψηλὰ . . . ὑποστῆναι  
 — 10. ἀλλ' ἐπὶ τοῖς ὕψει τοῦ δ. αὐ.  
 — 10. προσβῆναι ταῖς κορυφαῖς τῶν δ. αὐ.  
 — 12. ἡ ἐκπορεύεται ἐκ τῆς βίβης τοῦ δ.  
 — 13. ἀναβῆσθαι ἐπὶ τὰς πλησίον κορυφὰς τῶν δ.  
 10. 10. ἔως οὐ κατέβη τὸ δ.  
 13. 10. προσανέβησαν τὸ δ. [B πρ. πρὸς] B.  
 14. 11. ἐπὶ τὰς ἀναβάσεις τοῦ δ. [B<sup>1</sup> om. τ. δ.]  
 16. 4. ἤλθεν Α. ἐξ ὄρων  
 — 15. B εἶπεν ἐμπρὶς τὰ δ. [A B B δρια] μου  
 — 5. δ. ὁρῶνται ἐκ τῆς βίβης τοῦ δ.  
 Jb. 5. 6. οὐδὲ ἐξ ὀρέων ἀναβλαστήσει πάνος +  
 9. 5. ὁ πύλαιον ὄρη καὶ οὐκ οὐδασιν (2 δ)  
 14. 18. καὶ πλὴν ὄρος πίπτων διαπεσείται (2 δ)  
 18. 4. ἡ καταστροφάσθαι ὄρη [A ἡ γῆ] ἐκ θε-  
 μελίων (5)  
 24. 8. ἀπὸ ψεκᾶσαν ὄρεων ὑγραινόνται (2 δ)  
 28. 9. κατέστρεψε δὲ ἐκ ρίζων ὄρη (2 δ)  
 29. 6. τὰ δὲ δ. μου ἔχοντο γαλακτί (5)  
 39. 8. κατασκήνεται ὄρη νομῶν αὐτοῦ (2 δ)  
 40. 15 (20). ἐπελθὼν δὲ ἐπ' ὄρος ἀκρόστομον (2 δ)  
 Ps. 2. 6. ἐπὶ Σιών ὄρος τὸ ἅγιον αὐτοῦ (2 δ)  
 3. 4. ἐπὶ κορυφῇ δὲ ἐξ ὄρους ἁγίου αὐ.  
 10 (11). 2. μετασπέντου ἐπὶ τὰ δ. ὡς στρουθίων (2 δ)  
 14 (15). 1. τὴν κατασκήνωσιν ἐν τῷ [A B<sup>1</sup> om.]  
 δ. τῷ ἁγίῳ σου (2 δ)  
 17 (18). 7. τὰ θεμέλια τῶν δ. ἐταράχθησαν (2 δ)  
 23 (24). 3. τίς ἀναβήσεται εἰς τὸ δ. τοῦ κυρίου (2 δ)  
 35 (36). 6. ἡ δικαιοσύνη σου ὡς ὄρη θεοῦ (2 δ)  
 41 (42). 6. καὶ Ἐρμηνεὺς ἀπὸ ὄρους μικροῦ (2 δ)  
 42 (43). 3. ἤγαγον με εἰς ὄρος ἁγίων σου (2 δ)  
 45 (46). 2. ἐν τῷ . . . μετατίθεσθαι ὄρη ἐν καρ-  
 διαίς θαλασσῶν (2 δ)  
 — 3. ἐταράχθησαν τὰ δ. ἐν τῇ κραταιότητι αὐ. (2 δ)  
 47 (48). 1. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> μέγας κύριος . . . ἐν [A B<sup>1</sup> om.]  
 ὄρει ἁγίῳ αὐτοῦ (2 δ)  
 — 2. ὄρη Σιών τὰ πλευρὰ τοῦ βορρᾶ (2 δ)  
 — 11. εὐφρανθήτω τὸ δ. Σιών (2 δ)  
 49 (50). 10. κτήνη ἐν τοῖς δ. καὶ βόες (2 δ)  
 64 (65). 6. ἐτοιμάζων ὄρη ἐν τῇ ἰσχύϊ σου [B  
 αὐτοῦ] (2 δ)  
 — 12. πιασθήσεται τὰ δ. [B<sup>1</sup> ὥραϊα] τῆς ἱέρου σου +  
 67 (68). 15. ὄρος τοῦ θεοῦ ὄρος πῶν ὄρος τε-  
 τυρωμένον ὄρος πῶν (2 δ water)  
 — 16. ἵνα τί ὑπολαμβάνετε ὄρη τετυρωμένα (2 δ)  
 — 16. τὸ δ. δ. εὐδοκῶντες ὁ θεὸς κατακτείν ἐν  
 αὐτῷ (2 δ)  
 71 (72). 3. ἀναλαβέτω τὰ δ. εἰρήνην τῷ λαῷ σου (2 δ)  
 — 16. ἔσται στῆριγμα ἐν τῇ γῇ ἐπ' ἄκρον τῶν δ. (2 δ)  
 73 (74). 2. ὄρος Σιών τοῦτο δ. κατεσκήνωσας ἐν  
 αὐτῷ (2 δ)  
 74 (75). 6. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> οὐτε ἀπὸ ἱερῶν ὀρέων [B om.] (2 δ)  
 75 (76). 4. φωτίζεις τὸν θαυμαστόν ἀπὸ ὀρέων  
 αἰώνων (2 δ)  
 77 (78). 54. εἰσήγαγεν αὐτάς εἰς ὄρος ἁγιά-  
 σματος αὐτοῦ ὄρος τοῦτο δ. ἐκτίσαστο  
 ἡ δεξιὰ αὐτοῦ (τ, 2 δ)  
 — 68. τὸ δ. τὸ Σιών δ. ἠγάπησε (2 δ)  
 79 (80). 15. ἐκάλυψεν ὄρη ἡ σκία αὐτῆς (2 δ)  
 82 (83). 14. ὡσεὶ φλόξ κατακαύσας ὄρη (2 δ)  
 86 (87). 1. οἱ θεμέλιοι αὐτοῦ ἐν τοῖς δ. τοῖς  
 ἁγίοις (2 δ)  
 89 (90). 2. πρὸ τοῦ ὄρη γενήθησαν [B<sup>1</sup> ἐδρα-  
 σθηναί] (2 δ)  
 94 (95). 4. τὰ ὑψηλὰ τῶν δ. αὐτοῦ ἔστιν (2 δ)  
 96 (97). 5. τὰ δ. ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκσαν ἀπὸ προσ-  
 ὅπου κυρίου (2 δ)  
 97 (98). 8. τὰ δ. ἀγαλλιάσονται (2 δ)  
 98 (99). 9. προσκυνεῖτε εἰς ὄρος ἁγίων αὐτοῦ (2 δ)  
 103 (104). 6. ἐπὶ τῶν δ. στήσονται ὕδατα (2 δ)  
 — 8. ἀναβήσονται ὄρη (2 δ)  
 — 10. ἀνὰ μέσον τῶν δ. διελεύσονται ὕδατα (2 δ)  
 — 13. ποτίζων ὄρη ἐκ τῶν ὑπερῶν αὐτοῦ (2 δ)  
 — 18. ὄρη τὰ ὑψηλὰ ταῖς ἐλάφοις (2 δ)  
 — 32. ὁ ἀπτόμενος τῶν [B<sup>2</sup> om.] δ. καὶ καπνί-  
 ζονται (2 δ)  
 113 (114). 4. τὰ δ. ἐσκήρτησαν ὡσεὶ κριοὶ (2 δ)  
 — 6. τὰ δ. ὅτι ἐσκήρτησαν ὡσεὶ κριοὶ (2 δ)  
 120 (121). 1. ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου εἰς τὰ ὄρη (2 δ)  
 124 (125). 1. οἱ πεποιθότες ἐπὶ κύριον ὡς ὄρος  
 Σιών (2 δ)  
 — 2. ὄρη κύκλω αὐτῆς (2 δ)  
 132 (133). 3. ὡς ὄρος Σιών Α. ἡ καταβαίνουσα ἐπὶ  
 τὰ δ. Σιών (2 δ)

Ps. 143 (144). 5. δφαι τῶν δ. καὶ καπινοθήσονται (2 δ)  
 146 (147). 8. τῷ ἐξανταλλόντι ἐν ὄρει χόρτον (2 δ)  
 148. 9. τὰ δ. καὶ πάντες βουνοὶ (2 δ)  
 Pr. 8. 25. πρὸ τοῦ ὄρη ἐδραστήθαι (2 δ)  
 Ca. 2. 8. οὗτος ἦκει πηδῶν ἐπὶ τὰ ὄρη (2 δ)  
 — 9. ὁμοῖός ἐστιν ἀδελφιδὸς μου . . . νεβρῷ  
 ἐλάφῳ ἐπὶ τὰ [B om.] ὄρη Βαϊθὴλ -  
 — 17. ὁμοιωθήτι τὸν . . . νεβρῷ ἐλάφῳ ἐπὶ  
 ὄρη κοιλωμάτων (2 δ)  
 4. 6. πορεύσονται ἐμὰντὸς πρὸς τὸ δ. τῆς σμύρνης (2 δ)  
 — 8. ἀπὸ ὀρέων παρδάλων (2 δ)  
 8. 14. B ὁμοιωθήτι τῇ δορκάδι . . . ἐπὶ ὄρη  
 [A B τὰ δ.] ὀρωμάτων (2 δ)  
 Wi. 9. 8. οἰκοδομήσαι ναὸν ἐν ὄρει ἁγίῳ σου  
 17. 19. ἡ ἀντακλαμμένη ἐκ κοιλότητος ὀρέων ἤχώ  
 Si. 16. 19. ἅμα τὰ δ. καὶ τὰ θεμέλια τῆς γῆς  
 24. 13. ὡς κυνάριστος ἐν ὄρει [A ὄρει] Α.  
 43. 4. τριπλασίως [A -ιν] ἥλιος ἐκκαίων ὄρη  
 — 16. ἐν ὄρεαίσις αὐτοῦ σαλευθήσεται ὄρη  
 [A B τὰ δ.] ὀρωμάτων (2 δ)  
 — 21. καταφάσκει ὄρη καὶ ἔρημον ἐκκαύσει  
 50. 12. B<sup>1</sup> ἐν δὲ τῷ δέχεται μελὴ ἐκ χειρῶν ὀρέων  
 [A B B<sup>2</sup> ἱερών] (2 δ)  
 — 26. οἱ καθήμενοι ἐν ὄρει Σαμαρείας  
 Ho. 4. 13. ἐπὶ τὰς κορυφὰς τῶν δ. ἐνδοξῶν (2 δ)  
 10. 8. ἐροῦσι τοῖς δ. (2 δ)  
 Am. 8. 9. συνήχθητε ἐπὶ τὸ ὄρος Σαμαρείας  
 4. 1. δαμάλεις τῆς B. αἱ ἐν τῷ δ. τῆς Σ. (2 δ)  
 — 3. ἀπορριψέσθε εἰς τὸ δ. τὸν ὄρη +  
 6. 1. οὐαί . . . τοῖς πεποιθόσιν ἐπὶ τὸ δ. Σ. (2 δ)  
 9. 13. καὶ ἀποσταλέζι τὰ ὄρη γλυκασμῶν (2 δ)  
 Mi. 1. 4. σαλευθήσεται τὰ δ. ὑποκάτωθεν αὐτοῦ (2 δ)  
 2. 9. ἐγγίσσατε ὄρεσιν αἰωνίοις +  
 8. 12. καὶ τὸ δ. τοῦ οἴκου εἰς [A ὡς] ἄλσος  
 δρυμῶν (2 δ)  
 4. 1. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος τοῦ κ. (2 δ)  
 — 1. ἔτοιμον ἐπὶ τὰς κορυφὰς τῶν ὀρέων (2 δ)  
 — 2. δεῖτε ἀναβῆμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου (2 δ)  
 — 7. βασιλεύσει κύριος ἐπ' αὐτοὺς ἐν ὄρει Σιών (2 δ)  
 6. 1. ἀναστήθι κρήνη πρὸς τὰ ὄρη (2 δ)  
 — 2. B ἀκούσατε ὄρη [A Βουνοὶ, B λαοὶ] τὴν  
 κρίσιν τοῦ κ. (2 δ)  
 7. 12. καὶ ἀπὸ ὄρους [A τοῦ δ.] ἔως τοῦ [B<sup>1</sup>  
 om.] ὄρους (2 δ, 2 δ)  
 J1. 2. 1. κηρύξεται ἐν ὄρει ἁγίῳ μου  
 — 2. κυθήσεται ἐπὶ τὰ δ. λαὸς πολλὸς (2 δ)  
 — 5. ἐπὶ τὰς κορυφὰς τῶν δ. ἐξαλοῦνται (2 δ)  
 — 32 (3. 5). ἐν τῷ δ. Σ. . . ἔσται ἀνασωζό-  
 μενος (2 δ)  
 3 (4). 17. ὁ κατασκήνων ἐν Σ. ὄρει ἁγίῳ μου (2 δ)  
 — 18. ἀποσταλέζι τὰ δ. γλυκασμῶν (2 δ)  
 Ob. 1. 8. ἀπολῶ . . . συνέσω ἐξ ὄρους Ἡσαὺ (2 δ)  
 — 9. ὅπως ἐξαρήθῃ ἄνθρωπος ἐξ ὄρους Ἡσαὺ (2 δ)  
 — 16. ὃν τρόπον ἔπεισε τὸ δ. τὸ ἅγιον μου (2 δ)  
 — 17. ἐν δὲ τῷ δ. Σ. ἔσται σωτηρία (2 δ)  
 — 19. κατακληρονομήσουσιν οἱ ἐν γαγῆβ τὸ δ.  
 τοῦ Ἡ. (2 δ)  
 — 19. κατακληρονομήσουσιν τὸ δ. Ἐφραίμ +  
 — 21. ἀναβήσονται ἀνασωζόμενοι [A ἄνδρες  
 σπασμένοι] ἐξ ὄρους Σ. τοῦ ἐκδι-  
 κῆσαι τὸ δ. Ἡσαὺ (2 δ, 2 δ)  
 Jn. 2. 7. ἔδω ἡ κεφαλὴ μου εἰς σχισμὰς ὀρέων (2 δ)  
 Na. 1. 5. τὰ δ. ἐσεισθήσονται (2 δ)  
 — 15 (2. 1). ἰδοὺ ἐπὶ τὰ δ. οἱ πόδες εὐαγγελιο-  
 μένου (2 δ)  
 8. 10. ἐπ' ὀρχὰς πασῶν τῶν ὀδῶν [B<sup>1</sup> ὀρέων] αὐ. +  
 — 18. ἀπῆρεν ὁ λαὸς σου ἐπὶ τὰ δ. (2 δ)  
 Hb. 8. 3. ἤξει . . . ὁ ἅγιος ἐξ ὄρους Φ. (2 δ)  
 — 6. διεδρύβη τὰ δ. βία (2 δ)  
 Ze. 8. 11. τοῦ μεγαλαυχῆσαι ἐπὶ τὸ δ. τὸ ἅγιον  
 μου (2 δ)  
 — 11. ἐπάξω βομφαλάν . . . ἐπὶ τὰ δ. (2 δ)  
 Hg. 1. 8. ἀνάβητε εἰς [A B<sup>1</sup> ἐπὶ] τὸ [B<sup>1</sup> om.] δ. (2 δ)  
 — 11. ἐπάξω βομφαλάν . . . ἐπὶ τὰ δ. (2 δ)  
 Za. 1. 8. οὗτος εἰσθήκει ἀνὰ μέσον τῶν δ. [A τῶν  
 δύο δ.] +  
 — 10. ὁ ἄνθρωπος ἐφειστήκει ἀνὰ μέσον τῶν δ. +  
 — 11. τῷ ἐφεισθῆναι ἀνὰ μέσον τῶν δ. +  
 4. 7. τίς εἰ σὺ τὸ δ. τὸ μέγα τὸ πρὸ προσώπου Ζ. (2 δ)  
 — 1. ἄρματα ἐκπορευόμενα ἐκ μέσου δύο ὀρέων (2 δ)  
 8. 3. τὸ δ. κυρίου παντοκράτορος ὄρος [B<sup>1</sup> om.]  
 ἁγίων (2 δ, 2 δ)  
 14. 4. στήσονται οἱ πόδες αὐτοῦ . . . ἐπὶ τὸ δ.  
 τῶν ἑλαιῶν (2 δ)  
 — 4. B B καὶ στήσονται τὸ δ. τῶν ἑλαιῶν (2 δ)  
 — 4. καὶ κλινεῖ τὸ ἦμισον τοῦ δ. πρὸς βορρᾶν (2 δ)

Za. 14. 5. B<sup>1</sup> B φραγήσεται ἡ φάρμαξ τῶν  
 [A B B<sup>1</sup> om.] ὀρέων μου (2 δ)  
 — 5. καὶ ἐγκαλοθήσεται φάρμαξ ὀρέων ἔως ἱ. (2 δ)  
 Is. 2. 2. ἔσται ἐν ταῖς ἐσχάταις ἡμέραις ἐμφανὲς  
 τὸ δ. κυρίου καὶ ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐπ'  
 ἄκρον [A B -ων] τῶν δ. (2 δ, 2 δ)  
 — 3. ἀναβῆμεν εἰς τὸ δ. κυρίου (2 δ)  
 — 14. B B ἐπὶ πᾶν ὑψηλὸν [A B om.] δ. (2 δ)  
 4. 5. ἔσται πᾶς τόπος τοῦ δ. Σιών (2 δ)  
 5. 25. παρῶξ ὑψή τὸ δ. (2 δ)  
 7. 25. πᾶν δ. ἀποτριμμένον ἀποτριβήσεται (2 δ)  
 8. 18. δὲ κατοικεῖ ἐν τῷ δ. Σιών (2 δ)  
 9. 11 (10). ῥίξει ὁ θεὸς τοὺς ἐπανισταμένους  
 ἐπὶ δ. [A ὄρους] Σιών ἐπ' αὐτὸν +  
 10. 12. ὅταν συντελέσῃ κύριος πάντα πῶν ἐν  
 τῷ δ. Σιών (2 δ)  
 — 18. ἀποσβεσθήσεται τὰ δ. -  
 — 32. παρακαλεῖτε τὸ δ. τὴν θυγατέρα Σιών (2 δ)  
 11. 9. οὐδὲ μὴ δύνανται ἀπολίσσαι οὐδένα ἐπὶ  
 τὸ δ. τὸ ἅγιον μου (2 δ)  
 18. 2. ἐπ' ὄρους πεδινῶν ἄραται σημεῖον (2 δ)  
 — 4. φωνὴ ἔδων πολλῶν ἐπὶ τῶν δ. [B<sup>1</sup> om. ε.  
 τ. δ.] (2 δ)  
 14. 13. καθὼς ἐν ὄρει ὑψηλῇ ἐπὶ τὰ δ. τὰ ὑψηλὰ  
 τὰ πρὸς βορρᾶν (2 δ, τ)  
 — 19. ῥίψῃ ἐν τοῖς δ. -  
 — 25. τοῦ ἀπολίσσαι τοὺς Ἀσσυρίους . . . ἐπὶ  
 [A B ἀπὸ] τῶν δ. [B<sup>1</sup> ὄριον] μου (2 δ)  
 15. 8. A συνήψε γὰρ ἡ βολὴ τὸ δ. [B B ὄριον]  
 τῆς Μασαδίτιδος +  
 16. 1. μὴ πέτρα ἔρημος ἐστὶ τὸ δ. θυγατρὸς  
 [A om.] Σιών (2 δ)  
 18. 3. ἡ χώρα αὐτῶν ὡσεὶ σημεῖον ἀπὸ ὄρους  
 ἁγίου [A B -ήσεται] (2 δ)  
 — 7. εἰς τὸν τόπον οὗ τὸ ὄνομα κυρίου σαβαὼθ  
 [B add. ἐπεκλήθη] δ. Σιών (2 δ)  
 22. 5. πλανώται ἐπὶ τὰ δ. (2 δ)  
 25. 6. ἐπὶ τὸ δ. τοῦτο πῶνται εὐφροσύνην (2 δ)  
 — 7. χρίσονται μύρον ἐν τῷ δ. τοῦτο (2 δ)  
 — 10. ἀπάσιν δώσει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸ δ. τοῦτο (2 δ)  
 27. 13. προσκυνήσουσι τῷ κυρίῳ ἐπὶ τὸ δ. τὸ  
 ἅγιον (2 δ)  
 28. 1. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ δ. τοῦ παχέως +  
 — 4. ἐπ' ἄκρον τοῦ δ. τοῦ ὑψηλοῦ +  
 — 21. ὥσπερ ὄρος ἀσβεστῶν ἀναστήσεται (2 δ)  
 29. 8. ὅσοι ἐπιστρέψουσιν ἐπὶ τὸ δ. Σιών (2 δ)  
 — 17. A B<sup>1</sup> μετατεθήσεται ὁ Λίβανος ὡς τὸ δ.  
 τὸ Χέρμελ καὶ τὸ δ. [B B<sup>1</sup> om. τὸ δ.] τὸ  
 Χέρμελ εἰς ὄρους λογισθήσεται - , -  
 30. 17. ἔως ἀν καταλειφθῇ ὡς ἱστός ἐπ' ὄρους (2 δ)  
 — 25. ἔσται ἐπὶ παντός ὄρους ὑψηλοῦ . . . ὕδωρ (2 δ)  
 — 29. εἰσελθὲν μετὰ αὐτοῦ εἰς τὸ δ. [A τὸν  
 οἶκον τοῦ] κυρίου (2 δ)  
 31. 4. ἔως ἀν ἐμπλησθῇ τὸ δ. τῆς φωνῆς αὐτοῦ  
 . . . καταβήσεται κύριος σαβ. ἐπι-  
 στρατεύσας ἐπὶ τὸ δ. τὸ Σιών ἐπὶ τὰ  
 δ. αὐτῆς (τ, 2 δ, 1)  
 34. 3. βραχθήσεται τὰ δ. ἀπὸ τοῦ αἵματος αὐτῶν (2 δ)  
 37. 24. ἀνέβη ἐν ὕψος ὀρέων [B<sup>1</sup> τῶν δ.] (2 δ)  
 — 32. οἱ σωζόμενοι ἐξ [A ἐπ'] ὄρους [B<sup>1</sup> ὄρου]  
 Σιών (2 δ)  
 40. 4. πᾶν δ. καὶ βουνοὶ ταπεινωθήσονται (2 δ)  
 — 9. ἐπ' δ. ὑψηλὸν ἀνάβηθι (2 δ)  
 — 12. τίς ἔσθησε τὰ δ. σταθμῇ (2 δ)  
 41. 15. ἀλοήσῃς ὄρη (2 δ)  
 — 18. ἀνοίξω ἐπὶ τῶν δ. ποταμούς (6)  
 42. 11. ἀπ' ἄκρον [A B -ων] τῶν δ. βοήσουσι  
 [A om.] (2 δ)  
 — 15. B ἐρημώσω ὄρη (2 δ)  
 44. 23. βοήσατε ὄρη εὐφροσύνην (2 δ)  
 45. 2. ὄρη ὁμαλῶς (7)  
 49. 11. ἥσσω πᾶν δ. εἰς ὄδον (2 δ)  
 — 13. ῥηξάτωσαν τὰ δ. εὐφροσύνην (2 δ)  
 52. 7. παρέμι ὡς ὄρη ἐπὶ τῶν δ. (2 δ)  
 54. 10. μηδὲ ἐν ἀπειλῇ σου τὰ δ. [B ὄρια]  
 μεταστήσουσιν (2 δ)  
 55. 12. τὰ γὰρ δ. καὶ οἱ βουνοὶ ἐξαλοῦνται (2 δ)  
 56. 7. εἰσάξω αὐτοὺς εἰς τὸ δ. τὸ ἅγιον μου (2 δ)  
 57. 7. ἐπ' δ. ὑψηλὸν καὶ μετέωρον ἐκεί σου ἡ  
 κοίτη (2 δ)  
 — 13. κληρονομήσουσι τὸ δ. τὸ ἅγιον μου (2 δ)  
 63. 18. ἵνα μὴ κερὸν κληρονομήσωμεν τοῦ δ. τοῦ  
 ἁγίου σου +  
 64. 1 (63. 19). 3 (2). τρέμος λήφεται ἀπὸ σοῦ  
 ὄρη (2 δ)  
 65. 7. ἐθιμιάσαν ἐπὶ τῶν δ. (2 δ)



Is. 65. 9. κληρονομήσει τὸ δ. τὸ ἄγιόν μου (2 b)  
 — 11. ὑμεῖς δὲ οἱ . . . ἐπιλανθάνομενοι τὸ δ. τὸ ἄγιόν μου (2 b)  
 — 25. οὐδὲ λυγμούνται ἐπὶ τῷ δ. τῷ ἁγίῳ μου (2 b)  
 Je. 3. 6. ἐπορεύθησαν ἐπὶ πᾶν δ. ὑψηλόν (2 b)  
 — 23. εἰς ψεῦδος ἦσαν οἱ βουνοὶ καὶ ἡ δύναμις τῶν δ. (2 b)  
 4. 15. ἀκουσθήσεται πόνος ἐξ ὄρους Ἐφραϊμ (2 b)  
 — 24. εἶδον τὰ δ. καὶ ἦν τρέμοντα (2 b)  
 9. 10 (9). ἐπὶ τὰ δ. λάβετε κοπετὺν (2 b)  
 13. 16. πρὸ τοῦ προσκύναι πόδας ὑμῶν ἐπ' ὄρη σκοτεινά (2 b)  
 18. 16. θηρεύουσιν αὐτοὺς ἐπάνω παντὸς ὄρους (2 b)  
 17. 26. ἐκ τοῦ δ. καὶ ἐκ τῆς πρὸς νότον (2 b)  
 26 (46). 18. ὡς τὸ Ἰταβύριον ἐν τοῖς δ. (2 b)  
 27 (50). 6. ἐπὶ τὰ δ. ἀπεπλήγησαν αὐτοὺς ἐξ ὄρους ἐπὶ βουνὸν φέροντο (2 b, 2 b)  
 — 19. νεμίσσεται ἐν τῷ K. καὶ ἐν ὄρει Ἐφραϊμ (2 b)  
 28 (51). 25. ἐγὼ πρὸς σὲ τὸ δ. τὸ διεφθαρμ. . . ὥσπερ σὲ ὡς δ. ἐμπεπυρμένον (2 b, 2 b)  
 33 (26). 18. τὸ δ. τοῦ οἴκου εἰς [A ὡς] ἄλσος ὄρου (2 b)  
 38 (31). 5. ἐφύπνισατε ἀμπελώνας ἐν ὄρει Σαμαρείας (2 b)  
 — 6. ἐστὶν ἡμέρα κλήσεως ἀπολογουμένων ἐν ὄρει Ἐφραϊμ (2 b)  
 — 6. A ἀνέβητε εἰς Σιών ἐν ὄρει κυρίου θεοῦ ἡμῶν [B S al.] —  
 — 12. εὐφρανθήσονται ἐν τῷ δ. Σιών (4)  
 — 23. εὐλογημένος κύριος ἐπὶ δίκαιον δ. τὸ ἄγιον αὐτοῦ (2 b)  
 39 (32). 44. ἐν πόλει τοῦ δ. (2 b)  
 Ba. 5. 7. ταπεινωσάτω πᾶν δ. ὑψηλόν  
 La. 4. 19. A ἐπὶ τῶν δ. ἐξέπτησαν ἐξέφθησαν ἐπὶ τῶν δ. [B al.] (2 b, †)  
 5. 18. ἐπ' ὄρος Σιών ὅτι ἠφανίσθη ἀλώπεκες διὰ τὸν (2 b)  
 Ep. Je. 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ δ. λίθοις ὁμοιωμένοι εἰσὶ — 63. τὸ τε πῦρ ἐξαποσταλὲν ἀνθεν ἐξανάλωσαι ὄρη  
 Ez. 6. 2. στήρουν τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὰ δ. Ἰσραὴλ (2 b)  
 — 3. τὰ δ. Ἰσραὴλ ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 b)  
 — 3. τὰ δ. λέγει κύριος τοῖς δ. (2 b)  
 — 13. A ἐν πάσαις κορυφαῖς τῶν δ. (2 b)  
 7. 16. ἔσονται ἐπὶ τῶν δ. [A add. ὡς περιστεραί] (2 b)  
 11. 10, 11 (A). ἐπὶ τῶν δ. τοῦ Ἰσραὴλ κρινῶ ὑμᾶς +  
 — 23. στή ἐπὶ τὸ δ. ὅ ἦν ἀπέναντι τῆς πόλεως (2 b)  
 17. 22. καταφύτεσθαι ἐγὼ ἐπ' δ. ὑψηλόν (2 b)  
 — 23. ἐν ὄρει μετεσάρω Ἰσραὴλ (2 b)  
 18. 6. ἐπὶ τῶν δ. οὐ φάγεται (2 b)  
 — 11. ἐπὶ τῶν δ. ὀφθαλμοὶ (2 b)  
 — 15. ἐπὶ τῶν δ. οὐ βίβρωκε [A οὐκ ἔφαγεν] (2 b)  
 19. 9. ὅπως μὴ ἀκουσθῇ ἡ φωνὴ αὐτοῦ ἐπὶ τὰ δ. τοῦ Ἰσραὴλ (2 b)  
 20. 40. ἐπὶ τοῦ δ. τοῦ ἁγίου μου ἐπ' ὄρους ὑψηλοῦ (2 b, 2 b)  
 22. 9. ἐπὶ τῶν δ. ἦσαν ἐν σοὶ (2 b)  
 23. 14. ἔθηκε σε ἐν ὄρει ἁγίου θεοῦ (2 b)  
 — 16. ἐτραυμνίσθη ἀπὸ ὄρους τοῦ θεοῦ (2 b)  
 31. 12. κατέβαλον αὐτὸν ἐπὶ τῶν δ. (2 b)  
 32. 5. ὥσπερ τὰς σάρκας σου ἐπὶ τὰ δ. (2 b)  
 — 6. ἀπὸ τοῦ πληθύνει σου ἐπὶ τῶν δ. (2 b)  
 33. 28. ἐρημωθήσεται τὰ δ. τοῦ Ἰσραὴλ (2 b)  
 34. 6. διεσπάρη τὰ πρόβατά μου ἐν παντὶ ὄρει (2 b)  
 — 13. βοσκήσω αὐτοὺς ἐπὶ τὰ δ. Ἰσρ. (2 b)  
 — 14. A ἐν τῷ δ. τῷ ὑψηλῷ ἐν τῷ δ. [B om. ἐν τ. δ.] Ἰσρ. (2 b, —)  
 — 14. A<sup>2</sup> B βοσκηθήσονται ἐπὶ τῶν δ. Ἰσραὴλ (2 b)  
 — 26. ὥσπερ αὐτοὺς περικύλιψ [A ἔσονται κύλιψ] τοῦ δ. μου (1)  
 35. 2. ἐπιστρέψον τὸ πρόσωπόν σου ἐπ' ὄρος [A ἐπὶ τὸ δ.] Σηεῖρ (2 b)  
 — 3. ἐγὼ ἐπὶ σὲ δ. Σηεῖρ (2 b)  
 — 7. ὥσπερ ὄρος [A τὸ δ.] Σηεῖρ εἰς ἔρημον (2 b)  
 — 12. τὰ δ. Ἰσραὴλ ἔρημα ἡμῖν δίδονται (2 b)  
 — 15. ἔρημον ἔσθ, ὄρος Σηεῖρ (2 b)  
 36. 1. προφήτευσον ἐπὶ τὰ δ. Ἰσραὴλ καὶ εἰπὸν τοῖς δ. τοῦ Ἰσραὴλ (2 b, 2 b)  
 — 4. ὄρη Ἰσραὴλ, ἀκούσατε λόγον κυρίου (2 b)  
 — 4. τὰ δ. λέγει κύριος τοῖς δ. (2 b)  
 — 6. εἰπὸν τοῖς δ. (2 b)  
 — 8. ὄρη Ἰσραὴλ (2 b)

Ez. 37. 22. ὥσπερ αὐτοὺς εἰς ἔθνος... ἐν τοῖς δ. 'I. (2 b)  
 38. 20. ῥαγίζονται τὰ δ. (2 b)  
 39. 2. ἀνάβητε σε ἐπὶ τὰ δ. τοῦ Ἰσραὴλ (2 b)  
 — 4. καταβαλὼν σε ἐπὶ τὰ δ. τὰ [A τοῦ] 'I. (2 b)  
 — 17. τέθεικα ὑμῖν θυσιαν μεγάλην ἐπὶ τὰ δ. Ἰσραὴλ (2 b)  
 40. 2. ἔθηκε με ἐπ' δ. ὑψηλόν [A ὄρους ὑψηλοῦ] (2 b)  
 σφόδρα (2 b)  
 43. 12. ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ δ. (2 b)  
 48. 10. τὸ δ. τῶν ἁγίων ἔσται ἐν μέσῳ αὐ. τοῖς i. †  
 Da. LXX. 2. 34. ἐτμήθη λίθος ἐξ ὄρους — 35. ὁ λίθος . . . ἐγένετο δ. μέγα (3)  
 — 45. εὐράκας ἐξ ὄρους τμηθῆναι λίθον (3)  
 3. (75). εὐλογεῖτε ὄρη . . . τὸν κύριον (3)  
 4. 12. ὅπως . . . ἐν τοῖς δ. χόρτον ὡς βοῦς νέμνται † (2 b, †)  
 8. 11. τὰ δ. τὰ ἀπ' αἰῶνος ἐρράχηθ' (2 b, †)  
 9. 16. ἀπὸ . . . ὄρους τοῦ ἁγίου σου — 17. ἐπιβλέψατον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὸ δ. τὸ ἄγιόν σου — 20. δεόμενος . . . ὑπὲρ τοῦ δ. τοῦ ἁγίου (2 b)  
 11. 45. ἀνὰ μέσον . . . τοῦ δ. τῆς θελήσεως τοῦ ἁγίου (2 b)  
 Da. TH. 2. 34. ἀπεσχίσθη [A ἐτμήθη] λίθος ἐξ ὄρους — 35. ὁ λίθος . . . ἐγενήθη δ. μέγα (3)  
 — 45. ἀπὸ ὄρους ἐτμήθη λίθος (3)  
 3. (75). εὐλογεῖτε ὄρη . . . τὸν κύριον (3)  
 9. 16. ἀπὸ . . . ὄρους ἁγίου σου (2 b)  
 — 20. περὶ τοῦ δ. τοῦ ἁγίου [A θεοῦ μου] (2 b)  
 11. 45. εἰς ὄρος σαβ. ἁγίου (2 b)  
 — 45. A ἦξει ἔως μέρους ὄρους [B om.] αὐ. —  
 I Ma. 2. 28. ἐφυγον . . . εἰς τὰ δ. 4. 5. ἐξῆτε αὐτοὺς ἐν τοῖς δ. — 18. Γ. καὶ ἡ δύναμις ἐν τῷ δ. ἐγγὺς ἡμῶν — 19. ὥσπερ μέρος τι ἐκίπτον ἐκ τοῦ ὄρους — 37. ἀνέβησαν εἰς ὄρος Σιών — 38. A B ἡ ὥς ἐν [S om.] ἐπὶ τῶν δ. — 46. ἀπέθεντο τοὺς λίθους ἐν τῷ δ. τοῦ οἴκου — 60. φοβόμην . . . τὸ δ. Σιών 5. 54. ἀνέβησαν εἰς τὸ [B' om.] δ. Σ. 6. 39. ἐστὶν ἡ δ. ἀπ' αὐτῶν — 40. ἐξετάθη . . . ἐπὶ τὰ ὑψηλὰ δ. [B' al.] — 48. παρενέβαλεν . . . εἰς τὸ δ. Σιών — 62. A B εἰσῆλθεν ὁ βασιλ. εἰς τὸ [S om.] δ. Σιών 7. 33. A B ἀνέβη N. εἰς τὸ [S om.] δ. Σιών 9. 15. ἔδωκεν ὅπως αὐτῶν ἕως Ἀζώτου ὄρους — 38. ἐκρύβησαν ὑπὸ τὴν σκέπην τοῦ δ. — 40. οἱ ἐπίλοιποι ἐφυγον εἰς τὸ δ. — 42. A ἀπέστρεψαν εἰς τὸ δ. [S ἔλος] τοῦ 'I. 10. 11. οἰκοδομῶν . . . τὸ [S' om.] δ. Σιών — 70. διὰ τὴν σὺν ἐξουσίᾳ [ἐφ' ἡμᾶς ἐν τοῖς δ. 11. 37. B τεθῆναι ἐν τῷ [A om.] δ. τῷ ἁγίῳ — 68. ἐξέβαλον ἐνεδρον ἐπ' αὐτὸν ἐν τοῖς δ. 13. 52. προσχωρῶμεν τὸ δ. τοῦ ἱεροῦ 14. 27. ἔθετο ἐν στήλαις ἐν ὄρει Σιών 16. 20. καταλαβέσθαι . . . τὸ δ. τοῦ ἱεροῦ II Ma. 2. 4. ὡς δὲ ἐξῆλθεν εἰς τὸ δ. 6. 27. ἐν τοῖς δ. διέζη 9. 8. τὰ τῶν δ. οἰόμενος ὑψὲρ στήσιν — 28. ἐν τοῖς δ. . . κατέστρεψε τὸν βίον 10. 6. ὡς . . . τὴν . . . ἐορτὴν ἐν τοῖς δ. . . ἦσαν νεμνομένοι IV Ma. 14. 16. τὰ δὲ κατὰ τὰς κορυφὰς ὀρέων [Aq. Nu. 33. 23: Jo. 15. 9: III Ki. 11. 7: Ps. 8. 5: 29 (30). 8: 35 (36). 7: 42 (43). 3: 67 (68). 17: 61: 75 (76). 5: 86 (87). 1: 89 (90). 2: CA. 4. 6: Is. 2. 2: 8. 18: 25. 7: 28. 21: 40. 9: 49. 13: 52. 7: 54. 10: 64. 1 (63. 19): Je. 9. 10 (9): 13. 16: 81 (88). 6.] [Sm. Nu. 33. 23: Jo. 15. 9: IV Ki. 23. 16: Jr. 9. 5: Ps. 8. 5: 41 (42): 7: 42 (43). 3: 45 (46). 4: 47 (48). 12: 64 (65): 7: 67 (68). 16: quater, 17: 61: 73 (74): 2: 74 (75): 7: 75 (76). 5: 77 (78). 54: 89 (90). 2: 109 (110). 3: 124 (125). 1: CA. 2. 8: 4. 1: Is. 2. 2: 8. 18: 17. 13: 25. 7: 28. 21: 30. 17: 42. 15: 49. 13: 52. 7: 54. 10: 64. 1 (63. 19): Je. 31 (38). 6: DA. 11. 45: ZA. 14. 5: 61.] [Th. Nu. 33. 23: Jo. 15. 9: Jd. 6. 26: 8. 13: II Ki. 1. 21: Jr. 24. 8: Ps. 42 (43). 3: 47 (48). 12: 67 (68). 17: 75 (76). 5: CA. 2. 17: Is. 2. 2: 8. 18: 17. 13: 25. 7: 28. 21: 42. 15: 54. 10: 64. 1 (63. 19): Je. 17. 3 (Sw.): Ez. 6. 13: DA. 11. 45: Am. 4. 3.] [Al. Nu. 27. 12: Dt. 2. 8: Jd. 1. 9: Ps. 120 (121). 1: 143 (144). 5: Is. 13. 2: Hb. 3. 6, 10.] [Heb. III Ki. 19. 1.] [Quint. Ps. 42 (43). 3.] [Sext. Ps. 29 (30). 8.]

δρος. (1) 107 (2) 7170  
 Ex. 9. 5. καὶ ἔδωκεν ὁ θεὸς ὄρον (2)  
 Ne. 2. 6. ἔδωκα αὐτῷ ὄρον (1)  
 Is. 37. 32. B<sup>1</sup> καὶ οἱ σωζόμε. ἐξ ὄρου [A B S<sup>1</sup> δρους] Σ. †  
 [Sm. I Ki. 30. 25: Jb. 14. 5: 26. 10.]  
 ὀροφωτῶν, ὀροφωτοῦν, ὀροφωτοῦν.  
 IV Ma. 14. 15. B τὰ μὲν ἡμέρα κατὰ τὰς αἰκίας ὀροφωτῶντα [A — οὔντα, B κατακλισθέντες ὀροφωτῶντα]  
 ὀροφος. (1) 107  
 Wi. 17. 2. μακρὰς πεδῆται νυκτὸς κατακλισθέντες ὀροφῶις  
 ὀροφῶν. (1) 107  
 III Ki. 7. 7. A καὶ ὠρόφωσαν ἐν κέδρω (1)  
 [Aq. III Ki. 6. 9: 7. 7 (44): Hc. 1. 4.]  
 ὀρόφωμα. (1) 107  
 II Ch. 3. 7. ἐχρύσωσε . . . τὰ δ. (2)  
 Ez. 41. 26. διμετρήσων ἐνθεν καὶ ἔνθεν εἰς τὰ δ. τοῦ αἰλάμ (1)  
 ὀρτυγομήτρα. (1) a. 107 b. 107  
 Ex. 16. 13. ἀνέβη δ. (1 a\*, 1 b)  
 Nu. 11. 31. ἐξεπέρασεν ὀρτυγομήτραν (1 a)  
 — 32. συνήγαγον τὴν δ. (1 a\*, 1 b)  
 Ps. 104 (105). 40. ἤτησαν καὶ ἤλθεν ὀρτυγομήτρα (1 a\*, 1 b)  
 Wi. 16. 2. τροφὴν ἡτοίμασας ὀρτυγομήτραν 19. 12. ἀνέβη αὐτοῖς ἀπὸ [B ἐκ] θαλάσσης ὀρτυγομήτρα  
 ὀρυγμα.  
 [Sm. Pr. 23. 27.]  
 ὀρυζα.  
 [Sam. Ex. 16. 31.]  
 ὀρυκτης.  
 [Aq. Is. 2. 20.]  
 ὀρυκτός.  
 [Aq. Is. 2. 20.]  
 ὀρυξ. (1) 107  
 De. 14. 5. ὀρυγα καὶ καμηλοπάρδαλιν (1)  
 [Aq., Sm., Th. Is. 51. 20.]  
 ὀρύσσειν. (1) 107 pi. (2) 107 (3) 107  
 (4) 107 (5) 107 a. gal. δ. ni. (6) 107 pu.  
 (7) 107 pi.  
 Ge. 21. 30. ἐγὼ ὠρυξα τὸ φρέαρ τοῦτο (2)  
 26. 15. τὰ φρέατα ἀ ὠρυξαν οἱ παῖδες (2)  
 — 18. Ἰσαὰκ ὠρυξε τὰ φρέατα τοῦ ὕδατος ἀ ὠρυξαν οἱ παῖδες (2, 2)  
 — 19. καὶ ὠρυξαν οἱ παῖδες (2)  
 — 21, 22. ὠρυξε φρέαρ ἑτερον (2)  
 — 25. ὠρυξαν δὲ ἐκεῖ οἱ παῖδες 'I. φρέατα (5 a)  
 — 32. περὶ τοῦ φρέατος οὗ ὠρυξαν (2)  
 50. 5. ἐν τῷ μνημείῳ ὃ ὠρυξα ἑμαυτῷ ἐν γῇ (5 a)  
 Ex. 7. 24. ὠρυξαν δὲ . . . κύλικα τοῦ ποταμοῦ (2)  
 Nu. 21. 18. ὠρυξαν αὐτὸ ἀρχοῦντες (2)  
 De. 23. 13 (14). ὠρύξετε ἐν αὐτῷ (2)  
 II Ch. 16. 14. φ ὠρυξεν ἑαυτῷ ἐν πόλει Δ. (5 a)  
 To. 2. 7. ὠρύξας ἔθαψα αὐτὸν 8. 9. ὠρύξε [B — αν] τάφον — 11. B ὅτε συνετέλεσαν ὀρύσσοντες τὸν τάφον Ps. 7. 15. λάκκον ὠρύξε καὶ ἀνέσκαψεν αὐτόν (5 a)  
 21 (22). 16. ὠρυξαν χεῖράς μου καὶ πόδας † 56 (57). 6. ὠρυξαν πρὸ προσώπου μου βόθρον (5 a)  
 93 (94). 13. ἕως οὗ ὀρυγῇ τὰ ἁμαρτωλῶν βόθρος (5 b)  
 Pr. 16. 27. A ἀνὴρ ἄφρων ὀρύσσει ἑαυτῷ κακὰ ἐπὶ δὲ τῶν ἑαυτοῦ χειρῶν ὀρύσσει [B ὁ θησαυρίζ[ει] πῦρ (5 a, †)  
 28. 27. ὁ ὀρύσσων βόθρον [B βόθρον] τῷ πλησίον (5 a)  
 29. 22. A B ἀνὴρ θυμῶδες ὀρύσσει [B ἐγείρει] νείκος (1)  
 Ec. 10. 8. ὁ ὀρύσσων βόθρον εἰς αὐτόν [A B ἐν αὐτῷ] ἐμπεσείται (2)  
 Si. 27. 26. ὁ ὀρύσσων βόθρον εἰς αὐτόν ἐμπεσείται 48. 17. ὠρυξε σιδήρω ἀκρότομον (7)  
 Za. 3. 10 (9). ἰδοὺ ἐγὼ ὀρύσσω βόθρον (7)  
 Is. 5. 2. προλήνιον ὠρυξα ἐν αὐτῷ (3)



Is. 51. 1. τὸν βάθυνον τοῦ λάκκου ἐν ὠρύξατε (8)  
 Je. 2. 13. ὠρύξαν ἐναντίος λάκκους συντετριμμ. (8)  
 13. 7. ὠρύξα καὶ ἑλθόν (2)  
 Ez. 8. 8. ὠρύξαν [A. add. δὴ ἐν τῷ τοῦ χαψ] καὶ ὠρύξα (4, 4)  
 12. 7. A ὠρύξα [B διώρ.] ἐμαυτῷ τὸν τοίχον (4)  
 — 12. A ὠρύξει [B διωρ.] τοῦ ἐξελεθῆν αὐτὸν δι' αὐτοῦ (4)  
 [Aq. Ex. 7. 24 : Je. 18. 22 : Ez. 8. 8 (P.).] [8m. Ex. 7. 24 : Ps. 34 (35). 7 (P.). Is. 37. 25 : Je. 18. 20.]  
 [Th. Ex. 7. 24 : Is. 37. 25.] [Quint. Ps. 118 (119). 85.]

**ὀρφανία.** (1) ὀρφανία

Is. 47. 8. οὐδὲ γινώσκουσι ὀρφανίαν (1)

**ὀρφανός.** (1) ὀρφανός

Ex. 22. 22 (21). πᾶσαν χήραν καὶ ὀρφανόν (1)

— 24 (23). καὶ τὰ παῖδια ὑμῶν ὀρφανά (1)

De. 10. 18. ποῖον κρίσιν . . . ὀρφανῶ (1)

14. 29 : 16. 11, 14. καὶ ὁ δ. καὶ ἡ χήρα (1)

24. 17. οὐκ ἐκκλινεῖς κρίσιν . . . ὀρφανῶ (1)

— 19, 20, 21. τῷ δ. καὶ τῇ χήρᾳ ἔσται (1)

26. 12. δώσεις . . . τῷ δ. καὶ τῇ χήρᾳ (1)

— 13. ἔδωκα αὐτὰ . . . τῷ δ. καὶ τῇ χήρᾳ (1)

27. 19. ὅς ἐν ἐκκλησίᾳ κρίσιν . . . ὀρφανῶ (1)

1 Es. 8. 19. τοῦ δ. ποιεῖ τὴν διάνοιαν μίαν (1)

To. 1. 8. εἰδὼσαν αὐτὰ τοῖς δ. [A B al.] (1)

— 8. ὀρφανὸς κατελείφθη ὑπὸ τοῦ πατρὸς μου [S al.] (1)

Jb. 6. 27. ἐπ' [A om.] ὀρφανῶ ἐπιπίπτετε (1)

22. 9. ὀρφανούς δι' ἐκείκωσας (1)

24. 3. ἱποζύγιον ὀρφανῶν ἀπήγαγον (1)

— 9. ἥρπασαν ὀρφανὸν [A -οὐς] ἀπὸ μαστοῦ (1)

— 19. ἀγκαλιδα γὰρ ὀρφανῶν [A -οὐ] ἥρπασαν (1)

29. 12. ὀρφανῶ . . . ἐβριθῆσα (1)

31. 17. οὐχὶ ὀρφανῶ μετέδωκα (1)

— 21. εἰ ἐπῆρα ὀρφανῶ χεῖρα (1)

Ps. 9. 35 (10. 14). ὀρφανῶ σὺ ἦσθα βοηθός [A B<sup>1</sup> -θών] (1)

— 39 (10. 18). κρίναι ὀρφανῶ καὶ ταπεινῶ (1)

67 (68). 5. τοῦ πατρὸς τῶν δ. καὶ κριτοῦ τῶν χηρῶν (1)

81 (82). 3. κρίνατε ὀρφανῶν [A B<sup>1</sup> -φ] (1)

98 (94). 6. χήραν καὶ ὀρφανὸν ἀπέκτειναν (1)

108 (109). 9. γεννηθῆσαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ ὀρφανοὶ (1)

— 12. μηδὲ γεννηθῶν οἰκτῆριμον τοῖς δ. αὐτοῦ (1)

145 (146). 9. ὀρφανὸν καὶ χήραν ἀναλήψεται (1)

Pr. 23. 10. εἰς δὲ κτήμα ὀρφανῶν μὴ εἰσελθῆς (1)

Si. 4. 10. γίνου ὀρφανὸς ὡς πατήρ (1)

32 (35). 14. οὐ μὴ ὑπεριβῇ [A παριβῇ] ἱκετίαν ὀρφανῶ (1)

Ho. 14. 4. ὁ ἐν σοὶ ἐλείσῃ ὀρφανόν (1)

Mi. 2. 2. καὶ διήρασαν ὀρφανούς (1)

Za. 7. 10. ὀρφανῶν . . . μὴ καταδυναστεύετε (1)

Ma. 3. 5. τοὺς κοινυλίζοντας ὀρφανούς (1)

15. 1. 17. κρίνατε ὀρφανῶ (1)

— 23. ὀρφανούς οὐ κρίνοντες (1)

9. 17 (16). τοὺς δ. αὐ. . . οὐκ ἐλείσῃ (1)

10. 2. ὥστε εἶναι αὐτοῖς . . . ὀρφανὸν εἰς προνομίην (1)

Je. 5. 28. οὐκ ἐκρίναν κρίσιν ὀρφανῶ (1)

7. 6. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύητε (1)

22. 3. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύετε (1)

29 (49). 11. οὐκ ἔστιν ὑπολείπεσθαι ὀρφανόν σου (1)

La. 5. 3. ὀρφανοὶ ἐγενήθημεν (1)

Ep. Je. 38. οὕτε ὀρφανὸν εὐ ποιήσωσι (1)

Ez. 22. 7. ὀρφανὸν καὶ χήραν κατεδυνάστευον (1)

II Ma. 3. 10. παραθήκας εἶναι χηρῶν τε καὶ ὀρφανῶν (1)

8. 28. ὀρφανούς μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων (1)

— 30. καὶ τοῖς πικρούμενοις καὶ ὀρφανοῖς (1)

[Aq. Ps. 9. 39 (10. 18) : 81 (82). 3 : Is. 9. 17 (16).] [8m. Jb. 31. 21 : Ps. 81 (82). 3 : Is. 9. 17 (16) : Je. 49. 11 (29. 13).] [Th. Ps. 81 (82). 3 : 93 (94). 6 : Is. 9. 17 (16) : Ho. 14. 4.]

**ὀρχεῖσθαι.** (1) ὀρχεῖσθαι (2) ὀρχεῖσθαι

(3) ὀρχεῖσθαι (4) ὀρχεῖσθαι

II Ki. 6. 16. εἶδε τὸν βασιλ. Δ. ὀρχοῦμενον καὶ ἀνακρούμενον [A δ. κ. δ.] (2 [1])

— 20. καθὼς ἀποκαλύπτεται . . . εἰς τὸν ὀρχοῦμον. †

— 21. ἐνώπιον κυρίου ὀρχήσονται [A om.]

— 21. καὶ ὀρχήσονται ἐνώπιον κυρίου [A om. ε. κ.] (4)

I Ch. 15. 29. εἶδε τὸν βασιλ. Δ. ὀρχοῦμενον (8 δ)

Ec. 3. 4. καιρὸς τοῦ ὀρχήσασθαι (3 α)

Is. 13. 21. δαυμόνια ἐκεί ὀρχήσονται [A -χηθήσ.] (3 β)

[Aq. II Ki. 6. 16 : Jb. 21. 11.] [8m. Jb. 21. 11 : Ps. 28 (29). 6.] [Quint. Ps. 28 (29). 6.]

ds, passim. ἀφ' οὗ vid. sub ἀπό ζω

οὗ vid. sub ζω

**ὄσιος.** (1) ὄσιος (2) ὄσιος (3) ὄσιος

(4) ὄσιος (5) ὄσιος (6) ὄσιος (7) ὄσιος

δ. ὄσιος c. ὄσιος (8) δ. εἶναι ὄσιος hithp.

De. 29. 19 (18). δοτιά μοι γένοιτο (8)

32. 4. δίκαιος καὶ δ. κυριος (4)

33. 8. καὶ ἀληθῆς αὐτοῦ τῷ ἀνδρὶ τῷ δ. (2 β)

II Ki. 22. 26. μετὰ ὁσίου ὁσιωθήσῃ (2 β)

Ps. 4. 3. ἐθανυμάστωε κύριος τὸν δ. αὐτοῦ (2 β)

11 (12). 1. σώσον με, κύριε, ὅτι ἐκέλευσεν ὁσιος (2 β)

15 (16). 10. οὐδὲ δώσεις τὸν δ. σου ἰδεῖν διαφθοράν (2 β)

17 (18). 25. S<sup>2</sup> μετὰ ὁσίου ὁσιος ἔσῃ [A B S<sup>1</sup> ὁσιωθήσῃ] (2 β, 8)

29 (30). 4. ψάλατε τῷ κυρίῳ οἱ δ. αὐτοῦ (2 β)

30 (31). 23. ἀγαπήσατε τὸν κ., πάντες οἱ δ. αὐ. (2 β)

31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σὲ πᾶς ὁσιος (2 β)

36 (37). 28. οὐκ ἐγκαταλείψει τοὺς δ. αὐτοῦ (2 β)

42 (43). 1. ἐξ ἔθνος οὐχ ὁσίου . . . ῥύσαι με (2 β)

49 (50). 5. συναγάγετε αὐτῶν τοὺς δ. αὐτοῦ (2 β)

51 (52). 9. χρηστὸν ἐνὶ νῆτιν τὸν δ. σου (2 β)

67 (68). 35. θαυμαστὸς ὁ θεὸς ἐν τοῖς δ. [B ὁσίοις] αὐτοῦ (5)

78 (79). 2. τὰς σάρκας τῶν δ. σου τοῖς θηρίοις τῆς γῆς (2 β)

84 (85). 8. λαλήσεις εἰρήνην . . . ἐπὶ τοὺς δ. αὐ. (2 β)

85 (86). 2. ὅτι ὁσίοις εἰμι (2 β)

96 (97). 10. φυλάσσει κ. τὰς ψυχὰς τῶν δ. αὐ. (2 β)

115. 6 (116. 15). τῆμος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν δ. αὐ. (2 β)

131 (132). 9. S B οἱ δ. σου ἀγαλλιάσονται [A ἀγαλλιάσει ἀγ.] (2 β)

— 16. A B οἱ δ. αὐτῆς ἀγαλλιάσει ἀγαλλιάσονται (2 β)

144 (145). 10. οἱ δ. σου εὐλογησάτωσαν σε (2 β)

— 13. καὶ ὁσίοις ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (2 β)

— 17. καὶ ὁσίοις ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (2 β)

148. 14. A B<sup>2</sup> S B ὕμνος πᾶσι τοῖς δ. αὐτοῦ (2 β)

149. 1. ἡ αἰνεσις αὐτοῦ ἐν ἐκκλησίᾳ ὁσίων (2 β)

— 5. καυχῆσονται ὁσίοι ἐν δόξῃ (2 β)

— 9. δόξα αὐτῇ ἐν τῇ πᾶσι τοῖς δ. αὐτοῦ (2 β)

Pr. 2. 11. ἔννοια δὲ ὅσα τηρήσῃ σε (2 β)

— 21. S<sup>1</sup> ὁσίοι [A B<sup>1</sup> ἀκακοί] δὲ ὑπολειφθήσονται ἐν αὐτῇ (7 β)

— 21. A B S<sup>2</sup> ὁσίοι ὑπολειφθήσονται ἐν αὐτῇ (7 α)

10. 29. ὁχύρωμα ὁσίου φόβος κυρίου (7 α)

17. 26. οὐδὲ ὁσίων ἐπιβουλεύειν δυνάσταις δικαίοις (2 β)

18. 5. οὐδὲ ὁσίων ἐκκλινεῖν τὸ δίκαιον ἐν κρίσει (2 β)

20. 11. συμποδισθήσεται νεανίσκος μετὰ ὁσίου (1)

21. 15. ὁσίοις δὲ ἀκάθαρτος παρὰ κακοῦργοις (2 β)

22. 11. ἀγαπᾷ κύριος ὁσίαν καρδίαν (3)

29. 10. ἀνδρες πειμάτων μέτοχοι μισοῦσιν [A ἡττοῦσιν] ὁσίων (7 α)

Wi. 3. 9. S χάρις καὶ ἔλεος τοῖς [A ἐν τοῖς] δ. [A B ἐλεεκτοῖς] αὐτοῦ (2 β)

— 9. A ἐπισκοπῇ ἐν τοῖς δ. [B ἐλεεκτοῖς] αὐτοῦ (2 β)

4. 15. A χάρις καὶ ἔλεος ἐν [B om.] τοῖς δ. [B S ἐλεεκτοῖς] αὐτοῦ (2 β)

— 15. ἐπισκοπῇ ἐν τοῖς δ. [A ἐλεεκτοῖς] αὐτοῦ (2 β)

6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁσίως τὰ δ. ὁσιωθήσονται (2 β)

7. 27. κατὰ γενεὰς εἰς ψυχὰς ὁσίαν μεταβαίνουσα (2 β)

10. 15. αὕτη λαὸν ὁσίων . . . ἐρρύσατο (2 β)

— 17. ἀπέθωκεν ὁσίους μισθὸν κόπων αὐ. (2 β)

18. 1. τοῖς δὲ οὐ μόνον ἦν φῶς (2 β)

— 5. βουλευσάμενοι δ' αὐτοὺς τὰ τῶν δ. ἀποκτείναν νηπίαν (2 β)

— 9. κρυφῇ γὰρ ἐθυσίαζον ὁσίοι [A om.] παῖδες ἀγαθῶν (2 β)

Si. 39. 13. εἰσακουσάτε μου, υἱοὶ ὁσίου (2 β)

— 24. αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ τοῖς δ. εὐθείαι (2 β)

Am. 5. 10. καὶ λόγον ὁσίων ἐβδελύξατο (7 β)

Is. 55. 3. διαβήσονται ὑμῖν διαθήκην αἰώνιον τὰ δ. Δαυὶδ τὰ πιστά (2 α)

Da. LXX. TH. 3. (87). εὐλογεῖτε ὁσίοι . . . τὸν κυρίον (2 α)

I Ma. 7. 17. σάρκας ὁσίων σου . . . ἐξέχεαν (8 δ)

II Ma. 12. 45. δ. καὶ εὐσεβῆς ἡ ἐπίνοια (3 α)

[Aq. Ps. 17 (18). 26 : 81 (82). 6 : 49 (50). 5 : 88 (89). 20.] [8m. Dt. 33. 8 : Ps. 17 (18). 26 : 81 (82). 6 : 49 (50). 5 : 51 (52). 11 : 88 (89). 20.] [Th. Ps. 17 (18). 26 : 49 (50). 5 : 88 (89). 20 : AM. 5. 10.] [Al. Ps. 4. 4 : 18 (19). 10.] [Quint. Ps. 17 (18). 26 : 30 (31). 22.] [Heb. Ps. 49 (50). 5.]

**ὁσιότης.** (1) ὁσιότης (2) ὁσιότης (3) ὁσιότης

De. 9. 5. οὐδὲ διὰ τὴν δ. τῆς καρδίας σου (1)

I Ki. 14. 41. δὸς δὴ ὁσιότητα (2 β)

III Ki. 9. 4. ἐν ὁσιότητι καρδίας καὶ ἐν εὐθύτητι (2 α)

Pr. 14. 32. ὁ δὲ πεποιθὼς τῇ ἐκείνῃ οὐ δίκαιος (2 β)

Wi. 2. 22. οὐδὲ μισθὸν ἤλπισαν ὁσιότητες (2 β)

5. 19. λήψεται ὁσιότητα ἀκαταμάχτην ὁσιότητες (2 β)

9. 3. καὶ διέφθον τὸν κόσμον ἐν ὁσιότητι (2 β)

14. 30. ἀδίκους ὥρισαν ἐν δόλῳ καταφρονήσαντες ὁσιότητες (2 β)

18. 9. S τὸν τῆς δ. [A B θειότητος] νόμον ἐν ὁμοιοῖα διέθεντο (2 β)

**ὁσιωθῶν.** (1) ὁσιωθῶν hithpa.

II Ki. 22. 26. μετὰ ὁσίου ὁσιωθήσῃ (1)

Ps. 17 (18). 25. μετὰ ὁσίου ὁσιωθήσῃ [S<sup>2</sup> ὁσίοις ἔσῃ] (1)

Wi. 6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁσίως τὰ ὁσια ὁσιωθήσονται (2 β)

[Aq., Th., Quint. Ps. 17 (18). 26.]

**ὁσιως.** (1) ὁσιως

III Ki. 8. 61. καὶ ὁ πορεύεσθαι ἐν τοῖς προστάγμασιν αὐ. (2 β)

Wi. 6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁ. τὰ ὁσια ὁσιωθήσονται (2 β)

[8m. Ps. 17 (18). 26.]

**ὁσμή.** (1) ὁσμή (2) ὁσμή (3) ὁσμή

Ge. 8. 21. ὡσφράνθη κ. ὁ θεὸς ὁσμήν ἐνωδίας (3)

27. 27. ὡσφράνθη τὴν δ. τῶν ἱματίων (3)

— 27. ἰδοὺ ὁ. τοῦ υἱοῦ μου ὡς ὁ. ἀργοῦ (3, 8)

Ex. 5. 21. ἐβδελύξατε τὴν δ. ἡμῶν (3)

29. 18. ὀλοκαῦτωμα τῷ κ. εἰς ὁσμήν ἐνωδίας (3)

— 25. ἀνοίσεις . . . εἰς ὁσμήν ἐνωδίας (3)

— 41. ποιήσεις ὁσμήν ἐνωδίας (3)

Le. 1. 9, 13, 17 : 2. 2. θυσία ὁσμή ἐνωδίας τῷ κυρίῳ (3)

2. 9. κάρπωμα ὁσμή ἐνωδίας κυρίῳ (3)

— 12. εἰς ὁσμήν ἐνωδίας κυρίῳ (3)

3. 5. κάρπωμα ὁσμή ἐνωδίας κυρίῳ (3)

— 11. ὁσμή [A -ῆν] ἐνωδίας κάρπωμα κυρίῳ (3)

— 16. κάρπωμα ὁσμή ἐνωδίας τῷ κυρίῳ (3)

Γε. 6. 7. θ. β. ῥύμον γὰρ ὁρῶ τὰ σιτά μου ὡσπερ ὁσμήν [B<sup>1</sup> -h] λένουσαι †  
 14. 9. ἀπὸ ὁσμῆς ὑδατος ἀνθήσει (3)  
 Ca. 1. 3. ὁσμὴ μύρων σου ὑπὲρ πάντα τὰ ἀρώ-  
 ματα (8)  
 — 4. εἰς ὁσμὴν μύρων σου δραμοῦμεν —  
 — 12. μύρδος μου ἔδωκεν ὁσμὴν αὐτοῦ  
 2. 13. ἔδωκαν ὁσμὴν (8)  
 4. 10. ὁσμὴ ἱματίων [B μύρων] σου ὑπὲρ πάντα  
 ἀρώματα (8)  
 — 11. ὁσμὴ ἱματίων σου ὡς ὁσμὴ λιβάνου (3, 8)  
 7. 8 (9). ὁσμὴ μύνης σου ὡς μύλα  
 — 13 (14). οἱ μανθραγοῦραι ἔδωκαν ὁσμὴν [B δ.  
 αὐτῶν] (8)  
 Si. 24. 15. ὡς κινάκωμον . . . δέδωκα ὁσμὴν  
 39. 14. ὡς λίβανος ἐνωδίασατε ὁσμὴν  
 — 14. διάδοτε ὁσμὴν καὶ αἰνέσατε σῶμα  
 15. 5. ἐξέχηεν . . . ὁσμὴν ἐνωδίας  
 Is. 3. 24. ἔσται ἀντὶ ὁσμῆς ἡδίας κοινορτός  
 34. 3. ἀναθήσεται αὐτῶν ὁ θ. (1)  
 Je. 25. 10. ἀποδόξ . . . ὁσμὴν μύρου †  
 31 (48). 11. ὁσμὴ αὐτοῦ οὐκ ἐξέλιπε  
 Ez. 6. 13. ἔδωκαν ἐκεῖ ὁσμὴν ἐνωδίας (8)  
 16. 19. ἔθραξαν αὐτὰ πρὸ προσώπου αὐτῶν εἰς  
 ὁσμὴν ἐνωδίας (8)  
 20. 28. ἔταξαν ἐκεῖ ὁσμὴν ἐνωδίας (8)  
 — 41. ἐν ὁσμῇ ἐνωδίας προσδέξομαι ὑμᾶς (3)  
 Da. LXX. 8. 27 (94). οὐδὲ ὁσμὴ τοῦ πυρὸς ἦν  
 ἐν αὐτοῖς (8)  
 4. 34. εἰς ὁσμὴν ἐνωδίας τῷ κυρίῳ —  
 Da. Th. 28. 27 (94). ὁσμὴ πυρὸς οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς (3)  
 II Ma. 9. 9. ὑπὸ δὲ τῆς δ. αὐ. πᾶν τὸ στρατοπέδον  
 βαρύνεσθαι  
 — 10. διὰ τὸ τῆς δ. ἀφόρητον βάρος  
 — 12. μῆδὲ τῆς δ. αὐ. ἀνέχεσθαι δυνάμεως  
 [Aq. Ex. 29. 18: Ca. 1. 12.]  
 [Sm., Th. Ex. 29. 18.]  
 ὁσος. (1) 𐤒𐤍 (2) α. 𐤒𐤍𐤕 δ. 𐤒𐤍𐤕 𐤗𐤁  
 c. 𐤗𐤁 (3) πάντες δ. πάντα δ. α. 𐤒𐤍𐤕 δ. 𐤗𐤁  
 (4) ὅσα συμβέβηκεν 𐤗𐤁𐤒𐤍 (5) 𐤒 (6) 𐤒  
 (7) α. 𐤒 δ. 𐤒 𐤒𐤕 (8) 𐤒 (9) 𐤒 (10) 𐤒  
 (11) 𐤒𐤕 (12) τὰ δ. 𐤒𐤍 (13) καὶ ὅσον  
 ἐστὶν 𐤒 (14) μικρὸν ὅσον ὅσον 𐤗𐤁𐤒𐤍𐤕  
 (15) ὅσα βεβούλευμαι 𐤒𐤗𐤒 (16) ὅσον  
 χρόνον 𐤒𐤗𐤒 𐤒𐤕  
 Ge. 1. 31. εἶπεν ὁ θ. τὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (2 α)  
 6. 17. καὶ ὅσα ἀν ἦ ἐπὶ τῆς γῆς τελευτήσουσι (2 β)  
 — 22. ἐποίησε . . . πάντα δ. ἐνετέλειτο αὐτῷ (2 α)  
 7. 5. ἐποίησε N. πάντα δ. ἐνετέλειτο αὐτῷ (2 α)  
 — 22. πάντα δ. ἔχει πνοὴν ζωῆς (2 α)  
 8. 1. ὅσα ἦν μετ' αὐτοῦ (2 α)  
 — 17. πάντα τὰ θηρία δ. ἐστὶ μετὰ σοῦ (2 α)  
 9. 10. ὅσα ἐστὶ [A om.] μεθ' ὑμῶν —  
 — 24. καὶ ἔργω ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ ὁ υἱός (2 α)  
 11. 6. πάντα δ. ἐν ἐπιθῶνται αἰνεῖσαι [A ποιῆσαι] (2 α)  
 12. 5. ὅσα ἐκτίσαντο (2 α)  
 — 20. πάντα δ. ἦν αὐτῷ (2 α)  
 18. 19. πάντα δ. ἐλάλησε πρὸς [A ἐπ'] αὐτὸν (3 α)  
 21. 12. πάντα δ. ἀν ἐπῆν σοι Σάρρα (2 α)  
 24. 36. καὶ ἔδωκεν αὐτῷ ὅσα ἦν αὐτῷ (2 β)  
 25. 7. τὰ ἐστὶ . . . ὅσα ἐξήσαν (2 α)  
 28. 15. πάντα δ. ἐλάλησά σοι (3 α)  
 30. 29. γινώσκεις . . . ὅσα ἦν κτήνη σου (2 α)  
 — 30. μικρὰ γὰρ ἦν ὅσα σοι ἐναντίον ἐμοῦ (2 α)  
 31. 12. ἑώρακα γὰρ ὅσα σοι λάβαν ποιεῖ (2 β)  
 — 16. ὅσα σοι ἐπῆρκεν ὁ θεός ποιεῖ (2 β)  
 — 43. καὶ πάντα δ. σὺ ὅρας ἐστὶ ἐοίσι (2 α)  
 34. 28. ὅσα τε ἦν ἐν τῇ πόλει (2 α)  
 — 28. καὶ ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ ἔλαβον (2 α)  
 29. διήρπασαν ὅσα τε ἦν ἐν τῇ πόλει —  
 — 29. καὶ ὅσα ἦν ἐν ταῖς οἰκίαις (2 β)  
 36. 6. καὶ πάντα δ. ἐκτίσαντο (3 β)  
 — 6. καὶ πάντα [A om.] δ. περικοιμήσατο (8 β)  
 39. 3. ὅσα ἐάν ποιῇ κύριος ἐυδοῖ (2 β)  
 — πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ ἔδωκεν (3 β)  
 — 5. καὶ ἐπὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (2 α)  
 — 6. ἐπέτρεψε πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (2 α)  
 8. πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ ἔδωκεν (2 α)  
 — 19. τὰ ῥήματα . . . ὅσα ἐλάλησεν  
 — 22. πάντα . . . ὅσοι ἐν τῷ δεισμοτηρίῳ  
 — 22. πάντα δ. ποιούσιν . . . ἦν ποιῶν (2 α)  
 Ge. 8. 23. ὅσα αὐτὸς ἐποίησεν ὁ κύριος ἐνώδον (2 α)  
 41. 25. 28. ὅσα ὁ θεὸς ποιεῖ ἔδειξε τῷ Φ. (2 α)  
 44. 1. βρομαῖται ὅσα ἐάν δύνανται ἄραι (2 α)  
 45. 10. οἱ βίβες σου καὶ ὅσα σοὶ ἐστὶ [A ἐκεῖ] (2 β)  
 — 13. καὶ ὅσα ἴδετε (2 β)  
 — 27. πάντα τὰ ῥηθέντα . . . ὅσα εἶπεν αὐτοῖς (2 α)  
 Ex. 3. 16. ἐπέσκεμαι ὑμᾶς καὶ ὅσα συμβέβηκεν (4)  
 6. 29. ἀλλήλων . . . ὅσα [B<sup>1</sup> καὶ] ἐγὼ λέγω  
 πρὸς εἶ (2 β)  
 7. 2. ἀλλήλους . . . πάντα δ. σοι ἐντέλλομαι (2 α)  
 9. 19. ὅσα ἐστὶ ὅτι ἐστὶν [A εἰσιν] (2 β)  
 — 19. A<sup>2</sup> τὰ κτήνη ὅσα ἐάν εὐρεθῇ [B al.] (3 α)  
 — 25. B<sup>2</sup> πάντα ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ (2 α)  
 10. 2. ὅσος διήγησας . . . ὅσα ἐμπεπείχα (2 α)  
 — 2. A τὰ σμικρὰ μου ὅσα [B δ.] ἐποίησα (2 α)  
 11. 7. ὅσα παραδοξάζεις κύριος (2 α)  
 12. 16. πλὴν ὅσα ποιήσονται πάση ψυχῇ (2 α)  
 13. 12. τοῖς κτήνεσι σου ὅσα ἐάν γένηται σοι (2 α)  
 16. 23. ὅσα ἐάν πείσῃς πείσεται (2 α)  
 — 23. καὶ ὅσα ἐάν ἐψῆτε ἐψέτε (2 α)  
 18. 1. ὅσα πάντα ὅσα ἐποίησε κύριος (2 α)  
 — 14. ἰδὼν ἴ. πάντα ὅσα ποιεῖ τῷ λαῷ (2 α)  
 — 24. καὶ ἐποίησεν ὅσα εἶπεν αὐτῷ (2 β)  
 — 4. ἐωράκατε ὅσα ποιήκατο (2 α)  
 20. 8. πάντα ὅσα εἶπεν ὁ θεός ποιήσωμεν (2 α)  
 4. ὅσα ἐν τῷ οὐρανῷ ἔκω (2 α)  
 — 4. καὶ ὅσα ἐν τῇ γῇ κτίω (2 α)  
 — 4. καὶ ὅσα ἐν τοῖς ὕδασι υποκάτω (2 α)  
 — 17. οὕτε ὅσα τῷ πλησίον σου ἐστί (2 β)  
 21. 30. ὅσα ἐάν ἐπιβάλλωσιν αὐτῷ (2 β)  
 22. 17 (16). καθ' ὅσον ἐστὶν ἡ φερὴν (13)  
 23. 13. πάντα ὅσα εἴρηκα πρὸς ὑμᾶς (2 α)  
 — 22. πάντα ὅσα ἀν ἐντέλλομαι σοι [A al.] —  
 — 22. καὶ ποιήσεν πάντα δ. ἐν ἔκω σοι (2 α)  
 24. 7. πάντα δ. ἐλάλησε κύριος (2 α)  
 25. 8 (9). κατὰ πάντα ὅσα σου δεικνύω (2 α)  
 — 21 (22). κα

Is. 51. 1. τὸν βάθυνον τοῦ λάκκου δὲν ὠρύξατε (6)  
 Je. 2. 13. ὠρύξαν ἑαυτοὺς λάκκους συντητρίμμι. (3)  
 13. 7. ὠρύξα καὶ ἑλαβον (2)  
 Ez. 8. 8. ὠρύξαν [A. add. δὴ ἐν τῷ τοίχῳ] καὶ ὠρύξα (4, 4)  
 12. 7. Ὁ ὠρύξα [B διῶρ.] ἔμεινεν τὸν τοίχον (4)  
 — 12. Ὁ ὠρύξει [B διῶρ.] τοῦ ἐξελεῖν αὐτὸν δὲ αὐτοῦ (4)  
 [Aq. Ex. 7. 24 : Je. 18. 22 : Ez. 8. 8 (P.).] [Sm. Ex. 7. 24 : Ps. 34 (35). 7 (P.). Is. 37. 25 : Je. 18. 20.] [Th. Ex. 7. 24 : Is. 37. 25.] [Quint. Ps. 118 (119). 85.]  
 ὀρφανία. (1) ὀρφῶ  
 Is. 47. 8. οὐδὲ γινώσκωμαι ὀρφανία (1)  
 ὀρφανός. (1) ὀρφῶ  
 Ex. 22. 22 (21). πᾶσαν χήραν καὶ ὀρφανὸν — 24 (23). καὶ τὰ παῖδια ὑμῶν ὀρφανά De. 10. 18. ποιῶν κρίσιν . . . ὀρφανῶ 14. 29 : 16. 11, 14. καὶ ὁ δ. καὶ ἡ χήρα 24. 17. οὐκ ἐκκλίνει κρίσιν . . . ὀρφανῶ — 19, 20, 21. τῷ δ. καὶ τῇ χήρᾳ ἔσται 26. 12. δώσεις . . . τῷ δ. καὶ τῇ χήρᾳ — 13. ἔδωκα αὐτῇ . . . τῷ δ. καὶ τῇ χήρᾳ 27. 19. ὅς ἐν ἐκκλίῃ κρίσιν . . . ὀρφανῶ I Es. 3. 19. τοῦ δ. ποιεῖ τὴν δίκαιον μίαν To. 1. 8. B ἰδίδουν αὐτὰ τοῖς δ. [A B al.] — 8. ὀρφανὸς κατελείφθη ὑπὸ τοῦ πατρὸς μου [S al.] Jb. 6. 27. ἐπ' [A om.] ὀρφανῶ ἐπιπίπτει (1) 22. 9. ὀρφανούς δὲ ἐκάκωσας (1) 24. 3. ὑποζύγιον ὀρφανῶν ἀπήγαγον — 9. ἤρπασαν ὀρφανὸν [A - οὐς] ἀπὸ μαστοῦ — 19. ἀγκαλίσαι γὰρ ὀρφανῶν [A - οὐ] ἤρπασαν + 29. 12. ὀρφανῶν . . . ἰβηθήσονται 31. 17. οὐχὶ ὀρφανῶ μετέδωκα — 21. εἰ ἐπῆρα ὀρφανῶ χεῖρα Ps. 9. 35 (10. 14). ὀρφανῶ σὺ σῶσαι βοηθός [A S - θαν] (1) — 39 (10. 18). κρίναι ὀρφανῶ καὶ ταπεινῶ 67 (68). 5. τοῦ πατρὸς τῶν δ. καὶ κριτοῦ τῶν χηρῶν 81 (82). 3. κρίναι τε ὀρφανῶν [A S - φ] (1) 93 (94). 6. χήραν καὶ ὀρφανὸν ἀπέκτειναν (1) 108 (109). 9. γεννηθήσονται οἱ υἱοὶ αὐτοῦ ὀρφανοὶ (1) — 12. μηδὲ γεννηθῶν οὐκ ἐκρίμων τοῖς δ. αὐτοῦ 145 (146). 9. ὀρφανὸν καὶ χήραν ἀναλήψεται (1) Pr. 23. 10. εἰς δὲ κτήμα ὀρφανῶν μὴ εἰσελθῆς (1) Si. 4. 10. γίνου ὀρφανὸς ὡς πατήρ 32 (35). 14. οὐ μὴ ὑπερίδῃ [A παρίδῃ] ἱκετεῖαν ὀρφανῶ Ho. 14. 4. ὁ ἐν σοὶ ἐλείψει ὀρφανόν Mi. 2. 2. καὶ διηπάσῃ ὀρφανούς Za. 7. 10. ὀρφανῶν . . . μὴ καταδυναστεύετε Ma. 3. 5. τοὺς κοινυλίσκοντας ὀρφανούς Is. 1. 17. κρίναι τε ὀρφανῶ — 23. ὀρφανούς οὐ κρινόντες 9. 17 (16). τοὺς δ. αὐ. . . οὐκ ἐλείψει 10. 2. ὥστε εἶναι αὐτοῖς . . . ὀρφανὸν εἰς προνομίην (1) Je. 5. 28. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανῶ 7. 6. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύσῃτε 22. 9. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύετε 29 (49). 11. οὐκ ἔστιν ὑπολείπεσθαι ὀρφανὸν σου (1) La. 5. 3. ὀρφανοὶ ἐγεννήθημεν Ep. Je. 38. οὐτε ὀρφανὸν εὖ ποιήσωσι Ez. 22. 7. ὀρφανὸν καὶ χήραν κατεδυνάστευον (1) II Ma. 3. 10. παραθήσεται εἶναι χηρῶν τε καὶ ὀρφανῶν 8. 28. ὀρφανοὶ μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκύλων — 30. καὶ τοῖς ἡλισσμένοις καὶ ὀρφανοῖς [Aq. Ps. 9. 39 (10. 18) : 81 (82). 3 : Is. 9. 17 (16).] [Sm. Jb. 31. 21 : Ps. 81 (82). 3 : Is. 9. 17 (16) : Je. 49. 11 (29. 13).] [Th. Ps. 81 (82). 3 : 93 (94). 6 : Is. 9. 17 (16) : Ho. 14. 4.]  
 ὀρχεῖσθαι. (1) ὀρχῶ pilp. (2) ὀρχῶ pi. (3) ὀρχῶ a. gal. δ. pi. (4) ὀρχῶ pi.  
 II Ki. 6. 16. εἶδε τὸν βασ. Δ. ὀρχομένον καὶ ἀνακροῦνόμενον [A δ. κ. δ.] (2 [1]) — 20. καθὼς ἀποκαλύπτεται . . . εἰς τῶν ὀρχομ. + — 21. ἐνώπιον κυρίου ὀρχήσονται [A om.] — 21. καὶ ὀρχήσονται ἐνώπιον κυρίου [A om. ε. κ.] (4)

I Ch. 15. 29. εἶδε τὸν βασ. Δ. ὀρχομένον (3 b)  
 Ec. 8. 4. καιρὸς τοῦ ὀρχήσασθαι (3 a)  
 Is. 13. 21. δαυμόνια ἐκεῖ ὀρχήσονται [A - χηθῶν.] (3 b)  
 [Aq. II Ki. 6. 14 : Jb. 21. 11.] [Sm. Jb. 21. 11 : Ps. 28 (29). 6.] [Quint. Ps. 28 (29). 6.]  
 ὄς, passim. ἀφ' οὗ vid. sub ἀπό ἔως οὗ vid. sub ἔως  
 ὄσιος. (1) ὄσι (2) α. ὄσι (3) ὄσι (4) ὄσι (5) ὄσι (6) ὄσι (7) α. ὄσι  
 (4) ὄσι (5) ὄσι (6) ὄσι (7) α. ὄσι  
 δ. ὄσι (5) δ. ὄσι (6) δ. εἶναι ὄσι hithp.  
 De. 29. 19 (18). ὄσι μοι γένοιτο (6)  
 32. 4. δίκαιος καὶ δ. κύριος (4)  
 38. 8. καὶ ἀληθεύει αὐτὸν τῷ ἀνδρὶ τῷ δ. (2 b)  
 II Ki. 22. 26. μετὰ ὄσιον ὀσιώθησιν (2 b)  
 Ps. 4. 3. ἐθαυμάστωκε κύριος τὸν δ. αὐτοῦ (2 b)  
 11 (12). 1. σῶσόν με, κύριε, ὅτι ἐκλείπειν ὄσιος (2 b)  
 15 (16). 10. οὐδὲ δώσεις τὸν δ. σου ἰδεῖν διαφθοράν (2 b)  
 17 (18). 25. S<sup>2</sup> μετὰ ὄσιον ὄσιος ἔσθι [A B S<sup>2</sup> ὀσιώθησιν] (2 b, 8)  
 29 (30). 4. ψάλατε τῷ κυρίῳ οἱ δ. αὐτοῦ (2 b)  
 30 (31). 23. ἀγαπήσατε τὸν κ., πάντες οἱ δ. αὐ. (2 b)  
 31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σὲ πᾶς ὄσιος (2 b)  
 36 (37). 28. οὐκ ἐγκαταλείψει τοὺς δ. αὐτοῦ (2 b)  
 42 (43). 1. εἰ ἔθνη οὐκ ὄσιον . . . ῥύσαι με (2 b)  
 49 (50). 5. συναγάγετε αὐτῶν τοὺς δ. αὐτοῦ (2 b)  
 51 (52). 9. χρυστὸν ἐνέκρινον τὸν δ. σου (2 b)  
 67 (68). 35. θαυμάστω δὲ θεὸς ἐν τοῖς δ. [S ἁγίοις] αὐτοῦ (5)  
 78 (79). 2. τὰς σάρκας τῶν δ. σου τοῖς θηρίοις τῆς γῆς (2 b)  
 84 (85). 8. λαλήσει εἰρήνην . . . ἐπὶ τοὺς δ. αὐ. (2 b)  
 85 (86). 2. ὅτι δόσεις ἐμὴ (2 b)  
 96 (97). 10. φυλάσσει κ. τὰς ψυχὰς τῶν δ. αὐ. (2 b)  
 115. 6 (116. 15). τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν δ. αὐ. (2 b)  
 131 (132). 9. S<sup>2</sup> οἱ δ. σου ἀγαλλιάσονται [A ἀγαλλιάσει ἀγ.] (2 b)  
 — 16. A S<sup>2</sup> οἱ δ. αὐτῆς ἀγαλλιάσει ἀγαλλιάσονται (2 b)  
 144 (145). 10. οἱ δ. σου εὐλογησάτωσάν σε (2 b)  
 — 13. καὶ ὄσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ —  
 — 17. καὶ ὄσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (2 b)  
 148. 14. A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> ὄσιος πᾶσι τοῖς δ. αὐτοῦ (2 b)  
 149. 1. ἡ αἰνέσις αὐτοῦ ἐν ἐκκλησίᾳ ὄσιων (2 b)  
 — 5. καυχῶνται ὄσιος ἐν δόξῃ (2 b)  
 — 9. δόξα αὐτῇ ἐπὶ πᾶσι τοῖς δ. αὐτοῦ (2 b)  
 Pr. 2. 11. ἔγνωσα δὲ ὄσιᾳ τηρήσει σε —  
 — 21. S<sup>2</sup> ὄσιος [A ἁκακοί] δὲ ὑπολείφθησονται ἐν αὐτῇ (7 b)  
 — 21. A B S<sup>2</sup> ὄσιος ὑπολείφθησονται ἐν αὐτῇ (7 b)  
 10. 29. ὀχύρωμα ὄσιον φέβος κυρίου (7 a)  
 17. 26. οὐδὲ ὄσιον ἐπιβουλεύειν δυνάσταις δικαίους —  
 18. 5. οὐδὲ ὄσιον ἐκκλίνει τὸ δίκαιον ἐν κρίσει —  
 20. 11. συμποδισθήσεται νεανίσκος μετὰ ὄσιον (1)  
 21. 15. ὄσιος δὲ ἀκάθαρτος παρὰ κακούργους +  
 22. 11. ἀγαπᾷ κύριος ὄσιᾳ καρδίας (3)  
 29. 10. ἀνδρες πημάτων μέτρον μισοῦσιν [A ζητήσουσιν] ὄσιον (7 c)  
 Wi. 3. 9. S<sup>2</sup> χάρις καὶ ἔλεος τοῖς [A ἐν τοῖς] δ. [A B ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ (1)  
 — 9. A ἐπισκοπῇ ἐν τοῖς δ. [S ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ  
 4. 15. A χάρις καὶ ἔλεος ἐν [S om.] τοῖς δ. [B S ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ  
 — 15. ἐπισκοπῇ ἐν τοῖς δ. [A ἐκλεκτοῖς] αὐτοῦ  
 6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὄσιος τὰ δ. ὀσιώθησονται 7. 27. κατὰ γενεὰς εἰς ψυχὰς ὄσιᾳ μεταβαίνουσα 10. 15. αὐτῇ λαὸν ὄσιον . . . ἐρυσσάτω — 17. ἀπέδωκεν ὄσιος μισθὸν κόπων αὐ. 18. 1. τοῖς δὲ δ. σου μέγιστον ἦν φῶς — 5. βουλευσαμένους δ' αὐτοὺς τὰ τῶν δ. ἀποκτεῖναι νηπία — 9. κρυφῇ γὰρ ἐθυσίαζον ὄσιος [A om.] παῖδες ἀγαθῶν Si. 39. 13. ἐπισκοπῶσά με, υἱοὶ ὄσιος — 24. αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ τοῖς δ. εὐθείαι Am. 5. 10. καὶ λόγον ὄσιον ἐβδελύξαντο (7 b) Is. 55. 3. διαθήσονται ὕμιν διαθήκην αἰώνιον τὰ δ. Δαυὶδ τὰ πιστά (2 a) Da. LXX. TH. 3. (87). εὐλογεῖτε ὄσιος . . . τὸν κύριον

I Ma. 7. 17. σάρκας ὄσιων σου . . . ἐξέχεαν II Ma. 12. 45. ὁ καὶ εὐσεβὴς ἡ ἐπίνοια [Aq. Ps. 17 (18). 26 : 81 (82). 6 : 49 (50). 5 : 88 (89). 20.] [Sm. Dt. 33. 8 : Ps. 17 (18). 26 : 81 (82). 6 : 49 (50). 5 : 61 (52). 11 : 88 (89). 20.] [Th. Ps. 17 (18). 26 : 49 (50). 5 : 88 (89). 20 : Am. 5. 10.] [Al. Ps. 4. 4 : 18 (19). 10.] [Quint. Ps. 17 (18). 26 : 80 (81). 22.] [Heb. Ps. 49 (50). 5.]  
 ὀσιότης. (1) ὄσι (2) α. ὄσι δ. ὄσι  
 De. 9. 5. οὐδὲ διὰ τὴν δ. τῆς καρδίας σου (1)  
 I Ki. 14. 41. δὸς δὲ ὀσιότητα (2 b)  
 III Ki. 9. 4. ἐν ὀσιότητι καρδίας καὶ ἐν εὐθύτητι (2 a)  
 Pr. 14. 32. ὁ δὲ πεποιθὼς τῇ ἑαυτοῦ δ. δίκαιος + Wi. 2. 22. οὐδὲ μισθὸν ἡλπίσαν ὀσιότητος 5. 19. λήγεται ἀσπίς ἀκαταμάχτην ὀσιότητα 9. 3. καὶ διέπῃ τὸν κόσμον ἐν ὀσιότητι 14. 30. ἀδίκως ὤμισαν ἐν δόλῳ καταφρονήσαντες ὀσιότητος 18. 9. S<sup>2</sup> τὸν τῆς δ. [A B θεώτητος] νόμον ἐν ὁμονοίᾳ διέθεντο ὀσιῶν. (1) ὄσι hithp.  
 II Ki. 22. 26. μετὰ ὄσιον ὀσιώθησιν (1)  
 Ps. 17 (18). 25. μετὰ ὄσιον ὀσιώθησιν [S<sup>2</sup> ὄσιος ἔσθι] (1)  
 Wi. 6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὄσιος τὰ ὄσια ὀσιώθησονται [Aq. Th., Quint. Ps. 17 (18). 26.] ὄσιως.  
 III Ki. 8. 61. καὶ ὁ πορεύεσθαι ἐν τοῖς προτάγμασιν αὐ. —  
 Wi. 6. 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες δ. τὰ ὄσια ὀσιώθησονται [Sm. Ps. 17 (18). 26.]  
 ὁσμή. (1) ὄσμη (2) ὄσμη (3) ὄσμη  
 Ge. 8. 21. ὁσφρανθῇ κ. ὁ θεὸς ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 27. 27. ὁσφρανθῇ τὴν δ. τῶν ἱματίων (3)  
 — 27. ἰδοὺ δ. τοῦ υἱοῦ μου ὡς δ. ἀγροῦ (3, 3)  
 Ex. 5. 21. ἐβδελύξατε τὴν δ. ἡμῶν (3)  
 29. 18. ὀλοκαύτωμα τῷ κ. εἰς ὁσμήν εὐωδίας — 25. ἀνοίσεις . . . εἰς ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 — 41. ποιήσεις ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 Le. 1. 9, 13, 17 : 2. 2. θυσία ὁσμήν εὐωδίας τῷ κυρίῳ 2. 9. κάρπωμα ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 — 12. εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 3. 5. κάρπωμα ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ — 11. ὁσμή [A - ἡν] εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ — 16. κάρπωμα ὁσμήν εὐωδίας τῷ κυρίῳ 4. 31. ἀνοίσεις . . . εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 6. 15 (8). κάρπωμα ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 — 21 (14). B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> θυσιαν εἰς [B<sup>2</sup> om.] ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 8. 20 (21). ὀλοκαύτωμα δ' ἔστιν εἰς ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 — 27 (28). ὁ ἔστιν ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 17. 4. εἰς ὀλοκαύτωμα . . . εἰς ὁσμήν εὐωδίας — 6. ἀνοίσεις τὸ στήθαρ εἰς ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 23. 13. ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ — 18. θυσιαν ὁσμήν εὐωδίας τῷ κ. (3)  
 26. 31. οὐ μὴ ὁσφρανθῇ τῆς δ. τῶν θυσιῶν ὑμῶν (3)  
 Nu. 15. 3. ποιῆσαι ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 — 5. ποιήσεις . . . ὁσμήν εὐωδίας τῷ κυρίῳ — 7. εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ — 10. ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 — 13. εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 — 14. ποιήσεις κάρπωμα ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ — 24 : 18. 17. εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ (3)  
 28. 2. εἰς ὁσμήν εὐωδίας — 6. εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ — 8. B<sup>2</sup> εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίου [A B<sup>2</sup> B - φ] (3)  
 — 13. θυσιαν ὁσμήν εὐωδίας — 24. B<sup>2</sup> εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίου [A B<sup>2</sup> B - φ] (3)  
 — 27 : 29. 2. εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίῳ 29. 6. B<sup>2</sup> εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίου [A B<sup>2</sup> B - φ] (3)  
 — 8. εἰς ὁσμήν εὐωδίας — 11. εἰς ὁσμήν εὐωδίας — 13. B<sup>2</sup> εἰς ὁσμήν εὐωδίας κυρίου [A B<sup>2</sup> B - φ] (3)  
 — 36. εἰς ὁσμήν εὐωδίας To. 6. 16. S<sup>2</sup> ὁ πορεύεται [A B al.] 8. 3. ὁσφρανθῇ τὸ δαυμόνιον τῆς δ. [S al.] Ju. 16. 16. μικρὸν πᾶσα θυσία εἰς ὁσμήν εὐωδίας

Jb. 6. 7. βρόμον γάρ ὥρῳ τὰ σίτα μου ὥσπερ ὁσμήν [B<sup>1</sup>-h] λείοντος (3)  
 14. 9. ἀπὸ ὁσμῆς ὕδατος ἀνθήσει (3)  
 Ca. 1. 3. ὁσμή μύρων σου ὑπὲρ πάντα τὰ ἀρώματα (3)  
 — 4. εἰς ὁσμὴν μύρων σου δραμοῦμεν (3)  
 — 12. κήρυξ μου ἔδωκεν ὁσμήν αὐτοῦ (3)  
 2. 13. ἔδωκαν ὁσμήν (3)  
 4. 10. ὁσμή ἱματίων [B μύρων] σου ὑπὲρ πάντα ἀρώματα (3)  
 — 11. ὁσμή ἱματίων σου ὡς ὁσμή λιβάνου (3, 3)  
 7. 8 (9). ὁσμή ῥίνος σου ὡς μήλα (3)  
 — 13 (14). οἱ μανθραγόροι ἔδωκαν ὁσμήν [B δ. αὐτῶν] (3)  
 Si. 24. 15. ὡς κιννάμωμον . . . δέδωκα ὁσμήν (3)  
 39. 14. ὡς λιβάνου εὐωδίασατε ὁσμήν (3)  
 — 14. διὰ τοῦτο ὁσμήν καὶ αἰνέσεται ἄσμα (3)  
 50. 15. ἐξέχεεν . . . ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 Is. 3. 24. ἔσται ἀντὶ ὁσμῆς ἡδίας κοινωρτός (2)  
 34. 3. ἀναβήσονται αὐτὸν ἡ δ. (1)  
 Je. 25. 10. ἀπολῶ . . . ὁσμήν μύρου (3)  
 81 (48). 11. ὁσμή αὐτοῦ οὐκ ἐξέλιπε (3)  
 Ez. 6. 13. ἔδωκαν ἐκεί ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 16. 19. ἔθηκεν αὐτὰ πρὸς προσώπου αὐτῶν εἰς ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 20. 28. ἔταξαν ἐκεί ὁσμήν εὐωδίας (3)  
 — 41. ἐν ὁσμῇ εὐωδίας προσδέξομαι ὑμᾶς (3)  
 Da. LXX. 3. 27 (94). οὐδὲ ὁσμή τοῦ πυρὸς ἦν ἐν αὐτοῖς (3)  
 4. 34. εἰς ὁσμήν εὐωδίας τῷ κυρίῳ (3)  
 Da. Th. 3. 27 (94). ὁσμή πυρὸς οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς (3)  
 II Ma. 9. 9. ὑπὸ δὲ τῆς δ. αὐ. πᾶν τὸ στρατόπεδον βαρύνεσθαι (3)  
 — 10. διὰ τὸ τῆς δ. ἀφόρητον βάρος (3)  
 — 12. μηδὲ τῆς δ. αὐ. ἀνέχουσαι δυνάμενος [Aq. Ex. 29. 18; Ca. 1. 12.] [Sm., Th. Ex. 29. 18.] (3)  
 ὅσος. (1) 𐤒𐤍 (2) a. 𐤒𐤍𐤕 δ. 𐤒𐤍𐤕 𐤔𐤁  
 c. 𐤔𐤁 (3) πάντες δ., πάντα δ. a. 𐤒𐤍𐤕 δ. 𐤔𐤁  
 (4) ὅσα συμβέβηκεν 𐤕𐤍𐤕 (5) 𐤕 (6) 𐤕  
 (7) a. 𐤕 δ. 𐤕𐤍𐤕 (8) 𐤕 (9) 𐤕 (10) 𐤕  
 (11) 𐤕 (12) τὰ δ. 𐤕𐤍𐤕 (13) καθ' ὅσον  
 ἐστὶν 𐤕 (14) μικρὸν ὅσον ὅσον 𐤕𐤍𐤕  
 (15) ὅσα βεβούλευμαι 𐤕𐤍𐤕 (16) ὅσον  
 χρόνον 𐤕𐤍𐤕 𐤕  
 Ge. 1. 31. εἶπεν ὁ θ. τὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (2 a)  
 6. 17. καὶ ὅσα ἄν ἔπ' ἐπὶ τῆς γῆς τελευτήσῃ (2 b)  
 — 22. ἐποίησε . . . πάντα δ. ἐνετέλειτο αὐτῷ (2 a)  
 7. 5. ἐποίησε N. πάντα δ. ἐνετέλειτο αὐτῷ (2 a)  
 — 22. πάντα δ. ἐξεῖ πνοὴν ζωῆς (2 a)  
 8. 1. ὅσα ἦν μετ' αὐτοῦ (2 a)  
 — 17. πάντα τὰ θηρία δ. ἐστὶ μετὰ σου (2 a)  
 9. 10. ὅσα ἐστὶ [A om.] μετ' ὑμῶν (2 a)  
 — 24. καὶ ἔγνω ὅσα ἐποίησαν αὐτῷ ὁ υἱός (2 a)  
 11. 6. πάντα δ. ἂν ἐπιθῶνται ποιεῖν [A ποιῆσαι] (2 a)  
 12. 5. ὅσα ἐκτίσασθαι (2 a)  
 — 20. πάντα δ. ἦν αὐτῷ (2 a)  
 18. 19. πάντα δ. ἐλάλησε πρὸς [A ἐπ'] αὐτόν (2 a)  
 21. 12. πάντα δ. ἂν εἴπῃ σοι Σάρρα (2 a)  
 24. 36. καὶ ἔδωκεν αὐτῷ ὅσα ἦν αὐτῷ (2 b)  
 25. 7. τὰ ἐπ' . . . ὅσα ἐτίθει (2 a)  
 28. 15. πάντα δ. ἐλάλησά σοι (2 a)  
 30. 29. γινώσκεις . . . ὅσα ἦν κτήνη σου (2 a)  
 — 30. μικρὰ γὰρ ἦν ὅσα σοι ἐναντίον ἐμοῦ (2 a)  
 31. 12. ἔώρακα γὰρ ὅσα σοι λαβὼν ποιεῖ (2 b)  
 — 16. ὅσα σοι ἐῤῥηκεν ὁ θεὸς ποιεῖ (2 b)  
 — 43. καὶ πάντα δ. οὐ ὅρας ἐμὰ ἐστὶ (2 a)  
 34. 28. ὅσα τε ἦν ἐν τῇ πόλει (2 a)  
 — 28. καὶ ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ ἔλαβον (2 a)  
 — 29. διήρπασαν ὅσα τε ἦν ἐν τῇ πόλει (2 a)  
 — 29. καὶ ὅσα ἦν ἐν ταῖς οἰκίαις (2 b)  
 36. 6. καὶ πάντα δ. ἐκτίσασθαι (2 b)  
 — 6. καὶ πάντα [A om.] δ. περιποιήσασθαι (2 b)  
 39. 3. ὅσα ἐὰν ποιῇ κύριος εὐδοοί (2 b)  
 — 4. πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ ἔδωκε (2 b)  
 — 5. καὶ ἐπὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (2 a)  
 — 6. ἐπέτρεψε πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (2 a)  
 — 8. πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ ἔδωκεν (2 a)  
 — 19. τὰ ῥήματα . . . ὅσα ἐλάλησε (2 a)  
 — 22. πάντας . . . ὅσοι ἐν τῷ θεσμοτηρίῳ (2 a)  
 — 22. πάντα δ. ποιοῦσιν . . . ἦν ποιῶν (2 a)

Ge. 39. 23. ὅσα αὐτὸς ἐποίησεν ὁ κύριος εὐδου (2 a)  
 41. 25, 28. ὅσα ὁ θεὸς ποιεῖ ἐδίξε τῷ Φ. (2 a)  
 44. 1. βρωμάτων ὅσα ἐὰν δύνανται θραῖ (2 a)  
 45. 10. οἱ βόες σου καὶ ὅσα σοὶ ἐστὶ [A ἐκεί] (2 b)  
 — 13. καὶ ὅσα ἐστὶ (2 b)  
 — 27. πάντα τὰ ῥήθηντα . . . ὅσα εἶπεν αὐτοῖς (2 a)  
 Ex. 3. 16. ἐπέσκεμμαι ὑμᾶς καὶ ὅσα συμβέβηκεν (4)  
 6. 29. λάλησον . . . ὅσα [B<sup>1</sup> καὶ] ἐγὼ λέγω πρὸς σέ (2 b)  
 7. 2. λαλήσεις . . . πάντα δ. σοι ἐντέλλομαι (2 a)  
 9. 19. ὅσα σοὶ ἐστὶν [A εἰσιν] (2 b)  
 — 19. A<sup>2</sup> B τὰ κτήνη ὅσα ἐὰν ἐνέβηθ [B al.] (2 a)  
 — 25. B<sup>3</sup> πάντα ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ (2 a)  
 10. 2. ὅπως διηγήσῃ . . . ὅσα ἐμπεπείχα (2 a)  
 — 2. A τὰ σημεία μου ὅσα [B δ] ἐποίησα (2 a)  
 11. 7. ὅσα παραδοξάσεις κύριος (2 a)  
 12. 16. πλὴν ὅσα ποιήσῃται πᾶσι ψυχῇ (2 a)  
 13. 12. τοῖς κτήμασι σου ὅσα ἐὰν γένηται σοι (2 a)  
 16. 23. ὅσα ἐὰν πίσσῃτε πίσσετε (2 a)  
 — 23. καὶ ὅσα ἐὰν ἐψῇτε ἐψῇτε (2 a)  
 18. 1. 8. πάντα ὅσα ἐποίησε κύριος (2 a)  
 — 14. ἰδὼν 'I. πάντα ὅσα ποιεῖ τῷ λαῷ (2 a)  
 — 24. καὶ ἐποίησαν ὅσα εἶπεν αὐτῷ (2 b)  
 19. 4. ἐώρακατε ὅσα πεποικα (2 a)  
 — 8. πάντα ὅσα εἶπεν ὁ θεὸς ποιήσομεν (2 a)  
 20. 4. ὅσα ἐν τῷ οὐρανῷ ἦν (2 a)  
 — 4. καὶ ὅσα ἐν τῇ γῇ κῆτος (2 a)  
 — 4. καὶ ὅσα ἐν τοῖς ὕδατιν ὑποκάτω (2 a)  
 — 17. οὗτε ὅσα τῷ πλησίον σου ἐστὶ (2 b)  
 21. 30. ὅσα ἐὰν ἐπιβάλωσιν αὐτῷ (2 b)  
 22. 17 (16). καθ' ὅσον ἐστὶν ἡ φερόν (13)  
 23. 13. πάντα ὅσα εἴρηκα πρὸς ὑμᾶς (2 a)  
 — 22. πάντα ὅσα ἐν ἐντελλομαι σοι [A al.] (2 a)  
 — 22. καὶ ποιήσῃτε πάντα δ. ἂν εἴπω σοι (2 a)  
 24. 7. πάντα δ. ἐλάλησε κύριος (2 a)  
 25. 8 (9). κατὰ πάντιν ὅσα σοι δεκνύω (2 a)  
 — 21 (22). κατὰ πάντα ὅσα ἐν ἐντελλομαι (2 a)  
 28. 34 (38). ὅσα ἐὰν ἀγιάσωσιν οἱ υἱοὶ 'I. (2 a)  
 29. 35. κατὰ πάντα ὅσα ἐντελλομαι σοι (2 a)  
 — 38. A ταῦτα ἐστὶν ὅσα [B δ] ποιήσεις (2 a)  
 30. 13. δάσωσιν ὅσοι ἐὰν παρηγορηθῶσιν (2 c)  
 31. 6. ποιήσουσι πάντα ὅσα συνέταξά σοι (2 a)  
 — 11. κατὰ πάντα ὅσα ἐγὼ ἐντελλομαι σοι (2 a)  
 33. 16. πάντα τὰ ἐθνη ὅσα ἐπὶ τῆς γῆς ἐστὶ (2 a)  
 34. 11. πρόσχευε σὺ πάντα ὅσα ἐγὼ ἐντελλομαι (2 a)  
 — 32. πάντα ὅσα ἐντελλομαι κύριος πρὸς αὐτόν (2 a)  
 — 34. ὅσα ἐντελλομαι αὐτῷ κύριος (2 a)  
 35. 10. πάντα [A om.] δ. συνέταξε (2 a [2 b])  
 — 21. καὶ ὅσοι [A οἱς] ἔδοξε τῇ ψυχῇ αὐτῶν (2 b)  
 — 23 (22). καὶ πάντες δ. ἡνεγκαν ἀφαιρέματα (2 a)  
 — 29. πάντα τὰ ἔργα δ. συνέταξε κ. ποιῆσαι (2 a)  
 36. 1. κατὰ πάντα δ. συνέταξε κύριος (2 a)  
 — 5. τὰ ἔργα δ. συνέταξε κύριος ποιῆσαι (2 a)  
 39. 22 (42). A B ὅσα [B δ] συνέταξε κ. Μωυσῇ (2 b)  
 40. 16. ἐποίησε M. πάντα δ. ἐντελλομαι (2 a)  
 Le. 5. 4. ποιῆσαι κατὰ πάντα δ. ἐὰν διαστείλῃ (2 a)  
 7. 9 (19). κρίε δ. ἐὰν ἀνῆλθαι παντὸς ἀκαθάρτου [A al.] (2 a)  
 11. 9. B πάντα δ. ἐστὶν αὐτοῖς πτερύγια (2 a)  
 — 10, 12. πάντα δ. οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πτερύγια (2 a)  
 — 33. ὅσα ἐὰν ἐνθόν ἢ ἀκάθαρτα ἔσται (2 b)  
 13. 46. πάσας τὰς ἡμέρας ὅσας ἂν ἔπ' αὐτόν (2 a)  
 — 51. κατὰ πάντα δ. ἐὰν ποιῇ δέρματα (2 a)  
 14. 22. ὅσα εὐρίν ἡ χεὶρ αὐτοῦ (2 a)  
 — 36. ἀκάθαρτα γένηται ὅσα ἐὰν ἦ ἐν τῇ οἰκίᾳ (2 b)  
 15. 10. ἀπτόμενος ὅσα ἐὰν ἦ [A al.] (2 b)  
 — 11. καὶ ὅσων ἐὰν ἀψηται ὁ γονορρυῆς (2 b)  
 17. 5. τὰς θυσίας αὐ. ὅσας ἂν . . . σφάζουσιν (2 a)  
 22. 2. ὅσα αὐτοὶ ἀγάψουσιν μοι (2 a)  
 — 3. ὅσα ἐὰν ἀγάψωσιν οἱ υἱοὶ 'Iσρ. τῷ κ. (2 a)  
 — 18. B<sup>2</sup> ὅσα [A B<sup>1</sup> B δs ἂν] προσεγγίχῃ τὰ δῶρα αὐ. (2 a)  
 — 18. ὅσα ἐὰν προσεγγίξωσι τῷ θεῷ (2 a)  
 — 20. πάντα ὅσα ἐν ἔχῃ μῶμον ἐν αὐτῷ (2 a)  
 25. 44. ὅσοι ἐὰν γένωνται σοι ἀπὸ τῶν ἐθνῶν ὅσοι κυκλῶ σου εἰσιν (2 a, 2 a)  
 — 45. ὅσοι ἐὰν γένωνται ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (2 a)  
 27. 28. ἀπὸ πάντων ὅσα αὐτῷ ἐστὶν (2 a)  
 Nu. 1. 50. ἐπὶ πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 a)  
 — 54. A κατὰ πάντα ὅσα [B δ] ἐντελλομαι (2 a)  
 2. 34. πάντα ὅσα συνέταξε κ. τῷ M. [A al.] (2 a)  
 3. 31. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 a)  
 4. 9. A ὅσοι [B οἱς] λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 a)  
 — 12. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 a)  
 — 14. ὅσοις [A -οι] λειτουργοῦσιν ἐπ' αὐτῷ (2 a)  
 — 16. καὶ ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 b)

Nu. 4. 26. A B<sup>2</sup> B ὅσα ἐπὶ τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (2 a)  
 — 26. ὅσα λειτουργοῦσιν ἐν αὐτοῖς (2 b)  
 5. 9. ὅσα ἐὰν προσφέρωσιν τῷ κυρίῳ (2 a)  
 6. 3. ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς (2 c)  
 — 4. ὅσα γίνονται ἐξ ἀμπέλου (2 a)  
 — 5. ὅσας [A δs] ἠέξατο κυρίῳ (2 a)  
 10. 32. ὅσα [A δ] ἐὰν ἀγοθοποίηση κ. ἡμᾶς (2 a)  
 14. 15. ὅσοι ἀκηκόασιν τὸ ὄνομα σου (2 a)  
 — 23. ὅσοι οὐκ οἶδασιν ἀγαθόν (2 a)  
 — 29. ὅσοι ἐγόγγυσαν ἐπ' ἐμοί (2 a)  
 — 34. ὅσας κατεσκόφασθε τὴν γῆν (2 a)  
 16. 26. A ὅσα [B ὡν] ἐστὶν αὐτοῖς (2 a)  
 — 30. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (2 a)  
 — 33. ὅσα [A πάντα δ.] ἐστὶν αὐτῶν (2 b [2 a])  
 — 39 (17. 4). ὅσα προσήνεγκαν οἱ κατακκευμ. (2 a)  
 17. 5 (20). A ὅσα [B δ] αὐτοὶ γογγύουσιν (2 a)  
 — 11 (26). A ὅσα [B καθὰ] συνέταξε κύριος τῷ M. (2 a)  
 18. 9. ὅσα ἀποδιδάσκει μοι (2 a)  
 — 12. ὅσα ἐὰν δώσω τῷ κυρίῳ (2 a)  
 — 13. ὅσα ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (2 a)  
 — 13. ὅσα ἐν ἐνέγκωσι κυρίῳ (2 a)  
 — 15. A B<sup>2</sup> B ὅσα [B<sup>1</sup> δ] προσφέρουσιν κυρίῳ (2 a)  
 — 19. ὅσα ἐὰν ἀφελῶσιν οἱ υἱοὶ 'Iσρ. κυρίῳ (2 a)  
 — 21. ὅσα αὐτοὶ λειτουργοῦσι λειτουργίαν (2 a)  
 — 24. ὅσα ἐὰν ἀφορίσωσι κυρίῳ (2 a)  
 — 28. ὅσα ἐὰν λάβῃτε παρὰ τῶν νῶν 'Iσρ. (2 a)  
 19. 2. ὅσα συνέταξε κύριος (2 a)  
 — 14. ὅσα ἐστὶν ἐν τῇ οἰκίᾳ (2 b)  
 — 15. ὅσα οὐκ ἐσμὸν καταδέχεται (2 a)  
 — 18. ὅσα ἐὰν ᾤσιν ἐκεί (2 a)  
 22. 2. πάντα ὅσα ἐποίησαν 'Iσρ. τῷ 'Aμ. (2 a)  
 — 17. ὅσα [A πάντα δ., B<sup>2</sup> δ] ἐὰν εἴπῃς (2 b [2 a])  
 23. 12. ὅσα ἐὰν ἐμβάλλῃ ὁ θ. εἰς τὸ στόμα μου (2 a)  
 24. 13. ὅσα ἐὰν εἴπῃ ὁ θ. (2 a)  
 25. 18. ὅσα δολιεύσιν ὑμᾶς (2 a)  
 28. 3. ὅσα προσάφετε κυρίῳ (2 a)  
 30. 1. ὅσα [A δ] ἐντελλομαι κύριος τῷ M. (2 a)  
 — 3. ὅσα ἐὰν ἐξέλθῃ ἐκ τοῦ στόματος αὐ. (2 c)  
 — 7. A ὅσα [B οὐς] διωρίσασθαι κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (2 a)  
 — 10. ὅσα ἐὰν εὐξῇται κατὰ τῆς ψυχῆς αὐ. (2 b)  
 — 13. ὅσα ἐὰν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν χειλέων αὐ. (2 c)  
 — 17. ὅσα ἐντελλομαι κύριος τῷ M. (2 a)  
 31. 23. ὅσα ἐὰν [A om.] μὴ διαπορεύηται διὰ πυρὸς (2 a)  
 32. 31. ὅσα ὁ κύριος λέγει τοῖς θεράποισιν (2 a)  
 33. 4. A ὅσους [B οὐς] ἐπάταξε κύριος (2 a)  
 — 55. A ὅσους ἐὰν [B οὐς ἐὰν] καταλείπηται ἐξ αὐτῶν (2 a)  
 De. 1. 3. ὅσα ἐντελλομαι κύριος αὐτῷ (2 a)  
 — 30. ὅσα ἐποίησαν ὑμῖν (2 a)  
 — 41. ὅσα ἐντελλομαι κ. ὁ θ. ἡμῶν ἡμῖν (2 a)  
 — 46. ὅσας ποτὲ ἡμέρας ἐνεκίησθε ἐκεί (2 b + 2 a)  
 3. 21. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 a)  
 4. 1. ὅσα ἐγὼ διδάσκω ὑμᾶς (2 a)  
 — 2. ὅσα [B ὅσας] ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν (2 a)  
 — 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τῷ B. (2 a)  
 — 6. ὅσοι ἐὰν ἀκούσωσι πάντα τὰ δικαιώμ. (2 a)  
 — 10. A B<sup>2</sup> ὅσας [B<sup>1</sup> B δs] αὐτοὶ ζώσιν ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)  
 — 18. A B ὅσα [B δ] ἐστὶν ἐν τοῖς ὕδατιν (2 a)  
 — 34. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 a)  
 — 40. ὅσας [B<sup>2</sup> δs] ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 a)  
 — 45. ὅσα ἐλάλησε M. (2 a)  
 5. 1. ὅσα ἐγὼ λαλῶ (2 a)  
 — 8. ὅσα ἐν τῷ οὐρανῷ ἦν καὶ ὅσα ἐν τῇ γῇ κατὰ καὶ ὅσα ἐν τοῖς ὕδατιν (2 a ter)  
 — 21 (18). B<sup>1</sup> οὗτε ὅσα [A B<sup>2</sup> B πάντα δ.] τῷ πλησίον σου ἐστὶν (2 b [2 a])  
 — 27 (24). ὅσα ἐὰν εἴπῃ κύριος (2 b)  
 — 27 (24). A B<sup>2</sup> B ὅσα ἐὰν ἀλλήλῃ κύριος (2 a)  
 — 28 (25). ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (2 a)  
 — 28 (25). ὁρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν (2 a)  
 — 31 (28). ὅσα διδάξεις αὐτοῖς (2 a)  
 6. 1. ὅσα ἐντελλομαι κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (2 a)  
 — 2. B<sup>1</sup> ὅσας [A B<sup>2</sup> B δs] ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι (2 a)  
 — 4. ὅσα ἐντελλομαι κύριος τοῖς υἱοῖς 'I. (2 a)  
 — 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι (2 a)  
 — 17. ὅσα ἐντελλομαι σοι (2 a)  
 — 20. ὅσα ἐντελλομαι κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (2 a)  
 7. 6. ὅσα ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (2 a)  
 — 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι (2 a)  
 — 15. καὶ ὅσα ἐγὼς (2 a)

- De. 7. 18. ὅσα ἐποίησε κύριος . . . τῷ Φ. (2 α)  
 8. 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 13. πάντων ὁσων σοι ἔσται (2 α)  
 — 20. ὅσα κ. ὁ θεὸς ἀπολλύει (2 α)  
 9. 7. ὅσα παρώξυνας κ. τὸν θεόν σου (2 α)  
 — 25. ὅσας ἐδεδόθη (2 α)  
 10. 2. Ἀ ὅσα [B δ] ἦν ἐν ταῖς πλατείαις (2 α)  
 — 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 14. ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 α)  
 11. 2. ὅσοι οὐκ οἶδασιν (2 α)  
 — 3. ὅσα ἐποίησεν ἐν μέσῳ Αἰγύπτου (2 α)  
 — 4. ὅσα ἐποίησε τὴν δύναμιν τῶν Αἰγ. (2 α)  
 — 5. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (2 α)  
 — 6. ὅσα ἐποίησε τῷ Δ. (2 α)  
 — 7. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν σήμερον (2 α)  
 — 8. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 13. Α ὅσας [B δς] ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 22. Β ὅσας [A B δς] ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 27. Α Β ὅσας [B δς] ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμερον (2 α)  
 — 28. ὅσα [A δς] ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμερον (2 α)  
 — 32. ὅσας [A δς] ἐγὼ δίδωμι ἐνώπιον ὑμῶν (2 α)  
 12. 8. Β ὅσα [A B δ] ἡμεῖς ποιοῦμεν (2 α)  
 — 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμερον (2 α)  
 — 11. ὅσα ἂν εὐξήσθε κ. τῷ θεῷ (2 α)  
 — 14. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 17. ὅσας ἂν εὐξήσθε (2 α)  
 — 19. πάντα τὸν χρόνον ὅσον ἂν ᾔης [A α.] (2 α)  
 13. 18 (19). ὅσας [A δς] ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 14. 9. ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτοῖς πτερίγια (2 α)  
 — 10. ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πτερίγια (2 α)  
 15. 3. ὅσα ἐὰν ᾖ σοι παρ' αὐτῷ (2 α)  
 — 5. ὅσας [A δς] ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 8. ὅσον ἐπιδέεται [A α.] (2 α)  
 — 8. Α καὶ ὅσον ὑπερέκειται [B α.] (2 α)  
 — 10. ὅσον ἐπιδέεται [A α.] (2 α)  
 16. 8. πλὴν ὅσα ποιηθῇται ψυχῇ (2 α)  
 — 10. ὅσα ἂν δῃ κ. ὁ θεός σου (2 α)  
 17. 10. ὅσα ἂν νομοθετήσῃ σοι (2 α)  
 18. 16. ὅσα πᾶσι παρὰ κ. τοῦ θεοῦ σου (2 α)  
 — 17. πάντα ὅσα ἐλάλησαν πρὸς σέ (2 α)  
 — 19. 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκ. (2 α)  
 20. 14. Β ὅσα [A B πάντα δ.] ἂν ὑπάρχῃ ἐν τῇ πόλει (2 α)  
 — 18. ὅσα ἐποίησαν τοῖς θεοῖς αὐτῶν (2 α)  
 22. 3. ὅσα ἐὰν ἀπώλῃ παρ' αὐτοῦ (2 α)  
 23. 24 (26). ὅσον ψυχὴν σου ἐμπλησθήναι [A α.] (2 α)  
 24. 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. σου τῇ Μ. (2 α)  
 25. 17. ὅσα ἐποίησέ σοι Ἄμ. (2 α)  
 27. 1. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σήμερον (2 α)  
 — 10: 28. 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 28. 15. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 20. Α ὅσα ἐὰν ποιήσῃς (2 α)  
 — 45. ὅσα ἐνετείλατό σοι (2 α)  
 — 53. ὅσα ἔδωκε σοι (2 α)  
 29. 2 (1). ὅσα ἐποίησε κύριος (2 α)  
 — 9 (8). ὅσα ποιήσεις (2 α)  
 — 12 (11). ὅσα κ. ὁ θεός σου διατίθεται (2 α)  
 30. 2. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 8. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 — 16. Α ὅσας [B δς] ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον (2 α)  
 31. 13. ὅσας αὐτοὶ ζῶσιν (2 α)  
 — 21. ὅσα ποιούσιν ὡς σήμερον (2 α)  
 32. 1. 16. ὅσα ἂν ἐνδείξῃ ἡμῖν (2 α)  
 — 17. ὅσα ἡκούσαμεν Μωυσῇ (2 α)  
 2. 10. ὅσα ἐποίησε τοῖς δυσὶ βασιλ. (2 α)  
 — 13. ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (2 α)  
 — 19. ὅσοι ἐὰν γένωνται μετὰ σοῦ (2 α)  
 3. 4. ὅσον διασχίλους πηγῆς στήσῃς (2 α)  
 4. 10. Α ὅσα [B δ] ἐνετείλατο κύριος (2 α)  
 — 14. ὅσον χρόνον ἐξῆλθες (2 α)  
 5. 4. ὅσοι ποτὲ ἐγένοντο ἐν τῇ ὁδῷ (2 α)  
 — 4. ὅσοι ποτὲ ἀπερίτμητοι ἦσαν (2 α)  
 6. 16 (17). ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 α)  
 — 16 (17). Α Β πάντα [B α.] ὅσα ἐστὶν ἐν τῷ οἴκῳ αὐτῆς (2 α)  
 — 20 (21). ὅσα ἦν ἐν τῇ πόλει (2 α)  
 — 21 (22). καὶ ὅσα [A πάντα δ.] ἐστὶν αὐτῇ (2 α)  
 — 22 (23). Β ὅσα ἦν αὐτῆς [A B -ῇ] (2 α)  
 7. 15. ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (2 α)  
 30. 9. 3. ὅσα ἐποίησε κύριος τῇ Ἰ. (2 α)  
 — 9. ὅσα ἐποίησεν ἐν Αἰγύπτῳ (2 α)  
 — 10. ὅσα ἐποίησε τοῖς βασιλ. τῶν Ἄμ. (2 α)  
 — 24. ὅσα συνέταξε κ. ὁ θεός σου Μ. (2 α)  
 10. 37 δις. ὅσα ἦν ἐν αὐτῇ (2 α)  
 15. 46. ὅσαι ἰσὶ πλῆσιον Ἄσ. (2 α)  
 22. 2. ὅσα ἐνετείλατο ὑμῖν Μ. (2 α)  
 — 2. ὅσα ἐνετείλατο ὑμῖν (2 α)  
 23. 3. ὅσα [A πάντα ὅσα] ἐποίησε κύριος (2 α)  
 24. 7. ὅσα ἐποίησε κύριος (2 α)  
 — 27. Α ὅσα [B δ τι] ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (2 α)  
 — 31. ὅσοι ἐφείδκυσαν τὸν χρόνον (2 α)  
 — 31. ὅσοι εἶδον πάντα τὰ ἔργα κυρίου (2 α)  
 — 31. ὅσα ἐποίησε τῷ Ἰσρ. (2 α)  
 31. 2. 7. ὅσοι ἐμακροήμερον μετὰ Ἰ. (2 α)  
 — 7. ὅσοι ἐργάσανται πᾶν τὸ ἔργον κυρίου (2 α)  
 — 7. ὅσα [A δ] ἐποίησεν ἐν τῷ Ἰσρ. (2 α)  
 — 10. Α ὅσοι [B οἱ] οὐκ ἐργάσανται τὸν κύριον (2 α)  
 — 20. ὅσα ἐγκατέλιπον . . . τὴν διαθήκην μου (2 α)  
 6. 13. Α ὅσα [B δ] διηγήσαντο ἡμῖν (2 α)  
 9. 33. ὅσα ἂν εὐρῇ ἡ χεὶρ σου [A α.] (2 α)  
 10. 15. Α ὅσα ἂν ἀρέσκῃ ἐνώπιόν σου [B α.] (2 α)  
 11. 24. Α ὅσα [B δ ἐὰν] κατεκληρονόμησεν σοι (2 α)  
 — 24. Α ὅσα κατεκληρονόμησεν σοι [B α.] (2 α)  
 13. 14. Α ὅσα [B δ] ἐκπορεύεται ἐξ ἀμπέλου (2 α)  
 — 14. ὅσα ἐνετείλαμην αὐτῷ (2 α)  
 18. 10. Α ὅσα ἐν τῇ γῇ [B α.] (2 α)  
 — 27. Α ὅσα [B δ] ἐποίησε Μ. (2 α)  
 — 31. Α ὅσας [B δς] ἦν ὁ οἶκος τοῦ θ. ἐν Σ. (2 α)  
 Ru. 2. 11. ὅσα [A πάντα δ.] πεποιήκας μετὰ τῆς πενιθέρας σου (2 α)  
 3. 5. ὅσα ἐὰν εἴπῃς (2 α)  
 — 6. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῇ (2 α)  
 — 11. ὅσα ἐὰν εἴπῃς (2 α)  
 — 16. ὅσα ἐποίησεν αὐτῇ ὁ ἀνὴρ (2 α)  
 4. 9. ὅσα ὑπάρχει τῷ Χ. (2 α)  
 I Ki. 3. 12. ὅσα ἐλάλησα εἰς τὸν οἶκόν σου (2 α)  
 10. 7. πάντα ὅσα ἂν εὐρῇ ἡ χεὶρ σου (2 α)  
 12. 1. ὅσα εἶπαί μοι (2 α)  
 13. 14. Β ὅσα [B δ τι] ἐνετείλατό σοι κύριος (2 α)  
 15. 13. ὅσα ἐλάλησε κύριος (2 α)  
 17. 18. Α ὅσα ἂν χρῆσιν (2 α)  
 19. 18. ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ Σ. (2 α)  
 25. 30. ὅσα ἐλάλησαν ἀγαθὰ ἐπὶ σέ (2 α)  
 29. 8. ὅσα ἐποίησε Σ. (2 α)  
 II Ki. 3. 19. ὅσα ἤρουν ἐν ὀφθαλμοῖς Ἰσρ. (2 α)  
 — 25. ὅσα σὺ ποιεῖς (2 α)  
 — 36. ὅσα ἐποίησεν ὁ βασιλεὺς (2 α)  
 7. 3. ὅσα ἂν [A α.] ἐν τῇ καρδίᾳ σου . . . ποιεῖς (2 α)  
 9. 9. ὅσα ἐστὶ τῷ Σ. (2 α)  
 — 11. ὅσα ἐντάλλεται ὁ κ. μου . . . τῷ δούλῳ αὐ. (2 α)  
 11. 22. ὅσα ἀγγέγειν αὐτῷ Ἰ. (2 α)  
 15. 15. ὅσα αἰρῶμαι [A ἐρ.] ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασιλ. (2 α)  
 16. 4. ὅσα ἐστὶ Μερμ. (2 α)  
 18. 21. ὅσα εἶδες (2 α)  
 — 32. ὅσοι ἐπανεστῆσαν ἐπ' αὐτόν (2 α)  
 19. 19 (20). ὅσα ἡδίκησεν ὁ παῖς σου (2 α)  
 — 38 (39). ὅσα ἐκλέξῃ [A -δέξῃται] ἐπ' ἐμοί (2 α)  
 21. 11. ὅσα ἐποίησε Ἰ. (2 α)  
 — 14. ὅσα ἐνετείλατο ὁ βασιλ. (2 α)  
 III Ki. 2. 3. ὅσα ἂν [A α.] ἐντελεσθῇ σοι (2 α)  
 — 5. ὅσα ἐποίησέ μοι Ἰ. (2 α)  
 — 5. ὅσα ἐποίησε τοῖς δυσὶν ἄρχουσιν (2 α)  
 4. 34 (5. 14). ὅσοι ἤκουον τῆς σοφίας αὐ. (2 α)  
 5. 6 (20). ὅσα ἂν εἴπῃς (2 α)  
 8. 24. Α ὅσα ἐλάλησαν αὐτῷ (2 α)  
 — 31. ὅσα ἂν ἀμάρτη ἕκαστος (2 α)  
 — 40. ὅσας [A α.] αὐτοὶ ζῶσιν (2 α)  
 — 43. ὅσα ἂν ἐπικαλέσθαι σε (2 α)  
 — 56. ὅσα [A δ] ἐλάλησαν (2 α)  
 9. 1. ὅσα ἡθέλησε ποιῆσαι (2 α)  
 10. 2. ὅσα ἦν ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτῆς (2 α)  
 — 13. ὅσα ἡθέλησαν δεσπότησαι (2 α)  
 11. 38. ὅσα ἂν ἐντελεσθῇ σοι (2 α)  
 — 41. ὅσα ἐποίησε (2 α)  
 14. 7. Α ἂν οὐδ' οὐδ' ὅσον ὕψος σε (2 α)  
 — 9. Α ὅσοι ἐγένοντο εἰς πρόσωπόν σου (2 α)  
 — 15. Α ἂν οὐδ' ὅσον ἐποίησαν τὰ ἄλλα (2 α)  
 — 19. Α ὅσα ἐπολέμησεν καὶ ὅσα ἐβασίλευσεν (2 α)  
 — 26. Α Β ὅσα ἐποίησε Σαλ. (2 α)  
 — 29: 15. 7. 31. Α ὅσα [B δ] ἐποίησεν (2 α)  
 16. 5. Α πάντα δ. [B δ] ἐποίησεν (2 α)  
 17. 12. ἀλλ' ἡ ὅσον δρᾶξ ἀλέγρου (2 α)  
 III Ki. 21 (20). 9. ὅσα ἀπέσταλκας πρὸς τὸν δούλόν σου (2 α)  
 22. 46. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 — 46. Α καὶ ὅσα ἐπολέμησεν (2 α)  
 IV Ki. 1. 18. Α ὅσα [B δ] ἐποίησεν (2 α)  
 8. 12. ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 α)  
 — 23. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 10. 5. ὅσα ἐὰν εἴπῃς πρὸς ἡμᾶς (2 α)  
 — 10. ὅσα ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἰσρ. (2 α)  
 — 30. ἂν ὡς ὅσα ἡγάθυνας (2 α)  
 — 30. ὅσα ἐν τῇ καρδίᾳ μου (2 α)  
 — 34. ὅσα ἐποίησε (2 α)  
 11. 9. ὅσα ἐνετείλατο Ἰ. (2 α)  
 12. 12 (13). ὅσα ἐξωδιόσθη ἐπὶ τὸν οἶκόν σου (2 α)  
 — 18 (19). ὅσα ἡγάσεν Ἰωσ. (2 α)  
 — 19 (20): 18. 8. 12. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 14. 3. ὅσα ἐποίησεν Ἰ. ὁ πατὴρ αὐ. (2 α)  
 — 15. ὅσα ἐποίησεν ἐν δυναστείᾳ αὐ. (2 α)  
 — 18. Α Β ὅσα [B δ] ἐποίησεν (2 α)  
 — 28. ὅσα ἐποίησε (2 α)  
 — 28. ὅσα ἐπολέμησε καὶ ὅσα ἐπέστρεψε τὴν Δαμ. (2 α)  
 15. 3. ὅσα ἐποίησεν Ἄμ. (2 α)  
 — 6. 21, 26, 31. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 — 34. ὅσα ἐποίησεν Ἀζ. (2 α)  
 — 36. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 16. 11. ὅσα ἀπέστειλεν ὁ βασιλ. Ἀχαζ (2 α)  
 — 16. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ ὁ βασιλ. (2 α)  
 — 19. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 17. 8. ὅσοι ἐποίησαν (2 α)  
 — 9. ὅσοι ἡμφέεσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. λόγους (2 α)  
 — 13. ὅσα ἀπέστειλε αὐτοῖς (2 α)  
 — 15. ὅσα διεμαρτύρατο αὐτοῖς (2 α)  
 18. 3. ὅσα ἐποίησε Δ. (2 α)  
 — 6. ὅσα ἐνετείλατο Μωυσῇ (2 α)  
 — 12. ὅσα ἐνετείλατο Μ. (2 α)  
 19. 11. πάντα ὅσα ἐποίησαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων (2 α)  
 20. 3. ὅσα περιπάτησα ἐνώπιόν σου (2 α)  
 — 13. ὅσα ἠνέκα ἐν τοῖς θησαυροῖς αὐ. (2 α)  
 — 15. ὅσα ἐν τῷ οἴκῳ μου (2 α)  
 — 17. ὅσα ἐθαυμάσαν οἱ πατέρες σου (2 α)  
 — 20. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 21. 8. ὅσα ἐνετείλαμην (2 α)  
 — 11. ἂν ὡς ὅσα ἐποίησε Μ. (2 α)  
 — 15. ἂν ὡς ὅσα [A α.] ἐποίησαν τὸ ποτη- (2 α)  
 — 17, 25. ὅσα ἐποίησε (2 α)  
 22. 19. ὅσα ἐλάλησα ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (2 α)  
 23. 28. ὅσα ἐποίησεν (2 α)  
 — 32, 37. ὅσα ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. (2 α)  
 24. 3. 5. ὅσα ἐποίησε (2 α)  
 — 7. ὅσα ἦν τοῦ βασιλ. Αἰγύπτου (2 α)  
 — 9. ὅσα ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐτοῦ (2 α)  
 — 19. ὅσα ἐποίησεν Ἰ. (2 α)  
 I Ch. 4. 10. πάντα ὅσα ᾔτησας (2 α)  
 6. 49 (34). ὅσα ἐνετείλατο Μ. (2 α)  
 16. 40. ὅσα ἐνετείλατο [B ἔγενετο] ἐφ' υἱοῖς Ἰσρ. (2 α)  
 17. 20. ὅσα ἡκούσαμεν ἐν ὧν ἡμῶν (2 α)  
 II Ch. 2. 14 (13). ὅσα ἂν ᾔδῃς αὐτῷ (2 α)  
 6. 33. ὅσα ἂν ἐπικαλέσθαι σε (2 α)  
 7. 11. Β ὅσα ἐποίησεν [A B ἡθέλησεν] (2 α)  
 8. 6. ὅσα ἐπέθυμῃς Σ. (2 α)  
 9. 1. ὅσα ἐν τῇ ψυχῇ αὐτῆς (2 α)  
 23. 8. ὅσα ἐνετείλατο Ἰ. (2 α)  
 26. 4. ὅσα ἐποίησεν Ἄμ. (2 α)  
 27. 2. Α ὅσα [B δ] ἐποίησεν Ὀζ. (2 α)  
 29. 2. ὅσα ἐποίησε Δ. (2 α)  
 36. 5. ὅσα ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. (2 α)  
 I Es. 2. 6. ὅσοι οὐν κατὰ τοὺς τόπους οἰκοῦσι (2 α)  
 4. 5. Α ὅσα [B α.] ἐὰν προνομήσωσι (2 α)  
 — 6. ὅσοι οὐ στρατεύονται (2 α)  
 — 46. Β ὅσα [A B ὅσα] ἀξίως (2 α)  
 — 57. ὅσα εἶπε Κύριος ποιῆσαι (2 α)  
 5. 53. ὅσοι ἠξῆσαν εὐχὴν τῷ θ. (2 α)  
 6. 32. ὅσοι ἐὰν παραβῶσι τι (2 α)  
 8. 11. ὅσοι οὐν ἐνθυμούνται (2 α)  
 — 16. ὅσα ἂν βούλῃ (2 α)  
 — 17. ὅσα ἂν ὑποπᾶται σοι (2 α)  
 — 19. ὅσα ἐὰν ἀποστείλῃ Ἐ. (2 α)  
 — 24. ὅσοι ἐὰν παραβῶσι (2 α)  
 — 72. Α ὅσοι ἦσαν ἡλωτοὶ (2 α)  
 — 72. ὅσοι ἐπεκινούνησαν (2 α)  
 — 94. ὅσοι πειθαρχοῦσι τοῦ νόμου κυρίου (2 α)  
 9. 4. ὅσοι ἂν μὴ ἀπαντήσωσιν (2 α)  
 — 12. ὅσοι ἔχουσιν γυναῖκας ἀλλογενεῖς (2 α)

Ne. 5. 19. ὅσα ἐποίησα τῷ λαῷ τούτῳ (2 a)  
 9. 6. ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (2 a)  
 To. 1. 20. ὅσα ἔδωκεν μοι [A B al.]  
 2. 6. ὅσα ἐλάλησεν Ἀμ. [A B al.]  
 — 10. ὅσα ἐνεχρίσαν με τὰ φάρμακα [A B al.]  
 5. 1. ὅσα ἐνέταλται μοι  
 8. 21. ὅσα μοι ὑπάρχει [A B al.]  
 13. 14. ὅσοι [A οἱ] ἐλυπήθησαν ἐπὶ πάσαις ταῖς μάστιξι σου [S al.]  
 14. 4. ὅσα ἐλάλησεν Ἰ. [S al.]  
 — 4. ὅσα ἐλάλησαν οἱ προφῆται τοῦ Ἰ.  
 — 10. ὅσα Ν. ἐποίησεν Ἀχεικάρφ [A B al.]  
 — 10. ὅσα ἀνταπέδωκεν αὐτῷ [S al.]  
 Ju. 2. 12. ὅσα [A B S' om.] λελάληκα καὶ ποιήσω  
 4. 1. ὅσα ἐποίησεν Ὁλ.  
 6. 17. ὅσα ἐλάλησεν  
 — 17. ὅσα ἐμεγαλορρημόνησεν Ὁλ.  
 8. 26. ὅσα ἐποίησε μετὰ Ἀβρ.  
 — 26. ὅσα ἐπέειπες τὸν Ἰ.  
 — 26. ὅσα ἐγένετο τῷ Ἰ.  
 — 28. πάντα ὅσα εἶπας  
 10. 4. ὅσοι ἐν ἰδύσιν αὐτῇ  
 11. 9. ὅσα ἐξελάλησε [S ἐλ.] παρὰ σοί  
 — 12. ὅσα διεστέλλαντο αὐτοῖς ὁ θ.  
 — 16. ὅσοι ἐὰν ἀκούσωσιν αὐτά  
 12. 20. ὅσον οὐκ ἔνι πάποτε [A om.]  
 14. 8. ὅσα ἐποίησας  
 — 8. ὅσα ἦν πεποιτικυία  
 — 10. ὅσα ἐποίησεν ὁ θεὸς τοῦ Ἰερ.  
 16. 19. ὅσα ἔδωκεν ὁ λαὸς αὐτῇ  
 Es. 1. 17. Ἀ ὅσα [B S' om.] ἀντίπερ τῷ βασ. (S ?)  
 2. 1. Ἀ ὅσα αὐτῇ κατεκρίθη [B S al.]  
 4. 17. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ Ἐ. (2 b)  
 — 17. ὅσα ἐλάλησας  
 5. 6. ὅσα ἀξίαις —  
 8. 1. ὅσα ὑπάρχον Ἀ. —  
 — 3. ὅσα ἐποίησε τοῖς Ἰουδαίοις (2 a)  
 — 5. Ἀ ὅσοι [B S' οἱ] εἰσιν ἐν τῇ βασ. σου (2 a)  
 — 8. ὅσα γὰρ γράφεται (2 a)  
 — 9. ὅσα ἐνετείλατο τοῖς οἰκονόμοις (2 b)  
 — 13. ὅσα [B -ον] ἐστὶ . . . συντελεσμένα  
 9. 20. ὅσοι ἦσαν [A S' οἱ εἰσιν] ἐν τῇ Ἀρτ. βασ. (2 a)  
 — 25. ὅσα δὲ ἐπεχείρησεν ἐπάξαι . . . κακά (2 a)  
 — 26. καὶ ὅσα πεπόνθησι διὰ ταῦτα (10)  
 — 26. καὶ ὅσα αὐτοῖς ἐγένετο (2 a)  
 — 29. ὅσα ἐποίησαν [B -εν] (2 c)  
 — 30. B' ὅσα ἐποίησεν —  
 Jb. 1. 12. ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (2 a)  
 2. 4. ὅσα [A B πάντα δ.] ὑπάρχει ἀνθρώπῳ (2 b)  
 12. 6. ὅσοι παροργίζουσιν τὸν κύριον —  
 13. 2. οἶδα ὅσα καὶ ὑμεῖς ἐπίστασθε (9)  
 36. 25. ὅσοι τιτρωσκόμενοι εἰσι βροτοί +  
 37. 12. πάντα ὅσα ἐν ἐντελειᾷ αὐτοῖς (2 a)  
 42. 10. διπλὰ ὅσα ἦν ἔμπροσθεν Ἰώβ [A al.] (2 b)  
 — 11. πάντες ὅσοι ᾔδεισαν αὐτόν (3 b)  
 Ps. 3. 3. ὅσα ἂν ποιῇ (2 a)  
 65 (66). 16. ὅσα ἐποίησε τῇ ψυχῇ μου (2 a)  
 70 (71). 20. B' ὅσας [B S' οἱ] ἔδειξάς μοι θλίψεις πολλὰς (2 a)  
 73 (74). 3. ὅσα [B' B' -as] ἐπονηρέυσαντο ὁ ἔχθρός (2 c)  
 77 (78). 3. ὅσα ἤκουσamen καὶ ἔγνωμεν αὐτά (2 a)  
 — 5. B' ὅσα [B' δν] ἐνετείλατο τοῖς πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
 85 (86). 9. πάντα τὰ ἔθνη ὅσα ἐποίησας ἔξουσις (2 a)  
 102 (103). 12. καθ' ὅσον ἀπέχουσιν ἀντολαὶ ἀπὸ δυσμῶν (9)  
 108 (109). 11. ὅσα ὑπάρχει αὐτῷ (2 a)  
 113. 11 (115. 3). ὅσα ἠθέλησεν (2 a)  
 134 (135). 6. ὅσα ἠθέλησεν ὁ κύριος (2 a)  
 Pr. 1. 22. ὅσον ἂν χρόνον ἄκακοι ἔχονται τῆς δικαιοσύνης (16)  
 8. 26. τιμὴ γὰρ πρόφης δση καὶ ἐνὸς ἄρτου (11)  
 Ec. 2. 12. τὰ [B' σύν] ὅσα ἐποίησεν αὐτῇ [S -τῇ] (12 [2 a])  
 8. 14. ὅσα ἐποίησεν ὁ θεός (2 a)  
 — 15. ὅσα τοῦ γένεσθαι ἥδη γέγονε (2 a)  
 4. 2. ὅσοι αὐτοὶ ζῶσιν ἕως τοῦ νῦν (2 a)  
 — 16. Ἀ ὅσοι [B οἱ, S οἱ] ἐγένοντο [S -ετο] (2 a)  
 5. 3. ὅσα ἐὰν εὖ ἐξ ἀπόδος (2 a)  
 8. 9. τὰ [B' om.] ὅσα ἐξουσιάζονται ὁ ἀνθρώπος (12 [2 a])  
 — 15. ὅσας [A B δς] ἔδωκεν αὐτῷ (2 a)  
 — 17. ὅσα ἂν μοχθῶσι [A ποιήσῃ] ἀνθρώπος (2 a)  
 — 17. ὅσα ἂν εἴπῃ σοφὸς τοῦ γνῶναι (1)

Ec. 9. 10. ὅσα ἂν εὖρῃ ἡ χεὶρ σου (2 a)  
 11. 5. ὅσα ποιήσει τὰ σωματὰ (2 a)  
 Wi. 7. 21. ὅσα τέ ἐστι κρυπτά καὶ ἐμφανῇ ἔργων  
 15. 19. οὐδ' ὅσον ἐπιποθήσας ὡς ἐν ζῶνι ὄψει καλὰ τυγχάνει  
 Si. 3. 18. ὅσῳ μέγας εἶ  
 20. 17. ποσάκις καὶ ὅσοι καταγέλαστονται αὐτοῦ  
 40. 11. πάντα ὅσα ἀπὸ γῆς εἰς γῆν ἀναστρέφει  
 41. 10. πάντα ὅσα ἐκ γῆς εἰς γῆν ἀπελευθεύεται  
 43. 30. καθ' ὅσον ἂν δυνήσθῃ  
 46. 11. ὅσων οὐκ ἐξεπρόρηνσεν ἡ καρδιά καὶ ὅσοι οὐκ ἀπεστράφησαν ἀπὸ κυρίου  
 Ho. 2. 5 (7). ὅσα μοι καθήκει +  
 — 12 (14). ὅσα εἶπε (2 a)  
 Mi. 6. 14. ὅσοι ἐὰν διασωθῶσιν (2 a)  
 Jn. 2. 10. ὅσα ἠθέλημην (2 a)  
 Ze. 3. 7. πάντα ὅσα ἐξέδικησα ἐπ' αὐτῇ (2 a)  
 Hg. 1. 11. ὅσα ἐκφέρει ἡ γῆ (2 a)  
 Za. 1. 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι (2 a)  
 14. 12. A B S' ὅσοι ἐπεστράτευσαν ἐπὶ Ἰερ. (2 a)  
 — 16. ὅσοι ἐὰν καταλειφθῶσιν [A -λημφ-θῶσιν] (2 c + 8)  
 — 17. ὅσοι ἐὰν μὴ ἀναβῶσιν [A ἀναβ. ἐκεῖ] (2 a)  
 — 18. ὅσα ἐὰν μὴ ἀναβῇ (2 a)  
 — 19. A B ὅσα [B δς] ἐὰν μὴ ἀναβῇ (2 a)  
 Is. 13. 15. A ὅσοι [B S' οἴκτες] συνηγμένοι εἰσι (2 c)  
 26. 20. ἀποκριθῆναι μικρὸν ὅσον ὅσον (14)  
 27. 4. πάντα ὅσα συνέταξε —  
 29. 7. 8. ὅσοι ἐπεστράτευσαν (8)  
 39. 2. ὅσα ἦν ἐν τοῖς θησαυροῖς αὐτοῦ (2 a)  
 — 6. ὅσα συνήγαγον οἱ πατέρες σου (2 a)  
 43. 7. ὅσοι ἐπικέκληνται (8)  
 46. 10. ὅσα βεβοίλευμαι (15)  
 55. 1. ὅσοι μὴ ἔχετε ἀργύριον (2 a)  
 — 11. ὅσα ἠθέλησα (2 a)  
 56. 4. ὅσοι ἂν φυλάσσονται τὰ σάββατὰ [B' προστάγματά] μου (2 a)  
 66. 10. πάντες ὅσοι πενήτεῖς (8)  
 Je. 1. 7. ὅσα ἐὰν ἐντελωμαὶ σοι (2 a)  
 — 17. ὅσα ἂν ἐντελωμαὶ σοι (2 a)  
 11. 4. ὅσα ἐὰν ἐντελωμαὶ ὑμῶν (2 a)  
 15. 2. ὅσοι εἰς θάνατον . . . ὅσοι εἰς μάχαιραν . . . ὅσοι εἰς λυμὸν . . . ὅσοι εἰς αἰμαλώσιαν (2 a)  
 27 (50). 21. ὅσα ἐντελωμαὶ σοι (2 a)  
 — 29. ὅσα ἐποίησε (2 a)  
 32. 1 (25. 15 [13]). A ὅσα ἐπροφῆτευσεν Ἰερ. (2 a)  
 33 (26). 8. A ὅσα [B S' δ] συνέταξεν αὐτῷ κύριος (2 a)  
 34 (27). 8. ὅσοι ἐὰν ἡμβάλωσιν τὸν τράχηλον (2 a)  
 — 11. A ὅσοι ἂν εἰσαγάγωσιν [B S' δ ἐὰν εἰσαγάγῃ] τὸν τράχηλον (2 a)  
 39 (32). 20. A ὅσα [B S' δς] ἐποίησας σημεῖα (2 a)  
 42 (35). 10. A ὅσα [B S' δ] ἐνετείλατο ἡμῖν (2 a)  
 — 18. A ὅσα [B S' καθότι] ἐνετείλατο αὐτοῖς (2 b)  
 49 (42). 20. B ὅσα [A B δ] ἐὰν λήλῃσιν οἱ κύριοι (2 a)  
 La. 1. 7. ὅσα ἦν ἐξ ἡμερῶν ἀρχαίων (2 a)  
 Ez. 12. 7. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετείλατό μοι (2 a)  
 14. 23. ὅσα ἐποίησα ἐν αὐτῇ (2 a)  
 16. 44. ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ ἐν παραβολῇ (8)  
 — 63. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησας (2 a)  
 18. 22. ὅσα [A δς] ἐποίησεν (2 a)  
 20. 11. ὅσα ποιήσει αὐτὰ ἄνθρωπος (2 a)  
 24. 24. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησα ποιήσετε (2 a)  
 29. 20. A ὅσα ἐποίησάν μοι (2 a)  
 36. 36. ὅσα ἂν καταλειφθῶσι κύκλῳ ὑμῶν (2 a)  
 40. 4. ὅσα ἐγὼ δεῖκνῶ σοι (2 a)  
 — 4. ὅσα σὺ ὀρέῃς (2 a)  
 44. 5. ἀκούε πάντα ὅσα ἐγὼ λαλῶ μετὰ σοῦ (2 a)  
 — 14. εἰς πάντα ὅσα ἂν ποιήσωσιν (2 a)  
 Da. LXX. Su. 33. ὅσοι αὐτῇ ᾔδεισαν πάντες (2 a)  
 1. 20. ὅσα ἐζήτησε παρ' αὐτῶν ὁ βασ. (2 a)  
 2. 23. ὅσα ἤξισα τοῦ δηλώσαις (7 a)  
 3. (31). ὅσα ἡμῖν ἐπῆγγαγε  
 — (31). ὅσα ἐποίησας ἡμῖν  
 4. 14. ὅσα ἂν θέλῃ ποιεῖν ποιεῖ (7 b)  
 — 34. ὅσοι ἐλάλησαν εἰς τὸν θῆν τοῦ οὐρ.  
 — 34. ὅσοι ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντές τι —  
 9. 12. ὅσα ἐλάλησεν ἐφ' ἡμᾶς (2 a)  
 — 12. ὅσα ἐκρῖνας ἡμᾶς (2 a)  
 — 14. ἐπὶ πάντα ὅσα ἂν ποιήσῃ (2 a)  
 11. 24. ὅσα οὐκ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ.  
 Bel. 5. ὅσα εἰς αὐτὸν δαπανᾷται (2 a)  
 Da. TH. 3. (31). B ὅσα ἐπῆγγαγε ἡμῖν  
 — (31). ὅσα ἐποίησας ἡμῖν

Da. TH. 10. 14. ὅσα ἀπαντήσεται τῷ λαῷ σου (2 a)  
 Bel. 6. ὅσα ἐσθίει  
 I Ma. 2. 28. ὅσα εἶχον ἐν τῇ πόλει  
 — 46. A B ὅσα εὖρον ἐν ὀρίοις [S υἱοῖς] Ἰ.  
 3. 2. A B ὅσοι [S οἱ] ἐκολλήθησαν τῷ πατρὶ αὐ.  
 4. 26. ὅσοι δὲ τῶν ἀλλοφύλων διεσώθησαν  
 5. 23. καὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτοῖς  
 6. 24. A B S' B ὅσοι εὐρίσκοντο ἀφ' ἡμῶν  
 8. 1. A ὅσοι ἐὰν προστεθῶσιν αὐτοῖς [S B al.]  
 — 1. ὅσοι ἂν προσελθῶσιν αὐτοῖς  
 — 3. ὅσα ἐποίησαν ἐν χώρᾳ Σπανίας  
 — 11. A B ὅσοι [S οἱ] ποτὶ ἀντίστησαν αὐτοῖς  
 — 12. ὅσοι ἤκουον τὸ ὄνομα αὐ.  
 — 13. B ὅσοις [A B οἱς] δ' ἂν βούλωνται βοηθεῖν  
 9. 36. καὶ πάντα ὅσα εἶχε  
 10. 15. ὅσας ἀπώτελλε Δ. τῷ Ἰ.  
 — 42. S' ὅσα [A B' B' οὐς] ἐλάμβανον ἀπὸ τῶν χρεῶν  
 — 43. ὅσοι ἐὰν φύγῳσιν εἰς τὸ λέρν  
 — 43. ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς  
 11. 27. ὅσα ἄλλα εἶχε τίμια  
 — 40. A B ὅσα συνετέλεσε Δ. [S al.]  
 — 53. πάντα ὅσα εἶπε  
 13. 3. ὅσα . . . ἐποίησamen  
 — 9. ὅσα ἐν εἴπῃς ἡμῖν  
 — 38. ὅσα ἐστήσαμεν πρὸς ὑμᾶς  
 14. 34. ὅσα ἐπιτήδεια ἦν  
 15. 5. ὅσα ἄλλα δόματα ἀφήκάν σοι  
 — 7. ὅσα κατεσκεύασας  
 — 27. ὅσα συνέθετο αὐτῷ  
 — 36. καὶ πάντα ὅσα εἶδε  
 II Ma. 11. 15. ὅσα γὰρ ὁ Μ. ἐπέδωκε τῷ Λ.  
 — 18. ὅσα μὲν οὖν ἔδει  
 III Ma. 5. 31. A ὅσοι [B εἰ σοι] γονεῖς παρήσαν  
 IV Ma. 2. 5. οὐδὲ ὅσα τῷ πλησίον σοῦ ἐστὶ  
 7. 18. ὅσοι τῆς εὐσεβείας προνοοῖσιν  
 15. 5. ὅσῳ γὰρ καὶ ἀσθενόψυχος . . . ὑπάρχουσιν αἱ μιτήρες  
 [Aq. GE. 1. 31: Dt. 7. 15: 28. 2: Jo. 4. 10: I Ki. 20. 3: III Ki. 14. 7, 9, 15, 19 δις: Ps. 45 (46). 9: 68 (69). 5: 70 (71). 20: Is. 21. 6: 65. 18: Je. 19. 4: 27 (34). 5: 50 (27). 21: Ez. 2. 8: 5. 9: 6. 11.]  
 [Sm. GE. 1. 31: Jo. 4. 10: I Ki. 20. 3: Jb. 2. 4: 82. 11 δις: Ps. 60 (61). 7: 71 (72). 5: 88 (89). 30: Ec. 9. 10: Ca. 7. 13 (14): Is. 55. 11: 65. 18: Je. 52. 19 δις: Ez. 2. 8.]  
 [Th. Dt. 26. 2: Jo. 4. 10: Jd. 11. 24 δις: Is. 55. 11: 65. 18: Je. 27 (34). 5: 88 (45). 9: Ez. 20. 21.]  
 [Al. GE. 44. 1: Le. 14. 36: Es. 2. 1.]  
 ὅσπερ. (1) ὅ  
 Le. 25. 27. A B' ὅπερ ἔχει [B' B' δ ὑπερέχει] τῷ ἀνθρώπῳ (1)  
 Jo. 23. 4. B ὅπερ εἶπα [A B ἐπὶ ῥήφῃ] ὑμῖν —  
 II Ki. 6. 8. B' ὅπερ [A B' B' ὑπὲρ] οὐ διεκόψε κύριος +  
 Jb. 6. 17. οὐκ ἐπεγνώσθη ὅπερ ἦν +  
 Wi. 19. 18. ὅπερ ἐστὶν ἐκείας  
 II Ma. 3. 36. ὅπερ ἦν ὑπ' ὀφιν  
 IV Ma. 1. 12. ὅπερ εἴωθα ποιεῖν  
 13. 19. ὅπερ ἦ . . . πρόνοια . . . ἐμέρισε [Aq., Th. Is. 19. 20.]  
 [Sm. Ps. 67 (68). 17: Is. 19. 20.]  
 οὐπερ.  
 II Ma. 4. 38. οὐπερ εἰς τὸν Ὁ. ἡσέβησεν  
 ὅσπριον. (1) α. D' ὕψ' ἡ δ. D' ὕψ' ἡ  
 Da. LXX. 1. 12. δοθῆναι ἡμῖν ἀπὸ τῶν δ. τῆς γῆς (1 a)  
 — 16. ἀντεδίδου αὐτοῖς ἀπὸ τῶν δ. (1 b)  
 ὀστέινος.  
 [Aq. GE. 18. 18: Ps. 34 (35). 18.]  
 ὀστέον, ὀστέον. (1) D' ὕψ' (2) α. D' ὕψ' ἡ δ. D' ὕψ' ἡ  
 Ge. 2. 23. τοῦτο νῦν ὀστέον [A' om.] ἐκ τῶν ὀστέων μου (2 a, 2 a)  
 29. 14. ἐκ τῶν ὀστέων μου καὶ ἐκ τῆς σαρκὸς (2 a)  
 50. 25. συνοιστε τὰ δ. ὅμοι ἐντεῖθεν (2 a)  
 Ex. 12. 10. ὀστέον οὐ συντρίβεται ἀπ' αὐτοῦ —  
 — 46. ὀστέον οὐ συντρίβεται ἀπ' αὐτοῦ (2 a)  
 13. 19. ἔλαβε Μωσῆς τὰ ὀστά Ἰωσήφ (2 a)  
 — 19. συνανοιστέε μου τὰ ὀστά ἐντεῖθεν (2 a)  
 Nu. 9. 12. ὀστέον οὐ συντρίβουσιν ἀπ' αὐτοῦ  
 19. 16. δε ἂν ἀφῆται . . . ὁ ἀνθρώπινος (2 a)  
 — 18. ἐπὶ τὸν ἡμέτερον τοῦ δ. τοῦ ἀνθρώπινου (2 a)  
 Jo. 24. 32. τὰ δ. Ἰ. ἀνήγαγον (2 a)

Jd. 9. 2. ὁστούν ὡμῶν καὶ σάρξ ὡμῶν εἰμι (2 a)  
 19. 39. Α ἐμέλισεν αὐτὴν κατὰ τὰ ὁ. αὐτῆς [B al.] (2 a)  
 I Ki. 31. 13. λαμβάνουσι τὰ ὁ. αὐτῶν (2 a)  
 II Ki. 5. 1. δσά σου καὶ σάρκες σου ἡμεῖς (2 a)  
 19. 12 (13). δσά μου καὶ σάρκες μου ἡμεῖς (2 a)  
 — 13 (14). οὐχὶ δστούν μου καὶ σάρξ μου σύ (2 a)  
 21. 12. ἔλαβε τὰ ὁ. Σ. καὶ τὰ ὁ. Ἰων. (2 a, 2 a)  
 — 13. ἀνήγγενεν ἐκεῖθεν τὰ Σ. καὶ τὰ ὁ. Ἰων. (2 a, 2 a)  
 — 13. συνήγγενε τὰ ὁ. τῶν ἐξηλιασμένων (2 a)  
 — 14. Β ἔθαψαν τὰ ὁ. Σ. καὶ τὰ ὁ. Ἰων. . . καὶ τὰ δσά [A B om. τὰ ὁ.] τῶν ἡλιασθέντων (2 a, —, —)  
 III Ki. 13. 2. Β δσά ἀνθρώπων καύσει ἐπὶ σέ (2 a)  
 — 31. παρὰ τὰ ὁ. αὐ. θέτε με (2 a)  
 — 31. ἴνα σωθῶσι τὰ ὁ. μου μετὰ τῶν ὁ. αὐ. (2 a, —)  
 IV Ki. 13. 21. ἤψατο τῶν ὁ. Ἐλ. (2 a)  
 23. 14. ἔπλησε τοὺς τόπους αὐ. δστέων ἀνθρώπων (2 a)  
 — 16. ἔλαβε τὰ ὁ. (2 a)  
 — 18. ἀνὴρ μὴ κινήσάσων τὰ ὁ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 18. ἐρρύσθησαν [A εἰρήθ.] τὰ ὁ. αὐτοῦ μετὰ τῶν ὁ. τοῦ προφήτου (2 a, 2 a)  
 — 20. κατέκαυσε τὰ ὁ. τῶν ἀνθρώπων (2 a)  
 I Ch. 10. 12. ἔθαψαν τὰ ὁ. αὐ. ὑπὸ τὴν δρύν (2 a)  
 II Ch. 34. 5. δσά ἱερέων κατέκαυσεν (2 a)  
 Jb. 2. 5. ἀφαί τῶν δστών αὐτοῦ (2 a)  
 4. 14. μεγάλοις μου τὰ δσά διέσεισε [A' συνέπεισε, A' B συνόεισε] (2 a)  
 7. 15. ἀπὸ δὲ θανάτου τὰ δσά μου [A al.] (2 a)  
 10. 11. δστέοις δὲ καὶ νεύροις με ἐνείρας (2 a)  
 19. 20. τὰ δὲ δσά μου ἐν δόδοις [A δόδοις] ἔχεται (2 a)  
 20. 11. δσά αὐτοῦ ἐνεπλήσθησαν νεότητος αὐτοῦ (2 a)  
 30. 17. νυκτὶ δέ μου τὰ δσά συγκέχεται [A al.] (2 a)  
 — 30. τὰ δὲ δσά μου ἀπὸ καύματος [A κ. συνεφύρη] (2 a)  
 33. 19. πλήθος δστών [A -έων] αὐ. ἐνάρκησε (2 a)  
 — 21. καὶ ἀποδείξῃ τὰ δσά αὐτοῦ κενά (2 a)  
 — 24. τὰ δὲ δσά αὐτοῦ ἐμπλήσει μυελοῦ — (2 a)  
 Ps. 6. 2. ἐταράχθη τὰ δσά μου (2 a)  
 21 (22). 14. διεσκορπίσθη πάντα τὰ δσά [B' διαβίματα] μου (2 a)  
 — 17. ἐξηρίθμωσαν πάντα τὰ δσά μου (2 a)  
 30 (31). 10. τὰ δσά μου ἐταράχθησαν (2 a)  
 31 (32). 3. ἐπαλαϊώθη τὰ δσά μου (2 a)  
 33 (34). 20. φυλάσσει πάντα τὰ δσά αὐτῶν (2 a)  
 34 (35). 10. πάντα τὰ δσά μου ἐρούσι (2 a)  
 37 (38). 3. οὐκ ἔστιν εἰρήνη τοῖς [A ἐν τοῖς] δστέοις μου (2 a)  
 41 (42). 10. ἐν τῷ καταβάλλει τὰ δσά μου (2 a)  
 50 (51). 8. ἀγαλλιάσονται δσά [B' -ία] τεταπεινωμένα (2 a)  
 52 (53). 7. διεσκορπίσεν δσά ἀνθρωπαρέσκων (2 a)  
 101 (102). 3. τὰ δσά μου ὥσει φρύγιον συνεφύρησαν (2 a)  
 — 5. ἐκολλήθη τὸ δστούν μου τῇ σαρκὶ μου (2 a)  
 108 (109). 18. καὶ ὥσει ἔλαιον ἐν τοῖς δστέοις αὐτοῦ (2 a)  
 138 (139). 15. οὐκ ἐκρύβη τὸ δστούν μου ἀπὸ σοῦ (2 b)  
 140 (141). 7. διεσκορπίσθη τὰ δσά ἡμῶν [A' B' B' αὐτῶν] παρὰ τὸν ἄδην (2 a)  
 Pr. 8. 8. καὶ ἐπιμελῶμαι τοῖς δστέοις σου (2 a)  
 — 22. καὶ ἐπιμελῶμαι τοῖς δστέοις σου (2 a)  
 14. 30. σὺ δὲ δστέων καρδίᾳ αἰσθητικῇ (2 a)  
 16. 2 (15. 30). φῆμὶ δὲ ἀγαθὴ πιαίνει δσά (2 a)  
 17. 22. ἀνδρὸς δὲ λυπηρὸν ζητῶνται τὰ δσά (2 a)  
 24. 23 (29. 27). δσά ἀνθρώπων καταρώγει (1)  
 25. 15. γλώσσα δὲ μαλακῇ συντριβεῖ δσά (1)  
 Ec. 11. 5. ὡς δσά ἐν γαστρὶ κυοφοροῦσιν (2 a)  
 Si. 28. 13. τὰ δσά αὐτοῦ πιαίνει ἡ ἐπιστήμη αὐτῆς (2 a)  
 27. πληρὴ δὲ γλώσσης συγκλέσει δσά (2 a)  
 46. 12. τὰ δσά αὐτῶν ἀναβάλλοι ἐκ τοῦ τόπου αὐτῶν (2 a)  
 49. 10. τῶν δώδεκι προφητῶν τὰ δσά ἀναβάλλοι (2 a)  
 — 15. τὰ δσά αὐτοῦ ἐπεσκέπησαν (2 a)  
 Am. 2. 1. ἀνὲρ ἂν κατέκαυσεν τὰ ὁ. βασιλέως τῆς Ἰ. (2 a)  
 6. 10. τοῦ ἐξεργεῖται τὰ ὁ. αὐτῶν ἐκ τοῦ οἴκου (2 a)  
 Mi. 3. 2. ἀπάγοντες . . . τὰς σάρκας αὐτῶν ἀπὸ τῶν ὁ. αὐτῶν (2 a)  
 — 3. τὰ δέρματα αὐτῶν ἀπ' αὐτῶν [A ἀπὸ τῶν ὁ. αὐτῶν] ἐξείδιδραν + (2 a)  
 — 3. καὶ τὰ δσά [A -τά] αὐτῶν συνείθλασαν (2 a)

Hb. 3. 16. εἰσῆλθε τρόμος εἰς τὰ δσά μου (2 a)  
 Is. 38. 13. συνέτριψε πάντα [A B om.] τὰ ὁ. μου (2 a)  
 58. 11. τὰ ὁ. σου πιαθήσεται (2 a)  
 — 12. Α B' τὰ ὁ. σου ὡς βοτάνη ἀνατελεῖ (2 a)  
 66. 14. τὰ ὁ. ὡμῶν ὡς βοτάνη ἀνατελεῖ (2 a)  
 Je. 8. 1. ἐξοίσουσι τὰ ὁ. τῶν βασιλέων Ἰούδα καὶ τὰ ὁ. τῶν ἀρχόντων αὐτοῦ καὶ τὰ ὁ. τῶν ἱερέων καὶ τὰ ὁ. προφητῶν καὶ τὰ ὁ. τῶν κατοικούντων ἐν [A B om.] Ἱερ. (2 a quinquies)  
 20. 9. ἐγένετο ὡς πῦρ καύμενον φλέγον ἐν τοῖς ὁ. μου (2 a)  
 23. 9. ἐσταλεῖθ πάνα τὰ ὁ. μου (2 a)  
 27 (50). 17. τὰ ὁ. αὐτοῦ βασιλεὺς Βαβυλῶνος (2 a)  
 Ba. 2. 24. τοῦ ἐξεργεῖσθαι τὰ ὁ. βασιλέων [A τῶν β. ἡμῶν καὶ τὰ ὁ. τῶν ἀρχόντων] ἡμῶν καὶ τὰ ὁ. τῶν πατέρων ἡμῶν (2 a)  
 La. 1. 13. ἐν τοῖς ὁ. μου κατήγγεν αὐτό (2 a)  
 3. 4. δστέα [A -τά] μου συνέτριψε (2 a)  
 4. 8. ἐπάγγε δέρμα αὐτῶν ἐπὶ τὰ ὁ. αὐτῶν (2 a)  
 Ez. 6. 5. διασκορπίω τὰ ὁ. ὡμῶν (2 a)  
 24. 4. σκέλος καὶ ὄμων ἐκσεαρκασιμένα ἀπὸ [A ἐκ] τῶν ὁ. (2 a)  
 — 5. ὑπόκειται τὰ ὁ. ὑποκάτω αὐ. . . ἤψεται [A -θήθ.] τὰ ὁ. αὐ. ἐν μέσφ αὐτῆς (2 a, 2 a)  
 — 10. Α τὰ ὁ. συμφύρησονται (2 a)  
 32. 27. ἐγενήθησαν αἱ ἀνομίαι αὐτῶν ἐπὶ τῶν δστών αὐτῶν (2 a)  
 37. 1. τοῖτο ἦν μεστὸν δστέων ἀνθρωπίνων (2 a)  
 — 3. εἰ ζήσεται τὰ δσά ταῦτα (2 a)  
 — 4. προφύτουν ἐπὶ τὰ δσά ταῦτα καὶ ἐρίσι αὐτοῖς, τὰ ὁ. τὰ ἐρηά (2 a, 2 a)  
 — 5. τῶδε λέγει κύριος τοῖς ὁ. τούτοις (2 a)  
 — 7. προσήγγε τὰ δσά ἐκότερον πρὸς τὴν ἀρμονίαν αὐτοῦ (2 a)  
 — 11. τὰ δσά ταῦτα πᾶς οἶκος Ἰσραὴλ ἔστι καὶ αὐτοὶ λέγουσι, ἔρηρα γέγονε τὰ ὁ. ἡμῶν (2 a, 2 a)  
 39. 15. ἰδὼν δστούν ἀνθρώπου (2 a)  
 Da. LXX. 6. 24 (25). ἔθλασαν τὰ δσά αὐτῶν (1)  
 Da. TH. 6. 24 (25). πάντα τὰ δσά αὐτῶν ἐλέπτυναν (1)  
 I Ma. 13. 25. ἔλαβε τὰ δσά Ἰων. (1)  
 IV Ma. 6. 26. B B μέχρι τῶν [A om.] ὁ. ἥδη κεκαμμένους (1)  
 9. 21. περιτετηγμένον ἥδη ἔχων τὸ τῶν ὁ. πῆγμα (2 a)  
 18. 17. εἰ ζήσεται τὰ ὁ. τὰ ἐρηά ταῦτα (2 a)  
 [Aq. Jb. 19. 20: Ps. 80 (81). 11: 31 (32). 3: 41 (42). 11: 52 (53). 6: 101 (102). 4: 138 (139). 15: 140 (141). 7: Ez. 23. 34: 40. 1.]  
 [Sm. Ge. 2. 23 bis: Jb. 7. 15: 21. 24: Ps. 30 (31). 11: 81 (82). 3: 41 (42). 11: 50 (51). 10: 52 (53). 6: 101 (102). 4: 140 (141). 7: Pr. 16. 24: Ez. 23. 34: 24. 5.]  
 [Th. Ge. 2. 23 bis: Jb. 33. 19: Ps. 41 (42). 11: Pr. 3. 22: 16. 24: Ez. 23. 34: 24. 10 (Sw.).]  
 [Al. Ps. 138 (139). 15: Hb. 3. 16.]  
 [Quint. Ps. 140 (141). 7.]  
 . δστέωσις.  
 [Aq. Jb. 21. 23: Is. 40. 29: 41. 21.]  
 ὅστις. (1) 𐤇𐤍𐤕 (2) 𐤇𐤍 (3) 𐤇𐤍 (4) 𐤇𐤍  
 (5) 𐤇𐤍𐤕 (6) 𐤇𐤍𐤕, 𐤇𐤍, 𐤇𐤍 (7) 𐤇𐤍𐤕  
 (8) 𐤇𐤍 (9) c. neg. 𐤇𐤍 (10) 𐤇𐤍𐤕  
 Ge. 38. 25. B ἐκ τοῦ ἀνθρώπου οὕτως [A τίνος] ταῦτά ἐστιν (1)  
 Ex. 9. 18, 24: 11. 6. ἥτις τοιαυτὴ οὐ γέγονεν (1)  
 20. 2. ὅστις ἐξήγγαλν [A ὁ ἐξαγγαλν] σε (1)  
 22. 9 (8). ὁ τὶ οὐν ἂν [A οὐ ἂν] ἦ (4?)  
 31. 14. Α ὅστις [B δς] ποιήσει ἐν αὐτῷ ἔργον (1)  
 32. 4, 9 (8). οἵτινες ἀνέβιβασάν σε (8)  
 Le. 5. 2. ἥτις ἐὰν ἀψήται παντὸς πράγματος (1)  
 6. 4 (5. 23). ἥτις παρειτέθη αὐτῷ (1)  
 — 37 (7. 7). ὅστις ἐξιδάσεται ἐν αὐτῷ (1)  
 — 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται ἐν τῷ κλιβάνῳ (1)  
 — 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται ἐπ' ἐσχάρας (1)  
 7. 8 (18). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπ' αὐτοῦ (8)  
 — 10 (20). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρεῶν (1)  
 12. 2. ἥτις ἐὰν σπερματωθῇ (4)  
 15. 19. ἥτις ἐὰν ἦ ρέουσα αἱματι (1)  
 17. 15. ἥτις φάγεται θησιμαῖον (1)  
 20. 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς πᾶν κτήνος (1)  
 22. 5. ὅστις ἀνῆγγαι παντὸς ἔρπετο ἀκαθάρτου (1)  
 — 6. ἥτις ἐὰν ἀψήται αὐτῶν (1)

Le. 23. 29. ἥτις μὴ ταπεινωθήσεται (1)  
 — 30. ἥτις ποιήσει ἔργον (1)  
 Nu. 1. 5. οἵτινες παραστήσονται μεθ' ὡμῶν (1)  
 5. 6. ὅστις ἐὰν ποιῇ ἀπὸ τῶν ἀμαρτιῶν (4)  
 14. 8. ἥτις ἐστὶ ρέουσα γάλα καὶ μέλι (1)  
 — 14. ὅστις ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμοὺς ὀπάτῃ (1)  
 15. 30. ἥτις ποιήσει ἐν χειρὶ ὑπερφηανίας (1)  
 19. 2. ἥτις οὐκ ἔχει ἐν αὐτῇ μῶμον (1)  
 22. 36. B' ἥτις [A B' B' ἥ ἐστιν] ἐπὶ τῶν δρίων Ἀ. (1)  
 24. 4. ὅστις ὁρασιν θεοῦ εἶδεν (1)  
 27. 17. ὅστις ἐξελεύσεται πρὸ προσώπου αὐτῶν (1)  
 — 17. ὅστις εἰσελεύσεται πρὸ προσώπου αὐτῶν (1)  
 — 17. ὅστις ἐξάξει αὐτοὺς (1)  
 — 17. ὅστις εἰσάξει αὐτοὺς (1)  
 31. 17. ἥτις ἔγνω κούνην ἄρσενος (1)  
 — 18. ἥτις οὐκ οἶδε κούνην ἄρσενος (1)  
 De. 1. 39. ὅστις οὐκ οἶδε σήμερον ἀγαθόν (1)  
 2. 25. οἵτινες ἀκούσαντες τὸ ὄνομα σου (1)  
 — 36. ἥτις διέφυγεν ἡμᾶς (1)  
 3. 24. ὅστις ποιήσει καθά ἐποίησας σύ (1)  
 4. 3. ὅστις ἐπορεύθη ὀπίσω Β. (1)  
 5. 6. Α ὅστις ἐξήγγαλν [B ὁ ἐξαγγαλν] σε (1)  
 — 26 (23). τίς γὰρ σάρξ ἥτις ἥκουσε (1)  
 10. 17. ὅστις οὐ θαυμάζει πρόσωπον (1)  
 — 21. ὅστις ἐποίησεν ἐν σοὶ τὰ μεγάλα (1)  
 17. 2. Α ὅστις [B δς] ποιήσει τὸ ποινῆν (1)  
 — 5. Α οἵτινες ἐποίησαν τὸ πρᾶγμα τὸ ποιν. τοῖτο (1)  
 20. 6. ὅστις ἐφύτευσε ἀμπέλωνα (1)  
 — 7. ὅστις μεμνηστέναι γυναικά (1)  
 — 20. ἥτις ποιεῖ πρὸς σὲ τὸν πόλεμον (1)  
 21. 3. ἥτις οὐκ ἐργασται καὶ ἥτις [A εἰ τις] οὐκ ἐλκυσε ζυγόν (1, 1)  
 — 4. ἥτις οὐκ ἐργασται (1)  
 22. 28. ἥτις οὐ μεμνηστέναι (1)  
 27. 15. ὅστις ποιήσει γλυπτὸν (1)  
 — 26. Α ὅστις [B δς] οὐκ ἐμμένει ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις (1)  
 28. 50. ὅστις οὐ θαυμάσει πρόσωπον πρεσβύτου (1)  
 Jo. 1. 18. ὅστις [A δς ἐάν] μὴ ἀκούσῃ (1)  
 11. 19. Α ἥτις οὐ παρέδωκεν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [B al.] (1)  
 24. 27. δ τὶ [A δσα] ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (1)  
 Jd. 6. 17. δ τὶ ἐλάλησας μετ' ἐμοῦ [A al.] (8)  
 10. 18. ὅστις ἐν ἀρετῇ παρτάσσεται [A al.] (1)  
 16. 24. Α ὅστις [B καὶ δς] ἐπλήθυνε τοὺς τραυματίους ἡμῶν (1)  
 18. 14. γινώσκῃ δ [A om.] τὶ ποιήσετε (8)  
 21. 8. Α ἥτις [B δς] οὐκ ἀνέβη πρὸς κύριον (1)  
 — 12. αἵτινες [A αἱ] οὐκ ἐγνωσαν ἀνδρα (1)  
 — 14. Α αἵτινες ἦσαν ἐκ τῶν γυναικῶν Ἰ. [B al.] (1)  
 Ru. 2. 9. Α B καὶ δ τὶ [B δς] διψήσεις (1)  
 4. 3. Α ἥτις [B ἡ] ἐστὶ τοῦ ἀδ. ἡμῶν (1)  
 I Ki. 13. 14. B δ τὶ [B δσα] ἐνετελασθὶ σοὶ κύριος (1)  
 19. 3. ὁφθαλμοῖς δ τὶ ἐάν ἦ (6)  
 22. 3. Α ὡς ὅτου γινώσκῃ τὶ [A τί] ποιήσει μοι ὁ θεός (1, 8)  
 30. 4. ὡς ὅτου οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς ἰσχύς ἔτι (1)  
 — 10. οἵτινες ἐκάθισαν πέραν τοῦ χειμάρρου (1)  
 II Ki. 19. 35 (36). Α ἡ γένεσται ὁ δουλὸς σου δ τὶ [B ἐτι δ] φάγομαι (1)  
 III Ki. 10. 7. ὡς ὅτου παρεγενήθη (1)  
 11. 16. ὡς ὅτου [A οὐ] ἐξολοθέρυνε πᾶν ἄρσενικόν (10)  
 IV Ki. 2. 17. Α ὡς ὅτου [B οὐ] ἡσχύνετο (10)  
 4. 24. δ τὶ ἐὰν ἐπω σοὶ (4)  
 8. 14. Α B δ τὶ ἐλπει Ἐλ. [B al.] (6)  
 10. 10. Α δ τὶ [B οὐ] ἐλάλησε κύριος (1)  
 12. 16 (17). δ τὶ [A add. οὐκ] ἐισπρήχθη ἐν οἴκῳ κυρίου + [-] (1)  
 21. 8. οἵτινες φυλάξουσιν [A add. τοῦ ποιεῖν] πάντα (7)  
 I Ch. 12. 32. Α δ τὶ [B B τί] ποιῆσαι Ἰσρ. (8)  
 II Ch. 32. 13. δ τὶ [A τί] ἐποίησα ἐγώ (8)  
 II Es. 7. 16. δ τὶ ἐὰν εὐρῃ (2)  
 Ne. 4. 11 (5). ὡς ὅτου ἐλθωμεν εἰς μέσον αὐτῶν (1)  
 13. 14. Α δ [B' om.] τὶ [B B' δ] ἐποίησα (1)  
 To. 5. 3. B ὡς ὅτου ἐλθῃς [A B al.] (1)  
 — 7. B μέχρι ὅτου εἰσελθὼν ὑποδείξω [A B al.] (1)  
 Ju. 11. 1. ὅστις ἤρτηκε [A -σεν, B ἤκεν] δουλεῖν (1)  
 14. 7. οἵτινες ἀκούσαντες τὸ ὄνομα σου (1)  
 Es. 1. 18. αἱ τυραννίδες . . . ἀκούσασαι [B' αἵτινες ἀκ.] (1)  
 7. 5. ὅστις [B δς] ἐτόλμωσε ποιῆσαι (1)



Es. 8. 13. ἦτις κατὰ ταῦτα μὴ ποιήσῃ  
10. 3. B<sup>1</sup> ἦτις [A B<sup>1</sup> om., B ἦ] ἐγένετο ποταμός  
Jb. 6. 16. οἰτίνες με διευλαβήντο [A εὐλ.] (3)  
23. 5. B<sup>1</sup> αἰσδομένη δὲ ἄ τινά [A B S<sup>1</sup> τινά] μοι  
ἀπαγγελεῖ (6)  
30. 4. οἰτίνες [A ὦν] ἄλμα ἦν αὐτῶν τὰ σῖτα (8)  
38. 18. Α ἀνάγγελον δέ μοι πόση ἦτις ἐστίν  
[B S τίς ἐστίν] +  
Ps. 57 (58). 5. ἦτις οὐκ εἰσκούσεται φωνὴν  
ἐπαδόντων (1)  
63 (64). 3. οἰτίνες ἠκούσαν ὡς βομφαίαν τὰς  
γλώσσας αὐτῶν (1)  
77 (78). 8. ἦτις οὐ κατεβύθηεν ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ.  
82 (83). 12. οἰτίνες εἶπαν (1)  
89 (90). 4. ἡ ἡμέρα ἡ ἐχθὴς ἦτις διήλθε  
92 (93). 1. 95 (96). 10. ἦτις οὐ σαλευθήσεται  
139 (140). 2. οἰτίνες ἐλογίσαντο ἀδικίας ἐν  
καρδίᾳ (1)  
— 4. οἰτίνες ἐλογίσαντο ὑποσκελίσαι τὰ διαβή-  
ματα μου (1)  
Pr. 27. 13. ὑβριστὴς ὅστις τὰ ἀλλότρια λυμῶ-  
νται +  
Ec. 4. 3. A B S<sup>2</sup> ὅστις οὐκ ἐγένετο (1)  
7. 27 (26). τὴν γυναικα ἦτις ἐστὶ θήρευμα (1)  
12. 1. ἔως οὗτου [A B om.] μὴ ἔλθωσιν αἱ ἡμέραι (1)  
— 6. ἔως οὗτου μὴ [B om.] ἀναστῇ τὸ σχοινίον (1)  
Wi. 3. 13. ἦτις οὐκ ἐγὼ κοίτην ἐν παραπτώματι  
13. 10. οἰτίνες ἐκάλεσαν θεοὺς ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων  
19. 15. ἦτις [? ἦ τις] ἐπισκοπῇ ἔσται αὐτῶν  
Si. 25. 23. ἦτις οὐ μακαρίε τὸν ἄνδρα αὐτῆς  
38. 27. ὅστις νύκτωρ ὡς ἡμέρα [A B -as] διάγει  
41. 8. οἰτίνες ἐγκατέλιπε νόμον θεοῦ ὑψίστου  
Jn. 4. 11. οἰτίνες οὐκ ἐγνώσαν δεξιάν αὐ.  
15. 13. 15. οἰτίνες [A σοί] συνηγμένοι εἰσὶ (1)  
36. 20. ὅστις [A B om.] ἐρύσαστο τὴν γῆν αὐ.  
48. 4. B<sup>1</sup> γινώσκω ὅστις [A B S<sup>2</sup> ὅτι] σκληρὸς  
εἶ (4)  
60. 12. οἰτίνες οὐ δουλεύουσιν σοι (1)  
65. 1. Α οἰτίνες [B S οἱ] οὐκ ἐκάλεσάν μου τὸ  
ὄνομα (1)  
Je. 6. 8. ἦτις οὐ κατοικισθῇ (1)  
17. 6. ἦτις οὐ κατοικεῖται (1)  
23. 40. ἦτις [B ἦ, A εἰ τις] οὐκ ἐπιλησθήσεται  
40 (38). 9. οἰτίνες ἀκούσονται πάντα τὰ ἀγαθὰ  
La. 5. 1. μνησθητι, κύριε, ὅτι ἐγενήθη ἡμῖν  
Ex. 2. 3. οἰτίνες παρεκρίναν με (1)  
20. 29. ὅτι [? ὅτι] ὑμεῖς εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ  
26. 17. Α ἦτις ἐγενήθη ἰσχυρὰ ἐν θαλάσῃ (1)  
39. 15. ἔως οὗτου θαψάωσιν αὐτὸ (10)  
44. 10. οἰτίνες ἀφῆλιντο ἀπ' ἐμοῦ  
— 15. οἰτίνες ἐφύλαξαν τὰς φυλακάς  
47. 22. οἰτίνες ἐγέννησαν υἱούς (1)  
48. 11. οἰτίνες οὐκ ἐπλανήθησαν (1)  
Da. LXX. Su. 29. ἦτις ἐστὶ γυνή 'I.  
2. 34. ἔως οὗτου ἐνέμθη λίθος (2)  
— 44. ἦτις ἐσται εἰς τοὺς αἰῶνας (2)  
7. 4. ἔως οὗτου ἐτίλη τὰ περὶ αὐ.  
— 14. ἦτις οὐ μὴ ἀρῇ (2)  
— 14. ἦτις οὐ μὴ φθάρῃ (2)  
— 23. ἦτις διοῖσι παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν (2)  
8. 2. ἦτις ἐστὶν ἐν Ἑλυμαῖδι χώρα (1)  
Da. TH. 2. 10. ὅστις τὸ ῥῆμα τοῦ Βαθ. δυνήσεται  
γνωρίσαι (2)  
— 25. ὅστις τὸ σύγκριμα τῷ Βαθ. ἀναγγελεῖ (2)  
— 39. Α ἦτις ἐστὶν ὁ ἀργυρος (2)  
— 39. ἦτις [A ἦ] ἐστὶν ὁ χαλκός (2)  
— 40. Β Βαθ. τετάρτη ἦτις [A B om.] ἔσται  
ἰσχυρὰ (2)  
— 44. ἦτις εἰς τοὺς αἰῶνας οὐ διαφθαρθήσεται (2)  
3. 29 (96). ὅστις δυνήσεται ῥύσασθαι οὕτως (2)  
6. 27 (28). ὅστις ἐξέλαιτο τὸν Δαν. (2)  
7. 9. ἔως οὗτου οἱ θρόνοι ἐτέθησαν (2)  
— 14. ἦτις οὐ παρελεύσεται (2)  
— 23. ἦτις ὑπερέξει πᾶσας τὰς βασιλείας (2)  
9. 8. οἰτίνες ἡμάρτημέν σοι (1)  
I Ma. 2. 31. οἰτίνες δισκέδασαν τὴν ἐντολὴν  
9. 27. ἦτις οὐκ ἐγένετο (1)  
11. 34. Β αἰτίνες [A B om.] προστεθήσαν τῇ 'I.  
12. 45. οἰτίνες ἔσονται μετὰ σοῦ (2)  
13. 48. οἰτίνες τὸν νόμον ποιοῦσι (2)  
14. 10. ἔως οὗτου νόμομασθὲ τὸ ὄνομα (2)  
II Ma. 4. 47. οἰτίνες... ἀπελύθησαν ἀν ἀκατάγνωστοι  
5. 10. Α οὐδ' ἦσαν οὐδὲ πατρῶν νόμου μετέσχε  
[B al.] (1)  
7. 20. ἦτις ἀπολλυμένοι υἱοὺς ἐπὶ τὰ συνωπῶτα  
8. 33. Β οἰτίνες ἄξιον... ἐκομίσαντο μισθόν [A al.]

IV Ma. 15. 6. ἦτις... ὑπερέξει τὴν... σωτηρίαν  
16. 6. ἦτις ἐπὶ παῖδας τεκούσα (3)  
[Aq., Quint. Ps. 42 (43). 3.]  
[Sm. Dt. 4. 19. Jb. 36. 28. Ps. 42 (43). 3. 54 (55). 15. 87 (88). 6. 188 (189). 20. Is. 6. 13. 87. 27. Zl. 14. 7.]  
[Th. Jd. 16. 24. Jb. 9. 15. Ps. 42 (43). 3. Is. 89. 7. Ez. 6. 11. 26. 17. Da. 2. 25.]  
[Al. Jo. 11. 19. I Ki. 11. 10. Ps. 9. 28 (10. 7).]  
δοτισοῦν. (1) ΠΡΩΤΗ (2) ΔΤΙΟΥΝ ΤΙ ΠΡΩΤΗ  
De. 24. 10. ἐὰν δέλημα ᾖ... δέλημα δτιοῦν  
[A δ. τι.] (1 [3])  
III Ki. 10. 21. Α οὐκ ἦν λογιζόμενον... εἰς  
[A δτιοῦν B om. εἰς δ.] (1)  
II Ma. 5. 10. Β οὐδ' ἦσαν οὐδὲ... τάφου μέτεσχε  
[A al.] (1)  
14. 3. καθ' ὅτινα οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία  
III Ma. 7. 7. πᾶσιν καθ' ὅτινα οὐκ ἔστιν αὐτῷ τρόπος  
[Aq. I Ki. 29. 3. III Ki. 10. 21.]  
δοτίνος.  
[Aq. Ex. 1. 9. Dt. 7. 1. 9. 1.]  
δοτράκινος. (1) ΗΡΩΗ (2) ΒΡΗ  
Le. 6. 28 (21). σκεῦος δ. οὐ ἐὰν ἐψηθῇ ἐν αὐτῷ (2)  
11. 33. πᾶν σκεῦος δ. εἰς δ' ἐὰν πέσῃ (2)  
14. 5. σφάξουσιν... εἰς ἀγγεῖον δ. (2)  
— 50. σφάξῃ τὸ ὄρνιθον... εἰς σκεῦος δ. (2)  
15. 12. σκεῦος δ. οὐ ἐὰν ᾄψῃται δ. (2)  
Nu. 5. 17. λήψεται ὁ ἰ. ὕδωρ... ἐν ἀγγεῖῳ δ. (2)  
Is. 30. 14. ἔσται ὡς συντήραμα ἀγγείου δοτράκινου +  
Je. 19. 1. κτήσι βικὸν πεπλοσμένον δοτράκινον  
[B<sup>1</sup> om.] (2)  
— 11. συντρίβεται ἀργος δοτράκινον +  
39 (32). 14. θύσεις αὐτὸ εἰς ἀγγεῖον δοτράκινον (2)  
La. 4. 2. πῶς ἐλογίσθησαν εἰς ἀργία δοτράκινα (2)  
Ex. 4. 9. ἐμβαλεῖς αὐτὰ εἰς ἀγγος ἐν δοτράκινον  
Da. LXX. 2. 33. μέρος δέ τι δοτράκινον [B -kou] (1)  
— 34. ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σιδηροὺς καὶ δ. (1)  
— 42. μέρος δέ τι δοτράκινον (1)  
Da. TH. 2. 33. καὶ μέρος δέ τι δοτράκινον (1)  
— 34. ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σιδηροὺς καὶ δ. (1)  
— 41. μέρος μὲν τι δοτράκινον (1)  
— 42. μέρος δέ τι δοτράκινον (1)  
[Aq. Je. 48 (31). 31.]  
[Sm. Is. 16. 7. 11. Je. 48 (31). 31.]  
[Th. Je. 48 (31). 36.]  
δοτράκον. (1) ΗΡΩΗ (2) ΒΡΗ  
Jb. 2. 8. ἐλαβὼν δοτράκον (2)  
Ps. 21 (22). 15. Α B ἐξηράνθη ὡς [B ὡσεῖ]  
δοτράκον ἡ ἰσχύς μου (2)  
Pr. 26. 23. ἀργύριον διδόμενον μετὰ δόλου ὥσπερ  
δοτράκον ἡγῆσθον (2)  
Si. 22. 7. συγκολλῶν δοτράκον [B -ων] δ' διδάσκων  
μωρὸν (2)  
Is. 30. 14. ὡστε μὴ εὐρίνῃ ἐν αὐτοῖς δ. (2)  
Da. LXX. 2. 33. Β μέρος δέ τι δοτράκου [cod. -κινον] (1)  
— 35. λεπτὰ ἐγένετο ἄμα δ' σιδηροὺς καὶ τὸ δ. (1)  
— 41. μέρος μὲν τι δοτράκου κεραμικοῦ (1)  
— 41. 43. ἀναμειγμένον ἄμα τῷ πηλίνῳ δ. (1)  
— 43. ὥσπερ οὐδὲ δ' σιδηροὺς δύναται συγκρα-  
θῆναι τῷ δ. (1)  
— 45. συνηλῶσθαι τὸ δ. τὸν σιδηρὸν (1)  
Da. TH. 2. 35. ἐλεπύνθησαν εἰσάπαξ τὸ δ. (1)  
— 41. 43. τὸν σιδηρὸν ἀναμειγμένον τῷ δ. (1)  
— 43. ὁ σιδηρὸς οὐκ ἀναμειγνύεται μετὰ τοῦ δ.  
[A δ. τῷ δ.] (1)  
— 45. ἐλέπυνε τὸ δ. τὸν σιδηρὸν (1)  
[Aq. Jb. 41. 22. Is. 16. 7. Ez. 23. 34.]  
[Sm., Th. Ez. 23. 34.]  
δοτράκωδης. (1) ΔΤΙΟΥΝ (2) ΒΡΗ  
Jd. 1. 35. κατοικεῖν ἐν τῷ δρι τῷ δ. [A al.] (1)  
δοτῶδης.  
[Aq. Ge. 49. 14. IV Ki. 9. 13.]  
δοφραίνεσθαι. (1) ΠΡΗ hi.  
Ge. 8. 21. ὡσφρανθῇ καὶ ὁ θεὸς ὁσμὴν εὐωδίας (1)  
27. 27. ὡσφρανθῇ τὴν ὁσμὴν τῶν ἱματίων (1)  
Ex. 30. 38. ὡστε δοφραίνεσθαι ἐν αὐτῷ (1)  
Le. 26. 31. οὐ μὴ ὡσφρανθῇ τῆς ὁσμῆς τῶν  
θυσιῶν ὅ. (1)  
De. 4. 28. οὐδὲ μὴ ὡσφρανθῶσι (1)  
Jd. 15. 14. Α ἡνίκα ἀν ὡσφρανθῇ πυρός [B al.] +

Jd. 16. 9. ἐν τῷ ὡσφρανθῇ αὐτὸ πυρός (1)  
I Ki. 26. 19. ὡσφρανθεὶς θυσία σου (1)  
To. 6. 17. ὡσφρανθήσεται τὸ δαίμονιον  
8. 3. ὅτε δὲ ὡσφρανθῇ τὸ δαίμονιον τῆς ὁσμῆς [B al.]  
Jb. 39. 25. πόρρωθεν δὲ ὡσφραίνεται πολέμου (1)  
Ps. 113. 14 (115. 6). καὶ οὐκ ὡσφρανθήσονται (1)  
184 (185). 17. Α καὶ οὐκ ὡσφρανθήσονται  
Si. 30. 19. οὐτε γὰρ ἔδεται οὐτε μὴ ὡσφρανθῇ  
Am. 5. 21. οὐ μὴ ὡσφρανθῇ θυσίας (1)  
[Th. Jd. 15. 14.]  
δοφρασία. (1) ΠΡΗ  
Ho. 14. 7. ἔσται... ἡ δ. αὐτοῦ ὡς Λιβάνου (1)  
δοφύς. (1) ΠΡΗ (2) ΠΡΗ (3) ΠΡΗ  
(4) ΔΤΙΟΥΝ  
Ge. 35. 11. βασιλεῖς ἐκ τῆς δ. σου ἐξελεύσονται (2)  
37. 34. ἐπέθετο σάκκον ἐπὶ τὴν δ. αὐτοῦ (4)  
Ex. 12. 11. αἱ δ. ὑμῶν περιεζωμέναι (4)  
28. 38 (42). ἀπὸ ὁσφύος ἕως μηρῶν ἔσται (4)  
Le. 8. 9. τὸ στέαρ καὶ τὴν δ. ἄμωμον (1)  
6. 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ... καὶ τὴν δ. (1)  
8. 25. τὴν δ. καὶ τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)  
9. 19. καὶ τοῦ κριοῦ τὴν δ. (1)  
De. 33. 11. καταξὼν ὁσφύν ἐχθρῶν (4)  
II Ki. 20. 8. μάχαιραν ἐξενυμένην ἐπὶ τῆς δ.  
αὐτοῦ (4)  
III Ki. 2. 5. ἐν τῇ ζώνῃ αὐ. τῇ ἐν τῇ δ. αὐτοῦ (4)  
12. 10. παχυτέρα τῆς δ. [A ὑπὲρ τὴν δ.] τοῦ  
πατρὸς μου (4)  
— 24. Β παχυτέρα ὑπὲρ τὴν δ. τοῦ πατρὸς μου  
18. 46. συνέσφιγγε τὴν δ. αὐτοῦ (4)  
21 (20). 31. ἐπιθώμεθα δὴ σάκκους ἐπὶ τὰς δ.  
ἡμῶν (4)  
— 32. Β περιεζώσαντο σάκκους περὶ [AB ἐπὶ]  
τὰς δ. αὐτῶν (4)  
IV Ki. 1. 8. ζώνην δερματίνην περιεζωμένους τὴν  
δ. αὐ. (4)  
4. 29. 9. 1. ζῶσαι τὴν δ. σου (4)  
II Ch. 6. 9. ὅς ἐξελεύσεται ἐκ τῆς δ. σου (2)  
10. 10. ὁ μικρὸς δάκτυλός μου παχύτερος τῆς  
δ. τοῦ πατρὸς μου (4)  
Ne. 4. 18 (12). Α B ἀνὴρ βομφαίαν αὐ. ἐζω-  
σμένους ἐπὶ τὴν [B S om.] δ. [B -uos]  
αὐ. (4)  
Ju. 4. 10. ἐπέθετο σάκκους ἐπὶ τὰς δ. αὐ.  
— 14. σάκκους περιεζωμένοι τὰς δ. αὐ.  
8. 5. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν δ. αὐ. σάκκον  
Jb. 12. 18. περιεθῆκε ζώνη ὁσφύος αὐτῶν [A al.] (4)  
38. 3. 40. 2 (7). ζῶσαι ὥσπερ ἄνθρωπ τὴν δ. σου (2)  
40. 11 (16). ἡ ἰσχύς αὐτοῦ ἐπ' ὁσφύϊ [A ἐπὶ  
ὁσφύος αὐτοῦ] (4)  
Pr. 31. 17. ἀναζωσάμενη ἰσχυρῶς τὴν δ. αὐτῆς (4)  
Si. 32 (35). 18. ὡς ἀν συντηρήσῃ ὁσφύν ἀνελεημόνων  
Am. 8. 10. καὶ ἀναβιβῶ ἐπὶ πᾶσαν ὁσφύν σάκκον (4)  
Na. 2. 1 (2). σκόπευσον ὁδὸν κράτησον ὁσφύος (4)  
— 10 (11). καὶ ὠδῶν ἐπὶ πᾶσαν ὁσφύν (4)  
Is. 5. 27. οὐδὲ λύσουσι τὰς ζώνας αὐτῶν ἀπὸ  
τῆς δ. αὐτῶν (2)  
11. 5. ἔσται δικαιοσύνη ἐζωσμένους τὴν δ. αὐτοῦ (2)  
15. 4. ἡ δ. τῆς Μωαβιτίδος βοᾷ +  
20. 2. ἀφῆλε τὸν σάκκον ἀπὸ τῆς δ. σου (4)  
21. 3. ἐνεπλήσθη ἡ δ. μου ἐκλύσεως (4)  
32. 11. περιεζώσασθε [AB add. σάκκους] τὰς δ. (2)  
Je. 1. 17. περιζώσαι τὴν δ. σου (4)  
13. 1. περιβὼν περὶ τὴν δ. σου (4)  
— 2. περιέθηκε περὶ τὴν δ. μου (4)  
— 4. λάβε τὸν περιζῶμα τὸ περὶ τὴν δ. σου (4)  
— 11. κολλᾷται τὸ περιζῶμα περὶ τὴν δ. τοῦ  
ἀνθρώπου (4)  
31 (48). 37. ἐπὶ πᾶσιν ὁσφύος σάκκους (4)  
37 (30). 6. ἐν τῷ καθέξουσιν ὁσφύν καὶ σωτηρίαν  
... αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐπὶ τῆς δ. αὐτοῦ (4)  
Ez. 1. 27 bis. Α B ἀπὸ ὁράσεως ὁσφύος (4)  
8. 2. ἀπὸ τῆς δ. αὐτοῦ καὶ ἕως κάτω πῦρ καὶ  
ἀπὸ τῆς δ. αὐτοῦ ὑπεράνω αὐτοῦ (4)  
9. 2. ζώνη [A -ην] σαφείρου ἐπὶ τῆς δ. αὐτοῦ (4)  
— 3. ὅς εἶχεν ἐπὶ τῆς δ. αὐτοῦ τὴν ζώνην (4)  
— 11. ἐζωσμένους τῇ ζώνῃ τὴν δ. αὐτοῦ (4)  
21. 6 (11). καταστεινάξον ἐν συντηρῇ ὁσφύος  
σου (4)  
23. 15. ἐζωσμένους ποικιλίματα ἐπὶ τὰς δ. αὐτῶν (4)  
24. 17. ὁσφύος πένθους ἔσθ [A ἔσται αὐτῇ] (4)  
29. 7. συνέκλιναν αὐτῶν πᾶσαν ὁσφύν (4)

Ez. 44. 18. περισκελὴ λιβά εἴσουσι ἐπὶ τὰς δ.

[A ταῖς δ.] αὐτῶν (4)

47. 4. διήλθεν ὁδοὺ εἰς ὁφύους

Da. LXX. 10. 5. τὴν δ. περιεωσμένους θυσιῶν

Da. TH. 5. 6. οἱ συνδραμοὶ τῆς δ. αὐ. διελύοντο

10. 5. ἡ δ. αὐ. περιεωσμένη ἐν χρυσίῳ Ω. (4)

II Ma. 10. 25. τὰς δ. σάκκοις ῥωσάντες

IV Ma. 11. 10. τὴν δ. αὐτοῦ... κατέκαψαν

[Aq. Is. 82. 11.]

[Sm. Ps. 65 (86). 11: 68 (69). 24: Pr. 30. 31:]

[Is. 11. 5: Ez. 9. 2, 11.]

[Al. Le. 3. 10.]

[Quint. Pr. 80. 31.]

[Hebr. Ge. 24. 2: Ez. 9. 2.]

ὅταν. \* ὅταν μή

Ge. 38. 9 (ind.). 40. 14.

Ex. 1. 16 (ind.). 8. 21: 11. 1: 12. 13: 16. 3 (ind.).

17. 11 (ind.) bis: 18. 16: 19. 13: 28. 18: 28. 26

(30), 39 (43)†, 39 (43): 80. 8 (ind.†), 8. 20 (ind.†),

20. 21: 84. 24: 88. 27 (40. 32).

Le. 12. 6: 19. 23: 28. 10, 22, 39: 25. 2†.

Nu. 4. 5: 8. 2: 9. 19, 20, 21: 10. 7: 11. 9 (ind.).

29: 15. 2, 6, 19, 22\*: 18. 30: 21. 9 (ind.): 24.

23: 28. 26: 32. 23: 85. 19.

De. 4. 29 (ind.†): 6. 10, 20: 11. 10, 29: 15. 13†:

17. 18: 20. 2, 9: 23. 13 (14): 31. 21†: 32. 35.

Jo. 8. 3: 4. 6, 21: 17. 18.

[Jd. 6. 3 (ind.†): 13. 17†: 21. 22.]

I Ki. 10. 7 (ind.): 17. 34 (ind.).

III Ki. 8. 35: 22. 25.

I Ch. 17. 11.

I Es. 8. 9, 22, 23: 4. 6, 24.

To. 4. 4: 6. 12, 12†, 16†, 17: 8. 21: 18. 6†.

Ju. 6. 6.

Es. 2. 12†, 12 (ind.†): 5. 13†.

Jb. 6. 4: 15. 21: 19. 18: 20. 7, 22: 33. 15:

36. 9†.

Ps. 2. 12: 36 (37). 24, 33†: 47 (48). 3 (ind.†):

48 (49). 10, 15, 16 (ind.†), 16, 18: 57 (58). 10:

70 (71). 23, 24: 74 (75). 2: 77 (78). 34 (ind.).

101 (102). tit.: 118 (119). 32 (ind.), 171: 119

(120). 7 (ind.): 126 (127). 2, 5.

Pr. 1. 27 bis, 28 (ind.†): 11. 15: 14. 10: 18. 3:

20. 8: 22. 10: 23. 33: 24. 55 (30. 20): 26. 11,

19: 27. 8 bis: 81. 21.

Ec. 4. 10\*: 9. 12: 10. 3.

Wi. 12. 19.

Si. prol. 16: 2. 14: 18. 7 (ind.†), 7.

Ho. 4. 14 bis.

Am. 8. 12, 14: 5. 19†.

Mi. 5. 5 (4) bis, 6 (5) bis, 8 (7)\*.

Jl. 8 (4). 1.

Ze. 8. 20, 20 (ind.†).

Za. 4. 1.

Is. 1. 15: 2. 10, 19, 21: 6. 13: 7. 2†, 4: 10. 12:

18. 5: 23. 5: 27. 9 bis: 28. 19, 25: 29. 23†: 80.

15, 25 bis, 26: 57. 13 (ind.†): 64. 3 (2).

Je. 2. 26: 6. 19: 13. 21: 16. 10: 17. 6, 8: 28

(51). 61†, 63†: 32. 14 (25. 28)\*: 86 (29). 10,

13 (sine verbo): 38 (31). 23: 41 (84). 14.

La. 3. 27.

Ep. Je. 41, 43, 48 (sine verbo), 55, 61, 62.

Et. 1. 28†: 10. 10: 17. 12: 24. 24, 25: 26. 19:

28. 26: 80. 8: 82. 15 bis: 84. 12†: 37. 18: 42.

14: 46. 9.

Da. LXX. 3. 5: 11. 34.

Da. TH. 3. 7 (ind.).

[Aq. Ex. 21. 7: Le. 5. 15: II Ki. 6. 13 (ind.):

Jb. 10. 3: 36. 9: 40. 18 (23): 41. 2: Ps. 74

(75). 3: 119 (120). 7 (ind.): Pr. 23. 22.]

[Sm. Ge. 27. 40: 30. 41 (ind.): Ex. 3. 12:

I Ki. 29. 10: Ps. 9. 25 (10. 4): 11 (12). 9:

41 (42). 7: 48 (49). 11: 55 (56). 9: 60 (61).

3 (ind.): 70 (71). 23: 74 (75). 3: 118 (119).

126 (ind.): 119 (120). 7: 140 (141). 7: 141

(142). 8: Pr. 30. 23: Is. 8. 21: 29. 23: 88.

1 bis: 60. 5: Je. 10. 13: 18. 21: 61 (28). 16:

Ez. 16. 63.]

[Th. Jb. 41. 2: Ps. 119 (120). 7 (ind.): Pr. 22. 6.]

[Al. Jb. 10. 3: Ps. 125 (126). 1: Pr. 6. 30.]

[Quint. Ho. 8. 10.]

ὅτε.

Ge. 2. 4: 4. 12†: 11. 10: 12. 4: 24. 30: 25. 20,

26: 33. 18: 84. 25: 85. 9: 86. 24: 41. 46:

42. 21.

Ex. 5. 13.

Le. 26. 45.

Nu. 6. 12†: 26. 10: 32. 8: 83. 39, 40.

De. 4. 10: 9. 23: 29. 25 (24): 82. 8†.

Jo. 2. 10: 8. 19: 14. 7, 11: 24. 30.

Jd. 1. 28: 2. 2†: 5. 8†, 22†: 8. 1: 14. 11†: 16.

16, 25.

Ru. 2. 9†.

I Ki. 1. 12: 5. 4: 6. 6: 25. 30†.

II Ki. 2. 10†: 7. 1: 19. 25 (26).

III Ki. 4. 34 (8. 1)†: 14. 28: 21 (20). 12†.

IV Ki. 5. 26: 14. 5: 17. 7†.

II Ch. 21. 20: 24. 6†: 34. 8†.

I Es. 1. 39, 43: 3. 3†, 13: 4. 44, 45, 58: 7. 10†:

8. 9†.

II Es. 5. 12 (ἀφ' ὅτε).

To. 1. 4, 4†, 9, 10, 12†, 15, 18, 19†: 2. 1†, 7,

13: 6. 9†, 17†: 7. 1†, 8†: 8. 1, 3†, 11†: 10.

1†, 7† bis: 12. 1†, 12 bis, 13, 18†: 14. 2, 3†, 12.

Ju. 5. 18, 19†.

Es. 1. 2, 5: 2. 8: 10. 3†.

Jb. 22. 18†: 28. 26: 29. 3 bis, 4 bis, 5, 6, 7: 88.

4†, 7, 8.

Ps. 92 (98). tit.: 95 (96). tit.: 98 (97). tit.: 142

(143). tit.: 151. tit.

Pr. 8. 27, 31.

Ca. 3. 4.

Wi. 9. 9: 11. 9, 13: 16. 5: 19. 11†, 17.

Si. 38. 13 (sine verbo): 44. 17†.

Hg. 2. 17 (16)†.

Za. 7. 7†.

Is. 11. 16: 20. 1†: 30. 15: 63. 19.

Je. 21. 17†: 28 (51). 59†, 63†: 84 (27). 20†: 42

(35). 11: 44 (37). 11: 48 (41). 13: 51. 31 (45. 1).

Ep. Je. 10, 24.

Ez. 16. 22: 20. 36†: 29. 7†, 7 bis: 81. 16: 48. 3:

Da. LXX. 8. 7, (24), (46): 6. 3 (4): 7. 9 (ὡς

ὅτε): 8. 8: 9. 2.

Da. TH. Su. 14: 8. 21†: 5. 20.

I Ma. 4. 9: 5. 1: 6. 28†: 7. 41: 10. 8: 12. 50†:

14. 2†: 16. 16.

II Ma. 1. 18, 19, 20, 22 (†).

IV Ma. 1. 24†: 2. 6: 18. 15: 17. 1†: 18. 20†.

[Aq. Ps. 88 (84). 1: Ca. 1. 12 (sine verbo): Jb.

40 (47). 1.]

[Sm. 11 Ki. 8. 3: Jb. 81. 29: Ps. 39 (40). 8:

55 (56). 1: Ec. 8. 9: Ca. 1. 12: Is. 55. 6: Jb.

27 (34). 20: 40 (47). 1.]

[Th. Ge. 38. 24: Jb. 44 (51). 19:]

[Quint. Ps. 83 (84). 1.]

[Heb. Ez. 48. 3.]

ὅτι. \* ἄλλ' ἢ ὅτι ++ πλὴν ὅτι \*\* sine

verbo ++ ὅτι ἄλλ' ἢ

Ge. 1. 4, 8, 10, 12, 18, 21, 25: 2. 3, 23: 3. 1, 5,

6 bis, 7, 10, 11, 14, 17, 19, 20: 4. 12†, 23, 24:

5. 24†: 6. 2, 5, 6, 7 bis, 12, 13: 7. 1: 8. 9, 11,

13, 21: 9. 6: 10. 25: 11. 9: 12. 10, 11, 12, 13,

14, 18 bis, 19: 13. 6, 8, 10, 15, 17: 14. 14, 23:

15. 8, 13: 16. 4, 5, 11, 13: 17. 5, 14: 18. 13,

19, 28†: 19. 13 bis, 14: 20. 2 bis, 6, 7 bis, 9, 13,

18: 21. 7 bis, 12, 13, 30 bis, 31: 22. 12: 24. 14,

44: 25. 21, 28\*\*, 30: 26. 7†, 7 bis, 9, 16, 28: 28.

6, 8, 15 (ὅτι οὐ μή), 16: 29. 12 bis, 15, 31, 33 bis:

30. 1, 9, 13, 15, 33: 31. 5, 6, 20, 22, 31†, 32, 35,

36, 37, 49: 32. 11 (12), 25 (26), 28 (29), 32 (33):

33. 11, 13, 15: 34. 5, 7, 13: 37. 3, 4, 27, 35: 88.

9, 10, 14, 16: 39. 3, 13, 15: 18: 40. 7\*\*, 15: 16:

41. 21, 32, 51, 52: 42. 1, 9, 14, 21, 23, 33, 34 bis,

38: 43. 6†, 7†, 18, 25: 44. 4, 15, 18, 21†, 27,

28†: 45. 5, 12\*\*, 26: 47. 4 (6): 48. 1, 17: 49.

6, 7\*\*, 7, 15\*\* bis: 50. 15, 17.

Ex. 1. 18: 2. 18†, 22†: 3. 2, 3, 4, 11 bis, 12 bis,

19: 4. 1, 5, 14, 31 bis: 5. 21: 6. 7\*\*: 7. 5, 17\*\*:

8. 10 (6), 15 (11), 22 (18)\*\*†: 9. 7†, 14, 29\*\*:

30, 34: 10. 2\*\*†, 7, 10: 12. 33: 13. 14, 17: 14.

4, 5, 18: 15. 19: 16. 3, 6, 7, 12\*\*, 26†: 17. 14,

16: 18. 8, 9, 10, 11\*\*, 11†, 15: 20. 22: 21. 8,

36: 29. 46: 31. 13\*\*, 14, 17: 32. 1, 21, 25: 33.

13\*\*, 16: 34. 10, 29, 35: 38. 5: 40. 35.

Le. 5. 11: 9. 4: 10. 17: 11. 4, 5, 6, 7, 8†, 42,

44 bis, 45 bis: 13. 11, 13, 15, 20†, 36, 52: 14.

48: 17. 14: 18. 10, 29, 30\*\*†: 19. 2\*\*, 8, 20,

34: 20. 3, 7\*\*, 7, 23, 26\*\*†: 21. 7†, 8\*\*, 12\*\*, 21\*\*, 23 bis: 22. 7, 16\*\*, 20†, 25: 23. 43: 24.

22: 25. 12, 16, 33\*\*, 34, 55\*\*†: 26. 40 bis, 44.

Nu. 6. 7\*\*, 12†: 7. 9: 8. 16, 17\*\*: 9. 13, 23:

10. 29: 11. 3, 12, 13, 14, 16, 18 bis, 20, 34†: 12.

1: 13. 29 (28)\*\*\*, 31 (30), 32 (31) (ὅτι οὐ μή),

32 (31): 14. 9, 13, 14, 22, 24, 40, 43\*: 15. 25,

26\*\*, 31: 16. 3\*\*, 9, 11, 13 bis, 28, 28\*\*, 30,

34\*\*†, 37 (17. 2), 38 (17. 3): 18. 20\*\*, 24, 31,

32 (ὅτι οὐ μή) (subj.): 19. 13, 20 bis: 20. 12, 13, 24

(ὅτι οὐ μή), 29: 21. 1†, 5, 7 bis, 24, 28, 34: 22.

3, 6 bis, 6†, 22, 29 bis, 32\*\*, 34, 36: 23. 9: 24.

1: 25. 18: 26. 62, 63†, 65: 27. 3, 3 (4): 30. 6,

9, 15: 32. 12, 15, 19: 34. 14: 36. 7.

De. 1. 17, 38: 2. 5, 19, 28†, 30: 3

11, 17, 21, 23, 29: 18. 3, 3<sup>3</sup>, 3, 11, 12, 16, 18, 18<sup>1</sup>, 19, 20 (subj.), 31: 19. 2 (3) bis, 6 (7) quater, 7 (8) bis, 20 (21) bis, 21 (22), 22 (23) bis, 25 (26), 26 (27), 26 (27)<sup>2</sup>, 28 (29), 28 (29)<sup>2</sup>, 32 (33), 34 (35), 41 (42): 20. 12, 21: 21. 21<sup>1</sup>, 12: 22. 5, 8, 18, 20, 22, 23<sup>2</sup>, 29<sup>2</sup>, 30: 28. 5<sup>2</sup>, 5 (δρι οὐ μῆ), 6: 24. 10<sup>1</sup>, 10, 14<sup>2</sup>, 21, 24, 25.  
 111 Kl. 1. 11, 13 bis, 17, 25, 30 ter, 42: 2. 7, 9, 14 (15) bis, 16 (17), 20<sup>1</sup>, 22<sup>2</sup>, 23, 24, 26 ter, 28, 29 ter, 30: 8. 1<sup>2</sup>, 1<sup>2</sup>, 2 (2. 37), 1 (2. 41), 1 (2. 42), 1 (2. 43), 1 (4. 24)†, 2, 4<sup>2</sup>, 9, 10, 26, 28, 28<sup>2</sup>: 4. 24 (5. 4): 5. 1 (15)†, 1 (15), 3 (17), 6 (20) bis: 6. 6: 8. 7<sup>2</sup>, 11, 18, 27, 33, 35, 36, 37, 39, 42†, 43, 44, 46 bis, 51<sup>2</sup>, 53†, 60<sup>2</sup>, 64, 64<sup>2</sup>: 10. 21, 22, 22 (B) [9. 22 (Δ)]†: 11. 9, 16, 21 bis, 22, 28, 31: 12. 1, 15, 16, 20, 24, 24† quater, 24<sup>2</sup>†, 24†: 13. 9, 17, 32: 14. 2<sup>2</sup>†, 5†, 11†, 13† bis: 15. 4: 16. 18, 28 (22. 48) [49]†: 17. 1 (δρι εἰ μῆ)<sup>2</sup>, 7, 14, 24<sup>2</sup>†: 18. 9, 10, 15, 18<sup>1</sup>, 25<sup>2</sup>, 27 bis, 36<sup>2</sup>†, 37<sup>2</sup>†, 41<sup>2</sup>: 19. 2, 4, 7<sup>2</sup>, 10, 14, 20 (20. 21), 2<sup>2</sup>, 6, 15†, 15 bis, 16, 18<sup>2</sup>, 18†: 21 (20). 6, 7 bis, 13<sup>2</sup>, 22, 28<sup>2</sup>, 31, 41<sup>2</sup>: 22. 3<sup>2</sup>, 6†, 8, 14, 18†, 33, 34, 37, 49†.  
 IV Kl. 1. 4 bis, 5, 6 bis, 16†, 16, 18 (3. 37): 2. 2, 3, 4, 5, 6: 8. 10, 13, 14 (δρι εἰ μῆ), 17, 21, 26: 4. 1, 21††, 9, 23, 27<sup>2</sup>, 28, 29, 39, 43: 5. 1, 7 ter, 8 bis, 11†, 13, 15, 15<sup>1</sup>, 17, 20 (δρι εἰ μῆ): 20†: 6. 9, 12, 16<sup>2</sup>, 32: 7. 10 (δρι εἰ μῆ), 12 bis: 8. 1, 10, 12, 12†, 13, 18, 29: 9. 11, 16, 16<sup>2</sup>, 20, 25, 34: 10. 10, 19<sup>2</sup>, 21†, 23††: 11. 1, 15: 12. 7 (8) bis, 10 (11)<sup>2</sup>, 14 (15), 15 (16), 17 (17)†: 13. 4 bis, 7 bis: 14. 4†, 6†, 26: 15. 4†, 16, 35†: 17. 4, 7†, 21, 36††, 39††: 18. 4, 12 (δρι εἰ μῆ), 22, 26†, 29 (δρι οὐ μῆ), 31, 32, 34†, 35, 36<sup>2</sup>: 19. 3, 8 bis, 17, 18, 19<sup>2</sup>†, 31: 20. 1†, 18, 12 bis: 22. 7, 13<sup>2</sup>, 19 (δρι εἰ μῆ), 23: 9 (δρι εἰ μῆ), 22, 23††: 24. 7, 20: 25. 23, 26.  
 I Ch. 1. 19†: 4. 14, 40<sup>2</sup>, 41<sup>2</sup>: 5. 1<sup>2</sup>, 2<sup>2</sup>, 9<sup>2</sup>, 20 bis, 22, 22<sup>2</sup>: 6. 54 (39): 7. 4, 21, 23, 9. 26, 27<sup>2</sup>, 28, 33<sup>2</sup>: 10. 4, 5, 7 bis, 13: 11. 19: 12. 18, 19, 21<sup>2</sup>, 22, 32††, 39, 40<sup>2</sup>: 18. 3, 4<sup>2</sup>, 9†, 11: 14. 2 bis, 8, 14<sup>2</sup>†, 15: 15. 2, 13 bis, 22: 18. 25<sup>2</sup>, 26<sup>2</sup>, 33, 34, 34<sup>2</sup>, 35<sup>2</sup>: 17. 2<sup>2</sup>, 5, 6, 16, 25, 27: 18. 9, 10: 19. 5, 6, 10, 15, 16, 19: 21. 6, 8 bis, 13<sup>2</sup>, 24, 24 (δρι οὐ μῆ), 28, 30: 22. 4, 8, 9<sup>2</sup>, 14, 18: 23. 25, 27, 28: 24. 5: 26. 5, 6, 10: 27. 23: 28. 3, 5, 6, 9, 10†, 20<sup>2</sup>: 29. 5<sup>2</sup>, 9, 11, 14, 14<sup>2</sup>, 15, 17.  
 II Ch. 1. 4, 4†, 9, 10: 2. 5 (4), 6 (5), 6 (5)†, 8 (7), 9 (8)<sup>2</sup>: 4. 18: 5. 11, 13<sup>2</sup> bis, 14†: 6. 8†, 9, 13, 18, 26 bis, 27, 30, 33, 36 bis: 7. 2, 3<sup>2</sup> bis, 6<sup>2</sup>, 7 bis, 9: 8. 9<sup>2</sup>, 11 bis, 14<sup>2</sup>: 9. 21: 10. 1, 15, 16: 11. 4, 14 bis, 17, 21, 22: 12. 2, 7, 8, 14: 13. 5, 11, 12, 18: 14. 6 (5) bis, 7 (6), 11 (10), 13 (12), 14 (13) bis: 15. 5<sup>2</sup>, 6, 7, 9, 9<sup>2</sup>, 15: 16. 9, 10†: 17. 3: 18. 7<sup>2</sup>, 13, 17†, 32, 33: 19. 3†††, 3, 6, 7: 20. 9<sup>2</sup>, 10, 12, 15, 21<sup>2</sup>, 25, 27, 29: 21. 3<sup>2</sup>, 6, 10: 22. 1, 3, 4, 6, 9, 10: 23. 6, 8, 14: 24. 6†, 7, 11, 16, 20, 24 bis: 25. 7, 8 bis, 16 ter, 20 bis: 26. 8, 10, 10 bis, 15, 18, 20, 21, 23 bis: 27. 6: 28. 11<sup>2</sup>, 13, 13<sup>2</sup>, 17, 19 bis, 23†, 27: 29. 6, 11, 24<sup>2</sup>†, 25<sup>2</sup>, 34, 36: 30. 3, 5, 9, 9†, 17, 18, 24: 31. 10, 18: 32. 2, 7<sup>2</sup>, 14, 15 (δρι οὐ μῆ) bis, 29: 33. 13, 23: 34. 21: 35. 14, 15, 23: 36. 15.  
 I Es. 2. 18†, 22, 24†, 26: 3. 9, 12†, 24†: 4. 12, 22, 32, 34, 62: 5. 50, 61<sup>2</sup>, 67: 6. 8: 7. 10†, 11 bis, 15: 8. 52, 83: 9. 55.  
 II Es. 3. 3<sup>2</sup>†, 11<sup>2</sup> bis, 13: 4. 1, 2, 3, 12, 13, 15<sup>2</sup>, 16, 19: 5. 8, 17: 6. 11, 20, 22: 7. 6<sup>2</sup>, 9 bis, 10, 13<sup>2</sup>, 21: 8. 22 bis: 9. 2, 6, 9, 10, 13, 13† bis, 14, 15†, 15: 10. 1, 4<sup>2</sup>††, 6, 13, 16.  
 Ne. 2. 10, 16†: 4. 18 (33), 2 (8. 34), 4 (8. 36), 7 (1) bis, 15 (9): 5. 18<sup>2</sup>: 6. 1, 6†, 8, 9, 10, 12<sup>2</sup>, 16, 18 bis: 7. 2<sup>2</sup>††, 3†, 6†: 8. 5†, 9, 10 bis, 11<sup>2</sup>, 12, 17: 9. 8<sup>2</sup>, 10 bis, 31 bis†, 33: 10. 39 (40): 11. 23<sup>2</sup>: 12. 29, 43, 44<sup>2</sup>†, 46<sup>2</sup>: 13. 2, 6, 10, 13.  
 To. 1. 8†, 19, 19†, 19: 2. 10: 3. 5, 6, 8†, 9†, 14: 4. 4, 12†, 20†, 21: 5. 4†, 13, 15†, 17†: 6. 11†, 12 (δρι οὐ μῆ), 12, 13† bis, 14† bis, 15†, 15, 17†, 17, 17†: 7. 7† bis, 10†, 12†: 8. 6†, 14, 16, 17: 9. 4†, 5† bis, 6†: 10. 5, 8, 8†, 13† bis: 11. 1†, 7, 15, 15† ter, 16†, 17, 17†: 12. 3†, 16†, 17†, 18<sup>2</sup>††, 19†: 18. 2, 3, 13, 14, 16: 14. 4, 4† ter, 8†, 10† bis, 11†.

ju. 1. 11: 2. 6, 7, 12: 8. 8†: 4. 3, 5, 7: 5. 7, 17, 19†, 20: 6. 2 bis, 9: 7. 13†, 19 bis, 21, 24: 8. 8, 9, 11<sup>2</sup>, 14, 15, 16<sup>2</sup>, 18, 20, 21, 23, 24, 27, 29, 31: 9. 7, 14: 10. 12, 19<sup>2</sup>†: 11. 1, 7, 8<sup>2</sup>, 9, 10, 14, 17, 19, 23: 12. 4, 12, 14, 18: 13. 5<sup>2</sup>, 13, 14†, 16, 19: 14. 13, 18<sup>2</sup>: 16. 3<sup>2</sup>, 3, 14, 16<sup>2</sup>.  
 Es. 1. 1, 11, 15, 20<sup>2</sup>†: 2. 21: 3. 4, 5: 4. 11 bis, 13, 14, 17 quinquies, 17<sup>2</sup> bis, 17, 17†, 17†: 5. 1, 2: 6. 13<sup>2</sup>: 8. 1, 7, 16†: 9. 26.  
 Jb. 1. 8: 2. 3: 3. 10: 4. 7†: 5. 21†, 23<sup>2</sup>†, 24<sup>2</sup>†, 25<sup>2</sup>: 6. 11 bis, 27††: 7. 7<sup>2</sup>, 12†, 13†, 17 bis: 8. 19<sup>2</sup>: 9. 2, 16, 19, 21†††, 23<sup>2</sup>, 28: 10. 3, 6, 7, 9, 13: 11. 4, 6 bis, 18: 12. 9†, 9, 10<sup>2</sup>†: 13. 18, 19†, 26: 15. 4†, 12†, 13, 14†, 23, 25, 27, 31: 16. 3: 17. 4†: 19. 2, 5, 6, 25, 29†: 21. 15 (subt.)† bis, 21<sup>2</sup>, 27, 30: 22. 3 (subj.), 29: 23. 2, 3 (opt.), 3 (opt.)†, 17: 24. 17<sup>2</sup>, 17: 25. 3: 27. 8, 12†: 29. 11: 30. 23: 31. 18, 21, 28: 32. 4, 5, 7, 16: 33. 31†: 34. 3, 4<sup>2</sup>†, 5, 9, 23, 27, 31<sup>2</sup>, 33 (subj.)†, 33 (subj.): 35. 2†, 15: 36. 5 (δρι οὐ μῆ), 9†, 10, 13, 24: 37. 4 (ind.t.), 15†, 23†: 38. 21: 39. 11<sup>2</sup>, 12, 14, 15, 17: 40. 9 (14), 18 (23): 41. 1 (2): 42. 2, 8 (δρι εἰ μῆ)†.  
 Ps. 1. 6: 3. 5, 7: 4. 3, 8: 5. 2, 4, 9, 10, 12: 6. 2 bis, 5, 8: 8. 1, 3, 4 bis: 9. 4, 10, 12, 18, 20, 24 (10. 3), 35 (10. 14): 10 (11), 3, 4, 8<sup>2</sup>: 11 (12). 1 bis: 13 (14). 5<sup>2</sup>, 6†: 15 (16). 1, 2†, 8, 10: 16 (17). 6: 17 (18). 7, 17, 19, 21, 22<sup>2</sup>, 27, 28, 29, 31<sup>2</sup>: 19 (20). 6: 20 (21). 3, 6, 7, 9†, 11, 12: 21 (22). 8, 9, 11<sup>2</sup>, 11, 16, 24, 28<sup>2</sup>: 22 (23). 4: 24 (25). 5, 6, 15, 16, 19, 20, 21: 25 (26). 1, 3: 26 (27). 5, 10, 12: 27 (28). 5, 6: 29 (30). 1, 5<sup>2</sup>: 30 (31). 3, 4, 7, 9, 10, 13, 17, 21, 23†: 31 (32). 3, 4: 32 (33). 4<sup>2</sup>, 9, 20, 21: 33 (34). 8<sup>2</sup>, 9, 15†: 34 (35). 7, 20: 35 (36). 2, 9<sup>2</sup>: 36 (37). 2, 9, 13 bis, 17, 20, 22, 24, 28, 37, 40: 37 (38). 2, 4, 7, 15†, 16, 17<sup>2</sup>, 18: 38 (39). 9, 12: 39 (40). 12: 40 (41). 4, 11, 11 (δρι οὐ μῆ), 41 (42). 4, 5, 11: 42 (43). 4<sup>2</sup>†, 5: 43 (44). 3, 19, 22, 25: 44 (45). 11†, 11: 45 (46). 10: 46 (47). 2<sup>2</sup>, 7<sup>2</sup>, 9: 47 (48). 4, 14: 48 (49). 9†, 17†, 18 (49. 50). 6, 7†, 10, 21: 50 (51). 3, 16: 51 (52). 9, 9<sup>2</sup>: 52 (53). 5 bis: 53 (54). 3, 6<sup>2</sup>, 7: 54 (55). 3, 9, 12, 15<sup>2</sup>, 18: 55 (56). 1, 2, 9, 13: 56 (57). 1, 10: 58 (58). 3, 7, 9<sup>2</sup>†, 13, 16, 17†: 59 (60). 2: 60 (61). 3, 5: 61 (62). 5<sup>2</sup>, 6<sup>2</sup>, 8<sup>2</sup>††, 11<sup>2</sup>, 12: 62 (63). 3<sup>2</sup>, 7, 11: 64 (65). 9<sup>2</sup>: 66 (66). 10: 66 (67). 4†, 4†: 68 (69). 1, 7, 9, 16<sup>2</sup>, 17, 26, 33, 35: 70 (71). 3, 5, 10, 11, 15, 20†: 71 (72). 12: 72 (73). 3, 4, 21, 27: 73 (74). 20: 74 (75). 6<sup>2</sup>, 7, 8<sup>2</sup>: 75 (76). 10: 76 (77). 11: 77 (78). 22, 35, 39: 78 (79). 7, 8: 80 (81). 4: 81 (82). 8: 82 (83). 2, 5†, 18<sup>2</sup>: 83 (84). 10<sup>2</sup>, 11: 84 (85). 8: 85 (86). 1, 2, 3, 4, 5<sup>2</sup>, 7, 10, 13<sup>2</sup>, 17: 87 (88). 3: 88 (89). 2, 6, 17, 18<sup>2</sup>: 89 (90). 4<sup>2</sup>, 7, 9, 10: 90 (91). 3, 9<sup>2</sup>, 11, 14 bis: 91 (92). 4†, 9†, 9, 15<sup>2</sup>: 93 (94). 11, 14, 17: 94 (95). 3†, 3†, 4<sup>2</sup>, 5<sup>2</sup>, 7: 95 (96). 4<sup>2</sup>, 5<sup>2</sup>, 10†, 13 bis: 96 (97). 9: 97 (98). 1, 9†, 9: 98 (99). 3, 5†, 7†, 9<sup>2</sup>: 99 (100). 3, 5<sup>2</sup>, 5<sup>2</sup>††: 101 (102). 3, 4, 9, 10, 13<sup>2</sup>, 13, 14, 16, 19: 102 (103). 11, 14 bis, 15†, 16: 104 (105). 28†, 38, 42: 105 (106). 1<sup>2</sup> bis, 33: 106 (107). 1<sup>2</sup> bis, 9, 11, 16, 30: 107 (108). 4<sup>2</sup>: 108 (109). 1, 21<sup>2</sup>, 22, 27<sup>2</sup>, 31: 111 (112). 6: 118 (114). 5 bis, 6†: 114 (116). 1, 2, 7, 8: 116 (117). 2: 117 (118). 1<sup>2</sup> bis, 2<sup>2</sup> bis, 3<sup>2</sup> bis, 4<sup>2</sup>†† bis, 21, 28, 29<sup>2</sup> bis: 118 (119). 22, 35, 39<sup>2</sup>†, 42, 43, 45, 50, 56†, 59†, 66, 71, 74, 75, 77, 78, 83, 91<sup>2</sup>, 92, 93, 94, 98, 99, 100, 102, 104†, 111, 118<sup>2</sup>, 131, 139, 152, 153, 155, 158, 159, 168<sup>2</sup>, 172<sup>2</sup>†, 173, 176: 119 (120). 5: 121 (122). 5: 122 (123). 3: 123 (124). 1, 2: 124 (125). 3: 129 (130). 4, 7<sup>2</sup>†: 131 (132). 13, 14: 132 (133). 3: 134 (135). 3<sup>2</sup> bis, 4, 5, 5<sup>2</sup>, 14†: 135 (136). 1<sup>2</sup> bis, 2<sup>2</sup>, 3<sup>2</sup>, 4<sup>2</sup>, 5<sup>2</sup>, 6<sup>2</sup>, 7<sup>2</sup>, 8<sup>2</sup>, 9<sup>2</sup>, 10<sup>2</sup>, 11<sup>2</sup>, 12<sup>2</sup>, 13<sup>2</sup>, 14<sup>2</sup>, 15<sup>2</sup>, 16<sup>2</sup>, 17<sup>2</sup>, 18<sup>2</sup>, 19<sup>2</sup>, 20<sup>2</sup>, 21<sup>2</sup>, 22<sup>2</sup>, 23†, 23††, 24<sup>2</sup>, 25<sup>2</sup>, 26<sup>2</sup>: 136 (137). 3: 137 (138). 1†, 2, 4, 5<sup>2</sup>, 6<sup>2</sup>: 138 (139). 4, 12†, 13, 14, 20<sup>2</sup>: 139 (140). 12: 140 (141). 5<sup>2</sup>, 6, 8<sup>2</sup>: 141 (142). 4†, 6 bis: 142 (143). 2, 3†, 8 bis, 9†, 10, 12: 143 (144). 3 bis: 146 (147). 1<sup>2</sup>: 147. 2 (13): 148. 5, 13: 149. 4.  
 Pr. 2. 6, 21: 6. 16, 23<sup>2</sup>: 7. 23: 8. 7: 9. 18: 18.

22. 18: 23. 2, 13 (δρι οὐ μῆ), 22: 24. 12, 18: 26. 19: 27. 24<sup>2</sup>: 28. 22: 29. 20: 31. 18.  
 Ec. 1. 13, 17, 18<sup>2</sup>: 2. 10, 13<sup>2</sup>, 13, 14, 15<sup>2</sup>, 16, 17<sup>2</sup> bis, 18, 21, 21<sup>2</sup>, 22, 23<sup>2</sup>, 24, 25, 26, 26<sup>2</sup>: 3. 12, 14, 17<sup>2</sup>, 18 bis, 19<sup>2</sup>, 22, 22<sup>2</sup>, 22: 4. 4<sup>2</sup>, 10, 14 bis, 16†, 16<sup>2</sup>, 17: 5. 1<sup>2</sup>, 2, 3†, 5, 6<sup>2</sup>, 6, 7†, 10<sup>2</sup>, 17<sup>2</sup>, 19 bis: 6. 2, 2†, 3, 4, 8<sup>2</sup>, 11: 7. 1 (6. 11)†, 1 (6. 12) bis, 3 (2)†, 4 (3), 7 (6)<sup>2</sup>††, 8 (7), 10 (9), 11 (10) bis, 13 (12)<sup>2</sup>, 14 (13), 19 (18), 21 (20), 23 (22) bis: 8. 3, 6, 6<sup>2</sup>, 7 bis, 10, 11, 12 bis, 14 ter, 14<sup>2</sup>†††, 15†, 15 (δρι εἰ μῆ), 16, 17, 17 (9. 1): 9. 1<sup>2</sup>††, 3<sup>2</sup>, 4<sup>2</sup>, 4<sup>2</sup>††, 5 ter, 7, 9<sup>2</sup>, 10, 11<sup>2</sup>, 11, 12†: 10. 4, 14†, 20: 11. 1, 2, 6, 8 bis, 9, 10<sup>2</sup>: 12. 3, 5, 9 bis, 13<sup>2</sup>, 14.  
 Ca. 1. 2<sup>2</sup>, 6 bis: 2. 5<sup>2</sup>, 11, 14<sup>2</sup>: 4. 10†: 5. 2, 8<sup>2</sup>††, 9: 6. 4 (5): 8. 6<sup>2</sup>.  
 Wi. 1. 2, 4, 6<sup>2</sup>, 7, 10, 11<sup>2</sup>††, 13, 16: 2. 2, 2<sup>2</sup>, 5, 9<sup>2</sup>, 12, 15<sup>2</sup>, 23: 3. 5, 9<sup>2</sup>, 13<sup>2</sup>: 4. 1, 15<sup>2</sup>, 19: 5. 14<sup>2</sup>, 16: 6. 3, 4, 5, 7, 16, 23: 7. 9<sup>2</sup>, 10<sup>2</sup>, 12, 15: 8. 9, 17, 20, 9. 5<sup>2</sup>: 10. 12, 21: 11. 16, 22<sup>2</sup>, 23, 26: 12. 10<sup>2</sup>, 10 (δρι οὐ μῆ)†, 13, 17†, 19 bis: 13. 7<sup>2</sup>, 16: 14. 4, 8†, 11, 21, 30: 15. 2, 9 ter, 11, 13, 15: 16. 8, 9, 18 (subj.)†, 22, 26, 28: 18. 1, 2, 21: 19. 2, 11†.  
 Si. 1. 30: 2. 5†, 9<sup>2</sup>††, 13: 3. 20<sup>2</sup>: 4. 17: 6. 17<sup>2</sup>: 7. 16, 17<sup>2</sup>, 28: 8. 5, 7, 8, 9, 16<sup>2</sup>: 9. 12 (δρι οὐ μῆ), 13: 10. 9, 13<sup>2</sup>: 11. 4<sup>2</sup>, 21<sup>2</sup>, 26<sup>2</sup>: 12. 6, 11: 13. 13: 14. 12, 16: 15. 9, 11, 12†, 18<sup>2</sup>: 16. 17: 17. 30<sup>2</sup>: 18. 13<sup>2</sup>: 22. 11: 23. 19<sup>2</sup>, 27<sup>2</sup>: 24. 34: 27. 20, 21: 30. 26 (33. 17), 39 (33. 30), 39 (33. 31)†††: 31 (34). 14<sup>2</sup>: 32 (35). 11, 12: 33 (36). 5: 34 (31). 13<sup>2</sup>: 36. 22 (19): 37. 21: 38. 22<sup>2</sup>: 39. 16<sup>2</sup>: 41. 7: 46. 6<sup>2</sup>, 10<sup>2</sup>: 50. 29<sup>2</sup>: 51. 2, 8, 24†, 27.  
 Ho. 1. 11 (2. 2)<sup>2</sup>: 2. 2 (4)<sup>2</sup>, 4 (6), 5 (7), 5 (7)†, 7 (9), 8 (10): 4. 1†††, 6, 13<sup>2</sup>, 14†, 16†: 5. 1, 4, 6, 7 bis, 11: 6. 1, 10 (9): 7. 1, 13 bis: 8. 3, 7, 8, 11: 9. 15, 17: 10. 3, 5†, 5, 13: 11. 1<sup>2</sup>, 3, 5, 10: 14. 1, 5†, 10<sup>2</sup>††.  
 Am. 4. 2†, 5, 12†††: 5. 5, 12, 13: 6. 8, 8†, 13 (12): 7. 2, 5, 10, 8††.  
 Mi. 1. 9, 12, 13, 16: 2. 3, 10: 4. 2, 5, 9, 12, 13: 6. 2<sup>2</sup>: 7. 1, 2, 8, 9, 18.  
 Jl. 1. 5, 6, 9, 10, 11, 12, 13, 15<sup>2</sup>, 17, 18, 19, 20†: 2. 1†, 1<sup>2</sup>, 11, 11<sup>2</sup>, 11<sup>2</sup>††, 13, 20†, 21, 22 bis, 23†, 27, 27†, 32 (3. 5): 8 (4). 1†, 8, 10, 13 bis, 14<sup>2</sup>†, 17<sup>2</sup>††.  
 Ob. 1. 18†.  
 Jn. 1. 2, 10 bis, 11, 12†, 13, 14†: 3. 10: 4. 2<sup>2</sup>, 3<sup>2</sup>.  
 Na. 1. 10†, 14<sup>2</sup>.  
 Hb. 1. 4, 6†, 16: 2. 3<sup>2</sup>††, 3, 7, 14†, 18†, 8: 3. 8.  
 Ze. 1. 7, 11, 14<sup>2</sup>, 17: 2. 7, 9†: 3. 8†, 9, 11.  
 Hg. 2. 17 (16)†, 24 (23)†.  
 Za. 2. 9 (13)†, 10 (14)†, 11 (15), 13 (17)†: 7. 7†: 8. 23: 9. 5, 17<sup>2</sup>: 10. 2†, 5<sup>2</sup>††, 6: 11. 2 bis, 3 bis: 18. 3, 5†.  
 Ma. 2. 2, 7, 10, 11†, 14†: 8. 8, 14: 4. 1 (8. 19)†.  
 Is. 1. 2: 2. 2, 6: 3. 6, 8, 9 (8)†, 9†, 10: 4. 4: 6. 5 bis: 7. 5, 24: 8. 10<sup>2</sup>: 9. 5 (4), 6 (5), 17 (16)<sup>2</sup>, 20 (19), 21 (20): 10. 23, 24: 11. 9: 12. 4, 5, 6: 14. 31†, 32†: 15. 4: 16. 4, 9†, 12†: 18. 4†: 19. 20: 20. 4: 21. 6†, 16†, 17†: 22. 1, 5<sup>2</sup>, 9 bis, 10, 14, 16, 25: 23. 1, 13†, 14: 24. 6, 18, 23: 25. 1, 2, 5†, 10†: 26: 28. 11, 15, 17 (δρι οὐ μῆ)†: 29. 10, 21†: 30. 4, 7<sup>2</sup>, 8, 9, 12 bis, 20: 31. 4, 7: 33. 14, 21<sup>2</sup>††, 23: 34. 6<sup>2</sup>, 16: 35. 6: 36. 5, 12, 20†: 37. 3, 8, 20<sup>2</sup>††, 24, 32: 38. 1†, 7, 25: 39. 1, 7: 40. 2 bis, 5: 41. 13<sup>2</sup>, 20, 23, 24, 26: 43. 1, 3<sup>2</sup>, 5, 10, 20: 44. 3, 12, 16, 17, 18, 19, 20<sup>2</sup> bis, 21†, 23 bis: 45. 3, 5<sup>2</sup>, 6, 6†, 9, 11, 14, 24: 46. 9: 47. 1, 10†, 14: 48. 4†, 5†, 7†, 7†, 8, 11, 20†: 49. 7, 13, 14†, 18, 19, 19†, 23<sup>2</sup>, 25†, 26<sup>2</sup>: 50. 2†, 7 (δρι οὐ μῆ), 8: 51. 2, 4, 6, 15<sup>2</sup>: 52. 3, 5, 6, 7, 8 bis, 9

(9), 19 (18) *bis*, 21 (20), 24 (23), 24 (23)\*\*\*, 26 (25)\*\*\*, 10, 2, 3\*\*, 5, 5 (ὅτι οὐ μή) (*ind.*), 14, 16\*\*, 18, 21, 23\*\*, 25, 11, 13, 14, 17, 20, 23†, 12, 1 *bis*, 4†, 6 *bis*, 11, 12, 14, 18, 11, 12, 15, 17, 18, 27, 14, 4, 5, 6, 7\*\*, 7, 12 *bis*, 13, 14, 17, 18, 20, 22, 15, 14, 16, 17, 18, 3, 5, 17\*\*, 21\*\*, 17, 13, 14†, 18, 12, 15, 18, 20, 22, 19, 12†, 15, 20, 8 *bis*, 10†, 11, 12, 13, 17, 21, 1†, 2, 10†, 22, 5, 6, 10, 11†, 15, 20, 22, 28, 30 (ὅτι οὐ μή), 28, 10, 11, 15, 16, 18, 35†, 36, 37†, 24, 7 *bis*, 26 (48), 5 (*subj.*), 10\*\*, 12, 14, 15, 18, 19, 21, 22, 23 (ὅτι οὐ μή), 23, 28 *bis*, 27 (50), 3, 9, 11, 15, 20, 24, 25\*\*, 26, 27, 29, 31, 33, 38, 44, 44\*\*, 46, 28 (51), 5, 6, 9, 11\*\*, 11, 12, 14, 17, 19, 26, 31, 38†, 51, 53 *bis*, 55, 56 *bis*, 59†, 62, 29 (47), 4, 29 (49), 8, 9, 10, 12, 13 *bis*, 16, 19, 19\*\*, 21, 30 (49), 3 *bis*, 4†, 8 (49, 30), 12 (49, 31), 31 (48), 1, 3\*\*, 5, 9, 18, 20 *bis*, 26, 27, 34†, 38, 40, 42, 44†, 32, 15 (26, 29) *bis*, 17 (26, 31)\*\*\*, 20 (25, 34), 22 (26, 36), 24 (26, 38), 38 (26), 9, 11, 15, 15†, 15, 16, 19†, 19, 84 (27), 5, 10, 14 *bis*, 16, 19, 20†, 35 (28), 4, 14, 38 (29), 7\*\*†, 8†, 9, 10, 10†, 13†, 15, 28† *bis*, 37 (30), 7\*\*†, 14, 17 *ter*, 21, 23, 38 (81), 4†, 5†, 6, 7, 9, 11, 15, 16, 18\*\*, 19 *bis*, 20, 22, 23†, 25, 32, 33\*\*, 34 *bis*, 39 (32), 4†, 7\*\*, 8\*\*, 8, 15, 29†, 30, 31, 42, 44 (33), 4, 11\*\* *bis*, 11, 12†, 41 (84), 5, 7, 42 (35), 6, 7, 43 (36), 7\*\*†, 44 (37), 9†, 9 (ὅτι οὐ μή), 10†, 15, 16†, 18, 19 (ὅτι οὐ μή), 45 (38), 3, 4 *bis*, 5, 7, 9, 23, 25, 27, 46 (39), 18 *bis*, 47 (40), 3, 7, 11 *bis*, 14, 16, 48 (41), 8, 18 *bis*, 49 (42), 2, 6, 10, 11\*\*†, 14, 18, 18†, 20, 50 (48), 7, 61 (44), 15, 17, 19, 27, 29, 51, 32 (46, 2), 33 (46, 3), 35 (46, 5).  
Ba. 1. 13, 2, 5, 9\*\*, 13, 15\*\*, 15, 17, 19, 20, 30, 30 (ὅτι οὐ μή), 30, 31\*\*, 33, 38, 2†, 2, 3\*\*, 6\*\*†, 7 *bis*, 10, 18, 4, 4, 15†.  
La. 1. 5, 9, 11, 14, 16 *bis*, 18, 19, 20 *bis*, 21 *bis*, 22\*\*, 2, 13, 3, 22† *quater*, 28, 31, 32, 4, 12, 15, 5, 6, 1 (†), 16, 18, 22.  
Ep. Jc. 23, 29, 30, 43, 49, 50, 51, 52, 56, 65, 69, 72.  
Ez. 1. 21\*\*†, 2, 5, 7†, 8, 20, 21, 6, 7\*\*, 10†, 14\*\*, 7, 4\*\*†, 12\*\*†, 13†, 14\*\*†, 27\*\*, 9, 9 *bis*, 10, 11, 20, 11, 10\*\*, 16, 12, 11, 16\*\*, 23, 24†, 25†, 28†, 18, 10†, 21\*\*†, 23†, 23\*\*, 14, 8\*\*, 15, 5†, 7\*\*, 16, 62\*\*, 17, 18†, 18, 4, 19 *bis*, 23†, 19, 5, 20, 20\*\*†, 26\*\*†, 29, 42\*\*†, 48 (21, 4), 21, 5 (10)†, 7 (12)†, 12 (17), 13 (18), 22, 12†, 16\*\*†, 28, 8, 13, 37, 40, 40†, 45, 24, 7, 25, 3 *ter*, 26, 5, 6\*\*†, 7†, 14, 19, 28, 10, 22, 23†, 24, 26, 29, 6, 7†, 9, 9†, 13†, 16, 21, 30, 3\*\*, 8, 9, 13, 19, 25, 26, 31, 7, 32, 11, 15, 27, 32, 33, 5 *bis*, 16, 29, 31\*\*, 33, 34, 15†, 18, 27, 30, 35, 4, 9, 12 *bis*, 15, 36, 5, 8, 9†, 11, 23, 34 (ἀνθ' ὧν ὅτι), 36, 36†, 38\*\*†, 37, 6†, 13, 14\*\*, 24, 28, 38, 23, 39, 6, 7, 8, 22, 23, 28, 42, 5, 8\*\*†, 44, 2, 28\*\*, 45, 14, 47, 1, 5, 9, 12†, 48, 14\*\*†.  
Da. LXX. Su. 5, 22, 35, 38, 51, 2, 8 *bis*, 9 (*subj.*), 10, 20, 23, 25, 47, 8, 15, 18, (27), (29), (37), (40), (45), (88), (89)\*\* *bis*, (90)\*\*†, 27 (94), 4, 20 *bis*, 29, 34 *quater*, 5, 10, 8, 5 (6) *bis*, 7 (8), 7, 23, 9, 8, 9, 11, 14\*\*, 16\*\*, 19, 23, 10, 12, 19, 11, 4, 6, 25, 37, 12, 7\*\*, 9\*\*, Bel 6, 8, 11, 23, 29.  
Da. TH. Su. 5, 11 *bis*, 13, 15, 18, 21, 27, 35, 43, 50, 61, 63, 2, 8 *bis*, 9 *bis*, 11\*\*, 20, 23, 41, 43, 45, 47, 8, 18, (27), (28), (29), (37), (40), (45), (88), (89)\*\* *bis*, (90)\*\*†, 27 (94), 28 (95), 4, 6\*\*†, 14, 15, 15\*\*, 19, 20, 22, 23, 29, 31\*\*, 34\*\*, 5, 12\*\*, 14\*\*, 16, 21, 6, 3 (4)\*\*†, 4 (5), 10 (11), 15 (16), 22 (23), 23 (24), 26 (27)\*\*†, 7, 19, 8, 26\*\*†, 9, 9, 11, 14\*\*, 16, 18, 19, 23, 10, 11, 12†, 14\*\*, 19, 11, 4, 25, 27\*\*, 35\*\*, 37, 12, 7\*\*, 9\*\*, Bel 5, 9 *bis*, 13, 24†, 24, 25, 30.  
Ma. 1. 5, 11, 2, 30, 31, 37, 61, 62\*\*, 63, 64, 65, 8, 13, 19, 29, 42, 46\*\*†, 59\*\*, 4, 5, 11, 17\*\*, 20, 24\*\*, 24\*\*†, 27, 45, 5, 1, 3, 12, 26, 31, 34†, 40, 54, 61, 6, 1, 3, 5, 8, 9 *bis*, 11, 13, 17, 24, 28†, 43, 49 *bis*, 54, 55, 56, 7, 11, 18, 25 *bis*, 30, 31, 42, 44, 8, 1, 2 *bis*, 9, 18, 9, 1, 6, 7 *bis*, 14\*\*, 16, 37, 57, 60, 68, 10, 8, 19\*\*†, 23, 46, 47, 71, 72, 75\*\*, 80, 11, 2, 14, 21, 38, 39, 43, 49, 63, 12, 1, 7, 21 *bis*, 24, 26, 28, 34, 42, 50†, 51, 13, 1, 2, 6, 14 *bis*, 17, 18, 34\*\*†, 51, 53, 14, 2†, 16, 17, 40 *bis*, 41, 15, 12, 18, 21 *bis*, 22.

II Ma. 1. 27\*\*†, 33, 2, 1, 7, 18, 3, 1 (ὅτι κάλ-  
λιστα)†, 5, 17, 6, 30, 7, 28, 9, 23, 14, 3, 31, 15, 21.  
III Ma. 2. 10†, 6, 19\*\*†, 27\*\*†, 6, 15, 15†, 7, 9.  
IV Ma. 1. 7, 9, 24†, 30, 33, 2, 2, 6, 7, 9, 4, 22 (opt.), 25 *bis*, 5, 25, 7, 17, 19, 22, 8, 11, 21, 9, 18, 10, 2, 16, 11, 5, 18, 1, 18, 2, 5, 18†, 25\*\*†, 25, 17, 1\*\*†, 18, 2, 7, 20†.  
[Aq. GE. 2. 17, 3, 2 (1), 4, 24, 6, 7 (6), 8 (7), 20, 10, 32, 28 (29), 47, 22, 50, 19, 25\*\*, 25, LE. 21, 8, 12\*\*, 24, 9, Nu. 14, 14, DT. 32, 31\*\*, Jo. 1, 8, 2, 9, 15\*\*, I Ki. 9, 22\*\*, 15, 23\*\*, 20, 33\*\*, II Ki. 12, 5\*\*, 14, 16, 11\*\*, 18, 33\*\*, 23, 19\*\*, III Ki. 1, 5, 1 (15) *ter*, 14, 22\*\*, 5, 11, 13 *bis*, 15, 4, 18, 27, 22, 49, IV Ki. 9, 20, 10, 10, Jo. 3, 24, 6, 11, 21, 7, 16\*\*, 15, 14, 34\*\*, 19, 29\*\*, 22, 2, 6, 27, 8, 38, 13, Ps. 8, 9, 24 (10, 3), 35 (10, 14), 10 (11), 3, 11 (12), 2, 17 (18), 20, 20 (21), 13, 21 (22), 17, 32, 24 (25), 20, 26 (27), 5, 27 (28), 5, 6, 28 (30), 2, 6\*\*, 80 (81), 10\*\*, 11, 31 (32), 3, 4, 32 (33), 4\*\*, 21, 36 (37), 20, 37 (38), 8, 41 (42), 5, 46 (47), 10, 52 (53), 6 *bis*, 54 (55), 10\*\*, 55 (56), 3, 60 (61), 6, 61 (62), 12\*\*, 68 (69), 18\*\*, 70 (71), 3\*\*, 24, 72 (73), 4, 73 (74), 20, 82 (83), 3, 19, 88 (84), 12\*\*, 85 (86), 7, 88 (89), 3, 89 (90), 10, 90 (91), 9, 11, 105 (106), 1\*\*, 117 (118), 10, 118 (119), 35, 56, 98\*\*, 100, 118\*\*, 119 (120), 5, 127 (128), 2, 134 (135), 3\*\*, 138 (139), 20, 140 (141), 5\*\*, 6, 141 (142), 4, Pr. 1, 9, 19, 21, 27, 22, 23, 27, 13, Ec. 1, 17, 7, 19 (18), 23 (22), 9, 1, CA. 1, 6, 15, 2, 22, 3, 24, 7, 13, 22, 8, 10\*\*, 9, 6 (5), 15, 5 *bis*, 21, 17, 26, 3, 4\*\*, 28, 8, 27, 30, 15, 31, 33\*\*, 81, 3\*\*, 34, 5, 37, 8, 39, 1, 48, 16, 19, 22, 44, 3, 49, 25, 51, 2, 52, 4, 12, 58, 12, 54, 6, 10, 55, 7, 56, 4, 57, 1, 8, 15, 59, 14, 19, 60, 1, 2, JE. 2, 35 (Sw.), 6, 11, 15, 25, 7, 29, 10, 7 *bis*, 16, 11, 15\*\*, 15, 19, 12, 5, 14, 12, 13, 15, 10, 16, 5 *bis*, 18, 22, 22, 21, 24, 23, 10, 25, 14, 15 (14), 52, 1 (Sw.), 28 (35), 16, 29 (36), 11, 30 (37), 5, 12, 17, 31 (38), 7, 19 *bis*, 22, 32, 32 (39), 4, 31, 35 (42), 14, 37 (44), 16, 18, 35 (45), 27, 42 (49), 20, 43 (50), 3, 44 (51), 29, 46 (26), 22, 48 (31), 9, 37, 49, 8, (29, 9), 19 (29, 10), 19 (29, 20), 50 (27), 11, 14, 51 (28), 2, 9, 10, 12, 26, 56, Ez. 3, 20 (P.), 17, 24, 18, 11, 19, 20, 16, 21, 13 (18), 24, 19, 29, 13, 30, 33\*\*, 31, 14, 32, 25, 26, 45, 14\*\*, Ho. 11, 1\*\*, Mt. 2, 1\*\*, Hb. 2, 3, MA. 8, 8.]  
[Sm. GE. 2. 23, 4, 24, 20, 13, 32, 28 (29), 44, 15, Ex. 2, 2, 4, 25\*\*, 26, 7, 24, 32, 1, 25, LE. 21, 8, 12\*\*, 24, 9, Nu. 14, 14, Jo. 1, 8, 2, 9, 15\*\*, Jo. 18, 7, I Ki. 9, 24, 15, 11, 23\*\*, 19, 24, 20, 33\*\*, II Ki. 12, 5\*\*, 14†, 14, 16, III Ki. 5, 1 (15), 16, 4, 18, 27, IV Ki. 9, 20, 10, 10, Jo. 15, 12, 17, 4, 19, 29, 20, 5, 27, 3\*\*, 8, 38, 14, 34, 31, 35, 3, 36, 4\*\*, 9, Ps. 8, 9, 24 (10, 3), 35 (10, 14), 10 (11), 3, 11 (12), 2, 15 (16), 1, 20 (21), 12, 13, 21 (22), 17, 24 (25), 5\*\*, 20, 29 (30), 2, 6\*\*, 80 (81), 8, 31 (32), 3, 32 (33), 21, 34 (35), 7, 35 (36), 3, 36 (37), 20, 37, 37 (38), 8, 40 (41), 12, 41 (42), 5, 6, 48 (44), 20, 46 (47), 10, 51 (52), 11\*\*, 52 (53), 6, 54 (55), 4, 10, 16\*\*, 55 (56), 3\*\*, 10, 64 (65), 10, 68 (69), 2, 70 (71), 3, 24 *bis*, 71 (72), 12, 72 (73), 4, 73 (74), 20 (P.), 78 (79), 8, 82 (83), 19, 85 (86), 3, 7, 88 (89), 3, 18, 89 (90), 7, 90 (91), 11, 91 (92), 16\*\*, 102 (103), 16, 105 (106), 11, 115, 2, 116 (117), 118 (119), 56, 71, 100, 119 (120), 5, 122 (123), 3, 141 (142), 7, 148 (144), 3, 146 (147), 1\*\*, Pr. 1, 32, 23, 27\*\*, 27, 13, 28, 22, Ec. 1, 17, 2, 22, 7, 13 (12), 19 (18), 23 (22), 8, 7, 17, 9, 1, 4, 10, 4, 11, 9, CA. 1, 6, 8, 6\*\*, Is. 2, 22, 5, 4, 6, 7, 13, 22, 9, 5 (4), 21, 17, 22, 9, 25, 8, 28, 8, 19, 30, 15, 31, 3\*\*, 34, 5, 37, 8, 39, 1, 40, 2, 7, 48, 16, 19, 22, 44, 3, 49, 25, 52, 4, 5, 56, 4, 57, 8, 15, 60, 2, 62, 4, JE. 2, 35 (Sw.), 6, 15, 7, 29, 9, 3 (2), 11, 19, 14, 12, 15, 10, 15, 16, 5 *bis*, 18, 22 *bis*, 20, 8, 17, 22, 15, 21, 22, 24, 30 (37), 5, 17, 31 (38), 7, 37 (44), 18, 38 (45), 27, 42 (49), 22 (Sw.), 44 (51), 29, 46 (26), 15, 22, 48 (31), 9, 37, 49, 8, (29, 9), 19 (29, 20), 50 (27), 11, 14, 51 (28), 2, 9, 10, 12, 26, 56, Ez. 3, 20 (P.), 17, 24, 18, 11, 19, 20, 16, 21, 13 (18), 24, 19, 29, 13, 30, 33\*\*, 31, 14, 32, 25, 26, 45, 14\*\*, Ho. 11, 1\*\*, Mt. 2, 1\*\*, Hb. 2, 3, MA. 8, 8.]  
[Sm. GE. 2. 23, 4, 24, 20, 13, 32, 28 (29), 44, 15, Ex. 2, 2, 4, 25\*\*, 26, 7, 24, 32, 1, 25, LE. 21, 8, 12\*\*, 24, 9, Nu. 14, 14, Jo. 1, 8, 2, 9, 15\*\*, Jo. 18, 7, I Ki. 9, 24, 15, 11, 23\*\*, 19, 24, 20, 33\*\*, II Ki. 12, 5\*\*, 14†, 14, 16, III Ki. 5, 1 (15), 16, 4, 18, 27, IV Ki. 9, 20, 10, 10, Jo. 15, 12, 17, 4, 19, 29, 20, 5, 27, 3\*\*, 8, 38, 14, 34, 31, 35, 3, 36, 4\*\*, 9, Ps. 8, 9, 24 (10, 3), 35 (10, 14), 10 (11), 3, 11 (12), 2, 15 (16), 1, 20 (21), 12, 13, 21 (22), 17, 24 (25), 5\*\*, 20, 29 (30), 2, 6\*\*, 80 (81), 8, 31 (32), 3, 32 (33), 21, 34 (35), 7, 35 (36), 3, 36 (37), 20, 37, 37 (38), 8, 40 (41), 12, 41 (42), 5, 6, 48 (44), 20, 46 (47), 10, 51 (52), 11\*\*, 52 (53), 6, 54 (55), 4, 10, 16\*\*, 55 (56), 3\*\*, 10, 64 (65), 10, 68 (69), 2, 70 (71), 3, 24 *bis*, 71 (72), 12, 72 (73), 4, 73 (74), 20 (P.), 78 (79), 8, 82 (83), 19, 85 (86), 3, 7, 88 (89), 3, 18, 89 (90), 7, 90 (91), 11, 91 (92), 16\*\*, 102 (103), 16, 105 (106), 11, 115, 2, 116 (117), 118 (119), 56, 71, 100, 119 (120), 5, 122 (123), 3, 141 (142), 7, 148 (144), 3, 146 (147), 1\*\*, Pr. 1, 32, 23, 27\*\*, 27, 13, 28, 22, Ec. 1, 17, 2, 22, 7, 13 (12), 19 (18), 23 (22), 8, 7, 17, 9, 1, 4, 10, 4, 11, 9, CA. 1, 6, 8, 6\*\*, Is. 2, 22, 5, 4, 6, 7, 13, 22, 9, 5 (4), 21, 17, 22, 9, 25, 8, 28, 8, 19, 30, 15, 31, 3\*\*, 34, 5, 37, 8, 39, 1, 40, 2, 7, 48, 16, 19, 22, 44, 3, 49, 25, 52, 4, 5, 56, 4, 57, 8, 15, 60, 2, 62, 4, JE. 2, 35 (Sw.), 6, 15, 7, 29, 9, 3 (2), 11, 19, 14, 12, 15, 10, 15, 16, 5 *bis*, 18, 22 *bis*, 20, 8, 17, 22, 15, 21, 22, 24, 30 (37), 5, 17, 31 (38), 7, 37 (44), 18, 38 (45), 27, 42 (49), 22 (Sw.), 44 (51), 29, 46 (26), 15, 22, 48 (31), 9, 37, 49, 8, (29, 9), 19 (29, 20), 50 (27), 11, 14, 51 (28), 2, 9, 10, 12, 26, 56, Ez. 3, 20 (P.), 17, 24, 18, 11, 19, 20, 16, 21, 13 (18), 24, 19, 29, 13, 30, 33\*\*, 31, 14, 32, 25, 26, 45, 14\*\*, Ho. 11, 1\*\*, Mt. 2, 1\*\*, Hb. 2, 3, MA. 8, 8.]  
[Sm. GE. 2. 23, 4, 24, 20, 13, 32, 28 (29), 44, 15, Ex. 2, 2, 4, 25\*\*, 26, 7, 24, 32, 1, 25, LE. 21, 8, 12\*\*, 24, 9, Nu. 14, 14, Jo. 1, 8, 2, 9, 15\*\*, Jo. 18, 7, I Ki. 9, 24, 15, 11, 23\*\*, 19, 24, 20, 33\*\*, II Ki. 12, 5\*\*, 14†, 14, 16, III Ki. 5, 1 (15), 16, 4, 18, 27, IV Ki. 9, 20, 10, 10, Jo. 15, 12, 17, 4, 19, 29, 20, 5, 27, 3\*\*, 8, 38, 14, 34, 31, 35, 3, 36, 4\*\*, 9, Ps. 8, 9, 24 (10, 3), 35 (10, 14), 10 (11), 3, 11 (12), 2, 15 (16), 1, 20 (21), 12, 13, 21 (22), 17, 24 (25), 5\*\*, 20, 29 (30), 2, 6\*\*, 80 (81), 8, 31 (32), 3, 32 (33), 21, 34 (35), 7, 35 (36), 3, 36 (37), 20, 37, 37 (38), 8, 40 (41), 12, 41 (42), 5, 6, 48 (44), 20, 46 (47), 10, 51 (52), 11\*\*, 52 (53), 6, 54 (55), 4, 10, 16\*\*, 55 (56), 3\*\*, 10, 64 (65), 10, 68 (69), 2, 70 (71), 3, 24 *bis*, 71 (72), 12, 72 (73), 4, 73 (74), 20 (P.), 78 (79), 8, 82 (83), 19, 85 (86), 3, 7, 88 (89), 3, 18, 89 (90), 7, 90 (91), 11, 91 (92), 16\*\*, 102 (103), 16, 105 (106), 11, 115, 2, 116 (117), 118 (119), 56, 71, 100, 119 (120), 5, 122 (123), 3, 141 (142), 7, 148 (144), 3, 146 (147), 1\*\*, Pr. 1, 32, 23, 27\*\*, 27, 13, 28, 22, Ec. 1, 17, 2, 22, 7, 13 (12), 19 (18), 23 (22), 8, 7, 17, 9, 1, 4, 10, 4, 11, 9, CA. 1, 6, 8, 6\*\*, Is. 2, 22, 5, 4, 6, 7, 13, 22, 9, 5 (4), 21, 17, 22, 9, 25, 8, 28, 8, 19, 30, 15, 31, 3\*\*, 34, 5, 37, 8, 39, 1, 40, 2, 7, 48, 16, 19, 22, 44, 3, 49, 25, 52, 4, 5, 56, 4, 57, 8, 15, 60, 2, 62, 4, JE. 2, 35 (Sw.), 6, 15, 7, 29, 9, 3 (2), 11, 19, 14, 12, 15, 10, 15, 16, 5 *bis*, 18, 22 *bis*, 20, 8, 17, 22, 15, 21, 22, 24, 30 (37), 5, 17, 31 (38), 7, 37 (44), 18, 38 (45), 27, 42 (49), 22 (Sw.), 44 (51), 29, 46 (26), 15, 22, 48 (31), 9, 37, 49, 8, (29, 9), 19 (29, 20), 50 (27), 11, 14, 51 (28), 2, 9, 10, 12, 26, 56, Ez. 3, 20 (P.), 17, 24, 18, 11, 19, 20, 16, 21, 13 (18), 24, 19, 29, 13, 30, 33\*\*, 31, 14, 32, 25, 26, 45, 14\*\*, Ho. 11, 1\*\*, Mt. 2, 1\*\*, Hb. 2, 3, MA. 8, 8.]  
[Sm. GE. 2. 23, 4, 24, 20, 13, 32, 28 (29), 44, 15, Ex. 2, 2, 4, 25\*\*, 26, 7, 24, 32, 1, 25, LE. 21, 8, 12\*\*, 24, 9, Nu. 14, 14, Jo. 1, 8, 2, 9, 15\*\*, Jo. 18, 7, I Ki. 9, 24, 15, 11, 23\*\*, 19, 24, 20, 33\*\*, II Ki. 12, 5\*\*, 14†, 14, 16, III Ki. 5, 1 (15), 16, 4, 18, 27, IV Ki. 9, 20, 10, 10, Jo. 15, 12, 17, 4, 19, 29, 20, 5, 27, 3\*\*, 8, 38, 14, 34, 31, 35, 3, 36, 4\*\*, 9, Ps. 8, 9, 24 (10, 3), 35 (10, 14), 10 (11), 3, 11 (12), 2, 15 (16), 1, 20 (21), 12, 13, 21 (22), 17, 24 (25), 5\*\*, 20, 29 (30), 2, 6\*\*, 80 (81), 8, 31 (32), 3, 32 (33), 21, 34 (35), 7, 35 (36), 3, 36 (37), 20, 37, 37 (38), 8, 40 (41), 12, 41 (42), 5, 6, 48 (44), 20, 46 (47), 10, 51 (52), 11\*\*, 52 (53), 6, 54 (55), 4, 10, 16\*\*, 55 (56), 3\*\*, 10, 64 (65), 10, 68 (69), 2, 70 (71), 3, 24 *bis*, 71 (72), 12, 72 (73), 4, 73 (74), 20 (P.), 78 (79), 8, 82 (83), 19, 85 (86), 3, 7, 88 (89), 3, 18, 89 (90), 7, 90 (91), 11, 91 (92), 16\*\*, 102 (103), 16, 105 (106), 11, 115, 2, 116 (117), 118 (119), 56, 71, 100, 119 (120), 5, 122 (123), 3, 141 (142), 7, 148 (144), 3, 146 (147), 1\*\*, Pr. 1, 32, 23, 27\*\*, 27, 13, 28, 22, Ec. 1, 17, 2, 22, 7, 13 (12), 19 (18), 23 (22), 8, 7, 17, 9, 1, 4, 10, 4, 11, 9, CA. 1, 6, 8, 6\*\*, Is. 2, 22, 5, 4, 6, 7, 13, 22, 9, 5 (4), 21, 17, 22, 9, 25, 8, 28, 8, 19, 30, 15, 31, 3\*\*, 34, 5, 37, 8, 39, 1, 40, 2, 7, 48, 16, 19, 22, 44, 3, 49, 25, 52, 4, 5, 56, 4, 57, 8, 15, 60, 2, 62, 4, JE. 2, 35 (Sw.), 6, 15, 7, 29, 9, 3 (2), 11, 19, 14, 12, 15, 10, 15, 16, 5 *bis*, 18, 22 *bis*, 20, 8, 17, 22, 15, 21, 22, 24, 30 (37), 5, 17, 31 (38), 7, 37 (44), 18, 38 (45), 27, 42 (49), 22 (Sw.), 44 (51), 29, 46 (26), 15,

14. 10 (ind.)†, 11: 17. 8: 18. 12: 19. 23 (24): 21. 17: 23. 5: 24. 14.  
 III Ki. 2. 9: 11. 13: 34: 13. 16, 17†, 22†, 22: 18. 23.  
 IV Ki. 2. 10: 7. 19 (ind.)†, 19†: 18. 29, 30, 32: 19. 10, 32.  
 I Ch. 21. 13, 24: 28. 20.  
 II Ch. 12. 7: 23. 13: 82. 15, 15 (ind.), 17.  
 I Es. 2. 19.  
 Ne. 2. 3.  
 To. 4. 7†: 6. 12: 8. 20†: 12. 11: 13. 6 (ind.)†: 14. 4 (οὐ μὴ οὐδὲν)†, 4†.  
 Es. 5. 1: 6. 13: 9. 28.  
 Jb. 5. 6, 12 (ind.), 19†, 21†, 22†, 24: 6. 10†: 7. 9†: 8. 12†, 15 bis, 20 (ind.)†: 9. 3, 11, 34†: 11. 15 (ind.)†, 16 (ind.)†: 14. 2, 5, 7, 12, 12† bis, 16: 15. 29†, 32 (ind.)†: 17. 4†: 19. 8: 20. 8, 14, 24: 28. 11, 12: 24. 22: 27. 4 (ind.)†, 6†, 19 (ind.)†: 28. 18 (ind.)†: 29. 24†: 32. 21 bis: 33. 20, 23: 34. 32 (ind.)†: 35. 12: 36. 5, 6 (ind.)†: 39. 4 (ind.), 22†, 24 (ind.)†: 40. 18 (23), 26 (31): 41. 7 (8), 8 (9), 17 (18) (οὐδὲν οὐ μὴ)†, 19 (20).  
 Ps. 9. 27 (10. 6), 36 (10. 15): 15 (16). 4: 17 (18). 38: 20 (21). 7, 11: 22 (28). 1 (οὐδὲν οὐ μὴ)†: 24 (26). 3: 25 (26). 1, 4, 5: 27 (28). 5 (ind.)†: 29 (30). 6, 12: 31 (32). 2: 33 (34). 5, 22 (ind.)†: 35 (36). 12: 36 (37). 10 (ind.)†, 10, 33: 39 (40). 9: 40 (41). 11: 49 (50). 12, 22†: 54 (55). 23: 58 (59). 13 (ind.)†: 61 (62). 2, 6†: 79 (80). 18: 82 (83). 4: 88 (89). 33, 34: 111 (112). 8†: 118 (119). 6, 93: 131 (132). 11 (ind.): 138 (139). 6: 139 (140). 10, 11 (ind.)†: 140 (141). 4.  
 Pr. 3. 23, 25 (ind.)†: 4. 16: 10. 22: 15. 23 (ind.)†: 18. 10: 19. 24: 23. 13: 24. 20, 23 (29. 27) (οὐδὲν οὐ μὴ)†, 51 (30. 16): 27. 22: 28. 17 (ind.)†: 29. 18 (ind.)†.  
 Wi. 3. 1: 6. 22: 12. 10.  
 Si. 2. 8: 6. 8, 10†: 7. 1, 3: 9. 12, 13: 11. 10 bis: 12. 15: 13. 12: 14. 5 (ind.): 15. 4 bis, 7 (ind.), 7, 8 (ind.)†: 16. 13 (ind.)†, 17: 19. 7 (οὐδὲν οὐ μὴ), 10 (ind.): 20. 20: 22. 13, 13 (ind.)†, 18 (ind.)†, 18, 25: 23. 2, 7, 10, 15, 16 bis, 17, 18 (ind.): 24. 9: 26. 8 (ind.)†: 27. 16, 17†, 27: 28. 16, 22 (ind.)†, 22 (ind.)†, 23: 31 (34). 14 (ind.)†, 14 (ind.)†: 32 (35). 14, 17 bis, 18: 34 (31). 22: 35 (32). 18: 38. 8: 43. 10, 27, 30: 47. 22 ter: 51. 18, 20.  
 Ho. 1. 6 (ind.): 2. 4 (6), 6 (8), 7 (9) bis, 10 (12) (οὐδὲν οὐ μὴ), 17 (19): 3. 3: 4. 10, 10 (ind.)†, 14: 5. 6, 13: 8. 5: 9. 15: 10. 9: 11. 7, 9 bis: 13. 13: 14. 4 (ind.)†.  
 Am. 2. 12, 14†, 14 (ind.)†, 14†, 15†, 15 (ind.)†, 16 (ind.)†: 3. 6 (ind.)†, 7 (ind.)†: 4. 8: 5. 11 bis, 21: 7. 6, 10, 16 (ind.)†: 8. 12, 14: 9. 1, 1†, 9, 10, 15. Mi. 2. 3 bis: 3. 11: 4. 3†: 6. 14 bis, 15 ter.  
 Jl. 2. 7 (ind.)†, 8 (ind.)†, 26, 27: 3 (4). 21.  
 Jn. 1. 6†: 3. 9.  
 Na. 1. 15 (2. 1): 2. 13 (14) (οὐ μὴ οὐκέντι).  
 Hb. 1. 2 (ind.)†, 5, 12: 2. 3.  
 Ze. 1. 12 (ind.)†, 13 (ind.), 13, 18: 3. 5, 7, 11, 13.  
 Za. 1. 12 (ind.)†: 7. 13: 9. 5, 8: 10. 10: 11. 6 (ind.)†, 16 quater: 14. 2.  
 Ma. 2. 16: 3. 11 (ind.)† bis: 4. 1 (3. 19).  
 Is. 2. 4 (ind.)†, 4, 9: 6. 9 bis: 7. 7, 12, 25: 8. 10, 12: 9. 20 (19): 11. 9 (ind.)†: 13. 18 (ind.)†, 20: 24. 20: 16. 8, 10 (ind.)† bis, 12: 17. 8: 24. 20: 25. 2: 26. 10, 10 (ind.)†, 14, 14 (ind.)†: 27. 9, 11: 28. 15, 16, 17†, 18: 31. 2: 33. 8 (ind.)†, 20, 24: 35. 8 bis: 36. 14 (ind.)†, 15: 37. 10, 33, 34†: 39. 6 (οὐδὲν οὐ μὴ)†: 40. 24 (ind.)†: 41. 12, 28: 43. 2, 25 (ind.)†: 44. 12: 48. 2†, 7. 6 bis, 7 (ind.)†: 47. 11 bis, 11†, 14: 50. 7: 51. 6: 54. 4 (ind.)†: 55. 10†, 11: 57. 20 (ind.)†: 59. 9, 21†: 63. 8 (ind.)†: 65. 6†, 8, 17, 20†, 22 (ind.), 22 (ind.)†, 23 (ind.)†.  
 Je. 1. 19: 4. 27: 5. 10 (ind.)†, 18: 6. 10: 9. 5 (4) (ind.)†: 10. 5 (ind.)†: 11. 19 (οὐ μὴ οὐκέντι), 21 (ind.)†: 13. 7, 10 (ind.)††: 15. 20: 16. 6 (ind.)††, 7: 20. 9 bis: 21. 7: 22. 10 (ind.)†, 13 (ind.), 18 (ind.)†, 21 (ind.)†, 27 (ind.)†, 30: 24. 6 (ind.), 6: 26 (46), 23, 28: 27 (50). 20, 39 (οὐ μὴ οὐκέντι), 40 (ind.)†, 40 (ind.)†, 42 (ind.)†: 28 (51). 26, 39†, 44, 64: 29 (47). 6 (ind.)†: 29 (49). 10, 12, 18 (ind.)†, 18 (ind.)†: 30. 11 (49. 33), 11 (49. 33) (ind.)†, 12 (49. 23): 31 (48). 8: 32. 27 (25. 13), 29 (25. 15), 33 (25. 19): 34 (27). 9: 37 (30). 14 (ind.)†, 19, 24:

38 (31). 9, 29, 34†, 34, 40: 39 (32). 4†, 17, 40: 40 (33). 8 (ind.)†: 41 (34). 3: 42 (35). 6†, 6, 7 bis, 13, 19: 43 (38). 5†: 44 (37). 9, 19, 20: 45 (38). 15, 17, 18, 20 (ind.)†, 23, 24, 25: 46 (39). 17†, 18: 49 (42). 4, 10 (ind.)†, 10, 13, 14, 14 (ind.)†, 14†, 18: 51 (44). 4†, 14 (ind.)†.  
 Ba. 2. 30, 34.  
 La. 4. 15.  
 Ep. Je. 24, 27, 35 bis, 36, 37 bis, 38, 45 (οὐδὲν οὐ μὴ)†, 46, 53, 54, 56, 57 (ind.)†, 67.  
 Ez. 3. 7 (ind.), 20, 25: 4. 8†: 5. 9†: 7. 19 bis: 8. 18†: 11. 11†: 12. 6, 25, 28: 13. 23 bis: 14. 18 (ind.)†: 16. 17, 41, 42: 17. 6 bis, 7, 21, 22†, 24, 28: 21. 32 (37), 23: 27 (οὐ μὴ οὐκέντι), 48 (ind.)†: 24. 12, 17†, 17 bis, 19†, 22 (ind.)†, 22†, 23†, 27: 28. 13, 14: 29. 5, 5†, 11, 11†, 15: 32. 7†, 13 bis: 33. 12 (ind.)†, 12, 12 (ind.)†, 13, 15 (ind.)†, 16, 31 (ind.)†, 32 (ind.)†: 34. 10 (ind.)†, 22†, 29: 35. 9: 36. 12 (ind.)†, 15: 38. 10: 43. 7 (ind.)†: 44. 19, 20 (ind.)† bis, 21, 22 (ind.)†: 46. 2, 18: 47. 11, 12.  
 Da. LXX. Su. 51 (ind.): 2. 44: 4. 29: 6. 5 (6): 7. 14 bis: 11. 6 (ind.)†, 12, 37 bis: 12. 10.  
 Da. TH. 1. 8 bis: 11. 17.  
 I Ma. 2. 4†, 6†: 9. 9.  
 II Ma. 7. 31.  
 [Aq. Jb. 5. 24 (ind.): Ps. 9. 25 (10. 4): 15 (16). 2 (sine verbo), 4: 20 (21). 12 (P.): 29 (30). 7: 31 (32). 9: 57 (58). 9: Pr. 10. 30: 14. 7: Is. 2. 9: 26. 10, 14 bis: 32. 10: 33. 21: 37. 33: Je. 7. 27 bis: 8. 2: 10. 5 (ind.): 11. 21: 16. 2: 25. 33 (32. 19): 49. 12 (29. 13): 51 (28). 57: Ez. 33. 12: Mi. 6. 14.]  
 [Sm. Ge. 2. 17: II Ki. 14. 14: Jb. 7. 21: 9. 3†: 17. 4: 39. 35 (40. 5) (ind.) (P.): Ps. 20 (21). 12 (P.): 24 (25). 3: 31 (32). 2 (ind.): Ec. 9. 8 (imperat.): Is. 42. 20 (ind.): Je. 35 (42). 13: 39 (40). 17: Ez. 24. 22: Mi. 6. 14.]  
 [Th. Ex. 28. 28: Jb. 9. 3†: 17. 4: 35. 12: 36. 6: 39. 4 (ind.): Ps. 20 (21). 12 (P.): Pr. 14. 7: Is. 2. 4: 13. 22: 26. 14, 14 (Sw.): 31. 4 bis: 37. 34: 46. 13: 51. 14: Je. 10. 5 (ind.), 7 (ind.): 16. 6: 25. 33 (32. 19): 30 (37). 19: 32 (39). 5: 51 (28). 57: Ez. 8. 18: 18. 22: Da. 1. 8: Mi. 6. 14.]  
 [Al. Ge. 47. 18: Le. 18. 28: II Ki. 21. 17: Ps. 139 (140). 11 (opt.): Ez. 8. 18: Hb. 3. 17 bis.]  
 [Quint. Ps. 61 (62). 3.]  
 [Sext. Ps. 25 (26). 1.]  
 οὐ (ubi). \* οὐ ἐάν, οὐ ἄν. \*\* sine verbo.  
 Ge. 13. 3, 4, 14: 19. 27: 20. 13\*, 15\*: 21. 17 bis: 24. 4: 28. 15\*: 31. 4\*\*, 13†: 33. 19: 35. 13, 27: 37. 1: 40. 3: 42. 27: 49. 4.  
 Ex. 9. 26: 18. 5: 20. 21, 24\*: 21. 13: 24. 10.  
 Le. 4. 12, 24, 29†, 33: 6. 25 (18)†, 28 (21)\*, 32 (7. 2): 14. 13†: 15. 22†, 23†.  
 Nu. 9. 7\*: 20. 5: 35. 25: 36. 6.  
 De. 8. 7\*\*, 15\*\*, 15: 11. 24\*: 12. 7\*, 13\*, 18\*†, 18\*: 15. 10\*: 16. 7\*†: 18. 6: 23. 16 (17)\*†: 28. 8\*, 20\*: 30. 1\*.  
 Jo. 1. 9\*, 16\*: 4. 3\*: 8. 24: 22. 19.  
 Jd. 1. 35\*\*†: 5. 17†: 17. 8\*†, 9\*†: 18. 10†: 19. 26.  
 Ru. 1. 7, 16\*, 17\*: 2. 9\*: 3. 4†.  
 I Ki. 3. 3\*: 6. 18: 9. 10: 10. 5: 14. 4†, 11, 47\*†: 19. 3\*: 20. 19 (subj.), 37: 22. 23\*: 23. 13\* (ind.), 22 bis: 26. 5: 29. 4, 10.  
 II Ki. 2. 23: 3. 12†: 11. 16: 15. 20 (ἐφ' οὐ)\*, 21\*, 32: 17. 12\*: 23. 4†.  
 III Ki. 4. 28 (5. 8)\*: 5. 9 (23)\*: 7. 7: 8. 47, 48: 13. 25, 31: 16. 24: 18. 10.  
 IV Ki. 8. 1\* (ind.): 12. 5 (6)\*: 19. 12†: 23. 7, 8.  
 I Ch. 18. 6: 15. 12.  
 II Ch. 1. 3: 3. 1: 6. 37: 8. 11.  
 I Es. 4. 63: 6. 26.  
 II Es. 1. 4: 6. 3, 5†.  
 Ne. 4. 20 (14)\*.  
 To. 6. 8†: 13. 5\*†.  
 Ju. 5. 19\*\*, 19: 8. 22\*: 12. 1†: 14. 17.  
 Es. 2. 14\*\*†: 4. 3: 8. 17\*† bis.  
 Jb. 10. 21†: 31. 12\*: 38. 26\*\*, 26: 39. 30\*.  
 Ps. 18 (14). 5†: 52 (58). 5: 77 (78). 60†: 83 (84). 3: 131 (132). 7.  
 Pr. 11. 2\*: 12. 7\*: 14. 4, 4\*: 17. 8\*: 19. 23†: 21. 1\*\*†.  
 Ec. 1. 7†: 11. 3.

Si. 4. 13: 15. 16\*: 23. 21†: 29. 24: 34 (31). 14\*: 36. 30 (27) bis, 31 (28)\*: 41. 19.  
 Ho. 1. 10 (2. 1).  
 Jl. 3 (4). 7.  
 Na. 2. 11 (12)†.  
 Is. 5. 10: 7. 23\*: 10. 9: 15. 2\*\*†: 32. 20.  
 Je. 7. 10, 11, 12, 14†, 30: 8. 3\*†: 13. 7: 16. 15†: 19. 14: 22. 12, 26†: 23. 3, 8†: 24. 9: 26 (46). 28†: 27 (50). 38†: 39 (32). 34†, 37: 41 (34). 15: 44 (37). 21: 49 (42). 22†: 51. 35 (45. 5)\*.  
 Ba. 2. 4, 13, 26, 29: 3. 8.  
 Ez. 1. 12\* (ind.)†, 20\*: 6. 9, 13: 8. 3: 11. 16\*, 17†: 12. 16: 20. 34, 41†: 21. 16 (21)\*: 23. 21\*\*†: 28. 25: 29. 13: 34. 12: 36. 20, 21, 22: 37. 21, 25: 46. 20, 24.  
 Da. LXX. Su. 28.  
 Da. TH. 9. 7.  
 I Ma. 5. 63: 6. 36\* (ind.)†, 36\* (ind.), 57: 13. 20\*† (ind.): 14. 33.  
 II Ma. 1. 33: 2. 4.  
 III Ma. 3. 29\*.  
 [Aq. III Ki. 7. 7 (44): IV Ki. 8. 1: 28. 7: Ps. 83 (84). 4: Je. 48 (50). 5: 44 (51). 14: Ez. 10. 11 (ruly) (Sw.).]  
 [Sm. IV Ki. 8. 1\*: Ec. 11. 3: Je. 7. 12: Ez. 10. 11.]  
 [Th. IV Ki. 8. 1\* (ind.): Ps. 52 (53). 6: Je. 29 (36). 14, 18: 48 (50). 5: Ez. 8. 5\*\* (Sw.): 10. 11\* (ind.): Da. 8. 22†.]  
 οὐαγίθ.  
 [Hob. Ps. 48 (49). 4.]  
 οὐαδοῦ.  
 [Hob. Ps. 45 (46). 11.]  
 οὐαθέτ.  
 [Hob. Ps. 43 (44). 19.]  
 οὐαί. (1) ὡς (2) ὡς (3) α. ἡ δ. ἡ  
 c. ἡ d. ἡ  
 Nu. 21. 29. οὐαί σοι, Μωῶθ (1)  
 I Ki. 4. 8 (7), 8. οὐαί ἡμῖν (1)  
 — 21. ἐκάλεσε τὸ παιδάριον Οὐ. βαρχαβῶθ (2)  
 [Aq. χαβ.]  
 III Ki. 12. 24. οὐαί κύριε (3b)  
 13. 30. οὐαί ἀδελφε (3b)  
 To. 10. 5. οὐαί μοι, τέκνον [A B al.]  
 Ju. 16. 17. οὐαί ἔθνησιν ἐπανοσταμένοις τῷ γένει μου  
 Jb. 31. 3. οὐαί ἀπόλεια τῷ δίκῳ †  
 Pr. 23. 29. τίνοι οὐαί: τίνοι θόρυβος (1)  
 Ec. 4. 10. οὐαί αὐτῶ τῷ ἐνὶ σταν πέση (2)  
 10. 16. οὐαί σοι, πόλις (2)  
 Si. 2. 12. οὐαί καρδίαις δειλαῖς καὶ χερσὶ παρεμμέναις  
 — 13. οὐαί καρδίᾳ παρεμμένῃ  
 — 14. οὐαί ὕμιν τοῖς ἀπολωλεκόσι τὴν ὑπομονήν  
 41. 8. οὐαί ὕμιν, ἀνδρες ἀσεβεῖς  
 Ho. 7. 13. οὐαί αὐτοῖς διὰ ἀπεπληθυσαν (1)  
 9. 12. οὐαί αὐτοῖς ἐστί (1)  
 Am. 5. 16. ῥηθήσεται, Οὐαί οὐαί (3a, 3a)  
 — 18. οὐαί οἱ ἐπιθυμοῦντες τὴν ἡμέραν κ. (3b)  
 6. 1. οὐαί τοῖς ἐξουθενούσι Σ. (3b)  
 Mi. 7. 4. οὐαί οὐαί αἱ ἐκδικήσεις σου ἦκασι —, —  
 Na. 3. 17. Α οὐαί [B S om.] αὐτοῖς †, —  
 Hb. 2. 6. οὐαί οἱ πληθύνοντες ἐαυτῶ (3b)  
 — 12. οὐαί οἱ οικοδομῶν πόλιν (3b)  
 — 19. οὐαί οἱ λέγων τῷ ἑλψῷ (3b)  
 Ze. 2. 5. οὐαί οἱ κατοικοῦντες (3b)  
 3. 18. οὐαί τίς ἔλαβεν ἐπ' αὐτὴν οὐκείαν †  
 Is. 4. 4. οὐ. ἔθνος ἀμαρτωλῶν (3b)  
 — 24. οὐ. οἱ ἰσχυροὶ Ἰσραὴλ [A Ἱερουσαλήμ] (3b)  
 3. 9. οὐ. τῇ ψυχῇ αὐτῶν (1)  
 — 11. οὐ. τῷ ἀνόμῳ (1)  
 5. 8. οὐ. οἱ συνάπτοντες οἰκίαν πρὸς οἰκίαν (3b)  
 — 11. οὐ. οἱ ἐγειρόμενοι τὸ πρῶτον (3b)  
 — 18. οὐ. οἱ ἐπισπόμενοι τὰς ἀμαρτίας (3b)  
 — 20. οὐ. οἱ λέγοντες τὸ ποιῆσθαι καλόν (3b)  
 — 21. οὐ. οἱ συνετοὶ ἐν ἑαυτοῖς (3b)  
 — 22. οὐ. οἱ ἰσχυροὶ ὕμιν (3b)  
 10. 1. οὐ. τοῖς γράφουσιν πορνείαν (3b)  
 — 5. οὐ. Ἀσσυρίοις (3b)  
 17. 12. οὐ. πλῆθος ἐθῶν πολλῶν (3b)  
 18. 1. οὐ. γῆς πλοίων πτέρυγες (3b)  
 24. 16. οὐ. τοῖς ἀδελφοῖς (1)  
 28. 1. οὐ. τῷ στεφάνῳ τῆς ὕβρεως (3b)



Jb. 4. 7. Α οὐδεὶς [B τίς] καθάρως ὦν ἀπώλετο (18)  
— 12. οὐδὲν ἂν σοι τούτων κακῶν ἀπήτησεν [A al.] +  
10. 13. ἀδυνατεὶ δέ σοι οὐδὲν [A -δεν] -  
13. 10. οὐδὲν ἤττον ἐλέγξει ὑμᾶς +  
14. 4. ἀλλ' οὐδεὶς ἐάν καὶ μία ἡμέρα ὁ βίος αὐ. [A al.] (9 a + 1 a)  
— 16. οὐ μὴ παρὰ ληθ σε οὐδὲν τῶν ἀμαρτιῶν μου -  
15. 3. ἐν λόγοις οὐδὲν ἀβελος (9 a)  
— 5. B οὐδὲν διέκριμας ῥήματα δυναστῶν [AB al.] -  
16. 18. ἀδικον δὲ οὐδὲν ἦν ἐν χειρὶ μου (9 a)  
21. 25. οὐ φαγῶν οὐδὲν [B' om., B' -θὲν] ἀγαθόν -  
— 34. τὸ δὲ ἐμὲ καταπαύσασθαι ἀφ' ὑμῶν οὐδὲν [A al.] +  
24. 25. καὶ θῆσαι εἰς οὐδὲν [A -θὲν] τὰ ῥήματά μου (4)  
26. 7. ἐκτείνων βορέαν ἐπ' οὐδὲν κρεμάζων γῆν ἐπὶ οὐδενός (14, 5)  
27. 15. A B γῆρας δὲ αὐτῶν οὐδεὶς [B S οὐδ.] ἔλθει (9 a)  
31. 37. οὐδὲν [A οὐδ.] λαβὼν παρὰ χρεωφιλέτου +  
34. 21. λαλήσῃ δὲ αὐτὸν οὐδὲν ὡν πρᾶσσουσιν (B ?)  
39. 34 (40. 4). ἀκούων τοιαῦτα οὐδὲν ὦν [A al.] -  
— 41. 17 (18). οὐδὲν [AS' οὐ. οὐ] μὴ ποιήσωσι δόρυ (16)  
— 24 (25). οὐκ ἔστιν οὐδὲν ἐπὶ τῆς γῆς ὅμοιον αὐτῷ -  
42. 2. A B ἀδυνατεὶ δέ σοι οὐδὲν [B S -θὲν] (12)  
— 7. οὐ γὰρ ἐλαλήσατε ἐνώπιόν μου ἀληθεῖς οὐδὲν -  
— 8. A οὐ γὰρ ἐλαλήσατε κατὰ τοῦ θεράποντός μου ἰσὺς οὐδὲν ἀγαθόν [B S al.] -  
Ps. 22 (23). 1. οὐδὲν με ὑστερεῖ [B οὐ μὴ ὑστερήσῃ] (9 a)  
38 (39). 5. AS' B ἡ ὑπόστασις μου ὥσπερ οὐδὲν [B S' οὐδ.] ἐνώπιόν σου (2)  
75 (76). 5. οὐκ εὐρον οὐδὲν πάντες οἱ ἄνθρωποι τοῦ πλοῦτου -  
138 (139). 16. A B καὶ οὐδεὶς [B S οὐδ.] ἐν αὐτοῖς (9 a + 1 a)  
Pr. 3. 15. οὐκ ἀντιτάσσεται αὐτῇ οὐδὲν πονηρὸν -  
6. 35. οὐκ ἀνταλλάσσεται οὐδενός λυτрон τὴν ἔχθραν (8)  
8. 8. οὐδὲν ἐν αὐτοῖς σκολιόν (2)  
12. 21. οὐκ ἀρίστη τῷ δικαίῳ οὐδὲν ἀδικον (8)  
13. 13. οὐκ δολίφῳ οὐδὲν ἔστιν ἀγαθόν -  
21. 10. ψυχή ἀσέβους οὐκ ἐλεθθήσεται ὑπ' οὐδενός τῶν ἀνθρώπων +  
24. 23 (29. 27). οὐδὲν ψεύδος ἀπὸ γλώσσης αὐτοῦ οὐ μὴ ἐξέληθ -  
— 55 (30. 20). οὐδὲν φησι πεπραχέναι ἄπονον (9 a)  
26. 2. οὐτως ἀρὰ ματαῖα οὐκ ἐπελεύσεται οὐδενὶ -  
27. 4. B S οὐδένα [A B οὐδὲν] ὑφίσταται (ἦλος) +  
— 14. καταρμένον οὐδὲν διαφείρειν δόξαι (18)  
Ec. 3. 19. τί ἐπερίσσειον ὁ ἄνθρωπος παρὰ τὸ κτήνος; οὐδὲν [A' οὐδεν] (2)  
5. 13. οὐκ ἔστιν ἐν χειρὶ αὐτοῦ οὐδὲν (10)  
— 14. οὐδὲν οὐ [A om.] λήψεται ἐν μάχῳ αὐτοῦ (10 [10 + 9 a])  
7. 15 (14). ἴνα μὴ εὕρῃ ἄνθρωπος ὅπως αὐτοῦ οὐδὲν [A B μηδὲν] (10)  
9. 5. οἱ μικροὶ οὐκ εἰσὶ γινώσκοντες οὐδὲν (10)  
Wi. 1. 8. φθεγγόμενος ἀδικα οὐδεὶς μὴ λάθῃ  
2. 4. οὐδεὶς μνημονεύει τῶν ἔργων ἡμῶν  
— 5. οὐδεὶς ἀναστρέφει  
3. 17. εἰς οὐδὲν λογισθήσονται  
4. 5. εἰς οὐδὲν ἐπιτήδειος  
5. 11. οὐδὲν εὐρίσκειται τεκμήριον πορείας  
— 13. ἀρετὴς μὲν ἡμεῖς οὐδὲν ἐρχομεν δεῖξαι  
7. 5. οὐδεὶς γὰρ βασιλεὺς [A -λέων] ἔτερον ἔσχε γενέσεως ἀρχῇ  
— 8. πλοῦτον οὐδὲν ἡγοράμην ἐν συγκρίσει αὐτῆς  
— 25. οὐδὲν μμαμμῶν ἐν αὐτῇ παρεμπίπτει  
— 28. οὐδὲν [A B οὐδὲν] γὰρ ἀγαπᾷ ὁ θεός  
8. 7. ὅν χρυσιωτέρων οὐδὲν ἔστιν ἐν βίῳ ἀνθρώπου  
9. 6. εἰς [B' om.] οὐδὲν [A οὐδὲν] λογισθήσεται  
11. 24. οὐδὲν [A -ἐνα] βδελύσσει ὡν ἐποίησας  
13. 13. τὸ δὲ ἐξ αὐτῶν ἀπὸβλημα εἰς οὐδὲν [A -δεν] εὐχρηστον  
15. 16. οὐδεὶς γὰρ αὐτῷ ὅμοιον ἄνθρωπος ἰσχύει πλάσαι θεόν [A B al.]  
17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατισχυε φωτίζειν  
— 12. οὐδὲν [A' S οὐδὲν, A' οὐδὲ] γὰρ ἐστὶ φάβος  
Si. 5. 8. οὐδὲν γὰρ ὠφέλιμος [A S' -σει σε] ἐν ἡμέρᾳ ἐπαγωγῆς

Si. 8. 16. ὡς οὐδὲν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ αἷμα  
15. 20. οὐκ ἐνετείλατο οὐδὲν ἀσπεῖν καὶ οὐκ ἔδωκεν ἄνυσιν οὐδὲν ὁμαρτίνειν  
18. 4. οὐθενὶ [A B' οὐδενὶ] ἐξέποιήσεν ἐξαγγελίαι τὰ ἔργα αὐτοῦ  
— 33. οὐδὲν σοὶ ἔστιν ἐν μαρτυρίῳ  
19. 7. οὐδὲν σοι οὐ μὴ ἐλαττωσῇ  
23. 18. οὐδεὶς με ὀρᾷ  
— 27. οὐδὲν κρείττον φόβου κυρίου καὶ οὐδὲν γλυκύτερον τοῦ προσέχειν ἐντολαῖς κυρίου  
27. 22. οὐδεὶς αὐτὸν [A -ὰ] ἀποστήσει ἀπ' αὐ. 81 (84). 14. B ὁ φοβούμενος κύριον οὐδὲν [B οὐ μὴ, A πολλά] εὐλαβηθήσεται  
39. 20. οὐδὲν [B' οὐκ, A B' οὐδὲν] ἐστὶ θαυμασίον ἐναντίον αὐτοῦ  
40. 6. ὀλίγον ὡς οὐδὲν ἐν ἀναπαύσει  
— 7. ἀποθανυμένων εἰς οὐδένα φόβον  
42. 21. A B B' καὶ οὐ [B' R οὐδὲ] προστεθήσῃ οὐδενός συμβούλου [B' ἀνδρὸς σ.]  
— 24. οὐκ ἐποίησεν οὐδὲν ἐκλείπον  
48. 12. οὐ κατεδυναστεύσεν αὐτὸν οὐδεὶς  
Ho. 2. 10 (12). οὐδεὶς οὐ μὴ ἐξέλθῃται αὐτὴν (8 b)  
7. 16. ἀπεστράφησαν εἰς οὐδὲν (9 a ?)  
Am. 6. 6. οὐκ ἔπασχον οὐδὲν ἐπὶ τῇ συντριβῇ Ἰ. —  
— 14 (13). οἱ εὐφρανόμενοι ἐπ' οὐδενὶ λόγῳ (9 a)  
Mi. 2. 11. κατεδιώχθητε οὐδενός [A οὐδ.] διωκόντων +  
Hb. 2. 5. AS' B ἄνθρωποι οὐδὲν [B S' -δεν] (9 a)  
μὴ περάσῃ  
Za. 1. 21 (2. 4). καὶ οὐδεὶς αὐτῶν ἤρε κεφαλὴν (3 a + 9 a)  
— 11. 5. οὐκ ἔπασχον οὐδὲν ἐπ' αὐτοῖς  
Is. 11. 9. οὐδὲ μὴ δύνανται ἀπολέσαι οὐδένα +  
14. 23. ἔσται εἰς οὐδὲν [B -θὲν] +  
33. 1. ὑμᾶς δὲ οὐδεὶς ποιεῖ ταλαιπώρους  
36. 21. οὐδεὶς ἀπεκρίθη αὐτῷ λόγον (9 a)  
39. 2. οὐκ ἦν οὐδὲν ὁ οὐκ ἔδειξε Ἐξέκίας (8)  
— 6. οὐδὲν [A om.] οὐ μὴ καταλείψουσιν (8)  
40. 17. πάντα τὰ ἔθνη εἰς οὐδὲν εἰσι καὶ εἰς οὐδὲν [B -δεν] ἐλογισθήσαν (2, 18 + 14)  
— 23. ὁ διδοὺς ἀρχοντας ὡς [A B εἰς] οὐδὲν ἀρχεῖν τὴν δὲ γῆν ὡς οὐδὲν ἐποίησεν (2, 14)  
— 26. ἐν κράτει ἰσχύος αὐτοῦ [A S om.] οὐδὲν σὺ ἔλασθαι (3 a + 9 a)  
41. 28. ἀπὸ γὰρ τῶν ἐθνῶν ἰδοὺ οὐδεὶς [A B -θείς] (2 + 3 a)  
44. 20. οὐδεὶς δύναται ἐξελεῖσθαι τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (9 a)  
47. 6. B' σὺ δὲ οὐκ ἔδωκας αὐτοῖς ἔλεος οὐδὲν [A B S' om.] -  
49. 4. εἰς μάταιον καὶ εἰς οὐδὲν [A S οὐθὲν] ἔδωκα τὴν ἰσχύν μου (7)  
57. 1. οὐδεὶς ἐκδέχεται τῇ καρδίᾳ . . . οὐδεὶς κατανοεῖ (2 + 3 a, 2)  
59. 4. οὐθεὶς [A S οὐδεὶς] λαλεῖ δίκαια  
63. 5. A S οὐθεὶς [B οὐκ ἦν] βοήθης (2)  
— 5. οὐθεὶς [B οὐδεὶς] ἀντελαμβάνετο (2)  
Je. 2. 6. A B' ἐν ᾧ οὐ διώδευσεν ἐν αὐτῇ οὐδὲν [B' ἀνὴρ, B ἀνθρώπος, B ἀνὴρ οὐ.] (8 b)  
3. 9. ἐγένετο εἰς οὐδὲν ἡ πορνεία αὐτῆς +  
4. 23. ἐπέβλεψα ἐπὶ τὴν γῆν καὶ ἰδοὺ οὐδὲν (17)  
13. 7. οὐ μὴ χρησθῇ εἰς οὐδὲν (8)  
— 10. οὐ χρησθήσεται εἰς οὐδὲν (8)  
15. 10. οὐτε ὠφέλησέ με οὐδεὶς [B' οὐδὲ εἰς] -  
27 (50). 32. B οὐδεὶς [A B S οὐκ] ἔσται ὁ ἀριστῶν (2)  
28 (51). 43. B οὐ κατισχεῖται ἐν αὐτῇ οὐδεὶς [A B οὐδὲ εἰς] (8 + 8 b)  
30 (49). 4. B' οὐδεὶς [A B S' τίς] εἰσελεύσεται ἐπ' ἐμέ (18)  
39 (32). 17. οὐ μὴ ἀποκριθῇ ἀπὸ σοῦ οὐδὲν (8 + 6)  
49 (42). 17. οὐκ ἔσται αὐτῶν οὐδεὶς σωζόμενος +  
51 (44). 14. A B οὐκ ἔσται σισσωμένοις οὐδεὶς [B S -θείς] τῶν ἐπιλοιπῶν +  
Ep. Je. 19. ὡν οὐδένα [A οὐ] δύνανται ἰδεῖν  
— 45. οὐδὲν ἄλλο μὴ γέννηται [A al.]  
— 51. οὐδὲν θεοῦ [A οὐν] ἔργον ἐν αὐτοῖς ἐστὶ  
— 69. κατ' οὐδένα οὐν τρόπον ἐστὶν ἡμῖν φανερόν  
— 70. προβασκάνιον οὐδὲν φυλάσσει  
Ez. 44. 2. οὐδεὶς μὴ διέλθῃ δι' αὐτῆς (3 b)  
Da. LXX. 2. 10. οὐδεὶς τῶν ἐπὶ τῆς γῆς δυνήσεται (9 d)  
— 11. οὐδεὶς ἐστὶν δε δὴ λῶσαι (9 e)  
3. 25 (92). φθορά οὐδεμία ἐγενήθη ἐν αὐτοῖς (9 b)  
4. 30. οὐκ ὑστερεῖται ἀπὸ πάντων τούτων οὐδὲν -

Da. LXX. 5. 8. οὐκ ἡδύνατο οὐδεὶς τὸ σύγκριμα . . . ἀπαγγεῖλαι -  
6. 5 (4). ἐπεὶ οὐδεμίαν ἀμαρτίαν . . . ἠύρισκον (8)  
8. 27. οὐδεὶς ἦν ὁ διανοούμενος (2)  
10. 21. οὐδεὶς ἦν ὁ βοηθῶν μετ' ἐμοῦ (2 + 1 a)  
Bel 4. οὐδένα σέβουμαι ἐγώ  
— 6. οὐδὲν βίβρακε πάποτε οὗτος  
— 13. οὐθενός τῶν ἐκτός αὐτοῦ εἰδότες  
Da. TH. Su. 16. οὐκ ἦν οὐδεὶς ἐκεῖ  
— 20. οὐδεὶς θεωρεῖ ἡμᾶς  
4. 32. ὡς οὐδὲν ἐλογισθήσων (9 c)  
I Ma. 4. 5. καὶ οὐδένα εὖρε  
6. 48. οὐδεὶς κακοποιήσει ὑμᾶς  
— 54. οὐκ ἔπαισαν ἐξ αὐτῶν οὐδεὶς  
8. 14. A B οὐκ ἐπίθετο οὐδεὶς αὐτῶν [B αὐ. οὐδὲ εἰς] διάδημα  
— 26. S B οὐθὲν [A οὐδεν] λαβύντες  
10. 35. οὐκ ἔξει ἐξουσίαν οὐδεὶς  
11. 36. A οὐκ ἀθέτησται οὐδὲν [B B οὐδὲ ἐν] τούτων  
— 38. S B οὐθὲν [A -θὲν] αὐτῷ ἀνθεισθήκει  
14. 44. οὐκ ἐξίσταται οὐδενὶ [B' οὐθὲν] τοῦ λαοῦ  
15. 14. οὐκ ἔλασαν οὐδένα ἐκπορεύεσθαι  
II Ma. 4. 15. τὰς μὲν πατρώους τιμὰς ἐν οὐδενὶ τιθέμενοι  
— 25. τῆς μὲν ἀρχιερωσύνης οὐδὲν ἄξιον φέρων  
— 27. τῶν δὲ . . . χρημάτων οὐδὲν εὐτάκεις  
— 40. οὐδὲν δὲ ἤττον καὶ τὴν ἀνοίαν  
7. 12. ὡς ἐν οὐδενὶ τὰς ἀληθύναντες ἐτίθετο  
9. 10. παρακομίζεις οὐδεὶς ἐδύνατο  
11. 31. οὐδεὶς αὐτῶν κατ' οὐδένα τρόπον παρενοχλήθησεται  
14. 23. ἐπραττεν οὐδὲν ἄπονον  
15. 27. κατέστρωσαν οὐδὲν ἤττον μυριάδων τριῶν  
III Ma. 1. 13. οὐθεὶς ἐκώλυσε τῶν παρόντων  
8. 8. οἱ δὲ κατὰ τὴν πόλιν Ἑλλὰ, οὐδὲν ἡδικημένοι  
— 19. οὐδὲν γνήσιον βούλονται φέρειν  
5. 42. τὰς . . . μεταβολὰς τῆς ψυχῆς παρ' οὐδὲν ἡγοίμενος  
IV Ma. 5. 16. οὐδεμίαν ἀνάγκην βαιοτέραν εἶναι νομίζομεν  
— 17. κατ' οὐδένα τρόπον παρανομεῖν ἀξιούμεν  
6. 5. κατ' οὐδένα τρόπον μετετρέπετο  
7. 3. κατ' οὐδένα τρόπον μετέτρεψε  
— 20. οὐδὲν οὐν ἐναντιοῦται  
8. 11. οὐδὲν ὑμῖν ἀπειθήσασι . . . ἀπόκειται  
— 27. τούτων οὐδὲν εἶπον  
14. 4. οὐδεὶς ἐκ τῶν ἐπὶ τὰ μερικῶν  
15. 11. ἐπ' οὐδενός αὐτῶν τὸν λογισμὸν αὐ. . . μετατρέψαι  
16. 6. οὐδενός [B οὐδὲ ἐνός] μήτηρ γεγέννηται  
— 11. οὐδένα ἀποφύετο ἡ ἱερὰ . . . μήτηρ  
18. 5. ὡς γὰρ οὐδὲν οὐδαμῶς ἰσχυσεν  
[Aq. Ge. 1. 2: 41. 44: Is. 34. 11: 47. 15: Je. 4. 23: 34 (41). 9.]  
[Sm. Le. 27. 26: I Ki. 20. 21: Jb. 15. 15: 26. 14: 35. 3: Ps. 38 (39). 6: 58 (59). 8: 72 (73). 2: 138 (139). 16: Ec. 7. 25 (24): Is. 47. 15: 52. 4: 63. 3: Je. 8. 6: 15. 13: 34 (41). 9: 88 (45). 5.]  
[Th. Ge. 1. 2 δις: Jb. 24. 25: 26. 7: Ps. 118 (119). 119: 138 (139). 16: Is. 41. 29: 47. 15: Je. 15. 10: 39 (46). 10.]  
[Al. Jo. 1. 5.]  
[Quint. Ps. 118 (119). 119.]  
οὐδένωσις.  
[Th. Is. 34. 11.]  
οὐδέποτε. (1) נָל (2) נָל  
Ex. 10. 6. ἃ οὐ, ἐπαράκαυσιν οἱ πατέρες σου (1)  
III Ki. 1. 6. οὐκ ἀπεκόλυπεν αὐτὸν . . . οὐ. (2)  
Wi. 15. 17. αὐτὸς μὲν ἔζησεν ἐκεῖνα δὲ οὐδέποτε  
Da. TH. Bel 7. οὐ βίβρακεν οὐ. [A al.]  
II Ma. 6. 16. οὐ, μὲν τὸν ἔλεον αὐ. ἀφ' ἡμῶν ἀφίστησι  
[Th. Da. 14. 6.]  
οὐδέποτε. (1) נָל  
Ex. 9. 30. ἐπίσταμαι ὅτι οὐ, πεφόβησθε τὸν κ. (1)  
οὐδός.  
[Aq. Ez. 9. 3: 10. 18.]  
[Sm. Ez. 9. 3: 10. 18: 40. 5 (P.), 6 δις. 7.]  
[Al. Ez. 47. 1.]  
οὐαβηνού.  
[Heb. Ho. 11. 1.]



<b>οὐεσσάκη.</b> [Heb. Ge. 33. 4.]	Is. 17. 2. <b>Β</b> οὐκένι [AB οὐκ] ἔσται ὁ δῶκων (1) — 3. οὐ. ἔσται ὀχυρὰ τοῦ καταφυγῆναι Ἐφραὶμ καὶ οὐ. [A B add. ἔσται] βασιλεία ἐν Δαμασκῷ (7 b, -)	Am. 8. 2. <b>Α</b> οὐ. μὴ προσθῶ [B οὐ προσθήσω ἐτι] τοῦ παρελθεῖν (3 b)
<b>οὐζῶθ.</b> [Heb. Ma. 2. 13.]	23. 1. οὐ. ἔρχονται ἐκ γῆς Κιταίων (5) — 10. πλοῖα οὐ. ἔρχεται ἐκ Καρχηδόνας (1 + 6 a) — 11. ἡ δὲ χεὶρ σου οὐ. ἰσχύει κατὰ θάλασσαν — (4 + 6 a) 29. 17. οὐ. μικρὸν καὶ μετατεθήσεται (4 + 6 a) 32. 3. οὐ. ἔσονται πεποιθότες ἐπ' ἀνθρώπους (4) 40. 28. <b>Β</b> καὶ νῦν οὐ. γνώσει [A B al.] (4) 47. 1. οὐ. προστεθήσῃ κληθῆναι ἀπαλὴ (4) 52. 1. οὐ. προστεθήσεται διελθεῖν διὰ σοῦ ἀπερίτμητος (4) 60. 18. <b>Β</b> οὐ. ἀκουσθήσεται ἀδικία [A B al.] (4 + 6 a) 62. 4. οὐ. κληθήσῃ Κατακλημμένη (4 + 6 a) Je. 11. 19. τὸ ὄνομα αὐτοῦ οὐ μὴ μνηστῆ οὐ. [A ἐτι] (6 b) 15. 6. οὐ. ἀνήσω αὐτούς (4) 22. 11. <b>Α</b> οὐκ ἀναστρέψει [B ἀνακίψει] ἐκεῖ οὐ. [B ἐτι] (6 b) 23. 20. καὶ οὐ. ἀποστρέψει ὁ θυμὸς κυρίου (4) 27 (50). 39. οὐ μὴ κατοικήσῃ οὐ. εἰς τὸν αἰῶνα (6 b) 49 (42). 18. οὐ μὴ ἴδῃτε οὐ. τὸν τόπον τούτου (6 b) Ez. 12. 24. <b>Α</b> οὐ. ἔσται πᾶσα ἔρασις ψευδῆς [B al.] (4 + 6 a) — 28. οὐ μὴ μεκύνωσιν οὐ. πάντες οἱ λόγοι μου (6 b) 32. 21. οὐ. ἔσονται ἐν χειρὶ ὡμῶν εἰς στροφὴν (4 + 6 a) 16. 41. <b>Β</b> μισθώματα οὐ μὴ δώσω [A B ὄψις] οὐ. (6 b) — 42. οὐ μὴ μερμῆσω οὐ. (6 b) 30. 39. τὸ ὄνομα μου τὸ ἄγιον οὐ βεβηλώσετε οὐ. (6 b) 21. 5 (10). οὐκ ἀποστρέψει οὐ. (6 b) 23. 27. Ἀλγύπτου οὐ μὴ μνηστῆς οὐ. (6 b) 24. 27. οὐ μὴ ἀποκοφώθῃς οὐ. (6 b) 26. 13. <b>Α</b> ἡ φωνὴ τῶν ψαλτηρίων σου οὐ μὴ ἀκουσθῇ ἐν σοὶ οὐ. [B α. ἐτι] (6 b) 27. 36. οὐ. ἔσῃ εἰς τὸν αἰῶνα (1) 28. 24. καὶ οὐκ ἔσονται οὐ. ἐν [A κ. οὐ. ἐ.] τῷ οἴκῳ τοῦ Ἰσρ. σκόλοψ (6 b [4 + 6 a]) 29. 16. <b>Α</b> οὐ. ἔσονται τῷ οἴκῳ Ἰσραὴλ εἰς ἑλπίδα [B al.] (4 + 6 a) 30. 13. <b>Α</b> οὐκ ἔσονται οὐ. [B ἐτι] (6 b) 34. 10. <b>Α</b> οὐ. ἔσονται αὐτοὶ εἰς κατάβρωμα [B al.] (4) — 22. <b>Α</b> οὐ. ἔσονται [B οὐ μὴ ὄσιν] ἐτι εἰς προνομίην (4) — 28. <b>Α</b> οὐ. ἔσονται [B <sup>1</sup> οὐκ ἔ. οὐ., B <sup>1</sup> B οὐκ ἔ. ἐτι] ἐν προνομίᾳ (4 + 6 a [6 b]) — 29. οὐ. ἔσονται ἀπολλόμενοι λιμῷ (4 + 6 a) 36. 14. ἀνθρώπους οὐ. φάγεται καὶ τὸ ἔθνος σου οὐκ ἀτεκνώσει σε οὐ. [B al.] (4 + 6 a, 6 b) — 15. οὐκ ἀκουσθήσεται οὐ. ἐφ' ὡμᾶς ἀτιμία ἐθνῶν (6 b) 37. 22. <b>Α</b> οὐκ ἔσονται οὐ. [B ἐτι] εἰς δύο ἔθνη (6 b) — 22. οὐδὲ μὴ διαιερωθῶσιν οὐ. εἰς δύο βασιλείας (6 b) 39. 7. οὐ βεβηλώθησεται τὸ ὄνομα μου τὸ ἅγιον οὐ. (6 b) — 29. οὐκ ἀποστρέψω οὐ. τὸ πρόσωπόν μου ἀπ' αὐτῶν (6 b) 43. 7. οὐ [A οὐ μὴ] βεβηλώσουσιν οὐ. οἶκος Ἰσραὴλ τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν μου (6 b) 45. 8. οὐ καταδυναστεύουσιν οὐ. οἱ ἀφηγούμενοι τοῦ Ἰσραὴλ τὸν λαόν μου (6 b) Da. LXX. 8. 7. οὐ. ἦν ἰσχύς ἐν τῷ κριφ (4) II Ma. 9. 13. πρὸς τὸν οὐ. αὐτὸν ἐλείψεται δεσπότην [Aq., Th. Jb. 7. 8 : Ez. 26. 21.] [Sm. Ge. 4. 12 : II Ki. 9. 3 : Ps. 40 (41). 9 : 87 (88). 6.] [Sam. Ex. 32. 18 dis.] [Quint. CA. 8. 1.] [Al. Ez. 34. 29.]	— 3. οὐκένι [A οὐ] μὴ μάθωσι πολεμεῖν (3 b) 5. 13 (12). <b>Α</b> B οὐ. μὴ προσκνήσεις [B -σῃς] (3 b) Ze. 3. 11. οὐ. μὴ προσθῇς τοῦ μεγαλυνῆσαι (3 b) Is. 10. 20. οὐ. μὴ πεποιθότες ὄσιν — 23. 12. οὐ. μὴ προστεθῇ τοῦ ὑβρίξειν (3 b) 30. 20. οὐ. [A add. οὐ] μὴ ἐγγίσωσί σοι (3 b) 32. 5. οὐ. [A add. οὐ] μὴ εἰπωσί τῷ μωρῷ ἄρχην (3 b) — 5. οὐ. [A add. οὐ] μὴ εἰπωσιν οἱ ὑπηρέται σου (8 a) — 10. οὐ. μὴ ἔλθῃ (2 b) 38. 11. οὐ. μὴ ἴδῃ τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ [A B <sup>1</sup> al.] (3 a) — 11. B οὐ. μὴ ἴδῃ τὸ σωτήριον τοῦ Ἰσρ. — — 11. οὐ. μὴ ἴδῃ ἄνθρωπον [A B <sup>1</sup> al.] (3 b) 47. 3. οὐ. μὴ παραδῷ [B add. σε] ἀνθρώποις (3 a) — 5. οὐ. μὴ κληθήσῃ [B -θῇς] Ἰσχύς βασιλείας (3 c) 65. 19. οὐ. μὴ ἀκουσθῇ ἐν αὐτῇ φωνὴ κλαυθμοῦ (3 b) — 20. B <sup>1</sup> καὶ οὐ. μὴ γένηται [A B B <sup>1</sup> al.] (3 b) Ez. 7. 13. πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐ. μὴ ἐπιστρέψει [A al.] (3 a) 12. 23. οὐ. μὴ εἰπωσιν τὴν παραβολὴν ταύτην (3 b) 34. 28. τὰ θηρία τῆς γῆς οὐ. μὴ φάγωσιν [A πτωχεύει] αὐτούς (3 a) <b>οὐκέτι οὐ μή.</b> (1) Ἰ <sup>Ν</sup> (2) Ἰ <sup>Ν</sup> (3) Ἰ <sup>Ν</sup> Ἰ <sup>Ν</sup> To. 6. 7. <b>Α</b> οὐ. οὐ μὴ ὀχληθῇ [B S al.] Ps. 38 (39). 13. <b>Α</b> οὐ. οὐ [B S om.] μὴ ὑπάρξω (1) Mi. 4. 3. <b>Α</b> οὐ. οὐ μὴ ἄρῃ ἔθνος ἐπ' ἔθνος ῥομφαίαν [B al.] (2) Is. 23. 12. <b>Β</b> οὐ. οὐ [B S om.] μὴ προστεθῇ τοῦ ὑβρίξειν (3) 30. 20. <b>Α</b> οὐ. οὐ [B S om.] μὴ ἐγγίσωσί σοι (3) 32. 5. <b>Α</b> οὐ. οὐ [B S om.] μὴ εἰπωσί τῷ μωρῷ — 5. <b>Α</b> οὐ. οὐ [B S om.] μὴ εἰπωσιν οἱ ὑπηρέται σου (3) 38. 11. <b>Α</b> B <sup>1</sup> οὐ. οὐ μὴ ἴδῃ τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ [B S <sup>1</sup> al.] (2) — 11. <b>Α</b> B <sup>1</sup> οὐ. οὐ μὴ ἴδῃ ἄνθρωπον [B S <sup>1</sup> al.] (3) Je. 38 (31). 40. οὐ. οὐ μὴ ἐκλίπῃ (2) Ez. 7. 13. <b>Α</b> πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐ. οὐ μὴ ἐπιστρέψῃ [B al.] (2) <b>οὐκοῦν.</b> IV Ki. 5. 23. <b>Α</b> οὐκοῦν [B om.] λάβε διτάλαντον + — 23. <b>Α</b> οὐκοῦν λάβε διτάλαντον — [Sm. IV Ki. 5. 23.]
<b>οὐλά.</b> [Heb. Ps. 91 (92). 7.]		<b>οὐλά.</b> [Heb. Ps. 91 (92). 7.]
<b>οὐλακέθ.</b> [Heb. Ma. 2. 13.]		<b>οὐλακέθ.</b> [Heb. Ma. 2. 13.]
<b>οὐλάμ.</b> (1) Ὁ <sup>Λ</sup> Ν		<b>οὐλάμ.</b> (1) Ὁ <sup>Λ</sup> Ν
Ge. 28. 19. <b>Β</b> οὐλάμ Λουζ [A Οὐλαμᾶς] ἦν ὄνομα (1) Jd. 18. 29. ἦν οὐλάμ Ἀΐς ὄνομα τῆς πόλεως [A al.] (1) [Th. J.L. 2. 17.] [Al. I Ch. 28. 11 : II Ch. 8. 12.]		
<b>οὐλέθχ.</b> [Heb. Ho. 3. 2.]		<b>οὐλέθχ.</b> [Heb. Ho. 3. 2.]
<b>οὐλή.</b> (1) Ὁ <sup>Λ</sup> Ν (2) Ὁ <sup>Λ</sup> Ν		<b>οὐλή.</b> (1) Ὁ <sup>Λ</sup> Ν (2) Ὁ <sup>Λ</sup> Ν
Le. 13. 2. οὐ. σημασίας [A σημασία] τηλαγῆς (2) — 10. καὶ ἴδου οὐ. λευκὴ ἐν τῷ ὅσῳ (2) — 10. ἀπὸ τοῦ ἰγίου τῆς σαρκὸς . . . ἐν τῇ οὐ. (2) — 19. καὶ γίνονται ἐν τῷ τόπῳ . . . οὐ. λευκὴ (2) — 23. οὐ. τοῦ ἔλαους ἐστί (1) — 28. οὐ. τοῦ κατακαύματος ἐστί (1) 14. 56. κατὰ πᾶσαν ἀφῆν λέπρας . . . καὶ οὐλής (2)		
<b>οὐλοκόμος.</b> [Al. Le. 23. 40.]		<b>οὐλοκόμος.</b> [Al. Le. 23. 40.]
<b>οὐλος.</b> [Aq. Dt. 24. 21 (19).]		<b>οὐλος.</b> [Aq. Dt. 24. 21 (19).]
<b>οὐμαλαμά.</b> [Heb. Ps. 75 (76). 4.]		<b>οὐμαλαμά.</b> [Heb. Ps. 75 (76). 4.]
<b>οὐ μή.</b> <i>vid. sub</i> οὐ.		<b>οὐ μή.</b> <i>vid. sub</i> οὐ.

**οὐν.** \* **νὺν οὐν.**  
 Ge. 6. 14. 8. 21. 12. 12. 13. 16. 2. 18. 21. 19. 9\*. 22. 32†. 21. 23\*. 28. 4. 24. 49. 50†. 27. 3\*. 8\*. 33. 43\*. 29. 27. 32†. 30. 30\*. 31. 13\*. 16\*. 30\*. 44\*. 38. 13. 84. 8. 87. 20\*. 40. 8. 41. 24. 33\*. 48. 4. 44. 29. 30\*. 33\*. 45. 5\*. 8\*. 9. 61. 13. 46. 33. 47. 4\*. 19. 48. 5\*. 50. 5\*.  
 Ex. 1. 10†. 2. 20. 3. 16†. 18. 4. 1†. 4†. 23. 61. 5. 3. 5. 16. 18\*. 8. 10. (6). 17. (13). 19. (15). 28. (24). 9. 2. 17. 19\*. 28. 10. 17. 11. 2. 14. 6. 18. 19\*. 22. 9. (8)†. 27. (26). 32. 26. 33. 5\*. 13. Nu. 9. 7. 14. 3\*. 21. 7. 22. 33†. 24. 11\*.  
 De. 2. 3. 13\*. 24†. 3. 25. Jo. 1. 2\*. 7. 14. 12. 22. 4\*. 29. 23. 6. Jd. 1. 7. 13. 23†. 16. 10†. 17†. I Ki. 18. 2†. 20. 31\*. II Ki. 24. 13\*. III Ki. 21. (20). 31†. IV Ki. 18. 20†. 25†. II Ch. 32. 15†. 35. 3\*. I Es. 2. 5. 6. 19. 24\*. 26. 28†. 4. 14. 46. 6. 12. 21\*. 8. 11. 9. 51. II Es. 4. 13\*. 16†. To. 2. 5†. 11. 7†. Es. 1. 13. 17†. 19. 3. 9†. 13. 13†. 5. 4†. 8. 13. 13†. 14. 9. 12†. 19†. Jb. 1. 5†. 2. 3. 4. 7. 12†. 7. 7†. 11†. 8. 7. 9. 19. 10. 18. 12. 9. 16. 17†. 17. 4†. 15. 10. 6†. 22. 25†. 35. 7†. 36. 24†. Ps. 9. 35 (10. 14)†. Pr. 5. 7\*. 7. 24\*. 8. 32\*. 22. 21. Ec. 5. 3. Wi. 2. 6. 6. 1. 9. 11. 21. 12. 22. 27†. 13. 16. 17. 16. 18. 1†. Si. prol. 13. 22†. 29. 7†. Am. 2. 9†. Is. 30. 8\*. 40. 25\*. 57. 6. Ep. Je. 3. 5. 16. 23. 29. 40. 44. 46†. 49. 51†. 52. 56. 65. 69. 73. Da. LXX. Su. 54\*. 58\*. 2. 3. 8. 9\*. 3. 23. (24). 26. (93). 30. (97). 5. 6. 12. 6. Bel. 5. 12. Da. TH. Su. 54\*. 58\*. 2. 5†. 9. 3. 15\*. 4. 34\*. 5. 12\*. 16\*. 22†. 6. 8. (9)\*. I Ma. 2. 18†. 6. 12\*. 6. 13†. 58\*. 7. 7\*. 8. 32. 9. 30\*. 46\*. 58\*. 10. 71\*. 11. 34†. 37\*. 43\*. 12. 9. 11. 14. 16. 17. 23. 53\*. 15. 5\*. 19. 21. 30\*. II Ma. 1. 18†. 2. 15. 16. 61. 32. 8. 22. 4. 20. 3†. 37. 48. 5. 8. 21†. 6. 9. 12. 3†. 7. 40. 42. 9. 11. 26. 28. 10. 22. 28†. 11. 18. 19. 25. 26. 30. 12. 41. 15. 37. III Ma. 1. 27. 2. 1†. 31†. 3. 6. 11. 4. 1†. 15. 5. 9. 6. 29. IV Ma. 1. 5. 7. 10. 22. 28. 2. 24. 3. 9. 4. 26. 5. 19. 6. 31. 7. 20. 8. 7. 10. 9. 7. 13. 5. 16. 2. 22. 17. 20. [Aq. Jb. 10. 9. 88. 13. Is. 5. 4.] [Sm. Ge. 3. 23. (22)\*. Ex. 18. 5. Dt. 28. 14. (15). III Ki. 5. 2. (16). IV Ki. 10. 10. Jb. 7. 11. 33. 13. Ps. 38. (39). 8\*. 63. (64). 8. 70. (71). 22. 72. (73). 13. 77. (78). 31. 80. (81). 13. Ec. 5. 15. 17. 6. 8. Ez. 16. 53. Ho. 6. 3.] [Th. III Ki. 5. 2. (16). Jb. 10. 9. Da. 6. 8\*.] [Al. I Ki. 3. 14.] [Quint. Ho. 6. 3.]

**οὐόμρ.**  
 [Heb. Ho. 3. 2.]

**οὐπου.**  
 III Ma. 5. 26†.

**οὐπω.**  
 Ge. 15. 16†. 18. 12. 29. 7. I Es. 5. 53. Ec. 4. 3†. Is. 7. 17. II Ma. 7. 35. III Ma. 5. 26†. [Aq. Ex. 10. 7.] [Sm. Ex. 10. 7. I Ki. 3. 7.]

**οὐρά.** (1) **ῥῥῥ.**  
 De. 28. 13. εἰς κεφαλὴν καὶ μὴ εἰς οὐρανόν (1)  
 — 44. σὺ δὲ ἔσθι οὐρά [A. εἰς οὐρανόν] (1)  
 Jb. 40. 12 (17). ἔστησεν οὐρανὸν ὡς κυνάρμιον (1)

Jb. 40. 26 (31). οὐ μὴ ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐράς αὐτοῦ †  
 Is. 9. 14 (13). ἀφάει κύριος ἀπὸ Ἰσραὴλ κεφαλὴν καὶ οὐρανόν (1)  
 — 15 (14). προφήτην διδάσκοντα ἄνομα οὗτος ἡ οὐ. (1)  
 19. 15. ποιήσει κεφαλὴν καὶ οὐρανόν (1)  
 38. 12. B<sup>1</sup> καὶ πῶσιν οὐρανόν [A. B. B<sup>2</sup> οὐρον] †  
 [Al. Ex. 4. 4.]

**οὐραγείν.** (1) **ῥῥῥ.** pi.  
 Jo. 6. 8 (9). οἱ ἱερεῖς οἱ οὐραγούντες ὅπως τῆς κιβ. (1)  
 Si. 35. 11. ἐν ὥρᾳ ἐξεγείρου καὶ μὴ οὐράγει

**οὐραγία.** (1) **καταλαμβάνειν** τὴν οὐ. **ῥῥῥ.** pi.  
 (2) **κόπτεται** τὴν οὐ. **ῥῥῥ.** pi.  
 De. 25. 18. ἔκοψέ σου τὴν οὐ. (2)  
 Jo. 10. 19. καταλάβετε τὴν οὐ. αὐ. (1)

**οὐράνιος.** (1) **α.** **ῥῥῥ.** δ. **ῥῥῥ.**  
 De. 28. 12. A ἀνοίξαι σοὶ κ. τὸν θησαυρὸν . . . τὸν οὐ. [B. -νόν] (1 a)  
 I Es. 6. 15. ἤμαρτον εἰς τὸν κύριον τοῦ Ἰσρ. τὸν οὐ. Da. TH. 4. 23. ἀφ' ἧς ἂν γῆς τὴν ἐξουσίαν τὴν οὐ. [A. ἐπουρ.] (1 b)  
 II Ma. 7. 34. A ἐπὶ τοὺς οὐ. παῖδας ἐπαράμεινος χεῖρα [B. al.]  
 9. 10. τὸν . . . τὸν οὐ. ἀστράων ἀπτεσθαὶ δοκοῦντα  
 III Ma. 6. 18. ἠγάγε τις οὐ. πύλας  
 IV Ma. 4. 11. B ὅπως . . . τὸν οὐ. [A. B. ἐπου.] ἐξευ-  
 μενίσανται στρατῶν  
 9. 15. καὶ τῆς οὐ. δικίης ἐχθρῆ  
 11. 3. A. B. ὅπως . . . ὀφειλήσης τῇ οὐ. [B. ἐπου.]  
 δικη τιμωρίαν  
 [Sm. Ps. 77 (78). 24.]

**οὐρανόθεν.**  
 IV Ma. 4. 10. οὐ. ἐφίπτοι προφάνησαν ἄγγελοι

**οὐρανός.** \* (1) **α.** **ῥῥῥ.** δ. **ῥῥῥ.** (2) **ῥῥῥ.**  
 (3) **ῥῥῥ.** (4) **α.** **ῥῥῥ.** δ. **ῥῥῥ.** (5) **ἡ** ὁπ†  
 (ὁπὸ τὸν) οὐρανόν (-ῶν), τὰ ὅπ† οὐρανόν  
 α. **ῥῥῥ.** δ. **ῥῥῥ.** c. **ῥῥῥ.** d. **ῥῥῥ.**  
 (6) **ῥῥῥ.**  
 Ge. 1. 1. ἐποίησεν ὁ θεὸς τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
 — 8. ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα οὐρανόν (4 a)  
 — 9. συναχθῆναι τὸ ὕδωρ τὸ ὑποκάτω τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 9. συναχθῆναι τὸ ὕδωρ τὸ ὑποκάτω τοῦ οὐ. —  
 — 14. φωστῆρες ἐν τῷ στερέωματι τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 15. 17. ἐν τῷ στερέωματι τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 20. κατὰ τὸ στερέωμα τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 26. ἀρχέτωσαν . . . τὸν πετεινὸν τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 28. ἀρχετε . . . τὸν πετεινὸν τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 30. εἰς βρώσιν . . . πᾶσι τὸν πετεινὸν τοῦ οὐ. (4 a)  
 2. 1. καὶ συνετελέσθησαν ὁ οὐ. καὶ ἡ γῆ (4 a)  
 — 4. αὕτῃ ἡ βίβλος γενέσεως οὐρανοῦ (4 a)  
 — 4. ἡ ἡμέρα ἐποίησε . . . τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
 — 19. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 20. καὶ πᾶσι τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
 6. 7. ἔως τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 17. ἐν ᾧ . . . πνεῦμα ὡς ὑποκάτω τοῦ οὐ. (4 a)  
 7. 3. καὶ ἀπὸ τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 11. οἱ καταρράκται τοῦ οὐ. ἠρεψήθησαν (4 a)  
 — 19. τὰ ὄρη . . . ἂν ὑποκάτω τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 23. καὶ τῶν πετεινῶν τοῦ οὐ. (4 a)  
 8. 2. οἱ καταρράκται τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 2. καὶ συνεσχέθη ὁ νεφὺς ἀπὸ τοῦ οὐ. (4 a)  
 9. 2. B ἐπὶ πάντα τὰ πετεινὰ [A. ὄρεα] τοῦ οὐ. (4 a)  
 11. 4. οὐ ἔστιν ἐκ τῆς οὐ. (4 a)  
 14. 19. 22. δε ἐκτίσεν τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
 15. 5. B ἀνάβλεπον δὴ εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 19. 24. B ἔβλεψεν . . . ἐξ [A. ἐκ τοῦ] οὐ. (4 a)  
 21. 17. ἐκάλεσεν . . . τὴν Ἀγαρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 22. 11. ἐκάλεσεν αὐτὸν . . . ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 15. ἐκάλεσεν . . . τὸν Ἀβ. . . ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 17. ὡς τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐ. (4 a)  
 24. 3. τὸν θεὸν τοῦ οὐ. καὶ . . . τῆς γῆς (4 a)  
 — 7. ὁ θεὸς τοῦ οὐ. καὶ ὁ θεὸς τῆς γῆς (4 a)  
 26. 4. ὡς τοὺς ἀστέρας τοῦ οὐ. (4 a)  
 27. 8. τῆς δρόσου τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 39. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. ἀνωθεν (4 a)  
 28. 12. ἡς ἡ κεφαλὴ ἀφικνεῖτο εἰς τὸν οὐ. (4 a)

Ge. 28. 17. καὶ αὕτῃ ἡ πύλη τοῦ οὐ. (4 a)  
 40. 17. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. κατήσθην αὐτὰ —  
 — 19. φάγεται τὰ ὄρεα τοῦ οὐ. τὰς σάρκας —  
 49. 25. εὐλόγησέ σε εὐλογίαν οὐρανοῦ ἀνωθεν (4 a)  
 Ex. 9. 8. πασάτα Μωυσῆς εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 10. A<sup>2</sup> B ἔπασεν αὐτὴν Μωυσῆς εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 22. ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 23. ἐξέτεινε δὲ M. τὴν χεῖρα εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 29. A πρὸς τὸν θεὸν εἰς τὸν οὐ. [B. al.] —  
 10. 13. ἐπῆρε M. τὴν ῥάβδον εἰς τὸν οὐ. †  
 — 21. ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 22. ἐξέτεινε . . . τὴν χεῖρα εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 16. 4. ἐγὼ ὡς ὑμῖν ἄρτους ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 17. 14. ἐξαλείψω . . . ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ. (4 a)  
 19. 3. B ἐκάλεσεν αὐτὸν ὁ θ. ἐκ τοῦ οὐ. [A. B. δρους] †  
 20. 4. ὅσα ἐν τῷ οὐ. ἄνω (4 a)  
 — 11. τὸν [A. add. τε] οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
 — 22. ἐκ τοῦ οὐ. λελάθηκα πρὸς ὑμᾶς (4 a)  
 24. 10. ὥσπερ εἶδος στερέωματος τοῦ οὐ. (4 a)  
 31. 17. ἐποίησε κύριος τὸν [A. B<sup>2</sup> add. τε] οὐ. (4 a)  
 32. 13. ὥσει τὰ ἄσπρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει (4 a)  
 Le. 26. 19. θῆσω τὸν οὐ. ὑμῖν σιδηροῦν (4 a)  
 De. 1. 10. ὥσει τὰ ἄσπρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει (4 a)  
 — 28. τετελειωμένα ἔως τοῦ οὐ. (4 a)  
 2. 25. πάντων τῶν ἰθὺν τῶν ὑποκάτω τοῦ οὐ. (4 a)  
 8. 24. τίς γὰρ ἐστὶ θεὸς ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
 4. 11. τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρὶ ἔως τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 17. ὁ πέταται ὑπὸ τὸν οὐ. (4 a)  
 — 19. ἀναβλέψας εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 19. ἰδὼν . . . πάντα τὸν κόσμον τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 19. πᾶσι τοῖς ἔθνεσι τοῖς ὑποκάτω τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 26. διαμαρτύρομαι ὑμῖν σήμερον τὸν τε οὐ. (4 a)  
 — 32. ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ οὐ. ἔως ἄκρον [B<sup>2</sup> τοῦ δ.] τοῦ οὐ. (4 a, 4 a)  
 — 36. ἐκ τοῦ οὐ. ἀκουσθὲ ἐγένετο ἡ φωνὴ αὐ. (4 a)  
 — 39. οὗτος θεὸς ἐν τῷ οὐ. ἄνω (4 a)  
 5. 8. ὅσα ἐν τῷ οὐ. ἄνω (4 a)  
 — 14. B<sup>1</sup> ἐποίησεν κύριος τὸν τε οὐ. —  
 8. 19. A. B<sup>2</sup> B διαμαρτύρομαι ὑμῖν σήμερον τὸν τε οὐ. [B<sup>1</sup> al.] —  
 9. 1. καὶ τευχῆρες ἔως τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 14. ἐξαλείψω τὸν οὐ. αὐ. ὑποκάτωθεν τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 15. ἐκαίετο πυρὶ ἔως τοῦ οὐ. [A. om. ε. τ. οὐ.] —  
 10. 14. κ. τοῦ θεοῦ σου ὁ οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ. (4 a ter)  
 — 22. ὥσει τὰ ἄσπρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει (4 a)  
 11. 11. ἐκ τοῦ ὑέτου τοῦ οὐ. πῖται ὕδωρ (4 a)  
 — 17. καὶ συσχῇ τὸν οὐ. (4 a)  
 — 21. καθὼς αἱ ἡμ. τοῦ οὐ. ἐπὶ τῆς γῆς (4 a)  
 17. 3. ἡ πατὴρ τῶν ἐκ τοῦ κόσμου τοῦ οὐ. [A. al.] (4 a)  
 25. 19. ἐξαλείψεις τὸν οὐ. Ἄμ. ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ. (4 a)  
 26. 15. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 28. 12. ἀνοίξαι σοὶ κύριος . . . τὸν οὐ. [A. -άνιον] (4 a)  
 — 23. ἔσται σοὶ ὁ οὐ. . . χαλκοῦς (4 a)  
 — 24. χεῖς ἐκ τοῦ οὐ. καταβήσεται (4 a)  
 — 26. καταβήσονται τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 62. ὥσει τὰ ἄσπρα τοῦ οὐ. τῷ πλήθει (4 a)  
 29. 20 (19). ἐξαλείψει κύριος . . . ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ. (4 a)  
 30. 4. ἀπ' ἄκρου τοῦ οὐ. ἔως ἄκρου τοῦ οὐ. (4 a, —)  
 — 12. οὐκ ἐν τῷ οὐ. ἄνω ἐστὶ (4 a)  
 — 12. τίς ἀναβήσεται ἡμῖν εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 19. διημαρτύρομαι ὑμῖν . . . τὸν τε οὐ. (4 a)  
 31. 28. διαμαρτύρομαι αὐτοῖς τὸν τε οὐ. (4 a)  
 32. 1. πρόσχε, οὐρανέ (4 a)  
 — 40. ἀπὸ εἰς τὸν οὐ. τὴν χεῖρά μου (4 a)  
 — 43. εὐφράνθητε οὐρανοὶ ἅμα αὐτῷ (4 a)  
 33. 13. ἀπὸ ὧρῶν [A. ὄρεων] οὐρανοῦ (4 a)  
 — 26. ὁ ἐπιβαίνειν ἐπὶ τὸν οὐ. βοηθὲς σου (4 a)  
 — 28. ὁ οὐ. σοὶ συνηφῆς δρόσος (4 a)  
 Jo. 2. 11. B ὅς [A. B. θεός] ἐν οὐρανῷ ἄνω (4 a)  
 8. 20. καπνὸν ἀναβάνοντα . . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 21. B ἀνέβη ὁ καπνὸς . . . εἰς τὸν οὐ. —  
 10. 11. λίθους χαλᾶς ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 13. ἔσση ὁ ἥλιος κατὰ μέσον τοῦ οὐ. (4 a)  
 Jd. 5. 4. ὁ οὐ. ἔσταξε δρόσους (4 a)  
 — 20. ἐξ οὐρανοῦ παρετάξαντο οἱ ἀστέρες [A. al.] (4 a)  
 13. 20. ἐν τῷ ἀναβῆναι τὴν φλόγα . . . ἔως τοῦ οὐ. [A. εἰς τὸν οὐ.] (4 a)  
 — 20. A ἀνέβη . . . ἐν τῇ φλογὶ τοῦ θυσιαστ. εἰς τὸν οὐ. [B. al.] —  
 20. 40. ἀνέβη . . . ἔως οὐρανοῦ [A. εἰς τὸν οὐ.] (4 a)

- I Ki. 2. 10. κύριος ἀνέβη εἰς οὐρανούς (4 a)  
 5. 12. ἀνέβη ἡ κραυγὴ τῆς πόλ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 17. 44. δώσω τὰς σάρκας σου τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 46. δώσω τὰ κῶλὰ σου . . . τοῖς πετ. τοῦ οὐ. (4 a)  
 II Ki. 18. 9. ἐκρεμάσθη ἀνὰ μέσον τοῦ οὐ. (4 a)  
 21. 10. ἔσταζεν ἐπ' αὐτοὺς ὕδωρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 10. οὐκ ἔδωκε τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. καταπαύ-σαι (4 a)  
 22. 8. τὰ θεμέλια τοῦ οὐ. συνεταράχθησαν (4 a)  
 — 10. ἔκλινεν οὐρανοὺς (4 a)  
 — 14. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος (4 a)  
 III Ki. 8. 22. διεπέτασε τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 23. οὐκ ἔστιν ὡς σὺ θεὸς ἐν τῷ οὐ. ἄνω (4 a)  
 — 27. εἰ δ' οὐ. καὶ ὁ [A om.] οὐ. τοῦ οὐ. οὐκ ἀρκούντοί σοι (4 a ter)  
 — 30. εἰσακοῦσθ' . . . ἐν [A add. τῷ] οὐρανῷ (4 a)  
 — 32. 34. εἰσακοῦσθ' ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 33. ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐ. (4 a)  
 — 36. 39. 43. 45. 49. εἰσακοῦσθ' ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 53. ἤλιον ἐγνώρισεν ἐν οὐρανῷ —  
 — 54. αἱ χεῖρες αὐ. διαπεπτασμ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 12. 24 (cf. A 14. 11). B τὸν τεθνηκ. ἐν τῷ ἀργφ. καταβάγεται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. —  
 14. 11. A τὸν τεθνηκ. ἐν τῷ ἀργφ. καταβάγονται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
 16. 4. καταβάγονται αὐτὸν τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
 18. 36. ἀνέβησεν Ἡ. εἰς τὸν οὐ. —  
 — 38. ἔπεσε πῦρ . . . ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 45. ὁ οὐ. συνεσκότασε μεθέλωις (4 a)  
 20 (21). 24. φάγονται [A καταφ.] τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
 22. 19. πᾶσα ἡ στρατεία τοῦ οὐ. εἰστίκει περὶ αὐτὸν (4 a)  
 IV Ki. 1. 10. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 12. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 12. 14. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 2. 1. ἐν τῷ ἀνάγειν κυρίων . . . τὸν Ἡ. ὡς [A om.] εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 11. ἀνεληφόθ' Ἡλ. . . ὡς [A<sup>1</sup> om.] εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 7. 2. ἰδοὺ ποίησεν κύριος καταρράκτας ἐν οὐρανῷ (4 a)  
 — 19. ἰδοὺ κύριος ποιεῖ καταρράκτας ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
 14. 27. ἐξαλείψαι τὸ σπέρμα Ἰσρ. ὑποκάτωθεν τοῦ οὐ. (4 a)  
 17. 16. προσεκύνουν πᾶσιν τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)  
 19. 15. σὺ θεοὶ τῶν οὐ. (4 a)  
 21. 3. προσεκύνουν πᾶσιν τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 5. φοκοδύμσε θυσιαστ. πᾶσιν τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)  
 23. 4. τὰ πεποιμένα . . . πᾶσιν τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 5. τοὺς θυμῶντας . . . πᾶσιν τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 a)  
 I Ch. 16. 26. ὁ θεὸς ἡμῶν οὐρανὸν ἐποίησε (4 a)  
 — 31. ἐφύρανθῃς ὁ οὐ. (4 a)  
 21. 16. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς καὶ [A add. ἀνὰ μέσον] τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 26. ἐπήκουσεν αὐτῷ ἐν πυρὶ ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 27. 23. πληθύναι τὸν Ἰσρ. ὡς τοὺς ἀστέρων τοῦ οὐ. (4 a)  
 29. 11. πάντων τῶν ἐν τῷ οὐ. . . δεσπόζεις (4 a)  
 II Ch. 2. 6 (5). ὁ οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ. οὐ φέ-ρουνται αὐτοῦ τὴν δόξαν (4 a ter)  
 — 12 (11). δε. ἐποίησε τὸν οὐ. (4 a)  
 6. 13. διεπέτασε τὰς χεῖρας αὐ. εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 — 14. οὐκ ἔστιν ὁμοῖος σου θεὸς ἐν οὐρανῷ (4 a)  
 — 18. εἰ δ' οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ. οὐκ ἀρκούντοί σοι (4 a ter)  
 — 21. εἰσακοῦσθ' . . . ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 23. B εἰσακοῦσθ' ἐκ τοῦ οὐ. τοῦ οὐ. [A B om. τ. οὐ.] (4 a, —)  
 — 25. εἰσακοῦσθ' ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 26. ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐ. (4 a)  
 — 27. 30. 33. εἰσακοῦσθ' ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 35. 39. ἀκοῦσθ' ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 7. 1. τὸ πῦρ κατέβη ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 13. ἐὰν συσχω τὸν οὐ. (4 a)  
 — 14. εἰσακοῦσθαι ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 18. 18. πᾶσα δύναμις τοῦ οὐ. παριστῆκει (4 a)  
 20. 6. οὐχὶ σὺ εἰ θεὸς ἐν οὐρανῷ ἄνω (4 a)  
 28. 9. ὥς τὸν οὐ. ἔφθακε (4 a)  
 30. 27. ἤλθεν ἡ προσευχὴ αὐ. . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 II Ch. 32. 20. ἐβόησαν εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 33. 3. προσεκύνουν πᾶσιν τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 5. φοκοδύμσε θυσιαστῆρι πᾶσιν τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)  
 36. 23. ἔδωκε μοι κ. ὁ θεὸς τοῦ οὐ. (4 a)  
 I Es. 4. 34. μεγάλη ἡ γῆ καὶ ὑψηλὸς ὁ οὐ. —  
 — 34. στρέφεται ἐν τῷ κύκλῳ τοῦ οὐ. —  
 — 36. ὁ οὐ. αὐτὴν εὐλογεῖ —  
 — 46. ἦν ἡβξω τῷ βασ. τοῦ οὐ. —  
 — 58. ἄρας τὸ πρόσωπον εἰς τὸν οὐ. —  
 — 58. εὐλόγησε τῷ βασ. τοῦ οὐ. —  
 6. 13. τοῦ κυρίου τοῦ κτίσαντος τὸν οὐ. —  
 8. 75. ὑπερήνευκαν ἕως τοῦ οὐ. —  
 II Es. 1. 2. ἔδωκε μοι κ. ὁ θ. τοῦ οὐ. (4 a)  
 5. 11. ἡμεῖς ἐσμέν δοῦλοι τοῦ θ. τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 12. παρώρισαν . . . τὸν θῶν τοῦ οὐ. (4 b)  
 6. 9. εἰς ὀλοκαυτώσεις τῷ θεῷ τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 10. προσφύροντες ἐνώβιας τῷ θεῷ τοῦ οὐ. (4 b)  
 7. 12. γραμματεῖς νόμου κυρίου τοῦ θ. τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 21. γραμματεῖς τοῦ νόμου τοῦ θ. τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 23. ἐν γνώμῃ θεοῦ τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 23. εἰς τὸν οἶκον θεοῦ τοῦ οὐ. (4 b)  
 9. 6. ἐμεγαλύνθησαν ἕως εἰς οὐρανόν (4 a)  
 Ne. 1. 4. ἐνώπιον τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 5. κύριε ὁ θεὸς τοῦ οὐ. [B<sup>1</sup> om. τ. οὐ.] (4 a)  
 — 9. B<sup>2</sup> ἀπ' ἄκρου τοῦ οὐ. ἕως ἄκρου τοῦ οὐ. [A B<sup>1</sup> A l.] (4 a, —)  
 2. 4. προσηζύμην πρὸς τὸν θεὸν τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 20. ὁ θεὸς τοῦ οὐ. αὐτοῖς εὐδόσσει ἡμῶν (4 a)  
 9. 6. B E σὺ ἐποίησας τὸν οὐ. καὶ τὸν οὐ. [A B om. κ. τ. οὐ.] τοῦ οὐ. (4 a ter)  
 — 6. σοὶ προσκυνούναι αἱ στρατιαὶ τῶν οὐ. (4 a)  
 — 13. ἐλάλησας πρὸς αὐτοὺς ἐξ οὐρανοῦ (4 a)  
 — 15. ἄρτον ἐξ οὐρανοῦ ἔδωκας αὐτοῖς (4 a)  
 — 23. ἐπλήθυνες ὡς τοὺς ἀστέρων τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 27. καὶ σὺ ἐξ οὐρανοῦ σου ἤκουσας (4 a)  
 — 28. καὶ σὺ ἐξ οὐρανοῦ εἰσέκουσας (4 a)  
 To. 1. 18. B ἦς ἐποίησεν ἐξ αὐτοῦ ὁ βασ. τοῦ οὐ. —  
 5. 9. B οὐ βλέπω τὸ φῶς τοῦ οὐ. [A B al.] —  
 — 16. ὁ δὲ ἐν τῷ οὐ. οἶκον θεός [A B al.] —  
 6. 17. B δεήγητε τοῦ κυρίου τοῦ οὐ. [A B al.] —  
 7. 12. B ἐκ τοῦ οὐ. κέκριται σοὶ δοθῆναι [A B al.] —  
 — 12. B ὁ κύριος τοῦ οὐ. εὐδόσσει ὑμᾶς [A B al.] —  
 — 13. B ὁ θεὸς τοῦ οὐ. εὐδόσσει ὑμῖν εὐαγγέλιον. —  
 — 18. ὁ κ. τοῦ οὐ. καὶ τῆς γῆς δῆλ' σοι χάριν [S al.] —  
 8. 5. εὐλογησάτωσαν σε οἱ οὐ. —  
 — 15. B εὐλόγησαν τὸν θεὸν τοῦ οὐ. [A B al.] —  
 9. 6. B δῆλ' σοι κύριος εὐλογίαν οὐρανοῦ —  
 10. 12. εὐδόσσει ὑμᾶς, τέκνα, ὁ θεὸς τοῦ οὐ. [S al.] —  
 — 13. ἀποκαταστήσει σε ὁ κύριος τοῦ οὐ. [S al.] —  
 11. 1. B εὐλόγων τῷ κυρίῳ τοῦ οὐ. [A B al.] —  
 13. 7. A B ἡ ψυχὴ μου τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐ. —  
 — 11. καὶ δῶρα τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐ. [S al.] —  
 — 16. B ἐξομολογήσασθαι τῷ βασ. τοῦ οὐ. —  
 Ju. 5. 8. προσεκύνουν τῷ θεῷ τοῦ οὐ. —  
 6. 19. κύριε ὁ θεὸς τοῦ οὐ. —  
 7. 28. μαρτυροῦμεθα ὑμῖν τὸν οὐ. —  
 9. 12. δεσποτα τὸν οὐ. καὶ τῆς γῆς —  
 11. 7. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. . . γίνονται —  
 — 17. θεραπεύουσα . . . τὸν θεὸν τοῦ οὐ. —  
 13. 18. δε. ἔκτισε τοὺς οὐ. —  
 Es. 4. 17. ἐποίησας τὸν οὐ. . . καὶ πᾶν θαυμαζόμεν ἐν τῇ ὑπ' οὐρανόν —  
 Jb. 1. 6. A ἐμπεριπατήσας τὴν ὑπ' οὐρανόν —  
 — 7. ἐμπεριπατήσας τὴν ὑπ' οὐρανόν πάρειμι † —  
 — 16. πῦρ ἔπεσεν ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
 2. 2. διαπορευθεὶς τὴν ὑπ' οὐρανόν (5 a)  
 5. 10. ἀποστέλλονται ὕδωρ ἐπὶ τὴν ὑπ' οὐρανόν (5 b)  
 7. 9. ὥσπερ νέφος ἀποκαθάρθεν ἀπ' οὐρανοῦ † —  
 9. 6. ὁ σείων τὴν ὑπ' οὐρανόν ἐκ θεμελίων (5 a)  
 — 8. ὁ τανύσσας τὸν οὐ. μόνος (4 a)  
 — 13. ὑπ' αὐτοῦ ἐκάμψθησαν κήτη τὰ ὑπ' οὐρανόν † —  
 11. 8. ὑψηλὸς ὁ [B<sup>1</sup> om.] οὐ. (4 a)  
 12. 7. πετεινὰ δι' οὐρανοῦ ἐάν σοι ἀπαγγεῖλωσιν [A ἀναγγεῖλῃ] (4 a)  
 14. 12. ἕως ἂν ὁ οὐ. οὐ μὴ συρραφῇ [A οὐ. παλαιαθῇ] (4 a)  
 15. 15. οὐρανός [A δ' οὐ.] δι' οὐ καθαρὸς ἐναντίον αὐτοῦ (4 a)  
 16. 20 (19). A B ἐν οὐρανοῖς [B<sup>2</sup> -φ] ὁ μάρτυς μου (4 a)  
 18. 4. ἀοικητός [A δ. ἔσται] ἡ ὑπ' οὐρανῶν [B<sup>2</sup> add. ἔσται] (5 a)  
 — 19. οὐδὲ σεσωσμένους ἐν τῇ ὑπ' οὐρανῶν ὁ οἶκος αὐ. † —  
 20. 6. ἐὰν ἀναβῇ εἰς οὐρανόν αὐτοῦ τὰ δῶρα (4 a)  
 Jb. 20. 27. ἀνακαλύψαι δὲ αὐτοῦ ὁ οὐρανός τὰς ἀνομίας (4 a)  
 22. 14. γῆρον οὐρανοῦ διαπορεύεται (4 a)  
 — 26. ἀναβλέψας εἰς τὸν οὐ. ἱλαρώς (1 b)  
 28. 11. στῦλοι οὐρανοῦ ἐπέσθησαν [A ἐπεσθῆσαν] (4 a)  
 — 13. κλεῖθρα δι' οὐρανοῦ δεδοκασιν αὐτὸν (4 a)  
 28. 21. ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐ. ἐκρύβη [A οὐκ ἐκρ.] (4 a)  
 — 24. αὐτὸς γὰρ τὴν ὑπ' οὐρανόν πᾶσαν ἐφορᾷ (4 a)  
 34. 13. τίς δὲ ἐστὶν ὁ ποιῶν τὴν ὑπ' οὐρανόν (5 a)  
 35. 4 (5). ἀναβλέψων εἰς τὸν οὐ. καὶ ἰδε (4 a)  
 — 11. ὁ διορίζων με ἀπὸ τετραπύδων γῆς ἀπὸ δι' πετεινῶν οὐρανοῦ (4 a)  
 37. 3. B S ὑποκάτω παντός τοῦ οὐ. ἀρχὴ αὐ. (4 a)  
 38. 18. νενοθέτησαι δι' τοῦ εὐρος τῆς ὑπ' οὐρανόν (5 a)  
 — 24. ἡ διασκεδάννυνται νότος εἰς τὴν ὑπ' οὐ-ρανόν (5 a)  
 — 29. πᾶν γὰρ δι' ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκεν (4 a)  
 — 33. ἐπίστασαι δι' τροπᾶς οὐρανοῦ ἢ τὰ ὑπ' οὐρανόν ὁμοθυμαδὸν γινόμενα (4 a, 5 a)  
 — 37. οὐρανόν [S -ὸς] δι' εἰς γῆν ἐκλίμε (4 a)  
 41. 2 (3). εἰ [A ἡ οὐχί] πᾶσα ἡ ὑπ' οὐρανῶν ἐμὴ ἐστίν (4 a)  
 42. 15. οὐχ ἐμύθησαν . . . βελτίους αὐτῶν ἐν τῷ [A om. ἐν τῷ] ὑπ' [B ὑπὸ τὸν] οὐ. (5 a)  
 Ps. 2. 4. ὁ κατακίων ἐν οὐρανοῖς ἐκγελάσεται [A ἐγγέλ.] αὐτοὺς (4 a)  
 8. 1. ἐπήρηθ' ἡ μεγαλοπρέπεια σου ὑπεράνω τῶν οὐ. (4 a)  
 — 3. δόξαμι τοὺς οὐ. ἔργα τῶν δακτύλων σου (4 a)  
 — 8. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. καὶ τοὺς ἰχθύας τῆς θαλάσσης (4 a)  
 10 (11). 5. κύριος ἐν οὐρανῷ ὁ θρόνος αὐτοῦ (4 a)  
 13 (14). 2. A<sup>2</sup> B S κύριος ἐκ τοῦ οὐ. διέκυρην (4 a)  
 17 (18). 9. ἐκλίμεν οὐρανόν [B<sup>2</sup> -ὸς] καὶ κατέβη (4 a)  
 — 13. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος (4 a)  
 18 (19). 1. οἱ οὐ. διηγούνται δόξαν θεοῦ (4 a)  
 — 6. ἀπ' ἄκρου τοῦ οὐ. ἡ ἔξοδος αὐτοῦ καὶ τὸ κατάρτημα αὐτοῦ ἕως ἄκρου τοῦ [B<sup>1</sup> om.] οὐ. (4 a, †)  
 19 (20). 6. ἐπακουσεται αὐτοῦ ἐξ οὐρανοῦ ἅγιον αὐτοῦ (4 a)  
 32 (33). 6. τῷ λόγῳ τοῦ κ. οἱ οὐ. ἐστερεώθησαν (4 a)  
 — 13. ἐξ οὐρανοῦ ἐπίβλεψεν ὁ κύριος (4 a)  
 35 (36). 5. ἐν τῷ οὐ. τὸ ἔλεός σου (4 a)  
 49 (50). 4. προσκαλεῖται τὸν οὐ. ἄνω (4 a)  
 — 6. ἀναγγελοῦσιν οἱ οὐ. τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ (4 a)  
 — 11. ἐργῶκα πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. † —  
 52 (53). 2. ὁ θεὸς ἐκ τοῦ οὐ. διέκυρην (4 a)  
 56 (57). 3. ἐξέπεσται ἐξ οὐρανοῦ (4 a)  
 — 5. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐ. ὁ θεός (4 a)  
 — 10. ἐμεγαλύνθη ἕως τῶν οὐ. τὸ ἔλεός σου (4 a)  
 — 11. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐ. ὁ θεός (4 a)  
 67 (68). 8. οἱ οὐ. ἔσταζαν ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ (4 a)  
 — 33. τῷ ἐπιβεβηκότι ἐπὶ τὸν οὐ. τοῦ οὐ. (4 a, 4 a)  
 68 (69). 34. αἰνεσάτωσαν αὐτὸν οἱ οὐ. καὶ ἡ γῆ (4 a)  
 72 (73). 9. ἔθεντο εἰς οὐρανόν τὸ στόμα αὐτῶν (4 a)  
 — 25. τί γὰρ μοι ὑπάρχει ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
 75 (76). 8. ἐκ τοῦ οὐ. ἠκούισας κρίσιν (4 a)  
 77 (78). 23. θύρας οὐρανοῦ ἀνέφες (4 a)  
 — 24. ἄρτον οὐρανοῦ ἔδωκεν αὐτοῖς (4 a)  
 — 26. ἀπῆρε νότον ἐξ οὐρανοῦ (4 a)  
 78 (79). 2. βρόματα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
 79 (80). 14. ἐπὶ βλεψὼν ἐξ οὐρανοῦ (4 a)  
 84 (85). 11. δικαιοσύνη ἐκ τοῦ οὐ. διέκυρην (4 a)  
 88 (89). 2. ἐν τοῖς οὐ. ἐτοιμασθήσεται ἡ ἀλή-θεια σου (4 a)  
 — 5. ἐξομολογήσονται οἱ οὐ. τὰ θαυμαστιά σου (4 a)  
 — 11. σοὶ εἰσιν οἱ οὐ. (4 a)  
 — 29. τὸν θρόνον αὐ. ὡς τὰς ἡμέρας τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 37. ὁ μάρτυς ἐν οὐρανῷ πιστός (3)  
 90 (91). 1. ἐν σκίπῃ τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. —  
 95 (96). 5. ὁ δὲ κύριος τοὺς οὐ. ἐποίησεν (4 a)  
 — 11. ἐκφρακίσθωσαν οἱ οὐ. (4 a)  
 96 (97). 6. ἀνήγγειλαν οἱ οὐ. τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ (4 a)  
 101 (102). 19. κύριος ἐξ οὐρανοῦ ἐπὶ τὴν γῆν ἐπέβλεψε (4 a)  
 — 25. ἔργα τῶν χειρῶν σου εἰσιν οἱ οὐ. (4 a)  
 102 (103). 11. κατὰ τὸ ὕψος τοῦ οὐ. ἀπὸ τῆς γῆς (4 a)  
 — 19. κύριος ἐν τῷ οὐ. ἡτοίμασε τὸν θρόνον αὐτοῦ (4 a)  
 103 (104). 2. ἐκείνων τὸν οὐ. ὥστε δέξιν (4 a)

Ps. 108 (104). 12. ἐπ' αὐτὰ τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ.  
κατακρηνῶσαι (4 a)  
104 (105). 40. ἄρπον οὐρανοῦ ἐνέπλησεν αὐτοῦς (4 a)  
106 (107). 26. ἀναβαίνουσιν ἕως τῶν οὐ. (4 a)  
107 (108). 4. μέγα ἐπάνω τῶν οὐ. τὸ ἑλεός σου (4 a)  
— 5. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐ., ὁ θεός (4 a)  
112 (113). 4. ἐπὶ τοὺς οὐ., ἡ δόξα αὐτοῦ (4 a)  
— 6. καὶ τὰ ταπεινά ἐφόρων ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
113. 11 (115. 3). S ὁ δὲ θεός ἡμῶν ἐν τῷ οὐ.  
ἦσαν ἐν τοῖς οὐ. [A B al.] (4 a, —)  
— 23 (115. 15). τῷ κυρίῳ τῷ ποιῶντι τὸν οὐ. (4 a)  
— 24 (115. 16). B B ὁ οὐ. τοῦ οὐ. [A τῷ οὐ.]  
τῷ κυρίῳ (4 a, 4 a)  
118 (119). 89. ὁ λόγος σου διημέρει ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
120 (121). 2. παρὰ κύριον τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐ. (4 a)  
122 (123). 1. πρὸς σέ ἦρα τοὺς ὀφθαλμούς μου  
τὸν κατοικοῦντα ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
123 (124). 8. κύριον τοῦ ποιήσαντος τὸν οὐ. (4 a)  
133 (134). 3. κύριος ἐξ ὧν ὁ ποιήσας τὸν οὐ. (4 a)  
134 (135). 6. πάντα . . . ἐποίησεν ἐν τῷ οὐ. καὶ  
ἐν τῇ γῇ (4 a)  
135 (136). 5. τῷ ποιῶντι τοὺς οὐ. ἐν συνέσει (4 a)  
— 26. ἐξομολογήσῃ τῷ θεῷ τοῦ οὐ. (4 a)  
138 (139). 8. ἐὰν ἀνηβῶ εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
143 (144). 5. κλίνον οὐρανοὺς σου καὶ κατὰβθι (4 a)  
145 (146). 6. τὸν ποιήσαντα τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
146 (147). 8. τῷ περιβάλλοντι τὸν οὐ. ἐν νεφέ-  
λαις (4 a)  
148. 1. αἰνεῖτε τὸν κύριον ἐκ τῶν οὐ. (4 a)  
— 4. αἰνεῖτε αὐτὸν οἱ οὐ. τῶν οὐ. καὶ τὸ ὕδωρ  
τὸ ὑπεράνω τῶν οὐ. (4 a ter)  
— 13. ἡ ἐξομολόγησις αὐτοῦ ἐπὶ γῆς καὶ οὐρανοῦ (4 a)  
Pr. 8. 19. ἤρτοισα δὲ οὐρανοὺς φρονήσει (4 a)  
— 26. καὶ ἄκρα οἰκουμένα τῆς ὑπ' οὐρανῶν [A B<sup>3</sup>  
— 27. ἦνκα ἡτοίμαζεν τὸν οὐ. συμπάρημην αὐτῷ (4 a)  
— 28. ὡς ἀσφαλὺς ἐτίθει. πηγὰς τῆς ὑπ' οὐ-  
ρανῶν (5 d)  
24. 27 (30. 4). τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐ. καὶ κατέβη (4 a)  
25. 3. οὐρανοὺς ὑψήλων γῇ δὲ βαθεῖα (4 a)  
Ec. 1. 13. περὶ πάντων τῶν γινομένων ὑπὸ τῶν  
οὐ. [B<sup>3</sup> ἦλιον] (4 a)  
3. 1. καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι [B<sup>1</sup> add. τῷ]  
ὑπὸ τῶν οὐ. [B<sup>3</sup> ἦλιον] (4 a)  
5. 1. ὁ θεὸς ἐν τῷ οὐ. ἦσαν [A B om.] (4 a)  
10. 20. πετεινὸν τοῦ οὐ. ἀποῖσει τὴν φωνὴν σου (4 a)  
Wi. 9. 10. ἐπιστάσει αὐτὴν ἐξ ἁγίων οὐρανῶν  
— 16. τὰ δὲ ἐν οὐρανοῖς τίς ἐξηχίασε  
13. 2. ἡ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου θεοὺς  
ἐνόμισαν  
16. 20. ἔτοιμον ἄρπον αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ ἔπεμψας  
[A B παρέσχε]  
18. 15. ὁ παντοδύναμος σου λόγος ἀπ' οὐρανῶν . . .  
ἥλατο  
— 16. οὐρανοῦ μὲν ἥπτετο  
Si. 1. 3. ὕψος οὐρανοῦ . . . τίς ἐξηχίασε  
16. 18. ἰδὼν ὁ οὐ. καὶ ὁ οὐ. τοῦ οὐ. τοῦ θεοῦ [A B om.  
τ. θ.]  
17. 32. δύναμιν ὕψους οὐρανοῦ αὐτὸς ἐπισκέπτεται  
24. 5. γύρον οὐρανοῦ ἐκύκλωσα μόνη  
43. 1. εἶδος οὐρανοῦ [B<sup>1</sup> ἀνθρώπου] ἐν δράματι δόξης  
— 8. ἐν στερεώματι οὐρανοῦ ἐκλάμπων  
— 9. κάλλος οὐρανοῦ δόξα ἀστρων  
— 12. ἐγύρωσεν οὐρανὸν ἐν κυκλώσει δόξης  
45. 15. ἐν ἡμέραις οὐρανοῦ  
46. 17. ἐβρόντησεν ἀπ' οὐρανοῦ κύριος  
48. 3. ἐν λόγῳ κυρίου ἀνέσχεον οὐρανόν  
— 20. ὁ ἅγιος ἐξ οὐρανοῦ ταχὺ ἐπήκουσεν αὐτῶν  
Ho. 2. 12 (14). καταφάγεται . . . τὰ πετεινὰ  
τοῦ οὐρανοῦ  
— 18 (20). διαθήκη . . . μετὰ τῶν πετεινῶν  
τοῦ οὐ. (4 a)  
— 21 (23). ἐπακούσονται τῷ οὐ. (4 a)  
— 21 (23). A ὁ οὐ. [B αὐτοῖς] ἐπακούσεται  
τῇ γῇ  
4. 3. σὺν τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
7. 12. καθὼς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. κατὰξ αὐτοῦς (4 a)  
13. 4. ὁ στερεῶν τῶν [A om.] οὐ. —  
— 4. αἱ χεῖρες ἔκτισαν πᾶσαν τὴν στρατιάν  
τοῦ οὐ. —  
Am. 9. 2. ἐὰν ἀναβῶσιν εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
— 6. ὁ οὐκοδόμησεν εἰς τὸν οὐ. ἀνάβανιν αὐτοῦ (4 a)  
Jl. 2. 10. σισθήσεται ὁ οὐ. (4 a)  
— 30 (3. 3). δώσω τέρατα ἐν τῷ οὐ. (4 a)

Jl. 3 (4). 16. σισθήσεται ὁ οὐ. καὶ ἡ γῇ [B<sup>3</sup> om.  
σ. . . γῇ] (4 a)  
Jn. 1. 9. τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐ. ἐγὼ σβῶμαι (4 a)  
Na. 3. 16. A B ὑπὲρ [B<sup>1</sup> ὡς, B<sup>3</sup> ὥσπερ] τὰ  
ἀστρα τοῦ οὐ. (4 a)  
Hb. 8. 3. ἐκάλυψεν οὐρανοὺς ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ  
Ze. 1. 3. ἐκλίπεται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
— 5. τοὺς προσκυνοῦντας . . . τῇ στρατιᾷ τοῦ  
οὐ. (4 a)  
Hg. 1. 10. ἀνέξει ὁ οὐ. ἀπὸ δρόσου (4 a)  
2. 7 (6). σείσω τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
— 22 (21). σείσω τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
Za. 2. 6 (10). ἐκ τῶν τεσσάρων ἀνέμων τοῦ οὐ.  
συνάξω ὑμᾶς (4 a)  
5. 9. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ  
οὐ. (4 a)  
6. 5. ταῦτά ἐστιν οἱ τέσσαρες ἀνέμοι τοῦ οὐ. (4 a)  
8. 12. καὶ ὁ [B<sup>1</sup> om.] οὐ. δώσει τὴν δρόσον  
αὐτοῦ (4 a)  
12. 1. κύριος ἐκτείνων οὐρανόν  
Ma. 3. 10. ἐὰν μὴ ἀνοίξω ὑμῖν τοὺς καταρράκτας  
τοῦ οὐ. (4 a)  
Is. 1. 2. ἄκουε, οὐρανέ  
5. 30. B ἐμβλέψονται εἰς τὸν οὐ. ἦσαν καὶ [A B  
om. εἰς τ. οὐ. ἄ. κ.] εἰς τὴν γῆν —  
8. 21. ἀναβλέψονται εἰς τὸν οὐ. ἦσαν  
13. 5. ἀπ' ἄκρου θεμελίου [A<sup>1</sup> om.] τοῦ οὐ. (4 a)  
— 10. οἱ γὰρ ἀστέρες τοῦ οὐ. καὶ ὁ Ὡρίων καὶ  
πᾶς ὁ κόσμος [B<sup>1</sup> οἶκος] τοῦ οὐ. τὸ  
φῶς οὐ δώσουσι (4 a, —)  
— 13. ὁ γὰρ οὐ. θυμωθήσεται (4 a)  
14. 12. πῶς ἐξέπεσεν ἐκ τοῦ οὐ. ὁ ἐωσφόρος (4 a)  
— 13. εἰς τὸν οὐ. ἀναβήσονται ἐπάνω τῶν ἀστέ-  
ρων τοῦ οὐ. θῆσω τὸν θρόνον μου (4 a, 1 a)  
18. 6. καταλείψει ἅμα τοὺς πετεινοὺς τοῦ οὐ. . .  
καὶ συναχθήσεται ἐπ' αὐτοὺς τὰ πε-  
τεινὰ τοῦ οὐ. †, —  
24. 18. θυρίδες ἐκ τοῦ οὐ. ἀνεφύχθησαν (2)  
— 21. ἐπάξει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸν κόσμον τοῦ οὐ. τὴν  
χεῖρα (2)  
34. 4. B τακθήσονται πᾶσαι αἱ δυνάμεις τῶν οὐ. (4 a)  
— 4. καὶ ἐλγίσσεται ὁ οὐ. ὡς βιβλίον (4 a)  
13. 5. ἐμβύθισον ἡ μάκαιρα μου ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
37. 16. σὺ ἐποίησας τὸν οὐ. (4 a)  
38. 14. τοῦ βλέπειν εἰς τὸ ὕψος τοῦ οὐ. πρὸς  
τὸν κύριον —  
40. 12. τίς ἐμέτρησε . . . τὸν οὐ. σπιθαμῇ (4 a)  
— 22. ὁ στήσας ὡς καμάρων τὸν οὐ. (4 a)  
42. 5. κ. ὁ θεὸς ὁ ποιήσας τὸν οὐ. (4 a)  
44. 23. ἐφράνθητε οὐρανοὶ  
— 24. ἐξέτεινε τὸν οὐ. μόνος (4 a)  
45. 8. εὐφρανθήτω ὁ οὐ. ἄνωθεν (4 a)  
— 12. τῇ χειρὶ μου ἐστέρησα τὸν οὐ. (4 a)  
— 18. οὕτως λέγει κύριος ὁ ποιήσας τὸν οὐ. (4 a)  
47. 13. σωσάσων σε οἱ ἀστρολόγοι τοῦ οὐ. (4 a)  
48. 13. ἡ δεξιὰ μου ἐστέρησε τὸν οὐ. (4 a)  
49. 13. εὐφραίνεσθε οὐρανοὶ (4 a)  
50. 3. ἐνδύσω τὸν οὐ. σκότος (4 a)  
51. 6. ἄρατε εἰς τὸν οὐ. τοὺς ὀφθ. ὑμῶν . . .  
ὅτι ὁ οὐ. ὡς καπνὸς ἐστέρησεν (4 a, 4 a)  
— 13. ἐπελάβον [B απ.] θεὸν . . . τὸν ποιήσαντα  
τὸν οὐ. (4 a)  
— 16. ἐν ἡ ἔσθησεν τὸν οὐ. (4 a)  
55. 9. ὡς ἀπέχει ὁ οὐ. ἀπὸ τῆς γῆς (4 a)  
— 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ ὑετὸς ἡ χιών ἐκ  
[A ἀπὸ] τοῦ οὐ. (4 a)  
63. 15. ἐπίστρεψον ἐκ τοῦ οὐ. (4 a)  
64. 1 (63. 19). ἐὴν ἀνοίξεις τὸν οὐ. (4 a)  
65. 17. ἔσται γὰρ ὁ οὐ. καινός (4 a)  
66. 1. ὁ οὐ. μου [A B μοι] θρόνος (4 a)  
— 22. ὅν τρόπον γὰρ ὁ οὐ. καινός . . . μένει  
ἐνώπιον ἐμοῦ (4 a)  
Je. 2. 12. ἐξέστη ὁ οὐ. ἐπὶ τούτῳ (4 a)  
4. 23. ἐπίβλεψα . . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
— 25. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. ἐποίητο (4 a)  
— 28. συσκοτάστω ὁ οὐ. ἄνωθεν (4 a)  
7. 18. τοῦ ποιῆσαι χαλῶνας τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)  
— 33. εἰς βῶσιν [A κατάβρωμα πᾶσιν] τοῖς  
πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
8. 2. ψύξουσιν αὐτὰ . . . πρὸς πᾶσαν τὴν στρα-  
τίαν τοῦ οὐ. (4 a)  
— 7. ἡ ἀσιὰ ἐν τῷ οὐ. ἔργον τὸν καιρὸν αὐτῆς (4 a)  
9. 10 (9). οὐκ ἤκουσαν φωνὴν ὑπάρξεως ἀπὸ  
πετεινῶν τοῦ οὐ. (4 a)  
10. 2. ἀπὸ τῶν σημείων [B<sup>1</sup> θηρίων] τοῦ οὐ. μὴ  
φοβείσθε (4 a)

Je. 10. 11. θεοὶ οἱ τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν οὐκ ἐποίησαν  
ἀπολείθωσαν ἀπὸ τῆς γῆς καὶ ὑπο-  
κάθων τοῦ οὐ. τούτων (4 b, 4 b)  
— 12. τῇ φρονήσει αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν οὐ. (4 a)  
— 13. πληθὺς ὕδατος ἐν οὐρανῷ (4 a)  
14. 22. εἰ ὁ οὐ. δώσει πλησμονὴν αὐτοῦ (4 a)  
15. 3. ἐκδικήσω ἐπ' αὐτοῦς . . . τὰ πετεινὰ τοῦ  
οὐ. εἰς βῶσιν (4 a)  
16. 4. καὶ τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
19. 7. εἰς βῶσιν τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. (4 a)  
— 13. ἐθυμίαν ἐπὶ τῶν δωματίων αὐτῶν πάσῃ  
τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐ. (4 a)  
23. 24. μὴ οὐχὶ τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν ἐγὼ πληρῶ (4 a)  
25. 15 (49. 36). ἐκ τῶν τεσσάρων ἄκρων τοῦ οὐ. (4 a)  
28 (51). 9. ἤγγικεν εἰς οὐρανὸν τὸ κρίμα αὐτῆς (4 a)  
— 15. ἐν τῇ συνέσει αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν οὐ. (4 a)  
— 16. ἔθετο ἦχος ὕδατος ἐν τῷ οὐ. (4 a)  
— 53. ἐὰν ἀναβῇ Βαβυλὼν ὡς ὁ οὐ. (4 a)  
38 (31). 37. ἐὰν ὑψώθῃ ὁ οὐ. εἰς τὸ μετέωρον (4 a)  
39 (32). 17. ἐποίησας τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 a)  
41 (34). 20. βῶσιν [A βρώματα] τοῖς πετεινοῖς  
τοῦ οὐ. (4 a)  
51 (44). 17. θυμῶν τῇ βασιλείᾳ τοῦ οὐ. (4 a)  
— 18. διελλίπομεν θυμῶντες τῇ βασιλείᾳ τοῦ  
οὐ. (4 a)  
— 19. θυμῶμεν τῇ βασιλείᾳ τοῦ οὐ. (4 a)  
— 25. θυμῶν τῇ βασιλείᾳ τοῦ οὐ. [B τῇ Βάαλ] (4 a)  
Ba. 1. 11. ὡς αἱ ἡμέραι τοῦ οὐ.  
2. 2. ὑποκάτω παντός τοῦ οὐ.  
3. 7. οἱ ἐν τοῖς ὀρνέοις τοῦ οὐ. ἐμπαίζοντες  
— 29. τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
5. 3. ὁ γὰρ θεὸς δείξει τῇ ὑπ' οὐρανῶν πάσῃ τὴν  
σὴν λαμπρότητα  
La. 2. 1. κατέρριψεν ἐξ οὐρανοῦ εἰς γῆν δόξασμα  
Ἰσραὴλ (4 a)  
3. 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν  
πρὸς ὑψηλὸν ἐν οὐρανῷ (4 a)  
— 50. ἴδῃ κύριος ἐξ οὐρανοῦ (4 a)  
— 66. ἐξανάλωσαι αὐτοὺς ὑποκάτω τοῦ οὐ. (4 a)  
4. 19. κούφοι ἐγένοντο οἱ δῶκοντες ἡμᾶς ὑπὲρ  
ἀετοὺς οὐρανοῦ (4 a)  
Er. Je. 54. ἀνὰ μέσον τοῦ οὐ. καὶ τῆς γῆς  
— 67. σημεία τε ἐν ἔθνεσιν ἐν οὐρανῷ [A σ. ἐν οὐ.  
καὶ ἐν ἔ.] οὐ μὴ δείξωσιν (4 a)  
Ez. 1. 1. ἠνοίχθησαν οἱ οὐ. (4 a)  
3. 2. ἀνὰ μέσον τῆς γῆς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ οὐ. (4 a)  
29. 5. τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐ. δέδωκά σε (4 a)  
31. 6. ἐνόσσευσαν πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
— 13. ἀνεπαύσαντο πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
32. 4. A B ἐπικαθῶ ἐπὶ σέ πάντα τὰ πετεινὰ  
τοῦ οὐ. [B om. τ. οὐ.] (4 a)  
— 7. A κατακλίψω ἐν τῷ σβασθῇ σε οὐ-  
ρανὸν καὶ συσκοτάσω τοὺς ἀστέρας  
τοῦ οὐ. [B al.] (4 a, †)  
— 8. πάντα τὰ φαινόμενα φῶς ἐν τῷ οὐ. συσκο-  
τάσουσιν ἐπὶ σέ (4 a)  
34. 5. A εἰς κατάβρωμα . . . τοῖς πετεινοῖς τοῦ  
οὐ. [B om. τ. π. τ. οὐ.] —  
37. 9. A ἐλθὲ ἐκ τῶν τεσσάρων ἀνέμων τοῦ  
οὐ. [B al.] —  
38. 20. σισθήσονται . . . τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. (4 a)  
Da. LXX. Su. 9. τοῦ μὴ βλέπειν εἰς τὸν οὐ.  
2. 28. ἔστι θεὸς ἐν οὐρανῷ ἀνακαλύπτων μουσ-  
τήρια (4 b)  
— 37. σοὶ ὁ κύριος τοῦ οὐ. τὴν ἀρχὴν . . .  
ἔδωκεν (4 b)  
— 38. ἀπὸ ἀνθρώπων . . . καὶ πετεινῶν οὐρανοῦ (4 b)  
— 44. στήσῃ ὁ θεὸς τοῦ οὐ. βασιλείαν ἄλλην (4 b)  
8. 17. ἔστι γὰρ θεὸς ἐν οὐρανοῖς  
— (36). ὡς τὰ ἀστρα τοῦ οὐ. τῷ πληθὲι  
— (50). εὐλογητὸς εἰ ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐ.  
— (59). εὐλογεῖτε, οὐρανοὶ, τὸν κύριον  
— (60). εὐλογεῖτε . . . πάντα τὰ ἐπάνω τοῦ οὐ.  
— (63). εὐλογεῖτε, ἀστρα τοῦ οὐ., τὸν κύριον  
— (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ., τὸν  
κύριον  
4. 9. ἐν αὐτῷ τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. ἐνόσσευσαν (4 b)  
— 9. ἡ κορυφὴ αὐ. ἤγγισεν ἐὼς τοῦ οὐ. —  
— 9. πληροῦν τὰ ὑποκάτω τοῦ οὐ. —  
— 10. ἀγγελοὺς ἀπεστάλην ἐν ἰσχυρί ἐκ τοῦ οὐ. (4 b)  
— 13. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. —  
— 14. ἔως ἂν γνῶ τὸν κύριον τοῦ οὐ. ἐξουσίαν  
ἔχειν πάντων τῶν ἐν τῷ οὐ. —, —  
— 18. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ. τὰ νοσσεύοντα  
ἐν αὐτῷ (4 b)  
— 19. τὸ δὲ . . . ἐγγίσαι τῷ οὐ. (4 b)

Da. LXX. 4. 23. κύριος ζῆν ἐν οὐρανῷ (4 b)  
 — 28. φωνῇ ἐκ τοῦ οὐ. ἤκουσε (4 b)  
 — 29. ἐξουσίαν ἔχει ὁ θεὸς τοῦ οὐ. †  
 — 31. κατὰ πρόσωπον κ. τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. —  
 — 32. ἐπληρώθησαν ἐναντίον τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. —  
 — 32. ἀγγελος εἰς ἐκίλισέ με ἐκ τοῦ οὐ. —  
 — 32. δοῦλευσον τῷ θεῷ τοῦ οὐ. τῷ ἀγίῳ —  
 — 34. τῷ κτίσαντι τὸν οὐ. καὶ τὴν γῆν (4 b)  
 — 34. καθὼς ἐποίησεν ἐν ἐμοὶ ὁ θεὸς τοῦ οὐ. —  
 — 34. δοῖς ἐλάλησιν ἐν τὸν θεὸν τοῦ οὐ. —  
 — 34. κυρία τῷ θεῷ τοῦ οὐ. αἰνεῖτε —  
 7. 2. τέσσαρες ἀνεμοὶ τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 13. ἐπὶ τῶν νεφελῶν τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 27. τὴν ἀρχὴν πασῶν τῶν ὑπὸ τὸν οὐ. [cod. 2 τῶν οὐ.] βασιλείων (4 b)  
 8. 8. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 10. ὑψώθη ἔως τῶν ἀστέρων τοῦ οὐ. (4 a)  
 9. 12. οἶα οὐκ ἐγενήθη ὑπὸ τὸν οὐ. (4 a)  
 11. 4. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)  
 12. 3. ὡς φωστῆρες τοῦ οὐ. (6)  
 — 3. ὡσεὶ τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. —  
 — 7. ὕψωσε τὴν δεξιάν . . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 Bel 4. κ. τὸν θεὸν τὸν κτίσαντα τὸν οὐ.  
 Da. TH. Su. 9. τοῦ μὴ βλεπεῖν εἰς τὸν οὐ.  
 — 35. ἀνέβλεψεν εἰς τὸν οὐ. —  
 2. 18. οἰκτιρμούς ἐζητοῦν παρὰ τοῦ θεοῦ τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 19. εὐλογῇ τὸν θεὸν τοῦ οὐ. —  
 — 28. ἔστι θεὸς ἐν οὐρανῷ (4 b)  
 — 37. ὃ ὁ θεὸς τοῦ οὐ. βασιλείαν . . . ἔδωκεν (4 b)  
 — 38. θῆρια τε ἀγροῦ καὶ πετεινὰ [A. add. τοῦ] οὐρανοῦ (4 b)  
 — 44. ἀναστήσει ὁ θεὸς τοῦ οὐ. βασιλείαν (4 b)  
 3. 17. ἔστι γὰρ θεὸς ἡμῶν ἐν οὐρανοῖς [B' om. ἡ. ἐν οὐ.] —  
 — (36). ὡς τὰ ἄστρα τοῦ οὐ. —  
 — (56). εὐλογητός ἐστι ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐ. —  
 — (59). εὐλογεῖτε, οὐρανοὶ, τὸν κύριον —  
 — (60). εὐλογεῖτε . . . πάντα τὰ ἐπάνω τοῦ οὐ. —  
 — (63). εὐλογεῖτε, ἄστρα τοῦ οὐ., τὸν κύριον —  
 — (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐ., τὸν κ. —  
 4. 8. τὸ ὕψος αὐ. ἔφθασεν ἔως τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 9. κατέκλινον τὰ ὄρηνα τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 10. ἄγιοι ἀπ' οὐρανοῦ κατέβη (4 b)  
 — 12. ἐν τῇ δρόσῳ τοῦ οὐ. κοιταστήσεται (4 b)  
 — 17. οὐ τὸ ὕψος ἔφθασεν εἰς τὸν οὐ. (4 b)  
 — 18. κατεσκήνουν [A. -σκῶν] τὰ ὄρηνα τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 19. ἔφθασεν εἰς τὸν οὐ. (4 b)  
 — 20. ἄγιοι καταβαίνοντα ἀπὸ [A. ἐκ] τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 20. ἐν τῇ δρόσῳ τοῦ οὐ. αὐλισθήσεται (4 b)  
 — 22. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. αὐλισθήσῃ (4 b)  
 — 28. φωνῇ ἀπ' [A. ἐκ τοῦ] οὐρανοῦ ἐγένετο (4 b)  
 — 30. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. τὸ σῶμα αὐ. ἐβάβη (4 b)  
 — 31. τοὺς ὀφθαλμούς μου εἰς τὸν οὐ. ἀνέλαβον (4 b)  
 — 32. ποιεῖ ἐν τῇ δυνάμει τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 34. δοξάζω τὸν βασιλέα τοῦ οὐ. (4 b)  
 5. 21. ἀπὸ τῆς δρόσου τοῦ οὐ. τὸ σῶμα αὐ. ἐβάβη (4 b)  
 — 23. ἐπὶ τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐ. ὑψώθη (4 b)  
 6. 27 (28). ποιεῖ σημεῖα . . . ἐν οὐρανῷ (4 b)  
 7. 2. οἱ τέσσαρες ἀνεμοὶ τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 13. μετὰ τῶν νεφελῶν τοῦ οὐ. (4 b)  
 — 27. τὸν βασιλέων τῶν ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐ. (4 b)  
 8. 8. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 10. ἔως τῆς δυνάμεως τοῦ οὐ. (4 a)  
 — 10. ἀπὸ τῆς δυνάμεως τοῦ οὐ. —  
 9. 3. A. πρὸς κύριον τὸν θ. τοῦ οὐ. [B om. τ. οὐ.] —  
 — 4. A. προσεξέμην πρὸς κύριον τοῦ οὐ. [B al.] —  
 — 12. οἶα οὐ γέγονεν ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐ. (4 a)  
 11. 4. εἰς τοὺς τέσσαρας ἀνέμους τοῦ οὐ. (4 a)  
 12. 7. ὕψωσε τὴν δεξιάν αὐ. . . εἰς τὸν οὐ. (4 a)  
 Bel 5. τὸν κτίσαντα τὸν οὐ.  
 I Ma. 2. 37. μαρτυρεῖ ἐφ' ἡμᾶς ὁ οὐ. —  
 — 58. B. ἀνελήφθ' ἔως [A. ὡς, B om.] εἰς τὸν οὐ. —  
 3. 18. SB οὐκ ἔστι διαφορά ἐναντίον τοῦ θ. [A om. τ. θ.] τοῦ οὐ. —  
 — 19. ἐκ τοῦ οὐ. ἡ ἰσχύς —  
 — 50. ἐβόησαν φωνῇ εἰς τὸν οὐ. —  
 — 60. ὡς δ' ἂν ἡ θέλημα ἐν οὐρανῷ —  
 4. 10. βοήσωμεν εἰς οὐρανόν —  
 — 24. B. ἐλλόγουν εἰς οὐρανόν τὸν κ. [AS om. τ. κ.] —  
 — 40. ἐβόησαν εἰς οὐρανόν —  
 — 55. ἐλλόγουν εἰς οὐρανόν τὸν εὐδιδώσαντα αὐτοῖς —  
 5. 31. A. B. ἀνέβη εἰς τὸν οὐ. [A<sup>3</sup> ἔως τοῦ οὐ., B ἔως οὐρανοῦ]

I Ma. 9. 46. AB κεκράζετο εἰς [S add. τὸν] οὐρανόν  
 12. 15. SB ἔχομεν γὰρ τὴν ἐξ οὐρανοῦ [A -ων] βοήθειαν  
 16. 3. ἡ δὲ ἐκ τοῦ οὐ. βοήθεια ἔστω μεθ' ἡμῶν  
 II Ma. 2. 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐ. —  
 — 18. ἐπισυνάξει ἐκ τῆς ὑπὸ τὸν οὐ. —  
 — 21. τὰς ἐξ οὐρανοῦ γενομ. ἐπιφανείας  
 3. 15. ἐπεκαλοῦντο εἰς οὐρανόν τὸν . . . νομοθετή-  
 — 20. προτείνουσι τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ. —  
 — 34. A. σὺ δὲ ἐξ οὐρανοῦ μεμαστιγμένους [B al.] —  
 7. 11. A. ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκληται [B κέκλημαι] —  
 — 28. ἀναβλέψαντα εἰς τὸν οὐ. —  
 8. 20. διὰ τὴν γενομ. αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ βοήθειαν  
 9. 4. τῆς ἐξ οὐρανοῦ διὰ κρίσεως συνουσίας αὐτῶν  
 — 20. εἰς οὐρανόν τὴν ἐλπίδα ἔχων —  
 10. 9. ἐφάνησαν τοῖς ὑπεταγμένοις ἐξ οὐρανοῦ  
 11. 10. τὸν ἀπ' οὐρανοῦ σύμμαχον ἔχοντες  
 14. 34. προτείνοντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ. —  
 15. 3. εἰ ἔστιν ἐν οὐρανῷ ὁ δυνιστής —  
 — 4. ἔστιν ὁ κ. ζῶν αὐτὸς ἐν οὐρανῷ —  
 — 8. τὰ προγενήοντα αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ βοηθήματα  
 — 21. προτείνουσιν τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ. —  
 — 23. δυνάστα τῶν οὐ. —  
 — 34. οἱ δὲ πάντες εἰς τὸν οὐ. εὐλόγησαν  
 III Ma. 2. 2. κύριε κύριε βασιλεῦ τῶν οὐ. —  
 — 15. οὐρανὸς τοῦ οὐ. ἀνέφικτος ἀνθρώποις ἔστιν  
 4. 21. τῆς τοῦ βοηθούτος τοῖς 'I. ἐξ οὐρανοῦ προ-  
 — 5. 9. A. ἀνέβαιναν εἰς τὸν [B om.] οὐ. —  
 — 25. τείνουσιν τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐ. —  
 — 50. τὰς ἔμπροσθεν αὐτῶν γεννημ. ἀντιλήψεις ἐξ οὐρανοῦ  
 6. 17. μέγα εἰς οὐρανόν ἀνέκραζαν  
 — 33. εἰς οὐρανόν ἀνωμαλογίετο  
 IV Ma. 4. 11. τὰς χεῖρας ἐξέτεινε εἰς τὸν οὐ. —  
 6. 6. A. B. ὑψηλοῦς ἀνατείνας εἰς τὸν [S om.] οὐ. τοὺς ὀφθ.  
 17. 5. σελήνη κατ' οὐρανόν . . . σεμνὴ καθέστηκεν  
 — 5. A. B. ἐστήριξαν ἐν οὐρανῷ [S -οῖς]  
 [Aq. GE. 1. 1, 8, 20, 26, 28; 2. 1: DT. 4. 19: III Ki. 14. 11: JB. 11. 8: 87. 18: Ps. 17 (18). 10: 32 (33). 6: 67 (68). 34 his: 72 (73). 25: PR. 23. 5: Is. 13. 13: 34. 4: 40. 12. 22: 48. 13: 64. 1 (63. 19): 65. 17: JE. 7. 18: 81 (88). 37: 51 (28). 9: 53: Hb. 3. 3.]  
 [Sma. GE. 1. 8, 20, 28, 30; 2. 1: DT. 4. 19: 7. 24: IV Ki. 23. 4: JB. 14. 12: 15. 15: 38. 37: Ps. 17 (18). 10: 32 (33). 13: 67 (68). 9: 34 his: 72 (73). 9: 25: 77 (78). 26: 88 (89). 3: 30: PR. 23. 5: Is. 13. 13: 34. 4: 40. 12. 22: 48. 13: 64. 1 (63. 19): 65. 17: JE. 7. 18: 44 (51). 18: 61 (28). 9: 53.]  
 [Th. GE. 1. 8, 20, 28, 30; DT. 4. 19: 7. 24: IV Ki. 23. 4: JB. 2. 12: 14. 12: 22. 14: 38. 37: Ps. 17 (18). 17: PR. 23. 5: Is. 13. 13: 34. 4: 40. 12. 22: 48. 13: 64. 1 (63. 19): 65. 17: JE. 7. 18: 83 (40). 22, 25: 61 (28). 9, 53: DA. 3 (36), (56): Hb. 3. 3.]  
 [Al. GE. 28. 12: Ps. 148 (144). 5: PR. 30. 19: Hb. 3. 3.]  
 [Bext. Ps. 8. 4.]  
 οὐρεῖν. (1) 𐤒𐤕 hi.  
 I Ki. 25. 22. εἰ ὑπολείψομαι . . . οὐρούνα πρὸς τοῖχον (1)  
 — 34. εἰ ὑπολειφθήσεται . . . οὐρὼν πρὸς τοῖχον (1)  
 III Ki. 12. 24 (cf. A. 14. 10). B. ἐξολοθρεύσω τοῦ 'Ιερ. οὐρούνα πρὸς τοῖχον —  
 14. 10. A. ἐξολοθρεύσω τοῦ 'Ιερ. οὐρούνα πρὸς τοῖχον (1)  
 16. 12 (11). A. οὐχ ὑπέλειπεν αὐτῷ οὐρούνα πρὸς τοῖχον (1)  
 20 (21). 21. ἐξολοθρεύσω τοῦ 'Αχ. οὐρούνα πρὸς τοῖχον (1)  
 IV Ki. 9. 8. ἐξολοθρεύσεις . . . οὐρούνα πρὸς τοῖχον (1)  
 [Aq. III Ki. 14. 10.]  
 οὐριος.  
 Is. 59. 5. ὁ μέλλων τῶν φῶν αὐτῶν φαγεῖν συν-  
 — 21. τριψάξας οὐρίον εἶμε —  
 οὐρον. (1) 𐤒𐤕𐤕𐤓𐤕𐤓 (2) 𐤒𐤕  
 IV Ki. 18. 27. καὶ πῖνεν τὸ οὐ. αὐτῶν (2\*, 1)  
 Is. 36. 12. ἵνα . . . πῖσιν οὐρον μεθ' ἡμῶν ἥμα (2\*, 1)

οὐς. (1) a. 𐤒𐤕 b. 𐤒𐤕 pi. (2) εἰς τὰ ὠ. 𐤕𐤓  
 (3) ἐν τοῖς ὠ. 𐤕𐤓  
 Ge. 20. 8. ἐλάλησε πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα εἰς τὰ ὠ. αὐ. (1 a)  
 23. 13. εἶπε τῷ 'E. εἰς τὰ ὠ. (1 a)  
 — 16. ὁ ἐλάλησεν εἰς τὰ ὠ. τῶν υἱῶν Χέτ (1 a)  
 35. 4. καὶ τὰ ἐνώτια τὰ ἐν τοῖς ὠ. πύ. (1 a)  
 50. 4. λαλήσατε περὶ ἐμοῦ εἰς τὰ ὠ. Φ. (1 a)  
 Ex. 10. 2. ὅπως διηγῆσθε εἰς τὰ ὠ. τῶν τέκνων υἱ. (1 a)  
 11. 2. λαλήσαν οὐκ κρυφῇ εἰς τὰ ὠ. τοῦ λαοῦ (1 a)  
 17. 14. δὸς εἰς τὰ ὠ. 'Ιησοῖ (1 a)  
 21. 6. κρυπῆσαι . . . τὸ οὐς τῷ ὀπητίῳ (1 a)  
 24. 7. ἀνέγνω εἰς τὰ ὠ. τοῦ λαοῦ (1 a)  
 29. 20. ἐπὶ τὸν λαβὸν τοῦ ὠ. 'A. (1 a)  
 — 20. ἐπὶ τοὺς λαβὸν τῶν ὠ. τῶν υἱῶν αὐ. (1 a)  
 32. 2. τὰ ἐνώτια τὰ χρυσὰ τὰ ἐν τοῖς ὠ. τῶν γυναικῶν υἱ. (1 a)  
 — 3. τὰ ἐνώτια τὰ χρυσὰ τὰ ἐν τοῖς ὠ. αὐ. (1 a)  
 Le. 8. 22 (23). ἐπὶ τὸν λαβὸν τοῦ ὠ. 'A. (1 a)  
 — 23 (24). ἐπὶ τοὺς λαβὸν τῶν ὠ. τῶν δεξιῶν (1 a)  
 14. 14, 17, 25, 28. ἐπὶ τὸν λαβὸν τοῦ ὠ. (1 a)  
 Nu. 14. 28. ἐν τριπλῶν λεληκίκατε εἰς τὰ ὠ. τὰ μου [A om. εἰς τ. ὠ. μ.] (1 a)  
 De. 5. 1. ὅσα ἐγὼ λαλῶ ἐν τοῖς ὠ. ἡμῶν (1 a)  
 15. 17. A. κρυπῆσαι τὸ οὐς [B ὠτίον] αὐτοῦ (1 a)  
 29. 4 (3). οὐκ ἔδωκε . . . ὧτα [A τὰ ὠ.] ἀκούειν (1 a)  
 31. 11. ἀναγνώσεσθε . . . εἰς τὰ ὠ. αὐτῶν (1 a)  
 — 28. ἵνα λαλήσω εἰς τὰ ὠ. αὐτῶν (1 a)  
 — 30. ἐλάλησε M. εἰς τὰ ὠ. πῆσιν ἐκκλησίας (1 a)  
 32. 44. ἐλάλησε . . . εἰς τὰ ὠ. τοῦ λαοῦ (1 a)  
 Jo. 9. 2 (8. 35). ὁ οὐκ ἀνέγνω 'I. εἰς τὰ ὠ. πάσης ἐκκλησίας (2)  
 20. 4. A. λαλήσει ἐν τοῖς ὠ. τῶν πρεσβυτ. (1 a)  
 Jd. 7. 3. λαλήσαν δὲ ἐν ὧσι [A εἰς τὰ ὠ.] τοῦ λαοῦ (1 a)  
 9. 2. λαλήσατε δὲ ἐν τοῖς [A om.] ὠ. πάντων (1 a)  
 — 3. ἐλάλησαν . . . ἐν τοῖς ὠ. πάντων (1 a)  
 17. 2. προσεΐπα ἐν ὧσι [A τοῖς ὠ.] μου (1 a)  
 Ru. 4. 4. ἀποκαλύψω τὸ οὐς σου (1 a)  
 I Ki. 3. 11. ἡχῆσει ἀμφοτέρω τὰ ὠ. αὐ. (1 a)  
 — 17. τὸν λαληθέντων σοι ἐν τοῖς ὠ. σου (3)  
 8. 21. ἐλάλησεν αὐτοῖς εἰς τὰ ὠ. κυρίου (1 a)  
 11. 4. λαλοῦσι τοῖς λόγους εἰς τὰ ὠ. τοῦ λαοῦ (1 a)  
 15. 14. τίς ἡ φωνή . . . ἐν τοῖς ὠ. μου (1 a)  
 18. 23. ἐλάλησαν . . . εἰς τὰ ὠ. Δαυὶδ (1 a)  
 25. 24. λαλήσατω δὲ ἡ δούλη σου εἰς τὰ ὠ. σου (1 a)  
 II Ki. 3. 19. ἐλάλησεν 'Ab. [A add. καὶ γε] ἐν τοῖς ὠ. B. (1 a)  
 — 19. τοῦ λαλήσαι εἰς τὰ ὠ. τοῦ Δ. (1 a)  
 7. 22. οἱς ἠκούσαμεν ἐν τοῖς ὠ. ἡμῶν (1 a)  
 18. 12. ἐν τοῖς ὠ. ἡμῶν ἐνετελεστο ὁ βασ. (1 a)  
 22. 7. ἡ κραυγὴ μου ἐν τοῖς ὠ. αὐτοῦ (1 a)  
 III Ki. 8. 52. ἔστωσαν . . . τὰ ὠ. σου ἠνεγκμένα —  
 12. 24. B. ἐλάλησεν εἰς τὰ ὠ. Σ. —  
 — 24. B<sup>2</sup>. B. ἐλάλησε 'P. εἰς τὰ ὠ. [B<sup>1</sup> om.] αὐ. —  
 IV Ki. 18. 26. ἐν τοῖς ὠ. τοῦ λαοῦ (1 a)  
 19. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὐς σου (1 a)  
 — 28. τὸ στρηνὸς σου ἀνέβη ἐν τοῖς ὠ. μου (1 a)  
 21. 12. ἡχῆσει ἀμφοτέρω τὰ ὠ. αὐτοῦ (1 a)  
 23. 2. A. B. ἀνέγνω ἐν τοῖς ὠ. [B ἐνώπιον] αὐ. (1 a)  
 I Ch. 17. 20. ὅσα ἠκούσαμεν ἐν ὧσιν ἡμῶν (1 a)  
 — 25. ἠνοῖξαι τὸ οὐς τοῦ παιδὸς [A' om. τ. π.] σου (1 a)  
 28. 8. A. B. ἐν ὧσι θεοῦ ἡμῶν φυλάσσεσθε (1 a)  
 II Ch. 6. 40. ἔστωσαν δὲ . . . τὰ ὠ. σου ἐπήκου (1 a)  
 7. 15. καὶ τὰ ὠ. μου ἐπήκου (1 a)  
 34. 30. ἀνέγνω ἐν ὧσιν αὐτῶν (1 a)  
 Ne. 1. 6. ἔστω δὲ τὸ οὐς σου προσέχον —  
 — 11. ἔστω τὸ οὐς σου προσέχον (1 a)  
 8. 3. καὶ [S add. τὰ] ὧτα παντὸς τοῦ λαοῦ εἰς τὸν βασιλῆον τοῦ νόμου (1 a)  
 13. 1. ἀνεγνώσθη . . . ἐν ὧσι τοῦ λαοῦ (1 a)  
 Jd. 4. 12. πότερον οὐ δέξεται μου τὸ οὐς ἐξαισία παρ' αὐτοῦ [A al.] (1 a)  
 12. 11. R. οὐς [A BS νοὺς] μὲν γὰρ ῥήματα διακρίνει (1 a)  
 13. 1. ἰδοὺ ταῦτα . . . ἀκήκοέ μου τὸ οὐς (1 a)  
 15. 21. ὁ δὲ φόβος αὐτοῦ ἐν ὧσιν αὐτοῦ (1 a)  
 29. 11. οὐς ἤκουσε καὶ ἐμακάρισε με (1 a)  
 31. 30. ἀκούσαι ἔρα τὸ οὐς μου τὴν κατάραν μου —  
 — 38. 8. πλὴν εἶπας ἐν ὧσι μου (1 a)  
 34. 3. οὐς [A νοὺς] λόγους δοκιμάζει (1 a)  
 39. 14. AS ἀφήσεις εἰς γῆν τὰ ὧτα [B ὦτα] αὐτῆς †

Jd. 42. 5. ἀκοῇ μὲν ὥσπερ [Α ὥς μὲν ὥσπερ ἀκοῇς]  
 ἤκουσιν τοὺς τοὺς πρότερον (1a)  
 Ps. 9. 38 (10. 17). τῇ ἐτοιμασίᾳ τῆς καρδίας  
 αὐτῶν προσέσχε τοὺς σου [Α  
 αὐτοῦ] (1a)  
 16 (17). 6. κλῖνον τοὺς σου ἐμοί (1a)  
 17 (18). 6. ἡ κραυγὴ μου . . . εἰσελεύσεται εἰς  
 τὰ ὦτα αὐτοῦ (1a)  
 30 (31). 2. κλῖνον πρὸς με τοὺς σου (1a)  
 33 (34). 15. καὶ ὅτα αὐτοῦ εἰς θέτην αὐτῶν (1a)  
 43 (44). 1. ἐν τοῖς ὡσὶν ἡμῶν ἤκουσαμεν (1a)  
 44 (45). 10. κλῖνον τοὺς σου (1a)  
 48 (49). 4. κλῖνας εἰς παραβολὴν τοὺς σου (1a)  
 57 (58). 4. ὡσεὶ δασύτης κακῆς καὶ βουισσῆς τὰ  
 ὦτα αὐτῆς (1a)  
 70 (71). 2. κλῖνον πρὸς με τοὺς σου (1a)  
 77 (78). 1. κλῖνατε τοὺς ὤμους εἰς τὰ ῥήματα  
 τοῦ στόματός μου (1a)  
 85 (86). 1. κλῖνον, κύριε, τοὺς σου (1a)  
 87 (88). 2. κλῖνον τοὺς σου εἰς τὴν δέξιμόν μου (1a)  
 91 (92). 11. Α Β² Β ἀκούσεται [Β Β¹ εἰσακ.]  
 τὸς σου (1a)  
 93 (94). 9. φθύνεται τοὺς σου οὐκ ἀκούει (1a)  
 101 (102). 2. κλῖνον πρὸς με τοὺς σου (1a)  
 113. 14 (115. 6). ὅτα ἔχουσιν καὶ οὐκ ἀκούσονται (1a)  
 114 (116). 2. ἔκλινε τοὺς σου αὐτοῦ ἐμοί (1a)  
 129 (130). 2. γενήσονται τὰ ὦτά σου προσέχοντα (1a)  
 134 (135). 17. Β Β² ὅτα ἔχουσιν καὶ οὐκ ἐνωτι-  
 θήσονται [Α ἀκούσονται] (1a)  
 Pr. 2. 20. ὑποακούσεται σοφίας τοὺς σου (1a)  
 4. 20. τοῖς ἐμοί λόγοις παραβλάθων σὸν οὐς (1a)  
 5. 1. ἐμοὶ δὲ λόγοις παραβλάθων σὸν οὐς  
 — 13. οὐδὲ παρίβαλλον τοὺς σου (1a)  
 18. 15. ὅτα δὲ σφῶν ζητεῖ ἐννοίαν (1a)  
 20. 12. οὐς ἀκούει καὶ οὐδὲ μὴ δὴ ὁρᾷ (1a)  
 21. 13. ὅς φράσεται τὰ ὦτα αὐτοῦ (1a)  
 22. 17. λόγους σοφῶν παρίβαλλον σὸν οὐς (1a)  
 23. 9. εἰς ὅτα ἀφρονεῖ μὴδὲν λέγει (1a)  
 — 12. τὰ δὲ ὦτά σου ἐτοιμάσων λόγους αὐθι-  
 σεις (1a)  
 25. 12. λόγους σοφῶς εἰς εὐχόνην οὐς (1a)  
 28. 9. ὁ ἐκκλῖνον τοὺς σου αὐτοῦ μὴ εἰσακούσαι  
 νόμον (1a)  
 Ec. 1. 8. οὐκ πληροῦσθαι [Β οὐκ ἐμπληροῦσθαι]  
 οὐς ἀπὸ ἀκρόασις (1a)  
 12. 9. οὐς ἐξηγῶνται κόσμον παραβολῶν  
 [Β² al.] (1b)  
 Wi. 1. 10. οὐς [Β¹ al.] ἡλώσῃς ἀκροῦται τὰ πάντα  
 15. 15. οὐτε ὅτα αὐτοῦ (1a)  
 Si. 3. 29. οὐς ἀκροατοῦ ἐπιθυμία σοφοῦ  
 6. κλῖνον πτωχῶν τοὺς σου (1a)  
 6. 33. ἐὰν κλῖνῃς [Β ἐκκλ.] τοὺς σου (1a)  
 16. 5. ἰσχυρότερα τούτων ἀκούει τοὺς σου [Α σου]  
 17. 6. ὅτα καὶ καρδίαν ἔδωκε  
 — 13. δόξαν φωνῆς αὐ. ἤκουσε τοὺς σου αὐ.  
 21. 15. Α ἀπέστρεψεν αὐτὸν ὁπίσω τῶν ὧτων [Β Σ  
 τοῦ νωτοῦ] αὐτοῦ (1a)  
 25. 9. ὁ θυγνώμενος εἰς ὅτα ἀκούωνται  
 38. 28. φωνὴ σφύρης καινὴ τοὺς σου αὐτοῦ  
 51. 16. ἔκλινε ὁλίγων τοὺς σου (1a)  
 Mi. 7. 16. τὰ ὦτα αὐτῶν ἀποκαμφθῇσονται (1a)  
 Za. 7. 11. τὰ ὦτα αὐτῶν ἐβάρυνται (1a)  
 Is. 5. 9. ἡκούσθη γὰρ εἰς τὰ ὦ. κυρίου σβαθῶ  
 ταῦτα (1a)  
 6. 10. τοῖς αὐ. βαρεῖες ἤκουσαν . . . μὴ ποτε  
 . . . τοῖς αὐ. ἀκούσωσι (1a, 1a)  
 22. 14. ἀνακαλέσμενα ταῦτά ἐστιν ἐν τοῖς  
 [Β¹ om. ἐν τ.] ὦ. κυρίου σβαθῶ (1a)  
 30. 21. τὰ ὦ. σου ἀκούονται τῶν λόγους τῶν  
 ὁπίσω σε πεινησάντων (1a)  
 32. 3. τὰ ὦ. ἀκούει δάσονται (1a)  
 33. 15. βαρύνων τὰ ὦ. (1a)  
 35. 5. ὅτα κωφῶν ἀκούσονται (1a)  
 36. 11. ἴνα τὴ λαλεῖς εἰς τὰ ὦ. τῶν ἀνθρώπων  
 [Α ἀνδρῶν τῶν καθήμενῶν] ἐπὶ τῷ  
 τελεῖ (1a)  
 37. 17. Β κλῖνον, κύριε, τοὺς σου (1a)  
 42. 20. ἡτοιμασέν τὰ (1a)  
 48. 20. κωφοὶ τὰ [Α om.]. ὦ. ἔχοντες (1a)  
 48. 8. οὐτε ἀπ' ἀρχῆς ἤνοιξάν σου τὰ ὦ. (1a)  
 49. 20. ἐρήσει γὰρ εἰς τὰ ὦ. σου οἱ υἱοὶ σου (1a)  
 50. 5. ἀνοίγει μου τὰ ὦ. (1a)  
 53. 3. προσέχεις τοῖς αὐ. [Α ὁτίως] ὡμῶν (1a)  
 59. 1. ἡ ἐβάρυνε τοὺς σου αὐτοῦ [Β om.] (1a)  
 Je. 5. 21. ὅτα αὐτοῖς καὶ οὐκ ἀκούονται (1a)  
 6. 10. ἀπεριτμήματα τὰ ὦ. αὐτῶν [Α Σ ὡμῶν] (1a)

ε. 7. 24, 26. οὐ προσέσχε τοὺς οὗς αὐτῶν (1a)  
 9. 20 (19). δεξίσθη τὰ δ. ὑμῶν λόγους σὺ-  
 μαντος αὐτοῦ (1a)  
 17. 23. οὐκ ἐκλίνατο τοὺς οὗς αὐτῶν (1a)  
 19. 3. ἤχησεν τὰ δ. αὐτοῦ (1a)  
 25. 4. οὐ προσέσχετο τοῖς δ. ὑμῶν (1a)  
 33 (26). 11. καθὼς προέτασαν ἐν τοῖς ὡσὶν ὑμῶν  
 — 15. λαλήσαι εἰς τὰ δ. [B<sup>1</sup> om.] ὑμῶν πάντας  
 τοὺς λόγους τοῦτους (1a)  
 85 (28). 7. ὃν λέγει εἰς τὰ δ. ὑμῶν καὶ εἰς τὰ  
 δ. παντὸς τοῦ λαοῦ (1a, 1a)  
 38 (29). 29. ἀνέγνω Σοφονίας τὸ βιβλίον εἰς  
 τὰ δ. Ἱερουσόμ (1a)  
 41 (34). 14. οὐκ ἐκλίνατο τοὺς οὗς αὐτῶν (1a)  
 42 (35). 15. οὐκ ἐκλίνατο τὰ δ. ὑμῶν (1a)  
 43 (36). 6. ἀναισθήσῃ . . . εἰς τὰ δ. τοῦ λαοῦ (1a)  
 — 8. καὶ ἐν ὧσι παντὸς Ἰούδα [A τοῦ λαοῦ]  
 . . . ἀναισθήσῃ αὐτοῖς (1a)  
 — 10. ἐν ὧσι [A εἰς τὰ δ.] παντὸς τοῦ λαοῦ (1a)  
 — 13. ἀναισθησκόντων Βαρούκ εἰς τὰ δ. τοῦ  
 λαοῦ [B<sup>1</sup> δ. κυρίου τοῦ θεοῦ] (1a)  
 — 14. ἀναισθησκείν ἐν αὐτῇ ἐν ὧσι τοῦ λαοῦ (1a)  
 — 15. ἀναισθηθεὶς εἰς τὰ δ. ἡμῶν (1a)  
 — 21. ἀνέγνω Ἰουδὴν εἰς τὰ δ. τοῦ βασιλέως  
 καὶ εἰς τὰ δ. πάντων τῶν ἀρχόντων  
 (1a, 1a)  
 51 (44). 5. οὐκ ἐκλίνατο τοὺς οὗς αὐτῶν (1a)  
 Ba. 1. 3. ἀνέγνω Βαρούχ . . . ἐν ὧσιν Ἱερουσόμ . . .  
 καὶ ἐν ὧσι παντὸς τοῦ λαοῦ  
 — 4. ἐν ὧσι τὴν δυνατείαν . . . καὶ ἐν ὧσι τῶν πρεσ-  
 βυτέρων καὶ ἐν ὧσι παντὸς τοῦ λαοῦ  
 2. 16. κλίνον, κύριε, τὸ οὖς σου —  
 — 31. δῶσάν αὐτοῖς καρδίαν καὶ ὄτα ἀκούοντα  
 La. 3. 56. B μὴ κρῖνῃς τὰ δ. σου (1a)  
 Ez. 3. 10. τοῖς δ. σου ἀκουε (1a)  
 8. 18. A καλέσουσιν ἐν τοῖς δ. μου (1a)  
 9. 1. ἀνέκραγεν εἰς τὰ δ. μου φωνή μεγάλη (1a)  
 12. 2. ὅτα ἔχουσιν τοῦ ἀκοῖν (1a)  
 18. 12. ἔδωκα . . . τροχιλοῦς ἐπὶ τὰ δ. σου (1a)  
 23. 25. ὅτῃ σου ἀφελούσιν (1a)  
 24. 26. τοῦ ἀναγγεῖλαι σοὶ εἰς τὰ δ. (1a)  
 40. 4. ἐν τοῖς δ. σου ἀκουε (1a)  
 45. 10. τοῖς δ. σου ἀκουε πάντα (1a)  
 Da. LXX. 9. 18. πρῶσχε, κύριε, τὸ οὖς σου (1a)  
 Da. TH. 9. 18. κλίνον, ὁ θεός μου, τὸ οὖς σου (1a)  
 I Ma. 10. 7. ἀνέγνω . . . εἰς τὰ δ. παντὸς τοῦ λαοῦ  
 [Aq. Jb. 33. 8: 36. 10: Ps. 9. 38 (10. 17): JE. 6. 10: 35 (42): 15: 36 (43). 20.]  
 [Sm. Jr. 4. 12: 36. 10: Ps. 9. 38 (10. 17): Is. 6. 10: 35 (42): 15: 36 (43). 20.]  
 [Th. Ez. 29. 20: I Ki. 20. 12: Jb. 33. 8: 34. 3: 36. 10: Pr. 6. 1: 28. 17: Is. 37. 17: JE. 2. 2: 11. 8: Ez. 8. 18.]  
 [Al. Ge. 44. 18: Ps. 48 (49). 5: JE. 7. 26: Ez. 8. 18.]  
 οὐσία.  
 Da. 14. 13. ἐκληρονόμησε τὴν οὐ. αὐτῶν [S al.]  
 III Ma. 3. 28. τὴν οὐ. τοῦ ἐμπόπτουτος ὑπὸ τὴν  
 εὐδανὰν λήγεται  
 [Aq. Ps. 105 (106). 9 (P.): Ec. 2. 8.]  
 [Sm. Ps. 105 (106). 9 (P.): JE. 41 (48). 5 (Sw.).]  
 [Th. Ps. 105 (106). 9 (P.).]  
 οὔτε.  
 Ex. 20. 17† *ter*, 17 *quater*.  
 Nu. 20. 5† *bis*: 21. 21 *bis*: 28. 25.  
 De. 2. 27†: 5. 21 (18)† *quinquies*, 21 (18) *bis*.  
 Jd. 19. 30† *bis*.  
 I Es. 4. 21 *ter*.  
 To. 3. 15†.  
 Ju. 7. 4 *ter*: 8. 18 *quater*, 20†.  
 Jb. 8. 26 *ter*.  
 Ps. 58 (59). 3 *bis*: 74 (75). 6 *ter*.  
 Wi. 1. 14†: 6. 23: 12. 13, 14: 13. 1†: 14. 13  
*bis*, 24 *bis*: 15. 4, 15 *quater*: 16. 12 *bis*: 17. 5.  
 Si. 16. 27 *bis*, 27†: 23. 7†: 30. 19: 42. 21 *bis*.  
 Ho. 1. 7† *quinquies*: 3. 4† *bis*.  
 Is. 1. 6 *quinquies*: 80. 5† *bis*: 48. 8 *ter*: 53. 2†:  
 60. 19†: 68. 19†.  
 Je. 15. 10, 10†.  
 Da. 3. 23†.  
 Ep. Je. 28, 28†, 34 *quater*, 35 *bis*, 38, 43†, 49 *bis*,  
 63† *bis*, 64 *quater*.  
 Da. LXX. 2. 43: 3. 18 *bis*: 6. 22 (23) *bis*.

I Ma. 8. 16†: 15. 33 bis.  
 II Ma. 5. 10: 6. 6 ter, 26 bis.  
 IV Ma. 5. 29†, 38 bis.  
 [Aq. JE. 15. 10.]  
 [Sm. Ex. 15. 11 bis: Ps. 138 (139). 12: 143  
 (144). 14 bis: Is. 1. 6 ter: JE. 15. 10: Ez. 21.  
 26 (31) bis.]  
 [Th. JE. 15. 10: Ez. 7. 11.]  
 οὐτε μή.  
 Ex. 22. 21 (20) (ind.)†.  
 Nu. 23. 25.  
 De. 4. 28† ter: 31. 6† bis.  
 Jo. 28. 7† bis.  
 Jb. 15. 29 bis.  
 Si. 80. 19.  
 Ep. Je. 28† bis, 36†, 66 (ind.†), 67 (ind.†).  
 Ez. 24. 23†, 23.  
 οὐτε οὐ μή.  
 Ep. Je. 36†, 53, 57 (ind.†) bis, 58†, 66 (ind.†), 67  
 (ind.)†.  
 οὐτοι.  
 Nu. 18. 32†(?).  
 οὐτως, passim.  
 οὕτω, οὕτως. (1) וְכֵן (2) וְכֵן (3) א. הַכֵּן  
 ב. הַכֵּן ג. הַכֵּן ד. הַכֵּן ה. הַכֵּן  
 (4) הַכֵּן (5) א. הַכֵּן ב. הַכֵּן ג. הַכֵּן ד. הַכֵּן  
 (6) הַכֵּן (7) א. הַכֵּן ב. הַכֵּן ג. הַכֵּן ד. הַכֵּן  
 (8) הַכֵּן (9) א. הַכֵּן ב. הַכֵּן (10) הַכֵּן  
 (11) הַכֵּן (12) הַכֵּן (13) א. הַכֵּן  
 (14) הַכֵּן (15) א. הַכֵּן (16) הַכֵּן  
 (17) הַכֵּן (18) א. הַכֵּן  
 (19) הַכֵּן (20) הַכֵּן (21) א. הַכֵּן  
 (22) הַכֵּן (23) א. הַכֵּן (24) הַכֵּן  
 (25) הַכֵּן (26) א. הַכֵּן (27) הַכֵּן  
 (28) הַכֵּן (29) א. הַכֵּן (30) הַכֵּן  
 (31) הַכֵּן (32) א. הַכֵּן (33) הַכֵּן  
 (34) הַכֵּן (35) א. הַכֵּן (36) הַכֵּן  
 (37) הַכֵּן (38) א. הַכֵּן (39) הַכֵּן  
 (40) הַכֵּן (41) א. הַכֵּן (42) הַכֵּן  
 (43) הַכֵּן (44) א. הַכֵּן (45) הַכֵּן  
 (46) הַכֵּן (47) א. הַכֵּן (48) הַכֵּן  
 (49) הַכֵּן (50) א. הַכֵּן (51) הַכֵּן  
 (52) הַכֵּן (53) א. הַכֵּן (54) הַכֵּן  
 (55) הַכֵּן (56) א. הַכֵּן (57) הַכֵּן  
 (58) הַכֵּן (59) א. הַכֵּן (60) הַכֵּן  
 (61) הַכֵּן (62) א. הַכֵּן (63) הַכֵּן  
 (64) הַכֵּן (65) א. הַכֵּן (66) הַכֵּן  
 (67) הַכֵּן (68) א. הַכֵּן (69) הַכֵּן  
 (70) הַכֵּן (71) א. הַכֵּן (72) הַכֵּן  
 (73) הַכֵּן (74) א. הַכֵּן (75) הַכֵּן  
 (76) הַכֵּן (77) א. הַכֵּן (78) הַכֵּן  
 (79) הַכֵּן (80) א. הַכֵּן (81) הַכֵּן  
 (82) הַכֵּן (83) א. הַכֵּן (84) הַכֵּן  
 (85) הַכֵּן (86) א. הַכֵּן (87) הַכֵּן  
 (88) הַכֵּן (89) א. הַכֵּן (90) הַכֵּן  
 (91) הַכֵּן (92) א. הַכֵּן (93) הַכֵּן  
 (94) הַכֵּן (95) א. הַכֵּן (96) הַכֵּן  
 (97) הַכֵּן (98) א. הַכֵּן (99) הַכֵּן  
 (100) הַכֵּן (101) א. הַכֵּן (102) הַכֵּן  
 (103) הַכֵּן (104) א. הַכֵּן (105) הַכֵּן  
 (106) הַכֵּן (107) א. הַכֵּן (108) הַכֵּן  
 (109) הַכֵּן (110) א. הַכֵּן (111) הַכֵּן  
 (112) הַכֵּן (113) א. הַכֵּן (114) הַכֵּן  
 (115) הַכֵּן (116) א. הַכֵּן (117) הַכֵּן  
 (118) הַכֵּן (119) א. הַכֵּן (120) הַכֵּן  
 (121) הַכֵּן (122) א. הַכֵּן (123) הַכֵּן  
 (124) הַכֵּן (125) א. הַכֵּן (126) הַכֵּן  
 (127) הַכֵּן (128) א. הַכֵּן (129) הַכֵּן  
 (130) הַכֵּן (131) א. הַכֵּן (132) הַכֵּן  
 (133) הַכֵּן (134) א. הַכֵּן (135) הַכֵּן  
 (136) הַכֵּן (137) א. הַכֵּן (138) הַכֵּן  
 (139) הַכֵּן (140) א. הַכֵּן (141) הַכֵּן  
 (142) הַכֵּן (143) א. הַכֵּן (144) הַכֵּן  
 (145) הַכֵּן (146) א. הַכֵּן (147) הַכֵּן  
 (148) הַכֵּן (149) א. הַכֵּן (150) הַכֵּן  
 (151) הַכֵּן (152) א. הַכֵּן (153) הַכֵּן  
 (154) הַכֵּן (155) א. הַכֵּן (156) הַכֵּן  
 (157) הַכֵּן (158) א. הַכֵּן (159) הַכֵּן  
 (160) הַכֵּן (161) א. הַכֵּן (162) הַכֵּן  
 (163) הַכֵּן (164) א. הַכֵּן (165) הַכֵּן  
 (166) הַכֵּן (167) א. הַכֵּן (168) הַכֵּן  
 (169) הַכֵּן (170) א. הַכֵּן (171) הַכֵּן  
 (172) הַכֵּן (173) א. הַכֵּן (174) הַכֵּן  
 (175) הַכֵּן (176) א. הַכֵּן (177) הַכֵּן  
 (178) הַכֵּן (179) א. הַכֵּן (180) הַכֵּן  
 (181) הַכֵּן (182) א. הַכֵּן (183) הַכֵּן  
 (184) הַכֵּן (185) א. הַכֵּן (186) הַכֵּן  
 (187) הַכֵּן (188) א. הַכֵּן (189) הַכֵּן  
 (190) הַכֵּן (191) א. הַכֵּן (192) הַכֵּן  
 (193) הַכֵּן (194) א. הַכֵּן (195) הַכֵּן  
 (196) הַכֵּן (197) א. הַכֵּן (198) הַכֵּן  
 (199) הַכֵּן (200) א. הַכֵּן (201) הַכֵּן  
 (202) הַכֵּן (203) א. הַכֵּן (204) הַכֵּן  
 (205) הַכֵּן (206) א. הַכֵּן (207) הַכֵּן  
 (208) הַכֵּן (209) א. הַכֵּן (210) הַכֵּן  
 (211) הַכֵּן (212) א. הַכֵּן (213) הַכֵּן  
 (214) הַכֵּן (215) א. הַכֵּן (216) הַכֵּן  
 (217) הַכֵּן (218) א. הַכֵּן (219) הַכֵּן  
 (220) הַכֵּן (221) א. הַכֵּן (222) הַכֵּן  
 (223) הַכֵּן (224) א. הַכֵּן (225) הַכֵּן  
 (226) הַכֵּן (227) א. הַכֵּן (228) הַכֵּן  
 (229) הַכֵּן (230) א. הַכֵּן (231) הַכֵּן  
 (232) הַכֵּן (233) א. הַכֵּן (234) הַכֵּן  
 (235) הַכֵּן (236) א. הַכֵּן (237) הַכֵּן  
 (238) הַכֵּן (239) א. הַכֵּן (240) הַכֵּן  
 (241) הַכֵּן (242) א. הַכֵּן (243) הַכֵּן  
 (244) הַכֵּן (245) א. הַכֵּן (246) הַכֵּן  
 (247) הַכֵּן (248) א. הַכֵּן (249) הַכֵּן  
 (250) הַכֵּן (251) א. הַכֵּן (252) הַכֵּן  
 (253) הַכֵּן (254) א. הַכֵּן (255) הַכֵּן  
 (256) הַכֵּן (257) א. הַכֵּן (258) הַכ



- Ex. 14. 4. καὶ ἐποίησαν οὕ. (13 a)  
 16. 17. ἐποίησαν δὲ οὐ. οἱ υἱοὶ Ἰσραὴλ (13 a)  
 17. 6. ἐποίησε δὲ Μωσῆς οὕ. (13 a)  
 22. 11 (10). καὶ οὕ. προσδέχεται ὁ κύριος αὐτοῦ - (13 a)  
 — 30 (29). οὕτω ποιήσεις τὸν μόσχον σου (13 a)  
 23. 11. οὕτω ποιήσεις τὸν ἀμπελῶνά σου (13 a)  
 25. 8 (9). οὕτω ποιήσεις (13 a)  
 — 32 (33). οὕτω τοῖς ἐξ καλαμίσκοις (13 a)  
 — 34 (35), 35 (36) (A). οὕ. τοῖς ἐξ καλαμίσκοις - (13 a)  
 26. 4. καὶ οὕτω ποιήσεις ἐπὶ τοῦ χιτῶνος (13 a)  
 — 17. οὕτω ποιήσεις πᾶσι τοῖς στυλοῖς (13 a)  
 — 24. οὕτω ποιήσεις ἀμφοτέραις ταῖς δυσὶ γωνίαις (13 a)  
 27. 8. οὕτω ποιήσεις αὐτὸ [A om.] (13 a)  
 — 11. οὕ. τῷ κλίτει . . . ἱστία (13 a)  
 29. 35. ποιήσεις . . . οὕ. κατὰ πάντα (11)  
 39. 11 (32), 22 (42), 23 (43). οὕ. ἐποίησαν (13 a)  
 40. 16. ὅσα ἐνετείλατο . . . κύριος οὕ. ἐποίησε (13 a)  
 Le. 4. 20. οὕ. ποιηθήσεται (13 a)  
 6. 37 (7). οὕ. καὶ τὸ τῆς πλημμελείας (8)  
 8. 35. οὕτω γὰρ ἐνετείλατό μοι κύριος (13 a)  
 10. 13. οὕτω γὰρ ἐντέταλται μοι (13 a)  
 16. 3. οὕ. εἰσελεύσεται Ἄ. εἰς τὸ ἅγιον (7 f)  
 — 16. καὶ οὕτω ποιήσῃ τῇ σκηνῇ (13 a)  
 24. 20. οὕτω δοθήσεται αὐτῷ (13 a)  
 25. 16. οὕτως ἀποδώσεται σοι (13 a)  
 26. 16. ἐγὼ ποιῶσιν οὕτως ὑμῖν (7 e)  
 27. 12. οὕτω στῆσεται (13 a)  
 — 14. οὕτω σταθῆσεται (13 a)  
 Nu. 1. 54. οὕτως ἐποίησαν (13 a)  
 2. 17. οὕτω καὶ ἐξήρουν (13 a)  
 — 34. οὕτω παρενέβαλον κατὰ τάγμα αὐ. (13 a)  
 — 34. καὶ οὕτω ἐξήρουν (13 a)  
 5. 4. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)  
 — 4. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)  
 6. 23. οὕτως εὐλογοῦντες τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (9 a)  
 8. 3. ἐποίησαν οὕτως Ἀαρὼν (13 a)  
 — 4. οὕτως ἐποίησε τὴν λυχνίαν (13 a)  
 7. 8. οὕτω ποιήσεις αὐτοῖς τὸν ἄγρισμον αὐ. (9 a)  
 — 20. 22. οὕτως ἐποίησαν αὐτοῖς (13 a)  
 — 26. οὕτως ποιήσεις τοῖς Λευίταις (11)  
 9. 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)  
 — 14. Α. οὕτως [B om.] ποιήσῃ αὐτὸ (13 a)  
 — 16. οὕτως ἐγένετο διὰ παντός (13 a)  
 11. 15. εἰ δ' οὕτω σὺ ποιῆς μοι (11)  
 12. 7. οὐχ οὕτως [A add. ὧς] ὁ θεράπων μου Μ. (13 a)  
 13. 34 (33). οὕτως ἦμεν ἐνώπιον αὐτῶν (13 a)  
 14. 28. οὕτω ποιῶμεν ὑμῖν (13 a)  
 — 35. Β<sup>1</sup> εἰ μὴ [A B<sup>2</sup> R μὴν] οὕτω ποιῶμεν (7 e)  
 15. 11. οὕτω ποιήσεις τῷ μόσχῳ τῷ ἐνὶ (11)  
 — 12. οὕτως ποιήσετε τῷ ἐνὶ (11)  
 — 13. ποιήσεις οὕτως τοιαῦτα (11)  
 — 14. οὕτω ποιήσῃ ἐν συναγωγῇ κυρίῳ (13 a)  
 — 20. οὕτως ἀφελείτε αὐτὸν (13 a)  
 16. 11. οὕτως σὺ καὶ πᾶσα ἡ συναγ. σου (13 b)  
 17. 11 (26). οὕτως ἐποίησαν (13 a)  
 18. 28. οὕτως ἀφελείτε αὐτοὺς (13 a)  
 22. 30. μὴ . . . ἐποίησά σοι οὕτως [A τοῦτο] (9 a)  
 23. 5. οὕτω λαλήσεις (9 a)  
 25. 12. οὕτως εἰπὼν (13 b)  
 26. 42. Α<sup>1</sup> οὕτω [A<sup>2</sup> B οὕτοι] δῆμοι Δάν (13 a)  
 30. 8. οὕτω στήσονται πᾶσαι αἱ ἐκχαῖ αὐ. (13 a)  
 32. 8. οὐχ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ὑμῶν (17 b)  
 — 23. ἐὰν δὲ μὴ ποιήσῃτε οὕτως (13 a)  
 — 31. οὕτω ποιήσωμεν (13 a)  
 36. 5. οὕτως φυλὴ νῶον Ἰ. λέγουσιν (13 a)  
 — 10. οὕτως ἐποίησαν θυγατέρες Σ. (13 a)  
 De. 8. 21. οὕτως ποιῆσαι κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (13 a)  
 4. 5. ποιήσαι οὕτως ἐν τῇ γῇ (13 a)  
 5. 29 (26). τίς δώσει εἶναι οὕ. τὴν καρδίαν αὐ. (6 + 7 a)  
 — 31 (28). Β<sup>2</sup> R ποιείτωσαν οὕτως [A B<sup>1</sup> om.] ἐν τῇ γῇ (13 a)  
 6. 1. διδάξαι ὑμᾶς ποιεῖν οὕτως (9 a)  
 7. 5. οὕτω ποιήσετε αὐτοῖς (9 a)  
 — 19. οὕτω ποιήσῃ . . . πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (13 a)  
 8. 5. οὕτω κ. ὁ θ. σου παιδεύσει σε (13 a)  
 — 20. οὕτως ἀπολείψῃ (13 a)  
 12. 4. οὐ ποιήσετε οὕτω κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (13 a)  
 — 22. οὕτω φάγῃ αὐτὸ (13 a)  
 — 31. οὐ ποιήσεις οὕτω τῷ θεῷ σου (13 a)  
 15. 2. οὕτω τὸ πρόσταγμα τῆς ἀφίσσεως (7 a)  
 18. 14. σοὶ οὕτω οὕτως ἔδωκε κ. ὁ θεὸς σου (13 a)  
 19. 21. ΑΒ<sup>2</sup> οὕτως δοθήσεται αὐτῷ (13 a)  
 20. 15. οὕτω ποιήσεις πᾶσας τὰς πόλεις (13 a)  
 22. 3. οὕτω ποιήσεις τὸν θῶνον αὐ. (13 a)  
 De. 22. 3. Α. R οὕτω ποιήσεις τὸ ἱμάτιον αὐ. (13 a)  
 — 3. οὕτω ποιήσεις κατὰ πᾶσαν σπώλειαν (13 a)  
 — 26. οὕτω τὸ πρᾶγμα τοῦτο (13 a)  
 25. 9. οὕτω ποιήσουσι τῷ ἀνθρώπῳ (11)  
 28. 63. οὕτως εἰφρανθήσεται κ. ἐφ' ἡμῖν (13 a)  
 29. 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτω (11)  
 32. 6. ταῦτα κυρίῳ ἀπαποδίδετε οὕτω (7 e)  
 Jo. 1. 5. οὕτως ἔσομαι καὶ μετὰ σοῦ (13 a)  
 2. 21. Α. οὕτως ἔσται [B al.] (13 a)  
 3. 7. οὕτως ἔσομαι καὶ μετὰ σοῦ (13 a)  
 4. 8. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)  
 6. 13 (14). οὕτως ἐποίει ἐπὶ ἐξ ἡμέρας (9 a)  
 — 25 (26). οὕτως ἐποίησεν Ὁζάν (13 a)  
 7. 20. οὕτως καὶ οὕτως ἐποίησα (7 g, 7 g)  
 9. 2 (8. 34). οὕτως [A om.] ἀνέγνω Ἰ. πάντα τὰ ῥήματα (13 a)  
 — 26. ἐποίησαν αὐτοὺς οὕτως (13 a)  
 10. 1. οὕτως ἐποίησαν καὶ τὴν Γαῖ (13 a)  
 — 25. οὕτω ποιήσῃ κύριος (11)  
 — 39. οὕτως ἐποίησαν τὴν Δ. (13 a)  
 11. 15. οὕτως ἐποίησεν Ἰ. (13 a)  
 14. 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)  
 22. 6. εἴπαμεν ποιῆσαι οὕτω (13 a)  
 23. 15. οὕτως ἐπάξει κ. ὁ θεὸς ἐφ' ὑμᾶς (13 a)  
 Jd. 1. 7. οὕτως ἀνταπέδοκε μοι ὁ θεὸς (13 a)  
 2. 17. οὐκ ἐποίησαν οὕτω (13 a)  
 5. 15. οὕτως Β. ἐν κοιλάσιν [A al.] (13 a)  
 — 31. οὕτως ἀπόλονται πάντες οἱ ἐχθροὶ σου (13 a)  
 6. 20. καὶ ἐποίησεν οὕτως (13 a)  
 — 38. καὶ ἐγένετο οὕτως (13 a)  
 — 40. ἐποίησεν ὁ θεὸς οὕτως (13 a)  
 7. 17. καὶ οὕτω ποιήσετε (13 a)  
 — 17. οὕτω ποιήσετε (13 a)  
 8. 7. Α. οὕχ οὕτως [B διὰ τοῦτο] ἐν τῷ δυνάμει (17 c)  
 11. 8. Α. οὕχ οὕτως [B διὰ τοῦτο] νῦν ἡλθομεν (17 c)  
 — 10. κατὰ τὸ ῥῆμά σου οὕτω ποιήσωμεν (13 a)  
 — 15. οὕτω [A τάδε] λέγει Ἰ. (9 a)  
 12. 6. οὐ κατέβηκε τοῦ λαλήσαι οὕτως [A al.] (13 a)  
 14. 10. οὕτως ποιούσιν οἱ νεανίσκοι (13 a)  
 15. 7. ἐὰν ποιήσῃτε οὕτως ταῦτην [A om.] (7 g)  
 — 11. οὕτως ἐποίησα αὐτοῖς (13 a)  
 16. 26. Α. ὁ δὲ παῖς ἐποίησεν οὕτως (13 a)  
 18. 4. οὕτω καὶ οὕτως ἐποίησε μοι Μ. (7 d, 7 c)  
 19. 30. Α. οὕτε ὥφθη οὕτως [B al.] (7 g)  
 20. 32 (B) : 21. 11. καὶ ἐποίησαν οὕτως (13 a)  
 21. 14. ἤρπεν αὐτοῖς οὕτω (13 a)  
 — 23. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Β. (13 a)  
 I Ki. 1. 7. οὕτως ἐποίει ἐναντὶν κατ' ἐναντὶν (13 a)  
 2. 24. μὴ ποιείτε οὕτως (13 a)  
 3. 14. καὶ οὐδ' οὕτως ὥμοσα (16 a)  
 5. 7. εἶδον . . . ὅτι οὕτως (13 a)  
 6. 10. ἐποίησαν οἱ ἀλλόφυλοι οὕτω (13 a)  
 8. 8. οὕτως αὐτοὶ ποιούσι καὶ σοὶ (13 a)  
 9. 13. οὕτως εὐρίσχετε αὐτὸν (13 a)  
 15. 32. εἰ οὕτω πικρὸς ὁ θάνατος (15)  
 — 33. οὕτως ἀνεκωθίζεται . . . ἡ μήτηρ σου (13 a)  
 17. 27. Α. οὕτως ποιηθήσεται τῷ ἀνδρὶ (9 a)  
 19. 17. ἵνα τί οὕτως παρελογίσω με (11)  
 20. 8. ἵνα τί οὕτως εἰσάγεις με (7 a)  
 23. 17. Σ. ὁ πατήρ μου οἶδεν οὕτως (13 a)  
 26. 24. οὕτως μεγαλυνεῖ ἡ ψυχὴ μου (13 a)  
 28. 2. οὕτω νῦν γνῶσθι (13 b)  
 — 2. οὕτως ἀρχισωματοφύλακα θήσωμαι σε (13 b)  
 30. 23. οὐ ποιήσετε οὕτως (13 a)  
 — 24. οὕτως ἔσται ἡ μερίς τοῦ καθημένου (8)  
 II Ki. 3. 9. οὕτως ποιῶμαί τοῦ (9 a)  
 6. 22. ἀποκαλιψήσομαι [A om.] ἐπὶ οὕτως (7 h)  
 7. 17. οὕτως ἐλάλησε Ν. πρὸς Δ. (13 a)  
 9. 11. οὕτως ποιῆσαι ὁ δοῦλός σου (13 a)  
 11. 25. ποτὶ μὲν οὕτως καὶ ποτὶ οὕτως φάγεται ἡ μάχαιρα (7 d, 7 c)  
 12. 31. οὕτως ἐποίησε πᾶσας ταῖς πόλεσιν (13 a)  
 13. 4. τί σοι ὅτι σὺ οὕτως ἀσθενεῖς [A -εἰς] (11)  
 — 12. οὐ ποιήσεται οὕτως ἐν Ἰσρ. (13 a)  
 — 18. ὅτι οὕτως ἐνεδιδύκοντο (13 a)  
 — 35. οὕτως ἐγένετο (13 a)  
 14. 17. οὕτως ὁ κ. μου ὁ βασι. τοῦ ἀκούειν (13 a)  
 15. 26. ἐὰν εἴπῃ οὕτως (9 a)  
 16. 7. οὕτως ἔλεγε Σ. (9 a)  
 — 10. οὕτως καταράσθω (10\*, 9 a)  
 — 10. ὥς τί ἐποίησας οὕτως (13 a)  
 — 18. Α. οὕτως [B αὐτῷ] ἔσομαι (13 a)  
 — 19. οὕτως ἔσομαι ἐνώπιόν σου (13 a)  
 — 23. οὕτως πᾶσα ἡ βουλὴ τῷ Ἀχ. (13 a)  
 17. 11. οὕτως συμβουλεύω ἐγὼ συμβούλευσα - (13 a)  
 II Ki. 17. 15. οὕτως καὶ οὕτως συμβούλευσεν Ἀχ. τῷ Ἀβ. (7 g, 7 g)  
 — 15. οὕτως καὶ οὕτως συμβούλευσα ἐγὼ (7 g, 7 g)  
 — 21. οὕτως ἐβουλεύετο περὶ ὑμῶν Ἀχ. (11)  
 18. 14. Β. οὐχ οὕτως μενῶ (13 a)  
 — 33 (19. 1). οὕτως εἶπεν ἐν τῷ πορεύεσθαι αὐτὸν (9 a)  
 19. 42 (43). ἵνα τί οὕτως [A τοῦτο] ἐθυμώθη (7 a)  
 20. 18. ἐπερωτήσουσιν ἕνα ἐν Ἀ. καὶ οὐ. (13 a)  
 — 21. R οὐχ οὕτως [A B οὕτος] ὁ λόγος (13 a)  
 23. 5. R οὐ γὰρ οὕτως [A B οὕτος] ὁ οἶκός μου (13 a)  
 III Ki. 1. 30. οὕτω ποιῶσα τῇ ἡμέρᾳ ταύτῃ (13 a)  
 — 36. γένοιτο οὕτως (13 a)  
 — 37. οὕτως [A om.] εἴη μετὰ Σαλ. (13 a)  
 — 48. οὕτως εἶπεν ὁ βασι. (11)  
 2. 7. οὕτως ἡγγισάν μοι (13 a)  
 3. 1 (cf. A 9. 24). οὕτως θυγατὴρ Φ. ἀνέβαινε (2)  
 — 1 (2. 38). οὕτω ποιῆσαι ὁ δοῦλός σου (13 a)  
 4. 15. Β<sup>1</sup> οὕτως [A B<sup>2</sup> R οὕτος] ἔλαβε τὴν Β. (13 a)  
 — 27 (5. 7). ἐχορήγουν οἱ καθεσταμένοι οὕτως (3 a)  
 6. 25. οὕτως τῷ χερ. τῷ δευτέρῳ (13 a)  
 — 26. καὶ οὕτω τῷ χερ. τῷ δευτέρῳ (13 a)  
 — 33. Α. οὕτως ἐποίησεν τῷ πυλῶνι (13 a)  
 7. 15. καὶ οὕτως ὁ στυλὸς ὁ δεύτερος (13 a)  
 — 18. καὶ οὕτως ἐποίησε τῷ ἐπιθεμῇ τῷ δευτ. (13 a)  
 — 29. ἐπὶ τῶν ἐξερχομ. οὕτως καὶ ἐπάνωθεν (13 a)  
 — 31. Α. ποιῆμι οὕτως πῆχους (13 a)  
 9. 8. ἐνεκα τίνος ἐποίησε κύριος οὕτως (11)  
 10. 20. οὐ γέγονεν οὕτως πᾶσι βασιλείᾳ (13 a)  
 — 29. καὶ οὕτως πᾶσι τοῖς βασιλεύσι (13 a)  
 11. 8. οὕτως ἐποίησε πᾶσας ταῖς γυναιξὶν αὐ. (13 a)  
 12. 24. Β. οὕτως ἐλάλησε πρὸς σέ ὁ λαός (13 a)  
 — 24. Β. οὕτως λαλήσεις πρὸς τὸν λαόν (13 a)  
 13. 9. οὕτως ἐνετείλατό μοι (13 a)  
 — 17. οὕτως ἐντέταλται μοι (13 a)  
 14. 4. Α. ἐποίησεν οὕτως γυνὴ Ἰερ. (13 a)  
 17. 22. καὶ ἐγένετο οὕτως (13 a)  
 18. 33. Β. καὶ ἐποίησαν οὕτως (13 a)  
 20 (21). 7. σὺ νῦν οὕτω ποιεῖς βασιλείᾳ ἐπὶ Ἰσρ. (13 a)  
 21 (20). 25. καὶ ἐποίησεν οὕτως (13 a)  
 22. 5 (4). καὶ σὺ οὕτως (12)  
 — 8. μὴ λεγέτω ὁ βασι. οὕτως (13 a)  
 — 12. πάντες οἱ προφῆται ἐπροφήτευσαν οὕτως (13 a)  
 — 17. καὶ εἶπεν, Οὐχ οὕτως (13 a)  
 — 19. καὶ εἶπε Μ., Οὐχ οὕτως (17 c)  
 — 19. ἀκούε ῥῆμα κυρίου, οὐχ οὕτως (13 a)  
 — 20. καὶ εἶπεν οὕτως οὕτως καὶ οὕτως οὕτως [A om. κ. οὐ. οὐ.] (9 b, 9 b)  
 — 22. καὶ ποιήσουν οὕτως (13 a)  
 IV Ki. 1. 3 (4). καὶ οὐχ οὕτως (17 c)  
 — 6. 16. οὐχ οὕτως (17 c)  
 2. 10. Β. καὶ ἔσται [A R add. σοι] οὕτως (13 a)  
 5. 4. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησεν ἡ νεανίς (7 g, 7 g)  
 7. 9. οὐχ οὕτως ἡμεῖς ποιούμεν (13 a)  
 — 20. καὶ ἐγένετο [A add. αὐτῷ] οὕτως (13 a)  
 9. 12. οὕτως καὶ οὕτως ἐλάλησε πρὸς μέ (7 g, 7 g)  
 15. 12. καὶ ἐγένετο οὕτως (13 a)  
 16. 11. Α. οὕτως ἐποίησεν Οὐ. (13 a)  
 17. 9. ὅσοι ἡμφέισαντο . . . λόγους οὐχ οὕτως (13 a)  
 18. 21. οὕτως Φ. . . πᾶσι τοῖς πεποιθόσιν (13 a)  
 19. 32 : 21. 12 : 22. 20. οὐχ οὕτως (17 c)  
 I Ch. 13. 4. τοῖ ποιῆσαι οὕτως (13 a)  
 17. 4. οὕτως εἶπε κύριος (9 a)  
 — 7. οὕτως ἐρεῖς τῷ δοῦλῳ μου Δ. (9 a)  
 — 15. οὕτως ἐλάλησε Ν. πρὸς Δ. (13 a)  
 19. 3. Α. οὐχ οὕτως ἐρανῆσουσιν τὴν πόλιν [B8 al.] (13 a)  
 20. 3. οὕτως ἐποίησε Δ. (13 a)  
 21. 10, 11. οὕτως λέγει κύριος (9 a)  
 23. 30. καὶ οὕτω τὸ ἐσπέρας (13 a)  
 II Ch. 1. 12. μετὰ σέ οὐκ ἔσται οὕτως (13 a)  
 — 17. καὶ οὕτω πᾶσι τοῖς βασι. τῶν Χ. (13 a)  
 8. 14. ὅτι οὕτως ἐντολαὶ [A -ῇ] Δαυὶδ (13 a)  
 9. 19. οὐκ ἐγενήθη οὕτως ἐν πᾶσιν τῇ βασι. (13 a)  
 10. 10. οὕτως λαλήσεις τῷ λαῷ (9 a)  
 — 10. οὕτως ἐρεῖς (9 a)  
 12. 5. οὕτως εἶπε κύριος (9 a)  
 18. 3. ὥς ἐγὼ οὕτω καὶ σὺ (12)  
 — 7. μὴ λαλεῖται ὁ βασι. οὕτως (13 a)  
 — 11. ἐπροφήτευσαν οὕτω (13 a)  
 — 18. οὐχ οὕτως (17 c)  
 — 19. εἶπεν οὕτως [A add. εἶπεν] οὕτως καὶ οὕτως εἶπεν οὕτως (11, 11)  
 — 21. καὶ ποιήσουν οὕτω (13 a)  
 — 26. οὕτως εἶπεν ὁ βασι. (9 a)  
 19. 9. οὕτω ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (9 a)  
 — 10. οὕτω ποιήσετε (9 a)



11 Ch. 24, 11. οὕτως ἐποίησαν ἡμέραν ἐξ ἡμέρας (9 a)	Ps. 67 (68). 2. οὕτως ἀπόλονται οἱ ἀμαρτωλοί (12)	Si. 14, 18. οὕτως γενεά [A S και γ.] σαρκοῦ καὶ αἵματος
31. 20. ἐποίησαν οὕτως ἔξ. (7 g)	72 (73). 15. δηγήσομαι οὕτως (13 a)	16. 10. καὶ οὕτως ἐξακασίαι γαλιλάδας πεζῶν
32. 10. οὕτως λέγει Σ. ὁ βασι. Ἄ. (9 a)	82 (83). 15. οὕτως καταδιώξεις αὐτοῦς (13 a)	— 12. οὕτως καὶ πολλὰς ὁ ἔλεγχος αὐτοῦ
— 17. οὕτως οὐ μὴ ἐξελεῖται ὁ θεὸς ἔξ. (13 a)	89 (90). 12. A S <sup>2</sup> R τὴν δεξιάν σου οὕτως [B S <sup>1</sup> om.] γνώρισον (13 a)	18. 10. οὕτως ὀλίγα ἔτη ἐν [S <sup>1</sup> om.] ἡμέρᾳ αἰῶνος
— 31. οὕτως τοῖς πρεσβυταῖς τῶν ἀρχόντων (13 a)	102 (103). 15. ὥστε ἄριστος τοῦ ἀγροῦ οὕτως ἐξανθήσει (13 a)	— 16. οὕτως κρείσσων λόγος ἡ δόσις
34. 23. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (9 a)	122 (123). 2. οὕτως οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (13 a)	19. 12. οὕτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μου
— 24. οὕτω λέγει κύριος (9 a)	126 (127). 4. οὕτως οἱ υἱοὶ τῶν ἐκτεταγμένων (13 a)	20. 4. οὕτως ὁ ποιὼν ἐν [S <sup>1</sup> om.] βία κρίματα
— 26. οὕτως ἐρεῖτε αὐτῷ (9 a)	127 (128). 4. οὕτως εὐλογηθῆσεται ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (13 a)	— 18. οὕτως πτώσις κακῶν κατὰ σπουδὴν ἔξει
— 26. οὕτω λέγει κ. ὁ θ. Ἰσρ. (9 a)	138 (139). 12. ὡς τὸ σκότος αὐτῆς οὕτως καὶ τὸ φῶς αὐτῆς (8)	21. 4. οὕτως οἶκος ὑπερηφάνου ἐρημωθήσεται
35. 12. καὶ οὕτως εἰς τὸ πρῶτ (13 a)	147. 9 (20). οὕτως ὁ εἰσελθὼν πρὸς γυναῖκα ὑπανδρον οὐκ ἀφωβήσεται (13 a)	— 18. ὡς οἶκος ἡφανισμένος οὕτως μαρὸρ σοφία
1 Es. 1, 11. καὶ οὕτως τὸ πρῶτον	Pr. 6, 29. οὕτως ὁ εἰσελθὼν πρὸς γυναῖκα ὑπανδρον οὐκ ἀφωβήσεται (13 a)	22. 16. οὕτως καρδία ἐστηριγμένη ἐπὶ διανοήματος βουλή
3. 18. καὶ ἔφη οὕτως	9. 18. οὕτως γὰρ διαβήσῃ ἡδὼρ ἀλλότριον (13 a)	— 18. οὕτως καρδία δειλὴ ἐπὶ διανοήματος μαρῶ
— 24. οὕτως ἀναγκάζει ποιεῖν	10. 26. οὕτως παρανομία τοῖς χρωμένοις αὐτῇ (13 a)	— 24. οὕτως πρὸ αἱμάτων λοιδορία
— 24. εἰσὶν οὕτως εἴπας	11. 22. οὕτως γυναικὶ κακόφρονι κάλλος (13 a)	23. 10. οὕτως καὶ ὁ ὁμῶν . . . ἀπὸ ἀμαρτίας οὐ μὴ καθαρισθῇ
4. 12. οὕτως ἐπάκουστος ἐστὶ	12. 4. οὕτως ἀνδρὶ ἀπώλλυσι γυνὴ κακοποιός (13 a)	— 20. οὕτως καὶ μετὰ τὸ συνετελεσθῆναι [A τελ.]
— 32. οὕτως πρᾶσις οὐσί	17. 3. οὕτως ἐκλεκταὶ καρδία [S <sup>1</sup> καρδία ἐκ-λέγεται] παρὰ κυρίῳ (8)	— 22. οὕτως καὶ γυνὴ καταλιποῦσα τὸν ἄνδρα
8. 55. A B οὕτως [B ἄ] ἔδωκεν ὁ βασι.	19. 12. ὥσπερ δὲ δρόσος ἐπὶ χόρτῳ οὕτως τὸ ἱλαρὸν αὐτοῦ (13 a)	24. 10. οὕτως ἐν Σιών ἐστηρίχθη
9. 10. οὕτως ὡς εἰρηκας ποιήσομεν	— 18. οὕτως γὰρ ἔσται εὐελπίς (13 a)	— 28. καὶ οὕτως ὁ ἔσχατος οὐκ ἐξέλιχσεν αὐτήν
11 Es. 1, 2. οὕτως εἶπε κύριος (9 a)	21. 1. οὕτως καρδία βασιλέως ἐν χειρὶ θεοῦ (13 a)	25. 20. οὕτως γυνὴ γλωσσώδης ἀνδρὶ ἡσυχῷ
5. 9. οὕτως εἶπεν αὐτοῖς (14)	23. 7. οὕτως ἐσθίει καὶ πίνει (13 a)	27. 4. οὕτως σκύβαλα ἀνθρώπου ἐν λογισμῷ αὐτοῦ
6. 13. οὕτως ἐποίησαν ἐπιμελῶς (14)	— 28. A οὕτως [B οὐτος] γὰρ συντόμος ἀπολείπει (13 a)	— 6. οὕτως λόγος ἐνθυμημάτων καρδίας [A -ία] ἀνθρώπου
7. 27. ὅς ἔδωκεν οὕτως ἐν καρδίᾳ τοῦ βασι. (7 g)	24. 14. οὕτως αἰσθήσῃ σοφίαν τῇ σῇ ψυχῇ (13 a)	— 10. οὕτως ἀμαρτία [A S -ία] ἐργαζομένους ἀδικα [S <sup>2</sup> ἀδικίαν]
9. 3. A οὕτως δεῖ καὶ νῦν	25. 11. οὕτως εἰπὺν λόγον [S <sup>2</sup> λ. ἐπὶ ἀρμύουσιν] (13 a)	— 18. οὕτως ἀπώλεας τὴν φιλίαν τοῦ πλησίον
10. 16. ἐποίησαν οὕτως υἱοὶ τῆς ἀποικίας (13 a)	— 13. οὕτως ἄγγελοι πιστὸς τοὺς ἀποστεί-λατας αὐτῶν (13 a)	— 19. οὕτως ἀφῆκας τὸν πλησίον
Ne. 5, 9. οὐχ οὕτως . . . ἀπελευσεσθε	— 14. A B <sup>2</sup> S οὕτως οἱ καυχώμενοι [B <sup>1</sup> R ὁ κ.] ἐπὶ δόσει ψευδεῖ (13 a)	28. 10. κατὰ τὴν ὕλην πυρὸς οὕτως ἐκκαυθήσεται
— 12. οὕτως ποιήσομεν (13 a)	— 18. οὕτως καὶ ἀνὴρ ὁ καταμαρτυρῶν (13 a)	— 10. S κατὰ τὴν στερεώσιν τῆς μάχης σου οὐ. [A B om. σ. οὐ.] ἐκκαυθήσεται
— 13. οὕτως ἐκτινάξει ὁ θεός (11)	— 20. οὕτως προσπερὶ πάλος ἐν σώματι (13 a)	30. 19. οὕτως ὁ ἐκδικωκόμενος ὑπὸ κυρίου
— 13. ἔσται οὕτως ἐκτεταγμένος (11)	— 25. οὕτως ἀγγελία ἀγαθὴ ἐκ γῆς μακρόθεν (8)	— 20. B <sup>2</sup> οὕτως ὁ ποιὼν ἐν βία κρίματα
— 15. οὐκ ἐποίησα οὕτως (13 a)	— 26. οὕτως ἀκούσων δικαίων πεπαικέναι ἐνώ-πιον ἀσεβῶν (13 a)	31 (34). 2. οὕτως ὁ ἐπὶ χῶν ἐνθυμῶν
6. 13. ὅπως . . . ποιήσω οὕτως (13 a)	— 28. οὕτως ἀνὴρ ὅς οὐ μετὰ βουλῆς τι πράσσει (13 a)	— 26. οὕτως ἀνθρώπος νηστεύων ἐπὶ τῶν ἀμαρτιῶν αὐτοῦ
8. 17. οὐκ ἐποίησαν . . . οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (13 a)	26. 1. οὕτως οὐκ ἔστιν ἀφρονὶ τιμῇ (13 a)	33 (36). 4. οὕτως ἐνώπιον ἡμῶν μεγαλυνθήσιν ἐν αὐτοῖς
13. 18. οὐχὶ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ἡμῶν (9 a)	— 2. οὕτως ἀρὰ ματαία οὐκ ἐπελευσεται οὐδενὶ (13 a)	34 (31). 26. οὕτως οὐνος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων
— 26. οὐχ οὕτως [S <sup>1</sup> om.] ἤμαρτε Σαλ. (3 c)	— 3. οὕτως ῥάβδος ἔθνην παρανομῶ (8)	35 (32). 1. φρόντισον αὐτῶν καὶ οὕτω κάθισον
To. 5, 16. ἐδόκησαν οὐ. [S al.]	— 11. οὕτως ἀφρων . . . ἀναστρέψας ἐπὶ τὴν ἑαυτοῦ ἀμαρτίαν (13 a)	36 (33). 4. S ἐτοιμάσων λόγον καὶ οὕτως ἀκούσθησιν συνθήσων παιδείαν καὶ οὕτως [A B om.] ἀποκριθῇ
Ju. 8, 21. οὕτως καθήσεται πᾶσα ἡ Ἰ.	— 14. οὕτως ὁκνηρὸς ἐπὶ τῇ κλίμῃ αὐτοῦ (8)	— 13. οὕτως ἀνθρώποι ἐν χειρὶ τοῦ ποιήσαντος αὐτοῦς
9. 2. οὐχ οὕτως ἔσται	— 17. οὕτως ὁ προσεστὸς ἀλλοτρίως κρίσας (13 a)	— 14. οὕτως ἀπέναντι εὐσεβῶν ἀμαρτωλῶν
10. 10. καὶ ἐποίησαν οὕτως	— 19. οὕτως πάντες οἱ ἐνεδρεύνοντες τοὺς ἐαυ-τῶν φίλους (13 a)	— 15. καὶ οὕτως ἐμβλέψων εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ὑψίστου
Es. 1, 8. οὕτως δὲ ἡβήσεν ὁ βασι. (13 a)	27. 8. οὕτως ἀνθρώπος δουλοῦται (13 a)	— 24 (21). οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς
— 18. οὕτω [A om.] σήμερον αἱ τυραννίδες (13 a)	— 19. οὕτως οὐδὲ αἱ διανοίαι [A S <sup>2</sup> καρδία] τῶν ἀνθρώπων (13 a)	— 31 (28). οὕτως ἀνθρώποι μὴ ἔχοντι νοσησίαν
— 20. οὕτω πᾶσαι αἱ γυναῖκες περιθήσονται τιμῇ (13 a)	28. 4. οὕτως οἱ ἐγκαταλείποντες τὸν νόμον ἐγκωμιάζοντι ἀσέβειαν (13 a)	38. 22. ὅτι οὕτω ὡς [A S om.] καὶ τὸ σὸν
2. 4. καὶ ἐποίησαν οὕτως (13 a)	Ec. 3, 19. S R οὕτως καὶ [A B om.] ὁ θάνατος τοῦτον (13 a)	— 27. οὕτως πᾶς τέκτων καὶ ἀρχιτέκτων
— 12. οὕτως γὰρ ἀναπληροῦνται αἱ ἡμέραι (13 a)	5. 15. οὕτως καὶ ἀπελευσεται (13 a)	— 28. οὕτως χαλκεὺς καθήμενος ἐγγὺς ἀκμονος
— 20. οὕτως γὰρ ἐνετέλειτο αὐτῇ Μαρδ. (4)	7. 7 (6). οὕτως γέλωας τῶν ἀφρόνων (13 a)	— 29. οὕτω κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ
3. 2. οὕτως γὰρ προσέταξεν (13 a)	8. 10. ὅτι οὕτως ἐποίησαν (13 a)	39. 15. οὕτως ἐρεῖτε ἐν ἐξομολογήσει
4. 16. S <sup>2</sup> αὐτίστησεν οὕτως [A B S <sup>1</sup> om.] (13 a)	9. 12. S <sup>2</sup> οὐ. κρατηθήσονται (11)	— 23. οὕτως ὁργὴν αὐτοῦ ἐθελ κληρονομῆσει
6. 9. οὕτως ἔσται παντὶ ἀνθρώπῳ (11)	11. 5. οὕτως οὐ γνώσῃ τὰ ποιήματα τοῦ θεοῦ (11)	— 24. οὕτως τοῖς ἀνόμοις προσκολληθήσεται
— 10. οὕτως ποιήσων τὸ Μαρδ. (13 a)	Ca. 2. 2. οὕτως ἡ πλησίον μου ἀνὰ μέσον τῶν θυγιτέρων (13 a)	— 25. οὕτως τοῖς ἀμαρτωλοῖς κακά
— 11. οὕτως ἔσται παντὶ ἀνθρώπῳ (11)	— 3. οὕτως ἀδελφίδος μου ἀνὰ μέσον τῶν υἱῶν (13 a)	— 27. οὕτως τοῖς ἀμαρτωλοῖς τραπήσεται εἰς κακά
8. 13. S <sup>1</sup> οὐ. οὐ τῶν [A B S <sup>2</sup> οὐ τοσούτων] ἐκ τῶν παλαιωτέρων . . . ἱστοριῶν (13 a)	5. 9. οὕτως ὥρκισας ἡμᾶς (11)	40. 14. οὕτως οἱ παραβαίνοντες εἰς συντέλειαν ἐκλείψουσιν [A -θλίψουσιν]
9. 14. B S ἐπέτρεψεν οὕτως γενέσθαι (13 a)	Wi. 5, 13. οὕτως καὶ ἡμεῖς γεννηθέντες ἐξελίπομεν (13 a)	41. 10. οὕτως ἀσεβεῖς ἀπὸ κατάρτας εἰς ἀπώλειαν
Jb. 1, 5. οὕτως οὐν [A om.] ἐποίησεν ἰωβ [A om.] (11)	9. 18. οὕτως διαβρώθησαν αἱ τρίβοι τῶν ἐπὶ γῆς (13 a)	44. 22. ἐν τῷ Ἰσαὰκ ἔστησεν οὕτως διὰ Ἀβραάμ
— 20. οὕτως ἀναστῆς Ἰ. [A al.] (6)	17. 16. εἰθ' οὕτως . . . ἐφρονεῖτο (13 a)	46. 3. τίς πρότερον [A S -ος] αὐτοῦ οὕτως ἔσται
— 21. ὡς τῷ κυρίῳ ἔδοξεν οὕτως [A add. καὶ] ἐγένετο (13 a)	Si. 2, 18. οὕτως καὶ [S <sup>2</sup> καὶ πολὺ] τὸ ἔλεος αὐτοῦ (13 a)	47. 2. οὕτως Δαυὶδ ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ
2. 10. A ἵνα τί ὥσπερ μία τῶν ἀφρόνων γυναι-κῶν οὕτως [B S om.] ἐλάλησας (13 a)	3. 1. οὕτως ποιήσατε ἵνα σωθῇτε (13 a)	— 6. οὕτως ἐν μυριάσιν ἐδόξασεν αὐτὸν
5. 27. ἰδοὺ ταῦτα οὕτως ἐξικνῶσιν (13 a)	— 15. οὕτως ἀναλιθίζονται [S <sup>1</sup> ἀναφθίσονται] σου αἱ ἀμαρτίαι (13 a)	48. 3. κατήγαγεν οὕτως [S <sup>2</sup> om.] τρεῖς τῖπ
6. 18. οὕτω κατὰ κατελείφθη ὑπὸ πάντων (13 a)	5. 9. οὕτως ὥρκισας ἡμᾶς (11)	49. 12. οὕτως [S οὐτος] Ἰησοῦς υἱὸς Ἰωσεδέκ
7. 3. οὕτως κατὰ ὑπέμεινα μῆνας κενούς (13 a)	Wi. 5, 13. οὕτως καὶ ἡμεῖς γεννηθέντες ἐξελίπομεν (13 a)	Ho. 4, 7. κατὰ τὸν πληθὺν αἱ. οὕτως ἡμαρτῶν μου (13 a)
8. 13. οὕτως τοῖνυν ἔσται τὰ ἔσχατα πάντων (13 a)	9. 18. οὕτως διαβρώθησαν αἱ τρίβοι τῶν ἐπὶ γῆς (13 a)	— 9. ἔσται καθὼς ὁ λαὸς οὕτως καὶ ὁ ἱερεὺς (8)
9. 2. ἐπ' ἀληθείας οἶδα ὅτι οὕτως ἐστί (13 a)	17. 16. εἰθ' οὕτως . . . ἐφρονεῖτο (13 a)	10. 15. οὕτως ποιήσω ὑμῖν (11)
— 35. οὐ γὰρ οὕτω [S <sup>1</sup> αὐτῷ] συνεπίσταμαι [A S <sup>2</sup> al.] (13 a)	Si. 2, 18. οὕτως καὶ [S <sup>2</sup> καὶ πολὺ] τὸ ἔλεος αὐτοῦ (13 a)	11. 2. οὕτως ἀφώγοντο ἐκ προσώπου μου (13 a)
10. 2. διὰ τί με οὕτως ἔκρινας (13 a)	3. 1. οὕτως ποιήσατε ἵνα σωθῇτε (13 a)	Am. 3, 12. οὕτως ἐκσπασθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰ. (13 a)
11. 15. οὕτως γὰρ ἀναλαμβάνει σου τὸ πρόσωπον (1)	— 15. οὕτως ἀναλιθίζονται [S <sup>1</sup> ἀναφθίσονται] σου αἱ ἀμαρτίαι (13 a)	4. 12. διὰ τοῦτο οὕτως ποιήσω σοι, Ἰσραὴλ (9 a)
19. 2. ὁ κύριος ἐποίησέ με οὕτως [S <sup>1</sup> om.] (13 a)	5. 9. γ. 1. οὕτως ὁ ἀμαρτωλὸς ὁ διγλωσσος (13 a)	— 12. πληρὸν ὅτι οὕτως ποιήσω σοι ἐτοιμάζου (7 c)
20. 2. οὐχ οὕτως ἐπαλάμβανον (17 c)	6. 17. κατ' αὐτὸν οὕτως καὶ ὁ πλησίον αὐτοῦ (13 a)	5. 14. καὶ ἔσται οὕτως μεθ' ὑμῶν κ. ὁ θ. (13 a)
23. 13. εἰ δὲ καὶ αὐτὸς ἔκρινεν οὕτως (13 a)	10. 2. οὕτως καὶ [A S <sup>1</sup> om.] οἱ λειτουργοὶ αὐτοῦ (13 a)	7. 1, 4, 7; 8. 1. οὕτως ἐδειξέ μοι κ. (9 a)
27. 2. ζῇ ὁ θεὸς ὅς οὕτω με ἐκρίκει (13 a)	11. 30. οὕτως καρδία ὑπερηφάνου (13 a)	Mi. 3, 4. οὕτως κεκαίονται πρὸς κύριον (1)
28. 26. οὕτως ἰδοὺν ἡρέμισε (13 a)	12. 10. ὡς γὰρ ὁ χαλκὸς ἰούται οὕτως ἡ πομπὴ αὐτοῦ (13 a)	Jl. 2. 4. οὕτως καταδιώξονται (13 a)
29. 23. οὕτως οὐτοὶ τὴν ἐμὴν λαλίαν [A λ. προσεδέχοντο] (13 a)	— 14. οὕτως τὸν προσπορευόμενον ἀνδρὶ ἀμαρτωλῷ (13 a)	Ob. 1, 15. οὕτως ἔσται σοι (13 a)
32. 8. A καὶ οὐχ οὕτως (17 a)	13. 17. οὕτως ἀμαρτωλὸς πρὸς εὐσεβῇ (13 a)	Na. 1, 12. οὕτως διασταλθήσονται (13 a)
Ps. 1, 4. οὐχ οὕτως οἱ ἀσεβεῖς οὐχ οὕτως (13 a)	— 19. οὕτως νομίμῳ πλουσίαν πτωχοῖ (13 a)	Hb. 2, 5. S <sup>1</sup> οὕτως [A B S <sup>2</sup> οὐτος] ὡς θάνατος οὐκ ἐμπιπλόμενος
34 (35). 14. ὡς πλησίον ὡς ἀδελφὸν ἡμέτερον οὕτως εἰρηρῶσιν ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπῶν οὕτως ἐταπεινούμεν (13 a)	— 20. οὕτως βδελύγματος πλουσίᾳ πτωχός (13 a)	Hg. 2, 15 (14). οὕτως ὁ λαὸς οὕτως καὶ οὕτως τὸ ἔθνος τοῦτο (13 a, 13 a)
41 (42). 1. οὕτως ἐπιποθεῖ ἡ ψυχὴ μου πρὸς σέ (13 a)		
47 (48). 5. αὐτοὶ ἰδόντες οὕτως ἐθαύμασαν (13 a)		
— 8. A B S <sup>1</sup> οὕτως [S <sup>2</sup> R οὐ. καὶ] εἰδομέν (13 a)		
— 10. οὕτως καὶ ἡ αἰσέσις σου (13 a)		
60 (61). 8. οὕτως ψαλῶ τῷ ὀνόματί σου (13 a)		
62 (63). 2. οὕτως ἐν τῷ ἁγίῳ ὤφθην σοι (13 a)		
— 4. οὕτως εὐλογίῃ σου ἐπὶ τῇ ζωῇ μου (13 a)		
64 (65). 9. ὅτι οὕτως ἡ ἐτοιμασία (13 a)		

Hg. 2. 15 (14). καὶ οὕτως πάντα τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτῶν (13 a)	Je. 4. 3. B <sup>1</sup> οὐ. [B S <sup>2</sup> ὅτι τὰδε] λέγει κύριος (9 a)	Ez. 1. 28. A <sup>2</sup> B οὐ. ἡ στάσις τοῦ φέγγους κυκ- λόθεν (13 a)
Za. 1. 6. οὕτως ἐποίησεν ἡμῖν (13 a)	— 19. B S οὐ. δουλεύσατε ἀλλοτρίοις (13 a)	4. 13. οὐ. φάγονται οἱ υἱοὶ τοῦ Ἰσρ. ἀκάθαρτα (11)
7. 13. οὕτως κεκράζονται (13 a)	— 27. οὐ. οἱ οἶκοι αὐ. πλήρεις δούλου (13 a)	11. 5. οὐ. ἔπαυσε (13 a)
8. 13. οὕτως διασώσω ὑμᾶς (13 a)	— 31. καὶ ὁ λαὸς μου ἡγάγησεν οὐ. (13 a)	12. 7. ἐποίησα οὐ. (13 a)
— 15. οὕτως παρατέταγμαί καὶ διανενοῦμαι (13 a)	6. 7. οὐ. ψῦχει κακία αὐ. (13 a)	— 11. οὐ. ἔσται αὐτῶ (13 a)
14. 8. καὶ ἐν ἑαρί [A ἀέρι] ἔσται οὕτως — (13 a)	8. 6. οὐχ οὐ. λαλήσουσιν (13 a)	15. 6. οὐ. δέδωκα τοὺς κατοικοῦντας Ἱερ. (13 a)
Is. 8. 11. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	10. 11. οὐ. ἐρείτε αὐτοὺς (5 a)	16. 28. καὶ οὐδ' οὐ. ἐνεπλήσθη (16 b)
10. 7. αὐτὸς δὲ οὐχ οὐ. ἐνεθυμήθη (13 a)	13. 9. οὐ. φθέρω τὴν ὕβριν Ἱ. (11)	— 43. οὐ. ἐποίησας τὴν ἀσέβειαν †
— 7. τῇ ψυχῇ οὐχ οὐ. λελόγισται (13 a)	— 11. οὐ. ἐκόλλησα πρὸς ἑμᾶν τὸν οἶκον τοῦ Ἱσρ. (13 a)	18. 4. οὐ. καὶ ἡ ψυχὴ τοῦ υἱοῦ (8)
— 11. οὐ. ποιῶ καὶ Ἱερ. (13 a)	— 25. B οὐ. ὁ κληρὸς σου [A B S al.] (7 a)	20. 36. οὐ. [A κἀγὼ] κρινῶ ὑμᾶς (13 a)
— 16. καὶ οὐχ οὐ. (17 c)	14. 10. οὐ. λέγει κύριος τῷ λαφ τούτῳ (9 a)	— 44. ἐν τῷ ποιῶν με οὐ. ὑμῖν —
14. 20. οὐ. οὐδὲ σὺ ἔσθι καθαρὸς (13 a)	19. 11. οὐ. συντρίψω τὸν λαόν τούτον (11)	21. 4 (9). οὐ. ἐξελεύσεται τὸ ἔγχειριδιόν μου (13 b)
— 24. οὐ. ἔσται (13 a)	— 12. οὐ. ποιῶ . . . τῷ τόπῳ τούτῳ (13 a)	22. 20. οὐ. εἰσδέξομαι ἐν ὀργῇ μου (13 a)
— 24. οὐ. μενεῖ † (13 a)	21. 3. οὐ. ἐρείτε πρὸς Σδ. (9 a)	— 22. οὐ. χωνεύθησθε ἐν μέσῳ αὐτῆς (13 a)
15. 7. μὴ καὶ οὐ. μέλλει σωθῆναι (13 a)	— 7. οὐ. λέγει κύριος (13 a)	23. 40 (39). ὅτι οὐ. ἐποίουν (9 a)
16. 6. οὐχ οὐ. ἡ ματαιία σου (13 a)	— 22. οὐ. λέγει κύριος (13 a)	— 44. οὐ. εἰσεπορεύοντο πρὸς Ὁ. (13 a)
— 7. οὐχ οὐ. (17 c)	22. 8. διὰ τί ἐποίησε κύριος οὐ. (11)	31. 18. οὐ. Φ. καὶ τὸ πλῆθος †
17. 12. οὐ. παραθήσεται (13 a)	23. 10. καὶ ἡ ἰσχὺς αὐ. οὐ. [A οὐχ οὐ.] (13 a)	32. 14. οὐ. τότε ἡσυχάσει τὰ ὕδατα αὐ. (1 ?)
18. 4. οὐ. εἶπε κύριος μοι (9 a)	— 16. A B οὐ. λέγει κύριος παντοκρ. (9 a)	33. 10. οὐ. ἐλαλήσατε (13 a)
20. 2. καὶ ποιήσου. (13 a)	— 28 (29). οὐ. οἱ λόγοι μου (9 a ?)	— 25. A οὐ. εἶπεν ἀδυναί κύριος (9 a)
— 4. οὐ. ἄξει βασιλεὺς Ἀσσ. τὴν αἰχμάλω- σίαν (13 a)	— 35. οὐ. ἐρείτε ἑκαστος πρὸς τὸν πλησίον αὐ. (9 a)	— 27. A οὐ. διὰ τοῦτο εἰπὸν αὐτοῖς [B al.] (9 a)
21. 6. οὐ. εἶπε πρὸς μέ κύριος (9 a)	24. 5. οὐ. ἐπινώσωμαι τοὺς ἀποικισθέντας Ἰου- δαίους (13 a)	34. 12. οὐ. ἐκζητήσω τὰ πρόβατά μου (13 a)
— 16. οὐ. εἶπέ μοι κύριος (9 a)	— 8. οὐ. παραδώσω τὸν Σδ. (13 a)	36. 38. οὐ. ἔσονται αἱ πόλεις (13 a)
24. 13. οὐ. καλῶνται αὐτοὺς (8)	28 (51). 64. οὐ. καταδύσεται Βαβ. (11)	42. 5. οὐ. περιστύλον καὶ διάστημα —
26. 17. οὐ. ἐγενήθημεν τῷ ἀσπητῷ σου (13 a)	30 (49). 1 : 30. 6 (49. 28) : 31 (48). 1. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 5. καὶ οὐ. στοαὶ δύο —
27. 7. καὶ αὐτοὺς οὐ. πληγήσεται — (13 a)	31 (48). 30. οὐχ ὁ ἱκανὸν αὐτῶ οὐχ οὐ. ἐποίησε (13 a)	45. 20. καὶ οὐ. ποιήσεις (13 a)
— 7. οὐ. [B <sup>1</sup> οὐχ οὐ.] ἀναμειβήσεται — (13 a)	— 40. οὐ. εἶπε κύριος (13 a)	Da. LXX. Su. 13. τί σὺ οὕτως ὀρθρὸν ἐξήλθες
28. 16. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	32. 1 (25. 15). οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	— 48. οὕτως μαροί, υἱοὶ Ἱσρ. —
29. 8. οὐ. ἔσται ὁ παῖς πάντων τῶν ἐθνῶν (13 a)	— 13 (25. 27). οὐ. εἶπε κύριος παντοκρ. (9 a)	— 57. οὕτως ἐποίησε θυγατρίων Ἱσρ. —
30. 12. A S <sup>2</sup> οὐ. [B S <sup>1</sup> τὰδε] λέγει κύριος (9 a)	— 14 (25. 28), 18 (25. 32) : 33 (26). 2, 4, 18 : 34 (27). 1 (2). οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	1. 13. οὕτως χρῆσαι τοῖς παῖσι σου —
— 15. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	34 (27). 4. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	2. 8. οὕτως ἔσται —
31. 4. οὐ. εἶπέ μοι κύριος (9 a)	— 4. οὐ. ἐρείτε πρὸς τοὺς κυρίους ὑμῶν (9 a)	3. (24). οὕτως οὐν προσήξατο Ἀν. —
— 4. οὐ. καταβήσεται κύριος σαβ. (13 a)	— 16, 19 : 35 (28). 2. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— (25). προσήξατο οὕτως —
— 5. οὐ. ὑπερασπίε κύριος σαβ. (13 a)	35 (28). 6. ἀληθὲς οὐ. ποιῆσαι κύριος (13 a)	— (40). οὕτως γενέσθω ἡμῶν ἡ θυσία (18)
33. 1. οὐ. ἡττηθήσονται — (13 a)	— 11. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 26 (93). οὕτως οὐν ἐξήλθον (18)
— 4. οὐ. ἐμπαίζουσιν ὑμῖν (13 a)	— 11. οὐ. συντρίψω τὸν ζυγὸν (11)	— 29 (96). ὅς δυνίσεται ἐξέλσεται οὕτως (5 a)
36. 6. οὐ. ἐστὶ Φαρ. (13 a)	— 13, 14, 16. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 30 (97). οὕτως οὐν ὁ βασιλ. (18)
37. 6. οὐ. ἐρείτε πρὸς τὸν κύριον ὑμῶν (9 a)	36 (29). 4. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	4. 12 (11). καὶ οὕτως εἶπε (13 a)
— 10. οὐ. ἐρείτε Ἐξεκία (9 a)	— 8, 10, 21, 31, 32. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 34. οὕτως ἐποίησε μετ' ἐμοῦ —
— 33. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	37 (30). 2. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	5. 17. οὕτως ἀπεκρίθη τῷ βασιλ. —
38. 13. A B <sup>2</sup> S R οὐ. [B <sup>1</sup> om.] συνέτριψε πάντα τὰ ὀστέα μου (13 a)	— 5, 12, 18 : 88 (31). 2. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	6. 9 (10). οὕτως ὁ βασιλ. Δ. ἐτίθησε (5 b)
— 14. οὐ. φωνῶ . . . οὐ. μελετῶ (13 a, —)	38 (31). 7. οὐ. εἶπε κύριος τῷ Ἱ. (9 a)	— 12 (13). οὕτως ποιῶσιν καθὼς λέγετε —
41. 25. οὐ. καταπατήσασθε — (9 a)	— 15, 16, 23. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	7. 5. καὶ οὕτως εἶπεν (13 a)
42. 5. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	— 28. οὐ. γρηγορήσω ἐπ' αὐτοὺς (13 a)	Bel. 8. γινέσθω οὕτως —
43. 16. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	— 35 : 39 (32). 3 (A B S <sup>2</sup> ), 14, 15. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 13. καὶ ἐγένετο οὕτως —
44. 2. οὐ. λέγει κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	39 (32). 24. οὐ. ἐγένετο † (9 a)	Da. TH. Su. 48. οὕτως μαροί, οἱ υἱοὶ Ἱσρ. —
— 6. οὐ. λέγει κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	— 28. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	— 57. οὕτως ἐποίησε θυγατρίων Ἱσρ. —
— 24. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	— 36. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (13 b + 9 a)	2. 40. οὕτως πάντα λεπτύνει —
45. 1, 11. οὐ. λέγει κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	— 42. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	3. (24). προσήξατο οὕτως —
— 14. οὐ. λέγει κύριος σαβ. (9 a)	— 42. οὐ. ἐγὼ ἐπάω ἐπ' αὐτοὺς πάντα τὰ ἀγαθὰ (13 a)	— (40). οὕτως γινέσθω θυσία ἡμῶν —
— 18 : 48, 17 (A <sup>2</sup> B S). οὐ. λέγει κύριος (9 a)	40 (33). 2, 4, 10. οὐ. ποιήσωμεν (9 a)	— 29 (96). ὅστις δυνήσεται ῥυσσασθαι οὕτως (5 a)
49. 5. οὐ. λέγει κύριος — (9 a)	— 12. οὐ. εἶπε κύριος τῶν δυνάμεων (9 a)	4. 11. καὶ οὕτως εἶπεν (13 a)
— 7, 8, 22, 25 : 60. 1. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	41 (34). 2 bis. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	7. 5. οὕτως ἔλεγον αὐτῇ (13 a)
51. 22. οὐ. λέγει κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	— 4. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	I Ma. 1. 58. ἐποίουν οὐ. [B <sup>1</sup> om.] τῷ Ἱσρ. —
52. 4. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	— 13, 17. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	2. 61. καὶ οὕτως ἐνόηθη (9 a)
— 14. οὐ. ἀδοξάζει ἀπὸ ἀνθρώπων τὸ εἶδος σου (13 a)	42 (35). 13. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	3. 60. οὕτως ποιήσει (9 a)
— 15. οὐ. θαυμάσονται ἔθνη πολλά (13 a)	— 17, 18 (B S) : 43 (38). 29, 30 : 44 (37). 7. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	7. 42. οὕτως συντρίψω τὴν παρεμβ. ταύτην (9 a)
53. 7. οὐ. οὐκ ἀνοίγει τὸ στόμα αὐ. (13 a)	44 (37). 7. οὐ. ἐρίσι πρὸς βασιλῆα Ἰούδα (9 a)	8. 29. A B οὐ. [B om.] ἔστησαν Ῥωμαῖοι (9 a)
54. 6. B <sup>1</sup> οὐ. [A B S <sup>2</sup> οὐδ' ὥς] γυναῖκα . . . — (6)	— 9 : 45 (38). 2, 3. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	10. 11, 62. καὶ ἐποίησαν οὕτως (9 a)
— 10. οὐ. οὐδὲ τὸ παρ' ἐμοῦ σοι ἔλεος ἐκλείψει (9 a)	45 (38). 12. καὶ ἐποίησεν Ἱερ. οὐ. (13 a)	12. 26. οὕτως τάσσονται (9 a)
55. 9. οὐ. ἀπέχει ἡ ὁδὸς μου (13 a)	— 17. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	13. 47. καὶ οὐ. ἐσλήθην εἰς αὐτήν (9 a)
— 11. οὐ. ἔσται τὸ ῥῆμά μου (13 a)	— 21. B οὐ. [A B S B οὐτος] ὁ λόγος ὃν ἔδειξεν (7 a)	14. 22. ἀνεγράψαμεν . . . οὐ. —
57. 20. A B οὐ. διὲ ἀδικοὶ οὐ. [B om.] κλυδωνισ- θήσονται † (9 a)	46 (39). 16. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	— 29. οὐ. δοκῶ καὶ ἐπὶ ἡμῖν —
58. 5. οὐδ' οὐ. καλέσετε ὑπιστεῖαν δεκτὴν † (9 a)	49 (42). 5. οὐ. [A οὐ] ποιήσωμεν (13 a)	3. 9. εἰ . . . ταῦτα οὕτως ἔχοντα τυγχάνει (9 a)
61. 7. οὐ. ἐκ δευτέρας κληρονομήσουσι τὴν γῆν (13 b)	— 9, 15 (A B S <sup>2</sup> ). 18. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 11. A οὐχ οὐ. [B ὥσπερ ἦν] διαβάλλων (13 a)
— 11. οὐ. ἀνατελεῖ κ. κύριος δικαιοσύνην (13 a)	— 18. οὐ. στάζει ὁ θυμὸς μου ἐφ' ὑμᾶς (13 a)	— 40. τὰ μὲν κατὰ Ἱλ. . . οὐ. ἐχώρησεν —
62. 5. οὐ. κατωκλήσουσιν οἱ υἱοὶ σου — (9 a)	50 (43). 10. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	4. 13. ἦν δ' οὕτως ἀκμή τις Ἑλληνισμοῦ —
— 5. οὐ. εὐφρανθήσεται κ. ἐπὶ σοί (7 a)	51 (44). 2. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	— 22. εἰδ' οὐ. εἰς τὴν Φ. κατεστρατοπέδευσε (13 a)
63. 1. οὐ. ὠραῖος ἐν στολῇ — (9 a)	— 7, 11. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	6. 14. οὕτω καὶ ἐφ' ἡμῶν ἔκρινεν εἶναι (13 a)
— 14. οὐ. ἤγαγεν τὸν λαόν σου (13 a)	— 25. οὐ. εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἱσρ. (9 a)	7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [A al.] —
64. 6 (5). οὐ. ἀνεμος οἶσει ἡμᾶς (8)	— 30, 32 (45. 2). οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 5. λέγοντες οὕτως —
65. 8. οὐ. λέγει κύριος (9 a)	51. 34 (45. 4). οὐ. εἶπε κύριος [B εἰπὸν αὐτῶ] (9 a)	— 14. οὕτως ἔφη —
— 8. οὐ. ποιῶσιν ἐνεκεν τοῦ δουλεύοντός μοι (13 a)	Ba. 2. 21. οὐ. εἶπε κύριος (9 a)	— 27. οὕτως ἔφησε —
66. 1. A B S <sup>2</sup> οὐ. λέγει κύριος (9 a)	4. 24. οὐ. θύονται . . . τὴν . . . σωτηρίαν — (9 a)	— 28. τὸ τῶν ἀνθρώπων γένος οὐ. γίνεται —
— 8. τίς ἐώρακεν οὐ. (8 b)	— 28. A οὐ. νῦν δεκαπλασιάσατε [B al.] — (9 a)	9. 4. οὐ. γὰρ ὑπερβάρως εἶπε —
— 13. οὐ. κατὰ παρακαλῶν ὑμᾶς (13 a)	— 33. οὐ. λυπηθήσεται ἐπὶ τῇ ἐαυτοῦ ἐρμῇ (9 a)	— 13. οὕτω λέγων —
— 22. οὐ. στήσεται τὸ σπέρμα ὑμῶν (13 a)	La. 2. 20. τίς ἐπὶ ἐφύλλισας οὐ. (9 a)	— 18. περιέχουσιν δὲ οὕτως —
Je. 2. 26. οὐ. αἰσχυρῶνται οἱ υἱοὶ Ἱσρ. (13 a)	3. 37. τίς οὐ. εἶπε (7 a)	10. 9. τὰ μὲν τῆς Ἀντ. . . τελευτήσῃ οὐ. εἶχε —
— 33. οὐχ οὐ. (17 c)	Ep. Je. 70. οὐ. οἱ θεοὶ αὐ. εἰσι ξύλοι (9 a)	11. 22. ἡ δὲ τοῦ βασιλ. ἐπιστολὴ περιέχει οὐ. —
8. 20. οὐ. ἡθέτησεν εἰς ἐμέ οἶκος Ἱσρ. (13 a)		— 34. ἐπιστολὴν ἔχουσιν οὕτως —

II Ma. 15. 39. οὐ καὶ τὸ τῆς κατασκευῆς τοῦ λόγου  
 III Ma. 1. 5. καὶ οὐ συνβῆ  
 3. 9. μὴ γὰρ οὐ παρορθοῦνται τηλικούτο σύστημα  
 — 30. ὁ μὲν τῆς ἐπιστολῆς τύπος οὐ ἐγέγραπτο  
 4. 4. οὐ γὰρ . . . ἐξαπεστέλλοντο  
 5. 22. οὐχ οὐ εἰς ὑπὸν κατεχρήσαντο τὸν χρόνον  
 τῆς νυκτός  
 — 33. οὐτως ὁ Ἐ. . . ὑπῆνεγκεν ἀπειλὴν  
 6. 15. οὐ ἐπιτέλεσαν  
 — 26. τίς . . . οὐ ἀσθενοὺς περιέβαλεν αἰκίας  
 IV Ma. 1. 12. καὶ οὕτως . . . τρέψομαι  
 2. 20. οὐκ ἂν εἶπεν οὕτως  
 5. 15. ἤρξατο δημηγορεῖν οὐ.  
 — 18. οὐδὲ οὐ ἐξὸν ἡμῖν ἦν  
 — 31. οὐχ οὐ. εἰμὶ γέρον  
 — 33. οὐχ οὐ. οἰκτεῖσθαι τὸ ἑμαυτοῦ γῆρας  
 6. 17. μὴ οὐ. κακὸς φρονήσαιμεν  
 — 24. οὐ. μεγαλοφρονούμενα πύον ἰδόντες  
 7. 4. οὐχ οὐ. πόλις . . . ἀντέσχε ποτέ  
 — 12. οὐ. ὁ Ἀαρωνίδης  
 8. 6. οὕτω καὶ εὐεργετῶν  
 9. 17. οὐχ οὐ. ἰσχυρὸς ὡς ἐστὶν ὁ τροχός  
 10. 14. οὐχ οὐ. κανονικότερον ἔχετε κατ' ἐμοῦ τὸ πῦρ  
 12. 20. καὶ οὐ. ἀπέδωκε τὴν ψυχὴν  
 13. 3. νυνὶ δὲ οὐχ οὐ.  
 — 7. οὐ. ἡ ἐπὶ αὐτοῦ . . . εὐλογιστία  
 — 17. οὐ. γὰρ παθόντας ἡμᾶς  
 — 23. οὐ. διὰ τοίνυν καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφείας  
 14. 6. οὕτως οἱ ἱεροὶ μαρτυροῦνται  
 — 8. οὕτως περὶ τῆς ἐξδομάδας χορεύοντες  
 15. 10. καὶ φιλομήτορες οὐτως  
 — 21. οὐ. σεμνιότητι μελωδίας  
 — 32. οὕτως σὺ, ἡ νομοφύλαξ  
 16. 3. οὐχ οὐ. οἱ περὶ Δ. λέοντες ἦσαν ἄγριοι  
 — 3. 8 ὥρσαν . . . οὐ. ποικίλως βιολογούμενοι  
 — 5. 18. καὶ ἴσως ἂν ταῦτα οὕτως [B om.] εἶπεν  
 17. 5. οὐχ οὕτως σελήνη . . . καθίστηεν  
 [Aq. Ex. 7. 11: 10. 29: Jo. 1. 17: 5. 15 (16):  
 III Ki. 14. 4: IV Ki. 16. 11: Is. 33. 23: 54.  
 9: Je. 14. 10: 17. 19: 18. 6: 20. 11: 30 (37).  
 5: 34 (41). 5: 48 (31). 30.]  
 [Sm. Ge. 4. 15: Jo. 1. 17: 5. 15 (16): I Ki.  
 25. 21: II Ki. 3. 9: IV Ki. 16. 11: Jb. 14.  
 19: Ps. 47 (48). 6: 34 (65). 10: 81 (82). 7:  
 88 (89). 11 (P): 130 (131). 2: 140 (141). 7:  
 Pr. 26. 9: Ec. 7. 30 (8. 1): Is. 16. 6: 24. 2:  
 33. 23: 54. 9: Je. 16. 19: 17. 19: 18. 6: 30  
 (37). 5: Da. 3. 30 (97) (Sw.).]  
 [Th. Ge. 4. 15: Ex. 10. 29: Jo. 1. 17: 5. 15  
 (16): II Ki. 14. 13: Ps. 128 (127). 4: Is. 33.  
 23: 54. 9: Je. 14. 10: 17. 19: 18. 6: 33.  
 37: 30 (37). 5: 33 (40). 22: 39 (46). 12: Ez.  
 83. 27: 35. 15.]  
 [Al. Ex. 8. 7 (P.): Nu. 16. 6: 22. 30: Pr.  
 15. 7.]  
 [Quint. IV Ki. 16. 11.]  
 οὐχί, *vid. sub* οὐ.  
 οὐχίστι.  
 [Heb. Ps. 91 (92). 7.]  
 ὀφθαλμὸν (φ.λ.). (1) <sup>לְעֵינַי</sup> (2) <sup>בְּעֵינַי</sup> (3) <sup>בְּעֵינַי</sup>  
 (4) <sup>אֶל עֵינַי</sup> δ. <sup>לְעֵינַי</sup> gal. c. hi. (5) <sup>לְעֵינַי</sup>  
 (6) <sup>אֶל עֵינַי</sup> ὀφθαλμὸν (7) <sup>אֶל עֵינַי</sup> ὀφθαλμὸν  
 Ex. 16. 3. ὀφθαλμοὺς ἀπεθάνοντες πληγῆς (5)  
 Nu. 14. 3 (2). ὀφθαλμοὺς ἀπεθάνοντες ἐν γῇ Αἴγ. (3)  
 20. 3. ὀφθαλμοὺς ἀπεθάνοντες ἐν τῇ ἀπώλειᾳ (3)  
 De. 15. 2. ὁ ὀφθαλμὸς σοὶ ὁ πλησίον (4 c)  
 IV Ki. 5. 3. ὀφθαλμοὺς ὁ κ. μου ἐνώπιον τοῦ προ-  
 φῆτου (1)  
 To. 6. 12. Ἄβ ὀφθαλμὸν [B -σεις, S -σιν (? -ειν)]  
 θάνατον  
 Jb. 6. 20. Ἄβ αἰσχύνῃ οἱ ὀφθαλμοὶ [B S om. οἱ  
 δ.] ὀφθαλμοὺς (6)  
 14. 13. εἰ γὰρ ὀφθαλμοὶ ἐν ᾧ μὲν ἐφύλαξας (7)  
 30. 24. εἰ γὰρ ὀφθαλμοὶ δυναίμην ἐμάνον χειρώ-  
 σασθαι —  
 Ps. 118 (119). 5. ὀφθαλμοὺς κατενυθύνθησαν αἱ ὁδοὶ  
 μου (1)  
 Pr. 14. 9. οἰκία παρανομῶν [A ἀφρόνων] ὀφει-  
 λίσουσι καθαρῶς (1)  
 Wi. 12. 15. αὐτὸν τὸν μὴ ὀφθαλμὸν κολασθῆναι  
 καταδικάζει  
 — 20. εἰ γὰρ . . . ὀφθαλμοὺς θανάτῳ μετὰ τοσαύ-  
 τῃ ἐτιμωρήσας προσοχίς  
 Is. 24. 2. ὁ ὀφθαλμὸς ὡς φ ὀφθαλμὸς (4 δ, 4 α)

Ez. 18. 7. ἐνεχυρασμὸν ὀφθαλμοῦ ἀποδώσει (2)  
 I Ma. 10. 43. B ὀφθαλμοὺς [A S -λων] βασιλικὰ  
 18. 15. οὐ ὥφειλεν Ἰ.  
 — 39. τὸν στέφανον δὲ ὥφειλετε  
 III Ma. 7. 10. τυχὴν . . . τῆς ὀφθαλμοῦ κολάσεως  
 IV Ma. 11. 3. B ὥπως . . . ὀφθαλμῶν [A -σεις,  
 S om.] . . . τιμωρίαν  
 — 15. ἀποθνήσκουσιν ὀφθαλμοὺς ὁμοίως  
 16. 19. ὀφθαλμοὺς πάντα πόνον ὑπομένει  
 [Aq. Nu. 14. 2: Dt. 32. 29: Jb. 16. 4.]  
 [Sm. Nu. 14. 2.]  
 [Th. Nu. 14. 2: Jb. 15. 10 δις: Ez. 8. 6.]  
 ὀφθαλμῶν. (1) <sup>לְעֵינַי</sup> (2) <sup>בְּעֵינַי</sup> δ. <sup>לְעֵינַי</sup> hi.  
 De. 24. 10. εἰ ὀφθαλμὸς ἦ ἐν τῷ πλησίον σου  
 ὀφθαλμὸν ὅτιον (2, 1)  
 I Es. 3. 20. οὐ μὲντοι . . . πᾶν δ.  
 I Ma. 15. 8. πᾶν δ. βασιλικὸν . . . ἀφείσθαι σοι  
 ὀφθαλμοῖς (?).  
 To. 6. 12. Ἄβ ὁ ὀφθαλμὸς θάνατον [B S al.]  
 ὀφθαλμοῖς. (1) <sup>לְעֵינַי</sup> hi.  
 Jb. 15. 3. ἐν λόγοις οἷς οὐδὲν ὀφθαλμοῖς (1)  
 ὀφθαλμῶν. (1) <sup>לְעֵינַי</sup> (2) <sup>בְּעֵינַי</sup> (3) <sup>בְּעֵינַי</sup>  
 (4) <sup>אֶל עֵינַי</sup> (5) <sup>אֶל עֵינַי</sup> κόρη ὀφθαλμοῦ, αἱ κόραι  
 τῶν δ. <sup>לְעֵינַי</sup>  
 Ge. 3. 5. διανοήσονται ὡς οὐκ οἶδον (2)  
 — 6. οἱ ἀρεστοὶ τοῖς ὀφθαλμοῖς ἰδεῖν (2)  
 — 7. διανοήσονται τοῖς ὀφθαλμοῖς τὸν διόν (2)  
 13. 10. καὶ ἐπάραι ὡς τοὺς δ. αὐτοῦ ἐπέειδε (2)  
 — 14. ἀναβλέψας τοῖς δ. σου (2)  
 18. 2. ἀναβλέψας δὲ τοὺς δ. αὐτοῦ εἶδε (2)  
 21. 19. καὶ ἀνέβλεψεν ὁ θεὸς τοὺς δ. αὐτῆς (2)  
 22. 4. B ἀναβλέψας Ἀβ. τοῖς δ. αὐτοῦ [A om.] (2)  
 — 13. ἀναβλέψας Ἀβ. τοῖς δ. αὐτοῦ εἶδε (2)  
 24. 63. B ἀναβλέψας τοῖς δ. αὐτοῦ [A om.] (2)  
 — 64. ἀναβλέψας Ἰ. τοῖς δ. (2)  
 27. 1. ἡμελύνθησαν οἱ δ. αὐτοῦ τοῦ ὁράν (2)  
 29. 17. οἱ δὲ ὁ. Λείας ἀσθενεῖς (2)  
 31. 10. B εἶδον τοῖς [A ἐν τοῖς] δ. μου ἐν τῷ ὕπνῳ (2)  
 — 12. ἀναβλέψας τοῖς δ. σου (2)  
 — 40. ἀφίστατο ὁ ὕπνος μου ἀπὸ τῶν δ. μου (2)  
 32. 1 (2). A ἀναβλέψας τοῖς δ. [B om. τ. δ.] εἶδε —  
 33. 1. ἀναβλέψας δὲ Ἰ. τοῖς δ. αὐτοῦ εἶδε (2)  
 — 8. A χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου [B al.] (2)  
 37. 25. ἀναβλέψας τοῖς δ. αὐτοῦ (2)  
 39. 7. ἐπέβλεψεν . . . τοὺς δ. αὐτῆς ἐπὶ Ἰωσήφ (2)  
 43. 29. B ἀναβλέψας δὲ τοῖς δ. αὐτοῦ [A om.] (2)  
 45. 12. οἱ δ. ὡς οὐκ ἐβλεπόντο καὶ οἱ δ. Βεν. (2, 2)  
 — 20. μὴ φείσηθε τοὺς δ. τῶν σκευῶν ὡς οὐκ (2)  
 46. 4. ἐπιβλεψέτω χεῖρας ἐπὶ τοὺς δ. σου (2)  
 48. 10. B οἱ δ. δὲ Ἰσρ. [A αὐτοῦ] ἐβραβόνησαν (2)  
 49. 12. χαροποι οἱ δ. αὐτοῦ ὑπὲρ ὅν (2)  
 Ex. 18. 9. μνησθῆναι πρὸ ὀφθαλμῶν σου (2)  
 — 16. εἰς . . . ἀσάλευτον πρὸ ὀφθαλμοῦ σου (2)  
 14. 10. ἀναβλέψας . . . τοῖς δ. [A om. τ. δ.] (2)  
 ὁρᾶν  
 21. 24. ὀφθαλμοὺς ἀντὶ ὀφθαλμοῦ (2, 2)  
 — 26. τὸν [A om.] δ. τοῦ οἰκέτου αὐ. ἡ τὸν δ.  
 τῆς θεραπείας αὐτοῦ (2, 2)  
 — 26. ἐλευθέρους . . . ἀντὶ τοῦ δ. αὐτῶν (2)  
 23. 8. τὰ γὰρ δῶρα ἐκτεφροῖ ὀφθαλμοὺς βλεπόντων —  
 Le. 4. 13. καὶ λάθῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς συνα-  
 γωγῆς (2)  
 5. 4. καὶ λάθῃ αὐτὸν πρὸ ὀφθαλμῶν —  
 20. 4. εἰ δὲ . . . ὑπερίδωσκον . . . τοῖς δ. αὐτῶν (2)  
 21. 40. ἡ πτῖλος τοῖς δ. [A τοῖς δ.] (2)  
 24. 20. ὀφθαλμοὺς ἀντὶ ὀφθαλμοῦ (2, 2)  
 26. 16. καὶ σφαιροποιῶντες τοὺς δ. ὡς οὐκ (2)  
 Nu. 5. 13. καὶ λάθῃ ἐξ ὀφθαλμῶν τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (2)  
 11. 6. οὐδὲν πλὴν εἰς τὸ μῖνον οἱ δ. ἡμῶν (2)  
 14. 14. ὅστις ὀφθαλμοῖς [A -οὐς] κατ' ὄφθαλ-  
 μόν ὁπταῖ (2, 2)  
 15. 24. ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς συναγωγῆς (2)  
 — 39. οὐ διαστροφῆς ἐστὶς ὅπως . . . τῶν δ. (2)  
 16. 14. τοὺς δ. τῶν ἀνθρ. ἐκ. ἀν. ἐξέκοψας (2)  
 22. 31. ἀπεκάλυψε δὲ ὁ θ. τοὺς δ. Β. (2)  
 24. 2. ἐξάραι Β. τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 — 4. 16. ἀποκεκαλυμμένοι οἱ δ. αὐτοῦ (2)  
 33. 55. σκωλόντες ἐν τοῖς δ. ὡς οὐκ (2)  
 De. 1. 30. Α² διὰ ἐποίησεν ἡμῖν ἐν γῇ Αἴγ.  
 κατ' ὀφθαλμοῦς αὐ. [B om. κ. δ. αὐ.] (2)  
 3. 21. οἱ δ. ὡς ἐβλεπόντο πάντα (2)  
 — 27. ἀναβλέψας τοῖς δ. (2)

De. 3. 27. ἴδε τοῖς δ. σου (2)  
 4. 3. οἱ δ. ὡς ἐβλεπόντο πάντα (2)  
 — 9. οὐδ' ἐβλεπόντο οἱ δ. σου (2)  
 6. 8. ἔσται ἀσάλευτος πρὸ ὀφθαλμῶν σου (2)  
 7. 16. οὐ φείσεται ὁ δ. σου ἐπ' αὐτοῖς (2)  
 — 19. οὐδ' ἴδωσαν οἱ δ. σου (2)  
 10. 21. Ἄ ἴδωσαν οἱ δ. σου (2)  
 11. 7. οἱ δ. ὡς ἐβλεπόντο πάντα τὰ ἔργα κ. (2)  
 — 12. οἱ δ. κ. τοῦ θεοῦ σου ἐπ' αὐτῆς (2)  
 — 18. ἔσται ἀσάλευτος πρὸ ὀφθαλμῶν ὡς οὐκ (2)  
 13. 8 (9). οὐ φείσεται ὁ δ. σου ἐπ' αὐτῷ (2)  
 14. 1. ἀνὰ μέσον τῶν δ. ὡς οὐκ (2)  
 15. 9. καὶ πονηρεῖσθαι ὁ δ. σου (2)  
 16. 19. ἀποτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς σοφῶν (2)  
 18. 13, 21. οὐ φείσεται ὁ δ. σου ἐπ' αὐτῷ (2)  
 — 21. ὀφθαλμοὺς ἀντὶ ὀφθαλμοῦ (2, 2)  
 21. 7. οἱ δ. ὡς ἐβλεπόντο πάντα τὰ ἔργα κ. (2)  
 25. 12. οὐ φείσεται ὁ δ. σου ἐπ' αὐτῇ (2)  
 28. 32. οἱ δ. σου βλεψόνται (2)  
 — 34. διὰ τὰ ὁράματα τῶν δ. σου (2)  
 — 54. βασκανεῖ τῷ δ. [A add. αὐτοῦ] τὸν ἀδ. (2)  
 — 56. βασκανεῖ τῷ δ. αὐ. τὸν ἀνδρ. αὐ. (2)  
 — 65. δώσει σοι κ. . . ἐκλείποντας δ. (2)  
 — 66. κρημαμένη ἀπέναντι τῶν δ. σου —  
 67. ἀπὸ τῶν ὁραμάτων τῶν δ. σου (2)  
 29. 3 (2). οὐδ' ἐβλεπόντο [A εἶδον] οἱ δ. σου (2)  
 4 (3). οὐκ ἔδωκε . . . ὀφθαλμοὺς βλεπεῖν (2)  
 32. 10. διεφύλαξεν αὐτὸν ὡς κόρη ὀφθαλμοῦ (2)  
 34. 4. ἔδειξα τοῖς δ. σου (2)  
 — 7. οὐκ ἡμελύνθησαν οἱ δ. αὐτοῦ (2)  
 Jo. 5. 12 (13). ἀναβλέψας τοῖς δ. [A add. αὐτοῦ] (2)  
 23. 13. ἔσονται . . . εἰς βολίδας ἐν τοῖς δ. ὡς οὐκ (2)  
 24. 7. εἶδωσαν οἱ δ. ὡς οὐκ (2)  
 Jd. 6. 17. εἰ δὲ εὐρον ἔλεος ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 21. ἐπορεύθη ἀπ' ὀφθαλμῶν αὐτοῦ [A al.] (2)  
 10. 15. κατὰ πᾶν τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου  
 [A al.] (2)  
 11. 35. A εἰς σκῶλον ἐγένον ἐν ὀφθαλμοῖς μου  
 [B al.] —  
 14. 3. αὐτὴ εὐθύνει ἐν ὀφθαλμοῖς μου [A al.] (2)  
 — 7. ἡ εὐθύνη ἐν ὀφθαλμοῖς Σ. [A al.] (2)  
 16. 21. ἐξέκοψαν τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 — 28. ἀναποδοῖς μίαν περὶ τῶν δύο δ. μου (2)  
 17. 6. τὸ εὐθύνει [A ἀγαθὸν] ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ.  
 εἰσίοις (2)  
 19. 17. ἦρε τοὺς δ. αὐ. [A ἀναβλέψας τοῖς δ.] (2)  
 — 24. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς ὡς οὐκ (2)  
 21. 25. A τὸ εὐθύνει ἐν ὀφθαλμοῖς [B ἐνώπιον]  
 αὐτοῦ (2)  
 Ru. 2. 2. οὐ εἰς εὐρὴν χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ (2)  
 — 9. οἱ δ. σου εἰς τὸν ἀγρόν (2)  
 — 10. τί σοι εὐρον χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 13. εὐροίμην χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 I Ki. 1. 18. εὐρον ἡ δοῦλός σου χάριν ἐν ὀφθαλ-  
 μοῖς σου (2)  
 — 23. ποιεῖ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 2. 29. ἵνα τί ἐπέβλεψας . . . ἀνιδεῖ δ. (2)  
 — 33. ἐκλείπειν τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 3. 2. οἱ δ. αὐ. ἤρξαντο βαρύνεσθαι (2)  
 4. 15. οἱ δ. αὐ. ἐπανεστῆσαν (2)  
 6. 13. ἦσαν ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (2)  
 8. 6. πονηρὸν τὸ ῥῆμα ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώ-  
 πιον] Σ. (2)  
 11. 2. ἐν τῷ ἐξορῶναι ὡς οὐκ ἐβλεπόντο (2)  
 12. 16. ὁ δ. κύριος ποιῶν ἐν ὀφθαλμοῖς ὡς οὐκ (2)  
 14. 27. ἀνέβλεψαν οἱ δ. αὐτοῦ (2)  
 — 29. εἶδον οἱ δ. μου (2)  
 16. 12. οὕτως πυρράκης μετὰ κάλλους ὀφθαλμῶν (2)  
 — 22. εὐρε χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 17. 42. αὐτὸς πυρράκης μετὰ κάλλους ὀφθαλμῶν (1)  
 18. 5. A ἤρξαντο ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ  
 καὶ γε ἐν ὀφθαλμοῖς δούλων Σαουλ (2, 2)  
 — 8. πονηρὸν ἐφάνη τὸ ῥῆμα ἐν ὀφθαλμοῖς Σ. (2)  
 — 20. ἡ εὐθύνη ἐν τοῖς [A om.] δ. αὐτοῦ (2)  
 — 23. εἰ κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς ὡς ἐπιγαμ-  
 βρεύσαι βασιλεῖ (2)  
 — 26. εὐθύνει ὁ λόγος ἐν ὀφθαλμοῖς Δ. (2)  
 20. 3. εὐρῆκα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον]  
 σου (2)  
 — 29. εἰ εὐρῆκα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 5. ὡς ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 11. ἐβλεπόντο οἱ δ. σου (2)  
 25. 8. εὐρῆσαν . . . χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 26. 21. ἐντοίμην ψυχῇ μου ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 24. καὶ ὡς ἐμεγαλύνθη . . . ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 27. 5. εἰ δὲ εὐρῆκεν . . . χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)

I Ki. 29. 6. εὐθὺς σὺ . . . ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 — 6, 7. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σατραπῶν (2)  
 — 9. ἀγαθὸς σὺ ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 II Ki. 8. 19. ὅσα ἤρσαν ἐν ὀφθαλμοῖς Ἰσρ. καὶ ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς οἴκου B. (2, 2)  
 6. 20. ὃς ἀπεκαλύφθη σὴμ. ἐν ὀφθαλμοῖς παιδικῶν (2)  
 — 22. ἔσονται ἀχρεῖς ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 10. 12. ποιήσει τὸ ἀγνῶτον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 11. 25. μὴ πονηρὸν ἔστω ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 27. πονηρὸν ἐφάνη . . . ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 12. 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 — 11. λήψομαι τὰς γυν. σου κατ' ὀφθαλμοῦς σου (2)  
 13. 2. ὑπερόγκον ἐν ὀφθαλμοῖς Ἀμνὼν (2)  
 — 5. ποιῶν κατ' ὀφθαλμοῦς μου βρώμα (2)  
 — 6. κολληματώτα ἐν ὀφθαλμοῖς μου δύο κολλ. (2)  
 — 8. ἐκολύρισε κατ' ὀφθαλμοῦς αὐτοῦ (2)  
 — 34. ἤρε τὸ παιδάριον ὁ σκοπὸς τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 14. 22. εὐρον χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 15. 25. ἐὰν εὐρῶ χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 26. κατὰ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 16. 4. εὐροίμι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 22. εἰσηλθὲν ἈB. . . κατ' ὀφθαλμοῦς παντὸς Ἰσρ. (2)  
 17. 4. εὐθὺς ὁ λόγος ἐν ὀφθαλμοῖς ἈB. καὶ ἐν ὀφθαλμοῖς πάντων τῶν πρεσβυτ. Ἰσρ. (2, 2)  
 18. 4. ὃ ἐὰν ἀρίστη ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (2)  
 — 24. ἐπῆρε τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 19. 6 (7). τὸ εὐθὺς ἦν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 18 (19). τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 — 27 (28). ποιήσων τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 37 (38). ποιήσων αὐτῷ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 38 (39). ποιῶσα αὐτῷ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 20. 6. σκιάσει τοὺς δ. ἡμῶν (2)  
 22. 25. ἐνώπιον [A. ἐναντίον] τῶν δ. αὐτοῦ (2)  
 — 28. ὀφθαλμοὺς ἐπὶ μετεώρων ταπεινώσεις (2)  
 24. 3. καὶ ὀφθαλμοὺς [A. οἱ δ.] τοῦ κ. μου τοῦ βασι. δρώντες (2)  
 — 22. ἀνεγκάτω . . . τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 III Ki. 1. 20. οἱ δ. παντὸς Ἰσρ. πρὸς σέ (2)  
 — 48. οἱ δ. μου θάψουσιν (2)  
 8. 29. τοῦ εἶναι ὀφθαλμοῖς σου ἡνεργημένους (2)  
 — 52. ἔστωσαν οἱ δ. σου καὶ τὰ ὧτά σου ἡνεργημένα (2)  
 9. 3. ἔσονται οἱ δ. μου ἐκεῖ (2)  
 12. 24 (cf. A. 14. 4). B οἱ δ. αὐ. ἡμβλύουσιν τοῦ ἰδεῖν (2)  
 14. 4. A. ἡμβλύουσιν οἱ δ. αὐτοῦ (2)  
 — 8. A. ποιῶσαι ἕκαστος τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 21 (20). 6. τὰ ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν αὐ. (2)  
 — 38. κατεδήσαντο τελαμῶνι τοὺς δ. αὐ. (2)  
 — 41. ἀφείλε τὸν τελαμῶνα ἀπὸ τῶν δ. αὐ. (2)  
 22. 43. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς [A. ἐνώπιον] κυρίου (2)  
 IV Ki. 1. 13. ἐντιμωθῆτω ἡ ψυχὴ μου . . . ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 — 14. ἐντιμωθῆτω δὴ ἡ ψυχὴ μου ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 8. 2. ἐποιήσε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 18. B καὶ κοῦφος καὶ [A. B-φ] αὕτη ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 34. ἔθηκε . . . τοὺς δ. αὐ. ἐπὶ τοὺς δ. αὐ. (2, 2)  
 — 35. ἡνοῖξε τὸ παιδάριον τοὺς δ. αὐ. (2)  
 6. 17. διανοίξων δὴ τοὺς δ. τοῦ παιδαρίου (2)  
 — 17. διανοίξει κύριος τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 — 20. ἀνοίξων δὴ, κύριε, τοὺς δ. αὐτῶν (2)  
 — 20. διανοίξει κ. τοὺς δ. αὐτῶν (2)  
 7. 2. δῶν τοὺς δ. (2)  
 — 19. δῶν τοὺς δ. σου (2)  
 9. 30. ἐστειμμάστω τοὺς δ. αὐτῆς (2)  
 10. 5. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου ποιήσομεν (2)  
 — 30. ποιῆσαι τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 13. 2, 11. ἐποιήσε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 14. 3; 15. 3. ἐποιήσε τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)

IV Ki. 15. 9, 18, 24, 28. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 34. ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 16. 2. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 17. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 18. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 19. 16. ἀνοίξων, κύριε, τοὺς δ. σου (2)  
 — 22. καὶ ἤρας εἰς ὕψος τοὺς δ. σου (2)  
 20. 3. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς [A. ἐνώπιον] σου ἐποίησα (2)  
 21. 2. ἐποίησαν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 6. τοῦ ποιεῖν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 15. ἐποίησαν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 — 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 20. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 22. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὺς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 20. οὐκ ἐβήθηται ἐν τοῖς δ. σου (2)  
 23. 16. ἤρε τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 — 32. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 37. ἐποίησε τὸ πον. ἐν ὀφθαλμοῖς [A. ἐνώπιον] κυρίου (2)  
 24. 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
 — 19. A. ἐποίησε τὸ πον. ἐν ὀφθαλμοῖς [B. ἐνώπιον] κυρίου (2)  
 25. 7. τοὺς υἱοὺς Σ. ἔστρεψε κατ' ὀφθαλμοῦς αὐ. (2)  
 — 7. τοὺς δ. Σεδ. ἔξετηφύλωσεν (2)  
 I Ch. 13. 4. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λ. (2)  
 19. 13. A. B. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. [B. B. σμ. ἐν δ. αὐ.] ποιήσει (2)  
 21. 3. καὶ οἱ δ. κυρίου μου τοῦ βασι. θάψουσιν (2)  
 — 16. ἐπῆρε Δ. τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 II Ch. 6. 20. τοῦ εἶναι ὀφθαλμοῦς σου [B. μου] ἀνεργημένους (2)  
 — 40. ἔστωσαν δὴ οἱ δ. σου ἀνεργημένοι (2)  
 7. 15. οἱ δ. μου ἔσονται ἀνεργημένοι (2)  
 — 16. ἔσονται οἱ δ. μου . . . ἐκεῖ (2)  
 9. 6. ἕως οὗ . . . εἶδον οἱ δ. μου (2)  
 18. 9. οἱ δ. κυρίου ἐπιβλέπουντι (2)  
 20. 12. ἐπὶ σοὶ οἱ δ. ἡμῶν (2)  
 29. 8. ὡς ὑμεῖς ἤρατε τοὺς δ. ὑμῶν (2)  
 32. 23. κατ' ὀφθαλμοῖς πάντων τῶν ἔθνων (2)  
 34. 28. οὐκ ἐβήθηται οἱ δ. σου (2)  
 II Es. 8. 12. οἱ εἶδον . . . τοῦτον τὸν οἶκον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 5. 5. οἱ δ. τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὴν αἰχμαλωσίαν Ἰ. (2)  
 7. 28. ἐν ὀφθαλμοῖς τοῦ βασι. (2)  
 9. 8. τοῦ φωτίσαι ὀφθαλμοῖς ἡμῶν (2)  
 Ne. 1. 6. καὶ οἱ δ. σου ἀνεργημένοι (2)  
 6. 16. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτῶν (2)  
 To. 2. 10. A. B. τῶν δ. μου ἀνεργῶτων (2)  
 — 10. ἀφώδυσαν τὰ στρουθία θερμὸν εἰς τοὺς δ. μου [B. al.] (2)  
 — 10. B. ἐγενήθη λευκώματα εἰς τοὺς δ. μου [B. B. al.] (2)  
 — 10. B. ἐξετηφύλωσεν οἱ δ. μου (2)  
 — 10. B. ἡμῶν ἀδύνατος τοῖς δ. (2)  
 8. 12. τοὺς δ. μου . . . εἰς σέ δίδωκα [B. al.] (2)  
 — 17. B. ἀπολύσαι τὰ λ. ἀπὸ τῶν δ. αὐ. [A. B. al.] (2)  
 — 17. B. ἵνα ἴδῃ τοὺς δ. τὸ φῶς τοῦ θεοῦ (2)  
 4. 7, 16. A. B. μὴ φθονεσάτω σου ὁ δ. (2)  
 5. 9. B. ἐγὼ ἀνθρώπος ἀδύνατος τοῖς δ. (2)  
 — 20. οἱ δ. σου δύνονται αὐτὸν [B. om.] (2)  
 6. 8. ἀνθρώπων δε. ἔχει λευκώματα ἐν τοῖς δ. [B. al.] (2)  
 7. 7. ἀπώλεσε τοὺς δ. ἐναντὶ [B. al.] (2)  
 10. 5. ἀφῆκ' σε τὴν φῶς τῶν δ. μου (2)  
 11. 7. ἀνοίξει τοὺς δ. ὁ πατήρ σου [B. al.] (2)  
 — 7. ἔγχευσον τὴν χολὴν εἰς τοὺς δ. αὐτοῦ [B. al.] (2)  
 — 8. B. ἀπολείπει τὰ λευκώ. ἀπὸ τῶν δ. αὐ. [A. B. al.] (2)  
 — 11. A. B. προσέσπεσε τὴν χολὴν ἐπὶ τοὺς δ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2)  
 — 11. B. ἐνεφύσησεν εἰς τοὺς δ. αὐ. (2)  
 — 12. A. B. διέτρυψε τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
 — 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν κινθῶν τῶν δ. αὐ. τὰ λευκώ. [B. al.] (2)  
 — 14. B. εἶδον σε, τέκνον, τὸ φῶς τῶν δ. μου (2)  
 — 17. B. ἥνοιξε τοὺς δ. αὐ. (2)  
 14. 2. B. ὅτε ἐγένετο ἀνάγειρος τοῖς δ. [A. B. al.] (2)  
 Ju. 2. 11. οὐ φείσεται ὁ δ. σου (2)  
 3. 4. ὡς ἔστιν ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 7. 27. οὐκ ὀφείμθα . . . ἐν ὀφθαλμοῖς ἡμῶν [A. om. ἐν δ. ἡ.] (2)

Ju. 10. 4. A. B. B. εἰς ἀπάτησιν [B. B. ἀπάτ.] ὀφθαλμῶν ἀνδρῶν (2)  
 12. 14. A. B. δ. ἔσται ἐν τοῖς δ. αὐ. ἀρεστόν (2)  
 16. 9. τὸ σκανδαλίον αὐ. ἤρπασεν ὀφθαλμὸν αὐ. (2)  
 Es. 4. 17. θίνατος αὐτῶν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 8. 5. B. καὶ ἀγαθὴ εἰμι ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. (2)  
 Jb. 3. 10. ἀπήλλαξε γὰρ ἂν πόνον [A. κόπον] ἀπὸ ὀφθαλμῶν μου (2)  
 4. 16. οὐκ ἦν μορφὴ πρὸς ὀφθαλμῶν μου (2)  
 7. 7. οὐκέτι ἐπανελεύσεται ὀφθαλμὸς [A. B. δ. ο.] μου ἰδεῖν ἀγαθόν (2)  
 — 8. οὐ περιβλήσεται με [A. οὐκ ἀπεροί μοι] ὀφθαλμός [A. δ. ο.] ὁρώτος με οἱ δ. σου ἐν ἐμοί (2, 2)  
 10. 18. ὀφθαλμοὶ δέ με οἶκ. εἶδε (2)  
 11. 20. ὀφθαλμοὶ δέ ἀσεβῶν ταχίσονται (2)  
 13. 1. ἰδοὺ ταῦτα ἐώρακέ μου ὁ ὀφθαλμός (2)  
 15. 12. τί ἐπήνεγκαν οἱ δ. σου (2)  
 16. 11 (10). ἀκίσιν ὀφθαλμῶν ἐνήλατο (2, 2)  
 — 21 (20). A. B. B. ἔνυντι δὲ αὐτοῦ στήθοι μου ὁ δ. (2)  
 17. 5. A. B. B. ὀφθαλμοὶ δέ ἐφ' υἱοῖς ἐτάκησαν (2)  
 — 7. A. B. B. πεπωρόνται γὰρ ἀπὸ ὀργῆς οἱ δ. μου (2)  
 19. 27. δ. ὁ [B. om.] ὀφθαλμός μου ἐώρακε [A. al.] (2)  
 20. 9. ὀφθαλμός παρέβλεψε (2)  
 21. 8. τὰ δὲ τέκνα αὐτῶν ἐν ὀφθαλμοῖς (2)  
 — 20. ἴδουσιν οἱ δ. αὐτοῦ τὴν ἐναντοῦ σφαγὴν (2)  
 22. 29. κύφοντα ὀφθαλμοῖς σάσεις (2)  
 24. 15. A. B. B. ὀφθαλμοὶ μοιχοῦ ἐφύλαξε σκίτος λέγων, Οὐ προσποίσει [B. προσθήσει, B. προν.] με ὀφθαλμός [A. δ. ο.] (2, 2)  
 27. 19. ὀφθαλμοὶ [A. -ος] αὐτοῦ διήνοιξε (2)  
 28. 7. οὐ παρέβλεψεν αὐτὴν ὀφθαλμός γυπτός (2)  
 — 10. πᾶν δὲ ἐντιμόν [A. τίμιον] εἶδε μου [A. B. αὐτοῦ] ὁ δ. (2)  
 29. 11. ὀφθαλμοὶ δὲ ἰδὼν με ἐξέκλινε (2)  
 — 15. ὀφθαλμοὶ ἤμην τυφλῶν (2)  
 31. 1. διαθήκην ἐθέμην τοῖς δ. [B. ἀδελφοῖς] μου (2)  
 — 7. εἰ δὲ καὶ τῷ δ. ἐπηκολούθησεν ἡ καρδία μου (2)  
 — 16. χήρας δὲ τὸν δ. οὐκ ἐξέτηξα [A. ἔτηξα] (2)  
 36. 7. οὐκ ἀφείλε ἀπὸ δικαίου ὀφθαλμοῦς [A. -όν] αὐτοῦ (2)  
 39. 29. πόρρωθεν οἱ δ. αὐτοῦ σκοπεῖουσι (2)  
 40. 19 (24). ἐν τῷ δ. αὐτοῦ δέξεται αὐτόν (2)  
 41. 9 (10). οἱ δὲ δ. αὐτοῦ εἶδος ἐωσφόρου (2)  
 42. 5. νυκτὶ δὲ ὁ δ. μου ἐώρακέ σε (2)  
 Ps. 5. 5. οὐδὲ διαμενοῦσι παρῶνομοι κατέναντι τῶν δ. σου (2)  
 6. 7. ἐταράχθη ἀπὸ θυμοῦ ὁ δ. μου (2)  
 9. 29 (10. 8); 10 (11). 5. οἱ δ. αὐτοῦ εἰς τὸν πέννητα ἀποβλέπουσιν (2)  
 12 (13). 3. φώτισον τοὺς δ. μου (2)  
 13 (14). 3. B. B. οὐκ ἔστι φῶς θεοῦ ἀπέναντι τῶν δ. αὐτῶν (2)  
 16 (17). 2. A. B. B. οἱ δ. μου ἰδέτωσαν εὐδότητας (2)  
 — 8. φύλαξόν με ὡς κὸρην ὀφθαλμοῦ (5+2)  
 — 11. τοὺς δ. αὐτῶν ἔθετο ἐκκλίνας ἐν τῇ γῇ (2)  
 17 (18). 24. κατὰ τὴν καθαρύτητα τῶν χειρῶν μου [A. μου ἀνταποδώσει μοι] ἐνώπιον τῶν δ. αὐτοῦ (2)  
 — 27. ὀφθαλμοὺς ὑπερηφάνων ταπεινώσεις (2)  
 18 (19). 8. ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλανγῆς φωτίζουσα ὀφθαλμοῦς (2)  
 24 (25). 15. οἱ δ. μου διὰ παντὸς πρὸς τὸν κύριον (2)  
 25 (26). 3. τὸ ἔλεῖς σου κατέναντι τῶν δ. μου [A. σοῦ] ἔστι (2)  
 30 (31). 9. ἐταράχθη ἐν θυμῷ ὁ δ. μου (2)  
 — 22. ἀπέρριμμαι ἀπὸ προσώπου [B. om.] τῶν δ. σου (2)  
 31 (32). 8. ἐπιστηριῶ ἐπὶ σέ τοὺς δ. μου (2)  
 32 (33). 18. οἱ δ. κυρίου ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτῶν (2)  
 33 (34). 15. ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ δικαίους (2)  
 34 (35). 19. οἱ μουσούντες με δωρεάν καὶ διαμενοῦντες ὀφθαλμοῖς (2)  
 — 21. εὐγὲ εὐγὲ εἶδον οἱ δ. ἡμῶν (2)  
 35 (36). 1. οὐκ ἔστι φόβος θεοῦ ἀπέναντι τῶν δ. αὐτοῦ (2)  
 37 (38). 10. τὸ φῶς τῶν δ. μου οὐκ [A. B. καὶ αὐτὸ οὐκ] ἔστι μετ' ἐμοῦ (2)  
 53 (54). 7. ἐν τοῖς ἐχθροῖς μου ἐπέιδεν ὁ δ. μου (2)

- Ps. 55 (56). 13. Β<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> τοὺς ὁ. μου ἀπὸ θαλῶν (2)  
 65 (66). 7. οἱ ὁ. αὐτοῦ ἐπὶ τὰ ἔθνη ἐπιβέβησαν (2)  
 68 (69). 3. ἐξέλιπον οἱ ὁ. μου (2)  
 — 23. σκοτεινίσθησαν οἱ ὁ. αὐτῶν (2)  
 78 (79). 10. γνωστὴν... ἐνώπιον τῶν ὁ. ἡμῶν (2)  
 87 (88). 9. οἱ ὁ. μου ἠσθύνθησαν ἀπὸ πτωχείας (2)  
 89 (90). 4. χεῖρα ἐγὼ ἐν ὀφθαλμοῖς σου ὡς ἡ ἡμέρα ἡ ἐχθρῆς (2)  
 90 (91). 8. τοὺς ὁ. σου κατανόησας (2)  
 91 (92). 11. ἐπέειδεν ὁ. μου ἐν τοῖς [Α<sup>1</sup> om.] ἐχθροῖς μου (2)  
 93 (94). 9. Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> ὁ πλάσας τὸν ὁ. [Β<sup>2</sup> πλ. ὀφθαλμοῦ] οὐκ κατανοεῖ (2)  
 100 (101). 3. οὐ προεβλήθη πρὸ ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παράνομον (2)  
 — 5. ὑπερῆραν ὀφθαλμοί... τούτῳ οὐ συν- ἦσαν (2)  
 — 6. οἱ ὁ. μου ἐπὶ τοὺς πιστοὺς τῆς γῆς (2)  
 — 7. οὐ κατεύθυνεν ἐναντίον τῶν ὁ. μου (2)  
 113. 13 (115. 5). ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὄψονται (2)  
 114 (116). 8. ἐξέλιτο... τοὺς ὁ. μου ἀπὸ θαλῶν (2)  
 117 (118). 23. ἴσθι θιμωσθῇ ἐν ὀφθαλμοῖς ἡμῶν (2)  
 118 (119). 18. ἀποκαλύψον τοὺς ὁ. μου (2)  
 — 37. ἀποστρέψον τοὺς ὁ. μου (2)  
 — 82. ἐξέλιπον οἱ ὁ. μου εἰς τὸ λόγιόν σου (2)  
 — 123. οἱ ὁ. μου ἐξέλιπον εἰς τὸ σωτήριόν σου (2)  
 — 136. Β<sup>2</sup> διεξέδους ὑδάτων κατέβησαν [Α<sup>1</sup> διέβ.] οἱ ὁ. μου (2)  
 — 148. προέφθασαν οἱ ὁ. μου πρὸς ὄρθρον (2)  
 120 (121). 1. ἡρα τοὺς ὁ. μου εἰς τὰ ὄρη (2)  
 122 (123). 1. πρὸς σέ ἡρα τοὺς ὁ. μου (2)  
 — 2. ἰδοὺ ὡς ὀφθαλμοὶ δοῦλων εἰς χεῖρας τῶν κυρίων αὐτῶν ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χεῖρας τῆς κυρίας αὐτῆς οὕτως οἱ ὁ. ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (3 Jer)  
 130 (131). 1. οὐδὲ ἐμετωρίσθησαν οἱ ὁ. μου (2)  
 131 (132). 4. εἰ ὁσάω ὕπνον τοῖς ὁ. μου (2)  
 134 (135). 16. ὀφθαλμοὺς ἔχουσι καὶ οὐκ ὄψονται (2)  
 138 (139). 16. Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> τὸ ἀκατέργαστον σου εἰ- ὶδωσαν οἱ ὁ. μου [Β<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> al.] (2)  
 140 (141). 8. πρὸς σέ, κύριε κύριε, οἱ ὁ. μου (2)  
 144 (145). 15. οἱ ὁ. πάντων εἰς σέ ἐλπίζουσι (2)  
 Pr. 4. 25. οἱ ὁ. σου ὀρθὰ βλέπέτωσαν (2)  
 5. 21. ἐνώπιον γὰρ εἰσι τῶν τοῦ θεοῦ ὁ. ὁδοὶ ἀνδρὸς (2)  
 6. 13. ὁ δ' αὐτοῦ ἐννεύει ὀφθαλμῷ (2)  
 — 17. ὀφθαλμοὺς ὑβρίστου γλώσσα ἀδικος (2)  
 — 25. μηδὲ ἀγρευθῆς σοὶς ὁ. (2)  
 10. 10. ὁ ἐννεύων ὀφθαλμοῖς [Β<sup>2</sup> -φ] μετὰ δόλου (2)  
 15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (2)  
 — 15. οἱ ὁ. τῶν κακῶν προσδέχονται κακὰ (2)  
 16. 2 (15. 30). θεωρῶν ὀφθαλμοὺς καλὰ εὐφραίνει καρδίαν (2)  
 — 30. στηριζῶν δὲ ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (2)  
 17. 24. οἱ δὲ ὁ. τοῦ φθόρον ἐπ' ἄκρα γῆς (2)  
 20. 8. οὐκ ἐναντιοῦται ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ πᾶν πονηρὸν (2)  
 — 20. αἱ δὲ κόραι τῶν ὁ. αὐτοῦ ὄψονται [Β<sup>2</sup> ἔσονται] σκότος (2)  
 — 12. οὐς ἀκούει καὶ ὀφθαλμοὺς ὁρᾷ (2)  
 — 13. διανοίξον τοὺς ὁ. σου (2)  
 22. 12. οἱ δὲ ὁ. κυρίου διατηροῦσιν αἰσθήσιν (2)  
 23. 26. οἱ δὲ σοὶ ὁ. ἡμᾶς ὁδοὺς τηρεῖτωσαν (2)  
 — 29. τίνος πελιδνοὶ οἱ [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> πελῆλοι] ὁ. (2)  
 — 31. ἐὰν γὰρ εἰς τὰς φιάλας... ὁφθ. τοῦς ὁ. σου (2)  
 — 33. οἱ ὁ. σου ὅταν ἰδοῦν ἀλλοτρίαν (2)  
 24. 36 (30. 13). ἔργον κακὸν ὑψηλοῦς ὀφθαλ- μὸς ἔχει (2)  
 — 52 (30. 17). ὀφθαλμοὶ καταγελῶντα πατρός (2)  
 25. 7. ἄ εἶδον οἱ ὁ. σου λέγε (2)  
 27. 20. ὡσανῶς καὶ οἱ ὁ. τῶν ἀνθρώπων ἀπληστοὶ (2)  
 — 20. βδέλυγμα κυρίου στηρίζων ὀφθαλμὸν (2)  
 28. 27. ὅς δὲ ἀποστρέφει τὸν ὁ. αὐτοῦ (2)  
 Ec. 1. 8. οὐκ πλησθήσεται [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> οὐκ ἐμπλ.] ὁ. τοῦ ὄραν (2)  
 2. 10. πᾶν ὁ ᾗτησαν οἱ ὁ. μου (2)  
 — 14. τὸ σοφοῦ οἱ ὁ. αὐτοῦ ἐν κεφαλῇ αὐτοῦ (2)  
 4. 8. ὀφθαλμοὺς [Β<sup>2</sup> ὁ. ὁ.] αὐτοῦ [Β<sup>2</sup> om.] οὐκ ἐμπέλαται πλουτοῦ (2)  
 5. 10. ἀρχὴ [Β<sup>2</sup> ἀλλ' ἤ] τοῦ ὄραν ὀφθαλμοῖς [Β<sup>2</sup> -ὄν] αὐτοῦ (2)  
 6. 9. ἀγαθὸν ὄραμα ὀφθαλμῶν (2)  
 8. 16. ὅπνον ὀφθαλμοῖς [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> ἐν ὁ.] αὐτοῦ οὐκ ἔστι βλέπειν [Α<sup>2</sup> -ειν] (2)  
 11. 7. ἀγαθὸν τοῖς ὁ. τοῦ βλέπειν σὺν τὸν ἥλιον (2)  
 Ec. 11. 9. καὶ μὴ [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> om.] ἐν ὀράσει ὀφθαλμῶν σου (2)  
 Ca. 1. 15. ὀφθαλμοὶ [Α<sup>2</sup> -ὄς] σου περιστραῖ (2)  
 4. 1. ὀφθαλμοὶ σου περιστραῖ (2)  
 — 9. ἐκαρτίσας ἡμᾶς ἐν [Α<sup>2</sup> ἐν] ἀπὸ ὀφθαλ- μῶν σου (2)  
 5. 12. ὀφθαλμοὶ [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> οἱ ὁ.] αὐτοῦ ὡς περιστραῖ (2)  
 6. 4 (5). ἀποστρέψον ὀφθαλμοὺς σου ἀπεναν- τίον μου (2)  
 7. 4 (5). οἱ [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> om.] ὁ. σου ὡς λίμναι ἐν Ἑσβεθάν (2)  
 8. 10. ἤμην ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. ὡς εὐρίσκουσα εἰρήνην [Β<sup>2</sup> χάριν] (2)  
 Wi. 3. 2. ἔδοξαν ἐν ὀφθαλμοῖς ὀφθαλμῶν τεθνάναι (2)  
 9. 9. ἐπισταμένη τί ἀρσένον ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
 Si. 4. 1. μὴ παρέλκυσθες ὀφθαλμοῖς ἐπιθεῖς (2)  
 — 5. ἀπὸ δεομένου [Β<sup>2</sup> προσδ.] μὴ ἀποστρέψῃς ὀφθαλμόν (2)  
 8. 16. ὡς οὐδὲν ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ αἶμα (2)  
 9. 8. ἀποστρέψον ὀφθαλμόν ἀπὸ γυναικὸς εὐμόρφου (2)  
 10. 20. οἱ φοβούμενοι κύριον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ (2)  
 11. 12. οἱ ὁ. [Β<sup>2</sup> ὁ. ὁ.] κυρίου ἐπέβλεψαν [Β<sup>2</sup> -εν] αὐτῷ (2)  
 — 21. κούφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου... πλουτῖσαι πένητα (2)  
 — 26. Α<sup>2</sup> κούφον ἐν ὀφθαλμοῖς [Β<sup>2</sup> ἔναντι] κυρίου (2)  
 12. 16. ἐν [Β<sup>2</sup> om.] ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ δακρύσει ὁ ἐχ- θρὸς (2)  
 14. 8. πονηρὸς ὁ βασιλεὺς ὀφθαλμῷ [Α<sup>2</sup> -ὄν ἑαυτοῦ] (2)  
 — 9. πλεονέκτου ὀφθαλμοῦ οὐκ ἐμπέλαται μερίδι [Α<sup>2</sup> -δα] (2)  
 — 10. ὀφθαλμοὺς πονηρὸς φθονερὸς ἐπ' ἄρῳ (2)  
 15. 19. οἱ ὁ. αὐτοῦ ἐπὶ τοὺς φοβούμενους αὐτὸν (2)  
 16. 5. πολλὰ τοιαῦτα ἑώρακα ἐν ὀφθαλμοῖς [Β<sup>2</sup> ἑώ- ρακεν ὁ ὁ.] μου (2)  
 — 20. Β<sup>2</sup> καθὼ ποιεῖ ἄνθρωπος ὄψεται ὁ ὁ. αὐτοῦ (2)  
 17. 6. ὀφθαλμοὺς... ἔδοκε διανοεῖσθαι αὐτοῖς (2)  
 8. ἔθηκε τὸν ὁ. αὐ. ἐπὶ τὰς καρδίας αὐ. (2)  
 — 13. μεγαλύνει δόξης εἶδον οἱ ὁ. αὐτῶν (2)  
 — 15. οὐ κρυβήσονται ἀπὸ τῶν ὁ. αὐ. (2)  
 — 19. οἱ αὐ. ἐνδελχεῖς ἐπὶ τὰς ὁδοὺς αὐ. (2)  
 18. 18. ὁσὶς βασκανίον ἐκήκετ ὀφθαλμοῦς (2)  
 20. 14. οἱ γὰρ ὁ. αὐτοῦ ἀνθ' ἐνὸς πολλοῦ (2)  
 — 29. ξένια καὶ δῶρα ἀποτυφλοῖ ὀφθαλμοὺς σοφῶν (2)  
 22. 19. ὁ νύσσων ὀφθαλμῶν [Α<sup>2</sup> -ὄν] κατάγει δάκρυα (2)  
 23. 4. μετεωρισμὸν ὀφθαλμῶν μὴ δῶς μοι (2)  
 19. ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπων ὁ φθόρος αὐτοῦ (2)  
 — 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου μνηστικαίως ἡλίου φω- τεύονται (2)  
 26. 9. πορνεία γυναικὸς ἐν μετεωρισμῷ ὀφθαλμῶν (2)  
 — 11. ὅπως ἀναιδοὺς ὀφθαλμῷ [Β<sup>2</sup> -ὄν] φύλαξι (2)  
 27. 1. ὁ ζῆτων πληθύνει ἀποστρέφει ὀφθαλμόν (2)  
 — 22. διανεύων [Α<sup>2</sup> καὶ ἐννεύων] ὀφθαλμῷ τεκταίνει κακὰ (2)  
 — 23. ἀπέναντι τῶν ὁ. σου γλυκανεῖ στόμα σου (2)  
 30. 20. βλέπων ἐν ὀφθαλμοῖς καὶ στενάων (2)  
 31 (34). 16. οἱ ὁ. κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν (2)  
 — 17. ἀνύψων ψυχὴν καὶ φωτίζειν ὀφθαλμοῦς (2)  
 32 (35). 8. ἐν ἀγαθῷ ὁ. δόξαν τὸν κύριον (2)  
 — 10. ἐν ἀγαθῷ ὁ. καθ' εὐρεμα [Β<sup>2</sup> αἶρεμα] χειρός (2)  
 34 (31). 13. μνησθῇ ὅτι κακὸν ὀφθαλμοῦς πονηρὸς (2)  
 — 13. πονηρότερον ὀφθαλμῷ τί ἐκτίσται (2)  
 38. 28. κατενάει ὁμοιωμάτων σκεύους οἱ ὁ. αὐτοῦ (2)  
 39. 19. οὐκ ἔστι κρυβῆναι ἀπὸ τῶν ὁ. αὐτοῦ (2)  
 — 20. Β<sup>2</sup> οὐδὲν ἔστι θαυμάσιον ἐναντίον τῶν ὁ. [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> om. τῶν ὁ.] αὐτοῦ (2)  
 40. 22. χάριν καὶ κάλλος ἐπιθυμῆσει ὁ [Α<sup>2</sup> om.] ὁ. σου [Α<sup>2</sup> om.] (2)  
 43. 4. ἐκλάμπων ἀκτίνας ἡμαυροῖ ὀφθαλμοῦς (2)  
 — 18. κάλλος λευκότητος αὐτῆς ἐκθαυμάσει ὀφ- θαλμὸς (2)  
 44. 27. ἀνδρὰ ἐλέους εὐρίσκοντα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκὸς (2)  
 45. 12. ἐπιθυμῆματα ὀφθαλμῶν κοσμοῦμενα ὥραϊα (2)  
 51. 27. ἴδετε ἐν ὀφθαλμοῖς ὡμῶν δὲ λήγῃ ἐκποσία (2)  
 Ho. 13. 14. παρὰ κλησὶν κέκρυπται ἀπὸ [Α<sup>2</sup> ἐξ] ὀφθαλμῶν μου (2)  
 Am. 9. 3. ἐὰν καταδύσωσιν ἐξ ὀφθαλμῶν μου (2)  
 — 4. στηριζῶ τοὺς ὁ. [Α<sup>2</sup> τὸ πρὸς ὁπλόν] μου ἐπ' αὐτούς (2)  
 — 8. ἰδοὺ οἱ ὁ. κυρίου τοῦ θ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν (2)  
 Mi. 4. 11. ἐπόψονται ἐπὶ Σιών οἱ ὁ. ἡμῶν (2)  
 7. 10. οἱ ὁ. μου ἐπὸς ὄψονται αὐτήν (2)  
 Jn. 1. 16. κατενάει τῶν ὁ. ἡμῶν βρώματα (2)  
 Jn. 2. 5. ἀπώσονται ἐξ ὀφθαλμῶν σου (2)  
 Hb. 1. 13. Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> καθαρὸς ὁ [Β<sup>2</sup> om.] ὁ. τοῦ μὴ ὄραν πονηρὰ (2)  
 Ze. 3. 7. οὐ μὴ ἐξολοθρευθῇ ἐξ ὀφθαλμῶν αὐτῆς (2)  
 Za. 1. 18 (2. 1) : 2. 1 (5). καὶ ἡρα τοὺς ὁ. μου (2)  
 2. 8 (12). ὡς ὁ ἀπτόμενος τῆς κόμης τοῦ ὁ. αὐτοῦ (2)  
 3. 10 (9). ἐπὶ τὸν λίθον τὸν ἑνὰ ἐπὶ τὰ ὀφθαλμοὶ εἰσιν (2)  
 4. 10. ἐπὶ αὐτοὶ ὁ. εἰσιν [Α<sup>2</sup> add. κυρίου] (2)  
 5. 1. καὶ ἡρα τοὺς ὁ. μου καὶ ἴδον (2)  
 — 9. ἀνίβλεψον τοῖς ὁ. σου (2)  
 — 9 : 6. 1. καὶ ἡρα τοὺς ὁ. μου καὶ ἴδον (2)  
 9. 8. διότι νῦν ἑώρακα ἐν [Α<sup>2</sup> om.] τοῖς ὁ. μου (2)  
 11. 17. μάχαιρα... ἐπὶ τὸν ὁ. τὸν δεξιὸν αὐτοῦ (2)  
 — 17. Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> καὶ ὁ [Β<sup>2</sup> om.] ὁ. ὁ δεξιὸς αὐτοῦ ἐκτυφλύμενος (2)  
 12. 4. ἐπὶ δὲ τὸν οἶκον Ἱ. διανοίξω τοὺς ὁ. μου (2)  
 14. 12. καὶ οἱ ὁ. αὐτῶν ρύσονται ἐκ [Α<sup>2</sup> ἀπὸ] τῶν ὀπῶν (2)  
 Ma. 1. 5. Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> καὶ οἱ [Β<sup>2</sup> om.] ὁ. ὑμῶν ὄψονται (2)  
 Is. 1. 15. ἀποστρέψω τοὺς ὁ. μου ἀπ' ὑμῶν (2)  
 — 16. ἀφέλετε τὰς πορνείας ἀπὸ τῶν ψυχῶν ὑμῶν ἀπέναντι τῶν ὁ. μου (2)  
 2. 11. οἱ γὰρ ὁ. κυρίου ὑψηλοῖ (2)  
 3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῶς τραχίλῳ καὶ ἐν [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> om.] νεύμασιν ὀφθαλμῶν (2)  
 5. 15. οἱ ὁ. οἱ μετέωροι ταπεινωθήσονται (2)  
 6. 5. τὸν βασ. κύριον σαβαῶθ εἶδον τοῖς ὁ. μου (2)  
 — 10. τοὺς ὁ. ἐκάμνουν μὴ ποτε ἴδωσι τοῖς ὁ. (2, 2)  
 10. 12. ἐπὶ τὸ ὕψος τῆς δόξης τῶν ὁ. αὐ. (2)  
 13. 18. οὐδὲ ἐπὶ τοῖς τέκνοις σου φείσονται οἱ ὁ. αὐτῶν (2)  
 17. 7. οἱ δὲ ὁ. αὐτοῦ εἰς τὸν ἄγιον τοῦ Ἰσραὴλ ἐμβλέψονται (2)  
 28. 22. Β<sup>2</sup> μηδὲ ἰσχυράτωσαν ὑμῶν οἱ δεσμοὶ οἱ ὁ. [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> om. οἱ ὁ.] (2)  
 29. 10. καμύνσει τοὺς ὁ. αὐτῶν (2)  
 — 18. ὀφθαλμοὶ τυφλῶν ὄψονται [Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> βλέψ.] (2)  
 30. 20. οἱ ὁ. σου ὄψονται τοὺς πλανώντας σε (2)  
 33. 15. καμύνουν τοὺς ὁ. (2)  
 — 17. οἱ ὁ. ὑμῶν ὄψονται γῆν πόρρωθεν (2)  
 — 20. οἱ ὁ. σου ὄψονται Ἱερουσαλὴμ (2)  
 35. 5. τότε ἀνοιχθήσονται ὀφθαλμοὶ τυφλῶν (2)  
 37. 17. Β<sup>2</sup> ἀνοίξον, κύριε, τοὺς ὁ. σου (2)  
 — 23. οὐκ ἡρας εἰς ὕψος τοὺς ὁ. σου (2)  
 38. 14. ἐξέλιπον γὰρ μοι οἱ ὁ. (2)  
 40. 26. ἀναβλέψατε εἰς ὕψος τοὺς ὁ. ὑμῶν (2)  
 42. 7. ἀνοίξει ὀφθαλμοὺς τυφλῶν (2)  
 43. 8. ὀφθαλμοὶ εἰσιν ὡσαύτως τυφλοὶ (2)  
 44. 18. ἀπημυρνώθησαν τοὶ βλέπουν τοῖς ὁ. αὐτῶν (2)  
 49. 18. ἄρον κύκλω τοὺς ὁ. σου (2)  
 51. 6. ἀρατε εἰς τὸν οὐρανὸν τοὺς ὁ. ὑμῶν (2)  
 52. 8. ὀφθαλμοὶ πρὸς ὀφθαλμοὺς ὄψονται (2, 2)  
 59. 10. ὡς οὐκ ὑπαρχόντων ὀφθαλμῶν ψηλασθή- σονται (2)  
 60. 4. ἄρον κύκλω τοὺς ὁ. σου (2)  
 64. 4 (3). οὐδὲ οἱ ὁ. ἡμῶν εἶδον θεὸν πλην σοῦ (2)  
 Je. 3. 2. ἄρον εἰς εὐθείαν τοὺς ὁ. σου (2)  
 4. 30. ἐὰν ἐγκρίσῃ στίβις τοὺς ὁ. σου (2)  
 5. 3. οἱ ὁ. σου εἰς πίστιν (2)  
 — 21. ὀφθαλμοὶ αὐτοῖς καὶ οὐ βλέπουν (2)  
 9. 1 (8. 23). τίς δώσει... ὀφθαλμοῖς μου πηγὴν θαλῶν (2)  
 — 18 (17). καταγαγέτωσαν οἱ ὁ. ὑμῶν δάκρυα (2)  
 13. 17. κατάρουσιν οἱ ὁ. ὑμῶν δάκρυα (2)  
 — 20. ἀνάλαβε ὀφθαλμοὺς [Α<sup>2</sup> τοὺς ὁ.] σου (2)  
 14. 6. ἐξέλιπον οἱ ὁ. αὐτῶν (2)  
 — 17. καταγάγετε ἐπ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν δάκρυα (2)  
 16. 9. καταλύω... ἐνώπιον τῶν ὁ. ὑμῶν... φωνῇ (2)  
 — 17. οἱ ὁ. μου ἐπὶ πάσας τὰς ὁδοὺς αὐ. (2)  
 — 17. καὶ οὐκ ἐκρύβη τὰ ἀδικήματα αὐ. ἀπέ- ναντι τῶν ὁ. μου (2)  
 19. 10. συντρίψει τὸν βικὸν κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἀνδρῶν (2)  
 20. 4. οἱ ὁ. σου ὄψονται (2)  
 22. 17. οὐκ εἰσιν οἱ ὁ. σου οὐδὲ ἡ καρδία σου καλὴ (2)  
 24. 6. στηριζῶ τοὺς ὁ. μου ἐπ' αὐτούς (2)  
 28 (31). 24. ἄς ἐποίησαν ἐπὶ Σιών κατ' ὀφθαλ- μούς ὑμῶν (2)  
 34 (27). 5. φ' ἐὰν δόξῃ ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
 35 (28). 1. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων (2)  
 — 5. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λαοῦ καὶ κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων (2, 2)  
 — 10. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ (2)  
 — 11. κατ' ὀφθαλμοὺς παντὸς τοῦ λαοῦ (2)  
 36 (29). 21. πατάζει αὐτούς κατ' ὀφθαλμούς ὑμῶν (2)  
 38 (31). 16. καὶ οἱ ὁ. σου ἀπὸ θαλῶν σου (2)

- Je. 89 (32). 4. οἱ δὲ αὐτοὺς τοὺς [S πρὸς] ὁ αὐτοῦ  
— 12 *ter.* κατ' ὀφθαλμούς (2, 2)  
— 13. συνίτατα τῷ B. κατ' ὀφθαλμούς αὐ. (2)  
— 19. οἱ δὲ σου εἰς τὰς ὁδοὺς τῶν υἱῶν τῶν  
— 30. ποιούντες τὸ ποιητὸν κατ' ὀφθαλμούς μου (2)  
41 (34). 3. ὀφθαλμοὶ [A B οἱ δ.] σου τοὺς δ.  
αὐτοῦ θύονται (2, 2)  
— 15. ποιῇσαι τὸ εὖθις πρὸ ὀφθαλμῶν [A ἐν  
ὀφθαλμοῖς] μου (2)  
45 (88). 26. κατ' ὀφθαλμούς τοῦ βασιλέως (2)  
47 (40). 4. θρῶν τοὺς δ. μου ἐπὶ σέ (2)  
— 5. εἰς ἅπαντα τὰ ἀγαθὰ ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
49 (42). 2. καθὼς οἱ δ. σου βλέπουσι (2)  
50 (48). 9. κατ' ὀφθαλμούς ἀνδρῶν Ἰουδα (2)  
52. 10. ἐσφαγεί βασιλεὺς Βαβυλωνίους τοὺς υἱούς  
Σεδεκία κατ' ὀφθαλμούς αὐτοῦ (2)  
— 11. τοὺς δ. Σεδεκία ἐξετίφλωσε (2)  
Ba. 1. 12. φωτίζει τοὺς δ. ἡμῶν  
— 22. ποιῇσαι τὰ κακὰ κατ' ὀφθαλμούς κυρίου θεοῦ  
ἡμῶν  
2. 17. ἀνοίξον [A add. κύριε, τοὺς] ὀφθαλμούς σου  
— 18. οἱ δ. οὐ ἐκλείποντες (2)  
3. 14. ποῦ ἐστὶ φῶς ὀφθαλμῶν καὶ εἰρήνη  
La. 1. 16. ὁ δ. μου κατήγαγεν ὕδωρ (2)  
2. 4. A B πάντα τὰ ἐπιθυμήματα τῶν [B S om.]  
δ. μου  
— 11. ἐξέλιπον ἐν δάκρυσιν οἱ δ. μου (2)  
— 18. A B S μὴ σιωπήσαιο θυγάτηρ ὁ δ. σου  
[B al.] (2)  
3. 48. ἀφείρες ὑδάτων κατάξει ὁ δ. μου  
— 49. ὁ δ. μου κατεπόθη (2)  
— 51. ὁ δ. μου ἐπιφυλλίει ἐπὶ τὴν ψυχὴν μου  
— 63. ἐπὶ βλεφάρῳ ἐπὶ ὀφθαλμοῖς [A τοὺς δ.] αὐ. †  
4. 17. ἐτι δυνάτω ἡμῶν ἐξέλκον οἱ δ. ἡμῶν (2)  
5. 17. ἐσκότασον οἱ δ. ἡμῶν (2)  
Ep. Je. 17. οἱ δ. αὐτῶν πλήρεις εἰσι κοινοῦ τοῦ  
Ez. 1. 18. οἱ ἄνθρωποι αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν  
κυκλοῦν (2)  
4. 12. ἐγκρύψει αὐτὰ κατ' ὀφθαλμούς αὐ. (2)  
5. 11. οὐ φέισεται ὁ δ. (2)  
6. 9. τοὺς δ. αὐτῶν τοὺς ἐκπορευομένους ὀπίσω  
τῶν ἐπιτιθημένων αὐτῶν (2)  
7. 9. 4. οὐ φέισεται ὁ δ. μου (2)  
— 13. ἀνθρώποις ἐν ὀφθαλμῷ ζωῆς αὐτοῦ οὐ  
κρατήσκει †  
8. 5. ἀνάβλεψον τοὺς δ. σου πρὸς Βορρᾶν (2)  
— 5. καὶ ἀνέβλεψα τοὺς δ. μου πρὸς Βορρᾶν  
— 18. οὐ φέισεται ὁ δ. μου (2)  
9. 5. μὴ φρίδῃσθε τοὺς δ. ὑμῶν (2)  
— 10. οὐ φέισεται ὁ δ. μου (2)  
10. 12. οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν (2)  
12. 2. ἔχουσιν ὀφθαλμοὺς τοῦ βλέπειν [A ὁρᾶν]  
— 4. ἐξοίσεις τὰ σκεῖν σου . . . κατ' ὀφθαλ-  
μούς αὐ. (2)  
— 12. ὅπως μὴ ὁραθῇ ὀφθαλμῷ (2)  
16. 5. οὐδέ φέισατο ὁ δ. μου ἐπὶ σοί (2)  
18. 6. τοὺς δ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἐπάρῃ (2)  
— 12. εἰς τὰ εἰδωλα ἔθετο τοὺς δ. αὐτοῦ (2)  
— 15. τοὺς δ. αὐτοῦ οὐκ ἔθετο εἰς τὰ ἐνθυμή-  
ματα οἴκου Ἰσρ. (2)  
20. 7. ἔκαστος βδελύγματα τῶν δ. αὐτοῦ ἀπορ-  
ρίψατω (2)  
— 8. τὰ βδελύγματα τῶν δ. αὐτῶν οὐκ ἀπέρ-  
ριψαν (2)  
— 14. ὧν ἐξήγαγον αὐτοὺς κατ' ὀφθαλμούς αὐτῶν (2)  
— 17. ἐφείσατο ὁ δ. μου ἐπ' αὐτούς (2)  
— 22. ἐξήγαγον αὐτοὺς κατ' ὀφθαλμούς αὐτῶν (2)  
— 24. ὅπως τῶν ἐνθυμημάτων τῶν πατέρων  
αὐτῶν ἦσαν οἱ δ. αὐτῶν (2)  
— 41. ἀγιασθήσονται ἐν ὑμῖν κατ' ὀφθαλμούς  
τῶν λαῶν (2)  
21. 6 (11). στενάξει κατ' ὀφθαλμούς αὐτῶν (2)  
22. 16. κατ' ὀφθαλμούς [A ἐνώπιον] τῶν ἐθνῶν (2)  
— 26. ἀπὸ τῶν σαββάτων μου παρεκάλυπτον  
τοὺς δ. αὐτῶν (2)  
23. 16. ἐπέθετο ἐπ' αὐτοὺς τῇ [A ἐν] ὁράσει  
ὀφθαλμῶν αὐτῆς (2)  
— 27. οὐ μὴ ἄρῃ τοὺς δ. σου ἐπ' αὐτοὺς (2)  
— 40. ἐστιβίζου τοὺς δ. σου (2)  
24. 16. λαμβάνω ἐκ σου τὰ ἐπιθυμήματα τῶν  
[A om.] δ. σου (2)  
— 21. βεβηλῶ . . . ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν ὑμῶν (2)  
— 25. λαμβάνω . . . τὰ ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν  
αὐτῶν (2)  
Ez. 38. 25. A ὀφθαλμούς ὑμῶν λήψεσθε πρὸς  
εἰδωλα ὑμῶν (2)  
38. 23. ἐν τῷ ἀγιασθῆναι με ἐν ὑμῖν κατ' ὀφ-  
θαλμούς αὐτῶν (2)  
— 34. ἡφανισμὸν ἐγενήθη κατ' ὀφθαλμούς  
παντὸς παροδυνότος [A διοδ.] (2)  
40. 4. ἐν τοῖς δ. σου ἴδε (2)  
44. 5. ἴδε τοὺς δ. σου (2)  
Da. LXX. Su. 9. ἐξέκλιναν τοὺς δ. αὐ. (2)  
4. 15. ὁ ὕπνος μου ἀπέστη ἀπὸ τῶν δ. μου (2)  
7. 8. ὀφθαλμοὶ ὥσπερ ὁ ἀνθρώπινος ἐν τῷ  
κέραι τ. (2, 2)  
— 20. τὸ κέρας ἐκείνου εἶχεν ὀφθαλμούς (2)  
8. 5. κέρας ἐν θεωρητῶν ἀπὸ μέσον τῶν δ. αὐ. (2)  
— 21. τὸ κέρας τὸ μέγα τὸ ἀνὰ μέσον τῶν δ. αὐ. (2)  
9. 18. ἀνοίξον τοὺς δ. σου (2)  
10. 5. ἦρα τοὺς δ. μου (2)  
— 6. οἱ δ. αὐ. ὥστε λαμπάδες πυρὸς (2)  
Da. Th. Su. 9. ἐξέκλιναν τοὺς δ. αὐτῶν (2)  
4. 31. τοὺς δ. μου εἰς τὸν οὐρανὸν ἀνέλαβον (2)  
7. 8. ὀφθαλμοὶ ὥστε ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπου (2, 2)  
— 20. φ. οἱ δ. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (2)  
8. 3. ἦρα τοὺς δ. μου (2)  
— 5. μέσον [A ἀνὰ μ.] τῶν δ. αὐτοῦ (2)  
— 21. ὁ ἦν ἀνὰ μέσον τῶν δ. αὐτοῦ (2)  
9. 18. ἀνοίξον τοὺς δ. σου (2)  
10. 5. ἦρα τοὺς δ. μου (2)  
— 6. οἱ δ. αὐ. ὥστε λαμπάδες πυρὸς (2)  
I Ma. 1. 12. ἡγαβήθη ὁ λόγος ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτῶν  
2. 23. προσήλθεν . . . ἐν ὀφθαλμοῖς πάντων (2)  
4. 12. ἦσαν οἱ ἀλλόφυλοι τοὺς δ. αὐ. (2)  
5. 30. ἦσαν τοὺς δ. αὐτῶν (2)  
6. 10. ἀφίσταται ὁ ὕπνος ἀπὸ τῶν δ. μου (2)  
9. 39. ἦσαν τοὺς δ. αὐτῶν (2)  
II Ma. 8. 17. πρὸ ὀφθαλμῶν ληθόντας τὴν . . . ὕβριν  
III Ma. 4. 4. λαμβάνοντας πρὸ τῶν δ. τὸν κοῖνον ἔλεον  
— 10. ἐσκοτισμένοι τοὺς δ. (2)  
5. 47. κόραις ὀφθαλμῶν θεύσασθαι τὴν . . . κατα-  
στροφὴν (2)  
IV Ma. 6. 6. ὑψηλοὺς ἀνατείνας εἰς τὸν οὐρ. τοὺς δ.  
15. 19. τοὺς δ. ἐν ἐκείνῳ θεωροῦσα  
[Aq. Ge. 38. 1: 45. 16: Ex. 11. 3: 21. 8: Le. 21. 20: Nu. 14. 14 bis: Dt. 29. 2 (1): III Ki. 14. 4. 8: 20 (21). 38: Jb. 7. 8 bis: 42. 5: Ps. 30 (31). 10, 23: 31 (32). 8: 82 (83). 18: 68 (69). 4: 71 (72). 14: 72 (73). 7: 76 (77). 5: 117 (118). 23: 138 (139). 16: Pr. 3. 4: 15. 30: 16. 2: 29. 13: CA. 8. 10: Is. 38. 14: 66. 4: Jb. 9. 1 (8. 23): 13. 20: 14. 17: 26 (38). 14: 32 (39). 10: 34 (41). 15: 40 (47). 4: Ez. 1. 4. 16, 27: 8. 2: 10. 19.]  
[Sm. Ge. 38. 1: Ex. 21. 8: Le. 21. 20: III Ki. 20 (21). 38: Jb. 16. 9: 17. 5: 42. 5: Ps. 16 (17). 11: 17 (18). 25: 80 (81). 10, 23: 31 (32). 8: 85 (86). 2: 65 (66). 7: 72 (73). 7: 76 (77). 5: 87 (88). 10: 91 (92). 12: 118 (119). 136: 138 (139). 16: Pr. 3. 4: 4. 21: 16. 30: 21. 10: 26. 7: 29. 13: Ec. 5. 10: Is. 6. 10 bis: 11. 3: 32. 3: Jb. 9. 1 (8. 23): 14. 17: 39 (46). 12: La. 8. 49: Hb. 1. 13.]  
[Th. Ex. 11. 3: 21. 8: Le. 21. 20: Jd. 19. 17: Jb. 7. 8 bis: 11. 20: 17. 5: 39. 29: 42. 5: Ps. 71 (72). 14: 76 (77). 5: 91 (92). 12: Pr. 3. 4: 4. 21: 29. 13: Is. 52. 8 bis: Jb. 39 (46). 6, 7, 12: Ez. 38. 25.]  
[Al. Ge. 44. 21: Le. 26. 16: I Ki. 12. 3: Jb. 15. 12: Ps. 120 (121). 1: Is. 64. 4 (3).]  
[Heb. Ex. 21. 8: Ps. 35 (36). 3: 91 (92). 12.]  
[Quint. Ps. 30 (81). 23.]  
**ὀφθαλμοφανῶς.**  
Es. 8. 13. ἐκτίσθησαν ὁ.  
[Sm. Is. 52. 8.]  
**ὀφιοδηκτος.**  
Si. 12. 13. τίς ἐλεήσει ἐπασιδὸν ὀφιοδηκτον  
**ὀφιωμαχης.** (1) 𐤒𐤓𐤕𐤍  
Le. 11. 22. καὶ τὸν ἀντάκην . . . καὶ τὸν ὀφιο-  
μάχην (1)  
**ὀφης.** (1) 𐤒𐤓𐤕𐤍 (2) 𐤕𐤓𐤕𐤍 (3) 𐤒𐤓𐤕𐤍  
Ge. 3. 1. ὁ δὲ ὀφίς ἦν φρονιμώτατος πάντων (2)  
— 1. καὶ εἶπεν ὁ ὀφίς τῷ γυναικί (2)  
— 2. καὶ εἶπεν ἡ γυνὴ τῷ ὀφί (2)  
— 4. καὶ εἶπεν ὁ δ. τῷ γυναικί (2)  
— 13. ὁ δ. ἠπάτησέ με καὶ ἔφαγον (2)  
— 14. καὶ εἶπε κύριος ὁ θεὸς τῷ ὀφί (2)  
Ge. 49. 17. γενήθητω [A ἐγενήθη τῷ] Δὰν ὀφίς (2)  
Ex. 4. 3. ἔρριψεν αὐτὴν . . . καὶ ἐγένετο ὀφίς (2)  
— 17. τὴν ῥάβδον τ. τὴν στραφείσαν εἰς ὀφιν —  
7. 15. τὴν ῥάβδον τὴν στραφείσαν εἰς ὀφιν (2)  
Nu. 21. 6. ἀπέστειλε κύριος εἰς τὸν λαὸν τοὺς ὀ.  
— 7. ἀφελέτω ἀφ' ἡμῶν τὸν ὀ. [B<sup>1</sup> al.] (2)  
— 8. ποιήσαν σεαυτῶ ὀφιν (2)  
— 8. ἐὰν δάκῃ ὀφίς ἀνθρώπον (2)  
— 9. ἐποίησε M. ὀφιν χαλκοῦν (2)  
— 9. ὅταν ἔδακνεν ὀφίς ἀνθρώπον (2)  
— 9. ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὸν ὀ. τὸν χαλκοῦν (2)  
De. 8. 15. οὐ ὀφίς δάκνουν (2)  
IV Ki. 18. 4. ἐξωλίθρευσε . . . τὸν ὀ. τὸν χαλκοῦν (2)  
Jb. 20. 16. ἀνέλοι δὲ αὐτὸν γλῶσσαν ὀφείας (1)  
Ps. 57 (58). 4. θυμὸς αὐτοῦ κατὰ τὴν ὁμοίωσιν  
τοῦ ὀ. (2)  
139 (140). 3. ἠκόνησαν γλῶσσας αὐτῶν ὥστε ὀφείας (2)  
Pr. 23. 32. ὥσπερ ὑπὸ ὀφείας πεπληγὸς ἐκτείνεται (2)  
24. 54 (30. 19). ὁδοὺς ὀφείας ἐπὶ πέτρας (2)  
Ec. 10. 8. καθαρῶν φραγμῶν δέχεται αὐτὸν  
ὀφίς (2)  
— 11. ἐὰν δάκῃ ὀφίς ἐν οὐ ψιθυρισμῷ (2)  
Wi. 16. 5. ὀφίμασι τε σκολιὸν διεφθείροντο ὀφείας  
Si. 21. 2. ὡς ἀπὸ προσώπου ὀφείας φεύγει ἀπὸ ἀμαρτίας  
25. 15. οὐκ ἐστὶ κεφαλὴ ὑπὲρ κεφαλὴν ὀφείας  
Am. 5. 19. καὶ δάκῃ αὐτὸν ὀφίς (2)  
Mi. 7. 17. λείπονται χροὺς ὡς ὀφίς σύροντες γῆν (2)  
Is. 14. 29. ἐκ γὰρ σπέρματος ὀφείας [A B<sup>2</sup> -ων]  
ἐξελεύσεται ἔκγονα ἀπιδίων καὶ τὰ  
ἔκγονα αὐτῶν ἐξελεύσονται ὀφίς  
πετάμνοι (2, 3)  
27. 1. ἐπάξει ὁ θεὸς τὴν μάχαιραν . . . ἐπὶ τὸν  
δράκοντα ὀ. φεύγοντα ἐπὶ τὸν δρᾶ-  
κοντα ὀ. σκολιὸν (2, 2)  
65. 25. ὀφίς [B -εις] δὲ γῆν ὡς ἄρτον (2)  
Je. 8. 17. ἐξαποστέλλω εἰς [A B εἶψ'] ὑμᾶς ὀφείας  
θανατοῦντας (2)  
26 (46). 22. φωνὴ ὡς ὀφείας συρίζοντες (2)  
IV Ma. 18. 8. οὐδὲ ἐλυμῆντο . . . λυμένον ἀπατηλὸς ὀ.  
[Aq. Ge. 3. 2 (1): Is. 14. 29: 27. 1 bis.]  
[Sm. Jb. 26. 13: Is. 14. 29: 27. 1 bis.]  
[Th. Is. 14. 29: 27. 1 bis.]  
**ὀφλά.** (1) 𐤒𐤓𐤕𐤍  
II Ch. 33. 14. A καὶ εἰς αὐτὸ ὀ. [B R al.] (1)  
**ὀφλημα.**  
[Aq. Ps. 54 (55). 12.]  
[Al. Sext. Ps. 81 (32). 1.]  
**ὀφλησις.**  
Ba. 3. 8. εἰς ὀνειδισμόν καὶ εἰς ἄρᾶν καὶ εἰς ὀφλησιν  
**ὀφλισκάνειν.**  
[Al. Le. 6. 5 (5. 24).]  
**ὀφρουον.**  
[Aq. Ps. 67 (68). 17.]  
**ὀφρύς.** (1) 𐤒𐤓𐤕𐤍  
Le. 14. 9. τὸν πάγονα καὶ τὰς ὀφρύας (1)  
**ὀχία.**  
Si. 36 (38). 6. ἵππος εἰς ὀχίαν [A B<sup>1</sup> -είον] ὡς [B<sup>2</sup>  
om.] φίλος μῶκος [B<sup>2</sup> μαρὸς]  
**ὀχέιον.**  
Si. 36 (38). 6. A B<sup>1</sup> ἵππος εἰς ὀχέιον [B B<sup>2</sup> -είον]  
ὡς [B<sup>2</sup> om.] φίλος μῶκος [B<sup>2</sup> μαρὸς]  
**ὀχετός.**  
[Sm. Jb. 22. 24: Ps. 64 (65). 10: 125 (126). 4:  
Ez. 34. 13.]  
**ὀχησις.**  
[Sm. Ps. 67 (68). 18.]  
**ὀχλαγωγέιν.** (1) 𐤒𐤓𐤕𐤍 hi.  
Am. 7. 16. A B οὐ μὴ ὀχλαγωγῆσης [B -σεις]  
ἐπὶ τὸν οἶκον I. (1)  
**ὀχλάζειν.**  
[Aq. Ps. 58 (59). 7, 15: Pr. 7. 11: Jb. 4. 19.]  
**ὀχλείν.**  
To. 6. 7. ἐὰν τινα ὀχλῇ δαιμόνιον [B al.]  
— 7. B μηκέτι ὀχληθῇ [A B S al.]  
III Ma. 5. 41. ἡ πόλις διὰ τὴν προσδοκίαν ὀχλεῖ  
[Al. Hb. 2. 15.]



ὁχληρία. (1) ἡλζρ  
Ec. 7. 26 (25). τοῦ γυνῶνα ἀσεβοῦς ἀφροσύνην  
καὶ ὁχληρίαν (1)  
ὁχλος. (1) ἡλζρ (2) ἡλζρ (3) ἡλζρ (4) ἡλζρ  
(5) ἡλζρ (6) ἡλζρ (7) ὁ λοιπὸς δ.  
ἡλζρ  
Nu. 20. 20. ἐξήλθεν . . . ἐν δ. βαρεῖ (4)  
Jo. 6. 12 (13). καὶ ὁ λοιπὸς δ. ἐπισθε τῆς κιβωτοῦ (7)  
— 13 (14). καὶ ὁ λοιπὸς δ. ἄπας —  
II Ki. 15. 22. παρήλθε . . . πᾶς ὁ [A om.] δ. ὁ  
μετ' αὐτοῦ (8)  
III Ki. 21. (20). 13. εἰ ἔωρκα [A add. πάντα]  
τὸν δ. τὸν μέγαν τοῦτον (1)  
II Ch. 20. 15. ἀπὸ προσώπου τοῦ δ. τοῦ πολλοῦ τ. (1)  
I Es. 2. 30. μετ' ἑπτα καὶ δ. παρὰ τῆς  
6. 65. ὁ γὰρ δ. ἦν ὁ σαλπίζων μετ'.  
8. 91. ἐπισυνήχθησαν . . . ὁ πολὺς σφόδρα  
II Es. 3. 12. καὶ ὁχλος ἐν σμασῇ (6)  
Ne. 4. 10 (4). BB<sup>1</sup> καὶ ὁχλος [A B<sup>2</sup> ὁ χόος] πολὺς +  
13. ἐμυσθώσαντο ἐπ' ἐμὲ ὁχλον +  
Ju. 7. 18. κατεστρατοπέδωσαν ἐν δ. πολλῶν  
Wi. 6. 2. γεγαυρωμένοι ἐπὶ ὁχλοῖς [B<sup>1</sup> -ους] ἐθνῶν  
8. 10. ἐξω δὲ αὐτὴν δόξαν ἐν ὁχλοῖς  
18. 22. ἐνίκησε δὲ τὸν δ. οὐκ ἰσχύει τοῦ σώματος  
Si. 7. 7. μὴ καταβῆλθης σεαυτὸν ἐν ὁχλῳ  
26. 5. διὰ τὸν ὁχλόν καὶ ἐκλήσαντο ὁχλον [A<sup>1</sup> om.]  
Is. 43. 17. ὁ ἐξαγαγὼν . . . ὁχλον ἰσχυρὸν (8)  
Je. 31 (48). 42. ἀπολείπει Μωάβ ἀπὸ ὁχλου (8)  
38 (31). 8. τεκνοποιεῖς ὁχλον πολὺν (6)  
39 (32). 24. δ. ἦκει εἰς τὴν πόλιν +  
45 (38). 1. B<sup>1</sup> οὐδ' ἱερ. ἐλάλει ἐπὶ τὸν δ. [A B B<sup>2</sup>  
λαδν] (4)  
Ep. Je. 5. ἰδόντας ὁχλον ἔμπροσθεν καὶ ὁπισθεν αὐτῶν  
Ez. 16. 40. ἀδουσαν ἐπὶ σὶ ὁχλους (6)  
17. 17. οὐδὲ ἐν ὁχλῳ πολλῶν ποιήσει πρὸς αὐτὸν  
Φαραὼ πόλεμον (6)  
23. 24. τροχοὶ [A add. ἱπποὶ] μετ' ὁχλου λαῶν (6)  
— 46. ἀνάγαγε ἐπ' αὐτὰς ὁχλον (6)  
— 47. λιθοβολήσαν ἐπ' [A om.] αὐτὰς λίθοις  
ὁχλον (6)  
Da. LXX. Su. 48. διαστειλάς δὲ Δ. τὸν δ.  
3. 4. ὁ κληρὸς ἐκρίνετο τοῖς δ. (2)  
11. 8. καὶ τοὺς δ. αὐ. . . ἀποίσουσιν (2)  
— 10. συναγείν συναγαγὴν ὁχλον πολλοῦ (2)  
— 11. στήσεις δ. πολὺν (1)  
— 13. εἰσελεύσεται εἰς αὐτὴν ἐπ' αὐτὸν ἐν δ.  
πολλῶν (2)  
— 25. ἐγερθήσεται ἡ ἰσχύς αὐ. . . ἐν δ. πολλῶν (2)  
— 25. ὁ βασ. Αἰγ. ἐρεθισθήσεται . . . ἐν δ.  
ἰσχυρῶν (2)  
— 43. ἔσονται ἐν τῷ δ. αὐ. +  
Bel 29. ἐπισυνήχθη δ. δ. τῆς χώρας ἐπ' αὐτόν  
— 30. ἐπιβόλοισιν τὸν Δ. οἱ δ. εἰς ἐκ. τὸν λάκκον  
Da. TH. 10. 6. ὡς φωνὴ ὁχλου (1)  
11. 10. οἱ υἱοὶ αὐ. συναζέουσιν ὁχλον (1)  
— 11. στήσεις δ. πολὺν (1)  
— 11. ΔB παροδοθήσεται ὁ [B om.] δ. ἐν χειρὶ  
αὐ. (1)  
— 12. λήψεται τὸν δ. (1)  
— 13. ἄξει [A ἔξει] δ. πολὺν (1)  
I Ma. 1. 17. BB<sup>1</sup> εἰσῆλθεν εἰς Αἴγ. ἐν [A om.] δ. βαρεῖ  
— 20. ἀνέβη . . . ἐν δ. βαρεῖ  
— 29. ἦλθεν εἰς ἱερ. ἐν δ. βαρεῖ  
9. 35. ἀποστείλετε τὸν δ. αὐ. ἡγουμένον τοῦ δ.  
II Ma. 4. 40. ἐπεγερομένοις δὲ τῶν δ.  
6. 3. B χαλεπὴ δὲ καὶ τοῖς δ. [A δλοῖς] ἦν  
11. 6. ἰκτείνον σὺν τοῖς δ.  
13. 15. B σὺν τῷ κατ' οἰκίαν δ. [A δυτι]  
14. 23. τοὺς δὲ συναχθέντας ἀγγελοῦς δ. ἀπέλυσε  
— 43. τῶν δ. ἔσω τῶν θυραμάτων εἰσβαλλόντων  
— 43. κατεκρήμυνεν αὐτόν . . . εἰς τοὺς δ.  
— 45. τῶν δ. διελθῶν  
— 46. ἐνέστισε τοῖς δ.  
III Ma. 1. 28. ἐκ δὲ τῆς . . . τῶν δ. συναγομένης  
κρυνγῆς  
2. 7. σὺν ἄρμασι καὶ ὁχλον πλήθει  
[Aq. Ps. 41 (42). 5: 64 (65). 8: Is. 29. 7. 8:  
Sm. 14: 38. 3: Je. 41 (48). 16: Ez. 32. 31.]  
[Sm. Ez. 47. 12: E. 10. 10: 12. 37: Nu. 31.  
18: CA. 8. 11: Je. 41 (48). 16: Ez. 23. 42:  
32. 31.]  
[Th. Nu. 31. 17, 18: Je. 32 (39). 24: 40 (47).  
7: Ez. 32. 31: Da. 11. 11.]  
[Al. Dt. 1. 39: Je. 37 (44). 16.]

ὁχυράζειν (?).  
I Ma. 6. 26. B τὴν B. ὁχύρωσαν [A B -ωσαν]  
ὁχυρός. (1) α. ἡλζρ δ. ἡλζρ (2) ἡλζρ  
(3) ἡλζρ (4) α. ἡλζρ δ. ἡλζρ  
(5) ἡλζρ (6) α. ἡλζρ ni. δ. ἡλζρ  
Eκ. 1. 11. φκοδόμησαν πόλεις δ. τῷ Φ. (3)  
Nu. 18. 29 (28). καὶ πόλεις δ. τετελεισμέναι (1 a)  
32. 36. πόλεις ὁχυρὰς καὶ ἐπαυλεις προβάτων (1 b)  
De. 3. 5. πᾶσαι πόλεις δ. τεῖχη ὑψηλά (1 a)  
28. 52. τὰ τεῖχη τὰ ὑψηλά καὶ τὰ δ. (1 a)  
Jo. 10. 20. διεσώθησαν εἰς τὰς πόλεις τὰς δ. (1 b)  
14. 12. πόλεις δ. καὶ μεγάλαι (1 b)  
II Ki. 20. 6. μὴ ποτε αὐτῶν εὐρὴ πόλεις δ. (1 a)  
IV Ki. 3. 19. πατάξετε πᾶσαν πόλιν δ. (1 b)  
10. 2. μετ' ἑμῶν . . . πόλεις δ. (1 b)  
17. 9. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων ἑως πόλεως δ. (1 b)  
18. 8. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων καὶ ἑως  
πόλεως δ. (1 b)  
— 13. ἐπὶ τὰς πόλεις ἱ. τὰς δ. (1 a)  
19. 25. εἰς ἐπάρσεις ἀπὸ οἰκιστῶν μαχίμων πό-  
λεις ὁχυρὰς (1 a)  
II Ch. 8. 4. πᾶσας τὰς πόλεις τὰς δ. ἀς φκοδό-  
μησεν (8)  
— 5. φκοδόμησε . . . πόλεις δ. (4 a)  
— 6. καὶ πᾶσας τὰς πόλεις τὰς δ. αἱ ἦσαν τῷ  
Σ. [A<sup>1</sup> om. τ. δ. αἱ ἦ. τ. Σ.] (4 b)  
11. 23. καὶ ἐν ταῖς πόλεσι ταῖς δ. (4 b)  
12. 4. κατεκράτησαν τῶν πόλεων τῶν δ. (4 b)  
17. 2. ἐν πᾶσαις ταῖς πόλεσιν ἱ. ταῖς δ. (1 a)  
— 12. φκοδόμησεν . . . πόλεις δ. (8)  
— 19. ἐν ταῖς πόλεσι ταῖς δ. (1 b)  
19. 5. ἐν πᾶσαις ταῖς πόλεσιν ἱ. ταῖς δ. (1 a)  
Ps. 70 (71). 3. καὶ εἰς τόπον δ. τοῦ σώσαι με +  
Pr. 10. 15. κτήσις πλουσιῶν πόλις ὁχυρά (6)  
18. 11. ὑπαρξίς πλουσιῶν ἀνδρὸς πόλις ὁχυρά (6)  
— 19. ἀδελφὸς ὑπὸ ἀδελφοῦ βοηθούμενος ὡς  
πόλις ὁχυρά (6)  
21. 22. πόλεις ὁχυρὰς ἐπιβή σφόδρ. (2)  
Si. 28. 14. πόλεις ὁχυρὰς κατεῖλε (4 a)  
Mi. 7. 12. αἱ πόλεις σου αἱ δ. εἰς διαμερισμὸν (4 a)  
Ze. 1. 16. ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς δ. [A ἰσχυρὰς] (1 a)  
Is. 17. 3. οὐκίτι ἔσται ὁχυρὰ τοῦ καταφυγεῖν  
ἐφ' αὐτῇ (1 b)  
25. 2. ἔθηκες . . . πόλεις ὁχυρὰς τοῦ μὴ [A B  
om.] πεινᾶν αὐτὰν τὰ θεμέλια (1 a)  
26. 1. A B ἰδοὺ πόλις ὁχυρά [B ἰσχυ.] (1 a)  
— 5. πόλεις ὁχυρὰς καταβαλεῖς (6 a)  
27. 3. ἐγὼ πόλις ὁχυρά [A B ἰσχυ.] +  
30. 13. ὡς τεῖχος πύργου παραχρημα πόλεως  
ὁχυρὰς [A om.] ἐαλωκυίας (6 a)  
38. 16. A οἰκίσας ἐν ὑψηλῷ στηλαίῳ πέτρας  
ὁχυρὰς [B ἰσχυ.] (6 b)  
36. 1. ἀνέβη Σ. . . ἐπὶ τὰς πόλεις τῆς ἱ.  
τὰς δ. (1 a)  
37. 26. ἐξερμώσαντες ἔθνη ἐν ὁχυροῖς καὶ οἰκούν-  
τας ἐν πόλεσιν ὁχυραῖς (-, 1 a)  
Je. 1. 18. ὡς πόλιν ὁχυρὰν καὶ ὡς τεῖχος χαλ-  
κὸν ὁχυρὸν [B<sup>1</sup> -οὖν, B ἰσχυ.] (1 b, -)  
4. 5. A εἰσέλθατε εἰς τὰς πόλεις τὰς δ. [B B<sup>2</sup>  
al.] (1 b)  
5. 17. ἀλοήσουσι τὰς πόλεις τὰς δ. ὑμῶν (1 b)  
8. 14. εἰσέλθωμεν εἰς τὰς πόλεις τὰς δ. (1 b)  
15. 20. δώσω σε τὴν λαφύρην ὡς τεῖχος δ. (1 a)  
41 (34). 7. αὐτὰ κατελείφθησαν ἐν πόλεσιν  
Ἰουδα πόλεις ὁχυραῖς (1 b)  
Ez. 36. 35. αἱ πόλεις αἱ . . . κατεσκευασμέναι  
ὁχυραὶ ἐκάθισαν (1 a)  
Da. LXX. 11. 15. λήψεται τὴν πόλιν τὴν δ. (1 b)  
Da. TH. 11. 15. συλλήψεται πόλιν δ. (1 b)  
I Ma. 1. 19. καταλάβοντο τὰς πόλεις τὰς δ.  
— 33. A B φκοδόμησαν . . . τεῖχη μεγάλῃ καὶ δ.  
[B ἰσχυ.] πύργους δ. (1 a)  
4. 60. B φκοδόμησαν . . . πύργους δ. [A ἰσχυ.,  
B ὑψηλοῖς] (1 a)  
5. 26. πᾶσαι αἱ πόλεις αὐταὶ δ.  
— 46. B B<sup>2</sup> αὕτη ἡ πόλις μεγάλη . . . δ. [B<sup>1</sup> -ās,  
A ἰσχυ.] σφόδρα (1 a)  
6. 37. A B πύργους ἑλύνουσι ἐπ' αὐτοὺς ὁχυροὶ [B al.]  
— 57. A B ὁ τόπος . . . ἐστὶν δ. [B ἰσχυ.] (1 a)  
9. 50. φκοδόμησε πόλεις δ.  
II Ma. 10. 18. συμφυγόντων δὲ . . . εἰς δύο πύργους δ.  
12. 13. ἐπὶ τινὰ πόλιν γεφύρον ὁχυρὰν  
— 18. καταλειποτά δὲ φρουρὰν . . . μίλα δ.

II Ma. 12. 27. ἐπεστράτευσεν . . . ἐπὶ ἑ. πόλιν δ.  
13. 19. B φρουρίον δ. [A ὄλιγον] τῶν ἱ. προσήγειν  
[Aq. I Ki. 6. 18: Ez. 33. 27.]  
[Sm. Ps. 60 (61). 4.]  
[Th. I Ki. 23. 14.]  
ὁχυροῦν. (1) ἡλζρ ri. (2) ἡλζρ ri. (3) ἡλζρ ru.  
Jo. 6. 1. καὶ ἱερὶχὼ . . . ὁχυρωμένῃ (3)  
II Ch. 11. 11. ὁχύρωσεν αὐτὰς τεῖχεσιν [A  
τεῖχεσιν] (2)  
Si. 48. 17. Ἐξέκτισ ὁχύρωσε τὴν πόλιν αὐτοῦ  
Je. 1. 18. B<sup>1</sup> ὡς τεῖχος χαλκοῦν ὁχυροῦν [A B<sup>2</sup>  
-όν, B ἰσχυρόν] —  
28 (51). 53. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> ἐὰν ὁχυρώσῃ τὰ τεῖχη ἰσχυῖ  
αὐτῆς [A B<sup>2</sup> B al.] (1)  
Ep. Je. 18. τοὺς οἴκους αὐτῶν ὁχυροῦσιν οἱ ἱερεῖς  
I Ma. 1. 62. ὁχύρωθησαν ἐν αὐτοῖς  
4. 61. A B ὁχύρωσαν [B -εν] αὐτὸ τηρεῖν τὴν B.  
6. 26. A B τὴν B. ὁχύρωσαν [B -ασαν]  
9. 52. B B<sup>2</sup> ὁχύρωσε [A -αν] τὴν πόλιν  
10. 45. A B καὶ ὁχύρωσαι [B ὁχύρωσαν] κυκλόθεν  
12. 38. A B ὁχύρωσε θύρας [B al.]  
13. 10. ὁχύρωσεν αὐτὴν κυκλόθεν  
14. 33. ὁχύρωσε τὰς πόλεις τῆς ἱ.  
— 34. καὶ ἰσχυρὰν ὁχύρωσε  
— 37. καὶ ὁχύρωσεν αὐτὴν  
15. 39. A B καὶ ὁχύρωσαι [B οἰκοδομήσαι] τὰς πύλας  
IV Ma. 13. 7. τὸν τῆς εὐσεβείας ὁχύρωσας λιμένα  
[Sm. Ps. 106 (107). 41: Is. 27. 10.]  
[Th. Ez. 21. 20 (25).]  
ὁχύρωμα. (1) ἡλζρ (2) α. ἡλζρ δ. ἡλζρ ἡλζρ  
(3) α. ἡλζρ ri. (4) ἡλζρ c. ἡλζρ d. ἡλζρ  
(5) ἡλζρ (6) ἡλζρ (7) α. ἡλζρ  
δ. ἡλζρ c. ἡλζρ (8) ἡλζρ (9) α. ἡλζρ  
δ. ἡλζρ (10) ἡλζρ  
Ge. 39. 20. ἐνέβαλεν αὐτὸν εἰς τὸ δ. (2 b)  
— 20. ἐν δ. . . κατέχονται ἐκεῖ ἐν τῷ δ. (2 b)  
40. 14. ἐξάξεις με ἐκ τοῦ δ. τοῦτον (2 a)  
41. 14. ἐξήγαγον αὐτὸν ἀπὸ τοῦ δ. (1)  
Jo. 19. 29. A εὖς πόλεως ὁχυρώματος [B al.] (8 c)  
Jd. 6. 2. A τὰς τρυμαλιὰς τὰς ἐν . . . τοῖς δ. [B al.] (7 a)  
9. 46. A εἰσῆλθον εἰς τὸ δ. οἶκον τοῦ B. [B al.] (10)  
— 49. A ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ δ. [B τὴν συνελέουσιν] (10)  
— 49. A ἐνέπρησαν . . . τὸ δ. [B al.] (10)  
II Ki. 22. 2. πέτρα μου καὶ ὁχυρὰ μου (7 c)  
IV Ki. 8. 12. τὰ δ. αὐτῶν ἐξαποστείλει ἐν πυρὶ (3 c)  
Jb. 19. 6. ὁχυρῶμα δὲ αὐτοῦ ἐπ' ἐμὲ ὑψώσεν (7 b)  
Ps. 88 (89). 40. ἔθον τὰ δ. αὐτοῦ δειλίαν (8 c)  
Pr. 12. 29. ὁχύρωμα δόσιον φόβος κυρίου (9 b)  
12. 11. ἐν τοῖς ἐαυτοῦ δ. καταλείψει ἀτιμίαν —  
— 12. αἱ δὲ ρίζαι τῶν εὐσεβῶν ἐν ὁχυρώμασι +  
21. 22. καθελε τὸ δ. ἐφ' ὃ ἐπεποιθίσων (9 a)  
24. 63 (30). 28. κατοικεῖ ἐν ὁχυρώματι βασιλεὺς (4)  
Am. 6. 9. καὶ ταλαιπωρίαν ἐπὶ ὁχύρωμα ἐπάγων (8 c)  
Mi. 6. 11 (10). καὶ ἐξάρω πάντα τὰ δ. σου (8 c)  
Na. 8. 12. πάντα τὰ δ. σου συκαὶ σκοπούς [B<sup>2</sup>  
καρπούς] ἔχουσιν (8 c)  
— 14. καὶ κατακράτησον τὰν δ. σου (8 c)  
Hb. 1. 10. εἰς πᾶν ὁχύρωμα ἐμπαίξεται (8 c)  
Za. 9. 3. καὶ φκοδόμησε T. ὁχυρώματα αὐτῇ (8)  
— 12. καθήσσεσθαι ἐν ὁχυρώμασι [A al.] (8 b)  
Is. 22. 10. καθελοῦσαν τοὺς οἴκους ἱερουσαλὴμ  
εἰς ὁχυρώματα τεῖχους τῇ πόλει (8 a)  
23. 14. ἀπόλωλε τὸ δ. ὑμῶν (9 b)  
24. 22. ἀποκλείουσιν εἰς τὰς πόλεις αὐ. ἀκάνθινα  
34. 13. ἀναφύσκει εἰς τὰς πόλεις αὐ. ἀκάνθινα  
ἐξ ὧν καὶ εἰς τὰ δ. αὐ. (8 c)  
Je. 29 (49). 22. ἐκτενεῖ τὰς πτέρυγας ἐπ' ὁχυρώ-  
ματα αὐτῆς (8 d)  
31 (48). 7. ἐπεποιθεῖς ἐν ὁχυρώμασιν σου (8)  
— 18. ἀνέβη εἰς σὲ λυμαινόμενος ὁχύρωμά [A  
-ατά] σου (8 c)  
— 41. τὰ δ. σου ἐκλήθη (7 a)  
La. 2. 2. τὰ δ. τῆς θυγατρὸς Ἰουδα ἐκόλλησεν  
εἰς τὴν γῆν (8 c)  
— 5. διέφθαιρε τὰ δ. αὐ. (8 c)  
Da. LXX. 11. 39. εἰς δ. ἰσχυρὸν ἦξει (8 c)  
Da. TH. 11. 39. ποιήσει τοῖς δ. τὸν καταφυγὸν (8 c)  
— 43. κυριεύσει . . . ἐν τοῖς δ. αὐτῶν +  
I Ma. 1. 2. B ἐκράτησεν δ. πολλῶν [A B om.]  
4. 61. τοῦ ἔχειν τὸν λαὸν ὁχύρωμα  
5. 9. ἐφυγον εἰς Δ. τὸ δ.



I Ma. 5. 11. καὶ προκαταβῆσθαι τὸ δ.  
— 27. παρεβάλλειν ἐπὶ τὰ δ.  
— 29. ἐπορεύετο ὡς ἐπὶ τὸ δ.  
— 30. καταλαβῆσθαι τὸ δ.  
— 65. A B καθεῖλε τὸ δ. [B τὰ δ.] αὐ.  
6. 61. ἐξήλθον ἐκ τοῦ δ.  
— 62. εἶδε τὸ δ. τοῦ τόπου  
8. 10. καθύλον τὰ δ. αὐ.  
9. 50. φεκοδόμησε . . . τὸ δ. τὸ ἐν 'I.  
10. 12. οἱ ἀλλογενεῖς οἱ δυντες ἐν τοῖς δ.  
— 37. A B κατασταθῆσεται . . . ἐν τοῖς δ. τοῦ βασ.  
11. 18. οἱ δυντες ἐν τοῖς δ. αὐ. ἀπώλοντο ὑπὸ τῶν ἐν τοῖς δ.  
— 41. ἴνα ἐκβάλῃ . . . τοὺς ἐν τοῖς δ.  
12. 33. A B διώδουνεν . . . τὰ πλησίον δ. [B al.]  
— 34. βούλονται τὸ δ. παραδύναι  
— 35. τοῦ οικοδομησῆαι ὁχρωμάτια  
— 45. παραδύναι σοι . . . τὰ λοιπὰ δ.  
18. 33. B B φεκοδόμησε Z. τὰ δ. [A τὸ δ.] τῆς 'I.  
— 38. τὰ δ. . . ὑπαρχέτω ὑμῖν  
— 33. ἔθετο βρώματα ἐν τοῖς δ.  
— 38. τὰ δ. . . ὑπαρχέτω ὑμῖν  
14. 10. B<sup>1</sup> ἐν σκεύεσιν ὁχρωμάτων [A B<sup>2</sup> B-ώσεως]  
— 42. καθίσταται . . . ἐπὶ τῶν δ.  
15. 7. τὰ δ. . . μένω σοι  
16. 8. ἐφυγον εἰς τὸ δ.  
II Ma. 8. 30. δ. ὑψηλῶν εὖ μάλα ἐγκρατεῖς ἐγένοντο  
10. 15. ἐγκρατεῖς ἐπικαίρων δ. δυντες  
— 16. ἐπὶ τὰ τῶν 'I. δ. ὤρμισαν  
— 23. ἀπώλεσαν ἐν τοῖς δυνσιν δ.  
— 32. εἰς Γ. λεγόμενον δ.  
11. 6. πολιορκοῦντα αὐτὸν τὰ δ.  
12. 19. τοὺς ὑπὸ Τ. καταλειφθέντας ἐν τῷ δ.  
III Ma. 6. 25. B τοὺς κρυπτήσαντας . . . τὰ τῆς χώρας δ. [A al.]  
[Aq. I Ki. 22. 4: 23. 14, 19: 24. 1, 23: II Ki. 5. 7, 17: JB. 39. 28: Ps. 30 (31). 3, 4: 65 (66). 11: 70 (71). 3: Is. 33. 16: DA. 11. 24 (Sw.).]  
[Sm. I Ki. 23. 19: 24. 23: II Ki. 5. 7, 9, 17: 24. 7: Ps. 9. 10: 47 (48). 4: Is. 25. 12: 29. 1.]  
[Th. JB. 28. 10: DA. 11. 39.]  
**ὁχρωμάτιον.**  
I Ma. 16. 15. ὑπεδέξατο αὐτοὺς . . . εἰς τὸ δ.  
**ὁχύρωσις.**  
I Ma. 10. 11. οικοδομῆν τὰ τεῖχη . . . εἰς ὁχύρωσιν  
14. 10. ἐν σκεύεσιν ὁχύρωσεως [B<sup>1</sup> -ωμάτων]  
**ὁψάριον.**  
To. 2. 2. B παρετέθη μοι δ. πλείονα [A B al.]  
**ὁψά.** (1) ὡψά (2) α. βῡβ δ. ὡψά (2) α.  
Ge. 24. 11. ἐκοίμισε . . . τὸ πρὸς δ. (2 α)  
Ex. 80. 8. ὅταν ἐξήπτη 'Ααρὼν τοὺς λύχνους δ. (2 δ)  
Is. 5. 11. οὐαί . . . οἱ μένοντες τὸ δ. (1)  
Je. 2. 23. δ. φωνὴ αὐτῆς ἀλώλυξε

**ὁψία.**  
Ju. 13. 1. ὡς δὲ ὁψία ἐγένετο  
**ὁψίειν.** (1) ὡψ hi.  
I Ki. 17. 16. A προήγεν δ. ἀλλοφύλος . . . (1)  
**ὁψίων.**  
Si. 38. 31 (28). οὕτως ἀνθρώπων . . . καταλύοντι οὐ εἰς ὁψίση  
**ὁψιμος.** (1) ὡψ (2) ὡψ  
Ex. 9. 32. οὐκ ἐπλήρυσαν ὁψιμα γὰρ ἦν (1)  
De. 11. 14. δώσει τὸν ὑετὸν . . . προίμιον καὶ δ. (2)  
Pr. 16. 15. οἱ δὲ προσδεκτοὶ αὐτῷ ὡς περ κέφος ὁψιμον [B<sup>1</sup> -οι] (2)  
Ho. 6. 4 (3). ἦξε ὡς ὑετός ἡμῖν προίμιος καὶ ὁψιμος γῆ (2)  
Jl. 2. 23. βρέξει ὑμῖν ὑετὸν προίμιον καὶ ὁψιμον (2)  
Za. 10. 1. αἰτήσθε . . . ὑετὸν καθ' ὥραν προίμιον καὶ ὁψιμον (2)  
Je. 5. 24. τὸν διδόντα ἡμῖν ὑετὸν προίμιον καὶ ὁψιμον (2)  
[Aq. Am. 7. 1.]  
[Sm. Ge. 30. 42 bis: Ec. 11. 6.]  
**ὁψις.** (1) ὡψ (2) ὡψ (3) ὡψ (4) ὡψ  
(5) ὡψ (6) ὡψ (7) ὡψ (8) ὡψ  
Ge. 24. 16. ἡ δὲ παρθένος ἦν καλὴ τῇ δ. σφόδρα (8)  
26. 7. ὅτι ὡραία τῇ δ. ἦν (3)  
29. 17. B καὶ ὡραία τῇ δ. ὡς σφόδρα [A om.] (3)  
39. 6. ἦν ἰωσήφ . . . ὡραῖος τῇ δ. σφόδρα (3)  
41. 21. καὶ αἱ δ. αὐτῶν αἰσχυραὶ (3)  
Ex. 10. 5. καὶ καλύνει τὴν δ. τῆς γῆς (4)  
— 15. καὶ ἐκάλυψε τὴν δ. τῆς γῆς (4)  
34. 29. 30. ἡ δ. τοῦ χρώματος [A χρωτός] (4)  
Le. 13. 3. καὶ ἡ δ. τῆς ἀφῆς ταπεινὴ (3)  
— 4. εἰς . . . ταπεινὴ μὴ ἢ ἡ δ. αὐτῆς (3)  
— 20. ἡ δ. ταπεινότερα τοῦ δέρματος (3)  
— 25. ἡ δ. αὐτοῦ ταπεινὴ ἀπὸ τοῦ δέρματος (3)  
— 30. ἡ δ. αὐτῆς ἐγκολιότερα τοῦ δέρματος (3)  
— 31. ἰδοὺ οὐχ ἡ δ. ἐγκολιότερα τοῦ δέρματος (3)  
— 32, 34. ἡ δ. τοῦ θραύσματος οὐκ ἔστι κοίλη (3)  
— 43. ἡ δ. τῆς ἀφῆς λευκὴ ἢ πυρρίζουσα (7)  
— 55. ἦδε μὴ μετέβαλεν ἡ ἀφῆ τὴν δ. (4)  
14. 37. ἡ δ. αὐτῶν ταπεινότερα τῶν τοίχων (3)  
19. 27. οὐδὲ φθερεῖται τὴν δ. τοῦ πώγωνος ὡμῶν (5)  
21. 5. τὴν δ. τοῦ πώγωνος οὐ ἐχυρίζονται (5)  
Nu. 22. 5. κατεκάλυψε τὴν δ. τῆς γῆς (4)  
— 11. κεκάλυψε τὴν δ. τῆς γῆς (4)  
I Ki. 16. 7. μὴ ἐπιβλέψῃς ἐπὶ τὴν δ. αὐ. [A al.] (9)  
III Ki. 1. 6. ὡραῖος τῇ δ. [A om. τ. δ.] σφόδρα (8)  
To. 14. 2. ὅτε ἀπώλεσε τὰς δ. [B al.] (8)  
Ju. 7. 10. A ἀλλ' ἐπὶ τοῖς ὁψίσι [?, B B ὡψεσι] τῶν ὁψίων αὐ. (8)  
8. 7. καὶ ἦν . . . ὡραία τῇ δ. σφόδρα

Es. 2. 7. B<sup>1</sup> καὶ ὡραῖον τῇ δ. σφόδρα (8)  
8. 13. τὰ δὲ ὑπὸ τὴν δ. ἐρχόμενα (2 δ)  
Ca. 2. 14. δειξόν μοι τὴν δ. σου (3)  
— 14. ἡ δ. σου ὡραία (3)  
Wi. 3. 4. ἐν ὁψίει ἀνθρώπων ἐὰν κολασθῶσιν (8)  
7. 9. ὁ πᾶς χρυσὸς ἐν ὁψίει αὐτῆς ψάμμος ὀλίγη (8)  
8. 11. ἐν ὁψίει δυναστῶν θανατοῦσθαι (8)  
11. 19. ἡδύνατο . . . ἡ δ. ἐκφοβήσασα διολέσαι (8)  
13. 7. πείδονται τῇ δ. (8)  
14. 17. οὐς ἐν ὁψίει μὴ δυνάμενοι τιμὰν ἀνθρώποι (8)  
— 17. τὴν πόρρωθεν δ. ἀνταυτωσάμενοι (8)  
15. 5. ὡν ὁψις [B<sup>2</sup> ἢ δ.] ἀφροσύνη εἰς δυνάμειος [A B δρεξιν] ἔρχεται (8)  
— 19. ὡς ἐν ζῶνι ὁψις καλὰ τυγχάνει (8)  
17. 6. ἐκδειμνιούμενοι δὲ τῆς μὴ [A om.] θεωρουμένης ἐκείνης δ. (8)  
19. 18. ὅπερ ἐστὶν εἰκόσις ἐκ τῆς τῶν γενομένων δ. (8)  
Jl. 2. 4. A ὡς ὄρασις ἰππῶν ἡ δ. [B B ὄρασις] αὐτῶν (8)  
Je. 3. 3. δ. πόρνης ἐγένετο σοι (2)  
Ez. 1. 13. ὡς ὁψις λαμπάδων συστρεφομένων ἀνὰ μέσον τῶν ζῶν (8)  
— 27. ἰδὼν ὡς ὁψιν ἡλεκτροῦ (4)  
10. 9. A B ἡ [B om.] δ. τῶν τροχῶν ὡς ὁψις λίθου ἀνδρακός (3, 4)  
— 10. ἡ δ. αὐτῶν ὁμοίωμα ἐν τοῖς τέσσαρσιν (3)  
23. 15. δ. τρισσὴ πάντων (3)  
41. 21. ὄρασις ὡς ὁψις θυσιαστηρίου ξυλίνου (3)  
Da. LXX. 1. 13. εἰς φανή ἡ δ. ἡμῶν διατετραμένη (8)  
— 15. ἐφάνη ἡ δ. αὐ. καλὴ (3)  
Da. TH. 1. 4. καὶ καλὸν τῇ δ. (3)  
2. 31. A καὶ ἡ δ. [B πρόσοψις] αὐτῆς ὑπερφερῆς (1)  
3. 19. ἡ δ. τοῦ προσώπου αὐ. ἡλλοιώθη (6)  
II Ma. 8. 16. ἡ γὰρ δ. . . ἐνέφανεν τὴν . . . ἀγωνίαν (8)  
— 36. ἄπερ ἦν ὑπ' ὁψιν (8)  
12. 4. ὑπ' ὁψιν ἐωρακότες τὰ γενομένα (8)  
[Aq. Ex. 33. 18.]  
[Th. Ex. 34. 35.]  
[Al. Ge. 44. 30: Nu. 24. 1.]  
**ὁψιον.**  
To. 2. 2. ἐθεασάμην δ. πολλὰ [B al.] (8)  
7. 8. παρέβηκαν δ. πλείονα [B al.] (8)  
**ὁψοποιήμα.**  
Ju. 12. 1. καταστρώσαι αὐτὴ ἀπὸ τῶν δ. αὐ. (8)  
**ὁψος.** (1) ὡψ  
Nu. 11. 22. ἡ πᾶν τὸ δ. τῆς θαλ. συναθροίσεται (1)  
**ὁψώνιον.**  
I Es. 4. 56. δοῦναι αὐτοῖς . . . ὁψώνια (8)  
I Ma. 3. 28. ἔδωκεν ὁψώνια ταῖς δυνάμεσιν αὐ. (8)  
14. 32. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁψώνια (5 α)

## Π

**παγγιεύω.**  
IV Ma. 1. 29. ὁ π. λογισμός  
**παγετός.** (1) πῡρ  
Ge. 31. 40. B καὶ τῷ [A om.] π. τῆς νυκτός (1)  
Si. 3. 15. ὡς εἶδεν ἐπὶ [B<sup>1</sup> ἐν] παγετῷ (1)  
Je. 43 (38). 30. καὶ ἐν τῷ π. τῆς νυκτός (1)  
Ba. 2. 25. καὶ τῷ π. τῆς νυκτός  
**παγιδεύειν, πακιδεύειν.** (1) ὡψ, pu.  
(2) ὡψ, hithp.  
I Ki. 28. 9. ἴνα τί σὺ παγιδεύεις τὴν ψυχὴν μου (2)  
Ec. 9. 12. ὡς αὐτὰ παγιδεύονται οἱ υἱοὶ τοῦ ἀνθρώπου εἰς καιρὸν ποικηρῶν (1)  
[Aq. Ez. 13. 20, 21.]  
[Sm. Pr. 6. 1: Is. 15.]  
[Th. Ph. 11. 15.]

**παγιδεύμα.**  
[Aq. Ec. 7. 27 (26).]  
**παγίς, πακίς.** (1) πῡ (2) α. ὡψ, ni.  
δ. ὡψ, c. ὡψ, (3) ὡψ, (4) ὡψ, (5) α. πῡ δ. πῡ hi. (6) ὡψ, (7) πῡ, (8) ἐμπῖπει εἰς παγίδας ὡψ, (5 α)  
Jo. 23. 13. ἔσονται ὑμῖν εἰς παγίδας (5 α)  
To. 14. 10. εὐώθῃ εἰς παγίδας θανάτου [B al.] (5 α)  
— 10. ἐνέπεσαν [B ἔπεσαν] εἰς τὴν π. (5 α)  
Jb. 18. 8. ἐμβέβληται [A -βληθεί] δὲ ὁ πούς αὐτοῦ ἐν παγίδι (6)  
— 9. ἔλθοισιν δὲ ἐπ' αὐτὸν παγίδες (5 α)  
22. 10. ἐκύλωσαν σε παγίδες (5 α)  
Ps. 9. 15. ἐν παγίδι ταύτη ἢ ἐκρυψαν (6)  
— 30 (10. 9). ἐν τῇ π. αὐτοῦ ταπεινώσει αὐτόν (6)

Ps. 10 (11). 7. ἐπιβρέξει ἐπὶ ἁμαρτωλοὺς παγίδας [A B<sup>1</sup> -δα] (5 α)  
17 (18). 5. προσέβησαν μοι παγίδες θανάτου (2 δ)  
24 (25). 15. ἐκπάσει ἐκ παγίδος τοὺς πόδας μου (8)  
30 (31). 4. ἐξάξεις με ἐκ παγίδος ταύτης (6)  
34 (35). 7. δωρεὰν ἐκρυψάν μοι διαφθορὰν παγίδος αὐτῶν (6)  
— 8. ἐλθέτω αὐτοῖς [B<sup>2</sup> -ω] παγίς (7)  
— 8. ἐν τῇ π. πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (7)  
56 (57). 6. B B<sup>1</sup> παγίδας [B<sup>2</sup> -α] ἠτόμασαν τοῖς ποσὶ [B τὴν ψυχὴν] μου (6)  
63 (64). 5. διηγύσαντο τοῦ κρύψαι παγίδας [B<sup>2</sup> -α] (2 δ)  
65 (66). 11. εἰσῆγαγες ἡμᾶς εἰς τὴν π. (4)  
68 (69). 22. γενηθήτω ἡ τράπεζα αὐτῶν ἐνώπιον αὐτῶν εἰς παγίδα (5 α)  
90 (91). 3. A B ῥύσεται με [B σε, B om.] ἐκ παγίδος θνητῶν (5 α)

Ps. 118 (119). 110. *ἴθενο ἀμαρτωλοὶ παγίδα* (5 α)  
 123 (124). 7. *ἐρρύσθη ἐκ τῆς π. τῶν θηρευνόντων* ἡ π. *συνερείβῃ* (5 α, 5 α)  
 139 (140). 5. *ἐκρύψαν ὑπερήφανοι παγίδα μοι* (5 α)  
 — 5. *σχοινία δύνειαν παγίδας τοῖς ποσὶ μοι* (6)  
 140 (141). 9. *φύλαξόν με ἀπὸ παγίδος* (5 α)  
 141 (142). 3. *ἐκρύψαν παγίδα μοι* (5 α)  
 Pr. 6. 2. *παγὶς γὰρ ἰσχυρὰ ἀνδρὶ τὰ ἴδια χεῖλη* (3 α)  
 — 5. *ὥσπερ ὄρνειον ἐκ παγίδος* (2 α)  
 7. 23. *σπεύδει δὲ ὥσπερ ὄρνειον εἰς παγίδα* (5 α)  
 11. 9. *ἐν στόματι ἀσεβῶν παγὶς πολιταῖς* (8)  
 12. 13. *ἐμπέπτει εἰς παγίδας ἀμαρτωλός* (5 α)  
 13. 14. *ὁ δὲ ἄνους ὑπὸ παγίδος θανέται* (2 β)  
 14. 27. *ποιεῖ δὲ ἐκκλίνειν ἐκ παγίδος θανάτου* (2 β)  
 18. 7. *τὰ δὲ χεῖλη αὐτοῦ παγὶς τῇ ψυχῇ αὐτοῦ* (2 β)  
 20. 25. *παγὶς ἀνδρὶ ταχύ τῶν ἰδίων ἀγμάτων* (2 β)  
 21. 6. *μάταια διακίει ἐπὶ Ἀ Β καὶ ἔρχεται ἐπὶ παγίδας θανάτου* (5 α)  
 22. 5. *τρίβολοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολιαῖς* (5 α)  
 29. 6. *ἀμαρτάνονται ἀνδρὶ μεγάλη παγὶς* (2 β)  
 Ec. 9. 12. *ὡς ὄρνεια τὰ θηρευόμενα ἐν παγιδί* (5 α)  
 Wi. 14. 11. *εἰς παγίδα ποσὶν ἀφρόνων* (5 α)  
 Si. 9. 3. *μὴ ποτε ἐμπίσῃς εἰς τὰς π. αὐτῆς* (5 α)  
 — 13. *ἐν παγὶν παγιδῶν [A -ος] διαβαίνεις* (5 α)  
 27. 20. *ἐξέφυγεν ὡς δορκὰς ἐκ παγίδος [B<sup>3</sup> βρόχων]* (5 α)  
 — 26. *ὁ ἰσθμὸς παγίδα ἐν αὐτῇ ἀλώσεται* (5 α)  
 — 29. *παγιδί ἀλώσονται οἱ εὐφραϊνόμενοι πτώσει εὐσεβῶν* (5 α)  
 51. 2. *ἐλυτρώσω τὸ σῶμά μου . . . ἐκ παγίδος διαβολῆς γλώσσης* (5 α)  
 Ho. 5. 1. *παγὶς ἐγενήθη τῇ σκοπιᾷ* (5 α)  
 9. 8. *προφῆτης παγὶς σκολιά* (5 α)  
 Am. 3. 5. *οἱ ὀχλασθήσονται παγὶς ἐπὶ τῆς γῆς* (5 α)  
 Is. 8. 14. *οἱ δὲ οἶκοι Ἰακώβ ἐν παγιδί* (5 α)  
 24. 17. *παγὶς ἐφ' ὑμᾶς τοὺς ἐνοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς* (5 α)  
 — 18. *ἀλώσεται ὑπὸ τῆς π.* (5 α)  
 42. 22. *ἡ γὰρ π. ἐν τοῖς ταμείοις πανταχοῦ* (5 β)  
 Je. 5. 26. *παγίδας ἔστησαν* (2 α)  
 — 27. *ὡς π. ἐφίσταμένη [B συνεστ.] πλήρης πετεινῶν* (8)  
 18. 22. *παγίδας ἐκρύψαν ἐν' ἐμέ* (5 α)  
 31 (48). 43. *π. καὶ φόβος καὶ βάθυνος ἐπὶ σοί* (5 α)  
 — 44. *συλληφθήσεται ἐν τῇ π.* (5 α)  
 Ez. 29. 4. *ὅσω παγίδας [A τὰς π.] εἰς τὰς σιαγόνας σου* (1)  
 I Ma. 1. 35. *ἐγένετο εἰς μεγάλην π.* (5 α)  
 5. 4. *οἱ ἥσαν τῷ λαῷ εἰς παγίδα* (5 α)  
 [Aq. Ps. 68 (69). 23.]  
 [Sm. Ps. 63 (64). 6: 68 (69). 23: Is. 8. 14.]  
 [Th. Ps. 68 (69). 23: Je. 48 (51). 45.]  
**παγκρατής.**  
 II Ma. 8. 22. *ἔπεκαλοῦντο τὸν π. κύριον [B α.]*  
**παγκτησία.**  
 [Aq. Le. 25. 23.]  
**πάγος.** (1) *ῥῶβ* (2) *ῥῖβ* (3) *ῥῖβ*  
 Ex. 16. 14. *ὥσπερ πάγος ἐπὶ τῆς γῆς* (1)  
 Jb. 37. 10. *ἀπὸ πνοῆς ἰσχυροῦ δώσει πάγος* (3)  
 Si. 43. 22. *B<sup>3</sup> ἴσους πάγων [A B B<sup>3</sup> πάντων] κατὰ σπουδὴν ὁμίχλη* (5 α)  
 Na. 3. 17. *ἐν ἡμέρᾳ πάγων [A -αις πάγου]* (2)  
 Za. 14. 6. *πάγος ἔσται μίαν ἡμέραν* (5 α)  
 Da. LXX. 3. (69). *εὐλογεῖτε πάγου καὶ ψυχῶν, τὸν κ.* (5 α)  
 Da. TH. 3. (69). *Ἐυλογεῖτε, πάγος καὶ ψυχῶν [B ψ. κ. καὶμῶν, τὸν κ.]* (5 α)  
 [Aq. Jb. 38. 29.]  
 [Sm. Jb. 37. 10: Za. 14. 6.]  
 [Th. Jb. 37. 10: 38. 29: Da. 8. (69)†.]  
**παθεινός.** (1) *ῥῶβ*  
 Jb. 29. 25. *ὃν τρόπον παθεινός [B<sup>3</sup> ποθ., A συναπαθείς] παρακαλῶν* (1)  
 [Aq. Is. 61. 2.]  
 [Th. Jb. 29. 25: Is. 57. 18: 61. 2.]  
**παθηή (?)**, **πάθνη (?)**. (1) *ῥῶβ*  
 Jb. 6. 5. *B<sup>3</sup> βοῦς ἐπὶ παθῆς [A B B<sup>3</sup> φάτης]* (5 α)  
 — ἔχων τὰ βρώματα (5 α)  
 39. 9. *B<sup>3</sup> κοιμηθῆναι ἐπὶ παθῆ [A B φάτης, B<sup>3</sup> φάτης] σου* (1)  
 Jl. 1. 17. *ἰσχύρησαν δαμυλὲς ἐπὶ ταῖς φάταις [B<sup>3</sup> πάταις] αὐ.* (5 α)

**παθοκράτεια.**  
 IV Ma. 13. 5. *τὴν τῆς εὐλογιστίας π. ὁμολογεῖν* (5 α)  
 — 16. *Ἀ Β καθολισιώμεθα . . . τῇ . . . π. [B τὴν . . . π.]* (5 α)  
**παθοκρατεῖσθαι.**  
 IV Ma. 7. 20. *τὸ φαίνεσθαι τινας παθοκρατεῖσθαι* (5 α)  
**πάθος.** (1) *ῥῶβ*  
 Jb. 30. 31. *B B ἐπέβη δὲ εἰς πάθος [A B πένθος]* (5 α)  
 — *μου ἡ κιβδάρη* (5 α)  
 Pr. 25. 20. *A B οὕτως προσπεσὼν πάθος σώματι* (5 α)  
 — *[B ἐν σ.] καρδίαν λυπεῖ* (5 α)  
 IV Ma. 1. 1. *εἰ αὐτοδιδασκός ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός* (5 α)  
 — 3. *τῶν σωφροσύνης καλωτικῶν π.* (5 α)  
 — 4. *τῶν τῆς δικαιοσύνης ἐμποδιστικῶν π.* (5 α)  
 — 4. *τῶν τῆς ἀνδρείας ἐμποδιστικῶν π.* (5 α)  
 — 5. *εἰ τῶν π. ὁ λογισμός κρατεῖ* (5 α)  
 — 6. *οὐ γὰρ τῶν ἐαυτοῦ π. ὁ λογισμός κρατεῖ* (5 α)  
 — 7. *αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός* (5 α)  
 — 9. *περικρατεῖ τῶν π. ὁ λογισμός* (5 α)  
 — 13. *εἰ αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν π. ὁ λογισμός* (5 α)  
 — 14. *καὶ τί πάθος* (5 α)  
 — 14. *καὶ πόσαι παθῶν ἰδέει* (5 α)  
 — 19. *A B τῶν [B om.] π. ὁ λογισμός ἐπικρατεῖ* (5 α)  
 — 20. *παθῶν δὲ φύσεις εἰσὶν αἱ περικεκτώταται δύο* (5 α)  
 — 21. *A B πολλὰ δὲ καὶ . . . παθῶν [B ἀγαθῶν] εἰσὶν ἀκολούθια* (5 α)  
 — 24. *θυμὸς δὲ κοινὸν π. ἐστὶν* (5 α)  
 — 25. *πολυτροπωτάτῃ πάντων τῶν π. οὕσα* (5 α)  
 — 28. *A B πολλὰ τοῦτων τῶν π. [B φυτῶν] εἰσι παραβύθιδες* (5 α)  
 — 29. *ἐξημεροὶ τὰς τῶν ἡδῶν καὶ π. ὕλας* (5 α)  
 — 30. *τῶν δὲ π. αὐτοκράτωρ* (5 α)  
 — 30. *αὐτοδιδασκός ἐστὶ τῶν π. ὁ λογισμός* (5 α)  
 — 35. *ἀνέχεται γὰρ τὰ τῶν ὀρέξεων π.* (5 α)  
 2. 3. *ἡκύρωσε . . . τὸν τῶν π. οὐτρον* (5 α)  
 — 6. *B B τῶν καλωτικῶν τῆς δικαιοσύνης π. [A πασῶν]* (5 α)  
 — 7. *κύριος ἐστὶ τῶν π. ὁ λογισμός* (5 α)  
 — 9. *τῶν π. ἐστὶν ὁ λογισμός κρατῶν* (5 α)  
 — 15. *B<sup>3</sup> B τῶν [A B<sup>3</sup> διὰ τῶν] βαιοτέρων δὲ π.* (5 α)  
 — 16. *A B<sup>3</sup> πάντα γὰρ ταῦτα τὰ [B<sup>3</sup> om.] κακοήθη π.* (5 α)  
 — 18. *κατὰ τῶν π. ἀριστεῦσαι* (5 α)  
 — 21. *τὰ π. . . περιεφύτευσε* (5 α)  
 — 24. *A B εἰ τῶν π. ὁ λογισμός κρατεῖ [B α.]* (5 α)  
 3. 1. *οὐ γὰρ τῶν ἐαυτοῦ π. ὁ λογισμός ἐπικρατεῖ φαίνεται [B<sup>3</sup> α.]* (5 α)  
 — 5. *οὐ γὰρ ἐκρίσθη τῶν π. ὁ λογισμός ἐστὶν* (5 α)  
 — 17. *νικήσαι τὰς τῶν π. ἀνάγκας* (5 α)  
 — 18. *πάσας τὰς τῶν π. ἐπικρατίας* (5 α)  
 6. 31. *δεσπότης ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός* (5 α)  
 — 32. *εἰ γὰρ τὰ π. τοῦ λογιμοῦ ἐκκρατῆται* (5 α)  
 — 33. *τοῦ λογιμοῦ τὰ π. νικήσαντος* (5 α)  
 7. 1. *ἐν τῷ τῶν π. πελῶνται* (5 α)  
 — 5. *περικέλασε τοὺς μαινομ. τῶν π. κλύδωνας* (5 α)  
 — 8. *τοῖς μέχρι θανάτου π. ὑπερασπιζοῦντας* (5 α)  
 — 10. *ὡ . . . παθῶν μέγιστος βασιλεὺς ἔλ.* (5 α)  
 — 16. *ἡγεμὼν ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός* (5 α)  
 — 17. *τῶν π. οὐ πάντες περικρατοῦσιν* (5 α)  
 — 18. *οὕτοι μόνον δύνανται κρατεῖν τῶν τῆς σαρκὸς π.* (5 α)  
 — 22. *τίς . . . οὐκ ἂν περικρατῆσει τῶν π.* (5 α)  
 — 23. *A B μόνος γὰρ ὁ σοφὸς . . . ἐστὶ τῶν [B om.] π. κύριος* (5 α)  
 8. 28. *ἥσαν γὰρ περίφρονες τῶν [B<sup>3</sup> τὰ τῶν] π.* (5 α)  
 13. 1. *αὐτοδιδασκός ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός* (5 α)  
 — 2. *τοῖς π. δουλωθέντες* (5 α)  
 — 3. *περιγενοῦντο τῶν π.* (5 α)  
 — 4. *ἐπικράτησαν γὰρ καὶ πάθους καὶ πόνων* (5 α)  
 — 7. *A B τὴν τῶν π. ἐνίκησεν ἀκολασίαν [B κόλασιν]* (5 α)  
 14. 1. *B τῶν [A B om.] τῆς τῶν ἀδ. φιλαδελφίας παθῶν κρατήσας* (5 α)  
 15. 1. *παθῶν τύριννε* (5 α)  
 — 4. *φιλότεκνα γονίαν πάθῃ* (5 α)  
 — 4. *B διὰ τὸ π. . . τὰς μητέρας τῶν π. καθεστάναι συμπαθεστέρως [A B α.]* (5 α)  
 — 13. *καὶ μητέρων ἀδόμαστα π.* (5 α)  
 — 23. *ὁ εὐσεβὴς λογισμός ἐν αὐτοῖς τοῖς π. ἀνδρείως* (5 α)  
 — 32. *ἐν τῷ τῶν π. περιανθλουμένη κατακλυσμῷ* (5 α)  
 16. 1. *αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν π. ὁ εὐσεβὴς λογισμός* (5 α)  
 — 2. *οὐ μόνον τῶν π. ἄνδρες ἐπικράτησαν* (5 α)

IV Ma. 16. 4. *A B κατέσβεσε [B add. τὰ] τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα π.* (5 α)  
 18. 2. *τῶν π. δεσπότης ἐστὶν ὁ εὐσεβὴς λογισμός* (5 α)  
 [Sm. Jb. 16. 4.]  
 [Th. Je. 16. 7.]  
**παιάν.**  
 II Ma. 15. 25. *μετὰ σαλπείγων καὶ παιάνων προσήγον* (5 α)  
**παιγνία.** (1) *ῥῶβ* (2) *ῥῶβ*  
 Jd. 16. 27. *οἱ θεωροῦντες ἐν παιγνίαις Σ. [A α.]* (1)  
 Je. 29 (49). 16. *ἡ π. σου ἐνεκλήρησέ σοι* (3 α)  
 [Sm. Je. 51 (28). 18.]  
**παιγνιον.** (1) *ῥῶβ*  
 Wi. 12. 26. *οἱ δὲ παιγνίους ἐπιτιμήσεως μὴ νοουητέ-βήντες* (5 α)  
 15. 12. *ἐλογίσαντο παίγνιον εἶναι τῇ ζωῇ ἡμῶν* (5 α)  
 Hb. 1. 10. *τύραννοι παίγνια αὐτοῦ* (5 α)  
 [Al. Ez. 34. 4.]  
**παιδάριον.** (1) *ῥῶβ* (2) *α. ῥῶβ* (3) *δ. ῥῶβ*  
 c. *ῥῶβ* (3) *ῥῶβ*  
 Ge. 22. 5. *B ἐγὼ δὲ καὶ τὸ π. [A παιδίον]* (2 α)  
 — 12. *μὴ ἐπιβάλλῃς τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὸ π.* (2 α)  
 38. 14. *κατὰ πόδα τῶν π.* (1)  
 37. 30. *τὸ π. οὐκ ἐστὶν* (1)  
 42. 22. *μὴ ἀδικήσῃς τὸ π.* (1)  
 43. 8. *ἀποστείλον τὸ π. μετ' ἐμού* (2 α)  
 44. 30. *A καὶ τὸ π. [B -διον] μὴ ᾗ μεθ' ἡ.* (2 α)  
 — 31. *A μὴ ἂν τὸ π. [B -διον] μεθ' ἡ.* (2 α)  
 Jd. 7. 9 (10). *καὶ Φ. τὸ π. σου* (2 α)  
 — 11. *καὶ Φ. τὸ π. αὐτοῦ* (2 α)  
 8. 14. *καὶ συνέλαβε παιδάριον* (2 α)  
 — 20. *οὐκ ἔσπασε τὸ π. τὴν ῥομφ. αὐ. [A α.]* (2 α)  
 9. 54. *ἐβόησε . . . πρὸς τὸ π.* (2 α)  
 — 54. *ἐξεκίνησεν αὐτὸν τὸ π. αὐτοῦ* (2 α)  
 18. 5. *ναῖρ θεοῦ ἔσται τὸ π. [A α.]* (2 α)  
 — 7. *ἄγων ἔσται τὸ π. [A α.]* (2 α)  
 — 8. *A τί ποιήσωμεν τῷ π. [B -διῷ]* (2 α)  
 — 12. *A τί ἔσται τὸ κρίμα τοῦ π. [B α.]* (2 α)  
 — 24. *ἡδύρνηθ' [A ἡδύρνηθ'] τὸ π.* (2 α)  
 16. 26. *A εἶπε Σ. πρὸς τὸ π. [B τὸν νεανίαν]* (2 α)  
 17. 7. *A καὶ ἐγένετο π. ἐκ B. [B α.]* (2 α)  
 — 11, 12. *A ἐγενήθη αὐτῷ τὸ π. [B α.]* (2 α)  
 18. 3. *A τὴν φωνὴν τοῦ π. τοῦ νεωτέρου [B α.]* (2 α)  
 — 15. *A εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. [B νεανίσκου]* (2 α)  
 19. 3. *A καὶ τὸ π. [B καὶ νεανίας] αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ* (2 α)  
 — 9. *A καὶ τὸ π. [B ὁ νεανίας] αὐτοῦ* (2 α)  
 — 11. *A καὶ εἶπεν τὸ π. [B ὁ νεανίας]* (2 α)  
 — 13. *A εἶπε τῷ π. [B νεανίᾳ] αὐ.* (2 α)  
 — 19. *A καὶ τῷ π. [B νεανίσκῳ]* (2 α)  
 Ru. 2. 5. *εἶπε B. τῷ π.* (2 α)  
 — 6. *καὶ ἀπεκρίθη τὸ π.* (2 α)  
 — 9. *ἐνετειλάμην τοῖς π.* (2 α)  
 — 9. *ὅθεν ἂν ὑδρεύονται τὰ π.* (2 α)  
 — 15. *ἐνετειλάτο B. τοῖς π. αὐτοῦ* (2 α)  
 — 21. *A B μετὰ τῶν π. [B κορασίων] τῶν ἐμῶν* (2 α)  
 I Ki. 1. 14. *εἶπεν αὐτῇ τὸ π. 'H.* (2 α)  
 — 22. *ὥς τοῦ ἀναβῆναι τὸ π.* (2 α)  
 — 24. *καὶ τὸ π. μετ' αὐτῶν* (2 α)  
 — 25. *προσῆγαγεν τὸ π.* (2 α)  
 — 25. *προσῆγαγεν 'A. ἡ μήτηρ τοῦ π. [A τὸ π.]* (2 α)  
 — 27. *ὑπὲρ τοῦ π. τούτου προσηνεῖξάν* (2 α)  
 2. 11. *τὸ π. ἦν λειτουργῶν* (2 α)  
 — 13, 15. *ἤρχετο τὸ π. τοῦ ἱερέως* (2 α)  
 — 17. *ἦν ἡ ἀμαρτία . . . τῶν π. μεγάλῃ* (2 α)  
 — 18. *π. περιεφωμένον ἐφ' οὐδ'* (2 α)  
 — 21. *ἐμεγαλύνθη τὸ π. Σαμ.* (2 α)  
 — 26. *τὸ π. Σαμ. ἐπορεύετο* (2 α)  
 3. 1. *τὸ π. Σαμ. ἦν λειτουργῶν* (2 α)  
 — 8. *κύριος ἐκέλευε τὸ π.* (2 α)  
 4. 17. *ἀπεκρίθη τὸ π.* (2 α)  
 — 21. *ἐκέλευε τὸ π. Οὐ.* (2 α)  
 9. 3. *λάβε . . . ἐν τῶν π.* (2 α)  
 — 5. *εἶπε τῷ π. αὐτοῦ τῷ μετ' αὐτοῦ* (2 α)  
 — 6. *εἶπεν αὐτῷ τὸ π.* (2 α)  
 — 7. *εἶπε Σ. τῷ π. αὐτοῦ τῷ μετ' αὐτοῦ* (2 α)  
 — 8. *προσέθετο τὸ π. ἀποκριθῆναι* (2 α)  
 — 10. *εἶπε Σ. πρὸς τὸ π. αὐτοῦ* (2 α)  
 — 22. *ἔλαβε Σαμ. τὸν Σ. καὶ τὸ π. αὐ.* (2 α)  
 10. 14. *εἶπεν . . . πρὸς τὸ π. αὐτοῦ* (2 α)

I Ki. 14. 1. B εἶπεν ἰ. . . τῷ π. (2a)  
 — 6. B εἶπεν ἰ. πρὸς τὸ π. (2a)  
 16. 11. ἐκλελοίπασαι τὰ π. (2a)  
 — 18. ἀπεκρίθη εἰς τὸν π. αὐτοῦ (2a)  
 17. 33. παιδάριον [A -δίων] εἰ σὺ (2a)  
 — 42. αὐτὸς ἦν παιδάριον (2a)  
 — 58. A υἱὸς τίνος εἰ παιδάριον (2a)  
 20. 21. ἀποστέλλω τὸ π. (2a)  
 — 22 (21). εἰν εἶπω λέγων τῷ π. (2a)  
 — 35. καὶ π. μικρὸν μετ' αὐτοῦ (2a)  
 — 36. εἶπε τῷ π. (2a)  
 — 36. τὸ π. ἔδραμε (2a)  
 — 37. ἦλθε τὸ π. (2a)  
 — 38. ἀνεβόρσεν ἰ. ὀπίσω τοῦ π. αὐ. (2a)  
 — 38. ἀνέλεξε τὸ π. ἰ. τὰς σχίζας (2a)  
 — 39. τὸ π. οὐκ ἔγνω οὐθέν [A al.] (2a)  
 — 40. B ἔδωκε τὰ σκεύη αὐ. ἐπὶ τὸ π. αὐ. (2a)  
 — 40. εἶπε τῷ π. αὐτοῦ (2a)  
 — 41. ὡς εἰσῆλθε τὸ π. [A al.] (2a)  
 21. 2 (3). τοῖς π. διαμεμαρτύρημαι (2a)  
 — 4 (5). εἰ πεφυλαγμ. τὰ π. ἔστιν [A -δία εἰσίν] (2a)  
 — 5 (6). A B γέγονε πάντα τὰ π. [B -δία] (2a)  
 — 7 (8). ἐκεῖ ἦν ἐν τῶν π. τοῦ Σ. (3)  
 25. 5. ἀπέστειλε Δ. δέκα π. (2a)  
 — 5. εἶπε τοῖς π. (2a)  
 — 8. ἐρώτησον τὰ π. σου (2a)  
 — 8. εὐρέτωσαν τὰ π. σου χάριν (2a)  
 — 9. ἔρχονται τὰ π. (2a)  
 — 12. ἀπεστράφησαν τὰ π. Δ. (2a)  
 — 14. ἀπήγγειλεν ἐν τῶν π. (2a)  
 — 19. εἶπε τοῖς π. αὐτῆς (2a)  
 — 25. οὐκ εἶδον τὰ π. σου (2a)  
 — 27. δώσεις τοῖς π. (2a)  
 28. 22. διεληθέτω εἰς τῶν π. (2a)  
 30. 13. εἶπε τὸ π. τὸ Αἰγύπτιον (2a)  
 — 17. ὅτι ἅλλ' ἡ τετρακόσια π. (2c)  
 II Ki. 1. 5. εἶπε Δ. τῷ π. [A om. τ. π.] (2a)  
 — 6. καὶ εἶπε τὸ π. (2a)  
 — 13. εἶπε Δ. τῷ π. (2a)  
 — 15. ἐκάλεσε Δ. ἐν τῶν π. αὐτοῦ (2a)  
 2. 14. ἀναστήτησαν δὴ τὰ π. (2a)  
 — 21. κατὰσχε σεαυτὸν ἐν τῶν π. (2a)  
 4. 12. ἐνετείλατο Δ. τοῖς π. αὐτοῦ (2a)  
 9. 9. ἐκάλεσεν . . . τὸ π. Σαούλ (2a)  
 12. 15. A ἔθραυσεν κ. τὸ π. [B -δίων] (1)  
 — 16. ἐζήτησε Δ. τὸν θ. περὶ τοῦ π. (2a)  
 — 18. ἀπέθανε τὸ π. (1)  
 — 18. τέθηκε τὸ π. (1)  
 — 18. ἐν τῷ τὸ π. ἔτι ζῆν (1)  
 — 18. 19. τέθηκε τὸ π. (1)  
 — 19. εἰ τέθηκε τὸ π. (1)  
 — 21. ὁ ἐποίησας ἔνεκα τοῦ π. (1)  
 — 21. ἡνίκα ἀπέθανε τὸ π. (1)  
 — 22. ἐν τῷ τὸ π. ἔτι ζῆν (1)  
 — 22. καὶ ζῆσεται τὸ π. (1)  
 — 23. A τέθηκεν τὸ π. [B om. τὸ π.] (1)  
 13. 17. ἐκάλεσε τὸ π. αὐ. τὸν προσετηκότα (2a)  
 — 28. ἐνετείλατο Ἀβ. τοῖς π. αὐτοῦ (2a)  
 — 29. ἐποίησαν τὰ π. Ἀβ. τῷ Ἀ. (2a)  
 — 32. πάντα τὰ π. [A -δία] τοὺς υἱ. τοῦ βασι. ἐθανάτωσεν (2a)  
 — 34. ἦρε τὸ π. ὁ σκοπὸς τοὺς ὀφθ. αὐ. (2a)  
 14. 21. ἐπιστρέψον τὸ π. (2a)  
 16. 1. Σ. τὸ π. Μεμφιβ. (2a)  
 — 2. εἰς βρώσιν τοῖς π. (2a)  
 17. 18. εἶδεν αὐτοὺς παιδάριον (2a)  
 18. 5. φείσασθε μου τὸ π. (2a)  
 — 12. φυλάξατέ μοι τὸ π. τὸν Ἀβ. (2a)  
 — 15. ἐκύλωσαν δέκα παιδάρια (2a)  
 — 29. εἰρήνη τῷ π. (2a)  
 — 32. εἰ εἰρήνη τῷ π. τῷ Ἀβ. (2a)  
 — 32. γέγοντο ὡς τὸ π. οἱ ἔχθροί (2a)  
 19. 17 (18). Σ. τὸ π. τοῦ ὀίκου Σ. (2a)  
 20. 11. ἀνῆρ . . . τῶν π. (2a)  
 III Ki. 3. 7. ἐγὼ εἶμι π. μικρόν (2a)  
 11. 17. καὶ Ἀ. π. μικρόν (2a)  
 — 28. εἶδε Σαλ. τὸ π. (2a)  
 12. 8. συνεβούλευστο μετὰ τῶν π. (1)  
 — 10. ἐλάλησαν πρὸς αὐτὸν τὰ π. (1)  
 — 14. κατὰ τὴν βουλὴν τῶν π. (1)  
 — 24 (cf. A 14. 1). B ἠρώσθησε τὸ π. αὐ. (1)  
 — 24. B ἐπερώτησα ὑπὲρ τοῦ π. (1)  
 — 24. B ἐπερώτησον τὸν θ. ὑπὲρ τοῦ π. (1)  
 — 24. B εἶπεν Ἀχ. τῷ π. αὐτοῦ (1)

III Ki. 12. 24. B τὸ π. τέθηκεν (2a)  
 — 24. B καὶ τὸ π. κόψεται (2a)  
 — 24 (cf. A 14. 17). B τὸ π. ἀπέθανε (2a)  
 — 24. B οἱ σύντροφοί αὐτοῦ τὰ π. (2a)  
 14. 12. A ἀποθάνεται τὸ π. (1)  
 — 17. A τὸ π. ἀπέθανεν (2a)  
 16. 28 (22. 49 [50]). B ἐξαποστειλῶ . . . τὰ π. μου (3)  
 17. 21. ἐνεφύσησε τῷ π. τρίς (1)  
 — 21. ἡ ψυχὴ τοῦ π. τούτου (1)  
 — 22. ἀνεβόρσεν τὸ π. [A al.] (1)  
 — 22. A ἀπεστράφη ἡ ψυχὴ τοῦ π. (1)  
 — 23. A ἔλαβεν ἡ τὸ π. (1)  
 18. 43. εἶπε τῷ π. αὐτοῦ (2a)  
 — 43. ἐπέβλεψε τὸ π. (1)  
 — 44. ἐπέστρεψε τὸ π. ἐπτάκις (1)  
 19. 3. ἀθήκε τὸ π. αὐτοῦ ἐκεῖ (2a)  
 21 (20). 14. ἐν τοῖς π. τῶν ἀρχόντων (2a)  
 — 15. ἐπεσκέψατο . . . τὰ π. τῶν χωρῶν [A al.] (2a)  
 — 17. ἀρχόντες παιδάρια τῶν χωρῶν [A al.] (2a)  
 — 19. ἀρχοντα τὰ π. τῶν χωρῶν [A al.] (2a)  
 IV Ki. 2. 23. π. μικρὰ ἐξῆλθον ἐκ τῆς πόλεως (2a)  
 4. 12. εἶπε πρὸς Γ. τὸ π. αὐτοῦ (2a)  
 — 14. εἶπε Γ. τὸ π. αὐτοῦ (1)  
 — 18. ἡδυνήθη τὸ π. (1)  
 — 19. εἶπε τῷ π. (2a)  
 — 22. ἀπόστειλον δὴ μοι ἐν τῶν π. (2a)  
 — 24. εἶπε πρὸς τὸ π. αὐτῆς (2a)  
 — 25. εἶπε πρὸς Γ. τὸ π. αὐτοῦ (2a)  
 — 26. ἡ εἰρήνη τῷ π. (1)  
 — 29. ἐπιθῆσθαι . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. (2a)  
 — 30. εἶπεν ἡ μήτηρ τοῦ π. (2a)  
 — 31. ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. (2a)  
 — 31. οὐκ ἡγήρηθ' ἐπὶ τὸ π. (2a)  
 — 32. ἰδοὺ τὸ π. τεθηκός (2a)  
 — 34. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὸ π. (1)  
 — 34. διεθερμάνθη ἡ σάρξ τοῦ π. (2a)  
 — 35. συνεκαμψεν ἐπὶ τὸ π. (2a)  
 — 35. ἤνοιξε τὸ π. τοὺς ὀφθ. αὐτοῦ (2a)  
 — 38. εἶπεν Ἐλ. τῷ π. αὐτοῦ (2a)  
 — 41. εἶπεν Ἐλ. πρὸς Γ. τὸ π. (1)  
 5. 14. ὡς σάρξ π. μικροῦ (2a)  
 — 20. εἶπε Γ. τὸ π. Ἐλ. (2a)  
 — 22. ἦλθον πρὸς μετὰ δύο παιδάρια αὐ. (2a)  
 — 23. ἔδωκεν ἐπὶ δύο παιδάρια αὐ. (2a)  
 6. 15. εἶπε τὸ π. πρὸς αὐτὸν (2a)  
 — 17. διανοίξον δὴ τοὺς ὀφθαλμοὺς τοῦ π. (1)  
 8. 4. ὁ βασι. ἐλάλει πρὸς Γ. τὸ π. Ἐλ. (2a)  
 9. 4. ἐπορεύθη τὸ π. ὁ προφήτης (2a)  
 19. 6. ὡν ἐβλασφήμησαν τὰ π. βασιλείως (2a)  
 I Ch. 22. 5. Σαλ. ὁ υἱὸς μου π. ἀπαλόν (2a)  
 II Ch. 10. 8. συνεβούλευσα μετὰ τῶν π. (1)  
 — 10. ἐλάλησαν αὐτὰ τὰ π. (1)  
 34. 3. καὶ αὐτὸς ἔτι παιδάριον (2a)  
 Ne. 13. 19. B ἔκ τῶν π. μου (2a)  
 To. 5. 16. A B καὶ ὁ κύριος τοῦ π. μετ' αὐτῶν (2a)  
 6. 2. τὸ δὲ π. κατέβη [S al.] (1)  
 — 2. κατακίεν τὸ π. [S τὸν πόδα τοῦ π.] (1)  
 — 3. B τῷ π. εἶπεν [A B εἶπεν αὐτῷ] (1)  
 — 3. ἐκράτησε τὸν ἰχθύν [S τοῦ ἰ.] τὸ π. (1)  
 — 5. ἐποίησε τὸ π. [S al.] (1)  
 — 6. εἶπε τὸ π. τῷ ἀγγέλῳ [S al.] (1)  
 — 10. εἶπεν ὁ ἀγγελὸς τῷ π. [S al.] (1)  
 — 13. εἶπε τὸ π. τῷ ἀγγέλῳ [S al.] (1)  
 7. 11. A ἔδωκε τὸ π. μου [A<sup>2</sup> B S al.] (1)  
 II. 8 (4). 3. ἔδωκεν τὰ π. πόρναις (1)  
 Za. 8. 5. πλησθήσονται παιδαρίων καὶ κορασίων (1)  
 Je. 31 (48). 11. ἀνεπαύσατο Μωῦβ ἐκ παιδαρίου (2b)  
 La. 2. 21. ἐκοιμήθησαν εἰς τὴν ξέσθον π. καὶ πρεσβύτες (2a)  
 Da. TH. Su. 45. τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον παιδαρίου νεωτέρου (1)  
 1. 10. παρὰ τὰ π. τὰ συνήλικα ὡμῶν (1)  
 — 13. καὶ αἱ ἰδέαι τῶν π. (1)  
 — 13. A ποιήσαν μετὰ τῶν π. [B -δων] σου (1)  
 — 15. ἰσχυραὶ ταῖς σαρκὶν ὑπὲρ τὰ π. (1)  
 — 17. A εἶδον αὐτοὺς σπέρματα τοῖς τίσ-σασιν π. [B al.] (1?)  
 — 17. B τὰ π. ταῦτα οἱ τέσσαρες αὐτοὶ (1)  
 Bel 14. ἐπέταξε Δαν. τοῖς π. αὐ. (1)  
 I Ma. 2. 46. περιέτμον τὰ π. τὰ ἀπερίμμητα (1)  
 11. 39. τὸν Ἀντ. τὸ π. τοῦ Ἀλεξάνδρου (1)  
 — 54. καὶ Ἀντίοχος μετ' αὐτοῦ π. νεώτερον (1)  
 13. 17. A B πέμψτε [S add. τοῦ λαβείν] . . . τὰ π. (1)  
 — 18. οὐκ ἀπέστειλα αὐτῶν . . . τὰ π. (1)

I Ma. 13. 19. A B ἀπέστειλε τὰ π. (1)  
 16. 16. ἀπέκτειναν . . . τινες [S<sup>1</sup> -α] τῶν π. αὐ. (1)  
 [Aq. Ex. 1. 17, 18: Jd. 19. 13: I Ki. 21. 5 (6): III Ki. 14. 12, 17: 17. 22, 23: Is. 37. 6.]  
 [Sma. Jd. 19. 13: III Ki. 20 (21). 14: Is. 37. 6.]  
 [Th. Ex. 1. 17, 18: Jd. 18. 12: 17. 7: 18. 15: 19. 3, 13: I Ki. 21. 5 (6): Is. 10. 19: 37. 6: Da. 1. 10: 14. 13:]  
 [Al. III Ki. 22. 50.]  
 παιδεία, παιδία. (1) נַחֲמָה (2) נַחֲמָה (3) נַחֲמָה  
 (4) נַחֲמָה (5) נַחֲמָה (6) נַחֲמָה (7) נַחֲמָה  
 (8) א. נַחֲמָה ב. נַחֲמָה (9) נַחֲמָה  
 (10) נַחֲמָה  
 De. 11. 2. οὐδὲ ἴδωσαν τὴν π. κυρίου (5)  
 II Es. 7. 26. εἰν τε εἰς θάνατον εἰν τε εἰς παι-δεῖαν (8a<sup>2</sup>, 8b)  
 Jb. 20. 3. παιδείαν ἐντροπῆς μου [A S<sup>2</sup> σου] (5)  
 37. 13. εἰν τε εἰς παιδείαν εἰν [A B εἰν τε] (5)  
 εἰς τὴν γῆν αὐτοῦ (7)  
 Ps. 2. 12. δράσασθε παιδείας (2)  
 17 (18). 35. ἡ π. σου ἀνὼρθωσέ με εἰς τέλος [S<sup>1</sup> om. εἰς τ.] (6?)  
 — 35. A B S<sup>2</sup> ἡ π. σου αὐτὴ με διδάξει (6)  
 49 (50). 17. σὺ δὲ ἐμίσησας παιδείαν (5)  
 118 (119). 66. παιδείαν καὶ γνῶσιν διδάξόν με (4)  
 Pr. 1. 2. γνῶναι σοφίαν καὶ παιδείαν (5)  
 — 7. παιδείαν ἀσέβεις ἐξουθενήσουσιν (5)  
 — 8. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν [A S νόμους] πατρὸς σου (5)  
 — 29. A ἐμίσησαν γὰρ παιδείαν [B S σοφίαν] (3)  
 3. 11. μὴ ὀλιγώρει παιδείας κυρίου (5)  
 4. 1. ἀκούσατε παιδες παιδείαν πατρὸς (5)  
 — 13. ἐπιλαβοῦ ἐμῆς παιδείας (5)  
 5. 12. πῶς ἐμίσησα παιδείαν (5)  
 6. 23. καὶ [A S om.] ἡλεγχος καὶ παιδεία (5)  
 8. 10. λάβετε παιδείαν καὶ μὴ ἀργύριον (5)  
 — 33. S<sup>2</sup> ἀκούσατε παιδείαν (5)  
 10. 17. ὁδοὺ δικαίας [A S<sup>2</sup> om.] ζῶης φυλάσ-σιν παιδεία παιδεία δὲ ἀνεξέλεγκτος πλανᾶται (5, 9?)  
 12. 1. ὁ ἀγαπῶν παιδείαν ἀγαπᾷ αἴσθησιν (5)  
 13. 18. πεινίαν καὶ ἀτιμίαν ἀφαιρείται παιδεία (5)  
 15. 5. ἀφρων μυκτηρίζει παιδείαν πατρὸς (5)  
 — 10. παιδεία ἀκάκω γνωρίζεται ὑπὸ τῶν παριόντων (5)  
 16. 3 (15. 32). δεσ ἀποθνήσκει παιδείαν (5)  
 — 4 (15. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία (5)  
 — 17. ὁ δεχόμενος παιδείαν ἐν ἀγαθῷ ἔσται (5)  
 — 22. παιδεία δὲ ἀφρόνων κακὴ (5)  
 17. 8. B Ἐ μυσθὸς χαρίτων παιδεία [A B S ἡ π.] τοῖς χρωμένοις (5)  
 19. 20. ἄκουε, υἱέ, παιδείαν πατρὸς σου (5)  
 — 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάξει παιδείαν πατρὸς (5)  
 22. 15. ῥάβδος δὲ καὶ παιδεία μακρὰν ἀπ' αὐτοῦ (5)  
 23. 12. ὁδὸς εἰς παιδείαν τὴν καρδίαν σου (5)  
 24. 31 (30. 8). A πλοῦτος δὲ καὶ παιδείαν [B S πεινίαν] μὴ μοι δῶς (5)  
 — 47 (32). ἐπέβλεψα τοῦ ἐκλέεσθαι παιδείαν (5)  
 25. 1. αὐταὶ αἱ π. [A S<sup>2</sup> παροιμίας] Σαλωμῶν-τος αἱ ἀδιόκριτοι (5)  
 Wi. 1. 5. ἄγιον γὰρ πνεῦμα παιδείας [A σοφίας] φεύσεται δόλον (5)  
 2. 12. ἐπιζημίει ἡμῖν ἀμαρτηνὰ παιδείας ἡμῶν (5)  
 3. 11. παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν ταλαιπώρος (5)  
 6. 17. ἀρχὴ γὰρ αὐτῆς ἡ ἀληθεστάτη παιδείας ἐπι-θυμία φροντίς δὲ παιδείας ἀγάπη (5)  
 7. 14. διὰ τὰς ἐκ παιδείας δωρεὰς συσταθέντες (5)  
 Si. prol. 3. δέον ἐστὶν ἐπαινεῖν τὸν Ἰσραὴλ παιδείας (5)  
 — 10. συγγράφαι τι [B περὶ] τῶν εἰς παιδείαν καὶ σοφίαν ἀνηκόντων (5)  
 — 21. εἶδον οὐ μικρὰς παιδείας ἀφόμοιον (5)  
 1. 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου (5)  
 4. 17. βασανίσαι αὐτὸν ἐν παιδείᾳ αὐτῆς (5)  
 — 24. παιδεία ἐν ῥήματι γλώσσης [S<sup>1</sup> γλωσσώ-δους] (5)  
 6. 18. ἐκ νεότητός σου [S om.] ἐπὶ λείξει παιδείαν (5)  
 8. 8. παρ' αὐτῶν μαθήσῃ παιδείαν [B σοφίαν] (5)  
 9. 1. μηδὲ διδάξης ἐπὶ σεαυτὸν παιδείαν [B καρδίαν] ποιηράν (5)  
 10. 25. ἐκφαίνω [A B -ανῶ] ἐν σταθμῷ παιδείαν (5)  
 18. 14. τοὺς ἐκδεχομένους παιδείαν ἐλεᾷ (5)

Si. 21. 12.  $\Delta^3$  ἔστι πανουργία πληθύνουσα παιδεύειν [A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> πικρῶν]  
 — 19. πέδιλα ἐν ποσὶν ἀνοήτους παιδεία [B ἀνοήτου π., A ἀνομία τοῦ παιδίου]  
 — 21. ὅς κότερος χρόνους φρονίμω παιδεία  
 22. 6. μάλιστα καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [B<sup>3</sup> -ia]  
 23. 2. τίς ἐπιστήσσει . . . ἐπὶ τῆς καρδίας μου παιδείαν [A -as] σοφίας  
 — 7. B παιδεία στόματος  
 — 7. παιδεύειν στόματος ἀκούσατε, τέκνα  
 24. 27. ὁ ἐκφαίνει ὡς φῶς παιδεύειν  
 — 32. ἔτι παιδεύειν ὡς δροβρον φωτιῷ  
 30. 26 (33. 17). οὐκ ἔμοι μόνω ἐκοπίασα ἀλλὰ πᾶσι τοῖς ἡγουσιν παιδεύειν  
 — 33 (33. 24). ἄρτος καὶ παιδεία καὶ ἔργον οἰκείη  
 34 (31). 17. πῦνσαι πρώτος χάριν παιδείας  
 35 (32). 14. ὁ φοβούμενος κύριον ἐκδέχεται παιδεύειν  
 36 (33). 4. σύνδιδον παιδεύειν  
 38. 33. A B οὐδὲ μὴ ἐκφανῶσι παιδεύειν [B δικαιούσῃν]  
 39. 8. ἐκφαίνει παιδεύειν διδασκαλίας αὐτοῦ  
 41. 14. παιδεύειν ἐν εἰρήνῃ συντηρήσατε, τέκνα  
 42. 5. περὶ παιδείας τέκνον πολλῆς  
 — 8. περὶ παιδείας ἀνοήτου καὶ μωροῦ  
 44. 4. σοφοὶ λόγοι ἐν [A ἐν λόγοις] παιδείᾳ αὐτῶν  
 50. 27. παιδεύειν συνίσταται . . . ἐχάραξεν ἐν τῷ βιβλίῳ τούτῳ  
 51. 16. πολλὰν εὐρον ἐμαυτῷ παιδεύειν  
 — 23. αὐλιώθητε ἐν οὐκ παιδείας  
 — 26. ἐπιδείξασθε τὴν ψυχὴν ὑμῶν παιδεύειν  
 — 28. A B<sup>3</sup> E μετὰσχετε παιδείας [B<sup>3</sup> -αν] ἐν πολλῷ ἀριθμῷ ἀργυρίου  
 Am. 8. 7. εἰ μὴ ἀποκαλύψῃ παιδεύειν +  
 Hb. 1. 12. τοῦ ἐλέγχειν παιδεύειν αὐ. +  
 Ze. 8. 2. οὐκ ἐδέξατο παιδεύειν [B<sup>3</sup> -as] (5)  
 — 7. δέξασθε παιδεύειν (5)  
 Is. 26. 16. ἐν θλίψει μικρῇ ἢ π. σου ἡμῖν (5)  
 50. 4. διδασκὶν μοι γλώσσαν παιδείας [A σοφίας] (10)  
 — 5 (4). ἡ π. κυρίου κυρίου ἀνοίγει μοι τὰ ὅρα (10?)  
 53. 5. παιδεία εἰρήνης ἡμῶν ἐπ' αὐτὸν (5)  
 Je. 2. 30. παιδεύειν οὐκ ἐδέξατο (5)  
 5. 3. οὐκ ἠθέλησαν δέξασθαι παιδεύειν (5)  
 7. 28. οὐδὲ ἐδέξατο παιδεύειν (5)  
 17. 23. B B<sup>3</sup> τοῦ μὴ δέξασθαι παιδεύειν (5)  
 37 (30). 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἐπαύσατε παιδεύειν στερεῶς (5)  
 39 (32). 33. οὐκ ἤκουσαν [A ἠθέλησαν] ἔτι λαβεῖν παιδεύειν (5)  
 42 (35). 13. οὐ μὴ λάβῃτε παιδεύειν τοῦ ἀκούειν (5)  
 Ba. 4. 13. οὐδὲ τριβῶσι παιδείας . . . ἐπίβησαν  
 Ez. 18. 9. ἐν παιδείᾳ τοῦ λαοῦ μου οὐκ ἔσονται +  
 Da. LXX. 1. 20. ἐν παντὶ λόγῳ καὶ συνέσει καὶ παιδείᾳ . . . (1)  
 II Ma. 6. 12. πρὸς παιδεύειν τοῦ γένους ἡμῶν εἶναι  
 7. 33. χάριν ἐπιπλήσας καὶ παιδείας  
 IV Ma. 1. 17. αὐτὴ δὴ τοῖν ἐστὶν ἡ τοῦ νόμου π.  
 10. 10. διὰ παιδεύειν . . . ταῦτα πύσχομεν  
 13. 22. αἰσθάνονται σφοδρότερον διὰ . . . τῆς ἄλλης π.  
 [Aq. Jv. 5. 17: 33. 16: 38. 10: Pr. 1. 3: 6: 23: Jz. 10. 8: 30 (37). 14.]  
 [Sm. Jv. 36. 10: 39. 35 (40. 5): Pr. 1. 3: 6: 23: 10. 17: 13. 18: 19. 20: Is. 9. 6 (5). 7 (6): 29. 24: Jz. 10. 8: 30 (37). 14.]  
 [Th. Jv. 20. 3: 36. 10: 37. 13: Ps. 17 (18). 36: Pr. 6. 23: 6. 23: 23. 23: Is. 9. 7 (6): Jz. 30 (37). 14: Ez. 5. 15.]  
 [Al. Pr. 13. 24: 15. 10.]  
 παιδεύειν. (1) פִּלְ (2) בִּלְ (3) בִּלְ hi.  
 (4) בִּלְ a. qal. b. ni. c. pi. d. hi.  
 e. nithp. f. רִבְ (5) בִּלְ hi. (6) בִּלְ hi.  
 (7) בִּלְ (8) בִּלְ (9) בִּלְ (10) בִּלְ hi.  
 (11) בִּלְ  
 Le. 26. 18. προσθήσω τοῦ [A om.] παιδεύειν  
 — 23. ἐπὶ τοῖσιν ἐὰν μὴ παιδευθῇτε (4 c)  
 — 28. παιδεύσω ὑμᾶς ἐγὼ ἐπτάκις (4 c)  
 De. 4. 36. παιδεύσαι σε (4 c)  
 8. 5. B<sup>3</sup> εἰ τις ἀνὴρ, παιδεύσαι [A B -ση] τὸν υἱὸν αὐ. οὕτω κ. ὁ θ. σου παιδεύσει σε (4 c, 4 c)  
 21. 18. A B καὶ παιδεύωσιν [B -δεν.] αὐτόν (4 c)

De. 22. 18. καὶ παιδεύουσιν [A -ωσιν] αὐτόν (4 c)  
 32. 10. καὶ ἐπαίδευσεν αὐτόν (1)  
 I Ki. 26. 10. B ἐὰν μὴ κ. παιδεύῃ [A B παῖθ] αὐτόν (8)  
 II Ki. 22. 48. παιδεύειν λαοὺς ὑπο. ἴτω μου (5)  
 III Ki. 12. 11. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευεν ὑμᾶς (4 c)  
 — 11. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (4 c)  
 — 14. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 c)  
 — 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (4 c)  
 II Ch. 10. 11. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 c)  
 — 11. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 c)  
 — 11. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (4 c)  
 — 14. ὁ πατήρ μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (4 c)  
 — 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (4 c)  
 To. 4. 14. ἰσθὶ πεπαιδευμένους ἐν πάσῃ ἀναστροφῇ σου  
 Es. 2. 7. ἐπαίδευσεν αὐτὴν ἐαυτῷ (7 ?)  
 Ps. 2. 10. παιδευθήτε πάντες οἱ κρίνοντες τὴν γῆν (4 b)  
 6. 1. μηδὲ τῇ ὀργῇ σου παιδεύσης με (4 c)  
 15 (16). 7. ἐπαίδευσαν με οἱ νεφροὶ μου (4 c)  
 37 (38). 1. μηδὲ τῇ ὀργῇ σου παιδεύσης με (4 c)  
 38 (39). 11. ἐπαίδευσας ἀνθρώπων (4 c)  
 89 (90). 10. καὶ παιδευθήσονται (4 c)  
 — 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [A B<sup>3</sup> πεπε-  
 δημένους] τῇ καρδίᾳ ἐν σοφίᾳ +  
 93 (94). 10. ὁ παιδεύων ἐθνή οὐκ ἔλεγχει (4 a)  
 — 12. ὁ ἀνθρώπος δὲν ἐν σοὶ παιδεύσης (4 c)  
 104 (105). 22. τοῦ παιδεύειν τοὺς ἀρχοντας αὐτοῦ ὡς ἐαυτὸν (11)  
 117 (118). 18. παιδεύειν ἐπαίδευσέ με (4 c, 4 c)  
 140 (141). 5. παιδεύσει με δικαίος ἐν ἐλείει (2)  
 Pr. 3. 12. A B δὲ γὰρ ἀγαπᾷ κύριος παιδεύει [B ἐλέγχει] (3)  
 5. 13. οὐκ ἤκουον φωνῆν παιδεύοντός με (6)  
 9. 7. ὁ παιδεύων κακὸς λήγεται ἐαυτῷ ἀτιμία (4 a)  
 10. 4. υἱὸς πεπαιδευμένος σοφὸς ἔσται -  
 13. 24. ὁ δὲ ἀγαπᾷ ἐπιμελῶς παιδεύει (4 f)  
 19. 18. παιδεύει υἱὸν σου (4 c)  
 22. 3. κραταιὸς αὐτὸς παιδεύεται +  
 23. 13. μὴ ἀπόσχῃ νῆπιον παιδεύειν [A -ων] (4 f)  
 24. 69 (31. 1). δὲν ἐπαίδευσεν ἡ μήτηρ αὐ. (4 c)  
 28. 17. παιδεύει υἱὸν καὶ ἀγαπήσει σε -  
 29. 17. παιδεύει υἱὸν σου καὶ ἀναπαύσει σε (4 c)  
 — 19. λόγοις οὐ παιδευθήσεται οἰκίτης σκλη-  
 ρός [B<sup>3</sup> σκληροτράχηλος] (4 b)  
 Wi. 8. 5. ὁλίγα παιδευθέντες μεγάλα ἐνερgetηθή-  
 σονται  
 6. 11. ποθήσατε καὶ παιδευθήσεσθε  
 — 25. παιδεύεσθε τοῖς ῥήμασι μου  
 11. 9. καίπερ ἐν ἐλείει παιδεύομαι  
 12. 22. ἡμᾶς οὐ παιδεύων τοὺς ἐχθρούς ἡμῶν . . . μαστιγῶσι  
 Si. 6. 32. ἐν θλίψει, τέκνον, παιδευθήσῃ  
 7. 23. τέκνα σοὶ ἐστὶ παιδεύουσιν αὐτὰ  
 10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύει τὸν λαὸν αὐτοῦ  
 18. 13. ἐλέγχων καὶ παιδεύων καὶ διδάσκων  
 21. 12. οὐ παιδευθήσεται δε οὐκ ἔστι πανουργός  
 — 23. ἀνὴρ δὲ πεπαιδευμένος ἔξω στήσεται  
 23. 15. ἐν πάσαις ταῖς ἡμέραις αὐτοῦ οὐ μὴ παιδευθῇ  
 26. 14. οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα πεπαιδευμένης ψυχῆς  
 30. 2. ὁ παιδεύων τὸν υἱὸν αὐτοῦ δόνησεται [B<sup>3</sup> αἰνε-  
 θήσεται] ἐπ' αὐτῷ  
 — 13. παιδεύουσιν τὸν υἱὸν σου  
 31 (34). 9. A<sup>3</sup> B ἀνὴρ πεπαιδευμένος [A<sup>3</sup> B πεπλα-  
 ημένους] ἔγγον πολλὰ  
 34 (31). 19. ὡς ἱκανὸν ἀνθρώπων πεπαιδευμένον τὸ ὀλίγον  
 37. 23. ἀνὴρ σοφὸς τὸν ἑαυτοῦ λαὸν παιδεύσει  
 40. 30. ἀνὴρ δὲ . . . πεπαιδευμένους φυλάσσεται  
 42. 8. ἴση πεπαιδευμένους ἀληθινὰς  
 Ho. 7. 12. παιδεύσω αὐτοὺς (4 d)  
 — 15. ἐπαίδευσαν ἐν μοί (4 c)  
 10. 10. παιδεύσαι αὐτούς (4 a)  
 — 10. ἐν τῷ παιδεύεσθαι αὐτούς (11)  
 Is. 28. 26. παιδευθήσῃ κριμαὶ θεοῦ σου [B<sup>3</sup> al.] (4 c)  
 46. 3. οἱ . . . παιδευόμενοι ἐκ [A ἀπὸ] παιδίου (9)  
 Je. 2. 19. παιδεύειν σε ἡ ἀποστασία σου (4 c)  
 6. 8. πόνως καὶ μαστίγῃ παιδευθήσῃ (4 b)  
 10. 24. παιδεύουσιν ἡμᾶς (4 c)  
 26 (46). 28. παιδεύσω σε εἰς κρίμα [A κρίσιν] (4 c)  
 38 (31). 18. ἐπαίδευσάς με καὶ ἐπαίδευσαν (4 c, 4 b)  
 Ez. 23. 48. παιδευθήσονται πᾶσαι αἱ γυναῖκες (4 c)  
 28. 3. σοφοὶ οὐκ ἐπαίδευσαν σε +  
 II Ma. 6. 16. παιδεύειν δὲ μετὰ συμφορᾶς  
 10. 4. B μετ' ἐπιεικείας παιδεύεσθαι [A om.]

IV Ma. 5. 24. B B<sup>3</sup> καὶ δικαιοσύνην παιδεύει [A -ειν]  
 13. 24. νόμος γὰρ τῷ αὐτῷ παιδευθέντες  
 [Aq. Ps. 6. 2.]  
 [Sm. Ps. 109 (110). 2: Is. 28. 26: Jz. 30 (37). 11: 46 (26). 28: LA. 1. 13.]  
 [Th. Ge. 1. 28: Lz. 28. 17: Ps. 6. 2: 89 (90). 10: Is. 41. 2: Jz. 30 (37). 11.]  
 [Al. Lz. 25. 43, 46, 53: 26. 17: II Ch. 8. 10: Ez. 34. 4.]  
 [Quint. Ps. 67 (68). 28: Ho. 6. 3.]  
 παιδευσία (?).  
 Si. 2. 2. αἱ . . . τῆς π. [A B B<sup>3</sup> ἀπ.] σου ἐντράπηθι  
 παιδευτής. (1) רִבְ  
 Si. 37. 19. ἔστιν ἀνὴρ . . . πολλῶν παιδευτής  
 Ho. 5. 2. ἐγὼ δὲ παιδευτής ὑμῶν (1)  
 IV Ma. 5. 34. οὐ ψεύσομαι σε, παιδευτὰ νόμο  
 9. 6. ὁ π. ἡμῶν γέρον ἐνέκησε  
 [Sm. Dt. 16. 18: I Ch. 28. 29: II Ch. 19. 11.]  
 [Th. Ps. 67 (68). 28.]  
 παιδία vid. sub παιδεία.  
 παιδιόθεν.  
 Ge. 47. 3. A ἐκ π. ἕως τοῦ νῦν -  
 παιδίον. (1) רִבְ (2) בִּלְ (3) בִּלְ (4) בִּלְ  
 (5) a. רִבְ b. רִבְ (6) a. רִבְ b. רִבְ  
 (7) רִבְ (8) רִבְ (9) רִבְ (10) π.  
 νήπιον בִּלְ  
 Ge. 17. 12. παιδίον ὀκτὼ ἡμερῶν περιτμήσεται (2)  
 21. 7. θηλάσει παιδίον Σάρρα (2)  
 — 8. ἠξήσῃ τὸ π. (5 a)  
 — 12. περὶ τοῦ π. καὶ περὶ τῆς παιδείας (6 a)  
 — 14. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸν ὄμω καὶ τὸ π. (5 a)  
 — 15. ἔρριψε τὸ π. ὑποκάτω μᾶς ἐλάτης (5 a)  
 — 16. οὐ μὴ ἴδω τὸν θάνατον τοῦ π. μου (5 a)  
 — 16. ἀναβοήσαν δὲ τὸ π. ἔκλανσεν -  
 — 17. εἰσηκουσε δὲ ὁ θ. τῆς φωνῆς τοῦ π. (6 a)  
 — 17. ἐπακήκου γὰρ ὁ θ. τῆς φωνῆς τοῦ π. (6 a)  
 — 18. λῖβε τὸ π. (6 a)  
 — 19. ἐπότισε τὸ π. (6 a)  
 — 20. ἦν ὁ θ. μετὰ τοῦ π. (6 a)  
 22. 5. A ἐγὼ δὲ καὶ τὸ π. [B -δάριον] (6 a)  
 25. 22. ἐσκήρτων δὲ τὸ π. ἐν αὐτῇ (2)  
 30. 26. ἀπόδος . . . τὰ π. (5 a)  
 31. 17. ἔλαβε . . . τὰ π. αὐτοῦ (2)  
 — 28. καταφιλήσῃ τὰ π. μου (2)  
 32. 15 (16). καμήλους θηλαζούσας καὶ τὰ π. αὐ. (2)  
 — 22 (23). ἔλαβε . . . τὰ ἐνδεκα π. αὐτοῦ (5 a)  
 33. 1. ἐπιδιέλεν 'I. τὰ π.  
 — 2. Ἀσίαν καὶ τὰ π. αὐτῆς ὀπίσω (5 a)  
 — 5. εἶδε . . . τὰ π. (5 a)  
 — 5. τὰ π. οἷς ἠλέησεν ὁ θ. τὸν παῖδά σου (5 a)  
 — 6. A αἱ παιδίσκαι καὶ τὰ π. [B τέκνα] αὐ. (5 a)  
 — 13. τὰ π. ἀπαλώτερα (5 a)  
 44. 20. καὶ π. γήρως νεώτερον αὐτῷ (5 a)  
 — 22. οὐ δύνησεται τὸ π. καταλιπεῖν (6 a)  
 — 30. B καὶ τὸ π. [A -δάριον] μὴ ᾗ μεθ' ἡμῶν (6 a)  
 — 31. B μὴ δὲ τὸ π. [A -δάριον] μεθ' ἡ. (6 a)  
 — 32. ἐκδέκεται τὸ π. (6 a)  
 — 33. παραμενῶ σοι παῖς ἀντὶ τοῦ π. (6 a)  
 — 33. τὸ δὲ π. ἀναβήτω (6 a)  
 — 34. τοῦ π. μὴ ὄντος μεθ' ἡμῶν (6 a)  
 45. 19. λαβεῖν αὐτοῖς ἀμάξας . . . τοῖς π. ὕ. (3)  
 48. 16. εὐλογῆσαι τὰ π. ταῦτα (6 a)  
 50. 23. παιδία ἕως τρίτης γενεᾶς (2)  
 Ex. 2. 3. ἐνέβαλε τὸ π. εἰς αὐτὴν (5 a)  
 — 6. ὁρᾷ π. κλαῖον ἐν τῇ θίβει (5 a + 6 a)  
 — 6. ἀπὸ τῶν π. τῶν Ἑβρ. τούτου (5 a)  
 — 7. θηλάσει σοὶ τὸ π. (5 a)  
 — 8. ἐκάλεσε τὴν μητέρα τοῦ π. (5 a)  
 — 9. διατήρησάν μοι τὸ π. τοῦτο (5 a)  
 — 9. ἔλαβε δὲ ἡ γυνὴ τὸ π. (5 a)  
 — 10. ἀδυνάτητος δὲ τοῦ π. (5 a)  
 4. 20. ἀναλαβὼν δὲ M. . . τὰ π. (2)  
 — 25. 26. τὸ αἷμα τῆς περιτομῆς τοῦ π. μου -  
 21. 4. ἡ γυνὴ καὶ τὰ π. (5 a)  
 — 5. ἡγάπηκα . . . τὰ π. (2)  
 — 22. καὶ ἐξέλεθ' τὸ π. αὐτῆς (5 a)  
 22. 24 (23). καὶ τὰ π. ὑμῶν ὀρφανὰ (2)  
 Le. 22. 28. αὐτὴν καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
 25. 54. καὶ τὰ π. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (2)  
 Nu. 8. 4. παιδία οὐκ ἦν αὐτοῖς (2)

Nu. 14. 3. αἱ γυναῖκες ἡμῶν καὶ τὰ π. (8)	Jb. 40. 24 (29). ἡ δῆρσις αὐτὸν ὥσπερ στρου- (6 b)	Ex. 28. 12. ὁ υἱὸς τῆς π. σου (1)
— 31. καὶ τὰ π. δ' εἴπατε (8)	— θίων παιδὶν (8 a)	Le. 25. 6. βρώματα . . . τῆ π. σου (1)
De. 1. 39. Δ καὶ τὰ π. ὑμῶν δ' εἴπατε (2)	Si. 21. 19. πέδαι ἐν ποσὶν ἀνομία τοῦ π. [B S al.] (8 a)	— 44. παῖς καὶ παιδίσκη σοὶ ἀν γένωνται σοὶ (1)
— 39. καὶ πάν π. νύον (2)	Is. 3. 5. προσκόψει τὸ π. πρὸς τὸν πρῆβυτον (8 a)	De. 5. 14 bis. ὁ παῖς σου καὶ ἡ π. σου (1)
8. 6. καὶ τὰ π. καὶ πάντα τὰ κτήνη (2)	7. 16. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ π. ἀγαθὸν ἢ κακόν (8 a)	— 21 (18). οὐτε τὸν παῖδα αὐ. οὐτε τὴν π. αὐ. (1)
11. 2. οὐχὶ τὰ π. ὑμῶν σοὶ οὐκ οἶδασιν (2)	8. 4. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ π. καλεῖν πατέρα (8 a)	12. 12. οἱ παῖδες ὑμῶν καὶ αἱ π. ὑμῶν (1)
22. 7. τὰ δὲ π. λήψῃ σεαυτῶ (2)	— 18. ἰδοὺ ἐγὼ καὶ τὰ π. ἃ μοι ἔδωκεν ὁ θεός (8 a)	— 18. ὁ παῖς σου καὶ ἡ π. σου (1)
25. 6. καὶ ἔσται τὸ π. δ' ἐὰν τέκῃ (1)	9. 6 (5). π. ἐγεννήθη ἡμῖν (8 a)	15. 17. τὴν π. σου ποιήσεις ὡσαύτως (1)
Jo. 1. 14. τὰ π. ὑμῶν καὶ τὰ κτήνη ὑμῶν (8)	10. 19. π. γράψει αὐτοὺς (8 a)	16. 11, 14. ὁ παῖς σου καὶ ἡ π. σου (1)
9. 1 (8. 35). καὶ ταῖς γυναῖξιν καὶ τοῖς π. (8)	11. 6. π. μικρὸν ἄξει αὐτοὺς (8 a)	28. 68. εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (4)
Jd. 13. 8. τί ποιήσωμεν τῷ π. [A -δარიφ] (8 a)	— 7. ἅμα τὰ π. αὐτῶν ἔσονται [A βοσκηθῆς]. (8 a)	Jd. 9. 18. υἱὸν παιδίσκης [A τῆς π.] αὐτοῦ (1)
— 12. τίς ἔσται κρίσις τοῦ π. [A al.] (8 a)	— 8. π. νῆπιον ἐπὶ τραγῶν ἀσπίδων . . . τὴν χεῖρα ἐπιβαλεῖ (10)	19. 19. καὶ τῇ π. [A δούλῃ σου] (1)
19. 19. B μετὰ τῶν π. [B -δων, A τοῖς δούλοις] σου (7)	34. 15. ἔσωσεν ἡ γῆ τὰ π. αὐτῆς μετὰ ἀσφαλείας + (8)	Ru. 2. 13. ὡς μία τῶν π. σου (4)
Ru. 4. 16. ἔλαβε N. τὸ π. (5 a)	38. 19. ἀπὸ γὰρ τῆς σήμερον παιδία ποιήσω (2)	4. 12. οὐ δώσει κ. σοὶ ἐκ τῆς π. ταύτης (3)
I Ki. 1. 2. ἦν τῇ Φ. παιδία (5 a)	46. 3. οἱ . . . παιδευόμενοι ἐκ [A ἀπὸ] παιδιῶν (9)	I Ki. 25. 41. ἡ δούλῃ σου εἰς παιδίσκην (4)
— 2. τῇ Ἄννᾳ οὐκ ἦν παῖδιον (5 a)	49. 15. μὴ ἐπιλήσεται γυνή [A μήτηρ] τοῦ π. αὐτῆς (8)	II Ki. 6. 20. ἐν ὀφθαλμοῖς παιδίσκων τῶν δούλων ἴαυ. (1)
— 6. οὐκ ἔδωκεν αὐτῇ κ. παῖδιον (5 a)	53. 2. ἀνηγγεῖλμεν ὡς π. ἐναντίον αὐτοῦ (4)	— 22. καὶ μετὰ τῶν π. ὧν εἶπας (1)
— 6. τοῦ μὴ δοῦναι αὐτῇ παῖδιον (5 a)	66. 8. ὠδινε καὶ ἔτεκε Σιών τὰ π. αὐτῆς (2)	17. 17. ἐπορεύθη ἡ π. (4)
17. 33. A παῖδιον [B -δარიον] εἰ σύ (6 a)	— 12. τὰ π. αὐτῶν ἐπ' ὁμων ἀρβήσονται + (8)	IV Ki. 5. 26. καὶ νῦν ἔλαβες . . . παιδίσκας (4)
21. 4 (5). A εἰ πεφυλαγμ. τὰ π. εἰσιν [B -δάρια ἔστι] (6 a)	Je. 38 (81). 20. ἐμοὶ π. ἐντρύφων (5 a)	I Es. 5. 1. οἱ παῖδες αὐτῶν καὶ αἱ π. (1)
— 5 (6). B γέγονε πάντα τὰ π. [A B -δάρια] ἡγνισμ. (6 a)	La. 4. 10. ἤψησαν τὰ π. αὐτῶν (5 a)	— 41. χωρὶς παιδῶν καὶ παιδίσκων (1)
II Ki. 6. 23. τῇ M. . . οὐκ ἐγένετο παῖδιον (5 a)	Ep. Je. 33. ἐνδύσουσι τὰς γυναῖκας αὐτῶν καὶ τὰ π. (5 a)	— 42. B παῖδες τούτων καὶ παιδίσκαι (1)
12. 15. ἔθραυσεν κ. τὸ π. [A -δარიον] (5 a)	Da. LXX. Su. 30. καὶ τὰ π. Σουάννας τίεσσαρ (1)	II Es. 2. 65. χωρὶς δούλων αὐ. καὶ παιδίσκων (1)
13. 32. A πάντα τὰ π. [B -δάρια] τοὺς υἱ. τοῦ βασι. ἐθανάτωσαν (6 a)	Bel 19. ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν καὶ παιδῶν (1)	Ne. 7. 67. παρέξ . . . παιδίσκων αὐτῶν (1)
III Ki. 8. 25. διέλετε τὸ π. τὸ ζῶν (5 a)	Da. TH. Bel 10. A χωρὶς γυναικῶν καὶ παιδῶν [B al.] (1)	To. 8. 7. ὑπὸ παιδίσκων πατρὸς αὐτῆς [B al.] (1)
— 26. ὅσος αὐτῇ τὸ π. (5 b)	— 20. ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν καὶ παιδῶν (1)	— 8. S εἶπεν αὐτῇ ἡ π. [A B al.] (1)
— 27. ὅσος τὸ π. τῇ εἰποῦσιν [A al.] (5 b)	II Ma. 8. 28. τὰ λοιπὰ αὐτοῖ καὶ τὰ π. ἐμερίσαντο (1)	8. 12. ἀπόστειλον μίαν τῶν π. (1)
II Ch. 20. 13. καὶ τὰ π. αὐ. καὶ αἱ γυναῖκες (8 + 2)	IV Ma. 4. 9. μετὰ γυναικῶν καὶ παιδῶν (1)	— 13. B ἀπέστειλαν τὴν π. (1)
To. 2. 2. S παῖδιον [A B om.], βιάζε (1)	— 25. περιέτεμον τὰ π. (1)	— 13. A εἰσῆλθεν ἡ π. [B om. ἡ π.] (1)
— 2. S προσμενῶ σε, παῖδιον [A B al.] (1)	[Aq. Ge. 4. 23: Ex. 1. 17, 18: Dt. 1. 39: (1)	— 14. S ἐξελθούσα ἡ π. [A B om. ἡ π.] (1)
— 3. S ἰδοὺ ἐγὼ, παῖδιον (1)	III Ki. 14. 3: Is. 8. 18: 9. 6 (5): 11. 7.] (1)	10. 11. S παῖδας καὶ παιδίσκας (1)
3. 15. οὐχ ὑπάρχει αὐτῷ π. [S al.] (1)	[Sm. Jb. 39. 3: Ps. 28 (29). 9 (P.): Is. 8. 18: 10. 19: 11. 7.] (1)	Ju. 8. 7. ὑπελείπετο αὐτῇ . . . παιδίσκας (1)
4. 3. A B παῖδιον, ἐὰν ἀποθῶν (1)	[Th. Ex. 1. 17, 18: Jb. 39. 3: Is. 8. 18: 11. 7.] (1)	10. 10. αὐτῇ καὶ ἡ π. αὐτῆς (1)
— 4. μνήσθητι, παῖδιον (1)	[Al. Ex. 2. 3.] (1)	11. 5. λαλῶσάω ἡ π. σου (1)
— 5. παῖδιον, κυρίου . . . μνημόνευε (1)	παιδιότης. (1) πῆλ (2) πῆλ (3) πῆλ (4)	— 6. ἐὰν κατακοινοῦσθης τοῖς λόγοις τῆς π. σου (1)
— 12. πρόσχε σεαυτῶ, παῖδιον (1)	παιδίσκη. (1) πῆλ (2) πῆλ (3) πῆλ (4)	12. 13. μὴ ὀκνησάτω δὴ ἡ π. ἡ καλὴ αὐτῇ (1)
— 12. μνήσθητι, παῖδιον (1)	(4) πῆλ (5) πῆλ (6) πῆλ (7) πῆλ (8) πῆλ (9) πῆλ (10) πῆλ (11) πῆλ (12) πῆλ (13) πῆλ (14) πῆλ (15) πῆλ (16) πῆλ (17) πῆλ (18) πῆλ (19) πῆλ (20) πῆλ (21) πῆλ (22) πῆλ (23) πῆλ (24) πῆλ (25) πῆλ (26) πῆλ (27) πῆλ (28) πῆλ (29) πῆλ (30) πῆλ (31) πῆλ (32) πῆλ (33) πῆλ (34) πῆλ (35) πῆλ (36) πῆλ (37) πῆλ (38) πῆλ (39) πῆλ (40) πῆλ (41) πῆλ (42) πῆλ (43) πῆλ (44) πῆλ (45) πῆλ (46) πῆλ (47) πῆλ (48) πῆλ (49) πῆλ (50) πῆλ (51) πῆλ (52) πῆλ (53) πῆλ (54) πῆλ (55) πῆλ (56) πῆλ (57) πῆλ (58) πῆλ (59) πῆλ (60) πῆλ (61) πῆλ (62) πῆλ (63) πῆλ (64) πῆλ (65) πῆλ (66) πῆλ (67) πῆλ (68) πῆλ (69) πῆλ (70) πῆλ (71) πῆλ (72) πῆλ (73) πῆλ (74) πῆλ (75) πῆλ (76) πῆλ (77) πῆλ (78) πῆλ (79) πῆλ (80) πῆλ (81) πῆλ (82) πῆλ (83) πῆλ (84) πῆλ (85) πῆλ (86) πῆλ (87) πῆλ (88) πῆλ (89) πῆλ (90) πῆλ (91) πῆλ (92) πῆλ (93) πῆλ (94) πῆλ (95) πῆλ (96) πῆλ (97) πῆλ (98) πῆλ (99) πῆλ (100) πῆλ (101) πῆλ (102) πῆλ (103) πῆλ (104) πῆλ (105) πῆλ (106) πῆλ (107) πῆλ (108) πῆλ (109) πῆλ (110) πῆλ (111) πῆλ (112) πῆλ (113) πῆλ (114) πῆλ (115) πῆλ (116) πῆλ (117) πῆλ (118) πῆλ (119) πῆλ (120) πῆλ (121) πῆλ (122) πῆλ (123) πῆλ (124) πῆλ (125) πῆλ (126) πῆλ (127) πῆλ (128) πῆλ (129) πῆλ (130) πῆλ (131) πῆλ (132) πῆλ (133) πῆλ (134) πῆλ (135) πῆλ (136) πῆλ (137) πῆλ (138) πῆλ (139) πῆλ (140) πῆλ (141) πῆλ (142) πῆλ (143) πῆλ (144) πῆλ (145) πῆλ (146) πῆλ (147) πῆλ (148) πῆλ (149) πῆλ (150) πῆλ (151) πῆλ (152) πῆλ (153) πῆλ (154) πῆλ (155) πῆλ (156) πῆλ (157) πῆλ (158) πῆλ (159) πῆλ (160) πῆλ (161) πῆλ (162) πῆλ (163) πῆλ (164) πῆλ (165) πῆλ (166) πῆλ (167) πῆλ (168) πῆλ (169) πῆλ (170) πῆλ (171) πῆλ (172) πῆλ (173) πῆλ (174) πῆλ (175) πῆλ (176) πῆλ (177) πῆλ (178) πῆλ (179) πῆλ (180) πῆλ (181) πῆλ (182) πῆλ (183) πῆλ (184) πῆλ (185) πῆλ (186) πῆλ (187) πῆλ (188) πῆλ (189) πῆλ (190) πῆλ (191) πῆλ (192) πῆλ (193) πῆλ (194) πῆλ (195) πῆλ (196) πῆλ (197) πῆλ (198) πῆλ (199) πῆλ (200) πῆλ (201) πῆλ (202) πῆλ (203) πῆλ (204) πῆλ (205) πῆλ (206) πῆλ (207) πῆλ (208) πῆλ (209) πῆλ (210) πῆλ (211) πῆλ (212) πῆλ (213) πῆλ (214) πῆλ (215) πῆλ (216) πῆλ (217) πῆλ (218) πῆλ (219) πῆλ (220) πῆλ (221) πῆλ (222) πῆλ (223) πῆλ (224) πῆλ (225) πῆλ (226) πῆλ (227) πῆλ (228) πῆλ (229) πῆλ (230) πῆλ (231) πῆλ (232) πῆλ (233) πῆλ (234) πῆλ (235) πῆλ (236) πῆλ (237) πῆλ (238) πῆλ (239) πῆλ (240) πῆλ (241) πῆλ (242) πῆλ (243) πῆλ (244) πῆλ (245) πῆλ (246) πῆλ (247) πῆλ (248) πῆλ (249) πῆλ (250) πῆλ (251) πῆλ (252) πῆλ (253) πῆλ (254) πῆλ (255) πῆλ (256) πῆλ (257) πῆλ (258) πῆλ (259) πῆλ (260) πῆλ (261) πῆλ (262) πῆλ (263) πῆλ (264) πῆλ (265) πῆλ (266) πῆλ (267) πῆλ (268) πῆλ (269) πῆλ (270) πῆλ (271) πῆλ (272) πῆλ (273) πῆλ (274) πῆλ (275) πῆλ (276) πῆλ (277) πῆλ (278) πῆλ (279) πῆλ (280) πῆλ (281) πῆλ (282) πῆλ (283) πῆλ (284) πῆλ (285) πῆλ (286) πῆλ (287) πῆλ (288) πῆλ (289) πῆλ (290) πῆλ (291) πῆλ (292) πῆλ (293) πῆλ (294) πῆλ (295) πῆλ (296) πῆλ (297) πῆλ (298) πῆλ (299) πῆλ (300) πῆλ (301) πῆλ (302) πῆλ (303) πῆλ (304) πῆλ (305) πῆλ (306) πῆλ (307) πῆλ (308) πῆλ (309) πῆλ (310) πῆλ (311) πῆλ (312) πῆλ (313) πῆλ (314) πῆλ (315) πῆλ (316) πῆλ (317) πῆλ (318) πῆλ (319) πῆλ (320) πῆλ (321) πῆλ (322) πῆλ (323) πῆλ (324) πῆλ (325) πῆλ (326) πῆλ (327) πῆλ (328) πῆλ (329) πῆλ (330) πῆλ (331) πῆλ (332) πῆλ (333) πῆλ (334) πῆλ (335) πῆλ (336) πῆλ (337) πῆλ (338) πῆλ (339) πῆλ (340) πῆλ (341) πῆλ (342) πῆλ (343) πῆλ (344) πῆλ (345) πῆλ (346) πῆλ (347) πῆλ (348) πῆλ (349) πῆλ (350) πῆλ (351) πῆλ (352) πῆλ (353) πῆλ (354) πῆλ (355) πῆλ (356) πῆλ (357) πῆλ (358) πῆλ (359) πῆλ (360) πῆλ (361) πῆλ (362) πῆλ (363) πῆλ (364) πῆλ (365) πῆλ (366) πῆλ (367) πῆλ (368) πῆλ (369) πῆλ (370) πῆλ (371) πῆλ (372) πῆλ (373) πῆλ (374) πῆλ (375) πῆλ (376) πῆλ (377) πῆλ (378) πῆλ (379) πῆλ (380) πῆλ (381) πῆλ (382) πῆλ (383) πῆλ (384) πῆλ (385) πῆλ (386) πῆλ (387) πῆλ (388) πῆλ (389) πῆλ (390) πῆλ (391) πῆλ (392) πῆλ (393) πῆλ (394) πῆλ (395) πῆλ (396) πῆλ (397) πῆλ (398) πῆλ (399) πῆλ (400) πῆλ (401) πῆλ (402) πῆλ (403) πῆλ (404) πῆλ (405) πῆλ (406) πῆλ (407) πῆλ (408) πῆλ (409) πῆλ (410) πῆλ (411) πῆλ (412) πῆλ (413) πῆλ (414) πῆλ (415) πῆλ (416) πῆλ (417) πῆλ (418) πῆλ (419) πῆλ (420) πῆλ (421) πῆλ (422) πῆλ (423) πῆλ (424) πῆλ (425) πῆλ (426) πῆλ (427) πῆλ (428) πῆλ (429) πῆλ (430) πῆλ (431) πῆλ (432) πῆλ (433) πῆλ (434) πῆλ (435) πῆλ (436) πῆλ (437) πῆλ (438) πῆλ (439) πῆλ (440) πῆλ (441) πῆλ (442) πῆλ (443) πῆλ (444) πῆλ (445) πῆλ (446) πῆλ (447) πῆλ (448) πῆλ (449) πῆλ (450) πῆλ (451) πῆλ (452) πῆλ (453) πῆλ (454) πῆλ (455) πῆλ (456) πῆλ (457) πῆλ (458) πῆλ (459) πῆλ (460) πῆλ (461) πῆλ (462) πῆλ (463) πῆλ (464) πῆλ (465) πῆλ (466) πῆλ (467) πῆλ (468) πῆλ (469) πῆλ (470) πῆλ (471) πῆλ (472) πῆλ (473) πῆλ (474) πῆλ (475) πῆλ (476) πῆλ (477) πῆλ (478) πῆλ (479) πῆλ (480) πῆλ (481) πῆλ (482) πῆλ (483) πῆλ (484) πῆλ (485) πῆλ (486) πῆλ (487) πῆλ (488) πῆλ (489) πῆλ (490) πῆλ (491) πῆλ (492) πῆλ (493) πῆλ (494) πῆλ (495) πῆλ (496) πῆλ (497) πῆλ (498) πῆλ (499) πῆλ (500) πῆλ (501) πῆλ (502) πῆλ (503) πῆλ (504) πῆλ (505) πῆλ (506) πῆλ (507) πῆλ (508) πῆλ (509) πῆλ (510) πῆλ (511) πῆλ (512) πῆλ (513) πῆλ (514) πῆλ (515) πῆλ (516) πῆλ (517) πῆλ (518) πῆλ (519) πῆλ (520) πῆλ (521) πῆλ (522) πῆλ (523) πῆλ (524) πῆλ (525) πῆλ (526) πῆλ (527) πῆλ (528) πῆλ (529) πῆλ (530) πῆλ (531) πῆλ (532) πῆλ (533) πῆλ (534) πῆλ (535) πῆλ (536) πῆλ (537) πῆλ (538) πῆλ (539) πῆλ (540) πῆλ (541) πῆλ (542) πῆλ (543) πῆλ (544) πῆλ (545) πῆλ (546) πῆλ (547) πῆλ (548) πῆλ (549) πῆλ (550) πῆλ (551) πῆλ (552) πῆλ (553) πῆλ (554) πῆλ (555) πῆλ (556) πῆλ (557) πῆλ (558) πῆλ (559) πῆλ (560) πῆλ (561) πῆλ (562) πῆλ (563) πῆλ (564) πῆλ (565) πῆλ (566) πῆλ (567) πῆλ (568) πῆλ (569) πῆλ (570) πῆλ (571) πῆλ (572) πῆλ (573) πῆλ (574) πῆλ (575) πῆλ (576) πῆλ (577) πῆλ (578) πῆλ (579) πῆλ (580) πῆλ (581) πῆλ (582) πῆλ (583) πῆλ (584) πῆλ (585) πῆλ (586) πῆλ (587) πῆλ (588) πῆλ (589) πῆλ (590) πῆλ (591) πῆλ (592) πῆλ (593) πῆλ (594) πῆλ (595) πῆλ (596) πῆλ (597) πῆλ (598) πῆλ (599) πῆλ (600) πῆλ (601) πῆλ (602) πῆλ (603) πῆλ (604) πῆλ (605) πῆλ (606) πῆλ (607) πῆλ (608) πῆλ (609) πῆλ (610) πῆλ (611) πῆλ (612) πῆλ (613) πῆλ (614) πῆλ (615) πῆλ (616) πῆλ (617) πῆλ (618) πῆλ (619) πῆλ (620) πῆλ (621) πῆλ (622) πῆλ (623) πῆλ (624) πῆλ (625) πῆλ (626) πῆλ (627) πῆλ (628) πῆλ (629) πῆλ (630) πῆλ (631) πῆλ (632) πῆλ (633) πῆλ (634) πῆλ (635) πῆλ (636) πῆλ (637) πῆλ (638) πῆλ (639) πῆλ (640) πῆλ (641) πῆλ (642) πῆλ (643) πῆλ (644) πῆλ (645) πῆλ (646) πῆλ (647) πῆλ (648) πῆλ (649) πῆλ (650) πῆλ (651) πῆλ (652) πῆλ (653) πῆλ (654) πῆλ (655) πῆλ (656) πῆλ (657) πῆλ (658) πῆλ (659) πῆλ (660) πῆλ (661) πῆλ (662) πῆλ (663) πῆλ (664) πῆλ (665) πῆλ (666) πῆλ (667) πῆλ (668) πῆλ (669) πῆλ (670) πῆλ (671) πῆλ (672) πῆλ (673) πῆλ (674) πῆλ (675) πῆλ (676) πῆλ (677) πῆλ (678) πῆλ (679) πῆλ (680) πῆλ (681) πῆλ (682) πῆλ (683) πῆλ (684) πῆλ (685) πῆλ (686) πῆλ (687) πῆλ (688) πῆλ (689) πῆλ (690) πῆλ (691) πῆλ (692) πῆλ (693) πῆλ (694) πῆλ (695) πῆλ (696) πῆλ (697) πῆλ (698) πῆλ (699) πῆλ (700) πῆλ (701) πῆλ (702) πῆλ (703) πῆλ (704) πῆλ (705) πῆλ (706) πῆλ (707) πῆλ (708) πῆλ (709) πῆλ (710) πῆλ (711) πῆλ (712) πῆλ (713) πῆλ (714) πῆλ (715) πῆλ (716) πῆλ (717) πῆλ (718) πῆλ (719) πῆλ (720) πῆλ (721) πῆλ (722) πῆλ (723) πῆλ (724) πῆλ (725) πῆλ (726) πῆλ (727) πῆλ (728) πῆλ (729) πῆλ (730) πῆλ (731) πῆλ (732) πῆλ (733) πῆλ (734) πῆλ (735) πῆλ (736) πῆλ (737) πῆλ (738) πῆλ (739) πῆλ (740) πῆλ (741) πῆλ (742) πῆλ (743) πῆλ (744) πῆλ (745) πῆλ (746) πῆλ (747) πῆλ (748) πῆλ (749) πῆλ (750) πῆλ (751) πῆλ (752) πῆλ (753) πῆλ (754) πῆλ (755) πῆλ (756) πῆλ (757) πῆλ (758) πῆλ (759) πῆλ (760) πῆλ (761) πῆλ (762) πῆλ (763) πῆλ (764) πῆλ (765) πῆλ (766) πῆλ (767) πῆλ (768) πῆλ (769) πῆλ (770) πῆλ (771) πῆλ (772) πῆλ (773) πῆλ (774) πῆλ (775) πῆλ (776) πῆλ (777) πῆλ (778) πῆλ (779) πῆλ (780) πῆλ (781) πῆλ (782) πῆλ (783) πῆλ (784) πῆλ (785) πῆλ (786) πῆλ (787) πῆλ (788) πῆλ (789) πῆλ (790) πῆλ (791) πῆλ (792) πῆλ (793) πῆλ (794) πῆλ (795) πῆλ (796) πῆλ (797) πῆλ (798) πῆλ (799) πῆλ (800) πῆλ (801) πῆλ (802) πῆλ (803) πῆλ (804) πῆλ (805) πῆλ (806) πῆλ (807) πῆλ (808) πῆλ (809) πῆλ (810) πῆλ (811) πῆλ (812) πῆλ (813) πῆλ (814) πῆλ (815) πῆλ (816) πῆλ (817) πῆλ (818) πῆλ (819) πῆλ (820) πῆλ (821) πῆλ (822) πῆλ (823) πῆλ (824	

II Ki. 14. 7. δὲ τὸν παῖσαντα τὸν ἀδ. αὐ. (5)	Ge. 24. 53. ἐξενέγκας ὁ π. σκεύη (9 α)	Nu. 32. 27. οἱ δὲ π. σου παρελεύσονται (9 α)
20. 10. ἔπαισεν αὐτὸν ἐν αὐτῇ (5)	— 57. καλῶσωμεν τὴν π. (8 α*, 8 β)	De. 5. 14 βίς. ὁ π. σου καὶ ἡ παιδίσκη σου (9 α)
III Ki. 18. 16. καὶ ἔπαισε τὸν βασ. (5)	— 59. ἐξέπεμψαν . . . τὸν π. τὸν Ἀβ. (9 α)	— 21 (18). οὕτε τὸν π. αὐ. οὕτε τὴν παιδίσκην αὐ. (9 α)
IV Ki. 9. 15. ὡν ἔπαισαν αὐτὸν (5)	— 61. ἀναλαβὼν ὁ π. τὴν Ῥεβ. (9 α)	12. 12. οἱ π. ὑμῶν καὶ αἱ παιδίσκαι ὑμῶν (9 α)
25. 21. ἔπαισαν αὐτοὺς Βασιλεὺς Βαβ. (5)	— 65. καὶ εἶπε τῷ π. (9 α)	— 18: 16, 11, 14. ὁ π. σου καὶ ἡ παιδίσκη σου (9 α)
Jb. 2. 7. ἔπαισε τὸν Ἰάββ ἔλκει ποτηρῷ (5)	— 65. εἶπε δὲ ὁ π. (9 α)	22. 15. λαβὼν ὁ πατήρ τῆς π. (8 α*, 8 β)
4. 19. ἔπαισεν αὐτοὺς σιγῆς τρόπος (2)	— 66. διηγῆσατο ὁ π. τῷ Ἰ. (9 α)	— 15. τὰ παρθένια τῆς π. (8 α*, 8 β)
5. 18. ἔπαισε καὶ αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἴσσαντο [Α. α.] (3)	26. 15. δ' ὠρυξαν οἱ π. τοῦ πατρὸς αὐ. (9 α)	— 16. ῥεῖ ὁ πατήρ τῆς π. (8 α*, 8 β)
10. 8. μετὰ ταῦτα μεταβαλὼν με ἔπαισας (1)	— 18. δ' ὠρυξαν οἱ π. Ἀβραάμ (9 α)	— 23. παῖς παρθένος μεμνηστευμένη ἀνδρὶ (8 α*, 8 β)
16. 11. ὅζει ἔπαισε με εἰς [Α. ἐπὶ] τὰ γόνατα (5)	— 19. ὠρυξαν δὲ οἱ π. Ἰσαάκ (9 α)	— 25. εἰς δὲ . . . εὐρῇ . . . τὴν π. τὴν μεμνη- (9 α)
Si. 47. 3. Β ἐν λέουσιν ἔπαισεν [Α. Β <sup>1</sup> -ζην, Β <sup>2</sup> Β-ζην] (9 α)	— 25. ὠρυξαν δὲ ἐκεῖ οἱ π. Ἰ. (9 α)	— 28. εἰς δὲ τις εὐρῇ τὴν π. τὴν παρθένον (8 α*, 8 β)
— 29. συνετρίβη γὰρ ὁ ζυγὸς τοῦ παίνοντος ὑμᾶς (9 α)	— 32. παραγενόμενοι οἱ π. Ἰσαάκ (9 α)	23. 15 (16). οὐ παραδόσεις παιδὰ τῷ κυρίῳ (9 α)
Je. 5. 6. ἔπαισεν αὐτοὺς λέων ἐκ τοῦ δρυμοῦ (5)	30. 43. παῖδες καὶ παιδίσκαι (9 α)	28. 68. εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (9 α)
14. 19. ἵνα τί ἔπαισας ἡμᾶς (5)	32. 4 (5). οὕτως λέγει ὁ π. σου Ἰ. (9 α)	Jo. 1. 7. καθὼς ἐνετείλατό σοι Μ. ὁ π. μου (9 α)
37 (30). 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἔπαισά σε (5)	— 5 (6). Β παῖδες [Α. βόες] καὶ παιδίσκαι (9 α)	— 13. δ' ἐνετείλατο ὑμῖν Μ. ὁ π. κυρίου (9 α)
La. 3. 30. δώσει τῷ παῖσιν αὐτὸν σιγαῖνα (5)	— 5 (6). ἵνα εὐρῇ ὁ π. σου χάριν (9 α)	7. 7. ἵνα τί διεβίβασεν ὁ π. σου τὸν λαὸν τ. (9 α)
Da. TH. 8. 7. ἔπαισε τὸν κρῖν (5)	— 10 (11). ἥς ἐποίησας τῷ π. σου (9 α)	9. 9. ἥκασιν οἱ π. σου (9 α)
[Sm. Nu. 24. 17.] (9 α)	— 16 (17). ἔδωκεν διὰ χειρὸς τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)	— 24. ὅσα συνέταξε . . . Μ. τῷ [Α. om.] π. αὐ. (9 α)
[Th. Jd. 14. 19.] (9 α)	— 16 (17). εἶπε δὲ τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)	10. 6. μὴ ἐκλύσῃς τὰς χ. σου ἀπὸ τῶν π. σου (9 α)
[Al. Nu. 22. 23.] (9 α)	— 18 (19). τοῦ π. σου Ἰακώβ (9 α)	11. 2. Μωυσῆς ὁ π. κυρίου (9 α)
παῖξιν. (1) 𐤓𐤁𐤏 pi. (2) 𐤓𐤏𐤏 pi. (3) 𐤓𐤏𐤏𐤏 pi. (9 α)	— 20 (21). ὁ π. σου Ἰ. παραγίνεται (9 α)	— 15. συνέταξε κ. τῷ Μ. τῷ π. αὐτοῦ (9 α)
Ge. 21. 9. τὸν υἱὸν Ἀγαρ . . . παῖζοντα μετὰ Ἰσ. (2)	33. 5. οἳς ἠλέησεν ὁ θ. τὸν π. σου (9 α)	12. 6: 13. 8. Μ. ὁ π. κυρίου (9 α)
26. 8. τὸν Ἰ. παῖζοντα μετὰ Ῥεβέκκας (5)	— 8. ἵνα εὐρῇ ὁ π. σου χάριν (9 α)	14. 7. Μ. ὁ π. τοῦ θ. [Α. Μ. δούλος κυρίου] (9 α)
Ex. 32. 6. καὶ ἀνέστησαν παῖξιν (2)	— 14. προεβέβα . . . ἐμπροσθεν τοῦ π. (9 α)	18. 7: 22. 2. 5. Μ. ὁ π. κυρίου (9 α)
Jd. 16. 25. παιζάτω ἐνώπιον ἡμῶν (5)	34. 4. Β λάβε μοι τὴν π. [Α. παιδίσκην] ταύτην (5 β)	Jd. 3. 24. οἱ π. αὐτοῦ ἐπῆλθον [Α. εἰσῆλ.] (9 α)
— 25. ἔπαιζεν ἐνώπιον αὐτῶν [Α. α.] (2)	— 12. δώσετέ μοι τὴν π. ταύτην (8 α*, 8 β)	16. 26. Α ὁ δὲ π. ἐποίησεν οὕτως (9 α)
I Ki. 18. 7. Α ἐξῆλθον αἱ γυναῖκες αἱ παῖζουσαι [Β. α.] (3)	39. 14. εἰσῆγαγεν ἡμῖν π. Ἑβραῖον (1)	19. 19. Β μετὰ τῶν π. [Β-δίων, Α τοῖς δού- (9 α)
II Ki. 2. 14. παιζάτωσαν ἐνώπιον ἡμῶν (3)	— 17. εἰσῆλθε πρὸς μὲ ὁ π. ὁ Ἑβρ. (9 α)	λοις] σου (9 α)
6. 5. παῖζοντες ἐνώπιον κυρίου (3)	— 19. οὕτως ἐποίησέ μοι ὁ π. σου (9 α)	Ru. 2. 6. ἡ π. ἡ Μωαβίτις ἐστίν (8 β)
— 21. παίζομαι καὶ ἀρχήσομαι (3)	40. 20. ἐποίησε πότον πᾶσι τοῖς π. αὐ. (9 α)	I Ki. 18. 15. εἶπαν οἱ π. Σ. [Α. αὐτοῦ] (9 α)
I Ch. 13. 8. Δ. καὶ πᾶς Ἰσρ. παῖζοντες (3)	— 20. ἐν μέσῳ τῶν π. αὐτοῦ (9 α)	— 17. εἶπε Σ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)
15. 29. εἶδε τὸν βασ. Δ. . . παῖζοντα (3)	41. 10. Φ. ὠργίσθη τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)	18. 22. ἐνετείλατο Σ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)
I Es. 5. 3. πάντες οἱ ἀδελφοὶ αὐτῶν παῖζοντες (9 α)	— 12. ἦν δὲ ἐκεῖ μεθ' ἡμῶν νεανίσκος π. Ἑβρ. (9 α)	— 22. πάντες οἱ π. αὐτοῦ ἀγκυρῶσι σε (9 α)
Jb. 40. 24 (29). παῖξεν δὲ ἐν [Α. καὶ ἐμπαίζει] (3)	— 37. ἐναντίον πάντων τῶν π. αὐτοῦ (9 α)	— 23. ἐλάλησαν οἱ π. Σ. (9 α)
— 24. ὡς περὶ ὀρνέφ (9 α)	— 38. εἶπε Φ. πᾶσι τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)	— 24. ἀπήγγειλαν οἱ π. Σ. αὐτῷ (9 α)
Pr. 26. 19. παῖζων ἔπραξα (3)	42. 10. οἱ π. σου ἤλθομεν (9 α)	— 26. ἀπαγγέλλουσιν οἱ π. Σ. τῷ Δ. (9 α)
Si. 35. (32). 12. ἐκεῖ παῖξε (9 α)	— 11. οὐκ εἰσιν οἱ π. σου κατάσκοποι (9 α)	19. 1. ἐλάλησε . . . πρὸς πάντας τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)
47. 3. Α <sup>1</sup> ἐν λέουσιν ἔπαιζεν [Β <sup>2</sup> Β-ζην, Β-σεν] (9 α)	— 13. δώδεκα ἔσμεν οἱ π. σου ἀδελφοί (9 α)	21. 11 (12). εἶπαν οἱ π. Ἀ. πρὸς αὐτὸν (9 α)
— 29. ἐν ἐρίφοις (9 α)	43. 18. τοὺ λαβεῖν ἡμᾶς εἰς παῖδας (9 α)	— 14 (15). εἶπεν Ἀ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)
Za. 8. 5. πληθύνονται . . . κορασίδων παῖζόντων (3)	— 28. ὑγιαίνει ὁ π. σου (9 α)	22. 6. πάντες οἱ π. αὐ. παριστήκεισαν αὐτῷ (9 α)
Is. 3. 16. τοῖς ποσὶν ἄμα παῖζουσαι (1)	44. 7. μὴ γένοιτο τοῖς π. σου (9 α)	— 7. εἶπε Σ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)
Je. 15. 17. οὐκ ἐκάθισα ἐν συνεδρίῳ αὐτῶν παι- (9 α)	— 9. τὸ κόνδυ τῶν π. σου (9 α)	— 17. οὐκ ἐβουλήθησαν οἱ π. τοῦ βασ. (9 α)
— 27. ὁ δὲ π. σου (9 α)	— 10. ἐσόμεθα παῖδες τῷ κυρίῳ ἡμῶν (9 α)	25. 8. Α ὁ δὲ εὐρῇ ἡ χεῖρ σου τοῖς π. σου (9 α)
37 (30). 19. ἐξελεύσονται ἀπ' αὐτῶν ἄδοντες (9 α)	— 16. τὴν ἀδικίαν τῶν π. σου (9 α)	[B om. τ. π. σ.] (9 α)
— 20. φωνὴ παῖζόντων (9 α)	— 17. αὐτοὶ ἔσται μου π. (9 α)	— 10. ἀπεκρίθη Ν. τοῖς π. Δ. (9 α)
88 (31). 4. ἐξελεύσθη μετὰ συναγωγῆς παῖζόντων (3)	— 18. λαλῆσάτω ὁ π. σου ῥῆμα (9 α)	— 40. ἦλθον οἱ π. Δ. πρὸς Ἀβ. (9 α)
[Aq., Sm. I Ki. 18. 7: Pr. 8. 30: Je. 15. 17.] (9 α)	— 19. μὴ θυμώθῃς τῷ π. σου (9 α)	— 41. νῖψαι πόδας τῶν π. σου (9 α)
[Th. I Ki. 18. 7: Pr. 8. 30.] (9 α)	— 20. σὺ δὲ εἶπας τοῖς π. σου (9 α)	— 42. ἐπορεύθη ὁπίω τῶν π. Δ. (7)
παῖς. (1) 𐤓𐤁𐤏 (2) 𐤓𐤏𐤏 (3) 𐤓𐤏𐤏𐤏 (4) 𐤓𐤏𐤏𐤏𐤏 (9 α)	— 21. εἶπας δὲ τοῖς π. σου (9 α)	28. 7. εἶπε Σ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)
(5) α. 𐤓𐤁𐤏 δ. 𐤓𐤏𐤏 (6) 𐤓𐤏𐤏𐤏 (7) 𐤓𐤏𐤏𐤏𐤏 (9 α)	— 24. ἦν καὶ εἶπας τοῖς π. σου (9 α)	— 7. εἶπαν οἱ π. αὐτοῦ πρὸς αὐτόν (9 α)
(8) α. 𐤓𐤁𐤏 δ. 𐤓𐤏𐤏𐤏 c. 𐤓𐤏𐤏𐤏𐤏 d. 𐤓𐤏𐤏𐤏𐤏 (9 α)	— 27. εἶπε δὲ ὁ π. σου (9 α)	— 23. παρβιάζοντο ἄλλοι οἱ π. αὐ. (9 α)
(9) α. 𐤓𐤁𐤏 δ. 𐤓𐤏𐤏𐤏 (10) 𐤓𐤏𐤏𐤏𐤏 (9 α)	— 30. εἰς δὲ ἱστορεῖται πρὸς τὸν π. σου (9 α)	— 25. προσήγαγεν . . . ἐνώπιον τῶν π. αὐ. (9 α)
Ge. 9. 25. ἐπικατάρατος Χαναὰν παῖς (9 α)	— 31. κατὰξουσιν οἱ π. σου τὸ γῆρας τοῦ π. σου (9 α, 9 α)	29. 10. καὶ οἱ π. τοῦ κ. σου (9 α)
— 26. Β <sup>2</sup> ἔσται Χαν. παῖς οἰκῆτης [Α. om.] αὐτοῦ (9 α)	— 32. ὁ γὰρ π. σου ἐκδέκεται τὸ παιδίον (9 α)	II Ki. 2. 12. καὶ οἱ π. Ἰεβ. υἱοῦ Σ. (9 α)
— 27. γεννητῶν Χαν. παῖς αὐτοῦ (9 α)	— 33. παραμενῶν σοι παῖς ἀντὶ τοῦ παιδίου (9 α)	— 13. οἱ π. Δ. ἐξῆλθον ἐκ Χ. (9 α)
12. 16. καὶ παῖδες καὶ παιδίσκαι (9 α)	46. 34. ἀνδρες κτηνοτρ. ἐσμέν οἱ π. σου ἐκ παιδός (9 α, 8 c)	— 15. παρῆλθον . . . τῶν π. Βεν. (8)
14. 15. Β αὐτὸς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)	47. 3. ποιμένες προβάτων οἱ π. σου (9 α)	— 15. καὶ δώδεκα ἐκ τῶν π. Δ. (9 α)
18. 3. μὴ παρέλθῃς τὸν π. σου (9 α)	— 4. τοῖς κτήρεσι τῶν π. σου (9 α)	— 17. ἐνώπιον παιδῶν [Α. τῶν π.] Δ. (9 α)
— 5. ἐξεκλινάτε πρὸς τὸν π. ὑμῶν (9 α)	— 4. Α κατοικήσωμεν οἱ π. σου [B om. οἱ π. σ.] (9 α)	— 30. ἐπισκέπησαν τῶν π. Δ. (9 α)
— 7. καὶ ἔδοκε τῷ π. (8 α)	— 19. ἐσόμεθα ἡμῖς . . . παῖδες Φαραῶ (9 α)	— 31. οἱ π. Δ. ἐπάταξαν (9 α)
— 17. μὴ κρῖνῃς ἐγὼ ἀπὸ Ἀβ. τοῦ π. μου (9 α)	— 21. κατεδουλώσαντο . . . εἰς παῖδας (9 α)	3. 22. οἱ π. Δ. καὶ Ἰ. παραγίνονται (9 α)
19. 2. πρὸς τὸν οἶκόν τοῦ π. ὑμῶν (9 α)	— 25. ἐσόμεθα π. τῷ Φαραῶ (9 α)	— 34. Α οἱ π. [B πόδες] σου οὐκ ἐν πείδαις (9 α)
— 19. εἰσὶν οἱ π. σου ἔλκος (9 α)	50. 2. προσέταξεν Ἰ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)	— 38. εἶπεν ὁ βασ. πρὸς τοὺς π. αὐ. (9 α)
20. 8. ἐκάλεσε πάντας τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)	— 7. πάντες οἱ π. Φαραῶ (9 α)	8. 7. ἐπὶ τῶν π. τῶν Ἀδρ. (9 α)
— 14. καὶ παῖδας καὶ παιδίσκας (9 α)	Ex. 5. 16. οἱ π. σου μαμαστῶνται (9 α)	9. 2. ἐκ τοῦ οἴκου Σ. παῖς ἦν (9 α)
21. 25. ὡν ἀπέθανον οἱ π. τοῦ Ἀβιμ. (9 α)	11. 8. καταβήσονται πάντες οἱ π. σου (9 α)	10. 2. παρεγέγοντο οἱ π. Δ. εἰς τὴν γῆν υἱῶν Ἀ. (9 α)
22. 3. παρῆλθεν δὲ . . . δύο παῖδας (9 α)	20. 10. ὁ π. σου καὶ ἡ παιδίσκη σου (9 α)	— 3. ἀπέστειλε Δ. τοὺς π. αὐτοῦ πρὸς σέ (9 α)
— 5. εἶπεν Ἀβ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)	— 17. οὐδὲ τὸν π. αὐτοῦ (9 α)	— 4. ἔλαβεν Ἀ. τοὺς π. Δ. (9 α)
— 19. ἀπεστρίφη δὲ Ἀβ. πρὸς τοὺς π. αὐ. (9 α)	21. 2. εἰς δὲ κτήρη παιδὰ Ἑβρ. (9 α)	11. 1. ἀπέστειλε Δ. τὸν Ἰ. καὶ τοὺς π. αὐ. (9 α)
24. 2. εἶπεν Ἀβ. τῷ π. αὐτοῦ (9 α)	— 5. εἰς δὲ ἀποκριθεὶς εἶπε ὁ π. (9 α)	— 24. ἐτόξευσαν . . . πρὸς τοὺς π. σου (9 α)
— 5. εἶπε δὲ πρὸς αὐτὸν ὁ π. (9 α)	— 20. εἰς δὲ τις πατάξῃ τὸν π. αὐτοῦ (9 α)	— 24. ἀπέθανον τὸν π. τοῦ βασ. (9 α)
— 9. ἔθηκεν ὁ π. τὴν χεῖρα αὐ. ὑπὸ τὸν μηρὸν (9 α)	— 32. εἰς δὲ παιδὰ κερατιστὴ τ' αὐτοῦ (9 α)	12. 19. οἱ π. αὐτοῦ ψυβυρίζουσι (9 α)
10. ἔλαβεν ὁ π. δέκα καμήλους (9 α)	Le. 25. 6. βρώματα σοὶ καὶ τῷ π. σου (9 α)	— 19. εἶπε Δ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)
— 14. ταύτην ἡτοίμασας τῷ π. σου (9 α)	— 44. παῖς καὶ παιδίσκη ὅσοι ἀν' ἐγένονταί σοι (9 α)	— 21. εἶπαν οἱ π. αὐτοῦ πρὸς αὐτόν (9 α)
— 17. ἐπέδραμε δὲ ὁ π. (9 α)	— 55. παῖδες μου οὗτοί εἰσιν (9 α)	18. 24. ὁ βασ. καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)
— 28. δραμόντα ἡ π. (8 α*, 8 β)	Nu. 14. 24. ὁ δὲ π. μου Χάλεβ (9 α)	— 31. 36. καὶ πάντες οἱ π. αὐτοῦ (9 α)
— 34. παῖς Ἀβραάμ ἐγὼ εἰμι (9 α)	22. 22. καὶ οἱ [B' om.] δύο π. αὐ. μετ' αὐτοῦ (9 α)	14. 30. εἶπεν Ἀβ. πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)
— 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . παῖδας (9 α)	31. 49. οἱ π. σου ἐλθῶσιν τὸ κεφάλαιον (9 α)	— 30. ἐνέπρησαν αὐτὰς οἱ π. τοῦ βασ. (9 α)
— 52. ἐν τῷ ἀκούσαι τὸν π. τὸν Ἀβ. (9 α)	32. 4. τοῖς π. σου κτήρη ὑπάρχει (9 α)	— 31. ἵνα τί ἐνεπύρισαν οἱ π. σου (9 α)
	— 5. Α δοθήτω ἡ γῇ αὐτῇ τοῖς π. [B οἰκέταις] σου (9 α)	15. 14. εἶπε Δ. πᾶσι τοῖς π. αὐ. (9 α)
	— 25. οἱ π. σου ποιήσουσι (9 α)	— 15. εἶπον οἱ π. τοῦ βασ. (9 α)
		— 17. ὁ βασ. καὶ πάντες οἱ π. αὐτοῦ (10)

II Ki. 16. 18. καὶ πάντες οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 22. καὶ πάντες οἱ π. αὐ. (3)  
 — 34. παῖς σου εἰμι (9 α)  
 — 34. παῖς τοῦ πατρός σου ἦμην τότε (9 α)  
 18. 6. καὶ πάντας τοὺς π. τοῦ βασιλ. Δ. (9 α)  
 — 11. καὶ πρὸς πάντας τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 17. 20. ἦλθον οἱ π. Ἀβ. (9 α)  
 18. 7. 9. ἐνώπιον τῶν π. Δαυὶδ (9 α)  
 19. 6 (7). οὐκ εἰσὶν οἱ ἀρχόντες σου οὐδὲ παῖδες (9 α)  
 — 19 (20). ὅσα ἠδίκησεν ὁ π. σου (9 α)  
 — 26 (27). εἶπεν ὁ π. σου αὐτῷ (9 α)  
 20. 6. λάβε . . . τοὺς π. τοῦ κυρίου σου (9 α)  
 21. 15. κατέβη Δ. καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 24. 20. τὸν βασιλ. καὶ τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 III Ki. 1. 2. εἶπον οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 9. ἐκάλεσε . . . παῖδας τοῦ βασιλ. (9 α)  
 8. 15. καὶ πᾶσι τοῖς π. ἐαυτοῦ (9 α)  
 6. 1 (15). ἀπέστειλε Χ. . . τοὺς π. αὐ. (9 α)  
 9. 27. ἐν τῇ νηὶ τῶν π. αὐτοῦ . . . μετὰ τῶν π. Σαλ. (9 α, 9 α)  
 10. 5. καὶ τὴν καθέδραν παίδων [Δ τῶν π.] αὐ. (9 α)  
 — 8. μακάριοι οἱ π. σου οὗτοι (9 α)  
 — 13. καὶ πῦντες οἱ π. αὐτῆς (9 α)  
 — 22 (B); 9. 22 (A). καὶ παῖδες αὐ. καὶ ἀρχόντες (9 α)  
 11. 17. πάντες . . . τῶν π. τοῦ πατρός αὐτοῦ (9 α)  
 14. 3. Ἀ τί ἐστὶ τῷ π. (9 α)  
 — 26. εἰ χεῖρες τῶν π. Ἀδρ. —  
 15. 18. εἰς χεῖρας παίδων αὐτοῦ (9 α)  
 16. 9. Ἀ συνίστασιν . . . π. αὐτοῦ [B om. π. αὐ. Z. (9 α)  
 — 28 (22. 49 [50]). Β ἐξαποστελῶ τοὺς π. σου (9 α)  
 21 (20). 6. ἀποστείλω τοὺς π. μου πρὸς σέ (9 α)  
 — 6. ἐρηνήσουσι . . . τοὺς οἴκους τῶν π. σου (9 α)  
 — 12. εἶπε τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 15. Ἀ ἐπεσκέψατο τοὺς π. τῶν ἀρχόντων [B al.] (8 α)  
 — 23. καὶ οἱ π. βασιλέως Συρίας (9 α)  
 — 31. εἶπε τοῖς π. αὐτοῦ [A al.] (9 α)  
 22. 3. εἶπε . . . πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 IV Ki. 2. 16. μετὰ τῶν π. σου πενήτη. ἄνδρες (9 α)  
 — 24. ἀνέρρηξαν . . . τεσσαρὰ καὶ δύο παῖδας (5 α)  
 3. 11. ἀπεκρίθη εἰς τῶν π. (9 α)  
 5. 13. ἤγγισαν οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 26. καὶ νῦν ἔλαβες . . . παῖδας (9 α)  
 6. 8. ἐβουλεύσαντο πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 11. ἐκάλεσε τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 12. εἶπεν εἰς τῶν π. αὐτοῦ (9 α)  
 7. 12. εἶπε πρὸς τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 13. ἀπεκρίθη εἰς τῶν π. αὐτοῦ (9 α)  
 9. 11. ἐξῆλθε πρὸς τοὺς π. τοῦ κυρίου αὐτοῦ (9 α)  
 — 28. ἐπιβίβασαν αὐτὸν οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 10. 5. παῖδες σου ἡμίεις (9 α)  
 18. 26. λάλησον δὴ πρὸς τοὺς π. σου (9 α)  
 19. 5. ἦλθον ὁ π. τοῦ βασιλ. (9 α)  
 21. 23. συνεστράφησαν οἱ π. Ἀ. πρὸς αὐτὸν (9 α)  
 22. 30. ἐπεβίβασαν αὐτὸν οἱ π. αὐ. νεκρὸν (9 α)  
 24. 11. οἱ π. αὐτοῦ ἐπολιόκρουν ἐπ' αὐτήν (9 α)  
 — 12. αὐτὸς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 I Ch. 2. 34. καὶ τῷ Σ. π. Αἰγύπτιος (9 α)  
 — 35. ἔδωκε Σ. τὴν θυγ. αὐ. τῷ Ἰ. π. αὐ. (9 α)  
 6. 49 (34). Μωσῆς π. τοῦ θεοῦ (9 α)  
 16. 13. σπέρμα Ἰσρ. παῖδες αὐτοῦ (9 α)  
 17. 4. Ἀ Β ἐλθὼν πρὸς Δ. τὸν π. [B δουλὸν] μου (9 α)  
 — 17. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ π. σου (9 α)  
 — 23. ὃν ἐλάλησας πρὸς τὸν π. σου (9 α)  
 — 24. οἶκος Δ. παῖδός σου ἀνωμαλόμενος (9 α)  
 — 25. ἤνοιξας τὸ οὖς τοῦ π. σου (9 α)  
 — 25. εὐρεν ὁ π. σου τὸν προσεύχασθαι (9 α)  
 — 27. τοῦ εὐλογῆσαι τὸν οἶκον τοῦ π. σου (9 α)  
 18. 2. ἦσαν Μ. παῖδες τῷ Δ. (9 α)  
 — 6. ἦσαν τῷ Δ. εἰς παῖδας (9 α)  
 — 7. οἱ ἦσαν ἐπὶ τοῖς π. Ἀδρ. (9 α)  
 — 13. ἦσαν πάντες οἱ Ἰδουμ. παῖδες Δ. (9 α)  
 19. 2. ἦλθον παῖδες Δ. εἰς γῆν υἰὸν Ἀ. (9 α)  
 — 3. ἦλθον παῖδες αὐτοῦ πρὸς σέ (9 α)  
 — 4. ἔλαβεν Ἀ. τοὺς π. Δ. (9 α)  
 — 19. εἶδον παῖδες Ἀδρ. (9 α)  
 20. 3. Β οὕτως ἐποίησε Δ. τοῖς π. [A B πᾶσιν] + (9 α)  
 — 8. ἔπεισον . . . ἐν χειρὶ παίδων αὐ. (9 α)  
 21. 3. πάντες τῷ κυρίῳ μου παῖδες (9 α)  
 — 8. περίελε δὴ τὴν κακίαν παίδος σου (9 α)  
 22. 17. Ἀ Β ἐνετείλατο Δ. τοῖς π. [B πᾶσιν] + (9 α)  
 II Ch. 1. 3. ἦν ἐποίησε Μ. παῖς κυρίου (9 α)  
 2. 8 (7). οἱ π. σου μετὰ τῶν π. μου πορεύονται (9 α, 9 α)

II Ch. 2. 10 (9). δέδωκα σίτον εἰς δόματα τοῖς π. σου (9 α)  
 — 13 (12). Ἀ Β' ἀπέσταλκά μοι . . . Χ. τὸν π. [B' B πατέρας] μου + (9 α)  
 — 15 (14). ἀποστείλω τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 8. 14. φυλάσσω . . . τὸ ἔλεος τοῖς π. σου (9 α)  
 — 15. ἐφύλαξας τῷ π. σου Δ. (9 α)  
 — 16. φυλάξον τῷ π. [A' τὸν π.] σου (9 α)  
 — 17. δ ἐλάλησας τῷ π. σου (9 α)  
 — 19. ἐπὶ τὴν προσηυχὴν παίδος σου (9 α)  
 — 19 (A B' R). 20. ἦς ὁ π. σου προσεύχεται (9 α)  
 — 21. ἀκούση τῆς δεήσεως τοῦ π. σου (9 α)  
 — 27. ἴδωσ' ἔσταις ἀμαρτ. τῶν [B' αὐτῶν] π. (9 α)  
 8. 9. οὐκ ἔδωκε Σαλ. εἰς παῖδας (9 α)  
 — 18. ἀπέστειλε Χ. ἐν χειρὶ παίδων αὐ. . . π. εἰδότες θάλασσαν (9 α, 9 α)  
 — 18. ὄχλον μετὰ τῶν π. Σ. (9 α)  
 9. 4. καὶ καθέδραν παίδων αὐτοῦ (9 α)  
 7. μακάριοι οἱ π. σου οὗτοι (9 α)  
 — 10. οἱ π. Σ. καὶ οἱ π. Χ. ἔφερον χρυσίον (9 α, 9 α)  
 — 21. ἐπορεύετο . . . μετὰ τῶν π. Χ. (9 α)  
 10. 7. ἔσονται σοὶ παῖδες (9 α)  
 12. 8. ἔσονται εἰς παῖδας (9 α)  
 13. 6. ἀνέστη Ἰερ. . . ὁ π. Σαλ. (9 α)  
 24. 9. κηθὼς εἶπε Μωσῆς π. τοῦ θ. (9 α)  
 — 25. ἐπέθεντο αὐτῷ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 25. 3. ἐθανάτωσε τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 32. 9. ἀπέστειλε . . . τοὺς π. ἐαυ. (9 α)  
 — 16. ἐλάλησον παῖδας αὐ. ἐπὶ κ. θεὸν καὶ ἐπὶ Ἐξ. παῖδα αὐτοῦ (9 α, 9 α)  
 33. 24. ἐπέθεντο αὐτῷ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 34. 16. ἐν χειρὶ τῶν π. σου τῶν ποιούντων (9 α)  
 — 20. ἐνετείλατο . . . τῷ Ἀ. παιδί τοῦ βασιλ. (9 α)  
 35. 23. εἶπεν ὁ βασιλ. τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 24. ἐξήγαγον αὐτὸν οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 36. 5. ἐν χειρὶ τῶν π. αὐτοῦ —  
 I Es. 1. 30. εἶπεν ὁ βασιλ. τοῖς π. ἐαυτοῦ (9 α)  
 — 30. ἀπέστειλον αὐτὸν οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 57. ἦσαν παῖδες αὐτῷ (9 α)  
 2. 17. βισσὶν εἶπ' Ἀρτ. κυρίῳ οἱ π. σου (9 α)  
 5. 1. οἱ π. αὐτῶν καὶ αἱ παιδίσκαι (9 α)  
 — 33. υἱοὶ παίδων Σαλωμῶν (9 α)  
 — 35. καὶ οἱ υἱοὶ τῶν π. Σαλ. (9 α)  
 — 41. χωρὶς παίδων καὶ παιδίσκων (9 α)  
 42. B παῖδες τούτων καὶ παιδίσκαι (9 α)  
 6. 13. ἐσμέν παῖδες τοῦ κυρίου (9 α)  
 — 27. ἔσας δὲ τὸν π. κυρίου Ζορ. (9 α)  
 — 31. ὑπὲρ τοῦ βασιλ. καὶ τῶν π. (9 α)  
 8. 82. ἐν χειρὶ τῶν π. σου τῶν προφητῶν (9 α)  
 II Es. 4. 11. παῖδός σου ἄνδρες πέραν τοῦ ποτ. (9 α)  
 Ne. 1. 7. δ ἐνετείλατο τῷ Μ. παιδί σου (9 α)  
 — 8. ὃν ἐνετείλατο τῷ Μ. παιδί σου (9 α)  
 — 10. καὶ αὐτοὶ παῖδες σου (9 α)  
 — 11. εἰς τὴν προσευχὴν παίδων σου (9 α)  
 — 11. ἐνδόξωσον δὴ τῷ π. σου (9 α)  
 2. 5. εἰ ἀγαθυνθήσεται ὁ π. σου (9 α)  
 6. 5. ἀπέστειλε . . . τὸν π. αὐ. (8 α)  
 9. 10. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς π. αὐτοῦ (9 α)  
 To. 7. 9. B εἶπεν τῷ π. [A B al.] (9 α)  
 9. 2. λάβε μετὰ σεαυτοῦ παῖδα [B al.] (9 α)  
 10. 11. B παῖδας καὶ παιδίσκας (9 α)  
 11. 5. περιβλεπομένη εἰς τὴν ὁδὸν τὸν π. αὐ. [B al.] (9 α)  
 Ju. 3. 2. B ἡμεῖς οἱ π. σου π. [A B om. σ. π.] Ναβ. (9 α)  
 7. 12. ἐπικρατήσαντων οἱ π. σου τῆς γηγῆς (9 α)  
 8. 7. ὑπελείπετο αὐτῷ . . . παῖδας (9 α)  
 16. 12. ὡς παῖδας [A -es] αὐτομολούντων ἐτίρωσκον (9 α)  
 Es. 2. 7. ἦν ὑποταγ. βρεπτή —  
 6. 8. ἐνεγκάτωσαν οἱ π. τοῦ βασιλ. [A -κάτω] στολήν —  
 7. 4. ἐπαράθημεν . . . εἰς παῖδας (9 α)  
 Jb. 1. 8. προσέσχες τῇ διανοίᾳ σου κατὰ τοῦ π. [A θεράποντός] μου ἰώβ (9 α)  
 — 15. 17. τοὺς π. ἀπέκτειναν ἐν μαχαίραις [A al.] (8 α)  
 4. 18. εἰ κατὰ παῖδων αὐτοῦ οὐ πιστεύει (9 α)  
 29. 5. κύκλω δέ μου οἱ π. (8 α)  
 42. 8. Ἀ πορεύθητε πρὸς τὸν π. [B θεράποντά] μου ἰώβ (9 α)  
 Ps. 17 (18). τί. εἰς τὸ τέλος τῷ π. κυρίῳ τῷ Δαυὶδ (9 α)  
 68 (69). 17. B'SR μὴ ἀποστρέψης τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ τοῦ π. σου (9 α)  
 85 (86). 16. δὸς τὸ κράτος σου τῷ π. σου (9 α)  
 112 (113). 1. αἰνέγει παῖδες κυρίου (9 α)  
 Pr. 1. 4. παιδί δὲ νέφ' αἰσθήσῃν τε καὶ ἔννοιαν (9 α)  
 4. 1. ἀκούσατε παῖδες παιδείαν πατρός (8 α)  
 19. 14. οἶκον καὶ ὑπαρεῖν μερίζουσι πατέρες παῖσι —

Pr. 19. 28. ὁ ἐγγνώμενος παῖδα ἄφροντα καθυβρίζει δικαίωμα —  
 20. 7. μακάριους τοὺς π. αὐτοῦ καταλείψει (3)  
 29. 15. παῖς δὲ πλανώμενος αἰσχύνην γονεῖς αὐτοῦ (8 α)  
 — 21. δε κατασπαταλῶ ἐκ παιδὸς οἰκίαν ἐστὶν (8 α)  
 Ec. 4. 13. ἀγαθὸς παῖς πῆνης καὶ σοφός (5 α)  
 Wi. 2. 13. παῖδα κυρίου ἐαυτὸν ὀνομάζει (9 α)  
 8. 19. παῖς δὲ ἦμην εὐφρῆς  
 9. 4. μὴ με ἀποδοκιμάσῃς ἐκ παίδων σου  
 12. 7. ἴνα [B' κατὰ] ἀξίαν ἀποικίαν δέξῃται θεοῦ παίδων  
 — 20. εἰ γὰρ ἐχθροὺς παίδων σου . . . μετὰ τοσαύτης ἐτιμώρησας [A -σω] προσοχῇς  
 — 25. ὡς παῖσιν ἀλογίστους τὴν κρίσιν εἰς ἐμπαιγμὸν ἔπειψας  
 18. 9. κρυφῇ γὰρ ἐθυσίαζον ὅσοι [A om.] παῖδες ἀγαθῶν  
 — 10. οἰκτρά διεφέροτο [A -έμετο] θρηνημένον [A B φωνῇ θρ.] παίδων  
 19. 6. ἴνα οἱ σοὶ π. φυλαχθῶσιν ἀθλαβεῖς  
 Si. 6. 29. Ἀ ἔσονται σοὶ αἱ παῖδες [?, B B πέδαι] εἰς σκέπην ἰσχύος  
 30. 34 (33. 25). ἐργασίαν ἐν παιδί  
 Is. 20. 3. πεπύρενται ὁ π. μου Ἡσαίας γυμνός (9 α)  
 22. 20. καλίσω τὸν π. μου Ἑλιακίμ (9 α)  
 24. 2. ὁ π. ὡς ὁ κύριος (9 α)  
 36. 11. λάλησον πρὸς τοὺς π. σου Συριστί (9 α)  
 37. 5. ἦλθον οἱ π. τοῦ βασιλ. Ἐξ. πρὸς Ἡσαίαν (9 α)  
 — 35. δι' ἐμὲ καὶ διὰ Δαυὶδ τὸν π. μου (9 α)  
 41. 8. σὺ δὲ Ἰσραὴλ π. μου Ἰακώβ (9 α)  
 — 9. π. μου εἰ (9 α)  
 42. 1. Ἰακώβ ὁ π. μου (9 α)  
 — 19. τίς τυφλὸς δὴλ' ἦ οἱ π. μου (9 α)  
 — 23. B' εἰσακούσατε τῆς φωνῆς τοῦ π. αὐ. [A B B' al.] —  
 43. 10. ἐγὼ μίρτυς . . . καὶ ὁ π. ἐν ἐξέλεξίμην (9 α)  
 44. 1. ἀκούσον Ἰακώβ ὁ [A B om.] π. μου (9 α)  
 — 2. μὴ φοβοῦ, π. μου Ἰακώβ (9 α)  
 — 21. π. μου εἰ σὺ, ἐπλάσθαι σε παῖδα μου (9 α, 9 α)  
 — 26. ἰσθῶν ῥήματα παιδὸς [A -ων] αὐ. (9 α)  
 45. 4. ἐνεκεν τοῦ π. μου Ἰακώβ . . . καλίσω σε (9 α)  
 49. 6. μέγα σοὶ ἐστὶ τοῦ κληθῆναι σε παῖδα μου (9 α)  
 50. 10. ὑπακούσατέ [A ἀκ., B ἐπ.] τῆς φωνῆς τοῦ π. αὐτοῦ (9 α)  
 52. 13. συνήσει ὁ π. μου (9 α)  
 Je. 21. 7. ὥσω τὸν Σεδ. βασιλέα Ἰ. καὶ τοὺς π. αὐ. . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐ. (9 α)  
 22. 2. B' σὺ καὶ οἱ π. καὶ ὁ οἶκός σου [A B B' al.] (9 α)  
 — 4. καὶ οἱ π. αὐτῶν καὶ ὁ λαὸς αὐτῶν (9 α)  
 26 (46). 28. μὴ φοβοῦ, π. μου Ἰακώβ (9 α)  
 32 (25). 19. τὸν Φ. βασιλέα Αἰγ. καὶ τοὺς π. αὐτοῦ (9 α)  
 33 (28). 5. εἰσακούειν τῶν λόγων [A add. μου καὶ] τῶν π. μου (9 α)  
 41 (34). 9. τοῦ ἐξαποστεῖλαι ἕκαστον τὸν π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 10. τοῦ ἀποστεῖλαι ἕκαστον τὸν π. αὐ. (9 α)  
 — 11. ἔωσαν αὐτοὺς εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (9 α)  
 — 16. τοῦ ἐπιστρίψαι ἕκαστον τὸν π. αὐ. . . ὕμιν εἰς παῖδας καὶ παιδίσκας (9 α, 9 α)  
 42 (35). 15. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς π. [A δούλους] μου (9 α)  
 43 (36). 24. οὐ διερρήξαν τὰ ἱμάτια αὐτῶν ὁ βασιλεὺς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 31. ἐπισκεψόμεθα . . . ἐπὶ τοὺς π. αὐ. (9 α)  
 44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν αὐτὸς καὶ οἱ π. αὐτοῦ (9 α)  
 — 18. τί ἠδίκησά σε καὶ τοὺς π. σου (9 α)  
 47 (40). 9. Ἀ B B' ἀπὸ προσώπου τῶν [B om.] π. τῶν Χ. +  
 51 (44). 4. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς π. [A δούλους] μου τοὺς προφήτας (9 α)  
 52. 8. πάντες οἱ π. αὐτοῦ διεσπάρηνσαν ἀπ' αὐτοῦ (4)  
 Ba. 1. 20. ἦν συνέταξεν κύριος τῷ Μ. παιδί αὐ. [B' al.]  
 2. 20. καθάπερ ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν π. σου τῶν προφητῶν  
 — 24. οὐς ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν π. σου τῶν προφητῶν  
 — 28. ἐλάλησας ἐν χειρὶ παιδὸς σου Μωσῆ  
 3. 36. ἔδωκεν αὐτῇ Ἰακώβ τῷ π. αὐτοῦ  
 Ez. 46. 17. ἐάν δι' ὅψ' ὅμα ἐν τῶν π. αὐτοῦ (4)  
 Da. LXX. Su. 30. καὶ οἱ π. καὶ αἱ παιδίσκαι αὐ. (9 α)  
 1. 12. πείρασον δὴ τοὺς π. σου (9 α)  
 — 13. οὕτω χρῆσαι τοῖς π. σου (9 α)  
 2. 4. ἀνάγγελον τὸ ἐνυπνίον σου τοῖς π. σου (9 α)



Da. LXX. 2. 7. οί π. σου κρινούσι πρὸς ταῦτα (θ β)  
 3. 26 (93). οί π. τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ ὑψίστου  
 — 28 (95). ἔσωσε τοὺς π. αὐ. (θ β)  
 9. 6. οὐκ ἤκουσamen τῶν π. σου τῶν προφ. (θ α)  
 — 10. διὰ τῶν π. σου τῶν προφητῶν (θ α)  
 — 11. ἐν τῷ νόμῳ Μωσῆ παιδὸς τοῦ θεοῦ (θ α)  
 — 17. ἐπάκουσον, δέσποτα, τῆς προσευχῆς τοῦ π. σου (θ α)  
 10. 17. πῶς δυνήσεται ὁ π. λαλῆσαι (θ α)  
 Da. TH. 1. 12. πείρασον δὴ τοὺς π. σου (θ α)  
 — 13. ποιήσον μετὰ τῶν π. [A -δαρίων] σου (θ α)  
 2. 4. σὺ εἶπὼν τὸ ἐνύπνιον τοῖς π. σου (θ β)  
 — 7. εἰπάτω τὸ ἐνύπνιον τοῖς π. αὐ. (θ β)  
 3. 28 (95). ἐξέλιτο τοὺς π. αὐ. (θ β)  
 10. 17. πῶς δυνήσεται ὁ π. σου, κύριε, λαλῆσαι (θ α)  
 I Ma. 1. 6. ἐκάλεσε τοὺς π. αὐ.  
 — 8. ἐπεκράτησαν οἱ π. αὐ.  
 3. 41. καὶ ἐλαβον . . . παῖδας  
 — 41. τοὺς λαβόντες τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. εἰς παῖδας  
 II Ma. 6. 23. B τῆς ἐκ παιδὸς καλλιστῆς ἀνατροφῆς [A ἀναστρ.]  
 7. 34. A ἐπὶ τοὺς οὐράνιους π. ἐπαράμενος χεῖρα [B al.]  
 15. 12. ἐκ παιδὸς ἐκμεμεληκότα πάντα  
 III Ma. 5. 31. εἰ σοι γονεῖς παρήσαν ἢ παῖδων γοναί  
 — 49. ἐπισπίπτουσιν γονεῖς παῖσι  
 IV Ma. 6. 17. μὴ οὕτως κακῶς φρονήσαιμεν οἱ Ἀβ. παῖδες  
 — 22. ὑμεῖς μὲν, δ' Ἀβραὰμ παῖδες  
 9. 18. μόνοι π. Ἑβραίων . . . εἰσιν ἀνίκητοι  
 12. 6. τὴν μητέρα τοῦ π. μετεπέμφατο  
 — 9. ἐπὶ τῇ ἐπαγγελίᾳ τοῦ π.  
 — 17. S<sup>1</sup> οὐκ ἀπαντολῶλὸς τῆς τῶν π. μου ἀριστείας [A S<sup>2</sup> B al.]  
 15. 4. S B εἰς μικρὸν παιδὸς χαρακτῆρα [A παιδοχ.]  
 — 12. καθ' ἕνα π. καὶ ὁμοῦ πάντας  
 16. 1. γυνὴ καὶ γεραιά καὶ ἐπὶ παῖδων μήτηρ  
 — 6. ἥτις ἐπὶ παῖδας τεκοῖσα  
 — 8. μάτηρ ἐφ' ἑμὶν, δ' παῖδες, πολλὰς ὑπέμεινα ὥδυνας  
 — 9. δ' τῶν ἐμῶν π. οἱ μὲν ἄγαμοι  
 — 15. ὅτε συνελήφθη μετὰ τῶν π.  
 — 16. ἔλεγε τοῖς π.  
 — 16. δ' παῖδες, γενναῖος ὁ ἀγὼν  
 17. 2. δ' μήτηρ σὺν ἐπτά παισὶ καταλύσασα  
 — 3. ἐπὶ τοῦ στόλου τῶν π. γενναῖος ἰδρυμένη  
 — 5. τοὺς ἰσαστέρας ἐπὶ παῖδας φωταγωγήσασα  
 — 6. A ἦν γὰρ ἡ παιδοποιία σου ἀπὸ Ἀβ. τοῦ π. [B πατρός]  
 — 9. γυνὴ γεραιά καὶ ἐπτά παῖδες ἐγκεκήμενται  
 — 13. ἡ δὲ μήτηρ τῶν ἐπτά παῖδων ἐνήθλει  
 18. 1. δ' . . . παῖδες Ἰσραηλῖται  
 — 6. ἡ μήτηρ τῶν ἐπτά π.  
 — 20. τοὺς ἐπτά π. τῆς Ἀβρααμίτιδος  
 — 23. οἱ δὲ Ἀβρααμίται παῖδες . . . συναγαλῶνται [Aq. Ge. 33. 5; Dt. 22. 24; 28. 50; I Ki. 25. 41; II Ki. 1. 6; Jb. 24. 5; Is. 10. 19; Je. 34. 41; I (Sw.): Ho. 11. 1.]  
 [Sm. Jb. 19. 17; Ec. 4. 15; Ho. 11. 1.]  
 [Th. Is. 42. 1.]  
 [Al. Dt. 34. 5; III Ki. 22. 50; Jb. 18. 17; Ps. 148. 12; Je. 80 (87). 10.]

πακίς, *vid.* παγίς.

παλάθ. (1) ἡζῃ

I Ki. 25. 18. ἔλαβε . . . διακοσίας π. (1)  
 30. 12. διδῶσαν αὐτῷ κλάσμα παλάθης (1)  
 IV Ki. 4. 42. καὶ ἤνεγκε . . . παλάθας  
 20. 7. λαβέσσαν παλάθην σῶκον (1)  
 I Ch. 12. 40. ἔφερον . . . αἰλευρα παλάθας (1)  
 Ju. 10. 5. πῖπραν ἐπληρώσων . . . παλάθης [B om.]  
 Is. 38. 21. λάβε παλάθην ἐκ [B om.] σῶκων (1)  
 [Th. II Ki. 17. 19.]

πάλαι. (1) ρῖηρῷ (2) ἡζῃ

Es. 3. 13. οἱ π. καὶ νῦν δυσμενεῖς  
 Wi. 11. 14. τὸν [A δν] γὰρ ἐν ἐκείνῃ παλαι [S<sup>2</sup> om.] ρεφίντα  
 12. 3. S τοὺς [A B παλαιούς] οἰκῆτορας τῆς ἀγίας σου γῆς μωσῆς  
 — 27. δν παλαι ἠρνοῖντο εἰδέναι [B om.]  
 Is. 37. 26. A S<sup>2</sup> B οὐ ταῦτα ἤκουσας [B S<sup>1</sup> -σα] π. (1)  
 48. 5. A S ἀνήγγειλά σοι τὰ π. [B παλαιά] (2)  
 — 7. νῦν γίνεαι καὶ οὐ π. (2)

III Ma. 4. 1. τῆς προκατεσκιρρωμένης αὐτοῖς π. . . ἀπεχθείας [Sm. I Ki. 9. 9.]  
 παλαίειν. (1) ρῖηρῷ ni. (2) ἡζῃ hi.  
 Ge. 32. 24 (25). ἐπάλαυν ἄνθρωπος μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 25 (26). ἐν τῷ π. αὐτὸν μετ' αὐτοῦ (1)  
 Jd. 20. 33. A τὸ ἐνέδρον Ἰσρ. ἐπάλαυν [B al.] (2)  
 Es. 1. 1. προῆλθον [A προσήλ.] ἀμφότεροι π. [Aq. Jb. 38. 8.]  
 παλαιός. (1) a. ἡζῃ δ. ρῖηρῷ (2) ἡζῃ hi.  
 (3) ἡζῃ (4) ἡζῃ (5) ρῖηρῷ (6) παλαιά παλαιῶν ἡζῃ ni.  
 Le. 25. 22. φάγεσθε ἀπὸ τῶν γεννημ. παλαιά (3)  
 — 22. φάγεσθε παλαιά παλαιῶν (3, -)  
 26. 10. φάγεσθε παλαιά καὶ παλαιά παλαιῶν καὶ παλαιά ἐκ προσώπου νέων ἐξοίσσете (3, 6, 8)  
 Jo. 9. 4. λαβόντες σάκκους π. . . καὶ ἀσκούς οἶνον π. (1 a, 1 a)  
 — 5. καὶ τὰ σανδάλια αὐτῶν π. (1 a)  
 I Ki. 7. 12. καὶ ἀνὰ μέσον τῆς π. Es. 8. 13. ἐκ τῶν παλαισίων . . . ἱστοριῶν  
 Jb. 16. 10. καὶ γε πρὸς βυσσοῦν καὶ γε παλαιὸς ἐν ἡμῖν (2)  
 Ps. 38 (89). 5. παλαιός [A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> παλαιστῆς] ἔθου τὰς ἡμέρας μου (1 a)  
 Ca. 7. 13 (14). πάντα ἀκρόδρνα νέα πρὸς παλαιά (9)  
 Wi. 12. 3. τοὺς π. [B πάλαι] οἰκῆτορας τῆς ἀγίας σου γῆς μωσῆς  
 Is. 48. 5. B ἀνήγγειλά σοι παλαιά [A S B al.] (4)  
 Je. 45 (38). 11. ἔλαβεν ἐκείθεν παλαιά ῥάκη καὶ παλαιά σχοινία (1 b, 1 b)  
 Da. LXX. 7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθηντο  
 — 13. ὡς παλαιὸς ἡμερῶν παρῆν [cod. -ῆσαν] (5)  
 — 22. ἔως τοῦ ἐλθεῖν τὸν π. ἡμερῶν (5)  
 Da. TH. 7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθηντο  
 — 13. ἔως τοῦ π. τῶν ἡμερῶν ἐφάθασε (5)  
 — 22. ἔως οὗ ἦλθεν ὁ π. ἡμερῶν (5)  
 II Ma. 6. 21. διὰ τὴν ἐκ τῶν π. χρόνων πρὸς τὸν ἀνδρα γνῶσιν  
 III Ma. 3. 18. τυφὸς φερόμενος παλαιστέριος [Aq. Jb. 12. 12; Ho. 3. 1.]  
 [Sm. Pr. 8. 18.]  
 [Th. Jb. 15. 10; Pr. 8. 18; Je. 38 (45). 12; Da. 7. 9.]  
 [Al. Ne. 3. 6.]  
 [Quint. Ps. 30 (81). 19.]  
 παλαιού. (1) a. ἡζῃ qal. δ. pi. c. ἡζῃ  
 d. ἡζῃ pa. (2) ἡζῃ ni. (3) ἡζῃ  
 (4) ρῖηρῷ a. qal. δ. hi.  
 Le. 13. 11. λέπρα παλαιουμένη ἐστίν (2)  
 De. 8. 4. τὰ ἱμάτιά σου οὐκ ἐπαλαιώθη [A οὐ κατερίβη] (1 a)  
 29. 5 (4). οὐκ ἐπαλαιώθη [A -θησαν] τὰ ἱμάτια ὑ. (1 a)  
 Jo. 9. 5. καὶ τὰ ἱμάτια αὐ. πεπαλαιωμένα (1 c)  
 — 13. τὰ ὑπόδημ. ἡ. πεπαλαιώται [A -ωνται] (1 a)  
 Ne. 9. 21. ἱμάτια αὐτῶν οὐκ ἐπαλαιώθησαν (1 a)  
 Jb. 9. 5. ὁ παλαιῶν ὄρη καὶ οὐκ οἶδασιν (4 b)  
 13. 28. ὁ παλαιούται [A οἱ παλαιούνται] ἴσα ἀσκή (1 a)  
 14. 12. A ἔως ἀν ὁ οὐρανὸς παλαιώθῃ [B S al.] (1 a)  
 — 18. πέτρα παλαιώσεται ἐκ τοῦ τόπου αὐ. (4 a)  
 21. 7. πεπαλαιώται δὲ καὶ ἐν [A om.] πλοῦτῳ (4 a)  
 32. 15. ἐπαλαιώσαν ἐξ αὐτῶν λόγους (4 b)  
 Ps. 6. 7. ἐπαλαιώθη ἐν πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς μου (4 a)  
 17 (18). 45. υἱοὶ ἀλλότριου ἐπαλαιώθησαν (3)  
 81 (82). 3. ἐπαλαιώθη τὰ δὲ τὰ μου (1 a)  
 48 (49). 14. ἡ βοήθεια αὐτῶν παλαιώσεται [S<sup>1</sup> ἐπαλαιώθη] ἐν τῷ ᾄδῳ (1 b)  
 101 (102). 26. πάντες ὡς ἱμάτιον παλαιώθησονται (1 a)  
 Si. 9. 10. φίλος νέος ἐὰν παλαιώθῃ  
 11. 20. ἐν τῷ ἔργῳ σου παλαιώθητι  
 14. 17. πᾶσα σὰρξ ὡς ἱμάτιον παλαιούται  
 Is. 50. 9. πάντες ὑμεῖς ὡς ἱμάτιον παλαιώθησθε (1 a)  
 51. 6. ἡ δὲ γῆ ὡς ἱμάτιον παλαιώσεται (1 a)  
 65. 22. τὰ γὰρ ἔργα τῶν πόνων αὐ. παλαιώσονται (1 b)  
 Ba. 3. 10. ἐπαλαιώθη ἐν γῇ ἄλλοτρια

La. 3. 4. ἐπαλαιώσε σάρκα [A τὰς σ.] μου (1 b)  
 Ez. 47. 12. οὐ μὴ παλαιώθῃ ἐπ' [A ἐξ] αὐτοῦ (3)  
 Da. LXX. Su. 52. πεπαλαιωμένῃ ἡμερῶν κακῶν  
 11. 33. παλαιωθήσονται ἐν αὐτῇ  
 Da. TH. Su. 52. πεπαλαιωμένῃ ἡμερῶν κακῶν  
 7. 25. τοὺς ἀγίους ὑψίστου παλαιώσει (1 d)  
 [Aq. Dt. 4. 25.]  
 [Sm. Ge. 18. 12; Dt. 4. 25; Jb. 18. 28; 14. 12; 38. 11; Ps. 31 (32). 3; 48 (49). 15; 101 (102). 27; Pr. 25. 1; Is. 23. 18; Ez. 23. 43.]  
 [Th. Dt. 4. 25; Jb. 14. 12; 82. 15; Pr. 26. 1; Ez. 23. 43; Da. 7. 25; 9. 24; 9. 24.]  
 [Al. Da. 7. 9.]  
 παλαιστή, παλαιστής. (1) a. ἡζῃ δ. ἡζῃ  
 Ex. 25. 23 (25). στεφάνην παλαιστοῦ κύκλῳ (1 b)  
 III Ki. 7. 24 (B), 26 (A); II Ch. 4. 5. καὶ τὸ πᾶχος αὐ. παλαιστής (1 a)  
 Ps. 38 (39). 5. A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> παλαιστῆς [B S<sup>1</sup> B παλαιῆς] ἔθου τὰς ἡμέρας μου (1 a)  
 Ez. 40. 5. τὸ μέτρον πηχῶν ἐξ ἐν πήχει καὶ παλαιστής (1 b)  
 — 43. παλαιστήν ἐξουσι γείσος (1 b)  
 43. 13. παλαιστής κὼλπωμα βάθους ἐπὶ πῆχυν [A al.] (1 b)  
 [Aq. Ez. 43. 13 (P.).]  
 [Th. Ex. 37 (38). 12; Ez. 43. 13 (P.).]  
 παλαιστικός. (1) a. ἡζῃ δ. ἡζῃ  
 [Sm. Jd. 3. 16.]  
 παλαιστρα. II Ma. 4. 14. τῆς ἐν παλαιστρᾷ παρανόμου χορηγίας  
 παλαιστωμα. [Aq. III Ki. 7. 9 (46).]  
 παλαιώμα. (1) ρῖηρῷ  
 Jb. 36. 28. ῥήσονται παλαιώματα (1)  
 37. 18. B στερεώσις [B -σεις, A -ωσεις] μετ' αὐτοῦ εἰς παλαιώματα (1)  
 — 21. τηλαυγὲς ἐστὶν ἐν τοῖς π. (1)  
 [Th. Jb. 36. 28.]  
 παλαιώσις. Na. 1. 15 (2. 1). τοῦ διελεῖν διὰ σοῦ εἰς παλαιώσιν  
 [Sm. Ps. 71 (72). 7; 91 (92). 11.]  
 [Th. Is. 28. 18.]  
 παλῶμη. [Sm. Nu. 6. 19; Jb. 11. 13; 86. 32.]  
 πάλιν. (1) ἡζῃ hi. c. inf. (2) τῷ  
 (3) a. ἡζῃ δ. ἡζῃ (4) ἀπάγειν π. ἡζῃ hi.  
 (5) ἀπέρχεσθαι π. ἡζῃ (6) βαδίζειν π. ἡζῃ (7) ἐξαποστέλλειν π. ἡζῃ hi.  
 (8) ἐπέρχεσθαι π. ἡζῃ (9) π. ἀποκαταστήναι ἡζῃ (10) π. ἀποστρέφειν ἡζῃ hi.  
 (11) π. μεταβάλλειν ἡζῃ  
 (12) π. πορεύεσθαι ἡζῃ (13) π. προσέρχεσθαι ἡζῃ  
 Ge. 8. 10. π. ἐξαπέστειλε τὴν περιστερὰν (1)  
 — 12. π. ἐξαπέστειλε τὴν περιστερὰν (1)  
 24. 20. B ἀντήλθαι π. [A ὑβῶρ] (1)  
 26. 18. π. Ἰσαὰκ ὠρυετὰ τὰ φρέατα (3 b)  
 29. 33. συνέλαβε π. Λεία (2)  
 30. 31. π. ποιμανὼ τὰ πρόβατά σου (3 a)  
 41. 22. εἶδον π. ἐν τῷ ὑπνῳ μου (1)  
 42. 24. π. προσήλθε πρὸς αὐτούς (12)  
 43. 2. π. πορευθέντες (13)  
 44. 25. βαδισατε π. (6)  
 Ex. 3. 15. εἶπεν ὁ εἰς πάλιν πρὸς M. (2)  
 4. 6. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος π. (2)  
 — 7. καὶ εἶπε π. (2)  
 — 7. καὶ π. ἀπεκατέστη (9)  
 Le. 14. 43. ἐὰν δὲ ἐπέλθῃ π. ἡ ἀθή (8)  
 Nu. 35. 32. τοῦ π. κατοικῆσαι ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)  
 De. 30. 3. καὶ π. συνάξει σε (3 b)  
 Jo. 6. 13 (14). καὶ ἀπῆλθε π. (5)  
 Jd. 2. 19. π. διέφθεραν ὑπὲρ τοὺς πατέρας αὐ. (3 b)  
 19. 3. A ἀπαγαγὲν αὐτὴν π. πρὸς αὐτόν (4)  
 — 7. A καὶ πάλιν ὑπὸ τῆς ἐκεί [B al.] (3 b)

Jd. 20. 39. π. πτώσει πίπτουσιν [A al.] +  
 II Ch. 19. 4. καὶ π. ἐξήλθεν (3 b)  
 I Es. 4. 6. π. ὅταν σπείρωσι  
 — 34. π. ἀποτρέχει εἰς τὸν ἑαυ. τόπον  
 6. 18. π. ἐξηγγεκεν αὐτὰ Κύριος  
 8. 53. π. ἐδεήθημεν τοῦ κ. ἡμῶν  
 — 87. π. ἀνεκάμψαμεν  
 Ne. 9. 28. π. ἀνέβησαν πρὸς σέ (3 b)  
 To. 2. 8. π. θάπτε τὸν μικροῦς  
 3. 10. π. πάλιν ἐλογίσαστο  
 13. 5. π. [S πάντας ὑμᾶς] ἐλεήσει  
 — 9. A B π. ἐλεήσει τοὺς υἱοὺς τῶν δικαίων  
 — 10. ἵνα π. ἡ σκηνὴ αὐ. οἰκοδομηθῇ [S al.]  
 14. 5. π. ἐλεήσει αὐτοὺς ὁ θεός  
 — 5. S π. [A B om.] οἰκοδομήσουσι τὸν οἶκον  
 Es. 4. 15. A ἐξαποστεῖλαι π. τὸν ἥκοντα [B S al.] (7)  
 Jb. 5. 18. ἀλγύνει ποιεῖ καὶ π. ἀποκαθίστησιν  
 6. 29. καὶ π. τῷ δικαίῳ συνήρξασθε (3 a + 3)  
 7. 4. ὡς δ' ἂν ἀναστῶ π.  
 10. 9. εἰς δὲ γῆν με π. ἀποστρέφεις (10)  
 — 16. π. γὰρ μεταβαλὼν δεινῶς με ὀλέκεις (11)  
 14. 7. A ἐὰν γὰρ ἐκκοπῇ π. [B S] ἔτι, S<sup>1</sup> π. ἔτι ἀθήσει (2)  
 — 14. ὑπομένω ἕως [A S] ἕως ἂν π. γένομαι +  
 82. 18. π. λαλήσω πλήρως γὰρ εἰμι ῥημάτων  
 33. 19. π. δὲ ἤλγεξεν αὐτόν  
 42. 17. γέγραπται δὲ αὐτὸν π. ἀναστήσεσθαι  
 Ps. 70 (71). 20. ἐκ τῶν ἀβύσσων τῆς γῆς π. ἀνιγαγίς με (3 a)  
 — 21. B ἐκ τῶν ἀβύσσων [B d.] τῆς γῆς π. ἀνιγαγίς με  
 Wi. 10. 4. κατακαλύομένην γῆν π. διέσωσε σοφία  
 13. 8. π. δὲ οὐδ' αὐτοὶ συγγαστοί  
 14. 1. πλοῦν τις π. στελλόμενος  
 16. 23. τοῦτο π. δ' [A δὲ π.] ἵνα τραφῶσι δικαιοί  
 19. 6. ὅλη γὰρ ἡ κτίσις . . . π. ἀνωθεν διευτυτοῦτο  
 Si. 4. 18. π. ἐπανήξει κατ' εὐθείαν πρὸς αὐτόν  
 17. 1. π. ἀπέστρεψεν αὐτὸν εἰς αὐτήν  
 29. 2. καὶ π. ἀπόδος τῷ πλησίον εἰς τὸν καιρὸν  
 31 (34). 25. βαπτίζόμενος ἀπὸ νεκροῦ καὶ π. ἀπτόμενος αὐτοῦ  
 — 26. π. πορευόμενος καὶ τὰ αὐτὰ ποιῶν  
 36 (38). 1. ἐν πειρασμῷ καὶ π. ἐξελεύεται  
 Is. 6. 13. π. ἴσταται εἰς προνομὴν ὡς τρέψινθος (3 b)  
 7. 4. π. ἴασμαι  
 8. 9. ἐὰν γὰρ π. ἰσχύσῃτε [S<sup>1</sup> om. π. ἰσχ.] π. ἡττηθήσεσθε  
 23. 17. π. ἀποκαταστήσεται [S -σταθῆσ.] εἰς τὸ ἀρχαίον (9)  
 25. 8. π. ἀφείλε κύριος ὁ θεὸς πᾶν δάκρυον  
 28. 25. π. σπείρει [A om.] πυρὸν καὶ κριθὴν  
 30. 18. π. μενεῖ ὁ θεὸς τοῦ οἰκτιρῆσαι ὑμᾶς  
 Je. 18. 4. π. αὐτὸς [A om.] ἐποίησεν αὐτὸ ἀγ- γείον ἕτερον (3 b)  
 43 (36). 15. π. ἀνάγνωθι εἰς τὰ ὄψα ἡμῶν +  
 — 28. π. λάβε σὺ [A σεαυτῷ] χαρτίον ἕτερον (3 a)  
 Da. LXX. 8. 27. ἐπραγματενόμεν π. [cod.<sup>1</sup> add. πάλιν] βασιλικά - , -  
 9. 27. καὶ π. ἐπιστρέψει  
 Da. TH. 2. 10. A ἀπεκρίθησαν π. [B om.] οἱ Χαλδ.  
 I Ma. 4. 35. B ἐλογίζετο π. παραγενέσθαι [A S al.]  
 II Ma. 3. 33. οἱ αὐτοὶ νεανία π. ἐφάνησαν  
 5. 7. φυγὰς π. εἰς τὴν Ἀμμ. ἀπήλθε  
 — 20. π. . . μετὰ πάσης δόξης ἐπανωρθώθη  
 7. 11. ταῦτα π. ἐλπίξω κομίσασθαι  
 — 14. π. ἀναστήσεσθαι ὑπ' αὐτοῦ  
 — 23. τὴν ζωνὴν ὑμῖν π. ἀποδώσει  
 — 33. π. καταλλαγήσεται τοῖς ἐναντὶ δουλοῖς  
 12. 7. ἀνέλυσεν ὡς π. ἤζων  
 14. 46. ταῦτα αὐτῷ π. ἀποδοῦναι  
 15. 39. ὡσαύτως δὲ καὶ ὅσων π. πολέμων  
 III Ma. 5. 13. καὶ π. ἡξίουσαν τὸν ἐκατάλλακτον  
 — 25. π. αὐτοῖς βοηθήσαι συντόμος  
 — 36. B συστησόμενος π. [A πᾶν] τὸ συμπόσιον  
 — 40. καὶ π. ἐπὶ τῶν πραγμάτων . . . ἀναλῶν  
 IV Ma. 18. 20. A B ἐπὶ . . . π. [B πάσας] τὰς βασάνους αὐ.  
 [Aq., Th. Is. 8. 9.]  
 [Sm. Ge. 4. 2 : III Ki. 7. 20 (9) : Ps. 117 (118). 11 : Ec. 4. 7 : 12. 2 : Is. 6. 13 : 8. 9 : Je. 31 (38). 4 δις, 20 : Ez. 8. 6 : Jn. 2. 5.]  
 παλινδρομεῖν.  
 [Sm. Is. 38. 8.]

παλλαγή. (1) שָׁלַח, שָׁלַח (2) שָׁלַח  
 Ge. 22. 24. ἡ π. αὐτοῦ ἦ ὄνομα 'P. (1)  
 25. 6. τοῖς υἱοῖς τῶν π. αὐτοῦ (1)  
 35. 21 (22). μετὰ B. τῆς π. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)  
 36. 12. Θαμὰ δὲ ἦν π. Ἐλφάδης (1)  
 46. 20. οὗς ἔτεκεν αὐτῷ ἡ π. ἡ Σ. -  
 Jd. 8. 31. παλλαγή αὐτοῦ ἦν ἐν Σ. [A al.] (1)  
 19. 1. ἔλαβεν αὐτῷ γυναῖκα π. (1)  
 — 2. ἐπορεύθη ἀπ' αὐτοῦ ἡ π. αὐτοῦ [A al.] (1)  
 — 9. αὐτὸς καὶ ἡ π. αὐτοῦ (1)  
 — 10. καὶ ἡ π. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 24. καὶ ἡ π. αὐτοῦ (1)  
 — 25. ἐπελάβετο ὁ ἀνὴρ τῆς π. αὐ. (1)  
 — 27. ἡ γυνὴ αὐτοῦ ἡ π. (1)  
 — 29. ἐκράτησε τὴν π. [A ἐπελάβετο τῆς π.] αὐ. (1)  
 20. 4. ἐγὼ καὶ ἡ π. [A γυνή] μου (1)  
 — 5. τὴν π. μου ἐπατεινῶσαν (1)  
 — 6. ἐκράτησα τὴν π. [A ἐπελαβόμην τῆς π.] μου (1)  
 II Ki. 3. 7. A<sup>2</sup> B καὶ τῷ Σ. παλλαγή (1)  
 — 7. τί ὅτι εἰσῆλθες πρὸς τὴν π. τοῦ πατρὸς μου (1)  
 5. 13. ἔλαβε Δ. ἔτι . . . παλλακὰς (1)  
 15. 16. ἀφῆκεν . . . δέκα γυναῖκας τῶν π. αὐ. (1)  
 16. 21. εἰσελθε πρὸς τὰς π. (1)  
 — 22. εἰσῆλθεν Ἀβ. πρὸς τὰς π. [A om. πρ. τ. π.] (1)  
 19. 5 (6). καὶ τὴν ψυχὴν . . . τῶν π. σου (1)  
 20. 3. ἔλαβεν . . . τὰς π. [A -κίτας] αὐτοῦ (1)  
 21. 11. ῥεσφά θυγάτηρ A. παλλακὴ Σ. (1)  
 III Ki. 11. 3. καὶ π. τριακόσιαι (1)  
 I Ch. 1. 32. υἱοὶ Σαττούρας π. Ἀβραάμ (1)  
 — 36. A Θ. δὲ ἡ π. Ἐλ. ἔτεκεν αὐτῇ τὸν Ἀμ. [B al.] -  
 2. 46. καὶ Γ. ἡ π. X. ἐγέννησε τὸν Ἀ. (1)  
 — 48. ἡ π. X. Μαχὰ ἐγέννησε τὸν Σ. (1)  
 3. 9. πλὴν τῶν υἱῶν τῶν π. (1)  
 7. 14. ὃν ἔτεκεν ἡ π. αὐτοῦ ἡ Σύρα (1)  
 II Ch. 11. 21. ἡγάγησε . . . ὑπὲρ . . . τὰς π. αὐτοῦ (1)  
 — 21. εἶχε . . . παλλακὰς ἐξήκοντα (1)  
 I Es. 4. 29. καὶ Ἀπῆμην . . . τὴν π. τοῦ βασ. (2)  
 Ne. 2. 6. ἡ π. ἡ καθήμ. ἐχόμενα αὐτοῦ (1)  
 Ca. 8. 7 (8). ὀδοῦσθαι παλλακί (1)  
 — 8 (9). βασιλίσσαι καὶ γε [A om.] παλλακαί (1)  
 Da. TH. 5. 2. πείτωσαν . . . αἱ π. αὐ. (1)  
 — 3. ἔπινον ἐν αὐτοῖς . . . αἱ π. αὐ. (2)  
 — 23. αἱ π. σου καὶ αἱ παράκοιτό σου (2)  
 II Ma. 4. 30. διὰ τὸ Ἀντιοχίδι τῇ π. τοῦ βασ. . . δεδῶσθαι  
 [Sm., Quint. Ps. 44 (45). 10.]  
 [Al. Ge. 37. 2.]  
 παλλακίς. (1) שָׁלַח  
 II Ki. 20. 3. A ἔλαβεν . . . τὰς π. [B -κας] αὐτοῦ (1)  
 Jb. 19. 17. προσκαλούμεν δὲ κολακεύων υἱοὺς παλλακίδων μου +  
 πᾶλλεσθαι.  
 II Es. 9. 3, 5. καὶ ἐπαλλόμεν  
 παμβασιλεύς.  
 Si. 50. 15. ἐξέχεεν . . . ὁσμὴν εὐωδίας ὑψίστῃ παμβασιλεῖ  
 παμβότανον. (1) שָׁלַח  
 Jb. 6. 25. τὰ δὲ τέκνα σου ἔσται ὥσπερ τὸ π. τοῦ ἀγροῦ (1)  
 παμμεγέθης.  
 [Sm. Ps. 67 (68). 31.]  
 παμμελής.  
 III Ma. 7. 16. ἐν αἰνοῖς καὶ π. ὕμνοις  
 παμμιάρος.  
 IV Ma. 10. 17. ὁ αἰμοβόρος . . . καὶ παμμιάρωτος Ἀντίοχος  
 παμμιγής.  
 II Ma. 3. 21. τὴν τοῦ πλῆθους παμμιγῇ πρόπτωσιν  
 12. 13. ἐπὶ τὴν πόλιν . . . παμμιγέσιν ἔθενσι κατοικομένην  
 πᾶμικτος.  
 [Aq. Ps. 77 (78). 45 : 104 (105). 31.]  
 παμπληθής.  
 II Ma. 10. 24. συναγαγὼν ξένας δυνάμεις π. [Sm. Ps. 84 (85). 18 : 188 (189). 17.]

παμπληθύνει.  
 [Aq. Jb. 36. 31.]  
 παμποίκιλος.  
 IV Ma. 15. 11. S B αἱ π. βάσανοι [A om.] ἰσχυσαν  
 πᾶμπολος.  
 [Sm. Jb. 36. 31 : Ps. 39 (40). 6 : 88 (89). 51.]  
 παμπόνηρος.  
 II Ma. 14. 27. ταῖς τοῦ π. ἐρεθισθεὶς διαβολαῖς  
 πᾶμφυλος.  
 II Ma. 8. 9. ὑποτάξας παμφύλων ἔθνη  
 12. 27. B ἐν ἡ κατὰ Λ. καὶ π. πλήθ [A al.]  
 IV Ma. 4. 11. ἐπὶ τὸν π. τοῦ ἱεροῦ περίβολον  
 παναδ.  
 IV Ki. 20. 12. A ἀπίστευτε . . . π. [B al.] +  
 πανάγιος.  
 IV Ma. 7. 4. ὡς ὁ π. ἐκείνος  
 14. 7. ὁ παναγία συμφώνων ἀδελφῶν ἐβδόμας  
 πᾶνδεινος.  
 IV Ma. 8. 15. ἐλογίσαστο πᾶνδεινον εἶναι κίνδυνον  
 4. 7. πᾶνδεινον εἶναι νομισάντες  
 πανθημί. πανθημί. (1) שָׁלַח  
 De. 13. 16 (17). καὶ πάντα τὰ σκύλα αὐ. π. (1)  
 πᾶνδημος.  
 II Ma. 3. 18. ἐξεπείδων ἐπὶ π. ἱκετεῖαν  
 [Sm. I Ki. 20. 29.]  
 πανεθνί.  
 Wi. 19. 8. π. [A B<sup>2</sup> S<sup>1</sup> πᾶν ἔθνος] διήλθον οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χειρί  
 πανεπίσκοπος.  
 Wi. 7. 23. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . πανεπίσκοπον [A S<sup>2</sup> παντεπ.]  
 πανεπόπτης.  
 II Ma. 9. 5. B ὁ δὲ π. [A παντεπ.] κύριος  
 πανέρημος.  
 [Hob. Je. 2. 24.]  
 πανέχινος (?).  
 Jb. 15. 26. A ἔδραμε δὲ . . . ἐν πανεχίνῳ τῆς [B S] χάριτος αὐτοῦ +  
 πανηγυρίζειν. (1) שָׁלַח  
 Is. 66. 10. πανηγυρίσατε ἐν αὐτῇ πάντες οἱ ἀγαπῶντες αὐτήν [A S<sup>2</sup> al.] (1)  
 [Sm. Le. 23. 41 : Ps. 41 (42). 5.]  
 πανηγυρίος (?).  
 Na. 3. 10. S<sup>1</sup> καὶ πανηγύρια [A B S<sup>1</sup> om.] τὰ νῆματα αὐ. ἐδαφιοῦσιν -  
 πανηγυρίς. (1) שָׁלַח (2) שָׁלַח  
 Ho. 2. 11 (13). ἀποστρέψω . . . πάσας τὰς π. αὐ. (1)  
 9. 5. ἐν ἡμέραις [A -α] πανηγυρείας (1)  
 Am. 5. 21. οὐ μὴ ὀσφρανθῶ θυσίας ἐν ταῖς π. ὑμῶν (2)  
 Ez. 46. 11. ἐν ταῖς ἑορταῖς καὶ ἐν ταῖς π. (1)  
 [Sm. Le. 23. 41 : I Ki. 30. 16 : Ps. 117 (118). 27.]  
 πανηγυρισμός.  
 Wi. 15. 12. ἐλογίσαντο . . . τὸν βίον πανηγυρισμὸν ἐπικερδῇ  
 πανθήρ. (1) שָׁלַח  
 Ho. 5. 14. ἐγὼ εἰμι ὡς πανθήρ τῷ Ἐφρ. (1)  
 13. 7. ἔσομαι αὐτοῖς ὡς πανθήρ (1)  
 πανόδουτος (-δουρκτος).  
 III Ma. 4. 2. καὶ π. μετὰ δακρύων βοή  
 6. 32. καταλήξαντες δὲ θρήνον πανόδουτον μέλος  
 πανοικί. (1) שָׁלַח  
 Ex. 1. 1. ἕκαστος π. [A -κία] αὐτῶν εἰσῆλθον (1)  
 III Ma. 3. 27. B ἀποτυμπατισθήσεται π. [A -κία]  
 πανοικία, πανοικία. (1) שָׁלַח (2) שָׁלַח  
 Ge. 50. 8. πάσα ἡ π. ἰωσήφ (1)  
 — 22. πάσα ἡ π. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)

Ex. 1. 1. **Α** ἕκαστος πανοικία [B -κι] αὐτῶν  
εἰσῆλθοσαν (1)  
[d. 18. 21. **Α** ἔθηκαν τὴν π. [B τὰ τέκνα] (2)  
Es. 8. 13. ἐσταυρώσθαι σὺν τῇ π.  
III Ma. 3. 27. **Α** ἀποτυμπανισθήσεται πανοικία [B -κι]  
[Th. Jd. 18. 21.]  
**πανοπλία** (1) ΠΥΡΗ  
II Ki. 2. 21. λάβε σεαυτὸν τὴν π. αὐτοῦ (1)  
Ju. 14. 3. ἀναλαβόντες οὗτοι τὰς π. αὐτῶν  
Jb. 39. 20. περιέθηκες δὲ αὐτῷ πανοπλίαν +  
Wi. 5. 17. λήφεται πανοπλίαν τὸν ζῆλον αὐ.  
Si. 46. 6. ἵνα γνῶσιν ἔθνη πανοπλίαν αὐτῶν [A B<sup>2</sup> -ου]  
I Ma. 13. 29. **Α** Β ἐποίησεν ἐπὶ τοῖς στύλοις πανο-  
πλίας [B -αν] . . . καὶ παρὰ ταῖς π.  
πλοῖα  
II Ma. 3. 25. ἐφάιντο χρυσὴν π. ἔχων  
10. 30. τὸν Μ. . . σκεπάζοντες ταῖς ἑαυ. π.  
11. 8. πανοπλίαν χρυσὴν κραδαίνων  
15. 28. ἐπέγνωσαν προπεπτακόντα Νικ. σὺν τῇ π.  
IV Ma. 3. 12. **Α** Β τὰς π. [B παντευχίας] καθωπλι-  
σαντο  
[Aq. II Ki. 8. 7: Ps. 90 (91). 4.]  
[Sm. II Ki. 11. 10: Ps. 90 (91). 4.]  
**πανουργεῖν**.  
[A1 Nu. 5. 12.]  
**πανουργεῖν**. (1) DΥ a. qal. δ. hi.  
I Ki. 23. 22. μή ποτε πανουργήσεται (1 a + 1 b)  
**πανουργεῖμα**.  
Ju. 11. 8. ἤκουσαμεν γὰρ . . . τὰ [A B<sup>2</sup> -γῆμα] τῆς  
ψυχῆς σου  
Si. 1. 6. τὰ π. [A B -γῆματα] αὐτῆς τίς ἔγνω  
42. 18. ἐν πανουργεῖμασιν [A B<sup>1</sup> -γῆμασιν] αὐτῶν  
διανοήθη  
**πανουργήμα**.  
Ju. 11. 8. **Α** B<sup>2</sup> ἤκουσαμεν γὰρ . . . τὰ π. [B<sup>1</sup> S B  
-γέμα] τῆς ψυχῆς σου  
Si. 1. 6. **Α** B τὰ π. [B -γέματα] αὐτῆς τίς ἔγνω  
42. 18. **Α** B<sup>1</sup> ἐν πανουργήμασιν [B S<sup>2</sup> -γέμασιν] αὐ-  
τῶν διανοήθη  
[A1 Nu. 5. 12.]  
**πανουργία**. (1) ΠΥΡΗ  
Nu. 24. 22. νοσάτω πανουργία +  
Jo. 9. 4. καὶ ἐποίησαν καὶ γε αὐτοὶ μετὰ πανουρ-  
γίας (1)  
Pr. 1. 4. ἵνα δὲ ἀκάκοι πανουργίαν (1)  
8. 5. νοήσατε ἀκακοὶ πανουργίαν (1)  
Si. 19. 25. ἔστι πανουργία ἀκριβὴς καὶ αὕτη ἀδικος  
21. 12. ἔστι πανουργία πληθύνουσα πικρίαν [A<sup>2</sup>  
παιδείαν]  
81 (34). 10. ὁ δὲ πεπλανημένος πληθυνεὶ πανουργίαν  
[Sm. Pr. 8. 12.]  
**πανούργος**. (1) DΠ (2) a. DΥ b. δ. πανουρ-  
γότερος DΥ hi. (3) πανουργότερος  
γίνεσθαι a. DΠ b. DΥ hi. (4) πανουρ-  
γότερος εἶναι DΥ hi. (5) I' b. hi. (6) ΥΤ  
Jb. 5. 12. διαλλάσσοντα βουλὰς πανούργων (2 a)  
Pr. 12. 16. κρύπτει δὲ τὴν ἑαυτοῦ ἀτιμίαν  
πανούργος [B<sup>2</sup> ὁ π.] (2 a)  
13. 1. υἱὸς πανούργος ὑπὸ κροῖστος πατρί [B<sup>1</sup> μητρί] (1)  
— 16. πᾶς πανούργος πρᾶσις μετὰ γνώσεως (2 a)  
14. 8. σοφία πανούργων ἐπιγνώσεται τὰς ὁδοὺς  
αὐτῶν (2 a)  
— 15. πανούργος δὲ ἔρχεται εἰς μετάνοιαν (2 a)  
— 18. οἱ δὲ π. κρατῶσιν αἰσθητικῶς (2 a)  
— 24. στέφανος σοφὸν πανούργος +  
15. 5. ὁ δὲ φυλάσσω ἐντολὰς πανουργότερος (2 b)  
19. 25. λοιμοὶ μαστιγομένου ἄφρων πανουρ-  
γότερος γίνεταί [A ἔσται] (3 b [4])  
21. 11. ἡμιούμενος ἀκολάστου πανουργότερος  
γίνεταί ὁ ἀκακος (3 a)  
22. 3. πανούργος ἰδὼν πονηρὸν τιμωρούμενον  
κραταῖος (2 a)  
27. 12. πανούργος κακὸν ἐπερχομένῳ ἀπεκρύβη (2 a)  
28. 2. ἀνὴρ δὲ πανούργος κατασβέσει αὐτὰς (5 + 6)  
Si. 6. 32. ἐὰν δῶς [A B ἐπιδ.] τὴν ψυχὴν σου  
πανούργος ἔσθ  
21. 12. οὐ παιδεύθῃσεται δε οὐκ ἔστι πανούργος  
— 20. ἀνὴρ δὲ πανούργος μῶλις ἤνυχῃ μειδιάσει

Si. 22. 27. τίς δώσει μοι [A B om.] . . . ἐπὶ τῶν  
χειλῶν μου σφραγίδα πανούργου [A B  
-ων]  
37. 19. ἔστιν ἀνὴρ πανούργος καὶ [A B om.] πολλῶν  
παιδευτῆς  
[Aq., Sm. Ge. 3. 2 (1): Jb. 15. 5.]  
[Th. Ge. 8. 2 (1).]  
[A1. Pr. 12. 23.]  
**πανούργως**.  
[Sm. Ps. 82 (83). 4.]  
**πανσέληνος**.  
[Aq. Ps. 80 (81). 4: Pr. 7. 20.]  
**πάνσοφος**.  
IV Ma. 1. 12. δόξαν διδοὺς τῷ π. θεῷ  
2. 19. ὁ π. ἡμῶν πατήρ 'Ι.  
13. 19. ὁ θεία καὶ π. πρόνοια  
**πανσερμία**.  
[Sm. Ps. 64 (65). 10.]  
**πανταχῇ**. (1) ΠΙΧΗΠ  
Wi. 2. 9. π. καταλίπωμα σύμβολα τῆς εὐφροσύνης  
Is. 24. 11. ὁλοῦντε περὶ τοῦ οἴνου π. (1)  
II Ma. 8. 7. λαλιά τις . . . διεχέιτο π.  
**πανταχόθεν**.  
IV Ma. 13. 1. συννομοποιεῖται π.  
15. 32. π. ἐν τῷ . . . περιαντλουμένη κατακλυσμῷ  
**πανταχοῦ**. (1) DΠ  
Is. 42. 22. ἡ γὰρ παγὶς ἐν τοῖς ταμίαις π.  
**παντελής**.  
III Ma. 7. 16. **Β** παντελὴ σωτηρίας ἀπόλαυσιν εἰλη-  
φότες [A al.]  
[Aq. Jb. 30. 2.]  
**παντελὺς**.  
II Ma. 3. 12. π. ἀμύχανον εἶναι  
— 31. τῷ π. ἐν ἐσχάτῃ πνοῇ κειμένη  
7. 40. π. ἐπὶ τῷ κυρίῳ πεποιθὸς  
11. 1. μετ' ὀλίγον δὲ π. χρόνον  
14. 46. π. ἐξαίσιμος ἦδη γενόμενος  
[A1. Jd. 8. 2.]  
**παντεπισκοπος**.  
Wi. 7. 23. **Α** S<sup>2</sup> ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . .  
παντεπισκοπον [B<sup>1</sup> πανεπ.]  
**παντεπόπτης**.  
II Ma. 9. 5. **Α** ὁ δὲ π. [B πανεπ.] κύριος  
**παντευχία**.  
IV Ma. 3. 12. **Β** τὰς π. [A B πανοπλίας] καθωπλι-  
σαντο  
**πάντη**.  
Si. 50. 22. εὐλόγησατε τῷ θεῷ πάντες τῷ μεγαλο-  
ποιούντι π.  
III Ma. 4. 1. π. δὲ ὅπου προσέπιπτε τοῦτο τὸ πρόσ-  
ταγμα  
**παντοδαπίον**.  
[Aq. Ps. 49 (50). 11.]  
**παντοδαπός**. (1) π. δένδρα DΠΧΥ  
Jb. 40. 16 (21). ὑπὸ παντοδαπὰ δένδρα κοιμάται (1)  
[Aq. Ps. 49 (50). 11: 79 (80). 14.]  
**παντοδύναμος**.  
Wi. 7. 23. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . .  
παντοδύναμον  
11. 17. οὐ γὰρ ἡπάρει ἡ π. σου χεῖρ  
18. 15. ὁ π. σου λόγος ἀπ' οὐρανῶν . . . ἤλατο  
**πάντοθεν**. (1) ΠΠ  
II Ki. 24. 14. στενά μοι π. σφόδρα ἐστίν  
Si. 51. 7. περιέσχον με π. καὶ οὐκ ἦν ὁ βοηθῶν  
Je. 20. 9. παρείμαι π. +  
31 (48). 31. ἐπὶ Μωῦσῃ ὁλοῦντε π. (1)  
Da. Th. Su. 22. στενά μοι π.  
II Ma. 13. 5. ὄργανον . . . π. ἀπόκριμνον εἰς τὴν  
σποδὸν  
III Ma. 3. 25. ἐνδέσμοις σιδηροῖς π. κατακεκλεισ-  
μένους  
4. 2. στεναγμοῖς πεπνυμένῃς τῆς αὐτῶν π. καρδίας

III Ma. 4. 10. π. ἐσκοτισμένοι τοὺς ὀφθαλμούς  
5. 6. διὰ τὴν π. περιέχουσιν αὐτοὺς . . . ἀνέγκην  
IV Ma. 9. 20. ἐμολύνετο δὲ π. αἵματι ὁ τροχὸς  
παντοῖος.  
Da. LXX. 2. 6. λήψεσθε δόματα π. +  
II Ma. 5. 3. καὶ π. θωρακισμούς  
III Ma. 5. 22. ὥς εἰς τὸ παντοῖους μηχανᾶσθαι . . .  
ἐμπαγίμους  
7. 16. παντοῖους εὐδαιμονίας ἀνθεσι κατεστημένους  
IV Ma. 1. 34. **Β** Β ἐπιθυμούντες . . . π. βρωμάτων  
[A al.]  
[Sm. II Ki. 6. 5.]  
[Th. Ez. 23. 6, 12.]  
**παντοκρατεῖν**. (1) ΠΙΚΠ  
Za. 8. 2, 6. **Β**<sup>1</sup> τὰδε λέγει κύριος παντοκρατῶν  
[A B S<sup>2</sup> -ωρ] (1)  
**παντοκράτωρ**. (1) ΠΠΧΥ (2) ΠΠΧΥ (3) ΠΠΧΥ  
(4) ΠΠΧΥ  
II Ki. 5. 10. καὶ κύριος π. μετ' αὐτοῦ (3)  
7. 8. τὰδε λέγει κύριος π. (3)  
— 25. **Β** κύριε παντοκράτωρ θεῖ ἐπὶ τὸν 'Ισρ. (3)  
— 26. **Α** κύριε παντοκράτωρ θεῖ ἐπὶ τὸν 'Ισρ. (3)  
— 27. κύριε [A λέγει κύριος] παντοκράτωρ  
θεὸς 'Ισρ. (3)  
III Ki. 19. 10, 14. ἐζήλωκα τῷ κυρίῳ π. (3)  
I Ch. 11. 9. καὶ κύριος π. μετ' αὐτοῦ (3)  
17. 7. τὰδε λέγει κύριος π. (3)  
— 24. κύριε παντοκράτωρ θεὸς 'Ισρ. (3)  
29. 12. ἐν χειρὶ σου [A add. ἔλεος] παντοκράτωρ  
— I Es. 9. 46. εὐλόγησεν 'Εσ. τῷ κυρίῳ . . . παντοκρά-  
τορι  
Ju. 4. 13. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου π. [A  
τοῦ π.]  
8. 13. κύριον π. ἐξετάζετο  
15. 10. εὐλογημένη γίνου παρὰ τῷ π. κυρίῳ  
16. 6. κύριος π. ἠθέτησεν αὐτοὺς  
— 17. κύριος π. ἐκδικήσει αὐτοὺς  
Es. 4. 17. **Β**<sup>2</sup> βασίλειε παντοκράτωρ [A B S<sup>1</sup> πάντων  
κρατῶν]  
Jb. 5. 8. **Α** κύριον δὲ τὸν π. [B S τὸν πάντων  
δεσποτῆν] ἐπικαλέσσομαι  
— 17. νουθέτημα δὲ παντοκράτορος μὴ ἀπα-  
ναῖνον (4)  
8. 5. σὺ δὲ ὄρριζε πρὸς κύριον παντοκράτορα  
δέόμενος (4)  
11. 7. **Α** [A ὦν] εἰποίησεν ὁ π. (4)  
15. 25. ἐναντι δὲ κυρίου παντοκράτορος ἐτραχη-  
λίσεν (4)  
22. 17. τί ἐπάξεται [A -ξεί] ἡμῖν ὁ π. (4)  
— 25. ἔσται οὖν σου [A B σοι] ὁ π. βοηθός (4)  
23. 16. ὁ δὲ π. ἐσπουδάσθαι με (4)  
27. 2. ὁ π. ὁ πικρίνας μου τὴν ψυχὴν (4)  
— 11. **δ** ἐστὶ παρὰ [A παρὰ τῷ] παντοκράτορι (4)  
— 13. εὐλεύσεται [A ἐξέλ.] παρὰ παντοκράτο-  
ρος ἐπ' αὐτοὺς (4)  
32. 8. πνοὴ δὲ παντοκράτορος ἐστὶν ἡ διδά-  
σκουσα (4)  
33. 4. πνοὴ δὲ παντοκράτορος ἡ διδάσκουσα με (4)  
34. 10. ἐννι παντοκράτορος ταραξάει τὸ δίκαιον (4)  
— 12. ἡ ὁ π. ταραξεί κρίσιν [A τὸ δίκαιον] (4)  
85. 13. αὐτὸς γὰρ ὁ π. (4)  
37. 22 (23). μεγάλη ἡ δόξα καὶ τιμὴ παντοκρά-  
τορος [A τοῦ π., S<sup>4</sup> παρὰ π.] (4)  
Wi. 7. 25. ἀπόρροια τῆς τοῦ π. δόξης εὐκλειῆς  
Si. 42. 17. **δ** ἔστειρώσει κύριος ὁ π.  
50. 14. κοσμήσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκράτορος  
— 17. προσκυνῆσαι . . . παντοκράτορι θεῷ τῷ  
ὑψίστῳ  
Ho. 12. 5 (6). ὁ δὲ κ. ὁ θεὸς ὁ π. ἔσται μνημό-  
συνον αὐ. (8)  
Am. 3. 13. λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ π. (8)  
4. 13. κ. ὁ θεὸς ὁ π. ὄνομα αὐτῷ (8)  
5. 8. **Α** κ. ὁ θεὸς ὁ π. ὄνομα αὐτῷ [B al.] (8)  
— 14. ἔσται οὕτως μετ' ὑμῶν κ. ὁ θεὸς ὁ π. (8)  
— 15. ὅπως ἐλέησῃ κ. ὁ θεὸς ὁ π. τοὺς περι-  
λοιπούς (8)  
— 16. τὰδε λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ π. (8)  
— 27. ὁ θεὸς ὁ π. ὄνομα αὐτῷ (8)  
9. 5. κύριος κ. ὁ θεὸς ὁ π. (8)  
— 6. κύριος [A add. ὁ θεὸς ὁ π.] ὄνομα αὐτῷ (8)  
— 15. λέγει κ. ὁ θεὸς ὁ π. (8)  
Mi. 4. 4. τὸ στόμα κυρίου π. ἐλάλησε ταῦτα (8)  
Na. 2. 13 (14). λέγει κύριος [A add. ὁ π.] (8)

Na. 3. 5. λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ [B <sup>2</sup> om.] π.	(8)	Je. 5. 14. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	παρά. I. c. gen. * ὁ παρά.	
Hb. 2. 13. οὐ ταῦτα ἐστί παρὰ κυρίου π.	(8)	15. 16. κύριε π.	(8)	Ge. 19. 24. 21. 30. 23. 6. 13. 20. 24. 50. 25. 10.	
Ze. 2. 10. ἐμεγαλύνθησαν ἐπὶ τὸν κ. τὸν π.	(8)	23. 16. ΑΒ οὕτως λέγει κύριος π.	(8)	22. 31. 39†: 33. 19. 38. 20. 41. 32*: 43. 34:	
Hg. 1. 2, 5. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	27 (50). 34. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ	(8)	44. 32. 49. 25. 30. 32. 50. 13.	
— 6 (A). τάδε λέγει κύριος π.	(8)	28 (51). 5. ἀπὸ κυρίου παντοκράτορος	(8)	Ex. 3. 22. 4. 20*: 11. 2, 2†: 12. 35. 14. 13*:	
— 7, 9. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	— 57. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ	(8)	18. 15. 22. 12 (11), 14 (13): 25. 2, 3: 27. 21:	
— 14. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π. θεοῦ αὐτῶν	(8)	29 (49). 18. εἶπε κύριος π.	(8)	29. 28, 28†: 30. 16: 35. 5, 22: 36. 3 bis: 39. 2	
2. 5 (4). λέγει κύριος ὁ [A B <sup>2</sup> om.] π.	(8)	32 (25). 27. οὕτως εἶπε κύριος π.	(8)	(38. 25).	
— 7 (6). τάδε λέγει κύριος π. [B <sup>1</sup> ὁ π.]	(8)	37 (30). 3. ΑΒ εἶπε κύριος π. [B om.]	(8)	Le. 7. 24 (34) bis, 26 (36): 9. 24. 10. 2, 7*, 12†:	
— 8 (7), 9 (8), 10 (9) bis. λέγει κύριος π.	(8)	38 (31). 35. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ	(8)	16. 5. 25. 14, 15, 33, 35, 36: 27. 24.	
— 12 (11). τάδε λέγει κύριος π.	(8)	39 (32). 14. οὕτως εἶπε κύριος π.	(8)	Nu. 8. 12, 50: 7. 3 bis, 5, 84: 8. 11: 11. 1, 3,	
— 24 (23) bis. λέγει κύριος π.	(8)	— 19 (18). ὁ θεὸς ὁ μέγας ὁ π. [B al.]	(8)	31. 16. 35. 17. 2 (17) bis: 18. 8, 26 bis, 28: 24.	
Za. 1. 3. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	40 (33). 11. ἐξομολογήσθε κυρίῳ παντοκράτορι	(8)	13, 16†: 31. 3, 28, 49*, 51, 52 bis, 54 bis: 35. 31.	
— 3. B <sup>1</sup> λέγει κύριος π. [A B S <sup>2</sup> al.]	(8)	51 (44). 7. οὕτως εἶπε κύριος π.	(8)	De. 2. 6†, 6: 3. 4. 10. 12: 17. 18: 18. 3*, 3, 16:	
— 3. Α λέγει κύριος π. [B S τῶν δυναμέων]	(8)	Ba. 3. 1, 4. κύριε π. ὁ θεὸς Ἰσραὴλ	(8)	22. 3: 23. 15 (16), 21 (22): 33. 23.	
— 4. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	II Ma. 1. 25. ὁ μόνος δίκαιος καὶ π.	(8)	Jo. 21. 16, 17: 24. 32.	
— 6. καθὼς παρατέτακται κύριος π.	(8)	3. 22. B ἐπεκαλοῦντο τὸν π. θεόν [A al.]	(8)	Jd. 1. 14: 8. 24: 9. 13*†: 14. 4: 19. 2†: 20.	
— 12. κύριε παντοκράτωρ, ὥς τίς	(8)	— 30. B τοῦ π. ἐπιφανέντος κυρίου [A χριστοῦ]	(8)	5*†.	
— 13. ἀπεκρίθη κύριος π. τῷ ἀγγέλῳ	(8)	5. 20. ἐν τῇ τοῦ π. ὁρῇ	(8)	Ru. 2. 12: 4. 5.	
— 14. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	6. 26. τὰς τοῦ π. χεῖρας οὕτε ζῶν οὕτε ἀποθανόν	(8)	I Ki. 1. 17, 20, 27: 2. 13, 15: 7. 14: 8. 10: 9. 24†:	
— 16. Α τάδε λέγει κύριος π. [B S om.]	(8)	ἐκφεύρομαι	(8)	14. 15: 16. 14. 17. 30†: 20. 7, 9, 28, 33: 23. 12†:	
— 16. λέγει κύριος π.	(8)	7. 35. τὴν τοῦ π. ἐπὶ τὸν π. ἐκφύεργας	(8)	24. 7†: 26. 11.	
— 17: 2. 8 (12). τάδε λέγει κύριος π.	(8)	— 38. τὴν τοῦ π. ὁρῇ	(8)	II Ki. 2. 31: 3. 13, 15 bis, 37: 15. 3, 28: 21. 12:	
2. 9 (13). κύριος π. ἀπέσταλκέ με	(8)	8. 11. τὴν παρὰ τοῦ π. μέλλουσιν παρακολουθῆσιν	(8)	24. 21, 24.	
— 11 (15). κύριος π. ἐξαπέσταλκέ με	(8)	... διεν	(8)	III Ki. 2. 14 (15), 15 (16), 20, 33: 3. 11: 4.	
3. 8 (7). τάδε λέγει κύριος π.	(8)	— 18. ἡμεῖς δὲ ἐπὶ τῷ π. θεῷ ... πεποιθήμεν	(8)	12*, 34 (5. 14): 10. 3†: 12. 15, 24, 24†: 13.	
— 10 (9), 11 (10): 4. 6. λέγει κύριος π.	(8)	— 24. γενομένου δὲ αὐτοῦ τοῦ π. συμμάχου	(8)	31†: 14. 5†, 9†: 16. 24: 18. 38: 20 (21). 3: 21	
4. 9. κύριος π. ἐξαπέσταλκέ με	(8)	15. 8. τὴν παρὰ τοῦ π. ἐσμένον αὐτοῖς νίκην	(8)	(20). 20, 20*†: 34: 22. 24†.	
5. 4. λέγει κύριος π.	(8)	— 32. ἐπὶ τὸν ἄγιον τοῦ π. οἶκον	(8)	IV Ki. 3. 11: 4. 3, 5†, 28: 5. 15†, 19†, 20: 6.	
6. 12. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	III Ma. 2. 2. μόναρχε παντοκράτωρ	(8)	33: 8. 8: 12. 8 (9): 20. 9: 22. 4.	
— 15. κύριος π. ἀπέσταλκέ με	(8)	— 8. ἦνσαν σε τὸν π.	(8)	I Ch. 5. 22: 12. 19: 13. 2: 19. 6†: 29. 12.	
7. 3. τοὺς ἱερεῖς τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π.	(8)	5. 7. τὸν π. κύριον ... ἐπεκαλίσαντο	(8)	II Ch. 10. 15: 11. 4: 13. 19: 18. 6, 23†, 23: 19.	
— 9. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	6. 2. παντοκράτωρ θεὸς	(8)	2: 21. 12: 22. 7: 25. 8, 20: 26. 18: 30. 6: 32.	
— 12. οὗς ἐξαπέστειλε κύριος π.	(8)	— 18. ὁ μεγαλόδοξος καὶ π.	(8)	31: 36. 4.	
— 12. ἐγένετο ὁρῇ μεγάλη παρὰ κυρίου π.	(8)	— 28. ἀπολύσατε τοὺς υἱοὺς τοῦ π. ἐπουρανίου	(8)	I Es. 1. 15*: 2. 18, 30: 4. 46*, 59 bis: 5. 55: 6.	
— 13. λέγει κύριος π.	(8)	θεοῦ ζῶντος	(8)	5: 8. 6, 8, 50, 78.	
8. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου π.	(8)	[Th. Je. 5. 22: 32 (39). 15.]	(8)	II Es. 4. 19: 8. 21, 22, 23.	
— 2. τάδε λέγει κύριος π. [B <sup>1</sup> -ων]	(8)	πάντοτε.	(8)	Ne. 5. 12, 15: 6. 16: 10. 31: 13. 6†.	
— 3. B <sup>2</sup> τάδε λέγει κύριος π. [A B S <sup>1</sup> om.]	(8)	Wt. 11. 21. τὸ γὰρ μεγάλως ἰσχύειν πάρεστί σοι	(8)	To. 4. 18†, 19†: 5. 2†, 3†, 19: 8. 21†.	
— 3. καὶ τὸ δρος κυρίου π. δρος ἁγίου	(8)	πάντοτε	(8)	Ju. 8. 17*: 11. 14: 12. 15.	
— 4. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	19. 18. πάντοτε μόνοντα ἤχῃ [B <sup>2</sup> ἐν ἡ.]	(8)	Es. 2. 15†: 4. 5: 7. 7†: 10. 3.	
— 6. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ [B <sup>1</sup> -ων]	(8)	[Sm. Ge. 30. 41.]	(8)	Jb. 1. 12†: 2. 7†: 4. 12: 6. 22*, 25: 18. 11†: 14.	
— 6. λέγει κύριος π.	(8)	παντοτρόφος.	(8)	5†: 19. 27: 20. 29 bis: 21. 2: 23. 7†: 25.	
— 7, 9. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	Wt. 16. 25. τῇ π. σου δωρεὰ ὑπηρετεῖ	(8)	2†, 3: 27. 13 bis: 31. 3†: 34. 9, 33†: 37. 13,	
— 9. τεθμελιώσται ὁ οἶκος κυρίου π.	(8)	παντοφαγία.	(8)	21*, 22†.	
— 11. λέγει κύριος π.	(8)	IV Ma. 1. 27. κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφαγία	(8)	Ps. 2. 8: 7. 10: 11 (12). 4: 21 (22). 25: 23 (24).	
— 14. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	πάντως.	(8)	5 bis: 26 (27). 4: 36 (37). 23, 39†: 38 (39). 7†:	
— 14. λέγει κύριος π.	(8)	IV Ma. 1. 27. κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφαγία	(8)	57 (58). 5: 61 (62). 1. 5: 67 (68). 23: 72 (73).	
— 17. λέγει κύριος π.	(8)	IV Ma. 1. 27. κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφαγία	(8)	25: 83 (84). 5: 103 (104). 21: 108 (109). 20†:	
— 18. ἐγένετο λόγος κυρίου π. πρὸς μέ	(8)	IV Ma. 1. 27. κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφαγία	(8)	117 (118). 23: 120 (121). 2: 151. 7*.	
— 19. Α B <sup>2</sup> E τάδε [B S <sup>1</sup> om.] λέγει κύριος π.	(8)	IV Ki. 5. 11. πρὸς μέ π. ἐξελεύσεται [B <sup>2</sup> al.]	(8)	Pr. 8. 35: 14. 12†: 16. 11†, 33: 18. 22: 19. 14:	
— 20. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	To. 14. 8. Α B π. ἐσταὶ ἂ ἐλάλησεν	(8)	20. 24: 21. 31: 24. 30 (30. 7): 27. 27: 29. 26:	
— 21. ἐκζητῶσαι τὸ πρόσωπον κυρίου π.	(8)	Wt. 10. 12. S <sup>2</sup> π. [A B παντός, B <sup>2</sup> -ων] δυνατωτέρα	(8)	31. 21*.	
— 22. ἐκζητῶσαι τὸ πρόσωπον κυρίου π. [B <sup>1</sup> om.]	(8)	ἐστὶν εὐσέβεια	(8)	Ec. 5. 10*, 12*: 7. 13 (12)*†: 8. 8*: 12. 11.	
— 23. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	II Ma. 3. 13. π. ἔλεγεν ... ἀναληπτία ταῦτα εἶναι	(8)	Wi. 6. 3 bis.	
9. 14. κύριος π. ἐν σάλπιγγι σαλπεί	(8)	III Ma. 1. 15. E οὐχὶ π. [A -ων] εἰσελεύσεσθαι	(8)	Si. 1. 1: 3. 8, 16†: 5. 6†: 7. 4 bis: 8. 8, 9 bis:	
— 15. κύριος π. ὑπερασπίει αὐτοὺς	(8)	[Sm. II Ki. 14. 14: Ez. 30. 9.]	(8)	11. 14: 15. 2 bis: 15. 9: 16. 11†, 17†: 28. 1,	
10. 3. ἐπισκεψέται κ. ὁ θεὸς ὁ π.	(8)	πάνυ.	(8)	3: 31 (34). 6†: 37. 21: 38. 2 bis, 8: 41. 3: 50.	
— 5. Α κύριος π. [B S om.] μετ' αὐτῶν	(8)	II Ma. 9. 6. π. δικαίως τὸν ... ἐτέρων σπλάγχνα	(8)	21*.	
11. 4. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	basaniasanta	(8)	Am. 5. 1†.	
— 6. Α λέγει κύριος π. [B S om.]	(8)	12. 43. π. καλῶς καὶ ἀστείως πρᾶττων	(8)	Mi. 1. 12: 5. 7: 6. 8.	
12. 4. λέγει κύριος π.	(8)	13. 7. π. δικαίως	(8)	Ob. 1. 1.	
— 5. ἐν κυρίῳ π. θεῷ αὐτῶν	(8)	15. 17. τοῖς Ἰουδαίοις π. καλοῖς	(8)	Jn. 3. 7, 7†.	
13. 7. λέγει κύριος π.	(8)	πανυπέρτατος.	(8)	Hb. 2. 13.	
14. 16, 17. τοῦ προσκυνῆσαι τῷ βασ. κυρίῳ π.	(8)	III Ma. 1. 20. εἰς τὸν π. ἱερὸν ἡβροῖζοντο	(8)	Za. 6. 10 ter: 7. 12: 9. 17†: 10. 1.	
— 20. ἄγιον τῷ κυρίῳ π. [B <sup>2</sup> om.]	(8)	πάππος.	(8)	Is. 2. 1†: 7. 11: 8. 18: 13. 6: 21. 10, 11: 22.	
— 21. ἄγιον τῷ κυρίῳ π.	(8)	Si. prol. 7. ὁ π. μου Ἰησοῦς ἐπὶ πλείον ἐαυτὸν δοῖς	(8)	5: 26. 19*: 28. 2†, 22, 29: 29. 6: 37. 14, 30†:	
— 21. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π.	(8)	[Sm. Za. 1. 1.]	(8)	38. 7: 46. 13*: 49. 4†, 24, 25: 51. 4: 52. 10*:	
Ma. 1. 4. τάδε λέγει κύριος π.	(8)	παπυρεῶν.	(8)	54. 10*: 57. 16: 59. 19, 21*: 63. 14.	
— 6, 8, 9, 10, 11, 13. λέγει κύριος π.	(8)	[Aq. Ex. 2. 3, 5.]	(8)	Je. 11. 1, 20*: 14. 1†: 18. 1: 20. 12*: 21. 1: 23.	
— 13. λέγει κύριος π.	(8)	παπύρινος.	(8)	19, 30†: 27 (50). 15, 28: 28 (51). 6, 27, 53, 59:	
— 14. λέγει κύριος π.	(8)	[Sm. Is. 18. 2.]	(8)	29 (49). 14: 33 (26). 1: 37 (30). 1: 39 (32). 1:	
2. 2. λέγει κύριος π.	(8)	πάπυρος. (1) 𐤑𐤏𐤔 (2) 𐤑𐤏𐤔 (3) 𐤑𐤏𐤔	(8)	41 (34). 1, 8: 42 (35). 1: 44 (37). 17†: 47 (40).	
— 4. λέγει κύριος π.	(8)	Jb. 8. 11. μὴ θάλλει πάπυρος ἀπὸ ὕδατος	(8)	1: 52. 34.	
— 7. ἀγγελος κυρίου π. ἐστίν	(8)	40. 16 (21). κομᾶται παρὰ πάπυρον καὶ κάλα-	(8)	Ba. 4. 9, 22 bis, 24*, 25*, 35, 36*: 5. 1*, 2*, 4, 6,	
— 8. λέγει κύριος π.	(8)	μον [A κ. κ. π.]	(8)	9*.	
— 12. ἐκ προσαγγόντων θυσίαν τῷ κυρίῳ π.	(8)	Is. 19. 6. ἐν παντὶ εἶλε καλάμου καὶ παπύρου	(8)	La. 2. 9.	
— 16. Α λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ π. θεὸς [B S	(8)	[Aq. Sm. Ex. 2. 3.]	(8)	Ez. 3. 17†: 16. 32: 24. 25: 33. 30: 45. 20:	
om. ὁ π. θ.] I.	(8)	[Th. Is. 18. 2.]	(8)	48. 22†.	
— 16: 3. 1, 5. λέγει κύριος π.	(8)	πάπυρος. (1) 𐤑𐤏𐤔 (2) 𐤑𐤏𐤔 (3) 𐤑𐤏𐤔	(8)	Da. LXX. Su. 33*: 1. 20: 2. 15, 16, 18: 4. 20: 6.	
3. 7. λέγει κύριος π. [B <sup>1</sup> ὁ π.]	(8)	Jb. 8. 11. μὴ θάλλει πάπυρος ἀπὸ ὕδατος	(8)	5 (6), 7 (8) bis, 12 (13) bis: 7. 16: 9. 23: 11. 31:	
— 10, 11, 12. λέγει κύριος π.	(8)	40. 16 (21). κομᾶται παρὰ πάπυρον καὶ κάλα-	(8)	Bel 8*†, 13*.	
— 14. πρὸ προσώπου κυρίου π.	(8)	Is. 19. 6. ἐν παντὶ εἶλε καλάμου καὶ παπύρου	(8)	Da. TH. Su. 33*, 55: 1. 20: 2. 6, 18, 23, 49: 6.	
— 17: 4. 1 (3. 19), 3 (3. 21). λέγει κύριος π.	(8)	[Aq. Sm. Ex. 2. 3.]	(8)	7 (8) bis, 12 (13) bis, 13 (14): 7. 16.	
Je. 3. 19. δάσω σοι γῆν ἐκλεκτὴν κληρονομίαν	(8)	[Th. Is. 18. 2.]	(8)	I Ma. 2. 15*†, 17*: 4. 13*†: 7. 13, 32*, 41*: 8.	
θεοῦ παντοκράτορος ἐθνῶν	(8)				

8: 9. 13\*†, 44\*†, 49, 58\*: 10. 87\*: 11. 34, 39\*, 69\*, 73\*†: 12. 7, 17\*, 27\*, 28\*†, 29\*, 34\*, 49\*: 13. 52\*: 15. 15\*, 20. 16. 16\*†.  
 II Ma. 7. 2†, 11: 8. 11\*: 11. 16, 17, 20\*: 12. 11\*: 14. 21: 15. 7, 8, 16.  
 III Ma. 1. 1: 5. 35\*.  
 IV Ma. 9. 5: 12. 11: 13. 3†: 18. 23.  
 [Aq. II Ki. 7. 15: III Ki. 14. 5: 22. 24: Pr. 12. 2: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 54. 10: Je. 7. 1: 27 (84). 1: 32 (89). 9: 84 (41). 12: 86 (43): 1: 44 (51). 28 bis: Ez. 33. 7: Za. 6. 10†er.]  
 [Sm. II Ki. 7. 15: IV Ki. 1. 2: Jb. 4. 12: 27. 13: Ps. 20 (21). 7: 30 (31). 12: 41 (42). 9: 78 (74). 22: 85 (86). 16: 117 (118). 23: Pr. 1. 19: 8. 18, 35: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 28. 29: 49. 24: Je. 7. 1: 13. 21: 32 (39). 9: 86 (43). 1: DA. 2. 15 (Sw.).]  
 [Th. Le. 21. 12: II Ki. 7. 15: Jb. 27. 13: Ps. 57 (58). 6: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 28. 2: 57. 8: Je. 7. 1: 32 (39). 9: Ez. 33. 7 (Sw.).]  
 [Al. Ge. 49. 24: Jb. 1. 16: Is. 28. 2. ]  
 [Sext. Ps. 30 (31). 12.]

II. c. dat. \* δ παρά.  
 Ge. 14. 13†: 18. 14: 23. 11: 24. 23, 25: 27. 15: 29. 25†, 27: 30. 33: 31. 32†er: 34. 16: 39. 2, 15, 16, 18: 40. 3†, 7: 44. 9, 10, 16, 17.  
 Ex. 2. 21: 18. 18: 22. 25 (24): 31. 13: 33. 12, 16, 21: 35. 23, 24.  
 Le. 19. 13: 25. 39, 40, 47\* bis.  
 Nu. 11. 15: 22. 8, 9.  
 De. 15. 3, 16: 29. 17 (16): 32. 34.  
 Jd. 15. 8†: 17. 2, 11, 11†: 18. 3†, 17†.  
 I Ki. 5. 2: 6. 14†: 9. 23: 22. 3, 23: 23. 19: 24. 7†: 25. 15, 16, 29: 26. 1†.  
 II Ki. 10. 8: 11. 9: 19. 37 (38): 20. 8: 24. 16.  
 III Ki. 20 (21). 1: 21 (20). 40: 22. 5†.  
 IV Ki. 12. 9 (10).  
 I Ch. 29. 8.  
 II Ch. 14. 11: 21. 1†: 25. 24.  
 I Es. 4. 39†: 9. 43†.  
 Ne. 2. 6†.  
 To. 4. 4, 14†: 5. 6†, 9†: 6. 10†: 8. 20†: 9. 2†, 5: 10. 9†.  
 Ju. 11. 9, 17†: 12. 11†: 15. 10.  
 Es. 2. 20†: 3. 13†, 13.  
 Jb. 1. 18: 9. 2: 10. 12: 11. 20†: 12. 13, 16, 16†: 14. 5†: 19. 4†: 23. 7†: 25. 2†: 27. 11: 34. 14: 40. 10 (15): 42. 11†.  
 Ps. 35 (36). 9: 36 (37). 39†: 38 (39). 7†, 12†: 41 (42). 8†: 53 (54). 11†: 72 (73). 22: 75 (76). 12: 88 (89). 27: 108 (109). 20†: 129 (130). 4, 7 bis.  
 Pr. 2. 1, 18 bis: 3. 7: 7. 1: 8. 30: 9. 18: 12. 2, 22: 14. 6 bis, 12†: 22. 15, 8, 11, 28 (16. 7): 16. 2, 5 bis, 11†: 17. 3, 15: 18. 16: 21. 3, 15: 26. 5, 12: 28. 11.  
 Wi. 4. 1 bis: 5. 15: 8. 10: 9. 10: 12. 7\*.  
 Si. 5. 6†: 7. 5: 12. 12†: 16. 11†: 18. 17: 32 (35). 12: 50. 12†.  
 Am. 6. 10.  
 Is. 21. 12: 38. 12: 49. 4†.  
 Je. 22. 13: 44 (37). 13.  
 Ep. Je. 44†.  
 Ez. 39. 15†.  
 Da. LXX. 1. 19: 2. 2, 22: Bel 8\*†, 17.  
 Da. TH. Bel 18.  
 I Ma. 1. 57: 7. 47†: 8. 22: 9. 13\*†: 13. 29.  
 I Ma. 1. 36: 2. 14.  
 IV Ma. 3. 11\*: 9. 8: 11. 7†: 13. 3†.  
 [Aq. Ex. 9. 13: Is. 45. 14: 54. 17: Je. 52. 8\*].  
 [Sm. Ex. 33. 13: 35. 23 bis: Dt. 82. 34: I Ki. 2. 3: 24. 12: Jb. 9. 35: 14. 5: 24. 25: Ps. 15 (16). 11: 27 (28). 3: 72 (73). 22: 89 (90). 16: 139 (140). 14: Pr. 11. 2: Ec. 1. 11: 6. 1: Is. 54. 17: Je. 38 (45). 5: 52. 8\*].  
 [Th. Ex. 35. 23: Is. 54. 17].  
 [Al. Ps. 135 (136). 6: 138 (139). 12, 18.]

III. c. acc. \* δ παρά.  
 Ge. 13. 18: 19. 1: 22. 17\*: 24. 11: 25. 11: 29. 20†: 36. 37\*: 37. 3: 41. 3, 17†: 43. 34: 49. 13.  
 Ex. 2. 3, 5†: 11. 5\*: 12. 22\*, 22: 13. 20: 14. 9, 11, 30: 15. 27†: 18. 11: 28. 30 (34): 29. 10, 11†, 12, 32: 33. 8, 12, 16, 17: 36. 5†: 38. 26 (8). 40. 6, 29.  
 Le. 1. 16: 3. 2, 8, 13: 4. 4, 7 bis, 14, 25, 30, 34: 10. 12†: 16. 7: 17. 6: 19. 21.

Nu. 2. 18†: 3. 23†, 46: 6. 13, 18: 10. 6†: 12. 3: 13. 30, 30†: 14. 16: 16. 18†, 19†, 27: 20. 19 bis: 22. 1, 9†: 24. 6: 25. 6: 33. 9, 49, 50†: 34. 7: 35. 1.  
 De. 2. 8, 36: 3. 12†: 7. 6, 7 bis, 8, 14: 9. 28 bis: 10. 15: 16. 21: 23. 4 (5): 31. 14, 14†, 15† bis.  
 Jo. 5. 1\*: 7. 7: 11. 4\*†: 12. 7†: 18. 14†: 19. 51: 22. 7.  
 Jd. 5. 17†: 9. 44: 11. 26\*: 18. 16: 19. 26, 27.  
 I Ki. 2. 22†: 4. 13: 6. 14†: 9. 24†: 13. 5\*†: 18. 30†: 20. 19, 25.  
 II Ki. 6. 7: 10. 3.  
 III Ki. 1. 9†: 3. 1 (4. 29)\*: 4. 29 (5. 9)\*: 10. 19†: 13. 24, 24†, 28, 31.  
 IV Ki. 1. 3, 6, 16†: 4. 15: 7. 3: 10. 8: 23. 8\*.  
 I Ch. 1. 48\*: 19. 9: 24. 4.  
 II Ch. 2. 5 (4): 9. 18: 11. 23: 29. 34: 30. 18.  
 I Es. 1. 24: 2. 28: 4. 35, 39†.  
 Ne. 3. 8†: 7. 2.  
 To. 2. 9: 3. 17†: 5. 6†: 6. 11†, 12†: 7. 1†: 9. 2†: 11. 4†.  
 Ju. 5. 4: 8. 25†: 11. 23: 12. 18: 13. 4, 18.  
 Es. 2. 17: 3. 8: 4. 13†, 16: 8. 13.  
 Jb. 4. 11, 20, 21: 24. 8: 38. 12: 40. 16 (21).  
 Ps. 1. 3: 8. 5: 30 (31). 11: 43 (44). 10: 44 (45). 2, 7: 72 (73). 2 (παρά μικρόν), 2 (παρ' ὀλίγον): 93 (94). 17 (παρά βραχὺ): 100 (101). 3†: 118 (119). 87 (παρά βραχὺ): 184 (185). 5: 140 (141). 7. Pr. 5. 14 (παρ' ὀλίγον): 7. 8, 12.  
 Ec. 2. 9: 3. 19: 7. 3 (2)†.  
 Wi. 15. 13.  
 Si. 12. 12†: 15. 5: 21. 24: 43. 28: 50. 12†.  
 Ze. 3. 6†.  
 Is. 6. 11 bis: 19. 5\*: 53. 3.  
 Je. 2. 15: 4. 7: 7. 32†: 9. 10 (9), 11 (10), 12 (11): 17. 8, 9: 26 (46). 6\*: 40 (33). 10, 12.  
 Ba. 3. 28.  
 La. 1. 4: 3. 51.  
 Ez. 16. 22, 34, 47 (παρά μικρόν), 47 (παρ' ὀλίγον)†: 20. 6, 15: 29. 15: 31. 5: 38. 30: 34. 8: 39. 15†.  
 Da. LXX. 1. 10, 13, 20: 2. 30: 3. 19, (32), (36)\*, (37): 7. 1, 3†, 23: 11. 2, 13: 12. 8.  
 Da. TH. 1. 10, 20: 2. 30: 3. 19, (32), (36)\*, (37): 7. 7†, 19: 11. 2.  
 I Ma. 7. 1†, 47†: 11. 1\*†: 13. 52\*: 14. 45.  
 II Ma. 4. 36, 42: 7. 39: 10. 13 (παρ' ἑκάστα), 14 (παρ' ἑκάστα).  
 III Ma. 3. 23 (παρ' ἑκάστα): 4. 8: 5. 8, 42 (παρ' οὐδέν): 7. 8.  
 IV Ma. 10. 19.

[Aq. Ge. 32. 10 (11): Jo. 5. 1: II Ki. 23. 19: III Ki. 1. 9: 14. 9: IV Ki. 1. 16: Jb. 4. 11: 28. 18: 30. 1: Ps. 32 (33). 14, 15: 60 (61). 3: 64 (65). 4: Pr. 8. 19 bis: 28. 23: 30. 2: Je. 9. 11 (10): 19. 11: 33 (40). 12 (Sw.): 44 (51). 22: 51 (28). 29, 37: Ez. 16. 47 (P.): Hb. 1. 8.]  
 [Sm. Ge. 4. 7: Jo. 5. 1: Jd. 9. 6: III Ki. 1. 9: Ps. 9. 29 (10. 8): 82 (83). 18 bis: 44 (45). 3, 9: 72 (73). 2 (παρ' οὐδέν): CA. 1. 8: Is. 52. 14: 57. 1, 20: Je. 33 (40). 12 (Sw.): Ez. 16. 47 (P.).]  
 [Th. Ex. 40. 5: Jo. 5. 1: Jd. 18. 16: III Ki. 1. 9: Is. 57. 1: Je. 19. 11: 33 (40). 12 (Sw.): 44 (51). 22: 51 (28). 37: Ez. 16. 47 (P.): 29. 15: Da. 1. 10, 20.]  
 [Al. Le. 1. 15: 8. 31: I Ki. 4. 18: 9. 21: Ps. 120 (121). 5.]  
 [Heb. Jb. 2. 13.]  
 [Quint. Ps. 30 (31). 12: 44 (45). 3: 140 (141). 7.]

παραβαίνειν. (1)  $\text{עָלַה}$  (2)  $\text{עָלָה}$  a. qal.  
 δ. hi. (3)  $\text{סִיר}$  a. qal. δ. hi. (4)  $\text{עָבַר}$   
 (5)  $\text{בָּרַח}$  hi. (6)  $\text{עָשָׂה}$  (7)  $\text{עָבַד}$   
 Ex. 32. 8. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς δόου (3 a)  
 Le. 26. 40. παρέβησαν καὶ ὑπερέβδον με (1)  
 Nu. 6. 12. ἐὰν παρήβῃ ἡ γυνὴ αὐτοῦ (7)  
 — 19. εἰ μὴ παρῆβηθcas μανθῆναι (7)  
 — 20. εἰ δὲ οὐ παρῆβηθcas (7)  
 — 29. ὃ ἂν παρῆβῃ ἡ γυνή (7)  
 14. 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ρῆμα κ. (4)  
 22. 18: 24. 13. οὐ δυνήσονται παραβῆναι τὸ ρῆμα κυρίου (4)  
 27. 14. παρήβητε τὸ ρῆμα μου (2 a)  
 De. 1. 43. παρήβητε τὸ ρῆμα κυρίου (2 b)  
 9. 12. παρήβησαν ταχὺ ἐκ τῆς δόου (3 a)

De. 9. 16. παρήβητε ἀπὸ τῆς δόου (3 a)  
 11. 16. καὶ παρήβητε (3 a)  
 17. 20. ἵνα μὴ παραβῇ ἀπὸ τῶν ἐντολῶν (3 a)  
 28. 14. οὐ παραβῆσθε ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ. (3 a)  
 Jo. 7. 11, 15. παρήβη τὴν διαθήκην (4)  
 11. 15. οὐ παρήβη οὐδέν (3 b)  
 23. 16. ἐν τῷ παραβῆναι [A -βαίνειν] ὑμᾶς τὴν διαθήκην (4)  
 I Ki. 12. 21. B μὴ παρήβητε ὅπως τῶν μηθὲν δυνῶν (3 a)  
 15. 24. παρήβη τὸν λόγον κυρίου (4)  
 IV Ki. 18. 12. παρήβησαν τὴν διαθήκην αὐτοῦ. (4)  
 I Es. 1. 16. παραβῆναι ἑκάστον τὴν ἐαν. ἐφήμ. — 48. παρήβη τὰ νόμιμα κυρίου θ'. Ἰσρ. — 49. A παρήβησαν ὑπὲρ πάσας τὰς ἀκαθαρσίας [B al.]  
 4. 5. τὸν λόγον τοῦ βασ. οὐ παραβαίνουσιν (3 a)  
 6. 32. ὅσοι ἐὰν παραβῶσι τι (3 a)  
 8. 24. ὅσοι ἐὰν παραβαίνουσιν [A -ουσιν] τὸν νόμον — 82. B παρήβησαν [A B -έβημεν γὰρ] τὰ προστάγματα σου — 87. παραβῆναι τὸν νόμον σου  
 To. 4. 5. παραβῆναι τὰς ἐντολὰς αὐ. — 9. 3. B παρῆβησαν τὸν ὄρκον αὐ. [A B al.]  
 Ju. 2. 13. οὐ παραβῆσθ' ἐν τι τῶν ῥημάτων (3 a)  
 8. 30. δὲ οὐ παραβῆσθ' ἐν τι τῶν ῥημάτων — 11. 6. A ἔξιμι σοι παρήβῃ [B S ἀπέβῃ] ἀπὸ κυρίου +  
 14. 17. ἐπέστη μὲν δὲ εἴτι ἦκον παρήβῃ +  
 Ps. 118 (119). 119. παραβαίνοντας ἐλογισάμην πάντας τοὺς ἁμαρτωλοὺς τῆς γῆς +  
 Si. 10. 19. οἱ παραβαίνοντες ἐντολὰς — 19. 24. καὶ παραβαίνον νόμον — 23. 18. ἄνθρωπος παραβαίνων ἀπὸ τῆς κλίσης αὐ. [A al.]  
 34 (31). 10. τίς ἐδύνάτο παραβῆναι καὶ οὐ παρήβῃ 38. 19. ἐν ἀπαγωγῇ παραβαίνει καὶ λύπη [A B al.] 39. 31. οὐ παραβῆσθαι λόγον — 40. 14. οὕτως οἱ παραβαίνοντες εἰς συντέλειαν ἐκλείψουσιν [A -θλίψουσιν] — 42. 10. μετὰ ἀνδρὸς οὕσα μὴ ποτε παραβῇ — 42. 10. μετὰ ἀνδρὸς οὕσα μὴ ποτε παραβῇ (4)  
 Ho. 6. 8 (7). ὥς ἄνθρωπος παραβαίνων διαθήκην (4)  
 8. 1. παρήβησαν τὴν διαθήκην μου (4)  
 Is. 24. 5. A παρήβησαν [B S παρήλθοσαν] τὸν νόμον (4)  
 66. 24. ὄψονται τὰ κῶλα τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί (8)  
 Je. 5. 28. παρήβησαν κρίσιν (4)  
 Ez. 16. 59. τοῦ παραβῆναι τὴν διαθήκην μου (5)  
 17. 15. παραβαίνων διαθήκην εἰ διασωθήσεται [A σωθ.] (5)  
 — 16. δε παρήβῃ τὴν διαθήκην μου (5)  
 — 18. τοῦ παραβῆναι διαθήκην (5)  
 — 19. τὴν διαθήκην μου ἢ παρήβῃ (5)  
 44. 7. παρῆβαινε τὴν διαθήκην μου (5)  
 Da. LXX. 9. 5. παρήβημεν τὰς ἐντολὰς σου (3 a)  
 Da. TH. 9. 11. πᾶς Ἰσρ. παρήβησαν τὸν νόμον σου (4)  
 I Ma. 7. 18. παρήβησαν γὰρ τὴν στάσιν — II Ma. 7. 2. παραβαίνουσιν τοὺς πατέρας νόμους — III Ma. 7. 10. τοὺς . . . τὸν ἄγιον θεὸν αὐθαρέτως παραβεβηκότας — 11. τοὺς . . . τὰ θεῖα παραβεβηκότας προστάγματα — 12. τοὺς παραβεβηκότας τοῦ θεοῦ τὸν νόμον  
 IV Ma. 9. 1. ἡ π. τὰς πατέρας ἡμῶν ἐντολὰς — 13. 15. τοῖς παραβῶσι [S\* -βαίνουσι] τὴν ἐντολήν τοῦ θεοῦ  
 16. 24. μᾶλλον ἢ παρήβῃ τὴν ἐντολήν τοῦ θεοῦ [Aq. Le. 5. 15: Dt. 32. 51: Pr. 16. 10.] [Sm. Ps. 54 (55). 21: 72 (73). 7: 88 (89). 34: Pr. 8. 19: Ec. 8. 2: Is. 31. 6.] [Th. Pr. 16. 10.] [Al. Le. 4. 27: 5. 4.]

παραβάλλειν. (1)  $\text{הִשְׁוִי}$  hi. (2)  $\text{הִשְׁוִי}$   
 Ru. 2. 16. παραβάλλοντες παραβάλλετε αὐτῇ (2, 2)  
 Ju. 15. 3. S οἱ παραβεβηκότας καὶ λύπη [A B παρῆβ.] ἐν τῇ ὀρενῇ  
 Pr. 2. 2. παραβάλλεις καρδίαν σου εἰς σύνεσιν παραβάλλεις δὲ αὐτὴν ἐπὶ νοουθήσιν τῇ νύφ σου (1, -)  
 4. 20. A B τοῖς δὲ ἐμοῖς λόγοις παραβάλλει [B B -βαλε] σὸν οὐς (1)  
 5. 1. ἐμοῖς δὲ λόγοις παρῆβαλλε [B -βαλε] σὸν οὐς (1)  
 — 13. οὐδὲ παραβάλλον [S -βαλον] τὸ οὐς μου (1)  
 22. 17. λόγοις σοφῶν παρῆβαλλε [A S\* -βαλε] σὸν οὐς (1)

Na. 8. 5. λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ [B<sup>3</sup> om.] π.  
Hb. 2. 13. οὐ ταῦτά ἐστι παρὰ κυρίου π.  
Ze. 2. 10. ἐμεγαλύνθησαν ἐπὶ τὸν κ. τὸν π.  
Hg. 1. 2, 5. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 6 (A). τὰδε λέγει κύριος π.  
— 7, 9. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 14. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π. θεοῦ αὐτῶν  
2. 5 (4). λέγει κύριος ὁ [A B<sup>3</sup> om.] π.  
— 7 (6). τὰδε λέγει κύριος π. [B<sup>1</sup> ὁ π.]  
— 8 (7), 9 (8), 10 (9) bis. λέγει κύριος π.  
— 12 (11). τὰδε λέγει κύριος π.  
— 24 (23) bis. λέγει κύριος π.  
Za. 1. 3. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 3. S<sup>1</sup> λέγει κύριος π. [A B<sup>3</sup> al.]  
— 3. A λέγει κύριος π. [B S τῶν δυνάμεων]  
— 4. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 6. καθὼς παρατέτακται κύριος π.  
— 12. κύριε παντοκράτωρ, ἵως τίνος  
— 13. ἀπεκρίθη κύριος π. τῷ ἀγγέλῳ  
— 14. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 16. A τὰδε λέγει κύριος π. [B S om.]  
— 16. λέγει κύριος π.  
— 17. 2. 8 (12). τὰδε λέγει κύριος π.  
2. 9 (13). κύριος π. ἀπεσταλκὲς με  
— 11 (15). κύριος π. ἐξαπέσταλκὲς με  
3. 8 (7). τὰδε λέγει κύριος π.  
— 10 (9), 11 (10): 4. 6. λέγει κύριος π.  
4. 9. κύριος π. ἐξαπέσταλκὲς με  
5. 4. λέγει κύριος π.  
6. 12. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 15. κύριος π. ἀπεσταλκὲς με  
7. 3. τοὺς ἱερεῖς τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π.  
— 9. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 12. οὐν ἐξυπέστειλε κύριος π.  
— 12. ἐγένετο ὁργὴ μεγάλη παρὰ κυρίου π.  
— 13. λέγει κύριος π.  
8. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου π.  
— 2. τὰδε λέγει κύριος π. [B<sup>1</sup> -ὦν]  
— 3. S<sup>1</sup> τὰδε λέγει κύριος π. [A B S<sup>1</sup> om.]  
— 3. καὶ τὸ ὄρος κυρίου π. ὄρος ἁγίων  
— 4. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 6. τὰδε λέγει κύριος παντοκράτωρ [B<sup>1</sup> -ὦν]  
— 6. λέγει κύριος π.  
— 7, 9. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 9. τεθεμελιώται ὁ οἶκος κυρίου π.  
— 11. λέγει κύριος π.  
— 14. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 14. λέγει κύριος π.  
— 17. λέγει κύριος π.  
— 18. ἐγένετο λόγος κυρίου π. πρὸς μέ  
— 19. A B<sup>3</sup> τὰδε [B S<sup>1</sup> om.] λέγει κύριος π.  
— 20. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 21. ἐκζητῶται τὸ πρόσωπον κυρίου π.  
— 22. ἐκζητῶται τὸ πρόσωπον κυρίου π. [B<sup>1</sup> om.]  
— 23. τὰδε λέγει κύριος π.  
9. 4. κύριος π. ἐν σάλπιγγι σαλπιεῖ  
— 15. κύριος π. ὑπερασπίζει αὐτοὺς  
10. 3. ἐπισκέψεται κ. ὁ θεὸς ὁ π.  
— 5. A κύριος π. [B S om.] μετ' αὐτῶν  
11. 4. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 6. A λέγει κύριος π. [B S om.]  
12. 4. λέγει κύριος π.  
— 5. ἐν κυρίῳ π. θεῷ αὐτῶν  
13. 7. λέγει κύριος π.  
14. 16, 17. τοῦ προσκυνῆσαι τῷ βασι. κυρίῳ π.  
— 20. ἁγίων τῷ κυρίῳ π. [B<sup>3</sup> om.]  
— 21. ἁγίων τῷ κυρίῳ π.  
— 21. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου π.  
Ma. 1. 4. τὰδε λέγει κύριος π.  
— 6, 8, 9, 10, 11, 13. λέγει κύριος π.  
— 13. λέγει κύριος π.  
— 14. λέγει κύριος π.  
2. 2. λέγει κύριος π.  
— 4. λέγει κύριος π.  
— 7. ἄγγελος κυρίου π. ἐστίν  
— 8. λέγει κύριος π.  
— 12. ἐκ προσαγγόντων θυσίαν τῷ κυρίῳ π.  
— 16. A λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ π. θεὸς [B S  
om. ὁ π. θ.] I.  
— 16: 3. 1, 5. λέγει κύριος π.  
3. 7. λέγει κύριος π. [B<sup>1</sup> ὁ π.]  
— 10, 11, 12. λέγει κύριος π.  
— 14. πρὸ προσώπου κυρίου π.  
— 17: 4. 1 (3. 19), 3 (3. 21). λέγει κύριος π.  
Je. 3. 19. δώσω σοι γῆν ἐκλεκτὴν κληρονομίαν  
θεοῦ παντοκράτορος ἐθνῶν

Je. 5. 14. τὰδε λέγει κύριος π. (3)  
— 15. 16. κύριος π. (3)  
23. 16. A B οὕτως λέγει κύριος π. (3)  
27 (50). 34. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ (3)  
28 (51). 5. ἀπὸ κυρίου παντοκράτορος (3)  
— 57. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ (3)  
29 (49). 18. εἶπε κύριος π. (3)  
32 (25). 27. οὕτως εἶπε κύριος π. (3)  
37 (30). 3. A B εἶπε κύριος π. [B om.] (3)  
38 (31). 35. κύριος π. ὄνομα αὐτῷ (3)  
39 (32). 14. οὕτως εἶπε κύριος π. (3)  
— 19 (18). ὁ θεὸς ὁ μέγας ὁ π. [B al.] (3)  
40 (33). 11. ἐξομολογήσθε κυρίῳ παντοκράτορι (3)  
51 (44). 7. οὕτως εἶπε κύριος π. (3)  
Ba. 3. 1, 4. κύριος π. ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (3)  
II Ma. 1. 25. ὁ μόνος δίκαιος καὶ π. (3)  
— 3. 22. B ἐπεκαλοῦντο τὸν π. θεόν [A al.] (3)  
— 30. B τοῦ π. ἐπιφανέντος κυρίου [A χριστοῦ] (3)  
— 5. 20. ἐν τῇ τοῦ π. ὁργῇ (3)  
6. 26. τὰς τοῦ π. χεῖρας οὐτε ζῶν οὐτε ἀποθανόντων  
ἐκφεύξομαι (3)  
7. 35. τὴν τοῦ π. ἐπόπτον θεοῦ κρίσιν ἐκπέφυγας  
— 38. τὴν τοῦ π. ὁργὴν (3)  
8. 11. τὴν παρὰ τοῦ π. μέλλουσαν παρακολουθήσειν  
— δίκην (3)  
— 18. ἡμεῖς δὲ ἐπὶ τῷ π. θεῷ . . . πεποιθήμεν  
— 24. γενομένου δὲ αὐτοῦ τοῦ π. συμμάχου (3)  
15. 8. τὴν παρὰ τοῦ π. ἐσομένην αὐτοῖς νίκην  
— 32. ἐπὶ τὸν ἅγιον τοῦ π. οἶκον (3)  
III Ma. 2. 2. μόνον παντοκράτωρ (3)  
— 8. ἤνυσαν σε τὸν π. (3)  
5. 7. τὸν π. κύριον . . . ἐπεκαλέσαντο (3)  
6. 2. παντοκράτωρ θεῷ (3)  
— 18. ὁ μεγαλόδοξος καὶ π. (3)  
— 28. ἀπολύσατε τοὺς υἱοὺς τοῦ π. ἐπουρανίου  
θεοῦ ζῶντος (3)  
[Th. Je. 5. 22: 32 (39). 15.] (3)  
— πάντοτε. (3)  
Wi. 11. 21. τὸ γὰρ μεγάλως ἰσχύει πάρεστί σοι  
πάντοτε (3)  
19. 18. πάντοτε μένοντα ἤχη [B<sup>2</sup> ἐν ἡ.] (3)  
[Sm. GE. 30. 41.] (3)  
— παντοτρόφος. (3)  
Wi. 16. 25. τῇ π. σου δωρεὰ ὑπηρετεῖ (3)  
— παντοφαγία. (3)  
IV Ma. 1. 27. κατὰ δὲ τὸ σῶμα παντοφαγία (3)  
— πάντως. (3)  
IV Ki. 5. 11. πρὸς μὲ π. ἐξελεύσεται [B<sup>3</sup> al.] + (3)  
To. 14. 8. A B π. ἐσται δὲ ἐλάλησεν (3)  
Wi. 10. 12. S<sup>1</sup> π. [A B παντός, B<sup>2</sup> -ων] δυνατωτέρα  
ἐστὶν εὐσέβεια (3)  
II Ma. 3. 13. π. ἔλεγεν . . . ἀναληπτία ταῦτα εἶναι (3)  
III Ma. 1. 15. B οὐχὶ π. [A -ων] εἰσελεύσεσθαι  
[Sm. II Ki. 14. 14: Ez. 30. 9.] (3)  
— πᾶν. (1)  
II Ma. 9. 6. π. δικαίως τὸν . . . ἐτέρων σπλάγχνα  
βασανίσαντα (3)  
12. 43. π. καλῶς καὶ ἀστείως πράττων (3)  
13. 7. π. δικαίως (3)  
15. 17. τοῖς Ἰουδαίοις π. καλοῖς (3)  
— πανυπέριτος. (3)  
III Ma. 1. 20. εἰς τὸ π. ἱερὸν ἡθροίζοντο (3)  
— πάππος. (3)  
Si. prol. 7. ὁ π. μου Ἰησοῦς ἐπὶ πλείον ἐαυτὸν δοῦς  
[Sm. Zl. 1. 1.] (3)  
— παπυρεών. (3)  
[Aq. Ex. 2. 3, 5.] (3)  
— παπύριμος. (3)  
[Sm. Is. 18. 2.] (3)  
— πάπυρος. (1) πᾶξ (2) πᾶξ (3) πᾶξ (3)  
Jb. 8. 11. μὴ θάλλει πάπυρος ἀνευ ὕδατος (2)  
40. 16 (21). κοιμάται παρὰ πάπυρον καὶ κάλα-  
μον [A κ. κ. π.] (3)  
Is. 19. 6. ἐν παντὶ ἔλει καλᾶμον καὶ πάπυρον (3)  
[Aq. Sm. Ex. 2. 3.] (3)  
[Th. Is. 18. 2.] (3)

παρά. I. c. gen. \* ὁ παρά.  
Ge. 19. 24: 21. 30: 23. 6, 13, 20: 24. 50: 25. 10, 22: 31. 39†: 33. 19: 38. 20: 41. 32\*: 43. 34: 44. 32: 49. 25, 30, 32: 50. 13.  
Ex. 3. 22: 4. 20\*: 11. 2, 2†: 12. 35: 14. 13\*: 18. 15: 22. 12 (11), 14 (13): 25. 2, 3: 27. 21: 29. 28, 28†: 30. 16: 35. 5, 22: 36. 3 bis: 39. 2 (38. 25).  
Le. 7. 24 (34) bis, 26 (36): 9. 24: 10. 2, 7\*, 12†: 16. 5: 25. 14, 15, 33, 35, 36: 27. 24.  
Nu. 3. 12, 50: 7. 3 bis, 5, 84: 8. 11: 11. 1, 3, 31: 16. 35: 17. 2 (17) bis: 18. 8, 26 bis, 28: 24. 13, 16†: 31. 3, 28, 49\*, 51, 52 bis, 54 bis: 35. 31.  
De. 2. 6†, 6: 3. 4: 10. 12: 17. 18: 18. 3\*, 3, 16: 22. 3: 23. 15 (16), 21 (22): 38. 23.  
Jo. 21. 16, 17: 24. 32.  
Jd. 1. 14: 8. 24: 9. 13\*†: 14. 4: 19. 2†: 20. 5\*†.  
Ru. 2. 12: 4. 5.  
I Ki. 1. 17, 20, 27: 2. 13, 15: 7. 14: 8. 10: 9. 24†: 14. 15: 16. 14: 17. 30†: 20. 7, 9, 28, 33: 23. 12†: 24. 7†: 26. 11.  
II Ki. 2. 31: 3. 13, 15 bis, 37: 15. 3, 28: 21. 12: 24. 21, 24.  
III Ki. 2. 14 (15), 15 (16), 20, 33: 8. 11: 4. 12\*, 34 (5. 14): 10. 3†: 12. 15, 24, 24†: 13. 31†: 14. 5†, 9†: 16. 24: 18. 38: 20 (21). 3: 21 (20). 20\*, 2†, 34: 22. 24†.  
IV Ki. 8. 11: 4. 3, 5†, 28: 5. 15†, 19†, 20: 6. 33: 8. 8: 12. 8 (9): 20. 9: 22. 4.  
I Ch. 5. 22: 12. 19: 13. 2: 19. 6†: 29. 12.  
II Ch. 10. 15: 11. 4: 13. 19: 18. 6, 23†, 23: 19. 2: 21. 12: 22. 7: 25. 8, 20: 26. 18: 30. 6: 32. 31: 36. 4.  
I Es. 1. 15\*: 2. 18, 30: 4. 46\*, 59 bis: 5. 55: 6. 5: 8. 6, 50, 78.  
II Es. 4. 19: 8. 21, 22, 23.  
Ne. 5. 12, 15: 6. 16: 10. 31: 13. 6†.  
To. 4. 18†, 19†: 5. 2†, 3†, 19: 8. 21†.  
Ju. 8. 17\*: 11. 14: 12. 15.  
Es. 2. 15†: 4. 5: 7. 7†: 10. 3.  
Jb. 1. 12†: 2. 7†: 4. 12: 6. 22\*, 25: 13. 11†: 14. 5†: 19. 27: 20. 29 bis: 21. 2, 9: 23. 7†: 25. 2\*†, 3: 27. 13 bis: 31. 37: 34. 9, 33†: 37. 13, 21\*, 22†.  
Ps. 2. 8: 7. 10: 11 (12). 4: 21 (22). 25: 28 (24). 5 bis: 28 (27). 4: 38 (37). 23, 39†: 38 (39). 7†: 57 (58). 5: 61 (62). 1, 5: 67 (68). 23: 72 (73). 25: 83 (84). 5: 103 (104). 21: 108 (109). 20†: 117 (118). 23: 120 (121). 2: 151. 7\*.  
Pr. 8. 35: 14. 12†: 16. 11†, 33: 18. 22: 19. 14: 20. 24: 21. 31: 24. 30 (37): 27. 27: 29. 26: 31. 21\*.  
Ec. 5. 10\*, 12\*: 7. 13 (12)\*†: 8. 8\*: 12. 11.  
Wi. 6. 3 bis.  
Si. 1. 1: 3. 8, 16†: 5. 6†: 7. 4 bis: 8. 8, 9 bis: 11. 14: 15. 2 bis: 15. 9: 16. 11†, 17†: 28. 1, 3: 31 (34). 6†: 37. 21: 38. 2 bis, 8: 41. 3: 50. 21\*.  
Am. 5. 11.  
Mi. 1. 12: 5. 7: 6. 8.  
Ob. 1. 1.  
Jn. 8. 7, 7†.  
Hb. 2. 13.  
Za. 8. 10 ter: 7. 12: 9. 17†: 10. 1.  
Is. 2. 1†: 7. 11: 8. 18: 13. 6: 21. 10, 11: 22. 5: 26. 19\*: 28. 2†, 22, 29: 29. 6: 37. 14, 30†: 38. 7: 46. 13\*: 49. 4†, 24, 25: 51. 4: 52. 10\*: 54. 10\*: 57. 16: 59. 19, 21\*: 63. 14.  
Je. 11. 1, 20\*: 14. 1†: 18. 1: 20. 12\*: 21. 1: 23. 19, 30†: 27 (50). 15, 28: 28 (51). 6, 27, 53, 59: 29 (49). 14: 33 (26). 1: 37 (30). 1: 39 (32). 1: 41 (34). 1, 8: 42 (35). 1: 44 (37). 17†: 47 (40). 1: 52. 34.  
Ba. 4. 9, 22 bis, 24\*, 25\*, 35, 36\*: 5. 1\*, 2\*, 4, 6, 9\*.  
La. 2. 9.  
Ez. 3. 17†: 16. 32: 24. 25: 33. 30: 45. 20: 48. 22†.  
Da. LXX. Su. 33\*: 1. 20: 2. 15, 16, 18: 4. 20: 6. 5 (6), 7 (8) bis, 12 (13) bis: 7. 16: 9. 23: 11. 31: Bel 8\*†, 13\*.  
Da. TH. Su. 33\*, 55: 1. 20: 2. 6, 18, 23, 49: 6. 7 (8) bis, 12 (13) bis, 13 (14): 7. 16.  
I Ma. 2. 15\*†, 17\*: 4. 13\*†: 7. 13, 32\*, 41\*: 8.

8: 9. 13\*†, 44\*†, 49, 58\*†: 10. 87\*†: 11. 34, 39\*, 69\*, 73\*†: 12. 7, 17\*, 27\*, 28\*†, 29\*, 34\*, 49\*†: 13. 52\*†: 15. 15\*, 20: 16. 16\*†.  
II Ma. 7. 2†, 11: 8. 11\*†: 11. 16, 17, 20\*†: 12. 11\*†: 14. 21: 15. 7, 8\*, 16.  
III Ma. 1. 1: 5. 35\*†.  
IV Ma. 9. 5: 12. 11: 13. 3†: 18. 23.  
[Aq. II Ki. 7. 15: III Ki. 14. 5: 22. 24: Pr. 12. 2: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 64. 10: Jē. 7. 1: 27 (34). 1: 32 (39). 9: 84 (41). 12: 36 (43). 1: 44 (51). 28 bis: Ez. 33. 7: Za. 6. 10 ter.]  
[Sm. II Ki. 7. 15: IV Ki. 1. 2: Jb. 4. 12: 27. 13: Ps. 20 (21). 7: 80 (31). 12: 41 (42). 9: 73 (74). 22: 85 (86). 16: 117 (118). 23: Pr. 1. 19: 8. 18, 35: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 28. 29: 49. 24: Jē. 7. 1: 18. 21: 32 (39). 9: 36 (43). 1: DA. 2. 15 (Sw.).]  
[Th. Le. 21. 12: II Ki. 7. 15: Jb. 27. 13: Ps. 57 (58). 6: Is. 7. 11: 8. 18: 21. 11: 28. 2: 57. 8: Jē. 7. 1: 32 (39). 9: Ez. 33. 7 (Sw.).]  
[Al. Ge. 49. 24: Jb. 1. 16: Is. 23. 2.]  
[Sext. Ps. 30 (31). 12.]

II. c. dat. \* δ παρό.  
Ge. 14. 13†: 18. 14: 23. 11: 24. 23, 25: 27. 15: 29. 25†, 27: 30. 3†: 31. 32 ter: 34. 16: 39. 2, 15, 16, 18: 40. 3†, 7: 44. 9, 10, 16, 17.  
Ex. 2. 2†: 16. 18: 22. 25 (24): 31. 13: 33. 12, 16, 21: 35. 23, 24.  
Le. 19. 13: 25. 39, 40, 47\* bis.  
Nu. 11. 15: 22. 8, 9.  
De. 15. 3, 16: 29. 17 (16): 32. 34.  
Jd. 15. 8†: 17. 2, 11, 11†: 18. 3†, 17†.  
I Ki. 5. 2: 6. 14†: 9. 23: 22. 3, 23: 23. 19: 24. 7†: 25. 15, 16, 29: 26. 1†.  
II Ki. 10. 8: 11. 9: 19. 37 (38): 20. 8: 24. 16.  
III Ki. 20 (21). 1: 21 (20). 40: 22. 5††.  
IV Ki. 12. 9 (10).  
I Ch. 29. 8.  
II Ch. 14. 11: 21. 1†: 25. 24.  
I Es. 4. 39†: 9. 43†.  
Ne. 2. 6†.  
To. 4. 14†: 5. 6†, 9†: 6. 10†: 8. 20†: 9. 2†, 5: 10. 9†.  
Ju. 11. 9, 17†: 12. 11†: 15. 10.  
Es. 2. 20†: 3. 13†, 13.  
Jb. 1. 18: 9. 2: 10. 12: 11. 20†: 12. 13, 16, 16†: 14. 5†: 19. 4†: 23. 7†: 25. 2†: 27. 11: 34. 14: 40. 10 (15): 42. 11†.  
Ps. 35 (36). 9: 36 (37). 39†: 38 (39). 7†, 12†: 41 (42). 8†: 53 (54). tit. 72 (73). 22: 75 (76). 12: 88 (89). 27: 108 (109). 20†: 129 (130). 4, 7 bis.  
Pr. 2. 1, 18 bis: 3. 7: 7. 8, 30: 9. 18: 12. 2, 22: 14. 6 bis, 12†, 22: 15. 8, 11, 28 (16. 7): 16. 2, 5 bis, 11†: 17. 3, 15: 18. 6†: 21. 3, 15: 26. 5, 12: 28. 11.  
Wi. 4. 1 bis: 5. 15: 8. 10: 9. 10: 12. 7\*.  
Si. 5. 6†: 7. 5: 12. 12†: 16. 11†: 18. 17: 32 (35). 12: 50. 12†.  
Am. 6. 10.  
Is. 21. 12: 38. 12: 49. 4†.  
Je. 22. 13: 44 (37). 13.  
Ep. Je. 44†.  
Ez. 39. 15†.  
Da. LXX. 1. 19: 2. 2, 22: Bel 8\*†, 17.  
Da. TH. Bel 18.  
I Ma. 1. 57: 7. 47†: 8. 22: 9. 13\*†: 13. 29.  
II Ma. 1. 36: 2. 14.  
IV Ma. 3. 11\*: 9. 8: 11. 7†: 13. 3†.  
[Aq. Ec. 9. 13: Is. 45. 14: 54. 17: Jē. 52. 8\*†]  
[Sm. Ec. 38. 13: 35. 23 bis: Dt. 32. 34: I Ki. 2. 3: 24. 12: Jb. 9. 35: 14. 5: 24. 25: Ps. 15 (16). 11: 27 (28). 3: 72 (73). 22: 89 (90). 16: 139 (140). 14: Pr. 11. 2: Ec. 1. 11: 6. 1: Is. 54. 17: Jē. 38 (45). 5: 52. 8\*†]  
[Th. Ec. 35. 23: Is. 54. 17.]  
[Al. Ps. 135 (136). 6: 138 (139). 12, 18.]

III. c. acc. \* δ παρό.

Ge. 13. 18: 19. 1: 22. 17\*: 24. 11: 25. 11: 29. 20†: 36. 57\*: 37. 3: 41. 3, 17†: 43. 34: 49. 13.  
Ex. 2. 3, 5†: 11. 5\*: 12. 22\*, 22: 13. 20: 14. 9, 11, 30: 15. 27†: 18. 11: 28. 30 (34): 29. 10, 11†, 12, 32: 33. 8, 12, 16, 17: 36. 5†: 38. 26 (8): 40. 6, 29.  
Le. 1. 16: 3. 2, 8, 13: 4. 4, 7 bis, 14, 25, 30, 34: 10. 12†: 16. 7: 17. 6: 19. 21.

Nu. 2. 18†: 3. 23†, 46: 6. 13, 18: 10. 6†: 12. 3: 13. 30, 30†: 14. 16: 16. 18†, 19†, 27: 20. 19 bis: 22. 1, 9†: 24. 6: 25. 6: 33. 9, 49, 50†: 34. 7: 35. 1.  
De. 2. 8, 36: 3. 12†: 7. 6, 7 bis, 8, 14: 9. 28 bis: 10. 15: 16. 21: 23. 4 (5): 31. 14, 14†, 15† bis.  
Jo. 5. 1\*: 7. 7: 11. 4\*†: 12. 7†: 18. 14†: 19. 5†: 22. 7.  
Jd. 5. 17†: 9. 44: 11. 26\*: 18. 16: 19. 26, 27.  
I Ki. 2. 22†: 4. 13: 6. 14†: 9. 24†: 13. 5\*†: 18. 30†: 20. 19, 25.  
II Ki. 6. 7: 10. 3.  
III Ki. 1. 9†: 3. 1 (4. 29)\*: 4. 29 (5. 9)\*: 10. 19†: 13. 24, 24†, 28, 31.  
IV Ki. 1. 3, 6, 16†: 4. 15: 7. 3: 10. 8: 23. 8\*.  
I Ch. 1. 48\*: 19. 9: 24. 4.  
II Ch. 2. 5 (4): 9. 18: 11. 23: 29. 34: 30. 18.  
I Es. 1. 24: 2. 28: 4. 35, 39†.  
Ne. 8. 8†: 7. 2.  
To. 2. 9: 3. 17†: 5. 6†: 6. 11†, 12†: 7. 1†: 9. 2†: 11. 4†.  
Ju. 5. 4: 8. 25†: 11. 23: 12. 18: 13. 4, 18.  
Es. 2. 17: 3. 8: 4. 13†, 16: 8. 13.  
Jb. 4. 11, 20, 21: 24. 8: 38. 12: 40. 16 (21).  
Ps. 1. 3: 8. 5: 30 (31). 11: 43 (44). 10: 44 (45). 2, 7: 72 (73). 2 (παρά μικρόν), 2 (παρ' ὀλίγον): 93 (94). 17 (παρά βραχὺ): 100 (101). 3†: 118 (119). 87 (παρά βραχὺ): 134 (135). 5: 140 (141). 7.  
Pr. 6. 14 (παρ' ὀλίγον): 7. 8, 12.  
Ec. 2. 9: 3. 19: 7. 3 (a)†.  
Wi. 15. 13.  
Si. 12. 12†: 15. 5: 21. 24: 43. 28: 50. 12†.  
Ze. 8. 6†.  
Is. 6. 11 bis: 19. 5\*: 58. 3.  
Je. 2. 15: 4. 7: 7. 32†: 9. 10 (9), 11 (10), 12 (11): 17. 8, 9: 26 (46). 6\*: 40 (38). 10, 12.  
Ba. 3. 28.  
La. 1. 4: 8. 5†.  
Ez. 16. 22, 34, 47 (παρά μικρόν), 47 (παρ' ὀλίγον)†: 20. 6, 15: 29. 15: 31. 5: 33. 30: 34. 8: 39. 15†.  
Da. LXX. 1. 10, 13, 20: 2. 30: 3. 19, (32), (36)\*, (37): 7. 1, 3, 7, 23: 11. 2, 3†: 12. 8.  
Da. TH. 1. 10, 20: 2. 30: 3. (32), (36)\*, (37): 7. 7†, 19: 11. 2.  
I Ma. 7. 1†, 47†: 11. 1\*†: 13. 52\*: 14. 45.  
II Ma. 4. 36, 42: 7. 39: 10. 13 (παρ' ἑκάστα), 14 (παρ' ἑκάστα).  
III Ma. 8. 23 (παρ' ἑκάστα): 4. 8: 5. 8, 42 (παρ' οὐδέν): 7. 8.  
IV Ma. 10. 19.  
[Aq. Ge. 32. 10 (11): Jo. 5. 1: II Ki. 23. 19: III Ki. 1. 9: 14. 9: IV Ki. 1. 16: Jb. 4. 11: 28. 18: 30. 1: Ps. 32 (33). 14, 15: 60 (61). 3: 64 (65). 4: Pr. 8. 19 bis: 28. 23: 30. 2: Jē. 9. 11 (10): 19. 11: 33 (40). 12 (Sw.): 44 (51). 22: 51 (28). 29, 37: Ez. 16. 47 (P.): Hb. 1. 8.]  
[Sm. Ge. 4. 7: Jo. 5. 1: Jd. 9. 6: III Ki. 1. 9: Ps. 9. 29 (10. 8): 32 (33). 18 bis: 44 (45). 3. 9: 72 (73). 2 (παρ' οὐδέν): Ca. 1. 8: Is. 52. 14: 57. 1, 20: Jē. 33 (40). 12 (Sw.): Ez. 16. 47 (P.).]  
[Th. Ex. 40. 5: Jo. 5. 1: Jd. 18. 16: III Ki. 1. 9: Is. 57. 1: 19. 11: 33 (40). 12 (Sw.): 44 (51). 22: 51 (28). 37: Ez. 16. 47 (P.): 29. 15: Da. 1. 10, 20.]  
[Al. Le. 1. 15: 8. 31: I Ki. 4. 18: 9. 21: Ps. 120 (121). 5.]  
[Heb. Jb. 2. 13.]  
[Quint. Ps. 30 (31). 12: 44 (45). 3: 140 (141). 7.]

παραβαίνειν. (1) בָּעַל (2) בָּרַךְ a. qal.

δ. hi. (3) בָּרַךְ a. qal. δ. hi. (4) בָּרַךְ  
(5) בָּרַךְ hi. (6) בָּרַךְ (7) בָּרַךְ

Ex. 32. 8. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς δόου (3 a)  
Le. 26. 40. παρέβησαν καὶ ὑπερέβδον με (1)  
Nu. 5. 12. εἰς τὴν παραβίαν ἡ γυνὴ αὐτοῦ (7)  
— 19. εἰ μὴ παραβίαν καὶ μανθάνει (7)  
— 20. εἰ δὲ σὺ παραβίαν (7)  
— 29. εἰ ἂν παραβίαν ἡ γυνὴ (7)  
14. 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥῆμα κ. (4)  
22. 18: 24. 13. οὐ δύνησθε παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (4)  
27. 14. παρέβητε τὸ ῥῆμα μου (2 a)  
De. 1. 43. παρέβητε τὸ ῥῆμα κυρίου (2 b)  
9. 12. παρέβησαν ταχὺ ἐκ τῆς δόου (3 a)

De. 9. 16. παρέβητε ἀπὸ τῆς δόου (3 a)  
11. 16. καὶ παραβίαν (3 a)  
17. 20. ἵνα μὴ παραβῆ ἀπὸ τῶν ἐντολῶν (3 a)  
28. 14. οὐ παραβίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ. (3 a)  
Jo. 7. 11, 15. παρέβη τὴν διαθήκην (4)  
11. 15. οὐ παρέβη οὐδέν (3 b)  
23. 16. ἐν τῷ παραβῆναι [A-βαίνειν] ὑμᾶς τὴν διαθήκην (4)  
I Ki. 12. 21. B μὴ παραβῆτε ὅτις τῶν μηθὲν δύνων (3 a)  
15. 24. παρέβη τὸν λόγον κυρίου (4)  
IV Ki. 18. 12. παρέβησαν τὴν διαθήκην αὐτοῦ. (4)  
I Es. 1. 16. παραβίαν ἑκάστον τὴν ἐαν. ἐφήμ. — 48. παρέβη τὰ νόμιμα κυρίου θ. 'Isr. — 49. A παρέβησαν ὑπὲρ πάσας τὰς ἀκαθαρσίας [B al.]  
4. 5. τὸν λόγον τοῦ βασ. οὐ παραβαίνουσιν  
6. 32. ὅσοι εἰς τὴν παραβίαν [A-ουσιν] τὸν νόμον  
8. 24. ὅσοι εἰς τὴν παραβίαν [A-ουσιν] τὸν νόμον — 82. B παρέβησαν [A B-ἔβημεν γὰρ] τὰ προστάγματα σου — 87. παραβῆσαν τὸν νόμον σου  
To. 4. 5. παραβῆσαν τὰς ἐντολὰς αὐ. 9. 3. B παραβῆσαν τὸν ὅρκον αὐ. [A B al.]  
Ju. 2. 13. οὐ παραβίαν ἐν τῇ τῶν ῥημάτων  
8. 30. ὅν οὐ παραβῆσαν  
Jb. 11. 6. A εἰς τοὺς παρέβη [B S ἀπέβη] ἀπὸ κυρίου +  
14. 17. ἐπέσειμήνην δὲ εἴτι ἔκων παρέβη +  
Ps. 118 (119). 119. παραβαίνοντας ἐλογισάμην πάντας τοὺς ἀμαρτωλοὺς τῆς γῆς +  
Si. 10. 19. οἱ παραβαίνοντες ἐντολὰς  
19. 24. καὶ παραβαίνοντες νόμον  
23. 18. ἀνθρώπος παραβαίνει ἀπὸ τῆς κλίνης αὐ. [A al.]  
34 (31). 10. τίς ἐδύνάτο παραβῆναι καὶ οὐ παρέβη  
38. 19. ἐν ἀπαγογῇ παραβαίνει καὶ λάπη [A S al.]  
39. 31. οὐ παραβῆσαν λόγον  
40. 14. οὕτως οἱ παραβαίνοντες εἰς συντέλειαν ἐκλείψουσιν [A-θλίψουσιν]  
42. 10. μετὰ ἀνδρὸς οὕσα μὴ ποτε παραβῆ  
Ho. 6. 8 (7). ὡς ἄνθρωπος παραβαίνει τὴν διαθήκην (4)  
8. 1. παρέβησαν τὴν διαθήκην μου (4)  
Is. 24. 5. A παρέβησαν [B S παρήλθοσαν] τὸν νόμον (4)  
66. 24. ὄψονται τὰ κῶλα τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί (6)  
Je. 5. 28. παρέβησαν κρίσιν  
Ez. 16. 59. τοῦ παραβῆναι τὴν διαθήκην μου (5)  
17. 15. παραβαίνοντες διαθήκην εἰ διασωθήσεται [A σωθ.] (5)  
— 16. δε παρέβη τὴν διαθήκην μου (5)  
— 18. τοῦ παραβῆναι τὴν διαθήκην (5)  
— 19. τὴν διαθήκην μου ἣν παρέβη (5)  
44. 7. παραβαίνετε τὴν διαθήκην μου (5)  
Da. LXX. 9. 5. παρέβημεν τὰς ἐντολὰς σου (3 a)  
Da. TH. 9. 11. πᾶς 'Isr. παρέβησαν τὸν νόμον σου (4)  
I Ma. 7. 18. παρέβησαν γὰρ τὴν στάσιν  
II Ma. 7. 2. παραβαίνοντες τοὺς πατέριους νόμους  
III Ma. 7. 10. τοὺς . . . τὸν ἄγιον θεὸν αὐθαιρέτως παραβεβηκότας  
— 11. τοὺς . . . τὰ θεῖα παραβεβηκότας προστάγματα  
— 12. τοὺς παραβεβηκότας τοῦ θεοῦ τὸν νόμον  
IV Ma. 9. 1. ἡ π. τὰς πατέριους ἡμῶν ἐντολὰς  
13. 15. τοῖς παραβάσι [S-βαίνουσι] τὴν ἐντολήν τοῦ θεοῦ  
16. 24. μᾶλλον ἢ παραβῆναι τὴν ἐντολήν τοῦ θεοῦ  
[Aq. Le. 5. 15: Dt. 32. 51: Pr. 16. 10.]  
[Sm. Ps. 54 (55). 21: 72 (73). 7: 88 (89). 34: Pr. 8. 20: Ec. 8. 2: Is. 31. 6.]  
[Th. Pr. 16. 10.]  
[Al. Le. 4. 27: 5. 4.]

παραβάλλειν. (1) בָּרַךְ hi. (2) בָּרַךְ

Ru. 2. 16. παραβάλλοντας παραβαλεῖτε αὐτῇ (2, 2)  
Ju. 15. 3. S οἱ παραβεβηκότας [A B παρεμβ.] ἐν τῇ ὁρεῇ  
Pr. 2. 2. παραβαλεῖς καρδίαν σου εἰς σύνοιαν παραβαλεῖς δὲ αὐτὴν ἐπὶ νοουτέτην τῷ νῷ σου (1, -)  
4. 20. A B τοῖς δὲ ἐμοῖς λόγοις παραβάλλει [B S-βαλε] σὸν οὖν (1)  
5. 1. ἐμοῖς δὲ λόγοις παραβάλλει [S-βαλε] σὸν οὖν (1)  
— 13. οὐδὲ παραβάλλων [S-βιολὼν] τὸ οὖν μου (1)  
22. 17. λόγοις σοφῶν παραβάλλει [A B²-βαλε] σὸν οὖν (1)



I Ma. 3. 40. **A** παρίβαλον [B E παρενέβ.] πλησίον ἡμῶν.

5. 5. **A** παρίβαλεν [B E παρενέβ.] ἐπ' αὐτούς.

15. 25. **B**<sup>1</sup> παρίβαλεν [A B<sup>2</sup> E -ενέβ.] ἐπὶ Δ.

II Ma. 14. 38. σῶμα καὶ ψυχὴν . . . παραβεβλη-  
μένος

[Aq. Ps. 27 (28). 1: 142 (148). 7.]

[Sm. Ez. 20. 49 (21. 5).]

**παραβαπτός.** (1) παραβαπτά ד'ב'ב'ב' י'ח'ר'ר'  
Ez. 23. 15. ποικιλίματα ἐπὶ τὰς ὁσφύας αὐτῶν  
παραβαπτά [A καὶ τιάραι βαπταί] (1)

**παραβασιλεύειν.**

III Ma. 6. 24. παραβασιλεύετε

**παράβασις.** (1) ד'ב'ב'ב'

IV Ki. 2. 24. **A** τένα παραβάσεις καὶ ἀργίας -

Ps. 100 (101). 3. ποιούντας παραβάσεις [B<sup>1</sup>

παρά βασιλείς] ἔμισσα (1)

Wi. 14. 31. ἐπεξέρχεται δὲ τὴν τῶν ἀδικῶν π.

II Ma. 15. 10. παρεπιδεικνύς . . . τὴν τῶν ὀρκῶν π.

[Aq. Lx. 5. 15.]

[Sm. Jb. 20. 11: Ps. 31 (32). 5: Jc. 28 (35). 16:

Da. 11. 14.]

[Th. Gz. 3. 18 (17): IV Ki. 2. 24: Da. 11. 14

(Sw.).]

[Al. Lx. 4. 27.]

**παραβάτης.**

[Sm. Ps. 16 (17). 4: 188 (189). 19: Jc. 6. 28.]

**παραβιάζεσθαι.** (1) ו'י' hi. (2) ו'י'י' hi.

(3) ו'י' ו'י' (4) ו'י' ו'י' (5) ו'י' ו'י' (6) ו'י' ו'י'

Ge. 19. 3. **A** παρεβιάζετο [B κατεβιάσατο] αὐτούς (8)

— 9. παρεβιάζοντο τὸν ἄνδρα τὸν Λώτ (8)

De. 1. 43. παραβιάσαντο ἐνέβητε εἰς τὸ δρος (1)

I Ki. 28. 23. παρεβιάζοντο αὐτὸν οἱ παῖδες αὐ. (4)

IV Ki. 2. 17. καὶ παρεβιάσαντο αὐτὸν (8)

5. 16. καὶ παρεβιάσατο αὐτὸν [A om.] (8)

Am. 6. 10. παραβιάζονται τοὺ ἐξενέγκαι [A al.] †

Jn. 1. 13. καὶ παρεβιάζοντο [B<sup>1</sup> καίπερ ἐβ.] οἱ

ἄνδρες (2)

**παραβιάζω.** (1) ו'י' hi.

II Ki. 12. 13. παρεβιάσατο τὸ ἀμάρτημά σου (1)

24. 10. παρεβιάσανον δὴ τὴν ἀνομίαν (1)

Da. Th. 11. 20. ἐπὶ τὴν ἰτοιμασίαν αὐ. παρα-  
βιάζων (1)

[Aq. Lx. 18. 21: Jc. 15. 14.]

[Sm., Th. Lx. 18. 21.]

[Al. Lx. 25. 9.]

**παραβιωτής.**

Am. 6. 10. **A** οἱ π. τοὺ ἐξενέγκαι τὰ ὁστά αὐ. (1)

[B al.] †

**παραβλέπειν.** (1) ו'י' hi.

Jb. 20. 9. ὀφθαλμοὺς παρέβλεψε καὶ οὐ προσθήσει (1)

28. 7. οὐ παρέβλεψεν αὐτὴν ὀφθαλμοὺς νηπός (1)

Ca. 1. 6. παρέβλεψε με [B μοι] ὁ ἥλιος (1)

Si. 38. 9. ἐν ἀρρωστηματί σου μὴ παράβλεπε (1)

[Sm. Ez. 22. 26.]

**παραβολή.** (1) **A** ו'י' hi. (2) παρα-  
βολὴν εἰπεῖν ו'י' hi.

Nu. 23. 7, 18: 24. 3, 15, 20, 21, 23. ἀναλα-  
βὼν τὴν π. αὐτοῦ (1)

De. 28. 37. ἐν αἰνιγματι καὶ παραβολῇ (1)

I Ki. 10. 12. ἐγένηθη εἰς παραβολὴν (1)

24. 14. καθὼς λέγεται ἡ π. ἡ ἀρχαία (1)

II Ki. 23. 3. παραβολὴν εἰπὼν (2)

III Ki. 4. 32 (5. 12). ἔλαλσε Σαλ. τρισχίλις  
π. (1)

II Ch. 7. 20. δῶσω αὐτὸν εἰς παραβολὴν (1)

To. 3. 4. ἔδωκα ἡμᾶς εἰς . . . παραβολὴν (1)

Ps. 43 (44). 14. **A B S**<sup>1</sup> ἔθου ἡμᾶς εἰς παρα-  
βολὴν ἐν τοῖς ἔθνεσι (1)

48 (49). 4. κλινὴ εἰς παραβολὴν τὸ οὐς μου (1)

68 (69). 11. ἐγενόμην αὐτοῖς εἰς παραβολὴν (1)

77 (78). 2. **B S**<sup>1</sup> ἀνοίξω ἐν παραβολαῖς [S<sup>1</sup> -ῶ]  
τὸ στόμα μου (1)

Pr. 1. 6. νοῦσσι τε παραβολὴν (1)

Ec. 1. 17. παραβολὰς καὶ ἐπιστήμην ἔγνων ἐγὼ †

12. 9. οὐς [B<sup>1</sup> add. αὐτοῦ] ἐξῆχιδάσεται [B<sup>1</sup>  
-άστατο] κόσμον παραβολῶν (1)

Wi. 5. 3. ἐν ἔσχατον ποτε . . . εἰς παραβολὴν ὀνει-  
διζομῶ

Si. 1. 24. ἐν θησαυροῖς σοφίας παραβολὴ [B -αι]

8. 29. καρδία παραβολῶν διανοηθήσεται παραβολὴν  
[S<sup>1</sup> ἐν παραβολῇ]

13. 26. εὐρεῖς παραβολῶν διαλογισμοὶ μετὰ κόπου

20. 20. ἀπὸ στόματος μωροῦ ἀποδοκιμασθήσεται  
παραβολὴ

— 27. λόγοι παραβολῶν

21. 16. **S**<sup>1</sup> ἐπὶ δὲ χεῖλους συνετοῦ εὐρεθήσεται  
παραβολὴ [A om., B S<sup>1</sup> χάρις]

38. 33. ἐν παραβολαῖς οὐχ εὐρεθήσονται

39. 2. ἐν στροφαῖς παραβολῶν συνελεεύσεται

— 3. ἐν αἰνιγμασι παραβολῶν ἀναστροφίσηται

43. 8. **B** σκέυος παραβολῶν [ASB παρεμβ.] ἐν ὕψει

47. 15. ἐνέπλησας ἐν παραβολαῖς αἰνιγμάτων

— 17. ἐν φδοῖς καὶ παροιμίαις καὶ παραβολαῖς

Mi. 2. 4. ληφθήσεται ἐφ' ὕμας παραβολὴ (1)

Hb. 2. 6. οὐχὶ ταῦτα πάντα παραβολὴν κατ' αὐ-  
τοῦ λήφονται (1)

Je. 24. 9. εἰς ἀνειδίσμον καὶ εἰς παραβολὴν (1)

Ez. 12. 22. τίς ἡ π. ὅμιν ἐπὶ τῆς γῆς τοῦ  
Ἰσραὴλ (1)

— 23. ἀποστρέψω τὴν π. ταύτην καὶ οὐκ ἐτι  
μὴ εἴπωσι τὴν π. ταύτην (1)

16. 44. ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ ἐν παραβολῇ (1)

17. 2. εἰπὼν παραβολὴν (1)

18. 2. τί ὅμιν ἡ π. αὕτη (1)

— 3. ἐὰν γίνηται ἐτι λεγομένη ἡ π. αὕτη (1)

19. 14. **B** φυλὴ εἰς παραβολὴν θρόνου [A B  
θρόν.] ἐστὶ (1)

20. 49 (21. 5). οὐχὶ π. ἐστὶ λεγομένη αὕτη (1)

24. 3. εἰπὼν ἐπὶ τὸν ὄκον τὸν παρικοινοῦνται  
παραβολὴν (1)

Da. LXX. 12. 8. τῖνος αἱ π. αὐταὶ †

[Aq. Jb. 17. 6: 27. 1: Ps. 68 (69). 12: 77 (78).  
2: Pr. 1. 1: 25. 1: Is. 14. 4: Ez. 12. 22.]

[Sm. Jb. 17. 6: Ps. 48 (44). 15: 68 (69). 12:  
Pr. 25. 1: 26. 7, 9: Is. 14. 4: Ez. 20. 49 (21.  
5).]

[Th. Jb. 17. 6: Pr. 25. 1: Is. 14. 4: Ez. 12.  
22: 18. 2.]

[Al. Ps. 48 (49). 5.]

**παραγγέλλειν.** (1) **A** ו'י' hi. (2) ו'י' hi.

(3) ו'י' ni. (4) ו'י' hi. (5) ו'י' hi.

(6) ו'י' a. pi. δ. hi.

Jo. 6. 6 (7). παραγγέλλετε τῷ λαῷ (1)

Jd. 4. 10. **A** παρήγγειλεν **B**. τῷ Ζ. [B al.] (2)

I Ki. 10. 17. παρήγγειλε Σαμ. παντὶ τῷ λαῷ (5)

15. 4. παρήγγειλε Σ. τῷ λαῷ (6)

28. 8. παρήγγειλε Σ. παντὶ τῷ λαῷ (6)

III Ki. 12. 6. **A B** παρήγγειλεν [B ἀπήγγ.] ὁ  
βασιλ. τοῖς πρεσβυτέροις (8)

15. 22. παρήγγειλε παντὶ ἰουδα (6)

II Ch. 36. 22. καὶ παρήγγειλε κηρύξαι (4)

II Es. 1. 1. καὶ παρήγγειλε φωνῆν (4)

Ju. 7. 1. παρήγγειλεν Ὀλ. πάση τῇ στρατιᾷ

Je. 26 (46). 14. παραγγέλλετε εἰς Μίμφιν (6)

27 (50). 29. παραγγέλλετε ἐπὶ Βαβυλῶνα πολ-  
λοῖς (6)

28 (51). 27. παραγγέλλετε ἐπ' αὐτὴν (6)

Da. LXX. 2. 18. παρήγγειλε νηστεῖαν καὶ δέσιν -  
8. 4. ὅμιν παραγγέλλεται, ἴσθη καὶ χῶραι (1)

I Ma. 5. 58. **A B** παρήγγειλαν [B -εν] τοῖς ἀπὸ τῆς  
δυνάμεως (1)

9. 63. τοῖς ἐκ τῆς ἰουδ. παρήγγειλε (1)

II Ma. 5. 25. τοῖς ὑφ' αὐτῶν ἐξοπλησίων παρήγγειλε (1)

12. 6. παραγγέλλεται τοῖς περὶ αὐτὸν ἀνδράσι

13. 10. παρήγγειλε τῷ πλῆθει (6)

15. 10. τοῖς θυμοῖς διεγείρας αὐτοὺς παρήγγειλεν

III Ma. 1. 1. παραγγέλλας ταῖς πάσαις δυνάμεσι

4. 14. **B** στρεβλωθέντας δὲ ταῖς [A om.] παρηγ-  
γέλλεσθαι αἰκίας (1)

[Sm. Jc. 36 (43). 9.]

[Al. Jo. 3. 3.]

**παράγγελμα.** (1) ו'י' hi.

I Ki. 22. 14. ἀρχὼν παντός π. σου (1)

**παράγειν.** (1) ו'י' hi. (2) ו'י' a. qal.

δ. hi. (3) ו'י' ni.

I Ki. 16. 9. παρήγαγεν Ἰ. τὸν Σ. (2)

— 10. παρήγαγεν Ἰ. τοὺς ἐπτά υἱοὺς αὐ. (2)

I Ki. 20. 36. καὶ παρήγαγεν αὐτὴν (2)

II Ki. 15. 18. ἀνὰ χεῖρα αὐτοῦ παρήγον (2)

III Ki. 6. 20 (21). **A** παρήγαγεν ἐν καθλωμασιν  
χρυσίου (2)

I Es. 5. 55. εἰς τὸ π. αὐτοὺς . . . ζύλα κείρινα

II Es. 1. 9. **B** παρηγγμένα [A E -ηλλαγμ.] ἐνέα  
καὶ εἰς.

9. 2. παρήχθη σπέρμα τὸ ἄγιον (3)

Ne. 2. 7. ὥστε παραγαγῶν με (2)

Ps. 128 (129). 8. οὐκ εἶπαν οἱ παράγοντες (2)

143 (144). 4. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ὥσπερ σκιά [A<sup>1</sup> S<sup>1</sup>  
σκιαί] παράγουσι (2)

Ec. 11. 10. πάραγε [A S<sup>1</sup> -άγαγε, S<sup>1</sup> ἀπάγαγε] (2)

Is. 5. 27. **S**<sup>1</sup> οὐδὲ μὴ παράγωσιν [A B S<sup>1</sup> -άγω.] (1)

οἱ ἱμάντες

III Ma. 6. 16. κατὰ τὸν ἱππόδρομον παρήγε

IV Ma. 5. 4. παρήχθη πλησίον αὐτοῦ

9. 11. **A B** τὸν πρεσβυτάτον αὐ. . . παρήγαγον  
[B -ήγον]

11. 17. ταῦτα αὐτὸν εἰπόντα παρήγον ἐπὶ τὸν τροχόν  
[Aq. Gz. 8. 1: Is. 54. 9: Jc. 11. 15: 46 (28).  
17: Ez. 20. 26, 31, 37.]

[Sm. Gz. 8. 1: II Ki. 3. 27: 6. 10: Jc. 15. 14:  
Ez. 20. 26, 37: Zl. 9. 8.]

[Th. Is. 60. 15.]

**παραγίνεσθαι, παραγίνεσθαι.** (1) ו'י' a. qal.

δ. hi. (2) ו'י' (3) ו'י' (4) ו'י' hi.

(5) ו'י'

Ge. 14. 13. παραγινόμεν. δὲ τῶν ἀνασθενόντων (1)

26. 32. παραγινόμενοι οἱ παῖδες Ἰ. (1)

32. 20 (21). ὁ παῖς σου Ἰ. παραγίνεται (1)

35. 9. ὅτε παραγίνοτο ἐκ Μεσοπ.

45. 19. ἀναλαβόντες τὸν πατ. ὕμῶν παραγι-  
νέσθαι (1)

50. 10. παραγίνοτο εἰς [A -ετο ἐφ.] δ'λωνα Ἰ. (1)

— 16. **A B** παραγινόμενοι [B -εγίνοντο] πρὸς Ἰ. †

Ex. 2. 16. παραγινόμενοι δὲ ἦντλουν (1)

— 17. παραγινόμενοι δὲ οἱ ποιμένες (1)

— 18. παραγίνοτο δὲ πρὸς Παγ. (1)

— 18. ἐταχυνάτε τοῦ παραγινέσθαι σήμερον (1)

8. 24 (20). παραγίνοτο ἡ κυνὶμία πλήθος (1)

16. 35. ὥς παραγίνοτο εἰς μέρος τῆς Φ. (1)

18. 6. ὁ γαμβρός σου Ἰ. παραγίνεται πρὸς σέ (1)

— 12. παραγίνοτο δὲ Ἰ. (1)

— 15. παραγίνεται πρὸς μέ ὁ λαός (1)

19. 9. παραγίνομαι πρὸς σέ (1)

20. 20. παραγινέθω ὁ θ. πρὸς ὕμας (1)

36. 4. παραγίνοτο [A -γινόμενοι] πάντες (1)

Le. 14. 48. ἐὰν δὲ παραγινόμενος εἰσέλθῃ (1)

Nu. 9. 6. παραγίνοτο οἱ ἄνδρες (2)

10. 21. ὥς παραγίνονται (1)

14. 36. παραγινέθοντες διεγύγγυσαν κατ' αὐτῆς (5)

20. 5. παραγινέσθαι εἰς τὸν τόπον τὸν πον.  
τοῦτον

— 22. παραγίνοτο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)

21. 7. παραγινόμεν. ὁ λαὸς πρὸς Μ. (1)

De. 18. 6. ἐὰν δὲ παραγίνηται ὁ Λ. (1)

Jo. 5. 13 (14). ἐγὼ ἀρχιτεράτῃος . . . παρα-  
γένονα (1)

9. 8. κα

Jd. 21. 2. **A** παραγέινοντο πᾶς ὁ λαὸς εἰς Μ. [B al.] (1a)  
 Ru. 1. 19. ἕως τοῦ παραγέιναι αὐτὰς εἰς Β. (1a)  
 — 22. αὐταὶ δὲ παραγένησαν εἰς Β. (1a)  
 I Ki. 8. 4. παραγίνονται εἰς Ἀρμ. (1a)  
 9. 6. πᾶν . . . παραγινόμενον παρόσται (1a)  
 13. 8. Β οὐ παραγέιντο Σαμ. εἰς Γ. (1a)  
 — 10. Β Σαμ. παραγίνεται (1a)  
 — 11. Β καὶ σὺ οὐ παραγέινου (1a)  
 — 15. Β αὐτὸν παραγέινου. ἐκ Γ. (1a)  
 15. 13. παραγέιντο Σαμ. πρὸς Σ. (1a)  
 19. 18. παραγίνεται πρὸς Σαμ. (1a)  
 20. 22 (21). λάβε αὐτὴν πυριγίνου (1a)  
 — 24. παραγίνεται ὁ μὴν (2)  
 — 27. οὐ παραγέγονεν ὁ υἱὸς Ἰ. (1a)  
 — 29. οὐ παραγέγονεν ἐπὶ τὴν τράπεζαν τοῦ βασι. (1a)  
 22. 9. ἑώρακα τὸν υἱὸν Ἰ. παραγινόμενον (1a)  
 — 11. παραγέινοντο πάντες πρὸς τὸν βασι. (1a)  
 25. 19. ὅστις ὕμῶν παραγινόμενος (1a)  
 — 34. καὶ παραγέινου εἰς ἀπάντησιν μοι (1a)  
 — 36. παραγένηθι Ἀβ. πρὸς Ν. (1a)  
 30. 21. καὶ παραγίνεται Δ. (1a)  
 II Ki. 1. 3. πόθεν σὺ παραγίνεις [A -ου] (1a)  
 3. 13. παραγινόμενον σου ἰδὲν τὸ πρόσωπόν μου (1a)  
 — 22. **A B** παραγέινοντο [B<sup>2</sup> B -γίν.] ἐκ τῆς ἐξοδίας (1a)  
 — 25. ἀπατήσας σε παραγέιντο [A παραγέγονεν] (1a)  
 5. 1. παραγίνονται πᾶσαι αἱ φυλαὶ Ἰσρ. (1a)  
 — 18. οἱ ἀλλόφυλοι παραγίνονται (1a)  
 6. 6. παραγίνονται ἕως δῶδ Ν. (1a)  
 — 16. τῆς κιβωτοῦ παραγινόμενης ἕως πόλεως Δ. (1a)  
 8. 5. παραγίνεται Σαρία Δαμασκου (1a)  
 9. 6. παραγίνεται Μ. υἱὸς Ἰων. (1a)  
 10. 2. παραγέινοντο οἱ παῖδες Δ. εἰς τὴν γῆν (1a)  
 — 14. παραγέινοντο εἰς Ἱερουσ. (1a)  
 — 16. καὶ παραγέινοντο Αἰλᾶμ (1a)  
 — 17. παραγέιντο εἰς Αἰλᾶμ (1a)  
 11. 7. καὶ παραγίνεται Οὐρ. (1a)  
 — 22. παραγέιντο καὶ ἀπηγγέλει (1a)  
 13. 34. παραγέιντο ὁ σκοπὸς (1a)  
 14. 29. οὐκ ἠθέλησε παραγέσθαι (1a)  
 — 30. παραγίνονται οἱ δούλοι Ἰ. (1a)  
 15. 6. παντὶ Ἰσρ. τοῖς παραγινόμενοις εἰς κρίσιν (1a)  
 — 13. παραγέιντο ἀπαγγέλλων πρὸς Δ. (1a)  
 — 20. εἰ ἔχθεις παραγέγονας (1a)  
 18. 31. ὁ Χ. παραγέιντο (1a)  
 19. 24 (25). παραγέιντο ἐν εἰρήνῃ (1a)  
 — 30 (31). μετὰ τὸ παραγέσθαι τὸν κύριον (1a)  
 — 41 (42). πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. παραγέινοντο (1a)  
 20. 15. καὶ παραγένηθσαν (1a)  
 23. 16. παραγέινοντο πρὸς Δ. (1b)  
 24. 6. παραγέινοντο εἰς Δ. (1a)  
 — 8. παραγέινοντο . . . εἰς Ἱερ. (1a)  
 III Ki. 8. 15. παραγίνεται εἰς Ἱερ. (1a)  
 4. 34 (5. 14). παραγίνοντο πάντες οἱ λαοὶ (1a)  
 10. 7. ἕως οὗτο παραγέινοντο (1a)  
 12. 12. παραγίνονται πᾶς Ἰσρ. (1a)  
 13. 1. ἀνθρώπος τοῦ θ. . . παραγέιντο (1a)  
 21 (20). 27. παραγέινοντο εἰς ἀπάντην αὐτῶν (3)  
 IV Ki. 9. 17. ἐν τῇ παραγίνεσθαι αὐτῶν (1a)  
 10. 21. δε οὐ παραγέιντο (1a)  
 II Ch. 24. 24. παραγέιντο [A -γίν.] δυνάμεις Σαρίας (1a)  
 I Es. 5. 44. ἐν τῇ π. αὐτοὺς εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ θ. (1a)  
 — 56. παραγινόμενος εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ θ. (1a)  
 — 56. πάντες οἱ παραγέιν. ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας (1a)  
 8. 8. παραγινόμενος εἰς τὴν χώραν τῆς Ἰουδ. (1a)  
 — 20. τότε ὁ Σαναβ. παραγινόμενος (1a)  
 8. 6. παραγέινοντο εἰς Ἱερ. (1a)  
 — 65. οἱ δὲ παραγέιν. ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας (1a)  
 9. 12. παραγένηθσαν λαβόντες χρόνον (1a)  
 To. 7. 1. παραγέιντο [A -οντο] εἰς τὴν οἰκίαν Ῥ. [B al.] (1a)  
 11. 15. **B** ὅτι ἰδοὺ παραγίνεται (1a)  
 — 18. παραγέιντο [B -οντο] Ἀχ. καὶ Ν. (1a)  
 Ju. 3. 5. καὶ παραγέινοντο οἱ ἄνδρες (1a)  
 6. 11. παραγέινοντο ἐπὶ [B εἰς] τὰς πηγὰς (1a)  
 7. 1. οἱ παραγέινοντο ἐπὶ τὴν συμμαχίαν αὐ. (1a)  
 14. 13. παραγέινοντο ἐπὶ τὴν σκηνὴν Ὀλ. (1a)  
 15. 5. οἱ ἐξ Ἱερ. παραγένηθσαν (1a)  
 Es. 5. 5. παραγίνονται [A -εγίνοντο] ἀμφότεροι (1a)  
 6. 14. παραγίνονται οἱ εὐνοῦχοι (4)

Jb. 1. 7. πόθεν παραγέγονας (1a)  
 2. 11. παραγέινοντο [B -ετο] ἔκαστος (1a)  
 — 11. παραγέινοντο πρὸς αὐτὸν ὁμοθυμαδόν (1a)  
 Ec. 5. 2. παραγίνεται ἐνύπνιον ἐν πληθεί πειρασμῷ (1a)  
 — 15. ὥσπερ γὰρ παραγέιντο (1a)  
 Si. prol. 20. παραγένηθεις εἰς [B ἀναγενν. κατ'] Αἰ-γυπτου (1a)  
 48. 25. τὰ ἀπύκρυφα πρὶν ἢ παραγέσθαι αὐτὰ (1a)  
 Is. 56. 1. ἤγγικε γὰρ τὸ σωτήριόν μου π. (1a)  
 62. 11. ὁ σωτὴρ σοι παραγέγονεν [A B<sup>1</sup> -γί-νεται] (1a)  
 63. 1. τίς οὗτος ὁ παραγινόμενος ἐξ Ἑδὼμ (1a)  
 Je. 29 (49). 14. παραγένησε εἰς αὐτὴν (1a)  
 46 (39). 1. παραγέιντο [B -οντο] Ναβουχοδονύσορ (1a)  
 Da. LXX. Su. 13. ὁ ἕτερος παραγέιντο (1a)  
 — 30. ὡς δὲ παραγένηθι ἡ γυνή (1a)  
 — 30. καὶ αἱ παιδίσκαι αὐ. . . παραγέινοντο (1a)  
 1. 1. παραγινόμενος Ναβ. . . εἰς Ἱερ. (1a)  
 2. 2. παραγινόμενος ἐστησαν παρὰ τῇ βασι. (1a)  
 Bel 14. παραγέινοντο ἐπὶ τὸν τόπον (1a)  
 I Ma. 4. 26. παραγένηθεις ἀπηγγέλλων τῇ Ἀ. (1a)  
 — 35. **A B** παραγέινονται [B -γίν.] εἰς τὴν Ἰουδ. (1a)  
 — 46. μέχρι τοῦ παραγένηθαι προφήτην (1a)  
 — 60. μὴ ποτε παραγένηθαι τὰ ἐθνη (1a)  
 5. 14. ἀγγέλοι ἕτεροι παραγέινοντο (1a)  
 15. 31. **B** παραγινόμενοι ἐκπολεμήσωμεν ὑμᾶς [A B al.] (1a)  
 — 40. παραγένηθι Κ. εἰς Ἱ. (1a)  
 16. 19. παραγέινονται πρὸς αὐτόν (1a)  
 II Ma. 1. 14. παραγέιντο εἰς τὸν τόπον (1a)  
 3. 9. παραγένηθεις δὲ εἰς Ἱερ. (1a)  
 — 39. τοὺς παραγινόμενους ἐπὶ κακώσει τύπων (1a)  
 4. 21. εἰς Ἱούπην παραγινόμενος (1a)  
 — 25. **B** λαβὼν δὲ τὰς βασιλικὰς ἐντολὰς παρεγέιντο [A -γίν.] (1a)  
 — 34. ὁ δὲ παραγινόμενος ἐπὶ τὸν Ὁ. (1a)  
 5. 25. παραγινόμενος εἰς Ἱερ. (1a)  
 8. 16. **B** τὴν τῶν ἀδικῶν παραγινόμενος [A -γεν.] ἐπ' αὐτοὺς ἐθῶν πολυπληθῶν (1a)  
 — 25. **B** τὰ δὲ χρήματα τῶν παραγινόμενων [A -γενομένων] . . . λαβὼν (1a)  
 9. 4. πολυάνδριον Ἰουδαίων Ἱερ. ποιήσας παραγινόμενος ἐκεῖ (1a)  
 — 14. ἢν σπειδῶν παραγέιντο (1a)  
 11. 2. **B** παραγέιντο [A -γίν.] ἐπὶ τοὺς Ἰουδ. (1a)  
 12. 6. **B** παραγέιντο [A παραγινόμενος] ἐπὶ τοὺς μακρόνους τῶν ἀδ. (1a)  
 — 31. **B** παραγέινοντο [A -νήθσαν] εἰς Ἱερ. (1a)  
 13. 1. προσέειπε . . . Ἀντιόχου . . . παραγέσθαι (1a)  
 — 12. παρακαλᾶσθε αὐτοὺς ὁ Ἰ. ἐκέλευσε παραγίνεσθαι (1a)  
 14. 31. παραγινόμενος ἐπὶ τὸ μέγιστον καὶ ἁγιον ἱερὸν (1a)  
 15. 24. **B** παραγινόμενοι [A -γίν.] ἐπὶ τὸν ἁγιόν σου λαόν (1a)  
 — 31. παραγινόμενος δὲ ἐκεῖ (1a)  
 III Ma. 1. 8. ὡς τάχιστα πρὸς αὐτοὺς παραγέσθαι (1a)  
 — 9. παραγινόμενος εἰς τὸν τόπον (1a)  
 5. 16. ἐκέλευσε τοὺς παραγινόμενους ἐπὶ τὴν συμποσίαν (1a)  
 7. 17. παραγένηθεις δὲ εἰς Πτ. (1a)  
 IV Ma. 12. 1. ὁ ἔβδομος παραγέιντο (1a)  
 [Aq. Jd. 9. 37.] (1a)  
 [Sm. Je. 46 (26). 17.] (1a)  
 [Th. Jd. 5. 28. 6. 5:] 19. 10: II Ki. 10. 16.] (1a)  
**παραγινώσκειν.**  
 II Ma. 8. 23. **B** παραγινύς [A παραγινύς] τὴν ἱερὴν εἰβλῶν (1a)  
 III Ma. 1. 12. **A** τοῦ τε νόμου παραγινώσθεις [B παριναγν.] (1a)  
**παραγραφίς.**  
 [Aq. Is. 44. 13.] (1a)  
**παραδείγμα.** (1) ἡ' (2) ἡ' (2)  
 Ex. 25. 8 (9). τὸ π. τῆς σκηνῆς καὶ τὸ π. πάντων τῶν σκευῶν αὐτῆς (2, 2)  
 I Ch. 28. 11. ἔδωκε . . . τὸ π. τοῦ ναοῦ (2)  
 — 12. καὶ τὸ π. ὁ εἶχον (2)  
 — 18. καὶ τὸ π. τοῦ ὁράματος (2)  
 — 19. κατὰ τὴν . . . συνενεσίαν τῆς κατεργασίας τοῦ π. (2)  
 — 20. τὸ π. τοῦ ναοῦ καὶ τοῦ οἴκου αὐ. (2)

I Ch. 28. 20. καὶ τὸ π. οἴκου κυρίου (2)  
 Na. 3. 6. θήσομαι σε εἰς παράδειγμα (1)  
 Je. 8. 2. ἔσονται εἰς παράδειγμα (1)  
 9. 22 (21). ἔσονται οἱ νεκροὶ τῶν ἀνθρώπων εἰς [B om.] παράδειγμα (1)  
 16. 4. εἰς παράδειγμα ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς ἔσονται (1)  
 III Ma. 2. 5. παράδειγμα τοῖς ἐπιγινόμενοις καταστήσας (1)  
 IV Ma. 6. 19. ἵνα παράδειγμα γενόμεθα τῆς μιμοφαγίας (1)  
**παραδειγματίζω.** (1) Ὡ' (2) ἡ' (2)  
 (3) ἡ' (2)  
 Nu. 25. 4. παραδειγματίζον αὐτοὺς (2)  
 Es. 4. 17. τὸν δὲ ἀρχὴν. ἐφ' ἧμας παραδειγματίζον (2)  
 Je. 13. 22. παραδειγματίζον τὰς πτέρνας σου (1)  
 Ez. 28. 17. ἐναντίον βασιλέων ἔδωκα σε παραδειγματίζον (3)  
 Da. LXX. 2. 5. παραδειγματίζεσθε (1)  
**παραδειγματισμός.**  
 III Ma. 4. 11. πρὸς παραδειγματισμὸν ἄγαν εὐκαιροτάτῃ καθέστω (1)  
 7. 14. καὶ μετὰ παραδειγματισμῶν ἀνέστην [Sm. Ps. 30 (31). 21.] (1)  
**παραδεικνύω.** (1) ἡ' (2) ἡ' (2)  
 Ex. 27. 8. κατὰ τὸ παραδεικνύειν σοι ἐν τῷ ὄρει (2)  
 Ho. 13. 4. οὐ παρέδειξας σοι αὐτὰ (2)  
 Ez. 22. 2. παρέδειξον αὐτῇ πᾶσας τὰ ἀνομίας αὐτῆς (1)  
 Da. LXX. Bel 7. παρέδειξτε τὸν ἐσθίοντα (1)  
 — 8. εἰ μὴ παρέδειξω ὅτι οὐκ ἔστιν ὁ Βήλ (1)  
**παραδεικνύω.** (1) ἡ' (2) ἡ' (2)  
 II Ki. 8. 35. **A** ἦλθε πᾶς ὁ λαὸς παραδεικνύσαι [B περιδεικνύσαι] τὸν Δ. (1)  
**παραδείσος.** (1) α. β. δ. γ. (2) ἡ' (2)  
 (3) Ὡ' (2)  
 Ge. 2. 8. ἐφύτευεν ὁ θ. παράδεισον (1a)  
 — 9. τὸ ξύλον τῆς ζωῆς ἐν μέσῳ τοῦ π. (1a)  
 — 10. ποιεῖν τὸν π. (1a)  
 — 15. ἔθετο αὐτὸν ἐν τῇ π. τῆς τρυφῆς (1a)  
 — 16. ἀπὸ παντὸς ξύλου τοῦ ἐν τῇ π. (1a)  
 3. 1. ἀπὸ παντὸς ξύλου τοῦ π. (1a)  
 — 2. ἀπὸ καρποῦ τοῦ ξύλου τοῦ π. (1a)  
 — 3. ὅ ἐστιν ἐν μέσῳ τοῦ π. (1a)  
 — 8. κ. τοῦ θ. περιπατοῦντος ἐν τῇ π. (1a)  
 — 8. ἐν μέσῳ τοῦ ξύλου τοῦ π. (1a)  
 — 10. περιπατοῦντος ἐν τῇ π. (1a)  
 — 23. ἐκ τοῦ π. τῆς τρυφῆς (1a)  
 — 24. ἀπέναντι τοῦ π. τῆς τρυφῆς (1a)  
 13. 10. ὡς ὁ π. τοῦ θεοῦ (1a)  
 Nu. 24. 6. ὡς εἰ παράδεισος [B<sup>1</sup> -ος] ἐπὶ ποταμῷ [B<sup>1</sup> -ων] (1a)  
 II Ch. 33. 20. ἔθιψαν αὐτὸν ἐν παραδείσῳ οἴκου αὐ. (1a)  
 Ne. 2. 8. ἐπὶ Ἀ. φύλακα τοῦ π. [B<sup>1</sup> al.] (3)  
 Ec. 2. 5. ἐποίησά μοι κήπους καὶ παραδείσους (3)  
 Ca. 4. 13. **A** **B** ἀποστολαὶ σου παραδείσους ῥῶν [A<sup>2</sup> B<sup>1</sup> om.] (3)  
 Si. 24. 30. ὡς ὕδραγωγὸς ἐξῆλθεν εἰς παράδεισον (1a)  
 40. 17. χάρις ὡς παράδεισος [B<sup>1</sup> -ον] ἐν εὐλογίαις (1a)  
 — 27. φῶς κυρίου ὡς παράδεισος εὐλογίας (1a)  
 J1. 2. 3. ὡς παράδεισος τρυφῆς ἡ γῆ (1a)  
 Is. 1. 30. ὡς π. ὕδωρ μὴ ἔχων (1b)  
 51. 3. θήσω τὰ ἔρημα αὐ. ὡς παράδεισον [A al.] (2)  
 — 3. **A B S** ὡς παράδεισον κυρίου [B<sup>1</sup> om. ὡς π. κ.] (1a)  
 Je. 36 (29). 5. φυτεύσατε παραδείσους (1a)  
 Ez. 28. 13. στέφανος κάλλους ἐν τῇ τρυφῇ τοῦ π. τοῦ θεοῦ ἐγενήθη (1a)  
 31. 8. κυρίασται τοιαῦται [A add. οὐκ ἐγενήθησαν] ἐν τῇ π. τοῦ θεοῦ (1a)  
 — 8. πᾶν ξύλον ἐν τῇ π. τοῦ θεοῦ (1a)  
 — 9. τὰ ξύλα τοῦ π. τῆς τρυφῆς τοῦ θεοῦ (1a)  
 Da. LXX. Su. 4. ἦν αὐτῷ παράδεισος γειννίων τῷ οἴκῳ αὐ. (1a)  
 — 7. περιπατοῦσαν ἐν τῇ π. τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (1a)  
 — 36. περιπατοῦμεν ἐν τῇ π. τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (1a)  
 — 54. ποταπῷ τοῦ π. τόπῳ (1a)  
 Da. TH. Su. 4. ἦν αὐτῷ π. γειννίων τῷ οἴκῳ αὐ. (1a)  
 — 7. περιπατεῖ ἐν τῇ π. τοῦ ἀνδρὸς αὐ. (1a)

Da. TH. Su. 15. ἐπεθύμησε λούσασθαι ἐν τῷ π.

- 17. τὰς θύρας τοῦ π. κλείσαστε  
— 18. ἀπέκλεισαν τὰς θύρας τοῦ π.  
— 20. αἱ θύραι τοῦ π. κέκλεινται  
— 25. ἤνοιξε τὰς θύρας τοῦ π.  
— 26. ὡς δὲ ἤκουσαν τὴν κραυγὴν ἐν τῷ π.  
— 36. περιπατοῦντων ἡμῶν ἐν τῷ π. μόνων  
— 36. ἀπέκλεισε τὰς θύρας τοῦ π.  
— 38. ἡμεῖς δὲ οὐκ ἐν τῇ γωνίᾳ τοῦ π.  
[Sm. Ge. 2. 8, 15; Is. 61. 3.]

παράδεχσθαι. (1) נָצַח (2) נָצַח

Ex. 23. 1. οὐ παραδέξῃ ἀκοὴν ματαίαν (1)

Pr. 8. 12. πάντα υἱὸν δὲ παραδέχεται (2)

II Ma. 4. 22. Β μεγαλοπρεπὲς δὲ ὑπὸ τοῦ 'Ι. . .

παράδεχθεις [A al.]

III Ma. 7. 12. ὁ δὲ τὰλθθεις αὐτοὺς λέγειν παρα-

δέξιμος

[Aq., Sm., Th. Jb. 42. 8.]

παράδιδοναι. (1) אָבָהּ pi. δ. אָבָהּ

(2) אָבָהּ (3) אָבָהּ pu. (4) אָבָהּ (5) אָבָהּ

(6) אָבָהּ a. pe. δ. ithpe. (7) אָבָהּ (8) אָבָהּ

(9) אָבָהּ hi. (10) אָבָהּ pi. (11) אָבָהּ

(12) אָבָהּ hi. (13) אָבָהּ hi. (14) אָבָהּ

(15) אָבָהּ hi. (16) אָבָהּ a. qal. δ. ni.

(17) אָבָהּ hi. (18) אָבָהּ pi. (19) אָבָהּ

(20) אָבָהּ a. qal. δ. hi. (21) אָבָהּ

(22) אָבָהּ pi. (23) a. c. neg. אָבָהּ

δ. אָבָהּ aph. (24) אָבָהּ ni. (25) אָבָהּ

(26) אָבָהּ ni.

Ge. 14. 20. ὅς περὶδωκε τοὺς ἐχθρούς σου (10)

27. 20. ὅς περὶδωκε κ. ὁ θ. ἐναντίον μου (21)

Ex. 21. 13. ὁ θ. περὶδωκεν [A add. αὐτὸν] εἰς

τὰς χ. αὐ. (1a)

23. 31. παραδῶσω εἰς τὰς χ. ὑμῶν τοὺς

ἐγκαθήμεν. (16a)

I.e. 26. 25. παραδοθήσασθε εἰς χεῖρας ἐχθρῶν (16b)

Nu. 21. 2. ἐάν μοι παραδῶς τὸν λαὸν τούτων

— 3. περὶδωκε τὸν Χαναανίην (16a)

— 34. εἰς τὰς χεῖρας σου παραδίδωκα αὐτόν (16a)

32. 4. ἦν παραδίδωκε [A περὶδωκεν] κύριος (15)

De. 1. 8. παραδίδωκεν [A -κα] ἐνώπ. ὑμῶν τὴν

γῆν (16a)

— 21. παραδίδωκε ὑμῖν . . . τὴν γῆν (16a)

— 27. παραδίδου ἡμᾶς εἰς χεῖρας Ἀμμορραίων (16a)

2. 24. παραδίδωκα . . . τὸν Σ. βασι. Ἑσ. (16a)

— 30. ἵνα παραδοθῇ εἰς τὰς χεῖρας σου (16a)

— 31. παραδίδουαι πρό προσώπου σου [A παρ.

σοι] τὸν Σ. (16a)

— 33. περὶδωκεν αὐτὸν . . . πρό προσώπου ἡ. (16a)

— 36. τὰς πάσας παραδίδωκε κ. ὁ θεός σου (16a)

3. 2. εἰς τὰς χεῖρας σου παραδίδωκα αὐτόν (16a)

— 3. περὶδωκεν αὐτόν . . . εἰς τὰς χεῖρας ἡ. (16a)

7. 2, 23. παραδῶσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (16a)

— 24. παραδῶσει τοὺς βασιλεῖς αὐτῶν (16a)

19. 12. καὶ παραδῶσουσιν αὐτόν (16a)

20. 13. ἕως ἂν παραδῶ σοι [A καὶ παραδῶσει

αὐτήν] τὸν Σ. (16a)

— 20. ἕως ἂν παραδοθῇ (7)

21. 10. καὶ παραδῶ σοι [A αὐτοὺς] (16a)

23. 14 (15). παραδίδουαι τὸν ἐχθρόν σου (16a)

— 15 (16). οὐ παραδῶσεις παῖδα τῷ κυρίῳ (17)

28. 7. παραδῶ . . . τοὺς ἐχθρούς σου (16a)

31. 5. περὶδωκεν αὐτοὺς κ. ὑμῖν (16a)

32. 30. καὶ κ. περὶδωκεν αὐτοὺς (17)

Jo. 2. 14. A B ὡς ἂν παραδῶ [B -δοί] κ. ὑμῖν

τὴν πόλιν (16a)

— 24. περὶδωκεν κ. πᾶσαν τὴν γῆν (16a)

6. 2. παραδίδωμ . . . τὴν 'Ιερ. (16a)

— 15 (16). περὶδωκε [A -αδεδ.] γὰρ κ. ὑμῖν

τὴν πόλιν (16a)

7. 7. παραδίδουαι αὐτὸν τῷ Ἀμ. (16a)

8. 18. εἰς γὰρ τὰς χ. σου παραδίδωκα αὐτήν (16a)

10. 8. εἰς γὰρ τὰς χ. σου παραδίδωκα αὐ-

τοὺς (16a)

— 12. περὶδωκεν . . . τὸν Ἀμμορραίων (16a)

— 19. περὶδωκε γὰρ αὐτοὺς κ. ὁ θ. ἡ. (16a)

— 30. περὶδωκεν αὐτήν κύριος (16a)

— 32. περὶδωκε κ. τὴν Ἀ. (16a)

— 35. περὶδωκεν αὐτήν κύριος

Jo. 11. 6. παραδίδωμ τετροπωμένους αὐτοὺς (16a)

— 8. περὶδωκεν αὐτοὺς κύριος (16a)

— 19. A ἦτις οὐ περὶδωκεν τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. [B al.] (23a)

21. 42. πάντας τοὺς ἐχθρούς αὐ. περὶδωκε (16a)

24. 8. A B περὶδωκεν [B -αδεδ.] αὐτοὺς κύ-

ριος (16a)

— 10. B καὶ περὶδωκεν αὐτοὺς

— 11. καὶ περὶδωκεν αὐτοὺς (16a)

— 33. καὶ περὶδωκεν αὐτοὺς

Jd. 1. 4. περὶδωκε [A ἐδ.] κ. τὸν Χαν. (16a)

2. 14. καὶ περὶδωκεν αὐτοὺς

— 23. καὶ οὐ περὶδωκεν αὐτὰ (16a)

(3) 20. περὶδωκε κύριος . . . τὸν Χ. (16a)

— 28. περὶδωκε . . . τοὺς ἐχθρούς ἡμῶν (16a)

4. 7. καὶ παραδῶσω αὐτὸν (16a)

— 14. περὶδωκε [A -αδῶσει] κ. τὸν Σ. (16a)

6. 1. A περὶδωκεν [B ἐδ.] αὐτοὺς κύριος

— 13. A περὶδωκεν [B ἐδ.] ἡμᾶς ἐν χειρὶ M. (16a)

7. 2. ὥστε μὴ παραδοῖναι με τὴν M. (16a)

— 7. A παραδῶσω [B δῶσω τὴν] M. (16a)

— 9. περὶδωκα αὐτὴν ἐν τῇ χειρὶ σου (16a)

— 14. περὶδωκεν . . . τὴν M. (16a)

— 15. περὶδωκε . . . τὴν παρεμβολὴν M. (16a)

8. 3. περὶδωκε κ. τοὺς ἄρχοντας M. (16a)

11. 9. καὶ παραδῶ αὐτοὺς κύριος (16a)

— 21. περὶδωκε . . . τὸν Σ. (16a)

— 30. A ἐὰν παραδῶσαι παραδῶς μοι τοὺς

υἱοὺς Ἀ. [B al.] (16a)

— 32. περὶδωκεν αὐτοὺς κύριος (16a)

12. 3. A περὶδωκεν [B ἐδ.] αὐτοὺς κύριος (16a)

13. 1. καὶ περὶδωκεν αὐτοὺς (16a)

15. 12. A παραδίδουαι σε εἰς χεῖρας ἄλλοφ.

[B al.] (16a)

— 12. A καὶ παραδοτέ με αὐτοῖς

— 13. καὶ παραδῶσω με αὐτοῖς (16a)

16. 23. A περὶδωκεν [B ἐδ.] . . . τὸν Σ. (16a)

— 24. περὶδωκεν . . . τὸν ἐχθρόν ἡμῶν (16a)

18. 10. A περὶδωκεν [B ἐδ.] αὐτὴν ὁ θ. (16a)

20. 28. A αὐτὸν παραδῶσω αὐτόν [B al.] (16a)

I Ki. 11. 12. παραδῶς τοὺς ἀνδράς (16a)

14. 10. παραδίδωκεν αὐτοὺς κύριος (16a)

— 12. περὶδωκεν αὐτοὺς κύριος (16a)

— 37. εἰ παραδῶσαι αὐτοὺς (16a)

17. 44. A παραδῶσω [B δῶσω] τὰς σάρκας

σου (16a)

— 47. παραδῶσει κύριος ὑμᾶς (16a)

23. 4. παραδίδωμ τοὺς ἀλλοφύλους (16a)

— 12. A εἰ παραδῶσουσιν . . . ἐμέ (17)

— 12. A καὶ εἰπεν κ., Παραδῶσουσιν

— 14. οὐ περὶδωκεν αὐτὸν κύριος (16a)

24. 5. παραδίδουαι τὸν ἐχθρόν σου (16a)

— 11. ὡς περὶδωκέ σε κύριος (16a)

26. 23. περὶδωκε σε κύριος (16a)

28. 19. παραδῶσει κύριος τὸν 'Ισρ. (16a)

30. 15. καὶ μὴ παραδίδουαι με (17)

— 23. μετὰ τὸ παραδίδουαι τὸν κ. ἡμῖν (16a)

— 23. περὶδωκε κύριος τὸν γεθδουρ (16a)

II Ki. 5. 19. καὶ παραδῶσεις αὐτοὺς (16a)

— 19. παραδίδουεις παραδῶσω τοὺς ἀλλοφύ-

λους (16a, 16a)

III Ki. 8. 46. καὶ παραδῶσεις αὐτοὺς (16a)

14. 16. A παραδῶσει κ. τὸν 'Ισρ. (16a)

IV Ki. 3. 13. τοὺ παραδίδουαι [A δίδουαι] αὐ-

τοὺς (16a)

— 18. παραδῶσω τὴν Μωάβ (16a)

18. 30. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ πόλις αὕτη (16b)

19. 10. οὐ μὴ παραδοθῇ 'Ιερ. (16b)

21. 14. καὶ παραδῶσω αὐτοὺς (16a)

I Ch. 12. 17. εἰ τοὺ παραδίδουαι με τοῖς ἐχθροῖς

μου [B al.] (22)

II Ch. 6. 36. καὶ παραδῶσεις αὐτοὺς (16a)

13. 16. περὶδωκεν αὐτοὺς κύριος (16a)

16. 8. περὶδωκεν εἰς τὰς χεῖρας σου (16a)

24. 24. περὶδωκεν . . . δύσμην πολλὴν σφόδρα (16a)

25. 20. τοὺ παραδίδουαι αὐτὸν εἰς χεῖρας (16a)

28. 5. περὶδωκεν αὐτόν κ. ὁ θεός αὐτοῦ (16a)

— 5. εἰς τὰς χεῖρας βασι. 'Ι. περὶδωκεν [A -αν]

αὐτόν (16b)

— 9. περὶδωκεν αὐτοὺς εἰς τὰς χεῖρας ὑμῶν (16a)

30. 7. καὶ περὶδωκεν αὐτοὺς (16a)

32. 11. τοὺ παραδίδουαι ὑμᾶς εἰς θάνατον (16a)

35. 12. παραδίδουαι αὐτοὺς κατὰ τὴν διαίρεσιν (16a)

36. 17. τὰ πάντα παραδίδωκε ἐν χειρὶ αὐ. (16a)

I Es. 1. 53. πάντα παραδίδωκεν εἰς τὰς χ. αὐ. [A al.]

2. 11. περὶδωκεν αὐτὰ Μιθραδάτη

I Es. 2. 12. παραδίδωσαν Σαμασσασάρφ

6. 15. περὶδωκεν αὐτοὺς εἰς χεῖρας Ναβ. (16a)

— 18. παραδίδω Ζοροβάβελ

8. 56. A B περὶδωκα αὐτοῖς ἀργυρίου τάλαντα [B

al.] (16a)

— 59. ἕως τοῦ παραδίδουαι αὐτὰ ὑμᾶς

— 62. παραδίδω ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου

— 77. διὰ τὰς ἀμρτίας . . . παραδίδωμεν

9. 39. τὸν νόμον M. τὸν παραδοθέντα ὑπὸ κυρίου

II Es. 7. 19. καὶ τὰ σκεύη . . . παραδῶς ἐνώπιον

τοῦ θ. (23b)

9. 7. παραδίδωμεν . . . ἐν χειρὶ βασιλέων (16b)

Ne. 5. 8. B καὶ παραδοθήσονται ἡμῖν (26)

To. 7. 13. περὶδωκεν αὐτὴν Τωβία [B αὐτῇ]

10. 11. B περὶδωκεν Τωβία Σάρραν [A B al.]

14. 7. B καὶ παραδοθήσεται αὐτοῖς

Ju. 6. 10. καὶ παραδίδουαι εἰς χεῖρας υἱὸν 'Ι.

8. 9, 33. παραδῶσειν τὴν πόλιν

10. 15. A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἕως παραδῶσουσι [B<sup>1</sup> -δῶσιν] σε

εἰς χεῖρας αὐ.

18. 9. περὶδωκε . . . τὴν κεφαλὴν 'Ολ.

Es. 2. 3. παραδοθήτωσαν τῷ εὐνούχῳ τοῦ βασι.

— 13. παραδῶσει αὐτὴν συνειρέχουσαι (16b)

4. 17. περὶδωκεν ἡμᾶς εἰς χεῖρας τῶν ἐχθρῶν

— 17. μὴ παραδῶς, κύριε, τὸ σκεπτρὸν σου

8. 13. ἐκ τῶν παλαιστίνων ὡς περὶδωκαμεν [B<sup>2</sup>

-αδεδ.] ἱστυρίων

— 13. τοὺς ὑπὸ τοῦ τρισαλιτηρίου παραδίδωμ. εἰς

ἀφανισμόν 'Ιουδαίους

Jb. 2. 6. παραδίδωμ σοι αὐτόν +

Is. 36. 15. οὐ μὴ παροδοθῇ ἡ πόλις αὕτη ἐν χειρὶ βασιλείας (16 b)  
 37. 10. οὐ μὴ παροδοθῇ Ἱερ. ἐν χειρὶ [A B εἰς χεῖρας] βασιλείας Ἀσσυρίων (16 b)  
 38. 13. παροδοθῇ ἕως πρωῒ ὡς λείοντι +  
 — 13. ἀπὸ γὰρ τῆς ἡμέρας ἕως νυκτός παρεδόθη (23 a)  
 47. 3. οὐκ εἶμι μὴ παροδοῦ [B add. σε] ἀνθρώποις (20 a)  
 53. 6. κύριος παροδοῦσιν αὐτὸν ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν (20 b)  
 — 12. παρεδόθη εἰς θάνατον ἡ ψυχὴ αὐτοῦ... διὰ τὰς ἀνομίας [A ἁμαρτίας] αὐτῶν παρεδόθη (19, 20 b)  
 64. 7 (6). παροδοῦσας ἡμᾶς διὰ τὴν ἁμαρτίαν ἡμῶν +  
 65. 12. παροδοῦσας ἡμᾶς μάχισαν (11)  
 Je. 2. 24. παροδοῦσας τὰς ἐπιστροφὰς αὐτῆς (1 b ?)  
 15. 4. παροδοῦσας αὐτοὺς εἰς ἀνάγκας (18 a)  
 21. 10. εἰς χεῖρας βασιλείας Βαβυλῶνος παροδοῦσεται (16 b)  
 22. 25. παροδοῦσας σε [B om. π. σ.] εἰς χεῖρας τῶν ζητούντων τὴν ψυχὴν σου (16 a)  
 — 26. A παροδοῦσας [B ἀπορρίψω] σε καὶ τὴν μητέρα σου (5)  
 24. 8. οὕτως παροδοῦσας τὸν Σεδεκίαν (16 a)  
 26 (48). 24. παρεδόθη εἰς χεῖρας ληοῦ (16 b)  
 — 28. ἡ ἀπότητος καὶ τρυφερὰ παρεδόθη  
 27 (50). 2. ἡ τρυφερὰ παρεδόθη M. (4)  
 33 (28). 24. τοὺ μὴ παροδοῦσας αὐτὸν εἰς χεῖρας τοῦ λαοῦ (18 a)  
 39 (32). 4. B S<sup>2</sup> παροδοῦσας παροδοῦσεται [A -σονται] εἰς χεῖρας βασιλείας Βαβυλῶνος (16 b)  
 — 28. δοθεῖσα παροδοῦσεται ἡ πόλις αὕτη (16 a)  
 — 36. παροδοῦσεται εἰς χεῖρας βασιλείας Βαβυλῶνος (16 b)  
 — 43. παρεδόθησαν εἰς χεῖρας Χαλδαίων (16 b)  
 41 (34). 2. παροδοῦσας παροδοῦσεται ἡ πόλις αὕτη (16 a)  
 44 (37). 17. εἰς χεῖρας βασιλείας Βαβυλῶνος παροδοῦσας (16 b)  
 45 (38). 3. παροδοῦσας παροδοῦσεται ἡ πόλις αὕτη (16 b, 16 b)  
 — 16. A εἰ παροδοῦσας [B S δ.] σε εἰς χεῖρας τῶν ἀνθρώπων τούτων (10 a)  
 — 18. A παροδοῦσεται ἡ πόλις αὕτη εἰς χεῖρας βασιλείας Βαβυλῶνος [B S al.] (16 b)  
 — 20. οὐ μὴ παροδοῦσας [B<sup>2</sup> -σεν; A S -δώσουσιν] σε (16 a)  
 — 23. A εἰς χεῖρας βασιλείας Βαβυλῶνος παροδοῦσας [B S al.] (24)  
 46 (39). 17. A οὐ μὴ παροδοῦσας [B δ.] σε εἰς χεῖρας ἀνθρώπων (16 b)  
 Ba. 4. 6. παροδοῦσας τοὺς ὑπεναντίους  
 Ez. 7. 21. παροδοῦσας αὐτὰ εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (16 a)  
 11. 9. παροδοῦσας ὑμᾶς εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (16 a)  
 16. 27. παροδοῦσας [A add. σε] εἰς ψυχὰς μουσούντων σε (16 a)  
 — 39. παροδοῦσας σε εἰς χεῖρας αὐτῶν (16 a)  
 21. 15 (20). παροδοῦσας [A παροδοῦσονται] εἰς σφάγια ῥυμφαίας (16 a)  
 — 27 (32). παροδοῦσας αὐτῶν [A -ῖν] (16 a)  
 — 29 (34). τοὺ παροδοῦσας σε ἐπὶ τραχήλους τραυματιῶν (16 a)  
 — 31 (36). παροδοῦσας σε εἰς χεῖρας ἀνθρώπων βαρβάρων (16 a)  
 23. 9. παροδοῦσας αὐτὴν εἰς χεῖρας τῶν ἐραστῶν αὐτῆς (16 a)  
 — 28. παροδοῦσας σε εἰς χεῖρας ὧν μουσεί (16 a)  
 25. 4. παροδοῦσας ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κεδὶμ (16 a)  
 31. 11. παροδοῦσας αὐτὸν εἰς χεῖρας ἀρχόντος ἐθνῶν (16 a)  
 39. 23. παροδοῦσας αὐτοὺς εἰς χεῖρας τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (16 a)  
 Da. LXX. 1. 2. παροδοῦσας αὐτὴν κ. εἰς χεῖρας αὐ. (16 a)  
 2. 38. παροδοῦσας ὑπὸ τὰς χεῖρας σου (6 a)  
 3. (32). παροδοῦσας ἡμᾶς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν ἡμῶν — (34). μὴ παροδοῦσας ἡμᾶς εἰς τέλος — 28 (95). παροδοῦσας τὰ σώματα αὐ. εἰς ἐμπυριισμόν (6 a)  
 4. 15. εἰς φυλακὴν παρεδόθη —  
 7. 25. παροδοῦσας πάντα εἰς τὰς χεῖρας αὐ. (6 b)  
 11. 11. παροδοῦσας ἡ συναγωγὴ εἰς τὰς χεῖρας αὐ. (16 b)

Da. LXX. Bel 21. παροδοῦσας αὐτοὺς τῷ Δαν. — 31. οἱς παροδοῦσας οἱ ἐπιβουλοὶ τοῦ βασ. Da. Th. 3. (32). παροδοῦσας ἡμᾶς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν ἀνθρώπων — (34). B μὴ δὲ παροδοῦσας [B -δοῖς, A -δοῖς] ἡμᾶς — 28 (95). παροδοῦσας τὰ σώματα αὐ. εἰς πῦρ (6 a)  
 11. 6. παροδοῦσας αὐτὴν (16 b)  
 — 11. παροδοῦσας οὐ δὲ ἄλλος ἐν χειρὶ αὐ. (16 b)  
 Bel 29. παροδοῦσας ἡμῖν τὸν Δ. — 30. παροδοῦσας αὐτοὺς τὸν Δ.  
 I Ma. 3. 34. παροδοῦσας αὐτῶν τὰς ἡμίσεις τῶν δυνάμεων  
 4. 30. παροδοῦσας τὴν παρεμβ. . . εἰς χεῖρας Ἱ. 5. 50. παροδοῦσας ἡ πόλις ἐν χερσὶν αὐ. 7. 35. ἐν μὴ παροδοῦσας Ἱ. 10. 6. τὰ δὲ ἄλλα . . . εἶπε παροδοῦσας αὐτῶν — 9. παροδοῦσας . . . τὰ δὲ ἄλλα 11. 40. A B ὅπως παροδοῦσας αὐτὸν αὐτῶν 12. 34. τὸ δὲ ὅλον παροδοῦσας τοῖς παρὰ Δ. — 45. παροδοῦσας σοὶ αὐτὴν 15. 21. παροδοῦσας αὐτοὺς Σίμωνι — 30. παροδοῦσας τὰς πόλεις 16. 18. ὅπως . . . παροδοῦσας αὐτῶν τὴν χώραν αὐ. II Ma. 1. 17. B δε παροδοῦσας [A εἶδ.] τοὺς ἀσεβήσαντας 10. 4. μὴ βλασφήμους καὶ βαρβάρους ἔδνεσι παροδοῦσας 14. 31. ἐκέλευσε παροδοῦσας τὸν ἄνδρα — 33. ἐν μὴ δέσμιον μοι τὸν Ἱ. παροδοῦσας 15. 15. παροδοῦσας τῷ Ἱ. ῥομφαίαν χρυσὴν [Aq. Jo. 2. 14: J. 32 (39). 4.] [Sm. Jo. 2. 14: J. 32. 7: 32 (39). 4: 89 (46). 17: 50 (27). 15.] [Th. Jo. 2. 14: J. 32. 12: 1 Kt. 28. 12: J. 46 (26). 26.] [Sm. Ex. 13. 13.] [Al. Nu. 21. 2: 6: 1 Kt. 28. 19: Hb. 3. 17.]  
 παροδοῦσας (?). [Aq., Sext. Ps. 32 (38). 20.]  
 παροδοῦσας. (1) a. N<sup>2</sup> B hi. δ. N<sup>2</sup> B hi. Ex. 8. 22 (13). παροδοῦσας . . . τὴν γῆν Γεσέμ (1 b) 9. 4. παροδοῦσας . . . ἀνὰ μέσον τῶν κτηνῶν (1 b) 11. 7. A B ὅσα παροδοῦσας [B -άζει] κύριος (1 b) De. 28. 59. παροδοῦσας κ. τὰς πληγὰς σου (1 a) Si. 10. 13. παροδοῦσας κύριος τὰς ἐπαγγελίας II Ma. 3. 30. τὸν κύριον . . . τὸν παροδοῦσας τὸν ἑαυτοῦ τόπον III Ma. 2. 9. καὶ παροδοῦσας ἐν ἐπιφανείᾳ μεγαλοπρεπεί [Sm. Ps. 16 (17). 7: 30 (31). 22: Is. 28. 29: 29. 14.]  
 παροδοῦσας. [Sm. Is. 9. 6 (5): 29. 14.]  
 παροδοῦσας. Ju. 18. 13. παροδοῦσας ἡν αὐτοῖς τὸ ἐλθεῖν αὐτὴν Wi. 5. 2. ἐκστῆσονται ἐπὶ τῷ π. τῆς σωτηρίας 16. 17. τὸ γὰρ παροδοῦσας . . . πλείον ἐνέργει τὸ πῦρ 19. 5. καὶ ὁ μὲν λαὸς σου παροδοῦσας ὁδοπορίαν περὰ Si. 48. 25. ἐκεῖ τὰ π. καὶ θανάσιμα ἔργα II Ma. 9. 24. ἐν τῇ π. ἀποβαίνει III Ma. 6. 33. ἐπὶ τῇ π. γεννήσεται αὐτῶν σωτηρία IV Ma. 2. 13. μὴ νομίσητε παροδοῦσας εἶναι [Sm. Ps. 89 (90). 10: 117 (118). 23: 138 (139). 14.] [Al. Ps. 144 (145). 5.]  
 παροδοῦσας. IV Ma. 4. 14. ὁ μὲν π. διασωθείς ὄψατο [Sm. Ps. 89 (90). 10: Is. 29. 14.]  
 παροδοῦσας. (1) T<sup>2</sup> B<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ni. II Es. 7. 26. ἐν τῇ εἰς παροδοῦσας [A δεσμέ] (1) Je. 39 (32). 4. A B S<sup>2</sup> παροδοῦσας παροδοῦσας εἰς χεῖρας βασιλείας Βαβυλῶνος (2) 41 (34). 2. παροδοῦσας παροδοῦσεται ἡ πόλις αὕτη + [Th. Ez. 20. 37.]  
 παροδοῦσας. (1) B<sup>2</sup> Ca. 7. 5 (6). βασιλεὺς δεδεμένος ἐν παροδοῦσας II Ma. 3. 28. τὸν ἀρτι μετὰ πολλῆς π. . . εἰσελθόντα

παροδοῦσας (?). (1) N<sup>2</sup> Jd. 11. 30. A ἐὰν παροδοῦσας παροδοῦσας μοι τοὺς υἱοὺς Ἀ. [B al.] (1)  
 παροδοῦσας. Ju. 10. 17. καὶ παροδοῦσας αὐτῇ παροδοῦσας. (1) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> a. pi. δ. hi. De. 32. 21. παροδοῦσας με ἐπ' οὐ θεῶν (2 a) — 21. παροδοῦσας αὐτοὺς ἐπ' οὐκ ἔδνει (2 b) III Ki. 14. 22. καὶ παροδοῦσας [A -σαν] αὐτὸν Ps. 38 (37). 1. μὴ παροδοῦσας ἐν πονηρομένοις (1) — 7. μὴ παροδοῦσας ἐν τῷ κατενοουμένῳ — 8. μὴ παροδοῦσας ὥστε [B<sup>2</sup> ἐν τῷ] πονηρεῖσθαι (1) 77 (78). 58. ἐν τοῖς γλυπτοῖς αὐτῶν παροδοῦσας αὐτὸν (2 b) Si. 80. 3. παροδοῦσας τὸν ἐχθρόν παροδοῦσας. [Sm. Ez. 8. 3.] παροδοῦσας. [Al. Le. 27. 33.] παροδοῦσας. (1) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> II Ki. 18. 11. ἐγὼ ἂν δεδοῦκα . . . π. μίαν (1) [Th. II Ki. 21. 16.] παροδοῦσας. (1) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> II Ch. 8. 17. καὶ εἰς τὴν Αλ. τὴν π. (2) Je. 29 (47). 7. ἐπὶ τὴν Ἀσκαλὼνα καὶ ἐπὶ τὰς π. (1) Ez. 25. 9. Βεθσαιμὸν ἐπὶ πηγῆς [B<sup>2</sup> B. ἐπαναγωγῆς] πόλεως παροδοῦσας + — 16. A ἀπολώ . . . τοὺς κατοικοῦντας τὴν π. [B παροδοῦσας] (1) I Ma. 7. 1. A B ἀνέβη . . . εἰς πόλιν [B om. εἰς π.] π. [B παρὰ θάλασσαν] 11. 8. ὥς Σελουκίας τῆς π. II Ma. 8. 11. εἰς τὰς π. πόλεις ἀπείστετε παροδοῦσας. IV Ma. 13. 8. παροδοῦσας ἀλλήλους παροδοῦσας. (1) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> Ex. 38. 24 (4). ἐποίησε . . . παροδοῦσας [A περιθ.] (1) — 24 (5). ἐκ τῶν τειχεῶν μερῶν τοῦ π. (1) 39. 10 (38. 30). καὶ τὸ π. τὸ χαλοῦν (1)  
 παροδοῦσας. (1) B<sup>2</sup> De. 19. 6. παροδοῦσας τὴν καρδίαν παροδοῦσας. (1) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> (2) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> (3) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> IV Ki. 6. 23. παροδοῦσας αὐτοὺς π. μεγάλῃ (2) II Ch. 11. 11. ἔδωκε . . . παροδοῦσας βρωμάτων (1) Pr. 6. 8. πολλὴν τε ἐν τῷ ἄμψῳ ποιεῖται τὴν π. (3) 15. 17. παροδοῦσας μύσων μετὰ ἔχθρας + I Ma. 6. 53. κατέφαγον τὸ ὑπὸλοιπμα τῆς π. 9. 52. ἔθετο ἐν αὐταῖς . . . παροδοῦσας βρωμάτων II Ma. 12. 14. πεποιθότες . . . τῇ . . . τῶν βρωμάτων π. — 27. βελῶν πολλὰ π. ὑπῆρχον παροδοῦσας. (1) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> Le. 6. 2 (5. 21). καὶ ψεύσεται . . . ἐν παροδοῦσας (1) — 4 (5. 23). καὶ ἀποδοῦ . . . τὴν π. (1) To. 10. 13. B παροδοῦσας . . . ἐν παροδοῦσας [A B παροδοῦσας] II Ma. 3. 10. B παροδοῦσας [A παροδοῦσας] εἶναι χερῶν — 15. B τὸν περὶ παροδοῦσας [A παροδοῦσας] νομοθετήσαντα [Aq. Ge. 41. 36.] παροδοῦσας. (1) N<sup>2</sup> B<sup>2</sup> IV Ki. 6. 32. παροδοῦσας αὐτὸν ἐν τῇ θύρᾳ παροδοῦσας. II Ma. 7. 25. παροδοῦσας γενέσθαι τοῦ μερικίου σύμβουλον — 26. B πολλὰ δὲ αὐτοῦ παροδοῦσας [A -νός.] III Ma. 5. 17. παροδοῦσας εἰς εὐαχίαν δόντας αὐτοὺς 7. 12. A παροδοῦσας [B συναυ.] ἔδωκε αὐτοῖς ἀδειαν πάντων [Sm. Ec. 8. 2.]

## παραίνεσις.

Wi. 8. 9. ἔσται μοι . . . παραίνεσις φροντῖδων καὶ λυτῆς

[Sm. Ps. 118 (119), 56, 100.]

παραρῖν. (1) 𐤒𐤍 hi.

Nu. 11. 25. παρεῖλατο ἀπὸ τοῦ πνεύματος (1)

[Sm. Jb. 39. 17: Ps. 80 (81). 7.]

παρατεῖσθαι. (1) 𐤒𐤍 pi. (2) 𐤒𐤍 hithp.

(3) 𐤒𐤍 ni.

I Ki. 20. 6. παρατινόμενος παρητήσατο ἀπ' ἐμοῦ

[A. ἀπὸ τοῦ] Δ. (3, 8)

— 28. παρητήσας παρ' ἐμοῦ Δ. (8)

Es. 4. 8. παρητήσας τὸν βασιλέα (2)

7. 7. παρητήσας [S<sup>2</sup> add. περί τῆς ψυχῆς αὐ.]

τιν βασιλίσσαν (1)

II Ma. 2. 31. τὸ ἐξεργαστικὸν τῆς πραγματείας παραι-

τίσθαι (1)

III Ma. 6. 27. τὰ προπεπραγμένα παραιτησόμενοι

IV Ma. 11. 2. ΑΒ οὐ μέλλω . . . παραιτίσθαι [S om.]

[Th. Jb. 15. 4.]

## παραίτιος.

II Ma. 11. 19. πεῖρασμαι παραίτιος ὑμῖν ἀγαθὼν

γενέσθαι

## παρακαθεύδειν.

Ju. 10. 20. ἐξήλθον οἱ παρακαθεύδοντες Ὀλοφέρνη

παρακαθεύσθαι. (1) 𐤒𐤍

Es. 1. 14. οἱ πρῶτοι παρακαθῆμι. τῷ βασιλεῖ (1)

Jb. 2. 13. Α. παρακλήντο [B S -θισαν] αὐτῷ

ἑπτά ἡμέρας (1)

## παρακαθεῖν.

Jb. 2. 13. παρακείσαν [A -θηντο] αὐτῷ ἑπτά

ἡμέρας (1)

## παρακαθιστάναι.

II Ma. 12. 3. Α. εἰς τὰ παρακατασταθέντα [R παραστ.]

ὑπ' αὐτῶν σκάφη

## παρακαλεῖν.

(1) 𐤒𐤍 pi. (2) 𐤒𐤍

(3) 𐤒𐤍 pi. (4) 𐤒𐤍 hi. (5) 𐤒𐤍

(6) 𐤒𐤍 pi. (7) 𐤒𐤍 pi. (8) 𐤒𐤍 a. hi.

δ. pi. (9) 𐤒𐤍 hi. (10) 𐤒𐤍 a. ni.

δ. pi. c. pu. d. hithpa. e. 𐤒𐤍

(11) 𐤒𐤍 hi. (12) 𐤒𐤍 (13) 𐤒𐤍 pi.

(14) 𐤒𐤍 hi. (15) 𐤒𐤍 pi.

Ge. 24. 67. καὶ παρεκλήθη Ἰ. περὶ Σάρρας (10 a)

37. 35. ἤλθον παρακαλεῖσαι αὐτόν (10 b)

— 35. οὐκ ἤθελε παρακαλεῖσθαι (10 d)

38. 12. καὶ παρεκλήθη Ἰ. ἀνέβη (10 a)

50. 21. παρεκάλουν αὐτούς (10 b)

Ex. 15. 13. παρεκάλεσας . . . εἰς κατάλυμα ἀγ.

σου (7)

De. 3. 28. καὶ παρακάλουν αὐτόν (1)

13. 6 (7). ἐὰν δὲ παρακάλῃ σε ὁ ἀδ. σου (11)

32. 36. ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐτοῦ παρακληθήσεται (10 d)

Jd. 2. 18. παρεκλήθη κ. ἀπὸ τοῦ στεναγμοῦ αὐ. (10 a)

21. 6. παρεκλήθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (10 a)

— 15. ὁ λαὸς παρεκλήθη (10 a)

Ru. 2. 13. παρεκάλεσάς με (10 b)

I Ki. 15. 11. παρεκλήθη (10 a)

22. 4. παρεκάλεσε τὸν πρῶτον τοῦ βασιλ.

II Ki. 10. 2. ἀπέστειλε Δ. παρακαλεῖσαι αὐτόν (10 b)

3. ἀπέστειλε σοὶ παρακαλοῦντας (10 b)

12. 24. παρεκάλει Δ. Βηρσ. (10 b)

13. 39. παρεκλήθη ἐπὶ Ἀ. (10 a)

24. 16. παρεκλήθη κ. ἐπὶ [A ἐν] τῇ κακίᾳ (10 a)

I Ch. 7. 22: 19. 2 bis. τοῦ παρακαλεῖσαι αὐτόν (10 b)

— 3. ἀπέστειλε σοὶ παρακαλοῦντας (10 b)

Ju. 6. 20. παρεκάλουν τὸν Ἀχιώρ

Es. 5. 1. καὶ παρεκάλει αὐτὴν

— 2. πᾶσα ἡ θεραπεία αὐ. παρεκάλει αὐτήν

Jb. 2. 11. Α. τοῦ παρακαλεῖσαι καὶ ἐπισκέψασθαι

αὐτόν

— 11. τοῦ παρακαλεῖσαι καὶ ἐπισκέψασθαι αὐ-

Jb. 21. 34. πῶς δὲ παρακαλεῖται με κενά (10 b)

28. 25. ὃν τρόπον παθινοῦς [A συναθεῖς,

S<sup>2</sup> ποθ.] παρακαλῶν [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> -εκά-

λουν] (10 b)

42. 11. πίοντες παρ' [A om.] αὐτῷ παρεκάλουν

[S<sup>1</sup> ἐκ. αὐτόν] (10 b)

Ps. 22 (23). 4. αὐταί [A αὐτά] με παρεκάλουν

68 (69). 20. ὑπέμεινα . . . παρακαλοῦντα [S<sup>2</sup>

-as] καὶ οὐκ εὖρον (10 b)

70 (71). 21. ἐπιστρέψας παρεκάλει με (10 b)

76 (77). 2. ἀπηγγέματο παρακληθῆναι ἡ ψυχὴ

μου (10 a)

85 (86). 17. σὺ, κύριε, . . . παρεκάλεισάς με (10 b)

89 (90). 13. παρακληθῆτι ἐπὶ τοῖς δούλοις σου (10 a)

118 (119). 50. αὐτὴ με παρεκάλεισεν ἐν τῇ τα-

πεινώσει μου (10 e)

— 52. καὶ παρεκλήθη (10 d)

— 76. τοῦ παρακαλεῖσαι με κατὰ τὸ λόγιόν σου

τῷ δούλῳ σου (10 b)

— 82. S<sup>2</sup> B. πότε παρακαλέσεις [S<sup>1</sup> παρακ-

λέσας] με (10 b)

125 (126). 1. ἐγενήθημεν ὥστε παρακληθῆμεν

134 (135). 14. ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐτοῦ παρα-

κληθήσεται (10 d)

Pr. 1. 11. ἐὰν παρακαλέσωσί σε λέγοντες

8. 4. ὑμᾶς, ὧ ἀνθρώποι, παρακαλῶ (12)

Ec. 4. 1. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς παρακαλῶν

— 1. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς παρακαλῶν [AB ὁ π.] (10 b)

Si. prol. 12. παρεκλήθησεν οὐκ μετ' εὐνοίας

16. 9. S<sup>2</sup> ἐπὶ πλήθει ἀγίων αὐ. οὐ παρεκλήθη

17. 24. παρεκάλουν ἐκλείποντας ὑπομονήν

80. 23. παρακίλει τὴν καρδίαν σου

82 (85). 17. ἕως συνενγίγῃ οὐ μὴ παρακληθῇ

38. 17. παρακληθῆτι λυτῆς ἐνεκα

— 23. παρακληθῆτι ἐν αὐτῷ ἐν ἐξόδῳ πνεύματος

αὐτοῦ

48. 24. παρεκάλει τοὺς πενθοῦντας ἐν Σιών

49. 10. παρεκάλει [A -σαν] δὲ τὸν Ἰ.

Za. 10. 2. μάταια παρακλῶν (10 b)

Is. 10. 32. παρακαλεῖ σήμερον ἐν ὁδῷ τοῦ

μειναι τῇ χειρὶ παρακαλεῖτε τὸ ὄρος

(+ 8 b)

13. 2. παρακαλεῖτε [S<sup>1</sup> -εἰθε?] τῇ χειρὶ [A

ψυχῇ] (8 a)

21. 2. στενάξω καὶ παρακαλέσω ἐμάντον

22. 4. μὴ κατισχύσῃτε π. με ἐπὶ τὸ σύντριμμα (10 b)

33. 7. πικρῶς κλαίοντες παρακαλοῦντες εἰρήνην (5?)

35. 4. παρακαλεῖσθε οἱ ὀλιγὺνυχτοι τῇ διανοίᾳ (2)

38. 16. παρακληθεὶς ἔζησα (4)

40. 1. παρακαλεῖτε παρακαλεῖτε τὸν λαόν [S<sup>1</sup>

π. λαός] μου (10 b, 10 d)

— 2. παρακαλεῖσθε αὐτήν (12)

— 11. ἐν γαστρὶ ἔχοντας παρακαλεῖται (7)

41. 27. Ἰερ. παρακαλῶν εἰς ὁδὸν [A ἐν ὁδῷ, B<sup>1</sup>

om. εἰς δ.] (10 b)

49. 10. ὁ ἔλκων αὐτοὺς παρακαλεῖται (8)

— 13. τοὺς ταπεινοὺς τοῦ λαοῦ αὐτοῦ παρακα-

λέσει (18)

51. 3. σὲ νῦν παρακαλέσω, Σιών, καὶ παρακά-

λέσω πάντα τὰ ἔρημα αὐτῆς [A om.]

(10 b, 10 d)

— 12. ἐγὼ εἰμι ὁ παρακαλῶν σε (10 b)

— 18. οὐκ ἦν ὁ παρακαλῶν σε ἀπὸ πάντων τῶν

τέκνων σου (7)

— 19. τίς παρακαλεῖ σε (10 b)

54. 11. ἀκατάστατος οὐ παρεκλήθη [S<sup>1</sup> ἀ. ἔσται

παρακληθῆναι] (10 c)

57. 5. οἱ παρακαλοῦντες τὰ [S ἐπὶ τὰ]

εἶδωλα (10 b, 10 d)

— 18. καὶ παρεκάλεσα αὐτόν [S<sup>2</sup> om. κ. π. αὐ.] (9)

61. 2. παρακαλέσαι πάντας τοὺς πενθοῦντας (10 b)

66. 12. ἐπὶ γονάτων παρακληθῆσονται (15)

— 13. ὥς εἴ τινα μῆτηρ παρακαλεῖται οὕτως [A

ὅτι οὕτως] κατὰ παρακάλεισεν ὑμᾶς

καὶ ἐν Ἰερ. παρακληθήσεται

(10 b, 10 d, 10 c)

Je. 3. 19. S<sup>1</sup> εἶπατε παρακαλεῖστέ με [A B S<sup>2</sup>

al.] (12?)

38 (81). 15. ΑΒ<sup>2</sup> οὐκ ἤθελε παρακληθῆναι

[B<sup>1</sup> S<sup>2</sup> B<sup>2</sup> αὐτοῦσά] (10 a)

Ba. 4. 30. παρακαλεῖται [A -καλεῖ] σε ὁ ὑνομῶν σε

La. 1. 2. οὐχ ἔστιν ὁ παρακαλῶν αὐτήν (10 b)

— 9. οὐκ ἔστιν ὁ παρακαλῶν αὐτήν (10 b)

— 16. ἐμπαρῆνθη ἀπ' ἐμοῦ ὁ παρακαλῶν με (10 b)

— 17. οὐκ ἔστιν ὁ [S<sup>1</sup> om.] παρακαλῶν αὐτήν (10 b)

— 21. οὐκ ἔστιν ὁ παρακαλῶν με (10 b)

La. 2. 13. τίς σώσει καὶ παρακαλεῖ σε (10 b)

Ez. 14. 23. παρακαλέσουσιν ὑμᾶς (10 b)

24. 17. οὐ μὴ παρακληθῆς ἐν χεῖλεσιν αὐτῶν

— 22. ἀπὸ στόματος αὐτῶν οὐ [A add. μὴ]

παρακληθήσῃ (10 b)

— 23. παρακαλέσετε ἕκαστος τὸν ἀδελφὸν

αὐτοῦ (10 b)

31. 16. παρακλῶν αὐτὸν ἐν γῇ [A add. κάτω]

πάντα τὰ ἔθνη (10 a)

32. 31. παρακληθήσεται ἐπὶ πᾶσαν τὴν ἰσχὺν

[A πάση τῇ ἰ.] αὐτῶν (10 a)

I Ma. 5. 53. ἦν Ἰ. . . παρακαλῶν τὸν λαόν

9. 35. παρεκάλει τοὺς Ναβ.

12. 50. παρεκάλει αὐτοὺς

18. 3. παρεκάλει αὐτούς

II Ma. 2. 3. Α<sup>2</sup> B παρεκάλει μὴ ἀποστήναι τὸν νόμον

4. 34. παρεκάλει χειρώσασθαι τὸν Ὁ.

6. 12. παρακαλῶ οὐκ τὸν ἐντυγχάνοντα τῇδε τῇ

βίβλῳ

— 21. B ἀπολαβόντες αὐτὸν κατ' ἰδίαν παρακλῶν

[A al.]

7. 5. ἀλλήλους παρακλῶν . . . γενναίως τελευτᾶν

— 6. ταῖς ἀληθείαις ἐφ' ἡμῖν παρακαλεῖται

— 6. ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐ. παρακληθήσεται

— 21. ἕκαστος δὲ αὐτῶν παρακλῶν

8. 16. παρεκάλει μὴ καταπλαγήναι

9. 26. παρακαλῶ οὐκ ὑμᾶς

11. 15. οἱς ὁ Α. παρεκάλει

— 32. B πέποιθα δὲ καὶ τὸν Μ. παρακαλεῖσθαι

[A -σαντα] ὑμᾶς

12. 3. παρακαλεῖσθαι τοὺς . . . Ἰουδαίους

— 42. παρεκάλει τὸν πλῆθος

13. 3. παρεκάλει . . . τὸν Ἀντίοχον

— 12. παρακαλεῖσθαι αὐτοὺς ὁ Ἰ.

— 14. παρακαλεῖσθαι τοὺς σὺν αὐτῷ

— 23. τοὺς Ἰουδ. παρεκάλει

14. 25. παρεκάλει αὐτὸν γῆμαι

15. 8. παρεκάλει τοὺς σὺν αὐτῷ

— 17. παρακληθέντες δὲ τοῖς Ἰ. λόγοις

III Ma. 1. 4. ἰκανῶς ἡ Ἀρσινόη . . . παρεκάλει

— 6. ἔκρινε τὰς πλησίον πόλεις ἐπὶ αὐτῶν παρακα-

λέσαι

8. 8. παρεκάλουν δὲ καὶ δυσφύρους εἶχον



<p><b>παραλογίζεσθαι.</b> (1) הִלֵּךְ hi. (2) הִלֵּךְ ri.</p>	<p><b>παραμυθία.</b></p>	<p>Ps. 35 (36). 1. φῶνιν ὁ π. τοῦ ἁμαρτάνειν ἐν</p>
<p>(3) הִלֵּךְ hi.</p>	<p>Es. 8. 13. τῶν πιστευόντων χειρίζειν . . . τὰ πράγ- ματα παραμυθία [S<sup>1</sup>-αν]</p>	<p>ἐν τῷ (15 δ) 36 (37). 38. οἱ δὲ π. ἐξολεθρευθῶσιν ἐπὶ τὸ</p>
<p>Ge. 29. 25. ἵνα τί παραλογίσω με (2)</p>	<p>Wi. 19. 12. εἰς γὰρ παραμυθίαν ἀνέβη . . . ὀρτυγο- μήτρα</p>	<p>αὐτό (15 α) 40 (41). 8. λόγον παράνομον κατέβητο κατ' ἐμοῦ (4 α)</p>
<p>Jo. 9. 22. διὰ τί παραλογίσασθέ με (2)</p>	<p>[Sm. Ps. 70 (71). 21 : Is. 86. 11.] [Al. Ps. 65 (66). 12.]</p>	<p>85 (86). 14. παράνομοι ἐπανάστησαν ἐπ' ἐμέ (6)</p>
<p>Jd. 16. 10, 13, 15. Δ παραλογίσω [B ἐπ' ἀν- σας] με (3)</p>	<p><b>παραμύθιον.</b></p>	<p>100 (101). 3. οὐ προσέβημι πρὸ ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παράνομον [B<sup>1</sup> om. πρ. π.] (4 α)</p>
<p>I Ki. 19. 17. ἵνα τί οὕτως παραλογίσω με (2)</p>	<p>Wi. 3. 18. οὐδὲ ἐν ἡμέρᾳ διαγνώσεως παραμύθιον</p>	<p>118 (119). 85. διηγίσαντό μοι παράνομοι ἀδο- λεσχίας (6)</p>
<p>II Ki. 19. 26 (27). ὁ δοῦλός σου παραλογίσάτο με (2)</p>	<p><b>παραναγινώσκειν.</b></p>	<p>— 113. παρανόμους ἐμίσησα (13 ?)</p>
<p>21. 5. ὅς παραλογίσαστο ἐξολεθρευταὶ ἡμᾶς +</p>	<p>II Ma. 8. 23. Α παραναγνούς [B παραγν.] τὴν ἱερὰν βίβλον</p>	<p>Pr. 1. 18. ἡ δὲ καταστροφή ἀνδρῶν παρανόμων κακὴ — 2. 22. οἱ δὲ π. ἐξωσθήσονται ἀπ' αὐτῆς (2)</p>
<p>Es. 8. 13. παραλογισαμένων [A B -os] τὴν . . . ἐγγυ- μοσύνην</p>	<p>III Ma. 1. 12. B τοῦ τε νόμου παραναγνωσθέντος [A παραγν.]</p>	<p>3. 32. ἀκάθαρτος γὰρ ἔνατι κυρίου πᾶς παρά- νομος (11)</p>
<p>La. 1. 19. αὐτοὶ δὲ παραλογίσαντό με (2)</p>	<p><b>παρανακλίνειν.</b></p>	<p>4. 14. μηδὲ ζηλώσης ὁδοὺς παρανόμων (18)</p>
<p>Da. LXX. Bel 6. μὴδεῖς σε παραλογίζεσθω</p>	<p>Si. 47. 19. Α Β παρανάκλιναν [B παρεν., S παρέκλ.] τὰς λαγόνας σου γυναίξαι</p>	<p>— 17. οὐκ ἐπὶ παρανόμῳ μεθύσκειται (6)</p>
<p>[Aq. Gk. 31. 7 : Ex. 8. 29 (25) : Jb. 18. 9 : Jb. 9. 5 (4).]</p>	<p><b>παραναλίσκειν.</b> (1) נָחַם</p>	<p>6. 12. ἀνὴρ ἀφρονὶ καὶ π. πορεύεται ὁδοὺς οὐκ ἀγαθὰς (1)</p>
<p>[Sm. Gk. 31. 7 : Ex. 8. 29 (25) : Jb. 17. 2 : Ps. 48 (44). 18.]</p>	<p>Nu. 17. 12 (27). ἀπολώλκεται παραναλόμεθα (1)</p>	<p>10. 5. ἀνμόφορος δὲ γίνεται ἐν ἀμνητῷ υἱὸς παράνομος (3)</p>
<p><b>παραλογισμός.</b></p>	<p><b>παρανομεῖν.</b> (1) הָלַךְ (2) הָלַךְ hi. (3) הָלַךְ ri.</p>	<p>11. 6. τῇ δὲ ἀπωλείᾳ [A ἀβωλείᾳ, S<sup>1</sup> ἀσεβείᾳ] αὐτῶν ἀλίσκονται παράνομοι (2)</p>
<p>Es. 8. 13. τῇ τῇ κακοῦθιαι ψευδεὶ π. [A B al.]</p>	<p>(4) הָלַךְ ni.</p>	<p>— 30. ἀφαιρούνται δὲ ἄωροι ψυχαὶ παρανόμων +</p>
<p>— 13. πολυπλόκοις μεθόδων παραλογισμοῖς</p>	<p>Jb. 34. 18. ὁ λέγων βασιλεῖ, Παρανομεῖς +</p>	<p>12. 2. ἀνὴρ δὲ π. παρωσιπηθήσεται (12)</p>
<p>II Ma. 1. 13. παραλογισμῷ χρησαμένων</p>	<p>Ps. 25 (26). 4. μετὰ παρανομούντων οὐ μὴ εἰσέλθω (4)</p>	<p>13. 2. ψυχὰι δὲ παρανόμων δαύνονται ἄωροι (2)</p>
<p>[Aq. Jb. 18. 9 : Is. 30. 10.]</p>	<p>70 (71). 4. ἐκ χειρὸς παρανομούντων (3)</p>	<p>14. 9. οἰκία παρανόμων [A ἀφρόνων] ὀφειλή- σουσι καθαρισμὸν +</p>
<p>[Th. Is. 30. 10.]</p>	<p>74 (75). 4. εἶπα τοῖς παρανομούσι μὴ παρανο- μεῖν [S<sup>1</sup> -εἴτε] (1, 1)</p>	<p>16. 29. ἀνὴρ παράνομος ἀποπειράται φίλων (8)</p>
<p><b>παραλύειν.</b> (1) נָחַץ (2) הָלַךְ ni.</p>	<p>118 (119). 51. Α Β ὑπερέφρανον παρηγόμουν ἕως σφόδρα (2 ?)</p>	<p>17. 4. κακὸς ὑπακούει γλώσσης παρανόμων (1)</p>
<p>(3) הָלַךְ (4) הָלַךְ ri. (5) הָלַךְ (6) הָלַךְ</p>	<p>IV Ma. 5. 17. κατ' οὐδένα τρόπον παρανομεῖν ἀξιοῦμεν</p>	<p>19. 11. τὸ δὲ καυχῆμα αὐ. ἐπὶ ἐρχεται παράνομος (15 δ)</p>
<p>(7) הָלַךְ (8) הָלַךְ hoph. (9) הָלַךְ</p>	<p>— 20. Α Β τὸ γὰρ ἐν [S ἐπ.] μικροῖς καὶ ἐν [S om.] μεγάλαις π. ἰσοδυναμῶν ἐστὶ</p>	<p>21. 24. ὅς δὲ μνησικακεῖ παράνομος +</p>
<p>(10) הָלַךְ ri. (11) הָלַךְ (12) הָלַךְ</p>	<p>— 27. Α ἀναγκάζει ἡμᾶς παρανομεῖν [S B al.]</p>	<p>22. 12. φανταίει δὲ λόγους παράνομος (2)</p>
<p>(13) הָלַךְ</p>	<p>— 27. S<sup>1</sup> ἀλλὰ καὶ παρανομεῖν [A S<sup>2</sup> B al.]</p>	<p>— 14. βόθρος βαθὺς στόμα παρανόμου (7)</p>
<p>Ge. 4. 15. ἐπὶ ἐκδικούμενα παραλύσει (8)</p>	<p>8. 14. ἴλεως ὑμῖν ἐστί δι' ἀνάγκην παρανομήσαντι [Aq. Is. 52. 5.]</p>	<p>25. 19. ποὺς παρανόμου ὀλεῖται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ (2 ?)</p>
<p>19. 11. παρελύθησαν ζητοῦντες τὴν θύραν (7)</p>	<p><b>παρανομία.</b> (1) הַפְּרָה (2) הַפְּרָה (3) הַפְּרָה</p>	<p>26. 3. οὕτως ῥάβδος ἔθνη παρανόμῳ +</p>
<p>Le. 13. 45. τὰ ἱμάτια αὐτοῦ ἔστω παραλελυμένα (11)</p>	<p>Ps. 36 (37). 7. ἐν ἀνθρώπῳ ποιοῦντι παρανομίας [A S<sup>2</sup> -αν] (1)</p>	<p>28. 17. οὐ μὴ ὑπακούει ἔθνη παρανόμῳ +</p>
<p>De. 32. 36. εἶδε γὰρ παραλελυμένους αὐτοὺς (1)</p>	<p>Pr. 5. 22. παρανομία ἀνδρα ἀγρεύουσι (2)</p>	<p>29. 4. ἀνὴρ δὲ παράνομος κατασκάπτει — 12. πάντες οἱ ὑπ' αὐτὸν παράνομοι (17)</p>
<p>II Ki. 8. 4 : I Ch. 18. 4. παρελύσε Δ. πάντα τὰ ὄργανα (10)</p>	<p>— 10. Α Β δὴ [S add. τὴν] παρανομίαν αὐτὴν ἀπέλεγχον</p>	<p>— 18. μὴ ὑπάρξῃ ἐξηγητῆς ἔθνη παρανόμῳ +</p>
<p>Ju. 16. 7. Α Β S<sup>2</sup> παρελύσαν αὐτὸν</p>	<p>IV Ma. 2. 11. Α Β δὴ [S add. τὴν] παρανομίαν αὐτὴν ἀπέλεγχον</p>	<p>Wi. 3. 16. ἐκ παρανόμου κοίτης σπέρμα ἀφανισθή- σεται</p>
<p>Wi. 17. 15. τὰ δὲ τῆς ψυχῆς παρελύοντο προδοσίᾳ</p>	<p>4. 19. ἐξέπολιτευσεν ἐπὶ πᾶσαν π.</p>	<p>Si. 16. 3. S<sup>2</sup> κρίσιον γὰρ εἰς δίκαιος . . . ἡ μύριος παράνομοι</p>
<p>— 19. παρελύσαν [A -νεν] αὐτοὺς ἐκφοβούμενα [S<sup>1</sup> -οὔσα]</p>	<p>5. 13. B ἐπὶ πάσῃ [A πᾶσιν] δι' ἀνάγκην π. γενομένη</p>	<p>Da. LXX. Su. 28. οἱ δὲ π. ἄνδρες ἀπέστρεψαν</p>
<p>Si. 25. 23. χεῖρες παρεμείναν καὶ γόνατα παραλελυμένα [S<sup>1</sup> -οὔσα]</p>	<p>9. 3. σύμβουλοι τυράννην παρανομίας</p>	<p>— 32. προσέταξαν οἱ π.</p>
<p>85. 3. ἰσχύσατε . . . γόνατα παραλελυμένα (4)</p>	<p>[Aq. Jb. 6. 29 : 11. 14 : Ps. 42 (43). 1.]</p>	<p>Da. TH. Su. 32. οἱ δὲ π. ἐκέλευσαν</p>
<p>Je. 6. 24. παρελύθησαν αἱ χεῖρες ἡμῶν (18)</p>	<p>[Sm. Nu. 18. 1 : Jb. 11. 14 : 35. 8 : Ps. 139 (140). 12.]</p>	<p>I Ma. 1. 11. S B ἐξήλθον ἐξ [S<sup>1</sup> -θεν] Ἰσρ. υἱοὶ π. [A υἱὸς π.]</p>
<p>26 (46). 15. κύριος παρελύσαν αὐτὸν</p>	<p>[Th. Jb. 11. 14.]</p>	<p>— 34. Α Β ἔθηκαν ἐκεῖ . . . ἄνδρας π. [B -οντες]</p>
<p>27 (50). 15. παρελύθησαν αἱ χεῖρες αὐτῆς . . . (9)</p>	<p><b>παρανόμος.</b> (1) הָפְרָה (2) הָפְרָה (3) הָפְרָה hi.</p>	<p>10. 61. Α συνηχῆσαν ἐπ' αὐτὸν . . . ἄνδρες π. [S B al.]</p>
<p>— 36. καὶ παρελύθησαν αὐτοὶ (6)</p>	<p>(4) א. הָפְרָה δ. הָפְרָה (5) הָפְרָה (6) הָפְרָה</p>	<p>11. 21. ἐπορεύθησαν . . . ἄνδρες π.</p>
<p>— 43. παρελύθησαν αἱ χεῖρες αὐ. (13)</p>	<p>(7) הָפְרָה (8) הָפְרָה (9) הָפְרָה (10) הָפְרָה</p>	<p>II Ma. 4. 11. π. ἰθιμόνους ἐκαίνεον</p>
<p>Ez. 7. 27. αἱ χεῖρες τοῦ λαοῦ τῆς γῆς παραλυθί- σονται (2)</p>	<p>(11) הָפְרָה ni. (12) הָפְרָה (13) הָפְרָה (14) הָפְרָה</p>	<p>— 14. τῆς ἐν παλαιότερα παρανόμου χορηγίας</p>
<p>21. 7 (12). πᾶσαι χεῖρες παραλυθίσονται (18)</p>	<p>(15) א. הָפְרָה δ. הָפְרָה (16) הָפְרָה (17) הָפְרָה</p>	<p>6. 21. οἱ δὲ πρὸς τῇ π. σπλαγχνισμῷ τεταγμένοι</p>
<p>25. 9. παραλύω τὸν ὄμον Μωάβ (12)</p>	<p>De. 18. 13 (14). ἐξήλθον ἀνδρες π. (4 δ)</p>	<p>8. 4. τῆς τῶν ἀναμαρτήτων νηπίων παρανόμου ἀπω- λείας</p>
<p>I Ma. 9. 55. καὶ παρελύθη</p>	<p>Jd. 19. 22. ἀνδρες τῆς πόλεως υἱοὶ παρανόμων (4 α)</p>	<p>13. 7. τὸν π. συνέβη θανεῖν</p>
<p>III Ma. 2. 22. καὶ τοῖς μελεσι παραλελυμένοι [Al. Le. 10. 6 : 21. 10.]</p>	<p>20. 13. ὅστε τοὺς ἄνδρας υἱοὺς παρανόμων [A al.] (4 α)</p>	<p>III Ma. 2. 17. ἵνα μὴ καυχίσωνται οἱ π. ἐν θυμῷ αὐτῶν</p>
<p>[Heb. Ez. 7. 17.]</p>	<p>II Ki. 16. 7. ἐξελεῖ . . . ἀνὴρ ὁ π. (4 α)</p>	<p>5. 27. B καταπλεγέντος ἐπὶ τῇ π. [A ἀν.] ἐξέδω</p>



Je. 7. 4. τὸ π. οὐκ ὠφέλησεν ὑμᾶς —  
Ez. 20. 9, 14. ὅπως τὸ ὄνομά μου τὸ π. μὴ βεβη-  
λωθῇ  
— 15. ἐξήρα τὴν χεῖρά μου ἐπ' αὐτοὺς . . .  
τὸ π.  
— 22. ὅπως τὸ ὄνομά μου τὸ π. μὴ βεβηλωθῇ  
41. 6. ὅπως τὸ π. μὴ ἀπῶνται τῶν τοίχων  
46. 20. ἐκεῖ πέψουσιν τὸ μαῖνὰ τὸ π.  
**παραπέμπειν.**  
Es. 8. 13. τὰ τέ των βασ. παραπέμποντας [B<sup>1</sup> -es]  
. . . διατάγμ.  
III Ma. 1. 26. B καὶ πάντα [A -as] παραπέμφας  
**παραπέτασμα.**  
Atm. 2. 8. παραπέτασματα ἐποιοῦν  
[Aq. Ex. 36. 35 (37. 3).]  
[Sm. Nu. 4. 26.]  
**παραπηδᾶν.**  
IV Ma. 11. 1. ὁ πέμπτος παρεπήδησε  
**παραπικραίνειν.** (1) עֲנֵן hi. (2) עָנַן  
(3) עָנַן a. qal. δ. hi. c. עָנַן (4) עָנַן  
De. 31. 27. παραπικραίνοντες ἦτε τὰ πρὸς τὸν θ. (8 δ)  
32. 16. παραπικράναν [A ἐξέπ.] με (1)  
III Ki. 13. 21. παραπικράνας τὸ ῥῆμα κ. (3 α)  
— 26. δὲ παραπικράνε τὸ ῥῆμα κ. (3 α)  
I Es. 6. 15. οἱ πατέρες ἡμῶν παραπικράναντες ἡμαρ-  
των  
Ps. 5. 10. παραπικράναν σε, κύριε (3 α)  
65 (66). 7. οἱ παραπικραίνοντες μὴ ὑψοῦσθωσαν  
ἐν ταῖς αὐτοῖς (4)  
67 (68). 6. ὁμοίως τοὺς παραπικραίνοντας (4)  
77 (78). 8. γενεὰ σκολιὰ καὶ παραπικραίνουσα (3 α)  
— 17. παραπικράναν τὸν ὑψίστον ἐν ἀνδρῶν (3 β)  
— 40. ποσάκις παραπικράναν αὐτὸν ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 β)  
— 56. παραπικράναν τὸν θεὸν τὸν ὑψίστον (3 β)  
104 (105). 28. παραπικράναν [B<sup>1</sup> -en] τοὺς  
λόγους αὐ. (3 α)  
105 (106). 7. παραπικράναν ἀναβαίνοντας ἐν τῇ  
ἐρυθρᾷ θαλάσσῃ (3 β)  
— 33. παραπικράναν τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (3 β)  
— 43. παραπικράναν αὐτὸν ἐν τῇ βουλῇ αὐ. (3 β)  
106 (107). 11. παραπικράναν τὰ λόγια τοῦ  
θεοῦ (3 β)  
Ho. 10. 5. καθὼς παραπικράναν αὐτὸν  
Je. 39 (32). 29. πρὸς τὸ παραπικράναί με  
— 33. AB ἐποίησαν παραπικράναί [B πικρ.]  
με  
51 (44). 3. ἥς ἐποίησαν παραπικράναί με  
— 8. παραπικράναί με ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χει-  
ρῶν ὑμῶν (1)  
La. 1. 18. στόμα αὐτοῦ παραπικράνα [B -an] (3 α)  
— 20. παραπικραίνουσα παραπικράνα [B  
-va] (3 α, 3 α)  
Ez. 2. 3. πρὸς τὸν οἶκον τοῦ 'Ισρ. τοὺς παρα-  
πικραίνοντας με οἷτινες παραπικρά-  
ναν με (3 α)  
— 5, 6, 7. οἶκος παραπικραίνων ἐστὶ (3 β)  
— 8. μὴ γίνου παραπικραίνων [A<sup>2</sup> add. καὶ σὺ]  
καθὼς ὁ οἶκος ὁ παραπικραίνων (3 β, 3 β)  
8. 9, 26, 27; 12. 2, 3. οἶκος παραπικραίνων  
ἐστὶ (3 β)  
12. 9. ὁ οἶκος τοῦ 'Ι. οἶκος [A om.] ὁ παρα-  
πικραίνων (3 β)  
— 25. οἶκος ὁ [A om.] παραπικραίνων (3 β)  
— 27. ὁ οἶκος 'Ισρ. ὁ παραπικραίνων  
17. 12. εἰπὸν πρὸς τὸν οἶκον τὸν παραπικρά-  
νοντα (3 β)  
20. 13. A παραπικράναν με ὁ οἶκος 'Ισραὴλ (3 β)  
— 21. παραπικράναν με (3 β)  
24. 3. εἰπὸν ἐπὶ τὸν οἶκον τὸν παραπικραίνοντα  
παραβολῇν (3 β)  
— 14. ἡ ὀνομαστὴ καὶ πολλὴ τοῦ π.  
44. 6. ἐρεῖς πρὸς τὸν οἶκον τὸν παραπικρά-  
νοντα (3 β)  
[Aq. Je. 50 (27). 21; Ez. 2. 6 (P.).]  
[Sm. Ex. 23. 21; Dt. 9. 23; Is. 8. 8; Ez. 2. 6  
(P.); Mt. 1. 12.]  
[Th. Dt. 1. 26; 9. 23; Ps. 104 (105). 28; Is.  
30. 9.]  
[Al. Ex. 1. 14; Ez. 20. 13.]  
[Quint. Ps. 26 (27). 11; 104 (105). 28; 105  
(106). 7; 138 (139). 20.]  
[Sext. Ps. 26 (27). 11.]

**παραπικρασμός.** (1) עֲנֵן  
Ps. 94 (95). 8. μὴ σκληρύνῃς τὰς καρδίας ὑμῶν  
ὡς ἐν τῷ π.  
[Aq. i Ki. 15. 23.]  
[Sm. Je. 7. 11.]  
[Th. Pr. 17. 11.]  
**παραπίπτειν.** (1) עָפַץ (2) עָפַץ (3) עָפַץ hi.  
Es. 6. 10. μὴ παραπέσῃ σου λόγος (3)  
Wi. 6. 9. ἵνα μάθῃτε σοφίαν καὶ μὴ παραπέσῃτε  
12. 2. τοὺς παραπίπτοντας κατ' ὀλίγον ἐλέγχεις  
Ez. 14. 13. τοῦ παραπέσειν παρὰ τῶμα [A -ati] (2)  
15. 8. ἀνθ' ὧν παρέπεσον παρὰ τῶματι (2)  
18. 24. ἐν τῷ παρὰ τῶματι αὐτοῦ ὃ παρέπεσε (2)  
20. 27. ἐν οἷς παρέπεσον [A -σαν] εἰς ἐμέ (2)  
22. 4. παραπέπτωκας (1)  
II Ma. 10. 4. A μὴ κέτι παραπέσειν [B περιπ.] τοι-  
οῖς κακοῖς  
[Aq. Ps. 24 (25). 1.]  
[Sm. i Ki. 27. 1.]  
[Al. Nu. 22. 30.]  
**παραπληκτεῖσθαι.**  
[Aq. i Ki. 21. 14 (15), 15 (16).]  
**παραπληκτός.** (1) עָפַץ ru.  
De. 28. 34. καὶ ἐση παραπληκτός (1)  
**παραπληξία.** (1) מַעֲרָץ  
De. 28. 28. πατάξει σε κ. παραπληξία  
[Aq. iv Ki. 9. 20.]  
**παραπλησίως.**  
[Quint. Ho. 8. 6.]  
**παράπλους.**  
III Ma. 4. 11. τοῦ π. περανθέντος  
**παραπομπή.**  
I Ma. 9. 37. ἄγουςι τὴν νύμφην . . . μετὰ π. μεγάλης  
**παραπορεύεσθαι.** (1) עָפַץ (2) עָפַץ (3) עָפַץ  
Ge. 37. 28. καὶ παραπορεύοντο οἱ ἀνθρ. οἱ Μαδ. (2)  
Ex. 2. 5. παραπορεύοντο παρὰ [A ἐπὶ] τὸν ποτ. (1)  
30. 13. οἱ οὖν ἀν. παραπορεύοντες τὴν ἐπίσκεψιν  
— 14. πᾶς ὁ παραπορεύωμ. εἰς τὴν ἐπίσκεψιν (2)  
39. 3 (38. 26). πᾶς ὁ παραπορεύωμ. τὴν ἐπί-  
σκεψιν (2)  
De. 2. 4. παραπορεύεσθε διὰ τῶν ὁρίων  
— 13. παραπορεύεσθε τὴν φάραγγα Z. (2)  
— 14. ἀς παραπορεύῃμεν ἀπὸ K. B. (2)  
— 18. παραπορεύση [A -ει] σὴμ. τὰ ὄρια M. (2)  
Jo. 6. 6 (7). οἱ μάχοι παραπορεύεσθαι  
— 8 (9). οἱ δὲ μάχοι παραπορεύεσθαι  
9. 2 (8. 33). παραπορεύοντο ἔνθεν καὶ ἔνθεν  
τῆς κιβ. (3)  
15. 6. παραπορεύεσθαι ἀπὸ βορρᾶ ἐπὶ B.  
Jd. 9. 25. πάντα δε παραπορεύετο [A al.]  
19. 18. παραπορεύεσθαι [A διαβαίνωμεν] ὑμῖς  
Ru. 4. 1. ὁ ἀγγιστεῖν παραπορεύετο (2)  
I Ki. 29. 2. παραπορεύοντο εἰς ἑκατοντάδας  
— 2. παραπορεύοντο ἐπ' ἐσχάτων [A -φ] (2)  
II Ki. 15. 18. B πᾶς ὁ λαὸς παραπορεύετο  
— 23. πᾶς ὁ λαὸς παραπορεύοντο (2)  
— 23. πᾶς ὁ λαὸς καὶ ὁ βασ. [A om. κ. ὁ β.]  
παραπορεύοντο (2)  
24. 20. καὶ τοὺς παῖδας αὐ. παραπορευομένους  
III Ki. 13. 25. ἰδοὺ ἀνδρὲς παραπορεύωμ.  
21 (20). 39. ὡς παραπορεύετο ὁ βασ. (2)  
II Ch. 24. 20. τί παραπορεύεσθε τὰς ἐντ. κυρίῳ (2)  
Jb. 21. 29. ἐρωτήσατε παραπορευομένους ὁδὸν (2)  
Ps. 79 (80). 12. πάντες οἱ παραπορεύωμ. τὴν ὁδὸν  
88 (89). 41. A πάντες οἱ παραπορεύωμ. τὴν  
[B B οἱ διωδύνοντες] ὁδὸν (2)  
Pr. 7. 8. παραπορευόμενον παρὰ γυνῶν ἐν δι-  
δοῖς οἶκων αὐτῆς (2)  
10. 25. A B A<sup>2</sup> παραπορευομένης καταγίγδοις  
ἀφανίζεται ἀσέβης (2)  
Ze. 2. 2. πρὸ τοῦ γενέσθαι ὑμᾶς ὡς ἄνθος παρα-  
πορευόμενον (2)  
3. 1 (2. 15). A πᾶς ὁ παραπορεύωμ. [B B διαπ.]  
δι' αὐτῆς (2)  
Is. 51. 23. ἐθξας ἴσα τῇ γῇ τὰ μέσα [A S μετί-  
φρενά] σου ἐξω τοῖς παραπορευομ. (2)  
Je. 18. 16. A πάντες οἱ παραπορευόμενοι [B B  
διαπ.] δι' αὐτῆς ἐκτισσονται (2)

Je. 19. 8. πᾶς ὁ παραπορευόμεν. [B<sup>1</sup> πορ.] ἐπ' αὐτῆς (2)  
29 (49). 17. πᾶς ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτῆς (2)  
La. 1. 12. οἱ πρὸς ὑμᾶς πάντες παραπορευόμενοι  
ὁδὸν (2)  
2. 15. πάντες οἱ παραπορευόμενοι ὁδὸν (2)  
4. 18. A τοῦ μὴ π. [B πορ.] ἐν ταῖς πλατείαις  
ἡμῶν (1)  
Ep. Je. 43. ἐφελκυσθῆσα [A ἀπελκυσθείς] ὑπὸ  
τινος τῶν παραπορευομένων  
[Aq. Je. 9. 10 (9).]  
[Th. Ex. 30. 13; Is. 84. 10; Je. 9. 10 (9).]  
[Al. Ex. 30. 13; Ez. 35. 7.]  
**παραπρολέγειν.**  
[Sm. Je. 29 (36). 26.]  
**παραπταίνειν.**  
[Al. Dt. 22. 1.]  
**παράπτωμα.** (1) עָוֶן (2) עָוֶן (3) עָוֶן  
(4) עָוֶן (5) עָוֶן (6) עָוֶן δ. עָוֶן  
Jb. 35. 15. οὐκ ἔγνω παράπτωμά τι σφόδρα  
36. 9. ἀναγγελεῖ αὐτοῖς . . . τὰ π. αὐ. [B<sup>1</sup> om. τὰ  
π. αὐ.] (4)  
Ps. 18 (19). 12. παραπτώματα τίς συνήσει (5)  
21 (22). 1. μακρὸν ἀπὸ τῆς σωτηρίας μου οἱ  
λόγοι τῶν π. μου  
Wi. 8. 13. ἥτις οὐκ ἔγνω κοίτην ἐν παραπτώματι  
10. 2. καὶ ἐξέλειτο αὐτὸν ἐκ παραπτώματος ἰδίου  
Za. 9. 5. ἡσχύνθη ἐπὶ τῷ [B<sup>1</sup> om.] π. αὐ. [A al.]  
Ez. 8. 20. ποιήσῃ π.  
14. 11. ἵνα μὴ μιαινῶνται ἐν ἐν πᾶσι τοῖς π.  
αὐτῶν (4)  
— 13. τοῦ παραπεσεῖν π. [A -ati] (2)  
15. 8. ἀνθ' ὧν παρέπεσον παρὰ τῶματι (2)  
18. 22. πάντα τὰ παραπτώματα αὐ. . . οὐ  
μνησθήσονται [A al.] (4)  
— 24. ἐν τῷ π. αὐ. . . ἀποθανείναι (2)  
— 26. ποιήσῃ παράπτωμα καὶ ἀποθάνῃ ἐν τῷ π. (3, 3)  
20. 27. παρώργισαν με . . . ἐν τοῖς π. αὐ. (2)  
Da. Th. 4. 24. ἵσως ἔσται μακρόβιος τοῖς π.  
σου ὁ θεός (6 β)  
6. 4 (5). παράπτωμα . . . οὐχ εὗρον κατ' αὐτοῦ (6 α)  
— 22 (23). παράπτωμα οὐκ ἐποίησα (1)  
[Sm. Ex. 23. 21; Jb. 35. 15; Ps. 24 (25). 7;  
Pr. 10. 19.]  
[Th. Jb. 35. 15; 36. 9; Da. 4. 24; 9. 24.]  
[Al. Nu. 22. 30; Da. 8. 12, 23.]  
**παράπτωσις.** (1) עָוֶן  
Je. 22. 21. ἐλάλησα [A B -an] πρὸς σὲ ἐν τῇ π. σου  
**παραριθμῆναι.**  
To. 9. 5. S παρηρίθμηνεν αὐτῷ τὰ θυλάκια [A B al.]  
**παραρρεῖν.** (1) עָוֶן (2) עָוֶן  
Pr. 3. 21. νιέ, μὴ παραρρεῖς (2?)  
Is. 44. 4. ὡς ἰτέα ἐπὶ παραρρεῖν ὕδωρ (1)  
[Sm. Pr. 4. 21.]  
**παραρρίπτειν, παρариπτειν.** (1) עָוֶן  
I Ki. 2. 36. παραρρίψον με (1?)  
Ps. 88 (84). 10. ἐξελεξάμην παρариπτέσθαι [A B  
-εσθαι] ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θεοῦ  
II Ma. 1. 16. B τοῖς ἐξω παρариψαν [A παρари-  
ψαντες]  
**παράρματα.** (1) עָוֶן  
Ex. 35. 11. τὴν σκηνὴν καὶ τὰ π. (1)  
**παράστημος.**  
III Ma. 2. 29. παραστήμω Διονύσου κισσοφύλλω  
**παρασιωπᾶν.** (1) עָוֶן a. qal. δ. hi. (2) עָוֶן  
Ge. 24. 21. παρσιωπά τοι γυνῶν (1 β)  
34. 5. παρσιωπήσῃς δι' 'Ι. (1 β)  
Nu. 30. 4 (5). καὶ παρσιωπήσῃ αὐτῆς ὁ πατήρ (1 β)  
— 8. καὶ παρσιωπήσῃ αὐτῇ (1 β)  
— 12. καὶ παρσιωπήσῃ [B<sup>1</sup> om. κ. π.] αὐτῇ (1 β)  
— 15. ἐὰν δὲ . . . παρσιωπήσῃ αὐτῇ (1 β)  
I Ki. 7. 8. μὴ παρσιωπήσῃς ἀφ' ἡμῶν (1 β)  
23. 9. οὐ παρσιωπήσῃς Σ. περὶ αὐτοῦ (1 β)  
Ps. 27 (28). 1. A S μὴ παρσιωπήσῃς ἀπ'  
ἐμοῦ [B ἐπ' ἐμοῖ] μὴ ποτε παρ-  
σιωπήσῃς ἀπ' ἐμοῦ [B ἐπ' ἐμοῖ] (1 α, 2)  
34 (35). 22. μὴ παρσιωπήσῃς (1 α)

Ps. 38 (39). 12. τῶν δακρύων μου μὴ παρασιω-  
πήσῃς (1a)  
49 (50). 3. καὶ οὐ παρασιωπήσεται (1a)  
108 (109). 1. ὁ θεὸς τὴν αἰνέσιν μου μὴ παρασιω-  
πήσῃς (1a)  
Pr. 12. 2. ἀνὴρ δὲ παράνομος παρασιωπήσεται †  
Ho. 10. 11. παρασιωπήσονται Ἰουδαῖοι (1a)  
— 13. ἵνα τί παρασιωπήσατε ἀσεβείαν (1a)  
Am. 6. 13 (12). εἰ παρασιωπήσονται ἐν θηλείαις (1a)  
Hb. 1. 13. παρασιωπήσῃ ἐν τῷ καταπίνῃ (1b)  
[Aq. Jn. 16. 2 : Hb. 1. 13.]  
[Sm. Ps. 29 (30). 13 : Hb. 1. 13.]  
[Th. Ps. 38 (39). 13 : 108 (109). 1 : Hb. 1. 13.]

**παρασκευάζειν.** (1) פָּרַךְ hi. (2) פָּרַךְ pi.

(3) פָּרַךְ hi. (4) פָּרַךְ (5) פָּרַךְ pi.

(6) פָּרַךְ pi. (7) פָּרַךְ pi. (8) פָּרַךְ

פָּרַךְ

I Ki. 24. 4. 2. ἐισηγήθη παρασκευάσασθαι (8)  
To. 8. 19. 8 καὶ ἤρξαντο π. [A.B. al.]  
Ju. 5. 1. παρεσκευάσαντο εἰς πόλεμον  
Pr. 15. 18. ἀνὴρ θυμώδης παρασκευάζει μάχας (2)  
23. 2. τοιαῦτα σε δεῖ παρασκευάσαι  
24. 42 (27). παρασκευάσας εἰς τὸν ἀγρόν (5)  
29. 5. ὅς παρασκευάζεται ἐπὶ πρόσωπον τοῦ  
ἐαυτοῦ φίλου (3)  
Is. 26. 7. ἡ ὁδὸς τῶν ἐνσεβῶν καὶ παρεσκευασμένη (8)  
Je. 6. 4. παρασκευάσασθε ἐπ' αὐτὴν εἰς πόλεμον (7)  
12. 5. πῶς παρασκευάσῃ [B -άσῃ] ἐφ' ἵπποις  
26 (48). 9. παρασκευάσατε [A καὶ κατασκ.] τὰ  
ἔργατα †  
27 (50). 42. ἐφ' ἵπποις ἱππάζονται παρεσκευα-  
σμένοι ὥσπερ πῦρ εἰς πόλεμον (4)  
28 (51). 11. παρασκευάζετε [A -άσατε] τὰ  
τοξεύματα (1)  
Da. LXX. Bel 7. τὸν ἐσθλόντα τὰ παρασκευαζόμενα  
τῷ Βήλ

II Ma. 2. 27. τῷ παρασκευάζοντι συμπόσιον  
8. 21. ἐνέγκαντα κρέα . . . δι' αὐτοῦ παρασκευα-  
σθέντα  
[Aq. Jn. 3. 8.]  
[Sm. Ps. 37 (38). 18 : Is. 40. 18.]  
[Quint. Ho. 6. 11.]

**παρασκευή.** (1) פָּרַךְ

Ex. 35. 24. B πάντα τὰ ἔργα τῆς π. [A.B. κατασκ.] (1)  
39. 22 (42). A ἐποίησαν . . . πᾶσαν τὴν π.  
[B ἀποσκ.] (1)  
Ju. 2. 17. λαβεὶ καμήλους . . . εἰς τὴν π. αὐτῶν  
4. 5. παρήεντο . . . εἰς παρασκευὴν πολέμου  
I Ma. 9. 35. S τὸν παραβέβηκα αὐτοῖς τὴν π. αὐ.  
[A.B. al.]

II Ma. 15. 21. καὶ τὸν ὄπλων τὴν ποικίλην π.

**παραστάς.**

[Aq. Jn. 3. 22 : Is. 57. 8 : Ez. 40. 17 (P.).]

[Sm. Ez. 40. 17, 10, 12 bis, 14 (F.), 16, 21,

29.]

[Th. Ez. 40. 17 (P.).]

[Al. Ex. 21. 6.]

**παραστήκειν.** (1) פָּרַךְ

Nu. 7. 2. A οἱτοὶ οἱ παραστήκοντες [B πα-  
στηκότες] ἐπὶ τῆς ἐπισκοπῆς  
Jd. 8. 19. A πάντες οἱ παραστήκοντες αὐτῷ  
[B al.] (1)  
III Ki. 10. 8. A οἱ παραστήκοντες [B -εστη-  
κότες] ἐνώπιόν σου (1)

**παρασυμβάλλειν.** (1) שָׁרַף ni.

Ps. 48 (49). 12. 20. παρασυμβλήθη τοῖς κτήνεσι  
τοῖς ἀνόητοις (1)

**παρασύρειν.**

[Sm. Jn. 22. 16.]

**παρασφάλλεσθαι.** (1) פָּרַךְ hi.

Ne. 8. 8. B παρ' αὐτὸν παρσφάλλισατο 'Ο.

**παρατάσσειν.**

[Aq. Ez. 27. 16 : 36. 37 (5) : Nu. 4. 25, 26.]

[Sm. Ex. 27. 16.]

**παραταναύσας.**

[Aq. Ex. 26. 36.]

[Al. Nu. 4. 5.]

**παρατάξαι.** (1) פָּרַךְ (2) פָּרַךְ (3) a. פָּרַךְ

ni. (4) a. פָּרַךְ (5) פָּרַךְ

(6) פָּרַךְ (7) פָּרַךְ

Nu. 31. 5. ἐνωπλισμένοι εἰς παρατάξιν (5)

— 14. τοῖς ἐρχομ. ἐκ τῆς π. τοῦ πολέμου (5)

— 21. τοὺς ἐρχομ. ἐκ τῆς π. τοῦ πολέμου —

— 27. A.B. τὸν ἐκπορεύομ. εἰς τὴν π. [B<sup>2</sup>B al.] (5)

— 28. τὸν ἐκπορεύομ. [A ἐκπορεύομ.] εἰς τὴν π. (5)

Jd. 6. 26. οἰκοδομήσεις . . . ἐν τῇ π. (4a)

8. 13. ἐπέστρεψε . . . ἀπὸ τῆς π. ἀπὸ ἐπάνωθεν

τῆς π. 'A. [A al.] (3a)

18. 11. ἐξωμένοι σκευὴ παρατάξεως [A al.] (3a)

— 16. οἱ ἀνεχώρημένοι τὰ σκευὴ τῆς π. [A al.] (3a)

20. 14. ἐξελθόντες εἰς παρατάξιν [A τοῦ πολε-

μήσαι] (3a)

— 17. πάντες οὗτοι ἄνδρες παρατάξεως [A al.] (3a)

— 18. τίς ἀναβήσεται . . . εἰς παρατάξιν

[A al.] (3a)

— 20. ἐξήλθον . . . εἰς παρατάξιν [A al.] (3a)

— 22. προσέθηκαν συνάψαι παρατάξιν [A al.] (3a)

— 23. ἐγγίγαι εἰς παρατάξιν [A al.] (3a)

— 28. ἐξελθόντες εἰς παρατάξιν [A πόλεμον] (3a)

— 34. καὶ παρατάξας βαρεῖα [A al.] (3a)

— 39. ἔστησαν ἐν τῇ π. [A al.] (3a)

— 39. ὡς ἡ π. ἡ πρώτη [A al.] (3a)

— 42. ἡ π. ἐφθίονεν ἐπ' αὐτοῖς [A al.] (3a)

21. 22. οὐκ ἐλάθον . . . ἐν τῇ π. [A τῷ

πολέμῳ] (3a)

I Ki. 4. 2. ἐπλήγησαν ἐν τῇ π. (4a)

— 12. ἔδραμον ἀνὴρ 'Ιερ. ἐκ τῆς π. (4a)

— 16. πέφικεν ἐκ τῆς π. (4a)

17. 4. ἐξήλθεν . . . ἐκ τῆς π. (3)

— 8. ἀνεβόησαν εἰς [A πρὸς] τὴν π. 'Ισρ. (4a)

— 10. ὠνείδιζα τὴν π. 'Ισρ. (4a)

— 20. A δύναμιν τὴν ἐκπορεύομ. εἰς τὴν π. (4a)

— 21. A παρατάξαντο . . . παρτάξιν ἐξ ἐναν-

τίας παρατάξεως (4a, 4a)

— 22. A ἔδραμον εἰς τὴν π. (4a)

— 23. A ἐκ τῶν π. τῶν ἀλλοφύλων (†, 4a)

— 26. A ὠνείδισεν παρατάξιν θεοῦ ζῶντος (4a)

— 36. ὠνείδισεν παρατάξιν θεοῦ ζῶντος (4a)

— 45. ἐν ὀνόμ. κ. θεοῦ σαβᾶδ παρατάξεως

'Ισρ. (4a)

— 48. A ἔδραμον εἰς τὴν π. τοῦ ἁλλοφ. (4a)

I Ch. 5. 18. ἐκπορεύομενοι εἰς παρατάξιν (5)

7. 40. εἰς παρατάξιν τοῦ πολέμου (5)

12. 8. ἄνδρες παρατάξεως πολέμου (5)

— 24. δυνατοὶ παρατάξεως [S πράξεως] (5)

— 25. δυνατοὶ ἰσχύος εἰς παρατάξιν (5)

— 33. ἐκπορεύομενοι εἰς παρατάξιν πολέμου

(5 + 4b)

— 38. παρατασσόμενοι παρατάξιν (4a)

II Ch. 20. 15. οὐχ ὑμῖν ἐστὶν ἡ π. (3a)

26. 11. ἐκπορεύομενοι εἰς παρατάξιν (5)

— 11. B εἰσπορευομένη εἰς παρατάξιν —

I Es. 1. 30. ἀπέστησαν αὐτὸν . . . ἀπὸ τῆς π.

2. 30. μὲθ' ἵππων καὶ ὄχλων παρατάξεως

Ne. 11. 14. ἀδελφοὶ αὐτοῦ δυνατοὶ παρατάξεως (7)

Ju. 1. 6. εἰς πυράταξιν νιὼν Χ.

2. 15. ἡρίθμουν . . . εἰς παρατάξιν

5. 23. οὐδὲ κράτος εἰς π. ἰσχυράν

7. 11. καθὼς γίνεται πόλεμος παρατάξεως

16. 12. ἀπώλοντο ἐκ παρατάξεως κυρίου μου

Ps. 143 (144). 1. ὁ διδάσκων τὰς χεῖράς μου εἰς

παρατάξιν (6)

Wi. 12. 9. οὐκ ἀδυνάτων ἐν παρατάξει ἀσεβεῖς δι-

καίοις ὑποχειρίους δοῦναι (3b)

Za. 14. 3. καθὼς ἡμέρα παρατάξεως αὐ. (3b)

Is. 22. 6. συναγωγὴ παρατάξεως †

36. 5. μὴ ἐν βουλῇ . . . παρατάξις γίνεται (3a)

Je. 6. 23. B' ἐφ' ἵπποις καὶ ὄρμασι παρατάξεως

[A B S<sup>2</sup> -ξται ὡς] πῦρ (4b)

Ez. 17. 21. ἐν πύρῃ [A add. τῇ] π. αὐτοῦ ἐν

βομφαίᾳ πεσούται (1)

24. 16. λαμβάνω ἐκ σου τὰ ἐπιθυμήματα τῶν

ὀφθαλμῶν σου ἐν παρυάξιν †

I Ma. 8. 26. ὑπὲρ τῶν π. 'I. ἐξηγῶν πᾶν ἔθνος

4. 21. τὴν 'I. παρεμβόλην . . . ἐτοίμην εἰς πα-

τάξιν

6. 42. ἤγγισεν 'I. καὶ ἡ παρεμβ. αὐ. εἰς παρατάξιν

I Ma. 12. 41. B' B ἐκλελεγμένους [A -ai, B<sup>2</sup> -ων] εἰς

παρατάξιν

II Ma. 8. 20. τὴν πρὸς τοὺς Γαλάτας π. γενομένην

[Aq. Th. I Ki. 23. 1.]

[Al. Ps. 26 (27). 3.]

**παρατάσσειν.** (1) פָּרַךְ פָּרַךְ פָּרַךְ (2) פָּרַךְ

(3) פָּרַךְ (4) פָּרַךְ (5) פָּרַךְ (6) פָּרַךְ ni.

(7) פָּרַךְ (8) פָּרַךְ (9) פָּרַךְ (10) פָּרַךְ

a. verb. δ. subst. (11) פָּרַךְ

Ge. 14. 8. παρατάξαντο αὐτοῖς εἰς πόλεμον (9)

Ex. 17. 9. παρατάξαι τῷ 'Αμ. αἰρίων (6)

— 10. παρατάξαι τῷ 'Αμ. (6)

Nu. 1. 45. πᾶς ὁ ἐκπορεύομ. παρατάσσασθαι (10b)

21. 23. ἐξήλθε παρατάσσασθαι τῷ 'Ισρ. (11)

— 23. παρατάξαι τῷ 'Ισρ. (6)

26. 2. πᾶς ὁ ἐκπορεύομ. παρατάσσασθαι (10b)

31. 3. A.B. παρατάσσασθε [B -θαι] ἑαυτὶν κυρίου (10b)

— 4. ἀποστείλατε παρατάσσασθαι (10b)

— 7. παρατάξαντο ἐπὶ Μαδίιν (10a)

Jd. 24. 8. A καὶ παρατάξαιτο ὑμῖν (6)

— 9. καὶ παρατάξαιτο τῷ 'Ισρ. (6)

Jd. 1. 3. παραταξόμεθα πρὸς τοὺς Χαν. [A al.] (6)

— 5. B<sup>2</sup> B παρατάξαντο πρὸς αὐτὸν [A al.] (6)

5. 19. βασιλεῖς παρατάξαντο [A al.] (6)

— 20. παρατάξαντο οἱ ἀσπῆρες [A al.] (6)

— 20. παρατάξαντο μετὰ Σ. [A al.] (6)

8. 1. παρατάσσασθαι ἐν Μ. [A al.] (6)

9. 17. ὡς παρατάξαιτο [A ἐπολέμουν] ὁ πατήρ

μου (6)

— 38. καὶ παρατάξαι αὐτῷ [A al.] (6)

— 39. παρατάξαιτο πρὸς 'Αβ. [A al.] (6)

— 45. παρατάσσεται [A ἐπολέμει] ἐν τῇ πόλει (6)

— 52. παρατάξαντο αὐτῷ [A al.] (6)

10. 9. παρατάσσασθαι πρὸς 'I. [A al.] (6)

— 18. παρατάσσασθαι πρὸς νιούς 'A. [A al.] (6)

11. 4. παρατάξαντο . . . μετὰ 'Ισρ. [A al.] (6)

— 6. παραταξόμεθα πρὸς νιούς 'A. [A al.] (6)

— 8. παρατάξαι πρὸς νιούς 'A. [A al.] (6)

— 9. παρατάσσασθαι ἐν νιόις 'A. [A al.] (6)

— 12. τοῦ παρατάσσασθαι ἐν τῇ γῇ μου [A al.] (6)

— 20. παρατάξαιτο πρὸς 'Ισρ. [A al.] (6)

— 27. τοῦ παρατάσσασθαι ἐν ἐμοὶ [A al.] (6)

— 32. παρατάσσασθαι πρὸς αὐτοῖς [A al.] (6)

12. 1. παρατάσσασθαι ἐν νιόις 'A. [A al.] (6)

— 3. παρατάσσασθαι ἐν ἐμοὶ [A al.] (6)

— 4. παρατάξαιτο τῷ 'Εφρ. [A al.] (6)

20. 20. A παρατάξαιτο . . . εἰς πόλεμον [B al.] (9)

— 22. A προσέθεντο παρατάξαι πόλεμον [B al.] (9)

— 22. A φ παρατάξαιτο ἐκεῖ [B al.] (9)

— 30. A παρατάξαιτο [B συνήψαν] πρὸς Γ. (9)

I Ki. 4. 2. παρατάσσονται οἱ ἁλλοφ. εἰς πόλεμον (9)

17. 2. παρατάσσονται εἰς πόλεμον (9)

— 8. παρατάσσασθαι πόλεμῳ (9)

— 21. A καὶ παρατάξαιτο 'Ισρ. (9)

II Ki. 10. 8. καὶ παρατάξαιτο πόλεμον (9)

— 9. παρατάξαιτο ἐξ ἐναντίας Συρίας (9)

— 10. παρατάξαιτο ἐξ ἐναντίας νιῶν 'A. (9)

— 17. παρατάξαιτο Συρία ἀπέναντι Δ. [B' al.] (9)

I Ch. 7. 4. ἰσχυροὶ παρατάσσασθαι εἰς πόλεμον (10b)

12. 35. παρατασσόμενοι εἰς πόλεμον

— 38. παρατασσόμενοι παρατάξιν (8)

19. 9. παρατασσονται εἰς πόλεμον (9)

— 10. παρατάξαιτο [A -ατο] ἐναντίον τοῦ Σούρο (9)

— 11. παρατάξαιτο [A -ατο] ἐξ ἐναντίας νιῶν 'A. (9)

— 14. καὶ παρατάξαιτο 'Ιωβὴ (7)

— 17. παρατάξαιτο [S -ατο] ἐπ' [A πρὸς] αὐ-

τοῖς (9)

— 17. παρατάσσεται [S -ατάξαιτο] Δ. (9)

Za. 10. 5. καὶ παρατάξονται (6)  
 14. 3. παρατάσσεται ἐν τοῖς ἔθνεσιν ἐκείνοις (6)  
 — 14. 1. παρατάσσεται ἐν Ἱερ. (6)  
 Ma. 1. 4. ἐφ' ὃν παρατίναται κύριος (6)  
 Je. 6. 23. ἐφ' ἧς παρατίναται κύριος (6)  
 [B<sup>1</sup> παρατάξω] πῦρ (9)  
 27 (50). 9. παρατάσσεται αὐτῇ (9)  
 — 14. παρατάσσεται ἐπὶ Βαβυλῶνα κύκλῳ (9)  
 II Ma. 1. 11. ὡς ἂν πρὸς βασιλεία παρατασσόμενοι (9)  
 — 12. B ἐξέβρασε τοὺς παρατάξαι. [A -τασσομ.] (9)  
 ἐν τῇ ἀγίᾳ πόλει  
 12. 34. B καὶ παρατάσσονται [A -ους δὲ] συνέβη (9)  
 πεσὶν ὀλίγους  
 [Aq. i Ki. 27. 8. Pr. 9. 2. Je. 4. 28. 6. 23. Ez. 21. 21 (26). 32. 2.] (9)  
 [Sm. Ec. 8. 8. Is. 31. 4. Je. 4. 28. Ez. 21. 21 (26).] (9)  
 [Th. Ez. 21. 21 (26).] (9)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ (3) ἡρῖ  
 (4) ἡρῖ ni. (5) τὰ παρεΐνοντα ἡρῖ  
 Ge. 49. 13. καὶ παρεΐναι ἕως Σιδ. (2)  
 Nu. 23. 28. τὸ παρεΐνον ἐπὶ τὴν ἔρημον (4)  
 II Ki. 2. 29. ἐπορεύθησαν ὅλην τὴν παρεΐνοντα- (1)  
 σαν  
 Ju. 7. 3. παρεΐναν . . . ἐπὶ Δ. (1)  
 Ps. 35 (36). 10. παρεΐνον τὸ ἑλὸς σου τοῖς (9)  
 γινώσκουσιν σε  
 Ez. 27. 13. ἢ Ἑλλάς καὶ ἡ σύμπασα [A τὰ (5)  
 σύμπαντα] καὶ τὰ παρεΐνοντα  
 [Sm. Ps. 128 (129). 3.] (5)  
 [Al. Jd. 1. 9.] (5)  
παρεΐναι.  
 [Sm. Ec. 11. 3.] (5)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ  
 Ps. 36 (37). 12. παρεΐναι ὁ ἁμαρτωλὸς (1)  
 τὸν δίκαιον  
 129 (130). 3. A B εἰς ἀνομίας παρεΐναι [B (2)  
 -σας]  
 Da. Th. Su. 12. παρεΐναι φιλοτίμως . . . ὁρᾶν (2)  
 αὐτὴν  
 — 15. ἐν τῷ π. αὐτοῦ ἡμέραν εὐθετον (2)  
 — 16. οἱ δύο πρεσβύτεροι . . . παρεΐναι αὐτὴν (2)  
 6. 11 (12). οἱ ἄνδρες ἐκείνοι παρεΐναι +  
 [Sm. Ex. 12. 42. i Ki. 1. 12. Ps. 55 (56). 7.] (2)  
 [Th. Da. 6. 15f.] (2)  
 [Al. Le. 19. 18.] (2)  
παρεΐναι.  
 [Aq. Ex. 12. 42.] (2)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ hi. (2) ἡρῖ (3) ἡρῖ  
 (4) a. ἡρῖ b. ἡρῖ ἡρῖ (5) ἡρῖ (6) ἡρῖ  
 a. qal. b. hiph. c. hoph. (7) ἡρῖ, ἡρῖ  
 a. qal. b. hoph. c. ἡρῖ ἡρῖ  
 Ge. 18. 8. καὶ παρεΐναι αὐτοῖς (4 b)  
 24. 33. παρεΐναι αὐτοῖς ἄρτους φαγεῖν (2\*, 7 b)  
 30. 38. παρεΐναι τὰς ῥάβδους . . . ἐν ταῖς ληνοῖς (1)  
 43. 31. παρεΐναι ἄρτους (7 a)  
 — 32. παρεΐναι αὐτῷ μόνον (7 a)  
 Ex. 19. 7. παρεΐναι αὐτοῖς πάντας τοὺς λόγους (7 c)  
 21. 1. ἡ παρεΐναι [A -σεις] ἐνώπιον αὐτῶν (7 a)  
 Le. 6. 4 (5. 23). ἦν παρεΐναι αὐτῷ (6 c)  
 — 10 (3). καὶ παρεΐναι αὐτό (7 a)  
 De. 4. 44. ὃν παρεΐναι M. ἐνώπιον, ὡς ἴ. (7 a)  
 I Ki. 9. 24. παρεΐναι αὐτὴν ἐνώπιον Σ. (7 a)  
 — 24. παρεΐναι αὐτὸ ἐνώπιον σου (7 a)  
 21. 6 (7). παρεΐναι ἄρτον θερμόν (7 a)  
 28. 12. παρεΐναι ἐνώπιον σου ψωμὸν ἄρτον (7 a)  
 II Ki. 12. 20. παρεΐναι [A -εν] αὐτῷ ἄρτον (7 a)  
 IV Ki. 5. 24. καὶ παρεΐναι ἐν οἴκῳ (6 a)  
 6. 22. παρεΐναι ἄρτους . . . ἐνώπιον αὐτῶν (7 a)  
 — 23. παρεΐναι αὐτοῖς παράθισιν μετ. (3)  
 II Ch. 16. 10. παρεΐναι αὐτὸν εἰς φυλακὴν (4 a)  
 To. 1. 14. καὶ παρεΐναι Γαβαήλῳ (4 a)  
 2. 2. B παρεΐναι μοι ἡ τράπεζα  
 — 2. B παρεΐναι μοι ὀφάρια πλείονα  
 4. 1. οὐ παρεΐναι Γαβ. (4 a)  
 — 20. ἡ παρεΐναι Γαβαήλῳ [B al.] (4 a)  
 5. 3. B παρεΐναι τὸ ἀργύριον τοῦτο (4 a)  
 7. 8. A B παρεΐναι ὅσα πλείονα  
 10. 13. παρεΐναι σοὶ τὴν θυγατέρα μου (4 a)

Ju. 4. 5. παρεΐναι εἰς ἐπισκοπὴν (6)  
 Ps. 30 (31). 5. εἰς χεῖράς μου παραθήσονται τὸ (6 b)  
 πνεῦμά μου (6 b)  
 Pr. 23. 1. νοητὸς ἐστὶν τὰ παρατιθέμενά σοι (5)  
 Si. 15. 16. παρεΐναι σοὶ πῦρ καὶ ὕδωρ (5)  
 Ep. Je. 27. ὡς περ νεκροῖς τὰ δῶρα αὐτοῖς παρατίθεται (5)  
 — 30. γυναῖκες παρατίθεται τοῖς ἀργυροῖς (5)  
 Da. LXX. Bel 10. παρεΐναι τὰ βρώματα ἐνώπιον (5)  
 τοῦ βασιλ. (5)  
 — 10. οἶνος κερασθεῖς . . . παρεΐναι τῷ Βήλ (5)  
 — 17. εἶδον διδασκόμενα πάντα τὰ παρεΐναι (5)  
 — 20. ἐδασκόμενα τὰ παρεΐναι τῷ Βήλ (5)  
 Da. Th. Bel 11. παρέθαι τὰ βρώματα (5)  
 — 14. παρεΐναι τὰ βρώματα τῷ Βήλ (5)  
 I Ma. 1. 35. παρεΐναι ὅλα (5)  
 9. 35. A B παρεΐναι αὐτοῖς τὴν ἀποσκευὴν αὐ. (5)  
 [B al.] (5)  
 IV Ma. 6. 15. τὸν ἡγούμενον βρωμάτων παραθή- (5)  
 σσιν  
 [Sm. Ps. 30 (31). 6. Je. 35 (42). 5.] (5)  
παρεΐναι.  
 [Sm. Jb. 12. 24. 13. 20 (P.). 21 (P.). 24. 4. 34. 5. Ps. 140 (141). 4.] (5)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ  
 I Ki. 22. 17. εἶπεν ὁ βασιλ. τοῖς παρεΐναι (1)  
 II Ki. 15. 1. πενήντα ἄνδρας π. ἐμπροσθεν (1)  
 αὐτοῦ  
 III Ki. 1. 5. πενήντα ἄνδρας π. [A -χοντας] ἐμ- (1)  
 προσθεν αὐτοῦ  
 14. 27. οἱ ἡγούμενοι τῶν παρεΐναι (1)  
 — 28. ἦρον αὐτὰ οἱ παρεΐναι (1)  
 — 28. εἰς τὸ θεῖ τῶν παρεΐναι (1)  
 IV Ki. 10. 25. εἶπεν Ἰού τοῖς παρεΐναι (1)  
 — 25. καὶ ἔρριψαν οἱ παρεΐναι (1)  
 11. 6. τὸ τρίτον . . . ὀπίσω τῶν παρεΐναι (1)  
 — 11. ἔστησαν οἱ παρεΐναι (1)  
 — 19. ὁδὸν πύλης τῶν παρεΐναι (1)  
 II Ch. 12. 10. ἄρχοντας παρεΐναι (1)  
 — 11. οἱ φυλάσσοντες καὶ οἱ παρεΐναι (1)  
 — 11. εἰς ἀπάντησιν τῶν παρεΐναι (1)  
 Wi. 5. 9. ὡς ἀγγελία παρεΐναι (1)  
 III Ma. 5. 15. ὑπέδειξε τὸν . . . καρδὴν ἡδὴ παρεΐ- (1)  
 νοντα  
 [Sm. III Ki. 14. 28. IV Ki. 11. 4.] (1)  
παρεΐναι.  
 To. 4. 14. A B ἀπόδος αὐτῷ π. (1)  
 Ps. 69 (70). 3. ἀποστραφεῖσιν π. αἰσχυρόμενοι + (1)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ hithpo. (2) ἡρῖ hi.  
 Jd. 6. 5. A τὰς σκηνὰς αὐτῶν παρεΐναι [B al.] + (1)  
 I Ki. 21. 13 (14). παρεΐναι ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. (1)  
 II Es. 10. 7. A B παρεΐναι φωνὴν ἐν [B om.] (2)  
 Ἰουδα  
 [Aq. Le. 25. 10.] (2)  
 [Sm. IV Ki. 23. 10. Je. 51 (28). 10.] (2)  
 [Th. Jd. 6. 5. IV Ki. 23. 10.] (2)  
 [Al. Nu. 31. 23.] (2)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ  
 Ec. 2. 12. τοῦ ἰδεῖν . . . παρεΐναι [A B περιφ.] (1)  
 '7. 26 (25). A τοῦ γινῶναι ἀσεβοῦς . . . παρα- (1)  
 φορᾶν [B περιφ.] (1)  
 [Th. Ec. 1. 17.] (1)  
παρεΐναι.  
 [Sm. Dt. 28. 34.] (1)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ  
 Za. 7. 11. ἔδωκαν ὥλον παρεΐναι (1)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ  
 Za. 12. 4. πατιέτω . . . τὸν ἀναβάτην αὐ. ἐν παρα- (1)  
 φρονήσει  
παρεΐναι.  
 Wi. 5. 20. συνεκπολεμήσει [B συνπ.] δὲ αὐτῷ ὁ (1)  
 κόσμος ἐπὶ τοὺς π.  
 [Sm. I Ki. 21. 14 (15).] (1)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ (3) ἡρῖ  
 (4) ἡρῖ  
 Ps. 79 (80). 11. καὶ ἕως ποταμοῦ τὰς π. αὐ. (1)  
 Ez. 17. 22. A δώσω ἀπὸ κεφαλῆς παρεΐναι (1)  
 αὐτῆς (1)

Ez. 31. 3. Ἀσσοῦρ . . . καλὸς ταῖς π. (8)  
 — 5. A ὑψώθησαν αἱ π. αὐτοῦ (4)  
 — 6. ἐν ταῖς π. αὐτοῦ ἐνόσσευσαν (2)  
 — 8. αἱ πίπτες οὐχ ὅμοιαι ταῖς π. αὐτοῦ (2)  
 IV Ma. 1. 28. A B πολλὰι τούτων τῶν παθῶν [B (8)  
 φυτῶν] εἰσι παραφυλάδες  
 [Sm. Jb. 14. 7. 40. 17 (22). Ez. 17. 6. 31. 6.] (8)  
 [Th. Jb. 8. 16. Ez. 17. 4. 22. 19. 11. 31. 5, 6, 12.] (8)  
παρεΐναι.  
 [Sm. Jn. 2. 9.] (8)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ  
 Nu. 6. 9. π. μισθώσεται ἡ κεφαλὴ (1)  
 12. 4. A B<sup>2</sup> B εἶπε κύριος π. [B<sup>1</sup> om.] (1)  
 II Ki. 3. 12. ἀπέστειλεν Ἀβ. ἀγγέλους . . . π. + (1)  
 To. 8. 3. B καὶ ἐπέδρασαν π. [A B al.] (1)  
 Jb. 39. 30. οὐ δ' ἂν ὡς τεθνήσκουσιν π. εὐρίσκονται + (1)  
 40. 7 (12). σῆψον δὲ ἀσβεῖς π. + (1)  
 Ps. 89 (40). 15. κομμάσθωσαν π. αἰσχυρὴν αὐτῶν + (1)  
 Wi. 18. 17. τότε παραχρήμα φαντασίαι . . . ἐξετά- (1)  
 ραζον αὐτοὺς  
 Is. 29. 5. ἔσται ὡς στιγμή π. (1)  
 30. 13. ὡς τοῖς πίπτον π. πόλεως ὀχυρᾶς [A (1)  
 om.] ἐλαοκνίας ἦς π. πᾶσι τὸ  
 πῶμα (†, 1+2)  
 Da. Th. Bel 39. ἀπεκατέστησε τὸν Ἀμβ. π. εἰς τὸν (1)  
 τόπον αὐ.  
 — 42. κατεβρώθησαν π. ἐνώπιον αὐτοῦ (1)  
 II Ma. 4. 34. ὃν καὶ π. παρέκλεισεν (1)  
 — 38. π. τὴν τοῦ Ἀνδρ. πορφύραν περιελόμενος (1)  
 5. 18. οὗτος προαχθεῖς π. (1)  
 7. 4. π. τὸν γενέμ. αὐ. προήγορον προσέταξε γλωσ- (1)  
 σσομέν  
 10. 22. π. τοὺς δύο πύργους κατελάβετο (1)  
 11. 36. πέμψατέ τινα π. (1)  
 IV Ma. 14. 9. τὸν π. ἀπειλῆς λόγον (1)  
 [Aq. Jb. 5. 3. Ps. 63 (64). 8. Pr. 6. 15. 7. 22.] (1)  
 [Sm. Ps. 16 (17). 11. 65 (66). 17. Ez. 7. 8.] (1)  
 [Th. II Ki. 3. 12.] (1)  
παρεΐναι.  
 II Ma. 2. 28. τὸ μὲν διακριβοῦν . . . τῷ συγγραφεῖ (1)  
 παραχωρήσαντες  
 8. 11. ὑπισχνόμενον ἐνεμήκοντα σώματα ταλάντου (1)  
 παραχωρήσειν  
παρεΐναι (-λεος).  
 IV Ma. 9. 28. τὴν σάρκα πᾶσαν . . . οἱ π. [B<sup>1</sup> -λεοι] (1)  
 θῆρες ἀπέσταν  
παρεΐναι. (1) a. ἡρῖ b. ἡρῖ  
 Ca. 4. 8. ἀπὸ ὁρέων παρεΐναι (1 a)  
 Si. 28. 23. ὡς παρδάλις λυμναίνεται αὐτοῖς (1 a)  
 Ho. 13. 7. ἔσονται αὐτοῖς . . . ὡς παρδάλις (1 a)  
 Hb. 1. 8. ἐξαλούνται ὑπὲρ παρδάλις οἱ ἵπποι (1 a)  
 αὐ.  
 Is. 11. 6. π. συναπαύσσεται ἐρίφῳ (1 a)  
 Je. 5. 6. π. ἐργηθήσονται ἐπὶ τὰς πόλεις αὐτῶν (1 a)  
 18. 23. ἀλλάζεται . . . π. τὰ ποικιλίσματα αὐτῆς (1 a)  
 Da. LXX. 7. 6. ἐθεώρουν θηρίον ἄλλο ὥσπερ παρ- (1 b)  
 δάλιν  
 Da. Th. 7. 6. θηρίον ἕτερον ὥσπερ παρδάλις (1 b)  
 [Aq. Hb. 1. 8.] (1 b)  
παρεΐναι.  
 Si. 47. 19. B παρεΐναι [A B παρην., B παρην.] (1)  
 τὰς λαγόνας σου γυναιξί  
παρεΐναι.  
 Pr. 1. 21. ἐπὶ δὲ πύλαις δυναστῶν παρεΐναι (1)  
 8. 3. παρὰ γὰρ πύλαις δυναστῶν παρεΐναι (1)  
παρεΐναι.  
 Wi. 6. 14. παρεΐναι γὰρ εὐρήσει τῶν πυλῶν [B<sup>1</sup> (1)  
 πλούτων] αὐτοῦ  
 9. 4. δὲ μὲν τὴν σὺν θρόνῳ παρεΐναι σοφίαν (1)  
παρεΐναι.  
 [Sm. Ca. 4. 3.] (1)  
παρεΐναι. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ (3) ἡρῖ  
 (4) ἡρῖ (5) ἡρῖ (6) ἡρῖ hi.  
 (7) ἡρῖ arh.  
 Nu. 22. 20. εἰ καλέσεις σε πάρεισιν (2)  
 De. 32. 35. πάρεισιν ἔτοιμα ὕμιν (4)

Jd. 19. 3. **A** παρὴν εἰς ἀπάντησιν αὐτοῦ [B al.] +  
 1 Ki. 9. 6. πάν . . . παραγινόμενον παρέσται (2)  
 1 Ki. 5. 23. καὶ παρέσθ [B<sup>1</sup> -ει] αὐτοῖς (2)  
 18. 35. οἱ υἱοὶ τοῦ βασιλ. παρείσι (2)  
 15. 18. **B** παρέσταν ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ  
 1 Ch. 14. 14. καὶ παρέσθ αὐτοῖς (2)  
 1 Es. 6. 3. παρὴν πρὸς αὐτοὺς Σισ.  
 To. 10. 1. **B** καὶ ὁ υἱὸς αὐ. οὐ παρὴν [A B al.]  
 — 6. **B** ἦδη παρέσται  
 Ju. 9. 6. ἰδοὺ πάρεσμιεν  
 Es. 9. 1. παρὴν τὰ γράμμ. τὰ γραφέντα (2)  
 1. 7. ἐμπεριπατήσας τὴν ὑπ' οὐρανὸν πάρεμι —  
 2. 2. ἐμπεριπατήσας τὴν σύμπασαν [A γῆν] —  
 πάρεμι  
 31. 21. **A B** πεποιθὼς ὅτι πολλή μοι βοήθεια —  
 πάρεστιν [B περίεστιν]  
 Ps. 138 (139). 8. ἐὰν καταβῶ εἰς τὸν ἔδην πάρεμι (3)  
 Pr. 1. 27. ἡ δὲ καταστροφὴ ὁμοίως κυταγίδι —  
 παρῇ (1)  
 7. 19. οὐ γὰρ πάρεστιν ὁ ἀνὴρ μου ἐν οἴκῳ —  
 Wi. 4. 2. παροῦσάν τε μαρτυρεῖται [A τιμωσιν] αὐτήν  
 9. 9. ἡ σοφία . . . παροῦσα ὅτε ἐποίει τὸν κόσμον  
 11. 11. καὶ ἀπόντες δὲ καὶ παρόντες ὁμοίως ἐτρύ-  
 χοντο  
 — 21. τὸ γὰρ μεγάλως ἰσχύειν πάρεσσι σοὶ πάν-  
 τωτε  
 12. 19. πάρεσσι γὰρ σοὶ δταν θέλῃς τὸ δύνασθαι  
 13. 1. οἱ παρὴν θεοῦ ἀγνωσία  
 14. 17. ἵνα τὸν ἀπόντα ὡς παρόντα κολακέωσι  
 19. 14. τοὺς ἀγνοοῦντας οὐκ ἐδέχοντο παρόντας  
 J1. 2. 1. πάρεστιν ἡμέρα κυρίου (2)  
 Hb. 8. 2. ἐν τῷ παρίαιμα τὸν καιρὸν —  
 Is. 8. 1. πάρεστι γὰρ +  
 30. 13. ἥς παραχρήμα πάρεστι τὸ πτώμα (2)  
 62. 7 (6). πάρεμι ὡς ὥρα ἐπὶ τῶν ὀρέων (3)  
 58. 9. ἰδοὺ πάρεμι (2)  
 63. 4. ἐναντὶς λυτρώσεως πάρεστι (2)  
 Ba. 3. 34. εἶπον, Πάρεσμεν  
 La. 4. 18. πάρεστιν ὁ καιρὸς ἡμῶν (2)  
 Da. LXX. 7. 13. ὡς παλαιὸς ἡμερῶν παρὴν [cad. —  
 ἦσαν]  
 — 13. οἱ παρεστηκότες παρῆσαν αὐτῷ  
 I Ma. 11. 63. παρῆσαν οἱ ἀρχόντες Δ. εἰς Κ. (7)  
 12. 42. **A B** πάρεστιν [B ἦλθεν] μετὰ δυνάμεως —  
 πολλῆς  
 — 45. τούτου γὰρ χάριν πάρεμι  
 II Ma. 8. 9. τίνας ἔνεκεν πάρεστι  
 — 24. αὐτοῦ . . . κατὰ τὸ γιζοφυλάκιον ἦδη —  
 παρόντος  
 4. 18. καὶ τοῦ βασιλέως παρόντος  
 — 20. **A** ἐνεκα δὲ τῶν παρόντων [B παρακομι-  
 δόντων] εἰς τὰς τῶν τριτηρῶν κατα-  
 σκευὰς  
 6. 9. παρὴν οὖν ὄραν τὴν ἐνεστώσαν ταλαιπωρίαν  
 — 26. εἰ γὰρ καὶ ἐπὶ τὸ παρόντος ἐξελούμαι  
 7. 9. ἐκ τοῦ παρόντος ἡμᾶς ζῆν ἀπολύνει  
 10. 24. παρὴν ὡς δοριάλωτον ληφόμενος τὴν —  
 ἰούδ.  
 III Ma. 1. 13. αὐτὸν . . . οὐθεὶς ἐκώλυσε τῶν παρόν-  
 των  
 — 23. **A** ἀποτραπέιντες . . . παρῆσαν [B ἔστη-  
 σαν]  
 — 27. τοῖς παροῦσιν ἐπαμύναι  
 3. 11. τῇ κατὰ τὸ παρόν ἐνημερία  
 5. 10. ὁρθριος ἐπὶ τὴν αὐλὴν παρὴν  
 — 17. τὸ παρόν τῆς συμποσίας ἐπὶ πολὺ γεραίρο-  
 μένους  
 — 18. **B** τὴν παροῦσαν [A περιούσαν] ἡμέραν περι-  
 βεβιωκότες  
 — 21. πάντες . . . οἱ παρόντες ὁμοῦ συναινεσάντες  
 — 31. εἰ σοὶ γονεῖς παρῆσαν  
 IV Ma. 6. 27. παρὸν μοι σῶζεσθαι  
 8. 3. παρῆσαν ἀγόμενοι . . . ἐπὶ ἀδελφοί  
 — 26. παρὸν μετὰ ἀταραξίας ζῆν  
 [Aq. Ps. 11 (12). 5.]  
 [Sm. 1 Ki. 8. 4: 22. 12: II Ki. 1. 7: Jb. 6. 5:  
 29. 20: 38. 35: 89. 30: Ec. 11. 5: Jc. 28.  
 18.]  
 [Th. Ez. 7. 5, 7 (P.).]  
 [Al. Ex. 30. 13: Ps. 11 (12). 5: Zl. 14. 5.]

## παρεισπορεύεσθαι.

II Ma. 8. 1. παρεισπορεύεσθαι λελθόντως εἰς τὰς —  
 κόμας

## παρέκαστα, vid. sub παρά εἰ έκαστος.

παρεκλείπειν.  
 Ju. 11. 12. **A** ἐπεὶ παρεκλείπειν αὐτοὺς τὰ βρώματα [B S al.]  
 παρεκτείνειν. (1) 22'  
 Pr. 23. 4. μὴ παρεκτείνου [B<sup>1</sup> -ης] πένης ὢν —  
 πλουσίῳ (1)  
 Ez. 47. 19. παρεκτείνου ἐπὶ τὴν θάλασσαν τὴν —  
 μεγάλην +  
 παρεκτός.  
 [Aq. Dt. 1. 36.]  
 [Al. Le. 23. 38.]  
 παρελαύνειν.  
 [Sm. II Ki. 2. 19.]  
 παρελέγχειν.  
 II Ma. 4. 33. **B** παρήλεγχεν [A ἀπήνεγκεν] ἀπο-  
 κεχωρηκώς εἰς ἀστυλὸν τόπον  
 παρελκύειν.  
 Si. 4. 1. μὴ παρελκύσῃς ὀφθαλμούς ἐπιθεῖς —  
 3. μὴ παρελκύσῃς ὁσὶν προσδεσμένοι  
 29. 5. ἐν καιρῷ ἀποδόσεως παρελκύσει χρόνον  
 — 8. **A B** ἐπ' ἐλεημοσύνη μὴ [B om.] παρελκύσῃς —  
 [B -εις] αὐτόν  
 [Sm. Ps. 119 (120). 5: Ez. 32. 18.]  
 [Th. Ez. 32. 18.]  
 παρελκυσίς.  
 Jb. 25. 3. μὴ γάρ τις ὑπολάβῃ ὅτι ἐστὶ παρελ-  
 κυσίς πειραταίς +  
 παρεμβάλλειν. (1) α. 22' δ. 22' 22' γ. 22' 22'  
 (2) 22' (3) 22' (4) 22'  
 Ge. 32. 1 (2). παρεμβολὴν θεοῦ παρεμβεβλη-  
 κύναν —  
 32. 18. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον τῆς πόλεως (1 α)  
 Ex. 14. 9. εὗρισαν αὐτοὺς παρεμβεβληκτάς (1 α)  
 15. 27. παρενέβαλον δὲ ἐκεῖ (1 α)  
 17. 1. παρενέβαλλον [A -ον] ἐν 'P. (1 α)  
 18. 5. οὐ παρενέβαλεν ἐπ' ὄρους [A εἰς τὸ δ.] —  
 τοῦ θ.  
 19. 2. παρενέβαλεν ἐκεῖ 'Isr. (1 α)  
 Nu. 1. 50. κύκλῳ τῆς σκηπῆς παρεμβάλοισι (1 α)  
 — 51. ἐν τῷ π. τὴν σκηνὴν (1 α)  
 — 52. παρεμβάλοισιν [B<sup>1</sup> -βάλλ.] οἱ υἱοὶ —  
 'Isr. (1 α)  
 — 53. **A B<sup>1</sup>** οἱ δὲ Λ. παρεμβάλετσαν [B<sup>2</sup> B —  
 -βάλλ.] (1 α)  
 2. 2. **A B** παρεμβάλετσαν [B -βάλλ.] οἱ υἱοὶ —  
 'I. (1 α)  
 — 2. παρεμβάλοισιν οἱ υἱοὶ 'Isr. (1 α)  
 — 3. οἱ [A<sup>1</sup> οὔτοι] παρεμβάλλοντες [B<sup>1</sup> -βαλλ.] —  
 πῶτοι (1 α)  
 — 5. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι (1 α)  
 — 7. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι —  
 12. **B<sup>1</sup>** οἱ παρεμβάλλοντες [A B<sup>2</sup> B -βάλλ.] —  
 ἐχόμενοι (1 α)  
 — 14. **B<sup>1</sup>** οἱ παρεμβάλλοντες [A B<sup>2</sup> B -βάλλ.] —  
 ἐχόμενοι —  
 — 17. **A B** ὡς καὶ [A om.] παρεμβάλλουσιν —  
 [B -βαλλ.] (1 α)  
 — 20. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι —  
 22. **B<sup>1</sup>** οἱ παρεμβάλλοντες [A B<sup>2</sup> B -βάλλ.] —  
 ἐχόμενοι —  
 — 27. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ (1 α)  
 — 29. οἱ παρεμβάλλοντες [A<sup>2</sup> -βαλλ.] ἐχόμενοι —  
 34. παρενέβαλον κατὰ τόγμα αὐτῶν (1 α)  
 3. 23. παρεμβάλοισι παρὰ [A κατὰ] θάλασσαν (1 α)  
 — 29. παρεμβάλοισιν ἐκ πλαγίων τῆς σκηνῆς (1 α)  
 — 35. ἐκ πλαγίων τῆς σκηνῆς παρεμβάλοισι (1 α)  
 — 38. οἱ παρεμβάλλοντες κατὰ πρόσωπον τῆς —  
 σκηνῆς (1 α)  
 9. 17. ἐκεῖ παρενέβαλον [A -βαλλον] οἱ υἱοὶ 'I. (1 α)  
 — 18. παρεμβάλοισιν [A -βάλλ.] οἱ υἱοὶ 'I. (1 α)  
 — 18. παρεμβάλοισιν οἱ υἱοὶ 'Isr. (1 α)  
 — 20. διὰ φωνῆς κυρίου παρεμβάλοισι (1 α)  
 — 22. παρεμβάλοισιν [A -λοισιν] οἱ υἱοὶ 'I. (1 α)  
 10. 5. αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσιν [B<sup>1</sup> —  
 -βαλλ.] (1 α)  
 — 6. αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσιν (1 α)  
 — 6 bis. αἱ παρεμβ. αἱ παρεμβάλλουσιν (1 α)  
 13. 1 (12. 16). παρενέβαλον [A -εν] ἐν τῇ —  
 ἐρήμῳ (1 α)

Nu. 21. 10. **A B<sup>2</sup> B** παρενέβαλον ἐν 'Ωβώθ (1 α)  
 — 11. παρενέβαλον ἐν 'Aχ. (1 α)  
 — 12. παρενέβαλον εἰς φάραγγα Z. (1 α)  
 — 13. παρενέβαλον εἰς τὸ πέραν Ἀργῶν (1 α)  
 22. 1. παρενέβαλον ἐπὶ δυσμῶν M. (1 α)  
 31. 19. παρεμβάλετε [A -λείτε] ἐξ ὧ τῆς παρεμβ. (1 α)  
 33. 5. παρενέβαλον εἰς Z. (1 α)  
 — 6. παρενέβαλον εἰς B. (1 α)  
 — 7. παρενέβαλον ἐπὶ στόμα El. +  
 — 7. παρενέβαλον ἀπέναντι M. (1 α)  
 — 8. παρενέβαλον ἐν Πικρίας (1 α)  
 — 9. παρενέβαλον ἐκεῖ παρὰ τὸ ὕδωρ (1 α)  
 — 10. παρενέβαλον ἐπὶ θάλασσαν ἐρυθράν (1 α)  
 — 11. παρενέβαλον εἰς τὴν ἔρημον [A ἐν τῇ —  
 ἐ.] Z. (1 α)  
 — 18. παρενέβαλον εἰς 'P. (1 α)  
 — 13. παρενέβαλον ἐν Al. (1 α)  
 — 14. παρενέβαλον ἐν 'P. (1 α)  
 — 15. παρενέβαλον ἐν τῇ ἐρήμῳ Z. (1 α)  
 — 16. παρενέβαλον ἐν Μηνήμασι (1 α)  
 — 17. παρενέβαλον ἐν 'A. (1 α)  
 — 18, 19. παρενέβαλον ἐν 'P. (1 α)  
 — 20. **A B** παρενέβαλον ἐν [B εἰς] Λ. (1 α)  
 — 21. παρενέβαλον εἰς 'P. (1 α)  
 — 22. παρενέβαλον εἰς M. (1 α)  
 — 23. παρενέβαλον εἰς [A ἐν] Z. (1 α)  
 — 24. παρενέβαλον εἰς [A ἐπὶ] X. (1 α)  
 — 25. παρενέβαλον εἰς M. (1 α)  
 — 26. παρενέβαλον εἰς K. (1 α)  
 — 27. παρενέβαλον εἰς T. (1 α)  
 — 28. παρενέβαλον εἰς M. (1 α)  
 — 29. παρενέβαλον εἰς Z. (1 α)  
 — 30. παρενέβαλον εἰς M. (1 α)  
 — 31. παρενέβαλον εἰς B. (1 α)  
 — 32. παρενέβαλον εἰς τὸ ὄρος Γ. (1 α)  
 — 33, 34. παρενέβαλον εἰς 'E. (1 α)  
 — 35. παρενέβαλον εἰς [B<sup>2</sup> ἐν] Γ. (1 α)  
 — 36. παρενέβαλον ἐν τῇ ἐρήμῳ Σίν —  
 36. παρενέβαλον εἰς τὴν ἔρημον Φ. —  
 37. παρενέβαλον εἰς 'Op (1 α)  
 — 41. παρενέβαλον εἰς [A ἐν] Z. (1 α)  
 — 42. παρενέβαλον εἰς [A ἐν] Φ. (1 α)  
 — 43. **B** παρενέβαλον εἰς [A B ἐν] Z. (1 α)  
 — 44. παρενέβαλον ἐν Γαί (1 α)  
 — 45. παρενέβαλον εἰς Δ. (1 α)  
 — 46. παρενέβαλον ἐν [A εἰς] Γ. (1 α)  
 — 47. παρενέβαλον ἐπὶ τὰ ὄρη (1 α)  
 — 48. παρενέβαλον ἐπὶ δυσμῶν M. (1 α)  
 — 49. παρενέβαλον παρὰ τὸν 'I. (1 α)  
 De. 23. 9 (10). παρεμβάλειν [A<sup>2</sup> add. εἰς πόλε-  
 μόν] ἐπὶ τοὺς ἐχθρούς (1 δ)  
 Jo. 4. 3. οὐ ἐὰν παρεμβάλετε ἐκεῖ (2)  
 11. 5. καὶ παρενέβαλον (1 α)  
 Jd. 1. 23. καὶ παρενέβαλον +  
 6. 4. παρενέβαλον εἰς [A -βαλλον ἐπ'] αὐτοὺς (1 α)  
 — 33. παρενέβαλον ἐν τῇ κοιλάδι 'I. (1 α)  
 7. 1. παρενέβαλον ἐπὶ πηγήν 'A. [A om.] (1 α)  
 — 12. **A** παρεμβεβλήκεισαν [B βεβλημένοι] —  
 ἐν τῇ κοιλάδι (8)  
 9. 50. παρενέβαλεν ἐν Θ. [A al.] (1 α)  
 10. 17. παρενέβαλον ἐν Γ. (1 α)  
 — 17. παρενέβαλον ἐν τῇ σκοπῇ [A Μασσ.] (1 α)  
 11. 18. παρενέβαλον ἐν πέραν 'Ar. (1 α)  
 — 20. παρενέβαλον εἰς 'I. [A -εν ἐν 'Isr.] (1 α)  
 15. 9. παρενέβαλον ἐν 'I. [A -λοσαν ἐπὶ τὸν 'I.] (1 α)  
 18. 12. παρενέβαλον [A -λοσαν] ἐν K. (1 α)  
 19. 21. **A** παρενέβαλεν τοῖς ὑποζυγίοις αὐ. —  
 [B al.] +  
 20. 19. παρενέβαλον ἐπὶ Γ. (1 α)  
 I Ki. 4. 1. παρεμβάλλουσιν [A -βαλοῦσιν] ἐπὶ —  
 'Aβ. (1 α)  
 — 1. οἱ ἀλλοφ. παρεμβάλλουσιν [A<sup>1</sup> -βαλοῦ-  
 σιν] ἐν 'A. (1 α)  
 11. 1. παρεμβάλλει [A -βαλεῖ] ἐπὶ 'I. (1 α)  
 13. 5. **B** παρεμβάλλουσιν ἐν M. (1 α)  
 — 16. **B** παρεμβεβλήκεισαν εἰς [B ἐν] M. (1 α)  
 17. 1. παρεμβάλλουσιν ἀνὰ μέσον Z. (1 α)  
 — 2. παρεμβάλλουσιν ἐν τῇ κοιλάδι (1 α)  
 23. 26. παρενέβαλον ἐπὶ Δ. (4)  
 26. 3. παρενέβαλε Z. ἐν τῷ βουνῷ (1 α)  
 — 5. ὁ λαὸς παρεμβεβληκώς κύκλῳ αὐτοῦ (1 α)  
 28. 4. παρεμβάλλουσιν εἰς Z. (1 α)  
 — 4. παρεμβάλλουσιν εἰς Γ. (1 α)  
 29. 1. 'Isr. παρενέβαλεν ἐν 'A. (1 α)  
 II Ki. 11. 11. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἀγροῦ παρεμ-  
 βάλλουσιν [A -βαλοῦσιν] (1 α)

II Kί. 12. 28. παρέμβαλε [Α -βαλλε] ἐπὶ τὴν πόλιν (1 a)  
 17. 12. παρεμβαλοῦμεν ἐπ' αὐτόν +  
 — 26. παρενέβαλε πᾶς Ἴσρ. (1 a)  
 23. 13. παρενέβαλον ἐν τῇ κοιλάδι 'Ρ. (1 a)  
 24. 5. παρενέβαλον ἐν 'Αρ. (1 a)  
 III Kί. 21 (20). 27. καὶ παρενέβαλεν Ἴσρ. [Α α.] (1 a)  
 — 29. Β παρεμβαλοῦσιν [Α Β -βάλλ.] οἱ τοὶ (1 a)  
 IV Kί. 6. 8. εἰς τὸν τόπον τόνδε . . . παρεμβαλὼν (1 c)  
 25. 1. παρενέβαλεν ἐπ' αὐτήν (1 a)  
 I Ch. 9. 26 (27). ἐπὶ τῶν θησ. οἴκου τοῦ θ. παρεμβαλοῦσιν (2)  
 11. 15. Α ἡ παρεμβολὴ τῶν ἀλλοφ. παρεμβε-βλήκει [Β S α.] (1 a)  
 19. 7. παρενέβαλον κατέναντι Μ. (1 a)  
 — 9. παρενέβαλον καθ' ἑαυτοὺς —  
 II Ch. 32. 1. παρενέβαλεν ἐπὶ τὰς πόλεις (1 a)  
 I Es. 8. 41. παρενέβαλον ἐν αὐτοῖς (1 a)  
 II Es. 8. 15. παρενέβαλον ἐκεί ἡμέρας τρεῖς (1 a)  
 Ne. 11. 30. παρενέβαλον [Β<sup>1</sup> -λον] ἐν Β. (1 a)  
 Ju. 7. 3. παρενέβαλον ἐν τῷ αὐλῶνι  
 — 13. παρεμβολοῦμεν ἐπ' αὐταῖς [Β -δε] (1 a)  
 — 17. παρενέβαλον ἐν τῷ αὐλῶνι  
 — 18. παρενέβαλον ἐν τῇ ὀρευνῇ  
 — 18. παρενέβαλον ἐν τῇ πεδίῳ  
 15. 3. οἱ παρεμβεβλήκότες [Β παραβ.] ἐν τῇ ὀρευνῇ Ps. 33 (34). 7. παρεμβάλε ἄγγελος κυρίου κύκλῳ τῶν φοβομένων αὐτόν (1 a)  
 Si. 11. 8. ἐν μέσῳ λόγων μὴ παρεμβάλλου Je. 27 (50). 29. Β παρεμβάλλετε [Β S -βάλετε, Α -βαλάτε] ἐπ' αὐτὴν κυκλόθεν (1 a)  
 I Ma. 2. 32. Α Β παρενέβαλον ἐπ' [Β<sup>1</sup> -λοντο πρὸς, Β<sup>2</sup> -βαλλον ἐπ'] αὐτοὺς  
 3. 40. Β παρενέβαλον [Α παρέβ.] πλησίον 'Α. — 42. Β Β ἀνὰ δυνάμεις παρεμβάλλουσιν [Α -βαλοῦ-σιν] ἐν τοῖς ὁμοῖς αὐ.  
 — 57. Β παρενέβαλον [Α -σαν] κατὰ νότον 'Αμμ.  
 4. 29. παρενέβαλον [Β<sup>1</sup> -βαλλον] ἐν Β.  
 5. 5. Β Β παρενέβαλεν [Α παρέβ.] ἐπ' αὐτοὺς  
 — 27. Β Β παρεμβάλλειν [Α -βαλεῖν] ἐπὶ τὰ ὄχρωματα  
 — 37. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον 'Ρ.  
 — 39. Β παρενέβαλον [Α Β<sup>1</sup> παρεμβάλλουσιν, Β<sup>2</sup> παρεμβαλοῦσιν] πέραν τοῦ χειμάρρου  
 — 41. ἐὰν δέ . . . παρεμβάλλῃ πέραν τοῦ ποταμοῦ  
 — 42. Α Β μὴ ἀφίητε πάντα ἀνθρώπων παρεμβάλλειν [Β -βάλλειν]  
 — 49. τοῦ παρεμβάλλειν ἕκαστον  
 — 50. παρενέβαλον οἱ ἄνδρες τῆς δυνάμεως  
 6. 26. παρεμβεβλήκεισι σήμερον  
 — 31. Α Β παρενέβαλον [Β -ον] ἐπὶ Β.  
 — 32. παρενέβαλεν εἰς Β.  
 — 48. παρενέβαλεν ὁ βασις εἰς τὴν Ἰουδ.  
 — 51. παρενέβαλεν ἐπὶ τὸ ἀγίασμα  
 — 57. ὁ τόπος οὗ παρεμβάλλομεν  
 7. 19. παρενέβαλεν ἐν Β.  
 — 39. Β Β παρενέβαλεν [Α -ον] ἐν Β.  
 — 40. 'Ι. παρενέβαλεν ἐν 'Α.  
 9. 2. Β Β παρενέβαλον [Α -σαν] ἐπὶ Μ.  
 — 3. Β Β παρενέβαλον ἐπὶ [Α -βαλλον εἰς] Ἰερ.  
 — 5. 'Ι. ἦν παρεμβεβλήκεις ἐν 'Ελ.  
 — 33. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕδωρ λάκκου 'Α.  
 — 64. παρενέβαλεν ἐπὶ Β.  
 10. 48. παρενέβαλεν ἐξ ἐναντίας Δ.  
 — 69. Α Β<sup>2</sup> Β. παρενέβαλεν [Β<sup>1</sup> -ον] ἐν 'Ι. [Β ἐπὶ 'Ι.]  
 — 75. παρενέβαλεν ἐπὶ Ἰόπην  
 — 77. παρενέβαλεν τρισχίλιον ἵππων  
 — 86. Β Β παρενέβαλεν ἐπὶ [Α εἰς] Ἀσκάλωνα  
 11. 65. Β Β παρενέβαλε Σ. ἐπὶ [Α ἐν] Β.  
 — 67. παρενέβαλεν ἐπὶ τὸ ὕδωρ τοῦ Γ.  
 — 73. καὶ παρενέβαλον ἐκεῖ  
 13. 13. Σ. δὲ παρενέβαλεν ἐν 'Α.  
 — 43. Α Β παρενέβαλεν [Β -βαλλεν] ἐπὶ Γάζαν  
 15. 13. παρενέβαλεν Ἀντ. ἐπὶ Δ.  
 — 25. παρενέβαλεν [Β<sup>1</sup> παρέβ.] ἐπὶ Δ.  
 — 39. παρεμβάλλειν κατὰ πρόσωπον τῆς Ἰουδ.  
 16. 6. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον αὐτῶν  
 III Ma. 1. 1. ὅπου παρεμβεβλήκεισαν οἱ περὶ Ἀντ.  
 4. 11. ἐν τῷ πρὸ τῆς πόλεως ἱπποδρόμῳ παρεμβαλεῖν  
 [Α q. Ps. 52 (53). 6 : Is. 29. 3 : Je. 52. 4.]  
 [Sm. Ps. 26 (27). 3 : 52 (53). 6 : Je. 52. 4.]  
 [Th. Jd. 7. 12 : Is. 29. 3.]

παρεμβλέπειν.  
 [Sm. Ca. I. 6.]  
 παρεμβλησις.  
 [Aq. Is. 29. 1.]  
 παρεμβολή. (1) ἡμῶν (2) α. ἡμῶν δ. οὐμῶν  
 c. ἡμῶν (3) ἡμῶν (4) οὐμῶν (5) ἡμῶν  
 (6) ἡμῶν (7) ἡμῶν  
 Ge. 32. 1 (2). εἶδε παρεμβολὴν θεοῦ —  
 — 2 (3). παρεμβολὴ θεοῦ αὐτῇ (2 a)  
 — 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὄν. τοῦ τόπου ἐκ. Παρεμβολαί (2 c)  
 — 7 (8). διαίλε τὸν λαὸν . . . εἰς δύο παρεμβολάς (2 a)  
 — 8 (9). ἐὰν ἔλθῃ 'Η. εἰς π. μίαν (2 a)  
 — 8 (9). ἔσται ἡ π. ἡ δευτέρα εἰς τὸ σώ-ζεσθαι (2 a)  
 — 10 (11). γέγονα εἰς δύο παρεμβολάς (2 a)  
 — 21 (22). αὐτὸς δὲ ἐκοιμήθη . . . ἐν τῇ π. (2 a)  
 38. 8. πᾶσαι αἱ π. αὐταῖς ἀπὸ τῆς π. (2 a)  
 50. 9. ἐγένετο ἡ π. μεγάλη σφόδρα (2 a)  
 Ex. 14. 19. ὁ προσπορεύμενος τῆς π. τῶν υἱῶν Ἴσρ. (2 a)  
 — 20. Α Β ἀνὰ μέσον τῆς π. [Β om. τ. π.] τῶν Αλγ. καὶ ἀνὰ μέσον τῆς π. Ἴσρ. (2 a, 2 a)  
 — 24. ἐπὶβλεψε κ. ἐπὶ [Α εἰς] τὴν π. τῶν Αλγ. (2 a)  
 — 24. συνετάραξε τὴν π. τῶν Αλγ. (2 a)  
 16. 13. ἐκάλυψε τὴν π. (2 a)  
 — 13. κύκλῳ τῆς π. (2 a)  
 17. 1. ἀπῆρε . . . κατὰ παρεμβολὰς αὐτῶν (4)  
 19. 16. πᾶς ὁ λαὸς ὁ ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 17. ἐξήγαγε Μ. τὸν λαὸν . . . ἐκ τῆς π. (2 a)  
 29. 14. κατακαύσεις πυρὶ ἔξω τῆς π. (2 a)  
 32. 17. φωνὴ πολέμου ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 19. ἤγγιξε τῇ π. (2 a)  
 — 26. ἐπὶ τῆς πύλης τῆς π. (2 a)  
 — 27. ἀνακάμψατε . . . διὰ τῆς π. (2 a)  
 33. 7. ἐπῆλθεν ἔξω τῆς π. μακρὰν ἀπὸ τῆς π. [Β om. μ. . . π.] (2 a, 2 a)  
 — 7. τὴν σκηνὴν τῆς π. μακρὰν ἀπὸ τῆς π. (2 a)  
 — 8. Β ἔξω τῆς π. —  
 — 11. ἀπελύτο εἰς τὴν π. (2 a)  
 36. 6. καὶ ἐκίρηνεν ἐν τῇ π. (2 a)  
 Le. 4. 12, 21. ἐξοίσουσιν . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 6. 11 (4). ἐξοίσει . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 8. 17. ἔξω [Α παρέβ.] τῆς π. (2 a)  
 9. 11. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρὶ ἔξω τῆς π. (2 a)  
 10. 4. ἀπῆρε . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 5. ἦσαν . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 13. 46. ἔξω τῆς π. αὐτοῦ ἔσται ἡ διατριβή (2 a)  
 14. 3. ἐξελέυσεται ὁ ἰ. ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 8 : 18. 26. ἐισελέυσεται εἰς τὴν π. (2 a)  
 16. 27. ἐξοίσουσιν αὐτὰ ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 28. ἐισελέυσεται εἰς τὴν π. (2 a)  
 17. 3. ὅς ἐάν σφάξῃ . . . ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 3. ὅς ἐάν σφάξῃ ἔξω τῆς π. (2 a)  
 24. 10. ἐμαχίσαστο ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 14. ἐξήγαγε . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 23. ἐξήγαγον . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 Nu. 2. 3. τάγμα παρεμβολῆς Ἰουδα (2 a)  
 — 9. ἐκ τῆς π. [Α φυλῆς] Ἰουδα (2 a)  
 — 10. τάγμα παρεμβολῆς Ρουβὴν (2 a)  
 — 16. οἱ ἐπισκεμμοὶ τῆς [Β<sup>1</sup> ἐκ τῆς] π. 'Ρουβὴν (2 a)  
 — 17. καὶ ἡ π. τῶν Λευιτῶν μέσον [Α ἀνὰ μ.] τῶν π. (2 a, 2 a)  
 — 18. τάγμα παρεμβολῆς Ἐφρ. (2 a)  
 — 24. οἱ ἐπισκεμμοὶ τῆς π. Ἐφρ. (2 a)  
 — 25. τάγμα παρεμβολῆς Δάν (2 a)  
 — 31. οἱ ἐπισκεμμοὶ τῆς π. Δάν (2 a)  
 — 32. πᾶσα ἡ ἐπίσκεψις τῶν π. (2 a)  
 4. 5. ὅταν ἐξέλθῃ ἡ π. (2 a)  
 — 15. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὴν π. (2 a)  
 5. 2. ἐξαποστελλέωσαν ἐκ τῆς π. [Α συναγωγῆς] (2 a)  
 — 3. ἐξαποστελλεῖται ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 3. οὐ μὴ [Α om.] μαυνοῦσι τὰς π. αὐτῶν (2 a)  
 — 4. ἐξαπέστειλαν αὐτοὺς [Α om.] ἔξω τῆς π. (2 a)  
 10. 2. ἐξοίρειν τὰς π. (2 a)  
 — 5. 6. ἐξαποῦσιν αἱ π. (2 a)  
 — 6. διὰ. ἐξαποῦσιν αἱ π. —  
 — 14. τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Ἰούδα (2 a)  
 — 18. τάγμα παρεμβολῆς Ρουβὴν (2 a)  
 — 22. τάγμα παρεμβολῆς Ἐφραϊμ (2 a)

Nu. 10. 25. τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Δάν ἔσχατοι πασῶν τῶν π. (2 a, 2 a)  
 — 34. ἐν τῷ ἐξαίρειν αὐτοὺς ἐκ τῆς π. (2 a)  
 11. 1. κατέφαγε μέρος τι τῆς π. (2 a)  
 — 9. ὅταν κατέβῃ ἡ δρόσος ἐπὶ τὴν π. (2 a)  
 — 26. κατελείφθησαν . . . ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 26. ἐπροφῆτευσαν ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 27. προφῆτευσαν ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 30. ἀπῆλθε Μ. εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 31. ἐπὶβλεπεν ἐπὶ τὴν π. (2 a)  
 — 31, 32. κύκλῳ τῆς π. (2 a)  
 12. 14, 15. ἔξω τῆς π. (2 a)  
 14. 44. οὐκ ἐκινήθησαν ἐκ [Α add. μέσον] τῆς π. (2 a)  
 — 45. ἀπεστράφησαν εἰς τὴν π. —  
 16. 36. ἐξήγαγον αὐτὸν . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 36. ἐλιθώβησαν αὐτὸν . . . ἔξω τῆς π. —  
 18. 46 (17. 11). ἀπένεγκε τὸ τάχος εἰς τὴν π. (7)  
 19. 3. ἐξήγαγον αὐτὴν ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 7. ἐισελέυσεται εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 9. ἀποθήσει ἔξω τῆς π. (2 a)  
 81. 12. καὶ τὴν προνομὴν εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 13. ἐξῆλθε . . . ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 19. παρεμβάλεται ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 24. ἐισελέυσσθε εἰς τὴν π. (2 a)  
 De. 2. 14. ὥς οὐ διέπεισε . . . ἐκ τῆς π. (2 a)  
 — 15. ἐξαναλώσαι αὐτοὺς ἐκ μέσου [Α om.] τῆς π. (2 a)  
 23. 10 (11). Α Β ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 10 (11), 11 (12). εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 12 (13). Α Β<sup>2</sup> Β ἔξω τῆς π. (2 a)  
 — 14 (15). ἐμπεριπατεῖ ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 14 (15). ἔσται ἡ π. σου ἀγία (2 a)  
 29. 11 (10). ὁ ἐν μέσῳ τῆς π. ὑμῶν (2 a)  
 Jo. 1. 11. κατὰ μέσον τῆς π. τοῦ λαοῦ (2 a)  
 8. 2. διήλθον . . . διὰ τῆς π. (2 a)  
 4. 8. διεκόμισαν . . . εἰς τὴν π. (8)  
 5. 8. καθήμενοι ἐν τῇ π. (2 a)  
 6. 10 (11). ἀπῆλθεν εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 13 (14). ἀπῆλθε πάλιν εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 17 (18). καὶ ποιήσῃτε τὴν π. . . ἀνάθεμα (2 a)  
 — 22 (23). κατέστησαν αὐτὴν ἔξω τῆς π. 'Ι. (2 a)  
 7. 22. ἔδραμον . . . εἰς τὴν π. —  
 8. 22. ἐγενήθησαν ἀνὰ μέσον τῆς π. +  
 9. 6. ἤλθον . . . εἰς τὴν π. (2 a)  
 10. 6. ἀπίστευαν . . . εἰς τὴν π. Ἴσρ. (2 a)  
 — 15. Β<sup>2</sup> ἐπέστρεψεν Ἰ. . . εἰς τὴν π. (2 a)  
 Jd. 4. 15. καὶ πᾶσαν τὴν π. αὐτοῦ (2 a)  
 — 16. καὶ ὅπως τῆς π. (2 a)  
 — 16. ἔπεσε πᾶσα π. [Α ἡ π.] Σισάρα (2 a)  
 7. 1. παρεμβολὴ Μαδ. ἦν αὐτῷ (2 a)  
 — 8. ἡ π. Μ. ἦσαν αὐτοῦ [Α α.] (2 a)  
 — 9. κατέβηθι ἐν τῇ π. [Α τὸ τάχος εἰς τὴν π.] (2 a)  
 — 9 (10). κατέβηθι . . . εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 10 (11). κατέβηθι ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 11. οἱ ἦσαν [Α τῶν] ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 13. ἐν τῇ π. Μαδιάμ (2 a)  
 — 14. παρέδωκεν . . . πᾶσαν τὴν π. (2 a)  
 — 15. ὑπέστρεψεν [Α ἐπ.] εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 15. παρέδωκε . . . τὴν π. Μ. (2 a)  
 — 17. ἐν ἀρχῇ [Α μέσῳ] τῆς π. (2 a)  
 — 18. κύκλῳ ὅλης [Α om.] τῆς π. (2 a)  
 — 19. ἐν ἀρχῇ [Α μέρει] τῆς π. (2 a)  
 — 21. κύκλῳ τῆς π. (2 a)  
 — 21. ἔδραμε πᾶσα ἡ π. (2 a)  
 — 22. ἐν πάσῃ [Α ὅλῃ] τῇ π. (2 a)  
 — 23 (22). ἔφυγεν [Α add. πᾶσα] ἡ π. (2 a)  
 8. 10. καὶ ἡ π. αὐτῶν μετ' αὐτῶν  
 — 10. πάντες οἱ καταλειμμένοι ἀπὸ πάσης π. [Α α.] (2 a)  
 — 11. ἐπάταξε τὴν π. καὶ ἡ π. ἦν πεποιυία (2 a, 2 a)  
 — 12. πᾶσαν τὴν π. ἐξέστρεψε [Α α.] (2 a)  
 13. 25. ἐν παρεμβολῇ Δάν (2 a)  
 18. 12. ἐκλήθη . . . παρεμβολὴ Δάν (2 a)  
 21. 8. οὐκ ἦλθεν ἀπὸ εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 12. ἦνεγκον [Α ἦγον] αὐτὰς εἰς τὴν π. (2 a)  
 I Kί. 4. 3. ἦλθεν ὁ λαὸς εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 5. ὡς ἦλθεν . . . εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 6. τίς ἡ κραυγὴ . . . ἐν παρεμβολῇ τῶν Ἐβρ. (2 a)  
 — 6. κιβωτὸς κυρίου ἦκει εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 7. ἦκει πρὸς αὐτοὺς εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 16. ὁ ἦκον ἐκ τῆς π. (5)  
 11. 11. ἐισπορεύονται μέσον τῆς π. (2 a)  
 14. 15. ἐγενήθη ἕκστασις ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 16. καὶ ἰδοὺ ἡ π. τεταραγμένη (1)  
 — 19. ὁ ἦχος ἐν τῇ π. τῶν ἄλλοφ. (2 a)

- I Ki. 14. 21. οἱ ἀναβάντες εἰς τὴν π. (2 a)  
 17. 1. συνάγουσιν ἀλλήλους τὰς π. αὐτῶν (2 a)  
 — 17. Α διὰδρα εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 6. ὡς . . . τὰ κῶλα παρεμβολῆς ἄλλοφ. (2 a)  
 — 53. κατεπάνου τὴν π. αὐτῶν (2 a)  
 28. 6. τίς εἰσελεύσεται . . . εἰς τὴν π. (2 a)  
 28. 1. συναθροίζονται . . . ἐν ταῖς π. αὐ. (2 a)  
 — 5. εἰδε Σ. τὴν π. τῶν ἄλλοφ. (2 a)  
 — 19. τὴν π. Ἰσρ. ὅσους κύριος (2 a)  
 29. 1. συναθροίζουσιν . . . πάσας τὰς π. αὐ. (2 a)  
 — 4. μὴ γινίσθω ἐπίβουλος τῆς π. (2 a)  
 — 6. ἡ εἰσοδὸς σου μετ' ἐμοῦ ἐν τῇ π. (2 a)  
 II Ki. 1. 2. ἀνὴρ ἦλθεν [A om.] ἐκ τῆς π. (2 a)  
 — 3. ἐκ τῆς π. Ἰσρ. ἐγὼ διασέσωμαι (2 a)  
 2. 8. ἀνέβιβασεν αὐτὸν ἐκ τῆς π. (2 b)  
 — 29. ἐρχονται εἰς τὴν [A om.] π. (2 b)  
 23. 16. διέρρηξαν . . . ἐν τῇ π. τῶν ἄλλοφ. (2 a)  
 III Ki. 2. 8. ἡ ἐπορευομένη εἰς παρεμβολάς (2 b)  
 3. 1 (2. 8). ἐπορευομένη εἰς παρεμβολάς (2 b)  
 16. 15. καὶ ἡ π. Ἰσρ. ἐπὶ Γ. (2 c)  
 — 15. ἦκουσαν ὁ λαὸς ἐν τῇ π. λεγόντων (2 c)  
 — 16. ἱθαίευσαν . . . τὸν Ἀ. . . ἐν τῇ π. (2 a)  
 22. 36. Α ἔσθι ὁ στρατοκρυῖς ἐν τῇ π. [B om. ἐν τ. π.] (2 a)  
 IV Ki. 3. 9. οὐκ ἦν ὕδωρ τῇ π. (2 a)  
 — 24. εἰσῆλθον εἰς τὴν π. Ἰσρ. (2 a)  
 5. 15. καὶ πᾶσα ἡ π. αὐτοῦ (2 a)  
 6. 24. ἡβρούσιν . . . πᾶσαν τὴν π. αὐτοῦ (2 a)  
 7. 4. ἐμπέσωμεν εἰς τὴν π. Συρίας (2 a)  
 — 5. εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. Συρίας (2 a)  
 — 5. Β ἦλθον εἰς μέσον [B<sup>2</sup> B μέρος] τῆς [A B om.] π. Σ. (2 a)  
 — 6. Β ἀκουστὴν ἐποίησε τὴν [A B om.] π. [A -π] (2 a)  
 — 7. ἐγκατέλιπον . . . ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 8. εἰσῆλθον . . . ὥς μέρος τῆς π. (2 a)  
 — 10. εἰσῆλθον εἰς τὴν π. Συρίας (2 a)  
 — 12. ἐξῆλθον ἐκ τῆς π. (2 a)  
 — 16. διήρπασεν τὴν π. Συρίας (2 a)  
 19. 35. ἐπάταξεν ἐν τῇ π. τῶν Ἀσσ. (2 a)  
 I Ch. 9. 18. αὐτὰ αἱ πύλαι τῶν π. υἰῶν Λ. (2 a)  
 — 19. καὶ πατέρες αὐ. ἐπὶ τῆς π. (2 a)  
 11. 15. παρεμβολὴ [A ἡ π.] τῶν ἄλλοφ. ἐν τῇ κοιλιάδι (2 a)  
 — 18. Α Β Β<sup>2</sup> διέρρηξαν οἱ τρεῖς τὴν π. (2 a)  
 14. 15. τοῦ πατάξαι τὴν π. τῶν ἄλλοφ. (2 a)  
 — 16. ἐπάταξε τὴν π. τῶν ἄλλοφ. (2 a)  
 II Ch. 32. 21. ἐν τῇ π. βασιλείᾳ Ἀσσοῦρ (2 a)  
 Ju. 6. 11. ἦγαγον αὐτὸν [B om.] ζέω τῆς π. (2 a)  
 7. 7. παρεμβολὰς ἀνδρῶν πολεμιστῶν [B al.] (2 a)  
 — 12. ἀναμεινον ἐπὶ τῆς π. σου (2 a)  
 — 17. ἀπῆρε παρεμβολὴ [A -αν παρεμβολὴν] υἰῶν Ἀ. (2 a)  
 — 20. πᾶσα π. Ἀσσοῦρ (2 a)  
 — 32. ἐσκόρπισε τὸν λαὸν εἰς τὴν ἑαυ. [A add. πόλιν] π. (2 a)  
 10. 18. ἐγένετο συνδρομὴ ἐν πάσῃ [B<sup>1</sup> om.] τῇ π. (2 a)  
 12. 7. παρέμεινεν ἐν τῇ π. (2 a)  
 — 7. ἐβίπτιζον ἐν τῇ π. (2 a)  
 13. 10. διεκθούσαι τὴν π. (2 a)  
 14. 3. πορεύονται εἰς τὴν π. [A τὰς π.] αὐ. (2 a)  
 — 19. ἐγένετο αὐτῶν κραυγὴ . . . ἐν μέσῳ τῆς π. (2 a)  
 15. 5. τὰ γεγονότα τῇ π. τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)  
 — 6. ἐπέπεσον τῇ π. Ἀσσοῦρ (2 a)  
 — 11. ἐλαφύνετο πᾶς ὁ λαὸς τὴν π. (2 a)  
 16. 3. εἰς παρεμβολὰς αὐτοῦ . . . ἐξεδιαιτό με (2 a)  
 Ps. 26 (27). 3. εὐὰν παρατάξεται ἐπ' ἐμὲ παρεμβολή (2 a)  
 77 (78). 28. ἐπέπεσον εἰς μέσον τῆς π. αὐτῶν (2 a)  
 105 (106). 16. παρώργισαν Μωυσὴν ἐν τῇ π. (2 a)  
 Ca. 7. 1. ἡ ἐρχομένη ὡς χοροὶ τῶν π. (2 c)  
 Wi. 19. 7. ἡ τὴν π. σκιάζουσα νεφέλη [A al.] (2 a)  
 Si. 43. 8. Α Β Ρ σκεύος παρεμβολῆς [B παραβ.] ἐν ὕψει (2 a)  
 48. 21. ἐπάταξε τὴν π. τῶν Ἀσσυρίων (2 a)  
 Am. 4. 10. ἀνήγοντες ἐν πυρὶ τὰς π. (2 a)  
 J. 2. 11. πολλὴ ἐστὶ σφόδρα ἡ π. αὐ. (2 a)  
 Za. 14. 15. πᾶν τὸν τῶν κτηνῶν τῶν ὄντων ἐν ταῖς π. ἐκ. (2 a)  
 Is. 8. 8. ἔσται ἡ π. αὐτοῦ ὥστε πληρῶσαι τὸ πλάτος τῆς χώρας σου [A al.] (2 a)  
 — 21. 8. ἐπὶ τῆς π. ἐγὼ ἔστην (2 a)  
 37. 36. ἀνέειδεν ἐκ τῆς π. τῶν Ἀσσυρίων ἑκατὸν ὀφθαλμοὶ πέντε χιλιάδας (2 a)  
 Ez. 1. 24. Α ὡς φωνὴ παρεμβολῆς (2 a)  
 4. 2. δώσεις ἐπ' αὐτὴν παρεμβολὰς (2 a)

- Ez. 43. 2. φωνὴ τῆς π. ὡς φωνὴ διπλασιαζόντων πολλῶν (2 a)  
 I Ma. 8. 3. σκεπάδων παρεμβολὴν ἐν ῥομφαίᾳ (2 a)  
 — 15. ἀνέβη μετ' αὐτοῦ παρεμβολὴ ἀσέβων (2 a)  
 — 17. ὡς δὲ ἴδον τὴν π. ἐρχομένην (2 a)  
 — 23. συνετρίβη Σ. καὶ ἡ π. αὐ. (2 a)  
 — 27. συνήγαγε . . . π. Ἰσχυρὰν σφόδρα [B<sup>1</sup> om. π. ἰ. σφ.] (2 a)  
 — 41. ἦλθον εἰς τὴν π. (2 a)  
 — 57. ἀπῆρεν ἡ π. (2 a)  
 4. 2. ἀπῆρεν ἡ π. νυκτός (2 a)  
 — 2. ὥστε ἐπιβυλεῖν ἐπὶ τὴν π. τῶν Ἰουδ. (2 a)  
 — 4. ὥς ἐτι αἱ δυν. ἐσκορπισμένα ἦσαν ἀπὸ τῆς π. (2 a)  
 — 5. ἦλθε Γ. εἰς τὴν π. Ἰ. νυκτός (2 a)  
 — 7. εἶδον παρεμβολὴν ἐθνῶν Ἰσχυρὰν (2 a)  
 — 10. συνετρίβη τὴν π. ταύτην (2 a)  
 — 13. ἐξῆλθον ἐκ τῆς π. (2 a)  
 — 20. ἐμυρρίβουν τὴν π. (2 a)  
 — 21. συνιδόντες δὲ καὶ τὴν Ἰ. παρεμβολὴν (2 a)  
 — 23. Ἰ. ἀνέστρεψεν ἐπὶ τὴν σκυλίαν τῆς π. (2 a)  
 — 30. εἶδε τὴν π. Ἰσχυρὰν (2 a)  
 — 30. παρίδωκε τὴν π. τῶν ἄλλοφ. εἰς χεῖρας Ἰ. (2 a)  
 — 31. συγκλείουσιν τὴν π. ταύτην (2 a)  
 — 34. ἔπεσον ἐκ τῆς π. Λ. εἰς πεντακισχίλιους ἀνδρας (2 a)  
 — 37. συνήχη ἡ π. πᾶσα (2 a)  
 5. 11. Α Τ. ἡγεῖται τῆς π. [B δυνάμει] αὐ. (2 a)  
 — 28. ἀπέστρεψεν Ἰ. καὶ ἡ π. αὐ. (2 a)  
 — 34. ἐπέγνω ἡ π. Τ. (2 a)  
 — 37. συνήγαγε Τ. π. ἄλλην (2 a)  
 — 38. κατωσκοπεύσαι τὴν π. (2 a)  
 — 40. ἐν τῇ ἐγγίγει Ἰ. καὶ τὴν π. αὐ. (2 a)  
 — 45. συνήγαγεν Ἰ. . . π. μεγάλην σφόδρα (2 a)  
 — 49. κρύψει ἐν τῇ π. (2 a)  
 6. 5. τετρώσονται αἱ π. (2 a)  
 — 6. οἱς ἔλαβον ἀπὸ τῶν π. (2 a)  
 — 32. ἀπέαντι τῆς π. τοῦ βασ. (2 a)  
 — 33. ἀπῆρε τὴν π. (2 a)  
 — 38. ἐπὶ τὰ δύο μέρη τῆς π. (2 a)  
 — 40. μέρος τι τῆς π. τοῦ βασ. [B<sup>1</sup> al.] (2 a)  
 — 41. ἦν γὰρ ἡ π. μεγάλῃ σφόδρα (2 a)  
 — 42. ἦγγισεν Ἰ. καὶ ἡ π. αὐ. (2 a)  
 — 42. ἔπεσον ἀπὸ τῆς π. τοῦ βασ. (2 a)  
 — 48. οἱ δὲ ἐκ τῆς π. τοῦ βασ. (2 a)  
 7. 35. εὐὰν μὴ παραδοθῇ Ἰ. καὶ ἡ π. αὐ. (2 a)  
 — 38. ποιήσουσιν ἐκδικεῖν . . . ἐν τῇ π. αὐ. (2 a)  
 — 42. συνήγαγον τὴν π. ταύτην (2 a)  
 — 43. συνήψαν αἱ π. εἰς πόλεμον (2 a)  
 — 43. συνετρίβη ἡ π. (2 a)  
 — 44. ὡς δὲ εἶδεν ἡ π. αὐ. (2 a)  
 9. 6. ἐξερρύσαν πολλοὶ ἀπὸ τῆς π. (2 a)  
 — 7. ἀπῆρεν ἡ π. αὐ. (2 a)  
 — 11. ἀπῆρεν ἡ δύναμις ἀπὸ τῆς π. (2 a)  
 — 13. Β Β ἐσαλεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς φωνῆς τῶν π. [A al.] (2 a)  
 — 14. Α Β τὸ στερέωμα τῆς π. ἐν [B om.] τοῖς δεξιῖς (2 a)  
 10. 49. ἐφύγεν ἡ π. Δημητρίου (2 a)  
 — 53. συνετρίβη αὐτὸς καὶ ἡ π. αὐ. (2 a)  
 — 78. συνήψαν αἱ π. ὅσας αὐτοῦ εἰς πόλεμον (2 a)  
 — 80. ἐκύκλωσαν αὐτοῦ τὴν π. (2 a)  
 11. 67. Ἰων. καὶ ἡ π. αὐτοῦ (2 a)  
 — 68. Β ἡ [A B om.] π. ἀλλοφύλων ἀπῆντα αὐτῷ (2 a)  
 — 73. εἰδὼν . . . ὥς τῆς π. αὐτῶν (2 a)  
 12. 26. ἀπέστειλε κατασκόπους εἰς τὴν π. αὐ. (2 a)  
 — 27. ἐξέβαλε προφύλακας κύκλῳ τῆς π. (2 a)  
 — 28. ἀνέκασαν πυρὰς ἐν τῇ π. αὐ. (2 a)  
 13. 20. ἡ π. αὐ. ἀντιπαρήγεν αὐτῷ (2 a)  
 — 43. ἐκύκλωσαν αὐτὴν παρεμβολαῖς (2 a)  
 14. 3. ἐπάταξε τὴν π. Δ. (2 a)  
 16. 8. ἐτροπώθη Κ. καὶ ἡ π. αὐ. (2 a)  
 II Ma. 13. 15. Β ἐν τῇ π. [A τὴν π.] ἀνέειλεν (2 a)  
 — 16. τὴν π. . . ταραχῆς ἐπληρώσαν (2 a)  
 15. 22. ἀνέειλε ἐκ τῆς π. Σενν. (2 a)  
 [Aq. Nu. 2. 9 : I Ki. 14. 18 : II Ki. 17. 24 : III Ki. 22. 36 : Am. 4. 10.] (2 a)  
 [Sm. I Ki. 13. 17 : 14. 18 : Ps. 77 (78). 28 : Ca. 6. 3 (4) : 7. 1 (2) : Am. 4. 10.] (2 a)  
 [Th. I Ki. 13. 17 : II Ki. 2. 12 : 17. 24 : III Ki. 22. 36 : Ez. 1. 24.] (2 a)  
 [Al. I Ki. 28. 19 : Ca. 7. 1 (2).] (2 a)  
 [Quint. Ca. 7. 1 (2).] (2 a)  
 παρεμπίπτειν.  
 Wi. 7. 25. οὐδὲν μεμαμμένον εἰς αὐτὴν παρεμπίπτει (2 a)

- παρενοχλεῖν. (1) 𐤒𐤍 pi. (2) 𐤒𐤍 hi. (3) 𐤒𐤍 hi. (4) 𐤒𐤍 hi. (5) 𐤒𐤍 hi. (6) 𐤒𐤍 hi.  
 Jd. 14. 17. παρηνώχλησεν αὐτῷ [B al.] (5)  
 16. 16. Α παρηνώχλησεν αὐτὸν [B al.] (1)  
 I Ki. 28. 15. ἵνα τί παρηνώχλησάς μοι [A με] (6)  
 Jb. 16. 3. ἡ τί παρηνώχλησέν σοι ὅτι ἀποκρίνη (4)  
 Ps. 84 (85). 13. ἐν τῷ αὐτοῦ παρηνώχλησέν μοι (4)  
 Mi. 6. 3. τί παρηνώχλησάς σοι (3)  
 Je. 26 (46). 27. οὐκ ἔσται ὁ παρηνώχλησας αὐτὸν [B -φ] (2)  
 Da. LXX. 3. (50). καὶ οὐ παρηνώχλησεν αὐτοῦς 6. 18 (19). οὐ παρηνώχλησεν τῷ Δαν. — 23 (24). ὡς οὐ παρηνώχλησεν αὐτῷ οἱ λείοντες — Da. Th. 3. (50). οὐδὲ παρηνώχλησεν αὐτοῖς 6. 18 (19). καὶ οὐ παρηνώχλησεν τῷ Δ. — I Ma. 10. 35. οὐχ ἔξει ἐξουσίαν οὐδεῖς . . . παρηνώχλην τινα αὐτῶν — 63. Β μῆδεῖς αὐτῷ παρηνώχλειται [A ἐν.] (2)  
 12. 14. Α Β οὐκ ἠδουλόμμεθα οὐκ παρηνώχλειν [B -ῆσαι] ἡμῶν (2)  
 II Ma. 11. 31. οὐδεὶς αὐτῶν . . . παρηνώχλησεται [Th. Jb. 16. 3 : Ps. 34 (35). 13 : Da. 6. 18.] [Quint. Ps. 34 (35). 13.] (2)  
 παρέξ, παρέξ. (1) 𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤍 (3) 𐤒𐤍 (4) a. 𐤒𐤍 b. 𐤒𐤍 c. 𐤒𐤍 (5) 𐤒𐤍  
 Jd. 8. 26. π. τῶν μηνίσκων [A al.] (4 a)  
 Ru. 4. 4. οὐκ ἔστι π. σοῦ τοῦ ἀγχιστεύσαι (8)  
 I Ki. 20. 39. Β οὐκ ἔγνω οὐδὲν π. Ἰων. (1)  
 21. 9 (10). οὐκ ἔστιν ἰσχυρὰ π. ταύτης ἐνταῦθα (8)  
 III Ki. 3. 18. οὐκ ἔστιν οὐδεὶς μετ' ἡμῶν π. ἀμφοτέρων ἡμῶν (8)  
 12. 20. οὐκ ἦν ὅπισω οἴκου Δ. π. σκήπτρου Ἰ. (8)  
 II Es. 1. 6. π. τῶν ἐκούσιων (4 b)  
 Ne. 7. 67. π. δοῦλων αὐ. καὶ παιδικῶν αὐ. (4 c)  
 Ps. 17 (18). 31. Β τίς θεός π. [A Β πλὴν] τοῦ κυρίου (5)  
 Ec. 2. 25. τίς πίεται π. αὐτοῦ (2)  
 Si. 49. 4. π. Δ. καὶ Ἰ. καὶ Ἰωσίου (2)  
 Ho. 13. 4. σῶζον οὐκ ἔστι π. ἐμοῦ (2)  
 Is. 43. 11. οὐκ ἔστι π. ἐμοῦ σῶζων (5)  
 45. 21. Β Σ οὐκ ἔστι [A<sup>2</sup> add. ἄλλος] π. ἐμοῦ — 22. Α<sup>2</sup> δίκαιος καὶ σῶστηρ οὐκ ἔστιν π. ἐμοῦ — Ez. 15. 4. Α<sup>2</sup> Β π. δ [A<sup>1</sup> B om.] πυρὶ δίδεται (2)  
 42. 14. οὐκ εἰσελεύσονται ἐκεῖ π. τῶν Ιερών — παρεξιστάμενοι. (1) 𐤒𐤍 ru.  
 Ho. 9. 7. ὥσπερ ὁ προφήτης ὁ παρεξιστηκώς (1)  
 παρέξ. (1) 𐤒𐤍  
 Le. 8. 17. Α κατέκασεν αὐτὰ παρέξ τῆς παρεμβ. [B al.] (1)  
 παρειδεύειναι.  
 II Ma. 15. 10. παρειδεύειν τὴν τῶν ἐθνῶν ἀθεσίαν παρειδήμους. (1) 𐤒𐤍  
 Ge. 23. 4. παρειδήμους ἐγὼ εἶμι μετ' ὑμῶν (1)  
 Ps. 38 (39). 12. Α Β πάροικος ἐγὼ εἶμι παρὰ σοὶ [B ἐν τῇ γῇ] καὶ παρειδήμους (1)  
 πάρεργον.  
 [Sm. Pr. 26. 22.] (2)  
 πάρεργος.  
 II Ma. 15. 19. ἦν δὲ . . . οὐ π. ἀγωνία παρερθίζευν.  
 [Sm. Pr. 24. 19.] (2)  
 [Th. Ps. 38 (37). 1.] (2)  
 παρέρχεσθαι. (1) 𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤍 (3) 𐤒𐤍 (4) 𐤒𐤍 (5) 𐤒𐤍 (6) 𐤒𐤍 (7) 𐤒𐤍 (8) 𐤒𐤍 (9) 𐤒𐤍 ni. (10) 𐤒𐤍 (11) 𐤒𐤍 a. qal. b. hi. (12) a. 𐤒𐤍 b. 𐤒𐤍, 𐤒𐤍 (13) 𐤒𐤍 (14) 𐤒𐤍 ni. (15) 𐤒𐤍 (16) 𐤒𐤍 (17) 𐤒𐤍 ithra. (11 a)  
 Ge. 18. 3. μὴ παρέλθης τὸν παῖδά σου — 5. παρεκέυσσθε εἰς τὴν ὁδὸν ὑμῶν (11 a)  
 30. 32. παρελθάτω τὰ πρόβατά σου (11 a)

- Ge. 32. 31 (32). ἡνίκα παρήλθε τοῦ Εἰδος τοῦ θ. (11 α)  
 33. 3. Α παρήλθεν [B προ.] ἐμπροσθεν αὐτῶν (11 α)  
 41. 53. παρήλθον δὲ τὰ ἐπὶ τῇ (7)  
 50. 4. παρήλθον αἱ ἡμέραι τοῦ πένθους (11 α)  
 Ex. 8. 3. παρελθὼν ὄψομαι τὸ ὄραμα (10)  
 12. 23. παρελεύσεται κύριος πατάσαι (11 α)  
 — 23. παρελεύσεται κύριος τὴν θύραν (16)  
 15. 16. ἕως ἂν παρήλθῃ ὁ λαὸς σου, κύριε, ἕως ἂν παρήλθῃ ὁ λαὸς σου οὗτος [B<sup>1</sup> al.] (11 α, 11 α)  
 23. 5. οὐ παρεύσθη αὐτὸ +  
 33. 19. ἐγὼ παρελεύσομαι πρότερός σου (11 β)  
 — 22. ἡνίκα δ' ἂν παρήλθῃ ἡ δόξα μου (11 α)  
 — 22. ἕως ἂν παρήλθω (11 α)  
 34. 6. παρήλθε κ. πρὸ προσώπου αὐ. (11 α)  
 Nu. 13. 33 (32). τὴν γῆν ἣν παρήλθομεν αὐτὴν (11 α)  
 20. 17. παρελευσόμεθα διὰ τῆς γῆς σου (11 α)  
 — 17. ἕως ἂν παρήλθωμεν τὰ ὄρια σου (11 α)  
 — 19. παρὰ τὸ ὄρος παρελευσόμεθα (13)  
 — 19. παρὰ τὸ ὄρος παρελευσόμεθα [A πορευ-  
 — 21. παρελθὲν διὰ τῶν ὁρίων αὐ. (11 α)  
 21. 21 (22). παρελευσόμεθα διὰ τῆς γῆς σου (11 α)  
 — 22. ἕως παρήλθωμεν τὰ ὄρια σου (11 α)  
 — 23. παρελθὲν διὰ τῶν ὁρίων αὐ. (11 α)  
 32. 21. παρελεύσεται . . . πᾶς ὀπλίτης τὸν ἴ. (11 α)  
 — 27. οἱ δὲ παῖδες σου παρελεύσονται (11 α)  
 34. 4. καὶ παρελεύσεται Ἐ. (11 α)  
 — 4. καὶ παρελεύσεται Ἀ. (11 α)  
 De. 2. 8. παρήλθομεν τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (11 α)  
 — 8. παρήλθομεν ὁδὸν ἔρημον Μωάβ (11 α)  
 — 13. Α Β παρήλθομεν τὴν φάραγγα Ζ. (11 α)  
 — 14. ἕως οὐ παρήλθομεν τὴν φάραγγα Ζ. (11 α)  
 — 24. παρέλθετε ὑμεῖς τὴν φάραγγα Ἀρνὼν [B<sup>1</sup> al.] (11 α)  
 — 27. παρελεύσομαι διὰ τῆς γῆς σου (11 α)  
 — 27. Β<sup>1</sup> ἐν τῇ ὁδῷ παρελεύσομαι [A B<sup>2</sup> B πορευ.,] (2)  
 — 28. πλὴν οὐτὶ παρελεύσομαι τοῖς ποσὶ (11 α)  
 — 29. ἕως ἂν παρήλθω τὸν Ἰορδ. (11 α)  
 — 30. παρελθὲν ἡμᾶς δι' αὐτοῦ (11 β)  
 17. 2. παρελθὲν τὴν διαθήκην αὐ. (11 α)  
 26. 13. οὐ παρήλθον τὴν ἐντολήν σου (11 α)  
 29. 12 (11). παρελθὲν ἐν τῇ διαθήκῃ [A π. τὴν δ.] (11 α)  
 — 16 (15). ὡς παρήλθομεν [B<sup>1</sup> -αμεν] ἐν μέσῳ τῶν ἐθνῶν οὓς παρήλθετε [A -ομεν] (11 α, 11 α)  
 Jo. 4. 23. ἕως παρήλθομεν (11 α)  
 6. 7 (8). ἐπὶ ἱερείς . . . παρελθέντων [A -άν.] (11 α)  
 15. 10. παρελεύσεται εἰς ὄρος Ἀ. (11 α)  
 — 10. παρελεύσεται ἐπὶ λίβαν [A νότον] (11 α)  
 — 11. παρελεύσεται ὄρια ἐπὶ λίβαν [A al.] (11 α)  
 16. 2. παρελεύσεται ἐπὶ τὰ ὄρια τοῦ Ἀχ. (11 α)  
 — 6. Α παρελεύσεται [B περιελ.] . . . εἰς Θ. (11 α)  
 — 7. παρελεύσεται . . . εἰς Ἰ. (11 α)  
 — 8. Α παρελεύσεται ὄρια . . . ἐπὶ Χ. [B al.] (2)  
 18. 14. παρελεύσεται [A διελ.] ἐπὶ τὸ μέρος (9)  
 — 18 (17). παρελεύσεται ἐπὶ Γ. (8)  
 24. 17. οὐς παρήλθομεν δι' αὐτῶν (11 α)  
 9. 26. παρήλθε τὰ γλυπτὰ (11 α)  
 Jd. 3. 26. καὶ παρήλθον ἐν Σικ. [A al.] (11 α)  
 11. 17. παρελεύσομαι δὲ ἐν τῇ γῇ [A π. διὰ τῆς γ.] σου (11 α)  
 — 19. παρὲλθωμεν δὲ ἐν τῇ γῇ [A -ελεύσομαι διὰ τῆς γῆς] σου (11 α)  
 — 20. παρελθὲν ἐν τῷ ὁρίῳ αὐτοῦ [A al.] (11 α)  
 — 29. παρήλθε τὸν Γαλ. [A al.] (11 α)  
 — 29. παρήλθε τὴν σκοπὴν Γ. [A al.] (11 α)  
 — 32. καὶ παρήλθεν [A διέβη] Ἰ. (11 α)  
 12. 1. παρήλθαν εἰς βορρᾶν (11 α)  
 — 1. παρήλθετε παρατάσασθαι ἐν υἱοῖς Ἀ. [A al.] (11 α)  
 — 3. παρήλθον [A διέβη] πρὸς υἱοὺς Ἀ. (11 α)  
 18. 13. παρήλθον [A -αυ] ἐκείθεν (11 α)  
 19. 12. παρελευσόμεθα ἕως Γ. (11 α)  
 — 14. καὶ παρήλθον (11 α)  
 I Ki. 16. 8. παρήλθε κατὰ πρόσωπον Σαμ. (11 β)  
 II Ki. 2. 15. παρήλθον . . . δώδεκα τῶν Ἰ. (11 α)  
 15. 22. καὶ παρήλθεν Ἐθὶ (11 α)  
 — 23. Α ὁ βασις παρερχόμενος ἐν τῷ χειμάρρῳ [B al.] (11 α)  
 — 24. παρελθὲν ἐκ τῆς πόλεως (11 α)  
 16. 1. Α. παρήλθε Βμαχὺ τι (11 α)  
 17. 20. παρήλθαν [A -ον] μικρὸν τοῦ ὕδατος (11 α)  
 18. 9. ὁ ἡμίονος ὑποκάτω αὐτοῦ παρήλθε (11 α)  
 II Ki. 20. 13. παρήλθε πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. (11 α)  
 23. 4. οὐ κύριος παρήλθεν [A al.] +  
 III Ki. 18. 29. παρήλθε τὸ δεικνύον (11 α)  
 19. 11. ἰδοὺ παρελεύσεται κύριος (11 α)  
 22. 24. Α ποῖον τοῦτο παρήλθεν πνεῦμα κ. [B al.] (11 α)  
 IV Ki. 3. 10. τοὺς τρεῖς βασ. παρερχομ. [A κατεχομ.] +  
 — 13. Α τοὺς τρεῖς βασ. παρερχομ. [B om.] +  
 6. 9. φύλαξαι μὴ παρελθῆν (11 α)  
 II Ch. 8. 15. οὐ παρήλθον τὰς ἐντολὰς τοῦ βασ. (10)  
 9. 2. οὐ παρήλθε λόγος ἀπὸ Σαλ. (14)  
 18. 23. Α Β ποῖα τῇ ὁδῷ παρήλθε πνεῦμα [B al.] (11 α)  
 25. 7. Α οὐ παρελυσ. [B πορεύσ.] . . . δύνα-  
 — 13. Α παρελθὼν ἐπὶ πύλιν τοῦ αἰνᾶ (11 α)  
 Ne. 2. 14. παρήλθον ἐπὶ πύλιν τοῦ αἰνᾶ (11 α)  
 — 14. οὐκ ἦν τόπος τῷ κτήνι παρελθῆν (11 α)  
 9. 11. παρήλθοσαν ἐν μέσῳ τῆς δαλ. (11 α)  
 Ju. 2. 24. παρήλθε [B διέβη] τὸν Εὐφρ. (1)  
 — 24. Β παρήλθε [A B διήλθε] τὴν Μεσοπ. (11 α)  
 5. 21. παρελθόντω [A B -άτω] δὲ ὁ κύριός μου (11 α)  
 11. 10. μὴ παρὲλθες τὸν λόγον αὐτοῦ (11 α)  
 15. 5. ἕως οὐ παρήλθον Δαμασκόν (11 α)  
 Es. 10. 3. οὐδὲ γὰρ παρήλθεν ἀπ' αὐτῶν λόγος [B. 6. 15. ὥσπερ κύμα παρήλθον [B<sup>1</sup> -ελθόν] με (11 α)  
 9. 11. ἐὰν παρήλθῃ με οὐδ' ὡς ἔγνω (4)  
 11. 16. τὸν κόπον [A τὸν κόπον σου] ἐπιλήσῃ (11 α)  
 — 14. 16. οὐ μὴ παρήλθῃ σε οὐδὲν τῶν ἀμαρτιῶν μου +  
 17. 11. Β B<sup>2</sup> αἱ ἡμέραι μου παρήλθον ἐν βρόμῳ [A ὁρόμῳ] (11 α)  
 23. 12. ἀπὸ ἐντάλματων αὐτοῦ καὶ [A ἐντολῶν αὐτοῦ] οὐ μὴ παρήλθω (8)  
 28. 8. οὐ παρήλθεν [A γὰρ ἦλθεν] ἐπ' αὐτῆς λῶν (12 α)  
 30. 15. Α ὥσπερ φῶς ἡ σωτηρία μου παρήλθεν [B om.] (11 α)  
 Ps. 36 (37). 36. παρήλθον καὶ ἰδοὺ οὐκ ἦν (11 α)  
 56 (57). 1. ἕως οὐ παρήλθῃ ἡ ἀνομία (11 α)  
 89 (90). 6. τὸ πρῶτ' ὥστε γλῶτ παρήλθοι (4)  
 — 7. τὸ πρῶτ' ἀνθρώποι καὶ παρήλθοι (4)  
 103 (104). 9. ὅριον ἔδωκε δὲ οὐ παρελεύσονται (11 α)  
 140 (141). 10. ἕως οὐ ἂν παρήλθω (11 α)  
 148. 6. πρόσταγμα ἔδωκε καὶ οὐ παρελεύσεται (11 α)  
 Pt. 8. 29. Α B<sup>2</sup> ὕδατα οὐ παρελεύσονται στό-  
 — 22. 3. οἱ δὲ ἄφρονες παρελθόντες ἐξημώθη-  
 — 27. 13. παρήλθεν γὰρ ὕβριστης +  
 Ca. 2. 11. ὁ χειμὼν παρήλθεν (11 α)  
 3. 4. ὡς μικρὸν ὅτε παρήλθον ἀπ' αὐτῶν (11 α)  
 5. 6. ἀδελφίδες μου παρήλθε (5+11 α)  
 Wi. 2. 4. παρελεύσεται ὁ βίος ἡμῶν ὡς ἔχνη νεφέλης (11 α)  
 5. 9. παρήλθεν ἐκείνα πάντα ὡς σκιά (11 α)  
 11. 12. στεναγμὸν μνημῶν τῶν παρελθουσῶν [A B -όντων] (11 α)  
 Si. 11. 19. οὐκ οὐδὲ τίς καιρὸς παρελεύσεται (11 α)  
 14. 4. μερὶς ἐπιθυμίας ἀγαθῆς μὴ σε παρελθάτω [A B -έτω] (11 α)  
 29. 26. πάρελθε, πύριμος, κόσμῳ σου τράπεζαν (11 α)  
 42. 19. ἀπαγγέλλων τὰ παρεληλυθότα καὶ ἐπεσο-  
 — 20. οὐ παρήλθεν αὐτὸν πᾶν διανόημα (11 α)  
 Am. 7. 8. οὐκ ἐστὶ μὴ προσθῶ τοῦ παρελθῆν αὐτὸν (11 α)  
 8. 2. οὐ προσθήσω ἐπὶ τοῦ παρελθῆν αὐτὸν (11 α)  
 Is. 10. 28. παρελεύσεται εἰς Μαγεδδὼ (11 α)  
 — 29. παρελεύσεται φάραγγα (11 α)  
 24. 5. παρήλθοσαν [A -έθοσαν] τὸν νόμον (11 α)  
 26. 20. ἕως ἂν παρήλθῃ ἡ ὀργὴ κυρίου (11 α)  
 28. 15. κυταγίς φερομένη ἐν τῇ παρήλθῃ (11 α)  
 — 17. οὐ μὴ παρήλθῃ ὑμᾶς καταγίς +  
 — 19. ὅταν παρήλθῃ λήψεται ὑμᾶς πρῶτ' πρῶτ' παρελεύσεται ἡμέρας (11 α, 11 α)  
 33. 22 (21). οὐ παρελεύσεται με κύριος (11 α)  
 34. 16. ἀριθμῷ παρήλθον [B -οσαν] -  
 35. 8. οὐ μὴ παρήλθῃ ἐκεῖ ἀκάθαρτος (11 α)  
 51. 23. κυψὸν ἴνα παρὲλθωμεν (11 α)  
 Je. 8. 20. παρήλθεν ἀμύτος (7)  
 40 (33). 13. ἐπὶ παρήλθεται [A ἐπιπαρ.] πρό-  
 — 41 (34). 18. δώσω τοὺς ἀνδρας τοὺς παρεληλυ-  
 — 48 (41). 8. παρήλθε καὶ οὐκ ἀνείλεν αὐτοὺς (8)  
 Da. LXX. 11. 10. παρελεύσεται καὶ ἐπιστρέψει (11 α)  
 Da. LXX. 11. 26. καὶ παρελεύσονται +  
 12. 1. παρελεύσεται Μιχαὴλ (16)  
 Da. TH. 2. 9. ἕως οὐ ὁ καιρὸς παρήλθῃ (17)  
 4. 28. ἡ βασιλεία παρήλθεν ἀπὸ σοῦ (12 β)  
 6. 12 (13). τὸ δόγμα Μήδων καὶ Περσῶν οὐ παρελεύσεται (12 β)  
 7. 14. ἥτις οὐ παρελεύσεται (12 β)  
 11. 10. καὶ παρελεύσεται (11 α)  
 — 40. συντρίψει καὶ παρελεύσεται (11 α)  
 I Ma. 2. 22. παρὲλθὲν τὴν λατρείαν ἡμῶν (11 α)  
 5. 48. πλὴν τοῖς ποσὶ παρελευσόμεθα (11 α)  
 II Ma. 5. 7. Α φυγάς πάλιν εἰς τὴν Ἀμμ. παρήλθεν [B ἀπῆλθε] (11 α)  
 IV Ma. 11. 3. οὗτος δ' ἀπ' ἐμαντοῦ παρήλθον [A. q. III Ki. 22. 24: IV Ki. 12. 4 (5): Jb. 30. 15: 37. 21: Ps. 56 (57). 2: 72 (73). 7: 88 (84). 7: 87 (88). 17: 102 (103). 16: 140 (141). 10: Pr. 4. 15: 19. 11: CA. 5. 6: Is. 31. 9: 60. 15: Je. 8. 13.] (11 α)  
 [Sm. Ex. 30. 13: Jb. 30. 15: Ps. 41 (42). 8: 56 (57). 2: 57 (58). 8: Pr. 4. 15: CA. 5. 6: Is. 8. 21: 31. 9: 60. 15:] (11 α)  
 [Th. Jd. 11. 19: I Ki. 30. 10: II Ki. 14. 13: III Ki. 22. 24: IV Ki. 12. 4 (5): Jb. 30. 15: Ps. 89 (90). 5: Pr. 4. 15: 8. 29: Is. 31. 9: Je. 8. 13:] (11 α)  
 [Al. Dt. 2. 27: Ps. 123 (124). 4, 5:] (11 α)  
 [Quint. IV Ki. 12. 4 (5).] (11 α)  
 παρέχειν. (1) ἀγῶνα π. πῆξ hi. (2) ἡγῶν (3) ἡγῶν hi. (4) ἡσυχίαν π. οἰσῶ hi.  
 IV Ki. 12. 4 (5). Α ἀργύριον παρεχόμενον [B al.] (2)  
 Es. 8. 13. τὴν τε βασιλείαν . . . πορευτὴν . . . παρεχόμενον (2)  
 — 13. ἀτάραχα παρέχωσιν [A -ουσιν] . . . τὰ πράγ-  
 — 8. 13. τὴν βασ. ἀτάραχον . . . παρεχόμεθα [B. 34. 29. αὐτοὺς ἡσυχίαν παρέξει (4)  
 Ps. 29 (30). 7. Α B S παρᾶσχοι [B -έσχοι] τῷ κἄλλει μου δύναμιν (3)  
 Wi. 16. 20. Α B ἐτοιμοὶ ἄνθρωποι αὐτοῖς ἀπ' οὐρανοῦ παρᾶσχοι [B ἐπεμψας] (3)  
 17. 13. πλείονα λογίζεται τὴν [B ἀναλογ.] ἀγωνίαν τῆς παρεχούσης τὴν βάσανον αἰτίας (3)  
 18. 3. πυριφλεγὴ στήλην . . . παρᾶσχοι [B<sup>1</sup> -εν] (3)  
 Si. 29. 4. παρᾶσχοι πόνον [A B κόπον] τοῖς βοηθή-  
 — 18. 7. 13. μὴ μικρὸν ὑμῖν ἀγῶνα π. ἀνθρώποις (1, 1)  
 καὶ πᾶς κυρίῳ παρέχετε ἀγῶνα (1, 1)  
 III Ma. 6. 28. Β ἀπαρτιθῶσιν εὐστάθειαν . . . παρέχει [A προφέρει] (1)  
 IV Ma. 3. 2. Α B μὴ δουλοφθονοῦν . . . δύναται ὁ λογισμὸς παρασχέσθαι [B παρέχεσθαι] (1)  
 11. 12. παρέχων τὴν . . . καρτερίαν [B<sup>1</sup> τῆς . . . κ.] (1)  
 13. 6. γαλήνην παρέχουσι . . . τὸν ὄρμον [Sm. Jb. 10. 12: 36. 31: Ps. 17 (18). 48: 76 (77). 2: 77 (78). 24: 119 (120). 3: Ec. 7. 22 (21).] (1)  
 [Th. Jb. 34. 29: Is. 7. 13 δις.] (1)  
 παρηγορεῖν.  
 IV Ma. 12. 3. καὶ παρηγορεῖν ἐπεὶ ἔρατο [A. q. Ps. 76 (77). 3: Ez. 16. 54.] (1)  
 [Sm. Ge. 24. 67: Jb. 7. 13: 16. 2: Ps. 68 (69). 21: 76 (77). 3: Ec. 4. 1: Is. 40. 1 δις: 51. 12: 18: La. 1. 2: Ez. 16. 54.] (1)  
 [Th. Is. 54. 11.] (1)  
 [Al. Ge. 37. 35.] (1)  
 παρηγορία.  
 IV Ma. 5. 12. προσκυνήσας μου τὴν φιλόανθρωπον π. (1)  
 6. 1. ἀντιπαρηγορεύσαντα ταῖς τοῦ τυράννου π. (1)  
 παρθέनिया, παρθενία. (1) οὐχ ἡγῶν  
 De. 22. 14. οὐχ εὐρήκα αὐτῆς τὰ π. (1)  
 — 15. ἐξοίσουσι τὰ π. τῆς παιδός (1)  
 — 17. οὐχ εὐρήκα τὴν θυγατρί σου παρθενία (1)  
 — 17. ταῦτα τὰ π. τῆς θυγατρὸς μου (1)  
 — 20. καὶ μὴ εὐρεθῇ παρθενία τῇ νεάνιδι (1)  
 Jd. 11. 37. κλαύσομαι ἐπὶ τὰ π. μου (1)  
 — 38. ἐκλαυσεν ἐπὶ τὰ π. αὐτῆς (1)  
 [Sm. Ez. 23. 3.] (1)  
 παρθενία (-εία). (1) οὐχ ἡγῶν  
 Si. 15. 2. ὡς γυνὴ παρθενίας προσδέξεται αὐτόν (1)  
 42. 10. ἐν παρθενίᾳ μὴ ποτε βεβήλωθῃ (1)



Je. 8. 4. οὐκ ὡς οἶκόν με ἐκάλεσας καὶ πατέρα καὶ ἀρχηγόν τῆς π. σου (1)  
 IV Ma. 18. 8. οὐδὲ ἐλυμνησάτο μου τὰ ἀγνά τῆς π. παρθενικός. (1) ἡλῆπα (2) οἰνωγῆ  
 Es. 2. 3. ἐπιλεξάτωσαν [A -δεξ-] κοράσια π. [B<sup>1</sup> -για] (1)  
 JI. 1. 8. ἐπὶ τὸν ἀνδρα αὐτὸν τὸν π. παρθένος. (1) ἡλῆπα (2)  
 Es. 2. 3. B<sup>1</sup> ἐπιλεξάτωσαν κοράσια παρθένια [A B B<sup>1</sup> -νικά] (1)  
 παρθένος. (1) α. ἡλῆπα δ. οἰνωγῆ (2)  
 (2) α. η. γ. δ. η. γ. (3) η. γ.  
 Ge. 24. 14. ἡ π. ἥ ἂν ἐγὼ εἴπω (2 a\*, 2 b)  
 — 16. ἡ δὲ π. ἥν καλὴ τῇ ὄψει σφόδρα π. ἥν (2 a\*, 2 b, 1 a)  
 — 43. ἡ π. ἥ ἂν ἐγὼ εἴπω (3)  
 — 55. μεινάτω ἡ π. μεθ' ἡμῶν (2 a\*, 2 b)  
 84. 3. ἡγάπησε τὴν π. (2 a\*, 2 b)  
 — 3. κατὰ τὴν διάνοιαν τῆς π. (2 a\*, 2 b)  
 Ex. 22. 16 (15). εἰς δὲ ἀπατήσῃ τις π. ἀμνη-  
 στεύον (1 a)  
 — 17 (16). καθ' ὅσον ἐστὶν ἡ φερνὴ τῶν π. (1 a)  
 Le. 21. 3. καὶ ἐπ' ἀδελφῇ παρθένῃ (1 a)  
 — 13. A B<sup>1</sup> παρθένον [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> γυναῖκα π.] . . .  
 λήψεται (1 b)  
 — 14. παρθένον . . . λήψεται γυναῖκα (1 a)  
 De. 22. 19. ἐξήγγεκεν . . . ἐπὶ π. ἱσραηλῖτιν (1 a)  
 — 23. παῖς π. μεμνησμένην ἀνδρὶ (1 a)  
 — 28. εἰς δὲ τὴν εὐχὴν τὴν παῖδα τὴν π. (1 a)  
 32. 25. νεανίσκος σὺν παρθένῳ (1 a)  
 Jd. 14. 4. ἡ θυγάτηρ μου ἡ π. (1 a)  
 21. 11. B τὰς δὲ π. περιποιήσεσθε  
 — 12. εὐρον . . . τετρακοσίας νεάνιδας π. (1 a)  
 II Ki. 13. 2. π. ἥν αὐτῇ (1 a)  
 — 18. ἐνεδιδύκοντο αἱ θυγ. τοῦ βασι. αἱ π. (1 a)  
 III Ki. 1. 2. ζητήσαντες . . . π. νεάνιδα (1 a)  
 IV Ki. 19. 21. ἐμνηστήρισεν σε παρθένος (1 a)  
 II Ch. 36. 17. τὰς π. αὐτὸν οὐκ ἤλεσε (1 a)  
 I Es. 1. 53. οὐκ ἐφείσαντο . . . παρθένου  
 Ju. 9. 2. οἱ ἔλυσαν μῆτραν παρθένου  
 — 2. B<sup>1</sup> μῆτραν παρθένου εἰς μίσημα (1 a)  
 16. 5. καὶ τὰς π. μου σκυλεύουσι (1 a)  
 Es. 2. 17. εὐρε χάριν παρὰ πάσας τὰς π. (1 a)  
 Jb. 31. 1. οὐ συνήσω ἐπὶ παρθένον [A -ων] (1 a)  
 Ps. 44 (45). 14. ἀπεκρίθησονται τῷ βασιλεὶ  
 παρθένου ὅπως αὐτῆς [A -οῦ] (1 a)  
 77 (78). 63. αἱ π. αὐτῶν οὐκ ἐπένησαν (1 a)  
 148. 12. νεανίσκοι καὶ παρθέναι (1 a)  
 Si. 9. 5. παρθένον ἡ καταμύσαντες  
 30. 20. ὥσπερ ἐννοῦχος περιλαμβάνων παρθένον  
 Am. 5. 2. παρθένος τοῦ ἱσρ. σφάλεν (1 a)  
 8. 13. ἐκλείψουσιν αἱ π. αἱ καλαὶ (1 a)  
 Za. 9. 17. οἶνος ἐνδοξάων εἰς παρθένους (1 a)  
 Is. 7. 14. ἡ π. ἐν γαστρὶ λήψεται [A B ἔξει] (3)  
 23. 4. οὐδὲ ὕψωσα παρθένους (1 a)  
 37. 22. ἐμνηστήρισεν σε π. θυγάτηρ Σιών (1 a)  
 47. 1. κάθισον ἐπὶ τὴν γῆν π. θυγάτηρ Βαβυ-  
 λῶνος κάθισον [A B εἰσελθ.] εἰς  
 τὴν γῆν [A B τὸ σκότος, B<sup>1</sup> add. π.]  
 θυγάτηρ Χαλδαίων (1 a, -)  
 62. 5. ὡς συνοικῶν νεανίσκος παρθένῳ (1 a)  
 Je. 2. 32. μὴ ἐπιλήσεται . . . π. τὴν στήθεσμον  
 αὐτῆς (1 a)  
 18. 13. δ' ἐποίησε σφόδρα π. ἱσρ. (1 a)  
 26 (46). 11. λάβε θήνην τῇ π. θυγατρὶ Λαῖν-  
 πτω (1 a)  
 28 (51). 22. διασκορπίω ἐν σοὶ νεανίσκον καὶ  
 παρθένον (1 a)  
 38 (51). 4. οἰκοδομήσῃ, π. ἱσραὴλ (1 a)  
 — 13. χαρίζονται παρθένον ἐν συναγωγῇ νεανί-  
 σκων (1 a)  
 — 21. B B<sup>1</sup> π. ἱσραὴλ [A θυγάτηρ ἱερουσα-  
 λὴμ] (1 a)  
 La. 1. 4. αἱ π. αὐτῆς ἀγόνοισιν (1 a)  
 — 15. ληρὸν ἐπάτησε κυριος παρθένον θυγατρὶ  
 ἰουδα (1 a)  
 — 18. παρθένον [B αἱ π.] μου . . . ἐπορεύθησαν  
 ἐν αἰχμαλωσίᾳ (1 a)  
 2. 10. κατήγαγον εἰς γῆν ἀρχηγούς παρθένους  
 ἐν ἱερ. (1 a)  
 — 13. π. θυγάτηρ [B -τρος] Σιών (1 a)  
 — 21. παρθένον μου καὶ νεανίσκοι μου ἐπορεύ-  
 θησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (1 a)

La. 5. 11. ἐταπείνωσαν παρθένους ἐν πόλεσιν  
 ἰουδα (1 a)  
 Ep. Je. 9. ὥσπερ παρθένῃ φιλοκόσμῳ  
 Ez. 9. 6. νεανίσκον καὶ παρθένον . . . ἀποκτεί-  
 νετε (1 a)  
 44. 22. ἀλλ' ἡ παρθένον ἐκ τοῦ σπέρματος  
 ἱσραὴλ (1 a)  
 I Ma. 1. 26. παρθένου καὶ νεανίσκου ἠσθένησαν  
 II Ma. 3. 19. αἱ δὲ κατέκλειστοι τῶν π.  
 5. 13. παρθένων τε καὶ νεανίων σφagai  
 III Ma. 1. 18. αἱ τε κατέκλειστοι π. ἐν θαλάμοις  
 IV Ma. 18. 7. ἐγὼ ἐγενήθην π. ἀγνή  
 [Aq., Sm. Jb. 31. 1: Is. 23. 12: Jc. 14. 17.]  
 [Th. Jb. 31. 1: Is. 23. 12.]  
 [Al. Jb. 1. 8.]  
 παριδεῖν, cf. παρορᾶν. (1) ἔχρ (2) ἔχρ  
 (3) ἔχρ hi. (4) παριδὼν παριδεῖν ἔχρ ἔχρ  
 Le. 6. 2 (5. 21). καὶ παριδὼν παριδὲν τὰς ἐντ.  
 κυρίου (4)  
 Nu. 5. 6. καὶ παριδὼν παριδὲν καὶ πλημμελήσῃ  
 — 12. καὶ παριδὲν αὐτὸν ὑπεριδοῦσα (1)  
 Ps. 137 (138). 8. A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> B τὰ ἔργα τῶν χειρῶν  
 σου μὴ παριδὼν [B<sup>1</sup> παρῆς] (8)  
 Pr. 4. 5. μὴδὲ παριδὲν ῥῆσιν ἐμοῦ στόματος  
 Si. 7. 10. ἐλεημοσύνην ποιῆσαι μὴ παριδὲν  
 8. 8. μὴ παριδὲν διήγημα σοφῶν  
 28. 7. καὶ παριδὲν ἀγνοίαν  
 30. 11. B μὴ παριδὲν τὰς ἀγνοίας αὐτοῦ  
 32 (35). 14. A οὐ μὴ παριδὲν [B B ὑπερίδῃ] ἱκετίαν  
 ὀρθανού  
 35 (32). 18. ἀνὴρ βουλήσῃ οὐ μὴ παριδὲν διάνοη  
 III Ma. 1. 27. B μὴ παριδὼντα [A παριδ., ? παριδ.]  
 τὴν ἀνομιαν . . . πράξιν  
 IV Ma. 13. 4. οὐκ ἐστὶ παριδὼν τὴν ἡγεμονίαν  
 15. 23. ἐπέτεινε τὴν πρόσκαιρον φιλοτεκνίαν παριδεῖν  
 [Sm. Jb. 27. 2.]  
 παριδὼν (per millere). (1) ἔχρ ni. (2) ἔχρ  
 (3) ἔχρ ni. (4) ἔχρ (5) ἔχρ pi. (6) ἔχρ  
 a. qal. δ. hi. (7) παριεμένος a. ἔχρ  
 δ. ἔχρ (8) παριεμένοι γῆν ἔχρ  
 Ex. 14. 12. πάρες ἡμᾶς ὅπως δουλεύσωμεν (3)  
 Nu. 18. 21 (20). ἡ πῶν ἡ παριεμένοι (7 a)  
 De. 32. 36. ἐκλειπόμενος . . . καὶ παριεμένος (4)  
 I Ki. 2. 5. A B οἱ πενιθότες [B ἀσθενεῖς] (8)  
 παρῆκαν γῆν (1)  
 II Ki. 4. 1. πάντες οἱ ἄνδρες ἱσρ. παρείθησαν  
 Ju. 12. 12. εἰ γυναῖκα τοιαύτην παρήσκει  
 Ps. 137 (138). 8. B<sup>1</sup> τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου μὴ  
 παρῆς [A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> παριδὲς] (6 b)  
 Si. 2. 12. οὐαὶ καρδίᾳ δικαίᾳ καὶ χερσὶ παριεμέναις  
 — 13. οὐαὶ καρδίᾳ παριεμένῃ (1)  
 4. 29. μὴ γίνου . . . κωδὸς καὶ παριεμένος ἐν τοῖς  
 ἔργοις σου  
 28. 3. οὐ μὴ παρῇ τὰ ἔργα αὐτῶν  
 25. 23. χεῖρες παριεμέναι καὶ γόνατα παραλελυμένα  
 Ze. 3. 16. μὴ παριεθῶσαν αἱ χεῖρες σου (6 a)  
 Ma. 2. 9. B<sup>2</sup> δέδωκα ὑμᾶς . . . παριεμένους  
 [A B<sup>1</sup> ἀπερριμ.] (7 b)  
 Je. 4. 31. παρήσει τὰς χεῖρας αὐτῆς (5)  
 20. 9. παρήσει πάντοθεν καὶ οὐ δύναται φέρειν (3)  
 I Ma. 11. 35. B πάντα ἐπαρκῶς παριεμέν αὐτοῖς  
 [A B al.]  
 III Ma. 2. 13. καὶ παριεμένα ἐν ἀδυναμίαις  
 IV Ma. 5. 29. τὸν ἱερέα . . . ὅρκους οὐ παρήσω  
 [Aq. Dt. 31. 6: I Ki. 21. 13 (14): II Ki. 4. 1.]  
 [Sm. II Ki. 4. 1: Jc. 38 (45). 4: Ez. 21. 7  
 (12).]  
 [Th. Is. 41. 10.]  
 παριεμένοι (praetere). (1) a. ἔχρ δ. ἔχρ ἔχρ  
 Pr. 9. 15. προσκαλομένη τοὺς παριεμένους [A π.  
 ὁδόν] (1 b [1 a])  
 15. 10. παιδεία ἀκάκων γνωρίζεται ὑπὸ τῶν  
 παριεμένων +  
 πάριος. (1) ἔχρ (2) π. λίθος ἔχρ  
 Es. 1. 6. ἐπὶ στύλοις π. καὶ λιθοῖς (1)  
 — 6. καὶ παριόντων λίθων [A B<sup>1</sup> al.] (2)  
 [Aq., Th., Quint., Sext. Cl. 5. 15.]  
 πάριος. (1) ἔχρ ἔχρ  
 I Ch. 29. 2. A B καὶ π. πολὺν [B -ὺ] (1)

παριστάνει. (1) ἔχρ (2) ἔχρ ἔχρ ἔχρ  
 (3) ἔχρ hithp. (4) ἔχρ hi. (5) ἔχρ  
 a. ni. δ. hi. (6) ἔχρ a. qal. δ. hi.  
 c. ἔχρ ἔχρ (7) ἔχρ (8) ἔχρ  
 (9) ἔχρ ἔχρ (10) ἔχρ aph. (11) ἔχρ  
 (12) ἔχρ pi. (13) παριστήτως ἔχρ  
 Ge. 18. 8. αὐτὸς δὲ παριστήτως αὐτοῖς (6 a)  
 40. 4. καὶ παρίστη αὐτοῖς (13)  
 45. 1. πάντων τῶν παριστηκῶτων αὐτῷ  
 — 1. οὐ παριστήκει οὐδείς (6 a)  
 Ex. 9. 31. ἡ γὰρ κρίθη παριστηκία (13)  
 18. 13. παριστήκει δὲ πᾶς ὁ λαὸς M. (6 a)  
 — 14. πᾶς δὲ ὁ λαὸς παριστήκει σοι (5 a)  
 — 23. καὶ δυνήσῃ παριστήκει σοι (6 a)  
 19. 17. παρίστησαν ὑπὸ τὸ ὄρος (3)  
 24. 13. καὶ ἱσροῦς ὁ παριστήτως αὐτῷ [A<sup>1</sup> al.] (13)  
 34. 5. καὶ παρίστη αὐτῷ ἐκεῖ (8)  
 Nu. 1. 5. οἵτινες παριστήσονται μεθ' ὑμῶν (6 a)  
 7. 2. οὗτοι οἱ [B<sup>2</sup> om.] παριστήκοντες [A παρα-  
 στήκοντες] ἐπὶ τῆς ἐπισκοπῆς (6 a)  
 11. 28. ἱσροῦς . . . ὁ παριστήτως Μωυσῆ (13)  
 18. 9. παρίστασθαι ἐναντὶ τῆς σκηνῆς [A  
 συναγωγῆς] (6 a)  
 23. 3. παρίστη ἐπὶ τῆς θυρίας σου (3)  
 — 3. παρίστη B. ἐπὶ τῆς θυρίας αὐ.  
 — 15. παρίστη ἐπὶ τῆς θυρίας σου (3)  
 De. 1. 38. ἱσροῦς υἱὸς N. ὁ παριστήτως σοι (6 c)  
 10. 8. παριστάνει ἐναντὶ κυρίου (6 a)  
 17. 12. τοὺς ἱερεῖς τοῦ παριστηκῶτος λειτουργ-  
 γῶν (6 a)  
 18. 5. παριστάνει ἐναντὶ κ. τοῦ θ. (6 a)  
 — 7. οἱ παριστηκῶτες ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θ. (6 a)  
 21. 5. παριστηκίαν αὐτῷ καὶ εἰλογεῖν (12)  
 Jd. 20. 28. καὶ Φ. . . παριστηκῶς ἐνώπιον  
 αὐτῆς (6 a)  
 I Ki. 2. 22. A τὰς γυναῖκας τὰς παριστῶσας  
 παρὰ τὴν θύραν (8)  
 4. 20. αἱ γυναῖκες αἱ παριστηκίαι αὐτῇ (5 a)  
 5. 2. παρίστησαν αὐτῇ παρὰ Δ. (4)  
 16. 21. παριστήκει ἐνώπιον αὐτοῦ (6 a)  
 — 22. παριστάσθω δὲ Δ. ἐνώπιον ἐμοῦ (6 a)  
 22. 6. παριστήκεισαν αὐτῷ (5 a)  
 — 7. τοὺς παῖδας αὐ. τοὺς παριστηκῶτας αὐτῷ (6 a)  
 25. 27. τοὺς παιδαρίους τοῖς παριστηκῶσι τῷ κ.  
 μου (2)  
 III Ki. 1. 2. παριστήσεται [A π. ἐνώπιον] τῷ  
 βασι. (6 c [7 a])  
 10. 8. οἱ παριστηκῶτες [A παριστήκοντες] ἐνώ-  
 πιον σου (6 a)  
 12. 6. οἱ ἥσαν παριστῶτες ἐνώπιον Σαλ. (6 a)  
 — 8. τῶν παιδῶν . . . τῶν παριστηκῶτων πρὸ  
 προσώπου αὐ. (6 a)  
 — 10. οἱ παριστηκῶτες πρὸ προσώπου αὐτοῦ  
 — 32. παρίστησαν ἐν B. τοὺς ἱερεῖς (6 b)  
 17. 1: 18. 15: IV Ki. 8. 14: 5. 16. φ. παρί-  
 στην ἐνώπιον αὐτοῦ (6 a)  
 IV Ki. 5. 25. παριστήκει πρὸς τὸν κύριον αὐ. (6 a)  
 8. 11. παρίστη τῷ προσώπῳ αὐτοῦ (6 b)  
 II Ch. 6. 3. πᾶσα ἡ ἐκκλησία ἱσρ. παριστήκει (6 a)  
 9. 7. οἱ παριστηκῶτες σοι διὰ παντός (6 c)  
 18. 18. A B πᾶσα δύναμις τοῦ οὐρ. παριστήκει  
 [B εἰστ.] (6 a)  
 To. 12. 15. B οἱ παριστήκων [A B al.]  
 Ju. 4. 14. π. οἱ παριστηκῶτες ἐνώπιον κυρίου  
 6. 10. οἱ ἥσαν παριστηκῶτες [B add. αὐτῇ]  
 9. 6. παριστήσαν δ' ἐβουλεύθη  
 11. 13. τοῖς ἱερεῖσι τοῖς παριστηκῶσι ἐν ἱερ.  
 12. 13. A B αἱ παριστήκων ἐν οἴκῳ Ναβ.  
 13. 1. A B τοὺς παριστῶτας ἐκ προσώπου τοῦ κυρίου  
 Es. 3. 9. B<sup>1</sup> παριστήσω ἐπὶ χεῖρας τῶν ποιούν-  
 των [A B B<sup>1</sup> al.] (11)  
 4. 5. δὲ παριστήκει αὐτῇ (6 b)  
 — 7. B<sup>2</sup> παριστῶται [A B B<sup>1</sup> om.] . . . τῷ  
 βασιλεὶ (11)  
 8. 4. παριστήκειαν τῷ βασιλεὶ (6 c)  
 Jb. 1. 6. παριστήκει ἐνώπιον τοῦ κυρίου (6 c)  
 2. 1. παριστήκει ἐναντὶ κυρίου (8)  
 — 1. A B B<sup>2</sup> παριστήκει ἐναντίον τοῦ κυρίου (3)  
 37. 20. μὴ βίβλος ἡ γραμματεὺς μοι παρίστηκεν +  
 Ps. 2. 2. παρίστησαν οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς (8)  
 3. 3. τὸ πρῶτον παριστήσονται σοι (7)  
 85 (36). 4. παρίστη πάσης ὁδῷ ὅςιν ἀγαθὴ (3)  
 44 (45). 9. παρίστη ἡ βασίλισσα ἐκ δεξιῶν σου (5 a)

Ps. 49 (50). 21. B B<sup>1</sup> παραστήσω κατὰ πρόσωπόν σου [B<sup>2</sup> add. τὰς ἁμαρτίας σου] (7)  
 77 (78). 13. B<sup>2</sup> παρίστηεν [B B<sup>1</sup> ἐστ.] ὕδατα ὡσεὶ ὁσόν (6 δ)  
 108 (109). 31. παρίστη ἐκ δεξιῶν πίνετος (6 α)  
 Pr. 22. 29. δραπετὸν ἄνδρα . . . βασιλεὺς δεῖ παρστάναι καὶ μὴ παρστάναι [A -ιστ.] ἀνδράσι νωθροῖς (3, 3)  
 Wi. 10. 11. ἐν πλεονεξίᾳ κατασχυνόντων αὐτὸν παρίστη 19. 22. οὐχ ὑπεριβέδεν ἐν παντὶ καιρῷ καὶ τόπῳ [B<sup>1</sup> τὸ πρῶτ'] παριστάμενος  
 Si. 23. 22. οὕτως καὶ γυνή . . . παριστῶσα κληρονόμο — 23. ἐξ ἁλλοτρίου ἀνδρὸς τέκνα παρίστηεν 51. 2. ἐναντὶ τῶν παρστηκόντων ἐγένου βοήθης  
 Ho. 9. 13. παρίστησαν τὰ τέκνα αὐ. +  
 JI. 8 (4). 14. παρίστηεν ὁ τρυγητός (1)  
 Za. 4. 14. παρστήσῃς κυρίῳ πάσης τῆς γῆς (6 α)  
 6. 5. παρστήσῃς τῷ κυρίῳ πάσης τῆς γῆς (8)  
 Is. 5. 29. παρίστηκαν [A B<sup>2</sup> -αυιν] ὡς σκύμνοι λίοντος +  
 60. 10. οἱ βασιλεῖς αὐτῶν παρστήσονται σοι (12)  
 Je. 15. 11. εἰ μὴ παρίστην σοι +  
 39 (82). 12. κατ' ὄφθαλμούς τῶν ἀνδρῶν τῶν παρστηκόντων [A B al.] +  
 42 (85). 19. οὐ μὴ ἐλείπει ἀνὴρ . . . παρστηκὼς κατὰ πρόσωπόν μου (6 α)  
 Ep. Je. 37. A ἀνθρώπον τυφλὸν εἰς δρασιν οὐ μὴ παρστήσῃς [B περιστ.]  
 Da. LXX. 7. 10. μυρία μυριάδες παρστηθήσονται αὐτῷ (9)  
 — 13. οἱ παρστηκότες παρήσαν αὐτῷ +  
 Da. TH. 6. 6 (7). παρίστησαν τῷ βασιλεῖ (10)  
 7. 10. μυρία μυριάδες παρστηθήσονται αὐτῷ (9)  
 I Ma. 6. 34. τοὺς παρστήσῃς αὐτοὺς εἰς τὸν πόλεμον — 35. A B παρίστησαν [B -εν] . . . χιλιούς ἀνδρας  
 11. 68. B παρστηθήσονται [A B ἀπήνησαν] ἐξ ἐναντίας  
 II Ma. 3. 26. B παρστανάντες [A -ιστ.] ἐξ ἐκατέρου μέρους  
 8. 21. εὐδαρείς αὐτοὺς παρστήσῃς  
 12. 3. B εἰς τὰ παρστανάβιντα [A παρκαταστ.] ὑπ' αὐτῶν σκάφη  
 III Ma. 5. 26. παρστανάς ἐκάλες πρὸς τὴν ἔξοδον  
 IV Ma. 5. 1. B B<sup>2</sup> τῶν στρατιωτῶν αὐτῷ [A -ῶν] παρστηκόντων  
 6. 1. παρστανάντες οἱ δορυφόροι  
 17. 18. τῷ θεῷ νῦν παρστηθήσῃ θρόνῳ  
 [Aq. Jb. 2. 1.]  
 [Sm. Nu. 8. 24. Jd. 3. 19. I Ki. 12. 7: 20. 25: 22. 17. Jb. 29. 8: Ps. 40 (41). 13: 44 (45). 10.]  
 [Th. Jb. 2. 1: Ps. 44 (45). 10.]  
 [Al. II Ki. 11. 8.]  
**παροδεύειν.** (1) **פָּרַד** (2) **פָּרַד** (3) **פָּרַד**  
 Wi. 1. 8. οὐδὲ μὴν [A B μὴ] παροδεύσῃ [B<sup>2</sup> -σει] αὐτὸν ἐλέγχοντα ἢ δίκη  
 2. 7. μὴ παροδευσάτω ἡμᾶς ἄνθος ἀέρος [A ἴσρος]  
 5. 14. ὡς μείας καταλύτου μονοήμερον παρῶδευσε [B<sup>1</sup> διῶδευσεν]  
 6. 22. οὐ μὴ παροδεύωσιν τὴν ἀλήθειαν  
 10. 8. σοφίαν γὰρ παροδεύσαντες οὐ μόνον ἐβλάβησαν  
 Ez. 36. 34. κατ' ὄφθαλμούς παντὸς παροδεύοντος [A διῶδ.] (1)  
 [Sm. Ps. 83 (84). 7: 87 (88). 17: Ez. 33. 28.]  
 [Quint. Ho. 6. 9.]  
**παροδίτης.**  
 [Aq. II Ki. 12. 4.]  
**πάροδος.** (1) **פָּרָד** (2) **פָּרָד** (3) **פָּרָד**  
 Ge. 38. 14. ἡ ἵστυς ἐν παρόδῳ θ. (1)  
 II Ki. 12. 4. ἦλθε πάροδος τῷ ἀνδρὶ τῷ πλουσίῳ (2)  
 IV Ki. 25. 24. μὴ φοβεῖσθε πάροδον τῶν Χαλδ. +  
 Wi. 2. 5. σκιάς γὰρ πάροδος ὁ βίος [A<sup>1</sup> B<sup>2</sup> B καιρὸς] ἡμῶν  
 17. 9. κνωδῶν παρόδος . . . ἐκσεσοβημένοι [A ἐκπεφοβημένοι]  
 Ez. 16. 15. ἐξέχεας τὴν πορνείαν σου ἐπὶ πάντα πόρδον (8)  
 — 25. διήγαγε [A<sup>1</sup> ἡγ.] τὰ σκέλη σου παντὶ πόρδῳ (8)  
 [Sm. Is. 51. 23: Jb. 14. 8.]

**παροικεῖν.** (1) **אָבַד** δ. **בָּנָה** c. **בָּנָה** **בָּנָה**  
 (2) **אָבַד** δ. **בָּנָה** (3) **בָּנָה**  
 Ge. 12. 10. κατέβη . . . παροικήσας ἐκεῖ (1 α)  
 17. 8. τὴν γῆν ἣν παροικεῖς (1 β)  
 19. 9. εἰσῆλθες παροικεῖν (1 α)  
 20. 1. παρῶκησεν ἐν Γεράροις (1 α)  
 21. 23. ἡ σὺ παρῶκησας ἐν αὐτῇ (1 α)  
 — 34. παρῶκησεν δὲ 'Αβ. ἐν τῇ γῇ τῶν Φυλ. (1 α)  
 24. 37. ἐν οἷς ἐγὼ παροικῶ (2 α)  
 26. 2. παροικεῖ ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (1 α)  
 32. 4 (5). μετὰ Λάβαν παρῶκησα (1 α)  
 35. 27. οὐ παρῶκησεν 'Αβραάμ (1 α)  
 37. 1. οὐ παρῶκησεν ὁ πατὴρ αὐ. (1 β)  
 47. 4. π. ἐν τῇ γῇ ἡκαμην (1 α)  
 — 9. αἱ ἡμέραι . . . ὅς παροικῶ (1 β)  
 — 9. ὅς ἡμέρας παρῶκησεν (1 β)  
 Ex. 6. 4. τὴν γῆν ἣν παρῶκησας ἐν τῇ καὶ παρῶκησας ἐπ' αὐτῆς (1 β, 1 α)  
 12. 40. A ἦν παρῶκησας [B κατῶκ.] ἐν γῇ Λιγ. (2 α)  
 20. 10. ὁ προσήλυτος ὁ παροικῶν ἐν σοὶ —  
 Nu. 20. 15. παρῶκησας ἐν Λιγύττῃ [A εἰς Λιγ.] (2 α)  
 De. 5. 14. ὁ προσήλυτος ὁ παροικῶν ἐν σοὶ —  
 18. 6. οὐ αὐτοὺς παροικεῖ (1 α)  
 26. 5. καὶ παρῶκησεν ἐκεῖ (1 α)  
 Jo. 24. 2. A B παρῶκησας [B κατῶκ.] οἱ πατέρες ὑ. (2 α)  
 Jd. 5. 17. εἰς τί παροικεῖ πλοῖσις (1 α)  
 — 17. A παρῶκησας παρ' αἰγιαλὸν θαλασσῶν [B al.] (2 α)  
 17. 7. παρῶκη ἐκεῖ (1 α)  
 — 8. παροικήσας ἐν τῇ γῇ τῇ τῶν [A παροικεῖν οὐ ἐν τῇ γῇ] (1 α)  
 — 9. πορευόμενος παροικήσας [A -κεῖν] (1 α)  
 — 11. ἤρξατο π. παρὰ τῷ ἀνδρὶ (2 α)  
 19. 1. ἀνὴρ A παροικῶν ἐν μοῖροις δρους 'Εφρ. (1 α)  
 — 16. παρῶκη ἐν Γ. (1 α)  
 Ru. 1. 1. τοὺς παροικήσας ἐν ἀργῷ M. (1 α)  
 II Ki. 4. 3. ἦσαν ἐκεῖ παροικῶντες (1 α)  
 IV Ki. 8. 1. παροικεῖ οὐ ἐάν παροικήσῃς [A -εις] (1 α, 1 α)  
 — 2. παρῶκη ἐν γῇ ἁλλοφύλων (1 α)  
 I Ch. 16. 19. καὶ παρῶκησας ἐν αὐτῇ (1 α)  
 29. 15. A B καὶ παροικούντες [B κατοικ.] ὡς πάντες (2 β)  
 II Ch. 15. 9. τοὺς προσήλυτους τοὺς παροικούντας μετ' αὐ. (1 α)  
 II Es. 1. 4. οὐ αὐτοὺς παροικεῖ ἐκεῖ (1 α)  
 Ju. 5. 7. παρῶκησας τὸ πρότερον ἐν τῇ Μεσοπ. — 8. παρῶκησας ἐκεῖ ἡμέρας πολλὰς — 10. καὶ παρῶκησας ἐκεῖ (1 α)  
 Ps. 5. 4. οὐδὲ παροικήσει σοι πονηρεὺς (1 α)  
 14 (15). 1. τίς παροικήσει ἐν τῷ σκηνωμένῳ σου (1 α)  
 30 (31). 13. ἤκουσα φόνον πολλῶν παροικούντων κυκλόθεν (1 β)  
 55 (56). 6. παροικήσονται καὶ κατακρύψουσιν αὐτοὶ (1 α)  
 60 (61). 4. παροικήσας ἐν τῷ σκηνωμένῳ σου (1 α)  
 93 (94). 17. παρὰ βραχὺ παρῶκησε τῷ ἀδελφῷ μου ψυχῇ μου (3)  
 104 (105). 23. Ἰακώβ παρῶκησεν ἐν γῇ Χάμ (1 α)  
 119 (120). 6. πολλὰ παρῶκησεν ἡ ψυχὴ μου (3)  
 Pr. 8. 29. μὴ τεκτήνη ἐπὶ σὸν φίλον κακὰ παροικῶντα καὶ πεποιθότα ἐπὶ σοὶ (2 α)  
 Si. 29. 24. οὐ παροικήσει [A B -εις]  
 38. 32. οὐ παροικήσουσιν οὐδὲ περιπατήσουσι 41. 19. ἀπὸ τόπου οὐ παροικεῖς  
 Ho. 10. 5. τῷ μόσχῳ τοῦ οἴκου 'Ων παροικήσουσιν (1 α)  
 Is. 16. 4. παροικήσουσιν σοὶ οἱ φυγάδες Μωάβ 52. 4. κατέβη ὁ λαὸς μου τὸ πρότερον παροικήσας ἐκεῖ (1 α)  
 54. 15. B παροικήσουσιν σοὶ (1 α)  
 Je. 6. 25. ῥομφαία τῶν ἐχθρῶν παροικεῖ κυκλόθεν (1 β)  
 27 (50). 34. B παροικεῖν τοῖς παροικοῖς [A B κατοικ.] Βαβυλῶνα μάκαιραν (2 α)  
 — 40. οὐ μὴ παροικήσει [A κατοικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (1 α)  
 51 (44). 14. οὐδεὶς τῶν ἐπιλοιπῶν 'Ιούδα τῶν παροικούντων ἐν γῇ Λιγύττῃ (1 α)  
 — 28. A B γνώσκονται . . . οἱ παροικούντες [B καταστάντες, A καταβαίνοντες] ἐν γῇ Λιγύττῃ παροικήσας [B κατοικ.] ἐκεῖ (†, 1 α)

La. 4. 15. οὐ μὴ προσθῶσι τοῦ π. (1 α)  
 Ez. 21. 12 (17). ἐν πᾶσι τοῖς ἀφηνουμένοις τοῖς 'Ισραὴλ παροικήσουσιν (1 β)  
 47. 22. βαλεῖτε αὐτὴν . . . τοῖς παροικοῖς [A προσοικ.] ἐν μέσῳ ὕμων (1 α)  
 Da. LXX. Su. 28. οὐ παρῶκον  
 II Ma. 12. 8. B τὸν αὐτὸν ἐπιτελεῖν . . . τρόπον τοῖς παροικοῖς [A κατοικ.] 'Ιουδαίοις  
 [Aq. IV Ki. 8. 1 bis: Jb. 35 (42). 7: 42 (49). 15: 17: 43 (50). 5.]  
 [Sm. III Ki. 17. 20: IV Ki. 8. 1 bis: Ps. 60 (61). 5: 119 (120). 5: Jb. 35 (42). 7: 42 (49). 15: 17: 43 (50). 5.]  
 [Th. IV Ki. 8. 1 bis: Ps. 64 (65). 5: Jb. 44 (61). 12.]  
**παροικεσία.** (1) **בְּיָמֵינוּ** **בְּיָמֵינוּ**  
 Za. 9. 12. ἀντὶ μᾶς ἡμέρας παροικεσίας σου +  
 Ez. 20. 38. ἐκ τῆς π. αὐτῶν ἐξέλθω [A -αῶν] αὐτοὺς (1)  
**παροίκης.** (1) **בְּיָמֵינוּ** (2) **בְּיָמֵינוּ**  
 Ge. 28. 4. κληρονομήσας τὴν γῆν τῆς π. σου (1)  
 38. 7. ἡ γῇ τῆς π. αὐτῶν (1)  
 Ex. 12. 40. A ἡ δὲ π. [B κατοικ.] τῶν υἱῶν 'Ισρ. (2)  
 Si. 21. 28. ἐν παροικήσει μισθθήσεται  
**παροικία.** (1) **בְּיָמֵינוּ** (2) **בְּיָמֵינוּ** δ. **בְּיָמֵינוּ** c. **בְּיָמֵינוּ**  
 I Es. 5. 7. ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τῆς π. (1)  
 II Es. 8. 35. υἱὸς τῆς π. (1)  
 Ju. 5. 9. ἐξελεῖν ἐκ τῆς π. αὐτῶν  
 Ps. 38 (34). 4. ἐκ πασῶν τῶν π. [A B<sup>2</sup> θλίψεων] μου ἐρρησάτω με (2 β)  
 54 (55). 15. πονηρία ἐν ταῖς π. αὐτῶν (2 α)  
 118 (119). 54. ἐν τόπῳ παροικίας μου (2 α)  
 119 (120). 5. οἶκός ἐστι ἡ π. μου ἐμακρύνθη (2 α)  
 Wi. 19. 10. ἐμμένοντο γὰρ ἐπὶ τῶν ἐν τῇ π. αὐτῶν  
 Si. prol. 26. τοῖς ἐν τῇ π. βουλομένοις φιλομαθεῖν 16. 8. οὐκ ἐφείσαστο περὶ τῆς π. Λωτ  
 41. 5. τέκνα . . . συναναστρεφόμενα παροικίας ἀσέβων  
 44. 6. εἰρηνεύοντες ἐν παροικίαις [A B κατοικ.] αὐ. +  
 Hb. 8. 16. εἰς λαὸν παροικίας μου +  
 La. 2. 22. ἐκάλεσεν ἡμέραν ἑορτῆς παροικίας μου (2 α)  
 III Ma. 6. 36. ἐπὶ πᾶσαν τὴν π. αὐ. εἰς γενεάς 7. 19. ἐπὶ τὸν τῆς π. αὐτῶν χρόνον  
 [Aq. Sm. Ps. 118 (119). 54.]  
 [Th. Ps. 118 (119). 54: Is. 23. 7.]  
**παροικίειν.**  
 [Sm. Ez. 12. 25.]  
**πάροικος.** (1) **בָּנָה** (2) **אָבַד** δ. **בָּנָה** (3) **בָּנָה**  
 (4) **בָּנָה**  
 Ge. 15. 13. πάροικον ἔσται τὸ σπέρμα σου (2 α)  
 23. 4. πάροικος . . . ἐγὼ εἰμι μετ' ὑμῶν (2 α)  
 Ex. 2. 22. πάροικός εἰμι ἐν γῇ Ἀλυστρία (2 α)  
 12. 45. πάροικος . . . οὐκ ἔδειται ἀπ' αὐτοῦ (4)  
 18. 3. πάροικος ἦμιν ἐν γῇ Ἀλυστρία (2 α)  
 Le. 22. 10. πάροικος ἱερέως . . . οὐ φάγεται θῆρα (2 α)  
 25. 6. βρώματα . . . τῷ π. τῷ προσκειμένῳ πρὸς σέ (4)  
 — 23. προσήλυτος καὶ π. ὑμεῖς ἐστε (4)  
 — 35. ἀντιλήγη αὐτοῦ ὡς . . . παροικον (4)  
 — 40. ὡς μισθωτὸς ἡ πάροικος ἔσται σοὶ (4)  
 — 45. ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν π. τῶν ὄντων ἐν ὑ. (4)  
 — 47. ἡ χεὶρ . . . τοῦ π. τοῦ παρὰ σοὶ (4)  
 — 47. ἡ τῷ π. τῷ παρὰ σοὶ (4)  
 Nu. 35. 15. καὶ τῷ π. τῷ ἐν ὑμῖν (4)  
 De. 14. 21. τῷ π. τῷ ἐν ταῖς πόλεσιν σου (2 α)  
 28. 7 (8). πάροικος ἐγένου ἐν τῇ γῇ αὐτοῦ (2 α)  
 II Ki. 1. 13. υἱὸς ἀνδρὸς π. 'Αμ. ἐγὼ εἰμι (2 α)  
 19. 28 (29). A πάροικος τοῦ πατρός σου [B al.] +  
 I Ch. 5. 10. ἐποίησαν πόλεμον πρὸς τοὺς π. +  
 29. 15. πάροικοι ἔσμεν ἐναντίον σου (2 α)  
 Ju. 4. 10. καὶ πᾶς π. ἡ μισθωτός [A B εἰμι παρὰ σοὶ] (2 α)  
 Ps. 38 (39). 12. πάροικος ἐγὼ εἰμι ἐν τῇ γῇ (2 α)  
 104 (105). 12. ὀλιγοστοὺς καὶ πάροικους ἐν αὐτῇ (2 β)  
 118 (119). 19. πάροικος ἐγὼ εἰμι ἐν τῇ γῇ (2 α)  
 Si. 29. 26. παρέλθε, πάροικε, κόσμησον τράπεζαν — 27. ἐξελεῖς, πάροικε, ἀπὸ προσώπου δόξης  
 Ze. 2. 5. οὐαὶ . . . πάροικος Κρητῶν (1)

Je. 14. 8. ἴνα τί ἐγενήθης ὡσεὶ πάροικος (2 α)  
29 (49). 18. κατεστρώθη Σόδομα καὶ Γόμορρα  
καὶ αὐτὴν αὐτῆς (3)  
30 (49). 5. Ἀ φέρω φόβον ἐπὶ σέ ἀπὸ πάσης  
τῆς π. [B S παροίκου] σου †  
Ba. 4. 9. ἀκούσατε, αὐ π. Σιών  
— 14. ἐλθέτωσαν αὐ π. Σιών  
— 24. ἐωράκασιν αὐ π. Σιών τὴν ὑμετέραν αἰχμα-  
λωσίαν  
[Sm. Is. 5. 17.]  
[Th. Is. 49. 21.]  
[Al. Le. 19. 34: I Ch. 22. 2.]  
**παροιμία.** (1) פָּרֹימָיָהּ  
Pr. 11. παροιμίαι (1)  
1. 1. παροιμίαι Σαλωμῶντος υἱοῦ Δαυὶδ (1)  
25. 1. Α S² αὐτὰ αὐ π. [B S¹ παιδείαι] Σαλο-  
μῶντος αὐ ἀδικητοῦ (1)  
mibser. παροιμίαι [A S add. Σολομῶντος]  
Si. 6. 35. παροιμίαι συνέσεως μὴ ἐκφευγέτωσαν σε  
8. 8. ἐν ταῖς π. αὐτῶν ἀνιστρέφου  
18. 29. ἀνῳμβρίσαν παροιμίας ἀκριβεῖς [B¹ -ὡς]  
39. 3. ἀπόκρυφα παροιμιῶν ἐκζητήσει  
47. 17. ἐν φδοαὶ καὶ παροιμίαις . . . ἀπεθαύμασάν  
σε χάριαι  
[Aq. Ec. 12. 9: Ez. 18. 2.]  
[Sm. I Ki. 24. 14: Ps. 77 (78). 2: Pr. 25. 1.]  
[Al. I Ki. 10. 12.]  
**παροιμιάειν.**  
IV Ma. 18. 16. τὸν Σαλ. ἐπαροιμιάζεν ὑμῖν  
[Aq., Sm. Ez. 24. 3.]  
[Al. Nu. 21. 27.]  
**παροιμαστής.**  
[Sm. Ec. 12. 10.]  
**παροινεῖν.** (1) פָּרֹינֵי  
Is. 41. 12. οἱ παροινήσουσιν εἰς σέ (1)  
**παροιστῶν.** (1) פָּרֹיטָן (2) פָּרֹיטָן  
Ho. 4. 16. ὡς δάμαλις παροιστῶσα παροι-  
στῆσεν Ἰσρ. (2, 2)  
Ez. 2. 6. παροιστῶσιν καὶ ἐπισυστήσονται (1)  
**παρωξύνειν.** (1) פָּרֹינֵי (2) פָּרֹינֵי pi. (3) פָּרֹינֵי hi.  
(4) פָּרֹינֵי a. qal. δ. tiph. (5) פָּרֹינֵי pi.  
(6) פָּרֹינֵי hi. (7) פָּרֹינֵי a. pi. δ. hi.  
(8) פָּרֹינֵי a. qal. (9) פָּרֹינֵי a. qal.  
δ. pi. (10) פָּרֹינֵי hitpha. (11) פָּרֹינֵי pi.  
(12) פָּרֹינֵי pi. (13) פָּרֹינֵי hi. (14) פָּרֹינֵי  
a. qal. δ. hi. (15) פָּרֹינֵי a. qal. δ. hi.  
(16) פָּרֹינֵי (17) פָּרֹינֵי hi.  
Nu. 14. 11. ὥς τίνος παρωξύνει με ὁ λαὸς  
οὗτος (9 β)  
— 23. πάντες δὲ οἱ παρωξύναντες [A -οντ.] με (9 β)  
15. 30. τὸν θεὸν οὗτος παρωξύνει (2)  
16. 30. παρωξύναν οἱ ἄνθρ. οὗτοι τὸν κ. (9 β)  
20. 24. διότι παρωξύναν με (8)  
De. 1. 34. παρωξύνεις ὅμοσε (14 α)  
9. 7. ὅσα παρωξύνας κ. τὸν θ. σου (14 β)  
— 8. ἐν X. παρωξύνετε κύριον (14 β)  
— 18. παρωξύναι [A τοῦ π.] αὐτὸν (7 β)  
— 19. παρωξύνθη κύριος ἐφ' ὑμῖν (14 α)  
— 22. Α B παρωξύνοντες [B -αντες] ἦτε  
κύριον (14 β)  
31. 20. καὶ παρωξύνουσι με (9 β)  
32. 16. παρωξύναν με ἐπ' ἀλλοτρίοις  
— 19. παρωξύνθη δι' ὀργὴν υἱὸν αὐτοῦ (9 α)  
— 21. παρωξύναν [A -ώρισαν] με (7 α)  
— 21. παρωξύνω . . . τὴν μάχαριν μου (16)  
II Ki. 12. 14. Α B παρωξύνων παρωξύνας τοὺς  
ἐχθροὺς κ. [B al.] (9 β, 9 β)  
II Es. 9. 14. μὴ παρωξύνῃς ἐν ἡμῖν (1)  
Ps. 9. 25 (10. 3). παρωξύνει τὸν κύριον ὁ ἀμαρ-  
τωλὸς (9 β)  
— 34 (10. 13). ἔνεκεν τίνος παρωξύνει [B  
-ώρισαν] ὁ ἀσεβὴς τὸν θεόν (9 β)  
73 (74). 10. παρωξύνει ὁ ὑπερβάντις τὸ ὄνομα  
σου εἰς τέλος (9 β)  
— 18. S λαὸς ἄφρων παρωξύνει τὸ δρομά σου  
[B αὐτοῦ] (9 β)  
77 (78). 41. τὸν δῆγον τοῦ Ἰσραὴλ παρωξύναν (17)

Ps. 105 (106). 29. παρωξύναν αὐτὸν ἐν τοῖς  
ἐπιτηδεύμασιν αὐτῶν (7 β)  
106 (107). 11. τὴν βουλὴν τοῦ ὑψίστου παρῶ-  
ξύναν (9 α)  
Pr. 6. 3. παρῶξυνε [B¹ -ὡξ.] δὲ καὶ τὸν φίλον σου †  
14. 31: 17. 5. παρῶξυνει τὸν ποιήσαντα αὐτόν (5)  
20. 2. ὁ δὲ παρῶξυνον αὐτὸν ἁμαρτάνει εἰς τὴν  
ἐαυτοῦ ψυχὴν (10)  
27. 17. ἄνθρ δὲ παρῶξυνει [B¹ -ον] πρόσωπον  
ἐταίρου (8)  
Ho. 8. 5. παρῶξυνθη ὁ θυμὸς μου ἐπ' αὐτούς (4 α)  
Za. 10. 3. ἐπὶ τοὺς ποιμένας παρῶξυνθη ὁ θυμὸς  
μου (4 α)  
Ma. 2. 17. οἱ παρῶξύνοντες τὸν θ. ἐν τοῖς λόγοις  
ὑμῶν (6)  
— 17. ἐν τίνι παρῶξύνανεν αὐτόν (6)  
Is. 5. 24. τὸ λόγιον τοῦ ἀγίου [A om.] Ἰσραὴλ  
παρῶξυναν (9 β)  
— 25. παρῶξυναν τὰ ὄρη (15 α)  
14. 16. οὗτος ὁ ἄνθρωπος ὁ παρῶξύνων τὴν  
γῆν (15 β)  
23. 11. ἡ παρῶξύνουσα βασιλείς (15 β)  
63. 10. παρῶξυναν τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον αὐτοῦ (12)  
65. 3. ὁ λαὸς οὗτος ὁ παρῶξύνων με (7 β)  
Je. 22. 15. παρῶξυνε ἐν Ἀχαζ τῷ πατρί σου  
27 (50). 34. παρῶξυνει τοὺς κατοικοῦσι [B  
παροι.] Βαβυλῶνα μάχαριν (15 β)  
Ba. 4. 7. Α B παρῶξυναντε [B -οξ.] γὰρ τὸν ποιήσαντα  
ὑμᾶς  
La. 2. 6. παρῶξυνεν ἐμβριμῆματι ὀργῆς αὐτοῦ  
βασιλέα (9 α)  
Da. LXX. 11. 11 (10). παρῶξυνθήσεται ἐπὶ πολὺ †  
[Aq. I Ki. 29. 4: Is. 54. 9: 60. 14: 64. 9 (8):  
[Sm. Ps. 9. 24 (10. 3): Pr. 1. 30: 28. 25: Is.  
8. 21: 60. 14: Je. 14. 21.]  
[Th. Pr. 1. 30: 5. 12: Is. 60. 14: Je. 33 (40).  
24.]  
[Al. Dt. 2. 5.]  
**παρῶξυνω.** (1) פָּרֹינֵי  
De. 29. 28 (27). ἐν . . . π. μεγάλῃ σφόδρα (1)  
Je. 89 (32). 37. ἐν ὀργῇ μου . . . καὶ π. μεγάλῃ (1)  
[Aq., Al. Je. 10. 10.]  
**παρορᾶν.** cf. παριδεῖν. (1) פָּרֹינֵי hitphal.  
(2) פָּרֹינֵי ni.  
III Ki. 10. 3. οὐκ ἦν λόγος παρωραμένους (2)  
Jb. 11. 11. ἰδὼν δὲ ἅπαντα οὐ παρῶξυνεται (1?)  
Ec. 12. 14. ἐν παντὶ παρωραμένους (2)  
Wi. 11. 23. παρῶξυνε ἀμαρτήματα ἀνθρώπων εἰς μετὰ-  
νοίαν  
Na. 3. 11. S² ἔστη παρωραμένη [A B S¹ ὑπερωρ.] (2)  
Is. 57. 11. ἐγὼ σε ἰδὼν παρωρῶ †  
III Ma. 3. 9. B μὴ γὰρ οὕτως παρωραθήσεται τηλι-  
κούτο σύστημα [A al.]  
[Sm. Ec. 12. 14.]  
[Al. Le. 4. 13: I Ki. 12. 3: Jb. 11. 6.]  
**παρόρασις.**  
II Ma. 5. 17. γέγονε περὶ τὸν τόπον παρόρασις  
[Aq. Ps. 89 (90). 8.]  
**παροργίζειν.** (1) פָּרֹינֵי pi. (2) פָּרֹינֵי a. pi.  
δ. hi. (3) פָּרֹינֵי pi. (4) פָּרֹינֵי hi. (5) פָּרֹינֵי pi.  
(6) פָּרֹינֵי hi. (7) פָּרֹינֵי (8) a. פָּרֹינֵי hi. δ. פָּרֹינֵי aph.  
(9) פָּרֹינֵי hitphal. (10) פָּרֹינֵי  
De. 4. 25. καὶ ποιήσῃ . . . παροργίσαι αὐτόν (2 β)  
31. 29. παροργίσαι αὐτὸν ἐν τοῖς ἔργοις (2 β)  
32. 21. Α παρῶργισαν [B -ώρισαν] αὐτούς (2 α)  
— 21. ἐπὶ ἔθνεσσιν ἀσυνέτῳ παρῶργισεν αὐτούς (2 β)  
Jd. 2. 12. παρῶργισαν τὸν κύριον (2 β)  
— 17. Α παρῶργισαν τὸν κύριον  
II Ki. 12. 14. B παροργίζων παρῶργισας τοὺς  
ἐχθροὺς κ. [A B al.] (3, 3)  
III Ki. 14. 9. Α τοῦ παροργίσαι με (2 β)  
— 15. Α παροργίζοντες τὸν κύριον (2 β)  
15. 30. φ παρῶργισε τὸν κύριον (2 β)  
16. 2. τοῦ παροργίσαι με (2 β)  
— 7. τοῦ παροργίσαι αὐτόν (2 β)  
— 13. τοῦ παροργίσαι κ. τὸν θ. Ἰσρ. (2 β)  
— 26. Α B τοῦ παροργίσαι τὸν κ. θ. Ἰσρ.  
[B al.] (2 β)

III Ki. 16. 33. Α B τοῦ παροργίσαι τὸν κ. θεόν  
τοῦ Ἰσρ. [B al.] (2 β)  
20 (21). 20. παροργίσαι αὐτόν  
— 22. περὶ τῶν παροργισμάτων ὧν παρῶ-  
ργισας (2 β)  
22. 54. παρῶργισε τὸν κ. θ. Ἰσρ. (2 β)  
IV Ki. 17. 11. τοῦ παροργίσαι τὸν κ. (2 β)  
— 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν . . . παροργίσαι  
αὐτόν (2 β)  
21. 6. τοῦ ποιῆναι τὸ πονηρὸν . . . παροργίσαι  
αὐτόν (2 β)  
— 15. ἥσαν παροργίζοντές με (2 β)  
22. 17. ὅπως παροργίσωσί με (2 β)  
23. 19. οὗς ἐποίησαν βασ. Ἰσρ. π. κύριον  
— 26. οὗς παρῶργισεν αὐτὸν Μαν. (2 β)  
II Ch. 28. 25. παρῶργισαν κ. τὸν θεόν (2 β)  
33. 6. τοῦ παροργίσαι αὐτόν (2 β)  
34. 25. ἴνα παρῶργισώσι με (2 β)  
35. 19. δ παρῶργισε Μαν.  
II Es. 5. 12. παρῶργισαν οἱ πατ. ἡμῶν τὸν θεόν (8 β)  
Ju. 8. 14. μὴ παροργίσετε κ. τὸν θεόν ἡμῶν  
11. 11. παροργίζουσι τὸν θεόν αὐτῶν  
Jb. 12. 6. ὅσοι παροργίζουσιν [A γὰρ ὀργίζουσιν]  
τὸν κύριον (8 α)  
Ps. 9. 34 (10. 13). S ἔνεκεν τίνος παρῶργισεν  
[A B -ώρισαν] ὁ ἀσεβὴς τὸν θεόν (3)  
77 (78). 40. B S² παρῶργισαν αὐτόν ἐν γῇ  
ἀνδρῶν [B¹ τῇ ἐρήμῳ] (4)  
— 58. παρῶργισαν αὐτόν ἐπὶ τοῖς βουνοῖς αὐ. (2 β)  
105 (106). 16. παρῶργισαν Μωυσὴν ἐν τῇ  
παρεμβολῇ (5)  
— 32. παρῶργισαν αὐτὸν ἐπὶ ὕδατος ἀντιλογίας (6)  
Si. 3. 16. ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ  
4. 2. μὴ παροργίσεις ἄνδρα ἐν ἀπορίᾳ αὐτοῦ  
— 3. καρδίαν παροργισμένην [A B -ωργ.] μὴ προσ-  
ταράξεις (7?)  
Ho. 12. 14 (15). καὶ παρῶργισε (10)  
Mi. 2. 7. οἶκος Ἰ. παρῶργισε πνεῦμα κυρίου (7?)  
Za. 8. 14. ἐν τῷ παροργίσαι με τοὺς πατέρας  
ὑμῶν (8)  
Is. 1. 4. παρῶργισατε τὸν δῆγον τοῦ Ἰσραὴλ (3)  
Je. 7. 18. ἴνα παρῶργίσωσί με (2 β)  
— 19. μὴ ἐμὲ αὐτοὶ παρῶργίζουσιν [B¹ -ιοῦσιν] (2 β)  
8. 19. παρῶργισαν με ἐν τοῖς γλυπτοῖς αὐτῶν (2 β)  
11. 17. ἐποίησαν ἐαυτοῖς τὸ παρῶργίσαι με (2 β)  
25. 6. ὅπως μὴ παρῶργίσῃ [A -γιστή] με (2 β)  
Ba. 4. 6. διὰ δὲ τὸ παρῶργίσαι ὑμᾶς τὸν θεόν  
Ez. 8. 17. Α ἐπέστρεψαν παρῶργίσαι με (2 β)  
16. 26. ἐξέπνευσας τοῦ παρῶργίσαι με (2 β)  
— 54. ἐν τῷ [A add. σέ] παρῶργίσαι με †  
20. 27. παρῶργισαν με οἱ πατέρες ὑμῶν (1)  
32. 9. παρῶργισαν καρδίαν λαὸν πολλῶν (2 β)  
Da. LXX. 11. 36. παρῶργισθήσεται καὶ ὑψωθή-  
σεται (9)  
[Aq. Dt. 32. 16: III Ki. 14. 9, 15: IV Ki. 17.  
11: Je. 25. 7 (Sw.): 32 (39), 30.]  
[Sm. Ps. 105 (106). 7: Ec. 7. 10 (9): Je. 32  
(39), 30.]  
[Th. I Ki. 28. 15: II Ki. 12. 14 bis: Is. 14. 16:  
Je. 25. 7 (Sw): Ez. 8. 17.]  
[Al. I Ki. 1. 6.]  
[Heb. Ge. 26. 35.]  
**παρόργισμα.** (1) פָּרֹינֵי  
III Ki. 16. 33. τοῦ ποιῆσαι παροργίσματα [A  
om.]  
20 (21). 22. περὶ τῶν π. ὧν παρῶργισας (1)  
II Ch. 35. 19. Α B ἐπὶ πάντα τὰ π. [B προσ-  
τάγμα.] αὐ. —  
**παροργισμός.** (1) פָּרֹינֵי (2) פָּרֹינֵי (3) פָּרֹינֵי  
III Ki. 15. 30. καὶ ἐν τῷ π. αὐτοῦ (1)  
IV Ki. 19. 3. ἡμέρα θλίψεως . . . καὶ παροργισμοῦ (2)  
23. 26. ἐπὶ τοῖς π. οὗς παρῶργισεν (1)  
Ne. 9. 18, 26. ἐποίησιν π. μεγάλους (2)  
Je. 21. 5. Α μετὰ θυμῷ καὶ ὀργῇ καὶ παρῶ-  
ργισμῷ μεγάλῳ [B S ὁρ. μεγάλῃ] (8)  
[Aq. Ps. 9. 35 (10. 14): 30 (31), 10.]  
[Sm. Ps. 9. 35 (10. 14): 30 (31), 10: Ez. 20.  
28.]  
[Al. I Ki. 1. 6: Ec. 11. 10.]  
**παρορμᾶν.**  
II Ma. 15. 17. δυναμένοις ἐπ' ἀρετὴν παρορμᾶσαι  
IV Ma. 12. 6. ὅπως αὐτὴν ἐλείψας . . . παρορμᾶσειεν  
[Sm., Th. Pr. 6. 3.]

παρορμίζειν.

[Sm. Ho. 5. 10.]

παρουσία.

Ne. 2. 6. ἄς τότε ἔσται ἡ π. [B S πορεία] σου +  
Ju. 10. 18. διεβόηθη γὰρ . . . ἡ π. αὐτῆς  
II Ma. 8. 12. μεταδόντος . . . τὴν π. τοῦ στρατοπέδου  
15. 21. συνιδὼν ὁ Μ. τὴν τῶν πληθῶν π.  
III Ma. 3. 17. τὴν ἡμετέραν ἀποδεξαμένοι παρουσίαν

παρρησία. (1) μετὰ παρρησίας Πῶρρις

Le. 26. 13. ἤγαγον ὑμᾶς μετὰ παρρησίας (1)  
Es. 8. 13. ἐκδέντες ἐν παντὶ τόπῳ μετὰ παρρησίας  
Jb. 27. 10. μὴ ἔχει τινα [S<sup>1</sup> τι, A om.] παρρησίαν  
ἐναντὶ αὐτοῦ +  
Pr. 1. 20. ἐν δὲ πλατείας παρρησίαν ἀγει +  
10. 10. ὁ δὲ ἐλέγχων μετὰ παρρησίας εἰρηνοποιεῖ +  
13. 5. οὐχ ἔξει παρρησίαν +  
Wi. 6. 1. τότε στήσεται ἐν παρρησίᾳ πολλῇ ὁ δίκαιος  
Si. 25. 25. Ἄς μὴ δῶς . . . γυναικὶ πονηρᾷ παρρησίαν [B ἐξουσίαν]  
I Ma. 4. 18. λάβετε τὰ σκῦλα μετὰ παρρησίας  
III Ma. 4. 1. μετὰ παρρησίας συνεκφαινομένης ἀπεχθείας  
7. 12. μετὰ παρρησίας ἀνεύ πάσης βασιλικῆς ἐξουσίας  
IV Ma. 10. 5. οἱ δὲ πικρὸς ἐνέγκαντες τὴν π. τοῦ ἀνδρός

[Al. Ps. 137 (138). 1.]

παρρησιάζεσθαι. (1) 𐤓𐤁<sup>1</sup> hi. (2) 𐤓𐤁<sup>2</sup> hithpa.

Jb. 22. 26. παρρησιάζεσθαι [A ἐνπαρρησιάζειν] (2)  
ἐναντίον κυρίου  
Ps. 11 (12). 5. παρρησιάζομαι ἐν αὐτῷ +  
93 (94). 1. ὁ θεὸς ἐκδικήσων ἐπαρρησιασάτο (1)  
Pr. 20. 9. τίς παρρησιάζεται καθαρὸς εἶναι ἀπὸ ἀμαρτιῶν -  
Ca. 8. 10. 8 ἡ νύμφη παρρησιάζεται  
Si. 6. 11. ἐπὶ τοὺς οἰκέτας σου παρρησιάζεται  
[Aq. Ps. 30 (31). 14.]  
[Th. Ez. 16. 30 (Sw.).]

παρωθύν.

II Ma. 4. 11. B τὰ κείμενα τοῖς Ἱ. φιλάνθρωπα βασιλικὰ . . . παρώσατο [A -σας]

παρωμίσ.

Ex. 28. 14. ἐπὶ τὰς ἀσπίδας κατὰ τὰς π. αὐ. +

πᾶς, cf. σύμπας. (1) 𐤓𐤁 (2) 𐤓𐤁<sup>2</sup>

𐤓𐤁 𐤓𐤁 (8) 𐤓𐤁<sup>2</sup> (4) 𐤓𐤁<sup>2</sup> (5) πάντες  
𐤓𐤁<sup>2</sup> 𐤓𐤁<sup>2</sup> 𐤓𐤁<sup>2</sup> 𐤓𐤁<sup>2</sup> (8) π. τόπος 𐤓𐤁  
(7) ὁ τὰ π. ποιήσας 𐤓𐤁<sup>2</sup> (8) διὰ παντός  
𐤓𐤁<sup>2</sup> 𐤓𐤁<sup>2</sup> 𐤓𐤁<sup>2</sup> c. 𐤓𐤁<sup>2</sup> d. 𐤓𐤁<sup>2</sup> e. 𐤓𐤁<sup>2</sup>  
f. 𐤓𐤁<sup>2</sup> g. 𐤓𐤁<sup>2</sup> (9) θυσία διὰ παντός 𐤓𐤁<sup>2</sup>  
(10) σὺν παντὶ 𐤓𐤁<sup>2</sup> (11) σὺν π. τῷ λαῷ 𐤓𐤁<sup>2</sup>

Ge. 1. 21. καὶ π. ψυχὴν ζῶσαν ἐρπετῶν (1)  
— 21. A καὶ πᾶν πετεινὸν πτερωτῶν καὶ πᾶν [B πτ. κατὰ] γένος (1, -)  
— 25. καὶ π. τὰ ἐρπετὰ τῆς γῆς (1)  
— 26. ἀρχέτωσαν . . . π. τῆς γῆς καὶ π. τῶν ἐρπετῶν (1, 1)  
— 28. ἀρχετε . . . π. τῶν κτηνῶν καὶ π. τῆς γῆς καὶ π. τῶν ἐρπετῶν (1, -, -)  
— 29. B δίδωκα ὑμῖν πάντα [A πᾶν] χόρτον (1)  
— 29. ὁ ἔστιν ἐπάνω π. τῆς γῆς καὶ π. ξύλου (1, 1)  
— 30. καὶ π. τοῖς θηρίοις τῆς γῆς καὶ π. τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρ. καὶ π. ἐρπετῶν (1 ter)  
— 30. καὶ π. χόρτον χλωρὸν εἰς βρώσιν (1)  
— 31. εἶδεν ὁ θ. τὰ π. (1)  
2. 1. καὶ π. ὁ κόσμος αὐτῶν (1)  
— 2. κατέπαυσε . . . ἀπὸ π. τῶν ἔργων αὐ. (1)  
— 3. κατέπαυσεν ἀπὸ π. τῶν ἔργων αὐ. (1)  
— 5. καὶ π. χλωρὸν ἀγροῦ (1)  
— 5. καὶ π. χόρτον ἀγροῦ (1)  
— 6. π. τὸ πρόσωπον τῆς γῆς (1)  
— 9. ἐξανέτειλεν ὁ θ. . . π. ξύλου (1)  
— 11. ὁ κυκλῶν π. τὴν γῆν Εὐ. (1)  
— 13. ὁ κυκλῶν π. τὴν γῆν Αἰθ. (1)  
— 16. ἀπὸ π. ξύλου τοῦ ἐν τῷ παραδ. (1)  
— 19. π. τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ (1)  
— 19. π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ. (1)

Ge. 2. 19. πᾶν ὃ ἐὰν ἐκάλεσεν αὐτὸ Ἄ. (1)  
— 20. ὀνόματα πᾶσι τοῖς κτήνεσι καὶ π. τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρ. καὶ π. τοῖς θηρίοις (1, -, 1)  
3. 1. φρονιμώτατος π. τῶν θηρίων (1)  
— 1. ἀπὸ π. ξύλου τοῦ παραδείσου (1)  
— 2. Ἄ<sup>2</sup> ἀπὸ π. [B καρποῦ τοῦ] ξύλου τοῦ παρ. +  
— 10. Ἄ τὴν φ. σου ἔκυστα περὶ παντός [B περιπατοῦντος] -  
— 14. ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν καὶ ἀπὸ π. τῶν θηρίων (1, 1)  
— 14, 17. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)  
— 20. μήτηρ π. τῶν ζώντων (1)  
4. 14. π. ὁ εὐρίσκων με (1)  
— 15. π. ὁ ἀποκτείνων Κᾶν (1)  
— 15. π. τὸν εὐρίσκοντα αὐτόν (1)  
5. 5. π. αἱ ἡμέραι Ἀδάμ (1)  
— 8. π. αἱ ἡμέραι Σὴθ (1)  
— 11. π. αἱ ἡμέραι Ἐνὼς (1)  
— 14. π. αἱ ἡμέραι Καϊνᾶν (1)  
— 17. π. αἱ ἡμέραι Μαλεεὶλ (1)  
— 20. π. αἱ ἡμέραι Ἰάρεθ (1)  
— 23. π. αἱ ἡμέραι Ἐνὼχ (1)  
— 27. π. αἱ ἡμέραι Μαδουαλά (1)  
— 31. π. αἱ ἡμέραι Λάμεχ (1)  
6. 2. ἀπὸ πασῶν ὧν ἐξέλεξαντο (1)  
— 5. π. τίς διανοεῖται ἐν τῇ καρδ. αὐ. . . π. τὰς ἡμέρας (1, 1)  
— 12. κατέφθευρε πᾶσα σὰρξ τὴν ὁδὸν αὐ. (1)  
— 13. καιρὸς παντός ἀνθρώπου ἦκει (1)  
— 17. καταφθέρει π. σάρκα (1)  
— 19. ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν καὶ ἀπὸ π. τῶν ἐρπ. καὶ ἀπὸ π. τῶν θηρίων καὶ ἀπὸ π. σαρκὸς δύο δύο ἀπὸ πάντων (-, -, 1 ter)  
— 20. ἀπὸ π. τῶν ὀρνέων . . . καὶ ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν . . . καὶ ἀπὸ π. τῶν ἐρπ. . . δύο δύο ἀπὸ πάντων (-, -, 1, 1)  
— 21. ἀπὸ π. τῶν βρωμάτων (1)  
— 22. ἐποίησε Νῶε πάντα (1)  
7. 1. εἰσελθε σὺ καὶ π. ὁ οἶκος σου (1)  
— 3. ἀπὸ π. τῶν πετ. τῶν μὴ καθ. (1)  
— 3. διαθρέψει σπέρμα ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)  
— 4. ἐξελείψω π. τὸ ἀνίστημα (1)  
— 4. B ἀπὸ προσώπου π. [A om.] τῆς γῆς (1)  
— 5. ἐποίησε Νῶε πάντα (1)  
— 8. B ἀπὸ π. τῶν ἐρπύων [A<sup>2</sup> -πετῶν] (1)  
— 11. ἐρράγησαν π. αἱ πηγαὶ τῆς ἀβύσσου (1)  
— 14. B καὶ π. τὰ θηρία . . . καὶ π. τὰ κτήνη . . . καὶ π. ἐρπετῶν . . . καὶ π. ὀρνέων [A om.] πετεινῶν (1 quater)  
— 15. δύο δύο . . . ἀπὸ π. σαρκὸς (1)  
— 16. ἀπὸ π. σαρκὸς εἰσέλθε (1)  
— 19. ἐπεκάλυψε π. τὰ ὄρη τὰ ὑψηλά (1)  
— 20. ἐπεκάλυψε π. τὰ ὄρη τὰ ὑψ. (1)  
— 21. ἀπέθανε π. σὰρξ . . . καὶ π. ἐρπετῶν . . . καὶ π. ἄνθρωπος (1 ter)  
— 22. πάντα ὅσα ἔχει πνοὴν ζωῆς (1)  
— 22. A πᾶς δὲ [B πᾶν δ.] ἦν ἐπὶ τῆς ξηρᾶς (1)  
— 23. ἐξήλειψε π. τὸ ἀνίστημα (1)  
— 23. A ἐπὶ προσώπου π. [B om.] τῆς γῆς (1)  
8. 1. ἐμνήσθη ὁ θ. . . π. τῶν θηρίων καὶ π. τῶν κτηνῶν καὶ π. τῶν πετ. καὶ π. τῶν ἐρπετῶν (1, 1, -, -)  
— 9. A ἐπὶ π. προσώπῳ π. τῆς γῆς [B al.] (-, 1)  
— 17. καὶ π. τὰ θηρία . . . καὶ π. σὰρξ . . . καὶ π. ἐρπετῶν (1 ter)  
— 19. καὶ π. τὰ θηρία καὶ π. τὰ κτήνη καὶ π. πετεινῶν καὶ π. ἐρπετῶν (1 quater)  
— 20. ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν τῶν καθ. καὶ ἀπὸ π. τῶν πετεινῶν τῶν καθ. (1, 1)  
— 21. πατάζει π. σάρκα ζῶσαν (1)  
— 22. π. τὰς ἡμέρας τῆς γῆς (1)  
9. 2. ἐπὶ π. τοῖς θηρίοις τῆς γῆς ἐπὶ π. τὰ ὄρνα καὶ οὐρ. καὶ ἐπὶ π. τὰ κινούμενα . . . καὶ ἐπὶ π. τοὺς ἰχθύας (1 quater)  
— 3. καὶ π. ἐρπετῶν ὅ ἐστι ζῶν (1)  
— 3. ἔδωκα ὑμῖν τὰ π. (1)  
— 5. ἐκ χειρὸς π. τῶν θηρίων (1)  
— 10. καὶ π. ψυχὴ ζῶση μεθ' ὑμῶν (1)  
— 10. καὶ π. τοῖς θηρίοις τῆς γῆς (1)  
— 10. ἀπὸ π. τῶν ἐξελθόντων ἐκ τῆς κιβ. (1)  
— 11. οὐκ ἀποθανεῖται π. σὰρξ (1)  
— 11. τοῦ καταφθέρει π. τὴν γῆν (1)  
— 12. ἀνὰ μέσον π. ψυχῆς ζώσης (1)  
— 15. ἀνὰ μέσον π. ψυχῆς ζώσης ἐν π. σαρκί (1, 1)

Ge. 9. 15. ὥστε ἐξελείψαι π. σάρκα (1)  
— 16. A ἀνὰ μέσον π. [B om.] ψυχῆς ζώσης ἐν π. σαρκί (1, 1)  
— 17. ἀνὰ μέσον π. σαρκὸς (1)  
— 19. διεσπάρησαν ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)  
— 29. ἐγένοντο π. αἱ ἡμέραι Νῶε (1)  
10. 21. πατρὶ π. τῶν υἱῶν Ἐβερ (1)  
— 29. πάντες οὗτοι υἱοὶ Ἰετάν (1)  
11. 1. ἦν π. ἡ γῆ χεῖλος ἐν καὶ φωνὴ μία πᾶσι (1, -)  
— 4. ἐπὶ προσώπῳ π. τῆς γῆς (1)  
— 6. χεῖλος ἐν πάντων (1)  
— 6. οὐκ ἐκλείπει ἐξ αὐτῶν πάντα (1)  
— 8. ἐπὶ προσώπῳ π. τῆς γῆς (1)  
— 9. τὰ χεῖλη π. τῆς γῆς (1)  
— 9. ἐπὶ προσώπῳ π. τῆς γῆς (1)  
— 32. B ἐγένοντο π. [A om.] αἱ ἡμέραι Θ. -  
12. 3. π. αἱ φυλαὶ τῆς γῆς (1)  
— 5. καὶ π. τὰ ὑπάρχοντα αὐτῶν (1)  
— 5. καὶ π. ψυχὴν ἣν ἐκτήρασαν (1)  
— 20. καὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῶν (1)  
13. 1. καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1)  
— 9. καὶ ἰδοὺ π. ἡ γῆ ἐναντίον σου (1)  
— 10. π. τὴν περιχώρον τοῦ Ἰορδ. ὅτι π. ἦν ποτιζομένη (1, 1)  
— 11. π. τὴν περιχώρον τοῦ Ἰορδ. (1)  
— 15. π. τὴν γῆν ἣν σὺ ὀράς (1)  
14. 3. π. οὗτοι συνεφώνησαν (1)  
— 7. κατέκοψαν π. τοὺς ἀρχοντας Ἄμ. (1)  
— 11. τὴν ἵππον π. τὴν Σοδόμων (1)  
— 11. καὶ π. τὰ βρώματα αὐτῶν (1)  
— 16. B ἀπέστρεψε π. τὴν ἵππον Σοδόμων (1)  
— 16. B καὶ π. τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (1)  
— 20. δεκάτη ἀπὸ πάντων (1)  
— 23. ἀπὸ π. τῶν σῶν (1)  
15. 10. ἔλαβε δὲ αὐτῶν π. ταῦτα (1)  
16. 12. αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐπὶ πάντας καὶ αἱ χεῖρες πάντων ἐπ' αὐτόν (1, 1)  
— 12. κατὰ πρόσωπον π. τῶν ἀδ. αὐτοῦ (1)  
17. 8. π. τὴν γῆν Χαναάν (1)  
— 10. περιμνησθήσεται ὑμῶν π. ἀρσενικὸν (1)  
— 12. π. ἀρσενικὸν εἰς τὰς γενεὰς ὑμῶν (1)  
— 12. ἀπὸ παντός υἱοῦ ἀλλοτρίου (1)  
— 23. καὶ π. τοὺς οἰκογενεῖς αὐτοῦ καὶ π. τοὺς ἀργυρωνήτους καὶ π. ἀρσεν (1 ter)  
— 27. καὶ π. οἱ ἄνδρες τοῦ οἴκου αὐτοῦ (1)  
18. 18. π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς (1)  
— 19. πάντα ὅσα ἐλάλησε (1)  
— 24. B οὐκ ἀνήσεις π. [A om.] τὸν τόπον (1)  
— 25. ὁ κρίνω π. τὴν γῆν (1)  
— 26. ἀφίσω π. τὸν τόπον (1)  
— 28. ἀπολείς . . . π. τὴν πύλιν (1)  
19. 17. μηδὲ στήν ἐν π. τῇ περιχώρῳ (1)  
— 25. B καὶ π. τὴν περιχώρον [A al.] (1)  
— 25. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν ταῖς πόλεσι (1)  
— 25. A καὶ π. [B om.] τὰ ἀνατέλλοντα (1)  
— 29. π. τὰς πόλεις τῆς περὶοίκου (1)  
— 31. ὥς καθίκει π. τῇ γῇ (1)  
20. 7. σὺ καὶ π. τὰ σά (1)  
— 8. ἐκάλεσε π. τοὺς παῖδας αὐτοῦ (1)  
— 8. ἐλάλησε π. τὰ ῥήματα ταῦτα (1)  
— 8. ἐφοβήθησαν δὲ π. οἱ ἄνθρ. σφόδρα (1)  
— 13. εἰς π. τόπον οὗ ἐὰν εἰσέλθωμεν (1)  
— 16. καὶ π. ταῖς μετὰ σοῦ (1)  
— 16. καὶ πάντα ἀλήθευσον (1)  
— 18. συνέκλεισε κύριος . . . π. μῆτραν (1)  
21. 12. πάντα ὅσα ἀν' ἐπὶ σοὶ Σάρρα (1)  
— 22. ὁ θ. μετὰ σοῦ ἐν πᾶσιν (1)  
22. 18. ἐνευλογήθησονται . . . π. τὰ ἔθνη (1)  
23. 10. τῶν εἰσπορευομ. εἰς τὴν πόλιν πάντων (1)  
— 11. B ἐναντίον π. [A om.] τῶν πολιτῶν μου (1)  
— 13. A ἐναντίον π. [B om.] τοῦ λαοῦ (1)  
— 17. π. δένδρον ὃ ἦν ἐν τῷ ἀγρῷ (1)  
— 17. B πᾶν [A om.] ὃ ἔστιν ἐν τοῖς ὀρίοις (1)  
— 18. ἐναντίον . . . π. τῶν εἰσπορευομ. (1)  
24. 1. ἠυλόγησε τὸν Ἀβ. κατὰ πάντα (1)  
— 2. τῷ ἀρχόντι πάντων τῶν αὐτοῦ (1)  
— 10. ἀπὸ π. τῶν ἀγαθῶν τοῦ κυρίου αὐ. (1)  
— 19. ἔως ἀν' πᾶσαι πῖναι (1)  
— 20. ὑδρεύσατο πᾶσαι ταῖς καμήλοις (1)  
— 22. ἐπαύσαντο π. αἱ κάμ. πίνουσαι (1)  
— 36. B<sup>2</sup> πάντα [A S<sup>1</sup> B om.] ὅσα ἦν αὐτῶν (1)  
— 66. διηγῆσατο . . . π. τὰ ῥήματα (1)  
25. 4. π. οὗτοι ἦσαν υἱοὶ Χετ. (1)  
— 5. ἔδωκε δὲ Ἀβ. π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (1)  
— 18. κατὰ πρόσωπον π. τῶν ἀδ. αὐ. (1)  
26. 3. δώσω π. τὴν γῆν ταύτην (1)

Ge. 26. 4. δώσω τῷ σπέρμι σου π. τὴν γῆν ταύτην (1)	Ge. 41. 46. διήλθε π. γῆν Αἰγύπτου (1)	Ex. 7. 19. ἐγένετο αἷμα ἐν π. γῇ Αἴγ.
— 4. ἐνελογηθήσονται . . . π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς (1)	— 48. συνιγάγε π. τὰ βρόματα (1)	— 20. μετέβαλε π. τὸ ὕδωρ . . . εἰς αἷμα (1)
— 11. συντάξαι δὲ Ἀβιμ. π. τῷ λαφ. αὐ. (1)	— 51. π. τῶν πόνων μου καὶ π. τῶν τοῦ πατρός μου (1, 1)	— 21. ἦν τὸ αἷμα ἐν π. γῇ Αἴγ.
— 11. π. ὁ ἀπτόμ. τοῦ ἀνθρ. τοῦτου (1)	— 54. ἐγένετο λιμός ἐν π. τῇ γῇ (1)	— 24. ὠρυξαν δὲ π. οἱ Αἰγύπτιοι (1)
— 15. π. τὰ φρέατα δ' ὠρυξαν (1)	— 54. ἐν δὲ π. γῇ Αἰγύπτου (1)	8. 2 (7. 27). τύπτω π. τὰ δριά σου (1)
27. 33. ἐφαγον ἀπὸ πάντων (1)	— 55. ἐπεινάσε π. ἡ γῇ Αἴγ.	— 7 (3). Α ἐπὶ π. [B om.] γῆν Αἴγ.
— 37. π. τοὺς ἀδ. αὐ. πεποίηκα αὐ. οἰκέτας (1)	— 55. εἶπε δὲ Φ. π. τοῖς Αἴγ.	— 16 (12). ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
28. 14. ἐνελογηθήσονται ἐν σοὶ π. αἱ φυλαί (1)	— 55. Α ἐκέκραξεν δὲ π. [B om.] ὁ λαός (1)	— 17 (13). ἐν π. χώματι τῆς γῆς (1)
— 15. διαφυλάσσω σε ἐν τῇ ὁδῷ π. (1)	— 55. εἶπε δὲ Φ. π. τοῖς Αἴγ.	— 17 (13). Α Β³ ἐν π. γῇ Αἴγ.
— 15. ἕως τοῦ ποιῆσαι με πάντα (1)	— 56. ἐπὶ προσώπου π. τῆς γῆς (1)	— 18 (14). Β³ καὶ ἐν π. χώματι τῆς γῆς (1)
— 22. πάντων ὧν ἐάν μοι ᾄδῃς (1)	— 56. ἀνέφξε δὲ Ἰ. π. τοὺς σιτοβολῶνας (1)	— 22 (18). κ. ὁ θ. π. τῆς γῆς (1)
29. 3. συνηγοτοῦ ἐκεῖ π. τὰ ποιμνία (1)	— 56. ἐπώλει π. τοῖς Αἰγυπτίοις (1)	— 24 (20). εἰς π. τὴν [A om.] γῆν Αἰγύπτου (1)
— 8. ἕως τοῦ συναχθῆναι π. τοὺς ποιμένας (1)	— 57. π. αἱ χώραι ἤλθον εἰς Αἴγ.	9. 4. ἀπὸ π. τῶν τοῦ Ἰσρ. [A al.] (1)
— 13. διηγῆσάτο τῷ Α. π. τοὺς λόγους τούτους (1)	— 57. ἐπεκράτησε γὰρ ὁ λιμός ἐν π. τῇ γῇ (1)	— 6. Α³ Β ἐτελεύτησε π. τὰ κτήνη τῶν Αἴγ.
— 22. συνιγάγε δὲ Α. π. τοὺς ἀνδρας (1)	42. 6. οὗτος ἐπώλει π. τῷ λαφ. τῆς γῆς (1)	— 7. Β ἀπὸ π. [A³ om.] τῶν κτηνῶν τῶν υἱῶν Ἰσρ.
80. 13. Α μακαρίσονται με π. [B om.] αἱ γυν. (1)	— 11. πάντες ἐσμέν υἱοὶ ἐνὸς ἀνθρ. (1)	— 9. ἐπὶ π. τὴν [A om.] γῆν Αἰγύπτου (1)
— 32. Β παρελθὲν π. [A om.] τὰ πρόβ. σου (1)	— 29. π. τὰ συμβεβηκότα αὐτοῖς (1)	— 9, 11 (Α³ Β). ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
— 32. διαχώρισον ἐκείν. π. πρόβατον (1)	— 36. ἐπ' ἐμέ ἐγένετο ταῦτα π. (1)	— 14. ἐξαποστέλλω π. τὰ συναντήματά μου (1)
— 32. Α πᾶν διαραντὸν καὶ λευκὸν [B al.] (1)	43. 9. ἡμαρτηκὸς ἔσομαι πρὸς σέ π. τὰς ἡμέρας (1)	— 14. οὐκ ἔστιν ὡς ἐγὼ ἄλλος ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 33. πᾶν δ' ἐάν μὴ ᾗ βρωτόν (1)	— 32. Α π. ποιμὴν προβάτων (1)	— 16. ὅπως διαγαγῇ . . . ἐν π. τῇ γῇ (1)
— 35. καὶ π. τὰς αἰγας τὰς βρωτάς (1)	— 34. παρὰ τὰς μερίδας πάντως (1)	— 19. π. γὰρ οἱ ἀνθρώποι καὶ τὰ κτήνη (1)
— 35. πᾶν δ' ἦν φαῖον (1)	44. 32. ἡμαρτηκὸς ἔσομαι . . . π. τὰς ἡμέρας (1)	— 22. ἔστα χάλασα ἐπὶ π. γῆν Αἴγ.
— 35. πᾶν δ' ἦν λευκόν (1)	45. 1. π. τῶν παρεστηκότων αὐτῷ (1)	— 22. ἐπὶ π. βοτάνῃ τὴν ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 40. π. ποικίλον ἐν τοῖς ἀμνοῖς (1)	— 1. ἐξαποστείλατε πάντας (1)	— 23. χάλασαν ἐπὶ π. γῆν Αἴγ.
31. 1. πάντα τὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (1)	— 2. ἤκουσαν δὲ π. οἱ Αἴγ. (1)	— 25. ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
— 1. πεποίηκε π. τὴν δόξαν ταύτην (1)	— 8. καὶ κύριον παντὸς τοῦ οἴκου αὐ. καὶ ἀρχοντα π. γῆς Αἴγ. (1, 1)	— 25. Β³ πάντα ὅσα ἦν ἐν τῷ πεδίῳ (1)
— 6. ἐν π. ἰσχυῖ μου δεδούλευκα (1)	— 9. κύριον π. γῆς Αἴγ. (1)	— 25. π. βοτάνῃ τὴν ἐν τῷ πεδίῳ (1)
— 8. τέξεται π. τὰ πρόβ. ποικίλα (1)	— 11. καὶ π. τὰ ὑπάρχοντά σου (1)	— 25. π. τὰ ξύλα τὰ ἐν τοῖς πεδίοις (1)
— 8. τέξεται π. τὰ πρόβ. λευκά (1)	— 13. ἀπαγγέιλαι . . . π. τὴν δόξαν μου (1)	10. 4. ἀκρίδα πολλὴν ἐπὶ π. τὰ δριά σου (1)
— 9. ἀφάδατο ὁ θ. π. τὰ κτήνη (1)	— 15. καταφίλῃς π. τοὺς ἀδ. αὐ. (1)	— 5. π. τὸν περυσὶν τῆς γῆς (1)
— 16. π. τὸν πλοῦτον καὶ τὴν δόξαν (1)	— 18. π. τῶν ἀγαθῶν Αἴγ. (1)	— 5. κατέδεται π. [A π. τὸ] ξύλον τὸ φυόμεν. ὑμῶν (1)
— 18. ἀπήγαγε π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. καὶ π. τὴν ἀποσκευὴν αὐ. . . . καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1, 1, -)	— 20. τὰ γὰρ π. ἀγαθὰ Αἰγύπτου (1)	— 6. καὶ π. αἱ οἰκίαι ἐν π. γῇ τῶν Αἴγ. (-, 1)
— 21. αὐτὸς καὶ τὰ αὐτοῦ π. (1)	— 22. πᾶσιν ἔδωκε δισπὰς στολάς (1)	— 12. κατέδεται π. βοτάνῃ τῆς γῆς καὶ π. τὸν καρπὸν τῶν ξύλων (1, 1)
— 23. Α παραλαβὼν π. [B om.] τοὺς ἀδ. αὐ. (1)	— 26. ἀρχεῖ π. τῆς γῆς Αἰγύπτου (1)	— 14. ἐπὶ π. γῆν Αἰγύπτου (1)
— 31. μὴ ποτε ἀφείλῃ . . . π. τὰ ἐμά (1)	— 27. π. τὰ ῥηθέντα ὑπὸ Ἰ. (1)	— 14. ἐπὶ π. τὰ δριά Αἰγύπτου (1)
— 37. π. τὰ σκευὴ τοῦ οἴκου μου (1)	48. 1. αὐτὸς καὶ π. τὰ αὐτοῦ (1)	— 15. κατέφαγε π. βοτάνῃ τῆς γῆς καὶ π. τὸν καρπὸν τῶν ξύλων (1, 1)
— 37. ἀπὸ π. τῶν σκευῶν τοῦ οἴκου σου (1)	— 6. ἀναλαβόντες . . . π. τὴν κτήσιν (1)	— 15. ἐν π. βοτάνῃ τοῦ πεδίου ἐν π. [B³ om.] γῇ Αἴγ. (-, 1)
— 43. πάντα ὅσα σὺ ὀράς (1)	— 6. καὶ π. τὸ σπέρμα αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1)	— 19. ἐν π. γῇ Αἰγύπτου (1)
32. 10 (11). ἀπὸ π. δικαιοσύνης καὶ ἀπὸ π. ἀληθείας (1, 1)	— 7. π. τὸ σπέρμα αὐ. ἦγαγον εἰς Αἴγ. (1)	— 22. ἐπὶ π. γῆν Αἰγύπτου (1)
— 19 (20). ἐνετείλατο . . . π. τοῖς προπορευομ. (1)	— 15. π. αἱ ψυχαὶ . . . τριάκοντα τρεῖς (1)	— 23. π. δὲ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. φῶς ἦν ἐν πᾶσιν (1, -)
— 23 (24). διεβίβασε πάντα τὰ αὐτοῦ (1)	— 22. π. ψυχὰι δέκα ὀκτὼ (1)	11. 1. ὅταν δὲ ἐξαποστέλῃ ὑμᾶς σὺν παντὶ (10)
33. 8. π. αἱ παρεμβολαὶ αὐται (1)	— 25. π. ψυχὰι ἐπτά (1)	— 3. Β ἐναντίον π. [A B om.] τῶν Αἴγ. (1)
— 11. ἔστι μοι πάντα (1)	— 26. π. δὲ ψυχὰι αἱ εἰσελθοῦσαι (1)	— 5. τελευτήσῃ π. πρωτότοκον (1)
— 13. ἀποθανοῦνται π. τὰ κτήνη (1)	— 26. π. ψυχὰι ἐξήκοντα ἐξ (1)	— 5. ὥς πρωτότοκον π. κτήρους (1)
34. 15. ἐν τῷ περιτριμνημένῳ ὑμῶν π. ἀρσενικόν (1)	— 27. π. ψυχὰι οἴκου Ἰακώβ (1)	— 6. κατὰ π. γῆν Αἰγύπτου (1)
— 19. ἐνδοξότατος π. τῶν ἐν τῷ οἴκῳ (1)	— 32. π. τὰ αὐτῶν ἀνηχῶσαν (1)	— 7. καὶ ἐν π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1)
— 22. ἐν τῷ περιτριμνημένῳ ἡμῶν π. ἀρσενικόν (1)	— 34. π. ποιμὴν προβάτων (1)	— 8. καταβήσονται π. οἱ παῖδες σου (1)
— 24. π. οἱ ἐκπορευόμεν. τὴν πύλιν (1)	47. 1. οἱ βύες αὐτῶν καὶ π. τὰ αὐτῶν (1)	— 8. σὺ καὶ π. [B³ om.] ὁ λαός σου (1)
— 24. περιετρίμνοντο . . . π. ἄρσιν (1)	— 12. καὶ π. τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)	— 10. Β ἐποίησαν π. [A om.] τὰ σμῆρια καὶ τὰ [A π. τὰ] τέρατα (1, -)
— 25. ἀπέκτεναν π. ἀρσενικόν (1)	— 13. σίτος δὲ οὐκ ἦν ἐν π. τῇ γῇ (1)	12. 3. λάλησον πρὸς π. συναγωγὴν (1)
— 29. π. τὰ σώματα αὐτῶν καὶ π. τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν (1, 1)	— 14. συνιγάγε δὲ Ἰ. π. τὸ ἀργύριον (1)	— 6. π. τὸ πλῆθος συναγωγῆς (1)
— 30. Β πᾶσι [A om.] τοῖς κατοικοῦσι τὴν γῆν (1)	— 14. εἰσηγγεκεν Ἰ. π. τὸ ἀργύριον (1)	— 12. πατάξω π. πρωτότοκον (1)
35. 2. καὶ π. τοῖς μετ' αὐτοῦ (1)	— 15. ἐξέλιπε π. [A om.] τὸ ἀργ. (1)	— 12. ἐν π. τοῖς [A om.] θεοῖς τῶν Αἴγ. (1)
— 6. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαός (1)	— 15. ἤλθον δὲ π. οἱ Αἴγ. (1)	— 14. εἰς π. [A om.] τὰς γενεὰς ὑμῶν (1)
36. 6. Β π. τὰ σώματα τοῦ οἴκου αὐ. καὶ π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. καὶ π. [A om.] τὰ κτήνη καὶ π. ὅσα ἐκτίσαστο καὶ π. [A om.] ὅσα περιποιήσαστο (1, -, 1, 1, -)	— 17. ἀντὶ π. τῶν κτηνῶν αὐτῶν (1)	— 15. πᾶς δὲ ἀν φάγῃ ζῦμην (1)
37. 3. παρὰ π. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ (1)	— 17. ἀντὶ π. τῶν κτηνῶν αὐτῶν (1)	— 16. π. ἔργον λατρευτῶν οὐ ποιήσετε (1)
— 4. ἐκ π. τῶν υἱῶν αὐτοῦ (1)	— 20. ἐκτίσαστο Ἰ. π. τὴν γῆν τῶν Αἴγ. (1)	— 16. ὅσα ποιηθήσεται π. ψυχῇ (1)
— 35. συνηχῆσαν δὲ π. οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (1)	— 23. εἶπε δὲ Ἰ. π. τοῖς Αἰγυπτίοις (1)	— 19. πᾶς δὲ ἀν φάγῃ ζυματῶν (1)
39. 4. πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (1)	— 24. Β καὶ π. τοῖς οἰκίοις ὑμῶν [A B al.] (1)	— 20. π. ζυματῶν οὐκ ἔδεσθε (1)
— 5. ἐπὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (1)	48. 16. ὁ ρυμός με ἐκ π. τῶν κακῶν (1)	— 20. ἐν π. δὲ κατοικητηρίῳ ὑμῶν (1)
— 5. ἐπὶ π. τοῖς ὑπάρχουσιν αὐτῷ (1)	49. 25. εὐλογίαν γῆς ἐχούσης πάντα (1)	— 21. ἐκάλεσε δὲ Μ. π. γερούσιαν (1)
— 6. πάντα ὅσα ἦν αὐτῷ (1)	— 28. π. οὗτοι υἱοὶ Ἰ. δώδεκα (1)	— 29. π. πρωτότοκον ἐν γῇ Αἴγ. (1)
— 8. πάντα ὅσα ἔστιν αὐτῷ (1)	50. 7. π. οἱ παῖδες Φαραὼ (1)	— 29. ἕως πρωτότοκον π. κτήρους [A π. πρωτότοκον κτ.] (1)
— 22. καὶ π. τοὺς ἀπηγμένους (1)	— 7. π. οἱ πρεσβύτεροι τῆς γῆς Αἴγ. (1)	— 30. Α καὶ π. [B om.] οἱ θεράποντες αὐ. (1)
— 22. καὶ πάντα ὅσα ποιοῦσιν ἐκεῖ (1)	— 8. π. ἡ πανοικία Ἰωσήφ (1)	— 30. καὶ π. οἱ Αἰγύπτιοι (1)
— 23. πάντα γὰρ ἦν διὰ χειρὸς Ἰ. (1)	— 8. π. ἡ οἰκία ἡ πατρική αὐ. (1)	— 30. ἐγενήθη κραυγὴ μετ. ἐν π. γῇ Αἴγ. (1)
40. 17. ἀπὸ π. τῶν γενημάτων (1)	— 15. π. τὰ κακὰ ἀ' ἐνεδειξάμεθα (1)	— 33. π. ἡμεῖς ἀποδοθήσομεν (1)
— 20. ἐποίησε π. τοῖς πασι ἐν αὐ. (1)	— 22. π. ἡ πανοικία τοῦ πατρὸς αὐ. (1)	— 41. ἐξῆλθε π. ἡ δύναμις κυρίου (1)
41. 8. ἐκάλεσε π. τοὺς ἐξηγγητάς Αἴγ. καὶ π. τοὺς σοφοὺς αὐτῆς (1, 1)	Ex. 21. 5. ἦσαν δὲ π. ψυχὰι ἐξ Ἰακώβ (1)	— 42. ὥστε π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἶναι (1)
— 29. εὐθνήνια πολλὴ ἐν π. γῇ Αἴγ. (1)	— 6. Ἰ. καὶ π. οἱ ἀδ. αὐτοῦ καὶ π. ἡ γενεὰ ἐκ. (1, 1)	— 43. π. ἀλλογενὴς οὐκ ἔδεται ἀπ' αὐτοῦ (1)
— 34. π. τὰ γενήματα τῆς γῆς Αἴγ. (1)	— 14. καὶ π. τοῖς ἔργοις τοῖς ἐν τοῖς πεδίοις κατὰ π. τὰ ἔργα (1, 1)	— 44. π. οἰκέτην . . . περικτεμεῖ αὐτόν (1)
— 35. π. τὰ βρώματα τῶν ἐπτά ἡμέρῶν (1)	— 22. π. ἄρσιν δ' ἐάν τεχθῇ τοῖς Ἑβρ. (1)	— 47. π. συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 37. ἐναντίον π. τῶν παιδῶν αὐτοῦ (1)	— 22. π. θῆλιν ζωογονεῖτε αὐτό (1)	— 48. περικτεμεῖ αὐτοῦ π. ἀρσενικόν (1)
— 38. εἶπε Φ. π. τοῖς πασι ἐν αὐτοῦ (1)	8. 20. ἐν π. τοῖς θαυμασίοις μου (1)	— 48. π. ἀπερίτμητος οὐκ ἔδεται (1)
— 39. εἰδείξεν ὁ θ. σοὶ π. ταῦτα (1)	4. 19. τεθήνασι γὰρ πάντες (1)	13. 2. π. πρωτότοκον πρωτογενὲς διανοίγων π. μῆτραν (1, 1)
— 40. ὑπακούσεται π. ὁ λαός μου (1)	— 21. ὅρα π. τὰ τέρατα (1)	— 7. ἐν π. τοῖς ὁρίοις σου (1)
— 41. Β ἐπὶ π. γῇ [A π. γῆς] Αἴγ. (1)	— 28. π. τοὺς λόγους κυρίου . . . καὶ π. τὰ ῥήματα [A σημεία] (1, 1)	— 12 δις, 13. π. διανοίγων μῆτραν (1)
— 44. Β ἐπὶ π. γῆς [A π. γῇ] Αἴγ. (1)	— 30. ἐλάλησεν Α. π. τὰ ῥήματα ταῦτα (1)	— 13. π. πρωτότοκον ἀνθρώπου (1)
	7. 2. πάντα ὅσα σοὶ ἐντέλλομαι (1)	— 15. ἀπέκτενε π. πρωτότοκον (1)
	— 5. γνώσονται π. οἱ Αἰγύπτιοι (1)	
	— 19. ἐπὶ π. συνεστηκὸς αὐτῶν (1)	

Εκ. 13. 15. Β π. πρωτότοκον τῷ κ. [Β om. π. ... κ.] -	Εκ. 25. 2. λάβετε ἀπαρχὰς παρὰ πάντων (5 a)	Εκ. 35. 24. π. ὁ ἀφαιρῶν ἀφαίρεμα (1)
— 15. π. διανοίγον μίτραν (1)	— 8 (9). ποιήσεις μοι κατὰ πάντα (1)	— 24. εἰς π. τὰ ἔργα τῆς κατασκευῆς (1)
— 15. π. πρωτότοκον τῶν υἱῶν μου (1)	— 8 (9). τὸ παράδειγμα π. τῶν σκευῶν αὐτῆς (1)	— 25. π. γυνὴ σοφὴ τῇ διανοίᾳ (1)
— 22. ἐναντίον τοῦ λαοῦ π. (1)	— 21 (22). κατὰ πάντα ὅσα ἂν ἐντελῶμαι σοι (1)	— 26. καὶ π. αἱ γυναῖκες (1)
14. 4. καὶ ἐν π. τῇ στρατιᾷ αὐτοῦ (1)	— 29. ἄρτους ἐκποῖους ἐναντίον μου διὰ παντός (8 g)	— 29. καὶ π. ἀνὴρ καὶ γυνή (1)
— 4. γνῶσονται π. οἱ Αἰγύπτιοι -	— 38 (39). π. τὰ σκεύη ταῦτα (1)	— 29. ποιεῖν π. τὰ ἔργα (1)
— 6. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ -	26. 2. μίτρον τὸ αὐτὸ ἔσται π. [Α om.] ταῖς αὐλαῖς (1)	— 31. καὶ ἐπιστήμης πάντων (1)
— 7. καὶ π. τὴν ἵππον τῶν Αἰγ. καὶ τριστάτας ἐπὶ πάντων (1, 1)	— 17. οὕτω ποιήσεις π. τοῖς στύλοις (1)	— 32. κατὰ π. τὰ ἔργα τῆς ἀρχιτεκτονίας (1)
— 9. καὶ π. ἡ ἵππος (1)	27. 3. π. τὰ σκευὴ αὐ. ποιήσεις χαλκᾷ (1)	— 33. ἐν π. ἔργῳ σοφίας (1)
— 17. καὶ ἐν π. τῇ στρατιᾷ αὐτοῦ (1)	— 17. π. οἱ στύλοι τῆς αὐλῆς (1)	— 35. πάντα συνιέναι ποιῆσαι τὰ ἔργα (1)
— 18. γνῶσονται π. οἱ Αἰγύπτιοι (1)	— 19. καὶ π. ἡ κατασκευὴ καὶ π. τὰ ἐργαλεῖα (1, 1)	— 35. ποιεῖν π. ἔργον ἀρχιτεκτονίας (1)
— 23. καὶ πᾶς [Α πᾶσα ἡ] ἵππος Φ. (1)	— 20. ἵνα καίτην λύχνος διὰ παντός (8 g)	36. 1. καὶ π. σοφὸς τῇ διανοίᾳ (2 δ)
— 28. ἐκάλυνε . . . π. τὴν δύναμιν Φ. (1)	28. 3. ἀλλήλων π. τοῖς σοφοῖς (1)	— 1. ποιεῖν π. τὰ ἔργα (1)
15. 15. π. οἱ κατοικοῦντες Χαναάν (1)	— 26 (30). οἴσει Ἀ. τὰς κρίσεις . . . διὰ παντός (8 g)	— 1. κατὰ πάντα ὅσα συνέταξε κ. (1)
— 20. ἐξήριθοναν π. αἱ γυναῖκες (1)	— 34 (38). π. δόματα τῶν ἁγίων αὐτῶν (1)	— 2. π. τοὺς ἔχοντας τὴν σοφίαν (5 a)
— 26. καὶ φυλάξετε π. τὰ δικαιώμα. αὐτοῦ (1)	— 34 (38). ἔσται ἐπὶ τοῦ μετώπου Ἀ. διὰ παντός (8 g)	— 2. καὶ π. τοὺς ἔκουςίους βουλομ. (1)
— 26. π. νόσον . . . οὐκ ἐπάξω ἐπὶ σέ (1)	29. 12. τὸ δὲ λοιπὸν π. [Α om.] αἷμα (1)	— 3. ἔλαβον παρὰ Μ. π. τὰ ἀφαιρήματα (1)
16. 1. 2. π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	— 13. λήψῃ π. τὸ στέαρ (1)	— 4. π. οἱ σοφοὶ οἱ ποιοῦντες τὰ ἔργα (1)
— 3. ἀποκτείνει π. τὴν συναγωγὴν ταύτην (1)	— 24. ἐπιθήσεις τὰ π. ἐπὶ τὰς χ. Ἀ. (1)	— 8. ἐποίησε [Α -σαν] π. σοφός (1)
— 6. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	— 35. κατὰ πάντα ὅσα ἐντελῶμαι σοι (1)	37. 2 (38, 9). τὸ αὐτὸ ἦσαν πᾶσαι [Α πᾶσαι] (1)
— 9. εἰπὼν π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	— 37. π. ὁ ἀπτόμος τοῦ θυσιαστηρίου (1)	— 14 (38, 16). π. αἱ αὐλαὶ τῆς σκηνῆς [Α al.] (1)
— 10. ἐλάλει Ἀ. π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	30. 8. θυμίαμα ἐνδελειχόμενὸν διὰ παντός [Α om. δ. π.] (8 g)	— 15 (38, 17). π. οἱ στύλοι τῆς αὐλῆς (1)
— 22. π. οἱ ἄρχοντες τῆς συναγωγῆς (1)	— 14. πᾶς ὁ παραπορευόμενος (1)	— 18 (38, 20). π. οἱ πᾶσαι τοῖς αὐλῆς (1)
— 23. π. τὸ πλεονάζον καταλείπετε αὐτὸ (1)	— 27. ΑΒ καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	38. 23 (3). ἐποίησε π. τὰ σκεύη (1)
17. 1. π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	— 27. 27 (Β). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	39. 1 (38, 24). π. τὸ χρυσίον ὁ κατεργάσθη (1)
— 13. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)	— 28. καὶ π. αὐτοῦ τὰ σκεύη (1)	— 1 (38, 24). κατὰ π. τὴν ἐργασίαν τῶν ἁγίων (1)
18. 1. ἤκουσε δὲ Ἰ. . . πάντα (1)	— 28 (27). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	— 3 (38, 26). π. ὁ παραπορευόμεν. τὴν ἐπίσκεψιν (1)
— 8. διηγήσατο Μ. . . πάντα (1)	— 29. π. ὁ ἀπτόμος αὐτῶν (1)	— 10 (38, 31). καὶ π. τὰ σκεύη τοῦ θυσιαστηρίου (1)
— 8. καὶ π. [Α om.] τῶν Αἰγυπτίων (1)	31. 3. ἐν π. ἔργῳ διανοεῖσθαι (1)	— 10 (38, 31). καὶ π. τὰ ἐργαλεῖα τῆς σκηνῆς (1)
— 8. καὶ π. τὸν μόχθον τὸν γενόμεν. αὐτοῖς (1)	— 5. ἐργάζεσθαι κατὰ π. τὰ ἔργα (1)	— 15 (38). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ (1)
— 9. ἐξέστη δὲ Ἰ. ἐπὶ π. τοῖς ἀγαθοῖς (1)	— 6. καὶ π. συνεψφ. καρδίᾳ δέδωκα σύνεσιν (1)	— 18 (36). ΑΒ καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)
— 11. μέγας κύριος παρὰ π. τοὺς θεοὺς (1)	— 8. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	— 21 (40). καὶ π. τὰ σκεύη τῆς σκηνῆς (1)
— 12. καὶ π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)	— 8. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	— 21 (40). Β καὶ π. [Α om.] τὰ ἐργαλεῖα αὐτῆς (1)
— 13. παρειστῆκε δὲ π. ὁ λαός (1)	— 11. κατὰ πάντα . . . ποιήσουσι (1)	— 21 (40). καὶ π. τὰ ἐργαλεῖα (1?)
— 14. ἰδὼν Ἰ. πάντα (1)	— 14. πᾶς δε ποιήσει ἐν αὐτῷ ἔργον (1)	— 22 (42). ἐποίησαν . . . π. τὴν ἀποσκευὴν [Α παρασκ.] (1)
— 14. π. δὲ ὁ λαὸς παρίστηκε σοι (1)	— 15. πᾶς δε ποιήσει ἔργον (1)	— 23 (43). εἶδε Μ. π. τὰ ἔργα (1)
— 18. καὶ σὺ καὶ π. ὁ λαός (1)	32. 3. περιέιλαντο π. ὁ λαὸς τὰ ἐνώτια (1)	— 40. 6. Β καὶ π. τὰ αὐτῆς ἀγμίσεις (1)
— 21. σκέψαι ἀπὸ π. τοῦ λαοῦ (1)	— 13. καὶ π. τὴν γῆν ταύτην (1)	— 9. καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτῇ (1)
— 22. κρινοῖσι τὸν λαὸν π. ὄραν (1)	— 26. π. οἱ υἱοὶ Λευὶ (1)	— 9. καὶ π. τὰ σκεύη [Β om.] αὐτῆς (1)
— 23. καὶ π. ὁ λαὸς οὗτος . . . ἦξει (1)	33. 7. π. ὁ ζῆτων κύριον (1)	— 10. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ (1)
— 25. ἄνδρας δυνατοὺς ἀπὸ παντός Ἰσρ. (1)	— 8. εἰσθίκει π. ὁ λαός (1)	— 16. ἐποίησε Μ. πάντα (1)
— 26. ἐκρίναν τὸν λαὸν π. ὄραν (1)	— 10. εἴωρα π. ὁ λαὸς τὸν στύλον (1)	— 33. συνετέλεσε Μ. π. τὰ ἔργα (1)
— 26. πάντα [Α τὸ] δὲ ῥήμα ὑπέρογον (1)	— 10. σάντες π. ὁ λαός (1)	— 38. ἐναντίον παντός Ἰσρ. ἐν π. ταῖς ἀναζυγαῖς αὐτῶν (1, 1)
— 26. π. δὲ ῥήμα ἐλαφρόν (1)	— 12. οἶδ' αὖ σε παρὰ πάντας (1)	Le. 1. 9. ἐπιθήσουσιν . . . τὰ π. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (1)
19. 5. λαὸς περνούσας ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν (1)	— 16. παρὰ π. τὰ ἐθνη δὲ ἐπὶ τῆς γῆς ἐστί (1)	— 13. προσοίσει ὁ Ιερὺς τὰ π. (1)
— 5. ἐμὴ γὰρ ἐστί π. ἡ γῆ (1)	— 17. οἶδ' αὖ σε παρὰ πάντας (1)	2. 2. καὶ π. τὸν λῖβανον αὐτῆς (1)
— 7. παρεθήκεν αὐτοῖς π. τοὺς λόγους τ. (1)	34. 3. μηδὲ ὀφθῆτω ἐν π. τῷ ὄρει (1)	— 11. π. θυσίαν ἣν ἂν προσφέρητε (1)
— 8. ἀπεκρίθη δὲ π. ὁ λαός (1)	— 10. ἐνώπιον π. τοῦ λαοῦ σου (1)	— 11. π. γὰρ ζύμην καὶ π. μέλι (1, 1)
— 8. πάντα ὅσα εἶπεν ὁ θ. (1)	— 10. αὐτὸ οὐ γέγονεν ἐν π. τῇ γῇ καὶ ἐν π. ζῆναι (1, 1)	— 13. π. ὄρων θυσίας ὑμῶν (1)
— 11. ἐναντίον π. τοῦ λαοῦ (1)	— 10. οὐδὲν αὖ π. ὁ λαὸς τὰ ἔργα κ. (1)	— 13. ἐπὶ [Α ἀπὸ] π. δώρου ὑμῶν (1)
— 12. π. ὁ ἀψάμενος τοῦ θρους (1)	— 11. πρόσχευε σὺ πάντα (1)	— 16. καὶ π. τὸν λῖβανον αὐτῆς (1)
— 16. ἐπτοήθη π. ὁ λαός (1)	— 19. π. διανοίγον μίτραν (1)	3. 3. καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
— 18. ἐξέστη π. ὁ λαὸς σφόδρα (1)	— 19. π. [Α om.] πρωτότοκον μόσχου (1)	— 9. Β καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας [Α Β al.] (-, 1)
20. 1. π. τοὺς λόγους τούτους (1)	— 20. π. πρωτότοκον τῶν υἱῶν σου (1)	— 14. ΑΒ καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)
— 4. οὐδὲ παντός ὁμοίωμα (1)	— 23. ὀφθῆσεται π. ἀρεσκύν σου (1)	— 15. καὶ π. [Α om.] τὸ στέαρ τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)
— 9. παρήσεις π. τὰ ἔργα σου (1)	— 30. καὶ π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)	— 16. π. τὸ στέαρ τῷ κυρίῳ (1)
— 10. οὐ παρήσεις ἐν αὐτῇ π. ἔργον (1)	— 31. καὶ π. οἱ ἄρχοντες τῆς συναγωγῆς (1)	— 17. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)
— 10. καὶ π. κτήνός σου (1)	— 32. π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)	— 17. π. στέαρ καὶ π. αἷμα οὐκ ἔδεσθε (1, 1)
— 11. καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς (1)	— 32. π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)	4. 2. Β ἀπὸ π. [Α Β om.] τῶν προσταγμάτων κυρίου (1)
— 17. οὕτε π. κτήνους αὐτοῦ (1)	— 32. ἐντεῖλαστο αὐτοῖς πάντα (1)	— 7. π. τὸ αἷμα τοῦ μόσχου (1)
— 18. π. ὁ λαὸς εἴωρα τὴν φωνήν (1)	— 34. ἐλάλει π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1)	— 8. π. τὸ [Α τὸ π.] στέαρ τοῦ μόσχου (1)
— 18. π. ὁ λαὸς ἐστήσαν μακρόθεν (1)	85. 1. π. [Α π. τὴν] συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	— 8. π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθίων (1)
— 24. θύσετε . . . ἐν π. τόφῳ (1)	— 2. π. ὁ ποιῶν ἔργον (1)	— 11. καὶ π. αὐτοῦ τὴν σάρκα (1)
22. 5 (4). εἰδὼν δὲ π. τὸν ἄγρον καταβοσκήσῃ (1)	— 3. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)	— 13. π. συναγωγὴ Ἰσραὴλ (1)
— 9 (8). κατὰ π. ῥητὸν ἀδίκημα (1)	— 4. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	— 13. μίαν ἀπὸ πᾶσων [Α πάντων] τῶν ἐντολῶν (1)
— 9 (8). περὶ . . . π. ἀπωλείας τῆς ἐγκαλομ. (1)	— 5. π. ὁ καταδεχόμενος τὴν καρδίαν (1)	— 18. τὸ π. αἷμα ἐκχεεῖ (1)
— 10 (9). ἡ π. κτήνος φυλάξει (1)	— 10. π. σοφὸς τῇ καρδίᾳ [Α διανοία] (1)	— 19. τὸ π. στέαρ περιελεῖ (1)
— 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτήνους (1)	— 10. πάντα [Α om.] ὅσα συνέταξε κύριος (1)	— 22. καὶ ποιῆσθαι μίαν ἀπὸ π. τῶν ἐντολῶν (1)
— 22 (21). π. χήραν . . . οὐ κακώσετε (1)	— 15 (13). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	— 25. τὸ π. αἷμα αὐτοῦ ἐκχεεῖ (1)
23. 7. ἀπὸ π. ῥήματος ἀδίκου ἀποστήσῃ (1)	— 16 (14). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)	— 26. τὸ π. στέαρ αὐτοῦ ἀνοίσει (1)
— 13. πάντα ὅσα εἴρηκα πρὸς ὑμᾶς (1)	— 17 (16). καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ (1)	— 27. μίαν ἀπὸ πᾶσων [Α πάντων] τῶν ἐντ. (1)
— 17. ὀφθῆσεται π. ἀρεσκύν σου (1)	— 20. π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (1)	— 30. π. τὸ αἷμα αὐτῆς ἐκχεεῖ (1)
— 22. εἰδὼν . . . ποιήσεις πάντα (1)	— 21. εἰς π. τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς (1)	— 31. π. τὸ στέαρ περιελεῖ (1)
— 22. λαὸς περιούσιος ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν (1)	— 21. εἰς π. τὰ κάτερα αὐτῆς (1)	— 34. π. αὐτοῦ τὸ αἷμα ἐκχεεῖ (1)
— 22. ἐμὴ γὰρ ἐστί π. ἡ γῆ (1)	— 22. εἰς π. τὰς στολὰς τοῦ ἁγίου (1)	— 35. π. αὐτοῦ τὸ στέαρ περιελεῖ (1)
— 22. εἰδὼν . . . ποιήσῃτε πάντα (1?)	— 22. πᾶς φ' ἔδοξε τῇ διανοίᾳ (1)	5. 2. ἦτις ἐὰν ἀψηται π. πράγματος ἀκαθ.
— 27. ἐκστήσω π. τὰ ἐθνη (1)	— 23. ἦνεγκαν . . . π. σκευὸς χρυσοῦν (1)	— 3. ἀπὸ π. ἀκαθαρσίας αὐτοῦ (1)
— 27. δώσω π. τοὺς ὑπεναγ. σου φυγάδας (1)	— 23 (22). πάντες δοτοὶ ἦνεγκαν ἀφαιρήματα (5 a)	— 4. κατὰ πάντα ὅσα ἐὰν διαστείλῃ (1)
24. 3. διηγήσατο . . . π. τὰ ῥήματα τοῦ θ. (1)	— 23. Α πᾶς φ' ἐρίθη παρ' αὐτῷ [Β al.] (2 a)	— 17. μίαν ἀπὸ π. τῶν ἐντολῶν κυρίου (1)
— 3. ἀπεκρίθη δὲ π. ὁ λαός (1)		
— 3. π. τοὺς λόγους οὗς ἐλάλησε κ. (1)		
— 4. ἔγραψε Μ. π. τὰ ῥήματα κυρίου (1)		
— 7. πάντα ὅσα ἐλάλησε κύριος (1)		
— 8. ἦς διέθετο . . . περὶ π. τῶν λόγων τούτων (1)		

- Le. 6. 3 (5. 22). ἀπὸ πάντων ὧν ἐὰν ποιῇς ὁ ἄνθρ. (1)  
 — 4 (5. 24). ἀπὸ π. πράγματος οὐ ὅμοσε (1)  
 — 6 (5. 26). ἀπὸ πάντων ὧν ἐποίησε (1)  
 — 13 (6). πῦρ διὰ πάντων καυθήσεται (8 g)  
 — 15 (8). B εἰς σὺν π. [A B om.] τῷ λιβάδι αὐτῆς (1)  
 — 18 (11). π. ἀρσενικὸν τῶν ἱερέων (1)  
 — 18 (11). πᾶς δὲ ἐὰν ἀψηλάσῃ αὐτῶν (1)  
 — 20 (13). B εἰς θυσίαν διὰ παντός (8 g)  
 — 23 (16). B π. θυσία ἱερῶς ὀλοκαυτὸς ἔσται (1)  
 — 27 (20). π. ὁ ἀπτόμ. τῶν κρεῶν αὐτῆς (1)  
 — 29 (22). π. ἄρσεν ἐν τοῖς ἱερέσι (1)  
 — 30 (23). π. τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας (1)  
 — 33 (7. 3). π. τὸ στέαρ αὐτοῦ προσοίσει (1)  
 — 33 (7. 3). καὶ π. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτει τὸ ἐνδοσθ. καὶ π. τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθ. —, —  
 — 36 (7. 6). π. ἄρσεν ἐκ τῶν ἱερέων (1)  
 — 39 (7. 9). π. θυσία ἦτις ποιηθήσεται (1)  
 — 39 (7. 9). καὶ πᾶσα ἦτις ποιηθήσεται (1)  
 — 40 (7. 10). π. θυσία ἀνατεταμένη ἐν εἰλαίῳ (1)  
 — 40 (7. 10). π. τοῖς υἱοῖς Ἰακώβ ἐσται (1)  
 7. 4 (14). ἐν ἀπὸ π. τὸν δῶρον αὐτοῦ (1)  
 — 9 (19). δὲ ἐὰν ἀψηλάσῃ π. ἀκαθάρτου (1)  
 — 9 (19). π. καθαρὸς φάγεται κρέα (1)  
 — 11 (21). ἡ δὲ ἀψηλάσῃ π. πράγματος ἀκαθ. . . ἡ π. βδελύματος ἀκαθ. (1, 1)  
 — 13 (23). π. στέαρ βοῶν. . . οὐκ ἔδεσθε (1)  
 — 14 (24). ποιηθήσεται [A οὐ π.] εἰς π. ἔργον (1)  
 — 15 (25). π. ὁ ἐσθὼν στέαρ (1)  
 — 16 (26). π. αἶμα οὐκ ἔδεσθε ἐν π. τῇ κατοικίᾳ ὑμῶν (1, 1)  
 — 17 (27). π. ψυχὴ ἡ δὲ φάγη αἶμα (1)  
 8. 3. π. τὴν συναγωγὴν ἐκκλησιασίου (1)  
 — 11. A B καὶ π. τὰ σκεύη αὐτοῦ [B τὰ ἐν αὐτῷ] (1)  
 — 11. A B καὶ π. τὰ ἐν αὐτῇ [B τὰ σκεύη αὐτῆς] —  
 — 16. ἔλαβε M. π. τὸ στέαρ (1)  
 — 36. ἐποίησαν A. . . π. τοὺς λόγους (1)  
 9. 5. προσήλθε π. συναγωγῇ (1)  
 — 23. εὐλόγησαν π. τὸν λαόν —  
 — 23. ὁφθῇ ἡ δόξα κυρίου π. τῷ λαῷ (1)  
 — 24. εἶδε π. ὁ λαός (1)  
 10. 3. ἐν π. τῇ [B<sup>1</sup> om.] συναγωγῇ δοξαστήσονται (1)  
 — 6. ἐπὶ π. τὴν συναγωγὴν ἔσται θυμὸς (1)  
 — 6. π. ὁ [A om.] οἶκος Ἰσραὴλ (1)  
 — 11. A B<sup>2</sup> συμβιβάζει . . . π. [B<sup>2</sup> B ἄμ.] τὰ νόμια (1)  
 11. 2. ἀπὸ π. [B<sup>1</sup> om.] τῶν κτηνῶν (1)  
 — 3. π. κτήνος διχλοῦν ὀπλήν (1)  
 — 9. ἀπὸ π. τῶν ἐν τοῖς ὑδασι (1)  
 — 9. B πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς πτερυγία (1)  
 — 10. πάντα ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πτερυγία (1)  
 — 10. ἀπὸ πάντων ὧν ἐρείγεται τὰ ὑδατα (1)  
 — 10. ἀπὸ π. ψυχῆς (ώσης) (1)  
 — 12. πάντα ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πτερυγία (1)  
 — 16 (15). B καὶ π. [B<sup>2</sup> om.] κόρακα (1)  
 — 20. καὶ π. τὰ ἐρπετά (1)  
 — 23. π. ἐρπετὸν ἀπὸ τῶν πετεινῶν (1)  
 — 24. π. ὁ ἀπτόμ. τῶν θησιμαίων αὐ. (1)  
 — 25. π. ὁ αἶρων τῶν θησιμαίων αὐ. (1)  
 — 26. ἐν π. τοῖς κτήνεσιν (1)  
 — 26. π. ὁ ἀπτόμ. τῶν θησιμαίων αὐ. (1)  
 — 27. πᾶς δὲ πορεύεται ἐπὶ χειρὶν ἐν π. τοῖς θηρίοις (1, 1)  
 — 27. π. ὁ ἀπτόμ. τῶν θησιμαίων αὐ. (1)  
 — 31. ἀπὸ π. τῶν ἐρπετῶν τῶν ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 — 31. πᾶς ὁ ἀπτόμ. αὐτῶν (1)  
 — 32. πᾶν ἐφ' ὃ δὲ ἐν ἐπιτήσῃ (1)  
 — 32. ἀπὸ π. σκεύους ξυλίνου (1)  
 — 32. π. σκεῦος ὃ ἐὰν ποιῇ ἔργον (1)  
 — 33. καὶ π. σκεῦος ὀστράκινον (1)  
 — 34. καὶ π. βρώμα ὃ ἐσθεται (1)  
 — 34. καὶ π. ποτὶν ὃ πίνεται ἐν π. ἀγγείῳ (1, 1)  
 — 35. πᾶν ὃ ἐὰν πέσῃ . . . ἐπ' αὐτό (1)  
 — 37. ἐπὶ π. σπέρμα σπόριμον [A<sup>1</sup> om.] (1)  
 — 38. ἐπὶ π. σπέρμα (1)  
 — 41. π. ἐρπετὸν ὃ ἐρπει (1)  
 — 42. π. ὁ πορευόμενος ἐπὶ κοιλίας (1)  
 — 42. π. ὁ πορευόμενος ἐπὶ τέσσαρα διὰ παντός (1, 8 d)  
 — 42, 43, 44. ἐν π. τοῖς ἐρπετοῖς (1)  
 — 46. οὗτος ὁ νόμος περὶ . . . π. ψυχῆς τῆς κινουμένης . . . καὶ π. ψυχῆς ἐρπουσῆς (1, 1)
- Le. 12. 4. π. ἁγίου οὐκ ἀψηλάσῃ (1)  
 18. 12. π. τὸ δέρμα τῆς ἀφῆς (1)  
 — 13. π. τὸ δέρμα τοῦ χρωτὸς (1)  
 — 13. πᾶν μετέβαλε λευκόν (1)  
 — 46. π. τὰς ἡμέρας . . . ἀκαθάρτος ἔσται (1)  
 — 48. ἡ ἐν π. ἐργασίῳ δέρματι (1)  
 — 49. ἡ ἐν π. σκεῖν ἐργασίῳ δέρματος (1)  
 — 51. κατὰ πάντα ὅσα ἐὰν ποιῇ (1)  
 — 52, 53, 57. ἡ ἐν π. σκεῖν δερματίνῳ (1)  
 — 58. ἡ π. σκεῖν δερματίνον (1)  
 — 59. ἡ π. σκεῖν δερματίνον (1)  
 14. 8. ἐκρηθήσεται αὐτοῦ π. τὴν τρίχα (1)  
 — 9. ἐκρηθήσεται π. τὴν τρίχα αὐτοῦ (1)  
 — 9. π. τὴν τρίχα αὐτοῦ ἐκρηθήσεται (1)  
 — 45. π. τὸν χεῖν ἐξοίσουσιν (1)  
 — 46. π. τὰς ἡμέρας δὲ ἀφωρισμένη ἔστί (1)  
 — 54. κατὰ π. ἀφῆν λέπρας (1)  
 15. 3. π. αἱ ἡμέρας ὅσους σώματος αὐ. —  
 — 4. π. κοίτῃ ἐφ' ἧς ἐὰν κοιμηθῇ (1)  
 — 4. π. σκεῦος ἐφ' ὃ ἐὰν καθίσθῃ (1)  
 — 9. π. ἐπίσασμα δυνου (1)  
 — 10. π. ὁ ἀπτόμ. ὅσα ἐὰν ἡ ὑποκάτω αὐτοῦ (1)  
 — 16. λούσεται ὑδατι π. τὸ σῶμα αὐτοῦ (1)  
 — 17. π. ἱμάτων καὶ π. δέρμα (1, 1)  
 — 19. π. ὁ ἀπτόμ. αὐτῆς ἀκαθάρτος ἔσται (1)  
 — 20. πᾶν [A ἐὰν] ἐφ' ὃ ἐὰν κοιτάξῃται (1)  
 — 20. πᾶν ἐφ' ὃ ἐὰν ἐκκαθίσθῃ (1)  
 — 21. πᾶς δὲ ἐὰν ἀψηλάσῃ τῆς κοίτης αὐ. (1)  
 — 22. π. ὁ ἀπτόμ. π. σκεῖνους (1, 1)  
 — 24. π. κοίτῃ ἐφ' ἧς ἐὰν κοιμηθῇ (1)  
 — 25. π. αἱ ἡμέρας ὅσους ἀκαθαρσίας αὐ. (1)  
 — 26. π. κοίτῃ ἐφ' ἧς ἐὰν κοιμηθῇ (1)  
 — 26. π. τὰς ἡμέρας τῆς ὁύσεως (1)  
 — 26. π. σκεῖνους ἐφ' ὃ ἐὰν καθίσθῃ (1)  
 — 27. π. ὁ ἀπτόμ. αὐτῆς (1)  
 16. 2. μὴ εἰσπορευεῖσθαι π. ὄραν (1)  
 — 4. λούσεται ὑδατι π. τὸ σῶμα αὐτοῦ (1)  
 — 16. περὶ π. τῶν ἁμαρτιῶν αὐ. (1)  
 — 17. π. ἀνθρώπος οὐκ ἐσται ἐν τῇ σκηνῇ (1)  
 — 17. περὶ π. συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (1)  
 — 21. π. τὰς ἀνομίας τῶν υἱῶν Ἰσρ. καὶ π. τὰς ἀδικίας αὐ. καὶ π. τὰς ἁμαρτί. αὐ. (1 ter)  
 — 29. π. ἔργον οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 30. ἀπὸ π. τῶν ἁμαρτ. ὑμῶν (1)  
 — 33. καὶ περὶ π. συναγωγῆς (1)  
 — 34. ἀπὸ π. τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν (1)  
 17. 2. πρὸς π. [A π. τοῖς] υἱοῖς Ἰσρ. (1)  
 — 10. δε δὲ ἀν φάγη π. αἶμα (1)  
 — 11. ἡ γὰρ ψυχὴ π. σαρκός (1)  
 — 12. π. ψυχὴ ἐξ ὑμῶν (1)  
 — 14. ἡ γὰρ ψυχὴ π. σαρκός (1)  
 — 14. αἶμα π. σαρκός οὐ φάγεται (1)  
 — 14. ἡ ψυχὴ π. σαρκός αἶμα αὐτοῦ ἐστί (1)  
 — 14. π. ὁ ἐσθὼν αὐτό (1)  
 — 15. π. ψυχὴ ἦτις φάγεται θησιμαίων (1)  
 18. 5. φυλάξεσθε π. τὰ προστάγματά μου καὶ π. τὰ κρίματά μου —, —  
 — 6. πρὸς π. οἰκεία σαρκὸς αὐτοῦ (1)  
 — 23. πρὸς πᾶν τετράπουν οὐ δώσεις τὴν κοίτην (1)  
 — 23. γυνὴ οὐ στήσεται πρὸς πᾶν τετράπουν (1)  
 — 24. μὴ μαίνεται ἐν π. τοῖτοῖς (1)  
 — 24. ἐν π. γὰρ τοῖτοῖς ἐμάνθησαν (1)  
 — 26. φυλάξεσθε π. τὰ νόμια μου (1)  
 — 26. B καὶ π. τὰ προστάγματά μου (1)  
 — 26. ἀπὸ π. τῶν βδελυγμάτων τούτων (1)  
 — 27. π. γὰρ τὰ βδελυγμάτων ταῦτα (1)  
 — 29. πᾶς δὲ ἐὰν ποιῇ (1)  
 — 29. ἀπὸ π. τῶν [B<sup>2</sup> om.] βδελυγμάτων τούτων (1)  
 — 30. ἀπὸ π. τῶν νομίμων [A ἀνόμων] (1)  
 19. 23. π. ξύλινον βροσισμον (1)  
 — 24. ἐσται π. ὁ καρπὸς αὐτοῦ ὄγκος (1)  
 — 37. π. τὸν νόμον μου καὶ π. τὰ προστάγματά μου (1, 1)  
 20. 5. καὶ π. τοὺς ὁμοουνοῦντας αὐτῷ (1)  
 — 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς π. κτήνη (1)  
 — 22. φυλάξεσθε π. τὰ προστάγμα. μου (1)  
 — 23. ταῦτα πάντα ἐποίησαν (1)  
 — 24. δε διώματα ἡμᾶς ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 25. καὶ ἐν π. τοῖς ἐρπετοῖς τῆς γῆς (1)  
 — 26. ὁ ἀφωρισμός ὑμῶν ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν (1)  
 21. 11. ἐπὶ π. ψυχῇ τετελετηκυῖα (1)  
 — 18. π. ἀνθρώπος ἐφ' ὃ ἐὰν ἐν αὐτῷ μῶμος (1)  
 — 21. πᾶς φ' ἐστὶν ἐν αὐτῷ μῶμος (2 a)  
 — 24. καὶ πρὸς π. υἱοῖς Ἰσρ. (1)  
 22. 3. π. ἀνθρώπος δε δὲ ἐὰν προσέλθῃ ἀπὸ π. [B<sup>1</sup> om.] τοῖ [A om.] σπέρματος ὑ. (1, 1)
- Le. 22. 4. ὁ ἀπτόμ. π. ἀκαθαρσίας ψυχῆς (1)  
 — 5. ὅστις ἐὰν ἀψηλάσῃ π. ἐρπετοῦ ἀκαθ. (1)  
 — 5. κατὰ π. ἀκαθαρσίαν αὐτοῦ (1)  
 — 10. π. ἀλλογενὴς οὐ φάγεται ἄγια (1)  
 — 13. π. ἀλλογενὴς οὐ φάγεται ἀπ' αὐτῶν (1)  
 — 18. καὶ π. συναγωγῇ Ἰσρ. (1)  
 — 18. κατὰ π. ὁμολογίαν αὐ. ἡ κατὰ π. αἵρεσιν αὐ. (1, 1)  
 — 20. πάντα ὅσα ἐὰν ἐξῇ μῶμον (1)  
 — 21. π. μῶμος οὐκ ἔσται ἐν αὐτῷ (1)  
 — 25. οὐ προσοίσετε . . . ἀπὸ π. τούτων (1)  
 28. 3. π. ἔργον οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 3. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)  
 — 7, 8. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 14. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)  
 — 21. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 21. ἐν π. τῇ κατοικίᾳ ὑμῶν (1)  
 — 25. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 28. π. ἔργον οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 29. π. ψυχὴ ἦτις μὴ ταπεινωθήσεται (1)  
 — 30. π. ψυχὴ ἦτις ποιῇ ἔργον (1)  
 — 31. π. ἔργον οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 31. ἐν π. κατοικίᾳ ὑμῶν (1)  
 — 35, 36. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιῆσετε (1)  
 — 38. B πλὴν πᾶσων [A B πάντων] τῶν εὐχῶν ὑμῶν (1)  
 — 42. π. ὁ αὐτόχθων ἐν Ἰσρ. (1)  
 24. 2. καὶ π. λυχνον διὰ παντός (8 g)  
 — 8. ἐναντὶ κυρίου διὰ παντός (8 g)  
 — 14. π. οἱ ἀκούσαντες (1)  
 — 14. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν π. ἡ συναγωγὴ (1)  
 — 16. A B<sup>1</sup> λιθοβολεῖται αὐτὸν π. [B<sup>2</sup> B π. ἡ] συναγωγὴ Ἰσρ. (1)  
 25. 7. ἔσται π. τὸ γένημα αὐ. εἰς βρώσιν (1)  
 — 9. ἐν π. τῇ γῇ ὑμῶν (1)  
 — 9. ἐν π. τῇ γῇ ὑμῶν (1)  
 — 10. π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτὴν (1)  
 — 18. π. τὰ δικαιώματά μου καὶ π. τὰς κρίσεις μου —, —  
 — 24. κατὰ π. γῆν κατασχέσεις ὑμῶν (1)  
 — 31. λυτρωταὶ διὰ παντός ἔσονται —  
 — 32. λυτρωταὶ διὰ παντός ἔσονται (8 e)  
 26. 15. ὥστε ὑμᾶς μὴ ποιεῖν π. τὰς ἐντ. μου (1)  
 — 34, 35. π. τὰς ἡμέρας τῆς ἐρημώσεως αὐτῆς (1)  
 27. 11. ἐὰν δὲ π. κτηνὸς ἀκαθάρτος (1)  
 — 25. π. τιμὴ ἔσται σταθμίου ἁγίου (1)  
 — 26. π. πρωτότοκον ὃ ἐὰν γέννηται (1)  
 — 28. π. δε ἀνάθεμα (1)  
 — 28. ἀπὸ πάντων ὅσα αὐτῷ ἐστὶν (1)  
 — 28. π. ἀνάθεμα ἁγίων ἁγίων ἔσται (1)  
 — 29. πᾶν ὃ ἐὰν ἀνατεθῇ (1)  
 — 30. π. δεκάτῃ τῆς γῆς (1)  
 — 32. καὶ π. δεκάτῃ βοῶν (1)  
 — 32. πᾶν ὃ ἐὰν ἔλθῃ ἐν τῷ ἀριθμῷ (1)  
 Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν π. συναγωγῆς (1)  
 — 3 (2). π. ἄρσεν ἀπὸ εἰκοσαετῶς (1)  
 — 3. π. ὁ ἐκπορευόμενος ἐν δυνάμει Ἰ. (1)  
 — 18. π. τὴν συναγωγὴν συνήγαγον [A al.] (1)  
 — 18. π. ἀρσενικὸν κατὰ κεφαλὴν αὐ. —  
 — 20, 22. π. ἀρσενικὰ ἀπὸ εἰκοσαετῶς . . . π. ὁ ἐκπορευόμενος ἐν τῇ δυνάμει (1, 1)  
 — 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. πάντα ἀρσενικὰ ἀπὸ εἰκοσαετῶς . . . π. ὁ ἐκπορευόμενος (—, 1)  
 — 45. π. ἡ ἐπίσκεψις υἱῶν Ἰσρ. (1)  
 — 45. π. ὁ ἐκπορευόμενος παρατάσσεται (1)  
 — 50. ἐπὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)  
 — 50. ἐπὶ πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (1)  
 — 50. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῆς (1)  
 — 54. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. κατὰ πάντα (1)  
 2. 9. π. οἱ ἐπισκεπόμενοι (1)  
 — 16, 24. π. οἱ ἐπισκεπόμενοι [A ἡριθμη.] (1)  
 — 31. π. οἱ ἐπισκεπόμενοι [A ἀριθμηθίντες] (1)  
 — 32. π. ἡ ἐπίσκεψις τῶν παμμβολῶν (1)  
 — 34. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πάντα [A om.] (1)  
 8. 8. φυλάξουσι π. τὰ σκεύη (1)  
 — 8. κατὰ π. τὰ ἔργα τῆς σκηνῆς —  
 — 10. καὶ πάντα τὰ κατὰ τὸν βωμόν —  
 — 12. ἀντὶ π. πρωτότοκου (1)  
 — 13. ἐμοὶ γὰρ π. πρωτότοκον (1)  
 — 13. ἐπάταξα π. πρωτότοκον (1)  
 — 13. ἡγίασα ἐμοὶ π. πρωτότοκον (1)  
 — 15. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μηνιαίου (1)  
 — 22. κατὰ ἀριθμὸν π. ἀρσενικοῦ (1)  
 — 26. τὰ κατὰλοπα π. τῶν ἔργων αὐ. (1)  
 — 28. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μηνιαίου (1)



Nu. 8. 31. καὶ π. τὰ ἔργα αὐτῶν	(1)	Nu. 14. 10. Ἀ ἐν [B om.] π. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ.	(1)	Nu. 21. 23. συνήγαγε Σ. π. τὸν λαὸν αὐτοῦ	(1)
— 34. π. ἀρσενικὸν [A <sup>3</sup> om. π. d.] ἀπὸ μνηναίου	(1)	— 11. ἐν π. τοῖς σημείοις	(1)	— 25. ἔλαβεν Ἰσρ. π. τὰς πόλεις ταύτας	(1)
— 36. καὶ π. τὰ σκευὴ αὐτῶν	(1)	— 14. π. οἱ κατακοιῦντες ἐπὶ τῆς γῆς	—	— 25. κατῴκησεν Ἰσρ. ἐν π. ταῖς πόλεσι	(1)
— 39. π. ἡ ἐπίσκεψις τῶν Λ.	(1)	— 21. ἐμπλήσει . . . π. τὴν γῆν	(1)	— 25. ἐν π. ταῖς συγκυροῦσας αὐτῇ	(1)
— 39. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μνηναίου	(1)	— 22. π. οἱ ἀνδρὲς οἱ ὀρώντες τὴν δόξαν μου	(1)	— 26. ἔλαβον π. τὴν γῆν αὐτοῦ	(1)
— 40. ἐπισκεψαί π. πρωτότοκον	(1)	— 23. π. νεώτερος ἀπειρος	—	— 31. ἐν π. ταῖς πόλεσι τῶν Ἀμ.	—
— 41 bis. ἀντὶ π. τῶν πρωτότοκων	(1)	— 23. π. δὲ οἱ παροξύναντές με	(1)	— 33. καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ	(1)
— 42. π. πρωτότοκον ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ.	(1)	— 29. καὶ π. ἡ ἐπισκοπὴ ὑμῶν	(1)	— 34. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ καὶ π. τὴν γῆν αὐτοῦ	(1, -)
— 43. ἐγένοντο π. τὰ πρωτότοκα	(1)	— 39. πρὸς π. υἱοὺς Ἰσραὴλ	(1)	— 35. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ	(1)
— 45. ἀντὶ π. τῶν πρωτότοκων	(1)	15. 13. π. οὐκ αὐτόχθων ποιήσει οὕτως	(1)	22. 2. ἰδὼν Βαλὰκ . . . πάντα	(1)
4. 3. π. ὁ εἰσπορευόμενος, λειτουργεῖν	(1)	— 22. ὅταν δὲ . . . μὴ ποιήσῃτε π. τὰς ἐντολάς τ.	(1)	— 4. ἐκλείψει . . . π. τοὺς κύκλῳ ἡμῶν	(1)
— 3. ποιῆσαι π. τὰ ἔργα	—	— 24. ποιήσει π. ἡ συναγωγὴ μόσχων	(1)	— 17. Ἀ πάντα [B om.] ὅσα ἐὰν εἴπῃς	(1)
— 7. οἱ ἄρτοι οἱ διὰ παντός ἐπ' αὐτῆς ἔσονται (8 g)	(1)	— 26. κατὰ π. συναγωγὴν [A π. ἡ σ.]	(1)	28. 6. καὶ π. οἱ ἄρχοντες Μ. μετ' αὐτοῦ	(1)
— 9. καὶ π. τὰ ἀγγεῖα τοῦ ἐλαίου	(1)	— 26. π. τῷ λαῷ ἀκούσιον	(1)	— 13. πάντας δὲ οὐ μὴ ἴδῃς	(1)
— 10. καὶ π. τὰ σκευὴ αὐτῆς	(1)	— 33. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ.	(1)	— 17. καὶ π. [B <sup>2</sup> ἀπ.] οἱ ἄρχοντες Μ.	—
— 12. π. τὰ σκευὴ τὰ λειτουργικὰ	(1)	— 35. λιθοβολήσασθε αὐτὸν . . . π. ἡ συναγωγὴ	(1)	24. 17. προνομήσει π. [A π. τοὺς] υἱοὺς Σὴθ	(1)
— 14. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ π. τὰ σκευὴ	(1)	— 36. ἐξήγαγον αὐτὸν π. ἡ συναγωγὴ	(1)	25. 4. λάβε π. [A om.] τοὺς ἀρχηγούς	(1)
— 14. καὶ π. τὰ σκευὴ τοῦ θυσιαστ.	(1)	— 36. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν π. ἡ συναγ.	—	— 6. ἐναντίον π. συναγωγῆς υἱῶν Ἰ.	(1)
— 15. Δ B <sup>2</sup> B καὶ π. τὰ σκευὴ τὰ ἅγια	(1)	— 39. μνησθήσεσθε π. τῶν ἐντολῶν κ.	(1)	26. 2. τὴν ἀρχὴν π. [A π. τῆς] συναγωγῆς υἱῶν Ἰ.	(1)
— 16. ἐν π. τοῖς ἔργοις	+	— 40. καὶ ποιήσῃτε π. τὰς ἐντολάς μου	(1)	— 2. π. ὁ ἐκπορευόμενος παρατάσσεται	(1)
— 23. πᾶς ὁ εἰσπορευόμενος, λειτουργεῖν	(1)	16. 3. π. ἡ συναγωγὴ π. ἅγιοι	(1, 1)	— 43. π. οἱ δῆμοι Σαμεί	(1)
— 26. καὶ π. τὰ σκευὴ τὰ λειτουργικὰ	(1)	— 5. πρὸς π. αὐτοῦ τὴν συναγωγὴν	(1)	— 62. π. ἀρσενικὸν ἀπὸ μνηναίου	(1)
— 27. κατὰ π. τὰς λειτουργίας αὐτῶν	(1)	— 6. Κορέ καὶ π. ἡ συναγωγὴ αὐ.	(1)	27. 2. καὶ ἐναντίον π. [A π. τῆς] συναγωγῆς	(1)
— 27. κατὰ π. τὰ ἔργα [A ἀρτὰ δὲ] αὐτῶν	(1)	— 10. καὶ π. τοὺς ἀδελφούς σου	(1)	— 16. κ. ὁ θεὸς . . . π. σαρκός	(1)
— 27. π. τὰ ἀρτὰ [B <sup>2</sup> ἔργα] ὑπ' αὐτῶν	(1)	— 11. καὶ π. ἡ συναγωγὴ σου	(1)	— 19. ἐναντὶ π. συναγωγῆς	(1)
— 30. π. ὁ εἰσπορευόμενος, λειτουργεῖν	(1)	— 19. Δ <sup>3</sup> B τὴν π. αὐτοῦ συναγωγὴν	(1)	— 21. καὶ π. ἡ συναγωγὴ	(1)
— 31. κατὰ π. τὰ ἔργα	(1)	— 19. ὥφθη . . . π. τῇ συναγωγῇ	(1)	— 22. καὶ ἐναντίον π. συναγωγῆς	(1)
— 32. καὶ π. τὰ σκευὴ αὐτῶν	(1)	— 22. θεὸς . . . π. σαρκός	(1)	28. 10, 15. ἐπὶ τῆς ὀλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός	(8 g)
— 32. καὶ π. τὰ λειτουργήματα αὐτῶν	(1)	— 22. ἐπὶ π. τὴν συναγωγὴν ὀργῇ κυρίου	(1)	— 18. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε	(1)
— 33. ἐν π. τοῖς ἔργοις αὐτῶν	(1)	— 25. π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ.	—	— 23. τῆς ὀλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός	(8 g)
— 35. π. ὁ εἰσπορευόμενος, λειτουργεῖν	(1)	— 26. μὴ ἀπεστῇ ἀπὸ πάντων	(1)	— 24. ἐπὶ τοῦ ὀλοκαυτώματος τοῦ διὰ παντός	(8 g)
— 37. π. ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκηνῇ	(1)	— 26. Δ B ἐν π. τῇ ἀμαρτίᾳ αὐ. [B al.]	(1)	— 25, 26. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε	(1)
— 39. π. ὁ εἰσπορευόμενος, λειτουργεῖν	(1)	— 28. ποιῆσαι π. τὰ ἔργα ταῦτα	(1)	— 30 (31). πλὴν τοῦ ὀλοκαυτῶμ. τοῦ διὰ παντός	(8 g)
— 41. π. ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκηνῇ	(1)	— 29. κατὰ θάνατον π. ἀνθρώπων	(1)	[A al.]	(1)
— 43. π. ὁ εἰσπορευόμενος, λειτουργεῖν	(1)	— 29. κατ' ἐπίσκεψιν π. ἀνθρώπων	(1)	29. 1. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε	(1)
— 46. π. οἱ ἐπεσκημένοι	(1)	— 30. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς	(1)	— 6. τὸ ὀλοκαύτωμα τὸ [B <sup>2</sup> τὰ δ.] διὰ παντός	(8 g)
— 47. π. ὁ εἰσπορευόμενος, πρὸς τὸ ἔργον	(1)	— 31. λαλῶν π. τοὺς λόγους τοῖσους	(1)	— 7. π. ἔργον οὐ ποιήσετε	(1)
5. 2. π. λεπρὸν καὶ π. γοηορρὴ καὶ π. ἀκάθαρτον ἐπὶ ψυχῇ	(1 ter)	— 32. καὶ π. τοὺς ἀνθρ. τὸν δῖτα μετὰ Κ.	(1)	— 11. καὶ ἡ ὀλοκαύτωσις ἡ διὰ παντός	(8 g)
— 6. B ἀπὸ π. [A B om.] τῶν ἀμαρτιῶν	(1)	— 33. Δ πάντα [B om.] ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς	(1)	— 12. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε	(1)
— 9. π. ἀπαρχὴ κατὰ [A καὶ] π. τὰ ἁγιαζόμεν.	(1, 1)	— 34. πᾶς Ἰσραὴλ οἱ κύκλῳ αὐτῶν	(1)	— 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34. πλὴν τῆς ὀλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός	(8 g)
— 30. ποιήσει ὁ ἰ. π. τὸν νόμον τοῦτον	(1)	17. 2 (17). παρὰ π. τὸν ἀρχόντων αὐτῶν	(1)	— 35. π. ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε	(1)
6. 4. π. τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς αὐ.	(1)	— 6 (21). ἔδωκαν αὐτῷ π. οἱ ἄρχοντες αὐ.	(1)	— 38. πλὴν τῆς ὀλοκαυτῶσ. τῆς διὰ παντός	(8 g)
— 4. ἀπὸ πάντων [A πᾶσων] ὅσα γίνονται ἐξ ἀμ.	(1)	— 9 (24). ἐξήνεγκε Μ. π. τὰς βάβδους . . . πρὸς π. υἱοὺς Ἰσρ.	(1, 1)	30. 1. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετέλιτο	(1)
— 5. π. τὰς ἡμέρας τοῦ ἁγιασμοῦ	(1)	— 13 (28). π. ὁ ἀπτόμ. τῆς σκηνῆς κυρίου	(1)	— 3. πάντα . . . ποιήσει	(1)
— 6. π. τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς	(1)	18. 4. κατὰ π. τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς	(1)	— 4 (5). στήσονται π. αὶ εὐχαὶ αὐτῆς	(1)
— 6. ἐπὶ π. ψυχῇ τετελειτηκυῖα	(1)	— 7. κατὰ π. τρόπον τοῦ θυσιαστ.	(1)	— 5. π. οἱ ὅρισμοι οὗς ὥρισται	(1)
— 8. π. τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς αὐτοῦ	(1)	— 8. ἀπὸ π. τῶν ἡγιασμένων μοι	(1)	— 6. π. [A om.] τὰς εὐχὰς αὐτῆς	(1)
— 12. Δ π. [B om.] τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς	(1)	— 9. ἀπὸ π. τῶν δαδων αὐ. καὶ ἀπὸ π. τῶν θυσιῶν	(1, 1)	— 8. στήσονται π. αὶ εὐχαὶ αὐτῆς	—
7. 1. καὶ π. τὰ σκευὴ αὐτῆς	(1)	— 9. ἀπὸ π. [A π. τῆς] πλημμελείας αὐ. καὶ ἀπὸ π. τῶν ἀμαρτιῶν	(1, 1)	— 9. π. αὶ εὐχαὶ αὐτῆς . . . οὐ μενοῦσιν	—
— 1. π. τὰ σκευὴ αὐτοῦ	(1)	— 9. ἀπὸ π. τῶν ἁγίων	(1)	— 12. στήσονται π. αὶ εὐχαὶ αὐτῆς	(1)
— 85. π. τὸ ἀργύριον τῶν σκευῶν	(1)	— 10. π. ἀρσενικὸν φάγεται αὐτὰ	(1)	— 12. π. οἱ ὅρισμοι . . . στήσονται	(1)
— 86. π. τὸ χρυσίον τῶν θυσιῶν	(1)	— 10. π. τῶν ἐπιθεμάτων	(1)	— 13. ἢ ἂν ἡμέρα ἀκούσῃ πάντα	(1)
— 87. π. αἱ βόες αἱ εἰς ὀλοκαυτῶσιν	(1)	— 11. ἀπὸ π. τῶν ἐπιθεμάτων	(1)	— 14. π. εὐχὴ καὶ π. ὄρκος δεσμοῦ	(1, 1)
— 88. π. αἱ βόες εἰς θυσίαν	(1)	— 12. π. καθαρὸς ἐν τῷ οἴκῳ σου	(1)	— 15. στήσῃ αὐτῇ π. τὰς εὐχὰς αὐ.	(1)
8. 7. ἐπὶ π. [A om.] τὸ σῶμα αὐ.	(1)	— 11. π. ἀπαρχὴ ἐλαίου καὶ π. ἀπαρχὴ οἴνου	(1, 1)	81. 4. ἐκ π. φυλῶν Ἰσρ.	(1)
— 9. π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσραὴλ	(1)	— 13. τὰ πρωτογενήματα π.	(1)	— 7. ἀπέκτειναν π. ἀρσενικὸν	(1)
— 16. ἀντὶ τῶν διανοομένων π. μήτραν πρωτοτόκων π.	(1, 1)	— 13. π. καθαρὸς ἐν τῷ οἴκῳ σου	(1)	— 9. καὶ π. τὰ ἔγκτητα αὐτῶν	(1)
— 17. ἐμοὶ π. πρωτότοκον	(1)	— 14. π. ἀναθεματισμένοι ἐν υἱοῖς Ἰ.	(1)	— 10. καὶ π. τὰς πόλεις αὐτῶν	(1)
— 17. ἐπάταξα π. πρωτότοκον	(1)	— 15. B π. διανοοῦν μήτραν [A πᾶς διανοοῦν π. μήτραν] ἀπὸ π. σαρκός	(1, -)	— 11. ἔλαβον π. τὴν προνομίαν	(1)
— 18. ἀντὶ π. πρωτότοκον	(1)	— 19. π. ἀφαίρεμα τῶν ἁγίων	(1)	— 11. καὶ π. τὰ σκευὴ αὐτῶν	(1)
— 20. καὶ π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ.	(1)	— 21. π. ἀφάρτου π. ἐπιδέκτον ἐν Ἰ.	(1)	— 12. πρὸς π. [A π. τοὺς] υἱοὺς Ἰσρ.	+
9. 16. οὕτως ἐγένετο διὰ παντός	(8 g)	— 28. Δ B ἀπὸ π. [B om.] τῶν [A om.] ἀφαιρέματων	(1)	— 13. καὶ π. οἱ ἄρχοντες τῆς συναγωγῆς	(1)
— 18. π. τὰς ἡμέρας ἐν αἷς σκιάζει	(1)	— 28. ἀπὸ π. ἐπιδέκτον ὑμῶν	(1)	— 15. ἵνα τί ἐζωγγήσατε π. θῆλυ	(1)
10. 3. συναχθήσεται π. ἡ συναγωγὴ	(1)	— 29. ἀπὸ π. τῶν δομάτων ὑμῶν	(1)	— 17. ἀποκτείνετε π. ἀρσενικὸν ἐν π. τῇ ἀμαρτίᾳ	(1, -)
— 4. π. οἱ ἄρχοντες ἀρχηγοὶ Ἰσρ.	(1)	— 29. ἀπὸ πάντων τῶν ἀπαρχῶν	(1)	— 17. π. γυναῖκα . . . ἀποκτείνετε	(1)
— 25. ἔσχατοι πᾶσων τῶν παρεμβολῶν	(1)	— 31. ἴδεσθε αὐτὸ ἐν π. τόπῳ	(1)	— 18. π. τὴν ἀπαρτίαν τῶν γυναικῶν	(1)
— 35. π. οἱ μισοῦντές σε	(1)	19. 11. ὁ ἀπτόμ. τοῦ τεθνηκότος π. ψυχῆς	(1)	— 19. π. ὁ ἀνελών	(1)
11. 12. μὴ . . . ἔλαβον π. τὸν λαὸν τοῦτον	(1)	— 13. Δ π. ὁ ἀπτόμ. τοῦ τεθνηκότος ἀπὸ π. [B om.] ψυχῆς ἀνθρώπου	(1, -)	— 20. π. περίβλημα καὶ π. σκεῖος δερμάτινον καὶ π. ἐργασίαν . . . καὶ π. σκεῖος ξύλινον	(1, quater)
— 13. δοῦναι π. τῷ λαῷ οὕτως	(1)	— 14. π. ὁ εἰσπορευόμενος εἰς τὴν οἰκίαν	(1)	— 23. π. πρᾶγμα δὲ διελευσεται ἐν πυρὶ	(1)
— 22. π. τὸ ὄψος τῆς θαλάσσης	(1)	— 15. π. σκεῖος ἀνεφθόρον	(1)	— 23. πάντα . . . διελευσεται δι' ὕδατος	(1)
— 29. τίς δὲ π. τὸν λαὸν κυρίου	(1)	— 16. πᾶς δὲ ἐν ἀθῆται . . . τραυματίαι	(1)	— 27. καὶ ἀνὰ μέσον π. [A π. τῆς] συναγωγῆς	(1)
12. 3. παρὰ π. τοὺς ἀνθρώπους	(1)	— 22. παντός οὗ ἐὰν ἀθῆται αὐτοῦ	(1)	— 30. καὶ ἀπὸ π. τῶν κτηνῶν	(1)
13. 3 (2). π. ἀρχηγὸν ἐξ αὐτῶν	(1)	20. 1. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. π. ἡ συναγωγὴ	(1)	— 35. π. ψυχαὶ [A π. ψυχῇ] δύο καὶ τριάκ. χιλιάδες	(1)
— 4 (3). π. ἀνδρὲς ἀρχηγοὶ	(1)	— 12. σὺ ἐπίστη π. τὸν μάχον	(1)	— 48. π. οἱ καθοστὰς εἰς τὰς χιλιάρχιαις	(1)
— 27 (26). πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ.	(1)	— 22. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. π. ἡ [B <sup>2</sup> om.] συναγωγὴ	(1)	— 51. π. σκεῖος ἐργασμένου	(1)
— 28 (26). αὐτοῖς . . . καὶ π. [A π. τῆς] συναγωγῇ	(1)	— 25. ἐναντὶ π. τῆς συναγωγῆς	(1)	— 52. ἐγένετο π. τὸ χρυσίον	(1)
— 33 (32). π. ὁ λαὸς ἐν ἐωράκαμιν	(1)	— 29. ἐναντίον π. τῆς συναγωγῆς	(1)	32. 13. ἕως ἐξανάλωθῃ π. ἡ γενεὰ	(1)
14. 1. ἀναλαβοῦσα π. ἡ συναγωγὴ	(1)	— 29. ἴδε π. ἡ συναγωγὴ	(1)	— 21. παρελευσεται ὑμῶν π. ὀπλίτης	(1)
— 2. διεγύγουν . . . π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ.	(1)	— 29. ἔλμασαν . . . π. ὁκος Ἰσρ.	(1)	— 26. καὶ π. τὰ κτήνη ἡμῶν	(1)
— 2. εἰλάν πρὸς αὐτοὺς π. ἡ συναγωγὴ	(1)	21. 8. π. ὁ δεδηγμένος ἰδὼν αὐτὸν	(1)		
— 5. ἐναντίον π. συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ.	(1)				
— 7. πρὸς π. συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ.	(1)				
— 10. εἶπε π. ἡ συναγωγὴ	(1)				

Nu. 32. 27. παρελεύσονται π. ἐνωπλισμένοι (1)	De. 4. 34. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)	De. 18. 15 (16). π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ ἐκ. - (1)
— 29. π. ἐνωπλισμένοι εἰς πόλεμον (1)	— 40. ἥς κ. ὁ θ. σου διδῶσι σοι π. τὰς ἡμ. (1)	— 15 (16). καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτῇ (1)
33. 3. ἐναντίον π. τῶν Αἰγυπτίων (1)	— 49. π. τὴν Ἀραβία πέραν τοῦ Ἰορδ. (1)	— 16 (17) εἰς. καὶ π. τὰ σκύλα αὐτῆς (1)
— 4. ἔθαντον . . . τοὺς τεθνηκότας π. (1)	δ. 1. ἐκάλεσε Μ. πάντα Ἰσραὴλ (1)	— 18 (19). Α. φυλάσσει π. [B om.] τὰς ἐντ. αὐ. (1)
— 4. π. πρωτότοκον ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)	— 3. ὑμεῖς ὡς π. ζῶντες σήμερον (1)	14. 2. περνούσιον ἀπὸ π. τῶν ἐθνῶν (1)
— 52. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ (1)	— 8. οὐδὲ παντὸς ὁμοίωμα (1)	— 3. οὐ φάγεσθε π. βδέλυγμα (1)
— 52. π. τὰ εἰδωλὰ τὰ χωνευτὰ αὐτῶν (1)	— 13. ποιήσεις π. τὰ ἔργα σου (1)	— 6. π. κτήνος διχελὺν ὅλην (1)
— 52. καὶ π. τὰς στήλας αὐτῶν (1)	— 14. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ π. ἔργον (1)	— 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐν τῇ ὕδατι (1)
— 53. π. [A om.] τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (1)	— 14. καὶ π. κτήνος σου (1)	— 9. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτοῖς πτερυγία (1)
35. 3. B καὶ π. τοῖς τετράποσιν αὐ. (1)	— 14. B <sup>1</sup> καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς (1)	— 10. πάντα ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πτερυγία (1)
— 7. π. τὸς πόλεις δώσετε τοῖς Δ. (1)	— 21 (18). οὐτε π. κτήνους αὐτοῦ (1)	— 11. π. ὄρνικον καθαρὸν φάγεσθε (1)
— 11. π. ὁ [A om.] πατάξας ψυχὴν ἀκουσίως (1)	— 21 (18). οὐτε πάντα [B <sup>1</sup> om.] ὅσα τῷ πλη- (1)	— 14. A <sup>2</sup> καὶ π. κόρακα καὶ τὰ ὅμοια αὐτῶ (1)
— 15. π. πατάξαντι ψυχὴν ἀκουσίως (1)	— 22 (19). πρὸς π. συναγωγὴν ὑμῶν (1)	— 19. π. τὰ ἔρπετα τῶν πετεινῶν (1)
— 20. καὶ ἐπὶ ῥίπῃ ἐπ' αὐτὸν π. σκευὸς [B <sup>2</sup> om. π. σκ.] (1)	— 23 (20). π. οἱ γινόμενοι τῶν φυλῶν ὑ. (1)	— 20. π. πετεινὸν καθαρὸν φάγεσθε (1)
— 22. ἡ ἐπὶ ῥίπῃ ἐπ' αὐτὸν π. σκευὸς (1)	— 27 (24). B <sup>2</sup> B ἀκούσον πάντα [A B <sup>1</sup> om.] (1)	— 21. π. θνησιμαῖον οὐ φάγεσθε (1)
— 23. ἡ π. λίθον ἐν φ. ἀποσπᾶνται (1)	— 27 (24). A B <sup>2</sup> B σὺ λαλήσεις πρὸς ἡμᾶς (1)	— 22. δεκάτην . . . π. γενήματος [A al.] (1)
— 29. ἐν π. ταῖς κατοικίαις ὑμῶν (1)	— 28 (25). ὁρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν (1)	— 23. φοβίσθαι κ. τὸν θεόν σου π. τὰς ἡμ. (1)
— 30. π. πατάξας ψυχὴν (1)	— 29 (26). φυλάσσεσθαι . . . π. τὰς ἡμέρας (1)	— 26. δώσεις ἀργύριον ἐπὶ παντὶς (1)
36. 8. π. θυνάτηρ ἀγχισταύουσα κληρονομίαν (1)	— 33 (30). κατὰ π. τὴν ὁδὸν ἣν ἐνετείλατο (1)	— 26. A B ἡ ἐπὶ παντὸς οὐ ἂν ἐπιθυμῇ (1)
De. 1. 1. οὐς ἐλάλησε Μ. π. Ἰσραὴλ (1)	δ. 2. φυλάσσεσθε π. τὰ δικαιώμ. αὐτοῦ (1)	— 28. π. τὸ ἐπιδέκατον τῶν γεννημάτων (1)
— 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς π. υἱούς Ἰσρ. κατὰ (1)	— 2. π. τὰς [A om.] ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)	— 29. ἐν π. τοῖς ἔργοις οἷς ἐὰν ποιῇς (1)
— 7. πρὸς π. τοὺς περιοίκους Ἀραβία (1)	— 11. οἰκίας πληρεῖς π. αγαθῶν (1)	15. 2. ἀφῆσθε π. χρέος ἰδίου (1)
— 18. ἐνετείλαμην . . . π. τοὺς λόγους (1)	— 19. ἐκδιώξαι π. τοὺς ἐχθρούς σου (1)	— 5. ποιεῖν [A om.] π. τὰς ἐντ. ταῦτας (1)
— 19. ἐπορεύθημεν π. τὴν ἔρημον (1)	— 24. ποιεῖν π. τὰ δικαιώμ. ταῦτα [A π. τὰς ἐντ. καὶ τὰ κρίματα] (1)	— 10. ἐν π. τοῖς ἔργοις καὶ ἐν πᾶσιν (1, 1)
— 22. προσήλθατέ μοι πάντες (1)	— 24. ἵνα εὖ ᾖ ἡμῖν π. τὰς ἡμ. [A al.] (1)	— 18. ἐν πᾶσιν οἷς ἐὰν ποιῇς (1)
— 30. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)	— 25. ποιεῖν π. τὰς ἐντολὰς ταύτας (1)	— 19. π. πρωτότοκον ὁ εἰς τευχῇ (1)
— 31. κατὰ π. τὴν ὁδὸν εἰς ἣν ἐπορεύθητε (1)	7. 6. B <sup>2</sup> λαὸν περνούσιν παρὰ π. τὰ ἔθνη ὅσα (1)	— 21. A ἡ καὶ π. μῶμος πορνῶν [B al.] (1)
— 39. καὶ π. παιδιὸν νέον (1)	ἐπὶ προσώπῳ π. [A B <sup>1</sup> B om.] τῆς (1)	16. 3. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ὑμῶν (1)
— 41. πολεμήσομεν κατὰ πάντα (1)	γῆς (1, -)	— 4. ἐν π. τοῖς ὅροις σου (1)
2. 7. ἐν π. ἔργῳ τῶν χειρῶν σου (1)	— 7 δις. παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)	— 8. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ π. ἔργον (1)
— 14. π. [A π. ἡ] γενεὰ ἀνδρῶν πολεμιστῶν (1)	— 12. A ἡμῖκα ἂν ἀκούσῃτε π. [B om.] τὰ (1)	— 15. ἐν π. [A π. τοῖς] γενήμασί σου καὶ ἐν (1, 1)
— 16. π. οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταί (1)	δικαιώμ. τ. (1)	— 16. ἀφθῆσεται π. ἀρσενικόν σου (1)
— 25. ἐπὶ προσώπῳ π. τῶν ἰσθμῶν (1)	— 14. εὐλογητὸς ἐστὶν παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)	— 18. A ἐν π. [B om.] ταῖς πόλεσι σου (1)
— 32. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ (1)	— 15. περιελεῖ . . . π. μαλακίαν (1)	— 21. π. ἐξὺλον . . . οὐ ποιήσεις σεαυτῷ (1)
— 33. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)	— 15. π. νόσους Αἰγύ. . . οὐκ ἐπιθήσει (1)	17. 1. π. ῥῆμα πορνῶν (1)
— 34. ἐκρατήσαμεν π. τὸν πόλεμον αὐτοῦ (1)	— 15. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ π. τοὺς μισοῦντάς σε (1)	— 3. ἡ παρὰ τῶν ἐκ τοῦ κόσμου τοῦ οὐρ. [A al.] (1)
— 34. ἐξῆλθεν ῥεύσαμεν π. πόλιν [B <sup>1</sup> πάσας τὰς π.] ἐξῆς (1)	— 16. φάγη π. τὰ σκύλα τῶν ἐθνῶν (1)	— 7. A καὶ ἡ χεὶρ π. [B om.] τοῦ λαοῦ (1)
— 36. τὰς π. παρὰ δέκα κ. ὁ θεός (1)	— 18. ὅσα ἐποίησεν . . . π. τοῖς Αἰγ. (1)	— 10. φυλάξῃ ποιήσαι πάντα [A κατὰ π.] (1)
— 37. π. τὰ συγκυρούμενα χεῖμαρρον Ἰ. (1)	— 19. οὕτως ποιήσει . . . π. τοῖς Ἰθνησι (1)	— 13. π. ὁ λαὸς ἀκούσας (1)
8. 1. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ (1)	8. 1. π. τὰς ἐντ. . . φυλάξεσθε ποιῶν (1)	— 19. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
— 2. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ καὶ π. τὴν γῆν αὐτοῦ (1, -)	— 2. μνηστῆσθαι π. τὴν ὁδόν (1)	— 19. φυλάσσεσθαι π. τὰς ἐντ. ταῦτας (1)
— 3. καὶ π. τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)	— 3. ἐπὶ π. ῥήμῳ τῷ ἐκπορευομ. (1)	18. 5. ἐξελέξατο . . . ἐκ π. τῶν φυλῶν σου (1)
— 4. ἐκρατήσαμεν π. τὸν πόλεμον αὐ. (1)	— 13. πάντων . . . πληθυνθέντων σοι (1)	— 5. A π. τὰς ἡμέρας (1)
— 4. π. τὰ περίχωρα Ἀργὸβ (1)	9. 10. π. οἱ λόγοι οὓς ἐλάλησε κύριος (1)	— 6. ἐκ π. τῶν νίων Ἰσρ. (1)
— 5. πᾶσαι πόλεις διχυραὶ (1)	— 18. περὶ π. τῶν ἀμαρτιῶν ὑμῶν (1)	— 7. ὥστε π. οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ (1)
— 6. ἐξωλεθρεύσαμεν π. πόλιν ἐξῆς (1)	10. 12. πορεύσονται ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (1)	— 12. πᾶς ποιῶν ταῦτα (1)
— 6 (7). καὶ τὰ παιδία καὶ π. τὰ κτήνη (1)	— 14. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (1)	— 16. κατὰ πάντα ὅσα ᾔτησεν (1)
— 10. π. πόλεις Μισωρ καὶ πᾶσα Γαλ. καὶ πᾶσα Βασάν (1 ter)	— 15. ἐξελέξατο . . . παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)	— 17. ὁρθῶς πάντα ὅσα ἐλάλησαν (1)
— 13. B π. τὴν Βασάν . . . ἔδωκε . . . καὶ πᾶσαν [A π. τὴν] περιχώρον Ἀργὸβ πᾶσαν [A π. τὴν, B π. γῆν] Βασάν ἐκείνην (1 ter)	— 11. 1. φυλάξῃ . . . π. τὰς ἡμέρας (1)	19. 3. ἔσται καταφυγὴ ἐκεί π. [A π. τῇ] φορευντῇ (1)
— 14. ἔλαβε π. τὴν [B <sup>1</sup> om.] περιχώρον Ἀργὸβ (1)	— 3. ἐν . . . π. τῇ γῇ αὐτοῦ (1)	— 8. καὶ ὁρ. σοι κ. π. τὴν γῆν (1)
— 18. προπορεύεσθε . . . π. δυνατὸς (1)	— 6. καὶ πᾶσαν αὐτῶν τὴν ὑπόστασιν . . . ἐν (1, 1)	— 9. ποιεῖν π. τὰς ἐντ. ταῦτας (1)
— 21. οἱ ὀφθ. ὑμῶν ἐπιδράσει πάντα (1)	— 7. ἐώρακαν π. τὰ ἔργα κυρίου (1)	— 9. πορεύεσθαι ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. π. τὰς ἡμέρας (1, -)
— 21. οὕτως ποιήσει . . . π. τὰς βασιλείας (1)	— 8. φυλάξεσθε π. τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ (1)	— 15. στήσεται π. ῥῆμα (1)
— 28. B <sup>2</sup> B κατακληρονομήσει αὐτοῖς π. [A B <sup>1</sup> om.] τὴν γῆν (1)	— 12. ἐπισκοπεῖται αὐτὴν διὰ παντός (8 g)	20. 11. ἔσται π. ὁ λαὸς οἱ εὐεργέτες (1)
4. 2. B <sup>1</sup> φυλάσσεσθε πᾶσας [A B <sup>1</sup> B om.] τὰς ἐντολὰς κυρίου (1)	— 13. π. τὰς ἐντολὰς ἃς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι (1)	— 13. πιστάξαι π. ἀρσενικόν αὐτῆς (1)
— 3. οἱ ὀφθ. ὑμῶν ἐπιδράσει πάντα (1)	— 22. ἐὰν ἀκούσῃτε π. τὰς ἐντ. ταῦτας (1)	— 14. A B καὶ π. τὰ κτήνη (1)
— 3. π. ἀνθρώπους δεύτας ἐπορεύθη (1)	— 22. πορεύσονται ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (1)	— 14. A B καὶ πάντα [B om.] ὅσα ἂν ὑπάρχῃ (1)
— 4. ζῆτε πάντες ἐν τῇ σήμερᾳ (1)	— 23. ἐκβαλεῖ κ. π. τὰ ἔθνη ταῦτα (1)	— 14. π. τὴν ἀπαρτίαν προνομύσεις σεαυτῷ (1)
— 6. ἐναντίον π. τῶν [B <sup>1</sup> om.] ἐθνῶν ὅσοι ἂν ἀκούσονται π. τὰ δικαιώμ. ταῦτα (1, -)	— 24. π. τὸν τόπον οὗ ἐὰν πατήσῃ (1)	— 14. φάγη π. τὴν προνομίαν (1)
— 7. ἐν πᾶσιν οἷς ἐὰν αὐτὸν ἐπικαλεσάμεθα (1)	— 25. ἐπὶ πρόσωπον [A -ου] π. τῆς γῆς (1)	— 15. οὕτως ποιήσεις π. τὰς πόλεις (1)
— 8. κατὰ π. τὸν νόμον τούτων (1)	— 31. ἦν . . . διδῶσιν ὑμῖν . . . π. τὰς ἡμέρας (1)	— 16. οὐ ζωγρήσεται π. ἐμπνέον (1)
— 9. μὴ ἐπιλάβῃ π. τοὺς λόγους (1)	— 32. τοῦ ποιεῖν π. τὰ προστάγματα (1)	— 18. ποιεῖν π. τὰ βδελύγματα αὐτῶν (1)
— 9. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)	12. 1. π. τὰς ἡμέρας ἃς ὑμεῖς ζῆτε (1)	21. 5. π. ἀντιλογία καὶ π. ἀφῆ (1, 1)
— 10. π. τὰς ἡμέρας ἃς αὐτοὶ ζῶσιν (1)	— 2. ἀπολείτε π. τοὺς τόπους [A π. τὰ ἔθνη] (1)	— 6. π. ἡ γενοῦσα τῆς πόλεως ἐκ. (1)
— 16. μὴ . . . ποιήσῃτε . . . π. εἰκόνα (1)	— 7. εὐφρανθήσεσθε ἐπὶ πᾶσιν (1)	— 17. διπλά ἀπὸ πάντων (1)
— 17. ὁμοίωμα π. κτήνους (1)	— 8. οὐ ποιήσετε πάντα (1)	— 23. πᾶς κρεμνόμενος ἐπὶ ἐξυλον (1)
— 17. ὁμοίωμα π. ὀρνέου πτερυγοῦ (1)	— 10. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν (1)	22. 3. κατὰ π. ἀπάλαμν του δδ. σου (1)
— 18. ὁμοίωμα π. ἱρπετοῦ (1)	— 11. καὶ π. ἐλεγκτὸν τῶν δώρων ὑμῶν (1)	— 5. πᾶς ποιῶν ταῦτα (1)
— 18. ὁμοίωμα π. ἱρπετοῦ (1)	— 13. ἐν π. τόπῳ οὗ ἐὰν ἴδῃς (1)	— 6. ἡ ἐπὶ π. δίδωρ (1)
— 19. ὁ δὲ π. . . π. τὸν κόσμον τοῦ οὐρ. (1)	— 14. ἐκεῖ ποιήσεις πάντα (1)	23. 6 (7). π. τὰς ἡμέρας σου εἰς τὸν αἰῶνα (1)
— 19. ὁ δὲ π. . . π. τοῖς ἔθνεσι (1)	— 15. ἐν π. ἐπιθυμία σου θύσεις (1)	— 9 (10). φυλάξῃ ἀπὸ παντὸς ῥῆμ. [A πράγμα.] (1)
— 23. γλυπτὸν ὁμοίωμα πάντων (1)	— 15. ἦν ἔδωκε σοι ἐν π. πόλει (1)	— 16 (17). A κατοικήσει ἐν π. τόπῳ [B om. ἐν π. τ.] (1)
— 25. γλυπτὸν ὁμοίωμα παντός (1)	— 17. καὶ π. εὐχὰς (1)	— 18. A <sup>2</sup> πρὸς π. εὐχὴν (1)
— 27. διασπείρει κ. ὑμᾶς ἐν π. τοῖς ἔθνεσι (1)	— 18. εὐφρανθήσῃ . . . ἐπὶ πάντα (1)	— 18 (19). πρὸς π. εὐχὴν (1)
— 27. ἐν π. [B <sup>1</sup> om.] τοῖς ἔθνεσι (1)	— 19. π. τὸν χρόνον ὃν ἔζη [A al.] (1)	— 19 (20). καὶ τόκου π. πράγματος (1)
— 30. εὐρίσκει σε π. οἱ λόγοι οὗτοι (1)	— 20. ἐν π. ἐπιθυμία τῆς ψυχῆς σου (1)	— 20 (21). ἐν π. τοῖς ἔργοις σου (1)
	— 28. ποιήσεις π. τοὺς λόγους (1)	24. 8. ποιεῖν κατὰ π. τὸν νόμον (1)
	— 32 (13. 1). π. ῥῆμα ὁ ἐγὼ ἐντέλλομαι (1)	— 19. ἐν π. τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν σου (1)
	13. 9 (10). καὶ αἱ χεῖρες π. τοῦ λαοῦ ἐπ' ἐσχάτῃ (1)	25. 16. A <sup>1</sup> B πᾶς ποιῶν ἀδικον (1)
	— 11 (12). πᾶς Ἰσρ. ἀκούσας φοβηθήσεται (1)	
	— 13 (14). π. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν αὐτῶν (1)	

De. 25. 19. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν (1)	De. 81. 11. ἐν τῇ συμφορῇ πάντα Ἰσρ. (1)	Jo. 8. 3. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστὴς (1)
28. 11. εὐφρανθήσῃ ἐν π. τοῖς ἀγαθοῖς (1)	— 11. ἐναντίον παντὸς Ἰσραὴλ (1)	— 4. ἔσθῃ π. ἔτοιμοι (1)
— 12. π. τὸ ἐπιδέκατον τῶν γεννημάτων (1)	— 12. ποιεῖν π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τ. (1)	— 5. καὶ π. οἱ [A π. ὁ λαὸς δ] μετ' ἐμοῦ (1)
— 13. κατὰ π. τὰς ἐντ. δε ἐντελεῖται μοι (1)	— 13. π. τὰς ἡμέρας ὅσας αὐτοὶ ζῶσιν (1)	— 11. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστὴς (1)
— 16. ποιήσαι π. [A κατὰ π.] τὰ δικαιώμ. — (1)	— 18. διὰ π. τὰς κακίας δε ἐποίησαν (1)	— 14. αὐτὸς καὶ π. ὁ λαὸς (1)
— 17. πορεύεσθαι ἐν π. [A om.] ταῖς ὁδοῖς αὐ. — (1)	— 24. π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τούτου — (1)	— 15. A ἀνεχώρησεν Ἰ. καὶ πᾶς [B om.] Ἰσρ. (1)
— 18. A φυλάσσει π. [B om.] τὰς ἐντ. αὐ. — (1)	— 28. ἵνα λαλήσω . . . π. τοὺς λόγους τ. — (1)	— 21. B Ἰησοῦς καὶ πᾶς Ἰσραὴλ (1)
— 19. εἶναι σε ὑπεράνω π. τῶν ἐθνῶν (1)	— 30. εἰς τὰ ὅσα π. [A π. τῆς] ἐκκλησίας (1)	— 24. ἀποκτείνοντες π. τοὺς ἐν τῇ Γ. (1)
27. 1. φυλάσσεσθε π. τὰς ἐντ. ταύτας (1)	82. 4. π. αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ κρίσεις (1)	— 25. π. τοὺς κατοικοῦντας Γαλ (1)
— 3. γράψετε . . . π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου (1)	— 27. ἐποίησε ταῦτα π. — (1)	— 27. πάντα δ [A om. π. δ] ἐπρονόμουν — (1)
— 8. γράψετε . . . π. τὸν νόμον τούτου (1)	— 43. B πάντες ἄγγελοι θεοῦ [A B al.] — (1)	9. 1. A ὡς δὲ ἤκουσαν π. [B om.] οἱ βασ. (1)
— 9. ἐλάλησε M. . . παντὶ Ἰσρ. (1)	— 43. A B π. ἄγγελοι [B υἱοὶ] θεοῦ — (1)	— 1. οἱ ἐν π. τῇ παραλίᾳ τῆς θ. (1)
— 10. ποιήσεις π. τὰς ἐντ. αὐτοῦ (1)	— 44. π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τούτου (1)	— 2. συνήλθον . . . ὅμα πάντες + (1)
— 11. A ἐντελεῖται M. π. [B om.] τῇ λαῷ (1)	— 45. λαλῶν παντὶ Ἰσραὴλ (1)	— 2 (8. 33). πᾶς Ἰσρ. καὶ οἱ πρεσβύτεροι αὐ. (1)
— 14. ἐροῦσιν παντὶ Ἰσραὴλ (2 a)	— 46. ἐπὶ π. τοὺς λόγους τούτους (1)	— 2 (8. 34). π. τὰ ῥήματα τοῦ νόμου τούτου (1)
— 15. A B ἀποκριθεὶς π. [B om.] ὁ λαὸς (1)	— 46. ποιεῖν π. τοὺς λόγους τοῦ νόμου τούτου (1)	— 2 (8. 34). κατὰ π. τὰ γεγραμμ. ἐν τῇ νόμῳ M. (1)
— 16. 17, 18, 19, 20. ἐροῦσι π. ὁ λαὸς (1)	88. 3. π. οἱ ἡμίση, ὑπὸ τὰς χεῖρας σου (1)	— 2 (8. 35). οὐκ ἦν ῥῆμα ἀπὸ πάντων — (1)
— 17. οὐκ ὡμώμ. μετὰ π. [A om.] κτήνους (1)	— 10. ἐπιθήσουσι θυμίαμα . . . διὰ παντός (8 δ)	— 2 (8. 35). εἰς τὰ ὅσα π. ἐκκλησίας (1)
— 21, 22, 23. ἐροῦσι π. ὁ λαὸς (1)	— 12. σκιάζει ἐπ' αὐτῇ π. τὰς ἡμέρας (1)	— 3. ἤκουσαν πάντα (1)
— 23. B ἐροῦσι πᾶς ὁ λαὸς (1)	84. 1. π. τὴν γῆν Γαλ. — (1)	— 6. A καὶ πρὸς πάντα [B om. πρ. π.] Ἰσρ. + (1)
— 24, 25. ἐροῦσι πᾶς ὁ λαὸς (1)	— 2. π. τὴν γῆν Νεφθ. καὶ π. τὴν γῆν Ἑφρ. (1, —)	— 11. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν ἡ. — (1)
— 26. ἐπικατάρατος π. [A π. δ] ἀνθρώπος — (1)	— 2. καὶ π. τὴν γῆν Ἰ. — (1)	— 18. ὤμωσαν αὐτοῖς π. οἱ ἄρχοντες — (1)
— 26. ἐν π. τοῖς λόγοις τοῦ νόμου τούτου — (1)	— 11. ἐν π. τοῖς σημείοις (1)	— 18. διεγύγυσαν π. ἡ συναγωγὴ (1)
— 26. ἐροῦσι π. ὁ λαὸς (1)	— 11. καὶ π. [A om.] τῇ γῇ αὐτοῦ (1)	— 19. A εἶπαν π. [B om.] οἱ ἄρχοντες τῇ [B π. τῇ] συναγ. (1, 1)
28. 1. ποιεῖν π. τὰς ἐντολὰς ταύτας [A om.] (1)	— 12. A καὶ π. [B om.] τὴν χεῖρα τὴν κραταιάν (1)	— 21. ὑδροφόροι π. τῇ συναγωγῇ (1)
— 1. ἐπὶ π. τὰ ἐθνη τῆς γῆς [A al.] (1)	— 12. ἔσται παντὸς Ἰσραὴλ (1)	— 24. καὶ π. τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς (1)
— 1. ἤθουσιν ἐπὶ σέ π. αἱ εὐλογίαι αὐται (1)	Jo. 1. 2. σὺ καὶ π. ὁ λαὸς οὗτος (1)	— 27. ὑδροφόρους π. τῇ συναγωγῇ — (1)
— 8. ἐπὶ πάντα [A ἐν πᾶσιν] οὐ ἂν ἐπιβάλης (1)	— 3. π. ὁ τόπος ἐφ' ᾧ ἂν ἐπιβῇ (1)	10. 2. καὶ π. οἱ ἄνδρες αὐτῆς ἰαχοροὶ (1)
— 9. ἐν π. [A om.] ταῖς ὁδοῖς αὐ. — (1)	— 5. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)	— 5. αὐτοὶ καὶ π. ὁ λαὸς αὐτῶν (1)
— 10. π. τὰ ἐθνη τῆς γῆς (1)	— 7. ἵνα συνῆς ἐν πᾶσιν (1)	— 6. π. οἱ βασ. τῶν Ἀμμορραίων (1)
— 12. π. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου (1)	— 8. ποιεῖν π. τὰ γεγραμμένα (1)	— 7. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστὴς μετ' αὐτοῦ (1, 1)
— 14. ἀπὸ π. τῶν ἐντ. [A π. τῶν λόγων] (1)	— 9. εἰς πάντα οὐ ἂν πορεύῃ (1)	π. δυνατὸς ἐν ἰσχύϊ (1)
— 15. π. τὰς ἐντ. αὐ. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι (1)	— 14. διαβήσεσθε . . . π. ὁ ἰσχυῶν (1)	— 15. B Ἰησοῦς καὶ πᾶς ὁ λ. Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 15. ἐλεῖσονται ἐπὶ σέ π. αἱ κατάραι αὐται (1)	— 16. πάντα ὅσα ἂν ἐντελῇ (1)	— 20. καὶ π. υἱὸς [A π. οἱ υἱοὶ] Ἰσρ. — (1)
— 20. ἐπὶ πάντα οὐ ἔάν ἐπιβάλης (1)	— 16. εἰς π. τόπον οὐ ἔάν ἀποστελεῖς (1)	— 21. ἀπεστράφη π. ὁ λαὸς (1)
— 25. ἐν π. [A π. ταῖς] βασιλείαις τῆς γῆς (1)	— 17. κατὰ πάντα ὅσα ἤκουσμεν (1)	— 24. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντα Ἰσρ. (2 a)
— 29. διαπραξέμενος π. τὰς ἡμέρας (1)	2. 13. B καὶ π. τὸν οἶκον μου — (1)	— 25. ποιήσαι κ. π. τοῖς ἐχθροῖς ὑμῶν (1)
— 33. καὶ π. τοὺς πόρους σου (1)	— 13. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (1)	— 26. ἐξωλέθρουν π. ἐμπνέον (1)
— 33. τεθνασμένοι π. τὰς ἡμέρας (1)	— 18. καὶ π. τὸν οἶκον τοῦ πατρὸς σου (1)	— 29. καὶ πᾶς Ἰσρ. [A ὁ λαὸς δ] μετ' αὐτοῦ (1)
— 37. ἐν π. τοῖς ἐθνεσιν (1)	— 19. πᾶς δὲ ἂν ἐξέλθῃ (1)	— 30. καὶ πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ (1)
— 40. ἐν π. τοῖς ὀρίοις σου (1)	— 22. ἐξεξήγησαν . . . π. τὰς ὁδοὺς (1)	— 31, 34. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 42. π. τὰ ξυλλιά σου (1)	— 23. π. τὰ συμβεβηκότα αὐτοῖς (1)	— 35. καὶ πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ (1)
— 45. ἐλεῖσονται ἐπὶ σέ π. αἱ κατάραι αὐται (1)	— 24. παρέδωκεν κ. π. τὴν γῆν (1)	— 36. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)
— 45. A π. [B om.] τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ — (1)	— 24. π. ὁ κατοικῶν τὴν γῆν ἐκ. — (1)	— 37. καὶ πᾶν ἐμπνέον [A πάντα τὰ ἐμπν.] (1)
— 47. διὰ τὸ πλῆθος πάντων (1)	8. 7. κατενόησαν π. [A π. τὴν] υἱάν Ἰσρ. (1)	— 38. Ἰησοῦς καὶ πᾶς Ἰσρ. (1)
— 48. ἐν ἐκλείψει πάντων (1)	— 11. ἡ κιβ. διαθήκης κυρίου π. τῆς γῆς (1)	— 39. A καὶ τὰς π. [B om.] κόμης αὐτῆς (1)
— 52. A ἐν π. [B om.] ταῖς πόλεσίν σου (1)	— 13. τὴν κιβ. τῆς διαθήκης κυρίου π. τῆς γῆς (1)	— 39. καὶ πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ (1)
— 52. ἐν π. τῇ γῇ σου (1)	— 17. π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. διαβέβησαν (1)	— 40. ἐπάταξεν Ἰ. π. τὴν γῆν (1)
— 52. A ἐν π. [B om.] ταῖς πόλεσίν σου (1)	— 17 : 4. 1. συνετέλεσε π. ὁ λαὸς διαβαίνων (1)	— 40. καὶ πᾶν ἐμπνέον + (1)
— 55. ἐν π. ταῖς πόλεσίν σου (1)	4. 6. εἰς σημείον κείμενον διὰ παντός — (1)	— 41. π. τὴν [A τὴν γῆν] Γ. ἕως τῆς Γ. (1)
— 57. διὰ τὴν ἔνδειαν πάντων — (1)	— 7. A ὁ ἀπὸ προσώπου κιβ. διαβ. κυρίου π. τῆς γῆς — (1)	— 42. καὶ π. τοὺς βασ. αὐτῶν (1)
— 57. A ἐν π. [B om.] ταῖς πόλεσίν σου — (1)	— 10. ἕως οὐ συνετέλεσεν Ἰ. πάντα (1)	11. 5. συνήλθον π. οἱ βασιλεῖς (1)
— 58. ποιεῖν π. τὰ ῥήματα τοῦ νόμου (1)	— 11. ὡς συνετέλεσε π. ὁ λαὸς διαβῆναι (1)	— 7. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ πολεμιστὴς (1)
— 60. π. τὴν ὁδὸν Λεγ. τὴν ποταμὸν — (1)	— 14. ἐναντίον τοῦ π. γένους Ἰσρ. (1)	— 10. ἀρχοντα π. τῶν βασιλεῶν τούτων (1)
— 61. π. μαλακίαν καὶ π. [A om.] πληγὴν τὴν μὴ γεγραμμ. καὶ π. τὴν γεγραμμ. [B om. κ. π. τ. γ.] (1, 1, —)	— 24. ὅπως γινώπ. π. τὰ ἐθνη τῆς γῆς (1)	— 11. πᾶν ἐμπνέον ἐν αὐτῇ — (1)
— 64. διασπερὶ σε . . . εἰς π. τὰ ἐθνη (1)	— 24. σίβησθε κύριον . . . ἐν π. ἔργῳ [A χρόνῳ] (1)	— 11. ἐξωλέθρουν [A -σεν] πάντας (1)
29. 2 (1). ἐκάλεσε M. π. τοὺς [A om.] υἱούς Ἰσρ. (1)	5. 5. π. τοιούτους περιέτεμν Ἰ. (1)	— 12. π. τὰς πόλεις τῶν βασιλεῶν (1)
— 2 (1). ὑμῖς ἐώρακατε πάντα (1)	6. 3. A περίοιστον αὐτῇ π. τοὺς μαχητὰς [B al.] (1)	— 13. π. τὰς πόλεις τὰς κειχωματισμένας (1)
— 2 (1). A καὶ π. [B om.] τοῖς θεράπουσιν αὐ. (1)	— 5. ἀνακραγέτω π. ὁ λαὸς — (1)	— 14. καὶ π. τὰ σκῆλα αὐτῆς ἐπρονόμουν (1)
— 2 (1). καὶ π. τῇ γῇ αὐτοῦ (1)	— 5. εἰσέλκεσται π. ὁ λαὸς — (1)	— 14. αὐτοὺς δὲ πάντας ἐξωλέθρουν (1)
— 9 (8). ποιεῖν π. τοὺς λόγους τῆς διαθήκης — (1)	— 16 (17). καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (1)	— 15. ἀπὸ πάντων ὧν συνετάξεν (1)
— 9 (8). ἵνα συνῇτε πάντα — (1)	— 16 (17). A B καὶ πάντα [B om.] ὅσα ἐστὶν ἐν τῷ οἴκῳ αὐ. (1)	— 16. ἔλαβεν Ἰ. π. τὴν γῆν τὴν δρενὴν καὶ π. τὴν γῆν N. καὶ π. τὴν γῆν Γ. (1 ter)
— 10 (9). ὑμῖς ἐστήκατε πάντες (1)	— 18 (19). A π. ἀργύριον . . . καὶ π. χαλκὸς [B ἡ χ.] . . . ἔσται τῷ κ. (1, +)	— 17. καὶ π. τοὺς βασ. αὐτῶν (1)
— 10 (9). π. ἀνὴρ Ἰσραὴλ (1)	— 19 (20). ἡλάλας π. ὁ λαὸς — (1)	— 19. πάντα ἐλάβσαν [A -εσθ] Ἰσρ. (1)
— 20 (19). π. αἱ ἀραὶ τῆς διαθήκης ταύτης (1)	— 19 (20). ἀνέβη π. ὁ λαὸς — (1)	— 21. ἐκ π. ὄρους Ἰουδα (1)
— 21 (20). κατὰ π. τὰς ἀράς τῆς διαθήκης (1)	— 21 (22). A καὶ πάντα [B om.] ὅσα ἐστὶν (1)	— 23. ἔλαβεν Ἰ. π. τὴν γῆν — (1)
— 23 (22). π. ἡ γῇ αὐτῆς οὐ σπαράσσεται (1)	— 22 (23). A καὶ πάντα [B om.] τὴν συγγένειαν αὐτῆς (1, 2)	12. 1. καὶ π. τὴν γῆν [A om.] Ἀραβ. (1)
— 23 (22). οὐδὲ μὴ ἀναβῇ . . . π. χλωρόν — (1)	— 22 (23). καὶ πάντα ὅσα ἦν αὐτῇ (1)	— 5. καὶ π. τὴν Βασάν (1)
— 24 (23). ἐροῦσι π. τὰ ἐθνη (1)	— 23 (24). σὺν π. τοῖς ἐν αὐτῇ (1)	— 24. π. οὗτοι βασιλεῖς ἔκοισι ἐννέα (1)
— 27 (26). κατὰ π. τὰς κατάραις [A ἀράς] (1)	— 24 (25). καὶ π. [A om.] τὸν οἶκον αὐτῆς — (1)	18. 4. καὶ π. [A π. τῇ] γῇ Χαναάν — (1)
— 29 (28). ποιεῖν π. τὰ ῥήματα τοῦ νόμου τ. (1)	— 26 (27). ἦν τὸ ὄνομα αὐτοῦ κατὰ π. τὴν γῆν (1)	— 5. καὶ π. τὸν Λίβανον — (1)
80. 1. ὡς ἂν ἔλθωσιν ἐπὶ σέ π. τὰ ῥήμ. τ. (1)	7. 3. μὴ ἀναβῇ π. ὁ λαὸς — (1)	— 6. π. ὁ κατοικῶν τὴν δρενὴν — (1)
— 1. ἐν π. τοῖς ἔθνεσιν — (1)	— 9. καὶ π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν — (1)	— 6. π. τοὺς Σιδωνίους (1)
— 2. κατὰ πάντα ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι (1)	— 9. B μὴ ἀναγῇ ἐκεῖ τὸν λαόν π. [AB απ.] (1)	— 9. καὶ π. τὴν Μισώρ — (1)
— 3. συνάξει σε ἐκ π. τῶν ἐθνῶν — (1)	— 9. καὶ π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν — (1)	— 10. π. τὰς πόλεις Σφών — (1)
— 9. ἐν π. ἔργῳ τῶν χειρῶν σου (1)	— 14. συναχθήσεσθε πάντες τὸν πρῶτ' — (1)	— 11. π. ὁρος Ἀερμὼν καὶ π. τὴν Βασανίτιν (1, 1)
— 10. A ποιεῖν π. [B om. π. π.] τὰς ἐντ. αὐτοῦ — (1)	— 15. καὶ πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ — (1)	— 12. π. τὴν βασιλείαν Ὀγ — (1)
— 16. πορεύεσθαι ἐν π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. — (1)	— 24. καὶ π. τὰ πρόβατα αὐτοῦ — (1)	— 16. καὶ π. τὴν M. — (1)
— 16. εὐλογῇ σε . . . ἐν π. τῇ γῇ — (1)	— 24. καὶ π. ὁ λαὸς [A π. Ἰσρ.] μετ' αὐτοῦ (1)	— 17. καὶ π. τὰς πόλεις τὰς ὀσβας ἐν τῇ M. (1)
81. 1. λαλῶν π. τοὺς λόγους τούτους πρὸς π. υἱούς Ἰσρ. — (1, —)	— 25. ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν . . . πᾶς Ἰσρ. (1)	— 21. καὶ π. τὰς πόλεις τοῦ M. — (1)
— 7. ἔσται παντὸς Ἰσραὴλ — (1)	8. 1. λάβε . . . π. τοὺς ἄνδρας τοὺς πολεμιστὰς (1)	— 21. π. τὴν βασιλείαν τοῦ Σ. — (1)
— 9. A ἔγραψε M. π. [B om.] τὰ ῥήματα — (1)		— 25. π. αἱ πόλεις Γαλ. (1)

- Jo. 18. 30. καὶ π. βασιλεία [A om.] B. καὶ π. βασιλεία 'Ωγ (1, 1)
- 30. καὶ π. τὰς κόμας 'Ιαῖρ (1)
16. 5. τὰ ὅρια . . . π. ἡ θάλασσα (1)
- 46. πᾶσαι δοαὶ εἰσι πλησίον 'Ασ. (1)
18. 9. π. αἱ πόλεις καὶ αἱ κόμαι αὐ. (1)
18. 1. ἐξεκκλησιάσθη π. συναγωγῇ (1)
20. 9. π. παῖοντι ψυχὴν ἀκουσίως (1)
21. 19. π. αἱ πόλεις νῦν 'Α. (1)
- 26. π. πόλεις δέκα (1)
- 33. π. αἱ πόλεις τοῦ Γ. (1)
- 37. π. αἱ πόλεις τέσσαρες (1)
- 38. A B π. αἱ [B om.] πόλεις τοῖς υἱοῖς M. (1)
- 39. B π. πόλιν [A B π. αἱ πόλεις] τῶν Λ. (1)
- 40. π. ταῖς πόλιν ταύτας (1)
- 41. ἔδωκε . . . π. τὴν γῆν (1)
- 42. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν αὐ. (1)
- 42. π. τοὺς ἐχθροὺς αὐ. παρίδωκε (1)
- 43. ἀπὸ π. τῶν ῥῆμ. τῶν καλῶν (1)
- 43. πάντα παρεγένετο [A -νοστο] (1)
22. 2. υἱεὶς ἀκηκόατε πάντα (1)
- 2. κατὰ πάντα ὅσα ἐνετίλατο (1)
- 5. πορεύεσθαι [A add. ἐν] π. ταῖς ὁδοῖς αὐ. (1)
- 12. συνηθροίσθησαν π. οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (1)
- 14. ἀπὸ π. [A π. τῶν] φυλῶν 'Ισρ. (1)
- 16. τὰδε λέγει π. ἡ συναγωγὴ κυρίου (1)
- 18. ἐπὶ πάντα 'Ισρ. ἔσται ἡ ὁργὴ (1)
- 20. ἐπὶ π. [A π. τῇ] συναγωγῇ 'Ι. (1)
- 30. καὶ π. οἱ ἀρχόντες τῆς συναγωγῆς (1)
23. 1. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (1)
- 2. συνεκάλεσαν 'Ι. π. τοὺς υἱοὺς 'Ι. (1)
- 3. A ἐωράκατε πάντα [B om.] ὅσα ἐποίησε . . . π. τοῖς ἴδμενι τοῖς τοῖς (1, 1)
- 4. ἀπὸ τοῦ 'Ισρ. π. τὰ ἔθνη (1)
- 6. ποιεῖν π. τὰ γεγραμμένα (1)
- 14. κατὰ καὶ π. οἱ ἐπὶ τῆς γῆς (1)
- 14. εἰς λόγους ἀπὸ π. τῶν λόγων (1)
- 14. πρὸς πάντα τὰ ἀνηκούτα ὑμῶν [A al.] (1)
- 15. π. τὰ ῥήματα τὰ καλὰ δ' ἐλάλησε κ. (1)
- 15. ἐπάξει . . . π. τὰ ῥήμ. τὰ ποιηρά (1)
24. 1. συνηγάγεν 'Ι. π. [A π. τὰς] φυλὰς 'Ι. (1)
- 1. A συνεκάλεσε π. [B om.] τοὺς πρεσβυτ. (1)
- 2. εἶπεν 'Ι. πρὸς π. τὸν λαόν (1)
- 3. ὠδήγησα αὐτὸν ἐν π. τῇ γῇ (1)
- 17. διεφύλαξεν ἡμᾶς ἐν π. τῇ ὁδῷ (1)
- 17. καὶ ἐν π. τοῖς ἔθνεσιν (1)
- 18. καὶ π. τὰ ἔθνη τὰ κατοικοῦντα (1)
- 27. ἀκήκοι π. τὰ λεχθέντα (1)
- 31. π. τὰς ἡμέρας 'Ι. καὶ π. τὰς ἡμέρας τῶν πρεσβυτέρων (1, 1)
- 31. ὅσοι εἶδον π. τὰ ἔργα κυρίου (1)
- jd. 2. 4. πρὸς π. υἱοὺς [A πάντα] 'Ισρ. (1)
- 7. π. τὰς ἡμέρας 'Ι. καὶ π. τὰς ἡμ. τῶν πρεσβυτέρων (1, 1)
- 7. ὅσοι ἐργάσαν π. τὸ ἔργον κυρίου (1)
- 10. π. ἡ γενεὰ ἐκείνη (1)
- 15. B ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύοντο [B ἐξέπ., A ἐπὶ] π. τὸν κριτοῦ (1)
- 18. π. τὰς ἡμέρας τοῦ κριτοῦ (1)
3. 1. π. τοὺς μὴ ἐγγνωκότες τοὺς πολέμους X. (1)
- 3. καὶ π. τὸν Χαναανίαν (1)
- 13. π. τοὺς υἱοὺς 'Αμμὼν (1)
- 19. A εἶπεν 'Εγ. πᾶσιν [B πρὸς αὐτόν] (1)
- 19. π. τοὺς ἐφειστώτας ἐπ' αὐτόν [A π. οἱ παραστήκοντες αὐτῷ] (1)
- 29. πᾶν λιπορῶν [A π. τοὺς μαχητὰς] καὶ π. ἄνδρα [A π. ἄνδρας] δυναμῶς (1, 1)
4. 13. ἐκάλεσε Σ. π. τὰ ῥήματα αὐτοῦ (1)
- 13. καὶ π. τὸν λαὸν τὸν μετ' αὐτοῦ (1)
- 15. καὶ π. τὰ ῥήματα αὐ. καὶ π. τὴν παρεμβ. αὐτοῦ (1, 1)
- 16. ἔπεισε π. [A π. ἡ] παρεμβολή (1)
5. 23. π. οἱ κατοικῶν αὐτὴν [A al.] (1)
- 31. ἀπόλοιτο π. οἱ ἐχθροὶ σου (1)
6. 9. ἐκ χειρὸς π. τῶν θλιβόντων ὑμᾶς (1)
- 13. A εὗρεν ἡμᾶς π. [B om.] τὰ κακὰ ταῦτα (1)
- 13. πού ἐστι π. τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (1)
- 17. ποιήσει μοι σύμμερον πᾶν [A al.] (1)
- 31. εἶπε . . . τοῖς ἀνδράσι π. [A al.] (1)
- 33. πᾶσα Μαδ. καὶ 'Αμ. (1)
- 35. εἰς πάντα [A ἐν παντί] Μαν. (1)
- 37. καὶ ἐπὶ π. τὴν γῆν ἡρασία (1)
- 39. ἐπὶ π. τὴν γῆν γενηθήτω δρόσος (1)
- 40. ἐπὶ π. τὴν γῆν γενηθήτω δρόσος (1)
7. 1. καὶ π. ὁ λαὸς μετ' αὐτοῦ (1)
- jd. 7. 4. B πᾶς [A πάντα, B πᾶν] ὃν ἐὰν εἴπω πρὸς σέ (1)
- 5. πᾶς δὲ ἀν. λάψῃ (1)
- 5. πᾶς δὲ ἐὰν κλίνῃ (1)
- 6. A ἐγίνετο π. [B om.] ὁ ἀριθμὸς (1)
- 6. π. τὸ κατὰλοιπον [A π. ὁ ἐπὶ λ.] τοῦ λαοῦ (1)
- 7. π. ὁ λαὸς πορεύονται [A ἀποτρεχέτω] (1)
- 8. τὸν [A om.] π. ἄνδρα 'Ισρ. ἐξαπέστειλεν (1)
- 12. καὶ π. υἱοὶ ἀνατολῶν (1)
- 14. παρίδωκεν . . . π. τὴν παρεμβολὴν (1)
- 16. ἔδωκε κερατίνες ἐν χειρὶ πάντων (1)
- 18. καὶ πάντες μετ' ἐμοῦ (1)
- 21. ἔδραμε π. ἡ παρεμβολή (1)
- 22. ἐν π. [A δὴ] τῇ παρεμβολῇ (1)
- 23 (22). A ἔφωγεν π. [B om.] ἡ παρεμβολή (1)
- 23. καὶ ἀπὸ [A ἐκ] παντὸς Μανασσῆ (1)
- 24. ἐν π. ὅρι [A ὅριον] 'Εφρ. (1)
- 24. ἐβόησε π. ἄνθρωπος 'Εφρ. (1)
8. 10. π. οἱ καταλειμμένοι ἀπὸ π. παρεμβολῆς [A al.] (1, 1)
- 12. π. τὴν παρεμβολὴν ἐξέστησε [A al.] (1)
- 27. ἐξεπύρνευσε πᾶς 'Ισρ. (1)
- 34. ἐκ χειρὸς π. τῶν θλιβόντων [A al.] (1)
- 35. κατὰ π. τὰ ἄγαθὰ [A π. τὴν ἀγαθωσύνην] (1)
9. 1. πρὸς π. συγγενίαν [A τὴν σ. τοῦ] οἴκου (1)
- 2. ἐν τοῖς ὅσι π. [A om.] τῶν ἀνδρῶν Σ. (1)
- 2. π. υἱοὺς 'Ιεροβ. (1)
- 3. ἐλάλησαν . . . ἐν τοῖς ὅσι π. τῶν ἀνδρῶν Σ. π. τοὺς λόγους τοῖς τοῖς (1, 1)
- 6. π. [A π. οἱ] ἄνδρες Σικίμων καὶ π. [A πᾶς ὁ] οἶκος Βημ. (1, 1)
- 14. εἶπαν π. [A om.] τὰ ξύλα (1)
- 25. πάντα δε παραπορεύετο [A π. τοὺς διαπορευομ.] (1)
- 34. καὶ π. ὁ λαὸς μετ' αὐτοῦ (1)
- 44. ἐπὶ π. τοὺς ἐν τῷ ἀγρῷ (1)
- 46. ἤκουσαν π. οἱ ἄνδρες (1)
- 47. συνηγάγεν π. οἱ ἄνδρες (1)
- 48. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ (1)
- 49. καὶ ἐκοψαν . . . κλάδον πᾶς δ. [A al.] (1)
- 49. π. οἱ ἄνδρες πύργου Σκ. (1)
- 51. ἔφωγεν ἐκεῖ π. οἱ ἄνδρες (1)
- 51. A καὶ π. οἱ ἡγουμένους (1)
- 57. τὴν π. πονηρίαν [A κακίαν] ἀνδρῶν Σ. (1)
10. 8. τοὺς π. υἱοὺς 'Ισρ. [A π. τ. υἱ. 'Ι.] (1)
- 15. κατὰ π. τὸ ἄγαθόν [A πάντα ὅσα ἐν ἀρίσκει] (1)
- 18. π. τοῖς κατοικοῦσι Γ. (1)
11. 8. A B π. τοῖς κατοικοῦσι [B οἱ κ.] Γ. (1)
- 11. ἐλάλησεν 'Ι. π. τοὺς λόγους αὐ. (1)
- 20. συνηξε Σ. π. τὸν λαόν αὐτοῦ (1)
- 21. καὶ π. τὸν λαόν αὐτοῦ (1)
- 21. π. τὴν γῆν τοῦ 'Αμ. (1)
- 22. A π. τὸ ὄριον τοῦ 'Αμ. (1)
- 24. καὶ τοὺς π. οὐς ἐξῆρε [A πάντα ὅσα κατεκληρονόμησαν] (1)
- 26. καὶ ἐν π. ταῖς πόλιν (1)
12. 4. π. τοὺς ἄνδρας Γαλ. (1)
13. 4. μὴ φάγῃς π. ἀκάθαρτον (1)
- 7. μὴ φάγῃς π. ἀκάθαρτον [A π. ἀκαθαρσίαν] (1)
- 13. ἀπὸ πάντων ὧν ἐφίκα [A εἶπα] (1)
- 14. ἀπὸ παντὸς δ [A πάντων ὅσα] ἐκπορεύεται (1)
- 14. π. ἀκάθαρτον μὴ φαγέτω (1)
- 14. πάντα . . . φυλάξεται [A -ἀσθω] (1)
- 23. οὐκ ἂν εἰδέναι ἡμῖν ταῦτα π. [A al.] (1)
14. 3. καὶ ἐκ π. τοῦ λαοῦ μου [A ἐν π. τῷ λ. μ.] (1)
15. 10. A π. [B om.] ἄνθρωπος 'Ιουδα (1)
16. 16. π. τὰς ἡμέρας [A δὴν τὴν νύκτα] (1)
- 17. π. τὴν καρδίαν [A π. τὰ ἀπὸ καρδίας] αὐ. (1)
- 17. ὡς π. οἱ ἀνθρώποι [A κατὰ π. τοὺς δ.] (1)
- 18. π. τὴν καρδίαν [A π. τὰ ἀπὸ καρδίας] αὐ. (1)
- 18. A π. τοὺς σατράπας τῶν ἀλλοφ. [B al.] (1)
- 18. π. τὴν καρδίαν [A κακίαν] αὐτοῦ (1)
- 18. A π. αἱ σατράπαι τῶν ἀλλοφ. [B al.] (1)
- 27. π. οἱ ἀρχόντες [A σατράπαι] τῶν ἀλλοφ. (1)
- 30. καὶ ἐπὶ π. τὸν λαόν τὸν ἐν αὐτῷ (1)
- 31. A καὶ π. [B om.] ὁ οἶκος τοῦ πατρὸς αὐ. (1)
18. 10. ὑστέρημα παντὸς ῥήματος (1)
- 31. π. τὰς ἡμέρας ἄς ἡν ὁ οἶκος (1)
19. 19. ὑστέρημα παντὸς πράγματος (1)
- 20. A B π. τὸ [B om.] ὑστέρημα σου ἐπ' ἐμέ (1)
- 29. ἐν π. ὁρίφ [A εἰς π. τὰς φυλὰς τοῦ] 'Ισρ. (1)
- 30. π. ὁ βλέπων [A ὁρῶν] ἔλεγεν (1)
- 30. A πρὸς π. ἄνδρα 'Ισρ. (1)
20. 1. ἐξῆλθον π. οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (1)
- jd. 20. 1. A ἐξεκκλησιάσθη π. [B om.] ἡ συναγ. (1)
- 2. A τὸ κλίμα π. τοῦ λαοῦ [B al.] (1)
- 2. π. αἱ φυλὰι τοῦ 'Ισρ. (1)
- 6. ἐν π. ὁρίφ κληρονομίας (1)
- 7. π. υἱεὶς [A οἱ] υἱοὶ 'Ισρ. (1)
- 8. ἀνίστη π. ὁ λαός (1)
- 10. εἰς π. φυλὰς [A ταῖς π. φ.] 'Ισρ. (1)
- 10. κατὰ π. τὸ ἀπόπτωμα [A π. τὴν ἀφροσύνην] (1)
- 11. συνηγάθη π. ἄνθρωπος 'Ισρ. (1)
- 12. ἐν π. φυλῇ Βεν. (1)
- 16. ἐκλεκτοὶ ἐκ π. λαοῦ [A al.] (1)
- 16. π. οὗτοι σφενδονῶνται (1)
- 17. A π. [B om.] ἄνθρωπος 'Ισρ. ἐπεσκέψαν (1)
- 17. π. οὗτοι ἄνδρες παρατάξας [A al.] (1)
- 20. ἐξῆλθον π. ἄνθρωπος 'Ισρ. [A al.] (1)
- 25. B' B π. οὗτοι ἔλκοντες ῥομφαίας [A al.] (1)
- 26. ἀνέβησαν π. οἱ υἱοὶ 'Ισρ. καὶ π. ὁ λαός (1, 1)
- 33. π. ἄνθρωπος [A add. 'Ισρ.] ἀνίστη (1)
- 34. ἀνδρῶν ἐκλεκτῶν ἐκ παντὸς 'Ισρ. (1)
- 35. π. οὗτοι ἔλκον [A σπῶμενοι] ῥομφαίας (1)
- 44. οἱ π. οὗτοι [A σὺν π. τοῖς] ἄνδρες δυνάμει (1)
- 46. π. οἱ πεπτακότες ἀπὸ Βεν. (1)
- 46. οἱ π. οὗτοι [A σὺν π. τοῖς] ἄνδρες δυνάμει (1)
- 48. ἔως π. τοῦ εὐρισκομ. [A εὐρεθέντος] εἰς π. τὰς πόλεις (1, 1)
21. 2. A παρεγένοντο π. ὁ λαός [B al.] (1)
- 5. ἀπὸ [A ἐκ] π. φυλῶν 'Ισρ. (1)
- 10. A π. οὗτοι κατοικοῦντας 'Ι. [B al.] (1)
- 11. π. ἄρσεν [A -σκιόν] καὶ π. γυναῖκα (1, 1)
- 13. ἀπέστειλεν π. ἡ συναγωγὴ (1)
- Ru. 1. 19. ἤχησε π. ἡ πόλις (1)
2. 11. A πάντα [B om.] ὅσα πεποιήκας (1)
3. 5. πάντα ὅσα ἐὰν εἴησις ποιήσω (1)
- 6. ἐποίησε κατὰ πάντα (1)
- 11. πάντα ὅσα ἐὰν εἴησις (1)
- 11. οἶδε γὰρ π. φυλὴ λαοῦ μου (1)
- 16. εἶπεν αὐτῇ πάντα (1)
4. 7. B τοῦ στήσαι π. [A τὸν, B πᾶν] λόγον (1)
- 9. εἶπε B. . . π. τῷ λαῷ (1)
- 9. κέκτημαι π. τὰ τοῦ 'Ελ. καὶ πάντα ὅσα ὑπάρχει τῷ X. (1, 1)
- 11. π. ὁ λαός οἱ ἐν τῇ πύλῃ (1)
- 1 Ki. 1. 4. A καὶ π. [B om.] τοῖς υἱοῖς αὐτῆς (1)
- 17. δὴν σοι π. αἰτήμα σου (1)
- 21. 'Ελκ. καὶ π. ὁ οἶκος αὐτοῦ (1)
- 21. θύσαι . . . π. τὰς δεκάτας τῆς γῆς αὐ. (1)
- 28. π. τὰς ἡμέρας δὲ ἤσ' αὐτὸς (1)
2. 13. τὸ δικαίωμα . . . π. τοῦ θύοντος (2 a)
- 14. πᾶν ὃ ἐὰν ἀνέβῃ (1)
- 14. ἐποίησαν παντὶ 'Ισραὴλ (1)
- 16. λάβε σεαυτῷ ἐκ πάντων (1)
- 23. ἐκ στόματος π. [A om.] τοῦ λαοῦ (1)
- 28. ἐκ π. τῶν [A om.] σκεπητῶν 'Ισρ. (1)
- 28. τὰ π. τοῦ πυρὸς νῦν 'Ισρ. (1)
- 29. ἀπ' ἀρχῆς π. θυσίας 'Ισρ. (1)
- 32. A ἐν πᾶσιν οἷς ἀγαθυνεῖ (1)
- 32. π. τὰς ἡμέρας (1)
- 33. πᾶς περισσεύων [A πᾶν π.] οἴκου σου (1)
- 35. π. τὰ ἐν τῇ καρδίᾳ μου . . . ποιήσει (1)
- 35. διελύσεται . . . π. τὰς ἡμέρας (1)
- 36. A ἔσται πᾶς [B om.] ὁ περισσεύων (1)
3. 11. π. ἀκούοντες αὐτὰ (1)
- 12. πάντα ὅσα ἐλάλησα (1)
- 17. ῥῆμα ἐκ πάντων λόγων (1)
- 18. ἀπήγγειλε Σαμ. π. τοὺς λόγους (1)
- 19. οὐκ ἔπεσεν ἀπὸ π. [B' om.] τῶν λόγων αὐ. (1)
- 20. ἐργάσαν πᾶς 'Ισραὴλ (1)
- 21. προφήτης γενέσθαι τῷ κ. εἰς πάντα 'Ισρ. (1)
4. 5. ἀνέκραξε πᾶς 'Ισραὴλ (1)
- 8. οἱ πατάξαντες τὴν Ἀγ. ἐν π. πληγῇ (1)
5. 5. π. ὁ εἰσπορευόμενος εἰς οἶκον Δ. (1)
- 8. om. συνάγουσι τοὺς π. [B om.] σατράπας (1)
- 11. A συνάγουσι π. [B om.] τοὺς σατράπας (1)
6. 18. κατ' ἀριθμὸν π. [A π. τῶν] πώλων (1)
7. 2. ἐπέβλεψε π. [A π. ὁ] οἶκος 'Ισρ. (1)
- 3. εἶπε Σαμ. πρὸς π. οἶκον 'Ισρ. (1)
- 5. ἀθροίσατε πάντα [A τὸν π.] 'Ισρ. (1)
- 7. συνηθροίσθησαν π. οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (1)
- 9. ἀνέγκηκεν . . . σὺν π. τῷ λαῷ (11)
- 13. π. τὰς ἡμέρας τοῦ Σαμ. (1)
- 15. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)
- 16. ἐν π. τοῖς ἡγιασμένοις τοῖς τοῖς (1)
8. 4. A συναθροίζονται π. [B om.] ἄνδρες 'Ι. (1)

I Ki. 8. 8. κατά π. τὰ ποιήματα [A om. τ. π.] ἃ ἐποίησαν	(1)	I Ki. 19. 18. ἀπιγγέλλει αὐτῷ πάντα	(1)	II Ki. 5. 3. εἰς βασιλεία ἐπὶ πάντα Ἰσρ.	-
— 10. εἶπε Σαμ. π. τὸ ῥῆμα	(1)	20. 31. π. τὰς ἡμέρας δε δὲ υἱὸς Ἰ. ἤ	(1)	— 5. ἐβασίλευσεν ἐπὶ πάντα Ἰσρ.	(1)
— 20. ἐσόμεθα . . . κατά π. τὰ ἔθνη	(1)	21. 5 (6). γέγονε π. τὰ παιδάρια ἡγνισμένα	†	— 8. π. τύπων ἱεβουσαίων	(1)
— 21. ἤκουσε Σαμ. π. τοὺς λόγους	(1)	22. 1. Δ καὶ πᾶς [B om.] ὁ οἶκος τοῦ πατρὸς αὐ.	(1)	— 17. ἀνέβησαν π. οἱ ἀλλόφυλοι	(1)
9. 2. ὑψηλὸς ὑπὲρ π. τὴν γῆν	(1)	— 2. πᾶς ἐν ἀνάγκῃ καὶ πᾶς ὑπόχρεος καὶ πᾶς	(1)	6. 1. συνήγαγεν ἐπὶ Δ. π. νεανίαν	(1)
— 6. πᾶν ὃ ἐν λαλήσῃ	(1)	[A om. π. ὑ. κ. π.] κατῶδυνος ψυχῇ	(2 a ter)	— 2. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ	(1)
— 19. π. τὰ ἐν τῇ καρδίᾳ σου	(1)	— 4. κατῶδυνος μετ' αὐτοῦ π. τὰς ἡμ.	(1)	— 11, 12. καὶ π. τὰ αὐτοῦ	(1)
— 20. Δ καὶ π. [B om.] τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς σου	(1)	— 6. π. οἱ παῖδες αὐ. παρειστήκεισαν αὐτῷ	(1)	— 15. καὶ π. ὁ οἶκος Ἰσρ.	(1)
10. 7. πάντα ὅσα ἐν εὐρῇ ἡ χεὶρ σου	-	— 7. εἰ ἀληθῶς πᾶσιν ὑμῖν δώσει . . . ἀγροῦς	(1)	— 19. διέμερισε π. τῷ λαῷ εἰς π. τὴν δύναμιν	(1, 1)
— 9. ἦλθε π. τὰ σημεῖα	(1)	— 7. πάντας ὑμᾶς τάξει ἑκατοντάρχους	(1)	— 19. ἀπῆλθε π. ὁ λαὸς	(1)
— 11. π. οἱ εἰδότες [Δ ἀπ. οἱ ἰδόντες] αὐτὸν	-	— 8. σὺγκεισθε πάντες ὑμεῖς ἐπ' ἐμέ	(1)	— 21. καὶ ὑπὲρ π. τὸν οἶκον αὐτοῦ	(1)
— 17. παρηγγεῖλε Σαμ. π. τῷ λαῷ	-	— 11. καὶ π. τοὺς υἱοὺς τοῦ πατρὸς αὐτοῦ	(1)	7. 1. ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ	(1)
— 18. καὶ ἐκ π. τῶν βασιλευσάντων	(1)	— 11. παρεγένοντο πάντες πρὸς τὸν βασ.	(1)	— 3. πάντα ὅσα ἂν ἐν τῇ καρδίᾳ σου	(1)
— 19. σωτήρ ἐκ π. τῶν κακῶν ὑμῶν	(1)	— 14. τίς ἐν π. τοῖς δούλοις σου . . . πιστός	(1)	— 7. ἐν πᾶσιν οἷς διήλθον ἐν παντὶ Ἰσρ.	(1, 1)
— 20. π. τὰ σκήπτρα Ἰσρ.	(1)	— 14. ἀρχων π. παραγγέλματός σου	†	— 9. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο	(1)
— 23. ὑψώθη ὑπὲρ π. τὸν λαόν	(1)	— 15. οἶκ ἦδαι . . . ἐν π. τοῖτοῖς ῥῆμα μικρόν	(1)	— 9. ἐξωλέθρευσε π. τοὺς ἐχθρούς σου	(1)
— 24. εἶπε Σαμ. πρὸς π. [Δ ἀπ.] τὸν λαόν	(1)	— 16. καὶ π. ὁ οἶκος τοῦ πατρὸς σου	(1)	— 11. ἀναπαύω σε ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν σου	(1)
— 24. οὐκ ἔστιν ὁμοιος αὐτῷ ἐν πᾶσιν ὑμῖν	(1)	— 18. π. αἰρόντας ἐφόδῳ	-	— 17. κατὰ π. τοὺς λόγους τούτους	(1)
— 24. καὶ ἔγνωσαν π. ὁ λαός	(1)	— 21. ἐθανάτωσε Σ. π. τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ.	(1)	— 17. κατὰ π. τὴν ὁράσιν ταύτην	(1)
— 25. ἐξάπειτετε Σαμ. π. τὸν λαόν	(1)	23. 8. παρηγγεῖλε Σ. π. τῷ λαῷ	(1)	— 21. ἐποίησας π. τὴν μεγαλωσύνην ταύτην	(1)
11. 1. εἶπαν π. οἱ ἄνδρες Ἰ.	(1)	— 14. ἐζήτην αὐτὸν Σ. π. τὰς ἡμέρας	(1)	— 22. ἐν πᾶσιν οἷς ἤκουσαν	(1)
— 2. π. ὁφθαλμὸν δεξιόν	(1)	— 20. πᾶν τὸ πρὸς ψυχὴν τοῦ βασ.	(1)	8. 4. παρέλυσεν Δ. π. τὰ ἄρματα	(1)
— 2. Δ θυετός ἐπὶ πάντα [B om.] Ἰσρ.	(1)	— 23. Δ ἐκ π. τῶν τόπων ὅπου κρύβεται	(1)	— 6. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο	(1)
— 3. εἰς π. ὅριον Ἰσρ.	(1)	— 23. ἐν π. [A πᾶσιν] χιλιᾶσιν Ἰουδα	(1)	— 8. καὶ π. τὰ σκεύη	-
— 4. ἦραν π. ὁ λαὸς τὴν φωνὴν αὐ.	(1)	24. 3. ἐλκετοὺς ἐκ παντός Ἰσρ.	(1)	— 9. ἐπάταξε Δ. π. τὴν δύναμιν Ἀδρ.	(1)
— 7. εἰς π. ὅριον Ἰσρ.	(1)	25. 1. συναθροίζονται πᾶς Ἰσρ.	(1)	— 11. οὐ ἠγίασεν ἐκ π. τῶν πόλεων	(1)
— 8. Δ Ε π. [B πᾶν] ἄνδρα Ἰσρ.	-	— 6. καὶ π. τὰ σὰ ὑγιαίνοντα	(1)	— 14. ἐν π. τῇ Ἰδουμαίᾳ	(1)
— 15. ἐπορεύθη π. ὁ λαὸς εἰς Γάλα.	(1)	— 7. π. τὰς ἡμέρας ὄντων αὐτῶν ἐν Καρ.	(1)	— 14. ἐγένοντο π. οἱ [A om.] Ἰδουμ. δούλοι	(1)
— 15. ἐνφράσθη . . . πᾶς Ἰσρ.	(2 a)	— 9. κατὰ π. τὰ ῥήματα ταῦτα	(1)	— 14. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο	(1)
12. 1. εἶπε Σαμ. πρὸς π. [A add. ἄνδρα] Ἰσρ.	(1)	— 12. κατὰ π. [B om.] τὰ ῥήματα ταῦτα	(1)	— 15. Β ἐβασίλευσε Δ. ἐπὶ πάντα [A B om.] Ἰσρ.	(1)
— 1. εἰς πάντα ὅσα εἶπαί μοι	(1)	— 15. π. τὰς ἡμέρας ἃς ἦμεν παρ' αὐτοῖς	(1)	— 15. ἐπὶ π. τὸν λαόν αὐτοῦ	(1)
— 7. τὴν π. δικαιοσύνην [Δ τὰς π. δ.] κυρίου	(1)	— 16. π. τὰς ἡμ. ἃς ἦμεθα παρ' αὐτοῖς	(1)	9. 7. ἀποκαταστήσω σοι π. ἄγρον Σ.	(1)
— 18. Β ἐφορήθησαν π. ὁ λαὸς τὸν κ.	(1)	— 17. Δ καὶ εἰς π. [B om.] τὸν οἶκον αὐ.	(1)	— 7. φάγῃ ἄρτον . . . διὰ παντός	(8 g)
— 19. Β εἶπαν π. ὁ λαὸς πρὸς Σαμ.	(1)	— 21. πεφύλακα π. τὰ αὐτοῦ	(1)	— 9. πάντα ὅσα ἐστὶ τῷ Σ.	(1)
— 19. Β πρὸς π. τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν	(1)	— 21. λαβεῖν ἐκ π. τῶν αὐτοῦ	(1)	— 10. φάγεται διὰ παντός ἄρτον	(8 g)
— 20. Β πεποικατε τὴν π. κακίαν ταύτην	(1)	— 22. ἐκ π. τῶν τοῦ Ν.	(1)	— 11. κατὰ πάντα ὅσα ἐντέταλται ὁ κ. μου	(1)
13. 3. Β αἰσιγίει εἰς π. τὴν γῆν	(1)	— 30. ποιῆσαι κύριος τῷ κ. μου πάντα	(1)	— 12. π. ἡ κατοικίη αὐτοῦ	(1)
— 4. Β πᾶς Ἰσρ. ἤκουσε λεγόντων	(1)	— 35. ἔλαβε Δ. . . πάντα	-	— 13. διὰ παντός ἦσθε	(8 g)
— 7. Β π. ὁ λαὸς ἐξέστη ὀπίσω αὐτοῦ	(1)	26. 12. πάντες ὑπὸνυκτες	(1)	10. 7. ἀπέστειλε τὸν Ἰ. καὶ π. τὴν δύναμιν	(1)
— 19. Β ἐν π. γῇ Ἰσρ.	(1)	— 24. ἐξελείπει με ἐκ π. θλίψεως	(1)	— 9. ἐκ π. τῶν [A om.] νεανίων Ἰσρ.	(1)
— 20. Β κατέβαινον πᾶς Ἰσρ.	(1)	27. 1. εἰς π. ὅριον Ἰσρ.	-	— 17. συνήγαγε τὸν π. Ἰσρ.	(1)
— 22. Β ἐν χειρὶ π. τοῦ λαοῦ	(1)	— 8. ἐπετίθετο ἐπὶ π. τὸν Γ.	(1)	— 19. εἶδαν π. οἱ βασιλεῖς	(1)
14. 7. Β ποιεῖ πᾶν	(1)	— 11. π. τὰς ἡμέρας ἃς ἐκάθην	(1)	11. 1. ἀπέστειλε Δ. . . τὸν π. [A ἀπ.] Ἰσρ.	(1)
— 15. καὶ π. ὁ λαὸς . . . ἐξέστησαν	(1)	28. 2. ἀρχισωματοφ. θήσονται σε π. τὰς ἡμέρας	(1)	— 18, 19. π. τοὺς λόγους τοῦ πολέμου	(1)
— 20. Σ. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ	(1)	— 3. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ.	(1)	— 22. ἀπῆγγελε τῷ Δ. πάντα	(1)
— 22. καὶ πᾶς [A add. ἀνὴρ] Ἰσρ. οἱ κρυπτόμ.	(1)	— 4. συναθροίζει Σ. π. ἄνδρα Ἰσρ.	(1)	— 22. π. τὰ ῥήματα τοῦ πολέμου	-
— 22. π. ὁ λαὸς ἦν μετὰ Σ.	(1)	29. 1. συναθροίζουσιν . . . π. τὰς παρεμβ. αὐ.	(1)	12. 12. ἐναντίον παντός Ἰσρ.	(1)
— 24. οὐκ ἐγένεσθε π. ὁ λαὸς ἄρτον	(1)	30. 2. καὶ π. τὰ ἐν αὐτῇ	-	— 29. συνήγαγε Δ. π. τὸν λαόν	(1)
— 24 (25). π. ἡ γῇ ἡρίστα	(1)	— 6. κατῶδυνος ψυχῇ π. τοῦ λαοῦ	(1)	— 31. οὕτως ἐποίησε π. ταῖς [A τοῖς] πόλεσιν	(1)
— 34. προσήγεν π. ὁ λαός	(1)	— 16. ἐπὶ πρόσωπον π. τῆς γῆς	(1)	— 31. ἐπέστρεψε . . . π. ὁ λαός	(1)
— 36. π. τὸ ἀγαθὸν ἐνώπιόν σου ποιεῖ	(1)	— 16. ἐν π. τοῖς σκύλοις τοῖς μεγ.	(1)	18. 9. ἐξαγάγετε π. ἄνδρα	(1)
— 38. προσάγαγετε . . . π. τὰς γωνίας τοῦ Ἰ.	(1)	— 18. ἀφείλιτο Δ. πάντα	(1)	— 9. ἐξήγαγον π. ἄνδρα	(1)
— 39. οὐκ ἦν ὁ ἀποκρινόμεν. ἐκ π. τοῦ λαοῦ	(1)	— 19. ὥς πάντων ὧν ἔλαβον αὐτῶν	(1)	— 21. ἤκουσεν . . . π. τοὺς λόγους τούτους	(1)
— 40. εἶπε π. ἀνδρὶ [B ὁμι.] Ἰσρ.	(1)	— 19. πάντα [A -αι] ἐπέστρεψε Δ.	(1)	— 23. ἐκάλεσεν Ἀβ. π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ.	(1)
— 47. ἐπολέμει . . . π. τοὺς ἐχθρούς αὐ.	(1)	— 20. ἔλαβε π. τὰ ποιμνία	(1)	— 25. μὴ πορευθῶμεν πάντες ἡμῖς	(1)
— 51 (52). π. τὰς ἡμέρας Σαουλ	(1)	— 22. ἀπεκρίθη π. ἀνὴρ λοίμω	(1)	— 27. καὶ π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ.	(1)
— 52. ἰδὼν Σ. π. ἄνδρα δυνατὸν καὶ π. ἄνδρα	(1)	— 31. π. τοὺς τόπους οὓς διήλθε Δ.	(1)	— 29. ἀνέστησαν π. οἱ υἱοὶ τοῦ βασ.	(1)
υἱὸν δυνάμεως	(1, 1)	31. 6. Δ καὶ π. οἱ ἄνδρες αὐτοῦ	(1)	— 30. ἐπάταξε Ἀβ. π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ.	(1)
15. 3. καὶ π. τὰ [A om.] αὐτοῦ	(1)	— 12. ἀνέστησαν π. ἀνὴρ δυνάμεως	(1)	— 31. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ	(1)
— 3. καὶ π. τὰ αὐτοῦ	(1, 1)	II Ki. 1. 9. π. ἡ ψυχὴ μου ἐν ῥμοί	(1)	— 32. π. τὰ παιδάρια τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. ἐθανά-	(1)
— 6. Δ μετὰ π. [B om.] τῶν υἱῶν Ἰσρ.	(1)	— 11. π. οἱ ἄνδρες οἱ μετ' αὐτοῦ	(1)	— 33. π. οἱ υἱοὶ τοῦ βασ. ἀπέθανον	(1)
— 8. συνελάβε . . . π. τὸν λαόν	(1)	2. 9. καὶ ἐπὶ πάντα [A ἀπ.] Ἰσρ.	(1)	— 36. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ	(1)
— 9. Σ. καὶ π. ὁ λαός	-	— 23. π. ὁ ἐρχόμενος ὥς τοῦ τόπου	(1)	— 37. ἐπένθησεν . . . π. τὰς ἡμέρας	(1)
— 9. τὰ ἀγαθὰ . . . π. τῶν ἀγαθῶν	(1)	— 28. ἀπέστησαν π. ὁ λαός	(1)	14. 19. μὴ ἡ χεὶρ Ἰ. ἐν π. τούτῳ	(1)
— 9. π. ἔργον ἡτιμωμένον . . . ἐξωλέθρευσε	(1)	— 30. συνήθρισε π. τὸν λαόν	(1)	— 19. ἐκ πάντων [A add. τούτων] ὧν ἐλάλησεν	(1)
— 13. Β ἐτίθηκα πάντα [A B om.] ὅσα ἐλάλησε κ.	-	3. 12. ἐπιστρέψαι . . . π. τὸν οἶκον Ἰσρ.	(1)	— 19. ἐθετο . . . π. τοὺς λόγους τούτους	(1)
16. 4. ἐποίησε Σαμ. πάντα	(1)	— 18. ἐκ χειρὸς π. τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν	(1)	— 20. τοῦ γῶναυ π. τὰ ἐν τῇ γῇ	(1)
17. 11. ἤκουσε Σ. καὶ πᾶς Ἰσρ.	(1)	— 19. τοῦ λαλήσαν . . . πάντα	(1)	— 25. οὐκ ἦν ἀνὴρ [A add. καλὸς] ἐν παντὶ Ἰσρ.	(1)
— 19. Δ Σ. αὐτὸς καὶ π. ἀνὴρ Ἰσρ.	(1)	— 19. ἐν ὁφθαλμοῖς π. οἴκου Β.	(1)	15. 2. π. ἀνὴρ ὃ ἐγένετο κρίσις	(1)
— 24. Δ καὶ π. ἀνὴρ Ἰσρ.	(1)	— 21. συναθροίσω . . . πάντα [A τὸν π.] Ἰσρ.	(1)	— 4. π. ἀνὴρ ὃ ἐλάν ἢ ἀντίλογα	(1)
— 46. γινώσκειται π. ἡ γῇ	(1)	— 21. βασιλεύσεις ἐπὶ πᾶσιν	(1)	— 6. ἐποίησεν Ἀβ. . . παντὶ Ἰσρ.	(1)
— 47. γινώσκειται π. ἡ ἐκκλησία αὐτῇ	(1)	— 23. καὶ π. ἡ στρατιὰ αὐτοῦ	(1)	— 10. ἀπέστειλεν . . . ἐν [A om.] π. φυλαῖς Ἰσρ.	(1)
18. 5. Δ ἐξεπορεύετο Δ. ἐν πᾶσιν	(1)	— 29. ἐπὶ π. τὸν οἶκον τοῦ πατρὸς αὐτοῦ	(1)	— 11. οὐκ ἐγνώσαν π. ῥήμα	(1)
— 5. Δ ἐν ὁφθαλμοῖς π. τοῦ λαοῦ	(1)	— 31. πρὸς π. τὸν λαόν τὸν μετ' αὐτοῦ	(1)	— 14. εἶπε Δ. π. τοῖς παισὶν αὐ.	(1)
— 6. ἐκ π. [A π. τῶν] πόλεων Ἰσρ.	(1)	— 32. ἐκλάσσει π. ὁ λαός	(1)	— 15. κατὰ πάντα ὅσα αἰρεῖται	(1)
— 14. ἐν π. ταῖς δόδοις αὐ. συνίων	(1)	— 34. συνήχησεν π. ὁ λαός	(1)	— 16. ὁ βασ. καὶ π. ὁ οἶκος αὐ.	(1)
— 16. πᾶς Ἰσρ. καὶ Ἰούδας	(1)	— 35. ἡ ἀπὸ παντός τινος	(1)	— 17. ὁ βασ. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ	(1)
— 22. π. οἱ παῖδες αὐτοῦ ἀγνῶσι σε	(1)	— 36. ἔγνω π. ὁ λαός	(1)	— 18. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ	(1)
— 28. πᾶς Ἰσραὴλ ἡγάπα αὐτόν	†	— 37. ἔγνω π. ὁ λαὸς καὶ πᾶς Ἰσρ.	(1, 1)	— 18. Β καὶ πᾶς Χελ. καὶ π. ὁ Φελ.	(1, 1)
— 29. Δ ἐχθρεύοντων τὸν Δ. π. τὰς ἡμέρας	(1)	4. 1. π. οἱ ἄνδρες Ἰσρ. παρέβησαν	(1)	— 18. Β π. ὁ λαὸς παρεπορεύετο	-
— 30. Δ παρὰ π. τοὺς δούλους Σ.	(1)	— 9. ἐλυτρώσαντο τὴν ψυχὴν μου ἐκ π. θλίψεως	(1)	— 18. Β καὶ π. οἱ περὶ αὐτὸν καὶ π. οἱ ἄδρῳ	(1 ter)
19. 1. ἐλάλησε . . . πρὸς π. τοὺς παῖδας αὐτοῦ	(1)	5. 1. παραγίνονται π. αἱ φυλαὶ Ἰσρ.	(1)	— 18. π. ὁ Χελ. καὶ π. ὁ Φελ. καὶ π. οἱ Γ.	(1 ter)
— 5. πᾶς Ἰσραὴλ εἶδον	(1)	— 3. ἔρχονται π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ.	(1)		
— 7. ἀπῆγγελεν αὐτῷ π. τὰ ῥῆμα ταῦτα	(1)				

II Kι. 15. 22. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτοῦ καὶ π. ὁ [A om.] ὁχλος ὁ μετ' αὐτοῦ (1, 1)  
 — 23. π. ἡ γῆ ἔκλειε (1)  
 — 23. π. ὁ λαὸς παρεπορεύοντο (1)  
 — 23. π. ὁ λαὸς καὶ ὁ βασις. [A om. κ. ὁ β.] (1)  
 — 24. καὶ π. οἱ Λευῖται μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 24. ἐπαύσατο π. ὁ λαός (1)  
 — 30. π. ὁ λαὸς ὁ [A ol.] μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 35. π. ῥῆμα ὁ ἐὰν ἀκούσῃς (1)  
 — 36. π. ῥῆμα ὁ ἐὰν ἀκούσῃς (1)  
 16. 4. ἰδοὺ σοὶ πάντα (1)  
 — 6. καὶ π. τοὺς παῖδας τοῦ βασι. Δ. (1)  
 — 6. καὶ π. ὁ λαὸς ἦν καὶ π. οἱ δυνατοί (1, 1)  
 — 8. ἐπίστρεψεν . . . π. τὰ αἵματα (1)  
 — 11. καὶ πρὸς π. τοὺς παῖδας αὐ. (1)  
 — 13. B καὶ π. [A B om.] οἱ ἄνδρες αὐτοῦ (1)  
 — 14. καὶ π. ὁ λαὸς μετ' αὐτοῦ [A al.] (1)  
 — 15. καὶ π. ἀνὴρ [A ὁ λαός] 'Ισρ. (1)  
 — 18. καὶ π. ἀνὴρ 'Ισρ. (1)  
 — 21. ἀκούσεται [A -σονται] πᾶς 'Ισρ. (1)  
 — 21. αἱ χεῖρες πάντων τῶν μετὰ σοῦ (1)  
 — 22. κατ' ὀφθαλμοὺς πάντων 'Ισρ. (1)  
 — 23. οὕτως π. ἡ βουλή τῷ 'Αχ. (1)  
 17. 2. π. ὁ λαὸς ὁ μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 3. ἐπιστρέψω π. τὸν λαόν (1)  
 — 3. π. τῷ λαῷ ἔσται εἰρήνη (1)  
 — 4. ἐν ὁφθ. π. τῶν πρεσβυτέρων 'Ισρ. (1)  
 — 10. οἶδε πᾶς 'Ισρ. (1)  
 — 11. συναχθήσονται ἐπὶ σέ πᾶς 'Ισρ. (1)  
 — 12. Α οὐχ ὑπολείψομαι . . . ἐν πᾶσιν [B om. ἐν π.] (1)  
 — 13. λήψεται πᾶς [A add. ἀνὴρ] 'Ισρ. (1)  
 — 14. 'Αβ. καὶ π. ἀνὴρ 'Ισρ. (1)  
 — 14. ὅπως ἀν' ἐπαγάγῃ . . . τὰ κακὰ π. (1)  
 — 16. καὶ π. [A om.] τὸν λαόν τὸν μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 22. καὶ π. ὁ λαὸς ὁ [A om.] μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 24. καὶ π. ἀνὴρ [A om.] 'Ισρ. μετ' αὐτοῦ [1 2 a] (1)  
 — 26. παρενέβαλε πᾶς 'Ισρ. (1)  
 18. 4. π. ὁ λαὸς ἐξεπορεύετο (1)  
 — 5. B π. ὁ λαὸς ἤκουεν ἐντελλομένου τοῦ βασι. π. τοὺς ἀρχισυν. (1, 1)  
 — 6. ἐξῆλθε π. ὁ λαός (1)  
 — 7. Δ ἔπεισεν ἐκεῖ π. [B om.] ὁ λαός (1)  
 — 8. ἐπὶ πρόσωπον π. τῆς γῆς (1)  
 — 13. π. ὁ [A om.] λόγος οὐ λήσεται (1)  
 — 17. πᾶς 'Ισρ. ἐφύγεν (1)  
 — 31. ἐκ χειρὸς π. τῶν ἐπ' ἐγείρομαι. [A ἐγείρομαι.] (1)  
 — 32. πάντες ὅσοι ἐπαύστησαν ἐπ' αὐτὸν (1)  
 19. 2 (3). εἰς πένθος π. τῷ λαῷ (1)  
 — 5 (6). τὸ πρόσωπον π. τῶν δούλων σου (1)  
 — 6 (7). πάντες ἡμεῖς σήμερον νεκροί (1)  
 — 7 (8). ὑπὲρ π. τὸ κακὸν τὸ ἐπελθόν σοι (1)  
 — 8 (9). καὶ π. ὁ λαὸς ἀνήγειραν (1)  
 — 8 (9). εἰσῆλθε π. ὁ λαός (1)  
 — 9 (10). ἦν π. ὁ λαὸς κρινόμεν. ἐν π. φυλαίς 'Ισρ. (1, 1)  
 — 9 (10). ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν (1)  
 — 10 (11). τὸ ῥῆμα παντός 'Ισρ. (1)  
 — 11 (12). λόγος παντός [A -τι] 'Ισρ. ἦλθε (1)  
 — 13 (14). ἄρχων δυνάμεως ἔσθ' . . . π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 14 (15). τὴν καρδίαν π. ἀνδρὸς 'Ι. (1)  
 — 14 (15). καὶ π. οἱ δοῦλοι σου (1)  
 — 20 (21). πρότερος παντός 'Ισρ. καὶ [A om. 'Ι. καὶ] οἴκου 'Ι. (1)  
 — 28 (29). π. ὁ οἶκος τοῦ πατρὸς μου [A al.] (1)  
 — 30 (31). τὰ π. λαβίτῃ (1)  
 — 38 (39). πάντα ὅσα ἐκλέξῃ (1)  
 — 39 (40). διέβη π. ὁ λαὸς τὸν 'Ι. (1)  
 — 40 (41). Α διέβη π. ὁ λαός [B δ. ὁ βασις.] (1)  
 — 40 (41). π. ὁ λαός 'Ι. διαβαίνοντες (1)  
 — 41 (42). π. ἀνὴρ 'Ισρ. παρεγένοντο (1)  
 — 41 (42). καὶ π. ἀνδρες Δ. μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 42 (43). ἀπεκρίθη π. ἀνὴρ 'Ι. (1)  
 20. 2. Δ Β ἀνέβη π. ἀνὴρ [B om.] 'Ισρ. (1 [2 a])  
 — 7. καὶ π. οἱ δυνατοί (1)  
 — 12. εἰσῆλκε π. ὁ λαός (1)  
 — 12. π. τὸν ἐρχόμενον ἐπ' αὐτόν (1)  
 — 13. παρήλθε π. ἀνὴρ 'Ισρ. (1)  
 — 14. διήλθεν ἐν π. φυλαίς 'Ισρ. (1)  
 — 14. καὶ πάντες ἐν Χ. (1)  
 — 15. π. ὁ λαὸς ὁ μετὰ 'Ι. (1)  
 — 22. εἰσῆλθεν . . . πρὸς π. τὸν λαόν (1)  
 — 22. ἐλάλησε πρὸς π. τὴν πόλιν (1)  
 — 23. πρὸς π. τὴν δυνάμει 'Ισρ. (1)  
 21. 5. ἐν π. ὁρίω 'Ισρ. (1)

II Kι. 21. 14. καὶ ἐποίησαν πάντα (1)  
 22. 1. ἐκ χειρὸς π. τῶν ἐχθρῶν αὐ. (1)  
 — 23. π. τὰ κρίματα αὐτοῦ κατενωτίον μου (1)  
 — 31. π. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτῷ (1)  
 23. 5. διαθήκην . . . ἐν π. καιρῷ πεφυλαγμένην (1)  
 — 5. π. σωτηρία καὶ π. θέλημα (1, 1)  
 — 6. ὥσπερ ἀκανθα ἐξωσμένη π. οὗτοι (1)  
 — 39 (38). πάντες τριάκοντα καὶ ἐπτὰ (1)  
 24. 2. διέλθε δὴ π. φυλὰς 'Ισρ. (1)  
 — 7. καὶ π. τὰς πόλεις τοῦ Εὐαίου (1)  
 — 8. περιώδυσαν ἐν π. τῇ γῇ (1)  
 — 23. τὰ π. ἔδωκεν 'Ορνὰ τῷ βασι. (1)  
 III Kι. 1. 3. ἐκ π. ὁρίων 'Ισρ. (1)  
 — 9. Δ Β ἐκάλεσε π. [B om.] τοὺς ἀδ. αὐτοῦ (1)  
 — 9. Δ Β καὶ π. [B om.] τοὺς ἀδελφούς [A ἀνδρας] 'Ι. (1)  
 — 19. ἐκάλεσε π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασι. (1)  
 — 20. οἱ ὀφθαλμοὶ παντός 'Ισρ. πρὸς σέ (1)  
 — 25. ἐκάλεσε π. τοὺς υἱοὺς τοῦ βασι. (1)  
 — 29. ἐλυνόσασθε τὴν ψυχὴν μου ἐκ π. θλίψεως (1)  
 — 39. εἶπε π. ὁ λαός (1)  
 — 40. ἀνέβη π. ὁ λαός ὀπίσω αὐτοῦ (1)  
 — 41. 'Αδ. καὶ π. οἱ κλητοὶ αὐτοῦ (1)  
 — 49. π. οἱ κλητοὶ τοῦ 'Αδ. (1)  
 2. 2. πορεύομαι ἐν ὁδῷ π. τῆς γῆς (1)  
 — 3. ἀ πορεύεσθε κατὰ πάντα (1)  
 — 14 (15). ἔθετο πᾶς 'Ισρ. τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (1)  
 — 26. Δ Β ἐκακοῦχθη ἐν πᾶσιν [B ἀπ.] (1)  
 3. 1 (4. 30 [5. 10]). π. ἀρχαίων υἱῶν (1)  
 — 1 (4. 30 [5. 10]). ὑπὲρ π. φρονίμου Αἰγ. (1)  
 — 1 (2. 44). οἶδας [A ἔγνωσ] π. τὴν κακίαν σου (1)  
 — 1 (B), 4. 21 (A) [5. 1]. ἄρχων ἐν π. ταῖς βασιλείαις [A al.] (1)  
 — 1 (B), 4. 21 (A) [5. 1]. π. τὰς [A om.] ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)  
 — 1 (4. 24 [5. 4]). B ἐν παντὶ πέραν τοῦ ποταμοῦ (1)  
 — 1 (4. 24 [5. 4]). B ἐν π. τοῖς βασι. πέραν τοῦ ποταμοῦ (1)  
 — 1 (4. 24 [5. 4]). B ἐκ π. τῶν μερῶν αὐτοῦ κυκλόθεν (1)  
 — 1 (B), 4. 25 (A) [5. 5]. π. τὰς ἡμέρας Σαλ. (1)  
 — 1. B ἐν π. τοῖς βασι. ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (1)  
 — 13. Α π. τὰς ἡμέρας σου (1)  
 — 15. καὶ π. τοῖς πασιῶν ἐναντοῦ (1)  
 — 28. ἤκουσαν πᾶς 'Ισρ. τὸ κρίμα τοῦτο (1)  
 4. 7. δώδεκα καθεστῆσαν ἐπὶ πάντα 'Ισρ. (1)  
 — 10. Α Β καὶ π. ἡ γῆ 'Οφὲρ [B al.] (1)  
 — 11. Α Β πᾶσαν π. [B al.] (1)  
 — 12. καὶ π. ὁ οἶκος Σ. (1)  
 — 27 (5. 7). Α Β καὶ π. τὰ [B om.] διαγγέλματα ἐπὶ τὴν τράπεζαν (1)  
 — 24 (5. 4). Α ἐν παντὶ [B om. ἐν π.] πέραν τοῦ ποτ. (1)  
 — 24 (5. 4). Α ἐν π. βασιλείῳ πέραν τοῦ ποτ. (1)  
 — 24 (5. 4). ἐκ π. τῶν μερῶν κυκλόθεν (1)  
 — 30 (5. 10). ὑπὲρ τὴν φρόνησιν π. ἀρχαίων ἀνθρ. (1)  
 — 30 (5. 10). ὑπὲρ π. φρονίμου Αἰγ. (1)  
 — 31 (5. 11). ὑπὲρ π. τοὺς ἀνθρώπους (1)  
 — 31 (5. 11). Α ἐν π. τοῖς ἔθνεσιν κύκλῳ (1)  
 — 34 (5. 14). παρεγένοντο π. οἱ λαοί (1)  
 — 34 (5. 14). καὶ παρὰ π. τὸν βασι. τῆς γῆς (1)  
 5. 1 (15). ἀγαπῶν ἦν Χ. τὸν Δ. π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 6 (20). κατὰ πάντα ὅσα ἀν' εἴπῃς (1)  
 — 8 (22). ἀκήκοα περὶ πάντων (1)  
 — 8 (22). ποιῶσα π. θέλημά σου (1)  
 — 10 (24). καὶ π. θέλημα αὐτοῦ (1)  
 — 13 (27). φέρων ἐκ παντός 'Ισρ. (1)  
 6. 1 (38). εἰς π. λόγων αὐ. καὶ εἰς π. διάταξιν αὐ. (1, 1)  
 — 7. π. σκευὴ σιδηροῦν οὐκ ἠκούσθη (1)  
 — 12. Α καὶ φυλάσσης π. τὰς ἐντολὰς μου (1)  
 — 18. Α καὶ ἀνάκλησεν π. κείδισιν (1)  
 — 21 (22). ζῶς συντελείας π. τοῦ οἴκου (1)  
 — 29. π. τοὺς τοίχους τοῦ οἴκου (1)  
 7. 14. τοῦ ποιεῖν π. ἔργον ἐν χαλκῷ (1)  
 — 14. ἐποίησε π. τὰ ἔργα (1)  
 — 25. καὶ π. τὰ ὀπίσθια εἰς τὸν οἶκον (1)  
 — 33. πάντα χωνεύσει (1)  
 — 37. ἐποίησε π. τὰς δέκα μεχ. (1)  
 — 37. μέτρον ἐν πάσαις (1)  
 — 40. ποῶν π. τὰ ἔργα (1)  
 — 45. καὶ π. τὰ σκεύη (1)  
 — 45. π. τὰ ἔργα τοῦ βασι. (1)

III Kι. 7. 47. οὐ ἐποίησε π. τὰ ἔργα ταῦτα (1)  
 — 48. Α ἐπὶ π. τὰ σκεύη [B al.] (1)  
 — 48. Α ἐποίησεν Σαλ. π. τὰ σκεύη [B al.] (1)  
 — 51. καὶ π. τὰ ἄγια Σαλ. (1)  
 — 5. καὶ π. τὰ θυρώματα (1)  
 — 9. π. ταῦτα ἐκ λίθων τιμίων (1)  
 8. 1. π. τοὺς πρεσβυτέρους 'Ισρ. (1)  
 — 1. Α σὺν πάσας κεφαλὰς τῶν ῥάβδων (1)  
 — 2. Α π. ἀνὴρ 'Ισρ. (1)  
 — 3. Α ἦλθον π. οἱ πρεσβύτεροι 'Ισρ. (1)  
 — 4. Α π. [B om.] τὰ σκεύη τὰ ἄγια (1)  
 — 5. πᾶς [A π. συναγωγῇ] 'Ισρ. (1)  
 — 14. εὐλόγησεν ὁ βασι. πάντα 'Ισρ. (1)  
 — 14. π. ἐκκλησία 'Ισρ. εἰσῆλκε (1)  
 — 22. ἐνώπιον π. ἐκκλησίας 'Ισρ. (1)  
 — 37. π. συνάντημα πᾶν [A πάντα] πᾶν (1, 1)  
 — 38. π. προσεκύνη π. δέσιν ἐὰν γίνηται π. ἀνθρώπων (1 ter)  
 — 38. Α π. λαὸ σου 'Ισρ. (1)  
 — 39. Α κατὰ π. [B om.] τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (1)  
 — 39. τὴν καρδίαν π. υἱῶν ἀνθρώπων (1)  
 — 40. ὅπως φοβῶνται σε π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 40. Α ἐπὶ προσώπου πάσης [B om. πρ. π.] τῆς γῆς (1)  
 — 43. ποιήσεις κατὰ πάντα (1)  
 — 43. ὅπως γνώσῃ π. οἱ λαοί (1)  
 — 50. κατὰ π. τὰ ἀθετήματα αὐτῶν (1)  
 — 52. ἐν πᾶσιν οἷς ἀν' ἐπικαλέσονται σε (1)  
 — 53. ἐκ π. τῶν λαῶν τῆς γῆς (1)  
 — 55. εὐλόγησε π. ἐκκλησίαν 'Ισρ. (1)  
 — 56. κατὰ πάντα ὅσα ἐλάλησεν (1)  
 — 56. ἐν π. τοῖς λόγοις αὐ. τοῖς ἀγαθοῖς (1)  
 — 58. τοῦ πορεύεσθαι ἐν π. ὁδοῖς αὐτοῦ (1)  
 — 58. φυλάσσει π. ἐντολὰς αὐτοῦ (1)  
 — 60. ὅπως γνώσῃ π. οἱ λαοί τῆς γῆς (1)  
 — 62, 63. καὶ π. οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (1)  
 — 65. καὶ πᾶς 'Ισρ. μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 66. Α ἐπὶ π. [B om.] τοῖς ἀγαθοῖς (1)  
 9. 1. καὶ π. τὴν πραγματείαν Σαλ. (1)  
 — 3. κατὰ π. τὴν προσεκύνη σου (1)  
 — 3. ἔσονται . . . ἐκεῖ . . . π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 4. τοῦ ποιεῖν κατὰ πάντα (1)  
 — 7. εἰς λάλημα εἰς π. τοὺς λαοὺς (1)  
 — 8. π. ὁ διαπορεύομαι δι' αὐτοῦ (1)  
 — 11. καὶ ἐν [A om.] π. θελήματι αὐτοῦ (1)  
 10. 2. ἐλάλησεν αὐτῷ πάντα (1)  
 — 3. ἀπηγγέλει αὐτῇ Σ. π. τοὺς λόγους αὐ. (1)  
 — 4. εἶδε . . . π. φρόνησιν Σαλ. (1)  
 — 7. ἐπὶ π. τὴν ἀκοὴν ἣν ἤκουσα (1)  
 — 8. οἱ ἀκούοντες π. τὴν φρόνησιν σου (1)  
 — 13. ἔδωκε . . . πάντα ὅσα ἠβέλησεν (1)  
 — 13. ἐκτός πάντων ὧν ἐδεδώκει αὐτῇ (1)  
 — 13. καὶ π. οἱ παῖδες αὐτῆς (1)  
 — 15. χωρὶς τῶν φόρων . . . π. τῶν βασι. τοῦ πέραν (1)  
 — 20. οὐ γέγονεν οὕτως π. βασιλεία (1)  
 — 21. π. τὰ σκεύη τὰ ὑπὸ τοῦ Σαλ. [A al.] (1)  
 — 21. π. τὰ σκεύη οἴκου δρυμοῦ (1)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). Α π. τὰς πόλεις τῶν σκηνωμ. (1)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). π. [A om.] τὰς πόλεις τῶν ἀρμ. (1)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). π. τὰς πόλεις τῶν ἱπ. πείων (1)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). καὶ ἐν π. τῇ γῇ (1)  
 — 22 (B), 9. 20 (A). Α Β π. τὸν λαόν τὸν ὑποταγμένον [B -δεδεσμ.] (1)  
 — 23. ἐμεγαλύνθη Σ. ὑπὲρ π. τοὺς βασι. (1)  
 — 24. πάντες βασιλεῖς τῆς γῆς (1)  
 — 26. ἦν ἡγούμενος π. τῶν βασι. (1)  
 — 29. οὕτως π. τοῖς βασιλεύουσιν (1)  
 11. 8. οὕτως ἐποίησε π. ταῖς γυν. αὐ. (1)  
 — 14 (B), 25 (A). π. τὰς ἡμέρας Σαλ. (1)  
 — 15. ἔκριναν π. ἀρσενικὸν ἐν τῇ 'Ιδ. (1)  
 — 16. 'Ιωὰβ καὶ πᾶς 'Ισρ. (1)  
 — 16. ἐξωλέθρευσε π. ἀρσενικὸν (1)  
 — 17. καὶ π. ἀνδρες [B om.] 'Ιδουμαῖοι (1)  
 — 32. ἐκ π. φυλῶν 'Ισρ. (1)  
 — 34. π. τὰς ἡμ. τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)  
 — 36. ὅπως ᾤ θείας . . . π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 38. ἐὰν φυλάξῃς πάντα (1)  
 — 39. Α πλὴν οὐ π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 41. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)  
 — 41. καὶ π. τὴν φρόνησιν αὐτοῦ (1)  
 — 42. Α Β ἐβασίλευσεν . . . ἐπὶ πάντα 'Ισρ. [B om. ἐ. π. 'Ι.] (1)

III Ki. 12. 1. εἰς Σ. ἤρχοντο πᾶς Ἰσρ.	(1)	III Ki. 21 (20). 12. αὐτὸς καὶ π. οἱ [B' om.] βασιλεῖς -	(1)	IV Ki. 12. 9 (10). π. τὸ ἀργύριον τὸ εὐρεθὲν ἐν	(1)
— 3. Α καὶ π. ἡ ἐκκλησία Ἰσρ.	(1)	— 13. Α εἰ ἰώρακας π. [B om.] τὸν δχλον	(1)	οἶκω κ.	(1)
— 7. Ἰσοῦται σοὶ δοῦλοι π. τὰς ἡμέρας	(1)	— 15. ἐπεσκέψατο τὸν λαὸν π. υἱὸν δυνάμ.	(1)	— 12 (13). εἰς πάντα δσα ἐξωδιίσθη	(1)
— 12. παρεγένετο πᾶς Ἰσρ.	(1)	[A al.]	(1)	— 13 (14). π. σκεύος χρυσοῦν	(1)
— 16. καὶ εἶδον πᾶς Ἰσρ.	(1)	— 21. ἔλαβε π. [A om.] τοὺς ἵππους	(1)	— 18 (19). ἔλαβεν . . . π. τὰ ἄγια	(1)
— 18. Α ἐλιθοβόλησαν αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. [B om. π. ἴ.]	(1)	22. 6. συνήθρισεν . . . π. τοὺς προφῆτας	(1)	— 18 (19). π. τὸ χρυσίον [A ἀργύρ.] τὸ εὐρεθὲν	(1)
— 20. ὡς ἤκουσε πᾶς [A om.] Ἰσρ.	(1)	— 10, 12. π. οἱ προφῆται ἐπροφῆτευσον	(1)	— 19 (20). καὶ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
— 23. καὶ πρὸς πάντα οἶκον ἴ.	(1)	— 13. λαλοῦσι π. οἱ προφῆται . . . καλὰ	(1)	— 20 (21). ἔδσαν πάντα σύνδεσμον	(1)
— 24. Β συνάγεται ἐκεῖ π. σκῆπτρον Ἐφρ.	(1)	— 17. ἑώρακα π. τὸν Ἰσρ.	(1)	18. 3. ἔδωκεν αὐτοῦς . . . π. τὰς ἡμέρας	(1)
— 24. Β εἶπε π. ὁ λαός	(1)	— 19. καὶ π. ἡ στρατιὰ τοῦ οὐρανοῦ	(1)	— 8. καὶ πάντα δσα ἐποίησε	(1)
— 24. Β διεσπάρη π. ὁ λαός	(1)	— 22. εἰς τὸ στόμα π. τῶν προφῆτῶν αὐ.	(1)	— 11. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πάσης Ἰερ. . . ἁμαρτίας	(1)
— 24. Β π. σκῆπτρον ἴ. καὶ π. σκῆπτρον Βεν.	(1)	— 23. ἐν στόματι π. τῶν προφῆτῶν σου τ.	(1)	— 12. καὶ πάντα δσα ἐποίησε	(1)
— 24. Β συνήθρισεν Ῥ. π. ἄνδρα ἴ.	(1)	— 28. Α ἀκούσατε, λαοὶ π.	(1)	— 22. ἐξέβληκε τὸν Ἰσρ. π. τὰς ἡμέρας ἴ.	(1)
— 24. Β εἶπὸν . . . πρὸς π. οἶκον ἴ.	(1)	— 39. καὶ πάντα δ ἐποίησε	(1)	14. 3. κατὰ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
18. 11. Α Β π. [B ἀπ.] τὰ ἔργα δ ἐποίησεν	(1)	— 39. καὶ π. τὰς πόλεις ἃς ἐποίησεν	(1)	— 14. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ εὐρεθέντα	(1)
14. 8. Α δε ἐπορεύθη . . . ἐν π. καρδίᾳ αὐτοῦ	(1)	— 43. ἐπορεύθη ἐν π. ὁδῷ Ἰσρ.	(1)	— 18. καὶ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
— 9. Α παρὰ παντὸς ὅσοι ἐγένοντο	(1)	— 54. κατὰ π. τὰ γενόμ. ἐμπροσθεν αὐτοῦ	(1)	— 21. ἔλαβε π. ὁ λαός ἴ. τὸν Ἀζ.	(1)
— 13. Α κόψονται αὐτὸν πᾶς Ἰσρ.	(1)	IV Ki. 3. 19. πατάξετε π. [A π. τὴν] πόλιν ὀχυράν	(1)	— 24. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. ἁμαρτιῶν Ἰερ.	(1)
— 18. Α ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ.	(1)	— 19. Α καὶ π. πόλιν ἐκλεκτὴν	(1)	— 28. καὶ πάντα δσα ἐποίησε	(1)
— 21. ἐκ π. φυλῶν τοῦ Ἰσρ.	(1)	— 19. π. ξύλον ἀγαθὸν καταβαλεῖτε	(1)	15. 3. κατὰ πάντα δσα ἐποίησεν Ἀμ.	(1)
— 22. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησαν	(1)	— 19. π. μερίδα ἀγαθὴν ἀχρεΐσθε	(1)	— 6. καὶ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
— 23. ἐπὶ π. βουνὸν ὑψηλὸν	(1)	— 21. πᾶσα Μωῦδ ἤκουσαν	(1)	— 9. Β οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. τῶν [A B om. π. τ.]	(1)
— 23. ὑποκάτω π. ξύλου συσκίου	(1)	— 21. ἀνέβησαν ἐκ παντὸς	(1)	ἁμαρτιῶν Ἰερ.	(1)
— 24. ἀπὸ π. τῶν [A om.] βδελυγμάτων	(1)	— 25. καὶ π. μερίδα ἀγαθὴν	(1)	— 16. καὶ π. τὰ ἐν αὐτῇ	(1)
— 26. ἔλαβε π. [A om.] τοὺς θησαυρούς	(1)	— 25. π. πηγὴν ἐνέφραξεν	(1)	— 18. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. ἁμαρτιῶν Ἰερ.	(1)
— 26. τὰ π. δ [A om.] ἔλαβεν	(1)	— 25. π. ξύλον ἀγαθὸν κατέβαλον	(1)	— 20. ἐπὶ πᾶν δυνατὸν ἰσχύϊ	(1)
— 29. καὶ πάντα δ ἐποίησεν	(1)	4. 3. αἰτήσων . . . παρὰ π. [A om.] τῶν γει-	(1)	— 21, 26. καὶ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
— 30. πόλεμος ἦν . . . π. τὰς ἡμέρας	(1)	τόνων	(1)	— 28. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ π. ἁμαρτιῶν Ἰερ.	(1)
15. 3. Α ἐν π. [B om.] ταῖς ἁμαρτίαις τοῦ	(1)	— 4. Α ἀποχεῖς π. [B εἰς] τὰ σκεύη ταῦτα	(1)	— 29. π. γῆν Νεφθαλί	(1)
πατρὸς αὐ.	(1)	— 9. διαπορεύεται ἐφ' ἡμᾶς διὰ παντὸς [A om. δ. π.]	(1)	— 31. καὶ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
— 5. οὐκ ἐξέκλινεν ἀπὸ πάντων	(1)	— 13. Α Β π. τὴν ἔκστασιν ταύτην [B al.]	(1)	— 34. κατὰ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
— 5. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ	(1)	5. 12. ὑπὲρ π. τὰ ὕδατα Ἰσρ.	(1)	— 36. καὶ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)
— 6. Α π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν	(1)	— 15. αὐτὸς καὶ π. ἡ παρεμβολὴ αὐτοῦ	(1)	16. 4. καὶ ὑποκάτω π. ξύλου ἀλσώδους	(1)
— 7. καὶ πάντα δ ἐποίησεν	(1)	— 15. οὐκ ἔστι θεὸς ἐν π. τῇ γῇ	(1)	— 10. εἰς π. ποιήσων αὐτοῦ	(1)
— 12. ἐξέπστειλε π. τὰ ἐπιτηδεύματα	(1)	6. 12. ἀναγγέλλει . . . π. τοὺς λόγους	(1)	— 11. κατὰ πάντα δσα ἀπέστειλεν	(1)
— 14. π. τὰς ἡμέρας αὐτοῦ	(1)	— 24. ἥθροισεν . . . π. τὴν παρεμβολὴν αὐ.	(1)	— 15. τὴν ὀλοκαύτισιν π. [A om.] τοῦ λαοῦ	(1)
— 16. π. τὰς ἡμέρας αὐτῶν	(1)	7. 13. Α λαβέτωσαν δὴ πάντες [B πέντε]	(1)	— 15. καὶ πᾶν αἷμα ὀλοκαυτώσεως	(1)
— 20. καὶ π. τὴν Χ. ἑως π. τῆς γῆς Ν.	(1, 1)	— 13. πρὸς π. τὸ πλῆθος Ἰσρ.	(1)	— 15. καὶ πᾶν αἷμα θυσίας	(1)
— 22. παρήγγειλε παντὶ ἴ.	(1)	— 15. πᾶσα ἡ ὁδὸς πλήρης ἱματιῶν	(1)	— 16. ἐποίησεν Οὐρ. . . κατὰ πάντα	(1)
— 22. ὀκδομήσων . . . πᾶν βουνὸν Βεν.	(1)	— 15. πᾶσα ἡ ὁδὸς πλήρης ἱματιῶν	(1)	17. 5. ἀνέβη . . . ἐν π. τῇ γῇ	(1)
— 23. Α καὶ π. ἡ δυναστεία αὐτοῦ καὶ πάντα	(1)	8. 4. διηγῆσαι δὲ ἔμοι π. τὰ μεγάλα	(1)	— 9. ἐν π. ταῖς πόλεσιν αὐτῶν	(1)
[B om. κ. π.] δ ἐποίησαν	(1, 1)	— 6. Β ἐπίστρεψον πάντα αὐτῆς καὶ π. [A B om. κ. π.] τὰ γεννήματα [A add. καὶ π. τὰ γεννῆμ.] τοῦ ἀγροῦ	(1, - 1)	— 10. ἐπὶ π. βουνῷ ὑψηλῷ καὶ ὑποκάτω π. ξύλου ἀλσώδους	(1, 1)
— 27. πᾶς Ἰσρ. περικάθητο ἐπὶ ἴ.	(1)	— 9. καὶ π. τὰ ἀγνῆθ᾽ ἀμασκοῦ	(1)	— 11. ἱθυμίαςαν ἐκεῖ ἐν π. ὑψηλοῖς	(1)
— 29. οὐχ ὑπελείπετο πᾶσαν πνοὴν	(1)	— 19. δοῦναι αὐτῷ λύχνον . . . π. τὰς ἡμέρας	(1)	— 13. ἐν χειρὶ π. τῶν προφῆτῶν αὐ. παντὸς ὁρῶντος	(1, 1)
— 31. καὶ πάντα δ ἐποίησεν	(1)	— 21. καὶ π. τὰ [A om.] ὅρματα μετ' αὐτοῦ	(1)	— 13. φυλάξατε . . . π. τὸν νόμον	(1)
— 32. Α π. τὰς ἡμέρας αὐτῶν	(1)	— 23. καὶ πάντα δσα ἐποίησεν	(1)	— 16. προσεκύνησαν π. τὴν δυνάμει τοῦ οὐρ.	(1)
— 33. Α βασιλεύει Β . . . ἐπὶ πάντα [B om.] Ἰσρ.	(1)	9. 5. πρὸς τίνα ἐκ πάντων ἡμῶν	(1)	— 20. ἐν π. σπέρματι Ἰερ.	(1)
16. 5. καὶ πάντα δ ἐποίησε	(1)	— 7. τὰ αἵματα π. τῶν δούλων κυρίου	(1)	— 22. ἐν π. ἁμαρτίᾳ Ἰερ.	(1)
— 7. π. [A om.] τὴν κακίαν ἣν ἐποίησεν	(1)	— 14. Ἰσραὴμ αὐτὸς . . . καὶ πᾶς Ἰσρ.	(1)	— 23. ἐν χειρὶ π. τῶν δούλων αὐτοῦ	(1)
— 13. Α Β περὶ π. τῶν [B om.] ἁμαρτιῶν Β.	(1)	10. 9. εἶπε πρὸς π. τὸν λαόν	(1)	— 37. φυλάσσεισθε π. τὰς ἡμέρας	(1)
— 14. Α καὶ πάντα [B om. κ. π.] δ ἐποίησεν	(1)	— 9. τίς ἐπάταξε π. τοῦτους	(1)	— 39. ἐξέλειται ὑμᾶς ἐκ π. τῶν ἐχθρῶν ὑ.	(1)
— 17. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ	(1)	— 11. ἐπάταξεν Ἰοὺ πάντας	(1)	18. 3. κατὰ πάντα δσα ἐποίησε Δαυὶδ	(1)
— 25. ἐπονηρεύσατο ὑπὲρ πάντας	(1)	— 11. καὶ π. τοὺς δδρόνους αὐτοῦ	(1)	— 4. Α συνέτριψε π. [B om.] τὰς στήλας	(1)
— 26. ἐπορεύθη ἐν π. [A π. τῇ] ὁδῷ Ἰερ.	(1)	— 17. καὶ ἐπάταξε πάντας	(1)	— 5. Α ἐν π. [B om.] βασιλεύει Ἰουδα	(1)
— 27. καὶ πάντα δ ἐποίησε	(1)	— 18. ἐζήλωσεν Ἰοὺ π. τὸν λαόν	(1)	— 7. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησε συνῆκε	(1)
— 27. Β καὶ π. [A B om.] ἡ δυναστεία αὐτοῦ	(1)	— 19. π. οἱ προφῆται τοῦ Β. π. τοὺς δούλους αὐ.	(1, 1)	— 12. πάντα δσα ἐνετείλατο Μ.	(1)
— 28 (22. 45 [46]). Β καὶ π. δυναστεία ἣν ἐποίησε	(1)	— 19. πᾶς [A om.] δε εἰς ἐπισκεπῇ	(1)	— 15. ἔδωκεν Ἐζ. π. τὸ ἀργύριον	(1)
— 30. ὑπὲρ π. τοὺς ἐμπροσθεν αὐτοῦ	(1)	— 21. ἀπέστειλεν ἴ. ἐν παντὶ Ἰσρ.	(1)	— 21. οὕτως Φ. . . π. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτόν	(1)
— 33. ὑπὲρ π. τοὺς βασιλεῖς Ἰσρ.	(1)	— 21. Β π. οἱ δούλοι αὐ. καὶ π. οἱ ἱερεῖς αὐ.	(1)	— 35. τίς ἐν π. τοῖς θεοῖς τῶν γαιῶν	(1)
18. 5. Α καὶ ἐπὶ π. [B om.] χεῖμαρρους	(1)	— 21. καὶ π. οἱ προφῆται αὐ.	(1)	19. 4. εἴ πως εἰσακούσεται . . . π. [A om.] τοὺς λόγους Ῥ.	(1)
— 19. συνάθροισον πρὸς με πάντα Ἰσρ.	(1)	— 21. ἦλθον π. οἱ δούλοι τοῦ Β.	(1)	— 11. σὺ ἤκουσας πάντα	(1)
— 20. ἀπέστειλεν Ἀχ. εἰς πάντα Ἰσρ.	(1)	— 21. Β καὶ π. οἱ ἱερεῖς αὐ. καὶ π. οἱ προφῆται αὐ.	(1)	— 11. δσα ἐποίησαν . . . π. ταῖς γαίαις [A γεναῖς]	(1)
— 20. ἐπισυνήγαγε π. τοὺς προφῆτας	(1)	— 22. ἐξάγαγε ἔνδυμα π. [A ἀπ.] τοῖς δούλοις τοῦ Β.	(1)	— 15. σὺ εἰ ὁ θεὸς μόνος ἐν π. ταῖς βασ.	(1)
— 21. προσήγαγεν Ἡ. πρὸς πάντας [A π. τὸν λαόν]	(1)	— 30. κατὰ πάντα δσα ἐν τῇ καρδίᾳ μου	(1)	— 19. γνώσονται π. αἱ βασιλείαι τῆς γῆς	(1)
— 24. ἀπεκρίθησαν π. ὁ λαός	(1)	— 32. Α συγκόπτειν ἐν π. ὀρίῳ [B ἐν τῷ] Ἰσρ.	(1)	— 24. ἐξηρμήνευσαν . . . π. [A π. τοὺς] τυταμοὺς περιοχῆς	(1)
— 36. γνώτωσαν π. ὁ λαὸς ὅτος [A al.]	(1)	— 32. ἐν π. ὀρίῳ Ἰσρ.	(1)	— 35. ἰδοὺ πάντες σώματα νεκρά	(1)
— 39. ἔπεισε π. ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον αὐ. [A al.]	(1)	— 33. π. τὴν γῆν Γαλααδ	(1)	20. 13. καὶ ἐν π. τῇ ἐξουσίᾳ αὐτοῦ	(1)
19. 1. ἀνγγέλλειν Ἀχ. . . πάντα	(1)	— 34. καὶ πάντα δσα ἐποίησε καὶ π. ἡ δυναστεία αὐτοῦ	(1, 1)	— 15. πάντα δσα ἐν τῷ οἴκῳ μου εἶδον	(1)
— 1. Α ὡς ἀπέκτεινε π. [B om.] τοὺς προφῆτας	(1)	11. 1. ἀπώλεσε π. τὸ σπέρμα τῆς βασ.	(1)	— 17. ληφθήσεται π. τὰ ἐν τῷ οἴκῳ σου	(1)
— 18. π. γόνυ αὐ. οὐκ ὥκλασαν	(1)	— 7. π. ὁ ἐκπορευόμενος	(1)	— 20. καὶ π. ἡ δυναστεία αὐτοῦ	(1)
— 18. π. στόμα δ οὐ προσεκύνησεν	(1)	— 9. καὶ ἐποίησαν . . . πάντα	(1)	21. 3. προσεκύνησε π. τὴν δυνάμει τοῦ οὐρ.	(1)
20 (21). 19. ἐν π. τόπῳ φ' ἐλείξων	(1)	— 14. καὶ π. ὁ λαὸς τῆς γῆς χαίρων	(1)	— 5. Α θυσιάζουσιν π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ.	(1)
— 26. κατὰ πάντα δ ἐποίησεν ὁ Ἀμ.	(1)	— 18. εἰσῆλθε π. ὁ λαὸς τῆς γῆς	(1)	ἐν π. [B om.] ταῖς δυσὶν αὐλαῖς (1, -)	(1)
21 (20). 1. συνήθρισεν . . . π. τὴν δύναμιν αὐ.	(1)	— 19. ἔλαβε . . . τὸν λαόν τῆς γῆς	(1)	— 7. ἡ ἐξελεξάμενη ἐκ π. φυλῶν Ἰσρ.	(1)
— 1. καὶ π. ἵππους καὶ ἄρμα	(1)	— 20. ἐχώρη π. ὁ λαὸς τῆς γῆς	(1)	— 8. οἵτινες φυλάξουσιν [A add. τοῦ ποιεῖν] πάντα	(1)
— 4. σὺ ἐγὼ εἰμι καὶ π. τὰ ἐμὰ	(1)	12. 2 (3). π. τὰς ἡμέρας δς ἐφάτισεν	(1)	— 8. κατὰ π. τὴν [A om.] ἐντολὴν	(1)
— 6. Β π. τὰ ἐπιθυμήμ. τῶν ὀφθ. αὐ. [A B al.]	(1)	— 4 (5). π. τὸ ἀργύριον τῶν ἀγίων ἀργύριον	(1, 1)	— 11. ἀπὸ πάντων ὧν ἐποίησεν ὁ Ἀμ.	(1)
— 7. ἐκάλεσεν . . . π. τοὺς πρεσβυτέρους	(1)	— 5 (6). εἰς πάντα οὐ ἂν εὐρεθῇ . . . ἐκεῖ βεδέκ	(1)	— 12. παντὸς ἀκούοντος ἡχῆς ἀμφότ. τὰ ὄντα	(1)
— 8. οἱ πρεσβύτεροι καὶ π. ὁ λαός	(1)				
— 9. πάντα δσα ἐποίησεν	(1)				
— 10. εἰ ἐκποιῇ . . . π. τῷ λαῷ	(1)				



IV Ki. 21. 14. **Α Β** εἰς προνομὴν πᾶσι τοῖς [B om.] ἐχθροῖς αὐ.

— 17. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)

— 21. ἐπορεύθη ἐν π. δόξῃ (1)

— 24. **Α** ἐπάτιξεν π. [B om.] ὁ λαὸς . . . (1)

— 22. 2. ἐπορεύθη ἐν π. δόξῃ Δ. (1)

— 13. καὶ περὶ π. τοῦ λαοῦ καὶ περὶ π. τοῦ Ἰουδα (1)

— 13. κατὰ π. τὰ γεγραμμένα καθ' ἡμῶν (1)

— 16. π. τοὺς λόγους τοῦ βιβλίου (1)

— 20. ἐν π. τοῖς κακοῖς οἷς ἐγὼ εἶμι ἐπάγω (1)

23. 1. συνήγαγε . . . π. τοὺς πρεσβυτέρους (1)

— 2. **Α Β** καὶ π. ἀνὴρ Ἰ. καὶ π. [B om.] οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (1, 1)

— 2. καὶ οἱ προφῆται καὶ π. ὁ λαὸς (1)

— 2. ἀνέγνω . . . π. τοὺς λόγους τοῦ βιβλίου (1)

— 3. ἐν π. καρδίᾳ καὶ ἐν π. ψυχῇ (1, 1)

— 3. ἔστη π. ὁ λαὸς ἐν τῇ διαθήκῃ (1)

— 4. ἐξαγαγὲν . . . π. τὰ σκεύη (1)

— 4, 5. καὶ π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (1)

— 8. ἀνήγαγε π. τοὺς ἱερεῖς (1)

— 19. π. τοὺς οἰκούς τῶν ὑψηλῶν (1)

— 19. ἐποίησεν ἐν αὐτοῖς π. τὰ ἔργα (1)

— 20. ἐθυσίασε π. τοὺς ἱερεῖς τῶν ἡλ. (1)

— 21. ἐνετείλατο ὁ βασι. παντὶ τῷ λαῷ (1)

— 22. καὶ π. τὰς ἡμέρας [A π. ἡμερῶν] βασι- (1)

— 24. καὶ π. τὰ προσοχίσματα (1)

— 25. κατὰ π. τὸν νόμον Μωσοῦ (1)

— 28. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)

— 32, 37. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν (1)

24. 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (1)

— 5. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)

— 7. πάντα ὅσα ἦν τοῦ βασι. Αἰγ. (1)

— 9. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν (1)

— 13. π. τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (1)

— 13. συνέκοψε π. τὰ σκεύη τὰ χρυσά (1)

— 14. **Α** π. [B om.] τὴν Ἰερ. καὶ π. τοὺς ἀρχοντας (1, 1)

— 14. καὶ πᾶν τέκονα (1)

— 16. καὶ π. τοὺς ἀνδρας τῆς δυνάμεως (1)

— 16. πάντες δυνατοὶ ποιούντες πόλεμον (1)

— 19. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν Ἰ. (1)

25. 1. καὶ π. ἡ δύναμις αὐτοῦ (1)

— 4. καὶ π. οἱ ἄνδρες τοῦ πολέμου (1)

— 5. π. ἡ δύναμις αὐτοῦ διεσπάρη (1)

— 9. καὶ π. τοὺς οἰκούς Ἰερ. καὶ πᾶν [A πάντα] οἶκον ἐνέπλησεν (1, 1)

— 10. **Α** π. εἰσπορία Χαλδαίων [B al.] (1)

— 14. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ χαλκᾶ (1)

— 16. σταθμὸς τοῦ χαλκοῦ π. τῶν σκευῶν (1)

— 17. τὰ π. χαλκᾶ (1)

— 23. ἤκουσαν π. οἱ ἀρχοντες τῆς δυνάμ. (1)

— 26. ἀνέστη π. ὁ λαὸς (1)

— 29. ἥσθη ἄρτον διὰ παντός (8g)

— 29. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)

— 30. ἐστιατορία διὰ παντός ἐδόθη [A al.] (8g)

— 30. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ (1)

I Ch. 1. 23. **Α** π. οὗτοι υἱοὶ ἱερέων (1)

— 33. π. οὗτοι υἱοὶ Χεττοῦρας (1)

— 2. 4. π. υἱοὶ Ἰουδα πέντε (1)

— 6. καὶ υἱοὶ . . . πάντες πέντε (1)

— 23. π. αὐταὶ υἱὸν Μαχίρ (1)

3. 9. π. υἱοὶ Δαυὶδ (1)

4. 6. π. οὗτοι υἱοὶ Ἀωδᾶς (1)

— 10. πάντα ὅσα ἤτήσατο (1)

— 27. π. αἱ πατριαὶ αὐ. οὐκ ἐπλεόνασαν (1)

— 33. καὶ π. [A π. αἱ] ἐπαύλεις αὐτῶν (1)

5. 10. καὶ ἔπεισαν . . . πάντες (1)

— 16. καὶ π. τὰ περίχωρα Σαρῶν (1)

— 17. πῦντων ὁ καταλογισμός (1)

— 20. καὶ π. τὰ σπέρματα αὐτῶν (1)

6. 48 (33). δεδομένοι εἰς π. ἐργασίαν λειτουρ- (1)

— 49 (34). θυμῶντες . . . εἰς π. ἐργασίαν (1)

— 49 (34). κατὰ πάντα ὅσα ἐνετείλατο Μ. (1)

— 60 (45). π. αἱ πόλεις αὐ. τρισκαίδεκα πόλεις (1)

7. 3. ἀρχοντες πάντες [B<sup>3</sup> πέντε] (1)

— 5. εἰς π. πατριὰς Ἰσρ. (1)

— 5. ὁ ἀριθμὸς αὐτῶν τῶν π. (1)

— 8. πάντες οὗτοι υἱοὶ Β. (1)

— 11. πάντες οὗτοι υἱοὶ Ἰεδ. (1)

— 40. π. οὗτοι υἱοὶ Ἀσὴρ π. ἀρχοντες πα- (1, -)

— 8. 38. π. οὗτοι υἱοὶ Ἐτὴλ (1)

I Ch. 8. 40. π. οὗτοι ἐξ υἱῶν Βεν. (1)

9. 1. πᾶς Ἰσρ. ὁ συλλοχισμός αὐτῶν (1)

— 9. π. οἱ ἄνδρες ἀρχοντες πατριῶν (1)

— 22. π. οἱ ἀδελφεοὶ ταῖς πόλεις (1)

— 29. **Α Β** καὶ ἐπὶ π. τὰ [B om.] σκεύη τὰ ἅγια (1)

10. 6. π. ὁ οἶκος αὐ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἀπέθανε (1)

— 7. **Β** εἶδε π. [A B add. ἀνὴρ] Ἰσραὴλ . . . (1)

— 7. ὅτι ἐφύγεν πᾶς [A B om.] Ἰσρ. (1)

— 11. **Α** ἤκουσαν π. οἱ κατοικοῦντες Γαλ. (2 a [1], -)

— 11. πάντα [B S dp.] (1, 1)

— 12. ἠγέρθησαν . . . π. ἀνὴρ δυνατός (1)

11. 1. ἦλθε πᾶς Ἰσραὴλ (1)

— 3. ἦλθον π. πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)

— 6. π. τύπων ἱερ. ἐν πρώτοις (1)

— 10. οἱ κατισχύοντες . . . μετὰ παντός Ἰσρ. (1)

12. 15. πεπληρωκὸς ἐπὶ π. κρηπίδα αὐ. (1)

— 15. ἐξεδίωξεν π. τοὺς κατοικοῦντας (1)

— 21. δυνατοὶ ἰσχύος πάντες (1)

— 32. καὶ π. ἀδελφοὶ αὐτῶν μετ' αὐ. (1)

— 33, 37. ἐν π. σκεύει πολέμοις (1)

— 38. π. οὗτοι ἄνδρες πολεμισταὶ (1)

— 38. τοῦ βασιλεύοντος τὸν Δ. ἐπὶ πάντα Ἰ. (1)

13. 1. ἐβουλεύσατο Δ. . . π. ἡγουμένω (1)

— 2. εἶπε Δ. [A add. τῇ] π. ἐκκλησίᾳ Ἰσρ. (1)

— 2. τοὺς ὑποκείμεν. ἐν π. γῇ Ἰσρ. (1)

— 4. εἶπε π. ἡ ἐκκλησία (1)

— 4. ἐν ὀφθαλμοῖς παντός τοῦ λαοῦ (1)

— 5. ἐκκλησίαν Δ. τὸν π. Ἰσρ. (1)

— 6. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἀνίστη (1)

— 8. Δ. καὶ πᾶς Ἰσρ. παίζοντες . . . ἐν π. (1)

— 8. Δ. καὶ πᾶς Ἰσρ. παίζοντες . . . ἐν π. (1, 1)

— 14. εὐλόγησεν ὁ θ. . . π. τὰ αὐτοῦ (1)

14. 8. ἐχρίσθη Δ. βασι. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)

— 8. ἀνίστησαν π. οἱ ἀλλόφυλοι (1)

— 17. ἐγένετο ὄνομα Δ. ἐν π. τῇ γῇ (1)

— 17. ἔδωκε τὸν φόβον αὐ. ἐπὶ π. τὰ ἔθνη (1)

15. 3. **Α** **ΒΒ** ἐξεκκλησίασε Δ. τὸν π. Ἰσρ. [A<sup>1</sup> al.] (1)

— 27. καὶ π. οἱ Ἄλ. ἀνίστην τὴν κιβ. (1)

— 28. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἀνίστην τὴν κιβ. (1)

16. 3. διεμέρισε παντὶ ἀνδρὶ [B om.] Ἰσρ. (1 [2 a])

— 6. οἱ ἱερεῖς ἐν ταῖς σάββ. ἐξὶ διὰ παντός (8g)

— 9. διηγίσασθε [B add.] ἐν παντὶ τὰ θαυ- (1)

— 9. μασία αὐ. (1)

— 11. ζητήσατε τὸ πρόσωπον αὐ. διὰ παντός (8g)

— 14. ἐν π. τῇ γῇ τὰ κρίματα αὐ. (1)

— 23. ἥσθη τῷ κ., π. ἡ γῇ (1)

— 24. **Β** ἐν π. τοῖς λαοῖς τὰ θαυμάσια αὐ. (1)

— 25. φοβερός ἐστὶν ἐπὶ π. τοὺς θεοὺς (1)

— 26. π. οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν εἰδωλα (1)

— 30. φοβηθήτω . . . π. ἡ γῇ (1)

— 32. καὶ π. τὰ ἐν αὐτῷ (1)

— 36. εἶρε π. ὁ λαὸς, ἡμῖν (1)

— 37. τοῦ λειτουργεῖν . . . διὰ παντός (8g)

— 40. τοῦ ἀναφέρειν . . . διὰ παντός (8g)

— 40. κατὰ π. τὰ γεγραμμ. ἐν νόμῳ κυρίου (1)

— 43. **Α Β** ἐπορεύθη π. [B S dp.] ὁ λαὸς (1)

17. 2. πᾶν τὸ ἐν τῇ ψυχῇ σου ποιεῖ (1)

— 6. ἐν πᾶσιν οἷς διήλθον ἐν παντὶ Ἰσρ. (1, 1)

— 8. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύθη (1)

— 8. ἐξωλέθρευσα π. τοὺς ἐχθρούς σου (1)

— 10. **Β Β** ἐταπεινώσα πάντας [A B dp.] τοὺς ἐχθρούς σου (1)

— 15. κατὰ π. τοὺς λόγους τοιούτους (1)

— 15. κατὰ π. τὴν ὕσιν ταύτην (1)

— 19. ἐποίησας τὴν π. μεγαλωσύνην (1)

— 20. κατὰ πάντα ὅσα ἤκουσαμεν (1)

18. 4. παρήλυσεν Δ. π. τὰ ἄρματα (1)

— 6. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύτο (1)

— 9. ἐπάταξε Δ. τὴν π. δύναμιν Ἀδρ. (1)

— 11 (10). καὶ π. τὰ σκεύη χρυσά (1)

— 11. οὐ ἔλαβεν ἐκ π. τῶν ἐθνῶν (1)

— 13. ἦσαν π. οἱ Ἰδουμ. παῖδες Δ. (1)

— 13. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύτο (1)

— 14. ἐβασίλευσε Δ. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)

— 14. ἦν ποιῶν κρίμα . . . τῷ π. λαῷ αὐτοῦ (1)

19. 8. ἀπίστευε . . . π. τὴν στρατιάν (1)

— 10. ἐξελέξατο ἐκ π. μανιὼν (1)

— 17. συνήγαγε τὸν π. Ἰσρ. (1)

20. 1. ἤγαγεν Ἰ. π. τὴν δύναμιν (1)

— 3. **Α Β** οὕτως ἐποίησε Δ. τοῖς π. [B πασίν] (1)

— 3. ἀνίσταρε Δ. καὶ π. ὁ λαὸς αὐ. (1)

— 8. πάντες ἦσαν τέσσαρες γίγαντες (1)

21. 3. πάντες τῷ κυρίῳ μου παῖδες (1)

— 4. **Δ** διήλθεν ἐν π. ὁρίῳ [B om.] Ἰσρ. (1)

— 5. ἦν πᾶς Ἰσρ. χιλίας χιλιῶδες (1)

I Ch. 21. 12. ἐν π. κληρονομία Ἰσρ. (1)

— 23. τὰ π. δέδωκε (1)

22. 2. συναγαγὲν π. τοὺς προσηλύτους (1)

— 5. εἰς δόξαν εἰς π. τὴν γῆν ἐτοιμάσας (1)

— 9. ἀναπαύσας αὐτὸν ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν (1)

— 15. καὶ π. σοφός ἐν π. ἔργῳ (1, 1)

— 17. **Β** ἐνετείλατο Δ. τοῖς π. [A B πασίν] ἀρχουσιν (1)

23. 2. συνήγαγε τοὺς π. [A π. τ.] ἀρχοντας Ἰσρ. (1)

— 26. αἰρόντες . . . τὰ π. [A π. τὰ] σκεύη αὐτῆς (1)

— 28. ἐπὶ τὸν καθαρισμόν τῶν π. ἁγίων (1)

— 29. καὶ εἰς π. μέτρον (1)

— 31. ἐπὶ π. τῶν ἀναφαιρῶν. ὀλοκαυτωμ. (1)

— 31. κατὰ τὴν κρίσιν ἐπ' αὐτοῖς διὰ παντός (8g)

25. 5. π. οὗτοι υἱοὶ τῷ Ἀλ. (1)

— 6. π. οὗτοι μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῶν (1)

— 7. δεδιδαγμένοι . . . πᾶς συνίων (1)

26. 8. πάντες ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἀβδ. (1)

— 8. οἱ π. ἐξήκοντα δύο (1)

— 11. π. οὗτοι υἱοὶ καὶ ἀδ. τῷ Ὁσῷ (1)

— 26. ἐπὶ π. τῶν θησαυρῶν τῶν ὁρίων (1)

— 28. καὶ ἐπὶ π. τῶν Ἀγ. τοῦ θ. Σαμ. (1)

— 28. πᾶν δ' ἡγίασαν (1)

— 30. εἰς π. λειτουργίαν κυρίου (1)

— 32. εἰς π. πρὸς ταγμα κυρίου [A π. λόγον τοῦ θ.] (1)

27. 1. εἰς πᾶν λόγον τοῦ βασι. (1)

—

- 11 Ch. 4. 16. καὶ π. τὰ σκεύη αὐτῶν (1)  
 — 18. ἐποίησε Σ. π. τὰ σκεύη ταῦτα (1)  
 — 19. ἐποίησε Σ. π. τὰ σκεύη (1)  
 — 22 (5. 1). συνετελέσθη π. ἡ ἐργασία (1)  
 5. 2. Β ἐξεκλήσιασε Σ. π. [Α Β om.] τοὺς πρεσβυτ. Ἰσρ. καὶ π. τοὺς ἀρχοντας (-, 1)  
 — 3. ἐξεκλήσιασθησαν . . . πᾶς [Α add. ἀνὴρ] Ἰσρ. (2 a 1)  
 — 4. ἦλθον π. οἱ πρεσβύτεροι Ἰσρ. (1)  
 — 4. ἔλαβον π. οἱ Α. τὴν κιβωτὸν (1)  
 — 5. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ θγια (1)  
 — 6. καὶ π. συναγωγὴ Ἰσρ. (1)  
 — 11. π. οἱ ἱερεῖς . . . ἡγιάσθησαν (1)  
 — 12. οἱ Α. οἱ ψαλτφοδοὶ π. (1)  
 6. 3. εὐλόγησε τὴν π. ἐκκλησίαν Ἰσρ. (1)  
 — 3. Α Β π. ἡ [Β om.] ἐκκλησία Ἰσρ. παρεστήκει (1)  
 — 5. οὐκ ἐξελεξάμην . . . ἀπὸ π. φυλῶν Ἰσρ. (1)  
 — 12. 13. ἐναντι π. ἐκκλησίας Ἰσρ. (1)  
 — 28. Α Β κατὰ π. πληγὴν καὶ πᾶν [Β πάντα] πόνον (1, 1)  
 — 29. Α Β π. προσευχὴ καὶ π. δέσσεις ἡ ἐὰν γίνηται π. [Β om.] ἀνθρώπων καὶ π. λαφ σοῦ Ἰσρ. (1 quarter)  
 — 31. ὅπως φοβῶνται π. [Α τὰς] ὁδοὺς σου π. τὰς ἡμέρας (-, 1)  
 — 31. Α ἐπὶ προσώπου π. [Β om.] τῆς γῆς (1)  
 — 32. καὶ π. ἀλλόθριος (1)  
 — 33. καὶ ποιήσεις κατὰ πάντα (1)  
 — 33. ὅπως γινώσκει π. οἱ λαοὶ τῆς γῆς (1)  
 7. 3. π. οἱ [Α om.] υἱοὶ Ἰσρ. ἔωρων (1)  
 — 4, 5. ὁ βασ. καὶ π. ὁ λαός (1)  
 — 6. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐστηκώς (1)  
 — 8. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 11. καὶ πάντα . . . εὐωδῶθη (1)  
 — 16. ἔσονται οἱ ὄφθ. μου . . . ἐκεῖ π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 17. ἐὰν . . . ποιήσεις κατὰ πάντα (1)  
 — 20. εἰς διήγημα ἐν π. τοῖς ἔθνεσι (1)  
 — 21. π. ὁ διαπορευόμεν. [Α add. πρὸς] αὐτὸν (1)  
 — 22. ἐπὶ γὰρ ἐν αὐτοῖς π. τὴν κακίαν τ. (1)  
 8. 4. 6 (Α Β). καὶ π. τὰς πόλεις τὰς ὀχυράς (1)  
 — 6. καὶ π. τὰς πόλεις τὰν ἀρμάτων (1)  
 — 6. Α καὶ π. [Β om.] τὰς πόλεις τῶν ἱππέων (1)  
 — 6. καὶ ἐν π. τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ (1)  
 — 7. π. ὁ λαὸς ὁ καταλειφθείς (1)  
 — 15. οὐ παρήλθον τὰς ἐντ. . . εἰς π. λόγον (1)  
 — 16. ἡτοιμάσθη π. ἡ ἐργασία (1)  
 9. 1. ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν πάντα (1)  
 — 2. ἀγγέγειλεν αὐτῇ Σ. π. τοὺς λόγους αὐ. (1)  
 — 7. οἱ παραστρόφες σοὶ διὰ παντός (1)  
 — 12. ἔδωκε . . . π. τὰ βελήμ. αὐτῆς (1)  
 — 12. ἐκτός πάντων ὧν ἤνεγκε (1)  
 — 14. καὶ π. τὴν βασ. τῆς Ἀραβίας (1)  
 — 14. Β πάντες [Α Β om.] ἔφερον χρυσόν (1)  
 — 19. οὐκ ἐγένεθ' οὕτως ἐν π. τῇ [Α om.] βασ. (1)  
 — 20. π. τὰ σκεύη τοῦ βασ. Σ. (1)  
 — 20. π. τὰ σκεύη οἴκου δρυμοῦ τοῦ Α. (1)  
 — 22. ἐμεγαλύνθη Σ. ὑπὲρ π. τοὺς βασ. (1)  
 — 23. π. οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς (1)  
 — 26. ἡν ἡγούμενος π. τὴν βασ. (1)  
 — 28. καὶ ἐκ π. τῆς γῆς (1)  
 — 30. ἐβασίλευσε Σ. ὁ βασ. ἐπὶ πάντα Ἰ. (1)  
 10. 1. ἤρξατο πᾶς Ἰσρ. (1)  
 — 3. ἱεροβ. καὶ π. ἡ ἐκκλησία (1)  
 — 7. ἔσονται σοὶ παῖδες π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 12. ἦλθεν Ἰερ. καὶ π. ὁ λαός (1)  
 — 16. περὶ . . . παντὸς Ἰσρ. (1)  
 — 16. καὶ ἐπορεύθη πᾶς Ἰσρ. (1)  
 11. 3. εἶπον πρὸς . . . πάντα Ἰουδαῖον (1)  
 — 13. οἱ ἦσαν ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)  
 — 13. συνηχθήσαν . . . ἐκ π. τῶν ὀρίων (1)  
 — 21. ἠγάπησε . . . ὑπὲρ π. τὰς γυναῖκας αὐτοῦ (1)  
 — 23. ηὐξήθη παρὰ π. τοὺς υἱοὺς αὐ. ἐν π. τοῖς ὀρίοις Ἰ. (1, 1)  
 12. 1. καὶ πᾶς Ἰσρ. μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 9. τὰ π. ἔλαβε (1)  
 — 12. Α καὶ ἀρσέτοι ἐν πᾶσιν (1)  
 — 13. ἐξέλεξάτο . . . ἐκ π. φυλῶν υἱὸν Ἰσρ. (1)  
 — 15. ἐπέλεμν . . . π. τὰς ἡμέρας (1)  
 13. 4. Ἰερ. καὶ πᾶς Ἰσρ. (1)  
 — 9. ἐκ τοῦ λαοῦ τῆς γῆς πάσης ὁ [Α πᾶς ὁ] προσπορευόμεν. (1)  
 — 20. οὐκ ἔσχεν ἰσχύν . . . π. τὰς ἡμέ. Ἀβ. (1)  
 — 25. 4 (4). ἀπὸ π. τὸν πόλεμον Ἰ. (1)  
 — 8 (7). π. οὗτοι πολεμῶνται δυνάμει (1)
- 11 Ch. 14. 14 (13). ἐσκύλευσαν π. τὰς πόλεις αὐ. (1)  
 15. 2. Β ἐξήλθεν . . . ἐν [Α Β om.] παντὶ Ἰουδα - (1)  
 — 2. Α Β Ἀσὰ καὶ πᾶς Ἰουδαῖος (1)  
 — 5. ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας τὰς χώρας (1)  
 — 6. ἐξίστησεν αὐτοὺς ἐν π. θλίψει (1)  
 — 8. ἐξέβαλε . . . ἀπὸ π. τῆς γῆς Ἰ. (1)  
 — 13. πᾶς δὲ ἐὰν μὴ ἐκ[ρήτση] (1)  
 — 15. εὐφράνθησαν πᾶς Ἰουδα (1)  
 — 15. ἐν π. θελήσει ἐξίστησεν αὐτὸν (1)  
 — 17. ἡ καρδ. Ἀ. ἐγένετο πλήρης π. τὴν ἡμ. αὐ. (1)  
 16. 4. καὶ π. τὰς περιχώρους Νεφθ. (1)  
 — 6. ἔλαβε [Α ἦγαγεν] π. τὸν Ἰουδαῖον (1)  
 — 9. ἐπιβλέπουσιν ἐν π. τῇ γῇ κατισχύσαι ἐν π. καρδίᾳ πληρεῖ (1, -)  
 17. 2. ἐν π. ταῖς πόλεσιν Ἰουδα (1)  
 — 2. ἐν π. ταῖς πόλεσιν Ἰουδα (1)  
 — 5. ἔδωκε πᾶς Ἰ. δῶρα τῇ Ἰωσ. (1)  
 — 10. ἐπὶ π. ταῖς βασιλείαις τῆς γῆς (1)  
 — 19. ἐν ταῖς πόλεσι τὰς ὀχυραῖς ἐν π. τῇ Ἰουδ. (1)  
 18. 7. π. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ εἰς κακά (1)  
 — 9, 11. π. οἱ προφῆται ἐπροφῆτεον (1)  
 — 18. καὶ π. δυνάμεις τοῦ οὐρανοῦ (1)  
 — 21. ἐν στόματι π. τῶν προφητῶν αὐ. (1)  
 — 22. Α ἐν στόματι π. [Β om.] τῶν προφητῶν σου (1)  
 — 27. ἀκούσατε, λαοὶ π. (1)  
 19. 5. ἐν π. ταῖς πόλεσιν Ἰ. (1)  
 — 10. π. ἀνὴρ κρίσιν τὴν ἐλθοῦσαν (1)  
 — 11. Α Β εἰς πᾶν [Β πάντα] λόγον κυρίου (1)  
 — 11. Α Β πρὸς πᾶν [Β πάντα] λόγον βασιλέως (1)  
 20. 3. ἐκήρυξαν ἠρσιαν ἐν παντὶ Ἰ. [Β om.] ἐν π. Ἰ. (1)  
 — 4. ἀπὸ π. τὸν πόλεμον Ἰουδα (1)  
 — 6. κυριεύει π. τὸν βασιλειῶν (1)  
 — 13. καὶ πᾶς Ἰουδα ἰστηκώς (1)  
 — 15. ἀκούσατε, πᾶς Ἰουδα (1)  
 — 18. πᾶς Ἰ. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἰερ. (1)  
 — 24. π. κερκοὶ πτωχότες (1)  
 — 27. ἐπέστρεψε π. ἀνὴρ Ἰουδα (1)  
 — 29. ἐπὶ π. τὰς βασιλείας τῆς γῆς (1)  
 21. 2. π. οὗτοι υἱοὶ Ἰωσ. (1)  
 — 4. ἀπέκτεινε π. τοὺς ἀδ. αὐτοῦ (1)  
 — 7. δοῦναι αὐτῷ λύχνον . . . π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 9. καὶ π. ἡ ἱστος μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 14. καὶ ἐν π. τῇ ἀποσκευῇ σου (1)  
 — 17. ἀπέστρεψαν π. τὴν ἀποσκευὴν (1)  
 — 18. μετὰ ταῦτα π. [Α om.] (1)  
 22. 1. π. τοὺς πρεσβυτέρους ἀπέκτεινε (1)  
 — 10. ἀπώλεσε π. τὸ σπέρμα τῆς βασ. (1)  
 23. 2. ἐκ π. τὸν πόλεμον Ἰ. (1)  
 — 3. διέθεντο π. ἐκκλησίᾳ (1)  
 — 5. π. ὁ λαὸς ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (1)  
 — 6. π. ὁ λαὸς φυλασσέτω φυλακὰς (1)  
 — 8. ἐποίησαν οἱ Α. καὶ πᾶς Ἰ. κατὰ πάντα (1, 1)  
 — 10. ἔστησε π. τὸν λαόν (1)  
 — 13. π. ὁ λαὸς ἠνέφραθη (1)  
 — 17. εἰσῆλθε π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)  
 — 19. οὐκ εἰσελεύσῃ. ἀκίβητος εἰς π. πρᾶγμα (1)  
 — 20. καὶ π. τὸν λαὸν τῆς γῆς (1)  
 — 21. ἠνέφραθη π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)  
 24. 2. π. τὰς ἡμέρας Ἰ. τοῦ ἱεροῦ (1)  
 — 5. συναγάγετε ἀπὸ παντὸς Ἰσρ. (1)  
 — 10. ἔδωκαν π. ἀρχοντας καὶ π. ὁ λαός (1, 1)  
 — 14. ἀνέγχεαν . . . διὰ παντός π. τὰς ἡμέρας Ἰω. (8 g, 1)  
 — 23. κατέφεβον π. τοὺς ἀρχοντας (1)  
 — 23. π. τὰ σκῦλα αὐ. ἀπέστειλαν (1)  
 — 27. καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ π. (1)  
 25. 5. ἐν παντὶ Ἰουδα καὶ Ἰερ. (1)  
 — 7. π. τὸν υἱὸν Ἐφραίμ (1)  
 — 12. πάντες διερχόμενοι (1)  
 — 24. π. τὸ χρυσὸν καὶ τὸ ἀργ. καὶ π. τὰ σκεύη (1, 1)  
 26. 1. π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)  
 — 4. ἐποίησε τὸ ἐνδὲς . . . κατὰ πάντα (1)  
 — 5. Β ἐν π. [Α Β om.] ταῖς ἡμέραις Ζαχ. (1)  
 — 12. π. ὁ ἀριθμὸς τῶν πατριάρχων (1)  
 — 14. ἠτοίμασεν αὐτοῖς Ὁ. π. τῇ δυνάμει (1)  
 27. 2. κατὰ πάντα ἃ ἐποίησεν Ὁ. (1)  
 28. 3. Α κατὰ τὰ βδελύγματα π. [Β om.] τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 4. καὶ ὑποκάτω π. ξύλου ἀλσάδων (1)  
 — 14. ἐναντίον . . . π. τῆς ἐκκλησίας (1)  
 — 15. π. τοὺς γυμνοὺς περιβλήσας (1)  
 — 15. ἀντελῶντο . . . παντὸς ἀσθενούντος (1)  
 — 23. ἐγένεον αὐτῶν εἰς σκῶλον καὶ παντὶ Ἰσρ. (1)  
 — 24. ἐποίησεν ἐναντὶ θυσιαστήρια ἐν π. γωνίᾳ (1)
- 11 Ch. 28. 25. ἐν π. πόλει καὶ πόλει (1)  
 29. 2. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε Δ. (1)  
 — 16. ἐξέβαλον π. τὴν ἀκαθαρσίαν (1)  
 — 18. ἡγιάσαμεν π. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (1)  
 — 19. καὶ π. τὰ σκεύη (1)  
 — 24. ἐξιλάσαντο περὶ παντὸς Ἰσρ. (1)  
 — 24. περὶ παντὸς Ἰσρ. ἡ δλοκαύτως (1)  
 — 28. π. ἐκκλησία προσεκύνει (1)  
 — 29. καὶ π. οἱ εὐρεβέντες (1)  
 — 30. Α Ἐξ. ὁ βασ. καὶ π. [Β om.] οἱ ἀρχοντες (1)  
 — 31. καὶ π. πρόθυμος τῇ καρδίᾳ (1)  
 — 32. εἰς δλοκαύτως κυρίῳ π. ταῦτα (1)  
 — 36. Ἐξ. καὶ π. ὁ λαός (1)  
 30. 1. ἀπέστειλεν Ἐξ. ἐπὶ πάντα Ἰσρ. (1)  
 — 2. οἱ ἀρχοντες καὶ π. ἡ ἐκκλησία (1)  
 — 5. διελθεῖν κύρηγμα ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)  
 — 6. ἐπορεύθησαν . . . εἰς πάντα Ἰσρ. (1)  
 — 9. Α Β ἐναντι [Β ἀντὶ] π. αἰχμαλωτιστῶν (1)  
 — 14. καὶ πάντα ἐν οἷς ἐθουμῶν (1)  
 — 17. π. τῷ μὴ δυναμ. ἀγνοήσῃ (1)  
 — 19. ἐξιλάσθω ὑπὲρ π. καρδίας (1)  
 — 22. ἐλάλησεν Ἐξ. ἐπὶ π. καρδίαν τῶν Α. (1)  
 — 25. ἠνέφραθη π. ἡ ἐκκλησία (1)  
 — 25. καὶ π. ἡ ἐκκλησία Ἰουδα (1)  
 31. 1. ὡς συνετελέσθη π. ταῦτα (1)  
 — 1. ἐξῆλθε πᾶς Ἰσραήλ (1)  
 — 1. Β ἀπὸ π. τῆς [Α om., Β γῆς] Ἰουδαίας (1)  
 — 1. ἐπέστρεψαν πᾶς Ἰσρ. (1)  
 — 5. καὶ π. γέννημα ἀγροῦ καὶ ἐπιδόκατα π. (1, 1)  
 — 16. π. τῷ εἰσπορευομ. εἰς οἶκον κ. (1)  
 — 18. ἐν π. ἐπιγονῇ υἱῶν αὐτῶν . . . εἰς π. τὸ πλῆθος (1, 1)  
 — 19. οἱ ἀπὸ τῶν πόλεων αὐ. ἐν π. πόλει (1)  
 — 19. θοῦναι μερίδα π. ἀρσενικῶ . . . καὶ π. καταριθμωμένῳ (1, 1)  
 — 20. ἐποίησεν οὕτως Ἐξ. ἐν παντὶ Ἰ. (1)  
 — 21. ἐν π. ἔργῳ ᾧ ἤρξατο (1)  
 32. 5. φθοδόμεσε π. τὸ τελεος (1)  
 — 7. ἀπὸ προσώπου π. τοῦ [Α om.] ἔθνους (1)  
 — 9. καὶ π. ἡ στρατιὰ μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 9. καὶ πρὸς πάντα Ἰ. τὸν ἐν Ἰερ. (1)  
 — 13. ὁ τι [Α τί] ἐποίησα . . . π. τοῖς λαοῖς (1)  
 — 13. θεοὶ τῶν ἐθνῶν π. τῆς γῆς (1)  
 — 14. τίς ἐν π. τοῖς θεοῖς τῶν ἐθνῶν τούτων (1)  
 — 15. ὁ θεὸς παντὸς ἔθνους (1)  
 — 21. Α Β ἐξέτιμνε πάντα [Β πᾶν] δυνατόν (1)  
 — 22. ἔσωσε . . . ἐκ χειρὸς πάντων (1)  
 — 23. κατ' ὀφθαλμοὺς π. τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 28. φάνας π. κτήνους (1)  
 — 30. ἐν π. τοῖς ἔργοις αὐτοῦ (1)  
 — 33. τιμὴν ἔδωκαν αὐτῶν . . . πᾶς Ἰουδα (1)  
 33. 2. ἀπὸ π. τῶν βδελυγμάτων τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 3. προσεκύνει π. τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρ. (1)  
 — 5. θυσιαστήρια π. τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρ. (1)  
 — 7. ἐξελεξάμην ἐκ π. φυλῶν Ἰσρ. (1)  
 — 8. τοῦ ποιῆσαι πάντα (1)  
 — 8. κατὰ π. τὸν νόμον (1)  
 — 9. ὑπὲρ π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 14. ἐν π. ταῖς πόλεσι ταῖς τεύχεσιν (1)  
 — 15. περιεῖλε . . . π. τὰ θυσιαστήρια (1)  
 — 19. καὶ π. αἱ ἀμαρτίαι αὐ. (1)  
 — 22. π. τοῖς εἰδωλοῖς . . . ἔθνευ (1)  
 34. 7. π. τὰ ὑψηλὰ ἔκρυψεν [Α κατέκ.] ἀπὸ π. [Α om.] τῆς γῆς Ἰσρ. (1, 1)  
 — 9. καὶ ἀπὸ π. καταλοιπὸν ἐν Ἰσρ. (1)  
 — 12. καὶ π. λευίτης π. [Α om.] συνιών ἐν ὀργάνοις ψδων (1, 1)  
 — 13. ἐπὶ π. τῶν ποιούντων τὰ ἔργα (1)  
 — 16. π. τὸ δοθὲν ἀργύριον (1)  
 — 21. καὶ περὶ παντὸς τοῦ καταλειφθέντος (1)  
 — 21. κατὰ π. τὰ γεγραμμένα (1)  
 — 24. ἐπάγω . . . τοὺς π. λόγους (1)  
 — 25. ἐν π. τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν αὐ. (1)  
 — 28. οὐκ ὄψονται . . . ἐν π. τοῖς κακοῖς (1)  
 — 30. καὶ πᾶς Ἰουδα . . . καὶ π. ὁ λαός (2 a, 1)  
 — 30. Α Β ἀνέγνω . . . π. [Β τοὺς π.] λόγους βιβλίου (1)  
 — 32. ἔστησε π. τοὺς εὐρεβέντας (1)  
 — 33. περιεῖλεν Ἰ. τὰ π. [Α π. τὰ] βδελύγματα ἐκ π. τῆς [Α om.] γῆς (1, 1)  
 — 33. ἐποίησε π. τοὺς εὐρεβέντας (1)  
 — 33. τοῦ δουλεύειν κυρίῳ . . . π. τὰς ἡμέ. αὐ. (1)  
 35. 3. τοῖς Α. τοῖς δυνατοῖς ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)  
 — 7. Α Β πάντα [Β π. τὰ] εἰς τὸ φασέκ καὶ π. τοὺς εὐρεβέντας (1, 1)  
 — 13. ἔδραμον πρὸς π. τοὺς υἱοὺς τοῦ λαοῦ (1)

- 11 Ch. 35. 16. ἡτοιμάσθη π. ἡ λειτουργία κυρίου (1)  
 — 18. ἀπὸ ἡμερῶν . . . π. βασιλείως Ἰσρ. [A al.] (1)  
 — 18. καὶ πᾶς Ἰούδα καὶ Ἰερου. (1)  
 — 19. μετὰ ταῦτα π. —  
 — 19. κατὰ π. τὸν πόμον Μωυσῆ —  
 — 19. A B ἐπὶ π. τὰ παροργίσματα αὐ. [B al.] —  
 — 24. πᾶς Ἰούδα καὶ Ἰερου. (1)  
 — 25. εἶπαν π. οἱ ἀρχόντες (1)  
 86. 2. κατὰ πάντα ἃ ἐποίησαν —  
 — 5. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν —  
 — 5. ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησε —  
 — 8. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν +  
 — 14. καὶ π. οἱ ἐνδοξοὶ Ἰούδα (1)  
 — 17. τὰ π. παρέδωκεν ἐν χειρὶν αὐ. (1)  
 — 18. καὶ π. τὰ σκεύη οἴκου θεοῦ (1)  
 — 18. καὶ π. τοὺς θησαυροὺς βασιλέως —  
 — 18. πάντα εἰσήνεγκεν εἰς Βαβ. (1)  
 — 19. καὶ π. σκεύος ὥραϊον (1)  
 — 21. A B π. τὴν ἡμέραν ἐρημώσεως αὐ. (1)  
 — 22. κηρύξαι ἐν π. τῇ βασιλείᾳ αὐ. (1)  
 — 23. τὰς λέγει . . . π. ταῖς βασιλείαις [A al.] (1)  
 — 23. τίς . . . ἐκ π. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (1)  
 1 Es. 1. 13. ἀπήνεγκαν π. τοῖς ἐκ τοῦ λαοῦ  
 — 21. καὶ π. οἱ βασιλεῖς τοῦ Ἰσρ. —  
 — 21. οἱ Ἰουδαῖοι καὶ πᾶς Ἰσρ. —  
 — 24. παρὰ πᾶν ἔθνος καὶ βασιλείαν —  
 — 25. μετὰ π. τὴν πρᾶξιν ταύτην —  
 — 32. B εἰς πᾶν [A B ἄπαν] τὸ γένος Ἰσρ. —  
 — 49. ὑπὲρ π. τὰς ἀκαθαρσίας π. τῶν ἐθνῶν —  
 — 53. πάντας [A -α] παρέδωκεν εἰς τὸ χ. αὐ. —  
 — 54. π. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. —  
 — 56. π. τὰ ἐνδοξα αὐ. ἀχειρώσας —  
 — 58. π. τὸν χρυσὸν τῆς ἐρημώσεως αὐ. —  
 2. 8. πάντων ὧν ἤγειρε κ. τὸ πνεῦμα —  
 — 9. ἐβοήθησαν ἐν πᾶσιν —  
 — 14. τὰ δὲ π. σκεύη ἐκομίσθη [A διεκ.] —  
 3. 1. π. τοῖς ὑπ' αὐτῶν καὶ π. τοῖς οἰκογενέσιν αὐ.  
 καὶ π. τοῖς μεγιστάσι  
 — 2. καὶ π. τοῖς στρατάρχοι καὶ στρατηγοῖς —  
 — 12. ὑπὲρ δὲ πάντα καὶ ἡ ἀλήθεια —  
 — 14. ἐκάλεσε π. τοὺς μεγιστάνας —  
 — 18. π. τοὺς ἀνδρ. τοὺς πύργους αὐτῶν —  
 — 20. π. διάνοιαν μεταστρέψει —  
 — 20. οὐ μόνον π. λύπην καὶ π. ὀφειλῆμα —  
 — 21. π. [A π. τὰς] καρδίας ποιεῖ πλουσίας —  
 — 21. πάντα διὰ τῶν αὐτῶν ποιεῖ λαλεῖν —  
 4. 2. καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς —  
 — 3. A κυριεύει πάντων [B αὐτῶν] —  
 — 3. πᾶν [A πάντα] δ' ἐὰν εἴπῃ αὐτοῖς —  
 — 5. τῷ βασ. κομίζονται πάντα —  
 — 5. καὶ τὰ ἄλλα π. —  
 — 10. καὶ π. ὁ λαὸς αὐτοῦ —  
 — 15. ἐγέννησαν . . . π. τὸν λαόν —  
 — 18. καὶ π. πρᾶγμα ὥραϊον [A al.] —  
 — 19. ταῦτα π. ἀφέντες —  
 — 19. πάντες αὐτὴν αἰρετίζουσι —  
 — 19. καὶ πᾶν πρᾶγμα ὥραϊον —  
 — 22. πάντα ταῖς γυναῖξιν δίδοτε —  
 — 28. οὐχὶ π. αἱ χώραι εὐλαβούνται —  
 — 35. ἰσχυρότερα παρὰ πάντα —  
 — 36. π. ἡ γῆ τὴν ἀλήθειαν καλεῖ —  
 — 36. π. τὰ ἔργα σεῖται —  
 — 37. ἄδικοι π. οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρ. —  
 — 37. A B ἄδικοι π. τὰ ἔργα αὐτῶν π. [B om.] τὰ  
 τοιαῦτα —  
 — 39. ἀπὸ π. τῶν ἀδίκων καὶ πονηρῶν —  
 — 39. πάντες εὐδοκούν τοις ἔργοις αὐτῆς —  
 — 40. ἡ μεγαλειότης τῶν π. αἰώνων —  
 — 41. π. ὁ λαὸς τότε ἐφώτισε —  
 — 44. καὶ π. τὰ σκεύη τὰ ληφθέντα ἐξ Ἱερ. —  
 — 47. A B ἔγραψεν . . . πρὸς π. τοὺς [B om.]  
 οἰκονόμους —  
 — 47. καὶ τοὺς μετ' αὐτοῦ π. ἀναβαίνοντας —  
 — 48. π. τοῖς τοπάρχαις . . . ἔγραψεν —  
 — 49. ἔγραψε π. τοῖς Ἰουδαίοις —  
 — 49. π. δυνατὸν καὶ σατραπὴν —  
 — 50. π. τὴν χώραν . . . ἀφορῶντα αὐτοῖς  
 ὑπάρχον —  
 — 53. καὶ π. τοῖς προσβαίνουσιν ἀπὸ τῆς Β. —  
 — 53. π. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς προσβαίνουσιν —  
 — 56. π. τοῖς φρουροῖσι τὴν πόλιν —  
 — 57. ἐξαπέστειλε π. τὰ σκεύη —  
 — 57. καὶ πάντα ὅσα εἶπε —  
 — 61. ἀπηγγείλει τοῖς ἀδελφοῖς αὐτοῦ πᾶσι  
 5. 3. π. οἱ ἀδελφοὶ αὐτῶν παίζοντες —  
 — 28. πάντες [A οἱ π.] ἑκατὸν τριάκοντα ἐννέα

- 1 Es. 5. 35. π. οἱ ἱεροδουλοὶ  
 — 41. οἱ δὲ π. ἦσαν Ἰσραήλ —  
 — 46. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν ταῖς κόμαις αὐ. —  
 — 50. π. τὰ ἔθνη τὰ ἐπὶ τῆς γῆς —  
 — 52. καὶ ἱερεῖς πασῶν ἡγιασμένων —  
 — 56. π. οἱ παραγενόμενοι ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας —  
 — 58. π. οἱ Ἄ. ὁμοθυμαδὸν ἐργαζόμενοι —  
 — 61. ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας ἐν παντὶ Ἰσρ. —  
 — 62. π. ὁ λαὸς ἐσάλπισαν —  
 — 73. π. τὸν χρόνον τῆς ζωῆς τοῦ βασ. Κ. —  
 6. 4. καὶ τὰ ἄλλα π. ἐπιτελεῖτε —  
 — 8. π. γνωστὰ ἔστω τῷ κ. ἡμῶν —  
 — 10. καὶ ἐν π. διόξῃ . . . συντελούμενα —  
 — 19. ἀπήνεγκε π. τὰ σκεύη ταῦτα [A al.] —  
 — 33. ἀφανίσαι π. βασιλείαν —  
 7. 8. ὑπὲρ ἁμαρτίας π. τοῦ Ἰσρ. —  
 — 11. καὶ π. οἱ υἱοὶ τῆς αἰχμαλωσίας —  
 — 11. οἱ Ἄ. ἅμα π. ἡγνίσθησαν —  
 — 12. π. τοῖς υἱοῖς τῆς αἰχμαλωσίας —  
 — 13. π. οἱ χωρισθέντες ἀπὸ τῶν βδελυγμ. —  
 8. 4. ἐπὶ π. τὰ ἀξιώματα αὐτοῦ —  
 — 7. A διδάξει τὸν π. [B π. τ.] Ἰσρ. π. τὰ [B om.  
 π. τ.] δικάσιμ. —  
 — 13. καὶ π. χρυσίον καὶ ἀργύριον —  
 — 16. καὶ πάντα ὅσα ἂν βούλῃ —  
 — 21. A B καὶ ἄλλα ἐκ πληθους πάντα —  
 — 22. π. τοῖς ἱερεῦσι καὶ τοῖς Ἄ. —  
 — 23. π. τοὺς ἐπιστάμ. τὸν νόμον τοῦ θ. —  
 — 24. π. ὅσοι ἐὰν παραβιάσωσι τὸν νόμον —  
 — 26. καὶ π. τὸν φίλον καὶ π. τοὺς ἀδελφούς αὐ. —  
 — 49. πάντων ἐσπμάνθη ἡ ὁνομαστογραφία [A al.] —  
 — 52. εἰς π. ἐπανόρθωσιν —  
 — 53. ἐδεήθημεν τοῦ κ. ἡμῶν π. [A κατὰ] ταῦτα —  
 — 55. οἱ μεγιστάνες καὶ πᾶς Ἰσρ. —  
 — 61. ἐρρύσατο ἡμᾶς . . . ἀπὸ π. ἐχθροῦ —  
 — 63. A B πρὸς ἀριθμὸν καὶ ὀλέην πάντα [B ἄπ.] —  
 — 64. ἐγράφη π. ἡ ὀλέη αὐτῶν —  
 — 65. A B ταύρους δώδεκα ὑπὲρ παντὸς Ἰσρ. —  
 — 86. τὰ συμβαίνοντα πάντα ἡμῖν γίνεται —  
 — 92. ἐστὶν ἐπάνω πᾶς Ἰσρ. —  
 — 93. ἐκβαλεῖν π. τὰς γυναῖκας ἡμῶν —  
 — 96. τοὺς φυλάρχους τῶν ἱερ. . . π. τοῦ Ἰσρ. —  
 9. 3. π. τοῖς ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας —  
 — 5. B π. [A B om.] οἱ ἐκ τῆς φυλῆς Ἰ. —  
 — 6. συνεκάθισαν π. τὸ πλῆθος —  
 — 10. B ἐφώτισαν π. [A B ἄπ.] τὸ πλῆθος —  
 — 12. π. οἱ ἐκ τῶν κατοικῶν [A -κων] ἡμῶν —  
 — 15. ἐποίησαν κατὰ π. ταῦτα —  
 — 16. πάντας κατ' ὄνομα —  
 — 36. A B π. οὗτοι συνήκισαν γυναῖκας ἄλλοι.  
 [B al.] —  
 — 38. συνήκισαν π. τὸ πλῆθος —  
 — 40. ἐκομίσαν . . . π. τῷ πλῆθει . . . καὶ π. τοῖς  
 ἱερεῦσι —  
 — 41. A B ἐπέδωκεν π. τὸ πλῆθος [B ἐπ. πάντα]  
 τὸν νοῦν —  
 — 45. προεκάλητο γὰρ . . . ἐνώπιον πάντων —  
 — 46. π. ὁρθοὶ ἔστησαν —  
 — 47. A B ἐπέφωτισεν [B ἐφ.] π. τὸ πλῆθος —  
 — 49. τοῖς διδάσκουσιν τὸ πλῆθος ἐπὶ πάντας —  
 — 50. καὶ πάντες ἔκλειον —  
 — 53. A B ἐκέλευον πάντα [A τὰ π., B B παντὶ]  
 τῷ δήμῳ —  
 — 54. φέροντο πάντες φαγεῖν —  
 11 Es. 1. 1. ἐν π. βασιλείᾳ αὐτοῦ (1)  
 — 2. π. τὰς βασιλείας τῆς γῆς (1)  
 — 3. τίς ἐν ὑμῖν ἀπὸ π. τοῦ λαοῦ αὐ. (1)  
 — 4. π. ὁ καταλειπόμεν. ἀπὸ π. τῶν τόπων (1, 1)  
 — 5. πάντων [A -τες] τὸν ἐξήγγεινεν ὁ θ. τὸ  
 πνεῦμα (1)  
 — 6. καὶ π. οἱ κυκλόθεν ἐνίσχυσαν (1)  
 — 11. π. τὰ σκεύη τῷ χρυσῷ (1)  
 — 11. τὰ π. [A add. τὰ] ἀναβαίνοντα μετὰ Σασ. (1)  
 2. 42. οἱ π. ἑκατὸν τριάκοντα ἐννέα (1)  
 — 58. π. οἱ Ναθανιμ (1)  
 — 64. π. δὲ ἡ ἐκκλησία ὁμοῦ (1)  
 — 70. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (1)  
 3. 5. καὶ εἰς π. ἐορτάς (1)  
 — 5. καὶ π. ἐκουσιαζομένη ἐκούσιον (1)  
 — 8. καὶ π. οἱ ἐρχόμεν. ἀπὸ τῆς αἰχμαλωσίας —  
 — 11. καὶ π. ὁ λαὸς ἐσήμενε (1)  
 4. 5. π. τὰς ἡμέρας Κύρου (1)  
 5. 7. Δαριεῖ τῷ βασ. εἰρήνην π. (1)  
 — 15. π. τὰ σκεύη λάβε +  
 6. 11. π. ἄνθρωπος ὅς ἀλλάξει τὸ ῥῆμα τοῦτο (1)  
 — 12. καταστρέψει π. βασιλείαν (1)

- 11 Es. 6. 17. ὑπὲρ ἁμαρτίας ὑπὲρ παντὸς Ἰσρ. (1)  
 — 20. ὥς εἰς π. καθαροὶ (1)  
 — 20. τοῖς π. υἱοῖς τῆς ἀποικείας (1)  
 — 21. καὶ π. ὁ χωρίζω. τῆς ἀκαθαρσίας (1)  
 7. 6. ἐν πᾶσιν οἷς ἐζητεῖ αὐτὸς (1)  
 — 13. A B π. ὁ [B om.] ἐκουσιαζόμεν. ἐν βασι-  
 λείᾳ μου (1)  
 — 16. καὶ π. ἀργύριον καὶ χρυσίον ὅ τι ἐὰν  
 εὔρησεν ἐν π. χώρῃ (1, 1)  
 — 17. A B καὶ πᾶν [B πάντα] προσπορευό-  
 μενον τούτων (1)  
 — 21. ἔθηκε γνώμην π. ταῖς γάμοις (1)  
 — 21. πᾶν ὃ ἂν αἰτήσῃ ὑμῖς Ἐσδρας (1)  
 — 23. πᾶν ὃ ἐστὶν ἐν γνώμῃ θεοῦ (1)  
 — 24. ἐγγνώρισται ἐν π. τοῖς ἱερεῦσι (1)  
 — 25. ἵνα ᾧσι κρίνοντας π. τῷ λαῷ (1)  
 — 25. π. τοῖς εἰδότες νόμον τοῦ θ. σου (1)  
 — 26. π. ὅς ἂν μὴ ἢ ποιῶν νόμον τοῦ θ. (1)  
 — 28. ἐν ὀφθαλμοῖς . . . π. τῶν ἀρχόντων τοῦ  
 βασ. (1)  
 8. 20. πάντες συνήχθησαν ἐν ὀνόματι (1)  
 — 21. καὶ π. τῇ κτήσῃ ἡμῶν (1)  
 — 22. ἐπὶ π. τοὺς ζητούντας αὐτὸν (1)  
 — 22. B B ἐπὶ π. τοὺς [A B om.] ἐγκαταλεί-  
 ποντας αὐτὸν (1)  
 — 25. καὶ πᾶς Ἰσρ. οἱ εὐρισκόμενοι (1)  
 — 34. καὶ ἐν σταθμῷ τὰ π. (1)  
 — 34. ἐγράφη π. ὁ σταθμός (1)  
 — 35. μύσους δώδεκα περὶ παντὸς Ἰσρ. (1)  
 — 35. A B τὰ π. ὀλοκαυτῶν. τῷ κυρίῳ [B al.] (1)  
 9. 4. π. ὁ δικάων λόγον θεοῦ Ἰσρ. (1)  
 — 13. μετὰ π. τὸ ἐρχόμεν. [B π. τὰ εἰσελθόντα] (1)  
 10. 3. ἐκβαλεῖν π. τὰς γυναῖκας (1)  
 — 5. ὥρισεν . . . πάντα Ἰσρ. (1)  
 — 7. B B π. τοῖς υἱοῖς τῆς ἀποικείας (1)  
 — 8. πᾶς ὅς ἐν μὴ ἔλθῃ (1)  
 — 8. ἀναθεματισθήσεται π. ἡ ὑπαρξίς αὐ. (1)  
 — 9. συνήχθησαν π. [B π. οἱ] ἄνδρες Ἰούδα (1)  
 — 9. ἐκάθισεν π. [B om.] ὁ λαός (1)  
 — 12. A B ἀπεκρίθησαν π. ἡ [B om.] ἐκκλησία (1)  
 — 14. A B στήτησαν . . . τῇ [B π. ἐν τῇ] π. (1)  
 — 14. π. τοῖς ἐν πόλεσιν ἡμῶν [B al.] (1)  
 — 16. καὶ πάντες ἐν [A B ἐπ.] ὀνόματι (1)  
 — 17. ἐτέλεσαν ἐν π. ἀνδράσιν (1)  
 — 44. π. οὗτοι ἐλάθοναν γυναῖκας ἁλλοτρίας (1)  
 Ne. 4. 8 (2). συνήχθησαν πάντες ἐπὶ τὸ αὐτὸ (1)  
 — 12 (6). ἀναβαίνουσιν ἐκ π. [B om.] τῶν  
 τόπων (1)  
 — 15 (9). ἐπιστρέψαμεν π. ἡμεῖς (1)  
 — 16 (10). ὅπως π. οἴκου Ἰούδα (1)  
 5. 13. ἐκτινάξει ὁ θ. π. ἀνδρα (1)  
 — 13. εἶπε π. ἡ ἐκκλησία (1)  
 — 16. καὶ π. οἱ συνηγμένοι ἐκεῖ (1)  
 — 18. ἀνὰ μέσον δέκα ἡμερῶν ἐν πᾶσιν οἶκος (1)  
 — 19. πάντα ὅσα ἐποίησα (1)  
 6. 9. πάντες φοβερίζουσιν ἡμᾶς (1)  
 — 16. A B ἡνίκα ἤκουσαν π. [B om.] οἱ  
 ἐχθροὶ ἡμῶν (1)  
 — 16. ἐφοβήθησαν π. τὰ ἔθνη (1)  
 7. 60. π. οἱ Ναβ. καὶ υἱοὶ δούλων Σ. (1)  
 — 66. καὶ ἐγένετο π. ἡ ἐκκλησία (1)  
 — 73. καὶ πᾶς Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (1)  
 8. 1. συνήχθησαν π. ὁ λαός (1)  
 — 2. καὶ π. ὁ συνίων (1)  
 — 3. ὅτα π. τοῦ λαοῦ εἰς τὸ βιβλαῖον (1)  
 — 5. ἐνώπιον π. τοῦ λαοῦ (1)  
 — 5. ἔστη π. ὁ λαός (1)  
 — 6. ἀπεκρίθη π. ὁ λαός (1)  
 — 9. εἶπαν π. τῷ λαῷ (1)  
 — 9. ἔκλειπεν π. ὁ λαός (1)  
 — 11. A B κατεσιώπων π. [B B om.] τὸν λαόν (1)  
 — 12. ἀπῆλθε π. ὁ λαός (1)  
 — 13. συνήχθησαν . . . σὺν [A B om.] τῷ π.  
 λαῷ (1)  
 — 13. ἐπιστήθη πρὸς π. τοὺς λόγους τοῦ  
 νόμου —  
 — 15. ἐν π. ταῖς πόλεσιν αὐτῶν (1)  
 — 17. ἐποίησαν π. ἡ ἐκκλησία . . . σκηπῆς (1)  
 9. 2. ἐχωρίσθησαν . . . ἀπὸ π. υἱοῦ ἀλλοτρίου (1)  
 — 5. ἐπὶ π. εὐλογία καὶ αἰνέσις (1)  
 — 6. καὶ π. τὴν στάσιν αὐτῶν (1)  
 — 6. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῇ (1)  
 — 6. καὶ π. τὰ ἐν αὐταῖς (1)  
 — 6. ὥσποισις τὰ π. (1)  
 — 10. καὶ ἐν π. τοῖς παισὶν αὐτοῦ (1)

- Ne. 9. 10. **A B S<sup>2</sup>** ἐν π. τῷ λαῷ τῆς γῆς αὐ. (1)  
 — 25. οἰκίας πλήρεις π. ἀγαθῶν (1)  
 — 25. καί π. ἕξλον βρώσιμον —  
 — 32. μὴ ὀλιγοθέτω . . . π. δ. μόθος (1)  
 — 32. καί ἐν π. τῷ λαῷ σου (1)  
 — 33. ἐπὶ π. τοῖς ἔρχοι. ἐφ' ἡμᾶς (1)  
 — 38 (10. 1). ἐν π. τοῖς ἡμῖς διατιθέμεθα (1)  
 — 38 (10. 1). **A B<sup>1</sup>** ἐπισφραγίζουσιν π. **[B S<sup>2</sup>**  
 — **om.]** ἀρχοντες ἡμῶν —  
 10. 28 (29). καί π. δ. προσπορευόμενος (1)  
 — 28 (29). π. δ. εἰδὼς καὶ συνῶν (1)  
 — 29 (30). καὶ ποιεῖν π. τὰς ἐντολάς (1)  
 — 31 (32). οἱ φέροντες . . . π. **[S<sup>1</sup> τὴν]** πράσιν (1)  
 — 31 (32). καὶ ἀπαίτησιν π. χειρὸς (1)  
 — 35 (36). **S<sup>1</sup>** πρωτογενήματα παντὸς **[A B S<sup>1</sup>**  
 — **om.]** καρποῦ π. ἕξλου (1, 1)  
 — 37 (38). τὸν καρπὸν π. ἕξλου (1)  
 — 37 (38). ἐν π. πόλει δουλείας ἡμῶν (1)  
 11. 2. εὐλόγησεν ὁ λαὸς τοὺς π. ἀνδρας (1)  
 — π. υἱοὶ Φαρές (1)  
 — 18. **S<sup>2</sup>** π. οἱ ἄν. ἐν τῇ πυλῆϊ τῇ ἀγίᾳ (1)  
 — 20. **S<sup>1</sup>** ἐν π. ταῖς πόλεσιν τῆς 'Ι. (1)  
 — 24. εἰς πᾶν χρῆμα **[S<sup>2</sup> ῥήμα]** τῷ λαῷ (1)  
 12. 4. ἔχοντες μερίδας (1)  
 13. 3. ἐχωρίσθησαν π. ἐπίμικτος (1)  
 — 6. ἐν π. τοῖς οὐκ ἦμιν ἐν 'Ιερ. (1)  
 — 8. ἐρρίψα π. τὰ σκευὴ οἴκου 'Ι. (1)  
 — 12. πᾶς 'Ι. ἤνεγκαν δεκάτην (1)  
 — 15. ἐπιγεμίζοντες . . . π. βάσταγμα (1)  
 — 16. καί π. πρᾶσιν παλοῦντες (1)  
 — 18. ἤνεγκεν . . . π. τὰ κακὰ ταῦτα (1)  
 — 20. ἠλίσθησαν πάντες —  
 — 26. εἰς βασιλείᾳ ἐπὶ πάντα 'Ισρ. (1)  
 — 27. ποιῆσαι π. πωτηρίαν ταύτην (1)  
 — 30. ἐκαθάρισα αὐτοὺς ἀπὸ π. ἀλλοτριώσεως (1)  
 To. 1. 3. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου (1)  
 — 4. π. **[B π. ἡ]** φυλὴ τοῦ Νεφθ. (1)  
 — 4. ἀπὸ π. τῶν **[S om.]** φυλῶν 'Ισρ. (1)  
 — 4. εἰς τὸ θυσιαῖεν π. τὰς φυλάς **[S** πάσαις φ.] (1)  
 — 4. εἰς π. τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος (1)  
 — 5. π. αἱ φυλαὶ **[S<sup>1</sup> π. οἱ ἀδελφοὶ μου]** (1)  
 — 5. **S** ἐπὶ π. ὁρέων τῆς Γαλιλαίας (1)  
 — 6. καθὼς γέγραπται παντὶ τῷ **[S ἐν π.]** 'Ι. (1)  
 — 6. πρὸς τὰ θυσιαστήριον π. τῶν γεννημάτων **[S<sup>1</sup> al.]** (1)  
 — 10. π. οἱ ἀδελφοὶ μου (1)  
 — 13. **S** π. τὰ πρὸς τὴν χρῆσιν **[A B al.]** (1)  
 — 20. π. τὰ ὑπάρχοντά μου **[S al.]** (1)  
 — 21. ἐπὶ π. τὴν ἐκλογιστίαν τῆς βασι. αὐ. (1)  
 — 21. ἐπὶ π. τὴν διοίκησιν (1)  
 2. 6. καί π. αἱ εὐφροσύναι **[S ὁδοὶ]** ὑμῶν (1)  
 — 10. **S** π. οἱ ἀδελφοὶ μου ἐλυσσύνοντο (1)  
 — 12. **S** ἔδοκαν αὐτῇ τὸν μισθὸν π. **[A B al.]** (1)  
 — 14. γνωστὰ π. μετὰ σοῦ **[S al.]** (1)  
 3. 2. π. τὰ ἔργα σου **[S add. δίκαια]** καὶ π. αἱ ὁδοὶ σου (1)  
 — 4. π. τοῖς ἔθνεσιν ἐν οἷς ἐσκορπίσμεθα **[S al.]** (1)  
 — 11. εὐλογήσασιν σε π. τὰ ἔργα σου (1)  
 — 14. καθαρὰ εἰμι ἀπὸ π. ἁμαρτίας (1)  
 — 17. **S** παρὰ π. τοὺς θέλοντας λαβεῖν αὐτήν (1)  
 4. 3. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)  
 — 3. **S** μὴ λυπήσῃς τὸ πνεῦμα αὐ. ἐν π. πράγματι **[A B al.]** (1)  
 — 5. π. τὰς ἡμέρας . . . μνημόνευ (1)  
 — 5. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)  
 — 6. καί π. τοῖς ποιοῦσι τὴν δικαιοσύνην (1)  
 — 7. **A B** μὴ ἀποστρέψῃς . . . ἀπὸ π. πτωχοῦ (1)  
 — 11. **A B** π. τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν (1)  
 — 12. **A B** πρόσχε . . . ἀπὸ π. πορνείας (1)  
 — 12. **A B** πάντες ἔλαβον γυναικας (1)  
 — 14. **A B** μισθὸς π. ἀνθρώπου (1)  
 — 14. **A B** πρόσχε . . . ἐν π. τοῖς ἔργοις σου (1)  
 — 14. **A B** ἰσθὶ πεπαιδευμένος ἐν π. ἀναστροφῇ σου (1)  
 — 16. **A B** πᾶν ὃ ἐὰν περισσύνῃ σοι (1)  
 — 18. **A B** παρὰ π. φρονίμου ζήτησιν (1)  
 — 18. **A B** ἐπὶ π. συμβουλίας χρησίμης (1)  
 — 19. **A B** ἐν π. καιρῷ εὐλόγῃ κύριον (1)  
 — 19. **A B** καί π. αἱ τριβοὶ . . . εὐδοκῶσαι (1)  
 — 19. **A B** π. ἔθνος οὐκ ἔχει βουλήν (1)  
 — 19. δίδωσι π. τὰ ἀγαθὰ **[S al.]** (1)  
 — 21. καὶ ἀποστήσῃ **[S φύγῃ]** ἀπὸ π. ἁμαρτίας (1)  
 5. 1. πάτερ, ποιῆσω πάντα (1)  
 — 6. **S** ἐπίσταμαι τὰς ὁδοὺς π. **[A B al.]** (1)  
 — 9. **S** ἐπίσταμαι ἐγὼ τὰς ὁδοὺς π. (1)  
 — 9. **S** διήλθον π. τὰ πεδία (1)  
 — 9. **S** π. τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐγὼ γινώσκω (1)  
 6. 7. **S** φευῖται ἀπ' αὐτοῦ π. ἀπάντημα (1)  
 To. 6. 11. **S** παρὰ π. ἀνθρώπων (1)  
 — 12. ἡ **[S** παρὰ] π. ἀνθρώπων (1)  
 — 13. καὶ πάντας ἐν τῷ νυμφῶν ἀπολωλότες **[S al.]** (1)  
 — 17. **S** τὸν π. αἰῶνα **[A B** τὸν αἰ. τοῦ αἰῶνος] (1)  
 7. 11. **S** πάντες ἀπέθανον τὴν νύκτα **[A B al.]** (1)  
 8. 5. **S** εἰς π. **[A B om.]** τοὺς αἰῶνας (1)  
 — 5. καί π. αἱ κτίσεις **[S π. ἡ κτ.]** σου (1)  
 — 5. **S** εἰς π. τοὺς αἰῶνας (1)  
 — 15. ἐν π. εὐλογία καθαρῇ (1)  
 — 15. **A B** καί π. αἱ κτίσεις σου καὶ π. οἱ ἄγγελοι σου (1)  
 — 15. **A B** εἰς π. **[B om.]** τοὺς αἰῶνας (1)  
 10. 11. **S** τὸ ἥμισυ π. **[A B om.]** τῶν ὑπαρχόντων (1)  
 — 13. **S** π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου (1)  
 — 13. **S** εὐδοκῶμεν πάντες (1)  
 — 13. **S** π. τὰς ἡμέρας ἐν τῇ ζωῇ ἡμῶν (1)  
 11. 1. **S** τῷ βασιλεῖ τῶν π. (1)  
 — 1. **S** π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν (1)  
 — 14. εὐλογημένοι π. οἱ ἄγιοι σου ἄγγελοι (1)  
 — 14. **S** εὐλογητοὶ π. οἱ ἄγγελοι εἰς π. τοὺς αἰῶνας (1)  
 — 16. **S** διαβαίνοντα αὐτὸν π. τῇ ἰσχύϊ αὐ. **[A B al.]** (1)  
 — 17. ἐγένετο χαρὰ πᾶσι (1)  
 12. 4. **S** τὸ ἥμισυ πάντων ὧν ἔχων ἦλθεν (1)  
 — 5. λάβε τὸ ἥμισυ πάντων (1)  
 — 6. ἐνάπιον π. τῶν ζώτων (1)  
 — 6. **S** ὑποδεικνύει π. ἀνθρώπους **[A B al.]** (1)  
 — 9. ἀποκαθαρίει π. ἁμαρτίαν (1)  
 — 11. **S** π. τὴν ἀληθειάν ὑμῖν ὑποδείξω (1)  
 — 11. οὐ μὴ κινήσῃ ἀφ' ὑμῶν π. ῥήμα (1)  
 — 17. **S** εἰς π. **[A B om.]** τὸν αἰῶνα (1)  
 — 18. **S** κατὰ π. τὰς ἡμέρας **[A B al.]** (1)  
 — 19. π. τὰς ἡμέρας ὀπτανόμεν ὑμῖν **[S al.]** (1)  
 — 20. γράψατε π. τὰ συγτελεσθέντα **[S al.]** (1)  
 13. 4. ἐνάπιον π. ζώτους (1)  
 — 4. εἰς π. τοὺς αἰῶνας (1)  
 — 5. **S** καί π. ὑμᾶς **[A B** καὶ πάλιν] ἐλεήσει (1)  
 — 5. ἐκ π. τῶν ὀνῶν (1)  
 — 8. **A B** λεγέτωσαν πάντες (1)  
 — 10. **S** εὐφράναι ἐν σοὶ π. **[A B om.]** τοὺς αἰχμαλώτους (1)  
 — 10. **S** ἀγαπήσαι ἐν σοὶ π. **[A B om.]** τοὺς τραπεζάρχους (1)  
 — 10. εἰς π. τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος (1)  
 — 11. **S** εἰς π. τὰ πέρατα τῆς γῆς (1)  
 — 11. **S** κατοικεῖ π. τῶν ἐσχατῶν τῆς γῆς (1)  
 — 12. ἐπικετάρηται π. (1)  
 — 12. **S** ἐπικετάρηται ἔσονται π. (1)  
 — 12. **S** π. οἱ ἀνατρέποντες τοὺς πύργους σου (1)  
 — 12. εὐλογημένοι **[S -γῆτοι]** ἔσονται π. (1)  
 — 13. **S** πάντες ἐπισυναχθήσονται **[A B al.]** (1)  
 — 14. **S** μακάριοι π. οἱ ἄνθρωποι **[A B al.]** (1)  
 — 14. **A B S<sup>2</sup> R** ἐπὶ π. **[B<sup>1</sup> om.]** ταῖς μίστιξί σου (1)  
 — 14. θεασάμενοι π. τὴν δόξαν σου **[S al.]** (1)  
 — 16. **S** εἰς π. τοὺς αἰῶνας (1)  
 — 16. **S** καὶ λίσθω τιμὴ π. τὰ τείχη σου **[A B al.]** (1)  
 — 18. καὶ ἐροῦσι π. αἱ ῥύμαι αὐ. **[S al.]** (1)  
 — 18. **S** καί π. αἱ οἰκίας αὐτῆς ἐροῦντι (1)  
 — 18. δε ὑψώσε **[A add. εἰς]** π. τοὺς αἰῶνας **[S al.]** (1)  
 14. 4. **S** ὅτι πάντα ἔσται (1)  
 — 4. **S** πάντα ἀπαντήσῃ (1)  
 — 4. **S** οὐ μὴθὲν ἐλαττωθῇ ἐκ π. τῶν ῥήμ. (1)  
 — 4. **S** πάντα συμβήσεται (1)  
 — 4. **S** πάντα . . . συνετελεσθήσεται (1)  
 — 4. **S** ἡμῶν ἐν τῇ γῇ 'Ισρ. πάντων **[A B om.]** (1)  
 — 4. **S** ἔσται π. ἡ γῇ τοῦ 'Ισρ. ἐρημος (1)  
 — 5. **S** ἐπιστρέψουσιν . . . πάντες **[A B om.]** (1)  
 — 5. **A B<sup>2</sup>** εἰς π. τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος (1)  
 — 6. π. τὰ ἔθνη **[S add. τὰ ἐν ὅλῃ τῇ γῇ πάντες]** ἐπιστρέψουσιν (1)  
 — 6. **S** ἀφίσουσιν πάντες **[A B** κατορεύουσι] τὰ εἰδωλα αὐ. (1)  
 — 7. εὐλογήσουσι π. τὴν ἔθνη κύριον **[S al.]** (1)  
 — 7. **S** π. οἱ υἱοὶ τοῦ 'Ισρ. οἱ σωζόμε. (1)  
 — 7. καὶ χαρήσονται πάντες **[S om.]** (1)  
 — 7. **S** ἐκλείψουσιν ἀπὸ π. τῆς γῆς (1)  
 — 7. **S** καὶ εὐλογῶσιν τὸ ὄνομα αὐ. ἐν π. καιρῷ (1)  
 — 15. **S** ἐν πᾶσιν οἷς ἐποίησεν (1)  
 Ju. 1. 6. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀρεινὴν καὶ π. οἱ κατοικοῦντες τὸν Εὐφρ. **[S<sup>1</sup> al.]** (1)  
 — 7. ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας τὴν Π. καὶ ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας πρὸς δυσμαῖς (1)  
 — 7. καί π. τοὺς κατοικοῦντας κατὰ πρόσσωπον τῆς παραλίας (1)  
 — 9. καί π. τοὺς ἐν Σαμ. (1)  
 — 9. καί π. γῆν **[S τὴν]** Γεσέμ (1)  
 Ju. 1. 10. **A B S<sup>2</sup>** καὶ π. τοὺς κατοικοῦντας τὴν Λῆγ. (1)  
 — 11. π. οἱ κατοικοῦντες π. τὴν γῆν (1)  
 — 12. ἐθυμώθη . . . ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)  
 — 12. ἐκδικήσιν π. τὰ ὅρια τῆς Κ. (1)  
 — 12. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν γῇ Μωάβ (1)  
 — 12. **A S R** καὶ π. τὴν 'Ιουδ. **[B 'Ιδουμ.]** καὶ π. τοὺς ἐν Λῆγ. (1)  
 — 13. ἀνέστρεψε π. τὴν **[S om.]** δύναμιν 'Αρφ. καὶ π. τὴν ἵππον αὐ. καὶ π. **[S<sup>1</sup> om.]** τὰ ἄρματα **[S χρήμ.]** αὐ. (1)  
 — 16. **A S R** καὶ π. δ. σύμμεκτος αὐτοῦ (1)  
 2. 1. ἐκδικῆσαι π. τὴν γῆν (1)  
 — 2. συνεκάλεσε π. τοὺς θεράποντας αὐ. καὶ π. τοὺς μεγιστάνας αὐ. (1)  
 — 2. συνετέλεσε π. τὴν κακίαν τῆς γῆς (1)  
 — 3. ὀλεθρεύσαι π. σάρκα (1)  
 — 5. ὁ κύριος π. τῆς γῆς (1)  
 — 6. εἰς συνάντησιν π. τῇ γῇ **[S al.]** (1)  
 — 7. καλὴν π. τὸ πρόσσωπον τῆς γῆς (1)  
 — 9. ἐπὶ τὰ ἄκρα π. τῆς γῆς (1)  
 — 10. προκαταλήψῃ **[A προσκ.]** μοι π. ὄριον αὐ. (1)  
 — 11. εἰς φόνον . . . ἐν π. τῇ γῇ σου (1)  
 — 14. ἐκάλεσε π. τοὺς δυνάστες (1)  
 — 18. καὶ ἐπιστείλῃ π. ἀνδρὶ (1)  
 — 19. αὐτὸς καὶ π. ἡ δύναμις αὐτοῦ (1)  
 — 19. καλῶσαι π. τὸ πρόσσωπον τῆς γῆς (1)  
 — 22. ἔλαβε π. τὴν δύναμιν αὐ. (1)  
 — 23. ἐπρονόμυσεν π. υἱὸς 'Ρ. **[S al.]** (1)  
 — 24. π. τὰς πόλεις τὰς ὑψηλάς (1)  
 — 25. κατέκοψε π. τοὺς ἀντιστάτας αὐτῷ (1)  
 — 26. ἐκέλευσε π. τοὺς υἱοὺς Μ. (1)  
 — 27. ἐνέπρησε π. τοὺς ἀγροὺς αὐ. (1)  
 — 27. ἐπάταξε π. τοὺς νεανίσκους αὐ. (1)  
 — 28. καί π. τοὺς κατοικοῦντας 'Ι. (1)  
 3. 3. **A** καὶ π. τόπους ἡμῶν (1)  
 — 3. **A B** καὶ π. πεδίων πυρῶν (1)  
 — 3. **A B** καὶ π. αἱ μάνδραι τῶν σκηνῶν ἡμῶν (1)  
 — 7. αὐτοὶ καὶ π. ἡ περίχωρος αὐ. (1)  
 — 8. κατέσκαψε π. τὰ ὅρια αὐτῶν (1)  
 — 8. ἐξολοθρεύσαι π. τοὺς θεοὺς **[S al.]** (1)  
 — 8. π. τὰ ἔθνη καὶ π. **[S om.]** αἱ γλώσσαι καὶ π. **[A om.]** αἱ φυλαὶ αὐτῶν (1)  
 — 10. εἰς τὸ συλλέξει π. τὴν ἀπαρτίαν **[S στρατ.]** (1)  
 4. 1. ἤκουσαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. . . πάντα (1)  
 — 1. ἐσκέλευσε π. **[S om.]** τὰ ἱερὰ **[A δρια]** αὐ. (1)  
 — 3. π. ὁ λαὸς συνελέκτο τῆς 'Ιουδαίας (1)  
 — 4. ἀπέστειλαν εἰς π. ὄριον Σαμ. (1)  
 — 5. προκατελάβοντο π. τὰς κορυφὰς (1)  
 — 7. ἐπ' ἄνδρας τοὺς π. **[S om. τ. π.]** δύο (1)  
 — 8. καὶ ἡ γεροντία π. δῆμον **[A λαοῦ]** (1)  
 — 9. ἀνεβόησαν **[S ἔβ.]** π. ἀνὴρ 'Ισρ. (1)  
 — 10. καί π. παρόικος ἡ μισθωτός (1)  
 — 11. καί π. ἀνὴρ 'Ισρ. καὶ γυνή (1)  
 — 13. ἐν π. τῇ 'Ιουδαίᾳ καὶ 'Ιερ. **[S al.]** (1)  
 — 14. π. οἱ παρεστηκότες ἐνόησαν κυρίου (1)  
 — 15. ἔβδων πρὸς κύριον ἐκ π. δυνάμεως (1)  
 — 15. **A B** ἐπισκέψασθαι πᾶν **[S B πάντα]** οἶκον 'Ισρ. (1)  
 5. 1. ἐνέμισαν π. κορυφὴν ὄρους ὑψηλοῦ (1)  
 — 2. ἐκάλεσε π. τοὺς ἀρχοντας Μωάβ (1)  
 — 2. **A B** καὶ π. σατράπας τῆς παραλίας (1)  
 — 4. παρὰ π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν δυσμαῖς (1)  
 — 5. ὁ ἡγούμενος π. υἱὸν 'Αμμών (1)  
 — 12. **A S R** ἐπάταξε π. τὴν **[B om. π. τ.]** γῆν Λῆγ. (1)  
 — 14. π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)  
 — 15. **S** καὶ π. τοὺς 'Εσβεωνίτας καὶ πάντας **[A B om. κ. π.]** ἐξωλέθρευσαν (1)  
 — 15. ἐκκληρονομήσαν π. τὴν ὀρεινὴν (1)  
 — 16. ἐξέβαλον . . . π. τοὺς Γεργεσαίους (1)  
 — 21. εἰς ὀνειδισμόν **[A S -δος]** ἐναντίον π. τῆς γῆς (1)  
 — 22. ἐγγύγυσεν π. ὁ λαὸς (1)  
 — 22. καί π. **[S om.]** οἱ κατοικοῦντες τὴν παραλίαν (1)  
 — 24. εἰς κατὰβρωμα **[A B -ωσιν]** π. τῆς στρατιᾶς σου (1)  
 6. 1. ἐναντίον π. τοῦ δῆμου (1)  
 — 1. **A B** καὶ πρὸς π. τοὺς υἱοὺς Μωάβ (1)  
 — 2. **S<sup>2</sup>** ἐναντίος π. δῆμον (1)  
 — 2. **B S** καὶ πρὸς π. τοὺς υἱοὺς Μ. (1)  
 — 4. ὁ κύριος π. τῆς γῆς (1)  
 — 12. καί π. ἀνὴρ σφεδρονήτης (1)  
 — 16. συνεκάλεσαν π. τοὺς πρεσβυτέρους (1)  
 — 16. συνεδραμον π. νεανίσκους αὐ. (1)  
 — 16. ἐν μέσῳ π. τοῦ λαοῦ αὐ. (1)  
 — 17. π. τὰ ῥήματα δσα ἐλάλησεν (1)

Ju. 7. 1. παρήγγειλεν Ὁλ. π. τῇ στρατιᾷ αὐ. καὶ π. τῷ [A om.] λαῷ αὐ.  
 — 2. ἀνέζυξεν . . . π. ἀνὴρ δυνατός αὐτῶν  
 — 4. ἐκλείδουσιν οὐδοὶ τὸ πρόσωπον τῆς γῆς π.  
 — 6. ἐξήγαγεν Ὁλ. π. τὴν ἵππον αὐτοῦ  
 — 8. π. ἄρχοντες υἱὸν Ἡσαὺ καὶ π. οἱ ἡγούμενοι  
 — 12. διαφυλάσσων π. ἄνδρα  
 — 13. π. οἱ κατοικοῦντες [B ἐνοικ.] B.  
 — 16. καὶ ἐνώπιον π. τῶν θεραπόντων αὐ.  
 — 18. π. [B om.] τὸ πρόσωπον τῆς γῆς  
 — 19. ἐκύκλωσεν π. οἱ ἐχθροὶ αὐτῶν  
 — 20. π. παρεμβολῇ Ἀσσοῦ  
 — 20. π. τοὺς κατοικοῦντας B. [B<sup>2</sup> al.]  
 — 21. π. τὰ ἀγγεία αὐτῶν τῶν υδάτων  
 — 23. ἐπισυνήχθησαν π. ὁ λαός  
 — 23. A B E ἐναντίον π. [B om.] τῶν πρεσβυτέρων  
 — 26. ἐκδόσθε τὴν πλάν π.  
 — 26. καὶ π. τῇ δυνάμει αὐτοῦ  
 — 29. ἐγένετο κλαυθμὸς μέγας . . . πάντων  
 8. 6. π. τὰς ἡμέρας τῆς χρεώσεως αὐ.  
 — 9. ἤκουσε π. τοὺς λόγους Ἰ.  
 — 10. τὴν ἐφαστάσαν π. τοῖς ὑπάρχουσιν αὐ.  
 — 14. δε ἐποίησε τὰ [A B om.] π. ταῦτα  
 — 15. A ἐν αἷς θάλει καὶ π. [B B σκεπάζει] ἡμέραις  
 — 21. οὕτως καθήσεται π. ἡ Ἰουδαία  
 — 21. S ἐκ τοῦ αἵματος πάντων [A B ἡμῶν]  
 — 25. παρὰ ταῦτα π. [A om.]  
 — 28. πάντα ὅσα εἶπας  
 — 29. ἔγνω π. ὁ λαὸς τὴν σύνοιαν σου  
 9. 4. καὶ π. τὰ σκῦλα εἰς διαίρεσιν υἱὸν  
 — 6. π. γὰρ αἱ οἶδοι σου ἱστομοί  
 — 12. βασιλεὺς π. κτίσεώς σου  
 — 14. ποιήσου ἐπὶ π. τὸ ἔθνος [A π. ἔθνους] σου καὶ π. φυλῆς ἐπίγνωσιν  
 — 14. σὺ εἰ ὁ θεὸς π. δυνάμεις  
 10. 1. συνετέλεσε π. τὰ ῥήματα ταῦτα  
 — 4. καὶ π. τὸν κόσμον αὐτῆς  
 — 5. περιεβλέψατο π. τὰ ἀγγεία αὐτῆς  
 — 13. κυριεύσει π. τῆς οὐρανῆς  
 — 18. ἐγένετο συνδρομὴ ἐν π. [B<sup>1</sup> om.] τῇ παρεμβ.  
 — 19. κατασφιδάσθαι π. τὴν γῆν  
 — 20. καὶ π. οἱ θεράποντες αὐτοῦ  
 — 23. ἐθαύμασαν πάντες ἐπὶ τῷ κάλλει  
 11. 1. δουλεῖν βασιλεὶ Ναβ. π. τῆς γῆς  
 — 7. γὰρ βασιλεὺς Ναβ. π. τῆς γῆς  
 — 7. εἰς κατήρωςιν π. ψυχῆς  
 — 7. καὶ π. τὸν οἶκον αὐτοῦ  
 — 8. ἀνγγέλη π. τῇ γῇ  
 — 8. σὺ μόνος ἀγαθὸς ἐν π. [A π. τῇ] βασιλείᾳ  
 — 9. ἀνγγέλειν αὐτοῖς πάντα  
 — 12. καὶ ἐκπαύσει π. ὕδωρ  
 — 12. π. ὅσα διστέλλονται αὐτοῖς ὁ θεός  
 — 16. A B ἐπιγινώσκοντα ταῦτα π.  
 — 16. A B ἐφ' οἷς ἐκστήσεται π. ἡ γῇ  
 — 18. A B ἐξελεύσῃ σὺν π. τῇ δυνάμει σου  
 — 20. A B καὶ ἐναντίον π. τῶν θεραπόντων αὐ.  
 — 23. A B ἐση ὀνομασθῇ παρὰ π. τὴν γῆν  
 12. 11. A B ἐφεισκήσῃ ἐπὶ π. τῶν αὐτοῦ  
 — 14. A B πᾶν ὁ ἔσται ἐν τοῖς ὀφθ. αὐ. ἀρεστόν  
 — 15. B ἐκσμήθη . . . π. τῷ κόσμῳ [A om. π. τ. κ.]  
 — 18. A B παρὰ π. τὰς ἡμέρας τῆς γενεσῆς μου  
 13. 1. A B ἦσαν γὰρ πάντες κεκοπωμένοι  
 — 4. A B ἀπὴλθον πάντες ἐκ προσώπου  
 — 4. A B κύριε ὁ θεὸς π. δυνάμει  
 — 13. καὶ συνέδραμον πάντες  
 — 17. ἐξίστη π. ὁ λαὸς σφόδρα  
 — 18. παρὰ π. τὰς γυναῖκας τὰς ἐπὶ τῆς γῆς  
 — 20. καὶ εἶπαν π. ὁ λαός  
 14. 2. ἐξελεύσθε π. ἀνὴρ ἰσχύων  
 — 4. π. οἱ κατοικοῦντες π. ὀριον Ἰσρ.  
 — 7. ἐν π. σκηνώματι Ἰ. καὶ π. π. ἔθνει  
 — 8. ἀπὴγγέλειν αὐτῷ Ἰ. . . πάντα  
 — 10. ἰδὼν δὲ Ἀχ. πάντα  
 — 11. ἀνέλαβε π. ἀνὴρ Ἰσρ. τὰ ὅπλα αὐ.  
 — 12. ἦλθον . . . ἐπὶ π. ἄρχοντα αὐτῶν  
 — 13. εἶπαν τῷ ὄντι ἐπὶ π. τῶν αὐτοῦ  
 15. 2. ἐφειγον ἐπὶ π. ὁδὸν τοῦ πεδίου  
 — 3. π. ἀνὴρ πολεμοστής ἐξ αὐτῶν  
 — 4. καὶ εἰς π. ὀριον Ἰσραὴλ  
 — 4. ἵνα πάντες ἐπεκυνθῶσι [A ἀπ.]  
 — 5. πάντες ὁμοθυμαδὸν ἐπέπεσον ἐπ' αὐτούς  
 — 5. παρεγενήθησαν καὶ ἐκ π. τῆς οὐρανῆς  
 — 9. εὐλόγησαν αὐτὴν πάντες ὁμοθυμαδὸν  
 — 10. εὐλόγησαν π. ταῦτα  
 — 10. καὶ εἶπε π. ὁ λαός

Ju. 15. 11. ἐλαφύρεναι π. [A B om.] ὁ λαός  
 — 11. ἔδωκαν . . . π. τὰ ἀργυρώματα . . . καὶ π. τὰ σκευάσματα [A B κατασκ.] αὐ.  
 — 12. συνέδραμε π. γυνὴ Ἰσρ.  
 — 13. καὶ προήλθε π. τοῦ λαοῦ  
 — 13. ἡγουμένη π. τῶν γυναικῶν  
 — 13. ἡκολούθει π. ἀνὴρ Ἰσραὴλ  
 — 14. ἐξήρχεν Ἰ. . . ἐν παντὶ Ἰσραὴλ  
 — 14. ὑπερφώνει π. ὁ λαός  
 16. 14. οἱ δουλεύσαντες π. ἡ κτίσις σου  
 — 16. μικρὸν π. θυσιὰ εἰς ὁσμὴν εὐωδίας  
 — 16. ἐλάχιστον π. στέαρ εἰς ὀλοκαύτωμα  
 — 16. ὁ δὲ φοβούμε. τὸν κ. μέγας διὰ παντός  
 — 19. ἀνέθηκεν Ἰ. π. τὰ σκεύη Ὁλ.  
 — 21. ἐνδοξος ἐν π. τῇ γῇ  
 — 22. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῆς  
 — 24. διεῖλε . . . π. τοῖς ἔγγιστα M.  
 Es. 1. 1. ἡτοιμάσθη π. ἔθνος εἰς πόλεμον  
 — 1. ἐταράχθη π. ἔθνος δικαίων  
 — 1. ἐν π. λόγῳ ἤθελεν ἐπιγινώσκει αὐτό  
 — 11. A B δείξει αὐτὴν πᾶσι [B om.] τοῖς ἀρχουσι  
 — 16. ἀλλὰ καὶ π. τοὺς ἀρχοντας (1)  
 — 20. π. αἱ γυναῖκες περιβήσουσι τιμὴν (1)  
 — 22. ἀπέστειλεν εἰς π. τὴν βασ. [A al.] (1)  
 2. 3. ἐν π. ταῖς [B<sup>1</sup> om.] χώραις τῆς βασ. αὐτοῦ (1)  
 — 3. B<sup>2</sup> π. [A B S<sup>1</sup> om.] κοράσια παρθενικά (1)  
 — 15. εὐρίσκουσα χάριν παρὰ πάντων [A al.] (1)  
 — 17. ὕδρε χάριν παρὰ π. τὰς παρθένους (1)  
 — 18. πόσιον πᾶσι τοῖς φίλοις αὐτοῦ (1)  
 3. 1. ἐπωροτοθήσει π. τὸν φίλον αὐτοῦ (1)  
 — 2. π. οἱ ἐν τῇ αὐτῇ προσκύνουν αὐτῷ (1)  
 — 6. ἀφανίσαι π. τοὺς . . . Ἰουδαίους (1)  
 — 8. ἐν π. τῇ βασιλείᾳ σου (1)  
 — 8. ἐξαλλοὶ παρὰ π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 12. κατὰ π. χώραν ἀπὸ Ἰνδικῆς (1)  
 — 13. B S πάσης ἐπικράτησας οἰκουμένης [A<sup>2</sup> τῆς οἰκ.] (1)  
 — 13. ἀνυμνῶντες διὰ παντός καταστήσαι βίου (1)  
 — 13. τὴν ποιοῦν. τοῖς [A παρὰ] π. ἀνθρώποις εἰρήνην (1)  
 — 13. ἐν π. [B<sup>1</sup> om. ἐν π.] ταῖς κατὰ τὴν οἰκου. φυλαῖς (1)  
 — 13. ἀντίθετον [A ἀντίτυπον] πρὸς π. ἔθνος (1)  
 — 13. ἐν ἀντιπαράγωγῇ παντὶ διὰ παντός ἀνθρώπῳ κείμενον (1)  
 — 13. πάντας [B<sup>1</sup> -a] σὺν γυναιξὶ καὶ τέκνοις ἀπολέσας (1)  
 — 13. ἀνεπ. οἴκτου καὶ φειδούς (1)  
 — 14. προσετέλεθ π. τοῖς ἔθνεσιν (1)  
 4. 3. ἐν π. χώρα οὐ ἐξετίθετο (1)  
 — 9. ἐλάλησεν . . . π. τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 11. τὰ ἔθνη πάντα τῆς βασιλείας (1)  
 — 11. π. ἄνθρωπος ἡ γυνή (1)  
 — 12. ἀπὴγγέλει . . . π. τοὺς λόγους Ἑσθῆρ (1)  
 — 13. παρὰ [A ὑπὲρ] π. τοὺς Ἰουδαίους (1)  
 — 16. S<sup>2</sup> ἐκκλησιάσονται μοι π. [A B S<sup>1</sup> om. μ. π.] τοὺς Ἰ. (1)  
 — 17. S<sup>2</sup> ἐποίησεν κατὰ πάντα [A B S<sup>1</sup> om. κ. π.] (1)  
 — 17. μνημονεύων π. τὰ ἔργα κυρίου (1)  
 — 17. βασιλεὺς πάντων κρατῶν [B<sup>2</sup> παντοκράτωρ] (1)  
 — 17. ἐν ἐξουσίᾳ σου τὸ π. ἐστί (1)  
 — 17. σὺ ἐποίησας . . . πᾶν θαυμαζόμενον (1)  
 — 17. κύριος εἰ πάντων (1)  
 — 17. σὺ πάντα γινώσκεις (1)  
 — 17. πᾶς Ἰσραὴλ ἐκέκραξεν (1)  
 — 17. π. τόπον κόσμου [A al.] (1)  
 — 17. ἔλαβες τὸν Ἰσρ. ἐκ π. τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 17. ἔλαβες . . . ἐκ π. τῶν προγόνων αὐ. (1)  
 — 17. καὶ π. ἀρχὴς ἐπακράτω (1)  
 — 17. πάντων γνῶσιν ἔχεις (1)  
 — 17. B S βδελύσονται κοίτην . . . π. ἀλλοτρίου (1)  
 — 17. ὁ θεὸς ὁ ἰσχύων ἐπὶ πάντας (1)  
 5. 1. ἐπικαλοσάμεν τὸν πάντων ἀνέστην θ. (1)  
 — 1. εἰσελθούσα π. [B<sup>1</sup> om.] τὰς θύρας (1)  
 — 1. π. [A τῆς, B<sup>2</sup> π. τῆς] σπαλῆν . . . ἐνδεδύκει (1)  
 — 2. π. ἡ θεραπεία αὐτοῦ παρακάλεϊ αὐτὴν (1)  
 — 3. S<sup>2</sup> ἐν π. χρόνῳ (1)  
 — 14. S<sup>2</sup> καὶ π. [A B S<sup>1</sup> om.] οἱ φίλοι (1)  
 6. 9. οὕτως ἔσται π. ἀνθρώπῳ (1)  
 — 10. S<sup>2</sup> μὴ παραπέσας σου λόγους ἐκ πάντων [A B S<sup>1</sup> om. ἐκ π.] (1)  
 — 11. οὕτως ἔσται π. ἀνθρώπῳ (1)  
 8. 2. κατέστησεν . . . ἐπὶ π. τῶν Ἀμάν (1)  
 — 7. π. τὰ ὑπάρχοντα Ἀμάν (1)

Es. 8. 11. S B χρῆσθαι τοῖς νόμοις αὐ. ἐν π. [A τῇ, B π. τῇ] πόλει (1)  
 — 11. S<sup>2</sup> π. δυνάμιν λαοῦ καὶ χώρας (1)  
 — 12. ἐν π. τῇ βασιλείᾳ Ἀργαζιέρου (1)  
 — 13. τοῦ τὰ π. κατοπιεύοντος δεῖ θεοῦ  
 — 13. τὴν βασ. ἀτάραχον τοῖς π. ἀνθρ. . . παρεξέμεθα  
 — 13. ἡς ἐχομεν πρὸς π. ἔθνος φιλανθρωπίας (1)  
 — 13. προσκυνοῦμενον ὑπὸ πάντων (1)  
 — 13. τὸν τε . . . διὰ παντός εὐεργέτην Μαρθ. (1)  
 — 13. σὺν π. τῷ τούτων ἔθνει (1)  
 — 13. τοῦ τὰ [B<sup>1</sup> om.] π. ἐπικρατούμενος θεοῦ (1)  
 — 13. ἐκθέτες ἐν π. τόφῳ (1)  
 — 13. A B E ὁ τὰ [B om.] π. δυναστεύων θεός (1)  
 — 13. ἐπίσημον ἡμέραν μετὰ π. εὐωχίας ἀγετε (1)  
 — 13. π. δε πόλις ἡ χώρα τὸ σύνολον (1)  
 — 13. ἐκτίσθησάντων . . . ἐν π. τῇ βασιλείᾳ (1)  
 — 13. ἐταίμους τε εἶναι π. τοῖς Ἰουδ. (1)  
 9. 4. ὀνομασθήσονται ἐν π. τῇ βασιλείᾳ (1)  
 — 19. ἐν π. χώρα τῇ ἔξω [B<sup>1</sup> om. τ. ἔ.] (1)  
 — 27. S<sup>2</sup> ἐπὶ π. [A B S<sup>1</sup> om.] τοῖς προστεθειμ. (1)  
 10. 3. διηγήτο [A B ἡγ.] . . . π. τῷ ἔθνει αὐ. (1)  
 — 3. ἐρυσσάτο κ. ἡμᾶς ἐκ π. τῶν κακῶν τούτων (1)  
 — 3. B S καὶ ἐνα π. τοῖς ἔθνεσι (1)  
 — 3. B<sup>2</sup> S καὶ π. τοῖς [A om.] ἔθνεσι (1)  
 Jb. 1. 1. ἀπεχόμενος ἀπὸ π. ποιητοῦ πρίγματος (1)  
 — 5. οὕτως σὺν ἐποίῃ ἰωβ πάσας τὰς ἡμέρας (1)  
 — 8. ἀπεχόμενος ἀπὸ π. ποιητοῦ πρίγματος (1)  
 — 10. τὰ ἔξω [A -ωθεν] πάντων τῶν δυντῶν αὐτοῦ [A B -φ] (1)  
 — 11. ἀψαί πάντων αὐ. ἔχει (1)  
 — 12. πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτῷ (1)  
 — 22. ἐν τούτοις π. τοῖς συμβεβηκόσιν αὐτῷ (1)  
 2. 3. ἀπεχόμενος ἀπὸ παντός κακοῦ (1)  
 — 4. A B<sup>2</sup> πάντα [B om.] ὅσα ὑπάρχει ἀνθρώπῳ (1)  
 — 10. ἐν π. τούτοις τοῖς συμβεβηκόσιν αὐτῷ (1)  
 — 11. ἀκούσαντες δὲ . . . τὰ κακὰ πάντα (1)  
 5. 8. κύριον δὲ τὸν πάντων δεσπότην [A τὸν παντοκράτορα] ἐπικαλέσομαι (1)  
 — 6. 18. οὕτω κατὰ κατελέθη ὑπὸ πάντων (1)  
 8. 3. ἡ ὁ τὰ πάντα ποιήσας ταράξει τὸ δίκαιον (7)  
 — 12. πρὸ τοῦ πεινῆ πᾶσα βοτάνη οὐχὶ [A πᾶσαν βοτάνην τὰν δὲ μὴ πῆ] ἔχρηται (1)  
 — 13. τὰ ἔσχατα πάντων τῶν ἐπιλανθανομένων τοῦ κυρίου (1)  
 — 20. πᾶν δὲ δῶρον ἀσεβοῦς οὐ δέξεται (1)  
 9. 28. σείομαι πᾶσι τοῖς μέλεσιν (1)  
 10. 13. οὐδὰ ὅτι πάντα δύνασαι (1)  
 11. 10. εἰ δὲ καταστρέψῃ τὰ π. (1)  
 12. 9. τίς οὐκ ἐγὼ ἐν πᾶσι τοῖτοις (1)  
 — 10. ἐν χειρὶ αὐτοῦ ψυχὴ π. [A B<sup>2</sup> π. τῶν] ζώων καὶ πνεῦμα παντός ἀνθρώπου (1, 1)  
 13. 4. ὕμεις ἐστέ . . . λαταὶ κακῶν πάντες (1)  
 — 9. εἰ γὰρ τὰ π. ποιούντες προστεθήσεσθε αὐτῷ [A ὁδὸς αὐτοῦ] (1)  
 — 27. ἐφύλαξας δὲ μου πάντα τὰ ἔργα (1)  
 15. 20. πᾶς ὁ βίος ἀσεβοῦς ἐν φροντίδι (1)  
 16. 2. παρακλήτορες κακῶν πάντες (1)  
 17. 7. A B S<sup>2</sup> πεπολιόρκειμαι μεγάλως ὑπὸ πάντων (1)  
 — 10. A B οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ πάντες ἐρείδετε [B<sup>2</sup> κρίνατε] (1)  
 19. 27. πάντα [B<sup>1</sup> πᾶν] δὲ μοι συντετέλεσται ἐν κόλπῳ [B<sup>1</sup> κόφῳ] (1)  
 20. 22. πᾶσα δὲ ἀνάγκη ἐπ' αὐτὸν ἐπελεύσεται (1)  
 — 26. πᾶν δὲ σκότος αὐτῷ [A -όν] ὑπομένει (1)  
 21. 33. ὁπίσω αὐτοῦ πᾶς ἄνθρωπος ἀπελεύσεται (1)  
 24. 20. συντριβεὶ δὲ πᾶς αἰὶς ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτῷ (1)  
 25. 6. A εἰ δὲ πᾶς [B S om.] ἄνθρωπος σαπρία (1)  
 26. 3. οὐχ ὅ [A ὅ ἡ] πᾶσα σοφία (1)  
 27. 12. πάντες οἰδατε (1)  
 — 17. ταῦτα πάντα δίκαιοι περιποιήσονται (1)  
 28. 3. πᾶν [A καὶ πᾶν] πέρας αὐτὸς [A -οὐς] ἐξακριβιάζεται (1)  
 — 10. πᾶν δὲ ἐντίμον [A τίμιον] εἶδὲ μοι [A περὶ αὐτοῦ] ὁ ὀφθαλμός (1)  
 — 21. λελήθε πάντα ἄνθρωπον (1)  
 — 24. αὐτὸς γὰρ τὴν ὑπ' οὐρανὸν πᾶσαν ἐφόρα (1)  
 — 25. εἰδὼς τὰ ἐν τῇ γῇ πάντα ἐποίησεν (1)  
 29. 8. πρεσβύται δὲ πάντες ἔστησαν [A ἐπ' ἀνέστη.] (1)  
 30. 4. ἐνδοξὸς πάντως [A om.] ἀγαθὸς (1)  
 — 23. οἰκία γὰρ παντὶ θνητῷ γῇ (1)  
 — 25. ἐγὼ δὲ ἐπὶ παντὶ ἀδυνάτῳ ἔκλασσα (1)  
 31. 4. πάντα τὰ διαβήματά μου ἐξακριβιωθήσεται (1)

- Jb. 31. 12. πῦρ γάρ ἐστι καίόμενον ἐπὶ [A ἐκ] πάντων τῶν μερῶν — 32. ἡ δὲ θύρα μου παντὶ ἐλθόντι ἀνεῳκτο
33. 11. ἐφύλαξε δὲ μου πᾶσαι τὰς ὁδοὺς (1) — 13. οὐκ ἐπαίχκοι μου πᾶν ῥῆμα [A ἐν παντὶ ῥήματι] (1) — 20. πᾶν δὲ βρώτον σίτου οὐ μὴ δύνηται προσδέσασθαι — 29. ἰδοὺ ταῦτα πάντα ἐργάται ὁ ἰσχυρός — 31. ἰδοὺ ταῦτα πάντα ἐργάται ὁ ἰσχυρός
34. 13. τίς δὲ ἐστὶν ὁ ποιῶν . . . τὰ ἐνόντα [B δντα] πάντα (1) — 15. τελευτήσας πᾶσα σὰρξ ὁμοθυμαδὸν πᾶς [A om.] δὲ βροτὸς [A βρ. δέ] εἰς γῆν ἀπελεύσεται (1, -) — 23. ὁ γὰρ κύριος πάντας [A τὰ π.] ἐφόρα 36. 19. καὶ πάντας τοὺς κραταιοῦντας [B κρα- τοῦντας] ἰσχύει (1) — 25. πᾶς ἄνθρωπος εἶδεν ἐν ἑαυτῷ — 28. ἐπὶ τοῖς πᾶσιν οὐκ ἐξίσταται [A -ατό] σου ἡ δυνάμις — 37. 3. B ὑποκάτω παντὸς τοῦ οὐρανοῦ — 7. ἐν χειρὶ παντὸς ἀνθρώπου κατασφραγίζει ἵνα γὰρ πᾶς ἄνθρωπος τὴν ἑαυτοῦ ἀσθένειαν (1, 1) — 12. πάντα ὅσα ἂν ἐντέλῃται αὐτοῖς — 21. πᾶσι δὲ οὐχ ὁράτον τὸ φῶς
38. 7. ἦσαν μὲν φωνὴ μεγάλη πάντες ἄγγελοι μου (1) 39. 8. ὅπισθεν παντὸς χλωροῦ ζητεῖ 40. 6 (11). A. B πάντα [B B πᾶν] δὲ ὑβριστὴν ταπεινώσων (1) — 26 (31). πᾶν δὲ πλωτὸν συνελθὼν οὐ μὴ ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐράς αὐτοῦ
41. 2 (3). εἰ [A ἡ οὐχί] πᾶσα ἡ ὑπ' οὐρανὸν ἐμὴ ἐστίν (1) — 21 (22). πᾶς δὲ χρυσὸς θαλάσσης ὑπ' αὐτὸν ὥσπερ πηλὸς ἀμύθητος — 25 (26). πᾶν ἰνὴν ὁρᾷ αὐτὸς δὲ βασιλεὺς πάντων τῶν ἐν τοῖς ὕδασι (1, 1) 42. 2. οἶδα ὅτι πάντα δύνανται — 7. μετὰ τὸ λαλῆσαι τὸν κύριον πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα τῷ ἰώβ — 11. ἤκουσαν δὲ πάντες οἱ ἀδ. αὐ. . . πάντα τὰ συμβεβηκότα αὐτῷ . . . καὶ πάντες ὅσοι ᾔδεισαν αὐτὸν (1, -, 1) — 11. ἐθαύμασαν ἐπὶ πᾶσιν οἷς ἐπήγγαγεν αὐτῷ ὁ κύριος (1) — 16. τὰ δὲ π. ἐτῆ ἔζησε διακόσια τεσσαράκοντα
- Ps. 1. 3. πάντα ὅσα ἂν ποιῇ κατενοωθήσεται (1) 2. 10. παιδεύοντες πάντες οἱ κρίνοντες τὴν γῆν — 12. μακάριοι πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ
3. 7. σὺ ἐπάταξας πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ καὶ ματαίως — 5. 5. ἐμίσσησας, κύριε, πάντας τοὺς ἐργαζομ. τὴν ἀνομίαν (1) — 6. ἀπολεῖς πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψεῦδος — 11. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ σέ — 11. πάντες [B om.] οἱ ἀγαπῶντες τὸ δνομά σου — 6. 7. ἐπαλαίωνην ἐν πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς μου — 8. πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν — 10. παραχθείσαν σφόδρα πάντες οἱ ἐχθροί μου (1) 7. 1. σῶσόν με ἐκ πάντων τῶν διωκόντων με (1) 8. 1. ὡς θαυμαστὸν τὸ δνομά σου ἐν πάσῃ τῇ γῇ — 6. πάντα ὑπετάσσας ὑποκάτω τῶν ποδῶν αὐτοῦ (1) — 8. πρόβατα καὶ βόας πᾶσας [A B² ἀπ.] — 9. ὡς θαυμαστὸν τὸ δνομά σου ἐν πάσῃ τῇ γῇ (1) 9. 1. A B² διηγῆσονται πάντα τὰ θαυμασά σου (1) — 10. A πάντες [B B om.] οἱ γινώσκοντες τὸ δνομά σου — 14. ὅπως ἐν ἐξαγγελίᾳ πᾶσας τὰς αἰνέσεις σου (1) — 17. πάντα τὰ ἐξῆν τὰ ἐπιδεικνύμενα τοῦ θεοῦ (1) — 26 (10. 5). βεβηλοῦνται αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ (1) — 26 (10. 5). πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ κατακυριεύσει (1) 11 (12). 3. ἐξολοθρεύσαι [A -σει] κύριος πάντα τὰ χελεὶ τὰ δόλια — 8. A ἐπολύωρησας πάντας [B B om.] τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων — 13 (14). 3. A² B B πάντες ἐξέκλιναν — 4. A B B οὐχὶ γινώσκονται πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν [B ἀδικίαν] (1) 14 (15). 4. A ἐξουδένονται ἐνώπιον αὐτοῦ πᾶς [B B om.] πονηρενόμενος
- Ps. 15 (16). 3. ἐθαυμάσωσε π. τὰ θελήματα αὐ. (1) — 8. προωρόμην τὸν κ. ἐνώπιόν μου διὰ παντός (B g) 17 (18) it. ἐρρύστα αὐτὸν κύριος ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (1) — 22. πάντα τὰ κρίματα αὐτοῦ ἐνώπιόν μου (1) — 30. ὑπερασπιστὴς ἐστὶ πάντων τῶν ἐλπιζόντων ἐπ' αὐτόν (1) — 39. συνεπόδισας πάντας [B¹ om.] τοὺς ἐπανιστανόμενους ἐπ' ἐμέ — 18 (19). 4. εἰς πᾶσαν τὴν γῆν ἐξῆλθεν ὁ φόβος αὐτῶν (1) — 14. ἡ μελέτῃ τῆς καρδίας μου ἐνώπιόν σου διὰ παντός — 19 (20). 3. κησθεὶ πάσης θυσίας σου — 4. πᾶσαν τὴν βουλήν σου πληρώσαι [A -σει] (1) — 5. πληρώσαι κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου 20 (21). 8. εὐρεθείῃ ἡ χεὶρ σου πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς σου ἡ δεξιὰ σου εὖροι πάντας τοὺς μισούντάς σε (1, -) 21 (22). 7. πάντες οἱ θεωροῦντές με ἐξεμυκτήρισάν με (1) — 14. διεσκοπήσθῃ πάντα τὰ ὁσά [B¹ διαβή- ματά] μου (1) — 17. ἐξηρίψωσαν πάντα τὰ ὁσά μου (1) — 25. A ἐνώπιον πάντων [B B om.] τῶν φοβούμενων αὐτόν — 27. ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς — 27. προσκυνήσουσιν ἐνώπιον αὐτοῦ πᾶσαι αἱ πατρίαι τῶν ἐθνῶν (1) — 29. προσεκύνουν πάντες οἱ πίστες τῆς γῆς ἐνώπιον αὐτοῦ προσπεσούσιν πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν γῆν (1, 1) 22 (23). 6. πᾶσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου 23 (24). 1. ἡ οἰκουμένη καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ — 24 (25). 3. πάντες οἱ ὑπομεινόντες σε οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν (1) — 3. A B² αἰσχυνθήσων πάντες [B¹ B om.] οἱ ἀνομῶντες διὰ κενῆς — 10. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ κυρίου ἔλεος καὶ ἀλήθεια (1) — 15. οἱ ὀφθαλμοί μου διὰ παντός πρὸς τὸν κ. (B g) — 18. ἀφες πᾶσαι τὰς ἁμαρτίας μου (1) — 22. λυτρώσαι ὁ θεὸς τὸν Ἰσρ. ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐ. (1) 25 (26). 7. διηγῆσθαι πάντα τὰ θαυμασά σου 26 (27). 4. πᾶσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς μου — 15. 9. ἐν τῷ ναὸ αὐτοῦ πᾶς τις λέγει δόξαν (1) 28 (31). 11. παρὰ πάντας τοὺς ἐχθρούς μου ἐγενήθηθον δυνεῖς (1) — 23. ἀγαπήσατε τὸν κύριον π. οἱ ὅσιοι αὐ. — 24. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ κυρίῳ 31 (32). 6. προσεύξεται πρὸς σέ πᾶς δσος — 11. καυχᾶσθε πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ 32 (33). 4. πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν πίστει — 6. τῷ πνεύματι τοῦ στόματός αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν (1) — 8. φοβηθήτω τὸν κύριον πᾶσα ἡ γῆ ἀπ' αὐτοῦ δὲ σαλευθήσων πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (1, 1) — 13. εἶδε πάντας τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων τὴν γῆν (1) — 14. ἐπέβλεψεν ἐπὶ πᾶσας τοὺς κατοικοῦντας — 15. ὁ συνείης πάντα [B² εἰς π.] τὰ ἔργα αὐτῶν 33 (34). 1. εὐλόγησώ τὸν κύριον ἐν παντὶ καιρῷ — 1. διὰ παντός ἡ αἰσέσις αὐ. ἐν τῷ στόματί μου (B g) — 4. ἐκ πασῶν τῶν παροικιῶν [A B² θλίψεων] μου ἐρρύστατό με (1) — 6. ἐκ π. τῶν θλίψεων αὐ. ἔσωσεν αὐτόν (1) — 9. φοβηθήτω τὸν κ. π. [B¹ om.] οἱ ἄγιοι αὐ. — 10. οὐκ ἐλαττωθήσονται παρὰς ἀγαθῷ (1) — 17. ἐκ π. τῶν θλίψεων αὐ. ἐρρύστατο αὐτούς (1) — 19. ἐκ πασῶν αὐτῶν ῥύσεται αὐτούς (1) — 20. φυλάσσει πάντα τὰ ὁσά αὐτῶν (1) — 22. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπ' αὐτόν (1) 34 (35). 10. πάντα τὰ ὁσά μου ἐροῦσι — 27. εἰσάψων διὰ παντός (B g) 35 (36). 4. παρίστη πάσῃ δόφ οὐκ ἀγαθῇ — 12. π. [B¹ om.] οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν 37 (38). 9. ἐναντίον σου πᾶσα ἡ ἐπιθυμία μου — 17. ἡ ἀληθὴς μου ἐνώπιόν μου διὰ παντός (B g) 38 (39). 5. τὰ συμπαντα ματαιότης πᾶς ἀνθρώπος ζῶν (1) — 8. ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομῶν μου ῥύσαι [B¹ καθάρσον] με (1)
- Ps. 38 (39). 11. A B πλὴν μᾶτην πᾶς [B ταράσ- σεται πᾶς] ἄνθρωπος (1) — 12. καθὼς πάντες οἱ πατέρες μου (1) 39 (40). 11. διὰ παντός ἀντελθόντό μου (B g) — 16. εὐφρανθήσαν ἐπὶ σοὶ πάντες οἱ ζη- τοῦντές σε, κύριε, καὶ ἐλπύωσαν διὰ παντός (1, B g) — 16. B διὰ παντός [A B B om. διὰ π.] 40 (41). 7. ἐψιθύριζον πάντες οἱ ἐχθροί μου (1) 41 (42). 7. πάντες οἱ μετεωρισμοὶ σου . . . ἐπ' ἐμέ διῆλθον (1) 43 (44). 17. ταῦτα πάντα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς (1) 44 (45). 13. πᾶσα ἡ δόξα αὐτῆς [A B² τῆς] θυ- γατρὸς τοῦ βασιλέως Ἑσβεῶν (1) — 16. καταστήσεις αὐτοὺς ἀρχοντας ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1) — 17. μνησθήσονται [B² -σομαι] τοῦ ὀνόματός σου ἐν πάσῃ γενεᾷ καὶ γενεᾷ (1) 46 (47). 1. πάντα τὰ ἐθνη κροτήσατε χεῖρας — 2. βασιλεὺς μάγας ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1) — 7. βασιλεὺς πάσης τῆς γῆς ὁ θεός (1) — 8. A ἐβασίλευσεν ὁ θεὸς ἐπὶ πάντα [B B om.] τὰ ἐθνη — 47 (48). 2. εὐρίσω ἀγαλλίαματι πάσης τῆς γῆς [A πάση τῇ γῇ] (1) 48 (49). 1. ἀκούσατε ταῦτα πάντα τὰ ἐθνη ἐνωτί- σασθε πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (1, 1) — 17. A B B² οὐκ ἐν τῷ ἀποθνήσκειν αὐτὸν λήψεται τὰ π. (1) 49 (50). 8. τὰ δὲ ὀλοκαυτώματά σου ἐνώπιόν μου ἐστὶ διὰ παντός (B g) — 10. ἐμὴ ἐστὶ πάντα τὰ θηρία τοῦ δρυμοῦ [A B² ἀγροῦ] (1) — 11. ἐργωκα πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ (1) 50 (51). 3. ἡ ἁμαρτία μου ἐνώπιόν μου ἐστὶ διὰ παντός (B g) — 9. πᾶσας τὰς ἀνομίας μου ἐξάλειψον (1) 51 (52). 4. ἠγάπησας πάντα τὰ [B¹ om.] ῥήματα καταπονησμοῦ (1) 52 (53). 3. πάντες ἐξέκλιναν — 4. οὐχὶ γινώσκονται πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν — 53 (54). 7. ἐκ πάσης θλίψεως ἐρρύσω με (1) 55 (56). 5. κατ' ἐμοῦ πάντες οἱ διαλογισμοὶ αὐτῶν εἰς κακὸν (1) 56 (57). 5. 11. καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου (1) 58 (59). 5. πρόσχες τοῦ ἐπισκέψασθαι πάντα τὰ ἐθνη μὴ οὐκ ἐκτελέσῃς πάντας τοὺς ἐργαζόμενους τὴν ἀνομίαν (1, 1) — 8. ἐξουδενώσεις πάντα τὰ ἐθνη (1) 61 (62). 3. φωνεῖτε πάντες ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ (1) — 8. B B² ἐλπίζατε ἐπ' αὐτόν πᾶσα συναγωγή λαοῦ (1) 62 (63). 11. ἐπαινεθήσεται πᾶς ὁ ὁμῶν ἐν αὐτῷ (1) 63 (64). 8. ἐταράχθησαν πάντες οἱ θεωροῦντες αὐτούς (1) — 9. καὶ ἐφοβήθη πᾶς ἄνθρωπος (1) — 10. ἐπαινεθήσονται πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (1) 64 (65). 2. πρὸς σέ πᾶσα σὰρξ ἔχει — 5. ἡ ἐλπίς πάντων τῶν περὶ τῆς γῆς (1) 65 (66). 1. ἀλαλάξατε τῷ θεῷ πᾶσα ἡ γῆ (1) — 4. πᾶσα ἡ γῆ προσκυνήσασάν σοι (1) — 16. πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον (1) 66 (67). 2. B B² ἐν πᾶσιν ἔθνεσι [B¹ π. τοῖς λαοῖς] τὸ σωτήριόν σου (1) — 3, 5. ἐξομολογήσασθαι σου λαοὶ πάντες (1) — 7. φοβηθήσων αὐτὸν π. τὰ πέρατα τῆς γῆς (1) 68 (69). 19. ἐναντίον σου πάντες οἱ θλιβόντες με — 23. τὸν ὥτον αὐ. διὰ παντός σύγκαψον (B g) — 34. B B² θάλασσα καὶ πάντα τὰ ἐρποντα ἐν αὐτοῖς [B¹ τὰ πέρατα τῆς γῆς] (1) 69 (70). 4. εὐφρανθήσονται ἐπὶ σοὶ πάντες οἱ ζητοῦντές σε (1) — 4. καὶ λεγέτωσαν διὰ παντός (B g) 70 (71). 6. ἐν σοὶ ἡ ὑμῶνσις μου διὰ παντός (B g) — 14. ἐγὼ δὲ διὰ παντός ἐλπῶ (1) — 14. προσθήσω ἐπὶ πᾶσαν τὴν ἀνεσίαν σου (1) — 18. ὥς ἂν ἀπαγγελῶ τὸν βραχίονά σου πάσῃ τῇ γενεᾷ τῇ ἐρχομένῃ (1) 71 (72). 11. προσκυνήσουσιν αὐτῷ π. οἱ βασι- λεῖς π. τὰ ἐθνη δουλεύουσιν αὐτῷ (1, 1) — 15. προσεύξονται περὶ αὐτοῦ διὰ παντός (B g) — 17. εὐλογηθῶσιν ἐν αὐτῷ π. αἱ φυλαὶ τῆς γῆς π. τὰ ἐθνη μακαριοῦσιν αὐτόν (-, 1)

- Ps. 71 (72). 19. **Β**<sup>1</sup> ἐλλογῆτόν τὸ ὄνομα τῆς δόξης αὐτοῦ ἐν πάσῃ τῇ γῇ [**B** **S**<sup>1</sup> **om.** ἐν π. τῇ γῇ] —
- 19. **B**<sup>2</sup> πληρωθήσεται τῆς δόξης αὐ. π. ἡ γῇ (1) 72 (78). 23. κἀγὼ πάντες μετὰ σοῦ (8 g)
- 27. ἐξωλέθρυνσας πάντα τὸν πορνικεύοντα ἀπὸ σοῦ (1)
- 28. τοῦ ἐξαγγελῆσαι πᾶσας τὰς αἰνέσεις σου (1)
- 73 (74). 8. **B**<sup>1</sup> καταπαύσωμαι πᾶσας [**B**<sup>1</sup> **om.**] τὰς ἐορτάς τοῦ θ. (1)
- 17. σὺ ἐποίησας πάντα τὰ ὄρια τῆς γῆς (1)
- 23. ἀναβαῖναι διὰ παντός πρὸς σέ (8 g)
- 74 (75). 1. διηγῶμαι π. [**S**<sup>1</sup> **om.**] τὰ θαυμάσιά σου —
- 3. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (1)
- 8. ποῖοντι πάντες οἱ ἀμαρτωλοὶ τῆς γῆς (1)
- 10. **B**<sup>1</sup> **B**<sup>2</sup> πάντα τὰ κέρατα τῶν ἀμαρτωλῶν συγκλάσσω [**B**<sup>2</sup> συνθλάσω] (1)
- 75 (76). 5. ἐταράχθησαν πάντες οἱ ἀσύνετοι τῇ καρδίᾳ —
- 5. οὐχ εὖρον οὐδὲν π. οἱ ἄνδρες τοῦ πλοῦτου (1)
- 9. **B**<sup>1</sup> **B**<sup>2</sup> τοῦ ὁσῶσαι πᾶσας τοὺς πρακίς τῇ καρδίᾳ [**B**<sup>2</sup> **S**<sup>2</sup> τῆς γῆς] (1)
- 11. πάντες οἱ κύλῳ αὐτοῦ οἰκονοεῖ δάρα (1)
- 76 (77). 4. **B**<sup>2</sup> **B**<sup>1</sup> **E** προκατελάβοντο φυλάκας πάντες [**B**<sup>2</sup> **S**<sup>2</sup> **om.**] οἱ ἐχθροὶ μου —
- 12. μελετήσω ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου (1)
- 77 (78). 32. ἐν πᾶσι τοῖς τοῖς ἡμέραις σου —
- 38. οὐχὶ ἐκκαίσει πᾶσαν τὴν ὀργὴν αὐτοῦ (1)
- 51. ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον ἐν γῇ Αἰγ. (1)
- **S**<sup>1</sup> ἀπαρχὴν π. πόνου αὐ. [**B**<sup>1</sup> **S**<sup>1</sup> **al.**] —
- 79 (80). 12. τρυφῶν αὐτὴν πάντες οἱ παραπορεύοντες τὴν ὁδόν (1)
- 81 (82). 5. σαλευθήσονται πάντα τὰ θεμέλια τῆς γῆς (1)
- 6. καὶ υἱοὶ ὑψίστου πάντες (1)
- 8. σὺ κατακληρονομήσεις [**S** ἐξολοθρεύσεις] ἐν [**A** αὐτοῖς ἐν] πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (1)
- 82 (88). 11. θοῦ . . . π. τοὺς ἀρχοντας αὐ. (1)
- 18. σὺ μόνος ὑψίστος ἐπὶ πάντων τὴν γῆν (1)
- 83 (84). 4. μακάριοι π. οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου —
- 84 (85). 2. **A** **S** **R** ἐκάλυψας πᾶσας [**B** **om.**] τὰς ἀμαρτίας αὐτῶν (1)
- 3. κατέπαυσας πᾶσαν [**B**<sup>1</sup> **om.**] τὴν ὀργὴν σου (1)
- 85 (86). 5. καὶ πολυέμοι πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις σε (1)
- 9. πάντα τὰ ἔθνη ὅσα ἐποίησας (1)
- 86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς πύλας Σιών ὑπὲρ πάντα τὰ σκηνώματα Ἰακώβ —
- 7. ὡς εὐφρανόμενον πάντων ἡ κατοικία ἐν σοὶ (1)
- 87 (88). 7. πάντα τοὺς μετεωρισμούς σου ἐπήγαγεν ἐπ' ἐμέ (1)
- 88 (89). 7. μέγας καὶ φοβερός ἐπὶ πάντας τοὺς περικύκλω αὐτοῦ (1)
- 40. καθέλεις π. τοὺς φραγμούς αὐ. (1)
- 41. διήρπασαν αὐτὸν πάντες οἱ διδοῦντες [**A** παραπορεύοντες τὴν] ὁδόν (1)
- 42. εὐφραναι πάντας τοὺς ἐχθρούς αὐτοῦ (1)
- 47. μὴ γὰρ ματαίως ἔκτισας πᾶσας τοὺς υἱούς τῶν ἀνθρώπων (1)
- 89 (90). 9. πᾶσαι αἱ ἡμέραι ἡμῶν ἐξέλιπον —
- 14. ἐν πᾶσας τὰς ἡμέρας ἡμῶν (1)
- 90 (91). 11. **A** **B** τοῦ διαφυλάξαι σε ἐν πᾶσαις [**B** **S** **om.**] ταῖς ὁδοῖς σου (1)
- 91 (92). 7, 9: 98 (94). 4. π. οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν (1)
- 93 (94). 15. καὶ ἐχόμενοι αὐτῆς πάντες οἱ εἰσέλθῃ τῇ καρδίᾳ (1)
- 94 (95). 3. καὶ βασιλεὺς μέγας ἐπὶ πάντας τοὺς θεούς [**A** **S**<sup>1</sup> πᾶσαν τὴν γῆν] (1)
- 4. **S**<sup>1</sup> ἐν χειρὶ αὐ. π. τὰ πέρατα τῆς γῆς [**A** **S**<sup>2</sup> **al.**] —
- 95 (96). 1. ἔσται τῷ κυρίῳ πᾶσα ἡ γῇ (1)
- 3. ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (1)
- 4. φοβερός ἐστὶν ἐπὶ πάντας τοὺς θεούς (1)
- 5. πάντες οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν δαίμονια (1)
- 9. σαλευθήτω ἀπὸ προσώπου αὐ. π. ἡ γῇ (1)
- 12. τὰ πεδία καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς (1)
- 13. ἀγαλλιάσονται π. τὰ ξύλα τοῦ δρυμοῦ (1)
- 96 (97). 5. ἀπὸ προσώπου κυρίου [**S** **om.**] πάσης τῆς γῆς (1)
- 6. εἶδον π. οἱ λαοὶ τὴν δόξαν αὐ. (1)
- 7. αἰσχυρῆθησαν πάντες οἱ προσκυνῶντες [**S**<sup>1</sup> πεποιθότες ἐπὶ] τοῖς γλυπτοῖς (1)
- 7. προσκυνῆσατε αὐτῷ π. οἱ ἄγγελοι αὐ. (1)
- Ps. 96 (97). 9. σὺ εἰ κύριος ὁ ὑψίστος ἐπὶ π. τὴν γῆν (1)
- 9. σφόδρα ὑπερυψώθη ὑπὲρ [**B** ἐπὶ] πάντα τοὺς θεούς (1)
- 97 (98). 3. εἶδον πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1)
- 4. ἀλαλάξατε τῷ θεῷ πᾶσα ἡ γῇ (1)
- 7. **A** **S**<sup>2</sup> ἡ οἰκουμένη καὶ π. [**B** **S**<sup>1</sup> **om.**] οἱ κατοικοῦντες —
- 98 (99). 2. ὑψηλὸς ἐστὶν ἐπὶ πάντας τοὺς λαούς (1)
- 3. **B** ἐξομολογήσασθωσαν πάντες [**A** **S** **E** **om.**] τῷ ὀνόμ. σου —
- 8. καὶ ἐκδικῶν ἐπὶ π. τὰ ἐπιτηδύμια αὐ. (1)
- 99 (100). 1. ἀλαλάξατε τῷ κυρίῳ πᾶσα ἡ γῇ (1)
- 100 (101). 8. ἀπέκτενον π. τοὺς [**A**<sup>1</sup> **om.**] ἀμαρτωλοὺς τῆς γῆς τοῦ ἐξολοθρεύσαι . . . π. τοὺς ἐργάζοι. τὴν ἀνομίαν (1, 1)
- 101 (102). 15. καὶ π. οἱ βασιλεῖς τὴν δόξαν σου (1)
- 26. πάντες ὡς ἱμάτιον παλαιωθήσονται (1)
- 102 (108). 1. καὶ πάντα τὰ ἐντός μου τὸ ὄνομα τοῦ θείου αὐτοῦ (1)
- 2. μὴ ἐπιλανθάνου πᾶσας τὰς αἰνέσεις αὐ. (1)
- 3. τὸν εὐλατίζοντα π. ταῖς ἀνομίαις σου τὸν ἰώμενον π. τὰς νόσους σου (1, 1)
- 6. καὶ κρίμα πᾶσι τοῖς ἀδικουμένοις (1)
- 19. ἡ βασιλεία αὐ. πάντων δεσπόζει (1)
- 20. **S**<sup>1</sup> **E** εὐλογεῖτε τὸν κύριον πάντες [**A** **B** **S**<sup>2</sup> π. οἱ] ἄγγελοι αὐτοῦ —
- 21. εὐλογεῖτε τὸν κύριον π. αἱ δυναμίεις αὐ. (1)
- 22. εὐλογεῖτε τὸν κύριον π. τὰ ἔργα αὐ. ἐν π. τόπῳ τῆς δυναστείας αὐ. (1, 1)
- 103 (104). 11. ποιοῦσι π. τὰ θῆρια τοῦ ἀγροῦ (1)
- 20. ἐν αὐτῇ διελευσονται πάντα τὰ θῆρια τοῦ δρυμοῦ (1)
- 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας (1)
- 27. πάντα πρὸς σέ προσδοκῶσι (1)
- 28. **S**<sup>2</sup> τὰ π. [**A** **B**<sup>2</sup> **S**<sup>2</sup> σύμπαντα] πλησθήσονται χρηστότητι —
- 104 (105). 2. διηγῶσθε π. τὰ θαυμάσια αὐ. (1)
- 4. ἐγήσασθε τὸ πρὸς ὅπον αὐ. διὰ παντός (8 g)
- 7. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρίματα αὐτοῦ (1)
- 16. πᾶν στήριγμα ἄρτον συνέτριψεν (1)
- 21. καὶ ἀρχοντα πάσης τῆς κτίσεως αὐ. (1)
- 31. καὶ σκίπτει ἐν πᾶσι τοῖς ὀρείοις αὐτῶν (1)
- 33. συνέτριψε πᾶν [**S**<sup>1</sup> **om.**] ἔθλον ὀρίων αὐτῶν —
- 35. κατέφαγε π. τὸν χόρτον ἐν τῇ γῇ αὐ. (1)
- 35. **A** **S**<sup>2</sup> κατέφαγε πάντα [**B** **S**<sup>1</sup> **om.**] τὸν καρπὸν τῆς γῆς αὐ. —
- 36. ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον . . . ἀπαρχὴν παντός πόνου αὐτῶν (1, 1)
- 105 (106). 2. ἀκουστὰς ποιῆσαι πᾶσας τὰς αἰνέσεις αὐτοῦ (1)
- 3. καὶ ποιῶντες δικαιοσύνην ἐν παντὶ καιρῷ (1)
- 46. ἐναντίον πάντων τῶν [**S** **om.**] ἀλχηλωτισάντων αὐτούς (1)
- 48. εἰρεῖ πᾶς ὁ λαός, ἔννοιον γένοιτο (1)
- 106 (107). 18. πᾶν βρῶμα ἐβδελύξατο ἡ ψυχὴ αὐτῶν (1)
- 27. πᾶσα ἡ σοφία αὐτῶν κατεπόθη (1)
- 42. πᾶσα ἀνομία ἐμάρβριζε τὸ στόμα αὐτῆς (1)
- 107 (108). 5. καὶ ἐπὶ π. τὴν γῆν ἡ δόξα σου (1)
- 108 (109). 11. ἐξερευνήσῃ δανειστὴς πάντα (1)
- 11. **S**<sup>1</sup> διαρπασσάσθωσαν ἀλλότριον π. [**A** **S**<sup>2</sup> **R** **om.**] τοὺς πόρους αὐ. —
- 15. γεννηθήσονται ἐναντίον κυρίου διὰ παντός (8 g)
- 19. ἢν διὰ παντός περιζώνονται (8 g)
- 110 (111). 2. ἐξεκρήμυνα εἰς πάντα τὰ θελήματα αὐτοῦ (1)
- 7. πιστὰ πᾶσαι αἱ ἐντολαὶ αὐτοῦ (1)
- 10. σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιούσιν αὐτὴν (1)
- 112 (113). 4. ὑψηλὸς ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη ὁ κύριος (1)
113. 11 (115. 3). πάντα ὅσα ἠθέλησεν ἐποίησε —
- 16 (115. 8). καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτοῖς (1)
- 25 (115. 17). οὐδὲ πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς ἄδου (1)
115. 2 (116. 11). πᾶς ἄνθρωπος ψεύστης (1)
- 3 (116. 12). τί ἀνταποδώσω τῷ κυρίῳ περὶ πάντων [**S**<sup>1</sup> **om.**] (1)
- 5 (116. 14) (B), 9 (116. 18). ἐναντίον παντός τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (1)
- 116 (117). 1. **B**<sup>2</sup> **R** αἰνέτε τὸν κύριον, π. τὰ ἔθνη, ἐπαινέσατε αὐτὸν π. οἱ λαοὶ (1, 1)
- 117 (118). 4. **A** **B** ἐπάψωσαν δὴ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον —
- 10. πάντα τὰ ἔθνη ἐκύκλωσάν με (1)
- Ps. 118 (119). 6. ἐν τῷ με ἐπιβλέπειν ἐπὶ πᾶσας τὰς ἐντολάς σου (1)
- 13. ἐξῆγγεῖλα πάντα τὰ κρίματα τοῦ στόματός σου (1)
- 14. ἐτέρωθον ὡς ἐπὶ παντὶ πλοῦτῳ (1)
- 20. τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρίματά [**S**<sup>1</sup> εἰς τὰ δικαιώματά] σου ἐν παντὶ καιρῷ (1)
- 33. ἐκζητήσω αὐτὴν διὰ παντός (8 f)
- 44. φυλάξω τὸν νόμον σου διὰ παντός (8 g)
- 63. μέτοχος ἐγὼ εἰμι π. τῶν φοβουμ. σε (1)
- 64. **S**<sup>1</sup> τοῦ ἐλείου σου, κύριε, πλήρης πᾶσα [**A** **S**<sup>2</sup> **R** **om.**] ἡ γῇ —
- 86. πᾶσαι αἱ ἐντολαὶ σου ἀλήθεια (1)
- 96. πάσης συντελείας εἶδον πέρας (1)
- 99. ὑπὲρ πάντας τοὺς διδασκόντας με συνῆκα (1)
- 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πονηρὰς ἐκάλυσα τοὺς πόδας μου (1)
- 104. ἐμίσησα πᾶσαν ὁδὸν ἀδικίας (1)
- 109. ἡ ψυχὴ μου ἐν ταῖς χερσὶ σου διὰ παντός (8 g)
- 112. **S**<sup>1</sup> εἰς τὸν αἰῶνα διὰ παντός ἔμειψιν [**A** **S**<sup>2</sup> **R** **al.**] (8 f)
- 117. μελετήσω ἐν τοῖς δικαιώμασί σου διὰ παντός (8 g)
- 118. ἐξουδένωσας πάντας τοὺς ἀποστατούντας ἀπὸ τῶν δικαιωμάτων σου (1)
- 119. παραβαίνοντας ἐλογασάμην πάντας τοὺς ἀμαρτωλοὺς τῆς γῆς (1)
- 119. **S**<sup>1</sup> ἠγάπησα τὰ μαρτύριά σου διὰ παντός [**A** **S**<sup>2</sup> **R** **om.** δ. π.] —
- 128. πρὸς πᾶσας τὰς ἐντολάς σου καταρθούμην πᾶσαν ὁδὸν ἄδικον ἐμίσησα (1, 1)
- 133. **A**<sup>2</sup> **S** **R** μὴ κατακυριεύσάτω μου πᾶσα ἀνομία (1)
- 151. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ μου ἀλήθεια (1)
- 160. εἰς τὸν αἰῶνα πάντα τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου (1)
- 168. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ μου ἐναντίον σου, κύριε (1)
- 172. πᾶσαι αἱ ἐντολαὶ σου δικαιοσύνη (1)
- 120 (121). 7. κύριος φυλάξει σε ἀπὸ π. κακοῦ (1)
- 127 (128). 1. μακάριοι π. οἱ φοβούμε. τὸν κ. (1)
- 4. **S**<sup>2</sup> εὐλογηθήσεται πᾶς [**A** **S**<sup>1</sup> **R** **om.**] ἀνθρώπος —
- 5. πᾶσας τὰς ἡμέρας τὰς ζωῆς σου (1)
- 128 (129). 5. ἀποστραφῆνῶσαν εἰς τὰ ὀπίσω πάντες οἱ μισούντες Σιών (1)
- 129 (130). 8. αὐτὸς λυτρώσεται τὸν Ἰσρ. ἐκ πασῶν τῶν ἀνομιῶν αὐ. (1)
- 131 (132). 1. μνησθητὶ, κύριε, τοῦ Δαυὶδ καὶ πάσης τῆς πράξης αὐτοῦ (1)
- 133 (134). 1. εὐλογεῖτε τὸν κύριον, πάντες οἱ δούλοι κυρίου (1)
- 134 (135). 5. ὁ κύριος ἡμῶν παρὰ π. τοὺς θεοὺς (1)
- 6. πάντα ὅσα ἠθέλησεν ὁ κύριος (1)
- 6. **S**<sup>2</sup> **R** ἐν ταῖς θαλάσσαις καὶ ἐν πᾶσαις [**A** **S**<sup>1</sup> **om.**] ταῖς ἀβύσσους (1)
- 9. ἐν Φαραῶ καὶ ἐν πᾶσι τοῖς δούλοις αὐτοῦ (1)
- 11. καὶ πᾶσας τὰς βασιλείας Χαναάν (1)
- 18. **A** **S**<sup>1</sup> ὅμοιοι αὐτοῖς γέγονον πάντες [**S**<sup>2</sup> **R** **om.**] οἱ ποιῶντες αὐτὰ καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτοῖς (—, 1)
- 135 (136). 25. ὁ διδὼν τροφὴν πάσῃ σαρκὶ (1)
- 137 (138). 1. **R** ἤκουσας π. [**S** **om.**] τὰ ῥήματα τοῦ στόματός μου —
- 2. **S** **R** ἐμεγάλυνας ἐπὶ πᾶν [**A** πᾶσας] τὸ ὄνομα τοῦ θείου σου (1)
- 4. ἐξομολογήσασθωσάν σοι, κύριε, π. οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς ὅτι ἤκουσαν π. τὰ ῥήματα τοῦ στόματός σου (1, —)
- 138 (139). 2. **B** **S**<sup>1</sup> συνῆκας π. [**A** **S**<sup>2</sup> **R** **om.**] τοὺς διαλογισμούς μου —
- 3. πᾶσας τὰς ὁδοὺς μου προεῖδες (1)
- 4. σὺ ἔγνωσ πάντα τὰ ἔσχατα καὶ τὰ ἀρχαῖα (1)
- 16. ἐπὶ τὸ βιβλίον σου πάντες γραφῆσονται (1)
- 142 (143). 2. οὐ δικαιοδύσεται ἐνώπιόν σου πᾶς ὢν (1)
- 5. ἐμελέτησα ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου (1)
- 12. ἀπολείπει πάντας τοὺς θλιβόντας τὴν ψυχὴν μου (1)
- 144 (145). 9. οἱ αὐτῶν αὐ. ἐπὶ π. τὰ ἔργα αὐ. (1)
- 10. ἐξομολογήσασθωσάν σοι, κύριε, πάντα τὰ ἔργα σου (1)
- 13. ἡ βασιλ. σου βασιλεία π. τῶν αἰώνων (1)
- 13. ἐν πάσῃ γενεᾷ καὶ γενεᾷ (1)
- 13. **S**<sup>2</sup> πιστὸς κύριος ἐν πᾶσιν [**A** **B**<sup>2</sup> **S**<sup>1</sup> **om.**] τοῖς λόγοις αὐ. —



Ps. 144 (145). 13. και δσος εν πᾶσι τοῖς ἔργοις αὐτοῦ	—	Pr. 11. 25. ψυχὴ εὐλογουμένη πᾶσα ἀπλὴ	—	Ec. 2. 10. πᾶν ὃ ᾔσταν οἱ ὀφθαλμοί μου	(1)
— 14. ὑποστηρίξει κύριος πάντας τοὺς καταπίπτοντας	(1)	13. 4. ἐν ἐπιθυμίαις ἐστὶ πᾶς ἀεργός	—	— 10. οὐκ ἀπεκάλυψεν τὴν καρδίαν μου ἀπὸ π.	(1)
— 14. ἀνορθοί πάντας τοὺς κατερραγμένους	(1)	— 9. φῶς δικαίους διὰ παντός	—	— εὐφροσύνης μου	(1)
— 15. οἱ ὀφθαλμοὶ πάντων εἰς σέ ἐλπίζουσι	(1)	— 16. πᾶς πανούργος πᾶσσει μετὰ γνώσεως	(1)	— 10. καρδία μου εὐφράνθη ἐν π. μόχθῳ μου	(1)
— 16. ἐμπιπλᾷ πᾶν ζῶον εὐδοκίας	(1)	14. 7. πάντα ἐναντία ἀνδρὶ ἀφροῦ	†	— 10. τοῦτο ἐγένετο μερὶς μου ἀπὸ π. μόχθου μου	(1)
— 17. δικαῖος κύριος ἐν π. τοῖς ὁδοῖς αὐ. καὶ δσος ἐν π. τοῖς ἔργοις αὐ.	(1, 1)	— 15. ἀκακος πιστεύει παντὶ λόγῳ	(1)	— 11. ἐπέβλεψα ἐγὼ ἐν π. [AB <sup>2</sup> π. τοῖς] ποιήμασί μου	(1)
— 18. ἐγγὺς κύριος π. τοῖς ἐπικαλοῦν. αὐτὸν π. τοῖς ἐ. αὐ. ἐν ἀληθείᾳ	(1, 1)	— 23. ἐν παντὶ μεριμνῶντι ἔσωσι περισσόν	(1)	— 11. B τὰ π. πάντα [AB om.] ματαιότης	(1, -)
— 20. φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντας αὐτὸν καὶ πάντας τοὺς ἀμαρτανολοὺς ἐξολοθεύσει	(1, 1)	15. 3. ἐν παντὶ τύπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου	(1)	— 14. συνάντημα ἐν συναντήσεται τοῖς π. αὐτοῖς	(1)
— 21. εὐλογεῖται π. σὰρξ τὸ ὄνομα τὸ ἄγιον αὐ.	(1)	— 15. οἱ δὲ ἀγαθοὶ ἡσυχάζουσι διὰ παντός	(8 g)	— 16. τὰ π. ἐπέλησθη	(1)
145 (146). 4. ἀπολούνται π. οἱ διαλογισμοὶ αὐ.	(1)	— 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ	—	— 17. πάντα [AB τὰ π.] ματαιότης	(1)
— 6. τὴν θάλασσαν καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς	(1)	16. 4 (2). πάντα τὰ ἔργα τοῦ ταπεινοῦ φανερά	(1)	— 18. AB ἐμίσσησα ἐγὼ σὺν πάντα [B σύμπ.] μόχθον μου	(1)
146 (147). 4. καὶ πᾶσιν αὐτοῖς ὀνόματα καλῶν	(1)	— 5. ἀκάθαρτος παρὰ θεῷ πᾶς ὑψηλοκάρδιος	(1)	— 19. εἰ ἐξουσιάζεται ἐν π. μόχθῳ μου	(1)
— 11. καὶ ἐν π. [B <sup>2</sup> om.] τοῖς ἐλπίζουσιν ἐπὶ τῷ ἔλεος αὐ.	(-)	— 5 (4). πάντα τὰ ἔργα τοῦ κυρίου μετὰ δικαιοσύνης	(1)	— 20. τοῦ ἀποτάξασθαι τὴν καρδίαν [AB τῇ κ.] μου ἐν π. μόχθῳ μου [ἐπὶ π. τῷ μ.]	(1)
147. 9 (20). οὐκ ἐποίησεν οὕτως παντὶ ἔθνει	(1)	— 30. ὁρίζει δὲ τοῖς χεῖλεσιν αὐ. π. τὰ κακά	†	— 22. ὅτι γίνεται ἐν [AB om.] τῷ ἀνθρώπῳ ἐν π. μόχθῳ αὐ.	(1)
148. 2. αἰνεῖται αὐτὸν, π. οἱ [B om.] ἄγγελοι αὐ., αἰνεῖται αὐτὸν, π. αἱ δυνάμεις αὐ.	(1, 1)	— 33. εἰς κόλπου ἐρχεται πάντα τοῖς ἀδίκους παρὰ δὲ κυρίου πάντα [B <sup>2</sup> πᾶσιν] τὰ δίκαια	(-, 1)	— 23. π. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ἀληγμάτων	(1)
— 3. αἰνεῖται αὐτὸν, πάντα τὰ ἄσπρα	(1)	17. 11. ἀντιλογίας ἐγείρει πᾶς κακός	—	8. 1. τοῖς π. ὁ χρόνος καὶ καιρὸς τῷ [B <sup>1</sup> om.] π. πράγματι	(1, 1)
— 7. δράκοντες καὶ πᾶσαι ἄβυσσοι	(1)	— 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος ὑπαρχέτω σοι	(1)	— 10. εἶδον σὺν π. [AB om.] τὸν περισπασμόν [AB περασμόν]	(-)
— 9. τὰ ὄρη καὶ πάντες [AB <sup>2</sup> π. οἱ] βουνοὶ	(1)	18. 1. ἐν παντὶ δὲ καιρῷ ἐπονείδιστος ἔσται	(1)	— 13. πᾶς ὁ [AB om.] ἄνθρωπος δεσφάγεται	(1)
— 9. ἔξληλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι	(1)	19. 6. πᾶς δὲ ὁ κακὸς γίνεται δειδὸς [AB δίκως]	(1)	— 13. καὶ ἴδῃ ἀγαθὸν ἐν π. μόχθῳ αὐ.	(1)
— 10. τὰ θῆρια καὶ πάντα τὰ κτήνη	(1)	— 7. πᾶς δὲ ἀδελφὸν πτωχὸν μισεῖ [B <sup>1</sup> ποιεῖ]	(1)	— 14. πάντα ὅσα ἐποίησεν ὁ θεός	(1)
— 11. βασιλεῖς τῆς γῆς καὶ πάντες λαοὶ ἀρχοντες καὶ πάντες κριταὶ γῆς	(1, 1)	20. 1. A πᾶς δὲ ὁ συνημμένος [B <sup>2</sup> -μυνημνος αὐτῇ] οὐκ ἔσται σοφός	(1)	— 17. καιρὸς τῷ π. πράγματι καὶ ἐπὶ π. τῷ [AB om.] ποιήματι	(1, 1)
— 14. AB <sup>2</sup> B <sup>2</sup> B ὕμνος πᾶσι τοῖς δόξιοις αὐτοῦ	(1)	— 1. πᾶς δὲ ἀφρων τοιοῦτος συμπλέκεται	(1)	— 19. B <sup>2</sup> συνάντημα ἐν τοῖς πᾶσιν [AB <sup>2</sup> αὐτοῖς]	†
149. 6. ὁδὸς αὐτῆς ἐστὶ πᾶσι τοῖς δόξιοις αὐ.	(1)	— 3. πᾶς δὲ ἀφρων τοιοῦτος συμπλέκεται	(1)	— 19. πνεῦμα ἐν τοῖς [B <sup>1</sup> αὐτοῖς] πᾶσι	(1)
150. 6. πᾶσα πνοὴ αἰνεσάτω τὸν κύριον	(1)	— 8. οὐκ ἐκινεῖται ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ πᾶν ποτηρὸν	(1)	— 19. πάντα [A τὰ π.] ματαιότης	(1)
151. 3. B αὐτὸς πάντων [AB om.] εἰσκακοῖ	(1)	21. 2. πᾶς ἀνὴρ φαίνεται ἑαυτῷ δίκαιος	(1)	— 20. τὰ π. εἰς [AB <sup>2</sup> πορεύεται εἰς] τόπον ἕνα τὰ π. ἐγένετο ἀπὸ τοῦ χροῦς καὶ τὰ π. ἐπιστρέφει εἰς τὸν χροῦν	(1 ter)
Pr. 1. 7. συνέσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιούσιν αὐτὴν	—	22. 10. ὅταν γὰρ καθίσθῃ ἐν συνεδρίῳ πάντας ἀτιμάζει	—	4. 1. B εἶδον π. [AB σύμπ.] τὰς συκοφαντίας	(1)
— 14. κοῦνὸν δὲ βαλάντιον κτησώμεθα πάντες	(1)	— 11. δεκτοὶ δὲ αὐτῷ πάντες ἄμμοι	—	— 3. B οὐκ εἶδε σὺν πᾶν [AB <sup>2</sup> om.] τὸ ποίημα	—
— 19. αὐταὶ αἱ ὁδοὶ εἰσι πάντων τῶν συνεπλούντων τὰ ἄνωμα	(1)	23. 21. πᾶς γὰρ μέσσωσ καὶ ποροκόπος πτωχεύει καὶ ἐνδύσεται διερρηγμένα καὶ βρακὴδὴ πᾶς ὑπνώδης	—	— 4. B εἶδον ἐγὼ σὺν π. [AB σύμπ.] τὸν μόχθον	(1)
— 33. ἡσυχίαις ἀφόβως ἀπὸ παντός κακοῦ	(1)	— 28. πᾶς παράνομος ἀναλωθήσεται	—	— 4. AB καὶ σὺν π. [B σύμπ.] ἀνδρείαν	(1)
2. 9. κατορθώσεις πάντας ἄξοντας ἀγαθούς	(1)	24. 4. ἐμπιπλᾶσται ταμεία ἐκ παντός πλούτου τιμίον	(1)	— 8. οὐκ ἔστι περασμός τῷ π. μόχθῳ αὐτοῦ	(1)
— 19. πάντες οἱ πορευόμενοι ἐν αὐτῇ οὐκ ἀναστρέψουσιν	(1)	— 12. κύριος καρδίας πάντων γνώσκει καὶ ὁ πλάσας πνοὴν πᾶσιν αὐτοῖς οἶδε πάντα	— ter	— 16. οὐκ ἔστι περασμός τῷ π. λαῷ τοῖς π. οἱ ἐγένοντο ἔμπροσθεν αὐτῶν	(1, 1)
3. 6. πᾶσαι [A ἐν π.] ὁδοὶ σου γνώριζε αὐτὴν	(1)	— 25 (30. 2). ἀφρονίστατος γὰρ εἰμι πάντων ἀνθρώπων	—	5. 8. ἐπὶ παντὶ ἔστι βασιλεὺς τοῦ ἀγροῦ	(1)
— 7. ἐκκλίνει ἀπὸ παντός κακοῦ	—	— 27 (30. 4). AB τίς ἐκράτησε πάντων [B B om.] τῶν ἀκρῶν τῆς γῆς	(1)	— 16. π. [B <sup>1</sup> om.] αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ἐν σκότει	(1)
— 12. μασττοὶ δὲ πάντα υἱὸν δὲν παραδέχεται	—	— 28 (30. 5). πάντες γὰρ λόγοι θεοῦ πεπρωμένοι	(1)	— 17. τοῦ ἰδεῖν ἀγαθὴσύνην ἐν π. μόχθῳ αὐτοῦ	(1)
— 15. ἐντροπαστός ἐστι πᾶσι τοῖς ἐγγίζουσιν αὐτῇ πᾶν δὲ τιμίον οὐκ ἄξιον αὐτῆς ἐστὶ	(-, 1)	— 31 (30. 8). A σύνταξον δέ μοι πάντα [B B om.] τὰ δέοντα	—	— 18. π. ἄνθρωπος γὰρ ἔδωκεν αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον	(1)
— 17. AB <sup>2</sup> πάντες οἱ [B πᾶσαι αἱ] τρίβις αὐτῆς ἐν εἰρήνῃ	(1)	— 71 (31. 3). μετὰ βουλῆς πάντα ποιεῖ	—	6. 2. οὐκ ἔστιν ὑστερῶν . . . ἀπὸ π. ὡν ἐπιθυμήσει [A π. οὐ ἐπιθυμῶ]	(1)
— 18. ἔξυλον (ῶης ἐστὶ πᾶσι τοῖς ἀντεχομένοις αὐτῆς)	—	— 76 (31. 8). κρίνε πάντα ἡγίως	(1)	— 6. AB <sup>2</sup> μὴ οὐκ εἰς τόπον ἕνα πορεύεται τὰ π. [B om. τὰ π.]	(1)
— 23. ἵνα πορεύῃ πεποιθὸς ἐν εἰρήνῃ πᾶσας τὰς ὁδοὺς σου	—	26. 10. πολλὰ χιμαίεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων	(1)	— 7. π. μόχθος ἀνθρώπου εἰς στόμα αὐτοῦ	(1)
— 26. ὁ γὰρ κύριος ἐστὶ ἐπὶ πασῶν ὁδῶν σου	—	— 19. οὕτως πάντες οἱ ἐνεδρεύοντες τοὺς ἐαυτῶν φίλους	†	— 7. 3 (2). τοῦτο τέλος παντός ἀνθρώπου [B τοῦ δ.]	(1)
— 32. ἀκάθαρτος γὰρ ἔναντι κυρίου πᾶς παράνομος	(1)	— 24. χεῖλεσι πάντα ἐκινεῖ ἀποκλαίμενος ἔχθρός	—	— 16 (15). B τὰ πάντα [AB <sup>2</sup> σὺν πάντα, B <sup>1</sup> σὺν τὰ π., B σύμπ.] εἶδον [B <sup>2</sup> δὲ εἶδον] ἐν ἡμέραις ματαιότητός μου	(1)
4. 22. καὶ πάσῃ σαρκὶ ἴσους	(1)	28. 5. συνήρουν ἐν παντὶ	(1)	— 19 (18). φοβούμενος [A ὁ φοβούμενος] τὸν θεὸν ἐξελεῖσεται τὰ π.	(1)
— 23. πάσῃ φυλακῇ τήρει σὴν καρδίαν	(1)	— 14. μακάριος ἀνὴρ δε καταστήσει πάντα	(1)	— 22 (21). εἰς π. λόγους οὐδ [B om.] λαλήσουσιν ἀσεβεῖς [AB <sup>2</sup> om.]	(1)
5. 14. παρ' ὀλίγων ἐγενόμεν ἐν παντὶ κακῷ	(1)	29. 12. πάντες οἱ ὑπ' αὐτὸν παρόνομοι	(1)	— 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπέειρα ἐν σοφίᾳ	(1)
— 19. συνίστη σοι ἐν παντὶ καιρῷ	(1)	31. 12. ἐνεργεῖ γὰρ τῷ ἀνδρὶ ἀγαθῷ [A -ὸν καὶ οὐ κακόν] πάντα τὸν βίον	(1)	— 29 (28). γυναῖκα ἐν π. τοῖς οὐκ εὖρον	(1)
— 21. εἰς δὲ πᾶσας τὰς τροχιάς αὐ. σκοπεῖ [A al.]	(1)	— 21. πάντες γὰρ οἱ παρ' αὐτῆς ἐνδιδύσκοντες	(1)	8. 3. πᾶν ὃ ἐὰν βελήσῃ ποιήσει	(1)
6. 8. ποθεῖν δὲ ἐστὶ πᾶσι καὶ ἔνδοξος	—	— 29. σὺ δὲ ὑπέκτεινα ὑπερβας πᾶσας	(1)	— 6. π. πράγματι [B <sup>1</sup> -μα] ἐστὶ καιρὸς καὶ κρίσις	(1)
— 14. διεστραμμένη καρδία τεκταινεται κακὰ ἐν παντὶ καιρῷ	(1)	Ec. 1. 2. τὰ π. ματαιότης	(1)	— 9. A σὺν π. [B B σύμπαν] τοῦτο εἶδον	(1)
— 16. χαίρει πᾶσιν οἱ μισοὶ ὁ θεός	—	— 3. τίς περίσσεια τῷ ἀνθρ. ἐν π. μόχθῳ αὐ.	(1)	— 9. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου εἰς πᾶν τὸ [AB om.] ποίημα	(1)
— 21. ἀφῆται δὲ αὐτοῖς ἐπὶ σῇ ψυχῇ διὰ παντός	(8 g)	— 7. π. οἱ χεῖμαρροι πορεύονται εἰς τὴν θάλ.	(1)	— 17. AB εἶδον σὺν πάντα [B σύμπαντα] τὰ ποιήματα τοῦ θεοῦ	(1)
— 29. οὐδὲ πᾶς ὁ ἀπτόμενος αὐτῆς	(1)	— 8. π. οἱ λόγοι ἔγκοποι	(1)	— 17 (9. 1). AB σὺν π. [B σύμπ.] τοῦτο ἔδωκα εἰς καρδίαν μου καὶ καρδία μου σὺν π. [B σύμπ.] εἶδε τοῦτο	(1, 1)
— 31. π. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. δοῦν ῥύσεται ἑαυτὸν	(1)	— 9. οὐκ ἔστι π. πρόσφατον ὑπὸ τὸν ἥλιον	(1)	9. 1. τὰ π. πρὸ προσώπου [B <sup>1</sup> πρὸς πρόσωπον] αὐτῶν	(1)
7. 12. χρόνον ἐν ἐν πλατείαις παρὰ πᾶσαν γωνίαν ἐνεδρεύει	(1)	— 13. τοῦ ἐκζητῆσαι . . . περὶ [B <sup>1</sup> ὑπὲρ] πάντων τῶν γινομένων ὑπὸ τὸν οὐρανὸν [B <sup>2</sup> ἥλιον]	(1)	— 2. ματαιότης ἐν τοῖς π.	(1)
8. 8. μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ ῥήματα [A κρίματα] τοῦ στόματός μου	(1)	— 14. B <sup>2</sup> εἶδον σὺν πάντα [AB σύμπ.] τὰ ποιήματα [B <sup>1</sup> om. τὰ π.]	(1)	— 3. τοῦτο ποτηρὸν ἐν π. πεποιημένῳ	(1)
— 9. πάντα ἐνώπιον τοῦ συνίστου	(1)	— 14. τὰ π. ματαιότης	(1)	— 3. συνάντημα ἐν τοῖς π.	(1)
— 11. πᾶν δὲ τιμίον οὐκ ἄξιον αὐτῆς ἐστίν	(1)	— 16. ἐπὶ πᾶσιν οἱ [B οἱ] ἐγένοντο ἔμπροσθέν μου	(1)	— 4. τίς δε κοινῶνι πρὸς π. τοὺς ζῶντας	(1)
— 25. πρὸ δὲ πάντων βουνοῶν γεννᾷ με	—	2. 5. ἐφύτευσα ἐν αὐτοῖς ἔξυλον πᾶν καρποῦ	(1)	— 6. ἐν π. τῷ πεποιημένῳ ὑπὸ τὸν ἥλιον	(1)
— 30. εὐφραίνωμην ἐν προσώπῳ αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ	(1)	— 7. κτήσις . . . πολλὰ [B <sup>1</sup> om.] ἐγένετό μοι ὑπὲρ πάντας	(1)	— 8. ἐν π. καιρῷ ἔστωσαν ἱμάτιά σου λευκά	(1)
10. 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεκούντας καλῶνται φίλια	(1)	— 9. προσέθηκα παρὰ πάντας	(1)	— 9. π. ἡμέρας (ῶης ματαιότητός σου	(1)
11. 20. προσδοκῶ δὲ αὐτῷ πάντες ἄμμοι ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν	—			— 9. B π. ἡμέραι ἡμέραι ἁμαρτῶν σου [B π. ἡμέρας ματαιότητός σου]	(1)
— 23. ἐπιθυμία δικαίων πῦσα ἀγαθῇ	†				

- Ec. 9. 10. π. ὅσα ἂν ἐὼρῃ ἡ χεὶρ σου τοῦ ποιῆσαι (1)  
 — 11. Ἄς ἀπάντημα συναντήσεται τοῖς π. (1)  
     [B σύμπτ.] αὐτοῖς (1)  
 10. 3. ἃ λογιέται πάντα ἀφροσύνη ἐστὶν (1)  
 — 19. τοῦ ἀργυρίου ταπεινώσει [A B<sup>2</sup> om.] (1)  
     ἐπακουσεται τὰ π. [B<sup>2</sup> σύμπτ., A σὺν (1)  
     τὰ π.] (1)  
 11. 8. ἐν πᾶσιν αὐτοῖς εὐφρανθήσεται (1)  
 — 8. π. τὸ ἐρχόμενον ματαιώτης (1)  
 — 9. ἐπὶ π. τοῖσι δέξει σε ὁ θεὸς ἐν κρίσει (1)  
 12. 4. ταπεινώθησονται π. αἱ θυγατέρες τοῦ (1)  
     ἄσματος (1)  
 — 8. τὰ π. ματαιώτης (1)  
 — 13. τέλος λόγού το π. ἄκουε (1)  
 — 13. τοῦτο πᾶς ὁ ἄνθρωπος (1)  
 — 14. Ἄς σὺν πᾶν [B σύμπτ.] τὸ πῶμα ὁ (1)  
     θεὸς δέξει ἐν κρίσει ἐν π. παρωρα- (1, 1)  
     μένη (1)  
 Ca. 1. 3. ὁσμὴ μύρων σου ὑπὲρ π. τὰ ἀρώματα —  
 8. 6. τεθυμωμένη . . . ἀπὸ πάντων κοινοῦτων (1)  
     μυρεῖν [B<sup>2</sup> -κοῦ] (1)  
 — 8. πάντες κατέχοντες ῥομφαίας (1)  
 4. 2. ἀγέλαι . . . αἱ π. διδυμεύουσιν (1)  
 — 4. πᾶσαι βολίδες [B αἱ β.] τῶν δυνατῶν (1)  
 — 10. ὁσμὴ ἱματίων [B μύρων] σου ὑπὲρ πάντα (1)  
     ἀρώματα [A B τὰ ἀ.] (1)  
 — 14. κάλλος καὶ κινῆμαμον μετὰ πάντων (1)  
     ἐλάνων τοῦ Λιβ. (1)  
 — 14. σμύρνα ἀλῶν μετὰ πάντων πρώτων μύρων (1)  
 6. 5 (6). ἀγέλαι . . . αἱ π. διδυμεύουσιν (1)  
 7. 13 (14). ἐπὶ θύραις ἡμῶν πάντα ἀκρόδρνα (1)  
 8. 7. εἰς ἂν ἤνῃ τὸν πάντα βίον αὐτοῦ ἐν τῇ (1)  
     ἀγάπῃ (1)  
 Wi. 1. 7. τὸ συνέχον τὰ πάντα γῶσιν ἔχει φωνῆς —  
 — 10. οὓς ἡλώσῃς ἀκροῦται τὰ πάντα (1)  
 — 14. ἔκτισε γὰρ εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα (1)  
 5. 9. παρήλθεν ἐκεῖνα πάντα ὥς σκιά (1)  
 — 23. ἐρμῶσαι πᾶσαν [B<sup>2</sup> πᾶσα] τὴν γῆν ἀνομία (1)  
 6. 7. οὐ γὰρ ὑποστελεῖται πρόσωπον ὁ πάντων (1)  
     θεοπότης (1)  
 — 7. ὁμοίως τε προνοεῖ περὶ πάντων (1)  
 — 16. ἐν πάσῃ ἐπινοίᾳ ὑπάρτῃ [A B ἀπ.] αὐτοῖς (1)  
 7. 3. πρώτην φωνὴν τὴν ὅμοιον πᾶσιν ἴσα [B (1)  
     ἀπασί] κλάων (1)  
 — 6. μία δὲ πάντων εἰσοδος εἰς τὸν βίον (1)  
 — 10. ὁ π. χρυσὸς ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος ὀλίγη (1)  
 — 11. ἦλθε δέ μοι τὰ ἀγαθὰ ὅμοι πάντα (1)  
 — 12. εὐφράνθη δὲ ἐπὶ πάντων [A B πᾶσιν] (1)  
 — 16. πᾶσι τε φρόνησις καὶ ἐργασιῶν ἐπιστήμη (1)  
 — 22. ἡ γὰρ πάντων τεχνίτις ἐδίδάξε με σοφία (1)  
 — 23. διὰ πάντων χωρὸν πνευμάτων νοερῶν (1)  
 — 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία (1)  
 — 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν καθαρότητα (1)  
 — 27. μία δὲ οὐσα πάντα δύναται (1)  
 — 27. μένουσα ἐν αὐτῇ τὰ [A αὐτῇ] π. καινίζει (1)  
 — 29. ἐστὶ γὰρ αὕτη . . . ὑπὲρ πᾶσαν ἀστρων (1)  
     βίον (1)  
 8. 1. διοικεῖ τὰ π. χρηστῶς (1)  
 — 3. ὁ πάντων θεοπότης ἡγάπησεν αὐτήν (1)  
 — 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [B τιμωτ.] τῆς τὰ (1)  
     π. ἐργαζομένης [B<sup>2</sup> περιεργ.] (1)  
 9. 1. ὁ ποιήσας τὰ π. ἐν λόγῳ σου (1)  
 — 11. οἶδε γὰρ ἐκείνη πάντα (1)  
 10. 2. Ἄς ἔδωκε τε αὐτῷ ἰσχύϊν κρατῆσαι πάντων (1)  
     [B<sup>2</sup> ἀπὸ π., B ἀπάντων] (1)  
 — 12. παντὸς [B<sup>2</sup> -ων, B<sup>2</sup> πάντως] δυνατωτέρα ἐστὶν (1)  
     εὐσεβεία (1)  
 11. 20. πάντα μέτρη . . . διέταξας (1)  
 — 23. ἐλέεις δὲ πάντας ἐπὶ πάντα δύνασαι (1)  
 — 24. ἀγαπᾷ γὰρ τὰ θνητά πάντα (1)  
 — 26. Ἄς φείδῃ δὲ πάντων ὅτι σά ἐστιν πάντα (1)  
     [B B om.] (1)  
 12. 1. τὸ γὰρ ἀφθαρτόν σου πνεῦμα ἐστὶν ἐν πᾶσι (1)  
     [B ἀπ.] (1)  
 — 7. ἡ [B<sup>2</sup> om.] γὰρ σοὶ πασῶν [B<sup>2</sup> πάντων] (1)  
     τιμωτάτῃ περ (1)  
 — 13. ὃ μέλει περὶ πάντων (1)  
 — 15. δικαίος δὲ ὁν δικάσει τὰ π. διέπει (1)  
 — 16. τὸ πάντων σε δεσπόσει πάντων φείδου [A B<sup>2</sup> φ. σε] ποιεῖ (1)  
 — 21. B<sup>2</sup> μετὰ πάσης [A B B<sup>2</sup> πόσης] ἀκριβείας (1)  
     ἐκρίνας τοὺς υἱοὺς σου (1)  
 13. 1. μάταιοι μὲν γὰρ πάντες ἄνθρωποι φύσει (1)  
 — 11. περιέβυσεν εὐμαθὲς πάντα τὸν φλοῖον αὐτοῦ (1)  
 — 14. πᾶσαν κηλίδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας (1)  
 14. 4. δύναται ἐκ παντός [A -ων] σώζειν (1)

- Wi. 14. 25. B πάντας [A B S πάντα] δ' ἐπιμίξῃ ἔχει (1)  
     αἷμα [B αἱ.] (1)  
 — 27. ἡ γὰρ . . . θρησκεία παντὸς ἀρχὴ κακοῦ (1)  
 15. 1. διοικῶν τὰ πάντα (1)  
 — 7. τὰ τε ἐναντία πάνθ' ὁμοίως (1)  
 — 13. οὗτος γὰρ παρὰ πάντας οἶδεν ὅτι ἀμαρτάνει (1)  
 — 14. πάντες [A πάντως] δὲ ἀφρονέσονται [B (1)  
     -έστεροι] (1)  
 — 15. πάντα τὰ εἰδῶτα . . . ἐλογίσαντο θεοῖς (1)  
 16. 7. διὰ σὲ τὸν πάντων σωτῆρα (1)  
 — 8. σὺ εἶ ὁ ῥυθμιζόμενος ἐκ παντὸς κακοῦ (1)  
 — 12. ὁ σὺς, κύριε, λόγος ὁ πάντα [A -ας] ἰώμενος (1)  
     [B<sup>2</sup> δυνάμενος] (1)  
 — 17. ἐν τῇ πάντα [B τὰ π.] σβεννύντι ὕδατι (1)  
 — 20. ἄρτον . . . πᾶσαν ἡδονὴν ἰσχύοντα καὶ πρὸς (1)  
     πᾶσαν ἀρμόνιον γέσιν (1)  
 — 25. εἰς πάντα [B om. εἰς π.] μεταλλευομένη τῇ (1)  
     . . . σου δωρεῇ ὑπηρετεῖ (1)  
 17. 17. μὴ γὰρ ἄλλοις σκότους πάντες ἐδίδεξαν (1)  
 18. 12. ὁδοθυμαδὸν δὲ πάντες . . . νεκροὺς εἶχον (1)  
     ἀναριθμήτους (1)  
 — 13. πάντα γὰρ ἀπιστοῦντες διὰ τὰς φαρμακίας (1)  
 — 14. B<sup>2</sup> ἡσυχου γὰρ σιγῇς περμεχούσης τὰ π. καὶ (1)  
     νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάξει μεταζούσης τὰ π. (1)  
     [A B<sup>2</sup> S B om. τὰ π.] (1)  
 — 16. ἐπλήρωσε τὰ π. θανάτου (1)  
 19. 8. Ἄς B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> πᾶν ἔθνος [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> B πανθεν] διήλθον (1)  
     οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χειρὶ (1)  
 — 18. B<sup>2</sup> πάντα [A B S<sup>2</sup> πάντως] μένοντα ἤχη (1)  
 — 22. κατὰ πάντα γὰρ, κύριε, ἐμεγαλύνεις τὸν λαόν (1)  
     σου (1)  
 — 22. οὐχ ὑπερείδεις ἐν παντὶ καιρῷ . . . παριστά- (1)  
     μενος (1)  
 Si. 1. 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου (1)  
 — 4. προτέρα πάντων ἐκτίσται σοφία (1)  
 — 9. ἐξέχεεν αὐτὴν ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ (1)  
 — 10. μετὰ πάσης σαρκὸς κατὰ τὴν δόσιν αὐτοῦ (1)  
 — 17. πάντα τὸν οἶκον αὐτῆς ἐμπλήσει ἐπιθυμημάτων (1)  
 2. 4. πᾶν ὁ ἐὰν ἐπαχθῇ σοὶ δέξαι (1)  
 3. 12. ἐν π. ἰσχύϊ σου [A B S<sup>2</sup> αἱ.] (1)  
 — 13. μὴ ἀτιμάσῃς αὐτὸν ἐν πάσῃ ἰσχύϊ σου (1)  
 5. 9. μὴ λιγνῶς ἐν παντὶ ἀνέμῳ καὶ μὴ πορεύου ἐν (1)  
     πάσῃ ἀρροπῇ (1)  
 6. 26. ἐν πάσῃ ψυχῇ σου πρόσελθε αὐτῇ (1)  
 — 35. πᾶσαν διήγησιν θείαν θέλε ἀκούειν (1)  
 — 37. ἐν τοῖς ἐντολαῖς αὐ. μέλετα διὰ παντός (1)  
 7. 13. μὴ θέλῃ ψευδισθαι πᾶν ψεύδος (1)  
 — 33. χάρις δόματος ἐναντι παντὸς ζώοντος (1)  
 — 36. ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις σου μμνήσκου τὰ ἐσχάτα (1)  
     σου (1)  
 8. 5. πάντες ἐοῖν ἐν ἐπιτιμίοις (1)  
 — 7. μνησθήτι ὅτι πάντες τελευτῶμεν (1)  
 — 19. παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἐκφανῇ σὴν καρδίαν (1)  
 9. 15. πᾶσα διήγησις [A B<sup>2</sup> ὅ δ.] σου ἐν νόμῳ ὑψίστου (1)  
 — 20. κατὰ τὸν ἡγούμενον τῆς πόλεως πάντες οἱ (1)  
     κατοικοῦντες αὐτήν (1)  
 — 6. ἐπὶ π. ἀδικήματι μὴ μνησθῇς τῷ πλησίον (1)  
 — 27. κρίσεων ἐργαζόμενος ἐν [A B καὶ περισσεύων (1)  
     ἐν] πᾶσιν (1)  
 11. 29. μὴ πάντα ἄνθρωπον εἰσαγε εἰς τὸν οἶκόν σου (1)  
 12. 5. διπλάσια γὰρ κακὰ εὐρήσεις ἐν π. αγαθοῖς (1)  
 — 13. τίς ἐλεήσει . . . πάλτας τοὺς προσάγοντας (1)  
     θρησίους (1)  
 13. 15. πᾶν ζῶον ἀγαπᾷ τὸ ὅμοιον αὐτῷ καὶ πᾶς (1)  
     ἄνθρωπος τὸν πλησίον αὐτοῦ (1)  
 — 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται (1)  
 — 23. πλουσιότες ἐλάττω καὶ πάντες ἐσίγησαν (1)  
 14. 17. πᾶσα σὰρξ ὥς ἱμάτιον παλινοῦται (1)  
 — 19. πᾶν ἔργον σηπόμενον ἐκλείπει (1)  
 15. 13. πᾶν βδελύγμα ἐμίσσησε κύριος (1)  
 — 18. ἰσχυρὸς ἐν δυναστείᾳ καὶ ἐλέπων τὰ π. (1)  
 — 19. αὐτὸς ἐπιγνώσεται πᾶν ἔργον ἀνθρώπου (1)  
 16. 9. B<sup>2</sup> ταῦτα πάντα ἐποίησεν ζῆναι σκληρο- (1)  
     καρδίους (1)  
 — 14. πάσῃ ἐλεημοσύνῃ ποιήσει τόπον (1)  
 — 21. B<sup>2</sup> καταγίγῃ ἢ οὐκ ὀφείλει πᾶς [A B S<sup>2</sup> om.] (1)  
     ἄνθρωπος (1)  
 — 30. ψυχὴν [B -ῇ] παντὸς ζῶου ἐκάλυψε τὸ πρό- (1)  
     σωπον αὐτῆς (1)  
 17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκός (1)  
 — 14. προσέχετε ἀπὸ παντὸς ἀδίκου (1)  
 — 15. αἱ ὁδοὶ αὐ. ἐναντίον αὐτοῦ διὰ παντός (1)  
 — 19. Ἄς B<sup>2</sup> πάντα [B ἀπαντα] τὰ ἔργα αὐ. ὥς ὁ (1)  
     ἥλιος ἐναντίον αὐτοῦ (1)  
 — 20. πᾶσαι αἱ ἀμαρτίαι αὐτῶν ἔναντι κυρίου (1)  
 — 30. οὐ γὰρ δύναται πάντα εἶναι ἐν ἀνθρώποις (1)

- Si. 17. 32. οἱ ἄνθρωποι πάντες γῆ καὶ σποδός (1)  
 18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔκτισε τὰ π. κοινῇ (1)  
 — 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1)  
 — 15. ἐν πάσῃ δώσει λύπην λόγον (1)  
 — 26. πάντα ἐστὶ ταχινὰ ἐναντὶ κυρίου (1)  
 — 27. ἄνθρωπος οὐ σοφὸς ἐν παντὶ εὐλαβηθήσεται (1)  
 — 28. πᾶς συνετὸς ἔγγω σοφίαν (1)  
 19. 15. μὴ παντὶ λόγῳ πιστεύε (1)  
 — 20. πᾶσα σοφία φάβος κυρίου καὶ ἐν πάσῃ σοφίᾳ (1)  
     ποιήσεις νόμον (1)  
 21. 3. ὡς βρομφαία διότομος πᾶσα ἀνομία (1)  
 — 14. πᾶσαν γνώσιν οὐ κρατήσει (1)  
 22. 1. πᾶς ἐκαυρεῖ ἐπὶ τῇ ἀτιμίᾳ αὐτοῦ (1)  
 — 2. πᾶς ὁ ἀναιρούμενος αὐτὸν ἐκτινάξει χεῖρα (1)  
 — 6. μάλιστα γὰρ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας (1)  
     [B<sup>2</sup> -ία] (1)  
 — 12. πᾶσαι αἱ ἡμέραι τῆς ζωῆς αὐ. (1)  
 — 18. οὕτως καρδία δειλὴ . . . κατέναντι παντὸς (1)  
     φρόβου οὐ μὴ ὑπομείνῃ (1)  
 — 22. ἐν τοῖσι ἀποφείζεται πᾶς φίλος [A ὁ φ.] (1)  
 — 26. πᾶς ὁ [A om.] ἀκούων φυλάσσει ἀπ' αὐτοῦ (1)  
 23. 10. ὁ ὁμῶν καὶ ὀνομάζων διὰ παντός (1)  
 — 12. ἀπὸ γὰρ εὐσεβῶν ταῦτα πάντα ἀποστήσεται (1)  
 — 15. ἐν πᾶσι ταῖς ἡμέραις αὐτοῦ οὐ μὴ παιδευθῇ (1)  
 — 17. ἀνθρώπων πόρνον πᾶς ἄρτος ἡδύς (1)  
 — 19. ἐπιβλέποντες πᾶσαν [B<sup>2</sup> ἐπὶ π.] ὁδοὺς ἀν- (1)  
     θρώπων (1)  
 — 20. πρὶν ἢ κτισθῆναι τὰ π. ἔγνωσται αὐτῷ (1)  
 24. 6. ἐν πάσῃ τῇ γῇ καὶ ἐν παντὶ λαῷ καὶ ἔθνῃ (1)  
     ἐκτεσμήν [B<sup>2</sup> ἡγησάμην] (1)  
 — 7. μετὰ τούτων πάντων ἀνάστασιν ἐξήγησα (1)  
 — 19. B<sup>2</sup> προείλατε πρὸς με πάντες [A B om.] οἱ (1)  
     ἐπιθυμοῦντές μου (1)  
 — 23. ταῦτα πάντα βίβλος διαθήκης θεοῦ ὑψίστου (1)  
 — 24. ἀλλὰ πᾶσι [B<sup>2</sup> ἀπ.] τοῖς ἐκζητοῦσιν αὐτήν (1)  
 25. 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν (1)  
 — 13. πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας καὶ (1)  
     πᾶσαν πονηρίαν καὶ μὴ πονηρίαν γυναικός (1)  
 — 14. π. ἐπαγωγὴν καὶ μὴ ἐπαγωγὴν μουσούντων καὶ (1)  
     π. ἐκδικῶν καὶ μὴ ἐκδικῶν ἐχθρῶν (1)  
 — 19. μικρὰ πᾶσα κακία πρὸς κακίαν γυναικός (1)  
 — 24. δι' αὐτὴν ἀποδύνησκειν πάντες (1)  
 26. 4. ἐν παντὶ καιρῷ πρόσωπον λαρόν (1)  
 — 5. καταψευσμένον ὑπὲρ θανάτου πάντα μοχθηρά (1)  
 — 6. μάλιστα γλώσσῃς πᾶσιν ἐπικοινωνοῦσι (1)  
 — 12. ἀπὸ παντὸς ὕδατος τοῦ συνεγῆς πνέματος (1)  
 — 12. κατέναντι παντὸς πασάλλου καθίσταται (1)  
 — 15. οὐκ ἐστὶ σταθμὸς πᾶς ἄξιος ἐγκρατοῦς ψυχῆς (1)  
 27. 11. διήγησις εὐσεβοῦς διὰ παντὸς σοφία (1)  
 29. 3. ἐν παντὶ καιρῷ εὐρήσεις τὴν χρείαν σου (1)  
 — 12. αὐτὴ ἐξέλκεται σε ἐκ πάσης κακώσεως (1)  
 30. 7. ἐπὶ πάσῃ βοῇ τοραχθήσεται σπλάγχνα αὐτοῦ (1)  
 — 15. ὑγίεια καὶ εὐεξία βελτίον παντὸς χρυσίου (1)  
 — 26 (33. 17). ἀλλὰ πᾶσι τοῖς ζητοῦσι παιδεῖαν (1)  
 — 29 (33. 20). μὴ ἀλλάξῃς σεαυτὸν πάσῃ [A B<sup>2</sup> ἐν (1)  
     π.] σαρκί (1)  
 — 31 (33. 22). ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου γίνου ὑπερ- (1)  
     ἄγων (1)  
 — 38 (33. 29). μὴ περισσεύσῃς ἐν [A B ἐπὶ] πάσῃ (1)  
     σαρκί (1)  
 32 (35). 5. πάντα γὰρ ταῦτα χάριν ἐντολῆς (1)  
 — 9. ἐν πάσῃ δώσει ἱλαρότητα τὸ πρόσωπόν σου (1)  
 33 (38). 1. ἐλείπον ἡμᾶς, δέσποτα [A om.] ὁ θεὸς (1)  
     πάντων (1)  
 — 2. ἐπίβαλε τὸν φόβον σου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (1)  
 — 11. σὺναγε πᾶσαν φυλὰν Ἰακώβ (1)  
 34 (31). 7. πᾶς ἄφρων ἀλώσεται ἐν αὐτῷ (1)  
 — 13. ἀπὸ παντὸς προσώπου δακρύει (1)  
 — 15. ἐπὶ παντὶ πράγματι δακνοῦ (1)  
 — 22. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις [A λόγοις] σου γίνου (1)  
     ἐντρεχῆς (1)  
 — 22. καὶ πᾶν ἀρρώστημα οὐ μὴ σοὶ ὀπαντήσῃ (1)  
 35 (32). 2. πᾶσαν τὴν χρείαν σου ποιήσας ἀνάπεσε (1)  
 — 23. ἐν παντὶ ἔργῳ πιστεύε τῇ ψυχῇ σου (1)  
 36 (33). 6. ὑποκάτω παντὸς ἐπικαθήμενον χρεμετίζει (1)  
 — 7. πᾶν φῶς ἡμέρας ἐναντιοῦ ἀφ' ἡλίου (1)  
 — 10. ἄνθρωποι πάντες ἀπὸ ἐδάφους (1)  
 — 13. ὡς πηλὸς κεραμῆς ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι αἱ (1)  
     δοδοὶ αὐτοῦ (1)  
 — 15. ἐμβλέψων εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ὑψίστου (1)  
 38. 22 (19). γνώσκονται πάντες οἱ ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 — 23 (20). πᾶν βρώμα φάγεται κοιλία (1)  
 — 26 (23). πάντα ἄρρενα ἐπιδίδεται γυνή (1)  
 — 27 (24). ὑπὲρ πᾶσαν ἐπιθυμίαν ἀνθρώπου ὑπεράγει (1)  
 37. 1. πᾶς φίλος ἐρεῖ (1)  
 — 7. πᾶς σύμβουλος ἐξαιρεῖ βουλήν (1)

Si. 37. 11. μετὰ ἀκηροῦ περὶ πάντων ἔργου  
 — 11. μὴ ἔπεικε ἐπὶ τοῖς περὶ πάσης [A. om.]  
 συμβουλίας  
 — 15. ἐπὶ πᾶσι τοῖς δέησι τῆς ψυχῆς  
 — 16. ἀρχὴ πάντων λόγος καὶ πρὸ πάσης  
 πράξεως βουλή  
 — 20. οὗτος πάσης τροφῆς [B<sup>1</sup> σοφίας] καθυ-  
 στερήσει  
 — 21. πάσης σοφίας ἐστερήθη  
 — 24. μακαριοῦσιν αὐτὸν πάντες οἱ ὁρῶντες  
 — 28. οὐ γὰρ πάντα πᾶσι συμφέρει καὶ οὐ πᾶσα  
 ψυχὴ ἐν παντὶ εὐδοκεῖ  
 — 29. μὴ ἀπληστεύου ἐν πάσῃ τρυφῇ  
 38. 7. Ἀ ἦρε πᾶν [B S τὸν] πόνον αὐτοῦ  
 — 10. ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας καθάρισον καρδίαν  
 — 20. οὕτως πᾶς τέκτων καὶ ἀρχιτέκτων  
 — 29. ὅς ἐν μέρει καίτοι διὰ παντός  
 — 29. ἐναρμόμιος πᾶσα ἡ ἐργασία αὐτοῦ  
 — 31. πάντες οὗτοι εἰς χεῖρας αὐτῶν ἐνεπίστευσαν  
 39. 1. σοφίαν πάντων ἀρχαίων [B<sup>1</sup> ἀρχόντων] ἐκζη-  
 τήσει  
 — 15. εὐλογήσατε κύριον ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις  
 — 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα καὶ  
 πᾶν πρῶταγμα ἐν καιρῷ αὐτοῦ ἔσται  
 — 17. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ αὐτοῦ ζητηθήσεται  
 — 18. ἐν προσταγμάτων αὐτοῦ πᾶσα ἡ [B<sup>1</sup> om.] εὐδοκία  
 — 19. ἔργα πάσης σαρκὸς ἐνώπιον αὐτοῦ  
 — 21. πάντα γὰρ εἰς χεῖρας αὐτῶν ἔκτισται  
 — 26. ἀρχὴ πάσης χρείας εἰς ζωὴν ἀνθρώπου  
 — 27. ταῦτα πάντα τοῖς εὐσεβέσις εἰς ἀγαθὰ  
 — 29. πάντα ταῦτα εἰς ἐκδικίαν ἔκτισται  
 — 33. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ἀγαθὰ καὶ πᾶσαν χρείαν  
 ἐν ὥρᾳ αὐτῇ χορηγήσει  
 — 34. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ εὐδοκίμῃσονται  
 — 35. καὶ νῦν ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμῶν ἵνα  
 40. 1. ἀσχυλία μεγάλη ἔκτισται παντὶ ἀνθρώπῳ  
 — 1. εἰς μητέρα πάντων  
 — 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτῆνους  
 — 10. ἐπὶ τοῖς ἀνόμοις ἐκτίσθη ταῦτα πάντα  
 — 11. πάντα ὅσα ἀπὸ γῆς εἰς γῆν ἀναστρέφει  
 — 12. πᾶν δῶρον καὶ ἀδικία ἐξαλειφθήσεται  
 — 16. ἄχει ἐπὶ παντός ὕδατος καὶ χεῖλους ποταμοῦ  
 ὑπὲρ παντός χόρτου ἐκτίθησεται  
 — 27. ὑπὲρ πᾶσαν δόξαν ἐκάλυψαν αὐτὸν  
 41. 1. ἀνδρὶ ἀπερισπάστῳ καὶ εὐδοκίμῳ ἐν πᾶσι  
 — 2. ἀνθρώπῳ . . . περιουσιμένῳ περὶ πάντων  
 — 3. τοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πάσης σαρκί  
 — 10. πάντα ὅσα ἐκ γῆς εἰς γῆν ἀπελευθεύονται  
 — 16. οὐ γὰρ ἔστι πᾶσαν αἰσχύνην διαφυλάξαι  
 [B<sup>1</sup> ἀποκαλύψαι] καλὸν καὶ οὐ πάντα  
 πάντων ἐν πίστει εὐδοκίμῃται  
 42. 1. εὐρίσκων χάριν ἔναντι παντὸς ἀνθρώπου  
 — 7. καὶ δόσις καὶ λήψις παντὶ [A B πάντα] ἐν γραφῇ  
 — 8. ἔσθ . . . δεδοκιμασμένους ἐναντι παντὸς ζῶντος  
 — 12. παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἔμβλεπε ἐν κἀλλει  
 — 16. πλὺς φωτίζων κατὰ πᾶν ἐπέβλεψε  
 — 17. ἐκδιγγίσσασθαι πάντα τὰ θανύματα αὐτοῦ  
 — 17. στερηχθῆναι ἐν δόξῃ αὐτοῦ τὸ π.  
 — 18. ἔγνω γὰρ ὁ κύριος [A B ὑψίστος] πᾶσαν  
 εἰδῆσιν [B σινεῖδ.]  
 — 20. οὐ παρήλθεν αὐτὸν πᾶν διανοήμα  
 — 22. ὡς πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐπιθυμῆται  
 — 23. πάντα ταῦτα ζῇ καὶ μένει εἰς τὸν αἰῶνα ἐν  
 πάσαις χρεαίαις καὶ πάντα ὑπακούει  
 — 24. πάντα δισσά ἐν κατέναντι τοῦ ἐνός  
 43. 6. ἡ σελήνη ἐν πᾶσιν εἰς καιρὸν αὐτῆς  
 — 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει  
 — 22. ἱασίς πάντων [B<sup>1</sup> πάγων] κατὰ σπουδὴν  
 ὁμίχλῃ  
 — 25. ποικιλία παντὸς ζώου  
 — 26. ἐν λόγῳ αὐτοῦ συγκαίεται πάντα [A B τὰ π.]  
 — 27. συντέλεια λόγων τὸ π. ἔστιν αὐτός  
 — 28. αὐτὸς γὰρ ὁ μέγας παρὰ πάντα τὰ ἔργα  
 αὐτοῦ  
 — 33. πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κύριος  
 44. 7. πάντες οὗτοι ἐν γενεαῖς ἐδαξάσθησαν  
 — 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A. om.] πᾶσα  
 σὰρξ  
 — 22. ἐν τῷ Ἰσραὴλ ἔστησεν . . . εὐλογίαν πάντων  
 ἀνθρώπων  
 — 27. εὐρίσκοντα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκὸς  
 45. 4. ἐξέλεξάτο αὐτὸν ἐκ πάσης σαρκὸς  
 — 13. καὶ τὰ ἔκγονα αὐ. διὰ παντός  
 — 16. ἐξέλεξάτο αὐτὸν ἀπὸ παντὸς ζῶντος  
 46. 10. ὅπως ἴδωσι πάντες οἱ υἱοὶ Ἰσραὴλ  
 — 18. ἐξέτρεψεν . . . πάντας ἀρχοντας φυλιστικίμ

Si. 46. 19. ὥς ὑποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ  
 εἰλήφρα  
 47. 8. ἐν παντὶ ἔργῳ αὐτοῦ ἔδωκεν ἐξομολογήσιν ἀγίῳ  
 ὑψίστῳ ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ  
 αὐτοῦ ὑμῖν  
 — 25. πᾶσαν πονηρίαν ἐξέκρησαν  
 48. 13. πᾶς λόγος οὐχ [B κυρίου] ὑπερῆρκεν αὐτόν  
 — 15. ἐν πᾶσι τοῖς οὐ μετενόησεν ὁ λαός  
 — 15. ἐσκορπίσθησαν ἐν πάσῃ τῇ γῇ  
 49. 1. ἐν παντὶ στόματι ὡς μέλι γλυκυνθήσεται  
 — 4. πάντες πλημμέλειαν ἐπλημμέλησαν  
 — 16. ὑπὲρ πᾶν ζῶον ἐν τῇ κτίσει Ἄδὰμ  
 50. 9. κεκοσμημένοι παντὶ λίθῳ πολυτελεῖ  
 — 13. πάντες οἱ [B om.] υἱοὶ Ἀαρὼν ἐν δόξῃ αὐ.  
 — 13. προσφορά κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν ἔναντι  
 πάσης ἐκκλησίας Ἰσραὴλ  
 — 17. πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέσπευσε  
 — 20. ἐπῆρε χεῖρας αὐ. ἐπὶ π. [A. om.] ἐκκλησίαν  
 — 22. εὐλογήσατε τῷ θεῷ πάντες τῷ μεγαλοποιούντι  
 [A B πάντων τῷ μεγάλῳ ποιούντι] πάντῃ  
 — 29. πρὸς πάντα ἰσχύσει  
 Ho. 2. 5 (7). καὶ πάντα ὅσα μοι κινήσει —  
 — 11 (13). ἀποστρέψω π. τὰς εὐφροσύνας αὐ.  
 . . . καὶ π. τὰς πανηγυρίας αὐ. (1, 1)  
 4. 3. σὺν π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτὴν (1)  
 7. 2. πᾶσας τὰς κακίας αὐτῶν ἐμνήσθη (1)  
 — 4. πάντες μαχομένους ὡς κλίβανος (1)  
 — 7. πάντες ἐθερμάνθησαν ὡς κλίβανος (1)  
 — 7. πάντες οἱ βασι. αὐ. ἔπεσαν (1)  
 — 10. οὐκ ἐξέκρησαν αὐτὸν ἐν πᾶσι τοῖς τοῖς  
 9. 1. ἡγάπησας δόματα ἐπὶ π. δῶνα σίτου (1)  
 — 4. πάντες οἱ ἰσθοντες αὐτὰ μαυθύνονται (1)  
 — 8. παγὶς σκολιὰ ἐπὶ π. τὰς ὁδοὺς αὐ. (1)  
 — 15. π. αἱ κακίαι αὐ. ἐν Γ. (1)  
 — 16 (15). π. οἱ ἀρχοντες αὐ. ἀπειθύνονται (1)  
 10. 14. π. τὰ περικτενεύμενα σου αἰχμαστῇ (1)  
 12. 6 (7). ἔγγιζε πρὸς τὸν θένον σου διὰ παντός (8 g)  
 — 8 (9). π. οἱ πόνοι αὐ. οὐχ εὐρέθησονται (1)  
 13. 4. ἔκτισαν π. τὴν στρατιάν τοῦ οὐρ. (1)  
 — 10. διασωσάτω σε ἐν π. ταῖς πόλεσι σου (1)  
 — 15. καταξηρανέει . . . π. τὰ σκεύη τὰ ἐπιθυ-  
 μῇ αὐ. (1)  
 Am. 2. 3. πάντας [A. add. τοὺς ἀρχοντας] αὐ-  
 τῆς ἀποκτενῶ (1)  
 3. 1. ἐν ἐλᾶλθῃ . . . κατὰ π. φυλῆς (1)  
 — 2. A. B. ὕμνος ἔγνων ἐκ π. τῶν [B om.] φυ-  
 λῶν τῆς γῆς (1)  
 — 2. ἐκδικίω ἐφ' ὑμᾶς π. τὰς ἁμαρτίας  
 ὑμῶν (1)  
 4. 6. ἐν π. ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (1)  
 — 6. ἐν π. τοῖς τόποις [A π. ταῖς πόλεσιν] ὑμῶν (1)  
 5. 8. ὁ ποιῶν πάντα +  
 — 16. ἐν π. ταῖς [A om.] π. ταῖς ἀπαιτείαις κοπετός (1)  
 — 16. ἐν π. ταῖς [A om.] ὁδοῖς ῥηθήσεται (1)  
 — 17. ἐν π. ὁδοῖς κοπετός (1)  
 6. 2. διάβητε πάντες καὶ ἴδετε +  
 — 2. τὰς κρατίας ἐκ πασῶν τῶν βασιλείων τ. —  
 — 8. βδελύσσομαι ἐγὼ π. τὴν ὑβρίν Ἰ. +  
 — 8. σὺν π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτὴν +  
 7. 10. ὑπενεγκύν π. [A. δπ.] τοὺς λόγους αὐ. (1)  
 8. 3. πολὺς ὁ πεπνυμένος ἐν π. τόφῳ (1)  
 — 6. ἀπὸ π. γενήματος ἐμπροσθενόμην +  
 — 7. εἰ ἐπιλησθήσεται . . . π. τὰ ἔργα ὑμῶν (1)  
 — 8. πενήσει πᾶς ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (1)  
 — 10. μεταστρέψω . . . π. τὰς ψῆδας ὑμῶν εἰς  
 θρῆνον (1)  
 — 10. ἀναβιβῶ ἐπὶ π. ὁσφύν σάκκου καὶ ἐπὶ  
 π. κεφαλὴν φάλακρον (1, 1)  
 9. 1. διάκονον εἰς κειφάλαια πάντων (1)  
 — 5. πενήθουσιν πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (1)  
 — 9. λιμνῆσω ἐν π. τοῖς ἔθνεσι τῶν οὐρανῶν Ἰσ. (1)  
 — 10. τελευτήσουσι π. ἁμαρτωλοὶ λαοῦ μου (1)  
 — 12. καὶ π. τὰ ἔθνη ἐφ' οὓς ἐπικέκληται (1)  
 — 12. B. ὁ ποιῶν πάντα [A B om.] ταῦτα —  
 — 13. καὶ π. οἱ βαυνοὶ σύμφυτοι ἔσονται +  
 Mi. 1. 2. ἡ γῆ καὶ πάντες οἱ ἐν αὐτῇ +  
 — 5. δι' ἀσέβειαν Ἰ. πάντα ταῦτα (1)  
 — 7. π. τὰ γλυπτὰ αὐ. κατακόψουσι (1)  
 — 7. π. τὰ μυστήρια αὐ. ἐμνήσθησιν (1)  
 — 7. π. τὰ ἰδωλὰ αὐ. ὁθισμοὶ εἰς ἀφανισμόν (1)  
 2. 11 (12). συναχθήσεται Ἰ. σὺν πᾶσιν (1)  
 3. 7. κατακαλῶσιν κατ' αὐτὸν πάντες αὐτοὶ (1)  
 — 9. καὶ π. τὰ ὄρβα διαστρέφοντες (1)  
 4. 5. π. οἱ λαοὶ πορεύονται (1)  
 — 13. τῷ κυρίῳ π. τῆς γῆς (1)

Mi. 5. 9 (8). καὶ π. οἱ ἐχθροὶ σου ἐξολεθρευθή-  
 σονται (1)  
 — 11 (10). ἐξαρῶ π. τὰ ὀχυρώματά σου (1)  
 — 12 (11). Α. ἐξαρῶ π. τὰ φάρμακά σου [B al.] —  
 6. 16. καὶ π. τὰ ἔργα οἴκου Ἀχ. (1)  
 7. 2. πάντες εἰς αἷματα δικάζονται (1)  
 — 6. ἐχθροὶ πάντες ἀνδρὸς [A al.] —  
 — 16. ἐκ π. τῆς ἰσχύος αὐ. (1)  
 — 19. ἀποριφῇσονται . . . π. τὰς ἁμαρτίας  
 ἡμῶν (1)  
 J. 1. 2. ἐνωτίσασθε π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)  
 — 5. θρηνησάτε π. οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην (1)  
 — 12. καὶ π. τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ (1)  
 — 14. συναγάγετε . . . π. κατοικοῦντας γῆν (1)  
 — 19. φλόξ ἀνήψε π. τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ (1)  
 2. 1. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)  
 — 6. πᾶν πρόσωπον ὡς πρόσκαιρα χύτρας (1)  
 — 27. Α. οὐ μὴ κατασχευθῇ οὐκεί πᾶς ὁ λαός  
 μου [B al.] —  
 — 28 (3. 1). ἐκχεῶ ἀπὸ τοῦ πνεύματός μου ἐπὶ  
 π. σάρκα (1)  
 — 32 (3. 5). πᾶς δὲ ἂν ἐπικαλέσθῃ τὸ ὄνομα  
 κυρίου (1)  
 3 (4). 2. συνάξω π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 4. καὶ π. Γαλιλαία ἀλλοφύλων (1)  
 — 9. ἀναβαίνετε π. ἄνδρες πολεμισταί (1)  
 — 11. εἰσπορεύεσθε π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 12. ἀναβανένωσαν π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 12. τοὺς διακρίνει π. τὰ ἔθνη κυκλόθεν (1)  
 — 18. π. αἱ ἀφῆσεις Ἰ. ῥήσονται ὕδατα (1)  
 Ob. 1. 7. π. οἱ ἄνδρες τῆς διαθήκης σου ἀντί-  
 στήσαν σοι (1)  
 — 15. ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἐπὶ π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 16. Α. B<sup>1</sup> B. πόντοι πάντα τὰ ἔθνη οὖον (1)  
 J. n. 2. 4. π. οἱ μετεωρισμοὶ σου . . . ἐπ' ἐμὲ  
 διήλθον (1)  
 3. 7. B<sup>1</sup> καὶ πάντων [A B S<sup>1</sup> παρὰ τῶν] μεγα-  
 στάνων αὐ. —  
 Na. 1. 4. καὶ π. τοὺς ποταμούς ἐξεξημῶν (1)  
 — 4. B<sup>1</sup> καὶ πάντα [A B S<sup>1</sup> om.] τὰ ἐξανθοῦντα  
 τοῦ Λ. ἐξέλιπε —  
 — 5. καὶ π. αἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (1)  
 2. 9 (10). βεβάρυνται ἐπὶ π. τὰ σκεύη τὰ ἐπι-  
 θυμητὰ αὐ. (1)  
 — 10 (11). ὠδίνες ἐπὶ π. ὁσφύν (1)  
 — 10 (11). τὸ πρόσσωπον πάντων ὡς πρόσκαιρα  
 χύτρας (1)  
 3. 7. π. ὁ ὁρῶν σε καταβήσεται (1)  
 — 10. ἐπ' ἀρχὰς π. τῶν ὁδῶν [B<sup>1</sup> ὁρέων] αὐ. (1)  
 — 10. ἐπὶ π. τὰ ἔθνη αὐ. βαλοῦσι κλήρον —  
 — 10. π. οἱ μεγιστάνες αὐ. δεθῶσιν αὐτὴν χειρο-  
 πέδαις (1)  
 — 12. π. τὰ ὀχυρώματά σου σκυαί (1)  
 — 19. π. οἱ ἀκούοντες τὴν ἀγγελίαν σου (1)  
 — 19. ἐπὶ τίνα οὐκ ἀπηλθὲν ἡ κακία σου διὰ  
 παντός (8 g) (1)  
 Hb. 1. 10. εἰς π. ὀχύρωμα ἐμπαίξεται (1)  
 — 17. διὰ παντός ἀποκτενέει ἔθνη οὐ φέισται (8 g)  
 2. 5. ἐπισυνάξει ἐπ' αὐτὸν π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 5. εἰσδέξεται πρὸς αὐτὸν π. τοὺς λαούς (1)  
 — 6. οὐκ ἔστι ταῦτα πάντα παροβλήν κατ' αὐτοῦ  
 λήψονται (1)  
 — 8. πάντες οἱ ὑπολειμμένοι λαοὶ (1)  
 — 8. δι' αἵματα . . . π. τῶν κατοικούντων  
 αὐτὴν (1)  
 — 17. δι' αἵματα . . . π. τῶν κατοικούντων αὐ-  
 τὴν [A -ὢν] (1)  
 — 19. πᾶν πνεῦμα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ (1)  
 — 20. εὐλαβείσθω . . . π. ἡ γῆ (1)  
 Ze. 1. 2. B<sup>1</sup> ἐκλιπείτω πάντα [A B S<sup>1</sup> om.] ἀπὸ  
 προσώπου τῆς γῆς (1)  
 — 4. καὶ ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας Ἱερ. (1)  
 — 8. καὶ ἐπὶ π. τοὺς ἐνδεδυμένους ἐνδύματα  
 ἀλλότρια (1)  
 — 9. Α. B. ἐκδικίω ἐπὶ πάντας [B om. ἐ. π.] (1)  
 — 11. ὁμοιωθῇ π. ὁ λαὸς Χ. (1)  
 — 11. ἐξολεθρευθήσονται π. οἱ ἐπηρμένοι ἀργυρίῳ  
 (1)  
 — 18. καταναλωθήσεται π. ἡ γῆ (1)  
 — 18. σπουδὴν ποιήσει ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας  
 2. 3. ζητήσατε τὸν κ. πάντες ταπεινοὶ γῆς (1)  
 — 11. ἐξολεθρεύσει π. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 11. π. αἱ νῆσοι τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 14. νεμίσονται . . . π. τὰ θηρία τῆς γῆς (1)  
 3. 1 (2. 15). πᾶς ὁ διαπορευόμενος [A. παραπ.]  
 δι' αὐτῆς (1)  
 — 7. πάντα ὅσα ἐξεδικῆσα ἐπ' αὐτὴν (1)

- Ec. 9. 10. π. ὅσα ἂν εὐρὴ ἡ χεὶρ σου τοῦ ποιῆσαι (1)  
 — 11. ΑΒ ἀπάντημα συναντήσεται τοῖς π. (1)  
 [B σύμπτ.] αὐτοῖς (1)  
 10. 3. ἂ ληγοίται πάντα ἀφροσύνη ἐστίν (1)  
 — 19. τοῦ ἀργυρίου ταπεινώσει [A B<sup>2</sup> om.] (1)  
 ἐπακουσεται τὰ π. [B<sup>2</sup> σύμπτ., A συν τὰ π.] (1)  
 11. 8. ἐν πᾶσιν αὐτοῖς εὐφρανθήσεται (1)  
 — 8. π. τὸ ἐρχόμενον ματαιώτης (1)  
 — 9. ἐπὶ π. τοῖς ἀξέει σε ὁ θεὸς ἐν κρίσει (1)  
 12. 4. ταπεινωθήσονται π. αἱ θυγατέρες τοῦ (1)  
 ἔσματος (1)  
 — 8. τὰ π. ματαιώτης (1)  
 — 13. τέλος λόγου τὸ π. ἀκουε (1)  
 — 13. τοῦτο πᾶς ὁ ἄνθρωπος (1)  
 — 14. ΑΒ συν πᾶν [B σύμπτ.] τὸ ποίημα ὁ (1, 1)  
 θεὸς ἀξέει ἐν κρίσει ἐν π. παρεωρα-  
 μένῳ  
 Ca. 1. 3. ὁσμὴ μύρων σου ὑπὲρ π. τὰ ἀρώματα  
 3. 6. τεθυμαμένη . . . ἀπὸ πάντων κοινοτῶν (1)  
 μυρεφνῶν [B<sup>2</sup> -κού] (1)  
 — 8. πάντες κατέχοντες ῥομφαίαν (1)  
 4. 2. ἀγέλαι . . . αἱ π. διδυμύουσαι (1)  
 — 4. πᾶσαι βοαῖδες [B αἱ β.] τῶν δυνατῶν (1)  
 — 10. ὁσμὴ ἱματίων [B μύρων] σου ὑπὲρ πάντα (1)  
 ἀρώματα [A B τὰ ἀ.] (1)  
 — 14. κάλαμος καὶ κινάβμιον μετὰ πάντων (1)  
 ξύλων τοῦ λιβύ. (1)  
 — 14. σμύρνα ἀλλὰ μετὰ πάντων πρώτων μύρων (1)  
 6. 5 (6). ἀγέλαι . . . αἱ π. διδυμύουσαι (1)  
 — 23. ἐρημώσιν πᾶσαν [B<sup>2</sup> πᾶσα] τὴν γῆν ἀνομία (1)  
 7. 13 (14). ἐπὶ θύρας ἡμῶν πάντα ἀκρόδρνα (1)  
 8. 7. ἐάν δῃ ἄνθρωπος τὸν πάντα βίον αὐτοῦ ἐν τῇ (1)  
 ἀγάπῃ (1)  
 Wi. 1. 7. τὸ συνεχὸν τὰ πάντα γνῶσιν ἔχει φωνῆς  
 — 10. οὗς ἱεροστέως ἀκρόαται τὰ πάντα  
 — 14. ἔκτισε γὰρ εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα  
 5. 9. παρήλθεν ἐκεῖνα πάντα ὡς σκιά  
 — 23. ἐρημώσιν πᾶσαν [B<sup>2</sup> πᾶσα] τὴν γῆν ἀνομία  
 6. 7. οὐ γὰρ ὑποστέλειται πρόσωπον ὁ πάντων (1)  
 δεσπότης  
 — 7. ὁμοίως τε προνοεῖ περὶ πάντων  
 — 16. ἐν πάσῃ ἐπινοεῖ ὑπαγᾶ [A B ἀπ.] αὐτοῖς  
 7. 3. πρῶτον φωνῆν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα [B  
 ἀπασί] κλαίων  
 — 6. μία δὲ πάντων εἰσόδος εἰς τὸν βίον  
 — 9. ὁ π. χρυσὸς ἐν δφει αὐτῆς ψάμμος ὀλίγη  
 — 11. ἦλθε δὲ μοι τὰ ἀγαθὰ ὁμοῦ πάντα  
 — 12. εὐφρανθήνθι δὲ ἐπὶ πάντων [A B πᾶσιν]  
 — 16. πᾶσά τε φρόνησις καὶ ἐργασίαν ἐπιστήμη  
 — 22. ἡ γὰρ πάντων χειρὶς εἰδοῖται με σοφία  
 — 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων νοεράν  
 — 24. πύσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία  
 — 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν καθαρότητα  
 — 27. μία δὲ οὖσα πάντα δυνατα  
 — 27. μένουσα ἐν αὐτῇ [A ἐαυτῇ] π. καινίζει  
 — 29. ἐστὶ γὰρ αὕτη . . . ὑπὲρ πᾶσαν ἀστρον  
 ὅσων  
 8. 1. διοικεῖ τὰ π. χρηστῶς  
 — 3. ὁ πάντων δεσπότης ἡγάπησεν αὐτήν  
 — 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [B τιμῶν.] τῆς τὰ  
 π. ἐργαζομένης [B<sup>2</sup> περιμεγ.]  
 9. 1. ὁ ποιῆσας τὰ π. ἐν λόγῳ σου  
 — 11. οἶδε γὰρ ἐκείνη πάντα  
 10. 2. ΑΒ<sup>2</sup> ἴδωκε τε αὐτῶν ἰσχυρὴν κρατῆσαι πάντων  
 [B<sup>2</sup> ἀπὸ π., B ἀπάντων]  
 — 12. παντὸς [B<sup>2</sup> -ων, B<sup>2</sup> πάντως] δυνατωτέρα ἐστὶν  
 εὐσέβεια  
 11. 20. πάντα μέτρον . . . διέταξας  
 — 23. ἐλεείς δὲ πάντα ὅτι πάντα δυνασαι  
 — 24. ἀγαπᾷ γὰρ τὰ ὄντα πάντα  
 — 26. Α φειδὴ δὲ πάντων ὅτι σά ἐστιν πάντα  
 [B B om.]  
 12. 1. τὸ γὰρ ἀφθαρτὸν σου πνεῦμά ἐστιν ἐν πᾶσι  
 [B ἀπ.]  
 — 7. ἡ [B om.] παρὰ σοὶ πασῶν [B<sup>2</sup> πάντων]  
 τιμωτὴ τῇ γῇ  
 — 13. ὃ μέλει περὶ πάντων  
 — 15. δικαίος δὲ ὢν δικαίως τὰ π. δέπεισε  
 — 16. τὸ πάντων σε δεσποῖς ἐν πάντων φειδεσθαι  
 [A B<sup>2</sup> φ. σε] ποιῶ  
 — 21. B<sup>2</sup> μετὰ πάσης [A B B<sup>2</sup> πόσης] ἀκριβείας  
 ἐκριναι τοὺς υἱοὺς σου  
 13. 1. μάταιοι μὲν γὰρ πάντες ἄνθρωποι φύσει  
 — 11. περιέβυσεν εὐμάρως πάντα τὸν φλοῖον αὐτοῦ  
 — 14. πᾶσαν κηλὶδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας  
 14. 4. δύνασαι ἐκ παντὸς [A -ων] σώζειν

- Wi. 14. 25. B πάντας [A B S πάντα] δ' ἐμίμει ἔχει  
 αἶμα [B al.]  
 — 27. ἡ γὰρ . . . ὁρθησκεία παντὸς ἀρχῇ κακοῦ  
 15. 1. διοικῶν τὰ πάντα  
 — 7. τὰ τε ἐναντία πάνθ' ὁμοίως  
 — 13. οὗτος γὰρ παρὰ πάντας οἶδεν ὅτι ἁμαρτάνει  
 — 14. πάντες [A πάντων] δὲ ἀφρονέσονται [B  
 -έστεροι]  
 — 15. πάντα τὰ εἰδωλα . . . ἐλογιάσαντο θεοὺς  
 16. 7. διὰ σὶ τὸν πάντων σωτήρα  
 — 8. σὺ εἰ ὁ ῥύσοντας ἐκ παντὸς κακοῦ  
 — 12. ὁ σὸς, κύριε, λόγος ὁ πάντα [A -ας] ἰώμενος  
 [B<sup>2</sup> δυναμένος]  
 — 17. ἐν τῷ πάντα [B τὰ π.] σβεννύντι ὕδατι  
 — 20. ἄρτον . . . πᾶσαν ἡδονὴν ἰσχυῶτα καὶ πρὸς  
 πᾶσαν ὁρμὴν γένειν  
 — 25. εἰς πάντα [B om. εἰς π.] μεταλλευομένη τῇ  
 . . . σου θαρσέῃ ὑπηρετεῖ  
 17. 17. μὴ γὰρ ἄλλους σκότους πάντες ἐδέθησαν  
 18. 12. ὁμοθυμαδὸν δὲ πάντες . . . νεκροὺς εἶχον  
 ἀναριθμήτους  
 — 13. πάντα γὰρ ἀπιστοῦντες διὰ τὰς φαρμακίας  
 — 14. B<sup>2</sup> ἴσχυον γὰρ σιγῇς περμεχοῦσης τὰ π. καὶ  
 νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάχει μεσάζουσας τὰ π.  
 [A B<sup>2</sup> S B om. τὰ π.]  
 — 16. ἐπλήρωσε τὰ π. θανάτου  
 19. 8. Α B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> πᾶν ἔθνος [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> B πανεθνὴ] διήλθον  
 οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χειρὶ  
 — 18. B<sup>2</sup> πάντα [A B S<sup>2</sup> πάντες] μένοντα ἤχη  
 (ἐκτισμένην [B<sup>2</sup> ἡγησάμενη])  
 — 22. κατὰ πάντα γὰρ, κύριε, μεγάλυνας τὸν λαόν  
 σου  
 — 22. οὐχ ὑπερείδες ἐν παντὶ καιρῷ . . . παριστά-  
 μένος  
 Si. 1. 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίῳ  
 — 4. προτέρα πάντων ἐκτισται σοφία  
 — 9. ἐξέχεεν αὐτὴν ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ  
 — 10. μετὰ πάσης σαρκὸς κατὰ τὴν δόσιν αὐτοῦ  
 — 17. πάντα τὸν οἶκον αὐτῆς ἐμπλήσας ἐπιθυμιμάτων  
 2. 4. πᾶν ὁ ἐάν ἐπαχθῇ σοὶ δέξαι  
 3. 12. ἐν π. ἰσχύϊ σου [A B S<sup>2</sup> al.]  
 — 13. μὴ ἀτιμάσῃς αὐτὸν ἐν πάσῃ ἰσχύϊ σου  
 5. 9. μὴ λίκμα ἐν παντὶ ἀνέμῳ καὶ μὴ πορεύου ἐν  
 πάσῃ ἀτραπῇ  
 6. 26. ἐν πάσῃ ψυχῇ σου πρόσθελε αὐτῇ  
 — 35. πᾶσαν διήγησιν θεῶν θέλει ἀκούειν  
 — 37. ἐν τοῖς ἐντολαῖς αὐ. μελέτα διὰ παντός  
 7. 13. μὴ θέλει ψεύδεσθαι πᾶν ψεύδος  
 — 33. χάρις δόματος ἐναντι παντὸς ζώοντος  
 — 36. ἐν πᾶσι τοῖς λόγοις σου μμμήσκου τὰ ἔσχατά  
 σου  
 8. 5. πάντες ἐσμέν ἐν ἐπιθυμίῳ  
 — 7. μνησθῆτι ὅτι πάντες τελευτῶμεν  
 — 19. παντὶ ἄνθρωπῳ μὴ ἐκφάνει σὴν καρδίαν  
 9. 15. πᾶσα διήγησις [A B<sup>2</sup> δ.] σου ἐν νόμῳ ὑψίστου  
 10. 2. κατὰ τὸν ἡγούμενον τῆς πόλεως πάντες οἱ  
 κατοικοῦντες αὐτήν  
 — 6. ἐπὶ π. ἀδικίᾳ μὴ μνησθῇς τῷ πλησίον  
 — 27. κρείσσων ἔργαζόμενος ἐν [A B καὶ περισσεύων  
 ἐν] πᾶσιν  
 11. 29. μὴ πάντα ἄνθρωπον εἰσαγε εἰς τὸν οἶκόν σου  
 12. 5. διπλάσια γὰρ κακὰ εὐρήσεις ἐν π. ἀγαθοῖς  
 — 13. τίς ἐλεήσει . . . πάντας τοὺς προσάγοντας  
 θηρίους  
 13. 15. πᾶν ζῶον ἀγαπᾷ τὸ ὅμοιον αὐτῷ καὶ πᾶς  
 ἄνθρωπος τὸν πλησίον αὐτοῦ  
 — 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται  
 — 23. πλούσιος ἐλάλησε καὶ πάντες ἐσίγησαν  
 14. 17. πᾶσα σὰρξ ὡς ἱμάτιον παλαιούται  
 — 19. πᾶν ἔργον σημάδιον ἐκλείπει  
 15. 13. πᾶν βδέλυγμα ἐμίσησε κύριος  
 — 18. ἰσχυρὸς ἐν δυναστείᾳ καὶ βλέπων τὰ π.  
 — 19. αὐτὸς ἐπικρύπτει πᾶν ἔργον ἀνθρώπου  
 16. 9. B<sup>2</sup> ταῦτα πάντα ἐποίησεν ἔθνεσιν σκληρο-  
 καρδίους  
 — 14. πάσῃ ἐλεημοσίᾳ ποιήσει τόπον  
 — 21. B<sup>2</sup> καταγίγινῃ οὐκ ὀφθαίται πᾶς [A B S<sup>2</sup> om.]  
 ἄνθρωπος  
 — 30. ψυχὴν [B -ῇ] παντὸς ζῶον ἐκάλυψε τὸ πρό-  
 σωπον αὐτῆς  
 17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκὸς  
 — 14. προσέχετε ἀπὸ παντὸς ἀδικου  
 — 15. αἱ ὁδοὶ αὐ. ἐναντίον αὐτοῦ διὰ παντός  
 — 19. Α B πάντα [B ἀπαντα] τὰ ἔργα αὐ. ὡς ὁ  
 ἥλιος ἐναντίον αὐτοῦ  
 — 20. πᾶσαι αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν ἔναντι κυρίου  
 — 30. οὐ γὰρ δύναται πάντα εἶναι ἐν ἀνθρώποις

- Si. 17. 32. οἱ ἄνθρωποι πάντες γῇ καὶ σποδὸς  
 18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔκτισε καὶ π. κοινῇ  
 — 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα  
 — 15. ἐν πάσῃ δόσει λιπὴν λόγων  
 — 26. πάντα ἐστὶ ταχυνά ἐναντι κυρίου  
 — 27. ἄνθρωπος σοφὸς ἐν παντὶ εὐλαβηθήσεται  
 — 28. πᾶς συνετὸς ἔργῳ σοφίαν  
 19. 15. μὴ παντὶ λόγῳ πιστεύε  
 — 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου καὶ ἐν πάσῃ σοφίᾳ  
 ποιήσεις νόμον  
 21. 3. ὡς ῥομφαία δίστομος πᾶσα ἀνομία  
 — 14. πᾶσαν γνῶσιν οὐ κρατῆσει  
 22. 1. πᾶς ἐκσυριεῖ ἐπὶ τῇ ἀτιμίᾳ αὐτοῦ  
 — 2. πᾶς ὁ ἀναιρούμενος αὐτὸν ἐκτιμάει χεῖρα  
 — 6. μάλιστα καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας  
 [B<sup>2</sup> -ία]  
 — 12. πᾶσαι αἱ ἡμέραι τῆς ζωῆς αὐ.  
 — 18. οὕτως καρδία δειλὴ . . . κατέναντι παντὸς  
 φόβου οὐ μὴ ὑπομείνῃ  
 — 22. ἐν τοῖς ἀποφειζέται πᾶς φίλος [A ὁ φ.]  
 — 26. πᾶς ὁ [A om.] ἀκούων φυλάσσεται ἀπ' αὐτοῦ  
 23. 10. ὁ ὁμῶν καὶ ὀνομάζων διὰ παντός  
 — 12. ἀπὸ γὰρ εὐσεβῶν ταῦτα πάντα ἀποστήσεται  
 — 15. ἐν πᾶσι τοῖς ἡμέραις αὐτοῦ οὐ μὴ παιδευθῇ  
 — 17. ἄνθρωπος πόρνη πᾶς ἄρτος ῥῆδ  
 — 19. ἐπιβλέποντες πᾶσας [B<sup>2</sup> ἐπὶ π.] ὁδοὺς ἀν-  
 θρώπων  
 — 20. πρὶν ἢ κτισθῆναι τὰ π. ἔγνωσται αὐτῷ  
 24. 6. ἐν πάσῃ τῇ γῇ καὶ ἐν παντὶ λαῷ καὶ ἔθνει  
 ἐκτισάμενη [B<sup>2</sup> ἡγησάμενη]  
 — 7. μετὰ τούτων πάντων ἀνάπαντι ἐζήτησα  
 — 19. B προσέλθατε πρὸς με πάντες [A B om.] οἱ  
 ἐπιθυμοῦντές μου  
 — 23. ταῦτα πάντα βίβλος διαθήκης θεοῦ ὑψίστου  
 — 34. ἀλλὰ πᾶσι [B<sup>2</sup> ἀπ.] τοῖς ἐκζητοῦσιν αὐτήν  
 25. 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν  
 — 13. πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας καὶ  
 πᾶσαν πορνίαν καὶ μὴ πορνίαν γυναικὸς  
 — 14. π. ἐπαγωγὴν καὶ μὴ ἐπαγωγὴν μισούτων καὶ  
 π. ἐκδικίαν καὶ μὴ ἐκδικίαν ἐχθρῶν  
 — 19. μικρὰ πᾶσα κακία πρὸς κακίαν γυναικὸς  
 — 24. δι' αὐτὴν ἀποδύνησκοντες πάντες  
 26. 4. ἐν παντὶ καιρῷ πρόσωπον ἱλαρόν  
 — 5. καταφυσμὸν ὑπὲρ θανάτου πάντα μοχθηρά  
 — 6. μάλιστα γλώσσης πᾶσιν ἐπικοινωνοῦσα  
 — 12. ἀπὸ πάντων ὑδάτων τοῦ συνέγγους πέται  
 — 12. κατέναντι παντὸς πασάλου καθήσεται  
 — 15. οὐκ ἐστὶ σταθμὸς πᾶς ἀξίος ἐγκρατοῦς ψυχῆς  
 27. 11. διήγησις εὐσεβοῦς διὰ παντός σοφία  
 29. 3. ἐν παντὶ καιρῷ εὐρήσεις τὴν χρείαν σου  
 — 12. αὐτὴ ἐξελεῖται σε ἐκ πάσης κακώσεως  
 30. 7. ἐπὶ πάσῃ βοῇ παραχθήσεται σπλάγχνα αὐτοῦ  
 — 15. ὑγίεια καὶ εὐεξία βέλτιον παντὸς χρυσοῦ  
 — 26 (33. 17). ἀλλὰ πᾶσι τοῖς ζητοῦσι παιδείαν  
 — 29 (33. 20). μὴ ἀλλὰξῃς σεαυτὸν πάσῃ [A B<sup>2</sup> ἐν  
 π.] σαρκί  
 — 31 (33. 22). ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου γίνου ὑπερ-  
 ἄγων  
 — 38 (33. 29). μὴ περισσεύσῃς ἐν [A B ἐπὶ] πάσῃ  
 σαρκί  
 32 (35). 5. πάντα γὰρ ταῦτα χάριν ἐντολῆς  
 — 9. ἐν πάσῃ δόσει διάρωσιν τὸ πρόσωπόν σου  
 33 (36). 1. ἐλήσων ἡμᾶς, δεσποτα [A om.] ὁ θεὸς  
 πάντων  
 — 2. ἐπὶβαλε τὸν φόβον σου ἐπὶ πάντα τὰ ζῶον  
 — 11. σύναγε πᾶσας φυλάς Ἰακώβ  
 34 (31). 7. πᾶς ἄφρων ἀλώσεται ἐν αὐτῷ  
 — 13. ἀπὸ παντὸς προσώπου δακρύει  
 — 15. ἐπὶ παντὶ πράγματι διακονοῖ  
 — 22. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις [A λόγοις] σου γίνου  
 ἐντρεχὴς  
 — 22. καὶ πᾶν ἀρρώστημα οὐ μὴ σοι ἀπαντήσῃ  
 35 (32). 2. πᾶσαν τὴν χρείαν σου ποιήσας ἀνάσσει  
 — 23. ἐν παντὶ ἔργῳ πιστεύε τῇ ψυχῇ σου  
 36 (33). 6. ὑποκάτω παντὸς ἐπικαθημένου χρεμετίζει  
 — 7. πᾶν φῶς ἡμέρας ἐνιαυτοῦ ἀφ' ἡλίου  
 — 10. ἄνθρωποι πάντες ἀπὸ ἐδάφους  
 — 13. ὡς πηλὸς κεραμῆς ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι αἱ  
 ὁδοὶ αὐτοῦ  
 — 15. ἐμβλέψων εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ὑψίστου  
 36. 22 (19). γνῶσονται πάντες οἱ ἐπὶ τῆς γῆς  
 — 23 (20). πᾶν βρώμα φάγεται κοιλία  
 — 26 (23). πάντα ἄρρενα ἐπιδέχεται γυνή  
 — 27 (24). ὑπὲρ πᾶσαν ἐπιθυμίαν ἀνθρώπου ὑπεράγει  
 37. 1. πᾶς φίλος ἐρεῖ  
 — 7. πᾶς σύμβουλος ἐξαιρεῖ βουλὴν

ΣΙ. 37. 11. *μὰ δειπνῶν περὶ πάντων ἔργου*  
 — 11. *μὴ ἐπέχε ἐπὶ τοῖσιν περὶ πάσης [A om.]*  
*συμβουλίας*  
 — 15. *ἐπὶ πᾶσι τοῖσιν δεσθῆναι ὑψίστου*  
 — 16. *ἀρχὴ πάντων ἔργου λόγος καὶ πρὸ πάσης*  
*πράξεως βουλὴ*  
 — 20. *οὗτος πάσης τροφῆς [B<sup>1</sup> σοφίας] καθυ-*  
*στερήσει*  
 — 21. *πάσης σοφίας ἐστερήθη*  
 — 24. *μακαριοῖσιν αὐτὸν πάντες οἱ ὀρώμεντες*  
 — 28. *οὐ γὰρ πάντα πατρὶ συμφέρει καὶ οὐ πάντα*  
*ψυχῇ ἐν παντὶ εὐδοκεῖ*  
 — 29. *μὴ ἀπαληθεύει ἐν πάσῃ τρυφῇ*  
 38. 7. *Α ἦρε πατρὶ [B 20] πόνον αὐτοῦ*  
 — 10. *ἀπὸ πάσης ἀμαρτίας καθάρσιμον καρδίαν*  
 — 27. *οὗτος πᾶς τέκνον καὶ ἀρχιεπίσκοπος*  
 — 28. *ὅς ἐν μερίμνῃ κείται διὰ πάντος*  
 — 29. *ἐναρθίσιμος πάσα ἡ ἐργασία αὐτοῦ*  
 — 31. *πάντες οὗτοι εἰς χεῖρας αὐτῶν ἐπιτίθενται*  
 39. 1. *σοφίαν πάντων ἀρχαίων [B<sup>1</sup> ἀρχόντων] ἐκζη-*  
*τήσει*  
 — 15. *εὐλογοῦσα κύριον ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις*  
 — 16. *τὰ ἔργα κυρίου πάντα διὰ καλὰ σφόδρα καὶ*  
*πάν πρόσταγμα ἐν καιρῷ αὐτοῦ ἔσται*  
 — 17. *πάντα γὰρ ἐν καιρῷ αὐτοῦ ζητηθήσονται*  
 — 18. *ἐν προστάγματι αὐτοῦ πάσα ἡ [B<sup>2</sup> om.] εὐδοκία*  
 — 19. *ἔργα πάντα σαρκοῦ ἐνόησαν αὐτοῦ*  
 — 21. *πάντα γὰρ εἰς χεῖρας αὐτῶν ἔκτισται*  
 — 26. *ἀρχὴ πάσης χρείας εἰς ζῶν ἀνθρώπου*  
 — 27. *ταῦτα πάντα τοῖς ἐκτίσθαι εἰς ἀγαθὰ*  
 — 29. *πάντα ταῦτα εἰς ἐκδίκην ἔκτισται*  
 — 33. *τὰ ἔργα κυρίου πάντα ἀγαθὰ καὶ πᾶσαν χρεῖαν*  
*ἐν ὥρᾳ αὐτῆς χορηγήσει*  
 — 34. *πάντα γὰρ ἐν καιρῷ εὐδοκιμηθήσεται*  
 — 35. *καὶ νῦν ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσεται*  
 40. 1. *ἀσכולία μεγάλῃ ἔκτισται πατρὶ ἀνθρώπου*  
 — 1. *εἰς μίσην πάντων*  
 — 8. *μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους*  
 — 10. *ἐπὶ τοὺς ἀνύμους ἐκτίσθη ταῦτα πάντα*  
 — 11. *πάντα ὅσα ἀπὸ γῆς εἰς γῆν ἀναστρέφει*  
 — 12. *πάν ὄδρον καὶ δίκαια ἐξαλειφθήσεται*  
 — 16. *ἀγε εἰπὶ παντός ὕδατος καὶ χεῖλους ποταμοῦ*  
*πρὸ πάντων χόρτου ἐκτίλισται*  
 — 27. *ὑπὲρ πᾶσαν δόξαν ἐκάλυσεν αὐτὸν*  
 41. 1. *ἀνδρὶ ἀπερίσπαστον καὶ ἐοδονομῶν ἐν πᾶσι*  
*ἀνθρώποις . . . περισπωμένῳ περὶ πάντων*  
 — 3. *τοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πατρὶ σαρκὶ*  
 — 10. *πάντα ὅσα ἐκ γῆς εἰς γῆν ἀπελευσεται*  
 — 16. *οὐ γὰρ ἐπὶ πάντων αἰσχύνῃ διαφυλάξει*  
*αἱ [B<sup>2</sup> ἀποκαλύπτει] καλῶν καὶ οὐ πάντα*  
*πᾶσιν ἐν πίστει εὐδοκίμειται*  
 42. 1. *εὐρίσκον χάριν ἐναντὶ πάντος ἀνθρώπου*  
 — 7. *καὶ δοῖς καὶ λήψις πατρὶ [AB πάντα] ἐν γραφῇ*  
 — 8. *στῆ . . . δεδοκασμένους ἐναντὶ παντός ὧντος*  
 — 12. *πατρὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἐμβλεπε ἐν κἀλλει*  
 — 16. *ἥλιος φωτίζει κατὰ πᾶν ἐπέβλεψε*  
 — 17. *ἐκδιηγήσασθαι πάντα τὰ θαυμασία αὐτοῦ*  
 — 17. *στρηγνίσθαι ἐν δόξῃ αὐτοῦ τὸ π.*  
 — 18. *ἔγνω γὰρ ὁ κύριος [AB ὑψίστος] πᾶσαν*  
*εἰδῆσιν [B συνεῖδ.]*  
 — 20. *οὐ παρήλθεν αὐτὸν πᾶν διανόημα*  
 — 23. *ὡς πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐπιθυμητὰ*  
 — 23. *πάντα ταῦτα ζῆ καὶ μένει εἰς τὸν αἰῶνα ἐν*  
*πάσαις χρεαίαι καὶ πάντα ὑπακούει*  
 — 24. *πάντα δισθὰ ἐν κατεναιὶ τοῦ ἐνός*  
 — 26. *ἡ σέλην ἐν πᾶσιν εἰς καιρὸν αὐτῆς*  
 — 30. *ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν πάντοτε καταλύσει*  
 — 22. *ἴσως πάντων [B<sup>1</sup> πᾶντων] κατὰ σπουδὴν*  
*ὁμίχλη*  
 — 25. *ποικιλία παντός ζῴου*  
 — 26. *ἐν λόγῳ αὐτοῦ σνγκείται πάντα [AB τὰ π.]*  
 — 27. *συντέλεια λόγων τὸ π. ἐστὶν αὐτός*  
 — 28. *αὐτός γὰρ ὁ μέγας παρὰ πάντα τὰ ἔργα*  
*αὐτοῦ*  
 — 33. *πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κύριος*  
 44. 7. *πάντες οὗτοι ἐν γενεαῖς ἐδοξάσθησαν*  
 — 18. *ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῶ [A om.] πάσα*  
*σὰρξ*  
 — 22. *ἐν τῷ Ἰσαὰκ ἔστησεν . . . εὐλογία πάντων*  
*ἀνθρώπων*  
 — 27. *εὐρίσκονα χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκὸς*  
 45. 4. *ἐξέλεξατο αὐτὸν ἐκ πάσης σαρκὸς*  
 — 13. *καὶ τὰ ἔκγονα αὐτοῦ διὰ παντός*  
 — 16. *ἐξελέξατο αὐτὸν ἀπὸ παντός ζῶντος*  
 — 48. *ὅπως ἴδωσι πάντες οἱ ἀνθρώποι Ἰσραὴλ*  
 — 10. *ἐξέστραψεν . . . πάντας διονύσιους φυλιτιστίμους*

Si. 48. 19. ἕως ὑποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ  
 εἰληθά  
 47. 8. ἐν παντί ἔργῳ αὐτοῦ ἔδωκεν ἐξομολόγησιν ἀγίῳ  
 ὑψίστῳ ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ  
 αὐτοῦ ὑμῶν  
 — 25. πᾶσαν πομπὴν ἐξεῖλησαν  
 48. 13. πᾶς λόγος οὐχ [B κυρίου] ὑπερῆρκεν αὐτόν  
 — 15. ἐν πᾶσι τοῖσι οὐκ μετενόησε ὁ λαὸς  
 — 15. ἐσκοπίσθησαν ἐν πάσῃ τῇ γῇ  
 49. 1. ἐν παντί στόματι ὡς μέλι γλυκανθήσεται  
 — 4. πάντες πλημμέλειαν ἐπιλημμέλῃσαν  
 — 16. ὑπὲρ τὴν ῥῶν ἐν τῇ κτίσει ἰλάμ  
 50. 9. κεκοσμημένοι παντὶ λίθῳ πολυτελεῖ  
 — 13. πᾶσες οἱ [B om.] νιοὶ Ἰακώβ ἐν δόξῃ αὐ.  
 — 13. ἀποφόρα κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν ἐναντί  
 πάσης ἐκκλησίας Ἰσραὴλ  
 — 17. πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέσπευσε  
 — 20. ἔστηρε χεῖρας αὐ. ἐπὶ π. [A om.] ἐκκλησίαν  
 — 22. εὐλογοῦσατε τῷ θεῷ πάντες τὰ μεγαλοποιούσιν  
 [A B πάντα] τῷ μεγάλῳ τοιοῦντι πάντῃ  
 — 29. πρὸς πάντα λυχοῖτε  
 Ho. 2. 5 (7). καὶ πάντα ὅσα μοι κηθήκει  
 — 11 (13). ἀποστρέψω π. τὰς ἐμφροσύνας αὐ.  
 . . . καὶ π. τὰς πανηγυρίας αὐ. (1, 1)  
 4. 3. σὺν π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτῶν  
 — 2. πάσας τὰς κακίας αὐτῶν ἐμνήσθη  
 — 4. πάντες μοιχεύοντες ὡς κλίβανος  
 — 7. πάντες ἐθερμάνθησαν ὡς κλίβανος  
 — 7. πάντες οἱ βασιλ. αὐ. ἔπεσαν  
 — 10. οὐκ ἐξεῖλησαν αὐτὸν ἐν πᾶσι τοῖσι  
 9. 1. ἡγασσάμεθα ὁδοὶ ἐπὶ π. δυνάμει οὐτοῦ  
 — 4. πάντες οἱ ἐσθοντες αὐτὰ μανθήσονται  
 — 8. παγίς σκολία ἐπὶ π. τὰς ὁδοὺς αὐ.  
 — 15. π. αὶ κακίαι αὐ. ἐν Γ.  
 — 16 (15). π. οἱ ἀρχόντες αὐ. ἀπειθοῦντες  
 10. 14. π. τὰ περιτεταχισμένα σου οἰχθήσεται  
 12. 6 (7). ἔγγιζε πρὸς τὸν θέν σου διὰ παντός (8g)  
 — 8 (9). π. οἱ πῶν αὐ. οὐκ ἐμνήσθησαν  
 13. 4. ἐκτίαν π. τὴν στρατιάν τοῦ οὐρ.  
 — 10. διασωσάτω . . . ἐν π. τὰς πόλεις σου  
 — 15. καταστρέψαι . . . π. τὰ σκεύη τὰ ἐπιθυ-  
 μῶν αὐ. (1)  
 — 15. τὰς ἀποκτενῶν (1)  
 Am. 2. 3. πάντας [A add. τοὺς ἀρχοντας] αὐ-  
 τῶν ἐποκτενῶ (1)  
 3. 1. ὃν ἐλάλησεν . . . κατὰ π. φυλῆς  
 — 2. A B ὕμνος ἔγνων ἐκ π. τῶν [B om.] φυ-  
 λῶν τῆς γῆς (1)  
 — 2. ἐκδικήσω ἐφ' ὕμνος π. τὰς ἀμαρτίας  
 ὕμνων (1)  
 4. 6. ἐν π. τοῖς πόλεσιν ὕμνων (1)  
 — 6. ἐν π. τοῖς τόποις [A π. ταῖς πόλεσιν]  
 ὕμνων (1)  
 5. 8. ὁ ποῶν πάντα  
 — 16. ἐν π. ταῖς [A om.] πλατείαις κοπετός (1)  
 — 16. ἐν π. ταῖς [A om.] ὁδοῖς ῥηθήσεται (1)  
 — 17. ἐν π. ὁδοῖς κοπετός (1)  
 6. 2. διάβητε πάντες καὶ ἴδετε  
 — 2. τὰς κρατίστους ἐκ πασῶν τῶν βασιλειῶν τ.  
 — 8. ββελνίσσονται ἐγὼ π. τὴν ὕβριν Ἰ.  
 — 8. σὺν π. τοῖς κατοικοῦσιν αὐτῇ  
 7. 10. ὑπενεγκύν π. [A ἐπ.] τοὺς λόγους αὐ.  
 8. 3. πολλοὶ ὁ πεπτακὸς ἐν π. τόπῳ  
 — 6. ἀπὸ π. γενήματος ἐμφορεσθόμεθα  
 — 7. εἰ ἐπιληροῦσεται . . . π. τὰ ἔργα ὕμνων  
 8. 6. πενήθῃ πᾶς ὁ κατοικὸν ἐν αὐτῇ  
 — 10. μεταστρέψω . . . π. τὰς φίδας ὕμνων εἰς  
 θρήνον (1)  
 — 10. ἀναβιβῶ ἐπὶ π. φυλὰν σάκκου καὶ ἐπὶ  
 π. κεφαλὰν ὀφθαλμῶν (1, 1)  
 9. 1. διάκοπον εἰς κεφαλὰς πάντων  
 — 5. πενήθουσιν πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτῇ  
 — 9. λεκμήσω ἐν π. τοῖς ἔθνεσι τὸν οἶκον Ἰσ.  
 — 10. τελευτήσουσι π. ἀμαρτωλοὶ λαοῦ μου  
 — 12. καὶ π. τὰ ἔθνη ἐφ' οὗς ἐπικέκληται  
 — 12. B ὁ ποῶν πάντα [A B om.] ταῦτα  
 — 13. καὶ π. οἱ βαυνοὶ συμφυροὶ ἔσονται  
 Mi. 1. 2. ἡ γῆ καὶ πάντες οἱ ἐν αὐτῇ  
 — 5. δι' ἀσέβειαν Ἰ. πάντα ταῦτα  
 — 7. π. τὰ γλυπτὰ αὐ. κατακόψουσι  
 — 7. π. τὰ μισθώματα αὐ. ἐμψήσουσιν  
 — 7. π. τὰ εἰδωλά αὐ. θήσονται εἰς ἀφανισμόν  
 2. 11 (12). συναχθήσεται Ἰ. σὺν πᾶσιν  
 — 7. κατακαλῇσονται κατ' αὐτῶν πάντες αὐτοὶ  
 — 9. καὶ π. τὰ ὄρβα διαστρέφοντες  
 4. 3. π. οἱ λαοὶ πορεύονται  
 — 13. τὸ κυρίον π. τῆς γῆς

Μι. 5. 9 (8). καὶ π. οἱ ἐχθροὶ σου ἐξολοθρευθή-  
 σονται (1)  
 — 11 (10). ἐξάρῃ π. τὰ οὐχρώματά σου (1)  
 — 12 (11). Ἀ. ἐξάρῃ π. τὰ φάρμακά σου [B al.] (1)  
 6. 16. καὶ π. τὰ ἔργα οἴκου Ἀχ. (1)  
 7. 2. πάντες εἰς αἵματα δικάζονται (1)  
 — 6. ἐχθροὶ πόντος ἀνδρὸς [A al.] (1)  
 — 16. ἐ. κ. τῆς ἰσχύος αὐ. (1)  
 — 19. ἀπορριφθήσονται . . . π. τὰς ἀμαρτίας  
 ἡμῶν (1)  
 J1. 1. 2. ἐνοτισάσθε π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)  
 — 5. θρηνησάτε π. οἱ πῖνοντες οἶνον εἰς μέθην (1)  
 — 12. καὶ π. τὰ ἔϋλα τοῦ ἀγροῦ (1)  
 — 14. συναγάγετε . . . π. κατοικοῦντας γῆν (1)  
 — 19. φλόξ ἀνίηπ π. τὰ ἔϋλα τοῦ ἀγροῦ (1)  
 2. 1. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)  
 — 6. πᾶν πρόσωπον ὡς πρόσκαυμα χυτράς (1)  
 — 27. Ἀ οὐ μὴ καταβῇ χυρὴθὶ οὐκέτι πᾶς ὁ λαὸς  
 μου [B al.] (1)  
 — 28 (3. 1). ἐκχεῖ ἀπὸ τοῦ πνεύματός μου ἐπὶ  
 π. σάρκα (1)  
 — 32 (8. 5). πᾶς δὲ ἂν ἐπικαλέσται τὸ ὄνομα  
 κυρίου (1)  
 3 (4). 2. συνάξω π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 4. καὶ π. Γαλιλαία ἀλλοφύλων (1)  
 — 9. ἀναβαίνει π. ἀνδρες πολεμιστοὶ (1)  
 — 11. ἐπισπορεύσθε π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 12. ἀναβαίνεισάν π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 12. τοὺ διακρίνει π. τὰ ἔθνη κυκλῶν (1)  
 — 18. π. αἱ ἀφέντες Ἰ. ρυψονται ὑδάτα (1)  
 Ob. 1. 7. π. οἱ ἄνδρες τῆς διαθήκης σου ἀντί-  
 στησάν σοι (1)  
 — 15. ἔγγυσ ἡμέρα κυρίου ἐπὶ π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 16. Ἀ B<sup>2</sup> B πῖονται πάντα τὰ ἔθνη οἶνον (1)  
 Jn. 2. 4. π. οἱ μετεορισμοὶ σου . . . ἐπ' ἐμέ  
 διήλθον (1)  
 3. 7. B<sup>2</sup> καὶ πάντων [A B S<sup>1</sup> παρὰ τῶν] μεγα-  
 στάνων αὐ. (1)  
 Na. 1. 4. καὶ π. τοὺς ποταμοὺς ἐξερρήμῳν (1)  
 — 4. B<sup>2</sup> καὶ πάντα [A B S<sup>1</sup> om.] τὰ ἐξανθοῦντα  
 τοῦ Ἰ. ἐξέλιπε (1)  
 — 5. καὶ π. αἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (1)  
 2. 9 (10). βεβάρυνται ἐπὶ π. τὰ σκευὰ τὰ ἐπι-  
 θυμητὰ αὐ. (1)  
 — 10 (11). ὀδῶνες ἐπὶ π. δοσφύν (1)  
 — 10 (11). τοὺς πρόσωπον πάντων ὡς πρόσκαυμα  
 χυτράς (1)  
 3. 7. π. ὁ ὄρων σε καταβήσεται (1)  
 — 10. ἐπ' ἀρχὰς π. τῶν ὁδῶν [B<sup>1</sup> ὀρέων] αὐ. (1)  
 — 10. ἐπὶ π. τὰ ἐνδοθα αὐ. Βαλοῦσι κληρον (1)  
 — 10. π. οἱ μεγαστᾶνες αὐ. δεθήσονται χειρο-  
 πέδας (1)  
 — 12. π. τὰ οὐχρώματά σου συκαί (1)  
 — 19. π. οἱ ἀκούοντες τῆς ἀγγελίας σου (1)  
 — 19. ἐπὶ τῖνα οὐκ ἀπλήθη ἐῖ κακία σου διὰ  
 παντός (8g)  
 Hb. 1. 10. εἰς π. ὄχρωμα ἐμπαίεσται (1)  
 — 17. διὰ πάντοθ ἀποκτείνων ἔθνη οὐ φέισεται (8g)  
 2. 5. ἐπισυνάξει ἐπ' αὐτὸν π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 5. εἰσδέξεται πρὸς αὐτὸν π. τοὺς λαούς (1)  
 — 6. οὐχὶ ταῦτα πάντα παραβολὴν κατ' αὐτοῦ  
 λήγονται (1)  
 — 8. πάντες οἱ ὑπολελειμμένοι λαοὶ (1)  
 — 8. δι' αἵματα . . . π. τῶν κατοικούντων  
 αὐτὴν (1)  
 — 17. δι' αἵματα . . . π. τῶν κατοικούντων αὐ-  
 τὴν [A -w] (1)  
 — 19. πᾶν πνεῦμα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῇ (1)  
 — 20. εὐλαβεῖσθω . . . π. ἡ γῆ (1)  
 Ze. 1. 2. B<sup>2</sup> ἐκλιπέτω πάντα [A B S<sup>1</sup> om.] ἀπὸ  
 προσώπου τῆς γῆς (1)  
 — 4. καὶ ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας Ἱερ. (1)  
 — 8. καὶ ἐπὶ π. τοὺς ἐνδεδυμένους ἐνδύματα  
 ἀλλότρια (1)  
 — 9. Ἀ B ἐκδικῶ ἐπὶ πάντας [B om. ἐ. π.] (1)  
 — 11. ῥωμοίωθ' ο. ὁ λαὸς Χ. (1)  
 — 11. ἐξολοθρεύσασαν π. οἱ ἐπηρμένιοι ἀργυρίῳ (1)  
 — 18. καταναλωθήσεται π. ἡ γῆ (1)  
 — 18. σπουδὴν ποιήσει ἐπὶ π. τοὺς κατοικοῦντας (1)  
 2. 3. ζητήσατε τὸν κ. πᾶντες ταπεινοὶ γῆς (1)  
 — 11. ἐξολοθρεύσει π. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 11. π. αἱ νῆσοι τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 14. νεμύσονται . . . π. τὰ θῆρια τῆς γῆς (1)  
 3. 1 (2. 15). πᾶς ὁ διαπερνεύμενος [A παρσπ.]  
 δι' αὐτῆς (1)  
 — 7. πάντα ὅσα ἐξέδικσα ἐπ' αὐτὴν (1)



Is. 40. 26. τίς κατέβηκε πάντα ταῦτα  
— 26. πάντας [A -a] ἐπ' ὀνόματι καλέσει ἀπὸ  
πολλῶν [B<sup>1</sup> πάσης] δόξης (1, +)  
41. 11. ἐντραπήσονται πάντες οἱ ἀντικείμενοί σοι —  
— 11. ἀπολούνται πάντες οἱ ἀντίδικοί σου (1)  
— 20. A B<sup>1</sup> χεῖρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα πάντα  
[B B<sup>1</sup> om.] —  
42. 15. B πάντα χόρτον αὐτῶν ξηρανῶ (1)  
43. 7. πάντα [B -es] δοιοί ἐπικέκληνται τῇ  
δυνάμει μου (1)  
— 9. πάντα τὰ ἔθνη συνήχθησαν (1)  
— 14. ἐπεγερῶ φεύγοντας πάντας (1)  
44. 9. A B<sup>1</sup> B πάντες μάταιοι [B B<sup>1</sup> -a] (1)  
— 10. A B<sup>1</sup> πάντες [B B<sup>1</sup> om.] οἱ πλάσσοντες  
θεόν —  
— 10. γλύφοντες πάντες [A B om.] ἀνωφελεῖ (1)  
— 11. πάντες ὅθεν ἐγένοντο ἐξηράνησαν (1)  
— 11. συναχθήσονται πάντες (1)  
— 23. πάντα τὰ ζῷα τὰ ἐν αὐτοῖς (1)  
— 24. ἐγὼ κύριος ὁ συντελὼν πάντα [A ταῦτα] (1)  
— 28. πάντα τὰ δεινὰ μου ποιήσει (1)  
45. 7. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (1)  
— 12. ἐγὼ π. τοῖς ἄστροις ἐνετειλάμην (1)  
— 13. πάσαι αἱ δδοὶ αὐτοῦ εὐθείαι (1)  
— 16. ἐντραπήσονται π. οἱ ἀντικείμενοι αὐτῷ (1)  
— 24 (23). ἔμοι κάμνην πᾶν γόνυ (1)  
— 24 (23). ὁμῆται [A ἐξομολογήσεται] πᾶσα  
γλῶσσα (1)  
— 25 (24). ἀσχυρῶνται π. οἱ διορίζοντες  
[A B<sup>1</sup> ἀφορ.] αὐτοὺς (1)  
— 26 (25). ἐνδοξασθήσεται π. τὸ σπέρμα τῶν  
νῶν 'Ισραὴλ (1)  
46. 3. πᾶν τὸ καταλείπον τοῦ 'Ισραὴλ  
— 10. πᾶσά μου ἡ βουλή στήσεται καὶ πάντα  
δοξα βεβούλευμαι ποιῶ (1)  
47. 14. πάντες ὡς φρίγματα ἐπὶ πυρὶ κατακαυθή-  
σονται —  
48. 6. ἡκούσατε πάντα (1)  
— 14. συναχθήσονται πάντες (1)  
49. 9. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς βοσκηθήσονται —  
— 9. ἐν πάσαις ταῖς [B om., B<sup>1</sup> πᾶσιν τοῖς]  
τρίβυς ἡ νομή αὐτῶν (1)  
— 11. θῆω πᾶν ὄρος εἰς ὁδὸν καὶ πᾶσαν [B<sup>1</sup>  
πάντα] τρίβον εἰς βόσκημα αὐτοῖς (1, -)  
— 16. ἐνώπιόν μου εἰ διὰ παντός (8 g)  
— 18. ὕδα πάντα (1)  
— 18. πᾶσας αὐτοὺς ὡς κόσμον [A B om. ὡς  
κ.] ἐνδοξήσεται (1)  
— 26. αἰσθανθήσεται πᾶσα σὰρξ (1)  
50. 9. πάντες ὑμεῖς ὡς ἱμάτιον παλαιωθήσεσθε (1)  
— 11. πάντες ὑμεῖς πῦρ καίετε (1)  
51. 3. παρκαλίσσα π. τὰ ἔρημα αὐτῆς (1)  
— 13. ἐφόβου ἀεὶ πᾶσας τὰς ἡμέρας (1)  
— 18. ἀπὸ π. τῶν τέκνων σου . . . οὐδὲ ἀπὸ π.  
τῶν νῶν σου (1, 1)  
— 20. οἱ καθεύδοντες ἐπ' ἄκρου πάσης ἐξήδιον (1)  
52. 5. δι' ὑμᾶς διὰ παντός τὸ ὄνομά μου βλασ-  
φημεῖται (8 g + a)  
— 10. ἐνώπιον π. τῶν ἐθνῶν καὶ ἐθνοῖς πάντα  
[A B<sup>1</sup> add. τὰ, B<sup>1</sup> τὰ ἔθνη τὰ] ἄκρα  
τῆς γῆς (1, 1)  
53. 3. A B παρὰ πᾶσας [B om.] ἀνθρώπους —  
[B B<sup>1</sup> τοὺς υἱοὺς τῶν ἀ.] —  
— 6. πάντες ὡς πρόβατα ἐπλανήθημεν (1)  
54. 5. θεὸς 'Ισραὴλ π. τῇ γῇ κληθήσεται (1)  
— 13. π. τοὺς υἱοὺς σου διδασκὸς θεοῦ (1)  
— 17. πᾶν σκεῦος σκευαστόν [A φθαρτόν] (1)  
— 17. πᾶσα φωνὴ [A B<sup>1</sup> add. ἡ] ἀνυστήσεται  
ἐπὶ σὶ εἰς κρίσιν πάντας [B<sup>1</sup> καὶ π.]  
αὐτοὺς ἡγήσεται (1, -)  
55. 12. πάντα τὰ ζῷα τοῦ ἀγροῦ ἐπικροτήσῃ (1)  
56. 6. π. τοῖς φυλάσσομένοις τὰ σάββατά μου —  
— 7. οἱος προσευχῇ κληθήσεται π. τοῖς ἔθνεσιν (1)  
— 9. οἱος πάντα τὰ θηρία (1)  
— 10. ἐκτεφύλωνται πάντες (1)  
— 10. A B<sup>1</sup> B πάντες [B<sup>1</sup> B om.] κύνες ἐνέοι (1)  
— 11. πάντες [A B<sup>1</sup> add. ἐν] ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν  
ἐξηκολούθησαν (1)  
57. 13. τοῖτοὺς γὰρ πάντας ἀνεμος λήφεται (1)  
— 16. οὐδὲ διὰ παντός ὀργισθήσονται ὑμῖν (8 c)  
— 16. πνεῦν πᾶσαν ἐγὼ ἐποίησα —  
58. 3. π. τοὺς υποχείριους ὑμῶν ὑποκύσετε (1)  
— 6. λίε πάντα σύνδεσμον ἀδικίας (1)  
— 6. πᾶσαν συγγραφὴν ἀδικον διάσπα (1)  
— 10 (11). ἔσται ὁ θεός σου μετὰ σοῦ διὰ  
παντός (8 g)

Is. 80. 4. ἤκασι πάντες οἱ υἱοὶ σου μακρόθεν (1)  
— 6. πάντες ἐκ Σαβὰ ἤξουσιν (1)  
— 7. π. τὰ πρόβατα Κυδδάρ συναχθήσονται (1)  
— 11. ἀνοικήσονται αἱ πόλεις σου διὰ παντός (8 g)  
— 21. ὁ λαός σου π. δικαιοῦς (1)  
61. 2. παρακαλέσαι πάντας τοὺς πενθοῦντας (1)  
— 9. π. ὁ ὄρων αὐτοὺς ἐπενύσσει αὐτοὺς (1)  
— 11. ἀγαλλίαμα ἐναντίον πάντων τῶν ἐθνῶν (1)  
63. 7. ἐν πᾶσιν οἷς ἡμῖν ἀνταποδίδωσι (1)  
— 9. ἐγένετο αὐτοῖς εἰς σωτηρίαν ἐκ πάσης  
θλίψεως αὐτῶν [A om.] (1)  
— 9. πᾶσας τὰς ἡμέρας τοῦ πλῆθους (1)  
64. 6 (5). ἐγέννηθμεν ὡς ἀκάθαρτοι πάντες  
ἡμεῖς ὡς ῥάκος ἀποκαθημένης πᾶσα  
ἡ δικαιοσύνη ἡμῶν (1, 1)  
— 8 (7). ἔργα τῶν χειρῶν σου πάντες (1)  
— 9 (8). λαός σου πάντες (1)  
— 11 (10). πάντα [A B add. τὰ] ἐνδοξα ἡμῶν  
συνέπεσε (1)  
— 12 (11). ἐπὶ πᾶσι τοῖτοῖς ἀνέσχου —  
65. 3. ὁ παροξύνων με ἐναντίον ἐμοῦ διὰ παντός  
[B<sup>1</sup> om. δ. π.] (8 g)  
— 4. μεμολυμένα πάντα τὰ σκεῦά αὐτῶν —  
— 5. πῦρ καίεται ἐν αὐτῷ πᾶσας τὰς ἡμέρας (1)  
— 8. οὐ μὴ ἀπολέσω πάντας (1)  
— 12. πάντες ἐν [B om.] σφαγῇ πεσεῖσθε (1)  
66. 2. πάντα γὰρ ταῦτα ἐποίησεν ἡ χεῖρ μου καὶ  
ἔστιν ἐμὰ πάντα ταῦτα (1, 1)  
— 10. πάντες οἱ ἀγαπῶντες αὐτὴν [A B<sup>1</sup> al.] (1)  
— 10. πάντες δοιοὶ πενθεῖτε ἐπ' αὐτῇ (1)  
— 16. κριθήσεται [A κατηλαυθ.] πᾶσα ἡ γῇ  
καὶ ἐν τῇ ῥομφαίᾳ αὐτοῦ πᾶσα  
σὰρξ (1, 1)  
— 18. ἔρχομαι συναγαγεῖν πάντα τὰ ἔθνη (1)  
— 20. ἄξουντι τοὺς ἀδελφούς ὑμῶν ἐκ πάντων  
τῶν ἐθνῶν (1)  
— 23. ἤξει πᾶσα σὰρξ τοῦ προσκυνῆσαι (1)  
— 24. ἔσονται εἰς ἄδραν πᾶση σαρκί (1)  
Je. 1. 7. πρὸς πάντας . . . κατὰ πάντα (1, 1)  
— 14. ἐπὶ πᾶσας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (1)  
— 15. συγκαλὼ πᾶσας τὰς βασιλείας (1)  
— 15. ἐπὶ πάντα τὰ τελεῖα τὰ κίελα αὐτῆς καὶ  
ἐπὶ πᾶσας τὰς πόλεις 'Ιουδα (1, 1)  
— 16. περὶ πάσης τῆς κακίας αὐτῶν (1)  
— 17. εἰπὼν [A B add. πρὸς αὐτοὺς] πάντα (1)  
— 18. ὀχυρὸν [B lxx.] πᾶσι [A B ἀπ.] τοῖς  
βασιλεῦσιν 'Ιουδα (1, 1)  
2. 3. πάντες οἱ ἐσθόντες αὐτὸν πλημμελήσουσι (1)  
— 4. πᾶσα πατριὰ οἴκου 'Ισραὴλ (1)  
— 20. A B ἐπὶ πάντα [B B<sup>1</sup> πᾶν] βουνὸν ὑψη-  
λὸν καὶ ὑποκάτω παντός ξύλου κατα-  
σκίου (1, 1)  
— 21. ἐφύπνευσά σε ἄμπελον καρποφόρον  
πᾶσαν ἀβρηνίην (1)  
— 24. πάντες οἱ ἡγρόντες αὐτὴν οὐ κοπιᾶ-  
σουσιν (1)  
— 29. πάντες ὑμεῖς ἠεβήσατε καὶ πάντες ὑμεῖς  
[A om. ἡ. κ. π. ὑ.] ἠνομήσατε (1, -)  
— 34. ἐπὶ [A ἐν] πᾶσιν ὄρει (1)  
3. 3. ἀπηραιοχύνθησας πρὸς πάντας —  
— 6. ἐπὶ πᾶν ὄρος ὑψηλὸν καὶ ὑποκάτω παντός  
ξύλου ἀλωσώδους (1, 1)  
— 7. μετὰ τὸ πορευέσθαι αὐτὴν ταῦτα πάντα (1)  
— 8. περὶ πάντων ὧν κατελήφθη (1)  
— 10. ἐν πᾶσι τοῖτοῖς οὐκ ἐπιστράφη [A ἀπ.] (1)  
— 13. ὑποκάτω παντός ξύλου ἀλωσώδους (1)  
— 17. συναχθήσονται πάντα τὰ ἔθνη εἰς αὐτὴν (1)  
— 18. ἤξουσιν . . . ἀπὸ πασῶν τῶν χωρῶν —  
4. 20. τεταλιπώρηκε πᾶσα ἡ γῇ (1)  
— 24. εἰδὼν . . . πάντας τοὺς βουνοὺς ταρασ-  
σομένους (1)  
— 25. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ ἐπτοεῖτο (1)  
— 26. πᾶσαι αἱ πόλεις ἐμπεπυρσμέναι (1)  
— 27. ἔρημος ἔσται πᾶσα ἡ γῇ (1)  
— 29. ἀνεχώρησε πᾶσα χώρα (1)  
— 29. πᾶσα πόλις ἐγκτελειψθήσεται (1)  
5. 6. πάντες οἱ ἐπορευόμενοι ἐπ' αὐτῶν θηρευ-  
θήσονται (1)  
— 16. πάντες ἱσχυροὶ (1)  
— 19. τίς ἔσκεν ἐποίησε . . . ἡμῖν πάντα  
[A B ἀπ.] ταῦτα (1)  
6. 7. ταλαιπωρία ἀκουσθήσεται . . . διὰ παντός (8 g)  
— 13. πάντες συνετελέσαντο [A -σαν] ἄνομα (1)  
— 13. πάντες ἐποίησαν ψευδῆ (1)  
— 28. πάντες ἀνέκοι . . . πάντες διεφθα-  
μένοι εἰσιν (1, 1)

Je. 7. 2. πᾶσα ἡ 'Ιουδαία (1)  
— 10. τοῦ μὴ ποιεῖν πάντα τὰ βδελύγματα  
[B<sup>1</sup> om. τὰ βδ.] ταῦτα [A πάντα] (1, +)  
— 13. ἐποιήσατε πάντα τὰ ἔργα ταῦτα (1)  
— 15. πᾶν [B<sup>1</sup> ἄπαν] τὸ σπέρμα 'Εφραὴμ (1)  
— 20. A ἐπὶ πᾶν ξύλον τοῦ ἀγροῦ αὐτῶν καὶ  
ἐπὶ π. [B B<sup>1</sup> om.] τὰ γενεῖα. αὐ. —, —  
— 23. πορεύεσθε ἐν π. [B om.] ταῖς ὁδοῖς μου (1)  
— 25. ἐξαπέστειλα πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς  
δούλους μου (1)  
— 33. A εἰς κατὰβρωμα πᾶσιν [B B<sup>1</sup> εἰς βρώσιν]  
τοῖς πετεινοῖς —  
— 34. εἰς ἐρήμωσιν [B -μον] ἔσται πᾶσα ἡ γῇ —  
8. 2. πρὸς πάντας τοὺς ἀστέρας καὶ πρὸς πᾶσαν  
τὴν στρατιάν τοῦ οὐρανοῦ (1, 1)  
— 3. πᾶσι τοῖς καταλοιποῖς . . . ἐν παντὶ τόπῳ (1, 1)  
— 16. ἐσείσθη [A add. ἀπ' αὐτοῦ] πᾶσα ἡ γῇ (1)  
9. 2 (1). πάντες μοιχῶνται (1)  
— 4 (3). π. ἀδελφός πτέρη πτερνίει καὶ π.  
φίλος δολίως πορεύσεται (1, 1)  
— 25 (24). ἐπισκέψομαι ἐπὶ πάντας περιτετ-  
μημένους (1)  
— 26 (25). A ἐπὶ πάντας τοὺς [B B<sup>1</sup> om. π. τ.]  
υἱ. Ἀμὼν —  
— 26 (25). ἐπὶ πάντα [A B<sup>1</sup> πᾶν] περικερό-  
μενον (1)  
— 26 (25). πάντα τὰ ἔθνη ἀπερίτμητα σαρκὶ  
καὶ π. [B π. δ.] οἴκος 'Ισραὴλ ἀπερί-  
τμητοι [A B -ος] (1, 1)  
10. 9. ἔργα τεχνιτῶν πᾶντα (1)  
— 14. ἐμωράνθη π. ἄνθρωπος . . . κατησχύνθη  
π. χρυσοκόος (1, 1)  
— 16. ὁ πλάσας τὰ π. αὐτὸς κληρονομία αὐτοῦ (1)  
— 20. πᾶσαι αἱ δέρρεις σου διεσπασθήσονται (1)  
— 21. οὐκ ἐνόησε πᾶσα ἡ νομή (1)  
11. 4. ποιήσατε πάντα (1)  
12. 1. εὐθύνουν πάντες οἱ ἀθετοῦντες (1)  
— 4. πᾶς ὁ χόρτος τοῦ ἀγροῦ [A π. χ.] ξηραν-  
θήσεται (1, 1)  
— 9. συναγάγετε πάντα τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ (1)  
— 11. ἠφανίσθη πᾶσα ἡ γῇ (1)  
— 12. ἐπὶ πᾶσαν διεκβολὴν ἐν τῇ ἐρήμῳ  
ἦλθον (1)  
— 12. οὐκ ἔστιν εἰρήνη πᾶση σαρκί (1)  
— 14. περὶ πάντων τῶν γειτόνων τῶν πονηρῶν (1)  
13. 11. A B<sup>1</sup> B ἐκώλλησα πρὸς ἑμάντων . . .  
πάντα [B B<sup>1</sup> πᾶν] οἴκον [A τὸν οἶκ.] 'Ι. (1)  
— 12 bis. π. ἀσκός πληρωθήσεται οἶνου (1)  
— 13. πληρῶ . . . πᾶντας τοὺς κατοικοῦντας  
[A καθημένους] ἐν 'Ιερ. (1)  
14. 22. ἐποίησας πάντα ταῦτα (1)  
15. 4. παραδώσω αὐτοὺς . . . πᾶσαις ταῖς βασι-  
λείαις τῆς γῆς (1)  
— 4. περὶ πάντων ὧν ἐποίησεν —  
— 10. B διακρινόμενον πᾶση [B B<sup>1</sup> ἐν π., A  
om.] τῇ γῇ (1)  
— 13. διὰ πᾶσας τὰς ἁμαρτίας [A κακίας] σου  
καὶ ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις σου (1, 1)  
16. 10. A B ὅταν ἀπαγγεῖλῃ . . . πάντα [B  
ἀπ.] τὰ ῥήματα τ. (1)  
— 15. ἀνίγαγε . . . ἀπὸ πασῶν τῶν χωρῶν (1)  
— 16. ἐπάνω π. ὄρους καὶ ἐπάνω π. βουνοῦ (1, 1)  
— 17. οἱ ὀφθαλμοὶ μου ἐπὶ π. τὰς ὁδοὺς αὐ. (1)  
— 18. B ἀνταποδώσω διὰ πᾶσας [A B δι-  
π.] τὰς κακίας αὐ. +  
17. 9. βαθεῖα ἡ καρδία παρὰ πάντα (1)  
— 13. πάντες οἱ καταλιπόντες τὰς κατασχυ-  
θήσονται [B<sup>1</sup> ἀσχυ.] (1)  
— 19. ἐν πᾶσαις ταῖς πόλεσι 'Ιερουσαλὴμ (1)  
— 20. πᾶσα 'Ι. καὶ πᾶσα [A om. 'Ι. κ. π.] 'Ιερ. (1, 1)  
— 22. πᾶν ἔργον δὲ ποιήσεται (1)  
— 24. τοῦ μὴ ποιεῖν πᾶν ἔργον (1)  
18. 8. ἀπὸ πάντων τῶν κακῶν αὐτῶν —  
— 8. A B περὶ π. [B om.] τῶν κακῶν —  
— 16. πάντες οἱ διαπορευόμενοι [A παραπ.] δι'  
αὐτῆς (1)  
— 18. ἀκουσθήσονται πάντας τοὺς λόγους αὐτοῦ (1)  
— 23. B ἔγνω π. [A B ἀπ.] τὴν βουλήν αὐ. (1)  
19. 2. ἀνὰ γνῶσιν ἐκεί πᾶντας τοὺς λόγους τοῦτους —  
— 3. παντὸς ἀκούοντος αὐτὰ ἡχῆσαι τὰ ὅσα  
αὐτοῦ (1)  
— 8. π. ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτῆς —  
— 8. συρρίει ὑπὲρ πόρεψ [B<sup>1</sup> ταῦτης] τῆς πληγῆς  
αὐτῆς (1)  
— 13. ἐν π. ταῖς οἰκίαις ἐν αἷς ἐθυμίανον ἐπὶ  
τῶν δωματίων αὐ. πᾶση τῇ στρατιᾷ (1, 1)



- Je. 19. 14. εἶπε πρὸς πάντα τὸν λαόν (1)  
 — 15. ἐπάγω . . . ἐπὶ πάσας [A B om.] τὰς πόλεις αὐτῆς [A πάσας, B om.] (1)  
 20. 4. σὺν πᾶσι τοῖς φίλοις σου (1)  
 — 4. σὲ καὶ πάντα Ἰούδα δώσω εἰς χεῖρας (1)  
 — 5. δώσω τὴν π. [A π. τ.] Ἰσχυρὴ τῆς πόλεως ταύτης καὶ πάντας τοὺς θησαυροὺς (1 ter)  
 — 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ οἰκῇ σου (1)  
 — 6. πάντες οἱ φίλοι σου (1)  
 — 7. πᾶσαν ἡμέραν διετέλεσα μυκτηρίζομενος (1)  
 — 8. εἰς χλευασμὸν [B -μα] πᾶσαν ἡμέραν μου (1)  
 — 10. πάντες ἄνδρες φίλοι αὐτοῦ (1)  
 21. 2. κατὰ πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (1)  
 — 6. πατάξω πάντας τοὺς κατοικοῦντας (1)  
 — 14. ζέεται [A κατέδ.] πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1)  
 22. 20. συνετρίβησαν πάντες οἱ ἔρσασταί σου (1)  
 — 22. πάντας τοὺς ποιμένας σου ποιμανεῖ ἄνεμος (1)  
 — 22. ἀτιμωθήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν φιλοῦντων σε (1)  
 23. 3. ἐπὶ [A B ἀπὸ] πάσης τῆς γῆς (1)  
 — 9. ἐσαλειθῇ πάντα τὰ ὀστά μου (1)  
 — 14. ἐγενήθησάν μοι πάντες ὡς Σόδομα (1)  
 — 15. ἐξήλθε μολυσμὸς πάσῃ τῇ γῇ (1)  
 — 17. καὶ π. τοῖς πορευομ. τοῖς δαλῆμασιν αὐ. π. τῷ πορευομ. (1, 1)  
 — 8. B δς συνήγαγε π. [A B B ἔπαυ] τὸ σπέρμα Ἰσ. (1)  
 — 8. A B B\* ἀπὸ πασῶν τῶν χωρῶν (1)  
 24. 9. εἰς πάσας τὰς βασιλείας τῆς γῆς (1)  
 — 9. εἰς κατάραν ἐν παντὶ τόπῳ (1)  
 25. 1. ἐπὶ πάντα τὸν λαὸν Ἰούδα (1)  
 — 2. A B B\* ἐν ἐλάτῃ πρὸς πάντα τὸν λαὸν Ἰ. (1)  
 — 9. ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1)  
 — 11. ἔσται πᾶσα ἡ γῆ εἰς ἀφανισμόν (1)  
 — 13. ἐπάξω . . . πάντας [A ἄπ.] τοὺς λόγους μου (1)  
 — 13. πάντα τὰ γεγραμμένα ἐν τῷ βιβλίῳ τούτῳ (1)  
 25. 15 (49. 36). ἐν πᾶσι τοῖς ἀνέμοις τούτοις (1)  
 26 (48). 28. ποιῶσα συνετελεῖται ἐν παντὶ ἔθνει [B\* om.] (1)  
 27 (50). 7. πάντες οἱ εὐρίσκοντες αὐτοὺς (1)  
 — 10. πάντες οἱ προνομιεῖντες αὐτὴν (1)  
 — 13. ἔσται εἰς ἀφανισμόν πᾶσα [A add. ἡ γῆ] καὶ π. ὁ διεδίδων . . . σκυθρωπῆσαι καὶ συμφορᾶν ἐπὶ πᾶσαν τὴν πληγὴν αὐτῆς (1 ter)  
 — 14. πάντες τεύνοντες τόξον (1)  
 — 21. ποιεῖ κατὰ πάντα (1)  
 — 23. συνετρίβῃ ἡ σφύρα πάσης τῆς γῆς (1)  
 — 27. ἀναθήραται αὐτῆς πάντας τοὺς καρπούς (1)  
 — 29. παραγγεῖλαι . . . παντὶ ἐντένουντι τόξον (1)  
 — 29. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε ποιήσατε αὐτῇ (1)  
 — 30. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ αὐτῆς ῥηθῆναι (1)  
 — 32. καταφάσκει πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1)  
 — 33. ὅμα πάντες οἱ αἰχμαλωτεύσαντες αὐτοὺς (1)  
 — 44. πάντα νεανίσκον ἐπ' αὐτὴν ἐπιστήσω (1)  
 28 (51). 3. ἀφανίσεται πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐτῆς (1)  
 — 7. ποτήριον . . . μεθύσκον πᾶσαν τὴν γῆν (1)  
 — 17. ἐματιώθῃ [A ἐμωράθη] π. ἄνθρωπος (1)  
 — 17. κατησχύνῃ π. χρυσόχρως (1)  
 — 19. ὁ πλάσας τὰ πάντα αὐτοὺς ἐστὶ κληρονομία αὐτοῦ (1)  
 — 24. ἀνταποδώσω . . . πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Χαλδαίους πάσας τὰς κακίας αὐ. (1, 1)  
 — 25. τὸ διαφθεῖρον πᾶσαν τὴν γῆν (1)  
 — 28. ἀναβιβάζετε . . . τὸν βασιλ. τῶν Μήδων καὶ πάσης τῆς γῆς . . . καὶ π. τοὺς στρατηγούς αὐ. [A add. καὶ πάσης τῆς γῆς ἐξουσίας αὐ.] (1, 1)  
 — 41. τὸ καυχῆμα πάσης τῆς γῆς (1)  
 — 49. πεσοῦνται τραυματίαι πάσης τῆς γῆς [B πεσ. καὶ πάντα τὰ ἔθνη] (1)  
 — 52. ἐν πάσῃ τῇ γῇ αὐτῆς πεσοῦνται τραυματίαι (1)  
 — 60. ἔγραψεν ἱερεμίας πάντα τὰ κακὰ . . . πάντας τοὺς λόγους τούτους [A om.] (1, 1)  
 — 61. ἀναγρῶν πάντα τοὺς λόγους τούτους (1)  
 29 (47). 2. ἀλαλάζοντες πάντες [B S al.] (1)  
 — 4. τοὺ ἀπολλύσας πάντας τοὺς ἀλλοφύλους (1)  
 — 4. ἀφανιῶ . . . πάντας τοὺς καταλοιπούς τῆς βοηθείας αὐτῶν (1)  
 29 (49). 13. πᾶσαι αἱ πόλεις αὐτῆς ἔσονται ἔρημοι (1)  
 — 17. π. ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτὴν σιμρεῖ (1)  
 30 (49). 5. ἀπὸ πάντων τῆς περιουσίας [A παροικ.] σου (1)  
 30. 7 (49. 29). πάντα τὰ σκεύη αὐτῶν . . . λήφονται ἐαυτοῖς (1)
- Je. 30. 10 (49. 32). λικμήσω αὐτοὺς παρὶ πνεύματι (1)  
 — 10 (49. 32). ἐκ παντὸς πέραν [A μέρους] αὐτῶν ὅσων τὴν τροπὴν αὐτῶν (1)  
 — 15 (49. 26). πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ σου πεσοῦνται [A om.] (1)  
 31 (48). 8. ἔξει θλεσθὲς ἐπὶ πᾶσαν πόλιν (1)  
 — 9. πᾶσαι αἱ πόλεις αὐτῆς εἰς ἄβυσσον ἔσονται (1)  
 — 17. κινήσατε αὐτὰ πάντες κυκλόθεν αὐτοῦ πάντες ἐκδοτε ὄνομα αὐτοῦ (1, 1)  
 — 24. ἐπὶ πάσας [B\* om.] τὰς πόλεις Μωάβ (1)  
 — 37. π. κεφαλὴν ἐν π. τόπῳ ἐξηρηθῆσονται (1, -)  
 — 37. καὶ π. πᾶγων ἐξηρηθῆσεται καὶ π. χεῖρες κόψονται καὶ ἐπὶ π. ὁσφύος σάκκος (1, 1, -)  
 — 38. ἐπὶ πάντων τῶν δαυμάτων Μωάβ (1)  
 — 39. ἐγκόνημα πῶσι τοὺς κύκλῳ αὐτῆς (1)  
 32 (25). 15 (13). A ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (1)  
 — 15. ποιεῖς πάντα τὰ ἔθνη (1)  
 — 19. πάντα τὸν λαὸν αὐτοῦ (1)  
 — 20. A π. τοὺς συμμίκτους καὶ π. τοὺς βασιλεῖς πάντων τῶν [B S om. π. τ.] ἀλλοφύλων (1, 1, -)  
 — 22. A πάντας [B S om.] βασιλεῖς Τύρου (1)  
 — 23. πᾶν περικεκαρμένον [B πάντα περικειρόμενον] (1)  
 — 24. πάντας τοὺς συμμίκτους (1)  
 — 25. πάντας βασιλεῖς Ἀδὰμ [A\* B\* om. π. β. Αλ.] καὶ πάντας βασιλεῖς Περσῶν (1, 1)  
 — 26. πάντας βασιλεῖς ἀπὸ ἀπηλιότου (1)  
 — 26. B πάσας [A π. τὰς] βασιλείας αὐ. τὰς ἐπὶ προσώπου π. [A B om.] τῆς γῆς (1, -)  
 — 29. B ἐπὶ π. [A B S om.] τοὺς καθῆμι. ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 — 30. A ἐπὶ π. τοὺς [B S om. π. τ.] καθῆμι. ἐπὶ τὴν γῆν (1)  
 — 31. κρίνεται αὐτὸς πρὸς πᾶσαν σάρκα (1)  
 33 (26). 2. A χρηματίει π. [B S ἄπ.] τοῖς Ἰουδαίοις καὶ πᾶσι [S om. κ. π.] τοῖς ἐρχομένοις (1, -)  
 — 6. εἰς κατάραν π. τοῖς ἔθνεσι π. τῆς γῆς (1, -)  
 — 7. ἤκουσαν οἱ ἱερεῖς . . . καὶ π. ὁ λαός (1)  
 — 8. ἱερεῖμον παυσάμενον λαλούντος πάντα (1)  
 — 8. λαλήσαι παντὶ τῷ λαῷ (1)  
 — 8. συνελάβασαν αὐτὸν οἱ ἱερεῖς . . . καὶ π. ὁ λαός (1)  
 — 9. ἐξεκκλησιάσθη π. ὁ λαός (1)  
 — 11. εἶπαν . . . παντὶ τῷ λαῷ (1)  
 — 12. εἶπεν . . . παντὶ τῷ λαῷ (1)  
 — 12. προφητεύσαι . . . πάντας τοὺς λόγους (1)  
 — 15. λαλήσαι . . . πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 16. εἶπαν οἱ ἄρχοντες καὶ π. ὁ λαός (1)  
 — 17. εἶπαν πάσῃ τῇ συναγωγῇ τοῦ λαοῦ (1)  
 — 18. εἶπε παντὶ τῷ λαῷ Ἰούδα (1)  
 — 19. Ἐξέκλινε καὶ π. Ἰούδα (1)  
 — 20. ἐπροφήτευσεν . . . κατὰ πάντας τοὺς λόγους (1)  
 — 21. ἤκουσεν ὁ βασιλ. Ἰ. καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες πάντας τοὺς λόγους αὐτοῦ (1, -)  
 34 (27). 6. A ἔδοκα τὴν γῆν πᾶσαν [B S om.] (1)  
 — 12. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 16. παντὶ τῷ λαῷ τούτῳ . . . ἐλάλησα (1)  
 35 (28). 1. κατ' ὀφθαλμοῖς τῶν ἱερέων καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ (1)  
 — 5. κατ' ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ (1)  
 — 6. τοῦ ἐπιστρέψαι . . . πᾶσαν τὴν ἀποικίαν (1)  
 — 7. εἰς τὰ ὅσα παντὸς τοῦ λαοῦ (1)  
 — 10. ἐν ὀφθαλμοῖς παντὸς τοῦ λαοῦ (1)  
 — 11. κατ' ὀφθαλμοῖς παντὸς [B S om.] τοῦ λαοῦ (1)  
 — 11. ἀπὸ τραχήλων πάντων τῶν ἐθνῶν (1)  
 — 14. ἐπὶ τὸν τραχήλον πάντων τῶν ἐθνῶν (1)  
 36 (29). 1. A S καὶ πρὸς π. [B ἄπ.] τὸν λαόν (1)  
 — 2. ἐξελεθόντος Ἰ. . . καὶ παντὸς ἐλευθέρου (1)  
 — 22. ἐν πάσῃ τῇ ἀποικίᾳ [S ἀποκρίσει] Ἰούδα (1)  
 — 26. γενέσθαι ἐπιστάτην . . . παντὶ ἀνθρώπῳ προφητεύοντι καὶ παντὶ ἀνθρώπῳ μαρτυροῦντι (1, -)  
 37 (30). 2. γράψον πάντας τοὺς λόγους (1)  
 — 6. ὥρακα πάντα ἄνθρωπον (1)  
 — 14. πάντες οἱ φίλοι σου ἐπελάβοντό σου (1)  
 — 14. ἐπὶ πᾶσαν ἀδικίαν σου ἐπλήθυναν αἱ ἀμαρτίαι σου (1)  
 — 16. πάντες οἱ ἐσθόντες σε [B εἰ ἐχθροί σου] βρωθήσονται καὶ πάντες οἱ ἐχθροί σου κρέας αὐτῶν πᾶν ἔδονται (1, 1, 1)  
 — 16. πάντας τοὺς προνομιεῖντας σε δώσω [B al.] (1)
- Je. 38 (31). 24. ἐν πάσῃ τῇ γῇ [A πάσαις ταῖς πόλεσι, B πάσῃ πόλει] αὐτοῦ (1)  
 — 25. ἐμήθυσα πᾶσαν ψυχὴν διψώσαν καὶ πᾶσαν ψυχὴν πεινώσαν ἐνέπλησα (-, 1)  
 — 34. πάντες εἰδήσουσί με (1)  
 — 37. περὶ πάντων ὧν ἐποίησα (1)  
 — 36. γενέσθαι ἔθνος . . . πάσας τὰς ἡμέρας (1)  
 — 40. πάντες ἀσαρηνῶδες ὡς νάχαλ Κεδρών (1)  
 39 (32). 12. A κατ' ὀφθαλμοῖς τῶν Ἰουδαίων πάντων [B S om.] (1)  
 — 23. ἐποίησαν συμβῆναι αὐτοῖς πάντα [A ἄπ.] τὰ κακὰ ταῦτα (1)  
 — 27. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς πάσης σαρκὸς (1)  
 — 32. διὰ πάσας τὰς πονηρίας τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (1)  
 — 37. συνάγω αὐτοὺς ἐκ πάσης τῆς γῆς (1)  
 — 39. φοβηθήναι με πάσας τὰς ἡμέρας (1)  
 — 41. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ ἐν πάσῃ ψυχῇ (1, 1)  
 — 42. ἐπήγαγον . . . π. τὰ κακὰ τὰ μεγάλα τ. (1)  
 — 42. ἐπάξω . . . πάντα τὰ ἀγαθὰ (1)  
 40 (33). 5. περὶ πασῶν τῶν πονηριῶν αὐτῶν (1)  
 — 8. καθαρῶς αὐτοὺς ἀπὸ π. τῶν ἀδικιῶν αὐ. (1)  
 — 9. εἰς μεγαλειότητα παντὶ τῷ λαῷ τῆς γῆς (1)  
 — 9. οἵτινες ἀκούονται πάντα τὰ ἀγαθὰ (1)  
 — 9. περὶ πάντων τῶν ἀγαθῶν καὶ περὶ πάσης τῆς εἰρήνης (1, 1)  
 — 11. ἀποστρέψω [B ἐπιστρέψω] πᾶσαν τὴν ἀποικίαν τῆς γῆς [A τὴν ἀ. πάσης τῆς γῆς] (1)  
 — 12. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν αὐτοῦ (1)  
 41 (34). 1. πᾶν τὸ στρατόπεδον αὐτοῦ καὶ πᾶσα ἡ γῆ ἄρχῃ αὐτοῦ ἐπολιμούμεν . . . ἐπὶ πάσας τὰς πόλεις Ἰούδα (1 ter)  
 — 6. ἐλάλησεν . . . πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 10. ἐπεστράφησαν πάντες οἱ μεμιστᾶες καὶ π. ὁ λαός (1, 1)  
 — 17. εἰς διασπορὰν πάσας ταῖς βασιλείας τῆς γῆς (1)  
 42 (35). 3. ἐξήγαγον [A ἤγ.] . . . πᾶσαν τὴν οἰκίαν Ἀρχαβείν (1)  
 — 7. πάσας τὰς ἡμέρας [A add. τῆς ὥρῃς] ἡμῶν (1)  
 — 8. πάσας τὰς ἡμέρας [A add. τῆς ὥρῃς] ἡμῶν (1)  
 — 10. ἐποίησαμεν [A om.] κατὰ πάντα (1)  
 — 17. B S φέρω ἐπὶ Ἰούδαν . . . πάντα τὰ κακὰ (1)  
 — 19. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς γῆς (1)  
 43 (36). 2. γράψον . . . π. τοὺς λόγους (1)  
 — 2. ἐπὶ Ἰούδα καὶ ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (1)  
 — 3. ἀκούσεται ὁ οἶκος Ἰούδα πάντα τὰ [A σὰ] κακὰ (1)  
 — 4. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου (1)  
 — 6. ἐν ὧσι παντὸς Ἰούδα [A τοῦ λαοῦ] (1)  
 — 8. ἐποίησε Βαρουχ κατὰ πάντα (1)  
 — 9. ἐξεκκλησιάσαν ἡσθεῖαν . . . π. ὁ λαός (1)  
 — 10. ἐν ὧσι [A εἰς τὰ ὧ.] παντὸς τοῦ λαοῦ (1)  
 — 11. A ἤκουσε M. . . π. [B S ἄπ.] τοὺς λόγους κυρίου (1)  
 — 12. ἐκεῖ πάντες οἱ ἄρχοντες ἐκάθητο . . . καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες (1, 1)  
 — 13. ἀνγγεῖλαν αὐτοῖς M. π. τοὺς λόγους (1)  
 — 14. ἀπέστειλαν πάντες οἱ ἄρχοντες (1)  
 — 16. ὡς ἤκουσαν πάντας τοὺς λόγους (1)  
 — 16. A S ἀναγγεῖλωμεν . . . πάντας [B ἄπ.] τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 17. ποῦ [A S πόθεν] ἔγραψας πάντας [B S om.] τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 18. ἀνγγεῖλε μοι ἱερ. πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 20. ἀνγγεῖλαν τῷ βασιλεῖ πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 21. εἰς τὰ ὅσα πάντων [A om.] τῶν ἀρχόντων (1)  
 — 23. ὡς ἐξέλιπε π. ὁ χάρτης (1)  
 — 24. οἱ ἀκούοντες πάντας [A -es] τοὺς λόγους τούτους (1)  
 — 27. μετὰ τὸ κατακαύσαι . . . πάντας τοὺς λόγους (1)  
 — 28. γράψον πάντας [A ἄπ.] τοὺς λόγους (1)  
 — 31. ἐπάξω . . . πάντα τὰ κακὰ (1)  
 — 32. S ἔγραψεν . . . π. [A B ἄπ.] τοὺς λόγους (1)  
 44 (37). 10. ἐὰν πατάξῃ π. δύναμιν τῶν Χ. (1)  
 45 (38). 4. ἐκλείν . . . τὰς χεῖρας παντὸς τοῦ λαοῦ (1)  
 — 22. πᾶσαι αἱ γυναῖκες . . . ἐξήγγοντο (1)  
 — 27. ἤλθον πάντες οἱ ἄρχοντες (1)  
 — 27. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τούτους (1)  
 46 (39). 1. παρεγένετο . . . πᾶσα ἡ δύναμις αὐτοῦ (1)  
 — 3. ἐσλήθον πάντες οἱ ἡγούμενοι [A S ἡγεμόνες] (1)  
 47 (40). 5. S εἰς πάντα [A B ἄπ.] τὰ ἀγαθὰ (1)  
 — 7. ἤκουσαν πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως (1)

- Je. 47 (40). 11. πάντες οἱ Ἰουδαῖοι οἱ ἐν Μωάβ  
... καὶ οἱ ἐν π. τῇ γῇ Ἰερουσαλὴμ (1, 1)  
— 13. πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως ... ἦλθον (1)  
— 15. διασπαρῇ π. Ἰουδα [A-ρήσονται πάντες οἱ Ἰουδαῖοι] (1)
- 48 (41). 3. ἐπάταξαν ... πάντας τοὺς Ἰουδαίους ... καὶ πάντας τοὺς Χ. (1, -)  
— 9. ἔρριψεν ἐκεῖ Ἰσραὴλ πάντας (1)  
— 10. ἀπέστρεψεν Ἰσραὴλ πάντα τὸν λαόν (1)  
— 11. ἤκουσαν ... π. οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως οὐ μετ' αὐτοῦ π. τὰ κακά (1, 1)  
— 12. B ἤγαγον π. [AB ἀπην] τὸ στρατόπεδον αὐτ. (1)  
— 13. A ἴδον αὐτὸν π. ὁ λαὸς ... τὸν Ἰ. καὶ π. [B B om.] τοὺς ἡγεμόνας (1, 1)  
— 16. ἔλαβεν Ἰ. καὶ π. οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως οὐ μετ' αὐτοῦ π. τοὺς καταλοιπούς (1, 1)
- 49 (42). 1. προσήλθον πάντες οἱ ἡγεμόνες ... καὶ π. ὁ λαὸς (1, 1)  
— 5. εἰ μὴ κατὰ πάντα τὸν λόγον (1)  
— 8. A ἐκάλεσε ... π. [B B om.] τοὺς ἡγεμόνας τῆς δυνάμ. καὶ πάντα τὸν λαόν (1, 1)  
— 17. ἔσονται πάντες οἱ ἄνθρωποι καὶ πάντες οἱ ἀλλογενεῖς (1, -)  
— 20. κατὰ πάντα ... ποιήσωμεν (1)
- 50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἰερ. λέγων ... π. τοὺς λόγους κυρίου ... π. τοὺς λόγους τούτους (1, 1)  
— 2. εἶπεν Ἀζαρίας ... καὶ πάντες οἱ ἄνδρες (1)  
— 4. οὐκ ἤκουσεν Ἰωάναν καὶ πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως καὶ π. ὁ λαὸς (1, 1)  
— 5. ἔλαβεν Ἰωάναν καὶ πάντες οἱ ἡγεμόνες τῆς δυνάμεως πάντας [AB ἀπ.] τοὺς καταλοιπούς [A B λ.] Ἰουδα (1, 1)  
— 6. A καὶ π. [B B om.] τὰς ψυχὰς δε κατέλιπε Ν. (1)  
— 8. εἰς οὐκ εὐδοκίαν ἐν [A om.] πᾶσι τοῖς ἔθνεσι τῆς γῆς (1)  
— 12. τοῦ ἀπολείπει [B πολεμήσαι] πάντας τοὺς καταλοιπούς -  
— 15. ἀπεκρίθησαν ... πάντες [A ἀπ.] οἱ ἄνδρες ... καὶ πᾶσαι αἱ γυναῖκες συναγωγῇ μεγάλῃ καὶ π. ὁ λαὸς (1 ter)  
— 17. ποιήσωμεν πάντα τὸν λόγον (1)  
— 18. ἠλαττώθημεν πάντες [A αἰ.] (1)  
— 20. εἶπεν Ἰερεμίας παντὶ τῷ λαῷ ... παντὶ τῷ λαῷ (1, 1)  
— 26. π. Ἰουδα οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1)  
— 26. ἐν τῷ στόματι παντὸς Ἰουδα εἶπεν, 2η κύριος ἐπὶ πάσῃ γῇ Αἰγ. (2 a, 1)  
— 27. ἐκλείψουσιν π. Ἰουδα (2 a)  
— 35 (45. 5). ἐπάγω κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1)  
— 35 (45. 5). εἰς [B om.] εὐρεμα ἐν παντὶ τόπῳ (1)  
52. 4. ἦλθε Ναβ. ... καὶ π. ἡ δύναμις αὐτ. (1)  
— 7. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ ἐξῆλθον (1)  
— 8. πάντες οἱ παῖδες αὐτοῦ διεσπάρσαν (1)  
— 10. πάντας τοὺς ἄρχοντας Ἰουδα ἐσφαζεν (1)  
— 13. πᾶσας τὰς οἰκίας τῆς πόλεως καὶ πᾶσαν οἰκίαν μεγάλην ἐνέπρησεν (1, 1)  
— 14. πᾶν τείχος [A add. ἐν] Ἰερουσαλὴμ κύκλῳ καθεῖλεν (1)  
— 18. πάντα τὰ σκεύη τὰ χαλκὰ ... ἔλαβεν (1)  
— 22. τὰ πάντα χαλκὰ (1)  
— 23. ἦσαν αἱ π. ῥοαὶ ἐκατόν (1)  
— 33. ἥσθην ἄρτον διὰ παντός ... πᾶσας τὰς ἡμέρας δε εἶχον (8 g, 1)  
— 34. ἡ συνταξὶς αὐτῷ ἰδίῳ διὰ παντός (8 g)  
Ba. 1. 3. ἐν ὧσι παντὸς τοῦ λαοῦ (1)  
— 4. ἐν ὧσι παντὸς τοῦ λαοῦ ... πάντων τῶν ἐνοικούντων ἐν Βαβυλῶνι (1)  
— 7. πρὸς πάντα τὸν λαόν (1)  
— 21. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τῶν προφητῶν (1)  
2. οὐκ ἐποιήθη ὑποκάτω παντός τοῦ οὐρανοῦ (1)  
— 4. ἔδωκεν αὐτοῖς ὑποχειρίους πᾶσας τὰς βασιλείας ... ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τοῖς κύκλῳ (1)  
— 8. πάντα τὰ κακὰ ταῦτα ἃ ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς (1)  
— 9. δικαίος ὁ κύριος ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ (1)  
— 12. ἐπὶ πᾶσι τοῖς δικαιοφύμοις σου (1)  
— 15. ἡ γὰρ πᾶσα ἡ γῇ ὅτι σὺ κύριος (1)  
— 23. ἔσται πᾶσα ἡ γῇ εἰς ἄβασον (1)  
— 27. κατὰ πᾶσαν ἐπιτεκνίαν σου καὶ κατὰ πάντα οὐκισμὸν σου (1)  
8. 7. ἀπεστρέψαμεν ... πᾶσαν ἀδικίαν πατέρων ἡμῶν (1)  
— 8. κατὰ πᾶσας τὰς [A om.] ἀδικίας πατέρων ἡμῶν (1)  
— 32. οἱ εἰδὸς τὰ π. γινώσκει αὐτὴν (1)  
— 36. ἐξέτιρε πᾶσαν ὁδὸν ἐπιστήμης (1)
- Ba. 4. 1. πάντες οἱ κρατοῦντες αὐτὴν [A-ῆς] εἰς ζῶην (1)  
5. 3. δείξει τῇ ὑπ' οὐρανὸν πάσῃ τῇ σὺν λαμπρότητι (1)  
— 7. συντάξαι ... ταπεινωθῆναι πᾶν ὄρος ὑψηλόν (1)  
— 8. ἐσκίασαν δὲ καὶ οἱ δρυμοὶ καὶ πᾶν ξύλον εὐωδίας (1)  
La. 1. 2. ἀπὸ πάντων τῶν ἀγαπώντων αὐτὴν (1)  
— 2. π. οἱ φιλοῦντες αὐτὴν ἠθέτησαν (1)  
— 3. πάντες οἱ καταδικώστες [B δ.] αὐτὴν (1)  
— 4. πᾶσαι αἱ πόλεις αὐτῆς ἠφανισμέναι (1)  
— 6. ἐξήρθη [AB-ῆλθεν] ... πᾶσα ἡ εὐπρέπεια αὐτῆς (1)  
— 7. πάντα τὰ ἐπιθυμήματα αὐτῆς (1)  
— 8. πάντες οἱ δοξάζοντες αὐτὴν ἐταπεινώσαν αὐτὴν (1)  
— 10. ἐπὶ πάντα τὰ ἐπιθυμήματα αὐτῆς (1)  
— 11. π. ὁ λαὸς αὐτῆς κατασπένδοντες (1)  
— 12. οἱ πρὸς ἡμᾶς πάντες παραπορευόμενοι ὁδὸν (1)  
— 15. ἐξῆρε πάντας τοὺς ἰσχυροὺς μου ὁ κύριος (1)  
— 18. ἀκούσατε δὴ, πάντες οἱ [B om.] λαοὶ (1)  
— 21. πάντες οἱ ἐχθροὶ μου ἤκουσαν τὰ κακὰ μου (1)  
— 22. εἰσελθοὶ πᾶσα ἡ κακία αὐτῶν (1)  
— 22. περὶ πάντων τῶν ἁμαρτημάτων μου (1)  
2. 2. πάντα τὰ ῥαῖα Ἰακώβ καθεῖλεν (1)  
— 3. συνέκλασεν ... πᾶν κέρας Ἰσραὴλ (1)  
— 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλῳ (1)  
— 4. ἀπέκτεινε πάντα τὰ [B om.] ἐπιθυμήματα (1)  
— 5. A κατεπότισε π. [B B om.] τὰς βάρεις αὐτ. (1)  
— 15. ἐκρότησαν ... πάντες οἱ παραπορευόμενοι ὁδὸν (1)  
— 15. στέφανος εὐφροσύνης πάσης τῆς γῆς (1)  
— 16. διηροῦν ἐπὶ σὲ στόμα αὐ. πάντες οἱ ἐχθροὶ σου (1)  
— 19. ἐπ' ἀρχῆς πᾶσων ἐξόδων (1)  
— 22. ἐπληθύνει ἐχθροὺς μου πάντας (1)  
3. 14. ἐγενήθη γέλως παντὶ [A π. τῷ] λαῷ μου (1)  
— 34. τοῦ ταπεινώσαι ... πάντας δεσμίους γῆς (1)  
— 46. διήνοιξαν ... τὸ στόμα αὐτῶν πάντες οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν (1)  
— 51. παρὰ πᾶσας θυσίας πώλεως (1)  
— 52. π. [A om.] οἱ ἐχθροὶ μου δωρεὰν ἐθανάτωσαν (1)  
— 60. εἶδες πᾶσαν τὴν ἐκδικίαν αὐτῶν εἰς πᾶσας τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν (1, 1)  
— 61. ἤκουσας ... πάντας τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν (1)  
4. 1. ἐπ' ἀρχῆς πᾶσων ἐξόδων (1)  
— 12. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (1)  
Ep. Je. 25. ἐκ πάσης τιμῆς ἡγορασμένα ἐστίν (1)  
— 44. B πάντα τὰ γεγόμενα ἐν [A παρ', B om.] αὐτοῖς ἐστὶ ψευδῆ (1)  
— 51. τοῖς ἔθνεσι π. τοῖς τε βασιλ. φανερόν ἐσται (1)  
— 61. ἐν πάσῃ χώρα πνέει (1)  
— 71. ἐφ' ἧς πᾶν ὄρεον ἐπικάθηται (1)  
Ez. 3. 7. π. ὁ οἶκος Ἰσραὴλ φιλονεικοὶ εἰσι (1)  
— 8. ἔσται διὰ παντός κρατούμενος πέτρας (1)  
— 10. πάντας τοὺς λόγους ... λάβε εἰς τὴν καρδίαν σου (1)  
4. 6. A συντελέσεις αὐτὰ πάντα [B σ. ταῦτα] (1)  
— 14. οὐδὲ εἰσελήλυθεν ... πᾶν κρέας ἔωλον (1)  
5. 4. εἶρεῖς παντὶ οἴκῳ Ἰσραὴλ (1)  
— 9. κατὰ πάντα τὰ βδελύγματά σου (1)  
— 10. διασκορπίω πάντας τοὺς καταλοιπούς σου εἰς πάντα ἄνεμον (1, 1)  
— 11. ἐμίανας ἐν πᾶσι τοῖς βδελύγμασί [A προσοχθίσμασιν σου καὶ ἐν πᾶσιν τοῖς βδ.] σου (1, 1)  
— 12. τὸ τέταρτον σου εἰς πάντα ἄνεμον σκορπίω [A διασπερῶ] αὐτούς (1)  
— 14. ἐνώπιον παντός διεδοῦντος (1)  
6. 6. διασκορπίω ... ἐν πάσῃ τῇ κατοικίᾳ ὑμῶν (1)  
— 9. ἐν π. τοῖς βδελύγμασιν αὐτῶν [A add. καὶ ἐν π. τοῖς ἐπιτηδεύμασιν αὐτῶν] (1, -)  
— 11. εὐγε ἐπὶ πᾶσι τοῖς βδελύγμασιν οἴκου Ἰσραὴλ (1)  
— 13. ἐπὶ πάντα θοῦνον ὑψηλόν (1)  
— 13. A ἐν πᾶσας κορυφαῖς τῶν ὄρεων (1)  
— 13. A ὑποκάτω πάσης δρυὸς δασείας (1)  
— 13. ἔδωκεν ἐκεῖ ὁσμὴν εὐωδίας πᾶσι τοῖς εἰδωλοῖς αὐτῶν (1)  
— 14. ἐκ πάσης τῆς κατοικεσίας [A -κίας] αὐτῶν (1)  
7. 9 (8). 7 (3). δάσω ἐπὶ σὲ πάντα τὰ βδελύγματά σου (1)  
— 12. A ὄργη εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (1)  
— 13. A ὄρασις εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς οὐκ ἀνακάμψει (1)  
— 14. A ἡ ὄργη μου εἰς πᾶν τὸ πλῆθος αὐτῆς (1)  
— 16. πάντας ἀποκτενῶ (1)
- Ez. 7. 17. πᾶσαι χεῖρες ἐκλυθήσονται καὶ πάντες μῆροὶ μολυνθήσονται (1, 1)  
— 18. ἐπὶ πᾶν πρόσωπον ἀλαχύνῃ ... καὶ ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φολακρῶμα (1, 1)  
8. 10. A πᾶσα ὁμοίωσις ἐρεπετοῦ (1)  
— 10. πάντα τὰ εἰδωλά οἴκου Ἰσραὴλ (1)  
9. 4. ἐπὶ τὰ μέτωπα ... τῶν κατωδυνωμένων ἐπὶ πᾶσας τὰς ἀνομίας (1)  
— 6. ἐπὶ δὲ πάντας ἐφ' οὓς ἐστὶ τὸ σημεῖον μὴ ἐγγίσητε (5 a)  
11. 15. π. ὁ οἶκος τοῦ Ἰσραὴλ συντετέλειται (1)  
— 16. διασκορπίω αὐτοὺς εἰς πᾶσαν [A π. τὴν] γῆν (1)  
— 18. ἐξαρῶσι πάντα τὰ βδελύγματα αὐτῆς καὶ πᾶσας τὰς ἀνομίας αὐτῆς (1, 1)  
— 25. ἐλάλησα ... πάντας τοὺς λόγους τοῦ κυρίου (1)  
12. 7. ἐποίησα οὕτως κατὰ πάντα (1)  
— 10. παντὶ οἴκῳ Ἰσραὴλ (1)  
— 14. πάντας τοὺς κύκλῳ αὐτοῦ ... καὶ πάντας τοὺς ἀντιλαμβανόμενους αὐτοῦ διασπερῶ εἰς πάντα ἄνεμον (1 ter)  
— 16. ὅπως ἐκδιγῶνται πᾶσας [A om.] τὰς ἀνομίας αὐτῶν (1)  
— 19. ἐν ἀσβερίᾳ γὰρ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (1)  
— 23. λόγος πάσης δόσεως (1)  
— 24. οὐκ ἔσται ἔτι πᾶσα βρασις ψευδῆς (1)  
— 28. οὐ μὴ μὴκύνουσιν οὐκέτι πάντες οἱ λόγοι μου (1)  
18. 18. ὑπὸ [A ἐπὶ] πάντα ἀγκῶνα χειρὸς καὶ ποιούσας ἐπιβόλαια ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν πάσης ἡλικίας (1, -)  
14. 6. ἀποστρέψατε ... ἀπὸ πᾶσων τῶν ἀσβερίων ὑμῶν (1)  
— 11. ὕψι μὴ μαινόμεναι ἔτι ἐν πᾶσι τοῖς παραπτώμασιν αὐτῶν (1)  
— 22. AB πάντα τὰ [B om.] κακὰ ἃ ἐπείγαγον ἐπ' αὐτὴν (1)  
— 23. οὐ μὴ μὴν πεποιήκα πάντα (1)  
15. 2. ἐκ πάντων τῶν ξύλων τῶν κλημάτων (1)  
— 3. τοῦ κρεμάσαι ἐπ' αὐτὸν πᾶν σκεῦος (1)  
16. 5. τοῦ ποιῆσαι σοι ἐν ἐκ παντός τούτων (1)  
— 15. ἐξεχεας τὴν πορείαν σου ἐπὶ πάντα παράδοον (1)  
— 22. τοῦτο παρὰ πᾶσαν τὴν πορείαν σου (1)  
— 23. ἐγένετο μετὰ πᾶσας τὰς κακίας σου (1)  
— 24. ἐποίησας σεαυτῇ ἐκθεμα ἐν πάσῃ πλατείᾳ (1)  
— 25. ἐπ' ἀρχῆς πάσης ὁδοῦ [A ἀρχὴν πᾶσων ἐξόδων] φλοκοδύμας τὰ πορεύειά σου (1)  
— 25. διήγαγες [A ἦγ.] τὰ σκελὴ σου παντὶ παράδοον (1)  
— 30. ἐν τῷ ποιῆσαι σε πάντα ταῦτα [A om. π. τ.] ἔργα (1)  
— 31. τὸ πορεύειν φλοκοδύμας ἐν πάσῃ ἀρχῇ [A ἐπὶ πάσης ἀρχῆς] ὁδοῦ ... ἐν πάσῃ πλατείᾳ (1, 1)  
— 33. πᾶσι τοῖς ἐκπορεύουσιν αὐτὴν (1)  
— 33. δέδωκας μισθώματα [A om. δ. μ.] πᾶσι τοῖς ἐρασταῖς σου (1)  
— 36. εἰς [A ἐπὶ] πάντα τὰ ἐνθυμήματα τῶν ἀνομῶν σου (1)  
— 37. ἐπισυνέγω πάντας τοὺς ἐραστάς σου ... καὶ πάντας οὓς ἠγάπησας σὺν πᾶσιν οἷς ἐμίσης (1 ter)  
— 37. ὄψονται πᾶσαν τὴν αἰσχύνην σου (1)  
— 43. ἐλπίσεις με ἐν πᾶσι τοῖς οἰκτοῖς (1)  
— 43. ἐποίησας τὴν ἀσβερίαν ἐπὶ π. ταῖς ἀνομίαις σου (1)  
— 44. ταῦτα ἐστὶ πάντα ὅσα εἶπαν κατὰ σοῦ (1)  
— 47. ὑπέρκεισαι αὐτὰς ἐν π. ταῖς ὁδοῖς σου (1)  
— 51. ἐδικαίωσας τὰς ἀδελφάς σου ἐν π. ταῖς ἀνομίαις σου (1)  
— 54. ἀτιμώρησεν ἐκ πάντων ὧν ἐποίησας (1)  
— 57. οὐκ εἶδον ... πάντων τῶν κύκλῳ αὐτῆς (1)  
— 63. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησας (1)  
17. 9. ἐξηρανήσεται π. τὰ προανατελλόντα αὐτῆς (1)  
— 18. πάντα ταῦτα ἐποίησεν αὐτῷ (1)  
— 21. A π. φυγαδεύεις αὐτοῦ [B om. π. ... αὐ.] ἐν πάσῃ τῇ [B om.] παρατάξει αὐτοῦ ἐν βομφαίᾳ πεσοῦνται (1, 1)  
— 21. τοὺς καταλοιπούς εἰς πάντα ἄνεμον διασπερῶ (1)  
— 23. ἀναπαύεται ὑποκάτω αὐτοῦ πᾶν ὄρεον καὶ πᾶν πετεινὸν [A θηρίον κ. τὰ πετ.] ὑπὸ τὴν σκίαν αὐτοῦ ἀναπαύεται (1, 1)

- Εζ. 17. 24. γνώσονται π. τὰ ξύλα τοῦ πεδίου (1)  
 18. 4. π. αἱ ψυχὰς ἡμαί εἰσιν (1)  
 — 13. π. τὰς ἀνομίας ταύτας ἐποίησε (1)  
 — 14. ἰδὲ π. τὰς ἁμαρτίας τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (1)  
 — 19. πάντα τὰ νόμιμα μου συνετήρησε (1)  
 — 21. εἰς ἀποτρέψην ἐκ π. τῶν ἀνομίων αὐτοῦ  
 . . . καὶ φυλάξεται π. τὰς ἐντολάς  
 μου (1, 1)  
 — 22. π. τὰ παραπτώματα αὐτοῦ [Α π. αἱ  
 ἀδικίαι] . . . οὐ μνησθήσονται (1)  
 — 24. ποιήσει ἀδικίαν κατὰ π. τὰς ἀνομίας ἃς  
 ἐποίησεν ὁ ἄνομος π. αἱ δικαιοσύναι  
 αὐτοῦ . . . οὐ μὴ μνησθῶσιν (1, 1)  
 — 25. Β ἀκούσατε δὴ π. ὁ [Α om., Β om. π.  
 ὁ] οἶκος Ἰσραὴλ —  
 — 28. ἀπέστρεψεν ἐκ π. [Α π. τῶν] ἀσεβειῶν  
 αὐ. (1)  
 — 30. ἀποστρέψατε ἐκ π. τῶν ἀσεβειῶν ὑμῶν  
 — 31. ἀπορίψατε ἀφ' ἐαυτῶν π. τὰς ἀσεβείας  
 ὑμῶν (1)  
 — 31. Α ποιῶσατε πάσας τὰς ἐντολάς μου  
 20. 6, 15. κρινὼν ἐστὶ παρὰ π. τὴν γῆν (1)  
 — 26. ἐν τῇ διαπορεύσειαί μου πᾶν διανοίγον  
 μήτταν (1)  
 — 28. ἴδον πάντα [Α Β<sup>3</sup> πάν] βουρὸν ὑψηλὸν  
 καὶ πᾶν ξύλον κατασκευῶν (1, 1)  
 — 31. ἐν π. τοῖς ἐνθυμημαῖν ὑμῶν (1)  
 — 40. δουλεύουσιν μοι π. οἶκος Ἰσραὴλ  
 — 40. ἐπισκέψομαι . . . ἐν π. τοῖς ἀγιασμοῖν  
 ὑμῶν (1)  
 — 43. κόψασθε τὰ πρόσωπα ὑμῶν ἐν π. ταῖς  
 κακίαις ὑμῶν (1)  
 — 47 (21. 3). Α Β καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν  
 [Β om.] ξύλον χλωρὸν καὶ πᾶν ξύλον  
 ξηρὸν (1, 1)  
 — 47 (21. 3). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν  
 πρόσωπον (1)  
 — 48 (21. 4). ἐπιγνώσεται πᾶσα σὰρξ (1)  
 21. 4 (9). ἐξελεύσεται τὸ ἔγχειριδιόν μου . . .  
 ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1)  
 — 5 (10). ἐπιγνώσεται πᾶσα σὰρξ (1)  
 — 7 (12). θρασυθήσεται πᾶσα καρδία καὶ  
 πᾶσαι χεῖρες παραλυθήσονται καὶ  
 ἐκνήξεται πᾶσα σὰρξ καὶ πᾶν πνεῦμα  
 καὶ πάντες μῆροὶ μολυνθήσονται  
 (1, 1, —, 1, 1)  
 — 10 (15). ἠπώθου πᾶν ξύλον (1)  
 — 12 (17). αὕτη ἐν π. τοῖς ἀφηγουμένοις τοῦ  
 Ἰσραὴλ (1)  
 — 15 (20). Α θρασυθήσεται πᾶσα [Β μὴ  
 θρασυθῇ ἢ] καρδία —  
 — 15 (20). πληθυνθῶσιν οἱ ἀσθενούντες ἐπὶ  
 πᾶσαν πύλιν (1)  
 — 24 (29). τὸ ὁραθῆναι ἁμαρτίας ὑμῶν ἐν π.  
 ταῖς ἀσεβείαις ὑμῶν (1)  
 22. 2. παράδειξον αὐτῇ π. τὰς ἀνομίας αὐτῆς  
 — 4. εἰς ἐμπαῖγμόν π. ταῖς χώραις  
 — 18. ἀναμειγμένοι πάντες χαλῶσιν [Α al.]  
 — 19. Α ἀνθ' ὧν ἐγένεσθε πάντες [Β om.] εἰς  
 σύγκρασιν μίαν (1)  
 23. 6. πάντες ἱππεῖς [Α<sup>1</sup> -οῖς] ἱππαζόμενοι (1)  
 — 7. ἐπὶ δεικτοὶ υἱοὶ Ἀσσυρίων πάντες καὶ ἐπὶ  
 πάντας οὐδ' ἐπέθετο' ἐν π. τοῖς ἐν-  
 θυμημαῖν αὐτοῖς ἡμαίνετο (1 ter)  
 — 12. νεανίσκοι ἐπὶ δεικτοὶ πάντες (1)  
 — 15. ὄψεις τρισσῇ πάντων (1)  
 — 23. ἐπάξω . . . π. τοὺς Χαλδαίους . . . καὶ  
 πάντας υἱοὺς Ἀσσυρίων . . . πάντας  
 τρισσοὺς (1 ter)  
 — 24 (23). πάντες ἔξουσιν ἐπὶ σὲ ἀπὸ βορρᾶ  
 — 29. ληφύουσιν π. τοὺς πένους σου (1)  
 — 48. παιδευθήσονται π. αἱ γυναῖκες  
 24. 4. ζῆμβαλε . . . πᾶν διχοτόμημα καλὸν  
 — 24. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησα ποιήσετε  
 25. 8. ὃν τρόπον π. τὰ ἔθνη οἴκος Ἰσραὴλ (1)  
 26. 11. καταπατήσουσι σου πάσας τὰς πλετίας  
 — 16. καταβήσονται . . . π. οἱ ἄρχοντες (1)  
 — 17. ἡ δοῦσα τὸν φόβον αὐτῆς π. τοῖς κατοικ-  
 οῦσιν αὐτήν (1)  
 27. 9. π. τὰ πλοῖα τῆς θαλάσσης . . . ἐγένοντό  
 σοι (1)  
 — 12. ἀπὸ πλῆθους πάσης ἰσχύος σου  
 — 18. εἰ πλῆθους πάσης δυνάμεως σου  
 — 21. ἡ Ἀραβία καὶ π. οἱ ἄρχοντες Κηδάρ  
 — 27. π. οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ σου οἱ ἐν σοὶ  
 καὶ πᾶσα [Α π. ἡ] συναγωγὴ σου (1, 1)
- Εζ. 27. 29. καταβήσονται ἀπὸ τῶν πλοίων π. οἱ  
 κωπηλάται (1)  
 — 33. ἐπλούτησας πάντας [Α π. τοὺς] βασιλεῖς —  
 — 34. π. ἡ συναγωγὴ σου . . . ἔπесον π. [Α  
 καλ] οἱ κωπηλάται σου (1, —)  
 — 35. π. οἱ κατοικοῦντες τὰς νήσους (1)  
 28. 13. πᾶν [Α πάντα] λίθον χρηστὸν ἐνδέξεται (1)  
 — 18. ἐναντίον π. τῶν ὀρώτων σε (1)  
 — 19. π. οἱ ἐπιστάμενοι σε ἐν τοῖς ἴδουσι (1)  
 — 26. ὅταν ποιῶσω κρίμα ἐν π. τοῖς ἀτιμάσα-  
 σιν αὐτοὺς (1)  
 29. 4. Α καὶ π. τοὺς ἰχθύας τοῦ ποταμοῦ σου  
 — 5. καταβαλῶ . . . π. τοὺς ἰχθύας τοῦ ποτα-  
 μοῦ σου (1)  
 — 6. γνώσονται π. οἱ κατοικοῦντες Ἀίγυπτον  
 — 7. ἐπεκρότησεν ἐπ' αὐτοὺς πᾶσα χεὶρ  
 — 7. συνεκλάσας αὐτὰν πᾶσαν ὁσφύν (1)  
 — 9. Α ἴσται π. [Β om.] ἡ γῆ Αἰγύπτου ἀπώ-  
 λεια —  
 — 10. ἐγὼ ἐπὶ σὲ καὶ ἐπὶ π. τοὺς ποταμούς σου —  
 — 14 (15). ἴσται ἀρχὴ ταπεινὴ παρὰ π. τὰς  
 ἀρχάς —  
 — 18. πᾶσα κεφαλὴ φαλακρὰ [Α -ρωμα] καὶ  
 π. ὅμοι μαδῶν (1)  
 — 21. ἀνατελεῖ κέραν π. τῷ οἴκῳ Ἰσραὴλ  
 30. 5. Λίβυες καὶ π. οἱ ἐπὶ μίκτοι . . . πεσοῦνται (1)  
 — 8. Α γνώσονται πάντες [Β om.] ὅτι ἐγὼ  
 εἰμι κύριος —  
 — 8. π. οἱ βοηθοῦντες αὐτῇ (1)  
 — 11. ἐκκενώσουσι πάντες τὰς μαχαίρας αὐτῶν  
 — 26. γνώσονται πάντες ὅτι ἐγὼ εἰμι κύριος  
 31. 4. ἐξάψετε τὴν εἰς π. τὰ ξύλα τοῦ πεδίου (1)  
 — 5. ὑψώθη τὸ μέγεθος αὐτοῦ παρὰ π. τὰ ξύλα  
 — 6. ἐνόσσευσαν π. τὰ πετεινὰ . . . ἐγεννώσαν  
 π. τὰ θηρία . . . κατήκτισεν πᾶν πλῆ-  
 θος ἐθνῶν (1 ter)  
 — 8. πᾶν ξύλον ἐν τῷ παραδείσῳ τοῦ θεοῦ (1)  
 — 12. ἐν π. ταῖς φάραγγιν ἔπесαν οἱ κλάδοι  
 αὐ. καὶ συνετριβήθη τὰ στελέχη αὐ. ἐν  
 π. πεδίῳ τῆς γῆς καὶ κατέβησαν ἀπὸ  
 τῆς σκέπης αὐ. π. οἱ λαοὶ τῶν ἐθνῶν (1 ter)  
 — 13. ἀνεπαύσαντο π. τὰ πετεινὰ . . . ἐπὶ τὰ  
 στελέχη αὐτοῦ ἐγίνοντο π. τὰ θηρία (1, 1)  
 — 14. μὴ ὑψώθωσιν . . . π. τὰ ξύλα τὰ ἐν τῷ  
 ὕδατι (1)  
 — 14. π. οἱ πίνοντες ὕδωρ πάντες ἐδόθησαν  
 εἰς θάνατον (1, 1)  
 — 15. π. τὰ ξύλα τοῦ πεδίου (1)  
 — 16. παρεκάλουν αὐτὸν . . . π. τὰ ξύλα τῆς  
 τρυφῆς καὶ τὰ ἐλεκτὰ τοῦ Λιβάνου  
 π. τὰ πίνοντα ὕδωρ (1, 1)  
 — 17. Α π. [Β om.] οἱ κατοικοῦντες ὑπὸ τὴν  
 σκέπην αὐτοῦ —  
 — 18. Α οὗτος Φαραὼ καὶ π. [Β om.] τὸ πλῆθος (1)  
 32. 4. ἐπικαθίω ἐπὶ σὲ π. τὰ πετεινὰ . . . ἐμ-  
 πλῶσιν π. τὰ θηρία π. τῆς γῆς (1, —, 1)  
 — 5. Α ἐμπλήσω ἀπὸ τοῦ αἵματός σου πᾶσαν  
 γῆν [Β om. π. γ.] +  
 — 8. π. τὰ φαίνοντα φῶς ἐν τῷ οὐρανῷ (1)  
 — 12. λοιμοὶ ἀπὸ ἐθνῶν πάντες (1)  
 — 12. συντριβήσεται π. ἡ ἰσχύς αὐτῆς (1)  
 — 13. Α Β ἀπολώ π. τὰ [Β om.] κτήνη αὐτῆς (1)  
 — 15. διασπείρω π. τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (1)  
 — 16. ἐπὶ π. τὴν ἰσχὺν αὐτῆς θρηνήσουσιν  
 αὐτήν (1)  
 — 19. κοιμηθήσεται π. ἡ ἰσχύς αὐτοῦ —  
 — 22. Ἀσσοὺρ καὶ π. ἡ συναγωγὴ αὐτοῦ πάν-  
 τες τραυματῖαι ἐκεῖ ἐδόθησαν (1, 1)  
 — 23. π. οἱ [Α om.] τραυματῖαι οἱ πεπτοκότες  
 μαχαίρα (1)  
 — 23. Α πάντες αὐτοὶ τραυματῖαι —  
 — 24. π. ἡ δύναμις αὐτοῦ . . . π. οἱ τραυμα-  
 τῖαι (1, 1)  
 — 26. ἐδόθησαν . . . π. ἡ ἰσχύς αὐτῶν . . .  
 πάντες τραυματῖαι αὐτοῦ πάντες  
 ἀπέρτημτοι (1, —, 1)  
 — 27. ἐξεφύβησαν πάντας [Α<sup>1</sup> γίγαντας] ἐν τῇ  
 ζωῇ αὐτῶν +  
 — 29. Α π. οἱ ἄρχοντες Ἀσσυρίου [Β οἱ δ.  
 Ἀσσοὺρ] (1)  
 — 30. Α π. [Β om.] οἱ ἄρχοντες τοῦ βορρᾶ —  
 — 30. πάντες [Α add. αὐτοὶ πάντες] στρατη-  
 γοὶ Ἀσσοὺρ (1, 1)  
 — 31. παρακληθήσεται ἐπὶ π. τὴν ἰσχὺν [Α  
 π. τῇ ἰσχύϊ] αὐτῶν (1)  
 — 31. Α π. ἡ δύναμις αὐτοῦ (1)
- Εζ. 32. 32. καὶ π. τὸ πλῆθος αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (1)  
 33. 13. π. αἱ δικαιοσύναι αὐτοῦ οὐ μὴ ἀναμνη-  
 σθῶσιν [Α μν.] (1)  
 — 16. π. αἱ ἁμαρτίαι αὐτοῦ . . . οὐ μὴ ἀναμνη-  
 σθῶσιν [Α μν.] (1)  
 — 29. ἐρμηνεύσεται διὰ π. τὰ βδελύγματα  
 αὐτῶν (1)  
 34. 5. ἐγενήθη εἰς κατάβρωμα π. τοῖς θηρίοις (1)  
 — 6. διεσπάρη τὰ πρύβατά μου ἐν παντὶ ὄρει  
 καὶ ἐπὶ πᾶν [Α πάντα] βουνόν (1, 1)  
 — 6. Α ἐπὶ παντὶ προσώπῳ πάσης τῆς γῆς  
 διεσπάρη [Β al.] (1, —)  
 — 8. εἰς κατάβρωμα π. τοῖς θηρίοις (1)  
 — 12. ἀπελάσω [Α συνάξω] αὐτὰ ἀπὸ παντὸς  
 τόπου (1)  
 — 13. βοσκήσω αὐτοὺς . . . ἐν πάσῃ κατοικίᾳ  
 τῆς γῆς (1)  
 — 21. π. τὸ ἐκλείπον ἐξεθλίβετε (1)  
 35. 8. Α ἐμπλήσω . . . π. [Β om.] τὰς φάραγ-  
 γας σου —  
 — 8. ἐν π. τῇ πεδίῳ σου τετραυματισμένοι  
 μαχαίρα πεσοῦνται ἐν σοὶ (1)  
 — 14. ἐν τῇ εὐφροσύνῃ π. τῆς γῆς (1)  
 — 15. καὶ π. ἡ ἰδουμία (1)  
 36. 5. ἐλάλησα . . . ἐπὶ τὴν Ἰδουμαίαν πᾶσαν (1)  
 — 10. πᾶν οἶκος Ἰσραὴλ εἰς τέλος (1)  
 — 24. ἀβροῖσω ὑμᾶς ἐκ π. τῶν γαῶν (1)  
 — 25. καθαρίσθησθε ἀπὸ π. τῶν ἀκαθαρ-  
 σίων ὑμῶν καὶ ἀπὸ π. τῶν εἰδωλῶν  
 ὑμῶν (1, 1)  
 — 29. σῶσω ὑμᾶς ἐκ π. τῶν ἀκαθαρσιῶν ὑμῶν (1)  
 — 33. ἢ καθαρίω ὑμᾶς ἐκ πασῶν [Α π. τῶν]  
 ἀνομῶν ὑμῶν (1)  
 — 34. κατ' ὀφθαλμούς παντὸς παροδίουτος (1)  
 37. 11. τὰ δὲ ταῦτα π. οἶκος Ἰσραὴλ ἐστί (1)  
 — 16. γράψετε . . . π. τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ (1)  
 — 21. λαμβάνω πάντα οἶκον Ἰσραὴλ  
 — 21. συνάξω αὐτοὺς ἀπὸ π. τῶν περικύκλω  
 αὐτῶν —  
 — 22. Α ἄρχων εἰς ἴσται πάντων [Β om.]  
 αὐτῶν (1)  
 — 23. Α καὶ ἐν π. ταῖς βασιλείαις αὐτῶν (1)  
 — 23. ῥύσονται αὐτοὺς ἀπὸ π. τῶν ἀνομῶν (1)  
 — 24. ἴσται ποιμὴν εἰς πάντων (1)  
 38. 4. συνάξω σε καὶ π. τὴν δυνάμιν σου ἱπποὺς  
 καὶ ἱππεῖς ἐνδεδυμένους θώρακας  
 πάντας (1, 1)  
 — 5. πάντες περικεφαλαῖες καὶ πέλταις (1)  
 — 6 δις. πάντες οἱ περὶ αὐτόν (1)  
 — 7. ἐτοιμάσον σεαυτὸν σὺ καὶ π. ἡ συναγωγὴ  
 σου (1)  
 — 9. καὶ π. οἱ περὶ σέ (1)  
 — 11. ἦξω ἐπὶ . . . πάντας κατοικοῦντας γῆν  
 [Α πόλεις] (1)  
 — 13. π. αἱ κόμαι αὐτῶν [Α αἱ χώραι αὐτῆς]  
 ἐρουσί σοι (1)  
 — 15. ἀναβάται ἱππων πάντες (1)  
 — 16. ἵνα γνῶσι π. τὰ ἔθνη ἐμέ (1)  
 — 20. σεισθήσονται . . . π. τὰ ἔρπετα . . . καὶ  
 π. οἱ ἄνθρωποι (1, 1)  
 — 20. πᾶν τεῖχος ἐπὶ τὴν γῆν πεσεῖται (1)  
 — 21. καλέσω ἐπ' αὐτὸ καὶ πᾶν φόβον (1)  
 — 22. βρέξω ἐπ' αὐτόν καὶ ἐπὶ π. τοὺς μετ'  
 αὐτοῦ —  
 39. 4. πεσὴ σὺ καὶ π. οἱ περὶ σέ (1)  
 — 4. παντὶ πετεινῷ καὶ π. τοῖς θηρίοις . . . διέ-  
 δοκά σε (1, —)  
 — 7. Α γνώσονται π. [Β om.] τὰ ἔθνη —  
 — 11. κατορύξουσιν ἐκεῖ τὸν Γῶγ καὶ π. τὸ  
 πλῆθος αὐτοῦ (1)  
 — 13. κατορύξουσιν αὐτοὺς π. ὁ λαὸς τῆς γῆς (1)  
 — 14. Α ἄνδρας διὰ παντὸς διαστελοῦσιν ἐπι-  
 πορευόμενους π. [Β om.] τὴν γῆν (B g, —)  
 — 15. Α π. οἱ διαπορευόμενοι πᾶσαν [Β om.]  
 τὴν γῆν —  
 — 17. εἰπὸν παντὶ ὀρνέφ πετεινῷ καὶ πρὸς π.  
 τὰ θηρία . . . συνάχθητε ἀπὸ π. τῶν  
 περικύκλω (1, 1, —)  
 — 18. οἱ μάχοι ἐστατωμένοι πάντες (1)  
 — 20. πάντα ἄνδρα πολεμιστὴν (1)  
 — 21. ὀφνται π. τὰ ἔθνη τὴν κρίσιν μου (1)  
 — 23. γνώσονται π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 23. ἐπесαν πάντες μαχαίρα (1)  
 40. 4. τάξω εἰς τὴν καρδίαν σου πάντα [Α -ας] (1)  
 — 4. καὶ δείξεις πάντα (1)  
 42. 8. τὸ π. πηχῶν ἐκατόν —

Εξ. 42. 11. κατὰ π. τὰς ἐξόδους αὐτῶν καὶ κατὰ π. τὰς ἐπιστροφὰς αὐτῶν (1, -)  
 — 14. ὅπως διὰ παντὸς ἔσται ὡς οἱ προσά-  
 γοντες —  
 43. 11. λήφονται τὴν κόλασιν αὐτῶν περὶ πάν-  
 των (1)  
 — 11. διαγράφει . . . π. τὰ προστάγματα  
 αὐτοῦ καὶ π. τὰ νόμιμα αὐτοῦ γνω-  
 ρίσεις αὐτοῖς (1, 1)  
 — 11. φυλάσσονται π. τὰ δικαιώματά μου καὶ  
 π. τὰ προστάγματά μου (1, 1)  
 — 12. π. τὰ ὅρια αὐτοῦ κυκλόθεν ἅγια ἁγίων (1)  
 44. 5. ἄκουε πάντα ὅσα ἐγὼ λαλῶ μετὰ σοῦ  
 κατὰ π. τὰ προστάγματα . . . καὶ  
 κατὰ π. τὰ νόμιμα αὐτοῦ . . . κατ'  
 π. τὰς ἐξόδους αὐτοῦ ἐν π. τοῖς  
 ἁγίοις (1 quater, -)  
 — 6. ἱκανοῦσθω ὑμῖν ἀπὸ π. τῶν ἀνομιῶν ὑμῶν (1)  
 — 7. παρεβιάσθε . . . ἐν π. ταῖς ἀνομιαῖς ὑμῶν (1)  
 — 9. π. υἱὸς ἀλλογενῆς . . . οὐκ ἐισελεύσεται  
 εἰς τὰ ἁγία μου ἐν πᾶσιν υἱοῖς ἀλλο-  
 γενῶν (1, 1)  
 — 14. εἰς π. τὰ ἔργα αὐτοῦ καὶ εἰς πάντα ὅσα  
 ἂν ποιήσω (1, 1)  
 — 21. οὐδὲν οὐ μὴ πῶσι π. ἱερεὺς (1)  
 — 24. τὰ προστάγματά μου ἐν π. ταῖς ἑορταῖς  
 μου φυλάσσονται (1)  
 — 29. πᾶν ἀφόρισμα ἐν τῷ Ἰσραὴλ νῦντοῖς ἔσται (1)  
 — 30. ἀπαρχαὶ πάντων καὶ τὰ πρωτότοκα πάν-  
 των καὶ τὰ ἀφαιρέματα π. (1 ter)  
 — 30. ἐκ πάντων τῶν ἀπαρχῶν ὑμῶν τοῖς  
 ἱερεῦσιν ἔσται (1)  
 — 31. πᾶν θνησίμιον . . . οὐ φάγονται (1)  
 45. 1. ἄγιον ἔσται ἐν π. τοῖς ὁρίοις αὐτοῦ κυκ-  
 λόθεν (1)  
 — 6. ἡ ἀπαρχὴ τῶν ἁγίων παντὶ οἴκῳ Ἰσραὴλ  
 ἔσται (1)  
 — 15. ἀφαιρέματα ἐκ π. τῶν πατριῶν τοῦ Ἰσραὴλ  
 — 16. π. ὁ λαὸς δώσει τὴν ἀπαρχὴν ταύτην (1)  
 — 17. ἐν π. ταῖς ἑορταῖς οἴκου Ἰσραὴλ (1)  
 — 22. ποιήσει ὁ ἀφροσύμενος . . . ὑπὲρ π. τοῦ  
 λαοῦ τῆς γῆς (1)  
 46. 15 (14). πρόσταγμα [A. add. αἰώνιον] διὰ  
 παντὸς ποιῶντι τὸν ἁμῶν (8g)  
 — 15. ὁλοκαύτωμα διὰ παντός (8g)  
 47. 9. ἔσται πᾶσα ψυχὴ τῶν ζῶντων τῶν ἐκείνων  
 ἐπὶ πάντα (1, 1)  
 — 9. ζήσεται πᾶν ἐφ' ὃ ἂν ἔλθῃ ὁ ποταμὸς (1)  
 — 12. ἐπὶ τοῦ χεῖλους αὐτοῦ . . . πᾶν ξύλον  
 βρώσιμον (1)  
 48. 13. π. τὸ μήκος πέντε καὶ ἑκοσὶ χιλιᾶδες  
 — 19. ἐργάσονται αὐτὴν ἐκ π. τῶν φυλῶν τοῦ  
 Ἰσραὴλ (1)  
 — 20. π. ἡ ἀπαρχὴ πέντε καὶ ἑκοσὶ χιλιᾶδες (1)  
 Da. LXX. Su. 4. διὰ τὸ εἶναι αὐτὸν ἐνδοξότερον  
 πάντων  
 — 28. συνήχθησαν οἱ ὄντες ἐκεῖ π. οἱ υἱοὶ Ἰσρ.  
 — 33. ἐκλαίσαν οἱ παρ' αὐτῆς πάντες καὶ ὅσοι  
 αὐτὴν ᾔδεισαν πάντες  
 — 35. ὁ εἰδὼς τὰ π. πρὶν γενέσεως αὐτῶν  
 — 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ συναγωγὴ π.  
 — 60. π. ἡ συναγωγὴ ἀνέβησεν  
 1. 4. καὶ ἐπιστήμιμος ἐν π. σοφίᾳ (1)  
 — 17. ἐν π. γραμματικῇ τέχνῃ (1)  
 — 17. συνέκριν ἐν π. ῥήματι . . . καὶ ἐν π.  
 σοφίᾳ (1, -)  
 — 20. ἐν π. λόγῳ καὶ συνέσει (1)  
 — 20. τοὺς φιλοσόφους τοὺς ἐν π. τῇ βασι-  
 λεῖᾳ αὐ. (1)  
 — 20. σοφοὺς παρὰ π. τοὺς αὐτοῦ . . . ἐν π.  
 τῇ γῇ αὐτοῦ (-, 17)  
 2. 10. πᾶς βασιλεὺς καὶ πᾶς δυναστὴς . . . οὐκ  
 ἔπαινον π. σοφόν (1, -)  
 — 11. οὐ οὐκ ἔστι κατοικητήριον μετὰ π. σαρκός  
 — 12. ἐξαγαγὲν π. τοὺς σοφοὺς (1)  
 — 13. ἐδογματίσθη πάντας ἀποκτείναι  
 — 13. ὁ Δ. καὶ πάντες ὁ μετ' αὐτοῦ  
 — 16. καὶ δηλώσῃ πάντα ἐπὶ τοῦ βασι.  
 — 17. οἱ σκεπταίριος ὑπέδειξε πάντα  
 — 24. ἀποκτείναν π. τοὺς σοφιστάς  
 — 30. τὴν οὐσαν ἐν ἐμοὶ ὑπὲρ π. τοὺς ἀνθρώπους (1)  
 — 35. ἐπάταξε π. τὴν γῆν (1)  
 — 37. τὴν διέξαν ἔδωκεν ἐν π. τῇ οἰκουμένῃ  
 — 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χεῖρας σου κυριεύειν  
 πάντων (1)  
 — 39. ἡ κυριεύσει π. τῆς γῆς (1)

Da. LXX. 2. 40. ὅσπερ ὁ σίδηρος ὁ δαμάζων  
 πάντα καὶ ὡς ὁ σίδηρος πᾶν δένδρον  
 ἐκκόπτων (1, 1)  
 — 40. σισθῆται π. ἡ γῇ  
 — 48. καὶ ἡγούμενον π. τῶν σοφιστῶν βασι. (1)  
 8. 1. διοικῶν . . . π. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς  
 γῆς  
 — 2. ἐπισυναγαγὲν π. τὰ ἔθνη . . . καὶ π. τοὺς  
 κατὰ τὴν οἰκουμένην (-, 1)  
 — 3. συνήχθησαν . . . π. οἱ ἄρχοντες τῶν  
 χωρῶν (1)  
 — 5. συμφωνίας καὶ π. γένοις μουσικῶν  
 — 6. πᾶς δὲ ἂν μὴ πεσὼν προσκυνῇ  
 — 7. ὅτε ἤκουσαν π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 7. καὶ π. ἤχον μουσικῶν (1)  
 — 7. πίπτοντα π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 10. ἵνα πᾶς ἀνθρώπος δὲ ἂν ἀκούσῃ  
 — 10, 15. καὶ παντὸς ἤχου μουσικῶν  
 — (27). δίκαιος εἰ ἐπὶ πᾶσιν  
 — (27). καὶ π. τὰ ἔργα σου ἀληθινὰ  
 — (27). καὶ π. αἱ κρίσεις σου ἀληθινὰ  
 — (28). κατὰ πάντα ἃ ἐπὶ ἡγάγεας ἡμῖν  
 — (28). ἐποίησας π. ταῦτα  
 — (29). ἡμάρτομεν ἐν πᾶσι  
 — (29). ἐξήμάρτομεν ἐν πᾶσι  
 — (31). πάντα ὅσα ἡμῖν ἐπὶ ἡγάγεας  
 — (31). πάντα ὅσα ἐποίησας ἡμῖν  
 — (32). βασιλεῖ . . . ποιησάτω παρὰ π. τὴν γῆν  
 — (37). ἐσμικρύνθημεν παρὰ π. τὰ ἔθνη  
 — (37). καὶ ἐσμεν ταπεινοὶ ἐν π. τῇ γῇ  
 — (44). ἐντραπέεισαν π. οἱ ἐνδοκίμοι  
 — (44). κατισχυρθεῖσαν ἀπὸ π. δυναστείας  
 — (52). καὶ ὑπερψωμένους εἰς π. τοὺς αἰῶνας  
 — (57). εὐλογεῖτε π. τὰ ἔργα τοῦ κυρίου, τὸν κύριον  
 — (60). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ ἑπάνω τοῦ οὐρ, τὸν κ.  
 — (61). εὐλογεῖτε, π. αἱ δυνάμεις κυρίου, τὸν κ.  
 — (64). εὐλογεῖτε, π. ὁμοῖος καὶ δρόσος, τὸν κ.  
 — (65). εὐλογεῖτε, π. τὰ πνεύματα, τὸν κ.  
 — (76). εὐλογεῖτε, π. τὰ φύμενα ἐπὶ τῆς γῆς, τὸν κ.  
 — (79). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ κινούμε. ἐν τοῖς ὕδασι,  
 τὸν κ.  
 — (80). εὐλογεῖτε, π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ, τὸν κ.  
 — (90). εὐλογεῖτε, π. οἱ σεβόμενοι τὸν κ., τὸν θ.  
 τῶν θεῶν  
 — 29 (96). πᾶν ἔθνος καὶ π. φυλαὶ καὶ π.  
 γλώσσαι (1, -, -)  
 — 31 (98). Ναβ. ὁ βασι. π. τοῖς λαοῖς . . .  
 τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)  
 4. 9. ἐσκίασεν π. τὰ θηρία τῆς γῆς  
 — 9. ἐχορήγη πᾶσι τοῖς ζώοις  
 — 9. ἐφώτισεν π. τὴν γῆν  
 — 14. ἐξουσίαν ἔχειν πάντων τῶν ἐν τῷ οὐρ.  
 — 15. ἐδόθησαν εἰς π. ἄνεμον  
 — 15. ὑπέδειξε μοι π. τὴν σύγκρισιν αὐ.  
 — 18. καὶ π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ  
 — 18. ἡ ἰσχὺς . . . τῶν γλωσσῶν πασῶν  
 — 18. καὶ π. αἱ χώρας οὐ δουλεύσουσι  
 — 19. ὑπὲρ π. τοὺς ἀνθρώπους τοὺς ὄντας ἐπὶ  
 προσώπῳ π. τῆς γῆς -, -  
 — 23. ἡ ἐξουσία αὐ. ἐπὶ π. τῇ γῇ  
 — 24. π. τὰς ἀδικίας σου . . . λύτρωσαι  
 — 26. μετὰ π. τῆς δόξης αὐ. περιεπάτει  
 — 29. οὐδ' οὐ μὴ λαλήσῃ μετὰ π. ἀνθρώπου  
 — 30. πάντα τελεσθήσεται ἐπὶ σέ  
 — 30. οὐκ ὑστερήσει ἀπὸ π. τούτων οὐδὲν  
 — 34. τοὺς ποταμούς καὶ π. τὰ ἐν αὐτοῖς  
 — 34. π. τοὺς ἁγίους αἰῶν  
 — 34. π. τὰς ἡμέρας τῆς βασιλείας μου  
 — 34. ἐπιστολὴν ἐγκυκλίον π. τοῖς κατὰ τόπον  
 ἔθνεσι . . . καὶ γλώσσαις π. ταῖς  
 οἰκουσίαις ἐν π. ταῖς χώραις (- ter)  
 — 34. π. τοῖς ἔθνεσι καὶ π. ταῖς χώραις καὶ π.  
 τοῖς οἰκοῦσιν ἐν αὐταῖς (- ter)  
 — 34. εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθεῖ ἐν π. καιρῷ  
 — 34. ἀπέστειλεν . . . περὶ πάντων τῶν γενη-  
 θέτων αὐτῷ . . . π. τοῖς ἔθνεσι -, -  
 5. 1. ἐπήνεσε π. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν  
 — 7. πᾶς ἀνὴρ δὲ ἂν ὑποδείξῃ τὸ σύγκριμα (1)  
 — 10. πᾶς ἀνθρώπος οὐ δύναται ἀπαγγεῖλαι  
 — 12. ὑπερέχων πάντας τοὺς σοφοὺς βασιλῶνες  
 — 23. ἡνέστα π. τὰ εἰδωλα  
 6. 1 (2). κατέστησε σατραπίας . . . ἐπὶ π. τῆς  
 βασι. αὐ. (1)  
 — 3 (4). ὑπὲρ πάντας ἔχων ἐξουσίαν  
 — 3 (4). καταστήσει αὐτὸν Δ. ἐπὶ π. τῆς βασι. αὐ. (1)  
 — 3 (4). καταστήσει τὸν Δ. ἐπὶ π. τῆς βασι. αὐ. -

Da. LXX. 6. 5 (6). πᾶς ἀνθρώπος οὐκ ἀξίωσι  
 ἀξίωμα . . . ἀπὸ π. θεοῦ -, -  
 — 7 (8). πᾶς ἀνθρώπος δὲ ἂν εὐχῆται εὐχὴν  
 . . . παρὰ π. θεοῦ (1, 1)  
 — 12 (13). ἵνα π. ἀνθρώπος μὴ εὐχῆται εὐχὴν  
 . . . παρὰ π. θεοῦ (1, 1)  
 — 23 (24). συνήχθησαν π. αἱ δυνάμεις  
 — 25 (26). Δαρ. ἔγραψε π. τοῖς ἔθνεσι . . .  
 τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ αὐ. (1, 1)  
 — 26 (27). π. οἱ ἀνθρώποι οἱ ὄντες ἐν τῇ βασι.  
 μου (17)  
 — 27 (28). δουλεύων π. τὰς ἡμέρας μου  
 — 7. παρὰ πάντα τὰ πρὸ αὐτοῦ θηρία  
 — 14. καὶ π. τὰ ἔθνη τῆς γῆς κατὰ γένῃ (1)  
 — 14. καὶ π. δόξα αὐτῷ λατρεύουσα  
 — 16. τὴν ἀκρίβειαν ἐξήκουν . . . ὑπὲρ π. τούτων (1)  
 — 19. τοῦ θηρίου τοῦ τετάρτου τοῦ διαφθει-  
 ροντος πάντα (17)  
 — 19. κατεσθίοντες πάντας κυκλόθεν  
 — 23. ἥτις διόισι παρὰ π. τὴν γῆν  
 — 23. καταφάγεται π. τὴν γῆν (1)  
 — 25. παραδοθήσεται πάντα εἰς τὰς χεῖρας αὐ.  
 — 27. τὴν ἀρχὴν πασῶν τῶν ὑπὸ τὸν οὐρ.  
 βασιλειῶν (17)  
 — 27. π. ἐξουσίαι αὐτῷ ὑποταγήσονται (1)  
 8. 4. π. τὰ θηρία οὐκ ἔσθισαν ὅπισθον αὐτοῦ (1)  
 9. 6. καὶ π. ἔθνη ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 — 7. καὶ π. τῷ λαῷ Ἰσρ. . . ἐν π. ταῖς  
 χώραις (1, 1)  
 — 11. πᾶς Ἰσρ. ἐγκατέλιπε τὸν νόμον σου (1)  
 — 13. π. τὰ κακὰ ἐπὶ ἡλβὴν ἡμῖν (1)  
 — 14. ἐπὶ πάντα ὅσα ἂν ποιήσῃ  
 — 16. εἰς ὀνειδισμὸν ἐν π. τοῖς περικύκλῳ ἡμῶν (1)  
 11. 2. πλουτήσῃ πλοῦτον μέγαν παρὰ πάντας (1)  
 — 2. ἐπαναστήσεται π. βασιλεῖ Ἑλλήνων (1)  
 — 16. ἐπιτελεσθήσεται πάντα τὰ ἐν ταῖς χερ-  
 σὶν αὐ. -  
 — 36. ὑψωθήσεται ἐπὶ π. θεῶν (1)  
 — 37. ἐν παντὶ ὑψωθήσεται (1)  
 — 43. κρατῆσει . . . π. τῆς ἐπιθυμίας Αἰγ. (1)  
 12. 1. ὑψωθήσεται π. ὁ λαός (1)  
 — 7. συντελεσθήσεται π. ταῦτα (1)  
 — 10. οὐ μὴ διανοηθῶσι π. οἱ ἀμαρτωλοὶ  
 — 11. ἀφ' οὗ ἂν ἀποσταθῇ ἡ θυσία διὰ παντός (9)  
 Bel. 4. ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρίαν  
 — 8. ἀποθανοῦμαι καὶ πάντες οἱ παρ' ἐμοὶ  
 — 13. ἐκβαλόντας πάντας ἐκ τοῦ ναοῦ  
 — 14. κατεφάγους π. τὰ παρακείμενα  
 — 17. εἶδον δαδπαυμένα πάντα τὰ παρατεθέντα  
 — 27. συνήχθησαν οἱ ἀπὸ τῆς χώρας πάντες  
 Da. TH. Su. 4. διὰ τὸ εἶναι αὐτὸν ἐνδοξότερον  
 πάντων  
 — 6. ἤρχοντο πρὸς αὐτοὺς π. οἱ κρινόμενοι  
 — 30. ἤλθεν αὐτῇ . . . καὶ π. οἱ συγγενεῖς αὐ.  
 — 33. ἔκλειον δὲ . . . π. οἱ ἰδόντες αὐτὴν  
 — 42. ὁ εἰδὼς τὰ π. πρὶν γενέσεως αὐ.  
 — 47. ἐπέστρεψε δὲ π. ὁ λαὸς πρὸς αὐτόν  
 — 50. ἀνέστρεψε π. [B<sup>2</sup> om.] ὁ λαός  
 — 60. ἀνέβησε π. ἡ συναγωγὴ  
 — 63. Α. μετὰ Ἰ. . . καὶ τῶν συγγενῶν π. [B αὐ-  
 τῶν]  
 1. 4. καὶ συνιέντας ἐν π. σοφίᾳ (1)  
 — 17. καὶ φρόνησιν ἐν π. γραμματικῇ (1)  
 — 17. συνήκεν ἐν π. δράσει (1)  
 — 19. οὐκ εὐρίθησαν ἐκ πάντων αὐτῶν (1)  
 — 20. ἐν π. ῥήματι σοφίας (1)  
 — 20. δεκαπλασίονας παρὰ π. τοὺς ἑσποιοὺς (1)  
 — 20. τοὺς μάγους τοὺς ὄντας ἐν π. [A om.]  
 τῇ βασι. αὐ. (1)  
 2. 10. π. βασιλεὺς μέγας καὶ ἄρχων (1)  
 — 11. ὃν οὐκ ἔστιν ἡ κατοικία μετὰ π. σαρκός  
 — 12. εἶπεν ἀπολόσαι π. τοὺς σοφοὺς βασι. (1)  
 — 30. ἐν σοφίᾳ τῇ ὀσθῇ ἐν ἐμοὶ παρὰ π. τοὺς  
 ζῶντας (1)  
 — 35. ἐπλήρωσε π. τὴν γῆν (1)  
 — 38. ἐν π. τόπῳ ὅπου κατοικοῦσιν  
 — 38. κατέστησε π. κύριον πάντων (1)  
 — 39. ἡ κυριεύσει π. τῆς γῆς (1)  
 — 40. ὃν τρόπον ὁ σίδηρος . . . δαμάζει πάντα (1)  
 — 40. οὕτως πάντα λεπτυνεῖ (1)  
 — 44. λικμήσει π. τὰς βασιλείας (1)  
 — 48. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ π. χώρας βασι.  
 . . . ἐπὶ π. τοὺς σοφοὺς βασι. (1, 1)  
 8. 2. συναγαγὲν . . . π. τοὺς ἄρχοντας τῶν χωρῶν (1)  
 — 3. συνήχθησαν . . . π. οἱ ἄρχοντες τῶν χωρῶν (1)  
 — 5, 7. καὶ π. γένοις μουσικῶν (1)

Da. TH. 3. 7. πίπτοντες π. οἱ λαοί (1)  
 — 10. π. ἀνθρώπων δε ἀν ἀκούσῃ (1)  
 — 10, 15 (B). καὶ π. γένους μουσικῶν (1)  
 — (27). δικαίος εἰ ἐπὶ πάντων  
 — (27). π. τὰ ἔργα σου ἀληθινά  
 — (27). π. αἱ κρίσεις σου ἀλήθεια  
 — (28). κατὰ πάντα δ' ἐπὶ γαγες ἡμῶν  
 — (28). ἐπὶ γαγες ταῦτα π.  
 — (29). ἐξημέροισεν ἐν πᾶσι  
 — (31). B πάντα ὅσα ἐπὶ γαγες ἡμῶν  
 — (31). πάντα ὅσα ἐποίησας ἡμῶν  
 — (32). βασιλεῖ . . . πονηροτάτῃ παρὰ π. τὴν γῆν  
 — (37). ἐμκρύνησθαι παρὰ π. τὰ ἔθνη  
 — (37). ἐσμέν ταπεινοὶ ἐν π. τῇ γῇ  
 — (43). π. οἱ ἐνδεκνῶν. τοῖς δούλοις σου κακά  
 — (44). κατασχυνθήσαν ἀπὸ π. τῆς [δυνάμεως καὶ] δυναστείας  
 — (52). ὑπερυψώμενον εἰς π. [A om.] τοὺς αἰῶνας  
 — (57). εὐλογεῖτε, π. τὰ ἔργα κυρίου, τὸν κ.  
 — (60). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ ἐπάνω τοῦ οὐρανοῦ, τὸν κ.  
 — (61). εὐλογεῖτε π. ἡ δύναμις [A -εἰτε, π. αἱ δυνάμεις]  
 — (64). εὐλογεῖτε [A -τε] π. ὁμοῖας καὶ ὁσώσους τὸν κ.  
 — (65). εὐλογεῖτε, π. τὰ πνεύματα, τὸν κ.  
 — (76). εὐλογεῖτε, π. τὰ φυόμενα ἐν τῇ γῇ, τὸν κ.  
 — (79). εὐλογεῖτε . . . π. τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι  
 — (80). εὐλογεῖτε, π. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ., τὸν κ.  
 — (81). εὐλογεῖτε, π. τὰ θηρία καὶ [τὰ θ. κ. π.] τὰ κτήνη  
 — (90). εὐλογεῖτε, π. οἱ σιλόμ. τὸν κ., τὸν θεὸν τῶν θ.  
 — 28 (95). ὅπως μὴ λατρεύσωσι . . . π. θεῷ (1)  
 — 29 (96). π. λαὸς φυλὴ γλώσσα (1)  
 — 30 (97). ἡγεσθαι π. τῶν Ἰουδαίων  
 — 31 (98). Ναβ. ὁ βασιλ. πᾶσι τοῖς λαοῖς . . . τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)  
 4. 3. τοὺς εἰσαγαγεῖν ἐνώπιόν μου π. τοὺς σοφούς Βαβ. (1)  
 — 6. π. μυοτήριον οὐκ ἀδυνατῇ σε (1)  
 — 8. Α. εἰς τὰ πέριτα π. [B τὴ π.] τῆς γῆς (1)  
 — 9. καὶ τροφὴ πάντων ἐν αὐτῷ (1)  
 — 9. ἐξ αὐτοῦ ἐτρέφετο π. σάρξ (1)  
 — 15. π. οἱ σοφοὶ τῆς βασιλ. μου (1)  
 — 17. καὶ τὸ κυτὸς αὐ. εἰς π. τὴν γῆν (1)  
 — 18. καὶ τροφὴ πᾶσιν ἐν αὐτῷ (1)  
 — 25. ταῦτα π. ἐφάσεν ἐπὶ Ναβ. (1)  
 — 32. π. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (1)  
 — 34. π. τὰ ἔργα αὐ. ἀληθινά (1)  
 — 34. π. τοὺς πορευομένους ἐν ἱερὴφανίᾳ (1)  
 5. 8. εἰσπορεύονται π. [A om.] οἱ σοφοὶ τοῦ βασιλ. (1)  
 — 19. π. οἱ λαοὶ . . . ἥσαν τρέμοντες (1)  
 — 22. οὐ πάντα ταῦτα ἔγνωσ (1)  
 — 23. καὶ π. αἱ ὁδοὶ σου (1)  
 6. 1 (2). Α. τοῦ εἶναι αὐτοὺς ἐν π. [B ὅλη] τῇ βασιλ. αὐ. (1)  
 — 4 (5). π. πρόσφαι . . . οὐχ ἔδρον κατ' αὐτοῦ (1)  
 — 7 (8). συνεβουλευσάντο π. οἱ ἐπὶ τῆς βασιλ. σου (1)  
 — 7 (8). δε ἀν αἰτήσῃ αἴτημα παρὰ π. θεοῦ (1)  
 — 12 (13). π. ἀνθρώπος δε ἀν αἰτήσῃ παρὰ π. θεοῦ (1, 1)  
 — 15 (16). τοῦ πᾶν ὁρίσμων . . . οὐ δεῖ παραλ- λάξαι (1)  
 — 23 (24). π. διαφθορά οὐχ εὐρέθη ἐν αὐτῷ (1)  
 — 24 (25). π. τὰ ὅσα αὐ. ἐλέπνυναν (1)  
 — 25 (26). ἔγραψε π. τοῖς λαοῖς . . . τοῖς οἰκοῦσιν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)  
 — 26 (27). ἐν π. ἀρχῇ τῆς βασιλ. μου (1)  
 7. 7. Α. παρὰ π. τὰ θηρία τὰ ἐμπροσθεν αὐτοῦ (1)  
 — 7. παρὰ π. τὰ θηρία τὰ ἐμπροσθεν αὐτοῦ (1)  
 — 14. π. οἱ λαοὶ . . . αὐτῷ δουλεύουσιν (1)  
 — 16. τὴν ἀκρίθειαν . . . μαθεῖν περὶ π. τούτων (1)  
 — 19. ἢ διαφύρον [A -ορον] παρὰ πᾶν θηρίον (1)  
 — 23. ἥτις ὑπερέχει π. τὰς βασιλείας (1)  
 — 23. καταφάγεται π. τὴν γῆν (1)  
 — 24. δε ὑπεροίσει κακοὶ πάντας τοὺς ἐμπροσθεν (1)  
 — 27. τῶν βασιλέων τῶν ὑποκάτω π. τοῦ οὐρανοῦ (1)  
 — 27. π. αἱ ἀρχαὶ αὐτῷ δουλεύουσιν (1)  
 8. 4. π. τὰ θηρία οὐ στήνουνται ἐνώπιον αὐτοῦ (1)  
 — 5. ἐπὶ πρόσκοντον πάσης τῆς γῆς (1)  
 9. 6. καὶ πρὸς π. τὸν λαὸν τῆς γῆς (1)  
 — 7. καὶ παντὶ Ἰσραὴλ τοῖς ἑγγύς καὶ τοῖς μακρὰν ἐν π. τῇ γῇ (1, 1)  
 — 11. πᾶς Ἰσρ. παρέβησαν τὸν νόμον σου (1)

Da. TH. 9. 12. οἶα οὐ γέγονεν ὑποκάτω π. τοῦ οὐρανοῦ (1)  
 — 13. π. τὰ κακὰ ταῦτα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς (1)  
 — 13. τοῦ συνιέναι ἐν π. ἀληθείᾳ σου (1)  
 — 14. δικαίος κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐπὶ π. τὴν ποιήσιν αὐ. (1)  
 — 16. B ἐν πᾶσιν [A B πάσῃ] ἐλεημοσύνη σου (1)  
 — 16. ἐν π. τοῖς περικύκλῳ ἡμῶν (1)  
 11. 2. πλουτήσῃ πλουτοῖν μέγαν παρὰ πάντας (1)  
 — 2. ἐπαναστήσεται π. βασιλείας Ἑλλήνων (1)  
 — 8. π. σκεῖος ἐπιθυμητὸν αὐτῶν (1)  
 — 17. ἐν ἰσχύι πάσης τῆς βασιλ. αὐ. (1)  
 — 17. εὐθεία πάντα μετ' αὐτοῦ ποιήσει (1)  
 — 36. μεγαλυνθήσεται ἐπὶ π. θεόν (1)  
 — 37. ἐπὶ π. θεοῦ [B π. θεοῦ] τῶν πατέρων αὐ. (1)  
 — 37. ἐπὶ πᾶν [A πάντα] θεὸν οὐ συνήσει (1)  
 — 37. ἐπὶ πάντας μεγαλυνθήσεται (1)  
 — 43. καὶ ἐν π. ἐπιθυμητοῖς Αἰγ. (1)  
 12. 1. π. [A add. ὁ εὐρεθεῖς] ὁ γκαρμ. ἐν τῇ βίβλῳ (1)  
 — 7. γνώσονται π. ταῦτα (1)  
 — 10. οὐ συνήσουσι π. [B om.] ἄνομοι (1)  
 — 11. Α. δὲ οὐ ἀναστή ἡ θυσία διὰ παντός (1)  
 Bel 2. ἐνδοξὸς ὑπὲρ π. τοὺς φίλους αὐ. (1)  
 — 5. καὶ ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρίαν (1)  
 — 12. ἐὰν μὴ εὐρήσῃ πάντα βεβρωμένα (1)  
 — 15. κοτέσθαι πᾶν (1)  
 I Ma. 1. 9. ἐπέθεντο πάντες διαδήματα (1)  
 — 21. ἔλαβε . . . π. τὰ σκεῦα αὐτῆς (1)  
 — 22. καὶ ἐλπίσεν πάντα (1)  
 — 24. λαβὼν πάντα ἀπὸ τῆς βασιλ. αὐ. (1)  
 — 25. ἐγένετο πῖνός μέγα ἐπὶ Ἰσρ. ἐν π. τύπῳ αὐ. (1)  
 — 27. π. νυμφὸς ἀνίλαβε θῆρην (1)  
 — 28. Α. B π. ὁ [B om.] οἶκος Ἰ. ἐνεδύσατο αἰσχύνῃ (1)  
 — 36. ἐγένετο . . . εἰς διάβολον πονηρὸν τῷ Ἰ. διὰ παντός (1)  
 — 41. ἔγραψεν ὁ βασιλ. π. τῇ βασιλείᾳ αὐ. εἰναι πάντας λαὸν ἐνα (1)  
 — 42. ἐπέδρασε π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 48. βδελύξαι τὰς ψυχὰς αὐ. ἐν π. [B πνεύματι] ἀκαθάρτῳ (1)  
 — 49. ὥστε . . . ἀλλάξαι π. τὰ δικαιώματα (1)  
 — 51. B B καὶ π. τοὺς λόγους τ. ἔγραψε π. [A om.] τῇ βασιλ. αὐ. (1)  
 — 51. Α. B ἐποίησεν ἐπισκόπους ἐπὶ [B κατὰ] π. τὸν λαὸν (1)  
 — 52. π. ὁ [B καὶ] ἐγκαταλίπων τὸν νόμον (1)  
 — 53. ἐν π. φυγαδευτηρίῳ αὐτῶν (1)  
 — 58. ἐν π. μὴν καὶ μὴν ἐν ταῖς πόλεσι (1)  
 2. 11. π. ὁ κόσμος αὐ. ἀπρηθίθ (1)  
 — 18. ὡς ἐποίησαν π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 19. εἰ π. τὰ ἔθνη . . . ἀκούουσιν (1)  
 — 23. προσήλθεν . . . ἐν ὀφθαλμοῖς πάντων (1)  
 — 27. π. ὁ [B καὶ] τῶν νόμων (1)  
 — 37. B B ἀποδάνων πᾶντας [A οἱ π.] ἐν τῇ ἀπλότητι ἡμῶν (1)  
 — 40. ἐὰν πάντες ποιήσωμεν (1)  
 — 41. π. ἀνθρώπος δε ἐὰν ἔλθῃ (1)  
 — 41. οὐ μὴ ἀποδάνωμεν πάντες (1)  
 — 42. B συνήχθησαν πρὸς αὐτοὺς π. συναγωγὴ Ἰουδαίων . . . π. ὁ ἐκουσιαζόμε. τῷ νόμῳ [A B αἱ]. (1)  
 — 43. π. οἱ φυγαδεύοντες ἀπὸ τῶν κακῶν (1)  
 — 61. π. οἱ ἐλπίοντες ἐπ' αὐτὸν οὐκ ἀσθενήσουσι (1)  
 — 65. αὐτοῦ ἀκούετε π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 67. προσάγετε πρὸς ἡμᾶς π. τοὺς ποιητὰς τοῦ νόμου (1)  
 — 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν (1)  
 3. 2. ἐβόησαν αὐτῷ π. οἱ ἀδ. αὐ. καὶ π. ὅσοι ἐκολ- λήθησαν τῷ πατρὶ αὐ. (1)  
 — 6. π. οἱ ἐργάται τῆς ἀνομίας συνεταράχθησαν (1)  
 — 12. ἢν πολέμων ἐν αὐτῇ π. τὰς ἡμέρας (1)  
 — 26. Α. B ἐξεγείτο π. ἔθνος [B ἐξ. τὰ ἔθνη] (1)  
 — 27. συνήγαγε τὰς δυνάμεις π. (1)  
 — 28. ἱετούς εἰς π. χρεῖαν (1)  
 — 34. Α. ἐνετέλατο αὐτῷ περὶ πάντων . . . καὶ περὶ π. [B B om.] τῶν κατοικούντων τὴν Ἰουδ. (1)  
 — 36. ἐν π. τοῖς ὁρίοις αὐ. (1)  
 4. 11. γνώσονται π. τὰ ἔθνη (1)  
 — 15. οἱ δι' ἐσχάτοι π. ἔπασον (1)  
 — 22. ἐφύγον πάντες εἰς γῆν ἀλλοφύλων (1)  
 — 26. ἀπὴγγεῖλαν τῷ Δ. π. τὰ συμβεβηκότα (1)  
 — 27. Α. ὁ δὲ ἀκούσας πάντα [B B om.] (1)  
 — 33. π. οἱ εἰδότες τὸ ὄνομα σου (1)  
 — 37. συνήχθη ἡ παρεμβολὴ π. (1)  
 — 51. ἐτέλεσαν π. τὰ ἔργα (1)

I Ma. 4. 55. ἔπασον π. ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον (1)  
 — 59. B B καὶ π. ἡ [A om.] ἐκκλησία Ἰσρ. (1)  
 5. 5. σὺν πᾶσι τοῖς ἐνοῦσι (1)  
 — 13. π. οἱ ἀδ. ἡμῶν . . . τεθανάτωνται (1)  
 — 15. B καὶ πάσης Γαλιλαίας [A πᾶσαν Γ., B πᾶσα Γ.] ἀλλοφύλων (1)  
 — 23. παρέλαβε . . . πάντα ὅσα ἦν αὐτοῖς (1)  
 — 25. B διηγῆσαντο αὐτοῖς π. [A B απ.] τὰ συμβάντα (1)  
 — 26. π. [B om.] αἱ πόλεις αὐταὶ ὄχυραί (1)  
 — 27. B B ἐξῆραν π. τοῖς τοῖς [A αὐτοῖς] (1)  
 — 28. ἀπέκτεινε π. ἀρσενικὸν (1)  
 — 28. ἔλαβε π. τὰ σκεῦα αὐ. (1)  
 — 35. ἀπέκτεινε πᾶν ἀρσενικὸν αὐτῆς (1)  
 — 38. π. τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν (1)  
 — 42. B B μὴ ἀφήτε π. [A om.] ἀνθρώπων (1)  
 — 42. ἐρχέσθωσαν πάντες εἰς τὸν πόλεμον (1)  
 — 43. διεπέρασαν . . . π. ὁ λαὸς (1)  
 — 43. Α. B συνετρίβησαν . . . π. [B om.] τὰ ἔθνη (1)  
 — 43. Α. B ἔρριψαν π. [B B om.] τὰ σπῆλα αὐ. (1)  
 — 44. ἐνεπύρισαν . . . σὺν π. τοῖς ἐν αὐτῷ (1)  
 — 45. συνήγαγον Ἰ. πάντα Ἰσρ. (1)  
 — 51. ἀπώλεσε πᾶν ἀρσενικὸν (1)  
 — 53. παρακαλῶν τὸν λαὸν κατὰ π. τὴν ὁδόν (1)  
 — 63. ἐδοξάσθησαν σφόδρα ἐναντίον παντός Ἰσρ. καὶ τῶν ἐθνῶν π. (1)  
 6. 10. ἐκάλεσε π. τοὺς φίλους αὐ. (1)  
 — 12. ἔλαβον π. τὰ σκεῦα (1)  
 — 14. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ π. τῆς βασιλ. αὐ. (1)  
 — 19. ἐξεκλήσιασε π. τὸν λαόν (1)  
 — 25. ἀλλὰ καὶ ἐπὶ π. τὰ ὅρια αὐ. (1)  
 — 28. συνήγαγε π. τοὺς φίλους αὐ. (1)  
 — 41. ἐσάλεινον π. οἱ ἀκούοντες (1)  
 — 43. ἦν ὑπεράγον π. τὰ θηρία (1)  
 — 58. καὶ μετὰ π. ἔθνος αὐ. (1)  
 — 59. ἐποίησαν ταῦτα π. (1)  
 7. 5. ἦλθον πρὸς αὐτὸν π. ἄνδρες ἄνομοι (1)  
 — 6. ἀπώλεσαν Ἰ. . . π. τοὺς φίλους σου (1)  
 — 7. B B ἰδέτω τὴν ἐξολοθρευσιν π. [A απ.] (1)  
 — 7. καὶ π. τοὺς ἐπιβοηθούσους αὐτοῖς (1)  
 — 18. ἐπέπασεν αὐτὸν ὁ φόβος . . . εἰς π. τὸν λαόν (1)  
 — 22. π. οἱ ταρασσόντες τὸν λαὸν αὐ. (1)  
 — 23. εἶδεν Ἰ. π. τὴν κακίαν (1)  
 — 24. ἐξῆλθεν εἰς π. τὰ ὅρια τῆς Ἰουδ. (1)  
 — 46. ἐξῆλθεν ἐκ π. τῶν κωμῶν (1)  
 — 46. ἔπασον πάντες ῥομφαίαι (1)  
 8. 1. ἐν π. τοῖς προστιθεμένοις αὐτοῖς (1)  
 — 4. κατεκράτησαν τοῦ τόπου παντός (1)  
 — 14. B B καὶ ἐν π. [A απ.] τοῖς τοῖς (1)  
 — 15. ἐβουλεύοντο . . . διὰ παντός περὶ τοῦ πλήθους (1)  
 — 16. καὶ κυριεύειν [B om.] π. τῆς γῆς αὐ. (1)  
 — 16. πάντες ἀκούοντες τοῦ ἐνός (1)  
 — 24. Α. B ἡ π. τοῖς συμμάχοις αὐ. ἐν π. [B π. τῇ] κυρείᾳ αὐ. (1)  
 9. 11. καὶ οἱ πρωταγωνισταὶ π. οἱ δυνατοὶ (1)  
 — 14. π. οἱ εὐψυχὸι τῇ καρδίᾳ (1)  
 — 20. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (1)  
 — 23. ἐν π. τοῖς ὁρίοις Ἰσρ. (1)  
 — 23. π. οἱ ἐργάζοντες τὴν ἀδικίαν (1)  
 — 28. ἠθροίσθησαν π. οἱ φίλοι Ἰ. (1)  
 — 33. ἔγνω Ἰ. . . καὶ π. οἱ μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 34. ἦλθεν αὐτοῖς καὶ π. τὸ στράτευμα αὐ. (1)  
 — 36. καὶ πάντα ὅσα εἶχε (1)  
 — 40. B B ἔλαβον π. τὰ σκεῦα [A σκεῦῃ] αὐ. (1)  
 — 58. ἐβουλεύσαντο π. οἱ ἄνομοι (1)  
 — 58. συλλήψεται αὐτοὺς πάντας (1)  
 — 60. ἀπέστειλεν ἐπιστολὰς λάθρα π. τοῖς συμ- μάχοις αὐ. (1)  
 — 63. συνήγαγε π. τὸ πλῆθος αὐ. (1)  
 — 71. π. τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐ. (1)  
 10. 5. μνησθήσεται γὰρ π. τὸν κακὸν (1)  
 — 7. εἰς τὰ ὅσα π. τοῦ λαοῦ (1)  
 — 29. ἀφίμην π. τοὺς Ἰουδαίους (1)  
 — 33. π. ψυχὴν Ἰουδαίων τὴν αἰχμαλωτισθεῖσαν ἀπὸ γῆς Ἰ. εἰς π. Βασιλείαν μου (1)  
 — 33. πάντες ἀφίμωσαν τοὺς φόρους (1)  
 — 34. π. αἱ ἐορταὶ καὶ τὰ σάββατα (1)  
 — 34. Α. ἔστωσαν π. αἱ ἡμέραι ἀτελείας . . . π. τοῖς Ἰουδαίοις τοῖς οὐδὲν ἐν π. [B B om.] τῇ βασιλείᾳ μου (1)  
 — 35. Α. B παρενοχλεῖν τινα αὐτῶν περὶ π. [B τινας] πράγματος (1)  
 — 36. ὡς καθίκει π. ταῖς δυνάμεσι τοῦ βασιλ. (1)  
 — 41. καὶ πᾶν τὸ πλεονάζον (1)  
 — 43. καὶ ἐν π. τοῖς ὁρίοις αὐ. (1)  
 — 43. ὀφείλοντες βασιλικά καὶ πᾶν πρᾶγμα (1)  
 — 43. καὶ πάντα [B πᾶν πρᾶγμα] ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (1)

I Ma. 10. 47. **συνεμάχουν αὐτῷ π. τὰς ἡμέρας**  
 — 48. **B συνήγαγεν Ἀλ. ὁ βασις π. τὰς δυνάμεις** [A B al.]  
 — 63. **μηδὲς αὐτῷ παρενοχλείτω περὶ π. λόγου**  
 — 64. **καὶ ἐφυγον πάντες**  
 — 89. **ἔδωκεν αὐτῷ . . . π. τὰ ὄρια αὐ.**  
 11. 26. **ἐναντίον π. τῶν φίλων αὐ.**  
 — 29. **ἔγραψεν τῷ Ἰ. ἐπιστολὰς περὶ π. τούτων**  
 — 34. **καὶ π. τὰ συγκυροῦντα αὐτοῖς π. τοῖς θυ-**  
**σιάζουσιν εἰς Ἱερ.**  
 — 35. **B πάντα ἐπαρκῶς παρέμεν αὐτοῖς** [A B al.]  
 — 38. **A B ἀπέλυσε π. [B om.] τὰς δυνάμεις αὐ.**  
 — 38. **π. αἱ δυνάμεις αἱ ἀπὸ τῶν πατέρων**  
 — 39. **π. αἱ δυνάμεις καταγογγύζουσι**  
 — 43. **ἀπέστησαν π. αἱ δυνάμεις μου**  
 — 47. **ἐπισυνήχθησαν πρὸς αὐτὸν πάντες ὅμοι**  
 — 47. **B διασπάρσαν ἐν τῇ πόλει πάντες ὅμοι** [A B om. π. d.]  
 — 51. **ἐνόησαν π. [B<sup>1</sup> om.] τῶν ἐν τῇ βασιλ. αὐ.**  
 — 53. **πάντα ὅσα εἶπε**  
 — 55. **ἐπισυνήχθησαν . . . π. αἱ δυνάμεις**  
 — 60. **A B ἠθροίσθησαν . . . π. αἱ δυνάμεις** [B πᾶσα δ.] S.  
 — 69. **οἱ παρὰ Ἰωνάθαν πάντες**  
 12. 11. **ἐν π. καιρῷ ἀδιαικίτως**  
 — 32. **A B διώκευσεν ἐν π. τῇ [B om.] χώρα**  
 — 43. **συνέστησαν αὐτὸν π. τοῖς φίλοις αὐ.**  
 — 44. **A B ἵνα τί ἔκοψας π. [B om.] τὸν λαὸν τούτων**  
 — 45. **παράδοξον σοι . . . π. τοὺς ἐπὶ τῶν χειρῶν**  
 — 48. **B π. τοὺς ἐλελθόντας** [A συνελ., B συνικει-]  
**. . . ἀπέκτειναν**  
 — 49. **τοὺ ἀπολέσαι πάντας τοὺς παρὰ Ἰων.**  
 — 51. **ἤλθον πάντες . . . εἰς γῆν Ἰ.**  
 — 52. **B B ἐπέθηκεν πᾶς** [A om.] Ἰσρ. **πένθος**  
**μέγα**  
 — 53. **ἐζήτησαν π. τὰ ἔθνη . . . ἐκτρέψαι αὐτοὺς**  
 13. 3. **B πάντες ἐποιήσαντες χάριν τῶν νόμων** [A B al.]  
 — 4. **ἀπώλοντο οἱ ἀδελφοί μου π.**  
 — 5. **ἐν π. καιρῷ θλίψεως**  
 — 6. **συνήχθησαν π. τὰ ἔθνη**  
 — 9. **πάντα ὅσα ἂν εἴπης ἡμῖν ποιήσομεν**  
 — 10. **συνήγαγε π. τοὺς ἀνδρας τῶν πολεμιστῶν**  
 — 20. **εἰς π. τόπον οὗ ἂν ἐπορεύετο**  
 — 22. **ἠτοίμασε Τρ. π. τὴν ἵππον αὐ.**  
 — 26. **ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ.**  
 — 29. **ὕπὸ π. τῶν πλεόντων τὴν θάλασσαν**  
 — 34. **π. αἱ πράξεις Τρύφανος**  
 — 48. **ἐξέβαλεν ἐξ αὐτῆς π. ἀκαθαρσίαν**  
 — 53. **ἠγούμενον τῶν δυνάμεων πᾶσιν**  
 14. 4. **π. τὰς ἡμέρας Σίμωνος**  
 — 4. **ἤρρεον αὐτοὺς . . . ἡ δόξα αὐ. π. τὰς ἡμέρας**  
 — 5. **μετὰ π. τῆς δόξης αὐ. ἔλαβε**  
 — 9. **πάντες περὶ ἀγαθῶν ἐκκοιλοῦντο**  
 — 14. **ἐστήριξε π. τοὺς ταπεινοὺς**  
 — 14. **ἐζήρει πάντα ἄνομον καὶ ποιητὴν**  
 — 35. **διὰ τὸ αὐτὸν πεποιθὲν π. ταῦτα**  
 — 35. **ἐξεζήτησαν π. τρόπον ἰψῶσαι τὸν λαὸν αὐ.**  
 — 43. **ὅπως ἀκούγεται ὑπὸ πάντων**  
 — 43. **ὅπως γράφονται . . . π. [B<sup>2</sup> π. αἱ] συγγραφαί**  
 — 46. **εὐδόκησε π. ὁ λαός**  
 — 47. **τοῦ προσταθῆναι πάντων**  
 15. 1. **ἀπείστειλεν . . . ἐπιστολὰς . . . π. τῷ ἔθνει**  
 — 5. **ἰσχυρῶς σοι π. τὰ ἀφαιρήματα**  
 — 7. **π. τὰ ὅπλα . . . μενέτω σοι**  
 — 8. **π. ἀφείλημα βασιλικὸν . . . ἀφείσθω σοι**  
 — 9. **ὥστε φανερὰν γενέσθαι τὴν δόξαν ὑ. ἐν π. τῇ γῇ**  
 — 10. **συνήλθον πρὸς αὐτὸν π. αἱ δυνάμεις**  
 — 22. **καὶ εἰς π. τὰς χώρας**  
 — 25. **A B προσάγον διὰ παντός [B -ων] αὐτῇ τὰς**  
**χειράς**  
 — 27. **ἠθέλησε πάντα**  
 — 36. **ἀπήγαγεν αὐτῷ . . . πάντα ὅσα εἶδε**  
 11 Ma. 1. 3. **ὁφίει ὑμῖν καρδίαν πᾶσιν**  
 — 17. **κατὰ πάντα εὐλογητὸς ὁ θεός**  
 — 19. **ὥστε πᾶσιν ἄγνωστον εἶναι τὸν τόπον**  
 — 22. **ὥστε θαυμάσαι πάντας**  
 — 23. **οἱ τε ἱερεῖς καὶ πάντες καταρχομένου Ἰ.**  
 — 24. **κύριε ὁ θεός ὁ πάντων κτίστης**  
 — 25. **ὁ διασῶν τὸν Ἰσρ. ἐκ π. κακοῦ**  
 — 26. **πρόσδεξιαν τὴν θυσίαν ὑπὲρ π. τοῦ λαοῦ σου**  
**Ἰσρ.**  
 2. 14. **B ἐπισυνήγαγε πάντα** [A ταῦτα]  
 — 17. **ὁ σῶσας τὸν π. λαὸν αὐ. π. ἀποδοὺς τὴν**  
**κληρονομίαν αὐ. πᾶσι**  
 — 22. **τοῦ κυρίου μετὰ π. ἐπεικελίας ὡς γενομένου**  
**αὐτοῖς**

II Ma. 2. 25. **πᾶσι δὲ τοῖς ἐντυγχάνουσιν ὠφέλειαν**  
 — 30. **B περὶ πάντων ποιείσθαι λόγον** [A al.]  
 8. 1. **τῆς ἁγίας πόλεως κατοικομένης μετὰ π. εἰρήνης**  
 — 3. **πάντα τὰ πρὸς τὰς λειτουργίας . . . ἐπιβάλ-**  
**λοντα λατρυήματα**  
 — 11. **τὰ δὲ π. ἀργυρίου τετρακίσια τάλαντα**  
 — 20. **πᾶσαι δὲ προτείνοσαι τὰς χεῖρας**  
 — 22. **διαφυλάσσειν μετὰ π. ἀσφαλείας**  
 — 24. **ὁ . . . πάσης ἐξουσίας δυνάστης**  
 — 24. **ὥστε π. τοὺς κατατολήσαντας συνελθεῖν**  
 — 28. **τὸν ἄρτι μετὰ . . . π. δορυφορίας . . . εἰσελ-**  
**θόντα**  
 — 29. **πάσης ἐστέρημένος ἐλπίδος**  
 — 34. **διᾶγγελλε πᾶσι τὸ μεγαλεῖον τοῦ θ. κράτος**  
 — 36. **ἐξεμαρτύρει δὲ πᾶσιν**  
 4. 5. **τὸ δὲ συμφέρον . . . π. τῷ πλήθει σκοπῶν**  
 — 42. **πάντας δὲ εἰς φυγὴν συνήλασαν**  
 5. 4. **διὸ πάντες ἤξιουν**  
 — 8. **διωκόμενοι ὑπὸ πάντων**  
 — 14. **ἐν ταῖς π. ἡμέραις τριῖς**  
 — 15. **εἰς τὸ πάσης τῆς γῆς ἀγιάτῳν ἱερὸν**  
 — 20. **μετὰ π. δόξης ἐπαναρθώθη**  
 — 24. **τοὺς ἐν ἡλικίᾳ πάντας κατασφάζει**  
 — 26. **τοὺς ἐξελεῖν πάντας ἐπὶ τὴν θεωρίαν**  
 7. 23. **ὁ . . . πάντων ἐξευρὸν γένεσιν**  
 — 28. **καὶ τὰ ἐν αὐτοῖς πάντα ἰδόντα**  
 — 31. **σὺ δὲ π. κακίας εὐρετῆς γενόμενος**  
 — 34. **ὁ ἀνόσιος καὶ π. ἀνθρώπων μαρτύρατε**  
 8. 2. **τὸν ὑπὸ πάντων καταπατοῦμενον λαόν**  
 — 9. **A τὸ π. τῆς Ἰουδ. ἐξάραι γίνους** [B al.]  
 — 14. **τὰ περιλειμμένα πάντα ἐπὶ αὐτῶν**  
 — 20. **ὡς οἱ π. ἐπὶ τὴν χρεῖαν ἤλθον**  
 — 24. **πάντας δὲ φεύγειν ἠγάκασαν**  
 — 31. **πάντα συνέσθηκαν εἰς τοὺς ἐπικαίρους τόπους**  
 9. 7. **π. τὰ μέλη τοῦ σώματος ἀποστρεφλοῦσθαι**  
 — 8. **φανερὰν τοῦ θ. πᾶσι τὴν δυνάμιν ἐνδεικνύμενος**  
 — 9. **π. τὸ στρατόπεδον βαρυνέσθαι τῇ σαπρίᾳ**  
 — 15. **πάντας αὐτοὺς ἱσχυρῶς Ἀθηναίους ποιήσειν**  
 — 16. **τὰ ἱερὰ σκέυη πολυπλάσια π. ἀποδώσειν**  
 — 17. **π. τόπον οἰκτῶν ἐπελεύσεσθαι**  
 — 21. **φορεῖται τῆς κοῦρης πάντων ὕμνων ἀσφαλείας**  
 10. 8. **π. τῷ τῶν Ἰουδ. ἔθνει**  
 — 17. **πάντας τε τοὺς ἐπὶ τῷ τείχει μαχομένους**  
**ἡμῶν**  
 — 18. **πάντα τὰ πρὸς πολιορκίαν ἔχοντας**  
 — 23. **τὰ π. ἐν ταῖς χερσὶν εὐδοκίμοις**  
 11. 2. **B συναθροίσας . . . τὴν ἵππον π. [A ἀπ.]**  
 — 9. **ὁμοῦ δὲ πάντες ἐλόγησαν τὸν εὐλαβήσαντα θεόν**  
 — 11. **τοὺς δὲ π. ἠνέγκασαν φυγῇ**  
 — 13. **B τοῦ πάντα [A om.] δυνάμενος θεοῦ**  
 — 14. **ἔπεισε συλλύσεσθαι ἐπὶ π. τοῖς δικαίοις**  
 — 15. **ἐπέειπε δὲ ὁ Μ. ἐπὶ πᾶσιν**  
 12. 21. **B διὰ τὴν τῶν [A om.] π. τῶν τόπων στενό-**  
**τητα**  
 — 22. **B ἐκ τῆς τοῦ [A τοῦ τὰ] πάντα ἐφορῶντος**  
**ἐπιφανείας**  
 — 40. **τοῖς δὲ π. σαφὲς ἐγένετο**  
 — 41. **πάντες οὖν εὐλογῶντες**  
 13. 4. **τούτων αἰτίων τῶν κακῶν εἶναι πάντων**  
 — 12. **πάντων δὲ τὸ αὐτὸ ποιησάντων**  
 — 23. **ὁμοῦ ἐπὶ π. τοῖς δικαίοις**  
 14. 24. **εἶχε τὸν Ἰ. διὰ παντὸς ἐν προσώπῳ**  
 — 34. **τὸν διὰ παντός ὑπέρμαχον τοῦ ἔθνους ἡμῶν**  
 — 36. **ἄνε παντός ἁγιασμοῦ κύριε**  
 — 38. **παραβεβλημένος μετὰ π. ἐκτενίας**  
 15. 1. **μετὰ π. ἀσφαλείας αὐτοῖς ἐπιβαλεῖν**  
 — 2. **ὕπὸ τοῦ πάντα ἐφορῶντος**  
 — 6. **B μετὰ π. ἀλαζονίας [A ἀσφαλείας] ὑψα-**  
**χέων**  
 — 7. **πεποιθὸς μετὰ π. ἐλπίδος**  
 — 11. **A ὑπὲρ τι πάντας ἠθέρανεν** [B al.]  
 — 12. **π. τὰ τῆς ἀρετῆς οἰκία**  
 — 12. **τῷ π. τῶν Ἰουδ. συστήματι**  
 — 17. **μετὰ π. ἐνανδρίας ἐμπακύντες**  
 — 20. **πάντων φθὴ προσδοκῶντων τὴν ἐσομένην**  
**κρίσιν**  
 — 34. **οἱ δὲ π. εἰς τὸν οὐρ. ἐλόγησαν τὸν ἐπιφανῆ κ.**  
 — 35. **ἐπὶ ὅλῳ πᾶσι . . . σημῖον**  
 — 36. **καὶ ἰδομάτιον πάντες**  
 11 Ma. 1. 1. **παραγγέλλας ταῖς π. δυνάμει**  
 — 11. **μηδὲ π. τοῖς κερύσειν**  
 — 11. **τῷ προηγουμένῳ πάντων ἀρχιερεῖ**  
 — 13. **αὐτὸν εἰσερχόμενον εἰς π. τέμενος**  
 — 15. **A οὐκί πάντων [B -ως] εἰσελεύσεσθαι**  
 — 16. **A ἐν π. [B om.] ταῖς ἐσθῆσιν**  
 — 26. **B καὶ πάντα [A -as] παραπέμψας**

III Ma. 1. 27. **τὸν πᾶν κράτος ἔχοντα**  
 — 29. **καὶ τὸ π. ἔδαφος ἔχειν**  
 — 29. **ἄτε δὴ τῶν π. τότε θάνατον ἀλλασσομένων**  
 2. 2. **δέσποτα πάσης κτίσεως**  
 — 3. **ὁ κτίσας τὰ π.**  
 — 21. **B ὁ πάντων ἐπόπτης θεός καὶ πρὸ πάντων**  
**ἄγιος ἐν ἁγίοις** [A al.]  
 — 25. **καὶ ἐταίρων τοῦ π. δικαίου κεχωρισμένων**  
 — 28. **πάντας δὲ τοὺς Ἰουδ. εἰς λαογραφίαν . . .**  
**ἀχθῆναι**  
 — 30. **ἵνα δὲ μὴ τοῖς π. ἀπεχθόμενος φαίνεται**  
 3. 1. **συναγαγεῖν πάντας ἐπὶ τὸ αὐτό**  
 — 6. **τὴν μὲν οὖν . . . ἐν πᾶσι θρυλουμένην εὐ-**  
**πραξίαν**  
 — 10. **καὶ πᾶν ἔκτενι προσοίσεσθαι**  
 — 20. **τοῖς π. ἔθνεσι φιλανθρώπως ἀπαντήσαντες**  
 — 24. **κατὰ πάντα δυσνοεῖν ἡμῖν τρόπον**  
 — 29. **πᾶς δὲ τόπος οὗ ἐὰν φωραθῇ**  
 — 29. **B πᾶση θνητῇ φύσει κατὰ πάντα ἀχρηστος**  
**φανήσεται** [A al.]  
 4. 10. **ἐν π. τῷ κατάπλῳ**  
 — 11. **πᾶσι τοῖς καταπορευομένοις εἰς τὴν πόλιν**  
 — 14. **ἀπογραφῆναι δὲ π. τὸ φύλον ἐξ ἐνόματος**  
 — 16. **συμπόσια ἐπὶ π. τῶν εἰδῶλων συνησπόμενος**  
 — 18. **πᾶσι τοῖς ἐπ' Αἴγυπτον στρατηγῶσι**  
 5. 1. **κατὰ πᾶν ἀμετάθετος**  
 — 6. **οἱ δὲ πάσης σκέπης ἔρημοι δοκούσιν εἶναι**  
 — 7. **τὸν . . . π. δυνάμεως δυναστεύοντα . . . πάντες**  
**μετὰ δακρύων ἐπεκαλέσαστο**  
 — 11. **ὕπὸ τοῦ χαριζομένου πᾶσιν**  
 — 21. **ἀσμένους πάντες . . . οἱ παρόντες ὁμοῦ συνα-**  
**νέσαντες**  
 — 27. **B κατὰ πᾶν [A πάντα] ἀγνώσιγα κερκατη-**  
**μένους**  
 — 28. **τοῦ πάντα δεσποτεύοντος θεοῦ**  
 — 29. **ὁ δὲ Ἑρμῶν ὑπεδείκνυε καὶ π. οἱ φίλοι**  
 — 30. **διὰ τὸ . . . διεσκεδάσθαι πᾶν αὐτοῦ τὸ νόημα**  
 — 36. **A συστησάμενος π. [B πάλιν] τὸ συμπόσιον**  
 — 42. **ὁ κατὰ πάντα Φ. βασιλεύς**  
 — 47. **π. τῷ βάρει . . . ἐξάρμησε**  
 6. 1. **π. τῇ κατὰ τὸν βίον ἀρετῇ**  
 — 2. **τὴν π. διακυβερνῶν ἐν οἰκτιρμοῖς κτίσιν**  
 — 5. **τὴν π. υποχείριον ἤδη λαβόντα γῆν**  
 — 6. **φλόγα πᾶσιν ἐπιτέμψας τοῖς ὑπεναπίστοις**  
 — 8. **ἀπῆματον πᾶσιν οἰκείας ἀνείδειξας**  
 — 12. **ὁ πᾶσαν ἀλκὴν . . . ἔχων**  
 — 14. **ἱκετεύει σε τὸ π. πλήθος τῶν νηπίων**  
 — 15. **δειχθῆναι πᾶσιν ἔθνεσιν**  
 — 16. **σὺν . . . π. τῷ τῆς δυνάμεως φρυγάματι**  
 — 17. **οἰμωγῇ ποιήσας π. τῷ στρατοπέδῳ**  
 — 18. **φανερῶς πᾶσι πλὴν τῶν Ἰουδαίων**  
 — 26. **B πρὸς ἡμᾶς κατὰ πάντα [A -as] διαφέροντας**  
**πάντων ἔθνων**  
 — 30. **ἐν ἐμφροσύνῃ πάσης σωτηρίας ἤγειν**  
 — 32. **οἰμωγῇ δὲ π. . . ἀποσάμενοι**  
 — 36. **ἐπὶ π. τὴν παροικίαν αὐτῶν**  
 — 39. **A ὁ τῶν π. [B ὁλῶν] δυνάστης**  
 — 40. **πάνθ' ὑπὸ τοῦ βασιλ. χορηγούμενοι**  
 7. 1. **καὶ πᾶσι τοῖς τεταγμένοις ἐπὶ πραγμάτων**  
 — 4. **B δι' ἣν ἔχουσιν οὗτοι πρὸς π. [A om.] τὰ ἔθνη**  
**δυσμέναια**  
 — 5. **ἄνευ π. ἀνακρίσεως**  
 — 6. **ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱὸν διὰ παντός ὑπέρμαχοντα**  
 — 7. **ἀπολελίκαμεν πάσης καθ' ὅντιν οὖν αἰτίας τρώ-**  
**πον**  
 — 8. **πάντας εἰς τὰ ἴδια ἐπιστρέφειν**  
 — 8. **B ἐν π. τόπῳ** [A τρώπῳ]  
 — 9. **τὸν πάσης δεσπόζοντα δυνάμεως θεόν**  
 — 9. **ἀντικείμενον . . . κατὰ πᾶν ἀφείκτως διὰ**  
**παντός ἔξομεν**  
 — 12. **ἔδωκεν αὐτοῖς ἀδικίαν πάντων**  
 — 12. **κατὰ πάντα τὸν ὑπὸ τὴν βασιλ. αὐ. τόπον**  
 — 12. **ἄνευ π. βασιλικῆς ἐξουσίας**  
 — 13. **οἱ τοῦτων ἱερεῖς καὶ πᾶν τὸ πλῆθος**  
 — 18. **τὰ πρὸς τὴν ἀφίειν πάντα**  
 — 22. **π. τὰ ἐναντῶν πάντες ἐκοιμίσαντο**  
 IV Ma. 1. 2. **ἀναγκαῖος εἰς ἐπιστήμην παντὶ ὁ λόγος**  
 — 9. **B<sup>1</sup> πάντες [A B<sup>2</sup> ἀπ.] γὰρ οὗτοι . . . ὑπερι-**  
**δόντες**  
 — 11. **οὐ μόνον ὑπὸ π. ἀνθρώπων**  
 — 14. **εἰ πάντων ἐπικρατεῖ τούτων ὁ λογισμός**  
 — 19. **κυριαστέη διὰ πάντων ἡ φρόνησις**  
 — 25. **πολυτροπωτάτῃ πάντων τῶν παθῶν οὐσα**  
 — 29. **B καὶ π. τρόπον μετοχετεύων** [A B μεταχέων]  
 — 35. **π. τὰ τοῦ σώματος κινήματα**  
 2. 4. **ἀλλὰ καὶ π. ἐπιθυμίας**





I Es. 9. 1. ἐπορεύθη εἰς τὸ π. +  
 Is. 22. 15. πορεύου εἰς τὸ π. πρὸς Σομαν  
 Je. 42 (35). 4. εἰς τὸ π. υἱὸν Ἰωνάν υἱοῦ [A om.  
 υἱ. Ἰ. υἱ.] Ἀνανίου (1)  
 Ez. 40. 17. ἰδοὺ παστοφόρια [A γαφοῦλᾶκια] (1)  
 ... τράκοντα παστοφόρια ἐν τοῖς  
 περιτόλοις (1, 1)  
 — 38. τὰ π. αὐτῆς καὶ τὰ θυρώματα αὐτῆς (1)  
 I Ma. 4. 38. ἰδὼν ... τὰ π. καθηρημένα  
 — 57. ἐνεκαίνισαν ... τὰ π.  
 [Aq. Je. 35 (42). 4: 36 (48). 10, 20: Ez. 40.  
 17 (P).] (1)  
 [Th. Ez. 40. 17 (P.): 42. 1.]  
 πᾶσχα (1) ΠΩΡ  
 Ex. 12. 11. π. ἐστι κυρίῳ [A -ίου] (1)  
 — 21. θύσατε τὸ π. (1)  
 — 27. θυσία τὸ π. τοῦτο κυρίῳ (1)  
 — 43. οἶτος ὁ νόμος τοῦ π. (1)  
 — 48. ποιήσαι τὸ π. κυρίῳ (1)  
 34. 25. θύματα ἐορτῆς τοῦ π. (1)  
 Le. 23. 5. ἐν τῷ πρώτῳ μηνί ... π. τῷ κυρίῳ  
 Nu. 9. 2. ποιήσωσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ π. (1)  
 — 4. 6. ποιήσαι τὸ π. (1)  
 — 10. ποιήσει τὸ π. κυρίῳ (1)  
 — 12. κατὰ τὸν νόμον τοῦ π. (1)  
 — 13. ποιήσαι τὸ π. (1)  
 — 14. καὶ ποιήσει τὸ π. κυρίῳ (1)  
 — 14. κατὰ τὸν νόμον τοῦ π. (1)  
 28. 16. A B<sup>2</sup> R πᾶσχα κυρίῳ [B<sup>1</sup> -ου]  
 33. 3. τῇ ἐπαύριον τοῦ π. (1)  
 De. 16. 1. ποιήσεις τὸ π. κ. τῷ θεῷ σου (1)  
 — 2. θύσεις τὸ π. κ. τῷ θεῷ σου (1)  
 — 5. οὐ δύνησιν θύσαι τὸ π. (1)  
 — 6. θύσεις τὸ π. ἐσθέρως (1)  
 Jo. 5. 9 (10). ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ π. (1)  
 Iv Ki. 23. 21. ποιήσαντες πᾶσχα τῷ κυρίῳ  
 — 22. οὐκ ἐγενήθη τὸ π. τοῦτο (1)  
 — 23. ἐγενήθη τὸ π. τῷ κυρίῳ (1)  
 I Es. 1. 1. ἦγγαγεν Ἰωσ. τὸ π.  
 — 1. A B<sup>2</sup> ἔδυσαν τὸ π. [B<sup>2</sup> R al.] (1)  
 — 6. θύσατε τὸ π. (1)  
 — 8. ποιήσατε τὸ π. (1)  
 — 8. ἔδωκε ... εἰς πᾶσχα πρόβατα δισχιλία (1)  
 — 9. ἔδωκαν ... εἰς πᾶσχα (1)  
 — 12. ᾤπησαν τὸ π. ἐν πυρί (1)  
 — 17. ἀχθήσαν τὸ π. (1)  
 — 19. ἠγάγουν ... τὸ π. (1)  
 — 20. οὐκ ἤλθον τὸ π. τοιοῦτο (1)  
 — 21. οὐκ ἠγάγουν πᾶσχα τοιούτων (1)  
 — 22. ἤλθον τὸ π. τοῦτο (1)  
 7. 10. ἠγάγουν ... τὸ π. (1)  
 — 12. ἔδυσαν τὸ π. (1)  
 II Es. 6. 19. καὶ ἐποίησαν ... τὸ π. (1)  
 — 20. ἔσφαξαν τὸ π. (1)  
 — 21. ἔφαγον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ π. (1)  
 Ez. 45. 21. ἔσται ὅμιν τὸ π. ἐορτή (1)  
 [Aq. Sm., Th. Jo. 5. 11.]  
 πᾶσχειν. (1) ἡῖ ni.  
 Es. 9. 26. ὅσα πεπνύθησιν διὰ ταῦτα +  
 Jb. 41. 8 (9). B<sup>1</sup> συνήχονται καὶ οὐ μὴ πάθωσιν +  
 [A B B<sup>2</sup> ἀποσπασθῶσιν] +  
 Wi. 12. 27. ἐφ' οἷς γὰρ αὐτοὶ πᾶσχωντες ἠγανάκουν +  
 18. 1. ὅτι μὲν οὖν [A οὐ] κάκειν ἐπεπνύνεισαν +  
 — 11. δὲ μόνῃ βασιλεὶ τὰ αὐτὰ [B ταῦτα] πᾶσχωσιν +  
 19. ἵνα μὴ ἀγνοήσιν δι' ἐκείνας πᾶσχωσιν ἀπώλῳσιν +  
 19. 13. δικαίως γὰρ ἔπασχον ταῖς ἰδίαις αὐτῶν ποτηρίαις +  
 Si. 38. 16. ὅς δὲ διὰ πᾶσχωσιν ἔναρξαι θρήνου (1)  
 Am. 6. 6. καὶ οὐκ ἔπασχον οὐδὲν (1)  
 Za. 11. 5. οἱ ποιμένες αὐ. οὐκ ἔπασχον οὐδὲν +  
 Ep. Je. 34. 1. εἰς κακὸν πάθωσιν ὑπὸ τίνος +  
 Ez. 16. 5. τοῦ παθῆναι ἐπὶ σοὶ +  
 Da. LXX. 11. 17. καὶ οὐ πείσεται -  
 II Ma. 6. 30. διὰ τὸν αὐτοῦ φόβον ταῦτα πᾶσχω +  
 7. 18. ἡμεῖς γὰρ δι' ἑαυτοὺς ταῦτα πᾶσχομεν +  
 — 32. ἡμεῖς γὰρ διὰ τὰς ἐναντὶν ἁμαρτίας πᾶσχομεν +  
 9. 28. ὁ μὲν οὖν ἀνδροφόνος ... τὰ χεῖριστα παθὼν +  
 IV Ma. 4. 25. προειδίνας ὅτι τοῦτο πείσονται +  
 9. 8. B<sup>1</sup> δὲ δι' καὶ [B δὲ καὶ ταῦτα] πᾶσχομεν +  
 10. 10. διὰ παθειᾶς ... ταῦτα πᾶσχομεν +  
 18. 17. A B οὕτω γὰρ παθόντας [B θανόντας] ἡμῶς +  
 ... ὑποδέχονται +  
 14. 9. ἀλλὰ καὶ πᾶσχωντες ἐκατέρωθεν

πατάσσειν. (1) 𐤒𐤒 hi. (2) 𐤒𐤒 aph.  
 (3) 𐤒𐤒 ni. (4) 𐤒𐤒 (5) 𐤒𐤒 hi. (6) 𐤒𐤒  
 (7) 𐤒𐤒 (8) 𐤒𐤒 (9) a. 𐤒𐤒 hi. δ. 𐤒𐤒  
 (10) 𐤒𐤒 hi.  
 Ge. 8. 21. πατάξει πᾶσαν σάρκα [ῥωσαν] (9 a)  
 14. 15. B καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 19. 11. τοὺς δὲ ἄνδρας ... ἐπάταξεν (9 a)  
 32. 11 (12). μὴ ποτε ἐλθὼν πατάξῃ μὴ (9 a)  
 37. 21. A οὐ πατάξομεν [B -ωμεν] αὐτῶν (9 a)  
 Ex. 2. 12. πατάξας τὸν Αἰγύπτιον (9 a)  
 8. 20. πατάξω τοὺς Αἰγυπτίους (9 a)  
 7. 20. ἐπάταξε τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ ποτ. (9 a)  
 — 25. μετὰ τὸ πατάξει κυρίον τὸν ποτ. (9 a)  
 8. 16 (12). πατάξον τὸ χῶμα τῆς γῆς (9 a)  
 — 17 (13). ἐπάταξε τὸ χῶμα τῆς γῆς (9 a)  
 9. 15. πατάξω σε (9 a)  
 — 25. ἐπάταξε δὲ ἡ χιλιὰς (9 a)  
 — 25. πᾶσαν βοτάνην ... ἐπάταξεν ἡ χιλ. (9 a)  
 12. 12. πατάξω πᾶν πρωτότοκον (9 a)  
 — 23. πατάξει τοὺς Αἰγυπτίους (8)  
 — 23. οὐκ ἀφήσει ... πατάξει (8)  
 — 27. ἡνικά ἐπάταξε τοὺς Αἰγ. (8)  
 — 29. κύριος ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον (9 a)  
 17. 5. ἐν ἡ ἐπάταξας τὸν ποταμὸν (9 a)  
 — 6. πατάξῃ τὴν πύργον (9 a)  
 21. 12. ἐὰν δὲ πατάξῃ τίς τινα (9 a)  
 — 18. καὶ πατάξωμι [A -ξῃ τις] τὸν πλησίον (9 a)  
 — 19. ὁφείτω ἔσται ὁ πατάξας (9 a)  
 — 20. ἐὰν δὲ τις πατάξῃ τὸν παῖδα αὐτοῦ (9 a)  
 — 22. ἐὰν ... πατάξωσι γυναῖκα ἐν γαστρὶ  
 ἔχουσιν (8)  
 — 26. ἐὰν δὲ τις πατάξῃ τὸν ὀφθαλμὸν (9 a)  
 32. 35. ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν (8)  
 Le. 24. 17. δε ἂν πατάξῃ ψυχὴν ἀνθρώπου (9 a)  
 — 18. δε ἂν πατάξῃ ἐκ τῶν (9 a)  
 — 21. δε ἂν πατάξῃ ἀνθρώπον (9 a)  
 26. 24. πατάξω ὑμᾶς κατὰ ἑκάστης (9 a)  
 Nu. 3. 13: 8. 17. ἐπάταξα πᾶν πρωτότοκον (9 a)  
 11. 33. ἐπάταξε κ. τὸν λαόν [A ἐν τῷ λ.]  
 πληγὴν (9 a)  
 14. 12. πατάξω αὐτοὺς θανάτῳ (9 a)  
 20. 11. ἐπάταξε τὴν πέτραν (9 a)  
 21. 24. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰσρ. (9 a)  
 — 35. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 a)  
 22. 6. ἐὰν δυνάμει πατάξῃ ἐξ αὐτῶν (9 a)  
 — 11. εἰ ἄρα δυνήσονται πατάξαι αὐτὸν (8)  
 — 32. ἐπάταξε τὴν δυν. (9 a)  
 — 32. διὰ τί ἐπάταξας τὴν δυν. σου (9 a)  
 25. 17. καὶ πατάξας αὐτοὺς (9 a)  
 33. 4. οὐδὲ ἐπάταξε κύριος (9 a)  
 35. 11. πᾶς ὁ πατάξας ψυχὴν ἀκουσίως (9 a)  
 — 15. παντὶ πατάξοντι ψυχὴν ἀκουσίως (9 a)  
 — 16. ἐὰν δὲ ἐν σκευῇ σιδήρου πατάξῃ αὐτὸν (9 a)  
 — 17. ἐὰν δὲ ἐν λίθῳ ... πατάξῃ αὐτὸν (9 a)  
 — 18. ἐὰν δὲ ἐν σκευῇ ξυλίνῳ ... πατάξῃ αὐ-  
 τὸν (9 a)  
 — 21. ἡ διὰ μὴν ἐπάταξεν αὐτὸν (9 a)  
 — 21. θανάτῳ θανατοῦσθω ὁ πατάξας (9 a)  
 — 21. A πατάξει [B ἀποκτενεῖ] τὸν φονεύσαντα (5)  
 — 24. κρινεῖ ἡ συναγ. ἀπὸ μέσον τοῦ πατά-  
 ξαντος (9 a)  
 — 30. πᾶς πατάξας ψυχὴν (9 a)  
 De. 1. 4. μετὰ τὸ πατάξει Σηὼν (9 a)  
 2. 33. B<sup>2</sup> R ἐπατάξαμεν [A B<sup>1</sup> -ξεν] αὐτὸν (9 a)  
 3. 3. καὶ ἐπατάξαμεν αὐτὸν (9 a)  
 4. 46. δὲ ἐπάταξε M. (9 a)  
 7. 2. καὶ πατάξῃ αὐτοὺς (9 a)  
 19. 4. δε ἂν πατάξῃ τὸν πλησίον αὐτοῦ (9 a)  
 — 6, 11. καὶ πατάξῃ αὐτοῦ ψυχὴν (9 a)  
 20. 13. πατάξῃ πᾶν ἀρεσκὸν αὐτῆς (9 a)  
 21. 1. οὐκ οἶδας τὸν πατάξαντα (9 a)  
 27. 25. πατάξει ψυχὴν αἵματος ἀδφῶν (9 a)  
 28. 22, 27, 28, 35. πατάξει σε κύριος (9 a)  
 29. 8 (6). ἐπατάξαμεν αὐτοὺς (9 a)  
 32. 39. πατάξω κατὰ ἑκάστης (7)  
 Jo. 8. 21. ἐπάταξεν τοὺς ἄνδρας τῆς Γ. (9 a)  
 — 22. καὶ ἐπάταξεν [A -εν] αὐτοὺς (9 a)  
 — 24. καὶ ἐπάταξεν αὐτὴν (9 a)  
 10. 33. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰ. (9 a)  
 — 37. καὶ ἐπάταξεν [A -αν] αὐτὴν (4 + 9 a)  
 — 39. καὶ ἐπάταξεν αὐτὴν (9 a)  
 — 40. ἐπάταξε Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν (9 a)  
 — 42. τὴν γῆν αὐτὴν ἐπάταξεν [A ἔλαβεν] Ἰ. (4)

Jo. 12. 6. ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 13. 12. ἐπάταξεν αὐτὸν M. (9 a)  
 — 21. δὲ ἐπάταξε M. αὐτὸν (9 a)  
 19. 47. καὶ ἐπάταξεν αὐτὴν (9 a)  
 20. 3. τῷ φονεῖ τῷ πατάξαντι ψυχὴν (9 a)  
 — 5. A ἐπάταξεν τὸν πλησίον αὐτοῦ (9 a)  
 24. 5. ἐπάταξε [B<sup>1</sup> -αν, A -εν] τὴν Αἴγ. (8)  
 Jd. 1. 4. B<sup>2</sup> ἐπάταξεν [A -εν, B<sup>1</sup> R ἔκοψαν]  
 αὐτοὺς (9 a)  
 — 5. A ἐπάταξεν [B<sup>2</sup> R ἔκοψαν] τὸν Χαν. (9 a)  
 — 6. καὶ ἐπάταξεν αὐτὴν (9 a)  
 — 10. ἐπάταξεν [A -εν] τὸν Σ. (9 a)  
 — 12. δε ἂν πατάξῃ τὴν πόλιν τὸν γραμμ. (9 a)  
 — 17. A ἐπάταξεν [B ἔκοψε] τὸν Χαν. (9 a)  
 — 25. ἐπάταξεν τὴν πόλιν (9 a)  
 8. 13. ἐπάταξε τὸν Ἰσρ. (9 a)  
 — 29. ἐπάταξεν τὴν Μωάβ (9 a)  
 — 31. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 a)  
 5. 26. καὶ ἐπάταξε [A al.] (7)  
 6. 16. πατάξῃ τὴν M. (9 a)  
 7. 13. καὶ ἐπάταξεν αὐτὴν (9 a)  
 8. 11. ἐπάταξε τὴν παρεμβολὴν (9 a)  
 9. 43. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 — 44. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 11. 21. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν [A -οὺς] (9 a)  
 — 33. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 12. 4. ἐπάταξεν ἄνδρες Γαλ. τὸν Ἐφρ. (9 a)  
 14. 19. ἐπάταξεν ἐξ αὐτῶν τράκοντα ἄνδρας  
 [A al.] (9 a)  
 15. 8. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 — 15. ἐπάταξεν ἐν αὐτῇ χιλίους ἄνδρας (9 a)  
 — 16. ἐπάταξε χιλίους ἄνδρας (9 a)  
 18. 27. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 20. 31. ἤρξαντο π. [A τύπτειν] (9 a)  
 — 35. ἐπάταξε [A ἐρρόπωνεν] κ. τὸν Βεν. (8)  
 — 37. ἐπάταξεν [A add. ὅλην] τὴν πόλιν (9 a)  
 — 39. π. [A τοῦ τύπτειν] τραυματίας (9 a)  
 — 45. ἐπάταξεν ἐξ αὐτῶν δισχιλίους ἄνδρας (9 a)  
 — 48. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 a)  
 21. 10. πατάξτε τοὺς οἰκονόγους Ἰ. [A al.] (9 a)  
 I Ki. 2. 14. καὶ ἐπάταξεν αὐτὴν (9 a)  
 4. 8. οἱ θ. οἱ πατάξαντες τὴν Αἴγ. (9 a)  
 5. 3. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς -  
 — 9. ἐπάταξε τοὺς ἄνδρας τῆς πόλεως (9 a)  
 — 9. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς +  
 6. 19. ἐπάταξεν ... ἐβρομήκοντα ἄνδρας (9 a)  
 — 19. ἐπάταξε ... πληγὴν μεγ. σφόδρα (9 a)  
 7. 11. καὶ ἐπάταξεν [A -εν] αὐτοὺς (9 a)  
 13. 3. B ἐπάταξεν Ἰ. τὸν νοσιβ. (9 a)  
 14. 13. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς -  
 — 14. ἦν ἐπάταξεν Ἰωσ. (9 a)  
 — 31. ἐπάταξεν ... ἐκ τὸν ἀλλοφ. (9 a)  
 — 48. A B ἐπάταξε τὸν Ἰσρ. [B al.] (9 a)  
 15. 3. πατάξῃ τὸν Ἰσρ. (9 a)  
 — 7. ἐπάταξε Σ. τὸν Ἰσρ. (9 a)  
 17. 9. ἐὰν πατάξῃ με (9 a)  
 — 9. ἐὰν ... πατάξω αὐτὸν (9 a)  
 — 25. A δε ἂν πατάξῃ αὐτὸν (9 a)  
 — 26. A δε ἂν πατάξῃ τὸν ἀλλοφύλον ἐκ. (9 a)  
 — 27. A δε ἂν πατάξῃ αὐτὸν (9 a)  
 — 35. καὶ ἐπάταξε αὐτὸν (9 a)  
 — 35. καὶ ἐπάταξε καὶ ἐθανάτωσα αὐτὸν (9 a)  
 — 36. οὐχὶ πορεύσομαι καὶ πατάξω αὐτὸν -  
 — 49. ἐπάταξε τὸν ἀλλοφύλον (9 a)  
 — 50. A ἐπάταξεν τὸν ἀλλοφύλον (9 a)  
 — 57. A τοῦ πατάξει τὸν ἀλλοφύλον (9 a)  
 18. 6. ἀπὸ τοῦ πατάξει τὸν ἀλλοφ. (9 a)  
 — 7. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐτοῦ (9 a)  
 — 11. A πατάξω ἐν Δαυὶδ (9 a)  
 — 27. καὶ ἐπάταξεν ... ἐκατὸν [A om.] ἄνδρας (9 a)  
 19. 5. ἐπάταξε τὸν ἀλλοφύλον (9 a)  
 — 8. ἐπάταξεν ... πληγὴν μεγάλην σφόδρα (9 a)  
 — 10. πατάξει τὸ δόρυ εἰς Δ. (9 a)  
 — 10. ἐπάταξε τὸ δόρυ εἰς τὸν τοίχον (9 a)  
 21. 9 (10). δὲ ἐπάταξεν ἐν τῇ κοιλίᾳ Ἰ. (9 a)  
 — 11 (12). ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐτοῦ (9 a)  
 22. 19. τὴν N. τὴν π. τὸν ἱερέων ἐπάταξεν (9 a)  
 23. 2. εἰ ... πατάξω τοὺς ἀλλοφύλους τούτους (9 a)  
 — 2. πατάξῃ ἐν τοῖς ἀλλοφύλοις τούτοις (9 a)  
 — 3. B πατάξῃ [A B σώσεις] τὴν K. (9 a)  
 — 5. ἐπάταξεν ... πληγὴν μεγάλην (9 a)  
 24. 6. ἐπάταξε καρδίαν Δαυὶδ αὐτὸν (9 a)  
 25. 38. ἐπάταξε κύριος τὸν N. (8)  
 26. 8. πατάξω αὐτὸν τῷ δόρτι (9 a)  
 29. 5. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐτοῦ (9 a)  
 30. 1. ἐπάταξε τὴν Σ. (9 a)

- I Ki. 30. 17. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 α)  
 II Ki. 1. 15. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν [A om.] (9 α)  
 2. 22. ἵνα μὴ πατάξω σε εἰς τὴν γῆν (9 α)  
 — 31. ἐπάταξεν . . . τριακοσίους ἐξήκοντα ἀνδρας (9 α)  
 3. 27. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐκεῖ (9 α)  
 5. 25. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 α)  
 8. 1. ἐπάταξε Δ. τοὺς ἀλλοφύλους (9 α)  
 — 2. ἐπάταξε Δ. τὴν Μ. (9 α)  
 — 3. ἐπάταξε Δ. τὸν Ἀδρ. (9 α)  
 — 5. ἐπάταξε Δ. . . . εἰκοσι δύο χιλιάδας ἀνδρῶν (9 α)  
 — 9. ἐπάταξε Δ. πᾶσαν τὴν δύναμιν Ἀδρ. (9 α)  
 — 10. ΔΒ ἐπάταξεν [B ἐπολέμισε] τὸν Ἀδρ. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (3, 9 α)  
 — 13. ἐπάταξε τὴν Ἰδουμαίαν (9 α)  
 10. 18. τὸν Σ. . . ἐπάταξε (9 α)  
 11. 21. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβιμ. (9 α)  
 — 22. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. — (9 α)  
 12. 9. τὸν Οὐρίαν . . . ἐπάταξας (9 α)  
 18. 28. πατάζει τὸν Ἀ. (9 α)  
 — 30. ἐπάταξεν Ἀβ. πάντα τοὺς υἱοὺς τοῦ βασιλ. (9 α)  
 15. 14. ὡς μὴ . . . πατάξῃ τὴν πόλιν (9 α)  
 17. 2. πατάξον τὸν βασιλ. μονότατον (9 α)  
 18. 11. τί οὐκ ἐπάταξας αὐτὸν (9 α)  
 — 15. ἐπάταξεν [A -εν] τὸν Ἀβ. (9 α)  
 21. 2. ἐξήγησε Σ. πατάζει αὐτοὺς (9 α)  
 — 12. ἢ ἐπάταξεν οἱ ἀλλοφ. τὸν Σ. (9 α)  
 — 16. διανοεῖτο πατάζει τὸν Δ. (9 α)  
 — 17. ἐπάταξε τὸν ἀλλοφύλου (9 α)  
 — 18. ἐπάταξε Σιβ. . . . τὸν Σιφ. (9 α)  
 — 19. ἐπάταξεν [A ἐπείτ.] Ἑλ. . . . τὸν Γολ. (9 α)  
 — 21. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰων. (9 α)  
 23. 10. καὶ ἐπάταξεν ἐν τοῖς ἀλλοφύλοις (9 α)  
 — 12. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 α)  
 — 20. Β ἐπάταξε τοὺς δύο υἱοὺς Ἀ. (9 α)  
 — 20. ἐπάταξε τὸν λέοντα (9 α)  
 — 21. ἐπάταξε τὸν ἄνδρα τὸν Αἰγ. (9 α)  
 24. 10. ἐπάταξε καρδία Δ. αὐτὸν (9 α)  
 III Ki. 15. 20. ἐπάταξεν [A -εν] τὴν Ἀ. (9 α)  
 — 27. Α ἐπάταξεν αὐτὸν Β. [B αἰ.] (9 α)  
 — 29. ἐπάταξε τὸν οἶκον Ἰερ. (9 α)  
 16. 7. καὶ ὑπὲρ τοῦ πατάζει αὐτὸν (9 α)  
 — 10. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 — 12 (11). ἐπάταξεν ὅλον τὸν οἶκον Β. (9 α)  
 20 (21). 27. ἢ ἐπάταξε Ναβ. τὸν Ἰ. — (9 α)  
 21 (20). 20. ἐπάταξεν ἕκαστος τὸν παρ' αὐτοῦ (9 α)  
 — 21. ἐπάταξε πληγὴν μεγάλην (9 α)  
 — 29. ἐπάταξεν Ἰσρ. τὴν Συρίαν (9 α)  
 — 35. πατάξον δή με (9 α)  
 — 35. οὐκ ᾔβλησεν ὁ ἄνθρ. πατάζει αὐτὸν (9 α)  
 — 36. πατάζει σε ἴων (9 α)  
 — 36. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 — 37. Β πατάξον με δή (9 α)  
 — 37. Β ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ ἄνθρ. πατάξας καὶ συνέρριψε (9 α, 9 α)  
 22. 24. ἐπάταξε τὸν Μιχ. (9 α)  
 — 34. ἐπάταξε τὸν βασιλ. Ἰσρ. (9 α)  
 IV Ki. 2. 8, 14. ἐπάταξε τὸ ὕδωρ (9 α)  
 — 14. ἐπάταξε τὰ ὕδατα [A<sup>1</sup> τὸ ὕ.] (9 α)  
 3. 19. πατάξτε [A -ατε] πᾶσαν πόλιν ὀχυράν (9 α)  
 — 23. ἐπάταξεν [A -αν] ἀνὴρ τὸν πλησίον αὐ. (9 α)  
 — 24. ἐπάταξεν τὴν Μ. (9 α)  
 — 25. καὶ ἐπάταξεν [A -εν] αὐτὴν (9 α)  
 6. 18. πάταξον δή τὸ ἔθνος τοῦτο (9 α)  
 — 18. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 α)  
 — 21. εἰ πατάξας πατάξω, πάτερ (9 α, 9 α)  
 — 22. καὶ εἶπεν, Οὐ πατάξεις (9 α)  
 8. 21. ἐπάταξε τὸν Ἑδὼμ (9 α)  
 — 28. ἐπάταξεν οἱ Σύριοι τὸν Ἰ. (9 α)  
 — 29. ὡς ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 9. 24. ἐπάταξε τὸν Ἰωράμ (9 α)  
 — 27. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 10. 9. τίς ἐπάταξε πάντα τοὺς τοῦτους (9 α)  
 — 11. ἐπάταξεν Ἰου πάντα (9 α)  
 — 17. καὶ ἐπάταξε πάντα (9 α)  
 — 25. εἰσελθόντες πατάξατε αὐτοὺς (9 α)  
 — 25. καὶ ἐπάταξεν [A -εν] αὐτοὺς (9 α)  
 — 27. Β καὶ ἐπάταξεν [A Β ἔταξαν] αὐτὸν † (9 α)  
 — 32. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς Ἀζ. (9 α)  
 12. 20 (21). ἐπάταξεν τὸν Ἰωάς (9 α)  
 — 21 (22). οἱ δούλοι αὐτοῦ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 13. 17. ΑΒ πατάζει [B -εις] τὴν Συρίαν (9 α)  
 — 18. πάταξον εἰς τὴν γῆν (9 α)  
 — 18. ἐπάταξεν ὁ βασιλ. τρεῖς (9 α)  
 — 19. εἰ ἐπάταξας πενήκας (9 α)  
 IV Ki. 13. 19. τότε ἂν ἐπάταξας τὴν Συρίαν (9 α)  
 — 19. τρεῖς πατάξεις τὴν Συρίαν (9 α)  
 — 25. τρεῖς ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 14. 5. ἐπάταξας τοὺς δούλους αὐ. τοὺς πατάζοντας τὸν πατ. αὐ. (9 α, 9 α)  
 — 6. τοὺς υἱοὺς τῶν παταζάντων (9 α)  
 — 7. ἐπάταξε τὴν Ἑδὼμ (9 α)  
 — 10. ἐπάταξας τὴν Ἰδουμαίαν (9 α)  
 15. 10. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 — 14. καὶ ἐπάταξε τὸν Σ. (9 α)  
 — 16. ἐπάταξε Μ. καὶ τὴν Θ. (9 α)  
 — 16. καὶ ἐπάταξεν αὐτὴν (9 α)  
 — 25. 30. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 18. 8. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 α)  
 19. 35. ἐπάταξεν ἐν τῇ παρεμβολῇ (9 α)  
 — 37. ἐπάταξεν ὁ λαὸς τῆς γῆς πάντα (9 α)  
 21. 24. ἐπάταξεν ὁ λαὸς τῆς γῆς πάντα (9 α)  
 25. 25. ἐπάταξε [A -αν] τὸν Γοδολίαν (9 α)  
 I Ch. 1. 46. ὁ πατάξας Μαδιὰμ ἐν τῷ πεδίῳ Μ. (9 α)  
 4. 41. ἐπάταξεν τοὺς οἴκους [A οἰκήτορας] αὐ. (9 α)  
 — 43. ἐπάταξεν τοὺς καταλοιπούς (9 α)  
 10. 2. ἐπάταξεν ἀλλοφύλοι τὸν Ἰων. (9 α)  
 11. 14. ἐπάταξε τοὺς ἀλλοφύλους (9 α)  
 — 22. ἐπάταξε τοὺς δύο ἀριῆλ Μωάβ (9 α)  
 — 22. ἐπάταξε τὸν λέοντα (9 α)  
 — 23. ἐπάταξε τὸν ἄνδρα τὸν Αἰγύπτιον (9 α)  
 13. 10. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 14. 11. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 α)  
 — 15. τοῦ πατάζει τὴν παρεμβολὴν τῶν ἀλλοφ. (9 α)  
 — 16. ἐπάταξε τὴν παρεμβ. τῶν ἀλλοφ. (9 α)  
 18. 1. ἐπάταξε Δ. τοὺς ἀλλοφύλους (9 α)  
 — 2. ἐπάταξε τὴν Μωάβ (9 α)  
 — 3. ἐπάταξε Δ. τὸν Ἀδρ. (9 α)  
 — 5. ἐπάταξε Δ. ἐν τῷ Σύρῳ (9 α)  
 — 9. ἐπάταξε Δ. τὴν πᾶσαν δύναμιν Ἀδρ. (9 α)  
 — 10. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 — 12. ἐπάταξε τὴν Ἰδουμαίαν (9 α)  
 20. 1. ἐπάταξεν Ἰ. τὴν Ῥ. (9 α)  
 — 4. ἐπάταξε Σοβ. Σοφ. τὸν Σ. (9 α)  
 — 5. ἐπάταξεν Ἑλ. . . . τὸν Λ. (9 α)  
 — 7. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰων. (9 α)  
 21. 7. ἐπάταξε τὸν Ἰσρ. (9 α)  
 II Ch. 6. 36. καὶ πατάξεις αὐτοὺς † (9 α)  
 13. 15. κύριος ἐπάταξε τὸν Ἰερ. (9 α)  
 — 17. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς Ἀβ. (9 α)  
 — 20. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος (9 α)  
 14. 12 (11). ἐπάταξε κύριος τοὺς Λιδίους (9 α)  
 16. 4. ἐπάταξε τὴν Ἀ. (9 α)  
 18. 23. ἐπάταξε τὸν Μιχ. (9 α)  
 — 33. ἐπάταξε τὸν βασιλεῖα Ἰσρ. (9 α)  
 21. 9. καὶ ἐπάταξεν Ἑδὼμ (9 α)  
 — 14. πατάζει σε πληγὴν μ. (9 α)  
 — 18. ἐπάταξεν αὐτὸν . . . μακακίαν (9 α)  
 22. 5. ἐπάταξεν οἱ τοξόται τὸν Ἰωράμ (9 α)  
 — 6. ὡς ἐπάταξεν αὐτὸν οἱ Σύριοι (9 α)  
 25. 11. ἐπάταξεν ἐκεῖ τοὺς υἱοὺς Σ. (9 α)  
 — 13. ΑΒ ἐπάταξεν [B -εν] . . . τρεῖς χιλιάδας (9 α)  
 — 14. πατάξαντος [A -α] τὴν Ἰδουμαίαν (9 α)  
 — 19. ἐπάταξας τὴν Ἰδουμαίαν (9 α)  
 28. 5. καὶ ἐπάταξεν ἐν αὐτῷ (9 α)  
 — 5. ἐπάταξεν . . . πληγὴν μεγάλην (9 α)  
 — 17. ἐπάταξεν ἐν Ἰουδα (9 α)  
 — 20. ΑΒ<sup>2</sup> καὶ ἐπάταξεν [B<sup>1</sup> ἔθαναν, B ἔθλιψεν] αὐτὸν (10)  
 33. 24. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (9 α)  
 — 25. ἐπάταξεν ὁ λαὸς . . . τοὺς ἐπιθεμ. (9 α)  
 I Es. 2. 26. ΑΒ<sup>1</sup> ἐπάταξε [A<sup>2</sup> Β<sup>2</sup> Β ἐπείτ.] οὐν ἐπισκέννασθαι (9 α)  
 — 28. Β<sup>1</sup> ἐπάταξε [A Β<sup>2</sup> Β ἐπείτ.] ἀποκαλύψαι τοὺς ἀνθρ. (9 α)  
 4. 8. εἶπε πατάζει τὴν τοῦτον (9 α)  
 Ne. 13. 25. ἐπάταξε ἐν αὐτοῖς ἀνδρας (9 α)  
 Ju. 2. 27. ἐπάταξε πάντα τοὺς νεανίσκους αὐ. (9 α)  
 5. 12. ἐπάταξε [A<sup>1</sup> πάταξον] πᾶσαν τὴν γῆν Αἰγ. (9 α)  
 6. 3. πατάξοντες [A ἐξολοθρεύσωμεν] αὐτοὺς (9 α)  
 9. 3. καὶ ἐπάταξας δούλους (9 α)  
 — 10. πάταξον δούλων (9 α)  
 13. 8. ἐπάταξεν εἰς τὸν τράχηλον αὐτοῦ (9 α)  
 — 15. ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ κύριος (9 α)  
 16. 7. οὐδὲ υἱοὶ Τिताῶν ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 Jb. 1. 15. Α τοὺς παῖδας ἐπάταξεν ἐν στόματι μαχαίρας [B αἰ.] (9 α)  
 5. 18. Α πατάζει καὶ αἱ χεῖρες αὐ. ἰσούνται [B αἰ.] (7)  
 Ps. 3. 7. σὺ ἐπάταξας πάντα τοὺς ἐχθραίνοντάς μοι ματαιῶς (9 α)  
 Ps. 46 (47). 3. Α<sup>2</sup> ἐπάταξε [A<sup>1</sup> Β Β ἐπείτ.] λαοὺς ἡμῶν (1)  
 59 (80). τίς ἐπάταξε τὴν φάραγγα τῶν ὁλῶν (9 α)  
 68 (89). 26. ὃν σὺ ἐπάταξας αὐτοὶ κατεδίωξαν (9 α)  
 77 (78). 20. ἐπεί ἐπάταξας πέτραν (9 α)  
 — 51. ΒΒ ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (9 α)  
 — 66. ἐπάταξε τοὺς ἐχθροὺς αὐ. (9 α)  
 104 (105). 33. ἐπάταξε τὰς ἀμπέλους αὐτῶν (9 α)  
 — 36. ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον (9 α)  
 134 (135). 8. ὃς ἐπάταξε τὰ πρωτότοκα Αἰγ. (9 α)  
 — 10. ἐπάταξεν [B<sup>1</sup> ἀπέκτεινεν] ἔθνη πολλὰ (9 α)  
 135 (136). 10. τῷ πατάξαντι Αἰγύπτου (9 α)  
 — 17. τῷ πατάξαντι βασιλεῖς μεγάλους (9 α)  
 Pr. 28. 13. εἰς πατάξῃς αὐτὸν ῥάβδῳ (9 α)  
 — 14. σὺ μὲν γὰρ πατάξεις αὐτὸν ῥάβδῳ (9 α)  
 Ca. 5. 7. ἐπάταξεν με ἐτραυμάτισάν με (9 α)  
 Si. 48. 21. ἐπάταξε τὴν παρεμβολὴν τῶν Ἀσσυρίων (9 α)  
 Ho. 6. 2 (1). πατάζει καὶ κοῦώσει ἡμᾶς (9 α)  
 Am. 8. 15. πατάξω τὸν οἶκον τὸν περιπτερον (9 α)  
 4. 9. ἐπάταξα ὑμᾶς ἐν πυρὶ (9 α)  
 6. 12 (11). πατάζει τὸν οἶκον τὸν μέγαν (9 α)  
 9. 1. πάταξον ἐπὶ τὸ λαστήριον (9 α)  
 Mi. 5. 1 (4, 14). ἐν ῥάβδῳ πατάξουσιν (9 α)  
 6. 13. ἄρσονται τοῦ πατάζει σε (9 α)  
 Jn. 4. 7. ἐπάταξε τὴν κολοκύνθαν (9 α)  
 — 8. ἐπάταξεν ὁ ἥλιος ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ Ἰ. (9 α)  
 Hg. 2. 18 (17). ἐπάταξα ὑμᾶς ἐν ἀφορίῳ (9 α)  
 Za. 9. 4. πατάζει εἰς θάλασσαν δύναμιν αὐ. [A αἰ.] (9 α)  
 10. 11. πατάξουσιν ἐν θαλάσῃ κύματα (9 α)  
 12. 4. πατάξω πάντα ἱπποὺς (9 α)  
 — 4. πάντας τοὺς ἱπποὺς . . . πατάξω [B<sup>1</sup> κατ.] (9 α)  
 13. 7. πατάξατε [A Β<sup>2</sup> πάταξον] τοὺς ποιμένας (9 α)  
 14. 18. ἢν πατάξει κύριος πάντα τὰ ἔθνη (9 α)  
 Ma. 4. 6. (3, 24). μὴ . . . πατάξω τὴν γῆν ἄρδην (9 α)  
 Is. 5. 25. ἐπάταξεν αὐτοὺς (9 α)  
 10. 24. ἐν ῥάβδῳ πατάζει σε (9 α)  
 11. 4. πατάζει γῆν τῷ λόγῳ τοῦ στόματος αὐ. (9 α)  
 — 15. πατάζει ἐπὶ φάραγγας (9 α)  
 14. 6. πατάξας ἔθνος θυμῷ (9 α)  
 19. 22. πατάζει κύριος τοὺς Αἰγυπτίους πληγῇ [A B add. μεγάλη] (9 α)  
 27. 7. μὴ ὡς αὐτοὺς ἐπάταξε (9 α)  
 30. 31. τῇ πληγῇ ἢ ἂν πατάξῃ [A -ει] αὐτοὺς (9 α)  
 37. 38. ἐπάταξεν αὐτὸν μαχαίραις (9 α)  
 49. 10. οὐδὲ πατάξει αὐτοὺς ὁ κύριος (9 α)  
 57. 17. ἐλπίσθη αὐτὸν καὶ ἐπάταξε αὐτὸν (9 α)  
 60. 10. διὰ γὰρ ὀργῆν μου ἐπάταξά σε (9 α)  
 Je. 2. 30. μάτην ἐπάταξα τὰ τέκνα ἡμῶν (9 α)  
 18. 18. πατάξωμεν αὐτὸν ἐν [A om.] γλώσσῃ (9 α)  
 20. 2. ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 21. 6. πατάξω πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (9 α)  
 25. 13. Α πατάξω [B Β ἐπάξω] ἐπὶ τὴν γῆν ἐκ. π. τοὺς λόγους μου † (9 α)  
 28 (46). 2. ὃν ἐπάταξε Ναβουχοδονόσορ (9 α)  
 30. 6 (49, 28). ἢν ἐπάταξε Ναβουχοδονόσορ (9 α)  
 33 (28). 23. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐν μαχαίρῃ (9 α)  
 36 (29). 21. πατάζει [A -εις] αὐτοὺς κατ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν (9 α)  
 40 (38). 5. οὐς ἐπάταξε ἐν ὀργῇ [A -ξεν ὀργῇ] μου (9 α)  
 44 (37). 10. εἰς πατάξτε πᾶσαν δύναμιν τῶν Χαλδαίων (9 α)  
 — 15. ἐπάταξεν αὐτὸν (9 α)  
 47 (40). 14. ἀπέντελες πρὸς σέ τὸν Ἰσραὴλ πατάζει σου ψυχὴν (9 α)  
 — 15. πατάξω τὸν Ἰσραὴλ καὶ μηδεὶς γνώτω μὴ πατάξῃ σου ψυχὴν (9 α, 9 α)  
 48 (41). 2. ἐπάταξεν τὸν Γοδολίαν (9 α)  
 — 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ δευτέρᾳ πατάξαντος αὐτοῦ τὸν Γοδολίαν (9 α)  
 — 9. οὐς ἐπάταξε (9 α)  
 — 18. ἐπάταξεν Ἰσραὴλ τὸν Γοδολίαν (9 α)  
 60 (48). 11. πατάζει γῆν Αἰγύπτου (9 α)  
 52. 27. ἐπάταξεν αὐτοὺς βασιλεῖς Βαβυλωνῶς ἐν Δεβλαθά (9 α)  
 Ez. 11. 7. τοὺς νεκροὺς ὑμῶν οὐς ἐπάταξατε [A φωνήσατε] † (9 α)  
 22. 13. Α εἰς δὲ πατάξω [B ἐπάξω] χεῖρά μου (9 α)  
 Da. LXX. 2. 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα (9 α)  
 — 35. ὁ λίθος ὁ πατάξας τὴν εἰκόνα . . . ἐπάταξε πᾶσαν τὴν γῆν (9 α, †)  
 — 44. πατάζει δὲ . . . τὰς βασ. ταύτας (9 α)  
 8. 7. ἐπάταξε τὸν κρίον (9 α)

Da. LXX. 8. 9. ἐπάταξεν ἐπὶ μεσημβρίαν +  
Da. TH. 2. 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα (6)  
— 35. ὁ λίθος ὁ πατάσας τὴν εἰκόνα (6)  
I Ma. 1. 1. μετὰ τὸ πατάσαι Ἀλ. τὸν Φ.  
— 1. δε . . . ἐπάταξε τὸν Δ.  
— 20. μετὰ τὸ πατάσαι Αἰγύπτου  
— 30. ἐπάταξεν αὐτὴν πληγὴν μεγάλην  
2. 44. ἐπάταξαν [S<sup>1</sup>-αντο] ἀμαρτωλοὺς  
3. 11. καὶ ἐπάταξεν αὐτοὺς  
4. 2. καὶ πατάσαι αὐτοὺς ἀφνω  
— 3. πατάσαι τὴν δύναμιν τοῦ βασι.  
5. 3. ἈΒ ἐπάταξεν [S<sup>1</sup>-αν] αὐτοὺς πληγὴν μεγάλην  
— 7. ἐπάταξεν αὐτούς  
— 34. S B ἐπάταξεν αὐτοὺς πληγὴν μεγάλην [A  
πληγὴ μ-]  
— 49. S<sup>1</sup> ἐπάταξεν [A S<sup>1</sup> B ἐπέν.] Ἰ.  
— 65. ἐπάταξε τὴν Χ.  
6. 50. Α ἐπάταξεν [S ἐπέν., B ἀπέν.] ἐκεῖ φρουράν  
7. 41. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς ἐκάνθ . . . χιλιάδας  
8. 4. B B ἐπάταξαν [A -εν] ἐν αὐτοῖς πληγὴν μεγάλην  
9. 47. πατάσαι τὸν Β.  
— 66. ἐπάταξεν Ὁδ.  
12. 31. ἐπάταξεν αὐτούς  
13. 43. ἐπάταξε πυρρὸν ἔνα  
14. 3. ἐπάταξε τὴν παρεμβολὴν Δ.  
II Ma. 9. 5. ἐπάταξεν αὐτὸν ἀνάψ . . . πληγῇ  
[A q. Gk. 36. 35: Ex. 21. 18: I Ki. 5. 6: 17.  
7. 41: II Ki. 5. 8: Ps. 8. 8: Jz. 46 (26). 13:  
Ez. 21. 21 (26): 32. 15.]  
[Sm. Gk. 4. 15: 14. 17: Ex. 21. 18: I Ki. 7.  
11: 17. 50: II Ki. 12. 15: 21. 2: Ps. 3. 8:  
58 (59). 5: 59 (60). 2: 77 (78). 66: 88 (89).  
24: Jz. 46 (26). 13: Ez. 6. 11: 21. 21 (26):  
32. 15: Am. 3. 15.]  
[Th. Ex. 21. 18: Jd. 1. 4, 5: I Ki. 15. 2: 17.  
50: Ps. 77 (78). 66: Jz. 41 (48). 16 (Sw):  
Ez. 21. 21 (26): Mt. 5. 1 (4. 14).]  
[Al. Ex. 28. 27: Nu. 35. 30: Jo. 15. 16: Jd.  
5. 26: I Ki. 5. 6.]

πατεῖν. (1) D13 (2) ʾʾʾʾ ni. (3) ʾʾʾʾ  
a. qal. δ. hi. (4) ʾʾ ʾʾʾʾ (5) ʾʾʾʾ  
(6) D27 (7) ʾʾʾʾ ʾʾʾʾʾ (8) πατήσῃ  
ποιεῖν ʾʾʾʾ hi.

De. 11. 24. οὐ ἐάν πατήσῃ τὸ ἔχνος τοῦ ποδὸς ὑ. (3 a)  
Jd. 9. 27. καὶ ἐπάτασαν [A κατεπάτουν] (3 a)  
Ne. 13. 15. εἶδον . . . πατοῦντας ληρούς (3 a)  
Jb. 22. 15. ἦν ἐπάτησαν [A<sup>1</sup> ἐπατίστησαν] (3 a)  
— ἀνδρες δικαιοί (3 a)  
28. 8. οὐκ ἐπάτησαν [B κατεπ.] αὐτὸν [A S -ῆν]  
— υἱοὶ ἀλαζόνων (3 b)  
Am. 2. 7. τὰ πατοῦντα ἐπὶ τὸν χοῦν τῆς γῆς +  
[I. 3 (4). 13. εἰσπορεύσθε πατεῖτε (6)  
Za. 10. 5. ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλόν (1)  
Is. 1. 12. π. τὴν αὐλὴν μου οὐ προσθήσεσθε (8)  
18. 10. οὐ μὴ πατήσουσιν οἶκον εἰς τὰ ὑπολήνια (3 a)  
25. 10. δὴ τρόπον πατοῦσιν [A -ῶσιν] ὁ ὠκισ (2)  
26. 6. πατήσουσιν αὐτοὺς [A -ας] πόδες πρᾶνός (6)  
32. 20. ἐπὶ πᾶν ὕδωρ οὐ βούς καὶ ὄνος πατεῖ (7)  
42. 5. διδοὺς . . . πνεῦμα τοῖς πατοῦσιν αὐτήν  
— 16. πατήσῃ ποιήσω αὐτούς (8)  
Je. 31 (48). 33. πρῶτ' οὐκ ἐπάτησαν [S<sup>1</sup>-σας, A  
-ῆσαν] (3 a)  
La. 1. 15. ληρὸν ἐπάτησε κύριος παρόντες θυγα-  
— τρι Ἰούδα (3 a)  
[A q. Is. 63. 2: Jz. 25. 30 (32. 16): 48 (31). 33.]  
[Sm. Is. 59. 8: 63. 3: Jz. 25. 30 (32. 16): 48  
(31). 33.]  
[Th. Jb. 22. 15.]  
[Al. I Ki. 5. 5.]

πάτημα. (1) D27 (2) ʾʾʾʾ  
IV Ki. 19. 26. καὶ πάτημα [A -ματα] ἀπέναντι  
— ἐστηκότος +  
Ez. 34. 19. τὰ πρόβατά μου τὰ π. τῶν ποδῶν  
— ὑμῶν ἐνέμοντο (1)  
[Al. Dt. 2. 5.]  
πατήρ. (1) a. ʾʾ δ. ʾʾ (2) ʾʾʾʾ  
(3) θυγάτηρ τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ π. ʾʾʾʾ  
(4) ὁ ἀδελφὸς τοῦ π. ἀδελφὸς πατρός ʾʾʾ  
Ge. 2. 24. καταλείψει ἄνθρωπος τὸν π. αὐ. (1 a)  
4. 20. οὗτος ἦν ὁ π. οἰκούντων ἐν σκηναῖς (1 a)  
9. 18. Χάμ ἦν π. Χαναάν (1 a)

Ge. 9. 22. εἶδε Χάμ ὁ π. Χαν. τὴν γύμνωσιν τοῦ  
— π. αὐτοῦ (1 a, 1 a)  
— 23. συνεκάλυψαν τὴν γύμνωσιν τοῦ π. αὐ. (1 a)  
— 23. τὴν γύμνωσιν τοῦ π. αὐτῶν οὐκ εἶδον (1 a)  
10. 21. αὐτὸς πατρί πάντων τῶν υἱῶν Ἐ. (1 a)  
11. 28. ἐνώπιον Θύρρα τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 29. καὶ πατὴρ Μελχὰ καὶ πατὴρ Ἰεσχά (1 a, 1 a)  
12. 1. ἔξελεθε . . . ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. σου (1 a)  
15. 15. ἀπελίσθη πρὸς τοὺς π. σου (1 a)  
17. 4. ἔση πατὴρ πλῆθους ἰδνῶν (1 a)  
— 5. πατέρα πολλῶν ἰδνῶν τειθεῖκα σε (1 a)  
19. 31. ὁ π. ἡμῶν πρεσβύτερος (1 a)  
— 32. ποτίσωμεν τὸν π. ἡμῶν οἶνον (1 a)  
— 32. ἐξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ π. ἡμῶν σπέρμα (1 a)  
— 33. ἐπώτισαν δὲ τὸν π. αὐτῶν οἶνον (1 a)  
— 33. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ π. αὐτῆς (1 a)  
— 34. ἐκοιμήθη ἔχθεις μετὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 34. ἐξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ π. ἡμῶν σπέρμα (1 a)  
— 35. ἐπώτισαν δὲ . . . τὸν π. αὐτῶν οἶνον (1 a)  
— 35. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ π. αὐτῆς +  
— 36. συνέλαβον . . . ἐκ τοῦ π. αὐτῶν (1 a)  
— 37. λέγουσα, Ἐκ τοῦ π. μου —  
— 38. οὗτος π. Μωαβιτῶν (1 a)  
— 39 (38). οὗτος π. Ἀμμωνιτῶν (1 a)  
20. 12. ἀδελφὴ μου ἐστίν ἐκ πατρός (1 a)  
— 13. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 a)  
22. 7. εἶπεν Ἰ. πρὸς Ἀβ. τὸν π. αὐ., Πάτερ (1 a, 1 a)  
— 21. καὶ τὸν Καμ. π. Συρων (1 a)  
24. 7. δε ἔλαβέ με ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 a)  
— 23. εἰ ἐστὶ παρὰ τῆς π. σου τόπος (1 a)  
— 38. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. μου πορεύσῃ (1 a)  
— 40. καὶ ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1 a)  
26. 3. ὃν ὁμοσα Ἀβ. τῆς π. σου (1 a)  
— 5. ὑπήκουσεν Ἀβ. ὁ π. σου τῆς ἐμῆς ζωνίς —  
— 15. ὁ παῖδες τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 15. ἐν τῷ χρόνῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 18. οἱ παῖδες Ἀβραὰμ τοῦ π. αὐ. (1 a)  
— 1. μετὰ τὸ ἀποθανεῖν Ἀβ. τὸν π. αὐ. —  
— 18. ἀνώμασεν Ἀβ. ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 24. ὁ θ. Ἀβ. τοῦ π. σου (1 a)  
— 24. δι' Ἀβ. τὸν π. σου +  
27. 5. θηρεύσαι θήραν τῆς π. αὐτοῦ +  
— 6. ἦκουσα τοῦ π. σου λαλοῦντος (1 a)  
— 9. ποιῶσα αὐτοὺς ἐδέσματα τῆς π. σου (1 a)  
— 10. εἰσίοισαι τῆς π. σου —  
— 10. ὅπως εὐλόγησέ σε ὁ π. σου (1 a)  
— 12. μὴ ποτε ὑψηλοῦσῃ με ὁ π. μου (1 a)  
— 14. καθὰ ἐφίλει ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 18. εὐλόγηκε τῆς π. αὐτοῦ (1 a)  
— 18. εἶπε δὲ, Πάτερ μου (1 a)  
— 19. B εἶπεν Ἰ. τῆς π. αὐτοῦ [A α.] (1 a)  
— 22. ἤγγισε δὲ Ἰ. πρὸς Ἰσ. τὸν π. αὐ. (1 a)  
— 26. εἶπεν αὐτῷ Ἰ. ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 29. οἱ υἱοὶ τοῦ π. σου +  
— 30. ἀπὸ προσώπου Ἰσ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 31. προσήγγεκε τῆς π. αὐτοῦ (1 a)  
— 31. εἶπε τῆς π. αὐτοῦ (1 a)  
— 31. ἀναστήτω ὁ π. μου (1 a)  
— 32. εἶπεν αὐτῷ Ἰσ. ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 34. τὰ ῥήματα τοῦ π. αὐτοῦ Ἰσ. (1 a)  
— 34. εὐλόγησον δὴ καμὲ, πάτερ (1 a)  
— 36. εἶπεν Ἡ. τῆς π. αὐτοῦ —  
— 36. οὐχ ὑπελείπον μοι εὐλογίαν, πάτερ —  
— 38. πρὸς Ἰσ. τὸν π. αὐτοῦ (1 a)  
— 38. μὴ εὐλογία μία σοὶ ἐστί, πάτερ (1 a)  
— 38. εὐλόγησον δὴ καμὲ, πάτερ (1 a)  
— 39. ἀποκριθεὶς δὲ Ἰσ. ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 41. ἦς εὐλόγησεν αὐτὸν ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 41. αἱ ἡμέραι τοῦ πένθους τοῦ π. μου (1 a)  
28. 2. εἰς τὸν οἶκον Βαθ. τοῦ π. τῆς μητρὸς σου (1 a)  
— 4. τὴν εὐλογίαν Ἀβ. τοῦ π. μου —  
— 7. ἦκουσεν Ἰακώβ τοῦ π. (1 a)  
— 8. ἐναντίον Ἰσαὰκ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 13. ὁ θ. Ἀβ. τοῦ π. σου (1 a)  
— 21. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1 a)  
29. 6. Ἀ τὸν προβάτων τοῦ π. αὐ. [B om. τ.  
— π. αὐ.] —  
— 6. Ἀ τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐτῆς —  
— 9. μετὰ τῶν προβ. τοῦ π. αὐτῆς (1 a)  
— 9. τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐτῆς —  
— 12. ἀδελφὸς τοῦ π. αὐτῆς ἐστί (1 a)  
— 12. ἀπῆγγεκε τῆς π. αὐτῆς (1 a)  
31. 1. ἀνάτα τὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 1. ἐκ τῶν τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 3. εἰς τὴν γῆν τοῦ π. σου (1 a)  
— 5. τὸ πρόσκπον τοῦ π. ἡμῶν (1 a)

Ge. 31. 5. ὁ δὲ θ. τοῦ π. μου (1 a)  
— 6. δεδούλευκα τῇ π. ὑμῶν (1 a)  
— 7. ὁ δὲ π. ὑμῶν παρεκρούσατό με (1 a)  
— 9. πάντα τὰ κτήνη τοῦ π. ὑμῶν (1 a)  
— 14. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 16. ὁ θ. τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 18. ἀπελθεῖν πρὸς Ἰ. τὸν π. αὐτοῦ (1 a)  
— 19. τὰ εἰδωλα τοῦ π. αὐτῆς (1 a)  
— 29. ὁ δὲ θ. τοῦ π. σου (1 a)  
— 30. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1 a)  
— 35. εἶπε τῇ π. αὐτῆς (1 a)  
— 42. ὁ θ. τοῦ π. μου (1 a)  
— 53. κατὰ τοῦ φόβου τοῦ π. αὐτοῦ Ἰ. (1 a)  
32. 9 (10). ὁ θ. τοῦ π. μου Ἀβ. καὶ ὁ θ. τοῦ π.  
— μου Ἰ. (1 a, 1 a)  
33. 19. παρὰ Ἐμῶρ πατρός Συχέμ (1 a)  
34. 4. εἶπεν δὲ Σ. πρὸς Ἐ. τὸν π. αὐ. (1 a)  
— 6. Ἐμῶρ ὁ π. Συχέμ (1 a)  
— 11. εἶπε δὲ Σ. πρὸς τὸν π. αὐ. (1 a)  
— 13. τῷ Σ. καὶ Ἐμῶρ τῇ π. αὐ. (1 a)  
— 19. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
35. 18. ὁ δὲ π. αὐτοῦ ἐκάλεσεν (1 a)  
— 21 (22). μετὰ Β. τῆς παλλακῆς τοῦ π. αὐ. (1 a)  
— 27. πρὸς Ἰσαὰκ τὸν π. αὐτοῦ (1 a)  
36. 9. αἱ γενέσεις Ἡ. πατρός Ἐδώμ (1 a)  
— 24. τὰ ὑποζύγια Σεβ. τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 43. οὗτος Ἡ. πατὴρ Ἐδώμ (1 a)  
37. 1. οὐ παρέκρινεν ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 2. B τὰ πρόβα. τοῦ π. αὐτοῦ [A om. τ. π.  
— αὐ.] —  
— 2. τῶν γυναικῶν τοῦ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 2. πρὸς Ἰσραὴλ τὸν π. αὐτῶν (1 a)  
— 4. αὐτὸν ὁ π. ἐφίλει (1 a)  
— 9. διηγῆσαι αὐτὸ τῇ π. αὐ. (1 a)  
— 10. ἐπειμύνησεν αὐτῷ ὁ π. αὐ. (1 a)  
— 11. ὁ δὲ π. αὐτοῦ διετήρησε τὸ ῥῆμα (1 a)  
— 12. τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐτῶν (1 a)  
— 22. καὶ ἀποδοῦ αὐτὸν τῇ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 32. εὐλόγησαν τῇ π. αὐτῶν (1 a)  
— 35. ἔλαυσεν αὐτὸν ὁ π. αὐτοῦ (1 a)  
38. 11. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. σου (1 a)  
— 11. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτῆς (1 a)  
41. 51. καὶ πάντων τῶν τοῦ π. μου (1 a)  
42. 13. ὁ νεώτερος μετὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 29. ἦλθον δὲ πρὸς Ἰ. τὸν π. αὐ. (1 a)  
— 32. υἱοὶ τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 32. ὁ δὲ μικρότερος μετὰ τοῦ π. ἡμῶν (1 a)  
— 35. αὐτοὶ καὶ ὁ π. αὐτῶν (1 a)  
— 36. εἶπε δὲ αὐτοῖς Ἰ. ὁ π. αὐτῶν (1 a)  
— 37. εἶπε δὲ Ἐ. τῇ π. αὐτῶν (1 a)  
43. 2. εἶπεν αὐτοῖς ὁ π. αὐτῶν (1 a)  
— 7. εἰ ἐτι ὁ π. ὑμῶν ζῇ (1 a)  
— 8. εἶπε δὲ Ἰ. πρὸς Ἰσρ. τὸν π. αὐ. (1 a)  
— 11. εἶπε δὲ αὐτοῖς Ἰσρ. ὁ π. αὐ. (1 a)  
— 23. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν (1 a)  
— 27. εἰ ὑγαίνει ὁ π. ὑμῶν (1 a)  
— 28. ὁ παῖς σου ὁ π. ἡμῶν (1 a)  
44. 17. ὑμεῖς δὲ ἀνάβητε . . . πρὸς τὸν π. ὑ. (1 a)  
— 19. εἰ ἐχετε πάτερα (1 a)  
— 20. ἐστὶν ἡμῖν π. πρεσβύτερος (1 a)  
— 20. Α ὑπελείφθη τῇ π. [B τῇ μητρὶ] αὐ. +  
— 20. ὁ δὲ π. αὐτῶν ἠγάπησεν (1 a)  
— 22. καταλείπον τὸν π. (1 a)  
— 22. ἐὰν δὲ καταλίπη τὸν π. (1 a)  
— 24. πρὸς τὸν παῖδά σου πατέρα δὲ ἦ. (1 a)  
— 25. εἶπεν δὲ ἡμῖν ὁ π. ἡμῶν (1 a)  
— 27. ὁ παῖς σου ὁ π. ἡμῶν (1 a)  
— 30. πρὸς τὸν παῖδά σου πατέρα δὲ ἦ. (1 a)  
— 31. τοῦ παιδὸς σου πατρός δὲ ἡμῶν (1 a)  
— 32. παρὰ τοῦ π. λέγων (1 a)  
— 32. ἡμαρτηκὸς ἐσομαι πρὸς τὸν π. (1 a)  
— 34. πῶς γὰρ ἀναβήσομαι πρὸς τὸν π. (1 a)  
— 34. ἂ εὐρήσει τὸν π. μου (1 a)  
45. 3. ἐτι ὁ π. μου ζῇ (1 a)  
— 8. ἐποίησέ με ὡς πατέρα Φ. (1 a)  
— 9. ἀνάβητε πρὸς τὸν π. μου (1 a)  
— 13. ἀπαγγέilate οὖν τῇ π. μου (1 a)  
— 13. καταγγέlate τὸν π. μου ὅδε (1 a)  
— 18. παραλαβόντες τὸν π. ὑμῶν (1 a)  
— 19. ἀναλαβόντες τὸν π. ὑμῶν (1 a)  
— 23. τῇ π. αὐτοῦ ἀπέστειλε κατὰ τὰ αὐτὰ (1 a)  
— 23. αἰρούσας ἀρτους τῇ π. αὐτοῦ (1 a)  
— 25. πρὸς Ἰακώβ τὸν π. αὐτῶν (1 a)  
— 27. τὸ πνεῦμα Ἰ. τοῦ π. αὐτῶν (1 a)  
46. 1. τῇ θ. τοῦ π. αὐτοῦ Ἰσαὰκ (1 a)  
— 3. ἐγὼ εἰμι ὁ θ. τῶν π. σου (1 a)

Ge. 46. 5. ἀνέλαβον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸν π. αὐ. (1α)	Le. 20. 17. τὴν ἀδελφὴν αὐτοῦ ἐκ πατρὸς αὐτοῦ (1α)	De. 24. 16. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (1α)
— 8. Β ἄμα ἰ. τῇ π. αὐτῇ. (1α)	— 19. ἀσχημοσύνην ἀδελφῆς πατρὸς σου (1α)	26. 3. ἦν ὁμοσε κ. τοῖς π. ἡμῶν (1α)
— 29. εἰς συνάντησιν Ἰσρ. τῇ π. αὐ. (1α)	21. 2. ἐπὶ πατρὶ καὶ μητρὶ (1α)	— 5. Συρίαν ἀπέβαλεν ὁ π. μου (1α)
— 31. ὁ οἶκος τοῦ π. μου (1α)	— 9. τὸ ὄνομα τοῦ π. αὐτῆς αὐτῇ βεβηλοῖ (1α)	— 7. Α πρὸς κ. τὸν θ. τῶν π. [B om. τ. π.] ἦ. (1α)
— 34. ἡμεῖς καὶ οἱ π. ἡμῶν (1α)	— 11. ἐπὶ πατρὶ αὐτοῦ οὐδὲ ἐπὶ μητρὶ αὐ. (1α)	— 15. καθὰ ὁμοσας τοῖς π. ἡμῶν (1α)
47. 1. ὁ π. μου καὶ οἱ ἀδ. μου (1α)	22. 13. ἀπὸ τῶν ἁρτῶν τοῦ π. αὐτῆς (1α)	27. 3. ἦν κ. ὁ θ. τῶν π. σου διδῶσί σοι †
— 3. καὶ ἡμεῖς καὶ π. ἡμῶν (1α)	25. 49. ἀδελφὸς πατρὸς αὐτοῦ ἢ υἱὸς ἀδελφοῦ πατρὸς (4, 4)	— 3. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θ. τῶν π. σου (1α)
— 5. ὁ π. σου καὶ οἱ ἀδ. σου (1α)	26. 39. διὰ τὰς ἁμαρτίας τῶν π. αὐτῶν (1α)	— 16. ὁ ἀτιμάζων πατέρα αὐτοῦ (1α)
— 6. κατοίκισεν τὸν π. σου (1α)	— 40. τὰς ἁμαρτίας τῶν π. αὐτῶν (1α)	— 20. Α Β μετὰ γυναικὸς τοῦ [B ἐκ] πατρὸς αὐ. (1α)
— 7. εἰσῆγγαγε δὲ ἰ. ἱακ. τὸν π. αὐ. (1α)	Nu. 8. 4. μετὰ Ἀαρὼν τοῦ π. αὐτῶν (1α)	— 20. ἀπεκάλυψε συγκύλιμμα τοῦ π. αὐ. (1α)
— 9. τῶν ἐτῶν τῆς ζωῆς τῶν π. μου (1α)	6. 7. ἐπὶ πατρὶ καὶ μητρὶ (1α)	— 22. Α Β μετὰ ἀδελφῆς ἐκ [B om.] πατρὸς (1α)
— 11. κατήκισεν ἰ. τὸν π. (1α)	11. 12. ἦν ὁμοσας τοῖς π. αὐτῶν (1α)	28. 9. ὃν τρόπον ὁμοσε τοῖς π. σου †
— 12. εἰσιτομῆτρει ἰ. τῇ π. αὐτοῦ . . . καὶ πατρὶ τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1α, 1α)	12. 14. εἰ ὁ π. αὐτῆς πῶν ἐνέπτυσεν (1α)	— 11. ἦς ὁμοσε κ. τοῖς π. σου (1α)
— 30. κοιμηθήσομαι μετὰ τῶν π. μου (1α)	14. 12. καὶ τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1α)	— 36, 64. σὺ καὶ οἱ π. σου (1α)
48. 1. ὁ π. σου ἐνοχλεῖται (1α)	— 18. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων (1α)	29. 13 (12). ὃν τρόπον ὁμοσε τοῖς π. σου (1α)
— 9. εἶπε δὲ ἰ. τῇ π. αὐτοῦ (1α)	— 23. ἦν ὁμοσα τοῖς π. αὐτῶν (1α)	— 25 (24). κ. τοῦ θ. τῶν π. αὐτῶν (1α)
— 15. φ εἰρηρέτησαν οἱ π. μου (1α)	18. 1. Α Β ὁ οἶκος τοῦ π. [B οἱ πατριᾶς] σου (1α)	— 25 (24). ἀδιέθετο τοῖς π. αὐτῶν †
— 16. καὶ τὸ ὄνομα τῶν π. μου (1α)	— 2. δῆμον τοῦ π. σου (1α)	30. 5. ἦν ἐκληρονόμησαν οἱ π. σου (1α)
— 17. ἐπέβαλεν ὁ π. αὐ. τὴν χεῖρα τὴν δ. (1α)	20. 15. κατέβησαν οἱ π. ἡμῶν εἰς Αἴγ. (1α)	— 5. πλεοαστῶν σὲ ποιήσει ὑπὲρ τοὺς π. σου (1α)
— 17. τῆς χειρὸς τοῦ π. αὐτοῦ (1α)	— 15. ἐκάκωσαν . . . τοὺς π. ἡμῶν (1α)	— 9. καθότι ἐυφράνηται ἐπὶ τοῖς π. σου (1α)
— 18. εἶπε δὲ ἰ. τῇ π. αὐτοῦ. Οὐχ οὕτως, πάτερ (1α, 1α)	27. 3. ὁ π. ἡμῶν ἀπέθανεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (1α)	— 20. ἦς ὁμοσε κ. τοῖς π. σου (1α)
— 21. εἰς τὴν γῆν τῶν π. ἡμῶν (1α)	— 3 (4). μὴ ἐξαλειφθῇ τὸ ὄνομα τοῦ π. ἡ. (1α)	— 16. κοιμᾷ μετὰ τῶν π. σου (1α)
49. 2. ἀκούσατε τοῦ π. ὑμῶν (1α)	— 3 (4). ἐν μέσῳ ἀδελφῶν πατρὸς ἡμῶν (1α)	— 20. ἦν ὁμοσα τοῖς π. αὐτῶν (1α)
— 4. ἐπὶ τὴν κοίτην τοῦ π. σου (1α)	— 6 (7). ἐν μέσῳ ἀδελφῶν πατρὸς αὐτῶν (1α)	— 21. ἦν ὁμοσα τοῖς π. αὐτῶν (1α)
— 8. οἱ υἱοὶ τοῦ π. σου (1α)	— 6 (7). τὸν κληρὸν τοῦ π. αὐτῶν (1α)	32. 6. οὐκ αὐτὸς οὕτως σου π. (1α)
— 24 (25). παρὰ θ. τοῦ π. σου (1α)	— 10. δάσατε . . . τῇ ἀδ. τοῦ π. αὐτοῦ (1α)	— 7. Α Β ἐπὶ κρήνην τὸν π. σου (1α)
— 25 (26). εὐλόγηται πατὴρ σου (1α)	— 11. ἐὰν δὲ μὴ ὦσιν ἀδ. τοῦ π. αὐτοῦ (1α)	— 7. οὗς οὐκ ᾔδεισαν οἱ π. αὐτῶν (1α)
— 28. Β ταῦτα ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ π. αὐ. καὶ εὐλόγησεν αὐτοὺς ὁ π. [Α Β om. ὁ π.] (1α, —)	30. 4. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτῆς (1α)	33. 9. ὁ λέγων τῇ π. (1α)
— 29. ἀνάπαυτέ μὲ μετὰ τῶν π. μου (1α)	— 4 (5). καὶ ἀκούσθῃ ὁ π. αὐτῆς τὰς εὐχάς (1α)	Jo. 1. 6. ἦν ὁμοσα τοῖς π. ὑμῶν (1α)
50. 1. ἐπὶ πρόσσωπον τοῦ π. αὐτοῦ (1α)	— 4 (5). καὶ παρασιωπήσῃ αὐτῆς ὁ π. (1α)	— 11. ἦν κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν διδῶσιν ὑμῖν †
— 2. ἐνταφιάσαι τὸν π. αὐτοῦ (1α)	— 6. εἰν δὲ . . . ἀνεύστη ὁ π. αὐτῆς (1α)	2. 12. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου (1α)
— 5. ὁ π. μου ὠρκίετο με (1α)	— 6. ἀνένευσεν ὁ π. αὐτῆς (1α)	— 13. ζωργήσατε τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1α)
— 5. θάψω τὸν π. μου (1α)	— 8. Α¹ καὶ ἀκούσθῃ ὁ π. [Α² Β ἀνὴρ] αὐ. †	— 18. τὸν δὲ π. σου καὶ τὴν μητέρα σου (1α)
— 6. θάψον τὸν π. σου (1α)	— 17. ἀνὰ μέσον πατρὸς καὶ θυγατρὸς . . . ἐν οἴκῳ πατρὸς (1α, 1α)	— 18. καὶ πάντα τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1α)
— 7. θάψαι τὸν π. αὐτοῦ (1α)	32. 8. οὐχ οὕτως ἐποίησαν οἱ π. ὑμῶν (1α)	5. 6. ἦν ὁμοσε κ. τοῖς π. ἡμῶν (1α)
— 10. ἐποίησε τὸ πένθος τῇ π. αὐτοῦ (1α)	— 14. ἀνέστητε ἀντὶ τῶν π. ὑμῶν (1α)	6. 22 (23). ἐξηγάσαν . . . τὸν π. αὐτῆς (1α)
— 14. θάψαι τὸν π. αὐτοῦ (1α)	36. 3. ἐκ τῆς κατασχέσεως τῶν π. ἡμῶν (1α)	15. 18. αἰτήσομαι τὸν π. μου ἀγρόν (1α)
— 15. τέθηκον ὁ π. αὐτῶν (1α)	— 6. Α Β² ἐκ τοῦ δήμου τοῦ π. αὐτῶν (1α)	17. 1. τῷ Μ. πρωτοτόκῳ Μαν. πατρὶ Γαλ. (1α)
— 16. ὁ π. σου ὠρκίσε (1α)	— 8. ἐνὶ τῶν ἐκ τοῦ δήμου τοῦ π. αὐτῆς (1α)	— 4. ἐν τοῖς ἀδελφοῖς τοῦ π. αὐτῶν (1α)
— 17. τὸν θεραπεύων τὸ θ. τοῦ π. σου (1α)	— 12. ἐπὶ τὴν φυλὴν δήμου τοῦ π. αὐτῶν (1α)	18. 3. Α. κ. ὁ θ. τῶν π. [B om. τ. π.] ἡμῶν (1α)
— 22. πᾶσα ἡ πανοικία τοῦ π. αὐτοῦ (1α)	De. 1. 8. ἦν ὁμοσα τοῖς π. ὑμῶν (1α)	21. 41. ἦν ὁμοσε δοῦναι τοῖς π. αὐ. (1α)
— 24. ἦν ὁμοσεν ὁ θ. τοῖς π. ἡ. [Α om. τ. π. ἡ.] (1α, —)	— 11, 21. κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν (1α)	— 42. καθότι ὁμοσε τοῖς π. αὐ. (1α)
Ex. 1. 1. τὸν εἰσεπορεύει εἰς Αἴγ. ἄμα ἰ. τῇ π. αὐ. (1α)	— 35. ἦν ὁμοσα τοῖς π. αὐτῶν (1α)	22. 8. ὁ ἐποίησαν οἱ π. ἡμῶν (1α)
2. 16. ποιμαίνουσαι τὰ πρόβα τῶν π. αὐτῶν (1α)	4. 1. κ. ὁ θεὸς τῶν π. ὑμῶν (1α)	24. 2. Α Β παρῆκσαν [B παρῆκ.] οἱ π. ὑμῶν (1α)
— 16. ποτίσαι τὰ πρόβα τοῦ π. αὐτῶν (1α)	— 31. τὴν διαθήκην τῶν π. σου (1α)	— 2. Θ. ὁ π. Αβ. καὶ ὁ π. Ν. (1α, 1α)
— 18. πρὸς Ray. [Α¹ ἰ.] τὸν π. αὐ. (1α)	— 37. διὰ τὸ ἀγαπήσθαι αὐτὸν τοὺς π. σου (1α)	— 3. ἔλαβον τὸν π. ὑμῶν (1α)
3. 6. ὁ θ. τοῦ πατρὸς σου (1α)	5. 3. σὺ καὶ τοῖς π. ὑμῶν διέθετο (1α)	— 6. ἐξήγαγε τοὺς π. ἡμῶν [Α ἐξ. ὑμᾶς] (1α)
— 13. ὁ θ. τῶν π. ἡμῶν (1α)	— 9. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων (1α)	— 6. καταδιδῶσαν . . . ὅπισθω τῶν π. ἡ. (1α)
— 15, 16. κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν (1α)	— 16. τίμα τὸν π. σου (1α)	— 14. οἱς ἐλάτρευον οἱ π. ἡμῶν (1α)
4. 5. ὁ θ. τῶν π. αὐτῶν (1α)	6. 3. κ. ὁ θ. τῶν π. σου (1α)	— 15. εἶπε τοῖς θεοῖς τῶν π. ὑμῶν (1α)
6. 20. θυγατέρα τοῦ ἀδ. τοῦ π. αὐτοῦ (3)	— 10. ἦν ὁμοσε τοῖς π. σου (1α)	— 17. ἀνήγαγεν . . . τοὺς π. ἡμῶν (1α)
10. 6. ὁ οὐδέποτε ἐωράκασιν οἱ π. σου (1α)	— 18. ἦν ὁμοσε κ. [Α add. δοῦναι] τοῖς π. ὑ. (1α)	— 33. Φ. ἐράτευσε ἀντὶ Ἐλ. τοῦ π. αὐ. (1α)
12. 40. Α αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐτῶν (1α)	— 23. ἦν ὁμοσε δοῦναι τοῖς π. ἡ. [Α al.] (1α)	Jd. 1. 14. τοῦ αἰτήσαι παρὰ τοῦ π. αὐτῆς ἀγρόν (1α)
13. 5. ἦν ὁμοσε τοῖς π. σου (1α)	7. 8. ὃν ὁμοσε τοῖς π. ὑμῶν (1α)	2. 1. ἦν ὁμοσα τοῖς π. ὑμῶν (1α)
— 11. ὃν τρόπον ὁμοσε τοῖς π. σου (1α)	— 12. ὁμοσε τοῖς π. ὑμῶν (1α)	— 10. προσετέθησαν πρὸς τοὺς π. αὐτῶν (1α)
15. 2. θεὸς τοῦ π. μου (1α)	— 13. Α Β ἦς [B ὡς] ὁμοσε κ. τοῖς π. σου (1α)	— 12. τὸν θῆον τῶν π. αὐτῶν (1α)
18. 4. ὁ γὰρ θεὸς τοῦ π. μου (1α)	8. 1. ἦν ὁμοσε . . . τοῖς π. ὑμῶν (1α)	— 17. ἦς ἐπορεύθησαν οἱ π. αὐτῶν (1α)
20. 5. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων (1α)	— 3. ὁ οὐκ ᾔδεισαν οἱ π. σου (1α)	— 19. διέφθειραν ὑπὲρ τοὺς π. αὐτῶν (1α)
— 12. τίμα τὸν π. σου (1α)	— 16. οὐκ ᾔδεισαν οἱ π. σου (1α)	— 20. ἦν ἐνετειλάμην τοῖς π. αὐτῶν (1α)
21. 15. δε τῆς πατέρα [B¹ μητέρα] αὐτοῦ (1α)	— 18. ἦν ὁμοσε κ. τοῖς π. σου (1α)	— 22. ἐφύλαξαν οἱ π. αὐτῶν [Α al.] (1α)
— 16 (17). ὁ κακολόγησεν πατέρα αὐτοῦ (1α)	9. 5. ἦν ὁμοσε κ. τοῖς π. ἡμῶν (1α)	3. 4. δε ἐνετειλάτο τοῖς π. αὐτῶν (1α)
22. 17 (16). καὶ μὴ βούληται ὁ π. αὐτῆς δοῦναι (1α)	10. 11. ἦν ὁμοσα τοῖς π. αὐτῶν [Α ὑμῶν] (1α)	6. 11. ἐν γῇ ἰ. πατὴρ τοῦ Ἑσθρὶ [Α al.] (1α)
— 17 (16). ἀργύριον ἀποτίσει τῇ π. (1α)	— 15. τοὺς π. ὑμῶν προσέλατο (1α)	— 13. ἀ διεγένησαντο ἡμῖν οἱ π. ἡμῶν (1α)
34. 7. ἐπάγων ἀνομίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (1α)	— 22. κατέβησαν οἱ π. σου εἰς Αἴγ. (1α)	— 15. Β ἐν οἴκῳ πατρὸς [Α Β τοῦ π.] μου (1α)
40. 15. ὃν τρόπον φλίνειας τὸν π. αὐτῶν (1α)	11. 9, 21. ἦς ὁμοσε κύριος τοῖς π. ὑμῶν (1α)	— 24. ἐν Ἑφραθᾷ πατὴρ τοῦ Ἑ. (1α)
Le. 10. 4. υἱοὺς τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ π. Ἀαρὼν (4)	12. 1. ἦν κ. ὁ θ. τῶν π. ὑμῶν διδῶσιν (1α)	— 25. δε ἐστὶ τῇ π. σου [Α τοῦ π. σου] (1α)
18. 7. ἀσχημοσύνην πατρὸς σου (1α)	13. 6 (7). ἐκ πατρὸς σου ἢ ἐκ μητρὸς σου (1α)	— 25. ὁ ἐστὶ τῇ π. σου [Α τοῦ π. σου] (1α)
— 8. ἀσχημοσύνην γυναικὸς πατρὸς σου (1α)	— 6 (7). σὺ καὶ οἱ π. σου (1α)	— 27. ἐφοβήθη τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1α)
— 8. ἀσχημοσύνην πατρὸς σου ἐστίν (1α)	— 17 (18). 19. 8. ὃν τρόπον ὁμοσε τοῖς π. σου (1α)	8. 32. Α ἐν τῇ τάφῳ ἰ. τοῦ π. αὐ. ἐν Ἑφρ. πατρὸς [B om.] Αβ. (1α, 1α)
— 9. τῆς ἀδελφῆς σου ἐκ πατρὸς σου (1α)	19. 8. ἦν εἶπε δοῦναι τοῖς π. σου (1α)	9. 1. πρὸς πᾶσαν συγγένειαν οἴκου πατρὸς μητρὸς αὐ. [Α al.] (1α)
— 11. ἀσχημοσύνην θυγατρὸς γυναικὸς πατρὸς σου (1α)	— 14. ἀ ἐστησαν οἱ π. [Α πρότεροί] σου (3)	— 5. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1α)
— 12. ἀσχημοσύνην ἀδελφῆς πατρὸς σου (1α)	21. 13. κλαίεται τὸν π. (1α)	— 17. ὡς παρετάξατο [Α ἐπολέμουν] ὁ π. μου (1α)
— 12. Β οικεῖα γὰρ πατὴρ σου ἐστίν (1α)	— 18. οὐχ ὑπακούων φωνῇ πατρὸς (1α)	— 18. ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1α)
— 14. ἀσχημοσύνην ἀδελφοῦ τοῦ π. σου (1α)	— 19. ὁ π. αὐ. καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (1α)	— 28. σὺν τοῖς ἀνδράσιν Ἑ. πατὴρ Σ. (1α)
19. 3. ἕκαστος πατέρα αὐτοῦ . . . φοβείσθω (1α)	22. 15. λαβὼν ὁ π. τῆς παιδὸς (1α)	— 56. ἦν ἐποίησε τῇ π. αὐτοῦ (1α)
20. 9. δε ἂν κακὸς εἴπῃ τὸν π. αὐτοῦ (1α)	— 19. δάσονται τῇ π. τῆς νεάνιδος (1α)	11. 2. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. ἡμῶν (1α)
— 9. πατέρα αὐτοῦ . . . κακὸς εἶπεν (1α)	— 21. Α Β τὰς θύρας τοῦ οἴκου [B om. τοῦ οἴ.] π. αὐ. (1α)	— 7. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1α)
— 11. ἐὰν τις κοιμηθῇ μετὰ γυν. τοῦ π. αὐ. ἀσχημοσύνην τοῦ π. αὐ. ἀπεκάλυψε (1α, 1α)	— 21. ἐκπορεύονται τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτῆς (1α)	— 36. πάτερ, ἡνοίξας τὸ στόμα σου [Α al.] (1α)
	— 29. δώσει . . . τῇ π. τῆς νεάνιδος (1α)	— 37. εἶπε πρὸς τὸν π. αὐτῆς (1α)
	— 30 (28. 1). τὴν γυναῖκα τοῦ π. αὐτοῦ (1α)	— 37. ποιησάτω δὲ ὁ π. μου τὸν λόγον τοῦτον [Α al.] (1α)
	— 30 (28. 1). συγκύλιμμα τοῦ π. αὐτοῦ (1α)	— 39. ἐπίστρεψε [Α ἀνέκαμψεν] πρὸς τὸν π. αὐ. (1α)
	24. 16. οὐκ ἀποθανοῦνται π. ὑπὲρ τέκνων (1α)	14. 2. ἀπῆγγελε τῇ π. (1α)

- Jd. 14. 3. εἶπεν αὐτῷ ὁ π. (1a)  
 — 3. εἶπε Σ. πρὸς τὸν π. (1a)  
 — 4. 5. ὁ π. αὐτοῦ καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (1a)  
 — 6. οὐκ ἀπήγγειλε τῷ π. (1a)  
 — 9. ἐπορεύθη πρὸς τὸν π. (1a)  
 — 10. κατέβη ὁ π. (1a)  
 — 15. καὶ τὸν οἶκον τοῦ π. σου (1a)  
 — 16. τῷ π. μου καὶ τῇ μητρὶ μου (1a)  
 — 19. εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 15. 1. οὐκ ἔδωκεν [Δ ἀφήκειν] αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1a)  
 — 2. εἶπεν ὁ π. αὐτῆς (1a)  
 — 6. Δ τὴν οἰκίαν τοῦ π. αὐτῆς †  
 — 6. Δ Β καὶ τὸν π. [Β οἶκον τοῦ π.] αὐτῆς (1a)  
 16. 31. ὁ οἶκος τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 31. ἐν τῷ τάφῳ Μ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 17. 10. γίνου μοι εἰς πατέρα (1a)  
 18. 19. εἰς πατέρα καὶ εἰς ἱερέα (1a)  
 — 29. ἐν ὀνόματι Δ. [Δ κατὰ τὸ ὄν. τοῦ] πα-  
 τρός αὐ. (1a)  
 19. 2. εἰς οἶκον [Δ τὸν οἶ. τοῦ] πατρός αὐτῆς (1a)  
 — 3. εἰς οἶκον πατρός αὐτῆς [Δ α.] (1a)  
 — 3. εἰδαν αὐτὸν ὁ π. τῆς νεάνιδος (1a)  
 — 4. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ π. τῆς νεάνιδος (1a)  
 — 5, 6. 8. εἶπεν ὁ π. τῆς νεάνιδος (1a)  
 — 9. ὁ γαμβρὸς αὐ. ὁ π. τῆς νεάνιδος (1a)  
 21. 22. ὅταν ἔλθωσιν οἱ π. αὐτῶν (1a)  
 Ru. 1. 8. Δ ἐκόσθη εἰς τὸν οἶκον τοῦ π. [Β α.] †  
 2. 11. πῶς κατέλινε τὸν π. σου (1a)  
 4. 17. ὅλτος π. ἴσους αὐτῶν Δανιὴλ (1a, 1a)  
 I Ki. 1. 25. ἴσφαξεν ὁ π. αὐτοῦ τὴν θυγατέρα (1a)  
 — 25. οὐκ ἤκουον τῆς φωνῆς τοῦ π. αὐτῶν (1a)  
 — 27. πρὸς οἶκον πατρός σου (1a)  
 — 28. τὸν οἶκον τοῦ π. σου †  
 — 28. τῷ οἴκῳ τοῦ π. σου (1a)  
 — 30. ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1a)  
 — 31. τὸ σπέρμα οἴκου πατρός σου (1a)  
 9. 3. αἱ θυγατέρες Κεὶς πατρός Σαουλ (1a)  
 — 5. μὴ ἀνέκεις ὁ π. μου τὰς θυγατέρας (1a)  
 — 20. καὶ τῷ οἴκῳ τοῦ π. σου (1a)  
 10. 2. ὁ π. σου ἀποστεινύσκει τὸ ῥῆμα (1a)  
 — 12. καὶ τίς π. αὐτοῦ (1a)  
 12. 6. ὁ ἀναγαγὼν τοὺς π. ἡμῶν ἐξ Αἰγ. (1a)  
 — 7. ἐποίησεν . . . ἐν τοῖς π. ἡμῶν (1a)  
 — 8. ἐβόησαν οἱ π. ἡμῶν πρὸς κύριον (1a)  
 — 8. ἐξήγγισεν [Δ -εν] τοὺς π. ἡμῶν ἐξ Αἰγ. (1a)  
 13. 23. Β [Β om.] τῷ π. αὐτοῦ οὐκ ἀπήγγειλεν (1a)  
 14. 1. Β τῷ π. αὐτοῦ οὐκ ἀπήγγειλε (1a)  
 — 27. ἐν τῷ ὀρεῖ (εἰς τὸν π. αὐ. τὸν λαόν (1a)  
 — 28. ὅρπισεν τὸν λαόν ὁ π. σου (1a)  
 — 29. ἀπηλλάχεν ὁ π. μου τὴν γῆν (1a)  
 — 51. καὶ Κεὶς πατὴρ Σ. καὶ Νῆρ πατὴρ Ἀβ. (1a, 1a)  
 17. 15. Α ποιμαίνων τὰ πρόβατα τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 25. Δ τὸν οἶκον τοῦ π. αὐ. ποιήσει ἐλευθέρου (1a)  
 — 34. ποιμαίνων ἦν . . . τῷ π. αὐτοῦ (1a)  
 18. 2. ἀποστρέψαι [Δ -εν] τὸν οἶκον τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 18. Δ ἡ ζωὴ τῆς συγγενείας σου πατρός μου (1a)  
 19. 2. Δ ζητεῖ Σ. ὁ π. μου θανατώσει σε [Β α.] (1a)  
 — 3. στήσονται ἐχθροί μου τοῦ π. μου (1a)  
 — 3. λαλήσω . . . πρὸς τὸν π. μου (1a)  
 4. ἐλάλησεν . . . πρὸς Σ. τὸν π. αὐτοῦ (1a)  
 20. 1. τί ἡμέρηκα ἐνώπιον τοῦ π. σου (1a)  
 — 2. οὐ μὴ ποιῇσθ ὁ π. μου ῥῆμα (1a)  
 — 2. τί τὴν κρύψαι ὁ π. μου (1a)  
 — 3. οἶδεν ὁ π. σου (1a)  
 — 3. Δ ἀνὰ μέσον τοῦ π. σου (1a)  
 — 6. ἐὰν . . . ἐπισκίψῃται με ὁ π. σου (1a)  
 — 8. ἔως τοῦ π. σου ἵνα τί οὕτως εἰσάγεις με (1a)  
 — 9. συντελέσονται ἡ κακία παρὰ τοῦ π. μου (1a)  
 — 10. ἀνὰ ἀποκρίσθ ὁ π. σου σκληρῶς (1a)  
 — 12. ἀνακρῶ τὸν π. μου (1a)  
 — 13. καθὼς ἦν μετὰ τοῦ π. μου (1a)  
 — 32. Δ ἀπεκρίσθ Ἰ. τῷ Σ. τῷ π. αὐ. [Β om. τ. π. αὐ.] (1a)  
 — 33. συντελέσονται ἡ κακία αὐτῆ παρὰ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 34. συντελέσονται ἐπ' αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1a)  
 22. 1. ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1a)  
 — 3. ὁ π. μου καὶ ἡ μήτηρ μου (1a)  
 — 11. καὶ πάντα τὸν νοῦν τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 15. ἐφ' ὅλον τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1a)  
 — 16. καὶ πᾶς ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1a)  
 — 22. τὸν ψυχῶν οἶκον τοῦ π. σου (1a)  
 23. 17. ἡ χεὶρ Σ. τοῦ π. μου (1a)  
 — 17. Σ. ὁ π. μου οὐδεν οὕτως (1a)  
 24. 12. Δ καὶ πᾶτερ μου (1a)  
 I Ki. 24. 22. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1a)  
 II Ki. 2. 32. ἐν τῷ τάφῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 3. 7. πρὸς τὴν παλατίαν τοῦ π. μου (1a)  
 — 8. μετὰ τοῦ οἴκου Σ. τοῦ π. σου (1a)  
 — 29. ἐπὶ πάντα τὸν οἶκον τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 6. 21. ἐξελέξατό με ὑπὲρ τὸν π. σου (1a)  
 7. 12. καὶ κοιμήσῃ μετὰ τῶν π. σου (1a)  
 — 14. ἐγὼ ἔσομαι αὐτῷ εἰς πατέρα (1a)  
 9. 7. διὰ Ἰων. τὸν π. σου (1a)  
 — 7. πάντα ἀγρόν Σ. πατρός [Δ om.] τοῦ π. σου (—, 1a)  
 10. 2. ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ μετ' ἐμοῦ ἔλεος (1a)  
 — 2. παρακαλέσαι αὐτὸν . . . περὶ τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 3. παρὰ τὸ δοξάζειν Δ. τὸν π. σου (1a)  
 13. 5. εἰσελεύσεται ὁ π. σου (1a)  
 14. 9. καὶ ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1a)  
 15. 7. εἶπεν Ἀβ. πρὸς τὸν π. αὐ. †  
 — 34. διελέλυθεν [Δ καὶ ἐλ.] ὁ π. σου (1a)  
 — 34. παῖς τοῦ π. σου ἤμην τότε (1a)  
 16. 3. ἐπιστρέψου μοι . . . τὴν βασιλείαν τοῦ π. μου (1a)  
 — 19. ἰδοῦσα ἐνώπιον τοῦ π. σου (1a)  
 — 21. ἰστέλει πρὸς τὰς παλλακὰς τοῦ π. σου (1a)  
 — 21. κατῆσχυνας [Δ ἤσχ.] τὸν π. σου (1a)  
 — 22. πρὸς τὰς παλλακὰς [Δ om. πρ. τ. π.] τοῦ π. αὐ. (1a)  
 17. 8. σὺ οἶδας τὸν π. σου (1a)  
 — 8. ὁ π. σου ἀνὴρ πολέμαστῆς [Δ α.] (1a)  
 — 10. δυνατὸς ὁ π. σου (1a)  
 — 23. ἐν τῷ τάφῳ [Δ οἴκῳ] τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 19. 28 (29). πᾶς ὁ οἶκος τοῦ π. μου [Δ πάροι-  
 — 37 (38). παρὰ τῷ τάφῳ τοῦ π. μου (1a)  
 21. 14. ἐν τῷ τάφῳ Κ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 24. 17. καὶ ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου (1a)  
 III Ki. 1. 6. οὐκ ἀπεκάλυπεν αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1a)  
 — 21. ὡς ἂν κοιμηθῇ . . . μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 2. 10. ἐκοιμήθη Δ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 12. ἐπὶ θρόνον Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 24. ἐπὶ τὸν θρόνον Δ. τοῦ π. μου (1a)  
 — 26. ἤρας τὴν κιβ. . . ἐνώπιον τοῦ π. μου (1a)  
 — 26. οἱ ἐκακοχῆρξ ὁ π. μου (1a)  
 — 31. καὶ ἀπὸ τοῦ οἴκου τοῦ π. μου (1a)  
 — 32. ὁ π. μου Δ. οὐκ ἔργω τὸ αἷμα αὐ. (1a)  
 3. I (2. 44). Δ ἐποίησας τῷ Δ. τῷ π. μου (1a)  
 — 3. ἐν τοῖς προστάγμασι Δ. τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 6. ἐποίησας μετὰ . . . Δ. τοῦ π. μου ἔλεος (1a)  
 — 7. ἔδωκας τὸν δοῦλόν σου ἀπὸ Δ. τοῦ π. μου (1a)  
 — 14. ὡς ἐπορεύθη Δ. ὁ π. σου (1a)  
 5. I (15). χρῖσαι τὸν Σ. ἀπὸ Δ. τοῦ π. αὐ. [Δ α.] (1a)  
 — 3 (17). σὺ οἶδας Δ. τὸν π. μου (1a)  
 — 5 (19). καθὼς ἐλάλησεν . . . πρὸς Δ. τὸν π. μου (1a)  
 6. 12. Δ ἐν ἐλάλησεν πρὸς Δ. τὸν π. σου (1a)  
 7. 14. ὁ π. αὐτοῦ ἀνὴρ Τύριος (1a)  
 — 51. τὰ ἄγια Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 8. I. Δ ἐπιστρίψουσιν τὰν π. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1a)  
 — 15. ὡς ἐλάλησεν . . . περὶ Δ. τοῦ π. μου (1a)  
 — 17. ἐγένετο ἐπὶ τῆς καρδίας τοῦ π. μου (1a)  
 — 18. εἶπε κ. πρὸς Δ. τὸν π. μου (1a)  
 — 20. ἀνίστην ἀπὸ Δ. τοῦ π. μου (1a)  
 — 21. ἦν διέθετο κ. μετὰ τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 24, 25. τῷ δούλῳ σου Δ. τῷ π. μου (1a)  
 — 26. πιστωθήτω . . . τῷ Δ. τῷ π. μου (1a)  
 — 34. ἦν ἔδωκας τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 40, 48. ἦν ἔδωκας τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 53. ἐν τῷ ἔξαγαγνῇ σε τοὺς π. ἡμῶν (1a)  
 — 57. καθὼς ἦν μετὰ τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 58. Δ ἐνετέλειτο τοῖς π. ἡμῶν (1a)  
 9. 4. καθὼς ἐπορεύθη Δ. ὁ π. σου (1a)  
 — 5. καθὼς ἐλάλησεν Δ. πατρί [Δ τῷ π.] σου (1a)  
 — 9. ὡς ἐξήγαγε τοὺς π. αὐ. ἐξ Αἰγ. (1a)  
 11. 4. καθὼς ἡ καρδία Δ. τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 6. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 10. Β κατὰ τὴν καρδίαν Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 12. οὐ πούσω αὐτὰ διὰ Δ. τὸν π. σου (1a)  
 — 17. τῶν παιδῶν τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 21. κεικόμην Δ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 27. τὸν φραγμὸν τῆς πόλεως Δ. τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 33. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 43. ἐκοιμήθη Σ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 43. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 44 (43). Β ἐκοιμήθη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 12. 4. ὁ π. σου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν ἡ. (1a)  
 III Ki. 12. 4. ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ π. σου τῆς σκληρῆς (1a)  
 — 6. παριστάτες ἐνώπιον Σαλ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 9. οὐ ἔδωκεν ὁ π. σου ἐφ' ἡμᾶς (1a)  
 — 10. ὁ π. σου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν ἡ. (1a)  
 — 10. παχυτέρα τῆς ὀσφύος τοῦ π. μου (1a)  
 — 11. ὁ π. μου ἐπεσάσκειτο ὑμᾶς (1a)  
 — 11. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (1a)  
 — 14. ὁ π. μου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν ὑ. (1a)  
 — 14. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ὑμᾶς (1a)  
 — 24. Β κοιμάται μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 24. Β θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 24. Β ἐν ὁδῷ Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 24. Β ὁ π. σου ἐβάρυνε τὸν κλοιὸν αὐ. (1a)  
 — 24. Β ὑπὲρ τὴν ὀσφύν τοῦ π. μου (1a)  
 — 24. Β ὁ π. μου ἐμαστίγει ὑμᾶς (1a)  
 13. 11. ἐπίστρεψαν τὸ πρὸς σπον τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 12. ἐλάλησεν πρὸς αὐτοὺς ὁ π. αὐτῶν (1a)  
 — 22. εἰς τὸν τάφον τῶν π. σου (1a)  
 14. 15. Δ ἦν ἔδωκεν τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 20. Δ ἐκοιμήθη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 22. οἱ ἐποίησαν οἱ π. αὐτῶν (1a)  
 — 31. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 31. θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 15. 3. ἐν ταῖς ἀμαρτίαις τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 3. ὡς ἡ καρδία τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 8. ἐκοιμήθη Ἀβ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 8. θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐτοῦ [Δ om. μ. τ. π. αὐ.] (1a)  
 — 11. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 12. Δ ἐποίησαν οἱ π. αὐ. (1a)  
 — 15. εἰσήγγαγε τοὺς κίονας τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 19. Δ Β καὶ ἀνὰ μέσον [Β om. δ. μ.] τοῦ π. μου καὶ τοῦ π. σου (1a, 1a)  
 — 24. Δ Β ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν π. αὐ. [Β om. μ. τ. π. αὐ.] (1a)  
 — 24. Δ Β θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐ. ἐν πόλει Δ. πατρός [Δ τοῦ π.] αὐ. [Β om. π. αὐ.] (1a, 1a)  
 — 26. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 16. 6. ἐκοιμήθη Β. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 28. ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 28 (22. 43). Β ἐν τῇ ὁδῷ Ἀσὰ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 28 (22. 46 [47]). Β ἐν ταῖς ἡμέραις Ἀσὰ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 28 (22. 50 [51]). Β ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 28 (22. 50 [51]). Β θάπτεται μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 18. 13. καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1a)  
 19. 4. οὐ κρείσσων ἐγὼ εἰμι ὑπὲρ τοὺς π. μου (1a)  
 — 20. καταφιλήσω τὸν π. μου (1a)  
 20 (21). 3. δοῦναι κληρονομίαν πατέρων μου σοὶ (1a)  
 — 4. Δ οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων (1a)  
 — 6. οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων †  
 21 (20). 34. ὡς ἔλαβεν ὁ π. μου παρὰ τοῦ π. σου (1a, 1a)  
 — 34. καθὼς ἔθετο ὁ π. μου (1a)  
 22. 40. ἐκοιμήθη Ἀχ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 43. ἐν πάσῃ ὁδῷ Ἀσὰ τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 47. Α ἐν ἡμέραις Ἀσὰ πατρός αὐτοῦ (1a)  
 — 51. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 51. Δ Β ἐτάφη [Β om.] παρὰ τοῖς π. αὐ. [Β om. π. τ. π. αὐ.] (1a)  
 — 51. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 53. ἐν ὁδῷ Ἀχ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 IV Ki. 1. 18 (8. 2). ὡς ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 2. 12. πᾶτερ πᾶτερ, ὄρμα Ἰσρ. (1a, 1a)  
 3. 2. πλὴν οὐχ ὡς ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 2. Β δὲ ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 13. δεῦρο πρὸς τοὺς προφήτας τοῦ π. σου (1a)  
 4. 18. ἦρκα ἐξῆλθε πρὸς τὸν π. αὐ. (1a)  
 — 19. εἶπε πρὸς τὸν π. αὐτοῦ (1a)  
 5. 23. Α πᾶτερ [Β om.], μέγα λόγον ἐλάλησεν (1a)  
 6. 21. εἰ πατάξας πατάξω, πᾶτερ (1a)  
 8. 24. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 24. Β ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 24. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 9. 25. ὁπίσω Ἀχάβ τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 28. Α ἔθαψαν αὐτὸν . . . μετὰ τῶν π. αὐ. [Β om. μ. τ. π. αὐ.] (1a)  
 10. 3. ἐπὶ τὸν θρόνον τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 35. ἐκοιμήθη Ἰοὴ μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 12. 18 (19). ὅσα ἡγάσεν . . . οἱ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 21 (22). ἔθαψαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 13. 9. ἐκοιμήθη Ἰ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)

19 Ki. 13. 9. Ἀ ἔθωσαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐ.

[B om. μ. τ. π. αὐ.]

- 13. ἐκοιμήθη ἰωῶς μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 13. B ἱερ. ἐκάθισεν μετὰ τῶν π. αὐ. [A R al.] †  
 — 14. πᾶτερ πάτερ, ἄρμα ἱσρ. (1a, 1a)  
 — 25. ἐκ χειρὸς ἰ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 14. 3. πλὴν οὐκ ὡς Δ. ὁ π. [A om. ὁ π.] αὐτοῦ (1a)  
 — 3. ὅσα ἐποίησεν ἰωῶς ὁ π. αὐ. (1a)  
 — 5. τοὺς πατάξαντας τὸν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 6. οἶκ ἀποθανοῦνται π. ὑπὲρ υἱῶν (1a)  
 — 6. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (1a)  
 — 16. ἐκοιμήθη ἰωῶς μετὰ τῶν π. [A om.] αὐ. (1a)  
 — 20. ἐτάφη ἐν ἱερ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 21. ἐβασίλευσεν αὐτὸς ἀντὶ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 22. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 29. ἐκοιμήθη ἱερ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 29. A B ἐβασίλευσεν Ἀζ. . . ἀντὶ τοῦ π. αὐ. [R al.] †  
 15. 3. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 7. ἐκοιμήθη Ἀζ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 7. B ἔθωσαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 9. καθὰ ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 22. ἐκοιμήθη M. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 24. ὅσα ἐποίησεν Ἀζ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 38. ἐκοιμήθη ἰ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 38. ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐ. [A om. ἐτ. . . αὐ.] ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a, 1a)  
 16. 2. ὡς Δαυὶδ ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 20. ἐκοιμήθη Ἀγαζ μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 20. A ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐ. [B om. μ. τ. π. αὐ.] (1a)  
 17. 13. ὃν ἐνετείλαμην τοῖς π. ἡμῶν (1a)  
 — 14. ὑπὲρ τὸν νότον τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 — 15. A ἦν ἐκόντες σὺν πατράσιν αὐτῶν (1a)  
 — 41. καθὰ ἐποίησαν οἱ π. αὐτῶν (1a)  
 18. 3. ὅσα ἐποίησε Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 19. 12. οὐς διέφθειραν οἱ π. μου (1a)  
 20. 5. τάδε λέγει κ. ὁ θ. Δ. τοῦ π. σου (1a)  
 — 17. ὅσα ἐθυσάρισαν οἱ π. σου (1a)  
 — 21. ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 21. 3. ἃ κατέσπασεν Ἐζ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 8. ἥς ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 15. B ἥς ἐξηγαγόν τούς π. αὐτῶν (1a)  
 — 18. ἐκοιμήθη M. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 20. καθὼς ἐποίησε M. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 21. ἡ ἐπορεύθη ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 21. οἷς ἐλάτρευσε ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 22. ἐγκατέλιπε τὸν κ. θ. τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 22. 2. ἐν πάσῃ ὁδῷ Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 13. οὐκ ἤκουσαν οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 — 20. προστίθμι σε πρὸς τοὺς π. σου (1a)  
 23. 3. ἐβασίλευσαν αὐτὸν ἀντὶ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 32. ὅσα ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 34. ἀντὶ ἰωσίου τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 37. ὅσα ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ (1a)  
 24. 6. ἐκοιμήθη ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 9. ὅσα ἐποίησεν ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 I Ch. 2. 17. καὶ πατήρ Ἀμ. ἰοθόρ (1a)  
 — 21. πρὸς τὴν θυγ. M. πατρός Γαλ. (1a)  
 — 23. πᾶσαι αὐτὰ υἱῶν M. πατρός Γ. (1a)  
 — 24. τὸν Ἀσὺχ πατέρα Θ. (1a)  
 — 42. οὗτος π. Ζίφ καὶ υἱοὶ Μαρ. πατρός Χ. (1a, 1a)  
 — 44. Σαμ. ἐγέννησε τὸν Ῥ. π. ἰ. (1a)  
 — 45. καὶ Μαὺν πατήρ Βαῖθσοῦρ (1a)  
 — 49. ἐγέννησε Σ. πατέρα Μαδ. καὶ τὸν Σ. π. Μαχ. καὶ π. Γ. (1a ter)  
 — 50. Σ. πατήρ Καρ. (1a)  
 — 51. Σαλ. πατήρ Β. Α. πατήρ Βαῖθ. Ἀρ. πατήρ Βεθγ. (1a, —, 1a)  
 — 52. ἦσαν υἱοὶ τῷ Σ. π. Καρ. (1a)  
 — 55. οἱ ἐλθόντες ἐξ Αἰ. πατρός οἴκου Ῥ. (1a)  
 4. 4. καὶ Φαν. πατήρ Γ. καὶ ἰ. πατήρ Ὡσαν (1a, 1a)  
 — 4. υἱοὶ Ὡρ τοῦ πρωτοῦ. Ἐφρ. πατρός Βαῖθ. (1a)  
 — 5. τῷ Ἀσ. π. Θεωαί (1a)  
 — 11. Χαλ. π. Ἀσὺχ ἐγέννησε τὸν Μαχίρ †  
 — 11. οὗτος π. Ἀσασθῶν (1a)  
 — 12. ἐγέννησε . . . τὸν Θ. π. πύλως Ν. (1a)  
 — 14. ἐγέννησε τὸν ἰωβ. π. Ἀγ. (1a)  
 — 17. ἐγέννησεν . . . τὸν Ἰσρ. π. Ἐσθ. (1a)  
 — 18. ἔτεκε τὸν ἰ. π. Γεδωρ καὶ τὸν Ἀ. π. Σ. καὶ τὸν Χ. π. Ζ. (1a ter)  
 — 19. A B καὶ Δ. πατήρ Κ. καὶ Σ. π. ἰ. καὶ Μαν. [A υἱοὶ Ν.] πατρός Κ. [B al.] (1a, —, —)

I Ch. 4. 21. \*Ἦρ πατήρ Α. καὶ Α. π. Μ. (1a, 1a)

5. 1. ἐπὶ τὴν κούνην τοῦ π. αὐ. (1a)

- 25. ἡτέθησαν ἐν θεῷ πατέρων αὐ. (1a)  
 7. 14. ἔτεκε τὸν Μ. πατέρα Γαλ. (1a)  
 — 22. ἐπύθνησεν Ἐφρ. πατήρ αὐτῶν (1a)  
 — 31. οὗτος πατήρ Βερβαῖθ (1a)  
 8. 29. ἐν Γαβ. κατέκησε πατήρ Γαβ. (1a)  
 9. 19. οἱ ἀδ. αὐτοῦ εἰς οἶκον πατρός αὐ. (1a)  
 — 19. καὶ πατέρες αὐ. ἐπὶ τῇ παρεμβολῇ (1a)  
 — 35. κατέκησε πατήρ Γαβ. (1a)  
 12. 17. ἰδοὶ ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 16. 28. B S δότε τῷ κ. πατρί [A R αὶ πατρίαι] τῶν ἐθνῶν †  
 17. 11. κοιμήθησιν μετὰ τῶν π. σου (1a)  
 — 13. ἐγὼ ἔσομαι αὐτῷ εἰς πατέρα (1a)  
 19. 2. ὡς ἐποίησεν ὁ π. αὐ. . . ἔλεος (1a)  
 — 2. τοῦ παρακαλῆσαι αὐτὸν περὶ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 3. δοξάζων Δ. τὸν π. σου (1a)  
 21. 17. καὶ ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου (1a)  
 22. 10. καὶ γὰρ αὐτῷ [A add. ἔσομαι] εἰς πατέρα (1a)  
 24. 2. ἀπέθανε . . . ἐναντίον τοῦ π. αὐτῶν (1a)  
 — 19. διὰ χειρὸς Ἀαρὼν πατρός αὐτῶν (1a)  
 25. 3. ἔξ μετὰ τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 — 6. πάντες οὗτοι μετὰ τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 26. 10. ἐποίησεν αὐτὸν ὁ π. αὐ. ἄρχοντα (1a)  
 28. 4. ἀπὸ παντὸς οἴκου πατρός [A τοῦ π.] μου (1a)  
 — 4. ἡρέτικε . . . τὸν οἶκον τοῦ π. μου (1a)  
 — 4. A R ἐν τοῖς υἱοῖς τοῦ π. μου (1a)  
 — 6. καὶ γὰρ ἔσομαι αὐτῷ εἰς πατέρα (1a)  
 — 9. γινώθι τὸν θ. τῶν π. σου (1a)  
 29. 10. κύριε ὁ θεὸς ἱσρ. ὁ π. ἡμῶν (1a)  
 — 15. ὡς πάντες οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 — 18. κύριε ὁ θεὸς Ἀβ. καὶ ἰ. καὶ ἱσρ. τῶν π. ἡμ. (1a)  
 — 20. κ. τὸν θεὸν τῶν π. αὐτῶν †  
 — 23. ἐπὶ θρόνου Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 24. A R υἱοὶ Δ. τοῦ βασ. τοῦ [B om.] π. αὐτοῦ —  
 II Ch. 1. 8. ἐποίησας μετὰ Δ. τοῦ π. μου ἔλεος μέγα (1a)  
 — 9. πιστωθήτω . . . ἐπὶ Δ. πατέρα μου (1a)  
 2. 3 (2). ὡς ἐποίησας μετὰ τοῦ π. μου Δ. (1a)  
 — 7 (6). ἃ ἠτοίμασε Δ. ὁ π. μου (1a)  
 — 13 (12). ἀπεστάλαξαι σοὶ . . . Χ. τὸν π. [A B<sup>2</sup> παῖδα] μου (1a)  
 — 14 (13). ὁ π. αὐτοῦ ἀνὴρ Τύριος (1a)  
 — 14 (13). μετὰ . . . σοφῶν Δ. κυρίου μου πατρός [A τοῦ π.] σου (1a)  
 — 17 (16). ὃν ἠρτίωσαν αὐτοὺς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 3. 1. οὐ ὥφθη κύριος τῷ Δ. π. αὐτοῦ (1a)  
 5. 1. τὰ ἄγια Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 6. 4. ἐλάλησε . . . πρὸς Δ. τὸν π. μου (1a)  
 — 7. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Δ. τοῦ π. μου (1a)  
 — 8. εἶπε κυρίῳ θεῷ τῶν π. αὐ. [A τὸν π.] μου (1a)  
 — 10. A R ἐγέννηθ' ἀντὶ Δ. πατρός [B τοῦ π.] μου (1a)  
 — 15. ἐφύλαξας τῷ παιδί σου Δ. τῷ π. μου (1a)  
 — 16. A B φύλαξον . . . τῷ Δ. τῷ π. μου [B om. τ. π. μ.] (1a)  
 — 25. ἦν ἔδωκας . . . τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 31. ἦς ἔδωκας τοῖς π. ἡμῶν (1a)  
 — 38. ἦς ἔδωκας τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 7. 17. εἰάν πορευθῇς . . . ὡς Δ. ὁ π. σου (1a)  
 — 18. ὡς διεβίμην Δ. τῷ π. σου (1a)  
 — 22. ἐγκατέλιπον κ. τὸν θ. τῶν π. αὐ. (1a)  
 8. 14. R κατὰ τὴν κρίσιν Δ. τοῦ π. αὐ. [A B om. τ. π. αὐ.] (1a)  
 9. 31. ἐν πόλει Δ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 10. 4. ὁ π. σου ἐσκήλησεν τὸν ζυγὸν ἡμ. (1a)  
 — 4. ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ π. σου τῆς σκληρᾶς (1a)  
 — 6. ἐναντίον Σαλ. τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 9. οὐ ἔδωκεν ὁ π. σου ἐφ' ἡμᾶς (1a)  
 — 10. ὁ π. σου ἐβίβρυνε τὸν ζυγὸν ἡμῶν (1a)  
 — 10. παχύτερος τῆς δσφύου τοῦ π. μου (1a)  
 — 11 αἰς. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ἡμᾶς (1a)  
 — 14. ὁ π. μου ἐβίβρυνε τὸν ζυγὸν ἡμῶν (1a)  
 — 14. ὁ π. μου ἐπαίδευσεν ἡμᾶς (1a)  
 12. 16. θύσαι κ. θεῷ τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 12. 16. A B καὶ ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ [B al.] (1a)  
 13. 11. τὰς φυλακὰς κ. τοῦ θ. τῶν π. ἡμῶν †  
 — 12. πρὸς κύριον θεὸν τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 18. ἐπὶ κ. θεῶν τῶν π. αὐ. (1a)  
 14. 1 (13. 23). ἀπέβηκεν Ἀβ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 4 (3). ἐκζητῆσαι τὸν κ. θεὸν τῶν π. αὐ. (1a)  
 15. 12. ζητῆσαι κ. θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1a)

II Ch. 15. 18. εἰσῆνεγκε τὰ ἄγια Δ. τοῦ π. αὐ. (1a)

16. 3. ἀνὰ μέσον τοῦ π. μου καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ π. σου (1a, 1a)  
 — 13. ἐκοιμήθη Ἀ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 17. 2. ὅς προκατελάβετο Ἀ. ὁ π. αὐ. (1a)  
 — 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς τοῦ π. αὐ. ταῖς πρώταις (1a)  
 — 4. κ. τὸν θεὸν τοῦ π. αὐ. ἐξεζήτησε (1a)  
 — 4. ἐν ταῖς ἐντολαῖς τοῦ π. αὐ. ἐπορεύθη †  
 19. 4. ἐπὶ κ. θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 20. 6. κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 32. ταῖς ὁδοῖς τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 33. πρὸς κ. θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 21. 1. ἐκοιμήθη ἰωσ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 1. A ἐτάφη παρὰ τοῖς π. ἐαυτοῦ [B om. π. τ. π. ἐ.] (1a)  
 — 3. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ π. αὐ. δόματα πολλά (1a)  
 — 10. κ. θεὸν τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 — 12. A R κύριος θεὸς Δ. τοῦ [B om.] π. σου (1a)  
 — 12. ἐν ὁδῷ ἰωσ. τοῦ π. σου (1a)  
 — 13. A R τοὺς ἀδ. σου υἱοὺς τοῦ [B om.] π. σου (1a)  
 — 19. καθὼς ἐκφορᾶν πατέρων αὐτοῦ (1a)  
 22. 4. μετὰ τὸ ἀποθανεῖν τὸν π. αὐ. (1a)  
 24. 18. A B κύριον θεὸν τῶν π. αὐ. [R al.] (1a)  
 — 22. οὐ ἐποίησεν . . . ἰ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 24. κύριον τὸν θεὸν τῶν π. αὐ. (1a)  
 25. 3. τοὺς φονεύσαντας τὸν βασ. πατέρα αὐ. (1a)  
 — 4. οὐκ ἀποθανοῦνται πατέρες ὑπὲρ τέκνων (1a)  
 — 4. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (1a)  
 — 28. ἔθωσαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 26. 1. ἐβασίλευσαν αὐτὸν ἀντὶ τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 2. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 4. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 23. ἐκοιμήθη Ὡ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 23. ἔθωσαν αὐτὸν μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 27. 2. ἃ ἐποίησεν Ὡ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 9. ἐκοιμήθη ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 28. 1. ὡς Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 6. τὸν κύριον θεὸν τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 9. ὁργὴ κ. θεοῦ τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 25. κύριον τὸν θεὸν τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 — 27. ἐκοιμήθη Ἀχ. μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 29. 2. ὅσα ἐποίησε Δ. ὁ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 5. κυρίου θεοῦ τῶν [A<sup>1</sup> om.] π. ἡμῶν (1a)  
 — 6. ἀπέστησαν οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 — 9. πεπλήγασι οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 30. 7. μὴ γίνεσθε καθὼς οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 — 7. ἀπὸ κυρίου θεοῦ πατέρων αὐ. (1a)  
 — 8. R ὡς οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 — 19. κ. τὸν θεὸν τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 22. τῷ κυρίῳ θεῷ τῶν π. αὐ. (1a)  
 32. 13. ἐγὼ καὶ οἱ π. μου (1a)  
 — 14. οὐς ἐξωλέθρευσαν οἱ π. μου (1a)  
 — 15. ἐκ χειρὸς πατέρων μου (1a)  
 — 33. ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 33. 3. ἃ κατέσπασεν Ἐζ. ὁ π. αὐ. (1a)  
 — 8. ἥς ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 12. A B ἀπὸ προσώπου θεοῦ πατέρων [B τῶν π.] αὐ. (1a)  
 — 20. ἐκοιμήθη Μαν. μετὰ τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 22. ὡς ἐποίησε Μαν. ὁ π. αὐ. (1a)  
 — 22. οἷς ἐποίησε Μαν. ὁ π. αὐ. (1a)  
 — 23. ὡς ἐταπεινώθη Μαν. ὁ π. αὐ. (1a)  
 34. 2. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς Δ. τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 3. κύριον τὸν θεὸν Δ. τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 21. A R οὐκ εἰσέηκουσαν [B ἦκ.] οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 — 28. προστίθμι σε πρὸς τοὺς π. σου (1a)  
 — 32. A B ἐν οἴκῳ κ. θεοῦ πατέρων [B πατρός] αὐ. (1a)  
 — 33. ἀπὸ ὀπισθεν κ. θεοῦ πατέρων αὐ. (1a)  
 35. 24. ἐτάφη μετὰ τῶν π. αὐτοῦ (1a)  
 36. 1. κατέστησαν αὐτὸν ἀντὶ τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 2. ἃ ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ —  
 — 4. ἀντὶ ἰωσίου τοῦ π. αὐτοῦ —  
 — 5. ὅσα ἐποίησαν οἱ π. αὐτοῦ —  
 — 8. ἐκοιμήθη ἰ. μετὰ τῶν π. αὐ. —  
 — 8. ἐτάφη . . . μετὰ τῶν π. αὐ. —  
 — 10. ἐβίβλινε Σεδ. ἀδελφὸν τοῦ π. αὐ. †  
 — 15. κ. ὁ θεὸς τῶν π. αὐ. (1a)  
 I Es. 1. 11. κατὰ τὰς μεριδάρχειας τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 34. ἀντὶ ἰωσίου τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 50. ὁ θεὸς [B<sup>1</sup> βασιλεὺς] τῶν π. αὐ. (1a)  
 2. 1. ἐν τοῖς ἀπὸ τῶν π. σου βιβλίοις (1a)  
 4. 20. τὸν ἐαυτοῦ π. ἐγκαταλείπει (1a)



- 1 Es. 4. 21. αὐτὲ τὸν π. μέμνηται  
— 25. πλείων ἀγαπᾷ . . . ἢ τὸν π.  
— 60. δέσποτα τὸν π.  
— 62. εὐλόγησαν τὸν θεὸν τὸν π. αὐ.  
6. 15. οἱ πατέρες ἡμῶν παρασκευάσαντες ἡμάρτον  
8. 25. Α Β ὁ θεὸς τὸν π. μου  
— 58. κυρία τὸν π. ἡμῶν  
— 76. ἀπὸ τῶν χρόνων τὸν π. ἡμῶν  
— 77. διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν καὶ τὸν π. ἡμῶν  
9. 8. τῷ κυρίῳ θεῷ τὸν π. ἡμῶν  
11 Es. 4. 15. ἐν βαλλίῳ ὑπομηματισμοῦ τὸν π. σου (1 b)  
5. 12. παρώρυσαν οἱ π. ἡμῶν τὸν θεόν (1 b)  
7. 27. κ. ὁ θεὸς τὸν π. ἡμῶν (1 a)  
8. 28. τῷ κυρίῳ θεῷ πατέρων ἡμῶν (1 a)  
9. 7. ἀπὸ ἡμερῶν πατέρων ἡμῶν (1 a)  
10. 11. θεῶ τὸν π. ἡμῶν (1 a)  
Ne. 1. 6. ἐγὼ καὶ ὁ οἶκος πατρὸς μου (1 a)  
2. 3. οἶκος μνημείων πατέρων μου (1 a)  
— 5. εἰς πόλιν μνημείων πατέρων μου (1 a)  
— 9. καὶ τὰς ἀνομίας τὸν π. αὐτῶν (1 a)  
9. 2. εἶδες τὴν ταπεινότητα [B<sup>3</sup> κακίαν] τὸν π. ἡμῶν (1 a)  
— 16. Α Β<sup>3</sup> ὁ π. ἡμῶν ὑπερηφανεύσαντο (1 a)  
— 23. ἦν ἑκπας τοῖς π. αὐτῶν (1 a)  
— 32. δε εὗρεν . . . τοὺς π. ἡμῶν (1 a)  
— 34. οἱ π. ἡμῶν οὐκ ἐποίησαν τὸν νόμον σου (1 a)  
— 36. ἦν ἔδωκας τοῖς π. ἡμῶν (1 a)  
13. 18. οὐχὶ οὗτως ἐποίησαν οἱ π. ὑμῶν (1 a)  
To. 1. 4. πᾶσα φυλὴ τοῦ Ν. τοῦ π. μου  
— 4. Β ἀπὸ τοῦ οἴκου Δ. τοῦ π. μου [Α Β α.]  
— 5. ὁ οἶκος Ν. τοῦ π. μου  
— 8. ἡ μήτηρ τοῦ π. μου [B α.]  
— 8. ὁρφανὸς κατελείφθην ὑπὸ τοῦ π. μου [B α.]  
2. 3. Β λέγει, Πάτερ  
— 3. εἰπε, Πάτερ  
3. 3. τοῖς ἀνομήμασι μου καὶ τὸν π. μου  
— 5. Α Β Β<sup>3</sup> καὶ τὸν π. μου  
— 7. ὑπὸ παιδικῶν πατρὸς αὐ. [Α Β α.]  
— 10. Β εἰς τὸ ὑπερόν τοῦ π. αὐ.  
— 10. Β μὴ ποτε ἀνεδίωξεν τὸν π. μου  
— 10. μία μὲν εἰμι τῷ π. μου [B α.]  
— 10. Β τὸ γῆρας τοῦ π. μου [Α Β γ. αὐτοῦ]  
— 15. οὐδὲ τὸ ὄνομα τοῦ π. μου  
— 15. μονογενὴς εἰμι τῷ π. μου  
4. 12. Α Β ἀπὸ τοῦ σπέρματος τὸν π. σου  
— 12. Α Β ἐκ τῆς φυλῆς τοῦ π. σου  
— 12. Α Β οἱ π. ἡμῶν ἀπὸ τοῦ αἵματος  
5. 1. Β εἶπεν Τ. τῷ π. αὐτοῦ [Α Β α.]  
— 1. πᾶτερ, ποιήσω πάντα  
— 7. ἐρῶ [B ὑποδείξω] τῷ π. μου  
— 8. εἰπε τῷ π. [B α.]  
— 9. Β ὁ π. καλεῖ σε  
— 16. Α Β εἶπεν αὐτῷ ὁ π. αὐτοῦ  
— 16. Β ἐφίλησεν τὸν π. αὐτοῦ  
6. 11. Β τὰ ὄντα τῷ π. αὐτῆς  
— 12. Β καὶ ὁ π. αὐτῆς καλός  
— 12. λαλήσω τῷ π. αὐ.  
— 14. μόνος [B μονογενὴς] εἰμι τῷ π.  
— 14. κατέξω τὴν ζῶν τοῦ π. μου  
— 15. ὡν ἐντελειάσθαι σοὶ ὁ π. σου [B α.]  
— 15. Β ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ π. [Α Β ἐκ τοῦ γένους] σου  
— 17. Β ἐκ τοῦ σπέρματος τοῦ οἴκου τοῦ π. αὐ.  
7. 5. πατήρ [B ὁ π.] μου ἐστὶ  
— 7. Β ὁ τοῦ καλοῦ καὶ ἀγαθοῦ π. [Α Β α.]  
— 13. ἅπαντα πρὸς τὸν π. σου  
8. 5. ὁ θεὸς τὸν π. ἡμῶν  
— 21. πορεύσθαι . . . πρὸς τὸν π. [B α.]  
— 21. Β ἐγὼ σου ὁ π.  
9. 4. ὁ π. μου ἀριμύτις τὰς ἡμέρας [B α.]  
— 6. Β καὶ τῇ γυναικὶ σου καὶ τῷ π. σου  
10. 1. Τ. ὁ π. αὐτοῦ ἐλογίσαστο [B α.]  
— 8. ὁ π. μου καὶ ἡ μήτηρ μου  
— 8. Β ἀξίω σε, πᾶτερ  
— 8. Β ὅπως . . . πορευθῶ πρὸς τὸν π. μου  
— 9. ἐξαποστελῶ πρὸς τὸν π. σου [B α.]  
— 10. ἐξαποστελλῶ με πρὸς τὸν π. μου [B α.]  
11. 2. πῶς ἀφῆκας τὸν π. σου  
— 6. εἰπε τῷ π. αὐτοῦ  
— 7. Β πρὸ τοῦ ἐγγίσιαι αὐτὸν πρὸς τὸν π.  
— 7. ἀνίξει τοὺς ὀφθ. ὁ π. σου [B α.]  
— 8. Β ἀναβλέψει ὁ π. σου  
— 11. ἐπελάβετο τοῦ π. αὐτοῦ [B α.]  
— 11. ἐπὶ [Α εἰς] τοὺς ὀφθ. τοῦ π. αὐτοῦ [B α.]  
— 11. ὁράσει, πᾶτερ  
To. 11. 15. ἀπήγγειλε τῷ π. αὐτοῦ [B α.]  
— 17. ὁ π. σου καὶ ἡ μήτηρ σου [B α.]  
12. 2. καὶ εἶπε, Πάτερ  
13. 4. αὐτὸς πατήρ [Α ὁ π.] ἡμῶν  
14. 12. ἔδωκεν αὐτὴν μετὰ τοῦ π. αὐ.  
— 13. τὴν οὐσίαν [B οἰκίαν] . . . τοῦ π. αὐτοῦ  
Ju. 6. 7. ἀκολουθήσαν τοῖς θεοῖς τὸν π. αὐ.  
7. 28. καὶ κύριον πατέρων ἡμῶν  
— 28. κατὰ τὰ ἁμαρτήματα τὸν π. ἡμῶν  
8. 3. ἔδωκεν αὐτὸν μετὰ τὸν π. αὐτοῦ  
— 19. ἐδόθησαν εἰς ῥομφαίαν . . . οἱ π. ἡμῶν  
— 25. δε πειρίζει ἡμᾶς καθὰ καὶ τοὺς π. ἡμῶν  
9. 2. κύριε ὁ θεὸς τοῦ π. μου Σ.  
— 12. ὁ θεὸς [B θεῖ] τοῦ π. μου  
10. 8. ὁ θεὸς τὸν π. ἡμῶν  
Es. 2. 7. θυγάτηρ Ἀμ. ἀδελφὸς πατρὸς αὐτοῦ (4)  
— 15. Α Β Β<sup>3</sup> τῆς θυγατρὸς Ἀμ. ἀδελφῷ πατρὸς Μ. (4)  
3. 13. τοῦ τεταγμένου . . . καὶ δευτέρου π. ἡμῶν  
4. 14. σὺ δὲ καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1 a)  
— 17. Α ἴκονον, κύριε, τοῦ π. μου [B B α.]  
— 17. ἔλαβες . . . τοὺς π. ἡμῶν  
8. 13. ὥστε ἀναγορεύεσθαι ἡμῶν πατέρα  
Jb. 8. 8. ἐξίχνισον δὲ κατὰ γένος πατέρων (1 a)  
15. 10. βαρύτερος [Α<sup>3</sup> πρσιβύτερος] τοῦ π. σου ἡμέρας (1 a)  
— 18. Α Β οὐκ ἐκρύψαν πατέρες [B B -as] αὐ. (1 a)  
17. 14. θάνατον ἐπεκαλεσάμην πατέρα μου εἶναι (1 a)  
29. 16. ἐγὼ ἤμην πατήρ ἀδυνάτων (1 a)  
30. 1. ὡν ἐξουσίον τοὺς π. αὐτῶν (1 a)  
31. 18. ἐκ νεότητος μου ἐξέτρεφον ὡς πατήρ (1 a)  
38. 28. τίς ἐστὶν ὑετοῦ πατῆρ  
42. 15. ἔδωκε δὲ αὐταῖς ὁ π. κληρονομίαν  
— 17. ἦν δὲ αὐτὸς πατὴρ μὲν Ζαρί  
— 17. Α ἦν δὲ ὁ π. αὐτοῦ Ζαρίβ  
Ps. 21 (22). 4. ἐπὶ σοὶ ἤλπισαν οἱ π. ἡμῶν (1 a)  
26 (27). 10. ὅτι ὁ π. μου καὶ ἡ μήτηρ μου ἐγκατελείπον με (1 a)  
38 (39). 12. καθὼς πάντες οἱ π. μου (1 a)  
44 (44). 1. οἱ π. ἡμῶν ἀνήγγειλαν ἡμῖν ἔργον (1 a)  
44 (45). 10. ἐπιλάθω . . . τοῦ οἴκου τοῦ π. σου (1 a)  
— 16. ἀπὸ τῶν π. σου ἐγενήθησαν οἱ υἱοί (1 a)  
48 (49). 19. ἐισελύσεται ἕως γενεᾶς πατέρων αὐτοῦ (1 a)  
67 (68). 5. τοῦ π. τῶν ὀρφανῶν καὶ κριτοῦ τῶν χρηρῶν (1 a)  
77 (78). 3. οἱ π. ἡμῶν διηγέσαντο ἡμῖν  
— 5. Β Β<sup>3</sup> ὃν ἐντελειάτω [B<sup>3</sup> ἔθετο] τοῖς π. ἡμῶν (1 a)  
— 8. ἡμᾶς γένωνται ὡς οἱ π. αὐτῶν (1 a)  
— 12. ἐναντίον τῶν π. αὐτῶν δ' ἐποίησε θαυμάσια (1 a)  
— 57. καθὼς καὶ οἱ π. αὐτῶν (1 a)  
88 (89). 26. πατήρ μου εἰ σύ (1 a)  
94 (95). 9. Α Β Β<sup>3</sup> οὐ ἐπείρασεν [B<sup>3</sup> ἐπ. με] οἱ π. ἡμῶν (1 a)  
102 (103). 13. καθὼς οἰκτερεῖ πατήρ υἱοὺς (1 a)  
105 (106). 6. ἡμᾶς τομεν μετὰ τῶν π. ἡμῶν (1 a)  
— 7. οἱ π. ἡμῶν ἐν Λιγυρίῃ (1 a)  
108 (109). 14. ἀναμνησθεὶς ἡ ἀνομία τῶν π. αὐτοῦ ἐναντίον κυρίου (1 a)  
151. 1. καὶ νεώτερος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. μου ἐποίμαινον τὰ πρόβατα τοῦ π. μου  
— 4. ἡρέ με ἐκ τῶν προβάτων τοῦ π. μου  
Pr. 1. 8. ἀκούε, υἱέ, παιδείαν [Α Β νόμους] πατρὸς σου (1 a)  
4. 1. ἀκούσασθε παῖδες παιδείαν πατρὸς (1 a)  
— 3. υἱὸς γὰρ ἐγενόμην κατὰ πατρί ὑπήκοος (1 a)  
6. 20. φύλασσε νόμον πατρὸς σου (1 a)  
10. 1. υἱὸς σοφίης εὐφραίνει πατέρα (1 a)  
13. 1. υἱὸς πανούργους ὑπὸς πατρί [B<sup>3</sup> μητρί] (1 a)  
15. 5. ἄφρων μυκτηρίζει παιδίαν πατρὸς (1 a)  
— 20. υἱὸς σοφίης εὐφραίνει πατέρα (1 a)  
17. 6. κούχημα δὲ τέκνων πατέρων αὐτῶν (1 a)  
— 21. οὐκ εὐφραίνεται πατήρ ἐφ' υἱὸν ἀπαίδευτον (1 a)  
— 25. ὀργὴ πατρί υἱὸς ἄφρων (1 a)  
19. 13. αἰσχύνει πατρί υἱὸς ἄφρων (1 a)  
— 14. οἶκον καὶ ὑπαρξίαν μερίζουσι πατέρες παῖσι (1 a)  
— 20. ἴκουε, υἱέ, παιδείαν πατρὸς σου (1 a)  
— 26. ὁ ἀτίμωτος πατέρα (1 a)  
— 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάσσει παιδείαν πατρὸς (1 a)  
30. 20. κακολογούντος πατέρα ἢ μητέρα (1 a)  
22. 28. ἀ ἔθετο οἱ π. σου (1 a)  
Pr. 23. 10. Α δ' ἔθετο οἱ π. σου  
— 22. ἀκούε, υἱέ, πατὴρ τοῦ γεννησάντός σε (1 a)  
— 24. καλὸς ἐκτρέφει πατήρ δίκαιος (1 a)  
— 25. εὐφραίνεται ὁ π. καὶ ἡ μήτηρ ἐπὶ σοί (1 a)  
24. 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρτάται (1 a)  
— 52 (30. 17). ὀφθαλμὸν καταγελῶντα πατὴρ (1 a)  
28. 7. δε δὲ ποιμαίνει ἀσώτῃαν ἀτιμάζει πατέρα (1 a)  
— 24. δε ἀποβάλλεται [Α -βιάζεται] πατέρα  
29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται πατήρ [Α Β<sup>3</sup> ὁ π.] αὐτοῦ (1 a)  
Ca. 5. 1. Β ἡ νύμφη αἰτεῖται τὸν π.  
Wi. 2. 16. ἀλαζονεύεται πατέρα θεόν  
9. 1. θεὸς πατέρων καὶ κύριε τοῦ ἐλέους σου  
— 12. ἴσομαι ἀξίος θρόνων πατρὸς μου  
10. 1. αὕτη πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου . . . διεφύλαξε  
11. 10. τοῦτους μὲν γὰρ ὡς πατήρ νοουθετῶν ἐδοκίμασας  
12. 6. διὰ χειρῶν πατέρων ἡμῶν  
— 21. ὡν τοῖς π. ὄρκους καὶ συνθήκας ἔδωκας  
14. 3. ἡ δὲ σὴ, πᾶτερ, διακυβερνᾷ πρόνοια  
— 15. ὥσπερ γὰρ πνέει τρυφόμενος πατήρ  
18. 6. ἐκείνη ἡ νύξ προγενέσθη πατρίσιν ἡμῶν  
— 9. πατέρων [B<sup>3</sup> πατέρ] ἤδη προαναμελπούτων [Α Β<sup>3</sup> -οντες] αἰώνος  
— 22. ὄρκους πατέρων καὶ διαθήκας ὑπομνήσας  
— 24. πατέρων δόξα ἐπὶ τετραστίχου λίθου [Α -ων] γλυφῆς [B<sup>3</sup> -ῇ]  
Si. 8. 1. ἐμού τοῦ π. ἀκούσας, τέκνα  
— 2. ὁ γὰρ κύριος ἐδόξασε πατέρα ἐπὶ τέκνοισι  
— 3. ὁ τιμὴν πατέρα ἐξιλίσσεται ἁμαρτίας  
— 5. ὁ τιμὴν πατέρα ἐφθάρνησται ὑπὸ τέκνων [Α ἐπὶ τέκνοισι]  
— 6. ὁ δοξάζων πατέρα μακροημερεύσει  
— 8. ἐν ἔργῳ καὶ λόγῳ τίμα τὸν π. σου  
— 9. εὐλογία γὰρ πατὸς στήριζει οἶκον τέκνων  
— 10. Β μὴ δοξάζου ἐν ἀτιμῇ πατὸς σου οὐ γὰρ ἔστι σοι δόξα πατὸς ἀτιμῇ [Α Β Β α.]  
— 11. ἡ γὰρ δόξα ἀνθρώπου ἐκ τιμῆς πατρὸς αὐτοῦ  
— 12. τέκνον, ἀντιλαβὸν ἐν γῆρᾳ πατὸς σου  
— 14. ἐλεημοσύνη γὰρ πατέρων [B<sup>3</sup> π. σου] οὐκ ἐπιλησθήσεται  
— 16. ὡς βλάσφημος ὁ ἐγκαταλιπὼν πατέρα  
4. 10. γίνου ὀρφανός ὡς πατήρ  
7. 27. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ [Α δυνάμει σου] δόξασον τὸν π. σου  
8. 9. καὶ γὰρ αὐτοὶ ἔμαθον παρὰ τῶν π. αὐτῶν  
22. 3. αἰσχύνει πατὸς ἐν γενίσει ἀπαιδευτοῦ  
— 5. πατέρα καὶ ἄνδρα κατασχέσει ἡ θρασύεια [Α θρησκεία]  
23. 1. κύριε πᾶτερ καὶ δέσποτα [Α πατήρ καὶ θεός] ζῶης μου  
— 4. κύριε πᾶτερ καὶ θεῖ [ζῶης μου]  
— 14. μῆσθητι πατὸς [Α Β π. σου] καὶ μητρὸς σου  
30. 4. ἐτελεύτησεν αὐτοῦ ὁ π.  
31 (34). 20. ὄνον υἱὸν ἔθαντι τοῦ [B om.] π. αὐτοῦ  
38. 23. Β<sup>3</sup> ἐν ἐξῴδῳ πατέρων [Α Β Β<sup>3</sup> πνεύματος] αὐ.  
41. 7. πατρί ἀσβεβὴ μὲνεται τέκνα  
— 17. αἰσχύνει ἀπὸ πατρὸς καὶ μητρὸς  
42. 9. θυγάτηρ πατρί ἀπὸκρυφὸς ἀγρυπνία  
44. 1. πατέρων ὕμνος  
— 1. αἰνέσωμεν . . . τοὺς π. ἡμῶν τῇ γενέσει  
— 19. Ἀβραὰμ μέγας πατήρ πλήθους ἐθνῶν  
— 22. ἔστησεν οὕτως διὰ Ἀβραὰμ τὸν π. αὐτοῦ  
47. 23. ἀπεαύσαστο Σαλωμὼν μετὰ τῶν π.  
48. 10. ἐπιστρέψαι καρδίαν πατὸς πρὸς υἱόν  
— 22. ἐνίσχυεν ἐν ὁδοῖς Δαυὶδ τοῦ π. αὐτοῦ  
51. 10. ἐπεκαλεσάμην κύριον πατέρα κυρίου μου  
Ho. 9. 10. ὡς σκοπὸν . . . εἶδον πατέρας αὐ. (1 a)  
Am. 2. 4. οἱς ἐξηκολούθησαν οἱ π. αὐ. (1 a)  
— 7. υἱὸς καὶ πατήρ αὐ. εἰσπορεύονται πρὸς τὴν αὐτὴν παιδείαν (1 a)  
Mi. 7. 6. υἱὸς ἀτιμάζει πατέρα (1 a)  
— 20. καθὼς ἄμωσας τοῖς π. ἡμῶν (1 a)  
Jl. 1. 3 (2). ἡ ἐν ταῖς ἡμέραις τῶν π. ὑμῶν  
Za. 1. 2. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ τοὺς π. ὑμῶν (1 a)  
— 4. μὴ γίνεσθε καθὼς οἱ π. ὑμῶν (1 a)  
— 5. οἱ π. ὑμῶν πού εἰσι  
— 6. οἱ κατελάβοντες τοὺς π. ὑμῶν (1 a)  
8. 14. ἐν τῷ παροργίσαι με τοὺς π. ὑμῶν  
13. 3. ἐρεῖ πρὸς αὐτὸν ὁ π. αὐ. (1 a)  
— 3. συμποδοῦσιν αὐτὸν ὁ π. αὐ. καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (1 a)  
Ma. 1. 6. υἱὸς δοξάζει πατέρα (1 a)  
— 6. εἰ πατήρ εἰμι ἐγὼ (1 a)  
2. 10. οὐχὶ πατήρ εἰς πάντων ὑμῶν (1 a)



- Ma. 2. 10. τοῦ βεβηλώσαν τὴν διαθήκην τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 3. 7. ἀπὸ τῶν ἀδικούντων τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 4. 6 (3. 24). ἀποκαταστήσει καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν (1a)  
 15. 3. 6. ἐπιλήψεται . . . τοῦ οἰκίου τοῦ π. αὐ. (1a)  
 14. 21. σφραγίσαι τὰς ἀμαρτίας τοῦ π. αὐτῶν (1a)  
 8. 4. πρὶν ἢ γυνῶνα τὸ παιδίον καλεῖν πατέρα (1a)  
 9. 6 (5). ΔΒ<sup>1</sup> π. τοῦ μέλλοντος αἰῶνος (1a)  
 17. 11. ὡς π. ἀνθρώπου κληροσφί τοῖς υἱοῖς σου † (1a)  
 22. 21. ἵσταται ὡς π. τοῖς ἐνοικοῦσιν ἐν Ἱερ. (1a)  
 — 23. εἰς θρόνον δόξης τοῦ οἴκου τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 24. πᾶς ἐνδοξος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 33. 22. Δ<sup>2</sup> κύριος π. — (1a)  
 37. 12. οὐς ἀπέλευσαν οἱ π. μου (1a)  
 38. 5. ταῦτε λέγει κύριος ὁ θεὸς Δαυὶδ τοῦ π. σου (1a)  
 — 8. κατεβίβη τοὺς δέκα ἀναβιβασμούς τοῦ οἴκου τοῦ πατρὸς σου ὁ ἥλιος — (1a)  
 39. 6. ὅσα συνήγαγον οἱ π. σου (1a)  
 43. 21. οἱ π. ἡμῶν πρῶτος (1a)  
 45. 10. ὁ λέγων τῷ π. Τί γεννήσεις (1a)  
 51. 2. ἐμβλέψατε εἰς Ἀβραάμ τὸν π. ἡμῶν (1a)  
 58. 14. ψαμμί σε τὴν κληρονομίαν Ἱ. τοῦ π. σου (1a)  
 63. 16. οὗ γὰρ εἰ π. ἡμῶν . . . σὺ κύριε [B add. οἱ π. ἡμῶν] (1a, 1a)  
 64. 8 (7). π. ἡμῶν πρὸς ἡμᾶς δὲ πηλὸς — 11 (10). ἡν ἐμύλησαν οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 65. 7. τὰς ἀμαρτίας αὐτῶν καὶ τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 Je. 2. 5. τί ἔντροσαν οἱ π. ἡμῶν ἐν ἐμοὶ πλημμέλημα (1a)  
 — 27. π. μου εἰ σύ (1a)  
 3. 4. οὐχ ὡς οἶκόν με ἐκάλεσας καὶ πατέρα (1a)  
 — 18. ἡν κατεκληρονόμησα τοὺς π. αὐ. [A B<sup>1</sup> al.] (1a)  
 — 19. εἰπα, Πάτέρα καλέσέ με [A B al.] (1a)  
 — 24. κατηράλυσεν τοὺς μύχθους τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 25. ἡμάρτην ἡμᾶς καὶ οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 6. 21. ἀσθενήσουσι πατέρες καὶ υἱοὶ ἅμα (1a)  
 7. 7. ἐν γῇ ᾗ ἔδωκα τοῖς π. ἡμῶν (1a)  
 14. φ. ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 — 18. οἱ π. αὐτῶν καίνοσι πῦρ (1a)  
 — 22. οὐκ ἐλάλησα πρὸς τοὺς π. ὑμῶν (1a)  
 — 25. ἐξήλθοσαν οἱ π. αὐ. ἐκ γῆς Αἰγ. (1a)  
 — 26. ἐσκαλῆρναν τὸν τράχηλον αὐτῶν ὑπὲρ τοὺς π. αὐτῶν (1a)  
 9. 14 (13). δ. ἐδίδασκεν αὐτοὺς οἱ π. αὐτῶν (1a)  
 — 16 (15). οὐκ ἐγίνωσκον αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐ. (1a)  
 11. 4. ἡς ἐνετελείμην τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 — 5. ὃν ἔδωκα τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 — 10. ἐπεστρέψατον ἐπὶ τὰς ἀδικίας τῶν π. αὐ. . . ἡν διεβίμην πρὸς τοὺς π. αὐ. (1a, 1a)  
 12. 6. ὁ οἶκος τοῦ π. σου (1a)  
 13. 14. διασκοπῶ . . . τοὺς π. αὐτῶν (1a)  
 14. 20. ἔγνωμεν . . . ἀδικίας πατέρων ἡμῶν (1a)  
 16. 3. περὶ τῶν π. αὐ. τῶν γεγεννηκότων αὐτοῦς (1a)  
 — 7. εἰς παράκλησιν ἐπὶ πατρί (1a)  
 — 11. ἐγκατελιπόν με οἱ πατέρες ὑμῶν (1a)  
 — 12. ἐπονηρευσάσθε [B<sup>1</sup> οὐκ ἐπονηρευσάσθε] ὑπὲρ τοὺς π. ὑμῶν (1a)  
 — 13. ἡν οὐκ ᾔδειτε ὑμῖς καὶ οἱ π. ὑμῶν (1a)  
 — 15. ἡν ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 19. ὡς ψευδὴ ἐκτίσαντο οἱ π. ἡμῶν εἰδωλα (1a)  
 17. 22. καθὼς ἐνετελείμην τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 — 23. ἐσκαλῆρναν τὸν τράχηλον αὐτῶν ὑπὲρ τοὺς π. αὐτῶν — (1a)  
 18. 23. ΔΒ τὰς ἀμαρτίας τῶν π. [B om. τ. π.] αὐτῶν . . . μὴ ἐξαλειψῇς † (1a)  
 19. 4. οἷς οὐκ ᾔδεισαν αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐτῶν (1a)  
 20. 15. ὁ εὐαγγελιστάς μου τῷ π. μου (1a)  
 22. 11. τὸν βασιλεύοντα ἀντὶ Ἱ. τοῦ π. αὐ. (1a)  
 — 15. παροξύνει ἐν Ἀχαζ τῷ π. σου (1a)  
 23. 27. ἐπελάθοιτο οἱ π. αὐτῶν τὸ ὄνοματός μου (1a)  
 — 39. ἡν ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 25. 5. ἡς ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 27 (50). 7. τῷ συναγαγόντι τοὺς π. αὐτῶν (1a)  
 29 (47). 3. οὐκ ἐπέστρεψαν πατέρες ἐφ' υἱούς αὐτῶν (1a)  
 37 (80). 3. ἡν ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 38 (81). 9. ἐγενόμην τῷ Ἰσραὴλ εἰς πατέρα (1a)  
 — 29. οἱ π. ἔφαγον δῆφρακα (1a)  
 — 32. ἡν διεβίμην τοῖς π. αὐτῶν [B ὑμῶν] (1a)  
 39 (32). 7, 8. Ἀναμὴλ υἱὸς Σαλώμ ἀδελφοῦ πατρὸς (4)  
 Je. 39. 9, 12. Ἀνιμὴλ υἱὸς ἀδελφοῦ πατρὸς μου (4)  
 — 18. ἀποδοῖς ἀμαρτίας πατέρων εἰς κόλπους τέκνων αὐτῶν (1a)  
 — 22. ἡν ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 — 32. Δ αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐ. [B om. κ. οἱ π. αὐ.] — (1a)  
 41 (34). 5. ὡς ἔλασαν τοὺς π. σου (1a)  
 — 13. διεβίμην διαθήκην πρὸς τοὺς π. ὑμῶν (1a)  
 42 (35). 6. Ἱων. υἱὸς Ἐρχαβὶ δ. π. ἡμῶν (1a)  
 — 8. ἡκούσαμεν τῆς φωνῆς Ἱ. τοῦ π. ἡμῶν (1a)  
 — 10. δ. ἐνετείλατο ἡμῖν Ἰωνάδὰβ δ. π. ἡμῶν (1a)  
 — 15. ἡς ἔδωκα ὑμῖν καὶ τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 — 16. ἔστησαν . . . τὴν ἐντολήν τοῦ π. αὐτῶν (1a)  
 — 18. ἡκούσαν . . . τὴν ἐντολήν [B om. τ. ἐ.] τοῦ π. αὐτῶν ποιῶν καθότι ἐνετείλατο αὐτοῖς δ. π. αὐ. (1a, —)  
 51 (44). 9. μὴ ἐπιλέλησθε ὑμῖς τῶν κακῶν [A ἔργων] τῶν π. ὑμῶν (1a)  
 — 10. ὃν ἔδωκα κατὰ πρόσωπον τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 — 17. καθὰ ἐποίησαμεν ἡμῖς καὶ οἱ π. ἡμῶν (1a)  
 — 21. ἐθυμώσατε . . . ὑμῖς καὶ οἱ π. ὑμῶν (1a)  
 Ba. 1. 16. αἰσχύνει . . . τοὺς π. ἡμῶν (1a)  
 — 19. ἐξήγαγε κύριος τοὺς π. ἡμῶν ἐκ γῆς Αἰγύπτου (1a)  
 2. 6. ἡμῖν δὲ καὶ τοῖς π. ἡμῶν ἡ αἰσχύνει (1a)  
 — 19. οὐκ ἐπὶ τὰ δικαιώματα τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 21. τὴν γῆν ἣν δέδωκα τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 — 24. τοῦ ἐξενεχθῆναι . . . τὰ δὲ τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 — 33. μνησθήσονται τῆς ὁδοῦ πατέρων αὐτῶν (1a)  
 — 34. εἰς τὴν γῆν ἣν ἔδωκα τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 3. 5. μὴ μνησθῆς ἀδικιών πατέρων ἡμῶν (1a)  
 — 7. ἀπεστρέψαντες . . . πᾶσαν ἀδικίαν πατέρων ἡμῶν (1a)  
 — 8. κατὰ πάσας τὰς ἀδικίας πατέρων ἡμῶν (1a)  
 La. 5. 3. οὐχ ὑπάρχει π. (1a)  
 — 7. οἱ π. ἡμῶν ἡμαρτον (1a)  
 Ez. 2. 3. παρκαίνομαι με αὐτοὶ καὶ οἱ π. αὐτῶν (1a)  
 5. 10. πατέρες φάγονται τέκνα ἐν μέσῳ σου καὶ τέκνα φάγονται πατέρας (1a, 1a)  
 16. 3. δ. π. σου Ἀμορραῖος (1a)  
 — 45. δ. π. ὑμῶν Ἀμορραῖος (1a)  
 18. 2. οἱ π. ἔφαγον δῆφρακα (1a)  
 — 4. ὃν τρόπον ἡ ψυχὴ τοῦ π. (1a)  
 — 11. ἐν τῇ ὁδῷ τοῦ π. αὐτοῦ τοῦ δικαίου † (1a)  
 — 14. ἰδὲ πάσας τὰς ἀμαρτίας τοῦ π. αὐτοῦ (1a)  
 — 17. οὐ τέλειοντες ἐν ἀδικίαις πατρὸς αὐτοῦ (1a)  
 — 18. ὁ δὲ π. αὐτοῦ ἔαν θλίψει θλίψῃ (1a)  
 — 19. οὐκ ἔλαβεν τὴν ἀδικίαν ὁ υἱὸς τοῦ π. [A δ. υἱ. π. αὐτοῦ] (1a)  
 — 20. ὁ δὲ υἱὸς οὐ λήγεται τὴν ἀδικίαν τοῦ π. οὐδὲ δ. [A om.] π. λήγεται τὴν ἀδικίαν τοῦ υἱοῦ (1a, 1a)  
 20. 4. τὰς ἀνομίας τῶν π. αὐτῶν (1a)  
 — 18. ἐν τοῖς νομίμοις τῶν π. ὑμῶν (1a)  
 — 24. ὅπως τῶν ἐνθυμημάτων τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 27. παρώργισάν με οἱ π. ὑμῶν (1a)  
 — 30. ἐν ταῖς ἀνομίαις τῶν π. ὑμῶν (1a)  
 — 36. διεκρίθη πρὸς τοὺς π. ὑμῶν (1a)  
 — 42. τοῦ δοῦναι αὐτῇ τοῖς π. ὑμῶν [A al.] (1a)  
 22. 7. πατέρα καὶ μητέρα ἐκακολόγησεν ἐν σοὶ (1a)  
 — 10. αἰσχύνειν πατρός ἀπεκάλυψαν ἐν σοὶ (1a)  
 — 11. ἕκαστος τὴν ἀδελφὴν αὐτοῦ θυγατέρα τοῦ π. αὐτοῦ ἐταπείνουν ἐν σοὶ (1a)  
 28. 26. ἐγὼ εἰμι . . . ὁ θεὸς τῶν π. αὐτῶν — (1a)  
 36. 28. ἡς ἔδωκα τοῖς π. ὑμῶν (1a)  
 37. 25. οὐ κατήκουσεν ἐκεῖ οἱ π. αὐτῶν (1a)  
 44. 25. ἐπὶ πατρί . . . μανθιύσεται (1a)  
 47. 14. τοῦ δοῦναι τοῖς π. αὐτῶν (1a)  
 Da. LXX. Su. 30. ὡς δὲ παρεγενήθη ἡ γυνὴ σὺν τῷ π. ἐάντης (1b)  
 2. 23. κύριε τῶν π. μου (1b)  
 3. (26). κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν — (28). ἐπὶ τὴν πόλιν σου τὴν ἁγίαν τὴν τῶν π. ἡμῶν Ἱ. (1b)  
 — (52). κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν (1b)  
 5. 2. δ. ἔφηγε Ναβ. δ. π. αὐ. (1b)  
 — 12 (11). ἐν ταῖς ἡμέραις τοῦ π. σου τοῦ βασι. (1b)  
 — 12 (11). συγκριμὰ ὑπερέκειν ὑπέδειξε Ναβ. τῷ π. σου (1b?)  
 9. 6. οἱ ἐλάλουν . . . ἐπὶ τοὺς . . . π. ἡμῶν (1a)  
 — 8. καὶ δυστάτας καὶ τοῖς π. ἡμῶν (1a)  
 — 16. ἐν ταῖς ἀγνοίαις τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 11. 24. ὅσα οὐκ ἐποίησαν οἱ π. αὐ. οὐδὲ οἱ π. τῶν π. αὐ. (1a ter)  
 — 37. ἐπὶ τοὺς θεοὺς τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 38. ὃν οὐκ ἐγνώσαν οἱ π. αὐ. (1a)  
 Da. Th. 2. 23. σοὶ, ὁ θεὸς τῶν π. μου (1b)  
 3. (26). κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν — (52). κύριε ὁ θεὸς τῶν π. ἡμῶν (1b)  
 5. 2. δ. ἔφηγε Ναβ. δ. π. αὐ. (1b)  
 — 11. ἐν ταῖς ἡμέραις τοῦ π. σου (1b)  
 — 11. ὁ βασι. Ναβ. δ. π. σου . . . κατέστησεν αὐτόν [A add. δ. π. σου ὁ βασι.] (1b, 1b)  
 — 13. ἡς ἔφαγεν ὁ βασι. δ. π. μου (1b)  
 — 18. τὴν δόξαν ἔδωκε Ναβ. τῷ π. σου (1b)  
 9. 6. οἱ ἐλάλουν . . . πρὸς τοὺς . . . πατέρας ἡμῶν (1a)  
 — 8. ἡμῖν ἡ αἰσχύνει . . . καὶ τοῖς π. ἡμῶν (1a)  
 — 16. ἐν ταῖς ἀδικίαις ἡμῶν καὶ τῶν π. ἡμῶν (1a)  
 11. 24. δ. οὐκ ἐποίησαν οἱ π. αὐ. καὶ οἱ π. τῶν π. αὐ. (1a ter)  
 — 37. ἐπὶ πάντας θεοὺς [B<sup>1</sup> πάντες θ.] τῶν π. αὐ. (1a)  
 — 38. ὃν οὐκ ἐγνώσαν οἱ π. αὐ. (1a)  
 Bel. 1. προστεθὴ πρὸς τοὺς π. αὐ. — (1a)  
 I Ma. 2. 19. ἀποστάντων ἑκάστος ἀπὸ λατρείας πατέρων αὐ. — (1a)  
 — 20. πορευόμεθα ἐν διαθήκῃ πατέρων ἡμῶν — (1a)  
 — 50. δότε τὰς ψυχὰς ὑμῶν ὑπὲρ διαθήκης πατέρων ἡμῶν — (1a)  
 — 51. μνησθῆτε τῶν π. ἡμῶν τὰ ἔργα — (1a)  
 — 54. Φινεὺς ὁ π. ἡμῶν — (1a)  
 — 65. ΔΒ αὐτοὶ ἡμῖν ἵσταται εἰς πατέρα [B ἔ. ὑμῶν πατήρ] — (1a)  
 — 69. προστεθὴ πρὸς τοὺς π. αὐ. — (1a)  
 — 70. ἐν τάφοις πατέρων αὐ. — (1a)  
 3. 2. ὅσοι ἐκολλήθησαν τῷ π. αὐ. — (1a)  
 4. 9. ἐσώθησαν οἱ π. ἡμῶν — (1a)  
 — 10. καὶ μνησθήσεται διαθήκης πατέρων — (1a)  
 6. 23. δουλεύειν τῷ π. σου — (1a)  
 7. 2. εἰς οἶκον βασιλείας πατέρων αὐ. — (1a)  
 9. 19. ἐν τῷ τάφῳ τῶν π. αὐ. — (1a)  
 10. 52. ἐπὶ ὁρόντων πατέρων μου — (1a)  
 — 55. εἰς γῆν πατέρων σου — (1a)  
 — 67. εἰς τὴν γῆν τῶν π. αὐτοῦ — (1a)  
 — 72. δις ἐτροπώθησαν οἱ π. σου — (1a)  
 11. 9. βασιλεύσεις τῆς βασι. τοῦ π. σου — (1a)  
 — 32. βασιλεὺς Δ. θασθένει τῷ π. χαίρειν — (1a)  
 — 38. πᾶσαι αἱ δυνάμεις αἱ ἀπὸ τῶν π. — (1a)  
 — 40. ὅπως βασιλεύῃ ἀντὶ τοῦ π. αὐ. — (1a)  
 12. 28. B Ἱων. καὶ οἱ π. [A B παρ'] αὐτοῦ — (1a)  
 13. 3. ἐγὼ καὶ οἱ ἀδ. μου καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. μου — (1a)  
 — 25. ἐν Μ. πόλει τῶν π. αὐ. — (1a)  
 — 27. ἐπὶ τὸν τάφον τοῦ π. αὐ. — (1a)  
 — 28. ἔστησαν . . . τῷ π. καὶ τῇ μητρὶ — (1a)  
 14. 26. αὐτοὶ . . . καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. αὐ. — (1a)  
 15. 3. κατεκράτησαν τῆς βασι. τῶν π. ἡμῶν — (1a)  
 — 10. εἰς τὴν γῆν τῶν π. αὐ. — (1a)  
 — 33. ἀλλὰ τῆς κληρονομίας τῶν π. ἡμῶν — (1a)  
 — 34. ἀντεχόμεθα τῆς κληρονομίας τῶν π. ἡμῶν — (1a)  
 16. 1. ἀπήγγειλε Σίμων τῷ π. [B<sup>1</sup> ἀδελφῷ] αὐ. — (1a)  
 — 2. ἐγὼ . . . καὶ ὁ οἶκος τοῦ π. μου — (1a)  
 — 21. ἀπώλετο ὁ π. αὐ. — (1a)  
 — 24. ἀφ' οὗ ἐγενήθη ἀρχιερεὺς μετὰ τὸν π. αὐ. — (1a)  
 II Ma. 1. 19. δεῖ εἰς τὴν Περσικὴν ἡγῶντο ἡμῶν οἱ π. — (1a)  
 — 25. ὁ ποιήσας τοὺς π. ἐκλεκτοὺς — (1a)  
 3. 24. B ὁ τῶν π. κύριος [A al.] — (1a)  
 4. 11. διὰ Ἰωάννου τοῦ π. Εὐπολέμου — (1a)  
 7. 30. τοῦ νόμου τοῦ δοθέντος τοῖς π. ἡμῶν — (1a)  
 8. 15. διὰ τὰς πρὸς τοὺς π. αὐ. διαθήκας — (1a)  
 9. 23. ὁ π. . . ἀνέδειξε τὸν διαδεχόμενον — (1a)  
 11. 23. τοῦ π. ἡμῶν εἰς θεοὺς μεταστάντος — (1a)  
 — 24. τῇ τοῦ π. εἰς τὰ Ἑλληνικά μεταβίσει — (1a)  
 18. 9. τῶν ἐπὶ τοῦ π. αὐ. γεγονότων — (1a)  
 14. 37. πατὴρ τῶν Ἰουδ. προσσηγορευόμενος — (1a)  
 III Ma. 2. 12. θλιβέντων τῶν π. ἡμῶν — (1a)  
 6. 7. ἐλεήμονα θεὸν αὐτῶν καὶ πατέρα — (1a)  
 3. 3. B μερίδος ἡγιασμένης σου λαὸν . . . πᾶτερ [A om.] — (1a)  
 — 8. ἀπήματον πᾶσιν οἰκείοις ἀνδείξας, πᾶτερ — (1a)  
 7. 6. ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱῶν διὰ παντός ὑπερμαχοῦντα — (1a)  
 — 16. εὐχαριστοῦντες τῷ θεῷ τῶν π. αὐ. — (1a)  
 IV Ma. 2. 19. ὁ πάνσοφος ἡμῶν π. Ἱ. — (1a)  
 3. 20. βαθεῖαν εἰρήνην . . . οἱ π. ἡμῶν εἶχον — (1a)  
 5. 37. ἀγνόν με οἱ π. προσδέχονται — (1a)  
 7. 1. ὁ τοῦ π. ἡμῶν Ἑλ. λογισμός — (1a)  
 — 5. τὴν αὐτοῦ διάνοιαν ὁ π. Ἑλ. ἐκτίνας — (1a)  
 — 9. σὺ, πᾶτερ, τὴν εὐνομίαν . . . ἐκίρνωσας — (1a)  
 — 11. ὡς περ γὰρ ὁ π. Ἀ. τῷ θυμιατηρίῳ καθωπλισμένος — (1a)  
 10. 2. ὁ αὐτὸς με τοῖς ἀποθανούσιν ᾤκειρε πατήρ — (1a)  
 13. 12. τίνος πατρὸς χειρὶ σφραγισθήναι — (1a)  
 — 17. καὶ πάντες οἱ π. ἐπαυνοῦσιν — (1a)

iv Ma. 13. 19. ΑΒ ἀπερ ἡ . . . πρόνοια διὰ τῶν [S om.] π. . . ἡμέραις  
 15. 4. Β τὰς μητέρας τῶν π. καθιστάται συμπαθε-  
 σίρας [A B al.]  
 16. 14. Α δὲ πατήρ [S B μήτηρ] . . . στρατιώτῃ  
 — 20. δ π. ἡμῶν ΑΒ ἐσπευδε . . . σφαιμάσαι  
 17. 6. S B ἦν γὰρ ἡ παιδοποιία σου ἀπὸ ΑΒ. τοῦ π.  
 [A παίδες]  
 18. 9. ἐτελεύτησεν ὁ π.  
 — 23. εἰς πατέρων χορὸν συναγελάζονται  
 [Aq. Ge. 87. 2: 47. 6: 50. 2: Lc. 28. 39: Nu. 1. 45, 47: Dt. 18. 8: Jd. 14. 16: III Ki. 6. 1 (15): 8. 1: 14. 15, 20: 15. 24 δις: 22. 47: IV Ki. 5. 13: 9. 28: 17. 15: Jb. 88. 28: Ps. 44 (45). 17: 48 (49). 20: Is. 9. 6 (5): 14. 21: Is. 9. 6 (5): 14. 21: Jb. 84 (41). 5. 14: 35 (42). 14: 44 (61). 3: 50 (27). 7: Ez. 18. 18 (P.): Da. 11. 37.]  
 [Sm. Ge. 25. 8: 87. 2: 47. 6: Lc. 28. 39: Nu. 1. 45, 47: Jd. 14. 16: III Ki. 6. 1 (15): IV Ki. 5. 13: 9. 28: Jb. 15. 18: 88. 28: Ps. 44 (45). 17: 48 (49). 20: Is. 9. 6 (5): 14. 21: 38. 19: Jb. 16. 19: 22. 15: 84 (41). 14: 44 (51). 3 (Sw.): 50 (27). 7: Ez. 18. 18 (P.): [Th. Ge. 86. 24: 87. 2: 47. 6: Lc. 28. 39: Nu. 1. 45, 47: Jd. 6. 25: 8. 32: 14. 16: III Ki. 6. 1 (15): 15. 24 δις: IV Ki. 5. 13: Jb. 15. 10: 88. 28 (P.): Is. 9. 6 (5): 14. 21: Jb. 11. 7: 84 (41). 14: 35 (42). 14: 44 (61). 3: 50 (27). 7: Ez. 18. 18 (P.): Da. 11. 37.]  
 [Heb. Ge. 27. 6.]  
 [Al. Lc. 16. 32: 18. 12, 14: III Ki. 22. 47.]  
 [Sam. Lc. 20. 11, 20.]  
 [Quint. IV Ki. 9. 28.]  
 πατητής, vel πατητός. (1) 𐤒𐤐𐤕  
 Is. 63. 2. τὰ ἐνδομάτῃ σου ὡς ἀπὸ πατητοῦ ληνοῦ  
 πάτωμα (?), vid. sub φάτωμα.  
 πατράδελφος. (1) 𐤒𐤐𐤕  
 Jd. 10. 1. υἱὸς πατράδελφου αὐτοῦ (1)  
 II Ki. 23. 9. Ἐλ. υἱὸς πατράδελφου αὐτοῦ  
 — 24. υἱὸς Δ. πατράδελφου αὐτοῦ (1)  
 I Ch. 27. 32. Ἰαν. ὁ π. Δ. σύμβουλος (1)  
 [Aq. I Ki. 10. 14: Ca. 1. 32: 2. 8: Is. 5. 1.]  
 [Al. Lc. 10. 4: I Ki. 14. 50.]  
 πάτραρχος. (1) 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔  
 Is. 37. 38. ἐν τῷ αὐτῷ προσκυνεῖν ἐν τῷ οἴκῳ  
 Νασαράχ τὸν π. αὐτοῦ (1)  
 [Sm. Is. 8. 21.]  
 πατριά. (1) α. 𐤒𐤐𐤕 δ. 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔 (2) 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔  
 (3) οἶκος πατρίων 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔  
 Ex. 6. 14. ἀρχηγοὶ οἴκων πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 15. αὐταὶ αἱ π. τῶν υἱῶν Συμ. (2)  
 — 17. οἶκοι πατρίων αὐτῶν (3)  
 — 19. οἱ οἶκοι πατρίων Λευί (3)  
 — 25. αὐταὶ αἱ ἀρχαὶ πατριάς Λευιτῶν (1 α)  
 12. 3. κατ' οἶκους πατρίων (1 α)  
 Le. 25. 10. Β ἕκαστος εἰς τὴν π. [A B -ρίδα] αὐ. (2)  
 Nu. 1. 2, 4. κατ' οἶκους πατρίων (1 α)  
 — 16. ἀρχοντες τῶν φυλῶν κατὰ πατριάς (1 α)  
 — 18. κατὰ πατριάς αὐτῶν (1 β)  
 — 20, 22, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 44. κατὰ φυλὴν οἴκων πατριάς (1 α)  
 — 47. Β' ἐκ τῆς φυλῆς [A om.] τῆς [A B' B om.] π. (1 α)  
 2. 2, 32, 34: 8. 15, 20. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 3. 24. ὁ ἀρχὸν οἴκου πατριάς (1 α)  
 — 30. ὁ ἀρχὸν οἴκου πατρίων (1 α)  
 — 35. ΑΒ' B δὲ ἀρχὸν οἴκου πατρίων [B' -ας] (1 α)  
 4. 2. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 4. Α κατ' οἶκους πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 22, 29, 34, 38, 40, 42. κατ' οἶκους πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 44. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 46. κατ' οἶκους πατρίων αὐ. (1 α)  
 7. 2. ἀρχοντες οἴκων πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 18. 3 (2). κατὰ δήμους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 17. 2 (17). κατ' οἶκους πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 2 (17). κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 3 (18). κατὰ φυλὴν οἴκου πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 6 (21). κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 18. 1. Β δὲ οἶκος πατριάς [A B τοῦ πατρός] σου (1 α)  
 25. 14. ἀρχὸν οἴκου πατριάς (1 α)

Nu. 25. 15. οἶκος πατριάς ἐστὶ τῶν Μαδ. (1 α)  
 28. 2. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 55. κατὰ φυλὰς πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 31. 26. οἱ ἀρχοντες τῶν π. τῆς συναγ. (1 α)  
 32. 28. τοὺς ἀρχοντες πατρίων τῶν φυλῶν ἰ. (1 α)  
 33. 54. κατὰ φυλὰς πατρίων ὑμῶν (1 α)  
 34. 14. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 36. 1. Α οἱ ἀρχοντες πατρίων [B om.] φυλῆς (1 α)  
 — 1. ἔναντι τῶν ἀρχόντων οἴκων πατρίων (1 α)  
 — 4. ἀπὸ τῆς κληρονομίας φυλῆς πατριάς ἡ. (1 α)  
 — 7. ἐν τῇ κληρονομίᾳ τῆς φυλῆς τῆς π. (1 α)  
 De. 18. 8. πλὴν τῆς πράσεως τῆς κατὰ πατρίαν (1 α)  
 29. 18 (17). μὴ τίς ἐστὶν ἐν ὑμῖν . . . πατριά (2)  
 Jo. 14. 1. οἱ ἀρχοντες πατρίων τῶν φυλῶν (1 α)  
 19. 51. οἱ ἀρχοντες τῶν [A om.] π. (1 α)  
 21. 1. πρὸς τοὺς ἀρχιφύλους πατρίων (1 α)  
 22. 14. ἀρχων εἰς ἀπὸ οἴκου πατριάς (1 α)  
 — 14. ἀρχοντες οἴκων πατρίων (1 α)  
 — 32. Α οἱ ἀρχοντες τῶν π. [B om. τ. π.] (1 α)  
 II Ki. 14. 7. ἐπανίστη γραμματίων [B -των] (2)  
 III Ki. 4. 6. Ἐλ. υἱὸς Σ. ἐπὶ τῆς π. (1 α)  
 I Ch. 2. 55. Α Β πατριά γραμματίων [B -των] (2)  
 4. 27. πᾶσαι αἱ π. αὐτῶν οὐκ ἐπλεόνασαν (2)  
 — 38. ἐν οἴκῳ πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 6. 7. Α οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ τῆς π. [B -ρίδα] αὐ. (2)  
 — 13. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 15. ἀρχων οἴκου πατρίων (1 α)  
 — 24. οἱ οἱ ἀρχὸν οἴκου πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 24. ἀρχοντες τῶν οἴκων πατρίων αὐ. (1 α)  
 6. 19 (4). αὐταὶ αἱ π. τοῦ Α. κατὰ πατριάς αὐ. (2, 1 α)  
 — 48 (33). κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 54 (39). τοῖς υἱοῖς Α. τῆς π. αὐτῶν (2)  
 — 60 (45). τρισκαίδεκα πόλεις κατὰ πατριάς αὐ. (2)  
 — 61 (46). τοῖς καταλόγοις ἐκ τῶν π. (2)  
 — 62 (47). τοῖς υἱοῖς Γ. κατὰ πατριάς αὐ. (2)  
 — 63 (48). τοῖς υἱοῖς Μ. κατὰ πατριάς αὐ. (2)  
 — 66 (51). ἀπὸ τῶν π. υἱῶν Καδθ (2)  
 — 70 (55). κατὰ πατρίαν [A -ας] τοῖς υἱοῖς Κ. (2)  
 — 71 (56). ἀπὸ πατρίων ἡμισυς φυλῆς Μαν. (2)  
 [A al.] (2)  
 7. 2. ἀρχοντες οἴκων [A κατ' οἶκον] πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 4. Β κατ' οἶκους πατρίων [A B -ικόν] αὐ. (1 α)  
 — 5. εἰς πᾶσας π. Ἰσάχαρ (2)  
 — 7. Β ἀρχοντες οἴκων πατρίων [A B -ικόν] (1 α)  
 — 9. ἀρχοντες οἴκων πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 11. ἀρχοντες τῶν π. Ἰσχυροὶ δυνάμει (1 α)  
 — 40. πᾶντες ἀρχοντες πατρίων (1 α)  
 8. 6. οἱ οἱ εἰς οἶκους πατρίων (1 α)  
 — 10. οἱ οἱ ἀρχοντες πατρίων (1 α)  
 — 13. οἱ οἱ ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 — 28. οἱ οἱ ἀρχοντες πατρίων (1 α)  
 9. 9. ἀρχοντες πατρίων κατ' οἶκους πατρίων αὐ. (1 α, 1 α)  
 — 13. ἀρχοντες οἴκων πατρίων (1 α)  
 — 33. ἀρχοντες τῶν π. τῶν Λευιτῶν (1 α)  
 — 34. οἱ οἱ ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 11. 20. Α οἱ οἱ ἦν ἀρχων τῶν π. [B B τριών] †  
 — 25. κατέστησεν αὐτὸν Δ. ἐπὶ τὴν π. αὐ. †  
 12. 30. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν [S al.] (1 α)  
 15. 12. ὑμῖν ἀρχοντες πατρίων τῶν Λ. (1 α)  
 16. 28. Α Β δότε τῷ κ., αἱ π. [B B πατρί] τῶν ἐθνῶν (2)  
 28. 9. οἱ οἱ ἀρχοντες πατρίων τῶν Ἑδάν (2)  
 — 11. ἐγένοντο εἰς οἶκον πατριάς (1 α)  
 — 24. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 24. ἀρχοντες τῶν π. αὐτῶν (1 α)  
 24. 3. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 4. εἰς οἶκους πατρίων (1 α)  
 — 4. κατ' οἶκους πατρίων (1 α)  
 — 6. ἀρχοντες τῶν π. τῶν Ιερίων καὶ τῶν Λ. οἴκου πατριάς (1 α, 1 α)  
 — 30. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 31. Β ἀρχων [A -χόντων, B οἱ δ.] τῶν [A om.] π. (1 α)  
 — 31. Α καὶ τῶν Λ. πατριά [B -ιάρχει] Ἀρ. (1 α)  
 26. 13. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 — 21. ἀρχοντες πατρίων τῶν Λ. (1 α)  
 — 26. καὶ οἱ ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 — 31. κατὰ γένεσιν αὐ. κατὰ πατριάς (1 α)  
 — 32. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. . . οἱ ἀρχοντες πατρίων (1 α)  
 27. 1. ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 29. 6. ἀρχοντες πατρίων [A τῶν π.] (1 α)  
 II Ch. 1. 2. εἴτε . . . τοῖς ἀρχουσι τῶν π. (1 α)  
 5. 2. τοὺς ἡγουμένους πατρίων [A τῶν π.] υἱῶν Ἰσρ. (1 α)

II Ch. 17. 14. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 29. 2. καὶ ἀρχοντας πατρίων [A τῶν π.] τοῦ Ἰσρ. (1 α)  
 25. 5. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 31. 17. κατ' οἶκους πατρίων αὐτῶν (1 α)  
 35. 4. κατ' οἶκους πατρίων ὑμῶν (1 α)  
 — 5. κατὰ τὰς διαιρ. οἴκων πατρίων ὑμῶν (1 α)  
 — 5. μερὶς οἴκου πατριάς τοῖς Λ. (1 α)  
 — 12. κατ' οἶκους πατρίων (1 α)  
 I Es. 1. 4. ἐτοιμάσατε κατὰ τὰς π. (1 α)  
 2. 8. οἱ ἀρχιφύλοι τῶν π. τῆς ἰ. (1 α)  
 5. 1. ἀρχηγοὶ οἴκου πατρίων (1 α)  
 — 4. κατὰ πατριάς αὐτῶν εἰς τὰς φυλὰς (1 α)  
 — 37. ἀπαγγεῖλαι τὰς π. αὐτῶν (1 α)  
 — 44. ἐκ τῶν ἡγουμένων κατὰ τὰς π. (1 α)  
 — 63. τῶν προκαθημένων κατὰ τὰς π. αὐ. (1 α)  
 — 68. προσελθόντες . . . τοῖς ἡγουμένοις τῶν π. (1 α)  
 — 70. καὶ οἱ ἡγουμένοι τῶν π. τοῦ Ἰσρ. (1 α)  
 8. 28. κατὰ τὰς π. αὐτῶν (1 α)  
 — 59. τοῖς ἡγουμένοις τῶν π. τοῦ Ἰσρ. (1 α)  
 9. 16. ἡγουμένοις τῶν π. αὐτῶν (1 α)  
 II Es. 1. 5. ἀρχοντες τῶν π. τῶν Ἰουδα (1 α)  
 2. 59. τοὺς ἀναγγεῖλαι οἴκων πατριάς αὐτῶν (1 α)  
 — 68. ἀπὸ ἀρχόντων πατρίων (1 α)  
 3. 12. καὶ ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 4. 2. καὶ πρὸς τοὺς ἀρχοντας τῶν π. (1 α)  
 — 3. οἱ κατὰλοιοι τῶν ἀρχόντων τῶν π. (1 α)  
 8. 1. οἱ οἱ οἱ ἀρχοντες πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 29. καὶ τῶν ἀρχόντων τῶν π. (1 α)  
 10. 16. ἀνδρες ἀρχοντες πατρίων αὐ. (1 α)  
 Ne. 7. 61. ἀπαγγεῖλαι οἴκους πατρίων αὐ. (1 α)  
 — 70. ἀπὸ μέρους ἀρχηγῶν τῶν π. (1 α)  
 — 71. ἀπὸ ἀρχηγῶν τῶν π. (1 α)  
 8. 13. συνήχθησαν οἱ ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 10. 34 (35). εἰς οἶκον πατρίων ἡμῶν (1 α)  
 11. 13. ἀρχοντες πατρίων (1 α)  
 12. 12. καὶ οἱ ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 — 22. Α Β ἀρχοντες τῶν [B B om.] π. (1 α)  
 — 23. ἀρχοντες τῶν π. (1 α)  
 To. 1. 9. ἐκ τοῦ σπέρματος τῆς π. ἡμῶν (1 α)  
 6. 10. Α Β εἰς ποίας π. [B -ιδος] εἰς σύ (1 α)  
 — 11. φυλὴν καὶ πατρίαν σὺ ζητεῖς [S al.] (1 α)  
 — 13. τὴν π. σου ἐπιγνώσῃς [S al.] (1 α)  
 Ju. 8. 2. τῆς φυλῆς αὐ. καὶ τῆς π. αὐτῆς (1 α)  
 — 18. οἱ οἱ φυλὴ οἱ οἱ πατριά (1 α)  
 Es. 4. 17. Β ἐν φυλῇ [S ἐκ φυλῆς] πατριάς μου [A al.] (1 α)  
 9. 27. καὶ γενεὰν καὶ πόλιν καὶ πατρίαν [A καὶ πατ. κ. πόλ.] (1 α)  
 Ps. 21 (22). 27. προσκυνήσουσιν ἐνώπιον αὐτοῦ πᾶσαι αἱ π. τῶν ἐθνῶν (2)  
 95 (96). 7. ἐνέγκετε τῷ κυρίῳ, αἱ π. τῶν ἐθνῶν (2)  
 106 (107). 41. ἔθετο ὡς πρόβατα πατριάς (2)  
 Je. 2. 4. οἶκος Ἰακώβ καὶ πᾶσα π. οἴκου Ἰσραὴλ (2)  
 3. 14. ἔνα ἐκ πόλεως καὶ δύο ἐκ πατριάς (2)  
 25. 9. λήψομαι πατρίαν [A B τὴν π.] (2)  
 Ez. 45. 15. ἀφαίρεμα ἐκ πᾶσων τῶν π. τοῦ Ἰσραὴλ †  
 [Aq. Je. 15. 3.]  
 [Sm. Dt. 18. 8.]  
 [Th. Je. 33 (40). 24: Ez. 20. 32: 27. 28.]  
 [Al. Nu. 34. 14: I Ki. 9. 21 δις.]  
 πατριάρχης. (1) 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔 (2) 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔 𐤕𐤕𐤔  
 (3) 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔 (4) 𐤒𐤐𐤕𐤕𐤔 𐤕𐤕𐤔  
 I Ch. 24. 31. καὶ τῶν Λ. πατριάρχαι [A -ριαί] (1)  
 Αρ. (1)  
 — 27. 22. οἱ οἱ π. τῶν φυλῶν Ἰσρ. (2)  
 II Ch. 19. 8. καὶ τῶν π. Ἰσρ. (2)  
 23. 20. ἔλαβε τοὺς π. (2)  
 26. 12. πᾶς ὁ ἀριθμὸς τῶν π. τῶν δυνατῶν (4)  
 iv Ma. 7. 19. ὅσπερ γὰρ οἱ π. ἡμῶν ΑΒ. Ἰσρ. ἰ. (1)  
 16. 25. ὅσπερ . . . πάντες οἱ π. (1 α)  
 πατρικός. (1) 𐤒𐤐𐤕  
 Ge. 50. 8. πᾶσα ἡ οἰκία ἡ π. αὐτοῦ (1)  
 Le. 22. 13. ἐπαναστρέψαι ἐπὶ τὸν οἶκον τὸν π. (1)  
 25. 41. εἰς τὴν κατάσχεσιν τὴν π. (1)  
 Nu. 36. 8. ἕκαστος τὴν κληρονομίαν τὴν π. (1)  
 Jo. 6. 24 (25). καὶ πάντα τὸν οἶκον τὸν π. αὐτῆς (1)  
 I Ch. 7. 4. Α Β κατ' οἶκους π. [B -ίων] αὐτῶν (1)  
 — 7. Α Β ἀρχοντες οἴκων π. [B -ίων] (1)  
 12. 28. τῆς π. οἰκίας αὐτοῦ ἀρχοντες ἐκ. δύο (1)  
 26. 6. εἰς τὸν οἶκον τὸν π. αὐ. (1)  
 I Es. 1. 5. κατὰ τὴν μεριδωθῆσαν τὴν π. ὑμῶν (1)  
 — 31. ἐτάφη ἐν τῇ π. τάφῳ (1)

Si. 42. 10. μή ποτε ... ἐν τοῖς π. αὐτῆς ἔγκυος γένηται

IV Ma. 18. 7. οὐχ ὑπερέβην π. οἶκον  
[AI. Nu. 2. 34.]

### πάτριος.

Si. 701. 8. εἰς τε τὴν τοῦ νόμου καὶ τῶν ἄλλων π.  
[B δ. τῶν δεόντων π.] βιβλίων ἀνέγνωσιν

Is. 8. 21. κακὸς ἐρείτε τὸν ἀρχοντα καὶ τὰ π. †  
II Ma. 6. 1. Ἀ μεταβαίνειν ἀπὸ τῶν π. νόμων  
[B al.]

7. 2. B παραβαίνειν τοὺς π. [A πατρός] νόμους  
— 8. ὁ δὲ ἀποκριθεὶς τῇ π. φωνῇ  
— 21. ἔκαστον δὲ αὐτὸν παρεκάλει τῇ π. φωνῇ  
— 24. B μεταβέβηκεν ἀπὸ τῶν π. νόμων [A al.]  
— 27. A οὕτως ἐφῆσε τῇ π. [B πατρός] φωνῇ  
— 37. σῶμα ... προδίδωμι περὶ τῶν π. νόμων  
12. 37. καταρξάμενος τῇ π. φωνῇ τὴν ... κραυγὴν  
15. 29. εὐλόγουν τὸν δικαστὴν τῇ π. φωνῇ

III Ma. 1. 3. τῶν π. δογματικῶν ἀπληροτριωμένους  
6. 32. ἀνέλαβον φθὶν πατρίων

IV Ma. 4. 23. τῶ π. πολιτευσόμενοι νόμῳ  
5. 33. ὥστε με ... τὸν π. καταλύσαι νόμον

6. 7. ἀρνησάμενοι τὸν π. ὕμνον τῆς πολιτείας  
θεοῦ

9. 1. A B ἡ παραβαίνειν τὰς π. [B -φους] ἡμῶν  
ἐντολάς

— 24. ἡ δικαία καὶ π. ἡμῶν πρόνοια  
— 29. διὰ τὴν π. ἡμῶν εὐσεβεῖαν

16. 16. A B ἐναγωνίσασθε προθύμως ὑπὲρ τοῦ π.  
[B -φου] νόμου

18. 5. B τῶν π. ἐδὼν ἐκδικηθῆναι [A B al.]

### πατρίς.

(1) α. ἡγῶν δ. ἡγῶν ἡγῶν  
(2) ἡπαῖς

Le. 25. 10. A B ἕκαστος εἰς τὴν π. [B -ριαν] αὐ. (2)  
I Ch. 5. 7. ἀδελφοὶ αὐτοῦ τῇ π. [A -ρι] αὐ. (2)

To. 6. 10. B ἐκ πατρίος π. [A B -ιαν] εἰς  
Es. 2. 10. οὐχ ὑπέδειξεν Ἐσθῆρ ... τὴν π. (1a)  
— 20. οὐχ ὑπέδειξε τὴν π. αὐτῆς (1a)

4. 8. A B περὶ τοῦ λαοῦ καὶ τῆς π. [B B' om.  
κ. τ. π.]

8. 6. ἐν τῇ ἀπωλείᾳ τῆς π. μου  
Je. 22. 10. οὐδὲ θύεται [B καὶ οὐ μὴ ἴδῃ] τὴν  
γῆν πατρίδος αὐτοῦ (1a)

26 (48). 16. ἀναστρέψωμεν πρὸς [A ἀποστρ. εἰς]  
τὸν λαὸν ἡμῶν εἰς τὴν π. ἡμῶν (1b)

Ez. 23. 15. ὁμοίωμα υἱὸν Χαλδαίων γῆς πατρί-  
δος αὐτοῦ (1a)

II Ma. 4. 1. ὁ ... τῆς π. ἐνδείκτης γεγονώς  
5. 8. βδελυσσόμενος ὡς πατρίδος ... ἡμῶν  
— 9. ὁ συγχυρὸς τῆς π. ἀποξενώσας  
— 15. τὸν ... τῆς π. προδότην γεγονότα

8. 21. ὑπὲρ ... τῆς π. ἀποδύσκειν  
— 33. ἐπινικία δὲ ἀγοντες ἐν τῇ π.

13. 3. οὐκ ἐπὶ σωτηρίᾳ τῆς π.  
— 10. τοὺς τὸν νόμον καὶ πατρίδος ... στερεῖσθαι  
μελλούσι

— 14. περὶ ἱεροῦ πῶλεως πατρίδος  
14. 18. B ἐν τοῖς ὑπὲρ [A περὶ] τῆς π. ἀγῶσιν

IV Ma. 1. 11. ὥστε καθαρισθῆναι δι' αὐτῶν τὴν π.  
4. 1. τὴν π. προδώσω  
— 5. εἰς τὴν π. ἡμῶν ... προσελθὼν  
— 20. ἐπ' αὐτῇ τῇ ἀκρᾷ τῆς π. ἡμῶν  
17. 21. καὶ τὴν π. καθαρῶσθηναι  
18. 4. τὴν εὐνομίαν τὴν ἐπὶ τῆς π. ἀνανεωσάμενον

### πατρός.

(1) παῖς  
II Es. 7. 5. A B υἱὸς Ἀαρὼν τοῦ ἱερέως τοῦ π.  
[B πρώτου] †

Pr. 27. 10. φίλον πατρός μὴ ἐγκαταλίπῃς (1)  
II Ma. 4. 15. B τὰς μὲν πατρός [A -ας] τιμὰς ἐν  
οὐδενὶ τιθίμενοι

5. 10. οὐτε πατρός τάφου μετέσχε  
6. 1. B μεταβαίνειν ἐκ τῶν π. νόμων [A al.]  
— 6. οὐτε πατρός ἐορτὰς διαφυλάττειν

7. 2. A π. νόμους παραβαίνειν [B al.]  
— 27. B οὕτως ἐφῆσε τῇ π. [A πατρί] φωνῇ

12. 39. ἀποκαταστήσαι εἰς τοὺς π. τάφους  
III Ma. 1. 23. ὑπὲρ τοῦ π. νόμου τελευταῖαν  
IV Ma. 9. 1. B ἡ παραβαίνειν τὰς π. [A B -ίους]  
ἡμῶν ἐντολάς

12. 18. ἐπικαλούμαι δὲ τὸν π. θεόν  
16. 16. B ἐναγωνίσασθε προθύμως ὑπὲρ τοῦ π.  
[A B -ίου] νόμου

— 20. τὴν π. χεῖρα ἐξιφθόρῳ

παύειν. (1) 𐤒𐤓𐤕 ni. (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕

a. qal. δ. pi. (4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓𐤕 ni.  
(6) 𐤒𐤓𐤕 ni. (7) 𐤒𐤓𐤕 (8) 𐤒𐤓𐤕 a. qal.

δ. ni. (9) 𐤒𐤓𐤕 (10) 𐤒𐤓𐤕 (11) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
(12) 𐤒𐤓𐤕 pil. (13) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. δ. hi.

(14) a. 𐤒𐤓𐤕 δ. 𐤒𐤓𐤕 (15) 𐤒𐤓𐤕

Ge. 11. 8. ἐπαύσαντο οικοδομοῦντες (2)  
18. 33. ὡς ἐπαύσαντο λαλῶν τῷ Ἀβραάμ (3b)

24. 14. ἔως ἂν παύσωνται πίνουσαι (3b)  
— 18 (19). ἔως ἐπαύσαντο πίνων (3b)

— 22. ἡνίκα ἐπαύσαντο π. αἱ κόμ. πίνουσαι (3b)  
27. 30. μετὰ τὸ παύσασθαι ἱ. εὐλογοῦντα (3b)

Ex. 9. 28. παυσάσθω τοῦ γενεθῆναι φωνὰς θ. (10)  
— 29. αἱ φωναὶ παύσονται (2)

— 33. αἱ φωναὶ ἐπαύσαντο (3)  
— 34. πέπναιται ὁ ὑνέτος (2)

31. 17. κατέπαυσε καὶ ἐπαύσαντο [A ἐπ. καὶ  
κατ.] (8 [13a])

32. 12. παύσαι τῆς ὀργῆς τοῦ θυμοῦ σου (14b)  
Nu. 16. 31. ὡς ἐπαύσαντο λαλῶν (3b)

17. 10 (25). παυσάσθω ὁ γογγυσμὸς αὐ. (3b)  
25. 8. ἐπαύσαντο ἡ πληγὴ (3b)

De. 20. 9. ὅταν παύσωνται οἱ γραμματεῖς (3b)  
32. 26. παύσω [A κατεπ.] δὲ ... τὸ μνημόσυ-  
νον αὐ. (18b)

Jo. 7. 26. ἐπαύσαντο κ. τοῦ θυμοῦ τῆς ὀργῆς (14b)  
8. 24. ὡς ἐπαύσαντο ... ἀποκτείνοντες (3b)

Jo. 15. 17. ὡς ἐπαύσαντο λαλῶν [A al.] (3b)  
II Ki. 15. 24. ἐπαύσαντο πᾶς ὁ λαός (15)

I Ch. 21. 22. καὶ παύσεται ἡ πληγὴ (3b)  
To. 6. 1. καὶ ἐπαύσαντο [B εἰρήνησεν] κλαίοντα

14. 1. ἐπαύσαντο ἐξομολογούμενοι T. [B al.]  
Ju. 5. 22. ὡς ἐπαύσαντο Ἀ. λαλῶν

10. 1. ὡς ἐπαύσαντο βοῶσα (14a)  
14. 9. ὡς δὲ ἐπαύσαντο λαλοῦσα

Es. 5. 1. ὡς ἐπαύσαντο προσευχόμεναι (2)  
Jb. 8. 17. A ἐκεῖ ἀσεβῆς ἐπαύσαν [B ἐξέκαυ-  
σεν] θυμὸν ὀργῆς

6. 7. οὐ δύναται γὰρ παύσασθαι μου ἡ ὀργή  
[A B' ψυχῇ] †

— 26. οὐδὲ ὁ ἔλεγχος ὑμῶν ῥήμασί με [A τὰ  
ῥήματά μου] παύσει †

14. 13. ἔως ἂν παύσεται σου ἡ ὀργή (14a) †  
18. 2. μέτροι τίνος οὐ παύσει (8a) †

29. 9. ἀδρόι δὲ ἐπαύσαντο λαλοῦντες (8a) †  
32. 1 (31. 40). ἐπαύσαντο ἰσθ' ῥήμασιν (15) †

37. 19. παυσάμεθα [B -σόμεν.] πολλὰ λέγοντες †  
38. 1. μετὰ δὲ τὸ παύσασθαι Ἐλιὺν τῆς  
λέξεως

Ps. 33 (34). 13. παύσον τὴν γλῶσσάν σου ἀπὸ  
κακοῦ (7)

36 (37). 8. παύσαι ἀπὸ ὀργῆς (11)

Pr. 18. 18. ἀντιλογίαν παύει σιγηρός (18b) †  
24. 24 (30. 1). καὶ παύσεται [B' παύσ.] †

Si. 18. 7. ὅταν παύσεται τότε ἀπορηθήσεται  
23. 16. οὐ μὴ παύσεται ἔως ἂν ἐκκαύσῃ πῦρ

28. 6. μνησθῆναι τὰ ἔσχατα καὶ παύσαι ἐχθράων  
34 (31). 17. παύσαι πρῶτος χάριν παιδείας

39. 11. A B ἐὰν παύσεται [B ἀπα.] ἐμποιεῖ αὐτῷ  
Is. 1. 16. παύσασθε ἀπὸ τῶν πονηριῶν ὑμῶν (2)

— 24. οὐ παύσεται γὰρ μου ὁ θυμὸς ἐν τοῖς  
ὑπεναντίοις (5)

10. 25. παύσεται ἡ ὀργή (3a) †  
16. 10. πέπναιται γὰρ (18b?) †

24. 8. πέπναιται ἐνφροσύνη τυμπάνων πέπναιται  
αὐθάδεια καὶ πλοῦτος ἀσεβῶν πέ-  
πναιται φωνὴ κιθάρας (18a, 2, 18a)

— 11. A B R πέπναιται πᾶσα ἐνφροσύνη τῆς  
γῆς [B om. τ. γ.] (9)

— 13. ἐὰν παύσεται ὁ τρυγητής (3a) †  
26. 10. πέπναιται γὰρ ὁ ἀσβεστός †

32. 10. πέπναιται [A B add. ὁ σπόρος] οὐκέτι  
μὴ ἔλθῃ (3a) †

33. 8. πέπναιται ὁ φόβος τῶν ἐθνῶν (18a) †  
38. 20. οὐ παύσονται εὐλογίαι σε

57. 10. οὐκ εἴπας, Παύσονται †  
58. 12. τὰς τριβύνας σου [A B τοὺς] ἀνὰ μέσον  
παύσεις †

Je. 28 (31). 63. ὅταν παύσῃ τοῦ [A B om.] ἀνα-  
γνώσκων τὸ βιβλίον τοῦτο (3b) †

31 (48). 2. παύσονται παύσεται †  
— 11. B' ἐπαύσαντο [A B B' ἀνεπ.] M. ἐκ παι-  
δαρίου (12)

Je. 82 (25). 37. παύσεται κατὰ λόγον τῆς εἰρήνης (1)  
38 (26). 3. παύσονται ἀπὸ τῶν κακῶν (5b)

— 8. ἱερμίου πανοσμένον λαλοῦντος πάντα (3b)  
— 13. παύσεται κύριος ἀπὸ τῶν κακῶν (5)

— 19. ἐπαύσαντο κύριος ἀπὸ τῶν κακῶν (5)  
38 (31). 15. B' B B' οὐκ ἠθέλει παύσασθαι [A B' B

παρακληθῆναι] (5)  
— 36. ἐὰν παύσωνται οἱ νόμοι οὗτοι ἀπὸ προσ-  
ώπου μου ... καὶ τὸ γένος Ἰσραὴλ  
παύσεται [A -ῆται] γενέσθαι ἔθνος

(4, 13a) (3b)

50 (48). 1. ὡς ἐπαύσαντο ἱερμίας λέγων (3b)  
51 (44). 10. οὐκ ἐπαύσαντο ἔως τῆς ἡμέρας τ. †

I Ma. 2. 23. ὡς ἐπαύσαντο λαλῶν  
3. 23. ὡς δὲ ἐπαύσαντο λαλῶν

11. 50. παυσάσθωσαν οἱ ἱ. πολεμοῦντες ἡμᾶς  
IV Ma. 8. 29. ἅμα τῷ παύσασθαι τὸν τύραννον συμ-  
βουλεύοντα

[A q. Ge. 41. 49: I Ki. 23. 13: 25. 9: Jb. 3. 17: Ps. 48 (49). 9: Pr. 23. 4: Is. 2. 22: 88. 11: Ez. 2. 5, 7: 8. 11, 27: Dsi: Da. 9. 27.]

[Sm. Ge. 41. 49: Ex. 12. 15: Jd. 5. 6: 9. 9: I Ki. 25. 9: Jb. 8. 17: 80. 27: Ps. 8. 3: 48 (49). 9: Ec. 10. 4: 12. 4: Is. 2. 22: 30. 11: 38. 11: Jb. 14. 17: 31 (38). 16: 48 (31). 33: La. 3. 49: Ez. 2. 5, 7: 8. 11: 12. 25: 34. 10: Da. 9. 27.]

[Th. I Ki. 25. 9: Pr. 23. 4: Is. 2. 22: 88. 11.]  
[Al. Jo. 5. 12.]

[Quint. Ho. 7. 4.]

παῦλα.

II Ma. 4. 6. τὸν Σ. παῦλαν οὐ ληφόμενον τῆς ἀνοίας

παύσις.

Je. 31 (48) 2. παύσιν παύσεται †

πάχη. (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕

Jb. 38. 24. πόθεν δὲ ἐκπορεύεται πάχη †  
— 29. πάχην δὲ ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκεν (2)

Ps. 77 (78). 47. καὶ τὰς συκαμίνους αὐτῶν ἐν τῇ π. (1)  
118 (119). 83. ἐγενήθη ὡς ἄσκος ἐν πάχη (3?)

Wi. 5. 14. ὡς πάχη ὑπὸ λαίλατος διωχθεῖσα λεπτὴ  
16. 29. ἀχάριστον γὰρ ἐλπίς ὡς χειμέριος [A B

-ρμη] π. τακίσηται

Si. 48. 19. πάχην [B' -η] ὡς ἄλα ἐπὶ γῆς χεεῖ  
Da. LXX. 3. (70). εὐλογεῖτε, πάχη καὶ χιόνες, τὸν κ.  
Da. TH. 3. (70). A B εὐλογεῖτε, πάχη καὶ [B -η] καὶ  
χιόνες, τὸν κ.

[Sm., Al. Ex. 16. 14.]  
[Th. Da. 3. (70).]

παχός. (1) α. 𐤒𐤓 δ. 𐤒𐤓𐤕 c. 𐤒𐤓 d. 𐤒𐤓

(2) 𐤒𐤓𐤕

Nu. 24. 8. τὰ π. αὐτῶν ἐκμυελεῖ (2)

III Ki. 7. 15. ἐκίχλυν αὐτὸν τὸ π. τοῦ στυλίου  
— 20. τὸ μέλαθρον τῷ π. [A om. τ. π., B' πῆχη] —  
— 24 (B), 26 (A). τὸ π. αὐτοῦ παλαιότης (1d)

— 46. ἐχώνευσεν αὐτὰ ἐν τῷ π. τῆς γῆς  
— 6. καὶ παχός ἐπὶ πρόσσωπον αὐ. (1a)

II Ch. 4. 5. καὶ τὸ π. αὐτῆς παλαιότης (1d)  
— 17. ἐν τῷ π. τῆς γῆς (1c)

Jb. 15. 26. ἔδραμε δὲ ... ἐν πάχει νότον [A  
παχύνει τῆς] ἀσπίδος αὐτοῦ (1c)

Ps. 140 (141). 7. ὥσπερ παχός γῆς διερράγη †  
Je. 52. 21. τὸ π. [B πλάτος] αὐτοῦ δακτύλων  
τεσσάρων κύκλῳ (1d)

II Ma. 4. 41. οἱ μὲν πέτρους οἱ δὲ ξύλων πάχη  
[A q. Ex. 19. 9: Is. 19. 1.]

[Sm. Ez. 41. 25, 26.]  
[Th. Jb. 15. 26.]

παχύνειν. (1) 𐤒𐤓𐤕 hothpa. (2) 𐤒𐤓𐤕 hiuhp.

(3) 𐤒𐤓𐤕 (4) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. δ. hi.

De. 32. 15. ἐπαχύνθη ἐπ' αὐτὸν (4a + 3)  
II Ki. 22. 12. ἐπαχύνει ἐν νεφέλαις αἶρος †

Ec. 12. 5. καὶ παχύνῃ ἡ ἀκρίς (2)  
Is. 6. 10. ἐπαχύνθη γὰρ ἡ καρδία τοῦ λαοῦ τ. (4b)

34. 6. ἐπαχύνθη ἀπὸ στέατος [A B add. ἀρνῶν] (1)  
[A q., Sm. Jb. 15. 27.]

παχύς (παχύτερος). (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 ru.

(3) 𐤒𐤓𐤕 (4) παχύτερος 𐤒𐤓𐤕

III Ki. 12. 10. ἡ μικρότης μου παχυντέρα τῆς  
δσφύς [A ὑπὲρ τὴν δσφ.] (4)

— 24. B ἡ μικρότης μου παχυντέρα ὑπὲρ τὴν δσφιν

- II Ch. 10. 10. ὁ μικρὸς δάκτυλός μου παχύτερος  
της ὀσφ. (4)
- Ju. 10. 3. ἐχρίσατο μύρον παχεῖ  
Ps. 143 (144). 14. οἱ βάσεις αὐτῶν παχεῖς (2)
- Is. 28. 1. Α Β ἐπὶ τῇ κορυφῇ τοῦ ὄρους τοῦ  
παχέως [B S -os] (8)
- Ez. 34. 3. τὸ π. σφάττε (1)
- II Ma. 1. 20. μὴ εὐρηκεῖναι τὸ πῦρ ἀλλὰ ὕδωρ π.  
[Sm. Ge. 41. 2 : Jd. 8. 17.]
- πεδῶν, cf. ἐπιδύν. (1) α. ρῶξ δ. ρῶξ  
(2) ΠΕΩ a. peil. δ. pa.
- Jd. 16. 21. ἐπέδσαν [A δ.] αὐτὸν (1 a)
- To. 8. 3. B καὶ ἐπέδσαν παραχρήμα [A B al.]
- Jb. 36. 8. οἱ πεπεδημένοι ἐν χειροπέδασι συσχε-  
θσονται ἐν σχοινοῖς πενίας (1 a)
- Ps. 67 (68). 6. ἐξάγων πεπεδημένους ἐν ἀνδρείᾳ (1 b)
- 68 (69). 33. τοὺς πεπεδημένους αὐ. οὐκ ἐξουδένυσεν (1 b)
- 78 (79). 11. εἰσελθῶν ἐνώπιόν σου ὁ στεναγ-  
μὸς τῶν πεπεδημένων (1 b)
- 89 (90). 12. Α Β καὶ τοὺς πεπεδημένους [B S<sup>1</sup>  
-παίδευμ.] τῇ καρδίᾳ +
- 101 (102). 20. τοὺ ἀκούσαι τὸν στεναγμὸν τῶν  
πεπεδημένων (1 b)
- 106 (107). 10. πεπεδημένους ἐν πτωχείᾳ (1 b)
- 145 (146). 7. κύριος λύει πεπεδημένους (1 a)
- Da. LXX. 3. 24 (91). οὐχὶ ἄνδρας τρεῖς ἐβάλ-  
ομεν . . . πεπεδημένους (2 b)
4. 30. ἐπτά ἐτη ἐπέδθη (2)
- Da. TH. 8. 20. ἄνδρας ἰσχυροὺς ἰσχυρὸν εἶπε πεδη-  
σαστας τὸν Σ. (2 b)
- 21. οἱ ἄνδρες ἐκεῖνοι ἐπέδθησαν (2 a)
- 23. ἔπεισον εἰς μέσον τῆς καμίνου . . . πεπε-  
δημένοι (2 b)
- 24 (91). οὐχὶ ἄνδρας τρεῖς ἐβάλομεν . . .  
πεπεδημένους (2 b)
- [Aq. Da. 8. 23.]  
[Th. Ps. 67 (68). 7 : Da. 8. 23.]
- πεδεινός, πεδεινός. (1) ΠΥΡΞ (2) ἡ π. α. ῥῶξ  
δ. ῥῶξ (8) ΠΥΡΞ ni. (4) ἡ π. ῥῶξ  
(5) τὰ π. ῥῶξ (8) γῆ π. ῥῶξ
- De. 4. 43. ἐν τῇ γῇ τῇ π. (2 a)
11. 11. γῆ ὀρεινὴ καὶ π. (1)
- Jo. 9. 1. καὶ οἱ ἐν τῇ π. (1)
10. 40. καὶ τὴν π. καὶ τὴν 'Ασ. (4)
11. 16. ἔλαβεν 'Ι. . . τὴν π. (4)
- 16. Α καὶ τὰ π. [B ταπεινὰ] τὰ πρὸς τῇ  
δρει (6)
15. 33. ἐν τῇ π. 'Αστωὶ (1)
- Jd. 1. 9. τὸν κατοικοῦντα . . . τὴν π. (1)
- III Ki. 10. 27. ὡς συκαμῖνος τὰς ἐν τῇ π. (4)
- I Ch. 27. 28. ἐπὶ τῶν συκαμῖνων τῶν ἐν τῇ π. (4)
- II Ch. 1. 15 : 9. 27. ὡς συκαμῖνος τὰς ἐν τῇ π. (4)
26. 10. ἐν σφεληῇ καὶ ἐν τῇ π. (2 a)
28. 18. ἐπέβητο ἐπὶ τὰς πόλεις τῆς π. (4)
- Ju. 6. 11. ἀπῆραν ἐκ μέσου τῆς π. (1)
15. 7. ἐν τῇ ὀρεινῇ καὶ π. (1)
- Za. 7. 7. καὶ ἡ ὀρεινὴ καὶ ἡ π. καταφκίτο (4)
- Is. 13. 2. ἐπ' ὄρους πεδινῶν ἄρατε σημεῖον (8)
32. 19. Α πεποιθότες ὡς [B om.] οἱ [B S om.]  
ἐν τῇ π. (2 b)
- Je. 17. 26. ἐκ γῆς [A S τῆς] πεδινῆς καὶ ἐκ τοῦ  
ὄρους (8 [4])
21. 13. Α Β ἐγὼ πρὸς σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν  
κοιλίαν Σὺρ τὴν π. [B -δινῆν] (2 a)
- 31 (48). 8. ἐξολοθρευθήσεται ἡ π. (2 a)
- I Ma. 3. 40. ἐν τῇ γῇ τῇ π. (1)
12. 38. B<sup>1</sup> ἐν τῇ σφεληῇ πεδινῇ [A<sup>2</sup> B S om.]  
[Aq. Je. 7. 29 : Is. 16.]  
[Al. Le. 25. 12 : II Ch. 26. 10.]
- πεδῆ. (1) Πῆ (2) Πῆ (3) Πῆ  
(4) π. χαλκεία (χαλκῇ) Πῆ (3)
- Jd. 16. 21. ἐπέδσαν [A δ.] αὐτὸν ἐν π. χαλ-  
κεῖας (4)
- II Ki. 3. 34. οἱ πόδες [A παῖδες] σου οὐκ ἐν  
πέδαις (8)
- IV Ki. 25. 7. ἔδσαν αὐτὸν ἐν πέδαις (8)
- II Ch. 33. 11. ἔδσαν αὐτὸν ἐν πέδαις (3)
36. 6. ἔδσαν αὐτὸν ἐν χαλκαῖς π. (4)
- Ps. 104 (105). 18. ἐταπεινώσαν ἐν πέδαις τοὺς  
πόδας αὐτοῦ (2)
- Ps. 149. 8. τοῦ δῆσαι τοὺς βασ. αὐ. ἐν πέδαις (1)
- Si. 6. 24. εἰσέγκον τοὺς πόδας σου εἰς τὰς π. αὐ.  
— 29. ἔσονται σοὶ αἱ π. εἰς σκῆπην ἰσχύος  
21. 19. πέδαι ἐν ποσὶν ἀνόητος παιδεία [A S al.]  
30. 38 (83. 28). βάρυνον τὰς π. αὐ.  
Je. 52. 11. ἔδσαν αὐτὸν ἐν πέδαις (8)
- Da. LXX. 4. 15. ἐν πέδαις . . . ἐδέθη ὑπ' αὐτῶν —  
III Ma. 4. 9. τοὺς πόδας ἀρρήκτους κατασφαλισμένους  
πέδαις
6. 19. ἀκινήτους ἔδσαν πέδαις  
[Aq. Is. 28. 23 : Ez. 19. 4.]  
[Th. Is. 28. 23 : Je. 39 (46). 7.]
- πεδήτης.
- Wi. 17. 2. μακρὰς πεδήταις νυκτὸς κατακλιουσθέντες  
ὁρόφοις
- [Al. Ps. 126 (127). 4.]
- πεδία. (1) ΠΥΡΞ
- Hb. 3. 5. S<sup>2</sup> ἐξελεύσεται εἰς πεδίαν [A B S<sup>1</sup> al.] +
- Is. 40. 4. S<sup>1</sup> καὶ ἡ τραχὺς εἰς πεδίαν [A B S<sup>2</sup> al.] (1)
- πεδιάς.
- [Sm. Nu. 31. 12 : Dt. 1. 7 : 4. 49 : Jo. 18. 18 :  
I Ki. 23. 24 : II Ki. 2. 29 : 4. 7 : 15. 28 : Je.  
39 (46). 5 : 43 (31) : Am. 6. 14.]  
[Al. Dt. 3. 17.]
- πεδιλός.
- Hb. 3. 5. Α ἐξελεύσεται ἐν πεδιλοῖς [B S al.] +
- πεδινός, cf. πεδεινός.
- πεδίων. (1) Πῆ (2) Πῆ (3) α. ΠΥΡΞ  
δ. ΠΥΡΞ (4) Πῆ (5) Πῆ (6) Πῆ  
(7) Πῆ (8) Πῆ (9) Πῆ (10) Πῆ  
(11) Πῆ (12) Πῆ
- Ge. 4. 8. διελθόμεν εἰς τὸ π. — (9)
- 8. ἐν τῇ εἶναι αὐτοῖς ἐν τῇ π. (8 a)
11. 2. εὐρον πεδίων ἐν γῇ Σενάορ (8)
14. 17. τοῦτο ἦν τὸ π. τῶν βασιλέων (8)
24. 63. ἐξῆλθεν 'Ι. ἀδολεχθῆσαι εἰς τὸ π. (8)
- 65. ὁ πορευόμεν. ἐν τῇ π. (8)
25. 29. ἦλθε δὲ 'Η. ἐκ τοῦ π. (8)
27. 3. ἐξέλθε εἰς τὸ π. (8)
- 5. ἐπορεύθη δὲ 'Η. εἰς τὸ π. (8)
29. 2. φέρεται ἐν τῇ π. (8)
31. 4. ἐκάλεσε Λεῖαν καὶ 'Ρ. εἰς τὸ π. (8)
84. 5. οἱ δὲ υἱοὶ αὐ. ἦσαν . . . ἐν τῇ π. (8)
- 7. ἦλθον ἐκ τοῦ π. (8)
- 28. ὅσα ἦν ἐν τῇ π. (8)
85. 27. εἰς πόλιν τοῦ π. +
36. 35. ὁ ἐκκόψας Μαδ. ἐν τῇ π. M. (8)
37. 7. διασπένει δράγματα ἐν μέσῳ τῇ π. (8)
- 15. πλανώμενον ἐν τῇ π. (8)
41. 48. βρώματα τῶν π. τῆς πόλεως (8)
- Ex. 1. 14. καὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις τοῖς ἐν τοῖς π. (8)
9. 3. ἐν τοῖς κτήρεσι σου τοῖς ἐν τοῖς π. (8)
- 19. ὅσα σοὶ ἐστὶν ἐν τῇ π. (8)
- 19. Α Β ὅσα εἰς εὐρέθῃ ἐν τῇ π. [B τοῖς π.] (8)
- 21. ἀφῆκε τὰ κτήνη ἐν τοῖς π. (8)
- 25. B<sup>1</sup> πάντα ὅσα ἦν ἐν τῇ π. (8)
- 25. πᾶσαν βοτάνην τὴν ἐν τῇ π. (8)
- 25. πάντα τὰ ζῦλα τὰ ἐν τοῖς π. (8)
10. 15. Α Β ἐν πᾶσιν βοτάνῃ [B om.] π. (8)
16. 25. οὐχ εὐρέθησεται ἐν τῇ π. (8)
22. 6 (5). ἡ στάχυς ἡ πεδίων (8)
- Le. 14. 7. ἐξασπαστέλει τὸ ὀρνίθιον τὸ ζῶν εἰς  
τὸ π. (8)
- 53. ἐξασπαστέλει . . . εἰς τὸ π. (8)
17. 5. ὅσα ἐν αὐτοῖς σφάξουσιν ἐν τοῖς π. (8)
25. 12. ἀπὸ τῶν π. φάγεσθαι τὰ γενίμν. αὐ. (8)
26. 4. τὰ ζῦλα τῶν π. ἀποδώσει τὸν καρπὸν (8)
- Nu. 19. 16. ἐπὶ προσώπου τοῦ π. (8)
21. 19 (20). ἡ ἐστὶν ἐν τῇ π. Μωάβ (8)
22. 4. τὰ χλωρὰ ἐκ τοῦ π. (8)
- 23. ἐπορεύετο εἰς τὸ π. (8)
- De. 1. 7. εἰς ὅρος καὶ πεδίων (12)
8. 7. πηγά . . . ἐκπορεύου. διὰ τῶν π. (8 a)
21. 1. πεπτακῶς ἐν τῇ π. (8)
22. 25. εἰς τὸν πεδὶν εὐρὴ ἀνθρώπος (8)
28. 38. σπέρμα πολλὸ ἐξοίσεται εἰς τὸ π. (8)
- Jo. 5. 9 (10). ἐποίησαν . . . τὸ πᾶσα . . . ἐν  
τῇ π. (8)
8. 24. τοὺς ἐν τοῖς π. (8)
- Jo. 11. 2. καὶ εἰς τὸ π. (12)
- 8. καὶ ὥς τῶν π. M. (8 a)
- 17. καὶ τὰ π. [A τὸ π.] τοῦ Λιβ. (8 a)
12. 7. Α Β ἐν τῇ [B om.] π. τοῦ Λιβ. (8 a)
- 8. καὶ ἐν τῇ π. (12)
17. 5. πεδίων Δ. ἐκ τῆς γῆς Γαλ. +
20. 8. ἐν τῇ ἐρήμῳ ἐν τῇ π. (8)
- Jd. 9. 42. Α ἐξῆλθεν ὁ λαὸς εἰς τὸ π. [B τὸν  
ἀγρόν] (8)
- I Ki. 14. 14. ἐν κύχλαξί τοῦ π. (8)
20. 5. κρυβήσομαι [A πορεύσ.] ἐν τῇ π. (8)
- II Ki. 17. 8. B ὡς ὑς τραχὺς ἐν τῇ π. —
- III Ki. 11. 29. καὶ ἀμφότεροι ἐν τῇ π. (8)
18. 4. τὸν τεθνηκότα αὐτοῦ ἐν τῇ π. (8)
18. 5. Α διελθόμεν εἰς τὸ π. [B ἐπὶ τὴν γῆν] (2)
- 20 (21). 24. τὸν τεθνηκότα αὐτοῦ ἐν τῇ π. (8)
- I Ch. 1. 46. ὁ πατάξας Μαδ. ἐν τῇ π. Μωάβ (8)
6. 56 (41). τὰ π. τῆς πόλεως . . . ἔδωκαν  
τῇ Χ. (8)
8. 8. Σ. ἐγέννησεν ἐν τῇ π. M. . . . 'Ωσιν (8)
19. 9. παρενέβαλον . . . ἐν τῇ π. (8)
- II Ch. 26. 23. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν τῇ π. (8)
35. 22. τοῦ πολεμήσαι ἐν τῇ π. Μαγ. (8 a)
- I Es. 1. 29. πόλεμον ἐν τῇ π. Μαγ. (8)
- Ne. 6. 2. συναχθόμεν . . . ἐν πεδίῳ 'Ωσὶ (8 a)
- To. 5. 6. S κῦρται γάρ . . . 'Εκβ. ἐν μέσῳ τῇ π. (8)
- 9. S διήλθον πάντα τὰ π. (8)
- Ju. 1. 5. Α Β ἐν τῇ π. τῇ μεγ. τοῦτο ἐστὶν πεδίων  
[B om.] ἐν [B om.] τοῖς ὀρίοις 'Ρ. (8)
- 6. καὶ πεδίῳ [A -ία, S<sup>2</sup> τὰ π.] 'Αρ. (8)
- 8. καὶ τὸ μέγα π. 'Εσ. (8)
2. 21. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ π. B. (8)
- 27. κατέβη εἰς πεδίων Δαμ. (8)
- 27. τὰ π. αὐτῶν ἐξελεγκήσε (8)
8. 3. Α Β καὶ πᾶν π. πυρῶν (8)
4. 5. προσφάτως ἦν τὰ π. αὐ. τεθερισμένα (8)
- 6. κατὰ πρόσωπον τοῦ π. τοῦ πλησίον [B om.  
τ. π. τ. πλ.] Δ. (8)
5. 1. ἔθκαν ἐν τοῖς π. σκάνδαλα (8)
6. 4. τὰ π. αὐ. πληρωθήσεται [B πλησθ.] πεκρῶν αὐ. (8)
- 11. ἡγαγον αὐτὸν [B om.] . . . εἰς τὸ π. (8)
7. 18. παρενέβαλον ἐν τῇ π. (8)
8. 3. ἐπὶ τοῦ δεσμιόνοτος . . . ἐν τῇ π. (8)
14. 2. ὡς καταβαίνοντες ἐπὶ τὸ π. (8)
15. 2. ἐπὶ πᾶσαν ὁδὸν τοῦ π. (8)
- Jb. 39. 10. ἡ ἐλκύσει σου ἀδλακος ἐν πεδίῳ +
- 21. ἀνορύσσων ἐν πεδίῳ [S<sup>2</sup> ποδὶ] γαυριᾶ (8, +)
- ἐκπορεύεται δὲ εἰς πεδίων ἐν ἰσχυί (8, +)
42. 17. ὁ ἐκκόψας Μαδὶν ἐν τῇ π. Μωάβ (8)
- Ps. 8. 7. ἐπὶ δὲ καὶ τὰ κτήνη τοῦ π. (10)
- 64 (65). 11. τὰ π. σου πληροῦσονται πύργους (8)
- 77 (78). 12. ἐν γῇ Αἰγύπτῳ ἐν πεδίῳ Τάνεως (8)
- 43. καὶ τὰ τέρατα αὐτοῦ ἐν πεδίῳ Τάνεως (8)
- 95 (96). 12. χαρήσεται τὰ π. (10)
- 103 (104). 8. καταβαίνουσι πεδία εἰς τόπον (8 a)
- 16. χορτασθήσεται τὰ ζῦλα τοῦ π. [S<sup>1</sup> κυρίου] +
- 181 (182). 6. S<sup>2</sup> B εὐρον αὐτὴν ἐν τοῖς π. (8)
- [A S<sup>1</sup> τοῖς δασύσι] τοῦ δρυμοῦ (8)
- Pr. 27. 25. ἐπιμελοῦ τῶν ἐν τῇ π. χλωρῶν +
- [A -φ] (8)
- 26. τίμα πεδίων ἵνα ὡς σοὶ ἔρως (8)
- Ca. 2. 1. ἐγὼ ἀνθος τοῦ π. (8)
- Wi. 19. 7. χλωφῶρον πεδίων ἐκ κλύδωνος βαιίου (8)
- Si. 24. 14. ὡς ἐλαία εὐπρεπὴς ἐν πεδίῳ (8)
- Ho. 12. 12 (13). ἀνεχώρησεν 'Ι. εἰς πεδίων  
Συρίας (8)
- Am. 1. 5. ἐξολοθρεύσω κατοικοῦντας ἐκ πεδίου  
'Ων (8 a)
- Mi. 4. 10. κατασκηνοῦσιν ἐν πεδίῳ (8)
- Jl. 1. 10. τεταλιμώρηκε τὰ π. (8)
- 20. τὰ κτήνη τοῦ π. ἀνέβλεψαν πρὸς σὲ (8)
2. 3. τὰ θύσθεν αὐτοῦ πεδίων ἀφανισμοῦ (4)
- 22. θαρσείτε κτήνη τοῦ π. (10)
- 22. Α Β B<sup>1</sup> βεβλάστηκε τὰ [B S<sup>1</sup> om.] π.  
τῆς ἐρήμου (7)
- 3 (4). 19. ἡ 'Ι. εἰς πεδίων ἀφανισμοῦ ἔσται (4)
- Ob. 1. 19. κατακληρονομήσουσι . . . τὸ π. (8)
- Σαμ. (8)
- Hb. 3. 5. ἐξελεύσεται εἰς πεδία [S<sup>1</sup> -αν, Α ἐν  
πεδίοις] +
- 17. τὰ π. οὐ ποιήσει βρώσιν (11)
- Za. 12. 11. ὡς κοπετὸς βώσων ἐν πεδίῳ ἐκκοπ-  
τομένου (8 a)
- Is. 16. 8. οὐκ ἐντραπήσῃ τὰ π. 'Εσεβῶν (11)
21. 15. Α<sup>2</sup> διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεπτακῶν ἐν  
τῇ π. [B S πολέμῳ] —

- Is. 40. 4. ἡ τραχὺς εἰς πεδία [B<sup>1</sup>-αν, ΔB<sup>2</sup> ὁδοὺς  
λείας] (3 a)  
41. 18. ἀνοίξω . . . ἐν μέσῳ πεδίων πηγῶς (3 a)  
68. 14. ὡς κτήνη διὰ πεδίου (3 a)  
Je. 9. 22 (21). ἐπὶ προσώπου τοῦ π. τῆς γῆς ὕ. (9)  
14. 18. εἰς ἐξέλθω εἰς τὸ π. (9)  
30 (49). 4. τί ἀγαλλιάσθῃ ἐν τοῖς π. 'Ενακείμ (9)  
Ez. 3. 22. ἐξέλθε εἰς τὸ π. (3 a)  
— 23. ἐξῆλθεν εἰς τὸ π. (3 a)  
7. 15. ὁ ἐν τῷ π. ἐν βομφαίᾳ τελευτήσει (9)  
8. 4. κατὰ τὴν ὕψαιον ἣν ἴδον ἐν τῷ π. (3 a)  
16. 5. ἀπερρίψῃς ἐπὶ προσώπου τοῦ π. (9)  
17. 5. ἔδωκεν αὐτὸ εἰς τὸ π. (9)  
— 8. εἰς π. καλὸν ἐφ' ὕδατι πολλῷ (9)  
— 24. γνώσονται πάντα τὰ ζῦλα τοῦ π. [A  
ἀγροῦ] (9)  
26. 6. αἱ θυγατέρες αὐτῆς ἐν [A αἱ ἐν τῷ  
πεδίῳ] (9)  
— 8. τὰς θυγατέρας σου τὰς ἐν τῷ π. (9)  
— 10. εἰσπορευόμενοι εἰς πόλιν ἐκ πεδίου (9)  
29. 5. ἐπὶ προσώπου τοῦ π. πεσῇ (9)  
31. 4. ἐξαπέστειλεν εἰς πάντα τὰ ζῦλα τοῦ π. (9)  
— 5. ὑψώθη τὸ μέγεθος αὐτοῦ παρὰ πάντα τὰ  
ζῦλα τοῦ π. (9)  
— 6. ἐγεννησαν πάντα τὰ θηρία τοῦ π. (9)  
— 12. συνεκρίβη τὸ στελεχὶ αὐτοῦ ἐν παντὶ  
πεδίῳ τῆς γῆς (9)  
— 15. πάντα τὰ ζῦλα τοῦ π. ἐπ' αὐτῷ ἐξελύ-  
θησαν (9)  
32. 4. πεδία πλησθήσεται σου (9)  
33. 27. οἱ ἐπὶ προσώπου τοῦ π. τοῖς θηρίοις  
δοθήσονται (9)  
34. 8. πᾶσι τοῖς θηρίοις τοῦ π. [A ἀγροῦ] (9)  
— 27. τὰ ζῦλα τὰ ἐν τῷ π. δώσω [A ζ. τοῦ π.  
ἀποδ.] τὸν καρπὸν (9)  
35. 8. ἐν πᾶσι τοῖς π. σου τετραυματισμένοι  
μαχαίρᾳ πεσούται (1)  
37. 1. ἔθηκε με ἐν μέσῳ τοῦ π. (3 a)  
— 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπου τοῦ π. (3 a)  
38. 20. σεσηθίσονται . . . τὰ θηρία τοῦ π. (9)  
39. 4. πᾶσι τοῖς θηρίοις τοῦ π. δέδωκα σε (9)  
— 5. ἐπὶ προσώπου τοῦ π. πεσῇ (9)  
— 10. οὐ μὴ λάβωσι ζῦλα ἐκ τοῦ π. (9)  
— 17. εἰπὸν . . . πρὸς πάντα τὰ θηρία τοῦ π. [A  
ἀγροῦ] (9)  
Da. LXX. 3. 1. ἔστησεν αὐτὴν ἐν πεδίῳ (3 b)  
Bel 32. ἐπορεύτο εἰς τὸ π. (3 b)  
Da. TH. 3. 1. ἔστησεν αὐτὴν ἐν πεδίῳ Δ. (3 b)  
Bel 33. ἐπορεύτο εἰς τὸ π. (3 b)  
I Ma. 3. 24. εἰδοκον . . . ὥς τοῦ π. (9)  
4. 6. ὥφθη 'I. ἐν τῷ π. (9)  
— 14. ἐφυγον εἰς τὸ π. (9)  
— 15. εἰδῶσαν αὐτοὺς . . . ὥς τῶν π. τῆς 'I. (9)  
— 21. τὴν 'I. παρεμβόλην ἐν τῷ π. ἐτοίμην (9)  
5. 52. διεβίβαν τὸν 'Iord. εἰς τὸ π. τὸ μέγα (9)  
10. 71. κατὰβηθι πρὸς ἡμᾶς εἰς τὸ π. (9)  
— 73. οὐ δύνησιν ὑποστῆναι τὴν ἵππον . . . ἐν  
τῷ π. (9)  
— 77. B B προήγεν [A προήγεν] εἰς τὸ π. (9)  
— 83. ἡ ἵππος ἐσκορπίσθη ἐν τῷ π. (9)  
11. 67. ὥρθησαν τὰ πρῶτα εἰς τὸ π. N. (9)  
— 68. ἀπῆλθον αὐτῶν ἐν τῷ π. (9)  
12. 49. ἀπέστειλε Tr. δυνάμεις . . . εἰς . . . τὸ π. τὸ  
μέγα (9)  
13. 13. παρεμβάλεν . . . κατὰ προσώπου τοῦ π. (9)  
14. 8. καὶ τὰ ζῦλα τῶν π. τὸν καρπὸν αὐ. (9)  
16. 5. ἐπορεύοντο εἰς τὸ π. (9)  
— 11. ἦν καθιστάμενος στρατηγὸς εἰς τὸ π. 'Iερ. (9)  
II Ma. 14. 33. τόνθη τὸ θεοῦ σηκὸν εἰς πεδίον ποιήσω (9)  
IV Ma. 18. 18. φθορὰς ἐν πεδίῳ (9)  
[Aq. Jd. 9. 6: Is. 40. 4.]  
[Sm. Nu. 28. 3: Ps. 28 (29). 9: 77 (78). 43:  
Is. 85. 2: 40. 4.]  
[Th. II Ki. 10. 8: Ps. 103 (104). 16 (P.): Is.  
40. 4.]  
[Quint. Ps. 41 (42). 2.]

## πεξικός.

- I Ma. 15. 38. δυνάμεις π. . . ἔδωκεν αὐτῷ  
16. 5. B<sup>2</sup>B δυνάμεις πολλὰ . . . πεξικῇ [A -οί, B<sup>1</sup>  
βασιλική]  
III Ma. 1. 1. τὰς πάσαις δυνάμει π. τε καὶ ἱππι-  
καῖς αὐ.  
πεζομαχία.  
IV Ma. 17. 24. ἀνδρείους εἰς πεζομαχίαν

- πεξός (incl. πεζή). (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒 𐤒𐤒  
Ex. 12. 37. εἰς ἐξακοσίας χιλιάδας πεζῶν (1)  
Nu. 11. 21. A<sup>2</sup>B ἐξακοσίας χιλιάδας πεζῶν ὁ λαός (1)  
Jd. 5. 15. A ἐξαπέστειλεν πεζοὺς αὐτοῦ [B al.] (1)  
20. 2. τετρακόσιαι χιλιάδες ἀνδρῶν π. (1)  
II Ki. 8. 4. καὶ εἰκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν πεζῶν (1)  
10. 6. εἰκοσι χιλιάδας πεζῶν (1)  
15. 17. ἐξῆλθεν ὁ βασιλ. . . πεζῇ [A -οί] (1)  
III Ki. 21 (20). 10. εἰ ἐκποιήσῃ . . . τοῖς π. μου (1)  
— 29. ἐκατὸν χιλιάδας πεζῶν (1)  
IV Ki. 13. 7. καὶ δέκα χιλιάδες πεζῶν (1)  
I Ch. 18. 4. B<sup>2</sup>B εἰκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν π. (1)  
[A B om.] (2)  
19. 18. καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδας πεζῶν (2)  
I Es. 8. 51. πεζοὺς τε καὶ ἱππείς (2)  
Ju. 1. 4. καὶ διατάξεις τῶν π. αὐ. [B<sup>1</sup> om., S<sup>2</sup> al.] (2)  
2. 5. πεζῶν εἰς χιλιάδας ἐκατὸν εἰκοσι (2)  
— 19. ἐν . . . π. ἐπὶ λείκτοις αὐτῶν (2)  
— 22. ἔλαβε . . . τοὺς π. καὶ τοὺς ἱππείς (2)  
7. 2. χιλιάδες ἀνδρῶν [A B om.] π. (2)  
— 20. οἱ π. καὶ τὰ ὄπλα (2)  
9. 7. ἐγανύσαν ἐν βραχίονι πεζῶν (2)  
Si. 18. 10. ἐξακοσίας χιλιάδας πεζῶν (2)  
46. 8. διεσώθησαν ἀπὸ ἐξακοσίων χιλιάδων πεζῶν (2)  
Ba. 5. 6. ἐξῆλθον γὰρ παρὰ σοῦ πεζοὶ ἀγρόμενοι  
ὑπὸ ἐχθρῶν (2)  
I Ma. 6. 30. ἐκατὸν χιλιάδες πεζῶν (2)  
16. 7. διείλε . . . τοὺς ἱππείς ἐν μέσῳ τῶν π. (2)  
II Ma. 11. 4. B πεφρονωμένοις δὲ ταῖς μυριάσι τῶν  
π. [A πεδῶν] (2)  
12. 20. ἔχοντα περὶ αὐτὸν μυριάδας δώδεκα πεζῶν (2)  
— 33. ἐξῆλθε δὲ μετὰ π. τρισχίλιον (2)  
13. 2. πεζῶν μυριάδας ἑνδεκά (2)  
[Aq., Sm. I Ki. 15. 4: Jc. 12. 5.]  
[Th. I Ki. 15. 4.]  
[Al. I Ki. 4. 10.]  
πειθαρχεῖν. (1) 𐤒𐤒 𐤒𐤒 ithpe.  
I Es. 8. 94. A B δοσι πειθαρχοῦσι [B -χῆσουσιν]  
τοῦ νόμου [A τῷ ν.] (2)  
Si. 30. 38 (33. 28). κἂν μὴ πειθαρχῇ (1)  
Da. LXX. 7. 27. καὶ πειθαρχήσουσιν αὐτῷ (1)  
πείθειν. (1) 𐤒𐤒 hi. (2) a. 𐤒𐤒  
b. 𐤒𐤒𐤒 c. 𐤒𐤒𐤒 d. 𐤒𐤒𐤒 (3) a. 𐤒𐤒  
b. 𐤒𐤒𐤒 c. 𐤒𐤒𐤒 (4) 𐤒𐤒 hi. (5) 𐤒𐤒 pi.  
(6) 𐤒𐤒 pi. (7) 𐤒𐤒 ithpe. (8) 𐤒𐤒 pi.  
(9) 𐤒𐤒 ni. (10) 𐤒𐤒 a. qal. b. hi.  
(11) πεποιθὼς a. 𐤒𐤒 b. 𐤒𐤒 c. 𐤒𐤒  
d. 𐤒𐤒 (12) πεποιθέναι ποιεῖν a. 𐤒𐤒 hi.  
b. 𐤒𐤒 hi. (13) πεποιθὼς γίνεσθαι 𐤒𐤒  
(14) πεποιθὼς εἶναι a. 𐤒𐤒 b. 𐤒𐤒  
c. 𐤒𐤒 d. 𐤒𐤒 e. 𐤒𐤒 hi. f. 𐤒𐤒 pi.  
g. 𐤒𐤒 h. 𐤒𐤒 ni. i. 𐤒𐤒 j. 𐤒𐤒 k. 𐤒𐤒  
Le. 25. 18. A B<sup>1</sup> κατοικήσετε πεποιθότες [B<sup>2</sup>B  
al.] (11 b)  
— 19. κατοικήσετε πεποιθότες ἐπ' αὐτῆς (11 b)  
De. 28. 52. ἐφ' οἷς σὺ πέποιθας ἐν αὐτοῖς (2 a)  
32. 37. ἐφ' οἷς ἐπεποιθήσαν ἐπ' αὐτοῖς (3 a)  
33. 12. κατασκηνώσει πεποιθὼς (11 b)  
— 28. κατασκηνώσει 'Iσρ. πεποιθὼς (11 a)  
Jd. 8. 11. ἡ παρεμβολὴ ἦν πεποιθὴ (11 a)  
9. 15. A πεποιθέν ἐν τῇ σκῆπῳ μου [B al.] (3 a)  
— 26. A καὶ ἐπεποιθήσαν [B ἤλπισαν ἐν]  
αὐτῷ (2 a)  
18. 10. A πρὸς λαὸν πεποιθὸτα [B ἐπ' ἐκπιδι] (2 a)  
— 27. ἐπὶ λαὸν . . . πεποιθὸτα (2 a)  
Ru. 2. 12. πεποιθέναι ὑπὸ τὰς πτέρυγας αὐ. (3 a)  
I Ki. 12. 11. κατακείτω πεποιθότες [A -θῶς] (11 a)  
24. 8. ἔπεισε Δ. τοὺς ἀνδρας αὐτοῦ (8)  
II Ki. 22. 3. πεποιθὼς ἔσομαι ἐπ' αὐτῷ (14 a)  
— 31. πᾶσι τοῖς πεποιθέν ἐπ' αὐτῷ (8 a)  
III Ki. 8. 1 (B), 4. 25 (A) (5. 5). κατῴκει 'I.  
καὶ 'Iσρ. πεποιθότες (11 b)  
IV Ki. 18. 19. ἡ πεποιθήσις αὐτῇ ἦν πέποιθας (2 a)  
— 20. τίνι πεποιθὼς ἠθέλησας ἐν ἐμοί (2 a)  
— 21. πέποιθας σταντῷ ἐπὶ τὴν βάβδον (2 a)  
— 21. πᾶσι τοῖς πεποιθέν ἐπ' αὐτὸν (2 a)  
— 22. ἐπὶ κύριον θεὸν πεποιθαμεν (2 a)

- IV Ki. 19. 10. ἐφ' ᾧ σὺ πέποιθας ἐν [A ἐπ'] αὐτῷ (2 a)  
II Ch. 14. 11 (10). ἐπὶ σοὶ πεποιθαμεν (9)  
16. 7. ἐν τῷ πεποιθέναι σε ἐπὶ βασιλείᾳ Σ. καὶ  
μὴ πεποιθέναι σε ἐπὶ κ. θεόν σου (9, 9)  
— 8. ἐν τῷ πεποιθέναι σε ἐπὶ κύριον (9)  
32. 10. ἐπὶ τί [A τίνι] ὑμεῖς πεποιθατε (2 a)  
— 15. μὴ πεποιθέναι ὑμᾶς ποιεῖν (12 b)  
To. 3. 17. A<sup>2</sup> πέσαι τὰ λευκώματα [A<sup>1</sup> B S al.]  
10. 7. S οὐκ ἐπείθετο οὐδενί (1)  
14. 4. πέπεισμαι ὅσα ἐλάλησεν 'I. [S al.]  
Ju. 2. 5. ἀνδρας πεποιθὸτας ἐν ἰσχύι αὐτῶν  
7. 10. οὐ πέποιθαν ἐπὶ τοῖς δόρασιν αὐ.  
12. 11. πέσαν δὴ πορευθεὶς τὴν γυν. τὴν 'Εβρ.  
Es. 4. 4. ὁ δὲ οὐκ ἐπέσθη [A ἐτίθη] S ἐτίθει (5)  
Jb. 6. 13. ἡ οὐκ ἐπ' αὐτῷ ἐπείθετο (1)  
— 20. οἱ ἐπὶ πόλιν καὶ χρήμασι πεποιθότες (2 a)  
11. 18. πέποιθες τε ἔρη ἐπὶ ἐστί σοι ἐλπίς (14 a)  
12. 5. μηδεὶς πεποιθένω πορηρὸς ὢν ἀθῶς ἐσσεσθαι (1)  
27. 8. πεποιθὼς [A μὴ π.] ἐπὶ κύριον ἄρα [A  
εἰ ἄρα] σωθήσεται (1)  
31. 21. πεποιθὼς ἐπὶ πολλῇ μοι βοήθειᾳ περι-  
εστιν [A B παρέστιν] (1)  
— 24. εἰ δὲ καὶ λίθον πολυτελεῖ ἐπεποιθήσῃ (2 b)  
39. 11. πέποιθας δὲ ἐπ' αὐτῷ (2 a)  
40. 18 (23). πέποιθεν ἐπὶ προσκρούσει ὁ 'I. (2 a)  
Ps. 2. 12. μακάριοι πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ (3 a)  
10 (11). 1. ἐπὶ τῷ κυρίῳ πέποιθα (3 a)  
24 (25). 2. ὁ θεός μου, ἐπὶ σοὶ ἀπεποιθα (2 a)  
48 (49). 6. οἱ πεποιθότες ἐπὶ τῇ δυνάμει αὐτῶν (2 a)  
56 (57). 1. ἐπὶ σοὶ πέποιθεν ἡ ψυχὴ μου (3 a)  
96 (97). 7. B<sup>1</sup> πάντες οἱ πεποιθότες ἐπὶ [A B S<sup>2</sup>  
οἱ προσκυνούτες] τοῖς γλυπτοῖς (1)  
118. 16 (115. 8). καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ'  
αὐτοῖς (2 a)  
117 (118). 8. ἀγαθὸν πεποιθέναι ἐπὶ κύριον ἢ  
πεποιθέναι ἐπ' ἀνθρώπον (3 a, 2 a)  
124 (125). 1. οἱ πεποιθότες ἐπὶ κύριον (2 a)  
134 (135). 18. πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' [B<sup>1</sup> ἐν]  
αὐτοῖς (2 a)  
145 (146). 3. μὴ πεποιθατε ἐπ' ἄρχοντας (2 a)  
Pr. 3. 5. ἰσθὶ πεποιθὼς . . . ἐπὶ θεῷ (14 a)  
— 23. ἵνα πορεύῃ πεποιθὼς ἐν εἰρήνῃ (11 b)  
— 29. μὴ τεκτῆρῃ ἐπὶ σὺν φίλων κακὰ παρο-  
κούντα καὶ πεποιθὸτα ἐπὶ σοὶ (11 b)  
10. 9. δὲ πορεύεται ἄπλως πορεύεται πεποιθὼς (11 a)  
11. 28. ὁ πεποιθὼς ἐπὶ πλοῦτος οὗτος πεσεῖται (2 a)  
14. 16. ὁ δὲ ἄφρων ἐαυτῷ πεποιθὼς (2 a)  
— 32. ὁ δὲ πεποιθὼς τῇ ἐαυτοῦ δόσιντῃ δίκαιος (3 a)  
16. 20. πεποιθὼς δὲ ἐπὶ θεῷ μακαριστός (2 a)  
21. 22. ἐφ' ᾧ ἐπεποιθήσαν οἱ ἀσεβεῖς (2 b)  
26. 25. μεγάλη τῇ φωνῇ μὴ πέσῃ (1)  
28. 1. δίκαιος δὲ ὡς περὶ λέων πέποιθε (2 a)  
— 25. δὲ δὲ πέποιθεν ἐπὶ κύριον (2 a)  
— 26. δὲ πέποιθε θρασείᾳ καρδίᾳ (2 a)  
29. 25. ὁ δὲ πεποιθὼς ἐπὶ κυρίῳ [A -ον] (2 a)  
— 25. δὲ δὲ πέποιθεν [A ὁ δὲ πεποιθὼς] ἐπὶ  
τῷ δεσπότη [B σωτήρι] σωθήσεται (2 a ?)  
Wi. 3. 9. οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ συνήσουσιν ἀληθεῖαν  
13. 7. πείθονται τῇ ψυαί (2 a)  
14. 29. ἀψύχους γὰρ πεποιθότες εἰδῶλοις  
18. 8. καὶ ἐν τούτῳ δὲ ἐπεισας τοὺς ἐχθρούς ἡμῶν  
— 24. ἀνίσται εἰς ἐνεργεσίαν ὑπὲρ τῶν εἰς σέ [A B  
ἐπὶ σοὶ] πεποιθόντων (11 b)  
Si. 2. 5. S<sup>2</sup> ἐν νόσοις καὶ πενίᾳ ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς  
γίνου (2 a)  
4. 15. ὁ προσελθὼν [A B -έχων] αὐτῇ κατασκηνώσει  
πεποιθὼς (2 a)  
35 (32). 24. ὁ πεποιθὼς κυρίῳ οὐκ ἐλαττωθήσεται  
Am. 6. 1. οὐαὶ . . . τοῖς πεποιθέν ἐπὶ τὸν θρόνον Σ. (2 a)  
Hb. 2. 18. πέποιθεν ὁ πλάσας ἐπὶ τὸ πλάσμα αὐ. (2 a)  
Ze. 3. 2. ἐπὶ τῷ κυρίῳ οὐκ ἐπεποιθέτω [A -ἤσεν] (2 a)  
Is. 8. 14 (13). κἂν ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς ᾖ (1)  
— 17. πεποιθὼς ἔσομαι ἐπ' αὐτῷ (14 f)  
10. 20. οἱ σωθέντες τῷ 'Iakov οὐκ εἰσὶν μὴ πε-  
ποιθότες ὥσιν ἐπὶ τοὺς ἀδικήσαντας  
αὐτοὺς ἀλλὰ ἔσονται πεποιθότες  
ἐπὶ τὸν θεόν (14 h, 14 h)  
12. 2. πεποιθὼς ἔσομαι ἐπ' [A ἐν] αὐτῷ (14 a)  
14. 6 (7). ἀνέπαστο πεποιθὼς (10 a)  
17. 7. πεποιθὼς ἔσται ὁ ἀνθρώπος ἐπὶ τῷ ποιῇ-  
σαντι αὐτόν (14 g)  
— 8. οὐ μὴ πεποιθότες ὥσιν ἐπὶ τοὺς βωμοὺς (14 g)  
— 8. B ἄλλ' ἔσονται πεποιθότες ἐπὶ τὸν ἀγιον  
τοῦ 'Iσραὴλ (14 g)  
20. 5. ἐφ' οἷς ἦσαν πεποιθότες οἱ Αἰγύπτιοι (14 d)  
— 6. ἦμεν πεποιθότες τοῦ φυγεῖν εἰς αὐτοὺς (14 d)

- Is. 22. 24. ἔσται πεποιθὸς ἐπ' αὐτὸν πᾶς ἔνδοξος (14 f)  
 28. 17. οἱ πεποιθότες μάτην ψευδαί (8 b ?)  
 30. 3. τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' Αἰγυπτὸν ὄνειδος (3 c)  
 — 12. πεποιθὸς ἐγένον ἐπὶ τῷ λόγῳ τούτῳ (13)  
 — 15. ἐπεισθεὶς ἐπὶ τοῖς ματαίοις (10 b + 2 c)  
 — 32. ἡ ἁλπις τῆς βοηθείας ἐφ' ἣ αὐτὸς ἐπε-  
 ποίει +  
 31. 1. οὐαὶ . . . οἱ ἐφ' ἵπποις πεποιθότες . . .  
 οὐκ ἦσαν πεποιθότες ἐπὶ τὸν ἄγιον  
 τοῦ Ἰσραὴλ (9, 14 g)  
 32. 3. οὐκ εἶναι πεποιθότες ἐπ' ἀνθρώ-  
 πους (14 g)  
 — 11. λυπήθητε αἱ πεποιθῦναι (11 d + 2 a)  
 — 17. πεποιθότες [B<sup>1</sup> οἱ π., A<sup>8</sup> add. ἔσονται]  
 ἕως τοῦ αἰῶνος (11 a [14 b])  
 — 18. ἐνοικήσει πεποιθὸς (11 c)  
 — 19. ἔσονται οἱ ἐνοικοῦντες ἐν τοῖς δρυμοῖς  
 πεποιθότες +  
 33. 2. ἐπὶ σοὶ γὰρ ποίησάμεν (8)  
 36. 4. τί [B<sup>3</sup> τίνα] πεποιθὸς εἶ (14 c)  
 — 5. ἐπὶ τίνα [A B -νι] πέποιθας (2 a)  
 — 6. πεποιθὸς εἶ ἐπὶ τὴν ῥάβδον τὴν καλα-  
 μίνην . . . οὕτως ἐστὶ Φ. βασιλεὺς  
 Αἰγ. καὶ πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ'  
 αὐτῷ (14 a, 2 a)  
 — 7. ἐπὶ κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν ποιοῦμεν (2 a)  
 — 9. οἰκίται εἰσὶν οἱ πεποιθότες ἐπ' Αἰγ. (2 a)  
 37. 10. ἐφ' ᾧ πέποιθας [B<sup>1</sup> -δὸς ἦς, A<sup>8</sup> -δὸς  
 εἶ] ἐπ' αὐτῷ (2 a [14 a])  
 42. 17. οἱ πεποιθότες ἐπὶ τοῖς γλυπτοῖς (2 a)  
 47. 8. ἀκούε ταῦτα, τρυφερὰ ἢ καθημένη ἢ  
 πεποιθῦναι (11 b)  
 50. 10. ποιοῦνται ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (2 a)  
 58. 14. ὅση πεποιθὸς ἐπὶ κύριον (14 c)  
 59. 4. ποιοῦσαν ἐπὶ ματαίοις (2 a)  
 Jc. 5. 17. ἐφ' αἷς ὑμῖν πεποιθατε ἐπ' αὐταῖς  
 [B -ας] (2 a)  
 7. 4. μὴ πεποιθατε ἐφ' ἑαυτοῖς ἐπὶ λόγοις ψευ-  
 δίσιν (2 a)  
 — 8. εἰ δὲ ὑμῖν πεποιθατε ἐπὶ λόγοις ψευδίσιν (2 a)  
 — 14. ἐφ' ᾧ ὑμῖν πεποιθατε ἐπ' αὐτῷ (2 a)  
 9. 4 (3). ἐπ' ἀδελφοῖς αὐτῶν μὴ πεποιθατε (2 a)  
 12. 5. A B<sup>2</sup> R ἐν γῇ ἰσχύρη σου [B<sup>1</sup> οὐ] πέ-  
 ποιθας (2 a)  
 17. 7. δε πέποιθεν ἐπὶ τῷ κυρίῳ (2 a)  
 28. 6. Ἰσρ. [B<sup>1</sup> Ier.] κατασηκώσας πεποιθὸς (11 b)  
 26 (46). 25. καὶ ἐπὶ τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτῷ (2 a)  
 27 (50). 38. A ἐπὶ [B ἐν] τῷ ὕδατι αὐτῆς ἐπι-  
 ποίει [B S om.] -  
 29 (49). 11. αἱ χήραι ἐπ' ἐμὲ πεποιθασιν (2 a)  
 30 (49). 4. ἡ πεποιθὸν ἐπὶ ὁσκαυροῖς [B -οὐς]  
 αὐτῆς (2 a)  
 31 (48). 7. πεποιθεῖς ἐν ὀχυρώμασιν σου (2 a)  
 — 11. πεποιθὸς ἦν ἐπὶ τῇ δόξῃ αὐτοῦ (14 i)  
 — 13. κατηχησὺν οἶκος Ἰσραὴλ ἀπὸ Βαθλὰ  
 ἑλπίδος αὐ. πεποιθότες ἐπ' αὐτοῖς (11 c ?)  
 35 (28). 15. πεποιθέναι ἐποίησας τὸν λαὸν τού-  
 τον ἐπ' ἀδίκῳ (12 a)  
 36 (28). 8. B μὴ πειθίσωσαν [A B ἀναπ.] ὑμᾶς (4)  
 — 31. πεποιθέναι ἐποίησεν ὑμᾶς ἐπ' ἀδίκους  
 [A B -ω] (12 a)  
 39 (32). 37. καθὼς [A κατοικίῳ] αὐτοὺς πεποι-  
 θότας (11 b)  
 46 (39). 18. ἐπεισθεὶς ἐπ' ἐμοί (2 a)  
 Ba. 3. 17. τὸ χρυσίον ᾧ ἐπεισθεῖσαν ἀνθρώποι  
 Εζ. 33. 13. πεποιθὸν ἐπὶ τῇ δικαιοσύνῃ αὐτοῦ (2 a)  
 Da. LXX. Su. 35. ἡ δὲ καρδιά αὐ. ἐπεισθεῖς ἐπὶ κυρίῳ  
 3. (40). οὐκ ἴσταν αἰσχύνῃ τοῖς πεποιθόσιν ἐπὶ σοὶ  
 Da. TH. Su. 35. ἦν ἡ καρδιά αὐ. πεποιθὴ ἐπὶ κυρίῳ  
 3. (40). οὐκ ἔσται αἰσχύνῃ τοῖς πεποιθόσιν ἐπὶ σοὶ  
 — 28 (95). ὅτι ἐπεισθεῖσαν ἐπ' αὐτῷ (7)  
 I Ma. 9. 1. B ἐπεισαν [A ἐποίησαν, B ἐπέσει] Νικάνωρ  
 — 58. ἐν ἰσχυρίᾳ κατοικοῦσι πεποιθότες  
 10. 71. A B εἰ [B ἐπὶ] πέποιδας ἐπὶ ταῖς δυνάμεσί σου  
 — 77. B R διὰ τὸ . . . πεποιθέναι ἐπ' αὐτῇ [A -ῇν]  
 II Ma. 4. 34. καὶ πεισθεὶς ἐπὶ δόλῳ  
 — 34. ἐπίσαν ἐκ τοῦ ἀσύλου προελθεῖν  
 — 45. πρὸς τὸ πείσαι τὸν βασιλέα  
 7. 26. ἐπεδέξατο πείσαι τὸν νιόν  
 — 40. παντὶ ἑκ ἐπὶ τῷ κυρίῳ πεποιθὸς  
 8. 18. οἱ μὲν γὰρ ὄπλοις πεποιθασιν  
 — 18. ἡμῖν δὲ ἐπὶ τῷ παντοκρ. θεῷ . . . πεποιθόμεν  
 9. 27. πεπεισμαι γὰρ αὐτὸν . . . συμπεριμενεχθήσεσθαι  
 ὑμῖν  
 10. 20. ὑπὸ τινων τῶν ἐν τοῖς πύργοις ἐπεισθησαν  
 ἀργυρίῳ

- II Ma. 10. 34. τῇ ἐρυμνότητι τοῦ τόπου πεποιθότες  
 11. 14. ἔπεισε συλλογισθῆαι ἐπὶ πᾶσι τοῖς δικαίοις  
 — 14. καὶ διότι καὶ τὸν βασι. πείσας  
 12. 14. πεποιθότες τῇ τῶν τευχῶν ἐρυμνότητι  
 15. 7. ὁ δὲ Μακκ. ἦν ἀδολοκίμως πεποιθὸς  
 III Ma. 1. 11. B οὐδὰμὼς ἡβούλετο πείσθαι [A ὁ  
 δὲ οὐ. ἐπειθεῖτο]  
 2. 4. ῥώμῃ καὶ θράσει πεποιθότες  
 3. 24. τεκμηρίως καλῶς πεπεισμένοι  
 4. 20. B σαφῶς αὐτὸν περὶ τούτου πεισθῆναι [A  
 πιστωθ.]  
 IV Ma. 2. 6. πολλὸν πλείον πείσαιμ' ἐν ὑμᾶς  
 5. 16. θείῃ πεπεισμένοι νόμῳ πολιτεύεσθαι  
 6. 4. πείσθηται ταῖς τοῦ βασι. ἐντολαῖς  
 8. 12. ὅπως . . . πείσαν αὐτοὺς μαροφαγήσαι  
 — 17. B<sup>2</sup> R εἰ [A μὴ, B<sup>1</sup> ἢ] πεισθήμεν αὐτῷ  
 — 26. ἤν τῷ βασι. πεισθέντας [B<sup>1</sup> -ε]  
 9. 18. διὰ πᾶσων γὰρ ὑμᾶς πείσω τὸν βασιάνων  
 10. 13. πεισθεὶς τῷ βασι. σὺ εἰ σεαυτὸν  
 12. 4. A B εἰ μὴ μὴ πεισθήεις [B -εἰς]  
 — 5. πεισθεὶς δὲ φίλος ἔσθ  
 15. 10. ὥστε καὶ . . . πεισθεῖσαι αὐτῇ  
 16. 24. B R ἀποθανεῖν [A om.] ἐπίσειε μᾶλλον ἢ  
 παραβῆναι  
 18. 1. A B πεισθεῖσαι [B πῶδ.] τῷ νόμῳ τούτῳ  
 [Aq. Ps. 9. 11: 24 (25). 2: 25 (26). 1: 26 (27).  
 3: 27 (28). 7: 30 (31). 2: 7, 15: 81 (82). 10: 82  
 (83). 21: 40 (41). 10: 55 (56). 4: 90 (91). 2:  
 184 (185). 18: Pr. 14. 32: Is. 28. 3. 4: 82.  
 9. 11: 36. 6: 57. 13: Jc. 17. 7: 48 (51). 13:  
 Ez. 30. 9: 34. 25.]  
 [Sm. Ge. 84. 22: 87. 27: Ps. 9. 11: 24 (25).  
 20: 25 (26). 1: 27 (28). 7: 30 (31). 2: 15:  
 81 (82). 10: 82 (83). 21: 40 (41). 10: 55 (56).  
 4: 12: 76 (77). 3: 80 (81). 12: 134 (135). 18:  
 Pr. 3. 5: 11. 15: 14. 32: Is. 32. 9: 36. 6:  
 42. 17: 57. 13: Jc. 48 (51). 13: Ez. 33. 13:  
 Da. 3. 28 (95) (Sw.).]  
 [Th. Jd. 9. 15: 18. 10: Jb. 40. 18 (23): Ps. 40  
 (41). 10: 67 (68). 7: 118 (119). 20: Pr. 11.  
 15: 12. 18: 14. 32: Is. 32. 9. 11: 36. 6: 57.  
 13: Jc. 33 (40). 16: 48 (51). 13: Ez. 34. 25:  
 Da. 3. 28 (95).]  
 [Al. Ps. 4. 6: 43 (44). 7: Pr. 1. 33: Hb. 8.  
 14.]  
 [Quint. Ps. 118 (119). 20.]  
 [Sext. Ps. 80 (81). 15: 32 (33). 18: 118 (119).  
 20.]

πεινῶν. (1) ἧψ' a. verb. δ. adj. (2) ὠψ'

(3) ἧψ' (4) ὠψ' a. verb., δ. adj.

- Ge. 41. 55. ἐπεισας πᾶσαν τὴν γῆν Αἰγ. (4 a)  
 De. 25. 18. σὺ δὲ ἐπεισας καὶ ἐκοπίας (8)  
 Jd. 8. 4. πεινώσας [A ὀλιγοψυχούσας] καὶ  
 διώκοντας [B ἐκλείποντας] (3, [†])  
 — 5. A ὅτι πεινώσιν [B ἐκλείπονται] (3)  
 I Ki. 2. 5. A B οἱ πεινώσας [B ἀσθενούσας]  
 παρήκαν γῆν (4 b)  
 II Ki. 17. 29. ὁ λαὸς πεινῶν (4 b)  
 IV Ki. 7. 12. πεινώμεν ἡμεῖς (4 b)  
 To. 1. 16. τοὺς ἄρτους μου ἐδίδουν τοῖς πεινώσι  
 4. 16. ἐκ τοῦ ἄρτου σου δίδου πεινῶντι (4 b)  
 Jb. 22. 7. πεινώσων ἐστέρησας ψωμὸν (4 b)  
 24. 10. πεινώσων δὲ τὸν ψωμὸν ἀφείλαντο (4 b)  
 Ps. 33 (34). 10. πλουτοῖσι . . . ἐπεισας (4 a)  
 49 (50). 12. ἵαν πεινώσας οὐ μὴ σοὶ εἴπω (4 a)  
 106 (107). 5. πεινώσας καὶ διψώσας ἡ ψυχὴ  
 αὐτῶν ἐν αὐτοῖς ἐξέλιπε (4 b)  
 — 9. A B καὶ ψυχὴν [B om.] πεινώσων ἐνέ-  
 πησαν ἀγαθὸν (4 b)  
 — 36. κατήκουσεν ἐκεῖ πεινώσας (4 b)  
 145 (146). 7. δίδοντα τροφὴν τοῖς πεινώσι (4 b)  
 Pr. 6. 30. ἵνα ἐμπλήσῃ τὴν ψυχὴν πεινῶν [A  
 -ώσαν] (4 a)  
 18. 8. ψυχὰς δὲ ἀνδρογύνων [B<sup>1</sup> -γαίων] πεινά-  
 σουσιν +  
 19. 15. ψυχὴ δὲ ἀεργοῦ πεινάσει (4 a)  
 25. 21. ἐὰν πεινῇ ὁ ἐχθρὸς σου (4 a)  
 28. 15. λέων πεινῶν καὶ λύκος διψῶν (2 ?)  
 Si. 4. 2. ψυχὴν πεινώσαν μὴ λυπήσῃ  
 16. 27. οὐτε ἐπεισας οὐτε ἐκοπίας  
 24. 21. οἱ ἐσθιοντές με εἴτι πεινώσονται  
 Is. 5. 27. οὐ πεινώσονται οὐδὲ [A om. π. οὐ.]  
 κοπιάσουσιν (3)  
 8. 21. ὥς ἂν πεινάσῃ λυπηθῇσθε (4 a)  
 9. 20 (19). ἐκλείπει εἰς τὰ δεξιὰ τοῦ πεινάσει (4 a)  
 28. 12. τοῦτο τὸ ἀνάπαυμα τῷ πεινώντι (3)

- Is. 32. 6. τοῦ διασπείρει [A διασφείρει] ψυχὰς  
 πεινώσας καὶ τὰς ψυχὰς τὰς διψά-  
 σας [B<sup>1</sup> πεινώσας] κεναὶ ποιήσιν (4 b, †)  
 40. 28. οὐ πεινάσει [B<sup>1</sup> -ση] οὐδὲ κοπιήσει (1 a)  
 — 29. διδοὺς τοῖς πεινώσιν ἰσχύν (1 b)  
 — 30. πεινώσουσι γὰρ νεώτεροι (1 a)  
 — 31. βαδιούνται καὶ οὐ πεινώσουσιν (1 a)  
 44. 12. πεινάσει καὶ ἀσθενήσῃ (4 b)  
 46. 2. ὥς φορτίον κοπιῶντι ἐκλελυμένη καὶ  
 πεινῶντι +  
 49. 10. οὐ πεινώσουσιν οὐδὲ διψήσουσιν (4 a)  
 58. 7. διαβρυντὲ πεινῶντι τὸν ἄρτον σου (4 b)  
 — 10. ὥς πεινῶντι τὸν ἄρτον ἐκ ψυχῆς σου (4 b)  
 65. 13. ὑμεῖς δὲ πεινώσετε (4 a)  
 Jc. 38 (31). 12. οὐ πεινώσουσιν ἔτι +  
 — 25. πᾶσαν ψυχὴν πεινώσων ἐνέπλησα +  
 49 (42). 14. A B B<sup>2</sup> ἐν ἄρτοις οὐ μὴ πεινώσωμεν (4 a)  
 Ba. 2. 18. οἱ ὀφθαλμοὶ οἱ ἐκλείποντες καὶ ἡ ψυχὴ  
 ἡ πεινώσα δάσυνται σοὶ δόξαν  
 Ez. 18. 7. τὸν ἄρτον [A ἀνδρα] αὐτοῦ τῷ πει-  
 νῶντι δώσει (4 b)  
 — 16. τὸν ἄρτον αὐτοῦ τῷ πεινῶντι ἔδωκε (4 b)  
 I Ma. 13. 49. ἐπεισας σφόδρα  
 [Aq. Jb. 5. 5: Pr. 27. 7: Is. 58. 10.]  
 [Sm. Jb. 5. 5: Pr. 27. 7: Is. 8. 21 bis: 58. 10.]  
 [Th. Ge. 25. 29: Jd. 8. 5: Ps. 55. 58. 10.]  
 [Al. Pr. 6. 30.]  
 πείρα. (1) πῶρ (2) πείραν λαμβάνειν  
 πῶρ pi.  
 De. 28. 56. ἥς οὐκ ἔπειραν ἔλαβεν ὁ πούς αὐτῆς (2)  
 38. 8. ὃν ἐπείρασεν αὐτὸν ἐν πείρᾳ (31)  
 Wi. 18. 20. ἤψατο δὲ καὶ δικαίως πείρα θανάτου  
 — 25. ἦν γὰρ μόνῃ τ. π. τῆς ὀργῆς ἰκανή  
 II Ma. 8. 9. ἐν πολυμικαῖς χρεῖαις ἔχοντα πείραν  
 IV Ma. 8. 1. κατὰ τὴν πρᾶξιν π. ἐνικήθη  
 πειράζειν, πείραν. (1) ἧψ' pi.  
 Ge. 22. 1. ὁ θ. ἐπείραξεν τὸν Ἀβ. (1)  
 Ex. 15. 25. ἐκεῖ ἐπείρασεν [A -αξεν] αὐτόν (1)  
 16. 4. ὅπως πειράσω αὐτούς (1)  
 17. 2. τί πειράζετε κύριον (1)  
 — 7. διὰ τὸ π. κύριον (1)  
 20. 20. ἐνεκεν γὰρ τοῦ πειράσαι ὑμᾶς (1)  
 Nu. 14. 22. ἐπείρασάν με τοῦτο δέκατον (1)  
 De. 4. 34. εἰ ἐπείρασαν ὁ θ. . . λαβεῖν (1)  
 8. 2. A R ὅπως . . . πειράσῃ [B ἐκπ.] σε (1)  
 13. 3 (4). πειράζει κ. ὁ θ. σου ὑμᾶς (1)  
 33. 8. ὃν ἐπείρασαν αὐτὸν ἐν πείρᾳ (1)  
 Jd. 2. 22. τοῦ πειράσαι ἐν αὐτοῖς τὸν Ἰσρ. (1)  
 3. 1. 4. ὥστε πειράσαι ἐν αὐτοῖς τὸν Ἰσρ. (1)  
 6. 39. πειράσω . . . ἐν τῷ πόκῳ (1)  
 I Ki. 17. 39. ὅτι οὐ πεπειράμαι (1)  
 III Ki. 10. 1. πειράσαι αὐτὸν ἐν αἰνίγματι (1)  
 II Ch. 9. 1. ἤλθε τοῦ πειράσαι Σ. (1)  
 32. 31. τοῦ πειράσαι αὐτόν (1)  
 To. 12. 14. S πειράσαι σε (1)  
 Ju. 8. 12. οἱ ἐπείρασαν τὸν θεόν  
 — 25. ὃς πειράζει ἡμᾶς  
 — 26. ὅσα ἐπείρασε τὸν Ἰσραὴλ (1)  
 Ps. 25 (26). 2. A B S<sup>2</sup> καὶ πειράσόν με (1)  
 34 (35). 16. ἐπείρασάν με +  
 77 (78). 41. ἐπείρασαν τὸν θεόν (1)  
 — 56. ἐπείρασαν . . . τὸν θεόν τὸν ὑψίστον (1)  
 94 (95). 9. A B S<sup>2</sup> οὐ ἐπείρασαν [B<sup>2</sup> R ἐπ. με]  
 οἱ πατέρες ὑμῶν (1)  
 105 (106). 14. ἐπείρασαν τὸν θεόν ἐν ἀνδρῶν (1)  
 Pr. 26. 18. S<sup>2</sup> ὥσπερ οἱ πειρώμενοι [A B S<sup>1</sup>  
 ἰωμ.] προβάλλουσι λόγους +  
 Ec. 2. 1. δεῦρο δὴ πειράσω σε ἐν εὐφροσύνῃ (1)  
 7. 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπείρασα ἐν σοφίᾳ (1)  
 Wi. 1. 2. εὐρίσκειται τοῖς μὴ πειράζουσιν αὐτόν  
 2. 17. πειράσωμεν τὰ ἐν ἐκβάσει αὐτοῦ  
 — 24. πειράζουσιν δὲ αὐτὸν οἱ τῆς ἐκείνου μερίδος  
 ὄντες  
 3. 5. ὁ θεὸς ἐπείρασεν αὐτοὺς  
 11. 9. ὅτε γὰρ ἐπείρασθησαν  
 12. 26. ἀξίαν θεοῦ κρίσιν πειράσουσιν  
 19. 5. B<sup>2</sup> B παράδοξον ὁδοιπορίαν πειράσῃ [A B<sup>2</sup> R  
 περ.]  
 Si. 4. 17. ἕως οὐ . . . πειράσει [B<sup>1</sup> -εις] αὐτόν  
 13. 11. ἐκ πολλῆς γὰρ λαλιᾶς πειράσει σε  
 18. 23. μὴ γίνου ὡς ἄνθρωπος πειράζων τὸν κύριον  
 31 (34). 10. ὃς οὐκ ἐπείραθ' [B<sup>1</sup> -άσθη] ὀλίγα οἰδεν  
 37. 27. ἐν τῇ ζωῇ σου πείρασον τὴν ψυχὴν σου

Si. 89. 4. ἀγαθὰ γὰρ καὶ κακὰ ἐν [A. om.] ἀνθρώποις ἐπείρασε  
Is. 7. 12. οὐδὲ μὴ πειράσω κύριον (1)  
Da. LXX. 1. 12. πείρασον δὴ τοὺς παῖδας σου (1)  
— 14. ἐπείρασαν αὐτοὺς ἡμέρας δέκα (1)  
12. 10. ὥς ἂν πειρασθῶσι . . . πολλοί (1)  
Da. TH. 1. 12. πείρασον δὴ τοὺς παῖδας σου (1)  
— 14. ἐπείρασαν αὐτοὺς ἡμέρας δέκα (1)  
I Ma. 1. 15. B<sup>1</sup> ἐπείραδθσαν [A B<sup>1</sup> E ἐπράδ.] τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν  
12. 10. ἐπείραδθμεν ἀποστειλῆναι  
II Ma. 2. 23. πειρασόμεθα δι' ἐνὸς συντάγματος ἐπιτεμεῖν  
10. 12. ἐπείρατο τὰ πρὸς αὐτοὺς εἰρηνικῶς διεξέγειν  
11. 19. πειράσσομαι παραίτιος ὑμῖν ἀγαθῶν γενέσθαι  
III Ma. 1. 25. πολλὰχὼς ἐπείραντο τὸν . . . νοὺν ἐξιστάνειν  
2. 32. ἐπείραντο αὐτοὺς βύσασθαι  
IV Ma. 9. 7. πείραζε γὰρ οὖν, τύραννε  
12. 3. καὶ παρηγορεῖν ἐπείρατο  
15. 16. A B ὁ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασθεῖσα [B -αθ.]  
[Aq. Dt. 28. 56.]  
[Sm. Ge. 44. 15; Dt. 33. 8; Pr. 26. 18; Ec. 6. 5; 7. 24 (23); 8. 5; Ma. 3. 10.]  
[Th. Da. 1. 12, 14.]  
[Sam. Ge. 44. 5.]  
[Al. Dt. 32. 16 (P.).]  
**πειρασμός.** (1) נִסָּה (2) נִסָּה  
Ex. 17. 7. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. Πειρασμός (1)  
De. 4. 34. ἐν πειρασμῷ καὶ ἐν σημείοις (1)  
6. 16. ἐν τρόπῳ ἐξεπειράσατε ἐν τῷ Π. (1)  
7. 19. τοὺς π. τοὺς μεγ. οὐς ἴδωσαν (1)  
9. 22. καὶ ἐν τῷ Π. (1)  
29. 3 (2). τοὺς π. τοὺς μεγ. οὐς ἐώρακασιν  
Ps. 94 (95). 8. A B S κατὰ τὴν ἡμέραν τοῦ π. [B πικρασμοῦ] ἐν τῇ ἐρήμῳ  
Ec. 3. 10. A εἶδον σὺν τὸν π. [B S περιπασμῶν] (2)  
4. 8. A τοῦτο ματαιότης καὶ π. [B S περιπασμῶς] πονηρῶς (2)  
5. 2. παραγίνεται ἐν πῶνι ἐν πληθείᾳ πειρασμοῦ (2)  
— 13. B ἀλλοίεται ὁ πλοῦτος ἐκίνους ἐν π. [A B περιπασμῷ] πονηρῶς [A αὐτοῦ] (2)  
8. 16. A τοὺς ἰδεῖν τὸν π. [B S περιπασμῶν] τὸν πεποιθμένον (2)  
Si. 2. 1. ἐτόιμασον τὴν ψυχὴν σου εἰς πειρασμὸν  
6. 7. ἐν πειρασμῷ κτήνη αὐτῶν  
27. 5. πειρασμός ἀνθρώπου ἐν διαλογισμῷ αὐτ.  
— 7. οὐτος γὰρ πειρασμός ἀνθρώπων  
36 (83). 1. ἐν πειρασμῷ καὶ πάλιν ἐξελεύεται  
44. 20. ἐν πειρασμῷ εὐρέθη πιστός  
I Ma. 2. 52. [A B<sup>1</sup> οὐχ] ἐν πειρασμῷ εὐρέθη πιστός  
[Sm. Ge. 44. 15.]  
[Sam. Ge. 44. 5.]  
**πειρατεύειν.** (1) נִסָּה  
Ge. 49. 19. πειρατήριον πειρατεύσει αὐτόν (1)  
— 19. αὐτὸς δὲ πειρατεύσει αὐτόν (1, 1)  
**πειρατήριον.** (1) נִסָּה (2) נִסָּה  
Ge. 49. 19. π. πειρατεύσει αὐτόν (1)  
Jb. 7. 1. πότηρον οὐχ] πειρατήριον ἐστὶν ὁ βίος ἀνθρώπου ἐπὶ τῆς γῆς (2)  
10. 17. ἐπήγαγες δὲ ἐπ' ἐμέ πειρατήρια  
16. 10 (9). A βέλη πειρατήριων [B S -των] ἐπ' ἐμοὶ ἔπесαν  
19. 12. ὁμοθυμαδὸν δὲ ἦλθον τὰ π. αὐτοῦ ἐπ' ἐμοὶ [A ἐμέ] (1)  
Ps. 17 (18). 29. ἐν σοὶ βυσθήσομαι ἀπὸ πειρατηρίου  
[Sm. Je. 18. 22.]  
[Al. IV Ki. 5. 2.]  
**πειρατής.** (1) נִסָּה (2) נִסָּה  
Jb. 16. 10 (9). βέλη πειρατῶν [A -τηρίων] ἐπ' ἐμοὶ ἔπесαν  
25. 3. ἐστὶ παρὲλκυσιν πειραταῖς  
Ho. 8. 10 (9). ἡ ἰσχὺς σου ἀνδρὸς πειρατοῦ  
[Sm. Jb. 25. 3 (P.).]  
[Th. Ho. 8. 9.]  
[Quint. IV Ki. 6. 23.]  
**πεκοῦλιον.**  
[Sm. Ec. 2. 8.]

**πéλαγος.**  
II Ma. 5. 21. τὸ π. πορευτὸν θέσθαι  
IV Ma. 7. 1. ἐν τῷ πῶν παθὼν π.  
**πέλας.** (1) δ π., τὸ π. γ'  
Pr. 27. 2. ἐγκωμιάζετε σε ὁ [A τὸ] π. (1)  
**πέλειος** (πελιός). (1) נִלְלָךְ  
Pr. 23. 29. A B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> τίνος πέλειος [B<sup>1</sup> μέλανες, B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> πέλιδοι] ὀφθαλμοί (1)  
**πελεκάν.** (1) נִלְלָךְ (2) נִלְלָךְ  
Le. 11. 18. καὶ πορφυρίωνα καὶ πελεκάνα  
De. 14. 18. καὶ πελεκάνα καὶ χαρδριόν  
Ps. 101 (102). 6. ὠμώωθη πελεκάνι ἐρημικῷ  
**πελεκάν.** (1) נִלְלָךְ  
III Ki. 6. 1 (5, 18 [32]). ἐπελέκησαν οἱ υἱοὶ Σαλ.  
**πελεκάνος.**  
[Aq. Is. 34. 11; Ze. 2. 14.]  
[Sm. Th. Is. 34. 11.]  
**πελεκητός.** (1) πελεκητὰ נִלְלָךְ  
III Ki. 10. 11. ἤνεγκε ξύλα π. πολλὰ σφόδρα  
— 12. ἐποίησεν . . . τὰ ξύλα τὰ π. (1)  
— 12. B οὐκ ἐληλύθει τοιαῦτα ξύλα π. [A om., B απ.] (1)  
— 22. καὶ λίθων τορευτῶν καὶ πελεκητῶν [A al.] (1)  
**πέλεκος.** (1) נִלְלָךְ (2) נִלְלָךְ (3) נִלְלָךְ  
(4) נִלְלָךְ  
III Ki. 6. 7. πέλεκος . . . οὐκ ἠκούσθη (1)  
Ps. 73 (74). 6. ἐν πελέκει . . . κατέρρασαν αὐτὴν (3)  
Jc. 22. 7. ἀνδρα ὀλεθρεύοντα καὶ τὸν π. αὐτοῦ (2)  
23. 29. A οἱ λόγοι μου . . . ὥς π. [B S πέλουξ] κόπτον πετράν  
Ep. Je. 15. ἔχει δὲ ἐγγχειρίδιον [A add. ἐν τῇ] δεξιᾷ καὶ πέλεκος  
[Aq. Dt. 20. 19.]  
**πελιδνός.** (1) נִלְלָךְ  
Pr. 23. 29. B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> τίνος πελιδνοὶ [A B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> πέλειος, B<sup>1</sup> μέλανες] οἱ ὀφθαλμοί (1)  
**πελιός.** νιδ. σὺδ πέλειος.  
**πελιοῦσθαι.** (1) נִלְלָךְ ni.  
La. 5. 10. τὸ δέρμα ἡμῶν ὥς κλιβανὸς ἐπελιώθη (1)  
**πέλα.**  
Ez. 4. 17. φιλεῖν πέλαμα ποδῶν αὐτοῦ  
**πελταστής.** (1) נִלְלָךְ (2) נִלְלָךְ  
II Ch. 14. 8 (7). καὶ ἐν γῇ Βεν. πελτασταί (1)  
17. 17. καὶ μετ' αὐτοῦ . . . πελτασταί (2)  
**πέλιτη.** (1) נִלְלָךְ (2) נִלְלָךְ  
Ez. 23. 24. θυρεοὶ καὶ πέλται (1)  
27. 10. πέλτας . . . ἐκρέμασαν ἐν σοὶ (1)  
38. 4. πέλται καὶ περικεφαλαίαι (2)  
— 5. πάντες περικεφαλαῖαι καὶ πέλται (1)  
39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὅπλοις πέλταις καὶ κορτοῖς (1)  
**πέλουξ.** (1) נִלְלָךְ (2) נִלְלָךְ  
Jc. 23. 29. ὥς π. [A πέλεκος] κόπτον πετράν  
Ez. 9. 2. ἐκάστων π. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ (1)  
[Aq. Dt. 19. 5.]  
**πέμμα.** (1) נִלְלָךְ (2) נִלְלָךְ  
Ho. 8. 1. φιλοῖσι πέμματα μετὰ σταφίδος  
Ez. 45. 24. π. τῷ μόσχῳ καὶ π. τῷ κριῷ ποιήσεις καὶ ἐλαίου τὸ εἶν τῷ π. (1 ter)  
46. 5. προσοῖσι . . . π. τῷ κριῷ . . . καὶ ἐλαίου τὸ εἶν τῷ π. (1, 1)  
— 7. π. τῷ κριῷ καὶ π. τῷ μόσχῳ ἔσται μανὰ . . . καὶ ἐλαίου τὸ εἶν τῷ π. (1 ter)  
— 11. ἔσται τὸ μανὰ π. τῷ μόσχῳ καὶ π. τῷ κριῷ . . . καὶ ἐλαίου τὸ εἶν τῷ π. (1 ter)  
**πέμπειν.** (1) נִלְלָךְ ni. (2) נִלְלָךְ a. qal. δ. pi.  
c. נִלְלָךְ  
Ge. 27. 42. πέμψασα ἐκάλεσεν Ἰακώβ (2 a)  
I Ki. 20. 20. A εἰ πέμπων [B ἐκπ.] εἰς τὴν ἀμ. (2 b)  
28. 24. A ἐπέμψεν [B ἐπέψεν] δέξυα (1)

I Es. 2. 26. ἢν πέπομφατε πρὸς μέ (2 c)  
II Es. 4. 14. διὰ τοῦτο ἐπέμψαμεν (2 c)  
5. 17. πέμψατο πρὸς ἡμᾶς (2 c)  
Ne. 2. 5. ὥστε πέμψαι αὐτὸν εἰς Ἰουδα (2 a)  
Es. 8. 5. πέμψθη ἀποστραφῆναι [A B -στρέψαι] τὰ γράμμ. (1)  
Wi. 9. 10. ἀπὸ θρόνου δέξης σου πέμψον αὐτὴν  
— 17. εἰ μὴ . . . ἐπεμψας τὸ δέχιν σου πνεῦμα  
12. 25. τὴν κρίσιν εἰς ἐμπαγγλὸν ἐπεμψας  
16. 20. ἐτοίμων ἦρτον αὐτοὺς ἀπ' οὐρανοῦ ἐπεμψας [A B παρέσχε] (1)  
I Ma. 13. 17. A B πέμπει [B add. τοῦ λαβεῖν] τὸ ἀργύριον  
II Ma. 1. 20. τοὺς ἐκγόνους . . . ἐπέμψεν ἐπὶ τὸ πῦρ  
3. 38. πέμψον αὐτὸν ἐκεῖ  
4. 20. B ἐπέμψεν οὖν ταῦτα  
— 44. οἱ πέμψοντες τρεῖς ἄνδρες  
6. 18. δ' ἡλ. ὁ πέμψθεις ὑπὸ Σαλεῦκου  
— 24. ἐπέμψεν δὲ τὸν μυστάρχην Ἀπ.  
11. 17. οἱ πέμψοντες παρ' ὑμῶν  
— 32. πέπομφα δὲ καὶ τὸν Μ.  
— 34. B ἐπέμψαν [A -αμεν] δὲ καὶ οἱ 'P.  
— 36. πέμψατέ τινα παραχορήμα  
— 37. πέμψατέ τινας  
14. 19. ἐπέμψεν Ποσιδώνιον  
III Ma. 5. 42. τοῖσιν μὲν ἀνυπερβέτους πέμψειν εἰς ἄδην  
[Sm. Je. 16. 16.]  
**πεμπταΐειν.**  
[Th. Ex. 13. 18.]  
**πέμπτος.** (1) a. נִלְלָךְ, נִלְלָךְ δ. נִלְלָךְ  
(2) π. γενεᾶς נִלְלָךְ (3) τὸ π. μέρος נִלְלָךְ  
Ge. 1. 23. καὶ ἐγένετο . . . ἡμέρα π. (1 a)  
30. 17. ἔτεκε τῷ 'I. υἱὸν π. (1 a)  
47. 24. δώσατε τὸ π. μέρος Φαραῶ (3)  
Ex. 13. 18. πέμπτη δὲ γενεὰ ἀνέβησαν (2)  
Le. 6. 4 (5. 24). A<sup>1</sup> B τὸ π. [A<sup>2</sup> B ἐπίπ.] προσθήσει (1 a)  
19. 25. ἐν δὲ τῇ ἡμέρᾳ π. (1 a)  
Nu. 7. 36. τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. . . . Συμεὼν (1 a)  
29. 26. τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. μόσχους ἐννέα (1 a)  
33. 38. τῇ μηνὶ τῇ π. (1 a)  
Jo. 14. 10. τοῦτο τεσσαρακοστὸν καὶ π. ἔτος (1 b)  
19. 24. ἐξῆλθεν ὁ κληρὸς ὁ π. [A τρίτη] (1 a)  
Jd. 19. 8. τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. [A τρίτη] (1 a)  
II Ki. 3. 4. καὶ ὁ π. Σαφ. (1 a)  
III Ki. 14. 25. ἐν τῇ ἐνιαυτῷ τῇ π. (1 a)  
IV Ki. 8. 16. ἐν ἔτει π. τῷ Ἰωράμ (1 b)  
25. 8. ἐν τῇ μηνὶ τῇ π. (1 a)  
I Ch. 2. 14. Ζαβδαὶ ὁ π. (1 a)  
3. 3. ὁ π. Σαφατία (1 a)  
8. 2. καὶ 'Ραφὰ τὸν π. (1 a)  
12. 10. 'Ιερ. ὁ π. (1 a)  
24. 9. τῷ Μελχιά ὁ π. (1 a)  
25. 12. ὁ π. Νάθαν (1 a)  
26. 3. A B<sup>1</sup> 'I. ὁ π. [B om. ὁ π.] (1 a)  
— 4. A B N. ὁ π. [B om. ὁ π.] (1 a)  
27. 8. ὁ π. τῇ μηνὶ τῇ π. (1 a, 1 a)  
II Ch. 12. 2. ἐν τῇ π. ἔτει τῆς βασιλείας 'P. (1 a)  
15. 19. ἔως τοῦ π. καὶ τριακοστοῦ ἔτους (1 b)  
I Es. 8. 6. ἐν τῇ π. μηνὶ  
— 6. A ἐν τῇ νομηνίᾳ τοῦ π. μηνός (1 a)  
II Es. 7. 8. τῷ μηνὶ τῇ π.  
— 9. B ἐν δὲ τῇ πρώτῃ τοῦ μηνός τοῦ π. [A al.] (1 a)  
Ne. 6. 5. S<sup>2</sup> κατὰ τὸν λόγον τούτου τὸ π. (1 a)  
— 15. πέμπτη καὶ ἐκάδι τοῦ 'E. (1 b)  
Es. 9. 21. S<sup>2</sup> καὶ τὴν ἡμέραν πέμπτην καὶ δεκ.  
[A B S<sup>1</sup> al.] (1 b)  
Jb. 42. 17. ὥστε εἶναι αὐτὸν πέμπτον ἀπὸ Ἀβραάμ  
Za. 7. 3. ἐν τῇ μηνὶ τῇ π. (1 a)  
— 5. ἐν ταῖς π. ἢ ἐν ταῖς ἐβδόμῃς (1 a)  
8. 19. νηστεία ἡ π. καὶ νηστεία ἡ ἐβδόμη (1 a)  
Je. 1. 3. ἔως τῆς αἰχμαλωσίας Ἰερ. ἐν τῇ π. μηνὶ (1 a)  
35 (28). 1. ἐγένετο . . . ἐν μηνὶ τῇ π. (1 a)  
43 (36). 9. A ἐγενήθη ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. [B S ὁδόφ] τῷ βασιλεῖ Ἰωακείμ (1 a)  
52. 12. ἐν μηνὶ πέμπτῳ [A τῇ π.] δεκάτῃ τοῦ μηνός ἦλθεν Ναβ. (1 a)  
Ba. 1. 2. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ π. (1 b)  
Ez. 1. 1. πέμπτη τοῦ μηνός (1 b)



Εξ. 1. 2. πέμπτη τοῦ μηνὸς τοῦτο τὸ ἔτος τὸ [A om.] π. τῆς αἰχμαλωσίας (1b, 1a)  
 8. 1. ἐν τῷ π. μηνί πέμπτη τοῦ μηνός (†, 1b)  
 20. 1. A ἐν τῷ π. μηνί δεκάτη [B τῇ πεντακαδεκάτῃ] τοῦ μηνός (1a)  
 33. 21. πέμπτη τοῦ μηνός (1b)  
 40. 1. ἐν τῷ π. καὶ εἰκοστῷ ἔτει τῆς αἰχμαλωσίας (1b)  
 I Ma. 1. 54. τῷ π. καὶ τεσσαρακοστῷ καὶ ἑκατοστῷ ἔτει  
 — 59. B<sup>2</sup> B τῇ [A S<sup>1</sup> om.] π. καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός  
 — 59. ἀπὸ τῆς π. καὶ εἰκάδος τοῦ μηνός X.  
 10. 67. ἐν ἔτει π. καὶ ἑξηκοστῷ καὶ ἑκατοστῷ  
 II Ma. 1. 18. ἐν τῷ Xασ. πέμπτη καὶ εἰκάδι  
 7. 15. τὸν π. προσάγοντες ἡρίζοντο  
 10. 5. τῇ π. καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ μηνός  
 — 35. υποφαινόμενος δὲ τῆς π. ἡμέρας  
 11. 33, 38. B Ξανθικοῦ πέμπτη καὶ δεκάτη [A πεντακαδ.]  
 III Ma. 6. 38. ἀπὸ πέμπτης καὶ εἰκάδος τοῦ Π.  
 — 38. ἀπὸ πέμπτης τοῦ Ἐπιφί  
 IV Ma. 11. 1. ὁ π. παρεπλήρησε  
 [Aq, Th. ZA. 7. 5: 8. 19.]  
 [Sm. Ez. 40. 1: ZA. 7. 5: 8. 19.]  
πένεσθαι. (1) 𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤍 ni. (3) 𐤒𐤍  
 (4) 𐤒𐤍  
 Ex. 30. 15. ὁ πενόμενος οὐκ ἐλαττονήσκει (1)  
 Le. 14. 21. εἰς δὲ πένηται (1)  
 25. 25, 35. εἰς δὲ πένηται ὁ ἀδελφός σου (3)  
 De. 24. 12. εἰς δὲ ὁ ἄνθρωπος πένηται (4)  
 Pr. 24. 32 (90. 9). ἡ πενθήσει κλέψω  
πένης. (1) 𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤍 (3) 𐤒𐤍 (4) 𐤒𐤍  
 (5) 𐤒𐤍 (6) a. 𐤒𐤍 b. 𐤒𐤍 c. 𐤒𐤍  
 (7) 𐤒𐤍, 𐤒𐤍  
 Ex. 23. 3. πένητα οὐκ ἐλεήσει ἐν κρίσει (3)  
 — 6. οὐ διαστρέψει κρίμα πένητος (1)  
 De. 15. 11. ἀνοίξεις . . . τῷ ἀδ. σου τῷ π. (6b)  
 24. 14. οὐκ ἀπαδικήσεις μισθὸν πένητος (6b)  
 — 15. ὅτι πένης ἐστὶ (6b)  
 I Ki. 2. 8. ἀνιστὰ ἀπὸ γῆς πένητα (7)  
 II Ki. 12. 1. εἰς πλουσίους καὶ εἰς π. (8)  
 — 3. τῷ π. οὐδὲν ἄλλ' ἢ ἀμῶς μία (7)  
 — 4. ἔλαβε τὴν ἀμνάδα τοῦ π. (7)  
 I Es. 3. 19. τὴν τε τοῦ π. καὶ τὴν τοῦ πλουσίου  
 Jb. 34. 28. τοῦ ἐπαγαγεῖν ἐπ' αὐτὸν κραυγὴν  
 πένητων [A B<sup>2</sup> -tos] (3)  
 Ps. 9. 9. ἐγένετο κύριος καταφυγὴ τῷ π. (2)  
 — 12. οὐκ ἐπλάθετο τῆς δεξιᾶς [A φωνῆς, B κραυγῆς] τῶν π. (6a, 6b\*)  
 — 18. ἡ ὑπομονὴ τῶν π. οὐκ ἀπολείπει (6a, 6b)  
 — 29 (10. 8). οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ εἰς τὸν π. ἀποβλέπουσιν (4)  
 — 31 (10. 10). ἐν τῷ αὐτῷ κατακυριεύει τῶν π. (4)  
 — 33 (10. 12). μὴ ἐπιλάβῃ [A -ης] τῶν π. (6a, 6b\*)  
 — 38 (10. 17). τὴν ἐπιθυμίαν τῶν π. εἰσήκουσε κύριος [B<sup>2</sup> -σας, κύριε] (6a)  
 10 (11). 5. οἱ ὀφθ. αὐ. εἰς τὸν π. ἀποβλέπουσι —  
 11 (12). 5. ἀπὸ [B<sup>2</sup> om.] τοῦ στεναγμοῦ τῶν π. (1)  
 21 (22). 26. φάγονται πένητες (6a)  
 34 (35). 10. καὶ πτωχὸν καὶ πένητα ἀπὸ τῶν διαπραξάντων αὐτὸν (1)  
 36 (37). 14. τοῦ καταβαλεῖν πτωχὸν καὶ πένητα (1)  
 39 (40). 17. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης εἰμί (1)  
 40 (41). 1. μακάριος ὁ συνὴν ἐπὶ πτωχὸν καὶ πένητα (8)  
 48 (49). 2. ἐπὶ τὸ αὐτὸ πλοῦσιος καὶ πένης (1)  
 68 (69). 33. εἰσέκουσε τὸν π. ὁ κύριος (1)  
 69 (70). 5. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης (1)  
 71 (72). 4. σώσεις τοὺς υἱοὺς τῶν π. (1)  
 — 12. πένητα ὃ οὐχ ὑπῆρχε βοηθός (6b)  
 — 13. φέισται πτωχὸν καὶ πένητος καὶ ψυχὰς πένητων σώσει (1, 1)  
 73 (74). 19. τῶν ψυχῶν τῶν π. σου μὴ ἐπιλάβῃ εἰς τέλος (6b)  
 — 21. πτωχὸς καὶ πένης αἰνέσουσι τὸ δοῦμά σου (1)  
 81 (82). 3. ταπεινὸν καὶ πένητα δικαιώσατε — 4. ἐξέλευσθε πένητα (7)  
 85 (86). 1. πτωχὸς καὶ πένης εἰμί ἐγὼ (1)  
 108 (107). 41. ἐβροῆσθε πένητι ἐκ πτωχείας (1)  
 108 (109). 16. κατεδίωξεν ἄνθρωπον πένητα (6b)

Ps. 108 (109). 22. πτωχὸς καὶ πένης εἰμί ἐγὼ (1)  
 — 31. παρίστη ἐκ δεξιῶν πένητος (1)  
 111 (112). 9. ἔδοκε τοῖς π. (1)  
 112 (113). 7. ἀπὸ κοπρίας ἀνυψὼν πένητα (1)  
 139 (140). 12. ποιήσας κύριος . . . τὴν δίκην τῶν π. [S<sup>1</sup> τοῦ π.] (1)  
 Pr. 14. 21. ὁ ἀτιμάζων πένητας ἀμαρτάνει (1)  
 — 31: 22. 16. ὁ συκοφαντῶν πένητα (8)  
 22. 22. μὴ ἀποβιάζω πένητα (8)  
 23. 4. μὴ παρεκτείνω πένης ὦν πλουσίῳ (1)  
 24. 37 (30. 14). καὶ τοὺς π. αὐτῶν ἐξ ἀνθρώπων (1)  
 — 77 (31. 9). διάκρισε δὲ πένητα καὶ ἀσθενή (6b)  
 28. 11. πένης δὲ νοσήμων καταγνώσεται αὐτοῦ (8)  
 31. 20. χεῖρας δὲ αὐτῆς διήρπασεν πένητι (6b)  
 Ec. 4. 13. ἀγαθὸς παῖς πένης καὶ σοφός (5)  
 — 14. ἐν βασιλείᾳ αὐτοῦ ἐγένεθ' πένης (7)  
 5. 7. ἐὰν συκοφαντῶν πένητος . . . ἴδῃς ἐν χώρα (7)  
 6. 8. ὁ π. οἶδε πορευθῆναι κατέναντι τῆς ζωῆς (6b)  
 9. 15. καὶ εὐρὴ ἐν αὐτῇ ἄνδρα π. σοφόν [A καὶ σ.] (6)  
 — 15. οὐκ ἐμνήσθη σὺν τοῦ ἀνδρὸς τοῦ π. εἰκύνει (5)  
 — 16. σοφία τοῦ π. ἐξουθενωμένη (5)  
 Wi. 2. 10. καταδυναστεύσας πένητα δίκαιον  
 Si. 11. 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι [A -ῆσαι] πένητα (1)  
 18. 18. τίς εἰρήνην πλουσίῳ πρὸς πένητα (1)  
 29. 9. χάριν ἐπολλῆς ἀνταλαβού πένητος [A<sup>1</sup> πτωχοῦ] (1)  
 31 (34). 20. ὁ προσάγων θυσίαν ἐκ χρημάτων πένητων (1)  
 Am. 2. 6. ἀπένοντο . . . πένητα ἔτακκεν ὑποδημάτων (1)  
 4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχοὺς καὶ καταπατοῦσαι πένητας [A πέν. κ. κ. πτωχοῦς] (1 [3])  
 5. 12. πένητας ἐν πύλαις ἐκκλίνοντες (1)  
 8. 4. οἱ ἐκτρίβοντες εἰς τὸ πρῶν πένητα (1)  
 — 6. B τοῦ κτᾶσθαι ἐν ὑργυρίῳ . . . πένητα [A B ταπεινῶν] (1)  
 Za. 7. 10. πένητα μὴ καταδυναστεύετε (6b)  
 Is. 10. 2. ἀρπάγοντες κρίμα πένητων (6b)  
 Je. 20. 13. ἐξέλαιτο ψυχὴν πένητος (1)  
 22. 16. οὐκ ἔκριναν . . . κρίριν πένητος (1)  
 Ez. 16. 49. χεῖρα πτωχοῦ καὶ πένητος οὐκ ἀντελαμβάνοντο [A -ελάβοντο] (1)  
 18. 12. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύετε (1)  
 22. 29. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύοντες (1)  
 Da. TH. 4. 24. καὶ τὰς ἀδικίας ἐν οἰκτιρμοῖς πένητων (6c)  
 [Aq. Ps. 11 (12). 6: 17 (18). 28: Pr. 31. 5: Is. 41. 17 (Sw.). Je. 2. 34: 52. 15, 16 (Sw.). Hb. 8. 14.]  
 [Sm. Jb. 24. 4: Ps. 11 (12). 6: 71 (72). 12: 106 (107). 41: Pr. 14. 31: Is. 41. 17 (Sw.): Je. 2. 34: Ez. 16. 49.]  
 [Th. I Ki. 18. 23: Ps. 138 (139). 17: Pr. 31. 5: Is. 26. 6: Je. 2. 34: 39 (46). 10: 52. 16.]  
 [Quint. Pr. 31. 5.]  
πενθεῖν. (1) 𐤒𐤍 a. qal. b. hi. c. hithpa.  
 d. 𐤒𐤍 e. 𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤍 pul. (3) 𐤒𐤍  
 (4) 𐤒𐤍 pu. (5) 𐤒𐤍 (6) 𐤒𐤍 hi.  
 Ge. 23. 2. ἦλθε δὲ Ἰαβ. . . πενθήσας (8)  
 37. 34. ἐπένθει τὸν υἱὸν αὐ. ἡμέρας τινάς (1c)  
 — 35. καταβήσονται πρὸς τὸν υἱὸν μου πενθῶν (1d)  
 50. 3. ἐπένθησεν αὐτὸν Λέγυπτος (8)  
 Nu. 14. 39. ἐπένθησεν ὁ λαὸς σφόδρα (1c)  
 I Ki. 6. 19. ἐπένθησεν ὁ λαός (1c)  
 16. 35. ἐπένθει Σαμ. ἐπὶ Σ. (1c)  
 16. 1. ἔως πότι σὺ πενθείς ἐπὶ Σ. (1c)  
 II Ki. 13. 37. ἐπένθησεν . . . ἐπὶ τὸν υἱὸν αὐτοῦ (1c)  
 14. 2. πένθησεν δὴ (1c)  
 — 2. ἔση ὡς γυνὴ πενθοῦσα ἐπὶ τεθυγκῇ (1c)  
 19. 1 (2). πένθει ἐπὶ Ἰαβ. (1c)  
 I Ch. 7. 22. ἐπένθησεν Ἐβρ. . . ἡμέρας πολλὰς (1c)  
 II Ch. 35. 24. ἐπένθησεν ἐπὶ Ἰωσάβη (1c)  
 I Es. 1. 32. ἐπένθησεν τὸν Ἰωσάβη (1c)  
 8. 72. ἐμοὺ πενθοῦντος ἐπὶ τῇ ἀνομίᾳ (1c)  
 9. 2. A B πενθῶν ἐπὶ [B ὑπὲρ] τῶν ἀνομῶν (1c)  
 II Es. 10. 6. ἐπένθει ἐπὶ ἀσυνεθσίᾳ τῆς ἀποικίας (1c)  
 Ne. 1. 4. καὶ ἐπένθησα ἡμέρας (1c)  
 8. 9. μὴ πενθείτε μηδὲ κλαίετε (1c)  
 Ju. 16. 24. ἐπένθησεν [A -σαν] αὐτὴν οἶκος Ἰορ. (1a)  
 Jb. 14. 22. ἡ δὲ ψυχὴ αὐτοῦ ἐπένθησεν [A ἐπὶ σπῶν ἐπ.] (1a)  
 Ps. 34 (35). 14. ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπῶν οὕτως ἐταπεινώμην (1d)

Ps. 77 (78). 63. αἱ παρθένοι αὐτῶν οὐκ ἐπένθησαν [B<sup>2</sup> -θήβ.] (4?)  
 Si. 7. 34. μετὰ πενθοῦντων πένθησεν (1)  
 48. 24. παρεκάλεσε τοὺς πενθοῦντας ἐν Σιών  
 51. 19. τὰ ἀγροήματα αὐτῆς ἐπένθησα (1a)  
 Ho. 4. 3. πενθήσει ἡ γῆ (1a)  
 10. 5. ἐπένθησε λαὸς αὐ. ἐπ' αὐτὸν (1a)  
 Am. 1. 2. ἐπένθησαν αἱ νομαὶ τῶν ποιμῶν (1a)  
 8. 8. πενθήσει πᾶς ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (1a)  
 9. 5. πενθήσουσι πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (1a)  
 Jl. 1. 9. πενθείτε οἱ ἱερεῖς (1a)  
 — 10. πενθείτω ἡ γῆ (1a)  
 Is. 3. 26. πενθήσουσιν αἱ θῆκαι τοῦ κόσμου ὑμῶν (1a)  
 16. 8. πενθήσει ἀμπелος Σεβαμὰ (2)  
 19. 8. οἱ ἀμφίβολοις πενθήσουσι (2)  
 24. 4. ἐπένθησεν ἡ γῆ . . . ἐπένθησαν οἱ ὑψηλοὶ τῆς γῆς (1a, 2)  
 — 7. πενθήσει οἶκος πενθήσει ἀμπелος (1a, 2)  
 38. 9. ἐπένθησεν ἡ γῆ (1a+2)  
 61. 2. παρακαλέσαι πάντας τοὺς πενθοῦντας (1d)  
 — 3. δοθῇαι τοῖς πενθοῦσι Σιών αὐτοῖς [A B<sup>2</sup> om.] δόξαν ἀντὶ σποδοῦ ἁλμυρῶν εὐφροσύνης τοῖς πενθοῦσι (1d, 1e)  
 66. 10. χάριτες ἅμα αὐτῇ χαρὰ πάντες ὅσοι πενθείτε ἐπ' αὐτῇ [A B al.] (1c)  
 Je. 4. 28. πενθείτω ἡ γῆ (1a)  
 12. 4. ἔως πότι πενθήσει ἡ γῆ (1a)  
 14. 2. ἐπένθησεν ἡ Ἰουδαία (1a)  
 16. 5. μὴ [A om.] πενθήσῃς [B -εις] αὐτοῦς (5)  
 23. 10. ἀπὸ προσώπου τούτου ἐπένθησεν ἡ γῆ (1a)  
 38 (31). 21. ἀποστρέψῃ εἰς τὰς πόλεις σου πενθοῦσα (1)  
 La. 1. 4. ὁδοὶ Σιών πενθοῦσι [B -θήσουσι] (1d)  
 2. 8. ἐπένθησε τὸ προτείχιμα (1a)  
 Ez. 7. 27. A ὁ βασιλεὺς πενθήσει (1c)  
 31. 15. ἐπένθησεν αὐτὸν ἡ ἀβυσσος [A ἐπένθησεν ἐπ' αὐ. τὴν δ.] (1b)  
 — 15. A ἐπένθησεν [B ἐκούσασιν ἐπ'] αὐτὸν ὁ Λίβανος (6)  
 Da. LXX. 10. 2. ἡμῖν πενθῶν τρεῖς ἡβδομάδας (1c)  
 Bel 39. ἐξήλθε δὲ ὁ βασιλ. μετὰ ταῦτα πενθῶν τὸν Δ.  
 Da. TH. 10. 2. ἡμῖν πενθῶν τρεῖς ἡβδομάδας (1c)  
 Bel 40. ἦλθε . . . πενθῶν τὸν Δ.  
 I Ma. 1. 27. B καθήμεν ἐν πασφῷ ἐπένθει [A B ἐγένετο ἐν πένθει] (1)  
 2. 14. καὶ ἐπένθησεν [S<sup>1</sup> -εν] σφόδρα (1)  
 — 39. A B ἐπένθησεν ἐπ' [S om.] αὐτοῦς (1)  
 9. 20. ἐπένθησαν ἡμέρας πολλὰς (1)  
 12. 52. ἐπένθησεν τὸν Ἰων.  
 — 52. B B ἐπένθησεν πᾶς [A om.] Ἰορ. πένθος μέγα (1)  
 13. 26. ἐπένθησεν αὐτὸν ἡμέρας πολλὰς [Aq. Is. 24. 7: Ez. 7. 27: 31. 15.]  
 [Sm. Ps. 34 (35). 14: Ez. 31. 15.]  
 [Th. Ez. 7. 27: 31. 15.]  
πενθεῖν.  
 [Aq, Th. Is. 61. 2.]  
πενθερά. (1) 𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤍  
 De. 27. 23. A ὁ κοίμας μετὰ πενθεράς [B νύμφης] αὐ. (2)  
 Ru. 1. 14. κατεφίλησεν Ὁ. τὴν π. αὐτῆς (1)  
 2. 11. ὅσα πεποιήκας μετὰ τῆς π. σου (1)  
 — 18. εἶδεν ἡ π. αὐτῆς (1)  
 — 19. εἶπεν αὐτῇ ἡ π. αὐτῆς (1)  
 — 19. ἀνήγειρε P. τῇ π. αὐτῆς (1)  
 — 21. εἶπε P. πρὸς τὴν π. αὐτῆς (1)  
 8. 1 (2. 23). ἐκάθισε μετὰ τῆς π. αὐτῆς (1)  
 — 1. εἶπε δὲ αὐτῇ N. ἡ π. αὐτῆς [A al.] (1)  
 — 6. ὅσα ἐνετεῖλατο αὐτῇ ἡ π. αὐτῆς (1)  
 — 16. εἰσῆλθε πρὸς τὴν π. αὐτῆς (1)  
 — 17. μὴ εἰσέλθῃς κενὴ πρὸς τὴν π. σου (1)  
 Mi. 7. 6. νύμφη ἐπὶ τὴν π. αὐ. (1)  
πενθερός. (1) 𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤍  
 Ge. 38. 13. ὁ π. σου ἀνέβη εἰς Θ. (1)  
 — 25. ἀπέστειλε πρὸς τὸν π. αὐτῆς (1)  
 Jd. 1. 16. A οἱ υἱοὶ Ἰ. . . πενθεροῦ [B τοῦ γαμβροῦ] M. (2)  
 I Ki. 4. 19. τέθνηκεν ὁ π. αὐτῆς (1)  
 — 21. καὶ ὑπὲρ τοῦ π. αὐτῆς (1)  
 — 22. A διὰ τὸ τεθνηκέναι τὸν π. αὐ. (1)  
 To. 10. 9. εἶπε δὲ αὐτῷ ὁ π. [B al.] (1)  
 — 13. τίμα τοὺς π. [B ὑπαγε πρὸς τὸν π.] σου (1)

Το. 14. 12. πρὸς 'Ραγ, τὸν π. [8 μετὰ 'Ρ. τοῦ π.] αὐτοῦ  
— 13. ἔδωκε τὸν π. αὐτοῦ [8 αλ.]  
I Ma. 11. 2. διὰ τὸ πενθερόν αὐτοῦ εἶναι  
[Sm. Ex. 3. 1: 18. 1, 5.]

## πενθηρός.

[Sm. Jc. 9. 19 (18).]

πενθικός. (1) לָבֵן (2) ἐν πενθικοῖς יְהִי לָבֵן  
יָגֵן יָגֵן שָׁן

Ex. 38. 4. κατεπένθησεν ἐν πενθικοῖς (2)  
II Ki. 14. 2. ἐνδυσαι ἱμάτια π. (1)  
[Sm. Ez. 2. 10.]

## πένθιμος.

[Sm. Jc. 9. 19 (18).]

## πενθοποιεῖν.

[Al. Le. 26. 22.]

πένθος. (1) א. לָבֵן ב. לָבֵן (2) הָן  
(3) א. לָבֵן ב. לָבֵן (4) יָגֵן  
(5) יָגֵן (6) יָגֵן

Ge. 27. 41. αἱ ἡμέραι τοῦ π. τοῦ πατρὸς μου (1 α)  
35. 8. βάλεως πένθος (3 α)  
50. 4. παρήλθον αἱ ἡμέραι τοῦ π. (3 ε)  
— 10. ἐποίησε τὸ π. τῷ πατρὶ αὐ. (1 α)  
— 11. καὶ εἶδον . . . τὸ π. (1 α)  
— 11. π. μέγα τοῦτο ἐστὶ τοῖς Αἰγ. (1 α)  
— 11. ἐκάλυψε τὸ ὄνομα αὐ. Πένθος Αἰγύπτου (1 β)  
De. 34. 8. αἱ ἡμέραι πένθος κλαυθμοῦ Μ. (3 β)  
II Ki. 11. 27. διήλθε [Α. ἡλ.] τὸ π. (1 α)  
19. 2 (3). ἐγένετο ἡ σωτηρία . . . εἰς πένθος (1 α)  
To. 2. 5. 8 ἥσθιον τὸν ἄρτον μετὰ πένθος [Α. Β. αλ.]  
— 6. στραφίσσονται αἱ ἑορταὶ ὑμῶν εἰς πένθος  
Es. 4. 3. π. μέγα τοῖς Ἰουδαίοις (1 α + 5)  
— 17. σπέρνον τὸ π. ἡμῶν εἰς εὐωχίαν  
— 17. ἱμάτια στενοχωρίας καὶ πένθος  
9. 22. Β ἀπὸ πένθος εἰς χαρὰν [Α. α. εἰς  
ἀγαθὴν ἡμέραν] (4 [1 α])

Jb. 30. 31. Α ἀπέβη δὲ εἰς πένθος [Β. Β. πάθος] (1 α)  
Pr. 10. 6. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύψει πένθος  
14. 13. τελευταῖα δὲ χαρὰ [Α. -ās] εἰς πένθος  
ἐρχεται (6)  
Ec. 5. 16. πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐ. . . ἐν πένθει  
7. 3 (2). ἀγαθὸν πορευθῆναι εἰς οἶκον πένθος  
— 5 (4). καρδιά σοφῶν ἐν οἴκῳ πένθος (1 α)  
Wi. 14. 15. ἄσπερον γὰρ πένθει τρυχόμενος πατήρ τοῦ  
ταχεῶς ἀφαιρεθέντος τέκνου

19. 3. ἐτι γὰρ ἐν χειρὶν ἔχοντες τὰ π.  
Si. 16. 3. Β<sup>3</sup> στεναίξει γὰρ πένθει ἄσπερον  
22. 6. μουσικὰ ἐν πένθει ἀκαίριος διήγησις  
— 12. πένθος νεκροῦ ἐπὶ τὰς ἡμέρας  
26. 6. πένθος γυνὴ ἀντίηλος ἐπὶ γυναικί  
38. 17. ποῖσον τὸ π. κατὰ τὴν ἀξίαν αὐτοῦ  
41. 11. πένθος ἀνθρώπων ἐν σώμασιν αὐτῶν  
Ho. 9. 4. ὡς ἄρτος πένθος αὐτοῖς (2)

Am. 5. 16. κληθήσεται γεωργὸς εἰς πένθος (1 α)  
8. 10. μεταστρέψω τὰς ἐορτάς ὑμῶν εἰς πένθος (1 α)  
— 10. θύσονται αὐτὸν ὡς πένθος ἀγαπητοῦ (1 α)  
Mi. 1. 8. ποιήσεται . . . πένθος ὡς θυγατέρων  
σειρήνων (1 α)

Is. 16. 3. ποιεῖτε σκέπη πένθος  
17. 14. πρὸς ἐσπέραν καὶ [Α. Β. ομ.] ἔσται π.  
60. 20. ἀναπληρωθήσονται αἱ ἡμέραι τοῦ π. σου (1 α)  
Je. 6. 26. π. ἀγαπητοῦ ποιήσαι σεαυτὴ κοπετὸν  
οἰκτρὸν (1 α)

16. 7. οὐ μὴ κλασθῇ ἄρτος ἐν πένθει αὐτῶν (1 α)  
38 (31). 13. στρέψω τὸ π. αὐτῶν εἰς χαρμονίαν [Α. Β. αλ.]  
Ba. 4. 9. ἐπιγάγει μοι ὁ θεὸς π. μέγα  
— 11. ἐξαπεστείλα μετὰ κλαυθμοῦ καὶ πένθος  
— 23. ἐξέπεμψε γὰρ ὑμᾶς μετὰ πένθος  
— 34. τὸ ἀγαρίσμα αὐτῆς [Α. add. ἔσται] εἰς π.  
5. 1. ἐκδύσαι, Ἰερουσαλὴμ, τὴν στολὴν τοῦ π.  
La. 5. 15. ἐστράφη εἰς π. ὁ χορὸς ἡμῶν (1 α)  
Ez. 24. 17. Β ὁσφύς π. [Α. Β. -ους] ἔσθ [Α.  
ἔσται αὐτὴν] (1 α)

I Ma. 1. 25. ἐγένετο π. μέγα ἐπὶ Ἰσρ.  
— 27. Α Β καθήμεν ἐν παστῶ ἐγένετο ἐν πένθει  
[S ἐπένθει]  
— 39. αἱ ἐορταὶ αὐ. ἐστράφησαν εἰς πένθος  
— 40. τὸ ὕψος αὐ. ἐστράφη εἰς πένθος

I Ma. 3. 51. καὶ οἱ ἱερεῖς σου ἐν πένθει  
9. 41. μετεστράφη ὁ γάμος εἰς πένθος  
12. 52. ἐπένθησε πᾶς Ἰσρ. π. μέγα  
III Ma. 4. 2. ἀνέκαστον π. ἦν  
[Aq. Jb. 30. 31: JE. 6. 26.]  
[Sm. Dt. 26. 14: Jb. 30. 31: JE. 6. 26: 9. 18  
(17), 20 (19): Ez. 24. 17.]  
[Th. Jb. 30. 31.]

πενία. (1) הָן (2) א. שָׁן ב. שָׁן γ. שָׁן  
ד. שָׁן  
Jb. 36. 8. συσχεθίσονται ἐν σχοινοῖς πενίας (1)  
Pr. 6. 11. ἐμπαράγινεται σοὶ ὡς περ κακὸς ὁδο-  
πόρος ἡ π. (2 α)  
10. 4. πενία ἀνδρα ταπεινοῦ (2 β)  
— 15. συντρίβη δὲ ἀσεβῶν πενία (2 γ)  
13. 18. πενίας καὶ ἀγνίας ἀφαιρεῖται παιδεία (2 δ)  
24. 31 (30. 8). πενίαν [Α. παιδείαν] μὴ μοι δῶς (2 α)  
— 49 (34). ἤξει προπορευομένη ἡ π. σου (2 γ)  
— 75 (31. 7). ἡ ἐπιλάθονται τῆς π. (2 δ)  
28. 19. ὁ δὲ δώκων σχολὴν πληροῦσεται πε-  
νίας (2 δ)

Si. 2. 5. S<sup>2</sup> ἐν νόστοις καὶ πενίᾳ ἐπ' αὐτῷ πεποιθὼς  
γίνου (2 δ)  
[Aq. Dt. 26. 7: Ps. 106 (107). 41.]  
[Sm. Pr. 13. 18.]

πενιχρός. (1) הָן (2) הָן  
Ex. 22. 25. ἐὰν δὲ ἀργ. ἐκδανείσῃς τῷ ἀδ. τῷ π. (2)  
Pr. 28. 15. ὁς τυραννίει πτωχοὺς ὧν ἔθνος πενι-  
χροῦ (1)  
29. 7. ἐπιστάται δίκαιος κρίνειν πενιχροῖς (1)  
πενταετηρικός.

II Ma. 4. 18. ἀγομένου δὲ π. ἀγῶνος  
πενταετής. (1) הָן הָן הָן  
Le. 27. 5. ἀπὸ πενταετοῦ ἕως εἰκοσι ἐτῶν [Α. αλ.] (1)  
— 6. ἀπὸ δὲ μηνιαίου ἕως πενταετοῦ (1)  
πεντάκις. (1) הָן הָן הָן  
III Ki. 22. 16. B<sup>1</sup> π. [Α. B<sup>2</sup> ἔτι δις, R ποσάκις]  
ἐγὼ ἐξορκίζω σε  
IV Ki. 13. 19. ἐπὶ ἐπάταξας π. (1)  
πεντακισχίλιοι.

Nu. 31. 32†, 36†.  
Jd. 20. 45†.  
III Ki. 4. 32.  
I Ch. 5. 21: 29. 7.  
II Ch. 35. 9.  
I Es. 1. 9†: 2. 14: 5. 43, 45.  
II Es. 1. 11: 2. 69.  
Es. 9. 16.  
I Ma. 4. 1, 34: 7. 32†: 10. 42: 15. 18†.  
II Ma. 12. 10, 26, 28: 13. 2: 15. 27.  
πεντακισχίλιος.

I Ma. 4. 28. συνελόχησεν . . . πεντακισχίλιαν ἵππων  
πεντακόσιοι.

Ge. 5. 30, 32: 11. 11.  
Ex. 30. 23, 24: 39. 3 (38. 26), 7 (38. 29)†.  
Nu. 1. 21, 31†, 33, 41, 46: 2. 11, 19, 26†, 28,  
32: 3. 22: 4. 48: 26. 22, 27, 18†, 34†, 37, 41:  
31. 28, 36, 39, 43, 45.  
Jd. 8. 26†.  
II Ki. 24. 9.  
III Ki. 5. 16†: 9. 23†.  
I Ch. 4. 42.  
II Ch. 13. 17: 26. 13: 29. 33†: 35. 9.  
I Es. 5. 43.  
Ne. 11. 8†.  
Es. 9. 6, 12.  
Jb. 1. 3 bis.  
Ez. 42. 16, 17, 18, 19, 20 bis: 45. 2 bis: 48. 16  
quater, 30, 32, 33, 34.  
Da. LXX. Su. 30.  
I Ma. 6. 35†: 7. 32†: 15. 31 bis.  
II Ma. 8. 22: 10. 31: 12. 10, 20†: 14. 39.  
III Ma. 5. 2.  
[Aq. III Ki. 9. 23: Ez. 42. 20 bis.]

πεντακόσιος.

I Ma. 6. 35. Α. S πεντακοσία ἵππος διατεταγμένη  
[R αλ.]

πεντάπηγος. (1) הָן הָן הָן  
I Ch. 11. 23. ἀνδρα ὁράτον π. (1)  
πενταπλασίως. (1) הָן הָן  
Ge. 43. 34. ἐμεγαλύνθη δὲ ἡ μερίς B. . . π. (1)  
πενταπλοῦς. (1) הָן הָן  
III Ki. 6. 31. Α καὶ φλιάς πενταπλᾶς (1)  
πεντάπολις.

Wi. 10. 6. δίκαιον . . . ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ κατα-  
βάσιον πενταπόλεως  
πέντε.

Ge. 5. 6, 10, 11, 15, 17, 21, 23, 30: 7. 20: 11. 12,  
25†, 32: 12. 4: 14. 10: 18. 28†, 28 ter: 25. 7:  
45. 6, 11, 22: 46. 27: 47. 2.  
Ex. 1. 5: 12. 40†, 41†: 22. 1 (21. 37): 26. 3 bis,  
9, 26, 27 bis, 37 bis: 27. 1 bis, 14, 15, 18: 37. 6  
(38. 38) bis, 12 (38. 14)†, 13 (38. 15)†, 16 (38.  
16): 39. 2 (38. 25), 6 (38. 28).  
Le. 26. 8: 27. 6, 7.  
Nu. 1. 37, 25: 2. 15, 23: 3. 47, 50: 4. 3†, 23, 30,  
35, 39, 43, 47: 7. 17 ter, 23 ter, 29, 29†, 29, 35†,  
35 bis, 41, 41†, 41, 47 ter, 53 ter, 59 ter, 65 ter,  
71 ter, 77 ter, 83 ter: 8. 24: 11. 19: 18. 16: 26.  
41, 50†: 31. 8, 32, 37.  
De. 10. 22†.  
Jo. 10. 5, 16, 17, 22, 23†, 26: 13. 3: 14. 10.  
Jd. 8. 3: 8. 10: 18. 2, 7, 8, 14, 17: 20. 15†, 35,  
45†, 46.  
I Ki. 6. 5, 5†, 16, 18: 17. 5, 40: 21. 3 (4): 22.  
18: 25. 18 bis, 42.  
II Ki. 4. 4: 9. 10: 19. 17 (18): 21. 8.  
III Ki. 6. 2†, 6†, 10, 24, 24†: 7. 16, 16†, 20†, 23,  
27, 39, 39†, 49 bis, 3, 4†: 16. 28 (22. 42)† bis:  
22. 42 bis.  
IV Ki. 6. 25: 7. 13†: 14. 2, 17: 15. 33: 18. 2:  
19. 35: 20. 6: 21. 1: 23. 36: 25. 19.  
I Ch. 2. 4, 6, 21†: 8. 20: 4. 32: 7. 3, 3†, 7.  
II Ch. 3. 11 bis, 12† bis, 15 bis: 4. 2, 6 bis, 7 bis,  
8 bis: 6. 13 bis: 20. 31†, 31: 24. 27: 25. 1, 25:  
27. 1, 8†: 28. 1†: 29. 1: 33. 1†: 36. 5.  
I Es. 1. 39: 5. 12†, 12, 17, 18, 19, 22 bis, 42, 43  
ter.  
II Es. 2. 5, 8, 20, 33, 34, 66, 67.  
Ne. 7. 13†, 20†, 25, 36, 67, 68†, 69†.  
Ju. 7. 17, 30: 8. 9, 15: 16. 23.  
Ho. 8. 2.  
Za. 8. 21†.  
Is. 7. 8: 17. 6: 19. 18: 30. 17: 37. 36: 38. 5.  
Je. 52. 21, 22.  
Ez. 8. 16†: 11. 1: 40. 8, 13, 14†, 21, 25, 27†, 30,  
30† bis, 33, 36, 48 bis: 41. 2 bis, 9, 11, 12: 42.  
1: 45. 1, 3, 5, 6 bis, 12 bis: 48. 8, 9 bis, 10 bis,  
13 bis, 15 bis, 20 bis, 21 bis.  
Da. LXX. Th. 12. 12.  
I Ma. 2. 2: 7. 41: 10. 40.  
II Ma. 2. 23: 8. 19: 10. 29: 11. 5: 15. 22.  
[Aq. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): III Ki. 6. 10:  
IV Ki. 25. 19: Is. 38. 5.]  
[Sm. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): IV Ki. 25. 19:  
Is. 38. 5.]  
[Th. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): IV Ki. 25. 19:  
Is. 38. 5: Je. 52. 30: Ez. 8. 16.]  
[Heb. IV Ki. 6. 25.]

πενταετηρικός. (1) הָן הָן הָן  
I Ch. 11. 23. ἀνδρα ὁράτον π. (1)  
πενταπλασίως. (1) הָן הָן  
Ge. 43. 34. ἐμεγαλύνθη δὲ ἡ μερίς B. . . π. (1)  
πενταπλοῦς. (1) הָן הָן  
III Ki. 6. 31. Α καὶ φλιάς πενταπλᾶς (1)  
πεντάπολις.

Wi. 10. 6. δίκαιον . . . ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ κατα-  
βάσιον πενταπόλεως  
πέντε.

Ge. 5. 6, 10, 11, 15, 17, 21, 23, 30: 7. 20: 11. 12,  
25†, 32: 12. 4: 14. 10: 18. 28†, 28 ter: 25. 7:  
45. 6, 11, 22: 46. 27: 47. 2.  
Ex. 1. 5: 12. 40†, 41†: 22. 1 (21. 37): 26. 3 bis,  
9, 26, 27 bis, 37 bis: 27. 1 bis, 14, 15, 18: 37. 6  
(38. 38) bis, 12 (38. 14)†, 13 (38. 15)†, 16 (38.  
16): 39. 2 (38. 25), 6 (38. 28).  
Le. 26. 8: 27. 6, 7.  
Nu. 1. 37, 25: 2. 15, 23: 3. 47, 50: 4. 3†, 23, 30,  
35, 39, 43, 47: 7. 17 ter, 23 ter, 29, 29†, 29, 35†,  
35 bis, 41, 41†, 41, 47 ter, 53 ter, 59 ter, 65 ter,  
71 ter, 77 ter, 83 ter: 8. 24: 11. 19: 18. 16: 26.  
41, 50†: 31. 8, 32, 37.  
De. 10. 22†.  
Jo. 10. 5, 16, 17, 22, 23†, 26: 13. 3: 14. 10.  
Jd. 8. 3: 8. 10: 18. 2, 7, 8, 14, 17: 20. 15†, 35,  
45†, 46.  
I Ki. 6. 5, 5†, 16, 18: 17. 5, 40: 21. 3 (4): 22.  
18: 25. 18 bis, 42.  
II Ki. 4. 4: 9. 10: 19. 17 (18): 21. 8.  
III Ki. 6. 2†, 6†, 10, 24, 24†: 7. 16, 16†, 20†, 23,  
27, 39, 39†, 49 bis, 3, 4†: 16. 28 (22. 42)† bis:  
22. 42 bis.  
IV Ki. 6. 25: 7. 13†: 14. 2, 17: 15. 33: 18. 2:  
19. 35: 20. 6: 21. 1: 23. 36: 25. 19.  
I Ch. 2. 4, 6, 21†: 8. 20: 4. 32: 7. 3, 3†, 7.  
II Ch. 3. 11 bis, 12† bis, 15 bis: 4. 2, 6 bis, 7 bis,  
8 bis: 6. 13 bis: 20. 31†, 31: 24. 27: 25. 1, 25:  
27. 1, 8†: 28. 1†: 29. 1: 33. 1†: 36. 5.  
I Es. 1. 39: 5. 12†, 12, 17, 18, 19, 22 bis, 42, 43  
ter.  
II Es. 2. 5, 8, 20, 33, 34, 66, 67.  
Ne. 7. 13†, 20†, 25, 36, 67, 68†, 69†.  
Ju. 7. 17, 30: 8. 9, 15: 16. 23.  
Ho. 8. 2.  
Za. 8. 21†.  
Is. 7. 8: 17. 6: 19. 18: 30. 17: 37. 36: 38. 5.  
Je. 52. 21, 22.  
Ez. 8. 16†: 11. 1: 40. 8, 13, 14†, 21, 25, 27†, 30,  
30† bis, 33, 36, 48 bis: 41. 2 bis, 9, 11, 12: 42.  
1: 45. 1, 3, 5, 6 bis, 12 bis: 48. 8, 9 bis, 10 bis,  
13 bis, 15 bis, 20 bis, 21 bis.  
Da. LXX. Th. 12. 12.  
I Ma. 2. 2: 7. 41: 10. 40.  
II Ma. 2. 23: 8. 19: 10. 29: 11. 5: 15. 22.  
[Aq. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): III Ki. 6. 10:  
IV Ki. 25. 19: Is. 38. 5.]  
[Sm. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): IV Ki. 25. 19:  
Is. 38. 5.]  
[Th. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): IV Ki. 25. 19:  
Is. 38. 5: Je. 52. 30: Ez. 8. 16.]  
[Heb. IV Ki. 6. 25.]

πενταετηρικός. (1) הָן הָן הָן  
I Ch. 11. 23. ἀνδρα ὁράτον π. (1)  
πενταπλασίως. (1) הָן הָן  
Ge. 43. 34. ἐμεγαλύνθη δὲ ἡ μερίς B. . . π. (1)  
πενταπλοῦς. (1) הָן הָן  
III Ki. 6. 31. Α καὶ φλιάς πενταπλᾶς (1)  
πεντάπολις.

Wi. 10. 6. δίκαιον . . . ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ κατα-  
βάσιον πενταπόλεως  
πέντε.

Ge. 5. 6, 10, 11, 15, 17, 21, 23, 30: 7. 20: 11. 12,  
25†, 32: 12. 4: 14. 10: 18. 28†, 28 ter: 25. 7:  
45. 6, 11, 22: 46. 27: 47. 2.  
Ex. 1. 5: 12. 40†, 41†: 22. 1 (21. 37): 26. 3 bis,  
9, 26, 27 bis, 37 bis: 27. 1 bis, 14, 15, 18: 37. 6  
(38. 38) bis, 12 (38. 14)†, 13 (38. 15)†, 16 (38.  
16): 39. 2 (38. 25), 6 (38. 28).  
Le. 26. 8: 27. 6, 7.  
Nu. 1. 37, 25: 2. 15, 23: 3. 47, 50: 4. 3†, 23, 30,  
35, 39, 43, 47: 7. 17 ter, 23 ter, 29, 29†, 29, 35†,  
35 bis, 41, 41†, 41, 47 ter, 53 ter, 59 ter, 65 ter,  
71 ter, 77 ter, 83 ter: 8. 24: 11. 19: 18. 16: 26.  
41, 50†: 31. 8, 32, 37.  
De. 10. 22†.  
Jo. 10. 5, 16, 17, 22, 23†, 26: 13. 3: 14. 10.  
Jd. 8. 3: 8. 10: 18. 2, 7, 8, 14, 17: 20. 15†, 35,  
45†, 46.  
I Ki. 6. 5, 5†, 16, 18: 17. 5, 40: 21. 3 (4): 22.  
18: 25. 18 bis, 42.  
II Ki. 4. 4: 9. 10: 19. 17 (18): 21. 8.  
III Ki. 6. 2†, 6†, 10, 24, 24†: 7. 16, 16†, 20†, 23,  
27, 39, 39†, 49 bis, 3, 4†: 16. 28 (22. 42)† bis:  
22. 42 bis.  
IV Ki. 6. 25: 7. 13†: 14. 2, 17: 15. 33: 18. 2:  
19. 35: 20. 6: 21. 1: 23. 36: 25. 19.  
I Ch. 2. 4, 6, 21†: 8. 20: 4. 32: 7. 3, 3†, 7.  
II Ch. 3. 11 bis, 12† bis, 15 bis: 4. 2, 6 bis, 7 bis,  
8 bis: 6. 13 bis: 20. 31†, 31: 24. 27: 25. 1, 25:  
27. 1, 8†: 28. 1†: 29. 1: 33. 1†: 36. 5.  
I Es. 1. 39: 5. 12†, 12, 17, 18, 19, 22 bis, 42, 43  
ter.  
II Es. 2. 5, 8, 20, 33, 34, 66, 67.  
Ne. 7. 13†, 20†, 25, 36, 67, 68†, 69†.  
Ju. 7. 17, 30: 8. 9, 15: 16. 23.  
Ho. 8. 2.  
Za. 8. 21†.  
Is. 7. 8: 17. 6: 19. 18: 30. 17: 37. 36: 38. 5.  
Je. 52. 21, 22.  
Ez. 8. 16†: 11. 1: 40. 8, 13, 14†, 21, 25, 27†, 30,  
30† bis, 33, 36, 48 bis: 41. 2 bis, 9, 11, 12: 42.  
1: 45. 1, 3, 5, 6 bis, 12 bis: 48. 8, 9 bis, 10 bis,  
13 bis, 15 bis, 20 bis, 21 bis.  
Da. LXX. Th. 12. 12.  
I Ma. 2. 2: 7. 41: 10. 40.  
II Ma. 2. 23: 8. 19: 10. 29: 11. 5: 15. 22.  
[Aq. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): III Ki. 6. 10:  
IV Ki. 25. 19: Is. 38. 5.]  
[Sm. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): IV Ki. 25. 19:  
Is. 38. 5.]  
[Th. Ge. 5. 6: Ex. 36. 38 (6): IV Ki. 25. 19:  
Is. 38. 5: Je. 52. 30: Ez. 8. 16.]  
[Heb. IV Ki. 6. 25.]

πενταετηρικός. (1) הָן הָן הָן  
I Ch. 11. 23. ἀνδρα ὁράτον π. (1)  
πενταπλασίως. (1) הָן הָן  
Ge. 43. 34. ἐμεγαλύνθη δὲ ἡ μερίς B. . . π. (1)  
πενταπλοῦς. (1) הָן הָן  
III Ki. 6. 31. Α καὶ φλιάς πενταπλᾶς (1)  
πεντάπολις.

Wi. 10. 6. δίκαιον . . . ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ κατα-  
βάσιον πενταπόλεως  
πέντε.

Ge. 5. 6, 10, 11, 15, 17, 21, 23, 30: 7. 20: 11. 12,  
25†, 32: 12. 4: 14. 10: 18. 28†, 28 ter: 25. 7:  
45. 6, 11, 22: 46. 27: 47. 2.  
Ex. 1. 5: 12. 40†, 41†: 22. 1 (21. 37): 26. 3 bis,  
9, 26, 27 bis, 37 bis: 27. 1 bis, 14, 15, 18: 37. 6  
(38. 38) bis, 12 (38. 14)†, 13 (38. 15)†, 16 (38.  
16): 39. 2 (38. 25), 6 (38. 28).  
Le. 26. 8: 27. 6, 7.  
Nu. 1. 37, 25: 2. 15, 23: 3. 47, 50: 4. 3†, 23, 30,  
35, 39, 43, 47: 7. 17 ter, 23 ter, 29, 29†, 29, 35†,  
35 bis, 41, 41†, 41, 47 ter, 53 ter, 59 ter, 65 ter,  
71 ter, 77 ter, 83 ter: 8. 24: 11. 19: 18. 16: 26.  
41, 50†: 31. 8, 32, 37.  
De. 10. 22†.  
Jo. 10. 5, 16, 17, 22, 23†, 2



Je. 82 (25). 22. βασιλείς τοὺς ἐν τῇ π. τῆς θαλάσσης (2 a)  
 48 (41). 10. φέγο εἰς τὸ π. νῶν Ἀμμών †  
 52. 8. κατέλαβον αὐτὸν ἐν τῇ π. Ἱερὶχά †  
 Ba. 8. 30. τὸς διέβη π. τῆς θαλάσσης  
 I Ma. 5. 37. A B ἐκ περάν [B προσώπου] τοῦ χειμάρρου  
 — 39. παρενέβαλον π. τοῦ χειμάρρου  
 — 41. ἐν δὲ . . . παρεμβάλη π. τοῦ ποταμοῦ  
 7. 8. κυριεύοντα ἐν τῇ π. τοῦ ποταμοῦ  
 9. 34. ἤλθεν αὐτὸς . . . π. τοῦ Ἰ.  
 — 48. διεκολύβησαν εἰς τὸ π.  
 11. 60. διεπορεύετο π. τοῦ ποταμοῦ  
 [Aq. Ex. 28. 26 (πρὸς π.): Dt. 82. 49: Jo. 1. 14: II Ki. 10. 16 (ἀπὸ π.): III Ki. 4. 12 (ἀπὸ π.): 14. 15 (ἀπὸ π.): Is. 9. 1 (8. 23): 47. 15: [Sm. Jo. 1. 14: I Ki. 18. 3, 7: II Ki. 10. 16: Is. 7. 20: 9. 1 (8. 23): 47. 15: Je. 48 (31). 28.]  
 [Th. Jo. 1. 14: II Ki. 10. 16: Is. 9. 1 (8. 23): 47. 15: Je. 22. 20.]  
 [Aq. Dt. 4. 47: I Ki. 14. 4.]

## περάν.

Wi. 19. 5. A B\* R καὶ ὁ μὲν λαὸς σου παράδοξον ὁδοιπορίαν περάσῃ [B\* B περ.]

## πέρας.

(1) 𐤀𐤓𐤑𐤍 (2) a. 𐤓𐤑𐤍 𐤁. 𐤓𐤑𐤍𐤁  
 (3) 𐤓𐤑𐤍 (4) 𐤓𐤑𐤍 (5) 𐤓𐤑𐤍 (6) a. 𐤓𐤑𐤍  
 𐤁. 𐤓𐤑𐤍 c. 𐤓𐤑𐤍 d. 𐤓𐤑𐤍 e. 𐤓𐤑𐤍 (7) 𐤓𐤑𐤍

II Ki. 16. 13. B ἐκ [A εἰς] πέρας [AB πλευρᾶς] τοῦ δρόμου (5)

I Es. 9. 17. ἤχθη ἐπὶ πέρας  
 To. 13. 11. B εἰς πάντα τὰ πέματα τῆς γῆς  
 Es. 3. 13. πορευτὴν μέχρι [A ἄχρι] περάτων  
 — 13. πῶς ἀν ἀχθεῖν τοῦτο ἐπὶ πέρας

Jb. 28. 3. πᾶν [A καὶ] πέρας αὐτὸς [A -οὺς] ἑξακριβάζεται (7)

Ps. 2. 8. καὶ τὴν κατὰσχεσίν σου τὰ πέματα [A πέρα] τῆς γῆς (1)

7. 6. ὑψώθητι ἐν τοῖς περάσι τῶν ἐχθρῶν μου  
 18 (19). 4. εἰς τὰ πέματα τῆς οἰκουμένης τὰ ῥήματα αὐτῶν (5 b)

21 (22). 27. ἐπιστραφῆσονται πρὸς κύριον πάντα τὰ πέματα [A πέρα] τῆς γῆς (1)

38 (39). 4. γνώριον μου, κυριε, τὸ πέρας μου (5 a)  
 45 (46). 9. μύχρι τῶν π. τῆς γῆς (5 b)

47 (48). 10. οὐτως καὶ ἡ αἰνεσίς σου ἐπὶ τὰ πέματα τῆς γῆς (5 c)

58 (59). 13. δεσπόει τῶν περάτων τῆς γῆς (5 b)  
 60 (61). 2. ἀπὸ τῶν περάτων τῆς γῆς (5 b)

64 (65). 5. ἡ ἐλπίς πάντων τῶν περάτων τῆς γῆς (5 c)  
 — 8. οἱ κατοικοῦντες τὰ πέματα [B τὴν γῆν] (5 c)

66 (67). 7. φοβηθήτωσαν αὐτὸν πάντα τὰ πέματα τῆς γῆς (1)

68 (69). 34. B\* ὁδασσα καὶ πάντα τὰ πέματα τῆς γῆς [B\* τὰ ἔρποντα ἐν αὐτοῖς] †

71 (72). 8. ἀπὸ ποταμοῦ ὥς περάτων τῆς οἰκουμένης (1)

94 (95). 4. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ τὰ [B\* πάντα τὰ] πέματα τῆς γῆς (2 b)

97 (98). 3. εἶδον πάντα τὰ πέματα τῆς γῆς τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1)

118 (119). 96. πάσης συντελείας εἶδον πέρας (5 a)  
 144 (145). 3. τῆς μεγαλοσύνης αὐτοῦ οὐκ ἔστι πέρας (2 a)

Wi. 6. 1. μάθετε, δικασταὶ περάτων γῆς  
 8. 1. διατείνει δὲ ἀπὸ περάτων εἰς [A\* B ἐπὶ] πέρας  
 14. 27. παντὸς ἀρχῆ κακοῦ καὶ αἰτία καὶ πέρας ἐστίν

18. 21. πέρας ἐπέθηκε τῇ συμφορᾷ  
 19. 4. A B εἴκε γὰρ αὐτοὺς ἡ ἀξία ἐπὶ τοῦτο τὸ [B S om.] π. ἀνάγκη

Si. prol. 25. πρὸς τὸ ἐπὶ πέρας ἀγοντα [A B\* ἀγαγ.] τὸ βιβλίον ἐκδόσθαι

Am. 8. 2. ἦκει τὸ π. ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (5 a)  
 Na. 2. 9 (10). οὐκ ἦν πέρας τὸ κόσμον αὐ. (5 d)

8. 3. οὐκ ἦν πέρας τοῖς ἔθνεσιν αὐ. (5 d)  
 — 9. B S οὐκ ἔστιν [A ἔστι] πέρας τῆς φυγῆς (5 d)

Hb. 2. 3. ἀνατελεῖ εἰς πέρας (5 a)  
 Ze. 8. 10. ἐκ περάτων ποταμῶν Αἰθιοπίας (5 a)

Je. 18. 7. π. λαλήσω ἐπὶ ἔθνος  
 — 9. π. λαλήσω ἐπὶ ἔθνος καὶ βασιλείαν

22. 20. B ῥόσον εἰς τὸ π. [A B S πέραν] τῆς θαλ. †  
 28 (31). 13. ἦκει τὸ π. σου ἀληθὲς (5 a)

Ez. 7. 2. π. ἦκει τὸ π. ἦκει (5 a, 5 a)  
 — 3. ἦκει τὸ π. ἐπὶ σέ [A om. ἐ. σέ] (5 a)

— 7 (3). νῦν τὸ π. πρὸς σέ (5 a)  
 — 10 (6). ἰδοὺ τὸ π. ἦκει (5 a)

21. 25 (30). 29 (34). ἦκει ἡ ἡμέρα ἐν καιρῷ ἀδικίας πέρας (5 a)

30. 3. π. ἐθῶν ἔσται (4)  
 Da. LXX. 4. 18. ὥς τῶν π. τῆς γῆς

Da. TH. 4. 8. καὶ τὸ κύτος αὐ. εἰς τὸ π. ἀπάσης [A τὰ π. π.] τῆς γῆς (3)

— 19. καὶ ἡ κυρία σου εἰς τὰ π. τῆς γῆς (3)  
 7. 28. ὥς ὡδε τὸ π. τοῦ λόγου (3)

8. 17, 19. ἐν γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ ὁρᾶσις (5 a)  
 11. 27. ἐν γὰρ πέρας εἰς καιρὸν (5 a)

— 35. τοῦ ἀποκαλυφθῆναι ὥς καιροῦ πέρας (5 a)  
 — 40. ἐν καιροῦ [A τὴν καιρῶν] πέρας (5 a)

12. 6. ὥς πότε τὸ π. . . τῶν θανασίων (5 a)  
 — 9. ἐσφραγισμένοι οἱ λόγοι ὥς καιροῦ πέρας (5 a)

II Ma. 5. 8. πέρας οὐν κακῆς ἀνατροφῆς  
 III Ma. 5. 5. λήψασθαι τὸ φίλον πέρας τῆς ὁλεθρίας  
 IV Ma. 18. 6. B\* ἑστράτευσεν ἐπὶ πέρας [A B\* B Πέρσας]

[Aq. I Ki. 17. 1: Jb. 16. 3 (P.): Ps. 58 (59). 14: 118 (119). 96: Pr. 30. 4: Is. 5. 8: 34. 12: 52. 10: Je. 51 (28). 13: Ez. 30. 3: Za. 9. 10.]

[Sm. Ge. 6. 14 (13): Jb. 16. 3: Ps. 58 (59). 14: 60 (61). 3: 118 (119). 96: Pr. 30. 4: Is. 9. 7 (6): 41. 9: Je. 51 (28). 13.]

[Th. Jb. 16. 3 (P.): 28. 3: Ps. 58 (59). 14: Pr. 30. 4: Is. 9. 7 (6): 28. 15: Je. 22. 20: Ez. 7. 6 bis: Da. 4. 8: 7. 28.]

[Al. I Ki. 2. 10: Jb. 16. 2: Is. 24. 16.]  
 [Quint. Ps. 60 (61). 3.]  
 [Heb. Za. 9. 10.]

περασμός. (1) 𐤓𐤑𐤍  
 Ec. 4. 8. οὐκ ἔστι π. τῇ παντὶ μάχῃ αὐτοῦ (1)  
 — 16. οὐκ ἔστι π. τῇ παντὶ λαφ. (1)

12. 12. τοῦ [B\* om.] ποιῆσαι βεβλία πολλὰ οὐκ ἔστι π. (1)

περάτης. (1) 𐤓𐤑𐤍  
 Ge. 14. 13. ἀπηγγέλειν Ἀβραμ τῇ π. (1)

πέριδι. (1) 𐤓𐤑𐤍  
 Si. 11. 30. πέριδι θρηνητῆς ἐν καρτάλλῳ

Je. 17. 11. ἐφώνησε π. (1)  
 [Aq. Sm., Th. I Ki. 28. 20.]

περί. I. c. gen. \* δ περί.  
 Ge. 3. 10†: 12. 17, 20, 17. 20: 19. 21: 20. 2, 3, 7: 21. 11, 12 bis, 25: 23. 8: 24. 9, 67: 25. 21: 26. 7 bis, 21, 22, 32: 27. 41: 28. 18, 20, 25: 30. 26: 40. 14: 41. 15, 32, 55: 42. 21: 50. 4, 20.

Ex. 8. 8 (4), 9 (5) bis, 9 (5)†, 12 (8), 28 (24): 9. 28†: 14. 3†, 14, 25: 22. 9 (24): 24. 8: 28. 12: 30. 10†, 15, 16: 32. 14†, 30, 35.

Le. 1. 4: 4. 3 bis, 14, 20, 26, 28, 31, 32†, 35 bis: 5. 5, 6 quinquies, 7 bis, 8\*, 9\*, 10, 11 ter, 13 bis, 15, 16, 18 bis: 6. 2 (5. 21) bis, 3 (5. 22) bis, 4 (5. 24), 6 (5. 26) bis, 25 (18\*)†, 30 (23)\*, 31 (7. 1)\*, 35 (7. 5), 37 (7. 7)\*: 7. 2 (12), 27 (37): 8. 2\*, 14\*, 15†, 34: 9. 2, 3, 7\*, 7 bis, 8\*, 10\*, 15\*, 22\*: 10. 16\*, 17\*, 17, 19 bis: 11. 46: 12. 6, 7, 8 bis: 13. 36: 14. 13\*, bis, 18, 19\*, 19, 20, 21, 22, 29, 31 bis, 53: 15. 15 bis, 15†, 30 bis: 16. 3, 5, 6\*, 6, 9, 11\*, 11, 11\*, 15\*, 16, 17 bis, 20, 24, 24† bis, 24, 25\*, 27\* bis, 30, 33 bis, 34: 17. 11: 19. 22 bis: 28. 19, 28.

Nu. 5. 8, 15: 6. 11 quater, 16\*, 21: 7. 16, 22, 28, 34, 40, 46, 52, 58, 64, 70, 76, 82, 87: 8. 8, 12 bis, 19, 20, 21, 22, 24\*: 9. 8: 10. 29: 14. 27, 36†: 15. 24, 25†, 25 ter, 27, 28 bis: 16. 46 (17. 11), 47 (17. 12): 21. 8†: 25. 13: 27. 19: 28. 15, 22†, 22, 30 bis: 29. 5 bis, 11 bis, 11\*, 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34, 38: 30. 3: 31. 50: 35. 1†.

De. 3. 22: 4. 21: 9. 18, 20: 18. 9 (10): 24. 15†.

Jo. 9. 24: 14. 6.

Jd. 8. 7†, 31†: 9. 3: 11. 35†: 16. 28†: 19. 30†: 21. 6†.

I Ki. 2. 25†: 4. 13: 7. 5, 9: 9. 5, 20: 12. 23†: 14. 45: 18. 8: 19. 3, 4: 20. 12: 21. 2 (3): 22. 8: 28. 9, 21: 25. 30†: 31. 1†.

II Ki. 1. 19†: 3. 8†, 8†, 18: 7. 25: 10. 2, 12: 12. 6, 16: 18. 16: 14. 8: 17. 21: 19. 42 (43): 21. 1.

III Ki. 2. 4†, 18, 19: 4. 33 (5. 13)†, 33 (5. 13) quater: 5. 8 (22): 8. 15: 10. 6 bis: 12. 15, 24† ter: 18. 6†: 14. 13†: 15. 30†: 16. 13: 20 (21). 22, 28: 21 (20). 7 ter: 22. 8, 13†.

IV Ki. 6. 11: 8. 3 bis, 5 bis: 12. 16 (17) bis: 19. 4, 9, 20: 22. 13 quater.

I Ch. 6. 49 (34): 16. 21†: 19. 2, 5, 13† bis: 21. 7, 25†: 22. 11: 29. 30.

II Ch. 8. 15: 9. 5 bis, 29: 10. 15: 15. 15: 18. 7, 12, 17: 22. 9: 24. 6: 29. 21 quater, 23\*, 24 bis, 24\*: 30. 18: 32. 17, 20: 34. 21 ter.

I Es. 1. 24, 33, 42: 2. 22: 3. 17 bis: 4. 1, 13, 33: 6. 6, 22, 31.

II Es. 4. 22: 5. 17: 6. 3, 17†: 8. 23, 35 bis: 10. 9, 14, 15, 19†.

Ne. 1. 1†, 2 bis, 6: 2. 4: 4. 14, 20: 10. 33\*, 33, 34: 12. 31†, 38†.

To. 1. 8†, 18†, 19, 19†, 22: 2. 8, 10†: 3. 5, 9†: 4. 1†, 2†: 5. 20†: 6. 10†, 12† bis: 7. 17†: 9. 5†: 10. 4†, 6†, 9†: 12. 6†: 14. 4†, 5.

Ju. 4. 2: 5. 5, 21†: 8. 31: 10. 18, 22.

Es. 1. 1 ter, 13: 4. 8 bis: 6. 2 bis, 3†, 4: 7. 7†, 9: 9. 16†: 10. 3 bis.

Jb. 1. 5 bis, 5†: 29. 10†: 36. 32, 33 bis: 42. 8†, 8, 10.

Ps. 87 (88). tit. 39 (40), 6, 7: 71 (72). 15: 86 (87). 3: 90 (91). 11: 115. 3 (116. 12): 121 (122). 8. Pr. 7. 23.

Ec. 1. 13†: 3. 18: 7. 11 (10), 15 (14): 8. 2. Ca. 1. 4\*†.

Wi. 1. 1: 4. 17: 6. 7, 15: 12. 13, 14: 13. 17, 18 quater, 19: 14. 30.

Si. prol. 10†: 4. 20, 25, 28: 5. 5: 7. 31: 11. 9: 18. 12: 16. 7, 8: 17. 14: 19. 30\*: 21. 1: 28. 4: 30. 1, 7 (7), 14†, 16†, 28 (38. 19), 33 (38. 24)†: 35 (32). 1†: 36. 22 (19): 37. 11†, 11 octies, 11†: 39. 5: 41. 2, 12, 17†, 17, 18 ter, 19, 20†, 20, 22: 42. 1, 2 bis, 3 bis, 4 bis, 5 bis, 8: 45. 16, 23: 51. 14.

Mi. 1. 1 bis.

Na. 1. 14†.

Is. 2. 1 bis: 7. 5†: 8. 19, 20 bis: 23. 5, 11: 24. 11: 32. 12†: 37. 4, 21, 22: 38. 1, 16: 45. 11, 11†, 11: 46. 11: 52. 15: 58. 4, 10.

Je. 1. 16: 8. 8: 7. 16† bis, 22: 11. 14†, 14: 12. 14: 14. 1, 11, 15: 15. 4, 15: 16. 3, 3†, 3 bis: 18. 8, 10: 21. 2: 26 (48). 1†: 38 (26). 20: 36 (29). 7: 37 (30). 6: 38 (31). 37: 40 (38). 4, 4†, 5, 9 bis: 44 (37). 3: 47 (40). 16†: 49 (42). 2, 20.

Ba. 1. 10, 11, 13.

La. 1. 22: 2. 19: 3. 39: 5. 17 bis.

Ez. 6. 9†: 27. 31†: 38. 30: 36. 18†: 38. 17: 42. 13\* bis: 43. 11, 19, 21†: 45. 15.

Da. LXX. Su. 5, 10 bis: 2. 15, 18: 4. 24, 31 bis, 32, 34 bis: 5. 10, 11: 6. 5 (6), 18 (19): 7. 19, 20, 23.

Da. TH. Su. 5, 10, 27, 63: 2. 15: 8. 16: 5. 14, 16, 29: 6. 13 (14), 14 (15): 7. 16, 19, 20: 9. 20: 10. 21†.

I Ma. 3. 21, 34 bis, 43†, 48: 4. 44, 46: 7. 21: 8. 15, 31: 9. 44†, 55: 10. 19, 35, 63 bis: 11. 8, 29, 31: 12. 8, 17, 21, 22, 51: 18. 3†, 6 bis, 6†, 15: 14. 9, 21, 32, 42, 43: 15. 35.

II Ma. 1. 6: 2. 11\*, 13\*, 13, 28, 30†: 3. 4†, 6, 7, 9, 14\*, 15\*: 4. 23, 43, 48†: 5. 11: 7. 37: 8. 4, 12: 10. 21: 11. 15, 17, 31: 6. 12: 43, 45: 13. 14, 14†, 25: 14. 18\*†, 20: 16. 14, 18\* bis.

III Ma. 1. 22†: 2. 32: 8. 6, 7\*: 4. 20: 5. 10, 15\*, 30, 37: 6. 33, 36, 40: 7. 8.

IV Ma. 1. 12, 12†: 2. 22†: 4. 5\*, 11, 13, 22: 5. 29†, 38†: 6. 28†: 9. 23: 11. 3: 18. 9: 14. 3.

[Aq. Ex. 29. 14: III Ki. 18. 6: 14. 13: IV Ki. 19. 21: Jb. 29. 11: 41. 4: Ps. 61 (62). 1: 83 (84). 1: Pr. 27. 13: Is. 38. 17: Je. 7. 16: 14. 1: 15. 4: 18. 23: 26 (33). 3: 42 (49). 2: Ez. 86. 18.]

[Sm. Ge. 20. 13: Dt. 28. 66: Ru. 4. 7: I Ki. 12. 7: II Ki. 11. 7: IV Ki. 19. 21: 20. 1: Jb. 14. 21: 15. 2: 24. 22: 29. 11: 31. 1: 34. 29: 36. 33 bis: 37. 1, 15, 22: 42. 11: Ps. 9. 1: 16 (17). 9: 28 (29). 10: 31 (32). 5, 6, 8: 34 (35). 20: 35 (36). 2, 3\*: 36 (37). 12: 39 (40). 16: 40 (41). 6, 8: 43 (44). 5: 52 (53). 1: 53 (54). 1: 54 (56). 1: 55 (56). 6: 57 (68). 29: 72 (78). 4: 74 (75). 1: 76 (77). 9: 83 (84). 1: 86 (87). 5: 90 (91). 11: 118 (119).

136: 124 (126). 2: 187 (188). 2: Ec. 11. 9: 12. 14: Is. 82. 12 bis: 87. 4: 88. 17. 19: 68. 7: Jz. 6. 16: 28 (35). 8: 81 (88). 7: 83 (40). 4 bis: 89 (46). 11: 43 (50). 1: 47 (29). 1: 48 (81). 32: Ez. 12. 10: 17. 20: 19. 4: 20. 46 (21. 2), 49 (21. 5): 26. 16: 88. 13: 40. 24\*, 29\*.  
[Th. Ex. 29. 14: III Ki. 13. 6: Jb. 36. 32, 33 bis: Ps. 67 (68). 17: 88 (84). 1: Pr. 20. 16: 27. 13: Is. 82. 12 bis: 87. 4: 88. 17: 45. 11: Jz. 27 (84). 19 ter: Ez. 19. 4: 27. 31: 86. 18: Da. 6. 13\*.]  
[Al. Lz. 14. 12: 16. 16: 26. 41: I Ki. 21. 5 (6).]  
[Quint. IV Ki. 19. 21.]

II. c. dat.

I Ki. 26. 39†.  
Pr. 1. 9: 8. 22: 6. 21†.

III. c. acc. \* δ περι.

Ge. 15. 12: 24. 47†: 87. 23\*: 41. 42.  
Ex. 11. 4.  
Le. 6. 10 (3)†: 18. 45: 16. 4†.  
De. 20. 19: 24. 13†.  
Jd. 5. 30†: 16. 3†.  
I Ki. 1. 5\*, 6\*: 17. 38†: 25. 16.  
II Ki. 15. 18\*†.  
III Ki. 16. 7†: 21 (20). 32†: 22. 19.  
IV Ki. 6. 25†.  
I Ch. 28. 1\*.  
II Ch. 28. 13.  
I Es. 8. 6: 4. 11.  
Ne. 10. 34†.  
To. 6. 17†.  
Ju. 12. 5†.  
Jb. 18. 11: 40. 20 (25).  
Ps. 140 (141). 3.  
Pr. 7. 3†.  
Wi. 14. 22: 17. 18.  
Si. 11. 10: 45. 18\*.  
Is. 29. 3, 3†.  
Je. 18. 1, 2, 4\*, 11: 34 (27). 2: 43 (36). 21†.  
Ez. 16. 11 bis, 12†: 88. 6\* bis, 9\*: 39. 4\*.  
Da. LXX. 8. 23\*, (48), (49)\*.  
Da. Th. 8. (48), (49)\*: 5. 7†, 16†, 29.  
I Ma. 9. 40\*†: 11. 1\*†, 13, 61: 18. 40\*.  
II Ma. 1. 13\* bis, 33\*, 36\*: 2. 2\*†: 3. 17†, 32, 38: 4. 14, 41\*, 6. 1, 17: 7. 42\*: 8. 16\*, 27, 30\*, 32\*: 9. 1, 1\*†, 3\*, 21\*†: 10. 16\*, 20\*, 25\*, 33\*, 35\*: 11. 2, 6\*, 13: 12. 1, 6\*, 11\*, 14\*, 15\*†, 19\*, 20\*†, 20, 24\*, 36\*, 37\*, 39\*: 13. 1\*, 8, 14, 15\*, 22\*: 14. 1\*, 18\*, 30\*: 15. 1\*, 6\*, 13\*, 25\*, 26\*.  
III Ma. 1. 1\*, 25\*, 27\*: 8. 8: 5. 5, 45, 48†: 6. 1\*: 7. 10.  
IV Ma. 1. 20†, 20, 21: 2. 19\*: 8. 8, 15†: 5. 4\*, 9, 29†: 6. 2\*: 9. 12†, 13, 20: 10. 8: 11. 10†, 10, 10†: 18. 13\*: 14. 7, 8, 19: 15. 11\*, 15, 15\*: 16. 3\*.

[Aq. IV Ki. 1. 2: Jb. 34. 6: Ps. 138 (139). 11.]  
[Sm. Jo. 15. 6\*: Jd. 5. 14\*: 9. 13: Jb. 31. 27: 34. 6: Ps. 45 (46). 6: 52 (53). 6: 88 (89). 8\*: 138 (139). 11: Ec. 11. 10\*: Is. 59. 18: Ez. 13. 5: 24. 22: 40. 9\*, 14\*, 24\* (Sw.), 26\*, 31\*: 41. 3\*.]  
[Th. Jb. 34. 6: 41. 6.]  
[Al. Jb. 18. 11: Ps. 124 (125). 2.]  
[Quint. Ho. 6. 4\*.]

περικύκλω. \* δ π.

Ex. 28. 29 (33).  
De. 6. 14: 13. 7 (8)\*.  
Jo. 19. 8\*†.  
Jd. 2. 12\*.  
IV Ki. 6. 17: 17. 15\*†: 23. 5\*.  
I Es. 1. 53: 2. 9\*.  
Ps. 88 (89). 7\*.  
Is. 4. 5\*.  
Ez. 28. 23, 24\*†: 82. 23, 24, 26: 84. 26†: 86. 4\*† 7\*: 87. 21\*: 89. 17\*.  
Da. LXX., Th. 9. 16\*.  
[Aq. Ps. 26 (27). 6\*: Jz. 50 (27). 32\*.]  
[Sm. Jz. 50 (27). 32\*.]  
[Th. Ez. 32. 23.]  
[Al. Ez. 32. 25: 41. 8.]

περιάγειν. (1) הָיָה hi. (2) בָּרַךְ a. hiph. δ. hoph. (3) הָיָה hi.

Am. 2. 10. περιήγαγον ὑμᾶς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)  
Is. 28. 27. οὐδὲ τροχὸς ἀμάξης περιάξει ἐπὶ τὸ κύμνον (2 δ)  
Ez. 37. 2. περιήγαγέ με ἐπ' αὐτὰ κυκλόθεν (3)  
46. 21. περιήγαγέ με ἐπὶ τὰ τέσσαρα μέρη τῆς αἰλῆς (3)  
47. 2. περιήγαγέ με τὴν ὁδὸν ἔξωθεν (2 α)  
II Ma. 4. 38. περιεπαγὼν καθ' ὅλην τὴν πόλιν  
6. 10. περιεπαγόντες αὐτὰς τὴν π.  
[Sm. II Ki. 2. 8: 14. 20: Ps. 59 (60). 3: Ec. 2. 20.]

περιαγκνίζειν.

IV Ma. 6. 3. περιεγκνίσαντες ἑκατέρωθεν  
περιαίρειν. (1) הָיָה (2) הָיָה a. hiph. δ. hithpa. (3) בָּרַךְ pi. (4) הָיָה a. qal. δ. hi. c. hoph. (5) הָיָה hi. (6) הָיָה a. pi. δ. hithpa. (7) הָיָה hiph. (8) הָיָה hi. (9) הָיָה hi.

Ge. 88. 14. περιελομένη τὰ ἱμάτια τῆς χρεύς. (4 δ)  
— 19. B περιέλωτο [A -εβάλετο] τὸ θέρισ-τρον (4 δ)  
41. 42. περιελομένος Φ. τὸν δακτύλιον (4 δ)  
Ex. 8. 8 (4). περιελέτω τοὺς βατράχους (4 δ)  
— 11 (7). περιελεῖσθαι οἱ βιάραχοι (4 α)  
— 31 (27). περιελεῖ τὴν κυνέριαν ἀπὸ Φ. (4 δ)  
10. 17. περιελέτω ἀπ' ἐμοῦ τὸν θάνατον τοῦτον (4 δ)  
32. 2. περιελεσθε τὰ ἐνώτια τὰ χρυσᾶ (6 α)  
— 3. περιελεῖντο πᾶς ὁ λαὸς τὰ ἐνώτια (6 β)  
— 24. εἰ τι νῦν ὑπάρχει χρυσία περιελεσθε (6 β)  
33. 6. περιελεῖντο . . . τὸν κόσμον αὐτῶν (2 β)  
34. 34. περιελεῖντο τὸ κάλυμμα (4 δ)  
Le. 8. 4. καὶ τὸν λοβὸν . . . περιελεῖ (4 δ)  
— 9. σὺν ταῖς ψαῖς περιελεῖ αὐτό (4 δ)  
— 10. περιελεῖν ἀνσίτοις ὁ ἱερεὺς (4 δ)  
— 15. καὶ τὸν λοβὸν . . . περιελεῖ (4 δ)  
4. 8. πᾶν τὸ στέαρ . . . περιελεῖ ἀπ' αὐτοῦ (8)  
— 9. καὶ τὸν λοβὸν . . . περιελεῖ αὐτό (4 δ)  
— 19. τὸ πᾶν στέαρ περιελεῖ (8)  
— 31. πᾶν τὸ στέαρ περιελεῖ (4 δ)  
— 31. ὃν τρόπον περιεαίρεται στέαρ (4 α)  
— 35. πᾶν αὐτοῦ τὸ στέαρ περιελεῖ (4 δ)  
— 35. ὃν τρόπον περιεαίρεται στέαρ (4 α)  
6. 34 (7. 4). περιελεῖ αὐτὰ (4 δ)  
Nu. 17. 5 (20). περιελὼ . . . τὸν γογγυσμὸν υἱῶν 'Ι. (9)  
30. 13. ἐὰν δὲ περιελὼν περιελῇ ὁ ἀνὴρ (7, 7)  
— 13. ὁ ἀνὴρ αὐτῆς περιελεῖ (7)  
— 14. ὁ ἀνὴρ αὐτῆς περιελεῖ (7)  
— 16. B\* ἐὰν δὲ περιελὼν [A -αἰρῶν] περιελῇ (7, 7)  
De. 7. 15. περιελεῖ . . . ἀπὸ σοῦ πᾶσαν μαλακίαν (4 δ)  
21. 13. περιελεῖς τὰ ἱμάτια τῆς αἰχμ. (4 δ)  
Jo. 24. 14, 23. περιελεσθε τοὺς θεοὺς τοὺς ἀλλοτρίους (4 δ)  
I Ki. 1. 14. περιελεῖν τὸν ὀνόν σου (4 δ)  
7. 3. περιελετε θεοὺς ἀλλοτρίους (4 δ)  
— 4. περιελεῖν [A -αν] . . . τὰς Βααλίμ (4 δ)  
28. 3. περιελετε τοὺς ἐγγαστριμύθους (4 δ)  
II Ki. 3. 10. περιελεῖν τὴν βασιλείαν (5)  
14. 20. A ἐνεκεν τοῦ περιελεῖν [B -ελθεῖν] τὸ πρόσωπον τοῦ ῥήμ. τ. (3)  
I Ch. 21. 8. περιελεῖ δὴ τὴν κακίαν παιδός σου (5)  
II Ch. 32. 12. δὲ περιελεῖ τὰ θυσαυτήρια αὐ. (4 δ)  
38. 15. περιελεῖ τοὺς θεοὺς τοὺς ἀλλοτρίους (4 δ)  
34. 33. περιελεῖν 'Ι. τὰ πάντα βδελύγματα (4 δ)  
Ju. 10. 3. περιελεῖντο [B -εσθ] τὸν σάκκον (4 δ)  
Es. 8. 10. περιελομένης ὁ βασις τὸν δακτύλιον (4 δ)  
Ps. 118 (119). 22. περιελεῖ ἀπ' ἐμοῦ θνητός — 39. περιελεῖ τὸν θνητισμὸν μου (5)  
— 43. μὴ περιελεῖς ἐκ τοῦ στόματός μου λόγον ἀληθείας (2 α)  
Pr. 4. 24. περιελεῖ σεαυτοῦ σκολὸν στόμα (4 δ)  
27. 22. οὐ μὴ περιελεῖς τὴν ἀφροσύνην αὐτοῦ (4 α)  
Jn. 3. 6. περιελεῖν τὴν στολήν αὐ. (5)  
Ze. 3. 11. περιελὼ ἀπὸ σοῦ τὰ φαντασίματα — 15. περιελεῖ κύριος τὰ ἀδικήματά σου (4 δ)  
Za. 10. 11. σκίπτρον Αἰγ. περιεαῖρεθήσεται (4 α)  
Je. 4. 1. ἐὰν περιελεῖ τὰ βδελύγματα αὐτοῦ (4 δ)  
— 4. A B\* περιελεσθε [B B\* περιεμέσθε] τὴν σκληροκαρδίαν ὑμῶν (4 δ)

Ba. 4. 34. περιελὼ αὐτῆς τὸ ἀγαλλίαμα [A ἀγαλμα]  
Ep. Jc. 58. ὃν οἱ ἰσχύοντες περιελοῦνται τὸ χρυσίον  
II Ma. 4. 38. τὴν τοῦ Ἀνδρ. πορφύραν περιελο-μενος

[Aq. Th. Pr. 25. 20: Is. 27. 9.]  
[Sm. Gz. 49. 10: Nu. 11. 25: III Ki. 15. 14: Jb. 38. 15: Ps. 118 (119). 29: Pr. 25. 20: Is. 25. 8: 27. 9: Jz. 4. 4: 16. 5: Am. 6. 7\*.]

περιαμαρτίζειν.

[Aq. Ex. 29. 36: Le. 6. 26 (19): 8. 15: 9. 15: 14. 49.]  
[Sm. Th. Ex. 29. 36: Le. 8. 15: 14. 49.]  
[Al. Ez. 48. 20.]

περιαμαρτισμός.

[Sm. Za. 13. 1\*.]

περιαντλεῖν.

IV Ma. 15. 32. ἐν τῇ τῶν παθῶν περιαντλουμένη κατακλυσμῷ

περιάπτειν.

III Ma. 3. 7. B οὐ τῷ τυχεῖν περιήψαν ψόγῳ [A -αυτο φόβῳ]

περιάργυρος.

Ep. Jc. 8. αὐτὰ τε περχύρσα καὶ περιάργυρα  
— 39. τοὺς ἀπὸ τοῦ θρόνου λίθοις ὁμοιωμένοι εἰσι . . . τὰ π.  
— 50. ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα . . . καὶ περιάργυρα  
— 55. εἰς οἰκίαν θεῶν . . . περιάργυρον  
— 57. B οὐ μὴ διασωθῶσι [A -σώσουσιν, B δια-θῶσιν] θεοὶ . . . περιάργυροι  
— 70. οἱ θεοὶ αὐτῶν εἰσι . . . περιάργυροι  
— 71. ἀφωμοιώνται οἱ θεοὶ αὐτῶν . . . περιάρ-γυροι

περιαργυροῦν. περιεργυρωμένος (1) הָיָה (2) הָיָה (3) הָיָה

Ex. 27. 11. αἱ βάσεις αὐ. περιεργυρωμένα ἀρ-γυρίῳ  
87. 15 (88. 17). αἱ κεφαλίδες αὐ. περιεργυρωμ. ἀργ. (8)  
— 15 (88. 17). οἱ στύλοι περιεργυρωμ. ἀργ. (17)  
— 17 (88. 19). αἱ κεφαλίδες αὐ. περιεργυρωμ. ἀργ. (3)  
— 18 (88. 19). καὶ αὐτοὶ περιεργυρωμ. ἀργ. †  
38. 18 (36. 34). περιεργύρωσε τοὺς στύλους †  
— 20. περιεργύρωσε αὐτὰς [A -οὐς] †  
Ps. 67 (68). 13. πτέρυγες περιστρεφᾶς περιερ-γυρωμένα (2)  
Is. 80. 22. μανείς [A B\* ἑξαιρεῖς] τὰ εἶδωλα τὰ περιεργυρωμένα (3)

περιαστράπτειν.

IV Ma. 4. 10. ἄγγελοι περιαστράπτοντες τοῖς ὅπλοις

περιβάλλειν.

(1) הָיָה a. qal. δ. pi. (2) הָיָה a. pi. δ. pu. c. hithpa. (3) הָיָה a. qal. δ. hi. (4) הָיָה hi. (5) הָיָה (6) הָיָה (7) הָיָה (8) הָיָה

Ge. 24. 65. λαβούσα τὸ θέριστρον περιεβάλετο (2 α)  
28. 20. καὶ ἱμάτιον περιεβάλλεσθαι (8 α)  
38. 14. A περιεβάλετο θερίστρῳ [B -βαλε-τὸ θ.] (2 α)  
— 19. A περιεβάλετο [B -εἰλετο] τὸ θέρις-τρον †  
Le. 13. 45. περὶ τὸ στόμα αὐ. περιεβάλεσθω [A -βαλλ.] (5)  
De. 22. 12. ἂν ἐὰν περιβάλλῃ ἐν αὐτοῖς (2 α)  
Jd. 4. 18. περιεβαλεν αὐτὸν ἐπιβολαίᾳ [A al.] (2 α)  
— 19. καὶ περιεβαλεν αὐτὸν [A al.] (2 α)  
Ru. 3. 9. περιεβαλεῖς τὸ πτερίγιόν σου (7)  
I Ki. 28. 8. περιεβάλετο ἱμάτιον ἑτέρα (8 α)  
III Ki. 1. 1. περιεβαλλον αὐτὸν ἱματίους (2 α)  
11. 29. 'Αχ. περιεβεβλημένος ἱματίῳ καινῷ (2 α)  
12. 24. B τοῦ περιεβαλέσθαι σε —  
20 (21). 16, 27 (B). καὶ περιεβάλετο σάκκον —  
IV Ki. 8. 15. περιεβαλεν ἐπὶ τὸ πρόσωπον αὐ. (7)  
19. 1. καὶ περιεβάλετο σάκκον (2 α)  
— 2. τοὺς πρεσβυτ. . . περιεβεβλημένους σάκκους (2 α)  
I Ch. 21. 16. οἱ πρεσβύτεροι περιεβεβλημ. ἐν σάκκοις (2 δ)

II Ch. 28. 15. πάντας τοὺς γυμνοὺς περιβάλλον [A -βαλλον] (8 b)  
 I Es. 8. 6. καὶ πορφύραν περιβαλίσθαι  
 Ju. 4. 11. τὸ θυιαστῆριον σάκκῳ περιέβαλον [B<sup>1</sup> -βαλλον] (8 a)  
 Es. 5. 1. περιβάλετο τὴν δόξαν αὐτῆς (8 a)  
 6. 8. ἢν ὁ βασις περιβάλλεται (8 a)  
 8. 13. περιέβαλε συμφοραῖς ἀνηέστοις (8 a)  
 Jb. 23. 9. περιβαλεῖ δεξιὰ καὶ οὐκ ὄψομαι (6)  
 24. 8. παρὰ τὸ μὴ ἔχειν ἑαυτοὺς σκέπην πέτραν [S<sup>1</sup> om.] περιεβάλοντο (1 b)  
 Ps. 44 (45). 9. ἐν ἱματισμῷ διαχύσῃ περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S -οις] -  
 — 13. ἐν κροσσωτοῖς χρυσοῖς περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S<sup>1</sup> -οις] (8 a)  
 47 (48). 12. B<sup>1</sup> περιβάλετε [A B<sup>2</sup> S -λάβετε] αὐτὴν (4)  
 70 (71). 13. περιβαλέσθωσαν αἰσχύνῃ (6)  
 72 (73). 6. περιεβάλοντο ἀδικίαν (8)  
 108 (109). 19. ὡς ἱμάτιον δὲ περιβάλλεται (5)  
 — 29. A B περιβαλέσθωσαν [S -βαλλ.] ὡς διπλοῖδα αἰσχύνῃ αὐτῶν (5)  
 146 (147). 8. τὰ περιβάλλοντι τὸν οὐρανὸν ἐν νεφέλαις (2 a)  
 Pr. 28. 4. περιβάλλουσιν ἑαυτοῖς τείχος  
 29. 5. δίκτυον περιβάλλει [S -βαλεῖ] αὐτὸ τοῖς ἑαυτοῦ ποσίν (7)  
 Ec. 4. 5. ὁ ἀφρων περιέβαλε [A S -έλαβεν] τὰς χεῖρας αὐτοῦ (1 a)  
 Ca. 1. 7. ὡς περιβαλλομένη ἐπ' ἀγέλας ἐταίρων σου (5)  
 Wi. 19. 17. ἀγαμίη περιβληθέντες σκότειν  
 Si. 40. 4. ὥς περιβαλλομένου ὠμίλου  
 Mi. 7. 10. καὶ περιβαλεῖται αἰσχύνῃ (2 a)  
 Jn. 8. 6. περιεβάλετο σάκκον (2 a)  
 — 8. περιεβαλὼντο σάκκους οἱ ἄνθρωποι (2 c)  
 Hg. 1. 6. περιεβάλεσθε καὶ οὐκ ἐθερμώθητε (3 a)  
 Za. 3 (6). 5. περιεβάλον αὐτὸν ἱμάτιον (3 b)  
 Is. 4. 1. τὰ ἱμάτια ἡμῶν περιβαλοῦμεθα (3 a)  
 37. 1. περιεβάλτο σάκκον (2 c)  
 — 2. ἀπέστειλεν . . . τοὺς πρεσβυτέρους τῶν ἱερῶν περιβεβλημένους σάκκους (2 c)  
 58. 7. ἐὰν ὄψῃ γυμνὸν περιέβαλε (2 a)  
 59. 6. οὐδὲ μὴ περιβάλλονται [S -ονται] ἀπὸ τῶν ἔργων αὐτῶν (2 c)  
 — 17. περιεβάλετο ἱμάτιον ἐκδικήσεως (5)  
 Je. 4. 30. τί ποιήσεις ἐὰν περιβάλῃ κόκκινον (8 a)  
 Ba. 5. 2. περιεβαλοὺ τὴν διπλοῖδα τῆς παρὰ τοῦ θεοῦ δικαιοσύνης (3 b)  
 La. 4. 5. B περιεβάλλοντο [B -βαλόντο, A -έλαβον] κοπίας (1 b)  
 Ep. Je. 12. περιβεβλημένων αὐτῶν ἱματισμὸν πορφύρου (1 b)  
 Ez. 4. 2. περιβαλεῖς ἐπ' αὐτὴν χάρακα (8)  
 16. 10. περιεβάλον σε τριχαπτῷ (2 a)  
 — 18. περιεβάλες αὐτάς (2 a)  
 18. 7. γυμνὸν περιβαλεῖ [A add. ἱμάτιον] (2 a)  
 — 16. γυμνὸν περιεβάλες (2 a)  
 27. 7. περιβαλεῖν σε ὑκέκον (2 a)  
 32. 3. περιβαλὼ ἐπὶ σὲ δίκτυα [A -νόν μου] (7)  
 34. 3. τὰ ἔρια περιβάλλεσθε (8 a)  
 Da. LXX. 12. 6. τῷ ἐνὶ τῷ περιβεβλημένῳ τὰ βύσσινά (8 a)  
 — 7. ἦκουσα τοῦ περιβεβλημ. τὰ βύσσινά (8 a)  
 I Ma. 2. 14. περιεβάλοντο σάκκους  
 3. 47. S B περιεβάλοντο [A -βάλλ.] σάκκους  
 8. 14. καὶ οὐ περιεβάλοντο πορφύραν  
 10. 64. S B καὶ περιβεβλημένον αὐτὸν πορφύραν [A συνδύνα] (2 a)  
 14. 43. S B ὅπως περιβάλλεται [A -βάλλ.] πορφύραν  
 — 44. S<sup>1</sup> B καὶ περιβάλλεσθαι [A S<sup>2</sup> -βαλέσθαι] πορφύραν (2 a)  
 III Ma. 6. 26. τίς . . . οὕτως ἀθέσμοις περιεβαλεν αἰκίας  
 — 34. B αἰσχύνῃ ἐφ' ἑαυτοῖς περιβαλλόμενοι [A -βαλόμ.] (2 a)  
 [Aq. Ps. 108 (104). 6.]  
 [Sm. Is. 23. 18 : 57. 16 : 59. 17 : Je. 43 (50). 12 : Ez. 24. 22.]  
 [Th. Ps. 108 (104). 6 : Is. 23. 18 : 57. 16 : 59. 17 : Je. 43 (50). 12.]  
 [Al. I Ki. 28. 14.]

περιβιούν. (1) πῖν pi.

Ex. 22. 18 (17). A φαρμακοὺς οὐ περιβιώσετε [B -ποιήσετε] (1)  
 III Ma. 5. 18. τὴν παρούσαν ἡμέραν περιβεβιωκότες

περιβλέπειν. (1) בִּיחֵ hi. (2) בִּיחֵ (3) בִּיחֵ (4) בִּיחֵ

Ge. 19. 17. μὴ περιβλέψῃς εἰς τὰ ὀπίσω (1)  
 Ex. 2. 12. περιβλεψόμενος δὲ ᾤδε καὶ ᾤδε (3)  
 Jo. 8. 20. περιβλέψαντες . . . εἰς τὰ ὀπίσω αὐτῶν (3)  
 III Ki. 21 (20). 40. περιεβλέψατο ὁ δουλὸς σου (2)  
 To. 10. 7. S περιεβλέπετο τὴν ὁδὸν [A B al.]  
 11. 5. περιβλεπομένη . . . τὸν παῖδα αὐτῆς  
 Jb. 7. 8. οὐ περιβλέψεται με [A οὐκ ἀνεοί μοι] (4)  
 Si. 9. 7. μὴ περιβλέπον ἐν ῥύμαις πώλεως  
 Ba. 4. 36. B περιβλεψον [A B -ψαι] πρὸς ἀνατολάς  
 5. 5. περιβλεψαί πρὸς ἀνατολάς [Aq., Th. Jb. 7. 8.]

περιβλεπτος. (1) π. γίνεσθαι πῖ. ni.  
 Pr. 31. 23. περιβλεπτος δὲ γίνεται ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (1)  
 [Aq. Jb. 28. 18.]  
 [Sm. Jb. 28. 18 : Pr. 25. 11 : Ca. 1. 11 : La. 4. 7.]  
 [Th. Fr. 26. 11.]

περιβλημα. (1) בִּיחֵ  
 Nu. 31. 20. πᾶν π. . . ἀφαγνέετε (1)  
 [Sm. Ez. 23. 15.]

περιβόητος.  
 II Ma. 2. 22. τὸ π. καθ' ὅλην τὴν οἰκουμ. ἱερὸν  
 περιβόησιον. (1) בִּיחֵ (2) a. בִּיחֵ b. בִּיחֵ (3) a. בִּיחֵ (4) בִּיחֵ  
 Ex. 22. 27 (26). ζῆτι γὰρ τοῦτο π. αὐτοῦ (2 a)  
 De. 22. 12. ἐπὶ τῶν τεσσ. κρασιδῶν τῶν π. σου (2 a)  
 Jd. 8. 26. A καὶ τῶν π. τῶν πορφύρων [B al.] (1)  
 Jb. 28. 6. οὐκ ἔστι π. τῇ ἀπωλείᾳ [S<sup>1</sup> al.] (2 a)  
 Ps. 101 (102). 26. ὥστε περιβόησιον ἐλίζεις [S<sup>1</sup> ἀλλάξεις] αὐτοῖς (8 a)  
 103 (104). 6. ἄβυσσος ὡς ἱμάτιον τὸ π. αὐτοῦ (2 a)  
 Is. 50. 3. ὡς σάκκον θήσω τὸ π. αὐτοῦ (2 a)  
 59. 17. περιεβάλετο . . . τὸ π. αὐ. (3 c)  
 Jer. 15. 12. π. χαλκοῦν ἡ ἰσχὺς σου (3 c)  
 Ez. 13. 21. A διαρρήξω τὰ π. [B ἐπιβ.] ὠμῶν (4)  
 16. 13. τὰ π. σου βύσσινά (8 b)  
 27. 7. ἐγένετο περιβόησιον σου (2 b)  
 [Sm. I Ki. 15. 27 : Is. 9. 5 (4) : 59. 17 : 61. 3. 10.]  
 [Th. Is. 61. 3.]

περιβολή. (1) בִּיחֵ (2) בִּיחֵ  
 Ge. 49. 11. πλυνεῖ . . . ἐν αἵμ. σταφ. τὴν π. αὐτοῦ (2)  
 Si. 11. 4. ἐν περιβολῇ ἱματίων μὴ καυχῆσθαι  
 50. 11. ἐδόξασε περιβολὴν ἀγιάσματος  
 Da. LXX. 7. 9. ἔχων περιβολὴν ὥσπερ χιτῶνα (1)  
 II Ma. 3. 26. διαπρεπέεις δὲ τὴν π.  
 [Sm. Ez. 17. 17.]

περιβολος. (1) בִּיחֵ (2) בִּיחֵ  
 Si. 50. 2. ἀνάλημα ὑψηλὸν περιβόλου ἱεροῦ  
 Is. 64. 12. θήσω . . . τὸν π. σου λίθους ἐκλεκτούς (1)  
 Ez. 40. 5. ἰδοὺ π. ἔξωθεν τοῦ οἴκου κύκλῳ (2)  
 42. 20. διέταξεν αὐτὸν καὶ περιβολὸν αὐτῶν [A -όν] (8)  
 Da. LXX. 3. 1. ἐν πεδίῳ τοῦ π. χώρας Βαβυλωνίας (2)  
 I Ma. 14. 48. ἐν περιβολῇ τῶν ἁγίων  
 II Ma. 1. 15. κἀκεῖνον προσελθόντος . . . εἰς τὸν π. τοῦ τέμενους (2)  
 6. 4. B ἐν τοῖς ἱεροῖς π. [A -όν] γυναιξὶ πλησιαζόντων (2)  
 III Ma. 4. 11. B μὴδὲ τὸ συνόλον καταξίωσαι περιβόλων [A -φ]

IV Ma. 4. 11. ἐπὶ τὸν πᾶμφυλον τοῦ ἱεροῦ περιβολὸν [Aq. IV Ki. 11. 15.]  
 [Sm. Ps. 47 (48). 14 : 121 (122). 7 : Ez. 40. 5.]  
 [Th. IV Ki. 11. 8, 15.]

περιβώμιον. (1) בִּיחֵ  
 II Ch. 34. 3. B ἀπὸ τῶν π. (1)  
 [Sm. IV Ki. 17. 16 : 21. 7 : 23. 4, 7.]  
 [Th. IV Ki. 23. 4.]

περιγίγεσθαι.

I Ch. 28. 19. κατὰ τὴν περιγεννηθείσαν αὐτῷ +  
 σύνεσιν  
 IV Ma. 18. 3. περιεγένοντο τὸν παθῶν  
 [Sm. I Ki. 17. 9 : Jb. 39. 32 (40. 2) : Ec. 2. 22.]

περίγλυφον. (1) בִּיחֵ

III Ki. 6. 29. A καὶ περίγλυφα ἐγκύπτοντα  
 [Aq., Th. III Ki. 6. 18, 29.]

περιγράφειν.

[Sm. Jb. 26. 10.]

περιγραφή.

[Sm. Jb. 22. 14.]

περιγώνιον.

[Aq. Is. 44. 13.]

περιδείν. (1) בִּיחֵ

Jb. 12. 18. περιέδησε ζώνη ὁσφύας αὐ. [A al.] (1)  
 [Sm. Ca. 7. 5 (6).]  
 [Th. Jb. 12. 18.]

περιδειπνεῖν, περιδειπνίζεω. (1) בִּיחֵ hiph.

II Ki. 8. 35. ἤθελε πᾶς ὁ λαὸς περιδειπνήσαι [A -ίσαι] τὸν Δ. (1)

περιδειπνον.

Ep. Je. 32. ὥσπερ τινὲς ἐν περιδειπνῷ νεκροῦ

περιδέξιν. (1) בִּיחֵ

Ex. 35. 22. ἤνεγκαν . . . περιδέξια -  
 Nu. 31. 50. προσενηγάμεν . . . περιδέξιν (1)  
 Is. 8. 20. ἀφελὲς . . . τὰ π. [S<sup>1</sup> om. τὰ π.] -

περιδέρραιον.

[Sm. Ez. 16. 11.]

[Al. Ex. 35. 22.]

περιδιδόναι.

III Ma. 1. 27. A μὴ περιδόντα [? περιδ.] τὴν ἄνομον . . . πράξιν [B al.]

περιδιπλοῦν.

Ju. 10. 5. περιεδιπλώσε πάντα τὰ ἀγγεῖα αὐ.

περιδιώκειν.

[Aq. Jb. 13. 25.]

περιδρομή.

[Sm. Ez. 43. 14.]

περιδύειν.

IV Ma. 6. 2. περιέδυσαν τὸν γεραιὸν

περιελείν.

[Aq. Ps. 142 (143). 4 : Is. 57. 16.]

[Sm. Jb. 88. 9.]

περιεῖναι. (1) ὁ περιών בִּיחֵ

Jb. 27. 3. πνεῦμα δὲ θεῶν τὸ περιών μοι ἐν ῥίνι [A ῥήμασί μου] -  
 — 15. οἱ δὲ περιώντες αὐτοῦ ἐν [A αὐτῶν κακῷ] (1)  
 θανάτῳ τελευτήσουσι

31. 21. πολλὴ μοι βοήθεια περιέστιν [A S πάρεστιν] -

II Ma. 7. 24. ἐτι τοῦ νεωτέρου περιόντος

14. 10. ἄχρι γὰρ '1. περιέστιν  
 III Ma. 5. 18. A τὴν περιούσαν [B παρούσαν] ἡμέραν περιβεβιωκότες  
 [Sm. Ec. 8. 10.]

περιεκτικός.

IV Ma. 1. 20. παθῶν δὲ φύσεις εἰσὶν αἱ περικτικώ-  
 ταις δύο

περιεργάζεσθαι.

Wi. 8. 5. S<sup>1</sup> τί σοφίας πλουσιώτερον [S τιμιώτ.]  
 τῆς τὰ πάντα περιεργαζομένης [A B S<sup>2</sup> ἐργ.]

Si. 3. 23. ἐν τοῖς περισσοῖς τῶν ἔργων σου μὴ περιεργάζου  
 [Sm. II Ki. 11. 3 : Ec. 7. 30 (29).]

περιεργασία, περιεργεία.

Si. 41. 22. S<sup>2</sup> ἀπὸ περιεργασίας καὶ [A B S<sup>1</sup> περιεργείας] παιδείας αὐτοῦ

περιέρχεσθαι. (1) ܠܠܩ a. qal. δ. ni.  
c. pi. d. po. e. hi. (2) ܠܠܩ (3) ܠܠܩ  
Jo. 6. 6 (7). παραγγέλλετε τῷ λαῷ περιελθεῖν (2)  
— 10 (11). περιελθούσα ἡ κιβωτός (1c)  
— 14 (15). περιήλθοσαν [A -ον] τὴν πόλιν (1a)  
15. 10. περιελύσεται ὄριον . . . ἐπὶ θάλασσαν (1b)  
16. 6. περιελύσεται [A παρὲλ.] . . . εἰς Θ. (1b)  
19. 13. περιελύσεται . . . ἐπὶ πόλιν K. (2)  
— 14. περιελύσεται ὄρια . . . ἐπὶ 'Α. (1b)  
II Ki. 14. 20. ἔτεκεν τοῦ περιελθεῖν [A -ελείν] (1c)  
τὸ πρόσωπον τοῦ ῥήμ. τ. (1c)  
Jb. 1. 6. A περιελθὼν τὴν γῆν — (8)  
— 7. περιελθὼν τὴν γῆν (8)  
2. 9. A τόπον ἐκ τόπου περιερχομένη [B B om.] —  
— 9. B καὶ οἰκίαν ἐξ οἰκίας περιερχομένη [A B B' om.] —  
Wi. 6. 16. τοὺς ἀξίους αὐτῆς αὐτὴ περιέρχεται  
Je. 88 (81). 22. ἐν σωτηρίᾳ [B εἰς σωτηρίας] περιελύσονται ἄνθρωποι (1d)  
Ez. 8. 15. περιήλθον τοὺς κατοικοῦντας +  
[Sm. Jd. 11. 37: Ps. 58 (59). 15: 87 (88). 18: 49 (50). 3.]  
[Th. Je. 81 (88). 22.]  
[Al. Ps. 47 (48). 13.]  
**περιέχειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ (3) ܠܠܩ hi.  
(4) ܠܠܩ pi. (5) ܠܠܩ (6) ܠܠܩ hipb.  
(7) ܠܠܩ pi. (8) ܠܠܩ  
II Ki. 22. 5. περιέσχον με συντριμμοὶ θανάτου (2)  
III Ki. 6. 15. περιέσχε τοῦ ἔσω τοῦ οἴκου (7)  
— 20 bis. περιέσχε αὐτὸ χρυσίω (7)  
— 21. ἔδωκεν τὸν οἶκον περιέσχε χρυσίω (7)  
— 28. περιέσχε τὰ χερ. χρυσίω (7)  
— 30. τὸ ἔδαφος . . . περιέσχε χρυσίω (7)  
— 32. A καὶ περιέσχε χρυσίω (7)  
— 35. καὶ περιέχονα χρυσίω (7)  
II Ch. 4. 3. περιέχουσι [A -σαι] τὸν λουτήρα (8)  
5. 9. A περιέχον [B περιέχον] οὐ ἀναφορεῖς (8)  
I Es. 8. 7. πολλὰν ἐπιστήμην περιέχεν (8)  
Jb. 2. 9. A ἵνα ἀναπαύσομαι . . . τῶν περιέχουσιν με ὀδυνῶν [B B al.] —  
30. 18. ὥσπερ τὸ περιστάμιον τοῦ χιτῶνός μου περιέσχε με (1)  
Ps. 16 (17). 9. οἱ ἐχθροί μου τὴν ψυχὴν μου περιέσχον (6)  
17 (18). 4. περιέσχον με ὠδίνες θανάτου (8)  
21 (22). 12. ταῦροι πίστες περιέσχον με (4)  
— 16. συναγωγὴ ποτηρευομένων περιέσχον με (8)  
81 (82). 7. σὺ μου εἰ καταφυγὴ ἀπὸ θλίψεως τῆς περιέχουσής με (5)  
89 (90). 12. περιέσχον με κακά (2)  
87 (88). 17. περιέσχον με ἅμα (6)  
114 (115). 3. περιέσχον με ὠδίνες θανάτου (2)  
Wi. 18. 4. ἡσυχου γὰρ σιγῆς περιέχουσας τὰ πάντα (8)  
Si. 51. 7. περιέσχον με παντὶθεν καὶ οὐκ ἦν ὁ βοηθὸν (8)  
Je. 26 (46). 5. οὐκ ἀνίστρεψαν περιεχόμενοι κυκλῶντες +  
Ez. 6. 12. ὁ περιεχόμενος ἐν λιμῇ συντελεσθήσεται (6)  
16. 57. θνείδος εἰ . . . θυγατέρων ἀλλοφύλων τῶν περιεχουσῶν σε κύκλῳ (8)  
Da. LXX. 7. 28. σφόδρα ἐκτάσει περιεχόμεν +  
I Ma. 15. 2. ἦσαν περιέχοντες τὸν τρόπον τοῦτον (8)  
II Ma. 4. 16. περιέχον αὐτοὺς χαλεπὴ περίστασις (8)  
9. 18. τὴν ὑπογεγραμμένην ἐπιστολὴν . . . περιέχουσιν δι' αὐτῶν (8)  
11. 16. ἐπιστολαί . . . περιέχουσι τὸν τρόπον τοῦτον — 22. ἡ δὲ τοῦ βασ. ἐπιστολὴ περιέχεν οὕτως (8)  
III Ma. 5. 6. διὰ τὴν πάντοθεν περιέχουσιν αὐτοὺς . . . ἀνάγκη (8)  
IV Ma. 1. 2. περιέχει ἔλαιον (8)  
8. 4. A B B' περιέχοντες [B' om.] μέσσην τὴν μητέρα [Aq. Dt. 20. 12: Ez. 4. 3.] (8)  
[Th. Jb. 6. 12 (P.): 30. 18.]  
**περιέλω.** (1) ܠܠܩ (2) a. ܠܠܩ δ. ܠܠܩ  
(8) ܠܠܩ  
Ge. 8. 7. ἐποίησαν ἑαυτοῖς περιζώματα (2b)  
Ru. 8. 15. φέρε τὸ π. τὸ ἐπάνω σου (8)  
Pr. 31. 24. ἀπέδοτο περιζώματα τοῖς Χαναταῖς (2a)  
Je. 13. 1. κησὶν σεαυτῷ π. λινὸν (1)  
— 2. ἐκτίσμων τὸ π. (1)  
— 4. λάβε τὸ π. τὸ περὶ τὴν ὀσφύν σου (1)

Je. 13. 6. λάβε ἐκείθεν τὸ π. (1)  
— 7. λαβὼν τὸ π. ἐκ τοῦ τόπου (1)  
— 10. ἔσονται ὥσπερ τὸ π. τοῦτο (1)  
— 11. κολλᾶται τὸ π. περὶ τὴν ὀσφύν τοῦ ἀνθρώπου (1)  
[Aq. Th. Je. 13. 7.]  
[Sm. Is. 11. 5 bis: Je. 18. 7.]  
**περιζώνων.** (1) ܠܠܩ a. qal. δ. ni. c. pi.  
d. hiithp. (2) ܠܠܩ (3) a. ܠܠܩ δ. ܠܠܩ  
c. ܠܠܩ (4) ܠܠܩ  
Ex. 12. 11. αἱ ὀσφύες ὑμῶν περιζωσμένοι (8a)  
Jd. 8. 16. καὶ περιζώσατο αὐτὴν (8a)  
18. 11, 16. A περιζωσμένοι σκεύη πολεμικά [B al.] (8a)  
— 17. A περιζωσμένοι σκεύη πολεμικά (8a)  
I Ki. 2. 4. ἀσθινοῦντες περιζώσαντο δύναμιν (1a)  
— 18. παιδάρων περιζωσμ. ἐφόδ (8a)  
17. 39. A περιζώσατο Δ. τὴν ῥομφ. αὐ. [B al.] (8a)  
25. 13. A περιζώσατο ἀνὴρ τὴν μάχαιραν αὐ. (8a)  
— 13. A περιζώσατο καὶ Δ. τὴν μάχαιραν αὐ. (8a)  
II Ki. 8. 31. περιζώσαθε σάκκους (8a)  
20. 8. περιζωσμένοι μανδύαν (8a)  
— 8. A B περιζωσμένοι [B εἰς] μάχαιραν (8b)  
21. 16. καὶ αὐτοὶ περιζωσμένοι κορυμνῇ (8a)  
III Ki. 21 (20). 32. καὶ περιζώσαντο σάκκους (8a)  
IV Ki. 1. 8. ζώνην δερματ. περιζωσμένους τὴν ὀσφύν (1a)  
8. 21. ἀνέβησαν . . . περιζωσμένοι ζώνην (8a)  
I Ch. 15. 27. Δ. περιζωσμένοι [B περιζωσμένοι] ἐν στολῇ βυσσ. (4)  
Jb. 4. 14. σάκκους περιζωσμένοι τὰς ὀσφύας αὐ. (8a)  
Jb. 12. 18. A περιζώνων αὐτοὺς ζώνη ὀσφύας αὐ. [B B al.] (2)  
Ps. 17 (18). 32. ὁ θεὸς ὁ περιζώνων με δύναμιν (1c)  
— 39. περιζώσας με δύναμιν εἰς πόλεμον (1c)  
29 (30). 11. περιζώσας με εὐφροσύνην (1c)  
44 (45). 3. περιζώσαι τὴν ῥομφαίαν σου ἐπὶ τὸν μηρόν σου (8a)  
64 (65). 6. περιζωσμένοι ἐν δυναστείᾳ (1b)  
— 12. ἀγαλλισαίνεσθαι οἱ βουνοὶ περιζώσονται (8a)  
92 (93). 1. καὶ περιζώσατο (1d)  
108 (109). 19. ἦν διὰ πάντοτε περιζώνοντα [B' εἰς] (8a)  
Si. 45. 7. B B περιζώσαν αὐτὸν περιστολὴν [A -π. B στολὴν] δόξης (8a)  
Jl. 1. 8. ὑπὲρ νύμφην περιζωσμένην σάκκον (8a)  
— 13. περιζώσαθε καὶ κίττες οἱ ἐλεῖς (8a)  
Is. 8. 24. περιζώση σάκκον (8c)  
15. 3. ἐν ταῖς πλατείαις αὐτῆς περιζώσαθε σάκκους (8a)  
82. 11. περιζώσαθε [A B add. σάκκους] τὰς ὀσφύας (8a)  
Je. 1. 17. περιζώσαι τὴν ὀσφύν σου (1a)  
4. 8. περιζώσαθε σάκκους (8a)  
6. 26. περιζώσαι [B' -σασθε, B' -σετε] σάκκον (8a)  
30 (49). 3. περιζώσαθε σάκκους (8a)  
La. 2. 10. περιζώσαντο σάκκους (8a)  
Ez. 7. 18. περιζώσονται σάκκους (8a)  
9. 11. A περιζωσμένοι [B εἰς] τῇ ζώνῃ τὴν ὀσφύν αὐτοῦ (8a)  
27. 31. A περιζώνται σάκκον (8a)  
44. 18. οὐ περιζώσονται βίβλιν (8a)  
Da. LXX. 10. 5. τὴν ὀσφύν περιζωσμένους βυσσίνῳ (8a)  
Da. Th. 10. 5. ἡ ὀσφὺς αὐ. περιζωσμένη ἐν χρυσίῳ 'Ω (8a)  
I Ma. 8. 58. καὶ ἔπειν 'Ι. Περιζώσαθε [Aq. Is. 8. 9.] (8a)  
[Sm. Dt. 1. 41: Jb. 12. 18: Is. 8. 9.]  
[Th. Dt. 1. 41: Is. 8. 9: Ez. 27. 31.]  
**περιρρίπτειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ (3) ܠܠܩ  
Ex. 88. 24 (4). A ἐποίησε . . . περιρρίπτειν [B παρὰθ.] (1)  
Nu. 16. 38 (17. 3). ποίησον αὐτὰ . . . περιρρίπτειν τῷ θυσιαστ. (8)  
— 39 (17. 4). προσέθηκον αὐτὰ περιρρίπτειν τῷ θυσιαστ. (8)  
Jd. 8. 26. καὶ ἐκτός τῶν π. [A al.] (2)  
[Sm. Ez. 7. 20.]  
[Al. Pr. 1. 9.]

**περιτίθειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
[Sm. Ps. 81 (82). 9.]  
**περιτίθειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
III Ma. 1. 27. μὴ περιτίθῃς [?, cod. περιδ., B περιδ.] τὴν ἀνομιαν . . . πράξιν  
**περιτίθειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
Wi. 8. 18. περιτίθειν ζητῶν ὅπως λάβω [B ἀγάγω] αὐτὴν εἰς ἑμάντον  
**περιτίπτασθαι.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
IV Ma. 14. 17. περιτίπταμενα [B' περιπτ.] κυκλῶντες αὐτῶν  
**περιστάναι.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
Jo. 6. 3. περιστῇσιν αὐτὴν τοὺς μαχίμους [A al.] (2)  
I Ki. 4. 16. τοῖς ἀνδράσι τοῖς περιστῇσιν αὐτῷ —  
II Ki. 18. 31. πάντες οἱ παῖδες αὐ. οἱ [A om.] (1)  
Ju. 5. 22. ἐγγύγισσε πᾶς ὁ λαὸς . . . περιστῶς [B' om.] (1)  
Ep. Je. 37. ἀνθρώπων τυφλὸν εἰς ὄρασις οὐ μὴ περιστῇσιν [A παρὰστ.] (1)  
II Ma. 14. 9. τοῦ περιστῶμένου γένους ἡμῶν προνοήθητι [Sm. Ps. 81 (82). 7.]  
**περικαθαίρειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ hi.  
De. 18. 10. περικαθαίρων τὸν νλὸν αὐτοῦ (2)  
Jo. 5. 4. περικαθάρεν [A -πρην] 'Ι. τοὺς υἱοὺς [A' τοὺς υἱ.] 'Ισρ. (1)  
IV Ma. 1. 29. ὡς ἐκάστην ὁ παγγέωργος λογιζόμενος περικαθαίρων  
**περικαθαρίζειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
(3) ܠܠܩ  
Le. 19. 23. περικαθαρίετε τὴν ἀκαθαρσίαν αὐ. (3)  
De. 20. 12. A' περικαθαρίεις [A' B -θειεῖς] αὐτὴν +  
30. 6. περικαθαρίει κ. τὴν καρδίαν σου (2)  
Is. 6. 7. τὰς ἁμαρτίας σου περικαθαρίει (1)  
[Th. Is. 58. 11.]  
**περικαθαίρειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
Pr. 21. 18. περικαθαίρειν διὰ δικαίον ἄνομος (1)  
**περικαθίσθαι.** (1) ܠܠܩ  
Jd. 9. 31. περικαθίσταται [A πολιορκοῦσιν] τὴν πόλιν (1)  
III Ki. 15. 27. πᾶς 'Ισρ. περικαθίστη ἐπὶ Γ. (1)  
IV Ki. 6. 25. περικαθίστη ἐπ' [A περὶ] αὐτὴν (1)  
I Ma. 6. 3. περικαθίστη τὸν 'Ι. (1)  
6. 24. B περικαθίσταται εἰς τὴν ἄκραν [B -εκάθιστο ἐπ' αὐτὸν]  
11. 21. 'Ιων. περικαθίσταται τὴν ἄκραν  
— 22. B' B' τοῦ μὴ π. τῇ ἄκρᾳ [A B' om. τῇ δ.]  
— 23. ἐκένυσε περικαθίσταται  
**περικαθίζειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ (3) ܠܠܩ  
(4) ܠܠܩ  
De. 20. 12. περικαθίεις [A' -θαρίεις] αὐτὴν (3)  
— 19. ἐὰν διὰ περικαθίσεις περὶ πόλιν μίαν (3)  
Jo. 10. 5. περικαθίσταν ἐπὶ Γαβ. (1)  
— 31. περικαθίσταν [A -σαν] αὐτὴν (1)  
— 34. περικαθίσταν αὐτὴν (1)  
— 36. περικαθίσταν [A -σαν] αὐτὴν (2)  
— 38. καὶ περικαθίσταντες αὐτὴν (2)  
Jd. 9. 50. A καὶ περικαθίσταν ἐπ' αὐτὴν [B al.] (1)  
III Ki. 15. 27. περικαθίσταν αὐτὸν B. (4)  
16. 17. περικαθίσταν ἐπὶ Θ. (3)  
21 (20). 1. περικαθίσταν ἐπὶ Σαμ. —  
— 1. περικαθίσταν [A -εν] ἐπὶ Σαμ. (3)  
IV Ki. 6. 24. A B' B' περικαθίσταν [B' -αν] ἐπὶ [B om.] Σαμ. (3)  
I Ch. 20. 1. περικαθίσταν [A -αν] τὴν 'Ρ. (3)  
I Ma. 6. 19. τοῦ περικαθίσταν ἐπ' αὐτοὺς — 20. περικαθίσταν ἐπ' αὐτοὺς [B' -ην] (3)  
11. 61. περικαθίσταν περὶ αὐτὴν  
II Ma. 10. 33. περικαθίσταν τὸ φρούριον  
**περικαίειν.** (1) ܠܠܩ (2) ܠܠܩ  
IV Ma. 16. 3. B B' ἡ τῆς φιλοτεκνίας περιέκαιεν ἐκείνην [A -η] φύσις  
[Sm. IV Ki. 16. 3.]



περικαλύπτειν. (1) 𐤱𐤴𐤱 hiithp. (2) 𐤱𐤴𐤱 pi. (3) 𐤱𐤴𐤱 (4) 𐤱𐤴𐤱 ru. Ex. 28. 20. περικεκαλυμμένα χρυσίφ (4) Nu. 32. 38. Α φκοδόμισαν . . . περικεκαλυμ- μένα [B -κεκυκλωμ.] + I Ki. 28. 8. Α καλ περικαλύψατο [B συνεκ.] Σ. (1) III Ki. 7. 17. περικαλύψαι τὸ ἐπίθεμα τῶν στύλων — — 42. π. ἀμφότε. τὰ δὲ τὰ στρεπτά (2) 8. 7. περικάλυπτον τὰ χ. ἐπὶ [A om.] τὴν κιβ. (3) <u>περικαμπτῆς.</u> [Aq. Is. 40. 4; Ho. 6. 8.] <u>περικατάληπτος.</u> II Ma. 14. 41. π. γενόμενος ὑπέβηκεν ἐαυτῷ ξίφος περικεῖν. (1) 𐤱𐤴𐤱 Je. 9. 26 (25). ἐπὶ πάντα περικειρόμενον τὰ κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (1) 82 (25). 23. πᾶν περικειραμένον [B πάντα περικειρόμ.] κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (1) <u>περικεῖσθαι.</u> Ep. Je. 24. 7. τὸ χρυσὶν δ. περικεῖνται εἰς κάλλος — 58. τὸν ἱματισμὸν τὸν περικεῖμενον αὐτοῖς IV Ma. 12. 3. ὁρῶν ἥδ' τὰ δεσμά περικεῖμενον [Sm. Is. 61. 10.] <u>περικεφαλαία.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 (2) 𐤱𐤴𐤱 I Ki. 17. 5. περικεφαλαία [A -αν] ἐπὶ τῆς κεφ. αὐ. (1) — 38. ἐνέδυσε . . . π. χαλκῇ (2) — 49. διέδυν δ. λίθος διὰ τῆς π. (1) II Ch. 26. 14. ἠτοίμασεν . . . περικεφαλαίας Is. 59. 17. περιέβητο περικεφαλαίαν [B add. ὡς σωτηρίου Je. 26 (46). 4. κατὰσθη ἐν ταῖς π. ὑμῶν Ez. 23. 24. Α καλ πέλται καὶ περικεφαλαῖαι [B om. κ. π.] (2) 27. 10. πέλτας καὶ περικεφαλαίας ἐκρέμασαν 88. 4. πέλται καὶ περικεφαλαῖαι + — 5. πάντες περικεφαλαῖαι καὶ πέλταις (1) I Ma. 6. 35. καὶ π. χαλκαὶ ἐπὶ τῶν κεφαλῶν αὐ. [Aq. I Ki. 17. 5; Ez. 27. 10.] [Sm., Th. I Ki. 17. 5; Ez. 23. 24.] <u>περικλάν.</u> Wi. 4. 5. περικλασθήσονται κλώνες ἀτέλειστοι IV Ma. 7. 5. περικλάσε τοὺς μαινομ. τῶν παθῶν κλύδωνας 10. 6. τοὺς ἀγκῶνας περικλῶν [Aq. Jb. 8. 12; Ez. 17. 22.] <u>περικλύειν.</u> To. 6. 2. κατέβη περικλύσασθαι [B al.] Ju. 10. 3. περικλύσατο τὸ σῶμα ὑδάτι — περικνημῖς. (1) 𐤱𐤴𐤱 Da. Th. 3. 21. ἐπεδῆθησαν σὺν . . . περικνημῖσι (1) <u>περικομπῆν.</u> Wi. 17. 4. ἤχοι δὲ καταράσσοντες [B' ἐκταράσσοντες, B ταράσσοντες] αὐτοὺς περικομπῶν <u>περικόπτειν.</u> [Aq. Ps. 74 (75). 11; Za. 11. 10.] <u>περικοσμεῖν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 ru. Ps. 143 (144). 12. περικοσμημένοι ὡς ὁμοίωμα ναοῦ (1) <u>περικρατεῖν.</u> IV Ma. 1. 9. περικρατεῖ τῶν παθῶν ὁ λογισμός 2. 2. περικράτησε τῆς ἡδονῆς 7. 17. τῶν παθῶν οὐ πάντες περικρατοῦσιν — 22. οὐκ ἂν περικρατῇσαι τῶν παθῶν 14. 11. εἰ ὁ λογισμὸς περικράτησε τῶν ἀνδρῶν ἐκ. [Sm. Je. 20. 7.] <u>περικρατῆς.</u> Da. Th. Su. 39. Α ἐκείνου μὲν οὐκ ἡδυνήθημεν περικρατεῖς [B ἐγκρ.] γενέσθαι <u>περικυκλῶν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 hi. (2) 𐤱𐤴𐤱 a. qal. δ. ni. c. hoph. d. 𐤱𐤴𐤱 (3) 𐤱𐤴𐤱 Ge. 19. 4. περικύκλωσαν τὴν οἰκίαν (2 δ) Ex. 36. 20 (39. 13). περικεκυκλωμένα χρυσίφ (2 δ) Nu. 21. 4. περικύκλωσαν γῆν Ἐδὼμ (2 α)	Nu. 32. 38. φκοδόμισαν . . . περικεκυκλωμένα (2 α) [A -κεκαλυμμ.] (2 α) Jo. 6. 13 (14). B περικύκλωσε τὴν πόλιν (2 α) 7. 9. περικυκλώσουσιν ἡμᾶς (2 δ) Jd. 19. 22. Α περικύκλωσαν [B ἐκ.] τὴν οἰκίαν (2 δ) 20. 5. Α περικύκλωσαν [B ἐκ.] ἐπ' ἐμέ (2 α) IV Ki. 6. 14. περικύκλωσαν τὴν πόλιν (1) 17. 15. Α ὅπισθε ἰδόντων τῶν περικυκλωσάντων αὐτοῦ [B al.] (2 δ) II Ch. 33. 14. Α B περικύκλωσαν τὸ ἄδυτον (2 α) Ju. 13. 13. περικύκλωσαν αὐτάς + Jb. 30. 4. οἱ περικυκλῶντες ἄλιμα ἐπὶ ἡχοῦντι (2 α) Ps. 16 (17). 11. νυνὶ περικύκλωσάν με (2 α) 17 (18). 5. ὠδίνες ἔδον περικύκλωσάν με (2 α) 21 (22). 12. περικύκλωσάν με μάχοι πολ- λοὶ (2 α) Pr. 20. 28. περικυκλώσουσιν ἐν δικαιοσύνῃ τὸν θρόνον αὐτοῦ (9) Je. 88 (31). 39. περικυκλωθήσεται [B' -ώσεται] (2 δ) κύκλφ ἐξ ἐκλεκτῶν λίθων [A om.] (2 δ) 52. 21. σπαρτίον . . . περικυκλῶν [A περικυκ- λῶν, B' περικυκλῶ] αὐτόν (2 α) [Aq. Le. 19. 27; Ps. 25 (26). 6; 81 (82). 7, 10; Je. 81 (88). 22.] [Sm. Ge. 87. 7; Ps. 16 (17). 11; 70 (71). 21; 87 (88). 18; 117 (118). 11; Ca. 2. 5.] [Al. II Ch. 33. 14.] [Quint. Ps. 59 (60). 3.] <u>περικύκλω, vid. suō περί.</u> <u>περικυλίειν.</u> [Sm. Ca. 2. 5.] <u>περικακίζειν.</u> IV Ma. 10. 8. ἑώρα τὰς ἐαυτοῦ σάρκας περικακί- σας <u>περιλαμβάνειν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 a. qal. δ. pi. (2) 𐤱𐤴𐤱 (3) 𐤱𐤴𐤱 hi. Ge. 29. 13. περιλάβαν αὐτὸν ἐφίλησε (1 δ) 83. 4. καὶ περιλάβαν αὐτόν (1 δ) 48. 10. Α B καὶ περιλάβαν αὐτούς (1 δ) Jd. 16. 29. περιλαβε 2. τοὺς δύο κίονας [A στύλους] (2) IV Ki. 4. 16. σὺ περιελθὺναι νύον (1 α) Ps. 47 (48). 12. περιλάβετε [B' -βλάτε] αὐ- τὴν (8) Pr. 4. 8. τίμησον αὐτὴν ἵνα σε περιλάβῃ (1 δ) Ec. 3. 5. καὶ τοῦ περιλαβεῖν (1 α) 4. 5. Α B ἀφρων περιέλαβεν [B -έβαλε] τὰς χεῖρας αὐτοῦ (1 α) Ca. 2. 6; 8. 3. ἡ δεξιὰ αὐτοῦ περιλήψεται με (1 δ) Si. 30. 20. ὥσπερ εὐνοῦχος περιλαμβάνων παρθένον Is. 81. 9. πέτρα γὰρ περιληφθήσονται ὡς χάρακι + La. 4. 5. Α περιλαβὼν [B -εβάλοντο] κοπρίας (1 δ) [Aq. Pr. 6. 10.] [Al. Ps. 26 (27). 10.] <u>περιλείπειν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 ni. II Ch. 34. 21. Α περι παντὸς τοῦ περιλειφθέν- τος [B καταλ.] ἐν Ἰσρ. (1) Hg. 2. 4 (3). B' τίς ἐξ ὑμῶν περιλειφθεῖς [AB B' om.] (1) II Ma. 1. 31. καθὼς δὲ ἀνελώθη . . . τὸ περιλειπόμε- νον 8. 14. τὰ περιλειμμένα πάντα ἐπώλουν IV Ma. 12. 6. Α B εὐπειθῆ ποιῆσαι τὸν περιλει- πόμενον [B al.] 13. 18. ἐνὶ ἐκάστῳ . . . ἔλεγον οἱ περιλειπό- μενοι [Aq. Le. 26. 39; Ez. 6. 12.] [Sm. Le. 26. 39; Ps. 20 (21). 13; Ez. 6. 12.] [Th. Ez. 6. 12.] <u>περιλημμα, περιληψις.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 pi. Ec. 3. 5. Α καὶ τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περι- λήμματος [B περιλήψεως] (1) <u>περιλοιπός.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 (2) οἱ π. 𐤱𐤴𐤱 Ps. 20 (21). 12. ἐν τοῖς π. σου ἐτοιμάσεις τὸ πρόσωπον αὐτῶν (1) Am. 5. 15. ὅπως ἐλείψῃ . . . τοὺς π. τοῦ Ἰ. (2) <u>περιλύειν.</u> IV Ma. 10. 7. B' περιλύσαντες τὰ ὄργανα [AB B' al.] [Aq. I Ki. 5. 9; Ps. 29 (30). 12; Is. 52. 2.]	<u>περίλυτος.</u> (1) π. γίνεσθαι a. 𐤱𐤴𐤱 δ. 𐤱𐤴𐤱 (2) π. εἶναι 𐤱𐤴𐤱 hiithp. Ge. 4. 6. ἵνα τί περίλυτος ἐγένου (1 α) I Es. 8. 71. ἐκάθισα σὺννοὺς καὶ περίλυτος — 72. καὶ ἐκαθήμεν περίλυτος To. 3. 1. B περίλυτος γενόμενος τῇ ψυχῇ [A B al.] Ps. 41 (42). 5, 11; 42 (43). 5. ἵνα τί περίλυτος εἶ, ἡ ψυχὴ μου (2) Da. LXX. 2. 12. στυγνὸς γενόμενος καὶ περί- λυτος (1 δ) <u>περιμένειν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 pi. Ge. 49. 18. τὴν σωτηρίαν περιμένων κυρίου (1) Wi. 8. 12. σιγῶντά με περιμενοῖσι [Aq. I Ki. 13. 8; Ps. 80 (81). 25; 82 (83). 18, 22; 68 (69). 4; 118 (119). 49; 141 (142). 8.] [Sm. Ex. 24. 14.] [Al. I Ki. 10. 8.] <u>περιμέτρον.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 III Ki. 7. 15. περιμέτρον τέσσαρες καὶ δέκα πή- χεις (1) Si. 50. 3. χαλκὸς [A λάκκος] ὥστε θαλάσσης τὸ π. III Ma. 4. 11. ἀπλήρω καθεστὸν περιμέτρω [Aq. I Ki. 10. 3.] [Sm. Dt. 8. 4; 14; Ps. 182 (183). 2; Zc. 2. 6.] <u>περινίπτεισθαι.</u> To. 6. 2. B κατέβη τὸ παιδίον περινίψασθαι <u>περινοεῖν.</u> [Aq., Sm., Th. Pr. 8. 4.] <u>περίνοια.</u> [Sm. Ps. 76 (77). 12.] <u>πέριξ.</u> [Al. Le. 13. 33.] <u>περιξύνειν.</u> Wi. 13. 11. περιξύνειν εὐμαθῶς πάντα τὸν φλοῖον αὐτοῦ <u>περιξυρᾶν.</u> [Sm. Le. 19. 27.] <u>περιοδεῖν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 hiithpa. (2) 𐤱𐤴𐤱 II Ki. 24. 8. περιώδευσαν ἐν πάσῃ τῇ γῇ (2) Za. 1. 10. περιοδεύσαι τὴν γῆν (1) — 11. περιωδεύσαμεν [A -εύκ.] πᾶσαν τὴν γῆν (1) 6. 7. τοῦ περιοδεύσαι [B' om.] τὴν γῆν (1) — 7. περιοδεύσατε τὴν γῆν (1) — 7. περιώδευσαν τὴν γῆν (1) [Aq. Ec. 7. 26 (25); Ez. 16. 57.] [Sm. Ec. 7. 26 (25); Ca. 3. 3.] <u>περίοδος.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 Jo. 6. 15 (16). τῇ π. τῇ ἡμέρᾳ ἐσάπισαν (1) <u>περιοικοδομεῖν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 (2) 𐤱𐤴𐤱 Jb. 19. 8. κύκλω περιφκοδόμῃμαι καὶ οὐ μὴ διαβῶ (2) [e. 52. 4. περιφκοδόμῃσαι [A -εν] αὐτὴν (1) Ez. 26. 8. καὶ περιοικοδομήσει 39. 11. περιοικοδομήσουσι τὸν περιστόμον τῆς φάραγγος + <u>περίοικος.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 (2) 𐤱𐤴𐤱 (3) 𐤱𐤴𐤱 (4) 𐤱𐤴𐤱 Ge. 19. 25. Α καὶ πᾶσαν περίοικον [B τὴν περίχωρον] (2) — 29. πᾶσας τὰς πόλεις τῆς π. (2) De. 1. 7. πρὸς πάντας τοὺς π. Ἀραβα (4) Jd. 1. 27. οὐδέ τὰ π. [A περιπόρια] αὐτῆς (1) — 27 ter. B οὐδέ τὰ π. αὐτῆς (1?) III Ki. 7. 46. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2) Je. 30 (49). 5. φέρω φόβον ἐπὶ σὲ ἀπὸ πάσης τῆς π. [A παροίκου] σου (3) [Al. Jd. 11. 26.] <u>περιονυχίζειν.</u> (1) 𐤱𐤴𐤱 𐤱𐤴𐤱 𐤱𐤴𐤱 De. 21. 12. περιονυχίζει αὐτὴν (1) <u>περιορισμός.</u> [Sm. Ez. 43. 13, 17.]
---	--	---

**περιουσία.**

[Aq. Gz. 14. 21: Ps. 16 (17). 14.]

**περιουσιασμός.** (1) **ἡρῶ**

Ps. 134 (135). 4. **A S<sup>1</sup>** Ἰσραὴλ εἰς περιουσιασ-  
μόν αὐτοῦ [**S<sup>2</sup> B** εὐαὐτῷ] (1)

Ec. 2. 8. συνήγαγόν μοι . . . περιουσιασμούς  
βασίλειον (1)

[Th. Ps. 134 (135). 4.]

**περιούσιος.** (1) **ἡρῶ** (2) **λαός π.** **ἡρῶ**

Ex. 19. 5. **ἔσεσθε** μοι **λαός π.** (2)

23. 22. **ἔσεσθε** μοι **λαός π.** (2)

De. 7. 6. **εἶναι** αὐτῷ **λαόν π.** (1)

14. 2. **λαόν** περιούσιον ἀπὸ πάντων τῶν ἐθνῶν (1)

26. 18. **γενέσθαι** σε αὐτῷ **λαόν π.** (1)

[Aq. Ps. 134 (135). 4: Ma. 3. 17.]

[Quint. Ps. 134 (135). 4.]

**περιοχή.** (1) **ῥῶ** (2) **α.** **ῥῶ** δ. **ἡρῶ**

(3) **ῥῶ**

I Ki. 22. 4. **δντος** [A om.] τοῦ Δ. ἐν τῇ π. (2 δ)

— 5. **μή** κάθου ἐν τῇ π. (2 δ)

II Ki. 5. 7. **κατελάβετο** Δ. τὴν π. **Σιών** (2 δ)

— 9. **ἐκάθισε** Δ. ἐν τῇ π. (2 δ)

— 17. **κατέβη** εἰς τὴν π. (2 δ)

23. 14. **καὶ** Δ. **τότε** ἐν τῇ π. (2 δ)

IV Ki. 19. 24. **ἐξηγήρωσα** . . . πάντας ποταμούς  
περιοχῆς (3)

24. 10. **ἦλθεν** ἡ πόλις ἐν περιοχῇ (3)

25. 2. **ἦλθεν** ἡ πόλις ἐν περιοχῇ [A al.] (3)

I Ch. 11. 5. **προκατελάβετο** τὴν π. **Σιών** (2 δ)

— 7. **ἐκάθισε** Δ. ἐν τῇ π. (2 δ)

— 16. Δ. **τότε** ἐν τῇ π. (2 δ)

II Ch. 32. 10. **καθίστασθε** ἐν τῇ π. ἐν Ἱερ. (3)

Ps. 30 (31). 21. **ἰδανύμωσσε** τὸ ἔλκος αὐτοῦ  
ἐν πόλει περιοχῆς (3)

59 (60). 9. **τίς** ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (3)

107 (108). 10. **τίς** ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (1)

140 (141). 3. **καὶ** θύρας περιοχῆς περὶ τὰ χεῖλη  
μου (1)

Ob. 1. 1. **περιοχὴν** εἰς τὰ ἔθνη **ἐξαπέστειλεν** (1)

Na. 3. 14. **ὕδωρ** περιοχῆς ἐπίσπασαι σεαυτῇ (3)

Za. 12. 2. **ἔσται** περιοχὴ ἐπὶ Ἱερ. (3)

Je. 19. 9. **ἐκαστος** τὰς σάρκας τοῦ πλησίον αὐ-  
τοῦ ἔδωκεν ἐν τῇ π. (3)

28 (31). 30. **καθίστανται** ἐκί ἐν περιοχῇ (2 δ)

Ex. 4. 2. **δώσεις** ἐπ' αὐτὴν περιοχὴν (3)

12. 13. **συλληφθήσονται** ἐν τῇ π. **μου** (2 δ)

17. 20. **ἀλώσεται** ἐν τῇ π. αὐτοῦ (2 δ)

[Aq. Dt. 20. 19, 20: 28. 53: Je. 10. 17: 49.  
14 (29. 15): 61 (28). 30: Ez. 4. 3: 21. 20  
(25): Mi. 7. 12.]

[Sm. Is. 38. 16: Mi. 7. 12.]

[Th. Is. 13. 8: 33. 16: Ez. 4. 3: 33. 27: Mi.  
7. 12.]

[Quint. Ps. 65 (66). 11.]

[Sext. Ps. 30 (31). 21.]

**περιπαθός.**

IV Ma. 8. 2. σφόδρα π. **ἐκέλευσεν** ἄλλους

**περιπατεῖν.** (1) **ἡρῶ** (2) **ἡρῶ** a. qal.

δ. pi. c. hithp. d. ἡρῶ aph. e. ἡρῶ ἡρῶ (2 c)

Ge. 8. 8. τὴν φωνὴν κ. τοῦ θ. περιπατοῦντος (2 c)

— 10. **B** τὴν φωνὴν σου ἡκούσα περιπατοῦντος  
[A περὶ παντός] (2 c)

Ex. 21. 19. **ἐάν** . . . περιπατήσῃ **ἔξω** (2 c)

Jd. 21. 24. **καὶ** περιπατήσας ἐκείθεν (2 c)

I Ki. 17. 9. **περιπατήσας** [A -ῖσαι] ἀπαῖς καὶ  
δὲς (2 δ)

II Ki. 11. 2. **περιπάτει** ἐπὶ τοῦ δώματος (2 c)

IV Ki. 20. 3. **ὅσα** περιπατήσας ἐνώπιόν σου (2 c)

Es. 2. 11. δ. M. **περιπάτει** κατὰ τὴν αὐλήν (2 c)

Jb. 9. 8. **περιπατῶν** ὡς ἐπ' ἐδάφους ἐπὶ θαλάσσης (1)

20. 25. **περιπατήσασαι** ἐπ' αὐτῷ φόβος [A al.] (2 δ)

38. 16. **ἐν** δὲ ἵχνεσιν ἀβύσσου περιπατήσας (2 c)

Ps. 11 (12). 8. **κυκλῶ** οἱ ἀσέβεις περιπατοῦσι (2 c)

103 (104). 3. **ὁ** περιπατῶν ἐπὶ πτερύγων ἀνέμου (2 δ)

113. 15 (115. 7). **πῶδας** ἔχουσι καὶ οὐ περι-  
πατήσουσι (2 δ)

134 (135). 17. **A** πῶδας ἔχουσιν καὶ οὐ περι-  
πατήσουσι (2 δ)

Pr. 6. 22. **ἦρκα** ἀν περιπατῆς (2 c)

— 28. **ἡ** περιπατήσει τις ἐπ' ἀνθρώκων πυρὸς (2 δ)

Pr. 8. 20. ἐν ὁδοῖς δικαιοσύνης περιπατῶ (2 δ)

23. 31. ὕστερον περιπατήσεις γυνήτερος ὑπέ-  
ρου (2 c)

Ec. 4. 15. τοὺς ζῶντας τοὺς περιπατοῦντας ὑπὸ  
τῶν ἡλίων (2 δ)

11. 9. **A B S** περιπάτει ἐν ὁδοῖς καρδίας σου  
[B om. κ. σου] ἄνωμος (2 δ)

Si. 9. 13. ἐπὶ ἐπάλξεον πόλεων περιπατεῖς (2 δ)

10. 27. κρίσεις **ἔργα** ζόμενος ἐν πᾶσιν ἡ περιπατῶν  
[A B al.] (2 δ)

13. 13. **μετὰ** τῆς πτώσεώς σου περιπατεῖς (2 δ)

24. 5. ἐν βάθει ἀβύσσου περιπατήσας (2 δ)

38. 32. οὐ παροικήσουσιν οὐδὲ περιπατήσουσι  
Is. 8. 7. περιπατήσει ἐπὶ πᾶν τείχος ὠμών (2 δ)

59. 9. **μεινάντες** αὐγὴν ἐν ἀωρίᾳ περιπατήσαν (2 δ)

Da. LXX. Su. 7. ἰδόντες γυναῖκα . . . περιπατοῦσαν  
ἐν τῷ παραδείσῳ (2 δ)

— 13. αὐτὴ κατὰ τὸ εἰωθὸς περιπατεῖ (2 δ)

— 36. περιπατοῦμεν ἐν τῷ παραδείσῳ (2 δ)

8. 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας . . . περιπα-  
τοῦντας ἐν τῷ πυρὶ (2 δ)

4. 26. ἐπὶ τῶν τειχῶν τῆς πόλεως . . . περι-  
πάτει (2 c)

— 31. γυνὸς περιπατοῦν μετὰ τῶν θηρίων (2 c)

Da. TH. Su. 7. περιπάτει ἐν τῷ παραδείσῳ (2 c)

— 8. ἐθέρουν αὐτὴν . . . περιπατοῦσαν (2 c)

— 36. περιπατοῦντων ἡμῶν ἐν τῷ παραδείσῳ μόνων (2 c)

3. 23. περιπατοῦν ἐν μέσῳ τῆς φλογός (2 c)

— 25 (92). ὁρῶ ἄνδρας τέσσαρας . . . περιπα-  
τοῦντας ἐν μέσῳ τοῦ πυρὸς (2 δ)

4. 26. ἐπὶ τῷ ναφὶ τῆς βασ. αὐ. ἐν Βαβ. περι-  
πατῶν (2 c)

[Aq. Ge. 5. 22, 24: 8. 10 (9): Ps. 85 (86). 11:  
90 (91). 6: 103 (104). 26: Pr. 28. 6: Is. 59. 9.]

[Sm. Ps. 87 (88). 7: 41 (42). 10: 72 (73). 9:  
Pr. 28. 6: Ec. 10. 3: Is. 59. 9.]

[Th. Ps. 25 (26). 1: Pr. 28. 6: Is. 59. 9: Da.  
3. 25 (92).]

[Al. Ps. 1. 1: 11 (12). 9:]

[Sext. Ps. 36 (37). 35.]

**περίπατος.** (1) **ἡρῶ** (2) **ῥῶ** (3) **ῥῶ**

(4) **ἡρῶ**

Jb. 41. 23 (24). **ἐλογίσασα** ἀβύσσον εἰς περίπατον (1)

Pr. 23. 30. ὁμολογεῖτε ἐν περιπάτοις (1)

Ez. 42. 4. **κατέναντι** τῶν ἐξεδῶν π. (4)

— 5. οἱ π. οἱ ὑπερόψω ὡσαύτως (3)

— 10. κατὰ τὸ φῶς τοῦ ἐν ἀρχῇ περιπάτου  
[A τοῦ π.] (3)

— 11. ὁ π. κατὰ πρόσωπον αὐτῶν (2)

— 12. κατὰ τὰ θυρώματα ἀπ' ἀρχῆς τοῦ π. (1)

II Ma. 2. 30. **A** περιπατοῦν ποιεῖσθαι λόγῳ [A al.] (1)

[Sm. Zc. 14. 20.]

[Th. Jb. 41. 24.]

**περιπέτεσθαι.**

IV Ma. 14. 17. **S<sup>1</sup>** περιπτάμενος [A **S<sup>2</sup> B** περιπτ.]  
κυκλῶν αὐτῶν

**περιπηγνύναι.**

[Sm. Lk. 15. 3.]

**περιπιλεῖν.** (1) **ἡρῶ** pi.

III Ki. 6. 20 (21). **A** περιπίλησεν Σ. τὸν οἶκον  
. . . χρυσίῳ (1)

[Aq., Sm., Th. III Ki. 6. 20.]

**περίπτειν.** (1) **ἡρῶ** (2) **ἡρῶ** a. qal. δ. ni.

Ru. 2. 3. **καὶ** περιέπεσε περιπτῶματι (2 δ)

II Ki. 1. 6. **περιπτῶματι** περιέπεσαν ἐν τῷ δρεῖ (2 δ)

Pr. 11. 5. **A B S<sup>2</sup>** ἀσέβεια δὲ περιπτῆται ἀδικίᾳ (1)

Da. LXX. 2. 9. **θανάτῳ** περιπεσείσθαι (2 c)

II Ma. 6. 13. **εἰδὼς** περιπτῆται ἐντιμίας (2 c)

9. 7. **δυσχερὴ** πτόματι περιπεσόντα (2 c)

— 21. **περιπεσὼν** ἀσθενείᾳ (2 c)

10. 4. **B** μηκέτι περιπέσειν [A παραπ.] τοιοῦτος  
κακός (2 c)

IV Ma. 1. 24. **A B** ὅτε [S ὅτι] αὐτῷ περιέπεσεν  
περιπλέκεν. (1) **ῥῶ** (2) **ῥῶ** pi. (3) **ῥῶ** hi.

II Ki. 18. 9. **A B** περιεπλέκει [B ἐκρεμάσθη] ἡ  
κεφαλὴ αὐτοῦ (1)

Ps. 49 (50). 19. ἡ γλῶσσά σου περιέπλεκε δο-  
λοῦντα [S<sup>2</sup> -as] (2 c)

118 (119). 61. **σχοινία** ἀμάρτωλῶν περιεπλά-  
κησάν μοι (2 c)

Na. 1. 10. ὡς σμίλαξ περιπλεκόμενη βρωθήσεται (1)

Ez. 17. 7. ἡ ἀμπλος αὐτῇ περιπλεγμένη πρὸς  
αὐτὸν (1)

III Ma. 2. 22. **B** περιπλεγμένον [A πεπληγμ.]  
κρίσει (1)

4. 8. **B** βρόχοις [A -ους] . . . τοὺς αὐχένas περι-  
πεπλεγμένοι (1)

5. 49. **κατεφύλουν** ἀλλήλους περιπλεκόμενοι (1)

IV Ma. 1. 29. **ὡν** ἐκάστην ὁ παγγέωργος λογιζόμενος  
. . . περιπλέκων (1)

[Sm. Ec. 4. 5: Ca. 2. 6.]

[Th. Pr. 8. 8.]

**περιποιεῖν.** (1) **ἡρῶ** a. qal. δ. pi. c. hi.

(2) **ἡρῶ** (3) **ἡρῶ** (4) **ῥῶ** hi. (5) **ῥῶ** (6) **ῥῶ** (7) **ῥῶ** (8) **ῥῶ** (9) **ῥῶ**

(10) **ῥῶ** δ. περιποιήσασθαι **ῥῶ** (10) **ῥῶ** δ. περι-  
ποιήσαι **ῥῶ**

Ge. 12. 12. σὶ δὲ περιποιήσονται (1 δ)

31. 18. **ἦν** περιποιήσας ἐν τῇ Μεσοπ. (7)

36. 6. **ὅσα** περιποιήσας ἐν γῇ X. (7)

Ex. 1. 16. περιποιήσας αὐτὸν (1 δ)

22. 18 (17). **φάρμακός** οὐ περιποιήσας [A  
-βιώσετε] (1 δ)

32. 14. περιποιήσας [A ποι.] τὸν λαόν αὐτοῦ (1 δ)

Nu. 22. 33. **ἐκείνη** δ' ἂν περιποιήσασθαι (1 c)

Jo. 6. 16 (17). **ῥαββὴν** τὴν πόρνην περιποιήσασθαι (1 δ)

9. 20. **καὶ** περιποιήσασθαι αὐτοὺς (1 c)

Jd. 21. 11. **B** τὰς δὲ παρόδους περιποιήσασθαι (1 c)

I Ki. 15. 3. οὐ περιποιήσας [A -σει] ἐξ αὐτοῦ (2)

— 9. περιποιήσας Σ. . . τὸν 'A. ζῶντα (2)

— 15. **δ** περιποιήσας τὸν λαόν (2)

25. 39. τὸν δούλον αὐτοῦ περιποιήσας (2)

II Ki. 12. 3. **ἦν** ἐκτίσας καὶ περιποιήσας (1 δ)

III Ki. 18. 5. **καὶ** περιποιήσασθαι ἡπτόν (1 δ)

I Ch. 29. 3. **δ** περιποιήσας χρυσίον (10)

Ju. 11. 9. περιποιήσας αὐτὸν οἱ ἄνδρες B. (1)

Jb. 27. 17. ταῦτα πάντα δικαίως περιποιήσασθαι (1)

Ps. 78 (79). 11. περιποιήσας τοὺς υἱούς τῶν  
τεθανωμένων (4)

Pr. 6. 32. **ὁ** δὲ μοιχὸς δὲ ἔνδειαν φρενῶν ἀπώ-  
λειαν τῇ ψυχῇ αὐτοῦ περιποιήσας (1)

7. 4. τὴν δὲ φρόνησιν γνῶριμον περιποιήσας  
σεαυτῷ (6)

22. 9. **νίκην** καὶ τιμὴν περιποιεῖται ὁ δῶρα δούς (6)

Si. 7. 9. ἐν τοιούτοις ἱκανὴν ἔξιν [S<sup>1</sup> ἱκανόν ἐστιν]  
περιποιήσασθαι [B -ον] (6)

Is. 31. 5. περιποιήσας [B<sup>1</sup> -θήσονται] καὶ  
σώσει (5)

43. 21. **λαόν** μου δὲν περιποιήσασθαι (1)

Je. 31 (48). 36. **δ** περιποιήσας ἀπώλειαν (9)

Ez. 18. 18. **ψυχὰς** περιποιήσας (1 δ)

— 1

**περίπτωμα.** (1) הַרְפָּו (2) הַרְפָּ ni.  
Ru. 2. 3. καὶ περιέπεσε περιπτώματι (1)  
II Ki. 1. 6. περιπτώματι περιέπεσαν (2)  
**περιραίνειν** (περιρρ.). (1) הִרְיָ hi.  
Le. 14. 7. περιραίνει ἐπὶ τὸν καθαρισθέντα (1)  
— 51. περιραίνει ἐν αὐτοῖς (1)  
Nu. 8. 7. περιραίνει αὐτοὺς ὕδωρ ἁγνισμοῦ (1)  
19. 18. περιραίνει ἐπὶ τὸν οἶκον (1)  
— 19. περιραίνει ὁ καθαρὸς ἐπὶ τὸν ἀκάθ. (1)  
— 21. ὁ περιραίων ὕδωρ βαντισμοῦ (1)  
**περιραντίζειν** (περιρρ.). (1) הִרְיָ ru.  
Nu. 19. 13, 20. ὕδωρ βαντισμοῦ οὐ περιραν-  
τίζει ἐπ' αὐτόν (1)  
Ez. 43. 20. Α περιραντίζει αὐτό (1)  
**περιρραντισμός.**  
[Sm. Ζα. 13. 1.]  
**περιρρεῖν.**  
IV Ma. 9. 20. περὶ τοὺς ἄξονας . . . περιέρρεον αἱ  
σάρκες  
**περιρρηγνύειν.**  
II Ma. 4. 38. καὶ τοὺς χιτῶνας περιρρηγνύει  
**περισιαλοῦν.** (1) הִרְיָ  
Ex. 36. 13 (39. 6). καὶ περισιαλομένους χρυσίφ (1)  
**περισκελῆς.** (1) הִרְיָ  
Ex. 28. 38 (42). ποιήσεις αὐτοῖς περισκελῆ [B<sup>2</sup>  
— λια?] λινα (1)  
36. 36 (39. 28). καὶ τὰ [A om.] π. ἐκ βύσσου  
κεκλ. (1)  
Le. 6. 10 (3). π. λινοὺ ἐνδύσεται (1)  
16. 4. π. λινοὺ ἔσται ἐπὶ τοῦ χρωτὸς αὐτοῦ (1)  
Si. 45. 8. περισκελῆ καὶ ποδήρη καὶ ἐπωμίδα  
Ez. 44. 18. περισκελῆ λινα ἔξουσιν (1)  
**περισκέλιον.** (1) הִרְיָ  
Ex. 28. 38 (42). B<sup>2</sup> ποιήσεις αὐτοῖς περισκέλια  
[? A B<sup>1</sup> — λη] λινα (1)  
**περισκοπεῖν.**  
[Sm. Ps. 36 (37). 32.]  
**περισκυθίζειν.**  
II Ma. 7. 4. καὶ περισκυθίσαντας ἀκρωτηριάξει  
**περισπᾶν.** (1) הִרְיָ a. qal. δ. hi. (2) הִרְיָ  
II Ki. 6. 6. περισπασεν αὐτὸν ὁ μύσχος (2)  
Ec. 1. 13. τοῦ περισπᾶσθαι [S — ασθῆναι] ἐν  
αὐτῷ (1 a)  
3. 10. τοῦ [S<sup>1</sup> om.] περισπᾶσθαι [S<sup>1</sup> — ασθῆναι] ἐν  
αὐτῷ (1 a)  
5. 19. ὁ θεὸς περισπᾷ αὐτόν (1 b)  
Si. 41. 2. ἀνθρώπων . . . ἔσχατογράφ καὶ περισπωμένον  
περὶ πάντων  
IV Ma. 5. 2. Α ἐνα ἕκαστον τῶν Ἑβρ. περισπᾶσθαι  
[S R al.]  
[Sm. I Ki. 24. 8.]  
**περισπασμός.** (1) הִרְיָ  
To. 10. 6. S π. αὐτοῖς ἐγένετο  
Ec. 1. 13. π. ποικρὸν ἔδωκεν ὁ θεὸς τοῖς υἱοῖς  
τῶν ἀνθρώπων  
2. 23. καὶ θυμοῦ περισπασμὸς αὐτοῦ  
— 26. τῷ ἀμαρτάνοντι ἔδωκε περισπασμόν  
3. 10. εἶδον σὺν πάντα [AS om.] τὸν π. [A πει-  
ρασμὸν] (1)  
4. 8. τοῦτο ματαιότης καὶ π. [A πειρασμός]  
ποικρὸς ἐστίν  
5. 13. ἀπολείπει ὁ πλοῦτος ἐκείνος ἐν π. [S πει-  
ρασμῷ] ποικρῷ [A αὐτοῦ] (1)  
8. 16. τοῦ ἰδεῖν τὸν π. [A πειρασμὸν] τὸν πε-  
ποιημένον ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
II Ma. 10. 36. ἐν τῷ π. πρὸς τοὺς ἔνδον  
**περισπῶριον** (-ειον). (1) הִרְיָ (2) הִרְיָ  
Jo. 21. 2. καὶ τὰ π. [A om. τὰ π.] τοῖς κτήρεσιν (2)  
— 3. 8. τὰς πόλεις καὶ τὰ π. αὐτῶν (2)  
— 11. τὰ δὲ π. [A add. τὰ] κύκλω αὐτῆς (2)  
— 19. Α καὶ τὰ π. αὐτῶν (2)  
— 34 bis, 35, 35 (A). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 36 bis. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 36 bis. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 37 bis. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)

Jo. 21. 37 bis. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 40. καὶ τὰ π. αὐτῶν (2)  
— 40. πόλεις καὶ τὰ π. (2)  
Jd. 1. 18. οὐδὲ τὰ π. αὐτῆς (1)  
— 27. Α οὐδὲ τὰ π. αὐτῆς [B al.] (1)  
I Ch. 6. 55 (40), 57 (42). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 57 (42). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 57 (42). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 58 (43). καὶ τὰ π. [A σπῶρια] αὐτῆς (2)  
— 58 (43), 59 (44). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 59 (44). B καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 59 (44), 60 (45) bis. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 60 (45). Α καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 60 (45). Α καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 64 (49). καὶ τὰ π. αὐτῶν (2)  
— 67 (52) bis, 68 (53) bis, 69 (54) bis, 70  
(55), 70 (55) (A B). καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 71 (56). Α<sup>2</sup> καὶ τὰ π. [B — πόλια] αὐ. (2)  
— 71 (56). Α<sup>2</sup> B καὶ τὰ π. αὐ. (2)  
— 72 (57) bis. Α<sup>2</sup> B καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 72 (57). Α<sup>2</sup> B καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 73 (58) (A<sup>2</sup> B), 74 (59) (A<sup>2</sup> B) bis, 75 (60)  
bis, 76 (61) ter. καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 77 (62) bis. Α καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
— 77 (62) bis, 78 (63), 78 (63) (A B), 79  
(64) bis, 80 (65) bis, 81 (66) bis.  
καὶ τὰ π. αὐτῆς (2)  
[A q. Jo. 21. 15.]  
**περισπουδάειν.**  
[Sm. Ps. 67 (68). 17.]  
**περισσειά** (-ία). (1) a. הִרְיָ δ. הִרְיָ  
c. הִרְיָ (2) הִרְיָ  
Ec. 1. 3. τίς π. τῷ ἀνθρώπῳ (1 a)  
2. 11. S τὰ πάντα ματαιότης καὶ περισσειά  
[A B προαίρεσις] πνεύματος (2)  
— 11. οὐκ ἔστι π. ὑπὸ τὸν ἥλιον (1 a)  
— 13. ἐστὶ π. τῇ σοφίᾳ ὑπὲρ τὴν ἀφροσύνην  
ὡς περισσειά τοῦ φωτὸς ὑπὲρ τὸ  
σκότος (1 a, 1 a)  
3. 9. τίς π. τοῦ ποιούντος ἐν οἷς αὐτὸς μοχθεῖ (1 a)  
— 19. B<sup>2</sup> τίς π. τῷ ἀνθρώπῳ [A B S<sup>1</sup> τί ἐπε-  
ρίσσειεν ὁ ἄνθρωπος] παρὰ τὸ  
κτῆνος (1 b)  
5. 8. καὶ περισσειά γῆς (1 a)  
— 15. A S R τίς ἡ π. αὐτοῦ [B al.] (1 a)  
6. 8. ὅτι [A S<sup>2</sup> add. τίς] περισσειά τῷ σοφῷ  
ὑπὲρ τὸν ἀφρόνα (1 c)  
7. 12 (11). περισσειά τοῖς θεωροῦσι τὸν ἥλιον (1 c)  
— 13 (12). περισσειά γνώσεως τῆς σοφίας  
[S<sup>1</sup> τῇ σ.] (1 a)  
10. 10. περισσειά τῷ ἀνδρὶ οὐ [AS τοῦ ἀνδρείου]  
σοφία (1 a)  
— 11. οὐκ ἔστι π. τῷ ἐπάδοντι (1 a)  
[A q. Le. 8. 25.]  
[Th. Pr. 21. 5 : Ec. 3. 19.]  
**περισσεύειν.** (1) a. הִרְיָ ni. δ. הִרְיָ  
(2) הִרְיָ  
I Ki. 2. 33. πᾶς περισσεύειν [A πᾶν π.] οἴκου  
σου (2)  
— 36. δ [A πᾶς ὁ] περισσεύειν ἐν οἴκῳ σου (1 a)  
To. 4. 16. B ὁ δὲ περισσεύειν [A — εὐν] σοι  
Ec. 3. 19. τί ἐπίσσειεν ὁ ἄνθρωπος [S<sup>2</sup> τίς  
περισσειά τῷ ἀνθρώπῳ] παρὰ τὸ  
κτῆνος (1 b)  
Si. 10. 27. AS κρίσσειεν ἐργαζόμενος καὶ περισσεύειν  
[B om. καὶ π.] ἐν πᾶσι  
11. 12. καὶ πτωχεῖα περισσεύει [S — εὖν]  
19. 24. περισσεύειν ἐν φρονίσει [A συνέσει]  
30. 38 (38. 29). μὴ περισσεύεις ἐν [A S ἐπὶ] πάσῃ  
σαρκί  
I Ma. 3. 30. S R ἐπίσσειεν ὑπὲρ τοὺς βασιλ. τοὺς  
ἐμπροσθεν  
[A q. Ge. 49. 4 : Dt. 30. 9 : Pr. 12. 26 : Da.  
10. 13.]  
[Th. Dt. 30. 9.]  
[Al. Le. 2. 3 : Jd. 1. 23.]  
**περίσσευμα.**  
Ec. 2. 15. ὁ ἄφρων ἐκ περισσεύματος λαλεῖ —

**περισσός, περιττός.** (1) a. הִרְיָ δ. הִרְיָ  
c. הִרְיָ d. הִרְיָ ni. e. הִרְיָ f. הִרְיָ  
(2) περισσώτερος הִרְיָ (3) ἐκ περισσοῦ  
הִרְיָ  
Ex. 10. 5. πᾶν τὸ π. τῆς γῆς (1 a)  
Nu. 4. 26. καὶ τὰ π. (1 b)  
Jd. 21. 7. αὐτοῖς τοῖς π. [A om. αὐ. τ. π.] τοῖς  
ὑπολειφθέντων (1 d)  
— 16. τί ποιήσωμεν τοῖς π. [A ἐπιλοιποῖς] (1 d)  
I Ki. 30. 9. καὶ οἱ π. ἔστησαν (1 d)  
— 10. B οἱ π. ἐδίωξαν [A R al.] —  
III Ki. 14. 19. Α περισσὸν ῥημάτων ἱερ. (1 a)  
22. 47. Α καὶ περισσὸν τοῦ ἐνδιηλλαγμ. (1 a)  
IV Ki. 25. 11. τὸ π. τοῦ λαοῦ τὸ καταλειφθέν (1 a)  
Pr. 14. 23. ἐν παντὶ μεμνῶντι ἐνεσθὶ περισσόν (1 c)  
Ec. 2. 15. περισσὸν ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου (1 c)  
7. 1 (6. 11). τί [S<sup>1</sup> ἐπὶ] περισσὸν τῷ ἀνθρώπῳ (1 c)  
— 17 (16). μὴδὲ σοφίζων περισσά (1 c)  
12. 9. περισσὸν ἐτι ἐγένετο ἐκκλησιαστῆς σοφός (1 c)  
— 12. περισσὸν ἐξ αὐτῶν, υἱέ μου, φύλαξαι (1 c)  
Si. 3. 23. ἐν τοῖς π. τῶν ἔργων σου μὴ περιεργάζου  
Ez. 48. 15. τὰς δὲ πέντε χιλιάδας τὰς π. (1 d)  
— 18. τὸ π. τοῦ μήκου τοῦ ἐχόμενου τῶν ἀπαρ-  
χῶν (1 d)  
— 21. τὸ δὲ π. τῷ ἀφρογόμενῳ [A τοῦ δ.] (1 d)  
— 23. τὸ π. τῶν φυλῶν (1 a)  
Da. TH. 3. 22. ἡ κάμιнос ἐξεκαῖθ ἐκ περισσοῦ (3)  
4. 33. μεγαλῶσιν περισσώτερα προστεθῇ μοι (2)  
5. 12. πνεῦμα π. ἐν αὐτῷ (1 f)  
— 14. καὶ σοφία π. εὐρέθη ἐν σοί (1 f)  
6. 3 (4). πνεῦμα π. ἐν [A ἦν ἐπ'] αὐτῷ (1 f)  
I Ma. 9. 22. B τὰ περισσά [A — εα, S — ια] τῶν  
λόγων ἱ.  
II Ma. 12. 44. R περισσὸν ἂν ἦν [A περισσῶς] καὶ  
ληρώδες  
[A q. Ge. 49. 3 bis : Ex. 29. 13 : III Ki. 14. 19 :  
22. 47 : Ps. 30 (31). 23.]  
[Sm. Ge. 49. 3 bis, 4 : Ex. 35. 18 : Ec. 5. 15 :  
6. 8.]  
[Th. Ex. 29. 13 : Is. 54. 2.]  
[Al. Ge. 49. 3 bis : Le. 9. 10 : 25. 27.]  
**περισσῶς.** (1) a. הִרְיָ δ. הִרְיָ (2) הִרְיָ  
Ps. 30 (31). 23. ἀνταποδίδωμι τοῖς π. ποιούσιν  
ἱερηφανίαν (2)  
Da. TH. 7. 7. ἰδοὺ θηρίον τέταρτον . . . ἰσχυ-  
ρόν π. (1 b)  
— 7. καὶ αὐτὸ διάφορον περισσῶς —  
— 19. ἦν διάφορον . . . φοβερόν π. (1 b)  
8. 9. ἐμεγαλύνθη π. πρὸς τὸν νότον (1 a)  
II Ma. 8. 27. π. εὐλογούντες καὶ ἐξομολογούμενοι  
τῷ κ.  
12. 44. Α περισσῶς [B — ὡν ἂν ἦν] καὶ ληρώδες  
[A q., Th. Is. 56. 12.]  
[Sm. Ps. 30 (31). 23 : Ec. 7. 17 (16).]  
**περίστασις.** (1) π. ὅπλων הִרְיָ  
Ez. 26. 8. ποιήσει [A περιπ.] ἐπὶ σέ . . . περί-  
στασιν [A βελουστάσις] ὅπλων (1 ?)  
II Ma. 4. 16. περιέσχευ αὐτοὺς χαλεπῇ π.  
[A q., Th. Jb. 27. 20.]  
[Sm. Jb. 27. 20 : Ps. 33 (34). 5 : Ez. 40. 14, 15  
(P.), 16 bis.]  
**περιστέλλειν.** (1) הִרְיָ (2) הִרְיָ ni.  
To. 12. 13. ὅπως . . . περιστέλλει τὸν νεκρόν [S al.]  
Si. 38. 16. περιστέλλει τὸ σῶμα αὐτοῦ  
Is. 58. 8. ἡ δόξα τοῦ θεοῦ περιστέλλει σε (1)  
Ez. 29. 5. οὐ μὴ περισταλῇς (2)  
[Sm. I Ki. 23. 26.]  
**περιστέρα.** (1) הִרְיָ (2) a. הִרְיָ δ. הִרְיָ  
Ge. 8. 8. ἀπέστειλε τὴν π. (2 a)  
— 9. οὐχ εὐρύσσα ἡ π. ἀνάπαντι (2 a)  
— 10. πάλιν ἐξαπέστειλε τὴν π. (2 a)  
— 11. ἀνέστρεψε πρὸς αὐτὸν ἡ π. (2 a)  
— 12. πάλιν ἐξαπέστειλε τὴν π. (2 a)  
15. 9. λάβε μοι . . . περιστέραν (1)  
Le. 1. 14. προσοίσει . . . ἀπὸ τῶν π. (2 b)  
5. 7, 11. ἡ δύο νοσσοὺς περιστερῶν (2 a)  
12. 6. προσοίσει . . . νοσσοὺς περιστερῶν (2 a)  
— 8 : 14. 22. ἡ δύο νοσσοὺς περιστερῶν (2 a)  
14. 30. ἡ ἀπὸ τῶν νοσσοῦν τῶν π. (2 a)  
15. 14, 29 : Nu. 6. 10. ἡ δύο νοσσοὺς περιστε-  
ρῶν (2 a)

IV Kt. 6. 25. τέταρτον τοῦ κάβου κόπρου περι-  
στερῶν [A. al.] (2 a)  
Ps. 54 (55). 6. τίς δώσει μοι πτέρυγας ὥσεί περι-  
στεράς (2 a)  
67 (68). 13. πτέρυγες περιστερᾶς περιηργυρω-  
μένα (2 a)  
Ca. 1. 15. ὀφθαλμοὶ [A. -δς] σου περιστεραί (2 a)  
2. 10, 13. ἡ πλησίον μου καλὴ μου περιστέρα  
μου —  
— 14. σὺ περιστέρα μου ἐν σκέπῃ τῆς πέτρας (2 a)  
4. 1. ὀφθαλμοὶ σου περιστεραί (2 a)  
5. 2. ἀδελφὴ μου περιστέρα μου τελεία μου (2 a)  
— 12. ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ὡς περιστεραί (2 a)  
6. 8 (9). μία ἐστὶ περιστέρα μου (2 a)  
Ho. 7. 11. ἦν Ἐφρ. ὡς περιστέρα ἄνους (2 a)  
11. 11. ὡς περιστέρα ἐκ γῆς Ἀσσυρίων (2 a)  
Na. 2. 7 (8). καθὼς π. φθγγόμεναι ἐν καρδίαις  
αὐ. (2 a)  
Ze. 3. 1. ὁ ἡ... πόλις ἡ π. (2 a)  
Is. 38. 14. ὡς π. οὕτω μελετῶ (2 a)  
59. 11. ὡς ἄρκος καὶ ὡς π. ἅμα πορεύονται (2 a)  
60. 8. ὡς περιστέραὶ σὺν νοστοῖς (2 a)  
Je. 31 (48). 28. ἐγενήθησαν ὥσπερ περιστέραὶ  
νοστοῖν αὐ. ἐν πέτραις (2 a)  
Ez. 7. 16. A. ὡς περιστεραί μελετητικαί (2 a)  
[Aq. Ps. 55 (56). 1: Is. 59. 11: Je. 25. 38 (32).  
24: 46 (26). 16: 50 (27). 16.]  
[Sm. Le. 1. 14: Ps. 54 (55). 7: 55 (56). 1: Is.  
59. 11.]  
[Th. Ge. 15. 9: Ps. 55 (56). 1: Is. 59. 11: Je.  
25. 38 (32). 24: 46 (26). 16: Ez. 7. 16.]  
[Al. Le. 1. 14.]  
[Quint. Ps. 55 (56). 1.]  
**περιστερῆς.**  
[Aq. Ge. 15. 9.]  
**περιστεφανοῦν.**  
[Aq., Sm., Th. I Kt. 23. 26.]  
**περιστήθιον.** (1) ἱψ'π  
Ex. 28. 4. τὸ π. καὶ τὴν ἐπωμίδα (1)  
**περιστοιχιζέιν.**  
[Sm. Ps. 47 (48). 13.]  
[Quint. Ho. 8. 10.]  
**περιστολή.** (1) ἱψ'π  
Ex. 33. 6. περιελαντο... τὴν π. (1)  
Si. 45. 7. B. περιζύωσαν αὐτὸν περιστολήν [A. -ῆ,  
B. στολή] δόξης  
**περιστόμιον.** (1) πθ (2) πθ'π  
Ex. 28. 28 (32). ἔσται τὸ π. ἐξ αὐτοῦ μέσον  
ῶαν ἔχον κύκλῳ τοῦ π. (1, 1)  
36. 31 (39. 23). τὸ δὲ π. τοῦ ὑποσώτου (1)  
— 31 (39. 23). ῶαν ἔχον κύκλῳ τοῦ π. (1)  
Jb. 15. 27. ἐποίησε περιστόμιον ἐπὶ τῶν μηρίων  
[A. B. -ρῶν] (2 ?)  
30. 18. ὥσπερ τὸ π. τοῦ χιτῶνος μου περι-  
έσχε με (1)  
Ez. 39. 11. περιοκοδομήσουσι τὸ π. τῆς φά-  
ραγγος +  
[Th. Jb. 15. 27: 80. 18.]  
**περιστρέφειν.** (1) בּוּר  
Ge. 37. 7. περιστραφέντα δὲ τὰ δράγμ. ὕ. (1)  
Nu. 36. 7. οὐχὶ περιστραφῆσεται κληρονομία  
— 9. οὐ [A. om.] περιστραφῆσεται κληρὸς  
[Aq. Jn. 37. 12: Ps. 81 (82). 9.]  
[Sm. Ps. 81 (82). 9.]  
[Th. Ez. 88. 4.]  
**περιστροφῆ.**  
Si. 50. 5. ὡς [A. δε] ἰδοξάσθη ἐν περιστροφῇ λαοῦ  
**περιστρώμα.**  
[Aq., Th. Pr. 7. 16: 81. 22.]  
**περιστρωννύναι.**  
[Aq., Th. Pr. 7. 16.]  
**περιστυλον.** (1) פּוֹרָה (2) פּוֹרָה (3) הָכִיחַ  
Ez. 40. 17. περιστύνει κύκλῳ τῆς αὐλῆς τρι-  
κόνητα παστοφόρια ἐν τοῖς π. (2, 2)  
— 18. κατὰ τὸ μέκος τῶν πυλῶν τὸ π. τὸ [A. τῷ]  
ὑποκάτω (2)  
42. 3. τὰ π. τῆς αὐλῆς τῆς ἐξωτερᾶς (2)

Ez. 42. 5. ἐξείχετο τὸ [A. om.] π. ἐξ αὐτοῦ ἐκ  
τοῦ ὑποκάτωθεν π. καὶ τὸ διάστημα (1, 3, -)  
οὕτως π. καὶ διάστημα  
II Ma. 4. 46. ἀπολαβὼν ὁ Πτ. εἰς τι π.  
III Ma. 5. 23. ἐν τῷ μεγάλῳ π. διεκίνει  
περισύρειν. (1) ἡψ'π  
Ge. 30. 37. περισύρων τὸ κλωρόν (1)  
II Ma. 7. 7. B. τὸ τῆς κεφαλῆς δέρμα... περισύ-  
ρωντες [A. -οντες]  
IV Ma. 10. 7. περισύραντες τὸ δέρμα [B' al.]  
**περισφίγγειν.**  
[Sm. Pr. 30. 31: Ca. 8. 9.]  
**περισχίζειν.**  
Ez. 47. 15. ἀπὸ θαλάσσης τῆς μεγάλης τῆς...  
περισχίζουσας τῆς εἰσόδου +  
48. 1. κατὰ τὸ μέρος [A. μέτρον] τῆς καταβύ-  
σεως τοῦ περισχίζοντος +  
[Sm. Ez. 26. 10.]  
**περισώζειν.** (1) בּוֹרָה ni.  
I Kt. 30. 17. A. οὐ περισώθη [B. οὐκ ἐσ.] ἐξ  
αὐτῶν ἀνὴρ (1)  
[Aq. Ps. 114 (116). 1: Pr. 11. 21: 19. 5: Is.  
49. 24.]  
[Sm. II Kt. 8. 2: Ps. 40 (41). 3: 137 (138). 7:  
Pr. 19. 5: Ez. 18. 19: 83. 5.]  
[Th. Is. 49. 24.]  
[Sext. Ps. 32 (38). 17.]  
**περιτειχίζειν.** (1) ἱψ'π  
Ho. 10. 14. πάντα τὰ περιτειχισμ. σου οἰχί-  
σεται [A. οἰκ.] (1)  
I Ma. 18. 33. καὶ περιτειχίσει πύργους ὑψηλοῖς  
[Sm. Nu. 32. 38: Ps. 47 (48). 13.]  
**περιτειχος.** (1) בּוֹרָה (2) בּוֹרָה (3) בּוֹרָה  
IV Kt. 25. 1. φθορόμην ἐπ' αὐτὴν περιτειχος (1)  
Is. 26. 1. σωτήριον θῆσει τὸ τεῖχος καὶ π. (2)  
Da. TH. 9. 25. A. ἀκοδομηθήσεται... περιτει-  
χος [B. τεῖχος] (8)  
**περιτέμνειν.** (1) בּוֹרָה hithp. (2) בּוֹרָה  
(3) בּוֹרָה a. qal. b. ni. c. בּוֹרָה hithp.  
d. בּוֹרָה hithp. (4) בּוֹרָה hi.  
Ge. 17. 10. περιτεμθήσεται ὕμῶν πᾶν ἀρσενικόν (3 b)  
— 11. περιτεμθήσεται τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. (3 b)  
— 12. παιδὶον ὁκτὼ ἡμερῶν περιτεμθήσεται ὕμῶν (3 b)  
— 13. περιτομὴ περιτεμθήσεται ὁ οἰκογενῆς (3 b)  
— 14. δε οὐ περιτεμθήσεται τὴν σάρκα (3 b)  
— 23. περιέτεμε τὰς ἀκροβυστίας αὐτῶν (3 a)  
— 24. A. περιέτεμεν [B. -ετο] τὴν σάρκα τῆς  
ἀκροβ. (3 b)  
— 25. A. περιτεμήθη [B. -τέμετο] τὴν σάρκα  
τῆς ἀκροβ. (3 b)  
— 26. περιτεμήθη Ἀβραάμ (3 b)  
— 27. A. περιέτεμεν αὐτοὺς (3 b)  
21. 4. περιέτεμε δὲ Ἀβ. τὸν Ἰσαάκ (3 a)  
34. 15. ἐν τῷ περιτεμθῆναι ὕμῶν πᾶν ἀρσενικόν (3 b)  
— 17. A. τοῦ περιτέμνεσθαι [B. -τέμεσθαι] (3 b)  
— 22. A. ἐν τῷ περιτέμνεσθαι [B. -τέμεσθαι]  
ἡ πᾶν ἀρσενικόν καθὰ καὶ αὐτοὶ περι-  
τέμνηται (3 b, 3 b)  
— 24. περιτέμνοντο τὴν σάρκα (3 b)  
Ex. 4. 25. περιέτεμε τὴν ἀκροβ. τοῦ υἱοῦ αὐ. (2)  
12. 44. πάντα οὐκ ἐτήν... περιτέμεις αὐτὸν (3 a)  
— 48. περιτέμεις αὐτοὺς πᾶν ἀρσενικόν (3 b)  
Le. 12. 3. περιτέμει τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. αὐ. (3 b)  
De. 10. 16. περιτέμεισθε τὴν σκληροκαρδίαν ὕ. (3 a)  
Jo. 5. 2. περιέτεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (3 a)  
— 3. περιέτεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (3 a)  
— 5. πάντας τοὺς υἱοὺς περιέτεμεν Ἰ. (3 c)  
— 7. οὗς Ἰ. περιέτεμε (3 a)  
— 8. περιτεμνόντες δὲ ἡσυχίαν εἶχον (3 d)  
21. 40: 24. 31. ἐν αἰς περιέτεμε τοὺς υἱοὺς  
Ἰσρ. —  
Ju. 14. 10. περιέτεμε τὴν σάρκα τῆς ἀκροβ. αὐ. (3 a)  
Es. 8. 17. πολλοὶ τὸν ἐσθλὸν περιτέμνοντο [A' B' S'  
-τέμν.] (1 ?)  
Je. 4. 4. περιτεμήθη [A. -θήσεται] τῷ θεῷ ὕμῶν  
καὶ περιτέμσθαι [B' -τέμεισθε, A. B'  
-έλισθε] τὴν σκληροκαρδίαν ὕμῶν (3 b, 4)  
9. 25 (24). ἐπισκεψομαι ἐπὶ περιστε-  
μμένους ἀκροβυστίας αὐτῶν (3 a)

I Ma. 1. 60. τὰς γυναῖκας τὰς περιτεμνηκίας τὰ  
τέκνα αὐ. — 61. B' B. τοὺς περιτεμνηκίας αὐτοὺς ἐθανάτω-  
σαν [A. B' om.]  
2. 46. περιέτεμον τὰ παιδάρια τὰ ἀπερίτμητα  
II Ma. 6. 10. περιτεμνηκίας τὰ τέκνα  
IV Ma. 4. 25. περιέτεμον τὰ παιδία  
9. 21. B. περιτεμμένον [A. B. -τεττημ.] ἥδη ἔχων  
τὸ τῶν ἐσθλῶν πῆγμα  
[Aq. Dt. 30. 6: Jo. 5. 2.]  
[Hob. Ge. 17. 14.]  
**περιτίθειν.**  
IV Ma. 9. 21. A. B. περιτεττήμενον [B. -τεττημ.] ἥδη  
ἔχων τὸ τῶν ἐσθλῶν πῆγμα  
**περιτιθέναι.** (1) בּוֹרָה pi. (2) בּוֹרָה (3) בּוֹרָה  
(4) בּוֹרָה hi. (5) בּוֹרָה pi. (6) a. בּוֹרָה b. בּוֹרָה  
(7) בּוֹרָה hi. (8) בּוֹרָה (9) בּוֹרָה (10) בּוֹרָה hi.  
(11) בּוֹרָה (12) בּוֹרָה (13) בּוֹרָה a. qal.  
b. pi. (14) בּוֹרָה, בּוֹרָה (15) בּוֹרָה hi.  
(16) θάρος π. בּוֹרָה pi. (17) τιμὴν ἐαυτῷ  
π. בּוֹרָה hithp. (18) φραγμὸν π. בּוֹרָה pi.  
Ge. 24. 47. περιέθηκε αὐτῇ τὰ ἐνώτια (14)  
27. 16. τὰ δέρμ. τῶν ἐρίφων περιέθηκεν (7)  
41. 42. περιέθηκεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν χ. Ἰ. (9)  
— 42. περιέθηκε κλοῖον χρυσοῦς (14)  
Ex. 29. 9. περιέθηκες αὐτοῖς τὰς κιθάραις (3)  
34. 35. περιέθηκε M. κάλυμμα (15)  
40. 6 (8). περιέθηκες τὴν σκηνὴν [A. ἀλὴν] (14)  
Le. 8. 13. περιέθηκεν αὐτοῖς κιθάραις (3)  
16. 4. κίδαριν λινὴν περιέθεσται [A. al.] (12)  
Nu. 27. 6 (7). περιέθηκες τὸν κληρὸν... αὐταῖς (10)  
— 8. περιέθετε τὴν κληρὸν. αὐ. τῇ θυγ. αὐ. (10)  
Ru. 3. 3. περιέθηκες [A. -σε] τὸν ἱματισμόν σου (14)  
Ju. 10. 4. περιέθετο τοὺς χιλιῶνας —  
Es. 1. 11. καὶ περιθέναι αὐτῇ τὸ διάδημα —  
— 20. περιθήσουσι τιμὴν τοῖς ἀνδράσιν ἐαυ. (9)  
5. 11. ἦν ὁ βασις. αὐτῷ περιέθηκε (1 ?)  
Jb. 4. 4. γόνασι τε ἀδυνατοῦσι δάσος περιέθηκες (18)  
13. 26. περιέθηκες δὲ μοι κνώττους ἀμαρτίας (4)  
31. 36. ἐπ' ὅμοις ἀν. περιθέμενος στέφανον  
ἀνεγίνωσκον [A. al.] (8)  
38. 10. περιθείς κλειδρα καὶ πύλας (14)  
39. 19. ἡ σὺ περιέθηκες ἱππῶν δύναμιν (9)  
— 20. περιέθηκες δὲ αὐτῷ πανοπλίαν +  
40. 20 (25). περιθήσεις δὲ φορβίαν περὶ ῥίμα αὐτοῦ τ.  
Pr. 7. 3. περιθὺν δὲ αὐτοὺς [A. -οις] οὖσις δακ-  
τύλοις (18 a)  
12. 9. τιμὴν ἐαυτῷ περιτίθεις [B. περιθείς] (17)  
Wi. 5. 18. περιθήσεται κήρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον  
14. 21. τὸ ἀκοινωνήτων ὄνομα κρίσιν... περιέθεσαν  
[B' -θηκαν]  
Si. 6. 31. στέφανον ἀγαλλιάματος περιθήσεις σεαυτῷ  
Ho. 2. 13 (15). περιτίθετο τὰ ἐνώτια αὐ. (10)  
Is. 6. 2. φραγμὸν περιέθηκες (18)  
49. 18. περιθήσεις [A. B. -ῆ, B' -ει] αὐτοὺς (13 b)  
59. 17. περιέθετο περιεφθαλαῖαν [B. add. ὡς]  
σωτηρίου —  
61. 10. ὡς νυμφίῳ περιέθηκε μοι μίτραν (6 ?)  
Je. 13. 1. περιθὺν περὶ τὴν ὀσφύν σου (14)  
— 9. περιέθηκε περὶ τὴν ὀσφύν μου (14)  
28 (51). 3. περιδέσθω ὅ ἐστιν ὅπλα αὐτοῦ +  
34 (27). 2. περιθὺν περὶ τὸν τράχηλόν σου (9)  
Ep. Je. 43. αἱ δὲ γυναῖκες περιδέμεναι [A. περιτιθ.]  
σχοινία  
Ez. 16. 11. περιέθηκε φέλια περὶ τὰς χεῖράς σου (9)  
27. 3. περιέθηκε ἐμμαντὶ κάλλος μου (8 a)  
— 4. υἱοὶ σου περιέθηκαν σοι κάλλος (8 b)  
— 7. τοῦ περιθεῖναι σοι δέξαν (2)  
Da. LXX. 6. 7. μαριάνην χρυσοῦν περιθήσει αὐτῷ —  
— 16. μαριάνην χρυσοῦν περιθίσω σοι —  
— 29. μαριάνην χρυσοῦν περιέθηκεν αὐτῷ —  
Da. TH. 6. 29. τὸν μαριάνην... περιέθηκεν —  
περὶ τὸν τράχηλόν αὐ. —  
I Ma. 11. 13. A. B. περιέθετο τὸ διάδημα τῆς Ἀσίας  
— 13. περιέθετο δύο διαδήματα  
12. 39. καὶ περιθέσθαι τὸ διάδημα  
18. 29. περιθείς στύλους μεγάλους  
— 32. περιέθετο τὸ διάδημα τῆς Ἀσίας  
[Sm. Jb. 24. 15, 17 (P.): Ps. 44 (45). 4: Ca.  
8. 6.]  
[Al. Nu. 16. 38 (17. 3): Ca. 8. 6.]

περιτομή. (1) *a.* לִּי nī. *δ.* הַלֵּל  
Ge. 17. 13. περιτομή περιμηθήσεται ὁ οἶκος. (1 *a*)  
Ex. 4. 25. τὸ αἷμα τῆς π. τοῦ παιδίου μου  
— 26. *A B* τὸ αἷμα τῆς π. τοῦ παιδίου μου (1 *b*)  
Je. 11. 16. εἰς φωνὴν περιτομῆς αὐτῆς  
[*Aq.*, *Sm.*, *Th.*, *Heb.* Ex. 4. 26.]

## περιτραχήλιον.

[*Aq.* Pr. 1. 9.]  
[*Sm.* GE. 38. 18, 23 : CA. 7. 1 (2) : Ho. 2. 13 (15).]

## περιτρέπειν.

Wi. 5. 23. ἡ κατοπραγία περιτρέψει θρόνους δυναστῶν  
[*Aq.*, *Th.* Jb. 9. 6.]  
[*Sm.* Jb. 9. 6 : 12. 20 : Ps. 9. 27 (10. 6) : 17 (18).  
8 : 25 (26). 1 : 29 (30). 7 : 45 (46). 7 : 81 (82).  
5 : 120 (121). 3.]

περιτρέχειν. (1) *וַיִּשׁ* pil.

Am. 8. 12. περιδραμόνται ζητούντες τὸν λόγον  
τοῦ κ. (1)  
Je. 5. 1. περιδράμετε ἐν ταῖς ὁδοῖς Ἰερουσαλὴμ (1)

περιττός, *vid. sub* περισσός.

## περιφανής, περιφανώς.

IV Ma. 8. 1. ἀνεκδήθη περιφανής [*S B* -ὤς] ὁ  
τύραννος

## περιφέγγεσθαι.

[*Sm.* Ez. 1. 27.]

περιφέρεια. (1) *מִלְלָה*

Ec. 9. 3. περιφέρεια ἐν καρδίᾳ αὐτῶν (1)  
10. 13. *A S B* ἐσχάτη στόματος [*B om.*] αὐτοῦ  
περιφέρεια πονηρὰ (1)  
[*Aq.*, *Sm.* Ps. 90 (91). 4.]

περιφέρειν. (1) *לָקַח* po.

Jo. 24. 33. περιεφόρσαν [*A -ον*] ἐν ἑαυτοῖς  
Pr. 10. 24. ἐν ἀπωλείᾳ ἀσεβῆς περιφέρεται  
Ec. 7. 8 (7). ἡ συκοφαντία περιφέρει σοφόν (1)  
II Ma. 7. 27. τὴν ἐν γαστρὶ περιενέγκασάν σε  
15. 30. *A* τὴν τοῦ Ν. κεφαλὴν... περιφέρειν [*B φ.*]  
εἰς Ἱερ.

περιφερής. (1) *בְּכִי*

Ez. 41. 10. τὸ π. τῷ ὄκφ [*A* τοῦ ὄκ.] κύκλφ (1)  
II Ma. 13. 5. ὄργανον εἶχε περιφερές  
[*Sm.* Ec. 12. 6.]

## περιφλευσμός.

[*Aq.* Dt. 28. 22.]

## περιφλογισμός.

[*Sm.*, *Th.* Dt. 28. 22.]

περιφορά. (1) *a.* *לָקַח* po. *δ.* *מִלְלָה*

Ec. 2. 2. τῷ γέλωτι εἶπα περιφορὰν (1 *a*)  
— 12. *A S* ἐπέβλεψα ἐγὼ τοῦ ἰδεῖν... περι-  
φορὰν [*B* παραφ.] (1 *b*)  
7. 26 (25). τοῦ γνῶναι... περιφορὰν [*A* παραφ.] (1 *b*)  
[*Th.* Ec. 2. 2.]

## περίφραγμα.

[*Aq.* Mi. 7. 12.]  
[*Sm.* Ez. 46. 23 : Mi. 7. 12.]  
[*Th.* Is. 29. 1 : Mi. 7. 12.]  
[*Al.* Ps. 9. 30 (10. 9).]

## περιφράκτης.

[*Aq.* Is. 58. 12.]

περιφράσσειν. (1) *וַיִּשׁ*

III Ki. 10. 22 (*B*), 9. 15 (*A*). τοῦ περιφράσαι  
τὸν φραγμὸν  
Jb. 1. 10. οὐ σὺ περιφράξας τὰ ζῶα αὐτοῦ (1)  
Si. 28. 24. περιφράξον τὸ κτήμα [*S* στόμα] σου  
Ep. Je. 18. περιφραγμέναι εἰσὶν αἱ αὐλαὶ  
II Ma. 1. 34. περιφράξας δὲ ὁ βασιλ. ἱερὸν ἐποίησε  
12. 13. ἐπὶ τινα πόλιν γεφυροῦν... τείχεσι περι-  
φραγμένῃν  
[*Aq.*, *Th.*, *Quint.* Ps. 34 (35). 3.]  
[*Sm.* Jb. 29. 4 : Ps. 30 (31). 22 : 34 (35). 3 :  
39 (40). 12 : 59 (60). 11 : 60 (61). 8 : 63 (64).  
2 : 91 (92). 16 : 107 (108). 11 : Ez. 18. 5 : 28.  
13.]

## περιφρονεῖν.

IV Ma. 6. 9. περιεφρόνεις τῆς ἀνάγκης  
14. 1. ὡς μὴ μόνον τῶν ἀλγηδόνων περιφρονῆσαι  
αὐτοὺς

## περιφρύγειν.

[*Th.* Ca. 1. 6.]

## περίφρων.

IV Ma. 8. 28. *A B* ἦσαν γὰρ περίφρονες τῶν [*S* τὰ  
τῶν] παθῶν

## περιφύεσθαι.

[*Sm.* Jb. 39. 13.]

## περιφυτεύειν.

IV Ma. 2. 21. *B* τὰ πάθη αὐτῶ [*A S -οῦ*]... περι-  
εφύτευσεν  
7. 16. *A B* εἰ... τῶν μέχρι θανάτου βασάνων  
περιεφρόνησε [*S -νει*]

## περιχαλᾶν.

IV Ma. 7. 13. περιεχαλασμένον δὲ τῶν σαρκῶν

περιχαλκοῦν. (1) *וַיִּשׁ* pi.

Ex. 27. 6. περιχαλκώσεις αὐτοὺς χαλκῷ (1)  
περιχαρakoῦν. (1) *וַיִּשׁ* (2) *וַיִּשׁ* pilp.  
Pr. 4. 8. περιχαράκωσον αὐτὴν (2)  
Je. 52. 4. περιεχαράκωσαν [*A S -εν*] αὐτήν (1)

## περιχαράττειν.

[*Heb.* Jb. 13. 27.]

περιχαρής. (1) *π.* γίνεσθαι *וַיִּשׁ* (2) *וַיִּשׁ*

*וַיִּשׁ*

Jb. 3. 22. περιχαρεῖς δὲ ἐγένοντο (1+2)  
29. 22. περιχαρεῖς δὲ ἐγένοντο  
III Ma. 5. 44. περιχαρεῖς ἀναλύσαντες οἱ φίλοι  
περιχεῖν. (1) *וַיִּשׁ* (2) *וַיִּשׁ*  
II Ch. 29. 22. *B* περιέχον τὸ αἷμα τῶ θυσιαστ.  
[*A* τοῦ θ.] (2)  
Ju. 13. 2. ἦν γὰρ περιεχυμένος αὐτῷ ὁ οἶκος  
Jn. 2. 6. περιεχύθη ὕδωρ μοι (1)  
II Ma. 8. 17. περιεκέχυτο γὰρ ἐπὶ τὸν ἄνδρα δέος τι  
— 27. πολλὰ σκότει περιχυθέντα  
[*Sm.* Jb. 41. 15.]

## περίχρυσος.

Ep. Je. 8. αὐτὰ τε περίχρυσα καὶ περιάργυρα  
— 39. τοῖς ἀπὸ τοῦ θρόνου λίθοις ὠμοιούμενοι εἰσὶ  
... τὰ π.  
— 50. ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα καὶ περίχρυσα  
— 55. εἰς οἰκίαν θεῶν ξύλινον ἢ περιχρυσῶν  
— 57. θεοὶ ξύλινοι... καὶ περίχρυσοι  
— 70. οἱ θεοὶ αὐτῶν εἰσὶ ξύλινοι καὶ περίχρυσοι  
— 71. ἀφωμοιώνται οἱ θεοὶ αὐτῶν ξύλινοι καὶ π.

περίχρυσον. (1) *וַיִּשׁ* (2) *וַיִּשׁ* pi.

(3) *וַיִּשׁ* pi.

III Ki. 10. 18. περιεχρύσωσεν αὐτὸ (2)  
Is. 30. 22. περιεχρυσωμένα [*A S* τὰ π.] λεπτὰ  
ποιήσης (1)  
40. 19. χρυσοχόος χωνεύσας χρυσίον περιεχρύ-  
σωσεν αὐτόν (3)

## περίχρωος.

(1) *וַיִּשׁ* (2) *a.* *וַיִּשׁ* *δ.* *וַיִּשׁ*

Ge. 13. 10, 11. πᾶσαν τὴν π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)  
— 12. ἐν πόλει τῶν π. (2 *a*)  
19. 17. μηδὲ στήν ἐν πάσῃ τῇ π. (2 *a*)  
— 25. *B* καὶ πᾶσαν τὴν περίχρων [*A* πᾶσαν  
περίχρον] (2 *a*)  
— 28. *A* ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς [*B om.* τ. γ.] (2 *a*)  
τῆς π.

De. 3. 4. πάντα τὰ [*B* add. συνκυροῦντα] π.  
Ἀργόβ (1)  
— 13. καὶ πᾶσαν [*A* π. τὴν] περίχρων Ἀργόβ (1)  
— 14. ἔλαβε πᾶσαν τὴν [*B* om.] π. Ἀργόβ (1)  
34. 3. καὶ τὰ π. Ἱερ. (2 *b*)  
I Ch. 5. 16. καὶ πάντα τὰ π. Σαρὼν (3)  
II Ch. 4. 17. ἐν τῷ π. τοῦ Ἰορδ. (2 *a*)  
16. 4. ἐπάταξε... πᾶσας τὰς π. Νεφθ. (4)  
Ne. 3. 9, 12. ἄρχων ἡμίσιος περιχώρου Ἱερ. (5)

Ne. 3. 14. ἄρχων περιχώρου Βηθ. (5)

— 16. *S* ἄρχων ἡμίσιος [*A B S* om.] περι-  
χώρου Βηθ. (5)

— 17. *A S B* ἄρχων ἡμίσιος περιχώρου Κ. τῷ  
π. [*B -ου*] αὐ. (5, 5)

— 18. ἄρχων ἡμίσιος περιχώρου Κ. (5)

12. 28. συνήχθησαν... ἀπὸ τῆς π. (2 *a*)

Ju. 3. 7. αὐτοὶ καὶ πᾶσα ἡ π. αὐτῶν

Es. 9. 12. ἐν δὲ τῇ π. πῶς οἶε ἐχρήσαντο [*A al.*] —

## περίψημα.

To. 5. 18. περίψημα τοῦ παιδίου ἡμῶν γένοιτο

## περιψύχειν.

Si. 30. 7. *A S* *B* περιψύχων [*?* περὶ ψυχῶν] υἱὸν  
[*B S* -ὤν] καταδεσμεύσει τραύματα αὐ.

## περκάζειν.

Si. 51. 15. εἰς ἀνθους ὡς περκάζουσιν σταφυλῆς  
Am. 9. 13. περκάσει ἡ σταφυλὴ ἐν τῷ σπέρμῳ  
[*Aq.* ZA. 11. 8.]

## περόνη.

[*Sm.* Ex. 85. 11 : Jb. 40. 19 (24).]

[*Th.* Ex. 35. 11 : 39. 33 (14).]

πέσσειν. (1) *וַיִּשׁ* *a.* *qal.* *δ.* *ni.* *c.* *וַיִּשׁ*

Ge. 19. 3. ἄξιμος ἔπεφεν αὐτοῖς (1 *a*)

Ex. 12. 39. ἔπεψαν τὸ σταις (1 *a*)

Le. 23. 20. ὅσα ἐν πέσσητε πέσσετε (1 *a*, 1 *a*)

16. 2. *B* θύσαν πεπεμμένην ἐκ κλιβάνου [*AB*  
λιβ.] (1 *c*)

6. 17 (10). οὐ πεφθίσεται ἐξυμωμένη (1 *b*)

23. 17. ἐξυμωμένοι πεφθίσονται (1 *b*)

26. 26. πέψουσι δέκα γυναῖκες τοὺς ἄρτους ὑ. (1 *a*)

I Ki. 8. 13. καὶ εἰς πεσσούσας (1 *a*)

28. 24. καὶ ἔπεψεν [*A* ἔπεμψεν] ἄξιμα (1 *a*)

Is. 44. 15. καύσαντες ἔπεσαν ἄρτους ἐπ' αὐ-  
τῶν (1 *a*)

— 16. καὶ ἐπὶ τοῦ ἡμίσιος αὐτῶν ἔπεψεν ἐν  
τοῖς ἀνθραξίν ἄρτους [*A S* *al.*] (1 *a*)

— 19. ἔπεψεν ἐπὶ τῶν ἀνθράκων αὐτοῦ ἄρτους (1 *a*)

Je. 44 (37). 21. ἐξῶθεν οὐ πέσσουσιν (1 *a*)

Ez. 46. 20. ἐκεῖ πέψουσι τὸ μαυὰ τὸ παράπαν (1 *a*)

[*Aq.* GE. 40. 5 : JE. 37 (44). 21 : Ho. 7. 6.]

[*Al.* LE. 7. 9.]

[*Quint.* Ho. 7. 4, 8.]

πετάζειν, *vid. sub* πεταννύναι.πέταλον. (1) *וַיִּשׁ* (2) *וַיִּשׁ* (3) *וַיִּשׁ*

Ex. 28. 32 (36). ποιήσεις πέταλον χρυσοῦν (3)

29. 6. ἐπιθήσεις τὸ π. τὸ ἀγίασμα (1)

36. 10 (39. 3). ἐμήθη τὰ π. τοῦ χρυσοῦ (2)

— 38 (39. 30). ἐποίησαν τὸ π. τὸ χρυσοῦν (3)

Le. 8. 9. ἐπέθηκεν... τὸ π. τὸ χρυσοῦν (3)

III Ki. 6. 18. *A* ἐπαναστήσεις... πέταλα (3)

— 32. *A* καὶ π. διαπετασμένα (3)

— 35. καὶ διαπετασμένα π. (3)

[*Aq.* Ex. 29. 6.]

[*Sm.* III Ki. 6. 18.]

πεταλοῦν. (1) *וַיִּשׁ* pi.

III Ki. 6. 22. *A* ὅλον τὸ ἔσω τοῦ δ. ἐπετάλωσεν  
χρυσίῳ (1)

πεταννύναι, πετάζειν. (1) *וַיִּשׁ* (2) *וַיִּשׁ*

(3) *וַיִּשׁ* (4) *וַיִּשׁ* pulal.

II Ki. 22. 11. καὶ ἐπετάσθη (3)

Jb. 26. 11. στήλοι οὐρανὸν ἐπετάσθησαν [*A*  
ἐπεσάσθησαν] (4)

Ps. 17 (18). 10. καὶ ἐπετάσθη ἐπετάσθη [*S* καὶ  
ἐπ.] ἐπὶ πτερύγων ἀνέμων (3, 1)

54 (55). 6. πετασθήσονται καὶ καταπαύσων (3)

Pr. 26. 2. ὥσπερ ὄρνεια πέταται [*A -ανται*] (2)

Wi. 17. 21. *A B* μόνος δὲ ἐκείνους ἐπέτατο [*S* ἐπέ-  
κειτο, *B* ἐπετάτατο] βαρεία νύξ

Hb. 1. 8. πετασθήσονται ὡς ἀέτος (3)

[*Aq.* Ex. 9. 9 : Ps. 89 (90). 10 : Pr. 23. 5.]

[*Sm.* Ps. 54 (55). 7 : Pr. 23. 5.]

[*Th.* Jb. 11. 13 : 26. 11 : Pr. 23. 5.]

πέτασθαι. (1) *וַיִּשׁ*

De. 4. 17. δὲ πέταται ὑπὸ τὸν οὐρανόν (1)

## πέτασμα.

[*Al.* Nu. 28. 22.]

**πετασμός.**  
[Al. Nu. 23. 22.]  
**πέτασος.**  
II Ma. 4. 12. ὑπὸ πέτασον ἤγαγεν  
**πέταυρον (πέτειρον).** (1) ρϣϥ  
Pr. 9. 18. ἐπὶ πέταυρον ἔδου συναντῆ (1)  
**πετεινός.** (1) ϣϣϣ (2) ϣϣ (3) ϣϣϣ  
(4) ϣ ϣϣ ϣ ϣϣ  
Ge. 1. 20. πετεινά πετόμενα ἐπὶ τῆς γῆς (2)  
— 21. καὶ πᾶν πετεινὸν πτερόν (2)  
— 22. τὰ πετεινά πληθυνθέντων (2)  
— 26. ἀρχέωσαν . . . τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)  
— 28. ἀρχετε . . . τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)  
— 30. καὶ πᾶσι τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)  
2. 19. καὶ παντὰ τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)  
— 20. καὶ πᾶσι τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)  
6. 7. ἀπὸ ἐρπετῶν ἕως τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)  
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν ὀρνέων τῶν π. (2)  
7. 3. ἀπὸ τῶν π. τοῦ οὐρ. τῶν καθ. (2)  
— 3. ἀπὸ πάντων τῶν π. τῶν μὴ καθ. —  
— 8. B ἀπὸ τῶν π. τῶν καθ. [A<sup>2</sup> om. τ. κ.] καὶ ἀπὸ τῶν π. τῶν μὴ καθ. [A<sup>2</sup> om. τ. κ.] (2, -)  
— 14. B καὶ πᾶν ὄρνεν [A om.] πετεινόν (4 a [2+4 a])  
— 21. πᾶσα σὰρξ . . . τῶν π. (2)  
— 23. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως . . . τῶν π. τοῦ οὐρ. (2)  
8. 1. ἐμνήσθη ὁ θ. . . πάντων τῶν π. —  
— 17. ἀπὸ πετεινῶν ἕως κτηνῶν (2)  
— 19. καὶ πᾶν π. (2)  
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν π. τῶν καθ. (2)  
9. 2. B ἐπὶ πάντα τὰ π. [A ὄρνεν] τοῦ οὐρ. (2)  
40. 17. τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ κατήσθην αὐτά (2)  
Le. 1. 14. δὲ ἀπὸ τῶν π. κάρπωμα (2)  
7. 16 (26). ἀπὸ τε τῶν κτηνῶν καὶ ἀπὸ τῶν π. (2)  
11. 13. ταῦτα . . . ἀπὸ τῶν π. (2)  
— 20. καὶ πάντα τὰ ἐρπετὰ τῶν π. (2)  
— 21. ἀπὸ τῶν ἐρπετῶν τῶν π. (2)  
— 23. πᾶν ἐρπετὸν ἀπὸ τῶν π. (2)  
— 46. οὗτος ὁ νόμος περὶ . . . τῶν π. (2)  
17. 13. ἡ πετεινὸν δ' ἐσθεται (2)  
20. 25. ἀνὰ μέσον τῶν π. τῶν καθαρῶν (2)  
— 25. ἐν τοῖς κτηνεῖσι καὶ ἐν τοῖς π. (2)  
De. 14. 19. πάντα τὰ ἐρπετὰ τῶν π. (2)  
— 20. πᾶν π. καθαρὸν φάγεσθε (2)  
28. 26. κατὰβρωμα τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)  
I Ki. 17. 44. δώσω τὰς σάρκας σου τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)  
— 46. δώσω τὰ κῶλα . . . τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)  
II Ki. 21. 10. οὐκ ἔδωκε τὰ π. τοῦ οὐρ. καταπαύσαις (2)  
III Ki. 4. 33 (5. 13). καὶ περὶ τῶν π. (2)  
12. 24 (cf. A. 14. 11). B καταφάγεται τὰ π. τοῦ οὐρ. —  
14. 11. A καταφάγονται τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)  
16. 4. καταφάγονται αὐτὸν τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)  
20 (21). 24. φάγονται τὰ π. τοῦ οὐρ. (2)  
Ju. 11. 7. τὰ π. τοῦ οὐρ. διὰ τῆς ἰσχύος σου ἵστανται  
Es. 8. 13. πετεινοὶ . . . ἐχθιστος κατασταθήσεται [A B<sup>1</sup> al.] (2)  
Jb. 12. 7. πετεινὰ δὲ οὐρανοῦ ἐάν σοι ἀπαγγέλωσιν [A ἀναγγέλω] (2)  
28. 7. οὐκ ἔγνω αὐτὴν πετεινὸν [A -ὦν] (2)  
— 21. ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ ἐκρύβη [A οὐκ ἐκρ.] (2)  
35. 11. ὁ διορίζων με ἀπὸ τετραπύλων γῆς ἀπὸ δὲ πετεινῶν οὐρανοῦ (2)  
Ps. 8. 8. τὰ π. τοῦ οὐρ. καὶ τοὺς ἰχθύας τῆς θαλ. (4 a)  
49 (50). 11. ἔργονα πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
77 (78). 27. καὶ ὥστε ἄμμον θαλασσῶν πετεινὰ πτερωτά (2)  
78 (79). 2. Βρώματα τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
103 (104). 12. ἐπ' αὐτὰ τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ κατασκηνοῦσι (2)  
148. 10. ἐρπετὰ καὶ πετεινὰ πτερωτά (4 a)  
Ec. 10. 20. πετεινὸν τοῦ οὐρανοῦ ἀποίσει τὴν φωνήν σου (2)  
Si. 11. 3. μικρὰ ἐν πετεινοῖς μελίσσα  
17. 4. κατακυριεύειν θηρίων καὶ πετεινῶν  
22. 20. βάλλων λίθον ἐπὶ πετεινὰ ἀποσοβεῖ αὐτά  
27. 9. πετεινὰ πρὸς τὰ ὅμοια αὐτοῖς [A -ὦν] καταλύει  
— 19. ὡς πετεινὸν ἐκ χειρὸς σου ἀπέλυσας

Si. 48. 14. ἐξέπτησαν νεφέλαι ὡς πετεινὰ  
— 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πάσσει χιόνα  
Ho. 2. 12 (14). καταφάγεται αὐτὰ . . . τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ —  
— 18 (20). καὶ μετὰ τῶν π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
4. 3. καὶ σὺν τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
7. 12. καθὼς τὰ π. τοῦ οὐρ. κατὰξω αὐτούς (2)  
Ze. 1. 3. ἐκλιπέτω τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
Is. 16. 2. ἔση γὰρ ὡς πετεινὸν ἀνιπταμένου νοσσοῦς ἀφρημένους (2)  
18. 6. καταλείψει ἅμα τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ . . . συναχθήσεται ἐπ' αὐτοὺς τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2, 3)  
46. 11. καλῶν ἀπ' ἀνατολῶν πετεινὸν (2)  
Je. 4. 25. πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ ἐπτοεῖτο (2)  
5. 27. ὡς παγὶς ἐφειστούμενη πλήρης πετεινῶν (2)  
7. 33. ἔσονται . . . εἰς βρώσιν [A κατὰβρωμα πᾶσιν] τοῖς π. τοῦ οὐρ. (2)  
9. 10 (9). ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἔως κτηνῶν (2)  
12. 4. ἠφανίσθησαν [A -ισας] κτήνη καὶ πετεινὰ (2)  
15. 3. τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ εἰς βρώσιν (2)  
16. 4. καὶ τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
19. 7. εἰς βρώσιν τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
41 (84). 20. βρώσεις τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
Ez. 17. 23. πᾶν πετεινὸν [A τὰ π.] ὑπὸ τὴν σκιὰν αὐτοῦ ἀναπαύσεται (1)  
29. 5. τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ δίδωκε σέ (2)  
31. 6. ἐνόσσευσαν πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
— 13. ἀνεπαύσαντο πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
32. 4. ἐπικαθίω ἐπὶ σέ πάντα τὰ π. (2)  
34. 5. A καὶ τοῖς π. τοῦ οὐρανοῦ —  
38. 20. σισθησονται . . . τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (2)  
39. 4. παντὶ πετεινῷ . . . δέδοκα σέ (1)  
— 17. εἰπὸν παντὶ ὀρνέῳ πετεινῷ (1)  
44. 31. πᾶν θησιμαῖον καὶ θηριόλωτον ἐκ τῶν π. (2)  
Da. LXX. 2. 38. ἀπὸ ἀνθρώπων . . . καὶ πετεινῶν οὐρανοῦ (2)  
8. (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ π. τοῦ οὐρ., τὸν κ. (4 b)  
4. 9. ἐν αὐτῷ τὰ π. τοῦ οὐρ. ἐνόσσεον (4 b)  
— 18. καὶ πάντα τὰ π. τοῦ οὐρανοῦ (4 b)  
Da. TH. 2. 38. πετεινὰ οὐρανοῦ . . . ἔδωκεν ἐν τῇ χειρὶ σου (2)  
8. (80). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ π. τοῦ οὐρ., τὸν κ. (2)  
7. 6. καὶ αὐτὴ πτερὰ τέσσαρα πετεινῶν (2)  
IV Ma. 14. 15. A B τῶν π. [B -την.] τὰ μὲν ἡμέρα [Aq. Ge. 1. 20, 26, 28 : III Ki. 14. 11 : Jb. 35. 11 : Is. 16. 2 : Je. 5. 27.] (2)  
[Sm. Ge. 1. 20, 28, 30 : Jb. 5. 7 : Ps. 77 (78). 27.] (2)  
[Th. Ge. 1. 20, 28, 30 : Jb. 28. 21 : 35. 11 : Da. 3. (80).] (2)  
[Al. Hv. 8. 5.] (2)  
**πέττω.** (1) ϣϣ hoph. (2) ϣϣ a. qal.  
δ. pil. c. hoph. (3) πετόμενος [ητῶν] ϣϣ  
Ge. 1. 20. πετεινὰ πετόμενα ἐπὶ τῆς γῆς (2 b)  
Jb. 5. 7. μεσοῖσι δὲ γυνὸς τὰ ὑψηλὰ πέτονται (2 a)  
9. 26. ἡ ἀετοῦ πετομένου ζητοῦντος βορὰν (2)  
20. 8. ἐπὶ τῇ δὲ ὥσπερ φάσμα [A φάντασμα, B<sup>1</sup> θαῦμα] νυκτερινῶν (1)  
Ps. 90 (91). 5. ἀπὸ βελῶν πετομένου ἡμέρας (2 a)  
Pr. 9. 12. A B ὁ δ' αὐτὸς διώκεται ὄρνεν πετόμενα —  
24. 54 (30. 19). ἰχνη αὐτοῦ πετομένου +  
Za. 5. 1. ἰδοὺ ὄρνεν πετόμενον (2 a)  
— 2. ὁρᾷ ὄρνεν πετόμενον (2 a)  
Is. 6. 2. τοὶς δὲ οὐσὶν ἐπέταυτο [B -οντο] (2 b)  
11. 14. πετασθήσονται ἐν πλοῖσι ἀλλοφύλων (2 a)  
14. 29. τὰ ἔκγονα αὐτῶν ἐξελύονται ὄφεις πετόμενοι [A B -ὲν.] (2 b)  
30. 6. ἔκγονα ἀσπίδων πετομένων [B<sup>1</sup> om.] (2 b)  
31. 5. ὡς ὄρνεν πετόμ. οὕτως ὑπεραπτεῖ κ. (2 a)  
60. 8. A τίνες οἶδε ὡς νεφέλαι πέτανται [B B -ον.] (2 a)  
Ez. 32. 10. ἐν τῷ πετάσθαι [A -σθῆναι] τὴν βομφαῖαν μου (2 b)  
Da. TH. 9. 21. ἰδοὺ ἀνήρ . . . πετόμενος (2 c)  
[Aq. Ez. 18. 20.] (2)  
[Sm. Ge. 1. 20 : Jb. 39. 18 : Ps. 17 (18). 11 : Is. 31. 5 : Ez. 18. 20.] (2)  
[Th. Ge. 1. 20 : Is. 30. 6.] (2)  
[Al. Hv. 2. 15.] (2)  
**πετηνός.**  
IV Ma. 14. 15. B τῶν π. [A B -τειν.] τὰ μὲν ἡμέρα

**πέτρα.** (1) ϣϣ (2) ϣϣ (3) a. ϣϣ δ. ϣϣ  
(4) στερεὰ π. a. ϣϣ ϣϣ δ. ϣϣ c. ϣϣ  
Ex. 17. 6. ἔσθηκα . . . ἐπὶ τῆς π. ἐν X. (3 a)  
— 6. πατάξεις τὴν π. (3 a)  
83. 21. στήση ἐπὶ τῆς π. (3 a)  
— 22. εἰς ὅπην τῆς π. (3 a)  
Nu. 20. 8. λαλήσατε πρὸς τὴν π. (2)  
— 8. ἐξοίσατε αὐτοὺς ὕδωρ ἐκ τῆς π. (2)  
— 10. ἐξεκκλησίασα . . . ἀπέναντι τῆς π. (2)  
— 10. μὴ ἐκ τῆς π. ταύτης ἐξάγωμεν (2)  
— 11. ἐπάταξε τὴν π. (2)  
24. 21. ἐὰν θῇς ἐν πέτρᾳ τὴν νοσσίαν σου (2)  
De. 8. 15. τοῦ ἐξαγαγόντος σοὶ ἐκ π. ἀκροτόμου (3 a)  
82. 13. μέλι ἐκ πέτρας καὶ ἔλαιον ἐκ στερεᾶς π. (2, 3 a)  
Jo. 5. 2. μαχαίρας πετρίνας [A om.] ἐκ π. ἀκροτόμου (3 a)  
Jd. 1. 36. ἀπὸ τῆς π. καὶ ἐπάνω (2)  
6. 20. θίς πρὸς τὴν π. ἐκείνην (2)  
— 21. ἀνίβη [A -ήθη] πῦρ ἐκ τῆς π. (3 a)  
13. 19. ἀνήγειρεν ἐπὶ τὴν π. (3 a)  
15. 8. ἐν τρυμαλιᾷ τῆς π. 'H. [A al.] (2)  
— 11. εἰς τρυμαλιὰν [A ἐπὶ τὴν ὁπὴν τῆς πέτρας 'H.] (2)  
— 13. ἀνήγειρεν αὐτὸν ἀπὸ τῆς π. ἐκ. [A al.] (2)  
20. 45. ἐφεινον . . . πρὸς τὴν π. (2)  
— 47. ἐφεινον . . . πρὸς τὴν π. (2)  
— 47. ἐκάθισαν ἐν πέτρᾳ [A τῇ π.] (2)  
21. 13. ἐν τῇ π. 'P. (2)  
I Ki. 18. 6. B ἐκρύβη ὁ λαὸς . . . ἐν ταῖς π. (2)  
14. 4. B ἀκρωτήριον πέτρας ἐνθεν καὶ ἀκρωτήριον πέτρας ἐνθεν [B al.] (2, 2)  
— 4. B καὶ ὁδοὺς πέτρας ἐκ τούτου (2)  
23. 25. κατέβη εἰς τὴν π. (2)  
— 28. ἐπεκλήθη . . . Π. ἡ μερισθείσα (2)  
II Ki. 21. 10. ἐπῆξεν αὐτὴ πρὸς τὴν π. (3 a)  
22. 2. κύριε πέτρα μου (2)  
III Ki. 19. 11. πνεῦμα . . . συντριβὸν πέτρας (2)  
IV Ki. 14. 7. καὶ συνέλαβε τὴν π. (2)  
I Ch. 11. 15. κατέβησαν . . . εἰς τὴν π. (3 a)  
II Ch. 26. 7. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς π. +  
Ne. 9. 15. ὕδωρ ἐκ πέτρας ἐξήνεγκας αὐτοῖς (2)  
Ju. 16. 15. πέτρας δι' [B<sup>1</sup> πέτρα] . . . τακίζονται  
Jb. 14. 8. ἐν δὲ πέτρᾳ [A ἐὰν δὲ πέτρας] τελευτήσῃ +  
— 18. πέτρα παλαιωθήσεται ἐκ τοῦ τύπου αὐ. (3 a)  
19. 24. A B<sup>2</sup> B B<sup>1</sup> ἡ ἐν πέτρας ἐγγλυφῆναι (3 a)  
22. 24. ὥσθη ἐπὶ χόματι ἐν πέτρᾳ καὶ ὡς πέτρα χειμάρρου Σωφίᾳ [A B al.] (2, 3 a)  
24. 8. πέτραν [B<sup>1</sup> om.] περιέβαλον (3 a)  
30. 6. ὅν οἱ οἶκοι αὐτῶν ἦσαν τρώγλαι πετρῶν [A τῶν π.] (1)  
39. 1. εἰ ἔγνωσ καὶρὸν τοκετοῦ τραυελάφων πέτρας (2)  
— 28. ἐπ' ἐξοχῇ πέτρας καὶ ἀποκρύφῃ (2)  
40. 13 (18). A αἱ πλευραὶ αὐτοῦ ὡς π. χαλκαὶ [B B al.] +  
Ps. 26 (27). 5. ἐν πέτρᾳ ὕψωσέ με (3 a)  
39 (40). 2. ἔστησεν ἐπὶ πέτραν τοὺς πόδας μου (2)  
60 (61). 2. ἐν πέτρᾳ ὕψωσάς με (3 a)  
77 (78). 15. διέρρηξε πέτραν ἐν ἐρήμῳ (3 a)  
— 16. ἐξήγαγεν ὕδωρ ἐκ πέτρας (2)  
— 20. ἐπεὶ ἐπάταξε πέτραν (3 a)  
80 (81). 16. ἐκ πέτρας μέλι ἐχόρτασεν αὐτοὺς (3 a)  
103 (104). 12. ἐκ μέσου τῶν π. [B<sup>1</sup> πτερῶν] δώσουσι φωνήν +  
— 18. πέτρα καταφύγη τοῖς χοιρογρυλλίοις [A B<sup>2</sup> λαγώσις] (2)  
104 (105). 41. διέρρηξε πέτραν (3 a)  
113 (114). 8. τοὺ στρέψαντος τὴν π. εἰς λίμνας ὑδάτων (3 a)  
136 (137). 9. ἐδαφίει τὰ νήματα σου πρὸς τὴν π. (2)  
140 (141). 6. κατεπόθησαν ἐχόμενα πέτρας (2)  
Pr. 24. 54 (30. 19). καὶ ὁδοὺς ὄφεις ἐπὶ πέτρας (3 a)  
— 61 (30. 26). οἱ ἐποίησαν ἐν πέτρας τοὺς ἐαυτῶν οἴκους (2)  
Ca. 2. 14. σὺ περιστέρα μου ἐν σκέπῃ τῆς π. (2)  
Wi. 11. 4. ἐδόθη αὐτοῖς ἐκ πέτρας ἀκροτόμου ὕδωρ  
17. 9. κτήνος ἀπηνῆς καταρριπτομένων πετρῶν  
Si. 40. 15. ρίξαι ἀκαθάρτοι ἐπ' ἀκροτόμου πέτρας  
Am. 6. 13 (12). εἰ διώκονται ἐν πέτρας ἱπποὶ (2)  
Ob. 1. 3. ἐν ταῖς ὁπαῖς τῶν π. (2)  
Na. 1. 6. αἱ π. διεθρύβησαν ἀπ' αὐτοῦ (3 a)  
Hb. 2. 1. ἐπιβήσομαι ἐπὶ πέτραν . +  
Is. 2. 10. εἰσέλθετε εἰς τὰς π. (3 a)



Is. 2. 19. εἰσενέγκαντες . . . εἰς τὰς σχισμὰς τῶν π. (8 α)  
— 21. τοὺς εἰσέλθοντες εἰς τὰς τρώγλαις τῆς στε-  
ρεοῦς π. καὶ εἰς τὰς σχισμὰς τῶν π.

(4 δ, 2)  
5. 28. ὡς στερεὰ π. ἐλογίσθησαν (4 ε)  
7. 19. καὶ ἐν ταῖς τρώγλαις τῶν π. (2)  
8. 14. οὐδὲ ὡς πέτρας πτώματι (8 α)  
10. 1. μὴ π. ἐρημὸς ὅστις τὸ ὄρος θυγατρὸς  
[A om.] Σιών (2)  
22. 16. ἔγραψας σεαυτὸν ἐν πέτρᾳ σκηνὴν (2)  
31. 9. πέτρα γὰρ περιληφθήσονται ὡς χάρακι (2)  
33. 16. οἰκίσει ἐν ὑψηλῷ σπηλαίῳ πέτρας  
ἰσχυροῦς [A δχ.] (2)  
42. 11. εὐφρανθήσονται οἱ κατοικοῦντες πέτραν (2)  
42. 21. ὕδωρ ἐκ πέτρας ἐξάξει αὐτοὺς σχισθή-  
σεται π. (8 α, 3 α)  
50. 7. ἔθικα τὸ πρόσωπόν μου ὡς στερεάν  
πέτραν (4 α)  
51. 1. ἐμβλέψαντες εἰς τὴν στερεάν π. (4 δ)  
57. 5. ἐν ταῖς φάραγγιν ἀνὰ μέσον τῶν π. (2)  
Je. 4. 29. B<sup>2</sup> ἐπὶ [A εἰς] τὰς π. ἀνέβησαν (1)  
5. 3. ἐστειρώσαν τὰ πρόσωπα αὐτῶν ὑπὲρ πέτραν (2)  
18. 4. κατακρήνησαν αὐτὸ ἐκεῖ ἐν τῇ τρυμναλί-  
τις π. (2)  
16. 16. θηρεύουσιν αὐτοὺς . . . ἐκ τῶν τρυ-  
μναλίων τῶν π. (2)  
18. 14. μὴ ἐκλείψουσιν ἀπὸ πέτρας μαστοὶ (3 α)  
23. 29. ὡς πέλουξ [A πέλεκος] κόπτον πέτραν (2)  
28 (51). 25. κατακνύει σε ἐπὶ [A δ] ἀπὸ τῶν π. (2)  
29 (49). 16. καταλευσε τρυμναλίας πετρῶν (2)  
31 (48). 28. φέκσαν ἐν πέτραις (2)  
— 28. ἐγένησαν ὥστε περιστεραὶ νοσσεύ-  
ουσαι ἐν πέτραις +  
Ez. 8. 9. ἵσται διὰ παντός κραταίτερον πέτρας (3 β)  
II Ma. 14. 45. στὰς ἐπὶ τινος π. ἀπορρωγᾶδος  
[Aq. Jo. 7. 25: Ps. 17 (18). 3: 30 (31). 4: 41  
(42). 10: 70 (71). 3: 77 (78). 15: 140 (141).  
6: Is. 31. 9: 33. 16: Je. 49. 16 (29, 17): Ez.  
24. 7: 26. 4, 14.]  
[Sm. Jo. 7. 25: Jb. 39. 28: Ps. 17 (18). 3: 30  
(31). 4: 41 (42). 10: 70 (71). 3: 140 (141).  
6: Ca. 2. 14: Is. 8. 14 bis: 31. 9: 32. 2: 38.  
16: Jb. 13. 4: 49. 16 (29, 17): Ez. 26. 14:  
Am. 6. 12.]  
[Th. I Ki. 24. 3: Jb. 22. 24 bis: 39. 1, 28: Is.  
8. 14: 31. 9: 33. 16: Ez. 26. 4, 14: Ho. 9. 13.]

#### πέτρinos.

(1) 73  
Jo. 5. 2. ποίησον σεαυτὸν μαχαίρας π. [A om.] (1)  
— 3. ἐποίησεν 'I. μαχαίρας π. (1)  
21. 40. ἔλαβεν 'I. τὰς μαχαίρας τὰς π. (1)  
24. 31. τὰς μαχαίρας τὰς π. ἐν αἷς περιέτεμε  
[Sm. Ex. 4. 25.]

#### πετροβόλος.

(1) 73 (2) 73  
I Ki. 14. 14. A B καὶ ἐν πετροβόλοις +  
Jb. 41. 19 (20). ἤγγισται μὲν πετροβόλον χόρτον  
[A ὡς χ.] (2)  
Wi. 5. 22. ἐκ πετροβόλου θυμοῦ πλήρεις μύφησονται  
χάλαζαι  
Ez. 18. 17. ὁὥς λίθους πετροβόλους (1)  
— 13. τοὺς λίθους τοὺς π. ἐν θυμῷ ἐπάξω (1)

#### πέτρος.

II Ma. 1. 16. βάλλοντες πέτρους συνεκραύνουσιν  
τὸν ἡγεμόνα  
4. 41. συναρπάσαντες οἱ μὲν πέτρους  
[Aq. Ex. 4. 25.]

#### πέυκη.

(1) 73 (2) 73  
III Ki. 5. 10 (24). ἦν X. διδούς . . . πέυκας [B om.] (1)  
Is. 60. 13. ἐν κυπαρίσσει καὶ πέυκῃ καὶ κέδρῳ (2)  
[Sm. Is. 60. 13: Ho. 4. 13.]  
[Th. Ho. 4. 13.]

#### πέυκινος.

(1) 73 (2) 73 (3) 73  
III Ki. 5. 8 (22). ξύλα κέδρινα καὶ π. (2)  
6. 15. περιέσχε . . . ἐν πλευραῖς π. (2)  
— 32. A δύο θύρας ξύλων π. (2)  
— 34. ἐν ἀμφοτ. ταῖς θύραις ξύλα π. (2)  
9. 11. καὶ ἐν ξύλοις π. [A al.] (2)  
II Ch. 2. 8 (7). ἀπὸστελνόν μοι ξύλα . . . π. (1)  
9. 10. ἔφερον . . . ξύλα π. (1)  
— 11. ἐποίησεν ὁ βασι. τὰ ξύλα τὰ π. (1)

#### πέψις.

(1) 73  
Ho. 7. 4. ὡς κλιβανὸς καίμενος εἰς πέψιν (1)

πηγή. (1) 73 (2) 73 (3) 73  
(4) 73 (5) a. 73 δ. 73  
(6) 73 (7) 73

Ge. 2. 6. πηγή δὲ ἀνέβησαν ἐκ τῆς γῆς (1)  
7. 11. ἔρράγησαν πᾶσαι αἱ π. τῆς ἀβ. (5 δ)  
8. 2. B ἐπεκαλύφθησαν [A απ.] αἱ π. τῆς ἀβ. (5 δ)  
14. 7. ἤλθον ἐπὶ τὴν π. τῆς κρίσεως (5 α)  
16. 7. B ἐπὶ τῆς π. τοῦ ὕδατος (5 α)  
— 7. B ἐπὶ τῆς π. ἐν τῇ ὁδῷ Σούρ (5 α)  
24. 13. ἔστηκα ἐπὶ τῆς π. τοῦ ὕδατος (5 α)  
— 16. καταβᾶσα δὲ ἐπὶ τὴν π. (5 α)  
— 29. ἔδραμε . . . ἐπὶ τὴν π. (5 α)  
— 30. ἐστήκον αὐτὸν . . . ἐπὶ τῆς π. (5 α)  
— 42. ἔλθον σήμερον ἐπὶ τὴν π. (5 α)  
— 43. B ἐφίστηκα [A B ἐστ.] ἐπὶ τῆς π. [A  
τὴν π.] τοῦ ὕδ. (5 α)  
— 45. κατέβη ἐπὶ τὴν π. (5 α)  
Ex. 15. 27. ἦσαν ἐκεῖ δώδεκα π. ὑδάτων (5 α)  
Le. 11. 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων (5 α)  
12. 7. ἀπὸ τῆς π. τοῦ αἵματος αὐ. (6)  
20. 18. τὴν π. αὐτῆς ἀπέκαλυψε (6)  
Nu. 33. 9. ἐν Αἰ. δώδεκα πηγαὶ ὑδάτων (5 α)  
34. 11. καταβήσεται τὰ ὄρια . . . ἐπὶ πηγᾶς (5 α)  
De. 8. 7. οὐ . . . πηγαὶ ἀδύνατον ἐκπορευόμεναι (5 α)  
— 15. τοῦ ἐξαγαγόντος σοι . . . πηγὴν ὕδατος +  
33. 13. ἀπὸ ἀδύνατον πηγῶν κἀναθεν +  
Jo. 15. 7. A B ἐπὶ τὸ ὕδωρ τῆς [B om.] π. ἡλίου (5 α)  
— 7. ἔσται αὐτοῦ ἡ διέξοδος πηγῇ 'P. (5 α)  
— 9. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος. (5 δ)  
17. 7. πορεύεται . . . ἐπὶ πηγὴν [A τὴν γῆν] Θ. (5 δ)  
18. 15. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος N. (5 δ)  
— 16. καταβήσεται ἐπὶ πηγὴν 'B. (5 α)  
— 17. διελεύσεται ἐπὶ πηγὴν 'B. (5 α)  
19. 29. καὶ ὡς πηγῇς M. [A al.] +  
— 37. καὶ πηγῇ Ἀσὸρ (5 α)  
21. 29. καὶ Πηγὴν γραμμῶν (5 α)  
Jd. 7. 1. παρενέβαλον ἐπὶ πηγὴν 'A. [A al.] (5 α)  
15. 19. πηγή τοῦ ἐπαλουμένου [A al.] (5 α)  
II Ki. 17. 17. εἰστίκισαν ἐν τῇ π. 'P. (5 α)  
III Ki. 1. 9. A ἐχόμενα τῆς π. [B om.] 'P. (5 α)  
18. 5. καὶ ἐπὶ πηγᾶς [A τὰς π.] τῶν ὑδάτων (5 δ)  
IV Ki. 3. 19. πάσας π. ὕδατος ἐμφράξεσθε (5 δ)  
— 25. πάσαν π. [A add. ὕδατος] ἐνέφραξαν (5 δ)  
II Ch. 32. 3. ἐμφράξαι τὰ ὕδατα τῶν π. (5 α)  
— 4. ἐνέφραξε τὰ ὕδατα τῶν π. (5 δ)  
Ne. 2. 13. πρὸς στόμα πηγῆς τῶν συκῶν (5 α)  
9. 15. B τὴν δὲ πόλιν τῆς π. ἡσφαλίσατο Σ. (5 α)  
Ju. 6. 11. παρεγένοντο ἐπὶ [B εἰς] τὰς π. (5 α)  
7. 3. πλησίον Βεθλουὶ ἐπὶ [B om.] τῆς π. (5 α)  
— 7. τὰς π. τῶν ὑδάτων αὐ. ἐφώδεσε (5 α)  
— 12. ἐπικρατήσαντες . . . τὴν π. τοῦ ὕδατος (5 α)  
— 17. προκατελάβοντο . . . τὰς π. (5 α)  
12. 7. ἐβαπτίστην . . . ἐπὶ τῆς π. τοῦ ὕδατος (5 α)  
Es. 1. 1. ὠσανεὶ ἀπὸ μακρᾶς π. ποταμὸς μέγας (5 α)  
10. 3. ἡ μακρὰ π. ἡ [B B om.] ἐγένετο ποταμὸς (5 α)  
Jb. 38. 16. ἤλθες δὲ ἐπὶ πηγὴν [A γῆν] θαλάσ-  
σης (7)  
Ps. 17 (18). 15. ὥφθησαν αἱ π. τῶν ὑδάτων (2)  
35 (38). 9. παρὰ σοὶ πηγὴ ζωῆς (6)  
41 (42). 1. ἐν τρόπῳ ἐπιποθεῖ ἡ ἔλαφος ἐπὶ  
τὰς π. τῶν ὑδάτων (2)  
67 (68). 26. εὐλογεῖτε . . . τὸν κ. ἐκ πηγῶν 'Isr. (6)  
73 (74). 15. σὺ διέρρηξας πηγὰς (5 δ)  
103 (104). 10. ὁ ἐξαποστέλλων πηγὰς (5 δ)  
113 (114). 8. τὴν ἀκρότομον εἰς πηγὰς ὑδά-  
των (5 δ)  
Pr. 4. 21. ὥπως μὴ ἐκλίπῃς σε αἱ π. σου +  
5. 15. καὶ ἀπὸ σῶν φρενῶν πηγῆς +  
— 16. μὴ [A B om.] ὑπερκεχλήσῃς σοι ὕδατα  
ἐκ τῆς σῆς π. +  
— 18. ἡ π. σου τοῦ ὕδατος ἔστω σοι ἰδία (6)  
6. 11. ἔξει ὥστε πηγὴ δ' ἀμύτης σου +  
8. 24. πρὸ τοῦ προελθεῖν τὰς π. τῶν ὑδάτων (5 δ)  
— 28. ὡς ἀσφαλεῖς ἐτίθει πηγὰς (5 α)  
9. 18. ἀπὸ πηγῆς ἀλλοτρίας μὴ πῆς +  
10. 11. πηγὴ ζωῆς ἐν χειρὶ δικαίου (6)  
13. 14. νόμος σοφοῦ πηγὴ ζωῆς (6)  
14. 27. πρόσταγμα κυρίου πηγὴ ζωῆς (6)  
16. 22. πηγὴ ζωῆς ἔννοια τοῖς κεκτημένοις (6)  
18. 4. ποταμὸς δὲ ἀναπηθεῖ καὶ πηγὴ ζωῆς (6)  
25. 26. ὥστε εἰ τις πηγὴν φράσσῃ (5 δ)  
Ec. 12. 6. καὶ συντριβὴ ὕδρια ἐπὶ τῇ π. [A τὴν  
π., B τὴν γῆν] (8)  
Ca. 4. 12. κῆπος κεκλεισμένος π. ἐσφραγισμένη (5 δ)

Ca. 4. 15. πηγὴ κήπων καὶ [A B κήπων] φρέαρ  
ὕδατος ζῶντος (5 δ)  
Wi. 11. 6. ἀντὶ μὲν πηγῆς ἀενάου ποταμοῦ (5 δ)  
Si. 21. 13. ἡ βουλὴ αὐτοῦ ὡς πηγὴ ζωῆς (5 δ)  
Ho. 13. 15. ἐξηρμώσεται τὰς π. αὐ. (5 δ)  
Jl. 3 (4). 18. πηγὴ ἐξ οἴκου κυρίου ἐξελεύσεται (5 δ)  
Is. 12. 3. ἀντλήσετε ὕδωρ μετ' εὐφροσύνης ἐκ  
τῶν π. τοῦ σωτηρίου (5 δ)  
85. 7. π. ὕδατος ἔσται [A om.] (3)  
41. 18. ἀνοίξω . . . ἐν μίσῳ πεδίων πηγὰς (5 δ)  
49. 10. διὰ πηγῶν ὑδάτων ἄξει αὐτοὺς (3)  
58. 11. ὡς π. ἦν μὴ ἐξέλιπεν ὕδωρ (4)  
Je. 2. 13. ἐμὲ ἐγκατέλειπον πηγὴν ὕδατος ζωῆς  
[A B<sup>2</sup> ζῶντος] (6)  
9. 1 (8. 23). τίς δώσει . . . ὀφθαλμοῖς μου πη-  
γὴν δακρύων (6)  
17. 13. ἐγκατέλειπον πηγὴν ζωῆς τὸν κύριον (6)  
28 (51). 36. ἔξηραν [B ἐξάρω] τὴν π. [A B  
γῆν] αὐτῆς (6)  
Ba. 3. 12. ἐγκατέλειπε τὴν π. τῆς σοφίας (6)  
Ez. 25. 9. οἶκον Βεθασιμουὶ ἐπάνω πηγῆς [B<sup>1</sup>  
B ἐπάνω πηγῆς] πόλεως +  
Da. LXX. 8. (77). εὐλογεῖτε, ὁμοῖοι καὶ αἱ π., τὸν κ. (6)  
Da. TH. 3. (77). εὐλογεῖτε, αἱ π., τὸν κ. (6)  
IV Ma. 3. 10. καίτερ ἀφθόνοις ἔχων πηγὰς  
— 14. ἀνευρέμενοι θαρραλέως τὴν π. (6)  
13. 21. ἀπὸ τῶν αὐτῶν γαλακτοποιοῦντες πηγῶν  
[Aq. Jo. 15. 7: 18. 17: 21. 29: I Ki. 29. 1:  
III Ki. 1. 9: Ps. 73 (74). 15: 83 (84). 7: 86  
(87). 7: Pr. 5. 16.]  
[Sm. Jo. 15. 7: 21. 29: I Ki. 29. 1: III Ki. 1.  
9: Jb. 38. 16: Ps. 73 (74). 15: 83 (84). 7:  
86 (87). 7: Pr. 18. 4: Zl. 18. 1 bis.]  
[Th. Jo. 21. 29: I Ki. 29. 1: Ps. 73 (74). 15:  
Pr. 18. 4: Da. 3. (77): Zl. 18. 1.]  
[Al. I Ch. 4. 41.]  
[Quint. Ps. 73 (74). 15: Pr. 18. 4.]

#### πηγά.

(1) 73  
Jo. 3. 16. ἔσται π. ἐν (1)  
IV Ma. 9. 21. ἔχων τὸ τῶν ὀστέων π. (2) 73  
πηγνύναι. (1) 73 hoph. (2) 73  
(3) 73 ithpe. (4) 73 a. qal. δ. hi.  
(5) 73 (6) 73 ni. (7) 73 (8) 73  
a. qal. δ. hi. (9) 73 hi. (10) 73  
(11) 73 pul.

Ge. 26. 25. ἐπηξεν ἐκεῖ τὴν σκηνὴν αὐ. (4 α)  
31. 25. ἐπηξεν τὴν σκηνὴν αὐ. ἐν τῷ ὄρει (10)  
35. 16 (21). ἐπηξεν τὴν σκηνὴν αὐτοῦ (4 α)  
Ex. 15. 8. ἐπάγη ὥστεί τείχος τὰ ὕδατα ἐπάγη  
τὰ κύματα (6, 8 α)  
33. 7. ἐπηξεν ἐξ τῆς παρεμβολῆς (4 α)  
38. 26 (8). ἐν ἡμέρᾳ ἐπηξεν αὐτὴν +  
Nu. 24. 6. σκηνὰς δε ἐπηξεν κύριος (5)  
Jo. 18. 1. ἐπηξεν ἐκεῖ τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτ. (9 α)  
Jd. 4. 11. ἐπηξεν τὴν σκηνὴν αὐτοῦ (4 α)  
— 21. ἐπηξεν [A ἔθηκεν] τὸν πᾶσαλον (10)  
16. 14. ἐπηξεν τῷ πασσάλῳ [A al.] (10)  
II Ki. 6. 17. ἦς ἐπηξεν αὐτὴ Δαυὶδ (4 α)  
16. 22. ἐπηξεν τὴν σκηνὴν τῷ 'Ab. (4 δ)  
21. 10. ἐπηξεν αὐτὴ πρὸς τὴν πέτραν (4 δ)  
I Ch. 16. 1. ἦς ἐπηξεν αὐτὴ Δ. (4 α)  
II Ch. 1. 4. B ἐπηξεν αὐτὴ σκηνὴν [A B al.] (4 α)  
II Es. 6. 11. A παγίσσεται [B πληγ.] ἐπ' αὐτοῦ (3)  
To. 14. 10. ἦς [B ἦν] ἐπηξεν αὐτῷ  
Jb. 6. 16. ὥστερ χιὼν ἡ κρυστάλλος πεπηγώς +  
10. 10. A ἐπηξας [B ἐτύρωσας] δέ με ἴσα  
τυρῷ (8 δ)  
15. 7. ἡ πρὸ θινῶν ἐπάγη (11)  
38. 6. ἐπὶ τινος οἱ κρικοί [A στυλοὶ] αὐτῆς  
πεπηγασί (1)  
41. 15 (16). ἡ καρδία αὐτοῦ πέπηγεν ὡς λίθος (3)  
Ps. 31 (32). 4. A ἐν τῷ παγηνάι μοι [B S  
ἐμπαγ.] ἀκούσαν +  
Wi. 7. 2. παγίει ἐν αἵματι ἐκ σπέρματος ἀνδρός (1)  
11. 2. ἐν ἀβάτοις ἐπηξεν σκηνὰς (6)  
Si. 14. 24. πῆξει [A πῆσσει] πᾶσαλον ἐν τοῖς τοί-  
χοις αὐτῆς (6)  
19. 12. A B βέλος πεπηγὸς [B S -ὄς] ἐν μηνρῷ σαρκόος  
27. 2. ἀνὰ μέσον ἁρμῶν λίθων [B<sup>1</sup> λιθίνων] παγί-  
σεται πᾶσαλος (6)  
38. 28. ἀτμὶς πυρὸς πῆξει [A S τήξει] σάρκα αὐτοῦ  
43. 19. παγίστα γίνεται σκολότων ἄκρα



Si. 43. 20. παγήσεται κρύσταλλος ἀφ' [A B εἶπ'] ὕδατος  
 Is. 38. 12. ἀπῆλθεν ἀπ' ἐμοῦ ὥστερ ὁ σκηνὴν  
 καταλύνων πῆξας  
 42. 5. ὁ . . . πῆξας αὐτὸν [A<sup>1</sup> al.] (4 a)  
 54. 2. πῆξον μὴ φείσῃ (4 b)  
 Je. 6. 3. πῆξουσιν ἐπ' αὐτὴν σκηνὰς κύκλω (10)  
 La. 4. 8. ἐπάγη δέρμα αὐτῶν ἐπὶ τὰ δόστια αὐτῶν (7)  
 Da. TH. 11. 45. πῆξίς τὴν σκηνὴν αὐ. (5)  
 IV Ma. 16. 20. B<sup>1</sup> τὴν πατρίαν χεῖρα . . . οὐκ ἔπηξεν  
 [A B<sup>2</sup> B al.]  
 [Aq. Jb. 10. 10.]  
 [Sm. Ps. 147. 5 (16) : Ec. 12. 11.]  
 [Th. Da. 11. 45.]  
 [Heb. Jb. 38. 30.]  
 πηδαλιουχεῖν.  
 IV Ma. 7. 1. πηδαλιουχῶν τὴν τῆς εὐσεβείας ναῦν  
 πηδᾶν. (1) יָרַי pi. (2) יָרַי pi.  
 Le. 11. 21. πηδᾶν ἐν αὐτοῖς ἐπὶ τῆς γῆς (2)  
 Ca. 2. 8. οὗτος ἔκει πηδᾶν ἐπὶ τὰ ὄρη (1)  
 πηκτός.  
 [Th. Jk. 10. 5.]  
 πηλίκος. (1) יָרַי  
 Za. 2. 2 (6). τοῦ ἰδεῖν πηλίκον τὸ πλάτος αὐ.  
 ὅστι καὶ πηλίκον τὸ μήκος (1, 1)  
 IV Ma. 15. 22. πηλίκαις . . . ἐβασανίζετο βασάνοις  
 πηλίνοσ. (1) יָרַי (2) יָרַי  
 Jb. 4. 19. τοῦτε δὲ [A εἰα δὲ τοῖς] κατοικοῦντας  
 οἰκίας πηλίνας (1)  
 13. 12. τὸ δὲ σῶμα πηλίων (1)  
 Da. LXX. 2. 41, 43. τὸν σίδηρον ἀναμεμιγμένον  
 ἄμα τῷ π. ὀστράκῳ (2)  
 Bel 6. οὗτος γὰρ ὥσθεν μὲν π. ἐστίν  
 [Sm. Jb. 4. 19.]  
 πηλίον.  
 [Sam. Ex. 28. 4 : Le. 8. 13.]  
 πηλός. (1) יָרַי (2) יָרַי (3) יָרַי  
 Ge. 11. 3. σφαλτός ἦν αὐτοῖς ὁ π. (1)  
 Ex. 1. 14. ἐν τοῖς ἔργοις τοῖς σκλ. τῷ π. (1)  
 II Ki. 22. 43. ὡς πηλὸν ἐξόδων ἐλεπύντα αὐτούς (2)  
 Ju. 5. 11. B ἐν πηλῷ [A B ὀνῳ] καὶ πλίνθῳ  
 Jb. 4. 19. ἐξ ὧν [A οὐ] καὶ αὐτοὶ ἐκ τοῦ αὐτοῦ  
 π. ἴσμεν (3)  
 10. 9. μνησθῆτι ὅτι πηλὸν με ἔπλασας (1)  
 27. 16. ἴσα δὲ πηλῷ ἐτοιμάσῃ χρυσίον (1)  
 30. 19. ἡγήσαι [A -ῖται] δὲ με ἴσα πηλῷ (1)  
 33. 6. A<sup>1</sup> ἐκ πηλοῦ διήρτισαι σὺ ὡς καὶ ἐγὼ  
 ἐκ τοῦ αὐτοῦ δηρτίσμεθα πηλοῦ  
 [B<sup>1</sup> om.] (1, -)  
 38. 14. ἡ σὺ λαβὼν γῆν πηλὸν ἔπλασας ζῶον (1)  
 41. 21 (22). πᾶς δὲ χρυσὸς θαλάσσης ἐκ' αὐ-  
 τὸν ὥσπερ πηλὸς ἀμύθητος (2)  
 Ps. 17 (18). 42. ὡς πηλὸν πλατειῶν λεανῶ αὐ-  
 τῶν (2)  
 39 (40). 2. B<sup>2</sup> B ἀνιγνέει με . . . ἀπὸ πηλοῦ  
 ἰλίου [A B<sup>1</sup> B ὕλεως] (2)  
 68 (69). 14. ὥσδον με ἀπὸ πηλοῦ (2)  
 Wi. 7. 9. ὡς πηλὸς λογισθήσεται ἀργυρὸς ἐναντίον  
 αὐτῆς  
 15. 7. ἐκ τοῦ αὐτοῦ π. ἀνεπλάσαστο τά τε . . . δοῦλα  
 σκείη  
 — 8. θεὸν μάλιστα ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει π.  
 — 10. πηλὸν τε ἀτιμώτερος ὁ βίος αὐτοῦ  
 Si. 38 (38). 13. ὡς πηλὸς [B<sup>1</sup> -ων] κεραμῶσι ἐν χειρὶ  
 αὐτοῦ  
 38. 29. B<sup>2</sup> συντρέφον ἐν ποσὶν αὐτοῦ πηλὸν [A B B<sup>1</sup>  
 τροχόν]  
 — 30. ἐν βραχίονι αὐτοῦ τυπώσει πηλόν  
 Mi. 7. 10. ὡς πηλὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς (2)  
 Na. 3. 14. ἐμβῆθι εἰς πηλόν [B<sup>1</sup> πόλεμον] (2)  
 Za. 9. 3. χρυσίον ὡς πηλὸν ὀδῶν (2)  
 10. 5. ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλόν (2)  
 Is. 14. 23. θύσας αὐτὴν πηλοῦ βάραθρον [A Bάθ.]  
 εἰς ἀβύσσον +  
 29. 16. οὐχ ὡς ὁ π. τοῦ κεραμῆος λογισθήσασθε (1)  
 41. 25. ὡς π. κεραμῆος καὶ ὡς κεραμεὺς κατα-  
 πατῶν τὸν π. (1, 2)  
 45. 9. ποῖον βέλτιον κατασκεύασα ὡς πηλὸν  
 κεραμῆος . . . μὴ εἶπὶ ὁ π. τῷ κεραμῇ  
 τί ποιῇς (†, 1)  
 64. 8 (7). πατήρ ἡμῶν σὺ ἡμεῖς δὲ πηλός (1)

Je. 18. 6. ὡς ὁ π. τοῦ κεραμῆος ἡμεῖς ἐστέ (1)  
 Da. TH. Bel 7. οὗτος γὰρ ἑσώθεν μὲν ἐστὶ πηλός  
 [Aq. Is. 57. 20 : Je. 18. 4 : 38 (45). 6 bis.]  
 [Sm. Is. 25. 10 : 57. 20 : Je. 38 (45). 6 bis.]  
 [Th. Is. 57. 20 : Je. 18. 4.]  
 [Heb. Ez. 22. 28.]  
 πηλουργός.  
 Wi. 15. 7. τίς ἐκάστου ἐστὶν ἡ χρήσις κριτῆς ὁ π.  
 πῆξις.  
 Si. 41. 19. ἀπὸ πῆξεως ἀγκῶνος ἐπ' ἄρτοις  
 πῆρα.  
 Ju. 10. 5. πῆραν ἐπλήρωσαν ἀλφίτων  
 13. 10. ἐνέβαλεν αὐτὴν εἰς τὴν π. τὸν βρωμ.  
 — 15. προελούσα τὴν κεφ. ἐκ τῆς π.  
 [Sm. I Ki. 17. 40.]  
 πηρούν. (1) יָרַי  
 Jb. 17. 7. A B<sup>2</sup> ἐπὶ πῆραν [B πεπώρ.] γὰρ ἀπὸ  
 ὀργῆς οἱ ὀφθαλμοὶ μου (1)  
 IV Ma. 18. 21. B<sup>1</sup> B τὰς τῶν ὁμμάτων κόρας ἐπὶ-  
 ρωσας [A B<sup>2</sup> ἐπλήρ.]  
 πῆρωσις.  
 [Aq. Dt. 28. 28.]  
 πῆρσειν.  
 Si. 14. 24. A πῆρσει [B S πῆξει] πύσσαλον ἐν τοῖς  
 τοίχοις αὐτῆς  
 πηρίειν.  
 [Sm. Ez. 48. 13 (Sw.).]  
 [Al. Ez. 48. 13.]  
 πῆρισμα.  
 [Sm. Ez. 48. 13 (P.).]  
 πῆρισμός.  
 [Sm. Ez. 48. 13 (Sw.).]  
 [Al. Ez. 48. 13.]  
 πῆχυς. (1) יָרַי (2) יָרַי (3) יָרַי (4) יָרַי  
 Ge. 6. 15. τριακοσίαν π. τὸ μήκος τῆς κιβ. καὶ  
 πενήτη. πῆχυν τὸ πλάτος καὶ τριά-  
 κοντα πῆχυν τὸ ὕψος αὐτῆς (1 ter)  
 — 16. εἰς πῆχυν συντελέσεις αὐτὴν (1)  
 7. 20. πέντε καὶ δέκα πῆχεις ἐπάνω  
 Ex. 25. 9 (10). δύο πῆχυν καὶ ἡμίους τὸ μήκος  
 καὶ πῆχεις [A -ως] καὶ ἡμίους τὸ πλάτος (1, 1)  
 — 9 (10). A B<sup>2</sup> B καὶ πῆχεις [A -ως] καὶ  
 ἡμίους τὸ ὕψος (1)  
 — 16 (17). δύο πῆχυν καὶ ἡμίους τὸ μήκος  
 καὶ πῆχεις καὶ ἡμίους τὸ πλάτος (1, 1)  
 — 22 (23). δύο πῆχυν τὸ μήκος καὶ πῆχεις  
 τὸ εὖρος καὶ πῆχυν καὶ ἡμίους τὸ  
 ὕψος (1 ter)  
 26. 2. μήκος . . . ὀκτὼ καὶ εἴκοσι πῆχυν  
 — 2. A<sup>1</sup> B καὶ εὖρος τεσσάρων πῆχυν (1)  
 — 8. τὸ μήκος . . . τριάκοντα πῆχυν καὶ τεσ-  
 σάρων πῆχυν τὸ εὖρος (1, 1)  
 — 13. πῆχυν ἐκ τούτου καὶ πῆχυν ἐκ τούτου (1, 1)  
 — 16. δέκα πῆχυν ποιήσεις τὸν στ. τὸν ἕνα  
 καὶ πῆχεις ἐνός καὶ ἡμίω. τὸ πλάτος (1, 1)  
 27. 1. πέντε πῆχυν τὸ μήκος καὶ πέντε πῆχυν  
 τὸ εὖρος (1, 1)  
 — 1. καὶ τριῶν πῆχυν τὸ ὕψος αὐ. (1)  
 — 9. A B μήκος ἐκατὸν πῆχυν [B -χῶν] (1)  
 — 11. A B ἐκατὸν πῆχυν [B -χῶν] μήκος  
 — 12. A B ἰστία πενήκοντα πῆχυν [B -χῶν] (1)  
 — 13. ἰστία πενήκοντα πῆχυν (1)  
 — 14. πέντε καὶ δέκα πῆχυν τὸ ὕψος (1)  
 — 15. δέκα πέντε πῆχυν τῶν ἰστίων τὸ ὕψος  
 — 16. A B εἴκοσι πῆχυν [B -χῶν] τὸ ὕψος (1)  
 — 18. A B ὕψος πέντε πῆχυν [B -χῶν] (1)  
 30. 2. A B πῆχυν [B -ος] τὸ μήκος καὶ πῆχεις  
 τὸ εὖρος (1, 1)  
 — 2. καὶ δύο πῆχυν τὸ ὕψος (1)  
 37. 2 (36. 9). ὀκτὼ καὶ εἴκοσι πῆχυν [A -χῶν] (1)  
 — 2 (36. 9). A B καὶ τεσσάρων πῆχυν [B  
 -χῶν] τὸ εὖρος (1)  
 — 10 (38. 12). B αὐλαῖαι πενήκοντα πῆχυν  
 [A<sup>1</sup> om.] (1)  
 — 11 (38. 13). τὸ κλίτος . . . πενήκοντα  
 πῆχυν (1)

Ex. 37. 12 (38. 14). B πέντε καὶ δέκα πῆχυν  
 [A<sup>2</sup> -χῶν] (1)  
 — 13 (38. 15). A B αὐλαῖαι πέντε καὶ δέκα  
 [B αὐ. ἐκατὸν πενήκοντα] πῆχυν (1)  
 — 16 (38. 18). εἴκοσι πῆχυν τὸ μήκος (1)  
 — 16 (38. 18). τὸ εὖρος πέντε πῆχυν (1)  
 38 (37). 1. A δύο πῆχυν καὶ ἡμίους τὸ μήκος  
 αὐ. καὶ πῆχεις καὶ ἡμίους τὸ πλάτος  
 αὐ. καὶ πῆχεις καὶ ἡμίους τὸ ὕψος  
 αὐ. (1 ter)  
 Nu. 35. 4. δισχιλίους π. κύκλω (1)  
 — 5 quater. δισχιλίους π. (1)  
 De. 3. 11. ἐννέα πῆχυν [B<sup>1</sup> -χῶν] τὸ μήκος αὐ.  
 καὶ τεσσάρων π. [B<sup>1</sup> -χῶν] τὸ εὖρος  
 αὐτῆς ἐν πῆχει ἀνδρός (1 ter)  
 Jo. 8. 4. ὅσον δισχιλίους π. στήσεσθε (1)  
 I Ki. 17. 4. ὕψος αὐτοῦ τεσσάρων [A ἐξ] πῆχυν (1)  
 III Ki. 6. 2. τεσσαράκοντα [A ἐξήκοντα] ἐν  
 πῆχει [A πῆχυν, B<sup>1</sup> om., B<sup>2</sup> πῆχεις]  
 μήκος αὐ. καὶ εἴκοσι ἐν πῆχει πλάτος  
 αὐ. καὶ πέντε καὶ εἴκοσι [A αὐ. καὶ  
 τριάκοντα] ἐν πῆχει τὸ ὕψος αὐ. (1, -, 1)  
 — 3. εἴκοσι ἐν πῆχει μήκος αὐτοῦ (1)  
 — 3. A δέκα πῆχεις πλάτος αὐτοῦ [B al.] (1)  
 — 6. ἡ πλευρὰ ἡ ὑποκάτω πέντε [A ἐξ] πῆ-  
 χυν ἐν πῆχει τὸ πλάτος αὐτῆς καὶ  
 τὸ μέσον ἐξ [A add. πῆχυν πλάτος]  
 καὶ ἡ τρίτη ἐπὶ ἐν πῆχει τὸ πλάτος  
 αὐτῆς (1, -, 1, 1)  
 — 10. πέντε ἐν πῆχει τὸ ὕψος αὐτοῦ (1)  
 — 16. ἀποδόμησε τοὺς εἴκοσι π. (1)  
 — 17. A τεσσαράκοντα πῆχυν ἦν ὁ οἶκος  
 [B om. ὁ οἶκ.] (1)  
 — 20. εἴκοσι πῆχεις μήκος καὶ εἴκοσι [A om.  
 κ. εἰ.] πῆχεις πλάτος καὶ εἴκοσι  
 πῆχεις τὸ ὕψος αὐτοῦ (1 ter)  
 — 23. δύο χερ. δέκα πῆχυν μέγεθος (1)  
 — 24, 24 (A B). καὶ πέντε πῆχυν πτερύγων (1)  
 — 24. ἐν πῆχει δέκα ἀπὸ μέρους πτερνυγίου αὐ. (1)  
 — 25. A καὶ δέκα ἐν πῆχει (1)  
 — 26. A B τὸ ὕψος . . . δέκα [B om.] ἐν πῆχει (1)  
 7. 15. ὀκτὼ καὶ δέκα πῆχεις ὕψος (1)  
 — 15. περιμέτρων τέσσαρες καὶ δέκα πῆχεις (1)  
 — 16, 16 (A B). πέντε πῆχεις τὸ ὕψος (1)  
 — 19. ἔργον κρίνου . . . τεσσάρων πῆχυν (1)  
 — 20. B<sup>1</sup> τὸ μέλαθρον τῷ π. [A om. τ. π.,  
 B<sup>2</sup> πάχει] -  
 — 23. δέκα ἐν πῆχει ἀπὸ τοῦ χεῖλους [B<sup>1</sup>  
 τεύχους] (1)  
 — 23. πέντε ἐν πῆχει τὸ ὕψος αὐτῆς (1)  
 — 23. τρεῖς καὶ τριάκοντα ἐν πῆχει (1)  
 — 24. δέκα ἐν πῆχει μήκος τῆς μηχανῶδ (1)  
 — 27. πέντε πῆχεις μήκος τῆς μηχανῶδ (1)  
 — 27. τέσσαρες πῆχεις πλάτος αὐτῆς (1)  
 — 27. ἐξ ἐν πῆχει ὕψος αὐτῆς (1)  
 — 31. A στόμα αὐ. . . ἄνωθεν ἐν πῆχει (1)  
 — 31. A ποιήμα οὕτως πῆχεις καὶ ἡμίους  
 τοῦ πῆχους (1, 1)  
 — 32. A καὶ τὸ ὕψος . . . πῆχεις καὶ ἡμίους  
 τοῦ πῆχους [B om. τ. π.] (1, 1)  
 — 35. ἥμισυ τοῦ πῆχους μέγεθος (1)  
 — 38. A τεσσάρων πῆχυν (1)  
 — 2. ἐκατὸν πῆχεις μήκος αὐτοῦ καὶ πενή-  
 κοντα πῆχεις πλάτος αὐ. (1, 1)  
 — 2. A B τριάκοντα πῆχυν ὕψος αὐτοῦ (1)  
 — 6. A ἐποίησεν πενήκοντα πῆχυν μήκος [B al.] (1)  
 IV Ki. 14. 13. καθεῖλεν [A δικοῦφεν] . . . τετρα-  
 κοσίους π. (1)  
 25. 17. ὀκτὼ καὶ δέκα πῆχυν [A -χῶν] ὕψος (1)  
 — 17. τὸ ὕψος τοῦ χ. τριῶν πῆχυν [A -χῶν] (1)  
 II Ch. 8. 3. μήκος πῆχυν ἡ διαμέτρησις ἡ πρώτη  
 πῆχυν [A<sup>1</sup> om. ἡ δ. ἡ πρ. π.] ἐξήκ.  
 καὶ εὖρος πῆχυν εἴκοσι (1 ter)  
 — 4. μήκος . . . πῆχυν εἴκοσι (1)  
 — 4. B καὶ ὕψος πῆχυν ἐκατὸν [A<sup>3</sup> om.]  
 εἴκοσι -  
 — 8. πλάτος πῆχυν εἴκοσι καὶ τὸ μήκος [A  
 εὖρος] πῆχυν εἴκοσι (1, 1)  
 — 11. τὸ μήκος πῆχυν εἴκοσι (1)  
 — 11. ἡ πτέρυξ ἡ μία πῆχυν πέντε (1)  
 — 11. ἡ πτέρυξ ἡ ἑτέρα πῆχυν πέντε (1)  
 — 12. A ἡ πτέρυξ τοῦ χερ. τοῦ ἐνός πῆχυν  
 πέντε (1)  
 — 12. A ἡ πτέρυξ ἡ ἑτέρα πῆχυν πέντε (1)  
 — 13. αἱ πτέρυγες . . . πῆχυν εἴκοσι (1)  
 — 15. πῆχυν τριάκοντα πέντε τὸ ὕψος (1)

- II Ch. 8. 15. καὶ τὰς κεφαλὰς αὐ. πήχων πέντε (1)  
 4. 1. εἰκοσι πήχων μῆκος καὶ τὸ εὖρος εἰκοσι  
 πήχων καὶ δέκα πήχων τὸ ὕψος  
 [A al.] (1 ter)  
 — 2. πήχων δέκα τὴν διαμέτρῳ (1)  
 — 2. καὶ πέντε πήχων τὸ ὕψος (1)  
 — 3. καὶ τὸ κύκλωμα πήχων τριάκοντα (1)  
 — 3. δέκα πήχεις περιέχουσι τὸν λουτήρα (1)  
 6. 13. AB πέντε πήχων [B -χων] τὸ μῆκος αὐτῆς (1)  
 — 13. πέντε πήχων τὸ εὖρος αὐτῆς (1)  
 — 13. τριῶν πήχων τὸ ὕψος αὐτῆς (1)  
 25. 23. ὥς πύλης γωνίας τετρακοσίου [A  
 τριακοσ.] πήχεις (1)  
 I Es. 6. 25. AB τὸ ὕψος πήχων [B -χων] ἐξήκ.  
 πλάτος πήχων [B -χων] ἐξήκ. (1)  
 II Es. 6. 3. ὕψος πήχεις ἐξήκοντα (1)  
 — 3. AB πλάτος αὐ. πήχων ἐξήκοντα (1)  
 Ne. 8. 13. καὶ χιλίους [B' -οι] π. ἐν τῷ τείχει (1)  
 Ju. 1. 2. εἰς πλάτος πήχων τριῶν (1)  
 — 2. εἰς μῆκος πήχων [B -χων] ἐξ (1)  
 — 2. τὸ ὕψος [A μῆκος] τοῦ τείχους πήχων [B  
 -χων] ἑβδομήκ. (1)  
 — 2. B S' τὸ πλάτος αὐ. πήχων πενήτη. [A ἐβδο-  
 μήκ.] (1)  
 — 3. τοὺς πύργους . . . πήχων [B -χων] ἑκατόν (1)  
 — 3. ἐθμελίωσαν εἰς πήχεις ἐξήκοντα (1)  
 — 4. εἰς ὕψος πήχων ἑβδομήκ. [B ἐξήκ.] (1)  
 — 4. τὸ πλάτος αὐ. πήχεις [B -χων] τεσσαράκοντα (1)  
 Es. 5. 14. ζύλον πήχων πενήτηκοντα (1)  
 7. 9. ζύλον [A om.] πήχων πενήτηκοντα (1)  
 Pr. 31. 19. τοὺς π. [A S' τὰς χείρας] αὐτῆς  
 ἐκτείνει ἐπὶ τὰ συμφέροντα (2)  
 — 19. A τοὺς δὲ π. [B S τὰς δὲ χείρας]  
 αὐτῆς ἐρείδει εἰς ἀρκατον (3)  
 Za. 5. 2. δρέπανον πετόμενον μῆκος πήχων  
 εἰκοσι καὶ πλάτους πήχων δέκα (1, 1)  
 Je. 52. 21. τριάκοντα πέντε πήχων [A -ων]  
 ὕψος τοῦ στυλοῦ τοῦ ἐνὸς καὶ σπαρ-  
 τίου δώδεκα πήχων περικύκλου αὐ-  
 τῶν (1, 1)  
 — 22. πέντε πήχων τὸ μῆκος . . . τῷ στυλῷ  
 τῷ δευτέρῳ ὁκτώ ῥοαὶ τῷ π. τοῖς  
 δώδεκα π. (1, -)  
 Ez. 40. 5. κάλαμος τὸ μέτρον πήχων [A -ων]  
 ἐξ ἐν πήχει (1, 1)  
 — 7. τὸ αἰλᾶν . . . πήχων ἐξ (1)  
 — 8. τὸ αἰλᾶν πήχων πέντε (1)  
 — 9. τὸ αἰλᾶν τοῦ πυλῶνος . . . πήχων ὁκτώ  
 καὶ τὰ αἰλῶν πήχων δύο [A δέκα] (1, 1)  
 — 11. διεμέτρησε τὸ πλάτος τῆς θύρας τοῦ πυ-  
 λῶνος πήχων [A -ων] δέκα καὶ τὸ  
 εὖρος τοῦ πυλῶνος πήχων [A -ων]  
 δέκα τριῶν (1, 1)  
 — 12. π. ἐπισυναγόμενος ἐπὶ πρόσωπον τῶν  
 θεῶν [A κατὰ πρ. τῷ θεῷ πήχους  
 ἐνὸς καὶ πήχους ἐνὸς] . . . τὸ θεῷ  
 πήχων [A -ων] ἐξ ἔνθεν καὶ πήχων  
 [A -ων] ἐξ ἔνθεν (-, 1 quater)  
 — 13. πλάτος πήχεις [A om.] εἰκοσι πέντε (1)  
 — 14. ἐξ ὧθεν πήχεις εἰκοσι θεῶν (1)  
 — 15. αἰλᾶν . . . πήχων πενήτηκοντα [A -ων  
 ὁκτώ] (1)  
 — 19. πήχεις ἑκατόν (1)  
 — 21. πήχων [A -ων] πενήτηκοντα τὸ μῆκος  
 αὐτῆς καὶ πήχων [A -ων] εἰκοσι  
 πέντε τὸ εὖρος αὐτῆς (1, 1)  
 — 23. διεμέτρησε τὴν αὐλὴν . . . πήχεις ἑκατόν (1)  
 — 25. πήχων [A -ων] πενήτηκοντα τὸ μῆκος  
 αὐτῆς καὶ πήχων [A -ων] εἰκοσι  
 πέντε τὸ εὖρος αὐτῆς (1, 1)  
 — 27. πήχεις ἑκατόν τὸ εὖρος πρὸς νότον [A  
 add. πήχεις εἰκοσι πέντε] (1, -)  
 — 30 (29). πήχεις πενήτηκοντα τὸ μῆκος αὐτῆς  
 καὶ τὸ εὖρος πήχεις εἰκοσι πέντε (1, 1)  
 — 30. A αἰλαμῶδ κύκλῳ μῆκος πέντε καὶ  
 εἰκοσι πήχων καὶ πλάτος πέντε  
 πήχων (1, 1)  
 — 33. πήχεις πενήτηκοντα μῆκος αὐτῆς καὶ εὖ-  
 ρος αὐτῆς πήχεις εἰκοσι πέντε (1, 1)  
 — 36. πήχεις πενήτηκοντα μῆκος αὐτῆς καὶ  
 εὖρος πήχεις εἰκοσι πέντε (1, 1)  
 — 42. πήχους καὶ ἡμίους τὸ πλάτος καὶ πῆ-  
 χων δύο ἡμίους τὸ μῆκος καὶ ἐπὶ  
 πῆχων τὸ ὕψος (1 ter)  
 — 47. μῆκος πήχων ἑκατόν καὶ εὖρος πήχους  
 [A -ων] ἑκατόν (1, 1)

- Ez. 40. 48. πήχων [A -ων] πέντε τὸ πλάτος ἐν-  
 θεν καὶ πήχων [A -ων] πέντε ἔνθεν  
 καὶ τὸ εὖρος τοῦ θυρώματος πήχων  
 [A -ων] δέκα τεσσάρων . . . πήχων  
 [A -ων] τριῶν ἔνθεν καὶ πήχων [A  
 -ων] τριῶν ἔνθεν (1, 1, - 1, 1)  
 — 49. τὸ μῆκος τοῦ αἰλᾶν πήχων [A -χεις]  
 εἰκοσι καὶ τὸ εὖρος πήχων [A -χεις]  
 δώδεκα (1, 1)  
 41. 1. πήχων [A -χεις] ἐξ τὸ πλάτος ἔνθεν καὶ  
 πήχων [A -χεις] ἐξ τὸ εὖρος (1, 1)  
 — 2. τὸ εὖρος τοῦ πυλῶνος πήχων [A -ων]  
 δέκα καὶ ἐπωμίδες τοῦ πυλῶνος πῆ-  
 χων [A -ων] πέντε ἔνθεν καὶ πήχων  
 [A -χεις] πέντε ἔνθεν καὶ διεμέ-  
 τρησε τὸ μῆκος αὐ. πήχων [A -χεις]  
 τεσσαράκοντα καὶ τὸ εὖρος πήχων  
 [A -χεις] εἰκοσι (1 quinquies)  
 — 3. τὸ αἰλ. τοῦ θυρώματος πήχων [A -χεις]  
 δύο καὶ τὸ θυρώμα πήχων [A -χεις]  
 ἐξ . . . πήχων [A -χεις] ἐπὶ ἔνθεν  
 καὶ πήχων [A -χεις] ἐπὶ ἔνθεν (1 ter, -)  
 — 4. τὸ μῆκος τῶν θυρῶν πήχων [A τὸ εὖρος  
 τ. θυρωμάτων] τεσσαρά-  
 κοντα καὶ εὖρος πήχων [A -χεις]  
 εἰκοσι (1, 1)  
 — 5. πήχων [A -χεις] ἐξ καὶ τὸ εὖρος τῆς  
 πλευρᾶς πήχων τεσσάρων [A -χεις  
 τέσσαρες] κυκλόθεν (1, 1)  
 — 8. B διάστημα τῶν πλευρῶν πήχων [A B  
 -ων] ἐξ (1)  
 — 9. εὖρος τοῦ τοίχου τῆς πλευρᾶς ἐξ ὧθεν  
 πήχων [A -ων] πέντε (1)  
 — 10. εὖρος πήχων [A -ων] εἰκοσι (1)  
 — 11. πήχων πέντε πλάτος κυκλόθεν (1)  
 — 12. A B ὡς πρὸς δάλασαν πήχων [A -ων]  
 ἑβδομήκοντα πλάτος . . . πήχων  
 [A B -ων] πέντε . . . μῆκος αὐ.  
 πήχων [A B -ων] ἐννήκοντα (1 ter)  
 — 13. μῆκος πήχων [A -ων] ἑκατόν (1)  
 — 13. μῆκος πήχων ἑκατόν (1)  
 — 14. τὰ ἀπόλοιτα κατέναντι πήχων ἑκατόν  
 (1)  
 — 15. A B πήχων [B -ων] ἑκατόν τὸ μῆκος  
 (1)  
 — 22. πήχων [A -ων] τριῶν τὸ ὕψος αὐ. καὶ  
 τὸ μῆκος πήχων [A -ων] δύο καὶ  
 τὸ εὖρος πήχων [A -ων] δύο (1, 1, -)  
 42. 2. ἐπὶ πήχεις ἑκατόν μῆκος (1)  
 — 2. A τὸ πλάτος πενήτηκοντα πήχων [B om.] (1)  
 — 4. πήχων δέκα τὸ πλάτος ἐπὶ πήχεις ἑκατόν  
 τὸ μῆκος (1, 1)  
 — 7. μῆκος πήχων πενήτηκοντα (1)  
 — 8. τὸ μῆκος . . . ἢν πήχων [A -ων] πενή-  
 κοντα . . . τὸ πᾶν πήχων [A -ων]  
 ἑκατόν (1, 1)  
 — 17. πήχεις πεντακοσίου ἐν τῷ καλᾷ (4)  
 — 20. πεντακοσίου πήχων [A -ων] εὖρος -  
 43. 13. AB ἐν πῆχὶ τοῦ π. [B -ος] . . . π. [B om.]  
 ἐπὶ πᾶν καὶ π. τὸ εὖρος (1, 1, - 1, 1)  
 — 14. ὑποκάτωθεν πήχων δύο καὶ τὸ εὖρος  
 πήχους . . . πήχεις τέσσαρες καὶ  
 εὖρος π. [A πήχους] (1 quater)  
 — 15. τὸ ἀριλὴν πήχων τεσσάρων . . . ὑπεράνω  
 τῶν κεράτων πῆχους (1, -)  
 — 16. τὸ ἀριλὴν πήχων δώδεκα μῆκος ἐπὶ πῆ-  
 χους δώδεκα [A add. πλάτους] - , -  
 — 17. AB τὸ ἱλαστήριον πήχων δέκα τεσσάρων  
 τὸ μῆκος ἐπὶ πήχεις δέκα τέσσαρες  
 . . . τὸ γέισος . . . ἡμισὺν πήχους  
 [B -ος] καὶ τὸ κύκλωμα αὐτοῦ π.  
 κυκλόθεν (-, -, 1, 1)  
 45. 2. AB πήχεις πενήτηκοντα διάστημα αὐτῶν  
 [B -φ] (1)  
 46. 22. αὐλὴ μικρὰ μῆκος πήχων [A -ων]  
 τεσσαράκοντα καὶ εὖρος πήχων [A  
 -ων] τριάκοντα (-, -)  
 Da. LXX. 8. 1. τὸ ὕψος αὐ. πήχων ἐξ (1)  
 — (47). διεχείτο ὁ φλόξ . . . ἐπὶ πήχεις τεσσαρά-  
 κοντα ἐννέα (1)  
 Da. TH. 8. 1. ὕψος αὐτῆς πήχων ἐξήκοντα (1)  
 — 1. εὖρος αὐτῆς πήχων ἐξ (1)  
 — (47). διεχείτο ὁ φλόξ . . . ἐπὶ πήχεις τεσσαρά-  
 κοντα ἐννέα (1)  
 II Ma. 18. 5. πύργος πενήτηκοντα πήχων  
 [Aq. Ex. 87 (88). 25 : II Ki. 8. 1 : III Ki. 6.  
 10, 17, 20 ter : Je. 51 (28). 13 : 52. 21 : Ez.  
 41. 3 (Sw.) : 43. 13 (ter, Sw.)]

- [Sm. Ex. 87 (88). 25 bis : III Ki. 6. 17, 20 ter :  
 Je. 51 (28). 13 : 52. 21 : Ez. 40. 12 : 41.  
 3 (Sw.)]  
 [Th. Ex. 37 (88). 1 ter, 11 ter, 25 bis : III Ki.  
 6. 17, 20 ter : Ez. 40. 12 bis (Sw.) : 42. 4 :  
 43. 13.]  
 [Al. Ez. 43. 13 ter.]  
 πιαίνειν. (1) 𐤀𐤓𐤕 pi. (2) 𐤀𐤓𐤕 hi. (3) 𐤀𐤓𐤕  
 (4) 𐤀𐤓𐤕  
 Ps. 19 (20). 3. τὸ ὁλοκαύτωμά σου πιανᾶτω (1)  
 64 (65). 12. B S' πιανῶνται τὰ δὲρη [S' -σον-  
 ται τὰ ὥραϊα] τῆς ἐρήμου (9)  
 Pr. 16. 2 (15. 30). φήμη δὲ ἀγαθὴ πιαίνει ὁσπᾶ (1)  
 Si. 26. 13. τὰ ὁσπᾶ αὐτοῦ πιανεῖ [B -αίνει] ἡ ἐπι-  
 στήμη αὐτῆς (2)  
 Is. 58. 11. τὰ ὁσπᾶ σου πιανῶνται (2)  
 — 11. A S' καὶ πιανῶνται (2)  
 Ez. 17. 8. ἐφ' ὕδατι πολλῷ αὕτη πιαίνεται (4 ?)  
 — 10. ἰδοὺ πιαίνεται (4 ?)  
 [Aq. Dt. 81. 20 : Pr. 11. 25 : 28. 25 : Is. 34. 7.]  
 [Sm. Pr. 11. 25 : 13. 4 : 28. 25.]  
 [Th. Pr. 11. 25 : 28. 25.]  
 πιεῖζεν (-εῖ). (1) 𐤀𐤓𐤕 (2) 𐤀𐤓𐤕  
 Ca. 2. 15. πιάσατε ἡμῖν ἀλσπεκας μικρούς (1)  
 Si. 23. 21. οὐ οὐχ ὑπερήσαρ πιασθήσεται [A al.] (2)  
 Mi. 6. 15. σὺ πείσεις εἰλαίαν (2)  
 [Al. Ge. 19. 10.]  
 [Hob. Jb. 10. 16.]  
 πιθῶκος. (1) 𐤀𐤓𐤕  
 III Ki. 10. 22. A καὶ πιθῶκον καὶ ταῶνων [B al.] (1)  
 II Ch. 9. 21. γέμοντα χρυσίου . . . καὶ πιθῶκον (1)  
 πίθος.  
 Pr. 23. 27. πίθος γὰρ τετηρημένος ἐστὶν ἀλλό-  
 τριος οἶκος +  
 πικραίνειν. (1) 𐤀𐤓𐤕 hi. (2) 𐤀𐤓𐤕 a. qal.  
 δ. hi. (3) 𐤀𐤓𐤕 (4) 𐤀𐤓𐤕  
 Ex. 16. 20. ἐπικράνηθ' ἐπ' αὐτοῖς M. (8)  
 Ru. 1. 13. ἐπικράνηθ' μοι ὑπὲρ ὕμας (2 a)  
 — 20. ἐπικράνηθ' ἐν ἡμῶν ὁ ἱκανὸς σφόδρα (2 b)  
 I Es. 4. 31. ἐὰν δὲ πικρανῇ ἐπ' αὐτὸν  
 To. 5. 13. S' μή μοι πικρανῇ [A B ὀργισθῇ]  
 [b. 27. 2. ὁ πικράνας [A -ώσας] μου τὴν ψυχὴν (2 b)  
 Si. 88. 17. πίκρανον κλαυθμόν  
 Is. 14. 9. ὁ ἄδης κᾶθ' ὅθεν ἐπικράνηθ' (4)  
 Je. 39 (38). 32. ὡν ἐπιοῦσαν πικραῖναι [A S  
 παραπ.] με (1)  
 40 (38). 9. πικρανθήσονται [A om.] περὶ πάν-  
 των τῶν ἀγαθῶν (4)  
 44 (37). 15. ἐπικράνησαν . . . ἐπὶ ἱερ. (8)  
 La. 1. 4. αὕτη πικρανομένη ἐν ἐναντίῳ (2 a)  
 I Ma. 3. 7. S B ἐπικράνη [A -ων] βασιλεῖς πολλοὺς  
 [Aq. Pr. 17. 25 : Je. 48 (31). 11.]  
 [Sm. Pr. 17. 25 : Ez. 3. 14.]  
 πικραμύς.  
 [Aq. Jb. 3. 5.]  
 πικρασμός. (1) 𐤀𐤓𐤕 (2) 𐤀𐤓𐤕  
 Es. 4. 17. ἐν [A τῷ] πικρασμῷ δουλείας ἡμῶν  
 Ps. 94 (95). 8. B κατὰ τὴν ἡμέραν τοῦ π. [A B S  
 πικρασμοῦ] ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)  
 Ez. 27. 31. A κλαύσονται περὶ σοῦ ἐν πικρασμῷ  
 ψυχῆς (2)  
 [Aq. Je. 6. 26 : 81 (88). 15, 21.]  
 [Sm. Ps. 6. 8 : 189 (140). 10 : Je. 6. 26.]  
 [Th. Pr. 17. 25 : Ez. 27. 31.]  
 [Al. Jb. 13. 26.]  
 πικρία. (1) 𐤀𐤓𐤕 (2) 𐤀𐤓𐤕 (3) 𐤀𐤓𐤕 hi.  
 (4) a. 𐤀𐤓𐤕 δ. 𐤀𐤓𐤕 c. 𐤀𐤓𐤕 d. 𐤀𐤓𐤕  
 e. 𐤀𐤓𐤕 f. 𐤀𐤓𐤕 (5) 𐤀𐤓𐤕 (6) 𐤀𐤓𐤕  
 (7) ὁ ἐν πικρίᾳ 𐤀𐤓𐤕  
 Ex. 16. 23. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. Πικρία (4 b)  
 Nu. 33. 8. παρενέβαλον ἐν Πικρίας (4 b)  
 — 9. ἀπῆραν ἐκ Πικρίων (4 b)  
 De. 29. 18 (17). A μή τίς ἐστὶν ἐν ὑμῖν ῥίσα  
 πικρίας [B om.] +  
 — 18 (17). ἐν χολῇ καὶ πικρίᾳ (2)  
 32. 32. βότρυς πικρίας αὐτοῖς (4 f)

Ru. 1. 20. <b>Α</b> καλέσατέ με Πικρίαν [B-rán] (4 a)	III Ma. 4. 15. μετά π. σπουδῆς καὶ φιλοτίμου προσ- εδρίας	II Ch. 7. 1. δόξα κυρίου ἐπλήρησεν τὸν οἶκον (1 a)
Jb. 3. 20. ἵνα τί γὰρ δίδονται τοῖς ἐν πικρίᾳ [A π. ψυχῆς] φῶς (7)	5. 18. <b>B</b> μετὰ πικρᾶς [A-ias] ἀπειλῆς	— 2. ἐπλήρησεν δόξα κυρίου τὸν οἶκον (1 a)
7. 11. ἀνοίξω πικρίαν [B <sup>3</sup> -a, A τὸ στόμα μου ἐν πικρίᾳ] ψυχῆς μου συνεχόμενος (4 c)	6. 31. ἀντὶ πικροῦ καὶ δυσαισκέτου μύρου	16. 14. καὶ ἐπλήσαν [A-ήρασαν] ἀρωμάτων (1 c)
9. 18. ἐνέπλησεν δέ με πικρίας (4 d)	IV Ma. 6. 8. τῶν π. τις δορυφόρων	36. 5. <b>AB</b> ἐπλήρησεν [B ἐνέπλη.] τὴν ἰ. αἵματος ἀθ. —
10. 1. λαλήσω πικρία [B <sup>1</sup> -as] ψυχῆς μου συνεχόμενος (4 c)	15. 16. ὁ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρασ- θείσα	II Es. 9. 11. ὡς ἐπλήσαν [B <sup>1</sup> ἐπλήσαν] αὐτήν (1 c)
21. 25. ὁ δὲ τελευτᾷ ὑπὸ πικρίας [B <sup>1</sup> -a] ψυχῆς (4 c)	18. 20. <b>B B</b> ὁ πικρᾶς [A-à] τῆς τότε ἡμέρας καὶ οὐ πικρᾶς ὅτε ὁ [B <sup>1</sup> om.] π. Ἑλλήνων τύραννος πῦρ φλέξας	To. 12. 9. πλησθήσονται [B χορτασθ.] ζωῆς
Ps. 9. 28 (10. 7). οὐ ἀρᾶς τὸ στόμα αὐτοῦ γέμει καὶ πικρίας (5)	[Aq. Nu. 5. 23: I Ki. 1. 10: 22. 2: Ps. 63 (64). 4: Is. 38. 17 bis: Ez. 8. 14.]	Ju. 6. 4. <b>B</b> τὰ πεδία αὐ. πλησθήσεται [AB πληρωθ.] νεκρῶν
18 (14). 3. <b>B B<sup>1</sup></b> ὡν τὸ στόμα ἀρᾶς καὶ πικρίας — γέμει	[Sm. Nu. 5. 23: Ps. 63 (64). 4: Is. 38. 17 bis. [Th. Nu. 5. 23: Ps. 63 (64). 4: Is. 38. 17 bis: Ez. 27. 31.]	Es. 4. 17. <b>AB S</b> ἐπλήσεν [B ἐνέπλη.] τὴν κεφαλὴν — 17. ἐπλήσεν [A <sup>2</sup> ἐπλήρωσεν] στρεπτῶν τριχῶν αὐ.
Wi. 8. 16. οὐ γὰρ ἔχει πικρίαν ἢ συναναστροφή αὐτῆς	[A. I Ki. 30. 6.]	Jb. 3. 15. οἱ ἐπλήσαν τοὺς οἴκους αὐτῶν ἀργυρίου (1 c)
Si. 4. 6. καταρωμένοι γὰρ σε ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ	πικροῦν. (1) <b>רַר</b> hi.	31. 31. τίς ἂν δῶῃ ἡμῖν τὸν σαρκὸν αὐτοῦ πλησθῆναι [A ἐμπλ.] (8 b?)
7. 11. ἀνθρωπῶν ὅντα ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐ.	Jb. 27. 2. <b>A</b> ὁ πικρόστας [B S-άνας] μου τὴν ψυχὴν (1)	Ps. 16 (17). 14. τῶν κεκυρμένον σου ἐπλήσθη ἡ γαστήρ αὐτῶν (1 c)
21. 12. ἔστι πανουργία πληθύνουσα πικρίαν [A <sup>2</sup> παιδείαν]	πικρῶς. (1) <b>א. רַר</b> δ. <b>רַר</b> pi.	25 (26). 10. ἡ δεξιὰ αὐτῶν ἐπλήσθη δώρων (1 a)
34 (31). 29. πικρία ψυχῆς οἶνος πινόμενος [A γιν. πολὺς ἐν ἐρεθισμῷ]	Is. 22. 4. π. κλαύσομαι (1 b)	80 (81). 12. <b>A<sup>1</sup> B<sup>1</sup></b> ἐπλήσθη [A <sup>2</sup> B <sup>1</sup> S ἐπελ.] ὥστε νεκρὸς +
Am. 6. 13 (12). ἐξοστρέψατε... καρπὸν δικαιο- σύνης εἰς πικρίαν (2)	33. 7. π. κλαίοντες παρακαλοῦντες ἐλπίρην (1 a)	37 (38). 7. <b>B S<sup>1</sup></b> ἡ ψυχὴ μου ἐπλήσθη ἐμπαιγ- μῶν [A S <sup>1</sup> al.] (1 a)
Is. 28. 21. <b>A B</b> μετὰ θυμοῦ ποιήσει τὰ ἔργα αὐ- τοῦ πικρίας ἔργον... ἡ π. [B σαπρία]	Je. 27 (50). 21. π. ἐπίβηθι ἐπ' αὐτήν +	64 (65). 4. πλησθήσονται ἐν τοῖς ἀγαθοῖς τοῦ οἴκου σου (8 a)
— 28. οὐδὲ φωνῇ τῆς π. σου καταπατήσεις ἑμᾶς +	Ez. 27. 30. <b>A</b> κεκράζονται π. [B πικρὸν] +	— 11. τὰ πεδία σου πλησθήσονται [B <sup>1</sup> -σεται] (2)
37. 29. ἡ π. σου ἀνέβη πρὸς μέ (6)	Da. LXX. 2. 15. περὶ τίνος δογματίζεται π. +	79 (80). 9. <b>B S<sup>1</sup></b> ἐπλήσθη ἡ γῆ [B <sup>2</sup> ἐπλήρωσεν τὴν γῆν] (1 c)
38. 17. <b>B<sup>1</sup></b> εἰρήνην πικρίας μου (4 c)	II Ma. 7. 39. π. φέρον ἐπὶ τῷ μυκτηρισμῷ	87 (88). 3. ἐπλήσθη κακῶν ἡ ψυχὴ μου (8 a)
Je. 2. 21. πῶς ἐστράψατε [A-φη] εἰς πικρίαν +	IV Ma. 6. 1. π. ἔσταν... τὸν Ἑλ.	103 (104). 28. <b>A B B</b> τὰ σύμματα πλησθῆ- σονται [B ἐμπλησθήσεται] χρηστο- τήτος [A πίσυτος] (8 a)
15. 17. πικρίας ἐνέπλησθη (1)	— 16. ὥσπερ πικρότερον διὰ τῆς συμβουλίας αἰκι- σθείς	122 (123). 3. <b>A S<sup>1</sup> B</b> ἐπὶ πολὺ ἐπλήσθημεν [B <sup>1</sup> ἐπληθύνθημεν] ἐξουθενώσεως (8 a)
La. 3. 15. ἐχούρασέ με πικρίας (4 c)	8. 2. εἰ δὲ ἀντιλέγοιεν πικρότερον βασανίζω	— 4. <b>A B</b> ἐπὶ πλείον ἐπλήσθη [B ἐπληθύσθη] ἡ ψυχὴ ἡμῶν (8 a)
— 19. π. καὶ χολὴ μου μνησθήσεται (2)	10. 5. οἱ δὲ π. ἐνέγκαντες τὴν παρησίαν [Aq., Sm. Is. 33. 7.]	125 (126). 2. <b>B B</b> ἐπλήσθη χαρὰς [A-ῃ] τὸ στόμα ἡμῶν (1 b)
Ez. 28. 24. σκόλοψ πικρίας καὶ ἀκανθα δόδυγς (8)	[Th. Is. 33. 7: Ez. 27. 30.]	Pr. 1. 13. πλησώμεν δὲ οἴκους ἡμετέρους σκυλῶν (1 c)
III Ma. 4. 4. <b>A</b> μετὰ πικρίας [B-rās καὶ] ἀνοίκεται ψυχῆς	πιλείν. [Al. Ps. 135 (136). 6.]	— 31. τῆς ταυτῶν ἀσεβείας πλησθήσονται (8 a)
5. 18. <b>A</b> μετὰ πικρίας [B-rās] ἀπειλῆς	πιλίων. [Sam. Ex. 28. 4 (?).]	3. 10. ἵνα πίμπληται [B <sup>1</sup> -ωνται] τὰ ταμιεία σου πλησμονῆς σίτου [A B <sup>1</sup> -ου] (1 b)
[Aq. Jb. 20. 25: Pr. 14. 10: Je. 9. 15 (14).] [Sm. Is. 38. 15: Je. 9. 15 (14).] [Th. Jb. 20. 25: Pr. 14. 10: Is. 38. 15, 17: Je. 9. 15 (14).] [Al. La. 3. 15.]	πιμελή. [Aq., Sm., Heb. Jb. 15. 27.]	5. 10. ἵνα μὴ [A om.] πλησθῶσιν ἄλλοτρι σῆς ἰσχυος (8 a)
πικρίς. (1) <b>רַר</b>	πιμελής. [Aq. Jd. 3. 17: Ps. 117 (118). 27.]	12. 14. ψυχὴ ἀνδρὸς πλησθήσεται ἀγαθῶν (8 a)
Ex. 12. 8. ἄζυμα ἐπὶ πικρίδων ἔδονται (1)	πιμελοῦσθαι. [Al. I Ki. 2. 29.]	— 21. οἱ δὲ ἀσεβεῖς πλησθήσονται κακῶν (1 a)
Nu. 9. 11. ἐπ' ἄζυμων καὶ πικρίδων φάγονται (1)	πιμπλάναι. (1) <b>א. רַר</b> a. qal. δ. ni. c. pi.	14. 14. τῶν ταυτοῦ ὁδῶν πλησθήσεται θρᾶσυ- κάρδιος (8 a)
πικρός. (1) <b>א. רַר</b> δ. <b>רַר</b> c. <b>רַר</b>	<b>ד. רַר</b> c. <b>רַר</b> ihpe. (2) <b>רַר</b> (8) <b>רַר</b>	15. 4. ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται πνεύ- ματος +
(2) <b>רַר</b> (3) π. γίνεσθαι <b>רַר</b>	a. qal. δ. ni.	18. 20. ἀνὴρ πίμπλησι [A-σει] κοιλίαν αὐ. (8 a)
Ge. 27. 34. φωνὴν μεγάλην καὶ π. σφόδρα (1 a)	Ge. 6. 11. ἐπλήσθη ἡ γῆ ἀδικίας (1 b)	— 20. <b>S</b> ἀπὸ δὲ καρπῶν χειλῶν αὐ. πλησθῆ- σεται [A B ἐμπλ.] (8 a)
Ex. 15. 23. πικρὸν γὰρ ἦν (1 a)	— 13. ἐπλήσθη ἡ γῆ ἀδικίας (1 a)	24. 32 (30. 9). ἵνα μὴ πλησθῶς ψευδὴς γίνωμαι (8 a)
Jd. 18. 25. ἀνδρες πικροὶ ψυχῇ (1 a)	21. 19. ἐπλήσθη τὸν ἄσπον ὕδατος (1 c)	— 57 (80. 22). καὶ ἀφρων πλησθῇ σιτίων (8 a)
Ru. 1. 20. καλέσατέ με Πικράν [A-ian] (1 b)	24. 16. ἐπλήσθη τὴν ὑδρίαν αὐτῆς (1 c)	25. 16. μὴ ποτε πλησθῶς [B ἐμπλ.] ἐξέμεσθης (8 a)
I Ki. 15. 32. εἰ οὕτω π. ὁ θάνατος (1 a)	26. 15. ἐπλήσαν αὐτὰ γῆς (1 c)	— 17. μὴ ποτε πλησθῶς σου μοσήθ σε (8 a)
II Ki. 2. 26. πικρὰ ἔσται εἰς τὰ ἔσχατα (1 a)	44. 1. πλησάτε τοὺς μαρσίπους (1 c)	28. 19. ὁ ἐργαζόμενος τὴν ἐαυτοῦ γῆν πλησθή- σεται ἄρτων ὁ δὲ δώκων σχολὴν πλησθήσεται πενίας (8 a, 8 a)
IV Ki. 14. 26. εἶδε κ. τὴν ταπεινώσιν Ἰσρ. π. σφόδρα (1 c)	Ex. 2. 16. ἕως ἐπλήσαν τὰς δεξαμενὰς 8. 21 (17). πλησθήσονται αἱ οἰκίαι... τῆς κυνομ. (1 a)	Ec. 1. 8. οὐ πλησθήσεται [AB οὐκ ἐμπλ.] ὀφθαλμοὶ τοῦ δρᾶν (8 a)
Es. 4. 1. <b>B<sup>1</sup></b> ἀρεταίαι ἔθνος μηδὲν ἡδυσκῆς πικρά [A B <sup>1</sup> om.] (1 a?)	10. 6. πλησθήσονται σου αἱ οἰκίαι (1 a)	5. 9. ἀγαπῶν ἀργύριον οὐ πλησθήσεται ἀργυ- ρίου (8 a)
Ps. 63 (64). 3. ἐντίκταιν τὸ ξόν πρᾶγμα πικρὸν (1 a)	16. 12. τὸ πρῶτὸ πλησθήσεται ἄρτων (8 a)	6. 3. ψυχὴ αὐτοῦ οὐ πλησθήσεται [A B οὐκ ἐμπλ.] ἀπὸ τῆς ἀγαθωσύνης (8 a)
Pr. 5. 4. ὑστερον μέντοι πικρότερον χολῆς εὐρή- σεις (1 a)	— 32. πλησάτε τὸ γομῶν τοῦ μᾶν (1 a)	9. 5. <b>AB</b> ἐπλήσθη [B ἐπλησθη] ἡ μνήμη αὐτῶν +
27. 7. τὰ πικρὰ γλυκεία φαίνεται [B <sup>1</sup> φέρει] (1 a)	40. 34. 35. δόξης κυρίου ἐπλήσθη ἡ σκηνή (1 a)	11. 3. ἐὰν πλησθῶσι [AB πληρωθῶσιν] τὰ νέφη ὑετοῦ (1 b)
Ec. 7. 27 (26). ἐρῶ πικρότερον ὑπὲρ θάνατον (1 a)	Le. 9. 17. ἐπλήσθη τὰς χεῖρας ἀπ' αὐτῆς (1 c)	Ca. 5. 2. ἡ κεφαλὴ μου ἐπλήσθη δρόσου (1 b)
Si. 25. 18. ἀκούσας ἀνυστέναξε πικρὰ [B <sup>1</sup> μικρὰ]	18. 12. πλησῆς τὰς χεῖρας θυμωμένου (1 a)	Wi. 2. 7. οἶνον πολυτελοῦς καὶ μύραν πλησθῶμεν
29. 25. καὶ πρὸς ἐπὶ τούτοις πικρὰ ἀκουσθ	19. 29. ἡ γῆ πλησθήσεται [A ἐμπλ.] ἀνομίας (1 a)	Si. 14. 9. <b>A<sup>1</sup></b> οὐ πίπλαται μεριδα [A <sup>2</sup> B S al.]
30. 17. κρείσσων θάνατος ὑπὲρ ζωῆν πικρὰν [B-όν]	De. 18. 17 (18). <b>A</b> καὶ πλησθήσθη (1 c)	22. 23. ἵνα ἐν τοῖς ἀγαθοῖς αὐ. ὁμοῦ πλησθῆς [A S al.]
41. 1. ὡς πικρὸν σου τὸ μνημόσυόν ἐστίν	Jo. 9. 13. ὅς ἐπλήσαν καὶ αὐτοὺς (1 c)	28. 11. ἀνὴρ πολυόρκος πλησθήσεται ἀνομίας
Hb. 1. 6. τοῦν Χαλδ. τὸ ἔθνος τὸ π. (1 a)	I Ki. 16. 1. πλησθὲν τὸ κέρας σου ἐλαίου (1 a)	— 11. πλησθήσεται γὰρ ἐπαγωγῶν ὁ οἶκος αὐτοῦ
Ze. 1. 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου πικρὰ καὶ σκληρὰ τάταται (1 a)	III Ki. 8. 10. ἡ μελέη ἐπλήσθη τὸν οἶκον (1 a)	24. 25. ὁ πιμπλῶν [AB πιπλῶν] ὡς φειδῶν σοφίαν
Is. 5. 20. οἱ ταῖντες τὸ π. γλυκὺ καὶ τὸ γλυκὺ πικρὸν (1 a, 1 a)	— 11. ἐπλήσαν δόξα κυρίου τὸν οἶκον (1 a)	34 (31). 5. ὁ δώκων διαφθορὰν αὐτὸς πλησθήσεται
24. 9. πικρὸν ἐγένετο τὸ σίκερα τοῖς πίνουσιν (8)	18. 35. τὴν θάλασσαν ἐπλήσαν ὕδατος (1 c)	36. 19 (16). πλησθὲν Σιών ἀρεταλογίας σου
Je. 2. 19. πικρὸν σοὶ τὸ καταλιπεῖν σε ἐμέ (1 a)	21 (20). 27. Συρία ἐπλήσθη τὴν γῆν (1 c)	37. 24. ἀνὴρ σοφὸς πλησθήσεται [A ἐμπλ.] εὐλογίας
4. 18. αὐτῇ ἡ κακία σου ὅτι πικρὰ (1 a)	IV Ki. 3. 17. ὁ χειμάρρους οὗτος πλησθήσεται ὕδατος (1 b)	42. 25. τίς πλησθήσεται ὥρῶν δόξαν αὐτοῦ
20. 8. πικρὸς λόγος μου γελάσεται +	— 20. ἐπλήσθη ἡ γῆ ὕδατος (1 b)	48. 12. <b>A</b> Ἑλ. ἐπλήσθη πνεύματος ἁγίου [B S al.]
28. 15. ποτίω αὐτοὺς ὕδωρ πικρὸν (2)	4. 5 (6). ἕως ἐπλήσθησαν τὰ σκεύη (1 a)	Mi. 6. 12. τὸν πλοῦτον αὐ. ἀσεβείας ἐπλήσαν [A ἐνέπλη.] (1 a)
Ez. 18. 47. <b>A</b> ὑπερέκειαι αὐτὰς παρὰ πικρὸν [B om. π. π.] —	9. 24. ἐπλήσεν ἰού τὴν χεῖρα αὐτοῦ (1 c)	Jl. 2. 24. πλησθήσονται [A ἐμπλ.] αἱ θλίψεις σίτου (1 a)
27. 30. κεκράζονται πικρὸν [A-ρῶς] (1 a)	10. 21. ἐπλήσθη ὁ οἶκος τοῦ B. (1 b)	Na. 2. 12 (13). ἐπλήσθη θήρας [B <sup>1</sup> -αν] νοστίαν αὐ. (1 c)
— 31. <b>A</b> κοπετὸν πικρὸν ἐκαστῶνται (1 a)	21. 16. ἐπλήσθη τὴν ἱερ. (1 c)	
II Ma. 6. 7. ἤγοντο δὲ μετὰ π. ἀνάγκης	23. 14. ἐπλήσθη τοὺς τύπους αὐτῶν ὁστέων ἀνθρ. (1 c)	
9. 5. καὶ πικρὰ τῶν ἐνδόν βίσαναι	24. 4. ἐπλήσθη τὴν ἱερ. αἵματος ἀθίου (1 c)	
III Ma. 2. 24. μετ' ἀπειλῆς δὲ πικρὰς ἀνέλυσε		
4. 4. <b>B</b> μετὰ πικρᾶς καὶ [A-ρίας] ἀνοίκεται ψυχῆς		

Hb. 2. 14. 8<sup>3</sup> πλησθήσεται ἡ γῆ τοῦ γυνῶναι [A B S<sup>1</sup> al.] (1 b)  
 Hg. 2. 8 (7). πλήσω [A πληρώσω] τὸν οἶκον τοῦτον δόξης (1 c)  
 Za. 8. 5. πλησθήσονται παυδαρίων καὶ κορασίων (1 b)  
 9. 13. ἐπλήρωσεν τὸν Ἐφρ. (1 c)  
 — 15. πληροῦσι τὰς φάλας ὡς θυσιαστήριον (1 a)  
 Is. 6. 4. A B οὐ οἶκος ἐπλήσθη [B ἐνεπλή.] καπνοῦ (1 b)  
 18. 21. A πλησθήσονται [B S ἐμπλ.] αἱ οἰκίαι ἡχοῦ (1 a)  
 15. 9. τὸ δὲ ὕδωρ τὸ Δ. πλησθήσεται αἵματος (1 a)  
 22. 7. πλησθήσονται [B<sup>1</sup> ἐμπλ.] ἀρμάτων (1 a)  
 27. 6. B πλησθήσεται [A S B ἐμπλ.] ἡ οἰκουμ. τοῦ καρποῦ αὐ. (1 a)  
 40. 2. ἐπλήσθη ἡ ταπεινότης αὐτῆς (1 a)  
 Je. 6. 11. τὸν θυμὸν μου ἐπλήσω [B -αν] (1 a)  
 19. 4. ἐπλήσαν τὸν τόπον τ. αἱμάτων ἀφῶν (1 a)  
 26 (46). 10. B S πλησθήσεται [A B ἐμπλ.] (3 a)  
 — 12. τῆς κραυγῆς σου ἐπλήσθη ἡ γῆ (1 a)  
 27 (50). 19. πλησθήσεται [A ἐμπλ.] ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (3 a)  
 28 (51). 5. ἡ γῆ αὐτῶν ἐπλήσθη ἀδικίας (1 a)  
 — 34. ἐπλήρωσε τὴν κοιλίαν αὐτοῦ (1 c)  
 30. 6 (49. 28). πλῆσται τοὺς υἱοὺς κεδέμ (1 a)  
 31 (48). 5. ἐπλήσθη ἡ λαὸς ἐν κλαυθμῷ (1 a)  
 51 (44). 17. ἐπλήσθησαν ἄρτων (3 a)  
 Ez. 3. 3. ἡ κοιλία σου πλησθήσεται τῆς κεφαλίδος ταύτης (1 c)  
 8. 17. ἐπλήσαν [B<sup>1</sup> ἐπλήσαν] τὴν γῆν ἀνομίας (1 a)  
 9. 7. πλῆσται [A πληρώσατε] τὰς δόδους περκρῶν (1 c)  
 — 9. ἐπλήσθη ἡ γῆ λαῶν πολλῶν καὶ ἡ πόλις ἐπλήσθη ἀδικίας (1 b, 1 a)  
 10. 2. πλῆσον τὰς δράκας [A χείρας] σου ἀνθρώπων (1 c)  
 — 3. ἡ νεφέλη ἐπλήρωσε τὴν αὐτὴν (1 a)  
 — 4. ἐπλήρωσε [B<sup>1</sup> ἐνέπλη.] τὸν οἶκον ἡ νεφέλη (1 b)  
 — 4. καὶ ἡ αὐτὴ ἐπλήσθη τοῦ φέγγους (1 a)  
 23. 33. ἐκλύσεις [A ἐκλύσεις] πλησθήσῃ (1 b)  
 28. 16. ἐπλήρωσε [A ἐπλήρωσε] τὰ ταμεῖά σου ἀνομίας (1 a)  
 30. 11. πλησθήσεται ἡ γῆ τραυματιῶν (1 a)  
 32. 4. πᾶσα πλησθήσεται αὐ. (1 a)  
 48. 26. πληροῦσι χεῖρας αὐτῶν (1 c)  
 Da. LXX. 3. 19. Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 c)  
 12. 4. ὥς ἂν . . . πλησθῇ ἡ γῆ ἀδικίας (1 a)  
 Da. TH. 3. 19. Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 c)  
 I Ma. 1. 40. S<sup>1</sup> ἐπλήσθη ἡ γῆ ἀτιμίας [A S<sup>3</sup> B al.] (1 a)  
 [Aq. Ps. 77 (74). 20: Pr. 30. 15.]  
 [Sm. Ps. 37 (88). 8: 70 (71). 8: 73 (74). 20 (P): Pr. 30. 15: Je. 6. 11: Ez. 32. 5: Ho. 18. 6.]  
 [Th. Ps. 103 (104). 28: Pr. 30. 15: Ez. 10. 4.]  
 [Al. Ge. 44. 1: Hb. 3. 3.]

**πινακίδιον.**  
 [Sm. Ez. 9. 2.]

**πινακίς.**  
 [Sm. Ez. 9. 11.]

**πινάξ.**  
 IV Ma. 17. 7. B ὁσπερ ἐπὶ τινος π. ζωγραφῆσαι [A S al.]

**πίνειν.** (1)  $\text{𐤀𐤏𐤍}$  ni. (2)  $\text{𐤀𐤏𐤍}$  hi. (3)  $\text{𐤀𐤏𐤍}$  ni.  
 a. qal. b. ni. c.  $\text{𐤀𐤏𐤍}$  d.  $\text{𐤀𐤏𐤍}$

Ge. 9. 21. ἔπιεν ἐκ τοῦ οἴνου (3 a)  
 24. 14. ἐπὶ κλινῶν τὴν ὑδρίαν σου ἵνα πῶ (3 a)  
 — 14. καὶ ἐπὶ μοι, Πίε σύ (3 a)  
 — 14. ὥς ἂν παύσωνται πίνουσαι (3 a)  
 — 18. ἡ δὲ εἶπε, Πίε, κύριε (3 a)  
 — 18 (19). ὥς ἐπαύσατο πῖνον (3 a)  
 — 19. ὥς ἂν πᾶσαι πῖναι (3 a)  
 — 22. ἐπαύσαντο πᾶσαι αἱ κάμ. πίνουσαι (3 a)  
 — 44. καὶ ἐπὶ μοι, Πίε σύ (3 a)  
 — 46. πῖε σύ . . . καὶ ἔπιον (3 a, 3 a)  
 — 54. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 25. 34. ἔφαγε καὶ ἔπιε (3 a)  
 26. 30. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 27. 25. καὶ ἔπιε (3 a)  
 30. 38. ὥς ἂν ἔλθωσι τὰ πρόβατα πῖναι (3 a)  
 — 38. ἐλθόντων αὐτῶν εἰς τὸ πῖναι (3 a)  
 31. 46. A καὶ ἔπιον (3 a)  
 — 54. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 48. 34. ἔπιον δὲ καὶ ἐμεθύσθησαν (3 a)  
 44. 5. ἐν φ. πῖναι ὁ κύριός μου (3 a)

Ex. 7. 18. πῖνεν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (3 a)  
 — 21. πῖνεν ὕδωρ ἐκ τοῦ ποταμοῦ (3 a)  
 — 24. ὥστε πῖνεν ὕδωρ (3 a)  
 — 24. πῖνεν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (3 a)  
 15. 22. οὐκ ἠνέγκαν ὕδωρ ὥστε πῖναι (3 a)  
 — 23. οὐκ ἠδύναντο πῖναι [A add. ὕδωρ] ἐκ M. (3 a)  
 — 24. τί πῖνεται (3 a)  
 17. 1. οὐκ ἦν δὲ ὕδωρ τῷ λαῷ πῖναι (3 a)  
 — 2. ὅδε ἡμῖν ὕδωρ ἵνα πῖναι (3 a)  
 — 6. πῖται ὁ λαός (3 a)  
 24. 11. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 32. 6. ἐκάθισεν ὁ λαός φαγεῖν καὶ πῖναι (3 a)  
 34. 28. ὕδωρ οὐκ ἔπιε (3 a)  
 Le. 10. 9. οἶνον καὶ σῖκερα οὐκ ἐπίεσθε (3 a)  
 11. 34. δὲ πῖται ἐν παντὶ ἀγγεῖφ (3 b)  
 Nu. 6. 3. ἔξος ἐκ σῖκερα οὐ πῖται καὶ δσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς οὐ πῖται (3 a, 3 a)  
 — 20. πῖται ὁ πῖνεν οἶνον (3 a)  
 20. 5. οὐτε ὕδωρ ἐστὶ πῖναι (3 a)  
 — 11. καὶ ἔπιεν ἡ συναγωγὴ (3 a)  
 — 17. οὐδὲ πῖνεται ὕδωρ ἐκ λάκκου σου (3 a)  
 — 19. ἐάν δὲ τοῦ ὑδατός σου πῖναι (3 a)  
 21. 16. δώσω αὐτοῖς ὕδωρ πῖναι (3 a)  
 — 22. οὐ πῖνεται ὕδωρ ἐκ φρίστος σου (3 a)  
 23. 24. καὶ αἶμα τραυματιῶν πῖται (3 a)  
 32. 14. οὐκ ἦν ἐκεῖ ὕδωρ τῷ λαῷ πῖναι (3 a)  
 De. 2. 6. καὶ ἐπίεσθε (3 a)  
 — 28. καὶ πῖται (3 a)  
 9. 9. 18. ὕδωρ οὐκ ἔπιον (3 a)  
 11. 11. ἐκ τοῦ ὑδατός τοῦ οἴκου πῖται ὕδωρ (3 a)  
 28. 9. οἶνον οὐ πῖται (3 a)  
 29. 6 (5). οἶνον καὶ σῖκερα οὐκ ἐπίεσθε (3 a)  
 32. 14. αἶμα σταφυλῆς ἔπιεν [A -ον] οἶνον (3 a)  
 — 38. ἐπίεσθε τὸν οἶνον τῶν σπονδῶν αὐ. (3 a)  
 Jd. 7. 5. δὲ ἐάν κλινῇ [A κάμψῃ] . . . πῖναι (3 a)  
 — 6. πῖναι [A τοῦ π.] ὕδωρ (3 a)  
 9. 27. A B ἔφαγον καὶ ἔπιον [B εἶπον] (3 a)  
 13. 4. 7. μὴ πῖναι οἶνον (3 a)  
 — 14. οἶνον . . . μὴ πῖναι (3 a)  
 15. 19. καὶ ἔπιε (3 a)  
 19. 4. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 — 6. ἔφαγον . . . καὶ ἔπιον (3 a)  
 — 8. A καὶ ἔφαγον καὶ ἔπιον [B om. καὶ ἔπ.] (3 a)  
 — 21. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 Ru. 2. 9. πῖται ὅθεν ἂν ὑδρεύωνται (3 a)  
 — 3. φαγεῖν καὶ πῖναι (3 a)  
 — 7. A B καὶ ἔπιε (3 a)  
 I Ki. 1. 9. A καὶ μετὰ τὸ πῖναι (3 a)  
 — 11. οἶνον . . . οὐ πῖται [A οὐ μὴ πῖται] (3 a)  
 — 15. οἶνον . . . οὐ πῖται (3 a)  
 — 18. καὶ ἔπιε (3 a)  
 80. 12. καὶ οὐ πῖται ὕδωρ (3 a)  
 — 16. ἐσθίοντες καὶ πίνοντες [A om. κ. π.] (3 a)  
 II Ki. 11. 11. φαγεῖν καὶ πῖναι (3 a)  
 — 13. ἔφαγον ἐνώπιον αὐτοῦ καὶ ἔπιε (3 a)  
 12. 3. ἐκ τοῦ ποτηρίου αὐτοῦ ἔπιε (3 a)  
 — 21. ἔφαγε ἄρτον καὶ πέπτακα (3 a)  
 16. 2. καὶ οἶνον πῖναι (3 a)  
 19. 35 (36). δ φάγομαι ἡ πῖται (3 a)  
 23. 16. οὐκ ἠθέλησε πῖναι αὐτό (3 a)  
 — 17. εἰ αἶμα . . . πῖται (3 a)  
 — 17. οὐκ ἠθέλησε πῖναι αὐτό (3 a)  
 III Ki. 1. 25. ἐσθίοντες καὶ πίνοντες ἐνώπιον αὐτοῦ (3 a)  
 — 1 (B), 4. 20 (A). ἐσθίοντες καὶ πίνοντες (3 a)  
 — 1 (B), 4. 25 (A), (5. 5). ἐσθίοντες καὶ πίνοντες (3 a)  
 8. 65. ἐσθίον καὶ πίνω (3 a)  
 13. 8. οὐδὲ μὴ πῖται ὕδωρ (3 a)  
 — 9. μὴ πῖται ὕδωρ (3 a)  
 — 16. οὐδὲ πῖται ὕδωρ (3 a)  
 — 17. μὴ πῖται ὕδωρ (3 a)  
 — 18. καὶ πῖται [A -ται] ὕδωρ (3 a)  
 — 19. καὶ ἔπιεν ὕδωρ (3 a)  
 — 22. καὶ ἔπιεν ὕδωρ (3 a)  
 — 22. μὴ πῖται ὕδωρ (3 a)  
 — 23. μετὰ τὸ . . . πῖναι ὕδωρ (3 a)  
 16. 9. αὐτὸς ἦν ἐν Θ. πῖναι (3 a)  
 17. 4. ἐκ τοῦ χειμάρρου πῖται ὕδωρ (3 a)  
 — 6. ἐκ τοῦ χειμάρρου ἔπιεν ὕδωρ (3 a)  
 — 10. καὶ πῖται (3 a)  
 18. 41. φάγε καὶ πῖ (3 a)  
 — 42. τοῦ φαγεῖν καὶ πῖναι (3 a)  
 19. 6, 8. ἔφαγε καὶ ἔπιε (3 a)  
 21 (20). 12. πῖναι ἦν αὐτός (3 a)  
 — 16. καὶ υἱὸς Ἰ. πῖναι (3 a)

IV Ki. 3. 17. καὶ ἐπίεσθε [A ἐπίεσθε] ὑμεῖς (3 a)  
 6. 22. φαγέτωσαν καὶ πῖται (3 a)  
 — 23: 7. 8. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 9. 34. ἔφαγε καὶ ἔπιε (3 a)  
 18. 27. καὶ πῖται τὸ οἶνον αὐτῶν (3 a)  
 — 31. πῖται ἀνὴρ τὴν ἀμπελον αὐ. (3 a)  
 — 31. πῖται ὕδωρ τοῦ λάκκου αὐ. (3 a)  
 19. 24. ἔπιον ὕδατα ἀλλοτρία (3 a)  
 I Ch. 11. 18. οὐκ ἠθέλην Δ. τοῦ πῖναι αὐτό (3 a)  
 — 19. εἰ αἶμα ἀνδρῶν τούτων πῖται (3 a)  
 — 19. οὐκ ἐβούλετο πῖναι αὐτό (3 a)  
 12. 39. ἦσαν . . . ἐσθίοντες καὶ πίνοντες [B om. κ. π.] (3 a)  
 29. 22. ἔφαγον καὶ ἔπιον (3 a)  
 II Ch. 31. 10. ἐφάγομεν καὶ ἐπίομεν (3 a)  
 I Es. 3. 3. ἐφάγοσαν καὶ ἐπίοσαν [A -ον] (3 a)  
 — 6. καὶ ἐν χρυσώματι π. (3 a)  
 — 18. πῖται τοὺς ἀνθρώπους τῶν πῖται [A πῖν.] αὐτῶν (3 a)  
 — 22. οὐ μῖναι δταν πῖται (3 a)  
 4. 10. ἐσθίει καὶ πῖται (3 a)  
 9. 2. οὐδὲ ὕδωρ ἔπιε (3 a)  
 — 51. A B καὶ πῖται γλυκάσματα (3 a)  
 — 54. φαγεῖν καὶ πῖναι (3 a)  
 II Es. 10. 6. ὕδωρ οὐκ ἔπιεν (3 a)  
 Ne. 8. 10. πῖται γλυκάσματα (3 a)  
 — 12. φαγεῖν καὶ πῖναι (3 a)  
 To. 4. 15. A B οἶνον εἰς μέθην μὴ πῖται (3 a)  
 7. 10. φάγε πῖ (3 a)  
 — 11. B φάγε καὶ πῖ [A B al.] (3 a)  
 — 11. B οὐδὲ μὴ πῖ [A B al.] (3 a)  
 — 15. B φαγεῖν καὶ πῖναι [A B al.] (3 a)  
 8. 1. B συνετέλεσαν τὸ φαγεῖν καὶ πῖναι [A B al.] (3 a)  
 — 20. B μενεῖς ἐσθῶν καὶ πῖναι (3 a)  
 12. 19. οὐκ ἔφαγον οὐδὲ ἔπιον [B al.] (3 a)  
 Ju. 7. 21. οὐκ εἶχον πῖναι [B<sup>1</sup> πῖναι] (3 a)  
 — 21. ἐν μέτρῳ ἐδίδονσαν αὐτοῖς πῖναι [B<sup>1</sup> πῖναι] (3 a)  
 12. 1. καὶ τοῦ οἴνου αὐτοῦ π. [A πῖναι] (3 a)  
 — 11. φαγεῖν καὶ πῖναι μετ' ἡμῶν (3 a)  
 — 13. καὶ πῖται [A πῖναι] μετ' ἡμῶν . . . οἶνον (3 a)  
 — 17. πῖ δὲ καὶ γενήθητι μετ' ἡμῶν (3 a)  
 — 18. πῖται δὲ, κύριε (3 a)  
 — 19. καὶ ἔπιε κατέναντι αὐτοῦ (3 a)  
 — 20. καὶ ἔπιεν οἶνον πολλὸν σφόδρα ὅσον οὐκ ἔπιε (3 a)  
 Es. 1. 7. ὅν αὐτὸς ὁ βασις ἔπινεν (3 a)  
 4. 16. μὴ φάγητε μετὰ πῖται (3 a)  
 — 17. οὐδὲ ἔπιον [B ἔπινον] οἶνον σπονδῶν (3 a)  
 Jb. 1. 4. ἐσθίειν καὶ πῖναι μετ' αὐτῶν (3 a)  
 — 13. ἐπίνον οἶνον (3 a)  
 — 18. τῶν υἱῶν σου . . . πῖνόντων παρὰ τῷ ἀδελφῷ αὐ. [A υἱὸν σου] τῷ πρὶς-βυτέρῳ (3 a)  
 8. 12. A πρὸ τοῦ πῖναι πᾶσαν βοτάνην ἐάν δὲ μὴ πῖται [B πᾶσα βοτάνη οὐχὶ] ξηραίνεται (3 a)  
 15. 16. πῖναι ἀδικίας ἵσα ποτῇ (3 a)  
 34. 7. πῖναι μυκτηρισμὸν ὁσπερ ὕδωρ (3 a)  
 42. 11. φαγόντες δὲ καὶ πῖται παρ' [A om.] αὐτῶν (3 a)  
 Ps. 49 (50). 13. ἡ αἶμα τραγῶν πῖται (3 a)  
 68 (69). 12. ἐψάλλον οἱ πίνοντες τὸν οἶνον (3 a)  
 74 (75). 8. πῖνται πάντες οἱ ἀμαρτωλοὶ τῆς γῆς (3 a)  
 77 (78). 44. ὅπως μὴ πῖται (3 a)  
 109 (110). 7. B B ἐκ χειμάρρου ἐν ὁδῷ πῖται [A π. ὕδωρ] (3 a)  
 Pr. 5. 15. πῖναι ὕδατα ἀπὸ σὺν ἀγγείων (3 a)  
 9. 5. πῖται οἶνον ὃν ἐκέρασα ἡμῖν (3 a)  
 — 18. ἀπὸ πηγῆς ἀλλοτρίας μὴ πῖται (3 a)  
 28. 7. οὕτως ἐσθίει καὶ πῖται (3 a)  
 24. 73 (31. 4). οἶνον δὲ μὴ πῖνέτωσαν (3 a)  
 — 73 (31. 5). ἵνα μὴ πῖται ἐπιλάθωνται τῆς σοφίας (3 a)  
 — 74 (31. 6 [7]). καὶ οἶνον πῖναι τοῖς ἐν ὁδῷ ναῖς (3 a ?)  
 Ec. 2. 24. δ [A om.] πῖται (3 a)  
 — 25. τίς πῖται παρέξ αὐτοῦ (3 a)  
 3. 12. S<sup>1</sup> τοῦ πῖναι [A B S<sup>2</sup> ποιεῖν] ἀγαθὸν ἐν ζωῇ αὐτοῦ (3 a)  
 — 13. πᾶς ὁ ἀνθρώπος δὲ . . . πῖται (3 a)  
 5. 17. ἐπὶ καλὸν τοῦ φαγεῖν καὶ τοῦ πῖναι (3 a)  
 8. 15. εἰ μὴ τοῦ φαγεῖν καὶ τοῦ πῖναι (3 a)  
 9. 7. πῖ ἐν καρδίᾳ ἀγαθὴ οἶνον σου (3 a)  
 Ca. 5. 1. ἔπιον οἶνον μου μετὰ γαλακτός μου (3 a)  
 — 1. πῖται καὶ μεθύσθητε ἀδελφοί (3 a)  
 Si. 9. 10. μετ' εὐφροσύνης πῖται αὐτὸν (3 a)  
 24. 21. οἱ πῖνόντες με ἐν διψήσουσιν (3 a)  
 26. 12. ἀπὸ παντός ὑδατος τοῦ συνέγερτος πῖται (3 a)  
 34 (31). 27. ἐάν πῖται αὐτὸν μέτρῳ αὐτοῦ (3 a)

Si. 34 (31). 28. εὐφροσύνη ψυχῆς οἶνος πινόμενος ἐν  
καρπῷ αὐταρκῆς  
— 29. οἶνος πινόμενος [A γιν.] πολλὸς ἐν ἐρεθισμῷ  
Απ. 2. 8. οἶνον ἐκ συκαφαντιῶν ἐπίνον (3 a)  
4. 1. ἐπίδοτε ἡμῖν ὅπως πίνωμεν (3 a)  
— 8. τοῦ πικρὸν ὕδωρ (3 a)  
5. 11. οὐ μὴ πίπτε τὸν οἶνον αὐ. (3 a)  
6. 6. οἱ πίνοντες τὸν διυλισμένον οἶνον (3 a)  
9. 14. πίνονται τὸν οἶνον αὐ. (3 a)  
Μι. 6. 15. καὶ οὐ μὴ πίπτε (3 a)  
Jl. 1. 5. πάντες οἱ πίνοντες οἶνον εἰς μέθην (3 a)  
3 (4). 3. καὶ ἐπίνον [B' ἐπίνον] (3 a)  
Ob. 1. 16. ὅν τρόπον ἐπιεῖς ἐπὶ τὸ δρος τὸ ἀγιόν  
μου (3 a)  
— 16. A B' πίνονται πάντα τὰ ἔθνη οἶνον (3 a)  
— 16. πίνονται καὶ καταβήσονται (3 a)  
Jn. 3. 7. μηδὲ ὕδωρ πίνωσαν [B πιν.] (3 a)  
Hb. 2. 16. πληρομένην ἀτιμίας ἐκ δόξης πίε καὶ σύ (3 a)  
Ze. 1. 13. οὐ μὴ πῖσις τὸν οἶνον αὐ. (3 a)  
Hg. 1. 6. ἐπιεῖτε καὶ οὐκ εἰς μέθην (3 a)  
Za. 7. 6. εἰάν φάγητε ἢ πίητε οὐχ ὑμεῖς ἔσθετε  
καὶ πίνετε (3 a, 3 a)  
Is. 5. 12. μετὰ κιβώρας . . . τὸν οἶνον πίνουσι (3 c)  
— 22. οὐαί . . . οἱ πίνοντες τὸν οἶνον (3 a)  
7. 2. B' ἔσται ἀπὸ τοῦ πλείστον πικρὸν [A B S  
ποιεῖν] γάλα +  
9. 1 (8. 23). τοῦτο πρῶτον πίε -  
19. 5. πίνονται οἱ Αἰγ. ὕδωρ τὸ παρὰ θάλα. (1)  
25. 5. φάγετε πίετε (3 a)  
22. 13. ὥστε φαγεῖν κρέα καὶ πικρὸν οἶνον λέγον-  
τες, Φάγωμεν καὶ πίνωμεν (3 a, 3 a)  
23. 18. φαγεῖν καὶ πικρὸν καὶ ἐμπλησθῆναι -  
24. 9. οὐκ ἐπὶ οἶνον πικρὸν ἐγένετο τὸ σίκερα  
τοῖς πίνουσιν (3 a, 3 a)  
25. 6. πίνονται εὐφροσύνην πίνονται οἶνον (3 c, 3 c)  
28. 12. B' τοῦτο τὸ ἀνάπαυμα τῷ πίνοντι [A B  
πενθῶντι] +  
29. 8. A B' R' ὡς οἱ ἐν ὕμνῳ πίνοντες . . .  
ὅν τρόπον ἐνυπνιάζεται ὁ διψῶν ὡς  
ὁ [B B' om.] πίνων (-, 3 a)  
36. 12. ἵνα . . . πῖσις οὐδὲν μεθ' ὑμῶν ἄμα (3 a)  
— 16. πῖσθε ὕδωρ τοῦ λάκκου ὑμῶν (3 a)  
44. 12. οὐ μὴ πῖν ὕδωρ (3 a)  
48. 21. πίεται ὁ λαὸς μου -  
49. 26. πίνονται ὡς οἶνον νέον τὸ αἷμα αὐτῶν -  
51. 17. ἡ κίουσα ἐκ χειρὸς κυρίου τὸ ποτήριον  
τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ (3 a)  
— 17. A' τὸ κύνδου τοῦ θυμοῦ ἐπιεῖς [B B' ἐξέτ.] (3 a)  
— 22. οὐ προσθήσῃ ἐπὶ πικρὸν αὐτοῦ (3 a)  
55. 1. A B πίετε [B φάγετε] ἀνεῖ ἀργυρίου  
καὶ τιμῆς οἶνου [B -νον] +  
62. 8. εἰ ἔτι πίνονται υἱοὶ ἀλλοτρίοι τὸν οἶνον  
σου (3 a)  
— 9. οἱ συναγαγόντες πίνονται αὐτὰ (3 a)  
65. 13. οἱ δουλεύοντες μου πίνονται (3 a)  
Je. 2. 18. τοῦ πικρὸν ὕδωρ Γῆν (3 a)  
— 18. τοῦ πικρὸν ὕδωρ ποταμῶν (3 a)  
16. 8. συγκαθίσαι [A τοῦ κ.] μετ' αὐτῶν τοῦ  
φαγεῖν καὶ πικρὸν (3 a)  
22. 15. οὐ φάγονται καὶ οὐ πίνονται (3 a)  
28 (61). 7. ἀπὸ τοῦ οἶνου αὐτῆς ἐπίσαν ἔθνη (3 a)  
29 (49). 12. οἱ οὐκ ἦν νόμος πικρὸν τὸ ποτήριον  
ἐπίνον (3 a, 3 a)  
— 12. A' ὅτι πίνων πῖσαι (3 a, 3 a)  
32 (25). 16. A B πίνονται [B S om.] καὶ ἐξεμύν-  
ται (3 a)  
— 27. πίετε μεθύσθητε (3 a)  
— 28. διδάσθαι τὸ ποτήριον ἐκ τῆς χειρὸς σου  
ὥστε πικρὸν καὶ ἐρείε, οὕτως εἶπε  
κύριος, Πίνοντες πῖσθε (3 a ter)  
42 (35). 5. εἰπα, Πίετε οἶνον (3 a)  
— 6. οὐ μὴ [A om.] πίνωμεν [A B πίνωμεν] οἶνον  
. . . οὐ μὴ πίπτε οἶνον (3 a, 3 a)  
— 8. πρὸς τὸ μὴ πικρὸν [B πίνωμεν] οἶνον (3 a)  
— 14. πρὸς τὸ μὴ πικρὸν οἶνον καὶ οὐκ ἐπίσαν  
[A -ον] (3 a, 3 a)  
La. 5. 4. B' ὕδωρ ἡμῶν ἐν ἀργυρίῳ ἐπίομεν  
[A B al.] (3 a)  
Ez. 4. 11. ὕδωρ ἐν μέτρῳ πῖσαι τὸ ἔκτον τοῦ  
ἐν ἀπὸ καιροῦ ἕως καιροῦ πῖσαι (3 a, 3 a)  
— 16. ὕδωρ ἐν μέτρῳ καὶ ἐν ἀφανισμῷ πίνονται (3 a)  
— 18. τὸ ὕδωρ μετὰ βασάνου . . . πῖσαι (3 a)  
— 19. τὸ ὕδωρ αὐτῶν μετὰ ἀφανισμοῦ πίνονται (3 a)  
23. 32. τὸ ποτήριον τῆς ἀδείφης σου πῖσαι (3 a)  
— 34. πῖσαι αὐτὸ (3 a)  
25. 4. πίνονται τὴν πίστην σου (3 a)

Ez. 31. 14. πάντες οἱ πίνοντες ὕδωρ (3 a)  
— 16. πάντα τὰ πίνοντα ὕδωρ (3 a)  
34. 18. τὸ καθεστὸς ὕδωρ ἐπίετε (3 a)  
— 19. τὸ τεταραγμένον ὕδωρ ὑπὸ τῶν ποδῶν  
ὑμῶν ἐπίνον (3 a)  
39. 17. πῖσθε αἷμα (3 a)  
— 18. αἷμα ἀρχόντων τῆς γῆς πῖσθε (3 a)  
— 19. πῖσθε αἷμα εἰς μέθην (3 a)  
44. 21. οἶνον οὐ μὴ πῖσις πᾶς λερεύς (3 a)  
Da. LXX. 1. 5. οὐ πίνει ὁ βασι. (3 c)  
— 8. ἐν ᾧ πίνει οἶνον (3 c)  
5. 2 (1). ἐπίνον αὐτοῦ (3 d)  
— 3. ἐπίνον ἐν αὐτοῖς (3 d)  
— 23. καὶ ἐπίνον οἶνον -  
— 23. καὶ ἐπίνετε ἐν αὐτοῖς (3 d)  
Bel 23. ἐσθίει καὶ πίνει (3 a)  
Da. Th. 1. 12. καὶ ὕδωρ πῖμαθα (3 a)  
5. 2 (1). πίνων B. ἐπίνον ἐν τῇ γεύσει τοῦ οἶνου (3 d)  
— 2. πῖνωσαν ἐν αὐτοῖς (3 d)  
— 3. ἐπίνον ἐν αὐτοῖς (3 d)  
— 4. ἐπίνον οἶνον (3 d)  
— 23. οἶνον ἐπίνετε ἐν αὐτοῖς (3 d)  
Bel 6. ὅσα ἐσθίει καὶ πίνει (3 a)  
— 7. A' οὐ βέβρακεν οὐδὲ πέπακεν πόποτε [B βεβρ.  
οὐδέποτε]  
— 24. A B' ἐσθίει καὶ πίνει  
I Ma. 11. 58. ἐξουσίαν πῖνεν ἐν χρυσώμασι  
II Ma. 15. 39. οἶνον κατὰ μόναν πῖνεν . . . πολέμον  
[Aq. Ex. 7. 24 bis: III Ki. 4. 20: Ps. 68 (69).  
13: Pr. 4. 17: Is. 29. 8: 36. 12: Jc. 49. 12  
(29. 13): Ez. 28. 35].  
[Sm. Gk. 30. 38 bis: Ex. 7. 24 bis: III Ki. 4.  
20: Ps. 68 (69). 13: 74 (75). 9: 77 (78). 44:  
Pr. 4. 17: Is. 29. 8: 36. 12: 37. 25: Jc. 22.  
15: 25. 26 (82. 12): Am. 5. 11 (F.).]  
[Th. Ex. 7. 24 bis: Is. 29. 8: 37. 25: Jc. 49.  
12 (29. 13): Da. 6. 1.].  
[Al. Ex. 17. 1: Nu. 20. 5.]  
πίνυνος (πίνυνος).  
Es. 1. 6. σμαραγδίνου λίθου καὶ πινύνου [A B' al.] +  
πίνυνος.  
[Al. Pr. 25. 12.]  
πίοτης. (1) 𐤐𐤕𐤔 (2) 𐤐𐤕𐤕 (3) 𐤐𐤕𐤕  
(4) 𐤐𐤕𐤕 (5) 𐤐𐤕𐤕  
Ge. 27. 28. δῆλ' οἱ δ. . . ἀπὸ τῆς π. τῆς γῆς (5)  
— 39. ἀπὸ τῆς π. τῆς γῆς ἔσται ἡ κατοικησίς  
σου (5)  
Jd. 9. 9. ἀπολείψασα [A ἀφείσα] τὴν π. μου (1)  
III Ki. 18. 3. ἐκχυθήσεται ἡ π. ἡ ἐπ' [A ἐν] αὐτῷ (1)  
— 5. ἐξεχύθη ἡ π. ἀπὸ τοῦ θυσιαστ. (1)  
Es. 8. 13. A' μετὰ πίοτης [B S' πῖσις, B' πῖσις].  
ἀεὶ διεξάγειν  
Jb. 36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πίοτης (1)  
Ps. 35 (86). 8. ἀπὸ πίοτης οἴκου σου (1)  
62 (63). 5. ὥστε στέατος καὶ πίοτης ἐμπλησ-  
θεὶ ἡ ψυχὴ μου (1)  
64 (65). 11. τὰ πῖδια σου πλησθήσονται πίοτη-  
τος (1)  
103 (104). 28. A' τὰ σύμπαντα πλησθήσονται  
πίοτης [B S' χρηστότης] (3)  
Pr. 15. 4. B' ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται  
πίοτης [A B πνεύματος, B' τῶν  
καρπῶν αὐ.] +  
Za. 4. 14. οὗτοι οἱ δύο υἱοὶ τῆς π. (4)  
Ez. 26. 4. πίνονται τὴν π. σου (2)  
[Aq. Is. 55. 2.]  
[Sm. Pr. 8. 3: Is. 28. 1: 55. 2.]  
[Th. Jb. 36. 16.]  
[Al. E. 6. 11 (4).]  
ΠΙΠΙ.  
[Aq. Nu. 16. 5: 22. 22, 24: IV Ki. 21. 4: Ps.  
24 (26). 12: 25 (26). 1: 28 (27). 11, 14: 27  
(28). 1, 8: 29 (30). 11: 30 (31). 7, 10, 15:  
31 (32). 2, 5, 10: 32 (33). 4, 6, 8, 10, 12, 18,  
20, 22: Is. 41. 16 (Sw.): 48. 14 (Sw.): 52. 5  
(Sw.): 58. 5 (Sw.): 59. 13: 60. 1 (Sw.): 64.  
9 (3) (Sw.): 66. 5: Jc. 20. 13: Ez. 2. 4:  
12. 23: 30. 6.]  
[Sm. Nu. 16. 5: 22. 22, 24: IV Ki. 21. 4: Ps.  
24 (26). 12: 25 (26). 1: 28 (27). 4, 14: 27  
(28). 1: 30 (31). 15: 31 (32). 2, 5, 10, 11:  
32 (33). 8, 10, 20: Is. 41. 16 (Sw.): 48. 14  
(Sw.): 58. 5 (Sw.): 60. 1 (Sw.): 64. 9 (3)  
(Sw.): Ez. 2. 4: 12. 23: 30. 6.]

[Th. Nu. 16. 5: 22. 22, 24: IV Ki. 21. 4: Ps.  
26 (27). 11: Is. 41. 16 (Sw.): 48. 14 (Sw.):  
58. 5 (Sw.): 59. 13: 60. 1 (Sw.): 64. 9 (3)  
(Sw.): Ez. 2. 4: 12. 23: 30. 6.]  
[Al. Nu. 1. 48: Jo. 17. 4: III Ki. 5. 7 (21).]  
[Hob. Ge. 4. 26: Nu. 16. 5: 22. 22, 24: Ps.  
71 (72). 18: Ma. 2. 13.]  
[Quint. IV Ki. 21. 4: Ps. 25 (26). 1: 28 (27).  
11: 27 (28). 8: 30 (31). 10, 25: 31 (32). 2.]  
[Sext. Ps. 26 (27). 7, 11, 14: 27 (28). 8: 30  
(31). 15: 31 (32). 2: 32 (33). 20.]  
πιπλάν, cf. πιμπλάναι.  
πιπράσκειν. (1) 𐤐𐤕𐤕 a. qal. δ. ni. c. hithp.  
(2) 𐤐𐤕𐤕 pi.  
Ge. 31. 15. πέπρακε γὰρ ἡμᾶς (1 a)  
Ex. 22. 3 (2). πρᾶθῃτε ἀντὶ τοῦ κλέμματος (1 b)  
Le. 25. 23. ἡ γῆ οὐ πρᾶθῃται εἰς βεβαίωσιν (1 b)  
— 34. οἱ ἄγροί . . . οὐ πρᾶθῃσονται (1 b)  
— 39. καὶ πρᾶθῃ σοι (1 b)  
— 42. οὐ πρᾶθῃται ἐν πράσει οἰκέτου (1 b)  
— 47. καὶ . . . πρᾶθῃ τῷ προσήλυτῳ (1 b)  
— 48. μετὰ τὸ πρᾶθῃν αὐτῷ (1 b)  
27. 27. πρᾶθῃται κατὰ τὸ τίμημα αὐτοῦ (1 b)  
De. 15. 12. εἰάν δι' ἐπὶ πρᾶθῃ σοι ὁ ἀδ. σου (1 b)  
21. 14. πρᾶσει οὐ πρᾶθῃται ἀργυρίου (1 a)  
28. 68. πρᾶθῃσθε ἐκεί τοις ἐχθροῖς ὑμῶν (1 c)  
I Ki. 28. 7. πέπρακεν αὐτὸν ὁ θ. (2)  
III Ki. 20 (21). 20. οἷόντι μάτην πέπρασαι (1 c)  
— 25. A' ἐπράθη [B om.] Ἀχ. δε ἐπράθη  
ποιήσαι (-, 1 c)  
IV Ki. 17. 17. ἐπράθησαν τοῦ ποιῆσαι τὸ πον. (1 c)  
Ju. 7. 25. πέπρακεν ἡμᾶς ὁ θεός  
Es. 7. 4. B' ἐπράθημεν γὰρ . . . εἰς παιδίσκας  
ἐπράθημεν [A B S' om.] (1 b, 1 b)  
Ps. 104 (105). 17. εἰς δοῦλον ἐπράθη ἰωσήφ (1 b)  
Wi. 10. 13. αὕτη πρᾶθέντα δικαίον οὐκ ἐγκατέλειπεν  
Is. 48. 10. πέπρακά σε οὐχ ἔνεκεν ἀργυρίου +  
50. 1. τίνι ὑπόχρεῳ πέπρακα ὑμᾶς (1 a)  
— 1. ταῖς ἁμαρτίαις ὑμῶν ἐπράθητε (1 b)  
52. 3. δωρεὰν ἐπράθητε (1 b)  
Je. 41 (34). 14. τὸν Ἑβραῖον δε πρᾶθῃται σοι (1 b)  
Ba. 4. 6. ἐπράθητε τοῖς ἔθνεσιν οὐκ εἰς ἀπώλειαν  
Ez. 48. 14. οὐ πρᾶθῃται ἐξ αὐτοῦ [A -ών] (1 a)  
I Ma. 1. 15. ἐπράθησαν [B' ἐπείρ.] τοῦ ποιῆσαι τὸ  
ποιήριον  
II Ma. 4. 32. ἔτερα ἐτύγγανε πεπρακός  
5. 14. οὐχ ἦντον δε τῶν ἐσφαγμένων ἐπράθησαν  
8. 14. τοὺς ὑπὸ τὸν δυσσεβοῦς N. . . πεπραμένους  
10. 21. R' ὡς ἀργυρίου πεπρακάσαι [A -καν] τοὺς ἀδ.  
[Aq. Th. Pr. 11. 26.]  
[Al. Le. 25. 50: Ps. 43 (44). 13.]  
πίπτειν. (1) 𐤐𐤕𐤕 (2) 𐤐𐤕𐤕 ni. (3) 𐤐𐤕𐤕  
(4) 𐤐𐤕𐤕 (5) 𐤐𐤕𐤕 (6) 𐤐𐤕𐤕 a. qal. δ. ni.  
c. hi. (7) 𐤐𐤕𐤕 (8) 𐤐𐤕𐤕 pu. (9) 𐤐𐤕𐤕  
(10) 𐤐𐤕𐤕 ni. (11) 𐤐𐤕𐤕 hoph. (12) 𐤐𐤕𐤕  
a. qal. δ. hi. c. pil. d. 𐤐𐤕𐤕 e. 𐤐𐤕𐤕  
f. 𐤐𐤕𐤕 (13) 𐤐𐤕𐤕 (14) 𐤐𐤕𐤕 (15) 𐤐𐤕𐤕  
(16) 𐤐𐤕𐤕 (17) 𐤐𐤕𐤕 (18) 𐤐𐤕𐤕 ni.  
(19) 𐤐𐤕𐤕 ni. (20) 𐤐𐤕𐤕 (21) 𐤐𐤕𐤕  
(22) τὰ πεπτωκότα 𐤐𐤕𐤕 𐤐𐤕𐤕  
Ge. 17. 3. ἔπεσον Ἀ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 a)  
— 17. B' ἔπεσον Ἀ. ἐπὶ πρόσωπον (12 a)  
44. 14. ἔπεσον ἐναντίον αὐτοῦ (12 a)  
49. 17. πεσείται ὁ ἱππεὺς εἰς τὰ ὀπίσω (12 a)  
Ex. 9. 19. πέση δὲ ἐπ' αὐτὰ ἡ χάλας (3)  
19. 21. καὶ πέσωσιν [A πέση] ἐξ αὐτῶν πληθὺς (12 a)  
23. 5. εἰάν δι' ἔθνη τὸ ὑπόχ. . . πεπτωκός (17)  
32. 28. ἔπεσαν . . . εἰς τριγυλίους ἀνδρας (12 a)  
Le. 9. 24. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον (12 a)  
11. 33. εἰς δ' εἰάν πέση ἀπὸ τούτων (12 a)  
— 35. A B' δ' εἰάν πέση [B' B' ἐπιπ.] . . ἐπ'  
αὐτό (12 a)  
26. 7. πεσούνται ἐναντίον ὑμῶν φόνος  
— 8. πεσούνται οἱ ἐχθροὶ ὑμῶν (12 a)  
— 17. πεσεῖσθε ἐναντίον τῶν ἐχθρῶν ὑ.  
— 36. πεσούνται οὐδένως διώκοντες (12 a)  
Nu. 14. 3. πεσεῖν ἐν πολέμῳ (12 a)  
— 5. ἔπεσε M. . . ἐπὶ πρόσωπον (12 a)  
— 29. πεσεῖται τὰ κῶλα ὑμῶν (12 a)

- Nu. 14. 32. τὰ κῶλα ὑμῶν πεσεῖται (12 α)  
— 42. πεσεῖσθε πρὸ προσώπου τῶν ἐχθρῶν ὑ. (10)  
— 43. καὶ πεσεῖσθε μαχαίρα (12 α)  
16. 4. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον (12 α)  
— 22. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (12 α)  
— 45 (17. 10). ἔπесен [B<sup>1</sup>-αν] ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (12 α)  
20. 6. B<sup>2</sup>B ἔπесен [AB<sup>1</sup>-αν] ἐπὶ πρόσωπον (12 α)  
De. 2. 16. B<sup>1</sup>B ἐπειθὶ ἔπесен [AB<sup>2</sup> ἐπεί διέπ.] πάντες (21)  
21. 1. ἐὰν δὲ εὐρεθῇ . . . πεπτῶκως ἐν τῷ πεδίῳ (12 α)  
22. 4. πεπτῶκῶς [A-α] ἐν τῇ ὁδῷ (12 α)  
— 8. ἐὰν πέσῃ ὁ πεσὼν ἀπ' αὐτοῦ [A-ῆς] (12 α, 12 α)  
Jo. 5. 14. 'I. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον (12 α)  
6. 5. πεσεῖται αὐτόματα τὰ τεῖχη (12 α)  
— 19 (20). ἔπесен ἔσαν τὸ τεῖχος (12 α)  
7. 6. ἔπесен 'I. ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
— 10. ἵνα τί τοῦτο σὺ πέπτῶκας (12 α)  
8. 25. οἱ πεσόντες ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. (12 α)  
11. 7. A ἔπесен αὐτοῖς [B ἐπέπ. ἐπ' αὐτοῖς] (12 α)  
17. 5. ἔπесен ὁ σχοινιάσας αὐτῶν (12 α)  
23. 14. οὐκ ἔπесен εἰς λόγος (12 α)  
Jd. 3. 25. πεπτῶκως ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
4. 16. ἔπесε πᾶσα παρεμβολὴ Σισάρα (12 α)  
— 22. A Σ. πεπτῶκως [B ἐρριμμένως] νεκρός (12 α)  
5. 27. ἀνὰ μέσον τῶν ποδῶν αὐ. . . ἔπесε (12 α)  
— 27. κατακλιθεὶς ἔπесε [A. α.] (12 α)  
— 27. ἐκεῖ ἔπесε (12 α)  
7. 13. καὶ ἔπесε (12 α)  
— 13. καὶ ἔπесен ἡ σκηνή (12 α)  
8. 10. οἱ πεπτῶκότες ἐκαστὸν ἔκοσι χιλιάδες (12 α)  
9. 40. AB ἔπесен [B-αν] τραυματῖαι πολλοὶ (12 α)  
12. 6. ἔπесен . . . δύο καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (12 α)  
13. 20. B ἔπесен [AB-ον] ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (12 α)  
14. 19. A ἔπесен [?] ἔπесен ἐκείθεν τριάκοντα ἀνδράς [B. α.] (12 α)  
16. 30. ἔπесен ὁ οἶκος (12 α)  
19. 26. ἔπесε παρὰ τὴν θύραν (12 α)  
— 27. πεπτῶκῶς παρὰ τὰς θύρας (12 α)  
20. 32. πίπτουσιν [A προκρίπτ.] ἐνώπιον ἡ. (10)  
— 39. πίπτουσιν ἐνώπιον ἡμῶν [A. α.] (10)  
— 44. ἔπесен . . . ὁκτώ καὶ δέκα χιλιάδες (12 α)  
— 46. B πάντες οἱ πίπτοντες [A πεπτῶκῶτες] ἀπὸ B. (12 α)  
Ru. 2. 10. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (12 α)  
3. 18. πῶς οὐ πεσεῖται βῆμα (12 α)  
I Ki. 2. 33. πεσούνται ἐν ῥομφαίᾳ ἀνδρῶν (7)  
3. 19. οὐκ ἔπесен ἀπὸ πάντων τῶν λόγων αὐ. (12 β)  
4. 10. AB ἔπесен [B-αν] . . . τριάκοντα χιλιάδες ταγμάτων (12 α)  
— 18. ἔπесен ἀπὸ τοῦ δῖφρου ἐπιστάτης (12 α)  
5. 3, 4. Δ. πεπτῶκως ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (12 α)  
— 4. πεπτῶκῶτες ἐπὶ τὸ πρόθυρον (12 α)  
14. 45. εἰ πεσεῖται τριχὺς τῆς κεφ. αὐ. [A. α.] (12 α)  
17. 49. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 α)  
— 52. B ἔπесен [AB-ον] τραυματῖαι τῶν ἀλλοφ. (12 α)  
18. 10. A ἔπесен πνεῦμα θ. ποιητὸν ἐπὶ Σ. (16)  
19. 24. καὶ ἔπесε γυμνός (12 α)  
20. 41. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 α)  
21. 13 (14). ἔπιπτεν ἐπὶ τὰς θύρας τῆς πύλης (12 α)  
25. 23. ἔπесен ἐνώπιον Δ. (12 α)  
— 24. A ἔπесен [B om.] ἐπὶ τοὺς πόδας αὐ. (12 α)  
26. 12. θάμβος κυρίου ἔπесен ἐπ' αὐτούς (12 α)  
— 20. μὴ πέσοι τὸ αἶμά μου (12 α)  
28. 19. σὺ καὶ οἱ υἱοὶ σου μετὰ σοῦ πεσούτοι (12 α)  
— 20. ἔπесен ἐστηκὼς ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
31. 1. καὶ πίπτουσι τραυματῖαι (12 α)  
— 8. πεπτῶκῶτας ἐπὶ τὰ δρυ Γ. (12 α)  
II Ki. 1. 2. ἔπесен ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
— 4. πεπτῶκῶσι πολλοὶ ἐκ τοῦ λαοῦ (12 α)  
— 6. A καὶ ἔπесен (12 α)  
— 10. μετὰ τὸ πεσεῖν αὐτόν (12 α)  
— 19. πῶς ἔπесен δυνατοί (12 α)  
— 21. A μηδὲ νεκροὶ πέσοι ἐφ' ὑμᾶς [B. α.] (12 α)  
— 25, 27. πῶς ἔπесен δυνατοί (12 α)  
2. 16. καὶ πίπτουσιν κατὰ τὸ αὐτό (12 α)  
— 23. καὶ πίπτει ἐκεῖ (12 α)  
— 23. οὐ ἔπесен ἐκεῖ 'Ασ. (12 α)  
3. 29. καὶ πίπτει ἐν ῥομφαίᾳ (12 α)  
— 34. ἐνώπιον υἱῶν ἀδικίας ἔπесен (12 α)  
— 38. ἡγουμένος μέγας πεπτῶκεν (12 α)  
4. 4. ἔπесε καὶ ἡχωλάθη (12 α)  
II Ki. 9. 6. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 α)  
11. 17. ἔπесен ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ λαοῦ (12 α)  
14. 4. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (12 α)  
— 11. εἰ πεσεῖται ἀπὸ [A om.] τῆς τριχὺς (12 α)  
— 22. ἔπесен 'I. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (12 α)  
— 33. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 α)  
17. 12. ὡς πίπτει ἡ δρόσος ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
18. 19 (19). ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 α)  
20. 8. καὶ ἔπесε (12 α)  
21. 9. ἔπесен οἱ ἐπτά (12 α)  
— 22. ἔπесен ἐν χειρὶ Δ. (12 α)  
22. 39. πεσούνται ὑπὸ τοὺς πόδας μου (12 α)  
III Ki. 1. 52. εἰ πεσεῖται τῶν τριχῶν αὐτοῦ (12 α)  
18. 7. καὶ ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (12 α)  
— 38. ἔπесε πῦρ παρὰ κυρίου (12 α)  
— 39. ἔπесε πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον αὐ. [A. α.] (12 α)  
21 (20). 25. κατὰ τὴν δύναμιν τὴν πεσούσαν (12 α)  
— 30. καὶ ἔπесε τὸ τεῖχος (12 α)  
22. 20. καὶ πεσεῖται ἐν 'P. (12 α)  
IV Ki. 1. 2. ἔπесен 'Οχ. διὰ τοῦ δικτυοῦ (12 α)  
2. 13. ἔπесен ἐπ' αὐτοὺς 'Ελσαί (12 α)  
— 14. ἡ ἔπесен ἐπ' αὐτοὺς αὐτοῦ (12 α)  
4. 37. ἔπесен [A ἐπέπ.] ἐπὶ τοὺς πόδας αὐ. (12 α)  
6. 6. ποῦ ἔπесε (12 α)  
10. 10. οὐ πεσεῖται [A ποιήσαι] ἀπὸ τοῦ ῥίμ. (12 α)  
14. 10. καὶ πεσὴ σὺ (12 α)  
I Ch. 5. 10. ἔπесен ἐν χερσὶν αὐτῶν (12 α)  
— 22. τραυματῖαι πολλοὶ ἔπесен (12 α)  
10. 1. καὶ ἔπесен τραυματῖαι (12 α)  
— 4. AB ἔπесен [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτὴν (12 α)  
— 5. ἔπесε καὶ αὐτοὶ ἐπὶ τὴν ῥομφαίαν αὐ. (12 α)  
— 8. εὗρον . . . τοὺς υἱοὺς αὐ. πεπτῶκῶτας (12 α)  
20. 8. ἔπесен [A-αν] ἐν χειρὶ Δ. (12 α)  
21. 14. ἔπесен [A-αν] ἐξ 'Ισρ. ἐβδομήκ. χιλιάδων ἀνδρῶν (12 α)  
— 16. καὶ ἔπесε Δ. (12 α)  
26. 14. ἔπесен ὁ κληρὸς . . . τῷ Σελ. (12 α)  
II Ch. 6. 13. ἔπесен ἐπὶ τὰ γόνατα (1)  
7. 3. ἔπесен [A-αν] ἐπὶ πρόσωπον (4)  
18. 17. καὶ ἔπесен [A-αν] τραυματῖαι (12 α)  
14. 13 (12). καὶ ἔπесен λιθίστας (12 α)  
18. 19. καὶ πεσεῖται ἐν 'P. (12 α)  
20. 18. B ἔπесен [A-αν] ἔναντι κυρίου (12 α)  
— 24. πάντες νεκροὶ πεπτῶκῶτες ἐπὶ τῆς γῆς (12 α)  
25. 19. καὶ πεσὴ σὺ (12 α)  
29. 30. ἔπесен [A-αν] καὶ προσεκύνσαν (16)  
Ne. 6. 16. A ἔπесен [B ἐπέπ.] φόβος σφόδρα (12 α)  
To. 11. 9. A ἔπесен [B ἐπέπ.] ἐπὶ τὸν τράχηλον (12 α)  
— 13. AB ἔπесен [B ἐπέπ.] ἐπὶ τὸν τράχηλον (12 α)  
12. 16. AB ἔπесен [B-αν] ἐπὶ πρόσωπον (12 α)  
14. 10. B ἔπесен [A ἐπέπ.] εἰς τὴν παγίδα (12 α)  
Ju. 2. 28. AB ἔπесен [B ἐπέπ.] ὁ φόβος (12 α)  
4. 11. ἔπесен [B-αν, A ἐπέθετο] κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (12 α)  
— 13. B ἔπесен [AB om.] κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου (12 α)  
6. 6. πεσὴ ἐν τοῖς τραυματῖαις (12 α)  
— 18. πεσόντες ὁ λαὸς προσεκύνσαν (12 α)  
7. 11. καὶ οὐ πεσεῖται . . . ἀνὴρ εἰς (12 α)  
— 22. ἔπιπτεν ἐν ταῖς πλατείαις τῆς πόλεως (12 α)  
8. 3. AB B<sup>3</sup> ἔπесен ἐπὶ τὴν κλίνην (12 α)  
— 19. ἔπесен [B-αν] πῶμα μέγα (12 α)  
9. 1. 'I. δὲ ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον (12 α)  
10. 23. καὶ πεσούσα ἐπὶ πρόσωπον (12 α)  
14. 6. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον (12 α)  
15. 2. AB ἔπесен [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτοὺς φόβος (12 α)  
16. 7. B οὐ γὰρ ἔπесен [A ἐπέπ.] ὁ δυνατός αὐ. (12 β)  
Es. 3. 7. καὶ ἔπесен ὁ κληρὸς (12 α)  
5. 1. ἔπесен ἡ βασιλεύσα (12 α)  
— 2. ἔπесен ἀπὸ ἐκλίσεως (12 α)  
6. 13. πεσὼν πεσὴ (12 α, 12 α)  
7. 8. A καὶ ἔπесен [B S om. κ. ἔ.] ἐπὶ τὴν κλίνην (12 α)  
Jb. 1. 16. πῦρ ἔπесен ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (12 α)  
— 19. ἔπесен ἡ οἰκία ἐπὶ τὰ παῖδιά σου (12 α)  
— 20. πεσὼν χαμαὶ προσεκύνσθαι (12 α)  
12. 5. ἡτοίμαστον πεσεῖν ὑπὸ ἀλλῶν [A με ἐπ' αὐτοῖς] (12 α)  
14. 10. πεσὼν δὲ βροτὸς οὐκέτι ἐστί (12 α)  
— 18. A καὶ πλὴν ὁρος πίπτον [A S<sup>1</sup>-ων] πεσεῖται [B S διαπεσ.] (12 α)  
15. 24. ὥσπερ στρατηγὸν πρωτοστάτης πίπτων [A πεπτῶκῶν] (12 α)  
16. 10 (9). βέλη πειράων [A -τηρίων] ἐπ' ἐμοὶ [B ἐμέ] ἔπесен (12 α)  
Jb. 24. 23. ἀλλὰ πεσεῖται νόσφ. (12 α)  
33. 18. καὶ [A S<sup>2</sup> τοῦ] μὴ πεσεῖν αὐτὸν ἐν πολέμῳ (12 α)  
— 24. ἀνέξεται τοῦ μὴ πεσεῖν [A S<sup>2</sup> π. αὐ-τὸν] εἰς θάνατον (8)  
Ps. 9. 31 (10. 10). κύβηι καὶ πεσεῖται (12 α)  
15 (16). 6. S σχοινία ἔπесен [A B ἐπέπ.] μοι ἐν τοῖς κρατίστοις (12 α)  
17 (18). 38. πεσούνται ὑπὸ τοὺς πόδας μου (12 α)  
19 (20). 8. αὐτοὶ συνεποδίσθησαν καὶ ἔπесен (12 α)  
26 (27). 2. αὐτοὶ ἠσθένησαν καὶ ἔπесен (12 α)  
34 (35). 8. A S<sup>2</sup> ἐν τῇ παγίδι πεσεῖται [B S<sup>2</sup>-οῦνται] ἐν αὐτῇ (12 α)  
35 (36). 12. ἐκεῖ ἔπесен [A S<sup>2</sup>-αν] πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν (12 α)  
36 (37). 24. ὅταν πέσῃ οὐ καταραχθήσεται (12 α)  
44 (45). 5. λαοὶ ὑποκάτω σου πεσούνται (12 α)  
57 (58). 8. S<sup>2</sup> B ἔπесε [B S<sup>2</sup> ἐπέπ.] πῦρ (12 α)  
77 (78). 28. S<sup>2</sup> ἔπесен [B S<sup>2</sup> ἐπέπ.] εἰς μέσον τῆς παρεμβ. αὐ. (12 β)  
— 64. οἱ ἱερεῖς αὐτῶν ἐν ῥομφαίᾳ ἔπесен (12 α)  
81 (82). 7. ὡς εἰς τῶν ἀρχόντων πίπτετε (12 α)  
90 (91). 7. πεσεῖται ἐκ τοῦ κλίτους σου χιλιάς (12 α)  
117 (118). 13. ὥσπερ ἀνερπάξῃ τοῦ πεσεῖν (12 α)  
139 (140). 10. πεσούνται ἐπ' αὐτοὺς ἀνδρακες (8 β, 8 c\*)  
140 (141). 10. πεσούνται ἐν ἀμφιβλήτρω αὐ-τοῦ ἀμαρτωλοῦ (12 α)  
Pr. 11. 14. πίπτουσιν ὥσπερ φύλλα (12 α)  
— 28. ὁ πεποιθὼς ἐπὶ πλοῦφ. οὕτως πεσεῖται (12 α)  
28. 5. B S<sup>1</sup> οὐδαμοῦ πεσεῖται [A S<sup>2</sup> B φανείται] (12 α)  
24. 16. ἐπτάκις γὰρ πεσεῖται δικαίος (12 α)  
— 17. ἐὰν πέσῃ ὁ ἐχθρὸς σου (12 α)  
25. 26. δικαίος δικαίον πεπτῶκεναι (8 α)  
29. 16. οἱ δὲ δικαῖοι ἐκείνων πιπτόντων κατὰ φοβοὶ γίνονται (12 ε)  
Ec. 4. 10. ἐὰν πέσωσιν (12 α)  
— 10. οὐαὶ αὐτῷ τῷ ἐν ὅταν πέσῃ (12 α)  
11. 3. ἐὰν πέσῃ ἔξωθεν ἐν τῷ νότῳ (12 α)  
— 3. τόπῳ οὐ πεσεῖται τὸ ἔξωθεν (12 α)  
Wi. 11. 20. ἐνὶ πνύματι πεσεῖν ἐδύνατο (12 α)  
18. 23. σωρηδὼν γὰρ βῆθι πεπτῶκῶν ἐν' ἀλλήλων νεκρῶν (12 α)  
Si. 1. 30. μὴ ἐξήψου σεαυτὸν ἵνα μὴ πέσῃς (12 α)  
2. 7. μὴ ἐκκλίνῃς ἵνα μὴ πέσῃς (12 α)  
18. 21. ταπεινός [S<sup>1</sup> πτωχός] δὲ πεσὼν προσαπο-θείται ὑπὸ φίλων (12 α)  
14. 2. δε οὐκ ἔπесен ἀπὸ τῆς ἐλπίδος αὐτοῦ (12 α)  
19. 1. ὁ ἐξουθενῶν τὰ ὀλίγα κατὰ μικρὸν πεσεῖται (12 α)  
22. 27. ἵνα μὴ πέσω ἀπ' αὐτῆς (12 α)  
23. 1. μὴ ἀφῇς με πεσεῖν ἐν αὐτοῖς (12 α)  
— 3. πεσοῦμαι ἔναντι τῶν ὑπεναγίων (12 α)  
28. 18. πολλοὶ ἔπесен ἐν στόματι μαχαίρας καὶ οὐχ ὡς οἱ πεπτῶκῶτες [A ὁ πεπτῶκῶς] διὰ γλώσσας (12 α)  
— 26. μὴ πέσῃς κατέναντι ἐνεδρευόντος (12 α)  
49. 13. τοῦ ἐγείραντος ἡμῖν [B-ὼν] τεῖχη [B<sup>1</sup> χεῖλη] πεπτῶκῶτα (12 α)  
50. 17. ἔπесен ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
Ho. 7. 7. πάντες οἱ βασι. αὐ. ἔπесен [A-ον] (12 α)  
— 16. πεσούνται ἐν ῥομφαίᾳ οἱ ἀρχόντες αὐ. (12 α)  
10. 8. πέσατε ἐφ' ἡμᾶς [A. α.] (12 α [†])  
14. 1. ἐν ῥομφαίᾳ πεσούνται αὐτοὶ (12 α)  
Am. 8. 5. εἰ πεσεῖται ὕμνος ἐπὶ τῆς γῆς (12 α)  
— 14. καὶ πεσούνται ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
5. 1 (2). οἶκος 'Ισρ. ἔπесен (12 α)  
7. 17. ἐν ῥομφαίᾳ πεσούνται (12 α)  
8. 3. πολὺς ὁ πεπτῶκῶς ἐν παντὶ τόπῳ (13)  
— 14. πεσούνται καὶ οὐ μὴ ἀναστῶσιν ἐτι (12 α)  
9. 9. οὐ μὴ πέσῃ σύνημιμα ἐπὶ τὴν γῆν (12 α)  
— 11. ἀναστήσῃ τὴν σκηνὴν Δ. τὴν πεπτω-κυῖαν (12 α)  
— 11. ἀνοικοδομήσῃ τὰ πεπτῶκῶτα αὐ. (14)  
Mi. 5. 7 (6). ὡς δρόσος παρὰ κυρίου πίπτουσα (12 α)  
7. 8. πέπτῶκα καὶ ἀναστήσομαι (12 α)  
Jl. 2. 8. ἐν τοῖς βέλεσιν αὐ. πεσούνται (12 α)  
Jn. 1. 7. ἔπесен ὁ κληρὸς ἐπὶ 'I. (12 α)  
Na. 8. 12. πεσούνται εἰς στόμα ἐσθόντος (12 α)  
Za. 11. 2. πέπτῶκε κέδρος (12 α)  
Is. 2. 17. πεσεῖται ὕβρις [A S ὕψος] ἀνθρώπων (20)  
3. 25. ὁ υἱὸς σου ὁ κάλλιστος . . . μαχαίρα πεσεῖται καὶ οἱ ἰσχυροὶ ὤμων μαχαίρᾳ πεσούνται (12 α, —)  
8. 15. πεσούνται καὶ συνηριθμῶνται (12 α)  
9. 10 (9). πλίνθοι πεπτῶκῶσι (12 α)  
10. 4. AB ὑποκάτω ἀνηρημένων πεσούνται (12 α)

- Is. 10. 34. πεσοῦνται ὑψηλοὶ [A om. π. ὑ.] μαχαίρα ὁ δὲ Λιβανὸς σὺν τοῖς ὑψηλοῖς πεσεῖται (†) (12 a)
13. 15. μαχαίρα πεσοῦνται (12 a)
16. 9. πάντα πεσοῦνται (12 a)
21. 9. πέτωκε [A S om.] πέτωκε Βαβυλὼν (12 a, 12 a)
- 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεπτωκότων ἐν τῷ πολέμῳ [A πεδίφ] †
22. 25. ἀφαιρέθησεται καὶ πεσεῖται [A S π. κ. δ.] (12 a)
23. 13. ὁ τοῖχος αὐτῆς πέτωκεν (12 d?)
24. 20. πεσεῖται καὶ οὐ μὴ δύνηται ἀναστῆναι (12 a)
- 23. πεσεῖται τὸ τεῖχος †
25. 2. τοῦ μὴ [A S om.] πεσεῖν αὐτὸν τὰ θεμέλια (12 d)
26. 18. B<sup>2</sup> B οὐ πεσοῦμεθα —
- 18. πεσοῦνται πάντες [A S om.] οἱ ἐνοικούντες ἐπὶ τῆς γῆς (12 a)
- 19. ἡ δὲ γῆ τῶν ἀσεβῶν πεσεῖται (12 b)
27. 3. ἡμέρας δὲ πεσεῖται τεῖχος (†)
28. 13. ἵνα . . . πέσωσιν [A B add. εἰς τὰ] ὀπίσω (5)
30. 13. ὡς τεῖχος πίπτον παραχρήμα πόλεως (12 a)
- 25. ὅτιν πεσοῦσι πύργοι (12 a)
31. 8. πεσεῖται Ἰσσοῦρ (12 a)
34. 4. πάντα τὰ ἄσπρα πεσεῖται . . . ὡς πίπτει φύλλα ἀπὸ σукес (9, 9)
37. 7. πεσεῖται μαχαίρα ἐν τῇ γῇ αὐτοῦ (12 b)
46. 1. ἔπεσε [S<sup>1</sup> ἐπὶ σὶ] Βηλ (4)
49. 19. τὰ ἔρμηά σου . . . καὶ τὰ πεπτωκότα (22)
59. 10. πεσοῦνται ἐν μεσημβρίᾳ (5)
65. 12. πάντες ἐν [B om.] σφαγῇ πεσεῖσθε (4)
- Je. 6. 15. πεσοῦνται ἐν τῇ πτώσει αὐτῶν (12 a)
8. 4. μὴ ὁ πίπτων οὐκ ἀνίσταται (12 a)
11. 22. A οἱ νεανίσκοι αὐτῶν ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται [B S ἀποθανοῦνται] (7)
16. 4. ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται —
18. 4. ἔπεσε [B διέπ.] τὸ ἀργεῖον (19)
- 21. οἱ νεανίσκοι αὐτῶν πεπτωκότες μαχαίρᾳ (11)
20. 4. πεσοῦνται ἐν μαχαίρᾳ ἐχθρῶν αὐτῶν (12 a)
23. 12. καὶ πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (12 a)
- 26 (46). 6. ἠσθένησε καὶ πεπτώκασιν (12 a)
- 12. ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἔπεσαν [B -ον] ἀμφοτέρω (12 a)
- 16. S B ἠσθένησε καὶ ἔπεσε [B -αν, A -ον] (12 a)
- 27 (50). 15. ἔπεσαν [B -ον] αἱ ἐπάλξεις αὐτῆς (12 a)
- 30. πεσοῦνται οἱ νεανίσκοι αὐτῆς (12 a)
- 32. ἀσθενήσει ἡ ὕβρις σου καὶ πεσεῖται (12 a)
- 28 (51). 4. πεσοῦνται τραυματίαι ἐν γῇ Χ. (12 a)
- 8. ἀφῶν ἔπεσε Βαβυλὼν (12 a)
- 49. ἐν Βαβ. πεσοῦνται τραυματίαι [S al.] (12 a)
- 52. ἐν π. τῇ γῇ αὐ. πεσοῦνται τραυματίαι †
- 30 (49). 26. πεσοῦνται νεανίσκοι ἐν πλατείαις σου καὶ πάντες οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ σου πεσοῦνται [A om.] (12 a, †)
- 31 (48). 32. A ἐπὶ τρυγηταῖς σου διεθρῖς ἔπεσαν [B ἐπέπ., S ἐνέπ.] (12 a)
- 32 (25). 27. ἐξεμέσете καὶ πεσεῖσθε (12 a)
- 34. πεσεῖσθε ὥσπερ οἱ κριοὶ οἱ ἐλεκτροὶ (12 a)
- 34 (27). 8. A B<sup>1</sup> ἐν μαχαίρᾳ πεσοῦνται [B S<sup>2</sup> om.] —
- 43 (38). 7. ἴσως πεσεῖται ἔλεος αὐτῶν (12 a)
- 44 (37). 20. πεσέτω [A S -άτω] τὸ ἑλεός μου κατὰ προσώπων σου (12 a)
- 46 (39). 18. ἐν ῥομφαίᾳ οὐ μὴ πέσης (12 a)
- 49 (42). 2. πεσέτω [A S -άτω] δὴ τὸ ἔλεος ἡμῶν κατὰ προσώπων σου (12 a)
- 51 (44). 12. πεσοῦνται ἐν ῥομφαίᾳ (12 a)
- La. 1. 7. ἐν τῷ πεσεῖν τὸν λαὸν αὐτῆς εἰς χεῖρας θλιβόντος (12 a)
5. 16. ἔπεσαν ὁ στέφανος ἡμῶν τῆς κεφαλῆς (12 a)
- Ep. Je. 27. διὰ τὸ μὴ ποτε ἐπὶ τὴν γῆν πέση (12 a)
- Ep. 2. 1 (1, 28) (A<sup>2</sup> B): 3. 23. πίπτω ἐπὶ προσώπων μου (12 a)
5. 12. τὸ τέταρτον σου ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (12 a)
6. 7. πεσοῦνται τραυματίαι ἐν μίσφῳ ὑμῶν (12 a)
- 11. ἐν λιμῷ πεσοῦνται (12 a)
- 12. ὁ ἐγγὺς ἐν ῥομφαίᾳ πεσεῖται [A al.] (12 a)
- 9. 8. πίπτω ἐπὶ προσώπων μου (12 a)
11. 5. A B ἔπεσαν ἐπ' ἐμὲ πνεῦμα κυρίου [B om.] (12 a)
- 10. ἐν ῥομφαίᾳ πεσεῖσθε (12 a)
- 13. πίπτω ἐπὶ προσώπων μου (12 a)
13. 10. πεσεῖται [A om.] †
- 11. εἰπὼν πρὸς τοὺς ἀλείφοντας αὐτὸν, Πεσεῖται . . . καὶ πεσοῦνται (12 a, 12 a)
- 12. πέτωκεν ὁ τοῖχος (12 a)
- 14. πεσεῖται . . . καὶ πεσεῖται (†, 12 a)
- 15. πεσεῖται †
- Ep. 17. 21. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (12 a)
22. 28. οἱ προφῆται αὐτῆς ἀλείφοντες αὐτοὺς πεσοῦνται †
23. 3. ἐκεῖ ἔπεσαν ὁ μαστοὶ αὐτῶν (8)
- 21. A οὐ ὁ μαστοὶ ἔπεσαν [B om.] νεότη- τός σου —
24. 6. A B οὐκ ἔπεσαν [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτὴν κληρος (12 a)
- 21: 25. 13. ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται (12 a)
26. 6. A αἱ ἐν τῷ πεδίῳ μαχαίρα πεσοῦνται [B al.] (9)
27. 27. πεσοῦνται ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (12 a)
- 34. ἔπεσαν πάντες οἱ κωπηλάται σου (12 a)
28. 23. πεσοῦνται τετραυματισμένοι μαχαί- ραις (12 c)
29. 5. ἐπὶ προσώπων τοῦ πεδίου πεσῇ (12 a)
30. 4. A πεσοῦνται [B συμπ.] τετραυματι- σμένοι (12 a)
- 5. μαχαίρα πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (12 a)
- 6. πεσοῦνται τὰ ἀντιστηρίγματα Αἰγ. . . μαχαίρα πεσοῦνται ἐν αὐτῇ (12 a, 12 a)
- 17. ἐν [A om.] μαχαίρᾳ πεσοῦνται (12 a)
- 25. οἱ δὲ βραχίονες Φαράω πεσοῦνται (12 a)
31. 12. ἔπεσαν [A -ον] οἱ κλάδοι αὐτοῦ (12 a)
32. 19 (20). πεσοῦνται μετ' αὐτοῦ (12 a)
- 23 (22). οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ (12 a)
- 23. A πάντες αὐτοὶ τραυματίαι πίπτοντες μαχαίρᾳ (12 a)
- 24. πάντες οἱ τραυματίαι οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ [A -αις] (12 a)
- 27. μετὰ τῶν γιγάντων τῶν πεπτωκότων [A γ. πεπτωκότες] ἀπ' αἰῶνος (12 a)
33. 27. οἱ ἐν ταῖς ἡρημικαῖς μαχαίραις [A -g] πεσοῦνται (12 a)
35. 8. τετραυματισμένοι μαχαίρᾳ πεσοῦνται ἐν σοὶ (12 a)
38. 9. A πεσῇ [B ἔσει] σὺ καὶ πάντες οἱ περὶ σέ †
- 20. πεσοῦνται αἱ φάραγγες καὶ πᾶν τεῖχος ἐπὶ τὴν γῆν πεσεῖται (12 a, 12 a)
39. 4. πεσῇ σὺ καὶ πάντες οἱ περὶ σέ (12 a)
- 5. ἐπὶ προσώπων τοῦ πεδίου πεσῇ (12 a)
- 23. ἔπεσαν [A -ον] πάντες μαχαίρᾳ (12 a)
43. 3: 44. 4. πίπτω ἐπὶ προσώπων μου (12 a)
47. 14. πεσεῖται ἡ γῆ αὐτῇ ὕμιν ἐν κληρονομίᾳ (12 a)
- Da. LXX. 2. 46. πεσὼν ἐπὶ προσώπων χαμαὶ (12 f)
3. 5. πεσόντες προσκυνήσατε τῇ εἰκόνι (12 f)
- 6. πᾶς δε δὲν μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ (12 f)
- 7. πίπτοντα πάντα τὰ ἔθνη (12 f)
- 10. ἵνα . . . πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι (12 f)
- 11. δε δὲν μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ (12 f)
- 15. εἰ μὲν ἔχετε ἐπίμωος . . . πεσόντες προσ- κυνήσατε (12 f)
6. 10 (11). ἔπιπτον ἐπὶ προσώπων αὐ. †
8. 17. ἔπεσα ἐπὶ προσώπων μου (12 a)
10. 9. ἡμῖν πεπτωκὼς ἐπὶ προσώπων μου (18)
11. 4. ἀνοικοδομήσει τὰ πεπτωκότα τοῦ ἔθνους σου †
- 19. καὶ πεσεῖται (12 a)
- 26. καὶ πεσοῦνται τραυματίαι πολλοὶ (12 a)
- Da. TH. 2. 46. ἔπεσαν ἐπὶ προσώπων (12 f)
3. 5. πίπτοντες προσκυνεῖτε τῇ εἰκόνι (12 f)
- 6. B δε δὲν μὴ πεσὼν [A B om.] προσκυ- νήσῃ (12 f)
- 7. πίπτοντες . . . προσεκύνουν τῇ εἰκόνι (12 f)
- 11. καὶ μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι (12 f)
- 15. ἵνα . . . πεσόντες προσκυνήσῃτε τῇ εἰκόνι (12 f)
- 23. ἔπεσαν εἰς μέσον τῆς καμίνου (12 f)
8. 10. ἔπεσαν ἐπὶ τὴν γῆν (12 b)
- 17. πίπτω ἐπὶ προσώπων μου (12 a)
- 18. πίπτω ἐπὶ προσώπων μου (18 ?)
11. 19. ἀσθενήσει καὶ πεσεῖται (12 a)
- 26. πεσοῦνται τραυματίαι πολλοὶ (12 a)
- I Ma. 1. 5. ἔπεσαν ἐπὶ τὴν κοίτην —
- 18. B<sup>2</sup> B ἔπεσαν [A -αν, S<sup>1</sup> ἔφθον] τραυματίαι πολλοὶ (12 a)
3. 11. ἔπεσαν τραυματίαι πολλοὶ —
- 24. ἔπεσαν ἀπ' αὐτῶν εἰς ἄνδρας ὀκτακοσίους —
- 25. A ἡ πτοῇ ἔπιπτον ἐπὶ τὰ ἔθνη [S B al.] —
4. 15. A B οἱ δὲ ἔφατον πάντες ἔπεσαν [B -αν] —
- 15. ἔπεσαν ἐξ [A om.] αὐτῶν εἰς ἄνδρας τριχι- λιοῦς —
- 34. ἔπεσαν . . . εἰς πεντακισχιλίους ἄνδρας —
- 34. S B ἔπεσαν [A -αν] ἐξ ἐναντίας αὐτῶν —
- 40. A B ἔπεσαν [A -αν] ἐπὶ προσώπων —
- 45. A B ἔπεσαν [B ἐπέπ.] αὐτοῖς βουλὴ ἀγαθὴ
- I Ma. 4. 55. A B ἔπεσαν [S -εν] πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον
5. 12. πέπτωκεν ἐξ ἡμῶν πλῆθος —
- 22. ἔπεσαν ἐκ τῶν ἐθνῶν εἰς τρισχιλίους ἄνδρας —
- 34. ἔπεσαν . . . εἰς ὀκτακισχιλίους ἄνδρας —
- 54. οὐκ ἔπεσαν ἐξ αὐτῶν οὐδεὶς —
- 60. ἔπεσαν . . . εἰς διαχιλίους ἄνδρας —
- 67. S B ἔπεσαν [A -αν] ἱερεῖς ἐν πολέμῳ —
6. 8. ἔπεσαν ἐπὶ τὴν κοίτην —
- 8. S ἔπεσαν [A B ἐνέπ.] εἰς ἀρρωστίαν —
- 42. S B ἔπεσαν [A -αν] ἀπὸ τῆς παρεμβ. τοῦ βασ. —
- 46. ἔπεσαν ἐπὶ τὴν γῆν ἐπάνω αὐτοῦ —
7. 32. S B ἔπεσαν [A -αν] τῶν παρὰ Νικάνωρος —
- 38. S B πεσέτωσαν [A -σάτ.] ἐν ῥομφαίᾳ —
- 43. A B ἔπεσαν [B ἐπέπ.] αὐτοὺς πρώτος —
- 44. ἔπεσε Νικάνωρ —
- 46. S B ἔπεσαν [A -αν] πάντες ῥομφαίᾳ —
8. 10. S B ἔπεσαν [A -αν] ἐξ αὐτῶν τραυματίαι πολλοὶ
9. 1. B ἔπεσε [A ἐποίησεν, S ἔπεισεν] Νικάνωρ —
- 17. S B ἔπεσαν [A -αν] τραυματίαι πολλοὶ —
- 18. Ἰούδας ἔπεσε —
- 21. πῶς ἔπεσε δυνατὸς σώζων τὸν Ἰσρ. —
- 40. S B ἔπεσαν [A -αν] τραυματίαι πολλοὶ —
- 49. S ἔπεσαν δὲ παρὰ B. [A R al.] —
10. 50. καὶ ἔπεσαν ὁ Δ. —
- 85. ἐγένοντο οἱ πεπτωκότες μαχαίρᾳ —
11. 74. ἔπεσαν . . . εἰς ἄνδρας τρισχιλίους —
12. 37. A ἔπεσαν τοῦ τεύχους τοῦ χειμάρρου [S B al.] —
16. 8. ἔπεσαν ἐξ αὐτῶν τραυματίαι πολλοὶ —
- 10. S B ἔπεσαν [A -αν] ἐξ αὐτῶν εἰς ἄνδρας διαχιλίους
- II Ma. 3. 6. ὑπὸ τῇ τοῦ βασ. ἐξουσίαν πεσεῖν ταῦτα —
- 27. B ἀφῶν δὲ πεσόντα πρὸς τὴν γῆν [A al.] —
7. 36. ὑπὸ διαθήκην θεοῦ πεπτώκασιν —
9. 7. πεσεῖν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὀρματος —
10. 4. πεσόντες ἐπὶ κοιλίαν —
12. 34. συνέβη πεσεῖν δλίγους τῶν Ἰ. —
- 40. διὰ τῆς τὴν αἰτίαν τοῦσδε πεπτωκένας
- IV Ma. 2. 24. τὰ πεπτωκότα συνεγείρων —
6. 7. πίπτων εἰς τὸ ἔδαφος —
- 8. ὥπως ἐξανίστατο πίπτων —
15. 20. A B καὶ ἐπὶ νεκροῖς [S -οὺς] νεκροὺς πίπ- τοντας
- [Aq. Ge. 4. 5: Jd. 5. 27: IV Ki. 1. 2: 10. 10: JB. 1. 15: 31. 22: Ps. 26 (27). 2: PR. 11. 5: EC. 4. 10: Is. 3. 25: 30. 25: JE. 6. 15: 37 (44). 13: Ez. 5. 12 (P): 13. 11: DA. 3. 23.]
- [Sm. II Ki. 3. 34 bis: IV Ki. 1. 2: 10. 10: Ps. 26 (27). 2: 35 (36). 13: 40 (41). 9: 81 (82). 7: PR. 11. 5: EC. 4. 10: Is. 30. 25: 34. 4 bis: Ez. 13. 11.]
- [Th. Jd. 4. 22: 5. 27: II Ki. 1. 21: PR. 11. 5, 14: EC. 4. 10: Is. 24. 20, 35: JE. 8. 12 bis: Ez. 5. 12: 13. 11: 32. 23: DA. 2. 46: 3. 23.]
- [Al. I Ki. 14. 13: 28. 14: Ps. 139 (140). 11: Pr. 1. 14: Is. 16. 9: LA. 2. 21.]
- [Sext. Ps. 26 (27). 2.]
- πίσσα. (1) Πῆψι
- Si. 13. 1. ὁ ἀπτόμενος πίσσης μολυνθήσεται [S<sup>1</sup> οὐ μ.] —
- Is. 34. 9. στραφθήσονται αὐτῆς αἱ φάραγγες εἰς πίσσαν (1)
- 9. ἔσται ἡ γῆ αὐτῆς ὡς π. καιομένη —
- Da. LXX. 3. (46). οἱ δὲ ὑπέκαον . . . πίσσαν —
- Bel 26. λαβὼν ὁ Δ. πίσσης μᾶς τρακόντα —
- Da. TH. 3. (46). καίοντες τὴν κάμνον . . . πίσσαν —
- Bel 27. ἔλαβον Δ. πίσσαν
- πιστεύειν. (1) Πῆψι a. ni. δ. hi. c. Πῆψι aph.
- (2) Πῆψι
- Ge. 15. 6. ἐπίστευσεν Ἄ. τῷ θεῷ (1 b)
42. 20. πιστευθήσονται τὰ ῥήματα ὑμῶν (1 a)
45. 26. οὐ γὰρ ἐπίστευσεν αὐτοῖς (1 b)
- Ex. 4. 1. εἰ μὴ πιστεύσωσί μοι (1 b)
- 5. ἵνα πιστεύσωσί σοι (1 b)
- 8. εἰ μὴ πιστεύσωσί σοι (1 b)
- 8. πιστεύσουσί σοι τῆς φωνῆς (1 b)
- 9. εἰ μὴ πιστεύσωσί σοι τοῖς δυσὶ σημ. (1 b)
- 31. καὶ ἐπίστευσεν ὁ λαός (1 b)
14. 31. ἐπίστευσαν τῷ θεῷ (1 b)
19. 9. καὶ σοὶ πιστεύσωσιν εἰς τὸν αἰ. (1 b)
- Nu. 14. 11. ἔως τίνος οὐ πιστεύουσὶ μοι (1 b)



Nu. 20. 12. οὗ οὐκ ἐπιστεύσατε ἀγαθαί με (1b)  
 De. 9. 23. καὶ οὐκ ἐπιστεύσατε αὐτῷ (1b)  
 28. 66. οὐ πιστεύετε τῇ ζωῇ σου (1b)  
 I Ki. 3. 21 (20). καὶ ἐπιστεύθη 2. (1a f)  
 27. 12. ἐπιστεύθη Δ. ἐν τῷ Ἀ. [A al.] (1b)  
 III Ki. 10. 7. οὐκ ἐπίστευσα τοῖς λαλοῦσίν μοι (1b)  
 IV Ki. 17. 14. Α οἱ οὐκ ἐπίστευσαν κ. θεῷ αὐ. (1b)  
 II Ch. 9. 6. οὐκ ἐπίστευσα τοῖς λόγοις (1b)  
 24. 5. Α Β οὐκ ἐπίστευσαν [B ἔσπευσαν] οἱ Α. † (1b)  
 32. 15. μὴ πιστεύετε αὐτῷ (1b)  
 I Es. 4. 28. οὐ πιστεύετε μοι (1b)  
 To. 2. 14. καὶ οὐκ ἐπίστευσαν αὐτῇ (1b)  
 5. 2. B καὶ πιστεύσῃ μοι (1b)  
 10. 8. B οὐ πιστεύουσιν ὅτι θνήσκαι με ἔτι [AB al.] (1b)  
 14. 4. B πιστεύω ἐγὼ τῷ ῥήματι τοῦ θ. [AB al.] (1b)  
 — 4. B πιστεύω ὅτι πάντα . . . συντελεσθήσεται (1b)  
 Ju. 14. 10. ἐπίστευσε τῷ θ. σφόδρα (1b)  
 Es. 8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζει φίλων τὰ πράγματα (1b)  
 Jb. 4. 18. εἰ κατὰ παιδῶν αὐτοῦ οὐ πιστεύει (1b)  
 9. 16. οὐ πιστεύω ὅτι εἰσακκοῦ μοι (1b)  
 15. 15. εἰ κατὰ ἀγίων οὐ πιστεύει (1b)  
 — 22. μὴ πιστεύτω ἀποσταθῆναι ἀπὸ σκότους (1b)  
 — 31. μὴ πιστεύτω ὅτι ὑπομένει (1b)  
 24. 22. οὐ μὴ πιστεύσῃ κατὰ [A ὑπὲρ] τῆς ταυτοῦ ζωῆς (1b)  
 29. 24. οὐ μὴ πιστεύωσιν [A οὐκ ἐπίστευσαν] (1b)  
 89. 12. πιστεύουσιν δὲ [A B δὲ αὐτῶν] ὅτι ἀποδοῖσι σοι τὸν σπέρνον (1b)  
 — 24. οὐ μὴ πιστεύσῃ (1b)  
 Ps. 26 (27). 13. Α Β B πιστεύω [B S B -σω] τοῦ ἰδεῖν τὰ ἀγαθὰ κυρίου (1b)  
 77 (78). 22. οὐκ ἐπίστευσαν ἐν τῷ θεῷ (1b)  
 — 32. B S οὐκ ἐπίστευσαν τοῖς [S ἐν τοῖς] θαυμασίοις αὐτοῦ (1b)  
 105 (106). 12. Α B S ἐπίστευσαν ἐν [S B R om.] τοῖς λόγοις αὐτοῦ (1b)  
 — 24. οὐκ ἐπίστευσαν τῷ λόγῳ αὐτοῦ (1b)  
 115. 1 (116. 10). ἐπίσταται διὰ ἐλπίδα σου (1b)  
 118 (119). 66. ταῖς ἐντολαῖς σου ἐπίστευσα (1b)  
 Pr. 14. 15. ἄκακος πιστεύει παντὶ λόγῳ (1b)  
 24. 24 (30. 1). τάδε λέγει ὁ ἀνὴρ τοῖς πιστεύουσιν θεῷ + (1b)  
 Wi. 1. 2. Α ἐμφανίζεται δὲ τοῖς μὴ πιστεύουσιν [B S ἐπιστοῦσιν] αὐτῷ (1b)  
 12. 2. ἵνα . . . πιστεύσωσιν [A -ωμεν, S om.] ἐπὶ σέ (1b)  
 14. 5. ἐλαχίστη εὐλὴ πιστεύουσιν ἄνθρωποι ψυχὰς (1b)  
 16. 26. τὸ ῥῆμα σου τοῖς οὐ πιστεύουσιν διατηρεῖ (1b)  
 18. 6. ἀσφαλὲς εἰδότες οἱ ἐπίστευσαν ὅρκους (1b)  
 Si. 2. 6. πιστεύουσιν αὐτῷ καὶ ἀντιλήφεται σου — 8. οἱ φοβούμενοι κυρίον, πιστεύουσα αὐτῷ — 10. S τὶς ἐπίστευσε [A B S ἐνεπίστ.] κυρίῳ — 13. οὐαὶ καρδίᾳ παρεμνηστῇ ὅτι οὐ πιστεύει [B om.] ἐμπίστῳ. (1b)  
 11. 21. πιστεύει τῷ κυρίῳ (1b)  
 12. 10. μὴ πιστεύσῃς τῷ ἐχθρῷ σου (1b)  
 13. 11. μὴ πιστεύει τοῖς πλείστοις λόγοις αὐτοῦ (1b)  
 19. 15. μὴ παντὶ λόγῳ πιστεύει (1b)  
 35 (32). 21. μὴ πιστεύσῃς ἐν ὁδῷ ἀπροσκόπη — 23. ἐν παντὶ ἔργῳ πιστεύει τῇ ψυχῇ σου — 24. ὁ πιστεύων νόμῳ προσέχει ἐντολαῖς (1b)  
 36. 31 (28). τὶς γὰρ πιστεύσει ἐξ ὧν ληστῇ (1b)  
 Jn. 3. 5. Α B S ἐπίστευσαν [B S ἐνεπ.] οἱ ἄνδρες N. θ. θ. (1b)  
 Hb. 1. 5. ὁ δὲ μὴ πιστεύσῃ (1b)  
 Is. 7. 9. ἐὰν μὴ πιστεύσῃς οὐδὲ μὴ συνήθῃ (1b)  
 28. 16. ὁ πιστεύων [A S add. ἐπ' αὐτῷ] οὐ μὴ κατασχυνθῇ (1b)  
 43. 10. ἵνα γνῶται καὶ πιστεύσῃς [A add. μοι] (1b)  
 58. 1. τὶς ἐπίστευσε τῇ ἀκοῇ ἡμῶν (1b)  
 Je. 12. 6. μὴ πιστεύσῃς ἐν αὐτοῖς (1b)  
 25. 8. ἐπεὶ οὐκ ἐπιστεύσατε τοῖς λόγοις μου (2)  
 47 (40). 14. οὐκ ἐπίστευσαν αὐτοῖς Γοδολίας (1b)  
 La. 4. 12. οὐκ ἐπίστευσαν βασιλεῖς γῆς (1b)  
 Da. LXX. Su. 41. ἐπίστευσαν αὐτοῖς ἡ συναγωγὴ — 53. πιστευθεὶς ἀκούει καὶ κρίνει (1b)  
 Da. TH. Su. 41. ἐπίστευσαν αὐτοῖς ἡ συναγωγὴ 6. 23 (24). οὐκ ἐπίστευσαν ἐν [A om.] τῷ θεῷ αὐ. (1c)  
 I Ma. 1. 30. Α ἐπίστευσαν [B S ἐνεπ.] αὐτῷ (1b)  
 2. 59. Ἀν. Ἀζ. Μ. πιστεύσαντες ἐσώθησαν (1b)  
 7. 7. ἀποστείλον ἄνδρα φ. πιστεύει [S -σεις] (1b)  
 8. 16. B πιστεύουσιν ἐν ἄνθρωπῳ τὴν ἀρχὴν αὐ. [A S al.] (1b)  
 10. 46. Α B οὐκ ἐπίστευσαν [B S -αν] αὐτοῖς (1b)

II Ma. 3. 12. τοὺς πεπιστευκότας τῇ τοῦ τόπου ἀγίωσιν (1b)  
 — 22. τὰ πεπιστευμένα τοῖς πεπιστευκόσι σῶα διαφυλάσσου (1b)  
 III Ma. 3. 21. τὰ πεπιστευμ. . . πράγματα τολμήσαντες ἐξαλλοῦσαι (1b)  
 IV Ma. 4. 7. εἰ οἱ τὰς παρακαταθήκας πιστεύσαντες τῷ ἱερῷ θσανοῦν (1b)  
 5. 25. πιστεύοντες γὰρ θεοῦ καθιστάται τὸν νόμον (1b)  
 7. 19. Α B οἱ [B om.] πιστεύοντες ὅτι θεῷ οὐκ ἀποθνήσκουσιν (1b)  
 — 21. τίς . . . πεπιστευκὸς θεῷ (1b)  
 8. 7. πιστεύσατε οὖν (1b)  
 [Aq. IV Ki. 17. 14: Ps. 26 (27). 13: Pr. 28. 20: Is. 28. 16.] (1b)  
 [Sm. Jb. 29. 24: Ps. 26 (27). 13: Is. 7. 9: 28. 16.] (1b)  
 [Th. Is. 7. 9 bis: 28. 16.] (1b)

πίστις. (1) α. ΠΙΣΤΙΣ. δ. ΠΙΣΤΙΣ. c. ΠΙΣΤΙΣ. d. ΠΙΣΤΙΣ. e. ΠΙΣΤΙΣ. ἔχων ΠΙΣΤΙΣ. ni. (1b)

De. 32. 20. οὗ οὐκ ἔστι π. ἐν αὐτοῖς (1a)  
 I Ki. 21. 2 (3). ἐν τῷ τόπῳ τῷ λεγομ. Θεοῦ πίστις — 26. 23. τὰς δικαιοσύνας αὐ. καὶ τὴν π. αὐ. (1b)  
 IV Ki. 12. 15 (16). ἐν πίστει αὐτῶν ποιοῦσιν (1b)  
 22. 7. ἐν πίστει αὐτοῦ ποιοῦσι (1b)  
 I Ch. 9. 22. καὶ Σαμ. ὁ βλέπων τῇ π. αὐ. (1b)  
 — 26. ἐν πίστει εἰσὶ τέσσα. δυνατοὶ τῶν πυλῶν (1b)  
 — 31. ἐν τῇ π. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς θυσίας (1b)  
 II Ch. 31. 12. ἤνεγκαν . . . τὰ ἐπιδικατά ἐν πίστει (1b)  
 — 15. διὰ χειρὸς τῶν ἱερῶν ἐν πίστει (1b)  
 — 18. ἐν πίστει ἤγγισαν τῷ ἁγίῳ [A al.] (1b)  
 84. 12. οἱ ἄνδρες ἐν [A om.] πίστει ἐπὶ τῶν ἔργων (1b)  
 Ne. 9. 38 (10. 1). διατιθέμεθα πίστιν (1c)  
 Es. 3. 13. βαθεῖα π. ἀποδεικνύμενος (1b)  
 Ps. 32 (33). 4. πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν πίστει (1b)  
 Pr. 3. 3. πιστεῖς [A B -τις] μὴ ἐκλειπτήσων σε (1d)  
 12. 17. ἐπιδεικνύμενην πίστιν ἀπαγγέλλει δι-καίως (1b)  
 — 22. ὁ δὲ ποῶν πιστεῖς δεκτὸς παρ' αὐτῷ (1b)  
 14. 22. οὐκ ἐπίσταται ἔλεος καὶ πίστιν — 22. πιστεῖς [A B -τις] παρὰ τίς τῶν ἀγαθῶν (1d)  
 15. 27 (16. 6). πιστεῖς ἀποκαθαίρονται ἁμαρ-ταίαι (1d)  
 — 28. καρδίᾳ δικαίων μελετᾷς πιστεῖς + (1b)  
 Ca. 4. 8. διελεύσῃ ἀπὸ ἀρχῆς πιστῶς (1c?)  
 Wi. 3. 14. δοθήσεται γὰρ αὐτῷ τῆς π. χάρις ἐκλεκτῇ Si. 1. 26. ἡ εὐδοκία αὐτοῦ πίστις καὶ πρᾶξις (1b)  
 15. 15. πίστιν ποιεῖται εὐδοκίας (1b)  
 22. 23. πίστιν [S -ὸν] κτήσας ἐν πτωχείᾳ (1b)  
 27. 16. ὁ ἀποκαλύπτων μυστήρια ἀπέλασεν πίστιν (1b)  
 37. 26. ὁ σοφὸς ἐν τῷ λόγῳ αὐτοῦ κληρονομήσει πίστιν (1b)  
 40. 12. πίστις εἰς τὸν αἰῶνα στήσεται (1b)  
 41. 16. οὐ πάντα πᾶσιν ἐν πίστει εὐδοκιμεῖται (1b)  
 45. 4. ἐν πίστει . . . ἠγάσεν (1b)  
 46. 15. ἐν πίστει αὐτοῦ ἠρηβασθῇ προφήτης καὶ ἐγνώσθῃ ἐν πίστει [A B ῥήμασιν] αὐτοῦ πιστὸς ὁράσεως (1b)  
 49. 10. ἐλνθρώσονται αὐτοῖς ἐν πίστει ἐλπίδος (1b)  
 Ho. 2. 20 (22). μνηστεύομαι σε ἐμαυτῷ ἐν πίστει (1b)  
 Hb. 2. 4. ὁ δὲ δίκαιος ἐκ πιστεύου μου ζήσεται (1b)  
 Je. 5. 1. εἰ ἔστι ποῶν κρίμα καὶ ζήτων πίστιν (1b)  
 — 3. οἱ ὀφθαλμοὶ σου εἰς πίστιν (1b)  
 7. 28. ἐξέλπειν ἡ π. ἐκ στόματος αὐτῶν (1b)  
 9. 3 (2). ψεύδος καὶ οὐ π. ἐνίσχυσεν (1b)  
 15. 18. ὡς ὕδωρ ψευδὲς οὐκ ἔχον πίστιν (1c)  
 35 (28). 9. ὃν ἀπέστειλεν αὐτοῖς κύριος ἐν πίστει (1d)  
 39 (32). 41. φυτεύσω αὐτοῖς . . . ἐν πίστει (1d)  
 40 (33). 6. Α B S πείσω [B S om.] καὶ [A al.] εἰρήνην αὐτοῖς καὶ πίστιν (1d)  
 La. 3. 23. B πολλὴ ἡ π. σου (1b)  
 I Ma. 10. 27. τοῦ συντηρήσαι πρὸς ἡμᾶς πίστιν — 37. ἐπὶ χρεῶν τῆς βασ. τῶν οὐσῶν εἰς πίστιν (1b)  
 14. 35. Α B S εἶδεν ὁ λαὸς τὴν π. [B πρᾶξιν] τοῦ Σ. [S al.] (1b)  
 — 35. τὴν π. ἣν συντηρήσῃ τῷ ἔθνει αὐ. (1b)  
 III Ma. 3. 3. τὴν μὲν πρὸς τοὺς βασ. . . π. — 10. πιστεῖς ἐδίδουν συναπιστῆναι (1b)  
 5. 31. ὁλοσχερῇ βεβαίαν π. ἐδόχως Ἰουδαίων — 44. μετὰ πιστεῶς διέτασαν τὰς δυνάμεις (1b)

III Ma. 6. 25. τοὺς κρατήσαντας ἡμῶν ἐν πίστει τὰ . . . ὄχρωματα (1b)  
 IV Ma. 15. 24. διὰ τὴν πρὸς θεὸν π. (1b)  
 16. 22. τὴν αὐτὴν π. πρὸς τὸν θεὸν ἔχοντες (1b)  
 17. 2. ἐπιδείξασα τὴν τῆς π. γενναϊότητα [Aq. Ex. 17. 12: Ps. 32 (33). 4: 36 (37). 3: 88 (89). 34: 118 (119). 75: Pr. 13. 17: Is. 26. 2: Hb. 2. 4.] (1b)  
 [Sm. Ps. 11 (12). 2: 30 (31). 24: 82 (83). 4: 88 (89). 34: 142 (143). 1: Pr. 12. 17: Is. 11. 5: 25. 1: 83. 6: Hb. 2. 4.] (1b)  
 [Th. Ps. 88 (89). 6. 34: Jz. 88 (40). 6.] (1b)  
 [Sext. Ps. 36 (37). 3.] (1b)  
 [Al. Pr. 13. 17: La. 8. 23.] (1b)

## ΠΙΣΤΟΠΟΙΕΙΝ.

IV Ma. 7. 10. ἐπιστοποίησας τοὺς τῆς θείας φιλοσοφίας λόγους (1b)  
 18. 17. Α B τὸν ἱεζ. ἐπιστοποῖτο [S -ποίη] (1b)

πιστός. (1) α. ΠΙΣΤΟΣ. δ. ΠΙΣΤΟΣ. c. ΠΙΣΤΟΣ. d. ΠΙΣΤΟΣ. e. ΠΙΣΤΟΣ. aph. (2) ὡς (8) ΠΙΣΤΟΣ (1b)

(4) μηδὲν π. ΠΙΣΤΟΣ (1b)  
 Nu. 12. 7. ἐν ὅλῳ τῷ οἴκῳ μου πιστὸς ἐστὶ (1a)  
 De. 7. 9. οὗτος θεὸς θεός π. [A δ. π.] (1a)  
 28. 59. Α B S νόστος ποιήσας καὶ π. (1a)  
 32. 4. θεὸς π. καὶ οὐκ ἔστιν ἀδικία (1b)  
 I Ki. 2. 35. ἀναστήσας ἐμαυτῷ ἱερέα π. — 35. οἰκοδομήσας αὐτῷ οἶκον π. (1a)  
 8. 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφήτην τῷ κ. (1a)  
 22. 14. τίς . . . ὡς Δαυὶδ πιστὸς (1a)  
 25. 28. ποιήσει κύριος . . . οἶκον π. [A om.] (1a)  
 II Ki. 20. 18. ἂ ζῆθε τοῖ α. τοῦ Ἰσρ. — 23. 1. πιστὸς Δ. υἱός ἰ. καὶ π. ἀνὴρ +, + (1b)  
 III Ki. 11. 38. οἰκοδομήσας σοὶ οἶκον π. (1a)  
 Ne. 9. 8. εὗρες τὴν καρδίαν αὐ. πιστῇ (1a)  
 13. 13. πιστὸς ἐλογίσθησθαι (1a)  
 To. 5. 3. B ζήτησον σεαυτῷ ἄνθρωπον π. [A B om.] — 8. καὶ εἰ πιστὸς — 10. 6. B καὶ ὁ ἀνθρ. . . π. ὅστις (1b)  
 Jb. 12. 20. διαλλίσσων χεῖλιν πιστῶν (1a)  
 17. 9. Α B S σχοίη δὲ πιστὸς τὴν ταυτοῦ δόξαν (3)  
 Ps. 18 (19). 7. ἡ μαρτυρία κυρίου πιστῇ (1b)  
 88 (89). 28. ἡ διαθήκη μου πιστῇ αὐτῷ (1a)  
 — 37. καὶ ὁ μάρτυς ἐν οὐρανῷ πιστὸς (1a)  
 100 (101). 6. οἱ ὀφθαλμοὶ μου ἐπὶ τοὺς π. τῆς γῆς (1a)  
 110 (111). 7. πιστὰ πᾶσαι αἱ ἐντολαὶ αὐτοῦ (1a)  
 144 (145). 13. πιστὸς κύριος ἐν τοῖς λόγοις αὐτοῦ — Pr. 2. 12. ἀπὸ ἀνδρὸς λαλοῦντος μηδὲν πιστὸν (4)  
 11. 13. πιστὸς δὲ πνοὴ κρύπτει πράγματα (1a)  
 — 21. λήψεται μισθὸν πιστῶν [A -ὸν] + (1b)  
 13. 17. S ἀγγελοι δὲ πιστὸς [A B S σοφός] ῥύσεται αὐτὸν (1c)  
 14. 5. μάρτυς πιστὸς οὐ ψεύδεται (1c)  
 — 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχῇ μάρτυς π. (1d)  
 17. 6 (A 4). τοῦ π. ὅλος ὁ κόσμος τῶν χρη-μάτων — 7. οὐχ ἀρόμεσι ἄφρονι χεῖλιν πιστὰ [B om.] (2?)  
 20. 6. ἄνδρα δὲ πιστὸν ἔργον εὖρειν (1c)  
 25. 13. οὕτως ἀγγελοι πιστὸς τοὺς ἀποστεί-λαιτας αὐτὸν (1a)  
 Wi. 3. 9. οἱ π. ἐν ἀγάπῃ προσμενοῦσιν αὐτῷ (1b)  
 Si. 1. 14. μετὰ πιστῶν ἐν μήτρᾳ συνεκτίσθη αὐτοῖς — 23. χεῖλιν πιστῶν [A B πολλῶν] ἐκδιηγῆσθαι συνέσιν αὐτοῦ (1b)  
 6. 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταιά — 15. φίλου πιστοῦ οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα — 16. φίλος πιστὸς φάρμακον ζωῆς (1b)  
 22. 23. S πιστὸν [A B S -ω] κτήσας ἐν πτωχείᾳ (1b)  
 31 (34). 8. σοφία στόματι πιστῷ τελειώσεται (1b)  
 34 (31). 23. μαρτυρία τῆς καλλονῆς αὐ. πιστῇ (1b)  
 38 (33). 3. ὁ νόμος αὐτῷ πιστὸς (1b)  
 37. 13. οὐ γὰρ ἐστὶ σοὶ πιστὸς τὸς αὐτῆς — 22. οἱ καρποὶ τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐπὶ στόματος [B -τι] πιστοῖ (1b)  
 — 23. οἱ καρποὶ τῆς συνέσεως αὐτοῦ πιστοῖ (1b)  
 44. 20. ἐν περιστάσει εὐρίθης πιστὸς (1b)  
 46. 15. ἐγνώσθη ἐν πίστει [A S ῥήμασιν] αὐτοῦ πιστὸς ὁράσεως (1b)  
 48. 22. Ἡσαΐας ὁ προφήτης ὁ μέγας καὶ πιστὸς ἐν ὁράσει αὐτοῦ (1b)  
 Ho. 5. 9. ἐν ταῖς φυλαῖς τοῦ Ἰσρ. εἰδείξα πιστὰ (1a)  
 Is. 1. 21. πᾶς ἐγένετο πόρνη πόλιν πιστῇ Σιών (1a)  
 — 26. κληθήσῃ . . . μητρόπολις π. Σιών (1a)

Is. 8. 2. μάρτυράς μοι ποιήσον π. ἀνθρώπους (1a)  
 22. 23. στήσω αὐτὸν ἀρχοντα ἐν τόπῳ πιστῷ (1a)  
 — 25. ὁ ἀνθρώπος ὁ ἐστηρικμένος ἐν τόπῳ π. (1a)  
 33. 16. τὸ ὕδωρ αὐτοῦ πιστὸν (1a)  
 49. 7. π. ἐστὶν ὁ ἅγιος Ἰσραὴλ (1a)  
 55. 3. διαθήσομαι ὑμῖν διαθήκην αἰώνιον τὰ  
 ὅσα Δαυὶδ τὰ π. (1a)  
 Je. 49 (42). 5. εἰς μάρτυρα δίκαιον καὶ πιστόν (1a)  
 Da. LXX. 2. 45. καὶ π. ἡ τοῦτου κρίσις (1c)  
 Da. TH. 2. 45. καὶ π. ἡ σύγκρισις αὐ. (1c)  
 6. 4 (5). ὅτι πιστὸς ἦν (1c)  
 I Ma. 2. 52. Ἄβρ. οὐχὶ ἐν πειρασμῷ εὐρέθη πιστός  
 3. 13. ἡβροῖσιν ἰ. . . ἐκκλησίαν πιστῶν  
 7. 8. ἐπέλεξεν ὁ βασιλ. τὸν B. . . πιστὸν τῷ βασιλ.  
 14. 41. ὥς τοῦ ἀναστήσαντος προφήτην π.  
 — 48. A ἐν τόπῳ π. [B ἐπιστήμη]  
 II Ma. 1. 2. τῆς πρὸς Ἀ. καὶ Ἰσ. καὶ Ἰ. τῶν δούλων  
 αὐ. τῶν π.  
 III Ma. 1. 9. A θύσας τῷ π. [B μεγίστῳ] θεῷ  
 2. 11. πιστὸν εἶ καὶ ἀληθινός  
 IV Ma. 7. 15. ὅν πιστὴ θανάτου σφραγίς ἐτελείωσεν  
 [Aq. Ps. 11 (12). 2 : 30 (31). 24.]  
 [Th. Pr. 13. 17.]  
 [Al. II Ki. 20. 19.]  
πιστοῦν. (1) 𐤓𐤕𐤍 ni. (2) 𐤓𐤕𐤍 (3) 𐤓𐤕𐤍 hi.  
 (4) 𐤓𐤕𐤍 hi.  
 II Ki. 7. 16. πιστωθήσεται ὁ οἶκος αὐτοῦ (1)  
 — 25. ῥῆμα . . . πιστώσων ὡς τοῦ αἰῶνος (4)  
 III Ki. 1. 36. πιστώσας κ. ὁ θ. τοῦ κυρίου μου (2)  
 8. 26. πιστωθήτω [A -θῶ] δὴ τὸ ῥῆμά σου (1)  
 I Ch. 17. 14. καὶ πιστώσω αὐτόν  
 — 23. ὁ λόγος σου . . . πιστωθήτω (1)  
 — 24. B πιστωθήτω . . . τὸ ὄνομά σου (1)  
 II Ch. 1. 9. πιστωθήτω τὸ ὄνομά σου (1)  
 6. 17. πιστωθήτω δὴ τὸ ῥῆμά σου (1)  
 Ps. 77 (78). 8. οὐκ ἐπιστάθῃ . . . τὸ πνεῦμα αὐ. (1)  
 — 37. οὐδὲ ἐπιστάθῃσιν ἐν τῇ διαθήκῃ αὐτοῦ  
 92 (93). 5. τὰ μαρτύρια σου πιστώθησαν (1)  
 Si. 27. 17. στέρξων φίλον καὶ πιστωθήτη μετ' αὐτοῦ  
 29. 3. στέρξων λόγον καὶ πιστωθήτη μετ' αὐτοῦ  
 II Ma. 7. 24. ἀλλὰ καὶ δὲ ὅρκον ἐπίσταν  
 12. 25. πιστώσαντες δὲ αὐτοῦ  
 III Ma. 4. 20. A σαφῶς αὐτὸν περὶ τούτου πιστω-  
 ῥῆναι [B πεισθ.]  
πιστός.  
 IV Ki. 16. 2. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθεῖς . . . π. —  
πιστώσις.  
 [Al. Lz. 6. 2 (5. 21).]  
πίτυρον.  
 Ep. Je. 43. ἐγκλίθηται θυμῶσας τὰ π.  
πίτυς. (1) 𐤓𐤕𐤍 (2) 𐤓𐤕𐤍  
 Za. 11. 2. ἀλουζάτω πίτυς (2)  
 Is. 44. 14. B ἐκὼν ξύλον . . . πίτυν [A B S om.] (1)  
 Ez. 31. 8. αἰ [A om.] π. οὐχ ὅμοια [A -οι] ταῖς  
 παραφύσιν αὐτοῦ (2)  
 [Aq., Th. Is. 44. 14 (Sw.).]  
 [Sm. Is. 14. 8 : 44. 14 (Sw.).]  
πίων. (1) 𐤓𐤕𐤍 (2) 𐤓𐤕𐤍 (3) 𐤓𐤕𐤍 (4) 𐤓𐤕𐤍  
 (5) a. 𐤓𐤕𐤍 b. 𐤓𐤕𐤍 c. 𐤓𐤕𐤍  
 Ge. 46. 29. B ἔκλαυσε κλαυθμῷ π. [A B<sup>2</sup>  
 πλείον] +  
 49. 15. ἰδὼν . . . τὴν γῆν ὅτι πίων (3)  
 — 20. π. αὐτοῦ ὁ ἄρτος (5a)  
 Nu. 13. 21 (20). ἡ πίων ἡ παρεμύνη (5a)  
 I Ch. 4. 40. B<sup>2</sup> εὐρὺν νομάς πίωνας [A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup>  
 πλείονας] (5a)  
 Ps. 21 (22). 12. ταῖρα πίωνες περιέσχον με (1)  
 — 29. προσκύνουν πάντες οἱ π. τῆς γῆς (2)  
 67 (68). 15. ὅρος τοῦ θεοῦ ὅρος πίων ὅρος  
 τετυρωμένων ὅρος πίων (1, 1)  
 77 (78). 31. B ἀπέκτεινεν ἐν τοῖς π. [B S  
 πλείον] αὐτῶν (5b)  
 91 (92). 10. A B<sup>2</sup> B καὶ τὸ γῆρας μου ἐν ἐλαίῳ  
 [B<sup>2</sup> B ἐλαίῳ] πίωνι (4)  
 — 14. πληθυνθήσονται ἐν γῆρῃ πίωνι (2)  
 Mi. 6. 7. ἡ ἐν μυριάδι χιμάρων [A ἀρνῶν] π. (5c)  
 Is. 5. 1. ἐν κέρατι ἐν τόπῳ πίωνι (5c)  
 17. 4. τὰ π. [A B πλείονα] τῆς δόξης αὐ. σεισ-  
 θήσεται (5b)  
 30. 23. βοσκοθήσεται σου τὰ κτήνη . . . τόπον πίωνα —

Ez. 34. 14. A<sup>2</sup> B ἐν νομῇ πίωνι βοσκοθήσονται (5a)  
 Da. LXX. 3. (40). ὡς . . . ἐν μυριάδι ἀρνῶν πίωνων  
 Da. TH. 3. (40). ὡς . . . ἐν μυριάδι ἀρνῶν πίωνων  
 11. 24. ἐν π. [A πλείον] χώραις ἤξει (5b)  
 [Aq. Ps. 91 (92). 15 : Is. 30. 23.]  
 [Sm. Jb. 8. 17 : Ps. 19 (20). 4 : 91 (92). 15 : Is.  
 30. 23.]  
 [Th. Lz. 2. 14 bis : Jb. 8. 17 (P.) : Ps. 77 (78).  
 31 : 91 (92). 15 : Is. 19. 10 (Sw.) : 28. 1 : 30.  
 23 : Ez. 34. 16.]  
 [Quint. Ps. 77 (78). 31.]  
πλავιάζειν. (1) 𐤓𐤕𐤍 hi. (2) 𐤓𐤕𐤍  
 Is. 29. 21. ἐπλავιάσαν ἐπ' [A B ἐν] ἀδίκους δίκαιον (1)  
 Ez. 14. 5. ὅπως πλავιάσῃ [A μὴ διαστρέψωσιν]  
 τὸν οἶκον τοῦ Ἰσραὴλ (2)  
πλᾶγος. (1) 𐤓𐤕𐤍 (2) 𐤓𐤕𐤍 (3) 𐤓𐤕𐤍  
 (4) a. 𐤓𐤕𐤍 b. 𐤓𐤕𐤍 (5) 𐤓𐤕𐤍 (6) θυμὸς  
 πλ. 𐤓𐤕𐤍  
 Ge. 6. 16. τὴν δὲ θύραν . . . ποιήσεις ἐκ πλავίων (3)  
 Ex. 25. 31 (32). ἐκπορευόμενοι ἐκ πλავίων (3)  
 28. 13. συγκληψάντες ἐπὶ τὰ πλ. τῆς σκηνῆς (3)  
 Le. 1. 11. ἐκ πλავίων τοῦ θυσιαστηρίου (1)  
 26. 21. εἰν μετὰ ταῦτα πορευθεὶς πλᾶγιοι (4a)  
 — 23. ἀλλὰ πορευθεὶς πρὸς μέ πλᾶγιοι (4a)  
 — 24. πορευόμενοι κατὰ . . . θυμῷ πλ. (6)  
 — 27. καὶ πορευθεὶς πρὸς μέ πλᾶγιοι (4b)  
 — 28. πορευόμενοι μετ' ὑ. ἐν θυμῷ πλ. (4a)  
 — 40. ἐκπορευθήσονται ἐναντίον μου πλᾶγιοι (4b)  
 — 41. ἐκπορευθήσονται μετ' αὐτῶν ἐν θυμῷ πλ. (6)  
 Nu. 3. 29, 35. ἐκ πλავίων τῆς σκηνῆς (1)  
 De. 31. 26. ἐκ πλავίων τῆς κιβωτοῦ (3)  
 Ru. 2. 14. ἐκ πλავίων τῶν θεριζόντων (3)  
 I Ki. 20. 25. ἐκάθισεν . . . ἐκ πλავίων Σ. (3)  
 II Ki. 2. 16. A εἰς πλᾶγιον [B πλευράν] τοῦ  
 πλᾶγιον αὐ. (3)  
 3. 27. ἐκ πλავίων τῆς πύλης (5)  
 16. 13. λιθίζων . . . ἐκ πλავίων αὐτοῦ (2)  
 Da. TH. Su. 18. ἐξῆλθαν κατὰ τὰς πλᾶγιάς [A -ους]  
 θύρας  
 — 26. εἰσπεθήσαν διὰ τῆς πλᾶγιάς θύρας  
 [Aq. I Ki. 25. 29 : Ps. 90 (91). 7 : Is. 60. 4.]  
 [Sm. I Ki. 6. 8 : Ps. 90 (91). 7.]  
 [Th. Da. 6. 4.]  
 [Al. Lz. 6. 10 (3) : I Ki. 6. 8 : II Ki. 2. 16.]  
πλᾶδαροῦσθαι.  
 [Aq. Is. 19. 3.]  
πλᾶκωτή.  
 [Sm. Jz. 48 (31). 5.]  
πλανᾶν. (1) 𐤓𐤕𐤍 ru. (2) 𐤓𐤕𐤍 ni. (3) 𐤓𐤕𐤍 ni.  
 (4) 𐤓𐤕𐤍 (5) 𐤓𐤕𐤍 ni. (6) 𐤓𐤕𐤍 hi. (7) a. 𐤓𐤕𐤍  
 b. 𐤓𐤕𐤍 (8) 𐤓𐤕𐤍 (9) 𐤓𐤕𐤍 (10) a. 𐤓𐤕𐤍  
 b. 𐤓𐤕𐤍 (11) 𐤓𐤕𐤍 a. qal. b. hi. d. pi. c. ru.  
 (12) 𐤓𐤕𐤍 a. qal. b. hi. (13) 𐤓𐤕𐤍 hi.  
 (14) 𐤓𐤕𐤍 ru. (15) 𐤓𐤕𐤍 a. hi. b. hoph.  
 (16) 𐤓𐤕𐤍 a. qal. b. ni. c. hi. (17) 𐤓𐤕𐤍 hi.  
 Ge. 21. 14. A ἐπλανᾶτο [B add. κατὰ] τὴν  
 ἔρημον (16a)  
 37. 15. εὗρεν αὐτὸν ἀνθρώπος πλανώμενον (16a)  
 Ex. 14. 3. πλανώσιντα οὐτοὶ ἐν τῇ γῇ (2)  
 23. 4. τῷ βοῖ . . . ἡ τῷ ὑποζυγίῳ αὐτοῦ πλᾶνω-  
 μένοις (16a)  
 De. 4. 19. μὴ . . . πλανᾷς προσκυνήσας αὐτοῖς (5)  
 11. 28. καὶ πλανᾷς ἀπὸ τῆς δόδου (7a)  
 13. 5 (6). ἐλάλησε γὰρ πλανᾷσαι σε (7b)  
 22. 1. πλανώμενα ἐν τῇ δόδῳ (5)  
 27. 18. ὁ πλᾶνὼν τυφλὸν (12b)  
 30. 17. καὶ πλανᾷς προσκυνήσας θεοῖς ἐτ. (5)  
 Jd. 16. 10, 13, 15. ἐπλανᾷσας [A παρελογίσω]  
 με (15a)  
 IV Ki. 4. 28. οὐ πλανᾷς μετ' ἐμοῦ (13)  
 21. 9. ἐπλανᾷς αὐτοὺς Μανασσῆς (16c)  
 II Ch. 38. 9. ἐπλανᾷς Μαν. τὸν Ἰούδα (16c)  
 I Es. 3. 18. πάντας τὸν ἄνθρ. . . πλανᾷ  
 II Es. 9. 11. B<sup>2</sup> ὅν ἐπλανᾷσαν [A B ἐπλησαν]  
 αὐτὴν +  
 To. 5. 13. καὶ οὐκ ἐπλανᾷσθην  
 10. 7. μὴ πλᾶνα με

To. 14. 6. B τοὺς πλανῶντας ψευδὴ τὴν πλάνησιν αὐ.  
 Jb. 2. 9. κατὰ πλᾶνωμένη [A B<sup>2</sup> πλανῆται] καὶ  
 λάτρεις —  
 5. 2. πεπλανημένοι δὲ θανατοῖ ζῆλος (11a)  
 6. 24. εἴ τι πεπλάνημαι φράσατέ μοι (12a)  
 12. 23. A B<sup>2</sup> B πλᾶνὼν ἐβη καὶ ἀπολλύων αὐτὰ +  
 — 24. ἐπλάνησε δὲ αὐτοὺς (16c)  
 — 25. πλανηθήσαν δὲ ὥσπερ ὁ μεθύων (16c)  
 19. 4. καὶ δὴ ἐπ' ἀληθείας ἐγὼ ἐπλανῆθην (12a)  
 — 4. τὰ δὲ ῥήματά μου πλανᾶται —  
 38. 41. πρὸς κύριον ἐκράγασι πλανώμενοι (16a)  
 Ps. 57 (58). 3. ἐπλανήσαν ἀπὸ γαστροῦ (16a)  
 94 (95). 10. αἶε πλανῶνται τῇ καρδίᾳ (16a)  
 106 (107). 4. ἐπλανήσαν ἐν τῇ ἐρήμῳ (16a)  
 — 40. ἐπλάνησεν αὐτοὺς ἐν ἀβάτῳ (16c)  
 118 (119). 110. ἐκ τῶν ἐντολῶν σου οὐκ ἐπλαν-  
 ῆθην (16a)  
 — 176. ἐπλανῆθην ὡς πρόβατον ἀπολωλός (16a)  
 Pr. 1. 10. μὴ σε πλανήσωσιν ἄνδρες ἀσεβεῖς (11b)  
 7. 25. A B<sup>2</sup> μὴ πλανῆθῃς ἐν ἀτραπίσι αὐτῆς (16a)  
 9. 12. τοὺς δὲ ἄξοντας τοῦ ἰδίου γεωργίου —  
 πεπλάνηται  
 10. 17. παιδεία δὲ ἀνεξέλεγκτος πλανᾶται (16c)  
 12. 26. ἡ δὲ ὁδὸς τῶν ἀσεβῶν πλανᾷται αὐτοὺς (16c)  
 13. 9. ψυχὰι δολαῖαι πλανῶνται ἐν ἀμαρτίαις —  
 14. 22. πλανώμενοι τεκταινοῦσι κακὰ (16a)  
 16. 10. οὐ μὴ πλανῆθῃ τὸ στόμα αὐτοῦ (4)  
 21. 16. ἀνὴρ πλανώμενος ἐξ ὁδοῦ δικαιοσύνης (16a)  
 28. 10. ὅς πλανᾷ εὐθεῖς ἐν ὁδῷ κακῇ (12b)  
 29. 15. παῖς δὲ πλανώμενος αἰσχύνη γονεῖς (14)  
 Ec. 7. 27 (26). B<sup>2</sup> καὶ εὐφροσύνην πλανᾷς —  
 Wi. 2. 21. καὶ ἐπλανήθην  
 5. 6. ἄρα ἐπλανήθην ἀπὸ ὁδοῦ ἀληθείας  
 11. 15. ἐν οἷς πλανηθέντες ἐθρήσκουν ἄλογα ἐρπετά  
 12. 24. τῶν πλάνης ὁδῶν μακρότερον ἐπλανήθησαν  
 13. 6. αὐτοὶ τάχα πλανῶνται θεῶν ζητοῦντες  
 14. 22. οὐκ ἤρκεσε τὸ [A αὐτοὶ τὸ, B om.] πλᾶ-  
 νᾶσθαι περὶ τὴν τοῦ θεοῦ γνώσιν  
 15. 4. οὕτε γὰρ ἐπλάνησεν ἡμᾶς ἀνθρώπων . . .  
 ἐπίνοια  
 17. 1. ἀπαίδευτοι ψυχὰι ἐπλανήθησαν  
 Si. 3. 24. πολλοὺς γὰρ ἐπλάνησεν ἡ ὑπόληψις αὐτῶν  
 9. 7. ἐν ταῖς ἐρήμοις [B<sup>2</sup> ῥύμαις] αὐτῆς μὴ πλᾶνω  
 — 8. ἐν κάλλει γυναῖκος πολλοὶ ἐπλανήθησαν  
 15. 12. μὴ ἐλπίς ἐστι [B om.] αὐτῆς με ἐπλάνησεν  
 16. 23. ἀνὴρ ἀφρονὺς καὶ πλανώμενος διανοεῖται μαρὰ  
 29. 18. ἐπλανήθησαν ἐν ἔθνεσιν ἀλλοτρίοις  
 31 (34). 7. πολλοὺς ἐπλάνησε τὰ ἐνύπνια  
 — 9. A<sup>2</sup> B ἀνὴρ πεπλανημένος [A<sup>2</sup> B ἐπαιδευμένος]  
 ἔγνω πολλά  
 — 10. ὁ δὲ πεπλανημένος πληθυνεὶ παρουρίαν  
 36. 30 (27). οὐ οὐκ ἔστι γυνὴ στενάζει πλανώμενος  
 51. 13. ἔτι ὅν κώτερος πρὶν ἢ πλανῆθῃ καὶ με  
 Ho. 2. 14 (16). ἰδοὺ ἐγὼ πλᾶνω αὐτὴν (11b)  
 4. 12. πνεύματι πορείας ἐπλανήθησαν (16c)  
 8. 6. πλᾶνὼν ἦν ὁ μόσχος σου +  
 Am. 2. 4. ἐπλάνησεν αὐτοὺς τὰ μάτια αὐ. (16c)  
 Mi. 3. 5. ἐπὶ τοὺς προφήτας τοὺς πλανῶντας τὸν  
 λαόν μου (16c)  
 Is. 3. 12. οἱ μακαρίζοντες ὑμᾶς πλανῶσιν ὑμᾶς (16c)  
 9. 16 (15). ἔσονται οἱ μακαρίζοντες τὸν λαόν  
 τ. πλανῶντες καὶ πλανῶσιν (16c, 1)  
 13. 14. ὡς πρόβατον πλανώμενον —  
 16. 8. πλανῆθῃτε [B ἐπλ.] τὴν ἔρημον (16a)  
 17. 11. τῇ ἡμέρᾳ ἢ ἂν φυτεύσῃς πλανηθήσῃ +  
 19. 13. πλανήσουσιν Αἰγυπτῶν κατὰ φυλάς (16c)  
 — 14. ἐπλάνησαν [B -εν] Αἰγυπτῶν . . . ὡς  
 πλανᾶται ὁ μεθύων (16c, 16b)  
 21. 4. ἡ καρδία μου πλανᾶται —  
 — 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πλανωμένων —  
 22. 5. ἐν φάραγγι Σιδὼν πλανῶνται ἀπὸ μικροῦ  
 ζωὸς μεγάλου πλανῶνται ἐπὶ τὰ ὄρη +, +  
 28. 7. A B<sup>2</sup> S οὐτοὶ γὰρ οὐκ ἐπλανήθησαν  
 [B<sup>2</sup> B πεπλᾶνμελημένοι] εἰς τὴν ἐπλαν-  
 ηθήσαν διὰ τὸ σίκερα . . . ἐπλανή-  
 θησαν (12a, 16a, 12a)  
 29. 24. A B S γνώσουσιν οἱ [B om.] πλανώμενοι  
 τῷ πνεύματι σύνεσιν (16a)  
 30. 20. οὐκέτι μὴ ἐγγίσωσί σοι οἱ πλανῶντές σε +  
 — 20. οἱ φθάλμοί σου ψύονται τοὺς πλανῶντάς σε +  
 — 21. τοὺς λόγους τῶν ὁπίσω σε πλανησάντων +  
 35. 8. οὐ μὴ πλανηθῶσι (16a)  
 41. 10. μὴ πλᾶνω ἐγὼ γὰρ εἰμὶ ὁ θεός σου +  
 — 29. μᾶτῃν οἱ πλανῶντες ὑμᾶς +  
 44. 8. B μὴ δὲ πλανᾶσθε +  
 — 20. καὶ πλανῶνται (15b + 6?)

Is. 46. 5. τεχνάσασθε, οἱ πλανώμενοι +  
— 8. μετανοήσατε, οἱ πεπλανώμενοι (10 a)  
47. 15. ἄνθρωπος καθ' αὐτὸν ἐπλανήθη (16 a)  
53. 6. ὅς πρόβατα ἐπλανήθημεν ἄνθρωπος τῇ  
ὁδῷ αὐ. ἐπλανήθη (16 a, 9)  
63. 17. τί ἐπλάνησας ἡμᾶς (16 c)  
64. 5 (4). διὰ τοῦτο ἐπλανήθημεν +  
Je. 23. 13. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου Ἰσραὴλ (16 c)  
— 32. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου (16 c)  
27 (50). 17. πρόβατον πλανώμενον Ἰσραὴλ (8)  
38 (31). 9. οὐ μὴ πλανηθῶσιν ἐν αὐτῇ (8)  
Ba. 4. 28. ἐγένετο ἡ διάνοια ὑμῶν εἰς τὸ πλανηθῆναι  
ἀπὸ τοῦ θεοῦ  
Ez. 8. 17. Β' ἐπλάνησαν [A B<sup>2</sup> E ἐπλάνησαν] τὴν  
γῆν ἀνομίαις +  
13. 10. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου (17)  
14. 9. ὁ προφῆτης ἐὰν πλανῇ [A -νηθῇ] . . .  
ἐγὼ κύριος πεπλάνηκα [A ἐπλάνησα]  
τὸν προφῆτην ἐκείνον (11 c, 11 b)  
— 11. ὅπως μὴ πλανᾷται ἔτι ὁ οἶκος τοῦ Ἰ. (16 a)  
33. 12. ἐν ἡ ἡμέρᾳ πλανηθῇ (10 b)  
34. 4. τὸ πλανώμενον οὐκ ἀπεστρέψατε [A ἐπ.] (6)  
— 16. τὸ πλανώμενον [A πεπλάνημ.] ἀπο-  
στρέψω [A B<sup>2</sup> ἐπιστρ.] (5)  
44. 10. A ἐν τῷ πλανᾷσθαι τὸν Ἰσραὴλ οἱ  
ἐπλανήθησαν ἀπ' ἐμοῦ [B A.] (16 a, 16 a)  
— 13. ἐν τῇ πλάνῃσιν ἡ ἐπλανήθησιν +  
— 15. ἐν τῇ πλάνῃσιν οἶκον Ἰσραὴλ ἀπ' ἐμοῦ (16 a)  
48. 11. οὐκ ἐπλανήθησαν . . . ὅτι τρώπον ἐπλανή-  
θησαν οἱ Α. (16 a, 16 a)  
Da. LXX. 6. 22 (23). σὺ δὲ ἤκουσας ἀνθρώπων  
πλανῶντων βασιλεῖς -  
Da. TH. Bel 7. μὴ πλανῶ  
II Ma. 6. 25. καὶ αὐτοὶ . . . πλανηθῶσι δι' ἐμέ  
7. 18. B μὴ πλανῶ μᾶλλον [A μᾶλλον]  
III Ma. 4. 16. B πεπλάνημένη [A -πληρωμ.] πόρρω  
τῆς ἀληθείας φρενί  
[Aq. Jb. 12. 23: Ps. 106 (107). 40: Pr. 14. 22:  
Ec. 7. 8 (7): Is. 19. 13: 30. 28: 35. 8: 47.  
15: Je. 50 (27). 6: Ez. 44. 10 (Sw.)]  
[Sm. Ps. 106 (107). 40: Pr. 5. 23: Is. 19. 13:  
28. 1: 29. 24: 35. 8: 47. 15: Je. 50 (27). 6:  
[Th. Jb. 12. 23: Ps. 81 (82). 3: 118 (119). 118:  
Pr. 7. 25: 14. 22: Is. 19. 13: 30. 28: 35. 8:  
44. 8: 47. 15: Ez. 44. 10 (Sw.): Da. 7. 25:  
Ho. 8. 6.]  
[Al. Jb. 12. 25: Pr. 19. 23.]  
[Quint. Ps. 118 (119). 118.]  
**πλάνη.** (1) πλῆρη (2) πῶς (3) πῶς  
To. 5. 13. οὐκ ἐπλανήθησαν ἐν τῇ πλ. [A τὴν πλ.]  
τὸν ἀδ. ἡμῶν [B A.]  
Pr. 14. 8. ἀνοία δὲ ἀφρόνουν ἐν πλάνῃ (1)  
Wi. 1. 12. μὴ ζηλοῦτε θάνατον ἐν πλάνῃ ζωῆς ὑμῶν  
12. 24. τὸν πλάνης ὁδὸν μακρότερον ἐπλανήθησαν  
Je. 23. 17. παντὶ τῷ πορευομ. πλάνῃ καρδίας αὐ. (3)  
Ez. 33. 10. αἱ πλ. ἡμῶν . . . ἐφ' ἡμῶν εἰσι (2)  
[Aq. Ec. 1. 17: 2. 12: 7. 26 (25): 9. 3.]  
[Sm. Ec. 2. 12: Is. 30. 10.]  
[Th. Ec. 2. 12.]  
[Sext. Ps. 126 (127). 2.]  
**πλάνησι.** (1) πλῆρη (2) πῶς (3) πῶς  
(4) πῶς a. qal. b. pu. c. hi. c. πῶς  
To. 14. 6. B τοὺς πλανῶντας ψευδῇ τὴν πλ. αὐ.  
Is. 19. 14. ἐκέρσαν αὐτοὺς πνεῦμα πλάνης (3)  
22. 5. πλ. [B<sup>2</sup> om., B<sup>2</sup> -σας] παρὰ κυρίου σαβαῶθ (1)  
30. 10. ἀναγγέλλετε ἡμῶν ἑτέρων πλάνησιν (2)  
— 28. τοῦ τυράντου ἐξῆν ἐπὶ πλ. ματαίᾳ καὶ διώ-  
ξεταὶ αὐτοὺς πλ. [A B<sup>2</sup> add. ματαίᾳ] (†, 4 b)  
32. 6. καὶ ἀλεῖν πρὸς κύριον πλάνησιν (4 c)  
Je. 4. 11. πνεῦμα πλάνης ἐν τῇ ἐρήμῳ +  
Ez. 44. 13. λήψονται ἀμίαν αὐτῶν ἐν τῇ πλ. +  
48. 11. οὐκ ἐπλανήθησαν ἐν τῇ πλ. ἰδὼν Ἰσραὴλ (4 a)  
[Aq. Ec. 2. 2.]  
**πλανητεύειν.**  
[Al. Le. 16. 21.]  
**πλανήτης.** (1) πῶς  
Ho. 9. 17. ἔσονται [A add. ὡς] πλανῆται ἐν τοῖς  
ἔθνεσιν  
**πλανήτης.**  
Jb. 2. 9. A B<sup>2</sup> κἀγὼ πλανῆτης [B<sup>2</sup> πλανώμεν]  
καὶ λάτρε

**πλάνος.** (1) πῶς  
Jb. 19. 4. παρ' ἐμοῦ δὲ αὐλίζεται πλάνος (1)  
Je. 23. 32. ἐπλάνουν τὸν λαόν μου . . . ἐν τοῖς  
πλ. αὐτῶν +  
**πλάξ.** (1) πῶς  
Ex. 31. 18. ἔδωκε . . . τὰς δύο πλ. τοῦ μαρτ. (1, 1)  
32. 15. αἱ δύο πλ. τοῦ μαρτ. ἐν ταῖς χ. αὐτοῦ (1, 1)  
— 16. αἱ πλ. ἔργον θεοῦ ἦσαν (1)  
— 16. γραφῇ . . . ἐκκαλεμένη ἐν ταῖς πλ. (1)  
— 19. ἔρριψεν . . . τὰς δύο πλ. (1)  
84. 1. λαβέουσιν σεαυτῶν δύο πλάκας (1)  
— 1. γράψω ἐπὶ τῶν πλ. τὰ ῥήματα δ' ἦν ἐν  
[A ἐπὶ] ταῖς πλ. ταῖς πρώταις (1, 1)  
— 4. ἐλάξετε δύο πλ. λιθίνας (1)  
— 4. ἔλαβε M. τὰς δύο πλ. τὰς λιθ. (1)  
— 28. ἔγραψεν ἐπὶ τῶν πλ. [A add. δύο] πλ. (1)  
— 29. αἱ δύο πλ. ἐπὶ τῶν χειρῶν M. (1)  
De. 4. 13: 5. 22 (19). ἔγραψεν αὐτὰ ἐπὶ δύο  
πλ. λιθίναις (1)  
9. 9. λαβὲν τὰς πλ. τὰς λιθίνας πλάκας διαθήκης (1, 1)  
— 10. ἔδωκε μοι κ. τὰς δύο πλ. (1)  
— 11. ἔδωκε κ. ἐμοὶ τὰς δύο πλ. τὰς λιθίνας  
πλάκας διαθήκης (1, 1)  
— 15. καὶ αἱ δύο πλ. (1)  
— 17. ἐπιλαβόμενος τῶν δύο πλ. (1)  
10. 1. λαβέουσιν σεαυτῶν δύο πλ. λιθίναις (1)  
— 2. γράψετε ἐπὶ τὰς πλ. τὰ ῥήμ. δ' ἦν ἐν ταῖς  
πλ. ταῖς πρώταις (1, 1)  
— 3. ἐλάξετε τὰς πλ. λιθίναις (1)  
— 3. αἱ δύο πλ. ἐπὶ ταῖς χερσὶ μου (1)  
— 4. ἔγραψεν ἐπὶ τὰς πλ. (1)  
— 5. ἐνέβαλον τὰς πλ. εἰς τὴν κιβωτόν (1)  
III Ki. 8. 9. πλὴν δύο πλάκες λιθίναι πλάκες  
τῆς διαθήκης (1, -)  
II Ch. 5. 10. οὐκ ἦν . . . πλὴν δύο πλάκες  
[Aq. Sm. Ex. 24. 12.]  
[Th. Ex. 24. 12: Pr. 8. 3.]  
**πλάσμα.** (1) πῶς (2) πῶς  
Ju. 8. 29. ἀγαθὸν ἐστὶ τὸ πλ. τῆς καρδίας σου (1)  
Jb. 40. 14 (19). ἀρχὴ πλάσματος κυρίου (1)  
Ps. 102 (103). 14. αὐτὸς ἔγνων τὸ πλ. ἡμῶν (2)  
Hb. 2. 18. πέποιθεν ὁ πλάσας ἐπὶ τὸ πλ. αὐ. (2)  
Is. 29. 16. μὴ εἰρή τὸ πλ. τῶν πλάσαντι αὐτό (2)  
45. 9. B S<sup>2</sup> μὴ ἀποκριθῆσεται τὸ πλ. -  
[Aq. Sm. Dt. 31. 21: Is. 26. 3.]  
[Hebr. Ge. 8. 21.]  
**πλάσειν.** (1) πῶς (2) πῶς pil. (3) πῶς  
a. qal. b. pu. (4) πῶ pil. (5) πῶ  
(6) πῶ pi. (7) πῶ (8) πῶ  
Ge. 2. 7. ἔπλασεν ὁ θ. τὸν ἄνθρωπον (3 a)  
— 8. τὸν ἄνθρ. ὃν ἔπλασε (3 a)  
— 15. τὸν ἄνθρ. ὃν ἔπλασε (3 a)  
— 19. ἔπλασεν ὁ θ. . . πάντα τὰ θηρία (3 a)  
Ex. 32. 4. ἔπλασεν αὐτὰ ἐν τῇ γραφίδι (8)  
De. 32. 6. B καὶ ἔπλασε [A ἔκτισεν] σε (4)  
III Ki. 12. 33. ἡ ἔπλασται ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (1)  
IV Ki. 19. 25. ἔπλασε αὐτὴν (3 a)  
Es. 1. 7. S<sup>2</sup> κύκλω ῥόδα πεπλάσμενα [A B S<sup>2</sup>  
πεπασ.] -  
Jb. 10. 8. αἱ χεῖρες σου ἔπλασαν με [A B σου  
. . . ἔπλ. με] (6 [7])  
— 9. μνησθήτι ὅτι πηλὸν με ἔπλασας (7)  
34. 15. εἰς γῆν ἀνελεύσεται ὁδὸν καὶ ἐπλάσθῃ -  
38. 14. ἡ σὺ λαβὼν γῆν πηλὸν ἔπλασας ζῶον +  
Ps. 32 (33). 15. ὁ πλάσας κατὰ μόνας τὰς καρ-  
δίας αὐτῶν (3 a)  
73 (74). 17. S<sup>2</sup> ἔαρ σὺ ἔπλασας [B S<sup>2</sup> ἐποίησας] (3 a)  
89 (90). 2. πρὸ τοῦ . . . πλάσθηναι τὴν γῆν (3)  
93 (94). 9. ἡ ὁ πλάσας τὸν ὀφθαλμόν (3 a)  
— 20. ὁ πλάσων κῶπον (3 a)  
94 (95). 5. τὴν ἔξηρὰν αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἔπλασαν (3 a)  
108 (104). 26. δράκων οὗτος ὃν ἔπλασας (3 a)  
118 (119). 73. αἱ χεῖρες σου ἐποίησάν με καὶ  
ἔπλασαν με [S<sup>2</sup> ἔπλ. με καὶ ἡτοί-  
μασάν με] (4 [7])  
138 (139). 5. σὺ ἔπλασας με (8)  
— 16. ἡμέρας πλάσθῃσιν (3 b)  
Pr. 8. 25. B καὶ πλάσθῃσιν τὴν γῆν (3 b)  
24. 12. ὁ πλάσας πνοὴν πᾶσιν (5)  
Wi. 15. 7. ἐπίμοχθον πλάσσει . . . ἔκαστον

Wi. 15. 8. θεὸν μάτιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει πηλοῦ  
— 9. ὁξάν ἡγείται ὅτι κίβδηλα πλάσσει  
— 11. ἡγνόησε τὸν πλάσαντα [A πούσαντα] αὐτόν  
— 16. τὸ πνεῦμα δεδαισμένους ἔπλασεν αὐτούς  
— 16. οὐδεὶς γὰρ αὐτῷ ὅμοιον ἄνθρωπος ἰσχύει  
πλάσαι θεόν [A B A.]  
Hb. 1. 12. ἔπλασε με τοῦ ἐλέγχειν παιδείαν αὐ. +  
2. 18. ἔπλασεν αὐτό [S<sup>2</sup> -αν τὸ] χώνευμα (3 a)  
— 18. πέποιθεν ὁ πλάσας ἐπὶ τὸ πλάσμα αὐ. (3 a)  
Za. 12. 1. καὶ πλάσων πνεῦμα ἀνθρώπου (3 a)  
Is. 27. 11. ὁ πλάσας αὐτοὺς οὐ μὴ ἐλεῇ (3 a)  
29. 16. μὴ εἰρή τὸ πλάσμα τῶν πλάσαντι αὐτό  
[A B om.], Οὐ σύ με ἔπλασας (3 a, †)  
43. 1. λέγει κύριος . . . ὁ πλάσας σε, Ἰσραὴλ (3 a)  
— 7. ἔπλασε αὐτὸν καὶ ἐποίησα αὐτόν (3 a)  
44. 2. οὕτω λέγει κύριος . . . ὁ πλάσας σε (3 a)  
— 9. οὐκ ἤκουσαν [A B ἦσαν] τότε οἱ πλά-  
σαντες (3 a)  
— 10. αἰσχυρόθησιν οἱ πλάσαντες θεόν (3 a)  
— 21. ἔπλασά σε παῖδά μου (3 a)  
— 24. ὁ . . . πλάσων [B πλάσαι] σε ἐκ  
κοιλίας (3 a)  
45. 9. B S<sup>2</sup> μὴ ἀποκριθῆσεται τὸ πλάσμα πρὸς  
τὸν πλάσαντα αὐτό -  
— 18. B ἔπλασεν αὐτὴν (3 a)  
49. 5. ὁ πλάσας με ἐκ κοιλίας δοῦλον ἐαυτοῦ (3 a)  
— 8. B ἔπλασά σε (3 a)  
53. 11. πλάσαι τὴν συνίσει (†)  
Je. 1. 5. πρὸ τοῦ με πλάσαι σε (8\*, 3 a)  
10. 16. ὁ πλάσας τὰ πάντα (3 a)  
18. 11. πλάσων ἐφ' ὑμᾶς κακά (3 a)  
19. 1. κτήσαι βικὸν πεπλάσμενον ὀστράκινον (3 a)  
28 (51). 19. ὁ πλάσας τὰ πάντα (3 a)  
40 (33). 2. κύριος ποιῶν γῆν καὶ πλάσων αὐτήν (3 a)  
II Ma. 7. 23. ὁ πλάσας ἀνθρώπων γένεσιν  
IV Ma. 13. 20. καὶ ἐν τῷ αὐτῷ πλάσθῃσιν  
[Aq. Ge. 2. 7: Ps. 32 (33). 15: 93 (94). 20:  
138 (139). 16 (P.): Is. 44. 12: 45. 9: 54. 17:  
Je. 10. 16.]  
[Sm. Ge. 2. 7: Ps. 32 (33). 15: 93 (94). 20:  
93 (94). 20: 138 (139). 16: Is. 41. 29 (Sw.):  
45. 9: 54. 17:]  
[Th. Ge. 2. 7: Ps. 138 (139). 16: Is. 44. 10:  
45. 9: 54. 17: Je. 10. 16.]  
[Al. Je. 23. 31.]  
**πλάστης.**  
[Aq. Is. 64. 8 (7): ZA. 11. 13 bis.]  
[Th. Is. 64. 8 (7).]  
**πλάστῃ.**  
Wi. 11. 22. ὡς ῥοπή ἐκ πλαστῶν  
II Ma. 9. 8. πλαστῇ τῇ τῶν ὀρέων οἰόμενος ὑψη-  
στῇσιν  
**πλάτανος.** (1) πῶς  
Ge. 30. 37. ἔλαβε δὲ ἐαυτῷ ἰ. ῥάβδον . . . πλα-  
τάνου (1)  
Si. 24. 14. ἀνυψώθη ὡς πλάτανος  
[Sm. Ho. 4. 13.]  
[Th. Ez. 31. 8.]  
**πλατεία** (subst.). (1) γῆ (2) βίη, δύνη  
(3) πῶς  
Ge. 19. 2. ἐν τῇ πλ. καταλύομεν (2)  
Jd. 19. 15. ἐκάθισαν ἐν τῇ πλ. τῆς πόλεως (2)  
— 17. ἐν τῇ πλ. τῆς πόλεως (2)  
— 20. ἐν τῇ πλ. οὐ μὴ αὐλισθήσῃ [A A.] (2)  
II Ki. 21. 12. οἱ ἐκλεψάν αὐτοὺς ἐκ τῆς πλ. B. (2)  
II Ch. 32. 6. ἐπὶ [A εἰς] τὴν πλ. τῆς πύλης τῆς  
φάραγγος (2)  
II Es. 10. 9. ἐν πλατείᾳ οἴκου τοῦ θεοῦ (2)  
Ne. 8. 16. A B B<sup>2</sup> ἐν [B ἐν ταῖς] πλατεῖαις τῆς  
πόλεως (2)  
To. 2. 4. B ἀναίρουμαι αὐτὸν ἐκ τῆς πλ. [A B A.]  
13. 17. καὶ αἱ πλ. ἱερουσαλὴμ  
Ju. 1. 14. ἐπρονόμισεν τὰς πλ. αὐτῆς  
7. 14. καταστρωθῇσιν αὐτὴ ἐν ταῖς πλ.  
— 22. ἐπιπτον ἐν ταῖς πλ. τῆς πόλεως (3)  
Es. 4. 1. ἐκπύθησας διὰ τῆς πλ. τῆς πόλεως (3)  
— 5. S<sup>2</sup> εἰς τὴν πλ. τῆς πόλεως [A A.] -  
6. 9. κηρυσσέτω διὰ τῆς πλ. τῆς πόλεως (2)  
— 11. διήλθε διὰ τῆς πλ. τῆς πόλεως (2)  
Jb. 29. 7. ἐν δὲ πλατεῖαις ἐτίθητό μου ὁ δίφρος (2)  
Ps. 17 (18). 42. ὡς πηλὸν πλατεῖαν λεανῶ αὐτοὺς (1)  
54 (55). 11. B S<sup>2</sup> οὐκ ἐξήλιπεν ἐκ τῶν πλ. αὐ-  
τῆς κόπος [S<sup>2</sup> B τάκος] (2)

- Ps. 148 (144). 14.  $\text{B}^3$  οὐδὲ κραυγὴ ἐν ταῖς πλ. (2)  
[A B<sup>3</sup> ἐπαύλειν] αὐτῶν (2)
- Pr. 1. 20. ἐν δὲ πλατεῖαις παρηγορία ἀγεί (2)
5. 16. εἰς δὲ σὰς πλ. διαπορευέσθαι τὰ σὰ ὕδατα (2)
7. 6. εἰς τὰς πλ. παρακίπτονται (2)
- 12. χρόνον δὲ ἐν πλατεῖαις παρὰ πᾶσαν (2)  
γωνίαν ἐνεδρεύει (2)
9. 14. ἐν πλατεῖαις προσκαλουμένη (2)
22. 13. 26. 13 (A B<sup>3</sup> S B). ἐν δὲ ταῖς πλ. (2)  
φονευταί (2)
- Ca. 8. 2. κυκλώσω . . . ἐν ταῖς πλ. (2)
- Si. 23. 21. οὐκ ἐν πλατεῖαις πόλεως ἐκδικηθήσεται (2)
- Atm. 5. 16. ἐν πάσαις ταῖς [A om.] πλ. κοπετός (2)
- Na. 2. 4 (5). συμπλακῆσονται ἐν ταῖς πλ. (2)
- Za. 8. 4. ἐν καθήσονται . . . ἐν ταῖς πλ. ἱερ. (2)
- 5. αἱ πλ. τῆς πόλεως πλησθήσονται . . . (2)  
κορισίων παύζοντων ἐν ταῖς πλ. αὐ. (2)
- Is. 15. 3. ἐν ταῖς πλ. αὐ. περιώσασθε σάκκους (1)
- 3. A B<sup>3</sup> κώπεσθε . . . ἐν ταῖς πλ. αὐ. [B<sup>3</sup> S om. ἐν τ. πλ. αὐ.] (2)
- Je. 5. 1. ἡγρίσατε ἐν ταῖς πλ. αὐ. (2)
9. 21 (20). τοῦ ἐκτρίψαι . . . νεανίσκους ἀπὸ (2)  
τῶν πλ. (2)
- 27 (50). 30. πεσοῦνται . . . ἐν ταῖς πλ. αὐ. (2)
- 30 (48). 26. πεσοῦνται . . . ἐν πλατεῖαις σου (2)
- 31 (48). 38. καὶ ἐπὶ πλατεῖαις αὐτῆς (2)
- La. 2. 11. ἐν τῇ ἐκλείπειν νήπιον καὶ θηλάζοντα (2)  
ἐν πλατεῖαις πόλεως (2)
- 12. ἐν τῇ ἐκλείπειν αὐτοὺς ὡς τραυματίαις (2)  
ἐν πλατεῖαις πόλεως (2)
4. 18. τοῦ μὴ πορεύεσθαι ἐν ταῖς πλ. ἡμῶν (2)
- Ez. 7. 19. τὸ ἀργύριον αὐ. ῥιφθήσεται ἐν ταῖς πλ. (1)
16. 24. ἐποίσας σεαυτὴ ἐκβέμα ἐν πάσῃ πλ. (2)
- 31. τὴν βάσιν σου ἐποίησας ἐν πάσῃ πλ. (2)
28. 11. καταπατήσουσί σου πάσας τὰς πλ. (1)
28. 23. αἶμα καὶ θάνατος ἐν ταῖς πλ. σου (1)
- Da. Th. 9. 25. οἰκοδομηθήσεται πλατεῖα (2)
- I Ma. 1. 55. ἐν ταῖς πλ. ἐθυμίων (2)
2. 9. ἀπεκτάνθη τὸ νήπιον αὐ. ἐν ταῖς πλ. αὐ. (2)
14. 9. ἐν ταῖς πλ. [B<sup>3</sup> ἐκκλησιαίς] ἐκάθηντο (2)
- III Ma. 1. 18. στεναγμῶν τὰς πλ. ἐνεμπλυν (2)  
[Aq. Is. 15. 3.] (2)  
[Sm. Ps. 54 (55). 12: 148 (144). 14: Is. 15. 3.] (2)  
[Th. Is. 15. 3.] (2)
- πλάτος.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (2)  
(5) a.  $\text{H}^3$  b.  $\text{H}^3$  c.  $\text{H}^3$
- Ge. 6. 15. πεντήκοντα πήχεων τὸ πλ. (5 a)
13. 17. διόδυσον τὴν γῆν . . . εἰς τὸ πλ. (5 a)
32. 25 (36). ἤψατο τὸ πλ. τοῦ μυροῦ αὐ. (1)
- 25 (26). ἐνάρκησε τὸ πλ. τοῦ μυροῦ I. (1)
- 32 (33). ὁ ἔστιν ἐπὶ τοῦ πλ. τοῦ μυροῦ (1)
- 32 (33). ἤψατο τοῦ πλ. τοῦ μυροῦ I. (1)
- Ex. 25. 9 (10), 16 (17). πήχεος καὶ ἡμίσεος (5 a)  
τὸ πλ. (5 a)
26. 16. πήχεως ἐνὸς καὶ ἡμῖος. τὸ πλ. (5 a)
- 38 (37). I. A πήχεως καὶ ἡμίσεος τὸ πλ. αὐτῆς (5 a)
- III Ki. 3. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κ. . . πλάτος (5 a)  
καρδίας (5 a)
6. 2. ἔκκρινεν ἐν πῆχει πλάτος αὐτοῦ (5 a)
- 3. εἰς τὸ πλ. τοῦ οἴκου [A al.] (5 a)
- 6. πέντε [A ἐξ] πήχεων . . . τὸ πλ. αὐτῆς (5 a)
- 6. A τὸ μέσον ἐξ πήχεων πλάτους [B om. π. πλ.] (5 a)
- 6. ἡ τρίτῃ ἐπὶ ἐν πῆχει τὸ πλ. αὐτῆς (5 a)
- 20. καὶ ἔκκρινεν πῆχεις πλάτος (5 a)
7. 27. τίσσαρες πῆχεις πλάτος αὐτῆς (5 a)
- 2. πεντήκοντα πῆχεις πλάτος αὐτοῦ (5 a)
- 6. καὶ πεντήκοντα [A τριάκ.] ἐν πλάτει (5 a)
- I Ch. 3. 4. A B μήκος ἐπὶ πρόσωπον πλάτους (5 a)  
[B -os] (5 a)
- 8. A B πλάτος [B add. τοῦ οἴκου] πήχεων (5 a)  
ἐκκρινε (5 a)
- I Es. 6. 25. πλάτος πηχῶν ἐξήκοντα (4)
- II Es. 6. 3. A B πλάτος αὐ. πῆχων ἐξήκοντα (4)
- Ne. 8. 1. συνήχθησαν . . . εἰς τὸ πλ. (5 b)
- Ju. 1. 2. εἰς πλάτος πηχῶν τριῶν (5 b)
- 2. B<sup>3</sup> καὶ τὸ πλ. αὐ. πηχῶν πεντήκ. [A ἐβ- (5 b)  
δομήκ.] (5 b)
- 3. τὸ πλ. αὐ. ἐθελώμενοι (5 b)
- 4. τὸ πλ. αὐ. πῆχεις [B -ων] τεσσαράκ. (5 b)
- Pr. 3. 4. A γράψον δὲ αὐτὰς ἐπὶ τὸ πλ. τῆς (2)  
καρδίας σου (2)
7. 3. ἐπίγραψον δὲ ἐπὶ τὸ πλ. τῆς καρδίας σου (2)
22. 20. ἐπὶ τὸ πλ. τῆς καρδίας σου (2)
- Si. 1. 3. ὕψος οὐρανοῦ καὶ πλάτος γῆς (2)
- Hb. 1. 6. τὸ πορευόμενον ἐπὶ τὰ πλ. [A τὸ πλ.] (5 c)  
τῆς γῆς (5 c)
- Za. 2. 2 (6). τοῦ ἰδεῖν πηλίκον τὸ πλ. αὐ. ἔστι (5 a)
5. 2. δρέπανον πετιόμενον . . . πλάτους [A -os] (5 a)  
πήχεων δέκα (5 a)
- Is. 8. 8. ὥστε πληρώσαι τὸ πλ. τῆς χώρας σου (5 a)  
[A al.] (5 a)
- Je. 52. 21. B τὸ πλ. [A B πᾶχος] αὐτοῦ δακτύ- (8)  
λων τεσσάρων κύκλῳ (8)
- Ez. 40. 5. πλ. [A τὸ πλ.] ἴσον τῷ καλᾷ μῶ (5 a)  
— 7. ἴσον τῷ καλᾷ μῶ τὸ πλ. . . ἴσον τῷ (5 a, -)  
καλᾷ μῶ [A add. τὸ] πλ. (5 a, -)
- 8. ἴσον τῷ καλᾷ μῶ πλ. [A τὸ πλ.] (5 a)
- 11. διεμέτρησε τὸ πλ. τῆς θύρας (5 a)
- 13. πῆχυν [A om.] εἰκοσι πέντε (5 a)
- 19. διεμέτρησε τὸ πλ. τῆς αὐλῆς (5 a)
- 20. τὸ τε μήκος αὐτῆς καὶ τὸ πλ. (5 a)
- 30. A πλ. πέντε πήχεων (5 a)
- 42. πήχεος καὶ ἡμίσεος τὸ πλ. (5 a)
- 48. πηχῶν πέντε τὸ πλ. (5 a)
41. 1. πηχῶν [A -χει] ἐξ τὸ πλ. ἔθεν (5 a)
- 11. πηχῶν πέντε πλ. κυκλόθεν (5 a)
- 12. πλ. τοῦ τοίχου τοῦ διορίζοντος (5 a)
42. 2. τὸ πλ. πενήκοντα [A add. πῆχων] (5 a)
- 4. πηχῶν δέκα τὸ πλ. (5 a)
43. 16. A ἐπὶ πῆχεις δώδεκα πλάτους [B om.] δέκα (5 a)
48. 10. A πρὸς θάλασσαν πλ. [B om.] δέκα (5 a)  
χιλιάδες (5 a)
- 15. τὰς δὲ πέντε χιλιάδας τὰς περιστάς ἐπὶ (5 a)  
τῷ πλ. (5 a)
- Da. LXX. 9. 27. ἀνοικοδομηθήσεται εἰς πλάτος (5 a)
12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν τῷ πλ. τῆς γῆς (5 a)
- II Ma. 12. 16. τὴν παρεκκείμενην λίμνην τὸ πλ. ἔχου- (5 a)  
σαν σταδίων δύο (5 a)
- [Aq. III Ki. 6. 20: Is. 59. 14: Ez. 40. 5: 41. (5 a)  
1: 42. 20.] (5 a)
- [Sm. III Ki. 6. 20: Ez. 40. 5: 41. 12 (Sw.).] (5 a)
- [Th. Ex. 37 (38). 1: III Ki. 6. 20: Is. 51. 9: (5 a)  
Za. 2. 4 (8).] (5 a)
- [AL Nu. 35. 2.] (5 a)
- πλάτυνειν.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (2)  
(4)  $\text{H}^3$  a. qal. b. pi. c. hi. (5)  $\text{H}^3$   
a. qal. b. hi. c.  $\text{H}^3$
- Ge. 9. 27. πλατύνει δ. θ. τῷ Ἰαφὲθ (4 c)
26. 22. ἐπλάτυνε κύριος ἡμῶν (5 b)
28. 14. πλατυνθήσεται ἐπὶ θάλασσαν (8)
- Ex. 34. 24. πλατύνω [A ἐμπλ.] τὰ ὀριά σου (5 b)
- De. 6. 12. A πλατύνῃ ἡ καρδία σου (5 b)
11. 16. μὴ πλατύνῃ ἡ καρδία σου (4 a)
32. 15. ἐπαχύνῃ ἐπλάτυνῃ (2)
- I Ki. 2. 1. ἐπλάτυνῃ ἐπ' ἐχθρούς μου τὸ στόμα (5 a)  
μου (5 a)
- Ps. 4. 1. ἐν θλίψει ἐπλάτυνας μοι (5 b)
- 17 (18). 36. ἐπλάτυνας τὰ διαβήματά μου (5 b)
- 34 (35). 21. ἐπλάτυνας [A -ω] ἐπ' ἐμὲ τὸ στόμα (5 b)
- 80 (81). 10. πλάτυνας τὸ στόμα σου (5 b)
- 118 (119). 32. ὅταν ἐπλάτυνας τὴν καρδίαν μου (5 b)
- Pr. 24. 43 (28). μὴ δὲ πλατύνω σοὶς χεῖρες (4 b)
- Hb. 2. 5. ὅς ἐπλάτυνε καθὼς ἄδης τὴν ψυχὴν (5 b)
- Is. 5. 14. ἐπλάτυνεν ὁ ἄδης τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (5 b)
54. 2. πλάτυνον τὸν τόπον τῆς σκηνῆς σου (5 b)
- Je. 2. 24. τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐπλάτυνεν (5 a)
- 28 (51). 58. τεύχεως Βαβυλῶνος ἐπλάτυνῃ (5 c)
- Ez. 31. 5. ἐπλάτυνθησαν οἱ κλάδοι αὐτοῦ (1)
- I Ma. 3. 3. ἐπλάτυνε δόξαν τῷ λαῷ αὐ. (5 a)
14. 6. ἐπλάτυνε τὰ ὅρια τῆς γῆς (5 a)
- [Aq. Is. 57. 4: 60. 5:] (5 a)
- [Sm. Le. 6. 21 (14): Jb. 31. 27: Is. 57. 4: (5 a)  
60. 5:] (5 a)
- [Th. Is. 30. 33: 57. 4: 8: 60. 5:] (5 a)
- [Al. Le. 13. 7 δις, 2 δις.] (5 a)
- [Sam. Le. 13. 8.] (5 a)
- πλάτους, cf. πλατεῖα.** (1) a.  $\text{H}^3$  b.  $\text{H}^3$  c.  $\text{H}^3$   
Ge. 34. 10. ἡ γῆ ἰδοὺ πλ. ἐναντίον ὑμῶν (1 b)  
— 21. ἡ δὲ γῆ ἰδοὺ πλ. ἐναντίον αὐτῶν (1 b)
- Jd. 18. 10. καὶ ἡ γῆ πλ. [A εὐρύχωρος] (1 b)
- I Ch. 4. 40. καὶ ἡ γῆ πλ. ἐναντίον αὐτῶν (1 b)
- Ne. 3. 8. A ὅς τοι τεύχεος τοῦ πλάτους [B -ως] (1 a)
4. 19 (13). τὸ ἔργον πλ. καὶ πολύ (1 a)
7. 4. ἡ πόλις πλ. καὶ μεγάλη (1 b)
9. 35. καὶ ἐν τῇ γῇ τῇ [A om.] πλ. (1 a)
12. 38. B<sup>3</sup> καὶ ὥς τοι τεύχεος τοῦ πλ. (1 a)
- Ps. 118 (119). 96. πλ. ἡ ἐντολὴ σου σφόδρα (1 a)
- Is. 38. 21. διώρυχες πλ. καὶ εὐρύχωροι (1 b)
- Ez. 28. 32. τὸ ποτήριον τῆς ἀδελφῆς σου πίεσαι (1 a)  
τὸ βαθὺ καὶ τὸ πλατὺ (1 a)
- [Aq. Ps. 103 (104). 25: Pr. 28. 25:] (1 a)
- [Sm. Ps. 24 (25). 17: Ho. 5. 1:] (1 a)
- πλατυσμός.** (1) a.  $\text{H}^3$  b.  $\text{H}^3$  hi. (2)  $\text{H}^3$   
c.  $\text{H}^3$
- II Ki. 22. 20. ἐξήγαγέ με εἰς πλατυσμόν (1 a)
- 37. ἐπλήθυνέ με εἰς πλατυσμόν (1 b)
- Ps. 17 (18). 19. ἐξήγαγέ με εἰς πλατυσμόν (1 a)
- 117 (118). 5. ἐπικούσέ μου εἰς πλατυσμόν (1 a)
- 118 (119). 45. ἐπορευόμενον ἐν πλατυσμῷ (1 c)
- Si. 47. 12. κατέλυσεν [B -ἐπαναθεν] ἐν πλατυσμῷ (1 c)
- πλατύτης.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
[Aq. Ps. 30 (31). 9:] (5 a)
- πλατύψυχος.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
[Sm. Pr. 28. 25:] (5 a)
- πλέγμα.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
[Aq. Th. Is. 28. 5:] (5 a)
- πλεῖν.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
I Es. 4. 23. εἰς τὴν θάλασσαν πλεῖν [A πλεῖ] (5 a)
- Si. 48. 24. οἱ πλεόντες τὴν θάλασσαν (5 a)
- Ju. 1. 3. A B<sup>3</sup> τοῦ πλεῖναι μετ' αὐτῶν εἰς θ. (1)
- Is. 42. 10. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλασσαν (5 a)  
καὶ πλεόντες αὐτήν (5 a)
- I Ma. 18. 29. ὑπὸ πάντων τῶν πλεόντων τὴν θάλ. (5 a)
- IV Ma. 7. 3. ἐπλεονεν ἐπὶ τὸν τῆς ἀθανάτου νίκης (5 a)  
λίμην (5 a)
- πλεῖον, πλεόν, vid. πολύ.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
[Aq. Th. Is. 28. 5:] (5 a)
- πλειστάκις.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
Ec. 7. 23 (22). πλειστάκις πονηρεύεσθαι σε (1)
- [Al. Ps. 118 (119). 164:] (1)
- πλείστος, πλείων, vid. πολὺς.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
πλέκειν. (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
Ex. 28. 14. ἐπιθήσεις τὰ κροσσῶτά τὰ πεπλεγμ. (1)
- Is. 28. 5. ὁ στέφανος τῆς ἐλπίδος ὁ πλεκίς (2)  
[A πλακ.] τῆς δόξης (2)
- πλεκτόν.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
[Al. Ex. 27. 11:] (5 a)
- πλεόν, vid. sub πολὺς.** (1)  $\text{H}^3$  (2)  $\text{H}^3$  (3)  $\text{H}^3$  (4)  $\text{H}^3$  (5)  $\text{H}^3$   
**πλεονάζειν.** (1)  $\text{H}^3$  hi. (2)  $\text{H}^3$  hi. (3)  $\text{H}^3$  a. qal. b. hi. (4)  $\text{H}^3$  a. qal. (5)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (6)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (7)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (8)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (9)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (10)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (11)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (12)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (13)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (14)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (15)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (16)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (17)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (18)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (19)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (20)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (21)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (22)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (23)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (24)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (25)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (26)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (27)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (28)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (29)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (30)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (31)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (32)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (33)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (34)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (35)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (36)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (37)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (38)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (39)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (40)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (41)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (42)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (43)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (44)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (45)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (46)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (47)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (48)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (49)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (50)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (51)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (52)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (53)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (54)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (55)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (56)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (57)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (58)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (59)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (60)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (61)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (62)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (63)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (64)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (65)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (66)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (67)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (68)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (69)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (70)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (71)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (72)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (73)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (74)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (75)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (76)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (77)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (78)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (79)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (80)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (81)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (82)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (83)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (84)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (85)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (86)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (87)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (88)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (89)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (90)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (91)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (92)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (93)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (94)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (95)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (96)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (97)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (98)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (99)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (100)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (101)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (102)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (103)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (104)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (105)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (106)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (107)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (108)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (109)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (110)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (111)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (112)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (113)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (114)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (115)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (116)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (117)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (118)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (119)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (120)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (121)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (122)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (123)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (124)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (125)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (126)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (127)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (128)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (129)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (130)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (131)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (132)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (133)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (134)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text{H}^3$  (135)  $\text{H}^3$  b. hi. c.  $\text$

**πλεονάκεις.** (1) *א. תַּבְּרַב* *δ. תַּבְּרַב* *ε. תַּבְּרַב*  
*תַּבְּרַב*

Το. 1. 6. ἐπορεύομαι πλ. [8 πολλάκις] εἰς Ἱερ.  
5. 6. 8 πλ. ἐπορεύθη εἰς Μεδίαν  
Ps. 105 (106). 43. πλ. ἐρρύσατο αὐτούς (1 c)  
128 (129). 1. πλ. ἐπολέμησάν με (1 a)  
— 2. πλ. ἐπολέμησάν με ἐκ νεότητός μου (1 a)  
Si. 31 (34). 12. πλ. ἔως θανάτου ἐκινδύνευσα (1 b)  
Is. 42. 20. εἰδετε πλ. (1 b)  
I Ma. 16. 2. ῥύσασθαι τὸν Ἱσρ. πλ.  
III Ma. 2. 12. ἐπεὶ δὲ πλ. . . ἐβοήθησας αὐτοῖς  
6. 26. τοὺς χειρίστους πλ. ἀνθρώπων ἐπιδεδεγμένους  
κινδύνους  
[Aq., Sm. Ec. 7. 23 (22).]

**πλεονάσμα.** (1) *תַּבְּרַב*  
Nu. 31. 32. ἐγένηθ' τὸ πλ. τῆς προνομῆς (1)  
[Th. Ps. 48 (44). 13.]

**πλεονασμός.** (1) *א. תַּבְּרַב* *δ. תַּבְּרַב*  
Le. 25. 37. A B<sup>1</sup> πλεονασμὸν [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> ἐπὶ πλεο-  
νασμῷ] οὐ δώσεις (1 a)  
Pr. 28. 8. ὁ πλῆθυνων τὸν πλοῦτον αὐτοῦ μετὰ  
τόκων καὶ πλεονασμῶν (1 b)  
Ez. 18. 8. πλεονασμὸν οὐ λήψεται (1 b)  
— 13. πλεονασμὸν ἔλαβεν (1 b)  
— 17. τόκον οὐδὲ πλεονασμὸν οὐκ ἔλαβε (1 b)  
22. 12. τόκον καὶ πλεονασμὸν ἐλαμβάνουσιν (1 b)  
[AL. Lx. 25. 36 : Ps. 48 (44). 13.]

**πλεοναστός.** (1) πλεοναστὸν ποιεῖν *תַּבְּרַב* hi.  
De. 30. 5. πλ. σε ποιήσει ὑπὲρ τοὺς πατέρας (1)  
I Ma. 4. 35. A B πλεοναστὸν πάλιν γεννέονται [B al.]

**πλεονεκτείν.** (1) *עָבַר*  
Jd. 4. 11. ἔως δρῦνς πλεονεκτοῦντων [A al.]  
Hb. 2. 9. ὁ δὲ πλεονεκτῶν πλεονεξίαν κακὴν (1)  
Ez. 22. 27. ὅπως πλεονεξία πλεονεκτῶσι (1)  
[Aq. Jb. 27. 8 : Pr. 1. 19 : Jb. 6. 13.]  
[Sm. Jb. 27. 8 : Pr. 1. 19 : 15. 27 : Ez. 22. 12.]  
[Th. Jd. 4. 11 : Jb. 27. 8 : Pr. 1. 19 : Jb. 6. 13 :  
Ez. 22. 12.]

**πλεονεκτία.**  
[Aq. Ge. 37. 26.]

**πλεονεκτήης.**  
Si. 14. 9. πλεονεκτήου ὀφθαλμοὺς οὐκ ἐμπίπλονται μεριδί  
[Aq., Sm. Ps. 9. 24 (10. 3).]

**πλεονεξία.** (1) *עָבַר*  
Jd. 5. 19. A πλεονεξίαν [B δῶρον] ἀργυρίου οὐκ  
ἔλαβον (1)  
Ps. 118 (119). 36. καὶ μὴ εἰς πλεονεξίαν (1)  
Wi. 10. 11. ἐν πλεονεξίᾳ κατισχυόντων αὐτὸν παρίστη  
Hb. 2. 9. ὁ δὲ πλεονεκτῶν πλ. κακὴν τῷ ὄκῳ αὐ. (1)  
Is. 28. 8. αὕτη γὰρ ἡ βουλή ἐνεκεν πλεονεξίας  
Je. 22. 17. οὐκ εἰσὶν οἱ ὀφθαλμοὶ σου . . . ἀλλὰ  
εἰς τὴν πλ. σου (1)  
Ez. 22. 27. ὅπως πλεονεξία πλεονεκτῶσι (1)  
II Ma. 4. 50. διὰ τὰς τῶν κρατούντων πλεονεξίας  
[Aq. Ex. 18. 21 : I Ki. 8. 3 : Pr. 1. 19 : Is. 33.  
15 : 56. 11 : 57. 17 : Jb. 51 (28). 13.]  
[Sm. Ex. 18. 21 : I Ki. 8. 3 : Pr. 1. 19 : 15.  
27 : Is. 33. 15 : 56. 11 : 57. 17 : Jb. 6. 13 :  
Ez. 7. 11 : 33. 31 : Hb. 1. 9 : 2. 17.]  
[Th. Ex. 18. 21 : I Ki. 8. 3 : Pr. 1. 19 : Is. 33.  
15 : 56. 11 : 57. 17 : Jb. 6. 13 : Ez. 33. 31.]

**πλεωρεῖ.** cf. πλεωρύν. (1) *רָבַח* (2) *רָבַח*  
(3) *רָבַח* (4) *רָבַח* (5) *רָבַח* (6) *רָבַח*  
(7) *רָבַח* (8) *רָבַח*  
Ge. 2. 21. ἔλαβε μίαν τῶν πλ. αὐτοῦ (8)  
— 22. φκοδόμησεν κ. δ. τὴν πλ. (8)  
Nu. 33. 55. καὶ βολίδες ἐν ταῖς πλ. ὑμῶν (7)  
II Ki. 2. 16. εἰς πλευρὰν [A πλάγιον] τοῦ πλῃ-  
σίον αὐ. (7)  
18. 34. ἐκ πλευρᾶς [A -οῦ] τοῦ δρους (7)  
16. 13. A εἰς πλευρὰς τοῦ δρους [B E al.] (7)  
21. 14. ἐν γῇ Ben. ἐν τῇ πλ. (8)  
III Ki. 6. 5. A ἐποίησεν πλευρὰς κυκλόθεν  
— 6. ἡ πλ. ἡ ὑποκάτω πέντε [A ἐξ] πηχῶν (8\*, 4)  
— 8. ὁ πυλὼν τῆς πλ. τῆς ὑποκάτωθεν (8)  
— 15. περιέσχε . . . ἐν πλ. περικύβητος (8)  
7. 20. ἐπαύωθεν τῶν πλ. ἐπίθεμα (8)

III Ki. 7. 3. ἐπὶ τῶν πλ. τῶν στύλων (8)  
8. 19. ὁ ἐξέλθων ἐκ τῶν πλ. σου (2)  
Ju. 6. 6. διελευσέται . . . τὰς πλ. σου (2)  
Jb. 40. 13 (18). αἱ πλ. αὐτοῦ πλευραὶ χάλκεαι  
[A ὡς πέτρας χάλκαί] (8, 1)  
Pr. 22. 27. τὸ στρόμα τοῦ ὑπὸ τὰς πλ. σου  
Si. 80. 12. θλάσον τὰς πλ. αὐτοῦ  
42. 5. οἰκίητ' πονηρὰ πλεωρύν αἱμάζαι  
Is. 11. 5. ἔσται . . . ἀληθείᾳ εἰλημένος [A B  
εἰλημ.] τὰς πλ. (2)  
Ez. 34. 21. ἐπὶ ταῖς πλ. . . διωθῶσθε (7)  
41. 5. τὸ εὖρος τῆς πλ. πηχῶν τεσσάρων [A al.] (8)  
— 7. τὸ εὖρος τῆς ἀνωτέρας τῶν πλ. (8)  
— 8. διάστημα τῶν πλ. ἰσὺν τῷ καλῶμῳ (8)  
— 9. εὖρος τοῦ τοίχου τῆς πλ. . . τὰ ἀνὰ  
μέσον τῶν πλ. τοῦ οἴκου (8, 8)  
Da. TH. 7. 5. τρεῖς πλ. [A τρία πλευρὰ] ἐν τῷ  
στόματι αὐ. (5)  
IV Ma. 18. 7. ἐφύλασσον δὲ τὴν φκοδομημένην πλ.  
[Aq. Is. 66. 12.]  
[Sm. Ex. 25. 11 (12) : Is. 66. 12.]  
[Th. Is. 41. 9 : 66. 12 : Jb. 20. 10.]

**πλευρὸν, cf. πλευρά.** (1) *תַּבְּרַב* (2) *עָבַר*  
(3) *תַּבְּרַב* (4) *עָבַר* (5) *תַּבְּרַב* v. *תַּבְּרַב*  
Ex. 27. 7. κατὰ [A add. τὰ δύο] πλευρὰ τοῦ  
θυσιαστ. (4)  
30. 4. ποιήσεις ἐν τοῖς δυσὶ πλ. (8)  
II Ki. 13. 34. A ἐκ πλευρῶν [B -ās] τοῦ δρους (8)  
III Ki. 6. 16. B τὸ πλ. τὸ πλ. [A B om. τὸ πλ.]  
τὸ ἐν (4, -)  
Pr. 47 (48). 2. ὅρη Ζιών τὰ πλ. τοῦ βορρᾶ (1)  
Ez. 4. 4. κοιμήθησ' ἐπὶ τὸ πλ. σου τὸ ἀριστερόν  
— 6. κοιμήθησ' ἐπὶ τὸ πλ. σου τὸ δεξιόν (3)  
— 8. μὴ στραφῇς ἀπὸ τοῦ πλ. σου ἐπὶ τὸ πλ.  
σου (3, 3)  
— 9. ἀς σὺ καθυδεῖς ἐπὶ τοῦ πλ. σου (3)  
41. 6. πλευρὰ [A τὰ πλ.] πλ. ἐπὶ πλ. τρι-  
κοντα τρίς dis . . . ἐν τοῖς πλ.  
[A add. τοῦ οἴκου] κύκλῳ (4 quater)  
— 26. τὰ πλ. τοῦ οἴκου ἐξυγνώμενα [A ἐξυλῶμ.] (4)  
Da. LXX. 7. 5. ἐπὶ τοῦ ἐνὸς πλ. ἐστῶθι  
— 5. τρία πλ. ἦν ἐν τῷ στόματι αὐ. (2)  
10. 16. ἐπεστράφη ἐπὶ τὸ πλ. μου  
Da. TH. 7. 5. A τρία πλ. [B τρεῖς πλευραὶ] ἐν  
τῷ στόματι αὐ. (2)  
IV Ma. 8. 6. τὰ πλ. κατετιτρώσκετο  
11. 19. τὰ πλ. διατείραντες  
[Th. Ex. 37 (38). 5.]

**πληγή.** (1) *א. נִכְחַד* *δ. נִכְחַד* (2) *נִכְחַד*  
(3) *א. נִכְחַד* *δ. נִכְחַד* hi. c. hoph. (4) *נִכְחַד*  
(5) *א. נִכְחַד* *δ. נִכְחַד* c. נִכְחַד (6) *נִכְחַד*  
Ex. 11. 1. ἔτι μίαν πλ. ἐτάξω (4)  
12. 13. οὐκ ἔσται ἐν ὑμῖν πλ. (5 a)  
33. 5. μὴ πλ. ἀλλὴν ἐτάξω  
Le. 26. 21. προσθήσω ὑμῖν πληγὰς ἐπτά (8 a)  
Nu. 11. 33. ἐπάταξε κ. . . πλ. μεγάλην (8 a)  
14. 37. ἀπέθανον . . . ἐν τῇ πλ. (5 b)  
25. 8. ἐπαύσατο ἡ πλ. (5 b)  
— 9. οἱ τεθνηκότες ἐν τῇ πλ. (5 b)  
— 18. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς πλ. (5 b)  
26. 1 (25. 19). μετὰ τὴν πλ. (5 b)  
31. 16. ἐγένετο ἡ πλ. ἐν τῇ συναγ. κυρίου (5 b)  
De. 25. 2. ἐάν τις πλ. πλῆθους ὁ δόσεβων (8 b)  
— 3. ὑπὲρ ταύτας τὰς [A om.] πλ. πλείους (8 a)  
28. 59. τὰς πλ. σου καὶ τὰς πλ. τοῦ στέμ-  
μου πλ. μεγάλας (8 a ter)  
— 61. πᾶσαν [A om.] πλ. τὴν μὴ γεγραμμ. (8 a)  
29. 22 (21). ὀφθαλμοὶ τὰς πλ. τῆς γῆς ἐκ. (8 a)  
Jo. 22. 17. ἐγένηθ' πλ. ἐν τῇ συναγ. κυρίου (8 a)  
Jd. 11. 33. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην σφόδρα (8 a)  
15. 8. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (8 a)  
— 19. A τὸ ὄνομα τῆς πλ. [B ὄν. αὐτῆς] (8 a)  
I Ki. 4. 8. οἱ πατάξαντες τὴν Αἴγ. ἐν π. πληγῇ (8 a)  
— 10. καὶ ἐγένετο πλ. μεγάλη (8 a)  
— 17. καὶ ἐγένετο πλ. μεγάλη (8 a)  
6. 19. ἐπάταξε . . . πλ. μεγάλην σφόδρα (8 a)  
14. 14. ἐγένηθ' ἡ πλ. ἡ πρώτη (8 a)  
— 30. νῦν ἂν μείζων ἦ ἡ πλ. (8 a)  
19. 8. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην σφόδρα (8 a)  
23. 5. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (8 a)  
III Ki. 21 (20). 21. ἐπάταξε πλ. μεγάλην (8 a)  
22. 35. ἀπέκνην τὸ αἶμα ἐκ τῆς πλ. (8 a)  
IV Ki. 8. 29. ἀπὸ τῶν πλ. ἂν ἐπάταξαν αὐτὸν (8 a)

IV Ki. 9. 15. ἀπὸ τῶν πλ. ἂν ἔπαυσαν αὐτὸν (8 a)  
I Ch. 21. 22. παύσεται ἡ πλ. (5 b)  
II Ch. 6. 28. κατὰ πᾶσαν πλ. (4)  
18. 17. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (8 a)  
21. 14. πατάξει σε πλ. μεγάλην (5 b)  
22. 6. τοῦ λατρευνήσαν . . . ἀπὸ τῶν πλ. (8 a)  
28. 5. ἐπάταξεν . . . πλ. μεγάλην (8 a)  
Ju. 5. 12. ἐπάταξε πᾶσαν τὴν γῆν λιγ. πληγαῖς  
15. 5. ὑπερεκίρασαν αὐτοὺς πλ. μεγάλην [B al.]  
Jb. 2. 13. ἔωρων γὰρ τὴν πλ. δεινὴν οὖσαν (1 a)  
42. 16. ἔζησε δὲ Ἰωβ μετὰ τὴν πλ. (8 a)  
Ps. 68 (64). 7. βέλος νηπιῶν ἐγέννηθησαν αἱ πλ.  
αὐτῶν (8 a)  
Pr. 20. 30. πληγαὶ δὲ εἰς ταμεία κοιλίας  
22. 8. πληγὴν δὲ ἔργων αὐτοῦ συντελέσει (8)  
29. 15. πληγαὶ καὶ ἐλεγχοὶ διδώσι σοφίαν (8)  
Wi. 5. 11. πληγὴ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα  
κούφον  
Si. 21. 3. τῇ πλ. αὐτῆς οὐκ ἔστιν ἱστίς  
22. 22. πλὴν ὀνειδισμού . . . καὶ πληγῆς δολίας  
25. 13. πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας  
— 23. πρόσσωπον σκυθρωπὸν καὶ πληγὴ καρδίας  
γυνὴ πονηρὰ  
27. 25. πληγὴ δολία διελεί τραύματα  
28. 17. πληγὴ μίστιγος ποιεῖ μώλωπας πληγὴ δὲ  
γλώσσης συγκλάσει ὅσα  
Mi. 1. 9. κατεκράτησεν ἡ πλ. αὐ. (8 a)  
— 11. λήγεται ἐξ ὑμῶν πληγὴν ὀδύνης (8 a)  
Na. 3. 19. ἐφλέγαμεν ἡ πλ. σου (8 a)  
Za. 13. 6. τί αἱ πλ. αὐτῶν (8 a)  
Is. 1. 6. οὐτε μώλωψ οὐτε πλ. φλεγμαίνουσα (8 a)  
10. 24. πληγὴν [B<sup>1</sup> πλὴν] γὰρ ἐπάγω ἐπὶ σέ (2)  
— 26. ἐγερεῖ ὁ θ. ἐπ' αὐτοὺς κατὰ τὴν πλ.  
[A B add. τὴν] Μαδ. (8 a)  
14. 6. πατάξας ἔθνος θυμῷ πληγῇ ἀνιάτω  
παῖων ἔθνος πληγὴν θυμοῦ (8 a, -)  
19. 22. πατάξει κύριος τοὺς Αἴγ. πληγῇ (8 c)  
30. 26. τὴν ὀδύνην τῆς πλ. σου ἰάσεται (8 a)  
— 31. ἠττηθήσονται Ἀσσυριοὶ τῇ πλ. (6)  
53. 3. ἀνθρώπος ἐν πληγῇ ὢν (1 b)  
— 4. ἐλογισάμεθα αὐτὸν εἶναι . . . ἐν πληγῇ (8 c)  
— 10. καθαρῶς αὐτὸν [A add. ἀπὸ] τῆς πλ. (8 a)  
Je. 10. 18. ὅπως εὐρέθη ἡ πλ. σου  
— 19. ἀλγυρὰ ἡ πλ. σου (8 a)  
14. 17. πλ. ὀδυνηρὰ σφόδρα (8 a)  
15. 18. ἡ πλ. μου στερεὰ (8 a)  
19. 8. συριεῖ ὑπὲρ πάσης τῆς πλ. αὐτῆς (8 a)  
27 (50). 13. συριοῦσιν ἐπὶ πᾶσαν τὴν πλ. αὐτῆς (8 a)  
37 (30). 12. ἀλγυρὰ ἡ πλ. σου (8 a)  
— 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἔπαυσα σε (8 a)  
— 17. ἀπὸ πληγῆς ὀδυνηρᾶς λατρεύω σε (8 a)  
I Ma. 1. 30. ἐπάταξεν αὐτὴν πλ. μεγάλην  
3. 29. χάριν τῆς διχοστασίας καὶ πλ.  
5. 3. ἐπάταξεν αὐτοὺς πλ. μεγάλην  
— 34. 8 B ἐπάταξεν αὐτοὺς πλ. μεγάλην [A al.]  
7. 22. ἐποίησαν πλ. μεγάλην  
8. 4. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς πλ. μεγάλην  
13. 32. ἐποίησε πλ. μεγάλην ἐπὶ τῆς γῆς  
14. 36. ἐποίησαν πλ. μεγάλην  
15. 29. ἐποίησαν πλ. μεγάλην  
— 35. ἐποίησαν ἐν τῷ λαῷ πλ. μεγάλην  
II Ma. 8. 26. πολλὰς ἐπιπρυπιούσας αὐτῷ πλ.  
6. 29. μέλλων δὲ ταῖς πλ. τελευτᾶν  
9. 5. ἐπάταξεν αὐτὸν ἀνιάτω καὶ δόρατ' πλ.  
14. 43. τῇ δὲ πλ. μὴ κατευθικτήσας  
[Aq. Ps. 68 (64). 8 : Jb. 30 (37). 17 : 50 (27).  
13 : Ez. 24. 16 : Am. 4. 6, 10 (7).]  
[Sm. Ex. 9. 14 : Ps. 37 (38). 12 : 68 (64). 8 :  
105 (106). 30 : Is. 1. 6 : 58. 8 : Jb. 6. 7 : 50  
(27). 13 : Am. 4. 10 (7).]  
[Th. Am. 4. 10 (7).]  
[Al. Lx. 13. 51 : I Ki. 6. 4.]

**πλήθειν, vid. sub πημπλάναι.**  
**πλῆθος.** (1) *עָבַר* (2) *תַּבְּרַב* (3) *תַּבְּרַב*  
(4) *תַּבְּרַב* (5) *עָבַר* (6) *עָבַר* (7) *תַּבְּרַב*  
(8) *עָבַר* (9) *א. עָבַר* *δ. עָבַר* (10) *תַּבְּרַב*  
(11) *א. עָבַר* *δ. עָבַר* c. *עָבַר* d. *תַּבְּרַב*  
e. *תַּבְּרַב* f. *תַּבְּרַב* g. *pi.* h. *hi.*  
(12) *תַּבְּרַב* (13) *תַּבְּרַב* (14) *עָבַר*  
Ge. 16. 10. οὐκ ἀριθμῆσεται ἀπὸ τοῦ πλ. (11 a)  
17. 4. ἔση πατὴρ πλῆθους ἐθῶν (8)  
27. 28. ὦση σοι . . . πλῆθος σίτου (11 a)

Ge. 80. 30. ἡζήθη εἰς πλῆθος (11 α)  
 32. 12 (13). ἡ οὐκ ἀριθμηθήσεται ἀπὸ τοῦ πλ. (11 α)  
 36. 7. ἀπὸ τοῦ πλ. τῶν ὑπαρχόντων αὐ. —  
 48. 16. πληθυνθείσαν εἰς πλ. πολύ (11 α)  
 — 19. ἔσται εἰς πλῆθος ἔθνων (8)  
 Ex. 1. 9. τὸ γένος τῶν υἱῶν Ἰσρ. μέγα πλ. (11 δ)  
 8. 24 (20). παρεγένετο ἡ κυνὸμυα πλῆθος (4)  
 12. 6. σφάζουσιν αὐτὸ πᾶν τὸ πλ. (10)  
 15. 7. τῷ πλ. τῆς δόξης σου (11 α)  
 19. 21. καὶ πῶσων [A πείσῃ] ἐξ αὐτῶν πλῆθος (11 δ)  
 — 22. A μὴ ποτε ἀπαλλάξῃ ἀπ' αὐτῶν πλῆθος [B κύριος] +  
 28. 2. οὐ προστεθήσῃ μετὰ πλῆθους +  
 32. 13. ὥσεί τὰ ἄστρα τοῦ οὐρ. τῷ πλ. —  
 36. 5. πλῆθος φέρεῖ ὁ λαός (11 α)  
 Le. 25. 36. οὐδέ ἐπὶ πλῆθει (11 ε)  
 Nu. 32. 1. κτήνη πλῆθος ἦν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. . . .  
 πλῆθος σφόδρα (11 δ, 9 α)  
 De. 1. 10. 10. 22. ὥσεί τὰ ἄστρα τοῦ οὐρ. τῷ πλ. (11 α)  
 26. 5. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πλ. πολύ (9 α)  
 28. 47. διὰ τὸ πλ. πάντων (11 α)  
 — 62. ὥσεί τὰ ἄστρα τοῦ οὐρ. τῷ πλ. (11 α)  
 Jo. 11. 4. ὥσπερ ἡ ἄμμος τῆς θαλ. τῷ πλ. (11 α)  
 Jd. 4. 7. καὶ τὸ πλ. αὐτοῦ (8)  
 6. 5. καθὼς ἀκρις εἰς πλῆθος (11 α)  
 7. 12. ὡς ἀκρις εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 12. ὡς ἄμμος . . . εἰς πλῆθος (11 α)  
 I Ki. 1. 16. ἐκ πλῆθους ἀδολοσχίας μου (11 α)  
 13. 5. B ὡς ἡ ἄμμος ἡ παρὰ τὴν θάλ. τῷ πλ. (11 α)  
 II Ki. 17. 11. ὡς ἡ ἄμμος . . . εἰς πλῆθος (11 α)  
 18. 29. ἔδον τὸ πλ. τὸ μέγα (8)  
 III Ki. 1. 19, 25. καὶ πρόβατα εἰς πλῆθος (11 α)  
 8. 1 (B), 4. 20 (Δ). ὡς ἡ ἄμμος ἡ ἐπὶ τῆς θαλ. εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 8. A οὐ ψηφισθήσεται ἀπὸ πλῆθους (11 α)  
 7. 47. οὐκ ἦν σταθμός . . . ἐκ πλῆθους (11 α)  
 — 48. A ἀπὸ τοῦ πλ. σφόδρα σφόδρα —  
 8. 5. A ἀνάρηται ἀπὸ πλῆθους [B οἱ αὐτοὶ αὐτοῦ πλ.] (11 α)  
 10. 10. κατὰ τὴν ἡδύσιν. ἐκεῖνα ἔτι εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 27. ὡς συκαμίνας τὰς ἐν τῇ πεδινῇ εἰς πλῆθος (11 α)  
 IV Ki. 7. 13. πρὸς πᾶν τὸ πλ. Ἰσρ. (8)  
 19. 23. ἐν τῷ πλ. τῶν ἀρμάτων μου (11 α, +)  
 I Ch. 4. 38. ἐπληθύνησαν εἰς πλῆθος (11 α)  
 42. 4. μόσχους καὶ πρόβατα εἰς πλῆθος (11 α)  
 23. καὶ χαλκὸν εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 4. ζύλα κέδρινα εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 5. προίμασε Δ. εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 8. αἶμα εἰς πλῆθος ἐξέχεας (11 α)  
 — 14. ὅτι εἰς πλῆθος ἔστι (11 α)  
 — 15. εἰς πλῆθος ποιούντων ἔργα (11 α)  
 29. 16. πρὸς πᾶν [A οἱ αὐτοὶ] τὸ πλ. τοῦτο (8)  
 — 21. καὶ θυσίας εἰς πλῆθος (11 α)  
 II Ch. 1. 15. ὡς συκαμίνας . . . εἰς πλῆθος (11 α)  
 9 (8). ἐτοιμάσει πᾶν ζύλα εἰς πλῆθος (11 α)  
 4. 18. πάντα τὰ σκεύη ταῦτα εἰς πλῆθος (11 α)  
 5. 6. οὐ λογισθήσονται ἀπὸ τοῦ πλ. (11 α)  
 9. 1. αἰρούσαι . . . χρυσὸν εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 6. ἡμισυ τοῦ πλ. τῆς σοφίας σου (11 δ)  
 — 9. καὶ ἀρώματα εἰς πλ. πολύ (11 α)  
 — 27. ὡς συκαμίνας . . . εἰς πλῆθος (11 α)  
 11. 12. κατισχύον αὐτὰς εἰς πλῆθος σφόδρα (11 α)  
 — 23. ἔδωκεν αὐταῖς τροφὰς πλ. πολύ (11 α)  
 — 23. ἡγήσατο πλῆθος γυναικῶν (8)  
 12. 3. οὐκ ἦν ἀριθμὸς τοῦ πλ. (8)  
 18. 4. καὶ ἡμίση πλ. πολύ (8)  
 14. 11 (10). ἡλθον ἐπὶ τὸ πλ. τὸ πολὺ τοῦτο (8)  
 16. 8. οὐχ οἱ Αἰθίοπες . . . ἦσαν . . . εἰς πλῆθος σφόδρα (11 α)  
 20. 2. ἦκει ἐπὶ σὶ πλῆθος πολὺ (8)  
 — 12. τοῦ ἀντιστῆναι πρὸς τὸ πλ. τὸ πολὺ τ. —  
 — 24. εἶδε τὸ πλ. (8)  
 30. 5. πλῆθος οὐκ ἐποίησε (11 α)  
 — 17. πλῆθος τῆς ἐκκλησίας οὐκ ἡγήσθη (11 δ)  
 — 24. καὶ τὰ θγια τῶν ἱερέων εἰς πλῆθος (11 α)  
 31. 5. ἐπιδέκτα πάντα εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 10. B ὥς εἰς πλῆθος (11 α)  
 — 10. κατελίποντο ἐπὶ [A ἔτι] τὸ πλ. τοῦτο (8)  
 — 18. εἰς πᾶν τὸ πλ. (10)  
 32. 29. ἀποσκεύην . . . βοῶν εἰς πλῆθος (11 α)  
 I Es. 8. 21. A B καὶ ἄλλα ἐκ πλῆθους πάντα —  
 — 91. κλαυθμὸς γὰρ ἦν μέγας ἐν τῷ πλ. —  
 9. 2. τῶν ἀνομιῶν τῶν μεγ. τοῦ πλ. —  
 — 4. ἀλλοτριωθήσονται ἀπὸ τοῦ πλ.

I Es. 9. 6. συνεκάθισαν πᾶν τὸ πλ. —  
 — 10. ἐφάνθησαν ἄπαν τὸ πλῆθος —  
 — 11. τὸ πλ. πολύ —  
 — 12. οἱ προσηγόμενοι τοῦ πλ. —  
 — 38. συνήχθη πᾶν τὸ πλ. —  
 — 40. ἐκόμισεν . . . παντὶ τῷ πλ. —  
 — 41. A B ἐπιδέκταν πᾶν τὸ πλ. τὸν νοῦν [B al.] —  
 — 45. A B ἀναλίσκων . . . ἐνώπιον τοῦ πλ. [B al.] —  
 — 47. A B ἐπεφώνησε [B ἐφ.] πᾶν τὸ πλ. —  
 — 48. B πρὸς τὸ πλ. ἀνεγίνωσκον τὸν νόμον —  
 — 49. τοῖς διδάσκουσιν τὸ πλ. —  
 Ne. 5. 18. οἶνος τῷ πλ. (11 α)  
 9. 25. πᾶν ζύλον βρώσιμον εἰς πλῆθος (11 α)  
 18. 22. κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους σου (11 α)  
 To. 4. 8. A B ὡς σοὶ ὑπάρχει κατὰ τὸ πλ. —  
 Ju. 1. 16. A B πλῆθος ἀνδρῶν πολέμωτων πολὺ σφόδρα —  
 2. 5. A B B<sup>3</sup> καὶ πλῆθος —  
 — 16. πολέμου πλῆθος συντάσσεται —  
 — 17. ἔλαβε . . . πλ. πολὺ σφόδρα —  
 — 18. ἐπιστασιμὸν παντὶ ἀνδρὶ εἰς πλῆθος —  
 — 20. οὐ γὰρ ἦν ἀριθμὸς ἀπὸ πλῆθους αὐτῶν —  
 5. 3. καὶ τὸ πλ. τῆς δυνάμεως αὐ. —  
 — 10. ἐγένοντο ἐκεῖ εἰς πλ. πολύ —  
 7. 2. πλ. πολὺ σφόδρα —  
 — 4. ὡς εἶδον αὐτῶν τὸ πλ. —  
 — 18. ἦσαν εἰς πλ. πολὺ σφόδρα —  
 9. 11. οὐ γὰρ ἐν πλῆθει τὸ κράτος σου —  
 15. 7. ἦν γὰρ πλ. πολὺ σφόδρα —  
 16. 4. τὸ πλ. αὐ. ἐνέφραξε χειμάρρους —  
 Es. 5. 11. B<sup>2</sup> καὶ τὸ πλ. τῶν υἱῶν αὐτοῦ (11 α)  
 Jb. 31. 34. οὐ γὰρ διετράπην πολυουχίαν πλῆ-  
 θους [A λαοῦ] (11 δ)  
 38. 19. πλῆθος ὁδῶν αὐτοῦ ἐνάρκησε (+\*, 11 α)  
 35. 9. ἀπὸ πλῆθους συγκατανοήθημι (11 α)  
 Ps. 5. 7. ἐν τῷ πλ. τοῦ ἐλέους σου (11 α)  
 — 10. κατὰ τὸ πλ. τῶν ἀσεβειῶν αὐτῶν (11 α)  
 9. 25 (10. 4). κατὰ τὸ πλ. τῆς ὀργῆς αὐτοῦ (2)  
 30 (31). 19. ὡς πολὺ τὸ πλ. τῆς χρηστότητός σου (11 δ)  
 32 (38). 16. ἐν πλῆθει ἰσχύος αὐτοῦ (11 α)  
 — 17. ἐν δὲ πλῆθει δυνάμεως αὐτοῦ σωθήσεται (11 α)  
 36 (37). 11. καταρρυθήσονται ἐπὶ πλῆθει εἰρή-  
 νης (11 α)  
 48 (44). 12. οὐκ ἦν πλῆθος ἐν τοῖς ἀλλοτάγμασιν αὐτῶν [A B<sup>3</sup> ἡμῶν] (11 γ)  
 48 (49). 6. ἐπὶ τῷ πλ. τοῦ πλοῦτος αὐτῶν (11 α)  
 50 (51). 1. κατὰ τὸ πλ. τῶν οἰκτιρμῶν σου (11 α)  
 51 (52). 7. B<sup>3</sup> ἐπὶ πλῆθος ἐπὶ τὸ πλ. [B<sup>3</sup> τῷ πλ.] τοῦ πλοῦτος αὐτοῦ (11 α)  
 63 (64). 2. ἀπὸ πλῆθους ἐργαζομένων ἀδικίαν (12)  
 65 (66). 3. ἐν τῷ πλ. τῆς δυνάμεως σου (11 α)  
 68 (69). 13. ἐν τῷ πλ. τοῦ ἐλέους σου (11 α)  
 — 16. κατὰ τὸ πλ. τῶν οἰκτιρμῶν σου (11 α)  
 71 (72). 7. ἀνατελεῖ . . . πλῆθος εἰρήνης (11 α)  
 76 (77). 17. πλῆθος ἤχους ὕδατος +  
 98 (94). 19. κατὰ τὸ πλ. τῶν ὀδῶν μου (11 α)  
 105 (106). 7. οὐκ ἐμήνησσαν τοῦ πλ. τοῦ ἐλέους σου (11 α)  
 — 45. μετεμνήθη κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους αὐ. (11 α)  
 144 (145). 7. μνημὴν τοῦ πλ. τῆς χρηστότητός σου ἐξερευνῶνται [A ἐρ.] (11 δ)  
 146 (147). 4. ὁ ἀριθμὸς πλῆθους αὐτῶν (7)  
 150. 2. κατὰ τὸ πλ. τῆς μεγαλωσύνης αὐτοῦ (11 α)  
 Pr. 5. 23. ἐκ δὲ πλῆθους τῆς ἐαυτοῦ βιότητος ἐξερευνῶν (11 α)  
 Ec. 1. 18. ἐν πλῆθει σοφίας πλῆθος γνώσεως (11 α, 11 α)  
 5. 2. παραγίνεται ἐνύπνιον ἐν πλῆθει πειρασμῶν καὶ φωνῇ ἀφρονος ἐν πλῆθει λόγων (11 α, 11 α)  
 — 6. ἐν πλῆθει ἐνυπνίων καὶ ματαιοτήτων (11 α)  
 — 9. τίς ἡγάπησεν ἐν πλῆθει αὐ. γένηται (8)  
 — 10. ἐν πλῆθει ἀγαθωσύνης ἐπληθύνησαν ἔσθοντες αὐτὴν (11 γ)  
 6. 3. καὶ πλῆθος ἐν ἔσθοντι αἱ ἡμέραι ἐτῶν αὐ. (11 δ)  
 11. 1. ἐν πλῆθει ἡμερῶν εὐρήσεις αὐτὸν (11 α)  
 Wi. 4. 3. πολὺν γονὸν δὲ ἀσθενῶν πλῆθος οὐ χρησιμεύσει —  
 6. 2. ἐνωτισσάσθω, οἱ κρατοῦντες πλῆθος —  
 — 24. πλῆθος δὲ σοφῶν σωτηρία κόσμου —  
 8. 15. ἐν πλῆθει φανομένη ἀγάδω —  
 11. 16. ἐπαπέστειλας αὐτοῖς πλῆθος ἀλόγων ῥῶν —  
 — 17. ἐπιστέμναι αὐτοὺς πλῆθος ἄρκων —  
 14. 20. τὸ δὲ πλ. ἐφέλκεται διὰ τὸ εὐχάρι [A -ρεῖς] τῆς ἐργασίας —  
 18. 1. διὰ πλῆθος κνωδάλων ἐβασανίσθησαν

Wi. 18. 5. τὸ [A τὸν] αὐτῶν ἀφείλω πλῆθος τέκνων —  
 — 20. θραύσαι ἐν ἔργῳ ἐγένετο πλῆθος —  
 19. 10. ἐξηρημαῖον ὁ ποταμὸς πλῆθος [B<sup>3</sup> οἱ αὐτοὶ] —  
 — βατράχων [B<sup>3</sup> -ους] —  
 Si. 5. 6. τὸ πλ. τῶν ἁμαρτιῶν μου ἐξέλειπται —  
 6. 34. ἐν πλῆθει πρεσβυτέρων στήθι —  
 7. 7. μὴ ἀμάρτανε εἰς πλῆθος πόλεως —  
 — 9. τῷ πλ. τῶν δώρων μου ἐπόψεται [A -ομαι] —  
 — 14. μὴ ἀδολέσχει ἐν πλῆθει πρεσβυτέρων —  
 — 16. μὴ προσλογίζου σεαυτὸν ἐν πλῆθει ἁμαρτωλῶν —  
 18. 1. μὴ ἐπιθύμει τέκνων πλῆθος ἀχρίστων [A -ον] —  
 — 3. A B μὴ ἐπεχε ἐπὶ τὸ πλ. [B τὸν τόπον] αὐτῶν —  
 — 9. B<sup>2</sup> ἐπὶ πλῆθει ἁγίων αὐ. οὐ παρεκλήθη —  
 21. 4. B<sup>2</sup> κακὸν πλῆθος [A B<sup>3</sup> καταπληγμὸς] καὶ ὕβρις —  
 81 (34). 19. οὐδὲ ἐν πλῆθει θυσιῶν ἐξέλειπεται ἁμαρτίας —  
 82 (85). 18. ἔως ἐξάρρη πλῆθος ὕβριστων —  
 86 (38). 11. ἐν πλῆθει ἐπιστήτης κύριος διεχώρισεν αὐτοὺς —  
 42. 11. μὴ ποτε . . . καταισχύνῃ σε ἐν πλῆθει πολλῶν —  
 44. 19. Ἀβραὰμ μέγας πατὴρ πλῆθους ἐθνῶν —  
 51. 3. ἐλυτρώσω με κατὰ τὸ πλ. ἐλέους —  
 Ho. 4. 7. κατὰ τὸ πλ. αὐ. οὕτως ἡμαρτὸν μοι (11 α)  
 8. 12. καταγράψω αὐτῷ πλῆθος (11 α, 11 γ\*) —  
 9. 7. ὑπὸ τοῦ πλ. τῶν ἀδικιῶν σου (11 α)  
 10. 1. κατὰ τὸ πλ. τῶν καρπῶν αὐ. (11 α)  
 — 13. ἐν πλῆθει δυνάμεως σου (11 α)  
 Mi. 4. 13. ἀναθήσεις τῷ κυρίῳ τὸ πλ. αὐ. (1)  
 Na. 2. 13 (14). ἐκαύσω ἐν καπνῷ πλῆθος σου +  
 8. 3. φωνῇ . . . πλῆθους τραυματιῶν (11 α)  
 — 4. ἀσθενήσουσιν ἀπὸ πλῆθους πορνείας (11 α)  
 Za. 2. 4 (8). ἀπὸ πλῆθους ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν (11 α)  
 8. 4. ἀπὸ πλῆθους ἡμερῶν —  
 9. 10. καὶ πλῆθος καὶ εἰρήνη ἐξ ἔθνων +  
 14. 14. καὶ ἱματισμὸν εἰς πλῆθος σφόδρα (11 α)  
 Is. 1. 11. τί μοι πλ. τῶν θυσιῶν ὑμῶν (11 α)  
 5. 13. πλ. ἐγενήθη νεκρῶν διὰ λιμὸν (8?) —  
 17. 12. οὐαὶ πλ. ἔθνων πολλῶν (8)  
 21. 15. διὰ τὸ πλ. τῶν πεφονευσμ. [A B φευγόντων] καὶ διὰ τὸ πλ. τῶν πλανωμ. καὶ διὰ τὸ πλ. τῆς μαχαίρας καὶ διὰ τὸ πλ. τῶν τοξευμάτων τῶν διατεταμ. καὶ διὰ τὸ πλ. τῶν πεπτοκότων —  
 — quinquies —  
 28. 2. ὡς ὕδατος πολὺ πλ. σύρον χώραν (8)  
 29. 5. B τὸ πλ. τῶν καταδυναστευόντων σε (8)  
 31. 1. ἐφ' ἵππους πλ. σφόδρα (9 δ)  
 — 4. τὸ πλ. τοῦ θυμοῦ ἐπληθύνησαν (8)  
 37. 24. τῷ πλ. τῶν ἀρμάτων ἐγὼ ἀνέβην (11 α)  
 51. 10. οὐ σὺ εἰ ἡ ἐρημοῦσα θάλασσαν ὕδωρ ἀβύσσου πλ. (11 δ)  
 60. 5. B<sup>1</sup> μεταβαλεῖ εἰς σὲ πλῆθος [A B B<sup>2</sup> πλοῦτος] θαλάσσης (8)  
 63. 7. κατὰ τὸ πλ. τῆς δικαιοσύνης αὐ. (11 α)  
 — 15. πού ἐστι τὸ πλ. τοῦ ἐλέους σου (8)  
 Je. 10. 13. ἐξέτεινε . . . πλ. ὕδατος (8)  
 18. 22. διὰ τὸ πλ. τῆς ἀδικίας [A κακίας] (11 α)  
 28 (46). 16. τὸ πλ. σου ἠσθένησε (11 α)  
 28 (61). 13. ἐπὶ πλῆθει θησαυρὸν αὐτῆς +  
 — 27. A B B<sup>2</sup> ὡς ἀκρίδων πλ. (8)  
 30. 10 (49. 32). πλ. κτηνῶν αὐτῶν εἰς ὀπώλειαν +  
 37 (80). 15. ἐπὶ πλ. ἀδικίαν [A -ίας, B δικαίαν] σου ἐπληθύνησαν αἱ ἁμαρτίαι σου (11 α)  
 La. 1. 3. ἀπὸ πλῆθους δουλείας αὐτῆς (11 α)  
 — 5. ἐπὶ τὸ πλ. τῶν ἀσεβειῶν αὐτῆς (11 α)  
 8. 32. κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλέους αὐτοῦ (11 α)  
 Ez. 7. 12. A ὀργὴ εἰς πᾶν τὸ πλ. αὐτῆς (8)  
 — 13. A δρασίς εἰς πᾶν τὸ πλ. αὐτῆς οὐκ ἀνα-  
 κάμψει (8)  
 — 14. A ἡ ὀργὴ μου εἰς πᾶν τὸ πλ. αὐτῆς (8)  
 19. 11. ἐν πλῆθει κλημάτων αὐτῆς (11 α)  
 28. 42. πρὸς ἄνδρας ἐκ πλῆθους ἀνθρώπων ἥκοντας (11 α)  
 28. 10. ἀπὸ τοῦ πλ. τῶν ἵππων αὐτοῦ (18)  
 — 13. καταλύσει τὸ πλ. τῶν μουσικῶν σου (8)  
 27. 12. ἀπὸ πλῆθους πάσης ἰσχύος σου (11 α)  
 — 16. ἀπὸ πλῆθους τοῦ συμμεκτοῦ σου (11 α)  
 — 18. ἐκ πλῆθους πάσης δυνάμεως σου (11 α)  
 — 25. ἔμποροι σου ἐν τῷ πλ. —  
 — 33. ἐνέπλησας [A ἐνεπείσας] ἔθνη ἀπὸ τοῦ πλ. σου (11 α)  
 28. 10. ἐν πλῆθει ἀπεριμνήτων [A αἱ] +  
 — 16. ἀπὸ πλῆθους τῆς ἐμπορίας σου (11 α)  
 — 17. διὰ πλ. [A τὸ πλ.] ἁμαρτιῶν σου —  
 — 18. διὰ τὸ πλ. τῶν ἁμαρτιῶν σου (11 α)

Εζ. 29. 19. Α λήφεται τὸ πλ. αὐτῆς (9)  
 30. 4. Α λήφονται τὸ πλ. αὐτῆς (9)  
 — 10. ἀπολω πλ. Αἰγυπτίων (9)  
 — 15. ἀπολω τὸ [Α. om.] πλ. Μέρμεως (9)  
 31. 2. εἰπὼν πρὸς Φαραὼ . . . καὶ τῷ πλ. αὐτοῦ (9)  
 — 6. κατέκρεσε πᾶν πλ. ἐθνῶν (11 β)  
 — 7. διὰ τὸ πλ. τῶν κλάδων αὐτοῦ †  
 — 9. διὰ τὸ πλ. τῶν κλάδων αὐτοῦ (11 α)  
 — 15. ἐκώλυσεν [Α. -σεν] πλ. ὕδατος (11 β)  
 — 18. οὕτως Φαραὼ καὶ [Α. add. πᾶν] τὸ πλ. τῆς ἰσχύος αὐτοῦ (9)  
 32. 6. ἀπὸ τοῦ πλ. σου ἐπὶ τῶν ὀρέων —  
 — 32. πᾶν τὸ πλ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ [Α. om. μ. αὐ.] (9)  
 39. 4. δοθήσονται εἰς πλήθη ὀρνέων †  
 — 11. Γῶν καὶ πᾶν τὸ πλ. αὐτοῦ (9)  
 47. 10. πλ. πολὺ σφόδρα (11 β)  
 Da. LXX. 3. (36). ὡς τὰ ἀστρο τὸ οὐρανὸν τῷ πλ. —  
 — (42). κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλείους σου (14)  
 10. 1. τὸ πλ. τὸ ἰσχυρὸν διανοηθήσεται τὸ πρόσ-  
 — ταγμα (14)  
 Da. TH. 2. 35. ἐξήρην αὐτὰ τὸ πλ. τοῦ πνεύματος —  
 3. (42). κατὰ τὸ πλ. τοῦ ἐλείους σου (14)  
 I Ma. 1. 3. ΑΒ ἔλαβε σκυλα πλήθους [B -os] ἐθνῶν  
 3. 17. πολεῖται πρὸς πλ. τοσοῦτο ἰσχυρὸν —  
 — 19. οὐκ ἐν πλῆθει δυνάμεως νίκη πολεμοῦ ἐστίν —  
 — 20. ΒΒ ἐρχονται . . . ἐν [Α. om.] πλῆθει ὑβρεως  
 4. 8. μὴ φοβείσθαι τὸ πλ. αὐ. —  
 5. 12. πεπτακὲν ἐξ ἡμῶν πλήθος —  
 6. 41. πάντες οἱ ἀκούοντες φωνῆς πλήθους αὐτῶν καὶ  
 — ὁδοποιίας τοῦ πλ. —  
 8. 15. ἔβουλεύοντο . . . διὰ παντὶς περὶ τοῦ πλ. —  
 — 20. τὸ πλ. τῶν ἱ. ἀπέστειλαν ἡμᾶς —  
 9. 6. ἰδὼν τὸ πλ. τῶν δυνάμεων ὅτι πολλοὶ εἰσι —  
 — 63. συνηγαγε πᾶν τὸ πλ. αὐ. —  
 10. 77. διὰ τὸ ἔχειν αὐτὸν πλήθος ἵππου —  
 15. 3. ἐξεκλόγησα δὲ πλήθος δυνάμεως —  
 I Ma. 2. 21. καὶ τὰ βάρβαρα πλ. δώκεεν —  
 — 24. διὰ τὸ πλ. τῆς ὕλης —  
 3. 6. ὥστε τὸ πλ. τῶν διαφόρων ἀναριθμητὸν εἶναι —  
 — 21. τὴν τοῦ πλήθους παμμύη πρόπτωσιν —  
 4. 5. τὸ δὲ σύμφορον . . . παντὶ τῷ πλ. σκοπῶν —  
 — 39. ἐπισυνήχθη τὸ πλ. ἐπὶ τὸν Λ. —  
 5. 3. καὶ κομμάκων πλήθη —  
 — 10. οἱ πλήθος ἐτάφουν ἐκρίψας —  
 — 26. ἱκανὰ κατέστρεψε πλήρη —  
 9. 2. τῶν πλ. ὁρμηγόντων —  
 11. 16. Λυσίας τῷ πλ. τῶν Ἰουδ. χαίρειν —  
 27. Β ἐν ἡ κατέκειν Α καὶ πᾶμφυλα πλ. [Α. al.] —  
 — 42. παρεκάλεσε τὸ πλ. —  
 13. 1. παραγενέσθαι σὺν πλήθεισιν ἐπὶ τὴν Ἰουδ. —  
 — 10. παρηγγεῖλε τῷ πλ. —  
 14. 1. εἰσπλυνάσθαι μετὰ πλ. ἰσχυροῦ —  
 — 20. τοῦ ἡγεμῶνος τοῦ πλ. ἀνανομισμαμένου —  
 — 41. τῶν δὲ πλ. μελλόντων τὸν πύργον καταλαβέσθαι —  
 15. 21. συνιδὼν ὁ Μ. τὴν τῶν πλήθων παρουσίαν —  
 III Ma. 1. 24. τὸ μὲν πλ. . . ἀνεστρέφεται δέμενον —  
 2. 7. σὺν ἄρμασι καὶ ὄχλῳ πλῆθει —  
 4. 5. Β ἤγετο γὰρ γεραιὸν πλήθος [Α. al.] —  
 5. 24. τὰ δὲ κατὰ τὴν πόλιν πλῆθος συνήροιστο —  
 — 46. τῆς πύλεως ἦδη πλήθεις ἀναριθμήτοις . . .  
 — καταμεστωμένης —  
 — 48. τῆς τε τοῦ πλ. πορείας κοινορτὸν ἰδόντες —  
 6. 14. ἱκετεύει σε τὸ πᾶν πλ. τῶν νηπιῶν —  
 7. 13. οἱ τοῦτων ἱερεῖς καὶ πᾶν τὸ πλ. —  
 IV Ma. 8. 5. τὸ πλ. τοσοῦτων ἀδελφῶν ὑπεριμῶν —  
 [Aq.] I Ki. 19. 13. 16: III Ki. 4. 30: Jb. 22. 11: 23. 6: 37. 23: Ps. 32 (33). 16: 71 (72). 7: 88 (89). 8 δις: Pr. 14. 28: 15. 22: Ec. 5. 10: Ca. 8. 11: Is. 16. 14: 28. 23: Jb. 22. 80 (87). 15: 47 (29). 3: Ez. 23. 42: 27. 9. 18: 30. 10: 31. 9: 32. 20, 25.]  
 [Sm.] III Ki. 4. 30: Ps. 32 (33). 16 δις, 17: 41 (42). 5: 49 (50). 11: Pr. 14. 4: 28: 15. 22: 25. 8: Ec. 5. 2, 6: Ca. 7. 4 (5): Is. 16. 14: 29. 5: 31. 4: 32. 14: 40. 26: 60. 5: 63. 1: 7: Jb. 10. 13: 47 (29). 3: 51 (26). 55: La. 1. 5: Ez. 27. 18: 30. 10: 32. 25: Ho. 8. 12: [Th.] Jb. 22. 11: 33. 19: Ps. 3. 7: Pr. 7. 21: 14. 4: 28: 15. 22: 20. 15: Is. 9. 3 (2): 16. 14: 29. 5: 8. 81. 4: 82. 14: 38. 3: 40. 26: 66. 11: Jb. 30 (87). 15: Ez. 7. 11, 12, 13: 14: 27. 18: 30. 10: 31. 9: 32. 18, 25: Da. 2. 35: 3. (36).]  
 [Al.] Ec. 32. 26: Dt. 1. 10: I Ki. 14. 11: Ec. 5. 9: Ez. 32. 24, 25.]  
 [Quint.] Ps. 32 (33). 16: Ca. 4. 1.]  
 [Sext.] Ps. 32 (33). 17: 77 (78). 31.]

πληθύνειν (-ύειν). (1) הִרְבָּה hi. (2) הִרְבָּה  
 (3) הִרְבָּה hi. (4) הִרְבָּה a. qal. δ. ni.  
 (5) הִרְבָּה (6) הִרְבָּה (7) הִרְבָּה (8) הִרְבָּה  
 (9) הִרְבָּה a. qal. δ. pu. (10) הִרְבָּה a. qal.  
 δ. pi. c. hi. d. בִּרְבָּה (11) הִרְבָּה hi.  
 (12) הִרְבָּה (13) a. הִרְבָּה δ. הִרְבָּה (הִרְבָּה) pe.  
 (14) הִרְבָּה  
 Ge. 1. 22. αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε (10 α)  
 — 22. τὰ πετεινὰ πληθυνθήσονται (10 α)  
 — 28. αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε (10 α)  
 3. 16. πληθύνων πληθύνω τὰς λύπας σου (10 α, 10 α)  
 6. 5. ἐπληθύνθησαν αἱ κακίαι τῶν ἀνδρ. (9 α)  
 7. 17. Α ἐπληθύνθη [B ἐπεπλ.] τὸ ὕδωρ (10 α)  
 — 18. καὶ ἐπληθύνθη σφόδρα (10 α)  
 8. 17. πληθύνεσθε ἐπὶ τῆς γῆς (10 α)  
 9. 1. 7. αὐξάνεσθε καὶ πληθύνεσθε (10 α)  
 — 7. Α πληθύνεσθε ἐπὶ τῆς γῆς [B al.] (10 α)  
 16. 10. πληθύνων πληθύνω τὸ σπέρμα σου (10 α, 10 α)  
 17. 2. πληθύνω σε σφόδρα (10 α)  
 — 20. πληθύνω αὐτὸν σφόδρα (10 α)  
 18. 20. κρουγὴ Σοδ. καὶ Γ. πεπληθύνθη (10 α)  
 22. 17. πληθύνων πληθύνω τὸ σπέρμα σου (10 α, 10 α)  
 26. 4, 24. πληθύνω τὸ σπέρμα σου (10 α)  
 28. 3. οὐ δὲ θεὸς μου . . . πληθύναι σε (10 α)  
 34. 12. πληθύνετε τὴν φερίην σφόδρα (10 α)  
 35. 11. αὐξάνου καὶ πληθύνου (10 α)  
 38. 12. ἐπληθύνθησαν δὲ αἱ ἡμέραι (10 α)  
 47. 2. ἐπληθύνθησαν σφόδρα (10 α)  
 48. 4. Β αὐξάνω σε καὶ πληθύνω [A B add. se] (10 α)  
 — 16. πληθυνθήσονται εἰς πλῆθος πολὺ (3)  
 Ex. 1. 7. ἡξήθησαν καὶ ἐπληθύνθησαν (14)  
 — 7. ἐπληθύνει δὲ ἡ γῆ αὐτοῖς (4 β)  
 — 10. μὴ ποτε πληθυνθήσῃ (10 α)  
 — 20. ἐπληθύνει οὐ λαὸς (10 α)  
 7. 3. πληθύνω τὰ σημεῖά μου (10 α)  
 11. 9. ἵνα πληθύνω [A om.] πληθύνω μου τὰ  
 — σημεῖα (10 α)  
 Le. 25. 16. ΑΒ καθὼς ἂν . . . πληθύνῃ [B -νέι]  
 — τὴν ἔγκλητον αὐ. (10 α)  
 26. 9. καὶ πληθύνω ὑμᾶς (10 α)  
 Nu. 33. 54. πληθυνεῖτε τὴν κατάσχεσιν αὐτῶν (10 α)  
 De. 1. 10. κ. ο. θ. ὑμῶν ἐπληθύνει ὑμᾶς (10 α)  
 6. 3. ἵνα πληθυνθῇτε σφόδρα (10 α)  
 7. 13. καὶ πληθύνει σε (10 α)  
 — 22. καὶ πληθυνθήσῃ ἐπὶ σὲ τὰ θηρία τὰ ἄγρια (10 α)  
 8. 13. Β τῶν βοῶν σου πληθυνθήσονται [A B B om.] —  
 — 13. τῶν προβάτων σου πληθυνθήσονται (10 α)  
 — 13. χρυσίου πληθυνθήσονται σοι (10 α)  
 — 13. πάντων . . . πληθυνθήσονται σοι (10 α)  
 13. 17 (18). καὶ πληθύνει σε (10 α)  
 17. 16. οὐ πληθύνει ἐαυτῷ ἵππον (10 α)  
 — 16. ὅπως μὴ πληθύνῃ αὐτῷ ἵππον (10 α)  
 — 17. οὐ πληθύνει ἐαυτῷ γυνίκα [B<sup>1</sup> om.] (10 α)  
 — 17. Α Β<sup>2</sup> Β χρυσίου οὐ πληθύνει ἐαυτῷ (10 α)  
 28. 11. πληθύνει σε . . . εἰς ἀγαθὰ (8)  
 — 63. ΑΒ καὶ πληθύνει ὑμᾶς (10 α)  
 Jo. 24. 3. ἐπληθύνει αὐτὸν σπέρμα (10 α)  
 Jd. 9. 29. πληθύνων τὴν δυνάμιν σου (10 β)  
 16. 24. ἐπληθύνει τοὺς τραυματίας ἡμῶν (10 α)  
 I Ki. 1. 12. ὅτε ἐπληθύνει προσερχομένη (10 α)  
 7. 2. ἐπληθύνων αἱ ἡμέραι (10 α)  
 14. 19. οὐ ἥχος . . . ἐπληθύνει (10 α)  
 25. 10. πεπληθύνοντο εἰς οὐ δούλοι (9 α)  
 II Ki. 14. 11. πληθυνθήσονται [A -ύναι] ἀγχιστέα  
 — τοῦ αἵματος (10 α)  
 22. 36. ἡ ὑπακοή σου ἐπληθύνει με (10 α)  
 III Ki. 3. 1 (4. 30 [5. 10]). ἐπληθύνθη ἡ φρό-  
 — νησις Σαλ. (10 α)  
 — 14. πληθύνω τὰς ἡμέρας σου (1)  
 4. 30 (5. 10). ἐπληθύνθη [A. add. ἡ σοφία]  
 — Σαλ. σφόδρα (10 α)  
 IV Ki. 21. 6. καὶ γνώσῃς ἐπληθύνει (10 α)  
 I Ch. 4. 10. εἰς . . . πληθύνει τὰ δριμύ μου (10 α)  
 — 38. ἐπληθύνθησαν εἰς πλῆθος (8)  
 4. ἐπληθύνων γυναικας καὶ υἱούς (10 α)  
 8. 40. καὶ πληθύνονται υἱούς (10 α)  
 23. 11. ΑΒ οὐκ ἐπληθύνει [B -εν] υἱούς (10 α)  
 27. 23. κύριος εἶπε πλῆθύνει τὸν ἴσρ. (10 α)  
 II Ch. 33. 6. ἐπληθύνει τοὺς ποιῆτας τὸ πονηρὸν  
 — [A. al.] (10 α)  
 — 23. ἐπληθύνει πλημμελείαν (10 α)  
 36. 14. ἐπληθύνει τὸν ἀετιῆσαι (10 α)

II Es. 4. 22. μὴ ποτε πληθυνθῇ ἀφροσύνης (13 β)  
 9. 6. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ κεφαλῆς ἡμῶν (10 α)  
 10. 13. ἐπληθύνοντο τοῦ ἀδικεῖν (10 α)  
 Ne. 9. 23. τοὺς υἱούς αὐτῶν ἐπληθύνει (10 α)  
 Ju. 5. 9. καὶ ἐπληθύνθησαν χρυσίῳ —  
 9. 7. ἐπληθύνθησαν ἐν δυνάμει αὐτῶν —  
 Jb. 39. 4. πληθυνθήσονται ἐν γεννήματι (10 α)  
 Ps. 8. 1. τὶ ἐπληθύνθησαν οἱ θλιβόμενοι με (9 α)  
 4. 7. ἀπὸ καρποῦ . . . ἐπληθύνθησαν (9 α)  
 15 (18). 4. ἐπληθύνθησαν αἱ ἀσθένειαι αὐτῶν (10 α)  
 17 (18). 14. ἀστράπη ἐπληθύνει (10 α)  
 24 (25). 17. αἱ θλίψεις τῆς καρδίας μου ἐπλη-  
 — θύνθησαν (11)  
 — 19. ἴδε τοὺς ἔχθρους μου ὅτι ἐπληθύνθησαν (9 α)  
 35 (36). 7. ὡς ἐπληθύνει τὸ ἔλεός σου, ὁ θεός †  
 37 (38). 19. ἐπληθύνθησαν οἱ μουσούτες με [A om.] ἀδικῶς (9 α)  
 39 (40). 5. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ ἀριθμῶν (7)  
 — 12. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς  
 — κεφαλῆς μου (7)  
 48 (49). 16. ὅταν πληθυνθῇ ἡ δόξα τοῦ οἴκου  
 — αὐτοῦ (10 α)  
 64 (65). 9. ἐπληθύνει τὸν πλοῦντα αὐτῆς (10 α)  
 — 10. πληθύνει τὰ γεννήματα αὐτῆς †  
 — 13. αἱ κοιλίαι πληθυνθήσονται σίτον (6)  
 68 (69). 4. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς  
 — κεφαλῆς μου (9 α)  
 77 (78). 38. πληθυνεῖ τὸ ἀποστρέψαι τὸν θυμὸν  
 — αὐτοῦ (10 α)  
 91 (92). 12. ὡς ἡ κέδρος ἡ ἐν τῷ λιβάνῳ πλη-  
 — θυνθήσεται (13 α)  
 — 14. πληθυνθήσονται ἐν γήρῃ πῖονι (5)  
 105 (106). 29. ἐπληθύνει ἐν αὐτοῖς ἡ πτώσις (8)  
 106 (107). 38. ἐπληθύνθησαν σφόδρα (10 α)  
 118 (119). 69. ἐπληθύνει ἐπ' ἐμὲ ἀδικία †  
 122 (123). 3. Β<sup>1</sup> ἐπὶ πολὺ ἐπληθύνθησαν [A B<sup>2</sup> B  
 — ἐπληθύνθη] ἐξουθενώσεως (12)  
 — 4. Β ἐπὶ πλείον ἐπληθύνει [A B ἐπληθύνει] ἡ  
 — ψυχὴ ἡμῶν (12)  
 138 (139). 18. ὑπὲρ ἄμμοι πληθυνθήσονται (10 α)  
 143 (144). 13. τὰ πρόβατα αὐτῶν πολυτάκα  
 — πληθύνονται ἐν ταῖς ἐξόδοις αὐτῶν (9 β)  
 Pr. 4. 10. πληθυνθήσεται ἡ ζωὴ σου (10 α)  
 13. 11. μετ' εὐσεβείας πληθυνθήσεται (10 α)  
 28. 8. οὐ πληθύνει τὸν πλοῦτον αὐτοῦ (10 α)  
 — 28. ἐν δὲ τῇ ἐκείνου ἀπωλείᾳ πληθυνθή-  
 — σονται δίκαιοι (10 α)  
 Ec. 5. 10. ἐν πλῆθει ἀγαθῶν ἐπληθύνθησαν  
 — ἔσθοντες αὐτὴν (9 α)  
 6. 11. εἰσι λόγοι [B οὐλογοί] πολλοὶ πληθύνοντες  
 — ματαιότητα (10 α)  
 10. 14. οὐ φέρων πληθύνει λόγους (10 α)  
 Wi. 10. 10. ἐπληθύνει τοὺς πόνους [A B κόπους] αὐ.  
 Si. 6. 5. λάρυγγ γλαυκὴ πληθύνει φίλους αὐτοῦ καὶ  
 — γλώσσα ἐβλαβὸς πληθύνει ἐνπρησθήγορα  
 11. 10. εἰς πληθύνει —  
 — 32. ἀπὸ σπινθήρος πυρὸς πληθύνεται [B<sup>1</sup> B<sup>2</sup>  
 — υνθήσεται] ἀνθρακί (10 α)  
 16. 2. εἰς πληθύνει [B<sup>1</sup> -υνθῶν] (10 α)  
 18. 12. διὰ τοῦτο ἐπληθύνει τὸν ἐξέλασμον αὐτοῦ  
 21. 12. ἔστι πανουργία πληθύνουσα πεκρίαν [A<sup>2</sup>  
 — παιδείαν] —  
 — 13. γνώσις σοφοῦ ὡς κατακλυσμὸς πληθυν-  
 — θήσεται (10 α)  
 22. 13. μετὰ ἄφρονος μὴ πληθύνει λόγους  
 23. 3. ὅπως μὴ πληθύνωσιν [A B -υνθῶν] αἱ  
 — ἀγναιαί μου (10 α)  
 — 16. δύο εἶδη πληθύνουσιν [A -ωσιν] ἀμαρτίας  
 24. 29. ἐπληθύνει δαυὶν [A -ατα] αὐτῆς  
 27. 1. ὁ ζῆτὼν πληθύνει ἀποστρέψει ὀφθαλμὸν  
 31 (34). 10. ὁ δὲ πεπληθύνει πληθύνει πανουργίαν  
 34 (31). 30. πληθύνει μέθῃ θυμὸν ἀφρονος  
 40. 15. ἐκγονα ἀσεβῶν οὐ πληθύνει [? -ύνει] κλάδους  
 43. 30. ὑψοῦντες αὐτὸν πληθύνει ἐν ἰσχύϊ  
 44. 21. Α Β<sup>2</sup> Β πληθύνει αὐτὸν ὡς χεὶρ τῆς γῆς  
 47. 18. ὡς μάστιγος ἐπληθύνει ἀργύριον  
 — 24. ἐπληθύνθησαν αἱ ἀμαρτίαι αὐτῶν σφόδρα  
 48. 16. τινὲς δὲ ἐπληθύνει ἀμαρτίας  
 Ho. 2. 8 (10). ἀργύριον ἐπληθύνει αὐτῇ (10 α)  
 8. 11. ἐπληθύνει Ἐφρ. θυσιαστήριον (10 α)  
 — 14. ἱ. ἐπληθύνει πόλεως τετελειωμένης (10 α)  
 9. 7. ἐπληθύνει μαρία [A. μνία] σου (10 α)  
 10. 1. ἐπληθύνει τὰ θυσιαστήρια (10 α)  
 12. 1 (2). κενὰ καὶ μάταια ἐπληθύνει (10 α)  
 — 10 (11). ὁράσεις ἐπληθύνει (10 α)  
 Am. 4. 4. ἐπληθύνει τὸν ἀσεβῆσαι (10 α)



- Am. 4. 9. ἐπληθύνετε κήπων ὑμῶν (10 c)  
 J1. 8 (4). 13. πεπληθύνονται τὰ κακά αὐ. (10 d)  
 Na. 3. 16. **ABB**<sup>3</sup> ἐπληθύνει τὰς ἐμπορίας σου (10 c)  
 Hb. 2. 6. ὁ πληθύνων ἑαυτὸν τὰ οὐκ ὄντα αὐ. (10 c)  
 Za. 10. 8. πληθυνθήσονται καθὼς ἦσαν πολλοὶ (10 a)  
 Is. 1. 15. εἰς πληθύνετε τὴν δέσπην (10 c)  
 6. 12. οἱ καταλειφθέντες πληθυνθήσονται (10 d)  
 14. 2. πληθυνθήσονται ἐπὶ τῆς γῆς —  
 51. 2. **AB** ἐπληθύνει αὐτὸν (10 c)  
 57. 9. ἐπληθύνει τὴν πορείαν σου μετ' αὐτῶν (10 c)  
 Je. 2. 22. εἰς . . . πληθύνεις σεαυτὴ ποίαν (10 c)  
 3. 16. ἔσται εἰς πληθυνθήτε (10 a)  
 5. 6. ἐπληθύνει ἀσεβείας αὐτῶν (9 a)  
 15. 8. ἐπληθύνθησαν χήραι αὐτῶν (7)  
 23. 3. αὐξηθήσονται καὶ πληθυνθήσονται (10 a)  
 26 (46). 11. εἰς τὸ κενὸν ἐπληθύνει ἰσμάτ' σου (10 c)  
 — 23. πληθύνει ὑπὲρ ἀκρίδα [A. al.] (9 a)  
 38 (29). 6. πληθύνει καὶ μὴ συμκρυνθῇ (10 a)  
 37 (30). 14. ἐπληθύνει αἱ ἀμαρτίαι σου (7)  
 — 15. ἐπληθύνθησαν αἱ ἀμαρτίαι σου (7)  
 Ba. 2. 34. πληθύνω αὐτούς  
 La. 1. 1. ἡ πόλις ἡ πεπληθυμένη λαῶν (10 d)  
 — 1. ἐγενήθη ὡς χήρα πεπληθυμένη ἐν ἐθνεσιν (10 d)  
 2. 5. ἐπληθύνει [B<sup>1</sup> -αν] τῇ θυγατρὶ Ἰούδα ταπεινωμένην [A. B -ον] (10 c)  
 — 22. ἐπληθύνει ἐχθρούς μου πάντας (10 b)  
 Ez. 11. 6. ἐπληθύνει νεκρούς ὑμῶν (10 c)  
 16. 7. πληθύνουν . . . καὶ ἐπληθύνει (10 c, 10 a)  
 25. ἐπληθύνει τὴν πορείαν σου (10 c)  
 — 29. ἐπληθύνει τὰς διαθήκας [A. τὴν δ.] σου (10 c)  
 — 51. ἐπληθύνει τὰς ἀνομίας σου (10 c)  
 19. 2. ἐπληθύνει σκύμους αὐτῆς (10 b)  
 21. 15 (20). πληθύνουσιν οἱ ἀσθενοῦντες (10 c)  
 22. 25. χήραι σου ἐπληθύνθησαν (10 c)  
 23. 19. ἐπληθύνει τὴν πορείαν σου (10 c)  
 24. 10. πληθύνω τὰ ξύλα (10 c)  
 27. 15. ἐπληθύνει τὴν ἐμπορίαν σου ὀδύνας (10 d)  
 28. 5. ἐπληθύνει δυνάμειν [A. -εις] σου (10 c)  
 — 16. A ἐπληθύνει [B ἐπληθύνει] τὰ ταμεία σου ἀνομίας (4 a)  
 38. 10, 11. πληθύνω ἐφ' ὑμᾶς ἀνθρώπους (10 c)  
 — 29. πληθύνω αὐτὸν (10 c)  
 — 30. πληθύνω τὸν καρπὸν τοῦ ξύλου (10 c)  
 — 37. πληθύνω αὐτούς ὡς πρόβατα ἀνθρώπων (10 c)  
 Da. LXX. 3. (36). πολὺ πληθύνει [? πολυπλ.] τὸ σπέρμα αὐ. (10 c)  
 — 31 (98). εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθεῖ (13 b)  
 4. 34. εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθεῖ ἐν παντὶ καιρῷ —  
 11. 39. πληθυνθεῖ δόξαν (10 c)  
 Da. TH. 3. (36). πληθύνει τὸ σπέρμα αὐ. (10 c)  
 — 31 (98): 6. 25 (26). εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθεῖ (13 b)  
 11. 39. πληθυνθεῖ δόξαν (10 c)  
 12. 4. ἔως . . . πληθυνθεῖ ἡ γνώσις (10 a)  
 I Ma. 1. 9. ἐπληθύνει κακὰ ἐν τῇ γῇ —  
 40. ἐπληθύνει ἡ ἰσχυρία αὐ. [A. B<sup>1</sup> al.]  
 2. 30. B ἐπληθύνει [A. B ἐσκληρύνει] ἐπ' αὐτούς [B<sup>1</sup> add. ἐπληθύνει, B<sup>2</sup> add. καὶ ἐπλ.] τὰ κακά (10 c)  
 3. 42. ἐπληθύνει τὰ κακά  
 14. 15. A. B ἐπληθύνει [B. om.] τὰ σκεύη τῶν ἁγίων  
 II Ma. 3. 19. κατὰ τὰς ὁδοὺς ἐπληθύνουν  
 III Ma. 5. 41. καὶ πληθύνουσα συντροφίαίς ἦν  
 6. 4. Φαραὼ πληθύνοντα ὄρμασι . . . ἀπόλεσας [Aq. GE. 1. 28: Jb. 8. 11: Ps. 15 (16): 4: 17 (18): 36: 70 (71): 21: Pr. 29. 2: Is. 40. 29: 55. 7: 57. 9: Je. 46 (26): 11: Ez. 36. 11: 37. 26: Ho. 8. 12.]  
 [Sm. GE. 1. 28: Jb. 8. 11: 39. 4: Ps. 28 (29): 9: 91 (92): 15 (P): Is. 9. 3 (2): 7 (6): 22. 9: 40. 29: 57. 9: Je. 46 (26): 11: 51 (28): 13: La. 1. 1.]  
 [Th. GE. 1. 28: Jb. 39. 4: Ps. 15 (16): 4: 24 (25): 17: 70 (71): 21: Is. 9. 7 (6): 57. 9: Je. 38 (40): 22: Ez. 36. 11: 37. 26: Da. 3. (36).]  
 [Al. Dt. 11. 21: La. 3. 23.]  
 [Heb. Jb. 40. 22 (27).]  
 [Quint. Ps. 17 (18). 36.]  
 [Beet. Ps. 24 (26). 17: 91 (92). 15.]  
 πληθός.  
 III Ma. 4. 17. διὰ τὴν ἀμέτητον αὐτῶν πλ. [Sm. Ps. 89 (40). 11.]

## πλήκτης.

[Sm. Ps. 34 (35). 15.]

## πλημμελούς.

[Al. Je. 30 (37). 5.]

πλημμελεία (-λία). (1) α. **ϐϕ** δ. **ϐϕ**  
 c. **πρϕ** d. **ϐϕ** (2) **λϕ** (3) **ϕϕ**  
 (4) τὸ τῆς πλ. **ϐϕ** (5) περὶ τῆς πλ.,  
 περὶ πλημμελείας **ϐϕ**

- Le. 5. 15. ὅσκι τῆς πλ. αὐτοῦ (1 a)  
 — 16. ἐν τῷ κριῷ τῆς πλ. (1 a)  
 — 18. τιμὴς ἀργυρίου εἰς πλημμελείαν [B<sup>1</sup> -αν, A. B<sup>1</sup> -λησιν] (1 a + 1 b)  
 6. 5 (5). τῆς πλ. αὐτοῦ ὅσκι (1 a)  
 — 17 (10). καὶ ὥσπερ τὸ τῆς πλ. (4)  
 — 31 (7. 1). τοῦ κριοῦ τοῦ περὶ τῆς πλ. (5)  
 — 32 (7. 2). σφάζουσι τὸν κριὸν τῆς πλ. (1 a)  
 — 35 (7. 5). περὶ πλημμελείας ἐστί (5)  
 — 37 (7. 7). οὕτω καὶ τῆς πλ. (4)  
 7. 27 (37). καὶ περὶ ἀμαρτίας καὶ τῆς πλ. (1 a)  
 14. 12. προσάξει αὐτὸν τῆς πλ. (1 a)  
 — 13. ὥσπερ τὸ τῆς πλ. ἰστί τῷ ἱερεῖ (4)  
 — 14. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)  
 — 17. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)  
 — 24. τὸν ἄμυν τῆς πλ. (1 a)  
 — 25. B<sup>2</sup> B τὸν ἄμυν τὸν [A. B<sup>1</sup> om.] τῆς πλ. (1 a)  
 — 25. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)  
 — 28. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλ. (1 a)  
 19. 21. προσάξει τῆς πλ. αὐτοῦ (1 a)  
 — 21. κριὸν πλημμελείας (1 a)  
 — 22. ἐν τῷ κριῷ τῆς πλ. (1 a)  
 22. 16. ἐπάξουσιν . . . ἀνομίαν πλημμελείας (1 c)  
 Nu. 5. 7. ἀποδώσει τὴν πλ. (1 a)  
 6. 12. ἄμυν ἐναίστιον εἰς πλημμελείαν (1 a)  
 18. 9. ἀπὸ πάσης [A. π. τῆς] πλ. αὐτῶν (1 a)  
 Jo. 7. 1. ἐπλημμελήσαν . . . πλ. μεγάλην [A. om.] (2)  
 22. 16. τίς ἡ πλ. αὐτῆς (2)  
 — 20. οὐκ ἰδοὺ . . . πλημμελεία ἐπλημμελήσεν (2)  
 — 31. οὐκ ἐπλημμελήσατε . . . πλημμελείαν (2)  
 I Ki. 24. 14. ἐξ ἀνόμων ἐξελεύσεται πλ. (8)  
 II Ki. 14. 13. ὁ λόγος οὗτος ὡς πλημμελεία (1 d)  
 IV Ki. 12. 16 (17). ἀργύριον περὶ πλημμελείας (1 c)  
 II Ch. 33. 23. ἐπληθύνει πλημμελείαν (1 c)  
 II Es. 9. 6. αἱ πλ. ἡμῶν ἐμεγαλύνθησαν (1 c)  
 — 7. ἐσμέν ἐν πλ. μεγάλῃ (1 c)  
 — 13. καὶ ἐν πλ. ἡμῶν τῇ μεγάλῃ (1 c)  
 — 15. ἐναντίον σου ἐν πλημμελείαις ἡμῶν (1 c)  
 10. 10. τοῦ προσθέναι ἐπὶ πλημμελείαν Ἰσρ. (1 c)  
 — 19. A. B. S<sup>2</sup> τοῦ ἐξενέγκαι . . . πλημμελείας (1 d)  
 Ps. 67 (68). 21. κορυφὴν τριχὸς διασπορευομένων ἐν πλημμελείαις αὐτῶν (1 a)  
 68 (69). 5. αἱ πλ. μου ἀπὸ σοῦ οὐκ ἐκρύβησαν (1 c)  
 Si. 7. 31. δὸς τὴν μερίδα αὐτῷ . . . ἀπαρχὴν καὶ περὶ πλημμελείας (1 c)  
 10. 7. S<sup>2</sup> ἐξ ἀμφοτέρων πλημμελεία ἀδικία [ABB<sup>2</sup> al.] (1 c)  
 18. 27. προσέξει ἀπὸ πλημμελείας (1 c)  
 20. 29. μόλις ἐξελεῖται ἔμπορος ἀπὸ πλημμελείας (1 c)  
 38. 10. ἀπόσπασαν πλημμελείαν (1 c)  
 41. 18. ἀπὸ κριτοῦ καὶ ἀρχόντος περὶ πλημμελείας (1 c)  
 49. 4. πάντες πλημμελείαν [A. -α] ἐπλημμελήσαν (2)  
 Da. LXX. 9. 7. ἐν τῇ πλ. ἡ ἐπλημμελήσαν (2)  
 [Aq. GE. 42. 21: Pr. 14. 9.]  
 [Sm. II Ki. 14. 13: Ps. 87 (88). 22: Pr. 14. 9.]  
 [Th. Pr. 14. 9: Ez. 30. 26.]  
 [Al. Le. 14. 12: I Ki. 6. 3, 17: Am. 8. 14.]  
 πλημμελεῖν. (1) α. **ϐϕ** δ. **ϐϕ** c. **πρϕ**  
 (2) **λϕ** (3) **λϕ** (4) **λϕ** (5) περὶ  
 ὧν (περὶ οὗ) ἐπλημμελήσε **ϐϕ** (6) εἰς  
 δ ἐπλημμελήσε **ϐϕ**  
 Le. 4. 13. A. B<sup>1</sup> καὶ πλημμελήσουσιν [B<sup>2</sup> B -σωσι] (1 a)  
 — 22. καὶ ἀμάρτη καὶ πλημμελήσῃ (1 a)  
 — 27: 5. 3. καὶ πλημμελήσῃ (1 a)  
 5. 6. περὶ ὧν ἐπλημμελήσε κυριῷ (5)  
 — 15. -περὶ οὗ ἐπλημμελήσε (5)  
 — 17. καὶ πλημμελήσῃ (1 a)  
 — 19. A. B<sup>1</sup> ἐπλημμελήσε γὰρ πλημμελήσων [B<sup>2</sup> -λίου, B. -λεία] (1 a)  
 6. 4 (5. 23). ἡνίκα ἐὰν . . . πλημμελήσῃ (1 a)

- Le. 6. 5 (5. 25). εἰς δ ἐπλημμελήσε (8)  
 — 6 (5. 26). A. B καὶ ἐπλημμελήσεν αὐτῷ [B ἐν αὐτῷ] (1 b)  
 14. 21. εἰς δ ἐπλημμελήσεν (8)  
 Nu. 5. 6. B<sup>1</sup> καὶ πλημμελῶν [A. B<sup>2</sup> B. om.] (1 a)  
 πλημμελήσῃ (1 a)  
 — 7. τίνι ἐπλημμελήσεν αὐτῷ (1 a)  
 Jo. 7. 1. ἐπλημμελήσαν . . . πλημμελείαν (2)  
 22. 16. ἢ ἐπλημμελήσατε ἐναντίον τοῦ θ. (2)  
 — 20. οὐκ ἰδοὺ . . . πλημμελεία ἐπλημμελήσεν (2)  
 — 22. εἰ ἐν ἀποστασίᾳ ἐπλημμελήσαμεν +  
 — 31. οὐκ ἐπλημμελήσατε . . . πλημμελείαν (2)  
 Jd. 21. 22. ὡς κληρὸς πλημμελήσατε [A. al.] (1 a)  
 Ps. 83 (34). 21. οἱ μισοῦντες τὸν δίκαιον πλημμελήσουσι [B -σωσιν] πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπ' αὐτὸν (1 a)  
 118 (119). 67. ἐγὼ ἐπλημμελήσα (3)  
 Si. 9. 13. μὴ πλημμελήσῃς (2)  
 10. 7. πλημμελήσει [A. B<sup>1</sup> -η, S<sup>1</sup> -λία] δίκαια [A. B -κία] (2)  
 19. 4. ὁ ἀμαρτάνων εἰς ψυχὴν αὐτοῦ πλημμελήσει [S<sup>1</sup> -λεί] (4)  
 28. 11. ἐὰν πλημμελήσῃ ἀμαρτία αὐτοῦ ἐπ' αὐτῷ — 23. εἰς ἀνδρα ἐαυτῆς ἐπλημμελήσε (2)  
 28. 11. μὴ θαυμάσῃς ἐὰν εἰς σέ πλημμελήσῃ [A. -εἰ] (2)  
 49. 4. πάντες πλημμελείαν [A. -α] ἐπλημμελήσαν (2)  
 Is. 28. 7. οὗτοι οὐκ ἐπλημμελήσονται [A. B πεπλημμελήσονται] εἰσίν (4)  
 Je. 2. 3. πάντες οἱ ἐσθόντες αὐτὸν πλημμελήσουσι (1 a)  
 18. 18. ἐν αἷς ἐπλημμελήσαν τὴν κληρονομίαν μου +  
 Da. LXX. 9. 7. ἐν τῇ πλημμελείᾳ ἡ ἐπλημμελήσαν (2)  
 [Aq., Sm. Pr. 30. 10: Je. 50 (27). 7: Ez. 22. 4: Hb. 1. 11.]  
 [Th. Pr. 30. 10: Je. 50 (27). 7: Ez. 6. 6: 22. 4.]  
 [Al. Le. 5. 4.]  
 πλημμελήμα. (1) α. **ϐϕ** δ. **πρϕ** (2) **λϕ**  
 Nu. 5. 8. ὥστε ἀποδοῦναι αὐτῷ τὸ πλ. πρὸς αὐτὸν τὸ πλ. τὸ ἀποδοδύμ. κυριῷ (1 a, 1 a)  
 II Es. 10. 19. S<sup>2</sup> περὶ πλημμελήματος [A. B -λήσεως] αὐ. (1 b)  
 Je. 2. 5. τὴν εὐροσαν οἱ πατ. ὑμῶν ἐν ἐμοὶ πλ. (2)  
 [Aq., Sm. GE. 26. 10.]  
 πλημμελήσις. (1) α. **ϐϕ** δ. **ϐϕ**  
 Le. 5. 19. A. B<sup>1</sup> ἐπλημμελήσε γὰρ πλημμελήσαν [B<sup>2</sup> -λίου, B. -λεία] (1 a + 1 b)  
 II Es. 10. 19. A. B περὶ πλημμελήσεως [S<sup>2</sup> -λήματος] αὐ. (1 b)  
 [Aq. Le. 4. 3.]  
 πλημμύρα. (1) πλημμύρα γίνεταί **λϕ** **ρϕ**  
 Jb. 40. 18 (23). εἰς γένειαν πλημμύρα (1)  
 [Aq. Dt. 33. 19: Is. 60. 6.]  
 πλημμυρεῖν.  
 [Sm. Ec. 1. 7.]  
 πλῆν. (1) **λϕ** (2) **δϕ** (3) **δϕ** (4) **δϕ**  
 (5) **δϕ** (6) α. **ρ** **λϕ** δ. **λϕ**  
 (7) **λϕ** (8) **δϕ** (9) **δϕ**  
 (10) **λ** (11) **λϕ** (12) **δϕ** **λ** (13) α. **λϕ**  
 δ. **λ** **λϕ** **λϕ** (14) **λϕ** (15) **λϕ**  
 (16) **δϕ** **λϕ** (17) **δϕ** (18) **δϕ**  
 (19) **ρ** (20) ἄλλος πλῆν **λ** (21) πλῆν  
 καὶ **λ** **δϕ** (22) πλῆν δτι α. **δϕ** δ. **δϕ**  
 c. **ρ** (23) ἄλλα πλῆν **ρ**  
 Ge. 9. 4. πλῆν κρέας . . . οὐ φάγεσθε (3)  
 14. 24. πλῆν ὧν ἐφαγον οἱ νεανίσκοι (6 a)  
 39. 6. πλῆν τοῦ ἄρτου οὐ ἔσθον αὐτούς (12)  
 — 9. οὐδεὶς πλῆν σοῦ (12)  
 41. 40. πλῆν τὸν θρόνον ὑπερέβω σου (19)  
 Ex. 8. 9 (5). πλῆν ἐν τῷ ποτ. ὑπολειφθήσονται (19)  
 — 10 (6). οὐκ ἔστιν ἄλλος πλῆν κυρίου [A. -ιος] (20)  
 — 11 (7). πλῆν ἐν τῷ ποτ. ὑπολειφθήσονται (19)  
 9. 26. πλῆν ἐν γῇ Γ. . . οὐκ ἐγένετο ἡ χάλ. (19)

Ex. 10. 24. πλήν τῶν προβάτων... ὑπολείπεσθε (19)	I Ki. 18. 17. Ἀ πλήν γίνου μοι εἰς υἱὸν δυνάμεως (8)	Ps. 31 (32). 6. πλήν ἐν κατακλυσμῷ ὑδάτων πολ- (19)
12. 16. πλήν ὅσα ποιῇται πᾶσι ψυχῇ (13 b)	21. 4 (5). Ἀ Β πεφυλαγμένα... πλήν [B om.] (8)	38 (39). 5. πλήν τὰ σύμπατα ματαιότης (3)
— 37. οἱ ἄνδρες πλήν τῆς ἀποσκευῆς (13 b)	25. 34. πλήν ὅτι ζῇ κ. ὁ θ. Ἰσρ. (22 a)	— 6. πλήν μᾶτην ταρασσεται (3)
20. 3. θεοὶ ἕτεροι πλήν ἐμοῦ (16)	II Ki. 2. 10. Ἀ ἔβλην τοῦ οἴκου [A' τοῦς οἷ.] 1. (8)	— 11. Ἀ Β πλήν μᾶτην πᾶς [B ταρασσεται πᾶς] ἄνθρωπος (3)
21. 19. πλήν τῆς ἀργείας αὐτοῦ ὀπίσσει (7)	3. 13. πλήν λόγον ἕνα ἐγὼ αἰτούμαι (8)	48 (49). 15. πλήν ὁ θεὸς λυτρώσεται τὴν ψυ- (3)
22. 20 (19). ὁ θυσιάζων... πλήν κυρίῳ μόνῳ (7)	7. 22. οὐκ ἔστι θεὸς πλήν σου (11)	— χὴν μου (3)
Le. 11. 4. Β πλήν ἀπὸ τούτων οὐ φάγεσθε (3)	12. 14. πλήν ὅτι... παρώξυνας τοὺς ἐχθρούς (5)	61 (62). 4. πλήν τὴν τιμὴν μου ἐβουλεύσαντο ἀπώσασθαι (3)
— 36. πλήν πηγῶν ὑδάτων (8)	17. 3. πλήν ψυχὴν ἐνὸς ἀνδρὸς σὺ ζητεῖς — (6 b)	— 5. πλήν τῷ θεῷ ὑποτάγηθι, ἡ ψυχὴ μου (3)
21. 23. πλήν πρὸς τὸ καταπέτασμα οὐ προσ- (8)	22. 32. τίς ἰσχυρὸς πλήν κυρίου (6 b)	— 9. πλήν μάταιοι οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (3)
— κλειύσεται (8)	— 32. τίς κτίστης ἔσται πλήν τοῦ θ. ἡμῶν (6 b)	67 (68). 21. πλήν ὁ θεὸς συνθλάσει κεφαλὰς ἐχθρῶν αὐτοῦ (3)
23. 38. πλήν τῶν σαββ. κυρίου καὶ πλ. τῶν (13 c)	23. 10. ὁ λαὸς ἐκάθισεν... πλήν ἐκδιδύσκειν (8)	72 (73). 18. πλήν διὰ τὰς δουλιότητας (3)
— δομάτων ὑ. καὶ πλ. πασῶν τῶν εὐχῶν (13 c)	III Ki. 8. 1. πλήν μετὰ τὸ οικοδομησάιν — (19)	74 (75). 8. πλήν ὁ τρυγίας αὐ. οὐκ ἐξεκρενώθη (3)
— ὑ. καὶ πλ. τῶν ἐκουσίῶν ὑ. (13 c quater)	— 2. Ἀ Β πλήν ὁ λαὸς ἦσαν θυμῶντες [B al.] (19)	84 (85). 9. πλήν ἐγγὺς τῶν φοβουμένων αὐτὸν τὸ σωτήριον αὐτοῦ (3)
Nu. 5. 8. 8. πλήν τοῦ κριοῦ τοῦ ἱλασμοῦ (13 c)	— 3. πλήν ἐν τοῖς ὑψηλοῖς ἔβη (19)	90 (91). 8. πλήν τοῖς ἀδφ. σου κατανοήσεις (19)
— 20. καὶ ἔδωκε τις... πλήν τοῦ ἀνδρὸς σου (6 b)	8. 9. πλήν δύο πλάκες λίδιναι (19)	139 (140). 13. πλήν δικαίαι ἐξομολογῶνται τῷ ὀνόματί σου (8)
11. 6. πλήν εἰς τὸ μάνα (7)	— 19. Ἀ Β πλήν [B om.] οὐκ οικοδομήσεις (19)	Pg. 7. 2. πλήν δι' αὐτοῦ μὴ φοβοῦ ἄλλον —
18. 3. πλήν... πρὸς τὸ θυσιάζειν. οὐ προσ- (8)	— 25. πλήν ἐὰν φυλάξωται τὰ τέκνα σου (21)	Ec. 2. 24. Β' πλήν [A B S' om.] δ φάγεται —
— κλειύσονται (8)	9. 24 (cf. 8. 1). Ἀ πλήν θανάτῳ φ. ἀνέβη (8)	7. 30 (29). πλήν ἰδε τοῦτο εὖρον (13 a)
— 17. πλήν πρωτότοκα μόσχων... οὐ λυτρώσῃ (3)	11. 12. πλήν ἐν ταῖς ἡμ. σου οὐ ποιήσω αὐτὰ (8)	Wi. 12. 13. οὐτε γὰρ θεὸς ἐστὶ πλήν σου
22. 35. πλήν τὸ δῆμα δ' ἐάν εἴπω πρὸς σέ (6)	— 13. πλήν ὅλην τὴν βασ. οὐ μὴ λάβω (19)	Si. 17. 24. πλήν μετανοοῦσιν ἔδωκεν ἐπάνοδον
26. 65. πλήν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (12)	— 39. Ἀ πλήν οὐ πάσας τὰς ἡμέρας (19)	22. 22. πλήν οὐνεδισμού καὶ ἱερεφφασίας
28. 23. πλήν τῆς ὀλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός (13 c)	15. 14. πλήν ἡ καρδιά Ἰσρὰ ἦν τελεία (19)	29. 8. πλήν ἐπὶ ταπεινῷ μακροθύμῳ σου
— 30 (31). πλήν τοῦ ὀλοκαυτώματος (13 c)	— 23. πλήν ἐν τῷ καιρῷ τοῦ γήραος αὐ. (19)	38 (86). 5. οὐκ ἔστι θεὸς πλήν σου, κυριε —
29. 6. πλήν τῶν ὀλοκαυτῶμα. τῆς νοσηρίας (13 c)	16. 28 (22. 43 [44]). Β πλήν τῶν ὑψηλῶν οὐκ ἐξήραν (8)	— 10. οὐκ ἔστι πλήν ἡμῶν
— 11. πλήν τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας (13 c)	20 (21). 25. πλήν ματαιώεις Ἄχ. (19)	38. 34. πλήν τοῦ ἐπιδόντος τὴν ψυχὴν αὐ.
— 16, 19, 22, 25, 28, 31, 34, 38. πλήν τῆς (13 c)	22. 44. πλήν τῶν ὑψηλῶν οὐκ ἐξήραν (8)	45. 13. πλήν τῶν νῦν αὐτοῦ μόνον
— ὀλοκαυτώσεως τῆς διὰ παντός (13 b)	IV Ki. 1. 18 (3, 2). πλήν οὐ ὥς οἱ ἀδελφοὶ αὐ. (8)	— 22. πλήν ἐν γῇ λαοῦ οὐ κληρονομῆσει (3)
— 39. πλήν τῶν εὐχῶν ὑμῶν (13 b)	— 18 (3, 3). πλήν ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου Ἰερ. (19)	Ho. 12. 8 (9). πλήν πεπλούτηκα (3)
31. 22. πλήν τοῦ χρυσοῦ καὶ τοῦ ἀργ. (7)	8. 2. πλήν οὐ ὥς ὁ πατὴρ αὐτοῦ (19)	13. 4. θεὸν πλήν ἐμοῦ οὐ γινώσκω (11)
32. 12. πλήν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (7)	— 3. πλήν ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ Ἰερ. (19)	Am. 3. 2. πλήν ὑμᾶς ἐγγνω (19)
36. 6. Ἀ Β' πλήν ἐκ τοῦ δῆμου τοῦ πατρὸς αὐ. (8)	5. 7. ὅτι πλην γινώτε δι' (19)	4. 12. πλήν ὅτι οὕτως ποιήσω σοι (18)
De. 1. 36. πλήν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (11)	10. 29. πλήν ἁμαρτίαν Ἰεροβοάμ (19)	9. 8. πλήν ὅτι οὐκ εἰς τέλος ἐξαρῶ (5)
2. 28. πλήν ὅτι παρελίσσονται τοῖς ποσὶ (22 c)	12. 3 (4). πλήν τῶν ὑψηλῶν οὐ μετεστίθησαν (8)	jl. 2. 27. οὐκ ἔστιν ἐπὶ πλήν ἐμοῦ —
— 35. πλήν τὰ κτήνη ἐπρονομήσαμεν (19)	— 13 (14). πλήν οὐκ οὐ ποιηθήσεται (8)	Ze. 3. 7. πλήν φοβησθή με (3)
— 37. πλήν ἐγγὺς υἱὸν Ἀ. οὐ προσήλθομεν [A al.] (19)	14. 3. πλήν οὐχ ὥς Δ. ὁ πατὴρ αὐτοῦ (8)	Za. 1. 6. πλήν τοὺς λόγους μου... δέχεσθε (3)
3. 5. πλήν τῶν πέλων τῶν Φερ. (13 b)	— 4. πλήν τὰ ὑψηλὰ οὐκ ἐξήραν (19)	Is. 4. 1. πλήν τὸ ὄνομα τὸ σὸν κεκληρῶσθ' ἐφ' ἡμᾶς (19)
— 11. πλήν Ὁγ βασιλεὺς Β. κατελείφθη (19)	15. 4. πλήν τῶν ὑψηλῶν οὐκ ἐξήραν (19)	10. 24. Β' πλήν [A B S' πληγὴν] γὰρ ἐπάγω ἐπὶ σέ (6 b)
31. 22. πλήν οὐχ ὥς Δ. ὁ πατὴρ αὐτοῦ (19)	17. 2. πλήν οὐχ ὥς Δ. ὁ πατὴρ αὐτοῦ (19)	— 8. εἰ ἔστι θεὸς πλήν ἐμοῦ (6 b)
4. 35. οὐκ ἔστιν ἐπὶ [A ἄλλος] πλήν αὐτοῦ (13 c)	— 18. πλήν φυλὴ Ἰούδα μονοστέγη (19)	45. 5. οὐκ ἔστιν ἐπὶ πλήν ἐμοῦ (11)
— 39. οὐκ ἔστιν ἐπὶ πλήν αὐτοῦ — (19)	— 21. πλήν Ἰσρ. ἐπάνωθεν οἴκου Δ. (19)	— 6. οὐκ ἔστι πλήν ἐμοῦ (6 c)
5. 7. Ἀ θεοὶ ἕτεροι πλήν ἐμοῦ [B al.] (16)	18. 20. πλήν λόγους χειλέων (8)	— 14. οὐκ ἔστι θεὸς πλήν σου (5)
10. 15. πλήν τοὺς πατέρας ὑμῶν προεἶλατο (19)	21. 16. πλήν ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ (13 a)	— 21. Ἀ Β οὐκ ἔστιν ἄλλος πλήν ἐμοῦ (6 b)
12. 16. πλήν τὸ αἶμα οὐ φάγεσθε (19)	22. 7. πλήν οὐκ ἐξελογίζοντο αὐτοὺς (19)	— 22. Ἀ' οὐκ ἔστιν ἄλλος πλήν ἐμοῦ [B S om. πλ. ε.] —
— 26. πλήν τὰ ἁγία σου (19)	23. 9. πλήν οὐκ ἀνέβησαν οἱ ἱερεῖς (8)	46. 9. οὐκ ἔστιν ἐπὶ πλήν ἐμοῦ —
15. 23. πλήν αἶμα οὐ φάγεσθε (19)	— 26. πλήν οὐκ ἀπεστράφη κυρίως (8)	64. 4 (3). οὐδὲ οἱ ὀφθ. ἡμῶν εἶδον θεὸν πλήν σου [A' al.] (11)
16. 8. πλήν ὅσα ποιῇται ψυχῇ — (19)	— 35. πλήν ἐγμυρῶν τῶν γῆν (8)	Je. 2. 24. Β' πλήν [A B S' om.] πάντες οἱ ζῇ- τούτες αὐτὴν οὐ κοπιᾶσιν —
17. 16. Ἀ πλήν [B δίστι] οὐ πληθυνεῖ ἑαυτῷ ἔπνον (19)	24. 3. πλήν ἐπὶ τῶν θυμῶν κυρίου ἦν (8)	3. 13. πλήν γινώσκῃ τὴν ἀδικίαν σου (3)
18. 8. πλήν τῆς πράσεως τῆς κατὰ πατριάν (13 b)	— 14. οὐχ ὑπελείφθη πλήν οἱ πτωχοὶ (11)	— 20. πλήν ὡς ἀθετεῖ γυνή (4)
— 20. πλήν ὁ προφήτης δε ἀνταβίσθη (8)	I Ch. 3. 9. πλήν τῶν πλῶν τῶν παλακῶν (13 c)	— 23. πλήν διὰ κ. θεοῦ ἡμῶν ἡ σωτηρία τοῦ Ἰσρ. (4)
20. 14. πλήν τῶν γυναικῶν καὶ τῆς ἀποσκευῆς (19)	17. 20. οὐκ ἔστι... πλήν σου (11)	10. 24. πλήν ἐν κρίσει καὶ μὴ ἐν θυμῷ (3)
29. 1 (28. 69). πλήν τῆς διαθήκης ἧς διέθετο αὐτοῖς (13 c)	II Ch. 5. 10. οὐκ ἦν... πλήν δύο πλάκες (19)	12. 1. πλήν κρίματα λαλήσω πρὸς σέ (3)
32. 39. οὐκ ἔστι θεὸς πλήν ἐμοῦ (17)	6. 9. πλήν σὺ οὐκ οικοδομήσεις (19)	83 (28). 24. πλήν χεῖρ Ἀχ. υἱοῦ Σ. ἦν μετὰ Ἰερ. (3)
Jo. 1. 17. πλήν ἔστω κ. ὁ θ. ἡμῶν μετὰ σου (19)	— 16. πλήν ἐὰν φυλάξωται οἱ υἱοὶ σου (19)	— 35 (28). 7. πλήν ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου (3)
6. 16 (17). πλήν Ῥαββ... περιποιήσασθε (19)	9. 14. πλήν τῶν ἀνδρῶν τῶν ὑποταγμ. (13 b)	La. 2. 16. πλήν αὕτη ἡ ἡμέρα ἦν προσδοκώμεν (3)
— 23 (24). πλήν ἀργυρίου... ἔδωκεν (19)	15. 17. πλήν τὰ ὑψηλὰ οὐκ ἀπέστειλαν (10)	3. 3. πλήν ἐν ἐμοὶ ἐπιστρέψετε χεῖρα αὐ. (3)
8. 27. πλήν τῶν σκελῶν τῶν ἐν τῇ πόλει (11)	18. 15. ἵνα μὴ λαλήσῃς... πλήν τὴν ἀλη- (19)	Εζ. 18. 49. πλήν τοῦτο τὸ ἀνύμμημα Σοδομῶν (3)
11. 13. πλήν Ἀσὼρ μόνον ἐνέπρησεν (23)	— 10. πλήν ὑποδείξω σοι [S al.] (19)	46. 17. πλήν τῆς κληρονομίας τῶν υἱῶν αὐ. (3)
— 22. ἀλλὰ πλήν ἐν Γ... κατελείφθη (19)	33. 8. πλήν ἐὰν φυλάσσωνται τοῦ ποιῆσαι (19)	Da. LXX. Bel 40. οὐκ ἔστι πλήν αὐτοῦ ἄλλος
13. 14. πλήν τῆς φυλῆς [A τῇ φ.] Λευὶ (19)	— 17. πλήν ὁ λαὸς ἐπὶ τῇ τῶν ὑψηλῶν (19)	Da. TH. Su. 16. οὐκ ἦν ἐκεῖ οὐδεὶς πλήν οἱ δύο πρὸςβύτεροι
22. 29. πλήν τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (13 c)	— 17. Ἀ Β πλήν κ. ὁ θ. αὐτῶν [B al.] (19)	2. 6. πλήν τὸ ἐνύπνιον... ἀπαγγελισαί μοι (14)
jd. 8. 2. πλήν διὰ τὰς γενεὰς υἱῶν Ἰσρ. (19)	35. 19. πλήν οὐκ ἀπεστράφη κυρίως — (19)	4. 12. πλήν τὴν φυγὴν... ἐν τῇ γῇ ἔσσεια (8)
— 2. πλήν οἱ ἔμπροσθεν αὐτῶν οὐκ ἐγνωσαν (19)	36. 5. πλήν θυμὸς κυρίου ἦν ἐπὶ ἱ. ἐμοῦ (8)	— 20. πλήν τὴν φυγὴν... ἔσσεια ἐν τῇ γῇ (8)
4. 9. πλήν γίνωσκε (5)	II Es. 10. 15. πλήν Ἰων... μετ' ἐμοῦ (3)	11. 18. πλήν οὐνεδισμὸς αὐ. ἐπιστρέψετε αὐτῷ
8. 26. Ἀ πλήν τῶν σιώνων [B al.] (13 b)	To. 1. 20. οὐδὲν πλήν Ἀννας τῆς γυναικὸς μου (19)	Bel 41. οὐκ ἔστι πλήν σου ἄλλος
— 26. Ἀ πλήν τῶν κλειῶν τῶν χρυσῶν (13 b)	6. 11. Β πλήν Σάρρας μόνης (19)	I Ma. 4. 6. πλήν καλίσματα καὶ μά χαίρας οὐκ εἶχον
10. 15. πλήν ἐξέλου ἡμᾶς (19)	— 14. Ἀ Β πλήν τῶν προσαγόντων αὐτῇ (19)	5. 48. πλήν τοῖς ποσὶ παρελυσόμεθα
11. 34. Ἀ οὐκ ἔστιν αὐτῷ πλήν αὐτῆς [B al.] (15)	7. 10. Β ἐτέρω ἀνδρὶ πλήν σου [A B al.] (19)	6. 24. πλήν ὅσοι εὐρίσκοντο [B' al.] (3)
14. 16. πλήν [A om.] μεμισγκᾶς με (19)	— 10. πλήν ὑποδείξω σοι [S al.] (19)	10. 14. πλήν ἐν Β. ὑπελείφθησαν τινες
16. 28. Ἀ πλήν [B om.] ἐπὶ τὸ ἀπαξ τοῦτο (3)	Ju. 8. 20. ἔτερον θεὸν οὐκ ἐπύκνωμεν πλήν αὐτοῦ (13 b)	11. 38. πλήν τῶν ἐξῶν δυνάμεων
19. 20. πλήν πᾶν τὸ ὑπερέμμά σου ἐπ' ἐμὲ (19)	Es. 4. 11. πλήν ὁ ἐκτείνει ὁ βασι. (13 b)	— 70. οὐδὲ εἰς κατελείφθη ἀπ' αὐτῶν πλήν Ματτ.
— 2. οὐκ ἔστιν ἁγίος πλήν σου — (19)	— 17. οὐ προσκυνῶμεν οὐδένα πλήν σου (19)	13. 6. πλήν ἐκδικήσω περὶ τοῦ θύοντος μου
5. 4. πλήν ἡ βίβλις Δ. ὑπελείφθη (19)	— 17. οὐκ ὑψώσῃ... πλήν ἐπὶ σοί (8)	
— 5. Ἀ πλήν ἡ βίβλις Γ. — (19)	Jb. 6. 27. πλήν ὅτι ἐπ' [A om.] ὀρφανῷ ἐπιτίπτετε (22 b)	
8. 9. πλήν ὅτι... διαμαρτύρη αὐτοῖς (3)	9. 21. πλήν [A πλήν ὅτι, B διό] ἀφαιρείται μου ἡ ζωή — (3)	
12. 20. Β πλήν μὴ ἐκκλίνω ἀπὸ ὀπισθεν κ. (3)	14. 18. καὶ πλήν ὅρος πίπτον διαπεσείσται (3)	
— 24. Β πλήν φοβησθε τὸν κ. (3)	33. 8. πλήν εἴπατε ἐν ὧσί μου (3)	
18. 8. Ἀ τί αὐτῷ πλήν ἡ βασιλεία (3)	Ps. 17 (18). 31. τίς θεὸς πλήν [S παρὲξ] τοῦ κ. καὶ τίς θεὸς πλήν τοῦ θ. ἡμῶν (6 b, 11)	

II Ma. 6. 17. πλὴν ἔως ὑπομνήσεως ταύτ' ἡμῖν εἰρήσθω  
 III Ma. 6. 18. φανεροὶ πᾶσι πλὴν τοῖς Ἰουδαίοις  
 IV Ma. 8. 11. πλὴν τοῦ μετὰ στρεβλῶν ἀποδανείν  
 [Aq. Le. 27. 26: I Ki. 16. 6: 25. 21: III Ki. 9. 24: 11. 39: Jb. 13. 20: 33. 8: Ps. 38 (89). 12: 57 (58). 12: 67 (68). 7: 72 (73). 13: 15. 36. 5: 45. 14: 63. 8: Jb. 10. 19: 32 (39). 30. 61: 84 (41). 4.]  
 [Sm. Le. 27. 26: II Ki. 12. 14: Ps. 22 (23). 6: 61 (62). 10: 72 (73). 1: 74 (75). 9: Is. 36. 5: 63. 8: Jb. 32 (39). 30: 34 (41). 4.]  
 [Th. Le. 27. 26: I Ki. 14. 30: 16. 6: II Ki. 12. 14: III Ki. 15. 14: Jb. 13. 20: 14. 18: 33. 8: Ps. 57 (58). 12: 61 (62). 10: 67 (68). 7: 72 (73). 13: Fr. 21. 5. 51: Is. 28. 19: 36. 5: 45. 14. 63: 8: Jb. 30 (37). 11: DA. 2. 6.]  
 [Al. Le. 23. 27: Nu. 14. 9, 30: 35. 33: Dt. 15. 4: Jo. 11. 19: III Ki. 15. 5.]  
 [Quint. Ps. 22 (23). 6.]  
 πληξίς.  
 [Aq. Pr. 17. 10.]  
 πλήρης. (1) 𐤒𐤐 (2) a. 𐤍𐤗𐤒 adj. δ. 𐤍𐤗𐤒  
 𐤍𐤗𐤒 c. 𐤍𐤗𐤒 qal. d. ni. e. pi. (3) 𐤒𐤐  
 (4) a. 𐤒𐤐𐤗 (6) 𐤒𐤐𐤗 (8) 𐤒𐤐𐤗  
 γίνεσθαι 𐤒𐤐𐤗 (7) πλήρης εἶναι a. 𐤍𐤗𐤒  
 δ. 𐤒𐤐𐤗 (8) πλήρης ἡμερῶν 𐤒𐤐𐤗  
 Ge. 25. 8. πρὸς βύτης καὶ πλήρης ἡμερῶν (8)  
 27. 27. ὡς σμῆν ἀγροῦ πλήρους —  
 35. 29. πρὸς βύτης καὶ πλήρης ἡμερῶν (4 a)  
 41. 7. τοὺς ἐπὶ στάχυν . . . τοὺς πλ. (2 a)  
 — 22. ὥσπερ ἐπὶ στάχυν ἀνέβαινον . . . πλ. (2 a)  
 — 24. τοὺς ἐπὶ στάχυν . . . τοὺς πλ. —  
 Ex. 9. 8. λαβετε ὑμεῖς πλήρεις τὰς χεῖρας (2 b)  
 16. 33. πλήρεις τὸ γυμρὸν τοῦ μᾶν (2 b)  
 Le. 2. 2: 6. 12. δραξάμενος . . . πλήρη τὴν δροῖκα (2 b)  
 Nu. 12. 10. τὸ πυρεῖον πλήρες ἀνθρώπων πυρεῖς (2 b)  
 Nu. 7. 13. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως  
 — 14. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 19. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 20. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 25. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 26. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 31. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 32. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 37. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 38. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 43. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 44. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 49. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 50. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 55. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 56. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 61. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 62. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 67. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 68. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 73. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 74. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 79. ἀμφότερα πλήρη σεμιδάλεως (2 a)  
 — 80. θυσίην μίαν . . . πλήρη θυμιάματος (2 a)  
 — 86. θυσίαι χρυσαὶ δαδ. πλήρεις θυμιάματος (2 a)  
 22. 18: 24. 13. πλήρη τὸν οἶκον αὐ. ἀργυρίου (2 b)  
 De. 6. 11. οἰκίας πλ. πάντων ἀγαθῶν (2 a)  
 Jd. 6. 38. πλ. λεκάνη ὑδάτος (2 b)  
 16. 27. οἶκος πλ. τῶν ἀνδρῶν (2 c)  
 Ru. 1. 21. ἐγὼ πλήρης ἐπορεύθην (2 a)  
 2. 12. γένοιτο ὁ μισθός σου πλ. (5)  
 I Ki. 2. 5. πλήρεις ἄρτων ἤλαττόθησαν (4 a)  
 II Ki. 23. 7. καὶ πλήρεις σιδήρου (2 a)  
 — 11. μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης φακοῦ (2 a)  
 IV Ki. 4. 39. συνέλεξεν . . . πλ. τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ (2 b)  
 6. 17. τὸ δρυς πλήρες ἔσπων (2 c)  
 7. 15. πᾶσα ἡ ὁδὸς πλ. ἱματίων (2 a)  
 20. 3. ἐν ἀληθείᾳ καὶ καρδίᾳ πλ. (5)  
 Ch. 11. 13. ἦν μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης κριθῶν (2 a)  
 23. 1. καὶ Δ. . . πλήρης ἡμερῶν (4 b)  
 29. 9. ἐν καρδίᾳ πλ. προσευμήθησαν (6)  
 — 28. ἐτελεύτησεν . . . πλήρης ἡμερῶν (4 a)

II Ch. 15. 17. ἡ καρδία Ἄ. ἐγένετο πλ. (5)  
 16. 9. κατισχυσαὶ ἐν πάσῃ καρδίᾳ πλ. (5)  
 19. 9. καὶ ἐν πλ. καρδίᾳ [Δ. καὶ πλήρεις καρδίας] (5)  
 24. 15. ἐγήρασαν ἰω. πλήρης ἡμερῶν (4 b)  
 25. 2. ἀλλ' οὐκ ἐν καρδίᾳ πλ. (5)  
 I Es. 1. 23. ἐν καρδίᾳ πλήρει εὐσεβείας  
 II Es. 4. 20. καὶ φόρος πλ. καὶ μένος δίδοται αὐτοῖς †  
 Ne. 9. 25. οἰκίας πλ. πάντων ἀγαθῶν (2 a)  
 Jb. 7. 4. πλήρης δὲ γίνομαι ὀδυνῶν (8)  
 10. 15. πλήρης γὰρ ἀτιμίας [Δ. ἀνομίας] εἰμί (4 a)  
 14. 1. βροτός γὰρ . . . πλήρης ὀργῆς (4 a)  
 21. 24. τὰ δὲ ἔγκατα αὐτοῦ πλήρης στέατος (2 c)  
 32. 18. πλήρης γὰρ εἰμι ῥημάτων (7 a)  
 36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πότιος (2 c)  
 39. 2. ἠρίθμησας δὲ μῆνας αὐ. πλήρεις τοκετοῦ (2 c)  
 42. 17. ἐτελεύτησεν ἰωβ . . . πλήρης ἡμερῶν (4 a)  
 Ps. 32 (33). 5. τοῦ ἐλέους κυρίου πλήρης ἡ γῆ (2 c)  
 47 (48). 10. δικαιοσύνης πλήρης ἡ δεξιὰ σου (2 c)  
 72 (73). 10. ἡμέραι πλήρεις εὐφροσύνης (2 a)  
 74 (75). 8. οἶνον ἀκράτου πλήρεις κεράσματος (2 c)  
 118 (119). 64. 8. Εὐ. τοῦ ἐλέους σου, κύριε, [Δ. ελ. κυρίου] πλήρης ἡ γῆ (2 c)  
 143 (144). 13. τὰ ταμῖα αὐτῶν πλήρη (2 a)  
 Pr. 17. 1. Δ. 8 οἶκος πλήρης [B om.] πολλῶν ἀγαθῶν (2 a)  
 Ca. 5. 5. δικτυολοὶ κύνες σκύρναν πλήρη — 13. χεῖλ' αὐτοῦ κρῖνα σταδόντα σκύρναν πλήρη (3)  
 Wi. 3. 4. ἡ ἐλπίς αὐτῶν ἀθανάσιος πλήρης  
 5. 22. πλήρεις βιβήσονται χιλοῖς  
 11. 18. ἡ νεοκτιστοὺς [Δ. -ου] θυμῷ [B -οις] πλήρεις θήρας ἀγνώστους [B' θρασυγνώστους]  
 17. 6. αὐτομάτῃ πυρὰ φόβου πλήρης  
 Si. 1. 30. ἡ καρδία σου πλήρης δόλου  
 19. 26. τὰ ἐντός αὐτοῦ πλήρης [B' B' -η] δόλου  
 42. 16. τῆς δόξης αὐτοῦ [Δ. B' κυρίου] πλήρης τὸ ἔργον αὐτοῦ  
 50. 6. ὡς σελήνη πλήρης ἐν ἡμέραις  
 JI. 8 (4). 13. δότις πλήρης ἡ ληνός (2 c)  
 Na. 3. 1. ὁ πόλις αἰμάτων . . . ἀδικίας πλήρης (2 a)  
 Hb. 3. 3. αἰνέσεις αὐτοῦ πλήρης ἡ γῆ (2 c)  
 Is. 1. 4. λαὸς πλ. ἀμαρτιῶν (1)  
 — 11. πλήρης ἐμὶ ὀλοκαυτωμάτων κρῖν (7 b)  
 — 15. αἱ γὰρ χεῖρες ὑμῶν αἵματος πλήρεις (2 c)  
 — 21. ἐγένετο πόρος πόλις πιστὴ Ἰσραὴλ πλ. κρίσεως (2 a)  
 6. 1. πλ. ὁ οἶκος τῆς δόξης αὐτοῦ (2 a)  
 — 3. πλ. πᾶσα ἡ γῆ τῆς δόξης αὐτοῦ (2 b)  
 30. 27. τὸ λόγιον ὀργῆς πλήρες (2 c)  
 51. 20. οἱ πλ. θυμῷ κυρίου (2 a)  
 68. 3. πλήρης [B -ρους] καταπεπλημένους †  
 Je. 6. 27. ὡς παγὶς ἐφεστραμένη [B συνεισ.] πλ. πετεινῶν οὕτως οἱ οἶκοι αὐ. πλ. δόλου (2 a, 2 a)  
 6. 11. πρὸς βύτης [Δ. add. καὶ] μετὰ πλῆρους ἡμερῶν — (2 a)  
 Ep. Je. 17. οἱ ὀφθ. αὐ. πλ. εἰς κοινορτοῦ  
 Ez. 1. 18. οἱ ἄνθρωποι αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν (2 a)  
 7. 23. ἡ γῆ πλ. λαῶν καὶ ἡ πόλις πλ. ἀνομίας (2 c, 2 c)  
 10. 12. οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν (2 a)  
 17. 3. ἀετὸς . . . πλ. ὀνύχων (2 a)  
 26. 2. ἡ πλήρης ἡρήμωται (2 d)  
 36. 38. ἔσονται αἱ πόλεις αἱ ἐρημοὶ πλήρεις προβάτων (2 a)  
 43. 5. πλ. δόξης κυρίου ὁ οἶκος (2 c)  
 44. 4. πλ. δόξης ὁ οἶκος τοῦ κυρίου (2 c)  
 Da. LXX. 4. 25. καὶ πλήρης ὁ χρόνος σου —  
 6. 31 (6. 1). καὶ Δαρ. πλήρης τῶν ἡμερῶν —  
 Da. TH. Su. 28. ἡλθον . . . πλήρεις τῆς ἀνομίας ἐνοίας  
 I Ma. 8. 25. ὅς ἐν ὁ καιρὸς ὑπογραφή αὐτοῖς καρδίας πλ.  
 II Ma. 13. 5. πύργος πεντήκοντα πήχεων πλήρης σποδοῦ  
 III Ma. 4. 5. ἄγγετο γὰρ ῥέρον πλ. πολιὰς [B al.]  
 6. 31. τὸν . . . τόπον . . . κατεμέρισαν πλήρεις χαρμονῆς  
 [Aq. Jb. 14. 1: Ps. 64 (65). 10: Jb. 5. 27: Ez. 24. 4: 28. 12: Na. 3. 1.]  
 [Sm. Ge. 41. 5: Ps. 26 (26). 10: Pr. 11. 1: Ca. 5. 14: Ez. 28. 12: Na. 3. 1.]  
 [Th. Is. 31. 4: Ez. 24. 4: 28. 12.]  
 [Al. Le. 27. 23: Ps. 9. 28 (10. 7).]  
 [Quint. Ps. 74 (75). 9.]

πληροῦν. (1) 𐤒𐤐 a. qal. δ. pi. (2) 𐤍𐤗𐤒  
 a. qal. δ. ni. c. pi. d. pu. e. 𐤍𐤗𐤒 adj.  
 f. 𐤍𐤗𐤒 g. 𐤍𐤗𐤒 (3) 𐤍𐤗𐤒 ni. (4) 𐤒𐤐𐤗  
 (5) 𐤒𐤐𐤗 aph. (6) 𐤒𐤐𐤗 (7) 𐤒𐤐𐤗 a. qal.  
 δ. hi. (8) 𐤒𐤐𐤗 πληρωθῇ 𐤒𐤐𐤗  
 Ge. 1. 22. πληρώσατε τὰ ὕδατα (2 a)  
 — 28: 9. 1. πληρώσατε τὴν γῆν (2 a)  
 9. 7. πληρώσατε τὴν γῆν (6)  
 25. 24. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέρ. τοῦ τεκεῖν αὐτὴν (2 a)  
 29. 21. πεπληρώται γὰρ αἱ ἡμέραι (2 a)  
 50. 3. Δ. 8 ἐπληρώσαν [B -εν] αὐτοῦ τεσσαράκ. ἡμέρας (2 a)  
 Ex. 32. 29. ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν (2 a)  
 Le. 8. 33. ἔως ἡμέρα πληρωθῇ (2 a)  
 12. 4. ἔως ἀν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι (2 a)  
 25. 29. ἔως πληρωθῇ — 13. ἢ ἀν ἡμέρα πληρωθῇ αὐτῆς ἐνιαυτὸς ὅλος (2 a)  
 Nu. 6. 5. ἔως ἀν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι (2 a)  
 — 13. ἢ ἀν ἡμέρα πληρωθῇ αὐτῆς εὐχὴς αὐ. (2 a)  
 7. 88. μετὰ τὸ πληρῶσαι τὰς χεῖρας αὐ. —  
 Jo. 8. 15. Δ. 8 ὁ δὲ ἰορδ. ἐπλήρου [B -οῦτο] (2 a)  
 Jd. 12. 5. ἐπλήρωσε [Δ. ἐνέπλησεν] τὴν χεῖρα (2 c)  
 — 12. ἐπλήρωσε [Δ. ἐνέπλησεν] M. τὴν χεῖρα (2 c)  
 I Ki. 18. 26. Δ. οὐκ ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι (2 a)  
 — 27. Δ. ἐπλήρωσαν αὐτὰς τῷ βασι. [B al.] (2 c)  
 20. 3. Δ. πεπληρώται [B ἐμπέπλησται] ἀνὰ μέσον ἐμοῦ —  
 II Ki. 7. 12. ἐὰν πληρωθῶσιν αἱ ἡμέραι σου (2 a)  
 III Ki. 1. 14. πληρώσω τοὺς λόγους σου (2 c)  
 2. 27. πληρωθήναι τὸ ῥῆμα κυρίου (2 c)  
 7. 14. ἀνὴρ . . . πεπληρωμένος τῆς τέχνης (2 b)  
 8. 15. ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ ἐπλήρωσε (2 c)  
 — 24. καὶ ἐν χερσὶ σου ἐπλήρωσας (2 c)  
 13. 33. ἐπλήρου τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2 c)  
 IV Ki. 4. 4. τὸ πληρωθῶν ἀρεῖς (2 c)  
 I Ch. 12. 15. καὶ οὗτος πεπληρωκὸς (2 c)  
 17. 11. ὅταν πληρωθῶσιν ἡμέραι σου (2 a)  
 29. 5. πληρώσω τὰς χεῖρας αὐτοῦ (2 c)  
 II Ch. 6. 4. καὶ ἐν χερσὶν αὐ. ἐπλήρωσε (2 c)  
 — 15. καὶ ἐν χερσὶ σου ἐπλήρωσας (2 c)  
 13. 9. πληρώσω τὰς χεῖρας (2 c)  
 16. 14. Δ. καὶ ἐπλήρωσαν [B ἐπλήσαν] ἀρωμάτων (2 c)  
 24. 10. ἔως οὗ ἐπληρώθῃ (2 b)  
 29. 31. ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν (2 c)  
 36. 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κυρίου (2 c)  
 — 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κυρίου (1 a)  
 To. 8. 20. Δ. 8 ἐὰν μὴ πληρωθῶσιν αἱ δέκα τέσσα. ἡμ. 10. 1. ὡς ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι τῆς πορείας [B al.]  
 14. 5. ἔως πληρωθῶσι καιροὶ τοῦ αἰῶνος [B al.]  
 Ju. 2. 8. πληρώσουσι τὰς φάραγγας — 8. ποταμοὶ ἐπικλύζων . . . πληρωθήσεται  
 10. 5. τὰ πεδία αὐ. πληρωθήσεται [B πλησθ.] νεκρῶν  
 6. 4. ἡμερῶν ἐπληρώσων ἀλφίτων  
 Es. 4. 17. Δ. 8 ἐπλήρωσαν [B8 ἐπλήσαν] στρεπτῶν τριχῶν αὐ. —  
 5. 1. B' τὸ πρόσωπον αὐ. πεπληρωμένη δόξη [Δ. B8' al.]  
 Jb. 20. 22. ὅταν δὲ δοκῇ ἡδὴ πεπληρωθῇ (2 a)  
 — 23. εἴ πως εἰ πληρῶσαι [Δ. καὶ πληρώσει] γαστέρα αὐτοῦ (2 c)  
 Ps. 15 (16). 11. πληρώσεις με εὐφροσύνης [Δ -ην] (4)  
 19 (20). 4. πᾶσαν τὴν βουλὴν σου πληρώσαι [Δ -σει] (2 c)  
 — 5. πληρώσαι κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου (2 c)  
 64 (65). 9. ὁ ποταμὸς τοῦ θ. ἐπληρώθῃ ὑδάτων (2 a)  
 70 (71). 8. πληρωθήτω τὸ στόμα μου αἰνέσεις (2 b)  
 71 (72). 19. B8' πληρωθήσεται τῆς δόξης αὐ. (2 b)  
 73 (74). 20. ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκοταμένοι τῆς γῆς οἶκον ἀνομιῶν (2 a)  
 79 (80). 9. B8' ἐπλήρωσεν τὴν γῆν [B B' ἐπλήσθη ἡ γῆ] (2 c)  
 80 (81). 10. πληρώσω αὐτό (2 c)  
 82 (83). 16. πληρώσω τὰ πρόσωπα αὐτῶν ἀτιμίας (2 c)  
 103 (104). 24. ἐπληρώθῃ ἡ γῆ τῆς κτίσεως σου (2 a)  
 109 (110). 6. πληρώσει πτωματα (2 a)  
 126 (127). 5. πληρώσει τὴν ἐπιθυμίαν αὐτοῦ ἐξ αὐτῶν (2 c)  
 128 (129). 7. οὐ οὐκ ἐπλήρωσε τὴν χεῖρα αὐτοῦ ὁ θερίζων (2 c)

Ec. 1. 8. οὐ πληροφορήσεται [B οὐκ ἐμπλησθήσ.]  
οὐς ἀπὸ ἀκρόσεως (2 b)  
6. 8 (7). ἡ ψυχὴ οὐ πληροφορήσεται (2 b)  
9. 3. καρδία υἱὸν τοῦ ἀνδρ. ἐπληρώθη ποτηροῦ (2 a)  
11. 3. A B εἰς πληρωσίν [B πληρώσιν] τὰ  
νέφθι υἱοῦ (2 b)  
Ca. 5. 14. χεῖρες αὐτοῦ τορευταὶ χρυσά πεπλη-  
ρωμέναί θαρσις (2 d)  
Wi. 1. 7. πνεῦμα κυρίου πεπλήρωκε [A ἐπλήρωσεν]  
τὴν οἰκουμένην  
4. 13. ἐπλήρωσε χρόνους μακροὺς  
18. 16. ἐπλήρωσε τὰ πάντα θανάτου  
Si. 26. 2. τὰ ἐτη αὐτοῦ πληρώσει ἐν εἰρήνῃ  
30. 25 (33. 16). ὡς τρυγὼν ἐπλήρωσεν ληνόν  
39. 12. ὡς διχομνηνία ἐπληρώθη  
45. 15. ἐπλήρωσε Μωσθεὺς τὰς χεῖρας  
Ze. 1. 9. τοὺς πληρωσάντων τὸν οἶκον κυρίου (2 c)  
Hg. 2. 8 (7). A πληρώσω [B πλησῶ] τὸν  
οἶκον τοῦτον δόξης (2 c)  
Is. 8. 8. ὥστε πληρώσαι τὸ πλάτος τῆς χώρας  
σου [A αἰ.] (2 f)  
13. 3. γιγάντες ἔρχονται πληρώσαι τὸν θυμὸν  
μου  
40. 4. πᾶσα φάραγξ πληροφορήσεται  
65. 11. ὑμεῖς οἱ . . . πληροφορῶντες τῇ τύχῃ κέ-  
ρασμα (2 c)  
Je. 13. 12. βίς, πᾶς ἀσὸς πληροφορήσεται οἶνον (2 b)  
— 13. πληρὸς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύ-  
την . . . μεθύσματι (2 c)  
23. 24. μὴ οὐχὶ . . . τὴν γῆν ἐγὼ πληρῶ (2 c)  
25. 12. ἐν τῷ πληρωθῆναι [A συμπλ.] τὰ  
ἐβδουμήκοντα ἔτη (2 a)  
28 (51). 11. πληροῦτε τὰς φάρετρας  
— 14. πληρῶσω σε ἀνθρώπων ὥστε ἀκρίδων (2 c)  
32 (25). 34. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι υἱῶν (2 a)  
36 (29). 10. ὅταν μελλῇ πληροῦσθαι Βαβυλῶνι  
ἐβδουμήκοντα ἔτη (2 a)  
40 (33). 5. πληρώσας αὐτὴν τὸν νεκρῶν (2 c)  
41 (34). 14. ὅταν πληρωθῇ ἐξ ἔτη (8)  
51 (44). 25. καὶ ταῖς χερσὶν υἱῶν ἐπληρώσατε (2 c)  
Ba. 5. 7. φάραγγας πληρῶσθαι εἰς ὀμαλισμὸν  
La. 4. 18. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι ἡμῶν (2 a)  
Ez. 7. 19. αἱ κοιλίαι αὐτῶν οὐ μὴ πληρωθῶσι (2 c)  
9. 7. A πληρώσατε [B πλησ.] τὰς ὀδοὺς νεκρῶν  
Da. LXX. 4. 9. πληροῖν τὰ ὑποκάτω τοῦ οὐρ.  
— 32. αἱ ἀγνοαὶ μου ἐπληρώθησαν  
8. 23. πληρουμένων τὸν ἀμαρτιῶν αὐ. (7 b)  
Da. TH. 2. 35. ἐπλήρωσε πᾶσαν τὴν γῆν  
5. 26. καὶ ἐπλήρωσεν αὐτὴν (8)  
8. 23. πληρουμένων τὸν ἀμαρτιῶν αὐ. (7 b)  
I Ma. 2. 55. ἐν τῷ πληρωσίν λόγον  
3. 50. οἱ ἐπλήρωσαν τὰς ἡμέρας  
4. 19. A B ἐτι πληρωσίν [B λαλοῦντος] Ἱ. ταῦτα  
II Ma. 8. 30. B εὐφροσύνης ἐπὶ ἐπλήρωτο [A ἐπλ.]  
6. 4. B τὸ μὲν ἱερὸν . . . κῶμον . . . ἐπὶ ἐπλή-  
ρωτο [A -οῦτο]  
— 5. τὸ δὲ θυσιαστήριον τοῖς . . . ἀθεμίτοις ἐπε-  
πλήρωτο  
7. 21. B τῇ πατρίδι φωνῇ γενναίᾳ πεπληρωμένη  
[A -φ] φρονίμῃ  
9. 7. τῆς υπερφάνειας ἐπὶ ἐπλήρωτο  
10. 30. κατεκόπτοντο ταραχῆς πεπληρωμένοι  
12. 16. B ὥστε τὴν . . . λυμνὴν . . . κατάρρυνον  
αἵματι πεπληρωμένην φαίνεσθαι [A αἰ.]  
13. 16. τὴν παρεμβόλην . . . ταραχῆς ἐπλήρωσαν  
III Ma. 4. 16. διηνεκὸς ὁ βασι. χαρὰ πεπληρωμένος  
— 16. A πεπληρωμένη [B -πλανημ.] πόρρω τῆς  
ἀληθείας φρενί  
5. 10. ἐλφάφαντες . . . πεπληρωμένους τῆς τοῦ οἴνου  
πολλῆς χορηγίας  
— 30. ὁ δὲ . . . πληρωθεὶς βαρεὶ χόλω  
6. 19. τὴν δύναμιν . . . ἐπλήρωσαν ταραχῆς  
IV Ma. 12. 12. ἐπλήρωσαν τὴν εἰς τὸν θεὸν εὐσε-  
βείαν  
18. 21. A τὰς τὸν ὁμμάτων κόρας ἐπλήρωσε [B R  
ἐπῆρ.]

[Aq. GE. 1. 28; Ex. 1. 7; 28. 17; Dt. 1. 36;  
I Ki. 18. 26, 27; III Ki. 8. 24; Jb. 40. 26  
(31); Ps. 16 (17). 14; 25 (28). 10; 37 (38).  
8; 126 (127). 5; Is. 14. 21; 28. 8; 38. 12;  
Hb. 3. 3.]  
[Sm. GE. 1. 28; Ex. 1. 7; 28. 17; Jb. 39. 2;  
40. 26 (31); Ps. 16 (17). 14; 32 (33). 5; 63  
(64). 4; 74 (75). 9; 126 (127). 5; Is. 6. 1;  
14. 21; 28. 8; 38. 12; Ez. 4. 9; 5. 2; 24. 4;  
32. 5.]

[Th. GE. 1. 28; Ex. 1. 7; 28. 17; I Ki. 18.  
26, 27; Jb. 20. 23; Ps. 25 (26). 10; 126  
(127). 5; Pr. 20. 17; Is. 6. 1; 14. 21; 28. 8;  
38. 12; Da. 2. 35; 8. 23; Hb. 3. 3.]  
[Al. LE. 16. 32.]

## πληροφορείσθαι. (1) πληρῶμα.

Ec. 8. 11. ἐπληροφορήθη καρδία . . . τοῦ ποιήσαι  
τὸ πονηρὸν (1)  
πληρῶμα. (1) πληρῶμα (2) α. πληρῶμα, πληρῶμα  
δ. πληρῶμα

I Ch. 16. 32. βομβήσῃ ἡ θάλα. σὺν τῷ πλ. (2 a)  
Ps. 23 (24). 1. τοῦ κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)  
49 (50). 12. ἡ οἰκουμένη καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)  
88 (89). 11. τὴν οἰκουμένην καὶ τὸ πλ. αὐ. (2 a)  
95 (96). 11; 97 (98). 7. ἡ θάλασσα καὶ τὸ πλ. αὐ. (2 a)

Ec. 4. 6. A B ἀγαθὸν πλ. δρακὸς ἀναπαύσεως  
ὑπὲρ πληρώματα [B -ωμα] δύο  
δρακὼν μόχθου (2 a, 2 a)

Ca. 5. 12. ὡς περιστεραὶ ἐπὶ πληρώματα ὑδάτων  
. . . καθήμεναι ἐπὶ πληρώματα (1, 2 b)

Je. 8. 16. καταφάγεται τὴν γῆν καὶ τὸ πλ. αὐ. (2 a)  
29 (47). 2. κατακλίσῃ τὴν γῆν καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)

Ez. 12. 19. ἡ γῆ σὺν [A σὺν τῷ] πληρώματι αὐ. (2 a)  
19. 7. ἡφάνισεν τὴν γῆν καὶ τὸ πλ. αὐτῆς (2 a)  
30. 12. τὴν γῆν καὶ τὸ πλ. [A γ. αὐ. σὺν τῷ  
πλ.] αὐ. (2 a)

[Aq. Ex. 28. 17; II Ki. 5. 9; Ps. 95 (96). 11;  
Ez. 12. 19.]

[Sm. Ex. 28. 17; Ps. 95 (96). 11; 97 (98). 7;  
Ec. 4. 6; Is. 31. 4.]

[Th. Ex. 28. 17; Ps. 95 (96). 11.]  
[Al. LE. 24. 22.]

## πληρώσεις. (1) α. πληρῶμα δ. πληρῶμα c. πληρῶμα adj.

d. πληρῶμα verb.

Ex. 35. 27. καὶ τοὺς λίθους τῆς πλ. (1 b)  
De. 38. 16. καθ' ὅραν γῆς πληρώσεις (1 a)

I Ch. 29. 2. λίθους αὐ. καὶ πληρώσεις (1 b)  
Ju. 8. 31. εἰς πληρώσιν τῶν λαίκων ἡμῶν  
Je. 4. 12. πνεῦμα πληρώσεις ἔξει μοι (1 c)

5. 24. κατὰ καιρὸν πληρώσεις προστάγματος  
θερισμοῦ (1 a)

Ez. 5. 2. κατὰ τὴν πλ. τῶν ἡμ. τοῦ συγκλεισμοῦ (1 d)  
32. 15. ἐρημωθῇ ἡ γῆ σὺν τῇ πλ. αὐτῆς (1 a)

Da. TH. 10. 3. ἔως πληρώσεις τριῶν ἐβδομάδων  
ἡμερῶν (1 d)

[Aq., Sm., Th. Ex. 25. 6 (7); 35. 9.]  
[Al. LE. 7. 37; 8. 33.]

## πλησιάζειν.

II Ma. 6. 4. ἐν τοῖς ἱεροῖς περιβάλλουσιν γυναῖξί πλη-  
σιαζόντων

## πλησίον (πλησιέστερον). (1) πλησίον (2) πλησίον

(3) πλησίον (4) πλησίον (5) πλησίον (6) πλησίον  
(7) πλησίον (8) πλησίον (9) πλησίον (10) πλησίον

(11) πλησίον (12) πλησίον (13) πλησίον (14) πλησίον  
(15) πλησίον (16) πλησίον (17) πλησίον (18) πλησίον

(19) πλησίον (20) πλησίον (21) πλησίον (22) πλησίον  
(23) πλησίον (24) πλησίον (25) πλησίον (26) πλησίον

(27) πλησίον (28) πλησίον (29) πλησίον (30) πλησίον  
(31) πλησίον (32) πλησίον (33) πλησίον (34) πλησίον

(35) πλησίον (36) πλησίον (37) πλησίον (38) πλησίον  
(39) πλησίον (40) πλησίον (41) πλησίον (42) πλησίον

(43) πλησίον (44) πλησίον (45) πλησίον (46) πλησίον  
(47) πλησίον (48) πλησίον (49) πλησίον (50) πλησίον

(51) πλησίον (52) πλησίον (53) πλησίον (54) πλησίον  
(55) πλησίον (56) πλησίον (57) πλησίον (58) πλησίον

(59) πλησίον (60) πλησίον (61) πλησίον (62) πλησίον  
(63) πλησίον (64) πλησίον (65) πλησίον (66) πλησίον

Ex. 22. 12 (11). A ἀποστείλει τῷ πλ. [B κυρίῳ] +  
— 14 (13). εἰς τὴν αἰτίαν τῆς παρὰ τοῦ πλ. (10 a)  
— 26 (25). εἰς τὴν δὲ . . . ἐνεχωρήσας τὸ ἱμάτ.  
τοῦ πλ. (10 a)

32. 27. A B ἔκαστος τὸν πλ. αὐτοῦ. (10 a)  
34. 3. μὴ νεμεσθῶσαν πλ. τοῦ δρους ἐκείνου (6 c)

Le. 6. 2 (5. 21). καὶ ψεύσεται τὸ πρὸς τὸν πλ. (8)  
— 2 (5. 21). ἡ ἡδίκησέ τι τὸν πλ. (8)

18. 20. πρὸς τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. σου (8)  
19. 11. οὐ συκοφάντησαι ἕκαστος τὸν πλ. (8)

— 13. οὐκ ἀδικήσεις τὸν πλ. (10 a)  
— 15. ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖς τὸν πλ. σου (8)

— 16. οὐκ ἐπιστήσῃ ἐφ' αἵμα τοῦ πλ. σου (10 a)  
— 17. ἐλεγχεῖς τὸν πλ. σου (8)

— 18. ἀγαπήσεις τὸν πλ. σου (10 a)  
20. 10. ὅς ἀν μοιχεύσῃται γυναῖκα τοῦ πλ. (10 a)

24. 19. εἰς τὴν δὲ μῶμον τῷ πλ. (8)  
25. 14. εἰς τὴν δὲ ἀποδόμ πρᾶσιν τῷ πλ. σου (8)

— 14. εἰς τὴν δὲ κτήσιν παρὰ τοῦ πλ. σου (8)  
— 14. μὴ θλιβέτω ἄνθρωπος τὸν πλ. (1)

— 15. κτήσιν παρὰ τοῦ πλ. (8)  
— 17. μὴ θλιβέτω ἄνθρωπος τὸν πλ. (8)

Nu. 33. 37. παρενέβαλον . . . πλ. γῆς Ἐδὼμ  
(4)  
— 38. A ἀνέβη Ἁ. ὁ ἱερεὺς πλ. τοῦ δρους  
[B om. πλ. τ. δ.] (2)

De. 1. 1. πλ. τῆς ἐρυθρᾶς ἀνά μέσον Φ. (6 a)  
4. 42. δὲ ἀν φανεύσῃ τὸν πλ. (10 a)

5. 20 (17). οὐ ψευδομαρτυρήσεις κατὰ τοῦ πλ.  
σου (10 a)

— 21 (18). τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. σου (10 a)  
— 21 (18). τὴν οἰκίαν τοῦ πλ. σου (10 a)

— 21 (18). ὅσα τῷ [B] τοῦ πλ. σου ἐστὶ (10 a)  
10. 18. A ἀγαπᾶν τὸν πλ. [B αἰ.] (1)

11. 30. πλ. τῆς δρους τῆς ὑψηλῆς (3)  
15. 2. ὁ οὐκ εἶλεται οἱ οὐ πλ. (10 a)

19. 4. δὲ ἀν πατάξῃ τὸν πλ. αὐ. (10 a)  
— 5. δὲ ἀν εἰσελθῇ μετὰ τοῦ πλ. (10 a)

— 5. καὶ . . . τὴν γῆν τοῦ πλ. (10 a)  
— 11. μισῶν τὸν πλ. (10 a)

— 14. οὐ μετακινήσεις ὄρια τοῦ πλ. (10 a)  
— 19. A ἐπονηρεῖσθαι τῷ πλ. [B αἰ.] (1)

— 21. A B καθὼς ἀν ὁφ μῶμον τῷ πλ. (10 a)  
22. 4. ἐταπεινώσει τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. (10 a)

— 26. ὡς εἰ τις ἐπαναστῇ . . . ἐπὶ τὸν πλ. (10 a)  
23. 25 (26). A B εἰς ἀμνητὸν τοῦ πλ. σου (10 a)

— 25 (26). A B ἐπ' ἀμνητὸν τοῦ πλ. σου (10 a)  
— 24 (25). A B εἰς τὸν ἀμπελῶνα τοῦ πλ. σου (10 a)

24. 10. εἰς ὁφείλημα ἢ ἐν τῷ πλ. σου (10 a)  
27. 17. ὁ μεταστειλὲς ὄρια τοῦ πλ. (10 a)

— 24. A B ὁ τύπτων τὸν πλ. [B add. αὐ.] (10 a)  
Jo. 9. 1 (8. 33). οἱ ἦσαν ἡμῖν πλ. δρους Γ. (6 c, 6 c)

12. 9. ἦ ἔστι πλ. Β. (7)  
15. 46. ὅσα εἰσὶ πλ. Ἀσ. (8)

19. 46. ὄριον πλ. Ἰσπηθῆς (6 b)  
20. 5. A ἐπάταξεν τὸν πλ. αὐ. (10 a)

Jd. 4. 11. A οἱ πλ. τοῦ Κιναίου (10 a)  
6. 29. εἶπεν ἀνὴρ πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)

7. 13. ἐξηγουμένους τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)  
— 14. ἀπεκρίθη ὁ πλ. αὐτοῦ (10 a)

— 22. ἔθηκε κ. . . ἐν τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)  
10. 18. ἀνὴρ πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)

Ru. 3. 14. πρὸ τοῦ ἐπιγνώμαι ἄνδρα τὸν πλ. αὐ. (10 a)  
4. 7. εἰδίδου τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)

I Ki. 10. 11. ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)  
11. 20. ἐγένετο ῥομφαία ἀνδρὸς ἐπὶ τὸν πλ. αὐ. (10 a)

15. 28. ὥστε αὐτὴν τῷ πλ. σου (10 a)  
20. 41. κατεφίλησεν ἕκαστος τὸν πλ. αὐ. (10 a)

— 41. ἔκλαυσεν ἕκαστος τῷ [A τὸν] πλ. αὐ. (10 a)  
28. 16. καὶ γέγονε μετὰ τῷ πλ. σου (10 a)

— 17. δώσει αὐτὴν τῷ πλ. σου (10 a)

30. 26. ἀπέστειλε . . . τοῖς πλ. αὐτοῦ (10 a)

II Ki. 2. 16. ἐκράτησαν . . . τὴν κεφαλὴν τοῦ  
πλ. αὐ. (10 a)

— 16. εἰς πλευρὰν [A πλάγιον] τοῦ πλ. αὐ. (10 a)

5. 23. παρέστη αὐτοῖς πλ. τοῦ κλυθμῶνος (6 d)

12. 11. καὶ ὥσων τῷ πλ. σου (10 a)

III Ki. 8. 31. ὅσα ἀν ἀμάρτη ἐκ. τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)

12. 24. B εἶπε . . . ἕκαστος τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)

21 (20). 35. εἶπε πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)

IV Ki. 8. 23. ἐπάταξεν ἀνὴρ τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)

7. 3, 9. εἶπεν ἀνὴρ πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)

I Ch. 14. 14. παρέστη αὐτοῖς πλ. τῶν ἀπίων (6 d)

II Ch. 6. 22. εἰς ἀμάρτη ἀνὴρ τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)

To. 2. 8. οἱ πλ. ἐπεγέλων [S μου κατεγ.] (10 a)

Ju. 2. 21. πλ. τὸν δρους τοῦ ἐπ' ἄριστερ[ **B** al. ]  
 3. 9. κατὰ πρόσωπον Ἑσδρ. πλ. τῆς Δωταίας  
 4. 6. κατὰ πρόσωπον τοῦ πεδίου τοῦ πλ. Δωθ. [ **B** al. ]  
 5. 5. ὁς κατακεῖ . . . πλ. σοῦ οἰκουμένης  
 7. 3. παρενίβαλον ἐν τῷ αὐλῶνι πλ. Βαιτ. — 4. εἴπεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ. — 13. ἀναρθώμεθα ἐπὶ τὰς πλ. κορυφάς — 18. ἡ ἔστι πλ. Χούς  
 10. 19. εἴπεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ. — 15. 2. μῖνον κατὰ πρόσωπον τοῦ [ **B**<sup>1</sup> αὐτοῦ ] πλ.  
 Es. 9. 19. ἕκαστος τῶ πλ. [ **A** τοῖς πλ. ]. (10 a) — 19. **A** **B** **S** [ **B** om. ] ἔξαποστέλλουσιν μερίδας καὶ τοῖς πλ. (10 a?)  
 Jb. 16. 22 (21). **B**<sup>8</sup> **S** καὶ νιφ[ **A** -ὄς ] ἀνθρώπου τῶ πλ. αὐτοῦ (10 a)  
 Ps. 11 (12). 2. μάταια ἐλάλησεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a) — 14 (15). 3. οὐδὲ ἐποίησε τῶ πλ. αὐτοῦ κακὸν (10 a) — 4. ὁ ὀμνῶν τῶ πλ. αὐτοῦ [ **B**<sup>1</sup> om. ]. †  
 23 (24). 4. οὐκ ἄμωσεν ἐπὶ δόλῳ τῶ πλ. αὐ. — 27 (28). 3. τὸν λαλοῦντων ἐιρήνην μετὰ τὸν πλ. αὐτῶν (10 a)  
 34 (35). 14. ὁς πλησίον . . . οὐκ ἐνιέρειστον (10 a)  
 37 (38). 11. οἱ πλ. μου . . . ἤγγισαν (10 a)  
 44 (45). 14. αἱ [ **A** οἱ ] πλ. αὐτῆς ἀπενεχθήσονται σοι (10 b)  
 87 (88). 18. **A**<sup>2</sup> ἐμάρκουν ἀπ' ἐμοῦ φίλον καὶ πλησίον [ **B**<sup>1</sup> **S** om. καὶ πλ. ]. (10 a)  
 100 (101). 5. τὸν καταλαλοῦντα λάβρα τοῦ πλ. αὐτοῦ (10 a)  
 121 (122). 8. ἐνεκα τῶν ἀδ. μου καὶ τῶν πλ. μου (10 a)  
 Pr. 9. 12. σφοδρὲς ἔση καὶ τοῖς [ **A** τῶ πλ. ] — 26. 27. ὁ ὀρυσσὺν βόθρον [ **B** βόθρον] τῶ πλ. — **Ca**. 1. 9. ἀμωσάτω ἡ πλ. μου (10 d) — 15. ἰδοὺ ἐλ, ἡ πλ. μου (10 d)  
 2. 2. οὗτος ἡ πλ. μου ἀνὰ μέσον τῶν θυγατέρων (10 d) — 10. ἀνίστα ἐλθι, ἡ [ **B** om. ] πλ. μου (10 d)  
 13. ἀνάστα ἐλθι, ἡ πλ. μου (10 d)  
 4. 1. **A** **S** ἰδοὺ ἐλ, καλῇ, ἡ [ **B** om. ] πλ. μου (10 d)  
 7. ἀλλ' καλῇ ἐλ, πλησίον [ **A** **S** ἡ πλ. ] μου (10 d)  
 5. 1. **S** τοῖς πλ. οὐ νυμφίος — 1. **A**<sup>2</sup> **B**<sup>1</sup> φύγετε οἱ [ **B**<sup>1</sup> om. ] πλ. [ **B**<sup>1</sup> πλῆσιοι ] καὶ πίστετε (10 a) — 2. ἀνοῦχόν μοι, ἀδελφὴ μου ἡ πλ. μου (10 d) — 16. οὗτος πλησίον μου (10 a)  
 6. 3 (4). **S** **B** καλῇ ἐλ, ἡ [ **A** **B** om. ] πλ. μου (10 d)  
 Si. 5. 12. ἐλ, ἔστι σοι συνηεῖς ἀποκριθῆναι τῶ πλ. — 6. 17. κατ' αὐτὸν οὕτως καὶ ὁ [ **B**<sup>1</sup> οἱ ] πλ. αὐτοῦ  
 9. 14. κατὰ τὴν ἰσχύν σου στόχασαι τοὺς [ **A** τῶ πλ. ] πλ. — 10. 6. μὴ μνηστῆς τῶ πλ. — 13. 15. ἀγαπᾷ . . . πᾶς ἀνθρώπος τὸν πλ. αὐτοῦ — 15. 5. ὑψώσας αὐτὸν παρὰ τοὺς πλ. αὐτοῦ — 16. 28. ἕκαστος τὸν πλ. αὐτοῦ οὐκ ἐξήλψε — 17. 14. ἐντεταλατο αὐτοῖς ἁκάστῳ περὶ τοῦ πλ. — 18. 13. ἔλεος ἀνθρώπου ἐπὶ τὸν πλ. αὐτοῦ — 19. 14. **S** ἐλεγχόν τὸν πλ. [ **B** φίλον ] — 17. ἐλεγχόν τὸν πλ. σου πριν ἡ ἀπειλήσαι — 22. 23. πιστὶν κτῆσαι ἐν πτωχείᾳ μετὰ τοῦ πλ. — 25. 1. ὁμόνοια ἀδελφῶν καὶ φιλίας τὸν πλ. — 18. ἀνὰ μέσον τοῦ πλ. αὐτοῦ ἀναπνεύσεται ὁ ἀνὴρ  
 27. 18. **A** **B** **S** ἀπόλεσας τὴν φιλίαν τοῦ πλ. [ **B** -ιοῦ ] — 19. οὕτως ἀφήκας τὸν πλ.  
 28. 2. ἀφες ἀδιχημα τῶ πλ. σου — 7. μὴ μνηστῆς τῶ πλ. [ **S** πλ. σου ]  
 29. 1. ὁ ποιῶν ἔλεος δανείσει τῶ πλ. — 2. δάσειον τῶ πλ. ἐν καιρῷ χρείας αὐ. καὶ πάλιν ἀπόδος τῶ πλ. εἰς τὸν καιρόν — 5. ἐπὶ τῶν χρημάτων τοῦ πλ. ταπεινώσεις φωνήν — 14. ἀνὴρ ἀγαθὸς ἐγγυρησεται τὸν πλ. — 20. ἀντιλάβου τοῦ πλ. κατὰ δύναμιν σου  
 81 (84). 22. φανεῖται τὸν πλ. ὁ ἀφαιρούμενος συμβίωσιν [ **A** **S** ἐμβ. ]  
 84 (81). 15. νόει τὰ τὸν πλ. ἐκ σεαυτοῦ — 31. ἐν συμπόσιον οἶνον μὴ ἐλέγξης τὸν πλ.  
 86. 19 (16). **B**<sup>2</sup> πλησίον [ **A**<sup>2</sup> **B**<sup>1</sup> **S** **B** πλῆστον ] **S**. ἀρεταλογία  
 Mi. 7. 2. ἕκαστος τὸν πλ. αὐ. ἐκθλίβουσιν (1) — 1. 7. εἴπεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ. (10 a)  
 Hb. 2. 15. ὁ δὲ ποτιζὼν τὸν πλ. αὐ. (10 a)  
 Za. 8. 9 (8). σὺ καὶ οἱ πλ. σου (10 a) — 11 (10). συγκατέλαβε ἕκαστος τὸν πλ. αὐ. (10 a)  
 8. 10. ἔξαποστέλλω . . . ἕκαστον ἐπὶ τὸν πλ. αὐ. (10 a)  
 — 16. λαλεῖτε ἀληθείαν ἐκ, πρὸς τὸν πλ. αὐ. (10 a)

Za. 8. 17. ἕκαστος τὴν κακίαν τοῦ πλ. αὐ. μὴ  
λογίζεσθαι (10 a)  
11. 6. παραδίδομεν . . . ἕκαστον εἰς χεῖρα τοῦ  
πλ. αὐ. (10 a)  
— 9. ἕκαστος τὰς σάρκας τοῦ πλ. αὐ. (10 c)  
14. 13. ἐπιλήθονται ἕκαστος τῆς χειρὸς τοῦ  
πλ. αὐ. (10 a)  
— 13. πρὸς τὴν χεῖρα τοῦ πλ. αὐ. (10 a)  
Ma. 3. 16. ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ.  
4. 6 (8. 24). καὶ καθάριν ἀνθρώπον πρὸς τὸν πλ. αὐ. †  
Is. 3. 5. ἀνθρώπος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)  
6. 8. ἵνα τὸ πλ. ἀφέλωται τι †  
19. 2. πολέμῳ . . . ἀνθρώπος τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)  
41. 6. ἤλθον ἀνὰ κρίναι ἕκαστος τῷ πλ. (10 a)  
Je. 5. 8. ἕκαστος ἐπὶ τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ  
ἐχρημέτισεν (10 a)  
6. 21. γείτων καὶ ὁ πλ. αὐτοῦ ἀπολοῦνται (10 a)  
7. 5. ἀνὰ μέσον ἀνδρὸς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ πλ.  
αὐτοῦ (10 a)  
9. 4 (3). ἕκαστος ἀπὸ τοῦ πλ. αὐτοῦ [A add.  
ἐξήλθον] φυλάξασθε (10 a)  
— 8 (7). τῷ πλ. αὐτοῦ λαλεῖ εἰρημικῶς (10 a)  
— 20 (19). διδάσκει . . . γυνὴ τὴν πλ. αὐτῆς  
θέρων (10 c)  
19. 9. τὰς σάρκας τοῦ πλ. αὐτοῦ ἔδονται (10 a)  
22. 8. ἐπεὶ ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)  
— 13. πρὸς τὸ πλ. αὐτοῦ ἐργάται δωρεάν (10 a)  
23. 27. δὲ οὐλοῦντο ἕκαστος τῷ πλ. αὐτοῦ (10 a)  
— 30. B ἕκαστον [AB-ov] παρὰ τοῦ πλ. αὐτοῦ (10 a)  
— 35. οὕτως ἔριτε ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)  
26 (46). ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐτοῦ ἐλάλει (10 a)  
38 (31). 34. A ἕκαστος τὸν πλ. [B ἀδελφόν]  
αὐτοῦ (1)  
41 (34). 15. τοῦ καλέσαι ἀφ᾿ ἑσιν ἕκαστον τοῦ  
[A -ος τῷ] πλ. αὐτοῦ (10 a)  
— 17. τοῦ καλέσαι ἀφ᾿ ἑσιν ἕκαστος πρὸς τὸν  
[A B<sup>2</sup> add. ἀδελφὸν αὐτοῦ καὶ πρὸς  
τὸν] πλ. αὐτοῦ (1 + 10 a [10 a])  
43 (36). 16. συμβουλεύσαντο ἕκαστος πρὸς  
τὸν πλ. αὐτοῦ (10 a)  
Ep. Je. 43. τὴν πλ. ἀνεδίξιεν  
Ez. 18. 6. τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ οὐ μὴ  
μίαν (10 a)  
— 8. ἀνὰ μέσον ἀνδρὸς καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ πλ.  
αὐτοῦ †  
— 11. τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ ἐμίανε (10 a)  
— 15. τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. αὐτοῦ οὐ ἐμίανε (10 a)  
22. 11. ἕκαστος τὴν γυν. τοῦ πλ. αὐ. ἡγομou-  
σαν (10 a)  
38. 26. A ἀνὴρ τὸν πλ. αὐτοῦ ἐμίανει (10 a)  
40. 9. τὸ ἀλλὰ τὸν πυλῶνος πλ. τοῦ ἀλλὰ τῆς  
πύλης †  
41. 16. τὰ πλ. ἐξυλωμένα κύκλω †  
— 17. εὖος πλ. τῆς ἐστέρας †  
Da. Th. Su. 62. ἐν τῷ πλ. ἐποινεῖσαντο τῷ πλ.  
I Ma. 2. 40. B B ἐπὶ ἀνὴρ τῷ [A πρὸς τὸν] πλ. αὐ.  
3. 40. ἐπανεβάλον τῷ. Ἀμμ.  
— 43. ἵπταν ἕκαστος πρὸς τὸν πλ. αὐ.  
12. 33. AB εὖος Ἀσκ. καὶ τὰ πλ. ὀχυρώματα [B al.]  
II Ma. 1. 11. ἔτεροι δὲ πλ. συνδρομάντες  
III Ma. 1. 6. κερνε τὰ πλ. πόλεις  
6. 31. οἱ τὸ πλ. ἐποινέδισται καὶ πλ. τοῦ ἄδου  
IV Ma. 2. 5. οὐκ ἐπιθυμῆσεις τὴν γυναῖκα τοῦ πλ. σου  
οὐδὲ ὅσα τῷ πλ. σου ἐσσι  
5. 4. παρήχθη πλησίον αὐτοῦ  
8. 5. καὶ πλ. κατέσας φη  
12. 3. πλησιότερον αὐτὸν μετεπέμψατο  
— 10. δραμὸν ἐπὶ πλησίον τῶν τηγάνων  
[Aq. III Ki. 1. 9: Ez. 41. 9: Pr. 11. 9: 12. 26:  
Je. 9. 5 (4): Jb. 1. 15: 9. 2. 10. 16: Da. 10. 13.]  
[Sm. III Ki. 1. 9: Pr. 6. 1, 24; 29: 11. 9: 21. 10:  
10: Je. 29 (36). 23: Ez. 1. 15: 22. 12.]  
[Th. Jb. 16. 21: Pr. 6. 1: 11. 9: Is. 84. 14:  
Ez. 22. 12: 33. 26.]  
[Al. I Ki. 20. 41.]  
[Quint. Pr. 6. 29.]  
πλησίος. (1) ʾ<sup>l</sup>  
Ca. 5. 1. φάγετε, πλησίον [AB<sup>2</sup> οἱ πλησίον] (1)  
Si. 27. 18. B ἀπώλεσας τὴν φίλιαν τοῦ [AB B<sup>2</sup>  
-ιον]  
Je. 24. 1. μετὰ τὸ ἀποικίαι Ναβ. . . τοὺς πλου-  
σίους [B<sup>1</sup> πλσρ.]  
I Ma. 12. 33. B εὖος Ἀσκ. καὶ τῶν πλ. ὀχυρωμάτων  
[AB al.]

**πλησμονή.** (1) **מִלֵּךְ** (2) **מִלֵּךְ** (3) **מִלֵּךְ**  
(4) *a. מִלֵּךְ δ. מִלֵּךְ c. מִלֵּךְ d. מִלֵּךְ*  
*e. מִלֵּךְ f. מִלֵּךְ* (5) *ἐν πλησμονῇ*  
*ὦν מִלֵּךְ*  
Ec. 41. 30. ἐπιλήθουσιν τῆς πλ. (4*a*)  
Ec. 16. 3. ἠθίομεν ἄρτους εἰς πλησμονὴν (4*b*)  
— *κ. ἄρτους τὸ πρῶτ' εἰς πλησμονὴν* (4*c*)  
Ec. 25. 19. φάγεσθε εἰς πλησμονὴν (4*b*)  
28. 5. φάγεσθε τὸν ἄρτον ὑ. εἰς πλησμονὴν (4*b*)  
Ec. 38. 23. Νεφθ. πλησμονὴν δεκτὴν (4*d*)  
27. 7. οὐκ εἶχον πτεῖν εἰς πλησμονὴν ὕδωρ  
Ec. 31. B<sup>2</sup> τὸν ὑετὸν εἰς πλησμονὴν [A B S<sup>2</sup> om. εἰς πλ.]  
Ps. 77 (78). 25. ἐπιστασμών ἀπέστειλεν αὐτοῖς εἰς πλησμονὴν (4*b*)  
105 (106). 15. ἐξαπέστειλε πλησμονὴν +  
Ps. 8. 10. ἵνα πικρήσῃς τὰ ταμεῖα σου πλησμονῆς σίτα [A S<sup>2</sup> -ου] (4*a*)  
26. 16. τοῦ ἐν πλησμονῇ ἀποκομιζόντος ἀγγελίαν +  
27. 7. ψυχὴ ἐν πλησμονῇ οὐσα κηρίος ἐμπαίζει (5)  
Si. 1. 16. πλησμονῇ σοφίας φοβέσθαι τὸν κύριον  
18. 25. ἐν καιρῷ [A ἡμέρας] πλησμονῆς  
45. 21. ἄρτον . . . ἠτόμασε πλησμονὴν [A S ἐν πλησμονῇ]  
Io. 18. 6. ἐνεπλήθησαν εἰς πλησμονὴν (4*c*)  
1b. 2. 16. πλημονὴν ἀκμίας ἐκ διψῆς πίε (4*c*)  
Hg. 1. 6. ἐφάργετε καὶ οὐκ εἰς πλησμονὴν (4*c*)  
S. 1. 14. ἐνεληθιτέ μοι εἰς πλησμονὴν (2)  
30. 23. ὁ ἄρτος τοῦ γεννηματος τῆς γῆς σου ἔσται πλ. (1)  
55. 2. τὸν μόχθον ὡμὸν οὐκ εἰς πλησμονὴν (4*c*)  
56. 11. οἱ κύνας ἀναδίδει τῇ ψυχῇ οὐκ εἰδότες πλησμονὴν (4*c*)  
65. 15. καταλείψετε τὸ δρομά εἰς εἰς πλησμονὴν +  
Ec. 14. 22. εἰ δ' οὐρανὸς δώσει πλησμονὴν αὐτοῦ (3)  
a. 6. 5. Ἀσσοῦρ εἰς πλησμονὴν αὐτῶν (4*c*)  
c. 16. 49. ἐν πλησμονῇ ἄρτων (4*f*)  
39. 19. φάγεσθε στέαρ εἰς πλησμονὴν (4*c*)  
[A*Q*. Ec. 26. 33 bis: Ps. 15 (16). 11: Is. 23. 18: J*e*. 5. 24.]  
[S*m*. Ec. 26. 33 bis: Ps. 15 (16). 11: Ec. 5. 11: Is. 23. 18: 55. 2.]  
[Th. J*e*. 5. 24.]  
[Quint. Ho. 7. 14.]

**πλήσσειν.** (1) **מִלֵּךְ** hi. (2) **מִלֵּךְ** ni. (3) **מִלֵּךְ**  
*a. ni. δ. pu. c. hi. d. hoph. e. מִלֵּךְ*  
(4) **מִלֵּךְ** (5) **מִלֵּךְ** (6) **מִלֵּךְ** pi.  
(7) **מִלֵּךְ** ὑπὸ מִלֵּךְ  
Ec. 9. 31. ἡ κριθὴ ἐπλήθη (3*b*)  
— 32. ὁ δὲ πρὸς τὴν καὶ ὀλῦρα οὐκ ἐπλήθησαν [A -γη] (3*b*)  
26. 3. πληγγέντες ὑπὸ κυρίου (7)  
22. 2 (1). καὶ πληγῆς ἀποδάνη (3*d*)  
Nu. 25. 14. τὸ δὲ δόγμα τοῦ ἀνθρ. . . τοῦ πεπληγόντος δὲ ἐπλήγη μετὰ τῆς Μαδ. (3*d*, 3*d*)  
— 15. δόγμα τῇ γυναικί . . . τῇ πεπληγυῖα (3*d*)  
— 18. διὰ Χασβί . . . τὴν πεπληγυῖαν (3*d*)  
d. 20. 36. εἶδον . . . ὅτι ἐπλήγησαν [A al.] (2)  
Ki. 4. 2. ἐπλήγησαν ἐν τῇ παρατάξει (3*c*)  
5. 12. ἐπλήγησαν ἐν βάσι ἑδρας (3*c*)  
11. 11. A ἐπλήξεν [B ἔτυπον] τοὺς υἱοὺς Ἀ. (3*d*)  
I Ki. 1. 12. ἐπλήγησαν ἐν ρομφαίᾳ (3*c*)  
4. 4. υἱὸς πεπληγὼς τοὺς πόδας (3*e*)  
9. 3. υἱὸς . . . πεπληγὼς τοὺς πόδας (3*e*)  
11. 15. πληγήσεται καὶ ἀποθάνεταί (3*a*)  
— 20. B<sup>2</sup> πληγγέσσεσθαι ἀπάνωθεν τοῦ τείχους [A B<sup>1</sup> al.] +  
— 22. πληγγέσσεσθαι ἀπὸ τοῦ τείχους +  
II Ki. 14. 14. A δε πληγῆς τὸν οἶκον Ἱερ. (1)  
— 14. A κύριος πλήξει τὸν Ἱσρ. (3*c*)  
I Ch. 29. 9. πεπλήγησαν οἱ πατέρες ὡμῶν (4)  
I Es. 6. 11. πληγήσεται [A παγ.] ἐπ' αὐτοῦ (3*d*)  
S. 101 (102). 4. ἐπλήγη [B<sup>1</sup> -η] ὡσεὶ χόρτος (8)  
Ps. 7. 23. ἥ ὡς ἐλαφὸς τοξέυματι πεπληγὼς εἰς τὸ ἥμαρ (6)  
28. 32. ὥσπερ ὑπὸ ὄφρεως πεπληγὼς ἐκτείνεται (5)  
Vi. 19. 17. ἐπλήγησαν ἐν καὶ δασαρίᾳ (3*d*)  
ca. 13. 6. δε ἐπλήγη ἐν τῷ οἴκῳ (3*d*)  
S. 1. 5. ῥί τιτι πληγγεῖ (3*d*)  
9. 13 (12). ὥς ἐπλήγη (3*d*)

Is. 27. 7. αὐτὸς οὗτως πληρήσεται (8 c)  
I Ma. 9. 55. ἐπλήρη ἄλκιμος  
III Ma. 2. 22. Ἡ πεπληγμένον [B περιπελεγμ.]  
κρίσεις  
IV Ma. 14. 19. πλῆσσοις τοὺς προσιώντας τῇ νοσσιᾷ  
αὐ.  
[Aq. Ge. 4. 15: 14. 17: Ex. 5. 16: I Ki. 2.  
14: 24. 6: II Ki. 1. 1: 6. 7: 21. 2: III Ki.  
14. 14, 15: Jb. 38. 16: Ps. 3. 8: 77 (78). 66:  
Pr. 17. 22: Is. 37. 38: 66. 2: Mi. 5. 1  
(4, 14).]  
[Sm. I Ki. 5. 6: Jb. 32. 4: Ps. 72 (73). 5: Is.  
10. 24: 53. 4: Je. 40 (47). 14.]  
[Th. Pr. 17. 10: 18. 14: Is. 53. 4.]  
[Heb. Jb. 19. 6.]

**πλινθάριον.**

[Al. Ex. 5. 16.]

**πλινθεία** (-ία). (1) α. 𐤀𐤃𐤁𐤏 δ. 𐤀𐤃𐤁𐤏

Ex. 1. 14. ἐν τοῖς ἔργοις τοῖς σκλ. . . τῇ πλ. (1 a)  
5. 8. τὴν σύνταξιν τῆς πλ. [A πλινθουργίας] (1 a)  
— 14. τὰς συντάξεις ὑμῶν τῆς πλ. (1 b)  
— 18. τὴν σύνταξιν τῆς πλ. (1 a)  
— 19. οὐκ ἀπολείψετε τῆς πλ. τὸ καθήκον (1 a)

**πλινθῆιον, πλινθῆιον.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏

II Ki. 12. 31. διήγαγεν [A ἀπήγ.] αὐτοὺς διὰ  
τοῦ πλ. (1, †)  
III Ki. 3. 1. ἐπὶ τῇ αὐλαρχίᾳ καὶ ἐπὶ τοῦ πλ. —  
[Aq. Je. 48 (50). 9.]  
[Sm. Je. 48 (50). 9: Ez. 4. 1.]  
[Th. II Ki. 20. 23: Je. 48 (50). 9.]

**πλινθῆειν.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏

Ge. 11. 3. πλινθῆσμεν πλίνθους (1)  
**πλίνθος.** (1) α. 𐤀𐤃𐤁𐤏 δ. 𐤀𐤃𐤁𐤏  
Ge. 11. 3. πλινθῆσμεν πλίνθους (1 a)  
— 3. ἐγένετο αὐτοῖς ἡ πλ. εἰς λίθον (1 a)  
Ex. 5. 16. τὴν πλ. ἥμιν λέγουσι ποιεῖν (1 a)  
24. 10. ὥστε ἔργον πλίνθου σαφείρου [A -os] (1 a)  
Ju. 5. 11. ἐν πόρῳ [B πηλῶ] καὶ πλίνθῳ  
Mi. 7. 11. ἡμέρας ἀλοιφῆς πλίνθου  
Na. 3. 14. καταράτησον ὑπὲρ πλίνθον (1 b)  
Is. 9. 10 (9). πλίνθοι πεπτάκασιν  
24. 23. τακῆσεται ἡ πλ. †  
85. 3. θυμῶσιν ἐπὶ τοῖς πλ. τοῖς δαιμονίοις (1 a)  
Ez. 4. 1. λάβε σεαυτῷ πλίνθον (1 a)

**πλινθουργία.** (1) α. 𐤀𐤃𐤁𐤏 δ. 𐤀𐤃𐤁𐤏

Ex. 5. 7. διδόναι ἄχυρον . . . εἰς τὴν [A<sup>2</sup> om.]  
πλ.  
— 8. Ἀ τὴν σύνταξιν τῆς πλ. [B πλινθείας] (1 a)  
[Al. Ex. 5. 16.]

**πλοῖον.** (1) α. 𐤀𐤃𐤁𐤏 δ. 𐤀𐤃𐤁𐤏 (2) 𐤀𐤃𐤁𐤏

(3) 𐤀𐤃𐤁𐤏

Ge. 49. 13. καὶ αὐτὸς παρ' ὄρμον πλοίων (1 b)  
De. 28. 68. ἀποστρέψει σε . . . ἐν πλοίοις (1 b)  
Jd. 5. 17. εἰς τί παροικεῖς πλοίοις (1 b)  
II Ch. 8. 18. ἀπέστειλε Χ. . . πλοῖα (1 b)  
9. 21. ἤρχετο πλοῖα [A -ov] ἐκ Θ. (1 b)  
20. 36. B τοῦ ποιῆσαι πλοῖα (1 b)  
— 36. καὶ ἐποίησε πλοῖα (1 b)  
— 37. συνετρίβη τὰ πλ. σου (1 b)  
Jb. 40. 26 (31). καὶ ἐν πλοίοις ἀλιεῖν κεφαλὴν  
αὐτοῦ †  
Ps. 47 (48). 7. συντρίψει [A -ει] πλοῖα Θ. (1 b)  
108 (104). 26. Ἀ<sup>2</sup>B<sup>2</sup>SB<sup>2</sup> ἐκεῖ πλοῖα διαπορεύου-  
ται (1 b)  
108 (107). 23. οἱ καταβαίνοντες εἰς θάλασσαν  
ἐν πλοίοις (1 b)  
Wi. 14. 1. τοῦ φέροντος αὐτὸν πλ. [A ξύλον]  
Si. 86 (83). 2. ὡς ἐν καταγίᾳ πλοῖον (1 b)  
Jn. 1. 3. εὐρε πλοῖον βαδίζον εἰς Θ. (1 b)  
— 4. τὸ πλ. ἐκινδύνευε τοῦ συντρίβῃναι (1 b)  
— 5. τῶν σκευῶν τῶν ἐν τῷ πλ. (1 b)  
— 5. καταβῆ εἰς τὴν κοιλίαν τοῦ πλ. (2)  
Ma. 3. 2. B<sup>2</sup> ὡς πλοῖα [A B<sup>2</sup> ποῖα] πλυνόντων †  
Is. 2. 16. ἐπὶ πᾶν πλ. θαλάσσης καὶ ἐπὶ πᾶσαν  
θῆν πλοίων κάλλους (1 b, †)  
11. 14. περασθήσονται ἐν πλοίοις ἀλλοφύλων †  
18. 1. οὐαὶ γῆς πλοίων πτέρυγες †  
23. 1. ὁλοῦσατε, πλοῖα Καρχηδόνος (1 b)

Is. 23. 10. πλοῖα οὐκ εἶναι ἐκ Καρχηδόνος †  
— 14. ὁλοῦσατε, πλοῖα Καρχηδόνος (1 b)  
38. 21. οὐδὲ πορεύσεται πλ. ἐλαῦνον (1 a + 8)  
48. 14. ἐν πλοίοις [A B<sup>2</sup> κλ.] δεθήσονται (1 b)  
60. 9. πλοῖα Θαρσίς ἐν πρώτοις (1 b)  
Ez. 27. 9. πάντα τὰ πλ. τῆς θαλάσσης . . . ἐγί-  
νοντο σοὶ (1 b)  
— 25. κυπαρίσσινα πλοῖα [A ἐν κ. πλοίοις] (1 b)  
— 29. καταβήσονται ἀπὸ τῶν πλ. (1 b)  
Da. LXX. 11. 40. ἐν ἵπποις πολλοῖς καὶ ἐν πλ.  
πολλοῖς (1 b)  
I Ma. 8. 26. οὐδὲ ἐπαρκέσουσι . . . πλοῖα [B<sup>2</sup> -ov]  
— 28. SB<sup>2</sup> οὐ δόθησεται . . . πλοῖα [A om.]  
11. 1. ἤβρουν . . . πλ. πολλὰ  
13. 29. ἐποίησεν . . . παρὰ ταῖς πανοπλίαις πλοῖα  
15. 3. κατεσκεύασα πλ. πολεμικά  
— 14. Ἀ B τὰ πλ. ἀπὸ θαλάσσης συνήψαν  
— 37. Τρ. δὲ ἐμβὰς εἰς πλοῖον  
III Ma. 4. 7. μέχρη τῆς εἰς τὸ πλ. ἐμβολῆς  
— 9. τοῖς ζυγοῖς τῶν πλ. προσηλωμένοι τοὺς τρα-  
χήλους  
[Aq. Ez. 27. 25.]  
[Sm. Is. 38. 21.]

**πλόκαμος.**

III Ma. 1. 4. B τοὺς πλ. [A πολέμους] λελυμένη  
[Aq. Ca. 4. 9.]

**πλοκή.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (2) 𐤀𐤃𐤁𐤏

Ex. 28. 14. δύο κροσσῶν . . . ἔργον πλοκῆς (2)  
III Ki. 6. 18. Ἀ πλοκὴν ἐπαναστήσεις (1)  
Si. 41. 19. B ἀπὸ τόπου οὐ παροικεῖς περὶ πλοκῆς  
[A B κλοπῆς]  
Ez. 7. 10. Ἀ ἐξῆλθεν ἡ πλ. †  
[Sm. III Ki. 6. 18.]  
[Th. Ez. 7. 7, 10.]

**πλόκιον.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏

Ca. 7. 5 (6). πλόκιον κεφαλῆς σου ὡς πορφύρα (1)

**πλοῦς.**

Wi. 14. 1. πλοῦν τις πάλιν στελλόμενος  
**πλούσιος.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (2) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (3) α. 𐤀𐤃𐤁𐤏  
δ. 𐤀𐤃𐤁𐤏 hi. (4) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (5) εἶναι πλούσιος  
𐤀𐤃𐤁𐤏  
Ge. 13. 2. ἈB. δὲ ἦν πλ. σφόδρα κτήνεις (6)  
Ru. 3. 10. εἶνοι πτωχὸς εἶνοι πλούσιος (3 a)  
I Ki. 2. 10. μὴ καυχᾶσθαι ὁ πλ. ἐν τῷ πλούτῳ αὐ. —  
II Ki. 12. 1. εἰς πλ. καὶ εἰς πένης (3 a)  
— 2. τῷ πλ. ἦν τοῖμα (3 a)  
— 4. ἤλθε πάροδος τῷ ἀνδρὶ τῷ πλ. (3 a)  
I Es. 8. 19. τὴν τε τοῦ πένους καὶ τὴν τοῦ πλ.  
— 21. πᾶσας καρδίας ποιεῖ πλουσίους  
Es. 1. 20. ἀπὸ πτωχοῦ ἔως πλουσίον †  
Jb. 27. 19. ἈB<sup>2</sup> πλούσιος κοιμηθεῖς [B<sup>2</sup>B -θή-  
σται] (3 a)  
Ps. 9. 29 (10. 8). ἐγκάθηται ἐνέδρα μετὰ πλου-  
σίων ἐν ἀποκρίφει †  
33 (34). 10. πλοῖσι ἐπτάχουσιν (1)  
44 (45). 12. τὸ πρόσωπόν σου λιτανεύουσιν  
οἱ πλ. τοῦ λαοῦ (3 a)  
48 (49). 2. ἐπὶ τὸ αὐτὸ πλούσιος καὶ πένης (3 a)  
Pr. 10. 15. κτήσις πλουσίων πόλις ὀχυρά (3 a)  
14. 20. φίλοι δὲ πλουσίων πολλοὶ (3 a)  
18. 11. ὑπαρξὶς πλουσίον ἀνδρὸς πόλις ὀχυρά (3 a)  
19. 22. κρείσσον δὲ πτωχὸς δίκαιος ἢ πλούσιος  
ψευδῆς [A B<sup>2</sup> ψεύστης] †  
22. 2. πλούσιος καὶ πτωχὸς συνήρτησαν ἀλλή-  
λους (3 a)  
— 7. πλούσιος πτωχὸν ἄρξουσι (3 a)  
— 16. διδῶσι δὲ πλούσιον ἐπ' ἐλάσσονι (3 a)  
23. 4. μὴ παρεκτείνων πένιν ὢν πλουσίῳ (3 b)  
28. 6. κρείσσων πτωχὸς πορεύμενος ἐν ἀληθείᾳ  
πλουσίον ψευδοῦς (3 a)  
— 11. σοφὸς παρ' ἑαυτῷ ἀνὴρ πλούσιος (3 a)  
Ec. 10. 6. πλούσιον ἐν ταπεινῷ καθίσονται (3 a)  
— 20. μὴ καταρσῇ πλούσιον (3 a)  
Wi. 8. 5. τί σοφία πλουσιώτερον [B τιμώτ.] τῆς  
τὰ πάντα ἐργαζομένης [B<sup>2</sup> πτεμεργ.]  
Si. 8. 2. μὴ ἔριζε μετὰ ἀνθρώπου πλουσίον  
10. 22. πλούσιος καὶ ἐνδοξος . . . τὸ καύχημα αὐτῶν  
φῶβος κυρίου  
— 30. πλούσιος δοξάζεται διὰ τὸν πλοῦτον αὐτοῦ

Si. 13. 2. ἰσχυροτέρῳ σου καὶ πλουσιωτέρῳ μὴ [A B  
σου μὴ] κοινῶς  
— 3. πλούσιος ἡδίκησε καὶ αὐτὸς προσεβεβημένον  
— 18. τίς εἰρήνη πλουσίῳ πρὸς πένιν  
— 19. οὕτως νομαὶ πλουσίον πτωχοῖ  
— 20. οὕτως βδέλυγμα πλουσίῳ πτωχός  
— 21. πλούσιος σαλευόμενος στηρίζεται ὑπὸ φίλων  
— 22. πλουσίον σφοδρῶς πολλοὶ ἀντιλήπτορες  
— 23. πλούσιος ἐλάλησε καὶ πάντες εἰσέησαν  
25. 2. πτωχὸν ὑπερέφρανον καὶ πλουσίον ψεύστην  
26. 4. πλουσίον δὲ καὶ πτωχοῦ καρδία ἀγαθὴ  
30. 14. πλούσιος μεμαστιγμένος εἰς σῶμα αὐτοῦ  
84 (81). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρημά-  
των  
— 8. μακάριος πλούσιος δε εὐρέθῃ ἄμωμος  
44. 6. ἀνδρες πλούσιοι κεχορηγμένοι ἰσχύι  
Is. 5. 14. καταβήσονται . . . οἱ πλ. †  
32. 9. γυναῖκες πλούσιαι, ἀνάστητε (4)  
— 13. πόλις πλουσία (2)  
38. 20. πόλις πλουσία (4)  
58. 9. ὁσὼν . . . τοὺς πλ. ἀπὸ τοῦ θανάτου αὐ. (3 a)  
Je. 9. 23 (22). μὴ καυχᾶσθαι ὁ πλ. ἐν τῷ πλού-  
τῳ αὐτοῦ (3 a)  
24. 1. μετὰ τὸ ἀποκίσει . . . τοὺς πλ. [B<sup>2</sup>  
πλσ.]  
Da. LXX. TH. Su. 4. ἦν ἱ. πλούσιος σφόδρα  
I Ma. 6. 2. τὸ ἱερὸν τὸ ἐν αὐτῇ πλούσιον σφόδρα  
[Aq. II Ki. 12. 4: Ps. 21 (22). 13 (P.).]  
[Sm. II Ki. 12. 4: Jb. 34. 19 (P.): Pr. 12. 24:  
22. 16: Ec. 5. 11: 10. 6.]  
[Th. II Ki. 12. 4: Pr. 18. 23.]  
[Al. Le. 25. 47.]

**πλουτεῖν.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (2) α. 𐤀𐤃𐤁𐤏 qal. δ. hi.

c. 𐤀𐤃𐤁𐤏 (3) 𐤀𐤃𐤁𐤏

Ge. 80. 43. ἐπλούτησεν ὁ ἀνθρ. σφόδρα σφ. (3)  
Ex. 30. 15. ὁ πλοῦτῶν οὐ προυθήσει (2 c)  
Ju. 15. 6. καὶ ἐπλούτησαν σφόδρα  
Ps. 48 (49). 16. ὅταν πλουτήσῃ ἄνθρωπος (2 b)  
Pr. 28. 22. σπείδει πλουτεῖν ἀνὴρ βάσκακος (1)  
31. 28. καὶ ἐπλούτησαν †  
Ec. 5. 11. τῷ ἐμπλησθέντι τοῦ πλουτήσαι (2 c)  
Si. 11. 18. ἔστι πλοῦτῶν ἀπὸ προσοχῆς  
— 21. Ἀ κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτή-  
σαι [B B<sup>2</sup> -ισαι] πένιντα  
Ho. 12. 8 (9). πλὴν πεπλούτηκα (2 a)  
Za. 11. 5. καὶ πεπλούτηκαμεν (2 b)  
Je. 5. 27. ἐμεγαλύνθησαν καὶ ἐπλούτησαν (2 b)  
Ez. 27. 33. B ἐπλούτησας [A B<sup>2</sup> -ισας] πάντας  
βασίλεις (2 b)  
Da. LXX. TH. 11. 2. πλουτήσῃ πλοῦτον μέγαν (2 b)  
[Aq. Pr. 21. 17: 23. 4.]  
[Sm., Th. Pr. 21. 17.]  
[Al. Pr. 28. 20.]

**πλουτίζειν.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏 a. qal. δ. hi. c. hithpa.

Ge. 14. 23. ἐγὼ ἐπλούτισα τὸν Ἀβραμ (1 b)  
I Ki. 2. 7. κυρίως πτωχὶ καὶ πλουτίζει (1 b)  
Jb. 15. 29. οὐτε μὴ πλουτισθῇ (1 a)  
Ps. 64 (65). 9. ἐπλήθυνας τοῦ πλουτίσαι αὐτὴν (1 b)  
Pr. 10. 4. χεῖρες δὲ ἀνδρείων πλουτίζουν (1 b)  
— 22. B B<sup>2</sup> αὕτη πλουτίζει (1 b)  
18. 7. εἰσὶν οἱ πλουτίζοντες ἑαυτοὺς [A al.] (1 c)  
Wi. 10. 11. καὶ ἐπλούτησεν αὐτόν  
Si. 11. 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλου-  
τίσαι [A -ῆσαι] πένιντα  
19. 1. ἐργάτης μέθυσος οὐ πλουτισθήσεται  
Ez. 27. 33. A B ἐπλούτησας [B -ῆσας] πάντας  
τοὺς βασίλεις (1 b)  
II Ma. 7. 24. ἅμα πλουτεῖν καὶ μακαριστὸν ποιῆσαι  
[Sm. Ps. 64 (65). 10.]  
**πλούτος.** (1) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (2) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (3) 𐤀𐤃𐤁𐤏  
(4) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (5) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (6) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (7) α. 𐤀𐤃𐤁𐤏  
δ. 𐤀𐤃𐤁𐤏 hi. c. 𐤀𐤃𐤁𐤏 (8) 𐤀𐤃𐤁𐤏 (9) 𐤀𐤃𐤁𐤏  
Ge. 31. 16. πάντα τὸν πλ. καὶ τὴν δόξαν (7 a)  
De. 33. 19. πλοῦτος θαλάσσης θηλάσει σε (9)  
I Ki. 2. 10. μὴ καυχᾶσθαι ὁ πλούσιος ἐν τῷ πλ.  
αὐτοῦ  
— 17. 25. Ἀ πλουτίσει αὐτὸν ὁ βασιλ. πλ. μέγαν (7 a)  
III Ki. 3. 11. οὐκ ᾔτησεν πλοῦτον (7 a)  
— 13. διδῶκα σοὶ καὶ πλοῦτον καὶ δόξαν (7 a)  
10. 23. ἐμεγαλύνθη . . . πλοῦτῳ καὶ φρονήσει (7 a)

I Ch. 29. 12. παρὰ σοῦ ὁ πλ. (7 a)  
 — 28. ἐτελεύτησεν . . . πλοῦτον καὶ δόξῃ (7 a)  
 II Ch. 1. 11. οὐκ ἤγησεν πλοῦτον χρημάτων (7 a)  
 — 12. πλοῦτον . . . δώσω σοι (7 a)  
 9. 22. ἐμεγαλύνῃς 2. . . πλοῦτῃ (7 a)  
 17. 5. ἐγένετο αὐτῷ πλοῦτος (7 a)  
 18. 1. ἐγενήθη τῷ Ἰωσ. 2. πλοῦτος (7 a)  
 32. 27. ἐγένετο τῷ Ἐξ. πλοῦτος (7 a)  
 To. 12. 8. Β μάλλον ἢ πλοῦτος μετὰ ἀδικίας [A B al.]  
 Es. 1. 4. μετὰ τὸ δεῖξαι αὐτοῖς τὸν πλ. τῆς βασ. αὐ. καὶ τὴν δόξαν τῆς εὐφροσύνης τοῦ πλ. αὐ. (7 a, 2)  
 5. 11. ὑπέδειξεν αὐτοῖς τὸν πλ. αὐ. (8 + 7 a)  
 10. 2. πλοῦτον τε καὶ δόξαν τῆς βασ. αὐ. †  
 Jb. 20. 15. πλοῦτος ἀδικος συναγόμενος ἐξεμ-  
 θήσεται (5)  
 — 18. πλοῦτον ἐξ οὗ οὐ γέσσεται (5)  
 21. 7. πεπαιδαιώθηται δὲ καὶ ἐν [A om.] πλοῦτῃ (5)  
 27. 18. Α καὶ ὥσπερ ἀράχνη ὁ πλ. αὐτοῦ [B S om. ὁ πλ. αὐ.] †  
 31. 25. πολλοὺ πλοῦτον μοι γενομένου (5)  
 Ps. 36 (37). 3. ποιμανθήσῃ ἐπὶ τῷ πλ. αὐτῆς †  
 — 16. ὑπὲρ πλοῦτον ἀμαρτωλῶν πολὺν (4)  
 48 (49). 6. ἐπὶ τῷ πλ. τοῦ πλ. αὐτῶν (7 a)  
 — 10. καταλείψουσιν ἀλλοτρίους τὸν πλ. αὐ. (5)  
 51 (52). 7. B S' ἐπληρίσεν ἐπὶ τὸ πλῆθος [S' τῷ πλ.] τοῦ πλ. αὐτοῦ (5)  
 61 (62). 10. πλοῦτος ἂν βίῃ (5)  
 72 (73). 12. εἰς τὸν αἰῶνα κατέσχον πλοῦτον (5)  
 75 (76). 5. οὐχ εὖρον οὐδὲν πάντες οἱ ἄνθρωποι τοῦ πλ. (5)  
 111 (112). 3. πλοῦτος ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ (7 a)  
 118 (119). 14. ἐτέρωθεν ὡς ἐπὶ παντὶ πλοῦτῳ (3)  
 Pr. 3. 16. ἐν δὲ τῇ ἀριστερᾷ αὐτῆς πλοῦτος (7 a)  
 8. 16. πλοῦτος καὶ δόξα ἐμοὶ ὑπάρχει (7 a)  
 11. 16. πλοῦτον ὁκνηροὶ ἐνδεεῖς γίνονται οἱ δὲ ἄνδρες οἱ εἰσὶν αὐτοῖς πλοῦτῳ (—, 7 a)  
 — 28. ὁ πεποιθὸς ἐπὶ πλοῦτῳ οὗτος πεσεῖται (7 a)  
 13. 7. εἰσὶν οἱ ἀπειθοῦντες ἑαυτοῦς ἐν πολλῷ πλ. (3)  
 8. 17. ὁ λυτὸν ἀνδρὸς ψυχῆς ὁ ἴδιος πλ. (7 a)  
 — 22. θησαυρίζεται δὲ δικαίους πλοῦτος ἀσεβῶν (5)  
 — 23. δικαίους ποιήσονται ἐν πλοῦτῳ ἐτὴ πολλὰ †  
 19. 1 (4). πλοῦτος προστίθεται φίλους πολλοὺς (3)  
 21. 17. φίλων οὐκ ἔχει καὶ εὐλαίαν εἰς πλοῦτον (7 b)  
 22. 1. αἰρετώτερον ὄνομα καλὸν ἢ πλ. πολὺς (7 a)  
 — 4. πλοῦτος καὶ δόξα καὶ ζωὴ †  
 24. 4. ἐμπίμπλαται ταμίαι ἐκ παντὸς πλοῦτου ταιμίου καὶ καλοῦ (3)  
 — 31 (30. 8). πλοῦτον δὲ . . . μὴ μοι δῶς (7 a)  
 — 71 (31. 3). μὴ δῶς γιναιξὶ σὸν πλ. (5)  
 28. 8. ὁ πληθύνων τὸν πλ. αὐτοῦ μετὰ τόκων (3)  
 29. 3. ὅς δὲ ποιμαίνει πόρνας ἀπολείπει πλοῦτον (3)  
 31. 14. Α B' συναίγει δὲ αὐτῆς τὸν πλ. [B S' αὐτὴ τὸν βίον] †  
 — 29. πολλὰι θυγατέρες ἐκτήσαντο πλοῦτον (5)  
 Ec. 4. 8. ὀφθαλμὸς αὐτοῦ οὐκ ἐμπίμπλαται πλοῦτον (7 a)  
 5. 12. πλοῦτον φυλασσόμεν. τῷ παρ' αὐτοῦ (7 a)  
 — 13. καὶ ἀπολείπει ὁ πλ. ἐκείνος (7 a)  
 — 18. φ' ἔδρακεν αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον (7 a)  
 6. 2. ἀνὴρ φ' δώσει αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον (7 a)  
 9. 11. οὗ τοῖς συνετοῖς πλοῦτος [A B ὁ πλ.] (7 a)  
 Wi. 5. 8. τί πλοῦτος μετὰ ἀλαζονείας συμβέβηται ἡμῖν  
 6. 14. B' πᾶρεδρον γὰρ εὐρήσει τῶν πλ. [A B S' πυλῶν] αὐτοῦ  
 7. 8. πλοῦτον οὐδὲν ἡγήσαμένη ἐν συγκρίσει αὐτῆς  
 — 11. ἀναριθμητος πλοῦτος ἐν χερσὶν αὐ. (3)  
 — 13. τὸν πλ. αὐτῆς οὐκ ἀποκρυπτομαι  
 5. εἰ δὲ πλοῦτος ἐστὶν ἐπιθυμῶν κτήμα ἐν βίῃ  
 — 18. ἐν πόντοις χερῶν αὐτῆς πλοῦτος [B' τέρψις] ἀνεκλείπτῃ  
 Si. 10. 30. πλοῦσιος δοξάζεται διὰ τὸν πλ. αὐτοῦ  
 — 31. ὁ δὲ δοξάζει. ἐν πτωχείᾳ καὶ ἐν πλοῦτῳ πο-  
 σαχῶς [B -απλῶς]; καὶ ὁ ἀσέβος ἐν πλοῦτῳ καὶ ἐν πτωχείᾳ ποσαχῶς [B' -απλῶς]  
 11. 14. πτωχεῖα καὶ πλοῦτος παρὰ κυρίου ἐστὶ  
 13. 24. ἀγαθὸς ὁ [A ἐστὶν ὁ] πλ. φ' μὴ ἐστὶν ἀμαρτία  
 14. 3. ἀνδρὶ μεροληψῶ οὐ καλὸς ὁ πλ.  
 18. 25. μνησθῆτι . . . ἐνδεῶν ἐν ἡμέραις πλοῦτον  
 21. 4. καταπληγμὸς καὶ ὕβρις ῥημάτωσσι πλοῦτον  
 24. 17. τὰ ἄνθη μου καρπὸς δόξης καὶ πλοῦτον  
 28. 10. κατὰ τὸν πλ. ἀνυψώσει ὀργὴν αὐτοῦ  
 30. 16. οὐκ ἐστὶ πλοῦτος βελτιῶν υγιείας σώματος  
 34 (31). 1. ἀγρυπνία πλοῦτον ἐκτρέπει σάρκα  
 Mi. 6. 12. τὸν πλ. αὐ. ἀσεβείας ἐπληραῖ (7 c)

Is. 16. 14. ἀτμασθήσεται ἡ δόξα Μωῦθ [A B add. ἐν] παντὶ τῷ πλ. τῷ πολλῷ (4)  
 24. 8. A B S' πέπανται ἀθαβία καὶ πλ. ἀσεβῶν —  
 29. 2. ἔσται αὐτῆς ἡ ἰσχὺς καὶ ὁ [A S τὸ] πλ. ἐμοὶ †  
 — 5. Α B B' ἀπὸ τροχοῦ [B τοίχ.] ὁ πλ. τῶν ἀσεβῶν (4)  
 — 7. ἔσται ὡς ἐνυπνιαζόμενος καθ' ὕπνου νυκτὸς ὁ πλ. ἀπάντων τῶν ἰδόνων (4)  
 — 8. οὕτως ἔσται ὁ πλ. πάντων τῶν ἰδόνων (4)  
 30. 6. ἔφερον . . . τὸν πλ. αὐ. (5 + 1)  
 32. 14. οἱ οἰκοὶ ἐγκαταλείμμενοι πλοῦτον πόλεως ἀφήσουσιν (4)  
 — 18. ἀναπαύονται μετὰ πλοῦτον †  
 60. 5. μεταβαλεῖ εἰς σέ πλ. θαλάσσης (4 + 5)  
 — 16. πλοῦτον βασιλείων φάγεται †  
 61. 6. ἐν [A ἐπὶ] τῷ πλ. αὐ. θαυμασθήσεσθε (6)  
 Je. 9. 23 (22). μὴ καυχᾶσθω ὁ πλοῦσιος ἐν τῷ πλ. αὐτοῦ (7 a)  
 17. 11. ποῶν πλοῦτον αὐ. οὐ μετὰ κρίσεως (7 a)  
 Ep. Je. 35. οὐδὲ πλοῦτον οὐδὲ χαλκὸν οὐ μὴ δύνανται διδοῦναι  
 Ez. 26. 12. Α σκυλεύσει τὸν πλ. [B τὰ ὑπάρ-  
 χοντα] σου (8)  
 Da. LXX. 11. 2. πλοῦτησιν πλ. μέγαν (7 a)  
 — 2. ἐν τῷ κατισχύσει αὐτὸν ἐν τῷ πλ. αὐ. (7 a)  
 Da. TH. 11. 2. πλοῦτησιν πλ. μέγαν (7 a)  
 — 2. μετὰ τὸ κρατῆσαι αὐτὸν τοῦ πλ. αὐ. (7 a)  
 I Ma. 4. 23. ἔλαβον . . . πλ. μέγαν  
 6. 1. πόλις ἐνδοξὸς πλοῦτῳ  
 [Aq. Pr. 14. 24: Ez. 27. 12, 18, 27, 33: Da. 11. 2 (Sw.).]  
 [Sm. Ps. 61 (62). 11: Pr. 1. 13: 14. 24: Is. 38. 6: Ez. 27. 12, 18: Da. 11. 2 (Sw.).]  
 [Th. Pr. 11. 16: 14. 24: Ez. 27. 12, 18, 27, 33: Da. 11. 2.]  
 [Al. Ez. 22. 25.]

πλύνειν. (1) Πῆ hi. (2) D22 a. pi. δ. ru.

c. hothpa. (3) ΓΠ

Ge. 49. 11. πλυνεῖ ἐν οὖν τὴν στολὴν αὐ. (2 a)  
 Ex. 19. 10. πλυνάσωνται [A -νοῦσιν] τὰ ἱμάτια (2 a)  
 — 14. ἔπλυνον τὰ ἱμάτια (2 a)  
 29. 17. πλυνεῖς τὰ ἐνδοσθία (3)  
 Le. 1. 9, 13. τοὺς πόδας πλυνούσιν ὕδατι (3)  
 6. 27 (20). πλυνθήσεται ἐν τόφῳ ἀγίῳ (2 a)  
 8. 19 (21). τοὺς πόδας ἐπλυνεν ὕδατι (3)  
 9. 14. ἔπλυνον τὴν κοιλίαν (3)  
 11. 25, 28, 40, 40 (A<sup>3</sup> B). πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)  
 13. 6, 34. πλυνάμενος τὰ ἱμάτια (2 a)  
 — 54. πλυνεῖ φ' οὐ ἐὰν ἢ ἐπ' αὐτοῦ ἡ ἀφή (2 a)  
 — 55. μετὰ τὸ πλυνθῆναι αὐτὸν τὴν ἀφήν (2 c)  
 — 56. μετὰ τὸ πλυνθῆναι αὐτὸ [A al.] (2 c)  
 — 58. πᾶν σκεῦος θερμάτουν δὲ πλυνθήσεται (2 a)  
 — 58. πλυνθήσεται τὸ δεύτερον (2 b)  
 14. 8. πλυνεῖ . . . τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 — 9. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)  
 — 47 δις: 15. 5, 6. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 15. 7, 8. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)  
 — 10. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 — 11. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)  
 — 13. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 — 17. πλυνθήσεται ὕδατι (2 b)  
 — 21, 22. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 — 27: 16. 26, 28. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)  
 17. 15. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 — 16. ἐὰν δὲ μὴ πλύνῃ τὰ ἱμάτια (2 a)  
 Nu. 8. 7. πλυνούσι τὰ ἱμάτια αὐτῶν (2 a)  
 — 21. ἐπλυναντο [A -ναν] τὰ ἱμάτια (2 a)  
 19. 7, 8. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 — 10. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια (2 a)  
 — 19, 21. πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (2 a)  
 31. 24. πλυνθήσεται τὰ ἱμάτια (2 a)  
 II Ki. 19. 24 (25). Α γὰρ ἱμάτια αὐ. οὐκ ἐπλυνεν [B ἐπέπλ.] (2 a)  
 II Ch. 4. 6. τοῦ πλύνειν ἐν αὐτοῖς τὰ ἔργα τῶν δακτυλῶν. (3)  
 Ps. 50 (51). 2. πλύνων με ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου (2 a)  
 — 7. πλυνέμε (2 a)  
 Ma. 3. 2. οὗς ποῖα [B' πλοῖα] πλυνόντων (2 a)  
 Ez. 40. 38. Α ἐκεῖ πλυνούσιν τὴν ὀλοκαυτῶσιν [Al. Le. 15. 12.] (1)

πλώστης (?).

I Ki. 28. 3. Α περιεῖλε . . . τοὺς πλ. [B γνώ-  
 στας] ἀπὸ τῆς γῆς †

πλωτός.

Jb. 40. 26 (31). πᾶν δὲ πλωτὸν συνελθὸν οὐ μὴ ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐράς αὐτοῦ †  
 II Ma. 5. 21. B τὴν μὲν γῆν πλ. [A πρότην] . . . θέσθαι

πνεῖν. (1) B22 hi. (2) η22

Ps. 147. 7 (18). πνεύσει [B' -αι] τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (1)  
 Si. 48. 16. ἐν θλίμῃ πνεύσεται νότος  
 — 20. ψυχρὸς ἀνεμὸς βορέης πνεύσει (2)  
 Is. 40. 24. ἐπνευσεν ἐπ' αὐτοὺς (2)  
 Ep. Je. 61. τὸ δ' αὐτὸ καὶ πνεῦμα ἐν πάσῃ χώρῃ πνεῖ  
 II Ma. 9. 7. πῦρ πνέων τοῖς θυμοῖς ἐπὶ τοὺς Ἰουδ.  
 [Sm., Th. Ge. 2. 7: Is. 40. 7.]

πνεῦμα. (1) α. Πῆ hi. δ. η22 (2) οἷη

(3) Πῆ (4) ἔλκεν πνεῦμα η22

Ge. 1. 2. πνεῦμα θεοῦ ἐφεφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕδ. (3)  
 6. 3. οὐ μὴ καταμεῖν τὸ πν. μου (3)  
 — 17. ἐν ᾗ ἐστὶν ἐν αὐτῇ πνεῦμα ζωῆς (3)  
 7. 15. ἐν φ' ἐστὶ πνεῦμα ζωῆς (3)  
 8. 1. ἐπύγαγεν ὁ θ. πνεῦμα (3)  
 41. 38. ὅς ἐχει πνεῦμα θεοῦ ἐν αὐτῷ (3)  
 45. 27. ἀνεψύρηνσε τὸ πν. Ἰακώβ (3)  
 Ex. 15. 8. διὰ πνεύματος τοῦ θυμοῦ σου  
 — 10. ἀπέστεilas τὸ πν. σου (3)  
 28. 3. οὐς ἐνέπλησα πνεύματος (3)  
 31. 3. ἐνέπλησα αὐτὸν πν. θείου σοφίας (3)  
 35. 31. ἐνέπλησεν αὐτὸν πν. θείου σοφίας (3)  
 Nu. 5. 14. καὶ ἐπέλθη αὐτῷ πν. ζηλώσεως (3)  
 — 14. ἡ ἐπέλθη αὐτῷ πν. ζηλώσεως (3)  
 — 30. φ' ἐὰν ἐπέλθῃ ἐπ' αὐτὸν πν. ζηλώσεως (3)  
 17. 17. ὀφελῶ ἀπὸ τοῦ πν. τοῦ ἐπὶ σοί (3)  
 — 25. παρελάτο ἀπὸ τοῦ πν. (3)  
 — 25. ὡς δὲ ἐπανεπαύσατο τὸ πν. ἐπ' αὐτοὺς (3)  
 — 26. ἐπανεπαύσατο ἐπ' αὐτοὺς πνεῦμα [A τὸ πν.] (3)  
 — 29. ὅταν ὀφ κ. τὸ πν. αὐτοῦ (3)  
 — 31. πνεῦμα ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (3)  
 14. 24. ἐγενήθη πν. ἑτερον ἐν αὐτῷ (3)  
 16. 22. θεὸς τῶν πν. (3)  
 23. 6. ἐγενήθη πνεῦμα θεοῦ ἐπ' αὐτῷ  
 24. 2. ἐγένετο ἐπ' αὐτῷ πνεῦμα θεοῦ (3)  
 27. 16. κ. ὁ θεὸς τῶν πν. (3)  
 — 18. ὅς ἐχει πνεῦμα ἐν αὐτῷ (3)  
 De. 2. 30. ἐσκληρύνε κ. ὁ θ. ἡ, τὸ πν. αὐ. (3)  
 34. 9. ἐνεπλήσθη πνεύματος συνέσεως (3)  
 Jo. 2. 11. οὐκ ἐστὶ ἐν πν. (3)  
 Jd. 3. 10. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πν. κυρίου (3)  
 6. 34. πνεῦμα κ. ἐνεδυνάμωσεν τὸν Γ. [A al.] (3)  
 8. 3. ἀνέθη [A -ῆκε] τὸ πν. αὐτῶν (3)  
 9. 23. ἐξαπέστειλεν ὁ θ. πν. ποιηρὸν (3)  
 11. 19. ἐγένετο ἐπὶ Ἰ. πν. κυρίου (3)  
 13. 25. ἤρξατο πν. κ. συνεκπορεύεσθαι [A συμμ.] (3)  
 14. 6, 19: 15. 14. ἦλατο [A κατεῖδεν] ἐπ' αὐτὸν πν. κ. (3)  
 15. 19. ἐπέστρεψε τὸ πν. αὐτοῦ (3)  
 I Ki. 10. 6. ἐφαλείται ἐπὶ σέ πν. κυρίου (3)  
 — 10. ἦλατο ἐπ' αὐτὸν πν. θεοῦ (3)  
 11. 6. B ἐφῆλατο πν. κυρίου ἐπὶ Σ. (3)  
 16. 13. ἐφῆλατο πν. κυρίου ἐπὶ Δ. (3)  
 — 14. πν. κυρίου ἀπέστη ἀπὸ Σ. (3)  
 — 14. ἐπνιγεν αὐτὸν πν. ποιηρὸν (3)  
 — 15. πν. κυρίου ποιηρὸν πνίγει σε (3)  
 — 16. ἐν τῷ εἶναι πν. ποιηρὸν ἐπὶ σοί [A al.] (3)  
 — 23. ἐν τῷ εἶναι πν. ποιηρὸν ἐπὶ Σ. (3)  
 — 23. ἀφίστατο ἀπ' αὐτοῦ τὸ πν. τὸ ποιηρὸν (3)  
 18. 10. Α ἔπεσεν πν. θεοῦ ποιηρὸν ἐπὶ Σ. (3)  
 19. 9. ἐγένετο πν. θεοῦ [A κυρίου] πον. ἐπὶ Σ. (3)  
 — 20. ἐγενήθη ἐπὶ τοὺς ἀγγ. τοῦ Σ. πν. θεοῦ (3)  
 — 23. ἐγενήθη καὶ ἐπ' αὐτῷ πν. θεοῦ (3)  
 30. 12. κατέστη τὸ πν. αὐ. ἐν [A ἐπ'] αὐτῷ  
 II Ki. 13. 21. οὐκ ἐλύπησε τὸ πν. Ἀ. (3)  
 22. 16. ἀπὸ πνοῆς πνεύματος θυμοῦ αὐ. (3)  
 23. 2. πνεῦμα κυρίου ἐλάλησεν ἐν ἐμοὶ (3)  
 III Ki. 17. 17. οὐχ ὑπελείψθη ἐν αὐτῷ πν. (1 a)  
 18. 12. πνεῦμα κυρίου ἀρεῖ σε (3)  
 — 45. συνεκτότατος νεφέλαις καὶ πνεύματι (3)  
 19. 11. πν. μέγα κραταίον (3)  
 — 11. Α B οὐκ ἐν τῷ πν. κύριος [B al.] (3)  
 — 12 (11). μετὰ τὸ πν. συσσεισμός (3)  
 20 (21). 4. B ἐγένετο τὸ πν. Ἀχ. τεταραγμ. †  
 — 5. τί τὸ πν. σου τεταραγμ. (3)  
 22. 21. καὶ ἐξῆλθε πνεῦμα (3)  
 — 22. ἔσομαι πν. ψευδὲς (3)



- III Ki. 22. 23. ἔδωκε κύριος πν. ψευδές (3)  
— 24. ποίαν πν. κυρίου [A. al.] (3)  
IV Ki. 2. 9. γεννηθῶ δι' διπλᾶ ἐν πνεύματι σου (3)  
— 15. ἐπαυσιπαιγνται τὸ πν. 'H. ἐπὶ 'Ελ. (3)  
— 16. εἶπεν αὐτὸν πν. κυρίου (3)  
3. 17. Β οὐκ ὤφεισε πνεῦμα (3)  
19. 7. διδώμι ἐν αὐτῷ πνεύμα (3)  
I Ch. 5. 26. ἐπήγγειρεν ὁ θ. 'Ισρ. τὸ πν. Φ. . . (3)  
καὶ τὸ πν. Θου. (3, 3)  
12. 18. πνεῦμα ἐνέδυσε [A. -δυνάμωσεν] τὸν 'Αμ. (3)  
28. 12. ὁ εἶχεν ἐν πνεύματι αὐτοῦ (3)  
II Ch. 15. 1. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πν. κυρίου (3)  
18. 20. ἐξήλθε τὸ πν. (3)  
— 21. ἔσομαι πν. ψευδές (3)  
— 22. ἔδωκε κύριος πν. ψευδές (3)  
— 23. Β ποία τῇ ὁδῷ πνεῦμα παρ' ἐμοῦ πνεῦμα πρὸς σε πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ [A. B. al.] (†, -, 3)  
20. 14. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πν. κυρίου (3)  
24. 20. πνεῦμα θεοῦ ἐνέδυσε τὸν 'Αζ. (3)  
36. 22. ἐξήγγειρε κ. τὸ πν. Κύρου (3)  
I Es. 2. 2. ἤγγειρε κύριος τὸ πν. Κύρου (3)  
— 8. ὡν ἤγγειρε κύριος τὸ πν. (3)  
II Es. 1. 1. ἐξήγγειρε κύριος τὸ πν. Κύρου (3)  
— 5. ὡν ἐπήγγειρε ὁ θ. τὸ πν. αὐτῶν (3)  
Ne. 9. 20. τὸ πν. σου τὸ ἀγαθὸν ἔδωκε (3)  
— 30. ἐπεμαρτύρω αὐτοῖς ἐν πνεύματι σου (3)  
To. 3. 6. ἀναλαβὴν τὸ πν. μου (3)  
4. 3. ἢ μὴ λυπήσῃς τὸ πν. αὐτῆς [A. B. al.] (3)  
6. 7. Ἀ εἰς τὴν οὐρανὴν . . . πν. ποιητῶν [B. φ. ἀπάντημα . . . πν. ποιητῶν] (3)  
Ju. 7. 19. ὠλίγοψύχησε τὸ πν. αὐτῶν (3)  
10. 13. σὰρξ μία οὐδὲ πνεῦμα ὡς (3)  
14. 6. ἐξελεύθη τὸ πν. αὐτοῦ (3)  
16. 14. ἀπίστευλας [B. ἐπίστρεψας] τὸ πν. σου (3)  
Es. 5. 1. μετέβαλεν ὁ θ. τὸ πν. τοῦ βασιλ. (3)  
13. 13. τῆς ἀρχῆς στερεῖται ἡμᾶς καὶ [A. om.] τοῦ πν. (3)  
Jb. 1. 19. πνεῦμα μέγα ἐπλήθυνεν [A. ἤλθεν, B. om.] ἐκ [A. ἀπὸ] τῆς ἐρήμου (3)  
4. 9. ἀπὸ δὲ πνεύματος ὀργῆς αὐτοῦ ἀφανισθῆσονται (3)  
— 15. πνεῦμα ἐπὶ προσώπων μου ἐπλήθυνεν (3)  
7. 7. μνησθήσιν οὖν ὅτι πνεῦμα μου ἡ ζωὴ (3)  
— 11. Ἀ εἰς λαλήσω ἐν ἀνάγκῃ ὡν τοῦ πν. μου [B. S. om. τὸ πν. μου] (3)  
— 15. ἀπαλλάξεις ἀπὸ πνευμάτων μου τὴν ψυχὴν [A. ζωὴν] μου (3)  
8. 2. πνεῦμα πολυρρήμων τὸ στόματός σου (3)  
10. 12. ἡ δὲ ἐπισκοπὴ σου ἐφύλαξέ μου τὸ πν. (3)  
12. 10. ἐν χειρὶ αὐτοῦ . . . πνεῦμα πάντος ἀνθρώπου (3)  
13. 25. ὡς γάρ ποτε φερόμενοι ὑπὸ πνεύματος [A. al.] (3)  
15. 2. B<sup>3</sup> B<sup>1</sup> πότμος [A. τίνα ἄρα] σοφὸς ἀποκρίσιν δώσει συνείσεως πνεῦμα [A. B<sup>1</sup> B<sup>3</sup> -ατος] (3)  
16. 3. τί γὰρ μὴ τάξις ἐστὶ ῥήμασι πνεύματος (3)  
17. 1. A B S<sup>3</sup> ὁλοκαίω πνεύματα φερόμενοι (3)  
20. 3. πνεῦμα ἐκ τῆς συνείσεως ἀποκρίνεται μοι (3)  
27. 3. πνεῦμα δὲ θεῖον τὸ περὶν μοι ἐν ῥήματι [A. ῥήμασί μου] (3)  
30. 15. φησὶ μοι ἡ ἐλπίς ὥστε πνεῦμα (3)  
32. 8. πνεῦμα ἐστὶν ἐν βροτοῖς (3)  
— 18. ὁλέει γὰρ με τὸ πν. τῆς γαστροῦς (3)  
33. 4. πνεῦμα βέτον τὸ ποιητῶν με (3)  
34. 14. τὸ πν. παρ' αὐτῶν κατασχέιν (3+1 a)  
41. 7 (8). πνεῦμα δὲ οὐ μὴ διελθῇ αὐτόν (3)  
Ps. 10 (11). 7. θεῖον καὶ πνεῦμα καταγίγδοις (3)  
17 (18). 15. ἀπὸ ἐμνεύσεως πνεύματος ὀργῆς σου (3)  
30 (31). 5. εἰς χεῖράς μου παραθήσομαι τὸ πν. μου (3)  
32 (33). 6. τῷ πν. τοῦ στόματος αὐτοῦ πᾶσα ἡ δύναμις αὐτῶν (3)  
33 (34). 18. τὸν ταπεινὸν τῷ πν. σώσει (3)  
47 (48). 7. ἐν πνεύματι βλαψὴ συντρίψεται [A. -ει] πλοία θαρσύνει (3)  
50 (51). 10. πνεῦμα εὐδὲς ἐγκαίνισον (3)  
— 11. τὸ πν. τὸ ἀγνόν σου μὴ ἀντανέλῃς (3)  
— 12. πνεῦμα ἡγεμονικὸν στήρῃσόν με (3)  
17. 7. θυσία τῷ θεῷ πνεῦμα συντεταγμένον (3)  
75 (76). 12. τῷ . . . ἀφαιροῦμι πνεύματα ἀρχόντων (3)  
76 (77). 3. ὠλίγοψύχησε τὸ πν. μου (3)  
— 6. ἐσκαλλὼν τὸ πν. μου (3)  
77 (78). 8. οὐκ ἐπιστάθω μετὰ τοῦ θεοῦ τὸ πν. αὐτῆς (3)  
— 39. πνεῦμα πορευόμενον καὶ οὐκ ἐπιστρέφον (3)  
Ps. 102 (103). 16. πνεῦμα διήλθεν ἐν αὐτῷ (3)  
103 (104). 4. ὁ ποιῶν τοὺς ἀγγέλους αὐ. πνεύματα (3)  
— 29. ἀπαντᾷ τὸ πν. αὐτῶν (3)  
— 30. ἐξαποστείλεις τὸ πν. σου (3)  
105 (106). 33. παρετίκταναι τὸ πν. αὐτοῦ (3)  
106 (107). 25. ἔστη πνεῦμα καταγίγδοις (3)  
118 (119). 131. εἰλκυσα πνεῦμα (3)  
134 (135). 17. οὐδὲ γὰρ ἐστὶ πνεῦμα ἐν τῷ στόματι αὐτῶν (3)  
138 (139). 7. πού πορευθὲ ἀπὸ τοῦ πν. σου (3)  
141 (142). 3. ἐν τῷ κλείπειν ἐξ ἐμοῦ τὸ πν. μου (3)  
142 (143). 4. ἠκηδίασεν ἐπ' ἐμὲ τὸ πν. μου (3)  
— 7. ἐξέλιπε τὸ πν. μου (3)  
— 10. A B S<sup>1</sup> τὸ πν. σου τὸ ἄγιον [B<sup>2</sup> B. ἀγνόν] ὀδηγήσει με (3)  
145 (146). 4. ἐξελεύσεται τὸ πν. αὐτοῦ (3)  
147. 7 (18). πνεῦμα τὸ πν. αὐτοῦ (3)  
148. 8. χιών κρύσταλλος πνεῦμα καταγίγδοις (3)  
Pr. 15. 4. ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται πνεύματος [B. al.] (3)  
Ec. 1. 6. κύκλος κύκλων πορεύεται τὸ πν. (3)  
— 6. ἐπὶ κύκλους αὐτοῦ ἐπιστρέφει τὸ πν. (3)  
— 14. τὰ πάντα . . . προαιρέσεις πνεύματος (3)  
— 17. τοῦτο ἐστὶ προαιρέσεις πνεύματος (3)  
2. 11. τὰ πάντα ματαιότης καὶ προαιρέσεις [B. περίσσεια] πνεύματος (3)  
— 17. πάντα . . . προαιρέσεις πνεύματος (3)  
— 26. τοῦτο . . . προαιρέσεις πνεύματος (3)  
3. 19. πνεῦμα ἐν τοῖς πᾶσι (3)  
— 21. τίς οὐδὲν πνεῦμα [A. S<sup>1</sup> τὸ πν.] υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου (3)  
— 21. S B τὸ [A. B. om.] πν. τοῦ κτήνους εἰ καταβιβῇ (3)  
4. 4. τοῦτο ματαιότης καὶ προαιρέσεις πνεύματος (3)  
— 6. πληρώματα δύο δρακῶν . . . προαιρέσεις πνεύματος (3)  
— 16. τοῦτο . . . προαιρέσεις πνεύματος (3)  
6. 9. τοῦτο ματαιότης καὶ προαιρέσεις πνεύματος (3)  
7. 9 (8). A S<sup>2</sup> B ἀγαθὸν μακροθύμιος ὑπὲρ ὑψηλὸν πνεῦμα [B. S<sup>1</sup> πνεῦμα τιμῆς] (3)  
— 40 (9). μὴ σπεύδεις ἐν πνεύματι σου (3)  
8. 8. οὐκ ἐστὶν ἀνθρώπος ἐξουσιάζων ἐν πνεύματι τοῦ καλοῦσιν σὺν τὸ πν. (3, 3)  
10. 4. εἰς πνεῦμα τοῦ ἐξουσιάζοντος ἀναβῇ (3)  
11. 5. οὐκ ἐστὶ γινώσκων τίς ἡ ὁδὸς τοῦ πν. (3)  
12. 7. τὸ πν. ἐπιστρέφει πρὸς τὸν θεόν (3)  
Wi. 1. 5. ἄγιον γὰρ πνεῦμα παιδείας [A. σοφίας] φεύγειται δόλον (3)  
— 6. φιλόανθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [A. -ίας] (3)  
— 7. πνεῦμα κυρίου πεπληρώκει τὴν οἰκουμ. (3)  
2. 3. τὸ πν. διαχωρήσεται ὡς χυλὸς ἀπὸ 3. 3. διὰ στενοχωρίαν πνεύματος (3)  
— 11. πληγὴ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα κοῖφον (3)  
— 23. ἀντιστήσεται αὐτοῖς πνεῦμα δυνάμεις (3)  
7. 7. ἡλθέ μοι πνεῦμα σοφίας (3)  
— 20. πνευμάτων βίας καὶ διαλογισμῶν ἀνθρώπων (3)  
— 22. ἐστὶ γὰρ ἐν [A. om.] αὐτῇ πνεῦμα νοερὸν (3)  
— 23. διὰ πάντων χωρῶν πνευμάτων νοερῶν (3)  
9. 17. ἐπεμψας τὸ ἄγιον σου πν. (3)  
11. 20. ἐν πνεύματι πεσεῖν ἐδιδαντο (3)  
— 20. λιμνηθῆναι ὑπὸ πνεύματος δυνάμεις σου (3)  
12. 1. τὸ γὰρ ἀφθαρτὸν σου πν. ἐστὶν ἐν πᾶσι (3)  
13. 2. ἡ πῦρ ἡ πνεῦμα ἡ ταχυνὸν αἶρα (3)  
15. 11. τὸν . . . ἐμψύχοντα πνεῦμα ζωτικόν (3)  
— 16. τὸ [B<sup>2</sup> δὲ τὸ] πν. δεδανεισμένον (3)  
16. 14. ἐξελθὼν δὲ πνεῦμα [B<sup>2</sup> τὸ πν.] οὐκ ἀναστρέφει (3)  
17. 18. εἰ γὰρ πνεῦμα συρίζον [B<sup>1</sup> διασπρ.] (3)  
Si. 9. 9. μὴ ποτε . . . τῷ πν. σου διδασθῇς (3)  
81 (84). 13. πνεῦμα φοβούμενον κυρίου ζήσεται (3)  
83. 23. ἐν ἐξῴδῳ πνεύματος αὐτοῦ (3)  
39. 6. πνεῦμα συνείσεως ἐμπλησθήσεται [A. S<sup>2</sup> -πλήσει αὐτόν] (3)  
— 28. ἐστὶ πνεύματα [B<sup>1</sup> -μα] ἀ εἰς ἐκδίκησιν ἐκτίσται (3)  
43. 17. καταγίγδοις βορέου καὶ συστροφῇ πνεύματος (3)  
48. 12. 'Ελισαίε ἐνεπλήσθη πνεύματος αὐτοῦ [A. ἁγίου] (3)  
— 24. πνεῦματι μεγάλῳ εἶδε τὰ ἴσχυα (3)  
Ho. 4. 12. πνεῦματι πορνείας ἐπληρώθησαν (3)  
— 19. συστροφῇ πνεύματος σὺ εἶ (3)  
5. 4. πνεῦμα πορνείας ἐν αὐτοῖς ἐστὶ (3)  
12. 1 (2). ποιητὸν πνεῦμα ἐδίδωκε (3)  
Am. 4. 13. καὶ κτίων πνεῦμα (3)  
Mi. 2. 7. οἶκος 'I. παρῳργία ἐν πνεύμα κυρίου (3)  
Mi. 2. 11. πνεῦμα ἔστησε ψεύδος (3)  
3. 8. ἐν πνεύματι κυρίου καὶ κρίματος (3)  
Jl. 2. 28 (3. 1), 29 (3. 2). ἐκχεῖ ἀπὸ τοῦ πν. μου (3)  
Jn. 1. 4. ἐξήγγειρε πνεῦμα ἐπὶ τὴν θάλ. (3)  
4. 8. προσέταξεν ὁ θεὸς πνεύματι καύσανος (3)  
Hb. 1. 11. μεταβαλεῖ τὸ πν. (3)  
2. 19. πᾶν πν. οὐκ ἐστὶν ἐν αὐτῷ (3)  
Hg. 1. 14. ἐξήγγειρε κύριος τὸ πν. Z. . . καὶ τὸ πν. 'I. . . καὶ τὸ πν. τῶν καταλοίπων πάντων τοῦ λαοῦ (3 ter)  
2. 6 (5). τὸ πν. μου ἐφέστηκε ἐν μέσῳ ὑμῶν (3)  
Za. 1. 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ἐν πνεύματι μου (3)  
4. 6. οὐδὲ ἐν ἰσχύϊ ἀλλ' ἢ ἐν πνεύματι μου (3)  
5. 9. πνεῦμα ἐν ταῖς πτέρυξιν αὐ. (3)  
7. 12. οὐδὲ ἐξαπίστευτε . . . ἐν πνεύματι αὐ. (3)  
12. 1. καὶ πλάσσω πνεῦμα ἀνθρώπου (3)  
— 10. ἐκχεῶ . . . πνεῦμα χάριτος καὶ οἰκτιρισμοῦ (3)  
13. 2. τὸ πν. τὸ ἀκαθάρτον ἐξαρῶ (3)  
Ma. 2. 15. καὶ ὑπόλειμμα πνεύματος αὐ. (3)  
— 15. 16. φυλάξασθε ἐν τῷ πν. ὑμῶν (3)  
Is. 4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως καὶ πνεύματι καύσεως [A. om. κ. πν. κ.] (3, 3)  
7. 2. ὅν τρόπον . . . ἔξυλον ὑπὸ πνεύματος σαλευθῇ (3)  
11. 2. ἀπαυσιπαιγνται ἐπ' αὐτὸν πν. τοῦ θεοῦ πν. σοφίας καὶ συνέσεως πν. βουλῆς καὶ ἰσχύος πν. γνώσεως καὶ εὐσεβείας (3 quater)  
— 3. ἐμπλήσει αὐτὸν πν. φόβου θεοῦ (3)  
— 4. ἐν [B. ἐν τῷ] πνεύματι διὰ χειλέων ἀνελεῖ ἀσεβῆ (3)  
— 15. ἐπιβαλεῖ τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὸν ποταμὸν πνεύματι βλαψῇ (3)  
19. 3. παραχθήσεται τὸ πν. τῶν Ἀλγυπτίων (3)  
— 14. κύριος γὰρ ἐκέρασεν αὐτοῖς πν. πλανήσεως (3)  
25. 4. πν. ἀνθρώπων ἀδικούντων (3)  
26. 9. ἐκ νυκτὸς ὀρνέει τὸ πν. μου πρὸς σέ (3)  
— 18. πν. σωτηρίας σου ἐποιήσαμεν ἐπὶ τῆς γῆς (3)  
27. 8. οὐ σὺ ἦσθα μαλετὼν τῷ πν. τῷ σκληρῷ ἀνελεῖν αὐτοῦ πνεῦματι [B<sup>1</sup> -μα] (3, 2)  
28. 6. καταλειφθήσονται ἐπὶ πνεύματι κρίσεως ἐπὶ κρίσιν (3)  
29. 10. πεπότηκεν ὑμᾶς κύριος πνεύματι [B. -μα] κατακτινέας (3)  
— 24. γνώσανται οἱ πλανώμενοι τῷ πν. συνέσει (3)  
30. 1. ἐποίησατε . . . συνθήκατε οὐ διὰ τοῦ πν. μου (3)  
— 28. τὸ πν. αὐ. . . ἤξει ὥς τοῦ τραχήλου (3)  
32. 15. ὥς ἂν ἔλθῃ ἐφ' ὑμᾶς πν. (3)  
33. 11. ματαία ἐστὶ ἡ ἰσχὺς τοῦ πν. ὑμῶν (3)  
34. 16. τὸ [B. om.] πν. αὐτοῦ συνηγάγει αὐτὰ (3)  
37. 7. ἐμβάλλω εἰς αὐτὸν πν. (3)  
38. 12. ὡς ἴσθες τὸ πν. μου παρ' ἐμοῦ ἐγένετο (3)  
42. 1. ἔδωκα τὸ πν. μου ἐπ' αὐτόν (3)  
— 5. διδοῦς . . . πν. τοῖς πατοῦσιν αὐτὴν (3)  
44. 3. ἐπιθῶσω τὸ πν. μου ἐπὶ τὸ σπέρμα σου (3)  
48. 16. κύριος ἀπέστειλέ με καὶ τὸ πν. αὐ. (3)  
57. 16. πν. γὰρ παρ' ἐμοῦ ἐξελεύσεται (3)  
59. 21. τὸ πν. τὸ ἐμὸν δὲ ἐστὶν ἐπὶ σοί (3)  
61. 1. πν. κυρίου ἐπ' ἐμὲ (3)  
— 3. δοθῆναι . . . καταστολὴν δόξης ἀπὸ πνεύματος ἀκηδίας (3)  
63. 10. παρῳξάνων τὸ πν. τὸ ἄγιον αὐτοῦ (3)  
— 11. πού ἐστὶν ὁ θεὸς ἐν αὐτοῖς τὸ πν. τὸ ἄγιον (3)  
— 14. κατέβη πν. παρὰ κυρίου (3)  
65. 14. ἀπὸ συντριβῆς πνεύματος ὑμῶν (3)  
Je. 4. 11. πν. πλανήσεως ἐν τῇ ἐρήμῳ (3)  
— 12. πν. πληρώσεως ἡσέει (3)  
10. 14. οὐκ ἐστὶ πν. ἐν αὐτοῖς (3)  
28 (51). 11. ἤγγειρε κ. τὸ πν. βασιλέως Μήδων (3)  
— 17. οὐκ ἐστὶ πν. ἐν αὐτοῖς (3)  
30. 10 (49. 32). λιμνήσω αὐτοὺς παντὶ πνεύματι (3)  
Ba. 2. 17. ἐλήφθη τὸ πν. αὐ. ἀπὸ τῶν σπλαγχνῶν αὐ. (3)  
3. 1. ψυχὴ ἐν στενοῖς καὶ πν. ἀκηδῶν κέκραγε (3)  
La. 4. 20. πν. προσώπου ἡμῶν χριστοῦ κύριος συνελήφθη (3)  
Ep. Je. 25. ἐν οἷς οὐκ ἐστὶ πν. (3)  
— 61. τὸ δ' αὐτὸ καὶ πν. ἐν πάσῃ χώρα πνεῖ (3)  
Ez. 1. 4. πν. ἐξείρουν ἤρχετο ἀπὸ βορρᾶ (3)  
— 12. οὐ ἂν ᾔνῃ τὸ πν. πορευόμενον (3)  
— 20. ἐκεῖ τὸ πν. τοῦ πορευέσθαι . . . πν. (3)  
— 21. πν. ζωῆς ἦν ἐν τοῖς τροχοῖς (3, 3)  
2. 2. A<sup>3</sup> B ἤλθεν ἐπ' ἐμὲ πν. (3)  
3. 12. ἀνελαβέ με πν. (3)

Εζ. 3. 14. τὸ πν. ἐξήρμε ... ἐπορεύθη [A. add. μετώρος] ἐν ὁρμῇ τοῦ πν. μου (3, 8)  
 — 24. ἤλθεν ἐπ' ἐμέ πν. (3)  
 5. 2. τὸ τέταρτον διασκορπιεῖς τῷ πν. (8)  
 8. 3. ἀνέλαβέ με πν. (8)  
 10. 17. πν. ζωῆς ἐν αὐτοῖς ἦν (8)  
 11. 1. ἀνέλαβέ με πν. (3)  
 — 5. ἔπεσον ἐπ' ἐμέ πν. ... τὰ διαβολία τοῦ πν. ὑμῶν ἐγὼ ἐπίσταμαι (3, 8)  
 — 19. πν. καινὸν δώσω ἐν αὐτοῖς (8)  
 — 24. ἀνέλαβέ με πν. ... ἐν πνεύματι θεοῦ (3, 8)  
 13. 11. δώσω ... πν. ἐξαίρων (3)  
 18. 31. ποιήσατε ἑαυτοῖς ... πν. καινὸν (3)  
 20. 32. εἰ ἀναβήσεται ἐπὶ τὸ πν. ὑμῶν τοῦτο (3)  
 21. 7 (12). ἐκψύξει πάσα σὰρξ καὶ πᾶν πν. (3)  
 27. 26. τὸ πν. τοῦ νότου συνέτριψέ σε (3)  
 38. 26. πν. καινὸν δώσω ἐν ὑμῖν (8)  
 — 27. τὸ πν. μου δώσω ἐν ὑμῖν (8)  
 37. 1. ἐξήγαγέ με ἐν πνεύματι κυρίου (3)  
 — 5. φέρομαι εἰς ὑμᾶς πν. ζωῆς (8)  
 — 6. δώσω πν. μου εἰς ὑμᾶς (8)  
 — 8. πν. οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς (8)  
 — 9. προφήτευσον ἐπὶ τὸ πν. ... εἰπὼν τῷ πν. ... ἐκ [A. ἔλθε ἐκ] τῶν τεσσάρων πν. [A. ἀνέμων τοῦ οὐρανοῦ] ἔλθε [A. add. τὸ πν.] (3 ler, [3])  
 — 10. εἰσῆλθεν εἰς αὐτοὺς τὸ πν. [A. αὐ. πν. ζωῆς] (8)  
 — 14. δώσω [B<sup>1</sup> add. τὸ] πν. μου εἰς ὑμᾶς (8)  
 43. 5. ἀνέλαβέ με πν. (8)  
 Da. LXX. Su. 42. ἔδωκεν ... πνεῦμα συνέσεως νεωτέρω (8)  
 — 64. ἔσται ἐν αὐτοῖς πνεῦμα ἐπιστήμης (8)  
 2. 3. ἐκινήθη μου τὸ πν. (8)  
 3. (39). ἐν ... πν. ταπεινωμένῳ προσδεχθεῖν μιν (8)  
 — (50). ὥσει πνεῦμα δρόσου διασπρίζον (8)  
 — (65). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πν., τὸν κ. (8)  
 — (86). εὐλογεῖτε, πνεύματα καὶ ψυχαὶ δικαίων, τὸν κ. (8)  
 5. 4. τὸν ἔχοντα τὴν ἐξουσίαν τοῦ πν. αὐ. — (8)  
 — 12. πν. ἄγιον ἐν αὐτῷ ἐστὶ (3)  
 — 23. καὶ τὸ πν. σου ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1 b)  
 6. 3 (4). καὶ πν. ἄγιον ἐν αὐτῷ (8)  
 10. 8. πνεῦμα ἐπιστράφη ἐπ' ἐμέ εἰς φθοράν † (1 a)  
 — 17. πν. οὐ κατελείφθη ἐν ἐμοί (1 a)  
 Da. TH. Su. 45. ἐξήγγειλεν ὁ θ. τὸ πν. τὸ ἄγιον παιδαρίου νεωτέρου (8)  
 2. 1. ἐξέστη τὸ πν. αὐ. (8)  
 — 3. ἐξέστη τὸ πν. μου (8)  
 — 35. ἐξήγγειλεν αὐτὰ τὸ πλῆθος τοῦ πν. (8)  
 3. (39). ἐν ... πνεύματι ταπεινώσεως προσδεχθεῖν μιν (8)  
 — (50). ὥσει πνεῦμα δρόσου διασπρίζον (8)  
 — (65). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ πν., τὸν κ. (8)  
 — (86). εὐλογεῖτε, πνεύματα καὶ ψυχαὶ δικαίων, τὸν κ. (8)  
 4. 5. ὁς πνεῦμα θεοῦ ἄγιον ἐν αὐτῷ ἔχει (8)  
 — 6. 15. πνεῦμα θεοῦ ἄγιον ἐν σοὶ (8)  
 5. 4. A<sup>2</sup> τὸν ἔχοντα ἐξουσίαν τοῦ πν. αὐ. — (8)  
 — 11. ἐν ᾧ πνεῦμα θεοῦ [A. add. ἄγιον] (8)  
 — 12. πνεῦμα περισσὸν ἐν αὐτῷ (8)  
 — 14. πνεῦμα θεοῦ ἐν σοὶ (8)  
 — 20. καὶ τὸ πν. αὐ. ἐκραταιώθη (8)  
 6. 3 (4). πν. περισσὸν ἐν [A. ἦν ἐπ'] αὐτῷ (8)  
 7. 15. ἔφριξε τὸ πν. μου ἐν τῇ ἐξέει μου (8)  
 10. 17. πνεῦμα [A. πνοή] οὐκ ὑπελείφθη ἐν ἐμοί (1 a)  
 Bel 36. ἐν τῷ βόλῳ τοῦ πν. αὐτοῦ (8)  
 I Ma. 1. 48. B<sup>1</sup> βδελύξει τὰς ψυχὰς αὐ. ἐν παντὶ πνεύματι [A. B<sup>2</sup> R om.] ἀκαθάρτων (8)  
 13. 7. ἀνεξωπύρηνσε τὸ πν. τοῦ λαοῦ (8)  
 II Ma. 3. 24. A ὁ τὸν πν. ... δυνατότης [R al.] (8)  
 7. 22. οὐδὲ ἐγὼ τὸ πν. ... ὑμῖν ἡχαρισάμην (8)  
 — 23. τὸ πν. ... ὑμῖν πάλιν ἀποδώσει (8)  
 14. 46. τὸν διασπένδοντα τῆς ζωῆς καὶ τοῦ πν. (8)  
 III Ma. 6. 24. ἐμέ ... ἐπιχειρεῖτε ... τοῦ πν. μεθιστᾶν (8)  
 IV Ma. 7. 14. A B ἀνέλασε τῷ πν. τοῦ [B διὰ τοῦ] λογιζομένου (8)  
 11. 11. τὸ πν. στενοχωρούμενος (8)  
 12. 20. B ἀπέδωκε τὸ πν. [A B τὴν ψυχὴν] (8)  
 [Aq. GE. 1. 2: Ex. 6. 9: 35. 21: I Ki. 18. 23: Jb. 6. 4: 7. 11: 15. 2: 21. 4: 37. 21: Ps. 31 (82): 2: 47 (48): 8: 54 (55): 9: 76 (77): 7: Pr. 1. 23: 11. 13: 17. 22: 18. 14: 80. 4: Is.

19. 3: 28. 6: 81. 3: 82. 2: 38. 16: 40. 13: 54. 6: 59. 19: 61. 3: 66. 2: LA. 4. 20: Ez. 1. 4: 87. 9: DA. 2. 35 (Sw.): 5. 11.]  
 [Sm. GE. 1. 2: 8. 9 (8): 6. 4 (3): I Ki. 16. 23: Jb. 7. 11: 15. 2: 21. 4: 32. 8: 33. 4: Ps. 80 (81): 6: 50 (51): 19: 54 (55): 9: 76 (76): 13: 76 (77): 7: 77 (78): 8: 102 (103): 16: Pr. 11. 13: EC. 4. 6: 6. 9: 10. 4: Is. 19. 3: 28. 6: 29. 24: 31. 3: 82. 2: 40. 7: 54. 6: 59. 19: 61. 3: Ez. 1. 12: 18. 3: 37. 9 (Sw.): DA. 2. 1 (Sw.): 5. 11: JN. 1. 4.]  
 [Th. GE. 1. 2: 8. 9 (8): I Ki. 1. 15: 16. 23: Jb. 7. 11: 8. 2: 20. 3: Ps. 31 (82): 2: 54 (55): 9: 76 (77): 7: Pr. 1. 23: 16. 2: 18. 14: 15: Is. 19. 3: 27. 8: 28. 6: 31. 3: 38. 11: 40. 7: 54. 6: 59. 19: 61. 3: Ez. 1. 4: 13. 3: 37. 9 (Sw.): DA. 2. 1, 3, 35: 3. (39): 4. 6: 5. 11.]  
 [Al. LE. 21. 20: Ps. 50 (51). 12.]  
 [Quint., Sext. Ps. 31 (82). 1.]  
 πνευματοφορεῖσθαι. (1) ΠΝ ΠΝΗΣΨ  
 Je. 2. 24. ἐν ἐπιθυμίαις ψυχῆς αὐτῆς ἐπνευματοφορεῖτο (1)  
 πνευματοφόρος, πνευματοφόρος. (1) ΠΠ  
 (2) ΠΠ  
 Ho. 9. 7. ἄνθρωπος ὁ πν. (2)  
 Ze. 3. 4. οἱ προφῆται αὐ. πνευματοφόροι (1)  
 πνεύμων. (1) ΠΠ  
 III Ki. 22. 34: II Ch. 18. 33. ἐπάταξεν ... ἀνὰ μέσον τοῦ πν. (1)  
 πνίγειν. (1) ΠΠ pi.  
 I Ki. 16. 14. ἐπνιγεν αὐτὸν πνεῦμα πονηρὸν — 15. πνεῦμα κ. πονηρὸν πνίγει σε (1)  
 πνιγμός.  
 Si. 51. 4. ἀπὸ πνιγμοῦ πυρὸς κυκλόθεν πνοή. (1) ΠΠ (2) a. ΠΠΨ δ. ΠΠΠΠΠΨ  
 c. ΠΠΨ (3) ΠΠ  
 Ge. 2. 7. ἐνεφύσησεν ... πνοὴν ζωῆς (2 a)  
 7. 22. ὅσα ἔχει πνοὴν ζωῆς (2 b)  
 II Ki. 22. 16. ἀπὸ πνοῆς πνεύματος θυμοῦ αὐ. (2 a)  
 III Ki. 15. 29. οὐκ ὑπελείπετο πᾶσαν πν. (2 a)  
 Ne. 6. 1. οὐ κατελείφθη ἐν [A. om.] αὐτοῖς πνοή † (2 a)  
 Jb. 26. 4. πνοὴ δὲ τίνος ἐστὶν ἡ ἐξελεθούσα ἐκ σοῦ (2 a)  
 27. 3. ἔτι τῆς πν. μου ἐνούσης [A. ἐν. ἐν ἐμοί] (2 a)  
 32. 8. πνοὴ δὲ παντοκράτορος ἐστὶν ἡ διδάσκουσα (2 a)  
 38. 4. πνοὴ δὲ παντοκράτορος ἡ διδάσκουσα με (2 a)  
 37. 10. ἀπὸ πνοῆς ἰσχυροῦ δώσει πάρος (2 a)  
 Ps. 150. 6. πᾶσα πνοὴ ἀνεσάτω τὸν κύριον (2 a)  
 Pr. 1. 23. προήσομαι ὑμῖν ἐμῆς πνοῆς ῥῆσιν (3)  
 11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρυπτεῖ πράγματα (3)  
 20. 27. φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων (2 a)  
 24. 12. ὁ πλάσας πνοὴν πᾶσιν (1)  
 Wi. 2. 2. καπνὸς ἡ πν. ἐν ῥίσει ἡμῶν (8)  
 Si. 30. 29 (33. 20). ὥσε ἐτι ζῆς καὶ πνοὴ ἐν σοὶ (8)  
 Is. 58. 16. ἐξήγγειρας μου τὴν πν. (8)  
 42. 5. διδοὺς πνοὴν τῷ λαῷ τῷ ἐπ' αὐτῆς (2 a)  
 57. 16. πνοὴν πᾶσαν ἐγὼ ἐποίησα (2 a)  
 Ez. 13. 13. ῥῆξαι πνοὴν ἐξαίρουσαν (8)  
 Da. TH. 5. 23. οὐ ἡ πν. σου ἐν χειρὶ αὐ. (2 c)  
 10. 17. A πνοὴ [B πνεῦμα] οὐκ ὑπελείφθη ἐν ἐμοί (2 a)  
 II Ma. 3. 31. τῷ παντελῶς ἐν ἐσχάτῃ πν. κειμένῳ 7. 9. ἐν ἐσχάτῃ δὲ πν. γυμνόμενος (8)  
 [Aq. Is. 30. 33:]  
 [Sm. Ps. 32 (83). 6: Is. 30. 33: LA. 4. 20: Ez. 1. 4:]  
 [Th. Jb. 37. 10: Is. 30. 33:]  
 πόα, ποία. (1) ΠΠ (2) ΠΠΨ  
 Pr. 27. 25. καὶ κερεῖς πόαν [A ποίαν] (2)  
 Ma. 3. 2. ὡς ποία [B<sup>1</sup> πλοία] πλυνόντων (1)  
 Je. 2. 22. εἰδὼν ... πληθυνθεὶς σεαυτὴ ποίαν [A B πόαν] (1)  
 [Aq. Ps. 22 (23). 2: Mt. 5. 7 (6).]  
 ποδάγρα.  
 IV Ma. 11. 10. καὶ ταῦτα ποδάγρας σιδηραῖς ἐφάρμασαντες (8)

ποδήρης. (1) ΠΠ (2) ΠΠ (3) ΠΠ  
 (4) ΠΠΨ (5) ΠΠ  
 Ex. 25. 6 (7). εἰς τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν π. (3)  
 28. 4. τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν π. (5)  
 — 27 (31). ποιήσεις ὑποδύτην ποδήρη (1)  
 29. 5. ἐνδύσεις A. ... τὸν χιτῶνα τὸν π. (8)  
 35. 9. εἰς τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν π. (5)  
 Wi. 18. 24. ἐπὶ γὰρ ποδήρους ἐνδύματος ἦν ὁλος ὁ κόσμος (8)  
 Si. 27. 8. ἐνδύση αὐτὸς ὡς ποδήρη δόξης (8)  
 45. 8. περισκελῇ καὶ ποδήρη καὶ ἐπωμίδα (4)  
 Za. 3. 5 (4). ἐνδύσατε αὐτὸν ποδήρη (4)  
 Ez. 9. 2. εἰς ἀνὴρ ἐν μέσῳ αὐτῶν ἐνδεδυκὼς ποδήρη (2)  
 — 3. ἐκάλεσε τὸν ἀνδρα τὸν ἐνδεδυκῶτα τὸν π. (2)  
 — 11. ἰδοὺ ὁ ἀνὴρ ὁ ἐνδεδυκὼς τὸν π. (2)  
 [Quint. Ez. 10. 2.]  
 ποδιστήρ. (1) ΠΠ  
 II Ch. 4. 16. ἐποίησεν ... τοὺς π. (1)  
 [Aq. Je. 52. 18.]  
 [Th. II Ch. 4. 16: Je. 52. 18.]  
 ποδοκάκη.  
 [Al. Jb. 18. 27.]  
 ποθεῖν. (1) ΠΠ pi.  
 Es. 3. 13. τὴν ποθοῦν. τοῖς [A παρὰ] πᾶσιν ἀνθρ. εἰρήσῃ (1)  
 Pr. 7. 15. ποθοῦσα τὸ σὺν πρόσωπον εὐρήκα σε (1)  
 Wi. 4. 2. ποθοῦσιν ἀπελθοῦσαν (8)  
 6. 11. ποθήσατε καὶ παιδεύθησθε (8)  
 8. 8. εἰ δὲ καὶ πολυτερίαν [A -ραν] ποθεῖ τις (8)  
 15. 5. ποθεῖ τε νεκρὰς εἰκόνας εἶδος ἀπνουν [A ἄγνων] (8)  
 — 6. ἀξιοί τε τοιούτων ἐλπιδῶν ... καὶ οἱ ποθοῦντες (8)  
 IV Ma. 11. 7. A B εἴπερ ἦσαν ἀνθρώπους ποθοῦν [Sm. Ps. 67 (68). 17: Pr. 21. 10.] (8)  
 ποθεινός. (1) ΠΠ  
 Jb. 29. 25. B<sup>2</sup> ἐν τρόπῳ ποθεινὸς παρεκάλουν [A B<sup>1</sup> al.] (1)  
 Pr. 6. 8. ποθεινὴ δὲ ἐστὶ πᾶσι καὶ ἐπίδοξος (8)  
 IV Ma. 13. 26. A B ποθεινοτέραν [B τὴν π.] αὐτοῖς κατεσκεύαζε τὴν φιλαδελφίαν (8)  
 15. 1. εὐσέβεια μητρὶ τέκνων ποθεινοτέρα [Th. Is. 57. 18 (Sw.).] (8)  
 πόθεν.  
 Ge. 16. 8†: 29. 4: 42. 7. (8)  
 Nu. 11. 13. (8)  
 Jo. 9. 8 bis. (8)  
 Jd. 18. 6: 17. 9: 19. 17. (8)  
 I Ki. 25. 11: 30. 13. (8)  
 II Ki. 1. 3, 13. (8)  
 IV Ki. 5. 25: 6. 27: 20. 14. (8)  
 To. 2. 13: 5. 5†: 7. 3. (8)  
 Ju. 10. 12: 12. 3†. (8)  
 Jb. 1. 7: 2. 2: 28. 12, 20: 38. 24. (8)  
 Ps. 120 (121). 1†. (8)  
 Pr. 22. 27. (8)  
 Si. 27. 2†: 37. 3. (8)  
 Jn. 1. 8. (8)  
 Na. 3. 7. (8)  
 Is. 39. 3: 41. 24 bis, 28. (8)  
 Je. 15. 18: 31 (48), 9†: 43 (86). 17†. (8)  
 Ep. Je. 30. (8)  
 IV Ma. 1. 33: 8. 26: 13. 12. (8)  
 [Aq. Js. 10. 6, 7.] (8)  
 [Th. Jo. 2. 4: Je. 10. 6, 7.] (8)  
 [Al. Ps. 120 (121). 1.] (8)  
 ποθητός.  
 [Al. Jd. 11. 34.] (8)  
 πόθος.  
 [Aq. Ps. 9. 24 (10. 3).] (8)  
 ποί.  
 Je. 2. 28†. (8)  
 ποία, τίς, πόα.

ποιεῖν. (1) מַעַל ni. (2) מַעַל a. qal. δ. ni. (3) מַעַל (4) מַעַל (5) מַעַל a. qal. δ. ni. (6) מַעַל (7) מַעַל a. aph. δ. ithp. (8) מַעַל (9) מַעַל (10) מַעַל (11) מַעַל hi. (12) מַעַל (13) מַעַל hi. (14) מַעַל hi. (15) מַעַל (16) מַעַל (17) מַעַל hi. (18) מַעַל (19) מַעַל ni. (20) מַעַל (21) מַעַל (22) מַעַל δ. מַעַל pa. (23) מַעַל hi. (24) מַעַל (25) מַעַל (26) מַעַל hi. (27) מַעַל a. qal. δ. hi. c. מַעַל d. מַעַל pe. e. ithpe. f. מַעַל (28) c. neg. מַעַל pi. (29) מַעַל hi. (30) מַעַל hi. (31) מַעַל (32) מַעַל pi. (33) מַעַל a. qal. δ. ni. c. pu. d. מַעַל e. מַעַל f. מַעַל (34) מַעַל δ. מַעַל (35) מַעַל (36) מַעַל (37) מַעַל hi. (38) מַעַל (39) מַעַל (40) מַעַל hi. (41) מַעַל (42) מַעַל hi. (43) מַעַל a. qal. δ. hi. (44) מַעַל (45) מַעַל (46) מַעַל (47) מַעַל π. מַעַל (48) מַעַל π. מַעַל pi. (49) ακουσθήναι π. מַעַל hi. (50) ακουστόν π. מַעַל hi. (51) ακυρον π. a. מַעַל δ. מַעַל (52) ἀλγειν π. מַעַל hi. (53) ἀμαρτεῖν π. מַעַל hi. (54) π. ἀνάπαυμα (-παυσιν) מַעַל hi. (55) ἀπόκρισιν ποιεῖσθαι מַעַל hi. (56) ἀσθενή π. מַעַל ni. (57) ἀποτα (τά δ.) π. מַעַל hi. (58) ἀφαισιν π. מַעַל a. qal. δ. hi. (59) βαθεῖας βουλήν π. מַעַל hi. (60) βελτίον π. מַעַל hi. (61) γεννώσαν π. מַעַל hi. (62) δει ποιεῖν מַעַל a. qal. δ. ni. (63) ἐγκοπον π. מַעַל hi. (64) εἶναι πεποιθώς מַעַל (65) π. εἰσελθεῖν מַעַל hi. (66) ἐκβολήν ποιεῖσθαι מַעַל hi. (67) ἔλεος π. מַעַל (68) ἐνεδν ἐαυτὸν π. מַעַל מַעַל (69) ἐντομίδας π. מַעַל hi. (70) ἐπιγαμία, ἐπιγαμίας π. מַעַל hi. (71) ἐπιλαθῆσθαι π. מַעַל pi. (72) ἐπισκοπήν π. מַעַל (73) π. ἐπιφυλλῖδα מַעַל po. (74) εἶδ π. a. מַעַל adj. δ. מַעַל hi. c. מַעַל hi. d. מַעַל hi. (75) εὐεκεῖν π. מַעַל מַעַל (76) εὐθὺν π. מַעַל pi. (77) εὐλαβή π. מַעַל hi. (78) π. εὐφραίνόμενον מַעַל pi. (79) ἔην π. מַעַל pi. (80) ἰσχυρὸν π. a. מַעַל pi. δ. מַעַל (81) καλλίον π. מַעַל hi. (82) καλὸν π. מַעַל hi. (83) καλὸς π. a. מַעַל hi. δ. מַעַל hi. (84) κατὰκοπον π. מַעַל hi. (85) κενὸν π. מַעַל hi. (86) π. κοπιᾶσαι מַעַל (87) κρίσιν π. מַעַל ni. (88) λεπτὸν π. מַעַל (89) π. λήθην מַעַל (90) μακρὰν π. מַעַל hi. (91) μάρτυρας π. מַעַל hi. (92) π. μικρόν מַעַל hi. (93) μισήτῃ π. מַעַל (94) μείαν π. מַעַל (95) ὀλίγον π. מַעַל hi. (96) ὀλιγοστόν π. מַעַל hi. (97) ὀρθὸν π. מַעַל pi. (98) ὁ τὰ πάντα ποιήσας מַעַל (99) πατήσαι π. מַעַל hi. (100) πεποθῆναι π. a. מַעַל hi. δ. מַעַל hi. (101) πλείον π. מַעַל ni. (102) πλεοναστὸν π. מַעַל hi. (103) πολὺν

π. a. מַעַל δ. מַעַל hi. c. מַעַל (104) πόρρω π. מַעַל hi. (105) π. σισόην מַעַל hi. (106) στεῖρα π. מַעַל (107) π. συμβῆναι מַעַל hi. (108) συνετὸς π. מַעַל hi. (109) συστροφὰς ποιεῖσθαι מַעַל (110) π. ταλαίπωρον מַעַל (111) τέκνα π. מַעַל (112) π. τόπον מַעַל (113) ὕψηλὸν π. מַעַל hi. (114) φαῦλον π. מַעַל pi. (115) π. χαρμονήν מַעַל pi. (116) π. ψηλαφᾶν a. מַעַל hi. δ. מַעַל hi. (117) π. ψήφισμα מַעַל hi. (118) ἐκδίκησιν ποιεῖν מַעַל ni.

Ge. 1. 1. ἐν ἀρχῇ ἐποίησεν ὁ θ. τὸν οὐρ. (5 a) — 7. ἐποίησεν ὁ θ. τὸ στερέωμα (33 a) — 11, 12. ἐξέλον κάρπιον ποιοῦν καρπὸν (33 a) — 16. ἐποίησεν ὁ θ. τοὺς δύο φωστ. (33 a) — 21. ἐποίησεν ὁ θ. τὰ κῆτ' τὰ μεγ. (5 a) — 25. ἐποίησεν ὁ θ. τὰ θηρία (33 a) — 26. ποιήσωμεν ἄνθρωπον (33 a) — 27. ἐποίησεν ὁ θ. τὸν ἄνθρωπον κατ' εἰκόνα θεοῦ ἐποίησεν αὐτόν ἄρσεν καὶ θῆλυ ἐποίησεν αὐτούς (5 a ter) — 31. τὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a) 2. 2. τὰ ἔργα αὐτοῦ δ' ἐποίησε (33 a) — 2. ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων αὐ. ὧν ἐποίησε (33 a) — 3. ὧν ἤρκατο ὁ θ. ποιῆσαι (33 a) — 4. ἡ ἡμέρα ἐποίησε κ. ὁ θ. τὸν οὐρ. (33 a) — 18. ποιήσωμεν αὐτῷ βορρὸν (33 a) 3. 1. ὧν ἐποίησε κ. ὁ θ. (33 a) — 7. ἐποίησαν αὐτοὺς περιζώματα (33 a) — 13. τί τοῦτο ἐποίησας (33 a) — 14. οἱ ἐποίησαν τοῦτο (33 a) — 21. ἐποίησε κ. ὁ θ. . . . χιτῶνας (33 a) 4. 10. Α. τί ἐποίησας [B πεποιθῆς] (33 a) 5. 1. ἡ ἡμέρα ἐποίησεν ὁ θ. τὸν Ἄ. — 1. κατ' εἰκόνα θ. ἐποίησεν αὐτόν (33 a) — 2. ἄρσεν καὶ θ. ἐποίησεν αὐτούς (5 a) — 2. ἡ ἡμέρα ἐποίησεν αὐτούς (5 b) 6. 6. ἐποίησε τὸν ἄνθρ. ἐπὶ τῆς γῆς (33 a) — 7. τὸν ἄνθρωπον ὃν ἐποίησα (5 a) — 7. οἱ ἐποίησαν αὐτούς (33 a) — 14. ποιήσωμεν σε αὐτῷ κιβωτόν (33 a) — 14. νοστιάς ποιήσεις τὴν κιβ. (33 a) — 15. οὕτως ποιήσεις τὴν κιβ. (33 a) — 16. ἐπισυνάγων ποιήσεις τὴν κιβ. (33 a) — 16. τὴν δὲ θυρὰν τῆς κιβ. ποιήσεις (39) — 16. κατὰγα . . . ποιήσεις αὐτήν (33 a) — 22. ἐποίησε Νῶε πάντα . . . οὕτως ἐποίησε (33 a, 33 a) 7. 4. πᾶν τὸ ἀνίστημι δ' ἐποίησα (33 a) — 5. ἐποίησε Νῶε πάντα (33 a) 8. 6. τὴν θυρίδα τῆς κιβ. ἣν ἐποίησε — 13. B τῆς κιβ. ἣν ἐποίησε [A om. ἣν ἐπ.] — 21. καθὼς ἐποίησα (33 a) 9. 6. ἐν εἰκόνι θεοῦ ἐποίησα τὸν ἄνθρ. (33 a) — 24. ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ ὁ υἱὸς αὐ. (33 a) 11. 4. ποιήσωμεν αὐτῶν ὄνομα (33 a) — 6. τοῦτο ἔρξατο ποιῆσαι (33 a) — 6. ὅσα ἂν ἐπιθώται ποιῆσαι (33 a) — 18. τί τοῦτο ἐποίησάς μοι (33 a) 13. 4. οὐ ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν σκηνήν — 16. ποιήσω τὸ σκέπασμα σου ὡς τὴν ἄμυν (33 a) 14. 2. ἐποίησαν πόλεμον μετὰ Βαλλά (33 a) 15. 5. οὕτως ποιήσω καθὼς ἐῖρηκας (33 a) — 6. ποιήσω ἐγκρυφίας (33 a) — 7. ἐτάχυνε τοῦ ποιῆσαι αὐτό (33 a) — 8. τὸ μοσχάριον δ' ἐποίησε (33 a) — 17. μὴ κρύψω . . . ὃ ἐγὼ ποιῶ (33 a) — 19. ποιεῖν δικαιοσύνην καὶ κρίσιν (33 a) — 25. μηδ' αὖτε σὺ ποιήσεις (33 a) — 25. οὐ ποιήσεις κρίσιν (33 a) 19. 3. ἐποίησεν αὐτοὺς πότον (33 a) — 8. Α. μὴ ποιήσῃς μηδὲν [B om.] ἄδικον (33 a) — 19. δ. ποιεῖς ἐπ' ἐμέ (33 a) — 22. οὐ γὰρ δυνήσῃς ποιῆσαι πρᾶγμα (33 a) 20. 5. ἐν καθαρῇ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο (33 a) — 6. ἐν καθαρῇ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο (33 a) — 9. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (33 a) — 9. ἔργον δ' οὐδεὶς ποιήσει πεποιθὴς μοι (33 b, 33 a)

Ge. 20. 10. τί ἐνιδὼν ἐποίησας τοῦτο (33 a) — 13. Α. ταύτην τὴν δικαιοσ. ποιήσων ἐπ' [B -σεις εἰς] ἐμέ (33 a) 21. 1. ἐποίησε κύριος τῇ Σάρρᾳ (33 a) — 6. γέλωτά μοι ἐποίησε κύριος (33 a) — 8. ἐποίησεν Ἀβ. δοχὴν μεγάλην (33 a) — 13. εἰς ἔθνος μέγα ποιήσω αὐτόν (39) — 18. εἰς γὰρ ἔθνος μέγα ποιήσω αὐτόν (39) — 22. ἐν πᾶσιν οἷς ἐὰν ποιῇς (33 a) — 23. ἣν ἐποίησα μετὰ σοῦ ποιήσεις μετ' ἐμοῦ (33 a, 33 a) — 26. τίς ἐποίησε τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 a) 22. 12. μηδὲ ποιήσῃς αὐτῷ μηδὲν (33 a) — 16. οὐ εἵκεν ἐποίησας τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a) 24. 12. ποιήσων ἔλεος μετὰ τοῦ κυρίου μου (33 a) — 14. ἐποίησας ἔλεος τῷ κυρίῳ μου (33 a) — 44. πεποιθὴς ἔλεος τῷ κυρίῳ μου Ἀβ. — 49. εἰ οὖν ποιεῖτε ὑμεῖς ἔλεος (33 d) — 66. πάντα τὰ ῥήματα ἃ ἐποίησεν (33 a) 26. 10. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (33 a) — 29. Α. μὴ ποιήσῃς [B -ῆσαι] μεθ' ἡμῶν κακόν (33 a) — 30. ἐποίησεν αὐτοῖς δοχὴν (33 a) 27. 4. 7. ποιήσων μοι ἐδέσματα (33 a) — 9. ποιήσω αὐτοῖς ἐδέσματα (33 a) — 14. ἐποίησεν ἡ μήτηρ αὐτοῦ ἐδέσματα (33 a) — 17. τοὺς ἄρτους οὓς ἐποίησεν (33 a) — 19. Α. ἐποίησα [B πεποιθῆκα] καθὰ ἐλάλησας (33 a) — 31. ἐποίησε καὶ αὐτοὺς ἐδέσματα (33 a) — 37. εἰ κύριον αὐτὸν πεποιθὴς σου (39) — 37. Α. πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. ἐποίησα [B πεποιθῆκα] αὐ. οἰκέτας . . . σοὶ δὲ τί ποιήσω (25, 33 a) — 45. δ. πεποιθὴς αὐτῷ (33 a) 28. 15. ἔως τοῦ ποιῆσαι με πάντα (33 a) 29. 22. καὶ ἐποίησε γάμον (33 a) — 25. τί τοῦτο ἐποίησάς μοι (33 a) — 28. ἐποίησε δὲ Ἰ. οὕτως (33 a) 30. 30. πότε ποιήσω κατὰ ἔμνητον οἶκον (33 a) — 31. ἐὰν ποιήσῃς μοι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a) 31. 1. πεποιθῆκε πᾶσαν τὴν δόξαν ταύτην (33 a) — 12. ὅσα σοὶ λάβαν ποιῶ (33 a) — 16. ὅσα σοὶ ἐῖρηκεν ὁ θ. ποιεῖ (33 a) — 26. τί ἐποίησας (33 a) — 43. τί ποιήσω ταῦταις σήμερον (33 a) — 46. καὶ ἐποίησαν βουνόν (33 a) 32. 9 (10). καὶ εὐ σε ποιήσω (74 c) — 10 (11). ἦς ἐποίησας τῷ παιδί σου (33 a) — 12 (13). εὐ σε ποιήσω (74 c) — 16 (17). διάστημα ποιεῖτε (39) 33. 2. Α. ἐποίησεν [B ἔθετο] τὰς δύο παιδίσκας . . . ἐν πρώτοις (39) — 17. ἐποίησεν αὐτῷ ἐκεῖ οἰκίας (4) — 17. τοῖς κτήνεσιν αὐ. ἐποίησε σκηνάς (33 a) 34. 7. ἀσχημον ἐποίησεν Συεῖμ (33 a) — 14. οὐ δυνήσόμεθα ποιῆσαι τοῦτο (33 a) — 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a) — 30. μισήτῃ με πεποιθήκατε (33 a) 35. 1. ποιήσων ἐκεῖ θυσαστῆριον (33 a) — 3. ποιήσωμεν ἐκεῖ θυσαστῆριον (33 a) 37. 3. ἐποίησε δὲ αὐτῷ χιτῶνα ποικ. (33 a) 38. 10. ὅτι ἐποίησε τοῦτο (33 a) 39. 3. ὅσα ἂν ποιῇ (33 a) — 9. πῶς ποιήσω τὸ ῥῆμα τὸ πον. τοῦτο (33 a) — 11. τοῦ ποιεῖν τὰ ἔργα αὐτοῦ (33 a) — 19. οὕτως ἐποίησέ μοι ὁ παῖς σου (33 a) — 22. ὅσα ποιήσῃς ἐκεῖ (33 a) — 22. B αὐτὸς ἦν ποιῶν (33 a) — 23. ὅσα αὐτὸς ἐποίησε (33 a) 40. 14. ποιήσεις ἐν ἐμοὶ ἔλεος (33 a) — 15. ὥδε οὐκ ἐποίησα οὐδὲν (33 a) — 20. ἐποίησε πτόν πᾶσι τοῖς πασι αὐ. (33 a) 41. 25, 28. ὅσα ὁ θ. ποιεῖ (33 a) — 32. ταχυνεῖ ὁ θ. τοῦ ποιῆσαι αὐτό (33 a) — 34. καὶ ποιήσῃς Φ. (33 a) — 47. ἐποίησεν ἡ γῆ . . . δράγματα (33 a) — 51. ἐπιλαθῆσθαι με ἐποίησεν ὁ θ. (71) — 55. δ. ἐὰν εἴπῃ ὑμῖν ποιήσατε (33 a) 42. 18. τοῦτο ποιήσατε (33 a) — 20. ἐποίησαν δὲ οὕτως (33 a) — 28. τί τοῦτο ἐποίησεν ὁ θ. ἡμῖν (33 a) 43. 11. τοῦτο ποιήσατε (33 a) — 17. ἐποίησε δὲ ὁ ἄνθρ. καθὰ εἶπεν Ἰ. (33 a) 44. 5. ἃ πεποιθήκατε (33 a) — 7. B ποιῆσαι κατὰ [A om.] τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)

Ge. 44. 15. τί τὸ πρᾶγμα τοῦτο ἐποίησατε (33 a)  
 — 17. μή μοι γένοιτο ποιῆσαι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 45. 8. ἐποίησε με ὡς πατέρα Φ. (39)  
 — 9. ἐποίησε με ὁ θ. κύριον (39)  
 — 17. τοῦτο ποιήσατε (33 a)  
 — 21. ἐποίησαν δὲ οὕτως (33 a)  
 46. 3. εἰς γὰρ ἔθνος μέγα ποιήσω σε (39)  
 47. 29. ποιήσεις ἐπ' ἐμὲ ἐλεημοσύνην (33 a)  
 — 30. ποιήσω κατὰ τὸ ῥῆμά σου (33 a)  
 48. 4. ποιήσω σε εἰς συναγωγὴν ἐθνῶν (35)  
 — 20. ποιῆσαι σε ὁ θ. ὡς Ἐφρ. (39)  
 50. 10. ἐποίησε τὸ πένθος τῷ πατρὶ αὐ. (33 a)  
 — 12. ἐποίησαν αὐτῷ οὕτως (33 a)  
 Ex. 1. 17. οὐκ ἐποίησαν καθότι συνέταξεν αὐταῖς (33 a)  
 — 18. τί ἐπείποισάτε τὸ πρᾶγμα τοῖτο (33 a)  
 — 20. εὖ δὲ ἐποίησε ὁ θ. ταῖς μαίαις (74 c)  
 — 21. ἐποίησαν ἐναντίας οἰκίας (33 a)  
 3. 20. οἱ ποιήσω ἐν αὐτοῖς (33 a)  
 4. 11. τίς ἐποίησε δισκαφὸν (39)  
 — 15. συμβιβάζω ὑμᾶς ἀ ποιήσετε (33 a)  
 — 17. ἢ ποιήσεις ἐν αὐτῇ τὰ σημεῖα (33 a)  
 — 21. ποιήσεις ὑπὲρ ἐναντίον Φ. (33 a)  
 — 30. ἐποίησε τὰ σημεῖα (33 a)  
 5. 8. ἦε αὐτοὶ ποιοῦσι (33 a)  
 — 15. ἵνα τί οὕτως ποιεῖς (33 a)  
 — 16. τὴν πλὴνθον ἡμῖν λέγουσι π. (33 a)  
 6. 1. ἀ ποιήσω τῷ Φ. (33 a)  
 7. 6. ἐποίησε δὲ Μ. . . οὕτως ἐποίησαν (33 a, 33 a)  
 — 10. καὶ ἐποίησαν οὕτως (33 a)  
 — 11. καὶ ἐποίησαν . . . ταῖς φαρμακίαις αὐ. (33 a)  
 — 20. καὶ ἐποίησαν οὕτως Μ. καὶ Ἀ. (33 a)  
 — 22: 8. 7 (3). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως καὶ οἱ ἑπαιδοὶ (33 a)  
 8. 13 (9). ἐποίησε δὲ κύριος καθάπερ εἶπε Μ. (33 a)  
 — 18 (14). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως καὶ οἱ ἐπαιδοὶ (33 a)  
 — 24 (20). ἐποίησε δὲ κύριος οὕτως (33 a)  
 — 31 (27). ἐποίησε δὲ κύριος (33 a)  
 9. 5. Ἀ·Β ποιήσει κ. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 6. Ἀ·Β ποιήσῃ κ. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 10. 2. ἀ ἐποίησαν ἐν αὐτοῖς (39)  
 — 25. ἀ ποιήσωμεν κ. τῷ θ. ἡ. (33 a)  
 11. 10. ἐποίησαν πάντα τὰ σημεῖα (33 a)  
 12. 12. ποιήσω τὴν ἐκδικσίαν (33 a)  
 — 16. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 b)  
 — 16. ὅσα ποιηθήσεται πᾶσι ψυχῇ (1)  
 — 16. τοῦτο μόνον ποιηθήσεται ὑμῖν (33 b)  
 — 17. ποιήσετε τὴν ἡμέραν ταύτην (44)  
 — 28. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . οὕτως ἐποίησαν (33 a, 33 a)  
 — 35. ἐποίησαν καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς Μ. (33 a)  
 — 39. οὐδὲ ἐπαιτισμὸν ἐποίησαν ἐναντίον (33 a)  
 — 47. πᾶσα συναγωγὴ . . . ποιήσῃ αὐτό (33 a)  
 — 48. ποιῆσαι [Α καὶ ποιῇ] τὸ πᾶν κ. κυρίῳ (33 a)  
 — 48. προσελύσεται ποιῆσαι αὐτό (33 a)  
 — 50. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . οὕτως ἐποίησαν (33 a, 33 a)  
 13. 5. ποιήσεις τὴν λατρείαν ταύτην (27 a)  
 — 8. ἐποίησε κ. ὁ θ. μοι (33 a)  
 14. 4. καὶ ἐποίησαν οὕτως (33 a)  
 — 5. τί τοῦτο ἐποίησαν [Α πεποιήκαμεν] (33 a)  
 — 11. τί τοῦτο ἐποίησαν ἡμῖν (33 a)  
 — 13. ἦν ποιήσῃ ἡμῖν ἡμέραν (33 a)  
 — 21. ἐποίησε τὴν βύλασαν ξηρὰν (39)  
 — 31. ἀ ποιήσῃ κ. τοῖς λιγ. (33 a)  
 15. 11. θαυμαστός ἐν δόξαις ποιῶν τέρατα (33 a)  
 — 26. ἐάν . . . τὰ ἀρεστά ἐναντίον αὐτοῦ ποιήσῃ (33 a)  
 16. 17. ἐποίησαν δὲ οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 a)  
 17. 4. τί ποιήσω τῷ λαῷ τούτῳ (33 a)  
 — 6. ἐποίησε δὲ Μ. οὕτως (33 a)  
 — 10. ἐποίησαν Ἰ. καθάπερ εἶπεν αὐτῷ Μ. (33 a)  
 18. 1. 8. ὅσα ἐποίησε κύριος (33 a)  
 — 9. οἱ ἐποίησαν αὐτοῖς κύριος (33 a)  
 — 14. ὅσα ποιεῖ [Α ἐποίησιν] τῷ λαῷ (33 a)  
 — 14. τί τοῦτο ὁ θ. οὐ ποιεῖς τῷ λαῷ (33 a)  
 — 17. οὐκ ὀρθὸς σὺ ποιεῖς τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 18. Β οὐ δύνησιν π. μόνος (33 a)  
 — 20. τὰ ἔργα ἀ ποιήσωσι (33 a)  
 — 23. ἐάν τὸ ῥῆμα τοῦτο ποιήσῃ (33 a)  
 — 24. ἐποίησαν ὅσα εἶπεν αὐτῷ (33 a)  
 — 25. ἐποίησαν αὐτοῖς ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (25)  
 19. 4. ὅσα πεποιήκα τοῖς λιγ. (33 a)  
 — 8. πάντα ὅσα εἶπεν ὁ θ. ποιήσωμεν (33 a)  
 20. 4. οὐ ποιήσεις σεαυτῷ εἰδωλόν (33 a)  
 — 6. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (33 a)

Ex. 20. 9. ποιήσεις πάντα τὰ ἔργα σου (33 a)  
 — 10. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ πᾶν ἔργον (33 a)  
 — 11. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρ. (33 a)  
 — 23. οὐ ποιήσετε ὑμῖν αὐτοῖς θεοὺς ἀργ. (33 a)  
 — 23. θεοὺς χρυσοῦς οὐ ποιήσετε ὑμῖν ἐαν. (33 a)  
 — 24. θυσιάστηριον ἐκ γῆς ποιήσετε μοι (33 a)  
 — 25. ἐάν δὲ θυσιάστηρ. ἐκ λίθων ποιῆς μοι (33 a)  
 21. 9. κατὰ τὸ δικαίωμα τῶν θυγ. ποιήσῃ αὐτῇ (33 a)  
 — 11. ἐάν δὲ τὰ τρία ταῦτα μὴ ποιήσῃ αὐτῇ (33 a)  
 — 31. Α·Β κατὰ τὸ δικ. τοῦτο ποιήσωσιν [Β -σασιν] αὐτῷ (33 b)  
 22. 30 (29). οὕτω ποιήσεις τὸν μόσχον σου (33 a)  
 23. 11. ἀφείσιν ποιήσεις (33 a)  
 — 11. οὕτω ποιήσεις τὸν ἀμπελῶνά σου (33 a)  
 — 12. ἐξ ἡμέρας ποιήσεις τὰ ἔργα σου (33 a)  
 — 15. τὴν ἐορτὴν τῶν ἀφ. φυλάξας θε. π. (33 a)  
 — 16. ἐορτὴν θερσιμοὶ πρωτογ. ποιήσεις (33 a)  
 — 22. ἐάν . . . ποιήσῃς πάντα (33 a)  
 — 22. ἐάν . . . ποιήσῃς [Α -σῃς] πάντα (33 a)  
 — 24. οὐ ποιήσεις κατὰ τὰ ἔργα αὐτῶν (33 a)  
 — 33. ἵνα μὴ ἁμαρτίνῃ σε ποιήσωσι (33 a)  
 24. 3. πάντα τοὺς λόγους . . . ποιήσωμεν (33 a)  
 — 7. πάντα . . . ποιήσωμεν (33 a)  
 25. 7 (8). ποιήσεις μοι ἀγίασμα (33 a)  
 — 8 (9). ποιήσεις μοι κατὰ πάντα (33 a)  
 — 8 (9). οὕτω ποιήσεις (33 a)  
 — 9 (10). ποιήσεις κειθῶν μαρτυρίου (33 a)  
 — 10 (11). ποιήσεις αὐτῇ κυμάτια (33 a)  
 — 12 (13). ποιήσεις δὲ ἀναφορεῖς (33 a)  
 — 16 (17). ποιήσεις ἱλαστήριον (33 a)  
 — 17 (18). ποιήσεις δύο χερουβίμ (33 a)  
 — 18 (19). ποιηθήσονται χερ. εἰς . . . καὶ χερ. εἰς (33 a)  
 — 18 (19). ποιήσεις τοὺς δύο χερ. (33 a)  
 — 22 (23). καὶ ποιήσεις τράπεζαν (33 a)  
 — 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στρεπτά κυμάτια (33 a)  
 — 23 (24). καὶ ποιήσεις αὐτῇ (33 a)  
 — 24 (25). ποιήσεις στρεπτὸν κυμάτιον (33 a)  
 — 25 (26). ποιήσεις τέσσαρας δακτυλίους (33 a)  
 — 27 (28). ποιήσεις τοὺς ἀναφορεῖς (33 a)  
 — 28 (29). ποιήσεις τὰ τρυβλία αὐ. (33 a)  
 — 28 (29). χρυσοῦ καθαροῦ ποιήσεις αὐτά (33 a)  
 — 30 (31). καὶ ποιήσεις λυχνίαν (33 a)  
 — 30 (31). τορευτὴν ποιήσεις τὴν λυχνίαν (33 b)  
 — 36 (37). καὶ ποιήσεις τοὺς λυχνοὺς αὐ. (33 a)  
 — 37 (38). τὰ ὑποδόματα αὐτῆς . . . ποιήσεις (33 a)  
 — 39 (40). ποιήσεις κατὰ τὸν τύπον (33 a)  
 26. 1. τὴν σκηνὴν ποιήσεις (33 a)  
 — 1. ἐργασία ὑφάντου ποιήσεις αὐτάς (33 a)  
 — 4. ποιήσεις αὐταῖς ἀγκύλας (33 a)  
 — 4. οὕτω ποιήσεις ἐπὶ τοῦ χειλούς (33 a)  
 — 5 δις. πεντήκ. ἀγκύλας ποιήσεις (33 a)  
 — 6. ποιήσεις κρίκους πεντήκ. χρυσοῦς (33 a)  
 — 7. ποιήσεις δέρρεις τριχίνας (33 a)  
 — 7. ἐνδεκα δέρρεις ποιήσεις αὐτάς (33 a)  
 — 10. ποιήσεις ἀγκύλας πεντήκ. (33 a)  
 — 10. πεντήκ. ἀγκύλας ποιήσεις (33 a)  
 — 11. ποιήσεις κρίκους χαλκοῦς (33 a)  
 — 14. καὶ ποιήσεις κατακάλυμμα (33 a)  
 — 15. καὶ ποιήσεις στύλους (33 a)  
 — 16. ποιήσεις [Α om.] τὸν στύλον τὸν ἕνα (33 a)  
 — 17. οὕτω ποιήσεις πᾶσι τοῖς στύλοις (33 a)  
 — 18. καὶ ποιήσεις στύλους (33 a)  
 — 19. τεσσαράκ. βάσεις ἀργ. ποιήσεις (33 a)  
 — 22. ποιήσεις ἐξ στύλους (33 a)  
 — 23. δύο στύλους ποιήσεις (33 a)  
 — 24. οὕτω ποιήσεις ἀμφोट. ταῖς δυσὶ γωνίαις (6) (33 a)  
 — 26. καὶ ποιήσεις μοχλοὺς (33 a)  
 — 29. τοὺς δακτυλίους ποιήσεις χρυσοῦς (33 a)  
 — 31. καὶ ποιήσεις καταπέτασμα (33 a)  
 — 31. ἔργον ὑφαντὸν ποιήσεις αὐτό (33 a)  
 — 36. καὶ ποιήσεις ἐπισπαστρον (33 a)  
 — 37. καὶ ποιήσεις . . . πέντε στύλους (33 a)  
 27. 1. καὶ ποιήσεις θυσιάστηριον (33 a)  
 — 2. καὶ ποιήσεις τὰ κέρατα (33 a)  
 — 3. καὶ ποιήσεις στεφάνην (33 a)  
 — 3. πάντα τὰ σκεύη αὐ. ποιήσεις χαλκῷ (33 a)  
 — 4. καὶ ποιήσεις αὐτῷ ἐσχάραν (33 a)  
 — 4. καὶ ποιήσεις . . . τέσσαρας δακτυλίους (33 a)  
 — 6. καὶ ποιήσεις . . . ἀναφορεῖς (33 a)  
 — 8. κοῖλον ἀμυδρὸν ποιήσεις αὐτό (33 a)  
 — 8. οὕτω ποιήσεις αὐτό [Α om.] (33 a)  
 — 9. ποιήσεις αὐτῇ τὴν σκηνήν (33 a)  
 28. 2. ποιήσεις στολὴν ἁγίαν Ἀαρὼν (33 a)  
 — 3. ποιήσωσι τὴν στολήν τὴν ἀγ. (33 a)  
 — 4. αἰτὰ αἱ στολαὶ δε ποιήσωσι (33 a)

Ex. 28. 4. ποιήσωσι στολὰς ἁγίας Ἀ. (33 a)  
 — 6. ποιήσωσι τὴν ἐπωμίδα (33 a)  
 — 13. καὶ ποιήσεις ἀσπίδιασκα (33 a)  
 — 14. καὶ ποιήσεις δύο κροσσῶτά (33 a)  
 — 15. καὶ ποιήσεις λόγιον (33 a)  
 — 15. ποιήσεις αὐτὸ ἐκ χρυσοῦ (33 a)  
 — 16 (15). ποιήσεις αὐτὸ τετράγωνον (33 a)  
 — 22. καὶ ποιήσεις . . . κροσσούς (33 a)  
 — 27 (31). καὶ ποιήσεις ὑποδύτην ποδήρη (33 a)  
 — 29 (33). καὶ ποιήσεις . . . ροίσκους (33 a)  
 — 32 (36). καὶ ποιήσεις πέταλον χρυσοῦ (33 a)  
 — 35 (39). ποιήσεις κίδαριν βυσσίνην καὶ ζώ- νην ποιήσεις (33 a, 33 a)  
 — 36 (40). ποιήσεις χιτῶνας καὶ ζῶνας (33 a)  
 — 36 (40). καὶ κιδάρες ποιήσεις αὐτοῖς (33 a)  
 — 38 (42). ποιήσεις αὐτοῖς περισκελὴ λινὰ (33 a)  
 29. 1. ἀ ποιήσεις αὐτοῖς (33 a)  
 — 2. σεμίδαλιν ἐκ πυρῶν ποιήσεις αὐτά (33 a)  
 — 35. καὶ ποιήσεις . . . κατὰ πάντα (33 a)  
 — 36. τὸ μοσχάριον τῆς ἀμαρτ. ποιήσεις (33 a)  
 — 38. ταῦτά ἐστὶν ἀ ποιήσεις (33 a)  
 — 39. τὸν ἀμὸν τὸν ἕνα ποιήσεις τὸ πρῶτ (33 a)  
 — 39. 41. τὸν ἀμὸν τὸν δεύτ. ποιήσεις τὸ δειλ. (33 a)  
 — 41. ποιήσεις . . . κάρπωμα κυρίῳ (33 a)  
 30. 1. καὶ ποιήσεις θυσιάστηριον θυμιάματος (33 a)  
 — 2 (1). καὶ ποιήσεις αὐτό (33 a)  
 — 3. ποιήσεις αὐτῷ στρεπτὴν στεφάνην (33 a)  
 — 4. δύο δακτυλίους . . . ποιήσεις (33 a)  
 — 4. εἰς τὰ δύο κλίτη ποιήσεις (33 a)  
 — 5. καὶ ποιήσεις σκυτάλας (33 a)  
 — 18. ποιήσων λουτήρα χαλκοῦν (33 a)  
 — 25. ποιήσεις αὐτὸ ἔλαιον [Α om.] χρῆμα (33 a)  
 — 32. Α·Β οὐ ποιήσετε [Β -ηθήσεται] ὑμῖν ἑαυτοῖς (33 a)  
 — 33. δε ἂν ποιήσῃ ὡσαύτως (38)  
 — 35. ποιήσωσιν ἐν αὐτῷ [Α\* αὐτό] θυμίαμα (33 a)  
 — 37. κατὰ τὴν σύνθεσιν τ. οὐ ποιήσετε (33 a)  
 — 38. δε ἂν ποιήσῃ ὡσαύτως (33 a)  
 31. 6. καὶ ποιήσωσιν πάντα (33 a)  
 — 11. κατὰ πάντα . . . ποιήσωσι (33 a)  
 — 14. δε ποιήσῃ ἐν αὐτῷ ἔργον (33 a)  
 — 15. ἐξ ἡμέρας ποιήσεις ἔργα (33 b)  
 — 15. δε ποιήσῃ ἔργον (33 a)  
 — 16. ποιῶν αὐτὰ εἰς τὰς γενεὰς αὐτῶν (33 a)  
 — 17. ἐξ ἡμέρας ἐποίησε κ. τὸν οὐρ. (33 a)  
 32. 1. ποιήσων ἡμῖν θεοὺς (33 a)  
 — 4. ἐποίησεν αὐτὰ μόσχον (33 a)  
 — 8. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μόσχον (33 a)  
 — 10. ποιήσω σε εἰς ἔθνος μέγα (33 a)  
 — 14. Α ποιῆσαι [Β περιπ.] τὸν λαὸν αὐτοῦ (33 a)  
 — 20. τὸν μόσχον δὲ ἐποίησαν (33 a)  
 — 21. τί ἐποίησέ σοι ὁ λαὸς οὕτως (33 a)  
 — 23. ποιήσων ἡμῖν θεοὺς (33 a)  
 — 28. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Α. καθὰ ἐλάλησεν (33 a)  
 — 31. ἐποίησαν ἑαυτοῖς θεοὺς χρυσοῦς (33 a)  
 — 35. οὐ [Α δν] ἐποίησεν Ἀ. (33 a)  
 33. 5. ἀ ποιήσω σοι (33 a)  
 — 17. τοῦτόν σοι τὸν λόγον . . . ποιήσω (33 a)  
 34. 7. Α καὶ ποιῶν [Β om.] ἔλεος εἰς χιλιάδας (24)  
 — 10. ποιήσω ἐνδοξα (33 a)  
 — 10. ἀ ἐγὼ ποιήσω σοι [Α om.] (33 a)  
 — 17. θεοὺς χωνευτοῦς οὐ ποιήσεις σεαυτῷ (33 a)  
 — 22. ἐορτὴν ἐβδομάδων ποιήσεις μοι (33 a)  
 35. 1. οὐδ' εἶπε κύριος ποιῆσαι αὐτοῖς (33 a)  
 — 2. ἐξ ἡμέρας ποιήσεις ἔργα (33 b)  
 — 2. πᾶς ὁ ποιῶν ἔργον (33 a)  
 — 29. π. πάντα τὰ ἔργα (33 a)  
 — 29. ὅσα συνέταξε κύριος ποιῆσαι αὐτά (33 a)  
 — 33. ποιῶν τὸ χρυσοῦν (33 a)  
 — 33. ποιῶν ἐν παντὶ ἔργῳ σοφίας (33 a)  
 — 35. πάντα συνιέναι ποιῆσαι τὰ ἔργα (33 a)  
 — 35. ποιῶν πᾶν ἔργον ἀρχιερετικῶς (33 a)  
 36. 1. καὶ ἐποίησε Βεσ. (33 a)  
 — 1. συνιέναι ποιῶν πάντα τὰ ἔργα (33 a)  
 — 3. εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ἁγίου ποιῶν αὐτά (33 a)  
 — 4. οἱ ποιῶντες τὰ ἔργα τοῦ ἁγίου (33 a)  
 — 5. ὅσα συνέταξε κύριος ποιῆσαι (33 a)  
 — 7. τὰ ἔργα ἦν αὐτοῖς ἱκανὰ . . . ποιῆσαι (33 a)  
 — 8. ἐποίησε [Α -σαν] πᾶς σοφός (33 a)  
 — 9 (39. 2). ἐποίησε [Α -σαν] τὴν ἐπωμίδα (33 a)  
 — 10 (39. 3). ἔργον ὑφαντὸν ἐποίησαν αὐτό (33 a)  
 — 12 (39. 5). ἐξ αὐτοῦ ἐποίησαν αὐτό (33 a)  
 — 13 (39. 6). ἐποίησαν ἀμφοτ. τοὺς λίθους (33 a)  
 — 15 (39. 8). ἐποίησαν [Α -σαν] λόγιον (33 a)  
 — 16 (39. 9). ἐποίησαν τὸ λόγιον (33 a)

Ex. 36. 22 (39. 15). καὶ ἐποίησαν... κρωσσούς (33 α)  
 — 23 (39. 16). καὶ ἐποίησαν δύο ἰσπιδίσκας (33 α)  
 — 27 (39. 19), 28 (39. 20). καὶ ἐποίησαν δύο  
 διακυλλούς (33 α)  
 — 30 (39. 22). καὶ ἐποίησαν τὸν ὑποδύτην (33 α)  
 — 32 (39. 24). καὶ ἐποίησαν... ῥοίσκους (33 α)  
 — 33 (39. 25). καὶ ἐποίησαν κώδωνας χρυσοῦς (33 α)  
 — 35 (39. 27). καὶ ἐποίησαν χιτῶνας θυσιόφους (33 α)  
 — 38 (39. 30). καὶ ἐποίησαν τὸ πέταλον (33 α)  
 37. 1 (38. 8). ἐποίησαν τὴν σκηνὴν δίκαια αὐλαίς (33 α)  
 — 3 (36. 35). Ἀ. Β. ἐποίησαν [B -εν] τὸ κατα-  
 πέτασμα (33 α)  
 — 5 (36. 37). καὶ ἐποίησαν τὸ καταπέτασμα (33 α)  
 — 7 (38. 9). καὶ ἐποίησαν τὴν αὐλήν (33 α)  
 — 22 (38. 22). ἐποίησε καθὰ συνέταξε κύριος (33 α)  
 38 (37. 1). καὶ ἐποίησε Βεθ. τὴν κιβ.  
 — 2. Ἀ. καὶ ἐποίησαν αὐτὴν κυμάτων χρυσοῦν (33 α)  
 38. 5 (37. 6). καὶ ἐποίησε τὸν λαοστῆρην (33 α)  
 — 6 (37. 7). Ἀ. καὶ ἐποίησαν δύο χειρ. [B al.] (33 α)  
 — 9 (37. 10). ἐποίησε τὴν τράπεζαν τὴν προ-  
 κειμ. (33 α)  
 — 11 (37. 15). τοὺς διωστήρας... ἐποίησε (33 α)  
 — 12 (37. 16). ἐποίησε τὰ σκεύη τῆς τραπέζης (33 α)  
 — 13 (37. 17). ἐποίησε τὴν λυχνίαν (33 α)  
 — 18 (36. 36). ἐποίησε τὰς ἀγκύλας χρυσοῦς  
 — 19. ἐποίησε [A add. τοὺς στύλους] καὶ τοὺς  
 κρικους  
 — 20. καὶ ἀγκύλας ἐποίησε [A -σαν] (33 α)  
 — 21 (38. 20). Ἀ. Β. ἐποίησε τοὺς πασσάλους [B al.]  
 — 22 (1). ἐποίησε τὸ θυσιαστήριον (33 α)  
 — 23 (3). ἐποίησε πάντα τὰ σκεύη (33 α)  
 — 24 (4). ἐποίησε τὸν θυσιαστ. παράθεμα (33 α)  
 — 25 (37. 29). ἐποίησε τὸν ἐλαιον... τὸ ἄγιον (33 α)  
 — 26 (8). ἐποίησε τὸν λουτήρα (33 α)  
 — 27 (40. 30). ἐποίησε τὸν λουτήρα (39 ?)  
 39. 6 (38. 28). Ἀ. Β. τοὺς... σιέλους ἐποίησαν  
 [B -σε] (33 α)  
 — 8 (38. 30). Β. ἐποίησαν [A B -σαν]... τὰς  
 βάσεις (33 α)  
 — 11 (32). ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ... οὐ-  
 τως ἐποίησαν (33 α, 33 α)  
 — 12 (32). ἐποίησαν σκεύη εἰς τὸ λειτουργεῖν  
 — 13 (1). ἐποίησαν πολλὰς λειτουργικὰς (33 α)  
 — 22 (42). ἐποίησαν... πᾶσαν τὴν ἀπο-  
 σκευὴν [A παρ. α.] (33 α)  
 — 23 (43). ἦσαν πεποιθότες αὐτὰ (34)  
 — 24 (43). οὕτως ἐποίησαν αὐτὰ (33 α)  
 40. 16. ἐποίησε Μ. πάντα... οὕτως ἐποίησε  
 (33 α, 33 α)  
 Le. 2. 7. ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (33 β)  
 — 8. Ἀ. ἢν ἂν ποιῇ [B -ση] ἐκ τούτων (33 β)  
 — 11. πᾶσαν θυσίαν... οὐ ποιήσετε ζυμωτῶν (33 α)  
 4. 2. ὧν οὐ δεῖ ποιεῖν (33 β)  
 — 2. καὶ ποιῇ [A -σει] ἐν τῇ ἀπ' αὐτῶν (33 α)  
 — 13. καὶ ποιήσωσι μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ.  
 κυρίου ἢ οὐ ποιηθήσεται (33 α, 33 β)  
 — 20. καὶ ποιήσιν τὸν μόσχον ὃν τρόπον ἐποίησε  
 τὸν μόσχον τὸν τῆς ἁμαρτ. οὕτως  
 ποιηθήσεται [A ποιήσεται] (33 α, 33 α)  
 — 22. καὶ ποιήσῃ μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντ.  
 ἢ οὐ ποιηθήσεται (33 α, 33 β)  
 — 27. ἐν τῷ ποιῆσαι μίαν ἀπὸ π. τῶν ἐντ. κ.  
 ἢ οὐ ποιηθήσεται (33 α, 33 β)  
 5. 4. κακοποιῶσαι ἢ καλῶς ποιῶσαι (33 β)  
 — 10. ποιήσει [A -σει] ὁλοκάρπωμα (33 α)  
 — 17. Ἀ. Β. καὶ ποιῇ [B -σει] μίαν ἀπὸ πασῶν  
 τῶν ἐντ. κ. ὧν οὐ δεῖ ποιεῖν (33 α, 33 β)  
 6. 3 (5. 26). ὧν ἂν ποιῇ ὁ ἄνθρωπος (33 α)  
 — 6 (5. 26). ἀπὸ πάντων ὧν ἐποίησε (33 α)  
 — 21 (14). Β. ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (33 β)  
 — 22 (15). Β. δὲ ὁ χρυσὸς... ποιήσει αὐτὴν (33 α)  
 — 39 (7. 9). πᾶσα θυσία ἣτις ποιηθήσεται (2 β)  
 — 39 (7. 9). ἣτις ποιηθήσεται ἐπ' ἐσχίρας (33 β)  
 7. 14 (24). στέαρ... ποιηθήσεται [A οὐ π.] (33 β)  
 4. ἐποίησε Μ. ὃν τρόπον συνέταξεν (33 α)  
 — 5. ὁ ἐνετείλατο κυρίως ποιῶσαι (33 α)  
 — 34. καθάπερ ἐποίησαν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ταύτῃ ἡ  
 ἐνετείλατο κ. τοῦ ποιῶσαι (33 α, 33 α)  
 — 36. ἐποίησαν Ἀ... πάντας τοὺς λόγους (33 α)  
 9. 6. τοῦτο τὸ ῥῆμα... ποιήσατε (33 α)  
 — 7. ποιήσαν τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας σου (33 α)  
 — 7. ποιήσαν τὰ ῥήματα τοῦ λαοῦ (33 α)  
 — 16. καὶ ἐποίησαν αὐτό (33 α)  
 — 22. ποιήσαν τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας (33 α)  
 10. 7. ἐποίησαν κατὰ τὸ ῥῆμα Μωσῆ (33 α)  
 11. 32. ὁ ἐὼν ποιητὴν ἔργον ἐν αὐτῷ (33 β)

Le. 18. 51. ὅσα ἐὰν ποιῇτὶ δέριμα (33 β)  
 14. 19. ποιήσει ὁ ἱερεὺς τὸ περὶ τῆς ἁμαρτ. (33 α)  
 — 30. ποιήσει μίαν τῶν τρυγῶν (33 α)  
 15. 15. ποιήσει αὐτὰ ὁ ἱερεὺς (33 α)  
 — 30. ποιήσει ὁ ἱερεὺς τὴν μίαν (33 α)  
 — 31. εὐλαβεῖς ποιήσετε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (77)  
 16. 15. ποιήσει τὸ αἷμα αὐτοῦ ὃν τρόπον ἐποίησε  
 τὸ αἷμα τοῦ μόσχου (33 α, 33 α)  
 — 16. οὕτως ποιήσει τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτ. (33 α)  
 — 24. ποιήσει τὸ ὁλοκάρπωμα αὐ. (33 α)  
 — 29. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε (33 α)  
 — 34. ἀπαξ τοῦ ἐνιαυτοῦ ποιηθήσεται (33 α)  
 17. 4. ὥστε ποιῶσαι αὐτό  
 — 8. ὅς ἂν ποιῇτὶ ὁλοκαύτωμα (39)  
 — 9. ποιῶσαι αὐτὸ τῷ κυρίῳ (33 α)  
 18. 3. Ἀ. Β. οὐ ποιήσετε [B<sup>1</sup> -ηγήσεται, B<sup>2</sup>  
 -ήσεται] (33 α)  
 — 3. κατὰ τὰ ἐπιτελεῖν. γῆς Χ. ... οὐ ποι-  
 ῶσαι (33 α)  
 — 4. τὰ κρίματά μου ποιήσετε (33 α)  
 — 4. καὶ ποιήσετε αὐτά  
 — 5. ἃ ποιῶσαι ἄνθρωπος (33 α)  
 — 26. οὐ ποιήσετε ἀπὸ πάντων τῶν βδελυγμ. (33 α)  
 — 27. πάντα γὰρ τὰ βδελυγμ. ταῦτα ἐποίησαν (33 α)  
 — 29. ὅς ἂν ποιῇτὶ ἀπὸ πάντων τῶν βδ. (33 α)  
 — 29. αἱ ψυχαὶ αἱ ποιοῦσαι (33 α)  
 — 30. ὅπως μὴ ποιήσῃτε ἀπὸ πάντων (33 α)  
 19. 4. θεοὺς χωνεῖν οὐ ποιήσετε ὑμῖν (33 α)  
 — 15. οὐ ποιήσετε δίκον ἐν κρίσει (33 α)  
 — 27. οὐ ποιήσετε σιόν (105)  
 — 28. ἐντομίαν... οὐ ποιήσετε (25)  
 — 28. γράμματα στικτὰ οὐ ποιήσετε (25)  
 — 35. οὐ ποιήσετε δίκον ἐν κρίσει (33 α)  
 — 37 : 20. 8. καὶ ποιήσετε αὐτά (33 α)  
 20. 13. βδελυγμὰ ἐποίησαν [A -σαν] ἀμφότε-  
 ροι (33 α)  
 — 22. Ἀ. φυλάξασθε... τὰ κρίματά μου π.  
 [B om.] καὶ ποιήσετε αὐτά (-, 33 α)  
 — 23. ταῦτα πάντα ἐποίησαν (33 α)  
 22. 23. Β. σφάγια ποιήσεις [A<sup>2</sup> ἀποθήσεις] αὐτὰ (33 α)  
 — 24. ἐπὶ τῆς γῆς ὑμῶν οὐ ποιήσετε (33 α)  
 — 31. καὶ ποιήσετε αὐτάς (33 α)  
 23. 3. ἔξ ἡμέρας ποιήσεις ἔργα (33 β)  
 — 3. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσεις (33 α)  
 — 7. 8. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 α)  
 — 12. ποιήσετε... πρόβατον ἄμωμον (33 α)  
 — 19. ποιήσουσι χίμαρον ἐξ αἰῶν (33 α)  
 — 21, 25. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 α)  
 — 28. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε (33 α)  
 — 30. πᾶσα ψυχὴ ἣτις ποιήσει ἔργον (33 α)  
 — 31. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσετε (33 α)  
 — 35, 36. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 α)  
 24. 5. ποιήσετε αὐτὴν δάδεκα ἄρτους (2 α)  
 — 19. ὡς ἐποίησαν αὐτὸ (33 α)  
 — 23. ἐποίησαν καθὰ συνέταξε κύριος (33 α)  
 25. 18. ποιήσετε πάντα τὰ δικαιώμα. μου (33 α)  
 — 18. καὶ ποιήσετε αὐτὰ [A -σατε αὐτάς] (33 α)  
 — 21. καὶ ποιήσαι τὰ γενίμν. αὐτῆς (33 α)  
 26. 1. οὐ ποιήσετε ὑμῖν αὐτοῖς χειροποίητα (33 α)  
 — 3. καὶ ποιήσατε αὐτάς (33 α)  
 — 14. μηδὲ ποιήσατε τὰ προστάγμ. μου ταῦτα (33 α)  
 — 15. ὥστε ὑμᾶς μὴ π. πᾶσας τὰς ἐντ. μου (33 α)  
 — 16. καὶ ἐγὼ ποιῶσω οὕτως ὑμῖν (33 α)  
 — 22. ὁλοκαυτὸς ποιῶσω [A<sup>2</sup> -σει] ὑμᾶς (36)  
 Nu. 1. 54. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. κατὰ πάντα...  
 οὕτως ἐποίησαν (33 α, 33 α)  
 2. 34. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πάντα [A om.] (33 α)  
 4. 3. ποιῶσαι πάντα τὰ ἔργα (33 α)  
 — 19. τοῦτο ποιῶσατε αὐτοῖς (33 α)  
 — 23. ποιῶσαι τὰ ἔργα (27 α)  
 — 26. πάντα τὰ σκεύη... ποιήσουσι (27 α)  
 — 35, 39. λειτουργίαν καὶ ποιῶσαι (27 α)  
 5. 4. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 α)  
 — 4. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 α)  
 — 6. ὅστις εἶναι ποιῇ ἀπὸ τῶν ἁμαρτ. (33 α)  
 — 7. τὴν ἁμαρτίαν ἣν ἐποίησαν [A ἡμαρτίαν] (33 α)  
 — 30. καὶ ποιήσαι αὐτὴν... π. τὸν νόμον τ. (33 α)  
 6. 11. ποιήσει ὁ ἱερεὺς μίαν (33 α)  
 — 16. ποιήσει τὸ περὶ ἁμαρτίας αὐτοῦ (33 α)  
 — 17. τὸν κριὸν ποιήσει θυσίαν σωτηρίου (33 α)  
 — 17. ποιήσει ὁ ἱερεὺς τὴν θυσίαν αὐ. (33 α)  
 8. 3. ἐποίησαν οὕτως Ἀ. (33 α)  
 — 4. οὕτως ἐποίησαν τὴν λυχνίαν (33 α)  
 — 7. οὕτως ποιήσουσι αὐτοῖς τὸν ἀγνισμόν (33 α)  
 — 12. Ἀ. Β. ποιήσαι [B -σει] τὸν ἕνα (33 α)  
 — 20. ἐποίησε Μ... καθὰ ἐνετείλατο κ. (33 α)

Nu. 8. 20, 22. οὕτως ἐποίησαν αὐτοῖς (33 α)  
 — 26. οὕτως ποιήσεις τοὺς λευίτας (33 α)  
 9. 2. ποιήσωσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ πᾶσχα (33 α)  
 — 3. ποιήσεις [A -σετε] αὐτό (33 α)  
 — 3. ποιήσεις αὐτό (33 α)  
 — 4. ποιῶσαι τὸ πᾶσχα (33 α)  
 — 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 α)  
 — 6. οὐκ ἔδυναντο ποιῆσαι τὸ πᾶσχα (33 α)  
 — 10. ποιήσαι τὸ πᾶσχα κυρίῳ (33 α)  
 — 11, 12. ποιήσουσιν αὐτό (33 α)  
 — 13. ποιῶσαι τὸ πᾶσχα (33 α)  
 — 14. Ἀ. Β. καὶ ποιήσαι [B -ση] τὸ πᾶσχα κυρίῳ (33 α)  
 — 14. ποιήσαι αὐτό (33 α)  
 10. 2. ποιήσαν σεαυτὴν δύο σάλπιγγας ἀργ. (33 α)  
 — 2. ἐλάτας ποιήσεις αὐτάς (33 α)  
 — 29, 32. καὶ εὐ σε ποιήσομεν (74 β)  
 11. 8. ἐποίησαν αὐτὸ ἐγκυφίας (33 α)  
 — 15. εἰ δ' οὕτω σὺ ποιῆς μοι (33 α)  
 14. 11. οἷς ἐποίησα ἐν αὐτοῖς (33 α)  
 — 12. ποιῶσω σε... εἰς ἔθνος μέγα (33 α)  
 — 22. τὰ σημεῖα ἃ ἐποίησα ἐν Αἴγ. (33 α)  
 — 28. οὕτως ποιῶσω ὑμῖν (33 α)  
 — 35. οὕτως ποιῶσω τῇ συναγωγῇ τῇ πον. ταύτῃ (33 α)  
 15. 3. ποιήσεις ὁλοκαυτώματα [A -σητε κάρ-  
 πωμα] (33 α)  
 — 3. ποιῶσαι δὲ μὴν εὐνοίας (33 α)  
 — 5. τὸ τέταρτον τοῦ ἱν ποιήσετε (33 α)  
 — 5. τῷ ἀμῶν τῷ ἐνὶ ποιήσεις τοσούτου  
 — 6. ὅταν ποιῇτε αὐτόν (33 α)  
 — 6. ποιήσεις [A om.] θυσίαν σεμδάλωσε (33 α)  
 — 8. ἐὰν δὲ ποιῇτε ἀπὸ τῶν βοῶν [A<sup>2</sup> add.  
 ποιήσεται] (33 α, -)  
 — 11. οὕτως ποιήσεις τῷ μόσχῳ τῷ ἐνὶ (33 β)  
 — 12. ὧν ἂν ποιήσῃτε [A ὃν π.] (33 α)  
 — 12. οὕτως ποιήσετε τῷ ἐνὶ (33 α)  
 — 13. ποιήσαι οὕτως ταῦτα (33 α)  
 — 14. ποιήσαι [A -ση] κάρπωμα (33 α)  
 — 14. ὃν τρόπον ποιήτε ὑμεῖς (33 α)  
 — 14. οὕτως ποιήσαι ἢ συναγωγῇ κυρίῳ (33 α)  
 — 22. ὅταν δὲ... μὴ ποιήσῃτε πᾶσας τὰς ἐντ. (33 α)  
 — 24. ποιήσαι [B<sup>1</sup> -ση] πᾶσα ἡ συν. μόσχον (33 α)  
 — 29. ὅς ἂν ποιῇσιν ἀκουσίως (33 α)  
 — 30. Ἀ. Β. ἦτις ποιήσαι [B -ση] ἐν χειρὶ  
 ὑπερήφ. (33 α)  
 — 34. τί ποιήσωσιν αὐτόν [A -φ] (33 β)  
 — 38. ποιήσωσαν αὐτοῖς κρᾶσπεδα (33 α)  
 — 39. καὶ ποιήσετε αὐτάς (33 α)  
 — 40. ὅπως ἂν... ποιήσῃτε π. τὰς ἐντ. μου (33 α)  
 16. 6. τοῦτο ποιήσατε (33 α)  
 — 28. ποιῶσαι πάντα τὰ ἔργα ταῦτα (33 α)  
 — 38 (17. 3). ποιήσαν αὐτὰ λεπίδας (33 α)  
 17. 11 (26). ἐποίησε Μ... καθὰ συνέταξε...  
 οὕτως ἐποίησαν (33 α, 33 α)  
 20. 27. ἐποίησε Μ. καθὰ συνέταξε (33 α)  
 21. 8. ποιήσαν σεαυτὴν ὄφιν (33 α)  
 — 9. ἐποίησε Μ. ὄφιν χαλκοῦν (33 α)  
 — 34. ποιήσεις αὐτῷ καθὼς ἐποίησας τῷ Σ.  
 (33 α, 33 α)  
 22. 2. πάντα ὅσα ἐποίησαν Ἰ. τῷ Ἀμ. (33 α)  
 — 17. ὅσα ἐὰν εἴπῃς ποιῶσω σοι (33 α)  
 — 18. ποιῶσαι αὐτὸ μικρόν (33 α)  
 — 20. τοῦτο ποιήσεις (33 α)  
 — 28. τί ἐποίησα [A πεποιθήκα] σοι (33 α)  
 — 30. μὴ... ἐποιῶσα σοι οὕτως [A τοῦτο] (33 α)  
 23. 2. ἐποίησε Β. ὃν τρόπον εἶπεν αὐτῷ  
 — 11. τί πεποιθήκας [A ἐποιήσας] μοι (33 α)  
 — 19. αὐτὸς εἶπας οὐχὶ ποιήσεις (33 α)  
 — 26. τοῦτο ποιῶσω (33 α)  
 — 30. ἐποίησε Β. καθάπερ εἶπεν αὐτῷ (33 α)  
 24. 13. ποιῶσαι αὐτὸ καλόν (33 α)  
 — 14. τί ποιήσεις ὁ λαὸς οὗτος τὸν λαόν σου (33 α)  
 — 18. Ἰσρ. ἐποίησαν ἐν Ἰσραὴλ (33 α)  
 27. 22. ἐποίησε Μ. καθὰ ἐνετείλατο αὐτῷ (33 α)  
 28. 4. τὸν ἀμῶν τὸν δεῦτ. ποιήσεις [A -σετε] (33 α)  
 — 4. τὸν ἀμῶν τὸν δεῦτ. ποιήσεις [A -σετε] (33 α)  
 — 5. ποιήσεις τὸ δέκατον τοῦ οἴφιν  
 — 8. τὸν ἀμῶν τὸν δεῦτ. ποιήσεις (33 α)  
 — 8. κατὰ τὴν σπονδὴν αὐ. ποιήσετε (33 α)  
 — 15. ἐπὶ τῆς ὁλοκαυτώσεως... ποιηθήσεται (33 β)  
 — 16 (17). Ἀ. ποιηθήσεται [B om.] ἰορτῇ  
 — 18. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 α)  
 — 20. Ἀ. δύο δέκατα... ποιήσετε [B om.] (33 α)  
 — 21. δέκατον δέκατον ποιήσεις (33 α)  
 — 24. ταῦτα κατὰ ταῦτα ποιήσετε (33 α)  
 — 24. ποιήσεις τὴν σπονδὴν αὐτοῦ (33 β)  
 — 25, 26. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 α)

Nu. 28. 30 (31). τὴν θυσίαν αὐτὸν ποιήσεται μοι (33 a)	De. 11. 5. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (33 a)	De. 27. 26. ποιήσαι [A τοῦ π.] αὐτοὺς (33 a)
29. 1. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 a)	— 6. ὅσα ἐποίησεν τῷ Δ. (33 a)	28. 1. π. πάσας τὰς ἐντ. ταύτας (33 a)
— 2. καὶ ποιήσετε ἀλοκαυτώματα (33 a)	— 7. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν σήμερον (33 a)	— 13. Α φυλάσσειν καὶ π. [B om. καὶ π.] (33 a)
— 7. πᾶν ἔργον [A add. λατρευτὸν] οὐ ποιήσετε (33 a)	— 22. ὃς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοὶ σήμερον π. (33 a)	— 15. Α φυλάσσειν καὶ π. [B -ἀσσεσθαί] (33 a)
— 12, 35. πᾶν ἔργον λατρευτὸν οὐ ποιήσετε (33 a)	— 32. τοῦ π. πάντα τὰ προστάγματα αὐτοῦ (33 a)	— 16. π. πάσας τὰς ἐντ. (33 a)
— 39. ταῦτα ποιήσετε κυρία (33 a)	12. 1. ὃς φυλάξετε τοῦ π. [A ποιήσαι] (33 a)	— 20. Α ὅσα ἐὰν ποιήσῃς (33 a)
— 3. πάντα . . . ποιήσεις (33 a)	— 4. οὐ ποιήσετε οὐτὴν κ. τῇ θ. ὑμῶν (33 a)	— 58. π. πάντα τὰ ῥήματα τοῦ νόμου τ. (33 a)
31. 31. ἐποίησε Μ. . . καθὰ συνέταξε (33 a)	— 8. οὐ ποιήσετε πάντα ἃ ἡμεῖς ποιοῦμεν (33 a, 33 a)	— 63. εἰ ποιήσαι ὑμᾶς (74 c)
32. 8. οὐχ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ὑμῶν (33 a)	— 14. ἐκεί ποιήσεις πάντα (33 a)	29. 2 (1). ὅσα ἐποίησε κύριος (33 a)
— 13. οἱ ποιούντες τὰ πορνά (33 a)	— 25. ἐὰν ποιήσῃς τὸ καλὸν (33 a)	— 9 (8). π. πάντας τοὺς λόγους τῆς διαθήκης (33 a)
— 20. ἐὰν ποιήσῃς κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)	— 27. ποιήσεις τὰ ἀλοκαυτώματα (33 a)	— 9 (8). Α ποιεῖν αὐτοὺς (33 a)
— 23. ἐὰν δὲ μὴ ποιήσῃς οὕτως (33 a)	— 28. ποιήσεις πάντας τοὺς λόγους (43 a)	— 9 (8). ὅσα ποιήσετε [A -σητε] (33 a)
— 24. Α Β τοῦ ἐκπορευομένου ἐκ τοῦ στόματος ὑμῶν ποιήσῃς [B -σετε] (33 a)	— 28. ἐὰν ποιήσῃς τὸ καλὸν (33 a)	— 24 (23). διὰ τί ποιήσῃς κ. οὕτως (33 a)
— 25. οἱ παῖδες σου ποιήσουσι (33 a)	— 30. πῶς ποιούσι τὰ ἔθνη τ. τοῖς θεοῖς αὐ. (37 a)	— 29 (28). π. πάντα τὰ ῥήματα τοῦ νόμου τ. (33 a)
— 31. οὕτως ποιήσουσιν [A -σωμεν] ἡμεῖς (33 a)	— 30. ποιήσου κατὰ (33 a)	30. 5. καὶ εἰ σε ποιήσῃς (74 c)
33. 4. ἐποίησε τὴν ἐκδικήσιν κύριος (33 a)	— 31. οὐ ποιήσεις οὕτως τῇ θεῷ σου (33 a)	— 5. πλεοναστὸν σε ποιήσεις (109)
— 56. Β² Β καθὼς διεγνώσκων ποιήσαι αὐτοὺς ποιήσω ὑμᾶς [A Β¹ -ίω] (33 a, 33 a)	— 31. τὰ γὰρ βδελύγματα . . . ἐποίησαν (33 a)	— 8. ποιήσεις τὰς ἐντολάς αὐτοῦ (33 a)
36. 10. Α Β¹ οὕτως ἐποίησαν θυγατέρες [B² Ε -γατράσι] 2. (33 a)	— 32 (13. 1). τοῦτο φυλάξῃ π. (33 a)	— 10. Α π. πάσας [B om. π. π.] τὰς ἐντ. αὐ. (33 a)
De. 1. 14. κυλὸν τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησεν ποιήσω (33 a)	13. 11 (12). ποιήσαι κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ ποιν. (33 a)	— 12. καὶ ἀκούσαντες αὐτὴν ποιήσουσιν (33 a)
— 18. πάντας τοὺς λόγους οὐδὲ ποιήσετε (33 a)	— 18 (19). π. τὸ ἀρεστόν (33 a)	— 13. καὶ ἀκούσαντες ἡμῖν ποιήσῃ αὐτὴν καὶ ποιήσουσιν [A ἀκούσαντες αὐ. π.] (50 [43 b], 33 a)
— 30. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν (33 a)	14. 29. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις οἷς ἐὰν ποιῇς (33 a)	— 14. π. αὐτὸ (33 a)
— 44. ὥστε ποιήσαντες αὐτὸν μέλισσαι (33 a)	15. 1. δὲ ἐπὶ τῶν ποιήσεων ἄφαινον (33 a)	31. 4. ποιήσαι κύριος . . . αὐτοὺς καθὼς ἐποίησε Σιών (33 a, 33 a)
2. 12. ὃν τρόπον ἐποίησεν Ἰσρ. τὴν γῆν (33 a)	— 3. ἄφαινον ποιήσεις τοῦ χρέους σου (58 b)	— 5. Α Β² Ε καὶ ποιήσετε αὐτοὺς (33 a)
— 22. ὥστε ποιήσαντες [A -σεν] τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (33 a)	— 5. π. [A om.] πάσας τὰς ἐντ. ταύτας (33 a)	— 12. π. πάντας τοὺς λόγους τοῦ νόμου τ. (33 a)
— 29. καθὼς ἐποίησάν μοι οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 a)	— 11. π. [A om.] τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)	— 18. διὰ πάσας τὰς κακίας ὅσας ἐποίησαν (33 a)
3. 2. ποιήσεις αὐτῷ ὥστε ποιήσας 2. (33 a, 33 a)	— 15. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)	— 21. ὅσα ποιούσιν [A add. μοι] (33 a)
— 6. ὥστε ποιήσαντες τὸν Σ. (33 a)	— 17. τὴν παιδείαν σου ποιήσεις ὡσαύτως (33 a)	— 29. ποιήσετε τὰ πορνά (33 a)
— 21. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. ἡμῶν (33 a)	— 18. ἐν πᾶσι οἷς ἐὰν ποιῇς (33 a)	32. 6. καὶ ἐποιήσῃ σε (33 a)
— 21. οὕτως ποιήσεις . . . πάσας τὰς βασιλείας (33 a)	16. 1. ποιήσεις τὸ καλὸν κ. τῇ θεῷ σου (33 a)	— 15. τὸν θ. τὸν ποιήσαντα αὐτόν (33 a)
— 24. ὅστις ποιήσῃ καθὰ ἐποίησας σύ (33 a, 33 c)	— 8. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ πᾶν ἔργον πλὴν ὅσα ποιηθήσεται ψυχῇ (33 a, -)	— 27. ἐποίησε ταῦτα πάντα (34 a)
4. 1. ὅσα ἐγὼ διδάσκω ὑμᾶς σήμερον π. (33 a)	— 10. ποιήσεις ἐορτὴν ἐβδομάδων (33 a)	— 39. καὶ ἤν ποιήσω (79)
— 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. ἡμῶν τῷ Β. (33 a)	— 12. ποιήσεις τὰς ἐντολάς ταύτας (33 a)	— 46. π. πάντας τοὺς λόγους (33 a)
— 5. ποιήσαι οὕτως ἐν τῇ γῇ (33 a)	— 13. ἐορτὴν σκηνῶν ποιήσεις [A -εἰς] (33 a)	33. 21. δικαιοσύνην κύριος ἐποίησε (33 a)
— 6. φυλάξασθε καὶ ποιήσετε (33 a)	— 18. κριτὰς . . . ποιήσεις [A κατιστήσεις] σεαυτῶν (25)	34. 9. ἐποίησαν κυριότι ἐνετέλιτο κ. (33 a)
— 13. ἢ ἐνετέλιτο ὑμῖν π. (33 a)	— 21. πᾶν ἔθνος . . . οὐ ποιήσεις σεαυτῶν (33 a)	— 11. ποιήσαι αὐτὰ ἐν γῇ Αἰγ. (33 a)
— 14. ποιήν ὑμᾶς αὐτὰ (33 a)	17. 2. ὅς ποιήσεις [B³ -ση] τὸ πορνόν (33 a)	— 12. ἃ ἐποίησε Μ. (33 a)
— 16. μὴ . . . ποιήσῃτε ὑμῖν ἐαυτοὺς γλυπτὸν ὁμοίωμα (33 a)	— 5. Α οἵτινες ἐποίησαν τὸ πρῶγμα (33 a)	Jo. 1. 7. π. καθὼς ἐνετέλιτο σοὶ Μ. (33 a)
— 23. μὴ . . . ποιήσῃτε [A -σετε] . . . ὁμοίωμα (33 a)	— 10. ποιήσεις κατὰ τὸ πρῶγμα [A ῥῆμα] (33 a)	— 8. π. πάντα τὰ γεγραμμένα (33 a)
— 25. ἐὰν . . . ποιήσῃτε . . . ὁμοίωμα . . . καὶ ποιήσῃτε τὸ πορνόν (33 a, 33 a)	— 10. φυλάξῃ ποιήσαι πάντα [A κατὰ π.] (33 a)	— 16. πάντα . . . ποιήσουσιν (33 a)
— 34. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡ. (33 a)	— 11. κατὰ τὸν νόμον . . . ποιήσεις (33 a)	2. 10. ὅσα ἐποίησε τοὺς δυοὺς βασ. τῶν Ἰσρ. (33 a)
— 36. Α ἀκούστην σοὶ ἐποίησεν τὴν φωνήν [B al.] (50)	— 12. ὃς ἐὰν ποιῇ ἐν ἱερραφονίᾳ (33 a)	— 12. ποιῶ ὑμῖν ἔλεος (33 a)
5. 1. φυλάξασθε π. αὐτὰ (33 a)	— 19. τὰ δικαιώματα ταῦτα π. [A add. αὐτὰ] (33 a)	— 12. ποιήσατε καὶ ὑμεῖς ἔλεος (33 a)
— 8. οὐ ποιήσεις σεαυτῶν εἰδωλόν (33 a)	18. 9. οὐ μαθήσῃ π. κατὰ τὰ βδελύγματα. (33 a)	— 14. ποιήσατε εἰς ἐμὲ [A -σατε μετ' ἐμοῦ] ἔλεος (33 a)
— 10. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (33 a)	— 12. πᾶς ποιῶν ταῦτα (33 a)	3. 5. ποιήσεις κ. ἐν ὑμῖν θαυμαστά (33 a)
— 13. ποιήσεις πάντα τὰ ἔργα σου (33 a)	19. 9. π. πάσας τὰς ἐντ. ταύτας (33 a)	4. 8. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 a)
— 14. οὐ ποιήσεις ἐν αὐτῇ πᾶν ἔργον (33 a)	— 19. ἐποιήρησάντο [A add. τῇ πλησίον] ποιήσαι (33 a)	— 23. καθάπερ ἐποίησε [A -αν] . . . τὴν ἐρυθρὰν θάλα. (33 a)
— 14. Β¹ ἐποίησεν κύριος τὸν τε οὐρ. (33 a)	— 20. οὐ προσθήσουσιν ἔτι ποιήσαι [A π.] (33 a)	5. 2. ποιήσου σεαυτῶν μαχαίρας (33 a)
— 27 (24). ἀκουσόμεθα καὶ ποιήσουμεν (33 a)	20. 12. καὶ ποιῶσι [A -ήσουσιν] πρὸς σὲ πόλεμον (33 a)	— 3. ἐποίησεν Ἰ. μαχαίρας (33 a)
— 31 (28). καὶ ποιήσωσαν (33 a)	— 15. οὕτως ποιήσεις πάσας τὰς πόλεις (33 a)	— 9 (10). ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸ πάσχα (33 a)
— 32 (29). καὶ φυλάξασθε π. (33 a)	— 18. ἵνα μὴ διδάξωσιν ὑμᾶς π. πάντα τὰ βδελύγματα. αὐ. ὅσα ἐποίησαν τοῖς θεοῖς αὐ. (33 a, 33 a)	6. 13 (14). οὕτως ἐποιεῖ ἐπὶ ἑξ ἡμέρας (33 a)
6. 1. διδάξαι ὑμᾶς ποιεῖν οὕτως (33 a)	— 20. ἥτις ποιεῖ πρὸς σὲ τὸν πόλεμον (33 a)	— 17 (18). καὶ ποιήσῃτε [A -σετε] τὴν παρεμβολήν (39)
— 3. καὶ φυλάξαι ποιεῖν (33 a)	21. 9. ἐὰν ποιήσῃς τὸ καλόν (33 a)	— 25 (26). οὕτως ἐποίησεν Ὁζαν (33 a)
— 18. ποιήσεις τὸ ἀρεστόν (33 a)	22. 3. οὕτως ποιήσεις τὸν θνον αὐτοῦ (33 a)	7. 9. τί ποιήσεις τὸ δνομά σου τὸ μέγα (33 a)
— 24. ποιήν πάντα τὰ δικαιώματα ταῦτα (33 a)	— 3. Α Β οὕτως ποιήσεις τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ (33 a)	— 15. ἐποίησεν [A -σαν] ἀνόμιμα (33 a)
— 25. π. πάσας τὰς ἐντολάς ταύτας (33 a)	— 3. οὕτως ποιήσεις κατὰ πᾶσαν ἀπάλειαν (33 a)	— 19. ἀνάγκη μοι τί ἐποίησας (33 a)
7. 5. οὕτως ποιήσατε αὐτοῖς (33 a)	— 5. πᾶς ποιῶν ταῦτα (33 a)	— 20. οὕτως καὶ οὕτως ἐποίησα (33 a)
— 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοὶ σήμερον π. (33 a)	— 8. ποιήσεις στεφάνῳ τῷ δώματι σου (33 a)	8. 2. ποιήσεις τὴν [A -σης τῇ] Γ. ὃν τρόπον ἐποίησας τὴν [A τῇ] Ἰερ. (33 a, 33 a)
— 12. καὶ ποιήσῃτε αὐτὰ [B³ om.] (33 a)	— 8. οὐ ποιήσεις φόνον (33 a)	— 8. κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο ποιήσετε [A -σατε] (33 a)
— 18. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. σου (33 a)	— 12. στρεπτόν ποιήσεις σεαυτῶν (33 a)	9. 3. ὅσα ἐποίησε κ. τῇ Ἰ. (33 a)
— 19. οὕτως ποιήσου . . . πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (33 a)	— 21. ἐποίησεν ἀφροσύνην ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (33 a)	— 4. καὶ ἐποίησαν καὶ γε αὐτοὶ (33 a)
8. 1. πάσας τὰς ἐντ. . . φυλάξασθε π. (74 c)	— 26. Α Β³ οὐ ποιήσατε οὐδὲν (33 a)	— 9. ὅσα ἐποίησεν ἐν Αἰγ. (33 a)
— 16. καὶ εἰ σε ποιήσῃ (33 a)	23. 23 (24). ποιήσεις ὃν τρόπον ηἴξω (33 a)	— 10. ὅσα ἐποίησε τοὺς βασ. τῶν Ἰσρ. (33 a)
— 17. ἐποίησέ μοι τὴν δύναμιν τὴν μεγ. τ. (33 a)	24. 8. π. κατὰ πάντα τὸν νόμον (33 a)	— 15. ἐποίησεν Ἰ. πρὸς αὐτοὺς εἰρήνην (33 a)
— 18. τοῦ ποιήσαι δύναμιν (33 a)	— 8. φυλάξασθε π. (33 a)	— 20. τοῦτο ποιήσουσιν (33 a)
9. 12. ἐποίησαν ἐαυτοὺς χυλόμενα (33 a)	— 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. σου τῇ Μ. (33 a)	— 24. ἐποίησαν τὸ πρῶγμα τοῦτο (33 a)
— 14. ποιῶν σε εἰς ἔθνος μέγα (33 a)	— 18. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)	— 25. ὥς ἀρᾷσκει ὑμῖν . . . ποιήσατε [A -σαι] ἡμῖν (33 a)
— 16. ἐποίησατε ὑμῖν αὐτοὺς χυλόμενα (33 a)	— 20. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)	— 26. ἐποίησαν αὐτοὺς οὕτως (33 a)
— 16. Β ἦς ἐνετέλιτο κ. ὑμῖν π. [A Β om.] (33 a)	— 22. π. τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)	10. 1. ὃν τρόπον ἐποίησαν [A -σεν] τὴν Ἰερ. (33 a)
— 18. ὃν ἡμέραν ποιήσατε τὸ πορνόν (33 a)	25. 9. οὕτως ποιήσουσι τῷ ἀνθρώπῳ (33 b)	— 1. οὕτως ἐποίησαν [A -σεν] καὶ τὴν Γ. (33 a)
— 21. τὴν ἀμαρτανίαν ὑμῶν ἣν ἐποίησατε (33 a)	— 16. Α¹ Β πᾶς ποιῶν ταῦτα (33 a)	— 25. οὕτως ποιήσεις κ. πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν ὑ. (33 a)
10. 1. ποιήσεις σεαυτῶν κιβωτὸν (33 a)	— 16. Α² Β πᾶς ποιῶν ἄδικον (33 a)	— 28. ἐποίησαν τῷ βασ. Μακ. ὃν τρόπον ἐποίησαν τῷ βασ. Ἰερ. (33 a, 33 a)
— 3. καὶ ἐποίησα κιβωτὸν (33 a)	— 17. ὅσα ἐποίησεν σοὶ Ἰσρ. (33 a)	— 30. ἐποίησαν [A -σεν] τῷ βασ. αὐ. ὃν τρόπον ἐποίησαν [A -σεν] τῷ βασ. Ἰερ. (33 a, 33 a)
— 5. τὴν κιβωτὸν ἣν ἐποίησα (33 a)	26. 14. Α Β ἐποίησα καθὰ ἐνετείλω μοι [B al.] (33 a)	— 32. ἐν τῷ τρόπῳ ἐποίησαν τὴν [A -σεν τῇ] Δ. (33 a)
— 18. ποιῶν κρίσιν προσλήψω (33 a)	— 16. ποιήσαι πάντα [A κατὰ π.] τὰ δικαιώματα (33 a)	— 35. ὃν τρόπον ἐποίησαν τῇ Δ. (33 a)
— 21. ὅστις ἐποίησεν ἐν [A om.] σοὶ τὰ μεγ. (33 a)	— 16. καὶ ποιήσατε αὐτὰ (33 a)	— 37. ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν [A τῇ] Ὁδ. (33 a)
— 22. ἐποίησεν σε κ. ὁ θ. σου (39)	— 19. ὥς ἐποίησεν σε ἀνομαστόν (33 a)	
11. 3. ὅσα ἐποίησεν ἐν μέσῳ Αἰγ. (33 a)	27. 10. ποιήσεις πάσας τὰς ἐντ. αὐτοῦ (33 a)	
— 4. ὅσα ἐποίησε τὴν δύναμιν [A² τῇ δ.] (33 a)	— 15. ὅστις ποιήσῃ γλυπτὸν (33 a)	

- Jo. 10. 39. Β ὃν τρόπον ἐποίησαν τὴν [A B τῇ] Χ. (33 a)  
 — 39. οὕτως ἐποίησαν τῇ Δ. (33 a)  
 — 39. Α καθάπερ ἐποίησαν τῇ Δ. (33 a)  
 11. 9. ἐποίησαν αὐτοὺς ἰ. (33 a)  
 — 15. καὶ οὕτως ἐποίησαν ἰ. (33 a)  
 — 18. ἐποίησαν ἰ. . . τὸν πόλεμον (33 a)  
 14. 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱοὶ [A τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (33 a)  
 17. 13. ἐποίησαν τοὺς Χαναναίους ὑπηκόους (25)  
 22. 5. π. τὰς ἐντ. καὶ τὸν νόμον (33 a)  
 — 5. ὃν ἐνετέλλετο ἡμῖν π. Μ. —  
 — 23. ὥστε ποιῶσαι ἐπ' αὐτοῦ θυσίαν σωτηρίου (33 a)  
 — 24. ἐποίησαν τοῦτο (33 a)  
 — 26. εἵπαμεν ποιῶσαι οὕτω (33 a)  
 — 28. δὲ ἐποίησαν οἱ πατέρες ἡμῶν (33 a)  
 28. 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θ. ἡμῶν (33 a)  
 — 6. π. πάντα τὰ γεγραμμένα (33 a)  
 — 8. καθάπερ ἐποίησατε (33 a)  
 — 12. καὶ ἐπιγνῶμας ποιήσατε πρὸς αὐτοὺς αὐτοῖς (70)  
 24. 5. Β οἷς ἐποίησαν [A -σεν ἐν, Β -σα ἐν] αὐτοῖς (33 a)  
 — 7. ὅσα ἐποίησε κύριος (33 a)  
 — 20. εὖ ἐποίησεν ὑμᾶς [A -ῖν] (74 c)  
 — 31. ὅσα ἐποίησε τῷ Ἰσρ. (33 a)  
 Jd. 1. 7. καθὼς οὖν ἐποίησα (33 a)  
 — 24. ποιήσωμεν μετὰ σοῦ ἔλεος (33 a)  
 — 28. ἐποίησε [A ἔθετο] τὸν Χαν. εἰς φόρον (33 a)  
 2. 2. ταῦτα ἐποίησατε (33 a)  
 — 7. ὅσα ἐποίησεν ἐν [A om.] τῷ Ἰσρ. (33 a)  
 — 10. δὲ ἐποίησεν [A -σαν] ἐν [A om.] τῷ Ἰσρ. (33 a)  
 — 11. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρόν (33 a)  
 — 17. οὐκ ἐποίησαν οὕτω (33 a)  
 3. 7. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρόν (33 a)  
 — 12. διὰ τὸ πεποιθέναι αὐτοὺς τὸ πονηρόν (33 a)  
 — 16. ἐποίησεν ἐαυτῷ Ἄ. μαχίραιν (33 a)  
 4. 1. ποιῶσαι τὸ πονηρόν (33 a)  
 6. 1. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρόν (33 a)  
 — 2. ἐποίησαν . . . τὰς τρυμαλιὰς [A μάν-δρας] (33 a)  
 — 17. ποιήσεις μοι σήμερον πᾶν [A al.] (33 a)  
 — 19. ἐποίησεν ἐριφὸν αἰῶνα (33 a)  
 — 20. καὶ ἐποίησεν οὕτως (33 a)  
 — 27. ἐποίησεν ὃν τρόπον ἐλάλησε (33 a)  
 — 27. τοῦ [A μὴ] ποιῶσαι ἡμέρας (33 a)  
 — 27. καὶ ἐποίησε νυκτὸς (33 a)  
 — 29. τίς ἐποίησε τὸ ῥῆμα [A πράγμα] τοῦτο (33 a)  
 — 29. ἐποίησε τὸ ῥῆμα [A πράγμα] τοῦτο (33 a)  
 — 40. ἐποίησεν ὁ θ. οὕτως (33 a)  
 7. 17. καὶ οὕτω ποιήσατε (33 a)  
 — 17. καθὼς ἂν ποιῶσιν οὕτω ποιήσατε (33 a)  
 8. 1. τί τὸ ῥῆμα τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (33 a)  
 — 2. τί ἐποίησα νῦν (33 a)  
 — 3. τί ἡδυνήθην ποιῶσαι (33 a)  
 — 27. ἐποίησεν αὐτὸ Ἰ. (33 a)  
 — 35. οὐκ ἐποίησαν ἔλεος (33 a)  
 — 35. δὲ ἐποίησε μετὰ Ἰσρ. (33 a)  
 9. 16. εἰ . . . ἐποίησατε καὶ ἐβασιλεύσατε τὸν Ἀβ. (33 a)  
 — 16. εἰ ἀγαθωσύνην ἐποίησατε [A al.] (33 a)  
 — 16. καὶ εἰ . . . ἐποίησατε αὐτῷ (33 a)  
 — 19. εἰ . . . ἐποίησατε μετὰ Ἰερ. (33 a)  
 — 27. καὶ ἐποίησαν Ἑλλ. [A χοροὺς] (33 a)  
 — 33. καὶ ποιήσεις αὐτῷ (33 a)  
 — 48. δὲ εἰδέτε με ποιῶντα ταχέως ποιήσατε (33 a, 33 a)  
 — 56. ἢν ἐποίησαι τῷ πατρὶ αὐτοῦ (33 a)  
 10. 6. ποιῶσαι τὸ πονηρόν (33 a)  
 — 15. ποιήσωσιν σὺ ἡμῖν (33 a)  
 11. 10. εἰ μὴ κατὰ τὸ ῥῆμά σου οὕτω ποιήσωμεν (33 a)  
 — 27. σὺ ποιῆεις μετ' ἐμοῦ πονηρίαν (33 a)  
 — 36. ποιήσαν [A ποίει] μοι δὲν τρόπον ἐξῆλθεν (33 a)  
 — 36. ἐν τῷ ποιῶσαι σοι κ. ἐκδίκησιν [A al.] (33 a)  
 — 37. ποιήσατέ δὲ ὁ πατήρ μου τὸν λόγον τοῦτον [A al.] (33 b)  
 — 39. ἐποίησεν ἐν αὐτῇ τὴν εὐχὴν αὐ. [A al.] (33 a)  
 13. 1. ποιῶσαι τὸ πονηρόν (33 a)  
 — 8. τί ποιήσωμεν τῷ παιδίῳ [A -δαριῷ] (33 a)  
 — 15. ποιήσωμεν [A -σομεν] . . . ἐριφὸν αἰῶνα (33 a)  
 — 16. ἐὰν ποιήσης [A -σεις] ὀλοκαύτωμα (33 a)  
 — 19. καὶ διεχώρισε ποιῶσαι [A al.] (33 a)  
 Jd. 13. 23. Α οὐκ ἂν ἀκουσὰ ἐποίησεν ἡμῖν ταῦτα [B al.] (50)  
 14. 6. δὲ ἐποίησε (33 a)  
 — 10. ἐποίησεν ἐκεῖ Σ. πότον (33 a)  
 — 10. οὕτως ποιήσω [A ἐποίησιν] οἱ νεανίσκοι (33 a)  
 15. 3. ποιῶ ἐγὼ μετ' αὐτῶν πονηρίαν [A al.] (33 a)  
 — 6. τίς ἐποίησε ταῦτα (33 a)  
 — 7. ἐὰν ποιήσῃτε οὕτως ταύτην [A om.] (33 a)  
 — 7. Α τὴν ἐκδίκησίν μου . . . ποιήσομαι [B al.] (117)  
 — 10. ποιῶσαι αὐτῷ δὲν τρόπον ἐποίησεν ἡμῖν (33 a, 33 a)  
 — 11. τί τοῦτο [A ἴνα τί ταῦτα] ἐποίησας ἡμῖν (33 a)  
 — 11. δὲν τρόπον ἐποίησάν μοι οὕτως ἐποίησα αὐτοῖς [A al.] (33 a, 33 a)  
 16. 20. Α καὶ ποιήσω καθὼς ἀεί [B al.] —  
 — 26. Α ποιήσω ψηλαφῆσαι με [B al.] (116 a\*, 116 b)  
 — 26. Α δὲ παῖς ἐποίησεν οὕτως —  
 17. 3. τοῦ ποιῶσαι γλυπτὸν (33 a)  
 — 4. ἐποίησεν αὐτὸ γλυπτὸν (33 a)  
 — 5. καὶ ἐποίησεν ἐφ' ὧ (33 a)  
 — 6. ἀνὴρ τὸ εἶδός [A ἀγαθόν] . . . ἐποίει (33 a)  
 — 8. τοῦ ποιῶσαι ὁδὸν αὐτοῦ (33 a)  
 18. 3. τί ποιῶν ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ [A al.] (33 a)  
 — 4. οὕτως ἐποίησε μοι Μ. (33 a)  
 — 14. γνῶτε ὅτι [A τί] ποιήσατε (33 a)  
 — 18. τί ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)  
 — 24. τὸ γλυπτὸν μου δὲ ἐποίησα (33 a)  
 — 27. δὲ [A ὅσα] ἐποίησε Μ. (33 a)  
 — 31. δὲ ἐποίησε Μ. (33 a)  
 19. 21. τόπον ἐποίησε τοῖς ὄνοις [A al.] †  
 — 23. μὴ ποιήσατε τὴν ἀφροσύνην ταύτην (33 a)  
 — 24. ποιήσατε αὐτοῖς τὸ ἀγαθὸν ἐν ὁφθ. ὑ. (33 a)  
 — 24. Β οὐ ποιήσατε [A B μὴ ποιήσατε] τὸ ῥῆμα (33 a)  
 20. 6. ἐποίησαν ζῆμα [A ἀφροσύνην] (33 a)  
 — 9. δὲ ποιηθήσεται [A -ήσομεν] τῇ Γ. (33 a)  
 — 10. τοῦ ποιῶσαι ἐλθεῖν αὐτοὺς [A al.] (33 a)  
 — 10. ποιῶσαι αὐτῇ κατὰ πᾶν τὸ ἀπόπτωμα [A al.] —  
 — 10. δὲ ἐποίησεν [A ἢν ἐποίησαν] ἐν Ἰσρ. (33 a)  
 — 32. Β καὶ ἐποίησαν οὕτω —  
 21. 7. τί ποιήσωμεν αὐτοῖς τοῖς περισσοῖς (33 a)  
 — 11. τοῦτο [A οὗτος ὁ λόγος ἐν] ποιήσατε (33 a)  
 — 11. Β καὶ ἐποίησαν οὕτως —  
 — 15. ἐποίησε κύριος διακοπήν (33 a)  
 — 16. τί ποιήσωμεν τοῖς περισσοῖς [A al.] (33 a)  
 — 22. ἔλεος ποιήσατε ἡμῖν αὐτὰς [A al.] (87)  
 — 23. καὶ ἐποίησαν οὕτως (33 a)  
 — 25. ἀνὴρ τὸ εἶδός ἐνώπιον αὐτοῦ ἐποίει [A al.] (33 a)  
 Ru. 1. 8. ποιῶσαι κύριος μεθ' ὑμῶν ἔλεος (33 a)  
 — 8. καθὼς ἐποίησατε μετὰ τῶν τεθηγκότων (33 a)  
 — 17. τάδε ποιῶσαι μοι κύριος (33 a)  
 2. 11. ὅσα πεποιθήκεις (33 a)  
 — 19. καὶ ποῦ ἐποίησας (33 a)  
 — 19. ποῦ ἐποίησε (33 a)  
 — 19. μεθ' οὐ ἐποίησα σήμερον (33 a)  
 3. 4. ἀπαγγελεῖ σοι δὲ ποιήσεις (33 a)  
 — 5. πάντα ὅσα ἐὰν εἴπῃς ποιήσω (33 a)  
 — 6. ἐποίησα κατὰ πάντα (33 a)  
 — 11. πάντα ὅσα ἐὰν εἴπῃς ποιήσω σοι (33 a)  
 — 16. ὅσα ἐποίησεν αὐτῇ ὁ ἀνὴρ (33 a)  
 4. 11. ἐποίησαν [A ποιῶσαι] δύναμιν ἐν Ἐφρ. (33 a)  
 I Ki. 1. 7. οὕτως ἐποίει ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτὸν (33 a)  
 — 23. ποιεῖ τὸ ἀγαθὸν ἐν ὁφθαλμοῖς σου (33 a)  
 — 25. τὴν θυσίαν ἢν ἐποίει (33 a)  
 2. 10. ἀσθενὴ ποιήσῃ ἀντίδικον αὐτοῦ (56)  
 — 10. καὶ ποιεῖν κρίμα —  
 — 14. ἐποίησαν παντὶ Ἰσραὴλ (33 a)  
 — 19. διπλοῖδα μικρὰν ἐποίησεν αὐτῷ (33 a)  
 — 22. δὲ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (33 a)  
 — 23. ἴνα τί ποιῶν κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 24. μὴ ποιῶν οὕτως —  
 — 35. τὰ ἐν τῇ ψυχῇ μου ποιήσεις (33 a)  
 3. 11. ποῦ τὰ ῥήματά μου ἐν Ἰσρ. (33 a)  
 — 17. τάδε ποιῶσαι σοι ὁ θ. (33 a)  
 — 18. τὸ ἀγαθὸν ἐνώπιον αὐτοῦ ποιήσεις (33 a)  
 5. 8. τί ποιήσωμεν κιβωτῷ —  
 — 10. ἐποίησαν οἱ Γ. ἐαυτοὺς ἐδρας (33 a)  
 6. 2. τί ποιήσωμεν τῇ κιβωτῷ κ. (33 a)  
 — 5. Α ποιήσατε ὁμοίωμα τῶν ἐδρῶν (33 a)  
 — 7. ποιήσατε ἄμψαν καυὴν (33 a)  
 — 9. πεποίηκεν ἡμῖν τὴν κακίαν τὴν μεγ. τ. (33 a)  
 I Ki. 8. 10. ἐποίησαν οἱ ἄλλοι. οὕτω (33 a)  
 8. 8. δὲ ἐποίησάν μοι (33 a)  
 — 8. οὕτως αὐτοὶ ποιοῦσι (33 a)  
 — 12. καὶ π. σκεύη πολεμικὰ αὐτοῦ (33 a)  
 10. 2. τί ποιήσω ὑπὲρ τοῦ υἱοῦ μου (33 a)  
 — 7. ποιεῖ πάντα (33 a)  
 — 8. γνωρίσω σοι δὲ ποιήσεις (33 a)  
 11. 7. κατὰ τὶδε ποιήσουσι τοῖς βουσὶν αὐ. (33 b)  
 — 10. ποιήσατε ἡμῖν τὸ ἀγ. ἐνώπιον ὑμῶν (33 a)  
 — 13. ἐποίησε κ. σωτηρίαν ἐν Ἰσρ. (33 a)  
 12. 6. ὁ ποιήσας τὸν Μ. (33 a)  
 — 7. δὲ ἐποίησεν ἐν [A ἀς ἐπ.] ὑμῖν (33 a)  
 — 16. ὁ δ. κ. ποιῶν ἐν ὁφθ. ὑμῶν (33 a)  
 — 17. ἢν ἐποίησατε ἐνώπιον κυρίου (33 a)  
 — 20. Β πεποιθήκατε τὴν πᾶσαν κακίαν τ. (33 a)  
 13. 9. Β ὅπως ποιήσω ὀλοκαύτωσιν —  
 — 11. Β τί πεποιθήκατε (33 a)  
 — 19. Β μὴ ποιήσωσιν οἱ Ἐβρ. ῥομφαίας (33 a)  
 14. 6. Β εἰ τί ποιῶσαι κύριος ἡμῖν (33 a)  
 — 7. Β ποιεῖ πᾶν (33 a)  
 — 15. οὐκ ἤθελον π. [A ποιεῖν] —  
 — 36. πᾶν τὸ ἀγ. ἐνώπιον σου ποιεῖ (33 a)  
 — 40. τὸ ἀγαθὸν ἐνώπιον σου ποιεῖ (33 a)  
 — 43. ἀπαγγεῖλον μοι τί πεποιθήκατε (33 a)  
 — 44. τάδε ποιῶσαι μοι ὁ θ. (33 a)  
 — 45. ὁ ποιήσας τὴν σωτηρίαν τὴν μεγ. τ. (33 a)  
 — 45. ὅτι ὁ λαὸς τοῦ θ. ἐποίησε τὴν ἡμ. τ. (33 a)  
 — 48. ἐποίησε δύναμιν (33 a)  
 — 48. Β ἐποίησεν τὸν Ἄμ. [A B al.] τ  
 15. 2. δὲ ἐποίησεν Ἄμ. τῷ Ἰσρ. (33 a)  
 — 6. καὶ σὺ ἐποίησας ἔλεος (33 a)  
 — 19. καὶ ἐποίησας τὸ πονηρόν (33 a)  
 16. 3. γνωριῶ σοι δὲ ποιήσεις (33 a)  
 — 4. ἐποίησας Σαμ. πάντα (33 a)  
 17. 25. Α τὸν οἶκον . . . ποιήσει ἐλευθερον (33 a)  
 — 26. Α ἢ ποιηθήσεται τῷ ἀνδρὶ (33 b)  
 — 27. Α οὕτως ποιηθήσεται τῷ ἀνδρὶ (33 b)  
 — 29. Α τί ἐποίησα νῦν (33 a)  
 19. 5. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγ. (33 a)  
 — 18. ὅσα ἐποίησεν αὐτῷ [A om.] Σ. (33 a)  
 20. 1. τί πεποιθήκα (33 a)  
 — 2. οὐ μὴ ποιήσῃ ὁ πατήρ μου ῥῆμα (33 a)  
 — 4. καὶ τί ποιήσω σοι (33 a)  
 — 8. ποιήσεις ἔλεος μετὰ τοῦ δούλου σου (33 a)  
 — 13. τάδε ποιῶσαι ὁ θ. τῷ Ἰων. (33 a)  
 — 14. ποιήσεις ἔλεος μετ' ἐμοῦ (33 a)  
 — 32. τί ποιήσῃς (33 a)  
 22. 3. τί [A δ. τί] ποιήσεις μοι ὁ θ. (33 a)  
 24. 5. ποιήσεις αὐτῷ ὡς ἀγαθόν (33 a)  
 — 7. εἰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 19. δὲ ἐποίησας μοι ἀγαθὰ (33 a)  
 — 20. καθὼς πεποιθήκας σήμερον (33 a)  
 25. 17. ἴδε σὺ τί ποιήσεις (33 a)  
 — 18. καὶ πέντε πρόβατα πεποιμμένα (33 a)  
 — 22. τάδε ποιῶσαι ὁ θ. τῷ Δ. (33 a)  
 — 28. ποιῶν [A om.] ποιήσει . . . οἶκον πιστόν (33 a, 33 a)  
 — 30. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου πάντα (33 a)  
 26. 16. τὸ ῥῆμα τοῦτο δὲ πεποιθήκας (33 a)  
 — 25. καὶ ποιῶν ποιήσεις (33 a, 33 a)  
 27. 11. τάδε Δ. ποιεῖ [A ἐποίει Δ.] (33 a)  
 28. 2. δὲ ποιήσῃ ὁ δούλός σου (33 a)  
 — 9. ὅσα ἐποίησε Σ. (33 a)  
 — 15. γνωρίσαι μοι τί ποιήσω (33 a)  
 — 17. πεποιθήκεις κ. σοι καθὼς ἐλάλησε (33 a)  
 — 18. καὶ οὐκ ἐποίησας θυμὸν ὀργῆς αὐ. (33 a)  
 — 18. ἐποίησε κύριος σοι (33 a)  
 29. 7. οὐ μὴ ποιήσεις κακίαν (33 a)  
 — 8. τί πεποιθήκα σοι (33 a)  
 30. 23. οὐ ποιήσατε οὕτως (33 a)  
 31. 11. δὲ ἐποίησαν οἱ ἄλλοι. οὕτω τῷ Σ. (33 a)  
 II Ki. 2. 5. Α πεποιθήκατε τὸ ἔλεος τοῦ θ. [B ἐποίησατε τ. ἔ. τοῦτο] (33 a)  
 — 6. Α Β ποιῶσαι κ. μεθ' ὑμῶν ἔλεος (33 a)  
 — 6. Α Β ποιήσω μεθ' ὑμῶν τὸ ἀγαθὸν τοῦτο (33 a)  
 — 6. Α Β ἐποίησατε τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 3. 8. ἐποίησα σήμερον ἔλεος (33 a)  
 — 9. τάδε ποιῶσαι ὁ θ. τῷ Ἀβ. (33 a)  
 — 9. οὕτως ποιήσω αὐτῷ (33 a)  
 — 18. καὶ νῦν ποιήσατε (33 a)  
 — 20. ἐποίησε Δ. . . πότον (33 a)  
 — 24. τί τοῦτο ἐποίησας (33 a)  
 — 25. ὅσα σὺ ποιῶν (33 a)  
 — 35. τάδε ποιῶσαι μοι ὁ θ. (33 a)  
 — 36. ὅσα ἐποίησεν ὁ βασι. (33 a)  
 — 39. τῷ ποιῶντι πονηρά (33 a)



11 Κί. 5. 25. ἐποίησε Δ. καθὼς ἐνετείλατο (33 a)  
 7. 3. βάδιξε καὶ ποιεῖ (33 a)  
 — 9. ἐποίησά σε ὀνομαστόν (33 a)  
 — 21. διὰ τὸν δούλον [Δ. λόγον] σου πεποίηκας — (33 a)  
 — 21. ἐποίησας πᾶσαν τὴν μεγαλωσύνην τ. (33 a)  
 — 23. τοῦ ποιῆσαι μεγαλωσύνην (33 a)  
 — 25. Δ. ποιήσων καθὼς ἐλίλιπας (33 a)  
 8. 7. Β οὕς ἐποίησεν [Α.Β. οἱ ἦσαν] (8)  
 8. ἐποίησε Σαλ. τὴν θάλ. τὴν χαλκῆν —  
 — 13. ἐποίησε Δ. δνομα (33 a)  
 — 15. ἦν Δ. ποιῶν κρίμα (33 a)  
 9. 1. 3. ποιήσω μετ' αὐτοῦ ἔλεος (33 a)  
 — 7. ποιῶν ποιήσω μετὰ σοῦ ἔλεος (33 a, 33 a)  
 — 11. οὕτως ποιήσει ὁ δούλος σου (33 a)  
 10. 2. ποιήσω ἔλεος μετὰ 'Α. (33 a)  
 — 2. ὃν τρόπον ἐποίησεν . . . ἔλεος (33 a)  
 12. 1. κύριος ποιήσει τὸ ἀγαθόν (33 a)  
 11. 11. εἰ ποιῶς τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 27. δ ἐποίησε Δ. ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (33 a)  
 12. 4. τοῦ ποιῆσαι τῷ ξένῳ (33 a)  
 4. ἐποίησεν αὐτὴν τῷ ἀνδρί (33 a)  
 — 5. ὁ ἀνὴρ ὁ ποιήσας τοῦτο (33 a)  
 6. ἐποίησε τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 7. ὁ ἀνὴρ ὁ ποιήσας τοῦτο —  
 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 12. σὺ ἐποίησας κρυβῆ (33 a)  
 — 12. κατὰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 18. καὶ ποιήσει κακὰ (33 a)  
 — 21. δ ἐποίησας ἐνεκα τοῦ παιδαρίου (33 a)  
 31. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς πόλεσι (33 a)  
 18. 2. τοῦ ποιησίου τὴ αὐτῇ (33 a)  
 — 5. ποιήσῃ κατ' ὀφθαλμοῦς μου βρῶμα (33 a)  
 — 7. ποιήσων αὐτῷ βρῶμα (33 a)  
 — 10. τὰς κολλυρίδας ας ἐποίησε (33 a)  
 — 12. οὐ ποιήσῃται οὕτως ἐν 'Ισρ. (33 b)  
 — 12. μὴ ποιήσῃς τὴν ἀφροσύνην ταύτην (33 a)  
 — 16. ἦν ἐποίησας μετ' ἐμοῦ (33 a)  
 — 17. ἐποίησεν 'Αβ. πτότον —  
 — 29. ἐποίησαν τὰ παιδάριον 'Αβ. τῷ 'Α. (33 a)  
 14. 15. εἴ πως ποιήσει [Δ. -σῃ] ὁ βασι. τὸ ῥῆμα (33 a)  
 — 20. Α.Β. δ ἐποίησεν . . . τὸν λόγον [Β. δό-  
 λον] τ. (33 a)  
 — 21. ἐποίησά σοι κατὰ τὸν λόγον σου τ. (33 a)  
 — 22. ἐποίησεν . . . τὸν λόγον τοῦ δούλου αὐ. (33 a)  
 15. 1. ἐποίησεν ἐαυτῷ 'Αβ. ἄρματα (33 a)  
 — 6. ἐποίησεν 'Αβ. κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 30. κ. ποιήσει μετὰ σοῦ ἔλεος —  
 — 26. ποιήτω μοι κατὰ τὸ ἀγαθόν (33 a)  
 16. 10. ὥς τί ἐποίησας οὕτως (33 a)  
 — 20. τί ποιήσωμεν (33 a)  
 16. 6. ποιήσωμεν κατὰ τὸν λόγον αὐ. (33 a)  
 18. 4. ὁ εἰς ἀρίστη . . . ποιήσω (33 a)  
 — 13. μὴ ποιῆσαι ἐν τῇ ψυχῇ αὐ. ἀδικον (33 a)  
 19. 13. (14). τάδε ποιῆσαι μοι ὁ θ. (33 a)  
 — 18. (19). τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθές ἐν ὀφθ. αὐ. (33 a)  
 — 24. (25). οὐδὲ ἐποίησε τὸν μισθα αὐ. (33 a)  
 — 27. (28). Α.Β. [Β. om.] ἐποίησαν τὸ καλόν —  
 — 27. (28). ποιήσων τὸ ἀγαθόν (33 a)  
 — 37. (38). ποιήσων αὐτῷ τὸ ἀγαθόν (33 a)  
 — 38. (39). ποιήσω αὐτῷ τὸ ἀγαθόν (33 a)  
 — 38. (39). πάντα . . . ποιήσω σοι (33 a)  
 21. 3. τί ποιήσω ὑμῖν (33 a)  
 — 4. καὶ ποιήσω ὑμῖν (33 a)  
 — 11. δσα ἐποίησε 'Ρ. θυγάτηρ 'Α. (33 a)  
 — 14. καὶ ἐποίησαν πάντα (33 a)  
 22. 51. καὶ ποιῶν ἔλεος τῷ χριστῷ αὐ. (33 a)  
 23. 10. 12. ἐποίησε κ. σωτηρίαν μεγάλην (33 a)  
 — 17. λέως μοι κύριε τὸν ποιῆσαι τοῦτο (33 a)  
 — 17. ταῦτα ἐποίησαν οἱ τρεῖς δυνατοί (33 a)  
 — 22. ταῦτα ἐποίησε Βαν. (33 a)  
 24. 10. δ ἐποίησα νῦν [Α. al.] (33 a)  
 — 12. καὶ ποιήσω σοι (33 a)  
 — 17. οὕτω τὰ πρόβατα τί ἐποίησαν (33 a)  
 — 22. Β<sup>3</sup> ποιήσῃται ὁ κύριός μου . . . τὸ ἀγα-  
 θόν [Α.Β. al.] (29)

III Κί. 1. 5. ἐποίησεν ἐαυτῷ ἄρματα (33 a)  
 — 6. διὰ τί σὺ ἐποίησας (33 a)  
 — 30. οὕτως ποιήσω τῇ ἡμέρᾳ ταύτῃ (33 a)  
 2. 3. ἀ ποιήσεις κατὰ πάντα (33 a)  
 — 5. δσα ἐποίησέ μοι 'Ιωάβ (33 a)  
 — 5. δσα ἐποίησε τοῖς δυσὶν ἄρχουσι (33 a)  
 — 6. ποιήσεις κατὰ τὴν σοφίαν σου (33 a)  
 — 7. τοῖς υἱοῖς τοῦ Β. τοῦ Γ. ποιήσεις ἔλεος (33 a)  
 — 9. γνόσῃ δ ποιήσεις αὐτῷ (33 a)  
 — 23. τάδε ποιῆσαι μοι ὁ θ. (33 a)

III Κί. 2. 24. καὶ αὐτὸς ἐποίησέ μοι οἶκον (33 a)  
 — 31. ποιήσων αὐτῷ καθὼς εἴρηκε (33 a)  
 3. 1. ἐποίησε καὶ συντετέλεισε —  
 — 1. ἐποίησε Σαλ. τὴν θάλασσαν —  
 — 1 (5. 16 [30]). τῶν ποιοῦντων τὰ ἔργα (33 a)  
 — 1 (2. 9). ἀ ποιήσεις αὐτῷ (33 a)  
 — 1 (2. 38). οὕτως ποιήσει ὁ δούλος σου (33 a)  
 — 1 (2. 44). δ ἐποίησας τῷ Δ. τῷ πατρί μου (33 a)  
 — 1. Α. ἐπιγαμίαν ἐποίησας Σαλ. (70)  
 — 6. σὺ ἐποίησας . . . ἔλεος μέγα (33 a)  
 — 12. Α.Β. πεποίηκα κατὰ [Β. om.] τὸ ῥῆμα σου (33 a)  
 — 15. ἐποίησεν εἰρηνικός (33 a)  
 — 15. ἐποίησε πτότον μέγαν (33 a)  
 — 28. τοῦ π. δικαίωμα (33 a)  
 5. 8. (22). ποιήσω πᾶν θελήμα σου (33 a)  
 — 9. (23). ποιήσεις τὸ θέλημά μου (33 a)  
 — 16. (30). οἱ ποιοῦντες τὰ ἔργα (33 a)  
 6. 4. ἐποίησε τῷ οἴκῳ θυρίδας (33 a)  
 — 5. Α. ἐποίησεν πλευράς κυκλόθεν (33 a)  
 — 12. Α. καὶ τὰ κρίματα μου ποιῆς (33 a)  
 — 16. καὶ ἐποίησεν ἐκ τοῦ θαβείρου [Α. al.] (4)  
 — 20. καὶ ἐποίησε θυσιαστήριον —  
 — 23. ἐποίησεν . . . δύο χερ. (33 a)  
 — 31. τῷ θυρώματι . . . ἐποίησε θύρας (33 a)  
 — 33. Α. οὕτως ἐποίησεν τῷ πυλῶνι (33 a)  
 7. 14. τοῦ π. πᾶν ἔργον ἐν χαλκῷ (33 a)  
 — 14. ἐποίησε πάντα τὰ ἔργα (33 a)  
 — 16. δύο ἐπιθήματα ἐποίησε (33 a)  
 — 17. ἐποίησε δύο δακτυλ. —  
 — 18. οὕτως ἐποίησε τῷ ἐπιθήματι τῷ δευτ. (33 a)  
 — 23. ἐποίησε τὴν θάλασσαν (33 a)  
 — 27. ἐποίησε δέκα μηχανῶν χαλκᾶς (33 a)  
 — 37. ἐποίησε πάσας τὰς δέκα μεχ. (33 a)  
 — 38. ἐποίησε δέκα χυροκαύλους (33 a)  
 — 40. ἐποίησε Χ. τοὺς λίβητας (33 a)  
 — 40. συνετέλεισε Χ. ποιῶν πάντα τὰ ἔργα δ ἐποίησε τῷ βασι. (33 a, 33 a)  
 — 45. δ ἐποίησε Χ. τῷ βασι. (33 a)  
 — 45. πάντα τὰ ἔργα τοῦ βασι. ἐποίησε Χ. —  
 — 47. οὐ ἐποίησε πάντα τὰ ἔργα ταῦτα —  
 — 48. τὰ σκευὴ δ ἐποίησεν [Α. ἐποίησε Σ. κατὰ τὸ σκεῦ] (- [33 a]) (33 a)  
 — 51. δ ἐποίησε Σαλ. (33 a)  
 — 6. Α. ἐποίησεν πενήτην πηλὸν μῆκος [Β. al.] (33 a)  
 — 7. Α. αἰλᾶν τοῦ κριτηρίου ἐποίησεν [Β. om.] (33 a)  
 8. 18. καθὼς ἐποίησας (33 a)  
 — 30. ποιήσεις [Α. -σῃς] καὶ ἔλεως ἔσῃ (43 a)  
 — 32. 39. καὶ ποιήσεις (33 a)  
 — 43. ποιήσεις κατὰ πάντα (33 a)  
 — 45. ποιήσεις τὸ δικαίωμα αὐτοῖς (33 a)  
 — 49. Α. ποιήσεις κρίσιν αὐτῶν (33 a)  
 — 59. τοῦ π. τὸ δικαίωμα τοῦ δούλου σου (33 a)  
 — 64. ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν δλοκαύτων (33 a)  
 — 65. ἐποίησε Σαλ. τὴν ἑορτὴν (33 a)  
 — 66. οἱς ἐποίησε κ. τῷ Δαυιδ (33 a)  
 9. 1. δσα ἠθέλησε ποιῆσαι (33 a)  
 — 3. πεποίηκά σοι κατὰ π. τὴν προσευχὴν σου —  
 — 4. τοῦ π. κατὰ πάντα (33 a)  
 — 8. ἐνεκα τίνος ἐποίησε κ. οὕτως τῇ γῇ τ. (33 a)  
 — 23. Α. οἱ ποιοῦντες ἐν τῷ ἔργῳ (33 a)  
 — 26. ὑπὲρ οὐ ἐποίησεν ὁ βασι. Σαλ. (33 a)  
 10. 9. τοῦ π. κρίμα (33 a)  
 — 12. ἐποίησεν ὁ βασι. τὰ ξύλα (33 a)  
 — 16. ἐποίησε . . . τριακόσια δόρατα (33 a)  
 — 18. ἐποίησεν . . . θρόνον ἐλεφαντίνων μέγαν (33 a)  
 11. 8. οὕτως ἐποίησε πάσαις ταῖς γυν. αὐ. (33 a)  
 — 6. ἐποίησε Σ. τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 10. ποιῆσαι δ ἐνετείλατο αὐτῷ —  
 — 12. ἐν ταῖς ἡμ. σου οὐ ποιήσω αὐτά (33 a)  
 — 22. ἦν ἐποίησεν 'Α. [Α. al.] —  
 — 32. καὶ ἐποίησε τῇ 'Ασάτῃ (40)  
 — 33. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθές (33 a)  
 — 38. καὶ ποιήσῃ [Α. -σεῖς] τὸ εὐθές (33 a)  
 — 38. καθὼς ἐποίησε Δ. ὁ δούλός μου (33 a)  
 — 41. πάντα δσα ἐποίησε (33 a)  
 12. 21. νεανίων ποιοῦντων πόλεμον (33 a)  
 — 24. (cf. Α. 14. 22). Β. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 28. ἐποίησε δύο θαμνάνας χρυσᾶς (33 a)  
 — 31. καὶ ἐποίησεν οἴκους (33 a)  
 — 31. καὶ ἐποίησεν ἱερεῖς (33 a)  
 — 32. ἐποίησεν 'Ιερ. ἑορτὴν (33 a)  
 — 32. δ ἐποίησεν ἐν Β. (33 a)  
 — 32. ταῖς θαμνάλεσιν αἷς ἐποίησε (33 a)  
 — 32. τῶν ὑψηλῶν ὧν ἐποίησε (33 a)

III Κί. 12. 33. τὸ θυσιαστήριον δ ἐποίησε (33 a)  
 — 33. ἐποίησεν ἑορτὴν τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. (33 a)  
 18. 11. δ ἐποίησεν ὁ ἀνθρώπος τοῦ θ. (33 a)  
 — 33. ἐποίησεν . . . ἱερεῖς ὑψηλῶν (33 a)  
 14. 4. Α. ἐποίησεν οὕτως γυνὴ 'Ιερ. (33 a)  
 — 8. Α. ποιῆσαι ἕκαστος τὸ εὐθές (33 a)  
 — 9. Α. ἐπονηρεύσω τοῦ ποιῆσαι (33 a)  
 — 9. Α. ἐποίησας σεαυτῷ θεοὺς ἑτέρους (33 a)  
 — 15. Α. ἐποίησαν τὰ ἄλση αὐτῶν (33 a)  
 — 22. ἐποίησε 'Ρ. τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 22. οἱς ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐ. (33 a)  
 — 24. ἐποίησαν ἀπὸ πάντων τῶν βδελυγμ. (33 a)  
 — 26. Α. Β<sup>3</sup> Β. δσα ἐποίησε Σαλ. (33 a)  
 — 27. ἐποίησε . . . ὅπλα χαλκᾶ (33 a)  
 — 29. καὶ πάντα δ ἐποίησεν (33 a)  
 15. 3. αἷς ἐποίησεν ἐνώπιον αὐτοῦ (33 a)  
 — 5. ὡς ἐποίησε Δ. τὸ εὐθές (33 a)  
 — 7. καὶ πάντα δ ἐποίησεν (33 a)  
 — 11. ἐποίησεν 'Αου τὸ εὐθές (33 a)  
 — 12. δ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ (33 a)  
 — 13. καθὼς ἐποίησε σύνδοον (33 a)  
 — 23. ἦν ἐποίησε [Α. καὶ πάντα δ ἐποίησαν] (33 a)  
 — 26. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 31. καὶ πάντα δ ἐποίησεν (33 a)  
 — 34. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 16. 5. καὶ πάντα δ ἐποίησε (33 a)  
 — 7. πᾶσαν τὴν κακίαν ἣν ἐποίησεν (33 a)  
 — 14. δ ἐποίησεν (33 a)  
 — 19. ὑπὲρ τῶν ἁμαρτ. αὐ. ὧν ἐποίησε (8)  
 — 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 19. Α. αἷς ἐποίησεν (33 a)  
 — 25. ἐποίησεν 'Α. τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 27. καὶ πάντα δ ἐποίησε (33 a)  
 — 27. Α. ἦν ἐποίησεν (33 a)  
 — 28. (22. 43). Β. τοῦ π. τὸ εὐθές (33 a)  
 — 28. (22. 45 [46]). Β. πᾶσα δυναστεία ἦν ἐποίησε (33 a)  
 — 28. (22. 48 [49]). Β. ἐποίησε ναῦν εἰς Θ. πορευέσθαι (+\*, 33 a)  
 — 30. ἐποίησεν 'Α. τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 35. ἐποίησεν 'Αχ. ἄλσος (33 a)  
 — 33. τοῦ ποιῆσαι παροργισματα [Α. om.] (33 a)  
 17. 5. ἐποίησεν 'Ηλ. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου [Α. al.] (33 a)  
 — 12. ποιήσω αὐτὸ ἑμνητῇ (33 a)  
 — 13. ποιήσων κατὰ τὸ ῥῆμά σου (33 a)  
 — 13. ποιήσῃ μοι . . . ἐγκρυφίαν μικρὸν (33 a)  
 — 13. τοῖς τέκνοις σου ποιήσεις (33 a)  
 — 15. καὶ ἐποίησε (33 a)  
 18. 13. οἷα πεποίηκα (33 a)  
 — 23. ποιήσω τὸν βοῦν τὸν ἄλλον (33 a)  
 — 25. καὶ ποιήσατε πρώτοι (33 a)  
 — 26. καὶ ἐποίησαν (33 a)  
 — 26. ἐπὶ τοῦ θυσιαστ. οὐ ἐποίησαν (33 a)  
 — 29. ποιήσω τὸ δλοκαύτωμά μου —  
 — 32. καὶ ἐποίησε θάλασσαν (33 a)  
 — 33. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. δ ἐποίησε —  
 — 33. Β. καὶ ἐποίησαν οὕτως —  
 — 36. πεποίηκα τὰ ἔργα ταῦτα (33 a)  
 19. 1. πάντα δ ἐποίησεν 'Η. (33 a)  
 — 2. τάδε ποιῆσαι [Α. -σαισάν] μοι (33 a)  
 — 20. ὅτι πεποίηκά σοι (33 a)  
 20. (21). 7. ποιείεις βασιλεία [Α. -λείαν] ἐπὶ 'Ισρ. (33 a)  
 — 11. Α. Β. ἐποίησαν οἱ ἄνδρες πόλεως αὐ. (33 a)  
 — 20. 25. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 26. δ ἐποίησεν ὁ 'Αμ. (33 a)  
 21. (20). 9. πάντα . . . ποιήσω (33 a)  
 — 9. τὸ δὲ ῥῆμα τοῦτο οὐ δύνησμαι ποιῆσαι (33 a)  
 — 10. τάδε ποιῆσαι [Α. -σαισάν] μοι (33 a)  
 — 22. ἴδε τί ποιήσεις (33 a)  
 — 24. τὸ ῥῆμα τοῦτο ποιήσων (33 a)  
 — 25. καὶ ἐποίησεν οὕτως (33 a)  
 22. 11. ἐποίησεν ἐαυτῷ Σεδ. . . κέρατα σιδ. (33 a)  
 — 22. καὶ ποιήσων οὕτως (33 a)  
 — 39. καὶ πάντα δ ἐποίησε (33 a)  
 — 39. πάσας τὰς πόλεις ας ἐποίησεν (4)  
 — 43. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθές (33 a)  
 — 46. δσα ἐποίησεν —  
 — 49. Α. ὁ βασι. 'Ι. ἐποίησεν νῆας (+\*, 33 a)  
 — 53. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 IV Κί. 1. 18. δ [Α. δσα] ἐποίησεν (33 a)  
 — 18. (3. 2). ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 18. (3. 2). ας ἐποίησεν ὁ πατὴρ αὐ. (33 a)  
 2. 9. τί ποιήσω σοι (33 a)  
 3. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)

IV Ki. 8. 2. B ἄς ἐποίησαν ὁ πατήρ αὐ. (33 a)  
 — 16. ποιῆσαν τὸν χειμάρρον τ. βοθύνους (33 a)  
 4. 2. τί ποιῶ σοι [A om.] (33 a)  
 — 10. ποιῶμεν δὴ αὐτῷ ὑπερφόν τόπον (33 a)  
 — 13. τί δέι ποιῆσαι αὐτῇ (33 a)  
 — 14. τί δέι ποιῆσαι αὐτῇ (33 a)  
 5. 13. οὐχὶ ποιήσεις (33 a)  
 — 17. οὐ ποιήσεις ἐτι ὁ δοῦλός σου ὀλοκαύτωμα (33 a)  
 6. 2. ποιῶμεν ἑαυτοῖς ἐκεῖ (33 a)  
 — 15. A B' πῶς ποιῶμεν [B' B -ομεν] (33 a)  
 — 31. τάδε ποιῆσαι μοι ὁ θύς (33 a)  
 7. 2. ποιήσε κύριος καταράκτας (33 a)  
 — 6. ἀκουστήν ἐποίησε παρεμβολὴν (33 a)  
 — 9. οὐχ οὕτως ἡμεῖς ποιούμεν (33 a)  
 — 12. ἀ ἐποίησεν ἡμῖν Συρία (33 a)  
 — 19. ἰδοὺ κύριος ποιεῖ καταράκτας (33 a)  
 8. 2. ἐποίησε κατὰ τὸ ῥῆμα 'Ελ. (33 a)  
 — 4. πάντα τὰ μεγάλα δ [A om.] ἐποίησεν 'Ελ. (33 a)  
 — 12. ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. (33 a)  
 — 13. ποιήσεις τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 18. καθὼς ἐποίησεν οἴκος 'Αχαάβ (33 a)  
 — 18. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 23. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 27. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 10. 5. ὅσα ἐὰν εἴπῃς πρὸς ἡμᾶς ποιήσομεν (33 a)  
 — 5. τὸ ἀγαθὸν ἐν ὀφθαλμοῖς σου ποιήσομεν (33 a)  
 — 10. A οὐ ποιῆσαι [B πεσεῖται] ἀπὸ τοῦ ῥῆμ. † (33 a)  
 — 10. κύριος ἐποίησεν ὅσα ἐλάλησεν (33 a)  
 — 19. 'Ιοὺ ἐποίησεν ἐν περυσίᾳ (33 a)  
 — 21. B θυσιᾶν μεγάλην ποιᾷ (33 a)  
 — 24. τοῦ ποιῆσαι τὰ θύματα [A -μάματα] (33 a)  
 — 25. ὡς συνετέλεσε ποιῶν τὴν ὀλοκαύτωσιν (33 a)  
 — 30. ποιῆσαι τὸ εὐδὲς ἐν ὀφθαλμοῖς μου (33 a)  
 — 30. κατὰ πάντα... ἐποίησας τῷ οἴκῳ 'Αχ. (33 a)  
 — 34. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησας (33 a)  
 11. 5. οὕτως ὁ λόγος ἐν ποιήσετε (33 a)  
 — 9. καὶ ἐποίησαν... πάντα (33 a)  
 12. 2. ἐποίησεν 'Ι. τὸ εὐδὲς (33 a)  
 — 11 (13). ἐπὶ χεῖρας ποιούντων [A τῶν π.] τὰ ἔργα (33 a)  
 — 11 (12). τοῖς οἰκοδόμοις τοῖς ποιούσιν ἐν οἴκῳ κ. (33 a)  
 — 13 (14). οὐ ποιηθήσεται οἴκος κυρίου (33 a)  
 — 14 (15). τοῖς ποιούσι τὰ ἔργα (33 a)  
 — 15 (16). δοῦναι τοῖς ποιούσι τὰ ἔργα (33 a)  
 — 15 (16). ἐν πίστει αὐτῶν ποιούσιν (33 a)  
 — 19 (20). καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 18. 2. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 8. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)  
 — 11. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 12. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)  
 — 12. αἱ δυναστεῖαι αὐτοῦ ἄς ἐποίησε (19)  
 14. 3. ἐποίησε τὸ εὐδὲς (33 a)  
 — 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν 'Ι. ὁ πατήρ αὐ. ἐποίησε (33 a, 33 a)  
 — 15. ὅσα ἐποίησεν ἐν δυναστείᾳ αὐ. (33 a)  
 — 18. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 24. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 28. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)  
 15. 3. ἐποίησε τὸ εὐδὲς [A ἀγαθόν] (33 a)  
 — 3. ὅσα ἐποίησεν 'Αμ. (33 a)  
 — 6. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 9. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 9. καθὼς ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ (33 a)  
 — 18. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 21. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 24. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 26. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 28. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 31. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 34. ἐποίησε τὸ εὐδὲς (33 a)  
 — 34. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησεν 'Αζ. (33 a)  
 — 36. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 16. 2. οὐκ [B' om.] ἐποίησε τὸ εὐδὲς (33 a)  
 — 11. A οὕτως ἐποίησεν Οὐρία (33 a)  
 — 16. ἐποίησεν Οὐρ... κατὰ πάντα (33 a)  
 — 19. ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 17. 2. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 8. οἱ βασ. 'Ισρ. ὅσοι ἐποίησαν (33 a)  
 — 11. καὶ ἐποίησαν κοινωνοὺς (33 a)  
 — 12. οὐ ποιήσετε τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 15. μὴ ποιῆσαι κατὰ ταῦτα (33 a)  
 — 16. ἐποίησαν ἑαυτοῖς χώνευμα (33 a)  
 — 16. B καὶ ἐποίησαν ἄλση (33 a)

IV Ki. 17. 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 19. ἐν τοῖς δικαίω. 'Ισρ. οἱς ἐποίησαν (33 a)  
 — 22. ἐν πάσῃ ἡμέρᾳ. 'Ισρ. ἡς ἐποίησεν (33 a)  
 — 29. ἥσαν ποιούντες ἰθὺν ἰθὺν θεοῦ αὐ. (33 a)  
 — 29. ὡν ἐποίησαν οἱ Σαμαρείται (33 a)  
 — 30. ἐποίησαν τὴν Σ. B. (33 a)  
 — 30. B ἐποίησαν τὴν 'Ε. (33 a)  
 — 30. ἐποίησαν τὴν 'Ασ. (33 a)  
 — 31. ἐποίησαν τὴν 'Εβλ. (33 a)  
 — 32. δ ἐποίησαν ἐν Σαμ. (33 a)  
 — 32. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἱερεῖς τῶν ὑψ. (33 a)  
 — 32. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἐν οἴκῳ τῶν ὑψ. (33 a)  
 — 34. ἐποίησαν κατὰ τὸ κρίμα αὐτῶν (33 a)  
 — 34. ποιούσι κατὰ τὰ δικαιώματα αὐ. (33 a)  
 — 37. ἄς ἐγράψεν ὑμῖν π. φυλάσσεσθε [A φ. π.] (33 a)  
 — 40. ὁ αὐτοὶ ποιούσι (33 a)  
 — 41. καθὼς ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτῶν ποιούσιν (33 a, 33 a)  
 18. 3. ἐποίησε τὸ εὐδὲς (33 a)  
 — 3. ὅσα ἐποίησε Δαυὶδ (33 a)  
 — 4. ἐν ἐποίησε Μωσῆς (33 a)  
 — 7. ἐν πᾶσιν οἱς ἐποίησε (15)  
 — 12. καὶ οὐκ ἐποίησαν (33 a)  
 — 31. ποιήσατε μετ' ἐμοῦ εὐλογίαν (33 a)  
 19. 11. ὅσα ἐποίησαν βασιλεῖς 'Ασσυρίων (33 a)  
 — 15. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν (33 a)  
 — 25. A ἀπὸ μακρόθεν αὐτὴν ἐποίησα (33 a)  
 — 30. ποιήσε καρπὸν ἀνω (33 a)  
 — 31. ὁ ἄλλος κυρίου... ποιήσε τοῦτο (33 a)  
 20. 3. τὸ ἀγαθόν... ἐποίησα (33 a)  
 — 9. ποιήσε κύριος τὸν λόγον (33 a)  
 — 20. καὶ ὅσα ἐποίησε (33 a)  
 21. 2. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 3. καὶ ἐποίησεν ἄλση καθὼς ἐποίησεν 'Αχ. (33 a, 33 a)  
 — 6. B' B καὶ ἐποίησε τεμένη [A B' al.] (33 a)  
 — 6. τοῦ π. τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 7. A ὡς ἐποίησεν (33 a)  
 — 8. A φυλάξουσιν τοῦ π. [B om. τ. π.] πάντα (33 a)  
 — 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 11. ὅσα ἐποίησε Μανασσῆς (33 a)  
 — 11. ἀπὸ πάντων ὡν ἐποίησεν ὁ 'Αμ. (33 a)  
 — 15. A B ἐποίησαν [B -εν] τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 17. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)  
 — 20. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 20. καθὼς ἐποίησε Μανασσῆς (33 a)  
 — 25. ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 22. 2. ἐποίησε τὸ εὐδὲς (33 a)  
 — 5. ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)  
 — 5. ἔδωκεν αὐτὸ τοῖς ποιούσι τὰ ἔργα (33 a)  
 — 7. ἐν πίστει αὐτοῖ [A -ὲ] ποιούσι (33 a)  
 — 9. ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)  
 — 13. τοῦ π. κατὰ πάντα τὰ γεγραμ. (33 a)  
 23. 4. πάντα τὰ σκεύη τὰ πεποιημ. τῷ B. (33 a)  
 — 12. B δ ἐποίησαν βασιλεῖς [A B -σαν βασιλεῖς] 'Ιουδα (33 a)  
 — 12. δ ἐποίησε Μανασσῆς (33 a)  
 — 15. δ ἐποίησεν 'Ιερ. (33 a)  
 — 19. οὗς ἐποίησαν βασιλεῖς 'Ισρ. (33 a)  
 — 19. ἐποίησεν ἐν αὐτοῖς πάντα τὰ ἔργα δ ἐποίησεν ἐν B. [A al.] (33 a, 33 a)  
 — 21. ποιήσατε πάσχα τῷ κυρίῳ (33 a)  
 — 28. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 32. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 32. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν (33 a)  
 — 37. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 37. ὅσα ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ (33 a)  
 24. 3. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε (33 a)  
 — 5. καὶ πάντα ὅσα ἐποίησεν (33 a)  
 — 9. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 9. ὅσα ἐποίησεν ὁ πατήρ αὐτοῦ (33 a)  
 — 13. δ ἐποίησε Σαλ. (33 a)  
 — 16. πάντες δυνατοὶ ποιούντες πόλεμον (33 a)  
 — 19. ἐποίησε τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 19. ὅσα ἐποίησεν 'Ι. (33 a)  
 25. 16. δ ἐποίησε Σαλ. (33 a)  
 I Ch. 4. 10. ἐὰν... ποιήσῃς [A -σεις] γινώσκω (33 a)  
 5. 10. ἐποίησαν [A πᾶντες] πόλεμον (33 a)  
 — 19. ἐποίησαν πόλεμον μετὰ τῶν 'Αγ. (33 a)  
 10. 11. δ ἐποίησαν ἀλλόφυλοι (33 a)  
 11. 14. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγ. (17)  
 — 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 19. ταῦτα ἐποίησαν οἱ τρεῖς δυνατοὶ (33 a)  
 — 24. ταῦτα ἐποίησε Βαυ. (33 a)

I Ch. 12. 32. τί ποιῆσαι [B -σει] 'Ισρ. (33 a)  
 13. 4. εἶπε... τοῦ ποιῆσαι οὕτως (33 a)  
 14. 16. ἐποίησε καθὼς ἐντέλεστο (33 a)  
 15. 1. ἐποίησεν αὐτῷ οἰκίας ἐν πόλει Δ. (33 a)  
 — 1. ἐποίησεν αὐτῇ σκηνήν (21)  
 — 19. τοῦ ἀκουσθῆναι [B' add. και] ποιῆσαι (49 [-])  
 16. 9. δ ἐποίησε κύριος (33 a)  
 — 12. τὰ θαυμάσια αὐ. δ ἐποίησε (33 a)  
 — 26. ὁ θεὸς ἡμῶν οὐρανὸν ἐποίησε (33 a)  
 17. 2. πᾶν τὸ ἐν τῇ ψυχῇ σου ποιεῖ (33 a)  
 — 8. ἐποίησά σοι ὄνομα (33 a)  
 — 19. ἐποίησας τὴν πᾶσαν μεγαλωσύνην (33 a)  
 — 23. B ποιήσαν καθὼς ἐλάλησας (33 a)  
 18. 8. ἐποίησε Σαλ. τὴν θάλ. τὴν χαλκῇν (33 a)  
 — 14. καὶ ἦν ποιῶν κρίμα (33 a)  
 19. 2. ποιήσω ἔλεος μετὰ 'Ανάν (33 a)  
 — 2. ὡς ἐποίησεν ὁ πατήρ αὐ... ἔλεος (33 a)  
 — 13. κύριος τὸ ἀγαθόν... ποιήσει [B -σαι] (33 a)  
 20. 3. καὶ οὕτως ἐποίησε Δ. (33 a)  
 21. 8. ἐποίησα τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 a)  
 — 10. καὶ ποιήσω σοι (33 a)  
 — 17. ταῦτα τὰ πρόβατα τί ἐποίησαν (33 a)  
 — 23. ποιήσατε ὁ κύριός μου... τὸ ἀγαθόν (33 a)  
 — 29. ἦν ἐποίησε M. ἐν τῇ ἐρήμῳ (33 a)  
 22. 8. πολέμους μεγάλους ἐποίησας (33 a)  
 — 12. τοῦ π. τὸν νόμον κ. τοῦ θεοῦ σου (44)  
 — 13. τοῦ π. τὰ προστάγματα (33 a)  
 — 15. εἰς πλῆθος ποιούντων ἔργα (33 a)  
 — 16. ἀνάσθητι καὶ ποιεῖ (33 a)  
 23. 5. οἱς ἐποίησε τοῖς αἰνεῖν τῷ κ. (33 a)  
 — 24. ποιούντες τὰ ἔργα λειτουργίας (33 a)  
 26. 8. ποιούντες δυνατὸς ἐν τῇ ἐργασίᾳ † (33 a)  
 — 10. ἐποίησεν αὐτὸν ὁ πατήρ αὐτοῦ ἄρχοντα (33 a)  
 28. 10. ἴσχυε καὶ ποιεῖ (33 a)  
 — 20. ἴσχυε καὶ ἀνδρίζου καὶ ποιεῖ (33 a)  
 29. 19. ποιεῖν δὲ ἐντολὰς σου (44)  
 II Ch. 1. 3. ἦν ἐποίησε M. (33 a)  
 — 5. δ ἐποίησε Βεσ. (33 a)  
 — 8. ἐποίησας μετὰ Δ... ἔλεος μέγα (33 a)  
 2. 3 (2). ὡς ἐποίησας μετὰ τοῦ πατρὸς μου Δ. (33 a)  
 — 7 (6). εἰδὼτα τοῦ ποιῆσαι ἐν τῷ χρυσίῳ (33 a)  
 — 12 (11). ὡς ἐποίησε τὸν οὐρανόν (33 a)  
 — 14 (13). εἰδὼτα ποιῆσαι ἐν χρυσίῳ (33 a)  
 — 18 (17). ἐποίησεν ἐξ αὐτῶν ἐβδομήκ. χιλιᾶδας (33 a)  
 3. 8. ἐποίησε τὸν οἶκον τοῦ ἁγ. τῶν ἁγ. (33 a)  
 — 10. ἐποίησεν... χερουβείν δυο (33 a)  
 — 14. ἐποίησε τὸ καταπίπασμα (33 a)  
 — 15. ἐποίησεν... στυλοὺς δυο (33 a)  
 — 16. ἐποίησε σεπτερεῶθ (33 a)  
 — 16. ἐποίησε ῥοίσκους ἑκατόν (33 a)  
 4. 1. καὶ ἐποίησε τὸ θυσιαστ. χαλκοῦν (33 a)  
 — 2. καὶ ἐποίησε τὴν θάλ. χρυτῇν (33 a)  
 — 4. ἦ ἐποίησαν αὐτοὺς δώδεκα μόσχους † (33 a)  
 — 6. ἐποίησε λουτήρας δέκα (33 a)  
 — 7. ἐποίησε τὰς λυχνίας τὰς χρυσᾶς (33 a)  
 — 8. ἐποίησε τραπέζας δέκα (33 a)  
 — 8. ἐποίησε φιάλας χρυσᾶς ἑκατόν (33 a)  
 — 9. ἐποίησε τὴν αὐλὴν τῶν ἱερέων (33 a)  
 — 11. ἐποίησε Χ. τὰς κρέσφρας (33 a)  
 — 11. ποιῆσαι πᾶσαν τὴν ἐργασίαν ἣν ἐποίησε Σαλ. (33 a, 33 a)  
 — 14. τὰς μεχ. ἐποίησε δέκα (33 a)  
 — 14. τοὺς λουτήρας ἐποίησεν (33 a)  
 — 16. δ ἐποίησε Χ. (33 a)  
 — 18. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη ταῦτα (33 a)  
 — 19. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκεύη (33 a)  
 — 22 (6. 1). ἦν ἐποίησε Σαλ. (33 a)  
 6. 8. καλῶς ἐποίησας [B' om.] (33 a)  
 — 13. ἐποίησε Σαλ. βίβαν χαλκῇν (33 a)  
 — 23. καὶ ποιήσεις (33 a)  
 — 33. καὶ ποιήσεις κατὰ πάντα (33 a)  
 — 35. ποιήσεις τὸ δικαιώμα αὐτῶν (33 a)  
 — 39. καὶ ποιήσεις κρίματα (33 a)  
 7. 7. ἐποίησεν ἐκεῖ τὰ ὀλοκαυτῶμα. (33 a)  
 — 7. δ ἐποίησε Σαλ. (33 a)  
 — 7. A οὐκ ἐποίησε [B ἐξερ.] διέξασθαι (13)  
 — 8. ἐποίησε Σ. τὴν ἑορτήν (33 a)  
 — 9. καὶ ἐποίησεν... ἐξόδιον (33 a)  
 — 9. ἐγκαινισμὸν τοῦ θυσιαστ. ἐποίησεν (33 a)  
 — 10. οἱς ἐποίησε κύριος τῷ Δ. (33 a)  
 — 11. B ὅσα ἐποίησεν [A B ἠθέλησεν] † (33 a)  
 — 11. τοῦ ποιῆσαι ἐν οἴκῳ κυρίου (33 a)  
 — 17. ἐὰν... ποιήσῃς κατὰ πάντα (33 a)  
 — 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος τῇ γῇ ταύτῃ (33 a)

- 11 Ch. 9. 8. τοῦ ποιῆσαι κρίμα [A κρίσιν] (33 a)  
 — 11. ἐποίησεν ὁ βασιλ. τὰ ξύλα τὰ πενκ. (33 a)  
 — 15. ἐποίησεν ὁ βασιλ. Σ. διακοσ. θυρεοὺς (33 a)  
 — 17. ἐποίησεν ὁ βασιλ. θρόνον (33 a)  
 11. 1. νευρίσκον ποιούντων πόλεμον (33 a)  
 — 15. ἃ ἐποίησεν Ἰερ. (33 a)  
 12. 9. οὗς ἐποίησε Σαλ. (33 a)  
 — 10. ἐποίησεν Ἰ. θυρεοὺς χαλκοῦς (33 a)  
 — 14. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 13. 8. οὗς ἐποίησεν ἡμῖν Ἰερ. (33 a)  
 — 9. ἐποίησατε ἑαυτοῖς ἱερεῖς (33 a)  
 14. 2 (1). ἐποίησε τὸ καλὸν (33 a)  
 — 4 (3). καὶ ποιῆσαι τὸν νόμον (33 a)  
 — 7 (6). καὶ ποιήσωμεν τεῖχη (26)  
 16. 14. ἐποίησαν αὐτῷ ἐκφορὰν μεγάλην † (33 a)  
 18. 10. ἐποίησεν ἑαυτῷ . . . κέρατα σιδηρᾶ (33 a)  
 — 21. ἐξέλεθε καὶ ποιήσων οὕτω (33 a)  
 — 23. A καὶ ἐποίησεν [B ἡγγισεν] Σεδ. † (33 a)  
 19. 6. ἴδετε τί ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)  
 — 7. A B φυλάσσετε καὶ ποιήσετε [R -ατε] (33 a)  
 — 9. ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (33 a)  
 — 10. οὕτω ποιήσετε (33 a)  
 — 11. ἰσχύσατε καὶ ποιήσατε (33 a)  
 20. 12. τί ποιήσωμεν αὐτοῖς (33 a)  
 — 32. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 36 (35). ἠνέμοσεν ἐν τῷ ποιῆσαι (33 a)  
 — 36. B τοῦ ποιῆσαι πλοία (33 a)  
 — 36. καὶ ἐποίησε πλοία (33 a)  
 21. 6. ὡς ἐποίησεν οἶκος Ἀχ. (33 a)  
 — 6. καὶ ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 11. αὐτοὺς ἐποίησεν ὑψηλὰ (33 a)  
 — 19. οὐκ ἐποίησεν ὁ λαὸς αὐ. ἐκφορὰν (33 a)  
 22. 4. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 23. 4. ὃν ποιήσετε (33 a)  
 — 8. ἐποίησαν οἱ Ἀ. . . κατὰ πάντα (33 a)  
 24. 2. ἐποίησεν Ἰ. τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 7. τὰ δὲ οἶκου κυρίου ἐποίησαν ταῖς B. (33 a)  
 — 11. οὕτως ἐποίησεν ἡμέραν ἐξ ἡμέρας (33 a)  
 — 12. ἔδωκεν . . . τοῖς ποιούσι τὰ ἔργα (33 a)  
 — 13. ἐποίησαν οἱ ποιούντες τὰ ἔργα (33 a, 33 a)  
 — 14. καὶ ἐποίησαν σκεύη (33 a)  
 — 16. ἐποίησεν [A -αν] ἀγαθωσύνην (33 a)  
 — 22. οὐ ἐποίησεν μετ' αὐτοῦ Ἰ. (33 a)  
 — 24. μετὰ Ἰωῶν ἐποίησε κρίματα (33 a)  
 25. 2. ἐποίησε τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 9. τί ποιήσω τὰ ἐκατὸν τάλαντα (33 a)  
 — 16. ὅτι ἐποίησας τοῦτο (33 a)  
 26. 4. ἐποίησε τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 4. ὅσα ἐποίησεν Ἀμ. ὁ πατὴρ αὐτοῦ (33 a)  
 — 11. δυναμίς ποιούσαι πόλεμον (33 a)  
 — 13. οὗτοι οἱ ποιούντες πόλεμον (33 a)  
 — 15. ἐποίησεν ἐν Ἰερ. μηχανάς (33 a)  
 27. 2. ἐποίησε τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 2. κατὰ πάντα ἃ ἐποίησεν Ὁζ. (33 a)  
 28. 1. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 2. γλυπτὰ ἐποίησε (33 a)  
 — 24. ἐποίησεν ἑαυτῷ θυσιαστήρια (33 a)  
 — 25. B ἐποίησεν [A<sup>2</sup> -σαν] ὑψηλὰ (33 a)  
 29. 2. ἐποίησε τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 2. ὅσα ἐποίησε Δαυὶδ (33 a)  
 — 6. ἐποίησαν τὸ πονηρὸν (33 a)  
 30. 1, 2. ποιῆσαι τὸ φασέκ (33 a)  
 — 3. οὐ γὰρ ἠδυνάσθησαν ποιῆσαι αὐτό (33 a)  
 — 5. ποιῆσαι τὸ φασέκ (33 a)  
 — 5. πλῆθος οὐκ ἐποίησε (33 a)  
 — 12. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὰ προστάγματα (33 a)  
 — 13. τοῦ ποιῆσαι τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζύμων (33 a)  
 — 21. ἐποίησαν . . . τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζύμων (33 a)  
 — 23. ποιῆσαι ἐπτά ἡμέρας ἄλλας (33 a)  
 — 23. ἐποίησαν ἐπτά ἡμέρας (33 a)  
 31. 20. ἐποίησεν οὕτως Ἐζ. (33 a)  
 — 20. ἐποίησε τὸ καλὸν (33 a)  
 — 21. καὶ ἐποίησε (33 a)  
 32. 13. ὁ τι [A τί] ἐποίησα ἐγώ (33 a)  
 — 15. μὴ πεποιθέναι ὑμᾶς ποιεῖν κατὰ ταῦτα (100 b)  
 — 27. ὁθιναροὺς ἐποίησεν αὐτῷ (33 a)  
 33. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 3. καὶ ἐποίησεν ἀλση (33 a)  
 — 6. ἐποίησεν ἐγγαστριμύθους (33 a)  
 — 6. A ἐπαιδοὺς ἐποίησεν τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν [B αλ.] (37 [-], 33 a)  
 — 7. εἰκόνα ἦν ἐποίησεν (33 a)  
 — 8. τοῦ ποιῆσαι πάντα (33 a)  
 — 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 22. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 22. ὡς ἐποίησε Μαν. ὁ πατὴρ αὐ. (33 a)  
 11 Ch. 33. 22. οἷς ἐποίησε Μαν. ὁ πατὴρ αὐ. (33 a)  
 34. 2. ἐποίησε τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 10. ἐπὶ χεῖρα ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)  
 — 10. ἔδωκεν αὐτὸ ποιούσι τὰ ἔργα οἱ ἐποιοῦν ἐν οἴκῳ κυρίου (33 a, 33 a)  
 — 13. ἐπὶ πάντων τῶν ποιούντων τὰ ἔργα (33 a)  
 — 16. ἐν χεὶρὶ τῶν παίδων σου τῶν ποιούντων [A add. τὸ ἔργον] (33 a)  
 — 17. ἐπὶ χεῖρα . . . τῶν ποιούντων ἐργασίαν (33 a)  
 — 21. τοῦ ποιῆσαι κατὰ πάντα (33 a)  
 — 31. R ὥστε π. [A B om. ὦ. π.] τοὺς λόγους (33 a)  
 — 32. καὶ ἐποίησαν . . . διαθήκην (33 a)  
 — 33. ἐποίησε πάντας τοὺς εὐρεθέντας (27 b)  
 35. 1. ἐποίησεν Ἰ. τὸ φασέκ (33 a)  
 — 6. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸν λόγον κυρίου (33 a)  
 — 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ φασέκ (33 a)  
 — 17. καὶ ἐποίησαν . . . τὸ φασέκ (33 a)  
 — 18. οὐκ ἐποίησαν τὸ φασέκ ὃ ἐποίησεν Ἰ. (33 a, 33 a)  
 — 19. R ἐποίησεν τὸ φασέκ τοῦτο (33 b)  
 — 21. A πόλεμον ποιῆσαι [B πολεμήσαι] † (33 a)  
 36. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 2. ἃ ἐποίησαν οἱ πατέρες αὐτοῦ (33 a)  
 — 5. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 — 5. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησαν (33 a)  
 — 5. ἐν πάνσιν οἷς ἐποίησε (33 a)  
 — 8. καὶ πάντα ἃ ἐποίησεν (33 a)  
 — 9, 12. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 1 Es. 1. 6. ποιῆσατε τὸ πάσχα (33 a)  
 — 39, 44, 47. ἐποίησε τὸ πονηρὸν (33 a)  
 3. 1. ἐποίησε δοχὴν μεγάλην (33 a)  
 — 19. ποιεῖ τὴν διάνοιαν μίαν (33 a)  
 — 21. πάσας καρδίας ποιεῖ πλουσίας (33 a)  
 — 21. πάντα διὰ τάλαντων ποιεῖ λαλεῖν (33 a)  
 — 24. οὕτως ἀναγκάξῃ π. (33 a)  
 4. 3. A πάντα . . . ποιήσουσιν [B αλ.] (33 a)  
 — 4. εἰάν εἴπῃ αὐτοῖς ποιῆσαι πόλεμον . . . ποιούσιν [A ποιήσουσιν] (33 a)  
 — 11. καὶ π. τὰ ἔργα αὐτοῦ (33 a)  
 — 17. ποιούσι τὰς στολὰς τῶν ἀνθρώπων (33 a)  
 — 17. ποιούσι δόξαν τοῖς ἀνθρώποις (33 a)  
 — 35. ὅς ταῦτα ποιεῖ (33 a)  
 — 39. τὰ δίκαια ποιεῖ (33 a)  
 — 46. ἵνα ποιῆσιν τὴν εὐχὴν ἣν ἠξέω . . . ποιῆσαι (33 a)  
 — 57. ὅσα εἶπε Κύριος ποιῆσαι (33 a)  
 — 57. αὐτοὺς ἐπέταξε ποιῆσαι (33 a)  
 5. 3. ἐποίησεν αὐτοῖς συναναβῆναι (33 a)  
 — 58. ποιούντες εἰς τὰ ἔργα ἐν τῷ οἴκῳ (33 a)  
 — 73. συστάσεις [A ἐπισυνστ.] ποιούμενοι (33 a)  
 7. 6. καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 a)  
 8. 16. ὅσα ἔν βουλῇ . . . ποιῆσαι (33 a)  
 — 80. ἐποίησεν ἡμᾶς ἐν χάριτι (33 a)  
 — 95. ἡμεῖς μετὰ σοῦ ἰσχύον π. (33 a)  
 — 96. ποιῆσαι κατὰ ταῦτα (33 a)  
 9. 9. ποιῆσατε τὸ θέλημα αὐτοῦ (33 a)  
 — 10. οὕτως ὡς ἐλεησας ποιήσωμεν (33 a)  
 — 15. ἐποίησαν κατὰ πάντα ταῦτα (33 a)  
 11 Es. 3. 4. ἐποίησαν τὴν ἐορτὴν τῶν σκηνῶν (33 a)  
 — 8. A R ἐπὶ τοὺς ποιούντας [B om. τ. π.] τὰ ἔργα (33 a)  
 — 9. ἐπὶ τοὺς ποιούντας τὰ ἔργα (33 a)  
 4. 22. ἀνεσιν ποιῆσαι περὶ τούτου (27 d?)  
 6. 8. μὴ ποτέ τι ποιήσητε (27 d)  
 — 11. ὁ οἶκος αὐ. τὸ κατ' ἐμὲ ποιηθήσεται (27 e)  
 — 13. οὕτως ἐποίησαν ἐπιμελῶς (27 d)  
 — 16. καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . ἐγκαίνια (27 d)  
 — 19. καὶ ἐποίησαν . . . τὸ πάσχα (33 a)  
 — 22. ἐποίησαν τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζύμων (33 a)  
 7. 10. καὶ π. καὶ διδάσκειν . . . προστάγματα (33 a)  
 — 18. ἐν καταλοίπῳ τοῦ ἀργ. . . ποιῆσαι (27 d)  
 — 18. ὡς ἀρεστὸν τῷ θ. ὑμῶν ποιήσατε (27 d)  
 — 26. ὅς ἂν μὴ ἦ πῶν νόμον τοῦ θ. (27 d)  
 10. 3. S<sup>2</sup> ποιηθήσεται κατὰ τὸν νόμον [A B S<sup>1</sup> αλ.] (33 b)  
 — 4. κραταιοὶ καὶ ποιήσων (33 a)  
 — 5. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 11. καὶ ποιήσατε τὸ ἀρεστὸν (33 a)  
 — 12. μέγα τοῦτο τὸ ῥῆμά σου ἐφ' ἡμᾶς ποιῆσαι (33 a)  
 — 16. ἐποίησαν οὕτως υἱοὶ τῆς ἀποικίας (33 a)  
 — 39 (37). καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Βαν. (33 a<sup>2</sup>, 1)  
 Ne. 1. 9. καὶ ποιήσητε αὐτάς (33 a)  
 2. 12. τοῦ ποιῆσαι μετὰ τοῦ Ἰσρ. (33 a)  
 — 16. οὐκ ἐγνώσαν . . . τί ἐγὼ ποιῶ (33 a)  
 — 16. τοῖς ποιούσι τὰ ἔργα (33 a)  
 Ne. 2. 19. ὃ ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)  
 4. 8 (2). R ποιῆσαι αὐτὴν ἀφανῆ (33 a)  
 — 16 (10). ἐποιοῦν τὸ ἔργον (33 a)  
 — 17 (11). ἐποίει αὐτὸ τὸ ἔργον (33 a)  
 — 21 (15). ποιούντες τὸ ἔργον (33 a)  
 5. 9. ὃν ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)  
 — 12. οὕτως ποιήσωμεν (33 a)  
 — 12. ποιῆσαι ὡς τὸ ῥῆμα τοῦτο (33 a)  
 — 13. ἐποίησεν ὁ λαὸς τὸ ῥῆμα τοῦτο [S<sup>2</sup> αλ.] (33 a)  
 — 15. οὐκ ἐποίησα οὕτως (33 a)  
 — 19. ὅσα ἐποίησα τῷ λαῷ τοῦτῳ (33 a)  
 6. 2. ποιῆσαι μοι πονηρίαν (33 a)  
 — 3. ἔργον μέγα ἐγὼ ποιῶ (33 a)  
 — 9. καὶ οὐ ποιηθήσεται (33 b)  
 — 13. καὶ ποιῶ οὕτως (33 a)  
 8. 12. ποιῆσαι [S<sup>2</sup> ποιεῖν] εὐφροσύνην μεγ. (33 a)  
 — 15. ποιῆσαι σκηνὰς κατὰ τὸ γεγραμμ. (33 a)  
 — 16. ἐποίησαν ἑαυτοῖς σκηνάς (33 a)  
 — 17. καὶ ἐποίησαν . . . σκηνάς (33 a)  
 — 17. οὐκ ἐποίησαν . . . οὕτως οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (33 a)  
 — 18. ἐποίησαν ἐορτὴν ἐπτά ἡμέρας (33 a)  
 9. 6. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν (33 a)  
 — 10. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (33 a)  
 — 17. ὃν ἐποίησας μετ' αὐτῶν (33 a)  
 — 18. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μίσχον χωνευτόν (33 a)  
 — 18. ἐποίησαν παροργισμοὺς μεγάλους (33 a)  
 — 24. ποιῆσαι αὐτοῖς ὡς ἀρεστόν (33 a)  
 — 26. ἐποίησαν παροργισμοὺς μεγάλους (33 a)  
 — 28. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιόν σου (33 a)  
 — 29. ἃ ποιῆσας αὐτὰ (33 a)  
 — 31. οὐκ ἐποίησας αὐτοὺς συντέλειαν (33 a)  
 — 33. ἀλήθειαν ἐποίησας (33 a)  
 — 34. οὐκ ἐποίησαν τὸν νόμον σου (33 a)  
 10. 29 (30). καὶ π. πάσας τὰς ἐντολάς (33 a)  
 — 32 (33). B ποιήσωμεν [A S R στήσ.] ἐφ' ἡμᾶς ἐντολάς (30)  
 11. 12. ποιούντες τὸ ἔργον τοῦ οἴκου (33 a)  
 12. 27. ποιῆσαι ἐγκαίνια (33 a)  
 13. 5. καὶ ἐποίησεν ἑαυτῷ γαστροφύλακτον (33 a)  
 — 7. A S R ἦ ἐποίησεν Ἰερ. (33 a)  
 — 7. A B<sup>2</sup> S R ποιῆσαι αὐτῷ γαστροφύλακτον (33 a)  
 — 10. ποιούντες τὸ ἔργον (33 a)  
 — 14. ὃ ἐποίησα ἐν οἴκῳ κυρίου (33 a)  
 — 17. ὃν ὑμεῖς ποιεῖτε (33 a)  
 — 18. οὐχὶ οὕτως ἐποίησαν οἱ πατέρες ὑμῶν (33 a)  
 — 20. καὶ ἐποίησαν πράσιν (20)  
 — 27. ποιῆσαι πᾶσαν πονηρίαν ταύτην (33 a)  
 To. 1. 3. ἐλεημοσύνας πολλὰς ἐποίησα (33 a)  
 — 5. S ὃν ἐποίησεν Ἰερ. (33 a)  
 — 16. ἐλεημοσύνας πολλὰς ἐποιοῦν [S<sup>1</sup> ἐποίησα] (33 a)  
 — 18. S ἦς ἐποίησεν ἐξ αὐτοῦ ὁ βασιλ. τοῦ οὐρ. (33 a)  
 3. 5. ποιῆσαι περὶ τῶν ἁμαρτιῶν σου (33 a)  
 — 5. οὐκ ἐποιήσαμεν τὰς ἐντολάς σου (33 a)  
 — 6. ποιήσω μετ' ἐμοῦ (33 a)  
 — 10. εἰάν ποιήσω τοῦτο [S αλ.] (33 a)  
 4. 3. ποιεῖ τὸ ἀρεστὸν αὐτῇ (33 a)  
 — 5. δικαιοσύνην ποιεῖ [A -εἰν] (33 a)  
 — 6. ποιούντός σου τὴν ἀλήθειαν [S αλ.] (33 a)  
 — 6. πᾶσι τοῖς ποιούσι τὴν δικαιοσύνην (33 a)  
 — 7. A B ποιεῖ ἐλεημοσύνην (33 a)  
 — 7. A B ἐν τῷ π. σε ἐλεημοσύνην (33 a)  
 — 8. A B ποιήσων ἐξ αὐτῶν ἐλεημοσύνην (33 a)  
 — 8. A B μὴ φοβοῦ π. ἐλεημοσύνην (33 a)  
 — 11. A B πᾶσι τοῖς ποιούσιν αὐτὴν (33 a)  
 — 15. A B ὁ μισεῖς μηδενὶ ποιήσης (33 a)  
 — 16. A B ποιεῖ ἐλεημοσύνην (33 a)  
 — 16. A B ἐν τῷ π. σε ἐλεημοσύνην (33 a)  
 — 21. καὶ ποιήσῃς τὸ ἀρεστὸν [S τὰ ἀγαθὰ] (33 a)  
 5. 1. πᾶτερ, ποιήσω πάντα (33 a)  
 6. 5. ἐποίησε τὸ παιδίον [S αλ.] (33 a)  
 — 12. A S R ποιήσωμεν [B -σωμεν] τὸν γάμον (33 a)  
 7. 7. S καὶ ποιῶν ἐλεημοσύνας (33 a)  
 — 11. S κύριος ποιῆσει ἐν ὑμῖν (33 a)  
 — 12. S εἶπεν αὐτῷ Ἰ. ὅτι ποιῶ [A B αλ.] (33 a)  
 — 12. S ποιῆσαι ἐφ' ὑμᾶς ἔλεος [A B αλ.] (33 a)  
 — 17. καὶ ἐποίησεν [S αλ.] (33 a)  
 8. 4. S ὅπως ποιήσῃ ἐφ' ἡμᾶς ἔλεος [A B αλ.] (33 a)  
 — 6. σὺ ἐποίησας Ἀδάμ (33 a)  
 — 6. S ἐποίησας [A B ἔδωκας] αὐτῷ βοηθόν (33 a)  
 — 6. ποιήσωμεν αὐτῷ βοηθόν (33 a)  
 — 16. κατὰ τὸ πολὺ ἔλεος σου ἐποίησας μεθ' ἡ. (33 a)  
 — 17. ποιήσων αὐτοῖς . . . ἔλεος (33 a)  
 — 19. καὶ ἐποίησαν αὐτοῖς γάμον [S ποιῆσαι ἄρτους πολλοὺς] (33 a)  
 10. 7. ποιῆσαι αὐτὸν ἐκεί [S αλ.] (33 a)  
 12. 6. περὶ ὧν [S ἃ] ἐποίησε μεθ' ὑμῶν (33 a)

Το. 12. 7. Β ἀγαθὸν ποιήσατε [S τὸ δ. ποιείτε]  
 — 8. καλὸν [A add. τὸ] ποιῆσαι ἐλεημοσύνην  
 — 9. οἱ ποιοῦντες ἐλεημοσύνας  
 — 10. Β οἱ ποιοῦντες ἀμαρτίαν [A B al.]  
 — 13. Α οὐκ ἐλαβὲς με ἀγαθὸν ποιῶν [B ἀγαθόν].  
 13. 6. ποιῆσαι ἐνώπιον αὐτοῦ ἀληθεῖαν  
 — 6. δ ποιήσει [S ἐποίησεν] μεθ' ὑμῶν  
 — 6. Α Β ποιήσατε δικαιοσύνην  
 — 6. Β καὶ ποιήσει ἐλεημοσύνην ὑμῖν [A εἰς ὑμᾶς]  
 14. 2. ἐποίει ἐλεημοσύνας [S ἐλ. ἐποίησεν]  
 — 7. Β οἱ ποιοῦντες τὴν ἀμαρτίαν  
 — 7. Β ποιήσατε τὸ ἀρεστόν  
 — 7. ποιοῦντες ἔλεος τοῖς ἀδ. ἡμῶν [S al.]  
 — 7. Β π. δικαιοσύνην καὶ ἐλεημοσύνην [A B al.]  
 — 10. τί ἐποίησεν [S al.]  
 — 10. Μαν. ἐποίησεν Α ἐν τῷ ποιῆσάι με] ἐλεημο-  
 σύνην  
 — 11. τί ἐλεημοσύνην ποιεῖ  
 — 11. S τί ποιεῖ ἀδικία  
 — 15. Β ἐν πᾶσι οἷς ἐποίησεν  
 Ju. 1. 2. ἐποίησε τὸ ὄψος [A μήκος] τοῦ τείχους  
 — 4. ἐποίησε τὰς πύλας αὐ.  
 — 5. καὶ ἐποίησε πύλινον  
 2. 12. ποιήσω ταῦτα ἐν χειρὶ μου  
 — 13. οὐ μακρινὸς τοῦ ποιῆσαι αὐτά  
 4. 1. ὅσα ἐποίησεν Ὁλ.  
 — 8. καὶ ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ.  
 6. 21. ἐποίησε πότον τοῖς πρεσβυτέροις  
 7. 1. καὶ π. πόλεμον πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσρ.  
 — 16. καὶ συνέταξεν π.  
 — 24. ἐποίησεν ἐν ἡμῖν ἀδικίαν μεγάλην  
 — 28. ἴνα μὴ [S om.] ποιῇσθαι κατὰ τὰ ῥήμ. ταῦτα  
 — 31. ποιήσω κατὰ τὰ ῥήματα ὑμῶν  
 8. 5. ἐποίησεν ἐν τῇ σκηνῇ  
 — 14. δς ἐποίησε πάντα ταῦτα  
 — 26. ὅσα ἐποίησε μετὰ Ἀβραάμ  
 — 30. ἠγάγασαν ποιήσαι ἡμᾶς  
 — 32. καὶ ποιήσω πρᾶγμα  
 — 34. ἃ ἐγὼ ποιῶ  
 9. 2. καὶ ἐποίησαν  
 — 5. ἐποίησαν τὰ πρότερα ἐκείνων  
 — 14. καὶ ποιήσαν . . . ἐπίγνωσιν  
 10. 10. καὶ ἐποίησαν οὕτως  
 — 16. καὶ εὐ [A εὐδὴ] σε ποιήσει  
 11. 2. αὐτοὶ ἑαυτοῖς ἐποίησαν ταῦτα  
 — 4. εὐ σε ποιήσει  
 — 6. τελείως πρᾶγμα ποιήσει μετὰ σοῦ  
 — 11. ὁπρὶνα ἀν ποιήσωσιν ἀσπίαν  
 — 14. Α Β οἱ ἐκεῖ κατοικοῦντες ἐποίησαν ταῦτα  
 — 15. Α Β ὡς ἐν ἀναγγελίᾳ αὐτοῖς καὶ ποιήσωσι  
 — 16. Α Β ποιήσαι μετὰ σοῦ πρᾶγμα  
 — 17. Α Β πότε ἐποίησαν τὰ ἀμαρτήμ. αὐτῶν  
 — 22. Α Β ἐὶν ἐποίησεν ὁ θεός  
 — 23. Β ἐάν ποιήσῃ [A -σεις, B -σῃ] καθὰ ἐλά-  
 λησας  
 12. 4. Α Β ὥς ἐν ποιῇ κύριος ἐν χειρὶ μου  
 — 10. Α Β ἐποίησεν Ὁλ. πότον  
 — 14. Α Β πᾶν . . . σπεύσασα ποιήσω  
 13. 5. Α Β καὶ ποιῆσαι τὸ ἐπιτηδεύμα μου  
 — 11. ποιῆσαι ἐπὶ ἰσχύϊ ἐν Ἰσρ.  
 — 11. καθὰ καὶ σήμερον ἐποίησε  
 — 16. οὐκ ἐποίησεν ἀμαρτήμα μετ' ἐμοῦ  
 — 20. ποιῆσαι σοι αὐτὰ ὁ θεός  
 14. 5. πρὸ δὲ τοῦ ποιῆσαι ταῦτα  
 — 8. ὅσα ἐποίησας ἐν ταῖς ἡμέραις ταύταις  
 — 8. πάντα ὅσα ἦν πεποινηκία  
 — 10. ὅσα ἐποίησεν ὁ θ. τοῦ Ἰσρ.  
 — 18. ἐποίησεν αἰσχύνῃ μία γυνὴ τῶν Ἑβρ.  
 15. 8. δ ἐποίησε κύριος τῷ Ἰσρ.  
 — 10. ἐποίησας πάντα ταῦτα  
 — 10. ἐποίησας [A εὐ π.] τὰ ἀγαθὰ μετὰ Ἰσρ.  
 — 12. καὶ ἐποίησαν [A om. κ. ε.] αὐτὴ χορὸν  
 Es. 1. 1. τί ὁ θ. βεβούλευται ποιῆσαι  
 — 3. δοχὴν ἐποίησε τοῖς φίλοις (33 a)  
 — 5. ἐποίησεν ὁ βασι. πύον (33 a)  
 — 6. ποιῆσαι τὸ θέλημα αὐτοῦ (33 a)  
 — 9. ἐποίησε πότον ταῖς γυναῖξιν (33 a)  
 — 13. ποιήσατε οὖν περὶ τούτου νόμον  
 — 15. ὡς δεῖ ποιῆσαι Ἀὐτὴν τῇ βασιλείᾳ (33 a)  
 — 15. οὐκ ἐποίησεν τὰ ὑπὸ τοῦ βασι. προσταχ-  
 θέντα (33 a)  
 — 20. ἐν ἡμῖν ποιῇ ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐ. (33 a)  
 — 21. ἐποίησεν ὁ βασι. καθὰ ἐλάλησεν ὁ Μ. (33 a)  
 2. 1. Α καθὰ ἐποίησεν [B S al.] (33 a)  
 — 4. καὶ ἐποίησεν οὕτως (33 a)  
 — 18. ἐποίησεν ὁ βασι. πότον (33 a)

Es. 2. 18. καὶ ἄφισεν ἐποίησε (33 a)  
 — 20. καὶ π. τὰ προστάγματα αὐτοῦ (33 a)  
 3. 2. προσέταξεν [A ἐπ.τ.] ὁ βασι. ποιῆσαι  
 — 7. ἐποίησε ψήφισμα (117)  
 — 9. Β<sup>2</sup> ἐπὶ χεῖρας τῶν ποιοῦντων τὰ ἔργα (33 a)  
 4. 17. ἐποίησεν ὅσα ἐνετείλατο (33 a)  
 — 17. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν  
 — 17. οὐδὲ ἐν φιλοδοξίᾳ ἐποίησα τοῦτο  
 — 17. ἐποίησα τοῦτο  
 — 17. καὶ οὐ ποιήσω αὐτὰ  
 — 17. ἐποίησας αὐτοῖς ὅσα ἐλάλησας  
 5. 4. τὴν δοχὴν ἣν ποιήσω σήμερον (33 a)  
 — 5. ὅπως ποιήσωμεν [B -σομεν, A ποιήσαι]  
 τὸν λόγον Ἰ.Ε. (33 a)  
 — 8. Β<sup>2</sup> καὶ ποιῆσαι τὸ ἀξίωμα μου (33 a)  
 — 8. Α Β Β<sup>2</sup> ἦν ποιήσω αὐτοῖς (33 a)  
 — 8. Α Β Β<sup>2</sup> ποιήσω τὰ αὐτὰ (33 a)  
 — 11. ὡς ἐποίησεν αὐτὸν πρωτεύειν [A πρώτον] †  
 — 12. Β<sup>2</sup> ἦν ἐποίησεν (33 a)  
 6. 3. τίνος δόξαν ἢ χάριν ἐποίησαμεν τῷ Μ. (33 b)  
 — 3. οὐκ ἐποίησας αὐτῷ οὐδὲν (33 b)  
 — 6. τί ποιήσω τῷ ἀνθρώπῳ (33 a)  
 — 10. οὕτως ποιήσω [A -σομεν] τῷ Μαρδ. (33 a)  
 7. 5. ποιῆσαι τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 a)  
 8. 3. ὅσα ἐποίησε τῶν Ἰουδαίων (10)  
 — 13. καλῶς οὖν ποιήσατε [A -σατε, B -σητε]  
 — 13. ἐποίησεν αὐτοῖς [B<sup>2</sup> add. εἰς] εὐφροσύνην  
 — 13. ἦτις κατὰ ταῦτα μὴ ποιήσῃ  
 9. 1. Β<sup>2</sup> καὶ τὸ δόγμα αὐ. ποιῆσαι (33 b)  
 — 29. ὅσα ἐποίησαν [B -σεν] †  
 10. 3. ἦν . . . ἐποίησε βασιλεύσαν  
 — 3. ἐποίησεν ὁ θ. τὰ σημεῖα  
 — 3. Β Β ἐποίησε κληρὸν δύο  
 Jb. 1. 4. ἐποίησαν [A B<sup>2</sup> -ου] πότον (33 a)  
 — 5. οὕτως οὖν [A om.] ἐποίει Ἰώβ [A  
 om.] (33 a)  
 — 10. τὰ κτήνη αὐ. πολλὰ ἐποίησας (103 a)  
 — 17. οἱ ἱππεῖς ἐποίησαν ἡμῖν κεφαλὰς [A B<sup>2</sup>  
 ἀρχὰς] τρεῖς (39)  
 5. 9. τὸν ποιοῦντα μεγάλα καὶ ἀνεξήγηστα (33 a)  
 — 11. τὸν ποιοῦντα ταπεινοὺς εἰς ὄψος (39)  
 — 12. οὐ μὴ ποιήσουσιν αἱ χεῖρες αὐτῶν  
 ἀληθές (33 a)  
 — 18. αὐτὸς γὰρ ἀλγεῖν ποιεῖ (32)  
 — 27. Α τί ἐποίησας [B S al.]  
 7. 18. ἡ ἐπισκοπὴν αὐτοῦ ποιῇ [A ποιῇ] (72)  
 — 21. διὰ τί οὐκ ἐποίησας τῆς ἀνομίας [A  
 ἀμαρτίας] μου λήθην (89)  
 8. 3. ἡ ὁ τὰ πάντα ποιήσας παραβῆναι τὸ δικαίον (98)  
 9. 9. ὁ ποιῶν Πλειάδα καὶ Ἑσπερον (33 a)  
 — 10. ὁ ποιῶν μεγάλα καὶ ἀνεξήγηστα (33 a)  
 — 12. τίς ἐρεῖ αὐτῷ, τί ἐποίησας (33 a)  
 — 17. πολλὰ δέ μου τὰ συντηρήματα πεποιήκει  
 διὰ κενῆς (103 b)  
 10. 8. αἱ χεῖρες σου ἔπλασαν με καὶ ἐποίησάν  
 με [A B ἐπ. με κ. ἔπλ. με] (33 a [32])  
 — 14. ἀπὸ δὲ ἀνομίας οὐκ ἀβύον με πεποιήκας  
 [A ἐάσεις] (48)  
 11. 7. ἃ [A ὧν] ἐποίησεν ὁ παντοκράτωρ  
 — 8. καὶ τί ποιήσεις (34 a)  
 — 10. τίς ἐρεῖ αὐτῷ, τί ἐποίησας †  
 — 14. πόρρω ποιήσω αὐτὸ ἀπὸ σοῦ (104)  
 12. 9. χεῖρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (33 a)  
 13. 9. εἰ γὰρ τὰ πάντα ποιοῦντες προστεθί-  
 σεσθε αὐτῷ [A ὁδῶ αὐτοῦ] †  
 14. 3. οὐχὶ καὶ τούτου λόγον ἐποίησεν [B<sup>1</sup> π.]  
 καὶ τούτον ἐποίησας εἰσελθεῖν ἐν  
 κρίματι ἐνώπιόν [A ἐπὶ] σου (†, 85)  
 — 9. ποιήσει δὲ θερμὸν ὥσπερ νεφύτων (33 a)  
 — 13. ἐν φ. μείναι μου ποιῇ (94)  
 15. 27. ἐποίησε περαστόμον ἐπὶ τῶν μηρίων  
 [A B -ρῶν] (33 a)  
 16. 8 (7). κατὰκόπον με πεποιήκει μαρὸν σεση-  
 πῶτα (34)  
 17. 2. Β λίσσομαι κάμνων καὶ τί ποιήσας [A B<sup>2</sup>  
 -σω] —  
 19. 2. ὥς τίνος ἔγκοπον ποιήσατε [B -ητε, S  
 ἐποιήσατε] ψυχὴν μου (63)  
 — 2. ὁ [S om.] κύριος ἐποίησε με οὕτως —  
 21. 31. S B αὐτὸς [A B δ αὐτός] ἐποίησε (33 a)  
 22. 4. ἡ λόγον σου ποιούμενος ἐλέγχει σε †  
 — 17. κύριος τί ποιήσει ἡμῖν (34 a)  
 — 23. πόρρω ἐποίησας [A<sup>1</sup> ποιήσας, A<sup>2</sup> ποιή-  
 σον] ἀπὸ διαίτης σου ἄδικον (104)  
 23. 9. ἀριστέρα ποιήσαντος αὐτοῦ (33 a)  
 — 13. ὁ γὰρ αὐτὸς ἠθέλησε καὶ ἐποίησε (33 a)

Jb. 24. 13 (12). διὰ τί τούτων ἐπισκοπὴν οὐ  
 πεποιήται (39 ?)  
 — 21. στεῖραν δὲ οὐκ εὐ ἐποίησε [A al.] †  
 25. 2. ὁ ποιῶν τὴν σύμπασαν ἐν ὑψίστῳ (33 a)  
 26. 14. σθένος δὲ βροντῆς αὐτοῦ τίς οἶδεν ὅποτε  
 ποιήσει —  
 28. 25. Α Β εἰδὼς τὰ ἐν τῇ γῇ πάντα ἃ [B om.]  
 ἐποίησεν (33 a)  
 — 25. Α ἐποίησεν δὲ [B S om. ἐπ. δὲ] ἀνέμων  
 σταθμὸν (33 a ?)  
 — 26. ὅτε ἐποίησεν (33 a)  
 29. 4. ἐπισκοπὴν ἐποίητο τοῦ οἴκου μου †  
 30. 24. καὶ ποιήσει μοι τοῦτο †  
 31. 3. ἀπαλλοτριώσιν τοῖς ποιοῦσιν ἀνομίαν (34 a)  
 — 14. τί γὰρ ποιήσω ἐάν ἔτασιν μου ποιῆται  
 [A -ήσῃ, B -ήσῃται] ὁ κ. ἐάν δὲ καὶ  
 ἐπισκοπὴν τίνα ἀπέκρινεν ποιή-  
 σμα (33 a, —, 55)  
 33. 4. πνεῦμα θεῶν τὸ ποιήσάν με (33 a)  
 34. 8. ἡ οὐδ' οὐ κοινωνήσας μετὰ ποιοῦντων  
 τὰ ἄνομα [A al.] (34 a)  
 — 11. καθὰ ποιεῖ [B ἐποίει] ἕκαστος αὐτῶν (34 b)  
 — 12. οἷε δὲ τὸν κ. ἄποκα [A τὰ εἰ.] ποιήσειν (57)  
 — 13. ὅς ἐποίησε τὴν γῆν †  
 — 13. τίς εἰς τὸν ὁ ποιῶν [A ποιήσας] τὴν  
 ἰσρ. οὐρανόν (39)  
 — 22. τοῦ κρυβῆναι τοὺς ποιοῦντας τὰ ἄνομα (34 a)  
 35. 3. Α Β<sup>2</sup> ἡ ἐρεῖ, τί ποιήσω ἀμαρτῶν (13)  
 — 5 (6). τί δύνασαι ποιῆσαι (33 a)  
 — 10. ποῦ ἔστιν ὁ θεός ὁ ποιήσας με (33 a)  
 37. 5. ἐποίησε γὰρ μεγάλα ἃ οὐκ ἤδεμεν (33 a)  
 — 15. φῶς ποιήσας ἐκ σκότους (14)  
 40. 14 (19). πεποιημένον ἐγκαταπαίξασθαι [A  
 εἰς τὸ εἰ.] ὑπὸ τῶν ἀγγέλων αὐ. (33 a)  
 — 15 (20). ἐποίησε χαρμονὴν τετραποσιν (115)  
 41. 17 (18). οὐδὲν μὴ ποιήσωσι δόρυ καὶ  
 θώρακα [A B<sup>2</sup> al.] (36 ?)  
 — 24 (25). πεποιημένον ἐγκαταπαίξασθαι (33 a)  
 42. 8. ποιήσει [A<sup>1</sup> -εἰς] ἀποκρίσεις [A -ωμαι]  
 περὶ ὑμῶν (29)  
 — 9. ἐποίησαν [A εἰ. αὐτοῖς] καθὼς συνέταξεν  
 αὐτοῖς ὁ κύριος (33 a)  
 Ps. 1. 3. πάντα ὅσα ἂν ποιῇ [A -ήσῃ] (33 a)  
 7. 3. εἰ ἐποίησα τοῦτο (33 a)  
 9. 4. ἐποίησας τὴν κρίσιν μου (33 a)  
 — 15. ἐν διαφθορᾷ ἡ ἐποίησας (33 a)  
 — 16. γινώσκεται κύριος κρίματα ποιῶν (33 a)  
 10 (11). 4. ὁ δὲ δίκαιος τί ἐποίησε (34 a)  
 13 (14). 1. οὐκ ἔστι ποιῶν χρηστότητα (33 a)  
 — 3. οὐκ ἔστι ποιῶν [B<sup>1</sup> ὁ π.] χρηστότητα (33 a)  
 14 (15). 3. οὐδὲ ἐποίησε τῷ πλησίον αὐτοῦ  
 κακόν (33 a)  
 — 5. ὁ ποιῶν ταῦτα οὐ σαλευθήσεται (33 a)  
 17 (18). 50. ποιῶν ἔλεος τῷ χριστῷ αὐ. (33 a)  
 21 (22). 31. ἐν ἐποίησεν ὁ κύριος (33 a)  
 30 (31). 23. ἀνταποδίδωμι τοῖς περισσώως ποιού-  
 σιν ὑπερφηανίαν (33 a)  
 33 (34). 14. ποιήσω ἀγαθόν (33 a)  
 — 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας  
 κακά (33 a)  
 36 (37). 1. μηδὲ γῆλον τοὺς ποιοῦντας τὴν ἀνο-  
 μίαν (33 a)  
 — 3. ποιεῖ χρηστότητα (33 a)  
 — 5. καὶ αὐτὸς ποιήσει (33 a)  
 — 7. ἐν ἀνθρώπῳ ποιοῦντι παρανομίας (33 a)  
 — 27. ποιήσω ἀγαθόν (33 a)  
 38 (39). 9. σὺ εἰ ὁ ποιήσας [A B<sup>2</sup> σὺ ἐποίησας]  
 με [B S om.] (33 a)  
 39 (40). 5. πολλὰ ἐποίησας σὺ . . . τὰ θαυ-  
 μάσια σου (33 a)  
 — 8. τοῦ ποιῆσαι τὸ θέλημά σου (33 a)  
 49 (50). 21. ταῦτα ἐποίησας (33 a)  
 50 (51). 4. τὸ ποιεῖν ἐνώπιόν σου ἐποίησα (33 a)  
 51 (52). 2. Β Β<sup>2</sup> ὥσπερ ἐξυρὸν ἐξηκουμένον [B B  
 ἡκ.] ἐποίησας δόλον (33 a)  
 — 9. ὅτι ἐποίησας [B<sup>2</sup> ἐπηκουάσαι μου] (33 a)  
 52 (53). 1. S B οὐκ ἔστι ποιῶν [B ὁ π.] ἀγα-  
 θόν (33 a)  
 — 3. οὐκ ἔστι ποιῶν ἀγαθόν [B<sup>1</sup> χρηστότητα] (33 a)  
 55 (56). 4. τί ποιήσει μοι σάρξ (33 a)  
 — 11. τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (33 a)  
 59 (60). 12. ἐν τῇ θεῷ ποιήσωμεν δύναμιν (33 a)  
 65 (66). 15. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> B ποιήσω [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> ἀνοίσω]  
 σοι βόας μετὰ χιμάρων (33 a)  
 — 16. ὅσα ἐποίησε τῇ ψυχῇ σου (33 a)  
 70 (71). 19. ἃ ἐποίησας μεγαλεία (33 a)

Ps. 71 (72). 18. ὁ ποιῶν θαυμάσια μόνος (33 a)  
 73 (74). 17. ΒΣ' σὺ ἐποίησας πάντα τὰ ὅρα  
 τῆς γῆς θέρους καὶ ἔαρ σὺ ἐποίησας  
 [B<sup>2</sup> ἐπλάσας] (33, 16)  
 76 (77). 14. σὺ εἶ ὁ θεὸς ὁ ποιῶν θαυμάσια (33 a)  
 77 (78). 4. τὰ θαυμάσια αὐτοῦ δὲ ἐποίησε [B<sup>2</sup>  
 -αν] (33 a)  
 — 12. δὲ ἐποίησε θαυμάσια ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (33 a)  
 82 (83). 9. ποίησον αὐτοῖς ὡς τῇ Μαδιάμ (33 a)  
 85 (86). 9. πάντα τὰ ἴθνη σου ἐποίησας (33 a)  
 — 10. μέγας εἶ σὺ καὶ ποιῶν θαυμάσια (33 a)  
 — 17. ποίησον μετ' ἐμοῦ σημείον εἰς ἀγαθόν (33 a)  
 87 (88). 10. μὴ τοῖς νεκροῖς ποιήσεις θαυμά-  
 σια (33 a)  
 94 (95). 5. καὶ αὐτοὺς ἐποίησεν αὐτὴν (33 a)  
 — 6. κλάυσαντες ἐναντίον κυρίου τοῦ ποιήσαν-  
 τος ἡμᾶς (33 a)  
 95 (96). 5. ὁ δὲ κύριος τοὺς οὐρανούς ἐποίησεν (33 a)  
 97 (98). 1. θαυμαστά ἐποίησεν ὁ κύριος (33 a)  
 98 (99). 4. δικαιοσύνη ἐν ἱ. σὺ ἐποίησας (33 a)  
 99 (100). 3. αὐτοὺς ἐποίησεν ἡμᾶς καὶ οὐχ ἡμεῖς (33 a)  
 100 (101). 3. ποιούστας [B<sup>1</sup> -α] παραβάσεις  
 ἐμίσσησα (33 a)  
 — 7. οὐ κατέκειν ἐν μέσῳ τῆς οἰκίας μου ποιῶν  
 ὑπερηφανίαν (33 a)  
 102 (103). 6. ποιῶν ἐλεημοσύνας ὁ κύριος (33 a)  
 — 10. οὐ κατὰ τὰς ἀμαρτίας ἡμῶν ἐποίησεν  
 ἡμῖν (33 a)  
 — 18. τοῦ ποιῆσαι αὐτάς (33 a)  
 — 20. ποιούστας τὸν λόγον αὐτοῦ (33 a)  
 — 21. ποιούστας τὰ θελήματα αὐτοῦ (33 a)  
 103 (104). 4. ὁ ποιῶν τοὺς ἀγγέλους αὐτοῦ  
 πνεύματα (33 a)  
 — 19. ἐποίησε σελήνην εἰς καιροὺς (33 a)  
 — 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας (33 a)  
 — 32. καὶ ποιῶν αὐτὴν τρέμειν —  
 104 (105). 5. τὸν θαυμασίον αὐ. ὃν ἐποίησε (33 a)  
 105 (106). 2. ἀκουσάς [B -α] ποιήσεις πάσας  
 τὰς αἰνήσεις αὐτοῦ (50)  
 — 3. ποιούστας δικαιοσύνην ἐν παντὶ καιρῷ (33 a)  
 — 19. ἐποίησαν μίσχον ἐν Χωρήβ (33 a)  
 — 21. τοῦ ποιήσαντος μεγάλα [A<sup>2</sup> -λεία] ἐν  
 Αἰγύπτῳ (33 a)  
 106 (107). 23. ποιούστας [A<sup>2</sup> οἱ π.] ἐργασίαν ἐν  
 ὕδασι πολλοῖς (33 a)  
 — 37. ἐποίησαν καρπὸν γεννηματος (33 a)  
 107 (108). 13. ἐν τῷ θεῷ ποιήσωμεν [A -ωμεν]  
 δυνάμιν (33 a)  
 108 (109). 16. Α Β<sup>1</sup> οὐκ ἐμνήσθη τοῦ [B<sup>2</sup> B  
 om.] ποιῆσαι ἔλεος (33 a)  
 — 21. Α Β<sup>1</sup> ποιήσων μετ' ἐμοῦ ἔλεος [B<sup>2</sup> B  
 om.] (33 a)  
 — 27. σὺ, κύριε, ἐποίησας αὐτὴν (33 a)  
 110 (111). 4. μνησὶν ἐποίησας τὸν θαυμασίον  
 αὐτοῦ (33 a)  
 — 8. πεποιθμένοι ἐν ἀληθείᾳ καὶ ἐνθύτοι (33 a)  
 — 10. συνέσεις δι' ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιούσιν  
 αὐτὴν (33 a)  
 113. 11 (115. 3). πάντα ὅσα ἠθέλησεν ἐποίησε (33 a)  
 — 16 (115. 8). B R δμοιοὶ αὐτοῖς [A -ὦν] γέ-  
 νοιντο οἱ ποιούστας αὐτά (33 a)  
 — 23 (115. 15). τῷ ποιήσαντι τὸν οὐρανόν (33 a)  
 117 (118). 6. τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (33 a)  
 — 15. δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (33 a)  
 — 16. Α Β<sup>2</sup> B δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (33 a)  
 — 24. αὐτὴν ἡμέρα ἦν ἐποίησεν ὁ κύριος (33 a)  
 118 (119). 65. χρηστότητα ἐποίησας μετὰ τοῦ  
 δούλου σου (33 a)  
 — 73. Α Β<sup>2</sup> B αἰχμαίρετός σου ἐποίησάν με [B<sup>1</sup> al.] (33 a)  
 — 84. πότε ποιήσεις μοι ἐκ τῶν καταδικω-  
 τῶν με κρίσιν (33 a)  
 — 112. τοῦ ποιῆσαι τὰ δικαιώματά σου (33 a)  
 — 121. ἐποίησαν κρίμα καὶ δικαιοσύνην (33 a)  
 — 124. Α Β<sup>2</sup> ποιήσων μετὰ τοῦ δούλου σου  
 κατὰ τὸ λόγιόν [B<sup>2</sup> B ἔλεός] σου (33 a)  
 — 126. καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κυρίῳ (33 a)  
 120 (121). 2 : 123 (124). 8. τοῦ ποιήσαντος  
 τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν (33 a)  
 125 (126). 2. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι  
 μετ' αὐτῶν (33 a)  
 — 3. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μεθ' ἡμῶν (33 a)  
 133 (134). 3. ὁ ποιήσας τὸν οὐρανόν (33 a)  
 134 (135). 6. πάντα ὅσα ἠθέλησεν ὁ κ. ἐποίησεν (33 a)  
 — 7. ἀσπράξας εἰς ὑψὺς ἐποίησεν (33 a)  
 — 18. Α Β<sup>1</sup> ὁμοιοὶ αὐτοῖς γένοιντο πάντες  
 [B<sup>2</sup> B om.] οἱ ποιούστας αὐτά (33 a)

Ps. 135 (136). 4. τῷ ποιήσαντι [B<sup>1</sup> ποιούντι]  
 θαυμάσια μεγάλα μόνῳ (33 a)  
 — 5. τῷ ποιήσαντι τοὺς οὐρανούς ἐν συνέσει (33 a)  
 — 7. τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνῳ (33 a)  
 138 (139). 15. δὲ ἐποίησας ἐν κρυφῇ (33 c)  
 139 (140). 12. ποιήσει κύριος τὴν κρίσιν τοῦ  
 πτωχοῦ (33 a)  
 142 (143). 8. ἀκουστών ποιήσιν μοι τὸ πρῶ-  
 τὸ ἔλεός σου (50)  
 — 10. διδάξεν με τοῦ ποιῆν τὸ θέλημά σου (33 a)  
 144 (145). 19. θέλημα τῶν φοβουμένων αὐτὸν  
 ποιήσει (33 a)  
 145 (146). 6. τὸν ποιήσαντα τὸν οὐρανόν  
 — 7. ποιούντα κρίμα τοῖς ἀδικουμένοις (33 a)  
 147. 9 (20). οὐκ ἐποίησεν οὕτως παντὶ ἔθνει (33 a)  
 148. 8. τὰ ποιούντα τὸν λόγον αὐτοῦ (33 a)  
 149. 2. εὐφρανθήτω ἱ. ἐπὶ τῷ ποιήσαντι αὐτόν (33 a)  
 — 7. τοῦ ποιῆσαι ἐκδικήσιν ἐν τοῖς ἔθνεσιν (33 a)  
 — 9. τοῦ ποιῆσαι ἐν αὐτοῖς κρίμα ἐγγραπτόν (33 a)  
 151. 2. αἱ χεῖρές μου ἐποίησαν ἔργον  
 Pr. 1. 7. συνέσεις δι' ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιούσιν  
 αὐτὴν —  
 — 25. ἀκύρους ἐποιεῖτε ἐμὰς βουλὰς (51 b)  
 2. 16. τοῦ μακρὰν σε ποιῆσαι ἀπὸ ὁδοῦ εὐθείας †  
 3. 27. Α μη ἀποσχῇ εὐ ποιῆν ἐνδεῆ ἥνικα ἂν  
 ἐχῇ ἡ χεὶρ σου εὐ ποιεῖ [B S σου  
 βοηθεῖν] (74 a, 33 a)  
 — 28. δυνατὸ σου ὄντος εὐ ποιῆν —  
 4. 26. ὁρθὰς τροχίαις ποιεῖ σοὶ ποσί (97)  
 — 27. αὐτὸς δὲ ὁρθὰς ποιεῖς τὰς τροχίαις σου —  
 5. 7. Α Β S<sup>1</sup> ἡ ἀκύρους [B<sup>1</sup> μακρύνεις] ποιήσης  
 [B<sup>2</sup> -σαι] ἐμοῦς λόγους (51 a [-])  
 — 8. μακρὰν ποιήσων ἀπ' αὐτῆς σὴν ὁδόν (90)  
 6. 3. ποιεῖ, υἱέ, ἃ ἐγὼ σοὶ ἐντέλλομαι (33 a)  
 — 8. πολλὴν τε ἐν τῷ ἀμύτῳ ποιεῖται τὴν  
 παράθεσιν (103 c)  
 — 8. τὴν τε ἐργασίαν ὡς σεμνὴν ποιεῖται —  
 7. 10. ἡ ποιεῖ νέων ἐξίπτασθαι καρδίας †  
 8. 23. πρὸ τοῦ τὴν γῆν ποιῆσαι †  
 — 24. πρὸ τοῦ τὰς ἀβύσσους ποιῆσαι †  
 — 26. κύριος ἐποίησε χώρας καὶ δοκιχτούς (33 a)  
 — 28. ἰσχυρὰ ἐποίησε τὰ ἄνω νέφη (80 a)  
 — 29. ἰσχυρὰ ἐποίησε τὰ θεμέλια [A θελήματα]  
 τῆς γῆς (80 b)  
 10. 16. ἔργα δικαίων [ὡς] ποιεῖ —  
 11. 17. τῇ ψυχῇ αὐτοῦ ἀγαθὸν ποιεῖ ἀνὴρ ελεῖ-  
 μων (47)  
 — 18. ἀσεβῆς ποιεῖ ἔργα ἀδίκᾳ (33 a)  
 — 24. εἰσὶν οἱ τὰ ἴδια σπείροντες πλεῖονα  
 ποιούσιν (101)  
 12. 22. ὁ δὲ ποιῶν πίστει δεκτός παρ' αὐτῷ (33 a)  
 13. 6. Α τοὺς δὲ ἀσεβεῖς φάλους ποιεῖ ἀμαρ-  
 τία (114)  
 — 23. δίκαιοι ποιήσουσιν ἐν πλοίτῳ ἔτη πολλά †  
 14. 27. ποιεῖ δὲ ἐκκλίνειν ἐκ παγίδος θανάτου —  
 31. ὁ συκοφαντῶν πάντα παραξύνει τὸν  
 ποιήσαντα αὐτόν (33 a)  
 16. 5 (7). ἀρχὴ ὁδοῦ ἀγαθῆς τὸ ποιῆν τὰ δίκαια †  
 — 12. βδελύγμα βασιλεῖ ὁ ποιῶν κακά (33 a)  
 17. 5. παροξύνει τὸν ποιήσαντα αὐτόν (33 a)  
 — 16 (19). δὲ ὑψηλὸν ποιεῖ τὸν αὐτοῦ οἶκον (113)  
 — 22. καρδιά εὐφραίνουμένη εὐεκεῖν ποιεῖ (75)  
 — 28. ἐνεὸν δὲ τίς αὐτὸν ποιήσας (68)  
 19. 7. S<sup>1</sup> πᾶς δὲ ἀδελφὸν πτωχὸν ποιεῖ [A B S<sup>2</sup>  
 μισεῖ] †  
 20. 10 (11). καὶ ὁ ποιῶν αὐτά —  
 21. 3. ποιεῖν δίκαια καὶ ἀληθεύειν (33 a)  
 — 15. Α B S<sup>1</sup> εὐφροσύνην δικαίων ποιεῖν [B -εἰ]  
 κρίμα (33 a)  
 — 25. οὐ γὰρ προαιρουνται αἱ χεῖρες αὐτοῦ  
 ποιεῖν τί (33 a)  
 22. 2. ἀμφοτέρους δὲ ὁ κύριος ἐποίησε (33 a)  
 — 16. ὁ συκοφαντῶν πάντα πολλὰ ποιεῖ τὰ  
 αὐτοῦ [A S<sup>2</sup> ε. κακά] (103 b)  
 24. 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδὴ μακ-  
 ρὴν μὴν ποιῶν (90)  
 — 49 (34). εἰς δὲ τοῦτο ποιῆς [B -ήσης] —  
 61 (30. 26). οἱ ἐποίησαντο ἐν πέτραις τοὺς  
 ἐκείνων οἴκους (30)  
 — 71 (31. 3). μετὰ βουλῆς πάντα ποιεῖ †  
 25. 22. τοῦτο γὰρ παῶν [S<sup>1</sup> ποιήσας] —  
 26. 6. δνειδος ποιεῖται †  
 — 28. στόμα δὲ ἀσέτηγον ποιεῖ ἀκαταστασίας (33 a)  
 29. 13. ἐπισκοπὴν ἀμφοτέρων ποιεῖται ὁ κύριος †  
 31. 13. ἐποίησεν ἐν χρηστοῖς ταῖς χερσὶν αὐτῆς (33 a)  
 — 22. δίσσας χλαῖνας ἐποίησε τῷ ἀνδρὶ αὐ. (33 a)

Pr. 31. 24. σύνδονας ἐποίησε (33 a)  
 — 29. πολλὰ ἐποίησαν δυνάμιν (33 a)  
 Ec. 1. 9. τί τὸ πεποιημένον [B<sup>1</sup> ποιησόμενον]  
 αὐτὸ τὸ ποιηθσόμενον (33 b, 33 b)  
 — 14. τὰ πεποιημένα ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 b)  
 2. 2. τί τοῦτο ποιεῖς (33 a)  
 — 3. δ ποιήσουσιν ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 a)  
 — 5. ἐποίησά μοι κήπους καὶ παραδείσους (33 a)  
 — 6. ἐποίησά μοι κολυμβήθρας ὑδάτων (33 a)  
 — 8. ἐποίησά μοι ἄδοντας καὶ ἄδουσας (33 a)  
 — 11. ὡς ἐποίησαν αἱ χεῖρές μου (33 a)  
 — 11. ὡς ἐποίησας τοῦ ποιῆν (33 a)  
 — 12. τὰ ὅσα ἐποίησεν [A -αν] αὐτὴν [B -ῇ] (33 a)  
 — 17. τὸ ποίημα τὸ πεποιημένον ὑπὸ τὸν  
 ἥλιον (33 b)  
 3. 9. τίς περισσεία τοῦ ποιούντος (33 a)  
 — 11. δ [B<sup>1</sup> om.] ἐποίησε καλὰ (33 a)  
 — 11. τὸ ποίημα δὲ ἐποίησεν ὁ θεός (33 a)  
 — 12. τοῦ ποιῆν [B<sup>1</sup> ποιεῖν] ἀγαθὸν ἐν ζωῇ αὐ-  
 τοῦ (33 a)  
 — 14. πάντα ὅσα ἐποίησεν ὁ θεός (33 a)  
 — 14. ὁ θεός ἐποίησεν ἵνα φοβηθῶσιν (33 a)  
 4. 3. Α Β S<sup>2</sup> τὸ ποίημα τὸ ποιητὸν τὸ πεποι-  
 μένον ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 b)  
 — 17. Α B R οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιήσαι  
 [B ποιεῖν] κακόν [B τὸ καλόν] (33 a)  
 5. 17. B τοῦ φαγεῖν καὶ τοῦ ποιεῖν [A B S<sup>1</sup> ποιεῖν] †  
 7. 1 (6. 12). ἐποίησεν αὐτὰ [A -ὰς] ἐν σκιᾷ  
 [B<sup>2</sup> ὡς σκιάς] (33 a)  
 — 15 (14). σὺν τούτῳ συμφώνως τοῦτο ἐποίη-  
 σεν ὁ θεός [A B al.] (33 a)  
 — 21 (20). δὲ ποιήσει ἀγαθὸν (33 a)  
 — 30 (29). δ ἐποίησεν ὁ θεός σὺν τὸν ἄνθρω-  
 πον εὐθὺς (33 a)  
 8. 3. πᾶν δὲ ἐὰν θελήσει ποιήσει (33 a)  
 — 5 (4). τίς ἐρεῖ αὐτῷ; τί ποιεῖ [A S<sup>1</sup> -ήτης] (33 a)  
 — 9. δ πεποιθὴς ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 b)  
 — 10. ἐπημέθησαν ἐν τῇ πόλει ὅτι οὕτως  
 ἐποίησαν (33 a)  
 — 11. οὐκ ἔστι γινωμένη ἀντίρρησης ἀπὸ τῶν  
 ποιούντων τὸ ποιητὸν †  
 — 11. τοῦ ποιῆσαι τὸ ποιητὸν (33 a)  
 — 12. ἐποίησε τὸ ποιητὸν ἀπὸ τότε (33 a)  
 — 14. ἡ πεποιθὴς ἐπὶ τῆς γῆς (33 b)  
 — 16. τὸν περὶ σπασμὸν [A πειρασμὸν] τὸν  
 πεποιημένον ἐπὶ τῆς γῆς (33 b)  
 — 17. σὺν τὸ ποίημα τὸ πεποιημένον ὑπὸ τὸν  
 ἥλιον (33 b)  
 — 17. Α ὅσα εἰς ποιήσῃ [B S μοχθήσῃ] ἄν-  
 θρωπος (31)  
 9. 3. ἐν παντὶ πεποιημένη ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 b)  
 — 6. ἐν παντὶ τῷ πεποιημένῳ ὑπὸ τὸν ἥλιον (33 b)  
 — 10. πάντα ὅσα ἂν ἐὐρῇ ἡ χεὶρ σου τοῦ ποιῆ-  
 σαι ὡς ἡ δύναμις σου ποιήσων (33 a, 33 a)  
 10. 19. εἰς γέλωτα ποιούσιν ἄρτον (33 a)  
 11. 5. ὅσα ποιήσει τὰ σύμματα (33 a)  
 12. 12. τοῦ [B<sup>1</sup> om.] ποιῆσαι βιβλία πολλὰ (33 a)  
 Ca. 1. 11. ὁμοιώματα χρυσοῦ ποιήσωμεν σοι (33 a)  
 3. 9. φορεῖον ἐποίησεν ἐκ αὐτῷ (33 a)  
 — 10. στύλους αὐτοῦ ἐποίησεν ἀργύριον (33 a)  
 8. 8. τί ποιήσωμεν τῇ ἀδελφῇ ἡμῶν (33 a)  
 Wi. 1. 13. ὁ θεός θάνατον οὐκ ἐποίησεν  
 2. 23. εἰκόνα τῆς ἰδίας ἰδιότητος ἐποίησεν αὐτόν  
 6. 7. μικρὸν καὶ μέγαν αὐτοὺς ἐποίησεν  
 — 19. ἀφθαρσία δι' ἐγγύς εἶναι ποιεῖ θεοῦ  
 9. 1. ὁ ποιήσας τὰ πάντα ἐν λόγῳ σου  
 — 9. ὅτε ἐποιεῖς τὸν κόσμον  
 11. 24. οὐδὲν [A -εἶνα] βδελύσσει ὡς ἐποίησας  
 12. 12. τίς γὰρ ἐρεῖ; τί ἐποίησας  
 — 12. ἃ σὺ ἐποίησας  
 — 16. πάντων φειδῶσθαι [A B<sup>2</sup> φ. σε] ποιεῖ  
 — 19. εὐέλπιδας ἐποίησας τοὺς υἱούς σου  
 13. 15. ποιήσας αὐτῷ αὐτοῦ [B om.] ἄξιον οἰκεῖν  
 14. 8. ἐπικατάρων αὐτὸ καὶ ὁ ποιήσας αὐτό  
 — 15. εἰκόνα ποιήσας τὸν τότε [A ποτὲ] νεκρὸν  
 ἄνθρωπον  
 — 17. ἐμφανὴ εἰκόνα τοῦ τιμῶν. βασ. ἐποίησαν  
 15. 11. Α ἡγρόσθη τὸν ποιήσαντα [B S πλάσαντα]  
 αὐτόν  
 — 16. ἄνθρωπος γὰρ ἐποίησεν αὐτοὺς  
 16. 24. ἡ γὰρ κτίσις σοι τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα  
 Si. prol. 13. παρακείμελησθε οὐν ... τὴν ἀνάγκωσιν  
 ποιεῖσθαι  
 2. 14. τί ποιήσετε ὅταν ἐπισκεπτήται ὁ κύριος  
 3. 1. οὕτως ποιήσετε ἵνα σωθῇτε

Si. 4. 6. τῆς δειψείας αὐτοῦ ἐπακούσεται [B εἰσακ.] ὁ ποιήσας αὐτόν  
 — 7. προσφύλλῃ συναγωγῇ σεαυτὸν ποιεῖ  
 6. 4. ἐπίχαρμα ἐχθρῶν [B -οῖς] ποιήσει αὐτόν  
 7. 1. μὴ ποιεῖ κακὰ  
 — 10. ἐλεημοσύνην ποιῆσαι μὴ παρίδῃς  
 — 12. μηδὲ φίλῳ [B<sup>2</sup> ἐπὶ φ.] τὸ ὅμοιον ποιεῖ  
 — 30. ἐν δαλὶ δυνάμει ἀγάπησον τὸν ποιήσαντά σε  
 8. 15. αὐτὸς γὰρ κατὰ τὸ θέλημα αὐτοῦ ποιήσει  
 — 16. μετὰ θυμώδους μὴ ποιήσῃς μάχην  
 — 18. ἐνώπιον ἀλλοτρίου μὴ ποιήσῃς κρυπτὸν  
 10. 12. ἀπὸ τοῦ ποιήσαντος αὐτὸν ἀπέστη ἡ καρδία αὐτοῦ  
 — 26. μὴ σοφίζῃ ποιῆσαι τὸ ἔργον σου  
 11. 27. κάκως ὥρας ἐπιλησμονῇ ποιεῖ τρυφῆς  
 12. 1. ἐν εὐ ποιῆς γνῶθι τίτι ποιεῖς  
 — 2. εὐ ποῖσον εὐσεβεῖ  
 — 5. εὐ ποῖσον τῷ ταπεινῷ  
 — 5. οἷς ἂν ποιήσῃς [B<sup>2</sup> ποιῆς] αὐτῷ  
 14. 7. κὰν εὐ ποιῇ ἐν λήθῃ ποιεῖ  
 — 11. εὐ ποιεῖ σεαυτὸν  
 — 13. εὐ ποιεῖ φίλῳ  
 15. 1. ὁ φοβούμενος κύριον ποιήσει αὐτό  
 — 11. ὁ γὰρ ἐμίσησεν οὐ ποιεῖται  
 — 14. αὐτὸς ἐξ ἀρχῆς ἐποίησεν ἄνθρωπον  
 — 15. πιστὸν ποιῆσαι [?] ποιῆσαι εὐδοκίας  
 16. 3. B<sup>2</sup> εἰς δίκαιος ποιῶν θέλημα κυρίου  
 — 9. B<sup>2</sup> τούτου πάντα ἐποίησεν ἔδνεσιν σκληροκαρδίοις  
 — 14. πάσῃ ἐλεημοσύνῃ ποιήσει τόπον  
 — 20. B<sup>2</sup> καθὼ ποιεῖ ἄνθρωπος  
 17. 3. κατ' εἰκόνα αὐτοῦ ἐποίησεν αὐτούς  
 18. 31. ποιῆτε σε [A B<sup>2</sup> -σεις] ἐπίχαρμα τῶν ἐχθρῶν σου  
 19. 13. ἔλεγχον φίλον μὴ ποτε οὐκ ἐποίησε  
 — 13. B<sup>2</sup> καὶ εἰ τί ἐποίησε μὴ ποτε προσθῇ [A al.]  
 20. 4. οὕτως ὁ ποιῶν ἐν [B<sup>2</sup> om.] βίᾳ κρίματα  
 — 13. ἐάντων προσφύλλῃ ποιήσει  
 27. 27. ὁ ποιῶν ποινῶν εἰς αὐτὸν κυλισθήσεται  
 17. 27. πληρῇ μάλιστα ποιεῖ μολῶπας [A B -πα]  
 — 25. τοῖς λόγοις σου ποιῶν ζυγὸν καὶ σταθμὸν καὶ τῷ στόματι σου ποιῶν θύραν καὶ μοχλόν  
 29. 1. ὁ ποιῶν ἔλεος δανιεῖ τῷ πλησίον  
 — 1. A ὁ ἐπισχῶν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ποιεῖ [B S τηρεῖ] ἐντολὰς  
 30. 20. B<sup>2</sup> οὕτως ὁ ποιῶν ἐν βίᾳ κρίματα  
 — 38 (33. 29). ἄνευ κρίσεως μὴ ποιήσῃς μηδὲν  
 81 (84). 26. πάλιν πορευόμενος καὶ τὰ αὐτὰ ποιῶν  
 32 (35). 2. ὁ ποιῶν ἐλεημοσύνην θυσιάζων [B<sup>2</sup> -ία] αἰνέσας  
 — 18. καὶ ποιῶν κρίσιν  
 34 (31). 9. ἐποίησεν γὰρ θαυμάσια ἐν λαῷ αὐτοῦ  
 — 10. τίς ἰδύνατο . . . ποιεῖσαι κακὰ καὶ οὐκ ἐποίησε  
 35 (32). 2. πᾶσαν τὴν χρείαν σου ποιῶν ἀνάπσει  
 — 12. ἐκεῖ παῖς καὶ ποιεῖ τὰ ἐνθυμήματά σου  
 — 13. ἐπὶ τούτοις εὐλόγησον τὸν ποιήσαντά σε  
 — 18. καὶ μετὰ τὸ ποιῆσαι μετ' αὐτοῦ ἀνευ βουλής  
 — 19. ἀνευ βουλῆς μηδὲν ποιήσῃς καὶ ἐν τῷ ποιῆσαι σε μὴ μεταμελοῦ  
 36 (33). 13. οὕτως ἄνθρωποι ἐν χειρὶ τοῦ ποιήσαντος αὐτοῦ  
 — 8. μυρεφδὸς ἐν τούτοις ποιῆσαι μίγμα  
 — 15. ὁ ἀμαρτάνων ἔναντι τοῦ ποιήσαντος αὐτόν  
 — 17. ποῖσον τὸ πένθος κατὰ τὴν ἀξίαν αὐτοῦ  
 39. 5. ὁρβίστην πρὸς κύριον τὸν ποιήσαντα αὐτόν  
 — 28. τὸν θυμὸν τοῦ ποιήσαντος αὐτοῦ κοπάσσοις  
 42. 11. μὴ ποτε ποιῆσῃ σε [A -σει σε, B<sup>2</sup> ποιήσῃς] ἐπίχαρμα ἐχθροῖς  
 — 24. οὐκ ἐποίησεν οὐδὲν ἐκλείπον  
 43. 5. μέγας κύριος ὁ ποιῶν αὐτόν  
 — 11. ἐλόγησεν τὸν ποιήσαντα αὐτό  
 — 33. πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κύριος  
 45. 9. ἀκουστὸν ποῖσαι ἦχον ἐν ναφ  
 — 19. ἐποίησεν αὐτοῖς [B ἐν αὐτοῖς] τέρατα  
 46. 7. ἐν ἡμέραις Μωυσέως ἐποίησεν ἔλεος  
 — 17. ἀκουστὴν ἐποίησε τὴν φωνὴν αὐτοῦ  
 47. 8. ἡγάπησεν τὸν ποιήσαντα αὐτόν  
 48. 14. ἐν (ω) αὐτοῦ ἐποίησε τέρατα  
 — 16. τινεῖς μὲν αὐτῶν ἐποίησαν τὸ ἀρεστόν  
 — 22. ἐποίησε γὰρ Ἐζεκίας τὸ ἀρεστὸν κυρίῳ  
 50. 16. ἀκουστὴν ἐποίησαν φωνὴν μεγάλην  
 — 22. A B εὐλόγησάτε τῷ θεῷ πάντων τῷ μεγάλα ποιοῦντι [B πάντες τῷ μεγαλοποιοῦντι] πάντῃ

Si. 50. 32. τὸν . . . ποιοῦντα μεθ' ἡμῶν κατὰ τὸ ἔλεος αὐτοῦ  
 — 29. ἐὰν γὰρ αὐτὰ [A ταῦτα] ποιήσῃ  
 51. 18. διενόησον γὰρ τὸν ποιῶντα [A π. με] αὐτήν  
 Ho. 2. 8 (10). χρυσὰ ἐποίησε τῇ B. (33 a)  
 6. 5 (4). τί σοι ποιήσω, Ἐφρ. (33 a)  
 — 5 (4). τί σοι ποιήσω, Ἰουδα (33 a)  
 — 10 (9). ἀνομίαν ἐποίησαν (33 a)  
 8. 4. τὸ χρυσίον αὐ. ἐποίησαν ἑαυτοῖς εἰδωλα (33 a)  
 — 6. καὶ αὐτὸ τέκτων ἐποίησε (33 a)  
 — 7. οὐκ ἔχον ἰσχύιν τοῦ ποιῆσαι ἡλεον (33 a)  
 — 7. ἐὰν δὲ καὶ ποιήσῃ (33 a)  
 — 14. ἐπελάβετο Ἰσρ. τοῦ ποιήσαντος αὐτόν (33 a)  
 9. 5. B τί ποιήσετε [A B -αι] ἐν ἡμέραις πανηγύρεως (33 a)  
 10. 3. ὁ δὲ βασ. τί ποιήσῃς ἡμῖν (33 a)  
 — 15. οὕτως ποιήσω ὑμῖν (33 a)  
 11. 9. οὐ μὴ ποιήσω κατὰ τὴν ὁρὴν τοῦ θυμοῦ μου (33 a)  
 12. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς χυνέμω (33 a)  
 Am. 2. 4. τὰ μάταια αὐτῶν ἂ ἐποίησαν —  
 — 8. παραπετάσματα ἐποίησαν —  
 8. 6. ἦν κύριος οὐκ ἐποίησε (33 a)  
 — 7. A B οὐ μὴ ποιήσῃ [B -σει] κ. ὁ θεὸς πρᾶγμα (33 a)  
 4. 12 bis. οὕτως ποιήσω σοι (33 a)  
 — 13. B ὁ [A B om.] ποιῶν ὁδρον (33 a)  
 6. 7. ὁ ποιῶν εἰς ψῶν κρίμα —  
 — 8. ὁ [A om.] ποιῶν πάντα (33 a)  
 — 26. οὐς ἐποίησε ἑαυτοῖς (33 a)  
 7. 10. συστροφὰς ποιεῖται κατὰ σοῦ Ἰ. A. (109)  
 8. 5. τοῦ ποιῆσαι μικρὸν μέτρον (92)  
 — 5. καὶ ποιῆσαι ζυγὸν ἀδικον —  
 9. 12. ὁ ποιῶν ταῦτα (33 a)  
 — 14. B ποιήσουσι κήπους [A B al.] (33 a)  
 Mi. 1. 8. A B ποιήσεται [B -ε] κοπετόν ὡς δρακόντων (33 a)  
 5. 15 (14). ποιήσω . . . ἐκδίκησιν ἐν τοῖς ἐθνεσιν (33 a)  
 6. 3. τί ἐποίησὶ σοὶ (33 a)  
 — 8. τοῦ ποιεῖν κρίμα (33 a)  
 7. 9. ποιήσῃ [A ἀποῖσει] τὸ κρίμα μου (33 a)  
 Ji. 2. 21. ἐμεγάλυνε κύριος τὸν ποιῆσαι (33 a)  
 — 26. ἂ ἐποίησε μεθ' ὑμῶν εἰς θαυμάσια (33 a)  
 Ob. 1. 15. ὅν τρόπον ἐποίησας (33 a)  
 Jn. 1. 5. ἐκβολὴν ἐποίησαντο τῶν σκευῶν (86)  
 — 9. ὅς ἐποίησε τὴν θάλασσαν (33 a)  
 — 10. τί τοῦτο ἐποίησας (33 a)  
 — 11. τί σοι ποιήσαμεν [A B -ωμεν] (33 a)  
 — 14. ὅν τρόπον ἔβουλον πεποιήκας (33 a)  
 3. 10. ἦ ἐλάλησε τὸν ποιῆσαι αὐτοῖς (33 a)  
 — 10. καὶ οὐκ ἐποίησε (33 a)  
 4. 5. ἐποίησεν ἐαυτῷ ἐκεῖ σκηνήν (33 a)  
 Na. 1. 8. ἐν κατακλυσμῷ πορείας συντέλειαν ποιήσεται (33 a)  
 — 9. συντέλειαν αὐτὸς ποιήσεται [B<sup>2</sup> -σει] (33 a)  
 — 11. A<sup>2</sup> ποιήσεται [A<sup>2</sup> -σει, B S om.] ἐναντία —  
 Hb. 1. 4. ποιήσεις [B -ης] τοὺς ἄνθρ. ὡς τοὺς ἰχθύας (33 a)  
 2. 18. τοῦ ποιῆσαι εἰδωλα κωφὰ (33 a)  
 3. 17. τὰ πεδία οὐ ποιήσῃ βρώσιν (33 a)  
 Ze. 1. 18. συντέλειαν καὶ σπουδὴν ποιήσῃς (33 a)  
 3. 5. οὐ μὴ ποιήσῃ ἀδικον (33 a)  
 — 13. οὐ ποιήσουσιν ἀδικίαν (33 a)  
 — 19. ποιῶ ἐν σοὶ ἔνεκέν σου (33 a)  
 — 20. ὅταν καλῶς ἔγινε ποιήσω —  
 Hg. 1. 14. ἐποίησεν ὑμῖν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (33 a)  
 2. 5 (4). καὶ ποιεῖτε (33 a)  
 Za. 1. 6. καθὼς παρατέτακται . . . τοῦ ποιῆσαι (33 a)  
 — 6. οὕτως ἐποίησεν ἡμῖν (33 a)  
 — 21 (2. 4). τί οὗτοι ἔρχονται ποιῆσαι (33 a)  
 6. 11. ποιήσεις στεφάνους [B<sup>2</sup> -ην] (33 a)  
 7. 3. καθὼς ἐποίησεν [A -αν] ὅλην ἱκανὰ ἔτη (33 a)  
 — 9. ἔλεος καὶ οἰκτιρμὴν ποιεῖτε (33 a)  
 8. 11. οὐ κατὰ τὰς ἡμ. τὰς ἐμπροσθεν ἐγὼ ποιῶ —  
 — 15. τοῦ καλῶς ποιῆσαι τὴν Ἰερ. (83 b)  
 — 16. οἱ τοῖ οἱ λόγοι οὗτοι ποιήσεται (33 a)  
 10. 1. κύριος ἐποίησε φαντασίας (33 a)  
 Ma. 2. 12. τὸν ἄνθρωπον τὸν ποιοῦντα ταῦτα (33 a)  
 — 13. ταῦτα ἂ ἐμίσησεν ἐποίησε (33 a)  
 — 15. οὐ καλὸν ἐποίησε [A B<sup>2</sup> al.] (33 a)  
 — 17. πᾶς ποιῶν ποινῶν (33 a)  
 3. 15. ἀνοικοδομοῦνται πάντες [A B S om.] ποι-  
 οῦντες ἄνομα (33 a)  
 — 17. ἦν ἐγὼ ποιῶ εἰς περιποίησιν (33 a)  
 4. 1 (3. 19). καὶ πάντες οἱ ποιοῦντες ἄνομα (33 a)

Ma. 4. 3 (3. 21). ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἢ ἐγὼ ποιῶ (33 a)  
 Is. 1. 17. μᾶλτε καλὸν π. — (82)  
 — 24. κρίσιν ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου ποιήσω (87)  
 2. 8. A B οἷς ἐποίησαν [B om. οἷς ἐ.] οἱ δάκτυλοι αὐ. (33 a)  
 — 20. ἂ ἐποίησαν [A -εν] προσκυνεῖν (33 a)  
 5. 2. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι σταφυλὴν καὶ ἐποίησεν ἀκάθαρτος (33 a, 33 a)  
 — 4. τί ποιήσω ἐτι τῷ ἀμπελῶνι μου καὶ οὐκ ἐποίησα αὐτῷ (33 a, 33 a)  
 — 4. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι σταφυλὴν ἐποίησε δὲ ἀκάθαρτος (33 a, 33 a)  
 — 5. τί ποιήσω τῷ ἀμπελῶνι μου (33 a)  
 — 7. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι κρίσιν ἐποίησε δὲ ἄνομιαν —, —  
 — 10. ποιήσεις κεράμιον ἐν . . . ποιήσῃς μέτρα τρία (33 a, 33 a)  
 — 19. τὸ τάχος ἐγγιστάς ἂ ποιήσῃ [B<sup>2</sup> ποιῇ] ὁ δ. — (46)  
 7. 22. A B S ἀπὸ τοῦ πλείστον π. [B πειν] γάλα (33 a)  
 8. 1. τοῦ ὀξέως προνομήν ποιῆσαι σκύλων —  
 — 2. μάρτυράς μοι ποιῶν πιστοὺς ἄνθρωπους (91)  
 9. 1 (8. 23). ταχὺ ποιεῖ χώρα Ζαβουλῶν —  
 — 7 (6). ὁ ὅλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσῃ ταῦτα (33 a)  
 10. 3. τί ποιήσουσιν ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς ἐπισκοπῆς (33 a)  
 — 6. τῷ ἐμῷ λαῷ συντάξω ποιῆσαι σκύλα (41)  
 — 11. ὅν τρόπον γὰρ ἐποίησα Σαμαρείᾳ . . . οὕτως ποιήσω καὶ Ἰερουσαλὴμ (33 a, 33 a)  
 — 12. ὅταν συντέλῃς κύριος πάντα ποιῶν (33 c)  
 — 13. ἐν [A B om.] τῇ ἰσχύϊ ποιήσω (33 a)  
 — 23. λόγον συντεμνιμένον ποιήσῃ κύριος (33 a)  
 12. 5. ἰνὴρ ἂ ἐποίησεν (33 a)  
 16. 3. ποιεῖ τε σκέπη πέπθους (33 a)  
 17. 7. πεποιθὼς ἔσται ὁ ἄνθρωπος ἐπὶ τῷ ποιῆσαι αὐτόν (33 a)  
 — 8. ἂ ἐποίησαν οἱ δάκτυλοι αὐτῶν (33 a)  
 19. 10. πάντες οἱ ποιοῦντες τὸν ζῆλον (33 a)  
 — 15. ὁ ποιῶν κεφαλὴν καὶ οὐρανὸν (33 a)  
 — 21. ποιήσουσι θυσίας (27 a)  
 20. 2. ποῖσον οὕτως (33 a)  
 22. 11. ἐποίησατε ἑαυτοῖς ὕδωρ . . . οὐκ ἐνεβλίψατε εἰς τὸν ἀπ' ἀρχῆς ποιήσαντα αὐτήν (33 a, 33 a)  
 — 13. αὐτοὶ δὲ ἐποίησαντο εὐφροσύνην —  
 — 16. ἐποίησας σεαυτὸν ἐν ὑψηλῷ μνημείων (9)  
 23. 17. ἐπισκοπῇ ποιήσεις ὁ θεὸς Τύρου (72)  
 25. 1. ἐποίησας θαυμαστὰ πρᾶγματα (33 a)  
 — 6. ποιήσεις κύριος σαβαὼθ πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (33 a)  
 26. 10. ἀλλήθειαν οὐ μὴ ποιήσῃ [A B -η] (28)  
 — 18. πνεῦμα σωτηρίας σου ἐποίησας (33 a)  
 27. 4. ἐποίησε κύριος πάντα —  
 — 5. A B S ποιήσωμεν εἰρήνην αὐτῷ ποιήσωμεν εἰρήνην [B om. αὐ. π. εἰ.] (33 a, 33 a)  
 — 11. οὐ μὴ οἰκτειρήσῃ ὁ ποιῶν αὐτούς (33 a)  
 28. 2. τῇ γῇ ποιήσῃ ἀνάπαυμα [A B -παντιν] (54)  
 — 15. ἐποίησαμεν διαθήκην μετὰ τοῦ ἔδου (18)  
 — 21. μετὰ θυμοῦ ποιήσῃ τὰ ἔργα αὐτοῦ (33 a)  
 — 22. ἂ ποιήσῃ [B ποιῇ] ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν —  
 29. 15. οὐαὶ οἱ βαθεὺς βουλὴν ποιοῦντες (59)  
 — 15. A B<sup>2</sup> S οὐαὶ οἱ ἐν κρυφῇ βουλῇ ποιοῦντες —  
 — 15. τίς ἡμᾶς γινώσκει ἢ ἡμεῖς ποιοῦμεν —  
 — 16. ἢ τὸ ποιῆμα τῷ ποιήσαντι, οὐ συντελεῖ με ἐποίησας (18, 108)  
 — 21. οἱ ποιοῦντες ἀμαρτεῖν ἄνθρωποι ἐν λόγῳ (53)  
 30. 1. ἐποίησάτε βουλὴν οὐ δι' ἐμοῦ (33 a)  
 — 22. περιεχυρνωμένα λεπτὰ ποιήσεις (88)  
 — 30. ἀκουστὴν ποιήσῃ κ. τὴν δόξαν (50)  
 31. 7. ἐποίησαν αἱ χεῖρες αὐτῶν (33 a)  
 32. 6. τὰς ψυχὰς τὰς διψήσους κενὰς ποιήσῃ [A -σαι] (85)  
 — 10. μνηστὴν ποιήσασθε ἐν δόξῃ μετ' ἐλπίδος —  
 33. 1. ὑμᾶς δὲ οὐδεὶς ποιεῖ ταλαιπωροῦν (110)  
 — 13. ἀκουσονται οἱ πόρρωθεν ἂ ἐποίησα [B<sup>2</sup> -αν] (33 a)  
 — 23. πολλοὶ χωλοὶ προνομήν ποιήσουσι [A -σωσιν] (9)  
 37. 11. ἂ ἐποίησαν βασιλεῖς Ἀσσυρίων (33 a)  
 — 16. ἐποίησας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν (33 a)  
 — 26. ἂ ἐγὼ ἐποίησα (33 a)  
 — 31. ποιήσουσι σπέρμα ἄνω (33 a)  
 — 32. ὁ ὅλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσῃ ταῦτα (33 a)  
 38. 3. τὰ ἀρεστὰ ἐνώπιόν σου ἐποίησα (33 a)  
 — 7. ποιήσῃ ὁ θεὸς τὸ ὅλον τοῦτο (33 a)  
 — 19. ἀπὸ γὰρ τῆς σήμερον παιδία ποιήσω —



Is. 39. 7. ποιήσουσι σπύδοντας ἐν τῇ οἰκῇ τοῦ βασιλέως (8)  
 40. 3. εὐθέως ποιείτε τὰς τριβούς τοῦ θεοῦ ἡμῶν (78)  
 — 19. μὴ εἰκόνα ἐποίησε τέκνον (22 a)  
 — 23. τὴν δὲ γῆν ὡς οὐδὲν ἐποίησεν (33 a)  
 41. 4. τίς ἐνῆργησε καὶ ἐποίησε ταῦτα (33 a)  
 — 15. ἐποίησά σε ὡς τροχὸς ἀμάξης (39)  
 — 18. ποιῶσα τὴν ἔρημον εἰς ἔλη (39)  
 — 20. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (33 a)  
 — 23. οὐ ποιήσατε καὶ κακώσατε (74 c)  
 — 29. εἰπὶ γὰρ οἱ ποιῶντες ὑμᾶς †  
 42. 5. ὁ θεὸς ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν (5 a)  
 — 9. Β<sup>1</sup> καὶνὰ ἂ ἐγὼ ποιῶ [A B S<sup>2</sup> om.] ἀναγγέλλω —  
 — 16. πατήσας ποιῶσιν αὐτοὺς· ποιῶσα [S om. αὐ. π.] αὐτοὺς τὸ σκότος εἰς φῶς . . . ταῦτα τὰ ῥήματα [A add. ᾧ] ποιῶσα (99, 39, 33 a)  
 43. 1. λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ ποιήσας σε (5 a)  
 — 7. ἐποίησά σου ἀλλαγὰ Αἴγυπτον (25)  
 — 7. ἔπλασα αὐτὸν καὶ ἐποίησα αὐτὸν (33 a)  
 — 13. ποιῶσα καὶ τίς ἀποστρέψει αὐτό (34 a)  
 — 19. ποιῶ καὶνὰ ἂ νῦν ἀνατελεῖ . . . ποιῶσα ἐν τῇ ἐρήμῳ ὁδόν (33 a, 39)  
 — 22. οὐδὲ κοπιάσαι σε ἐποίησα (86)  
 — 23. οὐδὲ ἔγχοπον ἐποίησά σε ἐν λιβάφῳ (63)  
 44. 2. οὕτως λέγει κύριος ὁ θεὸς ὁ ποιήσας σε (33 a)  
 — 7. ἀπὸ οὗ ἐποίησα ἄνθρωπον εἰς τὸν αἰῶνα (39)  
 — 9. ποιῶντες [A B οἱ π.] τὰ καταθύμια αὐτῶν —  
 — 13. ἐποίησεν αὐτὸ ὡς μορφὴν ἀνδρός (33 a)  
 — 17. τὸ δὲ λοιπὸν ἐποίησεν εἰς [A om.] θεὸν γλυπτὸν (33 a)  
 — 19. τὸ λοιπὸν αὐτοῦ εἰς βδελύγμῃ ἐποίησε (33 a)  
 — 28. πάντα τὰ θελήματά μου ποιήσει (42)  
 45. 7. ἐγὼ ὁ . . . ποιήσας σκότος ὁ ποιῶν εἰρήνην . . . ὁ θεὸς ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (5 a, 33 a, 33 a)  
 — 9. μὴ ἐρεῖ ὁ πηλὸς τῷ κεραμεῖ, τί ποιεῖς (33 a)  
 — 11. κύριος . . . ὁ ποιήσας τὰ ἐπερχόμενα (16)  
 — 12. ἐποίησα γῆν καὶ ἄνθρωπον ἐπὶ αὐτῆς (33 a)  
 — 18. λέγει κύριος ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν (5 a)  
 — 18. οὗτος ὁ θεὸς ὁ καταβεβίβας τὴν γῆν καὶ ποιήσας αὐτήν (33 a)  
 — 18. οὐκ εἰς κενὸν ἐποίησεν αὐτήν (5 a)  
 — 21. τίς ἀκουστά ἐποίησε ταῦτα ἀπ' ἀρχῆς (50)  
 46. 4. ἐγὼ ἐποίησα καὶ ἐγὼ ἀνήγαγον (33 a)  
 — 6. μισθωσάμενον χρυσοχόον ἐποίησαν χειροποιῖτα (33 a)  
 — 10. πάντα ὅσα βεβούλευμαι ποιῶσα (33 a)  
 — 11. Β<sup>1</sup> ἐλλάσας καὶ ἐποίησα [A B S<sup>2</sup> ἤγαγον] ἔκτισα καὶ ἐποίησα (†, 33 a)  
 48. 3. ἐξέστην ἐποίησα (33 a)  
 — 5. ἀκουστὸν σοὶ ἐποίησα μὴ ποτε εἴπῃς ὅτι τὰ εἰδωλά μοι ἐποίησε [A B -σαν] (50, 33 a)  
 — 6. ἀκουστά σοι ἐποίησα τὰ καὶνὰ ἀπὸ τοῦ νῦν (50)  
 — 11. ἔνεκεν ἐμοῦ ποιῶσα σοὶ (33 a)  
 — 14. ἀγοῶντας σε ἐποίησα [A add. ταῦτα] τὸ θελήματό σου ἐπὶ Βαβυλῶνα (33 a)  
 49. 20. ἐποίησάν μοι τόπον ἵνα κατοικήσω (112)  
 51. 13. ἐπελάβον θεὸν τὸν ποιήσαντά σε τὸν ποιήσαντα τὸν οὐρανὸν (33 a, 21)  
 52. 7. ἀκουστὴν ποιῶσα τὴν σωτηρίαν σου (50)  
 53. 9. ἀνομίαν οὐκ ἐποίησεν (33 a)  
 54. 5. κύριος ὁ ποιῶν σε (33 a)  
 56. 1. ποιήσατε δικαιοσύνην (33 a)  
 — 2. μακάριος ἀνὴρ ὁ ποιῶν ταῦτα . . . διατηρῶν τὰς χεῖρας αὐτοῦ μὴ π. ἀδικα [A B -κρμα] (33 a, 33 a)  
 57. 9. πολλοὺς ἐποίησας τοὺς μακρὰν ἀπὸ σοῦ (103 b)  
 — 16. πνῆσιν πᾶσαν ἐγὼ ἐποίησα (33 a)  
 58. 2. ὡς λαὸς δικαιοσύνης πεποιθώς (33 a)  
 — 13. τοῦ μὴ π. τὰ θελήματά σου (33 a)  
 62. 7. ἐάν . . . ποιῇσθ' Ἱερουσαλὴμ ἀγαυρίαμα (39)  
 — 11. ἐποίησεν ἀκουστὸν ὡς ἐσχάτου τῆς γῆς (50)  
 63. 12. ποιήσαι αὐτῷ ὄνομα αἰωνίου (33 a)  
 — 14. ποιήσαι σεαυτῷ ὄνομα διέξης (33 a)  
 64. 3 (2). ὅταν ποιῇς [B<sup>1</sup> -ῆσῃς] τὰ ἐνδοξα (33 a)  
 — 4 (3). τὰ ἔργα σου ἀ ποιήσεις (33 a)  
 — 5 (4). συναντήσεται γὰρ τοὺς ποιῶντας [S ὑπομένοσιν] τὸ δικαίον (33 a)  
 65. 8. οὕτως ποιῶσα ἔνεκεν τοῦ δουλιεύοντός μοι (33 a)  
 — 12. ἐποίησατε τὸ ποιηρὸν ἐναντίον ἐμοῦ (33 a)  
 — 18. ποιῶ Ἱερουσαλὴμ ἀγαλλίαμα (5 a)  
 — 23. Α οὐδὲ τέκνα ποιήσουσιν [B S τεκνοπ.] εἰς κατάραν (111)

Is. 66. 2. πάντα γὰρ ταῦτα ἐποίησεν ἡ χεὶρ μου (33 a)  
 — 4. ἐποίησαν τὸ ποιηρὸν ἐναντίον ἐμοῦ (33 a)  
 — 9. γεννώσαν καὶ στείραν ἐποίησα (61 + 106)  
 — 22. ἂ ἐγὼ ποιῶ (33 a)  
 Je. 1. 12. A B S<sup>2</sup> ἐγγήροχα ἐπὶ τοὺς λόγους μου τοῦ ποιῆσαι αὐτοὺς (33 a)  
 2. 13. δύο καὶ ποιηρὰ ἐποίησεν ὁ λαός μου (33 a)  
 — 17. οὐχὶ ταῦτα ἐποίησέ [A<sup>1</sup> -άν] σοὶ (33 a)  
 — 23. γινώθι τί ἐποίησας (33 a)  
 — 28. οἱ θεοὶ σου οὐκ ἐποίησας σεαυτῷ (33 a)  
 3. 5. ἐλλάσας καὶ ἐποίησας [S om. κ. ἐ.] τὰ ποιηρὰ ταῦτα (33 a)  
 — 6. ἂ ἐποίησέ μοι ἡ κατοικία τοῦ Ἰσρ. (33 a)  
 — 16. οὐ ποιηθήσεται ἔτι (33 b)  
 4. 18. τὰ ἐπιτηδεύματά σου ἐποίησαν ταῦτα σοὶ (33 a)  
 — 22. τὸ δὲ καλὸς [A B -λὸν] ποιῆσαι οὐκ ἐπέγνωσαν [A ποιῶντες οὐκ ἔγν.] (83 b)  
 — 27. συντέλειαν δὲ οὐ μὴ ποιῶσα (33 a)  
 — 30. τί ποιήσεις ἐάν περιβάλῃ κόκκινον (33 a)  
 5. 1. εἰ ἔστι ποιῶν κρίμα (33 a)  
 — 10. συντέλειαν δὲ μὴ ποιήσῃ [A al.] (33 a)  
 — 18. οὐ μὴ ποιῶσα ὑμᾶς εἰς συντέλειαν (33 a)  
 — 19. τίνας ἔνεκεν ἐποίησε κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν πάντα ταῦτα (33 a)  
 — 31. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> τὴν ποιήσετε [B<sup>2</sup> -σητε, A B -σεται] εἰς τὰ μετὰ ταῦτα (33 a)  
 6. 8. μὴ ποιῶσα σε ἄβασον γῆν (39)  
 — 13. πάντες ἐποίησαν ψευδίᾳ (33 a)  
 — 26. πένθος ἀγαπητοῦ ποιήσαι σεαυτῇ (33 a)  
 7. 5. καὶ ποιῶντες ποιήσῃτε κρίσιν (33 a, 33 a)  
 — 10. τοῦ μὴ π. πάντα τὰ βδελύγματα τ. (33 a)  
 — 12. ἴδετε ἂ ἐποίησα αὐτῷ (33 a)  
 — 13. ἀνθ' ὧν ἐποίησατε πάντα τὰ ἔργα ταῦτα (33 a)  
 — 14. ποιῶσα τῷ οἴκῳ [A τόπῳ τοῦτῳ] . . . καθὼς ἐποίησα τῷ Σηλῷ (33 a, 33 a)  
 — 17. ἡ οὐχ ὄρας τί αὐτοὶ ποιούσιν (33 a)  
 — 18. τοῦ ποιῆσαι χαυνῶνας τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρανοῦ (33 a)  
 — 29. ἀπόστατο τὴν γενεὰν τὴν ποιούσαν ταῦτα †  
 — 30. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰούδα τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 8. 6. λέγων, τί ἐποίησα (33 a)  
 9. 7 (6). ποιῶσα ἀπὸ προσώπου ποιηρίας [S τῆς] θνητῶν λαοῦ μου (33 a)  
 — 24 (23). A<sup>1</sup> B B ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ ποιῶν ἔλεος (33 a)  
 10. 11. θεοὶ οἱ τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν οὐκ ἐποίησαν (27 d)  
 — 12. κύριος ὁ ποιήσας τὴν γῆν (33 a)  
 — 13. ἀστράπας εἰς νεφελὴν ἐποίησε (33 a)  
 — 24. ἵνα μὴ ὀλίγους ἡμᾶς ποιήσῃς [A B -εις] (95)  
 11. 4. ποιήσατε πάντα ὅσα ἐὰν ἐντέλωμαι ὑμῖν (33 a)  
 — 6. ποιήσατε αὐτοὺς (33 a)  
 — 8. καὶ οὐκ ἐποίησαν (33 a)  
 — 15. τί ἡ ἡγαπημένη ἐν τῷ οἴκῳ μου ἐποίησε βδελύγμῃ (33 a)  
 — 17. ἐποίησαν ἐναντίον τοῦ παροργισαί με (33 a)  
 12. 2. καὶ ἐποίησαν [S om. κ. ἐ.] καρπὸν (33 a)  
 — 5. πῶς ποιήσεις [B<sup>1</sup> -σω] ἐν φρυγῇ τοῦ Ἰορδάνου (33 a)  
 13. 23. δυνήσεσθε εὐ ποιήσαι (74 c)  
 14. 7. ποιῶσιν ἡμῖν ἑκένιν σου (33 a)  
 — 22. σὺ ἐποίησας πάντα ταῦτα (33 a)  
 15. 4. A<sup>2</sup> B S ὧν ἐποίησεν ἐν Ἱερουσαλὴμ (33 a)  
 16. 6. οὐδὲ ἐντομίδας οὐ μὴ ποιήσουσι (69)  
 — 20. εἰ ποιήεις ἐάντῳ ἀνθρώπου θεοὺς (33 a)  
 17. 8. οὐ διὰ τί ποιοῦν ποιῶν [B<sup>2</sup> -οὐν] καρπὸν (33 a)  
 — 11. ποιῶν πλοῦτον αὐτοῦ οὐ μετὰ κρίσεως (33 a)  
 — 22. πᾶν ἔργον οὐ ποιήσατε (33 a)  
 — 24. τοῦ μὴ π. πᾶν ἔργον (33 a)  
 18. 3. ἐποίησι ἔργον ἐπὶ τῶν λίθων (33 a)  
 — 4. ὁ αὐτὸς ἐποίησεν ἐν ταῖς χερσίν αὐτοῦ (33 a)  
 — 4. ἐποίησεν αὐτὸ ἀγγέλιον ἑτερον καὶ καθὼς ἔρε-  
 — σεν ἐνώπιον αὐτοῦ [A add. τοῦ] ποιῆσαι (33 a, 33 a)  
 — 6. εἰ . . . οὐ δυνήσομαι τοῦ ποιῆσαι ὑμᾶς (33 a)  
 — 8. ὧν ἐλογισάμην [A ἐλλάσας] τοῦ ποιῆσαι αὐτοὺς (33 a)  
 — 10. ποιήσωσι [A B -σουσι] τὰ ποιηρὰ ἐναντίον μου . . . ὧν ἐλλάσας τοῦ ποιῆσαι αὐτοὺς (33 a, 11)  
 — 11. A B καλλίονα ποιήσατε [B S -ετε] τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (81)  
 — 12. ἕκαστος τὰ ἀρετὰ τῆς καρδίας αὐτοῦ τῆς ποιηρὰς ποιήσων (33 a)  
 — 13. ἂ ἐποίησε σφόδρα παρθένης Ἰ. (33 a)

Je. 18. 23. ἐν καιρῷ θυμοῦ σου ποιήσον ἐν [A om.] αὐτοῖς (33 a)  
 19. 12. οὕτως ποιῶσα [B<sup>1</sup> om.] . . . τῷ τόπῳ τοῦτῳ (33 a)  
 21. 2. εἰ ποιήεις κύριος κατὰ πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (33 a)  
 22. 3. ποιήεις κρίσιν καὶ δικαιοσύνην (33 a)  
 — 4. ἐὰν ποιῶντες ποιήσῃτε τὸν λόγον τοῦτον (33 a, 33 a)  
 — 5. ἐὰν δὲ μὴ ποιήσῃτε τοὺς λόγους τούτους (43 a)  
 — 8. διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτως τῇ πόλει ταύτῃ (33 a)  
 — 15. βελτίων σε π. κρίμα (33 a)  
 — 17. εἰς ἀδικήματα καὶ εἰς φόνον τοῦ π. (33 a)  
 23. 5. ποιήσεις κρίμα καὶ δικαιοσύνην ἐπὶ τῆς γῆς (33 a)  
 — 20. ὥς ποιήσῃ [B -ει] αὐτὸ (33 a)  
 26 (46). 19. σκευὴ ἀποικισμοῦ ποιήσον σεαυτῇ (33 a)  
 — 28. ποιῶσα συντέλειαν ἐν παντὶ ἔθνει . . . σὲ δὲ οὐ μὴ ποιῶσα ἐκλείπειν (33 a, 33 a)  
 27 (50). 2. ἀκουστά ποιήσατε καὶ μὴ κρύψῃτε (50)  
 — 15. καθὼς ἐποίησε ποιήσατε αὐτῇ (33 a, 33 a)  
 — 21. ποιεῖ κατὰ πάντα ὅσα ἐντέλλομαι σοὶ (33 a)  
 — 29. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησε ποιήσατε αὐτῇ (33 a, 33 a)  
 28 (51). 12. A B S<sup>2</sup> ποιήεις κύριος ἂ ἐλλάσῃ (33 a)  
 — 15. ποιῶν [S ὁ π.] γῆν ἐν τῇ ἱσχυί αὐτοῦ (33 a)  
 — 16. ἀστράπας εἰς νεφελὴν ἐποίησε (33 a)  
 — 24. ὧς ἐποίησαν ἐπὶ Σιών (33 a)  
 29 (48). 8. δυσκόλα ἐποίησεν †  
 31 (48). 10. ἐπικατάρτος ὁ ποιῶν τὰ ἔργα κυρίου ἀμείλως (33 a)  
 — 30. οὐχὶ τὸ ἱκανὸν αὐτῷ οὐκ οὕτως ἐποίησε (33 a)  
 — 33. οὐδὲ δειλὸς οὐκ ἐποίησαν †  
 33 (26). 3. τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς ἔνεκεν τῶν ποιη-  
 — ρῶν ἐπιτηδεύματων αὐτῶν (33 a)  
 — 13. βελτίους ποιήσατε τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (60)  
 — 14. ποιήσατέ μοι ὡς συμφέρει (33 a)  
 — 19. ἐποίησαν κακὰ μεγάλα (33 a)  
 34 (27). 2. ποιήσον δεσμούς καὶ κλοιούς (33 a)  
 — 5. ἐποίησα τὴν γῆν ἐν τῇ ἱσχυί μου τῇ μεγάλῃ (33 a)  
 35 (28). 6. ἀληθῶς οὕτως ποιήσαι [B -σε] κύριος (33 a)  
 — 13. ποιῶσα ἀντ' αὐτῶν κλοιούς σιδηροῦς (33 a)  
 — 15. πεποιθέναι ἐποίησας τὸν λαὸν τοῦτον ἐπ' ἀδικίᾳ (100 a)  
 36 (29). 22. ποιήσαι σε κύριος ὡς Σεδεκίας ἐποίησε (39, -)  
 — 23. δι' ἣν ἐποίησαν ἀνομίαν ἐν Ἰσραὴλ (33 a)  
 — 31. πεποσθέναι ἐποίησεν ὑμᾶς ἐπ' ἀδικοῖς [A B -κφ] (100 a)  
 — 32. τὰ ἀγαθὰ ἂ ἐγὼ ποιῶσα ὑμῖν (33 a)  
 37 (30). 15. ἐποίησαν ταῦτά σοι (33 a)  
 — 24. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ὀργὴ θυμοῦ [B<sup>1</sup> om.] κυρίου ὥς ποιήσῃ (33 a)  
 38 (31). 7. ἀκουστά [B -σατε καὶ] ποιήσατε (50)  
 — 13. ποιῶσα αὐτοὺς εὐφραυνόμενους (78)  
 — 21. ποιήσον τιμωρίαν (33 a)  
 — 37. περὶ πάντων ὧν ἐποίησαν (33 a)  
 39 (32). 17. σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανὸν (33 a)  
 — 18. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (33 a)  
 — 20. ὧς ἐποίησας σημεῖα καὶ τέρατα . . . καὶ ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (39, 33 a)  
 — 23. ἂ ἐνετείλω αὐτοῖς οὐκ ἐποίησαν καὶ ἐποίησαν [B<sup>1</sup> S<sup>2</sup> om. κ. ἐ.] συμβαῖν αὐτοῖς πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (33 a, 107)  
 — 30. ἥσαν . . . μόνοι ποιῶντες τὸ ποιηρὸν (33 a)  
 — 32. ὧν ἐποίησαν πικράναι [A B παραπ.] με (33 a)  
 — 35. τοῦ ποιῆσαι τὸ βδελύγμα τοῦτο (33 a)  
 40 (33). 2. κύριος ποιῶν γῆν καὶ πλάσσαν αὐτήν (33 a)  
 — 6. A B<sup>2</sup> ποιῶσα [B S<sup>2</sup> om.] αὐτοὺς εἰρήνην καὶ πίστιν —  
 — 9. τὰ ἀγαθὰ ἂ ἐγὼ ποιῶσα [A ποιῶ] . . . περὶ πάντων τῆς εἰρήνης ἧς ἐγὼ ποιῶσα [A ποιῶ] αὐτοῖς (33 a, 33 a)  
 41 (34). 15. ποιήσαι τὸ εὐθεῖς (33 a)  
 — 18. τὴν διαθήκην μου ἣν ἐποίησαν . . . τὸν μόσχον ὃν ἐποίησαν [A S<sup>1</sup> al.] (18, 18)  
 42 (35). 10. ἐποίησαν [A om.] κατὰ πάντα ἂ ἐνετείλατο (33 a)  
 — 15. βελτίω ποιήσατε τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (60)  
 — 18. π. καθὼς ἐνετείλατο αὐτοῖς (33 a)  
 43 (36). 3. ἂ ἐγὼ λογιζομαι ποιῆσαι αὐτοῖς [A al.] (33 a)  
 — 8. ἐποίησε Βαρούχ κατὰ πάντα (33 a)



Je. 44 (37). 15. ταύτην ἐποίησαν εἰς οἰκίαν φυ-  
λακῆς (33 a)  
45 (88). 9. ἐπονηρεύσω & ἐποίησας (33 a)  
— 12. ἐποίησιν ἱερεῖας οὕτως (33 a)  
— 16. ὅς ἐποίησεν ἡμῖν τὴν ψυχὴν ταύτην (33 a)  
47 (40). 3. ἐποίησε κύριος (33 a)  
— 16. μὴ ποιήσῃς τὸ πρᾶγμα τοῦτο (33 a)  
48 (41). 9. ὁ ἐποίησεν ὁ βασις (33 a)  
— 11. τὰ κακὰ ἃ ἐποίησεν Ἰσραὴλ (33 a)  
49 (42). 3. λόγον ὃν ποιήσομεν (33 a)  
— 5. οὕτως ποιήσομεν (33 a)  
— 10. οἷς ἐποίησα ὑμῖν (33 a)  
— 20. κατὰ πάντα . . . ποιήσομεν (33 a)  
51 (44). 3. ἧς ἐποίησαν παραπικρᾶναι με (33 a)  
— 4. μὴ ποιήσῃτε τὸ πρᾶγμα τῆς μολύνσεως ταύτης (33 a)  
— 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα (33 a)  
— 9. ὃν ἐποίησαν ἐν γῇ [A πόλεις] Ἰουδα (33 a)  
— 17. ποιούντες ποιήσομεν πάντα τὸν λόγον . . . καθὰ ἐποίησαμεν ἡμεῖς (33 a ter)  
— 19. ἐποίησαμεν αὐτῇ χαύνας (33 a)  
— 22. ἀπὸ τῶν βδελυγμάτων ὃν ἐποίησατε (33 a)  
— 25. ποιούσαι [B' om.] ποιήσομεν [A B -ωμεν] τὰς ὁμολογίας ἡμῶν . . . καὶ ποιούσαι ἐποίησατε [B ποιήσατε] (33 a qwater)  
52. 20. ἃ ἐποίησεν ὁ βασιλεὺς Σαλωμών (33 a)  
Ba. 1. 8. σκεύη ἄργυρά ἃ ἐποίησε Σεδεκίας — 10. ποιήσατε μαντή (33 a)  
— 22. ποιήσαι τὰ κακὰ κατ' ὀφθαλμούς κυρίου — 23. οὐκ ἐποίησεν [A B -ήθη] ὑποκάτω πατρός τοῦ οὐρανοῦ καθὰ ἐποίησεν [B -ησεν] ἐν Ἱερ. — 11. ἐποίησας σεαυτὸ νόμιμα — 23. ἐκλείψειν ποιήσω . . . φωνὴν εὐφροσύνης — 27. ἐποίησας εἰς ἡμᾶς . . . κατὰ πᾶσαν ἐπιεικείαν σου  
3. 34. ἔλαμψαν μετ' εὐφροσύνης τῇ ποιήσαντι αὐτούς  
4. 7. παρωζύνετε γὰρ τὸν ποιήσαντα ὑμᾶς  
La. 1. 21. ἐχάρισαν ὅτι σὺ ἐποίησας — 22. ἐποίησαν ἐπιφυλλίδα — 2. 6. ἐπελάβετο κύριος ἃ ἐποίησεν — 17. ἐποίησε κύριος ἃ ἐνεθυμήθη (33 a)  
— 20. ἐπιφυλλίδα ἐποίησε μάγειρος — 20. ἐπιφυλλίδα ἐποίησε μάγειρος — 20. ἐπιφυλλίδα ἐποίησε μάγειρος — 20. ἐπιφυλλίδα ἐποίησε μάγειρος  
Ep. Je. 38. A B οὐτε ὀφθαλμοὶ εὐ ποιήσωσι [B -σουσιν]  
— 63. τό τε πῦρ . . . ποιεῖ τὸ συναχθέν — 64. B οὐτε εὐ ποιήσαι [A B ποιήν] ἀνθρώποις  
Ez. 3. 20. A καὶ ποιήσῃ παράπτωμα . . . αἱ δικαιοσύνη αὐτοῦ ἃς ἐποίησεν [B om. ἃς ἐ.] (33 a, 33 a)  
4. 9. ποιήσεις αὐτὰ σεαυτὸς εἰς ἄρτους (33 a)  
— 15. ποιήσεις τοὺς ἄρτους σου ἐπ' αὐτῶν (33 a)  
5. 7. τὰ δικαιώματά μου οὐκ ἐποίησατε ἀλλ' οὐδὲ κατὰ τὰ δικαιώματα τῶν ἐθνῶν . . . οὐ πεποιθήκατε [A οὐκ ἐποίησατε] (33 a, 33 a)  
— 8. ποιήσω ἐν μέσῳ σου κρίμα (33 a)  
— 9. ποιήσω ἐν σοὶ ἃ οὐκ ἐποίησα [A οὐκ ἐποίησα] καὶ ἃ οὐ [A οὐ μὴ] ποιήσω ὁμοία (33 a ter)  
— 10. ποιήσω ἐν σοὶ κρίματα (33 a)  
— 15. ἐν τῇ ποιήσῃ με ἐν σοὶ κρίματα (33 a)  
6. 9. A περὶ τῶν κακῶν ὃν ἐποίησαν (33 a)  
— 10. A τοῦ ποιήσαι αὐτοὺς ἅπαντα τὰ κακὰ ταῦτα (33 a)  
7. 20. εἰκόνας τῶν βδελυγμάτων αὐ. ἐποίησαν (33 a)  
— 23. ποιήσουσι φεγγῆμα (33 a)  
— 27. κατὰ τὰς ὁδοὺς αὐτῶν ποιήσω αὐτοῖς (33 a)  
8. 6. εὐράκας τί οὗτοι ποιήσουσι (33 a)  
— 6. ἀνομίας μεγάλας ποιήσουσι ὡς ἐθῶν — 9. ἃς οὗτοι ποιήσουσι ὡς ἐθῶν (33 a)  
— 12. ἃ οἱ πρεσβύτεροι οἴκου Ἰσ. ποιήσουσι (33 a)  
— 13. ἃς οὗτοι ποιήσουσι (33 a)  
— 15. A τοῦ π. τὰς ἀνομίας ἃς πεποιθήκαν αὐτοὶ ὡς —  
— 17. τοῦ π. τὰς ἀνομίας ἃς πεποιθήκασιν ὡς (33 a, 33 a)  
— 18. ποιήσω αὐτοὺς μετὰ θυμοῦ (33 a)  
9. 11. πεποίηκα καθὼς ἐνετείλας μοι (33 a)  
11. 9. ποιήσω ἐν ὑμῖν κρίματα (33 a)  
— 13. εἰς συντελείαν σὺ ποιεῖς τοὺς καταλόγους σου (33 a)  
— 20. ὅπως . . . ποιήσουσι [A ποιήσουσιν] αὐτὰ (33 a)  
— 21. A τῶν ποιητῶν ὃν ἐποίησαν —  
12. 3. ποιήσαν σεαυτὸν σκεῦος αἰχμαλωσίας (33 a)  
— 7. ἐποίησα οὕτως κατὰ πάντα (33 a)  
— 9. τί σὺ ποιεῖς (33 a)

Ez. 12. 11. τέρατα ποιῶν ὃν τρόπον πεποίηκα (—, 33 a)  
— 25. ποιήσω καὶ σὺ μὴ μῆκυν ἐτι . . . λαλήσω λόγον καὶ ποιήσω (33 b, 33 a)  
— 28. λαλήσω [A add. λόγος] καὶ ποιήσω (33 b)  
13. 18. οὐαί τὰς . . . ποιούσαις ἐπιβόλαια (33 a)  
14. 23. οὐ μόνον πεποίηκα πάντα ὅσα ἐποίησα ἐν αὐτῇ (33 a, 33 a)  
15. 3. τοῦ ποιήσαι εἰς ἐργασίαν (33 a)  
16. 5. τοῦ ποιήσαι σὺ ἐν ἐκ πάντων τούτων [B' om.] (33 a)  
— 16. ἐποίησας σεαυτὴν εἰδωλα ῥαπτὰ (33 a)  
— 17. ἐποίησας σεαυτὴν εἰκόνας ἀρσενικάς (33 a)  
— 24. ἐποίησας σεαυτὴν ἔκθεμα (33 a)  
— 30. ἐν τῇ ποιήσῃ σε πάντα ταῦτα [A om. π. τ.] ἔργα (33 a)  
— 31. τὴν βάσιν σου ἐποίησας ἐν πάσῃ πλατείᾳ (33 a)  
— 41. ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐκδικήσεις (33 a)  
— 43. οὕτως ἐποίησας τὴν ἀσέβειαν (33 a)  
— 47. οὐδὲ κατὰ τὰς ἀνομίας αὐτῶν ἐποίησας (33 a)  
— 48. εἰ πεποίηκε Σάδομα . . . ὃν τρόπον ἐποίησας [A πεποίηκα] σὺ (33 a, 33 a)  
— 50. ἐποίησαν ἀνομήματα ἐνώπιον ἐμοῦ (33 a)  
— 51. ἐν πάσαις ταῖς ἀνομίαις σου αἰς ἐποίησας (33 a)  
— 54. ἐκ πάντων ὃν ἐποίησας (33 a)  
— 59. ποιήσω ἐν [A om.] σοὶ καθὼς ἐποίησας (33 a, 33 a)  
— 63. κατὰ πάντα ὅσα ἐποίησας (33 a)  
— 17. 6. ἐποίησεν ἀπαρχὰς (33 a)  
— 8. τοῦ π. βλαστοῦν [A ποιήσαι καρπὸν] (33 a)  
— 15. εἰ διασωθήσεται ὁ ποιὴν ἐναντίον (33 a)  
— 17. οὐδὲ ἐν ὄχλῳ πολλῷ ποιήσει . . . πόλεμον (33 a)  
— 18. πάντα ταῦτα ἐποίησεν αὐτῷ (33 a)  
— 23. ποιήσει καρπὸν (33 a)  
— 24. λελάληκα καὶ ποιήσω (33 a)  
18. 5. A B ὁ ποιὴν κρίμα καὶ [B om. κρ. κ.] δικαιοσύνην (33 a)  
— 8. κρίμα δικαίων ποιήσει (33 a)  
— 9. τοῦ ποιήσαι αὐτὰ (33 a)  
— 10. ἐάν γεννήσῃ υἱὸν λοιμὸν . . . ποιούντα ἀμαρτήματα (33 a)  
— 12. ἀνομίαν πεποίηκα (33 a)  
— 13. πᾶσας τὰς ἀνομίας ταύτας ἐποίησε (33 a)  
— 14. A ἃς ἐποίησε καὶ φοβήθη καὶ μὴ ποιήσῃ κατ' αὐτάς [B κατὰ ταύτας] (33 a, 33 a)  
— 17. δικαιοσύνην ἐποίησεν (33 a)  
— 18. ἐναντία ἐποίησεν (33 a)  
— 19. δικαιοσύνην καὶ ἔλεος πεποίηκε [A ἐποίησεν] . . . ἐποίησεν αὐτὰ (33 a, 33 a)  
— 21. ἐκ [A ἀπὸ] πασῶν τῶν ἀνομῶν ὃν ἐποίησε . . . καὶ ποιήσῃ δικαιοσύνην καὶ ἔλεος [A π. τὰ δικαιώματά μου] (33 a, 33 a)  
— 22. ὅσα [A ἃς] ἐποίησε . . . ἐν τῇ δικαιοσύνῃ αὐτοῦ ἢ ἐποίησε (33 a, 33 a)  
— 24. ποιήσαι [A -σῃ] ἀδικίαν . . . ἃς ἐποίησεν ὁ ἄνομος . . . ἃς ἐποίησεν (33 a ter)  
— 26. καὶ ποιήσῃ παράπτωμα . . . ὃ ἐποίησεν (33 a, 33 a)  
— 27. ἧς ἐποίησε καὶ ποιήσῃ κρίμα (33 a, 33 a)  
— 28. ὃν ἐποίησε (33 a)  
— 31. A ἃς ἐποίησατε [B ἡσέβησατε] (33 a)  
— 31. ποιήσατε ἑαυτοὺς καρδίας κακῶν (33 a)  
— 31. A ποιήσατε πᾶσας τὰς ἐντολάς μου —  
20. 9. ἐποίησα ὅπως τὸ ὄνομα μου τὸ παράπαν μὴ βεβηλωθῇ (33 a)  
— 11. ὅσα ποιήσεις αὐτὰ ἄνθρωπος (33 a)  
— 13. A τοῦ π. αὐτὰ ἃ ποιήσει αὐτὰ ἄνθρωπος —  
— 13. ἃ ποιήσει αὐτὰ ἄνθρωπος (33 a)  
— 14. ἐποίησα [A οὐκ ἐ.] ὅπως τὸ ὄνομα μου . . . μὴ βεβηλωθῇ (33 a)  
— 17. οὐκ ἐποίησα αὐτοὺς εἰς συντελείαν (33 a)  
— 19. ποιείτε αὐτὰ (33 a)  
— 21. τοῦ ποιεῖν αὐτὰ ἃ ποιήσει ἄνθρωπος (33 a, 33 a)  
— 22. ἐποίησα [A οὐκ ἐ.] ὅπως τὸ ὄνομα μου . . . μὴ βεβηλωθῇ (33 a)  
— 24. τὰ δικαιώματά μου οὐκ ἐποίησαν (33 a)  
— 44. ἐν τῇ ποιήσῃ με οὕτως ὑμῖν (33 a)  
22. 3. πόλις . . . ποιήσα ἐνθυμύματα καθ' ἑαυτῆς (33 a)  
— 4. ἐν τοῖς ἐνθυμύμασί σου οἷς ἐποίησες ἐμαίνου (33 a)

Ez. 22. 9. ἀνύσσια ἐποιοῦν ἐν μέσῳ σου (33 a)  
— 13. συντελείσας οἷς ἐποίησας (33 a)  
— 14. αἰς ἐγὼ ποιῶ ἐν σοὶ (33 a)  
— 14. ἐγὼ κύριος λελάληκα ἐν αὐτῇ (33 a)  
23. 10. ἐποίησαν ἐκδικήσεις ἐν αὐτῇ (33 a)  
— 21. ἃ ἐποίησεν ἐν Αἰγύπτῳ (33 a)  
— 25. ποιήσουσι μετὰ σοῦ ἐν ὀργῇ θυμοῦ (33 a)  
— 29. ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐν μίσει (33 a)  
— 30. ἡ πορνεία σου ἐποίησε ταῦτά σοι (33 a)  
— 38. ὥς καὶ ταῦτα ἐποίησάν μοι (33 a)  
— 38. A καὶ ἃ ἐμίσησαν ἐποίησαν —  
— 40 (39). οὕτως ἐποιοῦν ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου μου (33 a)  
— 43. A ἔργα γυναικὸς πόρνης ἐποίησε [B al.] —  
— 44. τοῦ ποιήσαι ἀνομίαν —  
— 48. οὐ μὴ ποιήσουσι κατὰ τὰς ἀσεβείας αὐτῶν (33 a)  
24. 14. λελάληκα καὶ ἤξει καὶ ποιήσω (33 a)  
— 18. ἐποίησα τὸ πρῶτον (33 a)  
— 19. τί ἐστὶ ταῦτα ἃ σὺ ποιεῖς (33 a)  
— 22. ποιήσατε [A -σώ] ἐν τρόπῳ πεποίηκα [A ἐποίησα] (33 a, 33 a)  
— 24. ὅσα ἐποίησα [B' -σατε, B' -σε] ποιήσατε (33 a, 33 a)  
25. 11. εἰς [A ἐν] Μααβ ποιήσω ἐκδικήσιν (33 a)  
— 12. ἀνθ' ὃν ἐποίησεν ἡ Ἰδουμαία (33 a)  
— 14. ποιήσουσιν ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ κατὰ τὴν ὀργὴν [A add. τοῦ θυμοῦ] μου (33 a)  
— 15. ἀνθ' ὃν ἐποίησαν οἱ ἀλλόφυλοι ἐν ἐκδικήσῃ (33 a)  
— 17. ποιήσω ἐν αὐτοῖς ἐκδικήσεις (33 a)  
26. 8. ποιήσαι [A περιπ.] ἐπὶ σέ κύκλῳ χάρακα (45)  
27. 5. τοῦ ποιήσαι σοὶ ἱστούς ἐλατίνους (33 a)  
— 6. ἐκ τῆς Βασ. ἐποίησαν τὰς κόπας σου (33 a)  
— 6. τὰ ἱερά σου ἐποίησαν ἐξ ἐλέφαντος (33 a)  
28. 4. A ἐποίησας σεαυτὸς δυνάμεις καὶ ἐποίησας [B om.] χρυσίον (33 a, 33 a)  
— 22. ἐν τῇ ποιήσῃ με ἐν σοὶ κρίματα (33 a)  
— 26. ὅταν ποιήσω κρίμα (33 a)  
29. 3. ἐγὼ ἐποίησα αὐτοὺς (33 a)  
— 15. ὀλιγοστοὺς αὐτοὺς ποιήσω (96)  
— 20. A ὅσα ἐποίησάν μοι (33 a)  
30. 14. ποιήσω ἐκδικήσιν ἐν Διοσπόλει (33 a)  
— 19. ποιήσω κρίμα ἐν Αἰγύπτῳ (33 a)  
31. 11. ἐποίησε τὴν ἀπόλειαν αὐτοῦ (33 a)  
33. 13. A ἐάν ποιήσῃ ἀδικίαν πᾶσαι αἱ δικαιοσύναι αὐ. ἃς ἐποίησεν οὐ μὴ μνησθῶσιν ἐν τῇ ἀδικίᾳ αὐ. ἢ ἐποίησεν (33 a, —, 33 a)  
— 14. B ποιήσαι [A B -σῃ] κρίμα καὶ δικαιοσύνην (33 a)  
— 15. τοῦ μὴ ποιήσαι ἀδικον (33 a)  
— 16. A πᾶσαι αἱ ἀμαρτίαι αὐ. ἃς ἐποίησεν [B ἡμαρτεν] (8)  
— 16. κρίμα καὶ δικαιοσύνην ἐποίησεν (33 a)  
— 18. B ποιήσαι [A B -σῃ] ἀνομίας (33 a)  
— 19. B ποιήσαι [A B -σῃ] κρίμα (33 a)  
— 26. A ἐποίησατε βδελύγματα (33 a)  
— 29. ποιήσω τὴν γῆν αὐτῶν ἔρημον . . . ἃ ἐποίησαν (33 a, 33 a)  
— 31. αὐτὰ οὐ μὴ ποιήσουσιν [A -σωσιν] (33 a)  
— 32. οὐ μὴ ποιήσουσιν αὐτὰ (33 a)  
35. 4. ταῖς [A ἐν τ.] πόλεσί σου ἔρημιον ποιήσω (39)  
— 11. ποιήσω σοι κατὰ τὴν ἔχθραν σου (33 a)  
— 11. A κατὰ τὸν ζῆλόν σου ὃν ἐποίησας (33 a)  
— 15. B ἔρημον ποιήσω σε (33 a)  
36. 11. εὐ ποιήσω ὑμᾶς (74 b)  
— 22. οὐχ ὑμῖν ἐγὼ ποιῶ (33 a)  
— 27. ποιήσω ἵνα ἐν τοῖς δικαιώμασί μου πορεύσῃτε καὶ τὰ κρίματά μου . . . ποιήσῃτε [A -ετε] (33 a, 33 a)  
— 32. οὐ δι' ὑμᾶς ἐγὼ ποιῶ (33 a)  
— 36. ἐλάλησα καὶ ποιήσω (33 a)  
— 37. τοῦ ποιήσαι αὐτοὺς [A -οῖς] (33 a)  
37. 14. λελάληκα καὶ ποιήσω (33 a)  
— 24. ποιήσουσιν αὐτὰ (33 a)  
38. 12. ἐπ' ἔθνος . . . πεποικηκὸς κτήσεις (33 a)  
39. 21. τὴν κρίσιν μου ἦν ἐποίησα (33 a)  
— 24. κατὰ τὰ ἀνομήματα αὐ. ἐποίησα αὐτοῖς (33 a)  
43. 8. ἐν ταῖς ἀνομίαις αὐτῶν αἰς ἐποιοῦν (33 a)  
— 11. περὶ πάντων ὃν ἐποίησαν . . . ποιήσουσιν αὐτὰ (33 a, 33 a)  
— 25. ἐπὶ τὰς ἡμέρας ποιήσεις ἔριφον . . . ἄμωμα ποιήσουσιν ἐπὶ τὰς ἡμέρας (33 a, 33 a)  
— 27. ποιήσουσιν οἱ ἱερεῖς . . . τὰ ὀλοκαυτώματα ὑμῶν (33 a)

- Ez. 44. 14. εἰς πάντα ὅσα ἂν ποιήσωσιν (38 b)  
 45. 9. κρῖμα καὶ δικαιοσύνην ποιήσατε (38 a)  
 — 17. αὐτοὶ ποιήσιν τὰ ὑπὲρ ἁμαρτίας (38 a)  
 — 20. οὗτος ποιήσιν ἐν τῷ μνηί τῷ ἱεβδόμῳ  
 — 22. ποιήσιν ὁ ἀφηγούμενος . . . ὑπὲρ αὐ-  
 τοῦ (38 a)  
 — 23. ποιήσιν [A -εις] ὁλοκαυτώματα τῷ  
 κυρίῳ ἐπὶ τὰ μόσχους (38 a)  
 — 24. πέμμα τῷ κρῖν ποιήσιν (38 a)  
 — 25. ποιήσιν κατὰ τὰ αὐτὰ ἐπὶ τὰς ἡμέρας (38 a)  
 46. 2. ποιήσουσιν οἱ ἱ. τὰ ὁλοκαυτώματα αὐ. (38 a)  
 — 7. Ἀ καθὼς ἂν εὖ ποιῇ [B εἰς ἐκπ.] ἡ χεὶρ  
 αὐ. (74 d)  
 — 12. εἰς δὲ ποιήσῃ ὁ ἀφηγούμενος ὁμολογίαν  
 . . . ποιήσιν τὸ ὁλοκαύτωμα αὐτοῦ  
 . . . ὃν τρόπον ποιεῖ ἐν τῇ ἡμέρᾳ  
 τῶν σαββάτων (38 a ter)  
 — 13. ἄνθρωποι ἐν αὐτοῖς ἀμύμον ποιήσιν . . .  
 πρῶτῃ ποιήσιν αὐτόν (38 a, 38 a)  
 — 14. μαλαὰ ποιήσιν ἐπ' αὐτῷ (38 a)  
 — 15. πρόσταγμα διὰ παντός ποιήσετε τὸν  
 ἀμύμον καὶ τὸ μαλαὰ καὶ τὸ ἔλαιον  
 ποιήσετε τὸ πρῶτῃ (38 a, -)  
 Da. LXX. Su. 35. οὐκ ἐποίησα ἂν ποιηρεύοντα  
 — 52. ὃς ἐποίησε τὸ πρότερον  
 — 57. οὕτως ἐποιεῖτε θυγατράςιν Ἰσρ.  
 — 61. ὡς ὁ νόμος διαγορεύει ἐποίησαν αὐτοῖς  
 2. 9. λόγους ψευδείς ποιήσασθαι ἐπ' ἐμοῦ (7 a\*, 7 b)  
 — 46. ἐπέταξε . . . σπονδὰς ποιῆσαι αὐτῷ (38 b)  
 3. 1. ἐποίησαν εἰκόνα χρυσῇν (27 d)  
 — (27). οἱ ἐποίησαν ἡμῖν  
 — (28). κρίματα ἀληθείας ἐποίησαν  
 — (28). ἐποίησαν πάντα ταῦτα  
 — (30). οὐδὲ ἐποίησαν καθὼς ἐνετείλω ἡμῖν  
 — (31). πάντα ὅσα ἐποίησαν ἡμῖν ἐν ἀληθινή κρίσει  
 ἐποίησαν  
 — (42). ποιήσαν μεθ' ἡμῶν ἔλεος  
 — (50). ἐποίησε τὸ μέσον τῆς καμίνου ὥστε πνεῦμα  
 — 32 (99). ἂν ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεός (27 d)  
 4. 14. ὅσα ἂν θέλῃ ποιεῖν ποιεῖ ἐν αὐτοῖς  
 — 34. ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα  
 — 34. ἀποκτείνει καὶ ζῇν ποιήσιν  
 — 34. καὶ ποιήσιν σημεῖα  
 — 34. καθὼς ἐποίησεν ἐν ἐμοῖ ὁ θεός τοῦ οὐρ.  
 — 34. τὸ ἀρεστόν ἐνώπιον αὐτοῦ ποιήσω  
 — 34. οὕτως ἐποίησε μετ' ἐμοῦ  
 — 34. ὃς ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεός ὁ μέγας  
 5. 1. B. ὁ βασις ἐποίησε δοχὴν μεγάλην (27 d)  
 — 1. B. ὁ βασις ἐποίησεν ἐστιατορίαν μεγάλην (27 d)  
 — 23. σὺ ἐποίησας ἐστιατορίαν τοῖς φίλοις σου  
 — 6. 10 (11). καθὼς ἐποίησε ἐμπροσθεν (27 f)  
 — 12 (13). οὕτως ποιήσω καθὼς λέγετε  
 — 18 (19). πρῶτον ποιούμενος αὐτοῦ  
 7. 8. ἐποίησι πόλεμον πρὸς τοὺς ἀγίους  
 8. 4. ἐποιεῖ ὡς ἔβριε (38 a)  
 — 12. καὶ ἐποίησε καὶ εὐδωδῆ (38 a)  
 — 24. καὶ ποιήσιν καὶ φθέρει δύναστας (38 a)  
 — 25. ποιήσιν συναγωγὴν χειρὸς  
 9. 14. ἐπὶ πάντα ὅσα ἂν ποιήσῃ (38 a)  
 — 15. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (38 a)  
 — 19. ἐπάκουσον καὶ ποιήσον (38 a)  
 11. 3. ποιήσιν καθὼς ἂν βούληται (38 a)  
 — 6. ποιήσασθαι συνθήκας (38 a)  
 — 7. καὶ ποιήσιν ταραχὴν (38 a)  
 — 16. ποιήσιν . . . κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (38 a)  
 — 17. συνθήκας μετ' αὐτοῦ ποιήσεται (38 a)  
 — 23. ποιήσιν ψεύδος (38 a)  
 — 24. ποιήσιν ὅσα οὐκ ἐποίησαν οἱ πατέρες  
 αὐ. (38 a, 38 a)  
 — 28, 30. ποιήσιν καὶ ἐπιστρέψιν (38 a)  
 — 32. κατισχύσουσι καὶ ποιήσουσι (38 a)  
 — 36. ποιήσιν κατὰ τὸ θέλημα αὐ. ὁ βασις. (38 a)  
 — 39. ἐν ἐπιθυμίᾳ ποιήσιν πόλεμον (38 a)  
 Bel 26. ἐποίησε μάλα  
 Da. TH. Su. 18. ἐποίησαν καθὼς εἶπε  
 — 43. ἀποθνήσκω μὴ ποιήσασα μὴδὲν  
 — 52. ὃς ἐποιεῖ τὸ πρότερον  
 — 57. οὕτως ἐποιεῖτε θυγατράςιν Ἰσρ.  
 — 62. ἐποίησαν αὐτοῖς ὃν τρόπον ἐπονηρεύσαντο  
 — 62. ποιήσιν κατὰ τὸν νόμον M.  
 1. 13. ποιήσαν μετὰ τῶν παιδῶν [A -δარიων]  
 σου (38 a)  
 3. 1. NaB. ὁ βασις ἐποίησεν εἰκόνα χρυσῇν (27 d)  
 — 15. τῇ εἰκόνι τῇ χρυσῇ ἡ ἐποίησα (27 d)  
 — (27). ἐπὶ πάντων οἱ ἐποίησαν  
 — (28). κρίματα ἀληθείας ἐποίησαν

- Da. TH. 3. (30). οὐδὲ ἐποίησαν καθὼς ἐνετείλω ἡμῖν  
 — (31). πάντα ὅσα ἐποίησας ἡμῖν ἐν ἀληθινῇ κρίσει  
 ἐποίησας  
 — (42). ποιήσαν μεθ' ἡμῶν κατὰ τὴν ἐπιεικείαν  
 σου  
 — (50). ἐποίησε τὸ μέσον τῆς καμίνου ὥς πνεῦμα  
 — 32 (99). ἂν ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεός (27 d)  
 4. 32. κατὰ τὸ θέλημα αὐ. ποιεῖ (27 d)  
 — 32. τί ἐποίησας (27 d)  
 6. 1. ἐποίησε δειπνῶν μέγα τοῖς μεγιστάνων αὐ. (27 d)  
 6. 10 (11). καθὼς ἦν ποιῶν ἐμπροσθεν (27 d)  
 — 22 (23). παράπτωμα οὐκ ἐποίησα (27 d)  
 — 27 (28). ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα (27 d)  
 7. 21. ἐποίησε πόλεμον μετὰ τῶν ἀγίων  
 8. 4. ἐποίησε κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (38 a)  
 — 12. καὶ ἐποίησε καὶ εὐδωδῆ (38 a)  
 — 24. κατενυθνεῖ καὶ ποιήσιν (38 a)  
 — 27. ἐποίησαν τὰ ἔργα τοῦ βασις. (38 a)  
 9. 14. πᾶσαν τὴν ποιήσιν αὐ. ἡν ἐποίησε (38 a)  
 — 15. ἐποίησας σεαυτῷ ὄνομα (38 a)  
 — 19. A. κυρίως ποιήσαν [B om.] (38 a)  
 11. 3. ποιήσιν κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (38 a)  
 — 6. τοῦ ποιῆσαι συνθήκας μετ' αὐτοῦ (38 a)  
 — 7. καὶ ποιήσιν ἐν [A om.] αὐτοῖς (38 a)  
 — 16. ποιήσιν . . . κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (38 a)  
 — 17. εὐθεία πάντα μετ' αὐτοῦ ποιήσιν (38 a)  
 — 23. ποιήσιν δόλον (38 a)  
 — 24. ποιήσιν ὅσα οὐκ ἐποίησαν οἱ πατ. αὐ. (38 a, 38 a)  
 — 28, 30. ποιήσιν καὶ ἐπιστρέψιν (38 a)  
 — 32. κατισχύσουσι καὶ ποιήσουσι (38 a)  
 — 36. ποιήσιν κατὰ τὸ θέλημα αὐ. (38 a)  
 — 39. ποιήσιν τοῖς ὀχρώμασι τῶν καταφυ-  
 γῶν (38 a)  
 Bel 13. πεποιθήσαν . . . κεκρυμμένην εἰσοδοῦ  
 — 27. καὶ ἐποίησε μάλα  
 I Ma. 1. 13. ποιήσιν τὰ δικαιώματα τῶν ἐθνῶν  
 — 15. ἐποίησαν ἑαυτοὺς ἀκροβυστίας  
 — 15. ἐπράξαν [B\* ἐπείρ.] τοῦ ποιῆσαι τὸ ποιηρῶν  
 — 24. B B ἐποίησε [A -σαν] φονοκτονίαν  
 — 50. δε ἀν μὴ ποιήσῃ κατὰ τὸ ρῆμα τοῦ βασις.  
 — 51. καὶ ἐποίησαν ἐπισκόπους  
 — 52. ἐποίησαν κακὰ ἐν τῇ γῇ  
 — 58. ἐν ἱσχυρί αὐ. ἐποίησαν  
 2. 18. A B ποιήσαν τὸ πρόσταγμα τοῦ βασις. ὡς  
 ἐποίησαν [B -εν] πάντα τὰ ἔθνη  
 — 26. καθὼς ἐποίησε Φ.  
 — 33. ποιήσατε [B\* -σωμεν] κατὰ τὸν λόγον τοῦ  
 βασις.  
 — 34. B B οὐδὲ ποιήσωμεν [A -σωμεν] τὸν λόγον  
 τοῦ βασις.  
 — 40. εἰς πάντας ποιήσωμεν ὡς αὐ. ἡμῶν ἐποίη-  
 — 51. τὰ ἔργα ἂν ἐποίησαν [B\* -εν]  
 3. 14. ποιήσω ἐμαυτῷ ὄνομα  
 — 15. ποιήσιν τὴν ἐκδίκησιν ἐν τοῖς Ἰσρ.  
 — 42. οὐδὲ ἐνετείλατο ποιῆσαι τῷ λαφ  
 — 50. τί ποιήσωμεν τοῖς  
 — 60. οὕτως ποιήσιν  
 4. 44. A B τί αὐτῷ [B -δ] ποιήσωσι  
 — 49. ἐποίησαν σκευὴν ἀγια καὶνὰ  
 — 51. πάντα τὰ ἔργα ἂν ἐποίησαν  
 — 53. ἐπὶ τὸ θυσαστήριον . . . δ ἐποίησαν  
 — 56. ἐποίησαν τὸν ἱερακισμὸν  
 — 60. ὡς ἐποίησαν τὸ πρότερον  
 5. 16. τί ποιήσωσι τοῖς ἀδ. αὐ.  
 — 56. οἱ ἐποίησαν  
 — 57. B B ποιήσωμεν [A -ομεν] καὶ αὐτοὶ ἑαυτοῖς  
 ὄνομα  
 6. 12. A B τὸν κακὸν ὡς ἐποίησα [B ὡς ἐπ. κ.]  
 — 20. ἐποίησεν ἐπ' αὐτοῖς βελοστάσεις  
 — 22. B B ἔως πότε οὐ ποιήσῃ [A B\* -σεῖς]  
 κρίσιν  
 — 27. μίζονα τούτων ποιήσουσι  
 — 31. A B ἐποίησαν [B -εν] μηχανάς  
 — 49. B B ἐποίησαν ἐρήνην [A om.]  
 — 52. ἐποίησαν καὶ αὐτοὶ μηχανάς  
 — 58. ποιήσωμεν μετ' αὐτῶν ἐρήνην  
 — 59. ἐποίησαν ταῦτα πάντα  
 7. 7. ἡν ἐποίησαν ἡμῖν  
 — 9. ποιήσιν τὴν ἐκδίκησιν ἐν τοῖς νόμοις Ἰσρ.  
 — 22. ἐποίησαν πληγὴν μεγάλην  
 — 23. πᾶσαν τὴν κακίαν ἡν ἐποίησαν A.  
 — 24. καὶ ἐποίησαν ἐκδίκησιν  
 — 38. ποιήσαν ἐκδίκησιν  
 8. 2. ὃς ποιήσουσιν ἐν τοῖς Γαλιταῖς

- I Ma. 8. 3. ὅσα ἐποίησαν ἐν χώρᾳ Σπανίας  
 — 15. βουλευτήριον ἐποίησαν ἑαυτοῖς  
 — 30. A B ποιήσουσι [B -σονται] ἐξ αἰρέσεως αὐ.  
 — 32. ποιήσωμεν αὐτοῖς τὴν κρίσιν  
 9. 1. A ἐποίησαν [B ἔπεισαν, B ἔπεισε] Νικάνωρ  
 — 10. μὴ μοι γένοιτο ποιῆσαι τὸ πρᾶγμα τοῦτο  
 — 22. τῶν ἀνδραγαθίων ὧν ἐποίησε  
 — 37. ποιήσουσι γάμον μέγαν  
 — 64. καὶ ἐποίησε μηχανάς  
 — 71. ἐποίησε κατὰ τοὺς λόγους αὐτοῦ [B\* -φ]  
 10. 11. εἶπε πρὸς τοὺς ποιούντας τὰ ἔργα  
 — 11. A B καὶ ἐποίησαν [B -εν] οὕτως  
 — 15. ὃς ἐποίησαν αὐτοῖς  
 — 16. B B ποιήσωμεν [A -ωμεν] αὐτὸν φίλον  
 — 23. A B τί τοῦτο ἐποίησαν [B -σας]  
 — 27. ἀνθ' ὧν ποιεῖτε μεθ' ἡμῶν  
 — 46. ἡς ἐποίησαν [B\* -αν] ἐν Ἰσρ.  
 — 56. ποιήσω σοὶ ἂν ἔγραψας  
 — 58. ἐποίησε τὸν γάμον αὐ.  
 — 62. καὶ ἐποίησαν οὕτως  
 11. 4. ἐποίησαν γὰρ θηρωρίας αὐτῶν  
 — 5. ἂν ἐποίησαν ἰών.  
 — 20. B B ἐποίησαν [A -αν] . . . μηχανὰς πολλὰς  
 — 26. ἐποίησαν αὐτῷ ὁ βασις. καθὼς ἐποίησαν αὐτῷ  
 — 27. ἐποίησαν αὐτὸν τῶν πρώτων φίλων ἡγεῖσθαι  
 — 28. ποιήσιν τὴν ἰουδ. ἀφορολύγητον  
 — 33. B ἐκρίναν ἀγαθὸν ποιῆσαι [A B ἀγαθον.]  
 — 37. τοῦ ποιῆσαι τούτων ἀντιγραφῶν  
 — 42. οὐ μόνον ταῦτα ποιήσω σοὶ  
 — 43. ὁρθῶς ποιήσεις ἀποστείλας μοι ἄνδρας  
 — 51. ἐποίησαν ἐρήνην  
 12. 18. B B καλῶς ποιήσετε [A ἐποιήσατε] ἀντιφω-  
 νήσαντες ἡμῖν  
 — 22. καλῶς ποιήσετε γράφοντες ἡμῖν  
 — 46. ἐποίησε καθὼς εἶπε  
 13. 3. A B ὅσα . . . ἐποίησαν περὶ τῶν νόμων  
 [B al.]  
 — 9. πάντα ὅσα ἂν εἶπεν ἡμῖν ποιήσωμεν  
 — 29. ἐποίησε μηχανήματα  
 — 29. ἐποίησαν ἐπὶ τοῖς στύλοις πανοπλίας  
 — 30. ὃν ἐποίησαν ἐν M.  
 — 32. ἐποίησε πληγὴν μεγάλην ἐπὶ τῆς γῆς  
 — 34. τοῦ ποιῆσαι ἀφένειν τῇ χώρᾳ  
 — 37. τοῦ ποιῆσαι ἐρήνην μεγάλην  
 — 43. B καὶ ἐποίησαν ἐλεπόλει [A B al.]  
 — 48. A B οἵτινες τὸν νόμον ποιοῦσι [B ποιή-  
 σωσιν]  
 14. 5. ἐποίησαν εἰσοδοὺς ταῖς νήσοις  
 — 11. ἐποίησε τὴν ἐρήνην ἐπὶ τῆς γῆς  
 — 35. ἡν ἐβουλεύσατο ποιῆσαι τῷ ἔθνει αὐ.  
 — 35. διὰ τὸ αὐτὸν πεποιθήσαν πάντα ταῦτα  
 — 36. ἐποίησαν [B\* -εν] ἑαυτοὺς ἀκραν  
 — 36. B B ἐποίησαν [A -ουσαν] πληγὴν μεγάλην  
 — 39. ἐποίησαν αὐτὸν τῶν φίλων αὐ.  
 — 45. δε δ' ἂν παρὰ ταῦτα ποιήσῃ  
 — 46. ποιήσιν κατὰ τοὺς λόγους τούτους  
 15. 6. ποιήσιν κόμμα ἰδίων  
 — 25. καὶ μηχανὰς ποιούμενος  
 — 29. ἐποίησαν [B\* π.] πληγὴν μεγάλην  
 — 35. ἐποίησαν ἐν τῷ λαφ πληγὴν μεγάλην  
 16. 15. ἐποίησαν αὐτοῖς πτόαν μέγαν  
 — 17. B B ἐποίησαν ἀδυσίαν [A ἀδείαν] μεγάλην  
 II Ma. 1. 3. εἰς τὸ . . . ποιεῖν αὐτοῦ τὰ θέληματα  
 — 4. καὶ ἐποίησαν ποιήσιν  
 — 16. καὶ μέλη ποιήσαντες  
 — 23. προσεχὴν δὲ ἐποίησαν οἱ ἱερεῖς  
 — 25. ὁ ποιήσας τοὺς πατέρας ἐλεκεῖτο  
 — 34. περιφράξας δὲ ὁ βασις. ἱερὸν ἐποίησε  
 2. 16. καλῶς οὐν ποιήσετε ἀγὲν τὰς ἡμέρας  
 — 30. B περὶ πάντων ποιῆσαι λόγον [A al.]  
 — 31. τῇ τῇ μεταφράσειν ποιούμενην συγχαρητήριον  
 3. 7. τὴν τῶν προφητῶν χρημάτων ἐκκομὴν ποιή-  
 σασθαι  
 — 8. ἐποιεῖτο τὴν πορείαν  
 — 20. ἐποιεῖτο τὴν λιτανείαν  
 — 24. ἐπιφάνειαν μεγάλην ἐποίησαν  
 — 33. ποιούμενον δὲ τοῦ ἀρχιερέως τὸν ἱλασμόν  
 4. 11. τοῦ ποιησαμένου τὴν πρῆβειαν  
 — 27. ποιούμενον δὲ τὴν ἀπαίτησιν Σωστράτου  
 — 42. πολλοὺς μὲν αὐτὸν τραυματίας ἐποίησαν  
 — 44. ἐπ' αὐτοῦ τὴν δικαιολογίαν ἐποίησαντο  
 5. 6. ἐποιεῖτο σφαγὰς τῶν πολιτῶν  
 7. 16. δ βελεῖς ποιεῖς  
 — 24. οὐ μόνον διὰ λόγων ἐποιεῖτο τὴν παράκλησιν  
 — 24. ἅμα πλουτίειν καὶ μακαριστὸν ποιήσιν  
 — 28. ἐξ οὐκ ὄντων ἐποίησαν αὐτὰ ὁ θεός.

II Ma. 8. 21. τετραμέρες τὴν ἐποίησε τὸ στράτευμα  
— 24. B τραυματίας . . . τὸ πλείστον μέρος τῆς τοῦ  
N. στρατιάς ἐποίησαν [A. al.]  
— 29. κοινὴν ἱκετίαν ποιήσαντες  
— 30. ἐτι δὲ καὶ προσβυτέρους ποιήσαντες  
— 35. ἔρμον ἐαυτὸν ποιήσας  
9. 2. ἀσχημονα τὴν ἀναζήγην ποιήσασθαι  
— 4. πολυάνδριον Ἰουδαίων Ἱεροσόλυμα ποιήσω  
— 14. ἦν . . . παρεγένετο ἰσώπιδον ποιήσω  
— 15. πάντας αὐτοὺς ἰσους Ἀθηναίους ποιήσιν  
10. 3. ἕτερον θυσιαστήριον ἐποίησαν  
— 3. τὸν ἄρτων τὴν πρόθεσιν ἐποίησαντο  
— 4. ταῦτα δὲ ποιήσαντες  
— 16. οἱ δὲ περὶ τὸν M. ποιησάμενοι λιτανίαν  
11. 2. τὴν μὲν πόλιν Ἑλληνιστὶν οἰκητήριον ποιήσιν  
— 3. πρᾶτὴν δὲ . . . τὴν ἀρχιερωσύνην ποιήσιν  
— 26. εὐ οὖν ποιήσεις διωπευμένους  
12. 10. ποιούμενον τὴν πορείαν ἐπὶ τὸν Τιμ.  
— 16. ἀμνηστὸς ἐποίησαντο σφαγᾶς  
— 23. ἐποίητο δὲ τὸν διωγμὸν εὐνοώτερον Ἰ.  
— 30. B ἡμέρον ἀπάτησιν ἐποιούτου [A. om.]  
— 37. τροπὴν ἐποίησαντο αὐτῶν  
— 41. τοῦ τὰ κεκρυμμένα φανερά ποιούντος  
— 43. B ποιησάμενός τε . . . καστασκεύασματα  
[A. al.]  
— 45. περὶ τῶν τεθυγκότων τὸν ἐξίλασμον ἐποίη-  
σαντο  
13. 6. B ἡ καὶ τινὼν ἄλλων κακῶν ὑπεροχὴν πεποι-  
ημένον [A. -ων]  
— 12. πάντων δὲ τὸ αὐτὸ ποιησάντων  
— 14. ἐποίησαντο περὶ M. τὴν στρατοπεδείαν  
— 26. εὐμενείς ἐποίησαν  
14. 18. τὴν κρίσιν δι' αἱμάτων ποιήσασθαι  
— 22. τὴν ἀρμόζουσαν ἐποίησαντο κοινολογίαν  
— 33. τόνδε τοῦ θεοῦ σκῆν ἐπὶ πεδίον ποιήσω  
— 39. πρόδρλον ποιήσαι . . . δυμμένειαν  
III Ma. 1. 7. ποιήσας δὲ τοῦτο  
— 9. τὸν ἐξῆς τὴν τῷ τότῳ ποιήσας  
— 23. τὴν ὁρμὴν ἐπὶ τὰ ὅπλα ποιήσασθαι  
— 23. ἱκανὴν ἐποίησαν ἐν τῷ τότῳ τραχύτητα  
— 26. πρόσβασις ἐποίητο  
2. 1. ἐποίησαντο τὴν δέξιν τοιαύτην  
— 4. τοὺς ἐμπροσθεν ἀδικίαν ποιήσαντας  
— 9. σύστασιν ποιησάμενος αὐτοῦ  
— 20. ποιήσας ἡμῖν εἰρήνην  
3. 4. χωρισμὸν ἐποίησαν  
— 15. B εὐ ποιήσαι [A. -σαντές] τε ἀσμένως  
— 20. καθὼς ἔπρεπεν ἐποίησαν  
4. 13. τὸν αὐτὸν τρόπον ἐπιμελῶς ὡς ἐκείνους  
ποιήσαι  
— 17. τὴν τῶν Ἰουδ. ἀπογραφὴν ποιήσασθαι  
5. 15. τὸν περὶ τοῦτων λόγον ποιούμενος  
6. 17. ἀκατάσχετον ὁλωγρὴν ποιήσαι  
— 40. τὴν ἐντυχίαν ἐποίησαντο  
7. 18. ἐπεὶ ἐποίησαν πότον σωτήριον  
— 22. τὰ μεγαλῆα τοῦ μεγίστου θεοῦ ποιήσαντος  
IV Ma. 1. 12. σπερ εἰσὰ ποιῶν  
2. 17. οὐ θυμὸν κατ' αὐτῶν ἐποίησαν  
5. 9. ἀνοήτερον ποιήσιν δοκεῖ  
6. 29. A B καθάρσιον αὐτῶν ποιήσαν [B. -σαι] τὸ  
ἐμὸν αἷμα  
12. 6. A B εὐπειθῆ ποιῆσαι τὸν περιλειπόμενον  
[B. al.]  
18. 16. A B πᾶσι [B. om.] τοῖς ποιούσιν αὐτ. τὸ  
θελῆμα  
— 18. καὶ ζῆν ποιήσω  
[Aq. Ge. 1. 26, 31: 3. 2 (1): 6. 7 (6), 17 (16): 20. 10: Ex. 1. 21: 30. 18, 37 bis: Le. 20. 12: Dt. 30. 12: Jo. 1. 8: 2. 14: 5. 15 (16): 11 Ki. 7. 25: 12. 6: 11 Ki. 7. 6 (43), 7 (44), 38 (24): 9. 23: 14. 4, 8, 9 bis: 15: 16. 27: 22. 49: 14 Ki. 16. 11: 17. 11, 16: 19. 25: 21. 8: 17. 10. 12: 13. 20: 34. 22: 20. 40: 10 (15): Ps. 17 (18). 41: 21 (22). 32: 30 (31). 23: 32 (33). 6: 70 (71). 19: 118 (119). 73, 121: 138 (139). 15: Pr. 8. 26: 10. 23: 22. 19: Ec. 2. 11, 17: Is. 5. 2: 20. 2: 32. 6: 38. 15: 40. 23: 44. 13, 24: 55. 11: 12. 15: 8. 8: 30 (37). 15: 32 (89). 23: 33 (40). 9: 46 (28). 28: 61 (28). 12: Ez. 18. 10, 11: 20. 14: 23: 22. 11: 28. 21: 29. 3: 81. 9, 11 bis: 44. 14 (P): Ma. 2. 13.]  
[Sm. Ge. 1. 26, 31: 6. 15 (14), 17 (16) bis: 18. 25: 20. 10: 27. 37: Ex. 1. 21: 18. 14: 30. 18, 37 bis: 39. 1 (13): Dt. 7. 15: Jo. 1. 8: 2. 14: 5. 15 (16): 1 Ki. 12. 7: 20. 12: 29. 7: 11 Ki. 7. 11, 25, 27: 12. 5, 14: 14. 20: 15.

31: 11 Ki. 3. 1: 7. 6 (43), 38 (24): 14 Ki. 16. 11: 17. 16: 21. 7: 23. 17: 18. 24. 4: 85. 16: 36. 13: 39. 34 (40. 4): 40. 3 (8). 14 (19): Ps. 4. 7: 17 (18). 41: 19 (20). 4: 21 (22). 32: 25 (26). 7: 27 (28). 4: 28 (29). 6: 31 (32). 5: 38 (39). 10: 39 (40). 6: 43 (44). 13, 15: 48 (49). 19: 50 (51). 10: 54 (55). 8, 9, 10 bis: 55 (56). 12: 58 (59). 11: 64 (65). 9: 65 (66). 8: 67 (68). 23 bis, 29: 70 (71). 2: 76 (76). 9: 76 (77). 15: 77 (78). 43: 82 (83). 5: 87 (88). 9, 11, 19: 88 (89). 30: 89 (90). 17: 99 (100). 3: 100 (101). 8: 101 (102). 9: 106 (107). 38: 118 (119). 73, 121: 125 (126). 2: 134 (135). 18: 138 (139). 15: 141 (142). 8: Pr. 8. 6: 8. 26: 22. 19: Ec. 2. 4: 7. 15 (14): Is. 5. 2: 6. 12: 10. 13: 22. 11: 25. 8: 32. 6 bis: 42. 9: 44. 24: 46. 11 (Sw.): 48. 14: 50. 2: 52. 7 bis: 53. 6: 55. 5, 10, 11: 60. 7: 12. 6. 15: 7. 3: 22. 15: 31 (38). 7, 37: 32 (39). 23: 37 (44). 15: 44 (51). 4: 46 (26). 28: Ez. 11. 16: 13. 18: 18. 8: 19. 7: 20. 11: 22. 4. 11: 24. 17: 27. 30: 29. 3, 18: 31. 11 bis: 40. 16 (P). 17: 44. 14 (P): Da. 11. 6 (Sw.): Ma. 2. 13.]  
[Th. Ge. 1. 26, 27: 4. 7: 20. 10: Ex. 28. 23, 26, 27: 80. 18, 37 bis: 37 (38). 4, 11, 12 bis, 13, 15: 38. 3 (33): 39. 1 (13): Le. 20. 12: Jo. 1. 8: 2. 14: 5. 15 (16): 11. 37: 13. 23: 15. 7: 18. 24: 11 Ki. 12. 9, 12 bis: 15. 26: 11 Ki. 6. 16: 7. 6 (43): 10. 12: 12. 9: 13. 20: 15. 27: 21. 31: 84. 22: 35. 10: 40. 10 (15): 41. 25: Ps. 8. 7: 21 (22). 32: Pr. 20. 18: Is. 5. 2: 22. 11: 32. 6 bis: 38. 15: 43. 24: 44. 15, 24: 46. 11 (Sw.): 55. 11: 58. 13: 12. 6. 15: 8. 10, 12: 11. 8, 8 (Sw.): 30 (37). 11 bis, 15: 32 (89). 23: 33 (40). 15, 18: 38 (45). 9: 39 (46). 12 bis: Ez. 6. 10: 11. 12 (Sw.): 18. 24 (Sw.): 20. 21, 43: 22. 11: 81. 9, 11 bis: 38. 26, 31: 35. 11, 15: 40 (P). 17: 44. 14 (P): Da. 8. (42): 11. 6, 39: 18. 62: 14. 26: Ma. 2. 13.]  
[Al. Le. 16. 9: 24. 20: Nu. 9. 3: 22. 30, 35: 38. 1: Dt. 32. 18: Jo. 22. 10: 1 Ki. 9. 27: 12. 22: 22. 8: 28. 15, 17, 18: 11 Ki. 22. 49: 1 Ch. 4. 10: Es. 2. 1: 17. 37. 5: Ps. 9. 17: 105 (106). 3: 188 (139). 15: Pr. 1. 25: Is. 1. 29: Ez. 9. 8.]  
[Heb. 14. 9: Ez. 18. 18.]  
[Quint. 11 Ki. 16. 11: Ps. 28 (29). 6: 118 (119). 121.]  
[Sext. Ps. 70 (71). 19: 118 (119). 121.]  
**ποίημα.** (1) **ἡΨῃ** (2) **ἡΨῃ**  
Jd. 13. 12. καὶ τὰ π. [A. ἔργα] αὐτοῦ (1)  
I Ki. 8. 8. κατὰ πάντα τὰ π. [A. om. r. π.] ἃ ἐποίησαν (1)  
19. 4. τὰ π. αὐτοῦ ἀγαθὰ σφόδρα (1)  
III Ki. 7. 31. A. ποίημα οὗτος πῆχτος (1)  
II Es. 9. 13. ἐν π. ἡμῶν τοῖς ποιμαίνουσιν (1)  
Ne. 6. 14. ὡς τὰ π. αὐτοῦ ταῦτα (1)  
Ps. 63 (64). 9. τὰ π. αὐτοῦ συνήκαν (1)  
91 (92). 4. εὐφρανάμενος, κύριος, ἐν τῷ π. σου (2)  
142 (143). 5. ἐν ποιήματι τῶν χειρῶν σου (1)  
Ec. 1. 14. εἶδον σύμπαντα τὰ π. [B<sup>1</sup> om. τὰ π.] (1)  
τὰ ποιημένα (1)  
2. 4. ἐμεγάλυνα ποίημά μου (1)  
— 11. ἐπέβλεψα ἐγὼ ἐν πᾶσι [A. S<sup>1</sup> πᾶσιν τοῖς] π. μου (1)  
— 17. ποιητὴν ἐγὼ ἐμὲ τὸ π. τὸ ποιημένον (1)  
8. 11. ὅπως μὴ εὐρὸς ὁ ἄνθρωπος τὸ π. (1)  
— 17. καὶ οὐκ . . . ἐπὶ παντὶ τῷ [A. S. om.] π. (1)  
— 22. δὲ εὐφρανθήσεται ὁ ἄνθρωπος ἐν ποιήματι αὐτοῦ (1)  
4. 3. B οὐκ εἶδε σὺν πᾶν [A. S<sup>1</sup> om.] τὸ π. τὸ ποιητὴν (1)  
— 4. σύμπαντα [A. S. σὺν πᾶσιν] ἀνδρείαν τοῦ π. (1)  
5. 5. καὶ διαφείρη τὰ [S<sup>1</sup> om.] π. χειρῶν σου (1)  
7. 14 (13). ἵδε τὰ π. τοῦ θεοῦ (1)  
8. 9. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου εἰς πᾶν τὸ [A. S. om.] π. (1)  
— 14. ὡς ποίημα τῶν δεινῶν (1)  
— 14. ὡς ποίημα τῶν δικαίων (1)  
— 17. εἶδον σύμπαντα [A. S. σὺν πάντα] τὰ π. τοῦ θεοῦ (1)  
— 17. οὐ δυνήσεται ἄνθρωπος τοῦ εὐρεῖν σὺν τῷ π. (1)  
9. 7. εὐδόκησεν ὁ θεὸς τὰ π. σου (1)  
— 10. οὐκ ἔστι ποίημα . . . ἐν δῇ (1)  
11. 5. οὐ γνώσῃ τὰ π. τοῦ θεοῦ (1)

Ec. 12. 14. σύμπαν [A. S. σὺν πᾶν] τὸ π. ὁ θεὸς ἄξει ἐν κρίσει (1)  
Is. 29. 16. ἡ τὸ π. τῷ ποιήσαντι (1?)  
[Aq. Ex. 28. 15: Dt. 24. 21 (19): Ps. 18 (19). 2: 27 (28). 4: 32 (33). 4, 15: Pr. 31. 31: Is. 57. 12: Ez. 6. 6: 27. 16: Mt. 6. 16.]  
[Th. Ps. 44 (45). 2.]  
[Quint. Ps. 27 (28). 5.]  
**ποιήσεις.** (1) **ἡΨῃ** (2) **ἡΨῃ** **ἡΨῃ** qal. (1)  
c. ni.  
Ex. 28. 8. κατὰ τὴν π. ἐξ αὐτοῦ ἔσται (2 a)  
32. 35. περὶ τῆς π. τοῦ μόσχου (2 b)  
36. 12 (39. 5). κατὰ τὴν αὐτοῦ π. (2 a)  
Le. 8. 8 (7). κατὰ τὴν π. τῆς ἐπωμίδος (1)  
IV Ki. 18. 10. εἰς πᾶσαν π. αὐτοῦ (2 a)  
Ps. 18 (19). 1. ποιήσιν δὲ χειρῶν αὐτοῦ ἀναγ-  
γέλλει τὸ στερέωμα (2 a)  
Si. 16. 26. ἀπὸ ποιήσεως αὐτῶν διέστειλε μερίδας αὐτῶν  
19. 20. ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποιήσεις [A. -εις] νόμον  
51. 19. ἐν ποιήσει λιμὸν [A. μου] διηκριβασάμην  
Ez. 43. 18. ἐν ἡμέρᾳ ποιήσεως αὐτοῦ (2 c)  
Da. Th. 9. 14. ἐπὶ πᾶσαν τὴν π. αὐ. ἥν ἐποίησε (2 a)  
[Aq. Ps. 27 (28). 5: Ez. 1. 16.]  
[Th. Ps. 18 (19). 2: Ez. 1. 16.]  
**ποιητής.**  
I Ma. 2. 67. προσάφετε πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς π. τοῦ νόμου  
**ποικιλία.** (1) **ἡΨῃ** **ἡΨῃ** (2) **ἡΨῃ** (3) **ἡΨῃ**  
Ex. 27. 16. κεκλωσμένης τῇ π. τοῦ ῥοφιδεντοῦ (2)  
35. 35. πᾶν ἔργον ἀρχιτεκτονίας ποικιλίας (1 b)  
36. 15 (39. 8). ἔργον ὑφαντὸν ποικιλίᾳ [A. -as] (1 a?)  
Jd. 5. 30. σκῆλα βαμμάτων ποικιλίας (3)  
Si. 88. 27. ἀλλοίωσιν ποικιλίαν  
Ez. 25. 3. ποικιλία παντὸς ζῴου  
Ez. 27. 7. βύσσος μετὰ ποικιλίας ἐξ Αἰγύπτου (3)  
IV Ma. 15. 24. καίπερ . . . ὁρώσα . . . τὴν τῶν στρε-  
βλῶν . . . π.  
[Aq. Ez. 17. 3: 27. 24.]  
[Sm., Th. Ez. 17. 3: 27. 24 (Sw.).]  
**ποικιλῶν.** (1) **ἡΨῃ**  
Ps. 44 (45). 9. ἐν ἱματισμῷ διαχρύσῳ περιβε-  
βλημένην πεποικιλμένην [B. -ois] -  
— 13 (15). ἐν κροσσῶσι χρυσοῖς περιβεβλη-  
μένην πεποικιλμένην [B<sup>1</sup> -ois] (1)  
[Aq., Sm. Ps. 138 (139). 15.]  
**ποικίλμα.** (1) **ἡΨῃ** (2) **ἡΨῃ**  
Je. 13. 23. εἰ ἀλλάζεται . . . πᾶρδαλις τὰ π. αὐ. (1)  
Ez. 23. 15. ἐξωσμένοις [A. διεξ.] ποικίλματα †  
27. 16. ἐπληθύναν . . . ποικίλματα ἐκ Θ. (3)  
[Sm. Ca. 1. 11.]  
**ποικίλος.** (1) **ἡΨῃ** (2) **ἡΨῃ** (3) **ἡΨῃ**  
(4) **ἡΨῃ** (5) **ἡΨῃ** (6) **ἡΨῃ**  
Ge. 30. 37. ἐφαίνετο . . . τὸ λευκὸν . . . ποικίλον -  
— 39. ἔτακτον τὰ πρόβατα . . . ποικίλα (3)  
— 40. πᾶν π. ἐν τοῖς ἀμνοῖς (2)  
31. 8. τὰ π. ἔσται σου μισθός (3)  
— 8. τέζεται πάντα τὰ πρόβ. ποικίλα (3)  
— 10. οἱ τράγοι . . . διαλευκοὶ καὶ π. (3)  
— 12. τοὺς τράγους . . . διαλευκοὺς καὶ π. (3)  
37. 3. ἐποίησε δὲ αὐτῷ χιτῶνα π. (4)  
— 23. ἐξίδυσαν τὸν Ἰ. τὸν χιτῶνα τὸν π. (4)  
— 32. ἀπέστειλαν τὸν χιτῶνα τὸν π. (4)  
Jo. 7. 21. εἶδον . . . ψιλὴν ποικιλίαν †  
Jd. 5. 30. A. βάθῃ ποικίλων [B. al.] (5)  
I Ch. 29. 2. λίθους πολυτελεῖς καὶ π. (5)  
Za. 1. 8. ὅπως αὐτοῦ ἵπποι πυρροὶ . . . καὶ π. (6)  
6. 3. ἐν τῷ ἄρματι τῷ τετάρτῳ ἵπποι π. ψαροὶ (1)  
— 6. οἱ π. ἐξεπορεύοντο ἐπὶ γῆν νότου (1)  
Ez. 16. 10. ἐνεδύσα σε ποικίλα (5)  
— 13. τὰ περιβόλαιά σου . . . ποικίλα (5)  
— 18. ἔλαβες τὸν ἱματισμὸν τὸν π. σου (5)  
26. 16. τὸν ἱματισμὸν τὸν π. αὐτῶν ἐκδύσονται (5)  
II Ma. 15. 21. συνιδὼν . . . τῶν ὅλων τὴν π. παρ-  
σκευήν  
III Ma. 1. 21. π. δὲ ἦν . . . ἡ δέσις (1)  
— 2. 6. ποικίλμα καὶ πολλὰς δοκιμὰς τιμαρίαις (1)  
IV Ma. 7. 4. πολλοὶ καὶ π. μηχανήμασιν ἀντίσχε (1)

IV Ma. 17. 7. π. βασάνους . . . ὑπομείναντων  
18. 21. καὶ βασάνους ποικιλίας ἀπέκτεινεν  
[Sm. Ps. 44 (45). 15.]

ποικιλότης. (1) 𐤒𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒𐤒

Ex. 26. 36. ἔργον ποικιλτοῦ (2)  
28. 6. ἔργον ὑφαντῶν ποικιλτοῦ (1)  
— 15. ἔργον ποικιλτοῦ (1)  
— 35 (39) : 36. 37 (39. 29) : 37. 16 (38. 18).  
ἔργον ποικιλτοῦ (2)

Si. 45. 10. Δ Β ὑακίνθω καὶ πορφύρῃ ἔργῳ [B B -ων]  
ποικιλτοῦ

[Al. Ex. 26. 1 : 27. 16.]

ποικιλτικός. (1) 𐤒𐤒𐤒

Ex. 27. 21 (38. 23). ἡρχιτεκτόνησε . . . ποικιλ-  
τικά [A -κίτῃ] (17)

Jb. 88. 36. τίς δὲ ἔδωκε γυναιξὶν [A -κί] . . .  
ποικιλτικὴν ἐπιστήμην [A σοφίας ε.] +

ποικιλτός. (1) α. 𐤒𐤒𐤒 δ. 𐤒𐤒𐤒

Ex. 35. 35. τὰ ὑφαντὰ καὶ π. [A τὰ π.] (1 α?)  
37. 21 (38. 23). Δ ἡρχιτεκτόνησε . . . ποικιλτά  
[B -κίτῃ] (1 α?)

Jd. 5. 30. βάμματα ποικιλτῶν [A al.] (1 β)  
[Aq. Ps. 44 (45). 15.]  
[Th. Ex. 35. 35.]

ποικιλῶς.

Es. 1. 6. στρωμαῖ . . . π. διηριθμομέναι [A al.] +  
IV Ma. 16. 3. B οὕτως π. βασανισμομένους

ποιμαίνειν. (1) 𐤒𐤒𐤒 pi. (2) 𐤒𐤒𐤒 a. qal.

δ. hi.

Ge. 30. 31. πάλιν ποιμαίνω τὰ πρόβατά σου (2 α)  
— 36. ἴακ. δὲ ἐποιμαίνει τὰ πρόβ. Λ. (2 α)

37. 2. ποιμαίνων τὰ πρόβατα (2 α)  
— 13. οὐχὶ οἱ ἀδ. σου ποιμαίνουσιν (2 α)

Ex. 2. 16. ποιμαίνουσαι τὰ πρόβ. τοῦ πατρὸς αὐ. —  
3. 1. M. ἦν ποιμαίνων τὰ πρόβ. Ἰ. (2 α)

I Ki. 16. 11. ποιμαίνει ἐν τῷ ποιμνίῳ (2 α)  
17. 15. Δ ποιμαίνων τὰ πρόβατα τοῦ πατρὸς  
αὐ. (2 α)

— 34. ποιμαίνων ἦν ὁ δοῦλός σου (2 α)  
25. 16. ποιμαίνοντες τὸ ποιμνιον (2 α)

II Ki. 5. 2. ποιμαίνει [A -μαίνει] τὸν λαόν μου (2 α)  
7. 7. π. τὸν λαόν μου Ἰσρ. (2 α)

I Ch. 11. 2. σὺ ποιμαίνεις τὸν λαόν μου (2 α)  
17. 6. τοῦ π. τὸν λαόν μου (2 α)

Ju. 8. 26. τῷ Ἰ. . . ποιμαίνοντι τὰ πρόβατα Λ.  
[A B al.]

Ps. 2. 9. ποιμαίνεις αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ σιδηρᾷ +  
22 (23). 1. κύριος ποιμαίνει [A B<sup>1</sup> -ανεί] με (2 α)

27 (28). 9. ποιμαίνων αὐτοὺς (2 α)  
36 (37). 3. ποιμαίνῃσιν [A -σει] ἐπὶ τῷ πλοῦτι  
αὐτῆς (2 α)

47 (48). 14. A B αὐτὸς ποιμαίνει ἡμᾶς (1)  
48 (49). 14. θάνατος ποιμαίνει [B<sup>1</sup> -αίνει] αὐ-  
τούς (2 α)

77 (78). 71. ποιμαίνειν Ἰ. τὸν δοῦλον αὐ. (2 α)  
— 72. ἐποιμαίνει αὐτοὺς ἐν τῇ ἀκακίᾳ (2 β)

79 (80). 1. ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραὴλ πρὸς σῃ-  
151. 1. ἐποιμαίνων τὰ πρόβατα τοῦ πατρὸς μου (2 α)

Pr. 9. 12. οὕτως ποιμαίνει [A B<sup>1</sup> -ανεί] ἀνέμους —  
22. 11. χειλέσι ποιμαίνει βασιλεὺς +

28. 7. δὲ δὲ ποιμαίνει ἀσωτίαν (2 α)  
29. 3. δὲ δὲ ποιμαίνει πόρνας ἀπολείπει πλοῦτον (2 α)

Ca. 1. 7. πού ποιμαίνεις [A -ανεί] (2 α)  
— 8. ποιμαίνει τὰς ἐρίφους σου (2 α)

2. 16. ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρίνοις (2 α)  
6. 1. κατ'ἴδῃ . . . ποιμαίνει ἐν κήποις (2 α)

— 2 (3). ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρίνοις (2 α)  
Ho. 13. 5. ἐποιμαίνων σε ἐν τῇ ἐρήμῳ +

Mi. 5. 4 (3). ποιμαίνει τὸ ποιμνιον αὐ. (2 α)  
— 6 (5). ποιμαίνοντι τὸν Ἀσσοὺρ ἐν βομφαίᾳ (2 α)

7. 14. ποιμαίνει λαόν σου (2 α)  
Za. 11. 4. ποιμαίνει τὰ πρόβατα τῆς σφαγῆς (2 α)

— 7. ποιμαίνω τὰ πρόβατα (2 α)  
— 9. οὐ ποιμαίνω ὑμᾶς (2 α)

— 17. ὁ οἱ ποιμαίνοντες τὰ μάταια (2 α)  
Is. 40. 11. ὡς ποιμὴν ποιμαίνει τὸ ποιμνιον αὐ. (2 α)

61. 5. ἡξουσιν ἀλλογενεῖς ποιμαίνοντες τὰ πρό-  
βατά σου [B om.] (2 α)

Jc. 3. 15. ποιμαίνουσιν ὑμᾶς ποιμαίνοντες [A  
ποιμαίνεις] μετ' ἐπιστήμης (2 α, +)

Jc. 6. 3. ποιμαίνουσιν ἕκαστος τῇ χειρὶ [B τὴν  
χείρα] αὐτοῦ (2 α)

— 18. καὶ οἱ ποιμαίνοντες τὰ ποιμνια αὐ. +  
22. 22. πάντας τοὺς ποιμένας σου ποιμαίνει  
ἄνεμος (2 α)

23. 1. S δὲ οἱ ποιμαίνοντες [A B al.] (2 α)  
— 2. τὰδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς ποιμαίνοντας  
τὸν λαόν μου (2 α)

— 4. οἱ [A καὶ] ποιμαίνουσιν αὐτοὺς (2 α)  
Ez. 34. 10. τοῦ μὴ π. τὰ πρόβατά μου (2 α)

— 23. Δ B ποιμαίνει [B -αίνει] αὐτοὺς [B<sup>1</sup> -όει] (2 α)  
[Aq. Pr. 10. 21 : Ez. 34. 13, 15, 23.]

[Sm. Ps. 27 (28). 9 : 36 (37). 3 : Pr. 15. 14 :  
Ca. 2. 16 : 4. 5 : 6. 2 (3) : Is. 61. 5 : Ez. 34.  
2, 15.]

[Th. Is. 61. 5 : Ez. 34. 13, 15, 23.]

ποικηλικός. (1) 𐤒𐤒𐤒

I Ki. 17. 40. ἔθετο αὐτοὺς ἐν τῷ καθίῳ τῷ π. (1)  
Za. 11. 15. λάβε σταντῷ σκεὺ π. [A al.] (1)

ποιμὴν. (1) 𐤒𐤒𐤒

Ge. 4. 2. ἐγένετο ἄ. ποιμὴν προβάτων (1)  
13. 7. ἀνὰ μέσον τῶν π. τῶν κτηνῶν τοῦ ἄ. καὶ  
ἀνὰ μέσον τῶν π. τῶν κτηνῶν τοῦ Λ. (1, 1)

— 8. ἀνὰ μέσον τῶν π. σου καὶ ἀνὰ μέσον τῶν  
π. μου (1, 1)

26. 20. ἐμαχίσαντο οἱ π. Γ. μετὰ τῶν π. Ἰ. (1, 1)  
29. 8. ὥς τοῦ συναχθῆναι πάντας τοὺς π. +

38. 12. αὐτὸς καὶ Εἰρὰς ὁ π. αὐτοῦ +  
— 20. ἐν χειρὶ τοῦ π. αὐτοῦ +

43. 32. Δ πᾶς π. προβάτων (1)  
46. 32. οἱ δὲ ἄνδρες ἰσὶ π. (1)

— 34. πᾶς π. προβάτων (1)  
47. 3. ποιμένες προβάτων οἱ παῖδες σου (1)

Ex. 2. 17. παραγενόμενοι δὲ οἱ π. (1)  
— 19. ἐρρύσατο ἡμᾶς ἀπὸ τῶν π. (1)

Nu. 27. 17. οἷς οὐκ ἔστι ποιμὴν (1)  
I Ki. 25. 7. κείρουσί σοι νῦν οἱ π. σου (1)

II Ki. 24. 17. B<sup>1</sup> ἐγὼ εἶμι ὁ π. [A καὶ ἐγὼ ὁ π.] —  
III Ki. 22. 17. ὡς ποιμνιον φ. οὐκ ἔστι π. (1)

IV Ki. 10. 12. ἐν βαϊθακάδ τῶν π. (1)  
II Ch. 18. 16. ὡς πρόβατα οἷς οὐκ ἔστι π. (1)

Ju. 11. 19. Δ B ὡς πρόβατα οἷς οὐκ ἔστι π. (1)  
Ca. 1. 8. ἐπὶ σκηνοῦμαι τῶν π. [A π. σου] (1)

Wi. 17. 17. εἴ τε γὰρ γεωργὸς ἦν τις ἡ [S<sup>1</sup> om.]  
ποιμὴν

Si. 18. 13. ἐπιστρέφω ὡς ποιμὴν τὸ ποιμνιον αὐ. (1)  
Am. 1. 2. ἐπὶ ἤσαν αἱ νομαὶ τῶν π. (1)

3. 12. ὅταν ἐκσπάσῃ ὁ π. . . δύο σκέλη (1)  
Mi. 5. 5 (4). ἐπεγεθροῦνται ἐπ' αὐτὸν ἐπτά  
ποιμένες (1)

Na. 3. 18. ἐνύσταξαν οἱ π. σου (1)  
Za. 10. 3. ἐπὶ τοὺς π. παραξύνῃθι ὁ θυμός μου (1)

11. 3. φωνὴ θρηνοῦντων ποιμένων (1)  
— 5. οἱ π. αὐ. οὐκ ἔπαυον οὐδὲν (1)

— 8. ἐξαρῶ τοὺς τρεῖς π. (1)  
— 15. λάβε σταντῷ σκεὺ ποιμηνικά π. ἀπείρου  
[A al.] (1)

— 16. ἐξεγείρω ποιμένα (1)  
13. 7. ἐξεγέρῃ ἐπὶ τοὺς π. [A S<sup>1</sup> τὸν π.] (1)

— 7. πατάξατε τοὺς π. [A S<sup>1</sup> al.] (1)  
— 7. Δ ἐπάξω τὴν χειρὰ μου ἐπὶ τοὺς π. [B  
μικροὺς, S<sup>1</sup> ποιμένας τοὺς μικροὺς] +

Is. 18. 20. ποιμένες οὐ μὴ ἀσπασύνονται ἐν αὐτῇ (1)  
32. 14. εὐφροσύνη ὄντων ἀγρίων βοσκήματα ποι-  
μένων +

40. 11. ὡς π. ποιμαίνει τὸ ποιμνιον αὐτοῦ (1)  
63. 11. ὁ ἀναβιβάζας . . . τὸν π. τῶν προβάτων (1)

Jc. 2. 8. οἱ π. ἡσέβουν εἰς ἐμέ (1)  
3. 1. ἐξεπόμενος ἐν ποιμὶν πολλοῖς +

— 3. ἴσχυς ποιμένας πολλοὺς [S<sup>1</sup> al.] +  
— 15. Δ ὥσων ὑμῖν ποιμένας κατὰ τὴν καρδίαν  
μου καὶ ποιμαίνουσιν ὑμᾶς ποιμένες  
[B -μαίνοντες] μετ' ἐπιστήμης (1, +)

6. 3. εἰς αὐτὴν ἤξουσιν ποιμένες (1)  
10. 21. οἱ π. ἡφρονέουσιν (1)

12. 10. ποιμένες πολλοὶ διέφθειραν τὸν ἀμπε-  
λῶνά μου (1)

22. 22. πάντας τοὺς π. σου ποιμαίνει ἄνεμος (1)  
23. 1. ὡ ποιμένες οἱ ἀπολλύντες [S al.] (1)

Jc. 23. 4. ἀναστήσω αὐτοὺς ποιμένας (1)  
27 (50). 6. οἱ π. αὐτῶν ἔξωσαν αὐτοὺς (1)

— 44. τίς οὗτος π. δε στήσεται (1)  
28 (51). 23. διασκορπίθῃ ἐν σοὶ ποιμένα (1)

29 (49). 19. τίς οὗτος π. [B ὁ π.] δε στήσεται (1)  
32 (26). 34. ἀλαλάξατε, ποιμένες (1)

— 35. ἀπολείπαι φυγὴ ἀπὸ τῶν π. (1)  
— 36. φωνὴ κραυγῆς τῶν π. (1)

40 (38). 12. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν αὐτοῦ  
καταλύματα ποιμένων (1)

50 (48). 12. ὥσπερ φθειρεῖ π. [A ὁ π.] τὸ  
ἡμῶν αὐτοῦ (1)

Ez. 34. 2. προφήτευσον ἐπὶ τοὺς π. τοῦ Ἰσραὴλ (1)  
— 2. εἰπὼν τοῖς π. [A εἰ. αὐτοῖς] . . . ὡ ποι-  
μένες Ἰσραὴλ, μὴ βόσκεισαι ποιμένας  
[A οἱ π. β.] αὐτούς ; οὐ τὰ πρό-  
βατα βόσκεισιν οἱ π. (1 quater)

— 5. διὰ τὸ μὴ εἶναι ποιμένας (1)  
— 7. ποιμένες, ἀκούσατε λόγον κυρίου (1)

— 8. παρὰ τὸ μὴ εἶναι ποιμένας καὶ οὐκ ἐξεζή-  
τησαν οἱ π. τὰ πρόβατά μου καὶ  
ἐβόσκησαν οἱ π. αὐτοῦς (1 ter)

— 9. ποιμένες [A add. ἀκούσατε λόγον κυρίου] (1)  
— 10. ἐγὼ ἐπὶ τοὺς π. . . οὐ βόσκεισιν  
ἐπὶ οἱ π. αὐτὰ (1, 1)

— 12. ἡγεῖ [A ἐπισκέπτεται] ὁ π. τὸ ποιμνιον  
αὐτοῦ (1)

— 23. ἀναστήσω ἐπ' αὐτοὺς [A δ. αὐτοῖς] ποι-  
μένα ἕνα [A ἕτερον] . . . ἔσται αὐ-  
τῶν π. (1, 1)

37. 24. ἔσται π. εἰς πάντων (1)  
[Aq. Jc. 28. 2 : Ez. 34. 2 : Za. 13. 7.]

[Sm. Ca. 1. 8 : Is. 31. 4 : 38. 12 : 44. 28 : Jc.  
28. 2 : 49. 20. 21 : Am. 1. 1 : Mi. 5.  
5 (4).]

[Th. Is. 31. 4 : 56. 11 : Ez. 34. 2 : Mi. 5. 5 (4).]  
[Al. Jd. 5. 16.]

[Quint. Am. 1. 1.]

ποιμνι. (1) 𐤒𐤒𐤒

Ge. 32. 16 (17). ἀνὰ μέσον ποιμνις καὶ ποιμνις (1, 1)  
Za. 13. 7. Δ διασκορπισθήσονται τὰ πρόβατα  
τῆς π. [B S al.]

[Sm. Ps. 106 (107). 41.]

ποιμνημίον (?). (1) 𐤒𐤒𐤒

Ne. 10. 36 (37). A τὰ προπότοκα . . . ποιμνη-  
μίον [B S -νίον] ἡμῶν (1)

ποιμνιον. (1) 𐤒𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒𐤒 (3) 𐤒𐤒𐤒

(4) 𐤒𐤒𐤒 (5) 𐤒𐤒𐤒𐤒 (6) 𐤒𐤒𐤒 (7) 𐤒𐤒𐤒

Ge. 29. 2. τρία π. προβάτων (4)  
— 2. ἐπὶ οὐκ ἐπὶ π. (4)

— 3. συνήγοντο ἐκεῖ πάντα τὰ π. (4)  
30. 40. διεχώρισεν ἐαυτῷ ποιμνια (4)

31. 4. οὐ [A add. ἦν] τὰ π. (4)  
32. 16 (17). ποιμνιον κατὰ μύνας (4)

— 19 (20). τοῖς προπορευομ. ὁρίσω τῶν π. τ. (4)  
De. 7. 13 : 28. 4, 18, 51. καὶ τὰ π. τῶν προβά-  
των σου (6)

Jd. 6. 4. οὐδὲ ἐν τοῖς π. ταύρων [A καὶ ποιμνιον  
καὶ μόσχον] (7)

I Ki. 8. 17. τὰ π. ὑμῶν ἀποδεκατώσει (6)  
14. 32. ἔλαβεν ὁ λαὸς ποιμνια (6)

15. 9. τὰ ἀγαθὰ τῶν π. καὶ τῶν βουκολίων (6)  
— 14. τίς ἡ φωνὴ τοῦ π. (6)

— 15. τὰ κράτιστα τοῦ π. καὶ τῶν βοῶν (6)  
— 21. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν σκύλων ποιμνια (6)

16. 11. ποιμαίνει ἐν τῷ π. (6)  
— 19. τὸν υἱόν σου Δ. τὸν ἐν τῷ π. σου (6)

17. 34. ποιμαίνων ἦν . . . ἐν τῷ π. (6)  
24. 4. ἦλθεν εἰς τὰς ἀγέλας τῶν π. (6)

25. 2. καὶ τὰ π. αὐτοῦ ἐν τῷ Καρμ. +  
— 2. καὶ τοῦτ' π. τριχίλια (6)

— 2. ἐν τῷ κείρῃ τὸ π. [A τὰ π.] αὐ. (6)  
— 4. κείρει N. . . τὸ π. αὐτοῦ (6)

— 16. ποιμαίνοντες τὸ π. (6)  
27. 9. ἐλάμβανεν ποιμνια (6)

30. 20. ἔλαβε πάντα τὰ π. (6)  
II Ki. 12. 2. τῷ πλουσίῳ ἦν ποιμνια (6)

— 4. λαβὼν ἐκ τῶν π. αὐτοῦ (6)  
III Ki. 21 (20). 27. ὥσει δύο ποιμνια αἰγῶν (1)

22. 17. ὡς ποιμνιον φ. οὐκ ἔστι ποιμνι (6)

I Ch. 17. 7. ἔλαβον σε . . . ἐξέτισθεν τῶν π. (6)

II Ch. 32. 28. μάνδρας εἰς τὰ π. (4)

Ne. 10. 36 (37). καὶ τὰ πρωτότοκα . . . ποιμνίων [A-νημιών] ἡμῶν (8)	Is. 68. 1. π. τόπος τῆς καταπαύσεώς μου (1a)	I Ki. 18. 17. A πολέμει τοὺς πολέμους κυρίου (1b)
Ju. 2. 27. τὰ π. . . ὅθεν εἰς ἀδανασμόν (8)	Jc. 5. 7. ποίᾳ τούτων ἴλωες γίνωμαι σοι (1b)	19. 8. ἐπολέμησε τοὺς ἀλλοφύλους (1b)
8. 3. A B καὶ τὰ π. καὶ τὰ βουκόλια (8)	6. 16. ποία ἐστὶν ἡ ὁδὸς ἡ ἀγαθὴ (1a)	23. 1. οἱ ἀλλοφύλοι πολεμοῦσιν ἐν τῇ K. (1b)
Jb. 24. 2. ποιῶν σὺν ποιμνὶ ἀρπάσαντες (4)	Da. LXX. Su. 58. ἐν π. τοῦ κήπου τόπῳ (8)	— 5. ἐπολέμησαν ἐν τοῖς ἀλλοφύλοις (1b)
Ps. 49 (50). 9. οὐδὲ ἐκ τῶν π. σου χιμάρους (2)	3. 15. ποῖος θεὸς ἐξελεῖται ὑμᾶς (8)	25. 28. πόλεμον κυρίου μου ὁ κ. πολεμεῖ (1b)
77 (78). 52. ἤγαγεν αὐτοὺς ὥσπερ ποιμνίον (4)	I Ma. 2. 10. ποῖον ἔθνος οὐκ ἐκκληρονομῆσε (4)	28. 1. π. μετὰ [A ἐπὶ] Ἰσρ. (1b)
— 70. ἀνέλαβεν αὐτὸν ἐκ τῶν π. τῶν προβάτων (2)	II Ma. 3. 37. ποῖός τις εἶπὶ ἐπιτήδειος (4)	— 15. οἱ ἀλλοφύλοι πολεμοῦσιν ἐν ἐμοὶ (1b)
Pr. 27. 23. γνωστὰς ἐπιγνώσῃ ψυχὰς ποιμνίου σου (8)	IV Ma. 8. 16. ποῖοις ἐν ἐχρήσαντο λόγους (4)	29. 8. πολεμήσαι τοὺς ἐχθρούς τοῦ κ. μου (1b)
Ec. 2. 7. κτήσις βουκολίου καὶ ποιμνίου (8)	[Aq., Sm., Th. Is. 50. 1.] (4)	— 11. π. ἐπὶ [A πρὸς] Ἰσρ. (1b)
Ca. 1. 8. ἐξελεθε σὺ ἐν πτέραις τῶν π. (8)	πόκος. (1) a. 𐤒 𐤓 𐤓 (2) 𐤒 𐤓 𐤓 (4)	31. 1. οἱ ἀλλοφύλοι ἐπολέμουν ἐπὶ Ἰσρ. (1b)
Si. 18. 13. ἐπιστρέφω ὡς ποιμὴν τὸ π. αὐτοῦ (8)	Jd. 6. 37. τίθημι [A ἀπερίδομαι] τὸν π. (1b)	II Ki. 2. 28. οὐ προσέθεντο ἐπὶ τοῦ π. (1b)
Am. 6. 4. ἔσθοντες ἐρίφους ἐκ ποιμνίων (8)	— 37. ἐάν δρόσος γένηται ἐπὶ τὸν π. (1b)	8. 10. B ἐπολέμησε [A B ἐπάταξεν] τὸν Ἀδρ. (1b)
Mi. 2. 12. ὡς ποιμνίον ἐν μέσῳ κοίτης αὐ. (4)	— 38. ἐξέπιασε [A ἀπέπ.] τὸν π. (1b)	10. 17. ἐπολέμησαν μετ' αὐτοῦ (1b)
4. 8. καὶ σὺ πύργος ποιμνίου αὐχμῶδης (4)	— 38. ἔπαξε δρόσος ἀπὸ τοῦ π. [A al.] (1b)	11. 17. ἐπολέμουν μετὰ ἱ. (1b)
5. 4 (3). ποιμανεῖ τὸ π. αὐ. (4)	— 39. περάσω . . . ἐν τῷ π. (1b)	— 20. ἤγγαστε [A ἠργάσατε] . . . πολεμήσαι (1b)
— 8 (7). ὡς σκύμους ἐν ποιμνίοις προβάτων (4)	— 39. ἐπὶ τὸν [A τῇ] π. μόνον (1b)	— 22. ἴσα τί προσγράγετε . . . τοῦ πολεμήσαι (1b)
Jl. 1. 18. τὰ π. τῶν προβάτων ἤφαισθησαν (4)	— 40. ἐπὶ τὸν π. μόνον (1b)	12. 26. ἐπολέμησεν ἱ. ἐν Ἰσρ. (1b)
Ze. 2. 6. ἔσται Ἐκρήνη τοῦ ποιμνίου (4)	IV Ki. 3. 4. ἐκατὸν χιλιάδας κρῶν ἐπὶ πόκων [ἐπίπ.] (2)	— 27. ἐπολέμησε ἐν [A πρὸς] Ἰσρ. (1b)
— 14. νηυστοῦται ἐν μέσῳ αὐτῆς ποιμνία (4)	Ps. 71 (72). 6. καταβήσεται ὡς ὑνὸς ἐπὶ πόκον [Sm. Ps. 71 (72). 6.] (1a)	21. 15. ἐπολέμησαν μετὰ τῶν ἀλλοφύλων (1b)
Za. 10. 3. ἐπισκέψεται . . . τὸ π. αὐ. (4)	πολεῖν. (1) 𐤒 𐤓 𐤓 a. qal. ὁ. ni. c. 𐤒 𐤓 𐤓 (1a)	III Ki. 12. 21. τοῦ π. πρὸς ὅκον Ἰσρ. (1b)
Ma. 1. 14. καὶ ὑπῆρχεν ἐν τῷ π. αὐ. ἄρσεν (4)	πολεῖν. (1) 𐤒 𐤓 𐤓 a. qal. ὁ. ni. c. 𐤒 𐤓 𐤓 (1a)	— 24. οὐδὲ πολεμήσατε [A μὴ πολεμήσατε] (1b)
Is. 17. 2. ἔσται . . . εἰς κοίτην ποιμνίου (4)	πολεῖν. (1) 𐤒 𐤓 𐤓 a. qal. ὁ. ni. c. 𐤒 𐤓 𐤓 (1a)	— 24. B τοῦ π. πρὸς Ἰερ. (1b)
27. 10. B τὸ κατοικοῦμενον π. ἀνεμένον ἔσται ὡς π. καταλειμμένον . . . ἐκεῖ ἀναπαύσονται ποιμνία [A B om.] † ter (4)	πολεῖν. (1) 𐤒 𐤓 𐤓 a. qal. ὁ. ni. c. 𐤒 𐤓 𐤓 (1a)	— 24. B οὐδὲ πολεμήσατε πρὸς τοὺς ἀδ. ὑ. (1b)
35. 7. B ἐπαίλει ποιμνίων [A B καλῶμαι] καὶ ἀλ. (4)	πολεῖν. (1) 𐤒 𐤓 𐤓 a. qal. ὁ. ni. c. 𐤒 𐤓 𐤓 (1a)	14. 19. A ὅσα ἐπολέμησεν (1b)
40. 11. ὡς ποιμὴν ποιμανεῖ τὸ π. αὐτοῦ (4)	πολεῖν. (1) 𐤒 𐤓 𐤓 a. qal. ὁ. ni. c. 𐤒 𐤓 𐤓 (1a)	16. 28 (22. 45 [46]). B καὶ ὅς ἐπολέμησεν (1b)
65. 10. ἔσονται ἐν τῷ δρομῷ ἐπαύλει ποιμνίων (4)	Ex. 14. 14. κύριος πολεμήσει περὶ ὑμῶν (1b)	21 (20). 1. ἐπολέμησαν [A -σεν] ἐπ' αὐτὴν (1b)
Je. 6. 3. εἰς αὐτὴν ἤξουν ποιμῆς καὶ τὰ π. αὐτῶν (4)	— 25. ὁ γὰρ κ. πολεμεῖ . . . τοὺς Αἰγ. (1b)	— 23. ἐάν δὲ πολεμήσωμεν αὐτοὺς (1b)
— 18. καὶ οἱ ποιμαίνοντες τὰ π. αὐτῶν (4)	17. 8. ἐπολέμει [A ἐπορεύθη] Ἰσρ. ἐν Ἰσρ. (1b)	— 25. πολεμήσωμεν πρὸς αὐτοὺς (1b)
13. 17. συνετίρῃ τὸ π. κυρίου (4)	— 16. πολεμεῖ [A -μῆσει] κύριος ἐπὶ Ἀμ. (1c)	22. 31. μὴ πολεμεῖτε μικρὸν καὶ μέγαν (1b)
— 20. ποῦ ἐστὶ τὸ π. δ' ἐδόθη σοι (4)	Nu. 21. 1. ἐπολέμησε πρὸς Ἰσρ. (1b)	— 32. ἐκύκλωσαν αὐτὸν πολεμήσαι (1b)
28 (51). 23. διασκορπίσας . . . τὸ π. αὐ. (4)	— 26. ἐπολέμησε βασιλεὺς Α. (1b)	— 46. A καὶ ὅσα ἐπολέμησεν (1b)
38 (31). 10. ὡς δ' ὁ βασιλεὺς π. [A B τὸ π.] αὐ. (4)	De. 1. 41. πολεμήσωμεν [A -σωμεν] κατὰ πάντα (1b)	IV Ki. 3. 21. ἀνέβησαν οἱ βασιλ. π. αὐτοὺς (1b)
— 24. ἀρῶνται ἐν ποιμνίῳ (4)	— 42. οὐδὲ μὴ πολεμήσατε (1b)	6. 8. καὶ βασιλεὺς Σ. ἦν πολεμῶν ἐν Ἰσρ. (1b)
Ba. 4. 26. ὡς π. ἠποσάμινον ὑπὸ [A ἀπὸ] ἐχθρῶν (4)	8. 22. A B <sup>2</sup> B πολεμήσει [B <sup>1</sup> -μει] περὶ ὑμῶν (1b)	8. 29. ἐν τῷ π. αὐτὸν μετὰ Ἀζ. (1b)
Ez. 13. 5. συνήγαγον ποιμνία (4)	Jo. 11. 5. πολεμήσαι τὸν Ἰσρ. (1b)	9. 15. ἐν τῷ π. αὐτοὺς μετὰ Ἀζ. (1b)
34. 12. ζητεῖ [A ἐπισκέπτεται] ὁ ποιμὴν τὸ π. αὐτοῦ (4)	— 23. ἡ γῆ κατέκτανε πολεμουμένη (1c)	10. 3. πολεμεῖτε ὑπὲρ τοῦ ὅκου τοῦ κυρίου (1b)
— 31. B <sup>1</sup> B πρόβατα [A B <sup>2</sup> add. τοῦ] ποιμνίου μου ἔστε (3)	19. 47. ἐπολέμησαν τὴν Α. (1b)	12. 17 (18). ἐπολέμησεν ἐπὶ Γέθ (1b)
[Aq. Ps. 79 (80). 2: 108 (107). 41: JE. 81 (38). 24: Mt. 2. 12: Za. 11. 11.] (4)	24. 11. ἐπολέμησαν μετὰ Ἰσρ. (1b)	13. 15. ἃ ἐπολέμησε μετὰ Ἀμμοσίου (1b)
[Sm. Ps. 79 (80). 2: Ca. 1. 8: Is. 68. 3: JE. 50 (27). 8: Ez. 84. 6, 8.] (4)	Jd. 1. 1. τοῦ πολεμήσαι πρὸς αὐτοὺς [A ἐν αὐτῷ] (1b)	14. 28. ὅσα ἐπολέμησε (1b)
[Th. Le. 27. 26: Is. 66. 3.] (4)	— 3. A πολεμήσω ἐν τῷ Χαν. [B al.] (1b)	16. 5. καὶ οὐκ ἔδυναντο π. (1b)
[Al. Ge. 38. 17: Le. 1. 10: Jd. 5. 16.] (4)	— 5. A ἐπολέμουν ἐν αὐτῷ [B al.] (1b)	18. 8. εὗρε τὸν βασ. Ἀσσ. πολεμοῦντα (1b)
[Quint. Ca. 1. 8.] (4)	8. ἐπολέμουν . . . τὴν Ἰερ. (1b)	— 9. ἐξῆλθε π. μετὰ σοῦ (1b)
πομνηστροφός.	— 9. τοῦ πολεμήσαι πρὸς τὸν Χαν. (1b)	I Ch. 7. 11. ἐκπορευόμενοι δυνάμει τοῦ π. (1c)
[Aq. IV Ki. 3. 4: Am. 1. 1.] (4)	5. 8. ἐπολέμησαν πολεῖς ἀρχόντων [A al.] (1d)	— 40. εἰς παράταξιν τοῦ π. (1c)
ποῖος. (1) a. 𐤒 𐤓 𐤓 ὁ. 𐤓 𐤓 𐤓 (2) a. 𐤒 𐤓 𐤓 (4)	— 14. A κύριος ἐπολέμει μοι [B al.] (1b)	10. 1. ἀλλοφύλοι ἐπολέμησαν πρὸς Ἰσρ. (1b)
𐤒 𐤓 𐤓 ὁ. 𐤓 𐤓 𐤓 (3) 𐤒 𐤓 𐤓 𐤓 (4)	— 19. ἐπολέμησαν βασιλεῖς Χαναάν (1b)	11. 9. καὶ ἐπολέμησεν (1b)
De. 4. 7. 8. π. ἔθνος μέγα (2b)	— 20. A ἐπολεμήσαν ἀντίπρὸς [B al.] (1b)	18. 10. ἐπολέμησε τὸν Ἀδρ. (1b)
Jd. 9. 2. A ποῖον βέλτιον ἐστὶν [B al.] (2a)	— 20. A ἐπολεμήσαν μετὰ Ἰσρ. [B al.] (1b)	19. 7. ἦλθον εἰς τὸ πολεμήσαι (1c)
I Ki. 9. 18. π. ὁ [A om.] οἶκος τοῦ βλεπόντος (1a)	8. 1. A πολεμήσαι ἐν τῇ M. [B al.] (1b)	— 10. ἀντιπρόσωποι τοῦ π. πρὸς αὐτὸν (1c)
II Ki. 15. 2. ἐκ π. πόλεως σὺ εἶ (1a)	9. 17. A ὡς ἐπολέμησεν [B παρετάξατο] ὁ πατὴρ μου (1b)	— 17. B καὶ ἐπολέμησαν [A B -σεν] αὐτὸν (1b)
III Ki. 13. 12. π. ὁδῷ πεπάρειται (1a)	— 38. A πολέμει πρὸς αὐτὸν [B al.] (1b)	II Ch. 11. 1. καὶ ἐπολέμει πρὸς Ἰσρ. (1b)
22. 24. ποῖον πνεῦμα κυρίου [A al.] (1a)	— 39. A ἐπολέμουν ἐν Ἀβ. [B al.] (1b)	— 4. οὐ πολεμήσατε πρὸς τοὺς ἀδ. ὑμῶν (1b)
IV Ki. 3. 8. π. ὁδῷ ἀναβῶ [B al.] (1a)	— 45. A ἐπολέμει [B παρετάξατο] ἐν τῇ π. (1b)	12. 15. ἐπολέμει Ἰσρ. τὸν [A πρὸς] Ἰερ. (1c)
II Ch. 18. 23. B π. τῇ [A om.] ὁδῷ παρήλθε πνεῦμα [B al.] (1a)	10. 18. A πολεμήσαι ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B al.] (1b)	13. 12. B μὴ πολεμήσατε πρὸς κύριον [A B al.] (1b)
To. 5. 8. [B ἐκ π.] φυλῆς ἐστὶ (1a)	11. 4. A ἐπολέμησαν . . . μετὰ Ἰσρ. [B al.] (1b)	15. 6. πολεμήσει ἔθνος πρὸς ἔθνος (1b)
— 10. A B B ἐκ π. φυλῆς καὶ ἐκ π. πατριᾶς [B -ίδος] εἰ σὺ (1a)	— 5. A ἐπολεμοῦσαν . . . μετὰ Ἰσρ. (1b)	17. 10. οὐκ ἐπολέμουν πρὸς Ἰσρ. (1b)
Es. 7. 5. B <sup>2</sup> ποῖος ἐστὶν οὗτος (1a)	— 6. 8. A πολεμήσωμεν ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B al.] (1b)	18. 30. μὴ πολεμεῖτε τὸν μικρὸν καὶ τὸν μέγαν (1b)
Jb. 28. 12. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς ἐπιστήμης (1a)	— 9. A πολεμήσαι ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B al.] (1b)	— 31. ἐκύκλωσαν αὐτὸν τοῦ π. (1b)
— 20. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς συνέσεως (1a)	— 12. A πολεμήσαι με ἐν τῇ γῇ μου (1b)	20. 17. οὐχ ὑμῖν ἐστὶ πολεμήσαι (1b)
38. 19. ποῖα [A ἐν π.] δὲ γῇ αὐλίσσεται τὸ φῶς σκότους δὲ ποῖος ὁ [A ἐστὶν] τόπος (1a, 1a)	— 20. A ἐπολέμησεν μετὰ Ἰσρ. [B al.] (1b)	— 22. ἔδωκε κύριος π. τοὺς υἱοὺς Ἀ. (1b)
Ec. 2. 3. ποῖον τὸ ἀγαθὸν τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρ. (1a)	— 25. ἡ πολεμῶν ἐπολέμησεν αὐτὸν [A -οῖς] (1b, 1b)	— 29. ἐπολέμησε κ. πρὸς τοὺς ὑπεναντίους Ἰ. (1b)
11. 6. οὐ γινώσκεις ποῖον στοιχίσει (1a)	— 27. A τοῦ πολεμήσαι [B παρατάξασθαι] ἐν ἐμοὶ (1b)	22. 6. ἐν τῷ π. αὐτὸν πρὸς Ἀζ. (1b)
Si. 10. 19. σπέρμα ἔντιμον ποῖον: σπέρμα ἀνθρώπου. σπέρμα ἔντιμον ποῖον: σπέρμα ἀνθρώπου. σπέρμα ἀνθρώπου ἐντολὰς [B om.] ὡς παραβιάζοντες ἐντολὰς (1a)	— 32. A τοῦ πολεμήσαι πρὸς αὐτοὺς [B al.] (1b)	26. 6. ἐπολέμησε πρὸς τοὺς ἀλλοφύλους (1b)
30. 40 (33. 31). ἐν ποῖα ὁδῷ ζητήσεις αὐτὸν (1a)	12. 1. A ἐπορεύθη π. ἐν τοῖς υἱοῖς Ἀ. [B al.] (1b)	32. 2. τοῦ πολεμήσαι ἐπὶ Ἰερ. (1c)
Jn. 1. 8. ἐκ π. χώρας καὶ ἐκ π. λαοῦ εἰ σὺ (2a, 1a)	— 3. A τοῦ π. ἐν ἐμοὶ [B al.] (1b)	— 8. τοῦ π. τὸν πόλεμον ἡμῶν (1b)
Is. 45. 9. ποῖον βέλτιον κατασκευάσα (1a)	— 4. A ἐπολέμει τὸν Ἐφρ. [B al.] (1b)	35. 21. πόλεμον πολεμήσαι [A ποιῆσαι] (1c?)
50. 1. ποῖον τὸ βελτίον τὸ ἀποστασίον (1a)	20. 14. A ἐξελεῖν τοῦ πολεμήσαι [B εἰς παράταξιν] (1c)	— 22. π. αὐτὸν ἐκραταιώθη (1b)
68. 1. ποῖον οἶκον [A om.] οἰκοδομήσατέ μοι (1a)	— 18. A τίς ἀναβήσεται . . . πολεμήσαι [B al.] (1c)	— 22. ἦλθε τοῦ πολεμήσαι (1b)
	I Ki. 4. 9. καὶ πολεμήσατε αὐτοὺς (1b)	I Es. 1. 28. πολεμῖν αὐτὸν ἐπεχείρει (1b)
	— 10. καὶ ἐπολέμησαν αὐτοὺς (1b)	4. 6. ὅσοι οὐ στρατεύονται οὐδὲ πολεμοῦσιν (1b)
	8. 20. πολεμήσει τὸν πόλεμον ἡμῶν (1b)	Ne. 4. 20 (14). ὁ θεὸς ἡμῶν πολεμήσει περὶ ἡμῶν (1b)
	12. 9. ἐπολέμησεν ἐν [A -σαν] αὐτοῖς (1b)	Ju. 6. 2. τὸ γένος Ἰσρ. μὴ πολεμήσαι (1b)
	14. 47. ἐπολέμει . . . πάντας τοὺς ἐχθρούς αὐ. (1b)	7. 11. μὴ πολεμῖν πρὸς αὐτοὺς [B μετ' αὐτῶν] (1a)
	15. 18. καὶ πολεμήσει αὐτοὺς (1b)	Es. 1. 1. ὥστε πολεμήσαι δικαίον ἔθνος (1b)
	17. 9. ἐάν δυνηθῇ πρὸς με πολεμήσαι (1b)	4. 17. εἰς μῆκος τοῦ πολεμοῦντος ἡμᾶς (1b)
	— 19. A πολεμοῦντες μετὰ τῶν ἀλλοφ. (1b)	8. 13. πολεμήσαι αὐτὸν τοὺς ὑπεναντίους (1b)
	— 32. πολεμήσει μετὰ τοῦ ἀλλοφ. τούτου (1b)	9. 24. Ἀμὰν . . . ἐπολέμει αὐτοὺς [A B τοὺς Ἰουδ.] (2)
	— 33. τοῦ π. μετ' αὐτοῦ [A πρὸς αὐτὸν] (1b)	Jb. 11. 19. οὐκ ἐστὶ ὁ πολεμῶν σε (1a)
		Ps. 34 (35). 1. πολεμήσων τοὺς πολεμουντάς με (1a, 1a)
		55 (56). 1. ἄνθρωπ. τὴν ἡμέραν πολεμῶν ἐξελίξέ με (1a)
		— 2. πολλοὶ οἱ πολεμουντές μοι (1a)
		108 (109). 3. ἐπολεμήσαν με δωρεάν (1b)

Ps. 119 (120). 7. ἐπολέμουν με δωρεάν (1 c)  
 128 (129). 1. 2. πλεονεκτῶ ἐπολέμουν με (2)  
 Si. 4. 28. κύριος ὁ θεὸς πολεμῆσαι ὑπὲρ σοῦ  
 29. 13. κατένουν ἐχθροὺ πολεμῆσαι ὑπὲρ σοῦ  
 Mi. 4. 3. οὐκ εἶμι μὴ μάθωσι πολεμῆν (1 c)  
 Is. 2. 4. οὐ μὴ μάθωσι ἐτι π. (1 c)  
 7. 1. ἀνέβη . . . ἐπὶ Ἱερ. πολεμῆσαι αὐτήν (1 c)  
 19. 2. πολεμῆσαι ἄνθρωπος τὸν ἀδελφὸν αὐ. (1 b)  
 — 2. β' καὶ ἄνθρωπος τὸν πλησίον αὐ. πολε-  
 μῆσαι [A B S<sup>2</sup> om.] —  
 20. 1. ἐπολέμουν τὴν Ἀζωτον (1 b)  
 29. 1. οὐαὶ Ἀριὴλ πόλις ἣν ἐπολέμησε Δαυὶδ +  
 30. 32. πολεμήσουσιν αὐτὸν (1 b)  
 36. 10. μὴ ἀνευ κυρίου ἀνέβημεν ἐπὶ τὴν χώραν  
 ταύτην πολεμῆσαι αὐτήν +  
 63. 10. αὐτοὺς ἐπολέμησαν αὐτοὺς (1 b)  
 Je. 1. 19. πολεμήσουσι [B -ωσιν] σε (1 b)  
 15. 20. πολεμήσουσι [B -ωσιν] πρὸς [A om.] σέ (1 b)  
 21. 4. ἐν οἷς ὑμεῖς πολεμεῖτε ἐν αὐτοῖς  
 — 5. πολεμήσω ἐγὼ ὑμᾶς ἐν χειρὶ ἐκτεταμ. (1 b)  
 28 (51). 30. ἐξέλιπε μαχητὴν Βαβυλῶνος τοῦ π. (1 b)  
 31 (48). 27. ἐπολέμεισιν αὐτὴν +  
 39 (32). 24. εἰς χεῖρας Χαλδαίων τῶν πολε-  
 μούντων αὐτήν (1 b)  
 — 29. ἤξουσιν οἱ Χ. πολεμούντες (1 b)  
 41 (34). 1. ἐπολέμουν ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ (1 b)  
 — 7. ἐπολέμει ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ (1 b)  
 — 22. πολεμήσουσιν ἐπ' αὐτήν (1 b)  
 44 (37). 8. πολεμήσουσιν ἐπὶ τὴν πόλιν [A οἱ  
 πολεμούντες τὴν γῆν] ταύτην (1 b)  
 — 10. εὖν πατάξτε πᾶσαν δύναμιν τῶν Χαλ-  
 δαίων τοὺς πολεμούντας ὑμᾶς (1 b)  
 45 (38). 4. ἐκλύει τὰς χεῖρας τῶν ἀνθρώπων  
 τῶν πολεμούντων [A -μωστ.] (1 c)  
 48 (41). 12. φέροντο π. αὐτὸν (1 b)  
 51 (44). 11. β' τοὺς πολεμῆσαι [A B ἀπολέσαι]  
 πᾶντας τοὺς καταλοῖτους +  
 Da. LXX. 9. 26. ἀπὸ πολέμου πολεμήθησεται (1 c ?)  
 11. 11. πολεμήσει μετὰ βασιλέως Βορρᾶ (1 b)  
 Da. TH. 10. 20. ἐπιστρέψω τοὺς πολεμῆσαι μετὰ  
 τοῦ ἀρχόντος Περσῶν (1 b)  
 11. 11. πολεμήσει μετὰ τοῦ βασιλ. τοῦ Βορρᾶ (1 b)  
 I Ma. 2. 40. τὰν . . . μὴ πολεμήσωμεν πρὸς [A εἰς]  
 τὰ ἔθνη  
 — 41. πολεμήσωμεν κατένουν αὐτοῦ  
 — 66. β' πολεμήσαι [A -σσε] πόλεμον λαῶν  
 3. 2. ἐπολέμουν τὸν [B<sup>2</sup> -μωστον] πόλεμον Ἱσρ.  
 — 10. τοῦ πολεμῆσαι πρὸς Ἱσρ.  
 — 12. ἡν πολεμῶν ἐν αὐτῇ πᾶσας τὰς ἡμέρας  
 — 14. πολεμῶν τὸν [B<sup>2</sup> add. υἱὸν] Ἱ.  
 — 17. πολεμῆσαι πρὸς πολλοὺς τοσοῦτο  
 — 21. πολεμῶμεν περὶ τῶν ψυχῶν ἡμῶν  
 — 43. β' πολεμήσωμεν [B -ωμεν] περὶ [B<sup>2</sup> om.] τοῦ  
 λαοῦ ἡ.  
 — 58. γίνεσθε ἔτοιμοι . . . τοῦ πολεμῆσαι  
 4. 18. καὶ πολεμήσατε αὐτοὺς  
 — 28. β' ὥστε πολεμήσαι [A B ἐκπ.] αὐτοὺς  
 — 41. πολεμῆν τοὺς ἐν τῇ ἁγρᾷ  
 5. 3. πολεμῆμι Ἱ. πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἱ.  
 — 16. τοῖς . . . πολεμουμένοις ὑπ' αὐτῶν  
 — 30. καὶ ἐπολέμουν αὐτοὺς  
 — 32. πολεμήσατε σήμερον ὑπὲρ τῶν ἀδ. ὑμῶν  
 — 35. καὶ ἐπολέμουν αὐτήν  
 — 50. β' ἐπολέμουν [B -εν] τὴν πόλιν  
 — 57. πορευθῶμεν πολεμῆσαι πρὸς τὰ ἔθνη  
 — 65. ἐπολέμουν τοὺς υἱοὺς Ἱ.  
 6. 31. β' ἐπολέμουν [B -εν] ἡμέρας πολλὰς  
 — 31. β' ἐπολέμουν [B -εν] ἀνδράδας  
 — 37. β' οἱ πολεμούντες ἐπ' αἰτοῖς [A -οὗς]  
 — 52. ἐπολέμουν ἡμέρας πολλὰς  
 — 63. ἐπολέμησε πρὸς αὐτοὺς  
 8. 10. ἐπολέμουν πρὸς αὐτοὺς  
 — 26. τοῖς πολεμούνσι οὐ δώσουσιν . . . σίταν  
 — 32. πολεμήσωμεν σε [B<sup>2</sup> ὑπὲρ σοῦ]  
 9. 8. β' ἐν ἅρα δυνάμει πολεμήσαι [S add.  
 πρὸς] αὐτοὺς  
 — 9. πολεμήσωμεν πρὸς αὐτοὺς  
 — 30. τοῦ πολεμῆσαι τὸν πόλεμον ἡμῶν  
 — 44. β' πολεμήσωμεν ὑπὲρ [B περὶ] τῶν ψυχῶν  
 ἡμῶν  
 — 64. ἐπολέμησεν αὐτὴν ἡμέρας πολλὰς  
 — 68. β' ἐπολέμησεν [A B -αν] πρὸς τὸν Β.  
 10. 75. καὶ ἐπολέμουν αὐτήν  
 11. 20. β' τὰν πολεμῆσαι [A B ἐκπ.] τὴν ἁγρὰν  
 — 41. ἥσαν γὰρ πολεμούντες τὸν Ἱσρ.  
 — 46. β' καὶ ἥσαντο πολεμῆν [A ἐκπ.]

I Ma. 11. 50. πολεμούντες ἡμᾶς καὶ τὴν πόλιν  
 — 55. β' ἐπολέμουν [B -εν] πρὸς αὐτόν  
 — 65. ἐπολέμει αὐτὴν ἡμέρας πολλὰς  
 12. 13. ἐπολέμουν ἡμᾶς οἱ βασιλεῖς  
 — 24. τοῦ πολεμῆσαι πρὸς αὐτόν  
 — 40. μὴ ποτε πολεμήσῃ πρὸς αὐτόν  
 — 53. πολεμήσωμεν αὐτοὺς  
 18. 9. πολεμήσουσιν τὸν πόλεμον ἡμῶν  
 — 47. οὐκ ἐπολέμουν αὐτοὺς  
 14. 1. ὅπως πολεμήσῃ τὸν Ἰσραὴλ  
 — 13. ἐξέλιπε πολεμῶν αὐτοὺς  
 — 26. β' ἐπολέμουν [B -εν] τοὺς ἐχθροὺς Ἱσρ.  
 — 32. ἐπολέμησε περὶ τοῦ ἔθνους αὐ.  
 15. 19. καὶ μὴ πολεμήσωμεν αὐτοὺς [B<sup>2</sup> al.]  
 — 19. β' ἵνα ἡμᾶς συμμάχουσιν τοῖς πολεμούνσι  
 [A -ώσιν] αὐτοὺς [B πρὸς αὐ.]  
 — 39. β' ὅπως πολεμήσῃ [A -μῆ, B -μῆσωσιν] τὸν  
 λαόν  
 16. 2. β' ἐπολεμήσαμεν τοὺς πολεμῆσαι [A B<sup>2</sup>  
 -μωσι] Ἱσρ.  
 IV Ma. 4. 21. ἡ θεία δίκη . . . τὸν Ἀντ. ἐπολέμουν  
 — 22. πολεμῶν ἦν κατ' Αἰγύπτου Πτολεμαῖον  
 11. 8. β' πολεμῆσαι τοὺς εὐσεβούντας εἰς τὸν θεόν  
 [Aq. Jd. 5. 20 : 11. 32 : 12. 3 : II Ki. 8. 10 :  
 III Ki. 14. 19 : Ps. 55 (56) : 3 : Is. 37. 9 : JE.  
 21. 2 : 37 (44). 8.]  
 [Sm. Jd. 5. 20 : 11. 32 : 12. 3 : II Ki. 8. 10 :  
 Ps. 54 (55) : 22 : 55 (56) : 3 : Is. 37. 9 : JE. 21.  
 2 : 41 (45). 12.]  
 [Th. Jd. 1. 5 : 5. 20 : 9. 17 : 11. 32 : 12. 3 :  
 Ps. 119 (120). 7 : Is. 37. 9 : JE. 32 (39). 5.]  
 [Al. Jd. 5. 13 : JE. 41 (48). 12 : Hb. 8. 16.]  
 πολεμία. (1) πολεμῆσαι  
 Is. 27. 4. διὰ τὴν π. ταύτην ἠθέτηκα αὐτήν (1)  
 πολεμικός. (1) πολεμῆσαι (2) Μῆϋ  
 De. 1. 41. ἀναλαβόντες ἐκ. τὰ σκεύη τὰ π. αὐ. (1)  
 Jd. 18. 11, 16. β' περιεσώμενοι σκεύη π. [B al.] (1)  
 — 17. β' περιεσώμενοι σκεύη π. (1)  
 I Ki. 8. 12. ποιεῖν σκεύη π. αὐτοῦ (1)  
 II Ki. 1. 27. πῶς . . . ἀπώλοντο σκεύη π. (1)  
 I Ch. 12. 33. ἐν πᾶσι σκεύεσι π. (1)  
 — 37. ἐν πᾶσι σκεύεσι π. (2+1)  
 II Ch. 28. 13. καὶ μετ' αὐτῶν δυνάμεις π. (2)  
 Ju. 7. 5. ἀναλαβόντες ἐκ. τὰ σκεύη τὰ π. αὐ. (1)  
 14. 2. ἀναλίσκοντες ἐκ. τὰ σκεύη τὰ π. ὑμῶν  
 Za. 9. 10. ἐξολοθρευθήσονται τόξον π. (1)  
 Je. 21. 4. μεκαστρέψω τὰ ὄπλα τὰ π. (1)  
 Ki. 48 (48). 14. ἀνθρώπος ἰσχυρὸν εἰς τὰ π. (1)  
 Ez. 32. 27. κατέβησαν εἰς ἄβυσσον ἐν ὅπλοις π. (1)  
 I Ma. 3. 3. συνεσώσαντο τὰ σκεύη τὰ π. αὐ. (1)  
 15. 3. κατεσκεύασα πλοῖα π.  
 — 13. β' δώδεκα μυριάδες ἀνδρῶν π. [A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup>-ιστῶν]  
 II Ma. 8. 9. ἐν π. χρεῖας ἔχοντα πείραν  
 [Aq. Ec. 9. 18.]  
 [Sm. Jb. 39. 25.]  
 πολέμιος. (1) Μῆϋ (2) Μῆϋ (3) πολεμῆσαι  
 I Ch. 18. 10. ἀνὴρ π. Θ. ἦν τῷ Ἀδρ. (8)  
 I Es. 4. 4. εὖν δὲ ἐξοπλιστέλη αὐτοὺς πρὸς τοὺς π.  
 [A<sup>2</sup> -μωσι]  
 II Es. 8. 31. ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ καὶ πολεμίου (2)  
 To. 12. 10. πολεμίοι εἰσι τῆς ἐαυτῶν ζωῆς [B ψυχῆς]  
 Ju. 15. 4. ἵνα πάντες ἐπεκυνθῶσι [A ἀπ.] τοῖς π. (1)  
 Es. 9. 16. ἀνεπαύσαντο ἀπὸ τῶν π. (1)  
 Wi. 11. 3. ἀνέστησαν πολεμίοι  
 Si. 48. 3. τοὺς γὰρ π. [B<sup>2</sup> -μωσι] κύριος [A B<sup>2</sup> -ου]  
 αὐτοὺς ἐπήγαγεν [A ἀπ.]  
 Ep. Je. 56. πολεμίοι οὐ μὴ ἀντιστάσι  
 I Ma. 7. 29. οἱ π. ἥσαν ἔτοιμοι ἐξαρπάσαι τὸν Ἱ.  
 14. 33. οὐ ἦν τὰ ὄπλα τῶν π.  
 — 34. ἐν ἧ ἡμέρᾳ οὐ π. τὸ πρότερον  
 16. 2. β' ἐπολεμήσαμεν τοὺς π. [A B<sup>2</sup> -μωσι]  
 Ἱσρ.  
 II Ma. 3. 38. εἰ τίνα ἔχει πολεμῶν  
 4. 16. β' ταῦτους [A τοὺς] πολεμῶν . . . ἔσχον  
 5. 6. πολεμῶν . . . τρώπια καταβάλλεσθαι  
 8. 6. οὐκ ὀλίγους τῶν π. ἐνίκα  
 — 16. β' μὴ καταπαλῆναι τοὺς π. [A τοῖς δεσ-  
 μοῖς]  
 — 24. κατέσφαξαν τῶν π. ὑπὲρ τοὺς ἐναντικυλίους  
 — 27. τὰ σκεύη ἐκδύσαντες τῶν π.  
 10. 21. τοὺς π. κατ' αὐτῶν ἀπολύσαντες  
 — 27. συνεγγίσαντες δὲ τοὺς π.  
 11. 11. ἐντινάξαντες εἰς τοὺς π.  
 12. 22. γενομένην δέουσι ἐπὶ τοὺς π.

II Ma. 12. 28. συντρίβοντα τὰς τῶν π. ἀλκὰς  
 13. 21. προσήγγειλε δὲ τὰ μυστήρια τοῖς π.  
 14. 22. μὴ ποτε ἐκ τῶν π. ἀφηνείως κακούργια  
 γένηται  
 15. 20. β' συμμειζάντων [A προσμ.] τῶν π.  
 — 26. συνέμειξαν τοῖς π.  
 — 39. ὥσαυτως δὲ καὶ ὕδωρ πάλιν πολεμῶν  
 III Ma. 2. 33. ὥς πολεμῶν τοῦ ἔθνους ἔκρινον  
 3. 24. μὴ ποτε . . . τοὺς δυσσεβεῖς τούτους . . . ἔχω-  
 μεν πολεμῶν  
 IV Ma. 2. 14. τὰ ἡμέρα τῶν π. φυτὰ  
 3. 11. ἐπιθυμία τοῦ παρὰ τοῖς π. ὕδατος  
 — 12. ὑπερέβησαν τοὺς τῶν π. χάρμας  
 — 13. κατὰ πᾶν τὸ τῶν π. στρατόπεδον  
 8. 10. οὐκ καὶ ὁ π. ἔγινε . . . οὐκ ἐπείρομαι  
 11. 23. πολεμῶν τῶν ἀληθῶς εὐσεβούντων  
 17. 20. τῷ δὲ αὐτοῦ . . . τοὺς π. μὴ ἐπικρατῆσαι  
 — 24. ἐνίκησε πάντας τοὺς π.  
 18. 4. ἐκπεπολιώρηκε τοὺς π.  
 [Aq. Ps. 73 (74). 4.]  
 [Sm. Ps. 73 (74). 23 : Ez. 30. 16.]  
 [Th. Je. 49 (30). 2.]  
 πολεμιστής. (1) πολεμῆσαι (2) πολεμῆσαι (3) πολεμῆσαι  
 δ. πολεμῆσαι πολεμῆσαι (4) Μῆϋ a. subst.  
 δ. verb.  
 Nu. 31. 27. διελέγχετε τὰ σκεύη ἀνὰ μίσον τῶν π. (3 b)  
 — 28. ἀφελείτε . . . παρὰ τῶν ἀνδρ. τῶν π. (3 a)  
 — 32. ὁ ἐπρονόμιον αὐτῶν οἱ π. (4 a)  
 — 42. ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (4 b)  
 — 49. τὸ κεφάλαιον τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (3 a)  
 — 53. οἱ ἄνδρες οἱ π. ἐπρονόμιον αὐτῶν (4 a)  
 De. 2. 14. πᾶσα γενεὰ ἀνδρῶν π. (3 a)  
 — 16. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. (3 a)  
 Jo. 8. 1. λάβετε . . . πάντας τοὺς ἀνδρας τοὺς π. (3 a)  
 — 3, 11 : 10. 7 : 11. 7. καὶ πᾶς ὁ λαὸς ὁ π. (3 a)  
 17. 1. ἀνὴρ γὰρ π. ἦν (3 a)  
 Jd. 20. 17. β' πάντες οὗτοι ἄνδρες π. [B al.] (3 a)  
 I Ki. 18. 15. β' ὁπίσω τοῦ λαοῦ τοῦ π. (3 a)  
 16. 18. καὶ ὁ ἀνὴρ π. (3 a)  
 17. 33. καὶ αὐτὸς ἀνὴρ π. (3 a)  
 30. 22. πᾶς ἀνὴρ . . . τῶν π. (3 a)  
 II Ki. 17. 8. ὁ πατήρ σου ἀνὴρ π. (3 a)  
 III Ki. 10. 22 (B) : 9. 22 (A). αὐτοὶ ἦσαν ἀν-  
 δρες οἱ [A om.] π. (3 a)  
 IV Ki. 25. 19. ἐπιστάτης τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (3 a)  
 I Ch. 12. 38. πάντες οὗτοι ἄνδρες π. (3 a)  
 28. 3. ἀνθρώπος π. εἰ σὺ (3 a)  
 II Ch. 8. 9. ἀνδρες π. καὶ ἄρχοντες (3 a)  
 13. 3. ἐν δυνάμει πολεμιστῶν δυνάμειος (1 ?)  
 — 3. δυνατοὶ π. [A -ὦν π.] δυνάμειος (1)  
 14. 8 (7). πάντες οὗτοι π. δυνάμειος (1)  
 17. 13. καὶ ἀνδρες π. δυνατοὶ (3 a)  
 28. 14. ἀφῆκαν οἱ π. τὴν αἰχμαλωσίαν (2)  
 32. 21. ἐξέτριψε . . . πολεμιστὴν καὶ ἀρχοντα (1 ?)  
 Jm. 1. 16. β' πλῆθος ἀνδρῶν π. πολλὸ σφόδρα  
 7. 2. ἡ δύναμις αὐτῶν ἀνδρῶν π.  
 — 7. παρεμβολὰς ἀνδρῶν π. [B ἀνδρας π.]  
 15. 3. πᾶς ἀνὴρ π. ἐξ αὐτῶν  
 Wi. 18. 15. ὁ παντοδυναμὸς σου λόγος . . . ἀπότομος  
 πολεμιστής  
 Si. 26. 28. ἀνὴρ πολεμιστῶν ὑστερῶν δι' ἐνδειαν  
 J. 2. 7. ὥς ἀνδρες π. ἀναβήσονται (3 a)  
 3 (4). 9. ἀναβῆναι πάντες ἀνδρες π. (3 a)  
 Za. 13. 7. β' ἐξεγέρθητι . . . ἐπὶ ἀνδρα π. [A B S<sup>2</sup>  
 πολίτην] μου +  
 Is. 3. 2. ἀφελεί . . . ἀνθρώπων πολεμιστῶν (3 a)  
 Je. 27 (50). 30. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. αὐτῆς  
 μὴ φήσονται (3 a)  
 28 (51). 32. ἀνδρες αὐτοῦ οἱ π. ἐξέρχονται (3 a)  
 30 (49). 26. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. σου πεσοῦν-  
 ται [A om.] (3 a)  
 45 (38). 4. β' τὰς χεῖρας τῶν ἀνδρ. τῶν π.  
 [B S<sup>2</sup> -μωντων] (3 a)  
 52. 7. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. ἐξῆλθον νυκτός (3 a)  
 — 25. δε ἦν ἐπιστάτης τῶν ἀνδρῶν τῶν π. (3 a)  
 Ez. 27. 10. ἀνδρες π. σου πέλτας . . . ἐκρέμασαν (3 a)  
 — 27. πάντες οἱ ἄνδρες οἱ π. σου (3 a)  
 39. 20. πάντα ἀνδρα πολεμιστῶν (3 a)  
 I Ma. 13. 10. συνηγάγε πᾶντας τοὺς ἀνδρας τοὺς π.  
 15. 13. δώδεκα μυριάδες ἀνδρῶν πολεμιστῶν [B<sup>2</sup>  
 -ικῶν]  
 16. 4. εἰκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν π.  
 [Sm. Is. 42. 13.]





- Jb. 39. 25. πόρρωθεν δὲ ὁσφραίνεται πολέμου (4 a)  
40. 27 (32). μνησθεὶς πόλεμον τὸν γινόμενον [A πολέμου τοῦ γιγνομένου] (4 a)  
Ps. 17 (18). 34. διδάσκων χεῖράς μου εἰς πόλεμον (4 a)  
— 39. περιέσσω με δύναμις εἰς πόλεμον (4 a)  
28 (24). 8. κύριος δυνατὸς ἐν πολέμῳ (4 a)  
26 (27). 3. ἴδὼ ἑπανάστη ἐπ' ἐμὲ πόλεμος (4 a)  
45 (46). 9. ἀνταναίρων [A ἀνελών] πολέμους μέχρι τῶν περάτων τῆς γῆς (4 a)  
67 (68). 30. διασκορπίσων ἔθνη τὰ τοὺς π. θύλοντα (7)  
75 (76). 3. ὅπλον καὶ ῥομφαίαν καὶ πόλεμον (4 a)  
77 (78). 9. ἐστράφησαν ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (7)  
88 (89). 43. οὐκ ἀντελάβον αὐτοῦ ἐν τῷ π. (4 a)  
139 (140). 2. ὅλην τὴν ἡμέραν παρετάσσοντο πολέμους (4 a)  
— 7. ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (5)  
143 (144). 1. οὐ διδάσκω . . . τοὺς δακτύλους μου εἰς πόλεμον (4 a)  
Pr. 21. 31. ἵππος ἱτοιμάζεται εἰς ἡμέραν πολέμου (4 a)  
24. 6. μετὰ κυβερνήσεως γίνεται πόλεμος (4 a)  
Ec. 8. 8. καιρὸς πολέμου [B<sup>1</sup> τοῦ π.] καὶ καιρὸς εἰρήνης (4 a)  
8. 8. οὐκ ἔστιν ἀποστολὴ ἐν ἡμέρᾳ πολέμου [A θανάτου] (4 a)  
9. 11. A B E οὐ τοῖς δυνατοῖς ὁ [B om.] π. (4 a)  
— 18. ἀγαθὴ σοφία ὑπὲρ σκευῆς πολέμου (7)  
Ca. 8. 8. πάντες . . . διδιδασκόμενοι πόλεμον (4 a)  
Wi. 8. 15. φανούμαι . . . ἐν πολέμῳ ἀνδρείος  
14. 22. μέγαλῳ [A B<sup>1</sup> ἐν μ, B<sup>1</sup> -ως] ζῶντες ἀγνοίας πόλεμῳ  
Si. 37. 5. ἐναντὶ πολέμου λήφεται ἀσπίς  
— 11. μετὰ δειλοῦ περὶ πολέμου  
40. 6. ὡς ἐκπεφύγως ἀπὸ προσώπου πολέμου  
46. 1. κραταῖος ἐν πόλεμοις [A B -φ] Ἰησοῦς  
— 3. B<sup>1</sup> τοὺς γὰρ π. [A B S<sup>1</sup> -μίους] κύριος [A S<sup>1</sup> -ίου] αὐτὸς ἐπήγαγεν [A απ.]  
— 6. κατέρραξεν ἐπ' αὐτὸν πόλεμον  
— 6. ἐναντίον κυρίου ὁ π. αὐτοῦ  
47. 5. ἐξάρη ἀνθρώπου δυνατὸν ἐν πολέμῳ  
Ho. 1. 7. οὐδὲ ἐν ῥομφαίᾳ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (4 a)  
2. 18 (20). ῥομφαίαν καὶ πόλεμον συντρίψω (4 a)  
10. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς . . . πόλεμος (4 a)  
— 14. ἐν ἡμέραις πολέμου (4 a)  
Am. 1. 14. ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (4 a)  
Mi. 2. 8. τοῦ ἀφελῆσαι ἑλπίδα συντριμμὸν πολέμου (4 a)  
3. 5. ἤγειραν ἐπ' αὐτὸν πόλεμον (4 a)  
Jl. 2. 5. ὡς λαὸς . . . πατασσόμενος εἰς πόλεμον (4 a)  
3 (4). 9. ἀγασσάτε πόλεμον (4 a)  
Ob. 1. 1. ἐξασπασμένοι ἐπ' αὐτὴν εἰς πόλεμον (4 a)  
Za. 8. 14. B<sup>1</sup> ἱμβρη εἰς πόλεμον [A B S<sup>1</sup> πλῆλιν] †  
Na. 10. 3. ὡς ἔπικον ἐπικρῆν αὐ. ἐν πολέμῳ (4 a)  
— 5. ὡς μαχηταὶ πατοῦντες πηλὸν . . . ἐν πολέμῳ (4 a)  
14. 2. ἐπισυναίξω πάντα τὰ ἔθνη . . . εἰς πόλεμον (4 a)  
— 3. καθὼς ἡμέρα παρατάξεως αὐ. ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (7)  
Is. 14. 21. ἐμπλήσσω τὴν γῆν πολέμῳ †  
21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεπτωκότων ἐν τῷ π. [A πεδῖα] (4 a)  
22. 2. οὐδὲ ὁ νεκρὸς σου νεκροὶ πολέμου [A B -μου] (4 a)  
42. 13. συντρίψει πόλεμον (4 a)  
— 25. κατῆλθεν [A B<sup>1</sup> add. ἐπ'] αὐτοὺς π. (4 a)  
48. 2. οὐ δύνησονται σωθῆναι ἀπὸ πολέμου †  
Je. 4. 19. κραυγὴν πολέμου . . . ἐπικαλεῖται (4 a)  
6. 4. παρασκευάσασθε ἐπ' αὐτὴν εἰς πόλεμον (4 a)  
— 23. παρατάσσεται ὡς [B<sup>1</sup> παρατάξεως] πῦρ εἰς πόλεμον πρὸς σέ (4 a)  
18. 21. οἱ νεανίσκοι αὐτῶν πεπτακότες μαχαίρᾳ ἐν πολέμῳ (4 a)  
26 (46). 3. προσάγετε εἰς πόλεμον (4 a)  
27 (50). 2. φωνὴ πολέμου . . . ἐν γῇ X. (4 a)  
— 42. παρασκευασμένοι ὥστε πῦρ εἰς πόλεμον (4 a)  
28 (51). 20. διασκορπίσεις σὺ μοι σκευὴ πολέμου (4 a)  
29 (49). 14. ἀνάστητε εἰς πόλεμον (4 a)  
30 (49). 2. ἀκούτω ἐπὶ ῥαββὰθ θορυβὸν πολέμου [A -ου] (4 a)  
35 (28). 8. ἐπροφύγουν . . . εἰς πόλεμον (4 a)  
48 (41). 16. ἔλαβεν . . . δυνατοὺς ἀνδρας ἐν [B<sup>1</sup> om.] πολέμῳ [B<sup>1</sup> δ' πολέμου] (4 a)  
49 (42). 14. οὐ μὴ ἴδωμεν πόλεμον (4 a)  
Ba. 3. 26. ἐκεῖ ἐγεννήθησαν οἱ γίγαντες . . . ἐπιστάμενοι πόλεμον  
Er. Je. 15. αὐτὸν ἐκ πολέμου [A -ων] . . . οὐκ ἐξελεῖται  
— 48. ὅταν γὰρ ἐπέλθῃ [A om.] ἐπ' αὐτὰ [A -οὺς] π.  
— 49. οὐτε σῶζουσιν ἑαυτοὺς ἐκ πολέμου [A -ων]  
Ez. 7. 14. A οὐκ ἔστιν πορευόμενος εἰς τὸν π. (4 a)  
— 15. ὁ π. ἐν ῥομφαίᾳ ἐξῶθεν  
17. 17. οὐδὲ . . . ποιήσει πρὸς αὐτὸν Φαραὼ πόλεμον (4 a)  
Da. LXX. 7. 8. ἐποίει πόλεμον πρὸς τοὺς ἁγίους  
— 21. τὸ κέρας ἐκείνου πόλεμον συνιστάμενον (7)  
9. 26. ἀπὸ πολέμου πολυμηθήσεται (4 a)  
— 27. ὥς καιρὸς συντελείας πολέμου  
11. 20. οὐκ ἐν ὀργῇ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (4 a)  
— 25. ἐρεθισθήσεται εἰς πόλεμον (4 a)  
Da. TH. 7. 21. ἐποίει πόλεμον μετὰ τῶν ἁγίων  
9. 26. ὥς τέλος πολέμου συντεταγμένου (4 a)  
11. 20. οὐκ ἐν προσώποις οὐδὲ ἐν πολέμῳ (4 a)  
— 25. ὁ βασ. τοῦ γένους συνάγει πόλεμον (4 a)  
I Ma. 1. 2. συνιστήσας π. πολλοὺς  
— 18. B συνιστήσαντο [A B -ατο] πόλεμον πρὸς Πτ.  
2. 32. συνιστήσαντο [A -στεύσαντο] πρὸς αὐτοὺς πόλεμον  
— 35. ἐτάχυναν ἐπ' αὐτοὺς πόλεμον  
— 38. A B ἀνίστησαν ἐπ' αὐτοὺς ἐν τῷ [B om.] π.  
— 41. δε ἰδὼν ἔλθῃ πρὸς ἡμᾶς εἰς πόλεμον  
— 66. πολέμους πόλεμον λαῶν  
3. 2. ἐπολέμουν τὸν [B<sup>1</sup> -μοῦτον] π. Ἰσρ.  
— 3. συνιστήσαντο πολέμους  
— 13. ἐκπορευόμενοι εἰς πόλεμον  
— 19. οὐκ ἐν πλῆθει δυνάμεως νίκη πολέμου ἔστιν  
— 44. τοῦ εἶναι ἐτοιμοὺς εἰς πόλεμον  
— 59. B E κρείσσον ἡμᾶς ἀποθανεῖν ἐν τῷ [A om.] π.  
4. 7. καὶ οὗτοι διδάκτοι πολέμου  
— 13. ἐξῆλθον ἐκ τῆς παρεμβ. εἰς πόλεμον  
— 17. πόλεμος ἐξ ἐναντίας ἡμῶν  
5. 7. συνήψε πρὸς αὐτοὺς π. πολλοὺς  
— 19. μὴ συνάψῃτε πόλεμον πρὸς τὰ ἔθνη  
— 21. συνήψε π. πολλοὺς πρὸς τὰ ἔθνη  
— 31. ἥρκει ὁ π.  
— 39. ἐτοιμοὶ τοῦ ἐλθεῖν ἐπὶ σέ εἰς πόλεμον  
— 42. ἐρχίσθωσαν πάντες εἰς τὸν π.  
— 56. ἤκουσεν Ἰ. . . τοῦ π.  
— 59. ἐξῆλθε Γ. . . εἰς πόλεμον  
— 67. B E ἔπεισαν ἱερεῖς ἐν [A om.] πολέμῳ  
— 67. B E ἐν τῷ αὐτῷ [B -οὺς] ἐξελθὲν εἰς πόλεμον [A τὸν π.]  
6. 4. A B ἀνέστησαν [B ἀντ.] αὐτῷ εἰς πόλεμον  
— 30. ἐλφάγαντες δύο καὶ τριᾶκοντα εἰδότες πόλεμον  
— 33. δισκοπεύσθησαν αἱ δυνάμεις εἰς τὸν π.  
— 34. τοῦ παραστήσαι αὐτοὺς εἰς τὸν π.  
7. 31. B E ἐξῆλθεν . . . ἐν πολέμῳ [A om. ἐν π.]  
— 43. συνήψαν αἱ παρεμβολαὶ εἰς πόλεμον  
— 43. ἔπεισαν αὐτοὺς πρῶτος ἐν τῷ π.  
8. 2. διηγῆσαντο αὐτῷ τοὺς π. αὐ.  
— 5. B E συντρίψαν αὐτοὺς ἐν [A om.] πολέμῳ  
— 6. τὸν πορευθέντα ἐπ' αὐτοὺς εἰς πόλεμον  
— 24. εἰδὼν ἐνστά πόλεμος  
— 27. εἰδὼν ἴδμε Ἰ. συμβῆθι προτέρους πόλεμος  
9. 1. A ἐποίησεν . . . πόλεμον [B ἐπεισεν . . . πολέμῳ, B ἔπεισε . . . ἐν πολέμῳ]  
— 7. ὁ π. ἐξελθὲν αὐτόν  
— 13. B E ἐγένετο ὁ π. συνηγμένοι [A συνηγμ.]  
— 17. ἰβαρυνθὴ ὁ π.  
— 22. τὰ περισσὰ τῶν λόγων Ἰ. καὶ τῶν π.  
— 30. τοῦ πολυμήσαντος π. ἡμῶν  
— 45. ὁ π. ἐξ ἐναντίας ἡμῶν  
— 47. συνήψαν ὁ π.  
10. 2. ἐξῆλθεν . . . εἰς πόλεμον  
— 15. διηγῆσαντο αὐτῷ τοὺς π.  
— 49. συνήψαν πόλεμον αἱ δύο βασιλεῖς  
— 50. B E ἑσπερώσαν τὸν [A om.] π. σφόδρα  
— 78. B κατεδίωξεν . . . εἰς πόλεμον [A E om. εἰς π.]  
— 78. συνήψαν αἱ παρεμβ. ὁσίως αὐτοῦ εἰς πόλεμον  
11. 4. οὐς ἐνεκρίσαν ἐν τῷ π.  
— 15. B<sup>1</sup> E ἦλθεν ἐπ' αὐτόν [A S<sup>1</sup> add. ἐν] πολέμῳ  
— 69. συνήψαν πόλεμον  
— 72. ὑπέστην πρὸς αὐτοὺς πόλεμῳ  
12. 13. ἡμᾶς δὲ ἐκίκαλσεν . . . π. πολλοὶ  
— 14. παρενοχλεῖν ἡμῖν . . . ἐν τοῖς π. τούτοις  
— 27. ἐτοιμάζεσθαι εἰς πόλεμον  
— 28. ἡτοίμασαι . . . εἰς πόλεμον  
— 44. πόλεμον μὴ ἐνεστηγκότος ἡμῖν  
— 50. ἐπορεύοντο . . . ἐτοιμοὶ εἰς πόλεμον  
13. 3. οἰδάτε . . . τοὺς π.
- I Ma. 13. 9. πολέμησον τὸν π. ἡμῶν  
— 14. B E συνάπτειν αὐτῷ μέλλει πόλεμον [A εἰς π.]  
14. 9. ἐνεδύσαντο . . . στολάς πολέμου  
— 29. πολλὰκις ἐγενήθησαν πόλεμοι  
16. 2. A B<sup>1</sup> ἐπολέμησαν τοὺς π. [B<sup>1</sup> E -μίους] Ἰσρ.  
— 23. τὰ λοιπὰ . . . τῶν π. αὐτοῦ  
II Ma. 2. 14. διὰ τὸν π. τὸν γεγονότα ἡμῖν  
— 20. ἐτι τε τοὺς πρὸς Ἀντίοχον . . . πολέμους  
10. 10. B αὐτὰ συντρίμνοντες τὰ τῶν π. κακὰ [A al.]  
12. 36. σύμμαχον φανήναι καὶ προσοδηγὸν τοῦ π.  
III Ma. 1. 2. διαλύσαι τὸν π.  
— 4. A τοὺς π. [B πλοκάμους] λελυμένη  
[A q. i Ki. 17. 8: 29. 4: III Ki. 15. 6. 32: Jb. 40. 27 (32): Ps. 75 (76). 4: 119 (120). 7: Is. 22. 2: 86. 5: 42. 25: JE. 6. 4, 23: 8. 6: 49 (30). 2: Da. 9. 26.]  
[Sm. i Ki. 17. 8: 29. 4: Ps. 26 (27). 3: 75 (76). 4: Ec. 8. 8: 9. 11: Is. 28. 6: 86. 5: 42. 25: JE. 6. 23: 8. 6: 49 (30). 2: Ez. 18. 5: Da. 9. 26.]  
[Th. Jd. 8. 13: i Ki. 17. 8: 29. 4: Ps. 75 (76). 4: Pr. 20. 18: Is. 22. 2: 28. 6: 80. 32: 86. 5: 42. 25: JE. 39 (46). 4: Ez. 7. 14: 18. 5: Da. 9. 26.]  
[Al. Ex. 15. 3: 17. 16: Nu. 31. 28: Dt. 20. 2.]  
[Quint. Ps. 75 (76). 4.]  
[Sext. Ps. 26 (27). 5: 75 (76). 4.]
- πολεμοτροφεῖν.  
II Ma. 10. 14. πρὸς τοὺς Ἰουδαίους ἐπολεμοτρόφει  
— 15. πολιορκοῦντες ἐπεχείρουν  
14. 6. πολιορκοῦντες καὶ στασιάζουσιν  
πολιά, πολιά. (1) Πζ'ϣ  
Jd. 8. 32. A ἀπέθανε Γ. . . ἐν πολιάῳ ἀγαθῇ [B al.] (1)  
Ru. 4. 15. τοῦ διαβρῆσαι τὴν π. σου (1)  
III Ki. 2. 6. A B οὐ κατάζει τὴν π. αὐ. [B al.] (1)  
— 9. 3. i (2. 9). A B κατάζει τὴν π. [B πό- λιν] αὐτοῦ (1)  
Pr. 20. 29. δόξα δὲ προσβυτέρων πολιά (1)  
Wi. 2. 10. μηδὲ . . . ἐτραπώμεν πολιάς πολυχρονίους  
4. 9. πολιά δὲ ἐστὶν φρόνησις ἀνθρώπου [B<sup>1</sup> ἐν α.]  
Si. 6. 18. ὡς πολίων εὐρίσκει σοφίαν  
25. 4. ὡς ὠρίων πολιάς κρίσις (1)  
Ho. 7. 9. πολιά ἐξήρθησαν αὐτῷ †  
Is. 47. 2. ἀνακάλυψαι τὰς π.  
II Ma. 6. 23. B ἄξιον . . . τῆς ἐκτίττου καὶ ἐπι- φανούς π. [A al.]  
15. 13. ἀνδρα πολιά καὶ δόξῃ διαφέροντα  
III Ma. 4. 5. B ἤγειτο γὰρ γεραίων πλῆθος πολιά πεπτακασμένων [A al.]  
IV Ma. 5. 6. αἰδοῦμαι γὰρ σου . . . τὴν π.  
7. 15. ὁ μακαρίων γῆρας καὶ σεμνῆς π.  
[A q. Ge. 15. 15: 25. 8: Dt. 32. 25: Jd. 8. 32: Ps. 91 (92). 15: Pr. 20. 29.]  
[Sm. Ge. 25. 8: Jd. 8. 32: Pr. 20. 29.]  
[Th. Jd. 8. 32: Pr. 20. 29.]
- πολιορκεῖν. (1) Πζ'ϣ ni. c. praep. (2) Πζ'ϣ (3) Πζ'ϣ (4) Πζ'ϣ (5) Πζ'ϣ hi. (6) Πζ'ϣ  
Jo. 10. 29. καὶ ἐπολιορκεῖ Λεβνὰ (1)  
— 31. καὶ ἐπολιορκεῖ αὐτήν (1)  
— 34. B καὶ ἐπολιορκεῖ [A -κει, B ἔξεν.] αὐτήν (1)  
Jd. 2. 18. ἀπὸ [A πρό] προσώπου τῶν πολιορ- κούντων αὐτοὺς (2)  
9. 31. A πολιορκοῦσιν τὴν πόλιν [B al.] (6)  
II Ki. 20. 15. ἐπολιορκοῦν ἐπ' αὐτὸν (6)  
IV Ki. 16. 5. καὶ ἐπολιορκοῦν ἐπὶ Ἀλαζ (6)  
17. 4. ἐπολιορκεῖ αὐτὸν ὁ βασ. Ἀσσο. (6)  
— 5. ἐπολιορκεῖ ἐπ' αὐτήν [A ἐν αὐτῇ] (6)  
18. 9. ἐπολιορκεῖ ἐπ' αὐτήν (6)  
24. 11. ἐπολιορκοῦν [A add. τὴν] ἐπ' αὐτήν (6)  
I Es. 5. 72. πολιορκοῦντες ἔργον τοῦ οικοδομεῖν  
Jb. 17. 7. A B S<sup>1</sup> πεπολιορκεῖται μεγάλως ὑπὸ πάντων †  
Is. 1. 8. ὡς πόλις πολιορκουμένη (8)  
7. 1. οὐκ ἠδυνάστησαν πολιορκῆσαι αὐτήν (1)  
9. 21 (20). ὅμα πολιορκήσουσιν τὸν Ἰουδαν †  
27. 3. ἐγὼ πόλις ὀχυρὰ πόλις πολιορκουμένη  
37. 8. κατέλαβε τὸν βασιλεῖα Ἀσσυρίων πο- λιορκούντα Λοββὰν (1)  
— 9. ἐξῆλθε . . . πολιορκῆσαι αὐτόν (1)  
Je. 19. 9. ἡ πολιορκήσουσιν αὐτοὺς (6)  
46 (39). 1. ἐπολιορκοῦν [A -κει] αὐτήν (6)

Da. LXX., TH. I. 1. ἐπολιόρκει αὐτήν (6)  
 II Ma. 11. 6. μετέλαβον . . . πολιορκούντα αὐτὸν τὰ  
 ὀχυρώματα  
 IV Ma. 7. 4. πόλις . . . ἀντέσχε ποτὲ πολιορκουμένη  
 — 4. ἐνίκησε τοὺς πολιορκούντας  
 [Aq. I Ki. 23. 8 : Je. 80 (87). 16 : 82 (89). 2 :  
 37 (44). 5.]  
 [Sm. I Ki. 23. 8 : IV Ki. 18. 9 : Is. 21. 2 : 59.  
 15 : Jr. 6. 27 : 21. 4 : 82 (89). 2 : 51 (28). 30 :  
 Ez. 4. 3.]  
 [Th. I Ki. 23. 8 : Je. 87 (44). 5 : Ez. 4. 3.]

## πολιορκητής.

[Th. Is. 59. 19 : 68. 9.]

## πολιορκία. (1) α. פָּרַחַבּ δ. פָּרַחַבּ

I Es. 2. 23. καὶ πολιορκίας συνιστάμενοι  
 Pr. 1. 27. ὅταν ἔρχηται ὑμῖν . . . π. (1 α)  
 Je. 19. 9. ἕκαστος τὰς σάρκας τοῦ πλησίον αὐ-  
 τοῦ ἔδονται ἐν τῇ περιουσίᾳ καὶ ἐν τῇ π. (1 β)  
 II Ma. 10. 18. πάντα τὰ πρὸς πολιορκίαν ἔχοντας  
 — 19. ἀπολιπόν Σίμωναν . . . πρὸς τὴν τούτων π.  
 IV Ma. 17. 24. ἀνδρείους εἰς . . . πολιορκίαν  
 [Aq., Th. Mi. 7. 12.]  
 [Sm. Ps. 65 (66). 11 : Is. 29. 3, 7 : Je. 10. 17 :  
 52. 5 : Ez. 21. 20 (25) : Am. 8. 11 : Mi. 7. 12.]

## πολιός, cf. πολιόδ. (1) פִּרְחָבִּי

Le. 18. 32. ἀπὸ προσώπου π. ἐξαπατήσῃ (1)  
 [Quint. Ho. 7. 9.]

## πολιοῦσθαι.

[Al. I Ki. 12. 2.]

πόλις. (1) פָּוֶלִיס (2) פָּוֶלִיס (3) פָּוֶלִיס  
 (4) פָּוֶלִיס (5) α. פָּוֶלִיס δ. פָּוֶלִיס c. פָּוֶלִיס  
 (6) פָּוֶלִיס (7) 'Ηλίω πόλις פָּוֶלִיס, פָּוֶלִיס  
 (8) 'Ηρώων πόλις פָּוֶלִיס

Ge. 4. 17. ἦν οἰκοδομῶν πόλιν (4)  
 — 17. ἐπωνόμασεν τὴν π. (4)  
 10. 11. καὶ τὴν 'Ρωβὼς πόλιν (4)  
 — 12. αὐτὴ ἡ π. ἡ μεγάλη (4)  
 11. 4. οἰκοδομήσας αὐτοῖς πόλιν (4)  
 — 5. κατέβη κύριος ἰδεῖν τὴν π. (4)  
 — 8. ἐπασχάσαντο οἰκοδομούντες τὴν π. (4)  
 13. 12. ἐν πόλει τῶν περικύριων (4)  
 14. 5. τοὺς 'Ορμιάων τοὺς ἐν Σαυὶ τῇ π. (4)  
 18. 24. ἐὰν ᾖσι πενήτη. δικαίος ἐν τῇ π. (4)  
 — 26. πενήτης. δικαίος ἐν τῇ π. (4)  
 — 26. B ἀφ' οὗ ὁλην τὴν π. [A. om. δ. τ. π.] (3 ?)  
 — 28. ἀπολείς . . . π. τὴν πόλιν (4)  
 19. 4. οἱ ἄνδρες τῆς π. οἱ Σοδομίται (4)  
 — 12. εἰ τίς σφαι ἄλλος ἐστὶν ἐν τῇ π. (4)  
 — 14. ἐκτριβὲς κύριος τὴν π. (4)  
 — 15. ταῖς ἀνομίαις τῆς π. (4)  
 — 20. ἡ π. αὕτη ἐγγύς (4)  
 — 21. τοῦ μὴ καταστρέφει τὴν π. (4)  
 — 22. ἐπωνόμασεν τὸ ὄνομα τῆς π. ἐκ. (4)  
 — 25. κατέστρεψε τὰς π. ταύτας (4)  
 — 25. πάντα τοὺς κατοικοῦντας ἐν ταῖς π. (4)  
 — 29. πάσας τὰς π. τῆς περιουκίου (4)  
 — 29. ἐν τῷ καταστρέφει κύριον τὰς π. (4)  
 20. 2. οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)  
 22. 17. τὰς π. τῶν ὑπεναντίων (6)  
 23. 2. ἀπέθανε Σάρρα ἐν πόλει 'Αρβόκ (5 α)  
 — 10. τῶν εἰσπορευομένων εἰς τὴν π. πάντων (4)  
 — 18. πάντων τῶν εἰσπορευομένων εἰς τὴν π. (4)  
 24. 10. ἐπορεύθη . . . εἰς τὴν π. Ναχώρ (4)  
 — 11. ἐκοίμισεν τὰς καμ. ἔξω τῆς π. (4)  
 — 13. αἱ δὲ θυγ. τῶν οἰκούντων τὴν π. (4)  
 — 43. αἱ θυγ. τῶν ἀνδρόπων τῆς π. (4)  
 — 60. τὰς π. τῶν ὑπεναντίων (6)  
 26. 33. ἐκάλεσεν τὸ ὄνομα τῆς π. (4)  
 28. 19. ἦν ἄνομα τῇ π. τὸ πρότερον (4)  
 33. 18. εἰς Σαλήμ πόλιν Σηκίμων (4)  
 — 18. κατὰ πρόσωπον τῆς π. (4)  
 34. 20. πρὸς τὴν πύλιν τῆς π. αὐτῶν (4)  
 — 20. πρὸς τοὺς ἄνδρας τῆς π. αἰγῶν (4)  
 — 24. τὴν πύλιν τῆς π. αὐτῶν (4)  
 — 25. εἰσῆλθον εἰς τὴν π. ἀσφαλῶς (4)  
 — 27. διηπάσαν τὴν π. (4)  
 — 28. ὅσα τε ἦν ἐν τῇ π. (4)  
 — 29. ὅσα τε ἦν ἐν τῇ π. (4)  
 35. 5. ἐπὶ τὸς π. τὰς κύκλῳ αὐτῶν (4)  
 — 27. ἦλθε δὲ Ἰ. . . εἰς πόλιν τοῦ πεδίου (5 α)

Ge. 38. 32. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Δ. (4)  
 — 35. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Γ. (4)  
 — 39. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Φ. (4)  
 41. 35. βρώματα ἐν ταῖς π. συναχθῶν (4)  
 — 45. Περ. Ιερέας 'Ηλίου πόλεως (7)  
 — 48. ἔθηκε τὰ βρώματα ἐν ταῖς π. (4)  
 — 48. βρώματα τῶν πεδίων τῆς π. (4)  
 — 50. Περ. Ιερέας 'Ηλίου πόλεως (7)  
 44. 4. ἐξεληθύνων δὲ αὐτῶν τὴν π. (4)  
 — 13. ἐπέστρεψαν εἰς τὴν π. (4)  
 46. 20. Περ. Ιερέας 'Ηλίου πόλεως (7)  
 — 28. συναντήσας αὐτῷ καθ' 'Ηρώων πόλιν (8)  
 — 29. εἰς συνάντησιν 'Ισρ. . . καθ' 'Ηρώων πόλιν (8)  
 Ex. 1. 11. φκοδόμησαν π. ὀχυράς (4)  
 — 11. 'Ὅν ἡ ἐστὶν 'Ηλίου πόλις (4)  
 9. 29. ὡς ἂν ἐξέλθω τὴν π. (4)  
 — 33. ἐξῆλθε δὲ Μ. . . ἐκτὸς τῆς π. (4)  
 Le. 14. 40. ἐκβαλόντων αὐτοὺς ἔξω τῆς π. (4)  
 — 41. ἐκχέουσιν . . . ἔξω τῆς π. (4)  
 — 45. ἐξοίσουσιν ἔξω τῆς π. (4)  
 — 53. A B<sup>1</sup> ἐξασπαστέλις . . . ἔξω πόλεως [B<sup>2</sup> B τῆς π.] (4)  
 25. 29. οἰκίαν οἰκῆσθαι ἐν π. τετειχισμένη (4)  
 — 30. ἡ οἰκία ἡ οὐσα ἐν π. τῇ ἐχούσῃ τείχος (4)  
 — 32. αἱ π. τῶν λευκῶν οἰκίας τῶν π. (4)  
 — 33. οἰκίαν πόλεως κατασχέσας αὐτῶν (4)  
 — 33. οἰκία τῶν π. τῶν Δ. κατασχέσας αὐ. (4)  
 — 34. οἱ ἀγροὶ ἀφώρισμ. ταῖς π. αὐτῶν (4)  
 28. 25. καταφεύξεσθε εἰς τὰς π. ὑμῶν (4)  
 — 31. θῆσιν τὰς π. ὑμῶν ἐρήμους (4)  
 — 33. αἱ π. ὑμῶν ἔσονται ἐρήμους (4)  
 Nu. 13. 20 (19). τίνες αἱ π. εἰς ἃς οὗτοι κατοικ-  
 οῦσιν (4)  
 — 29 (28). π. [A. αἱ π.] ὀχυραὶ τετειχισμέναι (4)  
 20. 16. ἐν Κάδης πόλει ἐκ μέρους τῶν ὁρίων σου (4)  
 21. 2. ἀναθεματίζω . . . τὰς π. αὐτοῦ (4)  
 — 3. ἀνεθεματίσεν . . . τὰς π. αὐτοῦ (4)  
 — 25. ἔλαβεν 'Ισρ. πάσας τὰς π. ταύτας (4)  
 — 25. ἐν πάσας ταῖς π. τῶν 'Αμ. (4)  
 — 26. ἔστι γὰρ 'Εσρ. πόλις Σηών (4)  
 — 27. ἵνα οἰκοδομήσῃ . . . πόλιν Σηών (4)  
 — 28. φλόξ ἐκ πόλεως Σηών (5 α)  
 — 31. ἐν πάσαις ταῖς π. τῶν 'Αμ. (4)  
 22. 36. ἐξῆλθον . . . εἰς πόλιν Μ. (4)  
 — 39. ἦλθον εἰς πόλιν ἐπαύλων (5 α)  
 24. 19. ἀπολεῖ σωζόμενον ἐκ πόλεως (4)  
 31. 10. καὶ πάσας τὰς π. αὐ. . . ἐπέπρησαν (4)  
 32. 16. καὶ πόλεις ταῖς ἀποσκεναῖς ἡμῶν (4)  
 — 17. κατοικήσῃ . . . ἐν π. τετειχισμέναις (4)  
 — 24. οἰκοδομήσετε ὑμῖν ἐαυτοὺς πόλεις (4)  
 — 26. ἔσονται ἐν ταῖς π. Γ. (4)  
 — 33. τὴν γῆν καὶ τὰς π. . . πόλεις τῆς γῆς κύκλῳ (4, 4)  
 — 36. A πόλεις ὀχυράς πόλεις [B καὶ ἐπαύ-  
 λεις] προβίταν (4, 4)  
 — 38. ἐπωνόμασαν . . . τὰ ὀνόματα τῶν π. (4)  
 35. 2. δώσουσι . . . πόλεις κατοικεῖν (4)  
 — 2. τὰ προύσια τῶν π. . . δώσουσι (4)  
 — 3. ἔσονται αἱ π. ὑμῖν κατοικεῖν (4)  
 — 4. τὰ συγκυριότητα τῶν π. (4)  
 — 4. ἀπὸ τείχους τῆς π. (4)  
 — 5. μετρήσεις ἔξω τῆς π. (4)  
 — 5. ἡ π. μέσον τούτου ἔσται ὑμῖν καὶ τὰ ὄμορα τῶν π. (4, 4)  
 — 6. τὰς π. δώσετε τοῖς Δ. τὰς ἐξ π. τῶν φυγα-  
 δευτηρίων (4, 4)  
 — 6. πρὸς ταύτας τεσσαράκοντα καὶ δύο πόλεις (4)  
 — 7. πάσας τὰς π. δώσετε τοῖς Δ. τεσσαρά-  
 κοντα καὶ ὀκτὼ πόλεις (4, 4)  
 — 8. τὰς π. ἃς δώσετε (4)  
 — 8. δώσουσιν ἀπὸ τῶν π. τοῖς Δ. (4)  
 — 11. διαστελέετε ὑμῖν αὐτοὺς πόλεις (4)  
 — 12. ἔσονται αἱ π. ὑμῖν φυγαδευτήρια (4)  
 — 13. αἱ π. ἃς δώσετε τὰς ἐξ π. (4, 4)  
 — 14. τὰς [B<sup>1</sup> om.] τρεῖς π. δώσετε (4)  
 — 14. καὶ τὰς τρεῖς π. δώσετε (4)  
 — 15. ἔσονται αἱ π. αὐταὶ εἰς φυγαδευτήριον (4)  
 — 25. εἰς τὴν π. τοῦ φυγαδευτηρίου (4)  
 — 26. ἐὰν δὲ . . . ἐξέλθῃ . . . τὰ ὄμορα τῆς π. (4)  
 — 27. ἔξω τῶν ὁρίων τῆς π. (4)  
 — 28. ἐν γὰρ τῇ π. τῆς καταφυγῆς (4)  
 — 32. τοῦ φυγεῖν εἰς πόλιν τῶν φυγαδευτ. (4)  
 De. 1. 22. ἀναγγελλάτωσαν ἡμῖν . . . τὰς π. (4)  
 — 28. καὶ π. μεγάλα καὶ τετειχισμ. (4)  
 2. 34. ἐκρατήσαμεν πασῶν τῶν π. αὐτοῦ (4)

De. 2. 34. ἐξωλεθρεύσαμεν π. πόλιν [B<sup>1</sup> π. τὰς π.] (4)  
 — 35. τὰ σκύλα τῶν π. ἐλάβομεν (4)  
 — 36. καὶ τὴν π. τὴν οὖσαν ἐν τῇ φάραγγι (4)  
 — 36. οὐκ ἐγενήθη πόλις (5 α)  
 — 37. καὶ τὰς π. τὰς ἐν τῇ δρεῖνῃ (4)  
 3. 4. ἐκρατήσαμεν πασῶν τῶν π. αὐ. (4)  
 — 4. οὐκ ἦν πόλις ἢ οὐκ ἐλάβομεν . . . ἐξήκοντα πόλεις (5 α, 4)  
 — 5. πᾶσαι π. ὀχυραὶ (4)  
 — 5. πλὴν τῶν π. τῶν Φερ. (4)  
 — 6. ἐξωλεθρεύσαμεν πάσας π. ἐξῆς (4)  
 — 7. τὰ σκύλα τῶν π. ἐπρονομούσαμεν (4)  
 — 10. A B πᾶσαι π. Μεσὼρ . . . πόλεις βασι-  
 λείας [B -αι] τοῦ 'Ωγ (4, 4)  
 — 12. τὰς π. αὐτοῦ ἔδωκα (4)  
 — 19. κατοικεῖσθαι ἐν ταῖς π. ὑμῶν (4)  
 4. 41. ἀφώρισεν Μ. τρεῖς πόλεις (4)  
 — 42. καταφεύγειται εἰς μίαν τῶν π. τούτων (4)  
 8. 10. θοῦναι σοι π. μεγάλας (4)  
 9. 1. π. μεγάλας καὶ τετειχισμ. (4)  
 12. 5. ἐν μὲν τῶν π. [A φυλῶν] ὑμῶν (4)  
 — 14. A ἐν μὲν τῶν π. [B φυλῶν] σου (4)  
 — 15. ἦν ἔδωκε σοι ἐν πάσῃ π. (6)  
 — 17. οὐ δύνησιν φαγεῖν ἐν ταῖς π. σου (6)  
 — 18. ὁ προσήλυτος ὁ ἐν ταῖς π. ὑμῶν (6)  
 — 21. φάγη ἐν ταῖς π. σου (6)  
 13. 12 (13). ἐὰν δὲ ἀκούσῃς ἐν μὲν τῶν π. σου (4)  
 — 13 (14). A τρεῖς κατοικοῦντας τὴν π. [B γῆν] αὐ. (4)  
 — 15 (16). A τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ π. [B γῆ] ἐκ. (4)  
 — 16 (17). ἐμρήσεις τὴν π. (4)  
 14. 21. τῷ παροῦσιν τῷ ἐν ταῖς π. σου (6)  
 — 27. ὁ Δ. ὁ ἐν ταῖς π. σου (6)  
 — 28. θήσεις αὐτὸ ἐν ταῖς π. σου (6)  
 — 29. ἡ χῆρα ἡ ἐν ταῖς π. σου (6)  
 15. 7. ἐν μὲν τῶν π. σου (6)  
 — 22. ἐν ταῖς π. σου φάγη αὐτὸ (6)  
 16. 5. ἐν οὐδὲ μὲν τῶν π. σου (6)  
 — 11. A ὁ ἐν ταῖς π. σου (6)  
 — 14. ἡ χῆρα ἡ οὖσα ἐν ταῖς π. σου (6)  
 — 18. ἐν ταῖς π. σου αἰς κ. ὁ θ. σου διδώσι (6)  
 17. 2. ἐν μὲν τῶν π. σου (6)  
 — 8. ῥήματα κρίσεως ἐν ταῖς π. ὑμῶν (6)  
 18. 6. ἐκ μὲν τῶν π. (6)  
 19. 1. καὶ κατοικήσῃ ἐν ταῖς π. αὐτῶν (4)  
 — 2. τρεῖς π. διαστελέεις σεαυτῷ (4)  
 — 5. εἰς μίαν τῶν π. τούτων (4)  
 — 7. τρεῖς π. διαστελέεις σεαυτῷ (4)  
 — 9. A προσθήσεις σεαυτῷ ἔτι τρεῖς π. πρὸς τὰς τρεῖς π. [B om.] ταύτας (4, -)  
 — 11. εἰς μίαν τῶν π. τούτων (4)  
 — 12. ἡ γερούσια τῆς π. αὐτοῦ (4)  
 20. 10. ἐὰν δὲ προσέλθῃς πρὸς πόλιν (4)  
 — 11. A οἱ εὐρέθεις ἐν τῇ π. [B ἐν αὐτῇ] (4)  
 — 14. ὅσα ἐν ὑπάρχει ἐν τῇ π. (4)  
 — 15. οὕτω ποιήσεις πάσας τὰς π. (4)  
 — 15. οὐχὶ ἐκ τῶν π. τῶν ἐθνῶν τούτων (4)  
 — 15 (16). A ἰδοὺ δὲ ἀπὸ τῶν π. τούτων (4)  
 — 19. ἐὰν δὲ περικαθίσῃς περὶ π. μίαν [A om.] (4)  
 — 20. οἰκοδομήσεις χαράκων ἐπὶ τὴν π. (4)  
 21. 2. ἐκμετρήσουσιν ἐπὶ [A om.] τὰς π. (4)  
 — 3. ἔσται ἡ π. ἡ ἐγγίξουσι τῷ τραυματίᾳ (4)  
 — 3. 4. ἡ γερούσια τῆς π. ἐκείνης (4)  
 — 6. πάσα ἡ γερούσια τῆς π. ἐκείνης (4)  
 — 19. ἐπὶ τὴν γερούσιαν τῆς π. αὐτοῦ (4)  
 — 19. A ἐπὶ τὴν πύλιν τῆς π. [B τοῦ τόπου] (3)  
 — 20. ἐροῦσι τοῖς ἀνδράσι τῆς π. αὐ. (4)  
 — 21. λιθοβολήσουσιν αὐτὸν οἱ ἄνδρες τῆς π. αὐ. (4)  
 22. 17. ἱκανῶς τῆς γερούσιαν τῆς π. (4)  
 — 18. ἡ γερούσια τῆς π. ἐκείνης (4)  
 — 21. A οἱ ἄνδρες τῆς π. αὐτῆς (4)  
 — 23. εὐρὼν αὐτὴν ἀνθρώπος ἐν πόλει [A om. ἐν π.] (4)  
 — 24. ἐπὶ τὴν πύλιν τῆς π. αὐτῶν (4)  
 — 24. οὐκ ἐβόησεν ἐν τῇ π. (4)  
 24. 14. τὸν προσήλυτον τῶν ἐν ταῖς π. σου (6)  
 25. 8. ἡ γερούσια τῆς π. αὐ. (4)  
 26. 12. φάγονται ἐν ταῖς π. σου (6)  
 28. 3. εὐλογημένος σὺ ἐν πόλει (4)  
 — 16. ἐπικατάρατος σὺ ἐν πόλει (4)  
 — 52 bis. ἐν [A add πάσαις] ταῖς π. σου (6)  
 — 55. ἐν πάσαις ταῖς π. σου (6)  
 — 57. ἐν [A add πάσαις] ταῖς π. σου (6)  
 31. 12. τὸν προσήλυτον τὸν ἐν ταῖς π. ὑμῶν (6)

De. 34. 3. πόλιν φοινίκων ἔως Σ.	(4)	Jo. 15. 62. καὶ αἱ π. Σ. καὶ Ἀγκ.	(4)	Jd. 1. 16. ἀνέβησαν ἐκ πόλεως [A τῆς π.] τῶν	(4)
Jo. 2. 14. ὅς ἂν παραφ' κύριος ὕμιν τὴν π.	+	— 62. πόλεις ἑπτὰ καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	— 17. ἐκάλει τὸ ὄνομα τῆς π.	(4)
— 18. εἰσπορεύμεθα εἰς μέρος τῆς π.	+	18. 9. αἱ π. αἱ ἀφορισθεῖσαι τοῖς υἱοῖς Ἑφρ.	(4)	— 20. ἐκληρονόμησεν ἐκεῖθεν τὰς τρεῖς π.	+
4. 13. διέβησαν . . . πρὸς τὴν Ἱερ. π.	—	— 9. πᾶσαι αἱ π. καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	— 23. τὸ δὲ ὄνομα τῆς π.	(4)
6. 5. πεσείαται αὐτὰματα τὰ τεῖχη τῆς π.	(4)	— 10. Ἀ εἰς τὴν π. [B αὐτῆς]	—	— 24. ἐξεπορεύετο ἐκ τῆς π.	(4)
— 5. εἰσελεύσεται . . . εἰς τὴν π.	—	17. 9. ἀνὰ μέσον πόλεως Μαν.	(4)	— 24. δείξον ἡμῖν τῆς π. τὴν εἴσοδον	(4)
— 6. 7. καὶ κυκλώσει τὴν π.	(4)	— 12. ἐξολεθρεύσει τὰς π. ταύτας	(4)	— 25. ἔδειξεν αὐτοῖς τὴν εἴσοδον τῆς π.	(4)
— 10 (11). Ἀ περιελθούσα ἡ κιβ. . . τὴν π.	(4)	18. 9. ἔγραψαν αὐτὴν κατὰ πόλεις	(4)	— 25. ἐπάταξαν τὴν π.	(4)
[B om. τ. π.]	(4)	— 14. Κ. πόλιν νιῶν Ἰούδα	(4)	— 26. φκοδόμησεν ἐκεῖ πόλιν	(4)
— 13 (14). B περιέκυλινε τὴν π.	(4)	— 21. ἐγενήθησαν αἱ π. τῶν νιῶν B.	(4)	— 27. ἡ ἐστὶ Σκυθῶν πόλις	—
— 14 (15). περιήλθοσαν τὴν πόλιν	(4)	— 24. πόλεις δώδεκα καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	3. 13. ἐκληρονόμησε τὴν π. τῶν φοινίκων	(4)
— 15 (16). παρέδωκε γὰρ κ. ὕμιν τὴν π.	(4)	— 28. B καὶ πόλεις [A B om. καὶ π.] καὶ Γ.	—	5. 8. ἐπολέμησαν πόλεις ἀρχόντων [A al.]	(8)
— 16 (17). ἔσται ἡ π. ἀνάθεμα	(4)	— 28. A Γ. καὶ πόλεις [B om. κ. π.] Ἰαρίμ	(5 a)	— 11. κατέβη εἰς τὰς π.	(8)
— 19 (20). ἀνέβη πᾶς ὁ λαὸς εἰς τὴν π.	(4)	— 28 : 19. 6. πόλεις δέκα τρεῖς καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	6. 27. ἐφοβήθη . . . τοὺς ἄνδρας τῆς π.	(4)
— 20 (21). ὅσα ἦν ἐν τῇ π.	(4)	19. 7. π. τέσσαρες	(4)	— 28. ὥρμησαν οἱ ἄνδρες τῆς π.	(4)
— 22 (23). οἱ κατασκοπεύσαντες τὴν π.	—	— 8. καὶ αἱ κώμαι αὐ. κύκλῳ τῶν π. αὐ.	(4)	— 30. εἶπαν οἱ ἄνδρες τῆς π.	(4)
— 23 (24). ἡ π. ἐνεπρήσθη [A -πυρίσθη]	(4)	— 13. περιελύσεται . . . ἐπὶ πόλιν Κ.	+	8. 16. τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π.	(4)
— 25 (26). ὅς . . . οἰκοδομήσει τὴν π. ἐκ.	+	— 16. πόλεις καὶ αἱ κώμαι αὐτῶν	(4)	— 16. τοὺς ἄνδρας τῆς π. [A al.]	+
7. 3. ἐπολιτοκρησάτωσαν τὴν π.	+	— 23. αἱ π. καὶ αἱ κώμαι [A ἐπαύλεις] αὐ.	(4)	— 17. ἀπέκτεινε τοὺς ἄνδρας τῆς π.	(4)
8. 2. κατὰστρον δὲ . . . ἐνδρα τῇ π.	(4)	— 29. A ἔως πόλεως οὐχωμάτων [B al.]	(4)	— 27. ἔστησεν αὐτὸ ἐν πόλει αὐ.	(4)
— 4. ἐνδρευσάτε ὅπως τῆς π.	(4)	— 30. A πόλεις ἐκοισί δυο	(4)	— 32. ἀπέθανε Γ. . . ἐν πόλει αὐτοῦ [A al.]	+
— 4. μὴ μακρὰν γίνεσθε ἀπὸ [A om.] τῆς π.	(4)	— 31. πόλεις [A om.] καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	9. 30. Ζ. ἀρχων τῆς π.	(4)
— 5. προσάξουσιν πρὸς τὴν π.	(4)	— 35. αἱ [A om. π.] τευχίρεις τῶν Τυρίων	(4)	— 31. περικαθήνται [A πολιορκούσιν] τὴν π.	(4)
— 6. ἀποσπάσουσιν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς π.	(4)	— 38. A πόλεις δεκά ἐννέα	(4)	— 33. ἐκτενεῖς ἐπὶ τὴν π.	(4)
— 7. πορεύσεσθε εἰς τὴν π.	(4)	— 41. πόλεις Σαμμαῖς	(4)	— 35. πρὸς τὴν θύραν τῆς πύλης [A τῇ π.] τῆς π.	(4)
— 11. ἦλθον ἐξ ἐναντίας τῆς π.	(4)	— 48. αἱ π. αὐτῶν καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	— 40. A ἔως θυρῶν τῆς π. [B al.]	(8)
— 12. τὰ ἐνδρα τῆς π. ἀπὸ θαλάσσης	(4, +)	— 50. ἔδωκαν αὐτῷ τὴν π.	(4)	— 43. λαὸς ἐξήλθεν ἐκ τῆς π.	(4)
14. ἐνδρα αὐτῶ ἐστὶν ὅπως τῆς π. [A al.]	(4)	— 50. φκοδόμησε τὴν π.	(4)	— 44. παρὰ τὴν θύραν τῆς πύλης [A π. τὴν π.]	(4)
— 16. ἀπὸστρον ἀπὸ τῆς π.	(4)	20. 2. ὅτε τὰς π. τῶν φυγαδευτηρίων	(4)	— 45. παρετάσσετο ἐν τῇ π.	(4)
— 17. B κατέλιπον τὴν π. ἠνεφγμένην	—	— 3. ἔσονται ὕμιν αἱ π. φυγαδευτήριον	—	— 45. κατελάβετο τὴν π.	(4)
— 18. ἔκτεινον τὴν χειρὰ σου . . . ἐπὶ τὴν π.	+	— 4. A εἰς μίαν τῶν π. τούτων	(4)	— 45. τὴν π. καθεῖλε	(4)
— 19 (18). ἐξέτεινον Ἱ. . . ἐπὶ τὴν π.	(4)	— 4. A ἐπὶ τὴν θύραν τῆς π.	(4)	— 51. ἐν μέσῳ τῆς π.	(4)
— 19. εἰσῆλθοσαν ἐπὶ [A εἰς] τὴν π.	(4)	— 4. A ἐν τοῖς ὡσὶν τῶν πρεσβυτ. τῆς π. ἐκ.	(4)	— 51. αἱ γυναῖκες τῆς π. [A al.]	(4)
— 19. ἐνέπρησαν τὴν π. ἐν πυρί	(4)	— 6. A κατοικίσει ἐν τῇ π. ἐκ.	(4)	10. 4. τρεῖς πόλεις αὐτοῖς	(4)
— 20. καπνὸν ἀναβαίνοντα ἐκ τῆς π. [A al.]	(4)	— 6. A ἐλεύσεται εἰς τὴν π. αὐ. . . καὶ πρὸς	(4)	11. 26. καὶ ἐν πᾶσαις ταῖς π.	(4)
— 21. B εἰς τὴν π. τὴν π.	(4)	πόλιν	(4, 4)	— 33. ἐκοισί πόλεις	(4)
— 21. B ἀνέβη ὁ καπνὸς τῆς π.	(4)	— 7. καὶ τὴν π. Ἀρβόκ	(5 a)	12. 7. ἐτάφη ἐν [A ἐν τῇ] πόλει αὐτοῦ Γαλ.	(4)
— 22. ἐξήλθοσαν ἐκ τῆς π.	(4)	— 9. αὐταὶ αἱ π. αἱ ἐπὶ κλητοὶ	(4)	14. 18. εἶπαν αὐτῷ οἱ ἄνδρες τῆς π.	(4)
— 27. πλὴν τῶν σκύλων τῶν ἐν τῇ π.	(4)	21. 2. δοῦναι ἡμῖν πόλεις κατοικεῖν	(4)	16. 2. ἐν τῇ πύλῃ [A ἐπὶ τῆς π.] τῆς π.	(4)
— 28. ἐνεπύριον Ἱ. τὴν π.	+	— 3. ἔδωκαν . . . τὰς π.	(4)	— 3. τῶν θυρῶν τῆς πύλης τῆς π.	(4)
9. 17. ἦλθον εἰς τὰς π. αὐτῶν	(4)	— 4. πόλεις δέκα τρεῖς	(4)	17. 8. ἀπὸ [A ἐκ] Βηθ. τῆς π. Ἰούδα	(4)
— 17. αἱ δὲ π. αὐτῶν Γ. καὶ Κ. . . καὶ πόλεις	(4, 5 a)	— 5. πόλεις δέκα	(4)	18. 27. τὴν π. ἐνέπρησαν	(4)
Ἰαρίμ	(4, 5 a)	— 6. πόλεις δέκα τρεῖς	(4)	— 28. φκοδόμησαν τὴν π.	(4)
10. 2. π. μεγάλη Γαβαὼν	(4)	— 7. πόλεις δώδεκα	(4)	— 29. ἐκάλεισαν τὸ ὄνομα τῆς π. Δάν	(4)
— 19. εἰσελθὲν εἰς τὰς π. αὐτῶν	(4)	— 8. ἔδωκαν . . . τὰς π.	(4)	— 29. ὄνομα τῆς π. [A τῇ π.] τὸ πρότερον	(4)
— 20. διεσώθησαν εἰς τὰς π. τὰς οὐχούρας	(4)	— 9. ἔδωκαν . . . τὰς π.	(4)	19. 11. ἐκκλινόμεν εἰς πόλιν [A τὴν π.]	(4)
11. 12. πᾶσαι τὰς π. τῶν βασιλείων	(4)	— 12. καὶ τοὺς ἄγρους τῆς π.	(4)	— 12. οὐκ ἐκκλινόμεν εἰς π. ἀλλοτρίαν [A al.]	(4)
— 13. πᾶσαι τὰς π. τὰς κεχωμασμέναις	(4)	— 13. ἔδωκε [A om.] τὴν π. φυγαδευτήριον	(4)	— 15. ἐκάθισαν ἐν τῇ πλατείᾳ τῆς π.	(4)
— 19. οὐκ ἦν π. ἢ οὐκ ἐλαβεν [A al.]	(4)	— 16. πόλεις ἐννέα παρὰ τῶν δυο φυλῶν τ.	(4)	— 17. ἐν τῇ πλατείᾳ τῆς π.	(4)
— 21. σὺν ταῖς π. αὐτῶν	(4)	— 18. π. τέσσαρες	(4)	— 22. ἄνδρες τῆς π. υἱοὶ παρανόμων	(4)
18. 9. καὶ τὴν π. τὴν ἐν μέσῳ τῆς φάραγγος	(4)	— 19. A πᾶσαι αἱ π. νιῶν Ἀ. τῶν ἱερέων π.	(4, 4)	20. 11. συνήχθη . . . εἰς τὴν π. [A ἐκ τῶν π.]	(4)
— 10. πᾶσαι τὰς π. Σφῶν	(4)	[B om.] δέκα τρεῖς	(4, 4)	— 14. συνήχθησαν . . . ἀπὸ [A ἐκ] τῶν π.	(4)
— 16. καὶ ἡ π. ἡ ἐν τῇ φάραγγι Ἀρ.	(4)	— 20. ἐγενήθη π. τῶν ἱερέων [A ὁρίων]	(4)	— 15. ἐπεσκέπησαν . . . ἀπὸ [A ἐκ] τῶν π.	(4)
— 17. πᾶσαι τὰς π. τὰς οὐσας ἐν τῇ Μ.	(4)	— 21. ἔδωκαν αὐτοῖς τὴν π.	(4)	— 21. A ἐξήλθον . . . ἐκ τῆς π. [B al.]	+
— 21. πᾶσαι τὰς π. τοῦ Μ.	(4)	— 22. 24. π. τέσσαρες	(4)	— 31. ἐξεκένωθησαν ἐκ τῆς π.	(4)
— 23. αἱ π. αὐτῶν καὶ αἱ ἐπαύλεις αὐ.	(4)	— 25. πόλεις δυο	(4)	— 32. ἐκεκένωσαν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς π. [A al.]	(4)
— 25. πᾶσαι αἱ π. Γαλαὰδ	(4)	— 26. πᾶσαι π. δέκα	(4)	— 37. ἐπάταξαν [A add. ὅλην] τὴν π.	(4)
— 28. A B καὶ κατὰ πόλεις αὐτῶν	(4, ?)	— 27. τὰς π. τὰς ἀφωρισμ. τοῖς φονεύσασιν	(4)	— 38. σὺνσημον καπνὸν ἀπὸ τῆς π.	(4)
— 28. B κατὰ δῆμον αὐτῶν αἱ π. αὐτῶν	(4)	— 27. πόλεις δυο	(4)	— 40. ἀνέβη . . . ἐπὶ τῆς π. [A al.]	(4)
— 30. ἐξήκοντα πόλεις	(4)	— 29. 31. π. τέσσαρες	(4)	— 40. ἀνέβη συντέλεια τῆς π.	(4)
— 31. πόλεις βασιλείας Ὁγ	(4)	— 32. τὴν π. τὴν ἀφωρισμ. τῷ φονεύσαντι	(4)	— 42. οἱ ἀπὸ τῶν π. διέφθειρον αὐτοὺς	(4)
14. 4. ἀλλ' ἡ πόλεις κατοικεῖν	(4)	— 32. πόλεις τρεῖς	(4)	— 48. ἐπάταξαν αὐτοὺς . . . ἀπὸ πόλεως Μ.	(4)
— 12. π. οὐραὶ καὶ μεγάλαι	(4)	— 33. πᾶσαι αἱ π. τοῦ Γ. . . π. δέκα τρεῖς	(4, 4)	— 48. εἰς πᾶσαι τὰς π.	—
— 15. ἡν τὸ πρότερον πόλις Ἀργόβ	(5 a)	— 35. π. τρεῖς [A τέσσαρες]	(4)	— 48. τὰς π. τὰς εὐρεθείσας	(4)
15. 9. αὐτὴ ἐστὶ π. Ἰαρίμ	(5 a)	— 36. τὴν π. [A πᾶσαι αἱ π., B πᾶσαι π.]	(4)	21. 23. φκοδόμησαν τὰς [A αὐτοῖς] π.	(4)
— 10. παρελεύσεται . . . ἐπὶ νότον πόλιν Ἱ.	+	τῶν Λ.	(4)	Ru. 1. 19. ἤχησε πᾶσα ἡ π.	(4)
— 10. καταβήσεται ἐπὶ πόλιν ἡλίον	+	— 40 (39). τέσσαράκοντα ὀκτὼ πόλεις	(4)	2. 18 : 3. 15. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π.	(4)
— 13. ἔδωκεν αὐτῷ Ἱ. τὴν π. Ἀ.	(5 a)	— 40. κύκλῳ τῶν π. τούτων	(4)	4. 2. δέκα ἄνδρες ἀπὸ τῶν πρεσβυτ. τῆς π.	(4)
— 15. ἡν τὸ πρότερον π. γραμμάτων	(5 a)	— 40. πόλις καὶ τὰ περιστορία κύκλῳ τῆς π. [A	(4)	I Kl. 1. 3. ἀνέβαιναν . . . ἐκ πόλεως αὐτοῦ	(4)
— 16. δε ἂν λάβῃ . . . τὴν π. τῶν γραμμ.	(5 a)	τῶν π.] πᾶσαι ταῖς π. ταύταις (4, +, 4)	(4)	4. 13. ὁ ἄνθρωπος εἰσῆλθεν εἰς τὴν π.	(4)
— 21. ἐγενήθησαν δὲ π. αὐτῶν πόλεις πρὸς τὴν	(—, 4)	— 40. ἔδωκαν αὐτῷ τὴν π.	—	— 13. ἀνέβησεν ἡ π.	(4)
φυλὴ νιῶν Ἱ. [A al.]	(5 b)	— 40. φκοδόμησεν Ἱ. τὴν π.	—	5. 6. σύγχυσις θανάτου μεγ. ἐν τῇ π.	—
— 25. καὶ αἱ π. Ἀσ.	(5 b)	24. 12. A δώδεκα πόλεις [B βασιλείς] τῶν Ἀμ.	+	— 9. γίνεταί χεῖρ κ. [A add. ἐν] τῇ π.	(4)
— 32. πόλεις ἐκοισί ἐννέα καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	— 13. ἔδωκεν ὕμιν . . . πόλεις	(4)	— 9. ἐπάταξε τοὺς ἄνδρας τῆς π.	(4)
— 36. πόλεις δέκα τέσσαρες καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	— 33. καὶ εἰς τὴν ἐαυτῶν π.	—	— 12 (11). σύγχυσις [A add. θανάτου] ἐν ὅλῃ	(4)
— 41. πόλεις ἐξ καὶ δέκα καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	Jd. 1. 8. τὴν π. ἐνέπρησαν ἐν πυρί	(4)	τῇ π.	(4)
— 44. πόλεις δέκα καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	— 11. τὸ δὲ ὄνομα . . . ἦν . . . πόλις γραμ-	(5 a)	— 12. ἀνέβη ἡ κραυγὴ τῆς π.	(4)
— 49. καὶ πόλις [B <sup>3</sup> -εις] γραμμάτων	(5 a)	μάτων	(5 a)	6. 18. κατ' ἀριθμὸν πασῶν π. [A τῶν π.] . . .	(4)
— 51. πόλεις ἐνδεκα καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)	— 12. δε ἂν πατάξῃ τὴν π. τῶν γραμμ.	(5 a)	ἐκ π. ἐστερεωμένης	(4, 4)
— 54. καὶ πόλις Ἀρβόκ	(5 a)			7. 14. ἀπεδόθησαν αἱ π.	(4)
— 54. πόλεις ἐννέα καὶ αἱ ἐπαύλεις αὐ.	(4)			8. 22. ἀποτρεχέτω ἕκαστος εἰς τὴν π. αὐτοῦ	(4)
— 57. πόλεις ἐννέα καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)			9. 6. ἀνθρώπος τοῦ θ. ἐν τῇ π. ταύτῃ	(4)
— 59. πόλεις ἐξ καὶ αἱ κώμαι αὐ.	(4)			— 10. ἐπορεύθησαν εἰς τὴν π.	(4)
— 60. πόλεις ἐνδεκα καὶ αἱ κώμαι αὐ.	—				
— 60. αὕτη ἡ π. Ἰαρίμ	(5 a)				
— 60. πόλεις δυο καὶ αἱ ἐπαύλεις αὐ.	(4)				

- I Ki. 9. 11. τὴν ἀνάβανσιν τῆς π. (4)  
 — 12. ἦκει εἰς τὴν π. (4)  
 — 13. ὡς ἂν εἰσελθῇ τὴν π. (4)  
 — 13. εὐρίσσετε αὐτὸν ἐν τῇ π. —  
 — 14. ἀναβαίνουσι τὴν π. —  
 — 14. αὐτὸν εἰσπορευομένου, εἰς μέσον τῆς π. (4)  
 — 18. προσήγαγε . . . εἰς μέσον τῆς π. (4)  
 — 25. κατέβη . . . ἐν τῇ π. (4)  
 — 27. εἰς μέσον τῆς π. (4)  
 10. 5. ὡς ἂν εἰσελθῇ ἐκεῖ εἰς τὴν π. (4)  
 11. 9. ἦλθον οἱ ἄγγελοι εἰς τὴν π. —  
 14. 23. ἦν ὁ πόλεμος διεσπαρμ. εἰς ὅλην π. [A τὴν π.] (4)  
 15. 5. ἦλθε Σ. ὥς τῶν π. Ἀμ. —  
 16. 4. ἐξίστησαν οἱ πρεσβύτεροι τῆς π. (4)  
 18. 6. ἐκ πασῶν [A π. τῶν] π. Ἰσραὴλ (4)  
 20. 6. εἰς Βηθ, τὴν π. αὐτοῦ (4)  
 — 9. ἐὰν μὴ ἢ εἰς τὰς π. σου —  
 — 28. ὥς εἰς Βηθ, τὴν π. αὐτοῦ —  
 — 29. θυσία τῆς φυλῆς ἡμῶν ἐν τῇ π. (4)  
 — 40. εἰσελθε εἰς τὴν π. (4)  
 — 42 (21. 1). Ἰων. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. (4)  
 21. 13 (14). ἐνυμνᾷμεν ἐπὶ ταῖς θύραις τῆς π. (4)  
 22. 5. ἐκάθισεν ἐν πόλει [A τῇ π.] Σ. +  
 — 19. τὴν Ν. τὴν π. τῶν ἱερέων ἐπάταξεν (4)  
 23. 7. εἰσελθόντες εἰς πόλιν θυρῶν (4)  
 — 10. διαφθεῖραι τὴν π. δι' ἐμέ (4)  
 27. 5. ἐν μᾶ τῶν π. τῶν κατ' ἄγρον (4)  
 — 5. ἵνα τί καθῆται . . . ἐν π. βασιλευσμένη (4)  
 28. 3. θάπτουσι αὐτὸν . . . ἐν πόλει αὐτοῦ (4)  
 30. 3. ἦλθε Δ. . . εἰς τὴν π. (4)  
 — 29. καὶ τοῖς ἐν ταῖς π. τοῦ Ἰ. (4)  
 — 29. καὶ τοῖς ἐν ταῖς π. τοῦ Κ. (4)  
 31. 7. καταλείπουσι τὰς π. αὐτῶν (4)  
 II Ki. 2. 1. εἰς μᾶ τῶν π. Ἰούδα —  
 — 3. κατῴκουν ἐν ταῖς π. Χεβρών (4)  
 5. 7. αὐτὴ π. τοῦ Δ. (4)  
 — 9. ἐκλήθη αὐτὴ ἡ π. Δ. (4)  
 — 9. φκοδύμμεν αὐτὴν πόλιν —  
 6. 10. τοῦ ἐκκλῆαι . . . τὴν κιβωτὸν . . . εἰς τὴν π. Δ. (4)  
 — 12. ἀνήγαγε τὴν κιβωτὸν . . . εἰς τὴν π. Δ. (4)  
 — 16. τῆς κιβωτοῦ παραγωγῆς. ὥς πόλεως Δ. (4)  
 8. 8. ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν π. τοῦ Ἀδρ. (4)  
 — 11. οὐ ἦγίασεν ἐκ πασῶν τῶν π. +  
 10. 3. ἐρευνησάτω τὴν π. (4)  
 — 8. Β<sup>3</sup> παρὰ τῇ θύρᾳ τῆς π. [A B<sup>1</sup> Β πόλιν] (4)  
 — 12. καὶ περὶ τῶν π. τοῦ θ. ἡμῶν (4)  
 — 14. εἰσῆλθον εἰς τὴν π. (4)  
 11. 16. ἐν τῇ φυλάσσουσιν Ἰ. ἐπὶ τὴν π. (4)  
 — 17. ἐξῆλθον οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)  
 — 20. ἡγήσατε [A ἡγάσατε] πρὸς τὴν π. (4)  
 — 22. ἵνα τί προσήγαγε πρὸς τὴν π. —  
 — 25. κραταίωσον . . . πρὸς τὴν π. (4)  
 12. 1. δύο ἦσαν ἄνδρες ἐν π. μᾶ (4)  
 — 26. κατέλαβε τὴν π. τῆς βασιλείας (4)  
 — 27. καταλαβόντων τὴν π. τῶν υδάτων (4)  
 — 28. παρεμβαλε ἐπὶ τὴν π. (4)  
 — 28. ἵνα μὴ προκαταλάβωμαι ἐγὼ τὴν π. (4)  
 — 30. σκέυα τῆς π. ἐξήνεγκε (4)  
 — 31. οὕτως ἐποίησε πᾶσαις ταῖς π. [A al.] (4)  
 15. 2. οὐ εἰς πόλιν π. σὺ εἶ (4)  
 — 12. A B συμβούλων Δ. ἐν πόλει [B ἐκ τῆς π.] αὐ. (4)  
 — 14. ἵνα μὴ . . . πατάξῃ τὴν π. (4)  
 — 18. A οἱ ἐλθόντες ἐν ταῖς π. αὐτῶν [B al.] (4)  
 — 24. παραλθεῖν ἐκ τῆς π. (4)  
 — 25. ἀπώστρεψον τὴν κιβ. τοῦ θ. εἰς τὴν π. (4)  
 — 27. ἐπιστρέφεις εἰς τὴν π. (4)  
 — 37. εἰσῆλθε . . . εἰς τὴν π. (4)  
 — 37. A ἐπορεύετο εἰς τὴν π. [B al.] +  
 17. 13. εἰς τὴν π. συναχθῇ (4)  
 — 13. λήψεται . . . πρὸς τὴν π. ἐκείνην σχοινία (4)  
 — 17. τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. (4)  
 — 23. ἀπῆλθεν . . . εἰς τὴν π. αὐτοῦ (4)  
 18. 3. ζῶν ἡμῖν ἐν τῇ π. βοήθεια (4)  
 19. 3 (4). τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. (4)  
 — 37 (38). ἀποθανοῦμαι ἐν τῇ π. μου (4)  
 20. 6. μὴ ποτε ἐάντφ' εὐρη π. οὐχράς (4)  
 — 15. ἐζέχων πρόσχωμα πρὸς τὴν π. (4)  
 — 19. σὺ δὲ ζητεῖς θανάτωσαι πόλιν (4)  
 — 21. ἀπελευσάτω ἀπάνωθεν τῆς π. (4)  
 — 22. ἐλάλησε πρὸς πᾶσαν τὴν π. —  
 — 22. διεσπάρησαν ἀπὸ τῆς π. (4)  
 24. 5. ἐκ δεξιῶν τῆς π. (4)  
 II Ki. 24. 7. καὶ πᾶσας τὰς π. τοῦ Εὐαίου (4)  
 III Ki. 1. 41. τίς ἢ φωνή τῆς π. ἡχοῦσης (4)  
 — 45. ἤχησεν ἡ π. (4)  
 2. 6. Β σὺ καταξείεις τὴν π. [A B -λιὰν] αὐτοῦ +  
 — 9. Β κατὰξείεις τὴν π. [A B -λιὰν] αὐτοῦ +  
 — 10. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)  
 3. 1. εἰσῆγγαγον αὐτὴν εἰς τὴν π. Δ. (4)  
 — 1. διέκοψε τὴν π. Δ. —  
 — 1. φκοδύμμεσε τὰς π. ταύτας (4)  
 — 1 (2. 9). Β κατὰξείεις τὴν π. [A B -λιὰν] αὐ. +  
 — 1. A εἰσῆγγαγον αὐτὴν εἰς τὴν π. Δ. (4)  
 4. 13. ἐξήκοντα π. μεγάλας τευχῆρεις (4)  
 — 34 (3. 1). Β εἰσῆγγαγον αὐτὴν εἰς τὴν π. Δ. (4)  
 8. 1. τοῦ ἐνεγκεῖν τὴν κιβωτὸν . . . ἐκ πόλεως Δ. (4)  
 — 16. οὐκ ἐξελεξάμην ἐν πόλει (4)  
 — 37. ἐν μᾶ τῶν π. αὐτοῦ (4)  
 — 44. ὁδὸν [A -ὁς] τῆς π. ἥς ἐξελεξέω (4)  
 — 48. ὁδὸν . . . τῆς π. ἥς ἐξελεξέω (4)  
 9. 9. ἀνήγαγε Σαλ. τὴν θυγ. Φ. ἐκ πόλεως Δ. (4)  
 — 11. εἰκοσι πόλεις ἐν τῇ γῇ τῇ Γαλ. (4)  
 — 12. τοῦ ἰδεῖν τὰς π. (4)  
 — 13. τί αἱ π. αὐταῖς (4)  
 — 24. A ἀνέβη ἐκ πόλεως Δ. —  
 10. 22 (B), 9. 15 (A). τὸν φραγμὸν τῆς π. Δ. —  
 — 22 (B), 9. 16 (A). A τὸν καθήμενον ἐν τῇ π. (4)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). A πᾶσας τὰς π. τῶν σκηνῶν. (4)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). πᾶσας [A om.] τὰς π. τῶν ἄρμ. (4)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). πᾶσας τὰς π. τῶν ἱππέων (4)  
 — 26. ἐν ταῖς π. τῶν ἀρμάτων (4)  
 11. 13. διὰ Ἰερ. τὴν π. ἣν ἐξελεξάμην —  
 — 18. ἄνδρες ἐκ τῆς π. Μ. —  
 — 27. Β συνέκλεισε τὴν π. φραγμὸν τῆς π. (4)  
 — 32. καὶ διὰ Ἰερ. τὴν π. (4)  
 — 36. ἐν Ἰερ. τῇ π. ἣν ἐξελεξάμην (4)  
 — 43. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)  
 — 43. Β ἔρχεται εἰς τὴν π. αὐτοῦ (4)  
 12. 17. A τὸν καθῆμι ἐν πόλεσιν Ἰ. (4)  
 — 24. Β θάπτεται . . . ἐν πόλει Δ. (4)  
 — 24. Β ἐλθούσης αὐτῆς εἰς τὴν π. (4)  
 — 24. B εἰσελθούσης σου τὴν π. [B πόλιν] (4)  
 — 24. B ἔσονται οἱ τεθνηκ. τοῦ Ἰ. ἐν τῇ π. —  
 18. 25. ἐλάλησαν ἐν τῇ π. (4)  
 — 29. ἐπώστρεψεν αὐτὸν εἰς τὴν π. [A al.] (4)  
 14. 11. A οἱ τεθνηκ. τοῦ Ἰερ. ἐν τῇ π. (4)  
 — 12. A ἐν τῇ εἰσέρχεται πόδα σου τὴν π. (4)  
 — 21. ἐβασίλευσεν ἐν Ἰερ. τῇ π. (4)  
 — 31: 15. 8. θάπτεται . . . ἐν πόλει Δ. (4)  
 15. 20. ἀπέστειλε . . . ταῖς π. τοῦ Ἰσρ. (4)  
 — 23. A B καὶ τὰς π. δὲ φκοδύμμεν (4)  
 — 24. θάπτεται . . . ἐν πόλει Δ. (4)  
 16. 4. τὸν τεθνηκτὸν τοῦ Β. ἐν τῇ π. (4)  
 — 18. προκατελήπται αὐτοῦ τῇ π. (4)  
 — 28 (22. 50 [51]). B ἐν πόλει Δαυὶδ (4)  
 17. 10. εἰς τὸν πύλων τῆς π. (4)  
 20 (21). 8. A οἱ ἐν τῇ π. αὐτοῦ (4)  
 — 11. A B ἐποίησαν οἱ ἄνδρες πόλεως αὐ. (4)  
 — 11. A οἱ καθήμενοι ἐν πόλει αὐ. [B al.] (4)  
 — 13. ἐξήγαγον αὐτὸν ἔξω τῆς π. (4)  
 — 24. τὸν τεθνηκτὸν τοῦ Ἀχ. ἐν τῇ π. (4)  
 21 (20). 2. ἀπέστειλε . . . εἰς τὴν π. (4)  
 — 12. ἔθετο χάρακα ἐπὶ τὴν π. (4)  
 — 14. A ἐν τοῖς παιδαρίοις τῶν ἀρχόντων τῶν π. [B al.] +  
 — 19. μὴ ἐξελεθάωσαν ἐκ τῆς π. (4)  
 — 30. ἔφυγον . . . εἰς τὴν π. (4)  
 — 34. τὰς π. δὲ ἔλαβον ὁ πατὴρ μου (4)  
 22. 26. πρὸς Σ. τὸν βασιλ. τῆς π. [A al.] (4)  
 — 36. ἕκαστος εἰς τὴν ἐαυτοῦ π. (4)  
 — 39. πᾶσας τὰς π. δὲ ἐποίησεν (4)  
 — 51. ἐν πόλει Δ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (4)  
 IV Ki. 2. 19. εἰπον οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)  
 — 19. ἡ κατοικεῖς τῆς π. ἀγαθὴ (4)  
 — 23. ἐξῆλθον ἐκ τῆς π. (4)  
 3. 19. πατάξετε πᾶσαν π. [A τὴν π.] οὐχράν (4)  
 — 19. A καὶ πᾶσαν π. ἐλέκτην (4)  
 — 25. τὰς π. καθέλιον (4)  
 6. 14. περιεκύκλωσαν τὴν π. (4)  
 — 15. δύναμις κυκλοῦσα τὴν π. (4)  
 — 19. οὐχὶ αὐτὴ τὴ π. (4)  
 7. 3. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. (4)  
 — 4. εἰσελθόμεν εἰς τὴν π. (4)  
 — 4. ὁ λιμὸς ἐν τῇ π. (4)  
 IV Ki. 7. 10. ἐβόησαν πρὸς τὴν πύλιν τῆς π. (4)  
 — 12. ἐξελεύσονται ἐκ τῆς π. [A γῆς] (4)  
 — 12. εἰς τὴν π. ἐκτελευσόμεθα (4)  
 8. 3. ἐπέστρεψεν . . . εἰς τὴν π. [A al.] —  
 — 24. ἐν πόλει Δαυὶδ τοῦ π. αὐτοῦ (4)  
 9. 15. μὴ ἐξελεθῶ ἐκ τῆς π. (4)  
 — 28. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν πόλει Δ. (4)  
 — 31. εἰσπορεύετο ἐν τῇ π. (4)  
 10. 2. καὶ π. [A al π.] οὐχράν καὶ τὰ ὄπλα (4)  
 — 5. ἀπέστειλαν . . . οἱ ἐπὶ τῆς π. (4)  
 — 6. οὗτοι δρόμοι τῆς π. (4)  
 — 8. A B<sup>3</sup> παρὰ τὴν θύραν τῆς [B<sup>1</sup> add. πύλης] π. (4)  
 — 26 (25). ἐπορεύθησαν ὥς πόλεως (4)  
 11. 20. ἡ π. ἡσυχασε (4)  
 12. 21 (22). ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν πόλει Δαυὶδ (4)  
 13. 25. καὶ ἔλαβε τὰς π. (4)  
 — 25. ἐπέστρεψεν τὰς π. Ἰσραὴλ (4)  
 14. 20. ἐτάφη . . . ἐν πόλει Δαυὶδ (4)  
 15. 7. ἐν πόλει Δαυὶδ (4)  
 — 38. ἐτάφη . . . ἐν πόλει Δ. [A al.] (4)  
 16. 20. ἐτάφη ἐν πόλει Δαυὶδ (4)  
 17. 9. ἐν πᾶσαις ταῖς π. αὐτῶν . . . ὥς π. οὐχράς (4, 4)  
 — 24. κατακτίσθησαν ἐν πόλεσι Σαμ. (4)  
 — 24. B κατακτίσθησαν [A -ισαν] ἐν ταῖς π. αὐ. (4)  
 — 26. ἀντεκαθίσας ἐν πόλεσι Σαμ. (4)  
 — 29. ἐν ταῖς π. αὐτῶν ἐν αἰς κατῴκουν (4)  
 — 32. ἐν πόλει ἐν ἣ κατῴκουν ἐν αὐτῇ —  
 18. 8. καὶ ὥς π. οὐχράς (4)  
 — 13. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὰς π. Ἰούδα (4)  
 — 30. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ π. αὐτῇ (4)  
 19. 13. A B ὁ βασιλ. τῆς π. Σεφ. [B al.] (4)  
 — 25. ἐνεγέρθη εἰς ἐπάρευσ . . . πόλεις οὐχράς (4)  
 — 32. οὐκ εἰσελεύσεται εἰς τὴν π. ταύτην (4)  
 — 33. εἰς τὴν π. ταύτην οὐκ εἰσελεύσεται (4)  
 — 34. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς π. ταύτης (4)  
 20. 6. σίσσω σε καὶ τὴν π. ταύτην (4)  
 — 6. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς π. ταύτης (4)  
 — 20. εἰσῆγγαγον τὸ ὕδωρ εἰς τὴν π. (4)  
 28. 5. ἐθιμῶν . . . ἐν ταῖς π. Ἰούδα (4)  
 — 8. ἀνήγαγε . . . ἐκ πόλεως [A -ως] Ἰούδα (4)  
 — 8. B τῆς πύλης Ἰ. ἀρχοντος τῆς π. [A B πύλης] (4)  
 — 8. ἐν τῇ πύλῃ τῆς π. (4)  
 — 16. εἰδοὺς τοὺς τάφους τοὺς ἐκεῖ ἐν τῇ π. +  
 — 17. εἶπον αὐτῷ οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)  
 — 19. πάντας τοὺς οἴκους τῶν ὑψ. τοὺς ἐν ταῖς π. Σαμ. (4)  
 — 27. ἀπεώσωμαι τὴν π. ταύτην (4)  
 24. 10. ἦλθεν ἡ π. ἐν περιούχῃ (4)  
 — 11. εἰσῆλθε . . . εἰς τὴν π. (4)  
 25. 2. ἦλθεν ἡ π. ἐν περιοχῇ [A al.] (4)  
 — 3. ἐνίσχυσεν ὁ λιμὸς ἐν τῇ π. (4)  
 — 4. ἐρράγη ἡ π. (4)  
 — 4. καὶ οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τὴν π. κύκλω (4)  
 — 11. τὸ καταλείφθαι ἐν τῇ π. (4)  
 — 19. ἐκ τῆς π. ἔλαβον εὐνοῦχον ἕνα (4)  
 — 19 bis. τοὺς εὐρεθέντας ἐν τῇ π. (4)  
 I Ch. 1. 43. καὶ ὄνομα τῇ π. αὐ. Δ. (4)  
 — 46. καὶ ὄνομα τῇ π. αὐ. Γ. (4)  
 — 50. καὶ ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Φ. (4)  
 2. 22. ἦσαν αὐτῷ εἰκοσι τρεῖς π. ἐν τῇ Γ. (4)  
 — 23. καὶ ἔλαβε . . . ἐξήκοντα π. (4)  
 — 53. πόλεις Ἰαὶρ Ἀλθ. καὶ Μιφ. (B a)  
 4. 12. ἐγέννησε . . . τὸν Θ. πατέρα πόλεως Ν. (4)  
 — 31. αὐταῖ π. αὐτῶν (4)  
 — 32. ἐπαύλει αὐτῶν . . . πόλεις πέντε (4)  
 — 33. κύκλω τῶν π. τούτων (4)  
 6. 56 (41). τὰ πεδία τῆς π. . . ἔδωκαν τῷ Χ. (4)  
 — 57 (42). ἔδωκαν τὰς π. τῶν φυγαδευτηρίων (4)  
 — 60 (45). πᾶσαι αἱ π. αὐ. τρισκαίδεκα π. (4, 4)  
 — 61 (46). κλήρω πόλεις δέκα (4)  
 — 62 (47). τοῖς υἱοῖς Γ. . . πόλεις τρισκαίδεκα (4)  
 — 63 (48). κλήρω πόλεις δέκα δύο (4)  
 — 64 (49). ἔδωκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τοῖς Δ. τὰς π. (4)  
 — 65 (50). ἔδωκαν . . . τὰς π. ταύτας (4)  
 — 66 (51). ἐγένοντο πόλεις τῶν ὀρίων αὐ. (4)  
 — 67 (52). ἔδωκαν αὐτοὺς τὰς π. τῶν φυγαδευτ. (4)  
 9. 2. ἐν ταῖς π. Ἰσραὴλ (4)  
 10. 7. κατέλειπον τὰς π. αὐτῶν (4)  
 11. 5. αὐτὴ ἡ π. Δαυὶδ (4)  
 — 7. ἐκάλεσεν αὐτὴν πόλιν Δαυὶδ (4)  
 — 8. φκοδύμμεσε τὴν π. κύκλω (4)  
 — 9 (8). A B B καὶ ἔλαβεν τὴν π. (4)  
 13. 2. ἐν πόλεσι κατασχέσεις αὐτῶν (4)

I Ch. 13. 5. τοῦ εἰσενέγκαι . . . ἐκ πόλεως Ἰ. (5 α)  
 — 6. ἀνέβη εἰς πόλιν Δ. (5 α)  
 — 13. οὐκ ἀπείσπραψε . . . εἰς [A εἰς τὴν] πόλιν Δ. (4)  
 15. 1. ἐποίησεν αὐτῷ οἰκίαν ἐν πόλει Δ. (4)  
 — 29. ἦλθεν ὥς πόλεως Δ. (4)  
 16. 42. B<sup>1</sup> οἱ υἱοὶ Ἰδ. εἰς τὴν π. [A B S<sup>3</sup> πύλιν] (6)  
 18. 8. A B ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν π. [B S πολέμων] τῶν Ἀδρ. (6)  
 19. 3. ὅπως ἐξερευνήσωσι τὴν π. [A αλ.] — (4)  
 — 7. συνήχθησαν ἐκ τῶν π. αὐ. (4)  
 — 9. παρὰ τὸν πυλῶνα τῆς π. (4)  
 — 13. A B ἐνισχύσωμεν . . . περὶ τῶν π. τοῦ θ. ἡμῶν (4)  
 — 15. ἦλθον [A εἰσῆλ.] εἰς τὴν π. (4)  
 20. 2. σκύλα τῆς π. ἐξηγγεκε πολλὰ σφόδρα — (4)  
 — 3. A τοῖς πᾶσι τὰς π. νῖων Ἀ. [B αλ.] (4)  
 26. 27. ἐκ πόλεων [A τῶν πολέμων] καὶ ἐκ τῶν λυφύρων + (4)  
 II Ch. 1. 4. ἀνήγγεκε Δ. ἐκ πόλεως Καρ. (5 α)  
 — 14. κατέλιπεν αὐτὰ ἐν πόλει τῶν ἀρμ. (4)  
 6. 2. τοῦ ἀνενέγκαι . . . ἐκ πόλεως Δ. (4)  
 6. 5. οὐκ ἐξέλεξάνην ἐν πόλει (4)  
 — 28. κατενῆκε τῶν π. αὐτῶν (4)  
 — 34. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. ταύτης (4)  
 — 38. καὶ τῆς π. ἥς ἐξελέξω (4)  
 8. 2. καὶ τὰς π. δε ἔδωκε Χ. (4)  
 — 4. καὶ πάσας τὰς π. τὰς ὀχυράς (4)  
 — 5. φηκόδομσε . . . π. ὀχυράς (4)  
 — 6. A B καὶ πάσας τὰς π. τὰς ὀχυράς (4)  
 — 6. καὶ πάσας τὰς π. τῶν ἀρμάτων (4)  
 — 6. καὶ [A add. πάσας] τὰς π. τῶν ἱππέων (4)  
 — 11. ἀνῆγγεκε ἐκ πόλεως Δ. (4)  
 — 11. οἱ κατοικοῦντες . . . ἐν πόλει Δ. + (4)  
 9. 25. ζήτησεν αὐτοὺς ἐν πόλει τῶν ἀρμ. (4)  
 — 31. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)  
 10. 17. οἱ κατοικοῦντες ἐν πόλει τῶν Ἰ. (4)  
 11. 5. φηκόδομσε π. τευχίρει (4)  
 — 6. φηκόδομσε . . . π. τευχίρει (4)  
 — 12. κατὰ πόλιν καὶ [A om. κ. π. κ.] κατὰ πόλιν θυρεοῦς (4, 4)  
 — 23. ἡγήθη . . . ἐν ταῖς π. ταῖς ὀχυραῖς (4)  
 12. 4. καταστράσαν τῶν π. τῶν ὀχυρῶν (4)  
 — 13. ἐβασίλευσεν ἐν Ἰερ. ἐν τῇ π. (4)  
 — 16. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. [A αλ.] (4)  
 13. 19. προκατελάβετο παρ' αὐτοῦ πόλεις (4)  
 14. 1 (13. 23). ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)  
 — 5 (4). ἀπέστησεν ἀπὸ πασῶν τῶν π. Ἰ. (4)  
 — 6 (5). π. τευχίρει ἐν γῇ Ἰούδα (4)  
 — 7 (6). οἰκοδομῶμεν τὰς π. ταύτας (4)  
 — 14 (13). ἐσκυλευσαν πάσας τὰς π. αὐτῶν (4)  
 15. 6. πολέμησεν . . . πόλιν πρὸς πόλιν (4, 4)  
 — 8. ἀπὸ τῶν π. ὧν κατέχευεν Ἰερ. (4)  
 16. 4. ἀπέστειλε . . . ἐπὶ τὰς π. Ἰερ. (4)  
 — 14. φ' ὄρουεν ἐαυτῷ ἐν πόλει Δ. (4)  
 17. 2. ἐν πάσαις τὰς π. Ἰ. ταῖς ὀχυραῖς (4)  
 — 2. ἐν πάσαις τὰς π. Ἰ. καὶ ἐν πόλεσιν Ἰερ. (4)  
 — 7. διδάσκειν ἐν πόλεσιν Ἰούδα (4)  
 — 9. διῆλθον ἐν ταῖς π. Ἰούδα (4)  
 — 12. φηκόδομσε . . . π. ὀχυράς (4)  
 — 19. ὧν ἔδωκεν . . . ἐν ταῖς π. ταῖς ὀχυραῖς (4)  
 18. 25. πρὸς Ἐ. ἀρχοντας τῆς π. (4)  
 19. 5. ἐν πάσαις τὰς π. Ἰ. ταῖς ὀχυραῖς ἐν πόλει καὶ πόλει (4 ter)  
 — 10. A B τῶν κατοικούντων ἐν ταῖς π. αὐ. [B om. ἐν τ. π. αὐ.] (4)  
 20. 4. ἀπὸ πασῶν τῶν π. Ἰ. ἦλθον (4)  
 21. 1. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)  
 — 3. μετὰ πόλεως τετεχίρισται ἐν Ἰ. (4)  
 — 11. ἐποίησεν ὑψηλὰ ἐν πόλεσιν Ἰ. + (4)  
 — 10. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)  
 23. 2. συναγαγόν τούς Δ. ἐκ πασῶν τῶν π. Ἰ. (4)  
 — 21. ἡ π. ἡσυχασε (4)  
 24. 5. ἐξέλθατε εἰς τὰς π. Ἰούδα (4)  
 — 16. 25. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν πόλει Δ. (4)  
 25. 13. ἐπέβητο ἐπὶ τὰς π. Ἰούδα (4)  
 — 28. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν πόλει Δ. (4)  
 26. 6. φηκόδομσε πόλιν Ἀζ. (4)  
 27. 4. A B [B om.] καὶ πόλεις φηκόδομσεν — (4)  
 — 9. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)  
 28. 15. ἐξ ἱερικῶ πόλιν φοινίκων (4)  
 — 18. ἐπέβητο ἐπὶ τὰς π. τῆς πεδινῆς (4)  
 — 25. ἐν πάσῃ π. καὶ πόλει (4, 4)  
 — 27. ἐτάφη ἐν πόλει Δ. (4)  
 28. 20. συναγαγε τοὺς ἀρχοντας τῆς π. (4)

II Ch. 30. 10. διαπορευόμενοι πόλιν ἐκ πόλεως (4, 4)  
 31. 1. οἱ εὐρεθέντες ἐν πόλεσιν Ἰ. (4)  
 — 1. ἕκαστος . . . εἰς τὰς π. αὐτῶν (4)  
 — 6. οἱ κατοικοῦντες ἐν ταῖς π. Ἰούδα (4)  
 — 19. οἱ ἀπὸ τῶν π. αὐ. ἐν πάσῃ π. καὶ πόλει (4 ter)  
 32. 1. παρενέβαλεν ἐπὶ τὰς π. τὰς τευχίρει (4)  
 — 3. ἃ ἦν ἔξω τῆς π. (4)  
 — 4. τὸν ποταμὸν τὸν διορίζοντα διὰ τῆς π. + (4)  
 — 5. τὸ ἀνάλημμα πόλεως Δ. (4)  
 — 18. ὅπως προκαταλάβωσι τὴν π. (4)  
 — 28. καὶ πόλεις εἰς τὰ γενήματα σίτου + (4)  
 — 29. καὶ πόλεις ἐκ τῆς φηκόδομσεν αὐτῷ (4)  
 — 30. πρὸς λίββα τῆς π. Δ. (4)  
 33. 14. φηκόδομσε τεῖχος ἔξω τῆς π. (4)  
 — 14. ἐν πάσαις ταῖς π. ταῖς τευχίρει (4)  
 — 15. ἃ φηκόδομσεν . . . ἔξωθεν τῆς π. (4)  
 34. 6. καὶ ἐν πόλεσιν Ἰερ. καὶ Μαν. (4)  
 — 8. καὶ τὸν Μ. ἀρχοντα τῆς π. [A δυνάμεως] (4)  
 35. 19. ἀπωσάμην τὴν π. — (4)  
 I Es. 2. 18. εἰς Ἰερ. τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτιν (4)  
 — 19. ἐὰν οὖν ἡ π. αὐτῇ οἰκοδομηθῇ (4)  
 — 22. ἡ π. ἥν ἐκείνη ἀποστάτις καὶ βασιλεῖς καὶ πόλεις ἐνοχλοῦσα (4)  
 — 23. ἡ π. αὐτῇ ἡρημώθη (4)  
 — 24. ἐὰν ἡ π. αὐτῇ οἰκοδομηθῇ (4)  
 — 26. ἐστὶν ἡ π. ἐκ. . . βασιλεῖσιν ἀντιπαράστα- (4)  
 — 28. τοῦ οἰκοδομήσαι τὴν π. (4)  
 4. 48. ὅπως οἰκοδομήσωσι . . . τὴν π. (4)  
 — 53. κτίσας τὴν π. (4)  
 — 56. πᾶσι τοῖς φρουροῦσι τὴν π. (4)  
 5. 8. ἕκαστος εἰς τὴν ἰδίαν π. (4)  
 6. 8. ἐλθόντες εἰς Ἰερ. τὴν π. (4)  
 — 8. κατελάβοντο . . . ἐν Ἰερ. τῇ π. (4)  
 II Es. 2. 1. ἀνὴρ εἰς πόλιν αὐτοῦ (4)  
 — 70. οἱ Ναβυνὶμ ἐν πόλεσιν αὐ. (4)  
 — 70. καὶ πᾶς Ἰερ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)  
 8. 1. καὶ ὁ Ἰερ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)  
 4. 10. κατέκτισεν αὐτοὺς ἐν πόλει τῆς Σ. (5 α)  
 — 12. ἦλθον ἐν Ἰερ. τὴν [B<sup>3</sup> om.] π. [B<sup>1</sup> om. τ. π.] (5 α)  
 — 13. A B ἐὰν ἡ π. ἐκ. οἰκοδομηθῇ [B οικ.] (5 α)  
 — 15. ἡ π. ἐκ. π. ἀποστάτις (5 α, 5 α)  
 — 15. ἡ π. αὐτῇ ἡρημώθη (5 α)  
 — 16. ἐὰν ἡ π. ἐκ. οἰκοδομηθῇ (5 α)  
 — 19. ἡ π. ἐκ. . . ἐπὶ βασιλεῖς ἐπαίρεται (5 α)  
 — 21. ἡ π. ἐκ. οἰκ. οἰκοδομηθῆται ἔτι + (5 α)  
 5. 4. τῶν οἰκοδομούντων τὴν π. ταύτην (4)  
 6. 2. εὐρέθη ἐν πόλει (2)  
 10. 14. πᾶσι τοῖς ἐν πόλεσιν ἡμῶν [B<sup>3</sup> αλ.] (4)  
 — 14. πρεσβύτεροι πόλεως καὶ πόλεως (4, 4)  
 Ne. 1. 3. B S ἐν τῇ χώρᾳ ἐν πόλει [S τῇ π., A B om. ἐν π.] — (4)  
 2. 3. ἡ π. οἴκος μνημείων πατέρων μου (4)  
 — 5. εἰς πόλιν μνημείων πατέρων μου (4)  
 — 8. καὶ εἰς τὸ τεῖχος τῆς π. (4)  
 3. 15. τῶν καταβαινουσῶν ἀπὸ πόλεως Δ. (4)  
 4. 2 (3. 34). οἰκοδομοῦσι τὴν ἐαυτῶν π. + (4)  
 7. 4. ἡ π. πλατεία καὶ μεγάλη (4)  
 — 6. ἀνὴρ εἰς τὴν π. αὐτοῦ [B<sup>3</sup> αλ.] (4)  
 — 73. ἐκάθισαν . . . ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)  
 8. 1 (7. 73). καὶ οἱ υἱοὶ Ἰερ. ἐν πόλεσιν αὐτῶν (4)  
 — 15. ἐν πάσαις ταῖς π. αὐτῶν (4)  
 — 16. καὶ ἐν πλατείαις τῆς π. (6 ?)  
 9. 25. κατελάβοντο π. ὑψηλὴν (4)  
 11. 1. καθίσαι ἐν Ἰερ. π. τῇ ἀγίᾳ (4)  
 — 1. ἐννέα μέρη ἐν ταῖς π. (4)  
 — 3. οἱ ἐκάθισαν . . . ἐν πόλεσιν Ἰούδα (4)  
 — 3. ἐκάθισαν . . . ἐν πόλεσιν αὐτῶν Ἰερ. (4)  
 — 9. A B καὶ Ἰούδα . . . ἀπὸ [B S ἐπὶ] τῆς π. (4)  
 — 18. S<sup>3</sup> πάντες οἱ Δ. ἐν τῇ π. τῇ ἀγίᾳ (4)  
 — 20. S<sup>3</sup> ἐν πάσαις ταῖς π. τῆς Ἰ. (4)  
 12. 37. A S B ἐπὶ κλίμακας πόλεως [B -ων] Δ. (4)  
 — 44. τοὺς συνηγμ. ἐν αὐτοῖς ἀρχουσι τῶν π. (4)  
 13. 18. καὶ ἐπὶ τὴν π. ταύτην (4)  
 To. 1. 4. S καὶ ἀπὸ Ἰερ. πόλεως [A B αλ.] (4)  
 13. 9. B Ἰεροσόλυμα πᾶσις ἀγίον [A -ία] — (4)  
 — 16. S Ἰερ. οἰκοδομηθῆσεται τῇ π. οἴκος αὐτοῦ [A B αλ.] (4)  
 Ju. 1. 1. ἐν Νιν. τῇ π. τῇ μεγάλῃ [S τῇ μ. π.] (4)  
 — 9. πάντας τοὺς ἐν Σαμ. καὶ ταῖς π. αὐ. (4)  
 — 13. ἐκίρυνσε τῶν π. αὐτοῦ (4)  
 2. 24. B δίσκοψε [A S κατέκ. π.] πάσας τὰς π. (4)  
 — 27. τὰς π. αὐτῶν ἐσκέλευσε (4)

Ju. 3. 4. αἱ π. ἡμῶν καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐταῖς — (4)  
 — 5. S παρεγένοντο οἱ ἄνδρες τῆς π. [A B om. τ. π.] (4)  
 — 6. ἐφθόρυσσε τὰς π. τὰς ὑψηλὰς (4)  
 — 10. ἀνὰ μέσον Γ. καὶ Σκυθῶν πόλεως (4)  
 4. 12. καὶ τὰς π. τῆς κληρονομίας αὐ. (4)  
 6. 3. τίνες δε κατοικοῦσι πόλεις — (4)  
 — 18. αἱ π. αὐτῶν ἐκρατήθησαν (4)  
 6. 7. θήσουσι σε ἐν μιᾷ τῶν π. (4)  
 — 12. ὡς εἶδαν αὐτοὺς οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)  
 — 14. καταβάντες δὲ . . . ἐκ τῆς π. αὐτῶν (4)  
 — 14. ἐπὶ [A εἰς] τοὺς ἀρχοντας τῆς π. αὐ. (4)  
 — 16. πάντας τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. [S αλ.] (4)  
 7. 7. ἐπισκέψατο τὰς ἀναβάσεις τῆς π. αὐ. (4)  
 — 13. ἐκδύσωσιν τὴν [A om.] π. αὐτῶν (4)  
 — 13. τοῦ μὴ ἐξελθεῖν ἐκ τῆς π. ἀνδρα ἑνα (4)  
 — 22. ἐπιπτον ἐν ταῖς πλατείαις τῆς π. (4)  
 — 23. ἐπὶ . . . τοὺς ἀρχοντας τῆς π. (4)  
 — 26. ἔκδοσθε τὴν π. πᾶσαν (4)  
 — 32. A ἐσκόρπισε τὸν λαὸν εἰς τὴν ἐαν. π. [B S om.] παρεμβολὴν (4)  
 — 32. ἐπὶ τὰ τεῖχη καὶ τοὺς πύργους τῆς π. αὐ. (4)  
 — 32. ἥσαν ἐν ταπεινώσει πολλῇ ἐν τῇ π. (4)  
 8. 3. ἐτελείησεν ἐν Β. τῇ π. αὐ. (4)  
 — 9. παραδώσει τὴν π. (4)  
 — 10. ἐκάλεσεν . . . τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. αὐ. (4)  
 — 11. ἐκδύσει τὴν π. τοῖς ἐχθροῖς ἡμῶν (4)  
 — 18. οὐτε δῆμος οὐτε πόλις ἐξ ἡμῶν (4)  
 — 33. παραδώσει τὴν π. τοῖς ἐχθροῖς ἡμῶν (4)  
 10. 6. ἐξήλθον ἐπὶ τὴν πύλιν τῆς π. Β. (4)  
 — 6. καὶ τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. Χ. (4)  
 — 9. ἀνοῖξαι μοι τὴν πύλιν τῆς π. (4)  
 — 10. ἀπεσκόπευον δὲ αὐτὴν οἱ ἄνδρες τῆς π. (4)  
 18. 12. ὡς ἤκουσαν οἱ ἄνδρες τῆς π. αὐ. (4)  
 — 12. τοῦ καταβῆναι ἐπὶ τὴν πύλιν τῆς π. αὐ. (4)  
 — 12. συνεκάλεσαν τοὺς πρεσβυτέρους τῆς π. (4)  
 14. 2. ἐξελείψετε . . . ἔξω τῆς π. (4)  
 — 9. ἔδωκε φωνὴν εὐφρόσυνον ἐν τῇ π. αὐ. (4)  
 15. 7. A S καὶ αἱ π. [B κ. ἐπαυλεῖς] ἐν τῇ ὄρεινῃ (4)  
 Es. 1. 1. οἰκῶν ἐν Σουσοῖς τῇ π. (2)  
 — 2. ἰθρονίσθη . . . ἐν Σ. τῇ π. (2)  
 — 5. τοῖς ἔθνεσι τοῖς εὐρεθέντες ἐν τῇ π. (2)  
 2. 3. ἐπιεξέτασσαν [A -δειξ.] . . . ἐν Σ. τῇ π. (2)  
 — 5. ἀνθρωπος ἦν Ἰ. ἐν Σ. τῇ π. (2)  
 — 8. συνήχθησαν . . . εἰς Σ. τὴν π. [S αλ.] (2)  
 3. 15. ἐταράσσεται δὲ ἡ π. (4)  
 4. 1. ἐκπρόσθεσεν διὰ τῆς πλατείας τῆς π. (4)  
 — 6. S<sup>3</sup> εἰς τὴν πλατείαν τῆς π. (4)  
 — 6. S<sup>3</sup> κατὰ πρόσωπον τῆς πύλης τῆς π. + (4)  
 6. 9. κηρυσσέτω διὰ τῆς πλατείας τῆς π. (4)  
 — 11. διῆλθε διὰ τῆς πλατείας τῆς π. (4)  
 8. 11. S B χρῆσθαι τοῖς νόμοις αὐ. ἐν πάσῃ [A τῇ, B π. τῇ] π. (4)  
 — 13. πᾶσα δὲ π. ἡ χώρα τὸ σύνολον (4)  
 — 17. κατὰ πόλιν καὶ χώραν (4)  
 9. 6. A S<sup>3</sup> B ἐν Σουσοῖς [B αὐτῇ] τῇ π. [S<sup>3</sup> om. τ. π.] (2)  
 — 11. S<sup>3</sup> ἐν Σουσοῖς τῇ π. [A B S<sup>3</sup> om. τ. π.] (2)  
 — 12. ἐν Σουσοῖς τῇ π. [S<sup>3</sup> om. τ. π.] (2)  
 — 14. τοῖς Ἰουδαίοις τῆς π. [S<sup>3</sup> om. τ. π.] — (4)  
 — 18. ἐν Σουσοῖς τῇ π. [S<sup>3</sup> om. τ. π.] — (4)  
 — 27. καὶ πόλιν καὶ πύργον [A πατρ. κ. πδλ.] — (4)  
 Jb. 2. 8. ἐκάθητο . . . ἔξω τῆς π. — (4)  
 — 11. A παρεγένοντο ἕκαστος ἐκ τῆς ἰδίας π. [B S χώρας] πρὸς αὐτὸν (3)  
 6. 10. εἴη δὲ μοι πόλις [A μοι ἡ π. μου] τάφος + (4)  
 — 20. οἱ ἐπὶ πόλεις καὶ χρήματα πεποιθότες + (4)  
 15. 28. αὐλισθεὶς δὲ πόλεις ἐρήμους (4)  
 24. 12. οἱ [A B<sup>3</sup> om.] ἐκ πόλεως [S<sup>3</sup> -ων] . . . ἐξεβάλοστο (4)  
 29. 7. ὅτε ἐξεπορευόμενον ὄρριος ἐν πόλει (5 c)  
 39. 7. καταγελῶν πολυχλίαν πόλιν (5 α)  
 42. 17. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Δεσναβί (4)  
 — 17. ὄνομα τῇ π. αὐτοῦ Γ. (4)  
 Ps. 9. 6. πόλεις καθελεῖς (4)  
 30 (31). 21. ἐδαμνώσασθε τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐν πόλει περιούχης (4)  
 45 (46). 4. εὐφραίνουσι τὴν π. τοῦ θεοῦ (4)  
 47 (48). 1. καὶ αἰνετοὶ σφόδρα ἐν πόλει τοῦ θεοῦ ἡμῶν (4)  
 — 2. ἡ π. τοῦ βασιλέως τοῦ μεγάλου (5 α)  
 — 8. οὕτως εἰδομεν ἐν πόλει κυρίου τῶν δυνάμεων ἐν πόλει τοῦ θεοῦ ἡμῶν (4, 4)  
 54 (55). 9. B εἶδον ἀνομίαν . . . ἐν τῇ π. [S<sup>3</sup> γῆ] (4)  
 58 (59). 6, 14. κυκλώσουσι πόλιν (4)  
 59 (60). 9. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιούχης (4)  
 68 (69). 35. οἰκοδομηθήσονται αἱ π. τῆς Ἰ. (4)

- Ps. 71 (72). 16. ἐξανθήσουσιν ἐκ πόλεως (4)  
72 (73). 20. ἐν τῇ π. σου τὴν εἰκόνα αὐτῶν (4)  
ἐξουθενώσιν (4)  
86 (87). 3. δεδοσμένα ἑλπίσθη περὶ σοῦ, ἡ π. τοῦ θεοῦ (4)  
100 (101). 8. τοῦ ἐξολεθρευτοῦ ἐκ πόλεως κυρίου (4)  
106 (107). 4. ὁδὸν πόλεως [B<sup>1</sup> πόλιν] κατοικητηρίου οὐχ εὖρον (4)  
— 7. τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν κατοικητηρίου (4)  
— 36. συνεστράσαντο πόλεις [B<sup>1</sup> πόλιν] κατοικίας (4)  
107 (108). 10. τίς ὁπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (4)  
121 (122). 3. B B ὡς πόλις ἦε ἡ μετοχὴ [A οἱ μέτοχοι] αὐτῆς ἐπὶ τὸ αὐτὸ (4)  
128 (127). 1. B B ἔὰν μὴ κύριος φυλάξῃ πόλιν (4)  
138 (139). 20. λήφονται εἰς ματαιότητα τὰς π. σου (4)  
Pr. 1. 21. ἐπὶ δὲ πύλας πόλεως θαρροῦσα λέγει (4)  
6. 14. οἱ τοιοῦτοι ταραχὰς συνίστησι πόλιν (4)  
10. 15. κτήσις πλουσίων πόλις ὀχυρά (5 a)  
11. 10. ἐν ἀγαθοῖς δικαίω κατάρθωσιν πόλιν (5 a)  
— 11. A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> ὑψωθήσεται πόλις (5 c)  
16. 32. ὁ δὲ κρατὸν ὀργῆς κρείστων καταλαβανομένη πόλιν (5 a)  
18. 11. ὑπερβῆς πλουσίον ἀνδρὸς πόλις ὀχυρά (5 a)  
— 19. ὡς πόλις ὀχυρά καὶ ὑψηλή (5 a)  
21. 22. πόλις ὀχυρὰς ἐπέβη σοφός (4)  
25. 28. ὥσπερ πόλις τὰ τεῖχη καταβεβλημένη (5 a)  
29. 8. ἐξέκταναν πόλιν (5 a)  
Ec. 7. 20 (19). δέκα ἐξουσιάζοντας τοὺς ὄντας [B om.] ἐν τῇ π. (4)  
8. 10. ἐπηνέθησαν ἐν τῇ π. (4)  
9. 14. πόλις μικρά καὶ ἄνδρες ἐν αὐτῇ ὀλίγοι (4)  
— 15. καὶ διασώσῃ [A B -ει] αὐτοὺς τὴν π. (4)  
10. 15. οὐκ ἔγνω τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν (4)  
— 16. οὐαὶ σοι, πόλις (4)  
Ca. 3. 2. κυκλώσω ἐν τῇ π. (4)  
— 3. οἱ κυκλῶντες ἐν τῇ π. (4)  
5. 7. οἱ φύλακες οἱ κυκλῶντες ἐν τῇ π. (4)  
Wi. 9. 8. ἐν πόλει κατασκευάσας πόλιν (4)  
Si. 7. 7. μὴ ἀμάρτανε εἰς πλῆθος πόλεως (4)  
9. 7. μὴ περιβλέπου ἐν ῥύμαις πόλεως (4)  
— 13. ἐπὶ ἐπάλξεσιν πόλεων [B<sup>1</sup> -ως] περιπατεῖς (4)  
— 18. φοβερὸς ἐν πόλει αὐτοῦ ἀνὴρ γλωσσώδης (4)  
10. 2. κατὰ τὸν ἰγνούμενον τῆς π. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν (4)  
— 3. πόλις οικισθήσεται ἐν συνείσει δυναστῶν (4)  
16. 4. ἀπὸ γὰρ ἐνός συνετοῦ συνοικισθήσεται πόλις (4)  
23. 21. οὗτος ἐν πλατείαις πόλεως ἐκδικηθήσεται (4)  
24. 11. ἐν πόλει ἡγαπημένη ὁμοίως με κατέταυσε (4)  
26. 5. διαδοῖεν πόλιν καὶ ἐκκλησίαν ὄχλου (4)  
28. 14. πόλις ὀχυρὰς καθεῖλε (4)  
34 (31). 24. ποτηρὸν ἐπ' ἄρτον διαγογγύσει πόλις (4)  
36. 18 (15). οὐκείρησιν πόλιν ἀγιάσματός σου Ἱερουσαλὴμ πόλιν [A B τόπον] καταπαύματός σου (4)  
— 31 (28). εὐὶ ὧν ληστὴ σφαλλομένη [A B ἀφαλλ.] ἐκ πόλεως εἰς πόλιν (4)  
38. 32. ἀνεν αὐτῶν οὐκ οικισθήσεται πόλις (4)  
40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν ὄνομα (4)  
42. 11. λαλίαν ἐν πόλει καὶ ἐκκλητὸν λαοῦ (4)  
46. 2. τῷ ἐκκλῖναι [A B -τέων] βρομφαίαν ἐπὶ πόλιν (4)  
48. 17. Ἐξεκίας ὠχύρωσε τὴν π. αὐτοῦ (4)  
49. 6. ἐνεπύριον ἐκλεκτὴν πόλιν ἀγιάματος (4)  
50. 4. ὁ . . . ἐνισχύσας πόλιν ἐμπολιόρησαι (4)  
Ho. 8. 9 (8). πόλις ἐργαζομένη μάταια (5 a)  
8. 14. Ἴ. ἐπλήθυνε πόλεις τετελιχισμένας (4)  
— 14. ἐξοπλιστὴ πῦρ εἰς τὰς π. αὐ. (4)  
11. 6. ἠρθένησεν . . . ἐν τῇ π. αὐ. (4)  
— 9. οὐκ εἰσελεύσονται εἰς πόλιν (4)  
13. 10. διασωσάτω σε ἐν πάσαις ταῖς π. σου (4)  
Am. 2. 2. καταφάγεται τὰ θεμέλια τῶν π. αὐ. (5 b)  
3. 6. εἰ φανῇσι σάλπιγγες ἐν πόλει (4)  
— 6. εἰ ἔσται κακία ἐν πόλει (4)  
4. 6. ἐν πάσαις ταῖς π. ὑμῶν (4)  
— 6. A ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν [B πᾶσι τοῖς τόποις] ὑμῶν (9)  
— 7. βρέξω ἐπὶ π. μίαν ἐπὶ δὲ πόλιν μίαν οὐ βρέξω (4, 4)  
— 8. συναβροσθήσονται δύο [A add. πόλεις] καὶ τρεῖς πόλεις [A<sup>1</sup> om.] εἰς π. μίαν (4, 4)  
5. 3. ἡ π. ἐξ ἧς ἐξεπορεύοντο χιλοὶ (4)
- Am. 6. 8. ἐξαρῶ πόλιν σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (4)  
7. 17. ἡ γυνὴ σου ἐν τῇ π. πορεύσει (4)  
9. 14. οἰκοδομήσουσι πόλεις τὰς ἡφανισμ. (4)  
Mi. 1. 10 (11). κατοικοῦσα καλῶς τὰς π. αὐ. (4)  
4. 10. ἐξέλευσεν ἐκ πόλεως (5 a)  
5. 11 (10). ἐξολεθρεύσω τὰς π. τῆς γῆς σου (4)  
— 14 (13). ἀφανῶ τὰς π. σου (4)  
6. 9. φωνὴ κυρίου τῇ π. ἐπικληθήσεται (4)  
— 9 (10). τίς κοσμήσει πόλιν (4)  
7. 12. αἱ π. σου ἤξουσιν εἰς ὁμαλισμόν (4)  
— 12. καὶ αἱ π. σου αἱ ὀχυραὶ εἰς διαμερισμόν (4)  
Jl. 2. 9. τῆς π. ἐκλήθησονται (4)  
3 (4). 17. B<sup>2</sup> ἔσται Ἱερ. πόλις [A B B<sup>1</sup> om.] ἁγία (4)  
Ob. 1. 20. κληρονομήσουσι τὰς π. τοῦ ναγέβ (4)  
Jn. 1. 2. 3. εἰς N. τὴν π. τὴν μεγάλην (4)  
3. ἡ δὲ N. τὴν π. μεγάλην τῇ θεῷ (4)  
— 4. τοῦ εἰσελθεῖν [A B<sup>2</sup> -πορεύεσθαι] εἰς τὴν π. (4)  
4. 5. ἐξῆλθεν Ἴ. ἐκ τῆς π. (4)  
— 5. ἐκάθισεν ἀπέναντι τῆς π. (4)  
— 5. τί ἔσται [B add. ἐν] τῇ π. (4)  
— 11. ὑπὲρ N. τῆς π. τῆς μεγάλης [A om. τ. μ.] (4)  
Na. 2. 6 (7). πύλαι τῶν π. [B<sup>1</sup> ποταμῶν] διανοήσονται (4)  
3. 1. ὁ πόλις αἰμάτων (4)  
Hb. 2. 8. δὲ αἵματα ἀνθρώπων . . . καὶ ἀσβεβίας πόλεως (5 a)  
— 12. οὐαὶ ὁ οἰκοδόμος πόλιν ἐν αἵματι καὶ ἰτομάζων πόλιν ἐν ἀδικίᾳ (4, 5 a)  
— 17. διὰ αἵματα ἀνθρώπων . . . καὶ ἀσβεβίας . . . πόλεως (5 a)  
Ze. 1. 16. ἡμέρα σάλπιγγος . . . ἐπὶ τὰς π. τὰς ὀχυράς [A ἱερ.] (4)  
3. 1 (2, 15). αὐτὴ ἡ π. ἡ φαυλίστρια (4)  
— 1. ὁ ἡ ἐπίστανης καὶ ἀπολελυτρωμένη π. (4)  
— 6. ἐξέλιπον αἱ π. αὐ. (4)  
Za. 1. 12. ἔως τίνος οὐ μὴ ἐλεήσει . . . τὰς π. Ἱ. (4)  
— 17. ἐτι διαχυθήσονται πόλεις (4)  
7. 7. καὶ αἱ π. κυλιόσιν αὐτῆς (4)  
8. 3. κληθήσεται ἡ Ἱερ. πόλις ἀληθινή (4)  
— 5. αἱ πλατεῖαι τῆς π. πλησθήσονται (4)  
— 20. κατοικοῦντες πόλεις πολλὰς [B<sup>2</sup> om. π. τ.] (4)  
— 21. συνελίσσονται κατοικοῦντες πέντε πόλεις [B<sup>2</sup> om. σ. κ. π. π.] εἰς μίαν π. (4)  
14. 2. ἀλώσεται ἡ π. (4)  
— 2. ἐξελεῖται τὸ ἦμισν τῆς π. ἐν αἰχμαλωσίᾳ (4)  
— 2. οὐ μὴ ἐξολεθρευθῶσιν ἐκ τῆς π. (4)  
Is. 1. 7. αἱ π. ὑμῶν πυρικαννοῦσι (4)  
— 8. ὡς π. πολιορκουμένη (4)  
— 21. πᾶς ἐγένετο πόρνη π. πιστὴ Σιών (5 a)  
— 22. A αἱ π. ὑμῶν πυρικαννοῦσι (4)  
— 26. κληθήσῃ π. δικαιοσύνης (4)  
6. 11. ἔως ἀν ἐρημωθῶσι πόλεις (4)  
10. 6. καταπατεῖν τὰς π. (4)  
— 14. σείσω πόλεις κατοικουμένας (4)  
— 28. ἦξει γὰρ εἰς τὴν π. Ἀγγαί (4)  
— 29. φόβος λήφεται Ῥαμὰ πόλιν Σαουλ (4)  
14. 17. B B τὰς π. αὐτοῦ καθεῖλε (4)  
— 31. ὁλοκῶτε, πύλαι πόλεων, κεκραγέμεναι πόλεις τεταραγμένας (4, 4)  
17. 1. Δαμασκὸς ἀρῆσεται ἀπὸ πόλεων (4)  
— 9. ἔσονται αἱ π. σου ἐγκαταλειμμένας (4)  
18. 4. ἀσφάλεια ἔσται ἐν τῇ ἐμῇ πόλει (4)  
19. 2. π. ἐπὶ πόλιν (4, 4)  
— 18. ἔσονται πέντε πόλεις ἐν Αἰγύπτῳ . . . ἀσέδικη κληθήσεται ἡ μία π. (4, 4, -)  
22. 2. ἐνεπλήσθη ἡ π. βουάνων (4)  
— 8. εἰς τοὺς ἐκλεκτοὺς οἴκους τῆς π. (4)  
— 9. ἀπέστρεψε τὸ ὕδωρ τῆς ἀρχαίας κολυμβήθρας εἰς τὴν π. (4)  
— 10. εἰς ὀχυρὰς τὰς τοίχους τῆς π. (4)  
23. 16. ῥέμβυσαν, π. πόρνη ἐκλελειμμένη (4)  
24. 10. ἡρημώθη [B add. διὰ τὴν γῆ] πᾶσα π. (5 a)  
— 12. καταλειφθήσονται πόλεις ἔρημοι (4)  
25. 2. ἔθνη πόλεις [B<sup>1</sup> -ιν] εἰς χῶμα πόλεις ὀχυράς τοῦ μὴ [A B om.] πεσεῖν αὐτῶν τὰ θεμέλια τῶν ἀσεβῶν π. [A B<sup>2</sup> -εις] τὸν αἰῶνα οὐ μὴ οἰκοδομηθῇ (4, 5 a, 4)  
— 3. πόλεις ἀνθρώπων ἀδικουμένων εὐλογησονται σε (5 a)  
— 4. ἐγένοντο γὰρ πάση πόλει ταπεινὴ βοήθης (4)
- Is. 26. 1. ἰδοὺ π. ἱσχυρά [A B ὀχ.] (4)  
— 5. πόλεις ὀχυράς καταβαλεῖς (5 a)  
27. 3. ἐγὼ π. ὀχυρά [A B ἱερ.] π. πολιορκουμένη (4, 4)  
29. 1. οὐαὶ Ἀριὴλ π. ἣν ἐπολέμησε Δαυὶδ (5 a)  
30. 13. ὡς τεῖχος πίπτον παραχρῆμα πόλεως ὀχυρὰς [A om.] ἐαλεικίας (4)  
32. 13. π. πλουσία (5 a)  
— 14. οἴκοι ἐγκαταλειμμένοι πλοῦτον πόλεως ἀφῆσονται (4)  
— 18. κατοικήσει ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐν πόλει εἰρήνης (4)  
38. 20. ἰδοὺ Σιών ἡ π. τὸ σωτήριον ἡμῶν . . . Ἱερ. [B<sup>1</sup> π. Ἱερ.] π. πλουσία (5 a, [-], 4)  
34. 13. ἀναφύσει εἰς τὰς π. αὐτῶν ἀκάνθια [A -θα καὶ] ξύλα (1)  
36. 1. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὰς π. τῆς Ἱ. τὰς ὀχ. (4)  
— 15. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ π. αὐτῇ ἐν χειρὶ βασιλείας (4)  
— 19. ποῦ ὁ θεὸς τῆς π. Ἐφραοναίμ (4)  
37. 13. ποῦ πόλεως Ἐφραοναίμ (4)  
— 26. ἐξερημώσαι . . . οἰκουμένης [A B ἐνοικ.] ἐν πόλεσιν ὀχυραῖς (4)  
— 33. οὐ μὴ εἰσέλθῃ εἰς τὴν π. ταύτην (4)  
— 34. B εἰς τὴν π. ταύτην οὐ μὴ εἰσέλθῃ (4)  
— 35. ὑπερασπίω ὑπὲρ τῆς π. ταύτης (4)  
38. 6. ῥύσονται σε καὶ τὴν π. ταύτην καὶ ὑπερασπίω ὑπὲρ τῆς π. ταύτης [A B αἱ] (4, 4)  
40. 9. εἶπον ταῖς π. Ἰούδα (4)  
44. 26. ὁ λέγων . . . ταῖς π. τῆς Ἱ. (4)  
45. 1. πόλεις οὐ συγκλείσθησονται (8)  
— 13. οὗτος οἰκοδομήσει τὴν π. μου (4)  
48. 2. ἀντεχόμενοι τῷ ὄνματι τῆς π. τῆς ἁγίας (4)  
52. 1. Ἱερουσαλὴμ π. ἡ ἁγία (4)  
54. 3. πόλεις ἡρημωμένας κατοικεῖς (4)  
60. 14. κληθήσῃ Π. κυρίου Σιών ἁγίου Ἰσραὴλ (4)  
61. 4. καινοῦσι πόλεις ἐρήμους [B<sup>1</sup> αἰωνίους] (4)  
62. 12. σὺ δὲ κληθήσῃ [B<sup>1</sup> συνεκλήσῃ] Ἐπιζουμένη π. (4)  
64. 10 (9). π. τοῦ ἁγίου σου ἐγενήθη ἔρημος (4)  
66. 6. B B<sup>2</sup> φωνὴ κραυγῆς ἐκ πόλεως (4)  
— 20. μετὰ σκιαδίων εἰς τὴν ἁγίαν πόλιν Ἱερ. (4)  
Je. 1. 15. ἐπὶ πάσας τὰς π. Ἰούδα (4)  
— 18. τέθεικα σε . . . ὡς πόλιν ὀχυράν (4)  
2. 15. αἱ π. αὐτοῦ κατεσκάφησαν (4)  
— 28. κατ' ἀριθμὸν τῶν π. σου ἦσαν θεοὶ σου (4)  
3. 14. λήψονται ὑμᾶς ἔνα ἐκ πόλεως (4)  
4. 5. εἰσελθόμεν εἰς τὰς π. τὰς τευχίρεις (4)  
— 7. πόλεις καθαιρεθήσονται (4)  
— 16. ἔδωκαν ἐπὶ τὰς π. Ἰούδα φωνὴν αὐτῶν (4)  
— 26. πᾶσαι αἱ π. ἐμπετυριεμένας (4)  
— 29. πᾶσα π. ἐγκατελείφθη (4)  
5. 6. παράβαλις ἐργαζόρησεν ἐπὶ τὰς π. αὐτῶν (4)  
— 17. ἀλοήσουσι τὰς π. [B<sup>1</sup> add. τὰς π.] τὰς ὀχυράς ὑμῶν (4, -)  
6. 6. ὁ π. ψευδὴς (4)  
7. 17. τί αὐτοὶ ποιοῦσιν ἐν ταῖς π. Ἰούδα [A om. ἐν τ. π. Ἱ.] (4)  
— 34. καταλύσω ἐκ πόλεως Ἱούδα . . . φωνὴν εὐφραυνόμενων (4)  
8. 14. εἰσελθόμεν εἰς τὰς π. τὰς ὀχυράς (4)  
— 16. καταφάγεται . . . πόλιν (4)  
9. 11 (10). τὰς π. Ἰούδα εἰς ἀφανισμόν θήσονται (4)  
10. 22. τοῦ τάξαι τὰς π. Ἰούδα εἰς ἀφανισμόν (4)  
11. 6. ἀνάρησθαι τοὺς λόγους τ. ἐν πόλεσιν Ἱ. (4)  
— 9. A εὐρέθῃ συνδεδεσμός ἐν πόλεσιν [B B<sup>2</sup> ἀνδράσιν] Ἰούδα (4)  
— 12. πορεύονται πόλεις Ἰούδα (4)  
— 13. κατ' ἀριθμὸν τῶν π. σου ἦσαν θεοὶ σου (4)  
13. 19. πόλεις αἱ πρὸς νότον συνεκλείσθησαν (4)  
14. 18. ἐὰν εἰσελθῶ εἰς τὴν π. (4)  
17. 24. τοῦ μὴ ἐπισφῆρην βαστάγματα διὰ τῶν πυλῶν τῆς π. ταύτης (4)  
— 25. εἰσελεύσονται διὰ τῶν πυλῶν τῆς π. ταύτης . . . κατοικισθήσεται ἡ π. αὐτῇ (4, 4)  
— 26. ἤξουσιν ἐκ τῶν π. Ἰούδα (4)  
19. 8. κατὰ [A τ.] τὴν π. ταύτην εἰς ἀφανισμόν (4)  
— 11. συντρίψω . . . τὴν π. τ. (4)  
— 12. τοῦ δοθῆναι τὴν π. ταύτην (4)  
— 15. ἐπάγω ἐπὶ τὴν π. τ. [A add. κατὰ] καὶ ἐπὶ πάσας τὰς π. αὐτῆς καὶ ἐπὶ τὰς κώμας αὐ. ἅπαντα τὰ κακὰ ἃ ἐλάλησα ἐπ' αὐτὴν [A add. καὶ ἐπὶ τὰς π. αὐ.] (4, 4, [-])  
20. 5. δώσω τὴν πᾶσαν ἱσχυὴν τῆς π. ταύτης . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν (4)

Je. 20. 16. ὡς αἰ π. ἄς κατέστρεψε κύριος ἐν θυμῷ (4)  
 21. 4. εἰς τὸ μέσον τῆς π. ταύτης (4)  
 — 6. πάντα τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ π. τ. (4)  
 — 7. τὸν λαὸν τὸν καταλεφθέντα ἐν τῇ π. τ. (4)  
 — 9. ὁ καθήμενος ἐν τῇ π. ταύτῃ ἀποθάνεται (4)  
 — 10. ἐστῆρικα τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν π. ταύτην εἰς κακὰ (4)  
 22. 6. ἐὰν μὴ ὦσέ σε εἰς ἔρημον πόλεις μὴ κατοικησομένης (4)  
 — 8. διελύσονται ἔθνη διὰ τῆς π. ταύτης (4)  
 — 8. διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτως τῇ π. τ. τῇ μεγάλῃ (4)  
 23. 39. ῥύσσω ὑμᾶς καὶ τὴν π. ἣν ἔδωκα ὑμῖν (4)  
 24. 8. Α. τοὺς ὑπολειμμένους ἐν τῇ π. [B S γῆ] τ. + (4)  
 28 (51). 31. ἐάλωκεν ἡ π. αὐτοῦ (4)  
 — 43. ἐγενήθησαν αἱ π. αὐ. ὡς γῆ ἀνδρός (4)  
 29 (47). 2. καταλύσεις . . . πόλιν (4)  
 29 (47). 13. πᾶσαι αἱ π. αὐτῆς ἔσονται ἔρημοι (4)  
 30 (49). 1. ἐν πόλεσιν αὐτῶν ἐνοικήσει (4)  
 30. 14 (49. 25). πῶς οὐχὶ ἐγκατέλιπε πόλιν ἐμὴν (4)  
 31 (48). 8. Α. ἔξει δεικνὸς ἐπὶ πᾶσαν πόλιν καὶ π. [B S om. κ. π.] οὐ μὴ σωθῇ (4, 4)  
 — 9. πᾶσαι αἱ π. αὐτῆς εἰς ἄβαντος ἔσονται (4)  
 — 15. ὄλετο Μωάβ π. αὐτοῦ (4)  
 — 24. ἐπὶ πᾶσας τὰς π. Μωάβ (4)  
 — 28. κατέλιπον τὰς π. (4)  
 — 32. Α. Β<sup>2</sup> Ε. πόλεις [B S<sup>1</sup> πόλεις] Ἰαζήρ ἦσαν τοὶ + (4)  
 — 34. αἱ π. αὐτῶν ἔδωκαν φωνὴν αὐτῶν + (4)  
 32 (25). 18. τὴν Ἱερουσαλὴμ καὶ τὰς π. Ἰούδα (4)  
 — 29. ἐν πόλει ἐν [A εἶπ.] ᾧ ὠνομάσθη τὸ ὄνομά μου (4)  
 33 (26). 6. τὴν π. [A π. ταύτην] δώσω εἰς κατάραν (4)  
 — 9. ἡ π. αὕτη ἐρημωθήσεται (4)  
 — 11. ἐπροφῆτευσεν κατὰ τῆς π. ταύτης (4)  
 — 12. προφῆτευσαν . . . ἐπὶ τὴν π. τ. (4)  
 — 15. αἶμα ὁσίων δίδοτε . . . ἐπὶ τὴν π. τ. (4)  
 37 (30). 18. οἰκοδομηθήσεται π. ἐπὶ τὸ ὕψος [A εἰ. τείχος] αὐτῆς (4)  
 38 (31). 21. ἀποστραφῆθι εἰς τὰς π. σου (4)  
 — 23. ἐν γῇ Ἰούδα καὶ ἐν πόλεσιν αὐτοῦ (4)  
 — 24. ἐνοικήουσιν ἐν ταῖς [A om.] π. ἱ. [B ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ] καὶ ἐν πόσῃ τῇ γῇ [A πᾶσαι ταῖς π., B πόσῃ πόλει] αὐ. (†, 4)  
 — 38. οἰκοδομηθήσεται π. τῷ κυρίῳ [B<sup>1</sup> λαφ.] (4)  
 39 (32). 3. Α. Β<sup>2</sup> Ε. διδώμι τὴν π. ταύτην ἐν χειρὶ βασιλέως βαβυλῶνος (4)  
 — 24. ὄχλος ἦκει εἰς τὴν π. (4)  
 — 24. 25. ἡ π. ἐδόθη εἰς χεῖρας Χαλδαίων (4)  
 — 28. παραδοθήσεται ἡ π. αὕτη εἰς χεῖρας βασιλέως βαβυλῶνος (4)  
 — 29. ἤξουσιν οἱ Χ. πολέμουτες ἐπὶ τὴν π. [A γῆν] τ. καὶ καύσουσι τὴν π. τ. (4, 4)  
 — 31. ἐπὶ τὸν θυμὸν μου ἦν ἡ π. αὕτη (4)  
 — 36. εἰς κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ ἐπὶ τὴν π. (4)  
 — 44. Α. Β. Ε. ἐν πόλεσιν ἱ. καὶ ἐν πόλεσι τοῦ δρους καὶ ἐν πόλει [B om. κ. ἐν π.] τῆς σεφ. καὶ ἐν πόλει τῆς ναγέβ [A quater] (4)  
 40 (38). 4. περὶ οἶκον τῆς π. ταύτης [B<sup>1</sup> αἰ.] (4)  
 — 10. ἐν πόλεσιν ἱ. καὶ ἔξωθεν Ἱερ. (4)  
 — 12. ἐν πᾶσαις ταῖς π. αὐ. καταλύματα ποιμένων (4)  
 — 13. ἐν πόλει τῆς ὀρεινῆς καὶ ἐν πόλει τῆς σεφηλά καὶ ἐν πόλει [A om. τ. σ. κ. εἰ. π.] τῆς ναγέβ . . . καὶ ἐν πόλεσιν [B ταῖς π.] Ἰούδα (4 quater)  
 41 (34). 1. ἐπολέμουν . . . ἐπὶ πᾶσας τὰς π. ἱ. (4)  
 — 2. παραδοῖται παραδοθήσεται ἡ π. αὕτη (4)  
 — 7. ἐπὶ Ἱερ. καὶ ἐπὶ τὰς [B<sup>1</sup> om.] π. ἱ. . . ὅτι αὐταὶ καταλείβουσιν ἐν πόλεσιν Ἰούδα πόλεις ὀχυρά (4 ter)  
 — 22. κατακαύσουσιν . . . τὰς π. ἱ. (4)  
 43 (36). 6. ἐν ὧσι . . . τὸν ἔρχομαι ἐκ πόλεως αὐ. (4)  
 44 (37). 4. διήλθε διὰ μέσου [A ἀνὰ μέσον] τῆς π. + (4)  
 — 8. πολέμουσιν ἐπὶ τὴν π. τ. [A αἰ.] (4)  
 — 10. καύσουσιν τὴν π. ταύτην ἐν πυρὶ (4)  
 — 21. εὖς ἐξέλκον οἱ ἄρτοι ἐκ τῆς π. (4)  
 45 (38). 2. ὁ κατοικῶν ἐν τῇ π. ταύτῃ ἀποθάνεται (4)  
 — 3. παραδιδόμενη παραδοθήσεται ἡ π. αὕτη (4)  
 — 4. τὸν καταλείπω ἐν τῇ π. (4)  
 — 9. οὐκ εἰσὶν ἐτι ἄρτοι ἐν τῇ π. [B εἰς τὴν π.] (4)  
 — 17. ἡ π. αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ ἐν πυρὶ (4)  
 — 18. δοθήσεται ἡ π. αὕτη εἰς χεῖρας τῶν Χ. [A αἰ.] (4)  
 — 23. ἡ π. αὕτη κατακαυθήσεται (4)  
 — 28. Α. οὐ συνελήφθη Ἱερ. ἡ π. [B S om. ἡ π.] — 46 (39). 2. ἐρράγη ἡ π. (4)

Je. 46 (39). 16. φέρω τοὺς λόγους μου ἐπὶ τὴν π. [A εἰς τ. γῆν] ταύτην (4)  
 47 (40). 10. οἰκήσαντες ἐν ταῖς π. (4)  
 48 (41). 7. εἰσελθόντων αὐτῶν εἰς τὸ μέσον τῆς π. (4)  
 50 (43). 13. συντρίψει τοὺς στύλους Ἠλίου πόλεως + (4)  
 51 (44). 2. ἐπὶ Ἱερ. καὶ ἐπὶ τὰς [B om.] π. ἱ. (4)  
 — 9. Α. ἐν πόλεσιν [B S γῆ] Ἰούδα + (4)  
 — 17. ἐν πόλεσιν Ἰούδα καὶ ἔξωθεν Ἱερ. (4)  
 — 21. ἐν ταῖς π. Ἰούδα καὶ ἔξωθεν Ἱερ. (4)  
 52. 5. ἦλθεν ἡ π. εἰς συνοχὴν (4)  
 — 6. ἐστερεώθη ὁ λιμὸς ἐν τῇ π. (4)  
 — 7. διεκόπη ἡ π. (4)  
 — 7. Β<sup>1</sup> κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. [A B S<sup>2</sup> πύλης] (6)  
 — 7. καὶ οἱ Χ. ἐπὶ τῆς π. κύκλῳ [A ἐκύκλωσαν] + (4)  
 — 13. ἐνέπηρσε . . . πᾶσας τὰς οικίας τῆς π. (4)  
 — 25. Α. ἐκ τῆς π. ἔλαβον [B S om. ἐκ τ. π. εἰ.] εὐνοχον ἓνα (4)  
 — 25. ἔλαβον . . . τοὺς εὐρεθέντας ἐν τῇ π. . . τοὺς εὐρεθέντας ἐν μέσῳ τῆς π. (4, 4)  
 Ba. 2. 23. ἐκ πόλεως [A -ως] ἱ. καὶ ἔξωθεν Ἱερ. (4)  
 4. 32. διέλαιαι αἱ π. (4)  
 La. 1. 1. ἐκάθισεν μόνῃ ἡ π. ἡ πεπληθυμένη λαῶν (4)  
 — 19. οἱ πρεσβύτεροί μου ἐν τῇ π. ἐξέλιπον (4)  
 2. 11. ἐν πλατείαις πόλεως (5 a)  
 — 12. ἐν πλατείαις πόλεως (4)  
 — 15. αὕτη ἡ π. [A add. ἦν] ἐρούσι στέφανος (4)  
 3. 51. παρὰ πᾶσας θυγατέρας πόλεως (4)  
 5. 11. παρθένους ἐν πόλεσιν Ἰούδα (4)  
 Ez. 4. 1. διαγράψαις ἐπ' αὐτὴν πόλιν τὴν Ἱερ. (4)  
 — 3. ἀνὰ μέσον σοῦ καὶ ἀνὰ μέσον τῆς π. (4)  
 5. 2. ἀνακαύσεις ἐν μέσῳ τῇ π. (4)  
 6. 6. αἱ π. ἐξηρημωθήσονται (4)  
 7. 15. τοὺς δ' ἐν τῇ π. λιμὸς καὶ θάνατος συντελέσει (4)  
 — 23. ἡ π. πλήρης ἀνομίας (4)  
 9. 1. ἦγγικεν ἡ ἐκδίκησις τῆς π. (4)  
 — 5. πορεύεσθε ὅπως αὐτοῦ εἰς τὴν π. (4)  
 — 9. ἡ π. ἐπλήσθη ἀδικίας (4)  
 10. 2. διασκόρπισον εἰς τὴν π. (4)  
 11. 2. βουλεύονται βουλὴν πονηρὰν ἐν τῇ π. τ. (4)  
 — 6. ἐπληθύναντε νεκροὺς ὑμῶν ἐν τῇ π. ταύτῃ (4)  
 — 23. ἀνέβη ἡ δόξα κυρίου ἐκ μέσης [A -ον] τῆς π. καὶ ἔστη ἐπὶ τοῦ δρους ὃ ἦν ἀπέναντι τῆς π. (4, 4)  
 12. 20. αἱ π. αὐτῶν αἱ κατοικοῦμεναι ἐξηρημωθήσονται (4)  
 16. 7. εἰσῆλθες εἰς πόλεις πόλεων + (4)  
 17. 4. εἰς πόλιν τετελειωμένην ἔθετο αὐτὰ (4)  
 19. 7. τὰς π. αὐτῶν ἐξηρημώσε (4)  
 21. 19 (24). ἐν ἀρχῇ ὁδοῦ πόλεως [A αἰ.] (4)  
 22. 2. εἰ [A οὐ] κρῖναι τὴν π. τῶν αἱμάτων (4)  
 — 3. ὁ π. ἐκχύσας αἱμῶνα (4)  
 24. 6. ὁ π. αἱμάτων (4)  
 — 9. Α. οὐαὶ πόλεις τῶν αἱμάτων (4)  
 25. 5. δώσω τὴν π. τοῦ Ἀμμὸν εἰς νομὰς καμήλων + (4)  
 — 9. Α. παραλὺν τὸν ὄμιον Μ. ἀπὸ τῶν π. ἀπὸ [B om. τ. π. δ.] πόλεως ἀκρωτηρίων αὐ. . . ἐπάνω πηγῆς [B<sup>1</sup> ἐπαναγωγῆς] πόλεως παραθαλάσσιας (4, 4, †)  
 26. 10. ὡς εἰσπορευόμενος εἰς πόλιν ἐκ πεδίου (4)  
 — 17. κατελύθη ἐκ θαλάσσης ἡ π. ἡ ἐπανετῆ (4)  
 — 19. ὅταν δῶσέ σε πόλιν ἡρημωμένην ὡς τὰς π. (4, 4)  
 29. 12. 30. 7. αἱ π. αὐ. ἐν μέσῳ πόλεων ἡρημωμένων ἔσονται (4, 4)  
 30. 17. νεανίσκοι Ἠλίου πόλεως . . . πεσοῦνται + (4)  
 — 17. Α. αἱ π. αἰμαλωτισθήσονται [B αἰ.] (4)  
 33. 21. ἐάλω ἡ π. (4)  
 35. 4. ταῖς [A ἐν τ.] π. σου ἐρημίαν ποιήσω (4)  
 — 9. αἱ π. σου οὐ μὴ κατοικηθῶσιν ἔτι (4)  
 36. 4. τάδε λέγει . . . ταῖς π. ταῖς ἐγκαταλειμμέναις (4)  
 — 10. κατοικηθήσονται αἱ π. (4)  
 — 33. κατοικῶ τὰς π. (4)  
 — 35. αἱ π. αἱ ἔρημοι . . . ὀχυρὰ ἐκάθισαν (4)  
 — 38. ἔσονται αἱ π. αἱ ἔρημοι πλήρεις προβάτων (4)  
 38. 11. Α. κατοικούντας πόλεις [B γῆν] — (4)  
 — 39. 9. ἐξελεύσονται οἱ κατοικοῦντες τὰς π. Ἰσραὴλ (4)  
 — 16. τὸ ὄνομα τῆς π. Πολυάνδρου (4)  
 40. 1. μετὰ τὸ ἀλῶναι τὴν π. (4)  
 — 2. ὁσπερ οἰκοδομὴ πόλεως ἀπέναντι (4)  
 43. 3. τοῦ χρίσαι τὴν π. (4)  
 45. 5. εἰς κατάσχεσιν πόλεις τοῦ κατοικεῖν + (4)  
 — 6. τὴν κατάσχεσιν τῆς π. δώσεις (4)  
 — 7. εἰς κατάσχεσιν τῆς π. . . κατὰ πρόσωπον τῆς κατασχέσεως τῆς π. (4, 4)

Ez. 48. 15. προτείχισμα ἔσται τῇ π. . . ἔσται ἡ π. ἐν μέσῳ αὐτοῦ (4, 4)  
 — 17. ἔσται διάστημα τῇ π. (4)  
 — 18. ἔσται . . . τοῖς ἐργαζομ. τῇ π. (4)  
 — 19. οἱ δὲ ἐργαζόμενοι τὴν π. ἐργῶνται αὐτὴν (4)  
 — 20. ἀπὸ τῆς κατασχέσεως τῆς π. (4)  
 — 21. εἰς τὴν κατάσχεσιν τῆς π. (4)  
 — 22. ἀπὸ τῆς κατασχέσεως τῆς π. (4)  
 — 30. αὐταὶ αἱ διεκβολαὶ τῆς π. (4)  
 — 31. αἱ πύλαι τῆς π. ἐν ὀνόματι φυλῶν (4)  
 — 35. τὸ ὄνομα τῆς π. ἀφ' ἧς ἂν ἡμέρας γένηται (4)  
 Da. LXX. Su. 6. ἥρχοντο κρίσεις ἐξ ἄλλων π. — 28. ἐλθόντες ἐπὶ τὴν συναγωγὴν τῆς π. — (4)  
 3. 1. Ναβ. βασίλειος δικαίων πόλεις — (28). καὶ ἐπὶ τὴν π. σου τὴν ἁγίαν — (4)  
 4. 26. ἐπὶ τῶν τεχνῶν τῆς π. . . περιεπάτει — (4)  
 8. 2. ἐμοῦ ὄντος ἐν 2. τῇ π. (3)  
 9. 16. ἀποστραφῆτω . . . ἡ ὁργὴ σου ἀπὸ τῆς π. σου Ἱερ. (4)  
 — 18. ἴδε τὴν ἐρήμωσιν ἡμῶν καὶ τῆς π. σου (4)  
 — 19. τὸ ὄνομά σου ἐπεκλήθη ἐπὶ τὴν π. σου Σ. (4)  
 — 24. ἐπὶ τὸν λαὸν σου καὶ ἐπὶ τὴν π. Σ. (4)  
 — 25. οἰκοδομήσεις Ἱερ. πόλιν κυρίῳ — (4)  
 — 26. βασιλεία ἐθνῶν φθερεῖ τὴν π. (4)  
 11. 13. συνάξει πόλεως συναγωγὴν + (4)  
 — 15. λήγεται τὴν π. τὴν ὀχυρὰν (4)  
 — 24. ἐξάπινα ἐρημώσεται πόλιν — (4)  
 — 24. ἐπὶ τὴν π. τὴν ἱσχυρὰν διανοηθήσεται + (4)  
 — 34. ἐπισυναχθήσονται . . . πολλοὶ ἐπὶ πόλεως — (4)  
 — 39. ἐν ἐπιθυμίᾳ ποιήσει πόλεων — (4)  
 Da. TH. 8. (28). καὶ ἐπὶ τὴν π. τὴν ἁγίαν — (4)  
 9. 16. ἀποστραφῆτω δὴ . . . ἡ ὁργὴ σου ἀπὸ τῆς π. σου Ἱερ. (4)  
 — 18. ἴδε τὸν ἀφανισμόν ἡμῶν καὶ τῆς π. σου (4)  
 — 19. τὸ ὄνομά σου ἐπεκλήθη ἐπὶ τὴν π. σου (4)  
 — 24. ἐπὶ τὸν λαὸν σου καὶ ἐπὶ τὴν π. τὴν ἁγίαν (4)  
 — 26. τὴν π. καὶ τὸ ἅγιον διαφθερεῖ (4)  
 11. 15. συλλήγεται π. ὀχυράς (4)  
 I Ma. 1. 19. καταλάβοντο τὰς π. τὰς ὀχυράς — 29. ἀπέστειλεν ὁ βασιλ. . . εἰς τὰς π. ἱ. — (4)  
 — 30. ἐπέπεσαν ἐπὶ τὴν π. ἐξάπινα — (4)  
 — 31. ἔλαβε τὰ σκῆλα τῆς π. — (4)  
 — 33. ὠκοδόμησαν τὴν π. Δ. τείχεα μεγάλῳ — (4)  
 — 44. ἀπέστειλεν . . . εἰς . . . τὰς π. ἱ. — (4)  
 — 51. ἐνετείλατο ταῖς π. ἱ. θυσιάζειν κατὰ πόλιν καὶ πόλιν — (4)  
 — 54. ἐν πόλεσιν ἱ. κύκλῳ — (4)  
 — 58. ἐν παντὶ μηνὶ καὶ μηνὶ ἐν ταῖς π. — (4)  
 2. 7. Α. Β. καὶ τὸ σύστημα τῆς π. τῆς [B om.] ἁγίας — (4)  
 — 15. ἦλθον . . . εἰς Μ. τὴν π. — (4)  
 — 17. μέγας εἰ ἐν τῇ π. ταύτῃ — (4)  
 — 27. ἀνέκραξε Μ. ἐν τῇ π. — (4)  
 — 28. ἐγκατέλιπον ὅσα ἐχόν ἐν τῇ π. — (4)  
 — 31. αἱ ἦσαν ἐν Ἱερ. πόλεις Δ. — (4)  
 3. 8. Α. Β. διήλθεν ἐν πόλεσιν [B πόλει] ἱ. — (4)  
 — 37. ἀπῆρξεν . . . ἀπὸ πόλεως βασιλείας αὐ. — (4)  
 5. 21. Α. εἰδόντες αὐτοὺς ἕως τῶν π. [B S τῆς πύλης] Πτ. — (4)  
 — 26. πᾶσαι αἱ π. αὐτὰς ὀχυραὶ — (4)  
 — 27. Α. Β. ἐν ταῖς λοιπαῖς [B ἄλλαις] π. τῆς Γ. — (4)  
 — 28. καταλάβοντο τὴν π. — (4)  
 — 31. ἡ κραυγὴ τῆς π. ἀνέβη — (4)  
 — 36. προκατελάβοντο . . . τὰς λοιπὰς π. τῆς Γ. αἰ. — (4)  
 — 44. προκατελάβοντο τὴν π. — (4)  
 — 46. καὶ αὕτη ἡ π. μεγάλη — (4)  
 — 47. ἀπέκλεισαν αὐτοὺς οἱ ἐκ τῆς π. — (4)  
 — 50. Α. παρενέβαλον οἱ ἄνδρες τῆς π. [B S δυνάμεις] — (4)  
 — 50. ἐπολέμουν τὴν π. — (4)  
 — 50. παρεδόθη ἡ π. ἐν χερσὶν αὐ. — (4)  
 — 51. Α. ἔλαβε τὰ σκῆλα τῆς π. [B S εκ. αὐτῆς] — (4)  
 — 51. διηλθε διὰ τῆς π. — (4)  
 — 59. ἐξῆλθε Γ. ἐκ τῆς π. — (4)  
 — 68. ἐσκύλευσε τὰ σκῆλα τῶν π. — (4)  
 6. 1. ἐστὶν Ἑλ. . . πόλιν ἐνδοξοῦς πλοῦτοφ — (4)  
 — 3. ἐζήτην καταλαβεσθαι τὴν π. — (4)  
 — 3. ἐγνώσθη ὁ λόγος τοῖς ἐκ τῆς π. — (4)  
 — 7. καὶ τὴν Β. πόλιν αὐ. [B<sup>1</sup> om. π. αὐ.] — (4)  
 — 49. ἐξῆλθεν ἐκ τῆς π. — (4)  
 — 63. εὖρε Φίλιππον κυριεύοντα τῆς π. — (4)  
 — 63. καταλάβοντο τὴν π. Βία — (4)  
 7. 1. Α. Β. ἀνέβη . . . εἰς π. [B om. εἰς π.] παραθαλάσσιαν [B παρὰ θάλασσαν] — (4)  
 — 32. ἐφύγον ἐκ τῆς π. Δ. — (4)  
 9. 50. ὠκοδόμησε π. ὀχυράς ἐν τῇ ἱ. — (4)  
 — 52. ὠχύρωσε τὴν π. — (4)



I Ma. 9. 65. ἀπέλπιεν Ἰ. Σίμωνα . . . ἐν τῇ π.  
— 67. ἐξήλθον ἐκ τῆς π.  
10. 10. ῥέστο . . . καυλίζεν τὴν π.  
— 63. ἐξέλθατε μετ' αὐτοῦ εἰς μέσον τῆς π.  
— 71. μετ' ἐμοῦ ἐστί [B<sup>1</sup> οὐκ ἔ. ἔτι] δυνάμει τῶν π.  
— 75. ἀπέλειπεν αὐτὸν οἱ ἐκ τῆς π.  
— 76. ἤνοιξαν οἱ ἐκ τῆς π.  
— 84. ἐνεπύρουν Ἰων. . . τὰς π. τὰς κύκλῳ αὐτῆς  
— 86. ἐξήλθον οἱ ἐκ τῆς π.  
11. 2. A B ἤνοιγον αὐτὴν οἱ ἀπὸ τῶν π. [B τῆς π.]  
— 3. ὥς δὲ εἰσπορεύετο εἰς τὰς π.  
— 3. ἀπέτασσε τὰς δυνάμεις φρουρὰν [B<sup>1</sup> -εἰν] ἐν ἐκάστῃ π.  
— 8. ἐκυρίευσεν τῶν π. τῆς παραλίας  
— 45. A B ἐπισυνήχθησαν οἱ ἐκ [B ἀπὸ] τῆς π. εἰς μέσον τῆς π.  
— 46. A B κατέλαβοντο οἱ ἐκ τῆς π. [B οἰκίας] τὰς διδούσας τῆς π.  
— 47. διεσπάρησαν ἐν τῇ π.  
— 47. A B ἀπέτειναν ἐν τῇ π. [B om. ἐν τῇ π.]  
— 48. ἐνεπύρσαν τὴν π.  
— 49. ἴδον οἱ ἀπὸ τῆς π.  
— 49. κατεκράτησαν οἱ Ἰ. τῆς π.  
— 50. πολεμούντες ἡμᾶς καὶ τὴν π.  
— 60. διεπορεύετο . . . ἐν ταῖς π.  
— 60. ἀπήντησαν αὐτῷ οἱ ἐκ τῆς π. ἐνδόξως  
— 66. κατέλαβον τὴν π.  
12. 36. ἀνὰ μέσον τῆς ἄκρας καὶ τῆς π.  
— 36. B εἰς τὸ διαχωρίζειν [A -ρῆσαι, B<sup>1</sup> -ρίσαι] αὐτὴν τῆς π.  
— 37. B E τοῦ οἰκοδομεῖν τὴν π. [A om. τ. π.]  
13. 20. A τοῦ ἐμβατεύσαι εἰς τὴν π. [B E χώραν]  
— 25. ἐν M. πόλει τῶν πατέρων αὐ.  
— 43. προσήγαγε τὴν π.  
— 44. A ἐξήλθοντο οἱ ἐν τῇ π. [B ἐλεπ., B ἐλεοπ.] εἰς τὴν π.  
— 44. ἐγένετο κίνημα μέγα ἐν τῇ π.  
— 45. ἀνέβησαν οἱ ἐν τῇ π.  
— 47. A B ἐξέβαλεν αὐτοὺς ἐκ [B ἔξω] τῆς π.  
14. 10. ταῖς π. ἐχορήγησε βρώματα  
— 17. ἐπικρατεῖ . . . τῶν π. τῶν ἐν αὐτῇ  
— 20. Σπαρτιατῶν ἄρχοντες καὶ ἡ π. Σίμωνι  
— 33. ὠχύρωσε τὰς π. τῆς Ἰουδαίας  
— 36. τοῦ ἐξαρθῆναι . . . τοὺς ἐν τῇ π. Δ.  
— 37. πρὸς ἀσφάλειαν τῆς χώρας καὶ τῆς π.  
15. 4. καὶ τοὺς ἡρμῶν καὶ τὰς π. πολλὰς  
— 14. ἐκύκλωσε τὴν π.  
— 14. A συνέθλιβεν [B ἔθλ.] τὴν π.  
— 19. καὶ τὰς π. αὐ. καὶ τὴν χώραν αὐ.  
— 28. κατακρατεῖτε . . . πόλεις τῆς βασι. μου  
— 30. παράδοτε τὰς π.  
— 31. καὶ τῶν φόρων τῶν π.  
— 39. A δυχρῶσαι τὰς π. [B B al.]  
16. 14. Σ. δὲ ἦν ἐφοδεύων ἐκ τῆς π.  
— 18. ὅπως . . . παραβῇ αὐτῷ . . . τὰς π.  
II Ma. 1. 12. τὸν παραταξαμένους ἐν τῇ ἁγίᾳ π.  
2. 22. καὶ τὴν π. ἐλευθερώσαι  
3. 1. τῆς ἁγίας π. κατοικουμένης μετὰ πάσης εἰρήνης  
— 4. B τῆς κατὰ τὴν π. παρανομίας [A al.]  
— 8. ὡς τὰς κατὰ κοιλὴν Συρίαν . . . π. ἐφοδεύων  
— 9. B ὑπὸ τοῦ ἀρχιερέως τῆς π. ἀποδεχθεῖς [A al.]  
— 14. ἦν δὲ οὐ μικρὰ καθ' ἑλὴν τὴν π. ἀγωνία  
4. 2. τὸν εὐεργέτην τῆς π.  
— 22. ὑπὸ τοῦ Ἰ. καὶ τῆς π. παραδεχθεῖς  
— 32. εἰς τε Τύρον καὶ τὰς κύκλῳ πόλεις  
— 36. οἱ κατὰ πόλιν Ἰουδαίαι  
— 38. περιεπαγόν καθ' ἑλὴν τὴν π.  
— 39. γενομένων δὲ πολλῶν ἱεροσυλημάτων κατὰ τὴν π.  
— 48. B οἱ ὑπὲρ [A περὶ] πόλεως . . . προαγορεύσαντες  
5. 2. καθ' ἑλὴν τὴν π. . . τεσσαράκοντα φαίνεσθαι  
— 5. ἐπὶ τὴν π. συνετελέσαστο ἐπίθειν  
— 5. τέλος ἦδ' καταλαβαντομένης τῆς π.  
— 6. A ἐποιεῖτο σφαγὰς τῆς π. [B τῶν πολιτῶν]  
— 8. πόλιν ἐκ πόλεως φεύγων  
— 11. ἔλαβε τὴν μὲν π. δοριάλωτον  
— 17. διὰ τὰς ἀμαρτίας τῶν τὴν π. οἰκούντων  
— 26. εἰς τὴν π. σὺν τοῖς ὁσίοις εἰσδραμῶν  
6. 8. εἰς τὰς ἀστυγείονας Ἑλληνίδας π.  
— 10. περιεπαγόντες αὐτὰς τὴν π.  
8. 3. ἐλεῖσαι δὲ καὶ τὴν κατασβεσθεῖσαν πόλιν  
— 6. πόλεις δὲ . . . ἐνεπίμτρα  
— 11. εἰς τὰς παραβαλασσίους π. ἀπέστειλε

II Ma. 8. 17. τὸν τῆς ἐμπεπαιγμένης π. αἰκισμὸν  
9. 2. καὶ τὴν π. συνέχεν  
— 14. τὴν μὲν ἁγίαν π. . . ἐλευθέραν ἀναδείξαι  
10. 1. τὸ μὲν ἱερὸν ἐκοιμᾶτο καὶ τὴν π.  
— 10. A συντελείοντα τὸ συνέχοντα τῶν π. κατὰ [B al.]  
— 27. προήγον ἀπὸ τῆς πόλεως ἐπὶ πλείων  
— 36. προκατελάβοντο τὴν π.  
11. 2. τὴν μὲν π. Ἑλληνιστὶν οἰκητήριον ποιήσεν  
12. 4. κατὰ δὲ τὸ κοινὸν τῆς π. ψήφισμα  
— 13. ἐπὶ τινα π. γεφυροῦν [? Γεφ.] δυχρᾶν  
— 16. καταλαβόμενοι τε τὴν π.  
— 27. καὶ ἐπὶ Ἑφρών π. δυχρᾶν  
— 28. ἔλαβον τὴν π. ὑποχείριον  
— 29. ὥρμησαν ἐπὶ Σκυθῶν πόλιν  
— 38. ἦγον εἰς Ὀδ. πόλιν  
13. 13. πρὶν . . . γενέσθαι τῆς π. ἐγκρατεῖς  
— 14. περὶ ἱεροῦ πόλεως πατρίδος  
15. 14. προσεχόμενος περὶ . . . τῆς ἁγίας π.  
— 17. διὰ τὸ καὶ τὴν π. . . κινδυνεύειν  
— 19. τοῖς ἐν τῇ π. κατελιμμένοις  
— 37. κρατῆσθαι τῆς π. ὑπὸ τῶν Ἑβρ.  
III Ma. 1. 6. ἐκρινε τὰς πληθύνον π.  
— 17. οἱ κατὰ τὴν π. ἀπολειπόμενοι  
— 19. B ὁρῶν ἀτακτοὺς ἐν τῇ π. [A om. ἐν τῇ π.] συνίσταντο  
2. 9. ἐξελέξω τὴν π. ταύτην  
— 31. ἐνιοι μὲν οὖν ἐπὶ πόλεως [? ἐπιπολαίως] τὰς τῆς π. εὐσεβείας ἐπιβάδας στυγοῦντες  
— 8. οἱ δὲ κατὰ τὴν π. Ἕλληνες  
— 16. τοῖς κατὰ πόλιν ἱεροῖς  
4. 3. τίς νομὸς ἡ πόλις  
— 4. ὑπὸ τῶν κατὰ πόλιν στρατηγῶν  
— 11. ἐν τῷ πρὸ τῆς π. λιποπόρῳ  
— 11. πᾶσι τοῖς καταπορευομένοις εἰς τὴν π.  
— 12. τοὺς ἐκ τῆς π. ὁμοεθνῆς  
5. 24. τὰ δὲ κατὰ τὴν π. πληθύν  
— 41. ἡ π. διὰ τὴν προσδοκίαν ὀχλεῖ  
— 46. ἐπὶ τοὺς επικρατοῦντας τόπους τῆς π.  
— 46. τῆς π. ἦδ' ἐπὶ τὴν ἀναριθμήτοις . . . καταμυσσώμενης  
6. 5. μετεωρισθέντα ἐπὶ τὴν ἁγίαν σου π.  
— 30. ὁ βασι. εἰς τὴν π. ἀπαλλαγίς  
— 41. πρὸς τοὺς κατὰ πόλιν στρατηγούς  
7. 16. ἀνέειψαν ἐκ τῆς π.  
IV Ma. 7. 4. οὐχ οὕτω πόλις . . . ἀντίσχε  
[Aq. GE. 28. 19: Jo. 2. 14: 15. 21: 21. 20: III Ki. 9. 24: 12. 17: 14. 11, 12: IV Ki. 7. 12: Ps. 45 (46): 5: 106 (107): 36: 121 (122): 3: Pr. 18. 19: 21. 22: 15. 14. 21: 15. 1: 17. 2: 19. 18: 20. 1: 29. 1: 32. 19: 83. 20: 86. 6: 42. 11: JE. 6. 6: 15. 8: 26 (33): 20: 27 (34): 17: 81 (88): 21. 24: 32 (39): 24: 38 (40): 5: 34 (41): 22: 40 (47): 5: 48 (81): 15: 49. 25 (30. 14): 51 (28): 43: 52. 15: Ez. 24. 9: 25. 9: 26. 10: DA. 9. 24, 26.]  
[Sm. GE. 19. 16: Jo. 2. 14: 15. 9, 21: 21. 20: II Ki. 5. 9: III Ki. 20 (21): 14: IV Ki. 8. 19: 7. 12: Ps. 80 (81): 22: 45 (46): 5: 64 (65): 10: 68 (69): 7. 15: 59 (60): 11: 106 (107): 36: 121 (122): 3: Pr. 9. 3: 11. 10: 21. 22: Ec. 10. 15: Is. 14. 21: 15. 1: 17. 2: 19. 18: 26. 1: 27. 10: 29. 1: 32. 13. 19: 83. 20: 38. 6: 42. 11: 45. 13: JE. 6. 6: 11. 6: 15. 7. 8: 27 (34): 17: 81 (88): 21: 33 (40): 5: 34 (41): 22: 40 (47): 5: 49. 25 (30. 14): 51 (28): 43: 52. 15: Ez. 24. 9: 25. 9: 26. 10: DA. 9. 24, 26.]  
[Th. Jo. 2. 14: 15. 21: 21. 20: Jo. 10. 4: 17. 8: III Ki. 16. 23: IV Ki. 8. 19: 7. 12: Pr. 9. 3: 10. 15: 11. 11: 21. 22: Is. 14. 21: 17. 1: 19. 18: 22. 2: 29. 1: 33. 20: 37. 34: 38. 6: 42. 11: JE. 11. 6: 26 (33): 20: 27 (34): 17. 19: 29 (36): 16: 34 (41): 22: 39 (40): 4. 9: 48 (31): 45: 49. 25 (30. 14): Ez. 22. 2: 24. 9: 25. 9: 30. 7. 15 (Sw.): 43. 3: DA. 8. (38): 9. 24, 26.]  
[Al. Dt. 20. 15: Jo. 11. 19: 24. 28: Is. 32. 18.]  
[Heb. III Ki. 20 (21): 19: Ez. 43. 3.]  
[Quint. IV Ki. 8. 19: 7. 12: Ho. 7. 4.]  
**πολιτεία.**  
II Ma. 4. 11. τὰς μὲν νομίμους καταλύων πολιτείας  
6. 23. A ἄξιον . . . τῆς ἐπικτήτου καὶ ἐπιφανοῦς π. [B al.]  
8. 17. τὴν τῆς προγονικῆς π. κατάλυτον  
13. 14. περὶ ἱεροῦ πόλεως πατρίδος πολιτείας

III Ma. 8. 21. πολιτείας αὐτοὺς Ἀλεξανδρέων καταλύσας  
— 23. οὐ μόνον ἀπεστρέφοντο τὴν ἀτίμητον π.  
IV Ma. 3. 20. τὴν π. αὐ. ἀποδέχεσθαι  
8. 7. ἀρησάμενοι τὸν πάτριον ὕμνον τῆς π. θεσμὸν  
17. 9. τὴν Ἑβραίων π. καταλύσαι  
**πολιτεύεσθαι.**  
Es. 8. 13. δικαιοσύνης [B<sup>1</sup> ἀνγκαίως] δὲ πολιτευομένους νόμοις  
II Ma. 6. 1. τοῖς τοῦ θεοῦ νόμοις μὴ πολιτεύεσθαι  
11. 25. καὶ π. κατὰ τὰ ἐπὶ τῶν προγόνων αὐ. ἔθῃ  
III Ma. 8. 4. τῷ τούτου νόμῳ πολιτευόμενοι  
IV Ma. 2. 8. αὐτίκα γοῦν τῷ νόμῳ πολιτευόμενος  
— 23. καθ' ὃν πολιτευόμενος βασιλεύσει  
4. 23. τῷ πατρίῳ πολιτευόμενοι νόμῳ  
5. 16. θεῖα πεπεισμένοι νόμῳ πολιτεύεσθαι  
**πολιτεύμα.**  
II Ma. 12. 7. τὸ σύμπαν τῶν Ἰσραὴλ ἐκρίνωσιν π. πολιτῆς. (1) ἱσραὴλ (2) ἱσραὴλ (3) ἱσραὴλ  
Ge. 23. 11. ἐναντίον τῶν π. μου  
Nu. 4. 18. B<sup>1</sup> ἐκ μέσου τῶν π. [A B<sup>2</sup> B Λευιτῶν] †  
Pr. 11. 9. ἐν σφόδρῃ ἀσεβῶν [B ἁμαρτωλῶν]  
παγίς πολιτείας (8)  
— 12. μυκτηρίζει πολίτας ἐνδοῖς φρεσὶν (8)  
24. 43 (28). μὴ ἴσθι ψευδὲς μάρτυς ἐπὶ σὺν π. (8)  
Za. 13. 7. ἐξεγύρῃ . . . ἐπὶ ἄνδρα π. [B<sup>1</sup> πολεμότην] μου (2)  
Je. 36 (29). 23. ἐμοιχῶντο τὰς γυν. τῶν π. αὐ. (3)  
38 (31). 34. οὐ μὴ διδάσκων ἐκαστος τὸν π. [A ἀδελφόν] αὐτοῦ (8)  
II Ma. 4. 5. οὐ γινώσκοντες τῶν π. κατηγοροῦ  
— 50. μέγας τῶν π. ἐπιβουλὸς καθεστὸς  
5. 6. B ἐποιεῖτο σφαγὰς τῶν π. [A τῆς πόλεως]  
— 8. βδελυσσόμενος ὡς . . . πολιτῶν δήμου  
— 23. χεῖριστα τῶν ἄλλων ὑπερήρητο τοῖς π.  
— 23. ἀπεχθὴ δὲ πρὸς τοὺς π. Ἰουδ. ἔχων διάθεσιν  
9. 19. τοῖς χρηστοῖς Ἰουδ. τοῖς π.  
14. 8. τῶν ἰδίων π. στοχαζόμενος  
15. 30. ὁ . . . πρωταγωνιστὴς ὑπὲρ τῶν π.  
III Ma. 1. 22. B οἱ [A add. περὶ] τῶν π. θρασυνοήτες  
[Al. Pr. 6. 3.]  
**πολίχη.**  
[Aq. Is. 26. 5: 29. 1.]  
**πολλάκις.**  
To. 1. 6. B ἐπορευόμεν π. [A B πλεονάκις] εἰς Ἱερ. 6. 6. B π. ἐγὼ ἐγενόμην ἐκεῖ  
— 9. B π. φερόμεν εἰς Μιθραῖαν  
Es. 8. 13. π. δὲ καὶ πολλοὺς . . . καταστήσασα  
Jb. 4. 2. μὴ π. σοὶ λελάληται ἐν κόφῳ  
— 81. 31. εἰ δὲ καὶ π. εἶπον αὶ θεράπαιναι μου  
— Si. 19. 15. π. γὰρ γίνεται διαβολή  
I Ma. 14. 29. π. ἐγενήθησαν πόλεις  
I Ma. 9. 25. ὃν π. . . τοῖς πλείστοις ὕμνον παρακατετίθειν  
12. 22. ὅτε π. ὑπὸ τῶν ἰδίων βλάπτεσθαι  
III Ma. 5. 41. καὶ κινδυνεύει π. διαρπασθῆναι  
IV Ma. 18. 6. ὁ μελεῖ ἔργον καὶ π. τρισαθλία  
[Al. Jb. 31. 31.]  
**πολλαπλασιάζω.**  
[Sm. II Ki. 12. 8.]  
**πολλαχόθεν.**  
IV Ma. 1. 7. π. μὲν οὖν καὶ ἀλλαχόθεν  
**πολλαχῶς.** (1) ἡρῶν hi.  
Ez. 16. 26. π. ἐξεφόμενος τοῦ παροργίσαι με (1)  
III Ma. 1. 25. π. ἐπειρώοντο τὸν . . . νοὺν ἐξιστάμεν  
**πολλοστές.** (1) ἡρῶν (2) ἡρῶν  
II Ki. 23. 20. ἀνὴρ αὐτὸς π. ἐργῶν (1)  
Pr. 5. 19. ἐν γὰρ τῇ ταύτῃ [A ταύτῃ τῇ] φιλίᾳ συμπεριφερόμενος πολλοστές ἐσθῇ (2)  
[Aq. Je. 51 (28): 13.]  
[Sm. Ps. 54 (65): 19.]  
**πολλὸς (?)**  
II Ki. 23. 36 (35). A Γ. υἱὸς N. πολλὸς δυναμῶς [B al.] †  
**πολύ (adv.).** πλείων, πλέον, γὰρ, γὰρ πολὺς.

**πολυάνδριον** (-ειον). (1) מִלְּאָ (2) α. הַמִּלְּאָ  
δ. הַמִּלְּאָ  
Je. 2. 23. ἵδε τὰς ὁδοὺς σου ἐν τῷ π. (1)  
19. 2. ἐξέλειψη εἰς τὸ π. υἱὸν τῶν τέκνων αὐτῶν (1)  
— 6. δαΐτωσις καὶ π. υἱὸς Ἐννὸμ ἄλλ' ἢ π.  
τῆς σφαγῆς (1, 1)  
Ez. 39. 11. τὸ π. τῶν ἐπελθόντων πρὸς τῇ  
θαλάσῃ [Δ τὴν θ.] . . . κληθήσεται  
τότε [? τὸ Τέ, Δ τὸ Γαί] τὸ π. τοῦ  
Γώγ (1, 2 α)  
— 15. θάψωσιν αὐτὸ . . . εἰς τὸ γαί τὸ π. τοῦ  
Γώγ (2 α)  
— 16. τὸ ὄνομα τῆς πόλεως π. (2 β)  
II Ma. 9. 4. πολυάνδριον Ἰουδαίων Ἱερ. ποιήσω  
— 14. καὶ πολυάνδριον οἰκοδομήσαι  
IV Ma. 15. 20. πολυάνδριον ὁρώσα τῶν τέκνων χο-  
ρείων  
**πολύβουλος**.  
[Smm., Th. Pr. 11. 14: 24. 6.]  
**πολύγονος**.  
Wi. 4. 3. πολύγονος δὲ ἀσεβῶν πλήθος  
IV Ma. 15. 5. ὅσῳ γὰρ . . . πολυγονώτεροι ὑπάρ-  
χουσιν αἱ μητέρες  
**πολυδάκρυτος** (B), **πολύδακρυς** (A).  
III Ma. 5. 25. π. ἱκετίαν . . . ἐδέοντο τοῦ μεγίστου  
θεοῦ  
**πολυέλεος**. (1) מְרַחֵם (2) מְרַחֵם  
Ex. 34. 6. κ. ὁ θ. . . μακρόθυμος καὶ π. (2)  
Nu. 14. 18. κύριος μακρόθυμος καὶ π. (2)  
Ne. 9. 17. σὺ θεὸς . . . μακρόθυμος καὶ π. (2)  
Ps. 85 (86). 5. καὶ πολυέλεος πᾶσι τοῖς ἐπικα-  
λουμένοις σε (2)  
— 15. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος καὶ ἀληθινός (2)  
102 (103). 8. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (2)  
144 (145). 8. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (1)  
Si. 2. 11. B<sup>1</sup> ὁ κύριος μακρόθυμος καὶ πολυέλεος  
[A B S<sup>1</sup> al.]  
Jl. 2. 13: [π. 4. 2. μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (2)  
III Ma. 6. 9. καὶ νῦν μισέβρι πολυέλεος  
πολυετής.  
Wi. 4. 16. νύκτες [A -τητος] τελεσεβεία ταχέως  
[B<sup>1</sup> om.] πολυετὲς γήρας ἀδίκου  
**πολυημερεύειν**. (1) מְרַחֵם (2) מְרַחֵם  
De. 11. 21. A ἵνα πολυημερεύσῃτε [B μακροημ.] (1)  
**πολυήμερος**. (1) π. γίνεσθαι מְרַחֵם (2) מְרַחֵם  
(2) π. εἶναι מְרַחֵם (2) מְרַחֵם  
De. 6. 24. A ἵνα πολυήμεροι ὦμεν [B al.]  
22. 7. καὶ πολυήμερος γένῃ [A ἔσῃ] (1 [3])  
25. 15. ἵνα πολυήμερος γένῃ  
30. 18. οὐ μὴ πολυήμεροι γένῃσθε (1)  
Da. LXX. 4. 24. ἵνα . . . πολυήμερος γένῃ  
[Al. Dt. 6. 24.]  
**πολυήρηνος**.  
IV Ma. 16. 10. γυνὴ χήρα καὶ μόνῃ π.  
**πολυκαρπία**.  
[Smm. Ps. 64 (65). 10.]  
**πολυκέφαλος**.  
IV Ma. 7. 14. τὴν π. στρέβλαν ἡκίρωσεν  
**πολύλαλος**.  
[Smm. Jb. 11. 2.]  
**πολυλογία**. (1) מְרַחֵם (2) מְרַחֵם  
Pr. 10. 19. ἐκ πολυλογίας οὐκ ἐκφέυξῃ [A -εταί]  
ἀμαρτίαν [A -ia] (1)  
**πολυμερής**.  
Wi. 7. 22. ὅστι γὰρ ἐν αὐτῇ πνεῦμα . . . π.  
**πολύμιτος**.  
[Smm. Ez. 16. 13: 27. 13 (P.), 16.]  
**πολυοδία**. (1) מְרַחֵם (2) מְרַחֵם  
Is. 57. 10. ταῖς π. σου ἐκοπίσας (1)  
**πολύορκος**.  
Si. 23. 11. ἀνὴρ πολύορκος πληθῆσθαι ἀνομίας  
27. 14. λαλία πολύορκος ὁρώσκει [A ἀνορθ.] τρίχας

**πολυοχία** (?). (1) מְרַחֵם  
Jb. 39. 7. A καταγελῶν πολυοχίας [B S -οχλίας] (1)  
**πολυοχλία**. (1) מְרַחֵם  
Jb. 31. 34. οὐ γὰρ διετράπην πολυοχλίαν πλή-  
θους [A λαοῦ] (1)  
89. 7. καταγελῶν πολυοχλίας πλῆθος [A al.] (1)  
Ba. 4. 34. περιελὼ αὐτὴς τὸ ἀγαλλίωμα [A ἀγαλμα]  
τῆς π.  
**πολύπαις**.  
IV Ma. 16. 10. δ ἢ π. καὶ καλλίπαις ἐγὼ γυνή  
**πολύπειρα**.  
Wi. 8. 8. A εἰ δὲ καὶ πολυπείραν [B S -ρίαν] ποθεῖ  
τις  
**πολυπειρία**.  
Wi. 8. 8. εἰ δὲ καὶ πολυπείριαν [A -ραν] ποθεῖ τις  
Si. 25. 6. στέφανος γερόντων πολυπείρια  
**πολύπειρος**.  
Si. 21. 22. ἀνθρώπος δὲ πολυπείρος αἰσχυρήσεται  
31 (34). 9. ὁ π. ἐκδυγήσεται σύνευν  
86. 25 (22). ἀνθρώπος π. ἀνταποδοῖ αὐτῷ  
**πολυπλασιάζειν**. (1) מְרַחֵם  
De. 4. 1. B καὶ πολυπλασιασθήτε  
8. 1. καὶ πολυπλασιασθήτε (1)  
11. 8. καὶ πολυπλασιασθήτε  
**πολυπλασίως**.  
II Ma. 9. 16. τὰ ἱερὰ σκέυη π. πάντα ἀποδώσειν  
**πολυπληθεῖν**. (1) α. ב' δ. מְרַחֵם hi. c. ב'  
Ex. 5. 5. πολυπληθεῖ δ' λαός (1 α)  
Le. 11. 42. δ πολυπληθεῖ πούσιν (1 β)  
De. 7. 7. πολυπληθεῖτε παρὰ π. τὰ ἔθνη (1 γ)  
**πολυπληθία** (-εία).  
II Ma. 8. 16. μηδὲ εὐλαβεῖσθαι τὴν . . . π.  
**πολυπληθύνειν**. (1) מְרַחֵם hi.  
Ex. 32. 13. πολυπληθυνῶ τὸ σπέρμα ὑμῶν (1)  
Da. LXX. 3. (36). πολυπληθυνῶν [? πολὺ πλ.] τὸ  
σπέρμα αὐτῶν  
**πολύπλοκος**. (1) מְרַחֵם ni.  
Es. 8. 13. πολυπλόκος μεθόδων παραλογισμοῖς  
Jb. 5. 13. βουλὴν [A -as] δὲ πολυπλόκων [B<sup>1</sup>  
-τρόπων] ἐξέστῃσιν (1)  
IV Ma. 14. 13. πῶς π. εἶστιν ἡ τῆς φιλοτεκνίας  
στοργή  
15. 24. AB τὴν τῶν στρεβλῶν πολύπλοκον ποικιλίαν  
[B al.]  
**πολυπραγμαίνειν**.  
II Ma. 2. 30. καὶ π. ἐν τοῖς κατὰ μέρος  
**πολυπραγμασύνη**.  
[Smm. Ec. 7. 30 (29).]  
**πολυρρήμων**. (1) מְרַחֵם מְרַחֵם  
Jb. 8. 2. πνεῦμα πολυρρήμων τοῦ στόματός σου (1)  
**πολύς, πλείων, πλείστος**. (1) מְרַחֵם (2) מְרַחֵם  
(3) מְרַחֵם (4) מְרַחֵם a. adj. δ. verb.  
(5) מְרַחֵם (6) πλείων γίνεσθαι מְרַחֵם  
(7) מְרַחֵם (8) מְרַחֵם (9) α. ב' δ. ב' c. ב'  
d. מְרַחֵם qal. e. hi. f. מְרַחֵם g. מְרַחֵם  
(10) מְרַחֵם (11) מְרַחֵם (12) מְרַחֵם (13) πολὺς  
γίνεσθαι α. ב' δ. ב' d. מְרַחֵם (14) πολὺς εἶναι  
α. ב' δ. ב' qal. c. hi. (15) δ τὸ π.  
α. מְרַחֵם δ. ב' d. (16) ἐπὶ πολὺ α. מְרַחֵם  
δ. ב' hi. c. ב' d. מְרַחֵם (17) πολὺν  
ποιεῖν α. מְרַחֵם δ. ב' hi. (18) διὰ χρόνου  
π. α. מְרַחֵם δ. ב' (19) εἰς χρόνον π.  
מְרַחֵם מְרַחֵם (20) πλείων, πλέον, πλείον  
α. מְרַחֵם δ. ב' c. ב' d. מְרַחֵם hi.  
e. מְרַחֵם hi. (21) πλείων εἶναι ב' d.  
(22) πλείονα ποιεῖν מְרַחֵם ni. (23) ἐπὶ

πλείον α. מְרַחֵם hi. δ. ב' (24) πλείστον,  
τὸ πλείστον α. מְרַחֵם hi. δ. ב' c. מְרַחֵם  
(25) πλήθος π. (τὸ πλ. τὸ π.) α. ב'  
δ. מְרַחֵם c. מְרַחֵם d. ב'  
Ge. 6. 1. ἤρξαντο οἱ ἄνθρωποι γίνεσθαι (18 α)  
13. 6. ἦν τὰ ὑπάρχοντα αὐτῶν π. (9 α)  
15. 1. ὁ μισθός σου π. ἐστὶ ἀσφόδρα (14 c)  
— 14. μετὰ ἀποσκευῆς π. (2)  
17. 5. πατέρα πολλῶν ἐθνῶν τέθεικά σε (8)  
18. 18. εἰς ἔθνος μέγα καὶ π. (8)  
21. 34. παρῆλθεν δὲ . . . ἡμέρας π. (9 α)  
24. 25. A χόρτασμα π. [B -ματα π.] παρ' ἡμῖν (9 α)  
26. 14. κτήνη βοῶν καὶ γεώργια π. (9 α)  
29. 7. ἐτι ἐστὶν ἡμέρα π. (2)  
30. 43. ἐγένετο αὐτῷ κτήνη π. (9 α)  
33. 9. ἐστι μοι πολλὰ (9 α)  
36. 7. ἦν γὰρ αὐτῶν τὰ ὑπάρχοντα π. (9 α)  
37. 34. B ἐπένθει . . . ἡμέρας π. [A τινάς] (9 α)  
41. 29. ἐπὶ τῇ ἔρχεται εὐηρία π. (2)  
— 49. σίγον ὥσπερ τὴν ἄμυν τῆς θ. πολὺν (9 c)  
46. 29. A B<sup>1</sup> ἐκλαυσεν κλαυθμῷ πλείον [B<sup>1</sup> B  
πίον] +  
48. 16. πληθυνθεῖσαν εἰς πλήθος π. (25 α)  
50. 20. ἵνα τραφῇ λαὸς π. (9 α)  
Ex. 1. 12. τοσοῦτον πλείους ἐγίνοντο (6)  
2. 11. ἐν ταῖς ἡμέραις ταῖς π. ἐκείνας  
— 23. μετὰ δὲ τὰς ἡμέρας τὰς π. ἐκείνας (9 α)  
3. 8. εἰς γῆν ἀγαθὴν καὶ π. (11)  
4. 18. μετὰ δὲ τὰς ἡμέρας τὰς π. ἐκείνας  
9. 18. ὅς . . . χάλασαν π. σφόδρα (4 α)  
— 24. ἡ δὲ χυλὰρα π. σφόδρα (4 α)  
10. 4. ἐπάγω . . . ἀκρίδα π. —  
— 14. καὶ κατέπαυσεν . . . πολλὰ σφόδρα (4 α)  
12. 38. ἐπίμκτος π. συνανέβη αὐτοῖς . . . καὶ  
κτῆνη π. σφόδρα (9 α, 4 α)  
16. 17. ὁ τὸ π. καὶ ὁ τὸ ἔλαττον (15 α)  
— 18. οὐκ ἐπλόρασεν ὁ τὸ π. (15 α)  
23. 2. οὐκ ἔσθη μετὰ πλείωνων ἐπὶ κακίᾳ (20 β)  
— 2. ἐκκλίνει μετὰ πλείωνων (20 β)  
— 29. καὶ π. γένῃται ἐπὶ σὲ τὰ θηρία (18 α)  
Le. 15. 25. εἰς βῆν . . . ἡμέρας πλείους (20 β)  
25. 16. καθότι ἂν πλείων τῶν ἐτῶν πληθύνῃ (20 c)  
— 51. εἰς δὲ τι πλείον [A πλείον] τῶν  
ἐτῶν ἢ (20 β)  
Nu. 9. 19. ὅταν ἐφέλκῃται . . . ἡμέρας πλείους (20 β)  
13. 19 (18). ἡ ὀλίγοι εἰσὶν ἡ πολλοί (9 α)  
14. 12. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πολὺ μᾶλλον ἢ τοῦτο (8)  
20. 11. ἐξῆλθεν ὕδωρ π. —  
— 15. παρῆλθον . . . ἡμέρας πλείους [A  
om. ἡ. πλ.] (9 α)  
— 15. A ἐκάκωσαν ἡμᾶς . . . ἡμέρας πλείους  
[B om. ἡ. πλ.] —  
21. 6. ἀπέθανε λαὸς π. (9 α)  
22. 3. ὅτι πολλοὶ ἦσαν (9 α)  
— 15. ἀποστῆλαι ἀρχοντας πλείους (20 β)  
24. 7. κυριεύσει ἐθνῶν π. (9 α)  
26. 54. τοῖς πλείοις πλεονάσεις τὴν κληρον. (20 β)  
— 56. ἀνὰ μέσον πολλῶν καὶ ὀλίγων (9 α)  
32. 1. A πλήθος π. [B om.] σφόδρα (25 β)  
33. 54. τοῖς πλείοις πληθυνθεῖτην κατὰσχ. αὐ. (20 β)  
35. 8. ἀπὸ τῶν τὰ π. πολλὰ (15 β, 9 c)  
De. 1. 28. ἔθνος μέγα καὶ π. (10)  
— 46. ἐνεκάθισθε ἐν K. ἡμέρας π. (9 α)  
2. 1. ἐκεκλώσαμεν τὸ ὄρος τὸ Σ. ἡμέρας π. (9 α)  
— 10, 21. ἔθνος μέγα καὶ π. (9 α)  
3. 5. πλὴν τῶν πόλεων τῶν φ. τῶν π. (9 c)  
— 19. οἶδα ὅτι π. [A π. τὰ] κτήνη ὑμῖν (9 α)  
7. 1. A B<sup>1</sup> ἔθνη μεγάλα καὶ π. [B<sup>1</sup> B om. κ. π.] (9 α)  
— 1. ἐπὶ τῇ [A add. μεγάλα καὶ] π. [B<sup>1</sup>  
μεγάλα] (9 α [8])  
— 17. π. τὸ ἔθνος τοῦτο ἡ ἐγὼ (9 α)  
8. 7. εἰς γῆν ἀγαθὴν καὶ π. —  
9. 2. λαὸν μέγαν καὶ π. (10)  
— 14. A ποιήσω σε εἰς ἔθνος μέγα καὶ ἰσχυ. καὶ  
π. [A π. κ. ισχυ.] μᾶλλον ἢ τοῦτο (9 α)  
15. 6. δανείεις ἔθνεσιν π. (9 α)  
— 6. ἀρξείεις ἐθνῶν π. (9 α)  
20. 1. καὶ ὧς . . . λαὸν πλείονά σου (20 β)  
— 19. εἰς δὲ περικαβίους . . . ἡμέρας πλείους  
[A πλείων] (20 β)  
25. 3. ὑπὲρ ταύτας τὰς πληγάς πλείους (20 β)  
26. 5. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πλήθος π. (9 α)  
28. 12. δανείεις ἔθνεσιν π. (9 α)  
— 12. A B<sup>1</sup> B ἀρξείεις σὺ ἐθνῶν π. —

- De. 28. 38. σπέρμα π. ἐξοίσεις εἰς τὸ πεδῖον (9 α)  
 26. 38. καὶ πολλοὶ τσισθε (14 β)  
 31. 17. εὐρήσουσιν αὐτὸν κακὰ π. (9 α)  
 — 21. Ἄ θαν εὐρύνουν αὐτὸν κακὰ π. (9 α)  
 33. 6. ἔστω πολὺς ἐν ἀριθμῷ †  
 Jo. 5. 6. ἀπερίτμητοι ἦσαν οἱ πλείστοι αὐ. —  
 9. 13. ἀπὸ τῆς π. ὁδοῦ σφόδρα (9 β)  
 10. 11. ἐγένοντο πλείους οἱ ἀποθανόντες (20 β)  
 11. 4. καὶ ἄρματα π. σφόδρα (9 α)  
 — 18. ἡμέρας πλείους ἐποίησαν . . . τὸν πόλεμον (20 β)  
 13. 1. ἡ γῆ ὑπολέλειπται πολλή (9 ε)  
 17. 14. ἐγὼ δὲ λαὸς π. εἰμι (9 α)  
 — 15. 17. εἰ λαὸς π. εἰ (9 α)  
 22. 3. ταῦτας τὰς ἡμ. [A. add. καὶ] πλείους (20 β)  
 — 8. ἐν χρήμασι π. ἀπῆλθοναν (9 α)  
 — 8. κτήνη π. σφόδρα . . . καὶ ἱματισμὸν π. [A. add. σφόδρα] διελαστο (9 α, 9 ε)  
 23. 1. μεθ' ἡμέρας πλείους (20 β)  
 24. 4. εἰς ἔθνος μέγα καὶ π. —  
 — 7. ἦτε ἐν τῇ ἐρήμῳ ἡμέρας πλείους (20 β)  
 Jd. 7. 2. π. ὁ λαὸς ὁ μετὰ σοῦ (9 α)  
 — 4. ἔτι ὁ λαὸς π. (9 α)  
 8. 24. Ἀ ἐνώτια χρυσὰ π. ἦν [B om. π. ἦν] αὐτοῖς —  
 — 30. γυναῖκες π. ἦσαν αὐτῷ (9 α)  
 9. 40. ἔπεισον τραυματίας π. (9 α)  
 16. 30. ἦσαν οἱ τεθνηκότες . . . πλείους (20 β)  
 20. 40. ἀνέβη ἐπὶ πλείον [A. al.] —  
 I Ki. 2. 5. ἦν ἐν τέκνοισι ἡ ἐπιστήμη (9 α)  
 9. 7. πλείον οὐκ ἔστι μεθ' ἡμῶν [A. ἐν ἡμῖν] †  
 14. 6. B σῶζεν ἐν πολλοῖς ἢ ἐν ὀλίγοις (9 α)  
 26. 13. καὶ π. ἡ ὁδὸς ἀνὰ μέσον αὐτῶν (9 α)  
 — 21. ἡγήσθηκα πολλὰ σφόδρα (9 ε)  
 II Ki. 1. 4. πεπνύκασι πολλοὶ ἐκ τοῦ λαοῦ (9 ε)  
 3. 1. ἐγένετο ὁ πόλεμος ἐπὶ πολὺ (16 α)  
 — 22. σκυλὰ πολλὰ ἔφερον (9 α)  
 8. 8. ἔλαβεν ὁ βασιλ. Δ. χαλκὸν π. σφόδρα (9 ε)  
 12. 2. τῷ πλουσίῳ ἦν . . . βουκόλια π. σφόδρα (9 ε)  
 — 30. σκυλὰ . . . ἐξήνεγκε πολλὰ σφόδρα (9 ε)  
 13. 34. λαὸς π. πορευόμενος ἐν τῇ ὁδῷ (9 α)  
 14. 2. ἔση ὡς γυνὴ πενθοῦσα . . . ἡμέρας π. (9 α)  
 15. 12. ὁ λαὸς ὁ πορευόμενος, καὶ π. (9 α)  
 22. 17. ἔλκευσε μὲν ἐξ ὀδῶν π. (9 α)  
 24. 14. π. οἱ οἰκτιρμοὶ αὐτοῦ σφόδρα (9 α)  
 — 16. πολὺν νῦν [A. πολὺν] ἄνεσ τὴν χεῖρά σου (9 α)  
 III Ki. 8. 1 (4, 29 [5, 9]). ἔδωκε κ. . . σοφίαν π. σφόδρα (9 ε)  
 — I (B), 4. 20 (A). Ἰουδα καὶ Ἰσρ. πολλοὶ σφόδρα (9 α)  
 — 8. ἐν ἐξελίξῳ λαὸν π. (9 α)  
 — 11. οὐκ ᾔτησεν σοφίαν π. σφόδρα (9 α)  
 4. 29 (5, 9). ἔδωκε κ. . . σοφίαν [A. φρόνησιν] π. (9 ε)  
 5. 7 (21). ἐπὶ τὸν λαὸν τὸν π. τοῦτον (9 α)  
 10. 2. καὶ χρυσὸν π. [A. -σίαν π.] (9 α)  
 — 10. καὶ ἡδύσματα π. σφόδρα (9 ε)  
 — 11. ἤνεγκε ἔξω πελεκητὰ π. σφόδρα (9 ε)  
 11. 1. Ἀ ἔλαβε γυναῖκας ἀλλοτρίας π. [B om.] (9 α)  
 18. 1. καὶ ἐγένετο μεθ' ἡμέρας π. (9 α)  
 — 25. ὅτι πολλοὶ ὕμεις (9 α)  
 19. 7. ὅτι π. ἀπὸ σοῦ ἡ ὁδὸς (9 α)  
 IV Ki. 6. 16. πλείους οἱ μεθ' ἡμῶν (20 β)  
 9. 22. καὶ τὰ φάρμακα αὐτῆς τὰ π. (9 α)  
 10. 18. Ἰοὺ δουλῶσιν αὐτῷ πολλὰ (9 ε)  
 12. 10 (11). π. τὸ ἀργύριον ἐν τῇ κιβωτῷ (9 α)  
 21. 16. αἱμα δόφων ἐξέχεε M. πολὺ σφόδρα (9 α)  
 I Ch. 4. 27. τοῖς ἀδ. αὐ. οὐκ ἦσαν υἱοὶ π. (9 α)  
 — 40. Ἀ B² εὐρυν νομάς πλείονας [B¹ πίνονας] †  
 5. 9. κτήνη αὐτῶν π. ἐν γῇ Γαλ. (9 α)  
 — 22. τραυματίας π. ἔπυσον (9 α)  
 7. 22. ἐπένηθον ἐφρ. . . ἡμέρας π. (9 α)  
 11. 22. π. ἔργα αὐτοῦ ὑπὲρ Καβ. (9 α)  
 12. 29. τὸ πλείστον αὐ. ἀπεσκόπη τὴν φυλακὴν (24 ε)  
 18. 8. ἔλαβε Δ. χαλκὸν π. σφόδρα (9 α)  
 20. 2. σκυλὰ τῆς πῶλ. ἐξήνεγκε πολλὰ σφόδρα (9 ε)  
 21. 13. π. οἱ οἰκτιρμοὶ αὐ. σφόδρα (9 α)  
 22. 3. σῖθρον π. . . ἠτοίμασε Δ. (9 β)  
 — 8. αἵματα π. ἐξίχεας (9 α)  
 24. 4. εὐρέθησαν οἱ υἱοὶ Ἑλ. πλείους (20 β)  
 25. 5. π. υἱὸς ἔδωκε μοι κύριος (9 α)  
 29. 2. A B καὶ Πάριον πολὺν [B -ύ] (9 β)  
 II Ch. 1. 9. ἐβασίλευσας με ἐπὶ λαὸν π. (9 α)  
 — 11. ἡμέρας π. οὐκ ᾔτησῶ (9 α)  
 9. 9. καὶ ἀρώματα εἰς πλῆθος π. (7)
- II Ch. 11. 23. ἔδωκεν αὐταῖς τροφὰς πλῆθος π. (25 α)  
 18. 8. καὶ ὕμεις πλῆθος π. (9 α)  
 — 8. A² μεθ' ὕμῶν μόσχοι π. [A¹ B χρυσοὶ] †  
 14. 11 (10). σῶζεν ἐν πολλοῖς (9 α)  
 — 11 (10). ἡλθον ἐπὶ τὸ πλῆθος τὸ π. τοῦτο (25 ε)  
 — 13 (12). ἐσκύλευσαν σκυλὰ π. (9 ε)  
 — 14 (13). π. σκυλὰ ἐγένεθη αὐτοῖς (9 α)  
 — 15 (14). ἔλαβον πρόβατα π. (9 β)  
 15. 3. ἡμέρας π. τῷ Ἰσρ. (9 α)  
 — 9. προσετίθεισαν πρὸς αὐτὸν πολλοὶ (9 β)  
 18. 8. οὐχ οἱ Αἰθίοπες . . . ἦσαν εἰς δύναμιν π. (9 β)  
 17. 5. ἐγένετο αὐτῷ . . . δόξα π. (9 β)  
 — 13. ἔργα π. ἐγένετο αὐτῷ (9 α)  
 18. 1. ἐγενήθη τῷ Ἰωσ. ἐτι . . . δόξα π. (9 β)  
 — 2. ἔθυσεν αὐτῷ Ἀχ. . . μόσχους π. (9 β)  
 20. 2. ἦκει ἐπὶ σέ πλῆθος π. (9 α)  
 — 12. τοῦ ἀντιστήναι πρὸς τὸ πλῆθος τὸ π. τ. (9 α)  
 — 15. ἀπὸ προσώπου τοῦ δχλου τοῦ π. τοῦτου (9 α)  
 — 25. εὐρον κτήνη π. (9 β)  
 — 25. ὅτι πολλὰ ἦν (9 α)  
 21. 3. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ πατήρ αὐ. δύματα π. (9 α)  
 24. 11. συνήγαγον ἀργύριον π. (9 β)  
 — 24. παρεδῶκεν . . . δύνανται π. σφόδρα (9 β)  
 25. 9. δοῦναι σοι πλείστα τούτων (24 α)  
 — 13. ἐσκύλευσαν σκυλὰ π. (9 α)  
 26. 10. ἐλατόμυσε λίαν π. (9 α)  
 — 10. κτήνη π. ὑπῆρχεν αὐτῷ (9 α)  
 27. 3. ῥυκοδόμησε πολλὰ (9 β)  
 — 28. 5. πηλυοῦσεν . . . αἰμαλωσίαν π. (2)  
 — 8. σκυλὰ π. ἐσκύλευσαν (9 α)  
 — 13. πολλὰ ἡ ἀμαρτία ἡμῶν (9 α)  
 29. 35. ἡ ὁλοκαύτωσις π. (9 β)  
 30. 13. συνήχθησαν . . . λαὸς π. . . ἐκκλησία π. σφόδρα (9 α, 9 β)  
 — 18. πλείστον [A. τὸ πλ.] τοῦ λαοῦ . . . οὐχ ἦγνισαν (24 ε)  
 32. 4. συνήγαγε λαὸν π. (9 α)  
 — 4. καὶ εὐρῇ ὕδωρ π. (9 α)  
 — 5. κατεσκεύασεν ὅπλα π. (9 β)  
 — 7. μεθ' ἡμῶν πλείονες ἢ μετ' αὐτοῦ (20 β)  
 — 23. πολλοὶ ἔφερον δῶρα τῷ κυρίῳ (9 α)  
 — 27. ἐγένετο τῷ Ἑζ. . . δόξα π. σφόδρα (9 ε)  
 — 29. ἔδωκεν αὐτῷ κ. ἀποσκευὴν π. σφόδρα (9 α)
- I Es. 1. 49. πολλὰ ἠσέβησαν (9 α)  
 2. 9. καὶ εὐχάσι ὡς πλείστα πολλῶν (9 α)  
 — 29. καὶ μὴ προβῇ ἐπὶ πλείον (9 α)  
 3. 22. μετ' οὐ πολὺ σπῶνται τὰς μαχαίρας (9 α)  
 4. 14. καὶ π. οἱ ἄνθρωποι (9 α)  
 — 25. πλείον ἀγαπᾷ ἄνθρ. τὴν ἰδίαν γυναῖκα (9 α)  
 — 26. πολλοὶ ἀπεσοῖθησαν (9 α)  
 — 27. πολλοὶ ἀπάωστο (9 α)  
 — 42. αἰτῆσαι . . . πλείω τῶν γεγραμμ. (9 α)  
 5. 64. καὶ πολλοὶ διὰ σαλπύγων (9 α)  
 6. 14. ῥυκοδόμητο . . . ἔμπροσθεν ἐτῶν πλείων (9 α)  
 8. 7. π. ἐπιστήμην περιείχον (9 α)  
 — 91. ἐπισυνήχθησαν . . . δχλος π. σφόδρα (9 α)  
 9. 11. τὸ πλῆθος π. (9 α)  
 — 11. ἐπὶ πλείον γὰρ ἡμῖν ὁρμεν (9 α)
- II Es. 3. 12. πολλοὶ ἀπὸ τῶν ἱερῶν (9 α)  
 5. 11. πρὸ τοῦτου ἔτη π. (12)  
 10. 1. συνήχθησαν . . . ἐκκλησία π. σφόδρα (9 α)  
 — 13. ἀλλὰ ὁ λαὸς π. (9 α)  
 Ne. 2. 2. ἐφοβήθη πολλὸ σφόδρα (9 ε)  
 4. 1 (3, 33). ὠργίσθη ἐπὶ πολὺ (16 β)  
 — 10 (4). A B² B καὶ ὁ χοῖς [B S¹ δχλος] π. (9 ε)  
 — 19 (13). τὸ ἔργον πλατὺ καὶ π. (9 ε)  
 5. 2. ἐν υἱοῖς ἡμῶν . . . ὕμεις πολλοὶ (9 α)  
 6. 17. ἀπὸ π. ἐντίμων Ἰ. ἐπιστολαὶ ἐπορεύοντο (9 ε)  
 — 18. πολλοὶ ἐν Ἰ. ἔνομοι ἦσαν αὐτῷ (9 α)  
 7. 2. φοβούμενος τὸν θ. παρὰ πολλοῦς (9 α)  
 9. 19. ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς π. [A. μεγάλοις] (9 α)  
 — 28. ἐν οἰκτιρμοῖς σου π. (9 α)  
 — 30. εἰλκυσας ἐπ' αὐτοῖς ἔτη [B² ἔθνη] π. (9 α)  
 — 31. ἐν οἰκτιρμοῖς σου τοῖς π. (9 α)  
 — 35. ἐν ἀγαθωσύνῃ σου τῷ π. (9 α)  
 — 37. B καὶ οἱ καρποὶ αὐτῆς π. (9 ε)  
 13. 26. ἐν ἔθνεσι π. [B² τοῖς π.] οὐκ ἦν βασιλ. ὁμοιος αὐτῷ (9 α)
- To. 1. 3. ἐλεημοσύνας π. ἐποίησα (9 α)  
 — 16. ἐλεημοσύνας π. ἐποίησα (9 α)  
 — 18. πολλοὺς γὰρ ἀπέκτεινεν (9 α)  
 2. 2. ἐθεασάμην ὅσα π. [B παρετέθη μοι ὑψάρια πλείονα] (9 α)  
 3. 5. π. αἱ κρίσεις σου (9 α)  
 — 6. λυτῇ ἐστὶ π. ἐν ἡμοῖ (9 α)  
 — 6. B βλεῖται ἀνάγκη π. (9 α)
- To. 4. 4. π. κινδύνους ἑώρακεν (9 α)  
 — 13. A B καὶ ἀκαταστασία π. (9 α)  
 — 21. ὑπάρχει σοι πολλὰ (9 α)  
 5. 9. B χαίρειν σοι πολλὰ γέγοντο (9 α)  
 7. 1. B χαίρετε πολλὰ, ἀδελφοί (25 ε)  
 — 8. A B παρέθηκαν ὅσα πλείονα (9 α)  
 8. 16. κατὰ τὸ π. ἔλεος σου (9 α)  
 — 19. B ποιῆσαι ἄνους π. (9 α)  
 12. 8. ἀγαθὸν τὸ δλγόν . . . ἡ πολὺ μετὰ ἀδικίας (9 α)  
 13. 11. ἔθνη π. μακροῖν ἤξει (9 α)  
 14. 10. B π. ἀδικία ἐν αὐτῇ καὶ δόλος π. συντελείται ἐν αὐτῇ (9 α)
- Ju. 1. 6. συνήλθον [B -ήχθησαν] ἔθνη π. (9 α)  
 — 16. A B B πλῆθος ἀνδρῶν πολεμιστῶν πολλὸ σφόδρα (9 α)  
 2. 17. ἔλαβε . . . πλῆθος π. σφόδρα (9 α)  
 — 18. A B² B καὶ ἀργύριον . . . π. [B S¹ om.] σφόδρα (9 α)  
 — 20. καὶ π. ὁ ἐπίκριτος (9 α)  
 4. 13. ἦν ὁ λαὸς νηστεύων ἡμέρας πλείους (9 α)  
 5. 8. παρήκσαν ἐκεῖ ἡμέρας π. (9 α)  
 — 9. καὶ ἐν κτήνεσι π. σφόδρα (9 α)  
 — 10. ἐγένοντο ἐκεῖ εἰς πλῆθος π. (9 α)  
 — 16. κατήκον ἐν αὐτῇ ἡμέρας π. (9 α)  
 — 18. ἐξωλεθρεύθησαν ἐν π. πολεμοῖς ἐπὶ πολὺ σφόδρα (9 α)  
 7. 2. πλῆθος π. σφόδρα (9 α)  
 — 18. κατεστρατοπέδευαν ἐν δχλῳ π. (9 α)  
 — 18. ἦσαν εἰς πλῆθος π. σφόδρα (9 α)  
 — 32. ἦσαν ἐν ταπεινώσει π. (9 α)  
 10. 7. καὶ ἐθαύμασαν . . . ἐπὶ πολὺ σφόδρα (9 α)  
 12. 20. A B καὶ ἔπινον ὀνον π. σφόδρα (9 α)  
 13. 1. A B διὰ τὸ ἐπὶ πλείον γεγενῆσθαι τὸν πότον (9 α)  
 15. 7. ἐκράτησαν π. λαφύρων (9 α)  
 — 7. ἦν γὰρ πλῆθος π. σφόδρα (9 α)  
 16. 22. πολλοὶ ἐπεθύμησαν αὐτῇ (9 α)  
 — 25. οὐκ ἦν ἐτι ὁ ἐκφόβων . . . ἡμέρας π. (9 α)
- Es. 1. 1. ποταμὸς μέγας ὕδωρ π. (9 α)  
 2. 7. οἶνος π. καὶ ἡδὺς (9 α)  
 — 8. συνήχθησαν π. κοράσια [B al.] (9 α)  
 3. 13. πολλῶν ἐπάρξας ἔθνων (9 α)  
 8. 13. πολλοὶ τῇ πλείστῃ . . . χρηστοτέτη πυκνότερον τιμώμενοι (9 α)  
 — 13. πολλοὺς τῶν ἐπ' ἐξουσίας τεταγμένων (9 α)  
 — 13. πολλὸν διεστῆκός τις ἡμετέρας χρηστότητος (9 α)  
 — 17. πολλοὶ τῶν ἐθνῶν περιετέμνοντο (9 α)  
 10. 3. ἦν φῶς καὶ ἥλιος καὶ ὕδωρ π. (9 α)  
 Jb. 1. 3. καὶ ὑπηρεσία πολλὴ σφόδρα (9 α)  
 — 10. τὰ κτήνη αὐτοῦ πολλὰ ἐποίησας (17 α)  
 2. 9. χρόνον δὲ πολλοὺ προεβιβάζετο (9 α)  
 3. 15. μετὰ ἀρχόντων ὡν πολὺς ὁ χρυσός (9 α)  
 4. 3. εἰ γὰρ σὺ ἐνοουθήσας πολλούς (9 α)  
 5. 25. γνώσῃ δὲ ὅτι πολὺ τὸ σπέρμα σου (9 α)  
 9. 17. πολλὰ δὲ μου τὰ συντριμμάτα πεποιήκε διὰ κενῆς (17 β)  
 11. 2. ὁ τὰ πολλὰ λέγων καὶ ἀνακούσεται (9 β)  
 — 3. μὴ πολὺς ἐν ῥήμασι γίνου (9 α)  
 — 19. πολλοὶ σου δεθρήσονται (9 α)  
 12. 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [A. σ. εὐρίσκειται] ἐν δὲ πολλῷ [A. μακρῷ] βίῳ ἐπιστήμη (†, 1)  
 14. 21. πολλῶν δὲ γενομένων τῶν υἱῶν αὐ. (4 β)  
 16. 2. ἀκήκοα τοιαῦτα πολλὰ (9 α)  
 18. 11. πολλοὶ [A. -ὼν] δὲ περὶ πόδα αὐτοῦ ἐλθοῖσαν —  
 20. 19. πολλῶν γὰρ δυνατῶν [A. S¹ ἀδ.] οἴκους ἔθλασε †  
 22. 5. πότερον οὐχ ἡ κακία σου ἐστὶ πολλή (9 α)  
 23. 6. καὶ ἐν [A. εἰ] πολλῇ ἰσχυί ἐπελειεσται (9 β)  
 24. 7. γυμνοὺς πολλοὺς ἐκοίμισαν ἀνεν ἱματίων —  
 — 24. πολλοὺς γὰρ ἐκάκωσε τὸ ὕψωμα αὐτοῦ †  
 26. 2. πότερον οὐχ ὅ πολλὰ ἰσχυίς (9 α)  
 27. 14. εἰ δὲ πολλοὶ γίνονται οἱ υἱοὶ αὐ. (13 β)  
 29. 18. πολὺν χρόνον βιώσω (9 ε)  
 30. 18. ἐν [A. om.] πολλῇ ἰσχυί ἐπελαβετό μου τῆς στολῆς (9 β)  
 31. 21. πολλὴ μοι βοήθεια περίεστιν —  
 — 25. πολλοὶ πλοῦτου μοι γενομένου (9 α)  
 32. 7. A B ἐν π. δὲ ἔτετι οἰδᾶσι [B S οὐκ οἶ.] σοφίαν (9 β)  
 34. 37. πολλὰ λαλοῦνται [A. -οῦσιν] ῥήματα (9 ε)  
 35. 5 (6). εἰ δὲ καὶ πολλὰ ἠρώμασας (9 ε)  
 — 9. βοήσονται ἀπὸ βραχίονος πολλῶν (9 α)  
 36. 26. ἰδοὺ ὁ ἰσχυρὸς πολὺς (12)  
 37. 19. παυσώμεθα πολλὰ λέγοντες †  
 38. 21. ἀριθμὸς δὲ ἐτῶν σου πολὺς (9 α)

Jb. 39. 11. πολλή ἡ ἰσχύς αὐτοῦ (9 α)  
 Ps. 8. 1. πολλοὶ ἐπαινοῦνται ἐπ' ἐμὴν (9 α)  
 — 2. πολλοὶ λέγουσι τῇ ψυχῇ μου (9 α)  
 4. 6. πολλοὶ λέγουσι, τίς δεῖξει ἡμῖν τὰ ἀγαθὰ (9 α)  
 17 (18). 16. προσελεύθετό με ἐξ ὑδάτων π. (9 α)  
 18 (19). 10. ἐπιθυμῶν ὑπὲρ χρυσίου καὶ λίθων  
 τίμιον πολὺν (9 α)  
 — 11. ἐν τῷ φυλάσσειν αὐτὰ ἀνταποδοῖς  
 πολλῇ (9 α)  
 21 (22). 12. περιεκύλωσάν με μύσχοι πολλοὶ (9 α)  
 — 16. ἐκύκλωσάν με κύνας πολλοὶ —  
 24 (25). 11. Ἰάσθη τῇ ἁμαρτίᾳ μου πολλὴ γὰρ  
 ἐστὶ (9 α)  
 28 (29). 3. κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν (9 α)  
 30 (31). 13. ψόγον πολλῶν παροικούντων  
 — 19. ὡς π. τὸ πλήθος τῆς χρηστότητός σου (25 δ)  
 31 (32). 6. ἐν κατακλισμένῳ ὑδάτων π. (9 α)  
 — 10. πολλὰ αἰ μάστιγες τοῦ ἁμαρτωλοῦ (9 α)  
 32 (33). 16. οὐ σώσεις βασιλεῖς διὰ πολλὴν  
 δύναμιν (9 δ)  
 33 (34). 19. πολλαὶ αἱ θλίψεις τῶν δικαίων (9 α)  
 34 (35). 18. ἐν ἐκκλησίᾳ πολλῇ (9 α)  
 35 (36). 6. Ἄς τὰ κρίματα σου ἀβυσσος [B  
 ὡσεὶ ἄ.] πολλῇ (9 α)  
 36 (37). 16. ὑπὲρ πλοῦτον ἁμαρτωλῶν πολὺν (9 α)  
 39 (40). 3. ὅψονται πολλοὶ (9 α)  
 — 5. πολλὰ ἐποίησας σὺ . . . τὰ θαυμάσια  
 σου (9 α)  
 — 10. ἀπὸ συναγωγῆς πολλῆς (9 α)  
 50 (51). 2. ἐπὶ πλείον πλύνοντι με (23 α)  
 54 (55). 18. ἐν πολλοῖς ἦσαν σὺν ἐμοὶ (9 α)  
 55 (56). 2. πολλοὶ οἱ πολεμούντες με (9 α)  
 61 (62). 2. οὐ μὴ σαλευθῶ ἐπὶ πλείον (23 δ)  
 67 (68). 11. τοῖς εὐαγγελίῳ. δύναμι π. (9 α)  
 70 (71). 7. ὅσκι τέρας ἐγενήθη τοῖς π. (9 α)  
 — 20. B<sup>1</sup> δτι [B<sup>2</sup> δσας] ἰδεῖξάς με θλι-  
 ψεις πολλὰς (9 α)  
 76 (77). 19. αἱ τριβόες σου ἐν ὕδασι πολλοῖς (9 α)  
 77 (78). 15. ὡς ἐν ἀβύσσῳ πολλῇ (9 α)  
 — 31. B<sup>2</sup> ἀπέκτεινε ἐν τοῖς πλείοσιν [B  
 πίστιν] αὐτῶν +  
 88 (89). 50. B<sup>2</sup> οὐ ὑπέσχον [A B -ον] ἐν τῷ  
 κόλπῳ μου πολλῶν ἐθνῶν (9 α)  
 89 (90). 10. τὸ πλεῖον αὐτῶν κόπος καὶ πόνος +  
 92 (93). 4. ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν (9 α)  
 98 (97). 1. εὐφρανθήσωνται νῆσοι πολλαὶ (9 α)  
 106 (107). 23. πλοῖντες ἐργασίαν ἐν ὕδασι  
 πολλοῖς (9 α)  
 108 (109). 30. ἐν μέσῳ πολλῶν αἰνίσω αὐτὸν (9 α)  
 109 (110). 6. Ἄς B<sup>2</sup> συνδράσει κεφαλὰς ἐπὶ  
 γῆς πολλῶν [B<sup>1</sup> γῆν πολλήν] (9 α)  
 118 (119). 156. οἱ οἰκτιρμοὶ σου πολλοὶ (9 α)  
 — 157. πολλοὶ οἱ ἐκδικούντές με (9 α)  
 — 162. ὡς ἐὺ εὗρισκων σκῦλα πολλὰ (9 α)  
 — 165. B<sup>2</sup> εἰρήνη πολλὰ τοῖς ἀγαπῶσι τὸν  
 νόμον [A τὸ δόγμα] σου (9 α)  
 119 (120). 6. πολλὰ παρώκησεν ἡ ψυχὴ μου (9 α)  
 122 (123). 3. Ἄς ἐπὶ πολὺ ἐπληθύνη [B  
 ἐπληθύνθη] ἐξουθενώσας (16 ε)  
 — 4. Ἄς ἐπὶ πλείον ἐπληθύνῃ [B ἐπληθύνθη]  
 ἡ ψυχὴ ἡμῶν (23 δ)  
 129 (130). 7. καὶ πολλὰ παρ' αὐτῷ λύτρωσις (9 ε)  
 134 (135). 10. δε ἐπάταξεν ἐθνη πολλὰ (9 α)  
 137 (138). 3. B πολυαυρῶσει με ἐν ψυχῇ μου  
 ἐν δυνάμει π. [A B αἰ.] —  
 143 (144). 7. ῥύσαι με ἐξ ὑδάτων πολλῶν (9 α)  
 Pr. 4. 10. ἵνα σοι γένηται πολλαὶ ὁδοὶ βίου (13 δ)  
 5. 20. μὴ πολὺς ἴσθι πρὸς ἄλλοτριαν +  
 6. 8. πολλὰν ἐν ἐν τῷ ἁμαρτῷ ποιεῖται τὴν  
 παράθεσιν +  
 — 35. οὐδὲ μὴ διαλυθῇ [A διὰ] π. δώρων (9 ε)  
 7. 20. δε ἡμερῶν πολλῶν ἐπαγγελίᾳ +  
 — 21. ἀπεκάλυψε δε αὐτὸν πολλὴ ὁμίλις (9 δ)  
 — 26. πολλοὺν γὰρ τρώσασα καταβέβηκε (9 α)  
 8. 6. B<sup>1</sup> πολλὰ [A B<sup>2</sup> σεμνὰ] γὰρ ἔρω +  
 — 18. καὶ κτήσις πολλῶν καὶ δικαιοσύνη +  
 — 19. Ἄς ὑπὲρ χρυσίου καὶ λίθων τίμιον πολὺν  
 [B S om.] —  
 9. 11. πολὺν ἤσσεις χρόνον (9 δ)  
 — 18. ἵνα πολὺν ἤσσεις χρόνον —  
 11. 4. σωτηρίαν δε ὑπάρχει ἐν πολλῇ βουλῇ (9 δ)  
 — 24. εἰσὶν οἱ . . . πλείονα ποιοῦσιν (22)  
 13. 7. εἰσὶν οἱ ταπεινότες ἑαυτοὺς ἐν πολλῷ  
 πλοῦτι (9 α)  
 — 23. δικαιοὶ ποιήσουσιν ἐν πλοῦτι τῇ πολλᾷ +  
 14. 4. οὐ δε πολλὰ γενήματα (9 δ)

Pr. 14. 17. ἀνὴρ δε φρόνιμος πολλὰ ὑποφέρει +  
 — 20. φίλοι δε πλουσίους πολλοὶ (9 α)  
 — 28. ἐν πολλῷ ἔθνει δόξα βασιλείας (9 δ)  
 — 29. μακρόθυμος ἀνὴρ πολὺς ἐν φρονήσει (9 α)  
 15. 5 (6). ἐν πλεοναζούσῃ δικαιοσύνῃ ἰσχύς  
 πολλή (9 α?)  
 — 6. Ἄς B<sup>2</sup> οἴκοις δικαίων ἰσχύς πολλή (9 α)  
 — 29 (16. 8). πολλὰ γενήματα μετὰ ἀδικίας (9 δ)  
 16. 21. οἱ δε γλυκεῖς ἐν λόγῳ πλείονα [A  
 πλείον] ἀκούσονται (20 ε)  
 17. 1. Ἄς ὁλεος πλήρης [B om.] πολλῶν ἀγαθῶν +  
 19. 1 (4). πλοῖτος προστίθεται φίλους πολλοὺς (9 α)  
 — 6. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα βασιλείων (9 α)  
 — 7. ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελειοῦργει κακίαν —  
 19. Ἄς B<sup>2</sup> κακοφρων ἀνὴρ πολλὰ [B S om.]  
 (ζημιώσεται) —  
 — 21. πολλοὶ λογιζομὶ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (9 α)  
 22. 1. αἰρετώτερον ὄνομα καλὸν ἢ πλοῖτος  
 πολὺς (9 α)  
 — 16. ὁ συκοφαντῶν πένιτα πολλὰ ποιεῖ τὰ  
 αἰντοῦ [A B<sup>1</sup> ἰ. κακὰ] (17 δ)  
 23. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῷ κλύδωνι +  
 25. 27. ἰσθίειν μετὰ πολὺν οὐ καλόν (9 ε)  
 26. 10. πολλὰ χεμάζεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων (9 α)  
 — 20. ἐν πολλοῖς ἐξυῖος θάλλει πύρ +  
 28. 12. πολλὴ γίνετα δόξα (9 α)  
 — 20. ἀνὴρ ἀξιώσιμος [A -ότερος] πολλὰ  
 εὐλογηθήσεται (9 α)  
 — 27. ἐν πολλῇ ἀπορία ἔσται (9 α)  
 29. 16. πολλῶν ὄντων ἀσβεβὴν πολλαὶ γίνονται  
 ἁμαρτίαι (9 δ, 9 δ)  
 — 26. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα ἡγουμέ-  
 νων (9 α)  
 31. 29. πολλαὶ θυγατέρες ἐκτέσαντο πλοῖτον  
 γὰρ γίνονται πλοῖται (9 α, —)  
 Ec. 1. 16. καρδίᾳ μου εἶδε πολλὰ (9 ε)  
 2. 7. κτήσις . . . πολλῇ [B<sup>1</sup> om.] ἐγένετό μοι (9 ε)  
 6. 6. ἐν πλῆθει ἐνυπνίων . . . καὶ λόγων π. (9 ε)  
 — 11. εἰ ὀλίγον αἰ ἐπὶ πολὺ φάγεται (9 ε)  
 — 16. πᾶσαι [B<sup>1</sup> om.] αἱ ἡμ. αὐ. ἐν . . . θυμῷ π. (9 ε)  
 — 19. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> οὐ πολλὰ [A S πολλὰς, B<sup>1</sup> ἀλλὰ]  
 μνησθήσεται τὰς ἡμέρας (9 ε)  
 6. 1. ἔστι ποτηρία . . . καὶ πολλὴ ἐστὶν (9 α)  
 — 3. καὶ ἐπὶ πολλὰ ἤγρεται (9 α)  
 — 11. εἰσὶ λόγος [B ὀλίγος] π. πληθύνοντες  
 ματαιότητα (9 ε)  
 7. 17 (16). μὴ γίνου δικαίος πολὺ [S ἐπὶ π.]  
 (9 ε [16 δ])  
 — 18 (17). μὴ ἀσέβησις πολὺ (9 ε)  
 — 23 (22). Ἄς B<sup>2</sup> καθύδους πολλὰς [B<sup>1</sup> πολ-  
 λὰ] κακῶσι καρδίαν [B -ία] σου (9 α)  
 — 30 (29). αὐτοὶ ἐξήγγισαν λογισμοὺς π. (9 α)  
 8. 6. γνῶσις τοῦ ἀνθρώπου πολλὴ ἐπ' αὐτόν (9 α)  
 9. 18. ἁμαρτάνων εἰς ἀπολέσει ἀγαθωσύνη π. (9 ε)  
 11. 8. ἐὰν ἐπὶ π. ἤσεται ὁ ἀνθρώπος (9 ε)  
 — 8. τὰς ἡμ. τοῦ σκότους οἱ πολλοὶ ἔσονται (9 ε)  
 12. 10 (9). πολλὰ ἐξήγγισεν ἐκκλησιαστῆς (9 ε)  
 — 12. τοῦ [B<sup>1</sup> om.] ποιήσαι βιβλία π. (9 ε)  
 — 12. μελέτη π. κόπως σαρκόσ (9 ε)  
 Ca. 7. 4 (5). ἐν πύλαις θανάτου πολλῶν (9 α)  
 8. 7. ὕδωρ π. οὐ δύνησεται σβέσαι τὴν ἀγάπην (9 α)  
 Wi. 6. 1. στήσεται ἐν παρηργίᾳ π. ὁ δίκαιος  
 8. 12. λαλοῦντος ἐπὶ πλείον  
 10. 18. διήγαγεν αὐτοὺς δι' ὕδατος πολλοῦ  
 12. 18. μετὰ πολλῆς φειδοῦς δικαίως ἡμᾶς  
 16. 17. πλείον [S πλείον] ἐνήργει τὸ πῦρ  
 17. 13. πλείονα λογίζεται τὴν [B ἀναλογ.] ἀγνοίαν  
 τῆς . . . αἰτίας  
 18. 20. οὐκ ἐπὶ πολὺ ζῆμεν ἡ ὀργή  
 Si. pral. 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῖν διὰ τοῦ νόμου  
 . . . δεδομένον  
 — 7. ἐπὶ πλείον [S πλείον] ἑαυτὸν δοῦς εἰς τε τὴν  
 τοῦ νόμου . . . ἀνάγκην  
 — 11. ὅπως οἱ φιλομαθεῖς . . . πολλῷ μᾶλλον ἐπι-  
 προσθέσιν [S ἐπὶ προσθήσουσιν]  
 — 23. πολλὴν γὰρ [A om.] ἀγρυπνίαν . . . προσ-  
 ενεγκάμενος  
 1. 23. Ἄς B<sup>2</sup> χεῖρ πολλῶν [B πιστῶν] ἐκδιηγῆσεται  
 αἰνίσαι αὐτὸν  
 2. 18. B<sup>2</sup> οὕτως καὶ π. [A B S<sup>1</sup> om.] τὸ ἔλεος αὐ.  
 3. 18. B<sup>2</sup> πολλοὶ εἰσιν ὑψηλοὶ καὶ ἐπίδοξοι  
 — 23. πλείονα γὰρ συνέσεως ἀνθρώπων ὑπεδείχθη  
 σοι  
 — 24. πολλοὺς γὰρ ἐπλάνησεν ἡ ὑπόληψις αὐτῶν  
 5. 6. ὁ οἰκτιρμὸς αὐτοῦ πολὺς  
 6. 6. οἱ εἰρηνοῦντες σοι ἔστωσαν πολλοὶ

Si. 6. 22. σοφία . . . οὐ πολλοὶς ἐστὶ φανερά  
 8. 2. πολλοὺς γὰρ ἀπώλεσε τὸ χρυσίον  
 9. 8. ἐν κύλλει γυναικὸς πολλοὶ ἐπλανήθησαν  
 11. 5. πολλοὶ τυράννοι ἐκάθισαν ἐπὶ ἐδάφους  
 — 6. πολλοὶ δυνάστες ἠττήσθησαν σφόδρα  
 — 10. μὴ περὶ πολλὰ ἔστωσαν αἱ πράξεις σου  
 — 13. ἀπεθαύμασαν ἐπ' αὐτῷ πολλοὶ  
 — 29. πολλὰ γὰρ τὰ ἐνέθρα τοῦ δολίου  
 12. 16. B<sup>2</sup> πολλὰ ψιθυρίσαι  
 — 18. πολλὰ διαψιθυρίσαι  
 13. 11. μὴ πιστεύει τοῖς πλείοσι λόγοις αὐτοῦ  
 — 11. ἐκ πολλῆς γὰρ λαλιᾶς περᾶσαι σε  
 — 22. πλουσίον σφαλίνους πολλοὶ ἀντιλήπτορες  
 15. 18. πολλὴ σοφία τοῦ κυρίου  
 16. 5. πολλὰ τοιαῦτα ἔωρακα [B αἰ.]  
 — 12. κατὰ τὸ π. ἔλεος αὐτοῦ οὕτως καὶ πολὺς ὁ  
 ἔλεγχος αὐτοῦ  
 — 17. ἐν λαῷ πλείον οὐ μὴ μνησθῶ [A S γνωσθῶ]  
 — 21. τὰ δε πλείονα τῶν ἔργων αὐ. ἐν ἀποκρίφοις  
 18. 9. ἀριμύς ἡμερῶν ἀνθρώπου πολλὰ ἐπὶ ἑκατόν  
 — 32. μὴ εὐφραίνου ἐπὶ πολλῇ τρυφῇ  
 — 20. μὴ μισήσῃς ἀπὸ πολλῆς λαλιᾶς  
 — 12. ἔστιν ἀγοράζων πολλὰ ὀλίγον  
 — 14. οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ἀπὸ ἐνὸς πολλοὶ  
 — 15. ὀλίγα δώσει καὶ πολλὰ ὀνειδίσει  
 27. 1. χάριν ἀδιαφόρου [B<sup>1</sup> διαφ.] πολλοὶ ἤμαρτον  
 — 24. πολλὰ ἐμίσησα  
 28. 13. πολλοὺς γὰρ εἰρηνεύοντας ἀπώλεσαν  
 — 14. γλώσσα τρίτη πολλοὺς ἐσάλευσε  
 — 18. πολλοὶ ἔπασαν ἐν στόματι μαχαίρας  
 29. 4. πολλοὶ ὡς εὐρύμα ἐνόμισαν ὁδοὺς  
 — 7. πολλοὶ χάριν ποιηρίας ἀπέστρεψαν  
 — 18. ἐγγὺς πολλοὺς ἀπώλεσε κατεσθύνοντας  
 30. 23. πολλοὺς γὰρ ἀπέκτεινε  
 — 37 (38. 27). πολλὴν γὰρ κακίαν ἐδίδαξεν ἡ ἀργία  
 31 (34). 7. πολλοὺς ἐπλάνησε τὸ ἐνύπνιον  
 — 9. ἀνὴρ πεκαυθέν [S πεπλανημ.] ἔγνω πολλὰ  
 — 11. πολλὰ ἔωρακα ἐν τῇ ἀποπληνίσει μου  
 — 11. πλείονα τῶν λόγων μου συνέσεως μου  
 — 14. Ἄς ὁ φοβούμενος κυρίου πολλὰ [B οὐ μὴ, S  
 οὐδὲν] εὐλαβηθήσεται  
 — 23. τί ὠφέλησαν [A -εν] πλείον ἡ κόποις  
 34 (31). 6. πολλοὶ ἐδύθησαν εἰς πτόμα  
 — 12. πολλὰ γε τὰ ἐπ' αὐτῆς  
 — 18. εἰ ἀνὰ μέσον πλείονων ἐκάθισας  
 — 25. πολλοὺς γὰρ ἀπώλεσεν ὁ οἶνος  
 — 29. οἶνος πνόμενος [A γιν.] πολὺς ἐν ἐρεθισμῷ  
 35 (32). 8. ἐν ὀλίγοις πολλὰ  
 — 9. ἐτέρου λέγοντος μὴ πολλὰ ἀδολέσχει  
 37. 11. οἰκίτη ἀργῷ περὶ πολλῆς ἐργασίας  
 — 19. ἔστιν ἀνὴρ . . . πολλῶν παιδείαν  
 — 30. ἐν π. γὰρ βρώμασιν ἔσται πόνος  
 — 31. δι' ἀπληστίαν πολλοὶ ἐτελεύτησαν  
 39. 9. αἰνίσουσι τὴν συνέσειν αὐτοῦ πολλοὶ  
 42. 4. περὶ κτήσεως πολλῶν καὶ ὀλίγων  
 — 6. ὅπου χεῖρες πολλὰ κλείουν  
 — 11. μὴ ποτε . . . ἀσχύνη σε ἐν πλῆθει πολλῶν  
 43. 27. πολλὰ ἐρούμεν καὶ οὐ μὴ ἀδικώμεθα  
 — 32. πολλὰ ἀποκρυφά ἐστι μεῖζονα τούτων  
 44. 2. πολλὴν δόξαν ἔκτισεν ὁ κύριος  
 45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν . . . χρυσοῖς κώδωσι πλεί-  
 ον  
 49. 13. Ἄς B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> Νεμεῖον [B S<sup>1</sup> νέμουσιν] ἐπὶ πολὺ τὸ  
 μνημόσυνον  
 50. 18. ἐν πλείστῳ οἴκῳ [B<sup>2</sup> ἤχῳ] γλυκαῖν μέλος  
 51. 3. ἐκ πλείονων θλίψεων ὡς ἔσχω  
 — 16. πολλὴν εὖρον ἐμαυτῷ παιδείαν  
 — 27. εὖρον ἐμαυτῷ πολλὴν ἀνίπαυσιν  
 — 28. μετὰσχете παιδείας ἐν π. ἀριμῷ ἀργυρίου  
 καὶ π. χρυσὸν κτήσασθε ἐν αὐτῇ (9 α)  
 — 4. ἡμέρας πολλὰς καθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (9 α)  
 Am. 3. 9. ἴδετε θανασμὰ πολλὰ ἐν μέσῳ αὐτῆς (9 α)  
 — 15. προστεθήσονται ἑτέροι οἴκοι π. (9 α)  
 5. 12. ἔγνω πολλὰς ἀσέβειας ὕμῶν  
 6. 2. εἰ πλείονα [A πλείονα] τὰ ὅρια αὐ. ἐστὶ (9 α)  
 7. 4. κατέφαγε τὴν ἀβυσσον τὴν π. (9 α)  
 8. 3. πολὺς ὁ πεπτικὸς ἐν παντὶ τόπῳ (9 α)  
 Mi. 4. 2. πορεύονται ἐθνη πολλὰ (9 α)  
 — 3. κρινεῖ ἀνὰ μέσον λαῶν π. (9 α)  
 — 11. ἐπισυνήχθη ἐπὶ σὲ ἔθνη π. (9 α)  
 — 13. καταστήσεις λαοὺς π. (9 α)  
 5. 7 (6), 8 (7). ἐν μέσῳ λαῶν π. (9 α)  
 JI. 2. 2. κυθήσεται ἐπὶ τὰ ὄρη λαὸς π. (9 α)  
 — 5. ὡς λαὸς π. καὶ ἰσχυρός (8)

- J1. 2. 11. πολλή ἐστὶ σφόδρα ἡ παρεμβολή αὐ. (9 α)  
 Jn. 4. 11. ἐν ᾗ κατοικοῦσι πλείους ἢ δώδεκα  
 μυριάδες ἀνθρώπων . . . καὶ κτήνη  
 πολλὰ (20 δ, 9 α)  
 Na. 1. 12. κύριος κατάρχων ὑδάτων π. (9 α)  
 Hb. 2. 8. ἐσκέλευσας ἔθνη π. (9 α)  
 — 10. συνεπέρανας λαούς π. (9 α)  
 — 13. ἔθνη π. ὠλιγοψύχησαν —  
 — 14. Ἄς ὑδωρ π. [B S om.] κατακαλύψει  
 αὐτούς —  
 3. 15. τοὺς ἔπινους σου ταρασσόντας ὑδωρ π.  
 [S<sup>3</sup> ὕδατα π.] (9 α)  
 Ze. 3. 12. Ἄ ὑπολείψομαι ἐν σοὶ λαὸν π. [B S  
 πρᾶν] (9 α)  
 Hg. 1. 6. ἐσπείρατε πολλὰ (9 ε)  
 — 9. ἐπεβλέψατε εἰς πολλὰ (9 ε)  
 Za. 2. 11 (15). καταφεύζονται ἔθνη π. (9 α)  
 8. 20. ῥέξουσιν λαοὶ π. καὶ κατοικοῦντες πόλεις  
 π. [S<sup>3</sup> om. π. π.] (—, 9 α)  
 — 22. ῥέξουσιν λαοὶ π. καὶ ἔθνη π. (9 α, 8)  
 10. 8. πληθυνθήσονται καθότι ἦσαν πολλοὶ (14 β)  
 Ma. 2. 6. πολλοὺς ἐπέστρεψεν ἀπὸ ἀδικίας (9 α)  
 — 8. ἡσθενήσατε πολλοὺς ἐν νόμῳ (9 α)  
 3. 14. τί πλεόν [B πλείον] ὅτι ἐφυλάξαμεν (20 α)  
 Is. 2. 3. πορεύσονται ἔθνη πολλὰ (9 α)  
 — 4. B κρινεῖ ἀνὰ μέσον ἐθνῶν πολλῶν [A B  
 τῶν ἐ.] —  
 — 4. ἐξελγέσει [A ἐλ.] λαὸν πολύν (9 α)  
 — 6. τέκνα πολλὰ ἀλλόφυλα —  
 5. 9. εἰς γὰρ γένονται οἰκίαι πολλαί (9 α)  
 7. 22. ἀπὸ τοῦ πλείστον ποιῶν γάλα (24 β)  
 8. 7. ἀνάγει ἐφ' ὕμας τὸ ὑδωρ τοῦ ποταμοῦ τὸ  
 ἰσχυρὸν καὶ τὸ π. (9 α)  
 — 15. ἀδυνατήσουσιν ἐν αὐτοῖς πολλοὶ (9 α)  
 9. 3 (2). τὸ πλείστον τοῦ λαοῦ δ κατήγγαγε (24 α)  
 11. 9. ὡς ὑδωρ πολὺ κατακαλύψει θαλάσσαν —  
 13. 4. φωνὴ ἔθνων πολλῶν . . . ὁμοία ἔθνων  
 πολλῶν [B<sup>3</sup> om. δ. ἐ. π.] (8 γ, 9 α)  
 — 20. διὰ πολλῶν γενεῶν —  
 14. 11. ἡ π. εὐφροσύνη σου —  
 19. μετὰ πολλῶν τεθηκότων —  
 16. 2 (3). Ἀρῶν πλείονα βουλείου —  
 14. παῦσι [A B ἐν π.] τῷ πλοῦτι τῷ π. (9 α)  
 17. 4. Ἄ B τὰ πλείονα [A B πείονα] τῆς δόξης  
 αὐ. σφεισθήσεται —  
 — 12. οὐαὶ πλῆθος ἐθνῶν πολλῶν . . . νῶτος  
 ἐθνῶν πολλῶν ὡς ὑδωρ ἡχίσει (9 α, —)  
 — 13. ὡς ὑδωρ πολὺ ἔθνη πολλὰ ὡς ὕδατος  
 πολλοῦ βίβη φερομένου (—, —, 9 α)  
 21. 7. ἀκρόαται ἀκράδην πολλήν (9 α)  
 22. 9. εἶδοντες ὅτι πλείους εἰσὶ (21)  
 23. 3. διαπρώτεις τὴν θάλα. ἐν ὑδατι π. (9 α)  
 — 16. πολλὰ ἄσων (9 ε)  
 24. 22. διὰ π. γενεῶν ἐπισκοπὴ ἔσται (9 β)  
 27. 10. ἔσται πολὺν χρόνον ἡ βόσκημα —  
 — 11. S μετὰ π. [A B om.] χρόνον —  
 28. 2. ὡς ὑδατος πολὺ πλῆθος (5)  
 30. 17. διὰ φωνῆν πέντε φεύγονται πολλοὶ —  
 — 25. ὅταν ἀπώλυνται πολλοὶ (9 α)  
 — 27. Ἄ B διὰ χρόνου ἔρχεται πολλοῦ [B  
 om.] (18 α)  
 — 33. πῦρ καὶ ξύλα πολλὰ (9 ε)  
 31. 1. ἔστι γὰρ πολλὰ (9 α)  
 33. 23. πολλοὶ χωλοὶ προνομήν ποιήσουσι (9 ε)  
 34. 10. B S εἰς χρόνον πολὺν . . . κατοική-  
 σουσιν (19)  
 36. 2. μετὰ δυνάμει πολλῆς (4 α)  
 40. 26. καλέσει ἀπὸ πολλῆς [A τῆς π., S<sup>3</sup>  
 πάσης] δόξης (9 β)  
 43. 4. Ἄ B ὅσων ἀνθρώπων πολλοὺς [B om.]  
 ὑπὲρ σου —  
 47. 12. στήθι . . . ἐν τῇ π. φαρμακείᾳ σου (9 β)  
 49. 1. διὰ χρόνον πολλοῦ στήσεται (18 β)  
 52. 14. ἐκστήσονται ἐπὶ σὲ πολλοὶ (9 α)  
 — 15. θαυμαστά ἐθνη πολλὰ ἐπ' αὐτῷ (9 α)  
 53. 11. δικαιοσύνη δίκαιον ἐπ' ἐκδοκίοντα πολ-  
 λοῖς (9 α)  
 — 12. αὐτοὺς κληρονομήσει πολλοὺς (9 α)  
 — 12. ἀμαρτίας πολλὰν ἀνήγεκε (9 α)  
 54. 1. πολλὰ τὰ τέκνα τῆς ἐρήμου (9 α)  
 — 13. ἐν πολλῇ εἰρήνῃ τὰ τέκνα σου (9 α)  
 55. 7. ἐπὶ πολὺ ἀφήσει τὰς ἀμαρτίας ἡμῶν (18 β)  
 57. 8. ἐὰν ἀπ' ἐμοῦ ἀποστήσῃς πλείον τι εἴσεις —  
 — 9. πολλοὺς ἐποίησας τοὺς μακρὰν ἀπὸ  
 σου (17 β)  
 59. 12. πολλὴ γὰρ ἡμῶν ἡ ἀνομία [S<sup>2</sup> al.] (9 ε)
- Is. 66. 16. πολλοὶ τραυματίαι ἔσονται ὑπὸ κυρίου (14 α)  
 Je. 2. 12. ἔφριξεν ἐπὶ πλείον [B -ω] σφόδρα —  
 3. 1. ἐξεπόμενους ἐν ποιμαίνουσιν πολλοῖς (9 α)  
 — 3. ἔσχατοι ποιμαίνουσιν πολλοὺς εἰς πρόσκομμα [S<sup>3</sup> al.] —  
 12. 10. ποιμαίνουσιν πολλοὶ διέφθειραν τὸν ἄμπε-  
 λῶνά μου (9 α)  
 13. 6. μεθ' ἡμέρας πολλὰς (9 α)  
 — 9. φθέρω . . . τὴν π. ταύτην ὑβριν (9 α)  
 14. 7. πολλὰ αἱ ἀμαρτίαι ἡμῶν (9 ε)  
 16. 16. ἀποστελλὰ τοὺς δίκαιους τοὺς [B om.] π. (9 α)  
 — 16. ἀποστελλὰ τοὺς π. [A σοφοὺς] θηρευ-  
 τὰς (9 α)  
 20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν συναθροισμένων (9 α)  
 23. 14. ἐώρακα . . . ἀντιλαμβάνομένους χειρῶν  
 πολλῶν [A ποιητῶν] —  
 27 (50). 29. παραγγέλλετε ἐπὶ βαβ. πολλοῖς (9 α)  
 — 41. βασιλεῖς πολλοὶ ἐξεγερθήσονται (9 α)  
 28 (51). 13. κατασκηνοῦντες ἐφ' ὕδασι π. (9 α)  
 — 55. φωνὴν μεγάλην ἡχοῦσαν ὡς ὕδατα πολλὰ (9 α)  
 85 (28). 8. ἐπρωθήσεσθαι ἐπὶ γῆς πολλῆς (9 α)  
 88 (31). 8. τεκνοποιήσιν ὄχλον πολύν (3)  
 89 (32). 14. ἵνα διαμείνῃ ἡμέρας πλείους (20 β)  
 42 (35). 7. ὅσων ἀν' ἔσχατοι ἡμέρας πολλὰς (9 α)  
 43 (38). 32. προστεθήσονται αὐτῷ λόγοι πλεί-  
 ονες (20 β)  
 44 (37). 16. ἐκάθισεν ἐκεῖ ἡμέρας πολλὰς (9 α)  
 47 (40). 12. συναγῶν . . . ὁπώραν π. (9 ε)  
 48 (41). 12. εὐρον αὐτὸν ἐπὶ ὕδατος πολλοῦ (9 α)  
 49 (42). 2. κατεβίβησεν ὀλίγον ἀπὸ πολλῶν (9 ε)  
 Ba. 1. 12. δουλεύουσιν αὐτοῖς ἡμέρας πολλὰς —  
 2. 29. ἡ βόμβησις ἡ μεγάλη ἡ π. αὐτῇ ἀποστρέψει  
 4. 12. μηδεὶς ἐπιχειρᾷ καὶ τῇ χίρῃ καὶ καταλειφ-  
 θείσῃ ὑπὸ πολλῶν —  
 — 35. κατοικισθήσεται ὑπὸ δαιμονίων τὸν πλείονα  
 χρόνον
- La. 1. 22. πολλοὶ οἱ στεναγμοὶ μου (9 α)  
 3. 23. B πολλὴ ἡ πίστις σου (9 α)  
 Ep. Jc. 3. ἔσσεθε ἐκεῖ ἔτι πλείονα —  
 — 13. ὅς ἐστι πλείω [? -ων] ἐπ' αὐτοῖς —  
 — 19. λύχνους καίοντες καὶ πλείους ἢ ἑαυτοῖς [A  
 πλείονας αὐ.]
- Ez. 1. 24. ἤκουον . . . ὡς φωνῆν ὕδατος πολλοῦ (9 α)  
 3. 6. οὐδὲ πρὸς λαοὺς πολλοὺς ἀλλοφώνους (9 α)  
 9. 9. ἐπλήσθη ἡ γῆ λαῶν πολλῶν —  
 12. 27. ἡ ὄρασις ἢν ὄντος ὄρα εἰς ἡμέρας π. (9 α)  
 16. 41. ποιήσουσιν ἐν σοὶ ἐκδοκίμους ἐνώπιον  
 γυναικῶν πολλῶν (9 α)  
 17. 5. ἔδωκεν αὐτῷ . . . φωνὴν ἐφ' ὕδατι πολλῷ (9 α)  
 — 7. ἐγένετο αὐτοῦ ἕτερος μέγας . . . π. θυξί (9 α)  
 — 8. ἐφ' ὕδατι πολλῷ αὐτῇ πιαίνεται (9 α)  
 — 9. οὐδὲ ἐν λαῷ πολλῷ (9 α)  
 — 15. τοῦ δοῦναι αὐτῷ ἵππους καὶ λαὸν πολύν (9 α)  
 — 17. οὐδὲ ἐν ὄχλῳ π. ποιήσει . . . πόλεμον (9 α)  
 19. 10. ὁ βλαστὸς αὐ. ἐγένετο ἐξ ὕδατος π. (9 α)  
 22. 5. ἡ ὀνομαστὴ καὶ π. ἐν ταῖς ἀνομίαις (9 α)  
 24. 12. οὐ μὴ ἐξέλθῃ ἐξ αὐτῆς π. ὁ λόγος αὐτῆς (9 α)  
 — 14. ἡ ὀνομαστὴ καὶ πολλὴ τοῦ παραπικραίνειν —  
 26. 3. ἀνάξω ἐπὶ σὲ ἔθνη πολλὰ (9 α)  
 — 7. καὶ συναγωγῆς ἐθνῶν πολλῶν [A σ. πολ-  
 λῆς ἐ.] σφόδρα (9 α)  
 — 19. κατακαλύψει σε ὑδωρ πολὺ (9 α)  
 27. 3. ἐρεῖς . . . ἀπὸ νήσων πολλῶν (9 α)  
 — 26. ἐβαρύνθησιν σφόδρα . . . ἐν ὑδατι πολλῷ (9 α)  
 28. 5. ἐν τῇ π. ἐπιστήμη σου (9 β)  
 29. 15. τοῦ μὴ εἶναι αὐτοὺς πλείονας —  
 31. 5. ἐπικαλύψονται οἱ κλάδοι αὐτοῦ ἀφ' [A  
 ἐφ'] ὕδατος πολλοῦ (9 α)  
 — 7. ἐγενήθησαν αἱ ρίζαι αὐ. εἰς ὑδωρ π. (9 α)  
 32. 3. περιβαλὼν ἐπὶ σὲ δίκτυα [A δίκτυον μου  
 καὶ ἐν ἐκκλησίᾳ] λαὸν πολλόν (9 α)  
 — 9. παροργισθὲν καρδίαν λαὸν πολλόν (9 α)  
 — 10. στυγνάζουσιν ἐπὶ σὲ ἔθνη π. [A om.] (9 α)  
 — 13. ἀπολωὺ πάντα τὰ κτήνη αὐ. ἀφ' ὕδατος π. (9 α)  
 33. 24. ἡμεῖς πλείους ἐσμέν (20 β)  
 37. 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπῳ τοῦ πεδίου (9 α)  
 — 10. ἔστησαν . . . συναγωγὴ πολλὴ [A με-  
 γάλῃ] σφόδρα (2)  
 38. 4. συναξὼς . . . πάντας συναγωγῇ πολλῇ (9 α)  
 — 6. ἔθνη πολλὰ μετὰ σου (9 α)  
 — 8. ἀφ' ἡμερῶν πλείωνων [A add. ἐτῶν]  
 εἰτομασθήσεται (20 β)  
 — 8. συναγμένων ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν (9 α)  
 — 9. ἔθνη πολλὰ μετὰ σου (9 α)  
 — 12. ἐπ' ἔθνος συναγμένων ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν —  
 — 15. ἔθνη πολλὰ μετὰ σου (9 α)  
 — 15. συναγωγὴ μεγάλη καὶ δύναμις πολλή (9 α)
- Ez. 38. 22. βρέξω . . . ἐπ' ἔθνη πολλὰ μετ' αὐτοῦ (9 α)  
 — 23. γνωσθήσονται ἐναντίον ἐθνῶν πολλῶν (9 α)  
 39. 27. Ἄ ἀγασθήσομαι . . . ἐνώπιον ἐθνῶν  
 πολλῶν [B ἐν τῶν ἐ.] (9 α)  
 43. 2. ὡς φωνὴ διπλασιζόμενων πολλῶν (9 α)  
 47. 7. ἐπὶ τοῦ χεῖλους τοῦ ποτ. δένδρα π. (9 α)  
 — 9. ἔσται ἐκεῖ ἰχθύες π. σφόδρα (9 α)  
 — 10. οἱ ἰχθύες αὐ. . . πλῆθος π. σφόδρα (9 α)  
 Da. LXX. 2. 48. δοὺς δωρεὰς μεγάλας καὶ π. (12)  
 3. (36). πολὺ πληθύνει [? πολὺν] τὸ σπέρμα αὐ. —  
 4. 9. ὁ καρπὸς αὐ. π. καὶ ἀγαθός (12)  
 — 32. ἵππος με ἔλαβε πολὺς —  
 7. 5. κατάφαγε σάρκα π. (12)  
 — 8. καὶ βουλαι π. ἐν τοῖς κέρασιν αὐ. —  
 8. 25. δόλω ἀφανίει πολλοὺς (9 α)  
 — 26. ἔτι γὰρ εἰς ἡμέρας π. (9 α)  
 — 27. ἀσθενήσας ἡμέρας π. —  
 9. 27. δυναστεύσει ἡ διαθήκη εἰς πολλοὺς (9 α)  
 — 27. ἐπὶ π. ἐιβδομάδας —  
 11. 3. κυριεύσει κυρίας π. (9 α)  
 — 10. συνάξει συναγωγὴν ὄχλου πολλοῦ (9 α)  
 — 11. παρουνθήσεται ἐπὶ πολὺ —  
 — 11. στήσις ὄχλου πολύν (9 α)  
 — 12. ταραξεί πολλοὺς (9 α)  
 — 13. ἐν ὄχλῳ π. καὶ ἐν χρήμασι π. (2, 9 α)  
 — 18. καὶ λήγεται πολλοὺς (9 α)  
 — 25. ἐγερθήσεται . . . ἐν ὄχλῳ π. (2)  
 — 26. καὶ πεσούνται τραυματίαι π. (9 α)  
 — 28. ἐπιστρέψει . . . ἐν χρήμασι π. (2)  
 — 33. συνήσουσιν εἰς πολλοὺς (9 α)  
 — 34. ἐπισυναχθήσονται . . . πολλοὶ ἐπὶ  
 πόλεως καὶ πολλοὶ ὡς ἐν κληρο-  
 δασίᾳ (—, 9 α)  
 — 39. κατακυριεύσει αὐτοῦ ἐπὶ πολὺ (9 α)  
 — 40. ἐν ἵπποις π. καὶ ἐν πλοίοις π. (—, 9 α)  
 — 41. καὶ πολλὰ σκανδαλισθήσονται (9 α)  
 — 44. καὶ ἀποκτείνω πολλοὺς (9 α)  
 12. 2. πολλοὶ τῶν καθυδρόνων (9 α)  
 — 4. ἔως ἀν' ἀπομαίνων οἱ π. (9 α)  
 — 10. ἔως ἀν' . . . ἀγασθῶσι πολλοὶ (9 α)  
 Da. TH. 2. 6. τιμὴν π. λήψεσθε παρ' ἐμοῦ (12)  
 — 12. B<sup>2</sup> ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ πολλῇ [A B<sup>1</sup> om.] (12)  
 — 48. Ἄ δόματα πολλὰ καὶ [B om. π. κ.]  
 μεγάλα καὶ π. ἔδωκεν αὐτῷ (9 γ, 12)  
 4. 7. τὸ ὕψος αὐ. πολὺ (12)  
 — 9, 18. καὶ ὁ καρπὸς αὐ. πολὺς (12)  
 5. 9. Ἄ ὁ βασιλ. B. πολὺ [B om.] ἐταράχθη (12)  
 6. 14 (15). πολὺ ἐλυπήθη ἐπ' αὐτῷ (12)  
 — 23 (24). ὁ βασιλ. πολὺ ἠγαθύνη ἐπ' αὐτῷ (12)  
 7. 5. φάγε σάρκα π. (12)  
 — 28. οἱ διαλογισμοὶ μου ἐπὶ πολὺ συνετά-  
 ρασάν με (18 δ)  
 8. 25. δόλω διαφθερεῖ πολλοὺς (9 α)  
 — 25. ἐπὶ ἀπωλείας πολλῶν στήσεται —  
 — 26. ὅτι εἰς ἡμέρας π. (9 α)  
 9. 18. ἐπὶ τοὺς οἰκτιρμοὺς σου τοὺς π. (9 α)  
 — 27. δυνάμει διαθήκην πολλοῖς (9 α)  
 — 27. Ἄ B<sup>2</sup> δυνάμει διαθήκην πολλοῖς (9 α)  
 11. 3. κυριεύσει κυρίας πολλῆς (9 α)  
 — 5. κυριεύσει κυρίαν π. [A κυρίας πολλῆς] (9 α)  
 — 10. συνάξουσιν ὄχλον ἀνὰ μέσον πολλῶν  
 [A δ. δυνάμεων πολλῶν] (9 α)  
 — 11. στήσις ὄχλου π. (9 α)  
 — 13. ἄξει ὄχλον π. ὑπὲρ τὸν πρότερον (9 α)  
 — 13. καὶ ἐν ὑπάρξει π. (9 α)  
 — 14. πολλοὶ ἐπαυαυθίσονται ἐπὶ βασιλείᾳ  
 τοῦ νότου (9 α)  
 — 18. καὶ συλλήψεται πολλὰς (9 α)  
 — 24. Ἄ ἐν πλείοσιν [B πίοσι] χώρας ἦξει —  
 — 26. πεσούνται τραυματίαι π. (9 α)  
 — 28. ἐν ὑπάρξει π. (2)  
 — 33. συνήσουσιν εἰς πολλὰ (9 α)  
 — 34. προστεθήσονται πρὸς αὐτοὺς πολλοὶ (9 α)  
 — 39. ὑποτάξει αὐτοὺς πολλοὺς (9 α)  
 — 40. ἐν ἱππέσι καὶ ἐν ναυσὶ π. (9 α)  
 — 41. πολλοὶ ἀσθενήσουσι (9 α)  
 — 44. ἦξει ἐν θυμῷ πολλῷ τοῦ ἀφανίσαι πολ-  
 λούς (2, 9 α)  
 12. 2. πολλοὶ τῶν καθυδρόνων (9 α)  
 — 3. καὶ ἀπὸ τῶν δικαίων τῶν π. (9 α)  
 — 4. ζωὴ διδασχῶσι πολλοὶ [B<sup>1</sup> al.] (9 α)  
 — 10. καὶ ἀγασθῶσι πολλοὶ [B<sup>1</sup> al.] (9 α)  
 I Ma. 1. 2. συνεστήθησαν πολεμίους π. —  
 — 2. B ἐκράτησαν ὄχρωματων π. [A B om.] —  
 — 9. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. ὅσων αὐτῶν μετὰ σοῦ —  
 — 11. καὶ ἀνέπεισαν πολλοὺς

- I Ma. 1. 11. εὐρεν ἡμᾶς κατὰ π.  
— 18. ἔπεσον [B' εἴθυγον] τραυματίαι π.  
— 30. ἀπώλεσε λαὸν π. ἐξ Ἰσρ.  
— 43. πολλοὶ ἀπὸ Ἰσρ. εὐδόκησαν  
— 47. B' καὶ θύειν . . . κτήνη πολλὰ [A B' B κοινὰ]  
— 52. συνηροίσθησαν . . . πρὸς αὐτοὺς πολλοὶ  
— 62. πολλοὶ ἐν Ἰσρ. ἐκραταιώθησαν  
2. 16. πολλοὶ ἀπὸ Ἰσρ. πρὸς αὐτοὺς προσήλθον  
— 18. δοξαστήσατε . . . ἀποστολαίς π.  
— 29. κατέβησαν πολλοὶ ζητοῦντες δικαιοσύνην  
— 32. ἔδραμον ὅσious αὐτῶν πολλοὶ  
3. 7. ἐπύκραινε βασιλείς πολλοὺς  
— 14. ἔπεσον τραυματίαι π.  
— 18. συγκλεισθήναι πολλοὺς ἐν χερσὶν ὀλίγων  
— 18. σῶζειν ἐν πολλοῖς ἢ ἐν ὀλίγοις  
— 31. B B συναγαγεῖν ἀργύριον πολὺ [A -ύν]  
— 41. B B ἔλαβον . . . χρυσίον πολὺ [A -ύν]  
4. 23. B B ἔλαβον χρυσίον πολὺ καὶ ἀργ. [A χρ. κ. α. πολὺν]  
5. 6. εὐρε . . . λαὸν π.  
— 7. συνήψε πρὸς αὐτοὺς πολέμου π.  
— 21. συνήψε πολέμους π. πρὸς τὰ ἔθνη  
— 26. πολλοὶ ἐξ αὐτῶν συνελθόντες εἰσὶν  
— 30. καὶ ἰδοὺ λ. πολὺς  
— 38. δύναμις π. σφόδρα  
6. 6. B B καὶ δυνάμει καὶ σκύλοις π.  
— 9. ἢν ἐκεῖ ἡμέρας πλείους  
— 31. B B ἐπολέμησαν ἡμέρας [A ἐπὶ ἡ.] π.  
— 51. παρεβίβαλεν ἐπὶ τὸ ἀγασμα ἡμέρας π.  
— 52. A B ἐπολέμησαν ἡμέρας π. [B om.]  
7. 10, 11. ἦλθον μετὰ δυνάμει π.  
— 19. συνέλαβε πολλοὺς  
— 27. ἦλθε N. εἰς Ἰερ. δυνάμει π.  
8. 6. ἔχοντα . . . δυνάμιν π. σφόδρα  
— 10. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τραυματίαι π.  
— 19. καὶ ἡ ὁδὸς π. σφόδρα  
9. 2. ψυχὰς ἀνθρώπων πολλὰς  
— 6. ἰδὼν . . . ὅτι πολλοὶ εἰσι  
— 6. ἐξέρυσσαν πολλοὶ  
— 17. ἔπεσον τραυματίαι π.  
— 20. ἐπένδον ἡμέρας π.  
— 22. A B πολλὰ [B -ῆ] γὰρ ἦν σφόδρα  
— 35. A B τὴν ἀποσκευὴν [B παρασκ.] αὐ. τὴν π.  
— 39. καὶ ἀποσκευὴ π.  
— 39. μετὰ τρυμνίων . . . καὶ ὕλων π.  
— 40. ἔπεσον τραυματίαι π.  
— 43. ἦλθε . . . ἐν δυνάμει π.  
— 60. τοῦ εἰλεῖν μετὰ δυνάμει π.  
— 64. ἐπολέμησαν αὐτὴν ἡμέρας π.  
— 69. ἀπέκτειναν ἐξ αὐτῶν πολλοὺς  
10. 2. συνήγαγε δυνάμεις π. σφόδρα  
— 21. κατεσκεύασεν ὅπλα π.  
— 28. ἀθήσομεν ὕμιν ἀφέματα π.  
— 60. ἔδωκεν αὐτοῖς . . . δόματα π.  
— 77. παρεβίβαλε . . . δυνάμιν π.  
— 87. ἔχοντες σκῦλα π.  
11. 1. ἤθροισεν δυνάμεις π. . . καὶ πλοῖα π.  
— 20. ἐποίησαν . . . μηχανὰς π.  
— 24. B' B λαβὼν . . . ἑτέρα ξένια πλείονα [B' πλείον, A αἰ.]  
— 40. ἔμεινε ἐκεῖ ἡμέρας π.  
— 48. ἐλάβοσαν σκῦλα π.  
— 51. ἔχοντες σκῦλα π.  
— 63. παρήσαν . . . μετὰ δυνάμει π.  
— 65. ἐπολέμησε αὐτὴν ἡμέρας π.  
12. 10. π. γὰρ καιροὶ διήλθον  
— 13. ἡμᾶς δὲ ἐκύκλωσαν π. θλίψεις καὶ πύλε-  
μοι π.  
— 24. ἐπίστρεψαν . . . μετὰ δυνάμει π.  
— 42. πόρστιν μετὰ δυνάμει π.  
— 45. A παραδῶσω σοι . . . τὰς δυνάμεις τὰς π.  
[B λουπάς]  
13. 1. συνήγαγε Τρ. δυνάμιν π.  
— 12. ἀπῆρε Τρ. . . μετὰ δυνάμει π.  
— 22. ἦν χῶν π. σφόδρα  
— 26. ἐπέβησαν αὐτὸν ἡμέρας π.  
14. 7. συνήγαγεν αἰμαλωσίαν π.  
— 32. ἐδάσαντες χρήματα π. τῶν αὐτοῦ  
15. 4. καὶ τοὺς ἠρημακότες πόλεις π.  
— 29. A B ἐκυριεύσατε τόπων [B om.] πολλῶν  
16. 5. δυνάμει π. εἰς συνάντησιν αὐτοῖς  
— 7. ἡ δὲ ἵππος τῶν ὑπεναντίων πολλὴ σφόδρα  
— 8. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τραυματίαι π.  
— 11. ἔσχυν . . . χρυσίον πολὺ  
II Ma. 1. 14. A χάριν τοῦ λαβεῖν τὰ χρήματα  
πλείονα [B om.]

- II Ma. 1. 35. πολλὰ διάφορα ἐλάβωμεν  
— 36. καλεῖται δὲ παρὰ τοῖς π. N.  
2. 27. διὰ τὴν τῶν π. εὐχαριστίαν  
3. 26. πολλὰς ἐπιρριπτοῦντες αὐτῷ πηγάς  
— 27. πολλὰ σκότει περιχυθέντα  
— 28. τὸν ἀπὸ μετὰ π. παραδρομῆς . . . εἰσελ-  
θόντα  
— 33. B πολλὰς [A -ὰ] τῷ Ὁ. . . χάριτας ἔχε  
4. 35. πολλοὶ δὲ καὶ τῶν ἄλλων ἐθνῶν ἐδείναζον  
— 37. διὰ τὴν . . . π. εὐτασίαν  
— 39. γενομένων δὲ π. παρασπλημάτων  
— 42. χρυσμάτων ἦδη πολλῶν διηρηγμένων  
— 49. πολλοὺς μὲν αὐτῶν τραυματίαι ἐποίησαν  
5. 16. A<sup>2</sup> ὑπὸ π. βασιλείων ἀνασταθίνα [A<sup>1</sup> B αἰ.]  
— 18. προενέχισαν πολλοὶς ἀμνηστῆμασι  
6. 1. μετ' οὐ πολὺν δὲ χρόνον  
— 13. τὸ μὴ π. χρόνον ἐσθῆται δὲ δυσσεβοῦντας  
— 24. B πολλοὶ [A -οῖς] τῶν νέων ὑπολαβόντες  
Ἐλεάρον  
— 31. τοῖς πλείστοις τοῦ ἔθνους τὸν ἰαυ. θάνατον  
ὑπέδειγμα . . . καταλείπων  
7. 26. πολλὰ δὲ αὐτὸ παλαιότατος  
8. 20. ὠφέλειαν πολλὴν ἔλαβον  
— 24. B τὸ πλείονος [A πλείον] μέρος τῆς τοῦ N.  
στρατίας  
— 30. B λάφυρα πλείστα [A πλείονος] ἐμέρισαντο  
— 32. καὶ πολλὰ τοὺς ἰουδ. ἐπιτελευτήκατο  
9. 6. πολλὰς καὶ ξενίζουσας συμφοραῖς  
— 11. ἤρξατο τὸ π. τῆς ὑπερηφανίας λήγειν  
— 19. τοῖς χρηστοῖς ἰουδ. . . πολλὰ χαίρειν  
— 22. ἔχων π. ἐλπίδα  
— 25. ὅρ . . . τοῖς πλείστοις ὕμῶν παρακατετι-  
θέμην  
10. 23. ἀπώλεσαν . . . πλείους τῶν διαμυρίων  
— 27. προήγον ἀπὸ τῆς πόλεως ἐπὶ πλείον  
11. 12. οἱ πλείονες δὲ αὐτῶν τραυματίαι γυμνοὶ  
δυσώθησαν  
12. 12. ἐν πολλοῖς αὐτοὺς χρησίμως  
— 19. ἀπώλεσαν . . . πλείους τῶν μυρίων ἀνδρῶν  
— 24. μετὰ π. χορηγίας ἐξαφάνει οὓς αὐτὸν  
— 24. διὰ τὸ πλείωνον μὲν γοεῖν ὅν δὲ ἀδελφοῖς  
ἔχουν  
— 25. πιστώσαντες δὲ αὐτοὺς διὰ πλείωνον  
— 27. βελὼν πολλὰ παραθέσεις ὑπῆρχον  
— 36. τῶν δὲ περὶ τὸν Ἑσδρὴν ἐπὶ πλείον μαχομέ-  
νων  
13. 3. παρεκάλει μετὰ π. εἰρωνείας τὸν Ἄντ.  
— 8. ἐπεὶ γὰρ συνετελέσαστο πολλὰ . . . ἀμνηστή-  
ματα  
14. 20. πλείονος δὲ γενομένης περὶ τούτων ἐπισκέ-  
ψεως  
15. 14. ὁ πολλὰ προσευχόμενος περὶ τοῦ λαοῦ  
III Ma. 1. 5. π. δὲ καὶ δοριαλῶτους συλλεγθῆναι  
2. 6. ποικίλαι καὶ π. δοκίμας τιμωρίας  
— 13. διὰ τὰς π. καὶ μεγάλας ἡμῶν ἀμαρτίας  
— 26. πολλοὺς τῶν φίλων ἀνείκοιραν  
— 32. οἱ δὲ πλείστοι γενναῖα ψυχῇ ἐνίσχυσαν  
3. 15. π. φιλανθρωπικῇ τιμῇ νηυστασί  
— 16. ἀποιμνύντες προσόδους πλείους  
4. 18. καίπερ ὄντων ἐπὶ κατὰ τὴν χώραν τῶν πλει-  
όνων  
5. 2. οἶνον πλείον ἀκράτῳ  
— 10. πεπληρωμένους τῆς τοῦ οἴνου π. χορηγίας  
— 12. τῆς ἀδύσμου μὲν προσέσεις πολὺν δισφαλ-  
μέως  
— 17. τὸ παρὸν τῆς συμποσίας ἐπὶ πολὺ γεαιρο-  
μένους  
— 18. ἐπὶ πλείον δὲ προβαίνουσες τῆς ὁμίας  
6. 5. ἐκδὸλον δεκνύς ἔθνεσι πολλοὶς τὸ σὸν κράτος  
7. 21. B πλείστην ἡ ἐμπροσθεν . . . ἐξουσίαν ἐσχ-  
κότες [A αἰ.]  
IV Ma. 1. 8. πολὺ δὲ πλεον τοῦτο ἀποδείξαιμι  
— 21. πολλὰ δὲ καὶ . . . παθὼν εἰσιν ἀκολουθίαι  
— 28. πολλὰ τούτων τῶν παθῶν εἰσι παραφύαδες  
2. 6. πολὺ πλεον πείσμαι ἂν ὕμᾶς  
3. 7. πολλοὺς αὐτῶν ἀπέκτεινε  
4. 3. πολλὰς ἰδιωτικῶν χρημάτων μυριάδας  
— 10. A B πολὺν αὐτοῖς [B -ὼν] φόβον . . . ἐνι-  
όντες  
5. 4. πολλῶν δὲ συναρπασθέντων  
— 4. καὶ πολλοὶς τῶν περὶ τὸν τύραννον . . . γνώ-  
ριμος  
7. 4. πολλοὶς καὶ ποικίλοις μηχανήμασι ἀντίσχε  
9. 30. A B πλείον [B πλείον] ἐμοῦ σε νῦν βασανί-  
ζεσθαι  
10. 1. παρακαλούμενος πολλὰ ὑπὸ πολλῶν

- IV Ma. 11. 3. ὅπως . . . περὶ πλείωνων ἀδικημάτων  
ὀφείλῃς . . . τιμωρίαν [B αἰ.]  
15. 7. διὰ π. τὰς καθ' ἑκάστον αὐτῶν ὀδύνας  
16. 8. πολλὰς ὑπέρβειν ὀδύνας  
18. 15. πολλὰ αἰ θλίψεις τῶν δικαίων  
[Aq. Nu. 16. 3: Dt. 2. 21: 8. 26: III Ki. 4. 20: 11. 1: Jb. 1. 3: Ps. 8. 2: 30 (31). 20: 81 (82). 6. 10: 55 (56). 3: 61 (62). 3: 70 (71). 20: 122 (123). 4: Pr. 10. 21: 28. 2: Ec. 1. 3: Is. 2. 3: 9. 7 (6): 16. 14: 80. 25: 38. 23: Jk. 6. 22: 25. 14: 28 (35). 8: Ez. 17. 17: Da. 9. 27: 11. 41.]  
[Sm. Lz. 11. 22: I Ki. 80. 16: III Ki. 4. 20: 11. 1: II Ch. 80. 5: Jb. 1. 3: Ps. 15 (16). 4: 80 (81). 14. 20: 81 (82). 6. 10: 39 (40). 6: 43 (44). 13: 55 (56). 3: 67 (68). 12: 70 (71). 7. 20: 72 (73). 8: 77 (78). 38: 88 (89). 8: 122 (123). 3. 4: Ec. 1. 3: 8. 19: 5. 6: 7. 17 (16): 8. 6: 9. 18: 10. 4. 14: Is. 2. 3: 16. 14: 30. 25: 38. 23: 42. 20: 55. 7: Jk. 6. 22: 25. 14: 28 (35). 8: Ez. 17. 17: 23. 32: Da. 9. 27.]  
[Th. Lz. 11. 22: Nu. 16. 3: III Ki. 11. 1: Jb. 36. 28: Pr. 28. 2: Ec. 8. 6: Is. 2. 3: 16. 14: Jk. 6. 22: 25. 14: 40 (47). 7: Ez. 17. 17: Da. 3. (36): 4. 7: 8. 25. 26: 9. 27: 11. 5, 10, 11, 41, 44: 12. 3, 4.]  
[Al. Dt. 1. 6: 2. 7: Jb. 18. 11.]  
[Quint. Ps. 61 (62). 3.]  
[Sext. Ps. 81 (82). 4.]  
[Heb. Ez. 43. 2.]  
πολύστρεβλος.  
[Al. Pr. 28. 16.]  
πολυτελής. (1) 𐤒𐤕 (2) 𐤒𐤕𐤔 (3) 𐤕𐤔𐤔  
(4) λίθος π. 𐤒𐤕𐤔 (5) λίθος π. α. 𐤒𐤕𐤔𐤔  
δ. 𐤒𐤕𐤔𐤔  
I Ch. 29. 2. λίθος π. καὶ ποικίλους (3)  
I Es. 6. 9. διὰ λίθων ξυστῶν π.  
Ju. 10. 21. δ ἦν ἐκ . . . λίθων π. καθυφασμένων  
Es. 5. 1. ὁλος διὰ χρυσοῦ καὶ λίθων π.  
[b. 31. 24. εἰ δὲ καὶ λίθος πολυτελής ἐπεποιήσα (4)  
Pr. 1. 13. τὴν κτήσιν [A κτίσιν] αὐτοῦ τὴν π.  
καταλαβόμεθα (1)  
3. 15. τιμιωτέρα δὲ ἐστὶ λίθων πολυτελῶν (5α, 5β)  
8. 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (5β)  
25. 12. εἰς . . . σάρδιον π. δέδεται (2)  
31. 10. τιμιωτέρα δὲ ἐστὶ λίθων πολυτελῶν (5β)  
Wi. 2. 7. οἶνον πολυτελοῦς καὶ μύρρον πλησθῶμεν  
Si. 45. 11. λίθοις πολυτελεῖσι γλύμματος σφραγίδος  
50. 9. ὥς σκένος . . . κεκοσμημένον παντὶ λίθῳ  
πολυτελεῖ  
Is. 28. 16. ἐμβάλλω εἰς τὰ θεμέλια Σ. λίθον π. †  
Da. LXX. 11. 38. ἐν χρυσῷ . . . καὶ λίθῳ π. (1)  
πολυτόκος. (1) 𐤒𐤕𐤔 hi.  
Ps. 143 (144). 13. τὰ πρόβατα αὐτῶν πολυτόκα (1)  
πολυτρόπος. (1) 𐤕𐤕𐤔 ni.  
Jb. 5. 13. B' βουλὴν δὲ πολυτρόπων [A B B' -πλόων] ἐξέστησεν (1)  
IV Ma. 1. 25. πολυτροπότητῃ πάντων τῶν παθῶν οὐσα  
3. 21. B B πολυτρόποις [A -ως] ἐχρήσαντο συμ-  
φοραῖς  
14. 11. πολυτροπώτερον ὑπερεφρόνησεν ἀληθῶν  
15. 24. B τὴν τῶν στρεβλῶν πολυτρόπον ποικιλίαν  
[A B αἰ.]  
πολυτρόπος.  
IV Ma. 3. 21. A π. [B B -οις] ἐχρήσαντο συμφοραῖς  
πολυφόρος.  
[Sm., Th. Is. 32. 12.]  
πολυφροντίς.  
Wi. 9. 15. βρίθει τὸ γῶδες σῆκνος νοῦν π.  
πολυχειρία.  
[Quint. Ho. 6. 9.]  
πολυχρορίζειν. (1) 𐤕𐤕𐤔 hi.  
De. 4. 26. οὐχὶ πολυχρονιέετε ἡμέρας (1)  
πολυχρόνιος. (1) 𐤕𐤕 (2) γίνεσθαι π.  
𐤕𐤕𐤔𐤔 𐤕𐤕𐤔𐤔  
Ge. 26. 8. ἐγένετο δὲ πολυχρόνιος ἐκεῖ (2)  
Jb. 32. 9. οὐχὶ οἱ πολυχρόνιοι εἰσι σοφοί (1)

Wi. 2. 10. μηδὲ . . . ἐντραπῶμεν πολὺς πολυχρονίους  
4. 8. γῆρας γὰρ τίμον οὐ τὸ π.  
Ep. Jc. 46. οὐ μὴ γένηται πολυχρόνιοι  
IV Ma. 17. 12. ἀφθαρσία ἐν ζωῇ π.

[Aq. Is. 16. 7.]  
[Ssm. Jb. 15. 10.]

**πολυωρεῖν.** (1) 𐤒𐤒𐤁 hi. (2) 𐤒𐤒𐤁 hi.  
De. 30. 9. A πολυωρήσει [B εὐλογήσει] σε (1)  
Ps. 11 (12). 8. ἐπολυώρησας τοὺς [A πάντας  
τοὺς] υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων +

137 (138). 3. A πολυωρήσεις με ἐν ψυχῇ μου (2)  
**πόμα.** (1) 𐤒𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤒𐤁

Ps. 101 (102). 9. τὸ π. μου μετὰ κλαυθμοῦ ἐκίρνω (2)  
Da. Th. 1. 16. καὶ τὸν ὄνον τοῦ π. αὐ. (1)

III Ma. 5. 2. τῇ τοῦ π. ἀφθόνῳ χορηγίᾳ  
— 45. εὐωδιστάτοις π. οὐνοῦ λελιβανωμένον  
IV Ma. 3. 16. ἔσπειρε τὸ π. τῷ θεῷ

**πομπεύειν.**

Wi. 4. 2. πομπεύει τὸν τῶν ἀμιάτων δόλων ἀγῶνα  
νικήσασα

II Ma. 6. 7. πομπεύειν τῷ Διονύσῳ

**πομπή.**

[Al. Ps. 43 (44). 14.]

**πονεῖν.** (1) 𐤒𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤒𐤁 (3) 𐤒𐤒𐤁 a. qal.

δ. hoph. (4) 𐤒𐤒𐤁 (5) 𐤒𐤒𐤁 hoph.

(6) 𐤒𐤒𐤁 (7) 𐤒𐤒𐤁

Ge. 49. 15. ὑπὲρθε τὸν ὄμον αὐ. εἰς τὸ π. (6)  
Ex. 31. 6. B καὶ ποιήσουσι [A B ποιήσ.] πάντα +

I Ki. 14. 15. A οὐκ ἤβηλον π. [B ποιεῖν] —

22. 8. οὐκ ἔστι ποιῶν περὶ ἐμοῦ (3 a)

23. 21. ἐποίησας περὶ ἐμοῦ (4 f)

III Ki. 15. 23. ἐποίησε τοὺς πόδας αὐτοῦ (3 a)

I Ch. 10. 3. A ἐποίησεν [B -σαν] ἀπὸ τῶν

τόξων (2)

II Ch. 18. 33. οἱ ἐποίησα (3 b)

85. 23. οἱ ἐποίησα σφόδρα (3 b)

I Es. 4. 22. οὐχὶ ποιεῖτε καὶ μοχθεῖτε

Ju. 16. 8. A B S εἰς ὕψος τῶν ποιοῦντων ἐν Ἰσρ.

Pr. 16. 26. ἀνὴρ ἐν νόνοισι ποιεῖ ἑαυτοῦ (7)

23. 35. τύπτοι με καὶ οὐκ ἐπίνοσα (3 a)

Si. 11. 11. ἔστι κοπιῶν καὶ ποιῶν καὶ σπένδων

13. 5. ἀποκινῶσαι σε καὶ αὐτὸς οὐ ποίησει

Ho. 9. 16. ἐποίησεν Ἐφρ. (6)

Is. 19. 10. τὰς ψυχὰς ποίησουσι (5)

Je. 5. 3. A B S καὶ οὐκ ἐποίησαν (3 a)

28 (51). 29. ἐποίησεν ἡ γῆ καὶ ἐποίησε (2)

La. 4. 6. οὐκ ἐποίησαν ἐν αὐτῇ χεῖρας (3 a)

I Ma. 7. 2. S καὶ ἐποίητο [A S ἐγένετο]

[Aq. Pr. 16. 26. δις.]

[Ssm. Pr. 14. 13. Ec. 2. 11.]

[Th. Pr. 16. 26.]

**πονεύειν.**

Is. 28. 13. ἵνα πονεύσωσι [A S πορευθῶσιν] +

**πονηρεύσθαι.** (1) 𐤒𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤒𐤁 ni.

(3) 𐤒𐤒𐤁 hithp. (4) 𐤒𐤒𐤁 a. qal. δ. hi.

c. 𐤒𐤒𐤁 (5) 𐤒𐤒𐤁 hi.

Ge. 19. 7. μὴ πονηρεύσῃς (4 b)

37. 18. B ἐπονηρεύοντο τοῦ [A ἐπορεύοντο]

ἀποκτείναν αὐτὸν (8)

Ex. 22. 8 (7). ἡ μὴ μὴ [A om.] αὐτὸν [A B -ὄς]

πεπονηρεύσθαι +

— 11 (10). ἡ μὴ μὴ αὐτὸν πεπονηρεύσθαι +

De. 15. 9. καὶ πονηρεύηται δὲ ὁ δέος σου τῷ δδ.

σου (4 a)

19. 19. δν τρόπον ἐπονηρεύσας ποιεῖσαι (1)

Jd. 13. 23. A μὴ πονηρεύσῃς [B κακοποιή-

σῃς] (4 b)

III Ki. 14. 9. A ἐπονηρεύω τοῦ ποιεῖσαι (4 b)

16. 25. ἐπονηρεύσας ὑπὲρ πάντας (4 b)

— 30. B καὶ ἐπονηρεύσας —

I Ch. 18. 22. ἐν τοῖς προφῆταις μου μὴ πονη-

ρεύσῃς (4 b)

Es. 4. 17. ῥύσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν πονηρευομ.

Ps. 5. 4. οὐδὲ παροικίησιν σοι πονηρευόμενος (4 c)

14 (15). 4. ἐξουθενῶται ἐνώπιον αὐτοῦ πονη-

ρευόμενος [A πᾶς πον.] (2)

21 (22). 16. συναγαγὴ πονηρευόμενον περι-

έσχον με (4 b)

Ps. 25 (26). 5. ἐμίσησα ἐκκλησίαν πονηρευομένων (4 b)

36 (37). 1. μὴ παραζήλου ἐν πονηρευομένοις (4 b)

— 8. μὴ παραζήλου ὥστε [B ἐν τῇ] πονη-

ρεύσθαι (4 b)

— 9. οἱ πονηρευόμενοι ἐξολοθρευθήσονται (4 b)

63 (64). 2. B S B ἐσκέπασας με ἀπὸ συστροφῆς

πονηρευομένων (4 b)

73 (74). 3. δσα ἐπονηρεύσας δὲ ἐχθρός (4 b)

91 (92). 11. ἐν τοῖς ἐπανιστανομ. ἐπ' ἐμὲ πονη-

ρευομένοις (4 b)

93 (94). 16. τίς ἀναστήσεται μοι ἐπὶ πονηρευο-

μένων (4 b)

104 (105). 15. ἐν τοῖς προφῆταις μου μὴ πονη-

ρεύσῃς [A -βαί] (4 b)

118 (119). 115. A B ἐκκλινάτε ἀπ' ἐμοῦ πονη-

ρευόμενοι [B οἱ π.] (4 b)

Ec. 7. 23 (22). πλειστάκις πονηρεύεται σε +

Si. 19. 26. ἔστι πονηρευόμενος συγκεχυμένος μελάνια

Mi. 3. 4. ἐπονηρεύσας ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν

αὐ. (4 b)

Je. 2. 33. ἐπονηρεύω τοῦ μᾶναι τὰς ὁδοὺς σου +

16. 12. ἐπονηρεύσας [B οὐκ ἐπορεύσας] ὑπὲρ

τοὺς πατέρας ὑμῶν (4 b)

20. 13. ἐκ χειρὸς πονηρευομένων [A S al.] (4 b)

45 (38). 9. ἐπονηρεύσας δὲ ἐποίησας (4 b)

49 (42). 20. ἐπονηρεύσας ἐν ψυχαῖς ὑμῶν (5)

Da. LXX. Su. 35. οὐκ ἐποίησα δὲ πονηρευομαι

— 61. καθὼς ἐπονηρεύσας —

Da. Th. Su. 43. ὡν οὗτοι ἐπονηρεύσαντο κατ' ἐμοῦ

— 62. δν τρόπον ἐπονηρεύσαντο τῷ πλησίον

[Aq. Dt. 28. 54. 56. I Ki. 14. 9. Ps. 26 (27).

2. 86 (37). 1. Pr. 24. 19. Ec. 7. 23 (22).

Is. 1. 4. Je. 6. 11.]

[Ssm. Ec. 7. 23 (22). Is. 1. 4. 16.]

[Th. Pr. 24. 19. Is. 1. 4. Je. 6. 11. 38

(45). 9.]

[Quint. Ps. 26 (27). 2. 86 (37). 1.]

**πονηρία.** (1) 𐤒𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤒𐤁 (3) 𐤒𐤒𐤁

(4) a. 𐤒𐤒𐤁 δ. 𐤒𐤒𐤁 c. 𐤒𐤒𐤁 d. 𐤒𐤒𐤁 hi.

(5) 𐤒𐤒𐤁

Ex. 10. 10. πονηρία πρόσκειται [A πρόκ.] ὑμῖν (4 c)

32. 12. μετὰ πονηρίας ἐξήγαγεν αὐτοὺς (4 c)

De. 31. 21. οἶδα τὴν π. αὐτῶν (2)

Jd. 9. 56. ἐπίστηρεν ὁ θ. τὴν π. 'Aβ. [A al.] (4 c)

— 57. τὴν πᾶσαν π. ἀνδρῶν Σ. [A al.] (4 c)

11. 27. σὺ ποιεῖς μετ' ἐμοῦ πονηρίαν (4 c)

15. 3. ποῖά ἐγὼ μετ' αὐτῶν πονηρίαν [A al.] (4 c)

20. 3. ποῖ ἐγένετο τὸ π. [A κακία] αὐτῇ (4 c)

— 12. τίς ἡ π. [A κακία] αὐτῇ (4 c)

— 13. ἐκκαθαριόμενον πονηρίαν [A al.] (4 c)

— 41. συνήτησεν ἐπ' αὐτοῦς ἡ π. [A al.] (4 c)

Ne. 1. 3. ἐν π. μεγάλῃ καὶ ἐν δυνεϊσμῷ (4 c)

2. 2. οὐκ ἔστι τοῦτο εἰ μὴ πονηρία καρδίας (4 b)

— 17. ὑμεῖς βλέπετε τὴν π. (4 c)

6. 2. ποιήσαι μοι πονηρίαν (4 c)

13. 7. A B S συνῆκα ἐν τῇ [B om.] π. (4 c)

— 27. ποιήσαι π. [A S π. τὴν] πονηρίαν ταύτην (4 c)

Ps. 7. 9. συντελεσθήτω δὴ πονηρία ἀμαρτωλῶν (4 a)

27 (28). 4. κατὰ τὴν π. τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (4 b)

54 (55). 15. πονηρία ἐν ταῖς παροικίαις αὐ. (4 c)

72 (73). 8. ἐλάλησαν ἐν πονηρίᾳ (4 a)

93 (94). 23. ἀποδώσει αὐτοῖς . . . τὴν [A B S

κατὰ τὴν] π. αὐτῶν (4 c)

140 (141). 4. εἰς λόγους πονηρίας [B -ρούς] (4 a)

Pr. 26. 25. ἐπὶ γὰρ εἰσι πονηρία (5)

Ec. 2. 21. τοῦτο ματαιότης καὶ π. μεγάλη (4 c)

6. 1. 10. 5. ἔστι πονηρία ἣν εἶδον ὑπὸ τὸν ἥλιον (4 c)

11. 10. πάραυτα πονηρίαν ἀπὸ στρατοῦ σου (4 c)

Wi. 4. 6. μάρτυρες εἰσι πονηρίας κατὰ γονέων

— 14. ἔσπειραν ἐκ μέσου πονηρίας

5. 11. B S οὐδὲν ἐυρίσκειται τεκμήριον πονηρίας

[A B S πορείας] (4 a)

10. 5. ἐν δυνάμει πονηρίας ἐβδὼν συγχυθέντων

— 7. ἐπὶ μαρτύριον τῆς π.

17. 11. δειλὸν γὰρ ἰδίως πονηρία μαρτυρεῖ

19. 13. δικαίως γὰρ ἔπασχον ταῖς ἰδίαις αὐτῶν π.

Si. 3. 28. φυτὸν γὰρ πονηρίας ἐρίζωκεν ἐν αὐτῷ

12. 10. ὡς γὰρ ὁ χαλκὸς ἰούται οὕτως ἡ π. αὐτοῦ

19. 22. οὐκ ἔστι σοφία πονηρίας ἐπιστήμῃ

— 23. ἔστι πονηρία καὶ αὕτη βδέλυγμα

25. 13. πᾶσαν πονηρίαν καὶ μὴ πονηρίαν γυναικός

— 17. πονηρία γυναικὸς ἀλλοιοῖ τὴν δρασιν αὐτῆς

29. 7. πολλοὶ χάριν πονηρίας ἀπώστρεψαν

32 (35). 3. εὐδοκία κυρίου ἀποστήσκει ἀπὸ πονηρίας

34 (31). 24. ἡ μαρτυρία τῆς π. αὐτοῦ ἀκριβής

Si. 41. 17. S αἰσχύνεσθε ἀπὸ πατρὸς καὶ μητρὸς ἀπὸ

πονηρίας [A B S περὶ πορείας]

42. 13. ἀπὸ γυναικὸς πονηρία γυναικός

— 14. κρίσεων πονηρία ἀνδρὸς ἡ ἀγαθοποιὸς γυνή

46. 7. κοπάσαι γογγυσμὸν πονηρίας

47. 25. πᾶσαν πονηρίαν ἐξεζήτησαν

Hg. 2. 15 (14). S ἀπὸ προσώπου πονηριῶν

[A B S πόνων] αὐ. —

Is. 1. 16. ἀφέλετε τὰς π. ἀπὸ τῶν ψυχῶν ὑμῶν

. . . παύσασθε ἀπὸ τῶν π. ὑμῶν (4 b, 4 d)

7. 16. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον ἀγαθὸν ἢ κακὸν

ἀπειθεῖ πονηρίᾳ [B om. d. π.] —

10. 1. οὐαὶ τοῖς γράφουσιν πονηρίαν γράφοντες

γὰρ πονηρίαν γράφουσιν (1, 3)

47. 10. τῇ ἐλπίδι τῆς π. [B πορείας] σου (4 c)

59. 7. οἱ δὲ πόδες αὐ. ἐπὶ πονηρίαν τρέχουσι (4 a)

Je. 4. 4. ἀπὸ προσώπου πονηρίας ἐπιτηδευμάτων

ὑμῶν (4 b)

6. 29. π. αὐτῶν οὐκ ἐτάκη (4 a)

9. 7 (6). ποιήσω ἀπὸ προσώπου [B add. τῆς]

πονηρίας θυγατρὸς λαοῦ μου —

10. 23. S κατωρθώσει πονηρίαν [A B S πο-

ρείαν] αὐ. +

13. 27. S ὀφθῇσεται . . . ἡ ἀπαλλοτριώσις

τῆς π. [A B πορείας] σου +

23. 11. ἐν τῷ ὅλῳ μου εἶδον πονηρίας αὐτῶν (4 c)

24. 2, 3, 8. δὲ οὐ βρωθήσεται ἀπὸ πονηρίας αὐ. (4 b)

31 (48). 16. π. αὐτοῦ ταχεία σφόδρα (4 c)

39 (32). 32. διὰ πᾶσας τὰς π. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (4 c)

40 (33). 5. ἀπέστρεψα τὸ πρόσωπόν μου ἀπ'

αὐτῶν περὶ πασῶν τῶν π. αὐτῶν (4 c)

51 (44). 3. ἀπὸ προσώπου πονηρίας αὐτῶν (4 c)

— 22. ἀπὸ προσώπου πονηρίας πραγμάτων ὑμῶν (4 b)

Ba. 2. 26. διὰ πονηρίαν οἶκον Ἰσραὴλ

Da. Th. 11. 27. αἱ καρδίαι αὐ. εἰς πονηρίαν (4 d)

I Ma. 13. 46. μὴ ἡμῖν χρῆσις κατὰ τὰς π. ἡμῶ



- Le. 27. 10. οὐκ ἀλλάζει αὐτὸ καλὸν πουνήρῳ οὐδὲ πουνήρῳ καλῷ (4 a, 4 a)  
 — 12. ἀνὰ μέσον καλοῦ καὶ ἀνὰ μέσον πουνήρῳ (4 a)  
 — 14. ἀνὰ μέσον καλῆς καὶ ἀνὰ μέσον πουνήρας (4 a)  
 — 33. οὐκ ἀλλάζει καλὸν πουνήρῳ (4 a)  
 — 33. B οὐδὲ πουνήρῳ καλῷ —  
 Nu. 11. 1. γογγύζων πουνήρᾳ ἐναντὶ κυρίου (4 a)  
 — 10. ἐναντὶ Μωϋσῆ ἢν πουνήρῳ (4 a)  
 13. 20 (19). ἡ καλὴ ἐστὶν ἡ πουνήρᾳ (4 a)  
 14. 27. τὴν συναγωγὴν τὴν π. ταύτην (4 a)  
 — 35. ποιῶσα τῇ συναγωγῇ τῇ π. ταύτῃ (4 a)  
 — 36. ἐξενέγκαι ῥήματα π. (12)  
 — 37. οἱ κατεπίπαντες πουνήρᾳ κατὰ τῆς γῆς (4 a)  
 20. 5. AB<sup>3</sup> εἰς τὸν τόπον τὸν π. [B<sup>1</sup> om. τ. π.] τοῦτον (4 a)  
 24. 13. ποιῶσαι αὐτὸ καλὸν ἢ πουνήρῳ (4 a)  
 32. 13. οἱ ποιοῦντες τὰ π. (4 a)  
 De. 4. 25. B<sup>1</sup> καὶ ποιήσῃτε τὰ [B<sup>2</sup> om.] π. [B<sup>3</sup> —, A R τὸ π.] (4 a)  
 6. 22. τέρατα μεγάλα καὶ π. (4 a)  
 7. 15. πάσας νόσους Αἰγ. τὰς π. (4 a)  
 9. 18. ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 13. 5 (6). ἀφανίσεις τὸν π. (4 a)  
 — 11 (12). κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ π. [A τὸ π. ῥ.] π. (4 a)  
 15. 21. μῶμος π. [A ἢ καὶ πᾶς μῶμος π.] (4 a)  
 17. 1. πᾶν ῥῆμα π. (4 a)  
 — 2. ὅς ποιήσει τὸ π. (4 a)  
 — 5. A τὸ πᾶν τὸ π. τοῦτο (4 a)  
 — 7, 12: 19. 19. ἐξαρῶν τὸν π. (4 a)  
 19. 20. κατὰ τὸ ῥῆμα τὸ π. τοῦτο (4 a)  
 21. 21. ἐξαρῶν τὸν π. (4 a)  
 22. 14. καὶ κατενέγκῃ αὐτῆς ὄνομα π. (4 a)  
 19. ἐξήνεγκεν ὄνομα π. (4 a)  
 — 21, 22, 24. ἐξαρῶν τὸν π. (4 a)  
 23. 9 (10). ἀπὸ παντὸς ῥήματος [A πᾶν π.] π. (4 a)  
 24. 7. ἐξαρῶν τὸν π. (4 a)  
 28. 20. διὰ τὰ π. ἐπιτηδευμάτων σου (4 b)  
 — 35. πατάξῃ σε κ. ἐν ἔλκει π. (4 a)  
 — 59. AB<sup>2</sup>R νόσους π. καὶ πιστάς (4 a)  
 — 60. πᾶσαν τὴν ὁδὸν Αἰγ. τὴν π. —  
 31. 29. ποιήσῃτε τὰ π. [A τὸ π.] (4 a)  
 Jo. 23. 15. ἐπάξει . . . πάντα τὰ ῥήματα τὰ π. (4 a)  
 d. 2. 11: 3. 7. ἐποίησαν . . . τὸ π. (4 a)  
 3. 12. ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 — 12. διὰ τὸ πεποιθέναι αὐτοὺς τὸ π. (4 a)  
 4. 1. ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 6. 1. ἐποίησαν . . . τὸ π. (4 a)  
 9. 23. ἐξαπέστειλεν . . . πνεῦμα π. (4 a)  
 10. 6: 13. 1. ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 I Ki. 2. 23. A ἐγὼ ἀκούω ῥήματα π. [B om. ῥ.] π. (4 a)  
 3. 21. π. ἡ ὁδὸς αὐτῶν ἐνώπιον κυρίου —  
 8. 6. π. [A ἢ π.] τὸ ῥῆμα ἐν ὀφθ. [A ἐνώπιον] Σαμ. (4 d [9])  
 15. 19. καὶ ἐποίησαν τὸ π. (4 a)  
 16. 14. πνεῦμα π. παρὰ κυρίου (4 a)  
 — 15. πνεῦμα κ. πουνήρῳ πνίγει σε (4 a)  
 — 16. ἐν τῷ εἶναι πνευμα π. ἐπὶ σοί [A al.] (4 a)  
 — 23. ἐν τῷ εἶναι πνευμα π. ἐπὶ Σ. —  
 — 23. ἀφίστατο ἀπ' αὐτοῦ τὸ πνεῦμα τὸ π. (4 a)  
 18. 8. π. ἐφάνη τὸ ῥῆμα (14)  
 — 10. A ἔπεικεν πνεῦμα θεοῦ πουνήρῳ ἐπὶ Σ. (4 a)  
 19. 9. πνεῦμα θεοῦ [A κυρίου] πουνήρῳ (4 a)  
 25. 3. ὁ ἀνθρώπος σκληρὸς καὶ π. [A π. κ. σκλ.] ἐν ἐπιτηδεύμασι (4 a)  
 — 21. ἀνταπεδόκε μοι πουνήρᾳ (4 a)  
 30. 22. πᾶς ἀνὴρ λοίμω καὶ π. (4 a)  
 II Ki. 3. 39. τὰ ποιοῦντι πουνήρᾳ (4 a)  
 4. 11. ἀνδρὸς π. ἀπεκτέγκαν ἀνδρα δίκαιον (5)  
 11. 25. μὴ π. ἔστω . . . τὸ ῥῆμα τοῦτο (9)  
 — 27. π. ἐφάνη τὸ ῥῆμα (14)  
 12. 9. τοῦ ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 13. 22. ἀπὸ πουνήρῳ ἕως ἀγαθοῦ (4 a)  
 14. 17. τοῦ ἀκούειν τὸ ἀγ. καὶ τὸ π. (4 a)  
 19. 35 (36). B ἀνὰ μέσον ἀγ. καὶ κακοῦ εἰς πουνήρῳ [A R om. εἰς π.] (4 a)  
 III Ki. 5. 4 (18). οὐκ ἐστὶν ἀμάρτημα [A ἀπάντημα] π. (4 a)  
 11. 6. ἐποίησε Σ. τὸ π. (4 a)  
 12. 24 (cf. A 14. 22). B ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 14. 22. ἐποίησε P. τὸ π. (4 a)  
 15. 26, 34. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 16. 19. τοῦ ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 — 25. ἐποίησαν A. τὸ π. (4 a)  
 — 30. ἐποίησαν A. τὸ π. (4 a)  
 20 (21). 20, 25. ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 III Ki. 22. 53. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 IV Ki. 1. 18 (3. 2). ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 2. 19. καὶ τὰ ὕδατα π. (4 a)  
 3. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 4. 41. οὐκ ἐγενήθη . . . ῥῆμα π. (4 a)  
 8. 18, 27. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 13. 2. ἐποίησε τὸ π. [A —ριον] (4 a)  
 13. 11: 14. 24: 15. 9, 18, 24, 28: 17. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 17. 13. ἀποστράφητε ἀπὸ τῶν ὁδῶν ὑ. τῶν π. (4 a)  
 — 17. τοῦ ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 21. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 — 6. τοῦ ποιεῖν τὸ π. (4 a)  
 — 9. τοῦ ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 — 11. τὰ βδελύγματα ταῦτα τὰ π. (4 c)  
 — 15. ἐποίησαν τὸ π. (4 a)  
 — 16. τοῦ ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 — 20: 23. 32, 37: 24. 9, 19. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 I Ch. 2. 3. ἦν Ἡρ . . . π. ἐναντίον κυρίου (4 a)  
 21. 7. πουνήρῳ [A π. ἐφάνη] ἐναντίον τοῦ θεοῦ (4 d [14])  
 II Ch. 7. 14. ἀπὸ τῶν ὁδῶν αὐ. τῶν π. (4 a)  
 12. 14. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 21. 6. καὶ ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 — 15. καὶ σὺ ἐν μαλακίᾳ π. (17)  
 — 19. ἀπέθανεν ἐν μαλακίᾳ π. (4 a)  
 22. 4. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 29. 6. ἐποίησαν τὸ π. (4 a)  
 33. 2. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 — 6. 9. τοῦ ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 — 22. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 36. 2. ἐποίησε τὸ π. —  
 — 5, 9, 12. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 I Es. 1. 39, 44, 47. ἐποίησε τὸ π. (4 a)  
 2. 18. τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτην καὶ π. [A τὴν π.] (4 a)  
 4. 39. ἀπὸ πάντων τῶν ἀδίκων καὶ π. (4 a)  
 8. 86. διὰ τὰ ἔργα ἡμῶν τὰ π. (4 a)  
 II Es. 4. 12. τὴν πόλιν τὴν ἀποστάτην καὶ π. (2)  
 9. 13. ἐν ποιήμασιν ἡμῶν τοῖς π. (4 a)  
 Ne. 2. 2. διὰ τί τὸ πρόσωπόν σου π. (4 a)  
 — 3. διὰ τί οὐ μὴ γενήται π. τὸ πρόσωπόν μου (8)  
 — 10. πουνήρῳ αὐτοῖς ἐγένετο (8)  
 4. 1 (3. 33). B πουνήρῳ αὐτῶν ἐφάνη [A S ἦν αὐτῶν] —  
 — 7 (1). πουνήρῳ αὐτοῖς ἐφάνη σφύδρα —  
 6. 13. καὶ γίνωμαι αὐτοῖς εἰς ὄνομα π. (4 a)  
 9. 28. ποιῶσαι τὸ π. ἐνώπιόν σου (4 a)  
 — 35. ἀπὸ ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν τῶν π. (4 a)  
 13. 8. πουνήρῳ μοι ἐφάνη σφύδρα (14)  
 — 17. τίς ὁ λόγος οὗτος ὁ π. (4 a)  
 To. 3. 8. Ἀσμοδαῖος τὸ π. δαιμόνιον —  
 — 17. Ἀσμοδαῖος τὸ π. δαιμόνιον [S τὸ δ. τὸ π.] (4 a)  
 6. 7. A B εἰν τινα ὄχλῳ . . . πνεῦμα π. —  
 — 7. S φ' ἀπάντημα . . . πνευμα π. —  
 Ju. 7. 15. ἀνταποδόσεις αὐτοῖς ἀνταπόδομα π. (4 a)  
 8. 8. ὅς ἐπὶ ηνεγκεν αὐτῇ ῥῆμα π. —  
 — 9. ἤκουσε τὰ ῥήματα τοῦ λαοῦ τὰ π. (4 a)  
 Js. 7. 6. Ἀμὰν ὁ π. οὗτος (4 a)  
 [B. 1. 1, 8. ἀπεχόμενον ἀπὸ παντὸς π. πράγματος (11)  
 2. 7. ἔπαισε τὸν Ἰωβ ἔλκει πουνήρῳ (4 a)  
 12. 5 (6). μηδεὶς πεποιθὲς πουνήρῳ ὦν ἀδῶς ἔσσεσθαι —  
 21. 30. εἰς ἡμέραν ἀπωλείας κουφίζεται ὁ π. (4 a)  
 34. 17. τὸν ὅλκον τὸν π. —  
 35. 12. οὐ μὴ εἰσακούσῃ καὶ [A om.] ἀπὸ ὕβρεως πουνήρῳ (4 a)  
 37. 16. ἐξαίτια δὲ πτώματα πουνήρῳ —  
 Ps. 9. 36 (10. 15). συντήρῃσιν τὸν Βραχίονα τοῦ ἀμαρτωλοῦ καὶ π. (4 a)  
 33 (34). 21. θάνατος ἀμαρτωλῶν πουνήρῳ (4 a)  
 34 (35). 12. ἀνταπεδιδόσαν μοι πουνήρᾳ ἀντὶ καλῶν [A ἀγαθῶν] (4 c)  
 36 (37). 19. οὐ κατασχυνθήσονται ἐν καιρῷ π. (4 a)  
 40 (41). 1. ἐν ἡμέρᾳ π. ῥύσεται αὐτὸν ὁ κ. (4 a)  
 48 (49). 5. ἵνα τί φοβούμεαι ἐν ἡμέρᾳ πουνήρᾳ (4 a)  
 50 (51). 4. τὸ π. ἐνώπιόν σου ἐποίησα (4 a)  
 63 (64). 5. ἐκραταιώσω ἐναντίος λόγον πουνήρῳ (4 a)  
 77 (78). 49. ἀποστὰς δι' ἀγγέλων πουνήρῳ (4 a)  
 93 (94). 13. τοῦ πράναι αὐτῷ ἀφ' ἡμερῶν π. (4 a)  
 96 (97). 10. μισεῖτε πουνήρῳ [A S<sup>2</sup> —ρά] (4 a)  
 100 (101). 4. ἐκκλίνουσιν ἀπ' ἐμοῦ τοῦ π. (4 a)  
 108 (109). 20. τὸν λαοῦ τῶν πουνήρῳ κατὰ τῆς ψυχῆς σου (4 a)  
 111 (112). 7. ἀπὸ ἀκοῆς π. οὐ φοβηθήσεται (4 a)  
 118 (119). 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πουνήρας (4 a)  
 139 (140). 1. ἐξελοῦ με, κύριε, ἐξ ἀνθρώπου πουνήρῳ (4 a)  
 Ps. 140 (141). 4. S μὴ ἐκκλίνῃς τὴν καρδίαν μου εἰς λόγους π. [AB —ρίας] (4 a)  
 143 (144). 10. ἐκ ῥομφαίας πουνήρας ῥύσαι με (4 a)  
 Pr. 3. 15. οὐκ ἀνταξίεται αὐτῇ οὐδὲν π. —  
 7. 5. ἵνα σε τῇσῃ ἀπὸ γυναικὸς ἀλλοτριᾶς καὶ π. —  
 8. 13. ὑπερηφανίαν καὶ ὁδοὺς πουνήρῳ (4 a)  
 11. 15. πουνήρῳ κακοποιεῖ ὅταν συμμίξῃ δικαίῳ (4 a)  
 20. 8. οὐκ ἐναντιοῦται ἐν ὀφθ. αὐτοῦ πᾶν π. (4 a)  
 22. 3. πανουργὸς ἰδὼν πουνήρῳ τιμωροῦμενον κραταιῶς (4 c)  
 24. 20. οὐ γὰρ μὴ γένηται ἐκγονα πουνήρῳ [A S —ων] (4 a)  
 Ec. 1. 13. περισπασμὸν π. ἔδωκεν ὁ θεός (4 a)  
 2. 17. πουνήρῳ ἐπ' ἐμὲ τὸ πῶμα (4 a)  
 4. 3. AB<sup>3</sup> οὐκ εἶδε σὺν πᾶν τὸ πῶμα τὸ π. (4 a)  
 — 8. τοῦτο . . . περισπασμὸς [A πειρασμὸς] π. ἐστὶν (4 a)  
 5. 13. ἐν περισπασμῷ [S πειρασμῷ] π. [A αὐτοῦ] (4 a)  
 — 15. τοῦτο πουνήρᾳ ἀρρωστία (4 a)  
 6. 2. τοῦτο . . . ἀρρωστία π. ἐστὶν (4 a)  
 8. 3. μὴ στήθ' ἐν λόγῳ πουνήρῳ (4 a)  
 — 5. ὁ φυλάσσω ἐντολὴν οὐ γινώσκεται ῥῆμα π. (4 a)  
 — 11. ἀπὸ τῶν ποιοῦντων τὸ [A om.] π. ταχὺ (4 a)  
 — 11. τοῦ ποιῶσαι τὸ π. (4 a)  
 — 12. ἐποίησε τὸ π. ἀπὸ τότε (4 a)  
 9. 3. τοῦτο π. [A τὸ π.] ἐν παντὶ πεποιθμένῳ (4 a)  
 — 3. καρδία υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου ἐπληρώθη πουνήρῳ (4 a)  
 — 12. παγιδεύονται εἰς καιρὸν π. (4 a)  
 10. 13. ἐσχάτη στόματος αὐ. περιφέρεια π. (4 a)  
 11. 2. τί ἐστὶ πουνήρῳ [S τὸ π.] ἐπὶ τὴν γῆν (4 c)  
 12. 14. εἰς ἀγαθὸν καὶ εἰς πουνήρῳ (4 a)  
 Wi. 3. 12. πουνήρᾳ τὰ τέκνα αὐτῶν —  
 — 14. μηδὲ ἐνθυμηθεὶς κατὰ τοῦ κυρίου πουνήρᾳ (4 a)  
 12. 10. πουνήρᾳ ἡ γένεσις αὐτῶν —  
 Si. 3. 24. ὑπόνοια π. ὁλίσθησε διανοίας αὐ. —  
 4. 20. φυλάξαι ἀπὸ πουνήρῳ —  
 5. 14. κατὰ γνώσιν πουνήρᾳ ἐπὶ διγλώσσου —  
 6. 1. ὄνομα γὰρ πουνήρῳ αἰσχύνῃ . . . κληρονομῆσει —  
 — 4. ψυχὴ πουνήρᾳ ἀπολεῖ τὸν κτησάμενον αὐτῇ —  
 9. 1. μηδὲ διδάξῃς ἐπὶ σεαυτὸν παιδείαν [S καρδίαν] πουνήρῳ —  
 11. 33. πουνήρᾳ γὰρ τεκταίνει —  
 13. 24. πουνήρᾳ ἡ πτωχεία —  
 14. 5. ὁ π. αὐτῷ τὴν ἀγαθὴν ἔσται —  
 — 6. τοῦ βασκαίνοντος ἐαυτὸν οὐκ ἐστὶ πουνήρῳ —  
 — 8. πουνήρῳ ὁ βασκαίνων ὀφθαλμῷ [A —ὸν αὐτοῦ] —  
 — 9. ἀδικία πουνήρᾳ ἀναζητᾷ ψυχὴν —  
 — 10. ὀφθαλμοῖς π. φθονερός ἐπ' ἄρτω —  
 17. 31. πουνήρῳ [A B<sup>2</sup> —όν, S<sup>2</sup> τὸ πουνήρῳ] ἐνθυμηθήσεται σάρκα [A B<sup>2</sup> σάρξ] —  
 18. 12. ἐπὶ τὴν καταστροφὴν αὐτῶν ὅτι πουνήρᾳ —  
 19. 5. S<sup>1</sup> ὁ εὐφραίνωμενος πουνήρᾳ [A B S<sup>2</sup> καρδίᾳ] —  
 20. 24. μῶμος πουνήρῳ ἐν ἀνθρώπῳ ψυδὸς —  
 22. 11. τοῦ δὲ μαρτοῦ ὑπὲρ θάνατον ἢ ζωὴ πουνήρᾳ —  
 25. 16. ἐνοικῆσαι [A S<sup>2</sup> συνοικ.] μετὰ γυναικὸς π. —  
 — 23. πληγὴ καρδίας γυνὴ πουνήρᾳ —  
 — 25. μὴ ὄψῃ . . . γυναικὶ πουνήρᾳ ἐξουσίαν [A S παραρρησίαν] —  
 26. 7. βοοζύγιον σαλευόμενον γυνὴ πουνήρᾳ —  
 27. 15. S<sup>3</sup> ἡ διαλοιδόρησις αὐτῶν ἀκοή πουνήρᾳ [A B S<sup>1</sup> μοχθηρία] —  
 — 27. ὁ ποῖων πουνήρᾳ εἰς αὐτὸν [A S<sup>2</sup> —ὰ] κυλισθήσεται —  
 28. 21. θάνατος πουνήρῳ ὁ θάνατος αὐτῆς —  
 29. 24. ζωὴ πουνήρᾳ ἐξ οἰκίας εἰς οἰκίαν —  
 34 (31). 13. κακὸν ὀφθαλμὸς πουνήρῳ πουνήρῳ ὀφθαλμοῦ τί ἐκτίσται —  
 — 24. πουνήρᾳ ἐπ' ἄρτω διαγογγύσει πόλις —  
 37. 3. ὁ πουνήρῳ ἐνθύμημα —  
 — 27. ἴδε τί πουνήρῳ αὐτῇ —  
 39. 34. τοῦτο τοῦτο πουνήρῳ —  
 42. 5. οἰκέτῃ πουνήρᾳ πλευρὰν αἰμάξαι [A —ξας] —  
 — 6. ἐπὶ γυναικὶ πουνήρᾳ καλὸν σφραγῖς —  
 51. 12. ἐξελοῦ με ἐκ καιροῦ πουνήρῳ —  
 Ho. 3. 1. ἀγίστησιν γυναικὰ ἀγαπᾶσαν πουνήρᾳ —  
 7. 15. εἰς ἐμὲ ἐλογίσαντο πουνήρᾳ (4 a)  
 12. 1 (2). πουνήρῳ πνεῦμα ἐδίωξε —  
 Apm. 5. 13. καιρὸς πουνήρῳ [A —ὸς] ἐστὶν (4 a)  
 — 14. ἐκλήθησθε τὸ καλὸν καὶ μὴ [A add. τὸ] πουνήρῳ (4 a)  
 — 15. μεμίσσηκαμεν τὰ π. [A τὸ π.] (4 a)  
 Mi. 2. 3. καιρὸς π. ἐστὶν (4 a)  
 — 9. διὰ τὰ π. ἐπιτηδευματα αὐ. ἐξώσθησαν —  
 3. 2. ζητούντες τὰ π. (4 c\*, 4 a)

Ob. 1. 13. B<sup>1</sup> ἐν ἡμέρᾳ πονηρῶν [AB<sup>2</sup> πόνων] αὐ. (1)  
 Jn. 3. 8. ἀπὸ τῆς οδοῦ αὐ. τῆς π. (4 α)  
 — 10. ἀπὸ τῶν οδῶν αὐ. τῶν π. (4 α)  
 Na. 1. 11. ἐξελεύσεται λογισμὸς κατὰ τοῦ κυ-  
 ρίου πονηρὰ (4 α)  
 Hb. 1. 13. τοῦ μὴ ὁρᾶν πονηρὰ (4 α)  
 Za. 1. 4. ἀποστρέψατε ἀπὸ τῶν οδῶν ὑ. τῶν π.  
 καὶ ἀπὸ τῶν ἐπιτηδεύμ. ὑ. τῶν π. (4 α, 4 α)  
 Ma. 2. 17. πᾶς ποιῶν πονηρὸν (4 α)  
 Is. 1. 4. σπέρμα πονηρὸν (4 α)  
 8. 9. βεβούλευται βουλὴν πονηρὰν (16)  
 — 11. πονηρὰ κατὰ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτοῦ  
 συμβήσεται αὐτῷ (4 α)  
 5. 20. οὐαὶ οἱ λέγοντες τὸ π. καλὸν καὶ τὸ καλὸν  
 πονηρὸν (4 α, 4 α)  
 7. 5. ἐβουλεύεσθαι βουλὴν πονηρὰν (16)  
 — 15. πρὶν ἢ γνῶναι αὐτὸν ἢ προεῖσθαι  
 πονηρὰ (4 α)  
 9. 17 (16). πάντες ἄνομοι καὶ πονηροὶ (4 α)  
 14. 20. οὐ μὴ μίσης εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον,  
 σπέρμα πονηρὸν (4 α)  
 25. 4. ἀπὸ ἀνθρώπων πονηρῶν βύσθη αὐτοῦς  
 28. 19. ἐν νυκτὶ ὅταν ἐλπίς πονηρὰ  
 30. 4. εἰσὶν ἐν ταῖς ἀρχαῖς ἀγγελιοὶ πονηροὶ  
 31. 2. ἐπαναστήσεται ἐπ' οἴκου ἀνθρώπων π. (7)  
 32. 7. ἡ γὰρ βουλὴ τῶν π. ἄνομα βουλευσεται (4 α)  
 35. 9. οὐδὲ τῶν π. θηρίων [AB τ. θ. τῶν π.] οὐ  
 μὴ ἀναβῇ εἰς [AB ἐπ'] αὐτὴν  
 58. 9. δώσω τοὺς π. ἀντὶ τῆς ταφῆς αὐτοῦ  
 58. 11. εἰσὶ πονηροὶ οὐκ εἰδότες σύνεσις  
 65. 12. ἐποίησατε π. ἐναντίον ἐμοῦ (4 α)  
 66. 4. ἐποίησαν τὸ π. ἐναντίον ἐμοῦ (4 α)  
 Je. 2. 13. δὴ καὶ πονηρὰ ἐποίησεν ὁ λαός μου  
 3. 5. ἐλάλησας καὶ ἐποίησας [B om. κ. ε.] τὰ  
 π. ταῦτα (4 α)  
 — 17. ὅπως τῶν ἐνθυμημάτων [A ἐπιθ.] τῆς  
 καρδίας αὐτῶν τῆς π. (4 α)  
 7. 30. ἐποίησαν οὐ νόμιμα τὸ π. ἐναντίον  
 [A B τὰ π., A ἐνόμιον] ἐμοῦ (4 α)  
 11. 19. ἐπ' ἐμὲ ἐλογίσαντο λογισμὸν πονηρὸν  
 12. 14. τὰδε λέγει κύριος περὶ πάντων τῶν γε-  
 νουμένων τῶν π. [A σκληρῶν] (4 α)  
 15. 21. ἐξαιρέσεις σε ἐκ χειρὸς πονηρῶν (4 α)  
 16. 12. ὅπως τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς καρ-  
 δίας ὑμῶν τῆς π. (4 α)  
 17. 17. A B S<sup>2</sup> ἐν ἡμέρᾳ π. (4 α)  
 — 18. ἐπάγαγε ἐπ' αὐτοὺς ἡμέραν [A λιμὸν] π. (4 α)  
 18. 10. ποιήσωσι τὰ π. ἐναντίον μου (4 α\*, 4 α)  
 — 11. ἀποστραφῆτε ἕκαστος ἀπὸ οδοῦ  
 τῆς π. (4 α)  
 — 12. τὰ ἀρεστὰ τῆς καρδίας αὐτοῦ τῆς π. (4 α)  
 23. 2. κατὰ τὰ π. ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (4 α)  
 — 10. ἐγένετο ὁ δρόμος αὐτῶν π. (4 α)  
 — 14. A ἀνταγωνισανμένους χειρῶν π. [B  
 πολλῶν] (4 α)  
 — 14. τοῦ μὴ ἀποστραφῆναι ἕκαστον ἀπὸ τῆς  
 οδοῦ αὐτοῦ τῆς π. (10)  
 — 22. ἀπὸ τῶν π. ἐπιτηδεύματων αὐτῶν [A τ.  
 ἐπ. αὐ. τῶν π.] (4 α, 4 α)  
 24. 2. ὁ καλὸς ὁ ἕτερος σῦκον π. σφόδρα (4 α)  
 — 3. τὰ π. πονηρὰ λίαν (4 α, 4 α)  
 — 8. ὡς τὰ σῦκα τὰ π. (4 α)  
 25. 5. ἀποστρέψατε ἕκαστος ἀπὸ τῆς οδοῦ αὐ-  
 τοῦ τῆς π. καὶ ἀπὸ τῶν π. ἐπιτηδεύ-  
 ματων ὑμῶν (4 α, 4 α)  
 30. 12 (49. 23). ἤκουσαν ἀκοὴν πονηρὰν (4 α)  
 33 (26). 3. ἀποστραφῆσονται ἕκαστος ἀπὸ τῆς  
 οδοῦ αὐ. τῆς π. . . . τοῦ ποιῆσαι αὐ-  
 τοῖς ἔνεκεν τῶν π. ἐπιτηδεύματων  
 αὐ. (4 α, 4 α)  
 39 (32). 30. ποιούντες τὸ π. κατ' ὀφθαλμοὺς  
 μου (4 α)  
 42 (35). 15. ἀπὸ τῆς οδοῦ αὐτοῦ τῆς π. (4 α)  
 — 43 (36). 3. ἀπὸ οδοῦ αὐτῶν τῆς π. (4 α)  
 — 7. ἐκ [A ἀπὸ] τῆς οδοῦ αὐτῶν τῆς π. (4 α)  
 45 (38). 4. οὐ χρησιμολογήει εἰρήνην τῇ λαῷ  
 τοῦτ' ἀλλ' ἡ πονηρὰ (4 α)  
 51 (44). 29. ἐπισκέψομαι ἐγὼ ἐφ' ὑμᾶς εἰς  
 πονηρὰ (4 α)  
 Ba. 1. 22. ἐν διανοίᾳ καρδίας αὐ. [A ἡμῶν] τῆς π.  
 2. 8. ἀπὸ τῶν νοσημάτων τῆς καρδίας αὐ. τῆς π.  
 — 25. ἀπεθάνοντες ἐν πόνῳ πονηροῖς  
 — 33. B ἀποστρέφουσιν [A ἐπιστρ.] . . . ἀπὸ  
 πονηρῶν [A τῶν π.] προσταγμάτων [AB  
 πραγ.] αὐτῶν  
 Ez. 5. 17. ἐξαποστελῶ ἐπὶ σὲ . . . θηρία πονηρὰ (4 α)

Ez. 7. 24. A δῶ πονηροὺς ἐθῶν (4 α)  
 8. 9. A ἴδε τὰς ἀνομίας τὰς π. [B om. τ. π.] (4 α)  
 11. 2. βουλευμένοι βουλὴν πονηρὰν (4 α)  
 — 21. A κατὰ τὰς καρδίας . . . τῶν π. [B al.] (6?)  
 13. 22. ἀπὸ τῆς οδοῦ αὐτοῦ τῆς π. (4 α)  
 14. 15. ἐὰν καὶ θηρία π. ἐπάγω ἐπὶ τὴν γῆν (4 α)  
 — 21. ἐὰν δὲ καὶ τὰς τέσσαρας ἐκδικήσεις μου  
 τὰς π. . . . θηρία πονηρὰ ἐξαπο-  
 στελῶ (4 α, 4 α)  
 18. 23. ἐκ τῆς οδοῦ [A add. αὐτοῦ] τῆς π. —  
 80. 12. A ἀποδώσομαι τὴν γῆν ἐν χειρὶ πονη-  
 ρῶν (4 α)  
 83. 11. A ἀπὸ τῆς οδοῦ αὐ. τῆς π. [B om. τ. π.]  
 . . . ἀπὸ τῶν οδῶν ὑμῶν τῶν π. [B  
 τῆς ὁ. ὑ.] (—, 4 α)  
 84. 25. ἀφανίσω [A ἀπολῶ] θηρία π. (4 α)  
 86. 31. μνησθήσεσθε τὰς ἔδους ὑμῶν τὰς π. (4 α)  
 88. 10. λογιζέσθε λογισμοὺς πονηροὺς (4 α)  
 Da. LXX., TH. 8. (32). βασιλεῖ ἀδικῶ καὶ πονηρο-  
 τάνῳ  
 I Ma. 1. 15. SB ἐπάρθρασαν τοῦ ποιῆσαι τὸ [A om.] π.  
 — 36. ἐγένετο . . . εἰς διάβολον π.  
 7. 25. κατηγορήσαντες αὐτῶν πονηρὰ  
 11. 8. διελογίζετο . . . λογισμούς π.  
 14. 14. ἐξῆρε πάντα ἄνομον καὶ π.  
 II Ma. 1. 5. μὴ ὑμᾶς ἐγκαταλείπει ἐν καιρῷ π.  
 III Ma. 7. 9. ἐὰν τι κακοτεχνησάμεν πονηρὸν  
 IV Ma. 12. 11. A B πάντων τῶν [B om.] π. ἀσεβέ-  
 στατε τῷ πᾶσι [B om.]  
 [Aq. Ge. 37. 2: Dt. 7. 15: IV Ki. 17. 11: Ps. 5. 5: Pr. 4. 14: Ec. 5. 12: 9. 12: 13: 5. 28: 8. 3: 11. 15: 13. 10 δις, 23: 21. 14: 29 (36): 17: Ez. 8. 9: 30. 12.]  
 [Sm. Ge. 3. 23 (22): 37. 2: Dt. 7. 15: IV Ki. 17. 11: Ps. 63 (64): 6: 140 (141): 4: Pr. 15. 15: 21. 10: 29. 6: Ec. 8. 5: 5. 28: 8. 3: 13. 10: Ez. 8. 9.]  
 [Th. Ge. 37. 2: Ex. 21. 8: II Ki. 12. 9: Pr. 4. 14: 20. 14 δις: 5. 28: 8. 3: 11. 8: 13. 10 δις: 21. 14: Ez. 5. 16: 7. 24: 8. 9: 30. 12.]  
 [Al. Le. 27. 33: Nu. 22. 32: Ps. 48 (49): 6: Pr. 15. 10: 19. 23.]  
 [Quint. IV Ki. 17. 11.]  
 [Hebr. Ge. 6. 6 (5).]  
**πονηρόφθαλμος.**  
 [Al. Pr. 28. 6.]  
**πονικός.**  
 [Th. Pr. 15. 1.]  
**πόνος.** (1) 𐤀𐤍 (2) 𐤀𐤍 (3) 𐤀𐤍 (4) 𐤀𐤍  
 (5) 𐤀𐤍 (6) 𐤀𐤍 (7) 𐤀𐤍 (8) 𐤀𐤍  
 (9) 𐤀𐤍 (10) 𐤀𐤍 (11) 𐤀𐤍 (12) 𐤀𐤍  
 (13) ἐν τῷ π. 𐤀𐤍 (14) ἐν πόνῳ  
 𐤀𐤍 (15) εἶναι ἐν πόνῳ 𐤀𐤍 (16) ὁ π.  
 τῶν ὀδῶν 𐤀𐤍  
 Ge. 34. 25. ὅτε ἦσαν ἐν τῷ π. (18)  
 41. 51. ἐπιλαθέσθαι . . . πάντων τῶν π. μου (9)  
 Ex. 2. 11. κατανοήσας δὲ τὸν π. αὐτῶν (8)  
 Nu. 23. 21. οὐδὲ ὀφθήσεται π. ἐν Ἰσρ. (9)  
 De. 28. 33. πάντας τοὺς π. σου φάγεται ἔθνος (5)  
 I Ki. 15. 23. ὁδύνει καὶ πόνος θερ. ἐπάγουσιν (1)  
 III Ki. 8. 37. πᾶν [A πάντα] πόνον πᾶσαν  
 προσευχὴν (7)  
 I Ch. 10. 3. ἔβραν αὐτὸν οἱ τοξοὶ ἐν . . . πόνῳ —  
 II Ch. 6. 28. A B κατὰ . . . πᾶν [B πάντα]  
 πόνον (7)  
 Ju. 5. 11. ἐν πόνῳ [B πλῆθ] καὶ πλῆθῳ  
 Jb. 2. 9. ἐμῆς κοιλίας ὀδῶν καὶ πόνου —  
 8. 10. ἀπῆλλαξε γὰρ ἂν πόνον [A κόπον] (9)  
 4. 5. ἦκει ἐπὶ σὺ πόνος +  
 5. 6. οὐδὲ ἐξ ὀρέων ἀναβλαστήσει πόνος (9)  
 15. 2. ἐνέπηκε πόνον γαστροῦ +  
 — 35. A ἡ δὲ κοιλία αὐ. ὑπόκει πόνον [B B  
 ὀδον] +  
 20. 14. A χολεῖ ἀσπίδος ἐν γαστρὶ αὐτοῦ καὶ  
 πόνος [B om. καὶ π.] —  
 Ps. 7. 14. συνέλαβε πόνον (9)  
 — 16. ἐπιστρέψει ὁ π. αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (9)  
 9. 28 (10. 7). ὑπὸ τὴν γλῶσσαν αὐτοῦ κόπος  
 καὶ πόνος (1)  
 — 35 (10. 14). σὺ πόνον [A κόπον] καὶ θυμὸν  
 καταρσεῖς (9)

Ps. 54 (55). 10. B πόνος [B κόπος] ἐν μέσῳ αὐτῆς (9)  
 77 (78). 46. καὶ τοὺς π. αὐτῶν τῇ ἀκρίδι (5)  
 — 51. B ἀπαρχὴν πόνων [B<sup>2</sup> τῶν πρωτοτόκων,  
 B<sup>2</sup> παντὸς πόνου] αὐτῶν (1)  
 89 (90). 10. τὸ πλεον αὐτῶν κόπος καὶ πόνος (1)  
 104 (105). 36. ἀπαρχὴν παντὸς πόνου αὐτῶν (1)  
 — 44. πόνους λαῶν ἐκλήρουμένησαν [A B<sup>2</sup> κατεκλ.] (9)  
 108 (109). 11. διαρραδαῖαν ἀλλότριαν τοὺς  
 π. αὐτοῦ (5)  
 127 (128). 2. A B<sup>2</sup> τοὺς καρποὺς τῶν π. [B<sup>2</sup> B  
 τοὺς π. τῶν καρπῶν] σου φάγεσαι († [5])  
 Pr. 8. 9. τίμα τὸν κύριον ἀπὸ ὧν δικαίων π. +  
 5. 10. οἱ δὲ σοὶ π. εἰς οἴκου ἀλλοτριῶν ἔλθωσι (10)  
 6. 8. ἦς τοὺς π. βασιλεῖς . . . προσφέρουσαι —  
 16. 26. ἀνὴρ ἐν πόνῳ πονεῖ ἐαυτῷ (14)  
 24. 2. πόνους τὰ χεῖλη αὐτῶν λαλεῖ (9)  
 — 75 (81. 7). καὶ τῶν π. μὴ μνησθῶσιν ἔτι (9)  
 Wi. 8. 15. ἀγαθὸν γὰρ πόνον καρπὸς εὐκλεῖας  
 5. 1. τῶν ἀδελφῶν τοὺς π. αὐτοῦ  
 8. 7. οἱ π. ταύτης εἰσὶν ἀρεταὶ  
 — 18. ἐν πόνῳ χειρῶν αὐτῆς  
 9. 16. τὰ ἐν χειρὶ [B ποσὶν] εὐρίσκωμεν μετὰ πόνου  
 10. 9. σοφία δὲ τοὺς θεραπεύσασθαι [A B<sup>2</sup> πεινῶντας]  
 αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσασθαι  
 — 10. ἐπλήθυνε τοὺς π. [A B κόπους] αὐτοῦ  
 15. 4. οὐδὲ σκιαγράφω πόνος ἀκαρπος  
 19. 16. τοὺς ἦδη τῶν αὐτῶν μετισταχκότας δικαίων  
 δεινοὺς ἐκάκωσαν πόνους  
 Si. 8. 27. καρδία σκληρὰ βαρυνθήσεται πόνους  
 11. 21. ἔμμενε τῷ π. σου  
 14. 15. οὐχὶ ἐτέρω καταλείψεις τοὺς π. σου  
 28. 15. ἐστέρησεν αὐτὸς τῶν π. αὐτῶν  
 29. 4. παρέσχον πόνον [A B κόπον] τοῖς βοηθῆ-  
 σασιν αὐτοῖς  
 34 (31). 20. πόνος ἀγρυπνίας . . . μετὰ ἀνδρός  
 ἀπλήστου  
 37. 30. ἐν πολλοῖς γὰρ βράμασιν ἔσται πόνος [A B  
 πόνος]  
 38. 7. ἦρε τὸν [A πᾶν] π. αὐτοῦ  
 Ho. 12. 8 (9). πάντες οἱ π. αὐ. οὐχ εὐρέθη-  
 σονται αὐτῷ (5)  
 Ob. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ πόνων [B<sup>2</sup> πονηρῶν] αὐ. (2)  
 Hb. 1. 3. ἐδειξάς μοι κόπους καὶ πόνους (9)  
 — 13. ἐπιβλέπειν ἐπὶ πόνους (9)  
 Hg. 1. 11. καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς π. τῶν χειρῶν αὐ. (5)  
 2. 15 (14). ἀπὸ προσώπου πόνων [B<sup>2</sup> -μηρίων]  
 αὐτῶν —  
 Is. 1. 5. πᾶσα κεφαλὴ εἰς πόνον (3)  
 49. 4. ὁ π. μου ἐναντίον τοῦ θεοῦ μου (11)  
 53. 4. ἐλογισάμην αὐτὸν εἶναι [B<sup>2</sup> om.] ἐν  
 πόνῳ [B<sup>2</sup> -οις] (15)  
 — 11. ἀπὸ τοῦ π. τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (9)  
 59. 4. κύναι πόνον (9)  
 65. 14. κεκράσεσθε διὰ τὸν π. τῆς καρδίας ὑμῶν (9)  
 — 23 (22). τὰ γὰρ ἔργα τῶν π. αὐτῶν παλαιώ-  
 σουσιν +  
 66. 7. πρὶν ἔλθῃ τὸν π. τῶν ὀδῶν ἐξέφυγε (18)  
 Je. 4. 14. διαλογισμοὶ [B<sup>2</sup> S al.] πόνων σου (1)  
 — 15. ἀκουσθήσεται π. ἐξ ὀρέων Ἐφραῖμ (1)  
 6. 7. πόνος καὶ μίστις παιδεύσεως (8)  
 14. 18. ἰδοὺ πόνος λιμοῦ (12)  
 20. 5. δώσω . . . πάντας τοὺς π. αὐτῆς . . . εἰς  
 χεῖρας ἐχθρῶν αὐτοῦ (5)  
 — 18. τοῦ βλέπειν κόπους καὶ πόνους [B<sup>2</sup>  
 μόχθους] (4)  
 Ba. 2. 25. ἀπεθάνοντες ἐν πόνῳ πονηροῖς  
 Ez. 23. 29. λήθονται πάντας τοὺς π. σου (5)  
 II Ma. 7. 36. βραχὺν ὑπερέγκαντες πόνον  
 9. 18. οὐδὰμὸς δὲ ληγόντων τῶν π.  
 IV Ma. 1. 4. θυμοῦ τε καὶ πόνου καὶ φόβου  
 — 9. τῶν ζῶν θανάτου π. [B τοὺς . . . π.] ὑπερι-  
 δότες  
 — 20. ἡδονὴ τε καὶ πόνος  
 — 21. S B καὶ περὶ τὴν ἡδονὴν καὶ τὸν π. [A al.]  
 — 23. πρὸ δὲ τοῦ π. ἐστὶ φόβος  
 — 23. μετὰ δὲ τὸν π. λύπη  
 — 24. κοινὸν πάθος ἐστὶν ἡδονῆς καὶ πόνου  
 — 28. ἡδονῆς τε καὶ πόνου  
 5. 23. ὥστε πάντα π. ἐκουσῶς ὑπομένειν  
 6. 9. ὁ δὲ ὑπέμενε τοὺς π.  
 7. 13. A λελυμένοι ἦδη τῶν τοῦ σώματος π.  
 [B al.]  
 — 22. διὰ τὴν ἀρετὴν πάντα π. ὑπομένειν  
 9. 31. τὸν π. ἐπικουφίζομαι  
 11. 12. διὰ γεννησιότρων π. ἐπιδίδεσθαι  
 — 20. εἰς γυμνασίαν πόνων . . . ἐκλήθηντες

IV Ma. 18. 1. εἰ... τῶν μέχρι θανάτου π. ὑπερεφρό-  
νησαν  
— 4. ἐπεκράτησαν γὰρ καὶ πάθοντες καὶ πόνων  
15. 16. ὁ πικροτέρων μὲν νῦν μήτηρ πόνων πειρα-  
σθείσα  
16. 19. ὀφείλουτε πάντα π. ὑπομένειν  
— 23. **Α Β** μὴ ἀντίστασαι [B ἀντιτάσσεσθαι]  
τοῖς π.  
18. 2. οὐ μόνον τῶν ἐνδοθεν ἀλλὰ καὶ τῶν ἔξωθεν π.  
— 3. προϊόμενοι τὰ σώματα τοῖς π.  
[Aq. Jb. 15. 35 : 16. 2 : Ps. 9. 35 (10. 14) :  
72 (73). 5 : Is. 53. 4.]  
[Bm. Jb. 16. 6 : 33. 19 : Ec. 2. 11 : Is. 53. 4.]  
[Th. Pr. 16. 26.]  
[Al. Ex. 15. 14.]  
[Heb. Jb. 7. 12.]

ποντοβροχος.

III Ma. 6. 4. ποντοβροχος ἀπώλεσας  
ποντοπορεύειν. (1) **דַּוְדָּא**  
Pr. 24. 54 (30. 19). καὶ τριβους νηδες ποντοπο-  
ρούσης (1)

πόντος. (1) **דִּלְתָּ**

Ex. 15. 5. πόντῳ ἐκάλυψεν αὐτοὺς (1)  
πορεία, πορία. (1) **א. הַיָּם ב. הַיָּם ב. הַיָּם ב.**  
(2) **נָחַל (3) יַרְדֵּן**

Nu. 33. 2. οὗτοι σταθμοὶ τῆς π. αὐτῶν  
Ne. 2. 6. ὥς ποτε ἔσται ἡ π. [A παρουσία] σου (1b)  
To. 7. 8. **Α Β** ὑπὲρ ὧν ἔλεγες ἐν τῇ π. [A ἐν πορίᾳ]  
10. 1. ὡς ἐπληρώθησαν αἱ ἡμ. τῆς π. [A αἱ.]  
Ju. 2. 19. ἐξῆλθεν... εἰς πορίαν  
Ps. 67 (68). 24. ἰδεωθήσονται αἱ π. σου, ὁ θεός,  
αἱ π. τοῦ θεοῦ μου (1a, 1a)  
Pr. 2. 7. ὑπερασπίει τὴν π. αὐτῶν (1c)  
4. 27. τὰς δὲ π. σου ἐν εἰρήνῃ προάξει  
26. 7. ἀφελού πορίαν [B<sup>1</sup> πορίαν] σκελῶν +  
Wi. 8. 3. ἡ ἀφ' ἧμῶν π. συντριμνίαν  
5. 11. οὐδὲν εὐρίσκεται τεκμήριον πορείας [B<sup>1</sup> πονη-  
ρίας]

13. 18. **Β<sup>1</sup>** πρὸς δὲ πορείας [A B B<sup>2</sup> ὁδοπορίας] τὸ  
μηδὲ βάσει χρῆσθαι δυκίμενον  
Si. 43. 5. ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέσπενσε [B<sup>2</sup> ἐπανυσεν]  
πορίαν

Jn. 3. 3. ὡς εἰς πορίαν ὁδοὶ ἡμερῶν τριῶν (1b)  
— 4. ὡς εἰς πορίαν [A -as ὁδοῦ] ἡμέρας μίας (1b)  
Na. 1. 8. ἐν κατακλυσμῷ πορείας συντελείαν  
ποιήσεται +  
2. 5 (6). ἀσθενήσουσιν ἐν τῇ π. [A ταῖς π.] αὐ. (1a)  
Hb. 3. 6. βουνοὶ αἰώνιοι πορείας αἰωνίας αὐ. (1a)  
— 10. σκορπίζων ὕδατα πορείας +  
Is. 8. 16. τῇ π. τῶν ποδῶν ἡμῶν σύρουσαι τοὺς  
χιτῶνας +

8. 11. ἀπειθοῦσι τῇ π. τῆς ὁδοῦ τοῦ λαοῦ τ. (1c)  
Je. 10. 23. καὶ καταρῶσιν πορίαν αὐτοῦ (8)  
18. 15. οὐκ ἔχοντες ὁδὸν εἰς πορίαν [A ὁ.  
πορείας] +

II Ma. 8. 8. ἐποικίω τὴν π.  
9. 4. **Β** κατανύειν τὴν π. [A αἱ.]  
— 7. ἐποξύνειν τὴν π.  
12. 10. ποιούμενων τὴν π. ἐπὶ τὸν Τιμ.

III Ma. 4. 5. πρὸς ὅξειαν καταχρωμένω πορίαν  
δ. 48. τῆς τε τοῦ πλῆθους π. κοινοτὸν ἰδόντες  
[Aq., Th. Ps. 67 (68). 25 δὲ : Pr. 30. 29.]  
[Bm. Ps. 24 (25). 4 : 67 (68). 25 δὲ : Pr. 31. 27.]

πορεύειν, πόριον.

Ge. 45. 17. **Α** γμύσατε τὰ π. [B φορεία] ὑμῶν +  
Es. 8. 14. **Β<sup>2</sup>** καὶ ἐπιβάται τῶν π. +  
[Th. Gr. 45. 17.]

πορεύεσθαι. (1) **לָחַץ** a. pe. δ. pa. (2) **לָחַץ**

a. qal. δ. hi. (3) **לָחַץ** a. qal. δ. pi.  
c. hi. d. hithpa. c. **לָחַץ** pe. f. aph.  
(4) **לָחַץ** (5) **לָחַץ** (6) **לָחַץ** pi. (7) **לָחַץ**  
(8) **לָחַץ** (9) **לָחַץ** (10) **לָחַץ** (11) **לָחַץ**  
(12) **לָחַץ** (13) **לָחַץ** π. **לָחַץ** (14) π.  
πρὸ **לָחַץ** pi. (15) εἶναι πεπορευμένος **לָחַץ**

Ge. 2. 14. **Α** οὗτος ὁ πορεύς [B προπορ.] (3a)  
3. 14. ἐπὶ τῷ στήθει σου... πορεύσῃ (3a)  
8. 3. ἐνεδίδου τὸ ὕδωρ πορεύς ἀπὸ τῆς γῆς (3a)

Ge. 8. 4 (5). **Α** τὸ δὲ ὕδωρ πορεύς [B om.]  
ἤλαττοντο (3a)  
9. 23. καὶ ἐπορεύθησαν ὁπισθοφανῶς (3a)  
11. 31. πορεύθησαν εἰς τὴν γῆν Χαναάν (3a)  
12. 4. καὶ ἐπορεύθη Ἀβραμ (3a)  
— 5. πορεύθησαν εἰς γῆν Χαναάν (3a)  
— 9. καὶ πορεύσεις ἐστρατοπέδουσεν (3a)  
13. 3. ἐπορεύθη ὁδὸν ἤλθεν (3a)  
16. 8. **Β** καὶ ποῦ πορεύῃ (3a)  
21. 19. καὶ ἐπορεύθη (3a)  
22. 2. πορεύητι εἰς τὴν γῆν τὴν ὑψ. (3a)  
— 3. ἀναστὰς ἐπορεύθη (3a)  
— 6. καὶ ἐπορεύθησαν οἱ δύο ἅμα (3a)  
— 8. πορευθέντες δὲ ἀμφότεροι (3a)  
— 13. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3a)  
— 19. ἀναστὰς ἐπορεύθησαν (3a)  
24. 4. εἰς τὴν γῆν μου... πορεύσῃ (3a)  
— 5. πορευθήναι μετ' ἐμοῦ ὅπως (3a)  
— 8. εἰν δὲ μὴ θέλῃ... πορευθήναι (3a)  
— 10. καὶ ἀναστὰς ἐπορεύθη (3a)  
— 38. εἰς τὸν ὅκον τοῦ πατρὸς μου πορεύσῃ (3a)  
— 39. **Α** μὴ ποτε οὐ πορεύῃ [B πορεύσεται] (3a)  
— 42. ἢν νῦν ἐγὼ πορεύομαι ἐπ' αὐτήν (3a)  
— 58. πορεύσῃ μετὰ τοῦ ἀνδρ. τούτου ; καὶ  
εἶπεν, Πορεύσομαι (3a, 3a)

— 61. ἐπορεύθησαν μετὰ τοῦ ἀνδρ. (3a)  
— 62. **Α** ἐπορεύτω [B διπ.] διὰ τῆς ἐρήμου (3a)  
— 65. ὁ πορεύς, ἐν τῷ πεδίῳ (3a)  
25. 22. ἐπορεύθη δὲ πύθισται παρὰ κυρίου (3a)  
— 32. ἐγὼ πορεύομαι τελευταῖον (3a)  
26. 1. ἐπορεύθη δὲ Ἰσαὰκ πρὸς Ἀβιμ. (3a)  
— 26. Ἀβιμ. ἐπορεύθη πρὸς αὐτὸν (3a)  
27. 5. ἐπορεύθη δὲ Ἡ. εἰς τὸ πεδῖον (3a)  
— 9. πορευθεὶς εἰς τὰ πρόβατα (3a)  
— 13. πορευθεὶς ἐνεγκέ μοι (3a)  
— 14. πορευθεὶς δὲ λαβὲ (3a)  
28. 5. 7. ἐπορεύθη εἰς τὴν Μεσοπ. (3a)  
— 9. ἐπορεύθη Ἡ. πρὸς Ἰσμ. (3a)  
— 10. ἐπορεύθη εἰς Χαρράν (3a)  
— 15. οὐ ἂν πορευθῇς (3a)  
— 20. ἢ ἐγὼ πορεύομαι (3a)  
29. 1. ἐπορεύθη εἰς γῆν ἀνατολῶν (3a)  
30. 14. ἐπορεύθη δὲ Ρουβὴν (3a)  
31. 30. νῦν οὖν πεπόμενοι (3a)  
32. 17 (18). καὶ ποῦ πορεύῃ (3a)  
33. 12. **Α** πορευθώμεν [B -ευσώμεθα] ἐπ' εὐ-  
θείαν (3a)

35. 3. **Α** ἐν τῇ ὁδῷ ἢ ἐπορευόμεν [B -εὐθην] (3a)  
— 21 (22). ἐπορεύθη Ρουβὴν (3a)  
36. 6. ἐπορεύθη ἐκ γῆς Χ. (3a)  
37. 12. ἐπορεύθησαν δὲ οἱ ἀδ. αὐτοῦ (3a)  
— 14. πορευθεὶς ἴδε (3a)  
— 17. πορευθῶμεν εἰς Δωδαίμ (3a)  
— 17. καὶ ἐπορεύθη Ἰωσήφ (3a)  
— 18. **Α** ἐπορεύοντο [B ἐπορευήναι] τοῦ  
ἀποκτείνει αὐτὸν +  
— 25. ἐπορεύοντο δὲ καταγαγεῖν εἰς Αἴγ. (3a)  
— 30. ἐγὼ δὲ ποῦ πορευομαι ἐτι (3a)  
41. 55. πορεύεσθε πρὸς Ἰ. (3a)  
42. 38. **Α** ἢ ἂν πορεύεσθε [B ἂν πορεύεσθε] (3a)  
48. 2. πάλιν πορευθέντες (18)  
— 5. οὐ πορευσώμεθα (6)  
— 8. ἀναστὰς πορευσώμεθα (3a)  
45. 24. καὶ ἐπορεύθησαν (3a)  
— 28. πορευθεὶς ἔφυγον αὐτὸν (3a)  
Ex. 2. 7 (8). ἡ δὲ εἶπεν... Πορεύου (3a)  
8. 11. πορεύσομαι πρὸς Φ. (3a)  
— 18. πορευσώμεθα οὖν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3a)  
— 19. οὐ προήσεται ὑμᾶς Φ... πορευθήναι (3a)  
4. 12. καὶ νῦν πορεύου (3a)  
— 18. ἐπορεύθη δὲ Μ. (3a)  
— 18. πορεύσομαι καὶ ἀποστρέψω (3a)  
— 21. πορευόμενος σου καὶ ἀποστρέφοντος (3a)  
— 27. πορεύητι εἰς συνάντησιν Μ. (3a)  
— 27. καὶ ἐπορεύθη (3a)  
— 29. ἐπορεύθη δὲ Μ. (3a)  
5. 3. πορευσώμεθα οὖν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3a)  
— 7. πορευθήσονται καὶ συναγαγέτωσαν (3a)  
— 8. **Α** πορευθώμεν [B ἔγερθ.] καὶ θύσωμεν (3a)  
— 11. πορευόμενοι συλλέγετε ἑαυτοῖς ἀχ. (3a)  
— 17. πορευθώμεν θύσωμεν (3a)  
— 18. πορευθέντες [A ἀπελθόντες] ἐργάσθε (3a)  
— 23. ἀφ' οὗ πεπόμενοι πρὸς Φ. (2a)  
8. 27 (23). ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν πορευσώμεθα  
[A -σώμ.] (3a)  
— 28 (24). οὐ μακρὰν ἀποτεινέτε πορευθήναι (3a)

Ex. 10. 8. πορεύεσθε καὶ λατρεύσατε (3a)  
— 8. τίνας εἰσιν οἱ πορεύς. (3a)  
— 9. σὺν τοῖς νεαῖσικις... πορευσώμεθα (3a)  
— 11. πορευθήσονται δὲ οἱ ἄνδρες (3a)  
— 26. τὰ κτήνη ἡμῶν πορεύσεται μεθ' ἡμῶν (3a)  
12. 32. τὰ πρόβατα... ἀναλαβόντες πορεύεσθε (3a)  
14. 19. καὶ ἐπορεύθη ἐκ τῶν ὁπισθεν (3a)  
— 29 : 15. 19. ἐπορεύθησαν διὰ ἐρηρᾶς (3a)  
15. 22. ἐπορεύοντο τρεῖς ἡμέρας (3a)  
16. 4. εἰ πορεύονται τῷ νόμῳ [A νόματι]  
μου (3a)  
17. 5. καὶ πορεύσῃ (3a)  
— 8. **Α** ἐπορεύθη [B ἐπολέμει] Ἰσρ. ἐν Ἰ. P. +  
18. 20. ἐν αἷς πορεύονται ἐν αὐταῖς (3a)  
28. 23. πορεύεται γὰρ ὁ ἀγγελός μου (3a)  
33. 1. **Β** πορεύου [A B προπορ.] ἀνίσθηθι (3a)  
— 15. **Β** εἰ μὴ αὐτὸς σὺ πορεύῃ [A B συμμ.] (3a)  
Le. 11. 20, 21. **Α** πορεύεται ἐπὶ τέσσαρα (3a)  
— 27. δὲ πορεύεται ἐπὶ χειρῶν (3a)  
— 27. **Α** πορεύεται ἐπὶ τέσσαρα (3a)  
— 42. πᾶς ὁ πορεύς. ἐπὶ κοιλίας (3a)  
— 42. πᾶς ὁ πορεύς. ἐπὶ τέσσαρα (3a)

18. 3. τοῖς [A ἐν τ.] νομίμοις αὐ. οὐ πορευ-  
σθε (3a)  
— 4. πορεύεσθαι ἐν αὐτοῖς (3a)  
19. 16. οὐ πορεύσῃ δόλῳ (3a)  
20. 23. οὐχὶ πορεύεσθε τοῖς νομίμοις τῶν ἐθνῶν (3a)  
26. 3. εἰν τοῖς προστάγμασι μου πορεύεσθε (3a)  
— 21. εἰν μετὰ ταῖτα πορευθήσε [A -εσθε]  
πλάγιοι (3a)  
— 23. ἀλλὰ πορεύεσθε [A -σθε] πρὸς μέ  
πλάγιοι (3a)  
— 24. πορεύσομαι κατὰ... θυμῷ πλάγιῳ (3a)  
— 27. καὶ πορεύεσθε [A -σθε] πρὸς μέ  
πλάγιοι (3a)  
— 28. αὐτὸς πορεύσομαι μεθ' ὑμῶν (3a)  
— 40. ἐπορεύθησαν ἐναντίον μου πλάγιοι (3a)  
— 41. ἐπορεύθη μετ' αὐτῶν ἐν θυμῷ πλάγιῳ (3a)  
Nu. 10. 30. οὐ πορεύσομαι ἀλλὰ εἰς τὴν γῆν  
μου (3a)  
— 32. εἰν πορευθῇς μεθ' ἡμῶν (3a)  
13. 27 (26). καὶ πορευθέντες ἦλθον (3a)  
14. 14. σὺ πορεύῃ [B<sup>1</sup> συμμ.] πρότερος αὐτῶν (3a)  
— 38. τῶν πεπορευμ. κατασκέψασθαι (3a)  
16. 25. ἐπορεύθη πρὸς Δ. (3a)  
20. 17. ὁδὸν βασιλικὴν πορευσώμεθα (3a)  
— 19. **Α** παρὰ τὸ ὅρος πορευσώμεθα [B παρε-  
λευσώμ.] (9)

21. 21 (22). τῇ ὁδῷ πορευσώμεθα [B<sup>2</sup> -σομαι] -  
— 22. ὁδὸν βασιλικὴν πορευσώμεθα (3a)  
22. 7. ἐπορεύθη ἡ γερουσία Μ. (3a)  
— 12. οὐ πορεύσῃ μετ' αὐτῶν (3a)  
— 13. οὐκ ἀφίησιν με ὁ θ. π. μεθ' ὑμῶν (3a)  
— 14. οὐ θέλει **Β**. πορευθῆναι μεθ' ἡμῶν (3a)  
— 21. ἐπορεύθη μετὰ τῶν ἀρχόντων Μ. (3a)  
— 22. οὐκ ἐπορεύθη [A -εμετο] αὐτὸς (3a)  
— 23. ἐπορεύετο εἰς τὸ πεδῖον (3a)  
— 35. ἐπορεύθη **Β**. μετὰ τῶν ἀρχόντων **Β**. (3a)  
— 39. ἐπορεύθη Βαλαάμ μετὰ Βαλίκ (3a)  
28. 3. καὶ [A ἐγὼ δὲ] πορεύσομαι (3a)  
— 4 (3). ἐπορεύθη ἐπερωτήσας τὸν θ. -  
— 4 (3). καὶ ἐπορεύθη εὐθείαν (3a)  
— 15. πορεύσομαι ἐπερωτήσας τὸν θ. +  
24. 1. οὐκ ἐπορεύθη κατὰ τὸ εἰωθός (3a)  
32. 6. πορεύονται [A -σονται] εἰς τὸν πόλεμον (3a)  
— 39. ἐπορεύθη υἱὸς Μαρ. ἐπορεύθη (3a)  
— 41. Ἰαῖρ ὁ τοῦ Μαρ. ἐπορεύθη (3a)  
— 42. καὶ Ναβὰλ ἐπορεύθη (3a)  
38. 8. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν (3a)  
De. 1. 19. ἐπορεύθησαν πᾶσαν τὴν ἐρημον (3a)  
— 31. εἰς [A B<sup>2</sup> om.] ἢν ἐπορευθήτε (3a)  
— 33. **Α** δὲ πορεύεται [B προπ.] πρότερος  
ὑμῶν (3a)  
— 33. καθ' ἣν πορεύεσθε ἐπ' αὐτῆς [A ἐν  
αὐτῇ] (3a)

2. 27. **Α Β<sup>2</sup>** **Β** ἐν τῇ ὁδῷ πορεύσομαι [B<sup>1</sup> αἱ.] (3a)  
3. 3. ὅστις ἐπορεύθη ὅπως **Β**. (3a)  
5. 33 (30). πορεύεσθαι ἐν αὐτῇ [A αἱ.] (3a)  
6. 7. καὶ πορευόμενος ἐν ὁδῷ (3a)  
— 14. οὐ πορεύεσθε [A οὐ μὴ πορεύσ.] ὅπως  
θεῶν ἐτ. (3a)  
8. 6. π. ἐν [B<sup>1</sup> om.] ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3a)  
— 19. καὶ πορευθῇς ὅπως θεῶν ἐτέρων (3a)  
10. 12. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3a)  
11. 19. πορευομ. σου [A -μέρους] ἐν ὁδῷ (3a)  
— 22. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3a)

De. 11. 28. πορευθέντες λατρεύειν θεοίς ἐτ. (3 α)  
 13. 2 (3). πορευόμενοι καὶ λατρεύομεν (3 α)  
 — 4 (5). ὁπίσω κ. τοῦ θ. ἡμῶν πορεύεσθε (3 α)  
 — 5 (6). π. ἐν αὐτῇ (3 α)  
 — 6 (7). Α πορευόμεν [B βαδίσωμεν] καὶ λατρεύομεν (3 α)  
 — 13 (14). πορευόμεν καὶ λατρεύομεν (3 α)  
 14. 25. πορεύση εἰς τὸν τόπον (3 α)  
 19. 9. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 α)  
 20. 3. ἡμεῖς πορεύεσθε [A προσπ.] σήμερον (12)  
 — 5, 6, 7, 8. πορεύεσθαι ἀποστραφίτω (3 α)  
 26. 2. πορεύση εἰς τὸν τόπον (3 α)  
 — 17. π. ἐν πάσαις [A om.] ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 α)  
 28. 9. καὶ πορευθῆς ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 α)  
 — 14. π. ὁπίσω θεῶν ἐτέρων (3 α)  
 29. 18 (17). πορευθέντες [A -εύεσθαι] λατρεύειν τοῖς θεοῖς (3 α)  
 — 19 (18). ἐν τῇ ἀποπλανήσει τῆς καρδ. μου πορεύσομαι (3 α)  
 — 26 (25). πορευθέντες ἐλάτρευσαν θεοίς ἐτ. (3 α)  
 30. 16. π. ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 α)  
 31. 14. καὶ ἐπορεύθη Μ. (3 α)  
 Jo. 1. 9. οὐ εἰς τὴν πορείην (3 α)  
 — 16. εἰς πάντα τόπον . . . πορευσόμεθα (3 α)  
 2. 1. πορευθέντες οἱ δύο νεανίσκοι (3 α)  
 — 5. οὐκ ἐπίσταμαι ποῦ πεπόρευνται (3 α)  
 — 22. καὶ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 3. 3. Α Β<sup>1</sup> πορεύεσθε [B<sup>1</sup> B -εύσ.] ὁπίσω αὐ-τῆς (3 α)  
 — 4. Α Β<sup>1</sup> ἡν πορεύεσθε [B<sup>1</sup> B<sup>1</sup> -εύσ.] αὐτὴν (3 α)  
 — 4. οὐ γὰρ πεπόρευσε τὴν ὁδὸν (9)  
 — 6. ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τοῦ λαοῦ (3 α)  
 4. 18. ἐπορεύετο καθὰ χεῖς (3 α)  
 6. 8 (9). Α πορευόμενοι καὶ [B om. π. καὶ] σαλπίζοντες (3 α)  
 8. 7. πορεύσεσθε εἰς τὴν πόλιν + (3 α)  
 — 9. ἐπορεύθησαν εἰς τὴν ἐνέδραν (3 α)  
 — 11. πορευόμενοι ἦλθον ἐξ ἐναντίας τῆς πολ. (7)  
 9. 11. πορεύθητε εἰς συνάντησιν αὐτῶν (3 α)  
 10. 9. Α ἐπορεύθη Ἰ. [B εἰσπ.] ἐκ Γ. (10)  
 14. 10. ἐπορεύθη Ἰσρ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 α)  
 15. 4. Α πορεύεται [B ἐκπορ.] ἐπὶ Σ. (9)  
 16. 8. πορεύεται τὰ ὄρια . . . ἐπὶ Χ. [A al.] (3 α)  
 17. 7. πορεύεται ἐπὶ [A om.] τὰ ὄρια ἐπὶ Ἰ. (3 α)  
 18. 8. ἀναστάντες οἱ ἄνδρες ἐπορεύθησαν (3 α)  
 — 8. ἐνετείλατο Ἰ. τοῖς ἀνδράσι τοῖς πορευομ. (3 α)  
 — 8. πορεύεσθε [A -εύθητε] καὶ χωροβατή-σατε (3 α)  
 — 9. ἐπορεύθησαν καὶ ἐχωράβατσαν (3 α)  
 19. 8. ἔως Β. πορευόμενοι + (3 α)  
 — 27. Α πορεύεται τὸ μεθόριον (3 α)  
 — 47. ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ Δάν (10)  
 — 49, 51. ἐπορεύθησαν ἐμβατίζοντες τὴν γῆν + (3 α)  
 22. 5. π. [A add. ἐν] πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 α)  
 — 6. ἐπορεύθησαν εἰς τοὺς οἴκους αὐ. (3 α)  
 — 9. ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ Ρ. (3 α)  
 23. 16. καὶ πορευθέντες λατρεύετε θεοίς ἐτ. (3 α)  
 24. 17. ἡ ἐπορεύθημεν ἐν αὐτῇ (3 α)  
 — 28. ἐπορεύθησαν ἐκ. εἰς τὸν τόπον αὐ. [A al.] - (3 α)  
 Jd. 1. 3. πορεύσομαι κἀγὼ μετὰ σοῦ (3 α)  
 — 3. ἐπορεύθη μετ' αὐτοῦ Σ. (3 α)  
 — 10. ἐπορεύθη Ἰ. πρὸς τὸν Χαν. (3 α)  
 — 11. Α ἐπορεύθησαν [B ἀνέβησαν] ἐκείθεν (3 α)  
 — 16. Α καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 17. καὶ ἐπορεύθη Ἰ. (3 α)  
 — 26. ἐπορεύθη [A ἀπῆλθεν] ὁ ἀνὴρ (3 α)  
 2. 12. ἐπορεύθησαν ὁπίσω θεῶν ἐτ. (3 α)  
 — 15. Β οἱς ἐπορεύοντο [B ἐξέπ., Α ἐπόρ-υνοι] (4)  
 — 17. ἡς ἐπορεύθησαν οἱ πατέρες αὐτῶν (3 α)  
 — 19. π. [A πορευθῆναι] ὁπίσω θεῶν ἐτ. (3 α)  
 — 22. π. ἐν αὐτῇ (3 α)  
 3. 13. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 17. Β καὶ ἐπορεύθη - (3 α)  
 4. 8. ἐὰν πορευθῆς μετ' ἐμοῦ πορεύσομαι καὶ ἐὰν μὴ πορευθῆς [A add. μετ' ἐμοῦ] οὐ πορεύσομαι (3 α quater)  
 — 9. πορευομένη [A -σομ.] πορεύσομαι μετὰ σοῦ (3 α, 3 α)  
 — 9. ἡν σὺ πορεύῃ (3 α)  
 — 9. καὶ ἐπορεύθη μετὰ τοῦ Β. (3 α)  
 — 24. καὶ ἐπορεύετο [A -εύθη] χεῖρ . . . πορ-ευομένη (3 α, 3 α)  
 5. 6. καὶ ἐπορεύθησαν ἀτραποὺς [A τρίβους] ἐπορεύθησαν ὁδοὺς διεστραμμ. (3 α, 3 α)  
 — 10. πορευόμενοι ἐπὶ ὁδοῦς συνέδρων [A al.] (3 α)

Jd. 6. 14. πορεύου ἐν τῇ ἰσχυρί σου (3 α)  
 — 21. ἐπορεύθη ἀπ' ὀφθαλμῶν αὐ. [A al.] (3 α)  
 7. 4. οὗτος πορεύεται σὺν σοὶ [A μετὰ σοῦ] (3 α)  
 — 4. αὐτὸς πορεύεται σὺν σοὶ [A μετὰ σοῦ] (3 α)  
 — 4. οὗτος οὐ πορεύεται μετὰ σοῦ (3 α)  
 — 4. αὐτὸς οὐ πορεύεται μετὰ σοῦ (3 α)  
 — 7. πᾶς ὁ λαὸς πορεύονται [A ἀποτρεχέτω] (3 α)  
 8. 1. ἐπορεύθης παρατάξασθαι ἐν Μ. [A al.] (3 α)  
 — 29. καὶ ἐπορεύθη Ἰερ. (3 α)  
 9. 1. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3 α)  
 — 4. ἐπορεύθησαν ὁπίσω αὐτοῦ (3 α)  
 — 6. καὶ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 — 7. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 8. πορευόμενα ἐπορεύθη [A -θησαν] τὰ ζῦλλα (3 α, 3 α)  
 — 9, 11, 13. πορεύσομαι κινεῖσθαι ἐπὶ [A -εύθω ἀρχεῖν] τῶν ζυλῶν (3 α)  
 — 21. καὶ ἐπορεύθη [A add. ἐν ὁδῷ] (3 α)  
 — 49. καὶ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 — 50. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3 α)  
 — 55. καὶ ἐπορεύθησαν [A ἀπῆλθον] (3 α)  
 10. 14. πορεύεσθε [A βαδίζετε] καὶ βοήσατε (3 α)  
 11. 5. καὶ ἐπορεύθησαν οἱ πρεσβύτε. (3 α)  
 — 8. πορεύση μεθ' ἡμῶν [A al.] (3 α)  
 — 11. καὶ ἐπορεύθη Ἰ. (3 α)  
 — 13. Β καὶ πορεύσομαι (3 α)  
 — 16. ἐπορεύθη Ἰσρ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 α)  
 — 18. ἐπορεύθη [A διήλθεν] ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 α)  
 — 37. καὶ πορεύσομαι (3 α)  
 — 38. καὶ εἰπε, Ἰσραὴλ (3 α)  
 — 38. καὶ ἐπορεύθη αὐτῇ (3 α)  
 — 40. ἐπορεύοντο θυγατέρες Ἰσρ. [A al.] (3 α)  
 12. 4. Α ἐπορεύθης πολέμειν ἐν τοῖς υἱοῖς Α. [B al.] (9)  
 — 1. πορευθῆναι μετὰ σοῦ (3 α)  
 13. 21. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 14. 3. πορεύη λαβεῖν γυναῖκα (3 α)  
 — 9. καὶ ἐπορεύετο [A -εύθη] πορευόμενος (3 α, 3 α)  
 — 9. ἐπορεύθη πρὸς τὸν πατέρα (3 α)  
 15. 4 : 16. 1. καὶ ἐπορεύθη Σ. (3 α)  
 17. 8. καὶ ἐπορεύθη ὁ ἀνὴρ (3 α)  
 — 9. πορευομαι παροικίῃς (3 α)  
 — 11 (10). καὶ ἐπορεύθη ὁ Δ. (3 α)  
 18. 2. εἶπαν πρὸς αὐτοὺς, Πορεύεσθε (3 α)  
 — 5. ἐν ᾗ [A ἥν] ἡμεῖς πορευόμεθα (3 α)  
 — 6. πορεύεσθε ἐν εἰρήνῃ [A καὶ εἰς εἰ.] (3 α)  
 — 6. ἐν ᾗ [A καθ' ἣν] ὑμεῖς πορεύεσθε (3 α)  
 — 7. ἐπορεύθησαν οἱ πέντε ἄνδρες (3 α)  
 — 9. μὴ ὀκνηστέ τοῦ πορευθῆναι (3 α)  
 — 14. Α Β οἱ πορευομ. [B πορευομ.] κατα-σκέψασθαι (3 α)  
 — 17. οἱ πορευθέντες [A -ευόμ.] κατασκέψα-σθαι (3 α)  
 — 24. καὶ ἐπορεύθητε [A ἀπῆλθατε] (3 α)  
 — 26. ἐπορεύθησαν . . . εἰς ὁδὸν αὐτῶν (3 α)  
 18. 2. ἐπορεύθη ἀπ' αὐτοῦ ἡ παλλακὴ αὐ. [A al.] + (3 α)  
 — 3. ἐπορεύθη ὁπίσω [A κατόπισθεν] αὐτῆς (3 α)  
 — 3. Α καὶ ἐπορεύθη ὅς οἶκον [B al.] (3 α)  
 — 5. ἀνίστη τοῦ πορευθῆναι [A ἀπελθεῖν] (3 α)  
 — 5. μετὰ τούτου πορεύεσθε [A -εύεσθε] (3 α)  
 — 7. ἀνίστη ὁ ἀνὴρ τοῦ π. [A δ. ἀπελθεῖν] (3 α)  
 — 8. ὠρθρίσε . . . τοῦ πορευθῆναι [A al.] (3 α)  
 — 9. ἀνίστη . . . τοῦ πορευθῆναι [A ἀπελθεῖν] (3 α)  
 — 9. πορεύση [A ἀπελευσῇ] εἰς τὸ σκήνωμά σου (3 α)  
 — 14. καὶ ἐπορεύθησαν [A ἀπῆλθον] (3 α)  
 — 17. ποῦ πορεύῃ (3 α)  
 — 18. ἐπορεύθη ἔως Βηθ. (3 α)  
 — 18. εἰς τὸν οἶκόν μου ἐγὼ πορεύομαι [A ἀποτρέχω] (3 α)  
 — 27. τοῦ πορευθῆναι [A ἀπελθεῖν] τὴν ὁδὸν αὐ. (3 α)  
 — 28. ἐπορεύθη [A ἀπῆλθεν] εἰς τὸν τόπον αὐ. (3 α)  
 20. 37. Α ἐπορεύθη [B ἐξεχύθη] τὸ ἔνεδρον + (3 α)  
 21. 10. πορεύεσθε [A -εύθητε] καὶ πατάξετε (3 α)  
 — 20. πορεύεσθε [A διέλθατε] ἐνεδρεύσατε (3 α)  
 — 21. πορεύεσθε [A ἀπελευσεῖς] εἰς γῆν Βεν. (3 α)  
 — 23. Β καὶ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 Ru. 1. 1. καὶ ἐπορεύθη ἀνὴρ (3 α)  
 — 7. ἐπορεύοντο ἐν τῇ ὁδῷ (3 α)  
 — 8. πορεύεσθε [A -εύθητε] δὴ (3 α)  
 — 11. Α πορευθῆτε [B om.] καὶ ἴνα τί πορ-εύεθε μετ' ἐμοῦ (-, 3 α)  
 — 16. ὅπου ἐὰν πορευθῆς πορεύσομαι (3 α, 3 α)

Ru. 1. 18. κραταιοῦται αὐτὴ τοῦ π. μετ' αὐτῆς (3 α)  
 — 19. ἐπορεύθησαν δι' ἀμφότερα (3 α)  
 — 21. ἐγὼ πληρῶς ἐπορεύθην (3 α)  
 2. 2. πορευθῶ δὲ εἰς ἀγρόν (3 α)  
 — 2. πορεύου, θυγάτηρ (3 α)  
 — 3. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 8. μὴ πορευθῆς ἐν ἀγρῷ συλλέξαι ἐτέρω (3 α)  
 — 8. σὺ οὐ πορεύση ἐντεύθεν (9)  
 — 9. πορεύση κατόπισθεν αὐτῶν (3 α)  
 — 9. πορευθήσῃ εἰς τὰ σκεύη (3 α)  
 — 11. καὶ ἐπορεύθη πρὸς λαόν (3 α)  
 — 22. Α Β ἐπορεύθης [B ἐξήλθες] μετὰ τῶν κορασίων αὐ. (4)  
 3. 10. τὸ μὴ πορευθῆναι σε ὁπίσω νεανιῶν (3 α)  
 1 Ki. 1. 14. πορεύου ἐκ προσώπου κυρίου - (3 α)  
 — 17. πορεύου εἰς εἰρήνην (3 α)  
 — 18. καὶ ἐπορεύθη ἡ γυνὴ (3 α)  
 — 19. πορεύονται [A add. καὶ ἦλθον] τὴν ὁδὸν αὐ. + (3 α)  
 2. 26. τὸ παιδάριον Σαμ. ἐπορεύετο (3 α)  
 3. 6, 8. καὶ ἐπορεύθη πρὸς Ἡ. (3 α)  
 — 9. καὶ ἐπορεύθη Σαμ. (3 α)  
 — 21. οἱ υἱοὶ αὐ. πορευόμενοι ἐπορεύοντο -, - (3 α)  
 6. 9. εἰ εἰς ὁδὸν ὁρίαν αὐτῆς πορεύεται (10)  
 — 12. ἐν τρίβῳ ἐνὶ ἐπορεύοντο (3 α)  
 — 12. ἐπορεύοντο ὁπίσω αὐτῆς (3 α)  
 7. 16. ἐπορεύετο κατ' ἐναντίον ἐναντὶν (3 α)  
 8. 3. οὐκ ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (3 α)  
 — 5. οὐ πορεύονται ἐν τῇ ὁδῷ σου (3 α)  
 9. 3. καὶ πορεύθητε (3 α)  
 — 6. καὶ νῦν πορευθῶμεν (3 α)  
 — 6. ἐφ' ἣν ἐπορεύθημεν ἐπ' αὐτὴν (3 α)  
 — 7. καὶ ἰδοὺ πορευσόμεθα (3 α)  
 — 9. ἐν τῇ π. ἐπερωτᾶν τὸν θ. (3 α)  
 — 9. πορευθῶμεν πρὸς τὸν βλεπόντα (3 α)  
 — 10. δεῦρο καὶ πορευθῶμεν (3 α)  
 — 10. ἐπορεύθησαν εἰς τὴν πόλιν (3 α)  
 10. 2. ὅς ἐπορεύθητε ῥῆγιν (3 α)  
 — 14. ποῦ ἐπορεύθητε (3 α)  
 — 26. ἐπορεύθησαν υἱοὶ δυνάμεων [A -άμενοι] (3 α)  
 11. 14. πορευθῶμεν εἰς Γαλγ. (3 α)  
 — 15. ἐπορεύθη πᾶς ὁ λαὸς εἰς Γάλγ. (3 α)  
 12. 14. ὁπίσω κυρίου πορευόμενοι [B<sup>1</sup> -ων] + (3 α)  
 14. 3. Β πεπόρευται Ἰ. (3 α)  
 — 17. τίς πεπόρευται ἐξ ἡμῶν (3 α)  
 — 19. ὁ ἦχος . . . ἐπορεύετο πορευόμενος (3 α, 3 α)  
 — 26. καὶ ἰδοὺ ἐπορεύετο λαλῶν + (3 α)  
 15. 3. καὶ νῦν πορεύου (3 α)  
 — 12. καὶ ἐπορεύθη εἰς ἀπάντησιν Ἰ. - (3 α)  
 — 18. πορευθῆτι καὶ ἐξολοθρεύσον (3 α)  
 — 20. ἐπορεύθη [A add. ἐν] τῇ ὁδῷ (3 α)  
 16. 2. πῶς πορευθῶ (3 α)  
 17. 13. Α ἐπορεύθησαν οἱ τρεῖς υἱοὶ Ἰ. (3 α)  
 — 13. Α τῶν πορευθέντων εἰς τὸν πόλεμον (3 α)  
 — 14. Α ἐπορεύθησαν ὁπίσω Σ. (3 α)  
 — 32. ὁ δούλος σου πορεύεται (3 α)  
 — 33. πορευθῆναι πρὸς τὸν ἀλλόφ. (3 α)  
 — 36. οὐχὶ πορεύσομαι καὶ πατάξω αὐτόν - (3 α)  
 — 37. πορεύου καὶ ἔσται κ. μετὰ σοῦ (3 α)  
 — 39. οὐ μὴ δύναμαι πορευθῆναι (3 α)  
 — 41. Α ἐπορεύθη ὁ ἀλλόφ. πορευόμενος (3 α, 3 α)  
 — 45. κἀγὼ πορευομαι πρὸς σέ (3 α)  
 — 48. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν Δ. (3 α)  
 18. 27. ἀνίστη Δ. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 19. 18. καὶ ἐπορεύθη Σαμ. (3 α)  
 — 22. ἐπορεύθη καὶ αὐτὸς εἰς Ἀρμ. (3 α)  
 — 23. καὶ ἐπορεύθη ἐκείθεν (3 α)  
 — 23. Α ἐπορεύθη πορευόμενος [B -εύετο] (3 α, 3 α)  
 20. 5. Α πορεύσομαι [B κρυβήσ.] ἐν τῇ πεδίῳ + (3 α)  
 — 11. πορεύου καὶ μένε εἰς ἀγρόν (3 α)  
 — 22. πορεύου ὅτι ἐξαπέσταλκέ σε (3 α)  
 — 28. ἔως εἰς Βηθ. τὴν πόλιν αὐ. πορευθῆναι - (3 α)  
 — 40. πορεύου εἰσελθε εἰς τὴν πόλιν (3 α)  
 — 42. πορεύου εἰς εἰρήνην (3 α)  
 22. 5. πορεύου καὶ ἤξεις (3 α)  
 — 5. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 α)  
 23. 2. εἰ πορευθῶ καὶ πατάξω (3 α)  
 — 2. πορεύου καὶ πατάξεις [A al.] (3 α)  
 — 3. πῶς ἔσται ἐὰν πορευθῶμεν εἰς Κ. (3 α)  
 — 3. Α εἰς τὰ σκεύη . . . εἰ πορευόμεθα [B εἰσπορευσοι.] - (3 α)  
 — 5. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 α)  
 — 13. ἐπορεύοντο οὐ ἐὰν ἐπορεύθησαν (3 α, 3 α)  
 — 16. ἐπορεύθη πρὸς Δ. (3 α)  
 — 22. πορευθῆτε δὴ καὶ ἐτοιμάσατε ἔτι (3 α)  
 — 23. πορευσόμεθα μεθ' ἡμῶν (3 α)

I Ki. 23. 24. ἐπορεύθησαν ἔμπροσθεν Σ. (3 α)  
 — 25. καὶ ἐπορεύθη Σ. (3 α)  
 — 26. πορεύονται Σ. καὶ οἱ ἄνδρες αὐ. (3 α)  
 — 26. π. ἀπὸ προσώπου Σ. (3 α)  
 — 28. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν τῶν ἄλλοφ. (3 α)  
 24. 3. ἐπορεύθη ζητεῖν τὸν Δ. (3 α)  
 25. 42. ἐπορεύθη ὀπίσω τῶν παιδῶν Δ. (3 α)  
 26. 2. Ἀ ἐπορεύθη [B κατέβη] εἰς τὴν ἔρημον Ζ. (5)  
 — 5. Α πορεύεται [B εἰσπορ.] εἰς τὸν τόπον (2 α)  
 27. 2. Α Β ἐπορεύθη [B ομ.] πρὸς Ἀ. (3 α)  
 28. 7. πορεύομαι πρὸς αὐτὴν (3 α)  
 — 8. καὶ πορεύεται αὐτός (3 α)  
 — 22. Α Β πορεύη [B -ση] ἐν ὁδῷ (3 α)  
 29. 7. πορεύου εἰς εἰρήνην (3 α)  
 — 10. πορεύεσθε εἰς τὸν τόπον (3 α)  
 — 10. καὶ ἐπορεύθητε (3 α)  
 30. 9. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 α)  
 — 21. τοῦ π. ὁπίσω Δ. (3 α)  
 — 22. τῶν πορευθέντων μετὰ Δ. (3 α)  
 31. 12. ἐπορεύθησαν διηγνὴν τὴν νύκτα (3 α)  
 II Ki. 2. 19. τοῦ π. εἰς δεξιὰ (3 α)  
 — 29. ἐπορεύθησαν ὅλην τὴν παρατείνουσιν (3 α)  
 — 32. καὶ ἐπορεύθη Ἰωάβ (3 α)  
 3. 1. ὁ οἶκος Δ. ἐπορεύετο (3 α)  
 — 1. ὁ οἶκος Σ. ἐπορεύετο (3 α)  
 — 16. ἐπορεύετο ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (3 α)  
 — 16. πορεύου ἀνάστρεφε (3 α)  
 — 19. καὶ ἐπορεύθη Ἀβ. (3 α)  
 — 21. πορεύομαι καὶ συναθροίσω (3 α)  
 — 21. Α Β ἐπορεύθησαν [B -θη] ἐν εἰρήνῃ (3 α)  
 — 31. ἐπορεύετο ὁπίσω τῆς κλίνης (3 α)  
 4. 5. ἐπορεύθησαν υἱοὶ ᾿Ρ. (3 α)  
 5. 10. Α ἐπορεύετο [B διεπ.] Δ. πορευόμενος (3 α, 3 α)  
 6. 2. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 α)  
 — 4. ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τῆς κιβωτοῦ (3 α)  
 — 12. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 α)  
 7. 4 (5). πορεύου καὶ εἰπον (3 α)  
 — 9. ἐν πάσιν οἱς ἐπορεύου (3 α)  
 8. 3. πορευομένου αὐτοῦ ἐπιστήσῃ τὴν χεῖρα αὐ. (3 α)  
 — 6, 14. ἐν πάσιν οἱς ἐπορεύετο (3 α)  
 11. 21 (22). καὶ ἐπορεύθη ὁ ἄγγελος ᾿Ι. (3 α)  
 12. 23. ἐγὼ πορεύομαι πρὸς αὐτόν (3 α)  
 — 29. ἐπορεύθη εἰς [A πρὸς] ᾿Ρ. (3 α)  
 13. 7. πορεύητι δὴ εἰς τὸν οἶκον (3 α)  
 — 8. ἐπορεύθη Θ. εἰς τὸν οἶκον (3 α)  
 — 15. ἀνάστρεβι καὶ πορεύου (3 α)  
 — 19. ἐπορεύθη πορευομένη καὶ κράζουσα (3 α, 3 α)  
 — 24. πορευθῆτω δὴ ὁ βασιλεὺς (3 α)  
 — 25. μὴ πορευθῶμεν πάντες ἡμεῖς (3 α)  
 — 25. οὐκ ἠθέλησε τοῦ πορευθῆναι (3 α)  
 — 26. πορευθῆτω δὴ μεθ' ἡμῶν Ἀ. (3 α)  
 — 26. ἴνα τί πορεύῃ μετὰ σοῦ (3 α)  
 — 34. λαὸς πολὺς πορεύομαι ἐν τῇ ὁδῷ (3 α)  
 — 37. ἐπορεύθη πρὸς Θ. (3 α)  
 — 38. ἐπορεύθη εἰς Γ. (3 α)  
 14. 21. Α πορεύητι καὶ [B ομ. π. κ., B -εύου] ἐπιστρέψων (3 α)  
 — 23. ἐπορεύθη εἰς Γ. (3 α)  
 — 30. πορεύεσθε καὶ ἔμπρησάτε αὐτήν (3 α)  
 15. 7. πορεύομαι διή (3 α)  
 — 9. ἐπορεύθη εἰς Χ. (3 α)  
 — 11. ἐπορεύθησαν διακόσιοι ἄνδρες ἐξ ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 11. πορευόμενοι [A add. ἐν] τῇ ἀπλότητι αὐ. (3 α)  
 — 12. ὁ λαὸς ὁ [A ομ.] πορευόμε. καὶ πολλὺς (3 α)  
 — 14. ταχύνετε τοῦ πορευθῆναι (3 α)  
 — 18. πορευόμενοι ἐπὶ προσώπων τοῦ βασι. (3 α)  
 — 19. ἴνα τί πορεύῃ καὶ σὺ μεθ' ἡμῶν (3 α)  
 — 20. μετακινήσω σε . . . τοῦ πορευθῆναι [A al.] (3 α)  
 — 20. πορεύομαι ἐφ' ὃν ἀν ἐγὼ πορευθῶ (3 α, 3 α)  
 — 30. ἐπορεύετο ἀνυπόδετος (3 α)  
 — 37. Α ἐπορεύετο εἰς τὴν πόλιν [B al.] (2 α)  
 16. 13. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 α)  
 — 13. καὶ Σ. ἐπορεύετο . . . πορευόμενος καὶ καταρρώμενος (3 α, 3 α)  
 17. 11. τὸ πρόσωπόν σου πορευόμενον ἐν μέσῳ αὐτῶν (3 α)  
 — 17. ἐπορεύθη ἡ παιδεία (3 α)  
 — 17. καὶ αὐτοὶ πορεύονται (3 α)  
 — 18. ἐπορεύθησαν οἱ δύο ταχέως (3 α)  
 — 21. καὶ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 18. 22. εἰς [A πρὸς] ὠφέλειαν πορευομένη (3 α)  
 — 24. ἐπορεύθη ὁ σκοπὸς (3 α)  
 — 25. ἐπορεύετο [A ἐγένετο] πορευόμενος (3 α, 3 α)

II Ki. 18. 33 (19. 1). ἐν τῷ π. αὐτόν (3 α)  
 19. 15 (16). τοῦ π. εἰς ἀπάντην τοῦ βασι. (3 α)  
 — 25 (26). τί ὅτι οὐκ ἐπορεύης μετ' ἐμοῦ (3 α)  
 — 26 (27). πορεύομαι μετὰ τοῦ βασι. (3 α)  
 20. 5. καὶ ἐπορεύθη Ἀμ. (3 α)  
 21. 12. καὶ ἐπορεύθη Δ. (3 α)  
 — 15. καὶ ἐπορεύθη [A ἐξελεύθη] Δ. (3 α)  
 23. 17. τῶν πορευθέντων ἐν ταῖς ψυχαῖς αὐ. (3 α)  
 24. 12. πορεύητι καὶ λάλησον (3 α)  
 III Ki. 2. 2. πορεύομαι ἐν ὁδῷ πάσης τῆς γῆς (3 α)  
 — 3. τοῦ π. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 α)  
 — 4. π. ἐνώπιόν μου ἐν ἀληθείᾳ (3 α)  
 — 8. ἡ ἐπορευομένη εἰς παρεμβολὰς (3 α)  
 — 29. πορεύου καὶ ἄνελε αὐτόν (3 α)  
 — 31. πορεύου καὶ ποιήσων αὐτῷ (3 α)  
 8. 1 (cf. 2. 8). ἐπορευόμεν εἰς παρεμβολὰς (3 α)  
 — 1 (2. 40). ἐπορεύθη εἰς Γεθ (3 α)  
 — 1 (2. 40). ἐπορεύθη Σ. (3 α)  
 — 1 (2. 41). ἐπορεύθη Σ. ἐξ ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 1 (2. 42). καὶ πορεύηθι εἰς δεξιὰ (3 α)  
 — 3. π. ἐν τοῖς προστάγμασι Δ. (3 α)  
 — 4. ἐπορεύθη εἰς Γ. (3 α)  
 — 14. ἐὰν πορευθῇ ἐν τῇ ὁδῷ μου (3 α)  
 — 14. ὡς ἐπορεύθη Δ. ὁ πατήρ σου (3 α)  
 8. 23. τῷ δούλῳ σου τῷ πορευομ. ἐνώπιόν σου (3 α)  
 — 25. τοῦ π. ἐνώπιόν μου καθὼς ἐπορεύηθι ἐνώπιόν ἐμοῦ (3 α, 3 α)  
 — 36. π. ἐν αὐτῇ (3 α)  
 — 58. τοῦ π. ἐν πάσαις ὁδοῖς αὐτοῦ (3 α)  
 — 61. ὁσῆς π. ἐν τοῖς προστάγμασιν αὐ. (3 α)  
 9. 4. ἐὰν πορευθῇ ἐνώπιόν ἐμοῦ (3 α)  
 — 4. καθὼς ἐπορεύθη Δ. ὁ πατήρ σου (3 α)  
 — 6. καὶ πορευήτε καὶ δουλεύσατε (3 α)  
 — 12. ἐπορεύθη εἰς τὴν Γαλιλαίαν (3 α)  
 11. 5. Α ἐπορεύθη Σ. ὁπίσω τῆς ᾿Αστ. [B al.] (3 α)  
 — 6. οὐκ ἐπορεύθη ὁπίσω κυρίου (3 α)  
 — 10. μὴ πορευθῆναι ὁπίσω θεῶν ἐγ. (3 α)  
 — 14 (B), 24 (A). Α καὶ ἐπορεύθησαν Δαμ. [B al.] (3 α)  
 — 15. ἐν τῷ πορευθῆναι Ἰωάβ (3 α)  
 — 33. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ταῖς ὁδοῖς μου (3 α)  
 — 38. καὶ πορευθῇ ἐν ταῖς ὁδοῖς μου (3 α)  
 12. 1. πορεύεται βασιλεὺς Ῥοβ. (3 α)  
 — 24. κατέπαυσαν τοῦ πορευθῆναι (3 α)  
 — 24. Β οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Δ. (3 α)  
 — 24. Β ἐπορεύθη ᾿Ιερ. ἐπερωτήσῃ (3 α)  
 — 24 (cf. A 14. 2). Β ἀνίστηθι πορεύου (3 α)  
 — 24. Β καὶ πορεύεται (3 α)  
 — 24. Β ἐπορεύθη ᾿Ιερ. εἰς Σικ. (3 α)  
 — 24. Β πορεύονται ὁπίσω αὐτοῦ (3 α)  
 — 24. Β ἀνέσχου τοῦ [B μὴ] πορευθῆναι (3 α)  
 — 28. Α καὶ ἐπορεύθη ὁ βασι. (3 α)  
 — 28. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 30. ἐπορεύετο . . . πρὸ προσώπου τῆς μῖας (3 α)  
 13. 9. ἡ ἐπορεύθη ἐν αὐτῇ (3 α)  
 — 12. ποιήσῃ ὁδὸν πενήντα (3 α)  
 — 14. Β καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 17. ἡ ἐπορεύθη ἐν αὐτῇ (3 α)  
 — 28. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 14. 2. Α πορευθῆθι εἰς Σ. (3 α)  
 — 4. Α ἐπορεύθη εἰς Σ. (3 α)  
 — 7. Α πορευθεῖσα εἰπὼν τῷ ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 8. Α δε ἐπορεύθη ὁπίσω μου (3 α)  
 — 9. Α καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 12. Α πορεύητι εἰς τὸν οἶκόν σου (3 α)  
 — 17. Α ἐπορεύθη εἰς γῆν Σ. (3 α)  
 15. 3. ἐπορεύθη ἐν ταῖς ἀμαρτίαις τοῦ πατρὸς αὐ. (3 α)  
 — 26. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (3 α)  
 — 34. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ ᾿Ιερ. (3 α)  
 16. 2. ἐπορεύθη ἐν τῇ ὁδῷ ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 18. Β πορεύονται [B -εύεται, Α εἰσπορ.] εἰς ἄντρον (2 α)  
 — 19. πορευθῆναι ἐν ὁδῷ ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 26. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 28 (22. 43). Β ἐπορεύθη ἐν τῇ ὁδῷ ᾿Ασά (3 α)  
 — 28 (22. 48 [49]). Β ἐποιήσε ναὺν εἰς Θ. π. (3 α)  
 — 28 (22. 48 [49]). Β π. [B ομ.] ἐπὶ τὸ χροσίον (3 α)  
 — 28 (22. 48 [49]). καὶ οὐκ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 31. τοῦ π. ἐν ταῖς ἀμαρτίαις ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 31. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 17. 3. πορεύου ἐντεθεν κατὰ ἀνατολὰς (3 α)  
 — 5. Α καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 9. ἀνάστηθι καὶ πορεύου [A -εύητι] (3 α)  
 — 10. ἐπορεύθη εἰς Σαρ. (3 α)

III Ki. 17. 11. καὶ ἐπορεύθη λαβεῖν (3 α)  
 — 15. ἐπορεύθη ἡ γυνὴ (3 α)  
 18. 1. πορευθῆτι καὶ δόξῃ (3 α)  
 — 2. καὶ ἐπορεύθη Ἡ. (3 α)  
 — 6. ᾿Αχ. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ μᾶ (3 α)  
 — 6. ᾿Αβδ. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ ἄλλῃ (3 α)  
 — 8. πορεύου λέγε (3 α)  
 — 11. πορεύου ἀνάγγελε (3 α)  
 — 14. πορεύου λέγε (3 α)  
 — 16. καὶ ἐπορεύθη Ἀ. (3 α)  
 — 16. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν ᾿Η. (3 α)  
 — 18. καὶ ἐπορεύθη [A -θη] ὀπίσω Β. (3 α)  
 — 21 δις. πορεύεσθε ὀπίσω αὐτοῦ (3 α)  
 — 45. ἐπορεύετο [A -εύθη] ᾿Αχ. ἔως ᾿Ι. (3 α)  
 19. 4. ἐπορεύθη . . . ὁδὸν ἡμέρας (3 α)  
 — 8. καὶ ἐπορεύθη . . . τεσσαράκοντα ἡμέρας (3 α)  
 — 15. πορεύου ἀνάστρεφε (3 α)  
 — 20. Α πορεύου [B ομ.] ἀνάστρεφε (3 α)  
 — 21. ἐπορεύθη ὀπίσω ᾿Η. (3 α)  
 20 (21). 26. π. ὁπίσω τῶν βδελυγμάτων (3 α)  
 — 27. καὶ ἐπορεύετο κλαίων (3 α)  
 — 27. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 21 (20). 38. καὶ ἐπορεύθη ὁ προφήτης (3 α)  
 22. 6. εἰ πορευθῶ εἰς ᾿Ρ. (3 α)  
 — 13. ὁ ἄγγελος ὁ πορευθεὶς καλέσας (3 α)  
 — 43. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ ᾿Ασά (3 α)  
 — 49. Α τοῦ πορευθῆναι ᾿Ωφειρδὲ (3 α)  
 — 49. Α καὶ οὐκ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 — 50. Α πορευθῆσαν δούλοισι σου (3 α)  
 — 53. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ ᾿Αχ. (3 α)  
 IV Ki. 1. 2. ἐπορεύθησαν ἐπερωτήσῃ (3 α)  
 — 3. Α πορεύητι εἰς συνάντησιν τῶν ἀγγ. [B al.] (10)  
 — 3. ἡμεῖς πορεύεσθε ἐπιζητήσας (3 α)  
 — 4. καὶ ἐπορεύθη Ἡλ. (3 α)  
 — 6. σὺ πορεύῃ ζητήσας (3 α)  
 2. 1. καὶ ἐπορεύθη Ἡλ. (3 α)  
 — 6. καὶ ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι (3 α)  
 — 11. καὶ ἐγένετο αὐτῶν πορευομ. ἐπορευόντο καὶ ἐλάλουν (3 α, 3 α)  
 — 16. πορευθέντες δὴ ζητησάτωσαν (3 α)  
 — 18. μὴ πορευθῆτε (3 α)  
 — 25. καὶ ἐπορεύθη ἐκείθεν (3 α)  
 3. 7. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 7. εἰ πορεύῃ μετ' ἐμοῦ (3 α)  
 — 9. καὶ ἐπορεύθη ὁ βασι. ᾿Ισρ. (3 α)  
 4. 23. τί ὅτι σὺ πορεύῃ πρὸς αὐτόν (3 α)  
 — 24. ἄγε πορεύου (3 α)  
 — 24. καὶ πορεύῃ (3 α)  
 — 25. Β καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 30. ἐπορεύθη ὁπίσω αὐτῆς (3 α)  
 — 35. ἐπορεύθη ἐν τῇ οἰκίᾳ (3 α)  
 5. 5. Α πορεύου [B ομ.] πρὸς Ν. (3 α)  
 — 5. καὶ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 10. πορευθεὶς λούσαις ἐπτάκις (3 α)  
 — 12. οὐχὶ πορευθεὶς λούσομαι [A πορεύου.] (3 α)  
 — 24. Α καὶ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 — 25. οὐ πεπώρηται ὁ δούλος σου (3 α)  
 — 26. Α Β οὐχὶ ἡ καρδ. μου ἐπορεύθη [B -εύεται] (3 α)  
 6. 2. πορευθῶμεν δὴ ἔως τοῦ ᾿Ιορδ. (3 α)  
 — 3. ἐγὼ πορεύομαι (3 α)  
 — 4. καὶ ἐπορεύθη μετ' αὐτῶν (3 α)  
 7. 8 δις. καὶ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 — 15. ἐπορεύθησαν ὁπίσω αὐτῶν (3 α)  
 8. 2. Α Β καὶ ἐπορεύθη [B ομ.] αὐτῇ (3 α)  
 — 9. καὶ ἐπορεύθη ᾿Αχαλ. (3 α)  
 — 18. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων ᾿Ισρ. (3 α)  
 — 27. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου ᾿Αχ. (3 α)  
 — 28. ἐπορεύθη μετὰ ᾿Ι. . . εἰς πόλεμον (3 α)  
 9. 4. ἐπορεύθη τὸ παιδίον (3 α)  
 — 15. τοῦ πορευθῆναι καὶ ἀπαγγεῖλαι (3 α)  
 — 16. καὶ ἐπορεύθη ᾿Ιού (3 α)  
 — 18. καὶ ἐπορεύθη ἐπιβάτης ἵππου (3 α)  
 — 35. ἐπορεύθησαν θαψαί αὐτῶν (3 α)  
 10. 12. καὶ ἐπορεύθη εἰς Σαμάρειαν (2 α + 3 α [3 α])  
 — 15. καὶ ἐπορεύθη ἐκείθεν (3 α)  
 — 26 (25). καὶ ἐπορεύθησαν ἔως πόλεως (3 α)  
 — 31. οὐκ ἐφύλαξε π. ἐν νόμῳ κυρίου (3 α)  
 12. 17 (18). Α πορευθῆναι [B ἀναβῆναι] ἐπὶ ᾿Ιερ. (10)  
 13. 2. ἐπορεύθη ὁπίσω ἀμαρτιῶν ᾿Ιερ. (3 α)  
 — 6. ἐν αὐτῇ ἐπορεύθη [A -αῖς ἐπορεύθησαν] (3 α)  
 — 11. ἐν αὐτῇ ἐπορεύθη (3 α)  
 — 21. καὶ ἐπορεύθη καὶ ἦσαν (3 α)  
 16. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων ᾿Ισρ. (3 α)  
 — 10. καὶ ἐπορεύθη βασιλεὺς ᾿Αχαζ (3 α)

- iv Kt. 17. 8. ἐπορεύθησαν τοῖς δικαίωμασι τῶν ἰθὺν (3 a)  
 — 15. ἐπορεύθησαν ὅπως τῶν ματαίων [A al.] (3 a)  
 — 19. ἐπορεύθησαν ἐν τοῖς δικαίωμ. Ἰσρ. (3 a)  
 — 22. ἐπορεύθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (3 a)  
 — 27. καὶ πορεύεσθωσαν (3 a)  
 19. 36. ἀπῆρε καὶ ἐπορεύθη (3 a)  
 20. 9. πορεύεται ἡ σκιὰ δέκα βαθμούς (3 a)  
 21. 21. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ ἢ ἐπορεύθη ὁ πατήρ αὐτοῦ (3 a, 3 a)  
 — 22. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ κυρίου (3 a)  
 22. 2. ἐπορεύθη ἐν πάσῃ ὁδῷ Δ. (3 a)  
 — 14. καὶ ἐπορεύθη Χ. (3 a)  
 23. 3. τοῦ π. ὀπίσω κυρίου (3 a)  
 — 29. καὶ ἐπορεύθη Ἰωσίας (3 a)  
 25. 4. ἐπορεύθη ὁδὸν τὴν Ἀραβία (3 a)  
 1 Ch. 4. 39. ἐπορεύθησαν ἔως τοῦ ἔλθειν Γέρ. (3 a)  
 — 42. ἐπορεύθησαν εἰς ὅρος Σ. (3 a)  
 6. 15 (5. 41). Ἰωσ. ἐπορεύθη ἐν τῇ μετοικίᾳ (3 a)  
 11. 4. καὶ ἐπορεύθη ὁ βασις. (3 a)  
 — 9. ἐπορεύετο Δαυὶδ πορευόμενος (3 a, 3 a)  
 12. 18. πορεύου καὶ ὁ λαὸς σου [A al.] †  
 — 20. ἐν τῷ πορευθῆναι αὐτὸν εἰς Σικ. (3 a)  
 14. 14. οὐ πορεύσῃ [B -θη] ὅπως αὐτῶν (10)  
 15. 25. οἱ [A om.] πορεύομ. τοῦ ἀναγαγεῖν τὴν κιβ. (3 a)  
 16. 20. ἐπορεύθησαν ἀπὸ ἔθνος εἰς ἔθνος (3 a)  
 — 43. ἐπορεύθη ἅπας ὁ λαὸς (3 a)  
 17. 4. πορεύου καὶ εἰπὸν πρὸς Δ. (3 a)  
 — 8. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύθης (3 a)  
 18. 3. πορευομαι. αὐτοῦ ἐπιστῆσαι χεῖρα αὐ. (3 a)  
 — 6. 13. ἐν πᾶσιν οἷς ἐπορεύετο (3 a)  
 21. 2. πορεύθητε ἀρμήσατε τὸν Ἰσρ. (3 a)  
 — 10. πορεύου καὶ λάλησον (3 a)  
 — 30. τοῦ πορευθῆναι ἐκπροσθεν αὐτοῦ (3 a)  
 11 Ch. 1. 3. καὶ ἐπορεύθη Σαλ. (3 a)  
 — 16. ἡ τιμὴ τῶν ἐμπόρων . . . πορεύεσθαι †  
 2. 8 (7). οἱ παῖδες σου . . . πορεύονται —  
 6. 14. τοῖς πορευομ. ἐναντίον σου (3 a)  
 — 16. Β τοῦ π. ἐν τῷ ὁνόματι [A B νόμφ] (3 a)  
 — 27. ἐν ἢ πορεύονται ἐν αὐτῇ (3 a)  
 7. 17. ἐὰν πορευθῇς ἐναντίον μου (3 a)  
 — 19. καὶ πορευθῇτε (3 a)  
 9. 21. ναὺς τῷ βασι. ἐπορεύετο —  
 10. 5. πορεύεσθε ὥς τριῶν ἡμερῶν (3 a)  
 — 16. καὶ ἐπορεύθη πᾶς Ἰσρ. (3 a)  
 11. 4. τοῦ μὴ πορευθῆναι ἐπὶ Ἰερ. (3 a)  
 — 14. ἐπορεύθησαν πρὸς Ἰουδα (3 a)  
 — 17. ἐπορεύθη ἐν [A om.] ταῖς ὁδοῖς Δ. (3 a)  
 17. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς τοῦ π. αὐτοῦ (3 a)  
 — 4. ἐν ταῖς ἐντ. τοῦ πατρὸς αὐ. ἐπορεύθη (3 a)  
 — 12. ἦν Ἰωσ. πορευόμενος (3 a)  
 18. 3. πορεύσῃ μετ' ἐμοῦ (3 a)  
 — 5. εἰ πορευθῶ εἰς Ῥ. (3 a)  
 — 12. ὁ πορεύεις τοῦ καλέσαι τὸν Μ. (3 a)  
 — 14. εἰ πορευθῶ [A εἰσπ.] εἰς Ῥ. (3 a)  
 20. 32. ἐπορεύθη ἐν [A om.] ταῖς ὁδοῖς (3 a)  
 — 36. ἐν τῷ ποιῆσαι καὶ πορευθῆναι [A om.] —  
 — 36. πορευθῆναι εἰς Θ. (3 a)  
 — 37. οὐκ ἔδυνάσθη τοῦ πορευθῆναι εἰς Θ. (3 a)  
 21. 6. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ βασιλέων Ἰσρ. (3 a)  
 — 12. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ Ἰωσ. (3 a)  
 — 13. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς βασιλέων Ἰσρ. (3 a)  
 — 20. ἐπορεύθη οὐκ ἐν [A ἐν οὐκ] ἐπαίνῳ (3 a)  
 22. 3. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ οἴκου Ἀγαάβ (3 a)  
 — 5. ἐν ταῖς βουλαῖς αὐ. ἐπορεύθη (3 a)  
 — 5. ἐπορεύθη μετὰ Ἰωράμ (3 a)  
 25. 7. οὐ πορεύεται [A παρελεύσ.] . . . δύναμις Ἰσρ. (3 a)  
 — 11. ἐπορεύθη εἰς τὴν κοιλίαν τῶν ἁλῶν (3 a)  
 — 13. Β τοῦ μὴ πορευθῆναι [A B εὐρεθ.] μετ' αὐτοῦ (3 a)  
 28. 2. ἐπορεύθη κατὰ τὰς ὁδοὺς βασιλέων Ἰ. (3 a)  
 30. 6. ἐπορεύθησαν οἱ τρέχοντες (3 a)  
 33. 14. Α πορευόμενος [B ἐκπ.] τὴν πύλιν —  
 34. 2. ἐπορεύθη ἐν ὁδοῖς Δ. τοῦ πατρὸς αὐ. (3 a)  
 — 21. πορεύθητε (ἡγήσατε τὸν κ. (3 a)  
 — 22. καὶ ἐπορεύθη Χ. (3 a)  
 — 31. τοῦ πορευθῆναι ἐν ὁπλίον κυρίου (3 a)  
 35. 20. καὶ ἐπορεύθη βασις Ἰωσίας (4)  
 1 Es. 9. 1. ἐπορεύθη ἐκ τῶν παστοφόρων (3 a)  
 11 Es. 4. 23. ἐπορεύθησαν . . . εἰς Ἰερ. (1 a)  
 6. 8. ἐπορεύθημεν εἰς τὴν Ἰουδαίαν χώραν (1 a)  
 — 15. λαβεῖν καὶ πορεύου (1 b)  
 7. 13. πορευθῆναι εἰς Ἰερ. (3 c)  
 11 Es. 7. 13. μετὰ σοῦ πορευθῆναι (3 c)  
 10. 6. ἐπορεύθη εἰς γαζοφυλάκιον Ἰω. (3 a)  
 — 6. καὶ ἐπορεύθη ἐκεῖ (3 a)  
 Ne. 2. 16. οὐκ ἔγνωναν τί ἐπορεύθη (3 a)  
 6. 17. ἐπιστολὰ ἐπορεύοντο πρὸς Τ. (3 a)  
 8. 10. πορεύεσθε φάγετε (3 a)  
 9. 12, 19. ἐν ἢ πορεύονται ἐν αὐτῇ (3 a)  
 10. 29 (30). τοῦ π. ἐν νόμῳ τοῦ θεοῦ (3 a)  
 12. 32. ἐπορεύθη ὁπίσω αὐτῶν Ὡ. (3 a)  
 — 38. Β\* ἡ δευτέρα ἐπορεύετο (3 a)  
 To. 1. 3. ὁδοὶ ἀληθείας ἐπορεύουν —  
 — 3. Β τοῖς πορευθεῖσι [B προπορ., Α συμπορευομ.] μετ' ἐμοῦ (3 a)  
 — 6. ἐπορεύομην . . . εἰς Ἰερ. (3 a)  
 — 7. καὶ ἐπορεύομην (3 a)  
 — 10. Β ἐπορεύομην (3 a)  
 — 14. ἐπορεύομην εἰς τὴν Μηδίαν (3 a)  
 — 15. οὐκέτι ἠδυνάσθη πορευθῆναι (3 a)  
 19. πορεύεις δι' εἰς τῶν ἐν Νιν. [B al.] (3 a)  
 2. 3. Β ἐπορεύθη Τω. (ἡγήσαι) (3 a)  
 — 10. ἐπορεύθη [B -εύομην] πρὸς ἱατροὺς (3 a)  
 — 10. ὥς οὐ ἐπορεύθη ἐν τῇ Ἑλ. [B al.] (3 a)  
 3. 5. οὐ γὰρ ἐπορεύθημεν ἐν ἀληθείᾳ (3 a)  
 4. 5. μὴ πορευθῆναι ταῖς ὁδοῖς τῆς ἀδικίας (3 a)  
 — 15. Α Β καὶ πορευθῆμεν μετὰ σοῦ μέθ (3 a)  
 5. 2. Β τοῦ πορευθῆναι ἐκεῖ (3 a)  
 — 3. Β δὲ πορεύεται μετὰ σοῦ [A B al.] (3 a)  
 — 3. λάβε πορεύεσθαι τὸ ἀργύριον [B al.] (3 a)  
 — 4. καὶ ἐπορεύθη [B al.] (3 a)  
 — 4. Β δὲ πορεύεται μετ' αὐτοῦ (3 a)  
 — 5. πορευθῆναι μετὰ σοῦ [B al.] (3 a)  
 — 6. Α Β πορεύονται μετὰ σοῦ (3 a)  
 — 6. Β πλουτῶν ἐπορεύθη εἰς Μ. (3 a)  
 — 8. εἶπεν αὐτῷ, Πορεύου [B al.] (3 a)  
 — 8. τοῦ πορευθῆναι [B ἴνα πορευθῇ] μετὰ σοῦ (3 a)  
 — 9. Β θέλει πορευθῆναι εἰς Μ. (3 a)  
 — 9. Β δυνάσεται πορευθῆναι μετ' αὐτοῦ (3 a)  
 — 13. ὡς ἐπορευόμεθα κοινῶς [B al.] (3 a)  
 — 14. πορεύητι μετὰ τοῦ υἱοῦ μου (3 a)  
 — 15. Β πορεύομαι μετ' αὐτοῦ (3 a)  
 — 16. πορεύου μετὰ τοῦ ἀνθρώπου τούτου [B al.] (3 a)  
 — 16. Β πορευθῆναι τὴν ὁδὸν αὐτοῦ [A B al.] (3 a)  
 — 16. Β πορεύου ὕμναιον (3 a)  
 — 20. Β πορεύεται τὸ παιδίον ἡμῶν [A B al.] (3 a)  
 6. 1. Β ἐπορεύθη μετ' αὐτῶν (3 a)  
 — 1. οἱ δὲ πορευομ. τὴν ὁδὸν [B καὶ ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι.] (3 a)  
 — 5. Β ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κοινῶς [A B al.] (3 a)  
 — 16. Β ἡ ὁσμὴ πορεύεται [A B al.] (3 a)  
 — 17. πορεύεται μετὰ σοῦ (3 a)  
 8. 2. ὁ δὲ πορευόμενος ἐμνήσθη [B al.] (3 a)  
 — 9. ἀναστὰς Ῥ. ἐπορεύθη [B al.] (3 a)  
 — 21. π. . . πρὸς τὸν πατέρα [B al.] (3 a)  
 9. 2. πορεύητι . . . παρὰ Γαβ. (3 a)  
 — 5. καὶ ἐπορεύθη Ῥ. (3 a)  
 10. 1. Β ἐν πᾶσι πορεύεται (3 a)  
 — 5. Β ἀφῆκα σε πορευθῆναι [A B om.] (3 a)  
 — 6. Β ὁ ἀνθρ. ὁ πορευθεὶς μετ' αὐτοῦ (3 a)  
 — 7. ἐπορεύετο καθ' ἡμέραν [B al.] (3 a)  
 — 8. Β ὅπως . . . πορευθῶ πρὸς τὸν πατ. μου (3 a)  
 11. 1. ἐπορεύετο καὶ Τ. [B al.] (3 a)  
 — 1. καὶ ἐπορεύετο [B al.] (3 a)  
 — 4. Β καὶ ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι (3 a)  
 — 4. Α Β καὶ ἐπορεύθησαν (3 a)  
 — 6. ὁ ἀνθρώπος ὁ πορευθεὶς μετ' αὐτοῦ (3 a)  
 — 16. οἱ θεωροῦντες αὐτὸν πορευόμεν. [B al.] (3 a)  
 12. 1. Β τῷ ἀνθρ. τῷ πορευθέντι μετὰ σοῦ [A B al.] (3 a)  
 13. 13. Β τότε πορευθῆτι [A B χρήθη] (3 a)  
 Ju. 5. 9. καὶ πορευθῆναι εἰς γῆν Χαν. (3 a)  
 8. 35. πορεύου εἰς εἰρήνην (3 a)  
 — 36. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὰς διατάξεις αὐ. (3 a)  
 10. 11. ἐπορεύοντο ἐν τῷ αὐλῶνι (3 a)  
 — 12. καὶ ποῦ πορεύη (3 a)  
 — 13. ὁδὸν καθ' ἣν πορεύονται (3 a)  
 12. 11. Α Β πείσαν δι' πορευθεῖς τὴν γυναῖκα τὴν Ἑβρ. (3 a)  
 13. 16. ἐν τῇ ὁδῷ μου ἢ ἐπορεύθη (3 a)  
 — 20. ἐπ' εὐθείαν πορευθεῖσαι (3 a)  
 14. 3. πορεύονται εἰς τὴν παρεμβολὴν αὐ. (3 a)  
 Es. 4. 10. πορεύητι πρὸς Μαρδοχαίου †  
 — 13. πορεύητι καὶ εἰπὸν αὐτῇ —  
 9. 3 (4). Β\* ἐγκαλῶντο γὰρ Μ. πορευόμενος (3 a)  
 Jb. 10. 21. πρὸ τοῦ με πορευθῆναι (3 a)  
 16. 23 (22). Α Β Β\* ὁδῷ δὲ ἢ οὐκ ἐπαναστραφῆσμαι πορεύομαι (3 a)  
 Jb. 23. 8. Β εἰ γὰρ πρῶτος [B S εἰς γὰρ πρῶτα] πορεύομαι [A εἰ γὰρ πορευθῶ εἰς τὰ πρῶτα] (3 a)  
 24. 13. οὐδὲ ἀπαρτῶ αὐ. ἐπορεύθησαν †  
 29. 3. ὅτε τῷ [A ἐν τῷ] φωτὶ αὐ. ἐπορευόμην (3 a)  
 — 20. τὸ τόξον μου [A αὐτοῦ] ἐν χειρὶ αὐτοῦ πορεύεται [A πορεύεται] †  
 30. 28. στένων πεπόρευμαι ἀνεψιμοῦ (3 a)  
 31. 5. εἰ δὲ ἤμην πεπορευμένος μετὰ γελαιστών (15)  
 34. 8. τοῦ πορευθῆναι μετὰ ἀσεβῶν (3 a)  
 38. 35. καὶ πορεύονται (3 a)  
 42. 8. πορεύητε πρὸς τὸν θεράποντά μου (3 a)  
 — 9. ἐπορεύθη [A -σαν] δι' Ἑλ. (3 a)  
 Ps. 1. 1. δε οὐκ ἐπορεύθη ἐν βουλῇ ἀσεβῶν (3 a)  
 14 (15). 2. πορευόμενος ἀμαρτίας (3 a)  
 22 (23). 4. εἰ γὰρ καὶ πορευθῶ ἐν μέσῳ σκιάς θανάτου (3 a)  
 25 (26). 1. ἐγὼ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύην (3 a)  
 — 11. ἐγὼ δὲ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύην (3 a)  
 31 (32). 8. ἐν ὁδῷ ταύτῃ ἢ πορεύση (3 a)  
 37 (38). 6. σκυθρωπάζων ἐπορεύομαι (3 b)  
 41 (42). 9. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (3 a)  
 42 (43). 2. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (3 d)  
 54 (55). 14. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θ. ἐπορεύθημεν (3 b)  
 77 (78). 10. ἐν τῷ νόμῳ αὐ. οὐκ ἤθελον π. (3 a)  
 — 39. πνεῦμα πορεύομαι. καὶ οὐκ ἐπιστρέφω (3 a)  
 80 (81). 12. πορεύονται ἐν ταῖς ἐκτιτρίμει. αὐ. (3 a)  
 — 13. Ἰσραὴλ ταῖς ὁδοῖς μου εἰ ἐπορεύθη (3 b)  
 83 (84). 7. πορεύονται ἐκ δυνάμεως εἰς δυνάμιν (3 a)  
 — 11. Α Β S τοὺς πορευομένους [B τοῖς π.] ἐν ἀκακίᾳ (3 a)  
 84 (85). 13. δικαιοσύνη ἐναντίον αὐτοῦ προπορεύεται [B\* πορ.] (3 b)  
 85 (86). 11. Α Β πορεύονται τῇ [S B ἐν τῇ] ἀληθείᾳ σου (3 b)  
 88 (89). 14. Α ἔλεος καὶ ἀλήθεια πορεύονται πρὸ προσώπου σου [B S al.] (14)  
 — 15. ἐν τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου πορεύονται (3 b)  
 — 30. καὶ τοῖς κρίμασί μου μὴ πορευθῶσιν (3 a)  
 100 (101). 6. πορευόμενος ἐν ὁδῷ ἀμαρτίας (3 a)  
 104 (105). 41. ἐπορεύθησαν ἐν ἀνυρῶνι ποταμοῖς (3 a)  
 106 (107). 7. τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν κατοικητηρίου (3 a)  
 118 (119). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν νόμῳ κυρίου (3 a)  
 — 3. οὐ γὰρ . . . ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. ἐπορεύθησαν (3 a)  
 — 45. ἐπορευόμην ἐν πλατανῶν (3 d)  
 121 (122). 1. εἰς οἶκον κυρίου πορευσόμεθα [A -σώμ.] (3 a)  
 125 (126). 6. πορευόμενοι ἐπορεύοντο (3 a, 3 a)  
 127 (128). 1. οἱ πορευόμεν. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)  
 180 (181). 1. οὐδὲ ἐπορεύθη ἐν μεγάλοις (3 b)  
 137 (138). 7. εἰ γὰρ πορευθῶ ἐν μέσῳ θλίψεως (3 a)  
 138 (139). 7. ποῦ πορευθῶ ἀπὸ ταῦ πνεύματός σου (3 a)  
 141 (142). 3. ἐν ὁδῷ ταύτῃ ἢ ἐπορευόμην (3 b)  
 142 (143). 8. ὁδὸν ἐν ἢ πορεύομαι (3 a)  
 Pr. 1. 15. μὴ πορευθῇς ἐν ὁδῷ [A π. ὁδοῦς] (3 a)  
 2. 13. τοῦ πορεύεσθαι ἐν ὁδοῖς σκότους (3 a)  
 — 19. πάντες οἱ πορευόμενοι ἐν αὐτῇ (2 a)  
 — 20. εἰ γὰρ ἐπορεύοντο τρίβους ἀγαθῶς (3 a)  
 3. 23. ἵνα πορεύῃ πεποιθὸς ἐν εἰρήνῃ πάσας τὰς ὁδοὺς σου (3 a)  
 4. 12. εἰ γὰρ πορεύῃ (3 a)  
 6. 8. πορευθῆτι πρὸς τὴν μελίσσαν —  
 — 12. πορεύεται ὁδοὺς οὐκ ἀγαθῶς (3 a)  
 7. 19. πεπόρευται δὲ ὁδὸν μακρὰν (3 a)  
 10. 9. δε πορεύεται ἀπλῶς πορεύεται πεποιθὸς (3 a, 3 a)  
 14. 2. ὁ πορευόμενος ὀρθῶς φοβεῖται τὸν κ. (3 a)  
 15. 21. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος κατευθύνων πορεύεται (3 a)  
 24. 43 (27). πορεύου κατόπισθ' ἐν μου †  
 — 64 (30, 29). εἰ εὐδως πορεύεται [A -οῦται] (11)  
 28. 6. κρείσσων πτωχοῦ πορευομ. ἐν ἀληθείᾳ (3 a)  
 — 18. ὁ πορευόμενος δικαίως βεβοήθηται ὁ δὲ σκολιαῖς ὁδοῖς πορευόμενος ἐμπαλίσσεται (3 a, †)  
 — 26. δε δὲ πορεύεται σοφία σωθήσεται (3 a)  
 Ec. 1. 4. γενεὰ πορεύεται καὶ γενεὰ ἔρχεται (3 a)  
 — 6. πορεύεται πρὸς νότον (3 a)  
 — 6. κυκλοῖ κυκλῶν πορεύεται τὸ πνεῦμα (3 a)  
 — 7. πορεύονται εἰς τὴν θάλασσαν (3 a)  
 — 7. εἰς τόπον οὐ οἱ χεῖμαρροι πορεύονται ἐκεῖ αὐτοὶ ἐπιστρέφονται τοῦ [B om.] πορευθῆναι (3 a, 3 a)



Ec. 2. 14. ὁ δῶρον ἐν σκότει πορεύεται (3 a)  
 3. 20. Α Β² τὰ πάντα πορεύεται [Β Β¹ om.] εἰς τόπον ἕνα (3 a)  
 4. 17. ἐν ᾧ εἰς πόρευσθαι [Β² τῷ πορεύεσθαι] εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (3 a)  
 5. 14. ἐπιστρέψας τοῦ πορευθῆναι ὡς ἤκει (3 a)  
 — 14. ἵνα πορευθῇ ἐν χειρὶ αὐτοῦ (3 c)  
 6. 4. ἐν σκότει πορεύεται (3 a)  
 — 6. μή οὐκ εἰς τόπον ἕνα πορεύεται [Β πορεύσ.] τὰ πάντα (3 a)  
 — 8. ὁ πένης οἶδε πορευθῆναι (3 a)  
 — 9. ἀγαθὸν δράμα ὀφθαλμῶν ὑπὲρ πορευόμενον ψυχῇ (3 a)  
 7. 3 (2). ἀγαθὸν πορευθῆναι εἰς οἶκον πένθους ἢ ἐτι [Β² παρὰ τὸ] πορευθῆναι εἰς οἶκον πότου (3 a, 3 a)  
 8. 3. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύσῃ (3 a)  
 — 10. Β² καὶ ἐκ τοῦ ἁγίου ἐπορεύθησαν [ΑΒΒ² om.] (3 b ?)  
 — 10. ἐπορεύθησαν καὶ ἐπηγήθησαν ἐν τῇ πόλει (3 b)  
 9. 10. ὅπου σὺ πορεύῃ ἐκεῖ (3 a)  
 10. 3. ἐν δὲ ὅταν δῶρον [Β δῶρον] πορεύηται (3 a)  
 — 7. ἀρχαῖον πορευόμενος ὡς δούλους (3 a)  
 — 15. οὐκ ἔγνω τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν (3 a)  
 12. 5. ἐπορεύθη ὁ ἄνθρωπος εἰς οἶκον αἰῶνος αὐ. (3 a)  
 Ca. 2. 11. ὁ νέτος ἀπῆλθεν ἐπορεύθη ἑαυτῷ (3 a)  
 4. 6. πορεύομαι ἑμᾶς πρὸς τὸ δρος (3 a)  
 7. 9 (10). πορευόμενος τῷ ἀδελφιδῷ μου (3 a)  
 Wi. 1. 11. φθίγῃ λαθραῖον κενὸν οὐ πορεύεται [Β¹ αἶ.] (3 a)  
 5. 21. πορεύονται εὐστοχοὶ βολίδες ἀστραπῶν (3 a)  
 6. 4. οὐδὲ κατὰ τὴν βουλὴν τοῦ θεοῦ ἐπορεύθητε (3 a)  
 15. 8. μετ' ὀλίγον πορεύεται ἐξ ἧς ἐλθὼν (3 a)  
 17. 18. ἡ ῥύθμις ὕδατος πορευομένου βῖα (3 a)  
 Si. 4. 17. διεστραμμένους πορεύεται [Α Β² -σεται] (3 a)  
 — 2. Β Β² τοῦ πορεύεσθαι ἐν ἐπιθυμίαις καρδίας σου (3 a)  
 5. 9. μὴ πορεύου ἐν πάσῃ ἀτραπῇ (3 a)  
 8. 15. μετὰ τολμῆς μὴ πορεύου ἐν δόξῃ (3 a)  
 12. 11. ἐὰν ταπεινωθῇ καὶ πορεύηται συγκεκευφώς (3 a)  
 18. 30. ὅπως τῶν ἐπιθυμῶν σου μὴ πορεύου (3 a)  
 22. 13. πρὸς ἀσύνετον μὴ πορεύου (3 a)  
 25. 26. εἰ μὴ πορεύεται κατὰ χεῖρά σου (3 a)  
 31 (34). 26. πάλιν πορευόμενος καὶ τὰ αὐτὰ ποιῶν (3 a)  
 34 (31). 8. δεσπότης χρυσίου οὐκ ἐπορεύθη (3 a)  
 35 (32). 20. ἐν δόξῃ ἀντιπαραστήσας μὴ πορεύου (3 a)  
 46. 10. καλὸν τὸ [Β om.] πορεύεσθαι ὅπως κυρίου (3 a)  
 Ho. 1. 3. καὶ ἐπορεύθη (3 a)  
 2. 5 (7). πορεύομαι [Α ἀκολουθῶν] ὅπως τῶν ἐραστῶν μου (3 a)  
 — 7 (9). πορεύομαι . . . πρὸς τὸν ἄνθρωπον μου (3 a)  
 — 13 (15). ἐπορεύετο ὅπως τῶν ἐραστῶν αὐ. (3 a)  
 3. 1. ἔτι πορεύηται καὶ ἀγᾶπτον (3 a)  
 5. 6. μετὰ προβάτων καὶ μῶσων πορεύονται (3 a)  
 — 11. ἤρετο πορεύεσθαι ὅπως τῶν ματαίων (3 a)  
 — 13. ἐπορεύθη Ἐφρ. πρὸς Ἀσσυρίους (3 a)  
 — 14. πορεύομαι καὶ λήψομαι (3 a)  
 — 15. πορεύομαι καὶ ἐπιστρέψω (3 a)  
 6. 1. πορευόμενος καὶ ἐπιστρέψωμεν (3 a)  
 — 5 (4). ὡς δρόσος ὀρθρινὴ πυρενομένη (3 a)  
 7. 11. εἰς Ἀσσυρίους ἐπορεύθησαν (3 a)  
 — 12. καθὼς ἀν πορεύονται (3 a)  
 9. 6. πορεύονται [Α -νός] ἐκ ταλαιπωρίας Λίγ. (3 a)  
 11. 10. ὅπως κυρίου πορεύομαι (3 a)  
 13. 3. ὡς δρόσος ὀρθρινὴ πορευομένη (3 a)  
 4. τοῦ πορεύεσθαι ὅπως αὐτῶν (3 a)  
 14. 7. πορεύονται οἱ κλάδοι αὐ. (3 a)  
 — 10. δικαίον πορεύονται ἐν αὐταῖς (3 a)  
 Am. 1. 15. πορεύονται οἱ βασιλ. αὐ. ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)  
 3. 1. πορεύονται δύο ἐπὶ τὸ αὐτὸ καθύλου (3 a)  
 5. 3. Α Εἰς ἧς ἐπορεύοντο [Β ἐξ.π.] χίλιοι (3 a)  
 — 3. Α Εἰς ἧς ἐπορεύοντο [Β ἐξ.π.] ἑκατὸν (3 a)  
 9. 4. ἐὰν πορευθῶν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)  
 Mi. 1. 8. πορεύεται ἀνυπόθετος καὶ γυμνὴ (3 a)  
 2. 3. οὐ μὴ πορευθῇ ὀρθοὶ ἐξαίφνης (3 a)  
 — 7. καὶ ὀρθοὶ πεπνυρημένοι (3 a)  
 — 10. ἀνάστηθι καὶ πορεύου (3 a)  
 4. 2. πορεύονται ἔθνη πολλά (3 a)  
 — 2. πορευόμεθα ἐν ταῖς τριβύς αὐ. (3 a)  
 — 5. πορεύονται ἕκαστος τὴν ὁδὸν αὐ. (3 a)  
 — 5. πορευόμεθα ἐν ὁνόματι κυρίου (3 a)  
 6. 8. τοῦ πορεύεσθαι μετὰ κ. θεοῦ σου (3 a)  
 — 16. ἐπορεύθη ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. (3 a)  
 Ji. 2. 7. ἕκαστος ἐν τῇ δόξῃ αὐ. πορεύεται (3 a)  
 — 8. καταβαρυνόμενοι ἐν τοῖς ὁπλοῖς αὐ. πορεύονται (3 a)

Jn. 1. 2. πορεύητι [Α πορεύου] εἰς Ν. (3 a)  
 — 8. Β² καὶ ποῦ πορεύει (3 a)  
 — 11, 13. ἡ θάλασσα ἐπορεύετο [Α Β² ἐπὼρ.] (3 a)  
 3. 2. πορεύητι εἰς Ν. (3 a)  
 — 3. ἐπορεύη εἰς Ν. (3 a)  
 Na. 2. 11 (12). ποῦ [Α οὐ] ἐπορεύθῃ λέων (3 a)  
 3. 10. εἰς μετωκισίαν πορεύεται αἰχμάλωτος (3 a)  
 Hb. 1. 6. τὸ πορεύομαι ἐπὶ τὰ πλάτη τῆς γῆς (3 a)  
 3. 5. πρὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύεται λόγος (3 a)  
 — 11. εἰς φῶς βολίδες σου πορεύονται (3 b)  
 Ze. 1. 17. πορεύονται ὡς τυφλοὶ (3 a)  
 Za. 2. 2 (6). ποῦ σὺ πορεύῃ (3 a)  
 3. 8 (7). ἐὰν ταῖς ὁδοῖς μου πορεύῃ (3 a)  
 6. 7. τοῦ πορεύεσθαι [Β om. τ. π.] τοῦ περιουδεύσαι [Β¹ om.] (3 a)  
 — 7. πορεύεσθε καὶ περιουδεύσατε τὴν γῆν (3 a)  
 8. 21. πορευόμενοι δεσφῆναι τοῦ προσώπου κ. (3 a)  
 — 21. πορεύομαι κατὰ (3 a)  
 — 23. πορευόμεθα μετα σὺ (3 a)  
 9. 14. πορεύεται [Α -σομαι] ἐν σάλφ ἀπειλῆς αὐ. (3 a)  
 Ma. 2. 6. ἐπορεύθῃ μετ' ἐμοῦ (3 a)  
 3. 14. ἐπορεύθημεν ἵνα τὸν προσώπου κυρίου (3 a)  
 Is. 2. 3. πορεύονται ἔθνη πολλὰ . . . πορευόμεθα [Β -σώμ.] ἐν αὐτῇ (3 a, 3 a)  
 — 5. πορευόμενοι τῷ φωτὶ κυρίου (3 a)  
 3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῇ τραχίᾳ (3 a)  
 6. 8. τίς πορεύεται πρὸς τὸν λαὸν τοῦτον (3 a)  
 — 9. πορεύητι [Β -εου] καὶ εἰπὸν (3 a)  
 8. 6. τὸ ὅδε ποῦ Σ. τὸ πορευόμενον ἡσυχῇ (3 a)  
 9. 2 (1). ὁ λαὸς ὁ πορευόμενος [Α καθῆμ.] ἐν σκότει (3 a)  
 18. 2. πορεύονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι (3 a)  
 19. 23. Αἰγύπτου πορεύονται πρὸς Ἀσσυρίους (3 a)  
 20. 2. πορεύου καὶ ἀφελὲ τὸν σάκκον . . . ποιήσον οὕτως πορευόμενος γυμνός (3 a, 3 a)  
 — 3. ὅν τρόπον πεπνυρημένοι αὐ. πᾶσι μου (3 a)  
 22. 15. πορεύου εἰς τὸ παστοφόριον (3 a + 3 a)  
 28. 13. Α Β ἵνα πορευθῶσιν [Β -σωσιν, Β πορεύωσι] (3 a)  
 30. 2. οἱ πορευόμενοι καταβῆναι εἰς Αἴγυπτον (3 a)  
 — 21. πορευόμενοι ἐν αὐτῇ (3 a)  
 33. 15. πορευόμενος [Β add. ἄμωμος] ἐν δικαιοσύνῃ (3 a)  
 — 21. οὐ πορεύηται τὴν ὁδὸν οὐδὲ πορεύεται πλοῖον ἐλαῖνον (3 a, 9)  
 34. 10. Β² οὐκ ἔστι αὐ. πορεύομαι. δι' αὐτῆς (3 a)  
 35. 8. οἱ δὲ διεσπαρμ. πορεύονται ἐπ' αὐτῆς (3 a ?)  
 — 9. πορεύονται ἐν αὐτῇ λευκονόμοι (3 a)  
 38. 3. ὡς ἐπορεύθη ἐνώπιόν σου (3 a)  
 — 5. πορεύητι [Α -εου] καὶ εἰπὸν (3 a)  
 — 10. Β² πορεύομαι [Α Β Β¹ om.] ἐν πύλαις γδοῦ (3 a)  
 41. 2. καὶ [Α om.] πορεύεται (3 a)  
 42. 24. οὐκ ἐβούλοντο ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ π. (3 a)  
 44. 3. δώσω . . . τοῖς πορευομ. ἐν ἀνύδρῳ (3 a)  
 45. 2. ἐμπροσθέν σου [Α αὐτοῦ] πορεύομαι (3 a)  
 — 16. πορεύονται ἐν αἰσχύνῃ (3 a)  
 46. 7. καὶ πορεύονται [Β -σονται] (3 a)  
 48. 17. τὴν ὁδὸν ἐν ᾗ πορεύῃ ἐν αὐτῇ (3 a)  
 50. 10. οἱ πορευόμενοι ἐν σκότει (3 a)  
 — 11. πορεύεσθε τῷ φωτὶ τοῦ πυρὸς ὑμῶν (3 a)  
 52. 12. Α οὐδὲ φυγῇ πορεύεσθε πορεύεται [Β Β πορπορ.] γὰρ πρότερος ὑμῶν κ. (3 a, 3 a)  
 55. 1. οἱ διψῶντες πορεύεσθε ἐφ' ὕδωρ (3 a)  
 57. 17. ἐπορεύθῃ στρυγλὸν ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (3 a)  
 59. 11. ἄμα πορεύονται (3 a)  
 60. 3. πορεύονται βασιλεῖς τῷ φωτὶ σου (3 a)  
 — 14. πορεύονται πρὸς σέ (3 a)  
 62. 10. πορεύεσθε διὰ τῶν πυλῶν μου (3 a)  
 65. 2. τοῖς πορευομ. [Α Β¹ οὐκ ἐπορεύθησαν] ὁδὸς οὐ καλὴ [Α Β² ἀληθινῇ] (3 a)  
 Je. 1. 7. πρὸς πάντας . . . πορεύσῃ (3 a)  
 — 7. πορεύονται ὅπως τῶν ματαίων (3 a)  
 — 8. ὅπως ἀνωφελούς ἐπορεύθησαν (3 a)  
 — 20. πορεύομαι ἐπὶ πάντα θουνὸν ὑψ. (3 a)  
 — 23. ὅπως τῆς Βάαλ οὐκ ἐπορεύθη (3 a)  
 — 25. ὅπως αὐτῶν ἐπορεύετο (3 a)  
 8. 6. ἐπορεύθησαν ἐπὶ πᾶν δρος ὑψηλῶν (3 a)  
 — 8. ἐπορεύθη καὶ ἐπύρνεσε καὶ ἀνάγει (3 a)  
 — 12. πορεύου [Α -εὐνῃ] καὶ ἀνάγει (3 a)  
 — 17. οὐ πορεύονται ἐπὶ ὅπως τῶν ἐνθυμμάτων τῆς καρδίας αὐ. τῆς πορ. (3 a)  
 5. 5. πορεύομαι πρὸς τοὺς ἀδρούς (3 a)

Je. 6. 16. ἔψαν, οὐ πορευόμεθα (3 a)  
 — 28. πάντες ἀνῆλθοι πορευόμενοι σκολιῶς (3 a)  
 7. 6. ὅπως θεῶν ἀλλοτρίων μὴ πορεύσθε [Α -σθε] (3 a)  
 — 9. ἐπορεύεσθε [Α πορ.] ὅπως θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)  
 — 12. Α Β² Β πορεύητι [Β Β¹ ἐπορ.] εἰς τὸν τόπον μου τὸν ἐν Σηλῷ (3 a)  
 — 23. πορεύεσθε ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς μου (3 a)  
 — 24. Α Β Β ἐπορεύθησαν ἐν Β Β¹ om.] τοῖς ἐνθυμῶσι (3 a)  
 8. 2. ὡν ἐπορεύθησαν ὅπως αὐτῶν (3 a)  
 9. 4 (3). πᾶς φίλος δολίως πορεύεται (3 a)  
 — 14 (13). ἐπορεύθησαν ὅπως τῶν ἀρεστῶν [Α ἐρασ.] τῆς καρδίας αὐτῶν (3 a)  
 10. 2. Α μὴ πορεύεσθε [Β Β² μανθάνετε] (3 a)  
 — 5. οὐ πορεύονται (3 a)  
 — 23. οὐδὲ ἀνὴρ πορεύεται (3 a)  
 11. 10. πορεύονται [Α Β βαδίζουσιν] ὅπως θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)  
 — 12. πορεύονται πάλιν Ἰούδα (3 a)  
 13. 5. ἐπορεύθη [Β¹ om.] καὶ ἔκρυψα αὐτό (3 a)  
 — 7. ἐπορεύθη ἐπὶ τὸν Εὐφράτην ποταμὸν (3 a)  
 — 10. τοὺς . . . πορεύονται [Β Β¹ -ομένους] ὅπως θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)  
 14. 18. ἐπορεύθησαν εἰς γῆν [Α ἐπ. ὁδόν] (3 a)  
 15. 6. ὅπως πορεύσῃ (3 a)  
 16. 5. μὴ πορευθῇς τοῦ κόψασθαι (3 a)  
 — 12. Β¹ ἐπονηρυσάσθε ὑπὲρ τοὺς πατέρας ὑ. . . πορεύεσθε κακῶς τοῖς δολήμασιν ἀρεστῶν τῆς καρδίας ὑ. [Α Β Β² αἶ.] (3 a, 3 a)  
 18. 12. ὅπως τῶν ἀποστρεφῶν ἡμῶν πορευόμεθα [Β¹ -σώμ.] (3 a)  
 19. 8. Β¹ πᾶς ὁ πορεύομαι [ΑΒΒ² παραπ.] ἐπ' αὐτῆς (3 a)  
 20. 6. πορεύεσθε [Β -εὐσε] ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)  
 22. 1. πορεύου καὶ κατὰ θῆτι (3 a)  
 23. 14. ἑώρακα . . . πορευόμενος ἐν ψεύδει (3 a)  
 — 17. καὶ πᾶσι τοῖς πορευομ. τοῖς δολήμασιν αὐ. παντὶ τῷ πορευομ. πλῆρῃ καρδίας αὐ. (3 a)  
 25. 6. μὴ πορεύεσθε ὅπως θεῶν ἀλλοτρίων (3 a)  
 26 (46). 22. ἐν ἄμωμ πορεύονται [Α Β -σονται] (3 a)  
 27 (50). 4. κλαίοντες πορεύονται (3 a)  
 28 (51). 50. ἀνασωόμενοι ἐκ γῆς πορεύεσθε (3 a)  
 — 59. ἐπορεύετο . . . εἰς Βαβυλῶνα (3 a)  
 33 (26). 4. τοῦ π. ἐν τοῖς νομίμοις [Α -μοις] μου (3 a)  
 38 (31). 21. ὁδὸν ᾗ ἐπορεύθη ἀποστρεφῆθι (3 a)  
 39 (32). 23. ἐν τοῖς προστάγμασι σου οὐκ ἐπορεύθησαν [Β Β² βάδισον] εἰς οἶκον [Β -ίαν] Ἀρχαβείν (3 a)  
 — 13. πορεύου καὶ εἰπὸν ἀνθρώπῳ Ἰούδα (3 a)  
 — 15. οὐ πορεύεσθε ὅπως θεῶν ἐτέρον (3 a)  
 44 (37). 12. τοῦ πορευθῆναι [Β -εὐσε] εἰς γῆν Βενιαμίν (3 a)  
 46 (39). 16. πορεύου καὶ εἰπὸν (3 a)  
 47 (40). 5. τοῦ πορευθῆναι καὶ πορεύου (3 a, 3 a)  
 — 15. πορεύομαι [Β -εὐομαι] ᾗ (3 a)  
 48 (41). 6. αὐτοὶ ἐπορεύοντο καὶ ἔκλειον (3 a)  
 — 17. τοῦ πορευθῆναι [Α add. εἰσελθεῖν] εἰς Αἴγυπτον (3 a + 3 a)  
 49 (42). 3. τὴν ὁδὸν ᾗ πορευόμεθα ἐν αὐτῇ (3 a)  
 51 (44). 3. πορευθέντες θυμᾶν θεοῖς ἐτέροις (3 a)  
 — 23. ἐν τοῖς μαρτυρίαις αὐτοῦ οὐκ ἐπορεύθητε (3 a)  
 52. 7. ἐπορεύθησαν [Α ψῆοντο] ὁδὸν τὴν εἰς ἀραβα (3 a)  
 Ba. 1. 18. π. [Α add. ἐν] τοῖς προστάγμασι κυρίου (3 a)  
 2. 10. π. τοῖς προστάγμασι κυρίου (3 a)  
 3. 13. τῇ δόξῃ τοῦ θεοῦ εἰ ἐπορεύθῃς (3 a)  
 — 33. ὁ ἀποστέλλων τὸ φῶς καὶ πορεύεται (3 a)  
 4. 13. οὐδὲ ἐπορεύθησαν ὁδοῖς ἐντολῶν θεοῦ (3 a)  
 — 26. οἱ τρυφεροὶ μου ἐπορεύθησαν ὁδοῖς τραχείας (3 a)  
 La. 1. 5. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)  
 — 6. ἐπορεύοντο ἐν οὐχί ἰσχυρί (3 a)  
 — 18. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)  
 2. 21. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 a)  
 4. 9. ἐπορεύθησαν ἐκκεκνηγμένοι (3 a)  
 — 18. τοῦ μὴ π. [Α παραπ.] ἐν ταῖς πλατείαις ἡμῶν (3 a)  
 Ez. 1. 9. ἀπέναντι τοῦ προσώπου αὐ. ἐπορεύοντο (3 a)  
 — 12. ἐκάστην κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπορεύετο οὐ ἂν ἦν τὸ πνεῦμα πορευόμενον [Α -εὐτο] (3 a, 3 a)  
 — 17. ἐπὶ τὰ τέσσαρα μέρη αὐ. ἐπορεύοντο (3 a)



- Εζ. 1. 17. οὐκ ἐπέστρεφον ἐν τῇ π. αὐτῇ (3 α)  
 — 19. ἐν τῇ π. τὰ ζῶα ἐπορεύοντο οἱ τροχοί (3 α, 3 α)  
 — 20. ἐκεῖ τὸ πνεῦμα τοῦ π. ἐπορεύοντο οἱ τροχοί [Α. τῇ ζῶα] (3 α, 3 α)  
 — 21. ἐν τῇ π. αὐτῇ ἐπορεύοντο (3 α, 3 α)  
 — 24. ἐν τῇ π. αὐτῇ —  
 — 24. Α. ἐν τῇ π. αὐτῇ (3 α)  
 3. 1. πορεύθητι καὶ λάλησον  
 — 14. ἐπορεύθη [Α. add. μετέωρος] ἐν ὁρμῇ τοῦ πνευμάτος μου (3 α)  
 5. 6. ἐν τοῖς νομίμοις μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 — 7. ἐν τοῖς νομίμοις μου οὐκ ἐπορεύητε (3 α)  
 7. 14. Α. οὐκ ἔστιν πορευόμενος εἰς τὸν πόλεμον (3 α)  
 9. 5. πορεύσθε ὅπως αὐτοῦ εἰς τὴν πόλιν (9)  
 10. 11. ἐν τῇ π. αὐτῇ εἰς τὰ τέσσαρα μέρη αὐτῶν ἐπορεύοντο (3 α, 3 α)  
 — 11. καὶ οὐκ ἐπιστρέφον ἐν τῇ π. αὐτῇ (3 α)  
 — 11. ἐπορεύοντο καὶ οὐκ ἐπέστρεφον ἐν τῇ π. αὐτῇ (3 α, 3 α)  
 — 16. ἐν τῇ π. τὰ χερουβὶμ ἐπορεύοντο [Α. add. καὶ] οἱ τροχοί (3 α, 3 α)  
 — 22. ἔκαστον κατὰ τὸ πρὸς. αὐ. ἐπορεύοντο (3 α)  
 11. 20. ὅπως ἐν τοῖς προστάγμασι μου πορεύωμαι (3 α)  
 — 21. ὡς ἡ καρδία αὐτῶν ἐπορεύετο (3 α)  
 12. 11. ἐν αἰχμαλωσίᾳ πορεύονται (3 α)  
 16. 47. οὐδ' ὡς ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐ. ἐπορεύθη (3 α)  
 18. 9. τοῖς προστάγμασι μου πεπερόνται (3 β)  
 — 11. ἐν τῇ ὁδῷ . . . οὐκ ἐπορεύη +  
 — 17. ἐν τοῖς προστάγμασι μου ἐπορεύη (3 α)  
 20. 13. ἐν τοῖς προστάγμασι μου πορεύσθε —  
 — 13. καὶ οὐκ ἐπορεύθησαν [Α. αἰ.] (3 α)  
 — 16. ἐν τοῖς προστάγμασι μου οὐκ ἐπορεύθησαν . . . ὅπως τῶν ἐθνικῶν καρδίας αὐ. ἐπορεύοντο (3 α, 3 α)  
 — 18. ἐν τοῖς νομίμοις τῶν πατέρων ὑμῶν μὴ πορεύσθε (3 α)  
 — 19. ἐν τοῖς προστάγμασι μου πορεύσθε (3 α)  
 — 21. ἐν τοῖς προστάγμασι μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 α)  
 23. 31. ἐν τῇ ὁδῷ τῆς ἀδελφῆς σου ἐπορεύης (3 α)  
 25. 3. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ (3 α)  
 80. 17. ἐν αἰχμαλωσίᾳ πορεύονται [Α. αἰ.] (3 α)  
 82. 14. οἱ ποτ. αὐ. ὡς ἔλαιον πορεύονται (3 β)  
 86. 27. ἴνα ἐν τοῖς δικαιομασί μου πορεύησθε (3 α)  
 87. 24. ἐν τοῖς προστάγμασι μου πορεύονται [Α. -σονται] (3 α)  
 Da. LXX. Su. 19. πορευθῶμεν πρὸς αὐτὴν  
 6. 19 (20). καὶ πορευθεὶς ἔστη (1 α)  
 Bel 3. ἐπορεύετο ὁ βασιλ. καθ' ἑκάστην ἡμέραν — 32. ἐπορεύετο εἰς τὸ πᾶν  
 Da. Th. Su. 13. πορευθῶμεν δὲ εἰς οἶκον  
 4. 14. πάντας τοὺς πορευομένους ἐν ὑπερηφανίᾳ (3 β)  
 9. 10. πορεύσθαι ἐν [Α. om.] τοῖς νόμοις αὐ. (3 α)  
 Bel 4. ἐπορεύετο καθ' ἑκάστην ἡμέραν  
 — 33. ἐπορεύετο [Α. -εὐθ] εἰς τὸ πᾶν  
 I Ma. 1. 11. πορευθῶμεν καὶ διαβώμεθα  
 — 13. ἐπορεύθησαν πρὸς τὸν βασιλ.  
 — 44. πορευθῆναι ὅπως νομίμων ἀλλοτρίων τῆς γῆς  
 2. 20. ΒΒ πορευσόμεθα [Α. -σώμ.] ἐν διαθήκῃ πατέρων ἡμῶν  
 3. 31. ἰβουλεύσατο τοῦ πορευθῆναι εἰς τὴν Π.  
 5. 17. καὶ πορεύου  
 — 17. πορευσόμεθα εἰς τὴν Γαλ.  
 — 20. τοῦ πορευθῆναι εἰς τὴν Γαλ.  
 — 21. ἐπορεύη Σ. εἰς τὴν Γαλ.  
 — 24. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τριῶν ἡμερῶν  
 — 29. Α. Β. ἐπορεύετο [Β. -οντο] ὥς ἐπὶ τὸ ὀχύρωμα  
 — 39. ἐπορεύη 'Ι. εἰς συνάντησιν αὐτῶν  
 — 46. διὰ μέσου αὐτῆς πορεύεσθαι  
 — 57. πορευθῶμεν πολέμῳ πρὸς τὰ ἔθνη  
 — 58. ἐπορεύθησαν ἐπὶ 'Ι.  
 — 66. τοῦ πορευθῆναι εἰς γῆν ἀλλοφύλων  
 6. 5. αἱ παρεμβολαὶ αἱ πορευθεῖσαι εἰς γῆν 'Ι.  
 — 6. ἐπορεύη Α. δυνάμει ἰσχυρῇ  
 — 22. ἐπορεύθησαν πρὸς τὸν βασιλ.  
 — 23. πορεύεσθαι τοῖς ὑπ' αὐτοῦ λεγομένοις  
 — 36. οὐ ἐάν πορεύετο ἐπορεύοντο ἅμα  
 — 56. Α. Β. αἱ δυνάμεις αἱ πορευθεῖσαι [Β. add. μετὰ] τοῦ βασιλ.  
 — 59. τοῦ πορεύεσθαι τοῖς νομίμοις αὐ.  
 7. 7. πορευθεὶς ἴδων τὴν ἐξολέθρευσιν πᾶσαν  
 — 24. Β. τοῦ πορευθῆναι [Β. ἐκπ., Α. πορευθῆναι] εἰς τὴν χώραν

- I Ma. 8. 6. Ἀντίοχον . . . τὸν πορευθέντα ἐπ' αὐτούς  
 — 19. ἐπορεύθησαν εἰς Ῥώμην  
 9. 2. ἐπορεύθησαν ὁδὸν τὴν εἰς Γ.  
 — 4. ἐπορεύθησαν εἰς Β.  
 — 59. πορευθέντες συνβουλευσάμενοι αὐτῷ  
 10. 37. πορευθεῖσαν τοῖς νόμοις αὐ.  
 — 60. ἐπορεύη μετὰ δόξης εἰς Πτ.  
 — 77. ἐπορεύη εἰς Ἀζωτον  
 11. 7. ἐπορεύη 'Ιων. . . ὥς τοῦ ποταμοῦ  
 — 21. ἐπορεύθησαν [Β' -θμῆν] τινας  
 — 24. ἐπορεύη πρὸς τὸν βασιλ.  
 — 39. ἐπορεύη πρὸς Εἰμ.  
 12. 3. ἐπορεύθησαν εἰς Ῥώμην  
 — 3. Α. ἐπορεύθησαν [Β. εἰσῆλθον] εἰς τὸ βουλευτήριον  
 — 17. πρὸς ὑμᾶς πορευθῆναι  
 — 50. ἐπορεύοντο συνεστραμμένοι  
 13. 20. εἰς πάντα τόπον οὗ ἂν ἐπορεύετο  
 — 31. ἐπορεύετο δόλῳ μετὰ Ἀντίοχου  
 14. 1. ἐπορεύη εἰς Μ.  
 — 3. ἐπορεύη καὶ ἐπάταξε  
 — 36. Β' ἐξ ἧς ἐπορεύοντο [Α. Β' ἐξεπορ.]  
 16. 4. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὸν Κ.  
 — 5. Α. Β. ἐπορεύοντο [Β. -εὐθῆσαν] εἰς τὸ πᾶν  
 [Ag. Ge. 33. 12: Ex. 4. 18: 5. 7: Dt. 11. 19: III Ki. 14. 2. 4. 7, 8, 9, 12, 17: 17. 5 δις: 22. 49 δις, 50: IV Ki. 1. 2: 5. 24: 7. 14: 8. 1: Jb. 20. 25: 23. 8: Ps. 25 (26). 11: 81 (82). 8: 57 (58). 9: 80 (81). 13: Pr. 6. 3, 6: 21. 28: Ca. 4. 6: 5. 17 (6). 1: Is. 13. 2: 23. 21: 27. 2: 65. 2: Jb. 9. 13 (12): 13. 5, 10: 29 (30). 12: 30 (37). 16: 37 (44). 9 δις: 41 (48). 6 δις, 10, 17: 44 (51). 10: 46 (26). 22: 51 (28). 59: Ez. 1. 9: 10. 11 (P.): 20. 16: 33. 31 (Sw.): Mt. 2. 7.]  
 [Sm. Ge. 15. 2: 33. 12: Ex. 4. 18: Dt. 10. 11: 11. 19: II Ki. 8. 3: III Ki. 17. 5: IV Ki. 6. 2, 13: 8. 8: Ps. 137 (138). 7: Pr. 6. 3, 6: 21. 28: Ec. 1. 7: Ca. 1. 8: Is. 8. 11: 18. 2: 33. 21: 42. 5: 51. 20: 57. 2: 65. 2: Jb. 81 (88). 2: 37 (44). 9 (Sw.): 41 (48). 6 δις, 12, 17: 61 (28). 59: Ez. 1. 9.]  
 [Th. Ex. 4. 18: 5. 7: Dt. 10. 11: 11. 19: Jo. 1. 7: Jd. 9. 9: 12. 1: III Ki. 17. 5: IV Ki. 7. 14: Jb. 20. 25: 29. 20: Pr. 4. 18: 6. 3, 6: 20. 14, 19: 21. 28: Ec. 4. 17: Is. 18. 2: 55. 1: 57. 2: 65. 2: Jb. 2. 1: 11. 8: 13. 5, 10: 27 (84). 18: 29 (30). 12: 41 (48). 6 δις: 46 (26). 22: Ez. 1. 9, 12 (Sw.): 17, 24: 7. 14: 10. 11 (P.): 11. 12 (Sw.): 13. 3: 20. 16: 33. 31 (Sw.): Mt. 6. 8.]  
 [Al. Ge. 18. 22: 31. 19, 30 δις: Ex. 10. 11: Nu. 22. 7: Dt. 1. 8: 6. 7: 13. 6 (7): III Ki. 22. 49 δις: Pr. 1. 15: Jb. 10. 2: 31 (38). 2: 41 (48). 12: Hb. 3. 11.]  
 [Quint. IV Ki. 8. 8: Ps. 25 (26). 11.]  
 [Sext. Ps. 25 (26). 11.]

### πόρευσις. (1) פָּרַץ (2) פָּרַץ

- Ge. 33. 14. κατὰ σχολὴν τῆς π. τῆς ἐναντίου μου (2)  
 Za. 8. 21. Β' πορευθῶμεν πορεύσει [Α. Β. om.] δεξιῇ (1)

### πορευτός.

- Es. 3. 13. τὴν τε βασιλείαν . . . πορευτὴν . . . παρεξόμενος

- II Ma. 5. 21. τὸ πᾶν πορευτὸν θέσθαι

### πορβεῖν.

- IV Ma. 4. 23. ὡς ἐπὶ ὁρμῇ αὐτοῦ

11. 4. τί δρᾶσαντας ἡμᾶς τοῖτον πορβεῖν τὸν τρόπον  
 [Sm. Dt. 2. 34: Jb. 34 (41). 22: 37 (44). 8.]

### πορβομῆν. (1) פָּרַץ

- Da. Th. 1. 3. Α. καὶ ἀπὸ τῶν π. [Β. φορβ.] (1)

### πορία, πόριον, vid. πορεία, πορείον.

### πορίζειν.

- Wi. 15. 12. δεῖν γὰρ φησιν [Α. φασιν] ὅθεν δὴ [Β. om. δ. δὴ] καὶ [Α. καὶ] ἐκ κακοῦ πορίζειν [Sm. Ec. 9. 11.]

### πορισμός.

- Wi. 13. 19. περὶ δὲ πορισμοῦ καὶ ἐργασίας  
 14. 2. ἐκείνο μὲν γὰρ ὄρεξις πορισμῶν ἐπενόησε

### πορνεία (-ρία). (1) א. פִּזְנוּ ב. פִּזְנוּ c. פִּזְנוּ d. פִּזְנוּ

- Ge. 38. 24. ἐν γαστρὶ ἔχει ἐκ πορνείας (1 α)  
 Nu. 14. 33. ἀνοίσουσι τὴν π. (1 β)  
 IV Ki. 9. 22. αἱ π. 'Ιεζ. τῆς μητρὸς σου (1 α)  
 To. 4. 12. Α. Β. πρόσχε . . . ἀπὸ πάσης π.  
 8. 7. οὐ διὰ πορνείαν ἐγὼ λαμβάνω τὴν ἀδ. μου τ.  
 Pr. 26. 7. Β' ἀφελὺ πορνείαν [Α. Β. Β' πορνείαν] σκελῶν +

- Wi. 14. 12. ἀρχὴ γὰρ πορνείας ἐπίνοια ἐιδώλων  
 Si. 23. 23. καὶ τὸ τρίτον ἐν πορνείᾳ ἐμοιχεύθη  
 26. 9. πορνεία γυναικὸς ἐν μετεωρισμοῖς ὀφθαλμῶν  
 41. 17. αἰσχύνεσθε ἀπὸ πατρὸς καὶ μητρὸς περὶ πορνείας [Β' ἀπὸ πορνείας]

- Ho. 1. 2. λάβε σεαυτὴ γυναικα πορνείας καὶ τέκνα πορνείας (1 α, 1 α)  
 2. 4 (4). ἐξάρω τὴν π. αὐ. ἐκ προσώπου μου (1 α)  
 — 4 (6). τέκνα πορνείας ἔστιν (1 α)  
 4. 11. πορνείαν . . . ἰδέσθαι καρδία λαοῦ μου (1 β)  
 — 12. πνεύματι πορνείας ἐπληθύθησαν (1 α)  
 5. 4. πνεῦμα πορνείας ἐν αὐτοῖς ἔστι (1 α)  
 6. 11 (10). εἶδον φρικτὴν ἐκεί πορνείαν τοῦ ἔθους (1 β)

- Mi. 1. 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνήγαγε (1 α)  
 — 7. ἐκ μισθωμάτων πορνείας συνεστρέγγε (1 α)

- Na. 3. 3 (4). ἀσθενήσουσαν . . . ἀπὸ πλῆθους πορνείας (1 α)  
 — 4. ἡ παλοῦσα ἔθνη ἐν τῇ π. αὐ. (1 α)  
 Is. 47. 10. Β. τῇ ἐλπίδι τῆς π. [Α. Β. πορνείας] σου +  
 — 10. ἡ π. σου οὐ αἰσχύνη +  
 57. 9. ἐπληθύνας τὴν π. σου μετ' αὐτῶν +  
 Je. 2. 20. ἐκεῖ διαχυθήσονται ἐν τῇ π. μου (1 α)  
 3. 2. ἐμίανας τὴν γῆν ἐν ταῖς π. σου (1 β)  
 — 9. ἐγένετο εἰς οὐδὲν ἡ π. αὐτῆς (1 β)  
 13. 27. ἡ ἀπαλλοτρίωσις τῆς π. [Β. πορνείας] σου (1 β)

- Ez. 16. 15. ἐξέχεας τὴν π. σου  
 — 22. τοῦτο παρὰ πᾶσαν τὴν π. σου (1 α)  
 — 25. ἐπληθύνας τὴν π. σου (1 α)  
 — 33. τοῦ ἐρχεσθαι πρὸς σέ κυκλόθεν ἐν τῇ π. σου (1 α)  
 — 34. παρὰ τὰς γυναῖκας ἐν τῇ π. σου (1 α)  
 — 36. ἀποκαλυφθήσεται ἡ αἰσχυνή σου ἐν τῇ π. σου (1 α)  
 — 41. ἀποστρέψω σε ἐκ πορνείας [Α. ἀπὸ τῆς π. σου] (1 α)

23. 7. ἔδωκε τὴν π. αὐτῆς ἐπ' αὐτοῖς  
 — 8. τὴν π. αὐτῆς ἐξ Ἀγγ. οὐκ ἐγκατέλειπε . . . ἐξέχεαν τὴν π. αὐ. ἐπ' αὐτὴν (1 α, 1 α)  
 — 11. τὴν π. αὐ. ὑπὲρ τὴν π. τῆς ἀδ. αὐ. (1 α, 1 α)  
 — 14. προσέθετο πρὸς τὴν π. αὐτῆς  
 — 17. ἐμίανον αὐτὴν ἐν τῇ π. αὐτῆς (1 α)  
 — 18. ἀπεκάλυψε τὴν π. αὐτῆς (1 α)  
 — 19. ἐπληθύνας τὴν π. σου (1 α)  
 — 27. ἀποστρέψω . . . τὴν π. σου (1 β)  
 — 29. ἀποκαλυφθήσεται αἰσχυνή πορνείας [Α. ἡ αἰ. σου πορνεία] σου (1 β)

- 30 (29). ἡ π. σου ἐποίησε ταῦτά σοι (1 α)  
 — 35. λάβε τὴν ἀσβείαν σου καὶ τὴν π. σου (1 α)  
 48. 7. οἱ ἡγούμενοι αὐτῶν ἐν τῇ π. αὐτῶν (1 β)  
 — 9. νῦν ἀπωσάσθωσαν τὴν π. αὐτῶν (1 β)  
 [Sm. Ez. 23. 43.]  
 [Th. Ez. 16. 58: 23. 21, 27, 48.]

### πορνεῖον (-νιον). (1) פִּזְנוּ (2) פִּזְנוּ

- Ez. 16. 25. φθοδόμῃσας τὰ π. σου (2)  
 — 31. τὸ π. φθοδόμῃσας (1)  
 — 39. κατασκάψουσι τὸ π. σου (1)  
 [Sm. Nu. 25. 8: Ez. 16. 24.]  
 [Th. Ez. 16. 24.]

### πορνείων. (1) פִּזְנוּ a. qal. b. pu. c. hi.

### (2) πορνείων פִּזְנוּ

- De. 23. 17 (18). οὐκ ἔσται πορνείων ἀπὸ νῦν ἰσρ. (2)  
 Jd. 2. 15. Α. οἱς ἐπόρνεον [Β. ἐξεπορεύοντο, Β. ἐπορεύοντο] +  
 I Ch. 5. 25. ἐπόρνεον ὅπως θεῶν τῶν λαῶν (1 α)  
 Ps. 72 (73). 27. ἐξολέθρευας πάντα τὸν πορνεύοντα ἀπὸ σοῦ (1 α)  
 105 (106). 39. Β. ἐπόρνευσαν ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν (1 α)  
 Ho. 3. 3. καὶ οὐ μὴ πορνύσης (1 α)  
 4. 10. ἐπόρνευσαν καὶ οὐ μὴ κατευνώσωσι (1 α)

Ho. 4. 14. όταν πορνέυσουν (1a)  
— 18. πορνέουσιν ἐξεπόρνευσαν (1c)  
9. 1. ἐπόρνευσαν ἀπὸ τοῦ θεοῦ σου (1a)  
Am. 7. 17. ἡ γυνὴ σου ἐν τῇ πόλει πορνέουσι (1a)  
Je. 3. 6. ἐπόρνευσαν [A<sup>1</sup> -εν] ἐκεῖ (1a)  
— 7. μετὰ τὸ πορνέυσαι αὐτὴν ταῦτα πάντα +  
— 8. ἐπορεύθη καὶ ἐπόρνευσεν καὶ αὐτὴ (1a)  
Ez. 6. 9. Β τοῖς πορνέουσιν [A B ἐκπ.] ὅπως  
τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐτῶν (1a)  
16. 15. ἐπόρνευσας ἐπὶ τῷ ὀνόματί σου (1a)  
— 34. μετὰ σοῦ πεπορνεύκασιν (1b)  
23. 3. Ἀ ἐν τῇ νεότητι αὐτῶν ἐπόρνευσαν [B om.] (1a)  
— 19. ἐν αἷς ἐπόρνευσας ἐν Αἰγύπτῳ (1a)  
[Sm. Ez. 23. 3, 43 : Ho. 4. 15.]  
[Th. Ez. 23. 3 : Ho. 4. 15 : Am. 7. 17.]  
[Al. Ez. 23. 3 : Ho. 4. 15 : Am. 7. 17.]  
[Quint. Ho. 4. 15.]

πόρνη. (1) נָזִי (2) זָנָה (3) ἐκ πόρνης  
זָנָה (4) γυνὴ πόρνη נָזִי

Ge. 38. 31. ὥστε πόρνη χρήσονται τῇ ἀδ. ἡμῶν (1)  
38. 15. ἔδοξεν αὐτῇ πόρνη εἶναι (1)  
— 21. ποῦ ἔστιν ἡ π. ἡ γενομένη ἐν Αἰ. (2)  
— 21. οὐκ ἦν ἐνταῦθα πόρνη (2)  
— 22. μὴ εἶναι ἐνταῦθα πόρνη (2)  
Le. 21. 7. γυναῖκα π. . . οὐ λήψονται (1)  
— 14. χήραν δὲ . . . καὶ πόρνην ταύτας οὐ  
λήψεται (1)  
De. 23. 2 (3). Α<sup>2</sup>Β<sup>2</sup>Β<sup>2</sup> οὐκ εἰσελεύσεται ἐκ πόρνης (3)  
— 17 (18). οὐκ ἔσται π. ἀπὸ θυγατρῶν Ι. (2)  
— 18 (19). οὐ προσποιεῖται μισθῶμα πόρνης (1)  
Jo. 2. 1. εἰς οἶκον γυναῖκος π. (1)  
6. 16 (17). Ραββὴ τὴν π. περιποιήσασθε (1)  
— 22 (23). ἐξηγάσαν Ρ. τὴν π. (1)  
— 24 (25). Ραββὴ τὴν π. . . ἐξώρτησεν (1)  
Jd. 11. 1. υἱὸς γυναῖκος π. (1)  
16. 1. εἶδεν ἐκεῖ γυναῖκα π. (1)  
III Ki. 3. 16. δάδωσαν δύο γυναῖκες πόρραι (1)  
12. 24. Β Σαρὰ γυνὴ π. [B al.] (1)  
20 (21). 19. αἱ [A om.] π. λούονται ἐν τῷ αἵμ. σου (1)  
22. 38. αἱ π. ἐλουσάντο ἐν τῷ αἵματι (1)  
Pr. 6. 3. ἀπὸ χελέων γυναῖκος πόρνης (1)  
6. 26. τιμὴ γὰρ πόρνης ὅση καὶ ἐνδὲ ἀρνιου (1)  
29. 3. ὅς δὲ ποιεῖται πόρνας ἀπολεῖ πλοῦτον (1)  
Si. 9. 6. μὴ ὄφει πόρνας τὴν ψυχὴν σου (1)  
19. 2. οὐ κολλώμενος πόρραις (1)  
Ho. 4. 14. μετὰ τῶν π. συνεφόρουντο (1)  
— 14 (15). συνεπλέκον μετὰ πόρνης (1)  
Jl. 8 (4). 3. ἔδοξαν τὰ παιδιάρια πόρραις (1)  
Na. 3. 4. π. καλὴ καὶ ἐπίχαρις (1)  
Is. 1. 21. πᾶς ἐγένετο π. πόλις πιστὴ Σιών (1)  
23. 15. ἔσται Τυρός ὡς ὄψμα πόρνης (1)  
— 16. ῥέμβουσιν, πόλις πόρνη ἐπιλεηλεσμένη (1)  
57. 3. σπέρμα μοιχῶν καὶ πόρνης (1)  
Je. 3. 3. ὅψιν πόρνης ἐγένετό σοι (1)  
6. 7. ἐν οἴκῳ πορνῶν κατέλυον (1)  
Ep. Je. 11. δάσωσι . . . ταῖς ἐπὶ τοῦ στέγους π. (1)  
Ez. 16. 30. ἔργα γυναῖκος πόρνης (1)  
— 31. ἐγένον ὡς π. συνάγουσα μισθώματα (1)  
— 35. π. ἔδωκε λόγον κυρίου (1)  
23. 43. ἔργα πόρνης καὶ αὐτὴ ἐξεπόρνευσεν [A  
ἐ. γυναῖκος π. ἐποίησεν] (1)  
— 44. εἰσπορεύονται πρὸς γυναῖκα πόρνην  
[Aq. Pr. 7. 10 : 29. 3 : Ez. 16. 34.]  
[Sm. Pr. 7. 10 : 28. 27 : Ez. 16. 33.]  
[Th. Pr. 6. 24 : Ez. 16. 34.]

πορνικός. (1) נָזִי (2) οἰκισμ. π. נָזִי  
Pr. 7. 10. εἶδος ἔχουσα πορνικὴν (1)  
Ez. 16. 24. ἐκδοθήσας σεαυτῇ οἰκισμ. πορνικόν (2)

πορνοκόπος.  
Pr. 23. 21. πᾶς γὰρ μέθυσος καὶ πορνοκόπος  
πτωχεύσει +

πόρνος.  
Si. 23. 16. ἄνθρωπος πόρνος ἐν σώματι σαρκὸς αὐτοῦ  
— 17. ἀνδρῶν πόρνος πᾶς ἄρτος ἡδύς  
— 18. Ἀ ἄνθρωπος πόρνος [B om.] παραβαίνειν  
ἀπὸ τῆς κοίτης αὐτοῦ

πόρος. (1) פָּרוֹס  
III Ki. 10. 28. Α καὶ ἐκ ἐλ. πόροι [B ἐμπ.] (1)  
I Ma. 12. 40. Α Β ἐξήτει πόρον τοῦ [B om. π. τ.]  
συλλαβῆς

πόρνη.  
I Ma. 10. 89. ἀπέστειλεν αὐτῶν π. χρυσὴν  
11. 58. καὶ ἔχειν π. χρυσὴν  
14. 44. ἐμπορεύσασθαι π. χρυσὴν

πόρρω. (1) α. פָּרוֹרָה δ. פָּרוֹרָה c. רִיחָה  
d. רִיחָה (2) π. ἀπέχειν פָּרוֹרָה pi. (3) π.  
γίνεσθαι פָּרוֹרָה (4) π. ποιεῖν פָּרוֹרָה hi.  
(5) ἔως π. פָּרוֹרָה-יָד

II Ch. 26. 15. ἡκούσθη . . . ἔως π. (5)  
Jb. 6. 4. π. γένοιτο [A ἐγένοντο] οἱ υἱοὶ αὐ. (8)  
11. 14. π. ποιήσων αὐτὸ ἀπὸ σοῦ (4)  
22. 18. βουλή δὲ ἀσέβων π. ἀπ' αὐτοῦ (1a)  
— 23. π. ἐποίησας [A<sup>1</sup> ποιήσεις, A<sup>2</sup> ποιήσων]  
ἀπὸ διαίτης σου ἀδικῶν (4)  
Si. 47. 16. εἰς νήσους π. ἀφίκετο τὸ ὄνομα σου (1b)  
Is. 17. 13. π. αὐτὸν διώξεται (1b)  
22. 3. οἱ ἰσχύοντες ἐν σοὶ π. πεφύγασιν (1c)  
29. 13. ἡ καρδιὰ αὐτῶν π. ἀπὸ ἐμοῦ (2)  
65. 5. οἱ λέγοντες, Π. ἀπ' ἐμοῦ +  
66. 19. εἰς τὰς νήσους τὰς π. (1d)  
Je. 12. 2. καὶ π. ἀπὸ τῶν νεφρῶν αὐτῶν (1d)  
31 (48). 24. ἐπὶ πᾶσας τὰς πόλεις M. τὰς π. (1d)  
32 (26). 26. πᾶντας βασιλεῖς . . . τοὺς π. (1d)  
Ba. 8. 21. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτῶν π. ἐγενήθησαν  
III Ma. 4. 16. πεπλανημένη π. τῆς ἀληθείας φρενὶ  
[Sm. Ps. 64 (65). 8 : Is. 17. 13.]

πόρρωθεν. (1) α. רִיחָה δ. רִיחָה c. רִיחָה  
d. רִיחָה e. פָּרוֹרָה (2) δ π. רִיחָה (3) γή  
π. רִיחָה

IV Ki. 20. 14. ἐκ γῆς π. ἤκασιν πρὸς μέ (1a)  
Jb. 2. 12. ἰδόντες δὲ αὐτὸν π. οὐκ ἐπύγκωσαν (1b)  
39. 25. π. δὲ ὀσφραίναται πολέμου (1b)  
— 29. π. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ σκοπεύουσι (1c)  
Wi. 14. 17. τὴν π. ὅψιν ἀνταποσάμενοι (1c)  
Is. 10. 3. ἡ γὰρ θλίψις ὑμῶν π. ἔξει (1d)  
13. 5. ἔρχεσθαι ἐκ γῆς π. (1c)  
38. 13. ἀκούσονται οἱ π. ἀπὸ ἡμῶν (2)  
— 17. οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν ὄψονται γῆν π. (1c)  
39. 3. ἐκ γῆς π. ἤκασιν πρὸς μέ ἐκ Βαβυλῶνος (1a)  
43. 6. ἀγε τοὺς υἱοὺς μου ἀπὸ γῆς π. (8)  
46. 11. καλῶν . . . ἀπὸ γῆς π. (1c)  
49. 12. οὗτοι π. ἔξουσιν [A B ἔρχονται] (1b)  
Je. 6. 15. ἐπάγω ἐφ' ὑμᾶς ἔθνος π. (1d)  
23. 23. οὐχὶ θεός π. (1b)  
38 (31). 3. κύριος π. ᾤκησεν [A B ὀφθήσεται] (1b)  
[Aq. Is. 8. 9 : 46. 11 : Je. 30 (37). 13.]  
[Sm. Jb. 39. 25 : Is. 8. 9 : 46. 11.]  
[Th. Jb. 39. 29 : Is. 8. 9 : 22. 11 : 23. 7 : 46.  
11 : Je. 23. 23.]  
[Al. Dt. 20. 15.]

πορφύρα. (1) α. פָּרוּרָה δ. פָּרוּרָה  
Ex. 25. 4. καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύραν (1a)  
26. 1. καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
— 31, 36 : 27. 16. ἐξ ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
28. 5. τὸν [A τὴν] ὑάκινθον καὶ τὴν π. (1a)  
— 8, 15. καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
— 29 (33). ἐξ ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
31. 4. καὶ τὴν ὑάκινθον καὶ τὴν π. (1a)  
35. 6. ὑάκινθον πορφύραν (1a)  
— 23. Α ὑάκινθος καὶ πορφύρα (1a)  
— 25. τὴν ὑάκινθον καὶ τὴν π. (1a)  
86. 9 (39. 2). καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
— 10 (39. 3). σὺν τῇ ὑάκινθῳ καὶ τῇ π. (1a)  
— 12 (39. 5), 15 (39. 8). καὶ ὑάκινθον καὶ  
πορφύρας (1a)  
— 32 (39. 24). ἐξ ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
— 37 (39. 29). καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
87. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 16 (36. 18). ἐξ  
ὑάκινθον καὶ πορφύρας (1a)  
89. 13 (1). ὑάκινθον καὶ πορφύραν (1a)  
II Ch. 2. 7 (6). εἰδὼς τοῦ ποιεῖσαι . . . ἐν τῇ π. (1b)  
— 14 (13). καὶ φθαίνειν ἐν τῇ π. (1a)  
8. 14. ἐποίησεν τὸ καταστάσασθαι . . . πορφύρας (1a)  
I Es. 8. 6. καὶ πορφύραν περιβαλέσθαι  
Ju. 10. 21. δ ἦν ἐκ πορφύρας (1a)  
Pr. 31. 22. ἐκ δὲ βύσσου καὶ πορφύρας (1a)  
Ca. 7. 5 (6). πλόκων κεφαλῆς σου ὡς πορφύρα (1a)  
Si. 45. 10. ὑάκινθος καὶ πορφύρα  
[Je. 10. 9. ὑάκινθον καὶ πορφύραν ἐνδύσουσιν αὐτὰ (1a)  
Ep. Je. 72. ἀπὸ τε τῆς π. καὶ τῆς μαρμάρου

Ez. 27. 7. περιβαλεῖν σε ὑάκινθον καὶ πορφύραν (1a)  
— 24. Α φέροντες ἐμπορίαν ὑάκινθον καὶ  
πορφύραν [B om. κ. π.] (1b)  
Da. LXX. 5. 7. στολιεῖ αὐτὸν πορφύραν (1b)  
— 16. στολιεῖ σε πορφύραν (1b)  
— 29. ἐνέδυσε τὸν Δ. πορφύραν (1b)  
6. 3 (4). Δαν. ἦν ἐνδεδυμένος πορφύραν (1b)  
Da. TH. 5. 7. πορφύραν ἐνδύσεται (1b)  
— 16. πορφύραν ἐνδύσῃ (1b)  
— 29. ἐνέδυσε τὸν Δ. πορφύραν (1b)  
I Ma. 4. 23. ἔλαβον . . . π. θαλασσίαν  
8. 14. οὐ περιβάλλοντο πορφύραν  
10. 20. ἀπέστειλεν αὐτῶν πορφύραν  
— 62. ἐνέδυσε αὐτὸν πορφύραν  
— 64. Β Β περιβεβλημένον αὐτὸν πορφύραν [A  
σινδύνα]  
11. 58. καὶ εἶναι ἐν πορφύρᾳ  
14. 43. ὅπως περιβάλλεται πορφύραν  
— 44. καὶ περιβάλλεσθαι πορφύραν  
II Ma. 4. 38. τὴν τοῦ Ἀνδρ. πορφύραν περιελεύμενος  
[Aq. Ex. 35. 23, 35 : Ca. 7. 5 (6) : Je. 10. 9 :  
Ez. 27. 16.]  
[Sm. Ex. 35. 23, 35 : 89. 1 (13) : Ca. 7. 5  
(6) : Ez. 27. 16.]  
[Th. Ex. 35. 23, 35 : 89. 1 (13) : Je. 10. 9 :  
Ez. 27. 16.]

πορφύρεος, πορφυρούς. (1) פָּרוּרָה  
Nu. 4. 14. λήψονται ἱμάτιον πορφυροῦν (1)  
Jd. 8. 26. Α καὶ τῶν περιβολαίων τῶν πορφυ-  
ρῶν [B al.] (1)  
Es. 1. 6. ἐπὶ σχοινίοις βυσσίνου καὶ π. (1)  
8. 15. καὶ διὰ δὴμα βύσσινον πορφυροῦν (1)  
Ca. 8. 10. ἐπίβασιν αὐτοῦ πορφυρὰ (1)  
Ep. Je. 12. περιβεβλημένον αὐτὸν ἱματισμὸν π.

πορφυρίς. (1) פָּרוּרָה  
Jd. 8. 26. καὶ τῶν ἱματίων καὶ πορφυρίδων [A al.] (1)  
πορφυρίων (B), πορφυρών (A). (1) פָּרוּרָה  
Le. 11. 18. καὶ πορφυρίωνα καὶ πελεκᾶνα (1)  
De. 14. 18. καὶ πορφυρίων καὶ νυκτερίδα [A al.] (1)

πορφυροῦσθαι.  
[Aq. Is. 61. 6.]

ποσάκις. (1) פָּרוּרָה (2) פָּרוּרָה פָּרוּרָה  
III Ki. 22. 16. Β π. [B<sup>1</sup> πεντάκις, A B<sup>2</sup> ἑπὶ δις]  
ἐγὼ ὀρκίζω σε (2)  
II Ch. 18. 15. π. ὀρκίζω σε (2)  
Ps. 77 (78). 40. π. παρεκίρναν αὐτὸν (1)  
Si. 20. 17. π. καὶ ὅσοι καταγέλλονται αὐτοῦ  
III Ma. 6. 37. π. σοι δεῖ . . . προστάττειν  
[Sm. III Ki. 22. 16.]

ποσαπλῶς.  
Ps. 62 (68). 1. π. σοι ἡ σὰρξ μου +  
Si. 10. 31. Β δὲ δοξαζόμενος ἐν πτωχείᾳ καὶ ἐν  
πλούτῳ π. [A B -αχῶς]  
— 31. Β<sup>2</sup> καὶ ὁ ἀδοξος ἐν πλούτῳ καὶ ἐν πτωχείᾳ π.  
[A B B<sup>1</sup> -αχῶς]

ποσαχῶς.  
Si. 10. 31. ὁ δὲ δοξαζόμενος ἐν πτωχείᾳ καὶ ἐν πλούτῳ π.  
[B -απλῶς] ; καὶ ὁ ἀδοξος ἐν πλούτῳ καὶ  
ἐν πτωχείᾳ ποσαχῶς [B<sup>2</sup> -απλῶς]  
[Th. Ps. 62 (68). 2.]

πόσις. (1) פָּרוּרָה  
Da. LXX. TH. 1. 10. τὸν ἐκτάξαντα . . . τὴν  
π. ὑμῶν (1)

πόσος. (1) פָּרוּרָה  
Ge. 47. 8. π. τῇ ἡμερῶν τῆς ζωῆς σου (1)  
II Ki. 19. 34 (35). π. ἡμέραι ἐτῶν ζωῆς μου (1)  
I Es. 8. 78. κατὰ πόσον τι ἐγενήθη ἡμῖν ἔλεος  
To. 10. 1. Β ἐν πόσῳ πορεύεται καὶ ἐν πόσῳ  
ἐπιστρέψει  
12. 2. Β π. αὐτῶ δώσω τὸν μισθόν  
— 3. Β πόσον αὐτῶ ἐτι δῶ μισθόν  
Jb. 13. 23. πόσαι εἰσὶν αἱ ἡμέραι μου (1)  
38. 18. ἀνάγγελον δὴ μοι πόση τίς ἐστι [A  
ἦτις ἐστίν] +  
Ps. 118 (119). 84. πόσαι εἰσὶν αἱ ἡμέραι τοῦ  
δούλου σου (1)  
Wi. 12. 21. μετὰ πόσης [B<sup>2</sup> πάσης] ἀκριβείας ἔκρινας  
τοὺς υἱοὺς σου

Wi. 13. 3. γνώσαν πόσῳ τοῦτων ὁ δεσπότης ἐστὶ βελτίων  
— 4. νοσησάντων . . . πόσῳ ὁ κατασκευάσας αὐτὰ  
δυνατότερος ἐστὶν  
Si. 11. 11. Α πόσῳ [B<sup>1</sup> S<sup>2</sup> R τόσῳ, B<sup>2</sup> S<sup>1</sup> τοσοῦτῳ]  
μᾶλλον ὑστερεῖται  
Ez. 27. 33. πόσον τινὰ [A καὶ τίνῃ] ἔδρες μισθόν †  
IV Ma. 1. 14. καὶ πόσαι παθὼν ἰδέαι  
15. 22. πόσαις . . . ἐβασανίστο βασιάνοις  
[Aq. III Ki. 22. 16: JB. 25. 6 (P.): Ps. 34 (35). 17.]  
[Sm. I Ki. 14. 30: II Ki. 4. 11: 16. 11: JB. 4. 19: 15. 16: 25. 6: Ps. 34 (35). 17.]  
[Th. JB. 25. 6 (P.): Ps. 34 (35). 17.]

## ποταμίζεσθαι.

[Aq. JE. 51 (28). 44.]

## ποταμός.

(1) ῥήϊ, ῥήϊς (ῥή) (2) α. ῥῆ

δ. ῥῆ (8) ῥῆ (4) ῥῆ

Ge. 2. 10. ποταμός δὲ ἐκπορεύεται (2 a)  
— 13. ὄνομα τῷ π. τῷ δευτέρῳ (2 a)  
— 14. καὶ ὁ π. ὁ τρίτος (2 a)  
— 14. ὁ δὲ π. ὁ τέταρτος (2 a)  
15. 18. B ἀπὸ τοῦ π. Αἰγ. ἕως τοῦ π. τοῦ μεγ. Εὐφρ. (2 a, 2 a)  
31. 21. διέβη τὸν π. (2 a)  
36. 37. ἐκ 'P. τῆς παρὰ ποταμῶν (2 a)  
41. 1. φέτο ἱστάναι ἐπὶ τοῦ π. (1)  
— 2. ὥσπερ ἐκ τοῦ π. ἀνέβαινον (1)  
— 3. ἐπὶ τὰ βόδες ἀνέβαινον . . . ἐκ τοῦ π. (1)  
— 3. 17. ἐπὶ τὸ χεῖλος τοῦ π. (1)  
— 18. ὥσπερ ἐκ τοῦ π. ἀνέβαινον (1)  
— 19. ἐπὶ τὰ βόδες ἐγ. ἀνέβαινον . . . ἐκ τοῦ π. (1)  
Ex. 1. 22. πᾶν ὄρσεν . . . εἰς τὸν π. ῥίψατε (1)  
2. 3. εἰς τὸ ἔλος παρὰ τὸν π. (1)  
— 5. κατέβη δὲ . . . λούσασθαι ἐπὶ τὸν π. (1)  
— 5. παρεπορεύοντο παρὰ [A ἐπὶ] τὸν π. (1)  
4. 9. λήψῃ ἀπὸ τοῦ ὕδατος τοῦ π. (1)  
— 9. δ' εὖν λάβῃς ἀπὸ τοῦ π. (1)  
7. 15. ἐπὶ τὸ χεῖλος τοῦ π. (1)  
— 17. ἐπὶ τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ π. (1)  
— 18. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ π. (1)  
— 18. ἐποΐσεις ὁ π. (1)  
— 18. πικρὺν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ π. (1)  
— 19. A ἔκτεινον τὴν χεῖρα ἐπὶ τὰ ὕδατα τοῦ π. καὶ ἐπὶ τοὺς π. αὐτῶν [B al.] (†, 2 a)  
— 20. ἐπάταξε τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ π. (1)  
— 20. πᾶν τὸ ὕδωρ τὸ ἐν τῷ π. (1)  
— 21. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ π. (1)  
— 21. ἐπώκεον ὁ π. (1)  
— 21. πικρὺν ὕδωρ ἐκ τοῦ π. (1)  
— 24. ὥρσαν δὲ πάντες . . . κύκλω τοῦ π. (1)  
— 24. πικρὺν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ π. (1)  
— 25. μετὰ τὸ πατάξει κύρνον τὸν π. (1)  
8. 3 (7. 28). ἐξερεύσεται ὁ π. βασιράχους (1)  
— 5 (1). ἔκτεινον . . . τὴν βάρβαν σου ἐπὶ τοὺς π. (2 a)  
— 9 (5), 11 (7). ἐν τῷ π. ὑπολειφθήσονται (1)  
17. 5. ἐν ᾗ ἐπάταξαν τὸν π. (1)  
23. 31. ἕως τοῦ μεγάλου π. [A τοῦ π. τοῦ μ.] Εὐφράτου (2 a)  
Nu. 13. 30 (29). A B<sup>2</sup> R παρὰ τὸν Ἰορδάνην π. (2 a)  
22. 5. ὁ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ π. γῆς (2 a)  
24. 6. B<sup>1</sup> ὥσπερ παρὰ δεισοὶ ἐπὶ ποταμῶν [A B<sup>2</sup> R -φ] (2 a)  
De. 1. 7. B<sup>2</sup> R ἕως τοῦ π. τοῦ μεγάλου π. [A B<sup>1</sup> om.] Εὐφρ. (2 a, 2 a)  
11. 24. καὶ ἀπὸ τοῦ π. τοῦ μεγ. π. Εὐφρ. (2 a, 2 a)  
Jo. 1. 4. καὶ τὸν Ἀντιλίαν, ἕως τοῦ π. τοῦ μεγ. π. Εὐφράτου (2 a, 2 a)  
4. 7. A<sup>2</sup> B ἐξέλιπεν ὁ Ἰορδ. π. (2 a)  
5. 1. ἀπεξήρανε . . . τὸν Ἰορδ. π. (2 a)  
24. 2. A B πέραν τοῦ π. παρῆλθον [B κατῆκ.] (2 a)  
— 3. ἐλαβον . . . ἐκ τοῦ πέραν τοῦ π. (2 a)  
— 14. ἐν τῷ πέραν τοῦ π. (2 a)  
— 15. τοὺς ἐν τῷ πέραν τοῦ π. (2 a)  
Jd. 8. 8. βασιλῆως Συρίας [A add. Μεσοπ.] ποταμῶν (2 a)  
— 10. βασιλῆα Συρίας ποταμῶν [A om.] (2 a)  
II Ki. 8. 3. πορευομὲν αὐτοῦ . . . ἐπὶ τὸν π. Εὐφρ. (2 a)  
10. 16. τὴν ἐκ τοῦ πέραν τοῦ π. Χ. (2 a)  
III Ki. 8. 1 (B), 4. 21 (A) [5. 1]. A ἀπὸ τοῦ π. γῆς ἀλλοφύλων (2 a)  
— 1. B ἐν παντὶ πέραν τοῦ π. (2 a)

III Ki. 8. 1. B ἐν παντὶ τοῖς βασ. πέραν τοῦ π. (2 a)  
— 1. B ἀπὸ τοῦ π. καὶ ἕως γῆς ἀλλοφύλων (2 a)  
4. 24 (5. 4). ἀρχὼν πέραν τοῦ π. [A al.] (2 a)  
— 24 (5. 4). A ἐν πᾶσιν βασ. πέραν τοῦ π. (2 a)  
8. 65. ἕως ποταμοῦ Αἰγύπτου (8)  
10. 26. ἀπὸ τοῦ π. καὶ ἕως γῆς ἀλλοφύλων (2 a)  
14. 15. A ἀπὸ πέραν τοῦ π. (2 a)  
IV Ki. 5. 12. 'Αβ. καὶ Φ. ποταμοὶ Δαμ. (2 a)  
17. 6. ἐν Ἀλαί καὶ ἐν Ἀβὼρ ποταμοὶ Γ. (2 a)  
18. 11. ἐν Ἀβὼρ ποταμῷ Γωζάν (2 a)  
19. 24. ἐξηγήμωσα . . . πάντας π. [A τοὺς π.] περιόχης (1)  
23. 29. ἀνέβη . . . ἐπὶ ποταμὸν Εὐφρ. (2 a)  
24. 7. ἕως τοῦ π. Εὐφράτου (2 a)  
I Ch. 1. 48. ἐκ 'P. τῆς παρὰ ποταμῶν (2 a)  
5. 9. κατῆλθον . . . ἀπὸ τοῦ π. Εὐφρ. (2 a)  
— 26. ἡγαγεν αὐτοὺς . . . ἐπὶ ποταμὸν Γ. (2 a)  
18. 3. πορευομ. αὐτοῦ . . . ἐπὶ ποταμὸν Εὐφρ. (2 a)  
19. 16. ἐκ τοῦ πέραν τοῦ π. (2 a)  
II Ch. 9. 26. ἀπὸ τοῦ π. καὶ ἕως γῆς ἀλλοφύλων (2 a)  
20. 16. ἐπ' ἄκρον π. [A om.] τῆς ἐρήμου Ἰερ. (8)  
32. 4. ἐνέφραξε . . . τὸν π. (8)  
35. 20. ἀνέβη . . . ἐπὶ τὸν π. Εὐφρ. (2 a)  
I Es. 4. 23. εἰς τὴν θάλ. πλεῖν καὶ ποταμούς (2 a)  
8. 41. ἐπὶ τὸν λεγόμεν. Θ. ποταμῶν (2 a)  
— 61. A B ἀναεὺσαντες ἀπὸ τοῦ π. [B τόπου] Θ. (2 a)  
II Es. 4. 10. τὸ κατὰλοιπον πέραν τοῦ π. (2 b)  
— 11. ἀνδρες πέραν τοῦ π. (2 b)  
— 17. καὶ τοὺς καταλοιπὸν πέραν τοῦ π. (2 b)  
— 20. B ἐπικρατοῦντες διὰ τῆς πέραν [A B ἐσπέρας] τοῦ π. (2 b)  
5. 3. ἔπαρχος πέραν τοῦ π. (2 b)  
— 6. A B ὁ ἐπαρχος τοῦ πέραν τοῦ π. [B om. τ. π.] (2 b)  
— 6. ἐν τῷ πέραν τοῦ π. (2 b)  
6. 6. ἐπαρχοὶ πέραν τοῦ π. (2 b)  
— 6. A B ἐν τῷ πέραν τοῦ π. [B al.] (2 b)  
— 8. τὸν φόρον πέραν τοῦ π. (2 b)  
— 13. ἐπαρχοὶ πέραν τοῦ π. (2 b)  
7. 21. πάσαις ταῖς γάλας ταῖς ἐν πέρα τοῦ π. (2 b)  
— 25. παντὶ τῷ λαῷ τῷ ἐν πέρα τοῦ π. (2 b)  
8. 15. συνῆξα αὐτοὺς πρὸς τὸν π. (2 a)  
— 21. νηστείαν ἐπὶ τὸν π. Α. (2 a)  
— 31. ἐξήραμεν ἀπὸ τοῦ π. (2 a)  
— 36. καὶ ἐπάρχοις πέραν τοῦ π. (2 a)  
Ne. 2. 7. 9. πρὸς τοὺς ἐπάρχους πέραν τοῦ π. (2 a)  
8. 7. B τοὺς ἀρχόντας τοῦ πέραν τοῦ π. (2 a)  
To. 6. 1. A B ἦλθον . . . ἐπὶ τὸν Τ. π. [S πύλισθον ἐπὶ τοῦ Τ. π.] (2 a)  
— 2. B περιψύσασθαι . . . εἰς τὸν Τ. π. [A B al.] (2 a)  
— 2. ἀνεπήδησαν ἰχθύς ἀπὸ τοῦ π. [B al.] (2 a)  
Ju. 1. 9. καὶ τοῦ π. [S τοὺς χεμάρους] Αἰγύπτου (2 a)  
2. 8. καὶ π. ἐπικλίζον τοὺς νεκροὺς αὐ. (2 a)  
Es. 1. 1. ὡσανεὶ ἀπὸ μικρὰς πηγῆς π. μέγας (2 a)  
— 10. 3. ἡ ἐγένετο ποταμός (2 a)  
— 3. Ἐσθήρ ἐστὶν ὁ π. (2 a)  
Jb. 14. 11. ποταμός δὲ ἐρημωθείς ἐξηράνηθ [A al.] (2 a)  
22. 16. ποταμός ἐπιρρέων οἱ θεμέλιοι αὐτῶν (2 a)  
28. 10. δίδας δὲ ποταμῶν ἔρρηξεν (1)  
— 11. βάθη δὲ ποταμῶν ἀνεκάλυψεν (2 a)  
Ps. 23 (24). 2. ἐπὶ ποταμῶν ἡτοίμασεν αὐτὴν (2 a)  
45 (46). 4. τοῦ π. τὰ ὀρήματα εὐφραίνουσι τὴν πόλιν τοῦ θεοῦ (2 a)  
64 (65). 9. ὁ π. τοῦ θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων (4)  
65 (66). 6. ἐν ποταμῷ διελεύσονται ποδὶ (2 a)  
71 (72). 8. ἀπὸ ποταμοῦ ἕως περάτων τῆς οἰκουμένης (2 a)  
73 (74). 15. B τὸν ἐξήρανας ποταμούς ἡθάμ (2 a)  
77 (78). 16. κατήγαγεν ὅς ποταμούς ὕδατα (2 a)  
— 44. μετίστρεψεν εἰς αἵμα τοὺς π. αὐτῶν (1)  
79 (80). 11. καὶ ἕως ποταμοῦ [A B<sup>2</sup> -ων] τὰς παραφάνας αὐτῆς (2 a)  
88 (89). 25. καὶ ἐν ποταμοῖς δεξιὰν αὐτοῦ (2 a)  
92 (93). 3. ἐπήραν οἱ π., κύριε, ἐπήραν οἱ π. φωνὰς αὐτῶν (2 a, 2 a)  
— 3. A B<sup>2</sup> ἀρούσιν οἱ π. ἐπιτρέψας αὐτῶν (2 a)  
97 (98). 8. ποταμοὶ κροτήσουσι χεῖρὶ (2 a)  
104 (105). 41. ἐπορεύθησαν ἐν ἀνύδρῳ ποταμοὶ [A -οῖς] (2 a)  
106 (107). 33. ἔθετο ποταμούς εἰς ἔρημον (2 a)  
136 (137). 1. ἐπὶ τῶν π. Βαβ. ἐκεῖ ἐκαθίσταμεν (2 a)  
Pr. 9. 18. A B<sup>2</sup> ὑπερβήθη ποταμὸν ἀλλότρου (2 a)  
18. 4. ποταμός δὲ ἀναστήσει (8)  
Ca. 8. 7. ποταμοὶ οὐ συγκλίσουσιν αὐτὴν (2 a)  
Wi. 5. 22. ποταμοὶ δὲ συγκλίσουσιν ἀποσώμας (2 a)

Wi. 11. 6. ἀντὶ μὲν πηγῆς ἀενάου ποταμοῦ (2 a)  
19. 10. ἐξηρεύετο ὁ π. πλῆθος βασιράχων (2 a)  
Si. 4. 26. μὴ βιάινῃ ροὴν ποταμοῦ (2 a)  
24. 30. κἀνθ' ὡς διώρυξ ἀπὸ ποταμοῦ (2 a)  
— 31. ἐγένετο ποτὶς ἡ διώρυξ εἰς ποταμὸν καὶ ὁ π. μὲν ἐγένετο εἰς θάλασσαν (2 a)  
39. 22. ἡ εὐλογία αὐτοῦ ὡς ποταμός ἐπεκάλυψε (2 a)  
40. 13. χρήματα ἀδίκων ὡς ποταμός ξηρανθήσεται (2 a)  
— 16. ἐπὶ παντὸς ὕδατος καὶ χιλιῶν [A -ος] ποταμοῦ . . . ἐκτιλήσεται (2 a)  
44. 21. ἀπὸ ποταμοῦ ἕως ἄκρου γῆς (2 a)  
47. 14. ἐνεπλήσθη ὡς ποταμός συνείσεως (1)  
Am. 8. 8. ἀναβήσεται ὡς ποταμός συντέλεια (1)  
— 8. καταβήσεται ὡς ποταμός Αἰγ. (1)  
9. 5. ἀναβήσεται ὡς ποταμός συντέλεια αὐ. (1)  
— 5. καταβήσεται ὡς ποταμός Αἰγ. (1)  
Mi. 7. 12. ἀπὸ Τύρου ἕως τοῦ π. (2 a)  
Jn. 2. 4. ποταμοὶ μὲ ἐκύκλωσαν (2 a)  
Na. 1. 4. καὶ πάντα τοὺς π. ἐξερρήμω (2 a)  
2. 6 (7). B<sup>2</sup> πύλαι τῶν π. [A B B<sup>2</sup> πόλεων] διηνοίχθησαν (2 a)  
8. 8. ἡ κατοικοῦσα ἐν ποταμοῖς (1)  
Hb. 3. 8. μὴ ἐν ποταμοῖς ὀργισθῆς (2 a)  
— 8. ἡ ἐν ποταμοῖς ὁ θυμός σου (2 a)  
— 10. ποταμῶν [B<sup>2</sup> -φ] βράχυνται γῆ (2 a)  
Ze. 3. 10 (9). ἐκ περάτων ποταμῶν Αἰθιοπίας (2 a)  
Za. 9. 10. B<sup>2</sup> καὶ ἀπὸ ποταμῶν ἕως διεκβολῶν γῆς [A B S<sup>1</sup> al.] (2 a)  
10. 11. ξηρανθήσεται πάντα τὰ βάθη ποταμῶν (1)  
Is. 7. 18. ὁ κυριεύσει μέρος ποταμοῦ Αἰγ. (2 a)  
— 20. ξυρήσει κ. . . πέραν τοῦ π. (2 a)  
8. 7. ἀνέγει ἐφ' ὕμῃς τὸ ὕδωρ τοῦ π. τὸ ἰσχυρόν (2 a)  
11. 15. ἐπιβαλεῖ τὴν χεῖρα αὐ. ἐπὶ τὸν π. (2 a)  
18. 1. ἐπέκεινα ποταμῶν Αἰθιοπίας (2 a)  
— 2. οἱ π. τῆς γῆς πάντες (2 a)  
— 7. ὁ ἐστὶν ἐν μέρει ποταμοῦ [A τοῦ π.] τῆς χώρας αὐτοῦ (2 a)  
19. 5. ὁ δὲ π. ἐκλείγει (2 a)  
— 6. ἐκλείψουσιν οἱ π. καὶ αἱ διώρυχες τοῦ π. (2 a, 1 ?)  
— 7. τὸ ἀχὶ τὸ χλωρὸν πᾶν τὸ κύκλω τοῦ π. καὶ πᾶν τὸ σπειρόμ. διὰ τοῦ π. (1, 1)  
— 8. οἱ βάλλοντες ἀγκιστρὸν εἰς τὸν π. (1)  
27. 12. ἀπὸ τῆς διώρυγος τοῦ π. ἕως Ἰν. (2 a)  
32. 2. φανήσεται ἐν Σιών ὡς π. φερόμενος †  
33. 21. ποταμοὶ καὶ διώρυχες πλατείς (2 a)  
41. 18. ἀνοίξω ἐπὶ τῶν ὀρέων ποταμούς (2 a)  
42. 15. θήσω ποταμούς εἰς νησούς (2 a)  
43. 2. ποταμοὶ οὐ συγκλίσουσιν σε (2 a)  
— 19. ποιήσω . . . ἐν τῇ ἀνύδρῳ ποταμούς (2 a)  
— 20. ἔδωκα . . . ποταμούς ἐν τῇ ἀνύδρῳ (2 a)  
44. 27. τοὺς π. σου ξηρανῶ (2 a)  
47. 2. διαβήθῃ ποταμοὶ (2 a)  
48. 18. ἐγένετο ἄν ὥσπερ π. ἡ εἰρήνη σου (2 a)  
50. 2. θήσω ποταμούς ἐρήμους (2 a)  
59. 19. ἦξει γὰρ ὡς π. βίαιος ἡ ὕρη (2 a)  
66. 12. ἐκκλίνω εἰς αὐτοὺς ὡς π. εἰρήνης (2 a)  
Je. 2. 18. τοῦ πικρὺν ὕδωρ ποταμῶν (2 a)  
13. 7. ἐπορεύθη ἐπὶ τὸν Εὐφράτην π. (2 a)  
26 (46). 2. δὲ ἦν ἐπὶ τῷ π. Εὐφράτῃ [A τοῦ π. Εὐφράτου] (2 a)  
— 7. τίς οὗτος ὡς π. ἀναβήσεται καὶ ὡς ποταμοὶ κυμαίνουσιν ὕδωρ (1, 2 a)  
— 8. ὕδατα Αἰγύπτου ὡς π. ἀναβήσεται (1)  
— 10. θυσία τῷ κ. . . ἐπὶ ποταμῷ Εὐφρ. (2 a)  
Ba. 1. 4. τῶν κατοικοῦντων ἐν Βαβυλῶνι ἐπὶ ποταμοῦ [A τοῦ π.] Σουδ (2 a)  
Ez. 1. 1. ἡμῖν . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 a)  
— 3. ἐγένετο . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 a)  
— 13. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χ. (2 a)  
— 25. ἦν ἰδὼν ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 a)  
10. 15. ὁ ἰδὼν ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 a)  
— 20. ὁ ἰδὼν . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χ. (2 a)  
— 22. ὁ ἰδὼν . . . ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 a)  
29. 3. τὸν ἐγκαθήμενον ἐν μέσῳ ποταμῶν αὐτοῦ τὸν λέγοντα, ἔμοι εἰσιν οἱ π. (1, 1)  
— 4. προσκολλήσω τοὺς ἰχθύας τοῦ π. σου . . . ἀνάξω σε ἐκ μέσου τοῦ π. [A add. καὶ πάντας τοὺς ἰχθύας τοῦ π.] σου (1, 1, [1])  
— 5. καταβαλῶ . . . πάντας τοὺς ἰχθύας τοῦ π. σου (1)  
— 9. οἱ π. ἐμοὶ εἰσι (1)  
— 10. ἐγὼ ἐπὶ σέ καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς π. σου (1)  
30. 12. ὥσω τοὺς π. αὐτῶν ἐρήμους (1)

Εξ. 31. 4. τοὺς π. αὐτῆς ἤγαγε (2 α)  
 — 15. ἐπέστησα [Α. ἐκώλυσα] τοὺς π. αὐτῆς (2 α)  
 32. 2. ἐκεράτιζες τοὺς π. [Α. τοὺς π.] σου . . .  
 κατεπάσεις τοὺς π. σου (2 α, 2 α)  
 — 14. οἱ π. αὐτῶν ὡς ἑλαυνον πορεύονται (2 α)  
 43. 3. ἦν [Α. οὗ] ἴδον ἐπὶ τοῦ π. τοῦ Χοβάρ (2 α)  
 47. 6. ἐπὶ τὸ χεῖλος τοῦ π. (8)  
 — 9. ἐπὶ τοῦ χεῖλους τοῦ π. δένδρα πολλὰ (8)  
 — 9. ἐφ' ἃ ἂν ἐπέλθῃ ἐκεῖ ὁ π. . . . πᾶν ἐφ' ὃ  
 ἂν ἔλθῃ ὁ π. (8, 8)  
 — 12. ἐπὶ τοῦ π. ἀναβήσεται (8)  
 Da. LXX. 3. (78). εὐλογεῖτε, θάλασσαι καὶ ποταμοὶ  
 τὸν κ.  
 4. 34. τῷ κτίσαντι . . . τὰς θαλάσσας καὶ τοὺς π. —  
 7. 10. ποταμὸς πυρὸς ἔλκεν (2 β)  
 — 10. ἐξεπορεύετο κατὰ πρόσωπον αὐ. π. πυρὸς —  
 10. 4. ἐπὶ τοῦ χεῖλους τοῦ π. τοῦ μεγάλου (2 α)  
 12. 5. εἰς ἐνδον τοῦ π. (1)  
 — 6. Ἡ ρῶ ἐπάνω τοῦ ὕδατος τοῦ π. [cod. om.  
 τ. ὁ. τ. π.] (1)  
 — 7. ὅς ἦν ἐπάνω τοῦ ὕδατος τοῦ π. (1)  
 Da. TH. 3. (78). εὐλογεῖτε, θάλασσαι καὶ ποταμοὶ τὸν κ.  
 7. 10. ποταμὸς πυρὸς ἔλκεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ (2 β)  
 10. 4. ἡμῖν ἐχόμενα τοῦ π. τοῦ μεγάλου (2 α)  
 12. 5. εἰς ἐνδον τοῦ π. χεῖλους τοῦ π. (1)  
 — 6. 7. ὅς ἦν ἐπάνω τοῦ ὕδατος τοῦ π. (1)  
 I Ma. 3. 32. ἀπὸ τοῦ π. Εὐφρ. ὥς τὸν ὅριον Αἰγ.  
 — 37. διεπέρασε τὸν Εὐφρ. ποταμόν  
 5. 41. ἐὰν δέ . . . παρεμβάλλῃ πέραν τοῦ π.  
 7. 8. κυριεύοντα ἐν τῷ πέραν τοῦ π.  
 11. 7. ἔως τοῦ π. τοῦ καλουμ. Ἐλευθέρου  
 — 60. διεπορεύετο πέραν τοῦ π.  
 12. 30. διέβησαν γὰρ τὸν Ἑλ. ποταμόν  
 III Ma. 7. 20. διὰ τε γῆς καὶ θαλάσσης καὶ ποταμοῦ  
 [Aq. Dt. 23. 4 (5): II Ki. 10. 16: III Ki. 4.  
 21 (5. 1): 14. 15: Ps. 45 (46). 5: 71 (72).  
 8: 78 (74). 15: 92 (93). 3: 15. 18: 7: 59.  
 19: ZA. 9. 10.]  
 [Sm. Ex. 7. 24 bis: II Ki. 10. 16: III Ki. 4.  
 21 (5. 1): Jb. 22. 16: Ps. 28 (24). 2: 45  
 (46). 5: 65 (66). 6: 78 (74). 15: 77 (78).  
 44: Ec. 1. 7: Is. 7. 18, 20: 18. 1, 7: 27.  
 12: 83. 21: 37. 25: 50. 2: 59. 19: Ez. 31.  
 4: ZE. 8. 10.]  
 [Th. Ex. 7. 24 bis: II Ki. 10. 16: Is. 7. 18:  
 18: 7: 59. 19: Jb. 46 (26). 8 bis: Ez. 10.  
 22 (Sw.): Da. 7. 10: 12. 6.]  
 [Sam. Dt. 34. 1 ter-]  
 [Al. Hb. 3. 9.]  
 [Heb. ZA. 9. 10.]  
 ποταμούσθαι.  
 [Aq. Jb. 51 (28). 44.]  
 ποταμός.  
 Da. LXX. Su. 54. ποταπὸ τοῦ παραδείσου τόφω  
 ποτέ. \* μὴ ποτε.  
 Ge. 8. 22\*: 19. 17\*, 19\*: 20. 2\*: 24. 5\* (ind.†),  
 39\* (ind.†): 26. 7\*, 9\*: 27. 12\*, 45\*: 31. 24\*,  
 29\*, 31\*: 32. 11 (12)\*: 88. 11\*, 23\*: 42. 4\*:  
 43. 12\* (ind.): 47. 18\*: 50. 15\*.  
 Ex. 1. 10\*: 5. 3\* (ind.†): 13. 17\*: 19. 21\*, 22\*,  
 24\*: 20. 19\*: 32. 12\*: 34. 12\*, 12†, 15\*.  
 Nu. 16. 34\*.  
 Dt. 1. 46: 9. 28†.  
 Jo. 5. 4 bis: 6. 17\*: 22. 28.  
 Jd. 3. 34\* (ind.): 7. 2\*: 9. 54\*: 14. 15\*: 15.  
 12\*: 18. 25\*.  
 Ru. 4. 6\*.  
 I Ki. 4. 9\*: 28. 22\*.  
 II Ki. 1. 20\* bis: 11. 25 bis: 17. 16\*: 20. 6\*.  
 III Ki. 18. 27\* (ind.) bis.  
 IV Ki. 2. 16\* (ind.).  
 I Es. 8. 72.  
 II Es. 4. 22\*: 6. 8\*: 7. 23\*.  
 Ne. 6. 3\*.  
 To. 2. 13† (ind.): 3. 10†: 8. 10†: 10. 2\* (ind.)  
 bis.  
 Ju. 5. 21\*.  
 Jb. 1. 5\* (ind.): 31. 16\* (ind.), 38.  
 Ps. 2. 12\*: 7. 2\*: 12 (13). 3\*, 4\*: 27 (28). 1\*:  
 37 (38). 16\*: 49 (50). 22\*: 58 (59). 11\*: 78 (79).  
 10\*: 90 (91). 152: 93 (94). 8: 113. 10 (115. 2)\*:  
 139 (140). 8\*.  
 Pr. 22. 25\*: 28. 9\*: 24. 33 (80. 10)\*: 25. 16\*,  
 17\* (ind.†).

Ec. 7. 17 (16)\*.  
 Ca. 1. 7\*.  
 Wi. 6. 3: 14. 15†: 16. 18, 19: 18. 20†.  
 Si. 7. 6\*: 8. 1\*, 2\*: 9. 3\*, 4\*, 5\*, 9\*: 11. 33\*:  
 12. 12\*: 19. 13\* (ind.), 13\*, 14\* (ind.): 28.  
 14\*: 80. 12\*† (ind.†): 34 (81). 17\*: 37. 8\*: 42.  
 9\* bis, 10\* ter, 11\* (ind.†).  
 Is. 6. 10\*: 8. 12\*†: 41. 7 (?): 48. 5\*†.  
 Je. 47 (40). 15\*†.  
 Ep. Je. 27\*, 27\*† bis.  
 Da. TH. Su. 15: 1. 10\*.  
 I Ma. 4. 45\*, 60\* (ind.†): 8. 11: 12. 40\* bis: 13.  
 17\*.  
 II Ma. 3. 32\*: 6. 16 (?): 10. 4: 13. 10: 14. 22\*, 32.  
 III Ma. 8. 24\*: 7. 4 (inf.).  
 IV Ma. 1. 14: 4. 1, 13\* (opt.): 7. 4.  
 [Aq. Ex. 19. 22\*: I Ki. 20. 3\*: Ps. 2. 11\*: 27  
 (28). 1\*: 90 (91). 12\*: Jb. 1. 17\*: 51 (28).  
 6\*: Ho. 7. 2\*].  
 [Sm. Jd. 2. 18: I Ki. 27. 1: Ps. 2. 11\*: 58  
 (59). 12\*: 139 (140). 11\*: Pr. 6. 9\*: Jb. 1.  
 17\*: 6. 8\*: Da. 8. 13\*].  
 [Th. Jb. 1. 17\*].  
 [Heb. Ex. 34. 12\*].  
 [Al. Dt. 7. 25\*: Ps. 139 (140). 9\*, 11\*].  
 πότε. \* ὥς πότε.  
 Ge. 80. 30.  
 Ex. 8. 9 (5).  
 Jd. 5. 13†.  
 I Ki. 1. 14\*: 16. 1\*.  
 II Ki. 2. 26\*.  
 III Ki. 18. 21\*.  
 Ne. 2. 6\*, 6.  
 Ju. 11. 17†.  
 Jb. 2. 9: 4. 7: 7. 4 bis: 19. 2\*†: 26. 14†.  
 Ps. 4. 2\*: 6. 3\*: 12 (13). 1\* bis, 2\*: 34 (35). 17:  
 40 (41). 5: 41 (42). 2: 61 (62). 3\*: 73 (74). 10\*:  
 78 (79). 5\*: 79 (80). 4\*: 81 (82). 2\*: 88 (89).  
 46\*: 89 (90). 13\*: 93 (94). 3\* bis: 100 (101). 2:  
 118 (119). 82†, 84.  
 Pr. 6. 9: 28. 35.  
 Am. 8. 5.  
 Is. 8. 11\*: 41. 7 (?): 45. 21†.  
 Je. 4. 14\*, 21\*: 12. 4\*: 23. 26\*: 38 (31). 22\*.  
 Da. LXX. 12. 6.  
 Da. TH. 8. 13\*: 12. 6\*.  
 I Ma. 6. 22\*.  
 [Aq. Jb. 7. 4: Ps. 4. 3\*: 12 (13). 2\* bis: 88 (89).  
 47: Pr. 1. 22\*: 6. 9: Jb. 13. 27: 47 (29). 5\*].  
 [Sm. III Ki. 18. 21\*: Jb. 37. 15: Ps. 4. 3\*: 12  
 (13). 2\* bis: 40 (41). 6: 89 (90). 13\*: Pr. 6.  
 9\*: Ec. 11. 5: Jb. 18. 27: 47 (29). 5\*].  
 [Th. Jb. 7. 4: Ps. 12 (13). 2\*: Pr. 6. 9\*].  
 πότερον. (1) ἢ  
 Jb. 4. 6. πότερον οὐχ ὁ φόβος σου ἐστὶν ἐν  
 ἀδρόσῳ  
 — 12. πότερον οὐ δέξεται μου τὸ σὺς ἐξαισία  
 [A. al.]  
 7. 1. πότερον οὐχὲν πειρατήριον ἐστὶν ὁ βίος  
 — 12. πότερον θάλασσά εἰμι ἢ δράκων  
 13. 7. πότερον οὐκ ἔναντι κυρίου λαλεῖτε  
 — 11. πότερον οὐχὶ δὶνα αὐ. στροβήσει ὑμᾶς  
 15. 2. πότερον σοφὸς ἀποκρισὶν δώσει [A. al.]  
 21. 22: 22. 2. πότερον οὐχὶ ὁ κύριός ἐστιν  
 22. 5. πότερον οὐχὶ ἡ κακία σου ἐστὶν πολλή  
 26. 2. πότερον οὐχὶ φεκάρι ἰσχύς  
 81. 15. πότερον οὐχὶ ὡς καὶ [A. om.] ἐγώ  
 πότημα. (1) πηχὲρ  
 Je. 28 (51). 39. δώσω π. ἀποῖς  
 ποτήριον. (1) α. ד' ב' δ. ד' ב' (2) ב' ב'  
 (8) נַחֲשָׁר  
 Ge. 40. 11. τὸ π. Φαραὸν ἐν τῇ χειρὶ μου  
 — 11. ἐξέλιψα αὐτὴν ἐν τῇ π.  
 — 11. ἔδωκα τὸ π. εἰς τὰς χεῖρας Φ.  
 — 13. δώσεις τὸ π. Φ. εἰς τὴν χεῖρά αὐ.  
 — 21. ἔδωκα τὸ π. εἰς τὴν χεῖρά Φ.  
 II Ki. 12. 3. ἐκ τοῦ π. αὐτοῦ ἔπιμε  
 III Ki. 7. 24 (B), 26 (A). ὡς ἔργον χεῖλους  
 ποτηρίου  
 II Ch. 4. 5. τὸ χεῖλος αὐ. ὡς χεῖλος ποτηρίου  
 Es. 1. 7. π. χρυσά καὶ ἀργυρά  
 Ps. 10 (11). 7. ἡ μερίς τοῦ π. αὐτῶν  
 16 (16). 5. κύριος ἡ μερίς . . . τοῦ π. μου

Ps. 22 (23). 5. τὸ π. σου μεθύσκον ὡς κρίτιστον (1 α)  
 74 (75). 8. ποτήριον ἐν χειρὶ κυρίου (1 α)  
 115. 4 (116. 13). ποτήριον σωτηρίου λύψομαι (1 α)  
 Pr. 23. 31. ἐὰν γὰρ εἰς τὰς φιάλας καὶ τὰ π.  
 ὄψῃ τοὺς ὀφθαλμούς σου (1 α, 1 δ\*)  
 Hb. 2. 16. ἐκύκλωσεν ἐπὶ σέ π. δεξιὰς κυρίου (1 α)  
 Is. 51. 17. ἡ πύσις ἐκ χειρὸς κ. τὸ π. τοῦ  
 θυμοῦ αὐ. τὸ π. γὰρ τῆς πτώσεως τὸ  
 κόνδυ τοῦ θυμοῦ ἐξέπτες (1 α, 8)  
 — 22. ἐλῆφα ἐκ τῆς χειρὸς σου τὸ π. τῆς  
 πτώσεως (1 α)  
 Je. 16. 7. οὐ ποτιούσιν αὐτὸν π. (1 α)  
 28 (51). 7. π. χρυσοῦν Βαβ. ἐν χειρὶ κ. (1 α)  
 29 (49). 12. οἷς οὐκ ἦν νόμος πίνειν τὸ π. ἔπιον (1 α)  
 32 (25). 15. λάβε τὸ π. τοῦ οἴνου (1 α)  
 — 17. ἔλαβον τὸ π. [B om. τὸ π.] ἐκ χειρὸς  
 κυρίου (1 α)  
 — 28. δέεσθαι τὸ π. ἐκ τῆς χειρὸς σου (1 α)  
 42 (35). 5. κεράμιον οἴνου καὶ ποτήρια (1 α)  
 La. 2. 13. ἐμεγαλύνθη π. συντραβῆς σου  
 4. 21. ἐπὶ σέ διαλεῖνται τὸ [A. om.] π. κυρίου (1 α)  
 Ez. 23. 31. δώσω τὸ π. αὐτῆς εἰς χεῖράς σου (1 α)  
 — 32. τὸ π. τῆς ἀδελφῆς σου πείσας (1 α)  
 — 33. τὸ π. ἀφανισμοῦ π. ἀδελφῆς σου Σαμ.  
 (1 α, 1 α)  
 [Aq. Ps. 22 (23). 5: Is. 51. 22.]  
 [Sm. Ps. 22 (23). 5: 74 (75). 9: Is. 51. 17 bis.  
 22.]  
 [Th. Ps. 22 (23). 5: Is. 51. 17: Ez. 23. 33.]  
 [Quint. Sext. Ps. 22 (23). 5.]  
 ποτίζειν. (1) נָחַץ hi. (2) נָחַץ (3) נָחַץ hi.  
 Ge. 2. 6. ἐπότηζε πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς (8)  
 — 10. ποτίζειν τὸν παράδεισον (8)  
 13. 10. ὅτι πᾶσα ἡν ποτιζομένη (8)  
 19. 32. ποτίσωμεν τὸν πατέρα ἡμῶν οἶνον (8)  
 — 33. ἐπότησαν δὲ τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον (8)  
 — 34. ποτίσωμεν αὐτὸν οἶνον (8)  
 — 35. ἐπότησαν δὲ . . . τὸν πατ. αὐτῶν οἶνον (8)  
 21. 19. ἐπότησε τὸ παιδίον (8)  
 24. 14. τὰς καμήλους σου ποτιῶ  
 — 17. ποτίσας με μικρὸν ὕδωρ (1)  
 — 18. καὶ ἐπότησαν αὐτόν (8)  
 — 43. ποτίσας με . . . μικρὸν ὕδωρ (8)  
 — 45. ποτίσας με (8)  
 — 46. τὰς καμήλους σου ποτιῶ (8)  
 — 46. τὰς καμήλους μου ἐπότησε (8)  
 29. 2. ἐπότηζον τὰ πρῶματα (8)  
 — 3. ἐπότηζον τὰ πρόβατα (8)  
 — 7. ποτίσαντες τὰ πρόβατα (8)  
 — 8. ποτιούμεν τὰ πρόβατα (8)  
 — 10. Α. ἐπότησαν [B -ις] τὰ πρόβατα Λ. (8)  
 Ex. 2. 16. ποτίσαι τὰ πρόβ. τοῦ πατρὸς αὐ. (8)  
 — 17. ἐπότησε τὰ πρόβ. αὐτῶν (8)  
 — 19. ἐπότησε τὰ πρόβατα (8)  
 32. 20. ἐπότησαν αὐτὸ τοὺς υἱούς 'Ισρ. (8)  
 Nu. 5. 24, 26. ποτιεὶ τὴν γυναῖκα τὸ ὕδωρ (8)  
 20. 8. ποτιεὶ τὴν συναγωγὴν (8)  
 De. 11. 10. καὶ ποτίξωσι τοῖς ποσὶν αὐ. (8)  
 Jd. 4. 19. ποτίσας με δὴ μικρὸν ὕδωρ (8)  
 — 19. καὶ ἐπότησαν αὐτόν (8)  
 I Ki. 30. 11. ἐπότησαν αὐτὸν ὕδωρ (8)  
 II Ki. 23. 15: I Ch. 11. 17. τίς ποτιεὶ με ὕδωρ (8)  
 Jb. 22. 7. οὐδὲ ὕδωρ διψῶντας ἐπότησας (8)  
 Ps. 35 (36). 8. τὸν χεῖμαρρον τῆς τρυφῆς σου  
 ποτιεῖς αὐτούς (8)  
 — 59 (60). 3. ἐπότησας ἡμᾶς οἶνον κατανύξεως (8)  
 68 (69). 21. εἰς τὴν δίψαν μου ἐπότησάν με ἄξος (8)  
 77 (78). 15. ἐπότησαν αὐτούς (8)  
 79 (80). 5. ποτιεῖς ἡμᾶς ἐν δάκρυσιν ἐν μέτρῳ (8)  
 103 (104). 11. ποτιούσι πάντα τὰ θηρία (8)  
 — 13. ποτίξων ὄρη ἐκ τῶν ὑπερφῶν αὐτοῦ (8)  
 Pr. 25. 21. ἐὰν διψᾷ ποτίξαι αὐτόν (8)  
 Ec. 2. 6. τοῦ ποτίσαι ἀπ' αὐτῶν δρυμόν (8)  
 Ca. 8. 2. ποτιῶ σε ἀπὸ οἴνου τοῦ μυρεφικοῦ (8)  
 Si. 15. 3. ὕδωρ σοφίας ποτιεῖς [A B -ις] αὐτόν (8)  
 24. 31. ποτιῶ [A B -ισω] μου τὸν κήπον (8)  
 29. 25. ποτιεῖς εἰς [A B -ισω] ἀγάρωτα (8)  
 Am. 2. 12. ἐποτίξετε τοὺς ἡγιασμένους οἶνον (8)  
 Jl. 8 (4). 18. ποτιεὶ τὸν χεῖμαρρον τῶν σχοίνων (8)  
 Hb. 2. 15. ὁ ὁ ποτίων τὸν πλησίον αὐ. (8)  
 Is. 27. 3. μᾶτην ποτιῶ αὐτὴν (8)  
 29. 10. πεπότικεν ὑμᾶς κ. πνεύματι κατανύξεως (8)  
 43. 20. ποτίσαι [A -ισω] τὸ γένος μου τὸ  
 ἐλεκτόν (8)  
 Je. 8. 14. ἐπότησαν ἡμᾶς ὕδωρ χολῆς (8)

Je. 9. 15 (14). ποτιῶ αὐτοὺς ὕδωρ χαλῆς (3)  
 16. 7. οὐ ποτιοῦσιν αὐτὸν ποτήριον (3)  
 23. 15. ποτιῶ αὐτοὺς ὕδωρ πικρὸν (3)  
 82 (26). 15. ποτιεῖς πάντα τὰ ἔθνη (3)  
 — 17. ἐπότισα τὰ ἔθνη (3)  
 42 (85). 2. ποτιεῖς αὐτοὺς οἶνον (3)  
 Ez. 17. 7. τοῦ ποτίσαι αὐτήν (3)  
 82. 6. ποτισθήσεται ἡ γῆ (3)  
 III Ma. 5. 2. ἀπαντας τοὺς ἐλέφαντας ποτίσαι  
 — 10. τοὺς ἀηλεῖς ἐλέφαντας ποτίσας  
 [Aq. Gz. 2. 6: 15. 2: Jb. 21. 24: Ps. 59  
 (60). 5.]  
 [Sm. Ps. 64 (65). 10: 68 (69). 22: 79 (80). 6.]  
 [Al. Hb. 2. 15.]

## ποτισμός.

[Aq. Pr. 3. 8.]

## ποτιστήριον. (1) נִרְשֵׁי

Ge. 24. 20. ἐξεκένωσε τὴν ὑδρίαν ἐπὶ τὸ π.  
 30. 8. ἐν ταῖς ληνοῖς τῶν π. τοῦ ὕδ.  
 [Sm. Ez. 46. 15 (Sw.).]  
 [Th. Ez. 46. 15.]

## ποτιστής.

[Aq. Gz. 40. 5.]

## ποτίστρα.

[Al. Ex. 2. 16.]

## πότος. (1) דִּבְרֵי (2) נִרְשֵׁי (3) א. נִרְשֵׁי

δ. נִרְשֵׁי c. נִרְשֵׁי

Ge. 19. 3. ἐποίησαν αὐτοῖς πότον (3 a)  
 40. 20. ἐποίησε πότον πᾶσι τοῖς πακίςιν αὐ. (3 a)  
 Jd. 14. 10. ἐποίησαν ἐκεῖ Σ. πότον (3 a)  
 — 12. ἐν ταῖς ἐπτά ἡμέραις τοῦ π. (3 a)  
 — 17. δεῖν αὐτοῖς ὁ π. [A. al.] (3 a)  
 I Ki. 25. 36. Α Β Γ Δ πότος ἐν οἴκῳ αὐ. ὡς [Β] <sup>1</sup> <sub>1</sub> <sup>2</sup> <sub>2</sub> <sup>3</sup> <sub>3</sub> <sup>4</sup> <sub>4</sub> <sup>5</sup> <sub>5</sub> <sup>6</sup> <sub>6</sub> <sup>7</sup> <sub>7</sub> <sup>8</sup> <sub>8</sub> <sup>9</sup> <sub>9</sub> <sup>10</sup> <sub>10</sub> <sup>11</sup> <sub>11</sub> <sup>12</sup> <sub>12</sub> <sup>13</sup> <sub>13</sub> <sup>14</sup> <sub>14</sub> <sup>15</sup> <sub>15</sub> <sup>16</sup> <sub>16</sub> <sup>17</sup> <sub>17</sub> <sup>18</sup> <sub>18</sub> <sup>19</sup> <sub>19</sub> <sup>20</sup> <sub>20</sub> <sup>21</sup> <sub>21</sub> <sup>22</sup> <sub>22</sub> <sup>23</sup> <sub>23</sub> <sup>24</sup> <sub>24</sub> <sup>25</sup> <sub>25</sub> <sup>26</sup> <sub>26</sub> <sup>27</sup> <sub>27</sub> <sup>28</sup> <sub>28</sub> <sup>29</sup> <sub>29</sub> <sup>30</sup> <sub>30</sub> <sup>31</sup> <sub>31</sub> <sup>32</sup> <sub>32</sub> <sup>33</sup> <sub>33</sub> <sup>34</sup> <sub>34</sub> <sup>35</sup> <sub>35</sub> <sup>36</sup> <sub>36</sub> <sup>37</sup> <sub>37</sub> <sup>38</sup> <sub>38</sub> <sup>39</sup> <sub>39</sub> <sup>40</sup> <sub>40</sub> <sup>41</sup> <sub>41</sub> <sup>42</sup> <sub>42</sub> <sup>43</sup> <sub>43</sub> <sup>44</sup> <sub>44</sub> <sup>45</sup> <sub>45</sub> <sup>46</sup> <sub>46</sub> <sup>47</sup> <sub>47</sub> <sup>48</sup> <sub>48</sub> <sup>49</sup> <sub>49</sub> <sup>50</sup> <sub>50</sub> <sup>51</sup> <sub>51</sub> <sup>52</sup> <sub>52</sub> <sup>53</sup> <sub>53</sub> <sup>54</sup> <sub>54</sub> <sup>55</sup> <sub>55</sub> <sup>56</sup> <sub>56</sub> <sup>57</sup> <sub>57</sub> <sup>58</sup> <sub>58</sub> <sup>59</sup> <sub>59</sub> <sup>60</sup> <sub>60</sub> <sup>61</sup> <sub>61</sub> <sup>62</sup> <sub>62</sub> <sup>63</sup> <sub>63</sub> <sup>64</sup> <sub>64</sub> <sup>65</sup> <sub>65</sub> <sup>66</sup> <sub>66</sub> <sup>67</sup> <sub>67</sub> <sup>68</sup> <sub>68</sub> <sup>69</sup> <sub>69</sub> <sup>70</sup> <sub>70</sub> <sup>71</sup> <sub>71</sub> <sup>72</sup> <sub>72</sub> <sup>73</sup> <sub>73</sub> <sup>74</sup> <sub>74</sub> <sup>75</sup> <sub>75</sub> <sup>76</sup> <sub>76</sub> <sup>77</sup> <sub>77</sub> <sup>78</sup> <sub>78</sub> <sup>79</sup> <sub>79</sub> <sup>80</sup> <sub>80</sub> <sup>81</sup> <sub>81</sub> <sup>82</sup> <sub>82</sub> <sup>83</sup> <sub>83</sub> <sup>84</sup> <sub>84</sub> <sup>85</sup> <sub>85</sub> <sup>86</sup> <sub>86</sub> <sup>87</sup> <sub>87</sub> <sup>88</sup> <sub>88</sub> <sup>89</sup> <sub>89</sub> <sup>90</sup> <sub>90</sub> <sup>91</sup> <sub>91</sub> <sup>92</sup> <sub>92</sub> <sup>93</sup> <sub>93</sub> <sup>94</sup> <sub>94</sub> <sup>95</sup> <sub>95</sub> <sup>96</sup> <sub>96</sub> <sup>97</sup> <sub>97</sub> <sup>98</sup> <sub>98</sub> <sup>99</sup> <sub>99</sub> <sup>100</sup> <sub>100</sub> <sup>101</sup> <sub>101</sub> <sup>102</sup> <sub>102</sub> <sup>103</sup> <sub>103</sub> <sup>104</sup> <sub>104</sub> <sup>105</sup> <sub>105</sub> <sup>106</sup> <sub>106</sub> <sup>107</sup> <sub>107</sub> <sup>108</sup> <sub>108</sub> <sup>109</sup> <sub>109</sub> <sup>110</sup> <sub>110</sub> <sup>111</sup> <sub>111</sub> <sup>112</sup> <sub>112</sub> <sup>113</sup> <sub>113</sub> <sup>114</sup> <sub>114</sub> <sup>115</sup> <sub>115</sub> <sup>116</sup> <sub>116</sub> <sup>117</sup> <sub>117</sub> <sup>118</sup> <sub>118</sub> <sup>119</sup> <sub>119</sub> <sup>120</sup> <sub>120</sub> <sup>121</sup> <sub>121</sub> <sup>122</sup> <sub>122</sub> <sup>123</sup> <sub>123</sub> <sup>124</sup> <sub>124</sub> <sup>125</sup> <sub>125</sub> <sup>126</sup> <sub>126</sub> <sup>127</sup> <sub>127</sub> <sup>128</sup> <sub>128</sub> <sup>129</sup> <sub>129</sub> <sup>130</sup> <sub>130</sub> <sup>131</sup> <sub>131</sub> <sup>132</sup> <sub>132</sub> <sup>133</sup> <sub>133</sub> <sup>134</sup> <sub>134</sub> <sup>135</sup> <sub>135</sub> <sup>136</sup> <sub>136</sub> <sup>137</sup> <sub>137</sub> <sup>138</sup> <sub>138</sub> <sup>139</sup> <sub>139</sub> <sup>140</sup> <sub>140</sub> <sup>141</sup> <sub>141</sub> <sup>142</sup> <sub>142</sub> <sup>143</sup> <sub>143</sub> <sup>144</sup> <sub>144</sub> <sup>145</sup> <sub>145</sub> <sup>146</sup> <sub>146</sub> <sup>147</sup> <sub>147</sub> <sup>148</sup> <sub>148</sub> <sup>149</sup> <sub>149</sub> <sup>150</sup> <sub>150</sub> <sup>151</sup> <sub>151</sub> <sup>152</sup> <sub>152</sub> <sup>153</sup> <sub>153</sub> <sup>154</sup> <sub>154</sub> <sup>155</sup> <sub>155</sub> <sup>156</sup> <sub>156</sub> <sup>157</sup> <sub>157</sub> <sup>158</sup> <sub>158</sub> <sup>159</sup> <sub>159</sub> <sup>160</sup> <sub>160</sub> <sup>161</sup> <sub>161</sub> <sup>162</sup> <sub>162</sub> <sup>163</sup> <sub>163</sub> <sup>164</sup> <sub>164</sub> <sup>165</sup> <sub>165</sub> <sup>166</sup> <sub>166</sub> <sup>167</sup> <sub>167</sub> <sup>168</sup> <sub>168</sub> <sup>169</sup> <sub>169</sub> <sup>170</sup> <sub>170</sub> <sup>171</sup> <sub>171</sub> <sup>172</sup> <sub>172</sub> <sup>173</sup> <sub>173</sub> <sup>174</sup> <sub>174</sub> <sup>175</sup> <sub>175</sub> <sup>176</sup> <sub>176</sub> <sup>177</sup> <sub>177</sub> <sup>178</sup> <sub>178</sub> <sup>179</sup> <sub>179</sub> <sup>180</sup> <sub>180</sub> <sup>181</sup> <sub>181</sub> <sup>182</sup> <sub>182</sub> <sup>183</sup> <sub>183</sub> <sup>184</sup> <sub>184</sub> <sup>185</sup> <sub>185</sub> <sup>186</sup> <sub>186</sub> <sup>187</sup> <sub>187</sub> <sup>188</sup> <sub>188</sub> <sup>189</sup> <sub>189</sub> <sup>190</sup> <sub>190</sub> <sup>191</sup> <sub>191</sub> <sup>192</sup> <sub>192</sub> <sup>193</sup> <sub>193</sub> <sup>194</sup> <sub>194</sub> <sup>195</sup> <sub>195</sub> <sup>196</sup> <sub>196</sub> <sup>197</sup> <sub>197</sub> <sup>198</sup> <sub>198</sub> <sup>199</sup> <sub>199</sub> <sup>200</sup> <sub>200</sub> <sup>201</sup> <sub>201</sub> <sup>202</sup> <sub>202</sub> <sup>203</sup> <sub>203</sub> <sup>204</sup> <sub>204</sub> <sup>205</sup> <sub>205</sub> <sup>206</sup> <sub>206</sub> <sup>207</sup> <sub>207</sub> <sup>208</sup> <sub>208</sub> <sup>209</sup> <sub>209</sub> <sup>210</sup> <sub>210</sub> <sup>211</sup> <sub>211</sub> <sup>212</sup> <sub>212</sub> <sup>213</sup> <sub>213</sub> <sup>214</sup> <sub>214</sub> <sup>215</sup> <sub>215</sub> <sup>216</sup> <sub>216</sub> <sup>217</sup> <sub>217</sub> <sup>218</sup> <sub>218</sub> <sup>219</sup> <sub>219</sub> <sup>220</sup> <sub>220</sub> <sup>221</sup> <sub>221</sub> <sup>222</sup> <sub>222</sub> <sup>223</sup> <sub>223</sub> <sup>224</sup> <sub>224</sub> <sup>225</sup> <sub>225</sub> <sup>226</sup> <sub>226</sub> <sup>227</sup> <sub>227</sub> <sup>228</sup> <sub>228</sub> <sup>229</sup> <sub>229</sub> <sup>230</sup> <sub>230</sub> <sup>231</sup> <sub>231</sub> <sup>232</sup> <sub>232</sub> <sup>233</sup> <sub>233</sub> <sup>234</sup> <sub>234</sub> <sup>235</sup> <sub>235</sub> <sup>236</sup> <sub>236</sub> <sup>237</sup> <sub>237</sub> <sup>238</sup> <sub>238</sub> <sup>239</sup> <sub>239</sub> <sup>240</sup> <sub>240</sub> <sup>241</sup> <sub>241</sub> <sup>242</sup> <sub>242</sub> <sup>243</sup> <sub>243</sub> <sup>244</sup> <sub>244</sub> <sup>245</sup> <sub>245</sub> <sup>246</sup> <sub>246</sub> <sup>247</sup> <sub>247</sub> <sup>248</sup> <sub>248</sub> <sup>249</sup> <sub>249</sub> <sup>250</sup> <sub>250</sub> <sup>251</sup> <sub>251</sub> <sup>252</sup> <sub>252</sub> <sup>253</sup> <sub>253</sub> <sup>254</sup> <sub>254</sub> <sup>255</sup> <sub>255</sub> <sup>256</sup> <sub>256</sub> <sup>257</sup> <sub>257</sub> <sup>258</sup> <sub>258</sub> <sup>259</sup> <sub>259</sub> <sup>260</sup> <sub>260</sub> <sup>261</sup> <sub>261</sub> <sup>262</sup> <sub>262</sub> <sup>263</sup> <sub>263</sub> <sup>264</sup> <sub>264</sub> <sup>265</sup> <sub>265</sub> <sup>266</sup> <sub>266</sub> <sup>267</sup> <sub>267</sub> <sup>268</sup> <sub>268</sub> <sup>269</sup> <sub>269</sub> <sup>270</sup> <sub>270</sub> <sup>271</sup> <sub>271</sub> <sup>272</sup> <sub>272</sub> <sup>273</sup> <sub>273</sub> <sup>274</sup> <sub>274</sub> <sup>275</sup> <sub>275</sub> <sup>276</sup> <sub>276</sub> <sup>277</sup> <sub>277</sub> <sup>278</sup> <sub>278</sub> <sup>279</sup> <sub>279</sub> <sup>280</sup> <sub>280</sub> <sup>281</sup> <sub>281</sub> <sup>282</sup> <sub>282</sub> <sup>283</sup> <sub>283</sub> <sup>284</sup> <sub>284</sub> <sup>285</sup> <sub>285</sub> <sup>286</sup> <sub>286</sub> <sup>287</sup> <sub>287</sub> <sup>288</sup> <sub>288</sub> <sup>289</sup> <sub>289</sub> <sup>290</sup> <sub>290</sub> <sup>291</sup> <sub>291</sub> <sup>292</sup> <sub>292</sub> <sup>293</sup> <sub>293</sub> <sup>294</sup> <sub>294</sub> <sup>295</sup> <sub>295</sub> <sup>296</sup> <sub>296</sub> <sup>297</sup> <sub>297</sub> <sup>298</sup> <sub>298</sub> <sup>299</sup> <sub>299</sub> <sup>300</sup> <sub>300</sub> <sup>301</sup> <sub>301</sub> <sup>302</sup> <sub>302</sub> <sup>303</sup> <sub>303</sub> <sup>304</sup> <sub>304</sub> <sup>305</sup> <sub>305</sub> <sup>306</sup> <sub>306</sub> <sup>307</sup> <sub>307</sub> <sup>308</sup> <sub>308</sub> <sup>309</sup> <sub>309</sub> <sup>310</sup> <sub>310</sub> <sup>311</sup> <sub>311</sub> <sup>312</sup> <sub>312</sub> <sup>313</sup> <sub>313</sub> <sup>314</sup> <sub>314</sub> <sup>315</sup> <sub>315</sub> <sup>316</sup> <sub>316</sub> <sup>317</sup> <sub>317</sub> <sup>318</sup> <sub>318</sub> <sup>319</sup> <sub>319</sub> <sup>320</sup> <sub>320</sub> <sup>321</sup> <sub>321</sub> <sup>322</sup> <sub>322</sub> <sup>323</sup> <sub>323</sub> <sup>324</sup> <sub>324</sub> <sup>325</sup> <sub>325</sub> <sup>326</sup> <sub>326</sub> <sup>327</sup> <sub>327</sub> <sup>328</sup> <sub>328</sub> <sup>329</sup> <sub>329</sub> <sup>330</sup> <sub>330</sub> <sup>331</sup> <sub>331</sub> <sup>332</sup> <sub>332</sub> <sup>333</sup> <sub>333</sub> <sup>334</sup> <sub>334</sub> <sup>335</sup> <sub>335</sub> <sup>336</sup> <sub>336</sub> <sup>337</sup> <sub>337</sub> <sup>338</sup> <sub>338</sub> <sup>339</sup> <sub>339</sub> <sup>340</sup> <sub>340</sub> <sup>341</sup> <sub>341</sub> <sup>342</sup> <sub>342</sub> <sup>343</sup> <sub>343</sub> <sup>344</sup> <sub>344</sub> <sup>345</sup> <sub>345</sub> <sup>346</sup> <sub>346</sub> <sup>347</sup> <sub>347</sub> <sup>348</sup> <sub>348</sub> <sup>349</sup> <sub>349</sub> <sup>350</sup> <sub>350</sub> <sup>351</sup> <sub>351</sub> <sup>352</sup> <sub>352</sub> <sup>353</sup> <sub>353</sub> <sup>354</sup> <sub>354</sub> <sup>355</sup> <sub>355</sub> <sup>356</sup> <sub>356</sub> <sup>357</sup> <sub>357</sub> <sup>358</sup> <sub>358</sub> <sup>359</sup> <sub>359</sub> <sup>360</sup> <sub>360</sub> <sup>361</sup> <sub>361</sub> <sup>362</sup> <sub>362</sub> <sup>363</sup> <sub>363</sub> <sup>364</sup> <sub>364</sub> <sup>365</sup> <sub>365</sub> <sup>366</sup> <sub>366</sub> <sup>367</sup> <sub>367</sub> <sup>368</sup> <sub>368</sub> <sup>369</sup> <sub>369</sub> <sup>370</sup> <sub>370</sub> <sup>371</sup> <sub>371</sub> <sup>372</sup> <sub>372</sub> <sup>373</sup> <sub>373</sub> <sup>374</sup> <sub>374</sub> <sup>375</sup> <sub>375</sub> <sup>376</sup> <sub>376</sub> <sup>377</sup> <sub>377</sub> <sup>378</sup> <sub>378</sub> <sup>379</sup> <sub>379</sub> <sup>380</sup> <sub>380</sub> <sup>381</sup> <sub>381</sub> <sup>382</sup> <sub>382</sub> <sup>383</sup> <sub>383</sub> <sup>384</sup> <sub>384</sub> <sup>385</sup> <sub>385</sub> <sup>386</sup> <sub>386</sub> <sup>387</sup> <sub>387</sub> <sup>388</sup> <sub>388</sub> <sup>389</sup> <sub>389</sub> <sup>390</sup> <sub>390</sub> <sup>391</sup> <sub>391</sub> <sup>392</sup> <sub>392</sub> <sup>393</sup> <sub>393</sub> <sup>394</sup> <sub>394</sub> <sup>395</sup> <sub>395</sub> <sup>396</sup> <sub>396</sub> <sup>397</sup> <sub>397</sub> <sup>398</sup> <sub>398</sub> <sup>399</sup> <sub>399</sub> <sup>400</sup> <sub>400</sub> <sup>401</sup> <sub>401</sub> <sup>402</sup> <sub>402</sub> <sup>403</sup> <sub>403</sub> <sup>404</sup> <sub>404</sub> <sup>405</sup> <sub>405</sub> <sup>406</sup> <sub>406</sub> <sup>407</sup> <sub>407</sub> <sup>408</sup> <sub>408</sub> <sup>409</sup> <sub>409</sub> <sup>410</sup> <sub>410</sub> <sup>411</sup> <sub>411</sub> <sup>412</sup> <sub>412</sub> <sup>413</sup> <sub>413</sub> <sup>414</sup> <sub>414</sub> <sup>415</sup> <sub>415</sub> <sup>416</sup> <sub>416</sub> <sup>417</sup> <sub>417</sub> <sup>418</sup> <sub>418</sub> <sup>419</sup> <sub>419</sub> <sup>420</sup> <sub>420</sub> <sup>421</sup> <sub>421</sub> <sup>422</sup> <sub>422</sub> <sup>423</sup> <sub>423</sub> <sup>424</sup> <sub>424</sub> <sup>425</sup> <sub>425</sub> <sup>426</sup> <sub>426</sub> <sup>427</sup> <sub>427</sub> <sup>428</sup> <sub>428</sub> <sup>429</sup> <sub>429</sub> <sup>430</sup> <sub>430</sub> <sup>431</sup> <sub>431</sub> <sup>432</sup> <sub>432</sub> <sup>433</sup> <sub>433</sub> <sup>434</sup> <sub>434</sub> <sup>435</sup> <sub>435</sub> <sup>436</sup> <sub>436</sub> <sup>437</sup> <sub>437</sub> <sup>438</sup> <sub>438</sub> <sup>439</sup> <sub>439</sub> <sup>440</sup> <sub>440</sub> <sup>441</sup> <sub>441</sub> <sup>442</sup> <sub>442</sub> <sup>443</sup> <sub>443</sub> <sup>444</sup> <sub>444</sub> <sup>445</sup> <sub>445</sub> <sup>446</sup> <sub>446</sub> <sup>447</sup> <sub>447</sub> <sup>448</sup> <sub>448</sub> <sup>449</sup> <sub>449</sub> <sup>450</sup> <sub>450</sub> <sup>451</sup> <sub>451</sub> <sup>452</sup> <sub>452</sub> <sup>453</sup> <sub>453</sub> <sup>454</sup> <sub>454</sub> <sup>455</sup> <sub>455</sub> <sup>456</sup> <sub>456</sub> <sup>457</sup> <sub>457</sub> <sup>458</sup> <sub>458</sub> <sup>459</sup> <sub>459</sub> <sup>460</sup> <sub>460</sub> <sup>461</sup> <sub>461</sub> <sup>462</sup> <sub>462</sub> <sup>463</sup> <sub>463</sub> <sup>464</sup> <sub>464</sub> <sup>465</sup> <sub>465</sub> <sup>466</sup> <sub>466</sub> <sup>467</sup> <sub>467</sub> <sup>468</sup> <sub>468</sub> <sup>469</sup> <sub>469</sub> <sup>470</sup> <sub>470</sub> <sup>471</sup> <sub>471</sub> <sup>472</sup> <sub>472</sub> <sup>473</sup> <sub>473</sub> <sup>474</sup> <sub>474</sub> <sup>475</sup> <sub>475</sub> <sup>476</sup> <sub>476</sub> <sup>477</sup> <sub>477</sub> <sup>478</sup> <sub>478</sub> <sup>479</sup> <sub>479</sub> <sup>480</sup> <sub>480</sub> <sup>481</sup> <sub>481</sub> <sup>482</sup> <sub>482</sub> <sup>483</sup> <sub>483</sub> <sup>484</sup> <sub>484</sub> <sup>485</sup> <sub>485</sub> <sup>486</sup> <sub>486</sub> <sup>487</sup> <sub>487</sub> <sup>488</sup> <sub>488</sub> <sup>489</sup> <sub>489</sub> <sup>490</sup> <sub>490</sub> <sup>491</sup> <sub>491</sub> <sup>492</sup> <sub>492</sub> <sup>493</sup> <sub>493</sub> <sup>494</sup> <sub>494</sub> <sup>495</sup> <sub>495</sub> <sup>496</sup> <sub>496</sub> <sup>497</sup> <sub>497</sub> <sup>498</sup> <sub>498</sub> <sup>499</sup> <sub>499</sub> <sup>500</sup> <sub>500</sub> <sup>501</sup> <sub>501</sub> <sup>502</sup> <sub>502</sub> <sup>503</sup> <sub>503</sub> <sup>504</sup> <sub>504</sub> <sup>505</sup> <sub>505</sub> <sup>506</sup> <sub>506</sub> <sup>507</sup> <sub>507</sub> <sup>508</sup> <sub>508</sub> <sup>509</sup> <sub>509</sub> <sup>510</sup> <sub>510</sub> <sup>511</sup> <sub>511</sub> <sup>512</sup> <sub>512</sub> <sup>513</sup> <sub>513</sub> <sup>514</sup> <sub>514</sub> <sup>515</sup> <sub>515</sub> <sup>516</sup> <sub>516</sub> <sup>517</sup> <sub>517</sub> <sup>518</sup> <sub>518</sub> <sup>519</sup> <sub>519</sub> <sup>520</sup> <sub>520</sub> <sup>521</sup> <sub>521</sub> <sup>522</sup> <sub>522</sub> <sup>523</sup> <sub>523</sub> <sup>524</sup> <sub>524</sub> <sup>525</sup> <sub>525</sub> <sup>526</sup> <sub>526</sub> <sup>527</sup> <sub>527</sub> <sup>528</sup> <sub>528</sub> <sup>529</sup> <sub>529</sub> <sup>530</sup> <sub>530</sub> <sup>531</sup> <sub>531</sub> <sup>532</sup> <sub>532</sub> <sup>533</sup> <sub>533</sub> <sup>534</sup> <sub>534</sub> <sup>535</sup> <sub>535</sub> <sup>536</sup> <sub>536</sub> <sup>537</sup> <sub>537</sub> <sup>538</sup> <sub>538</sub> <sup>539</sup> <sub>539</sub> <sup>540</sup> <sub>540</sub> <sup>541</sup> <sub>541</sub> <sup>542</sup> <sub>542</sub> <sup>543</sup> <sub>543</sub> <sup>544</sup> <sub>544</sub> <sup>545</sup> <sub>545</sub> <sup>546</sup> <sub>546</sub> <sup>547</sup> <sub>547</sub> <sup>548</sup> <sub>548</sub> <sup>549</sup> <sub>549</sub> <sup>550</sup> <sub>550</sub> <sup>551</sup> <sub>551</sub> <sup>552</sup> <sub>552</sub> <sup>553</sup> <sub>553</sub> <sup>554</sup> <sub>554</sub> <sup>555</sup> <sub>555</sub> <sup>556</sup> <sub>556</sub> <sup>557</sup> <sub>557</sub> <sup>558</sup> <sub>558</sub> <sup>559</sup> <sub>559</sub> <sup>560</sup> <sub>560</sub> <sup>561</sup> <sub>561</sub> <sup>562</sup> <sub>562</sub> <sup>563</sup> <sub>563</sub> <sup>564</sup> <sub>564</sub> <sup>565</sup> <sub>565</sub> <sup>566</sup> <sub>566</sub> <sup>567</sup> <sub>567</sub> <sup>568</sup> <sub>568</sub> <sup>569</sup> <sub>569</sub> <sup>570</sup> <sub>570</sub> <sup>571</sup> <sub>571</sub> <sup>572</sup> <sub>572</sub> <sup>573</sup> <sub>573</sub> <sup>574</sup> <sub>574</sub> <sup>575</sup> <sub>575</sub> <sup>576</sup> <sub>576</sub> <sup>577</sup> <sub>577</sub> <sup>578</sup> <sub>578</sub> <sup>579</sup> <sub>579</sub> <sup>580</sup> <sub>580</sub> <sup>581</sup> <sub>581</sub> <sup>582</sup> <sub>582</sub> <sup>583</sup> <sub>583</sub> <sup>584</sup> <sub>584</sub> <sup>585</sup> <sub>585</sub> <sup>586</sup> <sub>586</sub> <sup>587</sup> <sub>587</sub> <sup>588</sup> <sub>588</sub> <sup>589</sup> <sub>589</sub> <sup>590</sup> <sub>590</sub> <sup>591</sup> <sub>591</sub> <sup>592</sup> <sub>592</sub> <sup>593</sup> <sub>593</sub> <sup>594</sup> <sub>594</sub> <sup>595</sup> <sub>595</sub> <sup>596</sup> <sub>596</sub> <sup>597</sup> <sub>597</sub> <sup>598</sup> <sub>598</sub> <sup>599</sup> <sub>599</sub> <sup>600</sup> <sub>600</sub> <sup>601</sup> <sub>601</sub> <sup>602</sup> <sub>602</sub> <sup>603</sup> <sub>603</sub> <sup>604</sup> <sub>604</sub> <sup>605</sup> <sub>605</sub> <sup>606</sup> <sub>606</sub> <sup>607</sup> <sub>607</sub> <sup>608</sup> <sub>608</sub> <sup>609</sup> <sub>609</sub> <sup>610</sup> <sub>610</sub> <sup>611</sup> <sub>611</sub> <sup>612</sup> <sub>612</sub> <sup>613</sup> <sub>613</sub> <sup>614</sup> <sub>614</sub> <sup>615</sup> <sub>615</sub> <sup>616</sup> <sub>616</sub> <sup>617</sup> <sub>617</sub> <sup>618</sup> <sub>618</sub> <sup>619</sup> <sub>619</sub> <sup>620</sup> <sub>620</sub> <sup>621</sup> <sub>621</sub> <sup>622</sup> <sub>622</sub> <sup>623</sup> <sub>623</sub> <sup>624</sup> <sub>624</sub> <sup>625</sup> <sub>625</sub> <sup>626</sup>

IV Ki. 9. 35. τὸ κρανίον καὶ οἱ π. (6a)  
 13. 21. ἀνέστη ἐπὶ τοὺς π. αὐτοῦ (6a)  
 19. 24. ἐξηγήμασθα τῷ ἔχηνι τοῦ π. μου (4)  
 21. 8. τοῦ σαλῆσαι τὸν π. ἴσρ. (6a)  
 I Ch. 28. 2. οἰκοδόμησαι . . . στάσιν ποδῶν κυρίου ἡμ. (6a)  
 II Ch. 3. 13. ἐστήκοτα ἐπὶ τοὺς π. αὐτῶν (6a)  
 16. 12. ἐμαλακίσθη Ἀσά . . . τοὺς π. (6a)  
 33. 8. σαλεύσαι τὸν π. ἴσρ. (6a)  
 Ne. 9. 21. πόδες αὐ. οὐ διερράγησαν [A B al.] (6a)  
 To. 6. 2. S περιψάσθαι τοὺς π. [A B al.]  
 — 2. S καταπνέει τὸν π. τοῦ παιδαρίου [A B al.]  
 11. 10. S προσέκοπεν τοὺς π. [A B om. τ. π.]  
 Ju. 2. 7. καλύψω . . . ἐν τοῖς π. τῆς θυγατρὸς μου  
 6. 4. A τὸ ἔχρος τῶν π. [S τοῦ π.] αὐ. κατὰ πρόσ-  
 ωπον τῶν π. [B S om. τ. π.] ἡμῶν  
 10. 4. ἔλαβε στανδάλια εἰς τοὺς π. αὐτῆς  
 14. 7. προσέειπε τοῖς π. Ἰ.  
 Es. 4. 17. φιλεῖν πέλματα ποδῶν αὐτοῦ  
 8. 3. προσέειπε πρὸς τοὺς π. αὐ. (6a)  
 — 13. ὅσα ἐστὶ παρὰ πόδας [S<sup>1</sup> al.]  
 Jb. 2. 7. ἀπὸ ποδῶν ἐξέτελλε (6b)  
 13. 27. θῶν δὲ μου τὸν π. ἐν κωλύματι [A κυκλωματι] (6a)  
 — 27. εἰς δὲ βίβας τῶν [A om.] π. μου ἀφίκου (6a)  
 18. 8. ἐμβίβληται δὲ οἱ π. αὐτοῦ ἐν παγίδι (6a)  
 — 11. πολλοὶ δὲ περὶ πόδα αὐτοῦ ἔλθουσιν [A al.] (6a)  
 — 13. βρωθείσαν αὐτοῦ κλώνες ποδῶν †  
 29. 15. ὑψαλμὸς ἡμῶν τυφλῶν ποὺς δὲ χαλῶν (6a)  
 30. 12. πόδα αὐτῶν ἐξέτελλε (6a)  
 31. 5. εἰ δὲ καὶ ἐσπουδάσαν οἱ π. μου εἰς δόλον (6a)  
 — 7. εἰ ἐξέκλινεν οἱ π. μου ἐκ τῆς ὁδοῦ (1)  
 33. 11. ἔθετο δὲ ἐν ξυλῷ τὸν π. μου (6a)  
 39. 15. ἐπελάθετο ὅτι ποὺς σκορπίζει [S<sup>2</sup> al.] (6a)  
 — 21. S<sup>2</sup> ἀνορύσαν ἐν ποδί [A B S<sup>1</sup> πεδίω] γανυρῆ †  
 Ps. 8. 6. πάντα ὑπέταξας ὑποκάτω τῶν π. αὐτοῦ (6a)  
 9. 15. ἐν παγίδι τ. . . συνελήφθη οἱ π. αὐ. (6a)  
 13 (14). 3. B S ὀρέξει οἱ π. αὐτῶν ἐκχείει αἷμα —  
 17 (18). 9. γνόφος ὑπὸ τοὺς π. αὐτοῦ (6a)  
 — 33. ὁ καταρτιζόμενος τοὺς π. μου (6a)  
 — 38. πεσόντων ὑπὸ τοὺς π. μου (6a)  
 21 (22). 16. ὠρυξαν χεῖράς μου καὶ πόδας (6a)  
 24 (25). 15. ἐκοπάζει ἐκ παγίδος τοὺς π. μου (6a)  
 25 (26). 12. ὁ γὰρ π. μου ἔσθη ἐν εὐθιότητι (6a)  
 30 (31). 8. ἔστησαν ἐν εὐρυχώρῳ τοὺς π. μου (6a)  
 35 (36). 11. μὴ ἐλθῶμαι μοι ποὺς ὑπερφηνας (6a)  
 37 (38). 16. ἐν τῷ σαλευθῆναι πόδας μου (6a)  
 39 (40). 2. ἔστησαν ἐπὶ πέτραις τοὺς π. μου (6a)  
 46 (47). 3. καὶ ἔσθη ὑπὸ τοὺς π. ἡμῶν (6a)  
 55 (56). 13. καὶ τοὺς π. μου ἐξ ὀλισθήματος (6a)  
 56 (57). 6. B S παγίδας ἡτοίμασαν τοὺς π. [S τὴν ψυχὴν] μου (4)  
 65 (66). 6. ἐν ποταμῷ διελεύσονται ποδί (6a)  
 — 9. καὶ μὴ δόντος εἰς σάλον τοὺς π. [S<sup>2</sup> τὸν π.] μου (6a)  
 67 (68). 23. ὥπως ἂν βαφῇ οἱ π. σου ἐν αἵματι (6a)  
 72 (73). 2. παρὰ μικρὸν ἐσαλεύθησαν οἱ π. (6a)  
 90 (91). 12. μὴ ποτε προσκόψης πρὸς λιθὸν τὸν π. σου (6a)  
 93 (94). 18. εἰ ἔλεγον, Σεσάλευται οἱ π. μου (6a)  
 98 (99). 5. προσκυνέετε τῷ ὑποποδίῳ τῶν π. αὐτοῦ (6a)  
 104 (105). 18. ἐταπεινώσαν ἐν πέδαις τοὺς π. αὐτοῦ (6a)  
 109 (110). 1. ὥς ἂν θῶ τοὺς ἐχθροὺς σου ὑπο-  
 πόδιον τῶν π. σου (6a)  
 113. 15 (115. 7). πόδας ἔχουσι (6a)  
 114 (116). 8. καὶ τοὺς π. μου ἀπὸ ὀλισθήματος (6a)  
 118 (119). 59. A B ἐπέστρεψα [S ap.] τοὺς π. μου εἰς τὰ μαρτύριά σου (6a)  
 — 101. ἐκ πάσης ὁδοῦ πον. ἐκώλυσα τοὺς π. μου (6a)  
 — 105. λῆχρος τοῖς π. μου ὁ νόμος σου (6a)  
 120 (121). 3. μὴ ὀφθῇ εἰς σάλον τὸν π. σου (6a)  
 121 (122). 2. ἐστῶτες ἦσαν οἱ π. ἡμῶν (6a)  
 131 (132). 7. οὐ ἔστησαν οἱ π. αὐτοῦ (6a)  
 134 (135). 17. A πόδας ἔχουσιν —  
 139 (140). 5. σχοινία διέτειναν παγίδας τοῖς π. μου †  
 Pr. 1. 15. ἔκκλινον δὲ τὸν π. σου [A σὸν π.] ἐκ τῶν τριβῶν αὐτῶν (6a)  
 — 16. A S<sup>2</sup> οἱ γὰρ π. αὐ. εἰς κακίαν τρέχουσιν (6a)

Pr. 3. 6. S<sup>2</sup> ὁ δὲ π. σου μὴ προσκόπη —  
 — 23. ὁ δὲ π. σου οὐ μὴ προσκόψῃ (6a)  
 — 26. ἐρείσει σὸν π. ἵνα μὴ σαλευθῇ (6a)  
 4. 26. ὁρθὰς τροχὰς ποῖν σοὶς π. (6a)  
 — 27. ἀποστρέψον δὲ σὸν π. ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (6a)  
 5. 5. τῆς γὰρ ἀφροσύνης οἱ π. κατάγουσι τοὺς χρωμένους αὐτῇ (6a)  
 6. 13. σημαίνει δὲ ποδί (6a)  
 — 18. πόδες ἐπισπείδοντες κακοποιεῖν (6a)  
 — 28. τοὺς δὲ π. οὐ κατακύνει (6a)  
 7. 11. ἐν οἴκῳ δὲ οὐχ ἡσυχάζουσιν οἱ π. αὐ. (6a)  
 24. 75 (31. 7). S<sup>1</sup> καὶ τῶν π. [A B S<sup>2</sup> πόνων] μὴ μνησθῶσιν ἐτι †  
 25. 17. σπάνιον εἰσάγε σὸν π. πρὸς σεαυτοῦ φίλον (6a)  
 — 19. ποὺς παρανόμου ὀλεῖται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ (6a)  
 29. 5. δίκτυον περιβάλλει αὐτὸ τοῖς ἑαυτοῦ ποσίν (4)  
 Ec. 4. 17. φύλαξον τὸν [S<sup>1</sup> om.] π. σου (6a)  
 Ca. 5. 3. ἐνψάμην τοὺς πόδας μου (6a)  
 Wi. 9. 16. S τὰ ἐν ποσίν [A B χερσίν] εὐρίσκομεν  
 14. 11. εἰς παγίδα ποσιν ἀφρόνων  
 15. 15. οἱ π. αὐτῶν ἄργοι πρὸς ἐπίβασιν  
 Si. 6. 24. εἰσένεγκον τοὺς π. σου εἰς τὰς πέδας αὐτῆς  
 — 36. βαθμόν θυρῶν αὐ. ἐκτριβέτω οἱ π. σου  
 19. 30. S<sup>2</sup> βῆμα ποδὸς ἀνθρώπου ἀναγγέλλει τὰ περὶ αὐτοῦ [A B S<sup>1</sup> al.]  
 21. 19. πέδας ἐν ποσίν ἀνοήτους παιδεία [A S al.]  
 — 22. ποὺς μαρτυροῦν εἰς οἰκίαν  
 25. 20. ἀνίστασι ἀμώμων ἐν ποσὶ πρεσβυτέρου  
 26. 18. πόδες ῥαίον ἐπὶ στέροισιν εὐσταθοῦς  
 38. 29. συστρέφω ἐν ποσίν αὐτοῦ τροχόν [S<sup>2</sup> πλῶν]  
 — 30. πρὸ ποδῶν κάμψει ἰσχὺν αὐτοῦ  
 40. 25. χρυσίον καὶ ἀργύριον ἐπιστήσουσι πόδα  
 51. 15. ἐπέβη οἱ π. μου ἐν εὐθιότητι  
 Am. 2. 15. A<sup>2</sup> B ὁ δὲ τοὺς π. αὐ. (6a)  
 Na. 1. 3. καὶ νεφέλαι κοινοῦντες ποδῶν αὐ. (6a)  
 — 15 (2. 1). ἐπὶ τὰ ὄρη οἱ π. εὐαγγελιζόμενοι (6a)  
 Hb. 3. 6 (5). κατὰ πόδας [A οἱ π.] αὐτοῦ ἔστη (6a)  
 — 19. τάξει τοὺς π. μου εἰς συντέλειαν (6a)  
 Za. 14. 4. στήσονται οἱ π. αὐ. . . ἐπὶ τὸ ὄρος (6a)  
 — 12. ἰστηκότων ἐπὶ τοὺς π. αὐ. (6a)  
 Ma. 4. 3 (3. 21). ἔσονται σποδὸς ὑποκάτω τῶν π. ἡμῶν (6b)  
 Is. 1. 6. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς  
 3. 12. τὸν τριβῶν τῶν π. ὑμῶν τάρσουςιν †  
 — 16. τῇ πορείᾳ τῶν π. ἡμῶν σύρουσαι τοὺς χιτῶνας καὶ τοὺς π. ἡμῶν παίζουσαι (†, 6a)  
 5. 28. οἱ π. τῶν ἱππῶν αὐτῶν ὡς στερεὰ πέτρα ἐλογίσθησαν (5)  
 6. 2. ταῖς δὲ δυοὶ κατακλύπτου τοὺς π. (6a)  
 7. 20. ξυρήσει κύριος . . . τὰς τρίχας τῶν π. (6a)  
 20. 2. τὰ στανδάλια σου ὑπόπλουν ἀπὸ τῶν π. σου (6a)  
 26. 6. πατήσουσιν αὐτοὺς πόδες πρᾶων (6a)  
 28. 3. τοὺς π. καταπατήσεται ὁ στέφανος (6a)  
 41. 2. ἐκάλεσεν αὐτὴν κατὰ πόδας αὐτοῦ (6a)  
 — 3. διελεύσεται ἐν εἰρήνῃ ἡ ὁδὸς τῶν π. αὐ. (6a)  
 49. 23. τὸν χούν τῶν π. σου λείψουσι (6a)  
 52. 7. ὡς πόδες εὐαγγελιζομένου ἀκοῇ εἰρήνης (6a)  
 57. 6. S<sup>1</sup> ἐξέχεας πόδας [A B S<sup>2</sup> σπονδὰς] †  
 58. 13. ἔαν ἀποστρέψῃς τὸν π. σου ἀπὸ τῶν σαββάτων . . . οὐκ ἀρείς τὸν π. σου ἐπ' ἔργῳ (6a, -)  
 59. 7. οἱ δὲ π. αὐτῶν ἐπὶ πονηρίαν τρέχουσι (6a)  
 66. 1. ἡ γὰρ ὑποπόδιον τῶν π. σου (6a)  
 Je. 2. 25. ἀποστρέψον τὸν π. σου ἀπὸ ὁδοῦ τρα-  
 χίας (6a)  
 12. 5. σοὺ οἱ π. τρέχουσι (6a)  
 13. 16. πρὸ τοῦ προσκοπῆναι πόδας ὑμῶν (6a)  
 14. 10. ἡγάπησαν κινεῖν πόδας αὐτῶν  
 29 (47). 3. ἀπὸ τῶν ὀπλῶν τῶν π. αὐτοῦ †  
 45 (58). 22. S<sup>1</sup> B καταλύουσιν ἐν ὀλισθήμασι πόδα [A B S<sup>2</sup> -ας] σου (6a)  
 La. 1. 9. ἀκαθαρσία αὐτῆς πρὸς ποδῶν αὐτῆς †  
 — 13. διεπέρασε δίκτυον τοὺς π. μου (6a)  
 2. 1. οὐκ ἐμνήσθη ὑποποδίου ποδῶν αὐτοῦ (6a)  
 3. 34. τοῦ ταπεινώσαι ὑπὸ τοὺς π. αὐτοῦ πάν-  
 τας δεσμούς γῆς (6a)  
 Ep. Je. 17. πλήρεις εἰσὶ κοινοῦτοῦ ἀπὸ τῶν π. τῶν εἰσπορευομένων  
 — 26. ἄνευ ποδῶν ἐπ' ὁμοῖς φέρονται [A αἶρ.] (6a)  
 Ez. 1. 7. πτερῶται οἱ π. αὐτῶν (6a)  
 2. 1. A<sup>2</sup> B στήθι ἐπὶ τοὺς π. σου (6a)  
 — 2. ἔστησέ με ἐπὶ τοὺς π. μου (6a)

Ez. 3. 24. ἔστησέ [B<sup>2</sup> ἀνέστ.] με ἐπὶ πόδας μου (6a)  
 6. 11. ψύφησον τῷ π. (6a)  
 24. 17. τὰ ὑποδήματά σου ἐν τοῖς π. σου (6a)  
 — 23. τὰ ὑποδήματα ὑμῶν ἐν τοῖς π. ὑμῶν (6a)  
 25. 6. ἐπεψόφηςας τῷ π. σου (6a)  
 29. 11. οὐ μὴ διέλθῃ ἐν αὐτῇ π. ἀνθρώπου καὶ π. κτήνους οὐ μὴ διέλθῃ αὐτὴν [A al.] (6a, 6a)  
 32. 2. ἐτάρασσε ὕδωρ τοῖς π. σου (6a)  
 — 13. οὐ μὴ ταραξῇ αὐτὸ π. ἀνθρώπου ἐτι (6a)  
 34. 18. τὰ καταλοιπα τῆς νομῆς ὑμῶν καταπα-  
 τεῖτε τοὺς π. ὑμῶν . . . τὸ λοιπὸν τοὺς π. ὑμῶν ἐτάρασσε (6a, 6a)  
 — 19. τὰ πρόβατά μου τὰ πατήματα τῶν π. ὑμῶν ἐνέμοντο καὶ τὸ τεταραγμένον ὕδωρ ὑπὸ τῶν π. ὑμῶν ἔπινον (6a, 6a)  
 37. 10. ἔστησαν ἐπὶ τῶν π. αὐτῶν (6a)  
 43. 7. ἐώρακας . . . τὸν τόπον τοῦ ἔχουσιν τῶν π. μου (6a)  
 Da. LXX. 2. 33. οἱ π. μέρος μὲν τὶ σιδήρου (6a)  
 — 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς π. τοὺς σιδηροῦς (6a)  
 — 41. ὡς ἐώρακας τοὺς π. αὐτῆς (6a)  
 — 42. οἱ δάκτυλοι τῶν π. μέρος μὲν τὶ σιδή-  
 ρου (6a)  
 7. 4. ἐπὶ ποδῶν ἀνθρωπίνων ἐστάθη (6a)  
 — 7. κύκλω τοὺς π. καταπατοῦν (6a)  
 — 19. καὶ καταπατοῦντες τοὺς π. (6a)  
 10. 6. οἱ π. ὥσπερ χυλὸς ἐξοστράπτων (6c)  
 — 10. ἐπὶ τὰ ἔχνη τῶν π. μου †  
 Da. TH. 2. 33. οἱ π. μέρος μὲν τὶ σιδηροῦ (6a)  
 — 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς π. τοὺς σιδηροῦς (6a)  
 — 41. εἶδες τοὺς π. (6a)  
 — 42. καὶ οἱ δάκτυλοι τῶν π. (6a)  
 7. 4. ἐπὶ ποδῶν ἀνθρώπου ἐστάθη (6a)  
 — 7. 19. τὰ ἐπίλοιπα τοῖς π. αὐ. συνεπάτει (6a)  
 8. 18. ἔστησέ με ἐπὶ πόδας †  
 I Ma. 5. 48. πλὴν τοῖς π. παρελυσόμεθα  
 9. 16. A S<sup>2</sup> B ἐπέστρεψαν κατὰ πόδας Ἰ. [S<sup>1</sup> al.]  
 10. 72. οὐκ ἔστιν ὑμῖν στάσις ποδὸς [S<sup>1</sup> om., S<sup>2</sup> ποδῶν]  
 III Ma. 4. 5. τὴν ἐκ τοῦ γίγως νωθρότητα ποδῶν —  
 8. παρὰ πόδας ἦδη τὸν ἄδην ὀρώσας κείμενον —  
 9. οἱ δὲ τοὺς π. ἀρρήκτως κατασφαλισμένοι πέδαις  
 5. 8. ἐκ τοῦ παρὰ πόδας ἐν ἐτοιμῷ μῶρου —  
 42. ἐν γόνασιν καὶ ποσὶ θηρίων  
 IV Ma. 10. 5. τοὺς π. ἐξήρθον  
 14. 6. A B χεῖρες καὶ πόδες συμφώνως . . . κινούνται [S al.]  
 15. 15. τοὺς τῶν π. καὶ χειρῶν δακτύλους  
 [Aq. Ge. 49. 10. Ex. 4. 25. Dt. 28. 56. Jo. 4. 3. Jd. 8. 24. III Ki. 14. 6. 12. Jb. 13. 27. Ps. 57 (58). 11. 65 (66). 9. 90 (91). 12. 118 (119). 101. 120 (121). 3. Pr. 4. 26. Is. 36. 12. 52. 7. 60. 13. 14. Jb. 13. 22. 38 (45). 22. Ez. 1. 7. 65.]  
 [Sm. Ex. 4. 25. 28. 33. Jo. 4. 3. Jd. 5. 15. Jb. 13. 27. Ps. 57 (58). 11. 65 (66). 6. 9. 67 (68). 24. 73 (74). 3. 84 (85). 14. 90 (91). 12. Pr. 4. 26. 25. 17. 26. 6. Is. 1. 6. 6. 1. 36. 12. 37. 25. 52. 7. 60. 13. 14. Jb. 38 (45). 22. Ez. 1. 7.]  
 [Th. Ex. 4. 25. 28. 33. 37 (38). 13. Jo. 4. 3. Jd. 5. 15. I Ki. 24. 4. Jb. 13. 27. 23. 11. 39. 15. Ps. 57 (58). 11. 65 (66). 9. Is. 1. 6. 6. 1. 23. 7. 60. 13. 14.]  
 [Al. Le. 4. 11. Dt. 2. 5. Jb. 18. 11. Ps. 65 (66). 9. 121 (122). 2. Hb. 3. 5. 19.]  
 [Heb. Jb. 13. 27.]  
 [Quint. Pr. 26. 6.]  
 πράγμα. (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
 (4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓𐤕 (6) 𐤒𐤓𐤕 (7) 𐤒𐤓𐤕  
 Ge. 19. 22. οὐ γὰρ δυνήσονται ποιῆσαι πράγμα (1)  
 21. 26. A τίς ἐποίησε τὸ πρ. [B σοὶ τὸ ῥῆμα] τοῦτο (1)  
 24. 50. B ἐξῆλθε τὸ πρ. [A πρόσταγμα] τοῦτο (1)  
 44. 15. τί τὸ πρ. τοῦτο ἐποίησατε (5)  
 Ex. 1. 18. τί ὅτι ἐποίησατε τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 Le. 5. 2. ἦτις ἐὰν ἀψηται παντὶς πρ. ἀκαθάρτου (1)  
 6. 4 (5. 24). ἀπὸ παντὸς πρ. οὐ ὤμωσε —  
 7. 11 (21). ἡ ἂν ἀψηται παντὸς πρ. ἀκαθάρτου —  
 Nu. 20. 19. τὸ πρ. οὐδὲν ἐστὶ (1)  
 22. 8. ἀποκριθήσονται ὑμῖν πράγματα [A πράγμα] (1)



Nu. 31. 23. πᾶν πρ. ὃ διελύσεται ἐν πυρὶ (1)  
 De. 17. 5. **Δ** ἐποίησαν τὸ πρ. τὸ ποιῆσαν τοῦτο (1)  
 — 10. ποιήσεις κατὰ τὸ πρ. [**Δ** ῥήμα] (1)  
 22. 6. οὕτω τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 23. 9 (10). **Δ** φυλάξῃ ἀπὸ παντὸς πρ. [**Β** ῥήμ.] (1)  
 — 14 (15). ἀσχημοσύνη πράγματος (1)  
 — 19 (20). καὶ τόκον παντὸς πράγματος (1)  
 24. 1. **Δ**<sup>3</sup> **Β** εἶπεν ἐν αὐτῇ ἀσχημον πρ. (1)  
 — 5. οὐκ ἐπιβλήσεται αὐτῷ οὐδὲν πρ. (1)  
 Jo. 9. 24. ἐποίησαν τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 Jd. 6. 29. **Δ** τίς ἐποίησε τὸ πρ. [**Β** ῥήμα] τοῦτο (1)  
 — 29. **Δ** ἐποίησε τὸ πρ. [**Β** ῥήμα] τοῦτο (1)  
 19. ὑστερήματα παντὸς πρ. (1)  
 III Ki. 10. 22 (B), 9. 22 (A). οὐκ ἔδωκε Σαλ. (1)  
 πράγμα [**Δ** εἰς πρ.] †  
 11. 27. τοῦτο τὸ πρ. ὡς ἐπύματο (1)  
 I Ch. 21. 7. ποιήσαν . . . περὶ τοῦ πρ. τούτου (1)  
 — 8. ἐποίησα τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 II Ch. 28. 19. οὐκ ἐπέλευσ· ἀκάθαρτος εἰς πᾶν πρ. (1)  
 I Es. 4. 18. καὶ πᾶν πρ. ὥραιοι [**Δ** αἰ.] (1)  
 — 19. καὶ πᾶν πρ. ὥραιοι (1)  
 8. 70. ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τοῦ πρ. (1)  
 — 95. πρὸς σὲ γὰρ τὸ πρ. (1)  
 9. 13. ὥς τοῦ λῶσαι . . . τοῦ πρ. τούτου (1)  
 — 16. ἐτάσαι τὸ πρ. (1)  
 To. 2. 8. φωνεῖσθαι περὶ τοῦ πρ. τούτου (1)  
 4. 3. **Β** ἐν παντὶ πρ. (1)  
 7. 8. **Δ** **Β** τελεσθῆτω τὸ πρ. (1)  
 Ju. 8. 32. καὶ ποιῶσα πρᾶγμα (1)  
 11. 6. τελείως πρᾶγμα ποιήσει (1)  
 — 16. **Δ** **Β** ποιήσαι μετὰ σου πρᾶγματα (1)  
 Es. 2. 4. ἤρασε τῷ βασι. τὸ πρ. [**Β**<sup>1</sup> πρόσταγμα] (1)  
 3. 13. καὶ δυσνοῦν τοῖς ἡμετέροις πρ. [**Β**<sup>1</sup> αἰ.] (1)  
 — 13. τοῦ τεταγμένου ἐπὶ τῶν πρ. [**Β**<sup>1</sup> ταγμ.] (1)  
 — 13. ἀτάραχα παρέχουσιν . . . τὰ πρ. [**Δ** προσταγμ.] (1)  
 — 15. ἐσπείδεται δὲ τὸ πρ. †  
 7. 5. ποιήσαι τὸ πρ. τοῦτο †  
 8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζει φίλων τὰ πρ. (1)  
 Jb. 1. 1. 8. ἀπεχόμενοι ἀπὸ παντὸς ποιήσαν πρ. (1)  
 Ps. 63 (64). 3. ἐνέτειναν τόξον πρᾶγμα πικρὸν (1)  
 90 (91). 6. ἀπὸ πράγματος διαπορευομένου ἐν σκότει (1)  
 100 (101). 3. οὐ προσεβήμην πρὸ ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παρόνομον (1)  
 Pr. 11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρίπτει πρᾶγματα (1)  
 18. 13. ὅς καταφρονεῖ πρᾶματος (1)  
 18. 20. συνετὸς ἐν πρᾶματι εὐρετὴς ἀγαθῶν (1)  
 25. 2. δόξα δὲ βασιλείᾳ τιμὰ πρᾶγματα [**Δ** **Β**<sup>3</sup> προσταγμάτα] (1)  
 Ec. 3. 1. καιρὸς τῷ [**Β**<sup>1</sup> *om.*] παντὶ πρ. (1)  
 — 17. καιρὸς τῷ παντὶ πρ. (1)  
 5. 7. μὴ θανύσῃς ἐπὶ τῷ πρ. (1)  
 8. 6. παντὶ πρ. [**Β**<sup>1</sup> πρᾶγμα] ἔστι καιρὸς (1)  
 Si. 11. 9. περὶ πράγματος . . . μὴ ἐρίξε (1)  
 34 (31). 15. ἐπὶ παντὶ πρᾶγματι διανοοῦ (1)  
 Am. 3. 7. οὐ μὴ ποιήσῃ κ. ὁ θεὸς πρᾶγμα (1)  
 Is. 26. 1. ἐποίησας θαυμαστὰ πρ. (1)  
 28. 22. συνετελεσμένα καὶ συντεταγμένα πρ. (1)  
 Je. 47 (40). 16. μὴ ποιήσῃς τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 51 (44). 4. μὴ ποιήσῃς τὸ πρ. (1)  
 — 22. ἀπὸ προσώπου ποιηρίας πρᾶγμάτων ὡμῶν (4)  
 Ba. 2. 33. **Δ** **Β** ἀπὸ ποιηρῶν πρᾶγμάτων [**Β** προσταγμ.] αὐτῶν (1)  
 Da. LXX. Su. 10. οὐδὲ ἡ γυνὴ ἔγνω τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 1. 20. σοφοὺς παρὰ πάντας τοὺς αὐτοῦ ἐν πρᾶγμασι (1)  
 2. 8. ἀπίστη ἀπ' ἐμοῦ τὸ πρ. (1)  
 — 10. τοιοῦτο πρ. οὐκ ἐπερωτᾷ (1)  
 — 48. κατέστησαν ἐπὶ τῶν πρ. τῆς Βαβ. (1)  
 — 49. ἵνα κατασταθῶσιν ἐπὶ τῶν πρ. τῆς Βαβ. (1)  
 4. 34. ἀλλοίωσαν ὑπερμεγέθη πρ. (1)  
 — 34. ἠλλοίωσαν ἐπ' ἐμοῖς μεγάλα πρ. (1)  
 Da. TH. Su. 63. οὐχ εὐρέθη ἐν αὐτῇ ἀσχημον πρ. (1)  
 6. 17 (18). ὅπως μὴ ἀλλοιωθῇ πρᾶγμα ἐν τῷ Δ. (7)  
 Ma. 3. 32. κατέλιπε Ἀ. . . ἐπὶ τῶν πρ. τοῦ βασι. (1)  
 6. 56. **Β** παραλαβεῖν τὰ πρ. [**Δ** **Β**<sup>4</sup> τὰ τῶν πρ., **Β**<sup>1</sup> τὰ τῶν προσταγμάτων] (1)  
 7. 3. ἐγνώσθη αὐτῷ τὸ πρ. (1)  
 9. 10. μὴ μοι γένοιτο ποιήσαι τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 10. 35. **Δ** **Β** παρενοχλεῖν τινα αὐτῶν περὶ παντὸς [**Β** τινός] πρ. (1)  
 — 43. ὀφείλοντες βασιλικά καὶ πᾶν πρ. (1)  
 — 43. **Β**<sup>1</sup> καὶ πᾶν πρ. [**Δ** **Β**<sup>2</sup> **Β** κ. πάντα] ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς (1)  
 — 63. τοῦ μὴδένα ἐντυγχάνειν . . . περὶ μηδενὸς πρ.

II Ma. 1. 33. ὡς δὲ φανερόν ἐγενήθη τὸ πρ. (1)  
 — 34. δοκιμάσαι τὸ πρ. (1)  
 2. 26. ἰδράσας δὲ καὶ ἀγρυπνίας τὸ πρ. (1)  
 8. 7. 'Ηλιόδωρον τὸν ἐπὶ τῶν πρ. (1)  
 — 8. τῷ πρ. δὲ τῇ τῷ βασι. πρόθεσιν ἐπιτελέσων (1)  
 — 38. εἴ τινα ἔχεις . . . πραγμάτων ἐπίβουλον (1)  
 4. 2. ἐπίβουλον τῶν πρ. ἐτόλμα λέγειν (1)  
 — 6. **Β** τυχύνει εἰρήνης ἐπὶ [**Δ** ἐπὶ] τὰ πρ. (1)  
 — 21. **Β** ἀλλότριον αὐτὸν τῶν αὐτῶν γεγενῆσθαι (1)  
 πραγμάτων [**Δ** αἰ.] (1)  
 — 23. περὶ πραγμάτων ἀνοικαίων ὑπομηματισμοὺς (1)  
 τελέσονται (1)  
 — 31. κατατεῖλαι τὰ πρ. (1)  
 8. 8. ἐπιβουλήν τοις τοῦ βασι. πρ. (1)  
 9. 24. ὃ καταλείπεται τὰ πρ. (1)  
 10. 11. ἀνέδειξεν ἐπὶ τῶν πρ. Λυσίαν τινὰ (1)  
 11. 1. Λυσίας . . . συγγενὴς καὶ ἐπὶ τῶν πρ. (1)  
 — 19. τὴν εἰς τὰ πρ. εὐνοίαν (1)  
 18. 2. Λυσίαν τὸν ἐπίτροπον καὶ ἐπὶ τῶν πρ. (1)  
 — 13. κρίνει τὰ πρ. (1)  
 — 23. τὸν ἀπολελειμμένον ἐπὶ τῶν πρ. (1)  
 14. 10. ἀδύνατον εἰρήνης τυχύνει τὰ πρ. (1)  
 — 26. τὸν Νικ. ἀλλότρια φρονεῖν τῶν πρ. (1)  
 15. 17. κρίνει τὰ πρ. (1)  
 III Ma. 1. 4. τῶν πρ. μᾶλλον ἐρρωμένων τῷ 'Αντ. (1)  
 8. 7. καὶ μέγα τι τοῖς πρ. ἐναντιούμενοι (1)  
 — 13. ἔρρωμαι δὲ καὶ αὐτοῖς ἐγὼ καὶ τὰ πρ. ἡμῶν (1)  
 — 17. τῷ δὲ πρ. νόθος (1)  
 — 21. τὰ πεπιστευμένα . . . μύρια πρ. τοιμήσαντες (1)  
 ἐξαλλοῖσθαι (1)  
 — 23. **Δ** καταστρέφει τὰ πρ. [**Β** κατορθώματα] (1)  
 — 26. τελείως ἡμῖν τὰ πρ. . . κατασταθῆσθαι (1)  
 5. 27. **Β** ἐπὶ τῷ πρ. τί τὸ πρ. [**Δ** αἰ.] (1)  
 — 40. καὶ πάλιν ἐπὶ τῶν πρ. . . ἀναλύειν (1)  
 6. 28. **Β** ἀπαραιοῦσι τὸν εὐσταθίαν . . . παρέχει τοῖς ἡμετέροις πρ. (1)  
 7. 1. καὶ πᾶσι τοῖς τεταγμένοις ἐπὶ πρᾶγματι (1)  
 — 2. **Β** κατενθύνονται . . . τοῦ μεγάλου θεοῦ τὰ πρ. [**Δ** αἰ.] (1)  
 — 4. μὴ ποτε εὐσταθῆσιν τὰ πρ. ἡμῶν (1)  
 — 9. ἐπ' ἐκδικίῃ τῶν πρ. (1)  
 — 11. **Β** μηδέποτε εὐνοήσῃς μηδὲ τοῖς τοῦ βασι. πρ. [**Δ** προσταγμάσιν] (1)  
 IV Ma. 1. 16. γνώσεις θεῶν καὶ ἀνθρωπίνων πρ. (1)  
 4. 3. εὐνοῦς ὢν τοῖς τοῦ βασι. πρ. (1)  
 8. 7. ἀρχὰς ἐπὶ τῶν ἐμῶν πρ. ἡγεμονικάς λήψεσθε (1)  
 12. 5. τῶν ἐπὶ τῆς βασι. ἀφήγησθαι πρ. (1)  
 [**Δ** **Q**. Ec. 12. 1.] (1)  
 [**Sm**. Ge. 20. 10: II Ki. 12. 14: Ps. 111 (112). 5: Ec. 6. 5: 8. 5: Is. 39. 4.] (1)  
 [**Th**. Jd. 6. 29.] (1)  
 [**Al**. Dt. 19. 4.] (1)  
**πραγματεία, πραγματία.** (1) **רָצָה** (2) **רָצָה**  
 (3) **רָצָה**  
 III Ki. 7. 33. καὶ ἡ πρ. αὐτῶν (1)  
 9. 1. καὶ πᾶσαν τὴν πρ. Σαλ. (1)  
 10. 22 (B), 9. 15 (A). αὕτη ἦν ἡ πρ. τῆς προνομῆς (1)  
 — 22 (B), 9. 19 (A). καὶ τὴν πρ. Σαλ. (1)  
 I Ch. 28. 21. καὶ μετὰ σου ἐν πάσῃ πρ. (1)  
 Ps. 70 (71). 15. **Β**<sup>1</sup> **Β** οὐκ ἔγνω πρᾶγματίας [**Β**<sup>3</sup> γραμματίας] †  
 Da. LXX. 6. 3 (4). καὶ εὐδοκίᾳ ἐν ταῖς πρ. (1)  
 — τῷ βασι. (1)  
 II Ma. 2. 31. τὸ ἐξεργαστικὸν τῆς πρ. παρατεῖσθαι (1)  
**πραγματεύεσθαι.** (1) **רָצָה** (2) **רָצָה** **רָצָה**  
 (3) **רָצָה**  
 III Ki. 10. 22 (B), 9. 19 (A). ἦν ἐπραγματεύσατο (1)  
 Da. LXX. 8. 27. ἐπραγματεύθη πάλιν βασιλικά (2)  
**πραγματικός.** (1)  
 I Es. 8. 22. ἱεροδούλους καὶ πραγματικούς τοῦ ἱεροῦ (1)  
**πράξας.** (1)  
 [**Th**. Is. 40. 11.] (1)  
**πράκτωρ.** (1) **רָצָה**  
 Is. 3. 12. οἱ πρ. ὡμῶν καλαμῶνται ὡμᾶς (1)  
 [**Q**. Th. Is. 60. 17.] (1)  
 [**Sm**. Ps. 108 (109). 11.] (1)

**πράξις.** (1) **רָצָה** (2) **רָצָה**  
 IV Ki. 12. 5. **Δ** ἀνὴρ ἀπὸ τῆς πρ. [**Β** πράξεως] αὐτ. †  
 I Ch. 12. 24. **Β** δυνατοὶ πράξεως [**Δ** **Β** παρατάξ.] †  
 II Ch. 12. 15. καὶ πράξεις [**Δ** αἰ πρ.] αὐτοῦ †  
 18. 22. καὶ αἰ πρ. αὐτοῦ (1)  
 27. 7. ὁ πόλεμος καὶ αἰ πρ. αὐτοῦ (1)  
 28. 26. καὶ αἰ πρ. αὐτοῦ αἰ πρώται (1)  
 I Es. 1. 25. μετὰ πᾶσαν τὴν πρ. ταύτην (1)  
 — 33. τὸ καθ' ἐν πραχθεῖν τῆς πρ. 'Ι. (1)  
 Ju. 8. 34. οὐκ ἐξερευνησέτε τὴν πρ. μου (1)  
 Jb. 24. 5. **Δ** ὑπὲρ ἐμοῦ ἐξεληθόντες τῇ ἐαυτῶν πρ. [**Δ** **Β** αἰ.] (2)  
 Pr. 13. 13. οἰκείῃ δὲ σοφῇ ἐθοδοὶ ἔσονται πράξεις (1)  
 Wi. 9. 11. ὁδηγήσει με ἐν ταῖς πρ. μου σωφρόνως (1)  
 Si. 11. 10. μὴ περὶ πολλὰ ἔστωσαν αἰ πρ. σου (1)  
 82 (85). 18. ὥς ἀντιποδὶ ἀνθρώπων κατὰ τὰς πρ. αὐτοῦ (1)  
 37. 16. πρὸ πάσης πράξεως βουλή (1)  
 38. 24. ὁ ἐλασσόμενος πράξει αὐτοῦ σοφισθήσεται (1)  
 Da. LXX. 4. 34. ὑποδείξω ὑμῖν τὰς πρ. (1)  
 I Ma. 18. 34. πᾶσαι αἰ πρ. Τρύφωνος (1)  
 14. 35. **Β** εἶδεν ὁ λαὸς τὴν πρ. τοῦ Σ. [**Δ** **Β** αἰ.] (1)  
 18. 23. τὰ λοιπὰ . . . τῶν πρ. αὐ. (1)  
 II Ma. 4. 28. πρὸς τοῦτον γὰρ ἦν ἡ τῶν φόρων πρᾶξις (1)  
 — *subscr.* ἰουδα τοῦ Μακκ. πράξεων ἐπιστολή (1)  
 III Ma. 1. 27. μὴ παριδόντα τὴν ἀνομιαν καὶ ὑπερήφανον πρ. (1)  
 [**Q**. Ps. 142 (143). 5.] (1)  
 [**Sm**. Ps. 27 (28). 4, 5: 65 (66). 5: 76 (77). 13: 89 (90). 17: Ec. 12. 14.] (1)  
**πρᾶος.** (1)  
 II Ma. 15. 12. 'Ορίαν . . . αἰδήμονα μὲν τὴν ἀπάντησιν πρῶτον δὲ τὸν τρόπον (1)  
 [**Sm**. Ps. 17 (18). 28.] (1)  
 [**Al**. Ps. 9. 19.] (1)  
**πράότης, τιδ. πραότης.** (1)  
**πρασά.** (1)  
 Si. 24. 31. μεθύσω μου τὴν πρ. (1)  
 [**Q**. Ca. 5. 13: 6. 1 (2): Ez. 17. 7, 10.] (1)  
 [**Sm**. Ca. 5. 13: 6. 1 (2).] (1)  
**πρασάξω.** (1)  
 [**Q**. Quint. Ps. 41 (42). 2.] (1)  
**πράσιος.** (1) **רָצָה** (2) **רָצָה**  
 Ge. 2. 12. καὶ ὁ λίθος ὁ πρ. (1)  
**πρασιοῦσθαι.** (1)  
 [**Q**. Jb. 1. 20.] (1)  
**πράσις.** (1) **רָצָה** **δ.** **רָצָה** **ε.** **רָצָה**  
**δ.** **רָצָה** (2) **רָצָה** (3) **רָצָה**  
 Ge. 42. 1. ἔστι πρ. ἐν Αἰγύπτῳ (1)  
 Le. 25. 14. εὐν δὲ ἀποδοῦ πρᾶσιν (1)  
 — 25. λυτρώσεται τὴν πρ. τοῦ ἀδ. αὐ. (1)  
 — 27. συλλογίζεται τὰ ἐπὶ [**Δ** ἐπὶ] τῆς πρ. αὐ. (1)  
 — 28. ἔσται ἡ πρ. τῷ κτησάμῃ αὐτῷ (1)  
 — 42. οὐ παρῆσθαι ἐν πρᾶσι οἰκέτου (1)  
 — 50. ἔσται τὸ ἀργ. τῆς πρ. αὐ. ὡς μισθίου (1)  
 — 51. ἀπὸ τοῦ ἀργ. τῆς πρ. αὐτοῦ (1)  
 De. 18. 8. πλὴν τῆς πρ. τῆς κατὰ πατριάν (1)  
 21. 14. πρᾶσις οὐ παρῆσθαι ἀργυρίου (1)  
 IV Ki. 12. 5 (6). ἀνὴρ ἀπὸ τῆς πρ. [**Δ** πράξεως] αὐτ. †  
 — 7 (8). μὴ λάβῃτε ἀργύρ. ἀπὸ τῶν πρ. ὡμῶν †  
 Ne. 10. 31 (32). οἱ φέροντες . . . πᾶσαν [**Β**<sup>1</sup> τὴν] πρ. (1)  
 13. 15. ἐν ἡμέρᾳ πράξεως αὐτῶν (1)  
 — 16. καὶ πᾶσαν πρ. πωλοῦντες (1)  
 — 20. καὶ ἐποίησαν πρᾶσιν (1)  
 Si. 27. 2. ἀνὰ μέσον πράξεως καὶ ἀγορασμοῦ (1)  
 37. 11. μετὰ ἀγορίζοντος περὶ πράξεως (1)  
 42. 5. περὶ ἀδιαφόρου [**Δ** **Β** διαφ.] πράξεως (1)  
 Ez. 27. 17. οὐτοὶ ἐμποροῦντες ἐν σίτῳ πράσσει †  
 II Ma. 8. 34. ὁ τοῦ χιλιῶντος ἐμπόρου ἐπὶ τὴν πρ. τῶν 'Ι. ἀγαγών (1)  
 [**Q**. Dt. 18. 8.] (1)  
 [**Al**. Le. 25. 29.] (1)  
**πράσων.** (1) **רָצָה**  
 Nu. 11. 5. ἐμνήσθημεν . . . τὰ πρ. (1)  
 [**Q**. Is. 40. 7, 8.] (1)



**πράσσειν, πράττειν.** (1)  $\text{פָּרַעַ$  (2)  $\text{פָּרַעַ$   
(3)  $\text{פָּרַעַ$  (4)  $\text{פָּרַעַ$   
Ge. 31. 28.  $\text{וְיָנִי דֶאֱפְרָיִם}$   $\text{פָּרַעַ$  (3)  
Jo. 1. 7.  $\text{οἷς ἐάν πράσσωσι}$  (1)  
I Es. 1. 33.  $\text{τὸ καθ' ἐν πραχθὲν τῆς πράξεως 'I.}$   
— 33.  $\text{B' τὰ τε πραχθὲν [A προσπροαχθ., B' B}$   
 $\text{προσπρ.] ὑπ' αὐτοῦ}$   
3. 23.  $\text{οὐ μέμνηται δ' ἐπραξαν [A -εν]}$   
4. 32.  $\text{ὅτι οὕτως πράσσουνσι}$   
Jb. 5. 27.  $\text{εἰ [A B' S' om.] τι ἐπραξας}$  —  
7. 20.  $\text{τί δυνήσομαι [A B' δύναμαι σοι] πράξαι}$  (4)  
24. 20.  $\text{δ' [A καθὰ] ἐπραξε}$  +  
27. 6.  $\text{οὐ γὰρ σίνουδα ἱμαντὴ ἄποα πράξας}$  +  
84. 21.  $\text{ἐλλήθε δὲ αὐτὸν οὐδὲν ὡν πράσσουνσι}$  +  
35. 5 (6).  $\text{εἰ ἡμαρτες τί πράξεις}$  (4)  
36. 21.  $\text{B' B' φύλαξαι μὴ πράξης ἄποα [A}$   
 $\text{ἀνομι, B B' ἄδικα]}$  +  
— 23.  $\text{ἐπραξεν ἄδικα}$  (4)  
Pr. 10. 23.  $\text{ἐν γέλῳτι ἀφρον πράσσει κακά}$  (3)  
18. 10.  $\text{κακὸς μεθ' ὕβρεως πράσσει κακά}$  +  
— 16.  $\text{πᾶς πανούργος πράσσει μετὰ γνώσεως}$  (3)  
14. 17.  $\text{ὀξυδύμων πράσσει μετὰ ἀβουλίας}$  (3)  
21. 7.  $\text{οὐ γὰρ βούλωνται πράσσειν τὰ δίκαια}$  (3)  
24. 55 (30. 20).  $\text{ἡ ὅταν πράξη ἀπονηφμένη}$   
 $\text{οὐδὲν φησι πεπραχέναι ἄτοπον}$  (4)  
25. 28.  $\text{ὅς οὐ μετὰ βουλῆς τι πράσσει}$  —  
26. 19.  $\text{παίξων ἐπραξα}$  +  
Wi. 12. 3.  $\text{μυστικὰ ἐπὶ τῷ ἐχθιστῷ πράσσειν ἔργα}$   
 $\text{φωρημένα}$   
14. 10.  $\text{τὸ πραχθὲν σὺν τῷ δράσαντι κολασθήσεται}$   
Si. 10. 6.  $\text{μὴ πράσσει μὴδὲν ἐν ἔργῳι ὕβρεως}$   
Is. 57. 10.  $\text{ὅτι ἐπραξας [B' -α] ταῦτα}$  +  
Da. LXX. Su. 22.  $\text{ἐάν πράξω τοῦτο . . . καὶ ἐάν μὴ}$   
 $\text{πράξω}$   
— 23.  $\text{καλλίων δέ με μὴ πράξασαν ἐμπεσείν}$   
6. 3 (4).  $\text{ἐν ταῖς πραγματείαις τοῦ Βισ. αἰς ἐπρασσε -}$   
Da. TH. Su. 22.  $\text{ἐάν τε γὰρ τοῦτο πράξω}$   
— 22.  $\text{ἐάν τε μὴ πράξω}$   
— 23.  $\text{μὴ πράξασαν ἐμπεσείν εἰς τὰς χεῖρας ὕμων}$   
11. 20.  $\text{πράσσαν δόξαν βασιλείας}$  (2)  
I Ma. 10. 35.  $\text{οὐχ ἔξει ἐξουσίαν οὐδεὶς πράσσειν}$   
II Ma. 6. 22.  $\text{ἵνα τοῦτο πράξας ἀπολυθῇ τοῦ θανάτου}$   
9. 19.  $\text{πολλὰ χαίρειν καὶ ὑγαίνειν καὶ οὐ πράττειν}$   
12. 43.  $\text{B' πάντῳ καλῶς καὶ ἀστέως πράττων [A -ειν]}$   
14. 23.  $\text{ἐπραττεν οὐδὲν ἄτοπον}$   
III Ma. 2. 3.  $\text{τοὺς ὕβρι καὶ ἀγερῶχίαν τι πράσσουντας}$   
IV Ma. 3. 20.  $\text{καὶ ἐπραττον κυλῶς}$   
[Sm. 38. 29: Ps. 17 (18). 26: 30 (31). 23:  
118 (119). 126: Pr. 21. 24: Ec. 8. 10, 14, 17:  
Jb. 6. 15.]  
[Th. Is. 50. 1: Da. 11. 20.]  
**πρατός.**  
II Ma. 11. 3.  $\text{πρατὴν δὲ . . . τὴν ἀρχιρωσύνην ποιή-}$   
 $\text{σιν}$   
**πραθύμμος.** (1)  $\text{פָּרַעַ$   
Pr. 14. 30.  $\text{πραθύμμος ἀνὴρ καρδίας λατρός}$  +  
16. 19.  $\text{κρίσινος πραθύμμος [A πράθυμμος] μετὰ}$   
 $\text{ταπεινώσεως}$  (1)  
**πραυνεῖν.** (1)  $\text{פָּרַעַ$  pilp. (2)  $\text{פָּרַעַ$  hi.  
Ps. 93 (94). 13.  $\text{τοῦ πραυνῆαι αὐτὸν ἀφ' ἡμερῶν}$   
 $\text{πονῶντων}$  (2)  
Pr. 18. 14.  $\text{θυμὸν ἀνδρὸς πραυνεῖν θεράπων φρό-}$   
 $\text{νιμος}$  (1)  
**πραυός.** (1)  $\text{א. פָּרַעַ δ. פָּרַעַ c. פָּרַעַ}$   
Nu. 12. 3.  $\text{ὁ ἀνθρώπος M. πρ. σφόδρα}$  (1 a\*, 1 b)  
Jb. 24. 4.  $\text{ἀνομιμαδὸν δὲ ἐκρύβησαν πράεις}$   
 $\text{γῆς}$  (1 a\*, 1 c)  
36. 15.  $\text{κρίμα δὲ πράεων ἐκθήσει}$  +  
Ps. 24 (25). 9.  $\text{ὁδογήσει πράεις ἐν κρίσει}$  (1 a)  
— 9.  $\text{A B' B' B' διδάξει πράεις ὁδοῦν αὐτοῦ}$  (1 a)  
33 (34). 2.  $\text{ἀκουσάτωσιν πράεις}$  (1 a)  
36 (37). 11.  $\text{οἱ δὲ πρ. κληρονομήσουσι γῆν}$  (1 a)  
75 (76). 9.  $\text{B' B' B' τοῦ σάσαι πάντας τοὺς πρ.}$   
 $\text{τῇ καρδίᾳ [B' B' τῇ γῆς]}$  (1 a)  
146 (147). 6.  $\text{ἀναλαμβάνων πράεις ὁ κύριος}$  (1 a)  
149. 4.  $\text{ὑψώσει πράεις ἐν σωτηρίᾳ}$  (1 a)  
Si. 3. 18.  $\text{B' πράεις ἀποκαλύπτει τὰ μυστήρια αὐτοῦ}$   
10. 14.  $\text{ἐκάθισεν πράεις ἀντ' αὐτῶν}$   
Jl. 3 (4). 11.  $\text{ὁ πρ. ἔστω μαχητῆς}$  +  
Ze. 3. 12.  $\text{ὑπολέψομαι ἐν τοῖς λαοῖν πρ. [A πολύν]}$  (1 c)  
Za. 9. 9.  $\text{αὐτὸς πρ. καὶ ἐπιβεβηκὼς ἐπὶ ὑποζύγιον}$  (1 c)

Is. 26. 6.  $\text{πατήσουσιν αὐτοὺς πόδες πράεων}$  (1 c)  
Da. LXX. 4. 16.  $\text{ἀπεκρίθη μοι φωνή πρ.}$  —  
[Aq. Nu. 12. 3: Ps. 75 (76). 10: Is. 11. 4: 29:  
19: 66. 2: Za. 9. 9.]  
[Sm. Nu. 12. 3: Jb. 24. 4: Ps. 75 (76). 10:  
Is. 29. 19.]  
[Th. Nu. 12. 3: Jb. 24. 4: Is. 29. 19.]  
[Quint., Sext. Ps. 75 (76). 10.]  
**πράυτης, πρῶτης.** (1)  $\text{א. פָּרַעַ δ. פָּרַעַ ru.}$   
Es. 3. 13.  $\text{B' μετὰ πρῶτης ἀεὶ διεξάγων [AB B' al.]}$   
5. 1.  $\text{μετέβαλεν ὁ θ. . . εἰς πρῶτητα}$   
Ps. 44 (45). 4.  $\text{ἐνεκεν ἀληθείας καὶ πρῶτης}$  (1 a)  
89 (90). 10.  $\text{ἐπῆλθε πρ. ἐφ' ἡμᾶς}$  +  
131 (132). 1.  $\text{μνησθητι, κύριε, τοῦ Δαυὶδ καὶ}$   
 $\text{πάσης τῆς πρ. αὐτοῦ}$  (1 b)  
Si. 1. 26.  $\text{ἡ εὐδοκία αὐτοῦ πίστις καὶ πρ.}$   
3. 17.  $\text{τέκνον, ἐν πρῶτηι τὰ ἔργα σου διεξάγε}$   
4. 8.  $\text{ἀποκρίθη αὐτῷ εἰρηκὰ ἐν πρῶτηι}$   
10. 28.  $\text{ἐν πρῶτηι δόξασον τὴν ψυχὴν σου}$   
36. 28 (25).  $\text{εἰ ἔστιν ἐπὶ γλώσσῃς αὐ. ἔλεος καὶ πρ.}$   
45. 4.  $\text{ἐν πίστει καὶ πρῶτηι}$   
[Aq. Quint. Ps. 17 (18). 36.]  
[Sm. Pr. 15. 33: 18. 12: 22. 4.]  
[Th. Ps. 89 (90). 10: Pr. 15. 33: 18. 12.]  
**πρέμων.**  
[Sm. Ez. 17. 7.]  
**πρέπειν.** (1)  $\text{פָּרַעַ$  (2)  $\text{א. פָּרַעַ pi. δ. פָּרַעַ}$   
Ps. 32 (33). 1.  $\text{τοῖς εὐθέσι πρέπει αἰνέσις}$  (2 b)  
64 (65). 1.  $\text{σοὶ πρέπει ὕμνος, ὁ θεός, ἐν Σιών}$  (1)  
92 (93). 5.  $\text{τῷ ὁκῶ σου πρέπει δόξα σου, κύριε}$  (2 a)  
Si. 80. 37 (33. 28).  $\text{καθὼς πρέπει αὐτῷ}$   
35 (32). 3.  $\text{πρέπει γὰρ σοι}$   
I Ma. 12. 11.  $\text{ὡς δεῖν ἐστὶ καὶ πρέπειν μνημονεύειν}$   
 $\text{ἀδελφῶν}$   
III Ma. 3. 20.  $\text{καθὼς ἐπρεπεν ἐποῦσάμεν}$   
— 25.  $\text{πρέπειοντα δυσμενέσι φύνον}$   
7. 13.  $\text{ὡς πρέπειν ἡμ.}$   
— 19.  $\text{ἐν ταῖς πρεπούσαις ἐξομολογήσεσιν}$   
[Aq. Jb. 10. 7.]  
[Sm. Ps. 32 (33). 1: Pr. 17. 7: 19. 10: 26. 1:  
Jb. 10. 7.]  
[Th. Pr. 26. 1.]  
**πρεπόντως.**  
II Ma. 15. 12.  $\text{καὶ λαλίαν προέμενον πρ.}$   
**πρεσβεία (-βία).**  
II Ma. 4. 11.  $\text{τοῦ προσημαίνον τὴν πρ. ὑπὲρ φιλίας}$   
**πρεσβείων.** (1)  $\text{פָּרַעַ$  (2)  $\text{פָּרַעַ}$   
Ge. 43. 33.  $\text{ὁ πρωτότοκος κατὰ τὰ πρ. αὐ.}$  (1)  
Ps. 70 (71). 18.  $\text{καὶ ἔως γήρονος καὶ πρεσβείου}$  (2)  
Da. TH. Su. 50.  $\text{σοὶ δέδωκεν ὁ θεὸς τὸ πρ. [A al.]}$   
III Ma. 6. 1.  $\text{ἐν πρεσβείᾳ τὴν ἡλικίαν ἤδη λελογχῶς}$   
**πρεσβυτήτης.** (1)  $\text{פָּרַעַ$  hi.  
II Ch. 32. 31.  $\text{καὶ οὕτως τοῖς πρ. [B' -βυτ.] τῶν ἀρχ.}$  (1)  
I Ma. 13. 21.  $\text{ἀπέστειλλον . . . πρεσβυτάς}$   
14. 21.  $\text{A B' B' οἱ πρ. [B' -βυτ.] οἱ ἀποσταλentes}$   
— 22.  $\text{A B' πρεσβυτῶν [B' -βυτ.] 'I. ἦλθονσαν}$   
— 40.  $\text{ἀπήντησαν τοῖς πρ. Σίμωνος}$   
15. 17.  $\text{A B' οἱ πρ. [B' -βυτ.] τῶν 'I. ἦλθον}$   
[Aq. Is. 18. 2.]  
**πρέσβυς.** (1)  $\text{פָּרַעַ$  (2)  $\text{פָּרַעַ}$   
Nu. 21. 20 (21).  $\text{ἀπέστειλε M. πρέσβεις}$  (1)  
22. 5.  $\text{ἀπέστειλε πρέσβεις πρὸς B.}$  (1)  
De. 2. 26.  $\text{ἀπέστειλεν πρέσβεις ἐκ τῆς ἐρήμου}$  (1)  
Ps. 67 (68). 31.  $\text{ἤξουσιν πρέσβεις ἐξ Αἰγύπτου}$  +  
Ho. 5. 13.  $\text{ἀπέστειλε πρέσβεις πρὸς βασιλεῖα 'I.}$   
Is. 13. 8.  $\text{ταραχθήσονται οἱ πρ.}$  (2)  
21. 2.  $\text{οἱ πρ. τῶν Περσῶν ἐπ' ἐμὲ ἔρχονται}$  +  
37. 6.  $\text{ὁδὸς ὡνεϊδισμὸν με οἱ πρ. βασιλείας 'Assurίων}$  +  
39. 1.  $\text{ἀπέστειλε . . . πρέσβεις καὶ δῶρα}$  +  
57. 9.  $\text{ἀπέστειλε πρέσβεις ὑπὲρ τὰ δρᾶμά σου}$  (2)  
63. 9.  $\text{οὐ πρ. [A -βεις] οὐδὲ ἀγγελοι}$  +  
I Ma. 9. 70.  $\text{ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν πρέσβεις}$   
10. 51.  $\text{ἀπέστειλεν 'Al. πρὸς Πτ. . . πρέσβεις}$   
11. 9.  $\text{ἀπέστειλε πρέσβεις πρὸς Δ.}$   
13. 14.  $\text{ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν πρέσβεις}$   
IV Ma. 7. 10.  $\text{B' δ' . . . τυρὸς εὐτονώτερε πρέσβυ}$   
 $\text{[A B' δ' -τυρ]}$   
**πρεσβύτατος.**  
IV Ma. 9. 11.  $\text{τὸν πρ. αὐτῶν . . . παρήγαγον}$

**πρεσβυτέριον.**  
Da. TH. Su. 50.  $\text{A σοὶ δέδωκεν ὁ θεός τὸ πρ. [B}$   
 $\text{-βειον]}$   
**πρεσβύτερος, πρεσβυτέρα.** (1)  $\text{א. פָּרַעַ}$   
 $\text{δ. פָּרַעַ (2) פָּרַעַ, פָּרַעַ (3) פָּרַעַ (4) א. פָּרַעַ}$   
 $\text{δ. פָּרַעַ (5) פָּרַעַ (6) פָּרַעַ (7) καθε-}$   
 $\text{στηκὼς πρ. פָּרַעַ פָּרַעַ (8) פָּרַעַ}$   
Ge. 18. 11.  $\text{'Αβραὰμ δὲ καὶ Σάρρα πρεσβύτεροι}$  (3)  
— 12.  $\text{ὁ δὲ κύριός μου πρ.}$  (3)  
19. 4.  $\text{ἀπὸ νεανίσκου ἕως πρεσβυτέρου}$  (3)  
— 31.  $\text{εἶπε δὲ ἡ πρ. πρὸς τὴν νεωτέραν}$  (1 b)  
— 31.  $\text{ὁ πατὴρ ἡμῶν πρ.}$  (3)  
— 33.  $\text{εἰσελθοῦσα ἡ πρ.}$  (1 b)  
— 34.  $\text{εἶπεν ἡ πρ. πρὸς τὴν νεωτέραν}$  (1 b)  
— 37.  $\text{ἔτεκεν ἡ πρ. υἱόν}$  (1 b)  
24. 1.  $\text{'Αβ. ἦν πρεσβύτερος}$  (3)  
— 2.  $\text{τῷ παιδί αὐτοῦ τῷ πρ. τῆς οἰκίας αὐ.}$   
27. 1.  $\text{ἐκάλεσεν 'H. τὸν υἱόν αὐ. τὸν πρ.}$  (2)  
— 15, 42.  $\text{'Hσαὺ τοῦ υἱοῦ αὐτῆς τοῦ πρ.}$  (2)  
29. 26.  $\text{δοῦναί τὴν νεωτ. πρὶν ἢ τὴν πρ.}$  (1 b)  
35. 29.  $\text{πρεσβύτερος καὶ πληρὴς ἡμερῶν}$  (3)  
48. 27.  $\text{A ὁ πατὴρ ὕμων ὁ πρ. [B -ύτης]}$  (3)  
44. 12.  $\text{ἀπὸ τοῦ πρ. ἀρξάμενος}$  (2)  
— 20.  $\text{ἔστιν ἡμῖν πατὴρ πρεσβύτερος}$  (3)  
50. 7.  $\text{οἱ πρ. τοῦ οἴκου αὐτοῦ}$  (3)  
— 7.  $\text{πάντες οἱ πρ. τῆς γῆς Αἰγ.}$  (3)  
Ex. 10. 9.  $\text{σὺν . . . πρεσβυτέροις [A τοῖς πρεσ-}$   
 $\text{βυταῖς] παρενομήσατο}$  (3)  
17. 5.  $\text{ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ}$  (3)  
18. 12.  $\text{καὶ πάντες οἱ πρ. 'Iσρ.}$  (3)  
19. 7.  $\text{ἐκάλεσε [B' ἐλάλησε πρὸς] τοὺς πρ. τοῦ}$   
 $\text{λαοῦ}$  (3)  
24. 1.  $\text{ἐβδόμηκοντα τῶν πρ. 'Iσρ.}$  (3)  
— 9.  $\text{A ἐβδόμηκ. τῶν πρ. [B τῆς γεροντίας] 'Iσρ.}$  (3)  
— 14.  $\text{καὶ τοῖς πρ. εἶπαν}$  (3)  
34. 30.  $\text{καὶ πάντες οἱ πρ. [A υἱοὶ] 'Iσρ.}$  +  
— 32.  $\text{A' πάντες οἱ πρ. [B υἱοὶ] 'Iσρ.}$  +  
Le. 4. 15.  $\text{οἱ πρ. τῆς συναγωγῆς}$  (3)  
19. 32.  $\text{τιμῆσαι πρόσωπον πρεσβυτέρου}$  (3)  
Nu. 11. 16.  $\text{ἀπὸ τῶν πρ. 'Iσραὴλ}$  (3)  
— 16.  $\text{οὗτοί εἰσι πρ. τοῦ λαοῦ}$  (3)  
— 24.  $\text{ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ}$  (3)  
— 25.  $\text{ἐπὶ τοὺς ἐβδόμηκ. ἀνδρας τοὺς πρ.}$  (3)  
— 30.  $\text{αὐτοὺς καὶ οἱ πρ. 'Iσραὴλ}$  (3)  
16. 25.  $\text{πάντες οἱ πρ. 'Iσραὴλ}$  (3)  
De. 28. 50.  $\text{A οὐ θαυμάσει πρόσωπον πρεσβυ-}$   
 $\text{τέρου [B -του]}$  (3)  
31. 9.  $\text{καὶ τοῖς πρ. τῶν υἱῶν 'Iσρ.}$  (3)  
— 28.  $\text{A B' καὶ τοὺς πρ. ὕμων}$  (3)  
32. 7.  $\text{A' B' ἐπερώτησον . . . τοὺς πρ. σου}$  (3)  
— 25.  $\text{A μετὰ καθεστηκῶτος πρ. [B -του]}$  (7)  
Jo. 6. 20 (21).  $\text{A καὶ ἔως πρεσβυτέρου [B -του]}$  (3)  
7. 6.  $\text{αὐτὸς καὶ οἱ πρ. 'Iσρ.}$  (3)  
— 23.  $\text{καὶ τοὺς πρ. 'Iσραὴλ}$  +  
8. 10.  $\text{αὐτὸς καὶ οἱ πρ. [A add. 'Iσρ.]}$  (3)  
9. 1 (8. 33).  $\text{πᾶς 'Iσρ. καὶ οἱ πρ. αὐτῶν}$   
— 11.  $\text{εἶπαν πρὸς ἡμᾶς οἱ πρ. ἡμῶν}$  (3)  
13. 1.  $\text{'I. πρεσβύτερος προβεβηκὼς τῶν ἡμ.}$  (3)  
20. 4.  $\text{A ἐν τοῖς ὡσὶν τῶν πρ. τῆς πόλεως}$  (3)  
28. 1.  $\text{'I. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ταῖς ἡμ.}$  (3)  
24. 1.  $\text{συνεκάλεσε τοὺς πρ. αὐτῶν}$  (3)  
— 31.  $\text{πᾶσας τὰς ἡμέρας τῶν πρ.}$  (3)  
Jd. 2. 7.  $\text{πᾶσας τὰς ἡμέρας τῶν πρ.}$  (3)  
8. 14.  $\text{ὀνόματα . . . τῶν πρ. αὐτῶν [A al.]}$  (3)  
— 16.  $\text{τοὺς πρ. τῆς πόλεως}$  (3)  
11. 5.  $\text{καὶ ἐπορεύθησαν οἱ πρ.}$  (3)  
— 7.  $\text{εἶπεν 'I. τοῖς πρ. Γ.}$  (3)  
— 8.  $\text{εἶπαν οἱ πρ. Γ. πρὸς 'I.}$  (3)  
— 9.  $\text{εἶπεν 'I. πρὸς τοὺς πρ. Γ.}$  (3)  
— 10.  $\text{εἶπαν οἱ πρ. Γ. πρὸς 'I.}$  (3)  
— 11.  $\text{ἐπορεύθη 'I. μετὰ τῶν πρ. Γ.}$  (3)  
21. 16.  $\text{εἶπον οἱ πρ. τῆς συναγωγῆς}$  (3)  
Ru. 4. 2.  $\text{δέκα ἀνδρας ἀπὸ τῶν πρ. τῆς πόλεως}$  (3)  
— 4.  $\text{ἐναντίον τῶν πρ. τοῦ λαοῦ μου}$  (3)  
— 9.  $\text{εἶπε B. τοῖς πρ.}$  (3)  
— 11.  $\text{οἱ πρ. εἶπσαν}$  (3)  
I Ki. 4. 3.  $\text{εἶπαν οἱ πρ. 'Iσραὴλ}$  (3)  
15. 30.  $\text{ἐνώπιον πρεσβυτέρων 'Iσρ.}$  (3)  
16. 4.  $\text{ἐξέστησαν οἱ πρ. τῆς πόλεως}$  (3)  
17. 12.  $\text{A ὁ ἀνὴρ ἐν ταῖς ἡμ. 2. πρεσβύτ.}$  (3)  
30. 26.  $\text{ἀπέστειλε τοῖς πρ.}$  (3)  
II Ki. 3. 17.  $\text{εἶπεν 'Αβ. πρὸς τοὺς πρ. 'Iσρ.}$  (3)  
5. 3.  $\text{ἔρχονται πάντες οἱ πρ. 'Iσρ.}$  (3)

- II Ki. 12. 17. οί πρ. τοῦ οἴκου (3)  
 17. 4. ἐν ὁφθ. πάντων πρ. Ἰσρ. (3)  
 — 15. συνεβούλευσεν . . . τοῖς πρ. Ἰσρ. (3)  
 19. 11 (12). λαλήσατε πρὸς τοὺς πρ. Ἰ. (3)  
 — 32 (33). B. ἀνὴρ πρ. σφόδρα (3)  
 III Ki. 1. 1. ὁ β. Δαυὶδ πρ. προεβήκεις ἡμέραις (3)  
 8. 1. ἐξεκλήσιασεν . . . πάντας τοὺς πρ. Ἰσρ. (3)  
 — 3. A. ἦλθον πάντες οἱ πρ. Ἰσρ. (3)  
 12. 6. παρήγγειλεν ὁ βασιλ. τοῖς πρ. (3)  
 — 8. ἐγκατέλιπε τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)  
 — 13. ἐγκατέλιπε P. τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)  
 — 24. B τὴν Ἀ. ἀδελφὴν Θ. τὴν πρ. τῆς γυν. αὐ. (3)  
 — 24 (cf. A. 14. 4). B καὶ ὁ ἄνθρωπος πρ. (3)  
 — 24. B εἰσαγάγετέ μοι τοὺς πρ. (3)  
 — 24. B εἶπον οἱ πρ. τοῦ λαοῦ (3)  
 13. 29. A εἰς τὴν πόλιν τοῦ προφ. τοῦ πρ. [B al.] (3)  
 14. 4. A ὁ ἄνθρωπος πρ. τοῦ ἰδεῖν (3)  
 20 (21). 8. ἀπέστειλε τὸν βασιλὸν πρὸς τοὺς πρ. (3)  
 — 11. A B οἱ πρ. καὶ οἱ ἐλευθεροὶ (3)  
 21 (20). 7. ἐκάλεσεν . . . πάντας τοὺς πρ. (3)  
 — 8. εἶπαν αὐτῷ οἱ πρ. (3)  
 IV Ki. 6. 32. οἱ πρ. ἐκάθητο μετ' αὐτοῦ (3)  
 — 32. εἶπε πρὸς τοὺς πρ. (3)  
 10. 1. ἀπέστειλεν . . . πρὸς τοὺς πρ. (3)  
 — 5. ἀπέστειλαν . . . οἱ πρ. (3)  
 19. 2. καὶ τοὺς πρ. τῶν ἱερέων (3)  
 23. 1. συνήγαγε . . . πάντας τοὺς πρ. Ἰ. (3)  
 I Ch. 11. 3. ἦλθον πάντες πρ. Ἰσρ. (3)  
 15. 25. A B B Δ. καὶ οἱ [B om.] πρ. Ἰσρ. (3)  
 16. 1. οἱ πρ. περιβέβλην. ἐν σακκοῖς (3)  
 II Ch. 5. 2. ἐξεκλήσιασε Σ. τοὺς πρ. (3)  
 — 4. ἦλθον πάντες οἱ πρ. Ἰσρ. (3)  
 10. 6. συνήγαγεν . . . τοὺς πρ. (3)  
 — 8. κατέλιπε τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)  
 — 13. ἐγκατέλιπεν . . . τὴν βουλὴν τῶν πρ. (3)  
 15. 13. ἀπὸ νεωτέρων ἕως πρεσβυτέρου (3)  
 22. 1. πάντας τοὺς πρ. ἀπέκρινε (3)  
 32. 3. ἐβουλεύσατο μετὰ τῶν πρ. αὐ. (3)  
 34. 29. συνήγαγε τοὺς πρ. Ἰουδα (3)  
 38. 17. τοὺς πρ. αὐτῶν ἀπήγαγον (3 + 4 b)  
 I Es. 5. 63. οἱ πρ. οἱ ἑωρακότες τὸν . . . οἶκον (3)  
 6. 5. ἴσχοσαν χάριν . . . οἱ πρ. τῶν Ἰουδ. (3)  
 — 8. κατελάμβανον . . . τοὺς πρ. τῶν Ἰουδ. (3)  
 — 11. ἐπυνθανόμεθα τῶν πρ. τούτων (3)  
 — 27. καὶ τοὺς πρ. τῶν Ἰουδ. (3)  
 7. 2. συνεργοῦντες τοῖς πρ. τῶν Ἰουδ. (3)  
 9. 4. κατὰ τὸ κρίμα τῶν προκαθμ. πρ. (3)  
 — 13. ἐκάστων δὲ τόπων τοὺς πρ. (3)  
 II Es. 3. 12. οἱ πρ. οἱ ἐίδοντες τὸν οἶκον (3)  
 5. 9. ἠρώτησαν τοὺς πρ. ἐκείνους (3)  
 6. 7. A B καὶ οἱ [B om.] πρ. τῶν Ἰουδαίων (3)  
 — 8. A B μὴ ποτε τί ποιήσῃτε μετὰ τῶν [B om.] πρ. (3)  
 — 14. καὶ οἱ πρ. τῶν Ἰουδαίων (3)  
 10. 8. τῶν ἀρχόντων καὶ τῶν πρ. (3)  
 — 14. καὶ μετ' αὐτῶν πρεσβύτεροι πόλεως (3)  
 Ju. 6. 16. συνεκάλεσαν πάντας τοὺς πρ. (3)  
 — 21. ἐποίησε πότον τοὺς πρ. (3)  
 7. 23. A B B ἐναντίον πίνωντες [B om.] τῶν πρ. (3)  
 8. 10. ἐκάλεσεν . . . τοὺς πρ. τῆς πόλεως αὐ. (3)  
 10. 6. καὶ τοὺς πρ. τῆς πόλεως X. (3)  
 13. 12. συνεκάλεσαν τοὺς πρ. τῆς πόλεως (3)  
 Jb. 1. 13. ἐν τῇ οἰκίᾳ τοῦ ἀδελφοῦ αὐ. τοῦ πρ. (1 a)  
 — 18. πυνόταν παρά τῷ ἀδελφῷ αὐτῶν [A νῖφ σου] τῷ πρ. (1 a)  
 12. 20. συνέκρινεν δὲ πρεσβυτέρων ἔργων (3)  
 15. 10. A' πρεσβύτεροι [A' B S βαρυτέροις] τοῦ πατρὸς σου ἡμέραις (3)  
 29. 21. A πρεσβύτεροι [B S om.] ἀκούσαντές μου προσέσχον (3)  
 32. 4. πρεσβύτεροι αὐτοῦ: εἰσιν ἡμέραις [A -ών] (3)  
 — 6. ὅμοις δὲ ἕστε πρεσβύτεροι (4 a)  
 42. 17. ἐτελεύτησεν Ἰωβ πρεσβύτερος [B -ύτης] (3)  
 Ps. 104 (105). 22. καὶ τοὺς πρ. αὐτοῦ σοφίσαι (3)  
 106 (107). 32. ἐν καθέκτῃ πρεσβυτέρων (3)  
 118 (119). 100. ὑπὴρ πρεσβυτέρους συνήκα (3)  
 148. 12. S πρεσβύτεροι [A B -βύται] μετὰ νεωτέρων (3)  
 Pr. 20. 29. δόξα δὲ πρεσβυτέρων πολιαί (3)  
 31. 23. A B S' μετὰ τῶν πρ. τῆς γῆς [B' S' B al.] (3)  
 Ec. 4. 13. ἀγαθὸς παῖς πένης καὶ σοφὸς ὑπὲρ βασιλεῖα πρεσβυτέρων (3)  
 Wi. 2. 10. A μὴ δὲ πρεσβυτέρου [B S -ύτου] ἐντραπῶμεν πολιῶς (3)  
 8. 10. καὶ τιμὴν παρὰ πρεσβυτέροις ὁ νόος (3)  
 Si. 4. 7. S' πρεσβυτέροι [A B S' μεγιστάν] ταπεινοῦ τὴν κεφαλὴν σου (3)  
 6. 34. ἐν πληθεὶ πρεσβυτέρων στήθι (3)  
 7. 14. μὴ ἀδολογήει ἐν πληθεὶ πρεσβυτέρων (3)  
 25. 4. ὡς ὁραῖον . . . πρεσβυτέρους ἐπινύωναι βουλὴν (3)  
 — 20. ἀνάβασιν ἀμύμηδης ἐν ποσὶ πρεσβυτέρου (3)  
 35 (32). 3. λάλησον, πρεσβύτερε, πρέπει γὰρ σοι (3)  
 J1. 1. 2. ἀκούσατε ταῦτα, οἱ πρ. (3)  
 — 14. συναγάγετε πρεσβυτέρους (3)  
 2. 16. ἐκλέξασθε πρεσβυτέρους (3)  
 — 28 (8. 1). οἱ πρ. ὡμῶν ἐνύπνια ἐνυπνιασθήσονται (3)  
 Za. 8. 4. ἐτι καθήσονται πρεσβύτεροι καὶ πρεσβύτεροι [S' -ύται] (3, 3)  
 Is. 8. 2. ἀφελεί . . . στογαστήν καὶ πρεσβύτερον (3)  
 — 14. εἰς κρίσιν ἦξει μετὰ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ (3)  
 24. 23. ἐνώπιον τῶν πρ. δοξασθήσεται (3)  
 37. 2. ἀπέστειλεν . . . τοὺς πρ. τῶν ἱερέων (3)  
 47. 6. τοῦ πρ. ἐβάρυναν τὸν (νὸν) σφόδρα (3)  
 Je. 6. 11. πρ. μετὰ πληθύνοντων ἡμερῶν (3)  
 19. 1. A δέξαι ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ σου καὶ ἀπὸ τῶν πρ. τῶν ἱερέων [B S al.] (3, 3)  
 83 (26). 17. ἀνίστασιν ἄνδρες τῶν πρ. τῆς γῆς (3)  
 86 (29). 1. οὐδ' ἀπέστειλεν . . . πρὸς τοὺς πρ. (3)  
 39 (32). 8. σὺ πρ. (3)  
 Ba. 1. 4. ἀνέγνω Βαροῦχ . . . ἐν ὧσ' τῶν πρ. (3)  
 La. 1. 19. οἱ πρ. μου ἐν τῇ πόλει ἐξέλιπον (3)  
 2. 10. ἐσίωπῃσαν πρεσβύτεροι θυγατέρες Σιών (3)  
 5. 12. πρεσβύτεροι οὐκ ἐδοξάσθησαν (3)  
 Ez. 7. 26. ἀπολείπει . . . βουλὴ ἐκ πρεσβυτέρων (3)  
 8. 1. οἱ πρ. Ἰουδα ἐκάθητο ἐνώπιόν μου (3)  
 — 11. ἐβδομήκοντα ἄνδρες ἐκ τῶν πρ. οἴκου Ἰσραὴλ (3)  
 — 12. A οἱ πρ. οἴκου Ἰσραὴλ ποιούσιν (3)  
 9. 6. πρεσβύτερον καὶ καὶ νεανίσκον . . . ἀποκτείνετε . . . ἥρξαντο ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν [A om. τ. d.] τῶν πρ. (3, 3)  
 14. 1. ἦλθον πρὸς μέ ἐκ τῶν πρ. ἄνδρες [A ἄ. ἀπὸ τ. πρ.] (3)  
 16. 46. ἡ ἀδελφὴ ὕμῶν ἡ πρ. Σαμάρεια (3)  
 — 61. ἐν τῷ ἀναλαβεῖν σε τὰς ἀδελφάς σου τὰς πρ. σου (3)  
 20. 1. ἦλθον ἄνδρες ἐκ τῶν πρ. οἴκου Ἰσραὴλ (3)  
 — 3. ἀλήθως πρὸς τοὺς πρ. (3)  
 23. 4. τὰ δὲ ὄνματα αὐτῶν ἦν Ὁολά ἡ πρ. (3)  
 27. 9. οἱ πρ. βιβλίων καὶ οἱ σοφοὶ αὐτῶν (3)  
 Da. LXX. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι (3)  
 — 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ βασιλ. ἐκ πρεσβυτέρων κριτῶν (3)  
 — 13. ὁ εἰς τῶν πρ. ἐληλύθει (3)  
 — 29. ἀναστάντες οἱ δύο πρ. (3)  
 — 34. ἀναστάντες δὲ οἱ δύο πρ. (3)  
 — 36. οἱ δὲ δύο πρ. εἶπαν (3)  
 — 41. ὡς πρεσβύτερων ὄντων καὶ κριτῶν τοῦ λαοῦ (3)  
 — 51. οὗτοι εἰσι πρεσβύτεροι (3)  
 — 52. προσήγαγον τὸν πρ. τῷ νεωτέρῳ (3)  
 Da. TH. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι (3)  
 — 5. ἐξῆλθεν ἀνομία . . . ἐκ πρεσβυτέρων κριτῶν (3)  
 — 8. ἐθεώρουν αὐτὴν οἱ δύο πρεσβύτεροι (3)  
 — 16. οὐκ ἦν οὐδεὶς ἐκεῖ πλην οἱ δύο πρεσβύτεροι (3)  
 — 18. οὐκ εἶδον τοὺς πρ. (3)  
 — 19. A ἀνέστησαν οἱ δύο πρεσβύτεροι [B -ται] (3)  
 — 24. A ἐβόησαν δὲ καὶ οἱ δύο πρ. [B -ται] (3)  
 — 27. A ἡνίκα δὲ εἶπαν οἱ πρ. [B -ται] τοὺς λόγους αὐ. (3)  
 — 28. A ἦλθον οἱ δύο πρεσβύτεροι [A -ται] (3)  
 — 34. A ἀναστάντες δὲ οἱ δύο πρ. [A -ται] (3)  
 — 36. A εἶπαν δὲ οἱ δύο πρ. [A -ται] (3)  
 — 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς . . . ὡς πρεσβυτέροις (3)  
 — 50. εἶπαν αὐτῷ οἱ πρ. (3)  
 — 61. A ἀνέστησαν ἐπὶ τοὺς δύο πρ. [B -τας] (3)  
 I Ma. 1. 26. ἐστειλάν ἀρχοντας καὶ πρεσβύτεροι (3)  
 7. 33. ἐξῆλθον . . . ἀπὸ τῶν πρ. τοῦ λαοῦ (3)  
 11. 23. A B ἐπέλεξε [B ἐξέλε.] τῶν πρ. Ἰσρ. (3)  
 12. 35. ἐξεκλήσιασε τοὺς πρ. τοῦ λαοῦ (3)  
 13. 36. βασιλεὺς Δ. Σίμωνι . . . καὶ πρεσβυτέροις (3)  
 14. 9. πρεσβύτεροι ἐν ταῖς πλατείαις [S' ἐκκλησίας] ἐκάθητο (3)  
 — 20. ἡ πόλις Σίμωνι . . . καὶ τοῖς πρ. (3)  
 — 21. S οἱ πρ. ἀποσταλέντες [A B al.] (3)  
 — 28. ἐπὶ συναγωγῆς . . . τῶν πρ. τῆς χώρας (3)  
 12. 6. ἐκάλεσε Σ. τοὺς δύο υἱοὺς αὐ. τοὺς πρ. (3)  
 II Ma. 5. 13. νέων καὶ πρεσβυτέρων ἀναιρέσεις (3)  
 8. 30. ἐτι δὲ καὶ πρεσβυτέρους ποιήσαντες (3)  
 13. 13. καθ' ἑαυτὸν δὲ σὺν τοῖς πρ. γενόμενος (3)  
 14. 37. P. δὲ τις τῶν ἀπὸ Ἰερ. πρ. (3)  
 II Ma. 1. 8. ἀπὸ τῆς γεροντίας καὶ τῶν πρ. (3)  
 III Ma. 1. 23. ὑπὸ . . . τῶν πρ. ἀποτραπέντες (3)  
 — 25. οἱ δὲ περὶ τὸν βασιλ. πρ. (3)  
 8. 1. τοὺς περὶ αὐτὸν καταστάσεις πρεσβυτέροις (3)  
 IV Ma. 9. 26. S τὸν καθ' ἡλικίαν τοῦ πρ. [A B προτέρου] δεύτερον (3)  
 [Aq. Ex. 3. 16: Dt. 5. 23 (20): III Ki. 14. 4: Ps. 118 (119). 100.] (3)  
 [Sm. Ge. 10. 21.] (3)  
 [Th. Jd. 8. 14: Jb. 32. 4: Ps. 118 (119). 100.] (3)  
 [Al. I.E. 19. 32: I Ki. 28. 14.] (3)  
 [Quint. Ps. 118 (119). 100.] (3)  
 πρεσβύτες. (1) יְזֵי (2) זְנִי (3) יְזִי hi.  
 (4) זִי (5) καθεστηκώς πρ. יְזִי זְנִי  
 Ge. 25. 8. πρεσβύτες καὶ πλήρης ἡμερῶν (1)  
 43. 27. B ὁ πατὴρ ὡμῶν ὁ πρ. [A -υτέρος] (1)  
 Ex. 10. 9. A σὺν . . . τοῖς πρ. [B πρεσβυτέροις] πορευσόμεθα (1)  
 Nu. 10. 31. ἔσθη ἐν ἡμῖν πρεσβύτες (1)  
 De. 28. 50. οὐ θαυμάσιος πρόσωπον πρεσβύτου [A -τέρου] (1)  
 32. 25. μετὰ καθεστηκότες πρ. [A -τέρου] (5)  
 Jo. 6. 20 (21). καὶ ἕως πρεσβύτου [A -τέρου] (1)  
 Jd. 19. 16. ἀνὴρ πρ. ἥρξετο [A εἰσῆλθεν] (1)  
 — 17. 20. εἶπεν ὁ ἀνὴρ ὁ πρ. (1)  
 — 22. εἶπον πρὸς τὸν ἀνδρα . . . τὸν πρ. (1)  
 I Ki. 2. 22. H. πρεσβύτες σφόδρα (1)  
 — 32 (31). οὐκ ἔσται σου πρεσβύτες (1)  
 — 32. A οὐκ ἔσται πρεσβύτες (1)  
 3. 21. καὶ ἅλλ' πρεσβύτες σφόδρα (1)  
 4. 18. πρεσβύτες ὁ ἄνθρωπος (1)  
 III Ki. 1. 15. καὶ ὁ βασιλ. πρ. σφόδρα (1)  
 13. 11. προφήτης εἰς πρ. (1)  
 — 25. οὐ ὁ προφήτης ὁ πρ. κατ' ἐξέ (1)  
 IV Ki. 4. 14. καὶ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς [A add. οὐκ ἔστω] πρ. (1)  
 I Ch. 23. 1. καὶ Δ. πρεσβύτες (1)  
 II Ch. 32. 31. B' καὶ οὕτως τοῖς πρ. [A B' B -βεντ.] τῶν ἀρχ. (3)  
 I Es. 1. 53. οὐκ ἐφείσαντο . . . πρεσβύτου (3)  
 To. 12. 4. εἶπεν ὁ πρ. [B αὐτῷ T.] (3)  
 Jb. 15. 10. καὶ γε πρεσβύτες καὶ γε παλαιός (4)  
 29. 8. πρεσβύται δὲ πάντες ἔσταντες (2)  
 42. 17. S ἐτελεύτησεν Ἰωβ πρεσβύτες [A B -τεροι] (1)  
 Ps. 148. 12. πρεσβύται [B -τεροι] μετὰ νεωτέρων (1)  
 Wi. 2. 10. μὴ δὲ πρεσβύτου [A -τέρου] ἐντραπῶμεν πολιῶς (1)  
 Za. 8. 4. S' ἐτι καθήσονται . . . πρεσβύται [A B S' -τεροι] (1)  
 Is. 8. 5. προσκόψει τὸ παιδίον πρὸς τὸν πρ. (1)  
 9. 15 (14). ἀφείλε κύριος . . . πρεσβύτεν (1)  
 20. 4. ἀζει . . . νεανίσκους καὶ πρεσβύτεν (1)  
 65. 20. οὐδ' οὐ μὴ γένηται ἐτι ἐκεῖ ἄωρος καὶ πρ. (1)  
 Je. 38 (31). 13. πρεσβύται χαρήσονται (1)  
 Ba. 4. 15. οὐκ ἤσυχνῃσαν πρεσβύτεν (1)  
 La. 2. 21. ἐκοιμήσαν . . . παῖδάριον καὶ πρ. (1)  
 4. 16. A πρεσβύτας [B προφήτας] οὐκ ἤλεσαν (1)  
 5. 14. πρεσβύται ἀπὸ πύλης κατέπαυσαν (1)  
 Da. TH. Su. 19. ἀνέστησαν οἱ δύο πρ. [A -τεροι] (1)  
 — 24. ἐβόησαν δὲ καὶ οἱ δύο πρεσβύται [A -τεροι] (1)  
 — 27. ἡνίκα δὲ εἶπαν οἱ πρ. [A -τεροι] τοὺς λόγους αὐ. (1)  
 — 28. ἦλθον οἱ δύο πρεσβύται [A -τεροι] (1)  
 — 34. ἀναστάντες δὲ οἱ δύο πρεσβύται [A -τεροι] (1)  
 — 36. εἶπαν δὲ οἱ πρ. [A -τεροι] (1)  
 — 61. ἀνέστησαν ἐπὶ τοὺς δύο πρ. [A -τέρους] (1)  
 I Ma. 14. 22. S πρεσβύται Ἰουδαίων ἦλθον [A B al.] (1)  
 15. 17. S οἱ πρ. [A B -ευταί] τῶν Ἰ. ἦλθον (1)  
 II Ma. 11. 34. Κόιντος Μέμμιος Τίτος Μάνλιος πρεσβύται Ῥωμαῖον (1)  
 IV Ma. 5. 6. 6. δ. πρεσβύτα (1)  
 7. 10. δ. . . πρὸς εὐνοιώτερες πρεσβύτα [S' -βυ] (1)  
 [Aq. I Ki. 28. 14: Is. 18. 2 (Sw.): Jb. 6. 11.] (1)  
 [Sm. Ge. 10. 21: I Ki. 2. 32: 28. 14: Jb. 6. 11.] (1)  
 [Th. I Ki. 2. 32: 28. 14: Jb. 15. 10: Jb. 6. 11.] (1)  
 πρεσβύτις.  
 IV Ma. 16. 14. δ. . . στρατιῶτι πρεσβύτι καὶ γυνή (1)  
 πρήθειν. (1) יְזֵי a. qal. δ. hi. c. יְזִי (1)  
 Nu. 5. 21. καὶ τὴν κοιλίαν σου πεπρησμένην (1 c)  
 — 22. πρήσαι γαστέρα (1 b)  
 — 27. πρησθήσεται τὴν κοιλίαν (1 a)



προαναμέλπειν.

Wi. 18. 9. πατέρων ἤδη προαναμελπόντων [A B<sup>2</sup> -οντες] αἰνους

προαναπληροῦν.

Wi. 19. 4. B ἵνα τὴν λείπουσαν ταῖς βασάνοις προαναπληρώσωσι κόλασιν [A B B al.]

προανατάσσειν. (1) 𐤀𐤒𐤕

Ps. 186 (187). 6. ἐὰν μὴ προανατάξωμαι [A<sup>1</sup> -μεν] τὴν ἱερουσαλήμ (1)

προανατέλλειν. (1) 𐤀𐤒𐤕 𐤀𐤒𐤕

Ez. 17. 9. ξηρανθήσεται πάντα τὰ προανατέλλοντα αὐτῆς (1)

προαπαγγέλλειν. (1) 𐤀𐤒𐤕 hi.

Ez. 38. 9. ἐὰν προαπαγγέλῃς τῷ ἄσεβει τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (1)

προαποδεικνύειν.

III Ma. 2. 25. διὰ δὲ τῶν προαποδεικνύειν συμποτῶν

προαποθνήσκειν.

IV Ma. 13. 18. B H μὴ δὲ ψεύσῃ τοὺς προαποθανόντας ἡμῶν ἀδ. [A al.]

προαπολαμβάνειν.

[Al. i Ki. 2. 29.]

προασπίζειν.

IV Ma. 6. 21. τὸν δὲ θεῖον ἡμῶν νόμον . . . μὴ προασπίσασιν

9. 15. ἀλλὰ θεῖον νόμου προασπίζοντα

14. 15. προασπίζει [B<sup>2</sup> προασπ.] τῶν νοσίων

προάστειν, προόστιον. (1) 𐤀𐤒𐤕

Nu. 85. 2. τὰ πρ. τῶν πόλεων . . . δώσουσι (1)  
— 7. ταῖτας καὶ τὰ πρ. αὐτῶν (1)

[Aq. Je. 31 (88). 40.]

[Sm. Jo. 21. 2, 15.]

προβαίνειν. (1) 𐤀𐤒𐤕 (2) 𐤀𐤒𐤕 (3) 𐤀𐤒𐤕

Ge. 18. 11. πρεσβύτεροι προβεβηκότες ἡμερῶν (1)  
24. 1. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ἡμερῶν (1)  
26. 13. προβαίνων μείων ἐγένετο (2)

Ex. 19. 19. ἐγένοντο δὲ αἱ φωναὶ . . . προβαίνουσαι (2)

Jo. 13. 1. I. πρεσβύτερος προβεβηκὼς τῶν ἡμ. (1)  
— 1. σὺ προβεβηκας τῶν ἡμερῶν (1)

23. 1. I. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ταῖς ἡμ. (1)  
— 2. προβεβηκα ταῖς ἡμέραις (1)

Jd. 19. 11. ἡ ἡμέρα προβεβήκει [A κεκλικυῖα] σφόδρα (3)

III Ki. 1. 1. πρεσβύτερος προβεβηκὼς ἡμέραις (1)  
I Es. 2. 29. καὶ μὴ προβῇ ἐπὶ πλεῖον (1)

Ju. 4. 7. B διακλίσαι τοὺς προβαίνοντας [A B al.] (1)  
16. 23. ἡν προβαίνουσα μεγάλη σφόδρα (1)

Jb. 2. 9. χρόνον δὲ πολλὸν προβεβηκὸς (1)  
— 16. τὸ πρόβλημα δὲ προβαίνουσιν (1)

6. 18. ἡδὴ προβεβηκὼς τὴν ἡλικίαν (1)  
8. 8. πικρότερον δὲ ἐν ταῖς εὐμερίαις προβαίνοντα (1)

III Ma. 5. 18. B ἐπὶ πλεῖον δὲ προβαίνουσιν [A προσκοποῦσιν] τῆς ὁμιλίας (1)

[Al. Hb. 3. 9.]

προβάλλειν. (1) 𐤀𐤒𐤕 (2) 𐤀𐤒𐤕 (3) 𐤀𐤒𐤕

(4) 𐤀𐤒𐤕

Jd. 14. 12. πρόβλημα ὑμῶν προβάλλομαι [A προβαλὼ ὑμῶν πρόβλημα] (1)

— 13. προβάλλω τὸ πρόβλημα (1)  
— 16. τὸ πρόβλημα δὲ προβαλὼν (1)

Pr. 22. 21. τοὺς ἀποκρίνεσθαι σε λόγους ἀληθείας τοῖς προβαλλομένοις σοι [A al.] (4)

26. 18. προβάλλουσι λόγους εἰς ἀνθρώπους (2)  
Jb. 28 (48). 4. A προβάλατε [B -τε, B προσβάλετε] τὰ δόγματα (3)

II Ma. 7. 10. B τὴν γλώσσαν αἰτηθεὶς ταχέως προέβαλε [A -βαλεν] (1)

10. 35. A προβαλόντες [B προσβ.] τῷ τείχει (1)  
14. 46. προβαλὼν τὰ ἔντερα (1)

[Aq. Ca. 2. 13.]

[Sm. Jb. 21. 11: Ez. 27. 33.]

[Th. Ez. 24. 3.]

προβασανίζειν.

IV Ma. 8. 5. τὴν αὐτὴν τῇ προβασανισθέντι [B<sup>1</sup> βασ.] γέροντι μανίαν  
10. 16. ἀδελφὸς εἰμι τῶν προβασανισθέντων

προβασκάνιον.

Er. Je. 70. ὥσπερ γὰρ ἐν σικυηράτῳ πρ. οὐδὲν φυλάσσειν

προβατικός. (1) 𐤀𐤒𐤕

Ne. 3. 1. φκοδόμησαν τὴν πόλιν τὴν πρ. (1)  
— 32. A B ἀναβάσεις [B B τῆς] πύλης τῆς πρ. (1)  
12. 39. ἔως πύλης τῆς πρ. (1)

πρόβατον. (1) A. 𐤀𐤒𐤕 B. 𐤀𐤒𐤕 C. 𐤀𐤒𐤕

(2) A. 𐤀𐤒𐤕 B. 𐤀𐤒𐤕 (3) 𐤀𐤒𐤕 (4) 𐤀𐤒𐤕

Ge. 4. 2. ἐγένετο ἄβ. ποιμὴν προβάτων (2 a)  
— 4. ἀπὸ τῶν πρωτοτόκων τῶν πρ. αὐτοῦ (2 a)

12. 16. καὶ ἐγένετο αὐτῷ πρόβατα (2 a)  
18. 5. καὶ ἄνωγ . . . ἦν πρόβατα (2 a)

20. 14. καὶ πρόβατα καὶ μόσχους (2 a)  
21. 27. ἔλαβεν ἄβ. πρόβατα (2 a)

— 28. ἐπὶ ἀμνάδας προβάτων μόνας (2 a)  
— 29. αἱ ἐπὶ ἀμνάδες τῶν πρ. τούτων (2 a)

22. 7. ποὺ ἐστὶ τὸ πρ. τὸ εἰς ἀλοκάπῳ (4)  
— 8. ὁ θ. ὕψεται ἐαυτῷ πρόβατον (4)

24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ πρόβατα (2 a)  
26. 14. κτήνη προβάτων καὶ κτήνη βοῶν (2 a)

27. 9. πορευθεὶς εἰς τὰ πρ. (2 a)  
29. 2. τρία ποιμνία προβάτων (2 a)

— 3. ἐπὶ τὸν τὰ πρ. (2 a)  
— 6. Ῥαχὴλ . . . ἤρξατο μετὰ τῶν πρ. (2 a)

— 6. A αὐτῇ γὰρ ἔβασκεν τὰ πρόβατα (2 a)  
— 7. ποτίσαντες τὰ πρ. (2 a)

— 8. ποτιούμεν τὰ πρ. (2 a)  
— 9. ἤρξατο μετὰ τῶν πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)

— 9. αὐτῇ γὰρ ἔβασκεν τὰ πρ. (2 a)  
— 10. B καὶ τὰ πρ. λάβαν (2 a)

— 10. ἐπὶ τὴν τὰ πρ. λάβαν (2 a)  
30. 31. πάλιν ποιμᾶν τὰ πρ. σου (2 a)

— 32. παρελθόντα τὰ πρ. σου (2 a)  
— 32. διαχώρισον ἐκείθεν πᾶν πρ. (4)

— 36. τὰ πρ. ἅ. τὰ ὑπολειφθέντα (2 a)  
— 38. ὡς ἐν ἐλθόντα τὰ πρ. πῶς (2 a)

— 38. ἵνα . . . ἐγκιστρώσῃσι τὰ πρ. (2 a ?)  
— 39. ἐνέκισσαν τὰ πρ. (2 a)

— 39. ἔκισαν τὰ πρ. διὰ λευκα (2 a)  
— 40. ἔστησαν ἐναντίον τῶν πρ. κριόν (2 a)

— 40. οὐκ ἔμεινεν αὐτὰ εἰς τὰ πρ. ἅ. (2 a)  
— 41. φ ἐνέκισσαν τὰ πρ. (2 a)

— 41. ἔθηκεν I. τὰς ῥάβδους ἐναντίον τῶν πρ. (2 a)  
— 42. ἡνίκα γὰρ ἔτεκον τὰ πρ. (2 a)

31. 8. τέτρεται πάντα τὰ πρ. ποικίλα (2 a)  
— 8. τέτρεται πάντα τὰ πρ. λευκά (2 a)

— 10. ἡνίκα ἐνέκισσαν τὰ πρ. (2 a)  
— 10. ἀναβαίνοντας ἦσαν ἐπὶ τὰ πρ. (2 a)

— 12. ἀναβαίνοντας ἐπὶ τὰ πρ. (2 a)  
— 19. κείρει τὰ πρ. αὐτοῦ (2 a)

— 38. τὰ πρ. σου καὶ αἱ αἰγὲς σου (3)  
— 38. κριὸν τῶν πρ. σου οὐ κατέφαγον (2 a)

— 41. καὶ ἐξ ἑνὶ τοῖς πρ. σου (2 a)  
32. 5 (6). ἐγένοντο μοί . . . πρόβατα (2 a)

— 7 (8). διεῖλε . . . τὰ πρ. (2 a)  
— 14 (15). πρ. διακρίσας κριὸς ἕκαστος (3)

33. 13. τὰ πρ. καὶ αἱ βόες (2 a)  
34. 28. τὰ πρ. αὐτῶν καὶ τοὺς βόας αὐτῶν (2 a)

37. 2. ποιμαίνων τὰ πρ. (2 a)  
— 12. βόσκων τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)

— 14. εἰ ὑπαίτιστος . . . τὰ πρ. (2 a)  
38. 12. ἐπὶ τοὺς κείροντας τὰ πρ. αὐτοῦ (2 a)

— 13. κείρει τὰ πρ. αὐτοῦ (2 a)  
— 17. ἔμεινον ἀγῶν ἐκ τῶν πρ. (2 a)

43. 32. A πᾶς ποιμὴν προβάτων (2 a)  
45. 10. τὰ πρ. σου καὶ οἱ βόες σου (2 a)

46. 34. πᾶς ποιμὴν προβάτων (2 a)  
47. 3. ποιμένες προβάτων οἱ παῖδες σου (2 a)

— 17. ἀντὶ τῶν ἱππῶν καὶ ἀντὶ τῶν πρ. (2 a)  
50. 8. τὰ πρ. . . ὑπεκρίνοντο ἐν γῇ Γ. (2 a)

Ex. 2. 16. ποιμαίνων τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)  
— 16. ποτίσαι τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)

— 17. ἐπὶ τὴν τὰ πρ. αὐτῶν (2 a)  
— 19. ἐπὶ τὴν τὰ πρ. αὐτῶν (2 a)

3. 1. ποιμαίνων τὰ πρ. Ἰοδὴρ (2 a)  
— 1. ἤγαγε τὰ πρ. ὑπὸ τὴν ἔρημον (2 a)

9. 3. καὶ βοῦσι καὶ προβάτοις (2 a)

Ex. 10. 9. καὶ προβάτοις καὶ βοῦσιν ἡμῶν (2 a)  
— 24. πλὴν τῶν πρ. . . ὑπολείπεσθε (2 a)

12. 3. λαβέτωσαν ἕκαστος πρόβατον . . . ἕκαστος πρόβατον κατ' οἰκίαν (4, 4)

— 4. ὥστε μὴ εἶναι ἱκανοὺς εἰς πρόβατον (4)  
— 4. συναριθμησάτω εἰς πρόβατον (4)

— 5. πρ. τέλειον ἄρσεν (4)  
— 21. λάβετε ὑμῖν αὐτοὺς πρόβατον [A -α] (2 a)

— 32. τὰ πρ. καὶ τοὺς βόας ὑμῶν (2 a)  
— 38. καὶ πρόβατα καὶ βόες (2 a)

18. 13. πᾶν . . . δνοὺ ἀλλέξῃς προβάτῳ (4)  
20. 24. θύσετε ἐπ' αὐτοῦ . . . τὰ πρ. (2 a)

22. 1 (21. 37). ἐὰν δὲ τις κλέψῃ . . . πρόβατον (4)  
— 1 (21. 37). καὶ τέσσαρα πρ. ἀντὶ τοῦ πρ. (2 a, 4)

— 4 (3). ἀπὸ τε δνοὺ ἕως προβάτου (4)  
— 9 (8). περὶ τε μόσχου . . . καὶ προβάτου (4)

— 10 (9). ἡ μόσχον ἢ πρόβατον (4)  
— 30 (29). οὕτω ποιήσεις . . . τὸ πρ. σου (2 a)

34. 3. καὶ τὰ πρ. καὶ αἱ βόες (2 a)  
— 19. καὶ πρωτότοκον πρόβατον (4)

— 20. πρωτότοκον ὑποφ. λυτρώσῃ προβάτῳ [A<sup>1</sup> om.] (4)

Le. 1. 2. ἀπὸ τῶν πρ. προσοίσατε τὰ δῶρα ὑ. (2 a)  
— 10: 3. 6. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν πρ. τὸ δῶρον αὐ. (2 a)

4. 32. ἐὰν δὲ πρόβατον προσενέγκῃ (1 a)  
— 35. περιαιρείται στέαρ προβάτου (1 c)

5. 6. θῆλυ ἀπὸ τῶν πρ. (2 a)  
— 7. ἐὰν δὲ μὴ ἴσχυρ . . . εἰς τὸ [A om.] πρ. (4)

— 15. 18. κριὸν ἡμῶν ἐκ τῶν πρ. (2 a)  
6. 5 (5. 25). κριὸν ἀπὸ τῶν πρ. ἡμῶν (2 a)

7. 13 (23). πᾶν στέαρ βοῶν καὶ προβάτων (1 c)  
14. 10. λήψεται . . . πρ. ἡμῶν ἐν αἰσίοις (1 b)

17. 3. δε εἰς σφάξῃ μόσχον ἢ πρόβατον (1 c)  
22. 19. ἐκ τῶν πρ. καὶ ἐκ τῶν αἰγῶν (1 c)

— 21. ἐκ τῶν βουκολίων ἢ ἐκ τῶν πρ. (2 a)  
— 23. A<sup>2</sup> B μόσχον ἢ πρ. ὠτόμηνον (2 a)

— 27. μόσχον ἢ πρόβατον ἢ αἶγα (1 c)  
— 28. μόσχον καὶ πρόβατον . . . οὐ σφάζεις (2 a)

28. 12. ποιήσετε . . . πρ. ἡμῶν (1 a)  
27. 26. ἐὰν τε μόσχον εἴν τε πρόβατον (4)

— 32. πᾶσα δεκάτη βοῶν καὶ προβάτων (2 a)  
Nu. 11. 22. μὴ πρόβατα . . . σφαγίσονται αὐτοῖς (2 a)

15. 3. ἀπὸ τῶν βοῶν ἢ ἀπὸ τῶν πρ. (2 a)  
— 11. ἐκ τῶν πρ. ἢ ἐκ τῶν αἰγῶν (1 a)

18. 17. πρωτότοκα προβάτων . . . οὐ λυτρώσῃ (1 c)  
22. 40. ἔθυσεν B. πρόβατα (2 a)

27. 17. ὥσπερ πρόβατα οἱς οὐκ ἔστι ποιμὴν (2 a)  
31. 28. 30. ἀπὸ τῶν βοῶν καὶ ἀπὸ τῶν πρ. (2 a)

— 32. ἀπὸ τῶν πρ. ἐξάκοντα χιλιάδες (2 a)  
— 36. ἐκ τοῦ ἀριθμοῦ τῶν πρ. (2 a)

— 37. τὸ τέλος κυρίῳ ἀπὸ τῶν πρ. (2 a)  
— 43. τὸ ἡμίσευμα . . . ἀπὸ τῶν πρ. (2 a)

32. 16. ἐπαύλεις προβάτων οἰκοδομήσμεν (2 a)  
— 36. καὶ ἐπαύλεις [A πύλεις] προβάτων (2 a)

De. 7. 13. καὶ τὰ ποιμνία τῶν πρ. σου (2 a)  
8. 13. τῶν πρ. σου πληθυνθέντων (2 a)

12. 6. τὰ πρωτότοκα . . . τῶν πρ. ὑμῶν (2 a)  
— 17. A B καὶ τῶν πρ. σου (2 a)

— 21. καὶ ἀπὸ τῶν πρ. σου (2 a)  
14. 4. καὶ ἀμὸν ἐκ προβάτων (1 c)

— 23. τὰ πρωτότοκα . . . τῶν πρ. σου (2 a)  
— 26. A B ἐπὶ βοῦσιν ἢ ἐπὶ προβάτοις (2 a)

15. 14. ἐφοδιάσεις αὐτὸν ἀπὸ τῶν πρ. σου (2 a)  
— 19. καὶ ἐν τοῖς πρ. σου (2 a)

— 19. τὰ πρωτότοκα τῶν πρ. σου (2 a)  
16. 2. θύσεις . . . πρόβατα καὶ βόας (2 a)

17. 1. οὐ θύσεις [A προσοίσεις] . . . πρόβατον (4)  
18. 3. ἐὰν τε μόσχον εἴν τε πρόβατον (4)

— 4. τὴν ἀπαρχὴν τῶν κούρων τῶν πρ. σου (2 a)  
22. 1. μὴ ἰδὼν . . . τὸ πρ. αὐτοῦ (4)

28. 4, 18. καὶ τὰ ποιμνία τῶν πρ. σου (2 a)  
— 31. τὰ πρ. σου δοθῶ. τοῖς ἐχθροῖς σου (2 a)

— 51. καὶ τὰ ποιμνία τῶν πρ. σου (2 a)  
32. 14. καὶ γάλα προβάτων (2 a)

Jo. 6. 20 (21). A καὶ ὥς πρόβατον (4)  
7. 24. καὶ πάντα τὰ πρ. αὐτοῦ (2 a)

I Ki. 14. 34. καὶ ἕκαστος τὸ πρ. αὐτοῦ (4)  
15. 3. ἀπὸ μόσχου ἕως προβάτου (4)

— 12. A τὰ πρ. [B πρῶτα] τῶν σκύλων (2 a)  
17. 15. A ποιμαίνων τὰ πρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)

— 20. A ἀφῆκεν τὰ πρ. φύλακι (2 a)  
— 28. A ἐπὶ τίνα ἀφῆκεν τὰ μικρὰ πρ. ἐκ. (2 a)

— 34. ἐλάμβανε πρόβατον ἐκ τῆς ἀγέλης (4)  
22. 19. καὶ μόσχου καὶ δνοὺ καὶ προβάτου (4)

25. 11. τοῖς κείρουσι μου τὰ πρ. (2 a)  
— 18. καὶ πέντε πρόβατα πεποιημένα (2 a)

II Ki. 7. 8. ἐκ τῆς μάνδρας τῶν [A ἀπὸ ὁπισθεν τῶν] πρ. (2 a)  
 17. 29. καὶ βούτῳ καὶ πρόβατα (2 a)  
 24. 17. οὐκ οὐκ τὰ πρ. τί ἐποίησαν (2 a)  
 III Ki. 1. 9. ἐθυσίαν Ἀδ. πρόβατα (2 a)  
 — 19. 25. ἐθυσίαν . . . πρόβατα εἰς πληθος (2 a)  
 8. 1 (cf. 4. 23 [5. 3]). B καὶ ἐκατὸν πρόβατα (2 a)  
 4. 23 (5. 3). καὶ ἐκατὸν πρόβατα (2 a)  
 8. 5. θύοντες πρόβατα βόας (2 a)  
 — 63. A B πρόβατων ἐκατὸν εἴκοσι χιλιάδας (2 a)  
 IV Ki. 5. 26. καὶ νῦν ἔλαβες . . . πρόβατα (2 a)  
 I Ch. 5. 21. καὶ προβάτων διακοσ. πεντήκ. χιλιάδας (2 a)  
 12. 40. ἔφερον . . . μύσους καὶ πρόβατα (2 a)  
 21. 17. ταῦτα τὰ πρ. τί ἐποίησαν (2 a)  
 27. 31. καὶ ἐπὶ τῶν πρ. ἰαζίζ (2 a)  
 II Ch. 5. 6. θύοντες μύσους καὶ πρόβατα (2 a)  
 14. 15 (14). ἔλαβον πρ. πολλὰ (2 a)  
 15. 11. ἔθυσαν . . . πρ. ἐπτακισχίλια [A al.] (2 a)  
 17. 11. ἔφερον αὐτῶν κριοὺς προβάτων (2 a)  
 18. 2. ἔθυσαν αὐτῶν Ἀχ. πρόβατα (2 a)  
 — 16. διεσπαρμένους . . . ὡς πρόβατα (2 a)  
 29. 33. πρόβατα τρυσχίλια (2 a)  
 30. 24. ἀπὴρξατο . . . ἐπτακισχίλια πρ. (2 a)  
 — 24. ἀπὴρξατο . . . πρόβατα δέκα χιλιάδες (2 a)  
 31. 6. ἤνεγκαν ἐπιδέκατα . . . προβάτων (2 a)  
 32. 29. καὶ ἀποσκευὴν προβάτων (2 a)  
 35. 7. ἀπὴρξατο Ἰωσ. . . πρόβατα (2 a)  
 — 8. ἔθωκαν εἰς τὸ φαεῖς πρόβατα (2 a)  
 — 9. A B ἀπὴρξατο . . . πρόβατα [B om.] (2 a)  
 I Es. 1. 8. ἔθωκε . . . πρ. διαχίλια ἱεράκια (2 a)  
 — 9. A B ἔθωκαν . . . πρ. πεντακισχίλια [B χιλ.] (2 a)  
 II Es. 10. 19. A B S<sup>3</sup> κριὸν ἐκ προβάτων (2 a)  
 Ne. 5. 18. A B R καὶ πρόβατα ἐξ [B om.] ἐκλεκτὰ (2 a)  
 To. 1. 6. S καὶ τὰς πρωτοκουράς τῶν πρ. ἔχων [A B al.] (2 a)  
 7. 8. ἔθυσαν κριὸν [S add. ἐκ] προβάτων (2 a)  
 10. 11. S βόας καὶ πρόβατα [A B al.] (2 a)  
 Ju. 2. 17. ἔλαβε . . . πρόβατα καὶ βόας (2 a)  
 8. 26. ποιμαίνοντι τὰ πρ. Λ. [A B al.] (2 a)  
 11. 19. A B ὡς πρόβατα οἷς οὐκ ἔστι ποιμὴν (2 a)  
 Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτήνη αὐ. πρ. ἐπτακισχίλια (2 a)  
 — 16. κατέκαυσεν [A -έφαγεν] τὰ πρ. (2 a)  
 21. 11. μένουσι δὲ ὡς πρόβατα αἰώνια (2 a)  
 42. 12. ἦν δὲ τὰ κτήνη αὐ. πρόβατα μύρια (2 a)  
 Ps. 8. 7. πρόβατα καὶ βόας πάσας (2 a)  
 44 (44). 11. ἔθωκεν ἡμᾶς ὡς πρόβατα βρώσεως (2 a)  
 — 22. ἐλογίσθημεν ὡς πρόβατα σφαγῆς (2 a)  
 48 (49). 14. ὡς πρόβατα ἐν δόλῳ ἔθωκεν (2 a)  
 64 (65). 13. ἐνεδύσαντο οἱ κριοὶ τῶν πρ. (2 a)  
 78 (77). 1. ἐπὶ πρόβατα νομῆς σου (2 a)  
 78 (77). 20. ὠδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λαόν σου (2 a)  
 77 (78). 52. ἀπῆρεν ὡς πρόβατα τὸν λαόν αὐτοῦ (2 a)  
 — 70. ἀνέλαβεν αὐτὸν ἐκ τῶν ποιμνίων τῶν πρ. (2 a)  
 78 (79). 13. ἡμεῖς γὰρ λαὸς σου καὶ πρόβατα νομῆς σου (2 a)  
 79 (80). 1. ὁ ὀδηγῶν ὥσει πρόβατα τὸν Ἰ. (2 a)  
 94 (95). 7. ἡμεῖς . . . πρόβατα χειρὸς αὐ. (2 a)  
 99 (100). 3. καὶ πρόβατα τῆς νομῆς αὐτοῦ (2 a)  
 106 (107). 41. ἔθετο ὡς πρόβατα πατριὰς (2 a)  
 118 (119). 4. 6 (A S<sup>3</sup> B). καὶ οἱ βουνοὶ ὡς ἀρῖα πρόβατων (2 a)  
 118 (119). 176. ἐπλανήθη ὡς πρ. ἀπολωλός (2 a)  
 143 (144). 13. τὰ πρ. αὐτῶν πολυτόκα (2 a)  
 151. 1. ἐποιμαίνον τὰ πρ. τοῦ πατρός μου (2 a)  
 — 4. ἦρέ με ἐκ τῶν πρ. τοῦ πατρός μου (2 a)  
 Pr. 27. 26. ἵνα ἔχης πρόβατα εἰς ἱματισμόν (1 a)  
 Si. 47. 3. ἐν ἄρκω ἐν ἡμέρᾳ πρὸς πρόβατον (2 a)  
 Ho. 5. 6. μετὰ προβάτων καὶ μύσους (2 a)  
 Am. 7. 15. A B ἀνέλαβε με κύριος ἐκ τῶν πρ. [B προφητῶν] (2 a)  
 Mi. 2. 12. ὡς πρόβατα ἐν θλίψει (2 a)  
 5. 8 (7). ὡς σκύμνος ἐν ποιμνίῳ προβάτων (2 a)  
 7. 14. πρόβατα κληρονομία σου (2 a)  
 Jl. 1. 18. τὰ ποιμνία τῶν πρ. ἠφανίσθησαν (2 a)  
 Jn. 3. 7. τὰ πρ. μὴ γενεσάσθωσαν (2 a)  
 Hb. 3. 17. ἐξέλιπεν ἀπὸ βρώσεως πρόβατα (2 a)  
 Ze. 2. 6. ἔσται Κρήνη . . . μάνδρα προβάτων (2 a)  
 Za. 9. 16. ὥσει . . . ὡς πρόβατα λαὸν αὐ. (2 a)  
 10. 2. ἐξηράθησαν ὡς πρόβατα (2 a)  
 11. 4. ποιμαίνετε τὰ πρ. τῆς σφαγῆς (2 a)  
 — 7. ποιμαίνω τὰ πρ. [S<sup>3</sup> τὸ πρ.] τῆς σφαγῆς (2 a)  
 — 7. ποιμαίνω τὰ πρ. (2 a)  
 — 11. γνῶσκονται οἱ Χ. τὰ πρ. τὰ φυλασσόμεν. μοι (2 a)  
 — 17. καταλειποῦντες τὰ πρ. (2 a)  
 13. 7. ἐκασπάσατε τὰ πρ. [A B al.] (2 a)  
 Is. 7. 21. δάμνατε βοῶν καὶ δύο πρόβατα (2 a)

Is. 7. 25. εἰς βόσκημα προβάτου (4)  
 18. 14. ἔσονται . . . ὡς πρ. πλανώμενον (2 a)  
 22. 13. καὶ θύοντες πρόβατα (2 a)  
 48. 23. οὐκ ἠνεγκί μοι [A B S οὐκ ἐμοί] πρόβατα σου τῆς ὀλοκαρπώσεώς σου (4)  
 58. 6. πάντες ὡς πρόβατα ἐπλανήθημεν (2 a)  
 — 7. ὡς πρ. ἐπὶ σφαγὴν ἦχθη (4)  
 60. 7. πάντα τὰ πρ. Κηρὰρ συναχθίσονται (2 a)  
 61. 5. ποιμαίνοντες τὰ πρ. σου [B om.] (2 a)  
 63. 11. πού [A B om.] ὁ ἀναβιβάσας . . . τὸν ποιμένα τῶν πρ. (2 a)  
 Je. 8. 24. κατηνάλωσε . . . τὰ πρ. αὐτῶν (2 a)  
 5. 17. κατέδονται τὰ πρ. ὑμῶν (2 a)  
 10. 20. οἱ υἱοὶ μου καὶ τὰ πρ. μου οὐκ εἰσίν (2 a)  
 13. 20. πού ἐστι . . . πρόβατα δόξης σου (2 a)  
 23. 1. οἱ ἀπολλύοντες καὶ διασκορπίζοντες τὰ πρ. τῆς νομῆς αὐτῶν [A B al.] (2 a)  
 — 2. διεσκορπίσατε τὰ πρ. μου (2 a)  
 27 (50). 6. πρ. ἀπολωλὸτα ἐγενήθη ὁ λαός μου (2 a)  
 — 8. ὥσπερ δράκοντες κατὰ πρόσωπον προβάτων (2 a)  
 — 17. πρ. πλανώμενον Ἰσραὴλ (4)  
 — 45. τὰ ἀρῖα τῶν πρ. αὐτοῦ (2 a)  
 29 (49). 20. ἐὰν μὴ συμψύβωσι [A -ψύβωσι, B συνώσι] τὰ ἐλάχιστα τῶν πρ. (2 a)  
 30. 7 (49. 29). A B καὶ τὰ [B S om.] πρ. αὐτῶν ληφόντα (2 a)  
 32 (25). 34. κόπτεσθε, οἱ κριοὶ τῶν πρ. (2 a)  
 — 35. ἀπὸ τῶν κριῶν τῶν πρ. (2 a)  
 — 36. ἀλαλαγμοὺς τῶν πρ. καὶ τῶν κριῶν [B κρ. κ. τ. πρ.] (2 a)  
 38 (31). 12. ἐπὶ γῆν. . . κτηνῶν καὶ προβάτων (2 a)  
 40 (38). 12. καταλύματα ποιμένων κοιταζόντων πρόβατα [A -ων] (2 a)  
 — 13. παρελεύσεται πρόβατα ἐπὶ χεῖρα ἀριθμύοντος (2 a)  
 Ez. 25. 5. δώσω . . . τοὺς υἱοὺς Ἀμμὸν εἰς νομὴν [A πρὸν.] προβάτων (2 a)  
 34. 2. οὐ τὰ πρ. βόσκουσιν οἱ ποιμένες (2 a)  
 — 3. τὰ πρ. μου οὐ βόσκειτε (2 a)  
 — 5. διεσπάρη τὰ πρ. μου (2 a)  
 — 6. διεσπάρη τὰ πρ. μου [B om. τὰ πρ. μ.] (2 a)  
 — 8. ἀντὶ τοῦ γενέσθαι τὰ πρ. μου εἰς προνομὴν καὶ γενέσθαι τὰ πρ. μου εἰς κατάβρωμα . . . οὐκ ἐξεζήτησαν οἱ ποιμένες τὰ πρ. μου . . . τὰ δὲ πρ. μου οὐκ ἐβόσκουσιν (2 a quater)  
 — 10. ἐκζητήσω τὰ πρ. μου . . . τοῦ μὴ ποιμαίνειν τὰ πρ. μου . . . ἐξελεύμαι τὰ πρ. μου (2 a ter)  
 — 11. ἐκζητήσω τὰ πρ. μου (2 a)  
 — 12. ἐν μέσῳ προβάτων διακχωρισμένων οὕτως ἐκζητήσω τὰ πρ. μου (2 a, 2 a)  
 — 15. A<sup>2</sup> B βόσκησεν τὰ πρ. μου (2 a)  
 — 17. ὑμεῖς, πρόβατα [A τὰ πρ.] . . . διακρινώ ἀνὰ μέσον προβάτου καὶ προβάτου (2 a, 4, 4)  
 — 19. τὰ πρ. μου τὰ πατήματα τῶν ποδῶν ὑμῶν ἐνέμογον (2 a)  
 — 20. διακρινώ ἀνὰ μέσον προβάτου ισχυροῦ καὶ ἀνὰ μέσον προβάτου ἀσθενοῦς (4, 4)  
 — 22. σώσω τὰ πρ. μου (2 a)  
 — 31. πρόβατά μου καὶ πρόβατα ποιμνίου μου ἔστω (2 a, 2 a)  
 36. 37. πληθύνω αὐτοὺς ὡς πρόβατα ἀνθρώπων (2 a)  
 — 37 (38). ὡς πρόβατα ἄγνα ὡς πρόβατα Ἱερ. (2 a, 2 a)  
 — 38. οὕτως ἔσονται αἱ πόλεις αἱ ἔρημοι πληρεῖς προβάτων ἀνθρώπων (2 a)  
 48. 23. κριὸν ἐκ προβάτων [A τῶν πρ.] ἄμωμον (2 a)  
 — 25. ποιήσεις . . . κριὸν ἐκ προβάτων [A τῶν πρ.] (2 a)  
 45. 15. πρ. [A add. ἐν] ἀπὸ τῶν πρ. ἀπὸ δέκα [A τ. δ. πρ.] ἀφάρεμα (4, 2 a)  
 Da. LXX. Bel. 2. ἀνῆλθετε δὲ αὐτῶν . . . πρ. τέσσαρα (2 a)  
 Da. TH. Bel. 3. ἐδapaνῶντο εἰς αὐτὸν . . . πρόβατα τέσσαράκοντα (2 a)  
 — 32. ἐδιδότο αὐτοῖς τὴν ἡμέραν . . . δύο πρόβατα (2 a)  
 [Aq. Jb. 30. 1: Ca. 6. 5 (6): Je. 31 (38). 12: Am. 1. 2.] (2 a)  
 [Sm. Le. 3. 7: II Ki. 6. 13: Jb. 30. 1: Is. 66. 3.] (2 a)  
 [Th. Jb. 30. 1: Ps. 79 (80). 2: Is. 66. 3: Je. 12. 3: Ez. 34. 6 (Sw.): Da. 14. 2.] (2 a)  
 [Al. Hb. 3. 17.] (2 a)

προβιβάζειν. (1) ἡν. hi. (2) ἡψ. pi.  
 Ex. 35. 34. προβιβάζειν ὡς ἔδωκεν (1)  
 De. 6. 7. προβιβάζεις αὐτὰ τοὺς υἱοὺς σου (2)  
 [Aq. Ps. 41 (42): 5: Is. 38. 15.] (2)  
 προβλέπειν. (1) ἡν. ἡ  
 Ps. 36 (37). 13. προβλέπει ὅτι ἡμέρα αὐτοῦ (1)  
 [Sm. Ec. 6. 9.] (2)  
 πρόβλημα. (1) ἡν. ἡ  
 Jd. 14. 12. πρόβλημα ὑμῖν προβάλλομαι [A al.] (1)  
 — 12. A ἐὰν . . . ἀπαγγεῖλητέ μοι τὸ πρ. [B al.] (1)  
 — 13. προβάλου τὸ πρ. (1)  
 — 14. οὐκ ἠδύναντο ἀπαγγεῖλαι τὸ πρ. (1)  
 — 15. ἀπαγγεῖλάν σοι τὸ πρ. (1)  
 — 16. τὸ πρ. ὁ πρόβαλον (1)  
 — 18. οὐκ ἂν ἔγνωτε [A εὔρητε] τὸ πρ. μου (1)  
 — 19. τοῖς ἀπαγγεῖλαι τὸ πρ. (1)  
 Ps. 48 (49). 4. ἀνοίξω ἐν ψαλτηρίῳ τὸ πρ. μου (1)  
 77 (78). 2. φθέγγεσθαι προβλήματα ἀπ' ἀρχῆς (1)  
 Hb. 2. 6. καὶ πρόβλημα εἰς διήγησιν αὐ. (1)  
 Da. TH. 8. 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς . . . συνίων προβλήματα (1)  
 [Aq. Ez. 17. 2.] (2)  
 [Sm. Ps. 77 (78). 2: Pr. 1. 6:] (2)  
 [Th. Pr. 1. 6: Ez. 17. 2.] (2)  
 προβλῆς. (1) ἡν. ἡ  
 IV Ma. 13. 6. S B προβλήτες λιμένων πύργου [A al.] (1)  
 προβλητός. (1) ἡν. ἡ  
 Je. 10. 5 (9). S ἀργύριον προβλητόν [A B προσβλ.] ἔστιν [A B om.] (1)  
 προγινώσκειν. (1) ἡν. ἡ  
 Wi. 19. 13. A S οὐκ ἄνευ τῶν προγεγονότων [B γεγ.] τεκμηρίων (2 a)  
 II Ma. 14. 3. B Ἀλκιμος δὲ τις προγεγόμενος [A -γεγονώς] ἀρχιερεὺς (2 a)  
 15. 8. ἔχοντας δὲ κατὰ νοῦν τὰ προγεγονότα αὐτοῖς [Sm. Ec. 10. 14.] (2 a)  
 προγινώσκων. (1) ἡν. ἡ  
 Wi. 6. 13. φθάσει τοὺς ἐπιθυμούντας [S ἐ. αὐτῇ] προγνωσθῆναι (2 a)  
 8. 8. σημεῖα καὶ τέρατα προγινώσκει (2 a)  
 18. 6. ἐκείνη ἡ νύξ προεγνώσθη πατράσιν ἡμῶν (2 a)  
 πρόγνωσις. (1) ἡν. ἡ  
 Ju. 9. 6. ἡ κρίσις σου ἐν προγνώσει (2 a)  
 11. 19. A B ἐλαλήθη μοι κατὰ πρόγνωσην μου (2 a)  
 προγονικός. (1) ἡν. ἡ  
 II Ma. 8. 17. τὴν τῆς πρ. πολιτείας κατάλυσιν (2 a)  
 14. 7. ἀφελόμενος τὴν πρ. δόξαν (2 a)  
 πρόγονοι. (1) ἡν. ἡ  
 Es. 4. 17. ἔλαβες . . . ἐκ πάντων τῶν πρ. αὐ. (2 a)  
 8. 13. τοῦ κατευθύνοντος . . . τοῖς πρ. ἡμῶν τὴν βασιλ. (2 a)  
 Si. 8. 4. ἵνα μὴ ἀτιμάζονται οἱ πρ. σου (2 a)  
 9. 6. S<sup>3</sup> ἵνα μὴ ἀτιμάζονται οἱ πρ. σου [A B S<sup>3</sup> al.] (2 a)  
 II Ma. 8. 19. τὰς ἐπὶ τῶν πρ. γενομένας ἀντιλήψεις (2 a)  
 11. 25. κατὰ τὰ ἐπὶ τῶν πρ. αὐ. ἔθην (2 a)  
 III Ma. 5. 31. ἀντὶ τῶν . . . προγόνους ἐμοῖς ἀποδεδειγμένους (2 a)  
 6. 28. ἀφ' ἡμετέρων μέχρι τοῦ νῦν προγόνων (2 a)  
 7. 7. πρὸς ἡμᾶς καὶ τοὺς πρ. ἡμῶν (2 a)  
 IV Ma. 3. 8. ὁ πᾶς τῶν πρ. στρατός (2 a)  
 5. 29. τοὺς ἱεροὺς τῶν πρ. . . ὄρκους (2 a)  
 9. 2. ἀσχετὸν μετὰ γὰρ τοὺς πρ. (2 a)  
 προγράφειν. (1) ἡν. ἡ  
 Da. LXX. 3. 3. cod. ἔστησαν οἱ προγεγραμμένοι [B προσγ.] (2 a)  
 I Ma. 10. 36. προγραφήσαντων τῶν Ἰ. εἰς τὰς δυνάμεις (2 a)  
 πρόδηλος. (1) ἡν. ἡ  
 Ju. 8. 29. ἡ σοφία σου πρ. ἔστιν (2 a)  
 II Ma. 3. 17. πρόδηλον ἐγένετο . . . τὸ κατὰ καρδίαν ἐνεστὸς ἄλγος (2 a)  
 14. 39. πρόδηλον ποιήσαι . . . δυσμένειαν (2 a)  
 προδηλοῦν. (1) ἡν. ἡ  
 III Ma. 4. 14. τὴν ἔμπροσθε βραχεὶ προδηλοῦσθαι . . . λατρείαν (2 a)



**προϊέναι.** (1) 𐤒𐤁 hi. (2) 𐤒𐤁 (3) 𐤒𐤁 hi.  
Ex. 8. 19. οὐ προήσεται ὑμᾶς Φ. (2)  
Jb. 7. 19. ὥς τίνος οὐκ ἔξ με οὐδὲ προῆί με (3)  
27. 6. δικαιοσύνη δὲ προσέχων οὐ μὴ προῶμαι (3)  
Pr. 1. 23. προϊσομαι ὑμῖν ἐμῆς πνοῆς ῥῆσιν (1)  
5. 9. ἵνα μὴ πρόη ἄλλοις (ὡν σου (2)  
8. 4. προϊέμαι ἐμὴν φωνὴν υἱοῖς ἀνθρώπων —  
17. 27. δεσφίδεται ῥῆμα προϊσθαι [B¹-εἰσθαι] —  
σκληρόν —  
24. 67 (30. 32). εἰς πρόη σεαυτὸν ἐν εὐφρο-  
σύνη [A B εἰς εὐφροσύνην] +  
II Ma. 10. 34. B λόγους ἀδεμίτους προϊόντο [A  
-εἰνιγες]  
15. 12. καὶ λαλίαν προϊέμενον πρεπόντως  
IV Ma. 18. 3. A B προϊέμενοι [B προϊέμ.] τὰ σώματα  
τοῖς πόνοις  
[Sm. Jb. 2. 4.]  
**πρόϊμος, vid. πρώϊμος.**  
**προϊνός, vid. πρωϊνός.**  
**προϊξ.**  
[Al. Ex. 18. 2.]  
**προϊστάναι.**  
II Ki. 13. 17. ἐκάλεσε . . . τὸν προσετήκοντα τοῦ  
οἴκου +  
Pr. 23. 5. ὑποστρέφει εἰς τὸν οἶκον τοῦ προσετή-  
κτος αὐτοῦ +  
26. 17. οὕτως οὐ προσετὼς ἄλλοτρίας κρίσεως +  
Am. 6. 10. ἐρεῖ τοῖς προσετήκονσι τῆς οἰκίας +  
Is. 43. 24. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις σου πρόστης μου +  
[A B -ην σου] +  
Da. LXX. Bel 7. ἐκάλεσε τοὺς προσετήκοντας τοῦ  
λερού  
I Ma. 5. 19. πρόστητε τοῦ λαοῦ τούτου  
IV Ma. 11. 27. θείου νόμου προσετήκασιν ἡμῶν  
[Al. Ps. 19 (20). 2.]  
**προκαθηγέσθαι.**  
I Es. 6. 12. τὴν ὀνοματογραφίαν . . . τῶν προκαθη-  
γουμ. [A -καθμ.]  
**προκαθίκειν.**  
I Ma. 10. 39. A εἰς τὴν προκαθήκουσαν [B καθήκ.,  
B προσήκ.] διαπάνην τοῖς ἀγίοις  
**προκαθίσθαι.**  
I Es. 1. 32. οἱ προκαθήμενοι . . . ἐθρονοῦσαν αὐτὸν  
5. 63. ἐκ . . . τῶν προκαθμ. κατὰ τὰς πατριὰς αὐ.  
6. 12. A τὴν ὀνοματογραφίαν . . . τῶν προκαθημέ-  
νων [B -καθηγουμ.]  
9. 4. κατὰ τὸ κρίμα τῶν προκαθμ. πρεσβυτέρων +  
— 45. προκαθίσθαι γὰρ ἐπιδόξως  
**προκαθίστειν.**  
IV Ma. 5. 1. προκαθίστα γέ τοι μετὰ τῶν συνίδρων  
**πρόκαιρος.**  
IV Ma. 15. 2. B¹ τῆς ἐπὶ τῶν σωτηρίας προκαίρου  
[A B² B προσκ.]  
**προκακοῦν.**  
IV Ma. 17. 22. ἡ θεία πρόνοια τὸν Ἰσρ. προκακο-  
θέντα διέσωσε  
**προκαλείσθαι.**  
II Ma. 8. 11. A προκαλοῦμενος [B προσκ.] ἐπ' ἀγο-  
ρασμόν  
**προκαταλαμβάνειν.** (1) 𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤁  
(3) 𐤒𐤁 a. qal. δ. ni. (4) 𐤒𐤁 pi.  
Jd. 1. 12. καὶ προκατάβηται αὐτήν (3 a)  
— 13. προκατελάβετο αὐτήν Γοθ. (3 a)  
38. 28. προκατελάβετο τὰς διαβάσεις (3 a)  
7. 24. προκατελάβετο τὸ ὕδωρ (3 a)  
9. 50. A καὶ προκατελάβετο αὐτήν [B al.] (3 a)  
12. 5. προκατελάβετο [A -βοντο ἄνδρες] Γαλ. (3 a)  
20. 39. B προκατελάβετο τὸ ἐνεδρον τὴν Γ. —  
II Ki. 5. 7. B προκατελάβετο [A B κατ.] Δ. τὴν  
περιοχὴν Σ. (3 a)  
8. 4. προκατελάβετο Δ. . . χιλία δρῦματα (3 a)  
12. 28. καὶ προκαταλαβοῦ αὐτήν ἵνα μὴ προ-  
καταλάβωμαι ἐγὼ τὴν πόλιν (3 a, 3 a)  
III Ki. 4. 34 (B), 9. 16 (A). B προκατελάβετο  
τὴν Γ. [A al.] (3 a)

III Ki. 11. 14 (B), 24 (A). προκατελάβετο τὴν  
Δ. [A al.] —  
16. 18. προκατελάβετο αὐτοῦ ἡ πόλις (3 b)  
IV Ki. 12. 17 (18). καὶ προκατελάβετο αὐτήν (3 a)  
I Ch. 11. 5. προκατελάβετο τὴν περιοχὴν Σ. (3 a)  
18. 4. προκατελάβετο Δ. αὐτὸν χιλία δρῦ. (3 a)  
II Ch. 13. 19. προκατελάβετο παρ' αὐτοῦ πόλεις (3 a)  
17. 2. ἃς προκατελάβετο Ἀσά (3 a)  
32. 1. εἶπε προκαταλαβίσθαι αὐτὰς (2)  
— 18. ὅπως προκαταλάβωνται τὴν πόλιν (3 a)  
Ju. 2. 10. προκαταλήψη [A προσκ.] μοι πᾶν ὄριον αὐ.  
— 25. B προκατελάβετο τὰ ὄρη [A B al.]  
4. 5. προκατελάβετο πᾶσας τὰς κορυφὰς  
7. 1. καὶ τὰς ἀναβάσεις . . . προκαταλαβάνεσθαι  
— 7. καὶ προκατελάβετο αὐτὰς  
— 17. προκατελάβετο [B -βον] τὰ ὕδατα  
Ps. 76 (77). 4. προκατελάβετο φυλακὰς (1)  
78 (79). 8. ταχὺ προκαταλαβέσσαν ἡμᾶς (4)  
I Ma. 5. 8. B B προκατελάβετο [A -βε] τὴν Ἰ.  
— 11. καὶ προκαταλαβίσθαι τὸ ὄχυρμα  
— 35. B καὶ προκατελάβετο [A B κατ.] αὐτήν  
— 36. προκατελάβετο τὴν Χ.  
— 44. προκατελάβετο τὴν πόλιν  
6. 27. A B εἰς μὴ προκαταλάβη [B -ητε] αὐτοῖς  
9. 2. προκατελάβετο αὐτήν  
12. 33. προκατελάβετο αὐτήν  
II Ma. 10. 36. προκατελάβετο τὴν πόλιν  
III Ma. 2. 20. προκαταλαβέσσαν ἡμᾶς οἱ οἰκτιρμοὶ  
σου  
[Sm. Ps. 78 (79). 8.]  
[Al. Jo. 15. 16.]  
**προκατασκευάζειν.**  
Si. prol. 26. A B S² προκατασκευάζομενος [B¹-οντας,  
B-οις] τὰ ἔθνη ἐν νόμῳ [A ἐννόμως] βιο-  
τεύειν  
**προκατασκευοῦσθαι.**  
III Ma. 4. 1. ὡς ἐν τῆς προκατεσκευομένης αὐτοῖς  
πάλαι . . . συνεκατασκευομένης ἀπεχθείας  
**προκαταχωρίζειν.**  
III Ma. 2. 29. A οὐς καὶ προκαταχωρίζαι [B καταχ.]  
**προκείσθαι.** (1) a. 𐤒𐤁 δ. 𐤒𐤁 𐤒𐤁  
Ex. 10. 10. A ποτηρία πρόκειται [B πρόσκ.]  
ὑμῖν (1 b)  
38. 9 (37. 10). τὴν τράπεζαν τὴν προκειμένην —  
39. 18 (36). B τοὺς ἄρτους τοὺς προκειμ.  
[A² τῆς προθέσει] (1 a)  
Le. 24. 7. ἔσονται . . . προκειμένα τῷ κ. +  
Nu. 4. 7. ἐπὶ τὴν τράπεζαν τὴν προκειμ. (1 a)  
Es. 1. 7. ἀνθράκων κυλίκων προκειμένων —  
— 8. οὐ [B¹ om.] κατὰ προκειμ. νόμον ἐγένετο +  
10. 3. εἰσήνεγκε Δ. . . τὴν προκειμ. ἐπιστολήν  
III Ma. 5. 46. ἐπὶ τὸ προκειμένον ὠτρυνε τὸν βασ.  
IV Ma. 15. 2. διεῖν προκειμένων  
— 15. A B τὰς . . . σάρκας ὥσπερ προσωπεῖα [B  
-ώτια] προκειμένας  
[Sm. Ps. 35 (36). 2.]  
**πρόκλησις.**  
II Ma. 4. 14. B μετὰ τὴν τοῦ δισκου πρόκλησιν [A  
πρόσκλ.]  
**προκοπή.**  
Si. 51. 17. προκοπή ἐγένετο μοι ἐν αὐτῇ  
II Ma. 8. 8. κατὰ μικρὸν εἰς προκοπὴν ἐρχόμενον τὸν  
ἄνδρα  
**προκόπτειν.**  
[Sm. Ps. 44 (45). 5.]  
**πρόκρημος.**  
IV Ma. 7. 5. ὥσπερ γὰρ πρόκρημον ἄκραν  
**προκρίνειν.**  
Wi. 7. 8. προέκρινε αὐτὴν σκήπτρων καὶ θρόνων  
[Sm. Jb. 36. 21.]  
**προλαλεῖν.**  
[Sm. Ps. 26 (27). 7 (P.).]  
**προλαμβάνειν.**  
Wi. 17. 11. S² αἰὲ δὲ προεἰλήφην [A B S¹ προσέ-  
ληφε] τὰ χαλεπὰ  
— 17. προληφθεὶς τὴν δυσάλυκτον [A S¹ -ηκτον]  
ἐμενε ἀνάγκην

**προλέγειν.** (1) 𐤒𐤁 hi.  
Is. 41. 26. οὐκ ἔστιν ὁ προλέγων (1)  
**προλήνιον.** (1) 𐤒𐤁  
Is. 5. 2. πρ. ὠρυξα ἐν αὐτῷ (1)  
**πρόλοβος.** (1) 𐤒𐤁  
Le. 1. 16. ἀφελεί τὸν πρ. (1)  
**πρόλογος.**  
Si. prol. iii. (A B), subscr. (B). πρόλογος  
**προμοχεῖν.**  
Wi. 18. 21. σπεύσας γὰρ ἀνὴρ ἄμεμπτος προεμάχησε  
[Sm. Ps. 78 (74). 22.]  
**προμαχών.** (1) 𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤁  
To. 13. 16. καὶ οἱ πύργοι καὶ οἱ πρ. [B al.]  
Je. 5. 10. ἀνέβητε ἐπὶ τοὺς π. αὐτῆς (2)  
40 (33). 4. εἰς χάρακας καὶ προμαχῶνας +  
Ez. 4. 2. οἰκοδομήσεις ἐπ' αὐτὴν προμαχῶνας (1)  
[Th. Ez. 4. 2 : 21. 22 (27).]  
**πρόμετρος.**  
[Sm. II Ki. 21. 20.]  
**προμηνύειν.**  
Wi. 18. 19. οἱ γὰρ δνειροὶ . . . τοῦτο [B om.] προ-  
εμήνυσαν [A προσεμ.]  
**προνοεῖν.** (1) 𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤁  
Nu. 23. 9. B² ἀπὸ βουῶν προνοήσω [A B¹ B  
προσν.] αὐτὸν (2)  
I Es. 2. 28. καὶ προνοήθησαν ὅπως μηδὲν . . . γένηται  
Jb. 24. 15. B οὐ προνοήσῃ [A B S² προσν.,  
S¹ προσθήσῃ] με ὀφθαλμῶς (2)  
Pr. 3. 4. προνοοῦ καλά ἐνὸπριον κυρίου +  
Wi. 6. 7. ὁμοίως τε προνοεῖ [B -εἴται] περὶ πάντων  
13. 16. ἵνα μὴ οὖν μὴ καταπίσῃ προνοήσεν αὐτοῦ  
Da. LXX. 11. 37. ἐπὶ τοὺς θεοὺς τῶν πατ. αὐ.  
οὐ μὴ προνοήσῃ (1)  
— 37. ἐν ἐπιθυμίᾳ γυναικὸς οὐ μὴ προνοήσῃ (1)  
II Ma. 14. 9. B τῆς χώρας . . . προνοήσῃ [A  
προσν.]  
III Ma. 3. 24. προνοοῦμενοι μὴ ποτε . . . ἔχωμεν  
πολεμίους  
IV Ma. 7. 18. ὅσοι τῆς εὐσεβείας προνοοῦσιν  
[Th. Jb. 17. 15.]  
**πρόνοια.**  
Wi. 14. 3. ἡ δὲ σὴ, πᾶτερ, διακυβερνᾷ πρόνοια  
17. 2. φυγάδες τῆς αἰωνίου πρ. ἔκτιστον  
Da. LXX. 6. 18 (19). πρόνοια ποιούμενος αὐτοῦ —  
II Ma. 4. 6. ἀνευ βασιλικῆς πρ. ἀδύνατον εἶναι  
III Ma. 4. 21. τῆς τοῦ βοηθούντος τοῖς Ἰ. ἐξ οὐρ.  
πρ. ἀνικίττου  
5. 30. διὰ τὸ περὶ τούτων προνοεῖ θεοῦ διεσκεδάσθαι  
πάν αὐτοῦ τὸ νόημα  
IV Ma. 9. 24. ἡ δικαία καὶ πάτριος ἡμῶν πρόνοια  
13. 19. ἅπερ ἡ θεία καὶ πάνσοφος πρόνοια . . .  
ἐμέρισε  
17. 22. ἡ θεία πρ. τὸν Ἰσρ. προκακῶντα διέσωσε  
**προνομεύειν.** (1) 𐤒𐤁 a. qal. δ. ni.  
(2) 𐤒𐤁 (3) 𐤒𐤁 pilp. (4) 𐤒𐤁 (5) 𐤒𐤁  
(6) a. 𐤒𐤁 (𐤒𐤁) qal. δ. po. c. 𐤒𐤁 qal.  
d. ni.  
Nu. 24. 17. προνομεύσει πάντας υἱοὺς Σήθ (3)  
31. 9. ἐπρονομεύσαν [A προενομ.] τὰς γυν. M. (4)  
— 9. τὴν δύναμιν αὐτῶν ἐπρονομεύσαν (1 a)  
— 32. δ ἐπρονομεύσαν οἱ ἄνδρες (1 a)  
— 53. οἱ ἄνδρες οἱ πολεμισταὶ ἐπρονομεύσαν (1 a)  
De. 2. 35. τὰ κτήνη ἐπρονομεύσαμεν [A προκ-  
νομ.] (1 a)  
3. 7. τὰ σκύλα . . . ἐπρονομεύσαμεν ἑαυτοὺς (1 a)  
— 12. B¹ τὴν γῆν ἐκ ἐπρονομεύσαμεν [A B² B  
ἐκληρομήσ.] (2)  
20. 14. πᾶσαν τὴν ἀπαρτίαν προνομεύσεις  
σεαυτῷ (1 a)  
21. 10. A B προνομεύσεις [B -σπς] τὴν προ-  
νομὴν αὐ. (4)  
Jo. 8. 2. τὴν προνομὴν . . . προνομεύσεις σεαυ-  
τῷ (1 a)  
— 27. δ ἐπρονομεύσαν ἑαυτοῖς [A al.] (1 a)  
11. 14. π. τὰ σκύλα αὐ. ἐπρονομεύσαν ἑαυτοῖς (1 a)



Jd. 2. 14. εἰς χείρας [A ἐν χειρὶ] προνομένων (6 a)  
 — 14. A καὶ ἐπρονόμισαν [B κατεπρ.] αὐτοὺς (6 c)  
 — 14. A ἐν χειρὶ τῶν προνομιούντων [B al.] (+)  
 — 16. ἐκ χειρὸς τῶν προνομιούντων αὐτοὺς (6 a)  
 I Es. 4. 5. καὶ [A add. ὅσα] ἐὰν προνομιεύσῃς  
 Ju. 1. 14. ἐπρονόμισεν τὰς πλατείας αὐτῆς  
 2. 23. ἐπρονόμισεν πάντας υἱοὺς 'P. [B al.]  
 — 26. ἐπρονόμισεν τὰς μάνδρας αὐτῶν  
 8. 21. προνομιεύσεται τὰ θῆρα ἡμῶν  
 15. 6. καὶ ἐπρονόμισαν αὐτοὺς  
 Pr. 11. 3. A ὑποσκελισμὸς ἀθετούντων προνο-  
 μίσει αὐτοὺς (+)  
 Si. 48. 15. ἕως ἐπρονόμιευσαν ἀπὸ τῆς γῆς αὐτῶν  
 Is. 8. 3. ὀξέως προνόμισον (+)  
 10. 13. τὴν ἰσχὺν αὐτῶν προνομιέσω (6 b)  
 11. 14. ὅλασαν ἅμα προνομιέουσιν [S<sup>1</sup>  
 — μίνουσιν] (1 a)  
 13. 16. τὰς οἰκίας αὐτῶν προνομιέουσιν [S<sup>1</sup> al.] (6 d)  
 17. 14. αὐτὴ ἡ μερίς τῶν ὑμᾶς προνομιεύσαντων (6 a)  
 24. 3. προνομή προνομιεύσεται ἡ γῆ (1 b)  
 42. 22. ἐγένετο ὁ λαὸς πεπρονομιμένος (1 a)  
 — 24. ἔδωκεν . . . Ἰσραὴλ τοὺς προνομιέουσιν  
 αὐτῶν (1 a)  
 Je. 27 (50). 10. οἱ προνομιέοντες [A -εύσαντες]  
 αὐτὴν ἐμπληροῦσιν (5)  
 37 (30). 16. πάντας τοὺς προνομιεύστας σε  
 δώσω εἰς προνομήν [B al.] (1 a)  
 Ez. 26. 12. προνομιέσει τὴν δύναμιν σου (5)  
 29. 19. προνομιέσει τὴν προνομήν αὐτῆς  
 30. 24. προνομιέσει τὴν προνομήν αὐ.  
 38. 12. προνομιέσαι προνομήν (+)  
 — 13. εἰς προνομήν τοῦ προνομιέσαι σὺ ἔρχῃ (5)  
 39. 10. προνομιέουσιν τοὺς προνομιέσαντας  
 αὐτοὺς (5, 5)  
 I Ma. 1. 64. B<sup>1</sup> B τοὺς οἰκούς αὐ. προνομιέουσιν  
 [A S<sup>1</sup> al.]  
 6. 3. ἐξήτει . . . προνομιέσαι αὐτὴν  
 8. 10. ἐπρονόμισαν [B<sup>1</sup> -εν] αὐτοὺς  
 — 10. ἐπρονόμισαν αὐτοὺς  
 [Aq. Ps. 136 (137). 8: Is. 83. 1.]  
 [Sm. I Ki. 23. 1.]  
 [Th. Pr. 11. 3.]  
 προνομή. (1) α. יִצְחָק δ. יִצְחָק qal. c. ni.  
 d. יִצְחָק (2) הַבְּרִיָּה (3) a. יִצְחָק δ. יִצְחָק  
 (4) יִצְחָק  
 Nu. 31. 11. ἔλαβον πᾶσαν τὴν πρ. (4)  
 — 12. ἤγαγον . . . τὴν πρ. (4)  
 — 32. ἐγένεθη τὸ πλεόνασμα τῆς πρ. (1 a)  
 De. 20. 14. φάγη πᾶσαν τὴν πρ. (4)  
 21. 10. προνομιέσει τὴν πρ. αὐτῶν (3 a)  
 — 11. καὶ ἴδῃς ἐν τῇ πρ. γυναῖκα καλὴν (3 b)  
 Jo. 7. 21. εἶδον ἐν τῇ πρ. ψιλὴν ποικίλην  
 8. 2. τὴν πρ. . . προνομιέσεις σεαυτῷ (4)  
 22. 8. διεκλάντο τὴν πρ. τῶν ἐχθρῶν (4)  
 III Ki. 10. 22 (B), 9. 15 (A). αὐτὴ ἦν ἡ πρ-  
 αματεία τῆς πρ. (+)  
 IV Ki. 21. 14. ἔσονται . . . εἰς προνομήν (2)  
 I Es. 8. 77. εἰς βομφαίαν . . . καὶ προνομήν  
 Ju. 4. 12. τοῦ μὴ δοῦναι . . . εἰς προνομήν  
 7. 26. εἰς προνομήν τῷ λαῷ 'Ολ.  
 9. 4. ἔδωκεν γυναῖκα αὐ. εἰς προνομήν  
 18. 5. τὰ νήπια μου δώσειν εἰς προνομήν  
 Es. 8. 11. S<sup>2</sup> καὶ τὰ σκύλα αὐτῶν εἰς προνομήν (1 b)  
 Pr. 12. 24. δόλοιο δὲ ἔσονται ἐν προνομή [A εἰς  
 προνομήν] (+)  
 Is. 6. 13. πάλιν ἔσται εἰς προνομήν ὡς τερίβινθος  
 8. 1. τοῦ ὀξέως προνομήν ποιῆσαι σκύλων (4)  
 10. 2. ὥστε εἶναι αὐτοῖς χίρην εἰς ἀρπαγὴν καὶ  
 ὀρφανὸν εἰς προνομήν (1 b)  
 — 6. ποιῆσαι σκύλα καὶ προνομήν (1 a)  
 24. 3. προνομή προνομιεύσεται ἡ γῆ (1 c)  
 33. 23. ἕως οὐ παραδοθῇ εἰς προνομήν τοῖνυν  
 πολλοὶ ἡλῶλοι προνομήν ποιήσουσι (4, 1 a)  
 42. 22. ἐγένοντο εἰς προνομήν (1 a)  
 Je. 2. 14. διὰ τί εἰς προνομήν ἐγένετο (1 a)  
 15. 13. τοὺς θησαυροὺς σου εἰς προνομήν δώσω (1 a)  
 27 (50). 10. ἔνται ἡ Καλαδία εἰς προνομήν (4)  
 30. 10 (40. 32). ἔσονται κάμηλοι αὐτῶν εἰς  
 προνομήν (1 a)  
 37 (30). 16. πάντας τοὺς προνομιέσαντάς σε  
 δώσω εἰς προνομήν [B al.] (1 a)  
 Ez. 25. 5. A δώσω . . . τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν εἰς  
 προνομήν [B v.] προβάτων (+)

Ez. 26. 5. ἔσται εἰς προνομήν τοὺς ἔθνησι (1 a)  
 29. 19. προνομιέσει τὴν πρ. αὐτῆς (4)  
 30. 24. προνομιέσει τὴν πρ. αὐ.  
 34. 8. ἀντὶ τοῦ γενέσθαι τὰ πρόβατά μου εἰς  
 προνομήν (1 a)  
 — 22. οὐ μὴ ὦσιν ἐτι εἰς προνομήν (1 a)  
 — 28. οὐκ ἔσονται ἐτι ἐν προνομή τοὺς ἔθνησι (1 a)  
 36. 4. ἐγένοντο εἰς προνομήν (1 a)  
 — 5. τοῦ ἀφανίσαι ἐν προνομή (1 a)  
 38. 12. προνομιέσαι προνομήν (4)  
 — 13. εἰς προνομήν τοῦ προνομιέσαι σὺ ἔρχῃ (4)  
 Da. LXX. 11. 24. προνομήν . . . αὐτοὺς δώσει (1 d)  
 — 33. ἐν προνομή ἡμερῶν κηλιδωθήσονται (1 d)  
 Da. Th. 11. 24. προνομήν . . . αὐτοὺς διασκορ-  
 πεί (1 d)  
 I Ma. 7. 47. ἔλαβον . . . τὴν πρ.  
 [Aq. Jb. 5. 21: Ps. 11 (12). 6: 81 (82). 4: Pr.  
 21. 7: Ho. 7. 13: Hb. 2. 17.]  
 [Th. Je. 17. 3: Ez. 25. 7.]  
 [Al. I Ki. 30. 20.]  
 προνομήν.  
 Ju. 8. 6. χωρὶς . . . προνομιηνῶν καὶ νομιηνῶν  
 προσηγῶς.  
 II Ma. 12. 36. σύμμαχον φαγῆναι καὶ προσηγὸν τοῦ  
 πολέμου  
 προσιόν. (1) לְפָנָיו  
 Jb. 25. 2. τί γὰρ προσιόν ἢ φόβος παρ' αὐτοῦ  
 [A al.] (+)  
 27. 1: 29. 1. ἐτι δὲ προσθεῖς ἰὼβ εἶπε τῷ πρ. (1)  
 προσῶν, cf. προτρεῖν. (1) יִשְׁרָאֵל p.  
 I Es. 5. 63. A<sup>1</sup> οἱ προεωρακότες [B ἑωρ.] τὸν . . .  
 οἶκον  
 Ps. 15 (16). 8. A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> προεωρῶν [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> προωρ.]  
 τὸν κ. ἐνώπιόν μου διὰ παντός (1)  
 πρόπαππος. (1) בָּנִי בְּנֵי  
 Ex. 10. 6. οὐδ' οἱ πρ. αὐτῶν (1)  
 προπάτωρ.  
 III Ma. 2. 21. A ὁ πάντων ἐπόπτης θεὸς καὶ πρ.  
 ἄγιος [B al.]  
 [Sm. Ps. 29 (30). 8.]  
 προπέμειν.  
 I Es. 4. 47. ἵνα προπέμψωσιν αὐτὸν  
 Ju. 10. 15. ἀφ' ἡμῶν προπέμψουσιν σε  
 Wi. 19. 2. μετὰ σπουδῆς προπέμψαντες αὐτοὺς  
 I Ma. 12. 4. ὅπως προπέμψωσιν αὐτοὺς  
 II Ma. 6. 23. ταχέως λέγων προπέμειν εἰς τὸν  
 ὁδόν  
 προπέτεια. (1) לְפָנָיו  
 II Ki. 6. 7. A ἔπαισεν αὐτὸν . . . ἐπὶ προπέτειᾳ  
 [B om. ε. πρ.] (1)  
 προπετής. (1) לְפָנָיו (2) רִצְפָּה  
 Pr. 10. 14. στόμα δὲ προπετοῦς ἐγγίζει συν-  
 τριβῇ (1)  
 13. 3. ὁ δὲ πρ. χιλεῖσι πτοήσει ἑαυτὸν (2)  
 Si. 9. 18. ὁ πρ. ἐν λόγῳ αὐτοῦ μισθῆσεται  
 [Sm. Ec. 5. 1.]  
 προπηλακίζειν.  
 [Sm. Ps. 54 (55). 13: 73 (74). 10.]  
 προπηλακισμός.  
 [Sm. Ps. 43 (44). 14.]  
 προπίπτειν. (1) נָפַל  
 Ju. 13. 2. 'Ολ. προπετωκὸς ἐπὶ τὴν κλίνην ἐαυ.  
 Ps. 21 (22). 29. ἐνώπιον αὐτοῦ προπεσόνται (1)  
 71 (72). 9. ἐνώπιον αὐτοῦ προπεσόνται Αἰθίοπες (1)  
 II Ma. 12. 39. τὰ σώματα τῶν προπετωκῶτων  
 — 42. B διὰ τὴν τῶν προπετωκῶτων ἁμαρτίαν  
 [A al.]  
 — 44. εἰ γὰρ μὴ τοὺς προπετωκῶτας ἀναστῆναι  
 προσεδύκα  
 15. 28. ἐπὶ γυνῶνα προπετωκῶτα Νικάνορα  
 III Ma. 1. 16. B τῶν δὲ Ιερέων . . . προπεσόντων [A  
 προσπ.]  
 [Sm. Ps. 72 (73). 7.]  
 προποῖεν.  
 [Al. Ps. 136 (137). 8.]

προπομπή.  
 I Es. 8. 51. ἰππεῖς καὶ προπομπήν  
 προπορεύσθαι. (1) יָרֵחַ (2) יִלְחַץ a. qal.  
 δ. pi. c. hithpa. d. יִלְחֹץ יִלְחֹץ (3) יִלְחֹץ  
 (4) a. רָצַח δ. יִלְחֹץ רָצַח (5) יִלְחֹץ pi.  
 (6) רָצַח (7) τὰ προπορεύμ. יִלְחֹץ  
 Ge. 2. 14. B οὗτος ὁ προπορεύμ. [A πορ.] (2 a)  
 32. 16 (17). προπορεύσθε ἐμπροσθέν μου (4 a)  
 — 17 (18). τίς ταῦτα τὰ προπορεύμ. σου (7)  
 — 19 (20). ἐνετείλατο . . . πᾶσι τοῖς προ-  
 πορευμ. (2 a)  
 — 20 (21). ἐν τοῖς δώροις τοῖς προπορευμ.  
 αὐτοῦ (2 d)  
 — 21 (22). A προπορεύοντο [B -ετο] τὰ  
 δῶρα (4 a)  
 Ex. 14. 19. ὁ προπορεύμ. τῆς παρεμβολῆς (2 d)  
 17. 5. προπορεύου τοῦ λαοῦ (4 b)  
 32. 1, 23. οἱ προπορεύονται ἡμῶν (2 d)  
 — 34. B προπορεύεται [A B -εὐσ.] πρὸ προσ-  
 ὴπου σου (2 a)  
 33. 1. B προπορεύου [A B πορ.] ἀνάβηθι (2 a)  
 — 14. αὐτὸς προπορεύσῃ σου (2 a)  
 Nu. 10. 33. προπορεύετο προτέρα αὐτῶν (3)  
 De. 1. 30. ὁ προπορεύμ. πρὸ προσώπου ὑμῶν (2 a)  
 — 33. ὅς προπορεύεται [A πορ.] πρότερος  
 ὑμῶν (2 a)  
 3. 18. προπορεύσθε πρὸ προσώπου τῶν ἀδ. ὑ. (4 a)  
 9. 3. προπορεύεται [B<sup>1</sup> -εύεται] πρὸ προσώπου  
 σου (4 a)  
 20. 4. ὁ προπορεύμ. μεθ' ὑμῶν (2 a)  
 31. 3 bis. ὁ προπορεύμ. πρὸ προσώπου σου (4 a)  
 — 6. ὁ προπορεύμ. μεθ' ὑμῶν (2 a)  
 Jo. 3. 6. προπορεύεσθε τοῦ λαοῦ (4 b)  
 6. 12 (13). προπορεύοντο ἐναντίον κυρίου (+)  
 9. 1 (8. 35). A τοῖς προσπ. τοῖς προπορευμ.  
 [B προσπ.] τῷ 'Ι. (2 a)  
 10. 13. οὐ προπορεύετο εἰς δυσμὰς (1)  
 — 24. προπορεύσθε [A προσπ.] (6)  
 I Ki. 17. 7. προπορεύετο [A προσπ.] αὐτοῦ (2 d)  
 25. 19. προπορεύεσθε ἐμπροσθέν μου (4 a)  
 To. 1. 3. τοῖς προπορευθεῖσι μετ' ἐμοῦ [A al.]  
 Es. 5. 1. τὴν κεφ. τῆς ἄβρας τῆς προπορευμ. [S  
 προσπ.]  
 Ps. 84 (85). 13. δικαιοσύνη ἐναντίον αὐτοῦ προ-  
 πορεύεται [S<sup>1</sup> πορ., A<sup>1</sup> -εύεται] (2 b)  
 88 (89). 14. S B ἔλεος καὶ ἀλήθεια προπορεύ-  
 ονται [A πορ., B -εῖται] πρὸ προσ-  
 ὴπου σου (5)  
 96 (97). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ προπορεύεται (2 a)  
 Pr. 4. 18. προπορεύονται καὶ φωτίζουσιν (2 a)  
 24. 49 (34). ἤξει προπορευομένη ἡ πενία σου (2 c)  
 Is. 52. 12. προπορεύεται [A πορ.] γὰρ πρό-  
 τερος [B πρὸ προσώπου] ὑμῶν κ. (2 a)  
 58. 8. προπορεύεται ἐμπροσθέν σου ἡ δικαιο-  
 σύνη σου (2 a)  
 I Ma. 9. 11. προπορεύοντο [S<sup>1</sup> προσπ.] τῆς δυνά-  
 μως  
 [Al. Ex. 13. 21: Dt. 8. 28: Pr. 15. 33.]  
 προπράσσειν.  
 I Es. 1. 33. B<sup>2</sup> B τὰ τε προπραχθέντα [A προ-  
 πραχθ., B<sup>1</sup> πραχ.] ὑπ' αὐ.  
 III Ma. 6. 27. B τὰ προπεπραγμένα [A προστεταγμένα]  
 παρατησάμενοι  
 προπτύν.  
 II Ma. 6. 20. προπτύσας δὲ καθ' ὃν ἔδει τρόπον  
 προσέρχεσθαι  
 πρόπτωσις.  
 II Ma. 3. 21. τὴν τοῦ πλήθους παμμυγὴ πρ.  
 13. 12. μετὰ κλαυθμοῦ . . . καὶ προπτώσεις  
 προτύλαιον. (1) יִשְׁרָאֵל  
 Ze. 1. 9. S<sup>2</sup> ἐκδικήσω . . . ἐπὶ τὰ πρ. [A B S<sup>1</sup> πρῶ-  
 πύλαι] (1)  
 [Sm. Ez. 40. 11, 29: Jl. 2. 17.]  
 [Al. Jb. 85 (42). 4.]  
 πρόφυλον. (1) יִשְׁרָאֵל (2) הָרָצָה  
 Am. 9. 1. σεισθήσεται τὰ πρ. (2)  
 Ze. 1. 9. ἐκδικήσω . . . ἐπὶ τὰ πρ. [S<sup>2</sup> -λαμ] (1)  
 [Sm. III Ki. 6. 3: 7. 7 (44): Ps. 72 (73). 4:  
 Ez. 8. 16: 40. 9 bis, 21, 26, 48: Jl. 2. 17.]

## πρός. I. c. gen.

Ge. 23. 13: 24. 63 (τὸ πρὸς δειλῆς): 28. 11, 18: 29. 34: 31. 51.  
Jo. 15. 8†.  
Ru. 3. 4 (τὰ πρὸς ποδῶν), 7 (τὰ πρὸς ποδῶν), 8, 14.  
I Ki. 19. 13, 16: 28. 7, 11 (ἀπὸ πρὸς), 12 (ἀπὸ πρὸς), 16 (τὰ πρὸς κεφαλῆς).  
III Ki. 19. 6.  
Ju. 13. 6.  
Is. 50. 11†.  
La. 1. 9†.  
II Ma. 1. 2.  
IV Ma. 2. 11†: 6. 20†.

[Aq. Jb. 5. 5: Jb. 13. 22 (τὰ πρὸς ποδῶν).]  
[Sm. Ex. 28. 33 (τὰ πρὸς ποδῶν): Jb. 5. 5: Is. 6. 1 (τὰ πρὸς ποδῶν): Ez. 13. 18].  
[Th. Ex. 28. 33 (τὰ πρὸς ποδῶν): Is. 6. 1 (τὰ πρὸς ποδῶν).]

## II. c. dat. \* ὁ πρὸς.

Ge. 15. 17†: 18. 1, 10: 28. 9: 31. 50†: 38. 14.  
Ex. 1. 16: 28. 4.  
Le. 4. 18†.  
Nu. 85. 6.  
De. 1. 1: 16. 6†: 24. 13†.  
Jo. 9. 1\*: 11. 16\*, 17\*: 15. 8†, 21†: 21. 13††, 15†† bis, 16†† bis, 17††, 18††, 21††, 22††, 23††, 24†† bis, 25†† bis, 26††, 27†† bis, 28†† bis, 29†† bis, 30†† bis, 31†† bis, 32†† ter: 24. 30.  
Jd. 9. 6, 35.  
I Ki. 10. 2.  
II Ki. 18. 26: 20. 23.  
IV Ki. 9. 27† bis.  
I Ch. 2. 23†: 7. 28: 26. 16†, 18, 18†, 30.  
I Es. 4. 10, 31: 5. 47††.  
Ne. 6. 7.  
To. 3. 11†: 11. 16†.  
Ju. 1. 7†: 2. 19: 12. 10††.  
Es. 4. 5†: 8. 13.  
I'r. 5. 8†.  
Ec. 1. 6†.  
Ca. 1. 16.  
Ez. 39. 11†.  
Da. LXX. 8. 2, 6.  
I Ma. 14. 34†.  
II Ma. 4. 8, 9 bis: 5. 21, 23, 24†: 6. 21: 7. 14†: 8. 22: 9. 17, 25: 10. 31: 11. 8, 11 bis, 26†, 29: 12. 20: 14. 4.  
III Ma. 1. 20: 6. 1\*, 5, 14\*, 51.  
IV Ma. 13. 25††.

[Aq. Ez. 40. 40 bis: 44. 3 (P.).]  
[Sm. Ps. 43. (44). 10: 87 (88). 17: Ez. 40. 40 bis: 44. 3 (P.).]  
[Th. Ez. 44. 3 (P.): Da. 6. 14†].  
[Al. Ez. 40. 16].

## III. c. acc. \* ὁ πρὸς.

Ge. 2. 19, 22, 24†: 8. 16: 4. 7, 8, 9, 10, 13: 6. 4, 13†, 18†, 20, 21: 7. 1, 2, 9, 15: 8. 9 bis, 11, 11 (τὸ πρὸς ἐσπέραν), 12, 15†: 9. 11, 12: 12. 15, 15†: 13. 14: 14. 9, 10, 21, 22 bis: 15. 1, 4†, 7†, 13, 15, 17†: 16. 2 bis, 4, 5, 6, 9†, 13: 17. 9, 18, 19†, 19, 21, 22: 18. 5, 6, 9, 10, 13, 14, 19†, 20†, 21†, 27, 29, 31: 19. 2†, 3, 5 ter, 6, 6†, 7, 8, 10, 12, 14, 18, 31 bis, 34: 20. 1, 3, 17: 21. 22: 22. 1†, 5, 7, 19: 23. 4, 8, 10: 24. 5, 6, 11 (τὸ πρὸς ὁψέ), 29, 30, 49, 54, 56 bis, 62\*: 25. 6, 8, 17, 18: 26. 1, 16, 26, 27: 27. 5, 6 bis, 11, 22, 38, 43, 46: 28. 5, 9: 29. 1, 21, 23 bis, 30: 30. 3, 4, 9, 14, 16 bis: 31. 2, 3, 18, 24, 29, 52 bis: 32. 3 (4), 6 (7) bis, 25 (26), 30 (31): 33. 14: 34. 4, 6, 11 bis, 20 bis, 30†: 35. 1, 27, 29: 37. 2, 13 bis, 18, 19, 23, 26, 30, 35: 38. 1 (ἑως πρὸς), 2, 8, 9, 16 ter, 18, 22, 25: 39. 14, 17 bis, 19: 40. 6, 14†: 41. 9, 14, 15†, 55 bis, 57: 42. 20, 21, 24, 28, 29, 30, 34, 37 bis: 43. 3†, 8, 9, 9†, 13, 19, 23, 29, 33, 34 bis: 44. 8, 14, 17, 21, 24, 27, 30, 32, 32†, 34: 45. 3, 4† bis, 9 bis, 12, 15, 17, 18, 25: 46. 28, 30, 31 bis: 47. 4, 5 bis, 15, 17, 18 bis: 48. 1, 2, 5, 10†, 11†: 49. 11, 22, 29, 33: 50. 4, 16, 17, 18.  
Ex. 1. 10, 19: 2. 9, 10, 11, 18, 23, 24\*: 3. 7, 9, 10, 11 bis, 13 quinquies, 14 bis, 15 bis, 16, 18 bis: 4. 1, 1, 10, 11†, 15, 16, 16\*, 18 bis, 19, 21, 25, 27, 30: 5. 1, 4, 10, 15, 22, 23: 6. 1, 2 bis, 3, 4, 10, 13 bis, 27 ter: 7. 1, 2, 7, 8, 9, 14, 15, 16 bis, 19: 8. 1 (7. 26) ter, 5 (1), 8 (4), 9 (5) bis, 12 (8),

16 (12), 20 (16) bis, 28 (24), 29 (25), 30 (26): 9. 1 bis, 8, 13 bis, 22, 28, 29†, 33: 10. 1 bis, 7, 8, 10, 12, 17, 18, 21: 11. 1, 8, 9: 12. 1, 3, 6 (πρὸς ἐσπέραν), 21, 26, 43, 48, 50†: 13. 1, 3: 14. 1, 10, 11, 12, 13, 15 bis, 26, 27 (πρὸς ἡμέραν): 15. 25: 16. 3, 4, 6, 9, 11, 12, 12 (τὸ πρὸς ἐσπέραν), 15†, 19, 23, 25†, 28, 33: 17. 2, 3†, 4, 5, 14: 18. 5, 6, 15, 16, 17, 19\*, 19, 26†: 19. 4, 7†, 8, 9 quater, 10, 14, 16, 21 bis, 23 bis, 24, 25: 20. 1†, 19 bis, 20, 22 bis, 24: 21. 6, 6†: 22. 23 (22), 27 (26): 23. 13, 23, 33: 24. 1, 2, 6, 8, 12 bis, 14: 25. 1, 21 (22): 26. 18\*, 20\*, 22\*, 27\*, 35\* bis: 27. 9\*, 11\*, 13\*: 28. 1, 39 (43), 39 (43)†: 29. 5, 16, 21: 30. 11, 17, 20, 22, 34: 31. 1, 12, 18†: 32. 2, 3, 7, 13, 17, 21†, 22, 26 bis, 26†, 30 bis, 31, 33: 33. 1, 11 bis, 12, 15, 17: 34. 1 bis, 10, 15†, 27, 31, 31†, 32 bis, 33: 35. 1†, 4: 36. 2, 5: 37. 7 (38. 9)\*, 9 (38. 11)\*† bis, 10 (38. 12)\*†, 11 (38. 13)\*†: 38. 27 (40. 32): 39. 14 (33): 40. 1, 22†, 24\*.  
Le. 1. 2, 3, 11, 15†, 15: 2. 2, 8, 9: 4. 1, 2, 18, 18††: 5. 8, 12, 14, 18: 6. 1 (5. 20), 2 (5. 21)\*, 7 (1), 19 (12)†, 24 (17): 7. 12 (22), 18 (28): 8. 1, 31: 9. 2, 7, 8, 9, 12, 18 bis: 10. 3, 6†, 9, 11, 12 bis, 19: 11. 1: 12. 1, 2, 6: 13. 1, 2, 9, 16: 14. 1, 2, 23, 33: 15. 1, 29: 16. 1, 2 bis: 17. 1, 2 quater, 5, 8: 18. 1, 2, 6, 14, 19, 20 bis, 23 ter: 19. 1, 2, 34: 20. 1, 16: 21. 1 bis, 16, 23 bis, 24 bis: 22. 1, 3, 17, 18 bis, 26†: 23. 1, 2, 9, 10 bis, 23, 26, 33: 24. 1, 11, 13, 15: 25. 1, 2, 6, 31, 50, 51: 26. 23, 27†, 44\*: 27. 1, 13, 19, 23, 27, 31, 34.  
Nu. 1. 1, 48: 2. 1, 10, 25: 3. 5, 11, 14, 35, 40, 44: 4. 1, 17, 19, 21, 43†: 5. 1, 5, 8, 11, 12, 15, 19†, 25†: 6. 1, 2, 10, 22: 7. 4, 5, 11, 89 bis: 8. 1, 2, 5, 19, 23: 9. 1, 3 (πρὸς ἐσπέραν), 7, 8, 9, 11 (τὸ πρὸς ἐσπέραν, πρὸς ἐσπέραν†), 14: 10. 1, 4, 6†, 9, 30: 11. 2 bis, 11, 16, 16†, 21†, 23, 24, 25, 26†: 12. 4, 6, 10†, 11, 13, 14: 13. 2 (1), 18 (17), 27 (26) bis, 30 (29)\*†, 31 (30) bis, 32 (31), 33 (32): 14. 2, 7, 11, 13, 20, 26, 30, 30: 15. 1, 2, 17, 18, 22, 23†, 23, 26, 33 bis, 35, 36†, 37, 38: 16. 3†, 5 quater, 8, 9, 11, 15, 16, 20, 23, 25, 26, 36 (17. 1), 37 (17. 2), 44 (17. 9), 46 (17. 11), 50 (17. 15): 17. 1 (16), 9 (24), 10 (25), 12 (27): 18. 1, 2, 3 bis, 4 bis, 8, 17, 20, 25, 26, 30: 19. 1, 2, 3: 20. 3, 6, 7, 8, 10, 12, 14, 16, 18, 23, 24: 21. 1, 5, 7 bis, 8†, 8, 16, 20 (21), 34: 22. 5, 7, 8 bis, 9†, 10 bis, 12, 13, 14, 16 bis, 19, 20 bis, 25, 25†, 35 bis, 37 ter, 38 bis: 23. 3, 4, 5, 6, 11, 12, 13, 15, 16, 17, 25, 27, 29: 24. 10, 12 bis, 25: 25. 4†, 6, 10, 16: 26. 1, 1†, 52: 27. 5 (6), 12, 13, 15, 18 bis: 28. 1, 2, 3, 4 (τὸ πρὸς ἐσπέραν), 8 (τὸ πρὸς ἐσπέραν): 30. 2: 31. 1, 2, 3, 12 ter, 21, 25, 48 bis: 32. 2 ter, 20, 25, 29: 33. 50, 51: 34. 1, 2, 3\*, 4 bis, 7, 15†, 16: 35. 1, 5\* quater, 9, 10: 36. 10†.

De. 1. 3 bis, 7 bis, 9, 20, 25, 29, 36\*, 42: 2. 1, 2, 3†, 5, 9 bis, 17, 24, 26, 31: 3. 2, 26: 4. 2, 10 bis, 12, 15, 23, 30†: 5. 1, 2, 3, 4, 22 (19), 23 (20), 24 (21), 27 (24)†, 27 (24), 28 (25) ter, 31 (28): 6. 13: 7. 2, 3: 9. 7\*, 9, 10, 12, 13 bis, 24\*, 26: 10. 1 bis, 4, 11, 20: 11. 25: 12. 27†: 13. 2 (3): 15. 9, 16, 17: 16. 6†: 17. 9, 9†: 18. 17, 17†: 19. 9: 20. 3, 5, 8, 9, 10, 12, 20: 21. 13: 22. 2, 15: 23. 11 (12) (τὸ πρὸς ἐσπέραν), 18†, 18 (19): 24. 13†, 15: 25. 5, 9†: 26. 3 bis, 7: 28. 7, 25: 29. 2 (1), 12 (11): 31. 1, 2 bis, 14, 16, 27\*, 28: 32. 44, 46, 48, 50 bis: 34. 4.  
Jo. 2. 3, 4, 8, 9†, 9†, 17, 18, 23, 24: 3. 7: 4. 1†, 13, 19†: 5. 15: 6. 2, 6: 7. 3 bis, 10, 11, 23, 23†: 8. 1, 5, 18, 23: 9. 6 bis, 6†, 7, 8 bis, 9†, 11 bis, 12, 15 bis, 16: 10. 1 bis, 3 quater, 4 ter, 6 bis, 8, 12, 21, 24, 25, 27 (πρὸς ἡλίου δυσμῶς): 11. 1 bis, 2 bis, 5†, 6, 18, 20 bis: 13. 1: 14. 6 ter, 10: 15. 1: 18. 5, 6, 8, 9, 13, 14\*, 15\*, 18: 20. 2, 4†, 6† bis: 21. 1, 1†, 1, 2, 13††, 14††, 17††, 18††, 21†† bis, 22††, 23††, 32††: 22. 13 ter, 15 quater, 28, 32, 33 bis: 23. 2†, 12, 14, 15† bis: 24. 2, 7, 11, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 27 bis.

Jd. 1. 1, 1†, 3† bis, 5†, 9, 10, 11, 16†: 2. 1, 4, 10: 3. 9, 10†, 13, 15, 19, 19†, 20 bis, 24†, 28: 4. 3, 5, 6, 7† bis, 8, 9†, 11†, 14, 18†, 18 bis, 19, 20 bis, 21, 22: 5. 29: 6. 7, 7†, 8, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20 bis, 22†, 27, 29, 30, 31†, 36, 39, 39†: 7. 2, 3†, 4, 4†, 4†, 5†, 6†, 7, 9, 11†, 17, 25: 8. 1, 1†, 2, 8, 9†, 14, 15, 15†, 18, 22, 23, 24: 9. 1 ter, 12†, 14†, 15, 29†, 31, 33, 36 bis, 38, 38†, 39†, 48†, 54: 10. 9† bis, 10, 11, 12, 14, 15, 18, 18†: 11. 3, 6† bis, 7, 8 bis, 8†, 9, 10, 12 bis, 13,

14†, 14, 17 bis, 19, 20†, 28, 32 bis, 35, 36 bis, 37, 39: 12. 1, 2, 2†, 3, 3†, 6†: 13. 3 bis, 6, 8† bis, 8, 9, 10, 10†, 10, 11 bis, 13 bis, 15, 16, 17, 21 bis, 22: 14. 3, 9, 9†, 10, 16, 17†: 15. 1, 1†, 4, 11†, 18: 16. 1, 5, 5† bis, 6, 7, 9†, 10 bis, 11, 12†, 13 ter, 14†, 15, 18, 26, 28: 17. 9, 10††: 18. 2, 4, 7†, 8, 10, 14, 18, 19†, 22†, 23†, 24†, 25: 19. 3†, 5, 6, 11, 12, 18, 22, 23, 23†, 25, 26†, 28, 30†: 20. 1, 3†, 14†, 16, 18†, 20† bis, 23†, 23, 24, 28†, 30 bis, 36† ter, 37†, 38†, 43†, 45, 47, 48†: 21. 5 bis, 6†, 8, 13, 14, 22, 22†.

Ru. 1. 15 ter, 18, 20: 2. 2, 8, 10†, 11, 12, 21 bis, 22: 3. 5, 16, 17 bis: 4. 1, 13†, 14.

I Ki. 1. 10, 25, 26: 2. 25, 27 bis, 34†: 3. 5†, 6, 8, 11, 16, 17, 21: 4. 3†, 7, 16†: 5. 8 bis, 10†: 6. 20, 21 bis: 7. 3 ter, 5, 8 bis, 9: 8. 4, 6, 7, 10, 22 bis: 9. 3, 9, 10, 15†, 16 bis, 18: 10. 3, 8 bis, 11, 14 ter, 15, 16, 17, 18, 24, 25: 11. 1, 2, 3, 4, 10 bis, 12, 14: 12. 1, 4, 5, 6, 8, 10, 19† ter, 20†: 13. 12†, 13†: 14. 6†, 8† bis, 9†, 10 bis, 12†, 12 ter, 19 bis, 36, 40, 42, 43, 45, 52: 15. 1, 6, 10, 11, 12, 13, 16 bis, 17, 20, 24, 26, 28, 32, 33: 16. 1 bis, 3, 7, 10†, 11 bis, 12, 15, 17 bis, 19 bis, 20, 21, 22: 17. 8†, 8, 9, 17†, 26†, 28†, 32, 33 bis, 33†, 34, 37, 39, 40, 41†, 43, 43†, 44 bis, 45 ter, 55†, 58†: 18. 1†, 17†, 18†, 22†: 19. 1 bis, 3, 4 bis, 7, 8†, 15, 17†, 18: 20. 4, 5, 10, 11, 12 bis, 27, 29, 32† bis, 32. 1 (2), 8 (9), 10 (11), 11 (12), 14 (15) bis, 15 (16): 22. 1, 2, 3, 5, 7, 9, 11, 17†, 28. 2†, 3, 4† bis, 6, 9, 16, 17, 19, 20†, 20, 23†, 27: 24. 5 bis, 7, 10, 17, 18: 25. 5, 9, 17, 22, 34, 36, 40 bis: 26. 1, 6 ter, 8, 9, 14†, 15, 25: 27. 2, 5, 9, 10 bis: 28. 1, 2 bis, 7 bis, 8, 9†, 12, 15†, 21 bis: 29. 3 bis, 6, 8, 9, 11†: 30. 7, 7†, 11, 15, 21: 31. 4.

II Ki. 1. 2, 3, 8†, 9, 10†, 16: 2. 1, 5, 5†, 14, 22, 23: 3. 7 bis, 8, 12, 12†, 13, 14, 16, 17, 20, 21 bis, 23, 24 bis, 26†, 27, 31 bis, 38: 4. 8: 5. 1, 2, 3, 6, 11, 19 bis, 24: 6. 9, 10, 21: 7. 2, 3, 4 bis, 7, 17, 20, 27: 8. 10: 9. 2 bis, 3, 4, 6, 9, 11: 10. 3 bis, 9, 13: 11. 2 (πρὸς ἐσπέραν), 4, 6 ter, 7, 10, 11, 12, 14, 18†, 19, 20, 21 bis, 22 quater, 23, 23†, 24, 25 bis, 25†: 12. 1 bis, 1†, 4 bis, 5, 7, 13, 18 bis, 19, 21, 23 bis, 24, 27, 27†, 29†: 13. 5, 6 bis, 7, 10, 13, 20, 24, 25, 26†, 28, 30, 35, 37, 39: 14. 2, 3 bis, 4, 5, 7, 8†, 9, 10 bis, 12, 13†, 15 bis, 18, 21, 29 quater, 30 bis, 31 bis, 32 ter, 33 bis: 15. 2 bis, 3, 6, 7, 13, 15, 19, 22, 25†, 36: 16. 2, 3, 9, 11 bis, 16 bis, 17, 18, 20, 21 bis, 22†: 17. 1, 3 bis, 6 bis, 7, 12†, 13, 15, 20, 21, 25: 18. 2, 4, 12, 22, 22†, 24, 28, 32: 19. 5 (6), 10 (11)†, 10 (11), 11 (12), 11 (12)†, 11 (12), 11 (12)†, 11 (12), 14 (15), 19 (20), 23 (24), 26 (27), 27 (28), 27 (28)†, 28 (29), 30 (31), 33 (34)†, 34 (35), 41 (42) bis, 42 (43) bis: 20. 3, 4, 6, 15, 16 bis, 17, 21, 21†, 22 quater: 21. 2, 3, 5, 10: 22. 7, 42: 23. 10, 13, 16, 21†, 23, 23†: 24. 2, 3 bis, 4, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 17, 18, 21, 22, 23, 24.

III Ki. 1. 3, 11, 13 bis, 15, 20: 2. 13, 13 (14), 16 (17), 19, 29 bis, 30†: 3. 1 (2. 38), 1 (2. 39), 1 (2. 40), 1 (2. 42), 1 (2. 44), 1†, 5, 1†, 6: 5. 1 (15)†, 2 (16), 5 (19), 8 (22) bis, 9 (23): 6. 11†, 12†, 18†: 7. 14: 8. 1†, 2†, 18, 28, 33† bis, 48 bis, 54, 58†, 59, 61: 9. 3, 24 (cf. 8. 1)†: 10. 2, 6, 7, 25†: 11. 11, 18 bis, 21, 40: 12. 3, 5 bis, 7, 7†, 9, 10 ter, 12 bis, 13, 14, 14†, 21, 22, 23, 24† undecies, 27 bis, 27†, 28: 13. 2, 4, 6 bis, 7, 8, 12, 18, 18†, 18, 20, 21, 22, 27†: 14. 2†, 3†, 5† bis, 6†, 10† bis, 13†: 15. 18, 19\*: 16. 1, 12 (11)†, 12, 28 (22. 49 [50])†: 17. 1, 2, 8, 13, 18 bis, 19, 22†, 24: 18. 1, 5, 17, 19, 19†, 21, 22, 29, 30 ter, 31, 40, 41†: 19. 2, 9, 13, 15: 20 (21. 2), 3, 4† bis, 5, 5†, 5, 6 bis, 7, 8†, 11† bis, 14, 15, 17, 19, 20, 21: 21 (20)†, 2 bis, 5† bis, 6, 7, 9, 10, 22, 23†, 25, 28†, 31†, 31, 33 bis, 33†, 34, 35, 36, 39 bis, 39†, 40, 42, 43†: 22. 2, 3, 4, 5†, 5, 7, 8, 14, 15, 15†, 16, 18 bis, 22, 26, 26†, 30, 50†.

IV Ki. 1. 2, 3, 4, 5 bis, 6 quater, 7 bis, 8, 9 ter, 10, 11 bis, 12, 13†, 13, 15 bis, 16: 2. 2, 3 bis, 4, 5 bis, 9, 16, 18† ter, 19, 20: 3. 7, 12, 13 bis, 13†, 14, 26: 4. 1, 2†, 3, 5, 6 bis, 9, 10, 12, 13 ter, 14†, 16, 17, 18 bis, 19 bis, 20†, 23, 24, 24 (25), 25, 27, 33, 36 bis, 41, 42: 5. 5 bis, 6 ter, 7, 8 bis, 10, 11†, 13 ter, 15, 19, 22†, 22, 25 bis, 26: 6. 1, 8, 9, 11, 15, 18 bis, 19 bis, 19†, 21, 22, 26, 28, 29, 32 bis, 33: 7. 2†, 3, 6, 6†, 7, 9, 10, 12, 13, 17, 18: 8. 1, 3, 4, 5, 8, 9 bis, 10†, 14: 9. 5 ter,

8, 11 bis, 12 bis, 14, 18†, 19†, 23, 25, 32, 33 bis: 10. 1 bis, 1†, 2, 5 bis, 6 bis, 7 bis, 9, 15 bis, 16, 17, 18, 19, 30: 11. 4†, 7, 8†, 9, 13, 14, 15: 12. 4 (5)†, 7 (8): 13. 14, 15, 23†: 14. 8, 9 bis: 15. 12: 16. 7, 10: 17. 4, 13†: 18. 14, 17, 18 bis, 19 bis, 22, 25, 26 bis, 26†, 27, 27†, 27, 30, 31, 37: 19. 2, 3, 5, 6, 9, 9†, 20 bis, 21†, 32 bis: 20. 1 bis, 2 bis, 4, 5, 8, 11, 12, 14 quater, 16, 19: 21. 7 bis, 23: 22. 4, 8 bis, 9, 10, 14 bis, 15†, 15, 18 bis, 20: 23. 1, 3, 9, 25: 25. 6, 11, 20, 23.  
I Ch. 2. 21: 5. 9, 10, 20: 7. 23: 10. 1: 11. 1, 3, 15, 18, 25: 12. 1, 8, 17, 19 bis, 22, 23 bis: 13. 2 bis, 3, 12, 13: 14. 1: 17. 1, 2, 3, 4, 6, 15, 18, 23: 18. 10: 19. 2†, 3 bis, 10, 17†: 21. 2 ter, 8, 9, 10, 11, 13, 17, 18, 21, 22, 23, 26, 27: 22. 14: 24. 5: 26. 14†, 16†, 17†, 18, 18†: 29. 16, 18.  
II Ch. 1. 2, 8, 11: 2. 3 (2), 11 (10): 4. 10: 5. 3: 6. 4, 8, 34, 38: 7. 21†: 8. 18: 9. 1 bis, 5: 10. 3, 5, 9, 10, 12 bis, 14, 16: 11. 1, 2, 3, 3†, 4, 13, 14: 12. 5 bis, 7, 15†: 13. 3, 7 bis, 12, 14: 14. 11 (10) bis: 15. 6 bis, 9: 16. 2, 4†, 7, 9: 17. 10, 11†: 18. 2, 3, 4, 7, 13, 14, 15, 17, 23†, 23, 25 bis, 29: 19. 9, 10†, 11: 20. 1, 6, 12, 29, 33, 35, 36†: 22. 6, 7 bis, 9: 23. 12: 24. 11, 14 bis, 19 bis: 25. 7, 10, 14, 16†, 17†, 18†: 26. 6, 19, 20†: 27. 5: 28. 13, 15, 16: 29. 4\*, 18, 24, 27: 30. 6, 9 bis: 31. 10†: 32. 6, 9 bis, 24, 30, 31: 33. 7, 7†, 13, 18†, 18: 34. 9, 15, 16, 22, 23, 28 bis: 35. 13, 19, 21: 36. 13†, 13.  
I Es. 1. 26, 27, 29 bis: 2. 18, 26: 3. 4†: 4. 4 bis, 20, 33†, 47: 5. 47†, 63: 6. 3: 7. 8, 8, 43, 45, 51\*, 63, 73, 85\*, 91, 93, 95: 9. 38\*, 48†.  
II Es. 3. 7: 4. 2 bis, 3, 7, 11 bis, 12†, 17, 18: 5. 7, 17: 6. 13, 21: 8. 15 bis, 17, 28: 9. 1, 4, 5, 6: 10. 1, 10.  
Ne. 1. 3, 7†, 9: 2. 4, 7, 8†, 9, 13†, 17, 18†: 4. 3 (3. 35), 9 (3), 14 (8), 14 (8)†, 14 (8), 19 (13) ter, 20 (14): 5. 1, 7, 17: 6. 2, 3†, 3, 4†, 5, 8, 17 bis, 19: 8. 13 bis: 9. 4, 8, 13, 26, 27, 28: 10. 28 (29): 11. 24, 25: 12. 24†: 18. 6, 21, 22.  
To. 1. 6: 2. 10, 13, 14: 3. 11†: 4. 3†: 5. 8†, 9†, 15†, 16†, 16†, 17†, 20† bis: 6. 13†, 17†: 7. 1†, 9†, 11, 11†, 13†, 13†: 8. 1†, 21: 10. 7†, 8†, 9, 10, 13† bis: 11. 2†, 7†, 10† bis, 16†, 17, 18†: 12. 20: 13. 6 bis, 11, 13†: 14. 3†, 12†.  
Ju. 1. 5, 6†, 13: 2. 4, 23, 25\*: 3. 1, 5: 4. 9, 12, 15: 5. 5, 12: 6. 1 bis, 2†, 13: 7. 1, 4, 11†, 18, 19, 29, 30: 8. 9, 11 bis, 28, 32, 35: 9. 1: 10. 1, 9, 14, 15†, 19: 11. 1, 3, 5, 17†, 22†: 12. 3†, 4†, 6† bis, 9 (impōs ēmpav)†, 11†, 13† bis, 14†, 17†: 13. 10†, 10, 14: 14. 1, 10†: 15. 9 bis: 16. 22.  
Es. 1. 1, 11, 16, 19: 2. 2†, 8, 12, 13, 14 bis, 15, 16: 3. 8, 13 ter: 4. 5†, 10 bis, 11 bis, 13†, 15 bis, 16, 17: 5. 6, 14: 6. 5†, 7†, 10, 13: 7. 9†: 8. 3 bis, 7†, 9†, 13: 9. 12†, 25: 10. 3.  
Jb. 1. 4, 5, 7†, 14, 16† bis, 17†: 2. 3, 9†, 11 bis, 13†: 7. 13: 8. 5: 9. 3: 10. 2: 11. 5, 13: 13. 3: 16. 15†, 27†: 21. 19: 22. 2†: 24. 15†: 29. 24: 30. 20: 31. 13: 33. 5, 23†, 26: 34. 31: 38. 41: 39. 26\*, 34 (40. 4): 42. 8, 11, 17.  
Pa. 2. 5, 7: 3. 4: 4. 3: 5. 2, 7: 11 (12), 2: 12 (13), 4: 17 (18), 6, 41: 21 (22), 27, 5, 24, 27: 24 (25), 1, 15: 26 (27), 7†: 27 (28), 1, 2, 27: 29 (30), 2, 8 bis: 30 (31), 2, 22: 31 (32), 6 bis, 9: 33 (34), 5: 36 (37), 5: 41 (42), 1, 2, 6: 42 (43), 4 bis: 43 (44), 20: 50 (51), 3† bis: 54 (55), 16: 56 (57), 2: 58 (59), 9: 60 (61), 2: 62 (63), 1: 68 (64), 1†: 64 (65), 2: 65 (66), 17: 68 (69), 13: 70 (71), 2: 73 (74), 23†: 75 (76), 11†: 76 (77), 1 bis: 77 (78), 34: 84 (85), 8†: 85 (86), 3, 4, 7: 87 (88), 9, 9†, 13: 90 (91), 7, 10, 12, 15†: 98 (99), 7: 100 (101), 2: 101 (102), 1, 2†: 108 (104), 27: 104 (105), 42\*: 108 (107), 6, 13, 19, 28: 118 (119), 48, 128, 148: 119 (120), 1, 3: 122 (123), 1, 2: 136 (137), 9: 137 (138), 2: 138 (139), 6: 140 (141), 1 bis, 8: 141 (142), 1 bis, 5, 6†: 142 (143), 6, 8, 9: 143 (144), 11†: 151, 11†.  
Pr. 3. 30: 5. 3, 20: 6. 6 bis, 29: 7. 5\*: 9. 4, 16, 18: 15. 17: 21. 8, 30: 23. 5†, 7, 16: 25. 7, 17: 26. 4†, 5†.  
Ec. 1. 6, 6†: 8. 14†, 14: 9. 2†, 3, 4, 13†, 14†: 10. 17: 12. 7.  
Ca. 1. 7†, 8†, 10†, 12† bis, 15†, 16†: 2. 1†, 2†, 3†, 6†, 9†: 3. 6†: 4. 6 bis: 5. 1†: 6. 3†, 10†, 11†, 12†: 7. 13 (14): 8. 5†.  
Wi. 1. 9, 16: 4. 4: 6. 9, 14†: 7. 14: 8. 9: 15. 7,

15: 16. 6 (impōs ὀλίγων), 20, 21 bis, 25, 28†: 18. 12 bis, 23\*.  
Si. prol. 25†: 3. 10†: 4. 12, 18: 5. 7†: 6. 36: 7. 24: 13. 2, 17, 18 bis: 22. 13: 24. 19: 25. 19: 27. 9 bis, 16: 36 (33), 11, 12†: 38. 1: 39. 5: 40. 8: 42. 8: 44. 18: 45. 3: 46. 4: 48. 10, 20: 49. 3: 50. 29: 51. 19, 23.  
Ho. 1. 1, 2†, 2, 4: 2. 2 (4), 7 (9): 3. 1, 3: 4. 1: 5. 1, 4, 13 bis: 6. 1 bis: 7. 1, 7, 10, 14: 9. 10: 11. 4: 12. 2 (3), 4 (4), 5 (6), 7 (10), 10 (11): 14. 1, 2, 3.  
Am. 2. 7: 3. 7: 4. 6, 8, 9, 10, 11: 5. 4, 19†: 6. 5: 7. 8 bis, 10, 12, 14, 15: 8. 2.  
Mi. 1. 1: 2. 1: 3. 4: 4. 1, 2†: 5. 10†.  
Jl. 1. 1, 8, 14, 19, 20: 2. 12, 13: 3 (4), 2.  
Ob. 1. 5 bis, 7.  
Jn. 1. 1, 2, 5, 6, 6†, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14: 2. 2, 3†, 5, 7†, 8: 3. 1, 2, 6, 8: 4. 2, 4, 9.  
Hb. 1. 2: 2. 2, 5†, 5.  
Ze. 1. 1: 2. 5†: 3. 2.  
Hg. 1. 1 bis, 12: 2. 3 (2) ter, 11 (10), 18 (17), 21 (20), 22 (21), 23 (22).  
Za. 1. 1, 3 ter, 7, 9, 10, 14, 17, 19 (2. 2) bis, 21 (2. 4)†: 2. 2 (6) bis, 4 (8) bis, 11 (15): 3. 2 (1), 5 (4) bis, 7 (6): 4. 2, 4, 5†, 6†, 6, 8, 9, 11, 12, 13: 5. 2, 3, 5, 10, 11: 6. 4, 5†, 8, 9, 12, 15: 7. 1, 3 bis, 4, 5 bis, 8, 9: 8. 1†, 16, 18: 11. 10, 12, 13, 15: 12. 10: 13. 3, 6: 14. 4, 4†, 4 bis, 7 (impōs ēmpav), 13.  
Ma. 1. 7, 2, 1, 4 bis: 3. 5†, 7 bis, 16: 4. 6 (3. 24) bis, 4 (3. 22).  
Is. 1. 15†: 2. 1: 3. 5 quater, 8\*: 5. 8 bis: 6. 3, 6, 8: 7. 2, 3 bis, 6: 8. 1, 3, 19 bis: 10. 3: 13. 8: 14. 1, 1†, 12†, 13††: 15. 5††: 16. 8†: 17. 14 (impōs ēmpav): 18. 2: 19. 19, 20†, 22, 23 bis: 20. 2: 21. 6, 11: 22. 15†, 15: 26. 9: 28. 18\*: 29. 4: 30. 5, 6, 29: 32. 6: 33. 6, 8\*: 34. 14: 36. 2, 3, 10†, 11 ter, 12 quater, 16, 22: 37. 2†, 2, 4†, 5, 6, 9, 15, 21 bis, 23, 23†, 29: 38. 1 bis, 2†, 2, 4, 5†, 5, 14, 21, 22†: 39. 3 quater, 8†: 40. 14: 41. 1: 44. 17†, 22: 45. 9†, 14†, 16, 20, 22†, 25: 46. 7: 48. 16: 49. 5, 18: 51. 3†, 4: 52. 8: 56. 3†, 6†: 60. 11, 13, 14: 65. 2.  
Je. 1. 2, 4, 7 bis, 9 bis, 11, 12†, 13†, 14, 16, 17†, 19: 2. 9† bis, 29, 31, 35: 3. 1 bis, 3, 6, 7, 10, 11, 12 bis: 4. 1, 12: 5. 5†, 6: 6. 10, 23: 7. 13, 22, 25: 8. 2 ter: 9. 12 (11), 13 (12), 17 (16): 11. 1, 2, 2†, 3, 6, 9, 10, 11, 12, 20: 12. 1 bis, 6†: 13. 3, 6, 8, 11, 12 bis, 13, 19\*: 14. 1, 11, 14 bis, 17: 15. 1 bis, 2 bis, 11, 19 bis, 20†: 16. 10, 11†, 17: 17. 15, 20†, 26\*: 18. 5, 11 bis: 19. 1, 2, 14: 20. 12: 21. 1†, 1†, 3 bis, 4, 8, 9, 13 bis: 22. 8, 21: 23. 21†, 28 bis, 30†, 31†, 32, 35 bis, 38: 24. 3, 4: 25. 1, 2†, 2, 3, 4: 26 (46), 12, 16, 16†: 27 (50), 5, 29, 31†, 34, 42: 28 (51), 25, 44, 61†: 29 (49), 8†: 32 (25), 15 bis, 17, 17†, 26, 31: 33 (28), 5, 11, 12, 13†, 15, 16, 16†, 16, 23: 34 (27), 3 seixiens, 4, 4†, 10, 12, 14: 35 (28), 5, 12, 13: 36 (29), 1 quater, 3, 7, 12, 24, 25, 28, 30, 31: 37 (30), 1, 2, 21 bis: 38 (31), 6†: 39 (32), 1, 4, 4†, 6, 7, 8, 16 bis, 25, 26, 29, 33, 35, 40: 40 (33), 1, 3, 5: 41 (34), 1, 2, 6, 8 bis, 9, 12, 13, 17†, 17: 42 (35), 1, 8, 9, 12, 14 bis, 15: 43 (36), 1, 2 bis, 4, 14 bis, 16, 19†, 20, 21†, 25, 27†, 31†: 44 (37), 3 bis, 6, 7 bis, 13, 14†, 14: 45 (38), 2, 4, 5, 8 bis, 11, 14, 17, 19, 20, 22, 23, 25 bis, 26, 27: 46 (39), 14, 15, 16: 47 (40), 1, 5, 6, 8, 12, 13, 14, 15, 16: 48 (41), 1, 6, 14, 15, 17\*: 49 (42), 2†, 2, 4, 5, 6, 7, 13, 20, 21: 50 (43), 1 bis, 2, 3, 8†: 51 (44), 1, 4, 4†, 5, 7, 16, 31 (45. 1): 52. 9, 26.  
Ba. 1. 3, 7 ter, 10, 13, 14, 19 bis, 21: 2. 5: 3. 1, 35: 4. 2, 20, 21, 27, 36: 5. 5, 6.  
La. 1. 12\*: 2. 18, 19: 3. 4†: 4. 4: 5. 21.  
Ep. Je. 1, 48.  
Ez. 1. 3, 11: 2. 1† bis, 2, 3 bis, 4†, 4, 7, 8, 9: 3. 1, 3, 4 ter, 5 bis, 6 bis, 10, 11 ter, 13, 16, 22 bis, 23†, 24, 27 bis: 4. 15, 16: 6. 1: 7. 1, 7, 13: 8. 3†, 5 quater, 6, 8, 9, 12, 13, 14, 15, 16, 17: 9. 2, 4, 7, 9: 10. 2: 11. 2, 5, 14, 25: 12. 1, 8, 9, 10, 17, 19, 21, 23 bis, 24\*, 26, 28: 13. 1, 2, 11, 12, 15, 18†, 19: 14. 1, 2, 4 bis, 6† bis, 7, 12, 22: 15. 1: 16. 1, 29, 33, 36†, 37: 17. 1, 2, 7 bis, 11, 12 bis, 13, 17: 18. 1, 6†, 6: 19. 9: 20. 2, 3 bis, 5, 7, 9, 13, 18, 27 bis, 29, 30, 35, 36, 45 (21. 1), 49 (21. 5): 21. 1 (6), 3 (8) bis, 7 (12), 8 (13), 17 (22), 18 (23), 28 (33) bis: 22. 1, 5, 6, 7†, 13†, 17, 23, 29:

23. 1, 14, 16, 17, 36, 40, 42, 44 quater: 24. 1, 3, 15, 18, 19, 20, 20†, 21, 26, 27: 25. 1: 26. 1, 2, 20 bis: 27. 1, 28: 28. 1, 11, 20: 29. 1, 4, 17: 30. 1, 20: 31. 1, 2, 14, 14†: 32. 1, 17, 18: 33. 1, 2, 12, 21, 22†, 22, 33, 25† bis, 31: 34. 1, 22: 35. 1: 36. 16: 37. 3, 4, 7, 9, 11, 12†, 15, 16†, 16, 17, 18, 19 bis: 38. 1: 39. 11†, 17: 40. 4, 20, 24, 27 bis, 28\*, 35\*, 40 bis, 44 bis, 44\*, 44, 45 bis, 46 bis: 41. 4†, 7, 11\*, 11, 12, 19 bis, 22: 42. 1\*, 1, 2, 4, 7\*, 9\*, 10\*, 11\*, 12\*, 13, 13\* bis, 13, 15†, 17, 18, 19, 20: 43. 2††, 6, 7, 14, 18 bis, 19: 44. 2, 4\*, 5, 6 bis, 13 ter, 15, 16, 19: 45. 7\* bis, 7††, 7\* bis, 11: 46. 1, 9, 9\* ter, 19, 20, 24: 47. 2\*, 2, 6, 8, 8\*, 15††, 17\*, 18\* ter, 19\*, 20\*: 48. 1\*, 1, 1\*, 1, 2†† bis, 3\* bis, 4††, 4, 5\* bis, 6\* bis, 7\* bis, 8\*, 8††, 8\* bis, 10 ter, 16\* quater, 17, 17† bis, 17, 18 bis, 21\*, 21, 21\*, 23\* bis, 24\* bis, 25\* bis, 26\* bis, 27\* bis, 28††, 30\*, 31\*, 32\*, 33\*, 34\*.  
Da. LXX. Su. 4, 6, 12, 14, 19: 1. 18: 2. 4, 7, 16, 23, 24 bis, 25, 47: 3. 13, (36), 26 (93): 4. 19\*: 5. 11, 13: 6. 4 (5), 5 (6), 28 (29): 7. 16, 21: 8. 4 ter, 6, 7: 9. 4: 10. 12, 20 bis: Bel 3, 4, 8, 17, 32, 33, 36.  
Da. TH. Su. 4, 6, 28, 37, 47, 51, 52: 1. 11: 2. 24: 3. (36)†, 26 (93): 7. 21, 25: 8. 1, 6, 7, 9, 9†, 9, 17: 9. 2, 3, 4, 6 bis: 10. 11 quater, 12, 16, 20: 11. 6, 7, 16, 23, 34†: Bel 1, 29, 34†.  
I Ma. 1. 13, 18, 52: 2. 16, 32†, 32, 33†, 38†, 40† bis, 41†, 42, 69: 3. 10, 17, 20†, 41, 43: 4. 17: 5. 3, 7, 10, 19, 21, 38, 40 bis, 41, 41†, 43†, 48, 57, 64, 65†\*: 6. 10, 22, 22, 52, 57, 57†, 60, 63: 7. 5, 6, 10, 10†, 12, 20, 22, 25, 27, 29, 46: 8. 10, 20: 9. 8†, 9, 26, 29, 57, 68, 70 bis: 10. 3, 5, 11, 20, 26\*, 27, 38†, 51, 53, 54, 61†, 69, 71, 82: 11. 9 bis, 21, 24, 31, 33\*, 33, 39, 41, 42, 44, 47, 49, 55 bis, 60, 72, 73†: 12. 1\*, 2, 4, 7, 10\*, 10 bis, 16, 16\*, 17, 18, 24, 40: 13. 14, 17 bis, 21†, 21, 34, 38, 50: 14. 3, 18 ter, 21, 22, 22\*, 24, 30, 34†, 37: 15. 10, 17, 19†, 21, 28, 36: 16. 19.  
II Ma. 1. 11: 2. 10, 10†, 20\*, 29: 3. 3\*, 5, 6, 27, 35: 4. 5†, 10†, 11, 19†, 28, 33†, 40, 43†, 45, 49\*: 5. 8, 9, 16, 23, 27: 6. 12 bis, 14, 15, 20††, 22, 29†, 29: 7. 14†, 16, 21: 8. 3, 7, 8, 15\*, 20\*: 9. 13, 16, 18, 25, 29: 10. 12† bis, 12\*, 13 bis, 14, 18\*, 19, 25, 36: 11. 6, 13, 23, 26, 26†, 27, 34, 36: 12. 1, 3, 12, 17, 30: 14. 3, 4, 5, 9, 11\*, 26\*, 26, 30††, 39: 15. 27†.  
III Ma. 1. 8 bis, 19\*: 2. 9: 3. 3\*, 10, 14†, 18, 21, 23, 25: 4. 5, 6\*, 11 ter: 5. 2, 3 bis, 11†, 24, 26, 42, 44, 49: 6. 2, 30, 41: 7. 4, 6, 7, 18\*.  
IV Ma. 1. 33: 2. 16, 30\*, 11††: 3. 21: 4. 1, 2†, 4, 7, 10: 5. 16\*, 32: 6. 18, 22†, 24 bis, 26: 7. 21: 9. 30: 10. 4†: 11. 2, 25: 13. 10, 23†, 25\*: 14. 4, 6, 13, 14†, 18: 15. 6\*, 8\*, 9\*, 21, 24\*, 27†, 30 bis: 16. 22: 17. 1, 4, 5, 23.  
[Aq. Ge. 4. 6: 6. 7 (10) (P.): 8. 21: 20. 2: 29. 34: 32. 9 (10): 37. 2: 39. 20: Ex. 4. 10: 6. 3 ter: 9. 14, 33: 12. 1: 14. 20: 21. 6: 28. 26 (impōs ēmpav): Le. 14. 33: Nu. 9. 14: 31. 12: Dt. 22. 21: 25. 2: Jo. 1. 1: 2. 3: 4. 21: Jd. 4. 7, 18: 9. 14: 16. 9: 1 Ki. 14. 9: 21. 2: 3: 26. 14: 11 Ki. 2. 23: 11 Ki. 5. 1 (15): 6. 18: 8. 1: 9. 24: 12. 27: 13. 27: 14. 2, 3, 5 bis, 6, 10 bis, 13, 28: 17. 22: 20 (21), 43: 21 (20), 8: 22. 4. 15, 50: 14 Ki. 2. 18 bis: 3. 13: 4. 2: 6. 8: 9. 13: 11. 4: 19. 10: Jb. 1. 14: 4. 2: 38. 13: 42. 8: Ps. 2. 7: 5. 8: 27 (38), 2 bis, 5 bis: 29 (30), 10: 81 (32), 6 bis, 9: 82 (33), 18: 54 (55), 17: 55 (56), 4: 60 (61), 3: 76 (77), 2: 90 (91), 10: 142 (143), 6: Pr. 19. 18: 26. 5: Ec. 1. 17: 3. 20: Ca. 4. 6 bis: Is. 13. 14 bis: 21. 11: 22. 15: 34. 14: 36. 4, 7, 10, 11: 41. 1: 51. 1: 55. 2: 3. 60: 8. 63: 15: 66. 2: Jb. 7. 1, 28: 8. 4: 13. 1, 12: 16. 1, 17: 19: 25. 3, 9 (Sw.): 26 (33), 4: 27 (34), 1: 28 (35), 16: 29 (36), 25, 26 bis, 30 (37), 21: 31 (38), 6: 32 (39), 26: 33 (40), 3: 36 (48), 1, 2, 18: 38 (45), 17, 18, 24: 41 (48), 6. 17: 42 (49), 5: 44 (51), 1, 20: 47 (49), 1: 49. 19 (29. 20): 50 (27), 1: 51 (28), 59: 62. 15: Ez. 2. 4 (Sw.): 3. 26: 4. 13: 6. 17: 17. 6: 20. 4, 35: 33. 2: 34. 2: 37: 12: 40. 40: 45. 15 (P.): 2. 8. 3: 9: 2A. 11. 13 ter: 14. 5: MA. 2. 13: 8. 6 (P.).]  
[Bm. Ge. 3. 2 (1): 4. 7: 8. 21: 25. 8: 27. 37: 32. 9 (10), 28 (29): 37. 2: Ex. 6. 13: 12. 1: 17. 8: 21. 6: 32. 9: Le. 14. 33: Dt.

32. 5: Jo. 1. 1: 2. 3: 4. 21: Jd. 3. 20: 4. 18: 10. 12: 11 Ki. 12. 7: 26. 14: 30. 7. 27: 11 Ki. 10. 6: 11 Ki. 3. 1: 5. 1 (15). 2 (16): 6. 18: 14 Ki. 3. 13: Jb. 1. 22: 2. 13: 4. 2. 12: 11. 13: 16. 21: 29. 25: 30. 2\*: 32. 14: 33. 29: 34. 31: 39. 4. 32 (40. 2): Ps. 17 (18). 26: 27 (28). 4: 29 (30). 9: 31 (32). 6. 9: 32 (33). 17: 34 (35). 14 bis: 42 (43). 4 bis: 54 (55). 19. 21: 76 (77). 2 bis. 7: 77 (78). 8: 85 (86). 3: 87 (88). 10. 14: 88 (89). 39: 93 (94). 16 bis: 130 (131). 2: 138 (139). 6: Pr. 26. 5: Ec. 1. 17: 6. 5: 7. 28 (27): 15. 8. 11: 17. 14 (τὸ πρὸς ἑσπέρην): 21. 11: 22. 15: 30. 19: 34. 14: 36. 4. 7. 10. 11: 45. 9: 55. 2. 3. 7. 11: 63. 15: 66. 2: Jc. 7. 1: 8. 2: 9. 12 (11): 10. 13: 12. 1: 13. 1: 16. 1. 16: 17. 19: 21. 2: 22. 15: 25. 9 (Sw.): 26 (33. 4): 27 (34). 2: 29 (36). 25: 30 (37). 21 bis: 31 (38). 6: 32 (39). 26: 33 (40). 4: 36 (43). 1. 2: 38 (45). 17. 18. 19. 22: 39 (40). 9: 41 (48). 6. 12. 17. 42 (49). 5: 44 (51). 1. 20. 24: 47 (29). 1: 51 (28). 16: Ez. 2. 6: 30. 4. 13: 8. 16: 11. 21: 17. 7: 20. 35: 23. 40: 24. 27: 33. 2: 34. 2: 37. 12: 40. 31. 40: 41. 14: Da. 11. 2 (Sw.). 6 bis (Sw.): Jn. 2. 5: Hb. 1. 13: Za. 4. 7: 5. 6: 14. 5. 7 (τὸ πρὸς ἑσπέρην): Ma. 2. 13: 8. 6 (P.).

[Th. Gz. 3. 9 (8): 4. 7: 8. 21: 37. 2: Ex. 1. 19: 6. 13: 12. 1: 28 24†: 32. 9: Le. 14. 33: Jo. 2. 3: 4. 21: Jd. 4. 18: 7. 11: 9. 14: 16. 9: 1 Ki. 26. 14: 11 Ki. 12. 4: 11 Ki. 5. 1 (15). 2 (16): 6. 18: 13. 27: 21 (20). 8: 22. 4: 15: 19 Ki. 2. 18 bis: 3. 13: 4. 2: 8. 10: 11. 8: Jb. 2. 13: 4. 2: 21. 19: 34. 23: 31: 42. 8: Ps. 54 (55). 17: 68 (69). 14: 76 (77). 2: 77 (78). 21: 138 (139). 6: Pr. 26. 5: 15. 17. 14 (τὸ πρὸς ἑσπέρην): 21. 11: 36. 4. 7. 10. 11: 41. 1: 45. 14: 54. 8 (πρὸς ὀλίγον): 55. 2. 3. 7. 11: 63. 15: 66. 2: Jc. 2. 1: 7. 1: 13. 1: 17. 19: 23. 37: 25. 3. 9 (Sw.): 26 (33). 4: 27 (34). 2: 18: 28 (35). 16: 29 (36). 16. 19. 25: 30 (37). 21: 33 (40). 19. 21\*, 23. 26: 34 (41). 8 (45). 12: 39 (46). 5. 5 (Sw.). 11. 12: 40 (47). 14: 41 (48). 6: 42 (49). 9: Ez. 2. 3. 4: 3. 26: 4. 13: 7. 6: 20. 35: 23. 40: (Sw.). 2. 25. 25 (P.). 27: 34. 2: 37. 12: 40. 28\* (Sw.): Da. 6. 14†: 7. 25: 8. 9. 9†: Jn. 2. 5: Ze. 3. 9: Za. 12. 10: 14. 5: Ma. 3. 6 (P.).

[Al. Gz. 43. 23: Ex. 19. 3: 33. 11: Le. 18. 6: 19. 31 bis: 20. 6 bis: 24. 2: 26. 21: 37: Nu. 2. 10: 25. 6: Dt. 2. 5: 3. 26: 20. 2: Jd. 1. 9\*: 19. 4: 11 Ki. 3. 8 bis: 11 Ki. 22. 50: 19 Ki. 13. 4\*: Jb. 2. 3: Jc. 26 (33). 17: 41 (48). 12: Ez. 42. 3: Da. 1. 18.]

[Sam. Ec. 26. 5.]

[Quint. iv Ki. 4. 2: 6. 21: Ps. 27 (28). 2: 60 (61): 3. 76 (77): 2: 77 (78). 21: 138 (139). 6: Ho. 7. 4 (πρὸς ὀλίγον).]

[Sext. Ps. 27 (28). 2: 76 (77). 2: 138 (139). 6.]

[Heb. Jb. 20. 5 (πρὸς βραχὺ), 5: 40. 22 (27) bis.]

IV. *anom.*

Ps. 45 (46). 5 (τὸ πρὸς πρωὶ πρωὶ)†.

Si. 29. 25 (πρὸς ἐπὶ τούτοις).

[Aq. Ec. 7. 23 (22) (πρὸς πλεονάκις).]

[Sm. Ec. 7. 23 (22) (πρὸς πλεονάκις): 9. 1 (πρὸς τε δέ).]

[Al. Jb. 36. 16 (καὶ πρὸς ἐπὶ ἡμέρας).]

**προσάββατον.** (1) **Πῆψ**

Ju. 8. 6. *χωρὶς προσάββατον καὶ σαββάτων*

Ps. 91 (92). *τίθ. B ψαλμὸς ὧδης εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ πρ. [A B σαββ.]* (1)

92 (93). *τίθ. εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ πρ. [A σαββ.]* — **προσαγγέλλειν.**

Ju. 10. 18. *ὥς προσήγγειλαν αὐτῷ*

II Ma. 3. 6. *προσηγγέλει περὶ τοῦ... γέμειν τὸ... γαφουλίκιον*

9. 24. *B ἡ καὶ προσαγγέλλῃ τὴν δυσχερὲς [A al.]*

10. 21. *προσαγγέλλουσιν δὲ τῷ Μακκ.*

13. 21. *προσηγγέλει δὲ τὰ μυστήρια τοῖς πολέμοις*

III Ma. 5. 10. *περὶ τούτων προσαγγέλλαι τῷ βασι.*

**προσάγειν.** (1) **Πῆψ** (2) **Κίβ** a. hi. δ. hoph.

(3) **Πῆψ** (4) **Πῆψ** a. qal. δ. hi. (5) **Πῆψ** ni.

(6) **Πῆψ** a. qal. δ. ni. c. hi. d. hoph.

(7) **Πῆψ** (8) **Κίβ** (9) **Πῆψ** (10) **Πῆψ**

(11) **Πῆψ** a. qal. δ. hi. c. **Πῆψ** aph.

(12) **Πῆψ** hi.

Ge. 27. 25. *προσάγαγέ μοι* (6 c)

48. 9. *προσάγαγέ μοι αὐτούς* (8)

Ex. 3. 4. *προσάγει ἰδεῖν* (8)

14. 10. *καὶ Φ. προσήγε [A -ήγαγεν]* (11 b)

19. 4. *προσηγγάμην ὑμᾶς πρὸς ἑμάντον* (2 a)

21. 6. *προσάξει αὐτὸν ὁ κύριος αὐ.* (6 c)

— 6. *προσάξει αὐτὸν ἐπὶ [A πρὸς] τὴν θύραν* (6 c)

28. 1. *προσαγάγον πρὸς σεαυτὸν τὸν τε 'Α.* (11 b)

29. 4. *'Α. καὶ τοὺς υἱοὺς αὐ. προσάξεις* (11 b)

— 8. *τοὺς υἱοὺς αὐ. προσάξεις* (11 b)

— 10. *προσάξεις τὸν μόσχον* (11 b)

40. 12. *καὶ προσάξεις 'Ααρῶν* (11 b)

— 14. *καὶ τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ προσάξεις* (11 b)

Le. 1. 2. *ἐὰν προσαγάγῃ [A -φέρῃ] δῶρα τῷ κ.* (11 b)

— 3. *ἄρσεν ἄμωμον προσάξει* (11 b)

— 10. *ἄρσεν ἄμωμον προσάξει αὐτό* (11 b)

3. 1. *ἐὰν μὲν ἐκ τῶν βοῶν αὐ. προσαγάγῃ* (11 b)

— 1. *ἄμωμον προσάξει αὐτό* (11 b)

— 3. *προσάξουσιν... κάρπωμα κυρίῳ* (11 b)

— 7. *ἐὰν ἄρνα προσαγάγῃ τὸ δῶρον αὐ.* (11 b)

— 7. *προσάξει αὐτὸ ἔναντι κυρίου* (11 b)

— 12. *προσάξει ἔναντι κυρίου* (11 b)

4. 3. *προσάξει... μόσχον ἐκ βοῶν* (11 b)

— 4. *προσάξει τὸν μόσχον* (2 a)

— 14. *προσάξει ἢ συναγγέλῃ μόσχον* (11 b)

— 14. *καὶ προσάξει αὐτὸν* (2 a)

5. 8. *προσάξει... τὸ περὶ τῆς ἀμαρτίας* (2 a)

6. 14 (7). *ἢν προσάξουσιν αὐτὸν οἱ υἱοὶ 'Α.* (11 b)

— 38 (7. 8). *ὁ προσάγων ὀλοκαύτωμα ἀνθρώπου* (11 b)

7. 4 (14). *προσάξει ἐν ἀπὸ πάντων τῶν δώρων* (11 b)

— 6 (16). *ἢ ἂν ἡμέρα προσαγάγῃ [B<sup>2</sup> -ἀγγ]* (11 b)

— 15 (25). *ὡς προσάξει ἀπ' αὐτῶν κάρπωμα* (11 b)

— 25 (35). *προσηγγάτω αὐτοὺς τοῦ λερατεύειν* (11 b)

8. 13. *προσήγαγε Μ. τοὺς υἱοὺς 'Α.* (11 b)

— 14. *προσηγγαγε Μ. τὸν μόσχον* (6 c)

— 18. *προσηγγαγε Μ. τὸν κρίον* (6 c)

— 21 (22). *προσηγγαγε Μ. τὸν κρίον τὸν δεύτ.* (11 b)

— 23 (24). *προσηγγαγε Μ. τοὺς υἱοὺς 'Α.* (11 b)

10. 19. *εἰ σὺ προσαγγέλλῃς τὰ περὶ τῆς ἀμαρτ.* (11 b)

14. 2. *προσαχθίσεται πρὸς τὸν Ιερέα* (2 b)

— 12. *προσάξει αὐτὸν τῆς πλημμελείας* (11 b)

16. 1. *ἐν τῷ πρ. αὐτοὺς πῦρ ἀλλότριον* (11 a)

— 6. *προσάξει 'Α. τὸν μόσχον* (11 b)

9. *προσάξει 'Α. τὸν χίμαρον* (11 b)

— 11. *προσάξει 'Α. τὸν μόσχον* (11 b)

— 20. *προσάξει τὸν χίμαρον τὸν ζῶντα* (11 b)

— 21. *Α προσάξει [B ἐπιθῇσι] 'Α. τὰς χεῖρας αὐ.* (9)

19. 21. *προσάξει τῆς πλημμελείας αὐ.* (2 a)

22. 20. *πάντα... οὐ προσάξουσιν κυρίῳ* (11 b)

— 22. *Α<sup>2</sup> B οὐ προσάξουσιν ταῦτα τῷ κ.* (11 b)

— 24. *οὐ προσάξεις [A -ἀξέτε] αὐτά* (11 b)

23. 8. *προσάξετε ὀλοκαυτώματα τῷ κ.* (11 b)

— 18. *Α B<sup>1</sup> προσάξετε [B<sup>2</sup> B -ξέτε]... ἐπτά* (11 b)

— 25. *προσάξετε ὀλοκαύτωμα κυρίῳ* (11 b)

— 27. *προσάξετε ὀλοκαύτωμα τῷ κ.* (11 b)

— 36. *προσάξετε ὀλοκαυτώματα τῷ κυρίῳ* (11 b)

— 36. *προσάξετε ὀλοκαυτώματα κυρίῳ* (11 b)

Nu. 5. 16. *προσάξει αὐτὸν ὁ Ιερεὺς* (11 b)

6. 12. *προσάξει ἄμωμον ἐνιαυσίν* (2 a)

— 14. *προσάξει τὸ δάρον αὐτοῦ* (11 b)

7. 3. *προσηγγαγὸν [A -ήγαγεν] ἐναντίον τῆς σκηνῆς* (11 b)

8. 9. 10. *προσάξεις τοὺς Λευίτας* (11 b)

15. 27. *προσάξει αἶγα μίαν ἐνιαυσίν* (11 b)

— 33. *προσηγγαγὸν αὐτὸν οἱ εὐρόντες* (11 b)

35. 5. *προσηγγαγετὸ πρὸς ἐαυτὸν* (11 b)

— 5. *προσηγγαγετὸ [A οὐ πρ.] πρὸς ἐαυτὸν* (11 b)

9. *προσηγγαγὸν ὑμᾶς πρὸς ἐαυτὸν* (11 b)

— 10. *καὶ προσήγγιστέ σ.* (11 b)

— 17. *Α<sup>2</sup> B προσάξετε... ἕκαστος τὸ πυρεῖον* (11 b)

18. 2. *τοὺς δὲ σου... προσαγάγου πρὸς σεαυτὸν* (11 b)

25. 6. *προσήγαγε τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ* (11 b)

27. 4 (5). *προσήγαγε Μ. τὴν κρίον αὐτῶν* (11 b)

28. 3. *ὅσα προσάξετε κυρίῳ* (11 b)

— 9. *προσάξετε δύο ἄμωμον ἐνιαυσίν* (11 b)

— 11. *προσάξετε ὀλοκαυτώματα τῷ κ.* (11 b)

Nu. 28. 19, 27. *προσάξετε ὀλοκαυτώματα* (11 b)

29. 13. *Α B προσάξετε [B -ντε] ὀλοκαυτώματα* (11 b)

— 36. *προσάξετε ὀλοκαυτώματα* (11 b)

De. 2. 19. *προσάξετε ἐγγὺς υἱὸν 'Αμμάν* (11 a)

Jo. 8. 9. *προσαγάγετε ὧδε* (6 a)

4. 5. *προσαγάγετε ἑμπροσθέν μου* (10)

7. 14. *προσάξετε κατὰ δῆμους* (11 a)

— 14. *προσάξετε κατ' οἶκον* (11 a)

— 14. *προσάξετε κατ' ἄνδρα* (11 a)

— 16. *προσηγγαγε τὸν λαόν* (11 b)

— 17. *προσηγγαγε κατὰ δῆμους* (11 b)

— 18 (17). *προσηγγαγε κατ' ἄνδρα [A -ας]* (11 b)

8. 5. *προσάξομεν πρὸς τὴν πόλιν* (11 a)

— 23. *προσηγγαγον αὐτὸν πρὸς 'Ι.* (11 b)

Jd. 3. 13. *Α προσήγαγεν [B συνήγ]... π. τοῖς υἱοῖς 'Α.* (1)

I Ki. 1. 24. *προσηγγαγον ἐνώπιον κυρίου* (11 b)

— 25. *προσηγγαγε [A -ον] τὸ παιδάριον* (2 a)

— 25. *προσηγγαγον 'Α. ἡ μήτηρ τοῦ παιδ. [A τὸ π.]* (11 b)

7. 10. *προσηγγαγον εἰς πόλεμον* (6 b)

9. 18. *προσηγγαγε Σ. πρὸς Σαμ.* (6 a)

10. 20. *προσηγγαγε Σαμ. πάντα τὰ σκήπτρα* (11 b)

— 21. *προσάγει σκήπτρον Βεν.* (11 b)

— 21. *προσάγουσιν τὴν φυλὴν Μ.* (11 b)

13. 6. *B στενῶς αὐτῷ μὴ πρ. αὐτῶν* (5†)

— 9. *B προσαγγίγεται ὅπως ποιήσω* (6 c)

14. 18. *προσηγγαγε τὸ ἐφόδ* (6 c)

— 34. *B πρ. [A B -αγαγείν]... ἕκαστος τῶν μόσχων αὐ.* (6 c)

— 34. *προσηγγεν [A -ήγαγεν] πᾶς ὁ λαός* (6 c)

— 38. *προσαγγίγεται [A -γε]... πᾶσι τὰς γυναικας* (6 a)

15. 32. *προσαγγίγεται μὲν τὸν 'Α.* (6 c)

22. 17. *προσαγγίγεται... τοὺς Ιερεῖς τοῦ κ.* (7)

23. 9. *προσάγαγε τὸ ἐφόδ κυρίου* (6 c)

28. 25. *προσηγγαγον ἐνώπιον Σ.* (6 c)

30. 7. *προσάγαγε τὸ ἐφόδ* (6 c)

— 7. *Α προσήγαγεν 'Αβ. τὸ ἐφόδ* (6 c)

— 21. *προσηγγαγε Δ. ὥς τοῦ λαοῦ* (6 a)

II Ki. 3. 34. *οὐ προσήγγηκεν ὡς νάβαλ* (6 d)

11. 21. *ὡς τί προσήγγαγε πρὸς τὸ τεῖχος* (6 b)

— 22. *ὡς τί προσήγγαγε πρὸς τὴν πόλιν* (11 b)

— 22. *ὡς τί προσήγγαγε πρὸς τὸ τεῖχος* (11 b)

13. 11. *προσηγγαγεν αὐτῷ τὸ φαγεῖν* (6 c)

III Ki. 18. 21. *προσηγγαγεν 'Η. πρὸς πάντας* (6 a)

— 30. *προσαγγίγεται πρὸς μέ* (6 a)

— 30. *προσηγγαγε πᾶς ὁ λαός* (6 a)

21 (20). 29. *καὶ προσήγαγον ὁ πόλεμος* (11 a)

IV Ki. 16. 14. *προσηγγαγε τὸ πρόσωπον τοῦ οἴκου* (11 b)

II Ch. 29. 23. *προσηγγαγον τοὺς χιμάρους* (6 c)

— 31. *προσαγγίγεται καὶ φέρειτε θυσίας* (6 a)

35. 12. *τοῦ πρ. τῷ κυρίῳ* (11 b)

I Es. 1. 18. *προσαχθῆναι [A -ενεχθ.] τὰς θυσίας* (6 c)

To. 6. 14. *Α B πλὴν τῶν προσαγγόντων αὐτῇ* (11 b)

12. 12. *προσηγγαγον τὸ μνημόσυον τῆς προσευχῆς αὐ.* (11 b)

Ps. 71 (72). 10. *B<sup>1</sup> αὐ νῆσοι δῶρα προσάξουσιν [B B<sup>2</sup> -οἶσ.]* (12)

— 10. *Βασιλὴς 'Αρ. καὶ Σ. δῶρα προσάξουσιν* (11 b)

Pr. 19. 24. *Α B οὐδὲ τῷ στόματι οὐ μὴ προσ-αγάγῃ [B -ενέγκῃ, B -ενέκῃ] αὐτάς* (12)

24. 15. *μὴ προσάγαγῃς ἀσεβῆ νουμὴ δικαίων* (11 b)

Si. 12. 13. *καὶ πάντας τοὺς προσάγοντας θηρίους* (11 b)

14. 11. *προσφορὰς κυρίῳ ἀξίως πρόσαγε* (11 b)

20. 27. *Α ὁ σοφὸς ἐν λόγοις προσάξει [B B<sup>2</sup> προάξει] ἐαυτὸν* (11 b)

31 (34). 20. *ὁ προσάγων [B -αγαγόν] θυσίαν* (11 b)

45. 16. *προσαγγαγείν κάρπωσιν [B -ωμα] κυρίῳ* (6 a)

Jl. 3 (4). 9. *προσαγγίγεται καὶ ἀναβαίνει* (6 a)

Ma. 1. 7. *προσάγοντες... ἄρτους ἡλισγημέ-νους* (6 c)

— 8. *ἐὰν προσαγγίγῃτε τυφλόν* (6 c)

— 8. *ἐὰν προσαγγίγῃτε χλωδόν* (6 c)

— 8. *προσάγαγε [B<sup>1</sup> -ετε] δὴ αὐτὸ τῷ ἡγομ. σου* (11 b)

— 11. *θυμίαμα προσάγεται [A -αγάγετε] (6 d)*

2. 12. *καὶ εἰ προσαγγόντων [A -αγαν.] θυσίαν* (6 a)

3. 3. *ἔσονται τῷ κυρίῳ προσάγοντες θυσίαν* (6 c)

— 5. *προσάξω πρὸς [A om.] ὑμᾶς* (11 a)

Is. 34. 1. *προσαγγίγεται ἔθνη* (11 a)

48. 16. *προσαγγίγεται πρὸς μέ* (11 a)

57. 3. *προσαγγίγεται ὧδε* (11 a)

Jc. 26 (46). 3. *προσαγγίγεται εἰς πόλεμον* (6 a)

Ez. 37. 7. *προσηγγαγε τὰ ὀστά* (11 a)

42. 14. *ὅπως διὰ πάντων ἁγίων ὧσιν οἱ προσ-άγοντες* (11 a)

Εξ. 44. 13. οὐδὲ τοῦ πρ. [Α-αγαγείν] πρὸς τὰ  
 ἄγια υἱὸν τοῦ Ἰσραὴλ (8 α)  
 — 15. προσάξουσιν πρὸς μέ (11 α)  
 Da. LXX. Su. 4. πρὸς αὐτὸν προσήγοντο οἱ Ἰ.  
 — 52. προσήγαγον τὸν πρεσβύτερον τῷ νεωτέρῳ  
 — 56. εἶπε προσαγαγείν αὐτῶ τὸν ἑτερον  
 3. 22. καὶ προσαγαγόντες τῇ καμίνῳ (4 β)  
 8. 7. εἶδον αὐτὸν προσάγοντα πρὸς τὸν κρινὸν (4 β)  
 10. 10. χεῖρα προσήγαγέ μοι (4 α)  
 Da. TH. Su. 4. πρὸς αὐτὸν προσήγοντο οἱ Ἰ.  
 — 56. ἐκέλευσε προσαγαγείν τὸν ἑτερον  
 7. 13. Β προσήχθη αὐτῷ [Α-ἡγαγον αὐτόν, Β  
 προσήχθη αὐτῷ] (11 c)  
 I Ma. 2. 67. προσάξετε πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς ποιη-  
 τὰς τοῦ νόμου  
 5. 54. προσήγαγον ὀλοκαυτώματα  
 10. 77. Β προσήγεν [Β προσήγεν] εἰς τὸ πεδῖον  
 13. 43. προσήγαγε τῇ πόλει  
 15. 25. προσάγειν διὰ παντὸς αὐτῇ τὰς χεῖρας  
 II Ma. 8. 32. προσήγαγε θυσίαν  
 6. 19. ἐπὶ τὸ τύμπανον προσήγε  
 7. 5. τῇ πυρὶ προσάγειν ἔμπνοον  
 — 15. τὸν πέμπτον προσάγοντες ἤκιστα  
 11. 10. Β προσήγον [Α προσήγον] ἐν διασκευῇ  
 — 36. προσάγειν πρὸς Ἀντιόχειαν  
 12. 43. προσαγαγείν περὶ ἀμαρτίας θυσίαν  
 13. 19. φρούριον ὀχυρὸν τῶν Ἰουδ. προσήγεν  
 — 23. θυσίαν προσήγαγεν  
 14. 4. προσάγον αὐτῶ στέφανον χρυσοῦν  
 — 31. τὸν ἱερέων τὰς καθηκούσας θυσίας προσάγον-  
 των  
 — 41. καὶ κελύωντων πῦρ προσάγειν  
 15. 25. μετὰ σαλπίγγων καὶ παιῶνων προσήγον  
 III Ma. 3. 16. Α τοῖς . . . ἱεροῖς ἀπονείμαντες . . .  
 προσήχησιν [Β προήχ.]  
 IV Ma. 10. 4. Α Β προσαναγίνεται τῷ σμάτι μου  
 [Sm. Jb. 40. 14 (19) : Is. 41. 21.]  
 [Th. Is. 53. 7 : 57. 3.]  
 [Al. Le. 3. 14 : Nu. 29. 8.]  
 προσαγορεύειν. (1) שָׁרַף (2) הִיחָרָה  
 De. 23. 6 (7). οὐ προσαγορεύσεις εἰρηνικὰ αὐτοῖς (1)  
 II Es. 10. 1. Β' ὡς προσηγόρευσε [Α Β' Β Β  
 ἔγγ.] κλαίων (2)  
 Wi. 14. 22. τὰ τοσαῦτα κακὰ εἰρήνην προσαγο-  
 ρεύουσιν  
 I Ma. 14. 40. Β' Β προσηγόρευνται [Β' -ευνται, Α  
 -αγορεύονται] οἱ Ἰ. . . φίλοι  
 II Ma. 1. 36. πρὸς ἡγορεύσαντες δὲ . . . τοῦτο Νέφθαρ  
 4. 7 : 10. 9. Ἀντιόχου τοῦ προσαγορευθέντος  
 Ἐπιφ.  
 14. 37. πατήρ τῶν Ἰουδ. προσαγορευόμενος  
 προσαιτεῖν.  
 Jb. 27. 14. εἰδὼν δὲ καὶ ἀνδρωθῶσι προσαιτήσου-  
 σιν [Α -σώσιν] +  
 προσάλληλος, *vid. sub* πρὸς εἰ ἀλλήλων.  
 προσαναβαίνειν. (1) הָלַךְ  
 Ex. 19. 23. προσαναβήναι πρὸς τὸ ὄρος (1)  
 Jo. 11. 17. δ προσαναβαίνει εἰς Σ. (1)  
 15. 3. προσαναβαίνει εἰς Σ. (1)  
 — 6. προσαναβαίνει τὰ ὄρια ἐπὶ λίθων Β. (1)  
 — 7. προσαναβαίνει τὰ ὄρια ἐπὶ τὸ τέταρτον (1)  
 18. 12. προσαναβήσεται τὰ ὄρια (1)  
 19. 12. προσαναβήσεται ἐπὶ Φ. (1)  
 Ju. 13. 10. προσαναβήσαν τὸ ὄρος [Β' πρὸς] Β.  
 II Ma. 10. 36. ἑτεροὶ δὲ ὁμοίως προσαναβάντες  
 προσανάβασις. (1) הָלַךְ  
 Jo. 15. 3. ἀπέναντι τῆς πρ. Ἀκρ. (1)  
 — 7. Α ἀπέναντι τῆς πρ. [Β προσβ.] Ἀδ. (1)  
 προσαναλέγεσθαι.  
 II Ma. 8. 19. προσαναλεξάμενος δὲ αὐτοῖς καὶ τὰς . . .  
 ἀντιλήψεις  
 προσαναπαύεσθαι.  
 Wi. 8. 16. προσαναπαύσασμαι αὐτῇ  
 προσαναπληροῦν.  
 Wi. 19. 4. Α Β ἵνα τὴν λείπονσαν ταῖς βασάνοις προ-  
 αναπληρώσωσι [Β -σουσιν, Β προανα-  
 πληρώσωσι] κόλασιν  
 προσανατρέπειν.  
 Si. 13. 23. προσανατρέψουσιν [Α -πουσιν] αὐτὸν

προσανάφερειν.  
 To. 12. 15. οἱ προσαναφέρουσι τὰς προσευχὰς τῶν  
 ἁγ. [Β α.]  
 Ju. 11. 18. ἐλθούσα προσανοίσω σοι  
 II Ma. 11. 36. Β δὲ ἐκρινε προσανεχθῆναι [Α  
 -ανενηχθῆναι] τῷ βασ.  
 προσανοικοδομεῖν.  
 Si. 3. 14. ἀντὶ ἀμειριῶν προσανοικοδομηθήσεται [Β  
 -μήσεται] σοι  
 προσαξιούν.  
 III Ma. 7. 10. τὸν βασ. προσηξίωσαν  
 προσαπειλεῖν.  
 Si. 13. 3. Β καὶ αὐτὸς προσαπειληθήσεται [Α Β -δεη-  
 θήσεται]  
 προσαπέρχεσθαι.  
 II Ma. 9. 24. Α καὶ προσαπῆλθῃ τι δυσχερές [Β α.]  
 προσαποδιήσκειν. (1) הִחֹחַ hoph.  
 Ex. 21. 29. οὐ κύριος αὐτοῦ προσαποθανεῖται (1)  
 προσαπολλύναι.  
 II Ma. 13. 4. προὔταξεν . . . προσαπολλέσαι ἀγα-  
 γόντας αὐτὸν εἰς Β.  
 προσασπείρειν.  
 II Ma. 11. 14. προσασπείρειται ἐπεισε συλλύεσθαι  
 προσαπαθεῖν.  
 Si. 13. 21. προσαπαθεῖται ὑπὸ φίλων  
 προσαρτίος.  
 III Ma. 1. 19. αἱ δὲ καὶ πρ. ἐσταλμένα  
 προσασπίζειν.  
 IV Ma. 14. 15. Β' προσασπίζει [Α Β' Β προσασπ.]  
 τὸν νεοττὸν  
 προσβαίνειν.  
 I Es. 4. 53. πᾶσι τοῖς προσβαίνουσιν ἀπὸ τῆς Β.  
 — 53. πᾶσι τοῖς ἱερεῦσι τοῖς προσβαίνουσιν  
 8. 1. προσέβη Ἐσθρας  
 Ju. 4. 7. διακυλίσας αὐτοὺς προσβ. [Β τοὺς προσβ.]  
 7. 10. προσβῆναι ταῖς καρ. τὸν ὄρειον αὐ.  
 προσβάλλειν. (1) הָלַךְ aph. (2) הָלַךְ  
 Je. 26 (46). 4. προσβάλλετε [Α Β προσβάλλετε]  
 τὰ δόματα (2)  
 Da. TH. 7. 2. προσέβαλλον εἰς τὴν θάλ. τὴν  
 μεγάλην (1)  
 II Ma. 10. 17. οἱς καὶ προσβαλύντες  
 — 28. Β προσέβαλον [Α -βαλλον] ἐκάτεροι  
 — 35. Β προσβαλύντες [Α προσβ.] τῷ τεύχει  
 12. 10. Β προσέβαλον [Α ἐπέβαλλον] Ἀραβεῖς  
 αὐτῷ  
 13. 22. προσέβαλε τοῖς περὶ τὸν Ἰ.  
 IV Ma. 3. 7. Β Β προσβαλὼν [Α -βάλλων] τοῖς  
 ἀλλοφύλοις  
 11. 23. μέγαν σοι προσβάλλων καὶ αὐτὸς ἀλάστορα  
 πρόσβασις. (1) הָלַךְ  
 Jo. 15. 7. ἡ ἔστιν ἀπέναντι τῆς πρ. [Α προσαναβ.]  
 Ἀδ. (1)  
 Ju. 4. 7. στενὴς τῆς πρ. οὐσης [Α Β α.] (1)  
 II Ma. 4. 13. ἦν δ' οὕτως . . . πρόσβασις ἄλλο-  
 φυλισμοῦ  
 III Ma. 1. 26. πρόσβασιν ἐποιεῖτο  
 προσβλέπειν.  
 [Sm. Ps. 83 (84). 10 : Jn. 2. 5.]  
 προσβλητός. (1) שָׁרַף ru.  
 Je. 10. 5 (9). ἀργύριον προσβλητόν [Β προσβλ.] ἐστὶν  
 προσβολή.  
 II Ma. 5. 3. καὶ προσβολὰς γυμνομένης  
 15. 19. ταρασσομένης τῆς ἐν ὑπαίθρῳ πρ.  
 προσβόλωσις.  
 [Aq. I Ki. 13. 21.]  
 προσγελάν.  
 I Es. 4. 31. Α Β ἐν προσγέλασθ [Β γελ.] αὐτῷ  
 Si. 13. 6. καὶ προσγελᾶσθαι σοι  
 — 11. ὡς προσγελῶν ἐξετάσει [Α Β ἐξ. σε]  
 [Sm. Jb. 29. 24.]

προσγεννᾶν. (1) הָלַךְ  
 Le. 20. 2. Α ἡ τῶν προσγεννημ. προσηλύτων  
 [Β α.] (1)  
 προσγίνεσθαι. (1) הָלַךְ  
 Le. 18. 26. οὐ προσγενόμε. προσήλυτος ἐν ὑμῖν (1)  
 Nu. 15. 14. ἄν. δὲ προσήλυτος ἐν ὑμῖν προσ-  
 γίνηται (1)  
 I Ma. 8. 41. Α προσεγενήθησαν [Β Β -ετέβ.] πρὸς  
 αὐτοὺς  
 [Sm. Jn. 16. 4.]  
 προσγράφειν.  
 I Es. 6. 32. Α τι . . . τῶν προσγεγραμμένων [Β α.]  
 Da. LXX. 8. 3. ἔστησαν οἱ προσγεγραμμ. [cod.  
 προγ.] -  
 προσδεῖν (*indigere*). (1) הָלַךְ  
 Pr. 12. 9. καὶ προσδεόμενος ἄρτου [Α -ων] (1)  
 Si. 4. 3. μὴ παρεκλύσῃς δόσιν προσδεομένου  
 — 5. Β' ἀπὸ προσδεομένου [Α Β Β' δόμ.] μὴ  
 ἀποστρέψῃς ὀφθαλμόν  
 11. 12. ἔστι . . . προσδεόμενος ἀντιλήψεως  
 13. 3. καὶ αὐτὸς προσδεθήσεται [Β προσαπειλη-  
 θήσεται]  
 18. 32. Α Β' μὴδὲ προσδεθῇς [Β Β' -δεθῇς] συμ-  
 βολῇ [Α -ῆς] αὐτῆς  
 42. 21. καὶ οὐ προσδεθήσῃ οὐδενὸς συμβούλου  
 προσδεῖν (*alligare*).  
 Si. 18. 32. μὴδὲ προσδεθῇς [Α Β' -δεθῇς] συμ-  
 βολῇ [Α -ῆς] αὐτῆς  
 IV Ma. 9. 26. καταπέλτη προσέδησαν αὐτόν  
 προσδεκτός. (1) הָלַךְ  
 Pr. 11. 20. προσδεκτοὶ δὲ αὐτῶ πάντες ἄνωμοι (1)  
 16. 15. οἱ δὲ πρ. αὐτῶ ὥσπερ νεφὸς ὕψιμον (1)  
 Wi. 9. 12. ἔσται προσδεκτὰ τὰ ἔργα μου [Β' αὐτοῦ]  
 προσδέχεσθαι. (1) הָלַךְ hi. (2) הָלַךְ pi.  
 (3) הָלַךְ (4) הָלַךְ (5) הָלַךְ (6) הָלַךְ pi.  
 (7) הָלַךְ (8) הָלַךְ a. qal. δ. ni.  
 (9) הָלַךְ pi.  
 Ge. 32. 20 (21). προσδέξεται τὸ πρόσωπόν μου (4)  
 Ex. 10. 17. προσδέξασθε οὐκ μου τὴν ἁμαρτ. (4)  
 22. 11 (10). προσδέξεται ὁ κύριος αὐτοῦ (3)  
 36. 3. προσδέχοντο ἔτι τὰ προσφερόμε. (1)  
 Le. 22. 23. Α Β' εἰς δεξιὰν σου οὐ προσδεχ-  
 θήσεται [Β Β' δεχθ.] (8 β)  
 26. 43. προσδέξεται ἡ γῆ τὰ σαββ. αὐ. (8 α)  
 — 43. προσδέξονται τὰς αὐτῶν ἀνομίας (8 α)  
 Ru. 1. 13. μὴ αὐτοὺς προσδέξῃς (9)  
 I Ch. 12. 18. προσδέξεται [Β' -τάξ.] αὐτοὺς Δ. (9)  
 II Ch. 38. 21. ὥς τοῦ προσδέξασθαι τὴν γῆν (8 α)  
 Es. 9. 23. καὶ προσδέξαντο οἱ Ἰουδαῖοι (6)  
 — 27. προσδέχοντο οἱ Ἰ. ἐφ' ἑαυτοῖς (6)  
 Jb. 2. 9. προσδεχόμενος τὴν ἐλπίδα τῆς σωτη-  
 ρίας μου -  
 — 9. προσδεχομένη τὸν ἥλιον πότε δύσεται -  
 29. 23. Α ὥσπερ γῆ διψῶσα προσδεχομένη  
 τὸν ὑετὸν οὕτως οὕτως τὴν ἐμὴν λα-  
 λῶν προσδέχοντο [Β Sm.]. (2, +)  
 33. 20. πᾶν δὲ βρωτὸν σίτου οὐ μὴ δύνηται  
 προσδέξασθαι +  
 Ps. 6. 9. κύριος τὴν προσεχὴν μου προσδέξατο (3)  
 54 (55). 8. προσδεχόμεν τὸν σωζόντά με +  
 103 (104). 11. προσδέξονται θανάτοις εἰς δίψαν  
 αὐτῶν +  
 Pr. 15. 15. οἱ ὀφθ. τῶν κακῶν προσδέχονται κακὰ -  
 Wi. 3. 6. ὡς ὀλοκάρπωμα θυσίας προσδέξατο αὐτοὺς  
 14. 29. ἀδικηθῆναι οὐ προσδέχονται  
 18. 7. προσδέχῃ [Α προσδεχθ.] δὲ ὑπὸ λαοῦ  
 σου σωτηρία μὲν δικαίων  
 19. 15. ἐπεχθῶς προσδέχοντο τοὺς ἀλλοτρίους  
 Si. 7. 9. ἐν τῷ προσεγγίκαί με θεῷ ὑψίστῳ προ-  
 δέξεται  
 15. 2. ὡς γυνὴ παρθενίας προσδέξεται αὐτόν  
 32 (35). 12. μὴ δωροκόπει οὐ γὰρ προσδέξεται  
 Ho. 8. 13. κύριος οὐ προσδέξεται αὐτὰ (8 α)  
 Am. 6. 22. οὐ προσδέξομαι [Α add. αὐτὰ] (8 α)  
 Mi. 6. 7. εἰ προσδέξεται κύριος ἐν χιλιᾷσι κριῶν (8 α)  
 Ze. 3. 10. Β προσδέξομαι ἐν διεσπαρμένοις μου  
 [Β α.] +  
 Ma. 1. 8. εἰ προσδέξεται σε (8 α)  
 — 10. θυσίαν οὐ προσδέξομαι (8 α)

Ma. 1. 13. εἰ προσδέξομαι αὐτά (8 a)  
 Is. 28. 10. θλίψιν ἐπὶ θλίψιν προσδέχου  
 42. 1. προσδέξομαι αὐτὸν ὃν ψυχὴ μου (8 a)  
 45. 4. προσδέξομαι σε +  
 55. 12. προσδεχόμενοι ὑμᾶς ἐν χαρῇ +  
 Ez. 20. 40. ἐκεῖ προσδέξομαι (8 a)  
 — 41. ἐν δαμῇ ἐνώδιος προσδέξομαι ὑμᾶς (8 a)  
 32. 10. προσδεχόμενοι τὴν πτώσιν αὐτῶν +  
 43. 27. προσδέξομαι ὑμᾶς (7)  
 Da. LXX. 3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμ. . . προσδεχθήμεν  
 7. 25. προσδέξεται ἀλλοιωσάι καιροὺς (5)  
 Da. TH. 3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμ. . . προσδεχθήμεν  
 II Ma. 1. 26. προσδέξει τὴν θυσίαν  
 3. 38. μεμαστιγμένον αὐτὸν προσδέξῃ  
 42. 11. οὐ προσδεχόμενος τὴν . . . δίκην  
 9. 25. B προσδεχομένου [A -δοκῶντας] τὸ ἀποβ-  
 σόμενον  
 IV Ma. 5. 37. ἀγνύς με οἱ πατέρες προσδέχονται [B<sup>1</sup> εἰσδ.]  
 [Aq. Is. 8. 17: Hb. 2. 3.]  
 [Sm. Jb. 30. 26: Ps. 24 (25). 3: 50 (51). 21: A.M. 1. 3.]  
 [Th. II Ki. 15. 28.]  
 [Al. Lk. 1. 4: Nu. 16. 15.]

**προσδιδόναι.** (1) 𐤒𐤓𐤕  
 Ge. 29. 33. προσδέκαί μοι καὶ τούτων (1)  
 To. 2. 12. προσδίδετε καὶ ἔριφον [B al.]  
 Ez. 16. 33. προσδίδον μισθώματα (1)  
 — 34. B<sup>1</sup> B ἐν τῇ πρ. [A προσδ., B<sup>1</sup> διδ.] σε μισθώματα (1)

**προσδοκᾶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pi. (2) 𐤒𐤓𐤕 pi.  
 De. 32. 2. προσδοκᾶσθαι . . . τὸ ἀπρόβλεπτόν μου +  
 Ps. 68 (69). 20. ἀνεδίσμων προσεδόκησεν ἡ ψυχὴ μου +  
 103 (104). 27. πάντα πρὸς σέ προσδοκῶσι (2)  
 118 (119). 166. B B προσεδόκων [A -ον] τὸ σωτήριόν σου (2)

Wi. 12. 22. κρυόμενοι δὲ προσδοκῶμεν ἔλεος  
 La. 2. 16. αὕτη ἡ ἡμέρα ἦν προσδοκῶμεν (1)  
 II Ma. 7. 14. τὰς ὑπὸ τοῦ θ. προσδοκῶν ἐλπίδας  
 9. 25. A προσδοκῶντας [B -δεχομένους] τὸ ἀποβ-  
 σόμενον  
 12. 44. εἰ γὰρ μὴ τοὺς προπεπτωκότας ἀναστήναι προσδέκα

15. 8. προσδοκᾶν τὴν . . . νίκην  
 — 20. πάντων ἥδη προσδοκῶντων τὴν ἔσσην κρίσιν  
 III Ma. 5. 24. προσδοκῶντα τὴν πρῶαν μετὰ σπου-  
 δῆς  
 [Aq. Ps. 24 (25). 3: Is. 38. 18.]  
 [Sm. Jb. 3. 9: Ps. 30 (31). 20, 25: 32 (33). 18, 22: 38 (39). 8: 55 (56). 7: 68 (69). 7: 118 (119). 95: Is. 8. 17: 49. 23: 59. 9, 11: 64. 3 (2), 4 (3): Jb. 3. 2: 14. 22.]  
 [Th. Ps. 118 (119). 95: Is. 64. 3 (2): Da. 6. 3†.]  
 [Al. Jb. 6. 19.]  
 [Quint. Ps. 24 (25). 3: 30 (31). 25: 129 (130). 5 bis.]

**προσδοκεῖν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pi.  
 Ps. 118 (119). 166. A προσεδόκων [B B -ων] τὸ σωτήριόν σου (1)

**προσδοκία.** (1) 𐤒𐤓𐤕𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕𐤕  
 Ge. 49. 10. καὶ αὐτὸς προσδοκία ἰδῶν (1)  
 Ps. 118 (119). 116. μὴ κατασχύνῃς με ἀπὸ τῆς πρ. μου. (2)  
 Wi. 12. 17. B προσδοκία [A B προσδοσία] τῶν ἀπὸ λογισμῶν βωθημάτων  
 — 13. ἐνδοθεν δὲ οὕσα ἦσαν ἡ πρ.  
 Si. 40. 2. ἐπίνοια προσδοκίας [B<sup>1</sup> -α] ἡμέρα τελευτῆς  
 Is. 66. 9. ἔδωκα τὴν πρ. ταύτην +  
 II Ma. 3. 21. τὴν τε τοῦ . . . ἀρχιερέως πρ.  
 III Ma. 5. 41. ἡ πόλις διὰ τὴν πρ. ὀχλεῖ  
 — 49. τὸ τέλος τῆς ἀθλιωτάτης πρ.  
 [Aq. Jb. 41. 1: Is. 66. 9.]  
 [Sm. Jb. 14. 19: Ps. 70 (71). 5: Jb. 14. 8: 17. 13: Ez. 19. 5.]  
 [Th. Ge. 49. 10: Pr. 10. 28: 11. 7.]  
 [Al. Ps. 19.]

**προσδοκίμος.**  
 [Sm. Jb. 17. 12.]

**προσδραμεῖν, vid. sub προστρέχειν.**  
**προσεγγίζειν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 a. qal.  
 ὁ. ni. c. hi. (3) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. ὁ. hi.

Ge. 33. 6. προσήγγισαν αἱ παιδίσκαι (2 a)  
 — 7. καὶ προσήγγισε Λεία (2 a)  
 — 7. μετὰ ταῦτα προσήγγισε 'P. (2 b)  
 Le. 2. 9 (8). προσεγγίσας πρὸς τὸ θυσιαστ. (2 c)  
 15. 8. A εἰς δὲ προσήγγισεν [B -σιελίσθη] +  
 21. 21. A B<sup>1</sup> οὐ προσήγγει [B<sup>1</sup> B οὐκ ἔγγ.] τοῦ προσεγγεῖν (2 a)  
 Nu. 8. 19. οὐκ ἔσται . . . προσεγγίζων πρὸς τὰ ἄγια (2 a)  
 De. 20. 2. προσεγγίσας ὁ ἱερεὺς (2 b)  
 Jo. 3. 4. μὴ προσεγγίσῃτε αὐτῇ (3 a)  
 Jd. 5. 25. A προσήγγισεν [B -ήνεγκε] βούτηρον (2 b)  
 6. 19. καὶ προσήγγισε [A προσεκύνησεν] (2 c)  
 20. 23. A προσεγγίσαι εἰς πόλεμον [B al.] (2 a)  
 II Ki. 20. 17. προσήγγισε [A ἤγγ.] πρὸς αὐτήν (3 a)  
 III Ki. 3. 1 (B), 4. 21 (A) (5. 1). A προσεγγίζοντες [B -φέροντες] δῶρα (2 c)  
 IV Ki. 4. 5. προσήγγισον πρὸς αὐτήν (2 c)  
 To. 6. 9. ὡς δὲ προσήγγισαν τῇ 'P. [B al.]  
 Ps. 118 (119). 150. προσήγγισαν οἱ καταδιώ-  
 κότες με ἀνομίᾳ (3 a)  
 Ez. 18. 6. πρὸς γυναῖκα ἐν ἀφίδρῳ οὖσαν οὐ προσεγγίει (3 a)  
 Da. LXX. 9. 21. ταχεὶ φερόμενος προσήγγισέ μοι (1)  
 [Aq. I Ki. 30. 7: III Ki. 4. 21 (5. 1): Jb. 41. 8.]  
 [Sm. III Ki. 4. 21 (5. 1): Jb. 41. 8: Is. 45. 20.]  
 [Th. Ma. 2. 13.]  
 [Al. Ex. 24. 14: Nu. 25. 6: Dt. 4. 7.]

**προσεγκρούειν.**  
 II Ma. 13. 19. A ἐτροπύοντο προσενέκρουσεν [B προσ-  
 ἐκρουεν]

**προσεδρεῖν.**  
 I Ma. 11. 40. προσήδρευεν αὐτῷ  
**προσεδρία.**  
 III Ma. 4. 15. μετὰ πικρὰς σπουδῆς καὶ φιλοτίμου πρ.

**προσεῖναι.**  
 Si. 13. 24. B<sup>1</sup> φ<sup>1</sup> μὴ πρόσσετον [AB<sup>1</sup> ζετον] ἀμαρτία  
**προσεῖπειν.** (1) 𐤒𐤓𐤕  
 Jd. 17. 2. προσείπας ἐν ὧσί μου [A al.] (1)  
 Pr. 7. 13. ἀναιδέι δὲ προσώπῳ προσείπεν αὐτῷ [B al.] (1)  
 II Ma. 7. 8. A ὁ δὲ ἀποκριθεὶς . . . προσείπεν [B εἶπεν]

[Al. I Ki. 25. 5.]  
**προσεκαίειν.**  
 Nu. 21. 30. προσεέκαυσαν πῦρ ἐπὶ M. +

**προσεμβριμάσθαι.**  
 Si. 13. 3. καὶ αὐτὸς προσεμβριμάσθαι

**προσεμψιπράναι.** (1) 𐤒𐤓𐤕 ni.  
 Ex. 22. 6 (5). καὶ προσεμψήσῃς ἄλλων (1)

**προσεμψέσθαι.**  
 II Ma. 5. 18. A εἰ δὲ μὴ συνέβη προσεμψέσθαι [B al.]

**προσεξηγείσθαι.**  
 II Ma. 15. 11. B προσεξηγησάμενος [A προσηγ.]  
 δεινον ἀξιόπιστον

**προσεπιαπᾶν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
 Jb. 36. 16. προσεπιαπᾶσέ [B<sup>1</sup> πρόσσει ἡπάτη-  
 σέν] σε ἐκ στόματος ἐχθροῦ (1)

[Th. Jb. 36. 16.]  
**προσεπικατέειναι.**  
 IV Ma. 9. 19. προσεπικατέεινον [B καὶ προσεκατέ-  
 τεινον]

**προσεπιτιμᾶν.**  
 Si. 13. 22. καὶ προσεπιτίμησαν αὐτῷ

**προσερίζειν.**  
 [Aq. Ex. 23. 21: Dt. 1. 26: 9. 7: 21. 20: 31. 27: Ps. 5. 11: 77 (78). 17: 104 (105). 28: 105 (106). 7: Ez. 5. 6.]

[Sm. Dt. 9. 7: 31. 27: I Ki. 15. 23: Ps. 77 (78). 8.]

**προσεριθείσθαι.**  
 [Sm. Ez. 23. 9.]

**προσεριστῆς.**  
 [Aq. Is. 30. 9: Ez. 2. 5: 12. 2: 44. 6.]  
 [Sm. Ez. 2. 5, 6: 12. 2: 17. 12: 44. 6.]  
 [Th. Ez. 44. 6.]

**προσερυθρίαν.**  
 To. 2. 14. B προσερυθρίαν χάριν τούτου [A B al.]

**προσέρχεσθαι.** (1) 𐤒𐤓𐤕 pu. (2) 𐤒𐤓𐤕  
 (3) 𐤒𐤓 (4) 𐤒𐤓𐤕 (5) 𐤒𐤓 ni. (6) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
 (7) 𐤒𐤓 a. qal. ὁ. ni. (8) 𐤒𐤓𐤕 (9) 𐤒𐤓𐤕  
 (10) 𐤒𐤓 a. qal. ὁ. ni. c. 𐤒𐤓𐤕 d. 𐤒𐤓𐤕  
 (11) 𐤒𐤓𐤕 aph. (12) πάλιν πρ. 𐤒𐤓𐤕

Ge. 29. 10. προσελθὼν 'I. ἀπεκύλισε (7 a)  
 33. 14. A<sup>1</sup> προσελθὼν [A<sup>2</sup> B προσελ.] ὁ κ. μου (8)  
 42. 24. πάλιν προσήλθε πρὸς αὐτοὺς (12)  
 43. 19. προσελθόντες δὲ πρὸς τὸν ἄνθρ. (7 a)  
 Ex. 12. 48. εἰς δὲ τις προσήλθε πρὸς ὑ. (8)  
 — 48. προσελεύσεται ποῦσαι αὐτὸ (10 a)  
 — 49. τῷ προσελθόντι προσλήψ[ε] [A al.] (3)  
 16. 9. προσέλθατε ἐναντίον τοῦ θ. (10 a)  
 19. 15. μὴ προσέλθῃτε γυναῖκα (7 a)  
 22. 8 (7). προσελεύσεται ὁ κύριος τῆς οἰκίας (10 b)  
 34. 32. προσήλθον πρὸς αὐτὸν (7 b)  
 Le. 9. 5. προσήλθε πᾶσα συναγωγὴ (10 a)  
 — 7. πρόσελθε πρὸς τὸ θυσιαστήριον (10 a)  
 — 8. προσήλθεν 'A. πρὸς τὸ θυσιαστ. (10 a)  
 10. 4. προσέλθατε καὶ ἄρατε (10 a)  
 — 5. B<sup>1</sup> B προσήλθον [A -εν] καὶ ἦραν (10 a)  
 18. 6. οὐ προσελεύσεται [A -τε] ἀποκαλύψαι (10 a)  
 — 19. A B πρὸς γυναῖκα ἐν χωρισμῷ . . . οὐ προσελεύσῃ [B οὐκ εἰσελ.] (10 a)  
 19. 33. εἰς δὲ τις προσήλθε ὑμῖν (8)  
 20. 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς πᾶν κτήνος (10 a)  
 21. 17. οὐ προσελεύσεται προσφέρειν [A -ρων] τὰ δῶρα (10 a)  
 — 18. πᾶς ἄνθρωπος . . . οὐ προσελεύσεται (10 a)  
 — 21. οὐ προσελεύσεται προσεγγεῖν (7 a)  
 — 23. πρὸς τὸ καταπέτασμα οὐ προσελεύσεται (8)  
 22. 3. ὅς ἂν προσήλθῃ . . . πρὸς τὰ ἄγια (10 a)  
 Nu. 9. 6. προσήλθον ἐναντίον M. (10 a)  
 — 14. εἰς δὲ προσήλθε πρὸς ὑμᾶς (8)  
 10. 4. προσελεύσονται πρὸς σέ (5)  
 16. 40 (17. 5). ὥσως ἂν μὴ προσήλθῃ [B<sup>1</sup> -ῃτε] μὴδὲς ἄλλοι. (10 a)  
 18. 3. πρὸς τὸ θυσιαστ. οὐ προσελεύσονται (10 a)  
 — 4. ὁ ἄλλος. οὐ προσελεύσεται πρὸς σέ (10 a)  
 — 22. οὐ προσελεύσονται ἐπὶ . . . εἰς τὴν σκη-  
 νὴν (10 a)

27. 1. προσελθούσαι αἱ θυγατέρες Σ. (10 a)  
 31. 48. προσήλθον πρὸς M. (10 a)  
 32. 2. προσελθόντες οἱ υἱοὶ 'P. (7 a)  
 — 16. καὶ προσήλθον αὐτῷ (10 a)  
 36. 1. προσήλθον οἱ ἄρχοντες (10 a)  
 De. 1. 22. προσήλθατέ μοι πάντες (10 a)  
 2. 37. ἔγγυσ ἰδὼν 'A. οὐ προσήλθομεν [A al.] (10 a)  
 4. 11. προσήλθετε καὶ ἴσσητε (10 a)  
 5. 23 (20). προσήλθετε πρὸς μέ (10 a)  
 — 27 (24). πρόσελθε σὺ καὶ ἀκούσον (10 a)  
 20. 10. εἰς δὲ προσήλθες πρὸς πόλιν (10 a)  
 21. 5. προσελεύσονται οἱ ἱερεῖς (7 b)  
 22. 14. καὶ προσελθὼν αὐτῇ (10 a)  
 25. 1. καὶ προσέλθωσιν εἰς κρίσιν (7 b)  
 — 9. προσελθούσα ἡ γυνὴ τοῦ ἀδ. αὐ. (7 b)  
 — 11. καὶ προσήλθε ἡ γυνὴ ἐνὸς αὐτῶν (10 a)  
 32. 44. A καὶ προσήλθεν [B εἰσήλ.] M. (2)  
 Jo. 5. 12 (13). καὶ προσελθὼν 'Iησοῦς (4)  
 10. 24. προσελθόντες ἐπέθηκαν τοὺς πόδας αὐ. (10 a)  
 14. 6. προσήλθουσιν [A -ον] οἱ υἱοὶ 'I. (7 a)  
 21. 1. προσήλθουσιν [A -ον] οἱ ἀρχιεπαριῶται (7 a)  
 [d. 20. 24. προσήλθον [A -θουσιν] οἱ υἱοὶ 'Iσρ. (10 a)  
 Ru. 2. 14. πρόσελθε ὦδε (7 a)  
 I Ki. 4. 16. A B προσήλθε πρὸς [B om.] 'Hλὶ -  
 7. 13. οὐ προσέβητο ἐπὶ προσελθὼν [A ἐπ.] (2)  
 14. 36. προσέλθωμεν ἐνταῦθα πρὸς τὸν θ. (10 a)  
 15. 32. καὶ προσήλθε πρὸς αὐτὸν (4)  
 17. 40. προσήλθε πρὸς τὸν ἄνδρα τὸν ἀλλόφ. (7 a)  
 II Ki. 1. 15. προσελθὼν ἀπάντησεν αὐτῷ (7 a)  
 10. 13. καὶ προσήλθεν 'Ιωάβ (7 a)  
 III Ki. 21 (20). 13. προφήτης εἰς προσήλθε τῷ (7 b)  
 'Aχ.

III Ki. 21 (20). 22. προσήλθεν ὁ προσφύτης (7 α)  
— 28. προσήλθεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θ. (7 α)  
22. 24. καὶ προσήλθε Σαδ. (7 α)  
IV Ki. 16. 12. Α προσήλθεν ὁ βασι. (10 α)  
II Ch. 24. 27. προσήλθον αὐτῷ οἱ πέντε †  
I Es. 5. 68. προσελθόντες τῷ Ζ.  
8. 68. προσήλθον [Α -θόν] μοι οἱ ἡγούμε. (7 α)  
Ju. 7. 8. καὶ προσελθόντες αὐτῷ  
10. 15. πρόσθεν ἐπὶ τὴν σκηνὴν αὐτοῦ  
12. 15. Α προσήλθεν [Β προσήλ.] ἡ δούλη αὐτῆς  
13. 6. Α Β προσελθούσα τῷ κανόνι τῆς κλίνης  
Es. 1. 1. Α προσήλθον [Β Β προσήλ.] ἀμφότεροι  
παλινοίην  
— 14. προσήλθεν αὐτῷ Ἀρκεαΐας (10 ς)  
5. 1. πρόσθεν  
Ps. 33 (34). 5. προσελθότες πρὸς αὐτόν (6)  
63 (64). 6. προσελίσσεται ἄνθρωπος †  
90 (91). 10. οὐ προσελίσσεται πρὸς σὲ κακὰ (1)  
Si. 1. 27. μὴ προσέλθης αὐτῷ ἐν καρδίᾳ διασῇ  
— 30. οὐ προσήλθες φόβῳ κυρίου  
2. 1. εἰ προσέρχῃ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ  
4. 15. ὁ προσελθὼν [Α Β -έχων] αὐτῇ κατασκευάσει  
πειποθῶς  
6. 19. πρόσθεν αὐτῇ  
— 26. ἐν πάσῃ ψυχῇ σου πρόσθεν αὐτῇ  
9. 13. κὰν [Β¹ καὶ μὴν] προσέλθης  
21. 2. ἐὰν γὰρ προσέλθης  
24. 19. προσελθότες [Α Β -ατε] πρὸς μέ  
In. 1. 6. προσήλθε πρὸς αὐτόν ὁ παρῶς (10 α)  
Is. 8. 3. προσήλθον [Α Β -θεν] πρὸς τὴν προ-  
φήτην (10 α)  
54. 15. προσήλθοντες προσελύονται σοὶ δι' ἐμοῦ (3)  
Je. 7. 16. Β Β μὴ προσέλθης μοι περὶ αὐτῶν (9)  
49 (42). 1. προσήλθον πάντες οἱ ἡγεμόνες (7 α)  
Ez. 44. 16. οὗτοι προσελύονται πρὸς τὴν  
τράπεζάν μου (10 α)  
Da. LXX. Su. 19. συνθέμενοι προσήλθον αὐτῇ  
— 39. προσελθόντες ἐπὶ γυναικὶ αὐτῇ  
3. 8. προσελθόντες ἄνδρες Χαλδαῖοι (10 δ)  
— 26 (93). προσελθὼν ὁ βασι. πρὸς τὴν θύραν (11)  
6. 6 (7). προσήλθον οἱ ἄνθρωποι ἐκείνοι (10 δ)  
7. 16. προσήλθον πρὸς ἐνα τῶν ἐστῶτων (10 δ)  
9. 22. καὶ προσήλθε †  
Da. TH. 8. 8. προσήλθον [Α -θαν] ἄνδρες  
Χαλδ. (10 δ)  
— 26 (93). προσήλθε Ναβ. πρὸς τὴν θύραν (10 δ)  
6. 12 (13). προσελθόντες λέγουσι τῷ βασι. (10 δ)  
7. 16. προσήλθον ἐνὶ τῶν ἐστηκότων (10 δ)  
I Ma. 2. 16. Β Β πρὸς αὐτοὺς προσήλθον [Α -αν]  
— 18. πρόσθεν πρῶτος  
— 23. προσήλθεν ἀνὴρ Ἰουδαῖος  
8. 1. ὅσοι ἐὰν προσέλθωσιν αὐτοῖς  
II Ma. 1. 15. κἀκεῖνον προσελθόντος μετ' ὀλίγων  
2. 6. προσελθόντες τινὲς τῶν συνακολουθούντων  
6. 20. καθ' ὃν ἔδει τρόπον πρ. τοὺς ὑπομένοντας  
13. 26. προσήλθεν ἐπὶ τὸ βῆμα Λ.  
III Ma. 5. 14. προσελθὼν τὸν βασι.  
IV Ma. 4. 5. εἰς τὴν πατρίδα ἡμῶν . . . προσελθὼν  
[Β προσελ.]  
18. 14. Β² κἀν διὰ πυρὸς προσέλθης [Β¹ εἰσελθ.,  
Α Β διελθ.]  
[Aq. Nu. 9. 14: I Ki. 14. 18: IV Ki. 16. 12.]  
[Sm. I Ki. 14. 18: IV Ki. 16. 12: Ps. 59  
(80). 12.]  
[Al. Le. 21. 23: Nu. 3. 10, 38.]  
[Quint. IV Ki. 16. 12.]  
προσέτι. (1) α. ἡς δ. ὁ ἡς  
II Ki. 16. 11. καὶ πρ. νῦν ὁ υἱὸς τοῦ Ἰ. (1 δ)  
Jb. 36. 16. Β² προσέτι ἡπάτησεν [Α Β Β¹ προσ-  
επιπάτησεν] σὲ ἐκ στόματος ἐχθροῦ (1 α)  
II Ma. 12. 14. καὶ πρ. βλασφημούντες  
IV Ma. 14. 1. πρ. καὶ ἐπὶ τὸν αἰσῶν ἐποτρύνοντες  
[Sm. Ps. 48 (49). 3.]  
[Heb. Jb. 36. 16.]  
προσεύχασθαι. (1) ὁ ἡς hithpa. (2) ὁ ἡς  
α. qal. δ. hi. (3) ὁ ἡς a. pi. δ. hithpa.  
c. ὁ ἡς (4) ὁ ἡς pa.  
Ge. 20. 7. προσεύχεται περὶ σοῦ (3 δ)  
— 17. προσήγατο δὲ Ἀβ. πρὸς τὸν θ. (3 δ)  
Ex. 10. 17. προσεύχασθε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (3 δ)  
Jd. 13. 8. καὶ προσήγατο [Α ἐδέχθη] Μ. (2 α)  
I Ki. 1. 10. προσήγατο πρὸς κύριον (3 δ)  
— 12. ὅτε ἐπλήθυνε προσευχόμενῃ (3 δ)

I Ki. 1. 26. ἐν τῷ προσεύξασθαι πρὸς κύριον (3 δ)  
— 27. ὑπὲρ τοῦ παλαδίου τούτου προσήγατον (3 δ)  
2. 1. Α καὶ προσήγατο Ἄννα (3 δ)  
— 25. προσεύχονται ὑπὲρ αὐτοῦ (3 α)  
— 25. τίς προσεύχεται ὑπὲρ [Α περὶ] αὐτοῦ (3 δ)  
7. 5. προσεύχομαι περὶ ὑμῶν (3 δ)  
8. 6. καὶ προσήγατο Σαμ. (3 δ)  
12. 19. Β προσέειπεν ὑπὲρ τῶν δούλων σου (3 δ)  
— 23. Β τοῦ πρ. περὶ ὑμῶν (3 δ)  
14. 45. προσήγατο ὁ λαὸς περὶ Ἰ. †  
II Ki. 7. 27. τοῦ προσεύξασθαι . . . τὴν προσ-  
ευχὴν ταύτην (3 δ)  
III Ki. 8. 28. ἡς ὁ δούλος σου προσεύχεται (3 δ)  
— 29. ἡς προσεύχεται ὁ δούλος σου (3 δ)  
— 30. ὁ ἄν. προσεύχεται [Α -εύχ.] (3 δ)  
— 33. 35, 42, 44. καὶ προσεύχονται (3 δ)  
— 48. καὶ προσεύχονται [Α -ονται] πρὸς σέ (3 δ)  
— 54. προσευχόμενος . . . ἄλην τὴν προσευχὴν (3 δ)  
13. 6. Α πρόσθεν περὶ ἐμοῦ (3 δ)  
IV Ki. 4. 33. προσήγατο πρὸς κύριον (3 δ)  
6. 17. καὶ προσήγατο Ἐλ. (3 δ)  
— 18. προσήγατο πρὸς κύριον (3 δ)  
19. 15. Α καὶ προσήγατο Ἐζ. (3 δ)  
— 20. ὁ προσήγατο πρὸς μέ (3 δ)  
I Ch. 17. 25. εὐρεν ὁ παῖς σου τοῦ προσεύξασθαι (3 δ)  
II Ch. 6. 19. Α Β² ἡς ὁ παῖς σου προσεύχεται (3 δ)  
— 20. ἡς ὁ παῖς σου προσεύχεται (3 δ)  
— 21. ὁ ἄν. προσεύχεται (3 δ)  
— 24. καὶ προσεύχονται (3 δ)  
— 26. καὶ προσεύχονται εἰς τὸν τόπον τούτον (3 δ)  
— 32. καὶ προσεύχονται [Α -ονται] εἰς τὸν  
τόπον τ. (3 δ)  
— 34. καὶ προσεύχονται πρὸς σέ (3 δ)  
— 38. Α Β καὶ προσεύχονται [Β -ονται] ὁδὸν  
γῆς αὐ. (3 δ)  
7. 1. ὡς συνετέλεσε Σ. προσευχόμενος (3 δ)  
— 14. καὶ προσεύχονται (3 δ)  
30. 18. προσήγατο Ἐζ. περὶ αὐτῶν (3 δ)  
32. 20. προσήγατο Ἐζ. ὁ βασι. (3 δ)  
— 24. προσήγατο πρὸς κύριον (3 δ)  
33. 13. προσήγατο πρὸς αὐτόν (3 δ)  
I Es. 6. 31. καὶ προσεύχονται περὶ τῆς αὐτῶν ζωῆς  
8. 91. προσευχόμενος Ἐσθ. ἀνθωμολογίῳ  
II Es. 6. 10. καὶ προσεύχονται εἰς ζωὴν τοῦ βασι. (4)  
10. 1. ὡς προσήγατο Ἐσθρας (3 δ)  
— 11. κλαίον καὶ προσευχόμενος (1)  
Ne. 1. 4. ἡμῖν . . . προσευχόμενος ἐνώπιον θεοῦ (3 δ)  
— 6. ἡν ἐγὼ προσευχομαι ἐνώπιόν σου (3 δ)  
2. 4. προσήγατον πρὸς τὸν θεὸν τοῦ οὐρ. (3 δ)  
4. 9 (3). προσήγατον πρὸς τὸν θεὸν ἡμῶν (3 δ)  
To. 8. 1. προσευξίμην μετ' ὀδύνης [Β αλ.] (3 δ)  
6. 17. Β προσεύξασθε καὶ δεήθητε [Α Β αλ.] (3 δ)  
4. καὶ προσευξάμεθα  
— 5. Β ἤρατον πρ.  
12. 12. ὅτε προσήγατο  
Ju. 11. 17. προσεύχομαι πρὸς τὸν θεόν  
Es. 5. 1. ὡς ἐπάυστο προσευχομένη (3 δ)  
Ps. 5. 2. πρὸς σέ προσεύχομαι (3 δ)  
81 (82). 6. προσεύχεται πρὸς σέ πᾶς ὅσιος (3 δ)  
71 (72). 15. προσεύχονται περὶ αὐτοῦ (3 δ)  
108 (109). 4. ἐγὼ δὲ προσευχόμενος (3 ς)  
Wi. 13. 17. περὶ δὲ κτημάτων . . . προσευχόμενος  
[Β εὐχ.] (3 δ)  
Jn. 2. 2. προσήγατο Ἰ. πρὸς κύριον (3 δ)  
4. 2. προσήγατο πρὸς κύριον (3 δ)  
Is. 16. 12. ὥστε προσεύξασθαι (3 δ)  
37. 15. προσήγατο Ἐζκίας πρὸς κύριον (3 δ)  
— 21. ἤκουσα ἃ προσήγατο πρὸς μέ (3 δ)  
38. 2. προσήγατο πρὸς κύριον (3 δ)  
44. 17. Α Β προσεύχεται λέγων [Β Β αλ.] (3 δ)  
45. 1. ἐν σοὶ προσεύχονται (3 δ)  
— 20. Β οἱ [Α Β Β om.] προσευχόμενοι [Α Β  
add. ὡς] πρὸς θεοῦ (3 δ)  
Je. 7. 16: 11. 14: 14. 11. μὴ προσεύχῃ περὶ  
[Α ὑπὲρ] τοῦ λαοῦ τ. (3 δ)  
36 (29). 7. Β προσεύξασθε [Β Β -ασθε, Α  
-χσθε] περὶ αὐτῶν πρὸς κύριον (3 δ)  
— 12. προσεύξασθε πρὸς μέ (3 δ)  
39 (32). 16. προσεύξαμεν [Α -ηυξ.] πρὸς κ. (3 δ)  
44 (37). 3. πρόσθεν δὴ περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (3 δ)  
49 (42). 2. πρόσθεν περὶ κύριον (3 δ)  
— 4. προσεύχομαι πρὸς κύριον (3 δ)  
— 20. πρόσθεν περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (3 δ)  
Ba. 1. 11. προσεύξασθε περὶ τῆς ζωῆς Ναβ. (3 δ)  
— 13. προσεύξασθε περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (3 δ)  
Da. LXX. 8. (24). οὕτως οὖν προσήγατο Ἄν.

Da. LXX. 3. (25). στάς δὲ Ἀζ. προσήγατο οὕτως  
6. 5 (6). Δαν. προσεύχεται καὶ δέεται κυρίου —  
9. 4. προσήγατον πρὸς κ. τὸν θεόν (3 δ)  
— 20. ἐλάλουν προσευχόμενοι (3 δ)  
Bel. 3. Δαν. δὲ προσήγατο πρὸς κύριον  
Da. TH. 3. (24). συντάς Ἀζ. προσήγατο οὕτως  
6. 10 (11). προσευχόμενος καὶ ἐξομολογούμενος (4)  
9. 4. προσήγατον πρὸς κ. τὸν θεόν (3 δ)  
— 20. ἔτι ἐμοὶ λαλοῦντος καὶ προσευχομένου (3 δ)  
— 21. Α ἔτι ἐμοὶ λαλοῦντος καὶ προσευχο-  
μένου [Β om. κ. πρ.] ἐν τῇ προσευχῇ —  
I Ma. 3. 44. καὶ τοῦ προσεύξασθαι  
4. 30. Α Β καὶ προσήγατο [Β -αντα]  
7. 40. καὶ προσήγατο Ἰ.  
11. 71. καὶ προσήγατο  
II Ma. 1. 6. ὡς ἐσμεν προσευχόμενοι περὶ ὑμῶν  
2. 10. Μ. προσήγατο πρὸς κύριον  
— 10. Σαδ. προσήγατο πρὸς κύριον  
12. 44. Β ὑπὲρ νεκρῶν προσεύχεται [Α εὐχ.]  
15. 14. ὁ πολλὰ προσευχόμενος περὶ τοῦ λαοῦ  
III Ma. 6. 1. προσήγατο τάδε  
IV Ma. 4. 11. Β περὶ αὐτοῦ προσευξάμενος [Α Β εὐχ.]  
[Aq. III Ki. 13. 6: Jb. 42. 10: Ps. 31 (32). 6.]  
[Sm. Jb. 42. 10: Ps. 31 (32). 6.]  
[Th. III Ki. 13. 6: Jb. 42. 10.]  
προσευχῇ. (1) ἡς (2) α. ἡς δ. ὁ ἡς  
(3) ὁ ἡς  
II Ki. 7. 27. τοῦ προσεύξασθαι . . . τὴν πρ. τ. (3)  
III Ki. 8. 28. Α ἐπιβλέψῃ ἐπὶ προσευχὴν δού-  
λου σου [Β αλ.] (3)  
— 28. Α Β ἀκούειν . . . τῆς πρ. [Β αλ.] (3)  
— 29. τοῦ εἰσακοῦναι τῆς πρ. (3)  
— 38. πᾶσαν πρ. πᾶσαν δέσιν (3)  
— 45. εἰσακούσῃ τῆς δέσεως αὐ. καὶ τῆς πρ.  
αὐτῶν [Α πρ. αὐ. κ. τ. δ. αὐ.] (2 α [3])  
— 49. Α τὴν πρ. αὐτῶν καὶ τὴν δέσιν αὐ. (3)  
— 54. προσευχόμενος . . . ἄλην τὴν πρ. (3)  
9. 3. ἤκουσα τῆς φωνῆς τῆς πρ. σου (3)  
— 3. κατὰ πᾶσαν τὴν πρ. σου  
IV Ki. 19. 4. καὶ λήψῃ προσευχὴν (3)  
20. 5. ἤκουσα τῆς πρ. σου (3)  
II Ch. 6. 19. ἐπιβλέψῃ ἐπὶ τὴν πρ. παιδὸς σου (3)  
— 19. τοῦ ἐπακοῦσαι . . . τῆς πρ. (3)  
— 20. τοῦ ἀκοῦσαι τῆς πρ. (3)  
— 29. πᾶσα πρ. καὶ πᾶσα δέσιν (3)  
— 35. ἀκούσῃ . . . τῆς πρ. αὐτῶν (2 α)  
— 39. ἀκούσῃ . . . τῆς πρ. αὐ. (3)  
7. 12. ἤκουσα τῆς πρ. σου (3)  
— 15. Α Β τὰ ὧτά μου ἐπήκουα τῇ πρ. [Β τῆς  
πρ.] (3)  
30. 27. ἤλθεν ἡ πρ. αὐ. εἰς τὸ κατοικητήριον (3)  
33. 18. ἡ πρ. αὐτοῦ ἡ πρὸς τὸν θεόν (3)  
— 19. ἐπὶ λόγων προσευχῆς αὐτοῦ (3)  
Ne. 1. 6. τοῦ ἀκοῦσαι προσευχὴν [Β² τὴν πρ.]  
δουλοῦ σου (3)  
— 11. εἰς τὴν πρ. τοῦ δούλου σου καὶ εἰς τὴν  
πρ. παίδων σου (3, 3)  
11. 17. Β² ἀρχηγὸς τοῦ αἵνου τοῦ Ἰ. εἰς προσ-  
ευχὴν (3)  
To. 3. 16. Β εἰσακούσθη ἡ πρ. ἀμφοτέρων [Α Β αλ.]  
12. 8. ἀγαθὸν προσευχὴ μετὰ νηστείας [Β αλθ.]  
— 12. τὸ μνημόσυνον τῆς πρ. ὑμῶν  
— 15. οἱ προσαναφύρονται τὰς πρ. τῶν ἀγ. [Β αλ.]  
13. 1. Α Β Τωβὶτ ἐγινάνε προσευχὴν  
Ju. 12. 6. ἐπὶ προσευχῇ ἐξελθὼν  
13. 3. ἐξελείσασθαι γὰρ ἔφη ἐπὶ τὴν πρ. αὐτῆς  
— 10. Α Β ἐξήλθον . . . ἐπὶ τὴν πρ. [Β om. ε.  
τ. πρ.]  
Ps. 4. 1. εἰσακούσων τῆς πρ. μου (3)  
6. 9. κύριος τὴν πρ. μου προσεδέξατο (3)  
16 (17). τί. προσευχὴ τοῦ Δαυὶδ (3)  
— 1. ἐνώτισαι τὴν πρ. [Β¹ τῆς πρ.] μου (3)  
34 (35). 13. ἡ πρ. μου εἰς κόλπον μου ἀποστρα-  
φίσεται [Α -ήτω] (3)  
38 (39). 12. εἰσακούσων τῆς πρ. μου (3)  
41 (42). 8. προσευχὴ τῷ θεῷ τῆς ζωῆς μου (3)  
53 (54). 2. εἰσακούσων τῆς πρ. μου (3)  
54 (55). 1. ἐνώτισαι, ὁ θεός, τὴν πρ. μου (3)  
60 (61). 1. Β Β πρόσθεν τῇ πρ. [Β τῆς πρ.] μου (3)  
— 5. εἰσήκουσας τῶν πρ. [Β¹ τῆς πρ.] μου †  
63 (64). 1. Β εἰσακούσων, ὁ θεός, τῆς [Β² om.]  
πρ. [Β φωνῆς] μου (1)  
64 (65). 2. εἰσακούσων προσευχῆς μου (3)



Ps. 65 (66). 19. B<sup>81</sup> προσέχε τῇ φωνῇ τῆς πρ. [B<sup>8</sup> δεινός] μου (3)  
 — 20. δε οὐκ ἀπέστησεν τὴν πρ. μου (3)  
 68 (69). 13. ἐγὼ δὲ τῇ πρ. μου πρὸς σέ (3)  
 79 (80). 4. B<sup>81</sup> ἔως πότε ὀργίζῃ ἐπὶ τὴν πρ. τοῦ δούλου [B<sup>8</sup> τῶν δ.] σου (3)  
 83 (84). 8. εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)  
 85 (86). τί. προσευχῇ τῷ Δ. [A al.] (3)  
 — 6. ἐνώτισται, κύριε, τὴν πρ. μου (3)  
 87 (88). 2. εἰσελθάτω ἐνώπιόν σου ἡ πρ. μου (3)  
 — 13. τὸ πρῶτ' ἡ πρ. μου προφθάσει σε (3)  
 — 14. ἵνα τί, κύριε, ἀπαθείς τὴν πρ. [A B<sup>1</sup> ψυχῇ] μου (3)  
 89 (90). τί. προσευχῇ τοῦ [A S τῷ] M. (3)  
 101 (102). τί. προσευχῇ τῷ πτωχῷ (3)  
 — 1. κύριε, εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)  
 — 17. ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν πρ. τῶν ταπεινῶν [B<sup>8</sup> πτωχῶν] (3)  
 108 (109). 7. ἡ πρ. αὐτοῦ γενέσθω εἰς ἁμαρτίαν (3)  
 129 (130). 2. A εἰσάκουσον τῆς πρ. [B B<sup>8</sup> φωνῆς] μου (1)  
 140 (141). 2. κατενυθιγὼς ἡ πρ. μου ὡς θυμίαμα ἐνώπιόν σου (3)  
 — 5. ἡ πρ. μου ἐν ταῖς εὐδοκίαις αὐτῶν (3)  
 141 (142). τί. ἐν τῇ εἰναι αὐτῶν ἐν τῇ σπηλαίῳ προσευχῇ (3)  
 142 (143). 1. εἰσάκουσον τῆς πρ. μου (3)  
 Pr. 28. 9. καὶ αὐτὸς τὴν πρ. μου ἐβδελύκται (3)  
 Wi. 18. 21. τὸ τῆς ἰδίας λειτουργίας ὄπλον προσευχῇ [B<sup>8</sup> - ἡς] ... κομίσας (3)  
 Si. 3. 5. ἐν ἡμέρᾳ προσευχῆς αὐτοῦ εἰσακουσθήσεται (3)  
 7. 10. μὴ ὀλιγοψυχῆσθης ἐν τῇ πρ. σου (3)  
 — 14. μὴ δευτερώῃς λόγον ἐν προσευχῇ σου (3)  
 81 (34). 26. τῆς πρ. αὐτοῦ τίς εἰσακούσεται (3)  
 32 (35). 17. προσευχῇ ταπεινοῦ νεφέλης διήλθε (3)  
 5. ἀνοίξει τὸ στόμα αὐ. ἐν προσευχῇ (3)  
 — 7. ἐν προσευχῇ ἐξομολογήσεται κυρίῳ (3)  
 50. 19. εἰσέβηθ' ὁ λαός ... ἐν προσευχῇ (3)  
 51. 1. προσευχῇ Ἰησοῦ υἱοῦ Σειράχ (3)  
 — 13. ἐλήψατο σοφίαν προφανῶς ἐν προσευχῇ μου (3)  
 Jn. 2. 8. A<sup>8</sup> B<sup>8</sup> ἔλθοι πρὸς σέ ἡ πρ. [B B<sup>8</sup> εὐχῇ] μου (3)  
 Hb. 3. 1. προσευχῇ Ἀμβ. τοῦ προφήτου (3)  
 — 16. ἀπὸ φωνῆς προσευχῆς χειλέων μου (3)  
 Is. 38. 5. ἤκουσα [A B add. τῆς φωνῆς] τῆς πρ. σου (3)  
 — 9. πρ. Ἐξεκίου βασιλέως τῆς Ἰουδαίας (3)  
 56. 7. εὐφρανῶ αὐτοὺς ἐν τῷ οἴκῳ τῆς πρ. μου ... ὅ γὰρ οἴκος μου οἴκος προσευχῆς κληθήσεται (3, 8)  
 60. 7. ὁ οἴκος τῆς πρ. μου δοξασιθήσεται (3)  
 Je. 11. 14. μὴ ἄξιον περὶ αὐτῶν ἐν δεήσει καὶ προσευχῇ (3)  
 Ba. 2. 14. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς πρ. ἡμῶν (3)  
 3. 4. ἀκούσον δὴ τῆς πρ. τῶν τεθνηκότων Ἰσραὴλ (3)  
 La. 3. 8. ἀπέφραξε προσευχῇν μου (3)  
 — 44. ἐπισκέπασας νεφέλῃν σεαυτῷ ἔνεκεν προσευχῆς (3)  
 Da. LXX. 9. 3. εὐρίην προσευχῇν καὶ ἔλεος (3)  
 — 17. ἐπάκουσον, δέσποτα, τῆς πρ. τοῦ παιδὸς σου (3)  
 — 18. δέμνηθ' ἐν ταῖς πρ. ἡμῶν (3)  
 — 20. καὶ δέμνηθ' ἐν ταῖς πρ. (2, 3)  
 — 21. ἐπὶ λαλούντός μου ἐν τῇ πρ. μου (3)  
 Da. TH. 9. 3. τοῦ ἐκζητῆσαι προσευχῇν (3)  
 — 17. εἰσάκουσον ... τῆς πρ. τοῦ δούλου σου (3)  
 — 21. ἐπὶ ἐμοὶ λαλούντος ἐν τῇ πρ. [A al.] (3)  
 I Ma. 3. 46. A B τόπος προσευχῆς εἰς [B ἦν ἐν] M. (3)  
 5. 33. ἐβόησαν ἐν προσευχῇ (3)  
 7. 37. εἶναι οἴκον προσευχῆς (3)  
 12. 11. καὶ ἐν ταῖς πρ. (3)  
 II Ma. 1. 23. προσευχῇν δὲ ἐποιήσαντο οἱ λεῖται (3)  
 — 24. ἦν δὲ ἡ πρ. τὸν τρόπον ἔχουσα τοῦτον (3)  
 III Ma. 6. 16. τοῦ δι' Ἐλ. λήγοντος ἅπτι τῆς πρ. (3)  
 7. 20. κατὰ τὸν τῆς συμποσίας τόπον προσευχῆς καθιδρύσαντες (3)  
 [Aq. Ps. 68 (69). 14: 71 (72). 20: 85 (86). 1: 140 (141). 5: Pr. 28. 9: Je. 7. 16.]  
 [Sm. Ps. 60 (61). 6: 68 (69). 14: 71 (72). 20: 85 (86). 1: 87 (88). 14: 140 (141). 5: Pr. 28. 9: Je. 33 (40). 6: Ez. 41. 11 δι.]  
 [Th. Ps. 68 (69). 14: 71 (72). 20: 87 (88). 15: Pr. 28. 9.]  
 [Quint. Ps. 71 (72). 20.]  
 [Al. Ps. 140 (141). 2, 5.]

προσέχειν. (1) 𐤒𐤏𐤁 (2) 𐤒𐤏𐤁 hi. (3) 𐤒𐤏𐤁  
 (4) 𐤒𐤏𐤁 (5) 𐤒𐤏𐤁 ni. (6) 𐤒𐤏𐤁 (7) a. 𐤒𐤏𐤁  
 𐤁. 𐤒𐤏𐤁 (8) 𐤒𐤏𐤁 hi. (9) 𐤒𐤏𐤁 (10) 𐤒𐤏𐤁 hi.  
 (11) 𐤒𐤏𐤁 ni. (12) 𐤒𐤏𐤁 a. qal. 𐤁. hi.  
 (13) 𐤒𐤏𐤁 (14) 𐤒𐤏𐤁 hi. (15) 𐤒𐤏𐤁  
 (16) a. 𐤒𐤏𐤁 hi. 𐤁. 𐤒𐤏𐤁 c. 𐤒𐤏𐤁 (17) a. 𐤒𐤏𐤁,  
 𐤁. 𐤒𐤏𐤁 𐤁. 𐤒𐤏𐤁 (18) 𐤒𐤏𐤁 (19) 𐤒𐤏𐤁  
 a. qal. 𐤁. ni. (20) 𐤒𐤏𐤁 (21) τὸ προσέχον  
 𐤒𐤏𐤁 (22) πρ. ἰσχυρῶς 𐤒𐤏𐤁  
 Ge. 4. 5. ἐπὶ δὲ Κᾶν ... οὐ προσέσχε (20)  
 24. 6. προσέσχε σεαυτῷ (19 b)  
 34. 3. προσέσχε τῇ ψυχῇ Δείνας (4)  
 Ex. 9. 21. δε δε μὴ προσέσχε ... εἰς τὸ ῥῆμα κ. (17 a)  
 10. 28. προσέσχε σεαυτῷ ἐπὶ (19 b)  
 19. 12. προσέσχετε ἑαυτοῖς τὸ ἀναβῆναι (19 b)  
 23. 21. προσέσχε σεαυτῷ (19 b)  
 34. 11. προσέσχε σὺ πάντα (19 a)  
 — 12. προσέσχε σεαυτῷ (19 b)  
 Le. 22. 2. προσεχόμεσθα ἀπὸ τῶν ἁγίων (11)  
 Nu. 16. 15. μὴ πρόσχῃς εἰς τὴν θυσίαν αὐ. (18)  
 De. 1. 45. οὐδὲ προσέσχεν ἡμῖν (2)  
 4. 9. προσέσχε σεαυτῷ (19 b)  
 — 23. B<sup>1</sup> B<sup>8</sup> προσέσχετε ὑμῖν [A B<sup>2</sup> ὑμῖς] (19 b)  
 6. 12: 8. 11: 11. 16: 12. 13, 19. προσέσχε (19 b)  
 12. 23. προσέσχε ἰσχυρῶς τοῦ μὴ φαγεῖν (22)  
 — 30: 16. 9: 24. 8. προσέσχε σεαυτῷ (19 b)  
 82. 1. προσέσχε, σὺρανὲ, καὶ λαλήσῃς (2)  
 — 46. προσέσχε τῇ καρδίᾳ (17 a)  
 III Ki. 7. 30. καὶ τὰ προσέχοντα χαλκᾷ (21)  
 II Ch. 25. 16. πρόσχε μὴ μαστιγώθῃς (8)  
 35. 21. πρόσχε ἀπὸ τοῦ θ. τοῦ μετ' ἐμοῦ (8)  
 I Es. 1. 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν Ἰερ. (3)  
 II Es. 7. 23. προσέσχετε [A -χε] μήτις ἐπιχειρήσῃ + Ne. 1. 6. ἔστω δὴ τὸ οὗς σου προσέχον (16 b)  
 — 11. ἔστω τὸ οὗς σου προσέχον (16 b)  
 9. 34. οὐ προσέχον τῶν ἐντολῶν σου (16 a)  
 To. 4. 12, 14. A B πρόσχε σεαυτῷ (16 a)  
 Es. 8. 13. προσέσχε εἰς τὰ μετὰ ταῦτα (16 a)  
 Jb. 1. 8. προσέσχε τῇ διανοίᾳ σου κατὰ τοῦ παιδὸς [A θεράποντός] μου Ἰάβ (17 a)  
 2. 3. προσέσχε σὺν τῇ θεράποντί μου Ἰάβ (17 b)  
 7. 17. ἡ ὅτι προσέχεις τὸν νοῦν εἰς αὐτόν (18)  
 10. 3. βουλὴ δὲ ἀσβήσῃ πρόσχεσθαι (10)  
 13. 6. κρίσιν [A -σει] δὲ χειλέων μου προσέ- (16 a)  
 χετε (16 a)  
 27. 6. δικαιοσύνη δὲ πρόσχων οὐ μὴ προῦμαι (8)  
 29. 21. ἐμοὶ ἀκούσαντες [A πρεσβύτεροι d.] πρόσχον + (3)  
 33. 31. A πρόσχε [B ἐνωτίζου], Ἰάβ (16 a)  
 Ps. 6. 2. B B<sup>8</sup> πρόσχε τῇ φωνῇ [A B τῇ φ.] τῆς δεήσεώς μου (16 a)  
 9. 38 (10. 17). τὴν ἐτοιμασίαν τῆς καρδίας αὐ. πρόσχε τὸ οὗς σου [A αὐ.] (16 a)  
 16 (17). 1. πρόσχε τῇ δεήσει σου (16 a)  
 21 (22). 1. ὁ θεὸς ὁ ὅσις μου, πρόσχε μοι (7 a)  
 — 19. εἰς τὴν ἀντιλήψιν μου πρόσχε μοι (14)  
 84 (85). 23. πρόσχε τῇ κρίσει μου (14)  
 37 (38). 22. πρόσχε εἰς τὴν βοήθειάν μου (7 a)  
 39 (40). 1. καὶ πρόσχε μοι (12 a)  
 — 13. εἰς τὸ βοηθῆσάι μοι πρόσχε [A σπεύ- (7 a)  
 σον] (7 a)  
 54 (55). 2. πρόσχε μοι (16 a)  
 58 (59). 5. πρόσχε τοῦ ἐπισκέψασθαι πάντα τὰ ἔθνη (14)  
 60 (61). 1. B B<sup>8</sup> πρόσχε τῇ προσευχῇ [B τῆς πρ.] μου (16 a)  
 65 (66). 19. B<sup>8</sup> προσέσχε τῇ φωνῇ τῆς προσ- (16 a)  
 ευχῆς [B<sup>2</sup> δεήσεώς] μου (16 a)  
 68 (69). 18. πρόσχε τῇ ψυχῇ μου (15)  
 69 (70). 1. εἰς τὴν βοήθειάν μου πρόσχε μοι (7 a)  
 70 (71). 12. B B<sup>8</sup> εἰς τὴν βοήθειάν μου πρόσχε (7 b\*, 7 a)  
 76 (77). 1. καὶ πρόσχε μοι (2)  
 77 (78). 1. πρόσχετε, λαός μου, τὸν νόμον μου (2)  
 79 (80). 1. ὁ ποιμαίνων τὸν Ἰσραὴλ, πρόσχε μοι (2)  
 80 (81). 11. Ἰσραὴλ οὐ πρόσχε μοι (1)  
 85 (86). 6. πρόσχε τῇ φωνῇ τῆς δεήσεώς μου (16 a)  
 129 (130). 2. γεννηθῆτω τὰ ἑγὼ σου προσέχοντα εἰς τὴν φωνὴν τῆς δεήσεώς μου (16 c)

Ps. 140 (141). 1. πρόσχε τῇ φωνῇ [B τῆς φ.] τῆς δεήσεώς μου (2)  
 141 (142). 1. A καὶ πρόσχε μοι (3)  
 — 6. πρόσχε πρὸς [A εἰς] τὴν δεήσιν μου (16 a)  
 Pr. 1. 24. ἐξίτεινον λόγους καὶ οὐ προσέχειτε (16 a)  
 — 25. A B τοῖς δὲ ἑμοῖς ἐλέγχους οὐ προσέχειτε [B ἐλ. ἡπειθήσατε] (1)  
 — 30. οὐδὲ ἥθειον ἑμαῖς πρόσchein βουλὰς (1)  
 4. 1. πρόσχετε γνῶναι ἐννοίαν (16 a)  
 — 20. ἐμὴ ῥῆσει πρόσχε (16 a)  
 5. 1. ἐμὴ σοφίᾳ πρόσχε (16 a)  
 — 2. μὴ πρόσχε φαῦλῃ γυναικί (3)  
 7. 24. πρόσχε ῥήμασι [A ῥῆσιν] στόματός μου (16 a)  
 17. 4. δικαίος δὲ οὐ πρόσχει χεῖλεσι ψευδίσιν (2)  
 Ec. 4. 13. δε οὐκ ἔργω τοῦ πρόσchein ἐπὶ (5)  
 Ca. 8. 13. ἐταῖροι πρόσcheinτες τῇ φωνῇ [B τὴν φ.] σου (16 a)  
 Wi. 8. 12. φθεγγόμενῃ προσέχουσι (3)  
 13. 1. οὐτε τοῖς ἔργοις προσχόντες [A B προσέχ.] (3)  
 14. 30. προσχόντες [A B προσέχ.] εἰδώλοισι (3)  
 Si. 1. 29. ἐν τοῖς χεῖλεσι σου πρόσχε (3)  
 4. 15. A B ὁ πρόσchein [B -ελθών] αὐτῇ κατα- σκηνώσει πεποιθὺς (3)  
 6. 13. ἀπὸ τῶν φίλων σου πρόσχε (3)  
 7. 24. πρόσχε τῷ σώματι αὐτῶν (3)  
 11. 33. πρόσχε ἀπὸ κακούργου (3)  
 13. 8. πρόσχε μὴ ἀποσπληνθῇς (3)  
 — 13. συντήρησον καὶ πρόσχε σοφιδῶς (3)  
 16. 24. ἐπὶ τῶν λόγων μου πρόσχε τῇ καρδίᾳ σου (3)  
 17. 14. πρόσχετε ἀπὸ παντὸς ἀδίκου (3)  
 18. 27. πρόσχε ἀπὸ πλημμελείας (3)  
 23. 27. οὐθὲν γλυκύτερον τοῦ πρόσchein ἐντολαῖς κυρίου (3)  
 28. 16. ὁ πρόσchein αὐτῇ οὐ μὴ εὐρὴ ἀνάπαντι (3)  
 — 26. πρόσχε μὴ πως ὀλισθήσῃς ἐν αὐτῇ (3)  
 29. 20. πρόσχε σεαυτῷ μὴ ἐμπίστευ (3)  
 32 (35). 1. θυσιάζων σωτηρίου ὁ πρόσchein ἐντολαῖς (3)  
 85 (32). 24. ὁ πιστεύων νόμῳ πρόσχει ἐντολαῖς (3)  
 87. 31. ὁ δὲ πρόσchein προσθήσει ζωὴν (16 a)  
 Ho. 5. 1. πρόσχετε, οἴκος Ἰσρ. (16 a)  
 Mi. 1. 2. πρόσχετω ἡ γῆ (16 a)  
 Za. 1. 4. οὐ πρόσchein τοῦ εἰσακοῦσάι μου (16 a)  
 7. 11. ἡπειθήσαν τοῦ πρόσchein (16 a)  
 Ma. 3. 16. καὶ πρόσχε κύριος (16 a)  
 Is. 1. 10. πρόσχετε νόμον θεοῦ (3)  
 — 23. κρίσιν κληῶν [A B -ραις] οὐ πρόσcheinτες (3)  
 28. 23. πρόσχετε καὶ ἀκούετε τοὺς λόγους μου (16 a)  
 82. 4. A B B<sup>8</sup> προσέχει τοῦ ἀκούειν [B al.] (3)  
 49. 1. πρόσχετε, ἔθνη (16 a)  
 55. 3. πρόσχετε τοῖς ὅσιν [A ὅτις] ὑμῶν (12 b)  
 58. 3. A οὐ πρόσchein [B S οὐκ ἔγνω] (3)  
 Je. 6. 19. τῶν λόγων [A τοῖς λ., B τῷ λ.] μου οὐ πρόσchein (16 a)  
 7. 24. οὐ πρόσχε [A -ον] τὸ οὗς αὐτῶν (12 b)  
 — 26. οὐ πρόσχε [B -ον] τὸ οὗς αὐτῶν (12 b)  
 25. 4. οὐ πρόσχετε [B -αι] τοῖς ὅσιν ὑμῶν (12 b)  
 Da. LXX. 9. 18. πρόσχε, κύριε, τὸ οὗς σου (12 b)  
 12. 10. καὶ οἱ διανοούμενοι προσέχουσιν (3)  
 Da. TH. 9. 19. πρόσχε, κύριε (16 a)  
 I Ma. 2. 68. πρόσχετε εἰς τὰ προσταγμάτα τοῦ νόμου (3)  
 7. 11. B B<sup>8</sup> οὐ πρόσchein [A -είχον] τοῖς λόγοις αὐ. (3)  
 10. 61. οὐ πρόσchein αὐτοῖς ὁ βασιλ. (3)  
 II Ma. 7. 25. τοῦ δὲ νανίου μηδαιῶς προσέχοντος (3)  
 III Ma. 2. 2. πρόσχε ἡμῖν καταπονούμενοι (3)  
 IV Ma. 1. 1. ὅπως προθύμως πρόσχετε τῇ φιλο- σοφίᾳ (3)  
 [Aq. Dt. 27. 9: Jb. 16. 18: Ps. 9. 38 (10. 17): 16 (17). 1: Pr. 2. 2: Jb. 6. 10, 19: 18. 19.]  
 [Sm. Ex. 7. 22: I Ki. 25. 25: Jb. 16. 18: Pr. 2. 2: Ec. 7. 3 (2): Is. 82. 4: Jb. 6. 10.]  
 [Th. Jb. 16. 18: Pr. 2. 2: Is. 7. 4.]  
 [Sam. Ex. 26. 5.]  
 [Al. I Ki. 15. 22: Pr. 17. 4.]  
 προσεχόντως. (1) 𐤒𐤏𐤁𐤏𐤕  
 Pr. 31. 24 (26). στόμα αὐτῆς διηνοῖε πρ. (1)  
 προσηγεῖσθαι.  
 II Ma. 15. 11. A προσηγασμένοι [B προσεξηγ.] δναιρον ἀξίωπιστον (3)  
 προσήκειν. (1) 𐤒𐤏𐤁  
 I Es. 5. 51. ὡς προσήκον ἦν (3)  
 Is. 32. 4. B προσήκει [A B B<sup>8</sup> -έξ.] τῷ [A B τοῦ] ἀκούειν (1)  
 I Ma. 10. 39. B εἰς τὴν προσήκουσαν [B καθήκ., A προκαθ.] δαπάνην τοῖς ἁγίοις (3)

II Ma. 8. 6. B καὶ μὴ προσήκειν [A -ενεγκέιν] αὐτά  
IV Ma. 4. 3. προσήκειν ταῦτα Σελεύκῳ τῷ βασι.  
[Sm. Dt. 29. 26 (25).]

προσηκόντως.

IV Ma. 6. 33. αὐτῶν πρ. τὴν... προσεμένοντες ἐξουσίαν  
προσηλόν.

III Ma. 4. 9. τὸν ζυγοῖς τῶν πλοίων προσηλωμένοι  
τοὺς τραχήλους

προσηλυτεύειν. (1) 713

Ez. 14. 7. ἐκ τῶν προσηλόντων τῶν προσηλυτευ-  
όντων ἐν τῷ Ἰσρ. [A al.] (1)  
[Aq. Ps. 5. 5: 119 (120). 5.]  
[Al. Le. 19. 34: 25. 6.]

προσηλύτευσις.

[Aq. Ge. 47. 9.]

προσήλυτος. (1) α, 713 δ, 713

Ex. 12. 48. εἰς τὴν προσελθὴν πρὸς ὑ. προσ-  
ήλυτος (1 α)

— 49. τῶν προσελθόντων πρὸς τὸν Ἰσρ. [A al.] (1 α)

20. 10. ὁ πρ. ὁ παροικῶν ἐν σοί (1 α)

22. 21 (2α). προσήλυτον οὐ κακώσετε (1 α)

— 21 (2α). ἦτε γὰρ προσήλυτοι ἐν γῇ Αἴγ. (1 α)

23. 9. προσήλυτον οὐ θλίψετε (1 α)

— 9. οἰδατε τὴν ψυχὴν τοῦ πρ. (1 α)

— 9. προσήλυτον ἦτε ἐν γῇ Αἴγ. (1 α)

— 12. ὁ υἱὸς τῆς παιδίσκης σου καὶ ὁ πρ. (1 α)

Le. 16. 29. ὁ πρ. ὁ προσκεῖμενος ἐν ὑμῖν (1 α)

17. 3. ἡ τῶν πρ. ἡ τῶν προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 α)

— 8. ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (1 α)

— 10. τῶν πρ. τῶν προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 α)

— 12. ὁ πρ. ὁ προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 α)

— 13. τῶν πρ. τῶν προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 α)

— 15. ἡ ἐν τοῖς πρ. (1 α)

18. 26. ὁ προσγεγνῆς πρ. ἐν ὑμῖν (1 α)

19. 10. τῶν πρ. καταλείψει αὐτά (1 α)

— 33. προσήλυτος ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (1 α)

— 34. ὁ πρ. ὁ προσπορευόμενος πρὸς ὑμᾶς (1 α)

— 34. προσήλυτοι ἐγενήθητε ἐν γῇ Αἴγ. (1 α)

20. 2. ἡ ἀπὸ τῶν γεγενημ. [A προσγεγενν.] πρ. (1 α)

22. 18. τῶν πρ. τῶν προσκειμ. πρὸς αὐτοὺς (1 α)

23. 22. τῶν πρ. ὑπολείψει αὐτά (1 α)

24. 16. εἰς τὴν προσήλυτον εἰς τὴν αὐτόχθων (1 α)

— 22. δικαίως μία ἐστὶ τῇ πρ. (1 α)

25. 23. προσήλυτοι καὶ παροικοὶ ὑμεῖς ἐστέ (1 α)

— 35. ἀντιλήψθη αὐτοὺς ὡς προσήλυτον (1 α)

— 47. εἰς δὲ εὐρὴν ἡ χεὶρ τοῦ πρ. (1 α)

— 47. καὶ... πρᾶθῃ τῇ πρ. ... ἐκ γεγενησῶ  
προσηλόντων (1 α)

Nu. 9. 14. προσήλυτος ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (1 α)

— 14. ὑμῖν καὶ τῇ πρ. (1 α)

15. 14. εἰς δὲ προσήλυτος... προσεγγίηται (1 α)

— 15. τοῖς πρ. τοῖς προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 α)

— 15. ὁ πρ. ἐστὶ ἐναντὶ κυρίου (1 α)

— 16. τῇ πρ. τῇ προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1 α)

— 26. καὶ τῇ πρ. τῇ προσκειμ. [A al.] (1 α)

— 29. τῇ πρ. τῇ προσκειμ. ἐν αὐτοῖς (1 α)

— 30. ἡ ἀπὸ τῶν πρ. (1 α)

19. 10. καὶ τοῖς πρ. προσκειμένοις (1 α)

85. 15. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. καὶ τῇ πρ. (1 α)

De. 1. 16. καὶ ἀνὰ μέσον προσηλόντων αὐτοῦ (1 α)

5. 14. καὶ ὁ πρ. ὁ παροικῶν ἐν σοί (1 α)

10. 18. ποιῶν κρίσιν προσηλόντων (1 α)

— 18. ἀγαπᾷ τὸν πρ. [A al.] (1 α)

— 19. ἀγαπήσετε τὸν πρ. (1 α)

— 19. προσήλυτοι γὰρ ἦτε ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1 α)

12. 18. ὁ πρ. ὁ ἐν ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (1 α)

14. 29: 16. 11, 14. ὁ πρ. καὶ ὁ ὄρφανός (1 α)

24. 14. ἡ ἐκ τῶν πρ. τῶν ἐν ταῖς πόλεσιν σου (1 α)

— 17. οὐκ ἐκκληνίεις κρίσιν προσηλόντων (1 α)

— 19. 20, 21. τῇ πρ. καὶ τῷ ὄρφανῳ (1 α)

28. 11. καὶ ὁ πρ. ὁ ἐν σοί (1 α)

— 13. 13. καὶ τῇ πρ. καὶ τῷ ὄρφανῳ (1 α)

27. 19. ὅς ἐν ἐκκλησίᾳ κρίσιν προσηλόντων (1 α)

28. 43. B ὁ πρ. ὁ [A B ὅς ἐστιν] ἐν σοί (1 α)

29. 11 (1c). ὁ πρ. ὁ ἐν μέσῳ τῆς παρεμβ. ὑμῶν (1 α)

31. 12. τῶν πρ. [A add. σου] τὸν ἐν ταῖς πό-  
λεσιν (1 α)

Jo. 9. 1 (8. 33). καὶ ὁ πρ. καὶ ὁ αὐτόχθων (1 α)

— 1 (8. 35). τοῖς πρ. τοῖς προσπορευομ. [A  
προπ.] (1 α)

20. 9. καὶ τῇ πρ. τῇ προσκειμ. ἐν αὐτοῖς (1 α)

I Ch. 22. 2. συναγαγεῖν πάντας τοὺς πρ. (1 α)

II Ch. 2. 17 (16). συνήγαγε Σ. πάντας τοὺς  
ἀνδρας τοὺς πρ. (1 α)

15. 9. ἐξεκκλησίασε... τοὺς πρ. (1 β)

30. 25. καὶ οἱ πρ. οἱ εἰσελθόντες (1 α)

To. 1. 8. B καὶ ταῖς χήραις καὶ προσηλόντοις (1 α)

Ps. 93 (94). 6. προσήλυτον ἐφώνησαν (1 α)

145 (146). 9. κύριος φυλάσσει τοὺς πρ. (1 α)

Za. 7. 10. προσήλυτον καὶ πείνητα μὴ καταδυνα-  
στεύετε (1 α)

Ma. 3. 5. τοὺς ἐκκληνίσαντας κρίσιν προσηλόντων (1 α)

Is. 54. 15. προσήλυτον προσελεύσονται σοί (1 α)

Je. 7. 6: 22. 3. προσήλυτον καὶ ὄρφανον καὶ  
χήραν (1 α)

Ez. 14. 7. ἐκ τῶν πρ. τῶν προσηλυτευόντων [A  
-κειμένων] ἐν τῇ Ἰσραήλ (1 α)

22. 7. πρὸς τὸν πρ. ἀνεστρέφοντο [B<sup>1</sup> al.] (1 α)

— 29. πρὸς τὸν πρ. οὐκ ἀναστρέφονται (1 α)

47. 22. βαλεῖτε αὐτὴν... ὑμῖν καὶ τοῖς πρ. (1 α)

— 23. ἔσονται ἐν φυλῇ προσηλόντων ἐν τοῖς  
πρ. τοῖς μετ' αὐτῶν (1 β, 1 α)

[Aq. Ex. 2. 22: 12. 19: Nu. 9. 14: Dt. 14. 1:  
20 (21): II Ki. 1. 13: Jb. 31. 32: Is. 14. 1:  
Ma. 8. 5.]

[Sm. Ex. 12. 19: Is. 14. 1: Ma. 8. 5:]

[Th. Ps. 93 (94). 6: Is. 14. 1: Ma. 8. 5:]

[Al. Ex. 22. 21 (20) ὅς: Le. 20. 2: Nu. 19.  
10: Jo. 8. 33 (9. 6): I Ch. 29. 15.]

προσημαίνειν.

II Ma. 4. 23. Μενέλαον τὸν τοῦ προσημαυμοῦ Σ. ἀδ.

III Ma. 5. 13. τὴν προσημανθέντα ὥραν διαφυγόντες

— 47. τὴν ἐπιπονον... τῶν προσημαμμένων κατα-  
στροφῇ

προσημειοῦν.

IV Ma. 16. 19. καὶ τοὺς μυκτηῖρας προσημειούμενους  
[A<sup>3</sup> προσσημ.] αὐτῶν τὸν θάνατον

προσηνεα.

[Sm. Ec. 9. 17.]

προσηνής.

Pr. 25. 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρὸν ψυχῇ διψῶσῃ  
προσηνής (1 α)

[Aq. Pr. 15. 4.]

πρόσθεμα. (1) 713 hi. (2) 713

Le. 19. 25. πρόσθεμα ὑμῖν τὰ γενήματα αὐ. (1)

Ez. 41. 7. κατὰ τὸ πρ. ἐκ τοῦ τοίχου [A οἴκου] (2)

[Sm. II Ki. 5. 9.]

πρόσθεσις.

Ez. 47. 13. ταῖς δώδεκα φυλαῖς... πρ. σχοινο-  
ματος (1 α)

προσθήκη.

[Aq. Pr. 1. 9:]

[Sm. Ez. 27. 33.]

προσθλίβειν. (1) 713 ni.

Nu. 22. 25. A B προσθλίβειν ἐαυτὴν [B αὐτόν] (1)

πρόσθλιψις.

[Aq. Ps. 42 (43). 2.]

προσιδεῖν.

Jb. 6. 15. οὐ προσιδέω με οἱ ἐγγύτατοί μου (1 α)

19. 14. B οὐ προσιδέω [A B -εποιήσαντο] με (1 α)

οἱ ἐγγύτατοί μου (1 α)

Wi. 17. 10. τὸν μηδαμῶδες φευκτὸν αἶρα προσιδέω  
ἀνοῦμενοι (1 α)

προσιέναι (accedere).

IV Ma. 6. 14. προσιόντες αὐτῷ τινες τῶν τοῦ βασι.

14. 16. καὶ τὸν προσιόντα καλεῖ

— 19. ἀπαμυνόμενοι τοὺς προσιόντας (1 α)

— 19. πλησσοῦσι τοὺς προσιόντας τῇ νοσοῦ αὐ.

προσιέναι (admittere).

[Sm. Jb. 42. 9: Je. 6. 10.]

προσκαθιστάειν. (1) 713

Jd. 14. 11. A προσκατέστησαν αὐτῷ ἑταίρους  
τριάκ. [B al.] (1)

προσκαίειν. (1) 713

Ez. 24. 11. ὅπως προσκαθῇ [A ἐκκ.] (1)

πρόσκαιρος.

IV Ma. 15. 2. B<sup>1</sup> E τῆς ἐπὶ τὴν σωτηρίας προσκαί-  
ρου [A -ους, B<sup>1</sup> προκ.]

— 8. ὑπερεῖθε τὴν τῶν τέκνων πρόσκαιρον σωτηρίαν

— 23. ἐπέτεινε τὴν πρ. φιλοτεκνίαν παριδεῖν

προσκαλύν. (1) 713 (2) 713 a. qal. δ. ni.

(8) 713 ni.

Ge. 28. 1. προσκαλεσάμενος δὲ Ἰσρ. τὸν Ἰακ. (2 α)

Ex. 3. 18. ὁ θ. τῶν Ἑβρ. προσκέληται ὑμᾶς (3)

5. 3. ὁ θ. τῶν Ἑβρ. προσκέληται ἡμᾶς (2 β)

I Ki. 26. 14. προσκαλέσαςτο Δ. τὸν λαόν (2 α)

Es. 4. 5. προσκαλέσαςτο Ἀχρ. τὸν εὐνοῦχον αὐ. (2 α)

8. 1. Μαρθ. προσκελίθη ὑπὸ τοῦ βασι. (1)

Jb. 17. 14. A B<sup>1</sup> θάνατον προσκαλεσάμενη [B<sup>1</sup>  
-σα, B ἐπεκ.] κατέρπα μου εἶναι (2 α)

19. 17. προσκαλοῦμαι δὲ κολακείων υἱοὺς  
παλλακίδων μου (1 α)

Ps. 49 (50). 4. προσκαλεσέται τὸν οὐρανὸν ἄνω (2 α)

Pr. 9. 15. προσκαλομένη τοὺς παριόντας (2 α)

Wi. 1. 16. προσκαλέσαςτο [B<sup>1</sup> -στο] αὐτὸν

18. 8. τοῦτῳ ἡμᾶς προσκαλεσάμενος ἐδόξασε

Si. 18. 9. προσκαλεσάμενος σε δυνάστου υποχωρῶν  
γίνου καὶ τόσῳ μάλλον προσκαλεσέται σε [A σε προσκαλίσσεται]

Am. 5. 8: 9. 6. ὁ προσκαλοῦμαι τὸ ὕδωρ τῆς  
θαλάσσης (2 α)

Jl. 2. 32 (8. 5). οὗς κύριος προσκέληται (2 α)

II Ma. 4. 28. οἱ δύο ὑπὸ τοῦ βασι. προσκελήθησαν

7. 25. προσκαλεσάμενος ὁ βασι. τὴν μητέρα

8. 1. προσκαλοῦντο τοὺς συγγενεῖς

— 11. B ἀπέστειλε προσκαλομένους [A προκ.] ἐπ'  
ἀγορασμόν

14. 5. προσκληθεῖς εἰς συνέδριον ὑπὸ τοῦ Δ.

— 12. B προσκαλεσάμενος [A προχειρησάμ.] δὲ  
ἐνθάδε Νικάνορα

III Ma. 5. 1. προσκαλεσάμενος Ἑρμῶνα

— 18. A τὸν Ἑρμῶνα προσκαλεσάμενος [B μετα-  
πεμψίμ.]

— 37. τὸν δὲ Ἑρμῶνα προσκαλεσάμενος

6. 30. τὸν ἐπὶ τῶν προσόδων προσκαλεσάμενος

προσκαρτερεῖν. (1) 713 hithpa.

Nu. 13. 21 (20). προσκαρτερήσαντες λήψαθε (1)

To. 5. 8. B ἰδοὺ ἐγὼ προσκαρτερῶ [A B al.]

Da. Th. Su. 6. προσκαρτέρουν ἐν τῇ οἰκίᾳ Ἰ.

προσκαταβαίνειν. (1) 713

Ez. 31. 14. ἐν μέσῳ υἱῶν ἀνθρώπων προσκατα-  
βαίνοντας [? πρὸς κ.] εἰς βύθρον (1)

προσκαταλαμβάνειν.

Ju. 2. 10. A προσκαταλήψῃ [B B προκ.] μοι πᾶν ὄριον

προσκαταλείπειν. (1) 713 hi.

Ex. 36. 7. καὶ προσκατελίπον [A -ἐλείπον] (1)

προσκατατείνειν.

IV Ma. 9. 19. B προσκατετίεινον [A B προσεπικιπν.]

πρόσκαυμα.

Jl. 2. 6. πᾶν πρόσκωπον ὡς πρόσκαυμα χύτρας (1 α)

Na. 2. 10 (11). τὸ πρόσκωπον πάντων ὡς πρόσ-  
καυμα χύτρας (1 α)

προσκέσθαι. (1) 713 (2) α. 713 δ. 713

(8) 713 (4) α. 713 ni. δ. 713 (5) 713 713

(6) 713 (7) 713 ni.

Ex. 10. 10. ποτηρία πρόσκειται [A πρόκ.] ὑμῖν (5)

12. 49. A τῇ προσηλόντῳ τῇ προσκειμ. [B al.] (1)

Le. 16. 29. ὁ προσήλυτος ὁ προσκειμ. ἐν ὑμῖν (1)

De. 1. 36. διὰ τὸ πρ. αὐτὸν τὰ πρὸς κύριον +  
4. 4. ὑμεῖς δὲ οἱ προσκίμ. κ. τῷ θ. ὑ. (2 δ)  
Jo. 20. 9. τῷ προσκίμῳ τῷ προσκίμ. ἐν αὐτοῖς (1)  
22. 5. καὶ πρ. αὐτῷ (2 α)  
III Ki. 7. 30. Α ἀπὸ πέραν ἀνδρὸς προσκίμηναι (4 δ)  
To. 1. 8. 8 προσκίμους τοῖς προσκίμ. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ.  
Jb. 26. 2. τίνι πρόσκεισαι (6)  
Is. 56. 3. ὁ ἀλλογενὴς ὁ προσκίμ. πρὸς κύριον  
[8 προσκ. κυρίῳ] (4 α)  
— 6. τοῖς ἀλλογενέσι τοῖς προσκίμ. κυρίῳ  
[Α πρὸς κύριον] (4 α)  
Ez. 14. 7. Α τῶν προσκίμ. τῶν προσκίμ. ἐν Ἰσρ. [B α.] (1)  
37. 16. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. [Α αὐτῆς] τοὺς προσ-  
κίμ. ἐπ' [Α πρὸς] αὐτὸν (8)  
— 16. Α τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ τοὺς προσκίμ. πρὸς αὐτὸν  
[B -τεθέντας] πρὸς αὐτὸν (8)  
— 19. τὰς φυλὰς Ἰσρ. τὰς προσκίμ. πρὸς αὐτὸν (8)  
[Aq. GE. 29. 34.]  
[Al. Le. 20. 2: Nu. 19. 10.]  
**προσκέφαλιον.** (1) Πρῶ  
I Es. 8. 8. ἔθηκαν ὑπὸ τὸ πρ. Δαρ.  
Ez. 18. 18. ταῖς συρραπτοῖς προσκεφάλαια (1)  
— 20. ἰδοὺ ἐγὼ ἐπὶ τὰ πρ. ὑμῶν (1)  
[Heb. Ge. 47. 31.]  
**προσκεφαλῆς, vid. sub πρὸς εἰ κεφαλῆ.**  
**προσκίμινον.**  
Ju. 10. 22. ἐξῆλθεν εἰς τὸ πρ.  
**πρόσκλησις.**  
II Ma. 4. 14. Α μετὰ τὴν τοῦ δίσκου πρ. [B πρόκλ.]  
**προσκληνεν.**  
II Ma. 14. 24. ψυχικῶς τῷ ἀνδρὶ προσεκέλιτο  
[Sm. Ps. 39. (40). 2.]  
**προσκολλᾶν.** (1) 𐤒𐤐𐤒 pi. (2) 𐤒𐤐𐤒 a. qal.  
δ. pu. c. hi. d. 𐤒𐤐𐤒 (8) 𐤒𐤐𐤒  
Ge. 2. 24. Α προσκολληθήσεται τῇ γυν. [B πρὸς  
τὴν γ. αὐ.] (2 α)  
Le. 19. 31. τοῖς ἑτασίοις οὐ προσκολληθήσασθε (1)  
Nu. 86. 79. 9. ἐν τῇ κληρονομίᾳ ... προσκολλη-  
θήσονται (2 α)  
De. 11. 22. προσκολλησάσθαι αὐτῷ (2 α)  
13. 17 (18). οὐ προσκολληθήσεται οὐδὲν (2 α)  
28. 21. προσκολλησάσθαι κ. εἰς εἰς τὸν θάμ. (2 α)  
Jo. 28. 8. κ. τῷ θεῷ ἡμῶν προσκολληθήσασθε (2 α)  
Jd. 20. 45. Α προσκολληθήσαν ὅπισθεν αὐτοῦ  
[B α.] (2 α)  
Ru. 2. 21. Α B μετὰ τῶν παιδίων ... προσ-  
κολληθῆναι [B κολλ.] (2 α)  
— 23. προσκολληθῆναι P. τοῖς κορασίοις (2 α)  
II Ki. 23. 10. προσκολληθῆναι ἢ χεὶρ αὐτοῦ πρὸς  
τὴν μάχαιραν (2 α)  
Jb. 41. 8 (9). ἀνὴρ τῷ ἀδ. αὐ. προσκολληθή-  
σεται (2 δ)  
Ps. 72 (73). 28. ἐμοὶ δὲ τὸ προσκολλησάσθαι τῷ  
θεῷ ἀγαθὸν ἐστὶ (8)  
Si. 6. 34. αὐτῷ προσκολληθῆναι  
13. 16. τῷ ὁμοίῳ αὐτοῦ προσκολληθήσεται ἀνὴρ  
Ba. 3. 4. Α προσκολληθῆναι [B ἐκ.] ἡμῖν τὰ κακά  
Ez. 29. 4. προσκολλησάσθαι τοὺς ἰχθύας τοῦ ποτα-  
μοῦ σου (2 α)  
Da. TH. 2. 43. οὐκ ἔσονται προσκολλώμενοι  
[Α -ος] οὗτος μετὰ τούτου (2 δ)  
[Aq. Dt. 7. 7: Jb. 41. 9.]  
[Sm. Is. 56. 6: Ez. 29. 4.]  
[Th. Jb. 41. 9: Is. 56. 3.]  
[Al. I Ki. 14. 22.]  
**πρόσκομμα.** (1) 𐤒𐤐𐤒 (2) 𐤒𐤐𐤒 (3) πρό-  
κομμα τιθέναι 𐤒𐤐  
Ex. 28. 33. οὗτοι ἔσονται σοὶ πρόσκομμα (1)  
34. 12. μὴ σοὶ γίνεσθαι πρ. ἐν ὑμῖν (1)  
Ju. 8. 22. ἐσόμεθα εἰς πρόσκομμα  
Si. 17. 25. καὶ σμίκρυνον πρόσκομμα  
31 (34). 16. φυλακὴ ἀπὸ πρόσκομματος  
34 (31). 7. ἐξὺς πρόσκομμάς [B] οὐδὲ προστάγ-  
ματός [B] ἐστὶ τοῖς ἐνδυαμένοι αὐτῷ  
— 30. πληθύνει μέγιστον θυμὸν ἀφρονος εἰς πρόσκομμα  
39. 24. οὕτως τοῖς ἀνόμοις πρόσκομματα  
Is. 8. 14. οὐδὲ ὡς λίθον πρόσκομμάτι συναντή-  
σασθε (2)

Is. 29. 21. τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις πρ. θήσουσιν (8)  
Je. 3. 3. ἔσχεσθαι ποιεῖν πολλοὺς εἰς πρ. σεαντῇ +  
[Aq. Is. 8. 14.]  
[Sm. Is. 8. 14: 57. 14.]  
[Th. Is. 8. 14: Ez. 20. 7 (P.).]  
**προσκοπεῖν.**  
[Aq. Nu. 24. 17.]  
**προσκοπεύειν.**  
[Sm. Jb. 15. 22.]  
**προσκοπήσεις.**  
[Aq., Sm. Ez. 7. 7.]  
**προσκοπέτεν.** (1) 𐤒𐤐𐤒 ni. (2) 𐤒𐤐𐤒 a. qal.  
δ. ni. c. hithp. (8) 𐤒𐤐𐤒  
Jd. 20. 32. Α προσκόπτουσιν [B πίπτουσιν]  
ἐνώπιον ἡμῶν (2 δ)  
To. 11. 10. καὶ προσέκοπτεν  
Ps. 90 (91). 12. μὴ ποτε προσκόψης πρὸς λίθον  
τὸν πόδα σου (2 α)  
Pr. 3. 6. B<sup>3</sup> ὁ δὲ ποὺς σου μὴ προσκόπη  
— 23. ὁ δὲ ποὺς σου οὐ μὴ προσκόψη (2 α)  
4. 19. οὐκ οἴδαις πῶς προσκόπτουσιν (1)  
Si. 18. 23. κὰν προσκόψη  
30. 13. ἵνα μὴ ἐν τῇ ἀσχημοσύνῃ σου προσκόψη  
[Α B αὐτοῦ προσκόψης]  
34 (81). 17. μὴ ἀπληστεύου μὴ ποτε προσκόψης  
35 (32). 20. μὴ προσκόψης ἐν λιβάδεσσι  
Is. 8. 5. προσκόψει τὸ παιδίον πρὸς τὸν πρεσ-  
βύτην (8)  
Je. 13. 16. πρὸ τοῦ προσκόψαι πόδας ὑμῶν ἐπ'  
δὴρ σκοτεινὰ (2 α)  
Da. LXX. 11. 14. καὶ προσκόψουσι (1)  
— 19. καὶ προσκόψαι (1)  
— 33. καὶ προσκόψουσι βομβαῖα (1)  
III Ma. 5. 18. Α ἐπὶ πλείον δι' προσκοπούσης [B  
προβανούσης] τῆς ὁμυλίας  
[Aq. Ps. 90 (91). 12.]  
[Sm. Ps. 9. 4: Is. 8. 15: 59. 10.]  
[Al. Le. 28. 37: Dt. 28. 25.]  
**προσκορούειν.** (1) 𐤒𐤐𐤒  
Jb. 40. 18 (23). προσκορούει δ' I. εἰς τὸ στόμα αὐ. (1)  
Si. 18. 2. αὕτη προσκορούει  
II Ma. 13. 19. B ἐτροπούτο προσέκορυν [Α προσ-  
ἐκρούσεν]  
[Aq. I Ki. 21. 13 (14).]  
[Th. Ez. 3. 13.]  
**πρόσκρασις.**  
[Aq. Pr. 29. 6.]  
**πρόσκρασμα.**  
[Th. Ez. 26. 9.]  
**προσκυεύ.** (1) 𐤒𐤐𐤒 (2) 𐤒𐤐𐤒 (3) 𐤒𐤐𐤒  
(4) a. 𐤒𐤐𐤒 δ. 𐤒𐤐𐤒 (5) 𐤒𐤐𐤒 (6) 𐤒𐤐𐤒  
hithpal.  
Ge. 18. 2. προσκύνει ἐπὶ τὴν γῆν (6)  
19. 1. προσκύνει τῷ προσώπῳ (6)  
22. 5. προσκύνει ἀναστρέψομεν (6)  
23. 7. προσκύνει τῷ λαῷ τῆς γῆς (6)  
— 12. προσκύνει Ἀβ. ἐναντίον τοῦ λαοῦ (6)  
24. 26. προσκύνει κυρίῳ (6)  
— 48. προσκύνει κυρίῳ (6)  
— 52. προσκύνει ἐπὶ τὴν γῆν κυρίῳ (6)  
27. 29. Α προσκύνουσιν [B -σάτωσάν] σοὶ  
ἄρχοντες (6)  
— 29. Α προσκύνουσι σε [B σοὶ] οἱ υἱοὶ (6)  
33. 3. προσκύνει ἐπὶ τὴν γῆν ἐπτάκις (6)  
— 6, 7 δις. καὶ προσκύνει (6)  
37. 7. προσκύνει τὸ ἐμὸν δράγμα (6)  
— 9. ὅσπερ ... ἔνδεκα ἀστέρες προσκύνουν με (6)  
— 10. προσκύνουσι σοὶ ἐπὶ τὴν γῆν (6)  
42. 6: 43. 26. προσκύνει αὐτῷ ἐπὶ πρόσσωπον (6)  
43. 28. κύψαντες προσκύνει (6)  
47. 31. προσκύνει Ἰσρ. ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς  
βάβδου (6)  
48. 12. προσκύνει αὐτῷ ἐπὶ πρόσσωπον (6)  
49. 8. προσκύνουσι σοὶ [Α σε] οἱ υἱοὶ τοῦ  
πατ. σου (6)  
Ex. 4. 31. κύψας δὲ ὁ λαὸς προσκύνει (6)  
11. 8. καὶ προσκύνουσι με (6)

Ex. 12. 27. κύψας ὁ λαὸς προσκύνει (6)  
18. 7. καὶ προσκύνει αὐτῷ (6)  
20. 5. οὐ προσκύνει αὐτοῖς (6)  
23. 24. οὐ προσκύνει τοῖς θεοῖς αὐτῶν (6)  
24. 1. προσκύνουσι μακρόθεν τῷ κ. (6)  
32. 8. καὶ προσκύνει αὐτῷ (6)  
33. 10. προσκύνει ἕκαστος ἀπὸ τῆς θύρας (6)  
34. 8. κύψας ἐπὶ τὴν γῆν προσκύνει (6)  
— 14. οὐ γὰρ μὴ προσκύνει θεοῖς ἑτέροις (6)  
Le. 26. 1. οὐδὲ λίθον σκοπὸν θέσεται ... προσ-  
κύνει αὐτῷ (6)  
Nu. 22. 31. προσκύνει τῷ προσώπῳ αὐτοῦ (6)  
25. 2. προσκύνει [Α -σεν] τοῖς εἰδώλοις  
αὐτῶν (6)  
De. 4. 19. μὴ ... προσκύνῃς [Α -σεις] αὐτοῖς (6)  
5. 9. οὐ ... προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
6. 13. Α κ. τὸν θ. σου προσκύνῃς [B φοβηθῇ] +  
8. 19. Α B<sup>3</sup> καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
10. 20. Α κ. τὸν θ. σου προσκύνῃς [B φοβη-  
θῇ] +  
11. 16. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
17. 3. καὶ προσκύνουσι αὐτοῖς (6)  
26. 10. προσκύνῃς ἑαυτῷ κ. τοῦ θ. σου (6)  
26. 26 (25). Α καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
30. 17. προσκύνῃς [Α -σεις] θεοῖς ἐτ. (6)  
32. 43. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
Jo. 23. 7. οὐδὲ μὴ προσκύνῃς [B -σετε] αὐτοῖς (6)  
— 16. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
Jd. 2. 2. οὐδὲ τοῖς θεοῖς αὐτῶν προσκύνῃς  
[Α οὐ μὴ προσκύνῃς] (6)  
— 12, 17. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
— 19. καὶ πρ. αὐτοῖς (6)  
6. 19. Α καὶ προσκύνῃς [B -ίγγισε] +  
7. 15. προσκύνῃς κυρίῳ [Α -ου] (6)  
Ru. 2. 10. καὶ προσκύνῃς (6)  
— 10. Α καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
I Ki. 1. 3. ἀνίσταιναι ... πρ. καὶ θύειν (6)  
— 19. προσκύνουσι τῷ κ. (6)  
2. 36. ἤξει πρ. [Α -νῆσαι] αὐτῷ (6)  
16. 25, 30. προσκύνῃς κ. τῷ θεῷ σου (6)  
— 31. προσκύνῃς τῷ κ. (6)  
20. 41. προσκύνῃς αὐτῷ τρίς (6)  
24. 9: 25. 23. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
26. 41. προσκύνῃς ἐπὶ τὴν γῆν (6)  
28. 14: II Ki. 1. 2: 9. 6. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
II Ki. 9. 8. καὶ προσκύνῃς M. (6)  
12. 20: 14. 4. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
14. 22. καὶ προσκύνῃς (6)  
— 33. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
15. 5. τοῦ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
— 32. οὐ προσκύνῃς ἐκεῖ τῷ θ. (6)  
16. 4. προσκύνῃς εὐροίμιν χάριν (6)  
18. 21. προσκύνῃς X. τῷ I. (6)  
— 28: 24. 20: III Ki. 1. 16, 23, 31. προσ-  
κύνῃς τῷ βασ. (6)  
III Ki. 1. 47. προσκύνῃς ὁ βασ. ἐπὶ τὴν κοίτην (6)  
— 53. Α B προσκύνῃς τῷ βασ. [B om.] Σαλ. (6)  
2. 13. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ [Α -ν] (6)  
9. 6. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
— 9. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
16. 31. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
19. 18. δὲ οὐ προσκύνῃς [Α προσκύνῃς] αὐτῷ (6)  
22. 54. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
IV Ki. 2. 15. καὶ προσκύνῃς αὐτῷ (6)  
4. 37. προσκύνῃς ἐπὶ τὴν γῆν (6)  
5. 18. προσκύνῃς ἐκεῖ [Α αὐτῷ] (6)  
— 18. προσκύνῃς ἐν οἴκῳ P. (6)  
— 18. B ἐν τῷ πρ. αὐτῶν ἐν οἴκῳ P. (6)  
17. 16. προσκύνῃς π. τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (6)  
— 35. καὶ οὐ [B<sup>1</sup> om.] προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
— 36. καὶ αὐτῷ προσκύνῃς (6)  
18. 22. προσκύνῃς [Α -σας] ἐν Ἱερ. (6)  
19. 37. αὐτοῦ προσκύνῃς ἐν οἴκῳ M. (6)  
21. 3. προσκύνῃς πάσῃ τῇ δυνάμει τοῦ οὐρ. (6)  
— 21. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
I Ch. 16. 29. καὶ προσκύνῃς κυρίῳ (6)  
21. 21. προσκύνῃς τῷ Δ. (6)  
29. 20. προσκύνῃς κυρίῳ (6)  
II Ch. 7. 3. καὶ προσκύνῃς (6)  
— 19. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
— 22. καὶ προσκύνῃς αὐτοῖς (6)  
20. 18. προσκύνῃς κυρίῳ (6)  
24. 17. προσκύνῃς ἐν τῷ βασ. (6)  
25. 14. B ἔστην ἐναντίον αὐτῶν πρ. [Α B α.] (6)  
29. 28. πᾶσα ἐκκλησία προσκύνει (6)  
— 29, 30. καὶ προσκύνῃς (6)

11 Ch. 32. 12. κατέναντι τοῦ θυσιαστ. τ. προσ-  
κύνῃτε (6)  
33. 3. προσκύνῃτε πᾶσι τῇ στρατιᾷ τοῦ οὐρ. (6)  
1 Es. 9. 47. προσκύνῃσαν τῇ κυρίῳ (6)  
Ne. 8. 6. προσκύνῃσαν τῇ κυρίῳ (6)  
9. 3. ἦσαν . . . προσκυνούντες τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (6)  
— 6. σοὶ προσκυνούσιν αἱ στρατιαὶ τῶν οὐρ. (6)  
To. 5. 13. ὡς ἐπορεύμεθα . . . πρ. [S al.] (6)  
Ju. 6. 8. προσκύνῃσαν τῷ θεῷ τοῦ οὐρ. (6)  
6. 18. προσκύνῃσαν τῷ θεῷ (6)  
8. 18. οἱ προσκυνούσι θεοῖς χειροποιήτοις (6)  
10. 8. καὶ προσκύνῃτε τῷ θεῷ (6)  
— 23. προσκύνῃσαν αὐτῷ (6)  
18. 17. προσκύνῃσαν τῷ θεῷ (6)  
14. 7. προσκύνῃτε τῷ προσώπῳ αὐτῆς (6)  
16. 18. προσκύνῃσαν τῷ θεῷ (6)  
Es. 3. 2. προσκύνουν αὐτῷ (2+6)  
— 2. οὐ δὲ M. οὐ [A om.] προσκύνει αὐτῷ (2+6)  
— 5. οὐ προσκύνει αὐτῷ M. (2+6)  
4. 17. τὸ μὴ πρ. τὸν ὑπερήφανον Ἀμάν (6)  
— 17. οὐ προσκυνῶ οὐδένα (6)  
8. 13. προσκυνούμενον [A -os] ὑπὸ πάντων (6)  
Jb. 1. 20. πεσὼν χμαὶ προσκύνῃσαι [A B<sup>2</sup> πρ. τῷ κυρίῳ] (6)  
Ps. 5. 7. προσκύνῃσω πρὸς ναὸν ἁγίον σου (6)  
21 (22). 27. προσκυνήσουσιν ἐνώπιον αὐτοῦ (6)  
— 29. προσκύνῃσαν πάντες οἱ πίονες τῆς γῆς (6)  
28 (29). 2. προσκυνήσατε τῷ κυρίῳ (6)  
44 (45). 12. προσκυνήσουσιν [B<sup>2</sup> -σεις] αὐτῷ (6)  
65 (66). 4. πᾶσα ἡ γῆ προσκυνήσάτωσιν σοὶ (6)  
71 (72). 11. προσκυνήσουσιν αὐτῷ πάντες οἱ βασιλεῖς (6)  
80 (81). 9. οὐδὲ προσκυνήσεις θεῷ ἄλλοτρίῳ (6)  
85 (86). 9. προσκυνήσουσιν ἐνώπιον σου (6)  
94 (95). 6. προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν αὐτῷ (6)  
95 (96). 9. προσκυνήσατε τῷ κυρίῳ (6)  
96 (97). 7. πάντες οἱ προσκυνούντες [B<sup>1</sup> πεποι-  
θότες ἐστὶ] τοῖς γλυπτοῖς (6)  
— 7. προσκυνήσατε αὐτῷ πάντες οἱ ἄγγ. αὐ. (6)  
98 (99). 5. προσκυνήτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ (6)  
— 9. προσκυνήτε εἰς ὅρος ἁγίων αὐτοῦ (6)  
105 (106). 19. προσκύνῃσαν τῷ γλυπτῷ (6)  
131 (132). 7. A B προσκυνήσωμεν [B -σωμεν] εἰς τὸν τόπον (6)  
137 (138). 2. προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἁγίων σου (6)  
Si. 50. 17. προσκυνῃσαι τῷ κυρίῳ αὐτῶν (6)  
Mi. 6. 13 (12). A B οὐκ ἐστὶ μὴ προσκυνήσεις [B -σῃς] τοῖς ἔργοις (6)  
Ze. 1. 5. καὶ τοὺς προσκυνούοντας ἐπὶ τὰ δώματα [B εἰδωλα] (6)  
— 5. B S καὶ τοὺς προσκυνούοντας καὶ τοὺς ὁμνούντας (6)  
2. 11. καὶ προσκυνήσουσιν αὐτῷ (6)  
Za. 14. 16, 17. τοὺς προσκυνῃσαι τῷ βασι. κυρίῳ (6)  
Is. 2. 8. A B προσκυνῃσαν οἷς [B<sup>1</sup> δ] ἐποίησαν [B om. οἷς εἰ.] οἱ δάκτυλοι αὐ. (6)  
— 20. δ ἐποίησαν πρ. (6)  
27. 13. προσκυνήσουσι [A -σωσιν] τῷ κ. (6)  
87. 38. ἐν τῷ αὐτῶν πρ. ἐν τῷ οἴκῳ Νασ. (6)  
44. 15. καὶ προσκυνούσιν αὐτοῖς (6+4 a)  
— 17. προσκυνεῖ [A B add. αὐτῷ] καὶ προσεύ-  
χεται (6+4 a)  
— 19. προσκυνούσιν [B -νήσουσιν] αὐτῷ (4 a)  
45. 14. προσκυνήσουσι σοὶ (6)  
46. 6. κύναντες προσκυνούσιν [B<sup>1</sup> -νεῖ] αὐτοῖς [A -ό, S -φ] (6)  
49. 7. καὶ προσκυνήσουσιν [B -σωσιν] αὐτῷ (6)  
— 23. προσκυνήσουσι σοὶ (6)  
66. 23. τοὺς προσκυνῃσαι ἐνώπιον ἐμοῦ (6)  
Je. 1. 16. προσκύνῃσαν τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν αὐτῶν (6)  
8. 2. A B οἷς [B οἷ] προσκύνῃσαν αὐτοῖς (6)  
13. 10. τοῦ δουλεύειν αὐτοῖς καὶ τοῦ πρ. αὐτοῖς (6)  
16. 11. B S προσκύνῃσαν αὐτοῖς (6)  
22. 9. προσκύνῃσαν θεοῖς ἄλλοτρίοις (6)  
26. 6. τοῦ δουλεύειν αὐτοῖς καὶ τοῦ πρ. αὐτοῖς (6)  
33 (26). 2. πρ. ἐν οἴκῳ κυρίου (6)  
Er. Je. 5. ὅχλον ἐμπροσθεν καὶ ὅπισθεν αὐτῶν προσ-  
κυνούοντας αὐτῷ (6)  
— 6. B σοὶ δέ πρ. [A om.] (6)  
Ez. 8. 16. προσκυνούσι [A -κύνουν κατ' ἀνα-  
τολάς] τῷ ἡλίῳ (6)  
46. 2. προσκυνῃσαι ἐπὶ τοῦ προθύρου τῆς πύλης (6)  
— 3. προσκυνῃσαι ὁ λαὸς τῆς γῆς (6)

Ez. 46. 9. ὁ εἰσπορευόμενος . . . πρ. (6)  
Da. LXX. 2. 46. προσκύνῃσαι τῷ Δ. (4 b)  
8. 5. πεσόντες προσκυνῃσαι τῷ εἰκότι (4 b)  
— 6. πᾶς δὲ ἄν μὴ πεσὼν προσκύνῃ (4 b)  
— 7. προσκύνῃσαν τῷ εἰκότι τῇ χρυσῇ (4 b)  
— 10. ἵνα . . . πεσὼν προσκύνῃ τῷ εἰκότι (4 b)  
— 11. δὲ ἄν μὴ πεσὼν προσκύνῃ (4 b)  
— 12. τῷ εἰκότι σου . . . οὐ προσκύνῃσαν (4 b)  
— 14. καὶ τῷ εἰκότι . . . οὐ προσκυνῃτε (4 b)  
— 15. προσκυνῃσαι τῷ εἰκότι τῇ χρυσῇ (4 b)  
— 15. μὴ προσκυνῃσάντων ὑμῶν (4 b)  
— 18. οὐτε τῷ εἰκότι σου . . . οὐ προσκυνούμην (4 b)  
— 28 (95). μὴδὲ προσκυνήσῃσι θεῷ ἑτέρῳ (4 b)  
6. 26 (27). ἑστῶσαν προσκυνούντες (1)  
— 27 (28). ἑστωμαὶ αὐτῷ προσκυνῶν (1)  
Bel 3. καὶ προσκύνει αὐτῷ (1)  
— 3. διὰ τί οὐ προσκύνει τῷ Βῆλ (1)  
— 23. προσκύνῃσαν αὐτῷ (1)  
Da. TH. 2. 46. τῷ Δαν. προσκύνῃσαι (4 b)  
3. 5. πίπτοντες προσκυνῃτε τῷ εἰκότι (4 b)  
— 6. δὲ ἄν μὴ προσκύνῃ (4 b)  
— 7. προσκύνουν τῷ εἰκότι τῇ χρυσῇ (4 b)  
— 11. καὶ μὴ πεσὼν προσκύνῃ τῷ εἰκότι (4 b)  
— 12. τῷ εἰκότι τῇ χρυσῇ . . . οὐ προσκυνούσι (4 b)  
— 14. καὶ τῷ εἰκότι τῇ χρυσῇ . . . οὐ προσκυνῃτε (4 b)  
— 15. ἵνα . . . πεσόντες προσκυνήσῃτε [A -νεῖτε] τῷ εἰκότι (4 b)  
— 15. ἔὰν δὲ μὴ προσκυνήσῃτε (4 b)  
— 18. τῷ εἰκότι ἢ ἑστῶσαν οὐ προσκυνούμεν (4 b)  
— 27 (94). A B<sup>2</sup> προσκύνῃσαν ὁ βασι. ἐνώπιον αὐτῶν τῷ κ. (1)  
— 28 (95). μὴδὲ προσκυνήσῃσι [A om. μ. πρ.] (4 b)  
— πατρί θεῷ (4 b)  
Bel 4. ἐπαυρέτω . . . προσκύνει [B<sup>2</sup> κύνει] αὐτῷ (4 b)  
— 4. Δαν. δὲ προσκύνει τῷ θεῷ αὐ. (4 b)  
— 4. διὰ τί οὐ προσκύνει τῷ Βῆλ (4 b)  
— 24. προσκύνῃσαν αὐτῷ (4 b)  
— 25. κ. τῷ θεῷ μου προσκυνῃ (4 b)  
I Ma. 4. 55. καὶ προσκύνῃσαν (4 b)  
IV Ma. 5. 12. προσκύνῃσαι μου τὴν φιλόανθρωπον παρηγορίαν (4 b)  
[Aq. Ge. 47. 31: Jo. 5. 14 (15): Ps. 5. 8: 44 (45): 12: Is. 38. 7: 60. 14: J. 7. 2.] (4 b)  
[Sm. Ge. 47. 31: Jo. 5. 14 (15): Jb. 31. 27: Ps. 2. 11: 5. 8: 44 (45): 12: 65 (66): 4: 80 (81): 10: Is. 38. 7: 60. 14: J. 7. 2.] (4 b)  
[Th. Ge. 47. 31: Jo. 5. 14 (15): Ps. 44 (45): 12: Is. 38. 7: 60. 14: J. 7. 2.] (4 b)  
**προσκύνησις.**  
Si. 50. 21. ἐδυνάτωσαν ἐν [A ἐπὶ] προσκυνῃσαι (6)  
III Ma. 3. 7. τὴν δὲ περὶ τῶν πρ. . . διάστασιν προσκύνειν. (6)  
II Ma. 7. 27. προσκύνῃσαι δὲ αὐτῷ (6)  
**προσκυρεῖν.**  
I Ma. 10. 39. Πτολεμαῖδα καὶ τὴν προσκυρούσαν αὐτῷ προσθαλεῖν. (1) 𐤒𐤒 pi.  
Ex. 4. 16. A B<sup>2</sup> αὐτοῖς σοὶ προσθαλήσει [B<sup>1</sup> B λαλ.] (1)  
Wi. 13. 17. οὐκ αἰσχύνεται τῷ ἀνίσχυρ προσθαλῶν [Sm. Ge. 24. 63 (P): Ps. 26 (27): 7: 54 (55): 3: 63 (64): 2: La. 3. 20.] (1)  
**προσλαμβάνειν.** (1) 𐤒𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒𐤒 (3) 𐤒𐤒𐤒 hi. (4) 𐤒𐤒𐤒 (5) 𐤒𐤒𐤒 pi.  
I Ki. 12. 22. B προσελάβετο ὑμᾶς ἐαυτῷ εἰς λαόν (4)  
Ps. 17 (18). 16. προσελάβετό με [B<sup>1</sup> προσελαβε] (4)  
— 16. ἐξ ὑδάτων πολλῶν (6)  
28 (27). 10. οὐδὲ κύριος προσελάβετό με (1)  
64 (65). 4. μακάριος ὃν ἐξελέξω καὶ προσελάβου (5)  
72 (73). 24. μετὰ δόξης προσελάβου με (3)  
Wi. 17. 11. αἰεὶ δὲ προσεῖληφε [B<sup>2</sup> προεῖληφεν] τὰ χαλεπὰ (4)  
II Ma. 8. 1. B τοὺς μεμενηκότας ἐν τῷ Ἰουδαϊσμῷ προσλαβόμενον [A -λαμβανόμεν.] (4)  
10. 15. τοὺς φυγαδευθέντας ἀπὸ Ἱερ. προσλαβόμενοι [Aq. Jb. 24. 2.] (4)  
**προσλογίζεσθαι.** (1) 𐤒𐤒𐤒 a. ni. δ. pi.  
Le. 27. 18. προσλογίζεται αὐτῷ ὁ ἱερεὺς τὸ ἄργ. (1 b)  
Jo. 13. 3. προσλογίζεται ταῖς πέντε σατραπείαις (1 a)  
Ps. 87 (88). 4. προσελογίσθη μετὰ τῶν κατα-  
βαινόντων εἰς λακκὸν (1 a)  
Si. 7. 16. μὴ προσλογίζου σεαυτὸν ἐν πληθεί ἁμαρ-  
τωλῶν (6)

Ba. 3. 11. προσελογίσθη μετὰ τῶν εἰς ἄδου  
I Ma. 10. 38. B προσλογίσθηται [A B πρὸς τὸ λογ.]  
τοῦ γενέσθαι ὑφ' ἐνα  
**προσμαρτυρεῖν.**  
III Ma. 5. 19. B τῶν φίλων αὐτῷ [A -ὦν] προσμαρ-  
τυροῦσάντων  
**προσμειδῖαν.**  
IV Ma. 8. 4. προσμειδίει σεν αὐτοῖς  
**προσμένειν.** (1) 𐤒𐤒 hi.  
Jd. 3. 25. A προσμένειν αἰσχυρόμενοι [B al.] (1)  
To. 2. 2. B προσμένω [A B μένω] σε  
Wi. 8. 9. οἱ πιστοὶ ἐν ἀγάπῃ προσμενούσιν αὐτῷ  
III Ma. 7. 17. προσμένειν αὐτοῖς ὁ στόλος  
[Aq. Jb. 8. 9]  
[Sm. Ex. 24. 14.]  
**προσμηγνύειν.**  
Wi. 18. 19. A οἱ γὰρ ὅκριοι . . . τοῦτο [B om.]  
προσμηγνύσαν [B S προεμ.]  
**προσμιγνύναι.**  
Pr. 14. 13. ἐν εὐφροσύναις οὐ προσμιγνύται λύπη †  
II Ma. 15. 20. A προσμύζντων [B συμμύζ.] τῶν  
πολεμίων  
**προσνέμειν.**  
IV Ma. 6. 33. τὴν τῆς ἡγεμονίας προσνέμεμον  
ἐξουσίαν  
**προσνοεῖν.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒𐤒𐤒  
Nu. 23. 9. ἀπὸ βουνῶν προσνοήσω [B<sup>2</sup> προν.] αὐτόν (1)  
Jd. 8. 26. οὐκ ἦν ὁ προσνοῶν αὐτῷ  
To. 11. 6. προσενόησεν αὐτὸν ἐρχόμενον  
Jb. 20. 9. οὐκ ἐστὶν προσνοῆσαι αὐτὸν ὁ τόπος αὐτοῦ (1)  
24. 15. A B S<sup>2</sup> οὐ προσνοῆσαι [B<sup>1</sup> προσθήσει,  
B προν.] με ὁφθαλμός (1)  
Is. 63. 5. προσενόησα καὶ οὐδὲς ἀντελαμβάνετο †  
Da. TH. 7. 8. προσενόουν τοῖς κέρασιν αὐ. (2)  
II Ma. 14. 9. A τῆς χώρας . . . προσνοήθητι [B προν.]  
[Th. Da. 7. 8.]  
**πρόσδοξος.**  
Pr. 28. 16. βασιλεὺς ἐνδεὴς προσόδων [B<sup>2</sup>  
χρημάτων] μέγας συκοφαντῆς †  
II Ma. 3. 3. χορηγεῖν ἐκ τῶν ἰδίων πρ. πάντα  
4. 8. καὶ προσδοῦ τινὲς ἄλλης τάλαντα ὀδύνηοντα  
9. 16. τὰς δὲ . . . συντάξεις ἐκ τῶν ἰδίων πρ.  
χορηγῇ  
14. 3. οὐδὲ πρὸς ἅγιον θυσιαστήριον ἐτι πρόσδοξος  
III Ma. 8. 16. τοῖς . . . ἱεροῖς ἀπονειμάντες προσδόους  
πλείστας  
6. 30. τὸν ἐπὶ τῶν πρ. προσκαλεσάμενος  
[Al. Le. 19. 25: 25. 3: 26. 20: 27. 16.]  
**προσδοῦν.** (1) 𐤒𐤒𐤒 hi.  
Ps. 37 (38). 5. προσώψας καὶ ἐσάψαν οἱ  
μώλωπες μου (1)  
**προσοίγειν.**  
Ge. 19. 6. τὴν δὲ θύραν προσώψεν †  
**προσοικεῖν.** (1) 𐤒𐤒  
Ez. 47. 22. A βαλεῖτε αὐτὴν . . . τοῖς προσοικούσιν  
[B παροικ.] ἐν μέσῳ ὑμῶν  
**προσονομάζειν.**  
II Ma. 6. 2. καὶ προσονομάσαι Διὸς Ὀλ.  
**προσοχή.**  
Wi. 6. 18. προσοχὴ δὲ νόμων βεβαιώσις ἀφθαρσίας  
12. 20. μετὰ τσαύτης ἐτιμώρησας προσοχῆς  
Si. 7. 13. μετ' εὐνοίας καὶ προσοχῆς τὴν ἀνάγκωσιν  
ποιεῖσθαι  
11. 18. ἔστι πλουτῶν ἀπὸ προσοχῆς  
**προσοχίζειν.** (1) 𐤒𐤒𐤒 a. qal. δ. ni.  
(2) 𐤒𐤒𐤒 (3) 𐤒𐤒𐤒 a. qal. δ. hi.  
(4) 𐤒𐤒 a. qal. δ. ni. (5) 𐤒𐤒  
(6) 𐤒𐤒𐤒 pi. (7) 𐤒𐤒𐤒 ni.  
Ge. 27. 46. προσώχθηκα τῇ ζωῇ μου (5)  
Le. 18. 25. προσώχθισεν ἡ γῇ τοῖς ἐγκαθ. (3 b)  
[A al.]

Le. 18. 28. ἵνα μὴ προσοχθίσῃ ὑμῖν ἡ γῆ (8 δ)  
— 28. ὃν τρόπον προσώχθισα τοῖς [A ἐν γ.] ἔθνεσι (3 α)  
20. 22. οὐ μὴ προσοχθίσῃ ὑμῖν [A -ās] ἡ γῆ (3 δ)  
26. 15. καὶ τοὺς κρίμασι μου προσοχθίσῃ ἡ ψυχὴ (1 α)  
— 30. προσοχθίει ἡ ψυχὴ μου ὑμῖν (1 α)  
— 43. τοῖς προτάγμασι μου προσώχθισαν (1 α)  
— 44. οὐδὲ προσώχθισα αὐτοῖς (1 α)  
Nu. 21. 5. προσώχθισεν ἐν τῷ ἄρτῳ (5)  
22. 3. προσώχθισεν Μ. ἀπὸ προσώπου υἱὸν 'Ι. (5)  
De. 7. 26. προσοχθίσματι προσοχθίεις (6)  
II Ki. 1. 21. προσωχθίσθη θυρεὸς θυνατῶν [A al.] (1 δ)  
I Ch. 21. 6. A προσώχθισεν ὁ [B κατίσχυσε] λόγος . . . τὸν 'Ι. (7)  
Ps. 21 (22). 24. οὐδὲ προσώχθισεν τῇ θεήσει τοῦ πτωχοῦ (6)  
35 (36). 4. τῇ δὲ κακίᾳ οὐ προσώχθισεν (4 α)  
94 (95). 10. προσώχθισα τῇ γενεᾷ ἐκείνῃ (2 α)  
Si. 6. 25. μὴ προσοχθίσῃς τοῖς [B ἐν τοῖς] δεσμοῖς αὐτῆς  
25. 2. προσώχθισα σφόδρα τῇ ζωῇ αὐτῶν  
38. 4. ἀνὴρ φρόνιμος οὐ προσοχθίει αὐτοῖς  
50. 25. ἐν θυσιῇ ἔθνεσι προσώχθισεν ἡ ψυχὴ μου  
Ez. 36. 31. προσοχθίετε κατὰ [B καὶ τὸ] πρόσ-  
ωπον αὐ. (4 δ)  
[Aq. Ez. 23. 22.]  
[Th. Ez. 6. 9 : 20. 43.]  
**προσόχισμα** (-ώχ.). (1) α. ʔῑῑ pi. δ. ʔῑῑῑ  
(2) ʔῑῑῑῑ  
De. 7. 26. προσοχθίσματι προσοχθίεις (1 α)  
III Ki. 11. 33. καὶ τῷ βασ. αὐ. προσοχθίσματι υἱὸν 'Α. +  
16. 32. ἐν οἴκῳ [A ἐνότιον] τῶν πρ. αὐτοῦ +  
18. 29. πρὸς τοὺς προφῆτας τῶν πρ. -  
IV Ki. 23. 13. τῇ 'Αστ. προσοχθίσματι Σιδωνίων καὶ τῷ Χ. προσοχθίσματι Μωάβ (1δ, 1δ)  
— 24. καὶ πάντα τὰ πρ. τὰ γεγονότα (1 δ)  
Si. 27. 13. διήγησις μωρὸν προσόχισμα [A B -ώχ.]  
Ez. 5. 11. A ἐμίανας ἐν πᾶσι τοῖς πρ. [B βελύγματος] μου (1 δ + 2)  
37. 23. A ἐν τοῖς πρ. αὐτῶν (1 δ)  
III Ma. 2. 18. ὡς καταπαυόνται οἱ οἶκοι τῶν πρ. [Aq. Dt. 29. 17 (16) : IV Ki. 1. 2 : Ez. 8. 10.]  
[Sm. IV Ki. 1. 2 : Ez. 8. 10.]  
[Th. IV Ki. 1. 2 : Ez. 5. 11 : 7. 20 : 20. 7 : 37. 23 (Sw.).]  
**προσοχυροῦν**.  
I Ma. 13. 48. προσωχύρωσεν αὐτήν  
— 52. προσωχύρωσε τὸ ὅρος τοῦ ἱεροῦ  
**πρόσψις**. (1) ʔῑ (2) ʔῑῑ (3) ʔῑ  
Da. LXX. 2. 31. καὶ ἡ πρ. αὐ. ὑπερέφερε ἐστίκει (1)  
— 31. καὶ ἡ πρ. τῆς εἰκόνης φοβερά (8)  
7. 20. καὶ ἡ πρ. αὐ. ὑπερέφερε τὰ ἄλλα (2)  
Da. TH. 2. 31. καὶ ἡ πρ. [A δψις] αὐ. ὑπερέφερε (1)  
II Ma. 6. 18. τὴν πρ. τοῦ προσώπου κάλλιστος τυγχάνων  
[Sm. Lx. 19. 27 : Hb. 1. 9.]  
**προσπαίειν**.  
[Sm. Ps. 90 (91). 12.]  
**προσπαίλειν**. (1) ʔῑῑ pi.  
Jb. 21. 11. τὰ δὲ παῖδια αὐτῶν προσπαίλουσιν [A -ζει αὐτοῖς] (1)  
Si. 8. 4. μὴ πρόσπαίξει ἀπαιδευτῷ  
**προσπαρκαλεῖν**.  
II Ma. 12. 31. προσπαρκαλίσαντες . . . πρὸς τὸ γένος ἐμμεῖς εἶναι  
**προσπάσειν**.  
To. 11. 11. προσέπασε τὴν χολὴν [B al.]  
**προσπίπτειν**. (1) ʔῑῑ (2) ʔῑῑῑ (3) ʔῑῑῑ hi.  
(4) ʔῑῑ  
Ge. 33. 4. προσέπεσεν ἐπὶ τὴν τράχ. αὐ. (4)  
Ex. 4. 25. προσέπεσε πρὸς τοὺς πόδας (8)  
I Es. 2. 17. 'Ράθυμος ὁ τὰ προσπίπτοντα  
— 25. 'Ράθυμῳ τῷ γράφοντι τὰ προσπίπτοντα  
8. A B προσπείοντες δὲ τοῦ γραφέντος προστάγμα. [B al.]

I Es. 9. 47. προσπεσόντες ἐπὶ τὴν γῆν  
Ju. 14. 7. προσέπεσε τοῖς ποσίν 'Ι.  
Es. 8. 3. προσέπεσε πρὸς τοὺς πόδας αὐτοῦ (4)  
9. 4. προσέπεσε [B ἐπέπ.] γὰρ τὸ πρόσταγμα -  
Ps. 94 (95). 6. προσπίσωμεν αὐτῷ (2)  
Pr. 25. 8. μὴ προσπίπτει εἰς μάχην ταχέως (1)  
— 20. A B οὕτως προσπεσὼν πάθος σώματι [B ἐν σ.] καρδίαν λυπεῖ +  
Si. 25. 21. μὴ προσπέσης ἐπὶ κάλλος [B -ους] γυναῖκας  
II Ma. 5. 11. προσπεσόντων δὲ τῷ βασιλεῖ  
8. 12. τῷ δὲ 'Ι. προσέπεσε  
9. 3. προσέπεσε τὰ κατὰ Νικάνορα  
10. 26. ἐπὶ τὴν . . . κρηπίδα προσπεσόντες  
13. 1 : 14. 1. προσέπεσε τοῖς περὶ τὸν 'Ιούθαν  
14. 28. προσπεσόντων δὲ τούτων τῷ Ν.  
III Ma. 1. 16. A τῶν δὲ ἱερῶν . . . προσπεσόντων [B al.]  
8. 25. ὅμα τῷ προσπεσὼν τὴν ἐπιστολὴν τήνδε  
4. 1. ὅπου προσέπιπτε τούτῳ τὸ πρόσταγμα  
[Sm. Ps. 24 (25). 1 : Jc. 88 (45). 26 : Ez. 8. 13.]  
[Al. Dt. 9. 18.]  
**προσπλάσσειν**. (1) ʔῑ  
Is. 45. 9. B' τῷ προσπλάσαντι αὐτόν [B al.] (1 ?)  
**προσπλήρωμα**.  
[Sm. II Ch. 32. 5.]  
**προσπλοκή**.  
[Aq. Ex. 28. 32.]  
**προσποικίειν**. (1) ʔῑῑ hithpo.  
I Ki. 21. 13 (14). καὶ προσποικίσας (1)  
Jb. 19. 14. οὐ προσποικισαντό [B -ειδόν] με +  
Si. 34 (31). 30. καὶ προσποικῶν τραύματα  
Da. LXX. Su. 11. οὐ προσποικεῖτο τὸ κακὸν τὸ ἔχον αὐτοῦ  
**προσπορεύεσθαι**. (1) ʔῑῑ (2) ʔῑῑ (3) α. ʔῑῑ  
δ. ʔῑῑῑ (4) ʔῑῑῑ (5) α. ʔῑῑῑ δ. ʔῑῑῑ  
Ex. 24. 14. προσπορεύεσθωσαν αὐτοῖς (4)  
28. 39 (43). ὅταν προσπορεύωνται λειτουργεῖν (4)  
30. 20. ὅταν προσπορεύωνται . . . λειτουργεῖν (4)  
36. 2. βουλομένους πρὸς τὰ ἔργα (5 α)  
38. 27 (40. 32). ὅταν προσπορεύωνται πρὸς τὸ θυσιαστ. (5 α)  
Le. 10. 9. προσπορευομ. ὑμῶν πρὸς τὸ θυσιαστ. -  
19. 34. ὁ προσήλ. ὁ προσπορευόμε. πρὸς ὑμᾶς (2)  
Nu. 1. 51. ὁ ἀλλογενὴς ὁ προσπορευόμε. ἀπο-  
θανεῖτω (5 δ)  
8. 38. A ὁ ἀλλογ. ὁ προσπορευόμε. [B ἀπτόμ.] ἀποθανεῖται (5 δ)  
4. 19. προσπορευομ. αὐτῶν πρὸς τὰ ἀγ. τῶν ἀγ. 'Α. καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ προσπορευέ-  
σθωσαν [A εἰσπ.] (4, 1)  
15. 26. A τῷ προσηλ. καὶ τῷ προσπορευομ. [B al.] (2)  
18. 7. ὁ ἀλλογ. ὁ προσπορευόμε. ἀποθανεῖται (5 δ)  
De. 20. 3. A ὑμεῖς προσπορεύεσθε [A πορ.] σήμερον (5 δ)  
Jo. 9. 1 (8. 35). τοῖς προσηλ. τοῖς προσ-  
πορευομ. [A πορ.] τῷ 'Ισρ. (3 α)  
10. 24. A προσπορεύεσθε [B πορ.] (5 α)  
I Ki. 17. 7. A προσπορεύετο [B πορ.] αὐτοῦ (3 δ)  
II Ch. 13. 9. ὁ προσπορευόμε. πληρῶσαι τὰς χεῖρας (1)  
II Es. 7. 17. A B καὶ πᾶν [B πάντα] προσ-  
πορευόμε. τούτων +  
Ne. 10. 28 (29). καὶ πᾶς ὁ προσπορευόμε. +  
To. 6. 17. ὅταν δὲ προσπορεύῃ [A -εύσῃ] αὐτῇ [B al.]  
Es. 5. 1. B τὴν κεφ. τῆς ἄβρας τῆς προσπορευομ. [A B πορ.]  
Pr. 16. 4 (16. 33). A B' προσπορεύεται δὲ ταπει-  
νοῖς δόξα +  
Si. 12. 14. οὕτως τὸν προσπορευόμε. ἀνδρὶ ἀμαρ-  
τωλῷ  
I Ma. 9. 11. B' προσπορεύοντο [A B' B πορ.] τῆς δυνάμεως  
**προσπράγειν**.  
I Es. 1. 33. A τὰ τε προσπραχθέντα ὑπ' αὐτοῦ [B al.]  
**προσπταῖεν**.  
[Sm. Ps. 90 (91). 12.]

**πρόσπαισμα**.  
[Sm. Ex. 10. 7.]  
**προσπυροῦν**.  
II Ma. 14. 11. προσπεύρωσαν τὸν Δ.  
**προσραίνειν**. (1) ʔῑῑ hi.  
Le. 4. 6. προσρανεῖ ἀπὸ τοῦ αἵματος (1)  
8. 29 (30). προσέρρανε ἐπὶ 'Ααρῶν (1)  
**προσράσειν**.  
[Aq. Is. 27. 9.]  
**προσρηγνύειν**.  
[Aq. Ps. 2. 9.]  
**προσσημειοῦν**.  
IV Ma. 16. 19. A' τοὺς μυκτῆρας προσσημειομένους [A' B B προσημ.] αὐτῶν τὸν θάνατον  
**προσσελεῖξιν**. (1) ʔῑῑ  
Le. 15. 8. ἐὰν δὲ προσσελεῖξῃ [A -εγγίσῃ] (1)  
**προστατεῖν**.  
I Ma. 14. 47. B' τοῦ προστατῆσαι [A B' B πορ.] πάντων  
**προσταγῇ**. (1) ʔῑῑ  
Da. LXX. 3. 28 (95). τὴν γὰρ πρ. τοῦ βασ. ἠθέτησαν (1)  
**πρόσταγμα**. (1) ʔῑῑ (2) ʔῑῑ (3) α. ʔῑῑ  
δ. ʔῑῑῑ (4) ʔῑῑῑ (5) ʔῑῑῑ (6) ʔῑῑῑῑ  
(7) ʔῑῑῑῑ (8) ʔῑῑ (9) ʔῑῑῑ  
Ge. 24. 50. A ἐξῆλθε τὸ πρ. [B πρᾶγμα] τούτου (1)  
26. 5. ἐφύλαξε τὰ πρ. μου (6)  
47. 26. ἔθετο αὐτοῖς 'Ι. εἰς πρόσταγμα (3 α)  
Ex. 18. 16. συμβιβάζω αὐτοῖς τὰ πρ. τοῦ θ. (3 α)  
— 20. διαμαρτύρη αὐτοῖς τὰ πρ. τοῦ θ. (3 α)  
20. 6. τοῖς φυλάσσουσιν τὰ πρ. μου (5)  
Le. 4. 2. ἀπὸ τῶν πρ. κυρίου (5)  
18. 4. τὰ πρ. μου φυλάξεσθε (3 δ)  
— 5. φυλάξεσθε πάντα τὰ πρ. μου (3 δ)  
— 26. B καὶ πάντα τὰ πρ. μου (7)  
— 30. φυλάξετε τὰ πρ. μου (6)  
19. 37. καὶ πάντα τὰ πρ. μου (7)  
20. 8. φυλάξεσθε τὰ πρ. μου (3 δ)  
— 22. φυλάξεσθε πάντα τὰ πρ. μου (3 δ)  
24. 12. διακρίναι αὐτὸν διὰ προσταγματος κυρίου (8)  
26. 3. ἐὰν τοῖς πρ. μου πορεύσθε (3 δ)  
— 14. μὴδὲ ποιήσῃτε τὰ πρ. μου ταῦτα (5)  
— 43. τοῖς πρ. μου προσώχθισαν (3 δ)  
— 46. ταῦτα . . . τὰ πρ. . . . μου [B' om.] (7)  
Nu. 9. 18 bis, 20, 23 bis : 38. 38 : 38. 5. διὰ προσταγματος κυρίου (6)  
De. 5. 10. τοῖς φυλάσσουσιν τὰ πρ. μου (5)  
11. 32. τοῦ ποιεῖν πάντα τὰ πρ. αὐτοῦ (3 α)  
12. 1. καὶ ταῦτα τὰ πρ. (3 α)  
15. 2. οὕτω τὸ πρ. τῆς ἀφέσεως (1)  
19. 4. τοῦτο δὲ ἔσται τὸ πρ. τοῦ φωνενοῦ (1)  
Jo. 8. 27. κατὰ πρόσταγμα κυρίου (1)  
14. 14. διὰ τὸ αὐτὸν ἐπακολουθῆσαι τῷ πρ. κυρίου -  
15. 13. διὰ [B' ἀπὸ] προσταγματος τοῦ θ. (8)  
17. 4. διὰ προσταγματος κυρίου (8)  
19. 50. διὰ προσταγματος τοῦ θ. (8)  
21. 3. διὰ προσταγματος κυρίου (8)  
— 40. B κατὰ [A B διὰ] πρόσταγμα [A -ατος] κυρίου -  
22. 9. διὰ προσταγματος κυρίου (8)  
Jd. 11. 39. ἐγένετο εἰς πρόσταγμα ἐν 'Ισρ. (3 α)  
I Ki. 80. 25. ἐγένετο εἰς πρόσταγμα (3 α)  
III Ki. 8. 3. πορεύεσθαι ἐν τοῖς πρ. Δ. (3 δ)  
— 14. φυλάσσειν τὰς ἐντ. μου καὶ τὰ πρ. μου [A τὰ πρ. μ. κ. τ. ἐ. μ.] (5 [3 α])  
6. 12. A ἐὰν ὀδεύει τοῖς πρ. μου (3 δ)  
8. 58. φυλάσσειν . . . προσταγματα αὐτοῦ (3 α + 7)  
— 61. ὅστις πορεύσθαι ἐν τοῖς πρ. αὐτοῦ (3 α)  
9. 4. καὶ τὰ πρ. μου . . . φυλάξῃς (3 α)  
— 6. καὶ μὴ φυλάξῃς . . . τὰ πρ. μου (3 δ)  
11. 11. οὐκ ἐφύλαξας τὰς ἐντ. μου καὶ τὰ πρ. μου [A τὰ πρ. μ. κ. τ. ἐ. μ.] (3 δ)  
— 38. τοῦ φυλάσσειν . . . τὰ πρ. σου (5)  
I Ch. 16. 17. ἔστησεν αὐτὸν τῷ 'Ι. εἰς πρόσταγμα (3 α)  
22. 13. τοῦ ποιεῖν τὰ πρ. (3 α)  
26. 32. εἰς πᾶν πρ. κυρίου [A al.] (1)

I Ch. 29. 19. ποιῶν . . . τὰ πρ. σου (3 α)  
 II Ch. 7. 17. B καὶ τὰ πρ. μου (3 α)  
 — 19. καὶ ἐγκαταλείπῃτε τὰ πρ. μου (3 β)  
 8. 10. A ἀρχόντες τῶν πρ. [B -στατῶν] βασ. Σ. †  
 19. 10. καὶ ἀνὰ μέσον προσταγμάτων (1)  
 29. 15. διὰ προσταγμάτων κυρίου (1)  
 — 25. δὲ ἐντολὴν κυρίου τὸ πρ. (5)  
 30. 6. κατὰ τὸ πρ. τοῦ βασιλέως (5)  
 — 12. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὰ πρ. [A τὸ πρ.] (5)  
 31. 21. ἐν τοῖς πρ. ἐξέστησεν τὸν θ. αὐ. (5)  
 33. 8. κατὰ . . . τὰ πρ. (3 α)  
 34. 31. τοῦ φυλάσσειν . . . προσταγμάτων [A τὰ πρ.] αὐ. (3 α)  
 35. 19. B ἐπὶ πάντα τὰ πρ. [A B παροργισμόν] — (3 α)  
 — 25. ἔδωκεν αὐτὸν εἰς προσταγμά (3 α)  
 I Es. 1. 6. κατὰ τὸ πρ. τὸν κυρίου (3 α)  
 5. 55. A B κατὰ [B καὶ] τὸ πρ. τὸ γραφέν αὐτοῖς (3 α)  
 7. 4. διὰ προσταγμάτων τοῦ κυρίου (3 α)  
 8. 8. A B προστατεύουσιν δὲ τοῦ γραφέντος πρ. [B α.] (3 α)  
 — 67. ἀπέδωκεν τὰ πρ. τοῦ βασ. (3 α)  
 — 82. τὰ πρ. σου ἃ ἔδωκεν (3 α)  
 II Es. 7. 10. διδάσκειν ἐν Ἱσρ. προσταγμάτων (3 α)  
 — 11. βιβλίον λόγων ἐντολῶν κ. καὶ προσταγμάτων αὐ. (3 α)  
 Ne. 1. 7. οὐκ ἐφυλάξαμεν . . . τὰ πρ. (3 α)  
 9. 13. ἔδωκεν αὐτοῖς . . . προσταγμάτων (3 α)  
 — 14. προσταγμάτων . . . ἐνετείλω αὐτοῖς (3 α)  
 10. 29 [30]. B<sup>2</sup> B καὶ προσταγμάτων αὐτοῦ (3 α)  
 To. 1. 6. καθὼς γέγραπται . . . ἐν πρ. αἰωνῶν (3 α)  
 — 8. B κατὰ τὸ πρ. τοῦ προσταγμ. περὶ αὐτῶν (3 α)  
 14. 9. A B τήρουν . . . τὰ πρ. (3 α)  
 Es. 2. 4. B<sup>1</sup> ἔρσε τῷ βασ. τὸ πρ. [A B<sup>2</sup> B E πρᾶγμα] (1)  
 — 8. ὅτε ἤκουσθὲ τὸ τοῦ βασ. πρ. (1)  
 — 20. καὶ ποιῶν τὰ πρ. αὐτοῦ †  
 3. 13. B<sup>1</sup> τὰ τε τῶν βασ. παραπέμποντας διηγεῖσθαι προσταγμάτων [A B<sup>2</sup> S διατάγ.] (1)  
 — 13. A ἀπάραξα παρέχουσιν . . . τὰ πρ. [B S πρᾶγμα] (1)  
 4. 3. S<sup>2</sup> οὐ ἐξετίθετο τὸ πρ. τοῦ βασ. [A B S<sup>1</sup> τὰ γράμμ.] (1+2)  
 5. 1. κουνὸν τὸ πρ. ἡμῶν ἐστίν (1)  
 8. 14. ἐξετίθη δὲ τὸ πρ. [A ἐκθεμα] (2)  
 — 17. B S<sup>1</sup> οὐ ἂν ἐξετίθη τὸ πρ. [S<sup>2</sup> α.] (1)  
 9. 4. προσέπειν [S<sup>2</sup> ἐπέπ.] γὰρ τὸ πρ. τοῦ βασ. †  
 Jb. 4. 9. ἀπὸ προσταγμάτων κυρίου ἀπολούνται (1)  
 26. 10. πρῶταγμα ἐγύρουν ἐπὶ πρῶτον ἔδωκεν (3 α)  
 — 13. προσταγμῶν δὲ ἰθανάτους δράκοντα ἀποστάντων †  
 39. 27. ἐπὶ δὲ [A ἐπὶ τῷ] σφ. πρ. ὑφ' οὗτος ἀετός (8)  
 Ps. 2. 6 (7). διαγγέλλουν τὸ πρ. κυρίου (3 α)  
 7. 6. ἐν προσταγμῶν φ' ἐνετείλω (7)  
 80 (81). 4. πρῶταγμα τῷ Ἰσραὴλ ἐστὶ (3 α)  
 93 (94). 20. οὐ πλάσσωσιν κόπον ἐπὶ προσταγμῶν [A S<sup>2</sup> -μα] (3 α)  
 98 (99). 7. καὶ τὰ πρ. [S<sup>1</sup> τὸ πρ.] ἃ ἔδωκεν αὐτοῖς (3 α)  
 104 (105). 10. ἔστησεν αὐτὴν τῷ Ἱ. εἰς προσταγμά (3 α)  
 148. 6. πρῶταγμα ἔθετο (3 α)  
 Pr. 14. 27. πρῶταγμα κυρίου πηγὴ ζωῆς †  
 26. 2. A B<sup>2</sup> δόξα δὲ βασιλέως τιμὴ προσταγμάτων [B<sup>1</sup> B E πρᾶγματα] (1)  
 Si. 8. 37. διανοῦν ἐν τοῖς πρ. κυρίου (3 α)  
 34 (31). 7. S<sup>1</sup> οὐδὲ προσταγμάτων [A B S<sup>2</sup> ζύλον προσκομιγμάτων] ὅστις τοῖς ἐνιστάουσιν αὐτῷ (3 α)  
 39. 16. πᾶν πρῶταγμα ἐν καιρῷ αὐτοῦ ἐστὶν (3 α)  
 — 18. ἐν προσταγμῶν αὐτοῦ πᾶσα ἡ εὐδοκία (3 α)  
 43. 13. προσταγμῶν αὐτοῦ κατέστησε [B -ἐπ' αὐσεν] χιόνα (3 α)  
 Am. 2. 4. τὰ πρ. αὐ. οὐκ ἐφυλάξαντο (3 α)  
 Za. 3. 8 (7). καὶ ἐν τοῖς πρ. μου φυλάξῃ (6)  
 Ma. 4. 4 (3. 22). καθὼς ἐνετείλαμην . . . προσταγμάτων (3 α)  
 Is. 24. 5. ἡλάνθην τὰ πρ. [A add. κυρίου] διαθήκην αἰώνων (3 α)  
 26. 9. φῶς τὰ πρ. σου ἐπὶ τῆς γῆς (7)  
 56. 4. B<sup>1</sup> ὅσοι ἐὰν φυλάξωσιν τὰ πρ. [A B S<sup>2</sup> σάββατ'] μου †  
 Je. 5. 22. πρ. αἰώνων καὶ οὐκ ὑπερβήσεται αὐτὸ (3 α)  
 — 24. κατὰ καιρὸν πληρώσεως προσταγμάτων θεριμοῦ (3 β)  
 39 (32). 23. ἐν τοῖς πρ. σου οὐκ ἐπορεύθησαν (9)  
 61 (44). 10. οὐκ ἀντελήγοντο τῶν πρ. μου (9+3 β)  
 — 23. ἐν τοῖς πρ. αὐτοῦ . . . οὐκ ἐπορεύθητε (3 β)

Ba. 1. 18. πορεύεσθαι [A add. ἐν] τοῖς πρ. κυρίου (3 α)  
 2. 10. πορεύεσθαι τοῖς πρ. κυρίου (3 α)  
 — 33. B ἀπὸ πονηρῶν προσταγμάτων [A B πραγ.] αὐτῶν (3 β)  
 4. 1. αὐτὴ ἡ βίβλος τῶν πρ. τοῦ θεοῦ (3 β)  
 5. 8. ἐσκήσαν . . . τῷ Ἱσρ. προσταγμῶν τοῦ θ. (3 β)  
 Ez. 11. 20. ὅπως ἐν τοῖς πρ. μου πορεύονται (3 β)  
 18. 9. καὶ τοῖς πρ. μου πεπύρηνται (3 β)  
 — 17. ἐν τοῖς πρ. μου ἐπορεύθη (3 β)  
 20. 11. ἔδωκεν αὐτοῖς τὰ πρ. μου (3 β)  
 — 13. A ἐν τοῖς πρ. μου πορεύεσθε . . . ἐν τοῖς πρ. μου [B οἱ. ἐν . . . μου] οὐκ ἐπορεύθησαν (-, 3 β)  
 — 16. ἐν τοῖς πρ. μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 β)  
 — 19. ἐν τοῖς πρ. μου πορεύεσθε (3 β)  
 — 21. ἐν τοῖς πρ. μου οὐκ ἐπορεύθησαν (3 β)  
 — 24. τὰ πρ. μου ἐπόσαντο (3 β)  
 — 25. ἔδωκεν αὐτοῖς προσταγμάτων οὐ καλὰ (3 α)  
 33. 15. ἐν προσταγμῶν [A -οτι] (ῶς διαπορεύονται) (3 β)  
 37. 24. ἐν τοῖς πρ. μου πορεύονται (7)  
 43. 11. διαγράψαι . . . πάντα τὰ πρ. αὐ. . . φυλάσσονται . . . πάντα τὰ πρ. μου (3 β, 3 β)  
 — 18. ταῦτα τὰ πρ. τοῦ θυσιαστηρίου (3 β)  
 44. 5. κατὰ πάντα τὰ πρ. οἴκου κυρίου (3 β)  
 — 24. τὰ πρ. μου . . . φυλάσσονται (3 β)  
 45. 14. τὸ πρ. [A τὰ πρ.] τοῦ ἐλαίου κοτύλην ἐλαίου (3 α)  
 46. 15 (14). πρ. [A add. αἰώνων] διὰ παντός ποιήσετε τὸν ἀμὸν (3 β)  
 Da. LXX. 2. 15. τὸ πρ. ὡς ἡμεῖς ὁ Ἄρ. (4)  
 8. 22. τὸ πρ. τοῦ βασ. ἤπειρε (4)  
 5. 7. ὁ βασ. ἐξέθηκε προσταγμά (4)  
 6. 12 (13). ἴσα μὴ ἀλλοιωσῇς τὸ πρ. (4)  
 8. 16. εἶπεν ὁ ἀνθρώπος ἐπὶ τὸ πρ. ἐκείνου (4)  
 9. 2. ὅτε ἐγένετο πρ. τῇ γῇ (1)  
 — 4. καὶ τοῖς φυλάσσουσιν τὰ πρ. σου (6)  
 — 12. ἔστησεν ἡμῖν τὰ πρ. αὐ. (1)  
 — 23. ἐξήλθεν πρῶταγμα παρὰ κυρίου (1)  
 — 23. διανοήθητι τὸ πρ. (1)  
 — 25. ἐρήσεις προσταγμάτων ἀποκριθῆναι (1)  
 10. 1. πρ. εἰδείχθη τῷ Δ. (1)  
 — 1. ἀληθὲς τὸ ὅραμα καὶ τὸ πρ. (1)  
 — 1. διανοήθησεται τὸ πρ. (1)  
 — 11. διανοήθη τοῖς πρ. (1)  
 — 11. ἐν τῷ λαλῆσαι αὐτὴν μετ' ἐμοῦ τὸ πρ. τοῦτο (1)  
 — 15. ἐν τῷ αὐτὸν λαλῆσαι μετ' ἐμοῦ τὰ πρ. ταῦτα (1)  
 12. 4. κἀννοον τὰ πρ. (1)  
 — 9. ἐσφραγισμένα τὰ πρ. (1)  
 I Ma. 1. 60. ἐθανάτωσαν κατὰ τὸ πρ. (1)  
 2. 18. ποιῶσιν τὸ πρ. τοῦ βασ. (1)  
 — 23. κατὰ τὸ πρ. τοῦ βασ. (1)  
 — 68. A B προσέχετε εἰς τὰ πρ. [B εἰς πρῶταγμα] τοῦ νόμου (1)  
 6. 23. κατακολουθεῖν τοῖς πρ. αὐ. (1)  
 — 56. B<sup>1</sup> παραλαβὴν τῶν πρ. [A S<sup>2</sup> B α.] (1)  
 10. 14. τῶν καταλιπόντων . . . τὰ πρ. (1)  
 II Ma. 1. 4. διανοίξαι τὴν καρδίαν ὑμῶν . . . ἐν τοῖς πρ. (1)  
 2. 2. A<sup>2</sup> B ἵνα μὴ ἐπιλάθωνται τῶν πρ. τοῦ κ. (1)  
 7. 30. οὐκ ὑπακούω τὸ πρ. τοῦ βασ. (1)  
 — 30. τοῦ δὲ πρ. ἀκούω τοῦ νόμου (1)  
 10. 8. ἰδομάτισαν δὲ μετὰ κοινῷ πρ. (1)  
 III Ma. 4. 1. ὅπου προσέπιπτε τοῦτο τὸ πρ. (1)  
 7. 2. A κατενυθόντες ἡμῖν τοῦ μεγάλου θεοῦ τὰ πρ. [B α.] (1)  
 — 11. τοῦς . . . τὰ θεῖα παραβηκτότα προσταγμάτων (1)  
 — 11. A μηδέποτε ἐνοήσαν μηδὲ τοῖς τοῦ βασ. πρ. [B πρᾶγμασιν] (1)  
 [Aq. Ps. 118 (119). 54, 56, 93, 100.] (1)  
 [Sm. Ex. 12. 14 : 13. 10 : Le. 28. 41 : Dt. 4. 5 : 6. 17 : Jd. 5. 9 : Ps. 93 (94). 20 : 118 (119). 23, 54, 71, 118 : 147. 8 (19) : Pr. 31. 15.] (1)  
 [Th. Jb. 26. 10 : Ps. 2. 7 : 118 (119). 54, 100 : Mt. 7. 11.] (1)  
 [Al. Ps. 18 (19). 9 : 85 (86). 7 : 49 (50). 16 : 88 (89). 32 : 104 (105). 5, 45.] (1)  
 [Quint. Ps. 118 (119). 56, 100.] (1)  
 προσταράσσειν.  
 Si. 4. 3. καρδίαν παροργισμένην μὴ προσταράξῃς (1)  
 προστας. (1) ἡ ἡρώδης  
 Jd. 3. 23. ἐξήλθεν Ἄ. [A add. εἰς] τὴν πρ. (1)  
 [Aq. Ez. 40. 48.] (1)

προστασσειν, προσταττειν. (1) α. ῥῶν δ. ῥῶν  
 (2) ῥῶν pi. (3) ῥῶν ny. (4) ῥῶν pi.  
 (5) α. ῥῶν pi. δ. ῥῶν (6) ῥῶν ῥῶν  
 (7) καθὼς προσέταξεν ῥῶν ῥῶν (8) τὰ  
 προσταχθέντα ῥῶν  
 Ge. 47. 11. καθὰ προσέταξε Φαραώ (5 α)  
 50. 2. προσέταξεν Ἱ. τοῖς παισὶν αὐτοῦ (5 α)  
 Ex. 36. 6. καὶ προσέταξε Μ. (5 α)  
 Le. 10. 1. δὲ οὐ προσέταξε κύριος αὐτοῖς (5 α)  
 14. 4, 5, 36, 40. προστάζει ὁ ἱερεὺς (5 α)  
 Nu. 5. 2. προστάξον τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ (5 α)  
 De. 17. 3. ἃ οὐ προσέταξε [A -ξα] (5 α)  
 18. 20. δὲ οὐ προσέταξε [A add. αὐτῷ] λαλῆσαι (5 α)  
 27. 1. καὶ προσέταξε Μ. (5 α)  
 Jo. 5. 14. τί προστασσεις τῷ σφ. οἰκῇ (2)  
 I Ch. 12. 18. S<sup>1</sup> προσετάξατο [A B S<sup>2</sup> -δέξ.] αὐτοῖς Δ. †  
 II Ch. 31. 5. ὡς προσέταξε τὸν λόγον †  
 — 13. καθὼς προσέταξεν ὁ βασ. Ες. (7)  
 I Es. 1. 52. προστάζει ἀναβιβάσαι ἐπ' αὐτοὺς τοὺς βασ. (7)  
 5. 71. οὐ προσέταξεν ἡμῖν Κύριος (5 α)  
 6. 11. τίνος ἡμῖν προστάζοντος (5 α)  
 — 23. προσέταξεν ἐπισκέψασθαι (5 α)  
 — 24. προσέταξε τὸν οἶκον . . . οἰκοδομήσαι (5 α)  
 — 27. προσέταξε δὲ ἐπιμυλῆσαι Σισιὴν (5 α)  
 — 32. καὶ προστάζει [A -έταξε] . . . ληφθῆναι ζύλον (5 α)  
 7. 1. τοῖς ὑπὸ τοῦ βασ. Δ. προσταγέσιν (5 α)  
 8. 10. προσέταξε τοὺς βουλομ. ἐκ τοῦ ἔθνους (5 α)  
 — 19. προσέταξε τοῖς γαζοφύλαξι Συρίας (5 α)  
 To. 1. 8. S<sup>2</sup> κατὰ τὸ πρῶταγμα τὸ προσταγμά.  
 Ju. 2. 13. καθὼς προσετάξα σοι (1)  
 — 15. A B καθὼς προσέταξεν [B ἐκέλευσεν] αὐτῷ (1)  
 6. 10. προσέταξεν Ὁλ. τοῖς δούλοις αὐ. (1)  
 12. 7. A B προσέταξεν Ὁλ. τοῖς σωματοφύλαξι (1)  
 Es. 1. 15. οὐκ ἐποίησε τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. προσταχθέντα (8)  
 — 19. προσταξίτω βασιλικόν (8)  
 2. 23. καὶ προσέταξεν ὁ βασ. (8)  
 3. 2. οὕτως γὰρ προσέταξεν [A ἐπέτ.] ὁ βασ. (5 α)  
 — 12. A ὡς προσέταξεν [B S ἐπέτ.] Ἀμάν (5 α)  
 — 13. προστατάχοντες οὖν τοὺς σωματομ. ἡμῖν (5 α)  
 — 14. προστατῶν πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν †  
 Si. 8. 22. ἃ προστατῶν σοι (1)  
 Jn. 2. 1. προσέταξε κύριος κῆτι μεγάλη (4)  
 — 11. προστατῶν τῷ κῆτι (1 α)  
 4. 6. προσέταξε κ. ὁ θ. κολοκύνθη (4)  
 — 7. προσέταξεν ὁ θεὸς σκώληκι ἐωθῆναι (4)  
 — 8. προσέταξεν ὁ θεὸς πνεύματι καίνωτος (4)  
 Is. 36. 21. διὰ τὸ προστάζει τὸν βασιλέα (5 β)  
 55. 4. ἔδωκεν αὐτὸν ἀρχοντα καὶ προστασσόντα ἔθνεσιν (5 α)  
 Je. 34 (27). 4. S<sup>2</sup> προσταξίτω [A B συντ.] αὐτοῖς (5 α)  
 Da. LXX. Su. 32. καὶ προστάξας οἱ παρόντες (5 α)  
 — 42. καθὼς προστατῶν (5 α)  
 2. 8. καθάπερ οὖν προστατάχα (5 α)  
 — 12. προσέταξεν ἐξαγαγεῖν πάντας τοὺς σοφοὺς (1 β)  
 — 14. φ' προσέταξεν ἐξαγαγεῖν τοὺς σοφιστάς †  
 3. 10. σὺ, βασιλεῦ, προσέταξας (8)  
 — 13. προσέταξεν ἀγαγεῖν τὸν Σ. Μ. Ἄ. (1 β)  
 — (24). ὅτε αὐτοῖς ὁ βασ. προσέταξεν ἐμβληθῆναι (1 β)  
 4. 11. προσετακται γὰρ ἀπὸ τοῦ ὑψίστου (1 β)  
 Da. TH. Su. 18. ἐνέγκαι τὰ προσταγμένα αὐταῖς (1 β)  
 I Ma. 10. 37. καθὰ καὶ προσέταξε ὁ βασ. (1 β)  
 — 62. S B προσέταξεν [A add. αὐτοῖς] ὁ βασ. (1 β)  
 II Ma. 5. 24. προσταξίτω τοὺς ἐν ἡλικίᾳ πάντας κατασφίξει (1 β)  
 6. 21. B ἐσθλόντα τὰ ὑπὸ τοῦ βασ. προσταγμένα [A τετ.] (1 β)  
 7. 3. προσέταξε τῇ γῇ . . . ἐκπυροῦν (1 β)  
 — 4. τὸν γενομ. αὐ. προήγορον προσέταξε γλωσσομοῖν (1 β)  
 8. 36. A τοῖς ὑπ' αὐτοῦ προσταγμένοις [B προτ.] νόμοις (1 β)  
 13. 4. προσέταξεν . . . προσταπολέσαι (1 β)  
 14. 16. προσταξάντος δὲ τοῦ ἡγουμένου (1 β)  
 15. 3. ὁ προστατάχος ἀγειν τὴν τὸν σαββάτων ἡμέραν (1 β)  
 — 5. ὁ προστασσών αἶρειν ὅπλα (1 β)  
 — 30. προσέταξεν . . . τὴν τοῦ Ν. κεφαλὴν ἀποτεμόντας (1 β)

- III Ma. 8. 1. καὶ προσταῖσαι σπένσαντας  
— 25. προστατάμεν . . . ἀποστείλαι  
4. 11. προστατεῖν αὐτοῖς . . . παρεμβάλλειν  
— 13. προστατεῖτε καὶ τοῖς  
5. 3. ὁ μὲν τότε προσταύων  
— 4. τὸ προσταγν . . . συνετελεῖ  
— 19. τὸ προσταγν ἐπὶ τέλος ἡγοχέαι  
— 37. ποσάκις σοι δεῖ περὶ τούτων αὐτῶν προστατάειν  
— 40. προσταύσαντες ἦδ' ἐκ τούτων αὐτοὺς ἀφανίσαι  
6. 27. Ἄ τὰ προστατάμενα [B προπεπραγμ.] παραιτησάμενοι  
7. 8. προστατάμεν ἐκαστῷ  
[Sm. Ps. 82 (88). 9: 67 (68). 29.]  
[Al. Ex. 18. 23.]  
**προστατεῖν.**  
I Ma. 14. 47. τοῦ προστατῆσαι [B<sup>1</sup> προσστ.] πάντων  
**προστάτης.** (1) α. ἡρῶβ δ. ἱρῶβ (2) ἡρ  
I Ch. 27. 31. πάντες οὗτοι πρ. ὑπαρχόντων Δ. (2)  
29. 6. καὶ οἱ πρ. τῶν ἔργων (2)  
II Ch. 8. 10. ἀρχοντες τῶν πρ. [A -ταγμάτων]  
βασιλέων . . . (2)  
24. 11. ἐλάφον . . . πρὸς τοὺς πρ. τοῦ βασ. (1 α)  
— 11. ἡλθεν . . . ὁ πρ. τοῦ ἱερέως τοῦ μεγ. (1 β)  
I Es. 2. 12. περὶδοῦσαν Σ. προστατῆ τῆς ἰουδ.  
Si. 45. 24. προστατῆν ἁγίων καὶ λαφ [B<sup>2</sup> -οῦ] αὐτοῦ  
II Ma. 8. 3. προστατῆς τοῦ ἱεροῦ καθισταμένους  
**προστιθέναι.** (1) ἡρῶβ α. qal. δ. ni. (2) ἡρ  
(3) ἡρῶβ (4) ἡρῶβ α. qal. δ. ni. c. hi.  
d. ἡρῶβ hoph. (5) ἡρῶβ ni. (6) ἡρῶβ (7) ἡρ  
(8) ἡρῶβ α. qal. δ. ni. (9) ἡρῶβ ni.  
(10) ἡρῶβ (11) ἡρῶβ hi. (12) ἡρῶβ (13) ἡρῶβ  
(14) ἡρῶβ (15) ἡρῶβ  
Ge. 4. 2. προσέθηκεν τεκνὶν τὸν ἀδ. αὐ. (4 α)  
— 12. οὐ προσθήσει τὸν ἱσχ. αὐ. δούνη (4 α)  
8. 12. οὐ προσθήσει τὸν ἐπιστράφει (4 α)  
— 21. οὐ προσθήσει τὸν κατὰρσασθαι (4 α)  
— 21. οὐ προσθήσει οὐν ἐπὶ πατάξει (4 α)  
18. 29. προσθήσει ἐπὶ λαλήσαι πρὸς αὐτόν (4 α)  
25. 1. προσθήσει δὲ Ἄβ. (4 α)  
— 8. προσθήσει πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ (1 β)  
— 17. προσθήσει πρὸς τὸ γένος αὐτοῦ (1 β)  
30. 24. προσθήσει ὁ θ. μὴ υἱὸν ἔτερον (4 α)  
35. 29. προσθήσει πρὸς τὸ γένος αὐτοῦ (1 β)  
37. 8. προσθήσει ἐπὶ μισεῖν αὐτόν (4 α)  
88. 5. προσθήσει ἐπὶ ἔτεκεν υἱόν (4 α)  
— 26. οὐ προσθήσει ἐπὶ τὸ γνῶναι αὐτήν (4 α)  
44. 23. Ἄ οὐ προσθήσει ἐπὶ ἰδεῖν (4 α)  
49. 29. προσθήσει πρὸς τὸν ἑμὸν λαόν (1 β)  
— 33. προσθήσει πρὸς τὸν λαόν αὐ. (1 β)  
Ex. 1. 10. προσθήσει πρὸς καὶ οὗτοι (4 β)  
5. 7. Ἄ β. προσθήσει πρὸς ἐπὶ οὗτοι [B -σεται]  
διούνη ἄχ. (4 α)  
8. 29 (25). μὴ προσθήσει ἐπὶ, φ. ἐξαπατήσει (4 α)  
9. 28. οὐκέτι προσθήσει ἐπὶ [A προσθ.] μίμνη (4 α)  
— 34. προσθήσει τοῦ ἀμαρτάνειν (4 α)  
10. 28. προσθήσει ἰδεῖν μου τὸ πρόσσωπον (4 α)  
11. 6. τοιαύτη οὐκέτι προσθήσεται (4 α)  
14. 13. οὐ προσθήσει ἐπὶ ἰδεῖν αὐτούς (4 α)  
23. 2. οὐ προσθήσει [B<sup>1</sup> προσθ.] μετὰ  
πλήθους +  
30. 15. ὁ πλὴν οὐ προσθήσει (11)  
40. 23. Ἄ β. προσθήσει [B προσθ.] . . . ἄρτους (10)  
Le. 5. 16. τὸ ἐπίπλεον προσθήσει ἐπὶ αὐτῷ (4 α)  
6. 4 (5. 24). Ἄ β. τὸ πλείον [A<sup>2</sup> β. ἐπὶ π.]  
προσθήσει (4 α)  
19. 14. οὐ προσθήσει [A προσθ.] σκάνδαλον (7)  
22. 14. προσθήσει τὸ ἐπίπλεον αὐ. (4 α)  
24. 8. β. προσθήσεται [A B προσθ.] ἐναντί  
κυρίου (10)  
26. 18. προσθήσει τοῦ [A om.] παιδεύσαι ἡμᾶς (4 α)  
— 21. προσθήσει ἡμῶν πλῆγας ἐπὶ (4 α)  
27. 13. προσθήσεται τὸ ἐπίπλεον (4 α)  
— 15. προσθήσει ἐπὶ αὐτὸ τὸ ἐπίπλεον (4 α)  
— 19. 27. προσθήσει τὸ ἐπίπλεον (4 α)  
— 31. τὸ ἐπίπλεον προσθήσει (4 α)  
Nu. 5. 7. τὸ ἐπίπλεον αὐτοῦ προσθήσει (4 α)  
11. 25. καὶ οὐκέτι προσθήσεται (4 α)  
16. 39 (17. 4). προσθήσει αὐτὰ περίθεμα +  
18. 2. καὶ προσθήσεται σοι [A om.] (5)  
— 4. προσθήσονται πρὸς σέ (5)  
Nu. 20. 24. προσθήσει Ἄ. πρὸς τὸν λαόν αὐ. (1 β)  
— 26. Ἄ. προσθήσει ἀποθανεῖ ἐκεῖ (1 β)  
22. 15. προσθήσει β. ἐπὶ ἀποστείλαι (4 α)  
— 19. τί προσθήσει κύριος λαλήσαι (4 α)  
— 25. προσθήσει ἐπὶ μισοῖται αὐτὸν (4 α)  
— 26. καὶ προσθήσει ὁ ἄγγελος τοῦ θ. (4 α)  
27. 13. προσθήσει πρὸς τὸν λαόν σου (1 β)  
— 13. καθὰ προσθήσει Ἄ. (1 β)  
31. 2. προσθήσει πρὸς τὸν λαόν σου (1 β)  
32. 14. προσθήσει ἐπὶ ἐπὶ τὸν θυμόν (8 α)  
— 15. προσθήσει ἐπὶ καταλείπει αὐτόν (4 α)  
36. 3. προσθήσεται [A -σονται] εἰς κληρονομίαν (4 β)  
— 4. προσθήσεται ἡ κληρονομία αὐ. (4 β)  
De. 1. 11. προσθήσει ἡμῶν ὡς ἐστί (4 α)  
3. 26. μὴ προσθήσει ἐπὶ λαλήσαι (4 α)  
4. 2. οὐ προσθήσει [B<sup>1</sup> -σεσθε] πρὸς τὸ ῥῆμα (4 α)  
5. 22 (19). καὶ οὐ προσθήσει (4 α)  
— 25 (22). ἐὰν προσθήσεται [A -ώμεν] ἡμεῖς  
ἀκούσαι (4 α)  
12. 32 (18. 1). οὐ προσθήσει [A<sup>1</sup> -σει] ἐπὶ αὐτό (4 α)  
18. 4 (5). αὐτῷ προσθήσεται (2)  
— 11 (12). οὐ προσθήσει [A -σουσιν] ἐπὶ  
ποιῆσαι (4 α)  
17. 16. Ἄ β. οὐ προσθήσεται [B -σεται] ἀποστρέψαι (4 α)  
18. 16. οὐ προσθήσει ἀκούσαι (4 α)  
19. 9. προσθήσει σεαυτῷ ἐπὶ τρεῖς πόλεις (4 α)  
— 20. οὐ προσθήσονται ἐπὶ ποιῆσαι (4 α)  
20. 8. προσθήσονται οἱ γραμματεῖς λαλήσαι (4 α)  
23. 15 (16). ὅς προσθήσεται σοι +  
25. 3. οὐ προσθήσονται (4 α)  
— 3. ἐὰν δὲ προσθήσει [A -θῶσιν] μαστιγῶσαι (4 α)  
28. 68. οὐ προσθήσει [A -σεσθε] ἐπὶ ἰδεῖν  
αὐτήν (4 α)  
32. 50. προσθήσει πρὸς τὸν λαόν σου (1 β)  
— 50. προσθήσει πρὸς τὸν λαόν αὐ. (1 β)  
Jo. 7. 12. Ἄ β. οὐ προσθήσει ἐπὶ εἶναι μεθ' ἡμῶν (4 α)  
14. 8. προσθήσει [B<sup>1</sup> προσθ.] ἐπακολουθήσαι κ. τῷ θ. μου +  
— 9. προσθήσει [A -ν] ἐπακολουθήσαι +  
23. 12. καὶ προσθήσει [A ὑπολειφθεῖς] τοῖς  
ὑπολειφθεῖσιν ἔθνεσι (3)  
— 13. οὐ μὴ προσθήσει κ. τοῖς ἐξολοθρευταῖς (4 α)  
Jd. 2. 3. Ἄ οὐ προσθήσει τὸ ματοκίσει [B al.] +  
— 10. προσθήσει [B<sup>1</sup> -θη] πρὸς τοὺς πατέρας αὐτῶν (1 β)  
— 21. οὐ προσθήσει τοὺς ἐξ ἄνδρα (4 α)  
3. 12: 4. 1. προσθήσει . . . ποιῆσαι τὰ ποιητῶν (4 α)  
8. 28. οὐ προσθήσει [A -θέντο] ἀραιεῖ αὐ. (4 α)  
9. 37. προσθήσει ἐπὶ ἱ. τοῦ λαλήσαι (4 α)  
10. 6. προσθήσει . . . ποιῆσαι τὸ ποιητῶν (4 α)  
— 13. οὐ προσθήσει τὸ ὅσων ἡμᾶς (4 α)  
11. 14. β. καὶ προσθήσει ἐπὶ ἱ. (4 α)  
13. 1. προσθήσει [A -θέντο] . . . ποιῆσαι τὸ  
ποιητῶν (4 α)  
— 21. οὐ προσθήσει . . . ὁδῶν (4 α)  
18. 25. προσθήσει [A -σεις] ψυχὴν σου (1 α)  
20. 22. προσθήσει συνάψαι παράταξιν [A al.] (4 α)  
— 23. εἰ προσθήσει ἐγγίσαι [A -θῶ προσεγγ.] (4 α)  
— 28. εἰ προσθήσει [A -θῶ] ἐπὶ ἐξελθεῖν (4 α)  
Ru. 1. 17. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
I Ki. 3. 6. καὶ προσθήσει κύριος (4 α)  
— 8. προσθήσει κύριος καλέσαι (4 α)  
— 17. Ἄ β. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
— 21. προσθήσει κύριος δηλώσας (4 α)  
7. 13. οὐ προσθήσει ἐπὶ προσελθῶν (4 α)  
9. 8. προσθήσει τὸ παιδάριον ἀποκριθῶν (4 α)  
12. 19. β. προσθήσει . . . καίαν (4 α)  
— 25. β. ἡμῖς καὶ ὁ βασ. ἡμῶν προσθήσει (8 β)  
14. 44. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
15. 6. μὴ προσθῶ σε μετ' αὐτοῦ (4 α)  
— 35. οὐ προσθήσει ἐπὶ Σαμ. ἰδεῖν (4 α)  
18. 29. προσθήσει εὐλαβεῖσθαι ἀπὸ Δ. (4 α)  
19. 8. προσθήσει ὁ πόλεμος γενέσθαι (4 α)  
— 21. προσθήσει Σ. ἀποστείλει ἀγγέλους  
τρίτους (4 α)  
20. 13. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
— 17. προσθήσει ἐπὶ ἱ. ὁμόσαι (4 α)  
23. 4. προσθήσει Δ. ἐπὶ ἐρωτῆσαι (4 α)  
25. 22. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
26. 10. καὶ προσθήσει (8 β)  
— 27. 1. προσθήσονται . . . εἰς χεῖρας Σ. (8 β)  
— 4. οὐ προσθήσει ἐπὶ ἡγεῖν αὐτόν (4 α\*, 4 α)  
II Ki. 2. 22. προσθήσει ἐπὶ Ἄβ. λέγων (4 α)

- II Ki. 2. 28. οὐ προσθήσει ἐπὶ τοῦ πολεμῶν (4 α)  
3. 9. καὶ τότε προσθήσει αὐτῷ (4 α)  
— 35. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
5. 22. προσθήσει ἐπὶ ἀλλόφυλοι τοῦ ἀναβῆναι (4 α)  
7. 10. οὐ προσθήσει . . . τοῦ ταπεινώσαι αὐτόν (4 α)  
— 20. τί προσθήσει Δ. ἐπὶ τοῦ λαλήσαι (4 α)  
12. 8. προσθήσει σοι κατὰ [A καὶ] ταῦτα (4 α)  
14. 10. οὐ [A add. μὴ] προσθήσει ἐπὶ ἀψάσθαι  
αὐτοῦ (4 α)  
18. 22. προσθήσει ἐπὶ Ἄχ. (4 α)  
19. 13 (14). καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
24. 1. B<sup>1</sup> B προσθήσει ὄργην κ. ἐκκαῖναι  
[A B<sup>2</sup> al.] (4 α)  
— 3. προσθήσει κ. ὁ θ. πρὸς τὸν λαόν (4 α)  
— 25. προσθήσει Σ. ἐπὶ τὸ θυσιάζειν  
III Ki. 2. 23. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
10. 7. προσθήσει ἀγαθὰ πρὸς αὐτὰ (4 α)  
12. 11, 14. προσθήσει ἐπὶ τὸν κλόνον ἡμῶν (4 α)  
18. 33. προσθήσει Ἄχ. τοῦ ποιῆσαι (4 α)  
19. 2. καὶ τότε προσθήσει [A -σαν] (4 α)  
21 (20). 10. καὶ τότε προσθήσει [A -σαν] (4 α)  
IV Ki. 1. 11. προσθήσει [A -ίθην] ὁ βασ. (18)  
— 13. προσθήσει [A -ίθην] ὁ βασ. (18)  
6. 23. οὐ προσθήσει ἐπὶ . . . τοῦ ἐλθεῖν (4 α)  
— 31. καὶ τότε προσθήσει (4 α)  
19. 30. προσθήσει τὸν διασεσωσ. οἴκου ἱ. (4 α)  
20. 6. προσθήσει . . . πέντε καὶ δέκα ἔτη (4 α)  
21. 8. οὐ προσθήσει τοῦ σαλεύσαι τὸν πόδα (4 α)  
22. 20. προσθήσει σε πρὸς τοὺς πατέρας σου (4 α)  
24. 7. οὐ προσθήσει ἐπὶ . . . ἐξελθεῖν (4 α)  
I Ch. 14. 13. προσθήσει ἐπὶ ἀλλόφυλοι [B al.] (4 α)  
17. 9. Ἄ β. οὐ προσθήσει ἀδικία [B al.] (4 α)  
— 18. τί προσθήσει ἐπὶ Δ. πρὸς σέ (4 α)  
21. 3. προσθήσει κύριος ἐπὶ τὸν λαόν αὐ. (4 α)  
22. 14. καὶ πρὸς ταῦτα πρόσθε (4 α)  
— 15. καὶ μετὰ σοῦ πρόσθε -  
II Ch. 9. 6. προσθήσει ἐπὶ τὴν ἀκοήν (4 α)  
10. 11. προσθήσει ἐπὶ τὸν ζυγὸν ἡμῶν (4 α)  
— 14. προσθήσει ἐπὶ αὐτὸν (4 α)  
15. 9. προσθήσει πρὸς αὐτόν (6)  
28. 13. προσθήσει [A προσθ.] ἐπὶ ταῖς ἡμέραις  
ἡμῶν (4 α)  
— 22. προσθήσει τοῦ ἀποστῆναι (4 α)  
33. 8. οὐ προσθήσει σαλεύσαι τὸν πόδα ἱσρ. (4 α)  
34. 28. προσθήσει σε πρὸς τοὺς πατ. σου (4 α)  
— 28. προσθήσει πρὸς τὰ μνήματα σου (1 β)  
I Es. 2. 7. σὺν τοῖς ἄλλοις τοῖς κατ' εὐχὰς προσθεῖναι.  
7. 6. καὶ οἱ λοιποὶ . . . οἱ προσθεῖντες  
9. 7. τοῦ προσθεῖναι ἀμαρτίας ἐπὶ ἱσρ. (4 α)  
II Es. 10. 10. τοῦ προσθεῖναι ἐπὶ πλημμελίαν  
ἱσρ. (4 α)  
Ne. 13. 18. καὶ ἡμεῖς προσθέτετε ὄργην  
To. 5. 15. ἐπὶ προσθήσει [B ἐπιπρ.] σοι  
12. 1. καὶ προσθεῖναι αὐτῷ δεῖ [B al.] (4 α)  
14. 2. προσθήσει φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν [B al.]  
Ju. 14. 10. προσθήσει πρὸς [B eis] τὸν οἶκον ἱσρ.  
18. 22. προσθήσει πρὸς τὸν λαόν αὐτοῦ  
Es. 8. 3. προσθήσει ἐλάλησαι πρὸς τὸν βασ. (4 α)  
9. 27. ἐπὶ τοῖς προσθεῖναι [A προσθ.] ἐπὶ αὐτῶν (5)  
Jb. 13. 9. εἰ γὰρ . . . προσθήσει αὐτῷ [A  
ὁδῷ αὐ.] +  
20. 9. καὶ οὐ προσθήσει [B<sup>1</sup> -σεται] (4 α)  
27. 1. ἐπὶ δὲ προσθεῖς ἰωβ εἶπε τῷ προομιᾷ (4 α)  
— 19. καὶ οὐ προσθήσει (1 β)  
29. 1. ἐπὶ δὲ προσθεῖς ἰωβ εἶπε τῷ προομιᾷ (4 α)  
— 22. ἐπὶ τῷ ἐμῷ ῥήματι οὐ προσθήσει (1 β)  
32. 13. εὐρομέν σοφίαν κυρίῳ προσθεῖναι +  
34. 32. οὐ μὴ προσθήσει [A -θῶ] (4 α)  
— 37. ἡμῖς μὴ προσθεῖναι ἐφ' ἀμαρτίας ἡμῶν (4 α)  
38. 1. προσθεῖς δὲ ἑλπίς ἐπὶ λέγει (4 α)  
39. 35 (40. 5). ἐπὶ δὲ τῷ δευτέρῳ οὐ προσθήσει (4 α)  
42. 10. Δ. προσθήσει δὲ ὁ κύριος τῷ ἱ. τὰ  
διπλά [B S al.] (4 α)  
Ps. 39. 39 (10. 18). ἡμῖς μὴ προσθῇ ἐπὶ μεγαλυν-  
χεῖν ἀνθρώπου (4 α)  
40 (41). 8. μὴ ὁ κοῦμῶμενος οὐχὶ προσθήσει  
τοῦ ἀναστῆναι (4 α)  
60 (61). 6. ἡμέρας ἐφ' ἡμέρας βασιλεύει προσ-  
θήσει ἐπὶ αὐτοῦ (4 α)  
61 (62). 10. μὴ προσθήσει καρδίαν (1 α)  
68 (69). 26. ἐπὶ τὸ ἀλγος τῶν τραυμάτων μου  
προσθήσει +  
— 27. πρόσθε ἀνομίαν ἐπὶ τὴν ἀνομίαν αὐτῶν (7)  
70 (71). 14. προσθήσει ἐπὶ πᾶσαν τὴν ἀνομίαν  
σου (4 α)



Ps. 76 (77). 7. καὶ οὐ προσθήσει τοῦ εὐδοκῆσαι  
ἐτι (4 c)  
77 (78). 17. προσέθεντο ἐτι τοῦ ἀμαρτάνειν  
αὐτῶν (4 c)  
85 (86). 14. B οὐ προσέθεντό [A B προέθ.] σε  
ἐνώπιον αὐτῶν (12)  
88 (89). 22. νῦν ἀνομίας οὐ προσθήσει τοῦ  
κακῶσαι [A' B' οὐ κακώσει] αὐτὸν -  
113. 22 (115. 14). προσθεῖν κύριος ἐφ' ὑμᾶς (4 c)  
119 (120). 3. τί προστεθήσῃ σοι (4 c)  
Pr. 3. 2. ἐτι ζωῆς καὶ εἰρήνης προσθήσουσί σοι (4 c)  
9. 9. προσθήσει τοῦ δεχέσθαι (4 c)  
— 11. προστεθήσεται σοι ἐτι ζωῆς σου (4 c)  
— 18. προστεθῇ δέ σοι ἐτι ζωῆς -  
10. 22. οὐ μὴ προστεθῇ αὐτῇ λίπη ἐν καρδίᾳ (4 c)  
— 27. φόβος κυρίου προσθήσιν ἡμίρας (4 c)  
19. 1 (4). πλοῦτος προστίθῃσι φίλους πολλούς (4 c)  
— 19. τὴν ψυχὴν αὐτοῦ προσθήσει (4 c)  
24. 29 (30. 6). μὴ προσθήσῃ τοῖς λόγοις αὐτοῦ (4 a)  
Ec. 1. 16. προσέθηκα [B προέθ.] σοφίαν (4 c)  
— 18. ὁ προστίθει [A προτ., B προσθεῖς]  
γνώων [A γνώσει] προσθήσει δι-  
γῆμα (4 c, 4 c)  
2. 9. προσέθηκα παρὰ πάντας (4 c)  
— 26. ἔδωκε περισσασμὸν τοῦ προσθεῖναι (1 a)  
3. 14. ἐπ' αὐτῶν [A -ὦν] οὐκ ἔστι προσθεῖναι (4 c)  
Si. pto. 12. B ὅπως οἱ φιλομαθεῖς . . . πολλὰ μᾶλλον  
ἐτι προσθήσουσιν [A B ἐπιπροσθεῖναι]  
3. 27. προσθήσει ἀμαρτίαν ἐφ' ἀμαρτίας  
5. 5. προσθεῖναι ἀμαρτίαν ἐφ' ἀμαρτίας  
17. 11. προσθήκεν αὐτοῖς ἐπιστολήν  
18. 5. τίς προσθήσει ἐκδιγῆσασθαι τὰ ἐλέη αὐτοῦ  
— 6. οὐκ ἔστιν ἐλαττωσάι οὐδὲ προσθεῖναι  
19. 13. B B μὴ ποτε [B ἴνα μὴ] προσθῇ  
21. 1. μὴ προσθῇς μηκέτι  
— 15. ἀνέσει αὐτὸν καὶ ἐπ' αὐτὸν προσθήσει  
37. 31. ὁ δὲ προσέχων προσθήσει (ζῶν)  
42. 21. οὐτε προστεθῇ οὐτε ἡλαττωθῇ  
45. 20. προσέθηκεν Ἀαρὼν δόξαν  
48. 23. προσέθηκε ζῶν βασιλείᾳ  
Ho. 1. 6. οὐ μὴ προσθήσω ἐτι ἐλεῖσθαι τὸν οἶκον  
I. (4 c)  
13. 5. οὐ μὴ προσθήσω τὸ ἀγαπήσαι αὐτοὺς (4 c)  
19. 2. προσέθεντο [A -ετο] τοῦ ἀμαρτάνειν (4 c)  
Am. 8. 15. προστεθήσονται ἑτεροὶ οἶκοι πολλοὶ (8 a)  
5. 1 (2). οὐκίτι μὴ προσθήσει [A -θῇ] τοῦ  
ἀναστήναι (4 c)  
7. 8. οὐκίτι μὴ προσθῶ [A -θήσω] τοῦ παρελ-  
θεῖν αὐτὸν (4 c)  
— 13. οὐκίτι προσθήσει [A μὴ προσθῇ] τοῦ  
προφθίγειν (4 c)  
8. 2. οὐ προσθήσω [A οὐκίτι μὴ προσθῶ] ἐτι  
τοῦ παρελθεῖν αὐτὸν (4 c)  
Jl. 2. 2. μετ' αὐτὸν οὐ προστεθήσεται (4 c)  
[Jn. 2. 5. προσθήσω τοῦ ἐπιβλέψαι [B' ἐπιστρ.] (4 c)  
Na. 1. 15 (2. 1). οὐ μὴ προσθήσωσιν [A B  
-θῶσιν] ἐτι τοῦ διελθεῖν (4 c)  
Ze. 3. 11. οὐκίτι μὴ προσθῇ τοῦ μεγαλαυχῆσαι (4 c)  
Za. 14. 17. οὗτοι ἐκείνους προστεθήσονται +  
15. 5. τί ἐτι πληγῇτε προστιθέντες ἀνομίαν (4 c)  
— 13. πατεῖν τὴν αὐλὴν μου οὐ προσθήσεσθε (4 c)  
7. 10. προσέθετο κύριος λαλήσαι τῷ Ἀχαζ (4 c)  
8. 5. προσέθετο Κύριος λαλήσαι μοι ἐτι (4 c)  
10. 20. οὐκίτι προστεθήσεται τὸ καταλειφθῆναι  
Ἰσραὴλ (4 c)  
11. 11. προσθήσει ὁ κύριος τοῦ δείξαι (4 c)  
14. 1. ὁ γειώρας προστεθήσεται πρὸς αὐτοὺς  
καὶ προστεθήσεται πρὸς [A ἐπὶ] τὸν  
οἶκον Ἰακώβ (6, 9)  
23. 12. οὐκίτι μὴ προστεθήτε [A B προσθ.] τοῦ  
ὑβρίζειν (4 c)  
26. 15. πρόσθετε αὐτοῖς κακὰ, κύριε, πρόσθετε [B  
-θήσει] κακὰ (4 a, 4 a)  
29. 14. προσθήσω τοῦ μεταθεῖναι (4 c)  
30. 1. προσθεῖναι ἀμαρτίας ἐφ' ἀμαρτίας (8 a)  
38. 5. προστίθω πρὸς τὸν χρόνον σου ἐτι  
δέκα πέντε (4 c)  
47. 1. οὐκίτι προστεθήσῃ κληθῆναι ἀπαλή (4 c)  
50. 5 (4). προσέθηκε μοι ὥσιν ἀκούειν +  
51. 22. οὐ προσθήσῃ [B -σει] ἐτι πικρὸν αὐτοῦ (4 c)  
52. 1. οὐκίτι προστεθήσεται διελθεῖν διὰ σοῦ  
ἀπερίμητος (4 c)  
Je. 48 (38). 32. ἐτι προστεθήσαν αὐτῷ λόγοι  
πλείους ὥς οὗτοι (4 b)  
51. 33 (45. 3). προσέθηκε κύριος κόπον ἐπι-  
πονήν μοι (4 a)

La. 4. 15. οὐ μὴ προσθῶσι τοῦ παροικεῖν (4 c)  
— 16. οὐ προσθήσει ἐπιβλέψαι αὐτοῖς (4 c)  
— 22. οὐ προσθήσει [A add. ἐτι] ἀποικίσαι (4 c)  
Ex. 23. 5. A προσέθετο [B ἐπιθ.] ἐπὶ τοὺς  
ἐραστὰς αὐτῆς +  
— 14. προσέθετο πρὸς τὴν πορνείαν αὐτῆς (4 c)  
36. 12. οὐ μὴ προστεθήτε [A -τεθήσεσθε] ἐτι  
ἀτεκνωθῆναι ἀπ' αὐτῶν (4 c)  
37. 16. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. τοὺς προστεθέντας  
[A -κειμένους] πρὸς αὐτὸν (8)  
Da. LXX. 6. 28 (29). προστεθῇ πρὸς τὸ γένος αὐ. -  
10. 18. προστέθηκε καὶ ἡφάτο μου (4 c)  
Da. TH. 4. 33. μεγαλωσύνῃ περισσοτέρα προσ-  
τεθῇ μοι (4 d)  
10. 18. προσέθετο καὶ ἡφάτο μου (4 a)  
11. 34. προστεθήσονται πρὸς [A ἐπ'] αὐτοὺς  
πολλοὶ (6)  
Bel 1. προστεθῇ πρὸς τοὺς πατέρας αὐ.  
I Ma. 2. 43. προστεθήσαν αὐτοῖς  
— 69. προστεθῇ πρὸς τοὺς πατέρας αὐ.  
3. 15. καὶ προσέθετο  
— 41. B B προστεθήσαν [A -εγενήθ.] πρὸς αὐτοὺς  
8. 1. B B ἐν πᾶσι τοὺς προστιθεμένοις [A -τεθεῖμι]  
αὐτοῖς  
— 1. A δοκὶ ἐὰν προστεθῶσιν αὐτοῖς  
— 30. προσθεῖναι ἡ ἀφελῆν  
— 30. δὲ ἐὰν προσθῶσιν ἡ ἀφελῶσιν  
9. 1. προστεθῶ τὸν B . . . ἀποστελεῖται  
— 72. οὐ προσέθετο ἐτι ἔλθῃν εἰς τὰ ὅρια αὐ.  
10. 30. τῶν τριῶν νομῶν τῶν προστιθεμένων αὐτῇ  
— 38. τοὺς τρεῖς νομῶν τοὺς προστεθέντας τῇ Ἰουδ.  
— 38. προστεθῶ τῇ Ἰουδ.  
— 88. προσέθετο δόξασαι τὸν Ἰων.  
11. 1. καὶ προσθεῖναι αὐτῇ τῇ βασ. αὐ.  
— 34. προστεθήσαν τῇ Ἰουδ.  
14. 30. προστεθῇ πρὸς τὸν λαὸν αὐ.  
[Aq. Ge. 30. 24: II Ki. 12. 8: Jb. 27. 1: 40.  
27 (32): Ps. 40 (41). 9: 70 (71). 14: 119  
(120). 3: Pr. 19. 19: Is. 11. 11: 26. 15: 29.  
19: Jb. 50 (27). 5.]  
[Sm. Ge. 30. 24: II Ki. 12. 8: Jb. 13. 4: 28.  
4: Ps. 60 (61). 7: 70 (71). 14: 119 (120). 3:  
Pr. 9. 2: CA. 7. 9 (10): Is. 11. 11: 26. 15:  
29. 19: Jb. 50 (27). 5.]  
[Th. Jd. 8. 28: 18. 1: II Ki. 12. 8: 24. 1: Jb.  
27. 19: Pr. 19. 19: Is. 24. 20: 26. 15: 29. 19:]  
[Al. Za. 2. 11 (15).]  
πρόστιμον.  
II Ma. 7. 36. τὰ πρ. τῆς ὑπερηφανίας ἀποίστη  
πρόστομα (?). (1) ἸΒ' > Ξ  
Ne. 2. 13. A B S καὶ πρόστομα [B πρὸς στόμα]  
πῆγῃ (1)  
προστρέπειν.  
II Ma. 11. 7. A<sup>1</sup> προστερέψατο [A<sup>2</sup> B προετρ.] τοὺς  
ἀλλους  
προστρέχειν. (1) ἸΓ  
Ge. 18. 2. προσέδραμον εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (1)  
33. 4. προσέδραμον Ἡ. εἰς συνάντησιν αὐτῶν (1)  
Nu. 11. 27. προσδραμὸν ὁ νεανίσκος (1)  
To. 11. 9. προσδραμῶσα Ἄννα [B al.]  
— 10. προσέδραμον αὐτῶν [B al.]  
Pr. 18. 10. αὐτῶν δὲ προσδραμόντες δίκαιοι (1)  
προστρίβειν.  
[Aq. Ge. 3. 16 (15).]  
[Sm. Pr. 6. 13.]  
προσυμμεῖν.  
II Ma. 15. 9. A προσυμμίνας [B προσυπομν.] δὲ  
αὐτοὺς  
προσυμπλέκεσθαι. (1) ἸΔ hithpa.  
Da. TH. 11. 10. A προσυμπλακίσσονται [B  
συμπροσπλακίσσεται] ἕως τῆς ἰσχύος  
αὐ. (1)  
προσυπομνήσκειν.  
II Ma. 15. 9. B προσυπομνήσας [A προσυμν.] δὲ  
αὐτοὺς  
προσυστέλλεσθαι.  
III Ma. 2. 29. εἰς τὴν προσυνσταλμένην αὐθεντίαν  
προσψοῦν.  
I Ma. 12. 36. προσυνψάσαι τὰ τεῖχη Ἱερ.

πρόσφατος. (1) ἸΑ (2) ἸΒ (3) ἸΓ  
Nu. 6. 3. σταφυλὴν πρόσφατον . . . οὐ φάγεται (8)  
De. 32. 17. καιροὶ καὶ πρόσφατοι ἥκασιν (2 ?)  
Ps. 80 (81). 9. οὐκ ἔσται ἐν σοὶ θεὸς πρ. (1)  
Ec. 1. 9. οὐκ ἔστι πᾶν πρ. ὑπὸ τὸν ἥλιον (2)  
Si. 9. 10. ὁ γὰρ πρ. οὐκ ἔστιν ἔφιστος αὐτῶ  
προσφάτως. (1) ἸΔ  
De. 24. 5. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα πρ. (1)  
Ju. 4. 3. πρ. ἦσαν ἀναβεβηκότες  
— 5. πρ. ἦν τὰ πεδία αὐ. τεθερισμένα  
Ez. 11. 3. οὐκ ἔστι πρ. φθοδόμενται αἱ οἰκίαι +  
II Ma. 14. 36. τόνδε τὸν πρ. κεκαθαρισμένον οἶκον  
προσφέρειν. (1) ἸΒ hi. (2) ἸΒ (3) ἸΒ hi.  
(4) ἸΒ (5) ἸΒ hi. (6) ἸΒ (7) ἸΒ hi.  
(8) a. ἸΒ hi. b. ἸΒ pa. c. aph.  
(9) ἸΒ hi. (10) ἸΒ hi. (11) ἸΒ hi.  
Ge. 4. 7. οὐκ ἐὰν ὀρθῶς προσεγγίης (4)  
27. 25. καὶ προσήγγεν αὐτῶν  
— 31. προσήγγεκε τῷ πατρὶ αὐτοῦ (1)  
48. 26. προσήγγεκε αὐτῶν τὰ δῶρα (1)  
Ex. 29. 3. προσοίσεις [B' -σει] αὐτὰ ἐπὶ τῷ κανῶ (8 a)  
32. 6. προσήγγεκε θυσίαν σωτηρίου (8)  
34. 26. B οὐ προσοίσεις [A B οὐκ ἐψήσεις] ἄρνα +  
36. 3. προσεδέχοντο ἐτι τὰ προσφερόμ. +  
— 6. ἐκάλυψεν ὁ λαὸς ἐτι πρ. (1)  
Le. 1. 2. A ἐὰν προσφέρῃ [B -αγάγῃ] δῶρα  
τῷ κ.  
— 2. προσοίσετε τὰ δῶρα ὑμῶν (8 a)  
— 3. προσοίσεις αὐτὸ δεκτὸν (8 a)  
— 5. προσοίσουσιν . . . τὸ αἶμα (8 a)  
— 13. προσοίσει ὁ ἱερεὺς τὰ πάντα (8 a)  
— 14. B ἐὰν δέ . . . προσφέρῃς [A -ῃ, B -ει]  
δῶρον  
— 14. προσοίσεις ἀπὸ τῶν τρυγόνων (8 a)  
— 15. προσοίσεις αὐτὸ [A om.] ὁ ἱερεὺς (8 a)  
2. 1. ἐὰν δέ ψυχὴ προσφέρῃ δῶρον (8 a)  
— 4. ἐὰν δέ προσφέρῃ [A -ῃ] δῶρον (8 a)  
— 8. προσοίσεις τὴν θυσίαν (1)  
— 8. προσοίσεις πρὸς τὸν ἱερέα (8 a)  
— 11. ἢ ἂν προσφέρῃτε κυρίῳ (8 a)  
— 11. οὐ προσοίσετε ἀπ' αὐτοῦ (7)  
— 12. προσοίσετε αὐτὰ κυρίῳ (8 a)  
— 13. προσοίσετε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν ἅλους (8 a)  
— 14. ἐὰν δέ προσφέρῃς [A -ῃ] θυσίαν (8 a)  
— 14. προσοίσεις [A -σει] τὴν θυσίαν (8 a)  
3. 6. ἁμῶν προσοίσεις [A' -σεις] αὐτὸ (8 a)  
— 9. προσοίσεις . . . κίρπωμα τῷ θεῷ (8 a)  
4. 23. προσοίσεις τὰ δῶρον αὐτοῦ (1)  
— 32. ἐὰν δέ πρὸς βατὸν προσεγγίῃ (1)  
— 32. θῆλυ ἁμῶν προσοίσεις αὐτοῦ (8 a)  
6. 20 (13). B ὁ προσοίσουσιν κυρίῳ (8 a)  
— 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ αὐτοῦ προσοίσει (8 a)  
— 38 (7. 8). ἢ προσφέρει αὐτὸς (8 a)  
— 39 (7. 9). τὸ ἱερεὺς τοῦ προσφέροντος  
αὐτῇ (8 a)  
7. 1 (11). ἢ προσοίσουσιν κυρίῳ (8 a)  
— 1 (12). ἐὰν μὲν περὶ ἀνέσεως προσφέρῃ  
αὐτῇ (8 a)  
— 2 (12). προσοίσεις . . . ἄρτους ἐκ σεμιδάλεως (8 a)  
— 3 (13). A<sup>2</sup> B προσοίσεις τὰ δῶρα αὐτοῦ (8 a)  
— 8 (18). οὐ δεχθήσεται αὐτῶ τῷ προσφέροντι  
αὐτὸ (8 a)  
— 19 (29). ὁ προσφέρων θυσίαν σωτηρίου (8 a)  
— 20 (30). προσοίσουσιν τὰ καρπῶν. κυρίῳ (1)  
— 20 (30). προσοίσεις αὐτὰ (1)  
— 23 (33). ὁ προσφέρων τὸ αἶμα τοῦ σωτηρίου (8 a)  
— 28 (38). προσφέρειν τὰ δῶρα αὐτῶν (8 a)  
8. 6. προσήγγεκε M. τὸν Ἀ.  
9. 2. προσήγγεκε αὐτὰ ἑναγίᾳ κυρίου (8 a)  
— 9. προσήγγεκε . . . τὸ αἶμα (8 a)  
— 12. προσήγγεκε . . . τὸ αἶμα (11)  
— 13. τὸ ὀλοκαύτωμα προσήγγεκεν (11)  
— 15. προσήγγεκε τὸ δῶρον τοῦ λαοῦ (8 a)  
— 16. προσήγγεκε τὸ ὀλοκαύτωμα (8 a)  
— 17. προσήγγεκε τὴν θυσίαν (8 a)  
— 18. προσήγγεκε . . . τὸ αἶμα (11)  
10. 1. προσήγγεκε . . . πῦρ ἀλλότριον (8 a)  
— 15. προσοίσουσιν ἀφύρσιον (1)  
12. 6. προσοίσεις ἁμῶν ἐνιαύσιον (1)  
— 7. προσοίσεις ἑναγίᾳ κυρίῳ (8 a)  
14. 23. καὶ προσοίσεις αὐτὰ (1)  
16. 9. καὶ προσοίσεις περὶ ἀμαρτίας (6)  
17. 4. A B ὥστε μὴ [B om.] προσεγγίαι δῶρον (8 a)

Le. 21. 6. τὰς γὰρ θυσίας κυρίου . . . προσ-  
φέρουν (8 a)  
— 8. τὰ δῶρα κ. τοῦ θ. ὑμῶν οὗτος προσφέρει (8 a)  
— 17. οὐ προσελεύσεται πρ. [A-ρων] τὰ δῶρα (8 a)  
— 21. οὐ προσελεύσεται τὰς θυσίας (8 a)  
— 21. τὰ δῶρα . . . οὐ προσελεύσεται προσ-  
ενεγκύν (8 a)  
22. 15. Ἀ αὐτοὶ προσφέρουσιν [B ἀφαιροῦσι]  
τῷ κ. (9)  
— 18. δε ἂν προσενέγκῃ τὰ δῶρα αὐτοῦ (8 a)  
— 18. δε ἂν προσενέγκῃ τῷ θεῷ (8 a)  
— 21. δε ἂν προσενέγκῃ θυσίαν σωτηρίου (8 a)  
— 25. οὐ προσοίσετε τὰ δῶρα τοῦ θ. ὑμῶν (8 a)  
23. 14. ἔως ἂν προσενέγκῃτε ὑμεῖς τὰ δῶρα  
— 15. ἥς ἂν προσενέγκῃτε τὸ δράγμα (1)  
— 16. προσοίσετε θυσίαν νέαν τῷ κ. (8 a)  
— 17. προσοίσετε ἄρτους ἐπίθεμα (1)  
— 20. τῷ ἱερεὶ τῷ προσφέροντι αὐτὰ (8 a)  
— 27. ὥστε προσενέγκαι καρπώματα τῷ κ. (8 a)  
27. 9. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν προσφερομ. (8 a)  
— 11. ἀφ' ὧν οὐ προσφέρεται [A-τε] ἀπ' αὐτῶν  
δῶρον (8 a)  
Nu. 3. 4. προσφερόντων αὐτὸν πῦρ ἀλλότριον (8 a)  
5. 9. δε ἂν προσφέρῃ τῷ κ. (8 a)  
— 15. προσοίσει [A ὕσει] τὸ δῶρον (1)  
— 25. προσοίσει αὐτὸν πρὸς [A ἐπὶ] τὸ θυ-  
σιαστ. (8 a)  
6. 13. προσοίσει αὐτὸς παρὰ τὰς θύρας (1)  
— 16. προσοίσει ὁ ἱερεὺς ἐναντι κυρίου (8 a)  
— 20. προσοίσει αὐτὰ ὁ ἱερεὺς ἐπίθεμα (8 a)  
7. 2. προσήνεγκαν οἱ ἀρχιερεῖς Ἰσρ. (8 a)  
— 3. Ἀ προσήνεγκαν [B-ἴγαγον] ἐναντίον τῆς  
σκηνῆς (8 a)  
— 10. προσήνεγκαν . . . εἰς τὸν ἑγκαίνισμόν (8 a)  
— 10. προσήνεγκαν . . . τὰ δῶρα αὐτῶν (8 a)  
— 11. προσοίσει τὰ δῶρα αὐτῶν (8 a)  
— 12. ἦν ὁ προσφέρων ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρώτῃ (8 a)  
— 13. προσήνεγκε [S¹-καν] τὸ δῶρον αὐτοῦ (8 a)  
— 18. τῇ ἡμ. τῇ δευτ. προσήνεγκε Ναθ. (8 a)  
— 19. προσήνεγκε [S¹-καν] τὸ δῶρον αὐτοῦ (8 a)  
9. 7. προσήνεγκαν τὸ δῶρον κυρίῳ (8 a)  
— 13. τὸ δῶρον κυρίῳ οὐ προσήνεγκε [A¹-καν] (8 a)  
15. 4. προσοίσει ὁ προσφέρων τὸ δῶρον αὐ.  
κυρίῳ θυσίαν (8 a)  
— 7. τὸ τρίτον τοῦ ἵν προσοίσετε (8 a)  
— 9. προσοίσει . . . θυσίαν σμιδάλεως (8 a)  
— 13. προσήνεγκαι καρπώματα (8 a)  
16. 35. τοὺς προσφέροντας τὸ θυμίαμα (8 a)  
— 38 (17. 3). προσήνεχθησαν ἐναντι κυρίου (8 a)  
— 39 (17. 4). δε προσήνεγκαν οἱ κατακεκαυμ. (8 a)  
18. 15. δε προσήνεγκαν κυρίῳ (8 a)  
26. 61. ἐν τῷ πρ. αὐτοῦ πῦρ ἀλλότριον (8 a)  
28. 2. τὰ δῶρα μου . . . διατηρήσετε πρ. (8 a)  
— 26. δε προσήνεγκε θυσίαν νέαν (8 a)  
29. 8. προσοίσετε ὀλοκαυτώματα (8 a)  
31. 50. προσήνεγκαν τὸ δῶρον κυρίῳ (8 a)  
De. 17. 1. Ἀ οὐ προσοίσεις [B θύσεις] . . .  
μόσχον (8 a)  
23. 18 (19). οὐ προσοίσεις μίσθωμα πόρνῃς (1)  
Jd. 3. 17. προσήνεγκε τὰ δῶρα τῷ Ἐγ. (8 a)  
— 18. προσφέρων τὰ δῶρα (8 a)  
5. 25. προσήνεγκε [A-ἴγγισεν] βούτυρον (8 a)  
II Ki. 17. 29. καὶ προσήνεγκαν τῷ Δ. (8 a)  
III Ki. 3. 1 (B), 4. 21 (Δ) (5. 1). B προσ-  
φέροντες [A-εγγίζοντες] δῶρα (8 a)  
— 24. προσήνεγκαν τὴν μάχαιραν (1)  
IV Ki. 16. 15. πρόσφερε τὴν ὀλοκαύτωςιν (7)  
I Ch. 16. 1. προσήνεγκαν ὀλοκαυτώματα (8 a)  
II Ch. 29. 7. ὀλοκαυτώματα οὐ προσήνεγκαν (5)  
I Es. 1. 11. προσενεγκύν τῷ κυρίῳ (8 a)  
— 18. Ἀ προσενεχθήναι [B προσαχθ.] τὰς θυσίας  
4. 52. ἐπὶ καὶ δέκα πρ. ἄλλα τάλαντα (8 a)  
5. 49. προσενέγκαι ἐπ' αὐτοῦ ὀλοκαυτώσεις  
— 53. ἤρξαντο πρ. θυσίας τῷ θεῷ (8 a)  
6. 31. ὥπως προσφέρωνται σπονδαὶ (8 a)  
7. 7. προσήνεγκαν . . . ταύρους ἑκατόν (8 a)  
8. 15. ὥστε προσενεγκύν θυσίας (8 a)  
— 65. προσήνεγκαν θυσίας τῷ θεῷ (8 a)  
II Es. 6. 10. ἵνα ὦσιν προσφέροντες εὐωδίας (8 c)  
— 17. προσήνεγκαν . . . μόσχους ἑκατόν (8 c)  
7. 17. καὶ προσοίσεις αὐτὰ (8 b)  
8. 35. προσήνεγκαν ὀλοκαυτώσεις (8 a)  
Ju. 4. 14. προσέφερον [S προσφέροντες] τὴν ὀλο-  
καύτωςιν (8 a)  
9. 1. ἦν ἄρτι προσφερόμενον . . . τὸ θυμίαμα  
12. 9. B προσήνεγκαν τὴν τροφὴν [A τρυφὴν] αὐ.

[B. 1. 5. προσέφερε περὶ αὐτῶν θυσίας (5)  
Ps. 71 (72). 10. αἱ νήσοι δάρα προσοίσουσιν [S¹]  
— ἀξουσιν (10)  
Pr. 6. 8. ἥς τοὺς πόνοὺς . . . προσφέρονται [A φέρ.] —  
19. 24. B οὐδὲ τῷ στόματι οὐ μὴ προσενέγκῃ  
[A S-αγάγια, R-ενεκή] αὐτὰς (10)  
21. 27. καὶ γὰρ παρανόμος προσφέρουσιν αὐτὰς (1)  
Wi. 16. 21. τῇ δὲ τοῦ προσφερομένου ἐπιθυμία  
Si. prol. 22. προσενεγκασθῆαι τινα [S¹ προεν.] σπουδὴν  
— 24. πολλὴν γὰρ ἀγρυπνίαν καὶ ἐπιστήμην προσ-  
ενεγκάμενος (8 a)  
7. 9. ἐν τῷ προσενέγκαι με θεῷ ὑψίστῳ  
32 (35). 2. ἀνταποδοῖδους χάριν προσφέρων σμιδάλεω  
Am. 5. 25. μὴ σφάγια . . . προσηνέγκατέ μοι (8)  
Ma. 1. 13. S² καὶ προσφέρετε [A B S¹] ἐάν  
— φέριπτε] τὴν θυσίαν (1)  
Je. 14. 12. ἐάν προσενεγκάμενοι ὀλοκαυτώματα  
Ep. Je. 41. προσενεγκάμενοι τὸν Βῆλον ἀξιοῦσι (8 a)  
Ez. 43. 23. προσοίσουσιν μόσχον (8 a)  
— 24. προσοίσετε ἐναντίον κυρίου (8 a)  
44. 7. ἐν τῷ πρ. ὑμῶν ἄρτους [A add. μου] (8 a)  
— 15. τοῦ πρ. μοι θυσίαν (8 a)  
— 27. προσοίσουσιν λαομὸν (8 a)  
46. 4. τὰ ὀλοκαυτῶμ. προσοίσει ὁ ἀφηγούμε. (8 a)  
Da. LXX. 4. 34. τῷ ὑψίστῳ θυσίας προσοίσω  
— 34. προσφορὰν προσφέρετε αὐτῷ (8 a)  
Da. TH. 7. 13. B προσήνεχθη αὐτῷ [B προσ-  
ήχθη αὐ., A προσήνεγκαν αὐτόν] (8 c)  
I Ma. 4. 56. προσήνεγκαν ὀλοκαυτώματα  
7. 33. δεῖξαι αὐτῇ τὴν ὀλοκαύτωςιν τὴν προσφερομ.  
[S¹ προσφ.] (8 a)  
12. 11. Ἀ B ἐφ' ὧν προσφέρωμεν θυσίαν [S-ίαν]  
II Ma. 1. 8. προσήνεγκαν θυσίαν (8 a)  
3. 6. Ἀ καὶ μὴ προσενεγκύν [R-ῆκεν] αὐτὰ  
11. 18. δε μὲν οὖν εἶδε καὶ τῷ β. προσενεχθήναι  
III Ma. 3. 10. καὶ πᾶν ἑκτενὲς προσοίσεις  
4. 17. B προσήνεγκαν [A προην.] οἱ γραμματεῖς  
τῷ β. (8 a)  
7. 4. B προσφερόμενοι μὴ ποτε εὐσταθήσιν [A al.]  
IV Ma. 11. 19. τοῖς νότοις προσέφερον  
[Sm. Is. 53. 7.]  
[Th. Da. 7. 13.]  
[Al. Le. 4. 4: 7. 15: Dt. 17. 1.]  
**προσφύγειν.** (1) **וָיָחֵץ**  
[Sm. I Ki. 29. 3: Ez. 29. 16.]  
**προσφιλήs.** (1) **וָיָחֵץ**  
Es. 5. 1. τὸ πρόσπων αὐ. ἱλαρὸν ὡς προσφιλέs [S  
προφ.] (1)  
Si. 4. 7. προσφιλή συναγωγὴ σεαυτὸν ποιεῖ  
20. 13. ὁ σοφὸς ἐν λόγῳ [A S-οῖs] ἐαυτὸν προσφιλή  
ποιήσκει (1)  
**προσφιλία.** (1) **וָיָחֵץ** (2) **וָיָחֵץ**  
[Aq. Ps. 44 (45). 1.]  
**προσφορά.** (1) **וָיָחֵץ** (2) **וָיָחֵץ**  
III Ki. 7. 48. ἐφ' ἧς οἱ ἄρτοι τῆς πρ. (2)  
I Es. 5. 52. μετὰ ταῦτα προσφορὰς ἐνδελειχσμοῦ  
Ps. 39 (40). 6. προσφορὰν οὐκ ἠθέλησας (1)  
Si. 14. 11. προσφορὰς κυρίῳ ἀξίως πρόσταγε  
31 (34). 18. θυσιάζων ἐξ ἀδικου προσφορὰ μεμω-  
κμένη (8 a)  
— 19. οὐκ εὐδοκεῖ ὁ ὑψίστος ἐν προσφοραῖς ἀσεβῶν  
32 (35). 1. ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει προσφορὰς  
[B² συμφ.] (1)  
— 6. προσφορὰ δικαίου λιπαίνει θυσιαστήριον  
38. 11. λίπανον προσφορὰν ὡς μὴ ὑπάρχον  
46. 16. ἐν προσφορᾷ ἄρτος γαλαθηνῶ  
50. 13. προσφορὰ κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν  
— 14. κοσμήσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκρά-  
τορος (8 a)  
Da. LXX. 3. (38). οὐδὲ θυσία οὐδὲ προσφορὰ  
4. 34. προσφορὰν προσφέρετε αὐτῷ (8 a)  
Da. TH. 3. (38). A²B οὐδὲ προσφορὰ οὐδὲ θυμίαμα  
[Aq., Th. Le. 1. 2.]  
[Sm. Le. 1. 2: Ps. 140 (141). 2: Is. 57. 6: 66.  
3: Je. 14. 12: Ez. 20. 28.]  
[Al. Le. 2. 1: 8. 16: 5. 12: 6. 18 (11): 7. 30:  
8. 28: 23. 18: Nu. 5. 15: 16. 15.]  
**προσφορος.** (1) **וָיָחֵץ**  
[Sm. Is. 57. 6.]  
**προσφύγιον.** (1) **וָיָחֵץ**  
[Al. II Ki. 19. 42 (43).]

**προσφύειν.** (1) **וָיָחֵץ**  
Da. LXX. 7. 20. καὶ τοῦ ἐνὸς τοῦ ἄλλου τοῦ  
προσφύειντος (1)  
**προσφωνεῖν.** (1) **וָיָחֵץ**  
I Es. 2. 21. προσφωνῆσαι τῷ κυρίῳ β. (8 a)  
6. 6. μέχρ' οὐ . . . προσφωνήθησαν  
— 22. προσφωνήσάτω ἡμῖν περὶ τούτων  
II Ma. 15. 15. διδόντα δὲ προσφωνῆσαι τὰδε  
**προσχαίρειν.** (1) **וָיָחֵץ**  
Pr. 8. 30. ἐγὼ ἤμην ἡ προσέχαιρε (1)  
**προσχεῖν.** (1) **וָיָחֵץ** (2) **וָיָחֵץ** ni.  
Ex. 24. 6. τὸ δὲ ἡμ. τοῦ αἵματος προσέχεε (1)  
29. 16. προσχεῖς πρὸς τὸ θυσιαστήριον (1)  
— 21 (20). τὸ δὲ αἷμα τοῦ κριοῦ προσχεῖς (1)  
Le. 1. 5. προσχεοῖσι τὸ αἷμα (1)  
— 11. προσχεοῖσιν . . . τὸ αἷμα αὐτοῦ (1)  
3. 2, 8, 13. προσχεοῖσιν . . . τὸ αἷμα (1)  
6. 32 (7. 2). καὶ τὸ αἷμα προσχεῖ (1)  
7. 4 (14). τῷ ἱερεὶ τῷ προσχεοῖσι τὸ αἷμα (1)  
8. 18 (19), 23 (24). προσέχεε M. τὸ αἷμα (1)  
9. 12. προσέχεον ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (1)  
— 18. προσέχεε πρὸς τὸ θυσιαστ. (1)  
17. 6. προσχεῖ . . . τὸ αἷμα (1)  
Nu. 18. 17. τὸ αἷμα αὐτῶν προσχεῖς (1)  
De. 12. 27. Ἀ B τὸ δὲ αἷμα . . . προσχεῖς (2)  
IV Ki. 16. 13. καὶ προσέχεε τὸ αἷμα (1)  
— 15. Ἀ B πᾶν αἷμα . . . προσχεῖς [R ἐκχ.] (1)  
II Ch. 29. 22. προσέχεον ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (1)  
— 22. προσέχεαν [B¹-ορ] τὸ αἷμα (1)  
35. 11. προσέχεαν οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα (1)  
Ez. 43. 18. τοῦ . . . πρ. πρὸς αὐτὸ [A τὸ] αἷμα (1)  
[Th. Ex. 29. 20.]  
**πρόσχεσιs.** (1) **וָיָחֵץ**  
IV Ma. 15. 2. S κατὰ τὴν τοῦ τυράννου πρ. [A B  
ὑπόσχ.]  
**προσχεῖσθαι.** (1) **וָיָחֵץ**  
Es. 8. 13. μὴ προσχεῖσθαι τοῖς ὑπὸ Ἀ . . . ἀπο-  
σταλέσι γράμματα  
**πρόσχωμα.** (1) **וָיָחֵץ**  
II Ki. 20. 15. ἐξέχεαν πρόσχωμα [A πρόχ.] (1)  
IV Ki. 19. 32. οὐ μὴ ἐκχέῃ πρὸς αὐτὴν πρόσχωμα (1)  
Da. TH. 11. 15. ἐκχεῖ πρόσχωμα (1)  
[Aq. Is. 37. 33: Je. 6. 6: 32 (39). 24: 33 (40).  
4: Ez. 4. 2: 17. 17: 21. 22 (27): 26. 8.]  
[Sm. Is. 37. 33: Je. 6. 6: Ez. 4. 2.]  
[Th. Is. 37. 33: Ez. 4. 2: 21. 22 (27): 26. 8.]  
**προσχωρεῖν.** (1) **וָיָחֵץ**  
I Ch. 12. 19. ἀπὸ Μαν. προσχωρήσαν πρὸς Δ. (1)  
— 20. προσχωρήσαν αὐτῷ ἀπὸ Μαν. (1)  
Je. 21. 9. προσχωρήσαι πρὸς τοὺς Χαλδαίους (1)  
I Ma. 10. 26. οὐ προσχωρήσατε τοῖς ἐχθροῖς ἡ.  
**προσχωθεῖν.** (1) **וָיָחֵץ**  
II Ma. 13. 6. τὸν ἱεροσουλίας ἔρχον . . . προσωθού-  
σιν εἰς ὀλεθρον  
**προσωπεῖν.** (1) **וָיָחֵץ**  
IV Ma. 15. 15. τὰς . . . σάρκας ὥσπερ προσωπεῖα  
[S¹-ῶτια] προκειμέναs  
**πρόσπων.** (1) **וָיָחֵץ** (2) **וָיָחֵץ** (3) **וָיָחֵץ**  
(4) **וָיָחֵץ** (5) **וָיָחֵץ** (6) **וָיָחֵץ** (7) ἀπὸ  
πρόσπων, ἀπὸ τοῦ πρ. α. **וָיָחֵץ** δ. **וָיָחֵץ** **וָיָחֵץ**  
c. **וָיָחֵץ** d. **וָיָחֵץ** e. **וָיָחֵץ** f. **וָיָחֵץ**  
g. **וָיָחֵץ** h. **וָיָחֵץ** i. **וָיָחֵץ** j. **וָיָחֵץ**  
k. **וָיָחֵץ** (8) εἰς πρόσπων, εἰς τὸ πρ. α. **וָיָחֵץ**  
δ. **וָיָחֵץ** c. **וָיָחֵץ** d. **וָיָחֵץ** e. **וָיָחֵץ**  
(9) ἐκ πρόσπων, ἐκ τοῦ πρ. α. **וָיָחֵץ**  
δ. **וָיָחֵץ** c. **וָיָחֵץ** d. **וָיָחֵץ** e. **וָיָחֵץ**  
f. **וָיָחֵץ** g. **וָיָחֵץ** h. **וָיָחֵץ** i. **וָיָחֵץ** j. **וָיָחֵץ**  
(10) ἐκ τοῦ κατὰ πρόσπων **וָיָחֵץ** (11) ἐν  
πρόσπῳ **וָיָחֵץ** (12) ἐπὶ πρόσπῳ **וָיָחֵץ** **וָיָחֵץ**  
(13) ἐπὶ πρόσπῳ **וָיָחֵץ** **וָיָחֵץ** (14) ἐπὶ  
πρόσπῳ, ἐπὶ τὸ πρ. α. **וָיָחֵץ** δ. **וָיָחֵץ** **וָיָחֵץ**



De. 34. 1. ἡ ἐστίν ἐπὶ προσώπου [A -ον] ἱερ.

- (12 [14 b])
- 10. πρόσωπον κατὰ πρόσωπον (6, 6)
- Jo. 2. 10. κατέβηκεν... ἀπὸ προσώπου ὕμῶν (7 a)
- 11. οὐκ ἔστι... ἀπὸ προσώπου ὕμῶν (7 a)
8. 10. ἀλεθρεύσει ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
4. 5. προσάγαγε... πρὸ προσώπου κυρίου (18 a)
- 7. Δ<sup>3</sup> B ἐξέλειπεν... ἀπὸ προσώπου καβα-  
του (7 a)
5. 1. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν ἱσρ. (7 a)
- 14. Ἱ. ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον (14 c)
5. 5. ἕκαστος κατὰ πρόσωπον (18 m)
7. 4. ἐφυγον ἀπὸ προσώπου ἀνδρῶν Γ. (7 f)
- 6. ἐπεσεν Ἱ. ... ἐπὶ πρόσωπον (14 b)
- 10. ἴνα τί... πέπτακας ἐπὶ προσώπῳ σου (14 b)
- 12. κατὰ πρόσωπον τῶν ἐχθρῶν αὐ. (15 c)
- 13. Δ<sup>3</sup> κατὰ πρόσωπον [B ἐναντι] τῶν ἐχ-  
θρῶν αὐ. (15 c)
8. 5. φευγέμεθα ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 f)
- 6. φεύγουσιν οὗτοι ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 f)
- 10. ἀνέβησαν... κατὰ πρόσωπον τοῦ  
λαοῦ (15 c)
- 15. ἀνεχώρησεν... ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 f)
9. 24. ἐφοβήθησαν... ἀπὸ προσώπου ὕμῶν (7 a)
- 24. ἐφοβήθημεν... ἀπὸ προσώπου ὕμῶν (7 a)
10. 10. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν [A om. τ. υἱ.]  
ἱσρ. (7 f)
- 11. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν ἱσρ. (7 a)
- 12. ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A om.] ἱσρ. (7 f)
11. 6. μὴ φοβήθῃς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)
18. 3. τῆς κατὰ πρόσωπον Αἰγύπτου (15 b)
- 6. ἐξολοθρεύσῃ ἀπὸ προσώπου ἱσρ. (7 a)
- 16. ἡ ἐστὶ κατὰ πρόσωπον φάραγγος Ἰσρ. (15 i)
- 25. ἡ ἐστὶ κατὰ πρόσωπον Α. (15 b)
15. 8. κατὰ πρόσωπον φάραγγος Ἐννόμ  
17. 7. ἡ ἐστὶ κατὰ πρόσωπον υἱῶν Α. [A  
al.] (15 b)
18. 14. ἐπὶ πρόσωπον Βαβυλῶν (14 b)
- 16. κατὰ πρόσωπον νάπης Σ. (15 b)
19. 11. ἡ ἐστὶ κατὰ πρόσωπον Ἱ. (15 b)
20. 6. Α. ἔως τῆς κατὰ πρόσωπον τῆς συναγ. (15 c)
23. 3. ὅσα ἐποίησε... ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
- 5. ἐξολοθρεύσει... ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
- 5. ἔως ἂν ἐξολοθρεύσῃ... ἀπὸ προσώπου  
ὕμῶν (7 c)
- 9. ἐξολοθρεύσει... ἀπὸ προσώπου ὕμῶν (7 a)
- 13. τοῦ ἐξολοθρεύσαι... ἀπὸ προσώπου  
ὕμῶν (7 c)
24. 8. ἐξολοθρεύσατε... ἀπὸ προσώπου ὑ. (7 a)
- 12. ἐξέστειλεν... ἀπὸ προσώπου ἡ. (7 a)
- 18. ἐξέβαλε... ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
- Jd. 2. 3. ἐκ προσώπου ὕμῶν (9 d)
- 14. κατὰ πρόσωπον τῶν ἐχθρῶν αὐ. (15 c)
- 18. ἀπὸ [A πρὸ] προσώπου τῶν πολιορ-  
κούντων αὐτοῦ (7 a [18 c])
- 21. τοῦ ἐξάραι ἀνδρά ἐκ προσώπου αὐτῶν (9 d)
4. 19. Α. συνεκάλυψεν τὸ πρ. αὐτοῦ [B al.] -  
5. 5. ἐσάλειψαν ἀπὸ προσώπου κυρίου...  
ἀπὸ προσώπου κ. θεοῦ ἱσρ. (7 a)
6. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς ἀπὸ προσώπου Μ. (7 a)
- 6. ἐπαύχευσεν Ἱ. ... ἀπὸ προσώπου Μ. (7 a)
- 7. ἐδόσαν... ἀπὸ προσώπου Μ. [A al.] (7 g)
- 9. ἐξέβαλον αὐτοὺς ἐκ προσώπου ὕμῶν (9 d)
- 11. ἐκφυγὲν ἀπὸ [A ἐκ] προσώπου τοῦ Μ. (7 a [9 d])
- 22. Α. B εἶδον... πρόσωπον πρὸς [B om.]  
πρόσωπον (6, 6)
8. 28. Α. ἐνετράπη... ἀπὸ προσώπου ἱσρ.  
[B al.] (7 f)
9. 21. ᾤκησεν [A κατέκ.]... ἀπὸ προσώπου  
Αβ. (7 a)
- 39. Α. ἐξήλθε Γ. ἀπὸ προσώπου τῶν ἀνδρ.  
Σ. [B al.] (7 f)
- 40. ἐφυγεν [A om.] ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)
11. 3. ἐφυγεν Ἱ. ἀπὸ [A ἐκ] προσώπου τῶν  
αδ. αὐ. (7 a [9 d])
- 23. ἀπὸ [A ἐκ] προσώπου λαοῦ αὐ. ἱσρ. (7 a [9 d])
- 24. B ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (7 a)
- 33. ἀπὸ προσώπου υἱῶν ἱσρ. (7 a)
13. 20. ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 b)
16. 3. τοῦ [A δ ἐστίν] ἐπὶ προσώπου [A  
-ον] Χ. (12 [14 b])
18. 23. Α. ἐπείστρεψαν... κατὰ [B τὸ] πρὸς-  
ωπον αὐτῶν (15 f [8])
20. 2. ἐστάθησαν κατὰ πρόσωπον κυρίου [A al.] +

Jd. 20. 35. Α. ἐτρόπωσεν... κατὰ πρόσωπον

- ἱσρ. [B al.] (15 c)
- Ru. 2. 10. ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (14 b)
- 10. Α. καὶ προσέκυνον ἐπὶ πρόσωπον [B  
om. ἐπὶ πρ.] -
- I Ki. 1. 14. πορεύου ἐκ προσώπου κυρίου -
- 18. τὸ πρ. αὐτῆς οὐ συνέπεισεν ἐτι (6)
- 22. ὀφθήσεται τῷ πρ. κυρίου (6)
2. 11. λειτουργῶν τῷ πρ. κυρίου (6)
4. 17. ἐπέφυγεν ἀνὴρ ἱσρ. ἐκ προσώπου ἄλλοφ. (9 c)
5. 3. 4. Δ. πεπτακὸς ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 d)
7. 7. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (7 a)
8. 18. ἐκ προσώπου βασιλέως ὕμῶν (9 a)
9. 12. ἰδοὺ κατὰ πρόσωπον ὕμῶν (15 c)
13. 12. B τοῦ πρ. τοῦ κ. οὐκ ἐδέχθη (6)
14. 13. ἐπέβλεψαν κατὰ πρόσωπον Ἱ. (15 c)
- 15. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀγροῦ (15 b)
15. 7. ἐπάταξε Σ. τὸν Α. ... ἐπὶ προσώπου  
Αἰγ. (12)
- 27. ἐπέστρεψε Σαμ. τὸ πρ. αὐτοῦ -
16. 7. Α. μὴ ἐπιστρέψῃς ἐπὶ τὸ πρ. αὐ. [B al.] (3)
- 7. ἀνθρώπος θύεται ἐκ προσώπου (4)
- 8. παρήλαε κατὰ πρόσωπον Σαμ. (15 c)
17. 24. Α. ἐφυγον ἐκ προσώπου αὐτοῦ (9 d)
- 49. ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 b)
18. 11. Α. ἐξέκλινεν Δ. ἀπὸ προσώπου αὐ. δις (7 a)
- 12. ἐφοβήθη Σ. ἀπὸ προσώπου Δ. (7 c)
- 15. εὐλαβεῖτο ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)
- 16. ἐπορεύετο πρὸ προσώπου τοῦ λαοῦ (18 a)
19. 8. ἐφυγον ἐκ προσώπου αὐτοῦ (9 d)
- 10. ἀπέστη Δ. ἐκ προσώπου Σ. (9 d)
20. 15. ἕκαστον ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 b)
- 41. ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 c)
21. 6 (7). ἀλλ' ἡ ἄρτα τοῦ πρ. [A προφίτου]  
οἱ ἀφῆρημένοι ἐκ προσώπου κυρίου (6, 9 a)
- 10 (11). ἐφυγεν... ἐκ προσώπου Σ. (9 d)
- 12 (13). ἐφοβήθη σφόδρα ἀπὸ προσώπου Α. (7 a)
- 13 (14). ἡλλοίωσε τὸ πρ. [A τὸν ἑρόπον] αὐ. +
22. 4. παρεκάλεισε τὸ πρ. τοῦ βασ. Μ. (6)
23. 5. ἐφυγον ἐκ προσώπου αὐτοῦ -
- 26. πορεύεσθαι ἀπὸ προσώπου Σ. (7 a)
24. 3. ἤγρευον τὸν Δ. ... ἐπὶ πρόσωπον Σ. (14 b)
- 9. ἐκυψε Δ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 a)
25. 10. ἐκ προσώπου τοῦ κυρίου αὐτοῦ (9 d)
- 23. ἐπεσεν... ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (14 b)
- 35. ἡρέτισα τὸ πρ. σου (6)
- 41. προσεκύνουν... ἐπὶ πρόσωπον (14 a)
26. 1. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἱεσρ. (15 b)
- 3. τῷ ἐπὶ προσώπου τοῦ ἱεσρ. (12)
- 20. ἐξ ἐναντίας προσώπου κυρίου (6)
28. 14. ἐκύνεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 a)
30. 16. ἐπὶ προσώπον πάσης τῆς γῆς (14 b)
31. 1. ἐφυγον... ἐκ προσώπου τῶν ἄλλοφ. (9 d)
2. 22. πῶς ᾄδῃ τὸ πρ. μου πρὸς Ἰαάβ (6)
- 24. δ ἐστίν ἐπὶ προσώπου Γαί (12)
3. 13. οὐκ ὄψει τὸ πρ. μου (6)
- 13. ἰδεῖν τὸ πρ. μου (6)
7. 9. ἐξωλέθρευσα... ἀπὸ προσώπου σου (7 a)
- 15. ἀφ' ὧν ἀπέστησα ἐκ προσώπου μου (9 a)
- 23. τοῦ ἐκβαλεῖν σε ἐκ προσώπου τοῦ λαοῦ  
σου (9 d)
9. 6. ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 b)
10. 9. ἐκ τοῦ κατὰ πρόσωπον (10)
- 13. ἐφυγαν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)
- 14. ἐφυγαν ἀπὸ προσώπου Αβ. (7 a)
- 18. ἐφυγεν Σ. ἀπὸ προσώπου ἱσρ. (7 a)
11. 11. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἀγροῦ παρεμβάλ-  
λουσι (14 b)
14. 4. ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς (14 f)
- 7. ὥστε μὴ θίσθαι... ἐπὶ προσώπου τῆς  
γῆς (12)
- 20. τὸ πρ. τοῦ ῥήματος τούτου (6)
- 22. ἐπεσεν Ἱ. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 c)
- 24. τὸ πρ. μου μὴ βλαπείτω (6)
- 24, 28. τὸ πρ. τοῦ βασ. οὐκ εἶδε (6)
- 32. τὸ πρ. τοῦ βασ. οὐκ εἶδον (6)
- 33. ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ... καὶ κατὰ  
πρόσωπον τοῦ βασ. (14 f, 15 c)
15. 14. οὐκ ἔστιν ἡμῖν σωτηρία ἀπὸ προσώπου  
Αβ. (7 a)
- 18. πορευόμενοι ἐπὶ πρόσωπον τοῦ βασ. (14 b)
- 23. παρεπορεύοντο ἐπὶ πρόσωπον οδοῦ τῆς  
ἐρημῶν (14 b)
17. 11. τὸ πρ. σου πορευόμεν. ἐν μέσῳ αὐτῶν (6)

II Ki. 17. 19. διεπέτασε... ἐπὶ πρόσωπον τοῦ

- λάκου (14 b)
18. 8. διεσπαρμένους ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς  
γῆς (14 b)
- 28. προσεκύνει τῷ βασ. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 c)
19. 4 (5). ἐκύνει [A ἐπέκρ.] τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
- 5 (6). Α. B τὸ πρ. [B τὰ πρ.] πάντων τῶν  
δούλων σου (6)
- 8 (9). ἐσπῆλθε... κατὰ πρόσωπον τοῦ βασ. (15 c)
- 18 (19). ἐπὶ πρόσωπον αὐ. ἐνώπιον [A om.]  
αὐ. ἐ. τοῦ βασ. (- [14 d])
21. 1. ἐζήτησε Δ. τὸ πρ. τοῦ κυρίου (6)
23. 11. ἐφυγεν ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (9 d)
24. 20. προσεκύνει τῷ βασ. ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 a)
- III Ki. 1. 23. ἐσπῆλθε κατὰ πρόσωπον [A τὸ πρ.]  
τοῦ βασ. (15 c)
- 23. προσεκύνει τῷ βασ. κατὰ πρόσωπον  
αὐ. (15 n)
- 31. ἐκύνει Βηρσ. ἐπὶ πρόσωπον (14 a)
- 50. Ἀδ. ἐφοβήθη ἀπὸ προσώπου Σαλ. (7 a)
2. 7. ἐν τῷ με ἀποδιδράσκουσιν ἀπὸ προσώπου Αβ. (7 a)
- 14 (15). ἔθετο πᾶς ἱσρ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
- 15 (16). μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου (6)
- 16 (17). οὐκ ἀποστρέψει τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
- 20. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου (6)
- 29. ἐφοβήθη ἀπὸ προσώπου σου -
3. 15. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστ. τοῦ κατὰ  
πρόσωπον κισβοῦ (15 c, -)
- 28. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου τοῦ βασ. (7 a)
5. 3 (17). ἀπὸ προσώπου τῶν πολέμων (7 a)
6. 3. τὸ αἶλμα κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (15 b)
- 3. Α. κατὰ πρόσωπον εἰς τὸ ὕψος τοῦ οἴκου (15 b)
- 3. κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου (15 b)
- 19. κατὰ πρόσωπον τοῦ δαβὶρ -
- 20. Α. εἰς πρόσωπον τοῦ δαβὶρ (8 c)
- 20 (21). κατὰ πρόσωπον τοῦ δαβὶρ (15 c)
- 36. B τοῦ οἴκου τοῦ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ -
7. 36. ἐχόμενον ἕκαστον κατὰ πρόσωπον [A  
add. αὐτοῦ] ἔσω +
- 49. κατὰ πρόσωπον τοῦ δαβὶρ (15 c)
- 6. ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 b)
- 6. καὶ πάχος ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 b)
- 12. Α. κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ -
8. 8. εἰς πρόσωπον τοῦ δαβὶρ (8 d)
- 11. ἀπὸ προσώπου τῆς νεφέλης (7 a)
- 14. ἀπέστρεψεν ὁ βασ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
- 22. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου (15 c)
- 25. οὐκ ἐξυρθήσεται σου ἀνὴρ ἐκ προσώπου  
μου (9 a)
- 31. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου σου (15 c)
- 40. Α. ἐπὶ προσώπου πάσης [B om. πρ. π.]  
τῆς γῆς (12)
- 54. ἀπὸ προσώπου τοῦ θυσιαστηρίου κ. (7 c)
- 64. τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου (15 c)
9. 7. ἀπορρίψω ἐκ προσώπου μου (9 f)
- 25 (cf. 3. 1). Α. ἐθυμία αὐτοὺς εἰς πρόσωπον  
κυρίου (8 c)
10. 24. ἐζήτουν τὸ πρ. Σαλ. (6)
11. 7. Α. δ ἐπὶ πρόσωπον ἱερ. (14 b)
- 43 (B), 12. 2. (A). ἐφυγεν ἐκ προσώπου Σ. (9 d)
12. 8. τῶν παρεστηκότων πρὸ προσώπου αὐ. (18 a)
- 10. οἱ παρεστηκότες πρὸ προσώπου αὐ. -
- 30. ἐπορεύετο... πρὸ προσώπου τῆς μᾶς (18 a)
13. 6. B<sup>2</sup> B δειθῆτι τοῦ πρ. [A τῷ πρ., B<sup>1</sup> om.]  
τ. πρ.] κυρίου (6)
- 6. ἐδεῖν... τοῦ πρ. κυρίου (6)
- 11. ἐπέστρεψαν τὸ πρ. τοῦ πατρὸς αὐτῶν -
- 34. εἰς ἀφανισμόν ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 b)
14. 9. Α. ὅσοι ἐγένοντο εἰς πρόσωπόν σου (8 c)
- 24. ἀπὸ προσώπου υἱῶν ἱσρ. (7 a)
17. 3. τοῦ ἐπὶ προσώπου τοῦ ἱσρ. (12)
- 5. ἐκάθισεν... ἐπὶ προσώπου [A -ον] τοῦ  
ἱσρ. (12 [14 b])
- 14. Α. ἐπὶ προσώπου [B om.] τῆς γῆς (12)
18. 1. δάσω ὑπεὶν ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς (14 b)
- 7. καὶ ἐπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 b)
- 39. ἐπεσε... ἐπὶ προσώπου αὐ. [A al.] (14 b)
- 42. ἔθηκε τὸ [A om.] πρ. αὐ. ἀνὰ μέσον τῶν γον. (6)
19. 13. ἐπεκάλυψε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
- 20 (21). 4. συνεκάλυψε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)
- 26. ἀπὸ προσώπου υἱῶν ἱσρ. (7 a)
- 27. κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου τοῦ κ. +
- 29. κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου μου (7 c)
- IV Ki. 1. 15. μὴ φοβήθῃς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 a)
3. 14. εἰ μὴ προσώπον Ἱ. ... λαμβάνω (6)
- 24. ἐφυγον ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)

- IV Kι. 4. 29. ἐπιθήσεις . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ παιδαρίου (14 β)  
 — 31. ἐπιθήσεις . . . ἐπὶ πρόσωπον τοῦ παιδαρίου (14 β)  
 — 44. Α. ἔδωκεν εἰς πρόσωπον αὐτῶν (8 c)  
 5. 1. καὶ τεθναυμασμένους προσώπων (6)  
 — 15. Α. ἔστη εἰς πρόσωπον [B om. εἰς πρ., Α. ἐνώπιον] αὐτοῦ (8 c)  
 — 27. ἐξήλθεν ἐκ προσώπου [A τοῦ πρ.] αὐτοῦ (9 a)  
 6. 32. ἀπέστειλεν ἄνδρα πρὸς πρόσωπον αὐ. (18 d)  
 8. 11. καὶ παρίστη τῷ πρ. αὐτοῦ (6)  
 — 15. περιέβαλεν ἐπὶ τὸ πρ. αὐτοῦ (14 β)  
 — 14. ἀπὸ προσώπου Ἀζ. βασιλείας Σ. (7 a)  
 — 32. ἐπῆρε τὸ πρ. αὐτοῦ (6)  
 — 37. ὡς κοπρία ἐπὶ πρόσωπον τοῦ ἀγροῦ (12)  
 10. 4. οὐκ ἔστησαν κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 c)  
 11. 2. ἐκρυσεν αὐτὸν ἀπὸ προσώπου Γ'. (7 a)  
 — 18. κατὰ πρόσωπον τῶν θυσιαστ. (15 c)  
 12. 17 (18). ἔταξεν Ἀζ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)  
 13. 4. ἔδειξεν ἰ. τοῦ πρ. κυρίου (6)  
 — 14. Β. ἔκλινεν ἐπὶ προσώπου [A B -ον] αὐ. (12 [14 β])  
 — 23. οὐκ ἀπέριψε αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ πρ. αὐ. (7 β)  
 14. 8. ὀφθῶμεν προσώποις (6)  
 — 11. ὠφθῆσαν προσώποις (6)  
 — 12. ἔπτασαν ἰ. ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 f)  
 16. 3. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 a)  
 — 14. προσήγαγε τὸ πρ. τοῦ οἴκου (6)  
 — 18. ἀπὸ προσώπου βασιλείας Ἀσσ. (7 a)  
 17. 8. ἐκ [A ἀπὸ] προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (9 d [7 a])  
 — 11. δ. ἀπῆλθεν κ. ἐκ [A ἀπὸ] προσώπου αὐ. (9 d [7 a])  
 — 18. ἀπέστησεν αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ πρ. αὐ. (7 β)  
 — 20. ἀπέριψε αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 a)  
 — 23. μετέστησε κ. τὸν Ἰσρ. ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 β)  
 18. 24. πῶς ἀποστρέψεις τὸ πρ. τοπάρχου ἐνός (6)  
 19. 6. Α. μὴ φοβοῦ ἀπὸ προσώπου [B om.] τῶν λόγων (7 a)  
 — 15. Α. προσήγαγε . . . εἰς πρόσωπον κυρίου (8 c)  
 21. 2. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 a)  
 — 9. ἐκ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (9 d)  
 — 13. καταστρέφεται ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (14 β)  
 22. 19. ἐνερτίης ἀπὸ προσώπου [B' ἐν τὸ πρ.] κυρίου (7 a [8])  
 23. 13. τὸν οἶκον τὸν ἐπὶ πρόσωπον Ἰερ. (14 β)  
 — 27. ἀποστήσας ἀπὸ τοῦ πρ. μου (7 β)  
 24. 3. ἀποστήσας αὐτὸν ἀπὸ τοῦ [A om.] πρ. αὐ. (7 β)  
 — 20. ἀπέριψε αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 β)  
 25. 19. τῶν ὀρνέων τὸ πρ. τοῦ βασ. (6)  
 — 26. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου τῶν Χ. (7 a)  
 I Ch. 5. 25. οὐς ἐξῆρξεν ὁ θ. ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 a)  
 — 11. ἐφύγεν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (7 a)  
 12. 13. ἐφύγεν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (7 a)  
 11. 1. ἔτι συνεκρίθησαν ἀπὸ προσώπου Σ. (7 a)  
 — 8. προσώπων λέοντος πρόσωπα αὐτῶν (6, 6)  
 16. 4. ἔταξε κατὰ πρόσωπον τῆς κιβωτοῦ (15 c)  
 — 11. ζητήσατε τὸ πρ. αὐ. διὰ παντός (6)  
 — 27. ὁδὸς . . . κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 c)  
 — 29. ἐνέγκετε κατὰ πρόσωπον [B τὸ πρ.] αὐτοῦ (15 c)  
 — 30. φοβηθῆτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 c)  
 — 33. ἐκφρονήσεται . . . ἀπὸ προσώπου κυρίου (7 c)  
 17. 8. ἐξωλέθρευσεν . . . ἀπὸ προσώπου σου (7 a)  
 — 21. τοῦ ἐκβάλειν ἀπὸ προσώπου λαοῦ σου (7 a)  
 — 25. τοῦ προσεῖναι κατὰ πρόσωπον σου (15 c)  
 19. 10. τοῦ πολεμεῖν πρὸς αὐτὸν κατὰ πρόσωπον (15 f)  
 — 15. ἐφύγον . . . ἀπὸ προσώπου Ἀβ. καὶ ἀπὸ προσώπου Ἰ. (7 a, -)  
 — 18. ἐφύγε Σύρος ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 c)  
 — 19. ἐπταίκαται ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (7 f)  
 21. 12. φεύγει σε ἐκ προσώπου ἐχθρῶν σου (7 a)  
 — 16. ἔπεσε . . . ἐπὶ πρόσωπον αὐτῶν (14 β)  
 — 21. προσεκύνησε τῷ Δ. τῷ πρ. ἐπὶ τὴν γῆν (2)  
 — 30. ἀπὸ προσώπου τῆς βορραίας ἀγγέλου κυρίου (7 a)  
 28. 8. κατὰ πρόσωπον πάσης ἐκκλησίας κυρίου (15 k)  
 29. 11. ἀπὸ προσώπου σου ταράσσεται πᾶς βασ. -  
 II Ch. 1. 13. πρὸ [A ἀπὸ] προσώπου τῆς σκη-  
 νῆς (15 d [7 c])  
 3. 4. κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου μήκος ἐπὶ πρό-  
 σωπον πλάτους τοῦ οἴκου (15 β, 14 β)  
 — 8. μήκος αὐτοῦ ἐπὶ πρόσωπον (14 β)

- II Ch. 3. 13. καὶ τὰ πρ. αὐτῶν εἰς τὸν οἶκον (6)  
 — 17. κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (15 β)  
 4. 20. κατὰ πρόσωπον τοῦ θαβὶρ (15 c)  
 5. 9. εἰς πρόσωπον τοῦ θαβὶρ (8 d)  
 — 14. ἀπὸ προσώπου τῆς νεφέλης (7 a)  
 6. 3. ἐπέστρεψεν ὁ βασ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)  
 — 16. οὐκ ἐκλείψει σοὶ ἀνὴρ ἀπὸ προσώπου μου (7 c)  
 — 31. ἐπὶ προσώπου [A add. πάσης] τῆς γῆς (12)  
 — 36. παραδόσεις αὐτοὺς κατὰ πρόσωπον ἐχθρῶν (15 c)  
 — 42. Α. Β. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. τοῦ χρηστοῦ [B om. τ. χρ.] σου (6)  
 7. 3. ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον (14 a)  
 — 14. καὶ ζητήσας τὸ πρ. μου (6)  
 — 20. ἀποστρέψω ἐκ [A ἀπὸ] προσώπου μου (9 f [7 β])  
 9. 23. ἐζήτουν τὸ πρ. Σαλ. (6)  
 10. 2. ἐφύγεν ἀπὸ προσώπου Σαλ. (7 a)  
 12. 5. τοὺς συναχθίντας . . . ἀπὸ προσώπου Σ. (7 a)  
 — 7. οὐκ ἀντέστη κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 c)  
 18. κατὰ πρόσωπον βασιλείας κυρίου (15 c)  
 — 16. ἐφύγον . . . ἀπὸ προσώπου Ἰ. (7 a)  
 19. 7. οὐδὲ θανάσιμας προσώπων (6)  
 — 11. καὶ οἱ Λ. πρὸς πρόσωπον ὕμων (18 a)  
 20. 3. ἔδωκεν ἰωσ. τὸ πρ. αὐτοῦ (6)  
 — 5. κατὰ πρόσωπον τῆς αἰλῆς τῆς καινῆς (15 c)  
 — 7. ἀπὸ προσώπου τοῦ λαοῦ σου Ἰσρ. (7 c)  
 — 15. ἀπὸ προσώπου τοῦ δαχτύλου τοῦ πολλοῦ τ. (7 a)  
 — 18. κύνας ἰωσ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (14 a)  
 22. 11. ἐκρυσεν αὐτὸν ἀπὸ προσώπου Γοθ. (7 a)  
 25. 17. Α. Β. ὀφθῶμεν προσώποις (6)  
 — 22. ἐτροπώθη ἰ. κατὰ πρόσωπον Ἰσρ. (15 c)  
 28. 3. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 a)  
 29. 6. ἀπέστρεψαν τὸ πρ. (6)  
 30. οὐκ ἀποστρέψει τὸ πρ. αὐ. (6)  
 32. καὶ τὸ [A κατὰ] πρ. αὐ. τοῦ πολεμήσαι (6 [15 j])  
 — 7. μὴ ποιεῖται ἀπὸ προσώπου βασ. Ἀ. καὶ ἀπὸ προσώπου παντός τοῦ ἔθνους (7 a, 7 c)  
 — 21. ἀπέστρεψε μετὰ αἰσχύνῃς προσώπου [A al.] (6)  
 33. 2. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7 a)  
 — 9. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (7 a)  
 — 12. ἐζήτησε τὸ πρ. θεοῦ τὸ κ. αὐ. (6)  
 — 12. ἀπὸ προσώπου θεοῦ πατέρων αὐ. (7 c)  
 34. 4. τὰ [A om.] κατὰ πρόσωπον αὐ. θυσιασ-  
 τήρια (15 c)  
 — 4. ἔτριψεν ἐπὶ πρόσωπον τῶν μηνμάτων (14 β)  
 — 27. ἐπαπεινώθη ἀπὸ προσώπου μου (7 c)  
 35. 19. ἀποστήσας ἀπὸ προσώπου μου -  
 — 22. οὐκ ἀπέστρεψεν ἰ. τὸ πρ. αὐ. (6)  
 36. 5. τοῦ ἀποστήσας αὐτὸν ἀπὸ προσώπου αὐ. -  
 — 12. οὐκ ἐνερτίη ἀπὸ προσώπου Ἰερ. (7 c)  
 I Es. 4. 39. οὐκ ἔστι . . . λαμβάνειν πρόσωπα -  
 — 58. ὕρας τὸ πρ. εἰς τὸν οὐρανόν (7 a)  
 8. 74. ἐντέτριμμα κατὰ πρόσωπον σου (7 a)  
 II Es. 7. 14. ἀπὸ προσώπου τοῦ βασ. (7 j)  
 9. 6. ὑψῶσαι . . . τὸ πρ. μου πρὸς σέ (6)  
 — 7. καὶ ἐν αἰσχύνη προσώπου ἡμῶν (6)  
 10. 6. ἀπὸ προσώπου οἴκου τοῦ θεοῦ (7 c)  
 Ne. 1. 11. S<sup>3</sup> μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου -  
 2. 2. διὰ τί οὐ πρ. σου πονηρὰν (6)  
 — 3. διὰ τί οὐ μὴ γένηται πονηρὸν τὸ πρ. μου (6)  
 4. 9 (3). προσφύλακας . . . ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)  
 — 14 (8). μὴ φοβηθῇ ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 a)  
 5. 15. ἀπὸ προσώπου φόβου θεοῦ (7 a)  
 6. προσεκύνησαν . . . ἐπὶ πρόσωπον (14 a)  
 10. 33 (34). εἰς ἄρτους τοῦ πρ. (7 a)  
 To. 2. 9. τὸ πρ. μου ἀκάλυπτον ἦν [B al.] (7 a)  
 3. 6. S ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 a)  
 — 6. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου (6)  
 — 12. τὸ πρ. μου εἰς σέ δίδωκα [B al.] (7 a)  
 4. 7. Α. Β. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. σου (7 a)  
 — 7. Α. Β. οὐ μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρ. τοῦ θεοῦ (7 a)  
 12. 16. ἔπεσον ἐπὶ πρόσωπον (14 a)  
 13. 6. οὐ μὴ κρύψῃ τὸ πρ. αὐτοῦ (7 a)  
 14. 10. S ἀπέδωκεν ὁ θ. τὴν τιμίαν κατὰ πρόσωπον αὐ. (7 a)  
 Ju. 1. 7. κατὰ πρόσωπον παραλίας (6)  
 — 11. ἐν ἀτμίᾳ πρὸς πρόσωπον [A<sup>3</sup> ἀπὸ πρ., B προσώπων] αὐ. (6)  
 2. 5. ἐξελεῖσθαι ἐκ τοῦ [B om.] πρ. μου (7 a)  
 — 7. καλύψω πᾶν τὸ πρ. τῆς γῆς (7 a)  
 — 14. ἐξῆλθεν Ὁλ. ἀπὸ προσώπου τοῦ κυρίου αὐ. (7 a)  
 — 19. καλύψαι πᾶν τὸ πρ. τῆς γῆς (7 a)

- Ju. 2. 21. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ πεδίου B. (6)  
 — 23. τοὺς [B<sup>3</sup> om.] κατὰ πρόσωπον τῆς ἐρήμου (6)  
 — 25. κατὰ πρόσωπον τῆς Ἀραβίας (6)  
 3. 2. καθὼς ἀρεστόν ἐστι τῷ [B<sup>3</sup> ἐν] πρ. [B<sup>3</sup> om. τῷ πρ.] σου (6)  
 — 3. Α. Β. S<sup>3</sup> παράκεινται πρὸς πρόσωπον σου (6)  
 — 9. ἦλθε κατὰ πρόσωπον Ἐσ. (6)  
 4. 2. ἐφοβήθησαν . . . ἀπὸ προσώπου αὐ. (6)  
 — 6. κατὰ πρόσωπον τοῦ πεδίου τοῦ πλησίου [B om. τ. π. τ. πλ.] Δωθ. (6)  
 — 11. ἔπεσον [A ἐπέβησαν] κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (6)  
 — 11. ἐξέτειναν τοὺς σάκκους αὐ. κατὰ πρόσωπον κυρίου (6)  
 — 13. κατὰ πρόσωπον τῶν ἀγίων κυρίου (6)  
 5. 8. ἐξέβαλον αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου τῶν θ. αὐ. (6)  
 — 10. ἐκάλυψε γὰρ τὸ πρ. τῆς γῆς Χ. λιμός (6)  
 — 12. ἐξέβαλον αὐτοὺς . . . ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (6)  
 — 16. ἐξέβαλον ἐκ προσώπου αὐ. τὸν Χαν. (6)  
 6. 3. ἐξολεθρύνει αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (6)  
 — 4. κατὰ πρόσωπον [A add. τῶν ποδῶν] ἡμῶν (6)  
 — 5. οὐκ ὄψη ἐτι [B om.] τὸ πρ. μου (6)  
 — 9. μὴ συμπεσῇ σου τὸ πρ. (6)  
 — 19. ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸ πρ. τῶν ἡγιασμ. σοι (6)  
 7. 4. ἐκλείψουσιν οὗτοι τὸ πρ. τῆς γῆς πάσης (6)  
 — 6. κατὰ πρόσωπον τῶν υἱῶν Ἰσρ. (6)  
 — 15. οὐκ ἀπῆντησαν [A οὐχ ὑπ.] τῷ πρ. σου (6)  
 — 18. ἐκάλυψαν [B ἐπέκ.] πᾶν τὸ πρ. τῆς γῆς (6)  
 8. 15. πρὸς πρόσωπον τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν (6)  
 9. 1. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον (6)  
 10. 7. ἦν ἡλλοιωμένος τὸ πρ. αὐτῆς (6)  
 — 12. ἀποδιδράσκω ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (6)  
 — 13. ἐρχομαι εἰς τὸ [B om.] πρ. Ὀλοφέρνην (6)  
 — 13. δείξω πρὸς πρόσωπον αὐτοῦ ὁδόν (6)  
 — 14. κατενόησαν τὸ πρ. αὐτῆς (6)  
 — 15. Α. Β. καταβῆναι εἰς πρόσωπον τοῦ κυρίου [B al.] (6)  
 — 23. ὡς δὲ ἦλθε κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ ἰ. (6)  
 — 23. ἐπὶ τῷ κάλλει τοῦ πρ. αὐτῆς (6)  
 — 23. καὶ πεσοῦσα ἐπὶ πρόσωπον (6)  
 11. 5. λαλῶν . . . κατὰ πρόσωπον σου (6)  
 — 11. ἐπιπεσέτω θάν. ἐπὶ πρόσωπον [A B -ου] αὐ. (6)  
 — 13. τοῖς παρεστηκόσιν . . . ἀπάνηται τὸ πρ. τοῦ θ. (6)  
 — 16. Α. Β. ἀπὸ πρὸς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (6)  
 — 21. Α. Β. γυνή . . . ἐν καλῷ πρ. καὶ συνέσει λόγων (6)  
 12. 12. Α. Β. αἰσχρὸν τῷ πρ. ἡμῶν (6)  
 — 13. Α. Β. ἐξῆλθε B. ἀπὸ προσώπου Ὁλ. (6)  
 — 13. Α. Β. δοκασθῆναι κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (6)  
 13. 1. Α. Β. τοὺς παρσῶτας ἐκ προσώπου τοῦ κυρίου (6)  
 — 4. Α. Β. ἀπῆλθαν πάντες ἐκ προσώπου [A add. αὐτῆς] (6)  
 — 16. ἡπάτησαν αὐτὸν τὸ πρ. μου (6)  
 14. 3. φεύγουσιν ἀπὸ προσώπου ὕμων [B om.] (6)  
 — 6. ἔπεσαν ἐπὶ πρόσωπον (6)  
 — 7. προσεκύνησε τῷ πρ. αὐτῆς (6)  
 15. 2. μένων κατὰ πρόσωπον τοῦ πλησίου (6)  
 16. 7. ἐν κάλλει προσώπου αὐτῆς (6)  
 — 8. Α. Β. S<sup>3</sup> ἡλείψατο τὸ [A<sup>3</sup> om.] πρ. αὐτῆς (6)  
 — 15. ἀπὸ προσώπου σου . . . τακισσονται (6)  
 — 20. κατὰ πρόσωπον τῶν ἀγίων (6)  
 Es. 4. 5. S<sup>3</sup> κατὰ πρόσωπον τῆς πύλης τῆς πόλεως -  
 5. 1. καὶ τὸ πρ. αὐτῆς ἱλαρόν (6)  
 — 1. τὸ πρ. αὐ. πεπυρωμένον [B<sup>3</sup> -πληρωμένη] δόξῃ (6)  
 — 2. τὸ πρ. σου χαρίτων μεστόν (6)  
 7. 8. διετριπὴ τῷ πρ. (6)  
 8. 13. τὸ δεῖν. τοῦ βασιλικοῦ θρόνου πρ. (6)  
 — 15. S<sup>3</sup> ἐκ προσώπου τοῦ βασ. (9 a)  
 9. 2. S<sup>3</sup> κατὰ πρόσωπον αὐτῶν (15 h)  
 Jb. 1. 11. εἰς πρόσωπον σε εὐλογῇ (8 d)  
 — 12. Α. ἐξῆλθεν ὁ διάβολος ἀπὸ προσώπου [B παρὰ τοῦ] κυρίου (7 h)  
 2. 5. εἰς πρόσωπον σε εὐλογῇ (8 b)  
 4. 15. πνεῖμα ἐπὶ πρόσωπον μου ἐπῆλθεν (14 b)  
 6. 28. εἰσβλέψας [A ἐμβλ.] εἰς πρόσωπα ὕμων (6)  
 9. 24. πρόσωπα κριτῶν αὐ. συγκαλύπτει (6)  
 — 27. συγκύψας τῷ πρ. στενάξω (6)  
 11. 15. ἀναλάμψει σου τὸ πρ. (6)  
 13. 10. εἰ δὲ καὶ κρυφὴ πρόσωπα [A -ον] θαυμά-  
 σεσθε [A -εστε] (6)  
 — 20. ἀπὸ τοῦ πρ. σου οὐ [B om.] κρηβίσσομαι (7 a)  
 14. 20. ἐπέστησας αὐτῷ τὸ πρ. (6)  
 15. 27. ἐκάλυψε τὸ πρ. αὐτοῦ ἐν στέατι αὐτοῦ (6)  
 16. 9 (8). κατὰ πρόσωπον μου ἀνταπεκρίθη (15 h)  
 17. 12. Α. Β. S<sup>3</sup> φῶς ἐγγύς ἀπὸ προσώπου σκότους (7 a)

Jb. 18. 17. ὑπάρχει ὄνομα αὐτῆ ἐπὶ πρόσωπον  
 19. 8. ἐπὶ πρόσωπόν [B -ου, A δι ἀτραπῶν] (14 b)  
 21. 31. τίς ἀπαγγέλει ἐπὶ πρόσωπόν [A B<sup>2</sup> -ον] †  
 22. 8. ἰθαύμασας δέ τινων πρόσωπον [A B<sup>2</sup> -πα] (6)  
 23. 15. ἀπὸ προσώπου αὐ. κατασπουδασθῶ (7 a)  
 — 17. πρὸ [A om.] προσώπου [A -ον] δέ μου  
 ἐκάλυψε γνόφος [A σκότος] (18 c [6])  
 24. 15. ἀποκριθὲν πρόσωπον ἔθετο [A al.] (6)  
 — 18. ἐλαφρὸς ἔστιν ἐπὶ πρόσωπον [A -ον]  
 ὕδατος (14 b [12])  
 26. 9. A B B<sup>2</sup> δ' κρατῶν πρόσωπον θρόνου (6)  
 — 10. προσταγμα ἐγύρωσεν ἐπὶ πρόσωπον  
 ὕδατος (14 b)  
 29. 24. φῶς τοῦ πρ. μου οὐκ ἀπέπιπτεν (6)  
 30. 10. A B B<sup>2</sup> ἀπὸ δὲ προσώπου μου οὐκ ἐφέ-  
 σταντο πτέλεον (7 a)  
 — 11. χαλινὸν τοῦ πρ. [B τῷ πρ.] μου (6)  
 32. 22. οὐ γὰρ ἐπιστάμαι θανῆσαι πρόσωπα  
 [A B -ον] †  
 33. 26. εἰσελεύσεται δὲ προσώφῃ Ἰλαρῶ [A B<sup>2</sup>  
 καθαρῶ] (6)  
 34. 19. δε οὐκ ἐπαισχυνθῇ πρόσωπον ἐντίμου  
 ... θανατωθῆναι πρόσωπα [A -ον,  
 A τὰ πρ.] αὐ. (6, †)  
 — 29. κρύψει πρόσωπον καὶ τίς θύεται αὐτὸν (6)  
 38. 30. πρόσωπον δὲ ἀσεβοῦς τίς ἐπηγῆς (6)  
 40. 8 (13). τὰ δὲ πρ. αὐτῶν ἀνιμίας ἐμπλησον (6)  
 41. 4 (5). τίς ἀποκαλύψει [A ἀνακ.] πρόσωπον  
 ἐνδυνεῖσαι αὐτοῦ (6)  
 — 5 (6). πύλας προσώπου αὐτοῦ τίς ἀνοίξει (6)  
 42. 8. πρόσωπον αὐτοῦ λήψομαι (6)  
 Ps. 1. 4. ὃν ἐκρίπτει ὁ ἄνεμος ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς -  
 3. τί. ὅσπερ ἀπιδίδρασκεν ἀπὸ προσώπου  
 Ἀδρασάλωμ (7 a)  
 4. 6. ἐσημειώθῃ ἐφ' ἡμῖν τὸ φῶς τοῦ πρ. σου (6)  
 9. 3. ἀπολύνονται ἀπὸ προσώπου σου (7 a)  
 — 26 (10. 5). ἀνταναίρεται τὰ κρίματά σου  
 ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 i)  
 — 32 (10. 11). ἀπείστρεψεν τὸ πρ. αὐτοῦ (6)  
 10 (11). 8. εὐθύτητα εἶδε τὸ πρ. αὐ. (6)  
 12 (13). 1. ὥς ποτε ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου  
 ἀπ' ἐμοῦ (6)  
 15 (16). 11. πληρώσεις με ἐνφροσύνης μετὰ τοῦ  
 πρ. σου (6)  
 16 (17). 2. ἐκ προσώπου σου τὸ κρίμα μου  
 ἐξέλθω (9 a)  
 — 9. ἀπὸ προσώπου ἀσεβῶν τῶν ταραισωρη-  
 σάντων με (7 a)  
 — 15. ὀφθίσωμαι τῷ πρ. σου (6)  
 17 (18). 8. A B B<sup>2</sup> πῦρ ἀπὸ προσώπου [B πῦρ  
 ἐναντίον] αὐτοῦ κατεφλόγησεν (6)  
 — 42. ὡς χυνοὶ κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (15 b)  
 20 (21). 6. εὐφρανείσιν αὐτὸν ἐν χαρᾷ μετὰ τοῦ  
 πρ. σου (6)  
 — 9. εἰς καιρὸν τοῦ πρ. σου (6)  
 — 12. ἐτοιμάσεις τὸ πρ. αὐτῶν (6)  
 21 (22). 24. οὐδὲ ἀπείστρεψεν τὸ πρ. αὐτοῦ (6)  
 23 (24). 6. ζητούντων τὸ πρ. τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (6)  
 26 (27). 8. ἐξεζήτησα τὸ πρ. σου τὸ πρ. σου,  
 κυρίε, ζητήσω (6, 6)  
 — 9. μὴ ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)  
 29 (30). 7. ἀπείστρεψας δὲ τὸ πρ. σου (6)  
 30 (31). 16. ἐπίφανον τὸ πρ. σου ἐπὶ τὸν  
 δοῦλόν σου (6)  
 — 20. ἐν ἀποκρύφῳ τοῦ πρ. σου (6)  
 — 22. ἀπέρριμμαι ὑπὸ προσώπου [B<sup>2</sup> om.] τῶν  
 ὀφθαλμῶν σου (7 i)  
 33 (34). τί. ὅσπερ ἡλλοίωσε τὸ πρ. αὐτοῦ †  
 — 5. τὰ πρ. ὑμῶν οὐ μὴ κατασπυχνῇ (6)  
 — 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακὰ (6)  
 34 (35). 5. ὥσπερ χυνοὶ κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (15 c)  
 37 (38). 3. ἀπὸ προσώπου τῆς ὀργῆς σου ...  
 ἀπὸ προσώπου τῶν ἀμαρτιῶν μου (7 a, 7 a)  
 — 5. ἀπὸ προσώπου τῆς ἀφροσύνης μου (7 a)  
 41 (42). 2. καὶ ὀφθίσωμαι τῷ πρ. τοῦ θεοῦ (6)  
 — 5. σωτήριον τοῦ πρ. μου [B<sup>2</sup> σου] (6)  
 — 11. ἡ σωτηρία [A B<sup>2</sup> σωτήριον] τοῦ πρ. μου (6)  
 42 (43). 5. σωτήριον τοῦ πρ. μου (6)  
 43 (44). 3. καὶ ὁ φωτισμός τοῦ πρ. σου (6)  
 — 15. ἡ αἰσχύνη τοῦ πρ. μου ἐκάλυψε με (6)  
 — 16. ἀπὸ προσώπου [B<sup>2</sup> φόβου] ἰχθροῦ (7 a)  
 — 24. ὡς τί τοῦ [A om.] πρ. σου ἀποστρέψεις  
 44 (45). 12. τὸ πρ. σου λιτανεύουσιν (6)

Ps. 45 (46). 5. βοηθήσει αὐτῇ ὁ θ. τῷ πρ.  
 [A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> al.] †  
 49 (50). 21. B B<sup>2</sup> παραστήσω κατὰ πρόσωπόν  
 σου [B<sup>2</sup> σου τὰς ἀμαρτίας σου] (15 k)  
 50 (51). 9. ἀπείστρεψεν τὸ πρ. σου (6)  
 — 11. μὴ ἀποστρέψεις με ἀπὸ τοῦ πρ. σου (7 c)  
 54 (55). 21. ἀπὸ ὀργῆς τοῦ πρ. αὐτοῦ (5)  
 56 (57). τί. ἐν τῷ αὐτῶν ἀποδιδράσκειν ἀπὸ  
 προσώπου Σαουλ (7 a)  
 — 6. ἄνυσαν πρὸς πρόσωπον μου βόθρον (18 a)  
 59 (60). 4. τοῦ φυγῆναι ἀπὸ προσώπου τούτου (7 a)  
 60 (61). 3. πύργος ἰσχύος ἀπὸ προσώπου ἰχθροῦ (7 a)  
 66 (67). 1. ἐπιφάνει τὸ πρ. αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς (6)  
 67 (68). 1. φυγέτωσαν οἱ μισοῦντες αὐτὸν ἀπὸ  
 προσώπου αὐτοῦ (7 a)  
 — 2. ὡς τῆκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρὸς  
 οὕτως ἀπὸλυντο οἱ ἀμαρτωλοὶ ἀπὸ  
 προσώπου τοῦ θεοῦ (7 a, 7 a)  
 — 4. ταραχθίσονται ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 f)  
 — 8. οἱ οὐρανοὶ ἔσταξαν ἀπὸ προσώπου τοῦ  
 θεοῦ (7 a)  
 — 8. A B B<sup>2</sup> ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Ἰσραὴλ (7 a)  
 68 (69). 7. ἐκάλυψε ἐντροπὴ τὸ πρ. μου (6)  
 — 17. B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> μὴ ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου (6)  
 — 29. B B<sup>2</sup> ἡ σωτηρία τοῦ πρ. [B<sup>2</sup> om. τοῦ πρ.]  
 σου ἀντελᾶβει ὁ μου -  
 77 (78). 55. ἐξέβαλεν ἀπὸ προσώπου αὐτῶν  
 ὄνη (7 a)  
 79 (80). 3, 7. ἐπίφανον τὸ πρ. σου (6)  
 — 16. ἀπὸ ἐπιτιμῆσεως τοῦ πρ. σου ἀπολύνεται (6)  
 — 19. ἐπίφανον τὸ πρ. σου (6)  
 81 (82). 2. πρόσωπα ἀμαρτωλῶν λαμβάνετε (6)  
 82 (83). 13. ὡς καλῶναι κατὰ πρόσωπον ἀνέμου  
 [B<sup>2</sup> πυρός] (15 c)  
 — 16. A πλήρωσον τὰ πρ. αὐ. ἀτιμίας καὶ  
 ζητήσοις τὸ πρ. [B B<sup>2</sup> ὀνομα] σου (6, †)  
 83 (84). 9. ἐπίβλεψον ἐπὶ τὸ πρ. τοῦ χρηστοῦ  
 σου (14 g)  
 87 (88). 14. ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)  
 88 (89). 14. ἔλκος καὶ δάληα προσπορεύονται  
 πρὸς πρόσωπόν σου (18 f)  
 — 15. ἐν τῷ φωτὶ τοῦ πρ. σου πορεύονται (6)  
 — 23. συγκόψω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ τοὺς  
 ἐχθρούς αὐτοῦ [A μου] (7 a)  
 89 (90). 8. εἰς φωτισμόν τοῦ πρ. σου (6)  
 94 (95). 2. προσφάσσωμεν τὸ πρ. αὐτοῦ (6)  
 95 (96). 9. σαλευθήτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ  
 πᾶσα ἡ γῆ (7 a)  
 — 13. ἀγαλλιάσονται ... πρὸ [A B<sup>2</sup> ἀπὸ] προσ-  
 ὴπου κυρίου (18 a [7 f])  
 96 (97). 5. ἐτάκταν ἀπὸ προσώπου κυρίου ἀπὸ  
 προσώπου κυρίου [B om.] πάσης τῆς  
 γῆς (7 c, 7 c)  
 97 (98). 8. A B<sup>2</sup> ἀπὸ προσώπου κυρίου (7 f)  
 101 (102). 2. μὴ ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)  
 — 10. ἀπὸ προσώπου τῆς ὀργῆς σου (7 a)  
 103 (104). 15. τοῦ Ἰλαρίων πρόσωπον ἐν ἐλαίῳ (6)  
 — 29. ἀποστρέψαντος δὲ σου τὸ πρ. (6)  
 — 30. ἀνακαινίσεις τὸ πρ. τῆς γῆς (6)  
 104 (105). 4. ζητήσατε τὸ πρ. αὐτοῦ διὰ παντός (6)  
 113 (114). 7. ἀπὸ προσώπου κυρίου ἰσαλευθῇ ἡ  
 γῆ ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Ἰ. (7 c, 7 c)  
 118 (119). 58. ἐδείχθη τὸ πρ. σου (6)  
 — 135. τὸ πρ. σου ἐπίφανον ἐπὶ τὸν δοῦλόν σου (6)  
 131 (132). 10. μὴ ἀποστρέψεις τὸ πρ. τοῦ  
 χρηστοῦ σου (6)  
 138 (139). 7. ἀπὸ τοῦ [B om.] πρ. σου τοῦ φύγου (7 a)  
 139 (140). 13. A B<sup>2</sup> κατοικίησιν ἐν εὐθείᾳ σὺν  
 [B B<sup>2</sup> ἐν] τῷ πρ. σου (6)  
 142 (143). 7. μὴ ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου ἀπ' ἐμοῦ (6)  
 147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψυχῆς αὐτοῦ (15 c)  
 Pr. 2. 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ γνώσεις καὶ συνέσεις (5)  
 4. 3. ἀγαπώμενος ἐν προσώφῳ μητρὸς (11)  
 7. 13. ἀναίει δὲ προσώφῳ προετίπει αὐτῶν (6)  
 — 15. ποθοῦσα τὸ σὺν πρ. εἰρηκὰ σε (6)  
 8. 30. ἐνφρανίσωμ ἐν προσώφῳ αὐτοῦ (11)  
 15. 13. καρδίας ἐνφρανισμένης πρόσωπον βάλλει (6)  
 17. 24. πρόσωπον συνετὸν ἀνδρὸς σοφοῦ (6)  
 18. 5. θανῶσαι πρόσωπον ἀσεβοῦς οὐ καλόν (6)  
 19. 6. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα βασιλέων (6)  
 21. 29. ἀσεβὴς ἀνὴρ ἀναίδως ὑβρίσεται προσώφῳ (6)  
 22. 26. μὴ δίδωσιν σε εἰς ἐγγὺν αἰσχυν-  
 μένος πρόσωπον -  
 24. 38 (23). A B αἰδέσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει  
 οὐ καλόν (6)  
 25. 5. κτείνε ἀσεβεῖς ἐκ προσώπου βασιλέως (9 c)

Pr. 25. 7. ἡ ταπεινώσεται [B -ωγήναι] σε ἐν προσ-  
 ὴφῳ δυνίστου (11)  
 — 23. πρόσωπον δὲ ἀναίδες γλώσσαν ἐρεθίζει (6)  
 27. 17. ἀνὴρ δὲ παροξύνει πρόσωπον ἐταίρου (6)  
 — 19. ὥσπερ οὐχ ὁμοία πρόσωπα προσώποις (6, 6)  
 28. 21. δε οὐκ αἰσχύνεται πρίσωπα δικαίων (6)  
 29. 5. δε παρασκευάζεται ἐπὶ πρόσωπον τοῦ  
 αὐτοῦ φίλου †  
 — 26. πολλοὶ θεραπεύουσι πρόσωπα ἡγουμένων (6)  
 Ec. 2. 26. πρὸς πρόσωπον αὐτοῦ ἔδωκε σοφίαν (18 a)  
 — 26. τοῦ δοῦναι τῷ ἀγαθῷ πρὸς πρόσωπον  
 τοῦ θεοῦ (18 a)  
 3. 14. ὡς φοβηθῶσιν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 c)  
 5. 1. τοῦ ἐξενέγκαι λόγον πρὸς πρόσωπον τοῦ  
 θεοῦ (18 a)  
 — 5. μὴ εἴπῃς πρὸς πρόσωπον [B τὸ πρ.] τοῦ  
 θεοῦ (18 a [6])  
 7. 4 (3). A B ἐν κακίᾳ προσώπου ἀγαθυνθῇ, σε-  
 ται καρδία [B om.] (6)  
 — 27 (26). ἀγαθὸς πρὸς πρόσωπον τοῦ θεοῦ  
 ἐξαιρεθῆσεται ἀπ' αὐτῆς (18 a)  
 8. 1. σοφία ἀνθρώπου φωτίζει πρόσωπον [B τὸ  
 πρ.] αὐτοῦ [A om.] (6)  
 — 1. ἀναίδης προσώφῳ αὐτοῦ μισηθήσεται (6)  
 — 3. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύση (7 a)  
 — 12. ὅπως φοβῶνται ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 c)  
 — 13. δε οὐκ ἔστι φοβοῦμενος ἀπὸ προσώπου  
 τοῦ θεοῦ (7 c)  
 9. 2 (1). τὰ πάντα πρὸς πρόσωπον [B<sup>2</sup> πρὸς  
 πρόσωπον] αὐτῶν (18 a [6])  
 10. 5. ἐξῆλθεν ἀπὸ προσώπου ἐξουσιάζοντος (7 c)  
 — 10. αὐτὸς πρόσωπον ἐτάραξε (6)  
 11. 1. A B<sup>2</sup> B B<sup>2</sup> ἀπόστειλον τὸν ἄρτον σου ἐπὶ  
 πρόσωπον τοῦ ὕδατος (14 b)  
 Ca. 7. 4 (5). σκοπεῖν πρόσωπον Δαμασκῶ (6)  
 Wi. 4. 19. B<sup>2</sup> ῥῆξαι αὐτοὺς ἀφάνους πρηγεῖς ἐπὶ  
 πρόσωπον [A B<sup>2</sup> B B<sup>2</sup> om. ἐ. πρ.] (6)  
 5. 1. στήσεται ... κατὰ πρόσωπον τῶν θλιψάντων  
 αὐτὸν (6)  
 6. 7. οὐ γὰρ ὑποστελεῖται πρόσωπον ὁ πάντων  
 δεσπότης (6)  
 17. 4. φάσματα ἀμειδίτοις κατηφῇ πρὸς ὅπως ἐνε-  
 φανίζετο (6)  
 Si. 4. 4. μὴ ἀποστρέψεις τὸ πρ. σου ἀπὸ πτωχοῦ  
 — 22. μὴ λάβῃς πρόσωπον κατὰ τῆς ψυχῆς σου  
 — 27. μὴ λάβῃς πρόσωπον δυνάστου  
 6. 12. ἀπὸ τοῦ πρ. σου κρυβήσεται (6)  
 7. 6. μὴ ποτε εὐλασθῇς ἀπὸ προσώπου δυνάστου  
 — 24. μὴ ἰλαρώσῃς πρὸς αὐτὰς [A -ὰ] τὸ πρ. σου  
 8. 11. μὴ ἐξαναστῇς ἀπὸ προσώπου ὑβριστοῦ  
 10. 5. προσώφῳ γραμματέως ἐπιθήσει δόξαν αὐτοῦ  
 12. 18. ἀλλοιώσει τὸ πρ. αὐτοῦ  
 13. 25. καρδία ἀνθρώπου ἄλλοιοι τὸ πρ. αὐτοῦ  
 — 26. ἴσως καρδίας ἐν ἀγαθοῖς πρόσωπον Ἰλαρόν  
 14. 8. ἀποστρέψων πρόσωπον καὶ ὑπερυρῶν ψυχὰς  
 16. 30. ἐκάλυψε τὸ πρ. αὐτῆς  
 17. 25. δεήθητι κατὰ πρόσωπον  
 18. 24. ἐν ἀποτροπῇ προσώπου  
 19. 11. ἀπὸ προσώπου λόγου ὠδινήσει μωρὸς ὡς  
 ἀπὸ προσώπου βρέφους ἡ τίκτουσα  
 — 27. συγκίψων πρόσωπον καὶ ἑτεροκυφῶν  
 — 29. ἀπὸ ἀπαντήσεως προσώπου  
 20. 22. ἀπὸ ἀφρονος προσώπου ἀπολεί αὐτήν  
 21. 2. ὡς ἀπὸ προσώπου ὀφείας φεύγει ἀπὸ ἀμαρτίας  
 — 22. αἰσχυνθήσεται ἀπὸ προσώπου  
 22. 25. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ οὐ μὴ κρυβῶ  
 25. 17. σκοτοὶ τὸ πρ. αὐτῆς ὡς σάκκον [A B<sup>2</sup> ἄρκος]  
 — 23. καρδία ταπεινὴ καὶ πρόσωπον σκυθρωπόν  
 26. 4. ἐν παντὶ καιρῷ πρόσωπον Ἰλαρόν  
 — 5. ἐπὶ τῷ τετάρτῳ προσώφῳ ἐδείχθη  
 — 17. κάλλος προσώπου ἐπὶ ηλικίᾳ στασίμῃ  
 29. 27. ἐξελεθε, πάροικε, ἀπὸ προσώπου δόξης  
 31 (34). 3. κατέναντι προσώπου ὁμοίωμα προσώπου  
 32 (35). 4. μὴ ὀφθῇς ἐν προσώφῳ κυρίου κενός  
 — 9. ἐν πάσῃ δόξῃ ἰλαρώσων τὸ πρ. σου  
 — 12. οὐκ ἔστι παρ' αὐτῷ δόξα προσώπου  
 — 13. οὐ λήψεται πρόσωπον ἐπὶ πτωχοῦ  
 34 (31). 6. ἐγενίθη ἀπάλεια αὐ. κατὰ πρόσωπον αὐ.  
 — 13. ἀπὸ παντός προσώπου δακνίει  
 36. 27 (24). κάλλος γυναικὸς ἰλαρύνει πρόσωπον  
 38. 8. εἰρήνη παρ' αὐτοῦ ἔστιν ἐπὶ προσώπου τῆς  
 γῆς  
 40. 6. ὡς ἐκπεφυνγὸς ἀπὸ προσώπου πολέμου  
 41. 20. ἀπὸ ἀποτροπῆς προσώπου συγγενούς  
 42. 1. μὴ λάβῃς πρόσωπον τοῦ ἀμαρτανίου  
 45. 3. ἐδόξασεν αὐτὸν κατὰ πρόσωπον βασιλέων



- Si. 45. 5. ἔδωκεν αὐτῇ κατὰ πρόσωπον ἐντολάς  
50. 17. ἔπαισαν ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν  
Ho. 2. 2 (4). ἐξαρῶ τὴν πορνείαν αὐ. ἐκ προσ-  
ώπου μου (9 d)  
5. 5. ταπεινωθήσεται ἡ ὕβρις τοῦ Ἰσρ. εἰς  
πρόσωπον αὐτοῦ (8 e)  
— 15. ἡγήθησιν [A ἐπί.] τὸ πρ. μου (8)  
7. 2. ἀπέναντι τοῦ πρ. μου ἐγένοντο (8)  
— 10. ταπεινωθήσεται ἡ ὕβρις Ἰσρ. εἰς πρό-  
σωπον αὐτοῦ (8 e)  
10. 7. ὡς φρύγανον ἐπὶ πρόσωπου [A -ou]  
ὕδατος (12 [14 b])  
— 15. ἀπὸ προσώπου ἀδικίας [A om.] κακιῶν  
ὑμῶν (7 a)  
Am. 2. 9. ἐξήρα τὸν Ἄμ. ἐκ προσώπου αὐτῶν (9 d)  
5. 8. ἐκχύνει αὐτὸ ἐπὶ πρόσωπον [A -ou] τῆς  
γῆς (14 b [12])  
— 19. ἐὰν φύγῃ ἄνθρωπος ἐκ προσώπου τοῦ  
λόντος (9 d)  
9. 4. ἐὰν πορευθῶσιν . . . πρὸ προσώπου τῶν  
ἐχθρῶν αὐ. (18 a)  
— 4. A στῆριθ τὸ πρ. [B τοὺς ὀφθ.] μου ἐπ' αὐτοὺς (4)  
— 6. ἐκχύνει αὐτὸ ἐπὶ πρόσωπον [A -ou] τῆς  
γῆς (14 b [12])  
— 8. ἐξαρῶ αὐτὴν ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 b)  
Mi. 1. 4. ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρὸς (7 a)  
2. 13. διὰ τῆς διακοπῆς πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 a)  
— 13. ἐξήλθεν ὁ βασι. αὐ. πρὸ προσώπου  
αὐτῶν (18 a)  
3. 4. ἀποστρέψει τὸ πρ. αὐ. ἀπ' αὐτῶν (8)  
4. ἐξοπίσθια πρὸ προσώπου σου τὸν M. (18 a)  
Jl. 2. 3. ὡς παράδεισος τρυφῆς ἡ γῆ πρὸ προσ-  
ώπου αὐτοῦ (18 a)  
— 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ συντριβήσονται λαοὶ (7 a)  
— 6. πᾶν πρ. ὡς πρόσκαυμα χυτῆρας (8)  
— 10. πρὸ προσώπου αὐ. συγχυθήσεται ἡ γῆ (18 a)  
— 11. πρὸ προσώπου δυνάμεως αὐτοῦ (18 a)  
— 20. ἀφανῶ τὸ πρ. αὐτοῦ (8)  
Jn. 1. 3. τοῦ φλογεῖν εἰς θε. ἐκ [A B ἀπὸ] προσώ-  
που κυρίου (9 a [7 c])  
— 3. ἐκ προσώπου κυρίου (9 a)  
— 10. ἐκ προσώπου κυρίου ἦν φέγων (9 a)  
Na. 1. 5. ἀνστήλας ἡ γῆ ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 a)  
— 6. ἀπὸ προσώπου ὀργῆς αὐτοῦ (7 f)  
2. 1 (2). ἀνίσθι ἐμφυσῶν εἰς πρόσωπον σου (8 d)  
— 10 (11). τὸ πρ. πᾶντων ὡς πρόσκαυμα  
χυτῆρας (8)  
3. 5. ἀποκαλύψω τὰ ὀπίσω σου ἐπὶ τὸ [A om.]  
πρ. σου (14 b)  
Hb. 1. 9. ἀνστήκοντας προσώποις αὐ. ἐξ ἐναντίας (8)  
2. 20. A B B εὐλαβείσθω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ  
[B om.] (7 a)  
3. 5. πρὸ προσώπου αὐτοῦ πορεύσεται λόγος (18 a)  
Ze. 1. 2. ἐκλιπόμεν ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (7 b)  
— 3. ἐξαρῶ τοὺς ἀνόμους ἀπὸ προσώπου τῆς  
γῆς (7 b)  
— 7. εὐλαβείσθω ἀπὸ προσώπου κ. τοῦ θεοῦ (7 a)  
2. 7. καταλύουσιν ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰ. —  
Hg. 1. 12. ἐφοβήθη ὁ λαὸς ἀπὸ προσώπου κυρίου (7 a)  
2. 15 (14). ἀπὸ προσώπου πόνων [B<sup>2</sup> -νηριῶν] αὐ. —  
Za. 2. 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σὰρξ ἀπὸ  
προσώπου κυρίου (7 a)  
3. 1. ἐστίατα πρὸ προσώπου ἀγγέλου κυρίου (18 a)  
— 4 (3). ἐιστήκει πρὸ προσώπου τοῦ ἀγγέλου (18 a)  
— 5 (4). πρὸς τοὺς ἐστηκότας πρὸ προσώπου  
αὐτοῦ (18 a)  
— 9 (8). οἱ καήμενοι πρὸ προσώπου [A B  
add. σου] (18 a)  
— 10 (9). ὃν ἔδωκα πρὸ προσώπου Ἰ. (18 a)  
4. 7. τὸ ὄρος τὸ μέγα τὸ πρὸ προσώπου Z. (18 a)  
5. 3. ἐπὶ πρόσκωπον [A -ou] πάσης τῆς γῆς (14 b [12])  
8. 21. δεσθῆναι τοῦ πρ. κυρίου (8)  
— 21. ἐκλήθησιν τὸ πρ. κυρίου πατοκατόρος —  
— 22. ἐκλήθησιν τὸ πρόσκωπον κυρίου —  
— 22. ἐξιδάσασθαι τὸ πρ. κυρίου (8)  
14. 5. B<sup>2</sup> ἀπὸ προσώπου [A B<sup>2</sup> ἐν ταῖς ἡμέ-  
ραις] τοῦ σισιμοῦ (7 a)  
— 20. ὡς φάλακς πρὸ προσώπου τοῦ θυσιαστ. (18 a)  
Ma. 1. 8. εἰ λήψεται πρόσκωπον σου (8)  
— 9. ἐξιδάσκεισθε τὸ πρ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (8)  
— 9. εἰ λήψωμαι [B<sup>2</sup> -οντα] ἐξ ὑμῶν πρόσκωπα  
ὑμῶν (8)  
2. 3. σκορπίῳ ἐνυστρον ἐπὶ τὰ πρ. ὑμῶν [B<sup>2</sup>  
om. εἰ τὰ πρ. ὑ.] (8)  
Ma. 2. 5. ἀπὸ προσώπου ὀνόματός μου (7 a)  
— 9. ἐλαμβάνετε πρόσκωπα ἐν νόμῳ (8)  
3. 1. ἐπιβλέψεται ὁδὸν πρὸ προσώπου μου (18 a)  
— 14. πρὸ προσώπου κυρίου π. — (18 c)  
Is. 2. 10, 19, 21. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου (7 a)  
3. 9. ἡ αἰσχυνὴ τοῦ πρ. αὐτῶν ἀντίστη αὐτοῖς (8)  
— 15. τὸ πρ. τῶν πτωχῶν κατασχύνεται (8)  
— 19. ἀφελεί . . . τὸν κόσμον τοῦ πρ. αὐτῶν —  
6. 2. ταῖς μὲν δυοὶ κατεκάλυπτον τὸ πρ. (8)  
7. 16. καταλειφθήσεται ἡ γῆ . . . ἀπὸ προσώπου  
τῶν δυοὶ βασιλείων [A πρ. αὐτῶν] (7 a)  
8. 17. τὸν θ. τὸν ἀποστρέφοντα τὸ πρ. αὐ. (8)  
9. 15 (14). καὶ τοὺς τὰ πρ. θαυμάζοντας (8)  
18. 8. τὸ πρ. αὐτῶν ὡς φλόξ μεταβολούσας (8)  
16. 4. ἔσονται σκέπη ὑμῶν ἀπὸ προσώπου διώ-  
κοντος (7 a)  
17. 9. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ (7 a)  
19. 1. σεισθήσεται τὰ χειροποίητα Aγ. ἀπὸ  
προσώπου αὐτοῦ (7 a)  
— 16. ἐν τρέμῳ ἀπὸ προσώπου τῆς χειρὸς  
κυρίου σαβαώθ (7 a)  
28. 17. B ἐπὶ πρόσκωπον τῆς γῆς (14 b)  
24. 1. ἀνακαλύψει τὸ πρ. αὐτῆς (8)  
25. 8. ἀφείλε κ. ὁ θεὸς πᾶν δάκρυον ἀπὸ παντὸς  
προσώπου (8)  
28. 25. ὅταν ὀμαλίσθῃ τὸ πρ. αὐτῆς (8)  
29. 22. οὐδὲ νῦν τὸ πρ. μεταβαλεῖ (8)  
30. 8. λήψεται αὐτοὺς κατὰ πρ. αὐτῶν —  
31. 8. φεύγεται οὐκ ἀπὸ προσώπου μαχαίρας  
[A δίκωντος] (7 a)  
34. 15. εἰδὼν τὰ πρ. ἀλλήλων —  
36. 9. πῶς δύνασθε ἀποστρέφαι εἰς πρ. τῶν  
τοπαρχῶν [A δ. τὸ πρ. τοπαρχοῦ  
ἐνός] (8 a [6])  
38. 2. ἀπέστρεψεν Ἐξεκίας τὸ πρ. αὐ. (8)  
49. 23. ἐπὶ πρόσκωπον τῆς γῆς προσεγγήσουσί  
σοι (14 a)  
56. 6. τὸ δὲ πρ. μου οὐκ ἀπέστρεψα (8)  
— 7. ἔθῃκα τὸ πρ. μου ὡς στερεὰν πέτραν (8)  
51. 13. ἐφόβου ἀεὶ . . . τὸ πρ. [B τοῦ πρ.] τοῦ  
θεμοῦ τοῦ θλιβοντός σε (8)  
52. 12. B προπορεύεται [A πορ.] γὰρ πρὸ  
προσώπου [A B πρότερος] ὑμῶν κ. (18 a)  
53. 3. ἀπέστρεψαι τὸ πρ. αὐτοῦ (8)  
54. 8. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπὸ σοῦ (8)  
57. 1. ἀπὸ γὰρ προσώπου ἀδικίας ἦρται ὁ  
δικαίος (7 a)  
— 14. καθάρισται ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδοῦς —  
— 17. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτοῦ —  
59. 2. ἀπέστρεψε τὸ πρ. [A B<sup>2</sup> add. αὐτοῦ] (8)  
62. 11. τὸ ἔργον αὐτοῦ πρὸ προσώπου αὐτοῦ (18 a)  
63. 12. κατασχυν ἐν δόρῳ ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)  
64. 2 (1). A B ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου [B S  
om.] πυρὸς τήκεται . . . ἀπὸ προσώ-  
που σου ἐν τῇ ταραχῇ σου (—, 7 a)  
— 7 (6). ἀπέστρεψας τὸ πρ. σου ἀπ' ἡμῶν (8)  
Je. 1. 8. μὴ φοβήθης ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 a)  
— 13. A B S<sup>2</sup> τὸ πρ. αὐτοῦ ἀπὸ προσώπου  
βορρᾶ (8, 7 a)  
— 14. ἀπὸ προσώπου βορρᾶ ἐκκαθήσεται τὰ  
κακά —  
— 15. A ἀπὸ προσώπου [B S om.] βορρᾶ τῆς  
γῆς —  
— 17. μὴ φοβήθης ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)  
2. 27. ἔστρεψαν ἐπ' ἐμὲ ὧτα καὶ οὐ πρόσκωπα  
αὐτῶν (8)  
3. 12. οὐ στηριῶ τὸ πρ. μου ἐφ' ὑμᾶς (8)  
4. 1. ἀπὸ τοῦ πρ. μου [A ἀπὸ πρ. αὐτοῦ] (7 a)  
— 4. ἀπὸ προσώπου πονηρίας ἐπετηδευμάτων  
ὑμῶν (7 a)  
— 26. ἀπὸ προσώπου κυρίου καὶ ἀπὸ προσώ-  
που ὀργῆς θεοῦ αὐτοῦ (7 a, 7 a)  
5. 3. ἐστρέψαν [A -ώθησαν] τὰ πρ. αὐ. (8)  
— 22. ἀπὸ προσώπου μου οὐκ εὐλαβήθησθε (7 a)  
6. 7. ταλαιπωρία ἀκουσθήσεται ἐν αὐτῇ ἐπὶ  
πρόσκωπον αὐτῆς (14 b)  
7. 12. ἂ ἐποίησα αὐτὰ ἀπὸ προσώπου κακίας  
λαοῦ μου (7 a)  
— 15. ἀπορρίψω ὑμᾶς ἀπὸ προσώπου μου (7 b)  
— 19. ὅπως κατασχυρῇ τὰ πρ. αὐτῶν (8)  
8. 2. ἔσονται εἰς παράδειγμα ἐπὶ πρόσκωπον  
[B -ou] τῆς γῆς (12 [14 b])  
9. 7 (6). ποιῶσα ἀπὸ προσώπου πονηρίας [B  
τῆς] θυγατρὸς λαοῦ μου (7 a)  
— 13 (12). ὃν ἔδωκα πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 a)  
Je. 9. 22 (21). εἰς παράδειγμα ἐπὶ πρόσκωπον  
τοῦ πεθίου τῆς γῆς ὑμῶν (12)  
— 26 (25). ἐπὶ πάντα περιεκυρόμενον τὰ [B  
om.] κατὰ πρόσκωπον αὐτοῦ (16 [15 e])  
10. 2. φοβούνται αὐτὰ τοῖς πρ. αὐτῶν —  
18. 17. κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν ἀπὸ προσώπου  
ὑβρεως (7 a)  
— 26. ἀποκαλύψω τὰ ὀπίσω σου ἐπὶ τὸ [A  
ὀπίσθια σ. κατὰ] πρ. σου (14 b [15 b])  
14. 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας καὶ τοῦ λιμοῦ (7 a)  
15. 1. ἐὰν στή . . . πρὸ προσώπου μου (18 a)  
— 17. εὐλαβούμην ἀπὸ προσώπου χειρὸς σου (7 a)  
— 19. πρὸ προσώπου μου στήσῃ (18 a)  
16. 4. εἰς παράδειγμα ἐπὶ πρόσκωπον τῆς γῆς  
ἔσονται (12)  
— 17. B<sup>2</sup> οὐκ ἐκρύβησαν ἀπὸ προσώπου μου (7 c)  
17. 16. τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χειλέων μου  
πρὸ προσώπου σοῦ ἴσθι (8)  
18. 17. διασπερᾶ αὐτοὺς κατὰ πρόσκωπον ἐχθρῶν  
αὐτῶν (15 c)  
— 20. μνησθῇ ἐστηκότος μου κατὰ πρόσκωπον  
σου (15 c)  
— 23. τὰς ἀμαρτίας [A add. τῶν πατέρων]  
αὐτῶν ἀπὸ προσώπου σου μὴ ἐξα-  
λείψῃς (7 c)  
21. 8. δέδωκα πρὸς πρόσκωπον ὑμῶν τὴν ὁδὸν  
τῆς ζωῆς (18 a)  
— 10. ἐστήρικα τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν πόλιν  
ταυτήν εἰς κακά (8)  
22. 25. ὃν σὺ εὐλαβῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)  
23. 9. ἀπὸ προσώπου κυρίου καὶ ἀπὸ προσώπου  
ἐπιπρεπείας δόξης αὐτοῦ (7 a, 7 a)  
— 10. ἀπὸ προσώπου τούτων ἐπένησεν ἡ γῆ (7 a)  
24. 1. κειμένους κατὰ πρόσκωπον ναοῦ κ. (15 c)  
26 (46). 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας Ἑλλ. (7 a)  
27 (50). 5. ὡδε γὰρ τὸ πρ. αὐτῶν δώσονται (8)  
— 8. ὥστε πρὸς δόξα κατὰ πρόσκωπον προ-  
βάτων (15 c)  
— 16. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας Ἑλληνικῆς (7 a)  
— 44. στήσεται κατὰ πρ. μου (15 c)  
28 (51). 51. κατεκάλυψεν ἀτιμία τὸ πρ. ἡμῶν (8)  
— 64. A B B<sup>2</sup> οὐ μὴ ἀναστή ἀπὸ προσώπου τῶν  
κακῶν [B Χαλδαίων] (7 a)  
29 (49). 19. ὅς στήσεται κατὰ πρόσκωπον μου (15 c)  
30 (49). 5. διασπαρῆσθε ἕκαστος εἰς πρόσ-  
κωπον αὐτοῦ (8 c)  
— 10 (49, 32). κεκαρμένους [A B<sup>2</sup> κεκαρμ.] πρὸ  
προσώπου αὐτῶν (18 c)  
31 (48). 44. ὁ φεύγων ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου (7 a)  
32 (25). 16. μνησθῶνται ἀπὸ προσώπου τῆς  
μαχαίρας (7 a)  
— 23. πᾶν περιεκαρμένον κατὰ πρόσκωπον αὐ. (15 c)  
— 26. πᾶσας βασιλείας τὰς ἐπὶ πρόσκωπον τῆς  
γῆς (12)  
— 27. B<sup>2</sup> οὐ μὴ ἀναστή ἀπὸ προσώπου τῆς  
μαχαίρας ἥς ἐγὼ ἀποστείλω ἀπὸ  
προσώπου [A B S<sup>2</sup> ἀνὰ μέσον]  
ὑμῶν (7 a, †)  
— 33. ἐπὶ πρόσκωπον τῆς γῆς ἔσονται (12)  
— 37. παύσεται . . . ἀπὸ προσώπου ὀργῆς  
θεοῦ μου (7 a)  
— 38. ἀπὸ προσώπου τῆς μαχαίρας τῆς μεγάλης (7 a)  
38 (28). 4. οἷς ἔδωκα κατὰ πρόσκωπον αὐτῶν (15 c)  
— 19. ἐδείξθωσαν τοῦ πρ. κυρίου [A αὐτοῦ] (8)  
35 (28). 16. ἐξαποστείλω σε ἀπὸ προσώπου  
τῆς γῆς (7 b)  
37 (80). 6. ἐστράφησαν πρόσκωπα εἰς ἕτερον (8)  
— 20. τὰ μαρτύρια αὐ. κατὰ πρόσκωπον μου  
ὀρθωθήσεται (15 c)  
38 (81). 36. ἐὰν παύσωνται οἱ νόμοι οὗτοι ἀπὸ  
προσώπου μου . . . καὶ τὸ γένος Ἰσρ.  
παύσεται γενέσθαι ἔθνος κατὰ πρόσ-  
κωπον μου (7 c, 15 c)  
39 (82). 24. ἀπὸ προσώπου μαχαίρας (7 a)  
— 31. ἀπαλλάξαι αὐτὴν ἀπὸ προσώπου μου (7 b)  
— 33. ἀπέστρεψαν πρὸς μέ ὧτον καὶ οὐ πρόσ-  
κωπον (8)  
40 (33). 5. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτῶν (8)  
41 (84). 15. συνετέλεσαν διαθήκην κατὰ πρόσ-  
κωπον μου [B<sup>2</sup> om. κ. πρ. μ.] (15 c)  
— 18. ἦν ἐποίησαν κατὰ πρόσκωπον μου (15 c)  
42 (85). 5. ἔδωκα κατὰ πρόσκωπον αὐτῶν κερά-  
μων οἶνου (15 c)  
— 11. B S<sup>2</sup> ἀπὸ προσώπου τῆς δυνάμεως τῶν X. (7 a)  
— 11. ἀπὸ προσώπου τῆς δυνάμεως τῶν ἄσπ. (7 a)  
— 19. παρεστηκὸς κατὰ πρόσκωπον μου (15 c)



Je. 43 (36). 7. ἴσως πεσείται ἔλεος αὐτῶν κατὰ πρόσωπον κυρίου (15 c)  
— 9. ἐξεκλήσιασαν ἠγορεύειν κατὰ πρόσωπον κυρίου (15 c)  
— 22. ἐσχάρα πυρὸς κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 c)  
44 (37). 11. ἀπὸ προσώπου τῆς δυνάμεως Φ. (7 a)  
— 20. πεσέτω τὸ ἔλεός μου κατὰ πρόσωπόν σου (15 c)  
45 (38). 9. τοῦ ἀποκτείνειν τὸν ἄνθρωπον τοῦτον ἀπὸ προσώπου τοῦ λιμοῦ (7 a)  
46 (39). 17. ὡς σὺ φοβῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)  
47 (40). 9. μὴ φοβῇσθαι ἀπὸ προσώπου τῶν παιδῶν τῶν Χαλδαίων (7 a)  
— 10. στήναι κατὰ πρόσωπον τῶν Χ. (15 c)  
48 (41). 9. δ' ἐποίησαν... ἀπὸ προσώπου Βασσά [B om.] (7 a)  
— 17 (18). τοῦ πορευθῆναι... ἀπὸ προσώπου τῶν Χαλδαίων (7 a)  
— 18. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)  
49 (42). 2. πεσέτω δὴ τὸ ἔλεός ἡμῶν κατὰ προσώπων σου (15 c)  
— 11. μὴ φοβῇσθαι ἀπὸ προσώπου βασιλείας Βαβυλῶνος... οὐ ὑμεῖς φοβεῖσθε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a, 7 a)  
— 15. ἂν ὑμεῖς δώτε τὸ πρ. ὑμῶν εἰς Αἴγυπτον (6)  
— 16. ἢν ὑμεῖς φοβεῖσθε ἀπὸ προσώπου αὐτῆς... οὐ ὑμεῖς λόγον ἔχετε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (7 a)  
— 17. οἱ θέντες τὸ πρ. αὐτῶν εἰς γῆν Αἰγύπτου (6)  
51 (44). 3. ἀπὸ προσώπου πονηρίας αὐτῶν (7 a)  
— 10. ὡς ἔδωκα κατὰ πρόσωπον τῶν πατέρων αὐ. (15 c)  
— 11. ἐφάρτιν τὸ πρ. μου (6)  
— 22. ἀπὸ προσώπου πονηρίας πραγμάτων ὑμῶν (7 a)  
— 23. ἀπὸ προσώπου ὧν ἰδυμῶντε (7 a)  
52. 12. ἐστὶν κατὰ πρόσωπον τοῦ βασ. (15 c)  
— 25. τοῦ [B om.] ἐν προσώπῳ τοῦ βασ. (6)  
— 33. ἦσαν δὲ ἄνθρωποι διὰ παντός κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (15 c)  
Ba. 1. 15. ἡμῖν δὲ αἰσχύνῃ τῶν πρ.  
— 18. οἳ ἔδωκα κατὰ πρόσωπον ἡμῶν  
2. 6. ἡμῖν δὲ καὶ τοῖς πατράσιν ἡμῶν ἡ αἰσχύνῃ τῶν πρ.  
— 8. οὐκ ἐδείχθημεν τοῦ πρ. κυρίου  
— 10. οἳ ἔδωκα κατὰ πρόσωπον ἡμῶν  
— 14. ὅς ἡμῖν χάριν κατὰ πρόσωπον τῶν ἀποικιστῶν ἡμῶν  
— 19. καταβύλλομεν τὸν ἔλεον κατὰ προσώπων σου  
La. 1. 5. ἐπορεύθησαν ἐν αἰχμαλωσίᾳ κατὰ προσώπων [B αἰχ. ἐνώπιον] θλ. [βοῶντες] (15 c)  
— 6. ἐπορεύοντο ἐν οὐκ ἰσχυρῇ κατὰ πρόσωπον [A ἰ. ἐνώπιον] διακίαν (15 c)  
— 22. εἰσέλθοι πάσα ἡ κακία αὐ. κατὰ προσώπων σου (15 c)  
2. 3. ἀπέστρεψεν... ἐξῆλθεν αὐτοῦ ἀπὸ προσώπου ἐχθροῦ [B om. δ. αὐ. δ. πρ. ε.] (7 a)  
— 19. ἔκχον ὡς ὕδωρ καρδίαν σου ἀπέναντι προσώπου [B τοῦ πρ.] κυρίου (6)  
3. 35. τοῦ ἐκκλίνει κρίσιν ἄνδρος κατέναντι προσώπου νύστω (6)  
4. 16. πρ. κυρίου μερὶς αὐτῶν... πρ. ἱερέων οὐκ ἔλαβον (6, 6)  
— 20. πνεῦμα προσώπου ἡμῶν χρυστὸς κύριος (2)  
5. 9. ἀπὸ προσώπου βομφαίας τῆς ἐρήμου (7 a)  
— 10. συνισπάζθησαν ἀπὸ προσώπου καταγιγῶν λιμοῦ (7 a)  
Ep. Je. 13. ἐκμάσσονται τὸ πρ. αὐτῶν  
— 21. οὐκ αἰσθάνονται μεμελῶμενοι τὸ πρ. αὐτῶν  
Ez. 1. 6. τέσσαρα πρόσωπα τῇ ἐνί (6)  
— 9 (8). καὶ τὰ πρ. αὐτῶν τῶν τεσσάρων (6)  
— 9. A καὶ τὰ πρ. αὐ. [B om. κ. τὰ πρ. αὐ.] οὐκ ἐπιστρέφοντο... ἔκαστον ἀπέναντι [A B' κατέν.] τοῦ πρ. αὐτῶν ἐπορεύοντο (†, 7 a)  
— 10. ὁμοίως τῶν πρ. αὐτῶν πρ. ἀνθρώπου [A add. αὐτοῖς] καὶ πρ. λέοντος... καὶ πρ. μόσχου... καὶ πρ. δαίμονος (6 quinque)  
— 12. ἐκάτερον κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπορεύοντο (15 p)  
— 23. A ἐκκαλύπτουσαι τῇ σῶματι τὰ πρ. αὐτῶν [B al.] (†)  
2. 1 (1, 28). A B πῖπτα ἐπὶ προσώπων μου (14 b)  
— 6. μὴ ἐκστής ἀπὸ προσώπου αὐτῶν... ἀπὸ προσώπου αὐτῶν μὴ ἐκστής (†, 7 a)

Ez. 3. 8. δέδωκα τὸ πρ. σου δυνατὴν κατέναντι τῶν πρ. αὐτῶν (6, 6)  
— 9. μὴ δὲ πτοῖσθαι ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7 a)  
— 20. δώσω τὴν βάσανον εἰς πρόσωπον αὐτοῦ (8 c)  
— 23. πῖπτα ἐπὶ προσώπων μου (14 b)  
4. 1. θῆσεις αὐτὴν πρὸ προσώπου σου (18 a)  
— 3. ἐτοιμάσεις τὸ πρ. σου ἐπ' αὐτὴν (6)  
— 7. ἐτοιμάσεις τὸ πρ. σου (6)  
6. 2. στήρισον τὸ πρ. σου ἐπὶ τὰ ὄρη Ἰσραὴλ (6)  
— 5. A κατὰ πρόσωπον τῶν εἰδῶλων αὐ. (15 c)  
— 9. κόψονται [A add. τὰ] πρόσωπα αὐτῶν (6)  
7. 18. ἐπὶ πᾶν πρ. αἰσχύνῃ (6)  
— 22. ἀποστρέψω τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτῶν (6)  
8. 11. Ἰεχ... ἐστῆκεν πρὸ προσώπου αὐ. (18 a)  
— 16. τὰ πρ. αὐτῶν ἀπέναντι (6)  
9. 8. πῖπτα ἐπὶ προσώπων μου (14 b)  
10. 14. A τέσσαρα πρόσωπα τῇ ἐνί τὸ πρ. τοῦ ἱνὸς πρ. Χερουβ καὶ τὸ πρ. τοῦ δευτέρου πρ. ἀνθρώπου καὶ τὸ πρ. τοῦ τρίτου πρ. λέοντος καὶ τὸ πρ. τῶν τεσσάρων πρ. αὐτοῦ (6 quinque, —, 6, 6)  
— 21. τέσσαρα πρόσωπα τῇ ἐνί (6)  
— 22. ὁμοίως τῶν πρ. αὐ. ταῦτα τὰ πρ. ἐστὶν... αὐτὰ ἔκαστον κατὰ πρόσωπον αὐ. ἐπορεύοντο (6, 6, 15 p)  
11. 13. πῖπτα ἐπὶ προσώπων μου (14 b)  
12. 6. τὸ πρ. σου συγκαλύψεις (6)  
— 12. τὸ πρ. αὐτοῦ συγκαλύψει (6)  
13. 17. στήρισον τὸ πρ. σου (6)  
14. 1. ἐκάθισαν πρὸ προσώπου μου (18 a)  
— 3. τὴν κόλασιν τῶν ἀδικῶν αὐτῶν ἔθηκαν πρὸ προσώπου αὐτῶν (6)  
— 4. τὴν κόλασιν τῆς ἀδικίας αὐτοῦ τάξῃ πρὸ προσώπου αὐτοῦ (6)  
— 6. ἐπιστρέψατε τὰ πρ. ὑμῶν [A al.] (6)  
— 7. τὴν κόλασιν... τάξῃ πρὸ προσώπου αὐτοῦ (6)  
— 8. στριψάτω τὸ πρ. μου (6)  
— 15. ὁ διδοῦν ἀπὸ προσώπου τῶν θηρίων (7 a)  
15. 7. δώσω [A στήριξαι] τὸ πρ. μου ἐπ' αὐτοὺς... ἐν τῇ στήριξαι με τὸ πρ. μου ἐπ' αὐτοὺς (6, 6)  
16. 5. ἀπερρίψης ἐπὶ πρόσωπον τοῦ πεδίου (14 c)  
— 18. τὸ θυμιάμα μου ἔθηκες πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 a)  
— 19. ἔθηκες αὐτὰ πρὸ προσώπου αὐτῶν (18 a)  
— 63. ἀπὸ προσώπου τῆς ἀτιμίας σου (7 a)  
20. 1. ἐκάθισαν πρὸ προσώπου μου (18 a)  
— 35. διακρίθησονται... πρόσωπον κατὰ πρόσωπον (6, 6)  
— 43. κῆρυξεν τὸ πρ. ὑμῶν (6)  
— 46 (21. 2). στήρισον τὸ πρ. σου ἐπὶ θαιμῶν (6)  
— 47 (21. 3). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν πρ. (6)  
21. 2 (7). στήρισον τὸ πρ. σου (6)  
— 16 (21). οὐ δὴν τὸ πρ. σου ἐξεγείρηται (6)  
22. 30. ἐξήντη... ἐστῶτα πρὸ προσώπου μου (18 a)  
23. 24. δώσω πρὸ προσώπου αὐτῶν κρίμα (18 a)  
— 41. τράπεζα κεκοσμημένη πρὸ προσώπου αὐτῆς (18 a)  
25. 2. στήρισον τὸ πρ. σου (6)  
27. 35. ἐδάκρυσε τὸ πρ. [A -σαν τῇ πρ.] αὐτῶν (6)  
28. 21: 29. 2. στήρισον τὸ πρ. σου (6)  
29. 5. ἐπὶ πρόσωπον τοῦ πεδίου πεσῇ (14 b)  
32. 10. ἐν τῇ πεσῶσθαι [A -θνηται] τὴν βομφαίαν μου ἐπὶ πρόσωπα [A -ον] αὐτῶν (6 [14 b])  
33. 27. οἱ ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου (12)  
34. 6. ἐπὶ προσώπου [A παντὶ προσώπῳ πάσης] τῆς γῆς διεισπῇ (12 [13])  
35. 2. ἐπιστρέψον τὸ πρ. σου ἐπ' ὄρος Σηιρ (6)  
36. 17. ἐγενήθη ἡ ὁδὸς αὐ. πρὸ προσώπου μου (18 a)  
— 31. προσοχέειτε κατὰ [B' καὶ τὸ] πρόσωπον αὐτῶν (15 h [6])  
37. 2. πολλὰ σφόδρα ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου (12)  
38. 2. στήρισον τὸ πρ. σου ἐπὶ Γόγ (6)  
— 20. σιωπῶσιν ἀπὸ προσώπου κ. ... οἱ ἄνθρωποι οἱ ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (7 a, 12)  
39. 5. ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου πεσῇ (12)  
— 14. τοὺς καταλείψω ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (12)  
— 23. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου (6)  
— 24. ἀπέστρεψα τὸ πρ. μου ἀπ' αὐτῶν (6)  
— 29. οὐκ ἀποστρέψω οὐκ ἐπὶ τὸ πρ. μου (6)  
40. 12. ἐπὶ πρόσωπον τῶν θεῶν [A κατὰ πρόσωπον τῇ θεῇ] (14 d [15 c])  
41. 4. κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ (15 g)  
— 12. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀπολοῦτου (15 g)  
— 14. τὸ εὔρος κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου (15 f)

Ez. 41. 15. κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀπολοῦτου τῶν κατόπισθεν (15 g)  
— 18. δύο πρόσωπα τῇ [A τῶν] χερουβ (6)  
— 19. πρ. ἀνθρώπου... πρ. λέοντος (6, 6)  
— 21. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων δρασὶς (15 f)  
— 22. αὕτη ἡ τράπεζα ἡ πρὸ προσώπου [A τρ. κατὰ πρόσωπον] κυρίου [B' om.] (18 a [15 c])  
— 25. σπουδαία ξύλα κατὰ πρόσωπον τοῦ αλάμ (15 g)  
42. 2. A κατὰ πρόσωπον [B om. κ. πρ.] ἐπὶ πῆχους ἑκατὸν μήκος (15 g)  
— 10. κατὰ πρόσωπον τοῦ νότου κατὰ πρόσωπον τοῦ ἀπολοῦτου καὶ κατὰ πρόσωπον τοῦ διορίζοντος (†, 15 g, 15 g)  
— 11. ὁ περίπατος κατὰ πρόσωπον αὐτῶν (15 c)  
— 13. κατὰ πρόσωπον τῶν διαστημάτων (15 g)  
— 17. διεμέτρησε τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ βορρᾶ (†)  
— 18. διεμέτρησε τὸ κατὰ πρόσωπον θαλάσσης (†)  
— 19. A διεμέτρησε κατὰ πρόσωπον [B δ. κατέναντι] τοῦ νότου (14 c)  
43. 3: 44. 4. πῖπτα ἐπὶ προσώπων μου (15 c)  
44. 12. ἐλειτουργοῦν αὐτοῖς πρὸ προσώπου τῶν εἰδῶλων αὐτῶν (18 a)  
— 15. στήνεται πρὸ προσώπου μου (18 a)  
45. 7. κατὰ πρόσωπον τῶν ἀπαρχῶν τῶν ἁγίων καὶ κατὰ πρόσωπον τῆς κατασχέσεως τῆς πόλεως (15 g, 15 g)  
47. 1. τὸ πρ. τοῦ οἴκου ἔβλεπε [A ἐπέβλε.] κατ' ἀντολίαν (6)  
48. 21. A εἰς τὴν κατάσχιν τῆς πόλεως κατὰ πρόσωπον [B om. κ. πρ.]... ἐπὶ προσώπων [B om. ε. πρ.] (15 g, 14 b)  
Da. LXX. 1. 10. ἵνα μὴ ἴδῃ τὰ πρ. ὑμῶν διατραμμένα (6)  
2. 46. πεσὼν ἐπὶ προσώπων χαμαὶ (14 h)  
3. 19. ἡ μορφή τοῦ πρ. αὐ. ἡλλοιώθη (1)  
— (41). ἡτοῦμεν τὸ πρ. σου (6)  
4. 19. τοὺς δῶτες ἐπὶ προσώπου πάσης τῆς γῆς (6)  
— 31. ἡξίωσα... κατὰ πρόσωπον κυρίου (6)  
6. 10 (11). ἔπιπτεν ἐπὶ προσώπων αὐ. (†)  
— 12 (13). μὴ δὲ θανάτωσεν πρόσωπον (6)  
— 13 (14). δέμενον τοῦ πρ. τοῦ θεοῦ αὐ. (6)  
7. 10. ἐξεπορεύετο κατὰ πρόσωπον αὐ. ποταμὸς πυρὸς (15 f)  
8. 5. ἤρχετο... ἐπὶ προσώπου τῆς γῆς (12)  
— 17. ἔπεσα ἐπὶ προσώπων μου (14 b)  
— 18. ἐκοιμήθην ἐπὶ προσώπων χαμαὶ (14 b)  
— 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς ἀναίδης προσώπῳ (6)  
9. 3. ἔδωκα τὸ πρ. μου ἐπὶ κύριον (6)  
— 7. καὶ ἡμῖν ἡ αἰσχύνῃ τοῦ πρ. (6)  
— 8. ἡμῖν ἡ αἰσχύνῃ τοῦ πρ. (6)  
— 13. οὐκ ἐξεγένησamen τὸ πρ. κ. θεοῦ ἡμῶν (6)  
— 17. ἐπιβλεψάτω τὸ πρ. σου ἐπὶ τὸ ὄρος (6)  
10. 6. τὸ πρ. αὐ. ὥστε δρασὶς ἀστραπῆς (6)  
— 9. ἡμῖν πεπτοκὸς ἐπὶ προσώπων μου (14 b)  
— 12. ἦς ἔδωκα τὸ πρ. σου (6)  
— 15. ἔδωκα τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν γῆν (6)  
11. 17, 18. δώσει τὸ πρ. αὐ. (6)  
— 19. ἐπιστρέψει τὸ πρ. αὐ. (6)  
— 22. συντρίψει ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 c)  
Da. TH. 1. 10. μὴ ποτε ἴδῃ τὰ πρ. ὑμῶν σκυθρωπά (6)  
2. 15. περὶ τίνος ἐξῆλθεν ἡ γνώμη... ἐκ προσώπου τοῦ βασ. (9 g)  
— 31. εἰκὼν μία... ἐστὼσα πρὸ προσώπου σου (6)  
— 46. ἔπεσεν ἐπὶ προσώπον (14 h)  
3. 9. ἡ ψῆς τοῦ πρ. αὐ. ἡλλοιώθη (1)  
— (41). ἡτοῦμεν τὸ πρ. σου (6)  
5. 9. φοβώμενοι ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 k)  
— 24. ἐκ προσώπου αὐ. ἀπεσπῆναι ἀστράγαλος (6)  
6. 26 (27). ἐκ προσώπου μου ἐτίθη δόγμα τοῦτο (9 g)  
— 26 (27). φοβώμενοι ἀπὸ προσώπου τοῦ θεοῦ Δ. (7 k)  
7. 8. τρία κέρατα... ἐξερριζώθη ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 k)  
8. 5. ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς (14 b)  
— 17, 18. πῖπτα ἐπὶ προσώπων μου (14 b)  
— 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς ἀναίδης προσώπῳ (6)  
9. 3. ἔδωκα τὸ πρ. μου πρὸς κ. τὸν θεόν (6)  
— 7, 8. καὶ ἡμῖν ἡ αἰσχύνῃ τοῦ πρ. (6)  
— 10. οἳ ἔδωκα κατὰ πρόσωπον ἡμῶν (15 c)  
— 13. οὐκ ἐδείχθημεν τοῦ πρ. κυρίου (6)  
— 17. ἐπίφανον τὸ πρ. σου ἐπὶ τὸ ἀγίασμα σου (6)  
10. 6. καὶ τὸ πρ. αὐ. ὥς ἡ δρασὶς ἀστραπῆς (6)  
— 9. καὶ τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν γῆν (6)  
— 15. ἔδωκα τὸ πρ. μου ἐπὶ τὴν γῆν (6)

Da. TH. 11. 16. οὐκ ἔστιν ἐστὸς κατὰ πρόσωπον αὐ. (15 c)  
 — 17. τάξει τὸ πρ. αὐ. εἰσαλθεῖν (6)  
 — 18, 19. ἐπιστρέψει τὸ πρ. αὐ. (6)  
 — 20. οὐκ ἐν προσώποις οὐδὲ ἐν πολέμῳ (2)  
 — 22. κατακλυσθήσονται ἀπὸ προσώπου αὐ. (7 c)  
 I Ma. 1. 18. ἐνερπάτη [B' ἀπεστράφη] Πτ. ἀπὸ προσώπου αὐ.  
 — 22. τὸν κόσμον τὸν χρυσοῦν τὸν κατὰ πρόσωπον τοῦ λαοῦ  
 3. 22. συντρίψει αὐτοὺς πρὸ προσώπου ἡμῶν  
 — 53. πῶς δυνασόμεθα ὑποστῆναι κατὰ πρόσωπον αὐτῶν  
 4. 10. συντρίψει τὴν παρεμβ. τ. κατὰ πρόσωπον ἡμῶν  
 — 40. ἔπαιον ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τὴν γῆν  
 — 55. ἔπαιον πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ πρόσωπον  
 — 57. κατεκείμησαν τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ  
 — 61. ὀχύρωμαι κατὰ πρόσωπον τῆς 'Ιδ.  
 5. 7. συντρίβησαν πρὸ προσώπου αὐτοῦ  
 — 21. συντρίβη τὰ ἔθνη ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ  
 — 34. ἐξήλυνον ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ  
 — 37. B παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον 'P. ἐκ προσώπου [A. B. πέραν] τοῦ χειμάρρου  
 — 43. συντρίβησαν πρὸ προσώπου αὐ.  
 — 44. ὑποστῆναι κατὰ πρόσωπον 'I.  
 — 52. τὸ πείδιον τὸ μέγα κατὰ πρόσωπον B.  
 — 55. αἰς ἡν 'I. . . ἐν τῇ Γαλ. κατὰ πρόσωπον Πτ.  
 6. 6. A. B. ἀνερπάτη [B. ἐν.] ἀπὸ προσώπου αὐτῶν  
 7. 3. μὴ μοι δείξετε τὰ πρ. αὐ.  
 — 28. ἡν ὑμῶν ἰδὼ τὰ πρ.  
 — 30. ἰδεῖν τὸ πρ. αὐτοῦ  
 — 36. ἔστησαν κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου  
 9. 16. B' συντρίβη τὸ δεξιὸν κέρας κατὰ πρόσωπον [A. B. B. al.]  
 10. 72. οὐκ ἔστιν ὑμῶν στάσις . . . κατὰ πρόσωπον ἡμῶν  
 11. 12. A. ἡλλοιώθη τὸ πρ. 'Αλ. [B. B. al.]  
 13. 13. παρενέβαλεν . . . κατὰ πρόσωπον τοῦ πείδιου  
 15. 39. παρενέβαλεν κατὰ πρόσωπον τῆς 'Ιουδ.  
 16. 6. παρενέβαλε κατὰ πρόσωπον αὐτῶν  
 II Ma. 4. 24. δοξάσας αὐτὸν τῷ πρ. τῆς ἐξουσίας  
 6. 18. τὴν πρόσφιν τοῦ πρ. κάλλιστος τυγχάνων  
 7. 6. διὰ τῆς κατὰ πρόσωπον ἀντιμαρτυρουμένης ψῆδος  
 14. 24. εἶχε τὸν 'I. διὰ παντὸς ἐν προσώπῳ  
 III Ma. 5. 33. τῷ πρ. συνεστάλη  
 6. 15. οὐκ ἀπείστησαν τὸ πρ. σου ἀφ' ἡμῶν  
 — 18. ἐπιτάσας τὸ ἄγιον αὐ. πρ.  
 IV Ma. 6. 11. ἰδρῶν γὰρ τὸ πρ.  
 [Aq. GE. 1. 2. 6. 15. 20. 29. 2. 6. 4. 5. 19. 21. 32. 30 (31). 48. 28. 47. 6. Ex. 25. 29 (30). LE. 28. 40. Nu. 8. 7. Dt. 21. 16. 23. 14 (15). Jo. 4. 5. 6. 1. 1. Jd. 4. 14. I Ki. 2. 35. 22. 4. II Ki. 6. 14. III Ki. 6. 20. 9. 25. 11. 7. 14. 9. 17. 14. IV Ki. 5. 15. 15. Jb. 1. 11. 2. 5. 3. 24. 4. 15. 5. 10. 8. 16. 16. 8. 20. 25. 23. 15. 42. 11. Ps. 5. 9. 12 (13). 2. 16 (17). 13. 20 (21). 13. 21 (22). 30. 23 (24). 6. 26 (27). 7. 29 (30). 8. 30 (31). 17. 21. 33 (34). 1. 87 (88). 4. 41 (42). 6. 42 (43). 5. 59 (60). 6. 71 (72). 5. 9. 79 (80). 3. 83 (84). 10. 95 (96). 9. 113 (114). 7. 181 (182). 10. 147. 6 (17). Pr. 8. 27. 16. 15. 18. 18. 5. 27. 23. 30. 30. Is. 7. 2. 16. 8. 4. 17. 14. 21. 23. 18. 25. 7. 30. 17. 36. 7. 40. 10. 41. 2. 51. 13. 53. 2. 3. 57. 1. 64. 1 (63. 19). Jb. 15. 1. 16. 17. 18. 17. 23. 23. 39. 25. 38 (82. 24). 27 (34). 5. Ez. 1. 9. 10. 21. 14. 3. 20. 35. 48. 21 (Sw.). MA. 1. 8. 2. 3.]  
 [Sm. GE. 1. 2. 20. 29. 19. 21. 47. 6. Nu. 8. 7. Jo. 4. 5. 6. 1. I Ki. 1. 19. 13. 12. 22. 4. III Ki. 17. 14. IV Ki. 3. 14. 5. 15. 16. 14. Jb. 1. 11. 18. 10. 15. 27. 16. 8. 18. 17. 24. 15. 17. P. 42. 9. Ps. 9. 4. 12 (13). 2. 15 (16). 11. 16 (17). 2. 13. 20 (21). 7. 13. 23 (24). 6. 26 (27). 7. 29 (30). 8. 30 (31). 21. 37 (38). 4. 41 (42). 6. 42 (43). 5. 43 (44). 16. 17. 25. 49 (50). 3. 59 (60). 6. 60 (61). 4. 67 (68). 5. 9. 68 (69). 8. 83 (84). 10. 89 (90). 8. 95 (96). 9. 103 (104). 15. 131 (132). 10. 139 (140). 14. 147. 6 (17). Pr. 7. 13. 16. 15. 17. 24. 18. 5. 27. 23. 30. 30. CA. 8. 12. Is. 6. 2. 7. 16. 8. 17. 14. 21. 25. 7. 8. 30. 11. 17. 36. 7. 9. 64. 1 (63. 19). Jb. 18. 17. 23. 39. 25. 38 (82. 24). 47 (29). 3 (Sw.). Ez. 1. 9. 20. 35. 48. 21 (Sw.). Hb. 1. 9. MA. 1. 8. 2. 9.]  
 [Th. GE. 1. 2. 6. 15. 20. 29. 47. 6. Ex. 28. 25. 27. Nu. 3. 7. Dt. 7. 20. 23. 14 (15). Jo. 4. 5. 6. 1. Jd. 16. 3. I Ki. 22. 4. III Ki. 6. 20. 17. 14. Jb. 9. 24. 18. 8. 15. 27. 17. 12.]

18. 17. 20. 25. 28. 15. 24. 15. 18. 29. 24. 42. 8. Ps. 12 (13). 2. 33 (34). 1 (P.). 41 (42). 6. 12. 82 (83). 17. 181 (182). 10. Pr. 6. 35. 7. 13. 8. 27. 16. 15. 18. 5. 21. 29. 27. 23. 30. 30. Is. 7. 16. 14. 21. 23. 17. 25. 7. 29. 21. 30. 17. 36. 7. 41. 2. 51. 13. 53. 9. 64. 1 (63. 19). Jb. 16. 17. 21. 12. 23. 39. 25. 38 (82. 24). 27 (34). 5. 83 (40). 18. 44 (51). 12. Ez. 1. 8 (Sw.). 9. 6. 5. 9. 10. 14. 14. 14. 21. 20. 35. 30. 9. 47. 18. 48. 21. 21 (Sw.). Da. 2. 46. 7. 8. 10. 9. 1.  
 [Heb. GE. 47. 6. Ex. 23. 29. III Ki. 9. 7. Jb. 2. 5. 13. 11. 88. 30. Ez. 20. 47 (21. 3).]  
 [Al. Ex. 1. 12. 3. 7. 10. 8. 23. 23. 38. 11. 6. 1. 3. 8. 4. 6. 17. 14. 7. 19. 15. 22. 3. Dt. 34. 7. Jo. 1. 5. 18. 1. Jb. 2. 7. 9. 24. Ps. 9. 20. 10 (11). 7. 142 (143). 7. Pr. 27. 4. Ez. 32. 4. 42. 3. Hb. 3. 5.]  
 [Quint. Ps. 23 (24). 6. 29 (30). 8. 33 (34). 1. 41 (42). 6. Pr. 16. 15.]  
 [Sext. Ps. 23 (24). 6. 29 (30). 8. 41 (42). 6.]

## προσωποποιία.

[Sm. II Ki. 14. 20.]

## προσώτιον (?)

IV Ma. 15. 15. S' τὰς . . . σάρκας ὥσπερ προσώτια [A. S' B. -ωπεία] προκειμένας

## προτάσεις.

II Ma. 8. 36. B τοῖς ἐν 'I. αὐτοῦ προτεταγμένοις [A. προστ.] νόμοις  
 [Sm. Ps. 59 (60). 9.]

## προτείνειν.

II Ma. 8. 20. προτείνουσαι τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν  
 7. 10. τὰς χεῖρας εὐθαρσῶς προτείνειν  
 14. 33. προτείναντες τὴν δεξιάν ἐπὶ τὸν νεώ  
 — 34. προτείναντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν  
 15. 12. τοῦτον τὰς χεῖρας προτείναντα  
 — 15. προτείναντα δὲ τὸν 'Iep. τὴν δεξιάν  
 — 21. B προτείναντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν. [A. al.]  
 III Ma. 2. 1. τὰς χεῖρας προτείναντες εὐτάκτως

## προτείχισμα. (1) הַנִּיב (2) הַנִּיב (3) הַנִּיב

## (4) הַנִּיב

II Ki. 20. 15. ἔστη ἐν τῷ πρ. (3)  
 III Ki. 20 (21). 23. κατασφάγαντες αὐτὴν ἐν τῷ πρ. (3)  
 II Ch. 32. 5. φθοδόμενος . . . πρ. ἄλλο (3)  
 Ca. 2. 14. ἐν σκέπῃ τῆς πέτρας ἐχέμενα τοῦ πρ. (4)  
 Je. 52. 7. ἀνὰ μέσον τοῦ τεύχους [A. τῆς πύλης] καὶ τοῦ πρ. (2)  
 La. 2. 8. ἐπένθησε τὸ πρ. (3)  
 Ez. 40. 5. διεμέτρησε τὸ πρ. (1)  
 42. 20. ἀνὰ μέσον τοῦ ἁγίου καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ πρ. (1)  
 48. 15. πρ. ἔσται τῇ πόλει  
 [Aq. Ps. 121 (122). 7.]

## πρότερημα. (1) הַנִּיב

Jd. 4. 9. οὐκ ἔσται τὸ πρ. σου (1)  
 πρότερον (adv.). (1) הַנִּיב (2) a. הַנִּיב  
 δ. הַנִּיב c. הַנִּיב (3) ἐν τῷ πρ.  
 הַנִּיב (4) הַנִּיבGe. 26. 1. χωρὶς τοῦ λαμοῦ τοῦ πρ. (2 a)  
 Le. 5. 8. προσάξει . . . τὸ περὶ τῆς ἀμαρτ. πρ. (2 a)  
 18. 27. B οἱ ὄντες πρότερον [A. B. -οι] ὑμῶν (1)  
 Nu. 6. 12. A αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [B. -αι] ἄλλοις ἔσονται (2 a)  
 De. 2. 12. B' ἐνέκθητο ὁ X. πρ. [A. B' B. τὸ πρ.] (1)  
 Jo. 1. 14. A διαβίβασθε . . . πρ. [B. -οι] τῶν αἰδ. ὑμῶν (1)  
 III Ki. 13. 6. A ἐγένετο καθὼς πρ. [B. τὸ πρ.] (2 b)  
 I Ch. 9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρ. ἐν ταῖς κατασχ. αὐ. (2 a)  
 15. 13. ἐν τῷ πρ. ὑμᾶς εἶναι (3)  
 Ne. 13. 5. ἐκεῖ ἦσαν πρ. [B' τὸ πρ.] (1)  
 Ju. 8. 18. καθάπερ ἐγένετο ἐν ταῖς πρ. ἡμέραις  
 Ec. 7. 11 (10). A αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [B. -αι] ἦσαν ἀγαθαὶ ὑπὲρ ταύτας (2 a)  
 Si. 12. 17. εὐρήσεις αὐτὸν πρότερον ἐκεῖ σου (3)  
 37. 8. γινώθι πρότερον τίς αὐτοῦ χρεία (3)  
 46. 3. τίς πρότερον [A. B. -ος] αὐτοῦ οὕτως ἔσθη (2 a)  
 Is. 41. 22. τὰ πρ. [A. B. -α] τίνα ἦν εἶπατε (2 a)  
 46. 10. ἀναγγέλλων πρ. τὰ ἔσχατα (2 c)  
 61. 4. ἐξηρημαίνοντας πρ. [A. -ας, B. τὸ πρ.] (2 a)Je. 11. 10. ἐπεστράφησαν ἐπὶ τὰς ἀδικίας τῶν πατέρων αὐ. τῶν πρ. [B. -ων] (2 a)  
 37 (30). 20. A' εἰσαλεύονται οἱ υἱοὶ αὐ. ὡς πρ. [A. B. S. τὸ πρ.] (4)  
 40 (33). 11. A καθὰ [B. S. κατὰ τὸ] πρ. (2 b)  
 41 (34). 5. ἐκλάνσαν τοὺς πατέρας σου τοὺς βασιλευσάντας πρ. σου (2 a + 1)  
 I Ma. 1. 1. A. B. ἐβασίλευσαν αὐτ' αὐτοῦ πρ. [B. -ος] (3)  
 5. 43. A διεπέρασαν πρὸς αὐτοὺς πρ. [B. B. al.] (3)  
 12. 7. πρ. ἀπιστάλησαν ἐπιστολαί (3)  
 — 16. A. B. ἀνυνώσασθαι τὴν . . . συμμάχῃαν τὴν πρ. [B. -αν] (3)  
 14. 33. οὐ ἦν τὰ ὅπλα τῶν πολεμίων τὰ [B' τῶν] πρ. (3)  
 15. 3. B ὡς ἦν πρ. [A. B. τὸ πρ.] (3)  
 II Ma. 1. 22. B. ὁ τε ἥλιος ἀνέλαμψε πρ. [A. om.] ἐπινεφὴς ὧν (3)  
 3. 30. τὸ μικρὸν πρ. δέους . . . γέμον ἱερὸν (3)  
 6. 29. τὴν μικρὴν πρ. εὐμένειαν πρὸς αὐτὸν (3)  
 9. 10. τὸν μικρὸν πρ. τῶν οὐρανίων ἀστέρων ἀπεσθαι δοκοῦντα (3)  
 — 16. ὃν δὲ πρ. ἐσκόλυσε ἀγιον νεῶν (3)  
 10. 24. B ὁ πρ. [A. πρῶτον] ἡγήθει ἐπὶ τῶν 'I. (3)  
 [Aq. GE. 28. 19.]  
 [Sm. Ex. 5. 7.]

## πρότερος. (1) a. הַנִּיב δ. הַנִּיב (2) הַנִּיב הַנִּיב

(3) הַנִּיב, הַנִּיב (4) τὸ πρ. a. הַנִּיב

δ. הַנִּיב c. הַנִּיב, הַנִּיב d. הַנִּיב

e. הַנִּיב f. הַנִּיב g. הַנִּיב

Ge. 13. 3. οὐ ἦν ἡ σκηνὴ αὐτοῦ τὸ πρ. (4 a)  
 28. 19. ἦν ὄνομα τῇ πόλει τὸ πρ. (4 b)  
 38. 28. οὗτος ἐξελεύσεται πρ. (3)  
 40. 13. κατὰ τὴν ἀρχὴν σου τὴν πρ. (3)  
 Ex. 10. 14. προτέρα αὐτῆς οὐ γέγονε τοιαύτη ἀκρίβ (1 a)  
 23. 28. ἀποστελὼ τὰς σφηκίας προτέρας σου (1 a)  
 33. 2. A συναποστελὼ τὸν ἀγγελόν μου πρ. [B. πρὸ προσώπου] σου (1 a)  
 — 19. παρελυσάμην πρότερος σου (1 b)  
 Le. 4. 21. κατέκτισαν τὸν μόσχον τὸν πρ. (3)  
 18. 27. A. B. οἱ ὄντες πρ. [B. -ον] ὑμῶν (1 a)  
 26. 45. μνησθήσομαι αὐτῶν τῆς διαθήκης τῆς πρ. (3)  
 Nu. 6. 12. αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [A. -ον] ἄλλοις ἔσονται (3)  
 10. 33. προπορευέτω πρότερά αὐτῶν (1 a)  
 14. 14. σὺ πορεύῃ πρότερος αὐτῶν (1 a)  
 21. 26. ἐπολέμησε βασιλεὺς Μαβὶβ τὸ πρ. (4 c)  
 32. 17. ἡμεῖς . . . πρότεροι τῶν υἱῶν 'Ισρ. (1 a)  
 — 30. καὶ τὰ κτήνη αὐτῶν πρότερον ὑμῶν (1 a)  
 De. 1. 22. ἀποστελόμενος ἀνδρας προτέρους ἡμῶν (1 a)  
 — 33. ὅς προπορευέται πρότερος ὑμῶν (1 a)  
 2. 10. αἱ 'Ουμὶν πρότεροι [A. τὸ πρ.] ἐνεκάθηντο (1 a [4 d])  
 — 12. ἐνεκάθηντο ὁ X. τὸ [B' om.] πρ. (4 d)  
 — 20. ἐπ' αὐτῆς κατόικον οἱ 'P. τὸ πρ. (4 d)  
 4. 32. ἐπερωτήσατε ἡμέρας πρ. τὰς γενομ. πρ. σου (3, 1 a)  
 9. 18. καθάπερ καὶ τὸ πρ. (4 c)  
 19. 14. A δ' ἔστησαν οἱ πρ. [B. πατέρες] σου (3)  
 24. 4. ὁ ἀνὴρ ὁ πρ. ὁ ἐξαποστείλας αὐτὴν (3)  
 Jo. 1. 14. διαβίβασθε . . . πρότεροι [A. -ον] τῶν αἰδ. ὑ. (1 a)  
 3. 14. οἱ δὲ ἱερεῖς . . . πρότεροι τοῦ λαοῦ (1 a)  
 10. 14. οὐδὲ τὸ πρ. οὐδὲ τὸ ἔσχατον (4 d)  
 11. 10. ἦν δὲ 'A. τὸ πρ. ἀρχουσα (4 d)  
 14. 15. ἦν τὸ πρ. πόλις 'Αργόβ (4 d)  
 15. 15. ἦν τὸ πρ. πόλις γραμματίων (4 d)  
 24. 12. ἐξαπέστειλε προτέραν ἡμῶν τὴν σφηκίαν (1 a)  
 Jd. 1. 10. τὸ πρ. Καριαβαρκοκτεφὲρ [A. al.] (4 d)  
 18. 29. ὄνομα τῆς πόλεως τὸ πρ. (4 b)  
 II Ki. 19. 20 (21). ἦλθον σήμερον πρότερος παντὸς 'Ισρ. (3)  
 III Ki. 13. 6. ἐγένετο καθὼς τὸ [A. om.] πρ. (4 f)  
 I Ch. 29. 29. οἱ δὲ λοιποὶ λόγοι . . . οἱ πρ. (3)  
 Ne. 13. 5. B' ἐκεῖ ἦσαν τὸ [A. B' S. om.] πρ. (4 d)  
 To. 6. 14. A. B. καθὼς καὶ οἱ πρ. (3)  
 15. 5. οὗχ οἷος ὁ πρ. [B. ὡς τὸν πρῶτον] (3)  
 Ju. 5. 7. παρῆκσαν τὸ πρ. ἐν τῇ Μεσοπ. (3)  
 9. 5. ἐποίησας τὰ πρ. ἐκείων (3)  
 Jb. 42. 5. ἀκούην μὲν ὡς ἡκούον σου τὸ πρ. (3)  
 Ec. 7. 11 (10). αἱ ἡμέραι αἱ πρ. [A. -ον] ἦσαν ἀγαθαὶ ὑπὲρ ταύτας (3)  
 Wi. 7. 29. φωτὶ συγκρινομένη εὐρίσκεται προτέρα Si. 1. 4. προτέρα πάντων ἔκτισται σοφία (3)  
 21. 1. περὶ τῶν πρ. σου δεήθητι (2 a)

Si. 34 (31). 18. πρότερος αὐτῶν μὴ ἐκείνης τὴν χεῖρά σου  
41. 3. μὴ σθῇτι προτέρων σου καὶ ἐσχάτων  
46. 3. Α Β τις πρότερος [Β -ον] αὐτοῦ οὕτως ἔσται  
Ho. 2. 7 (9). ἐπιστρέψω πρὸς τὸν ἄνδρα μου τὸν πρ. (8)  
Is. 1. 26. ἐπιστρέψω τοὺς κριτὰς σου ὡς τὸ πρ. (4f)  
41. 22. Α Β τὰ πρ. [Β -ρον] τίνα ἦν ἔπαυσε (8)  
46. 9. μνησθῇτε τὰ πρ. ἀπὸ τοῦ αἰῶνος (8)  
48. 3. τὰ πρ. ἐπὶ ἀνῆγγελα (8)  
— 7. οὐ πρότερας ἡμέραις ἤκουσας αὐτά (1a)  
52. 4. εἰς Αἴγυπτον κατέβη ὁ λαός μου τὸ πρ. (4f)  
— 12. προπορεύσεται γὰρ πρ. [Β πρὸ προσ-  
ώπου] ὑμῶν κύριος (1a)  
61. 4. Α ἐξηρημαίνεσθαι προτέρας [Β -ρον, Β τὸ  
πρ.] ἐξαναστήσουσι (8 [4c])  
65. 17. οὐ μὴ μνησθῶσι τῶν πρ. (8)  
Je. 11. 10. Β ἐπιστρέψατε ἐπὶ τοὺς ἀδικίας τῶν  
παιτ. αὐτῶν τῶν πρ. [Α Β -ον] (8)  
35 (28). 8. οἱ προφῆται οἱ γεγονότες πρότεροί  
μου καὶ πρότεροι ὑμῶν (1a, 1a)  
37 (30). 20. εἰσελεύσονται οἱ υἱοὶ αὐ. ὡς τὸ  
[Δ' om.] πρ. (4g)  
40 (38). 7. οἰκοδομῶμαι αὐτοὺς καθὼς καὶ τὸ πρ. (4f)  
— 11. κινὰ τὸ [Α καθά] πρ. (4f)  
Da. LXX. Su. 12. τίς φανήσεται αὐτῇ πρότερος  
— 52. δε ἐποίεις τὸ πρ.  
3. 22. ἡ κάμινος ἐξεκαύθη ὑπὲρ τὸ πρ. ἐπα-  
πλάσιος —  
Da. TH. Su. 52. δε ἐποίεις τὸ πρ.  
7. 20. Α καὶ ἐκινέειν τῶν πρ. τρία [Β τῶν  
πρῶτων] (2)  
11. 13. ἔξει ὄχλον πολλὸν ὑπὲρ τῶν πρ. (8)  
I Ma. 1. 1. Β ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ πρότερος [Α Β  
-ον]  
3. 46. τύπος προσευχῆς εἰς Μ. τὸ πρ.  
4. 47. ἐκδοκίμασαν τὸ θεασαστ. καινὸν κατὰ τὸ πρ.  
— 60. ὡς ἐποίησαν τὸ πρ.  
5. 1. ἐνεκαίνισθη τὸ ἅγιον ὡς τὸ πρ.  
— 40. ἂν διαβῇ πρὸς ἡμᾶς πρότερος  
— 43. Β προέβλεπεν ἐπ' αὐτοὺς πρότερος [Α al.]  
7. καθὼς τὸ πρ. ἐκύκλωσαν τεύχεσιν ὑψ.  
— 59. τοὺς πορευόμεθα τοῖς νομίμοις αὐ. ὡς τὸ πρ.  
8. 24. εἰν δὲ ἐν τῇ πόλει τοῖς ῥώμῃ προτέρᾳ  
— 27. εἰν ἔθνη 'Ι. συμβῇ προτέροις πύλεμος  
9. 72. ἦν ῥημαλοῦνται τὸ πρ.  
11. 27. ὅσα ἄλλα εἶχε τίμια τὸ πρ.  
— 34. ὡν ἐλάμβανεν ὁ βασιλ. παρ' αὐτῶν τὸ πρ.  
— 39. Τρ. δὲ ἦν τῶν παρὰ Ἀλεξάνδρου τὸ πρ.  
12. 3. ἀνακεκοσσοῦνται . . . ἦν συμμαχίαν κατὰ τὸ πρ.  
— 16. Β ἀνακεκοσσοῦνται τὴν . . . συμμαχίαν τὴν  
πρ. [Α Β -ον]  
— 24. μετὰ θυμῶν πολλῆς ὑπὲρ τὸ πρ.  
14. 33. οὐ ἦν τὰ ὅπλα τῶν πολεμίων τὸ [Β' τῶν] πρ.  
— 14. ἐν ἧ ἡμερᾷ οἱ πολεμιοὶ τὸ πρ.  
15. 3. Α Β ὡς ἦν τὸ [Β om.] πρ.  
— 27. ὅσα συνέθετο αὐτῷ τὸ πρ.  
II Ma. 11. 31. καθά καὶ τὸ πρ.  
IV Ma. 9. 26. Α Β τὸν καθ' ἡλικίαν τοῦ πρ. [Β πρὸς-  
βυτέρου] δεύτερον  
[Αq. Jo. 4. 11 : Je. 28 (35). 8 : 84 (41). 5.]  
[Sm. Jo. 4. 11.]  
[Th. Jo. 4. 11 : Da. 7. 20f.]  
**προτιθέναι.** (1) 𐤒𐤍 hi. (2) 𐤒𐤏 ni. (3) 𐤒𐤏  
(4) 𐤒𐤏 (5) 𐤒𐤏 (6) 𐤒𐤏  
Ex. 29. 23. τῶν ἄζιμων τῶν προτεθειμ. ἔναντι κ. —  
40. 4. προθήσεις τὴν προθέσιν αὐτῆς (4)  
— 23. Β προθήκει [Α Β προσέθ.] . . . ἄρτους (4)  
Le. 19. 14. Α οὐ προθήσεις [Β προσέθ.] σκάνδαλον (8)  
24. 8. Α Β προθήσεται [Β προσέθ.] ἔναντι κυρίου (4)  
II Ch. 28. 13. Α προθέβαιν [Β προσέθ.] ἐπὶ ταῖς  
ἀμαρτ. ἡμῶν (1)  
Es. 9. 27. Α τοὺς προτεθειμένους ἐφ' ἑαυτῶν  
[Β S al.] (2)  
Ps. 53 (54). 3. οὐ προέθετο τὸν θεὸν ἐνώπιον  
αὐτῶν (5)  
85 (86). 14. οὐ προέθετό [Β προσέθ.] σε ἐνώ-  
πιον αὐτῶν (5)  
100 (101). 3. οὐ προθέβην [Β' -ετιθ.] πρὸ  
ὀφθαλμῶν μου πρᾶγμα παράνομον (8)  
Pr. 29. 24. ὅρκον προτεθέντος ἀκούσαντες —  
Ec. 1. 16. Β προθήκη [Α Β προσέθ.] σοφίαν  
ἐπὶ πᾶσιν  
— 18. Α ὁ προτίθει [Β προστ., Β προσθεῖς]  
γνώσει [Β S γῶσιν] προσθήσει (1)  
ἀλγῆμα (1)

Si. prol. 22. Β' ἀνακαίωσαν προτιθέμην [Α Β S' id.]  
II Ma. 1. 8. προθήκαμεν τοὺς ἄρτους  
— 15. προθέβαιν αὐτὰ τῶν ἱερῶν  
III Ma. 2. 27. προέθετο δὲ δημοσίᾳ  
IV Ma. 8. 12. Α Β προθέβαιν [Β τιθέναι] τὰ βασαν-  
ιστήρια  
— 13. τὰ ἔσπερα τοῦ πυρὸς οἱ δορυφόροι προέθεσαν  
[Sm. I Ch. 21. 10 : Ps. 89 (90). 8 : Ec. 1. 13.]  
[Th. Ez. 24. 2.]  
**προτιμᾶν.**  
II Ma. 15. 2. τῇ προτετιμῆμην . . . μεθ' ἀγιότητος  
ἡμέρᾳ  
IV Ma. 1. 15. προτιμῶν τὸν σοφίας βίον [Α λόγον]  
[Sm. I Ki. 2. 29.]  
**προτομή.** (1) 𐤒𐤏  
III Ki. 10. 19. καὶ προτομαὶ μόσχων τῷ θρόνῳ (1)  
II Ma. 15. 35. Α ἐξέθερε δὲ τὴν τοῦ Ν. πρ. [Β κεφα-  
λή]  
[Αq. I Ki. 19. 16.]  
**προτρέπεσθαι.**  
Wi. 14. 18. τοὺς ἀγνοοῦντας ἡ τοῦ τεχνίτου προτρέ-  
ψατο φιλοτιμία  
II Ma. 11. 7. Α' Β προτρέψατο [Α' προσετρ.] τοὺς  
ἀλλους  
IV Ma. 12. 7. τῆς μητρὸς τῇ Ἑβραϊδὶ φωνῇ προτρέ-  
ψαμένη αὐτόν  
15. 12. πάντας . . . ἐπὶ τὸν . . . προτρέπετο θάνατον  
16. 13. ἐπὶ τὸν θάνατον αὐτοῦ προτρέπετο  
**προτρέχειν.** (1) 𐤒𐤏 (2) 𐤒𐤏 𐤒𐤏  
I Ki. 8. 11. καὶ προτρέχοντας τῶν ἄρμ. αὐτοῦ (2)  
To. 11. 3. προδράμωμεν ἔμπροσθεν [Β om.] τῆς  
γυναίκος σου  
Jb. 41. 13 (14). ἔμπροσθεν αὐτοῦ προτρέχει [Β S  
τρέχει] ἀπώλεια (1)  
I Ma. 16. 21. προδράμων τις ἀπὸ ἡγγέλων  
**προϋπάρχειν.**  
Jb. 42. 18. προϋπῆρχε δὲ αὐτῷ ὄνομα ἰωβαβ  
— 18. Α προϋπῆρχεν δὲ τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἰωβαβ  
**προϋποτάσσεσθαι.**  
III Ma. 1. 2. παραλαβὼν τῶν προϋποτεταγμ. αὐτῷ  
ὅπλων [Α' τόπων] Πτ. τὰ κράτιστα  
**προϋφιστάναι.**  
Wi. 19. 7. ἐκ δὲ προϋφιστάτος ὕδατος ξηρὰς ἀνά-  
δυνος γῆς ἐθεωρήθη  
**προφαίνεσθαι.**  
II Ma. 3. 26. Β ἕτεροι δὲ δύο προφάνησαν [Α ἐφ.]  
αὐτῷ νεανία  
IV Ma. 4. 10. οὐρανῶθεν ἔφιπποι προφάνησαν  
ἄγγελοι  
**προφάνεω.**  
Si. 51. 13. ἐξήγησα σοφίαν πρ. ἐν προσευχῇ μου  
[Αl. Le. 26. 43.]  
**προφασίζεσθαι.** (1) 𐤒𐤏 (2) 𐤒𐤏 hitpha.  
(3) 𐤒𐤏 hitpha.  
IV Ki. 5. 7. προφασίζεται οὗτος μοι [Α με] (2)  
Ps. 140 (141). 4. τοῦ προφασίζεσθαι προφάσεις (8)  
Pr. 22. 13. προφασίζεται καὶ λέγει ὁκνηρὸς (1)  
**προφάσις.** (1) α. 𐤒𐤏 β. 𐤒𐤏  
Ps. 140 (141). 4. τοῦ προφασίζεσθαι προφάσεις (1b)  
Pr. 18. 1. προφάσεις ζητεῖ  
Ho. 10. 4. λαλῶν ῥήματα προφάσεις ψευδεῖς +  
Da. TH. 6. 4 (5). ἐξήγουν πρόφασιν εὐρεῖν (1a)  
— 4 (5). πᾶσαν πρ. . . οὐχ εὖρον κατ' αὐτοῦ (1a)  
— 5 (6). οὐχ εὖρον κατὰ Δ. . . πρόφασιν (1a)  
[Αq. Jd. 14. 4.]  
[Sm. I Ki. 2. 3.]  
**προφασιστικός.** (1) 𐤒𐤏  
De. 22. 14. καὶ ἐπιβῇ αὐτῇ πρ. λόγους (1)  
— 17. ἐπιτίθῃσιν αὐτῇ πρ. λόγους  
**προφῆρ.** (1) 𐤒𐤏 ni.  
To. 9. 5. προήνεγκε τὰ δαύκεια [Β S al.]  
Pr. 10. 13. Α S B δε ἐκ χειλέων προφέρει σοφίαν (1)  
Si. prol. 22. Β' προεγγκασθαι [Α Β S' προσεν. τισι]  
σπουδῇ

I Ma. 7. 33. Β' δειξάμεν αὐτῇ τὴν ὁλοκαύτωσιν τὴν προ-  
φερομένην [Α S' B προσφ.]  
III Ma. 1. 12. Β οὐδαμῶς ἀπέλιπε προφερόμενος  
ἑαυτὸν [Α al.]  
4. 17. Α προνήγκαντο [Β προσην.] οἱ γραμματεῖς  
τῷ βασιλ.  
5. 39. προφερόντο τὰδε  
6. 28. Α ἀπαρσιπύοντες εὐσταθεῖαν . . . προφέρει  
[Β παρέχει]  
7. 4. Α προφερόμενοι μηδέποτε εὐσταθεῖαν [Β al.]  
— 11. προφερόμενοι τοὺς . . . τὰ θεῖα παραβεβηκότας  
προστάγματα  
[Sm. Ps. 134 (135). 7.]  
**προφητεία (-ία).** (1) 𐤒𐤏 (2) 𐤒𐤏  
II Ch. 15. 8. ἐν τῷ ἀκούσαι . . . τὴν πρ. Ἀ. (2)  
32. 32. γέγραπται ἐν τῇ πρ. Ἡσ. (1)  
II Es. 5. 1. ἐπροφήτευσεν Ἀ. . . προφητεῖαν +  
6. 14. ἐν προφητείᾳ Ἀγγαίου (2)  
Ne. 6. 12. ἡ πρ. λόγος κατ' ἐμοῦ (2)  
To. 2. 6. Α ἐμνήσθην τῆς πρ. Ἀ. [Β al.]  
Si. prol. 18. αἱ πρ. καὶ τὰ λοιπὰ τῶν βιβλίων  
24. 33. ἐπὶ διδασκαλίαν ὡς προφητεῖαν ἐκείῳ  
86. 20 (17). ἔγειμον προφητείας τὰς ἐπ' ὀνόματι  
σου  
39. 1. ἐν προφητείᾳ ἀσχοληθήσεται  
44. 3. ἀπγγελοῦτες ἐν προφητείᾳ  
46. 1. διάδοχος Μωσῆ ἐν προφητείᾳ  
— 20. ἐν προφητείᾳ [Β -αις] ἐξελείψαι [Β -ει]  
ἀνομιαν λαοῦ  
Je. 23. 31. S B τοὺς προφῆτας τοὺς ἐκβάλλοντας  
προφητείας γλώσσης [Α -εἰαν γλώσση]  
Da. LXX. 11. 14. εἰς τὸ ἀναστήσαι τὴν πρ. (1)  
Bel. tit. ἐκ προφητείας Ἀμβ.  
**προφητεύειν.** (1) 𐤒𐤏 (2) 𐤒𐤏 a. ni.  
δ. hitph. c. 𐤒𐤏 hitpha.  
Nu. 11. 25. καὶ ἐπροφήτευσαν (2b)  
— 26. ἐπροφήτευσαν ἐν τῇ παρεμβολῇ (2b)  
— 27. προφητεύουσιν ἐν τῇ παρεμβολῇ (2b)  
I Ki. 10. 5. καὶ αὐτοὶ προφητεύοντες (2b)  
— 6. προφητεύσεις μετ' [Α ἐπ'] αὐτῶν (2b)  
— 10. Β ἐπροφήτευσεν [Α Β προσφ.] ἐν μέσῳ  
αὐτῶν (2b)  
— 11. Α ἐν μέσῳ τῶν προφῆτῶν προφητεύων  
[Β om.] (2a)  
— 13. καὶ συνετέλεσε προφητεύων (2b)  
18. 10. Α προφήτευσεν ἐν μέσῳ οἴκου αὐ. (2b)  
19. 20. Α τὴν ἐκκλησίαν τῶν προφῆτῶν τῶν  
προφητευόντων [Β om. τ. πρ.] (2a)  
— 20. καὶ προφητεύουσι (2b)  
— 21. bis. ἐπροφήτευσαν [Α προσφ.] καὶ αὐτοὶ (2b)  
— 23. καὶ ἐπορεύοντο προφητεύων [Α al.] (2b)  
— 24. καὶ ἐπροφήτευσεν (2b)  
III Ki. 18. 29. Β καὶ ἐπροφήτευσαν [Α Β -ον] (2b)  
22. 10. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευσαν (2b)  
— 12. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευσαν [Α προσφ.] (2b)  
— 18. οὐ προφητεύει οὗτος μοι καλὰ (2b)  
II Ch. 18. 7. οὐκ ἔστι προφητεύων . . . εἰς ἀγαθὰ (2b)  
— 9. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευσαν (2b)  
— 11. πάντες οἱ προφ. ἐπροφήτευσαν (2a)  
— 17. οὐ προφητεύει περὶ ἐμοῦ ἀγαθὰ (2b)  
20. 37. ἐπροφήτευσεν Ἐλ.  
I Es. 6. 1. ἐπροφήτευσεν Ἀγγαῖος  
7. 3. προφητευόντων Ἀγγαίου καὶ Ζαχ.  
II Es. 5. 1. ἐπροφήτευσεν Ἀγγαῖος (2c)  
Ju. 6. 2. ἐπροφήτευσας ἐν ἡμῖν  
Wi. 14. 28. ἡ προφητεία αὐτοῦ ψευδῇ  
Si. 46. 20. μετὰ τὸ ὑπνώσαι αὐτὸν προφήτευσεν [Α S  
ἐπροφήτευσεν]  
47. 1. ἀνίστη Νάθαν προφητεύει ἐν ἡμέραις Δαυὶδ  
48. 13. ἐν κοιμῇ ἐπροφήτευσεν τὸ σῶμα αὐτοῦ  
Am. 2. 12. οὐ μὴ προφητεύσῃτε (2a)  
3. 8. τίς οὐ προφητεύσει (2a)  
7. 12. καὶ ἐκεῖ προφητεύσεις (2a)  
— 13. οὐκέτι προσθήσεις τοῦ προφητεύσαι (2a)  
— 15. προφητεύσον ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (2a)  
— 16. μὴ προφήτευσεν ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (2a)  
Jl. 2. 28 (3. 1). προφητεύσουσιν οἱ υἱοὶ ὑμῶν (2a)  
Za. 13. 3. ἐὰν προφητεύσῃ ἄνθρωπος ἔτι (2a)  
— 3. Α ἐν τῷ προφητεύειν αὐτὸν —  
— 3. 4. ἐν τῷ προφητεύειν αὐτὸν (2a)  
Je. 2. 8. οἱ προφῆται ἐπροφήτευσαν [Α -οντο] τῇ  
Βαβ. (2a)  
5. 31. οἱ προφῆται προφητεύουσιν ἀδικα (2a)

Je. 11. 21. οὐ μὴ προφητεύσεις [A -ης] ἐπὶ τῷ  
 δνόματι κυρίου (2 a)  
 14. 13. οἱ προφῆται αὐτῶν προφητεύουσι (1 ?)  
 — 14. ψευδὴ οἱ προφῆται προφητεύουσιν [B<sup>1</sup>  
 -ουσ.] . . . προαιρέσεις καρδίας αὐ.  
 αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2 a, 2 b)  
 — 15. περὶ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων  
 ἐπὶ [A om.] τῷ ὀνόματι μου ψευδῆ (2 a)  
 — 16. ὁ λαὸς οἷς αὐτοὶ προφητεύουσιν αὐτοῖς (2 a)  
 19. 14. οὐ ἀπέστειλεν αὐτὸν κύριος ἐκεῖ τοῦ  
 προφητεύσαι (2 a)  
 20. 1. τοῦ ἱερ. προφητεύοντος τοὺς λόγους τ. (2 a)  
 — 6. οἷς ἐπροφῆτευσας αὐτοῖς ψευδῆ (2 a)  
 23. 13. ἐπροφῆτευσαν διὰ τῆς Βάαλ (2 b)  
 — 21. αὐτοὶ ἐπροφῆτευσαν [B -σαν] (2 a)  
 — 25. ἂν προφητεύουσιν [B al.] (2 a)  
 — 26. ἐν καρδίᾳ τῶν προφῆτῶν τῶν προφητευ-  
 ῶντων ψευδὴ ἐν τῷ πρ. αὐτοῦ τὰ  
 θελήματα τῆς καρδίας αὐ. (2 a, †)  
 — 32. ἐγὼ πρὸς τοὺς προφῆτας τοὺς προφητευ-  
 ῶντας ἐνὶ νύμφῃ ψευδῆ (2 a)  
 25. 14 (49. 34). ἂν ἐπροφῆτευσεν Ἱερεμίας †  
 32. 15 (25. 13). ἂν ὅσα ἐπροφῆτευσεν Ἱερεμίας (2 a)  
 32 (25). 30. προφητεύσεις ἐπ' αὐτοὺς τοὺς λό-  
 γους τούτους (2 a)  
 33 (28). 9. ἐπροφῆτευσας [B add. ἐπὶ] τῷ ὀνό-  
 ματι κυρίου (2 a)  
 — 11. ἐπροφῆτευσεν κατὰ τῆς πόλεως ταύτης (2 a)  
 — 12. ἀπείστευσαν με προφητεύοντα (2 a)  
 — 20. ἀνθρώπος ἦν προφητεύων [A add. ἐπὶ]  
 τῷ ὀνόματι κυρίου . . . καὶ ἐπρο-  
 φῆτευσεν περὶ τῆς γῆς ταύτης (2 b, 2 a)  
 34 (27). 10. ψευδῆ αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2 a)  
 — 14. ἄδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν [B -σουσιν]  
 ὑμῖν (2 a)  
 — 15. καὶ προφητεύουσι [A add. ἐπὶ] τῷ ὀνό-  
 ματι μου (2 a)  
 — 15. καὶ οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ προφητεύοντες  
 ὑμῖν ἐπ' ἀδικῶν ψευδῶν (2 a)  
 — 16. μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν προφῆτῶν  
 τῶν προφητευόντων ὑμῖν [A add.  
 ψευδῶν] . . . ὅτι ἄδικα αὐτοὶ προ-  
 φητεύουσιν ὑμῖν (2 a, 2 a)  
 35 (28). 6. στήσαι τὸν λόγον ἐν σὺν προφητείαις (2 a)  
 — 8. ἐπροφῆτευσαν ἐπὶ γῆς πολλῆς (2 a)  
 — 9. ὁ προφῆτης ὁ προφητεύσας εἰς [B om.]  
 εἰρήνην (2 a)  
 36 (29). 9. ἄδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2 a)  
 — 26. γενέσθαι ἐπιστάτην . . . παντὶ ἀνθρώπῳ  
 προφητεύοντι (2 b)  
 — 27. συνελεῖσθε Ἱερεμίαν τὸν ἐξ Ἀνα-  
 θῶδαι τὸν προφητεύσαντα ὑμῖν (2 b)  
 — 31. ἐπροφῆτευσαν ὑμῖν Σαμαρίας (2 a)  
 39 (32). 3. ἂν B<sup>3</sup> διὰ τὴν σὺν προφητείαις (2 a)  
 44 (37). 19. ποῦ εἰσιν οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ  
 προφητεύσαντες [A -εύοντες] ὑμῖν (2 a)  
 Ez. 4. 7. προφητεύσεις ἐπ' αὐτήν (2 a)  
 6. 2. προφῆτευσον ἐπ' αὐτὰ (2 a)  
 11. 4. προφῆτευσον ἐπ' αὐτοὺς προφῆτευσον (2 a, 2 a)  
 — 13. ἐγένετο ἐν τῷ πρ. με (2 a)  
 12. 27. εἰς καιροὺς μακροὺς οὗτος προφητεύει (2 a)  
 13. 2. ἂν προφῆτευσον ἐπὶ τοὺς προφῆτας τοῦ  
 Ἰσραὴλ τοὺς προφητεύοντας καὶ ἐρεῖς  
 τοῖς προφῆταις τοῖς προφητεύουσιν  
 ἀπὸ καρδίας αὐτῶν [B om. τοὺς πρ. . .  
 αὐ.] καὶ προφητεύσεις (2 a, †, †)  
 — 3. οὐαὶ τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν †  
 — 16. οἱ προφητεύοντες ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ (2 a)  
 — 17. ἐπὶ τὰς θυγατέρας τοῦ λαοῦ σου τὰς  
 προφητεύουσας ἀπὸ καρδίας αὐτῶν  
 καὶ προφῆτευσον ἐπ' αὐτάς (2 b, 2 a)  
 20. 46 (21. 2). προφῆτευσον ἐπὶ δρυμόν (2 a)  
 21. 2 (7). προφῆτευσον . . . καὶ προφῆτευσες  
 ἐπὶ τὴν γῆν τοῦ Ἰσραὴλ (-, 2 a)  
 — 9 (14). προφῆτευσον καὶ ἐρεῖς (2 a)  
 — 14 (19). προφῆτευσον καὶ κρότησον (2 a)  
 — 28 (33). προφῆτευσον καὶ ἐρεῖς (2 a)  
 25. 2. προφῆτευσον ἐπ' αὐτοὺς (2 a)  
 28. 21. προφῆτευσον ἐπ' αὐτήν (2 a)  
 29. 2. προφῆτευσον ἐπ' αὐτόν (2 a)  
 30. 2. προφῆτευσον καὶ εἰπὼν (2 a)  
 34. 2. προφῆτευσον ἐπὶ τοὺς ποιμένας τοῦ Ἰσ-  
 ραὴλ προφῆτευσον (2 a, 2 a)  
 35. 2. προφῆτευσον εἰς [A ἐπ'] αὐτό (2 a)  
 36. 1. προφῆτευσον ἐπὶ τὰ δρῆ Ἰσραὴλ (2 a)  
 — 3. προφῆτευσον καὶ εἰπὼν (2 a)

Ez. 38. 6. προφῆτευσον ἐπὶ τὴν γῆν τοῦ Ἰσραὴλ (2 a)  
 37. 4. προφῆτευσον ἐπὶ τὰ ὄντα ταῦτα (2 a)  
 — 7. ἐπροφῆτευσαν . . . ἐγένετο [A add. φωνῇ]  
 ἐν τῷ ἐμὲ προφητεύοντι [A -εύειν] (2 a, 2 a)  
 — 9. προφῆτευσον ἐπὶ τὸ πνεῦμα προφητευ-  
 σον (2 a, 2 a)  
 — 10. ἐπροφῆτευσαν καθότι ἐνετείλατό μοι (2 b)  
 — 12. προφῆτευσον καὶ εἰπὼν (2 a)  
 38. 2. προφῆτευσον ἐπ' αὐτόν (2 a)  
 — 14. προφῆτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (2 a)  
 39. 1. προφῆτευσον ἐπὶ Ἰωγ (2 a)  
 [Aq. I Ch. 25. 3; Je. 14. 15; 28 (38). 18; 29  
 (38). 26; Ez. 18. 2 bis; 21. 2 (7) (Sw.).]  
 [Bm. I Ch. 25. 1, 3; Je. 26 (33). 18, 20; 29  
 (38). 26; Ez. 20. 46 (21. 2); 21. 2 (7) (Sw.).  
 88. 17.]  
 [Th. Je. 29 (38). 21; Ez. 13. 2 bis; 21. 2 (7)  
 (Sw.): 88. 17.]

προφήτης. (1) נִבִּיָּה (2) a. נִבִּיָּה δ. נִבִּיָּה

(8) נִבִּיָּה

Ge. 20. 7. ὅτι προφήτης ἐστὶ (2 a)  
 Ex. 7. 1. ἂν, ὁ ἀδ. σου ἔσται σου πρ. (2 a)  
 Nu. 11. 29. τίς δὴν πάντα τὸν λαὸν κ. προφήτας (2 a)  
 12. 6. ἐάν κίνηται προφήτης ὑμῶν κυρίῳ  
 De. 18. 1 (2). ἐάν δὲ ἀναστῇ ἐν σοὶ πρ. (2 a)  
 — 3 (4). οὐκ ἀκούσεσθε τῶν λόγων τοῦ πρ. ἐκ. (2 a)  
 — 5 (6). ὁ πρ. ἐκείνος . . . ἀποθάνει (2 a)  
 18. 15. προφῆτην ἐκ τῶν ἀδελφῶν σου (2 a)  
 — 18. προφῆτην ἀναστήτω αὐτοῖς (2 a)  
 — 19. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ πρ. —  
 — 20. ὁ πρ. ἐν δὲ ἀσβεστῇ λαλήσαι (2 a)  
 — 20. ἀποθάνει ὁ πρ. ἐκείνος (2 a)  
 — 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ πρ. (2 a)  
 — 22. ἐν ἀσβεστῇ ἐλάλησεν ὁ πρ. (2 a)  
 34. 10. οὐκ ἀνίστη ἐπὶ προφήτης (2 a)  
 Jd. 6. 8. ἐξάπεστε καὶ κ. ἀνδρα πρ. (2 a)  
 I Ki. 8. 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφῆτην τῷ κ. (2 a)  
 — 21. προφῆτης γενέσθαι τῷ κ. —  
 9. 9. τὸν πρ. ἐκάλες ὁ λαὸς ἔμπροσθεν (2 a)  
 10. 5. ἀπατήσας χορὰν προφῆτῶν (2 a)  
 — 10. Ἄρχεται . . . εἰς τὸν βουνὸν τῶν πρ. —  
 [B om. τ. πρ.] —  
 — 10. χορὸς προφῆτῶν ἐξ ἐναντίας αὐτοῦ (2 a)  
 — 11. αὐτὸς ἐν μέσῳ τῶν πρ. (2 a)  
 — 11, 12. ἡ καὶ Σ. ἐν προφῆταις (2 a)  
 19. 20. εἶδαν τὴν ἐκκλησίαν τῶν πρ. (2 a)  
 — 24. εἰ καὶ Σ. ἐν προφῆταις (2 a)  
 21. 6 (7). ἂν ἀλλ' ἡ ἀρτοὶ τοῦ πρ. [B προσάπου] †  
 22. 5. εἶπε Ἰαδ ὁ πρ. πρὸς Δ. (2 a)  
 28. 6. οὐκ ἀπεκρίθη αὐτῷ . . . ἐν τοῖς πρ. (2 a)  
 — 15. καὶ ἐν χειρὶ τῶν πρ. (2 a)  
 II Ki. 7. 2. εἶπεν ὁ βασιλ. πρὸς Ν. τὸν πρ. (2 a)  
 12. 1. ἀπέστειλε κ. τὸν Ν. τὸν πρ. —  
 — 25. ἐν χειρὶ Ν. τοῦ πρ. (2 a)  
 24. 11. λόγος κ. ἐγένετο πρὸς Γ. τὸν πρ. (2 a)  
 III Ki. 1. 8. καὶ Νάθαν ὁ πρ. (2 a)  
 — 10. καὶ τὸν Ν. τὸν πρ. (2 a)  
 — 22. καὶ Νάθαν ὁ πρ. ἦλθεν (2 a)  
 — 22. Β' Ν. ὁ πρ. ἦλθεν (2 a)  
 — 23. ἰδοὺ Ν. ὁ πρ. (2 a)  
 — 32. καλίστα μοι . . . Ν. τὸν πρ. (2 a)  
 — 34. χριστὰς αὐτῶν . . . Ν. ὁ πρ. (2 a)  
 — 38. κατέβη . . . Ν. ὁ πρ. (2 a)  
 — 44. ἀπέστειλε μετ' αὐτοῦ . . . Ν. τὸν πρ. (2 a)  
 — 45. Σαδ. ὁ ἱερεὺς καὶ Ν. ὁ πρ. (2 a)  
 11. 29. Ἄχ. ὁ Σηλ. ὁ πρ. (2 a)  
 13. 11. πρ. εἰς πρεσβύτες (2 a)  
 — 18. κἀγὼ πρ. ἐμὶ (2 a)  
 — 20. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς τὸν πρ. (2 a)  
 — 23. ἂν ἐπέσταξεν αὐτῷ τὴν δυν. τῷ πρ. [B  
 om. τ. πρ.] (2 a)  
 — 25. οὐ ὁ πρ. ὁ πρεσβύτες κατὰκει (2 a)  
 — 29. Β' ἦεν ὁ πρ. τὸ σῶμα (2 a)  
 — 29. ἐπέστρεψεν αὐτὸν . . . ὁ πρ. [A al.] (2 a)  
 — 30. ἂν ἀνέπαυσεν τὸ νεκρῶμα αὐ. ὁ πρ. —  
 14. 2. ἂν ἰδοὺ ἐκεῖ Ἄχ. ὁ πρ. (2 a)  
 — 18. ἂν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἄχ. τοῦ πρ. (2 a)  
 16. 7. ἂν ἐν χειρὶ Ἰ. υἱοῦ Ἄχ. τοῦ πρ. [B al.] (2 a)  
 — 12. καὶ πρὸς Ἰ. τὸν πρ. (2 a)  
 17. 1. εἶπεν Ἡλίου ὁ πρ. —  
 18. 4. ἐν τῷ τυπτεῖν τὴν Ἰ. τοὺς πρ. κυρίῳ (2 a)  
 — 4. ἐλαβεν Ἄ. ἐκατόν νεκρῶμα πρ. (2 a)  
 — 13. ἐν τῷ ἀποκτείνῃ Ἰ. τοὺς πρ. κυρίου (2 a)  
 — 13. ἐκρυψα ἀπὸ τῶν πρ. κυρίου (2 a)  
 — 19. ἂν καὶ τοὺς πρ. τοῦ Β. [B al.] (2 a)

III Ki. 18. 19. τοὺς [A om.] πρ. τῆς αἰσχύνῃς (2 a ?)  
 — 19. καὶ τοὺς πρ. τῶν ἀσῶν (2 a)  
 — 20. ἐπισυνήγαγε πάντας τοὺς πρ. (2 a)  
 — 22. ὑπολέλειμμα προφήτης τοῦ κ. (2 a)  
 — 22. οἱ πρ. τῆς Β. τετρακόσιοι . . . ἄνδρες (2 a)  
 — 22. καὶ οἱ πρ. τοῦ δίσκου —  
 — 25. εἶπεν Ἡ. τοῖς πρ. τῆς αἰσχύνῃς (2 a)  
 — 29. ἐλάλησεν . . . πρὸς τοὺς πρ. τῶν προσ-  
 οχθισμ. —  
 — 40. συλλάβετε τοὺς πρ. τοῦ Β. (2 a)  
 19. 1. ὡς ἀπέκτεινε τοὺς πρ. (2 a)  
 — 10, 14. τοὺς πρ. σου ἀπέκτειναν (2 a)  
 — 16. χρίσεις προφῆτην (2 a)  
 21 (20). 13. πρ. εἰς προσήλυτε (2 a)  
 — 22. προσήλυθεν ὁ πρ. (2 a)  
 — 35. ἐκ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2 a)  
 — 38. ἐπορεύθη ὁ πρ. (2 a)  
 — 41. ὅτι ἐκ τῶν πρ. οὗτος (2 a)  
 22. 6. συνήθροισαν . . . πάντας τοὺς πρ. (2 a)  
 — 7. οὐκ ἔστιν ὧδε προφῆτης τοῦ κ. (2 a)  
 — 10, 12. πάντες οἱ προφῆταις ἐπροφῆτευσον (2 a)  
 — 13. λαλοῦσι πάντες οἱ πρ. . . καλὰ (2 a)  
 — 22. εἰς τὸ στόμα πάντων τῶν πρ. αὐ. (2 a)  
 — 23. ἐν στόματι πάντων τῶν πρ. σου τούτων (2 a)  
 IV Ki. 2. 3. ἦλθον οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)  
 — 3. ἂν εἶπον . . . οἱ υἱοὶ τῶν πρ. [B om. οἱ υἱ.  
 τ. πρ.] —  
 — 5. ἤγγισαν οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)  
 — 7. καὶ πεντήκ. ἄνδρες υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)  
 — 15. εἶδον αὐτὸν οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)  
 3. 11. οὐκ ἔστιν ὧδε προφῆτης τοῦ κ. (2 a)  
 — 13. δέυρο πρὸς τοὺς πρ. τοῦ πατρός σου (2 a)  
 — 13. ἂν καὶ πρὸς τοὺς πρ. τῆς μητρὸς σου (2 a)  
 4. 1. γυνὴ μία ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2 a)  
 — 38. οἱ υἱοὶ τῶν πρ. ἐκάθιστον (2 a)  
 — 38. ἔψα ἔψαμα τοῖς υἱοῖς τῶν πρ. (2 a)  
 5. 3. ἐνώπιον τοῦ πρ. τοῦ θεοῦ (2 a)  
 — 8. ἐστὶ προφῆτης ἐν Ἰσραὴλ (2 a)  
 — 13. μέγαν λόγον ἐλάλησεν ὁ πρ. (2 a)  
 — 22. ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2 a)  
 6. 1. εἶπον οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2 a)  
 — 12. Ἐλ. ὁ πρ. ὁ [A Ἐλ. πρ.] ἐν Ἰσρ. (2 a)  
 9. 1. Ἐλ. ὁ πρ. ἐκάλεσεν ἐνα τὸν υἱὸν τῶν πρ. (2 a, 2 a)  
 — 4. ἐπορεύθη τὸ παιδάριον ὁ πρ. (2 a)  
 — 7. τὰ αἵματα τῶν δούλων μου τῶν πρ. (2 a)  
 10. 19. πάντες οἱ πρ. τοῦ Β. (2 a)  
 — 21 bis. Β. καὶ πάντες οἱ πρ. αὐτοῦ —  
 14. 25. ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἰ. υἱοῦ Ἀμ. τοῦ πρ. (2 a)  
 17. 13. ἐν χειρὶ πάντων τῶν πρ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 13. ἐν χειρὶ τῶν δούλων μου τῶν πρ. (2 a)  
 — 23. ἐν χειρὶ πάντων τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2 a)  
 19. 2. ἀπέστειλεν . . . πρὸς Ἡσ. τὸν πρ. (2 a)  
 20. 1. εἰσῆλθεν πρὸς αὐτὸν Ἡσ. . . ὁ πρ. (2 a)  
 — 11. ἐβόησεν Ἡσ. ὁ πρ. πρὸς κύριον (2 a)  
 — 14. εἰσῆλθεν Ἡσ. ὁ πρ. πρὸς τὸν βασ. (2 a)  
 21. 10. ἐν χειρὶ δούλων αὐτοῦ τῶν πρ. (2 a)  
 28. 2. καὶ οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ πρ. (2 a)  
 — 18. μετὰ τῶν δούλων τῶν πρ. (2 a)  
 24. 2. ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2 a)  
 I Ch. 10. 13. ἀπεκρίναντο αὐτῷ Σαμ. ὁ πρ. —  
 16. 22. ἐν [B om.] τοῖς πρ. μου μὴ ποικιλεύσεσθε (2 a)  
 17. 1. εἶπε Δ. πρὸς Νάθαν τὸν πρ. (2 a)  
 26. 28. πάντων τῶν ἀγ. τοῦ θ. [A om. τ. θ.]  
 Σαμ. τοῦ πρ. (3)  
 29. 29. ἐπὶ λόγων Ν. τοῦ πρ. (2 a)  
 II Ch. 9. 29. ἐπὶ τῶν λόγων Ν. τοῦ πρ. (2 a)  
 12. 5. Σαμ. ὁ πρ. ἦλθε πρὸς Ρ. (2 a)  
 — 15. ἐν τοῖς λόγοις Σαμ. τοῦ πρ. (2 a)  
 13. 22. ἐπὶ βιβλίῳ τοῦ πρ. Ἀδδῶ (2 a)  
 15. 8. τὴν προφητείαν Ἀ. τοῦ πρ. (2 a)  
 16. 7. ἦλθεν Ἀν. ὁ πρ. (3)  
 — 10. ἐδυώθη Ἀσὰ τῷ πρ. (3)  
 18. 5. συνήγαγεν ὁ βασιλ. Ἰσρ. τοὺς πρ. (2 a)  
 — 6. οὐκ ἔστιν ὧδε πρ. τοῦ κ. ἔτι —  
 — 9, 11. πάντες οἱ πρ. ἐπροφῆτευσον (2 a)  
 — 12. ἐλάλησεν οἱ πρ. ἐν στόματι ἐν ἀγαθῇ (2 a)  
 — 21. ἐν στόματι πάντων τῶν πρ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 22. ἐν στόματι [A add. πάντων] τῶν πρ.  
 σου τούτων (2 a)  
 19. 2. Ἰηοὺ ὁ τοῦ Ἀν. ὁ πρ. (1)  
 20. 20. ἐμπιστεύσατε ἐν προφῆτῃ αὐ. (2 a)  
 21. 12. ἦλθεν . . . παρὰ Ἡ. τοῦ πρ. (2 a)  
 24. 19. ἀπέστειλε πρὸς αὐτοὺς προφῆτας (2 a)  
 25. 15. ἀπέστειλεν αὐτῷ προφῆτας (2 a)  
 — 16. ἐπέστησεν ὁ πρ. (2 a)  
 26. 22. γεγραμμένοι ὑπὸ Ἰ. τοῦ πρ. (2 a)

II Ch. 28. 9. ἐκεῖ ἦν ὁ πρ. τοῦ κυρίου (2 a)  
 29. 25. Β κατὰ τὴν ἐντ. . . Γὰρ τοῦ πρ. [A B  
 ὁρῶντος τῷ βασι.] καὶ Ν. τοῦ πρ. (1, 2 a)  
 — 25. ἐν χειρὶ τῶν πρ. (2 a)  
 — 30. ἐν λόγοις Δ. καὶ Ἀ. τοῦ πρ. (1)  
 32. 20. προσήγατο . . . Ἦσ. υἱὸς Ἀ. ὁ πρ. (2 a)  
 — 32. ἐν τῇ προφητείᾳ Ἦσ. υἱοῦ Ἀ. τοῦ πρ. (2 a)  
 35. 15. Ἀ. καὶ Αἰ. καὶ Ἰδ. οἱ πρ. τοῦ βασ. (1)  
 — 18. ἀπὸ ἡμερῶν Σαμ. τοῦ πρ. (2 a)  
 38. 5. ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν αὐ. τῶν πρ. —  
 — 12. ἀπὸ προσώπου Ἰερ. τοῦ πρ. (2 a)  
 — 15. Ἀ ἐν χειρὶ προφητῶν [B τῶν πρ.] αὐ. [B al.] †  
 — 16. ἐμπαίζοντες ἐν τοῖς πρ. αὐτοῦ (2 a)  
 I Es. 1. 20. ἀπὸ τῶν χρόνων Σαμ. τοῦ πρ. —  
 — 28. ῥήμασιν Ἰερ. προφήτου  
 — 32. ὁρίσθησεν Ἰερ. ὁ πρ.  
 — 47. τῶν ῥημάτων λόγων ὑπὸ Ἰερ. τοῦ πρ.  
 — 51. ἥσαν ἐκπαίζοντες τοὺς πρ. αὐτοῦ  
 6. 1. Ἀγγαῖος καὶ Ζαχ. . . οἱ πρ. —  
 — 2. συνόντων τῶν πρ. τοῦ κυρίου  
 7. 3. προφητεύοντων Ἀ. καὶ Ζαχ. τῶν πρ.  
 8. 82. ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν σου τῶν πρ. —  
 II Es. 5. 1. ἐπρόφητευσεν Ἀ. ὁ πρ. (2 b)  
 — 2. μετ' αὐτῶν οἱ πρ. τοῦ θεοῦ (2 b)  
 6. 14. ἐν προφητείᾳ Ἀγγ. τοῦ πρ. (2 b)  
 9. 11. ἐν χειρὶ δούλων σου τῶν πρ. (2 a)  
 Ne. 6. 7. προφήτας ἐστῆσας σεαυτῷ (2 a)  
 — 14. Ἀ B καὶ τῷ Ν. τῷ πρ. καὶ τοῖς κατα-  
 λούτοις τῶν πρ. [B S Ἰερῶν] (†, 2 a)  
 9. 26. τοὺς πρ. σου ἀπέκτειναν (2 a)  
 — 30. ἐν χειρὶ προφητῶν σου (2 a)  
 — 32. ὅς εἶπεν . . . τοὺς πρ. ἡμῶν (2 a)  
 To. 2. 6. S ἐμνήσθη τῶν ῥημάτων τοῦ πρ. [A B al.]  
 4. 12. Ἀ B υἱοὶ προφητῶν ἐσμέν  
 14. 4. ὅσα ἐλάλησεν Ἰωάνης ὁ πρ. [S al.]  
 — 4. ὅσα ἐλάλησεν οἱ πρ. τοῦ Ἰσρ.  
 — 5. καθὼς ἐλάλησαν . . . οἱ πρ.  
 — 8. Ἀ B δὲ ἐλάλησαν ὁ πρ. Ἰωάνης  
 Ps. 50 (51). iit. ἐν τῷ εἰθεῖν πρὸς αὐτὸν Νάθαν  
 τῶν πρ. (2 a)  
 73 (74). 9. οὐκ ἐστὶν ἐτι προφήτης (2 a)  
 104 (105). 15. ἐν τοῖς πρ. μου μὴ ποιεῖς (2 a)  
 Wi. 7. 27. φίλους θεοῦ καὶ προφήτας κατασκευάζει  
 11. 1. εὐδῶσας τὰ ἔργα αὐ. ἐν χειρὶ προφήτου ἁγίου  
 [A πρῶτον ἁγίου]  
 Si. prol. 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῖν διὰ . . . τῶν  
 πρ. . . δεδομένων  
 — 8. ἐαυτὸν δοῦν εἰς τὴν . . . τῶν πρ. . . ἀνάγκωσιν  
 36. 21 (18). οἱ πρ. σου ἐμπιστευθήσων  
 44. 3. S ἀπηγγελάσθη ἐν προφήταις [A B S al.]  
 46. 13. ἡγαγήμενος ὑπὸ κυρίου αὐ. Σαμουὴλ προφή-  
 τῃς κυρίου  
 — 15. ἐν πίστει αὐτοῦ ἡκριβάσθη προφήτης  
 48. 1. ἀνέστη Ἥλιος προφήτης ὡς πύρ  
 — 8. ὁ χρίων . . . προφήτας διαδοχῶς μετ' αὐτὸν  
 — 22. ἐς ἐνετεῖλατο Ἰσαΐας ὁ πρ. ὁ μέγας  
 49. 7. αὐτὸς ἐν μίτρᾳ ἡγιασθὲν προφήτης  
 — 10. τῶν δώδεκα πρ. τὰ ὅσα ἀναβάλοι  
 Ho. 4. 5. ἀσθενήσει προφήτης μετὰ σου (2 a)  
 6. 6 (5). ἀπεθίμισα τοὺς πρ. ὑμῶν (2 a)  
 9. 7. ὥσπερ ὁ πρ. ὁ παρεξιστηκὼς (2 a)  
 — 8. προφήτης παγίς σκολιά (2 a)  
 12. 10 (11). λαλήσω πρὸς προφήτας (2 a)  
 — 10 (11). ἐν χειρὶ προφητῶν ὁμοιώθην (2 a)  
 — 13 (14). ἐν προφήτῃ ἀνιγήγαγε κ. τὸν Ἰσρ. (2 a)  
 — 13 (14). ἐν προφήτῃ διεφυλάχθη (2 a)  
 Am. 2. 11. ἔλαβον ἐκ τῶν υἱῶν ὑμῶν εἰς προ-  
 φήτας (2 a)  
 — 12. τοῖς πρ. ἐνετέλλεσθε (2 a)  
 7. 3. πρὸς τοὺς δούλους αὐ. τοὺς πρ. (2 a)  
 14. οὐκ ἤμην προφήτης ἐγὼ οὐδὲ υἱὸς προ-  
 φήτου (2 a, 2 a)  
 — 15. B ἀνελθὲ με κύριος ἐκ τῶν πρ. [A B  
 πρὸς αὐτὸν] †  
 Mi. 8. 5. τάδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)  
 — 6. δύσεται ὁ ἥλιος ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)  
 — 11. οἱ πρ. αὐ. μετὰ ἀργυρίου ἐμάντευοντο (2 a)  
 Jn. i. 45. Ἰωάνης προφήτης [B S om.] —  
 Hb. 1. 1. δὲ εἶδεν Ἀμψ. ὁ πρ. (2 a)  
 3. 1. προσερχὴ Ἀμψ. τοῦ πρ. (2 a)  
 Ze. 8. 4. οἱ πρ. αὐ. πνευματόφοροι (2 a)  
 Hg. 1. 1, 3. ἐν χειρὶ Ἀ. τοῦ πρ. (2 a)  
 — 12. καὶ τῶν λόγων Ἀ. τοῦ πρ. (2 a)  
 2. 2 (1). ἐν χειρὶ Ἀ. τοῦ πρ. (2 a)  
 — 11 (10). ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ἀ. τὸν πρ. (2 a)  
 — 21 (20). ἐγένετο λόγος κ. . . πρὸς Ἀ. τὸν πρ. —

Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Ζ. . . τὸν πρ. (2 a)  
 — 4. οἱ ἐνέκαλσαν αὐτοῖς οἱ πρ. ἐμπροσθεν (2 a)  
 — 5. οἱ πατέρες ὑμῶν ποῦ εἰσι καὶ οἱ πρ. (2 a)  
 — 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι . . . τοῖς δούλοις  
 μου τοῖς πρ. (2 a)  
 — 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζ. . . τὸν πρ. (2 a)  
 7. 3. λέγων . . . πρὸς τοὺς πρ. (2 a)  
 — 7, 12. ἐν χειρὶ τῶν πρ. τῶν ἐμπροσθεν (2 a)  
 8. 9. ἐκ στόματος τῶν πρ. (2 a)  
 13. 4. κατασχυνθήσονται οἱ πρ. (2 a)  
 — 5. οὐκ εἰμὶ προφήτης ἐγὼ (2 a)  
 Ma. i. 1. 1. S προφήτης ἀγγελοῦ Μαλ. [B al.] —  
 Is. i. 1. 1. S Ἰσαΐας πρ. γ. [B S al.] —  
 3. 2. ἀφελεί . . . δικαστὴν καὶ προφήτην (2 a)  
 9. 15 (14). καὶ προφήτην διδάσκοντα ἄνομα (2 a)  
 28. 7. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐξέστησαν (2 a)  
 29. 10. καμύσει τοὺς ὀφθαλμούς αὐτῶν καὶ  
 τῶν πρ. αὐτῶν (2 a)  
 30. 10. οἱ λέγοντες τοῖς πρ. (3)  
 37. 2. πρὸς Ἰσαΐαν υἱὸν Ἀμὼς τὸν πρ. (2 a)  
 38. 1. ἦλθε πρὸς αὐτὸν Ἦσ. υἱὸς Ἀμὼς ὁ πρ. (2 a)  
 — 21. S εἶπεν Ἦσ. ὁ πρ. [A B S om. ὁ πρ.] —  
 39. 3. ἦλθεν Ἰσαΐας ὁ πρ. (2 a)  
 i. 1. 1. S Ἰσαΐας πρ. [B S om.] —  
 Je. 1. 5. προφήτην εἰς ἔθνη τεύει καὶ σε (2 a)  
 2. 8. οἱ πρ. ἐπρόφητευσαν [A -οντο] τῇ Βάαλ (2 a)  
 — 26. αἰσχυνθήσονται . . . οἱ πρ. αὐ. (2 a)  
 — 30. μάχαιρα κατέφαγε τοὺς πρ. ὑμῶν (2 a)  
 4. 9. B S οἱ πρ. θαυμάζονται (2 a)  
 5. 13. οἱ πρ. ἡμῶν ἦσαν εἰς ἄνεμον (2 a)  
 — 31. οἱ πρ. προφητεύουσιν ἀδικα (2 a)  
 7. 25. ἐξαπέστειλα πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς  
 δούλους μου τῶν πρ. (2 a)  
 8. 1. ἐξοίσουσιν . . . τὰ ὅσα τῶν προφητῶν [A B  
 τῶν πρ. αὐ.] (2 a)  
 13. 13. πληρῶ . . . τοὺς πρ. . . μεθύσματος (2 a)  
 14. 13. οἱ πρ. αὐτῶν προφητεύουσιν (2 a)  
 — 14. ψευδὴ οἱ πρ. προφητεύουσιν (2 a)  
 — 15. περὶ τῶν προφητῶν [B add. τῶν πρ.]  
 τῶν προφητεύοντων (2 a, [-])  
 — 15. ἐν λιμῷ συνετελέσθησαν οἱ πρ. (2 a)  
 — 18. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐπορεύθησαν εἰς γῆν [A  
 ἐπ. δὲ] (2 a)  
 18. 18. οὐκ ἀπολείπει . . . λόγος ἀπὸ προφήτου (2 a)  
 28. 6 (9). ἐν τοῖς πρ. (2 a)  
 — 11. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐμολύθησαν (2 a)  
 — 13. ἐν τοῖς πρ. Σαμαρείας ἔβδον ἀνομήματα (2 a)  
 — 14. ἐν τοῖς πρ. Ἰερουσαλὴμ ἐώρακα φρικτὰ  
 μοιχμῶνους (2 a)  
 — 15. ἀπὸ τῶν πρ. Ἰερουσαλὴμ ἐξῆλθε μο-  
 λυσμός πάσης τῇ γῇ (2 a)  
 — 16. μὴ ἀκούετε τοὺς λόγους τῶν πρ. (2 a)  
 — 21. οὐκ ἀπίστελλον τοὺς πρ. (2 a)  
 — 25. ἤκουσα δὲ λαλοῦσιν οἱ πρ. [S al.] (2 a)  
 — 26. ὥς πότε ἔσται ἐν καρδίᾳ τῶν πρ. (2 a)  
 — 28. ὁ πρ. ἐν φῶτι ἐνισπύων ἐστί (2 a)  
 — 30. ὁ S B ἐγὼ διὰ τοῦτο πρὸς τοὺς πρ. (2 a)  
 — 31. ἐγὼ πρὸς τοὺς πρ. (2 a)  
 — 32. ἐγὼ πρὸς τοὺς πρ. —  
 — 33. ἐὰν ἐρωτήσωσιν σε ὁ λαὸς οὗτος ἢ  
 ἱερεὺς ἢ πρ. (2 a)  
 — 34. ὁ πρ. καὶ οἱ ἱερεῖς [A S ὁ I.] καὶ ὁ λαός (2 a)  
 25. 4. ἀπέστειλλον πρὸς ὑμᾶς τοὺς δούλους μου  
 τοὺς πρ. (2 a)  
 28 (51). 59. ὅν ἐνετεῖλατο κ. Ἰερ. τῷ πρ. (2 a)  
 38 (28). 5. εἰσακούειν τῶν λόγων [A add. μου  
 καὶ] τῶν παιδῶν μου τῶν πρ. (2 a)  
 34 (27). 15. ἀπολείπετε ὑμῖς καὶ οἱ πρ. ὁ. (2 a)  
 — 16. μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν πρ. (2 a)  
 — 18. εἰ προφήται εἰσι (2 a)  
 35 (28). 8. οἱ πρ. οἱ γεγονότες πρότεροί μου  
 καὶ πρότεροί ὑμῶν (2 a)  
 — 9. ὁ πρ. ὁ προφητεύσας εἰς εἰρήνην . . .  
 γνῶσονται τὸν πρ. (2 a, 2 a)  
 36 (29). 15. κατέστησεν ἡμῖν κ. προφήτας [A -ην] (2 a)  
 89 (32). 32. οἱ ἱερεῖς αὐτῶν καὶ οἱ πρ. αὐτῶν (2 a)  
 42 (35). 15. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παιδὰς  
 [A δούλους] μου τοὺς πρ. (2 a)  
 44 (37). 19. ποῦ εἰσιν οἱ πρ. ὑμῶν (2 a)  
 49 (42). 2. προσήλθον . . . πρὸς [A ἐπὶ] Ἰερε-  
 μίαν τὸν πρ. (2 a)  
 50 (48). 6. ἔλαβε . . . Ἰερεμίαν τὸν πρ. (2 a)  
 51 (44). 4. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παιδὰς  
 [A δούλους] μου τοὺς πρ. (2 a)  
 51. 31 (45. 1). ὅν ἐλάλησεν Ἰερεμίας ὁ πρ. (2 a)  
 i. 1. 1. S Ἰερεμίας πρ. ἰδ [B S al.] —

Ba. 1. 16. αἰσχύνῃ . . . τοῖς πρ. ἡμῶν (2 a)  
 — 21. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τῶν πρ. —  
 2. 20. ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν σου τῶν πρ. —  
 — 24. ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν σου τῶν πρ. (2 a)  
 La. 2. 9. προφήται αὐτῆς οὐκ εἶδον δράσιν (2 a)  
 — 14. προφήται σου εἰδοσάν σοι μάταια (2 a)  
 — 20. ἀποκτενεῖς . . . ἱερεῖα καὶ προφήτην (2 a)  
 4. 13. ἐξ ἀμαρτιῶν προφητῶν αὐ. (2 a)  
 — 16. προφήτας [A πρὸς βίβας] οὐκ ἠλέησαν †  
 Ep. Je. i. 1. 1. S Ἰερεμίας πρ. Βαρούχ Θερῆν καὶ  
 Ἐπιστολῇ [B al.] —  
 Ez. i. 1. 1. S Ἰερεμίας πρ. Ἰε [B al.] —  
 2. 5. γνῶσονται ὅτι πρ. εἰ σύ (2 a)  
 7. 26. ζητηθήσεται δράσις ἐκ προφήτου (2 a)  
 18. 2. προφητεύουσιν ἐπὶ τοὺς πρ. τοῦ Ἰσραὴλ (2 a)  
 — 2. Ἀ εἰρεῖς τοῖς πρ. (2 a)  
 — 4. ὡς ἀλόπεκες ἐν ταῖς ἐρήμοις οἱ πρ. σου (2 a)  
 — 9. ἐκτενῶ τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)  
 — 16. οὐδὲ οἱ ἀλείφοντες αὐτὸν προφήται τοῦ  
 Ἰσραὴλ (2 a)  
 14. 4, 7. καὶ ἔλθω πρὸς τὸν πρ. (2 a)  
 — 9. ὁ πρ. ἐὰν πληρώσῃ [A -νηθῇ] . . . ἐγὼ  
 κύριος πεπλάκηκα τὸν πρ. ἐκ. (2 a, 2 a)  
 — 10. ὁμοίως τῷ πρ. ἔσται (2 a)  
 22. 28. οἱ πρ. αὐ. ἀλείφοντες αὐτοὺς (2 a)  
 38. 33. πρ. ἦν ἐν μέσῳ αὐτῶν (2 a)  
 38. 17. Ἀ B διὰ χειρὸς τῶν δούλων μου τῶν  
 [B om.] πρ. τοῦ Ἰσραὴλ (2 a)  
 i. 1. 1. S Ἰερεμίας πρ. [B om.] —  
 Da. LXX. 3. (38). οὐκ ἐστὶν ἐν τῷ καιρῷ τ. . . πρ. —  
 9. 2. ὅτε ἐγένετο πρὸς αὐτὸν . . . ἐπὶ Ἰερ. τὸν  
 πρ. (2 a)  
 — 6. οὐκ ἠκούσαμεν τῶν παιδῶν σου τῶν πρ. (2 a)  
 — 10. διὰ τῶν παιδῶν σου τῶν πρ. (2 a)  
 — 24. συνετελέσθησαν τὰ ὁράματα καὶ προφή-  
 τῃν (2 a)  
 Da. TH. 3. (38). οὐκ ἐστὶν ἐν τῷ καιρῷ τ. . . πρ. —  
 9. 2. ὅς ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἰερ. τὸν  
 πρ. (2 a)  
 — 6. οὐκ εἰσηκούσαμεν τῶν δούλων σου τῶν  
 πρ. (2 a)  
 — 10. ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2 a)  
 — 24. τοῦ σφραγίσαι δράσιν καὶ προφήτην (2 a)  
 Bel 33. ἦν Ἀμψ. ὁ πρ. ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ  
 i. 1. 1. S Ἰερεμίας πρ. [B al.] —  
 I Ma. 4. 46. μέχρι τοῦ παραγενέσθαι προφήτην  
 7. 16. S ἐν ἔργῳ ὁ πρ. [A S B al.] —  
 9. 27. ἀφ' ἧς ἡμέρας οὐκ ὥφθη προφήτης  
 — 54. καθέλει τὰ ἔργα τῶν πρ. —  
 — 41. ὥς τοῦ ἀναστήναι πρ. πιστόν  
 II Ma. 2. 1. εὐρίσκειται δὲ ἐν ταῖς ἀπογραφαῖς Ἰερ.  
 ὁ πρ. —  
 — 2. Ἀ B ὡς ἐνετεῖλατο τοῖς μεταγενόμενοις  
 ὁ πρ. —  
 — 4. Ἀ B τὴν κιβωτὸν ἐκέλευεν ὁ πρ. . . συνα-  
 κολουθῆναι  
 — 13. Ἀ τὰ περὶ τῶν βασ. καὶ πρ. βιβλία [B om.] —  
 15. 9. παραμυθούμενους αὐτοὺς ἐκ . . . τῶν πρ. —  
 — 14. Ἰερ. ὁ τοῦ θεοῦ πρ. —  
 IV Ma. 18. 10. ὅς ἐδίδασκεν ὑμᾶς . . . τοὺς πρ. —  
 [Aq. III Ki. 18. 23. 14. 2, 18. 18. 19. IV Ki.  
 8. 13. I Ch. 25. 1. Je. 6. 13. 14. 15. 23.  
 15 (Sw.). 28 (83). 7, 8, 11. 28 (85). 1, 9, 10,  
 11, 12, 17. 32 (89). 2. 37 (44). 3. 38 (45).  
 10. 47 (29). 1. 50 (27). 1. 51 (28). 59. Ez.  
 13. 2. Da. 9. 24.] —  
 [Sm. I Ki. 9. 9. III Ki. 18. 23. IV Ki. 8. 13.  
 Je. 26 (38). 7, 8, 11. 28 (85). 1, 9, 10, 11, 12  
 15. 17. 32 (89). 2. 37 (44). 3. 47 (29). 1.  
 Ez. 13. 4.] —  
 [Th. IV Ki. 3. 13. Je. 8. 10. 23. 15 (Sw.). 37.  
 28 (35). 9, 10, 11, 17. 29 (38). 19. 32 (39).  
 2. 37 (44). 3. 38 (45). 9, 10. Ez. 13. 2, 3, 4.  
 22. 25. Da. 9. 24.] —  
 [Al. I Ki. 28. 15.] —  
 [Sext. Ps. 88 (89). 30.] —  
 προφήτης. (1) 𐤒𐤓𐤕𐤓𐤕  
 Ex. 15. 20. λαβούσα δὲ Μ. ἡ πρ. (1)  
 Jd. 4. 4. Δεββῶρα γυνὴ πρ. (1)  
 IV Ki. 22. 14. II Ch. 34. 22. ἐπορεύθη Χ. . .  
 πρὸς Ὀλθαν τὴν πρ. (1)  
 Is. 8. 3. προσήλθον [A S -εν] πρὸς τὴν πρ. (1)  
 προβάνειν. (1) 𐤒𐤓𐤕𐤓𐤕 pi. (2) 𐤒𐤓𐤕𐤓𐤕 hi.  
 I Ki. 20. 25. προέφθασεν τὸν Ἰων. †  
 II Ki. 22. 6. προέφθασαν με σκληρότητες θανάτου (1)  
 — 19. προέφθασάν με ἡμέραι θλίψεως μου (1)

Je. 11. 21. οὐ μὴ προφητεύσεις [A -ης] ἐπὶ τῷ  
δόγματι κυρίου (2a)  
14. 13. οἱ προφῆται αὐτῶν προφητεύουσι (17)  
— 14. ψευδὶ οἱ προφῆται προφητεύουσιν [B]  
— 14. ... προαίρεσεις καρδίας αὐ.  
αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2a, 2b)  
— 15. περὶ τῶν προφητῶν τῶν προφητευόντων  
ἐπὶ [A om.] τῷ δόγματι μου ψευδῆ (2a)  
— 16. ὁ λαὸς οἷς αὐτοὶ προφητεύουσιν αὐτοῖς (2a)  
19. 14. οὐ ἀπέστειλεν αὐτὸν κύριος ἐκεῖ τοῦ  
προφητεύσαι (2a)  
20. 1. τοῦ ἱερ. προφητεύοντος τοὺς λόγους τ. (2a)  
— 6. οἷς ἐπροφήτευσαν αὐτοῖς ψευδῆ (2a)  
23. 13. ἐπροφήτευσαν διὰ τῆς Βάβυλ.  
— 21. αὐτοὶ ἐπροφήτευσαν [B -σαν] (2a)  
— 25. ἂν προφητεύουσιν [S al.] (2a)  
— 26. ἐν καρδίᾳ τῶν προφῆτῶν τῶν προφητευ-  
όντων ψευδῆ ἐν τῷ πρ. αὐτῶν τὰ  
θέληματα τῆς καρδίας αὐ. (2a, †)  
— 32. ἐγὼ πρὸς τοὺς προφῆτας τοὺς προφητευ-  
όντας ἐν ψυχῇ (2a)  
25. 14 (49. 34). ἂν προφητεύουσιν Ἱερουσαλ. †  
32. 15 (25. 13). ἂν προφητεύουσιν Ἱερουσαλ. †  
32 (25). 30. προφητεύσεις ἐπ' αὐτοὺς τοὺς λό-  
γους τούτους (2a)  
38 (26). 9. ἐπροφήτευσαν [S add. ἐπὶ] τῷ δό-  
γματι κυρίου (2a)  
— 11. ἐπροφήτευσαν κατὰ τῆς πόλεως ταύτης (2a)  
— 12. ἀπέστειλεν με προφητεύσαι (2a)  
— 20. ἀνθρώπος ἦν προφητεύων [A add. ἐπὶ]  
τῷ δόγματι κυρίου ... καὶ ἐπρο-  
φήτευσεν περὶ τῆς γαίης ταύτης (2b, 2a)  
34 (27). 10. ψευδῆ αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2a)  
— 14. ἀδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν [B -σουσιν]  
ὑμῖν (2a)  
— 15. καὶ προφητεύουσι [A add. ἐπὶ] τῷ δό-  
γματι μου (2a)  
— 15. καὶ οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ προφητεύοντες  
ὑμῖν ἐπ' ἀδικίᾳ ψευδῆ (2a)  
— 16. μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν προφητῶν  
τῶν προφητευόντων ὑμῖν [A add.  
ψευδῆ] ... ὅτι ἀδικα αὐτοὶ προ-  
φητεύουσιν ὑμῖν (2a, 2a)  
35 (28). 6. στήσαι τὸν λόγον ἐν σὺν προφητείας  
— 8. ἐπροφήτευσαν ἐπὶ γῆς πολλῆς (2a)  
— 9. ὁ προφήτης ὁ προφητεύσας εἰς [S om.]  
εἰρήνην (2a)  
36 (29). 9. ἀδικα αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (2a)  
— 26. γενήσονται ἐπιστάται ... παῦσι ἀνθρώπων  
προφητεύοντι (2b)  
— 27. συνελεοδωρίσατε Ἱερουσαλ. τὸν ἐξ Ἀνα-  
θὼ τὸν προφητεύσαντα ὑμῖν (2b)  
— 31. ἐπροφήτευσαν ὑμῖν Σαμαίαις (2a)  
39 (32). 3. ἂν B<sup>2</sup> διὰ τί σὺ προφητεύεις (2a)  
44 (37). 19. ποῦ εἰσιν οἱ προφῆται ὑμῶν οἱ  
προφητεύσαντες [A -εύοντες] ὑμῖν (2a)  
Ez. 4. 7. προφητεύσεις ἐπ' αὐτὴν (2a)  
6. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτά (2a)  
11. 4. προφήτευσον ἐπ' αὐτοὺς προφήτευσον (2a, 2a)  
— 13. ἐγένετο ἐν τῷ πρ. με (2a)  
12. 27. εἰς καιροὺς μακροὺς οὕτως προφητεύει (2a)  
13. 2. ἂν προφήτευσον ἐπὶ τοὺς προφῆτας τοῦ  
Ἰσραὴλ τοὺς προφητεύοντας καὶ εἰρεῖς  
τοῖς προφῆταις τοῖς προφητεύουσιν  
ἀπὸ καρδίας αὐτῶν [B om. τοὺς πρ. ...  
αὐ.] καὶ προφητεύσεις (2a, †, †)  
— 3. οὐαὶ τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν †  
— 16. οἱ προφητεύοντες ἐπὶ Ἱερουσαλ. (2a)  
— 17. ἐπὶ τὰς θυγατέρας τοῦ λαοῦ σου τὰς  
προφητεύουσας ἀπὸ καρδίας αὐτῶν  
καὶ προφήτευσον ἐπ' αὐτάς (2b, 2a)  
20. 46 (21. 2). προφήτευσον ἐπὶ δρυμὸν (2a)  
21. 2 (7). προφήτευσον ... καὶ προφητεύσεις  
ἐπὶ τὴν γῆν τοῦ Ἰσραὴλ (-, 2a)  
— 9 (14). προφήτευσον καὶ εἰρεῖς (2a)  
— 14 (19). προφήτευσον καὶ κράτησον (2a)  
— 28 (33). προφήτευσον καὶ εἰρεῖς (2a)  
25. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτοὺς (2a)  
28. 21. προφήτευσον ἐπ' αὐτὴν (2a)  
29. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτόν (2a)  
30. 2. προφήτευσον καὶ εἰπόν (2a)  
34. 2. προφήτευσον ἐπὶ τοὺς ποιμένας τοῦ Ἰσ-  
ραὴλ προφήτευσον (2a, 2a)  
35. 2. προφήτευσον εἰς [A ἐπ'] αὐτό (2a)  
36. 1. προφήτευσον ἐπὶ τὰ δρυ Ἰσραὴλ (2a)  
— 3. προφήτευσον καὶ εἰπόν (2a)

Ez. 36. 6. προφήτευσον ἐπὶ τὴν γῆν τοῦ Ἰσραὴλ (2a)  
37. 4. προφήτευσον ἐπὶ τὰ ὅσα ταῦτα (2a)  
— 7. ἐπροφήτευσαν ... ἐγένετο [A add. φωνή]  
ἐν τῷ ἐμὲ προφητεύσαι [A -εύειν] (2a, 2a)  
— 9. προφήτευσον ἐπὶ τὸ πνεῦμα προφητεύ-  
ουσιν (2a, 2a)  
— 10. ἐπροφήτευσαν καθὼς ἐνετείλατό μοι (2b)  
— 12. προφήτευσον καὶ εἰπόν (2a)  
38. 2. προφήτευσον ἐπ' αὐτόν (2a)  
— 14. προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (2a)  
39. 1. προφήτευσον ἐπὶ Ἰωῶν (2a)  
[Aq. 1 Ch. 25. 3; Je. 14. 15; 26 (38). 18; 29  
(36). 26; Ez. 13. 2 bis; 21. 2 (7) (Sw.).]  
[Sm. 1 Ch. 25. 1, 3; Je. 26 (38). 18, 20; 29  
(36). 26; Ez. 20. 46 (21. 2); 21. 2 (7) (Sw.).]  
[Th. Je. 29 (36). 21; Ez. 13. 2 bis; 21. 2 (7)  
(Sw.): 38. 17.]

προφήτης. (1) Πῆ (2) α. מְנָבִי δ. מְנָבִי  
(8) מְנָבִי

Ge. 20. 7. ὅτι προφήτης ἐστὶ (2a)  
Ex. 7. 1. 'Α. ὁ ἀδ. σου ἵσταται σου πρ. (2a)  
Nu. 11. 29. τίς δὲν πάντα τὸν λαὸν κ. προφῆτας (2a)  
12. 6. ἐὰν γέννηται προφήτης ὑμῶν κυρίῳ  
De. 18. 1 (2). ἐὰν δὲ ἀναστήτῃ ἐν σοὶ πρ. (2a)  
— 3 (4). οὐκ ἀκούσῃς τῶν λόγων τοῦ πρ. ἐκ. (2a)  
— 5 (6). ὁ πρ. ἐκείνος ... ἀποθάνειται (2a)  
18. 15. προφήτῃ ἐν τῷ ἀδελφῷ σου (2a)  
— 18. προφήτῃ ἀναστήσῃ αὐτοῖς (2a)  
— 19. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ πρ. — (2a)  
— 20. ὁ πρ. ἐὰν ἀσεβῇσθαι λαλήσῃ (2a)  
— 20. ἀποθάνειται ὁ πρ. ἐκείνος (2a)  
— 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ πρ. (2a)  
— 22. ἐν ἀσεβείᾳ ἐλάλησεν ὁ πρ. (2a)  
34. 10. οὐκ ἀνίστητῃ ἐπὶ προφῆτης (2a)  
Jd. 6. 8. ἐξαπέστειλε κ. ἀνδρα πρ. (2a)  
I Ki. 3. 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφῆτην τῷ κ. (2a)  
— 21. προφῆτης γενεσάμ τῷ κ. — (2a)  
9. 9. τὸν πρ. ἐκάλεε ὁ λαὸς ἐμπροσθεν (2a)  
10. 5. ἀπαντήσεις χορὴν προφῆτῶν (2a)  
— 10. ἂν ἐρχεται ... εἰς τὸν βουνὸν τῶν πρ. — (2a)  
[B om. τ. πρ.] — (2a)  
— 10. χορὸς προφῆτῶν ἐξ ἐναντίας αὐτοῦ (2a)  
— 11. αὐτὸς ἐν μέσῳ τῶν πρ. (2a)  
— 11. 12. ἡ καὶ Σ. ἐν προφῆταις (2a)  
19. 20. εἶδαν τὴν ἐκκλησίαν τῶν πρ. (2a)  
— 24. εἰ καὶ Σ. ἐν προφῆταις (2a)  
21. 6 (7). ἂν ἀλλ' ἡ δρῶσι τοῦ πρ. [B προσώπου] † (2a)  
22. 5. εἶπε Γαδ ὁ πρ. πρὸς Δ. (2a)  
28. 6. οὐκ ἀπεκρίθη αὐτῷ ... ἐν τοῖς πρ. (2a)  
— 15. καὶ ἐν χειρὶ τῶν πρ. (2a)  
II Ki. 7. 3. εἶπεν ὁ βασις πρὸς Ν. τὸν πρ. (2a)  
12. 1. ἀπέστειλε κ. τὸν Ν. τὸν πρ. — (2a)  
— 25. ἐν χειρὶ Ν. τοῦ πρ. (2a)  
24. 11. λόγους κ. ἐγένετο πρὸς Γ. τὸν πρ. (2a)  
III Ki. 1. 8. καὶ Νάθαν ὁ πρ. (2a)  
— 10. καὶ τὸν Ν. τὸν πρ. (2a)  
— 22. καὶ Νάθαν ὁ πρ. ἦλθεν (2a)  
— 22. Β' Ν. ὁ πρ. ἦλθεν (2a)  
— 23. ἰδοὺ Ν. ὁ πρ. (2a)  
— 32. καλέσατέ μοι ... Ν. τὸν πρ. (2a)  
— 34. χρυσάτω αὐτὸν ... Ν. ὁ πρ. (2a)  
— 38. κατέβη ... Ν. ὁ πρ. (2a)  
— 44. ἀπέστειλε μετ' αὐτοῦ ... Ν. τὸν πρ. (2a)  
— 45. Σαδ. ὁ ἱερεὺς καὶ Ν. ὁ πρ. (2a)  
11. 29. 'Αχ. ὁ Σηλ. ὁ πρ. (2a)  
18. 11. πρ. εἰς πρὸςβύτης (2a)  
— 18. κατὰ πρ. εἰμί (2a)  
— 20. ἐγένετο λόγους κ. πρὸς τὸν πρ. (2a)  
— 23. ἂν ἐπέσταξεν αὐτῷ τὴν δυν. τῷ πρ. [B  
om. τ. πρ.] (2a)  
— 25. οὐ ὁ πρ. ὁ πρὸςβύτης κατῴκει (2a)  
— 29. Β' ἦεν ὁ πρ. τὸ σῶμα (2a)  
— 29. ἐπέστρεψεν αὐτὸν ... ὁ πρ. [A al.] (2a)  
— 30. ἂν ἀνέπαυσεν τὸ νεκρῶμα αὐ. ὁ πρ. — (2a)  
14. 2. ἰδοὺ ἐκεῖ 'Αχ. ὁ πρ. (2a)  
— 18. ἂν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Αχ. τοῦ πρ. (2a)  
16. 7. ἂν ἐν χειρὶ 'Ι. υἱοῦ 'Αν. τοῦ πρ. [B al.] (2a)  
— 12. καὶ πρὸς 'Ι. τὸν πρ. (2a)  
17. 1. εἶπεν Ἡλίου ὁ πρ. — (2a)  
18. 4. ἐν τῷ τυπτικῇ τῇ 'Ι. τοὺς πρ. κυρίου (2a)  
— 4. ἐλαβεν 'Α. ἐκατὸν ἀνδρας πρ. (2a)  
— 13. ἐν τῷ ἀποκτείνειν 'Ι. τοὺς πρ. κυρίου (2a)  
— 13. ἐκρυσά από τῶν πρ. κυρίου (2a)  
— 19. ἂν καὶ τοὺς πρ. τοῦ Β. [B al.] (2a)

III Ki. 18. 19. τοὺς [A om.] πρ. τῆς ἀσχύνης (2a)  
— 19. καὶ τοὺς πρ. τῶν ἀλσῶν (2a)  
— 20. ἐπισυνήγαγε πάντας τοὺς πρ. (2a)  
— 22. ὑπολείψομαι προφῆτας τοῦ κ. (2a)  
— 22. οἱ πρ. τοῦ Β. τετρακόσιοι ... ἄνδρες (2a)  
— 22. καὶ οἱ πρ. τοῦ ἀλσῶν — (2a)  
— 25. εἶπεν 'Η. τοῖς πρ. τῆς ἀσχύνης (2a)  
— 29. ἐλάλησεν ... πρὸς τοὺς πρ. τῶν προ-  
σ-οχθισμ. — (2a)  
— 40. συλλάβετε τοὺς πρ. τοῦ Β. (2a)  
19. 1. ὡς ἀπέκτειν τοὺς πρ. (2a)  
— 10, 14. τοὺς πρ. σου ἀπέκτειναν (2a)  
— 16. χρίσεις προφῆτην (2a)  
21 (20). 13. πρ. εἰς προσήλθε (2a)  
— 22. προσήλθεν ὁ πρ. (2a)  
— 35. ἐκ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2a)  
— 38. ἐπορεύθη ὁ πρ. (2a)  
— 41. ὅτι ἐκ τῶν πρ. οὕτως (2a)  
22. 6. συνήθροισεν ... πάντας τοὺς πρ. (2a)  
— 7. οὐκ ἔστιν ὡς προφῆτης τοῦ κ. (2a)  
— 10, 12. πάντες οἱ προφῆται ἐπροφῆτευσαν (2a)  
— 13. λαλοῦσι πάντες οἱ πρ. ... καλὰ (2a)  
— 22. εἰς τὸ στόμα πάντων τῶν πρ. αὐ. (2a)  
— 23. ἐν στόματι πάντων τῶν πρ. σου τούτων (2a)  
IV Ki. 2. 3. ἦλθον οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2a)  
— 3. ἂν εἶπον ... οἱ υἱοὶ τῶν πρ. [B om. οἱ υἱ.  
τ. πρ.] — (2a)  
— 5. ἤγγισαν οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2a)  
— 7. καὶ πεινῆς, ἄνδρες υἱοὶ τῶν πρ. (2a)  
— 15. εἶδον αὐτὸν οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2a)  
3. 11. οὐκ ἔστιν ὡς προφῆτης τοῦ κ. (2a)  
— 13. δεῦρο πρὸς τοὺς πρ. τοῦ πατρὸς σου (2a)  
— 13. ἂν καὶ πρὸς τοὺς πρ. τῆς μητρὸς σου (2a)  
4. 1. γυνὴ μία ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2a)  
— 38. οἱ υἱοὶ τῶν πρ. ἐκάθητο (2a)  
— 38. ἔψεν ἔψεν τοῖς υἱοῖς τῶν πρ. (2a)  
5. 3. ἐνώπιον τοῦ πρ. τοῦ θεοῦ (2a)  
— 8. ἐστὶ προφῆτης ἐν Ἰσραὴλ (2a)  
— 13. μέγαν λόγον ἐλάλησεν ὁ πρ. (2a)  
— 22. ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2a)  
6. 1. εἶπον οἱ υἱοὶ τῶν πρ. (2a)  
— 12. 'Ελ. ὁ πρ. ὁ [A 'Ελ. πρ.] ἐν 'Ισρ. (2a)  
9. 1. 'Ελ. ὁ πρ. ἐκάλεσεν ἑνα τῶν υἱῶν τῶν πρ. (2a, 2a)  
— 4. ἐπορεύθη τὸ παιδάριον ὁ πρ. (2a)  
— 7. τὰ αἵματα τῶν δούλων μου τῶν πρ. (2a)  
10. 19. πάντες οἱ πρ. τοῦ Β. (2a)  
— 21 bis. Β. καὶ πάντες οἱ πρ. αὐτοῦ — (2a)  
14. 25. ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Ι. υἱοῦ 'Αμ. τοῦ πρ. (2a)  
17. 13. ἐν χειρὶ πάντων τῶν πρ. αὐτοῦ (2a)  
— 13. ἐν χειρὶ τῶν δούλων μου τῶν πρ. (2a)  
— 23. ἐν χειρὶ πάντων τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2a)  
19. 2. ἀπέστειλεν ... πρὸς Ἰσρ. τὸν πρ. (2a)  
20. 1. εἰσῆλθε πρὸς αὐτὸν Ἰσρ. ... ὁ πρ. (2a)  
— 11. ἐβόησεν Ἰσρ. ὁ πρ. πρὸς κύριον (2a)  
— 14. εἰσῆλθεν Ἰσρ. ὁ πρ. πρὸς τὸν βασι. (2a)  
21. 10. ἐν χειρὶ δούλων αὐτοῦ τῶν πρ. (2a)  
28. 2. καὶ οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ πρ. (2a)  
— 18. μετὰ τῶν ὁσίων τοῦ πρ. (2a)  
24. 2. ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2a)  
I Ch. 10. 13. ἀπεκρίνατο αὐτῷ Σαμ. ὁ πρ. — (2a)  
16. 22. ἐν [B om.] τοῖς πρ. μου μὴ πονηρήσῃς (2a)  
17. 1. εἶπε Δ. πρὸς Νάθαν τὸν πρ. (2a)  
26. 28. πάντων τῶν ἀγ. τοῦ θ. [A om. τ. θ.] (2a)  
Σαμ. τοῦ πρ. (2a)  
29. 29. ἐπὶ λόγων Ν. τοῦ πρ. (2a)  
II Ch. 9. 29. ἐπὶ τῶν λόγων Ν. τοῦ πρ. (2a)  
12. 5. Σαμ. ὁ πρ. ἦλθε πρὸς 'Ρ. (2a)  
— 15. ἐν τοῖς λόγοις Σαμ. τοῦ πρ. (2a)  
13. 22. ἐπὶ βιβλίῳ τοῦ πρ. Ἀδδὼ (2a)  
15. 8. τὴν προφητείαν 'Α. τοῦ πρ. (2a)  
16. 7. ἦλθεν 'Αν. ὁ πρ. (2a)  
— 10. ἐθυμώθη Ἀσά τῷ πρ. (2a)  
18. 5. συνήγαγεν ὁ βασι. 'Ισρ. τοὺς πρ. (2a)  
— 6. οὐκ ἔστιν ὡς πρ. τοῦ κ. ἐτι (2a)  
— 9, 11. πάντες οἱ πρ. ἐπροφῆτευσαν (2a)  
— 12. ἐλάλησαν οἱ πρ. ἐν στόματι ἐν ἀγαθῇ (2a)  
— 21. ἐν στόματι πάντων τῶν πρ. αὐτοῦ (2a)  
— 22. ἐν στόματι [A add. πάντων] τῶν πρ. (2a)  
19. 2. 'Ιηοῦ ὁ τοῦ 'Αν. ὁ πρ. (1)  
20. 20. ἐμπιστεύσατε ἐν προφῆτῃ αὐ. (2a)  
21. 12. ἦλθεν ... παρὰ 'Η. τοῦ πρ. (2a)  
24. 19. ἀπέστειλε πρὸς αὐτοὺς προφῆτας (2a)  
25. 15. ἀπέστειλεν αὐτῷ προφῆτας (2a)  
— 16. ἐσώπησεν ὁ πρ. (2a)  
26. 22. γεγραμμένοι ὑπὸ 'Ι. τοῦ πρ. (2a)

II Ch. 28. 9. ἐκεῖ ἦν ὁ πρ. τοῦ κυρίου (2 a)  
 29. 25. B κατὰ τὴν ἐντ. . . γὰρ τοῦ πρ. [A B  
 ὄντων τῶ βασιλ.] καὶ N. τοῦ πρ. (1, 2 a)  
 — 25. ἐν χειρὶ τῶν πρ. (2 a)  
 — 30. ἐν λόγοις Δ. καὶ 'Α. τοῦ πρ. (1)  
 32. 20. προσήζατο . . . 'Ησ. υἱὸς 'Α. ὁ πρ. (2 a)  
 — 32. ἐν τῇ προφητείᾳ 'Ησ. υἱοῦ 'Α. τοῦ πρ. (2 a)  
 35. 15. 'Α. καὶ ΑΙ. καὶ 'Ιδ. οἱ πρ. τοῦ βασιλ. (1)  
 — 18. ἀπὸ ἡμερῶν Σαμ. τοῦ πρ. (2 a)  
 36. 5. ἐν χειρὶ τῶν παίδων αὐ. τῶν πρ. —  
 — 12. ἀπὸ προσώπου 'Ιερ. τοῦ πρ. (2 a)  
 — 15. Α ἐν χειρὶ προφητῶν [B τῶν πρ.] αὐ. [B al.] +  
 — 16. ἐμπαίζοντες ἐν τοῖς πρ. αὐτοῦ (2 a)  
 I Es. 1. 20. ἀπὸ τῶν χρόνων Σαμ. τοῦ πρ. —  
 — 28. ῥήμασιν 'Ιερ. προφήτου (2 a)  
 — 32. ἐθρίψαν 'Ιερ. ὁ πρ. —  
 — 47. τῶν ῥηθέντων λόγων ὑπὸ 'Ιερ. τοῦ πρ. —  
 51. ἦσαν ἐκπαίζοντες τοὺς πρ. αὐτοῦ  
 6. 1. Ἀγγαῖος καὶ Ζαχ. . . οἱ πρ. —  
 2. συνόντων τῶν πρ. τοῦ κυρίου  
 7. 3. προφητεύοντων 'Α. καὶ Ζαχ. τῶν πρ. —  
 8. 82. ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν πρ. —  
 II Es. 5. 1. ἐπροφῆτευον 'Α. ὁ πρ. (2 b)  
 — 2. μετ' αὐτῶν οἱ πρ. τοῦ θεοῦ (2 b)  
 6. 14. ἐν προφητείᾳ Ἀγγ. τοῦ πρ. (2 b)  
 9. 11. ἐν χειρὶ δούλων σου τῶν πρ. (2 a)  
 Ne. 6. 7. προφῆτας ἔστησας σεσαυφ. (2 a)  
 — 14. A B S B καὶ τῶ N. τῶ πρ. καὶ τοῖς κατα-  
 λοιποῖς τῶν πρ. [B S 'Ιερῶν] (+, 2 a)  
 9. 26. τοὺς πρ. σου ἀπέκτειναν (2 a)  
 — 30. ἐν χειρὶ προφητῶν σου (2 a)  
 — 32. ὅς ἐβρεν . . . τοὺς πρ. ἡμῶν (2 a)  
 To. 2. 6. B ἐμνήσθη τὸ ῥήματος τοῦ πρ. [A B al.]  
 4. 12. A B υἱοὶ προφητῶν ἐσμὲν  
 14. 4. ὅσα ἐλάλησεν 'Ιωνᾶς ὁ πρ. [B al.]  
 — 4. S δὲ ἐλάλησεν οἱ πρ. τοῦ 'Ισρ.  
 — 5. καθὼς ἐλάλησαν . . . οἱ πρ. —  
 8. A B δὲ ἐλάλησεν ὁ πρ. 'Ιωνᾶς  
 Ps. 50 (51). τίς ἐν τῇ ἐλθείν πρὸς αὐτὸν Νάθαν  
 τὸν πρ. (2 a)  
 78 (74). 9. οὐκ ἔστιν ἐτι προφήτης (2 a)  
 104 (105). 15. ἐν τοῖς πρ. μου μὴ πονηρέυσθε (2 a)  
 Wi. 7. 27. φίλους θεοῦ καὶ προφῆτας κατασκευάζει  
 11. 1. εὐδόκως τὰ ἔργα αὐ. ἐν χειρὶ προφήτου ἀγίου  
 [A προφητῶν ἀγίων]  
 Si. prol. 1. πολλῶν καὶ μεγάλων ἡμῖν διὰ . . . τῶν  
 πρ. . . δεδομένων  
 — 8. αὐτὸν δὸς εἰς τὴν . . . τῶν πρ. . . ἀνάγκωσιν  
 36. 21 (18). οἱ πρ. σου ἐμπιστευθήσων  
 44. 3. B' ἀπηγγελοῦντες ἐν προφήταις [A B S al.]  
 46. 13. ἡγαπημένοι ὑπὸ κυρίου αὐ. Σαμουὴλ προφή-  
 της κυρίου  
 — 15. ἐν πίστει αὐτοῦ ἡκριβόσθη προφήτης  
 48. 1. ἀνστή 'Ηλίας προφήτης ὡς πῦρ  
 — 8. ὁ κρίων . . . προφῆτας διαδόχους μετ' αὐτόν  
 — 22. δε ἐνετείλατο 'Ησαῖας ὁ πρ. ὁ μέγας  
 49. 7. αὐτὸς ἐν μίτρᾳ ἡγιάσθη προφήτης  
 — 10. τῶν δώδεκα πρ. τὰ ὁστά ἀνάβαιοι  
 Ho. 4. 5. ἀναθνήσκῃ προφήτης μετὰ σοῦ (2 a)  
 6. 6 (5). ἀπεθέρισα τοὺς πρ. ὑμῶν (2 a)  
 9. 7. ὥσπερ ὁ πρ. ὁ παρεστήσας (2 a)  
 — 8. προφήτης παγίς σκολιά (2 a)  
 12. 10 (11). λαλήσω πρὸς προφήτας (2 a)  
 — 10 (11). ἐν χειρὶ προφητῶν ὁμοιώσθην  
 — 13 (14). ἐν προφήτῃ ἀνῆγαγε κ. τὸν 'Ισρ. (2 a)  
 — 13 (14). ἐν προφήτῃ διεφυλάχθη (2 a)  
 Am. 2. 11. ἔλαβον ἐκ τῶν υἱῶν ὑμῶν εἰς προ-  
 φῆτας (2 a)  
 — 12. τοῖς πρ. ἐνετέλλεσθε (2 a)  
 3. 7. πρὸς τοὺς δούλους αὐ. τοὺς πρ. (2 a)  
 7. 14. οὐκ ἦμην προφήτης ἐγὼ οὐδὲ υἱὸς προ-  
 φῆτου (2 a, 2 a)  
 — 15. B ἀνελάβε με κύριος ἐκ τῶν πρ. [A B  
 προβάτων] +  
 Mi. 8. 5. τὰδε λέγει κύριος ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)  
 — 6. δύσεται ὁ ἥλιος ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)  
 — 11. οἱ πρ. αὐ. μετὰ ἀργυρίου ἐμάντευοντο  
 [Jn. subscr. A 'Ιωνᾶς προφήτης [B S om.]] (2 a)  
 Hb. 1. 1. δ εἶδεν 'Αμβ. ὁ πρ. (2 a)  
 3. 1. προσευχῇ 'Αμβ. τοῦ πρ. (2 a)  
 Ze. 3. 4. οἱ πρ. αὐ. πνευματόφοροι (2 a)  
 Hg. 1. 1, 3. ἐν χειρὶ 'Α. τοῦ πρ. (2 a)  
 — 12. καὶ τῶν λόγων 'Α. τοῦ πρ. (2 a)  
 2. 2 (1). ἐν χειρὶ 'Α. τοῦ πρ. (2 a)  
 — 21 (10). ἐγένετο λόγος κ. πρὸς 'Α. τὸν πρ. (2 a)  
 — 21 (20). ἐγένετο λόγος κ. . . πρὸς 'Α. τὸν πρ. —

Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κ. πρὸς Z. . . τὸν πρ. (2 a)  
 — 4. οὗς ἐνεκέλευσαν αὐτοῖς οἱ πρ. ἔμπροσθεν (2 a)  
 — 5. οἱ πατέρες ὑμῶν ποῦ εἰσι καὶ οἱ πρ. (2 a)  
 — 6. ὅσα ἐγὼ ἐνέλλομαι . . . τοῖς δούλοις  
 μου τοῖς πρ. (2 a)  
 — 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Z. . . τὸν πρ. (2 a)  
 7. 3. λέγων . . . πρὸς τοὺς πρ. (2 a)  
 — 7, 12. ἐν χειρὶ τῶν πρ. τῶν ἔμπροσθεν (2 a)  
 8. 9. ἐκ στόματος τῶν πρ. (2 a)  
 13. 4. καταισχυνθήσονται οἱ πρ. (2 a)  
 — 5. οὐκ εἰμὶ προφήτης ἐγὼ (2 a)  
 Ma. subscr. A B προφήτης ἀγγελος Μαλ. [B al.] —  
 Is. inscr. A 'Ησαῖας πρ. γ. [B S al.] —  
 8. 2. ἀφελεί . . . δικαστὴν καὶ προφήτην (2 a)  
 9. 15 (14). καὶ προφήτην διδάσκοντα ἄνομα (2 a)  
 28. 7. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐξέστησαν (2 a)  
 29. 10. καμύνει τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν καὶ  
 τῶν πρ. αὐτῶν (2 a)  
 30. 10. οἱ λέγοντες τοῖς πρ. (3)  
 37. 2. πρὸς 'Ησαῖαν υἱὸν 'Αμώς τὸν πρ. (2 a)  
 38. 1. ἦλθε πρὸς αὐτὸν 'Ησ. υἱὸς 'Αμώς ὁ πρ. (2 a)  
 — 21. S' εἶπεν 'Η. ὁ πρ. [A B S om. ὁ πρ.] —  
 39. 3. ἦλθεν 'Ησαῖας ὁ πρ. (2 a)  
 subscr. A 'Ησαῖας πρ. [B S om.] —  
 Je. 1. 5. προφήτην εἰς ἔθνη τέθεικά σε (2 a)  
 2. 8. οἱ πρ. ἐπροφῆτευον [A -οντο] τῇ Βάαλ (2 a)  
 — 26. αἰσχυρήσονται . . . οἱ πρ. αὐ. (2 a)  
 — 30. μάχηρα κατέφαγε τοὺς πρ. ὑμῶν (2 a)  
 4. 9. B S οἱ πρ. θαυμάζονται (2 a)  
 5. 13. οἱ πρ. ἡμῶν ἦσαν εἰς ἀνεμον (2 a)  
 — 31. οἱ πρ. προφητεύουσιν ἀδικα (2 a)  
 7. 25. ἐξαπίστευα πρὸς ὑμᾶς πάντας τοὺς  
 δούλους μου τοὺς πρ. (2 a)  
 8. 1. ἐξίσταται . . . τὰ ὁστά προφητῶν [A B  
 τῶν πρ. αὐ.] (2 a)  
 13. 13. πληρῶ . . . τοὺς πρ. . . μεθύσματι (2 a)  
 14. 13. οἱ πρ. αὐτῶν προφητεύουσι (2 a)  
 — 14. ψευδὲς οἱ πρ. προφητεύουσιν (2 a)  
 — 15. περὶ τῶν προφητῶν [B' add. τῶν πρ.]  
 τῶν προφητευόντων (2 a, [-])  
 — 15. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ πρ. (2 a)  
 — 18. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐπορεύθησαν εἰς γῆν [A  
 ἐπ. ὁδός] (2 a)  
 18. 18. οὐκ ἀπολείπει . . . λόγος ἀπὸ προφήτου (2 a)  
 23. 6 (9). ἐν τοῖς πρ. (2 a)  
 — 11. ἱερεὺς καὶ πρ. ἐμολύνθησαν (2 a)  
 — 13. ἐν τοῖς πρ. Σαμαρείας εἶδον ἀνομήματα (2 a)  
 — 14. ἐν τοῖς πρ. 'Ιερουσαλὴμ εἶδρακα φρικτὰ  
 μοιχωμένους (2 a)  
 — 15. ἀπὸ τῶν πρ. 'Ιερουσαλὴμ ἐξήλθε μο-  
 λυσμός πάσης τῇ γῇ (2 a)  
 — 16. μὴ ἀκούετε τοὺς λόγους τῶν πρ. (2 a)  
 — 21. οὐκ ἀπείσθησαν τοὺς πρ. (2 a)  
 — 25. ἤκουσα δὲ λαλοῦσιν οἱ πρ. [B al.] (2 a)  
 — 26. ὥς ποτε ἔσται ἐν καρδίᾳ τῶν πρ. (2 a)  
 — 28. ὁ πρ. ἐν ᾧ τὸ ἐνὶ πνεύμῳ ἐστὶ (2 a)  
 — 30. A B S ἐγὼ διὰ τοῦτο πρὸς τοὺς πρ. (2 a)  
 — 31. ἐγὼ πρὸς τοὺς πρ. (2 a)  
 — 32. ἐγὼ πρὸς τοὺς πρ. —  
 — 33. εἰς ἐρωτήσων σε ὁ λαὸς οὗτος ἢ  
 ἱερεὺς ἢ πρ. (2 a)  
 — 34. ὁ πρ. καὶ οἱ ἱερεῖς [A B ὁ I.] καὶ ὁ λαὸς (2 a)  
 25. 4. ἀπείσθησαν πρὸς ὑμᾶς τοὺς δούλους μου  
 τοὺς πρ. (2 a)  
 28 (51). 59. ὅν ἐνετείλατο κ. 'Ιερ. τῷ πρ. (2 a)  
 33 (26). 5. εἰσακούειν τῶν λόγων [A add. μου  
 καὶ] τῶν παίδων μου τῶν πρ. (2 a)  
 34 (27). 15. ἀπολείπετε ὑμῖς καὶ οἱ πρ. ὑ. (2 a)  
 — 16. μὴ ἀκούετε τῶν λόγων τῶν πρ. (2 a)  
 — 18. εἰ προφήται εἰσι (2 a)  
 35 (28). 8. οἱ πρ. οἱ γεγονότες πρότεροί μου  
 καὶ πρότεροι ὑμῶν (2 a)  
 — 9. ὁ πρ. ὁ προφητεύσας εἰς εἰρήνην . . .  
 γνώσονται τὸν πρ. (2 a, 2 a)  
 36 (29). 15. κατέστησεν ἡμῖν κ. προφῆτας [A -ην] (2 a)  
 39 (32). 32. οἱ ἱερεῖς αὐτῶν καὶ οἱ πρ. αὐτῶν (2 a)  
 42 (35). 15. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παῖδας  
 [A δούλους] μου τοὺς πρ. (2 a)  
 44 (37). 19. ποῦ εἰπὶν οἱ πρ. ὑμῶν (2 a)  
 49 (42). 2. προσήλθον . . . πρὸς [A ἐπὶ] 'Ιερε-  
 μίαν τὸν πρ. (2 a)  
 50 (43). 6. ἔλαβε . . . 'Ιερεμίαν τὸν πρ. (2 a)  
 51 (44). 4. ἀπέστειλα πρὸς ὑμᾶς τοὺς παῖδας  
 [A δούλους] μου τοὺς πρ. (2 a)  
 51. 31 (45. 1). ὃν ἐλάλησεν 'Ιερεμίας ὁ πρ.  
 subscr. 'Ιερεμίας πρ. id [B S al.] —

Ba. 1. 16. ἀσχύνη . . . τοῖς πρ. ἡμῶν  
 — 21. κατὰ πάντας τοὺς λόγους τῶν πρ.  
 2. 20. ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν πρ. —  
 — 24. ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου τῶν πρ. (2 a)  
 La. 2. 9. προφῆται αὐτῆς οὐκ εἶδον ὄρασιν (2 a)  
 — 14. προφῆται σου εἶδον σοὶ μάταια (2 a)  
 — 20. ἀποκτενεῖς . . . ἱερεῖα καὶ προφήτην (2 a)  
 4. 13. ἐξ ἁμαρτιῶν προφητῶν αὐ. (2 a)  
 — 16. προφῆτας [A πρεσβύτεας] οὐκ ἤλθσαν +  
 Ep. Je. subscr. A B 'Ιερεμίας πρ. Βαρούχ Θρηνοῖ καὶ  
 'Επιστολῇ [B al.] —  
 Ez. inscr. A 'Ιεζεκιὴλ προφήτης υ. [B al.] —  
 2. 5. γνώσονται ὅτι πρ. εἰ σὺ (2 a)  
 7. 26. ζητηθήσεται ὄρασις ἐκ προφήτου (2 a)  
 13. 2. προφῆτην σου εἶδον πρ. τοῦ 'Ισραὴλ (2 a)  
 — 2. A ἐρεῖς τοῖς πρ. (2 a)  
 — 4. ὡς ἀλώπεκες ἐν ταῖς ἐρήμοις οἱ πρ. σου (2 a)  
 — 9. ἐκτινῶ τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τοὺς πρ. (2 a)  
 — 16. οὐδὲ οἱ ἀλείφοντες αὐτὸν προφῆται τοῦ  
 'Ισραὴλ (2 a)  
 14. 4, 7. καὶ ἔλθῃ πρὸς τὸν πρ. (2 a)  
 — 9. ὁ πρ. ἐὰν πληρώσῃ [A -νησῇ] . . . ἐγὼ  
 κύριος πεπλάνηκα τὸν πρ. ἐκ. (2 a, 2 a)  
 — 10. ὁμοίως τῷ πρ. ἔσται (2 a)  
 22. 28. οἱ πρ. αὐ. ἀλείφοντες αὐτοὺς (2 a)  
 33. 33. πρ. ἦν ἐν μέσῳ αὐτῶν (2 a)  
 38. 17. A B διὰ χειρὸς τῶν δούλων μου τῶν  
 πρ. [B om.] πρ. τοῦ 'Ισραὴλ (2 a)  
 subscr. A B 'Ιεζεκιὴλ πρ. [B om.] —  
 Da. LXX. 8. (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ καιρῷ τ. . . πρ.  
 9. 2. ὅτε ἐγένετο πρὸς ταγμα . . . ἐπὶ 'Ιερ. τὸν  
 πρ. (2 a)  
 — 6. οὐκ ἠκούσαμεν τῶν παίδων σου τῶν πρ. (2 a)  
 — 10. διὰ τῶν παίδων σου τῶν πρ. (2 a)  
 — 24. συντελεσθήναι τὰ ὁράματα καὶ προφη-  
 τῶν (2 a)  
 Da. TH. 3. (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ καιρῷ τ. . . πρ.  
 9. 2. ὅς ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς 'Ιερ. τὸν  
 πρ. (2 a)  
 — 6. οὐκ εἰσῃκούσαμεν τῶν δούλων σου τῶν  
 πρ. (2 a)  
 — 10. ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν πρ. (2 a)  
 — 24. τοῦ σφραγίσαι ὄρασις καὶ προφήτην (2 a)  
 Bel. 33. ἦν 'Αμβ. ὁ πρ. ἐν τῇ 'Ιουδαίᾳ  
 subscr. A B τέλος Δ. προφήτου [B al.]  
 I Ma. 4. 46. μέχρι τοῦ παραγενέσθαι προφήτην  
 7. 16. S' ὃν ἐγράψεν ὁ πρ. [A S' B al.]  
 9. 27. ἀφ' ἧς ἡμέρας οὐκ ὥφθη προφήτης  
 — 54. καθεῖλε τὰ ἔργα τῶν πρ.  
 14. 41. ὥς τοῦ ἀναστήναι πρ. πιστόν  
 II Ma. 2. 1. εὐρίσκειται δὲ ἐν ταῖς ἀπογραφαῖς 'Ιερ.  
 ὁ πρ. —  
 — 2. A B ὡς ἐνετείλατο τοῖς μεταγενεμένοις  
 ὁ πρ. —  
 — 4. A B τὴν κιβωτὸν ἐκέλευσεν ὁ πρ. . . συνα-  
 κολουθῆναι  
 — 13. A τὰ περὶ τὸν βασιλ. καὶ πρ. Βαβυλῖα [B om.]  
 15. 9. παραμυθούμενος αὐτοὺς ἐκ . . . τῶν πρ.  
 — 14. 'Ιερ. ὁ τοῦ θεοῦ πρ. —  
 IV Ma. 18. 10. ὃς ἐδίδασκεν ὑμᾶς . . . τοὺς πρ.  
 [Aq. III Ki. 13. 23: 14. 2, 18: 13. 10: IV Ki. 8. 13: I Ch. 25. 1: Jb. 6. 13: 14. 15: 23. 15 (Sw.): 26 (33): 7, 8, 11: 28 (35): 1, 9, 10, 11, 12, 17: 32 (39): 2: 37 (44): 3: 38 (45): 10: 47 (29): 1: 50 (27): 1: 61 (28): 59: Ez. 13. 2: Da. 9. 24:]  
 [Sbm. I Ki. 9. 9: III Ki. 13. 23: IV Ki. 8. 13: Jb. 26 (38): 7, 8, 11: 28 (35): 1, 9, 10, 11, 12, 17: 32 (39): 2: 37 (44): 3: 38 (45): 10: 47 (29): 1: 61 (28): 59: Ez. 13. 2: Da. 9. 24:]  
 [Th. IV Ki. 8. 13: Jb. 6. 10: 23. 15 (Sw.): 37: 28 (35): 9, 10, 11, 17: 29 (36): 10: 32 (39): 2: 37 (44): 3: 38 (45): 9, 10: Ez. 13. 2, 3, 4: 22. 25: Da. 9. 24:]  
 [Al. I Ki. 28. 15:]  
 [Sext. Ps. 88 (89). 20.]  
 προφῆτης. (1) פֶּתִי  
 Ex. 16. 20. λαβούσα δὲ M. ἡ πρ. (1)  
 Jd. 4. 4. Δεβῶρα γυνὴ πρ. (1)  
 IV Ki. 22. 14: I Ch. 34. 22. ἐπορεύθη X. . .  
 πρὸς 'Ολλαν τὴν πρ. (1)  
 Is. 8. 3. προσήλθον [A B -εν] πρὸς τὴν πρ. (1)  
 προφθάνειν. (1) פָּרָץ pi. (2) פָּרָץ hi.  
 I Ki. 20. 25. προέφθασε τὸν 'Ιων.  
 II Ki. 22. 6. προέφθασάν με σκληρότητες θανάτου (1)  
 — 19. προέφθασάν με ἡμέραι θλίψέως μου (1)



IV Kt. 19. 32. οὐ προφθάσει αὐτὸν [A -ην] θυρέος (1)  
 Jb. 30. 27. προφθάσαν με ἡμέραι πτωχείας (1)  
 Ps. 16 (17). 13. προφθάσαν αὐτοὺς (1)  
 17 (18). 5. προφθάσαν με παγίδες θανάτου (1)  
 — 18. προφθάσαν με ἐν ἡμέρᾳ κακώσεώς μου (1)  
 20 (21). 3. προφθάσας αὐτὸν ἐν εὐλογίαις (1)  
 58 (59). 10. τὸ ἔλεος αὐτοῦ προφθάσει με (1)  
 67 (68). 25. προφθάσαν ἀρχόντες (1)  
 — 31. Αἰθιοπία προφθάσει χεῖρα αὐ. τῷ θ. (2)  
 87 (88). 13. ἡ προσευχὴ μου προφθάσει σε (1)  
 94 (95). 2. προφθάσωμεν τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (1)  
 118 (119). 147. προφθάσα [S<sup>1</sup> -σαν με] ἐν αὐρία (1)  
 — 148. προφθάσαν οἱ ὀφθαλμοί μου (1)  
 Si. 19. 27. ὅπου οὐκ ἐπεγνώσθη προφθάσει σε Jn. 4. 2. προφθάσα τοῦ φυγῆν (1)  
 I Ma. 10. 4. προφθάσωμεν τοῦ εἰρήνην θείαν — 23. A B προφθάκεν [S -σεν] ἡμᾶς ὁ Ἄλ. [Aq. Ps. 16 (17). 13 : Is. 87. 33.] [Sm. Ps. 16 (17). 13 : 87 (88). 14 : Is. 87. 33.] [Th. Is. 87. 33.]

## προφιλής.

Es. 5. 1. S<sup>1</sup> τὸ πρόσωπον αὐ. Ἰαβὼν ὡς προφιλὲς [A B S<sup>2</sup> προφ.]

## προφυλακή. (1) פִּלְגָּ (2) פִּלְגָּ (3) עֲזָרָה (4) א. רִשְׁפִּי δ. רִשְׁפִּי

Ex. 12. 4. 2. προφυλακή ἐστὶ τῷ κυρίῳ (4 a)  
 — 42. ἐκείνη ἡ νύξ αὐτῇ πρ. κυρίῳ (4 a)  
 Nu. 32. 17. ἐνοπλισμένοι προφυλακὴν [A -ῇ] †  
 Ne. 4. 12 (16). ἔστω ὅμως ἡ νύξ προφυλακὴ (4 b)  
 — 23 (17). καὶ οἱ ἄνδρες τῆς πρ. ὀπίσω μου (4 b)  
 7. 3. ἀνὴρ ἐν προφυλακῇ αὐτοῦ (4 b)  
 Ju. 7. 13. παρεμβάλομεν... εἰς προφυλακὴν [S τὴν πρ.]  
 10. 11. συνήγαγεν αὐτὴν προφυλακὴ τῶν Ἀ.  
 14. 2. εἰς τὴν πρ. νύκ. Ἀσσούρ  
 Na. 2. 5 (6). ἐτοιμάσονται τὰς πρ. αὐ. (2)  
 Ez. 23. 24. Α βαλεῖ ἐπὶ σὲ προφυλακὴν [B al.] (8)  
 26. 8. ὁσπερ ἐπὶ σὲ προφυλακὴν (1)  
 38. 7. ἔσθι μοι εἰς προφυλακὴν (4 b)

## προφυλάξ. (1) א. רִשְׁפִּי δ. רִשְׁפִּי

Ne. 4. 9 (3). καὶ ἐστήσαμεν προφυλάκας (1 a)  
 7. 3. στήσαντες προφυλάκας (1 b)  
 I Ma. 12. 27. ἐξέβαλε προφυλάκας  
 προφυλάσσειν. (1) רִשְׁפִּי hithpa.  
 II Kt. 22. 24. προφυλάξομαι ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου (1)  
 [Aq. Ez. 38. 3.]  
 [Sm. Ez. 3. 17, 18, 20 : 33. 3.]

## προχαλάσθαι.

IV Ma. 10. 19. S B προκεχάλασαι [A κεχ.] ἡ γλώσσα

## προχειρῖν, προχειρίζειν. (1) פִּלְגָּ (2) פִּלְגָּ

Ex. 4. 13. προχειρίσαι δυνάμενον ἄλλον (2)  
 Jo. 4. 12. προχειρίσασθε ἡμῖν δώδεκα ἀνδρας (1)  
 Da. LXX. 3. 22. οἱ ἄνδρες οἱ προχειρισθέντες —  
 — συμποδισάντες αὐτούς —  
 II Ma. 3. 7. B προχειρισάμενος [A -ρησ.] Ἡλιδ-  
 — δωρον  
 8. 9. ὁ δὲ ταχέως προχειρισάμενος Νικάνορα  
 14. 12. A προχειρησάμενος [B προσκαλεσάμ.] δὲ  
 — εἰδὼς τὸν Νικάνορα  
 [Sm., Th. Pr. 8. 23.]

## πρόχειρος.

Fr. 11. 3. πρόχειρος δὲ γίνεται †

## πρόχωμα. (1) פִּלְגָּ

II Kt. 20. 15. A ἐξέχεαν πρόχωμα [B πρόσχ.] (1)

## προχώρημα.

Ez. 32. 6. ποτισθήσεται ἡ γῆ ἀπὸ τῶν πρ. [A χ.] †

## πρύτανις.

Wi. 13. 2. φωστήρας οὐρανοῦ πρύτανις κόσμου θεοῦ ἐνόςμου

## πρώην. (1) פִּלְגָּ

Jo. 8. 5. καθίπερ καὶ πρ. (1)

## πρωί. (1) א. רִבָּא δ. רִבָּא c. רִבָּא d. חֲנִיכָא

רִבָּא (2) חֲנִיכָא (3) חֲנִיכָא (4) ἕως πρ.,  
 ἕως τὸ πρ. A. חֲנִיכָא חֲנִיכָא c. רִבָּא חֲנִיכָא d. חֲנִיכָא  
 (5) τὸ πρὸς πρ. πρ. רִבָּא חֲנִיכָא (6) חֲנִיכָא

Ge. 1. 5, 8, 13, 19, 23, 31. καὶ ἐγένετο πρωί (1 a)  
 19. 27. ὥρτισεν δὲ Ἀβ. τὸ πρωί (1 b)  
 20. 8. ὥρτισεν Ἀβ. τὸ πρωί (1 b)  
 21. 14. ἀνίστη δὲ Ἀβ. τὸ πρωί (1 b)  
 22. 3. ἀναστὰς δὲ Ἀβ. τὸ πρωί (1 b)  
 24. 54. A ἀναστὰς πρωί [B τὸ πρ.] (1 b)  
 26. 31. ἀναστάντες τὸ πρωί (1 b)  
 28. 18. ἀνίστη Ἰακώβ τὸ πρωί (1 b)  
 29. 25. ἐγένετο δὲ πρωί (1 b)  
 31. 55 (32. 1). ἀναστὰς δὲ Ἀ. τὸ πρωί (1 b)  
 32. 24 (25). ἐπλάκειν ἄνθρ. μετ' αὐτοῦ ἕως πρωί (4 a)

40. 6. εἰσῆλθεν δὲ πρὸς αὐτοὺς Ἰ. τὸ πρ. (1 b)  
 41. 8. ἐγένετο δὲ πρωί (1 b)  
 44. 3. τὸ πρωί διεφάνετο (1 a)

Ex. 7. 15. βάδιον πρὸς Φ. τὸ πρωί (1 b)  
 8. 20 (16) : 9. 13. ὥρτισαν τὸ πρωί (1 b)  
 10. 13. τὸ πρωί ἐγενήθη (1 a)  
 12. 10. οὐκ ἀπολείπεται... ἕως [A εἰς τὸ] πρωί (4 b [1 a])

— 10. τὰ δὲ καταλείπομαι... ἕως πρωί (4 b)  
 — 22. οὐκ ἐξελεύσασθε... ἕως πρωί (4 b)  
 — 46. A οὐ καταλείψετε... εἰς τὸ πρωί —

18. 7. πρωί ὤφασθε τὴν δόξαν (1 a)  
 — 8. καὶ ἄρτους τὸ πρ. εἰς πλησμονὴν (1 b)  
 — 12. τὸ πρ. πλησθίσασθε ἄρτων (1 b)  
 — 13. τὸ πρ. ἐγένετο (1 b)

— 19. μῆδεις καταλείπετω... εἰς τὸ πρ. (1 a)  
 — 20. καταλείπον τινες... εἰς τὸ πρ. (1 a)  
 — 21. A B συνέλεξαν αὐτὸ πρ. πρ. [B om.] (1 b, 1 b)

— 23. καταλείπετε αὐτὸ... εἰς τὸ [A ἕως] πρ. (1 a [4 b])

— 24. A B κατελίποσαν... ἕως [B εἰς τὸ] πρ. (4 b [1 a])

18. 14. A ἀπὸ πρωί [B -ῖθεν] ἕως δειλῆς (1 a)  
 23. 18. οὐδὲ μὴ κοιμηθῇ στέαρ... ἕως πρωί (4 b)  
 24. 4. ὥρτισας δὲ M. τὸ πρ. [A<sup>1</sup> om. τὸ πρ.] (1 b)  
 27. 21. ἀφ' ἑσπέρας ἕως πρωί (4 b)  
 29. 34. εἰς δὲ καταλείψω... ἕως πρωί (4 b)

— 39. τὸν ἀμὸν τὸν ἐνα ποιήσεις τὸ πρ. (1 b)  
 30. 7. θυμῶσι... τὸ πρωί πρωί (1 b, 1 b)  
 34. 2. γίνου ἐτοιμος εἰς τὸ πρ. (1 a)

— 4. A ὥρτισας M. τὸ πρ. [B om. τὸ πρ.] (1 b)  
 — 25. οὐ κοιμηθήσεται εἰς τὸ πρ. θυμάτα (1 a)  
 36. 3. A παρὰ τῶν φερόντων τὸ πρ. πρ. [B om.] (1 b, 1 b)

Le. 6. 9 (2). ἄλῃ τὴν νύκτα ἕως τὸ πρωί (4 b)  
 — 12 (5). κἀν... ξύλα τὸ πρ. πρ. [A B<sup>1</sup> om.] (1 b, 1 b)

— 20 (13). B τὸ ἥμισυ αὐτῆς τὸ πρ. (1 b)  
 7. 5 (15). οὐ καταλείψουσιν... εἰς τὸ πρ. (1 a)  
 19. 13. οὐ μὴ κοιμηθήσεται... ἕως πρωί (4 b)  
 22. 30. οὐκ ἀπολείψετε... εἰς τὸ πρ. (1 a)  
 24. 3. ἀπὸ ἑσπέρας ἕως πρωί (4 b)

— 4. ἕως εἰς [B<sup>1</sup> om.] τὸ [A om.] πρ. †  
 Nu. 9. 12. οὐ καταλείψουσιν... εἰς τὸ πρ. (1 a)  
 — 15. ὡς εἶδος πυρὸς ἕως πρωί (4 b)  
 — 21. ἀφ' ἑσπέρας ἕως πρωί (4 b)

— 21. καὶ ἀναβῇ ἡ νεφέλη τὸ πρ. (1 b)  
 14. 40. ὥρτισαν δὲ τὸ [B<sup>2</sup> εἰς τὸ] πρ. (1 b [1 a])  
 22. 13, 21. ἀναστὰς B. τὸ πρ. (1 b)

— 41. καὶ ἐγενήθη πρωί (1 b)  
 28. 4. τὸν ἀμὸν τὸν ἐνα ποιήσεις τὸ πρ. (1 b)  
 De. 16. 4. οὐ κοιμηθήσεται... εἰς τὸ πρ. (1 a)  
 — 7. ἀποστραφίσθι τὸ πρ. (1 b)  
 28. 67. τὸ πρ. ἐρίς (1 b)

— 67. πῶς ἂν γέναιτο πρωί (1 a)  
 Jo. 3. 1. ὥρτισεν Ἰ. τὸ πρ. (1 a)  
 6. 11 (12). ἀνίστη Ἰ. τὸ πρ. (1 b)  
 7. 14. συναχθήσασθε πάντες τὸ πρ. (1 b)

8. 10. ὥρτισας Ἰ. τὸ πρ. (1 b)  
 Jd. 6. 28. ὥρτισαν... τὸ πρ. (1 b)  
 — 31. θανατωθῆτω [A ἀποδανείται] ἕως πρωί (4 b)

9. 33. καὶ ἔσται τὸ πρ. (1 b)  
 — 35. A καὶ ἐγένετο πρωί —

16. 2. A ἕως φωτὸς πρωί μένουμεν [B al.] (1 a)  
 19. 5. ὥρτισαν τὸ πρ. (1 b)

Jd. 19. 8. ὥρτισεν τὸ πρ. (1 b)  
 — 25. ἐνέπεισον... ἕως πρωί (4 b)  
 — 25. ὡς ἀνέβη τὸ πρ. [A al.] (8)

— 26. A ἦλθεν ἡ γυνὴ τὸ πρ. [B πρὸς τὸν δρ-  
 — θρον]

— 27. ἀνίστη δὲ ἀνὴρ αὐ. τὸ πρ. (1 b)  
 20. 19. καὶ ἀνέστησαν... τὸ πρ. [A om. τὸ πρ.] (1 b)

Ru. 8. 13. καὶ ἔσται τὸ πρ. (1 b)  
 — 13. κοιμήθητι ἕως πρωί (1 b)  
 — 14. ἐκοιμήθη... ἕως πρωί (4 b)

I Kt. 1. 19. ὥρτισαν τὸ πρ. (1 b)  
 8. 15. κοιμάται Σαμ. ἕως πρωί (4 b)  
 — 15. ὥρτισεν τὸ πρ. —

5. 4. ὅτε ὥρτισαν τὸ πρ. (1 b)  
 9. 19. ἐξαποστελὼ σε πρ. (1 b)  
 11. 5. Σ. ἤρχετο μετὰ τὸ πρ. †

15. 12. καὶ ἐπορεύθη... πρ. (1 b)  
 17. 20. A ὥρτισεν Δ. τὸ πρ. (1 b)  
 19. 2. φυλάξαι οὖν ἄστρον πρ. (1 b)

— 11. τοῦ θανάτου αὐτὸν πρ. (1 b)  
 20. 35. καὶ ἐγενήθη πρωί (1 b)  
 25. 22. εἰ ὑπολήψομαι... ἕως πρωί (4 c)

— 34. εἰ ὑπολειφθήσεται... ἕως φωτὸς τοῦ πρ. (1 a)  
 — 36. ἕως φωτὸς τοῦ πρ. (1 a)  
 — 37. καὶ ἐγένετο πρωί (1 b)

29. 10. ὥρτισαν τὸ πρ. (1 b)  
 — 11. A ἀπέλθειν τὸ πρ. [B om. τὸ πρ.] (1 b)

II Kt. 11. 14. καὶ ἐγένετο πρ. (1 b)  
 13. 4. τὸ πρ. πρ. οὐκ ἀπαγγέλλεις μοι (1 b, 1 b)  
 17. 22. ἕως τοῦ φωτὸς τοῦ πρ. (1 a)

23. 4. ἀνατείλει ἥλιος τὸ πρ. (1 a)  
 24. 11. ἀνίστη Δ. τὸ πρ. (1 b)

III Kt. 3. 21. ἀνίστην τὸ πρ. (1 b)  
 — 21. κατενόησα αὐτὸν πρ. [A τὸ πρ.] (1 b)  
 17. 6. ἔφερον αὐτῷ ἄρτους τὸ πρ. (1 b)

22. 35. ἀπὸ πρ. ἕως ἑσπέρας —  
 IV Kt. 8. 20. B καὶ ἐγένετο τὸ [A B om.] πρ. (1 b)  
 — 22. ὥρτισαν τὸ πρ. (1 b)

7. 9. μένομεν ἕως φωτὸς τοῦ πρ. (1 a)  
 10. 8. θέτε αὐτὰς βουνοὺς δύο... εἰς πρωί (1 a)  
 — 9. καὶ ἐγένετο πρ. [A ἐν πρωίᾳ] (1 b)

16. 15. ἔσται μοι εἰς τὸ [A om.] πρ. †  
 19. 35. ὥρτισαν τὸ πρ. (1 b)

I Ch. 9. 27. τὸ πρ. πρ. [B om.] ἀνοίγειν τὰς θύρας (1 c, 1 c)  
 16. 40. τὸ πρ. καὶ τὸ ἑσπέρας (1 c)

23. 30. τοῦ στήναι πρ. τοῦ αἰνῆν (1 b bis)  
 II Ch. 2. 4 (3). τὸ πρ. καὶ τὸ δειλῆς (1 c)  
 13. 11. θυμῶσι... πρ. καὶ δειλῆς (1 b bis)

20. 20. ὥρτισαν [A add. τὸ] πρ. (1 b)  
 35. 12. καὶ οὕτως εἰς τὸ πρ. †  
 II Es. 3. 3. τὸ πρ. καὶ εἰς ἑσπέραν (1 c)

Jb. 1. 5. ἀνιστάμενος τὸ πρ. (1 b)  
 7. 4. ἀπὸ ἑσπέρας ἕως πρ. (6)

— 18. ἡ ἐπισκοπὴν αὐτοῦ ποιήσῃ ἕως [A om.] τὸ πρ. [S<sup>1</sup> al.] (4 d [1 a])

24. 17. ὁμοθυμαδὸν αὐτοῖς τὸ πρ. (1 b)  
 Ps. 5. 3. τὸ πρ. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς μου (1 a)  
 — 3. τὸ πρ. παραστήσομαι σοι (1 a)

29 (30). 5. καὶ εἰς τὸ πρ. ἀγαλλίασις (1 a)  
 45 (46). 5. A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> βοηθήσει αὐτῇ ὁ θεὸς τῷ [A B<sup>3</sup> τὸ] πρὸς πρ. πρ. [B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> προσώπῳ] (5)

48 (49). 14. κατακυριεύουσιν αὐτῶν οἱ εἰσέεις τὸ πρ. (1 c)  
 54 (55). 17. ἑσπέρας καὶ πρ. καὶ μεσημβρίας (1 a)

58 (59). 16. ἀγαλλίασάμην τὸ πρ. τὸ ἔλεός σου (1 c)  
 87 (88). 13. τὸ πρ. ἡ προσευχὴ μου προφθάσει σε (1 b)  
 89 (90). 5. τὸ πρ. ὥστε χλόη παρέλθοι (1 b)

— 6. τὸ πρ. ἀνθήσει καὶ παρέλθοι (1 b)  
 — 14. ἐνεπλήσθημεν τὸ πρ. τοῦ ἐλεός σου (1 b)  
 91 (92). 2. τοῦ ἀναγγέλλειν τὸ πρ. τὸ ἔλεός σου (1 b)

142 (143). 8. ἀκουστὸν ποιήσόν μοι τὸ πρ. τὸ ἔλεός σου (1 b)  
 Fr. 27. 14. δε ἂν εὐλογῇ φίλον τὸ πρ. (1 b)

Ec. 10. 16. οἱ ἀρχόντες σου πρωί [A ἐν πρωίᾳ, B πρῶτας] ἐσθίουσι (1 b)  
 11. 6. ἐν τῷ πρωί [A B ἐν πρωίᾳ] σπείρον τὸ σπέρμα σου (1 a)

Wi. 19. 22. B<sup>1</sup> οὐχ ὑπερίδεις ἐν παντὶ καιρῷ καὶ τὸ πρωί [A B B<sup>2</sup> τόπῳ] παριστάμενος (1 a)  
 Si. 34 (31). 20. ἀνίστη πρωί (1 a)  
 47. 10. ἀπὸ πρωί [A B -ίας] ἤγειν τὸ ἀγίασμα (1 a)  
 Ho. 7. 6. πρωί ἐγενήθη [A ἐγ.] (1 a)

Am. 4. 4. ἡνέγκατε εἰς τὸ πρ. θυσίας ὑμῶν (1a)  
 5. 8. ἐκρίπων εἰς τὸ πρ. σκιάν (1a)  
 8. 4. οἱ ἐκτρίβοντες εἰς τὸ πρ. πέννηα (1a)  
 Ze. 3. 3. οὐχ ὑπελίποντο εἰς τὸ πρ. (1a)  
 — 5. πρ. πρ. ὅσους κρίμα αὐτοῦ (1b, 1b)  
 Is. 5. 11. οὐαὶ οἱ ἐγειρόμ. τὸ πρ. (1b)  
 14. 12. ὁ ἰσφορός ὁ πρ. ἀνατέλλων (1b)  
 17. 11. τὸ δὲ πρ. ἐὰν στείρῃς [A. φυνεύσῃς] (3)  
 — 14. πρὶν ἢ πρ. καὶ οὐκ ἔσται (1a)  
 21. 12. φυλάσσω τὸ πρ. καὶ τὴν νύκτα (1a)  
 28. 19. πρ. πρ. παρελεύσεται ἡμέρας (1b, 1b)  
 37. 36. ἀναστάντες τὸ [B om.] πρ. (1b)  
 38. 13. παρεδόθην ἕως πρ. ὡς λείοντι (4b)  
 60. 4. ἔθηκε μοι [A. add. τὸ] πρ. [B<sup>3</sup> add. πρ.] (1b, [1b])  
 Je. 20. 16. ἀκουσάτω κραυγῆς τὸ πρ. (1b)  
 21. 12. κρίνατε [B. add. τὸ] πρ. κρίμα (1c)  
 81 (48). 33. πρ. οὐκ ἐπάτησαν +  
 Ez. 12. 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς με τὸ πρ. (1b)  
 24. 18. ἐλάλησα πρὸς τὸν λαὸν τὸ πρ. (1b)  
 — 18. καὶ ἐποίησα τὸ πρ. (1b)  
 38. 22. B<sup>3</sup> B ὡς [A. B<sup>1</sup> ὡς] ἤλθε πρὸς με τὸ πρ. (1b)  
 46. 13. πρ. ποιήσει αὐτὸν (1b)  
 — 14. τὸ πρ. ἔκτον τοῦ μέτρου (1b bis)  
 — 15. τὸ ἔλαιον ποιήσετε τὸ [A. om.] πρ. (1b bis)  
 Da. LXX. 4. 15. ἀναστὰς τὸ πρ. ἐκ τῆς κοίτης μου —  
 — 30. ἕως δὲ πρ. πάντα τελεσθήσονται +  
 6. 16 (17). ἕως πρῶτῃ θάρρει (2)  
 19 (20). ὁ βασ. Δ. ὠρρίσει πρ. — (2)  
 8. 14. ἕως ἐσπέρας καὶ πρ. (1a)  
 — 26. τὸ ὄραμα τὸ ἐσπέρας καὶ πρ. (1a)  
 Da. TH. 6. 19 (20). ὁ βασ. ἀνέστη τὸ πρ. (2)  
 8. 14. ἕως ἐσπέρας καὶ πρ. (1a)  
 Bel 12. ἐλθὼν πρ. ἐὰν μὴ εὐρῇς  
 — 16. A. B ὠρρίσειεν ὁ βασ. τὸ [B om.] πρ.  
 I Ma. 3. 58. γίνεσθε ἔτοιμοι εἰς τὸ [B<sup>1</sup> om.] πρ.  
 4. 52. ὠρρίσαν τὸ πρ.  
 6. 33. ὠρρίσειεν ὁ βασ. τὸ πρ.  
 11. 67. ὠρρίσαν τὸ πρ.  
 12. 29. οὐκ ἔργωναν ἕως πρ.  
 16. 5. ἀναστάντες τὸ πρ.  
 [Aq. III Ki. 17. 6: Is. 50. 4 († πρ.).]  
 [Sm. III Ki. 17. 6: Ps. 45 (48). 6 bis (P.): Is. 50. 4.]  
 [Th. III Ki. 17. 6: Jb. 24. 17: Ps. 45 (48). 6 bis: 109 (110). 3: Is. 38. 13.]  
 πρωΐθεν. (1) ῥῥῥ  
 Ex. 18. 13. ἀπὸ πρ. ἕως δειλῆς (1)  
 — 14. ἀπὸ πρ. [A. πρῶτῃ] ἕως δειλῆς (1)  
 Ru. 2. 7. ἀπὸ πρ. καὶ ἕως ἐσπέρας (1)  
 II Ki. 2. 27. B ἐκ πρ. [A. B-ῖθεν] ἀνέβη ὁ λαός (1)  
 24. 15. ἀπὸ πρ. ἕως ὥρας [A. om.] ἀρίστου (1)  
 III Ki. 18. 26. ἐκ πρ. ἕως μεσημβρίας (1)  
 Jb. 4. 20. ἀπὸ πρ. μέχρι [A. B ὥς] ἐσπέρας (1)  
 Si. 18. 26. ἀπὸ πρ. ἕως ἐσπέρας μεταβάλλει καιρὸς (1)  
 I Ma. 9. 13. A. B ἀπὸ πρ. ἕως [B. μέχρι] ἐσπέρας (1)  
 10. 80. ἐκ πρ. ἕως δειλῆς  
 πρῶτος, πρῶτος. (1) ἡῖῖῖ (2) a. ἡῖῖ hi.  
 δ. ἡῖῖ (3) ἡῖῖῖῖ (4) ἡῖῖῖῖ  
 De. 11. 14. δώσει τὸν ὑετὸν . . . πρ. (2b)  
 Ho. 6. 4 (3). ἤξει ὡς ὑετὸς ἡμῖν πρ. (2b)  
 9. 10. ὡς σκοπὸν ἐν συκῇ πρῶτον (3)  
 J1. 2. 3. βρέξει ὑμῖν ὑετὸν πρ. (2a)  
 Za. 10. 1. αἰετῖσθε . . . ὑετὸν . . . πρῶτον —  
 Is. 58. 8. βροχήσεται πρῶτον τὸ φῶς σου (4)  
 Je. 5. 24. τὸν διδόντα ἡμῖν ὑετὸν πρῶτον (2b)  
 24. 2. ὡς τὰ σῦκα τὰ πρ.  
 [Aq. Ps. 85 (84). 7.]  
 [Sm. Ge. 30. 41: Jb. 18. 13: Ec. 11. 6.]  
 [Th. Jb. 18. 13: Is. 28. 4.]  
 [Al. Ex. 23. 15: 34. 18: Nu. 13. 21 (20).]  
 πρῶτος, πρῶτος. (1) ῥῥῥ (2) τὸ πρ. ῥῥῥῖ  
 Ge. 49. 27. τὸ πρ. ἔδεται ἔτι (2)  
 Ex. 29. 41. κατὰ τὴν θυσίαν τὴν πρ. (1)  
 Le. 9. 17. χωρὶς τοῦ ὀλοκαυτώματος τοῦ πρ. (1)  
 Nu. 28. 23. πλὴν τῆς ὀλοκαυτώσεως . . . τῆς πρ. (1)  
 I Ki. 11. 11. A. ἐν φυλακῇ τῇ πρ. [B. ἐθωλῇ] (1)  
 IV Ki. 16. 15. πρόσφερε τὴν ὀλοκαυτῶσιν τὴν πρ. (1)  
 II Ch. 31. 3. εἰς τὰς ὀλοκαυτῶσιν τὴν πρ. καὶ τὴν δειλύην [A<sup>1</sup> al.] (1)  
 I Es. 1. 11. καὶ οὕτως τὸ πρ.  
 6. 50. ὀλοκαυτῶματα . . . τὸ πρ. καὶ τὸ δειλύν  
 Jb. 38. 12. ἡ ἐπὶ σοῦ συντέταχα φέγγος πρῶτον (1)

Ho. 6. 5 (4). τὸ δὲ ἔλαος ὑμῶν ὡς νεφέλη πρ. (1)  
 13. 3. ἔσονται ὡς νεφέλη πρ. (1)  
 Da. TH. 8. 26. A. ἡ ὄρασις τῆς ἐσπέρας καὶ τῆς πρ. [B -ίας] (1)  
 [Sm. Pr. 11. 25.]  
 πρωΐθεν. (1) ῥῥῥ  
 II Ki. 2. 27. A. B ἐκ πρ. [B -ῖθεν] ἀνέβη ὁ λαός (1)  
 πρῶτος (incl. πρῶτα). (1) a. ῥῥῥ δ. ῥῥῥῖ  
 c. ῥῥῥῖ  
 II Ki. 23. 4. A. B ἐν θεῷ φωτὶ [R. φ. θεοῦ] πρῶτας (1a)  
 IV Ki. 10. 9. A. καὶ ἐγένετο ἐν πρῶτῇ [B. ἐγ. πρῶτῇ] (1a)  
 Ps. 64 (65). 8. ἐξώδους πρῶτας καὶ ἐσπέρας (1a)  
 72 (78). 14. ὁ ἐλεγχός μου εἰς τὰς πρ. (1a)  
 100 (101). 8. εἰς τὰς πρ. ἀπέκτενον πάντας τοὺς ἁμαρτωλοὺς τῆς γῆς (1a)  
 129 (130). 6. B<sup>3</sup> ἀπὸ φυλακῆς πρ. ἐλπισάτω Ἰσρ. (1b)  
 — 6. ἀπὸ φυλακῆς πρ. μέχρι νυκτός (1b)  
 — 7. A. ἀπὸ φυλακῆς πρ. —  
 Ec. 10. 16. B οἱ ἀρχόντες σου πρῶτας [A. ἐν πρῶτῃ, B. πρῶτῇ] ἐσθίουσι (1c [1a])  
 11. 6. A. B ἐν πρῶτῃ [B. ἐν τῇ πρῶτῇ] σπείρον τὸ σπέρμα σου (1a)  
 Si. 47. 10. A. B ἀπὸ πρῶτας [B. πρῶτῇ] ἤχην [B<sup>3</sup> φωνῇ ἡ] τὸ ἁγίασμα (1a)  
 La. 3. 22 (23). B. μῆνας εἰς τὰς πρ. ἐλέησον (1a)  
 — 23. B. καὶ εἰς τὰς πρ. (1a)  
 Da. TH. 8. 26. ἡ ὄρασις τῆς ἐσπέρας καὶ τῆς πρ. [A. -νῆς] (1a)  
 III Ma. 5. 24. προσδοκῶντα τὴν πρ. μετὰ σπουδῆς [Aq. Jb. 7. 18: Ps. 45 (48). 6: 89 (90). 14: 129 (130). 6: Is. 33. 2: Ho. 7. 6.]  
 [Sm. Ps. 89 (90). 14: Is. 58. 8.]  
 [Th. Ps. 89 (90). 14: Is. 58. 2.]  
 πρῶτος. (1) a. ῥῥῖ δ. ῥῥῖῖ ῥῥ  
 Jn. 1. 6. προσῆλθε πρὸς αὐτὸν ὁ πρ. (1b)  
 Ez. 27. 29. οἱ πρ. τῆς θαλάσσης ἐπὶ τὴν γῆν [A. τῆς γ.] στήσονται (1a)  
 πρωταγωνιστής.  
 I Ma. 9. 11. καὶ οἱ πρ. πάντες οἱ δυνατοί  
 II Ma. 15. 30. ὁ . . . πρ. ὑπὲρ τῶν πολιτῶν  
 πρωταρχος.  
 II Ma. 10. 11. Φοινίκης στρατηγὸν πρῶταρχον  
 πρωτεύος.  
 [Sm. Jb. 22. 24: 28. 16: Ps. 44 (45). 10: 77 (78). 51: CA. 5. 13.]  
 πρωτεύειν. (1) ποιεῖν πρωτεύειν a. ῥῥῖ pi.  
 δ. ῥῥῖ pi.  
 Es. 5. 11. ὡς ἐποίησαν αὐτὸν πρ. [A. πρῶτον] (1a + 1b)  
 II Ma. 6. 18. Ἐλ. τις τῶν πρωτευόντων γραμματέων ἀνὴρ  
 13. 15. τὸν πρωτεύοντα τῶν ἐλεφάντων . . . συνίδηκε [Aq. Za. 4. 7.]  
 πρωπίστος.  
 [Al. Dt. 21. 2.]  
 πρωτοβαθεῖν. (1) ῥῥῖ ἰσρῥῥῥ ῥῥ  
 Es. 3. 1. ἐπρωτοβάθρει πάντων τῶν φίλων αὐ. (1)  
 πρωτοβολεῖν. (1) ῥῥῖ pi.  
 Ez. 47. 12. τῆς καινότητος αὐτοῦ πρωτοβολήσει (1)  
 πρωτογενής. (1) ῥῥῖ  
 Ex. 13. 2. πᾶν πρωτότοκον πρ. (1)  
 Pr. 24. 70 (31. 2). πρωτογενές σοὶ λέγω, υἱέ —  
 πρωτογενῶν.  
 [Al. Ez. 47. 12 (Sw.).]  
 πρωτογεννημα, πρωτογεννημα. (1) ῥῥῖῖῖ  
 (2) ῥῥῖῖῖ  
 Ex. 23. 16. ἐορτὴν θερμισμού πρωτογεννημάτων (1)  
 — 19. τὰς ἀπαρχὰς τῶν πρ. τῆς γῆς σου (1)  
 34. 26. τὰ πρ. τῆς γῆς σου (2 + 1)  
 Le. 2. 14. θυσίαν πρωτογεννημάτων τῇ κ. (1)  
 — 14. τὴν θυσίαν τῶν πρ. (1)  
 23. 17. πρωτογεννημάτων τῇ κυρίῳ (1)  
 — 19. μετὰ τῶν ἁρτῶν τοῦ πρ. —

Le. 23. 20. μετὰ τῶν ἁρτῶν τοῦ πρ. (1)  
 Nu. 18. 13. τὰ πρ. πάντα ὅσα ἐν τῇ γῇ αὐ. (1)  
 IV Ki. 4. 42. ἤνεγκε . . . πρωτογεννημάτων εἰκοσι ἄρτους (1)  
 Ne. 10. 35 (36). ἐνέγκαν τὰ πρ. τῆς γῆς ὑμῶν καὶ πρ. καρποῦ (1, 1)  
 To. 1. 6. B καὶ τὰ πρ.  
 Si. 45. 20. ἀπαρχὰς πρωτογεννημάτων ἐμίρισεν αὐτοῖς  
 Ez. 44. 30. τὰ πρ. ὑμῶν δώσετε τῷ ἱερεῖ (2)  
 48. 14. οὐδὲ ἀφαιρεθήσεται τὰ πρ. τῆς γῆς (2)  
 I Ma. 3. 49. ἤνεγκαν . . . τὰ πρ.  
 [Aq. Ex. 34. 22: Is. 28. 4.]  
 [Sm., Th. Ex. 34. 22.]  
 πρωτόγονος. (1) ῥῥῖῖῖ  
 Si. 38. 17 (14). ὃν πρωτογόνῳ [B<sup>3</sup> -τόκῳ] ὁμολώσας  
 Mi. 7. 1. τοῦ φαγεῖν τὰ πρ. (1)  
 πρωτοκλίσιον (-κλήσιον).  
 II Ma. 4. 21. B. διὰ τὰ πρ. [A. -κλήσιον] Πτολεμαίου  
 πρωτοκουρά, πρωτοκουρία, πρωτοκυρία.  
 To. 1. 6. B καὶ τὰς πρ. τῶν προβ. [A. -κυρίας, B. -κουρίας, B. προκουρίας] ἔχων  
 πρωτολογία. (1) κατήγορος ἐν πρωτολογία  
 ῥῥῖῖ ῥῥῖῖ  
 Pr. 18. 17. δίκαιος ἑαυτοῦ κατήγορος ἐν πρωτολογία (1)  
 πρῶτον (adv.). (1) ῥῥῖῖ  
 I Ki. 2. 16. θυμαθῆτω πρῶτον . . . τὸ στέαρ —  
 14. 12. A. ἀπεκρίθησαν . . . πρῶτον [B. πρὸς] Ἰ. +  
 To. 4. 12. A. B. γυναῖκα πρ. λάβε  
 6. 17. B. ἐξεγέρθη πρ. [A. B. al.]  
 Si. 11. 7. νόησον πρῶτον καὶ τότε ἐπιτίμα  
 23. 23. πρῶτον μὲν γὰρ . . . ἠπειθήσει  
 Is. 9. 1 (8. 23). τοῦτο πρ. πῖε (1?)  
 11. 14. ἐπὶ Μωῶβ πρ. τὰς χεῖρας ἐπιβαλοῦσιν —  
 28. 25. A. πρ. [B. τότε] σπείρει μικρὸν μελάνδιον —  
 43. 26. B. λέγε σὺ τὰς ἀνομίας σου πρῶτον —  
 [A. B. -ος]  
 II Ma. 10. 24. A. ὁ πρ. [B. πρῶτερον] ἠγῆθη ἐκ τῶν Ἰ.  
 14. 8. πρ. μὲν ὑπὲρ τῶν ἀνηκόντων τῷ βασ.  
 IV Ma. 1. 30. ἐπιθέσθαι γε τοῖν πρ.  
 6. 2. πρ. μὲν περιέδυσαν τὸν γεραῖον  
 [Aq., Th. Is. 65. 7: Je. 16. 18.]  
 [Sm. Is. 65. 7.]  
 [Heb. Ez. 47. 8 (Sw.).]  
 πρωτόπλαστος.  
 Wi. 7. 1. γηγενούς ἀπόγονος [B<sup>1</sup> -ον] πρωτοπλάστου  
 10. 1. αὐτὴ πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου . . . διεφύλαξε  
 πρῶτος. (1) a. ῥῥῖ δ. ῥῥῖ (2) a. ῥῥῖ  
 δ. ῥῥῖῖ c. ῥῥῖῖ d. ῥῥῖῖ (3) a. ῥῥῖῖῖ,  
 ῥῥῖῖ δ. ῥῥῖῖῖῖ c. ῥῥῖῖ d. ῥῥῖῖῖῖ  
 c. ῥῥῖῖ f. ῥῥῖῖῖῖ (4) ῥῥῖῖῖῖ (5) ὁ μὴν  
 ὁ πρ., ὁ πρ. μὴν ῥῥῖῖῖῖ (6) ἐν πρῶτοις  
 ῥῥῖῖῖῖ (7) ποιεῖν αὐτὸν πρῶτον a. ῥῥῖῖ pi.  
 δ. ῥῥῖῖ pi. (8) ἐκ πρῶτου ῥῥῖῖῖῖ  
 Ge. 8. 5. τῇ πρ. τοῦ μηνός (1a)  
 — 13. τοῦ μηνός τοῦ πρ. (5)  
 32. 17 (18). ἐνετείλατο τῷ πρ. (3a)  
 19 (20). ἐνετείλατο τῷ πρ. —  
 33. 2. ἐποίησεν τὰς δύο παιδίσκας . . . ἐν πρῶτοις (6)  
 41. 20. κατέφαγον . . . τὰς ἐπὶ τὰς βόας τὰς πρ. (3a)  
 Ex. 4. 8. τῆς φωνῆς τοῦ σημείου τοῦ πρ. (3a)  
 12. 2. πρῶτος ἐστὶν ὑμῖν ἐν τοῖς μῆσιν (3a)  
 — 15. ἀπὸ δὲ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3a)  
 — 15. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3a)  
 — 16. ἡ ἡμέρα ἡ πρ. κληθήσεται ἁγία (3a)  
 — 18. τῇ τεσσαρεσκαίδεκ. ἡμ. τοῦ μηνός τοῦ πρ. (5)  
 34. 1. δύο πλάκας λίθ. καθὼς καὶ αἱ πρ. (3a)  
 — 1. ἐν [A. ἐπὶ] ταῖς πλαγαῖς ταῖς πρ. (3a)  
 — 4. δύο πλάκας λίθ. καθάπερ καὶ αἱ πρ. (3a)  
 40. 2. ἐν ἡμέρᾳ μὲν [A. om.] τοῦ μηνός τοῦ πρ. (3a)  
 — 17. ἐν τῇ μηνὶ τῇ πρ. (3a)  
 Le. 9. 15. καθὰ καὶ τὸ πρ. (3a)

- Le. 23. 5. ἐν τῇ πρ. μηνί (3 a)  
 — 7. ἡ ἡμέρα ἢ πρ. κλητὴ ἀγία ἔσται (3 a)  
 — 11. τῇ ἑπαύριον τῆς πρ. (3 a)  
 — 35. ἡ ἡμέρα ἢ πρ. κλητὴ ἀγία (3 a)  
 — 39. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. ἀνταυσις (3 a)  
 — 40. ΔΒ' ληψέσθε τῇ [B<sup>2</sup> B τῇ ἡμέρᾳ τῇ] πρ. (3 a)  
 Nu. 2. 3. ΔΒ οἱ παρεμβάλλοντες πρώτοι [B κατά νότον] (3 d)  
 — 9. πρώτοι ἐξαροῦσι [Δ ἀναεύξουσιν] (3 a)  
 7. 12. ὁ προσφέρων ἐν τῇ ἡμ. τῇ πρ. (3 a)  
 9. 1. ἐν τῇ μηνί τῇ πρ. (3 a)  
 — 3. τῇ τεσσαρεσκαίδεκ. ἡμ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)  
 10. 13. ἐξήραν πρώτοι διὰ φωνῆς κυρίου (3 b)  
 — 14. ἐξήραν . . . πρώτοι σὺν δυνάμει αὐτῶν (3 b)  
 20. 1. 28. 16. ἐν τῇ μηνί τῇ πρ. (3 a)  
 28. 18. ἡ ἡμέρα ἢ πρ. ἐπικλητος ἀγ. ἔσται (3 a)  
 29. 13. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. μίσχους (3 a)  
 33. 3. τῇ μηνί τῇ πρ. τῇ πεντεκαδεκάτῃ ἡμ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a, 3 a)  
 De. 10. 1. δύο πλάκας λιθ. ὅσπερ [Δ ὑπὲρ] τὰς πρ. (3 a)  
 — 2. ἂν ἦν ἐν ταῖς πλαξὶ ταῖς πρ. (3 a)  
 — 3. τὰς πλάκας λιθ. ὡς αἱ πρ. (3 a)  
 — 4. κατὰ τὴν γραφὴν τὴν πρ. (3 a)  
 13. 9 (10). αἱ χεῖρες σου ἔσονται ἐπ' αὐτὸν ἐν πρώτοις (3 a)  
 16. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. (3 a)  
 17. 7. ἡ χεὶρ τῶν μαρτ. ἔσται ἐπ' αὐτῶ ἐν πρώτοις (3 a)  
 18. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. (3 a)  
 — 9. ἐν δὲ τῇ πρ. τοῦ μηνὸς τοῦ πέμπτου [Δ al.] (1 a)  
 8. 31. ἐν τῇ δωδεκάτῃ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)  
 10. 17. ἔως ἡμέρας μίας τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)  
 Ne. 5. 15. τὰς βίας τὰς πρ. ἀε . . . ἐβάρυναν (3 a)  
 7. 5. οἱ ἀνέβησαν ἐν πρώτοις (3 a)  
 8. 18. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3 a)  
 12. 46. Ἀσαφ . . . πρώτος τῶν ῥδόντων (3 c\*, †)  
 To. 5. 9. Β ἐχαίρεισιν αὐτὸν Τ. πρώτος (3 a)  
 7. 1. Β ἐχαίρεισιν αὐτὸν Τ. πρώτος [Δ B al.] (3 a)  
 14. 5. Β οὐχ ὡς τὸν πρ. [Δ B οἷος ὁ πρότερος] (3 a)  
 Ju. 2. 1. δευτέρᾳ καὶ εἰκάδι τοῦ πρ. μηνός (3 a)  
 Es. 1. 14. οἱ πρ. παρακάθῃ, τῇ βασιλεῖ (3 a)  
 3. 7. B<sup>2</sup> ἐν τῇ μηνί τῇ πρ. (3 a)  
 — 12. ἐκλήθησαν . . . μηνί πρώτῃ (3 a)  
 5. 11. Δ ὡς ἐποίησεν αὐτὸν πρώτον [BS πρωτεύειν] (7 a + 7 b)  
 8. 9. ἐν τῇ πρ. [B<sup>2</sup> τρίτῃ] μηνί (3 a)  
 Jb. 8. 7. ἔσται οὐν τὰ μὲν πρ. σου ὀλίγα (3 d)  
 — 8. ἐπερώτησεν γὰρ [Δ om., B δὲ] γενεὰν πρώτην (3 c\*, 3 a)  
 15. 7. BS μὴ πρώτος ἀνθρώπων [Δ -ος] ἐγενήθη [Δ B ἐγεννήθη] (3 f\*, 3 a)  
 18. 20. πρώτους δὲ ἔσχε θαῦμα (2 b)  
 23. 8. B εἰ γὰρ πρώτος [BS εἰς γὰρ πρώτα] πορεύσονται [Δ ἐὰν γὰρ πορευθῶν εἰς τὰ πρ.] (2 a)  
 42. 11. ὅσοι ᾔδεισαν αὐτὸν ἐκ πρώτου [Δ al.] (3 a)  
 — 14. ἐκάλεσε τὴν μὲν πρ. ἡμέραν (1 a)  
 — 17. πρώτους Βαλὰκ ὁ τοῦ Βεώρ (3 a)  
 Ps. 70 (71). τί. καὶ τῶν πρ. αἰχμαλωτισθέντων (3 a)  
 Pr. 20. 21. μερὶς ἐπιπορευομένη ἐν πρώτοις (3 a)  
 28. 18. ὁ δὲ ἀπαντήσας τῷ λόγῳ πρώτος ὑποσκεισθήσεται (3 a)  
 Ec. 1. 11. οὐκ ἔστι μνημὶ τοῖς πρ. (3 a)  
 Ca. 4. 14. μετὰ πάντων πρ. [Δ τῶν] μύρων (3 c)  
 Wi. 7. 3. πρώτων φωνῶν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα [B ἀπασιν] κλαίων (3 a)  
 Si. 4. 17. διεστραμμένους πορεύεται μετ' αὐτοῦ ἐν πρώτοις (3 a)  
 24. 28. οὐ συνετέλεσεν ὁ π. γρόνιον αὐτῆς (3 a)  
 34 (31). 17. παύσαι πρώτος γάρων παιδείας (3 a)  
 45. 21. B ἄρτον πρώτους [B ἐν πρ.] ἡτοίμασε πλυσμονήν [Δ B al.] (3 a)  
 Am. 6. 6. καὶ τὰ πρ. μύρα χροῖμενοι (3 d)  
 Mi. 4. 8. ἡ πρ. βασιλεῖα ἐκ Βαβυλῶνος (3 a)  
 Jl. 2. 20. εἰς τὴν θάλασσαν τὴν πρ. (3 b)  
 Hg. 2. 10 (9). μεγάλῃ ἔσται ἡ δοξα . . . ἡ ἐσχάτη ὑπὲρ τὴν πρ. (3 a)  
 Za. 6. 2. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ πρ. ἵπποι πυρροὶ (3 a)  
 14. 8. τὸ ἡμῖν αὐ. εἰς τὴν θάλασσαν τὴν πρ. (3 a)  
 — 10. ἔως τοῦ τόπου τῆς πύλης τῆς πρ. (3 a)  
 Is. 11. 14. οἱ δὲ υἱοὶ Ἀ. πρώτοι ὑπακούσονται (3 a)  
 41. 4. ἐγὼ θεός πρ. (3 a)  
 43. 18. μὴ [Δ om.] μνησινεῖτε τὰ πρ. (3 a)  
 — 26. λέγε σὺ τὰς ἀνομίας σου πρώτους [B -ον] (3 a)  
 — 27. οἱ πατέρες ὑμῶν πρώτοι (3 a)  
 44. 6. ἐγὼ πρ. καὶ ἐγὼ μετὰ ταῦτα (3 a)  
 48. 12. ἐγὼ εἰμι πρ. (3 a)  
 Is. 60. 9. πλοῖα Θαρσίς ἐν πρώτοις (3 a)  
 65. 16. ἐπιλήσονται γὰρ τὴν θλίψιν τὴν πρ. (3 a)  
 Je. 27 (50). 17. ὁ πρ. ἔφαγεν αὐτὸν (3 a)  
 52. 24. ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος τὸν Ιερία τὸν πρ. [B<sup>2</sup> δευτέρου] (3 c)  
 Ez. 26. 1. Δ μὴ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. [B om. τ. πρ.] (3 a)  
 27. 17. πρώτον μέλι . . . ἔδωκαν (3 a)  
 — 22. οὗτοι ἔμποροι σου μετὰ πρώτων ἡδυσμάτων (3 c)  
 29. 17. μὴ τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. (3 a)  
 30. 20. ἐν τῇ πρ. μηνί (3 a)  
 32. 17. ἐν τῇ δωδεκάτῃ ἔτει τοῦ πρ. μηνός [Δ ἐν τῇ πρ. μηνί] (3 a)  
 40. 1. ἐν τῇ πρ. μηνί (3 a)  
 45. 18. ἐν τῇ πρ. μηνί (3 a)  
 — 21. ἐν τῇ πρ. [Δ add. μηνί] (3 a [5])  
 Da. LXX. 1. 21. ἦν Δ. ὥς τοῦ πρ. ἔτους τῆς βασιλείας Κύρου (1 a)  
 7. 1. ἔτους πρώτου βασιλείας Β. (1 b)  
 — 4. τὸ πρ. ὥστε λείψαν (2 c)  
 — 8. τρία τῶν κεράτων τῶν πρ. ἐξηράνθησαν (2 c)  
 — 24. διώσκει κακοὶς ὑπὲρ τοὺς πρ. (2 c)  
 8. 1. μετὰ τὸ ἰδεῖν με τὴν πρ. (3 a)  
 — 21. αὐτὸς ὁ βασιλεὺς ὁ πρ. (3 a)  
 9. 1. ἔτους πρ. ἐπὶ Δαρ. (1 a)  
 — 2. τῷ πρ. ἔτει τῆς βασιλ. αὐ. (1 a)  
 10. 1. ἐν τῇ ἐνιαυτῇ τῇ πρ. Κύρου (3 a)  
 — 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τετάρτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ μηνός τοῦ πρ. (3 a)  
 — 12. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς πρ. (3 a)  
 — 13. εἰς τῶν ὀρχόντων τῶν πρ. (3 a)  
 — 21. ὑποδείξω σοι τὰ πρ. (3 a)  
 11. 1. ἐν τῇ ἐνιαυτῇ τῇ πρ. Κύρου (1 a)  
 — 13. πόλεις συναγωγῇν μέζονα παρὰ τὴν πρ. (3 a)  
 — 29. οὐκ ἔσται ὡς ἡ πρ. (3 a)  
 Da. TH. 7. 1. ἐν ἔτει πρ. [B<sup>1</sup> τρίτῃ] Β. (1 b)  
 — 4. τὸ πρ. ὥστε λείψαν (2 c)  
 — 20. τοῦ ἑτέρου τοῦ . . . ἐκτινάξαντος τῶν πρ. [Δ τῶν προτέρων] τρία (3 a)  
 8. 21. αὐτὸς ἐστὶν ὁ βασιλεὺς ὁ πρ. (3 a)  
 9. 1. ἐν τῇ πρ. ἔτει Δαρείου (1 a)  
 10. 4. ἐν ἡμέρᾳ εικοστῇ καὶ τετάρτῃ τοῦ μηνός τοῦ πρ. (3 a)  
 — 12. B ἀπὸ τῆς πρ. ἡμέρας (3 a)  
 — 13. Δ εἰς τὸν ἀρχόντων τῶν πρ. [B om. τ. πρ.] (3 a)  
 11. 1. ἐν ἔτει πρ. Κύρου (1 a)  
 — 29. οὐκ ἔσται ὡς ἡ πρ. (3 a)  
 I Ma. τί. Μακκαβαίων πρώτος (3 a)  
 2. 18. πρόσελθε πρώτος (3 a)  
 8. 29. ἂν ἦσαν αἱ ἡμερῶν τῶν πρ. (3 a)  
 6. 2. δεῖ ἐβασίλευσε πρώτος (3 a)  
 — 6. ἐπορεύθη Δ . . . ἐν πρώτοις (3 a)  
 7. 13. πρώτοι οἱ Ἀσ. ἦσαν ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3 a)  
 — 43. ἔπεισεν αὐτοὺς πρ. (3 a)  
 9. 3. τοῦ μηνὸς τοῦ πρ. . . παρενέβαλον (3 a)  
 10. 41. ὡς ἐν τοῖς πρ. ἔτεσιν [B<sup>1</sup> ἔθουσιν] (3 a)  
 — 42. Δ ὡς ἐν τοῖς πρ. ἔτεσιν [? ἔτεσιν] (3 a)  
 — 65. ἔγραψεν αὐτὸν τῶν πρ. φίλων (3 a)  
 11. 27. ἐποίησεν αὐτὸν τῶν πρ. [B om.] πρ. φίλων ἡγεῖσθαι (3 a)  
 13. 42. ἔτους πρ. ἐπὶ Σίμωνος ἀρχιρέως μεγάλου (3 a)  
 — 51. B ἔτους πρ. [Δ B ἔτος καὶ] ἐβδομηκοστού (3 a)  
 16. 6. καὶ διετίρασε πρώτος (3 a)  
 II Ma. 5. 21. Δ τὴν μὲν γῆν πρ. [B πλωτὴν] . . . θέσθαι (3 a)  
 7. 7. μεταλλάξαντος δὲ τοῦ πρ. τὸν τρόπον τοῦτον (3 a)  
 — 8. τὴν ἐξῆς ἔλαβε Βάσιανον ὡς ὁ πρ. (3 a)  
 8. 9. προχειρισάμενος Νικάνορα . . . τὸν πρ. φίλων (3 a)  
 — 23. τὴς πρ. σπείρας αὐτὸς προηγούμενος (3 a)  
 11. 7. αὐτὸς δὲ πρ. ὁ Μακκ. (3 a)  
 12. 22. B ἐπιφανείσης δὲ τῆς Ἰουδα σπείρας πρ. [Δ al.] (3 a)  
 14. 4. πρώτῃ καὶ ἐκατοστῇ καὶ πενηκοστῇ ἔτει (3 a)  
 15. 18. μέγιστος δὲ καὶ πρώτος ὁ . . . φόβος (3 a)  
 IV Ma. 5. 4. εἰς πρ. ἐκ τῆς ἀγέλης (3 a)  
 8. 1. κατὰ τὴν πρ. πείραν ἐνικέθη (3 a)  
 [Aq. iv Ki. 1. 14. Jb. 29. 2. Is. 9. 1 (8. 23): 48. 12. 61. 4. Jb. 25. 1.]  
 [Bm. Gk. 2. 8. iv Ki. 1. 14. Jb. 29. 2. Ps. 67 (68). 34. 76 (77). 6. Ec. 11. 2. Is. 9. 1 (8. 23): 41. 22. 48. 12. Ez. 26. 1. 31. 1.]  
 [Th. Gk. 2. 8. ii Ki. 23. 8. iv Ki. 1. 14. Is. 9. 1 (8. 23): 48. 12. Ez. 10. 11. Da. 7. 20. 10. 13. 11. 29. Za. 4. 7.]  
 [Al. Le. 9. 17. 28. 15. 24. Dt. 1. 3. iv Ki. 1. 14.]

πρωτοστάτης (AB), πρωτοστράτης (B).

Jb. 15. 24. ὁσπερ στρατηγός πρ. πίπτων +  
πρωτοκεῖν. (1) ܡܕܪ hi. (2) ܡܕܪ

I Ki. 6. 7, 10. δύο βῆδες πρωτοκούσας (2)  
Je. 4. 31. φωνῇ ὡς ἀδωνούσης ἤκουσα τοῦ στε-  
ναγμοῦ σου ὡς πρωτοκούσης (1)

πρωτοκεῖον, πρωτοκίον. (1) ܡܕܪ

Ge. 25. 31. ἀπόδου μοι σήμερον τὰ πρ. σου ἔμοι (1)  
— 32. ἵνα τί μοι ταῦτα τὰ πρ. (1)  
— 33. ἀπέδοτο δὲ Ἡσαὺ τὰ πρ. τῷ Ἰ. (1)  
— 34. ἐφαύλισεν Ἡ. τὰ πρ. (1)  
27. 36. τὰ τε πρ. μου ἐλῆφε (1)  
De. 21. 17. καὶ τοῦτ' ἀκαθάρτη τὰ πρ. (1)  
I Ch. 5. 1. οὐκ ἐγενεαλογήθη εἰς πρωτοκεῖα (1)

πρωτοκεύειν. (1) ܡܕܪ pi.

De. 21. 16. οὐ δύνησεται πρωτοκεύσαι τῷ υἱῷ  
[A τὸν υἱ.] (1)  
[Aq. Le. 27. 26.]

πρωτοκεῖα.

[Aq. Ge. 25. 34: Dt. 21. 17.]  
[Sm., Th. Dt. 21. 17.]  
[Al. Ge. 43. 33.]

πρωτότοκος. (1) α. ܡܕܪ, ܡܕܪ δ. ܡܕܪ

γ. ܡܕܪ, ܡܕܪ (2) ܡܕܪ (3) ܡܕܪ

(4) δ υἱὸς δ πρ. ܡܕܪ

Ge. 4. 4. ἀπὸ τῶν πρ. τῶν προβάτων αὐτοῦ (1b)  
10. 15. τὸν Σιδῶνα πρ. αὐτοῦ (1a)  
22. 21. τὸν Ὠξ πρωτότοκον (1a)  
25. 13. πρωτότοκος Ἰσμαήλ (1a)  
— 25. ἐξῆλθε δὲ ὁ υἱὸς δ πρ. (4)  
27. 19. ἐγὼ Ἡσαὺ δ πρ. σου (1a)  
— 32. ὁ υἱὸς σου δ πρ. Ἡσαὺ (1a)  
85. 23. πρωτότοκος Ἰακώβ Ῥουβὴν (1a)  
36. 15. υἱοὶ Ἑλίας πρωτοτόκον Ἡσαὺ (1a)  
38. 6. γυναικα Ἡρ τῷ πρ. αὐτοῦ (1a)  
— 7. Ἡρ πρωτότοκος Ἰούδα (1a)  
41. 51. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τὸ ὄνομα τοῦ πρ. (1a)  
44. 33. ὁ πρ. κατὰ τὰ πρεσβεία αὐτοῦ (1a)  
46. 8. πρωτότοκος Ἰακώβ Ῥουβὴν (1a)  
48. 18. οὗτος γὰρ δ πρ. (1a)  
49. 3. Ῥουβὴν πρωτότοκος μου (1a)  
Ex. 4. 22. υἱὸς πρ. μου Ἰσρ. (1a)  
— 23. ἀποκτείνω τὸν υἱόν σου τὸν πρ. (1a)  
6. 14. υἱοὶ Ῥουβὴν πρωτοτόκον Ἰσρ. (1a)  
11. 5. τελευτήσει πᾶν πρ. (1a)  
— 5. ἀπὸ πρωτοτόκου Φ. . . καὶ ἔως πρωτο-  
τόκου [A τοῦ πρ.] τῆς θραυσταίας . . .  
καὶ ἔως πρωτοτόκου παντὸς κτήνους (1a ter)

12. 12. πατίξω πᾶν πρ. (1a)

— 29. πᾶν πρ. ἐν γῇ Αἴγ. ἀπὸ πρωτοτόκου Φ.  
. . . ἔως πρωτοτόκου τῆς αἰχμαλω-  
τίδος . . . καὶ ἔως πρωτοτόκου παν-  
τὸς [A κ. πᾶν πρ.] κτήνους (1a quater)

13. 2. πᾶν πρ. πρωτογενέας (1a)

— 13. πᾶν πρ. ἀνθρώπου (1a)

— 15. ἀπέκτεινε πᾶν πρ. . . ἀπὸ πρωτοτόκων  
[A -ου] ἀνθρώπων ἕως πρωτοτόκων  
[A -ου] κτηνῶν (1a ter)

— 15. B [R om.] πᾶν πρ. τῷ κυρίῳ -

— 15. πᾶν πρ. τῶν υἱῶν μου (1a)

22. 29 (28). τὰ πρ. τῶν υἱῶν σου δώσεις  
ἐμοί (1a)

34. 19. πᾶν [A om.] πρ. μόσχου καὶ πρ. προ-  
βάτων (2, -)

— 20. καὶ πρωτοτόκον ὑποζυγίου (2)

— 20. πᾶν πρ. τῶν υἱῶν σου (1a)

Le. 27. 26. πᾶν πρ. δ ἐὰν γίνῃται (1a)

Nu. 1. 20. οἱ υἱοὶ Ῥουβὴν πρωτοτόκου Ἰσρ. (1a)

3. 2. πρωτότοκος Ναδὰβ (1a)

— 12. ἀντὶ πάντες πρ. (1a)

— 13. ἐμοὶ γὰρ πᾶν πρ. (1a)

— 13. ἐπάταξα πᾶν πρ. (1a)

— 13. ἡγάσσα ἐμοὶ πᾶν πρ. (1a)

— 40. ἐπισκέψαι πᾶν πρ. ἄρσεν (1a)

— 41 δι. ἀντὶ πάντων τῶν πρ. (1a)

— 42. πᾶν πρ. ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (1a)

— 43. ἐγένοντο πάντα τὰ πρ. (1a)

— 45. ἀντὶ πάντων τῶν πρ. (1a)

— 46. ἀπὸ τῶν πρ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1a)

Nu. 3. 50. παρὰ τῶν πρ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1a)

8. 16. πᾶσαν μίσραν πρωτοτόκων πάντων (1a)

— 17. ἐμοὶ πᾶν πρ. (1a)

— 17. ἐπάταξα πᾶν πρ. (1a)

— 18. ἀντὶ πάντες πρ. (1a)

18. 15. λυτρωθήσεται τὰ πρ. τῶν ἀνδρ. (1a)

— 15. τὰ πρ. τῶν κτηνῶν τῶν ἀκαθ. (1a)

— 17. πρωτότοκα μόσχων καὶ πρωτότοκα προ-  
βάτων καὶ πρωτότοκα αἰγῶν (1a ter)

26. 5. Ῥουβὴν πρωτότοκος Ἰσραὴλ (1a)

33. 4. πᾶν πρ. ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (1a)

De. 12. 6. τὰ πρ. τῶν βοῶν ὑμῶν (1b)

— 17: 14. 23. τὰ πρ. τῶν βοῶν σου (1b)

15. 19. πᾶν πρ. δ ἐὰν τεχθῇ (1a)

— 19. ἐν τῷ πρ. μόσχῳ σου (1a)

— 19. τὰ πρ. [A τὸ πρ.] τῶν προβάτων σου (1a)

21. 15. καὶ γίνῃται υἱὸς πρ. τῆς μασουμ. (1a)

— 16. ὑπερῶν τὸν υἱὸν τῆς μασουμ. τὸν πρ. (1a)

— 17. τὸν πρ. υἱὸν τῆς μασουμ. (1a)

38. 17. πρωτότοκος ταύρου τὸ κάλλος αὐ. (1a)

Jo. 6. 25 (26). ἐν τῷ πρ. αὐτοῦ θεμελιώσει αὐ-  
τήν (1a)

— 25 (26). ἐν τῷ Ἀβ. τῷ πρ. ἐθεμελιώσεν  
αὐτήν -

17. 1. οὗτος πρ. τῷ Ἰ. τῷ Μ. πρ. Μαν. (1a, 1a)

Jd. 8. 20. εἶπεν Ἰ. τῷ πρ. αὐτοῦ (1a)

I Ki. 8. 2. πρωτότοκος Ἰωήλ (1a)

14. 49. ὄνομα τῷ πρ. Μ. (1c)

17. 13. Ἀ. Ἐλ. δ πρ. αὐτοῦ (1a)

II Ki. 3. 2. ἦν δ πρ. αὐτοῦ Ἀμνὼν (1a)

18. 21. πρωτότοκος αὐτοῦ ἦν -

19. 43 (44). πρωτότοκος ἐγὼ ἢ σὺ -

HI Ki. 16. 34. ἐν τῷ Ἀβ. τῷ πρ. αὐτοῦ (1a)

IV Ki. 8. 27. ἔλαβε τὸν υἱὸν αὐ. τὸν πρ. (1a)

I Ch. 1. 13. Ἀ. Χαν. ἐγέννησεν τὸν Σιδ. πρωτό-  
τοκον (1a)

— 29. Ἀ. Β. αὐ. γενέσεις πρωτοτόκου Ἰσρ. [B  
al.] (1a)

2. 3. ἦν Ἡρ δ πρ. Ἰ. ποιηρὸς (1a)

— 13. Ἰ. ἐγέννησε τὸν πρ. αὐ. τὸν Ἑλίας (1a)

— 25. ἦσαν υἱοὶ Ἰερ. πρωτοτόκου [A -ος] Ἰε.  
δ πρ. Ῥάμ. (1a, 1a)

— 27. υἱοὶ Ῥάμ πρωτοτόκος Ἰερ. (1a)

— 42. Μαρ. δ [A om.] πρ. αὐτοῦ (1a)

— 50. υἱοὶ Ὀρ πρωτοτόκου Ἐφρ. (1a)

3. 1. δ πρ. Ἀμνὼν τῷ Ἀχ. (1a)

— 15. υἱοὶ Ἰωσὰφ πρωτοτόκος Ἰωανᾶν (1a)

4. 4. υἱοὶ Ὀρ τοῦ [A om.] πρ. Ἐφρ. (1a)

5. 1. υἱοὶ Ῥ. πρωτοτόκος Ἰσρ. (1a)

— 1. οὗτος δ πρ. (1a)

— 3. υἱοὶ Ῥ. πρωτοτόκος Ἰσρ. (1a)

— 12. Ἰωήλ πρωτότοκος [A δ πρ.] (8)

6. 28 (13). υἱοὶ Σαμ. δ πρ. Σανί (1a)

8. 1. Βεν. ἐγέννησε Β. πρωτοτόκον αὐ. (1a)

— 30. υἱὸς αὐτῆς δ πρ. Ἀβδῶν (1a)

— 38. Ἐξ. πρωτότοκος [A δ πρ.] αὐτοῦ +

— 39. Αἰλὰμ πρωτότοκος [A δ πρ.] αὐτοῦ (1a)

9. 5. Ἀσαία πρωτότοκος [A δ πρ.] αὐτοῦ (1a)

— 31. οὗτος δ πρ. τῷ Σαλῶμ. (1a)

— 36. καὶ υἱὸς αὐ. δ πρ. Ἀβδῶν (1a)

— 44. Ἐξ. πρωτότοκος αὐτοῦ +

11. 11. Ἀ. πρωτότοκος [B B πρῶτος] τῶν τριά-  
κοντα (8)

26. 2. Ζαχ. δ πρ. (1a)

— 4. Σαμ. δ πρ. (1a)

— 6. υἱοὶ τοῦ πρ. [A τῷ πρ.] Ῥωσαί +

— 10. οὐκ ἦν πρωτότοκος (1a)

II Ch. 21. 3. Ἀ. B ἐστὶ οὗτος δ [B om.] πρ. (1a)

Ne. 10. 35 (37). καὶ τὰ πρ. υἱῶν ἡμῶν (1b)

— 36 (37). καὶ τὰ πρ. τῶν βοῶν ἡμῶν (1a)

To. 5. 13. Ἀ. B ἀναφέροντες τὰ πρ. (8)

Ps. 77 (78). 51. B<sup>1</sup> ἐπάταξε πᾶν πρ. ἐν γῇ  
Αἴγ. ἀπαρχὴν τῶν πρ. αὐ. ἐν τοῖς  
σκηνοῦμασι Χάμ [B S<sup>1</sup> al.] (1a, +)

88 (89). 27. κατὰ πρωτοτόκον θύσσομαι αὐτὸν (1a)

104 (105). 36. ἐπάταξε πᾶν πρ. (1a)

134 (135). 8. ἐξ ἐπάταξε τὰ πρ. Αἰγύπτου (1a)

135 (136). 10. τῷ πατάξαντι Αἰγύπτου σὺν τοῖς  
πρ. αὐτῶν (1a)

Wi. 18. 13. ἐπὶ τῷ τῶν πρωτοτόκων δλιέθρῳ  
Si. 36. 17 (14). S<sup>1</sup> δὲ πρ. πρωτοτόκου [A B S<sup>1</sup> -  
γόνυ] (1a)

Mi. 6. 7. εἰ δὲ πρωτοτόκα μου (1a)

Za. 12. 10. ὁδύνει ἔς ἐπὶ τῷ [A om.] πρ. (1a)

[Je. 38 (31). 9. Ἐφραὴμ πρ. μου ἐστίν (1a)

Εζ. 44. 30. καὶ τὰ πρ. πάντων (1a)

IV Ma. 15. 18. Ἀ. B οὐ μετέτρεψε σε πρωτότοκος  
[S δ πρ.] ἀποπνύων [S<sup>1</sup> om.]

[Aq. Ge. 49. 3: Le. 27. 26: Dt. 25. 6.]

[Sm., Th. Ge. 49. 3: Le. 27. 26: 6.]

[Heb. Je. 2. 23.]

πταῖειν. (1) ܡܕܪ ni. (2) ܡܕܪ a. qal. δ. ni.

De. 7. 25. μὴ πταίσῃς δι' αὐτό (1)

I Ki. 4. 2. ἔπταισεν ἀνὴρ Ἰσρ. ἐνώπιον ἄλλο-  
φύλων (2b)

— 3. κατὰ τί ἔπταισεν ἡμᾶς κύριος (2a)

— 10. καὶ πταίει ἀνὴρ Ἰσρ. (2b)

7. 10. B ἔπταισαν ἐνώπιον Ἰσρ. (2b)

II Ki. 2. 17. καὶ ἔπταισεν Ἀβ. (2b)

10. 15. ἔπταισεν ἔμπροσθεν Ἰσρ. (2b)

— 19. ἔπταισαν ἔμπροσθεν Ἰσρ. (2b)

18. 7. ἔπταισεν ἐκεί ὁ λαός (2b)

III Ki. 8. 33. ἐν τῷ πταίσει τὸν λαόν σου Ἰσρ. (2b)

IV Ki. 14. 12. καὶ ἔπταισεν Ἰούδας (2b)

19. 26. B ἔπταισαν [A B ἔπτηξαν] καὶ κατη-  
χύνθησαν +

I Ch. 19. 19. ἔπταικασιν ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (2b)

Si. 2. 8. οὐ μὴ πταίσῃ δ μισθὸς ὑμῶν

37. 12. ἐὰν πταίσῃς συναλγήσει σοι

II Ma. 14. 17. βραχέως δὲ διὰ τὴν . . . ἀφασίαν  
ἐπτακώς

[Sm. Ps. 63 (64). 9: Je. 6. 15.]

[Al. II Ch. 14. 12 (11).]

πταίσμα. (1) ܡܕܪ

I Ki. 6. 5 (4). πταίσμα ἐν ὑμῖν (1)

πταρμῖς. (1) ܡܕܪ

Jb. 41. 9 (10). ἐν πταρμῷ αὐτοῦ ἐπιφάσκειται  
φέγγος (1)

[Aq. Jb. 41. 10.]

πτελέα.

[Sm. Is. 41. 19.]

πτέρνα. (1) α. ܡܕܪ δ. ܡܕܪ

Ge. 8. 15. σὺ τηρήσεις αὐτοῦ πτέρναν (1a)

25. 26. ἐπειλημμένη τῆς πτ. Ἡσαὺ (1a)

49. 17. δάκνων πτέρναν ἱππου (1a)

Jo. 28. 13. καὶ εἰς ἡλους ἐν ταῖς πτ. ὑμῶν +

Jd. 5. 22. ἐνεποδίσθησαν [A ἀπεκόπησαν] πτ.  
ἱππου (1a)

Ps. 48 (49). 5. ἡ ἀνομία τῆς πτ. μου κυκλώσει με (1a)

55 (56). 6. τὴν πτ. μου φυλάξουσιν (1a)

Ca. 1. 8. ἐξελθε σὺ ἐν πτέρναις τῶν ποιμνίων (1a)

Si. 12. 17. ὡς βοηθῶν ὑποσχάσει πτέρναν σου (1a)

Je. 9. 4 (3). πᾶς ἀδελφὸς πτέρνη πτερνίει (1b)

13. 22. παραδειγματισθῆναι τὴν πτ. σου (1a)

[Aq. Ge. 49. 19: Ps. 40 (41). 10: Je. 18. 22.]

[Th. Ps. 40 (41). 10: Ho. 6. 8.]

πτερνίζειν. (1) ܡܕܪ (2) ܡܕܪ

Ge. 27. 36. ἐπτερνίκε γὰρ με (1)

Ho. 12. 3 (4). ἐπτερνίκε τὸν ἀδελφόν αὐ. (1)

Ma. 8. 8. μήτι [A S<sup>1</sup> ei] πτερνίει ἄνθρωπος θεόν (2)

— 8. ὑμεῖς πτερνίζετε με (2)

— 8. ἐν τινι ἐπτερνισαμέν [A -ικ.] σε (2)

— 9. ἐμεῖ ὑμεῖς πτερνίζετε (2)

Je. 9. 4 (3). πᾶς ἀδελφὸς πτέρνη πτερνίει (1)

πτερνισμός. (1) α. ܡܕܪ δ. ܡܕܪ

IV Ki. 10. 19. Ἰοὺ ἐποίησεν ἐν πτερνισμῷ (1b)

Ps. 40 (41). 9. ἐμεγάλυνεν ἐπ' ἐμεῖ πτερνισμόν (1a)</

**πετροφύειν.** (1) **פִּתְּרָה** (2) **פִּתְּרָה** (3) **פִּתְּרָה**  
 Is. 40. 31. πετροφύουσιν ὡς ἀετοί (1)  
**πετρυγίον.** (1) **פִּתְּרָה** (2) **פִּתְּרָה** (3) **פִּתְּרָה**  
 Ex. 36. 27 (39. 19). ἐπέθηκαν ἐπὶ τὰ δύο πτ. (2)  
 Le. 11. 9. B ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς πετρυγία (2)  
 — 10, 12. ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πετρυγία (2)  
 Nu. 15. 38. ἐπὶ τὰ πτ. τῶν ἱματίων αὐτῶν (1)  
 — 38. ἐπὶ τὰ κρίσπεδα τῶν πτ. (1)  
 De. 14. 9. πάντα ὅσα ἐστὶν ἐν αὐτοῖς πετρυγία (2)  
 — 10. πάντα ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς πετρυγία (2)  
 Ru. 3. 9. περιβαλεῖς τὸ πτ. σου (1)  
 I Ki. 15. 27. ἐκράτησε Σ. τοῦ πτ. τῆς διπλοῖ-  
 δος αὐ. (1)  
 24. 5, 6. ἀφείλε τὸ πτ. τῆς διπλοῖδος (1)  
 — 12. τὸ πτ. τῆς διπλοῖδος σου (1)  
 — 12. ἀφῆρκα τὸ πτ. (1)  
 III Ki. 6. 24, 24 (A.B.). καὶ πέντε πήχεων πετρυ-  
 γίων (1)  
 — 24. ἀπὸ μέρους πετρυγίου αὐτοῦ (1)  
 — 24. A ὥς μέρους πετρυγίου αὐ. [B al.] (1)  
 Da. TH. 9. 27. A B ὥς πετρυγίου ἀπὸ ἀφα-  
 νισμοῦ (1)  
 [Aq. Dt. 22. 30 (23. 1): Jb. 39. 13: Ez. 5. 3:  
 28. 16.]  
 [Heb. Ez. 16. 8.]  
 [Al. Da. 9. 27.]  
**πέρυξ.** (1) **פִּתְּרָה** (2) **פִּתְּרָה**  
 Ex. 19. 4. ὥσπερ ἐπὶ πτέρυγαν ἀετῶν (2)  
 25. 19 (20). ἐκτείνοντες τὰς πτ. ἐπάνωθεν (2)  
 — 19 (20). συσπείροντες ἐν [A om.] ταῖς πτ. αὐ. (2)  
 38. 8 (37. 9). σπείροντες ταῖς πτ. αὐτῶν (2)  
 Le. 1. 17. ἐκλάσει αὐτὸ ἐκ τῶν πτ. (2)  
 De. 32. 11. διείλε τὰς πτ. αὐτῶν (2)  
 Ru. 2. 12. πεποιθέναι ὑπὸ τὰς πτ. αὐτοῦ (2)  
 II Ki. 22. 11. ὥφθη ἐπὶ πτερύγων ἀνέμου (2)  
 III Ki. 6. 27. διεπέτασε τὰς πτ. αὐτῶν (2)  
 — 27. ἤπτετο πτ. μία τοῦ τοίχου καὶ πτέρυξ  
 . . . ἤπτετο τοῦ τοίχου τοῦ δευτ. καὶ  
 αἱ πτ. αὐ. αἱ ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου  
 ἤπτοντο πτέρυξ πτέρυγος [A al.] (2)  
 8. 6. ὑπὸ τὰς πτ. τῶν χειρ. (2)  
 — 7. τὰ χειρ. διαπεπτασμένα ταῖς πτ. (2)  
 I Ch. 28. 18. τὸν διαπεπτασμ. ταῖς πτ. (2)  
 II Ch. 8. 11. αἱ πτ. τῶν χειρ. (2)  
 — 11. A B ἡ πτ. ἡ μία [B ἡ μ. πτ.] πήχεων  
 πέντε (2)  
 — 11. ἡ πτ. ἡ ἑτέρα πήχεων πέντε ἀπομένῃ  
 τῆς πτ. τοῦ χειρ. τοῦ ἐτ. (2, 2)  
 — 12. A ἡ πτ. τοῦ χειρ. τοῦ ἐνός (2)  
 — 12. A ἡ πτ. ἡ ἑτέρα πήχεων πέντε ἀπομένῃ  
 τῆς πτ. τοῦ χ. τοῦ ἐτέρου (2, 2)  
 — 13. αἱ πτ. τῶν χειρ. τούτων (2)  
 6. 7. ὑποκάτω τῶν πτ. τῶν χειρ. (2)  
 — 8. διαπεπτακότα τὰς πτ. αὐτῶν (2)  
 Jb. 37. 3. τὸ φῶς αὐτοῦ ἐπὶ πτερύγων τῆς γῆς (2)  
 38. 13. ἐπιλαβίσθαι πτερύγων γῆς (2)  
 39. 13. πτέρυξ τερομένη μελέσσει (2)  
 — 26. ἔρρα ἀναπετάσας τὰς πτ. ἀκίνητος (2)  
 Ps. 16 (17). 8. ἐν σκέπῃ τῶν πτ. σου σκεπάσεις με (2)  
 17 (18). 10. ἐπετάσθη ἐπὶ πτερύγων ἀνέμου (2)  
 35 (36). 7. ἐν σκέπῃ [B<sup>1</sup> εἰς σκέπην] τῶν πτ.  
 σου ἐλπιούσι (1)  
 54 (55). 6. τίς δώσει μοι πτέρυγας (2)  
 56 (57). 1. ἐν τῇ σκιᾷ τῶν πτ. σου ἐλπιδῶ (2)  
 60 (61). 4. σκεπασθήσομαι ἐν σκέπῃ τῶν πτ. σου (2)  
 62 (63). 7. ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτ. σου ἀγαλλιά-  
 σμαι (2)  
 67 (68). 13. πτέρυγες περισσεύας περιηργυ-  
 μέναι (2)  
 90 (91). 4. ὑπὸ τὰς πτ. αὐτοῦ ἐλπιδίς (2)  
 103 (104). 3. ὁ περιπατῶν ἐπὶ πτερύγων ἀνέμου (2)  
 138 (139). 9. εἰς ἀνάλαβήν τὰς πτ. μου (2)  
 Pr. 23. 5. κατασκευάσαι γὰρ αὐτῶν πτέρυγες  
 [B<sup>1</sup> -as] (2)  
 Ec. 10. 20. ὁ ἐχὼν τὰς [A B om.] πτ. ἀπαγγελεῖ  
 λόγον σου (2)  
 Wi. 5. 11. βιά μοῖζον κινουμένων πτερύγων (2)  
 Ho. 4. 19. συστροφὴ πνεύματος σὺ εἰ ἐν ταῖς  
 πτ. αὐ. (2)  
 Za. 5. 9. πνεῦμα ἐν ταῖς [B<sup>1</sup> τοῖς] πτ. αὐ. (2)  
 — 9. A B εἶχον πτέρυγας ὡς πτέρυγας [B om.  
 ὡς πτ.] ἑποσος (2, 2)  
 Ma. 4. 2 (3. 20). καὶ ἰάσις ἐν ταῖς πτ. αὐ. (2)

Is. 6. 2 bis. ἐξ πτέρυγες τῶν ἐνί (2)  
 11. 12. συνάξει ἐκ τῶν τεσσάρων πτ. τῆς γῆς (2)  
 18. 1. οὐαὶ γῆς πλοίων πτέρυγες (2)  
 24. 16. ἀπὸ τῶν πτ. τῆς γῆς τέρατα ἡκούσαμεν (2)  
 Je. 29 (49). 22. ἐκτενεῖ τὰς πτ. (2)  
 Ez. 1. 6. τέσσαρες πτέρυγες τῶν ἐνί (2)  
 — 7. ἐλαφραὶ αἱ πτ. αὐτῶν (2)  
 — 8. χειρ. ἀνθρώπου ὑποκάτωθεν τῶν πτ. αὐτῶν (2)  
 — 9. A αἱ πτ. αὐτῶν τῶν τεσσ. ἐχόμεναι [B al.] (2)  
 — 11. αἱ πτ. αὐτῶν ἐκτεταμέναι ἀνωθεν (2)  
 — 22. ἐκτεταμένον ἐπὶ τῶν πτ. αὐτῶν ἐπάνωθεν (2)  
 — 23. αἱ πτ. αὐτῶν ἐκτεταμέναι (2)  
 — 24. ἦσαν τὴν φωνὴν τῶν πτ. αὐτῶν . . .  
 κατεπανον αἱ πτ. αὐτῶν (2, 2)  
 — 25. A ἀνέμετο αἱ πτ. αὐτῶν (2)  
 3. 13. ἴδον φωνὴν πτερύγων τῶν ζῴων (2)  
 7. 2. τὸ πέρας ἦκει ἐπὶ τὰς τέσσαρας πτ. τῆς γῆς (2)  
 10. 5. φωνὴ τῶν πτ. τῶν χειρ. ἡκούετο (2)  
 — 8. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπων ὑποκάτωθεν  
 τῶν πτ. αὐτοῦ (2)  
 — 12. αἱ πτ. αὐτῶν καὶ οἱ τροχοὶ πλήρεις  
 ὀφθαλμῶν (2)  
 — 16. ἐν τῇ φωνῇ τῶν χειρ. τὰς πτ. αὐ. (2)  
 — 19. ἀνάλαβον τὰ χειρ. τὰς πτ. αὐ. (2)  
 — 21. ὅκτω πτέρυγες τῶν ἐνί καὶ ὁμοίωμα χει-  
 ρῶν ἀνθρώπων ὑποκάτωθεν τῶν πτ.  
 αὐ. (2, 2)  
 11. 22. ἐξήραν τὰ χειρ. τὰς πτ. αὐτῶν (2)  
 16. 8. διεπέτασε τὰς πτ. μου ἐπὶ σέ (2)  
 29. 4. προσκολλήσω τοὺς ἰχθύας τοῦ ποταμοῦ  
 σου πρὸς τὰς πτ. σου (2)  
 Da. LXX. 4. 31. αἱ τρίχες μου ἐγένοντο ὡς  
 πτέρυγες αἰετοῦ (2)  
 [Aq. III Ki. 6. 27: Ps. 17 (18). 11 (P.): 60 (61).  
 5: Jb. 48 (31). 40: Ez. 1. 8, 9: 17. 3.]  
 [Sm. III Ki. 6. 27: Ps. 17 (18). 11 (P.): 35  
 (36). 8: 54 (55). 7: 60 (61). 5: 62 (63). 8.]  
 [Th. III Ki. 6. 27: Jb. 37. 3: Ps. 17 (18). 11  
 (P.): Ez. 1. 8, 9, 25.]  
**περύσσουσθαι.** (1) **פִּתְּרָה** hi.  
 Ez. 1. 23. αἱ πτέρυγες . . . περύσσονται (2)  
 3. 13. ἴδον φωνὴν πτερύγων τῶν ζῴων περυ-  
 σσόμενων (1)  
**περωτός.** (1) **אֶרֶץ** **ב.** **אֶרֶץ** **בְּעֵץ**  
 Ge. 1. 21. καὶ πᾶν πετεινὸν περωτόν (1 a)  
 De. 4. 17. ὁμοίωμα παντὸς ὀρνέου πτ. (1 a)  
 Ps. 77 (78). 27. καὶ ὥσπερ ἡμῶν θαλασσῶν  
 πετεινὰ περωτά (1 a)  
 148. 10. ἐρπετὰ καὶ πετεινὰ περωτά (1 a)  
 Pr. 1. 17. οὐ γὰρ αἰδικὸς ἐκτείνεται δίκτυα  
 περωτοῦς (1 b)  
 Ez. 1. 7. περωτοὶ οἱ πόδες αὐτῶν (2)  
 [Sm. Ps. 77 (78). 27: Is. 18. 1.]  
**πηνός.** (1) **אֶרֶץ** **ב.** **אֶרֶץ** **בְּעֵץ**  
 [Aq., Sext. Jb. 5. 7.]  
**πτήξις.** (1) **אֶרֶץ** **ב.** **אֶרֶץ** **בְּעֵץ**  
 [Aq., Sm., Th. Pr. 18. 7: Ez. 32. 25.]  
**πτήσσειν.** (1) **אֶרֶץ** **ב.** **אֶרֶץ** **בְּעֵץ**  
 De. 1. 29. μὴ πτήξῃτε (2)  
 IV Ki. 19. 26. A B ἐπτήξαν [B ἐπτασαν] καὶ  
 κατσχύνθησαν (2)  
 Jb. 38. 17. πυλωροὶ δὲ ἄνθρωποι ἰδόντες σε ἐπτήξαν  
 — 30. πρόσσωπον δὲ ἀσβεστὸς τίς ἐπτήξῃ [A B  
 ἐπτήξαν] (2)  
 I Ma. 12. 28. B B ἐπτήξαν τῇ καρδίᾳ [A τὴν κ.] αὐ. (2)  
 III Ma. 6. 13. πτηξάτω δὲ ἔθνη σὺν δυνάμει ἀνικητῶν  
 IV Ma. 16. 20. οὐκ ἐπτήξῃ [B<sup>1</sup> ἐπτήξῃ]  
 [Aq. Ez. 2. 6.]  
 [Sm. I Ki. 28. 5: Jb. 37. 1: Ps. 26 (27). 1:  
 Ez. 2. 6 (P.).]  
**πύλλος (B<sup>2</sup>), πύλλος (AB<sup>1</sup>) (adj.).** (1) **לָבַח**  
 Le. 21. 20. ἡ πύλλος τοὺς ὀφθ. [A τοῖς ὀφθ.] (1)  
**πύλλος (subst.).** (1) **לָבַח**  
 [Sm. Le. 1. 16: Jb. 39. 13: Ez. 17. 7.]  
 [Th. Le. 1. 16: Ez. 17. 7.]  
**πύσανη.** (1) **לָבַח**  
 [Aq., Sm. II Ki. 17. 19.]

**πτοεῖν.** (1) **לָבַח** (2) **לָבַח** a. qal. b. ni.  
 c. pi. d. hi. e. qal. f. ni. (3) **לָבַח**  
 (4) **לָבַח** ni. (5) **לָבַח** (6) **לָבַח** (7) **לָבַח**  
 (8) **לָבַח**  
 Ex. 19. 16. ἐπτοήθη πᾶς ὁ λαός (1)  
 De. 31. 6. μὴδὲ πτοήθη ἀπὸ προσώπου αὐ. (2)  
 Jo. 7. 5. ἐπτοήθη ἡ καρδία τοῦ λαοῦ (2)  
 I Ch. 22. 13: 28. 20. μὴ φοβῶν μὴδὲ πτοήθη (2 b)  
 II Ch. 20. 15. μὴ φοβείσθε μὴδὲ πτοήθητε (2 b)  
 — 17. A B μὴ φοβήθητε μὴδὲ πτοήθητε [B πτ.  
 μ. φ.] (2 b [3])  
 32. 7. μὴ πτοήθητε ἀπὸ προσώπου βασιλ. A. (3 + 2 b)  
 Ju. 16. 11. καὶ ἐπτοήθησαν [B<sup>1</sup> -ήσαν] (2)  
 Jb. 11. 16. καὶ οὐ πτοήθησιν (2)  
 23. 15. κατανοήσω καὶ πτοήθησμαι ἐξ αὐτοῦ (7)  
 32. 15. ἐπτοήθησαν οὐκ ἀπεκρίθησαν ἐνί (2 a)  
 Pr. 13. 3. ὁ δὲ προσηύχῃ χειλεῖσι πτοήσει ἐαν-  
 τῶν (2 c)  
 Am. 3. 6. καὶ λαὸς οὐ πτοήθησεται (1)  
 Ob. 1. 9. πτοήθησονται οἱ μαχηταὶ σου (2 a)  
 Hb. 2. 17. ταλαπωρία θηρίων πτοήσει σε (2 d)  
 3. 7. πτοήθησονται καὶ αἱ σκηναὶ γῆς M. (2)  
 — 16. ἐπτοήθη ἡ κοιλία [B<sup>1</sup> καρδία] μου (2)  
 Is. 31. 4. τὸ πλῆθος τοῦ θυμοῦ ἐπτοήθησαν (2)  
 Je. 1. 17. μὴδὲ πτοήθη ἐναντίον αὐτῶν (2 d)  
 4. 25. πάντα τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ ἐπτοεῖτο  
 [B<sup>1</sup> -ηγτο] (5)  
 8. 9. ἐπτοήθησαν καὶ ἰάλωσαν (2 a)  
 17. 13. B<sup>1</sup> πτοήθησαν οὗτοι καὶ μὴ πτοήθην  
 ἐγώ (2)  
 — 18. A μὴ πτοήθην [B B κατασχυνθῆν] (2)  
 — 18. πτοήθησαν αὐτοὶ καὶ μὴ πτοήθην [A  
 om.] ἐγώ (2 b, 2 b)  
 21. 13. τίς πτοήσει ἡμᾶς (2 b)  
 23. 4. οὐ φοβηθήσονται ἐνὶ οὐδὲ πτοήθησονται (2 b)  
 25. 16 (49. 37). πτοήσω αὐτοὺς (2 d)  
 26 (46). 5. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> τὶ δὲ αὐτοὶ πτοοῦνται [A B<sup>1</sup> B  
 πτοῦνται] (2 f)  
 — 27. μὴδὲ πτοήθη, Ἰσραὴλ (2 b)  
 28 (51). 56. ἐπτοήθη τὸ τῶνον αὐτῶν (2 c)  
 Ez. 2. 5, 7. ἐὰν ἀρα ἀκούσωμαι ἡ πτοήσωσι (2)  
 3. 9. μὴδὲ πτοήθη ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (2 b)  
 34. 28. A τὰ θηρία τῆς γῆς οὐκ εἰ μὴ πτοήσει  
 [B φάγωσιν] αὐτοὺς (2)  
 I Ma. 7. 30. ἐπτοήθη ἀπ' αὐτοῦ (2)  
 [Aq. Jb. 23. 15: Ps. 26 (27). 1: 52 (53). 6: 77  
 (78). 53: Pr. 3. 25: Is. 37. 27: Je. 1. 17:  
 Ho. 3. 5.]  
 [Sm. Jb. 23. 15: Pr. 3. 25: Is. 64. 2 (1): Jb.  
 1. 17:]  
 [Th. Jb. 23. 15: 32. 15: Pr. 3. 25: Is. 37. 27:  
 Je. 1. 17: Ez. 2. 6: 3. 9 (P.).]  
 [Al. Ex. 19. 18: Jo. 1. 9.]  
**πτοή.** (1) **לָבַח**  
 I Ma. 3. 25. A B ἡ πτ. ἐπταπεν [B al.] (2)  
 III Ma. 6. 17. A ἀκατάσχετον πτ. [B οἰμωγὴν]  
 ποιῆσαι (2)  
**πτόσις.** (1) **לָבַח**  
 Pr. 3. 25. οὐ φοβήθησιν πτόσιν ἐπελθοῦσαν (1)  
 Si. 50. 4. B<sup>2</sup> ὁ φροντίζων τὸ ἔλεον αὐ. ἀπὸ πτόσις  
 [A B<sup>1</sup> al.] (2)  
 I Ma. 3. 25. B ἥρξατο . . . ἡ πτόσις ἐπιπίπτειν  
 [A B al.] (2)  
 [Aq. Ps. 30 (31). 12: 118 (119). 120: Ca. 3.  
 8: Jb. 17. 17.]  
 [Sm. Ps. 30 (31). 12: Jb. 17. 17: La. 3. 47.]  
**πύειν.** (1) **לָבַח**  
 Nu. 12. 14. εἰ ὁ πατὴρ αὐ. πύειν ἐνέπυσεν (1)  
 Si. 28. 12. ἐὰν πύειν ἐπ' [A εἰς] αὐτόν (2)  
 [Sm. Jb. 30. 10.]  
 [Sam. Le. 15. 8.]  
**πύελος.** (1) **לָבַח**  
 Jb. 7. 19. ὥς ἂν καταπίω τὸν πτ. μου (1)  
 30. 10. B<sup>2</sup> οὐκ ἐφείσαντο πύελον [A -ου] (1)  
**πύξ.** (1) **לָבַח**  
 [Sm. Is. 30. 8.]  
**πύξις.** (1) **לָבַח**  
 Jb. 41. 4 (5). εἰς δὲ πύξις θῶρακος αὐτοῦ (1)

**πτύον.**  
[Sm. Is. 30. 24.]

**πτύχ.** (1) **עָצָר** (2) **עָצָר**  
III Ki. 6. 34. δύο πτύχαι ἡ θύρα ἡ μία  
— 34. δύο πτύχαι ἡ θύρα ἡ δευτ.  
[Sm. Is. 30. 8.]

**πτῶμα.** (1) **מָוֶת** (2) **מָוֶת** (3) **א. מָוֶת**  
**δ. מָוֶת** (4) **מָוֶת** (5) **מָוֶת** (6) **מָוֶת**  
(7) **מָוֶת** (8) **מָוֶת** (9) **מָוֶת**

Jd. 14. 8. ἰδεῖν τὸ πτ. τοῦ λείοντος (4)  
Ju. 8. 19. πέσον πτῶμα μέγα  
13. 20. **Α Β** ἐπέβηλθεν τῷ **[B om.]** πτ. ἡμῶν  
Jb. 15. 23. μένει εἰς πτῶμα **[B πῶσιν]**  
16. 15 (14). κατέβαλον με πτῶμα **[B<sup>1</sup> om.]** ἐπὶ  
πτῶματι (7, 7)  
18. 12. πτῶμα δὲ αὐτῷ ἡτοίμασται ἐξάσιον (1)  
20. 5. εὐφροσύνη δὲ ἀσεβῶν πτῶμα ἐξάσιον (3 a)  
31. 29. εἰ δὲ καὶ ἐπιχαρὴς ἐγενόμην πτῶματι  
**[A B ἐπὶ πτ.]** ἐχθρῶν μου (6)  
33. 17. τὸ δὲ σῶμα αὐτοῦ ἀπὸ πτῶματος **[A**  
**ἀδικίας πτ.]** ἐρρύσατο (7)  
37. 16. ἐξάσιον δὲ πτῶματα ποιηρῶν  
Ps. 109 (110). 6. **A B** πληρώσει πτῶματα **[B -μα]** (3 a)  
Pr. 16. 18. πρὸ δὲ πτῶματος κακοφροσύνη (2)  
Wi. 4. 18. ἔσονται μετὰ τοῦτο εἰς πτῶμα ἄνθρωποι  
Si. 31 (34). 16. καὶ βοήθεια ἀπὸ πτῶματος **[A πτώσεως]**  
84 (81). 6. πολλοὶ ἐδόθησαν εἰς πτῶμα  
Is. 8. 14. οὐχ ὡς λίθον προσκόμματα συναντή-  
σοιθε οὐδ' ὡς πέτρας πτῶματι (3 b)  
30. 13. παραχρήμα πάρεισι τὸ πτ. (8)  
— 14. τὸ πτ. αὐτῆς ἔσται ὡς σύστημα ἀγγέλιου (8)  
51. 19. πτ. καὶ σύστημα (9)  
Ba. 4. 33. ἐφράνθη ἐπὶ τῷ **[A om.]** πτ. σου  
Ez. 6. 5. **A** δῶσα τὰ πτ. τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ κατὰ  
πρόσωπον τῶν ἐδιδῶν αὐτῶν (5)  
II Ma. 9. 7. δυσχερεῖ πτῶματι περιπεσόντα  
**[Aq. Nu. 14. 33.]**  
**[Sm. Is. 8. 14: J. 81 (88). 40: 36 (43). 30.]**  
**[Th. Nu. 14. 33: Is. 8. 14: Ez. 6. 5.]**

**πτῶσις.** (1) **אֲבָדָה** (2) **אֲבָדָה** (3) **אֲבָדָה**  
(4) **אֲבָדָה** (5) **אֲבָדָה** (6) **אֲבָדָה**  
(7) **אֲבָדָה** (8) **אֲבָדָה** (9) **אֲבָדָה**

Ex. 30. 12. οὐκ ἔσται ἐν αὐτοῖς πτ. (1 a)  
Jd. 20. 39. πτώσει πίπτουσιν ἐνώπιον ἡ. **[A al.]** (1 b)  
Ju. 10. 2. ἀνίστη ἀπὸ τῆς πτ.  
Es. 4. 17. μὴ καταγελασάσων **[A γελ.]** ἐν τῇ πτ.  
Jb. 15. 23. **B** μένει εἰς πτῶσιν **[A B πῶμα]** (1 a)  
Pr. 105 (106). 29. ἐπληθύνθη ἐν αὐτοῖς ἡ πτ. (1 c)  
Si. 1. 21. ἡ γὰρ ῥοπή **[B<sup>1</sup> ὀργή]** τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ  
πτῶσις αὐτῷ  
3. 31. ἐν καιρῷ πτώσεως εὐρήσει στήθεγμα  
4. 19. παραδώσει αὐτὸν εἰς χεῖρας πτώσεως αὐτοῦ  
— 22. μὴ ἐντραπῆς εἰς πτῶσιν σου  
5. 13. γλώσσα ἀνθρώπου πτώσις αὐτῷ  
11. 30. ὡς δὲ κατὰ σκοπὸς ἐπιβλέπει πτῶσιν  
18. 13. μετὰ τῆς πτ. σου περιπατεῖς  
20. 18. οὕτως πτῶσις κακῶν κατὰ σπουδὴν ἤξει  
25. 7. καὶ βλε்பάνον ἐπὶ πτῶσει ἐχθρῶν  
27. 29. οἱ εὐφρανόμενοι πτῶσει εὐσεβῶν  
31 (34). 16. **A** καὶ βοήθεια ἀπὸ πτώσεως **[B S**  
**πτῶματος]**  
50. 4. ὁ φροντίζων τοῦ λαοῦ αὐτοῦ ἀπὸ πτώσεως  
**[B<sup>1</sup> al.]**  
Na. 3. 3. φωνή... βαρείας πτ. (8)  
Za. 14. 12. **A B S** αὕτη ἔσται ἡ πτ. (1 c)  
— 15. αὕτη ἔσται ἡ πτ. τῶν ἰσχυρῶν... κατὰ  
τὴν πτ. ταύτην (1 c, 1 c)  
— 18. ἐπὶ τοῦτοις ἔσται ἡ πτ. (1 c)  
Is. 17. 1. ἔσται εἰς πτῶσιν καταλειμμένη (2 a)  
51. 17. τὸ σπέρμιον γὰρ τῆς πτ. τὸ κόνιν τοῦ  
θυμοῦ ἐξέπιε (4)  
— 22. ἐλπίδα ἐκ τῆς χειρὸς σου τὸ ποτήριον  
τῆς πτ. (4)  
Je. 6. 15. πεσοῦνται ἐν τῇ πτ. αὐτῶν (2 b)  
29 (49). 21. ἀπὸ φωνῆς πτώσεως αὐτῶν (2 c)

Ba. 4. 31. δειλαῖοι οἱ... ἐπιχαρήντες τῇ σῇ πτ.  
— 33. ἐχάρη ἐπὶ τῇ σῇ πτ.  
Ez. 26. 15. ἀπὸ φωνῆς τῆς πτ. σου (2 d)  
— 18. ἀπὸ ἡμέρας πτώσεως σου (2 d)  
27. 27. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς πτ. σου (2 d)  
31. 13. ἐπὶ τὴν πτ. αὐτῶν ἀνεπαύσαντο (2 d)  
— 16. ἀπὸ τῆς φωνῆς τῆς πτ. αὐτοῦ (2 d)  
32. 10. προσδεχόμενοι τὴν πτ. αὐτῶν ἀφ'  
ἡμέρας πτώσεως σου (1, 2 d)  
III Ma. 6. 31. τὸν εἰς πτῶσιν αὐτοῖς... ἡτοίμα-  
σάντων (2)  
[Sm. Jb. 21. 20.]  
[Al. Hb. 3. 5.]

**πτωχεῖα, πτωχία.** (1) **מִשְׁכָּרָה** (2) **מִשְׁכָּרָה**  
De. 8. 9. οὐ μετὰ πτωχείας φέγγει τὸν ἄρτον σου (1)  
I Ch. 22. 14. κατὰ τὴν πτ. μου (2)  
Jb. 26. 6. **B** οὐκ ἔστι περιβόλαιον τῆς πτ. **[B<sup>1</sup>**  
τῇ πτ., **A B** τῇ ἀπώλειᾳ] (2)  
80. 27. προσέβησαν με ἡμέρας πτωχείας (2)  
86. 21. ἐξέλειψαν ἀπὸ πτωχείας (2)  
Ps. 30 (31). 10. ἡσθένησεν ἐν πτωχείᾳ ἡ ἰσχύς μου (1)  
43 (44). 24. ἐπικαυθάνη τῆς πτωχείας ἡμῶν (2)  
87 (88). 9. οἱ ὀφθαλμοί μου ἡσθένησαν ἀπὸ  
πτωχείας (2)  
106 (107). 10. πεπεδημένοι ἐν πτωχείᾳ (2)  
— 41. ἐβόησεν πένθη ἐκ πτωχείας (2)  
Si. 10. 31. ὁ δὲ δοξαζόμενος ἐν πτωχείᾳ **[B al.]**  
— 31. καὶ ἐν πτωχείᾳ ποταχὸς **[B<sup>1</sup> -απλῶς]**  
11. 12. καὶ πτωχεῖα περισσεύει **[B -εὐων]**  
— 14. πτωχεῖα καὶ πλοῦτος παρὰ κυρίου ἔστι  
13. 24. **A B S** ποιηρὰ ἡ πτ. ἐν στόματι ἀσεβούς  
**[B εὖσ.]**  
18. 25. μνησθήτι... πτωχείαν καὶ ἐνδεῖαν  
22. 23. πίστις κτήνη ἐν πτωχείᾳ μετὰ τοῦ πλη-  
σίον (2)  
Is. 48. 10. ἐξελεύσιν δὲ σε ἐκ καμίνου πτωχείας (2)  
La. 3. 1. ἐγὼ ἀνὴρ ὁ βλεψών πτωχείαν  
— 19. ἐμνήσθη ἀπὸ πτωχείας μου (2)  
[Sm. Jb. 36. 21.]  
[Th. Jb. 80. 27: 36. 21.]  
[Quint. Ps. 30 (31). 8.]

**πτωχεύειν.** (1) **אָבָדָה** (2) **אָבָדָה**  
**a. qal. δ. ni.** (3) **אָבָדָה**  
Jd. 6. 6. ἐπτώχευσεν Ἰσρ. σφόδρα (1 b)  
14. 15. **A** ἡ πτωχεύου ἐκαλέσασθαι ἡμᾶς **[B al.]** (2 a)  
To. 4. 21. μὴ φοβῶ... ὅτι ἐπτώχευσamen  
Ps. 33 (34). 10. πλοῦσι ἐπτώχευσαν (8)  
78 (79). 8. ἐπτώχευσamen σφόδρα (1 a)  
Pr. 23. 21. πᾶς γὰρ μέθυστος καὶ πορνικός  
πτωχεύει (2 b)  
[Sm. Pr. 13. 7.]

**πτωχίζειν.** (1) **אָבָדָה** (2) **אָבָדָה**  
I Ki. 2. 7. κύριος πτωχίζει καὶ πλουτίζει (1)  
**πτωχός.** (1) **מִשְׁכָּרָה** (2) **א. מִשְׁכָּרָה** (3) **א. מִשְׁכָּרָה**  
(4) **א. מִשְׁכָּרָה** (5) **א. מִשְׁכָּרָה** (6) **א. מִשְׁכָּרָה**  
(7) **א. מִשְׁכָּרָה** (8) **א. מִשְׁכָּרָה** (9) **א. מִשְׁכָּרָה**

Ex. 23. 11. ἔδονται οἱ πτ. τοῦ ἔθνους σου (1)  
Le. 19. 10. τῷ πτ. ... καταλείψει αὐτὰ (4 a)  
— 15. οὐ λήψῃ πρόσωπον πτωχοῦ (2 a)  
23. 22. τῷ πτ. ... ὑπολείπη αὐτὰ (4 a)  
De. 24. 19. **A** τῷ πτ. καὶ **[B om. τ. πτ. κ.]** τῷ  
προσλήψῃ (2 a)  
Ru. 3. 10. εἶται πτωχὸς εἶται πλούσιος (2 a)  
I Ki. 2. 8. ἀπὸ κοπρίας γένειρε πτωχόν (1)  
II Ki. 22. 28. τὸν λαὸν τὸν πτ. σώσεις (4 a)  
IV Ki. 24. 14. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν οἱ πτ. (2 b)  
25. 12. ἀπὸ τῶν πτ. τῆς γῆς (2 b)  
To. 2. 2. **B** ἐν ἡμῖν πτωχόν **[A B al.]**  
— 3. **S** ζητῆσαι τινα πτωχόν  
4. 7. **A B** μὴ ἀποστρέψῃς... ἀπὸ παντός πτ.  
Es. 1. 20. ἀπὸ πτωχοῦ ἕως πλουσίου (8)  
9. 22. ἐξαποστρέλλοντας μερίδας... τοῖς πτ. (1)  
Jb. 22. 8. **A B** φέμεις **[A ἐκώμισας]** δὲ πτωχοῦς  
**[B S<sup>1</sup> τοῖς]** ἐπὶ τῆς γῆς **[B<sup>1</sup> τοὺς ἐ.**  
**τ. γ. πτ.]** (2 a)  
29. 12. διόσωσα γὰρ πτωχόν (4 a)  
84. 28. κραυγὴν πτωχῶν εἰσ ακοῦσεται (4 a)  
86. 6. κρίμα πτωχῶν ὅσους (4 a)  
Ps. 9. 18. οὐκ εἰς τέλος ἐπιλησθήσεται ὁ πτ. (1)  
— 23 (10. 2). ἐμυτρίζεται ὁ πτ. (4 a)

Ps. 9. 30 (10. 9). ἐνεδρεύει τοῦ ὀρκάσαι πτωχόν  
ἀρπάσαι πτωχόν (4 a, 4 a)  
— 35 (10. 14). σοὶ ἐγκαταλείπειται ὁ πτ. (3)  
11 (12). 5. ἀπὸ τῆς ταλαιπωρίας τῶν πτ. (4 a)  
13 (14). 6. βουλήν πτωχοῦ κατρησχύνατε (4 a)  
21 (22). 24. οὐδὲ προσώχθισεν τῇ δέσῃ τοῦ πτ. (4 a)  
24 (25). 16. μονογενὴς καὶ πτωχὸς εἰμι ἐγώ (4 a)  
33 (34). 6. οὗτος ὁ πτ. ἐκέκραξε (4 a)  
34 (35). 10. ῥυθμίζοντες πτωχὸν ἐκ χειρὸς στε-  
ρεωτέρων αὐ. καὶ πτωχὸν καὶ πένθητα  
ἀπὸ τῶν διαρπαζόντων αὐτὸν (4 a, 4 a)  
36 (37). 14. τοῦ καταβαλεῖν πτωχὸν καὶ πένθητα (4 a)  
39 (40). 17. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης εἰμι (4 a)  
40 (41). 1. μακάριος ὁ συνίων ἐπὶ πτωχῶν (2 a)  
67 (68). 10. ἡτοίμασας ἐν τῇ χρηστότητί σου  
τῷ πτ. (4 a)  
68 (69). 29. πτωχὸς καὶ ἀλγὼν εἰμι ἐγώ (4 a)  
— 32. ἰδέωσαν πτωχοὶ (4 b)  
69 (70). 5. ἐγὼ δὲ πτωχὸς καὶ πένης (4 a)  
71 (72). 2. καὶ τοὺς πτ. σου ἐν κρίσει (4 a)  
— 4. ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖ τοὺς πτ. τοῦ λαοῦ (4 a)  
— 12. ἐρρύσατο πτωχόν (1)  
— 13. φείσεται πτωχοῦ καὶ πένητος (2 a)  
73 (74). 21. πτωχὸς καὶ πένης ἀνέουσιν τὸ  
δυναμὶ σου (4 a)  
81 (82). 3. κρύνατε ὀρφανὸν καὶ πτωχόν **[A B<sup>1</sup>**  
**al.]** (2 a)  
— 4. καὶ πτωχὸν ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλοῦ ῥύσασθε (1)  
85 (86). 1. πτωχὸς καὶ πένης εἰμι ἐγώ (4 a)  
87 (88). 15. πτωχὸς εἰμι ἐγώ (4 a)  
101 (102). τίτ. προσευχὴ τῷ πτ. (4 a)  
— 17. **B<sup>1</sup>** ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν προσευχὴν τῶν  
πτ. **[A B S<sup>1</sup> ταπεινῶν]** (5)  
108 (109). 16. κατεδίωξεν ἄνθρωπον πένθητα καὶ  
πτωχόν (1)  
— 22. πτωχὸς καὶ πένης εἰμι ἐγώ (4 a)  
112 (113). 7. ὁ ἐγείρω ἀπὸ γῆς πτωχόν (2 a)  
131 (132). 15. τοὺς πτ. αὐτῆς χορτάζον ἄρτων (1)  
139 (140). 12. ποιήσῃ κύριος τὴν κρίσιν τοῦ  
πτ. **[S<sup>1</sup> τῶν πτ.]** (4 a)  
Pr. 13. 8. πτωχὸς δὲ οὐχ ὑφίσταται ἀπειλήν (7)  
14. 20. φίλοι μισήσουσι φίλους πτωχοῦ (7)  
— 21. ἐλεῶν δὲ πτωχοῦ μακαριστός (4 a\*, 4 b)  
— 31. ὁ δὲ τιμὴν αὐτὸν ἐλεᾷ πτωχόν (1)  
17. 5. ὁ καταγελῶν **[A καταγγέλλων]** πτωχοῦ (7)  
19. 1 (4). ὁ δὲ πτ. καὶ ἀπὸ τοῦ ὑπάρχοντος  
φίλου λείπειται (2 a)  
— 7. πᾶς ὃς ἀδελφὸν πτωχόν μισεῖ **[B<sup>1</sup> ποιεῖ]** (7)  
— 17. δανείζει θεῷ ὁ ἐλεῶν πτωχόν (2 a)  
— 22. κρείσσων δὲ πτωχὸς δικαίος (7)  
22. 2. πλούσιος καὶ πτωχὸς συνήνησαν ἀλλήλους (7)  
— 7. πλούσιοι πτωχῶν ἀρξοῦσι (7)  
— 9. ὁ ἐλεῶν πτωχόν αὐτὸς διατραφήσεται τῶν  
γὰρ αὐτοῦ ἄρτων ἔδωκε τῷ πτ. (1, 2 a)  
— 22. μὴ ἀποβιάζου πένθητα πτωχὸν γὰρ ὅστις (2 a)  
28. 3. ἀνδρείος ἐν ἀσεβείᾳ συκοφαντεῖ πτω-  
χόν (2 a)  
— 6. κρείσσων πτωχὸς πορευόμενος ἐν ἀληθείᾳ (7)  
— 8. τῷ ἐλεοῦντι πτωχοῦ συναίγει αὐτὸν (2 a)  
— 15. ὃς τυραννεῖ πτωχὸν ὡς ἔθνος πενιχροῦ (2 a)  
— 27. δὲ διδῶσι πτωχοῖς οὐκ ἐνδεηθήσεται (7)  
29. 7. πτωχὸς οὐχ ὑπάρχει νοὺς ἐπὶ νόμῳ  
— 14. βασιλεὺς ἐν ἀληθείᾳ κρίνοντος πτωχοῦ (2 a)  
31. 20. καρπὸν δὲ ἐξέτινεν πτωχῷ (1)  
Si. 4. 1. τὴν ζῶν τοῦ πτ. μὴ ἀποστρέψῃς  
— 4. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ  
πτωχοῦ  
— 8. κλῖνον πτωχῷ τὸ οὖς σου  
7. 32. πτωχῷ ἐκτείνον τὴν χεῖρά σου  
10. 22. ἐνδοξος καὶ πτωχὸς τὸ καύχημα αὐτῶν  
φόβος κυρίου  
— 23. οὐ δίκαιον ἀνιμᾶσαι πτωχόν συνεντὸν  
— 30. πτωχὸς δοξάζεται δι' ἐπιστήμην **[B<sup>1</sup> -ης]**  
αὐτοῦ  
13. 3. πτωχὸς ἡδίκηται  
— 19. οὕτως νομαὶ πλουσίων πτωχοὶ  
— 20. οὕτως βδελύγνουν πλουσίους πτωχοῦς  
— 21. **B<sup>1</sup>** πτωχὸς **[A B S<sup>1</sup> ταπεινός]** δὲ πεσὼν  
προσπαθεῖται ὑπὸ φίλων  
— 23. πτωχὸς ἐλάλησε  
18. 33. μὴ γίνου πτωχὸς συμβολοκοπῶν ἐκ δανεισμοῦ  
21. 5. δέριστι πτωχοῦ ἐκ στόματος ἑὸς ὀπίω αὐτοῦ  
25. 2. πτωχὸν ὑπερήφανον καὶ πλούσιον ψεύστην  
26. 4. πλουσίῳ δὲ καὶ πτωχοῦ καρδιά ἀγαθὴ  
29. 9. **A<sup>1</sup>** χάριν ἐντολῆς ἀντιλαβοῦ πτωχοῦ **[A<sup>1</sup> B S**  
**πένθητος]**

Si. 29. 22. κρίσεων βίος πτωχοῦ ὑπὸ σκέπη δοκῶν  
 30. 14. κρίσεων πτωχὸς ὑγιής καὶ ισχύων τῇ ἔξει  
 31 (34). 21. ἄρτος ἐπιδεικνόμενος (ωὗ πτωχῶν)  
 32 (35). 13. οὐ λήφεται πρόσωπον ἐπὶ πτωχοῦ  
 33 (31). 4. ἐκπίπτει πτωχὸς ἐν ἐλαττώσει βίου  
 38. 19. βίος πτωχοῦ κατὰ καρδίας  
 Am. 2. 7. ἐκονδύλιον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν (2 a)  
 4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχοὺς καὶ κατα-  
 πατοῦσαι πένιτας [A. πέν. κ. κ. (2 a [1])  
 πτωχῶν] (2 a [1])  
 5. 11. κατεκονδύλιον πτωχοῦ [A. εἰς κεφαλὰς  
 πτωχῶν] (2 a)  
 8. 4. καταδυναστεύοντες πτωχοὺς ἀπὸ τῆς γῆς  
 — 6. τοὺ κτῶσαι ἐν ἀργυρίῳ καὶ πτωχοὺς (2 a)  
 Hb. 3. 14. ὡς ἔσθων πτωχὸς λάθρα (4 a)  
 14. 30. βουκλήθονται πτωχοὶ δι' αὐτοῦ (4 a)  
 Is. 3. 14. ἡ ἀρπαγὴ τοῦ πτ. ἐν τοῖς οἰκοῖς ὑμῶν  
 — 15. τὸ πρόσωπον τῶν πτ. [B<sup>1</sup> τῷ πτ.] κατ-  
 αίσχυνται (4 a)  
 10. 2. ἐκκλίνοντες κρίσιν πτωχῶν (2 a)  
 14. 30. βουκλήθονται πτωχοὶ δι' αὐτοῦ (2 a)  
 — 30. πτωχοὶ δι' ἀνθρώποις [A. S. ἀνδρες] ἐπὶ  
 εἰρήνης ἀναπαύονται (1)  
 24. 6. πτωχοὶ ἔσονται οἱ ἐνοικούντες ἐν τῇ γῇ  
 25. 3. εὐλογῆσαι σε ὁ λαὸς ὁ πτ. (1)  
 29. 19. ἀγαλλιάσονται πτωχοὶ [B. οἱ πτ.] διὰ  
 κύριον (4 b)  
 41. 17. ἀγαλλιάσονται οἱ πτ. καὶ οἱ ἐνδεεῖς (4 a)  
 58. 7. πτωχοὶ δαστέγους εἰσαγε (4 a)  
 61. 1. εὐαγγελισθῶσι πτωχοὶς [B<sup>1</sup> ταπεινοῖς]  
 ἀπιστάλαί με (4 b)  
 Je. 5. 4. ἴσως πτωχοὶ εἴσι (2 a)  
 Ep. 1. 28. οὐτε πτωχὸς . . . μετὰδῶσι  
 Ez. 16. 49. χεῖρα πτωχοῦ καὶ πένιτος (4 a)  
 18. 12. πτωχὸν καὶ πένιτα κατεδυνάστευσεν (4 a)  
 22. 29. πτωχὸν καὶ πένιτα καταδυναστεύοντες (4 a)  
 [Aq. Ps. 11 (12). 6: 106 (107). 41: Pr. 28. 3:  
 Is. 29. 19: 41. 17: ZA. 11. 11.]  
 [Sm. Jb. 6. 16: 24. 9: Ps. 11 (12). 6: 87 (88).  
 Pr. 15. 15: 22. 22: Is. 11. 4: 41. 17:  
 68. 2: Ez. 16. 49: Hb. 3. 14: ZA. 9. 9.]  
 [Th. Jb. 5. 16: Ps. 81 (82). 3: Pr. 28. 3: Is.  
 41. 17: Jb. 40 (47). 7.]  
 [Al. Pr. 31. 9: Hb. 3. 14.]  
 [Quint. ZA. 9. 9.]

## πτωχοφανής.

[Th. Pr. 18. 7.]

## πύργαρος. (1) 𐤀𐤓𐤕

De. 14. 5. καὶ δορκάδα καὶ πύργαρος [A. al.]

## πυγμή. (1) 𐤀𐤓𐤕

Ex. 21. 18. λίθω ἢ πυγμῇ (1)

Is. 58. 4. τύπτετε πυγμαῖς ταπεινόν (1)

## πύδαρος. (1) 𐤀𐤓𐤕

De. 14. 5. A τραγέλας καὶ πύδαρος [B. al.] (1)

## πυθμήν. (1) 𐤀𐤓𐤕 (2) 𐤀𐤓𐤕 (3) 𐤀𐤓𐤕

Ge. 40. 10. ἐν δὲ τῇ ἀμύλῳ τρεῖς π. (3)

— 12. οἱ τρεῖς π. τρεῖς ἡμέραι εἰσὶν (3)

41. 5. 22. ἀνέβαινον ἐν π. ἐν (2)

Pr. 14. 12. ἔρχεται εἰς πυθμένα ἄδου (1)

16. 25. βλέπει εἰς πυθμένα ἄδου (1)

## πυκάζειν. (1) 𐤀𐤓𐤕 (2) 𐤀𐤓𐤕 pil. δ. 𐤀𐤓𐤕

Jb. 15. 32. ὁ βάδισμα αὐτοῦ οὐ μὴ πυκάσῃ (2 a)

[A. S. -σει] (2 a)

Ps. 117 (118). 27. συστήσασθε ἑορτὴν ἐν τοῖς  
 πυκάουσιν (1)

Ho. 14. 9. ἐγὼ ὡς ἄρκευθος πυκάουσα (2 b)

III Ma. 4. 5. B ἤγετο γὰρ γεραίων πλῆθος πολὺ  
 πεπυκασμένων [A. al.]

[Sm. Ez. 31. 3, 10.]

## πυκάσμα. (1) 𐤀𐤓𐤕

[Sm. Ps. 117 (118). 27: Ez. 31. 14.]

## πυκνός. (1) 𐤀𐤓𐤕

Ez. 31. 3. A καὶ π. ἐν τῇ σκέπῃ (1)

III Ma. 1. 28. ἐκ δὲ τῆς πυκνοτάτης τε καὶ ἐμπόρου  
 . . . κραυγῆς

4. 10. τῷ καθύπερθε π. σανιδώματι διακειμένη

IV Ma. 12. 12. πυκνότερόν καὶ αἰωνίον πυρὶ  
 [Th. Ez. 31. 3 (Sw.).]

## πυκνότερον (adv.).

Es. 8. 13. πολλοὶ . . . πυκνότερον τιμώμενοι

II Ma. 8. 8. πυκνότερον δὲ ἐν ταῖς ἐνημέραις προ-  
 βαίνονταIII Ma. 4. 12. πυκνότερον ἀποδύρεσθαι τὴν ἀλεῖα . . .  
 ταλαιπωρίαν

7. 3. πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι

πυκνούσθαι.

[Al. Ca. 1. 16.]

πύλη. (1) 𐤀𐤓𐤕 (2) 𐤀𐤓𐤕 (3) 𐤀𐤓𐤕 (4) 𐤀𐤓𐤕

Ge. 19. 1. ἐκάθητο παρὰ τὴν π. Σοδόμων (4)

28. 17. αὐτὴ ἡ π. τοῦ οὐρανοῦ (4)

34. 20. πρὸς τὴν π. τῆς πόλεως αὐ. (4)

— 24. πάντες οἱ ἐκπορεύομ. τὴν π. (4)

38. 14. ἐκάθισεν πρὸς ταῖς π. Αἰνὼν (3)

Ex. 27. 16. καὶ τῇ π. τῆς αὐλῆς (4)

32. 26. ἔστη διὰ M. ἐπὶ τῆς π. τῆς παρεμβ. (4)

— 27. ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλιν [A. -ης] (4, 4)

37. 13 (38. 15). κατὰ τὴν π. τῆς αὐλῆς (4)

— 14 (38. 16). A πᾶσαι αἱ π. αἱ τῆς αὐλῆς [B. al.] (1)

— 16 (38. 18). τὸ καταπέτασμα [A. κάλυμμα] (4)

τῆς π. (4)

38. 20 (38. 36). καὶ τὴν π. [A. τῇ π.] τῆς αὐλῆς (4)

39. 9 (38. 30). B τὰς βάσεις τῆς π. [A. σκηνῆς,  
 B αὐλῆς] (3)

— 9 (38. 30). τὰς βάσεις τῆς π. τῆς αὐλῆς (3)

— 20 (40). τὸ καταπέτασμα . . . τῆς π. τῆς αὐλῆς (4)

Nu. 3. 26. τὸ καταπέτασμα τῆς π. τῆς αὐλῆς (3)

4. 32. τοὺς στύλους τοῦ καταπέτασ. τῆς π. τῆς  
 αὐλῆς (1)

De. 3. 5. πύλαι καὶ μοχλοὶ (1)

6. 9: 11. 20. ἐπὶ τὰς φλῆας . . . τῶν π. ὑμῶν (4)

12. 12. ὁ A. ὁ ἐπὶ τῶν π. ὑμῶν (4)

17. 5. A ἐπὶ τὴν π. ἐξέβηκε [B. al.] (4)

21. 19. καὶ ἐπὶ τὴν π. τοῦ τόπου [A. τῆς πόλ.] (4)

22. 15. ἐξοίσουντα τὰ παρθένα . . . ἐπὶ τὴν π. (4)

— 24. ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως αὐτῶν (4)

25. 7. ἀναβήσεται ἡ γυνὴ ἐπὶ τὴν π. (4)

Jo. 2. 5. ὡς δὲ ἡ π. ἐκλείπει ἐν τῷ σκότει (4)

— 7. ἡ π. ἐκλείπει (4)

6. 25 (26). ἐπιστήσει τὰς π. αὐτῆς (1)

— 25 (26). ἐπέστησε τὰς [A. om.] π. αὐτῆς (1)

7. 5. κατεδίωξαν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς π. (4)

Jd. 9. 35. πρὸς τὴν θύραν τῆς π. [A. τῇ π.] τῆς  
 πόλεως (4)

— 40. ἕως τῆς θύρας τῆς π. [A. al.] (4)

— 44. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [A. τὴν π.] τῆς  
 πόλεως (4 [3 + 4])

16. 2. ἐν τῇ π. [A. ἐπὶ τῆς π.] τῆς πόλεως (4)

— 3. τῶν θυρῶν τῆς π. τῆς πόλεως (4)

18. 16. παρὰ θύρας τῆς π. [A. al.] (4)

Ru. 4. 1. ἀνέβη ἐπὶ τὴν π. (4)

— 11. πᾶς ὁ λαὸς οἱ ἐν τῇ π. (4)

I Ki. 4. 13. ἐπὶ τοῦ δόφρου παρὰ τὴν π. (1)

— 18. ἔπαιον . . . ἐχόμενος τῆς π. (4)

17. 52. καὶ ἕως τῆς π. Ἀσκαλῶνος (4)

— 52. ἔπαιον . . . ἐν τῇ ὁδῷ τῶν π. (4)

21. 13 (14). ἔπαιον ἐπὶ τὰς θύρας τῆς π. (4)

11 Ki. 3. 27. ἐκ πλαγίων τῆς π. (4)

10. 8. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [B<sup>3</sup> πόλεως] (4)

11. 23. ἕως τῆς θύρας τῆς π. (4)

15. 2. ἀνὰ χεῖρα τῆς ὁδοῦ τῆς π. (4)

18. 4. ἀνὰ χεῖρα τῆς π. (4)

— 24. ἐκάθητο ἀνὰ μέσον τῶν δύο π. (4)

— 24. εἰς τὸ δῶμα τῆς π. (4)

— 26. ἐβόσθον ὁ σκοπὸς πρὸς τὴν π. (1)

— 33 (19. 1). εἰς τὸ ὑπερφῶν τῆς π. (4)

19. 8 (9). ἐκάθισεν ἐν τῇ π. (4)

— 8 (9). κάθηται ἐν τῇ π. (4)

— 8 (9). B εἰσῆλθε . . . ἐπὶ τὴν π. [A. B. om. ε. τ. π.] (1)

23. 15, 16. ἐκ τοῦ λάκκου τοῦ ἐν B. τοῦ ἐν τῇ π. (4)

III Ki. 12. 24. B εἰσελθούσης σου τὴν π. [B. πόλιν] (4)

— 22. 10. ἐκάθητο . . . ἐν ταῖς π. [A. πόλεσιν] Σαμ. (3 + 4)

IV Ki. 7. 1. ἐν ταῖς π. Σαμαρείας (4)

— 10. ἐβόσθον πρὸς τὴν π. τῆς πόλεως (1)

— 17. κατέστησε . . . ἐπὶ τῆς π. (4)

— 17. συνεπάτησεν αὐτὸν . . . ἐν τῇ π. [A. ἐπὶ  
 τῆς π.] (4)

— 18. ἐν τῇ π. Σαμαρείας (4)

— 20. συνεπάτησεν αὐτὸν . . . ἐν τῇ π. (4)

10. 8. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [A. πόλεως, B<sup>3</sup> π.  
 πόλεως] (4)

11. 6. τὸ τρίτον ἐν τῇ [A. om.] π. τῶν ὁδῶν (4)

— 6. τὸ τρίτον τῆς π. ὅπως τῶν παρατρεχόντων (4)

IV Ki. 11. 19. ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόντων (4)

14. 13. ἐν τῇ π. Ἐφρ. ἕως πύλης [A. τῆς π.] (4)

τῆς γωνίας (4, 4)

15. 35. φθοδόμῃσιν τὴν π. οἴκου κ. τὴν ἐπάνω (4)

23. 8. A B καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν π. τὸν παρὰ  
 τὴν θύραν τῆς π. Ἰησοῦ ἀρχοντος  
 τῆς π. [B. πόλεως] (4, 4, 1)

— 8. ἐν τῇ π. τῆς πόλεως (4)

25. 4. ἐξῆλθον νυκτὸς δὸδὸν πύλης (4)

I Ch. 9. 18. ἐν τῇ π. τοῦ βασ. κατ' ἀνατολὰς (4)

— 18. αὐταὶ αἱ [A. om.] π. τῶν παρεμβολῶν (1)

— 22. A B πάντες οἱ ἐκλεκτοὶ ταῖς π. [B. ἐπὶ  
 τῆς π.] ἐν ταῖς π. (1, 2)

— 23. οἱ υἱοὶ αὐ. ἐπὶ τῶν π. (4)

— 24. κατὰ τοὺς τέσσα. ἀνέμους ἦσαν αἱ π. (1)

— 26. ἐν πίστει εἰσὶ τέσσα. δυνατοὶ τῶν π. (1)

11. 17. ἐκ τοῦ λάκκου Βηθ. τοῦ ἐν τῇ π. (4)

— 18. A B S<sup>2</sup> δὲ ἦν ἐν τῇ π. (4)16. 42. οἱ υἱοὶ Ἰδ. εἰς τὴν π. [B<sup>1</sup> πόλιν] (4)

22. 3. εἰς τοὺς ἥλους . . . τῶν π. (4)

26. 1. A B εἰς διαιρέσεις τῶν π. [B. φυλῶν] (1)

— 12. τοῦτοι αἱ διαιρέσεις τῶν π. (1)

— 16. μετὰ τὴν π. παστοφορίου (4)

— 18. μετὰ τὴν π. τοῦ παστοφορίου (1)

II Ch. 8. 5. τεῖχη πύλαι καὶ μοχλοὶ (1)

— 14. κατὰ τὰς διαιρέσεις αὐ. εἰς πύλιν καὶ  
 πύλιν (4, 4)

14. 7 (6). ποιήσωμεν . . . πύλας (1)

18. 9. ἐν τῷ ἐνυχώρῳ θύρας πύλης Σαμ. (4)

23. 4. καὶ εἰς τὰς π. τῶν εἰσόδων (1)

— 5. καὶ τὸ τρίτον ἐν τῇ π. τῇ μέσῃ (4)

— 15. διῆλθε διὰ τῆς π. τῶν ἱππέων (4)

— 19. ἔστησαν οἱ πυλωροὶ ἐπὶ τὰς π. (4)

— 20. εἰσῆλθε διὰ τῆς π. τῆς ἐσωτέρας (4)

24. 8. τεθῆτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου (4)

25. 23. ἀπὸ πύλης Ἐφρ. ἕως πύλης γωνίας (4, 4)

26. 9. B καὶ ἐπὶ τὴν π. τῆς γωνίας καὶ ἐπὶ τὴν  
 π. τῆς φάραγγος [A. B. al.] (4, 4)

27. 3. φθοδόμῃσιν τὴν π. οἴκου κυρίου (4)

31. 2. λειτουργεῖν ἐν ταῖς π. [A. om. ἐν τ. π.] (4)

32. 6. ἐπὶ [A. εἰς] τὴν πλατείαν τῆς π. (4)

33. 14. A B<sup>3</sup> B τὴν εἰσόδον τὴν διὰ τῆς π. τῆς  
 ἰχθυϊκῆς (4)— 14. ἐκπορινομένων [A. πορ.] τὴν π. τὴν  
 κυκλῶσαν (1)

34. 9. οἱ A. φυλάσσοντες τὴν π. (2)

35. 15. καὶ οἱ πυλωροὶ πύλης [A. τῆς π.] καὶ  
 πύλης (4, 4)

II Es. 2. 42. B υἱοὶ τῶν π. [A. B. -ωρῶν] (1)

Ne. 1. 3. αἱ [A. S<sup>1</sup> om.] πύλαι αὐτῆς ἐνεπρήσθη-  
 σαν (4)

2. 3. αἱ π. αὐτῆς κατεβρώθησαν ἐν πυρὶ (4)

— 8. στεγάζει τὰς π. (4)

— 13. ἐξῆλθον ἐν πύλῃ τοῦ γ. (4)

— 13. καὶ εἰς πύλιν τῆς κοπρίας (4)

— 13. πύλαι αὐτῆς κατεβρώθησαν πυρὶ (4)

— 14. παρήλθον ἐπὶ πύλιν τοῦ αἰνὰ (4)

— 15. ἦμην ἐν πύλῃ [B. τῇ π.] τῆς φάραγγος (4)

— 17. αἱ π. αὐ. ἐδόθησαν πυρὶ (4)

3. 1. φθοδόμῃσιν τὴν π. τὴν προβατικὴν (4)

— 3. τὴν π. τὴν ἰχθυερὰν φθοδόμῃσιν (4)

— 6. τὴν π. ἱσσαναὶ ἐκράτησαν (4)

— 13. τὴν π. τῆς φάραγγος ἐκράτησαν (4)

— 13. A S<sup>1</sup> B ἕως τῆς [B. S<sup>2</sup> om.] π. τῆς κοπρίας (4)

— 14. τὴν π. τῆς κοπρίας ἐκράτησε M. (4)

— 15. B τὴν διὰ π. τῆς πηγῆς ἡσφαλιστο Σ. (4)

— 26. ἕως κίππου πύλης τοῦ ὕδατος (4)

— 28. ἀνώτερον πύλης τῶν ἱππῶν (4)

— 29. A S B φυλάξ τῆς π. [B. φ. οἴκου] τῆς  
 ἀνατολῆς (4)

— 31. ἀπέναντι πύλης τοῦ Μαφ. (4)

— 32. B S ἀνὰ μέσον ἀναβίσεως [A. B. om.]  
 τῆς πύλης τῆς προβ. (4)6. 1. οὐκ ἐπείστησεν ἐν [S<sup>1</sup> ἐπὶ, B<sup>3</sup> om.] ταῖς π. (4)

7. 3. οὐκ ἀνοίγησονται πύλαι Ἰερ. (4)

8. 1. τὸ πλάτος τοῦ ἐμπροσθεν πύλης τοῦ ὕδ. (4)



Ne. 12. 39. B' ἐν πύλῃ τῆς φυλακῆς (4)  
 18. 19. ἡνίκα κατέστησαν πύλαι ἐν 'Ιερ. (4)  
 — 19. ἔκλεισαν τὰς π. (1)  
 — 19. ἔστρεψα ἐπὶ τὰς π. (4)  
 — 22. φυλάσσοντες τὰς π. (4)  
 To. 11. 15. B ἐστὶν σύγγενος τῆς π. Νιν. (4)  
 — 16. A B ἐξῆλθε . . . πρὸς τὴν π. [B τῇ π.] Νιν. (4)  
 Ju. 1. 3. τοὺς πυργῶν . . . ἐπὶ ταῖς π. [B τὰς π.] αὐ. (4)  
 — 4. ἐποίησε τὰς π. αὐτῆς π. διγεγυρομένης (4)  
 7. 22. καὶ ἐν ταῖς διόδους τῶν π. [B ὁδῶν] (4)  
 8. 33. στήσασθε ἐπὶ τῆς π. (4)  
 10. 6. ἐξῆλθον ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως B. (4)  
 — 9. ἀνοίξαι μου τὴν π. τῆς πόλεως (4)  
 18. 10. ἤλθοσαν πρὸς τὰς π. αὐτῆς (4)  
 — 11. τοῖς φυλάσσουσιν ἐπὶ τῶν π. (4)  
 — 11. ἀνοίξαι δὴ τὴν π. (4)  
 — 12. τοῦ καταβῆναι ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως αὐ. (4)  
 — 13. ἤνοιξαν τὴν π. (4)  
 Es. 4. 2. ἦλθεν ἔως τῆς π. [A αὐλῆς] τοῦ βασ. (4)  
 — 2. B' εἰσελθὼν εἰς τὴν π. [A B B' αὐλὴν] (4)  
 — 6. B' κατὰ πρόσωπον τῆς π. τῆς πόλεως (4)  
 8. 13. πρὸς τὰς Σουστῶν π. ἐσταυρώσθαι (4)  
 Jb. 8. 10. οὐ συνέκλεισε πύλας γαστροῦ μητροῦ μου (1)  
 38. 8. Φθόρα δὲ θάλασσαν πύλαις (1)  
 — 10. περιβεῖαι κλειθρὰ καὶ πύλας (1)  
 — 17. ἀνοίγονται δέ σοι φόβῳ πύλας θανάτου (4)  
 41. 5 (6). πύλας προσώπου αὐτοῦ τίς ἀνοίξει (1)  
 Ps. 9. 13. οὐ φῶν μὲ ἐκ τῶν π. τοῦ θανάτου (4)  
 — 14. ἐν ταῖς π. τῆς θυγατρὸς Σιών (4)  
 28 (24). 7. 9. ἄρατε πύλας, οἱ ἀρχόντες ὑμῶν, καὶ ἐπαρήγγε, πύλας αἰώνιοι (4, 3)  
 68 (69). 12. οἱ καθημένοι ἐν πύλῃ [B' -αῖς] (4)  
 72 (78). 28. ἐν ταῖς π. τῆς θυγατρὸς Σιών (4)  
 86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς π. Σιών (4)  
 99 (100). 4. εἰσελθᾶτε εἰς τὰς π. αὐτοῦ (4)  
 106 (107). 16. συντρέψετε πύλας χαλκᾶς (1)  
 — 18. ἤγγισαν ἔως τῶν π. τοῦ θανάτου (4)  
 117 (118). 19. ἀνοίξατέ μου πύλας δικαιοσύνης (4)  
 — 20. αὐτὴ ἡ π. τοῦ κυρίου (4)  
 126 (127). 5. A B' ὅταν λαλώσι τοῖς ἐχθροῖς αὐτῶν ἐν πύλῃ [B' B -αῖς] (4)  
 147. 2 (13). ἐνίσχυσε τοὺς μοχλοὺς τῶν π. σου (4)  
 Pr. 1. 21. ἐπὶ δὲ πύλαις δυνατῶν παρεδρεύει ἐπὶ δὲ πύλαις πόλεως θαρροῦσα λέγει (-, 8 + 4)  
 8. 3. παρὰ γὰρ πύλας δυνατῶν παρεδρεύει (4)  
 12. 13. οὐ δὲ συναστῶν ἐν πύλαις ἐκκλίνει ψυχάς - (4)  
 22. 22. μὴ ἀνιμῶσθαι ἀσθενὴ ἐν πύλαις (4)  
 24. 7. σοφία καὶ ἐννοια ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (4)  
 31. 23. περιβλεπτοὶ δὲ γίνονται ἐν πύλαις [B ῥύμαις] οὐ ἀνὴρ αὐτῆς (4)  
 — 31. αἰκισθῶ ἐν πύλαις οὐ ἀνὴρ αὐτῆς (4)  
 Ca. 7. 4 (5). ἐν πύλαις θυγατρὸς πολλῶν (4)  
 Wi. 6. 14. παρέδρον γὰρ εὐρήσει τῶν π. [B' πλουτῶν] αὐτοῦ (4)  
 16. 13. κατὰ γὰρ εἰς πύλας ἄδου καὶ ἀνάγει (4)  
 Si. 49. 13. τοῦ . . . στήσαντος πύλας καὶ μοχλοῦς (4)  
 Am. 5. 10. ἐμίσησαν ἐν πύλαις ἐλέγχοντα (4)  
 — 12. πένητας ἐν πύλαις ἐκκλίνοντες (4)  
 — 15. ἀποκαταστήσατε ἐν πύλαις κρίμα (4)  
 Mi. 1. 9. ἤφατο ἔως πύλης λαοῦ μου (4)  
 — 12. κατέβη κακὰ . . . ἐπὶ πύλας 'Ιερ. (4)  
 2. 13. διῆλθον πύλην (4)  
 5. 1 (4, 14). B πατάξουσιν . . . τὰς π. [A B φυλάς] τοῦ 'Ιερ. (4)  
 Ob. 1. 11. εἰσῆλθον εἰς [A add. τὰς] πύλας αὐ. (4)  
 — 13. μηδὲ εἰσελθῆς ἐν πύλαις λαῶν (4)  
 Na. 2. 6 (7). πύλαι τῶν πύλων [B' ποταμῶν] διηροῦνται (4)  
 3. 13. ἀνοικήσονται πύλαι τῆς γῆς σου (4)  
 Ze. 1. 10. φωνὴ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκεντοῦντων (4)  
 Hg. 2. 15 (14). ἐμοῖς ἐν πύλαις ἐλέγχοντες - (4)  
 Za. 8. 16. κρίμα ἐπληρυνκὸν κρινάτε ἐν ταῖς π. ὑμῶν (4)  
 14. 10. ἀπὸ τῆς π. Βεν. ἔως τοῦ τόπου [A om. τ. τ.] τῆς π. τῆς πρώτης ἔως τῆς π. τῶν γυνῶν (4, 1er)  
 Is. 14. 31. ἀλλοιούσατε, πύλας πόλεων (4)  
 22. 7. οἱ δὲ ἱππεῖς ἐμφράξουσιν τὰς π. σου (4)  
 — 8. καὶ ἀνακαλύψουσιν τὰς π. 'Ιουδα (4)  
 26. 2. ἀνοίξατε πύλας (4)  
 29. 21. πάταξαι δὲ τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις (4)  
 38. 10. ἐν πύλαις ἄδου καταλείψω τὰ ἐπὶ τὰ ἐπίδοιπα (4)  
 54. 12. ὁρῶ . . . τὰς π. σου λίθους κρυστάλλου (4)  
 60. 11. ἀνοικήσονται αἱ π. σου διὰ παντός (4)  
 — 18. καὶ αἱ π. σου Γλύμμα (4)

Is. 62. 10. πορεύεσθε διὰ τῶν π. μου (4)  
 Je. 1. 15. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῶν π. 'Ιερουσαλὴμ (4)  
 14. 2. αἱ π. αὐτῆς ἐκκλίνουσιν (4)  
 15. 7. ἐν πύλαις λαοῦ μου ἠρεκνώθησαν (4)  
 17. 19. στήθι ἐν ταῖς [A om.] π. υἱῶν λαοῦ σου . . . καὶ ἐν πάσαις ταῖς π. 'Ιερ. (4, 4)  
 — 20. οἱ εἰσπορευόμενοι ἐν ταῖς π. ταῖταις (4)  
 — 21. A B B' μὴ ἐκπορεύεσθε ταῖς π. 'Ιερ. (4)  
 — 24. τοῦ μὴ εἰσφέρειν βαστάγματα διὰ τῶν π. τῆς πόλεως ταῖταις (4)  
 — 25. εἰσελεύσονται διὰ τῶν π. τῆς πόλεως ταῖταις βασιλεῖς (4)  
 — 27. μὴ εἰσπορεύεσθαι ταῖς π. 'Ιερουσαλὴμ . . . ἀνάψω πῦρ ἐν ταῖς π. αὐτῆς (4, 4)  
 19. 2. δ ἐστὶν ἐπὶ τῶν προθύρων πύλης [A τῆς π., B πύλων] τῆς χαρσεῖθ (4)  
 — 3. A B οἱ εἰσπορευόμενοι ἐν ταῖς π. ταῖταις (4)  
 20. 2. εἰς τὸν καταράκτην δε ἦν ἐν πύλῃ οἴκου (4)  
 22. 2. οἱ εἰσπορευόμενοι [A add. ἐν] ταῖς π. ταῖταις [B τὰς π. τ.] (4)  
 — 4. εἰσελεύσονται ἐν ταῖς π. τοῦ οἴκου τούτου βασιλεῖς (4)  
 — 19. ῥιφθήσεται ἐπὶ κείνη τῆς π. 'Ιερουσαλὴμ (4)  
 28 (51). 58. αἱ π. αὐτῆς αἱ ὑψηλαὶ ἐμπυρσθήσονται (4)  
 33 (26). 10. ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A add. κυρίου] τῆς καινῆς (4)  
 38 (31). 38. ἔως πύλης [A τῆς π.] τῆς γωνίας (4)  
 — 40. ἔως γωνίας πύλης ἱππῶν ἀνατολῆς (4)  
 43 (36). 10. ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A om. π. τ.] οἴκου κυρίου τῆς καινῆς (4)  
 44 (37). 13. ἐγένετο αὐτοῖς ἐν πύλῃ Βενιαμὴν (4)  
 45 (38). 7. οὐ βασ. ἦν ἐν τῇ π. [A αὐλῇ] Βεν. (4)  
 46 (39). 3. ἐκάθισαν ἐν πύλῃ [A τῇ π.] τῇ μέσῃ (4)  
 50 (43). 9. ἐν πύλῃ τῆς οικίας Φ. [A om.] (8)  
 51 (44). 6. ἔξεκαυθη ἐν πύλαις 'Ιουδα (4)  
 52. 7. A ἐξῆλθον νυκτὸς κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. [B πύλων] ἀνὰ μέσον τῆς π. [B B τού τείχους] καὶ τοῦ ποτειχίσματος (4, 4)  
 La. 1. 4. πᾶσαι αἱ π. αὐτῆς ἠφανίσθησαν (4)  
 2. 9. ἐνεπαύσαν ἐν γῇ πύλας [A αἱ π.] αὐτῆς (4)  
 4. 12. εἰσελεύσονται . . . διὰ τῶν π. 'Ιερ. (4)  
 5. 14. πρεσβύτεροι ἀπὸ πύλης κατέπαυσαν (4)  
 Ez. 8. 3. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. [A add. τῆς ἰσωτέρας] (4)  
 — 5. ἀπὸ βορρᾶ ἐπὶ τὴν π. (4)  
 — 14. εἰσῆγγαγέ με ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. (4)  
 9. 2. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τῆς π. τῆς ὑψηλῆς (4)  
 10. 19. ἔστρεψαν ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. οἴκου (4)  
 11. 1. ἤγαγέ με ἐπὶ τὴν π. τοῦ οἴκου κυρίου τὴν κατέναντι . . . ἐπὶ τῶν προθύρων τῆς π. (4, 4)  
 21. 15 (20). καὶ πληθύνθησαν οἱ ἀσθενοῦντες ἐπὶ πᾶσαν πύλην (4)  
 — 22 (27). τοῦ βαλεῖν χάρακα ἐπὶ τὰς π. αὐτῆς (4)  
 26. 10. εἰσπορευόμενον αὐτοῦ τὰς π. σου (4)  
 40. 3. εἰστέκει ἐπὶ τῆς π. (4)  
 — 6. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολὰς . . . διημέτρησε τὸ αἶλμα τῆς π. (4, 4)  
 — 9. πλησίον τοῦ αἵλαμ τῆς π. (4)  
 — 9. A διημέτρησεν τὸ αἶλμα τῆς π. (4)  
 — 9. καὶ τὸ αἶλμα τῆς π. ἔσθωθεν (4)  
 — 10. τὰ [A τὸ] θεὸς τῆς π. (4)  
 — 13. διημέτρησε τὴν π. . . αὐτὴ π. ἐπὶ πύλην (4, 3, 3)  
 — 14. τὸ αἶθριον τοῦ αἵλαμ τῆς π. ἔξωθεν πῆχεις ἑκοσι θεεῖμ [A εἰ. πέντε καὶ τὸ θεῖμ] τῆς π. κυλῶ (-, 4)  
 — 15. τὸ αἶθριον τῆς π. ἔξωθεν εἰς τὸ αἶθριον [A add. τῆς π. τοῦ] αἵλαμ τῆς π. ἔσθωθεν (4, [-], 4)  
 — 16. ἔσθωθεν τῆς π. τῆς αἵλῃς (4)  
 — 18. αἱ στοῦαι κατὰ νότον τῶν π. κατὰ τὸ μῆκος τῶν π. (4, 4)  
 — 19. ἀπὸ τοῦ αἵθριου τῆς π. τῆς ἐξωτέρας ἔσθωθεν ἐπὶ τὸ αἶθριον τῆς π. τῆς βλέπουσας ἔξω (4, 4)  
 — 20. ἰδοὺ π. βλέπουσα πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 21. κατὰ τὰ μέτρα τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 22. καθὼς ἡ π. ἡ βλέπουσα κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 23. π. [A τῇ π.] τῇ αἵλῃ τῇ ἰσωτέρῃ βλέπουσα ἐπὶ πύλην τοῦ βορρᾶ δὴν τρέπον τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς . . . ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλην (4, 4, -, 4, 4)

Ez. 40. 24. π. βλέπουσα πρὸς νότον (4)  
 — 27. A B π. κατέναντι τῆς [B om.] π. τῆς αἵλῃς . . . διημέτρησε τὴν αἵλην ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλην (4, -, 4, 4)  
 — 28. εἰσῆγγαγέ με εἰς τὴν αἵλην τὴν ἰσωτέραν τῆς π. τῆς πρὸς νότον καὶ διημέτρησε τὴν π. (4, 4)  
 — 32. εἰσῆγγαγέ με εἰς τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 35. εἰσῆγγαγέ με εἰς τὴν π. τὴν πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 38. ἐπὶ τῆς π. τῆς δευτέρας ἔκρυσς (4)  
 — 39. A ἐν δὲ τῷ αἵλαμ τῆς π. δύο τράπεζαι (4)  
 — 40. κατὰ νότον τῆς δευτέρας καὶ τοῦ αἵλαμ τῆς π. δύο τράπεζαι (4)  
 — 41. κατὰ νότον τῆς π. (4)  
 — 44. κατὰ νότον τῆς π. τῆς βλέπουσας πρὸς βορρᾶν . . . κατὰ νότον τῆς π. τῆς πρὸς νότον (4, 4)  
 42. 1. κατέναντι τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 3. αἱ π. τῆς αἵλῃς τῆς ἰσωτέρας (4)  
 — 15. καθ' ὅδον τῆς π. τῆς βλέπουσας πρὸς [A B' κατ'] ἀνατολὰς (4)  
 — 16. κατὰ νότον τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 43. 1. ἤγαγέ με ἐπὶ τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 2. A κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλέπουσας [B ὁ. τῆς π.] πρὸς ἀνατολὰς (4)  
 — 4. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 44. 1. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῶν ἁγίων τῆς ἐξωτέρας (4)  
 — 2. ἡ π. αὐτῇ κεκλεισμένη ἔσται (4)  
 — 3. κατὰ τὴν ὁδὸν αἵλαμ τῆς π. εἰσελεύσεται (4)  
 — 4. εἰσῆγγαγέ με κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 11. θυρωροὶ ἐπὶ τῶν π. τοῦ οἴκου (4)  
 — 17. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι αὐτοὺς τὰς π. τῆς αἵλῃς . . . ἀπὸ τῆς π. τῆς ἰσωτέρας αἵλῃς (4, 4)  
 45. 19. δώσεται . . . ἐπὶ τὰς φλῖας τῆς π. (4)  
 46. 1. π. ἡ ἐν τῇ αἵλῃ τῇ ἰσωτέρῃ . . . ἔσται κεκλεισμένη (4)  
 — 2. κατὰ τὴν ὁδὸν τοῦ αἵλαμ τῆς π. τῆς ἰσωθεν [A εἰξω.] . . . ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. . . ἐπὶ τοῦ προθύρου τῆς π. . . ἡ π. οὐ μὴ κλεισθῇ (4, 4)  
 — 3. κατὰ τὰ πρόθυρα τῆς π. ἐκείνης (4)  
 — 8. κατὰ τὴν ὁδὸν τοῦ αἵλαμ τῆς π. εἰσελεύσεται καὶ κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. ἐξελεύσεται (4, 4)  
 — 9. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλέπουσας [A om.] πρὸς βορρᾶν . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς νότον . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν οὐκ ἀναστρέψει κατὰ τὴν π. (4, 4)  
 — 12. ἀνοίξει ἐαυτῷ τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατ' ἀνατολὰς (4)  
 — 19. εἰς τὴν ἰσωδὸν τῆς κατὰ νότον τῆς π. (4)  
 47. 2. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν . . . πρὸς τὴν π. τῆς αἵλῃς τῆς βλέπουσας κατ' ἀνατολὰς (4, 4)  
 48. 31. αἱ π. τῆς πόλεως ἐπ' ὀνόματι φυλῶν τοῦ 'Ισραὴλ πύλαις τρεῖς πρὸς βορρᾶν π. 'Ρουβὴν μία καὶ π. 'Ιουδα μία καὶ π. Λευὶ μία (4, 4)  
 — 32. πύλαις τρεῖς π. 'Ιωσήφ μία καὶ π. Βενιαμὴν μία καὶ π. Δαν μία (4, 4)  
 — 33. πύλαις τρεῖς π. Συμεὼν μία καὶ π. 'Ισασαὶ μία καὶ π. Ζαβουλὼν μία (4, 4)  
 — 34. πύλαις τρεῖς π. 'Εὰδ μία καὶ π. 'Λὴν μία καὶ π. Νεφθαλὶμ μία (4, 4)  
 Da. LXX. 8. 2. ἐν δὲ τούτοις μου πρὸς τῇ π. Αἰ. (4)  
 — 3. ἐστῶτα ἀπέναντι τῆς π. (4)  
 — 6. δὲ εἶδον ἐστῶτα πρὸς τῇ π. (4)  
 I Ma. 4. 38. A B ἴδον . . . τὰς π. [B θύρας] κατακεκαυμένας (4)  
 — 57. ἐνεκαίνισαν τὰς π. (4)  
 5. 21. B B' ἰδῶξεν αὐτοὺς ἔως τῆς π. [A τῶν πόλεων] Περ. (4)  
 — 47. ἐνέφραξαν τὰς π. λίθοις (4)  
 9. 50. A B ἐν τείχεσιν ὑψηλοῖς καὶ πύλαις [B al.] (4)  
 12. 48. ἀπέκλεισαν οἱ Περ. τὰς π. (4)  
 18. 33. καὶ ἐπεριετίχισαν . . . πύλας (4)  
 16. 39. B ὀχυρώσας [B οικοδομήσας] τὰς π. [A al.] (4)

Si. 29. 22. κρίσαντες βίος πτωχού ὑπὸ σκέπην δοκῶν  
 30. 14. κρίσαντες πτωχὸς ὕμνης καὶ ἰσχυρῶν τῇ ἔξει  
 31 (34). 21. ἄρτος ἐπιδομενῶν ζωῇ πτωχῶν  
 32 (35). 13. οὐ λήψεται πρόσωπον ἐπὶ πτωχοῦ  
 34 (81). 4. ἐκοπίσθη πτωχὸς ἐν ἐλαττώσει βίου  
 38. 19. βίος πτωχῶν κατὰ καρδίας  
 Am. 2. 7. ἐκονδύλιον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν (2 a)  
 4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχοὺς καὶ κατα-  
 παύουσαι πένυχας [A πέν. κ. κ. (2 a [1])  
 πτωχοῦς] (2 a [1])  
 5. 11. κατεκονδύλιον πτωχοῦς [A εἰς κεφαλὰς  
 πτωχῶν] (2 a)  
 8. 4. καταδυναστεύοντες πτωχοὺς ἀπὸ τῆς γῆς  
 — 6. τοὺ κτᾶσθαι ἐν ἀργυρίῳ καὶ πτωχοὺς (2 a)  
 Hb. 3. 14. ὡς ἔσθων πτωχὸς λάθρα (4 a)  
 Is. 3. 14. ἡ ἀρπαγὴ τοῦ πτ. ἐν τοῖς οἰκοῖς ὕμνων (4 a)  
 — 15. τὸ πρόσωπον τῶν πτ. [B τῷ πτ.] κατ-  
 ασχυνεῖτε (4 a)  
 10. 2. ἐκκλινόντες κρίσιν πτωχῶν (2 a)  
 14. 30. βουκλήθονται πτωχοὶ δι' αὐτοῦ (2 a)  
 — 30. πτωχοὶ δι' ἀνθρώπων [A B ἀνδρες] ἐπὶ  
 εἰρήνης ἀναπαύονται (1)  
 24. 6. πτωχοὶ ἔσονται οἱ ἐνοικοῦντες ἐν τῇ γῇ  
 25. 3. εὐλογίσεις σε ὁ λαὸς ὁ πτ. (4 a)  
 29. 19. ἀγαλλιᾶσθαι πτωχοὶ [B οἱ πτ.] διὰ  
 κύριον (4 b)  
 41. 17. ἀγαλλιᾶσθαι οἱ πτ. καὶ οἱ ἐνδεεῖς (4 a)  
 58. 7. πτωχοὺς δαστέγους εἰσαγε (4 a)  
 61. 1. εὐαγγελίσασθαι πτωχοῖς [B ταπεινοῖς]  
 ἀπέσταλκε με (4 b)  
 Je. 5. 4. ἴσως πτωχοὶ εἴσι (2 a)  
 Ep. 1. 2. 28. οὐτε πτωχῶν . . . μετὰδῶσι  
 Ez. 16. 49. χεῖρα πτωχοῦ καὶ πένυχας (4 a)  
 18. 12. πτωχῶν καὶ πένυχας κατεδυναστεύε (4 a)  
 22. 29. πτωχὸν καὶ πένιχα καταδυναστεύοντες (4 a)  
 [Aq. Ps. 11 (12). 6: 106 (107). 41: Pr. 28. 3:  
 Is. 29. 10: 41. 17: ZA. 11. 11.]  
 [Sm. Jb. 5. 16: 24. 9: Ps. 11 (12). 6: 87 (88).  
 Pr. 15. 15: 22. 22: Is. 11. 4: 41. 17:  
 68. 2: Ez. 16. 49: Hb. 3. 14: ZA. 9. 9.]  
 [Th. Jb. 5. 16: Ps. 81 (82). 3: Pr. 28. 3: Is.  
 41. 17: Jb. 40 (47). 7.]  
 [Al. Pr. 31. 9: Hb. 3. 14.]  
 [Quint. ZA. 9. 9.]

## πτωχοφανής.

[Th. Pr. 13. 7.]

## πύργαρος. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕

De. 14. 5. καὶ δορκάδα καὶ πύργαρος [A al.]

## πυγμή. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕

Ex. 21. 18. λίθω ἡ πυγμῇ (1)

Is. 58. 4. τύπτετε πυγμαῖς ταπεινόν (1)

## πύδαργος. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕

De. 14. 5. A τραγέλαφον καὶ πύδαργον [B al.] (1)

## πυθμήν. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕 (2) 𐤐𐤅𐤓𐤕 (3) 𐤐𐤅𐤓𐤕

Ge. 40. 10. ἐν δὲ τῇ ἀμπέλῳ τρεῖς π. (3)

— 12. οἱ τρεῖς π. τρεῖς ἡμέραι εἰσίν (3)

41. 5. 22. ἀνέβαινον ἐν π. ἐνί (2)

Pr. 14. 15. ἔρχεται εἰς πυθμένα ἄδου (1)

18. 25. βλάπτει εἰς πυθμένα ἄδου (1)

## πυκάζειν. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕 (2) a. 𐤐𐤅𐤓𐤕 pil. δ. 𐤐𐤅𐤓𐤕

Jb. 15. 32. ὁ βάδαμος αὐτοῦ οὐ μὴ πυκάσῃ (2 a)

## [A B -σει] (2 a)

Ps. 117 (118). 27. συστήσασθε ἑορτὴν ἐν τοῖς  
 πυκάουσιν (1)

Ho. 14. 9. ἐγὼ ὡς ἀρκευθὼς πυκάζουσα (2 b)

III Ma. 4. 5. B ἤγειτο γὰρ γεραίως πλῆθος πολὺ  
 πεπυκαμένον [A al.]

[Sm. Ez. 31. 3, 10.]

## πυκάσμα. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕

[Sm. Ps. 117 (118). 27: Ez. 31. 14.]

## πυκνός. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕

Ez. 31. 3. A καὶ π. ἐν τῇ σκέπῃ (1)

III Ma. 1. 28. ἐκ δὲ τῆς πυκνότητός τε καὶ ἐμπόνου  
 . . . κρηνῆς

4. 10. τῷ καθυπερθε π. στανδῶματι διακειμένῳ

IV Ma. 12. 12. πυκνότερον καὶ αἰωνίῳ πυρὶ  
 [Th. Ez. 31. 3 (Sw.).]

## πυκνότερον (adv.).

Es. 8. 13. πολλοὶ . . . πυκνότερον τιμώμενοι

II Ma. 8. 8. πυκνότερον δὲ ἐν ταῖς εὐμερίαις προ-  
 βαίνονταIII Ma. 4. 12. πυκνότερον ἀποδύρεσθαι τὴν ἀκλεᾶ . . .  
 ταλαιπωρίαν

## 7. 3. πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι

## πυκνούσθαι.

[Al. Ca. 1. 16.]

## πύλη. (1) 𐤐𐤅𐤓𐤕 (2) 𐤐𐤅𐤓𐤕 (3) 𐤐𐤅𐤓𐤕 (4) 𐤐𐤅𐤓𐤕

Ge. 19. 1. ἐκάθητο παρὰ τὴν π. Σοδόμων (4)

28. 17. αὐτὴ ἡ π. τοῦ οὐρανοῦ (4)

34. 20. πρὸς τὴν π. τῆς πόλεως αὐ. (4)

— 24. πάντες οἱ ἐκπορεύοντες τὴν π. (4)

38. 14. ἐκάθισεν πρὸς ταῖς π. Αἰνάν (3)

Ex. 27. 16. καὶ τῇ π. τῆς αὐλῆς (4)

32. 26. ἔστη δὲ M. ἐπὶ τῆς π. τῆς παρεμβ. (4)

— 27. ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλιν [A -ης] (4, 4)

37. 13 (38. 15). κατὰ τὴν π. τῆς αὐλῆς (4)

— 14 (38. 16). A πᾶσαι αἱ π. αἱ τῆς αὐλῆς [B al.] (4)

— 16 (38. 18). τὸ καταπέτασμα [A -κάλυμμα] (4)

τῆς π. (4)

88. 20 (38. 36). καὶ τὴν π. [A τῇ π.] τῆς αὐλῆς (4)

39. 9 (38. 30). B τὰς βάσεις τῆς π. [A σκηνῆς,  
 B αὐλῆς] (3)

— 9 (38. 30). τὰς βάσεις τῆς π. τῆς αὐλῆς (3)

— 20 (40). τὸ καταπέτασμα . . . τῆς π. τῆς αὐλῆς (4)

Nu. 3. 26. τὸ καταπέτασμα τῆς π. τῆς αὐλῆς (8)

4. 32. τοὺς στύλους τοῦ καταπετάσματος τῆς π. τῆς  
 αὐλῆς (4)

De. 3. 5. πύλαι καὶ μοχλοὶ (1)

6. 9: 11. 20. ἐπὶ τὰς φλίας . . . τῶν π. ὕμνων (4)

12. 12. ὁ A. ὁ ἐπὶ τῶν π. ὕμνων (4)

17. 5. A ἐπὶ τὴν π. ἐξέβη [B al.] (4)

21. 19. καὶ ἐπὶ τὴν π. τοῦ τόπου [A τῆς πόλ.] (4)

22. 15. ἐξοίσουσι τὰ παρθένια . . . ἐπὶ τὴν π. (4)

— 24. ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως αὐτῶν (4)

25. 7. ἀναβήσεται ἡ γυνὴ ἐπὶ τὴν π. (4)

Jo. 2. 5. ὡς δὲ ἡ π. ἐκλείπει ἐν τῷ σκότει (4)

— 7. ἡ π. ἐκλείπει (4)

6. 25 (26). ἐπιστήσεις τὰς π. αὐτῆς (1)

— 25 (26). ἐπιστήσεις τὰς π. αὐτῆς [A om.] π. αὐτῆς (4)

7. 5. κατεδίωξαν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς π. (4)

Jd. 9. 35. πρὸς τὴν θύραν τῆς π. [A τῇ π.] τῆς  
 πόλεως (4)

— 40. ὥς τῆς θύρας τῆς π. [A al.] (4)

— 44. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [A π. τὴν π.] τῆς  
 πόλεως (4 [3 + 4])

18. 2. ἐν τῇ π. [A ἐπὶ τῆς π.] τῆς πόλεως (4)

— 3. τῶν θυρῶν τῆς π. τῆς πόλεως (4)

18. 16. παρὰ θύρας τῆς π. [A al.] (4)

Ru. 4. 1. ἀνέβη ἐπὶ τὴν π. (4)

— 11. πᾶς ὁ λαὸς οἱ ἐν τῇ π. (4)

I Ki. 4. 13. ἐπὶ τοῦ δόφρου παρὰ τὴν π. (4)

— 18. ἔπεισαν . . . ἐχόμενος τῆς π. (4)

17. 52. καὶ ὥς τῆς π. Ἀσκαλῶνος (4)

— 52. ἔπεισαν . . . ἐν τῇ οἰκῇ τῶν π. (4)

21. 13 (14). ἐπιπτεν ἐπὶ τὰς θύρας τῆς π. (4)

II Ki. 8. 27. ἐκ πλαγίων τῆς π. (4)

10. 8. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [B<sup>2</sup> πόλεως] (4)

11. 23. ὥς τῆς θύρας τῆς π. (4)

15. 2. ἀνὰ χεῖρα τῆς οὐδοῦ τῆς π. (4)

18. 4. ἀνὰ χεῖρα τῆς π. (4)

— 24. ἐκάθητο ἀνὰ μέσον τῶν δύο π. (4)

— 24. εἰς τὸ δῶμα τῆς π. (4)

— 26. ἐβόησεν ὁ σκοπὸς πρὸς τὴν π. (4)

— 33 (19. 1). εἰς τὸ ὑπερφόν τῆς π. (4)

19. 8 (9). ἐκάθισεν ἐν τῇ π. (4)

— 8 (9). κάθηται ἐν τῇ π. (4)

— 8 (9). B εἰσῆλθε . . . ἐπὶ τὴν π. [A B om. ἐ. τ. π.] (4)

23. 15. 6. ἐκ τοῦ λάκκου τοῦ ἐν B. τοῦ ἐν τῇ π. (4)

III Ki. 12. 24. B εἰσελθούσης σου τὴν π. [B πόλιν] (4)

— 22. 10. ἐκάθητο . . . ἐν ταῖς π. [A πύλεσιν] Σαμ. (3 + 4)

IV Ki. 7. 1. ἐν ταῖς π. Σαμαρείας (4)

— 10. ἐβόησαν πρὸς τὴν π. τῆς πόλεως (4)

— 17. κατέστησε . . . ἐπὶ τῆς π. (4)

— 17. συνεπάτησεν αὐτὸν . . . ἐν τῇ π. [A ἐπὶ  
 τῆς π.] (4)

— 18. ἐν τῇ π. Σαμαρείας (4)

— 20. συνεπάτησεν αὐτὸν . . . ἐν τῇ π. (4)

10. 8. παρὰ τὴν θύραν τῆς π. [A πόλεως, B<sup>2</sup> π.  
 πόλεως] (4)

11. 6. τὸ τρίτον ἐν τῇ [A om.] π. τῶν ὁδῶν (4)

— 6. τὸ τρίτον τῆς π. ὁπίω τῶν παρατρεχόντων (4)

IV Ki. 11. 19. ὁδὸν πύλης τῶν παρατρεχόντων (4)

14. 13. ἐν τῇ π. Ἐφρ. ὥς πύλης [A τῆς π.] (4)

τῆς γωνίας (4, 4)

15. 35. φθοδόμῃσιν τὴν π. οἴκου κ. τὴν ἐπάνω (4)

23. 8. A B καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν π. τὸν παρὰ  
 τὴν θύραν τῆς π. Ἰησοῦ ἀρχοντος  
 τῆς π. [B πόλεως] (4, 4, 4)

— 8. ἐν τῇ π. τῆς πόλεως (4)

25. 4. ἐξῆλθον νυκτὸς ὁδὸν πύλης (4)

I Ch. 9. 18. ἐν τῇ π. τοῦ βασ. κατ' ἀνατολὰς (4)

— 18. αὐταὶ αἱ [A om.] π. τῶν παρεμβολῶν (4)

— 22. A B πάντες οἱ ἐκλεκτοὶ ταῖς π. [B ἐπὶ  
 τῆς π.] ἐν ταῖς π. (4, 2)

— 23. οἱ υἱοὶ αὐ. ἐπὶ τῶν π. (4)

— 24. κατὰ τοὺς τέσσα. ἀνέμους ἦσαν αἱ π. (4)

— 26. ἐν πίστει εἰσὶ τέσσα. δυνατοὶ τῶν π. (4)

11. 17. ἐκ τοῦ λάκκου Βηθ. τοῦ ἐν τῇ π. (4)

— 18. A B S<sup>2</sup> δὲ ἦν ἐν τῇ π. (4)16. 42. οἱ υἱοὶ Ἰδ. εἰς τὴν π. [B<sup>1</sup> πόλιν] (4)

22. 3. εἰς τοὺς ἡλούς . . . τῶν π. (4)

26. 1. A B εἰς διαίσεις τῶν π. [B φυλῶν] (4)

— 12. τοῦτοις αἱ διαίσεις τῶν π. (4)

— 16. μετὰ τὴν π. παστοφορίου (4)

— 18. μετὰ τὴν π. τοῦ παστοφορίου (4)

II Ch. 8. 5. τεῖχη πύλαι καὶ μοχλοὶ (1)

— 14. κατὰ τὰς διαίσεις αὐ. εἰς πύλιν καὶ  
 πύλιν (4, 4)

14. 7 (6). ποιήσωμεν . . . πύλας (1)

18. 9. ἐν τῇ ἐνυχώρῳ θύρᾳ πύλης Σαμ. (4)

23. 4. καὶ εἰς τὰς π. τῶν εἰσόδων (4)

— 5. καὶ τὸ τρίτον ἐν τῇ π. τῇ μέσῃ (4)

— 15. διήλθε διὰ τῆς π. τῶν ἱππέων (4)

— 19. ἔστησαν οἱ πυλωροὶ ἐπὶ τὰς π. (4)

— 20. εἰσῆλθε διὰ τῆς π. τῆς ἐσωτέρας (4)

24. 8. τεθῆτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου (4)

25. 23. ἀπὸ πύλης Ἐφρ. ὥς πύλης γωνίας (4, 4)

26. 9. B καὶ ἐπὶ τὴν π. τῆς γωνίας καὶ ἐπὶ τὴν  
 π. τῆς φάραγγος [A B al.] (4, 4)

27. 3. φθοδόμῃσιν τὴν π. οἴκου κυρίου (4)

81. 2. λειτουργεῖν ἐν ταῖς π. [A om. ἐν τ. π.] (4)

32. 6. ἐπὶ [A εἰς] τὴν πλατείαν τῆς π. (4)

33. 14. A B<sup>2</sup> B τὴν εἰσόδον τὴν διὰ τῆς π. τῆς  
 ἰχθυϊκῆς (4)— 14. ἐκπορευομένων [A πορ.] τὴν π. τὴν  
 κυκλῶν (4)

34. 9. οἱ A. φυλάσσοντες τὴν π. (2)

35. 15. καὶ οἱ πυλωροὶ πύλης [A τῆς π.] καὶ  
 πύλης (4, 4)

II Es. 2. 42. B υἱοὶ τῶν π. [A B -ωρῶν] (4)

Ne. 1. 3. αἱ [A B<sup>2</sup> om.] πύλαι αὐτῆς ἐνεπρήσθη-  
 σαν (4)

2. 3. αἱ π. αὐτῆς κατεβρώθησαν ἐν πυρὶ (4)

— 8. στεγάσαι τὰς π. (4)

— 13. ἐξῆλθον ἐν πύλῃ τοῦ γ. (4)

— 13. καὶ εἰς πύλιν τῆς κοπρίας (4)

— 13. πύλαι αὐτῆς κατεβρώθησαν πυρὶ (4)

— 14. παρήλθον ἐπὶ πύλιν τοῦ αἰνᾶ (4)

— 15. ἤμην ἐν πύλῃ [B τῇ π.] τῆς φάραγγος (4)

— 17. αἱ π. αὐ. ἐδόθησαν πυρὶ (4)

8. 1. φθοδόμῃσιν τὴν π. τὴν προβατικὴν (4)

— 3. τὴν π. τὴν ἰχθυερὸν φθοδόμῃσιν (4)

— 6. τὴν π. ἱσσαναὶ ἐκράτησαν (4)

— 13. τὴν π. τῆς φάραγγος ἐκράτησαν (4)

— 13. A B<sup>2</sup> B ὥς τῆς [B S<sup>2</sup> om.] π. τῆς κοπρίας (4)

— 14. τὴν π. τῆς κοπρίας ἐκράτησε M. (4)

— 15. B τὴν δὲ π. τῆς πηγῆς ἰσφαλισατο Σ. (4)

— 26. ὥς κήπου πύλης τοῦ ὕδατος (4)

— 28. ἀνώτερον πύλης τῶν ἱππῶν (4)

— 29. A B B<sup>2</sup> φύλαξ τῆς π. [B φ. οἴκου] τῆς  
 ἀνατολῆς (4)

— 31. ἀπέναντι πύλης τοῦ Μαφ. (4)

— 32. B S<sup>2</sup> ἀνὰ μέσον ἀναβάσεως [A B om.]  
 τῆς πύλης τῆς προβ. (4)6. 1. οὐκ ἐπέστησαν ἐν [S<sup>1</sup> ἐπὶ, S<sup>2</sup> om.] ταῖς π. (4)

7. 3. οὐκ ἀνοίγουνται πύλαι Ἰερ. (4)

8. 1. τὸ πλάτος τοῦ ἐμπροσθεν πύλης τοῦ ὕδ

- Ne. 12. 39. B<sup>1</sup> ἐν πύλῃ τῆς φυλακῆς (4)  
 18. 19. ἦν καὶ κατὰ τὴν πύλαι ἐν Ἱερ. (4)  
 — 19. ἐκλείπαι τὰς π. (1)  
 — 19. ἔστιν ἐπὶ τὰς π. (4)  
 — 22. φυλάσσουσιν τὰς π. (4)
- To. 11. 15. B ἔστιν σύγγενος τῆς π. Νιν. (4)  
 — 16. A B ἐξῆλθε . . . πρὸς τὴν π. [B τῇ π.] Νιν. (4)  
 Ju. 1. 3. τοὺς πύργους . . . ἐπὶ ταῖς π. [B τὰς π.] αὐ. (4)  
 — 4. ἐποίησε τὰς π. αὐτῆς π. διεγειρομένης (4)  
 7. 22. καὶ ἐν ταῖς διώδους τῶν π. [B ὁδῶν] (4)  
 8. 33. στήσασθε ἐπὶ τῆς π. (4)  
 10. 6. ἐξῆλθον ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως B. (4)  
 — 9. ἀνοίξαι μοι τὴν π. τῆς πόλεως (4)  
 13. 10. ἤλθοσαν πρὸς τὰς π. αὐτῆς (4)  
 — 11. τοῖς φυλάσσουσιν ἐπὶ τῶν π. (4)  
 — 11. ἀνοίξαι δὴ τὴν π. (4)  
 — 12. τοῦ καταβῆναι ἐπὶ τὴν π. τῆς πόλεως αὐ. (4)  
 — 13. ἦνοιξαν τὴν π. (4)
- Es. 4. 2. ἦλθεν ὡς τῆς π. [A αὐλῆς] τοῦ βασ. (4)  
 — 2. B<sup>1</sup> εἰσελθεῖν εἰς τὴν π. [A B<sup>1</sup> αὐλὴν] (4)  
 — 6. B<sup>1</sup> κατὰ πρόσωπον τῆς π. τῆς πόλεως (4)  
 8. 13. πρὸς ταῖς Ζούσων π. ἐσταυρώσθαι (4)  
 Jb. 8. 10. οὐ συνέκλεισε πύλας γαστρὸς μητρὸς μου (1)  
 88. 8. φραζα δὲ θαλάσσαν πύλαις (4)  
 — 10. περιθεῖς κλειδὸν καὶ πύλας (4)  
 — 17. ἀνοίγονται δέ σοι φόβῳ πύλας θανάτου (4)  
 41. 5 (6). πύλας προσώπου αὐτοῦ τίς ἀνοίξει (1)  
 Ps. 9. 13. οὐ φῶν με ἐκ τῶν π. τοῦ θανάτου (4)  
 — 14. ἐν ταῖς π. τῆς θυγατρὸς Σιών (4)  
 28 (24). 7, 9. ἄρατε πύλας, οἱ ἄρχοντες ὑμῶν, καὶ ἐπαρῇτε, πύλας αἰώνιοι (4, 8)  
 68 (69). 12. οἱ καθημενοὶ ἐν πύλῃ [B<sup>1</sup> -αἰς] (4)  
 72 (78). 28. ἐν ταῖς π. τῆς θυγατρὸς Σιών (4)  
 86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς π. Σιών (4)  
 99 (100). 4. εἰσελθατε εἰς τὰς π. αὐτοῦ (4)  
 106 (107). 16. συνιέντες πύλας χαλκᾶς (1)  
 — 18. ἤγγισαν ὡς τῶν π. τοῦ θανάτου (4)  
 117 (118). 19. ἀνοίξατέ μοι πύλας δικαιοσύνης (4)  
 — 20. αὐτὴ ἡ π. τοῦ κυρίου (4)  
 126 (127). 5. A B<sup>1</sup> ὅταν λαλώσι τοῖς ἐχθροῖς αὐτῶν ἐν πύλῃ [B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> -αἰς] (4)  
 147. 2 (13). ἐνίσχυσε τοὺς μοχλοὺς τῶν π. σου (4)  
 Pr. 1. 21. ἐπὶ δὲ πύλας δυναστῶν παρεδρεύει ἐπὶ δὲ πύλας πόλεως θαρροῖσα λέγει (-, 8 + 4)  
 8. 3. παρὰ γὰρ πύλας δυναστῶν παρεδρεύει (4)  
 12. 13. οὐ δὲ συναγῶν ἐν πύλαις ἐκδίδει ψυχὰς (4)  
 22. 22. μὴ ἀτιμάσῃς ἀσθενὴ ἐν πύλαις (4)  
 24. 7. σοφία καὶ ἐννοία ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (4)  
 31. 23. περιβλεπτοὶ δὲ γίνεται ἐν πύλαις [B ῥύμαις] οὐ ἀνὴρ αὐτῆς (4)  
 — 31. αἰκισθῶ ἐν πύλαις οὐ ἀνὴρ αὐτῆς (4)  
 Ca. 7. 4 (5). ἐν πύλαις θυγατρὸς πολλῶν (4)  
 Wi. 6. 14. παρέδρον γὰρ εὐρήσει τῶν π. [B<sup>1</sup> πλουτῶν] αὐτοῦ (4)  
 16. 13. κατὰγεις εἰς πύλας ἄδου καὶ ἀνάγεις (4)  
 Si. 49. 13. τοῦ . . . στήσαντος πύλας καὶ μοχλοὺς (4)  
 Am. 5. 10. ἐμίσσησαν ἐν πύλαις ἐλέγχοντα (4)  
 — 12. πένητας ἐν πύλαις ἐκκλίνοντες (4)  
 — 15. ἀποκαταστήσαντε ἐν πύλαις κρίμα (4)  
 Mi. 1. 9. ἤφατο ὥς πύλῃς λαοῦ μου (4)  
 — 12. κατέβη κακὰ . . . ἐπὶ πύλας Ἱερ. (4)  
 2. 13. διῆλθον πύλῃν (4)  
 5. 1 (4, 14). B πατάξουσιν . . . τὰς π. [A B φυλάς] τοῦ Ἱερ. (4)  
 Ob. 1. 11. εἰσῆλθον εἰς [A add. τὰς] πύλας αὐ. (4)  
 — 13. μηδὲ εἰσελθῆς εἰς πύλας λαῶν (4)  
 Na. 2. 6 (7). πύλαι τῶν πύλων [B<sup>1</sup> ποταμῶν] διηνοῦσιν (4)  
 8. 13. ἀνοικθήσονται πύλαι τῆς γῆς σου (4)  
 Ze. 1. 10. φωνὴ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκρινούτων (4)  
 Hg. 2. 15 (14). ἐμοῖς ἐν πύλαις ἐλέγχοντα (4)  
 Za. 8. 16. κρίμα ἐπληροῦν κρινάτε ἐν ταῖς π. ὑμῶν (4)  
 14. 10. ἀπὸ τῆς π. Βεν. ὡς τοῦ τύπου [A om. τ. τ.] τῆς π. τῆς πρώτης ὥς τῆς π. τῶν γυναικῶν (4, 1er)  
 Is. 14. 31. ἀλλοιούσατε, πύλας πόλεων (4)  
 22. 7. οἱ δὲ ἱππεῖς ἠμφράξουσιν τὰς π. σου (4)  
 — 8. καὶ ἀνακαλύψουσιν τὰς π. Ἰουδα (4)  
 28. 2. ἀνοίξατε πύλας (4)  
 29. 21. πάντας δὲ τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις (4)  
 38. 10. ἐν πύλαις ἄδου καταλείψω τὰ ἔτη τὰ ἐπιδόικα (4)  
 54. 12. θῆσω . . . τὰς π. σου λίθους κρυστάλλου (4)  
 60. 11. ἀνοικθήσονται αἱ π. σου διὰ παντός (4)  
 — 18. καὶ αἱ π. σου Γλύμμα (4)
- Is. 62. 10. πορεύεσθε διὰ τῶν π. μου (4)  
 Je. 1. 15. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῶν π. Ἱερουσαλὴμ (4)  
 14. 2. αἱ π. αὐτῆς ἐκκλίνουσιν (4)  
 15. 7. ἐν πύλαις λαοῦ μου ἠρεκνῶθησαν (4)  
 17. 19. στήθι ἐν ταῖς [A om.] π. υἱῶν λαοῦ σου . . . καὶ ἐν πάσαις ταῖς π. Ἱερ. (4, 4)  
 — 20. οἱ εἰσπορευόμενοι ἐν ταῖς π. ταύταις (4)  
 — 21. A B B<sup>1</sup> μὴ ἐκπορεύεσθε ταῖς π. Ἱερ. (4)  
 — 24. τοῦ μὴ εἰσφέρειν βαστάγματα διὰ τῶν π. τῆς πόλεως ταύτης (4)  
 — 25. εἰσελεύσονται διὰ τῶν π. τῆς πόλεως ταύτης βασιλεῖς (4)  
 — 27. μὴ εἰσπορεύεσθαι ταῖς π. Ἱερουσαλὴμ . . . ἀνάψω πῦρ ἐν ταῖς π. αὐτῆς (4, 4)  
 19. 2. ὅ ἐστιν ἐπὶ τῶν προθύρων πύλης [A τῆς π., B πύλων] τῆς χαρσεῖθ (4)  
 — 3. A B οἱ εἰσπορευόμενοι ἐν ταῖς π. ταύταις (4)  
 20. 2. εἰς τὸν καταράκτιον δὲ ἦν ἐν πύλῃ οἴκου (4)  
 22. 2. οἱ εἰσπορευόμενοι [A add. ἐν] ταῖς π. ταύταις [B τὰς π. τ.] (4)  
 — 4. εἰσελεύσονται ἐν ταῖς π. τοῦ οἴκου τούτου βασιλεῖς (4)  
 — 19. ῥιφθήσεται ἑπείκεινα τῆς π. Ἱερουσαλὴμ (4)  
 28 (31). 58. αἱ π. αὐτῆς αἱ ὑψηλαὶ ἐμυρισθήσονται (4)  
 38 (26). 10. ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A add. κυρίου] τῆς καινῆς (4)  
 38 (31). 38. ὡς πύλας [A τῆς π.] τῆς γωνίας (4)  
 — 40. ὡς γωνίας πύλης ἵππων ἀνατολῆς (4)  
 43 (36). 10. ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A om. π. τ.] οἴκου κυρίου τῆς καινῆς (4)  
 44 (37). 13. ἐγένετο αὐτοῖς ἐν πύλῃ Βενιαμὴν (4)  
 45 (38). 7. οὐ βασι. ἦν ἐν τῇ π. [A αὐλῇ] Βεν. (4)  
 46 (39). 3. ἐκάθισαν ἐν πύλῃ [A τῇ π.] τῇ μέσῃ (4)  
 50 (43). 9. ἐν πύλῃ τῆς οικίας Φ. [A om.] (8)  
 51 (44). 6. ἐξεκαύθη ἐν πύλαις Ἰουδα (4)  
 52. 7. A ἐξῆλθον νυκτὸς κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. [B<sup>1</sup> πόλεως] ἀνὰ μέσον τῆς π. [B B<sup>2</sup> τοῦ τεύχους] καὶ τοῦ ποτεῖν χίσματος (4, 4)  
 La. 1. 4. πάσαι αἱ π. αὐτῆς ἠφανισμέναι (4)  
 2. 9. ἐνεπαύσαντο εἰς γῆν πύλας [A αἱ π.] αὐτῆς (4)  
 4. 12. εἰσελεύσεται . . . διὰ τῶν π. Ἱερ. (4)  
 5. 14. πρεσβύτεροι ἀπὸ πύλης κατέπασσαν (4)  
 Ez. 8. 3. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. [A add. τῆς ἐσωτέρας] (4)  
 — 5. ἀπὸ βορρᾶ ἐπὶ τὴν π. (4)  
 — 14. εἰσῆγαγε με ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. (4)  
 9. 2. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τῆς π. τῆς ὑψηλῆς (4)  
 10. 19. ἔστησαν ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. οἴκου (4)  
 11. 1. ἤγαγε με ἐπὶ τὴν π. τοῦ οἴκου κυρίου τὴν κατέναντι . . . ἐπὶ τῶν προθύρων τῆς π. (4, 4)  
 21. 15 (20). καὶ πληθύνουσιν οἱ ἀσθενοῦντες ἐπὶ πᾶσαν πύλῃν (4)  
 — 22 (27). τοῦ βαλεῖν χάρακα ἐπὶ τὰς π. αὐτῆς (4)  
 28. 10. εἰσπορευόμενοι αὐτοῦ τὰς π. σου (4)  
 40. 3. εἰστήκει ἐπὶ τῆς π. (4)  
 — 6. εἰσῆλθεν εἰς τὴν π. τῆς βλέπουσαν κατὰ ἀνατολὰς . . . διεμέτρησε τὸ αἶλμα τῆς π. (4, 4)  
 — 9. πλησίον τοῦ αἵλας τῆς π. (4)  
 — 9. A διεμέτρησεν τὸ αἶλμα τῆς π. (4)  
 — 9. καὶ τὸ αἶλμα τῆς π. ἔσθωθεν (4)  
 — 10. τὰ [A τὸ] θεὸς τῆς π. (4)  
 — 13. διεμέτρησε τὴν π. . . αὐτὴ π. ἐπὶ πύλῃν (4, 3, 3)  
 — 14. τὸ αἶθριον τοῦ αἵλας τῆς π. ἔσθωθεν πῆχεις ἑκοσι θειμὶ [A ἐξ. εἰ. πέντε καὶ τὸ θεῖμ] τῆς π. κυλῶν (-, 4)  
 — 15. τὸ αἶθριον τῆς π. ἔσθωθεν εἰς τὸ αἶθριον [A add. τῆς π. τοῦ] αἵλας τῆς π. ἔσθωθεν (4, [-], 4)  
 — 16. ἔσθωθεν τῆς π. τῆς αὐλῆς (4)  
 — 18. αἱ στοαὶ κατὰ νότον τῶν π. κατὰ τὸ μῆκος τῶν π. (4, 4)  
 — 19. ἀπὸ τοῦ αἵθριου τῆς π. τῆς ἐξωτέρας ἔσθωθεν ἐπὶ τὸ αἶθριον τῆς π. τῆς βλέπουσας ἔξω (4, 4)  
 — 20. ἰδοὺ π. βλέπουσα πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 21. κατὰ τὸ μέτρον τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 22. καθὼς ἡ π. ἡ βλέπουσα κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 23. π. [A τῇ π.] τῇ αὐλῇ τῇ ἐσωτέρᾳ βλέπουσα ἐπὶ πύλῃν τοῦ βορρᾶ ὃν τρόπον τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς . . . ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλῃν (4, 4, -, 4, 4)
- Ez. 40. 24. π. βλέπουσα πρὸς νότον (4)  
 — 27. A B π. κατέναντι τῆς [B om.] π. τῆς αὐλῆς . . . διεμέτρησε τὴν αὐλὴν ἀπὸ πύλης ἐπὶ πύλῃν (4, -, 4, 4)  
 — 28. εἰσῆγαγε με εἰς τὴν αὐλὴν τὴν ἐσωτέραν τῆς π. τῆς πρὸς νότον καὶ διεμέτρησε τὴν π. (4, 4)  
 — 32. εἰσῆγαγε με εἰς τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 35. εἰσῆγαγε με εἰς τὴν π. τὴν πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 38. ἐπὶ τῆς π. τῆς δευτέρας ἑκρυσῖς (4)  
 — 39. A ἐν δὲ τῷ αἵλας τῆς π. δύο τράπεζαι (4)  
 — 40. κατὰ νότον τῆς δευτέρας καὶ τοῦ αἵλας τῆς π. δύο τράπεζαι (4)  
 — 41. κατὰ νότον τῆς π. (4)  
 — 44. κατὰ νότον τῆς π. τῆς βλέπουσας πρὸς βορρᾶν . . . κατὰ νότον τῆς π. τῆς πρὸς νότον (4, 4)  
 42. 1. κατέναντι τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 3. αἱ π. τῆς αὐλῆς τῆς ἐσωτέρας (4)  
 — 15. καθ' ὁδὸν τῆς π. τῆς βλέπουσας πρὸς [A B<sup>1</sup> κατ'] ἀνατολὰς (4)  
 — 16. κατὰ νότον τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 43. 1. ἤγαγε με ἐπὶ τὴν π. τὴν βλέπουσαν κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 — 2. A κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλέπουσας [B ὁ. τῆς] πρὸς ἀνατολὰς (4)  
 — 4. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλέπουσας κατὰ ἀνατολὰς (4)  
 44. 1. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῶν ἁγίων τῆς ἐξωτέρας (4)  
 — 2. ἡ π. αὐτῇ κεκλεισμένη ἔσται (4)  
 — 3. κατὰ τὴν ὁδὸν αἵλας τῆς π. εἰσελεύσεται (4)  
 — 4. εἰσῆγαγε με εἰς τὴν ὁδὸν τῆς π. πρὸς βορρᾶν (4)  
 — 11. θυρωροὶ ἐπὶ τῶν π. τοῦ οἴκου (4)  
 — 17. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι αὐτοὺς τὰς π. τῆς αὐλῆς . . . ἀπὸ τῆς π. τῆς ἐσωτέρας αὐλῆς (4, 4)  
 45. 19. δώσω . . . ἐπὶ τὰς φλῖδας τῆς π. (4)  
 46. 1. π. ἡ ἐν τῇ αὐλῇ τῇ ἐσωτέρᾳ . . . ἔσται κεκλεισμένη (4)  
 — 2. κατὰ τὴν ὁδὸν τοῦ αἵλας τῆς π. τῆς ἐσωθεν [A ἐξω.] . . . ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς π. . . ἐπὶ τοῦ προθύρου τῆς π. . . ἡ π. οὐ μὴ κλεισθῇ (4, 4)  
 — 3. κατὰ τὰ πρόθυρα τῆς π. ἐκείνης (4)  
 — 8. κατὰ τὴν ὁδὸν τοῦ αἵλας τῆς π. εἰσελεύσεται καὶ κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. ἐξελεύσεται (4, 4)  
 — 9. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς βλέπουσας [A om.] πρὸς βορρᾶν . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς νότον . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς νότον . . . κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν οὐκ ἀναστρέψει κατὰ τὴν π. (4, 4)  
 — 12. ἀνοίξει ἐν τῇ π. τῆς βλέπουσας κατ' ἀνατολὰς (4)  
 — 19. εἰς τὴν εἰσοδὸν τῆς κατὰ νότον τῆς π. (4)  
 47. 2. κατὰ τὴν ὁδὸν τῆς π. τῆς πρὸς βορρᾶν . . . πρὸς τὴν π. τῆς αὐλῆς τῆς βλέπουσας κατ' ἀνατολὰς (4, 4)  
 48. 31. αἱ π. τῆς πόλεως ἐπ' ὀνόμασι φυλῶν τοῦ Ἰσραὴλ πύλαις τρεῖς πρὸς βορρᾶν π. Βουβὴν μία καὶ π. Ἰουδα μία καὶ π. Δευὶ μία (4, 4)  
 — 32. πύλαις τρεῖς π. Ἰωσήφ μία καὶ π. Βενιαμὴν μία καὶ π. Δαν μία (4, 4)  
 — 33. πύλαις τρεῖς π. Συμεὼν μία καὶ π. Ἰσσαχάρ μία καὶ π. Ζαβουλὼν μία (4, 4)  
 — 34. πύλαις τρεῖς π. Ἰσάδ μία καὶ π. Ἀσέρ μία καὶ π. Νεφθαλὴμ μία (4, 4)  
 Da. LXX. 8. 2. ἐν ὅντοις μὲν πρὸς τὴν π. Αἰ. (4)  
 — 3. ἐστῶτα ἀπέναντι τῆς π. (4)  
 — 6. ὃν εἶδον ἐστῶτα πρὸς τὴν π. (4)  
 I Ma. 4. 38. A B ἴδον . . . τὰς π. [B θύρας] κατακεκαυμένας (4)  
 — 57. ἐνεκαίνισαν τὰς π. (4)  
 5. 21. B B<sup>1</sup> ἰδίων αὐτοῦς ὥς τῆς π. [A τῶν πόλεων] Πτ. (4)  
 — 47. ἐνέφραξαν τὰς π. λίθοις (4)  
 9. 50. A B ἐν τείχεσιν ὑψηλοῖς καὶ πύλαις [B al.] (4)  
 12. 38. ἀπέκλεισαν οἱ Πτ. τὰς π. (4)  
 13. 33. καὶ πέριερχεσθαι . . . πύλας (4)  
 15. 39. B ἐχρυσῶσαι [B οικοδομήσαι] τὰς π. [A al.] (4)

II Ma. 10. 36. οἱ δὲ τὰς π. διέκοπτον  
 III Ma. 5. 48. B τῶν ἐλεφάντων ἐξιώντων περὶ [A ἐπὶ] πύλῃ  
 — 51. πρὸς πύλας ἄδου καθιστάστας  
 6. 18. ἡνέψε τὰς οὐρανίους π.  
 IV Ma. 3. 13. λαβόντες τοὺς τῶν π. ἀκροφύλακας  
 [Aq. Nu. 4. 26: Dt. 12. 18: 15. 22: 28. 16 (17): Ps. 23 (24). 7: 68 (69). 13: Pr. 81. 31: Is. 26. 2: Jc. 7. 2 δις: 15. 7: 17. 21: Ez. 40. 40: 44. 3 (P.).]  
 [Sm. Dt. 28. 16 (17): Ps. 23 (24). 7 δις: 68 (69). 13: 78 (74). 6: Is. 54. 12: Jc. 7. 2 δις: Ez. 40. 9, 11, 15 δις, 27. 40: 44. 3 (P.): Mt. 5. 6 (5).]  
 [Th. Dt. 28. 16 (17): Jd. 16. 2: Is. 28. 6: Jc. 7. 2 δις: 89 (46). 4: Ez. 44. 3 (P.).]  
 [Al. Dt. 5. 14: 11. 20.]

**πυλών.** (1) ηϞ (2) ηϞϞ (3) ηϞϞϞ

Ge. 43. 19. ἐλάλησαν αὐτῶν ἐν τῇ π. τοῦ οἴκου  
 Jd. 18. 16. A παρὰ τὴν θύραν τοῦ π. [B al.]  
 — 17. A παρὰ τὴν θύραν τοῦ π. [B om. τ. π.]  
 19. 26. A παρὰ τὴν θύραν τοῦ π. [B om. τ. π.]  
 III Ki. 6. 8. δ. π. τῆς πλευρᾶς τῆς ὑποκάτωθεν  
 — 33. A οὕτως ἐποίησαν τῇ π.  
 14. 27. οἱ φυλάσσοντες τὸν π.  
 17. 10. εἰς τὸν π. τῆς πόλεως  
 IV Ki. 11. 6 (5). φυλάξατε φυλακὴν . . . ἐν τῇ π.  
 I Ch. 19. 9. παρὰ τὸν π. τῆς πόλεως  
 26. 13. εἰς πύλωνα καὶ πύλωνα (3, 8)  
 II Ch. 3. 7. ἐχρῶσθε . . . τοὺς π.  
 12. 10. τοὺς φυλάσσοντας τὸν π. τοῦ βασι.  
 I Es. 1. 16. οἱ θυρωροὶ ἐφ' ἐκάστου π.  
 5. 47. εἰς τὸ εὐρύχωρον τοῦ πρώτου π.  
 7. 9. οἱ θυρωροὶ ἐφ' ἐκάστου π.  
 9. 38. A B E τοῦ πρὸς ἀνατολὰς τοῦ [B om.] ἱεροῦ π.  
 — 41. ἐν τῇ πρὸ τοῦ ἱεροῦ π.  
 Ze. 2. 14. A B S κόρακες ἐν τοῖς π. αὐ.  
 Ez. 33. 30. οἱ λαλοῦντες . . . ἐν τοῖς π. τῶν οἰκῶν  
 40. 9. τὸ ἀλλὰ τοῦ π. πλησίον τοῦ ἀλλὰ τῆς πύλης  
 — 11. διεμέτρησε τὸ πλάτος τῆς θύρας τοῦ π. πηχῶν δέκα καὶ τὸ εὖρος τοῦ π. πηχῶν δέκα τριῶν (3, 8)  
 41. 2. τὸ εὖρος τοῦ π. πηχῶν δέκα καὶ ἐπωμίδες τοῦ π. πηχῶν πέντε (3, 2)  
 II Ma. 1. 8. ἐνεπύριον τὸν π.  
 3. 19. αἱ μὲν συνέτρεχον ἐπὶ τοὺς π.  
 8. 33. τοὺς ἐμπρήσαντας τοὺς ἱεροὺς π.  
 [Sm. Ez. 40. 9.]  
 [Th. Jd. 18. 16.]

**πυλωρός.** (1) ηϞϞ (2) ηϞϞϞ

I Ch. 9. 17. οἱ π. Σ. 'Α. Τ. καὶ Δ. (1)  
 — 21. Ζαχ. . . πυλωρός τῆς θύρας (1)  
 15. 18. καὶ μετ' αὐτῶν . . . οἱ π. (1)  
 — 23. καὶ Βαρ. καὶ 'Ελ. πυλωροὶ τῆς κιβ. (1)  
 — 24. καὶ 'Αβδ. καὶ 'Ι. πυλωροὶ τῆς κιβ. (1)  
 16. 38. καὶ 'Αβδ. . . καὶ 'Οσά εἰς πυλωρούς  
 23. 5. καὶ τίσσαντες χιλιάδες πυλωροὶ [B<sup>1</sup> om.]  
 28. 19. αὐταὶ αἱ διαίσεις τῶν π. (1)  
 II Ch. 8. 14. καὶ οἱ π. κατὰ τὰς διαίσεις αὐ. (1)  
 28. 19. ἔστησαν οἱ π. ἐπὶ τὰς π. (1)  
 31. 14. καὶ Κωρὴ . . . δ. π. κατὰ ἀνατολὰς  
 34. 13. γραμματεῖς καὶ κριταὶ καὶ πυλωροὶ  
 35. 15. καὶ οἱ π. πύλης καὶ πύλης (1)  
 II Es. 2. 42. A E υἱὸν τῶν π. [B πυλῶν]  
 — 70: 7. 7. οἱ ἄδοντες καὶ οἱ π. (1)  
 7. 24. ἐν . . . τοῖς Δ. ἄδονσι πυλωροῖς  
 10. 24. καὶ ἀπὸ τῶν π. (1)  
 Ne. 7. 1. ἐπεσκέψαν οἱ π.  
 — 45. οἱ π. υἱοὶ Σ. (1)  
 — 73. οἱ π. καὶ οἱ ἄδοντες (1)  
 10. 28 (29). οἱ Α. οἱ π. οἱ ἄδοντες (1)  
 — 39 (40). καὶ οἱ π. καὶ οἱ ἄδοντες (1)  
 11. 19. καὶ οἱ π. (1)  
 12. 25. B<sup>3</sup> φύλακες πυλωροὶ φυλακῆς  
 — 25. ἐν τῇ συναγωγῇ ἐν τοῖς π. (1)  
 — 30. ἐκαθίσταν . . . τοὺς π. (1)  
 — 45. καὶ τοὺς ἄδοντας καὶ τοὺς π. (1)  
 — 47: 13. 5. τῶν ἄδόντων καὶ τῶν π. (1)  
 Jb. 38. 17. πυλωροὶ δὲ ἄδοντες σε ἐπηγξάν

**πυθάνεσθαι.** (1) ηϞϞ  
 Ge. 25. 22. πυθίσθαι παρὰ κυρίου (1)  
 II Ch. 31. 9. ἐπυθάνοντο 'Εζ. τῶν λερίων  
 32. 31. πυθίσθαι παρ' αὐτοῦ τὸ τέρας (1)  
 I Es. 6. 11. ἐπυθάνομεθα τῶν πρεσβυτέρων τούτων  
 Es. 3. 13. πυθόμενοι [A B<sup>3</sup> πυθάνομ.] δέ μου τῶν συμβούλων  
 6. 4. ἐν δὲ τῇ π. τὸν βασι. περὶ τῆς εὐνοίας M. —  
 Ca. 5. 9, 17. B πυθάνονται τῆς νυμφῆς —  
 Da. LXX. 2. 15. ἐπυθάνετο αὐτοῦ +  
 Da. TH. 2. 15. A καὶ ἐπυθάνετο αὐτοῦ +  
 II Ma. 3. 9. ἐπυθάνετο δὲ εἰ . . . ταῦτα οὕτως ἔχοντα τυγχάνει  
 III Ma. 1. 13. καὶ ἐπυθάνετο  
 5. 18. ἐπυθάνετο τῶν ἔνεκεν αἰτίας ἐλάθησαν  
 — 27. ἀγνωσίᾳ κεκρατημένους ἐπυθάνετο  
 IV Ma. 9. 27. εἰ φαγῆναι βουλοικοὶ πρὶν βασανίζεσθαι πυθάνόμενοι  
 11. 13. πυθανόμενοι τοὺς τυράννους εἰ βουλοῖτο  
 [Sm. IV Ki. 1. 2.]  
 [Th. Da. 2. 15†.]

**πυξίον.** (1) ηϞϞ (2) ηϞϞϞ  
 Ex. 24. 12. δώσω σοι τὰ π. τὰ λίθινα (1)  
 Ca. 5. 14. κοιλία αὐτοῦ πυξίον ἐλεφάντινον (2)  
 Hb. 2. 2. γράψον . . . σαφῶς εἰς [A ἐπὶ] πυξίον (1)  
 Is. 80. 8. γράψον ἐπὶ πυξίου ταῦτα (1)

**πύξος.** (1) ηϞϞ  
 Is. 41. 19. θήσω εἰς τὴν ἀνδρὸν γῆν κέδρον καὶ πύξον (1?)  
 [Sm. Is. 41. 19: 60. 13.]  
**πῦρ.** (1) ηϞϞ (2) A. ηϞϞ (3) ηϞϞϞ (4) ηϞϞϞ (5) ηϞϞϞϞ (6) ηϞϞϞϞ (7) ηϞϞϞϞ  
 (8) ηϞϞϞϞ

Ge. 11. 3. ὀπτήσωμεν αὐτὰς πυρὶ (8)  
 15. 17. B καὶ ἰδοὺ . . . λαμπράς πυρός (2 a)  
 19. 24. κύριος ἔβρεξεν . . . θεῖον καὶ πῦρ (2 a)  
 22. 6. ἔλαβε δὲ καὶ τὸ π. (2 a)  
 — 7. ἰδοὺ τὸ π. καὶ τὰ ξύλα (2 a)  
 Ex. 8. 2. ὁ φθῆν . . . ἐν πυρὶ φλογός [A φλογὶ πυρός] (4 [2 a])  
 — 2. ὁ βάτος καίεται πυρὶ (2 a)  
 9. 23. διέτρεχε τὸ π. ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)  
 — 24. καὶ τὸ π. φλογίζον ἐν τῇ χαλᾷ (2 a)  
 — 28. παυσάσθω τὸ γνηθῆναι . . . πῦρ —  
 12. 8. φάγονται τὰ κρέα . . . ὅπτα πυρὶ (2 a)  
 — 9. ἀλλ' ἡ ὀπτὰ πυρὶ (2 a)  
 — 10. ἐν πυρὶ κατακαύσεται (2 a)  
 18. 21. τὴν δὲ νύκτα ἐν στύλῳ πυρός (2 a)  
 — 22. καὶ ὁ στύλος τοῦ π. νυκτός (2 a)  
 14. 24. ἐν στύλῳ πυρός καὶ νεφέλης (2 a)  
 19. 18. διὰ τὸ καταβεβηκέναι . . . τὸν θ. ἐν πυρὶ (2 a)  
 22. 6 (5). εἰάν δὲ ἐξέλθον πῦρ εὐρὴ ἀκάνθας (2 a)  
 — 6 (5). ὁ τὸ π. ἐκκαύσας (8)  
 24. 17. ὥστε πῦρ φλέγον ἐπὶ τῆς κορυφῆς (2 a)  
 29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις πυρὶ (2 a)  
 — 34. κατακαύσεις τὰ λοιπὰ πυρὶ (2 a)  
 32. 20. κατέκαυσεν αὐτὸν ἐν [A om. αὐ. ἐν] πυρὶ (2 a)  
 — 24. ἔρριψα εἰς τὸ π. (2 a)  
 34. 13. τὰ γλυπτά . . . κατακαύσετε ἐν [A om.] πυρὶ —  
 35. 3. οὐ καύσετε πῦρ (2 a)  
 40. 38. πῦρ ἦν ἐπ' αὐτῆς νυκτός (2 a)  
 Le. 1. 7. ἐπιθήσουσιν . . . πῦρ ἐπὶ τὸ θυσιαστ. (2 a)  
 — 7. ἐπιστοιβάσουσι ξύλα ἐπὶ τὸ π. (2 a)  
 — 8, 12, 17: 8. 5. τὰ ξύλα τὰ ἐπὶ τὸ π. (2 a)  
 4. 12. κατακαύσουσιν αὐτὸν . . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 6. 9 (2). τὸ π. τὸ θυσιαστηρίου καυθήσεται —  
 — 10 (3). ἦν ἂν καταναλώσῃ τὸ π. (2 a)  
 — 12 (5). πῦρ ἐπὶ τὸ θυσιαστ. καυθήσεται (2 a)  
 — 13 (6). πῦρ διὰ παντός καυθήσεται (2 a)  
 — 30 (23): 7. 7 (17), 9 (19). ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (2 a)  
 8. 17. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρὶ [A al.] (2 a)  
 — 32. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (2 a)  
 9. 11. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρὶ (2 a)  
 — 24. ἐξήλθε πῦρ παρὰ κυρίου (2 a)  
 10. 1. ἐπέθηκαν ἐπ' αὐτὸ πῦρ (2 a)  
 — 1. προσπρηγαν . . . πῦρ ἀλλότριον (2 a)  
 — 2. ἐξήλθε πῦρ παρὰ κυρίου (2 a)  
 13. 24. κατακαῖμα πυρός (2 a)

Le. 13. 32, 55, 57. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (2 a)  
 16. 1. ἐν τῇ προσάγειν αὐτοὺς π. ἀλλότριον —  
 — 12. τὸ πῦρ ἐν πύλῃ ἀνθρώπων πυρός (2 a)  
 — 13. ἐπιθήσει τὸ θυμίαμα ἐπὶ τὸ π. (2 a)  
 — 27. κατακαύσουσιν αὐτὰ ἐν πυρὶ (2 a)  
 19. 6. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (2 a)  
 20. 14. ἐν πυρὶ κατακαύσουσιν αὐτὸν (2 a)  
 21. 9. ἐπὶ πυρός κατακαυθήσεται (2 a)  
 Nu. 8. 4. προσφέροντων αὐτῶν π. ἀλλότριον (2 a)  
 6. 18. ἐπιθήσει τὰς τρίχας ἐπὶ τὸ π. (2 a)  
 9. 15. ὡς εἶδος πυρός ἕως πρωΐ (2 a)  
 — 16. καὶ εἶδος πυρός τὴν νύκτα (2 a)  
 11. 1. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς πῦρ παρὰ κυρίου (2 a)  
 — 2. ἐκόπασε τὸ π. (2 a)  
 — 3. A B<sup>3</sup> ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς πῦρ [B<sup>1</sup> B om.] (2 a)  
 14. 14. καὶ ἐν στύλῳ πυρός τὴν νύκτα (2 a)  
 16. 7. A B<sup>3</sup> E ἐπιθέσει ἐπ' αὐτὰ πῦρ (2 a)  
 — 18. B ἐπέθηκαν ἐπ' αὐτὰ πῦρ (2 a)  
 — 35. πῦρ ἐξήλθε παρὰ κυρίου (2 a)  
 — 37 (17. 2). τὸ π. τὸ ἀλλότριον τοῦτο σπείρον —  
 — 46 (17. 11). ἐπιθέσει ἐπ' αὐτὸ πῦρ (2 a)  
 21. 28. πῦρ ἐξήλθεν ἐξ 'Εσβεθάν (2 a)  
 — 30. προσεξέκαυσαν πῦρ ἐπὶ M. +  
 26. 10. ὅτε κατέφαγε τὸ π. τοὺς πενήτε. καὶ διακρίσεις (2 a)  
 31. 10. ἐνέπρησαν ἐν [B<sup>3</sup> om.] πυρὶ (2 a)  
 — 23. ὁ διελεύσεται ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 23. ὅσα εἰν μὴ διαπορεύονται διὰ πυρός (2 a)  
 De. 1. 33. ὁδηγῶν ὑμᾶς ἐν πυρὶ νυκτός (2 a)  
 4. 11. τὸ ὅρος ἐκαίειτο πυρὶ (2 a)  
 — 12. ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 — 15. ἡ ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 — 24. κ. ὁ θ. σου πῦρ καταναλίσκον ἐστὶ (2 a)  
 — 33. λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 — 36. εἰδέξαι σοὶ τὸ π. αὐτοῦ τὸ μέγα (2 a)  
 — 36. τὰ ῥήμ. αὐ. ἤκουσας ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 5. 4. ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 — 5. ἐφοβήθητε ἀπὸ προσώπου τοῦ π. (2 a)  
 — 22 (19). ἐλάλησε κύριος . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 — 23 (20). ὡς ἡκούσατε . . . ἐκ μέσου τοῦ π. +  
 — 23 (20). τὸ ὅρος ἐκαίειτο πυρὶ (2 a)  
 — 24 (21). ἡκούσαμεν ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 — 25 (22). ἐξαπαλώσει ἡμᾶς τὸ π. τὸ μέγα τοῦτο (2 a)  
 — 26 (23). λαλοῦντος ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 7. 5. τὰ γλυπτά . . . κατακαύσετε πυρὶ (2 a)  
 — 25. τὰ γλυπτά . . . καύσετε [A κατακ.] πυρὶ (2 a)  
 9. 3. πῦρ καταναλίσκον ἐστὶν (2 a)  
 — 10. A<sup>3</sup> ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 — 15. τὸ ὅρος ἐκαίειτο πυρὶ (2 a)  
 — 21. κατέκαυσαν αὐτὸν ἐν πυρὶ (2 a)  
 10. 4. ὅς ἐλάλησε . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (2 a)  
 12. 3. τὰ γλυπτά . . . κατακαύσετε πυρὶ (2 a)  
 — 31. κατακαίουσιν ἐν πυρὶ (2 a)  
 13. 16 (17). ἐμπρήσεις τὴν πόλιν ἐν πυρὶ (2 a)  
 18. 10. περικαθαίρων . . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 16. καὶ τὸ π. τὸ μέγα τοῦτο (2 a)  
 32. 22. πῦρ ἐκκαίειται ἐκ τοῦ θυμοῦ μου (2 a)  
 Jo. 8. 23 (24). A ἐνεπυρίσθη ἐν πυρὶ [B al.] (2 a)  
 7. 15. κατακαυθήσεται ἐν πυρὶ (2 a)  
 8. 19. ἐνέπρησαν τὴν πόλιν ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 28. ἐνεπύριον 'Ι. τὴν πόλιν ἐν πυρὶ —  
 11. 6. κατακαύσεις ἐν [A om.] πυρὶ (2 a)  
 — 9. A B ἐνέπρησαν ἐν [B om.] πυρὶ (2 a)  
 — 11. τὴν 'Α. ἐνέπρησαν ἐν πυρὶ (2 a)  
 16. 10. ἐνέπρησαν αὐτὴν ἐν πυρὶ —  
 Jd. 1. 8. τὴν πόλιν ἐνέπρησαν ἐν πυρὶ (2 a)  
 6. 21. ἀνέβη [A -ῆψεν] πῦρ ἐκ τῆς πέτρας (2 a)  
 9. 15. ἐξέλθῃ πῦρ ἀπ' ἐμοῦ [A ἐκ τῆς ῥάμμου] (2 a)  
 — 20. ἐξέλθοι πῦρ ἀπὸ [A ἐξ] 'Αβμ. (2 a)  
 — 20. ἐξέλθοι πῦρ ἀπὸ ἀνθρώπων Σικ. (2 a)  
 — 49. καὶ ἐνεπύριον [A -έπρησαν] . . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 52. τοῦ ἐμπρήσαι αὐτὸν ἐν πυρὶ (2 a)  
 12. 1. τὸν οἶκόν σου ἐμπρήσουμεν . . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 14. 15. μή ποτε κατακαύσωμεν [A ἐμπυρίσ.] σε . . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 15. 5. ἐξέκαυσε [A -ῆψεν] πῦρ (2 a)  
 — 6. ἐνέπρησαν [A -πύριον] . . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 14. ὁ ἐξεκαύθη ἐν πυρὶ [A πρὶν καὶ δοφραθῇ πυρός] (2 a)  
 16. 9. ἐν τῇ δοφραθῇ αὐτὸ πῦρ (2 a)  
 18. 27. τὴν πόλιν ἐνέπρησαν ἐν πυρὶ [A om. ἐν π.] (2 a)

- Jd. 20. 48. ἐνέπρησαν [A ἐξαπείστελιν] ἐν πυρὶ (2 a)  
 I Ki. 2. 28. τὰ πάντα τοῦ π. υἱὸν Ἰσρ. (2 b)  
 30. 1. R ἐνέπρησαν [B -εν, A -ἐπρησεν] αὐτὴν ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 3. ἐμπεπύρισται ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 14. τὴν Σ. ἐνέπυρισται ἐν πυρὶ (2 a)  
 II Ki. 14. 30. ἐμπρήσατε αὐτὴν ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 30. ἐνέπυρισαν . . . τὴν μερίδα ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 31. ἵνα τί ἐνέπυρισαν . . . τὴν μερίδα τὴν ἐμὴν ἐν πυρὶ (2 a)  
 22. 9. πῦρ ἐκ στόματος αὐτοῦ κατέβηται (2 a)  
 — 13. ἐξεκαύθησαν ἀνθρακες πυρός (2 a)  
 23. 7. καὶ ἐν πυρὶ καύσει (2 a)  
 III Ki. 9. 16. A ἐνέπρησεν αὐτὴν ἐν πυρὶ (2 a)  
 15. 13. καὶ ἐνέπρησε πυρὶ — (2 a)  
 16. 18. A ἐνέπυρισαν . . . ἐν πυρὶ [B om. ἐν π.] (2 a)  
 18. 23. καὶ πῦρ μὴ ἐπιθέτωσαν (2 a)  
 — 23. καὶ πῦρ οὐ μὴ ἐπιτίθω (2 a)  
 — 24. ὅς ἐάν ἐπακουσῇ ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 25. πῦρ μὴ ἐπιτίθω (2 a)  
 — 36. ἐπάκουσόν μου σήμερον ἐν πυρὶ [A al.] — (2 a)  
 — 38. ἔπεισε πῦρ παρὰ κυρίου (2 a)  
 — 38. τὸν χεῖρ ἐξέλιξε τὸ π. — (2 a)  
 19. 12. μετὰ τὸν συσσεισμὸν πῦρ (2 a)  
 — 12. οὐκ ἐν τῷ π. κύριος (2 a)  
 — 12. μετὰ τὸ π. φωνὴ αἶρας λεπτῆς (2 a)  
 IV Ki. 1. 10. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)  
 — 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)  
 — 12. καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)  
 — 12. 14. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρ. (2 a)  
 2. 11. ἄρμα πυρός καὶ ἵπποι πυρός (2 a, 2 a)  
 6. 17. καὶ ἄρμα πυρός περικύκλω Ἑλ. (2 a)  
 8. 12. τὰ ὄχηρά μ. αὐ. ἐξαποστελεῖς ἐν πυρὶ (2 a)  
 16. 3. A B τὸν υἱὸν αὐ. διήγεν ἐν [B om.] πυρὶ (2 a)  
 17. 7. διήγον τοὺς υἱοὺς αὐ. . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 31. κατέκατον τοὺς υἱοὺς αὐ. ἐν πυρὶ (2 a)  
 19. 18. ἔδωκαν τοὺς θεοὺς αὐ. εἰς τὸ π. (2 a)  
 21. 6. διήγε τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ ἐν πυρὶ (2 a)  
 23. 10. τοῦ διαγαγεῖν ἀνδρα τὸν υἱὸν αὐ. . . ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 11. τὸ ἄρμα τοῦ ἡλίου κατέκαυσε πυρὶ (2 a)  
 25. 9. A ἐνέπρησεν ἐν πυρὶ [B om. ἐν π.] (2 a)  
 I Ch. 14. 12. κατακαύσαι [A add. αὐτοὺς] ἐν πυρὶ (2 a)  
 21. 26. ἐπικούσεν αὐτῷ ἐν πυρὶ (2 a)  
 II Ch. 7. 1. τὸ π. κατέβη ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (2 a)  
 — 3. ἔωσαν καταβαῖνον τὸ πῦρ (2 a)  
 28. 3. διήγε τὰ τέκνα αὐ. διὰ πυρός (2 a)  
 33. 6. διήγαγε τὰ τέκνα αὐ. ἐν πυρὶ (2 a)  
 35. 13. ὀπτήσαν τὸ φασῆς ἐν πυρὶ (2 a)  
 38. 19. τὰς βάρεις αὐτῆς ἐνέπρησεν ἐν πυρὶ (2 a)  
 I Es. 1. 12. R ὀπτήσαν τὸ πάσχα [A B add. ἐν πυρὶ] (2 a)  
 — 55. τοὺς πύργους αὐ. ἐνέπυρισαν ἐν πυρὶ (2 a)  
 6. 24. ὅπου ἐπιβόσκον διὰ πυρός ἐνδελεχοῦς (2 a)  
 Ne. 1. 3. ἐνέπρησαν ἐν πυρὶ (2 a)  
 2. 3. κατεβρόθθησαν ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 13. A S κατεβρόθθησαν ἐν [B om.] πυρὶ (2 a)  
 — 17. αἱ πύλαι αὐ. ἐδόθησαν πυρὶ (2 a)  
 9. 12. καὶ ἐν στύλῳ πυρός τὴν νύκτα (2 a)  
 — 19. καὶ τὸν στύλον τοῦ π. τὴν νύκτα (2 a)  
 Ju. 13. 13. ἀφαντες πῦρ εἰς φαῖσιν (2 a)  
 16. 17. δοῦναι πῦρ καὶ σκόληκας (2 a)  
 Es. 8. 13. ὁράται καὶ πυρὶ καταναλωθήσεται (2 a)  
 Jb. 1. 16. πῦρ ἔπεσεν ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (2 a)  
 15. 34. πῦρ δὲ καύσει [A κατακ.] οἴκους δωρο-δεκτῶν (2 a)  
 20. 26. κατέβηται αὐτὸν πῦρ ἀκαυστον [A ἄ-σβεστον] (2 a)  
 22. 20. τὸ καταλείμμα αὐτῶν καταφάγεται πῦρ (2 a)  
 28. 5. ὑποκάτω αὐτῆς ἐστράφη ὡσεὶ πῦρ (2 a)  
 31. 12. πῦρ γὰρ ἐστὶ καίμενον (2 a)  
 41. 10 (11). διαρριπνύονται ἐσχάραι πυρός (2 a)  
 — 11 (12). καπνὸς καίμενος καίμενης πυρὶ [A φλογὶ] ἀνθρώπων + (2 a)  
 Ps. 10 (11). 7. πῦρ καὶ θεῖον καὶ πνεῦμα κατα-γίδος (2 a)  
 17 (18). 8. πῦρ ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ κατεφλό-γισεν (2 a)  
 — 12. χυλὰ καὶ ἀνθρακες πυρός (2 a)  
 20 (21). 9. θήσεις αὐτοὺς ὡς κλίβανον πυρός (2 a)  
 — 9. καταφάγεται αὐτοὺς πῦρ (2 a)  
 28 (29). 7. φωνὴ κυρίου διακόπτοντος φλόγα πυρός (2 a)  
 38 (39). 3. ἐν τῇ μελέτῃ μου ἐκαυθήσεται πῦρ (2 a)  
 Ps. 45 (46). 9. θυρεοὺς κατακαύσει ἐν πυρὶ (2 a)  
 49 (50). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ καθυψέται (2 a)  
 57 (58). 8. ἔπεισε πῦρ + (2 a)  
 65 (66). 12. διήλθομεν διὰ πυρός καὶ ὕδατος (2 a)  
 67 (68). 2. ὡς τίκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (2 a)  
 73 (74). 7. ἐνέπυρισαν ἐν πυρὶ τὸ ἀγαστήριόν σου εἰς τὴν γῆν (2 a)  
 77 (78). 14. B S² καὶ ἄλην τὴν νύκτα ἐν φω-τισμῷ πυρός [S¹ φωτός] (2 a)  
 — 21. πῦρ ἀνήφθη ἐν Ἰακώβ (2 a)  
 — 48. καὶ τὴν ὑπαρξιν αὐτῶν τῷ π. (7)  
 — 63. τοὺς νεανίους αὐτῶν κατέφαγε πῦρ (2 a)  
 78 (79). 5. ἐκαυθήσεται ὡς πῦρ ὁ ἡλὸς σου (2 a)  
 79 (80). 16. ἐμπεπύρισμένον πῦρ (2 a)  
 82 (83). 13. S¹ ὡς καλὸν κατὰ πρόσωπον πυρός [A B S² ἀνέμου] + (2 a)  
 — 14. ὡσεὶ πῦρ ὁ διαφλέξει δρυμόν (2 a)  
 88 (89). 46. ἐκαυθήσεται ὡς πῦρ ἡ ὀργή σου (2 a)  
 96 (97). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ προπορεύεται (2 a)  
 103 (104). 4. καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ πῦρ φλέγον [A² πυρός φλέγα] (2 a)  
 104 (105). 32. πῦρ καταφλέγον ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (2 a)  
 — 39. καὶ πῦρ τοῦ φωτισαὶ αὐτοὺς τὴν νύκτα (2 a)  
 105 (106). 18. ἐξεκαύθη πῦρ ἐν τῇ συναγωγῇ αὐτῶν (2 a)  
 117 (118). 12. ἐξεκαύθησαν ὡς πῦρ ἐν ἀκάνθαις (2 a)  
 139 (140). 10. πεσοῦνται ἐπ' αὐτοὺς ἀνθρακες πυρός [A S² al.] (2 a)  
 148. 8. πῦρ χυλὰ καὶ χυλὸν κρύσταλλος (2 a)  
 Pr. 6. 27. ἀποθήσει τις πῦρ ἐν κάρπῳ (2 a)  
 — 28. ἡ περιπατήσῃ τις ἐπ' ἀνθρώπων πυρός — (2 a)  
 16. 27. ἐπὶ δὲ τῶν αὐτῶν χυλῶν θησαυρίζει [S¹ -εται, A ὀρύσσει] πῦρ (2 a)  
 24. 51 (30. 16). ὕδωρ καὶ πῦρ οὐ μὴ ἔπωσιν (2 a)  
 25. 22. ἀνθρακες πυρός [A om.] σωρεύσεις — (2 a)  
 26. 20. ἐν πολλοῖς ἐξοῖς θάλλει πῦρ (2 a)  
 — 21. ἐσχάραι ἀνθρακὶ καὶ ξύλῳ πυρὶ (2 a)  
 Ca. 8. 6. περίπτερα πυρός [S² πυρός ἀνθρακες πυρός] φλόγες αὐτῆς (2 a [2 a, -])  
 Wi. 10. 6. δίκαιον . . . ἐρρύσατο φνύγοντα πῦρ κατα-βάσιον πεντατόλως (2 a)  
 13. 2. ἡ πῦρ ἡ πνεῦμα ἡ ταχύνων ἀέρα (2 a)  
 16. 16. καὶ πυρὶ καταναλίσκόμενον (2 a)  
 — 17. ἐν τῷ . . . ὕδατι πλῆστον ἐνέργει τὸ πῦρ (2 a)  
 — 19. ὑπὲρ τὴν πυρὸς δύναμιν φλέγει (2 a)  
 — 22. χιών δὲ καὶ κρύσταλλος ὑπέμεινε πῦρ (2 a)  
 — 22. τοὺς τῶν ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] καρποὺς κατέ-φθειρε πῦρ (2 a)  
 — 27. τὸ γὰρ ὑπὸ πυρὸς μὴ [S² om.] φθειρόμενον (2 a)  
 17. 5. πυρὸς μὲν οὐδέμια βία κατισχύει φωτίσειν (2 a)  
 19. 20. πῦρ ἰσχυρὸν ἐν ὕδατι τῆς ἰδίας δυνάμεως (2 a)  
 Si. 2. 5. ἐν πυρὶ δοκιμάζεται χρυσός (2 a)  
 8. 30. πῦρ φλογιζόμενον ἀποσβέσει ὕδωρ (2 a)  
 7. 17. ἐκδικίσεις ἀσεβοῦς πῦρ καὶ σκόληξ (2 a)  
 8. 3. μὴ ἐπιστοιμίσῃς ἐπὶ τὸ π. αὐτοῦ ξύλα (2 a)  
 — 10. μὴ ἐμπτύρισθῃς ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ (2 a)  
 9. 8. ἐκ τούτου φύλλα ὡς πῦρ ἀνακαίεται (2 a)  
 11. 32. ἀπὸ σπινθέρων πυρός πληθύνεται ἀνθρακία (2 a)  
 15. 16. παρέθηκε σοι πῦρ καὶ ὕδωρ (2 a)  
 16. 6. ἐν συναγωγῇ ἀμαρτωλῶν ἐκαυθήσεται πῦρ (2 a)  
 21. 9. ἡ συντέλεια αὐτῶν φλόξ πυρός (2 a)  
 22. 24. πρὸ πυρός ἀτμὶς καίμενος καὶ καπνός (2 a)  
 23. 16. ψυχὴ θερμὴ ὡς πῦρ καίμενον (2 a)  
 — 16. οὐ μὴ παύσῃται ἕως ἂν ἐκαύσῃ πῦρ (2 a)  
 28. 10. κατὰ τὴν ὕλην πυρός [S² τοῦ π.] (2 a)  
 — 11. ἔρις κατασπενδομένη ἐκκαίει πῦρ (2 a)  
 33 (38). 9. ἐν ὀργῇ πυρός καταβροθίτω (2 a)  
 38. 28. ἀτμὶς πυρός πῆξι [A S τήξει] σάρκα αὐτοῦ (2 a)  
 39. 26. ὕδωρ πῦρ καὶ σιδήρος (2 a)  
 — 29. πῦρ καὶ χυλὰ καὶ λιμὸς καὶ θάνατος (2 a)  
 40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καίσεται (2 a)  
 43. 21. ἀποσβέσει χλόην ὡς πῦρ (2 a)  
 45. 19. καταναλώσαι ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ [A S om.] (2 a)  
 48. 1. ἀνίστη Ἥλιος προφήτης ὡς πῦρ (2 a)  
 — 3. κατήγαγεν οὐτως τρεῖς πῦρ (2 a)  
 — 9. ὁ ἀναληφθεὶς ἐν λαίλατῃ [A λαμπάδι] πυρός (2 a)  
 50. 9. ὡς πῦρ καὶ λίβανος ἐπὶ πυρίον (2 a)  
 51. 4. R ἀπὸ πυγμῶν πυρός [A B -ἄς] κυλάθων καὶ ἐκ μέσων πυρός (2 a)  
 Ho. 7. 6. ἀνεκαύθη ὡς πῦρ [A πῦρ] φέγγος (2 a)  
 — 7. A πάντες ἐθερμάνθησαν ὡς κλίβανος πυρός [B om.] — (2 a)  
 — 7. A κατέφαγεν πῦρ τοὺς κριτὰς αὐ. [B al.] — (2 a)  
 8. 14. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς τὰς πόλεις αὐ. (2 a)  
 Am. 1. 4. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς τὸν οἶκον Ἀ. (2 a)  
 — 7. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ τὰ τείχη Γ. (2 a)  
 — 10. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ τὰ τείχη Τύρου (2 a)  
 — 12. ἐξαποστελῶ πῦρ εἰς Θ. (2 a)  
 — 14. ἀνάψω πῦρ ἐπὶ τὰ τείχη Ῥ. (2 a)  
 2. 2. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ Μ. (2 a)  
 — 5. ἐξαποστελῶ πῦρ ἐπὶ Ἰ. (2 a)  
 4. 10. ἀνήγαγον ἐν πυρὶ τὰς παρεμβολάς + (2 a)  
 — 11. ὡς δαλὸς ἐξεσπασμένος ἐκ πυρός (8)  
 5. 6. ὅπως μὴ ἀναλάβῃ ὡς πῦρ ὁ οἶκος Ἰ. (2 a)  
 7. 4. ἐκάλεσε τὴν δίκην ἐν πυρὶ κύριος (2 a)  
 Mi. 1. 4. ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (2 a)  
 — 7. ἐμπρήσουσιν ἐν πυρὶ (2 a)  
 6. 10. πῦρ καὶ οἶκος ἀνόμου + (2 a)  
 Jl. 1. 19. πῦρ ἀνήλωσε τὰ ὠράια τῆς ἐρήμου (2 a)  
 — 20. πῦρ κατέφαγε τὰ ὠράια τῆς ἐρήμου (2 a)  
 2. 3. τὰ ἔμπροσθεν αὐτοῦ πῦρ ἀναλίσκον (2 a)  
 — 5. ὡς φωνὴ φλογὸς πυρός κατασθίουσης καλὰ μιν (2 a)  
 — 30 (3. 3). αἶμα καὶ πῦρ καὶ ἀτμίδια καπνοῦ (2 a)  
 Ob. 1. 18. ἔσται ὁ οἶκος Ἰ. πῦρ (2 a)  
 Na. 2. 3 (4). ἀνδρας δυνατοὺς ἐμπαίζοντες ἐν πυρὶ (2 a)  
 — 4 (5). ἡ θραύσις αὐ. ὡς λαμπάδες πυρός — (2 a)  
 3. 13. καταφάγεται πῦρ τοὺς μοχλοὺς σου (2 a)  
 — 15. καταφάγεται σὲ πῦρ (2 a)  
 Hb. 2. 13. ἐξέλιπον λαοὶ ἱκανοὶ ἐν πυρὶ (2 a)  
 Ze. 1. 18. ἐν πυρὶ ἔζηλον αὐτοῦ (2 a)  
 3. 8. ἐν πυρὶ ἔζηλον μου (2 a)  
 Za. 2. 5 (9). ἔσομαι . . . τείχος πυρός κυκλόθεν (2 a)  
 3. 3 (2). ὡς δαλὸς ἐξεσπασμένος ἐκ πυρός (2 a)  
 9. 4. ἐν πυρὶ καταναλωθήσεται (2 a)  
 11. 1. καταφάγεται πῦρ τὰς κέδρους σου (2 a)  
 12. 6. ὡς δαλὸν πυρός ἐν ξύλοις καὶ ὡς λαμπάδα πυρός ἐν [S¹ om. ξ. . . ἐν] καλὰ μιν (2 a, 2 a)  
 13. 9. διάξω τὸ τρίτον διὰ πυρός (2 a)  
 Ma. 3. 2. εἰσπορεύεται ὡς πῦρ χωνευτηρίου (2 a)  
 Is. 1. 31. A S αἱ ἐργασίαι αὐτῶν ὡς σπινθήρες πυρός [B om.] — (2 a)  
 4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτὸς πυρός καιομένου νυκτός (2 a)  
 5. 24. καθυψέται καλὰ μιν ὑπὸ ἀνθρακὸς πυρός (2 a)  
 6. 6. A ἐν τῇ χειρὶ εἶχεν ἀνθρακὸς πυρός [B om.] — (2 a)  
 9. 18 (17). καθυψέται ὡς π. ἡ ἀνομία καὶ ὡς ἀγροστὶς ξηρὰ βροθήσεται ὑπὸ πυρός (2 a, -)  
 — 19 (18). ἔσται ὁ λαὸς ὡς ὑπὸ πυρός κατα-κεκαυμένος (2 a)  
 10. 16. π. καίμενον καθυψέται (2 a)  
 — 17. ἔσται τὸ φῶς τοῦ Ἰσραὴλ εἰς π. καὶ ἀγιάσει αὐτὸν ἐν πυρὶ καιομένῳ (2 a, 5)  
 26. 11. π. τοὺς ὑπεναγνίστους ἔδετα (2 a)  
 29. 6. φλόξ πυρός κατεσθίουσα (2 a)  
 30. 14. ὀστρακὸν ἐν ῥ. π. ἀρείει [S¹ om.] (2 a)  
 — 27. ἡ ὀργὴ τοῦ θυμοῦ ὡς π. ἔδετα (2 a)  
 — 33. ξύλα κείμενα π. καὶ ξύλα πολλὰ (2 a)  
 33. 11. π. κατέβηται ὑμῶς (2 a)  
 — 14. πῦρ καίεται (2 a)  
 37. 19. ἐνέβαλον τὰ εἰδωλα αὐτῶν εἰς τὸ π. (2 a)  
 43. 2. ἐὰν διελθῇς διὰ πυρός (2 a)  
 44. 16. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσεν ἐν πυρὶ . . . εἶδον π. (2 a, 1)  
 — 19. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσεν ἐν πυρὶ (2 a)  
 47. 14. ὡς φρίγαντα ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται . . . ἔχεις ἀνθρακὸς πυρός (2 a, 1)  
 50. 11. S πάντες ὑμεῖς π. καίετε καὶ κατισχύ-σατε φλόγα πυρός [A B om.] + πο-ρεύεσθε τῷ φωτὶ τοῦ π. [S¹ πρὸς] ὑμῶν (2 a, -, 2 a)  
 64. 2 (1). ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός τίκε-ται καὶ κατακαύει π. τοὺς ὑπεναγ-τίους (2 a, 2 a)  
 65. 5. π. καίεται ἐν αὐτῷ πάσας τὰς ἡμέρας (2 a)  
 66. 15. κύριος ὡς π. ἤξει . . . ἀποδοῖναι . . . ἀποσκορακισμὸν αὐτοῦ ἐν φλογὶ πυρός (2 a, 2 a)  
 — 16. ἐν γὰρ τῷ π. κυρίου κριθέσεται [A καταναλωθ.] πάσα ἡ γῆ (2 a)  
 — 24. τὸ π. αὐτῶν οὐ σβεσθήσεται (2 a)  
 Je. 4. 4. μὴ ἐξέλθῃ ὡς π. ὁ θυμὸς μου (2 a)  
 — 26. A R πάσαι αἱ πόλεις ἐμπεπυρισμέναι πυρὶ [B S om.] — (2 a)  
 5. 14. δέδωκα τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στόμα σου π. (2 a)  
 6. 23. παρατάξεται ὡς [S παρατάξω] π. εἰς πόλεμον πρὸς σέ + (2 a)

Je. 6. 29. ἐξέλιπε φουγιήρ ἀπὸ πυρός [Α τῆς γῆς] (2 α)  
 7. 18. οἱ πατέρες αὐτῶν καίουσι π. (2 α)  
 — 31. τοὺ κατακαίειν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν . . . ἐν πυρὶ (2 α)  
 11. 16. ἀνήρθη π. ἐπ' αὐτὴν [Α ἐν αὐτῇ] (2 α)  
 15. 14. π. ἐκκαίεται ἐκ τοῦ θυμοῦ μου (2 α)  
 17. 27. ἀνάψω π. ἐν ταῖς πύλαις αὐτῆς (2 α)  
 19. 5. τοὺ κατακαίειν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν ἐν πυρὶ (2 α)  
 20. 9. ἐγένετο ὡς π. καίοντων (2 α)  
 21. 10. κατακαύσει αὐτὴν ἐν πυρὶ (2 α)  
 — 12. ὅπως μὴ ἀναφθῇ ὡς π. ἡ ὀργή μου (2 α)  
 — 14. ἀνάψω π. ἐν τῷ θυμῷ αὐτῆς (2 α)  
 22. 7. ἐμβαλοῦσιν εἰς τὸ π. (2 α)  
 23. 29. οὐκ ἰδοὺ [Α B om.] οἱ λόγοι μου ὥσπερ [Α add. φλέγον] π. (2 α)  
 27 (50). 32. ἀνάψω π. ἐν τῷ θυμῷ αὐτῆς  
 — 42. ἵππασονται παρεσκευασμένοι ὥσπερ π. †  
 28 (51). 32. τὰ συστήματα αὐτῶν ἐνέπρησαν ἐν πυρὶ [Α al.] (2 α)  
 80 (49). 2. βοαὶ αὐτῆς ἐν πυρὶ κατακαυθή-  
 — 16 (49. 37). καύσω π. ἐν τείχει Δαμασκού (2 α)  
 86 (29). 22. οὐδ' ἀπετηγάμισε . . . ἐν πυρὶ (2 α)  
 89 (32). 29. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρὶ (2 α)  
 41 (84). 2. καύσει αὐτὴν ἐν πυρὶ (2 α)  
 — 22. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρὶ (2 α)  
 43 (86). 22. ἐσχάρα πυρός κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ †  
 — 23. ἔρριπεν εἰς τὸ π. τὸ ἐπὶ τῆς ἐσχάρας  
 ἔως ἐξέλιπε πᾶς ὁ χάρτης (2 α, 2 α)  
 — τὸ ἐπὶ τῆς ἐσχάρας (2 α, 2 α)  
 44 (87). 8. Α Β καύσουσιν αὐτὴν ἐν [B B om.]  
 — 10. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρὶ (2 α)  
 45 (88). 17. ἡ πόλις αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ ἐν  
 — 18. καύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρὶ (2 α)  
 50 (48). 12. καύσει π. ἐν οἰκίαις τῶν θεῶν  
 αὐτῶν (2 α)  
 — 13. τὰς οἰκίας αὐτῶν κατακαύσει ἐν πυρὶ (2 α)  
 52. 13. πᾶσαν οἰκίαν μεγάλην ἐνέπρησεν ἐν πυρὶ (2 α)  
 Ba. 1. 2. ἐνέπρησαν αὐτὴν ἐν πυρὶ  
 La. 1. 13. ἐξ ὕψους αὐτοῦ ἀπέστειλε π. (2 α)  
 2. 3. ἀνήψεν ἐν [Α om.] Ἰακώβ ὡς π. φλόγα (2 α)  
 — 4. ἐξέχεν ὡς π. τὸν θυμὸν αὐτοῦ (2 α)  
 4. 11. ἀνήψεν π. ἐν Σιών (2 α)  
 Ep. Je. 55. 5. ὅταν ἐμπέσῃ εἰς οἰκίαν θεῶν . . . π.  
 — 63. τὸ τέ π. ἐξαποσταλὲν ἀνωθεν . . . ποιεῖ τὸ  
 συνταχθεῖν [Α om.]  
 Ez. 1. 4. καὶ π. ἐξαστράπτει καὶ ἐν τῷ μέσῳ αὐ.  
 ὡς δρασις [Α ὁμοίωμα] ἡλεκτροῦ ἐν μέσῳ τοῦ π. (2 α, 2 α)  
 — 13. δρασις ὡς [Α om.] ἀνθράκων πυρός  
 καίοντων . . . καὶ φέγγος τοῦ π. καὶ  
 ἐκ τοῦ π. ἐξοπορευέτο [Α add. ὡς]  
 ἀστραπή (2 α ter)  
 — 27. Α ὡς δρασις πυρός ἔσθωεν αὐτοῦ (2 α)  
 — 27. ἰδὼν ὡς δρασις πυρός (2 α)  
 5. 2. τὸ τέταρτον ἐν [Α<sup>1</sup> τὸ ἐν] πυρὶ ἀνακαύσεις (1)  
 — 4. ρίψει αὐτοὺς εἰς μέσον τοῦ π. καὶ κατα-  
 καύσεις αὐτοὺς ἐν πυρὶ ἐξ αὐτῆς  
 ἐξελίσεται π. (2 α ter)  
 8. 2. ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ καὶ ἔως κάτω π. (2 α)  
 10. 2. πλησὺν τὰς δράκας [Α χεῖρας] σου  
 ἀνθράκων πυρός (2 α)  
 — 6. λάβε π. ἐκ μέσου τῶν τροχῶν (2 α)  
 — 7. ἐξέτεινε τὴν χεῖρα αὐ. εἰς μέσον τοῦ π. (2 α)  
 15. 4. Α<sup>2</sup> B δ [Α<sup>1</sup> B om.] πυρὶ δέδοται . . . ἀνα-  
 λίσκει τὸ π. (2 α, 2 α)  
 — 5. εἰς αὐτὴν [Α add. μὴ] π. αὐτὸ ἀναλώσῃ (2 α)  
 — 6. δέδωκα αὐτὸ πυρὶ [Α τῷ π.] (2 α)  
 — 7. ἐκ τοῦ π. ἐξελίσονται καὶ π. αὐτοὺς  
 καταφάγεται (2 α, 2 α)  
 16. 41. ἐμπύρσουσι τοὺς οἴκους σου [Α add.  
 ἐν] πυρὶ (2 α)  
 19. 12. π. ἀνῆλθεν αὐτὴν (2 α)  
 — 14. ἐξῆλθε π. ἐκ ράβδου ἐλεκτῶν αὐτῆς (2 α)  
 20. 31. Α ἐν τοῖς ἀφορισμοῖς νῶν ὤ. ἐν πυρὶ  
 [B al.] (2 α)  
 — 47 (21. 3). ἀνάπτω ἐν σοὶ π. (2 α)  
 21. 31 (36). ἐν πυρὶ ὀργῆς μου ἐμφυσῶ  
 ἐπὶ σέ (2 α)  
 — 32 (37). ἐν πυρὶ ἔσθῃ κατὰβρωμα (2 α)  
 22. 20. Α μολύβδος εἰς μέσον καίοντος πυρός [B  
 om.] -

Ez. 22. 20. τοῦ ἐκφυσῆσαι εἰς αὐτὸ π. (2 α)  
 — 21, 31. ἐν πυρὶ ὀργῆς μου (2 α)  
 23. 25. τοὺς καταλοῦσιν σου π. καταφάγεται  
 [Α σ. ἐμπύρσουσιν ἐν πυρὶ] (2 α)  
 24. 10. ἀνακαύσω [Α ἐκκ.] τὸ π. (2 α)  
 28. 18. ἐξάξω π. ἐκ μέσου σου (2 α)  
 30. 8. ὅταν δώ π. ἐπ' Αἴγυπτον (2 α)  
 — 14. δάσω π. ἐπὶ Τάνιν (2 α)  
 — 16. δάσω π. ἐπ' Αἴγυπτον (2 α)  
 36. 5. ἐν πυρὶ θυμοῦ μου ἐλάλησα (2 α)  
 38. 19. ἐν πυρὶ τῆς ὀργῆς μου (2 α)  
 — 22. π. καὶ θεῖον βρέξω ἐπ' αὐτὸν (2 α)  
 39. 6. ἀποστελῶ π. ἐπὶ Γῶγ [Α σέ] (2 α)  
 — 9. καύσουσιν ἐν αὐτοῖς π. ἐπτά ἔτη (2 α)  
 — 10. τὰ ὅπλα κατακαύσουσιν πυρὶ (2 α)  
 Da. LXX. Su. 62. ἔρριψε πῦρ διὰ μέσου αὐτῶν  
 3. 6, 11, 15. εἰς τὴν κάμνον τοῦ π. τὴν καιομ. (6)  
 — 17. ἐκ τῆς καίοντος τοῦ π. τῆς καιομένης (6)  
 — 20. εἰς τὴν κάμνον τοῦ π. τὴν καιομένην (6)  
 — (25). ἐξωμολογήσῃ τῷ π. . . ἐν μέσῳ τῷ π.  
 — (49). ἐξέτεινε τὴν φλόγα τοῦ π. (6)  
 — (50). οὐχ ἦσαν αὐτῶν καθόλου τὸ π. (6)  
 — (66). εὐλογεῖτε, πῦρ καὶ καῖμα, τὸν κ. (6)  
 — (88). ἐκ τοῦ π. ἐλυτρώσατο ἡμᾶς (6)  
 — 24 (91). οὐχὶ ἄνδρας τρεῖς ἐβάλομεν εἰς  
 μέσον τοῦ π. (6)  
 — 25 (92). ἄνδρας τέσσαρας λεγόμενος περι-  
 πατοῦντας ἐν τῷ π. (6)  
 — 26 (93). τὴν θύραν τῆς καίοντος καιομένης  
 τῷ π. (6)  
 — 26 (93). ἐξέλθετε ἐκ τοῦ π. (6)  
 — 26 (93). ἐξῆλθον οἱ ἄνδρες ἐκ μέσου τοῦ π. (6)  
 — 27 (94). οὐχ ἦσαν τοῦ π. τοῦ σώματος αὐ. (6)  
 — 27 (94). οὐδὲ ὁσμὴ τοῦ π. ἦν ἐν αὐτοῖς (6)  
 7. 9. ὁ θρόνος ὡσεὶ φλόξ πυρός (6)  
 — 9. τροχαὶ αὐ. πῦρ καίοντων (6)  
 — 10. ποταμὸς πυρός ἔλκεν (6)  
 — 10. ἐξοπορευέτο κατὰ πρόσωπον αὐ. ποταμὸς  
 πυρός - (6)  
 — 11. ἐδόθη εἰς καὺσιν πυρός (2 α)  
 10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (2 α)  
 Da. TH. 3. 6, 11, 15. εἰς τὴν κάμνον τοῦ π. τὴν  
 καιομένην (6)  
 — 17. ἐκ τῆς καίοντος τοῦ π. τῆς καιομένης (6)  
 — 20. εἰς τὴν κάμνον τοῦ π. τὴν καιομένην (6)  
 — 21. εἰς τὸ μέσον τῆς καίοντος τοῦ π. τῆς  
 καιομένης (6)  
 — 22. Α τοὺς ἄνδρας ἐκ. . . ἀπέκτεινεν ἡ  
 φλόξ τοῦ π. (6)  
 — 23. Α εἰς μέσον τῆς καίοντος τοῦ π. [B  
 om. τοῦ π.] τῆς καιομ. (6)  
 — (24). ἀνοίξας τὸ στόμα αὐ. ἐν μέσῳ τοῦ π. (6)  
 — (49). ἐξέτεινε τὴν φλόγα τοῦ π. (6)  
 — (50). οὐχ ἦσαν αὐτῶν τὸ καθόλου τὸ π. (6)  
 — (66). εὐλογεῖτε, πῦρ καὶ καῖμα, τὸν κ. (6)  
 — (88). ἐκ μέσου πυρός ἐρύσαστο ἡμᾶς (6)  
 — 24 (91). εἰς μέσον τοῦ π. (6)  
 — 25 (92). περιπατοῦντας ἐν μέσῳ τοῦ π. (6)  
 — 26 (93). πρὸς τὴν θύραν τῆς καίοντος τοῦ π.  
 τῆς καιομ. (6)  
 — 26 (93). ἐξῆλθον . . . ἐκ μέσου τοῦ π. (6)  
 — 27 (94). οὐκ ἐκυρίευσεν τὸ πῦρ τοῦ σώμα-  
 τος αὐ. (6)  
 — 27 (94). ὁσμὴ πυρός οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς (6)  
 — 28 (95). παρέδωκαν τὰ σώματα αὐ. εἰς πῦρ - (6)  
 7. 9. ὁ θρόνος αὐ. φλόξ πυρός (6)  
 — 9. οἱ τροχαὶ αὐ. πῦρ φλέγον (6)  
 — 10. ποταμὸς πυρός ἐλέκεν ἐμπροσθεν αὐτοῦ (6)  
 — 11. τὸ σῶμα αὐ. ἐδόθη εἰς καὺσιν πυρός (6)  
 10. 6. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐ. ὡσεὶ λαμπάδες πυρός (2 α)  
 I Ma. 1. 31. ἐνεπύρσειν αὐτὴν πυρὶ  
 — 56. Α Β ἐνεπύρσαν [B add. ἐν] πυρὶ  
 5. 5. ἐνεπύρσει τοὺς πύργους αὐ. ἐν πυρὶ  
 — 28. ἐνέπρησεν αὐτὴν πυρὶ  
 — 35. ἐνέπρησεν αὐτὴν ἐν πυρὶ  
 — 44. τὸ τέμενος ἐνεπύρσαν ἐν πυρὶ  
 — 68. B B τὰ γλυπτὰ . . . κατέκαιεν πυρὶ [Α om.]  
 6. 31. Α Β ἐνεπύρσαν αὐτὰς ἐν [B om.] πυρὶ  
 — 39. κατήγαγεν ὡς λαμπάδες πυρός [B<sup>1</sup> om.]  
 10. 84. B B τὸ ἱερὸν Δ . . . ἐνεπύρσει πυρὶ [Α  
 ἐν π.] (2 α)  
 11. 61. ἐνεπύρσειν τὰ περιπόδια αὐ. ἐν πυρὶ  
 18. 10. ἐνεπύρσειν αὐτὴν ἐν πυρὶ  
 II Ma. 1. 18. ἡ καὶ αὐτοὶ ἤγγη . . . τοῦ π.  
 — 19. λαβόντες ἀπὸ τοῦ π. τοῦ θυσιαστηρίου  
 — 20. τοὺς ἐκγόρους . . . ἔπεμψεν ἐπὶ τὸ π.

II Ma. 1. 20. μὴ εὐρύνειν πῦρ  
 — 33. οὐ τὸ π. ἐκρυσθῇ  
 2. 1. Α<sup>2</sup> B ἐκέλευσε τοῦ π. λαβεῖν  
 — 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ  
 — 10. καταβάν τὸ π. ἀνῆλθεν τὰ ὀλοκαυτώματα  
 9. 7. πῦρ πνέον τοῖς θυμοῖς  
 10. 3. πῦρ ἐκ τούτων λαβόντες  
 18. 8. οὐ τὸ π. ἀγρὸν ἦν  
 14. 41. καὶ κελουόντων πῦρ προσάγειν  
 III Ma. 2. 5. πυρὶ καὶ θείῳ κατέφλεξας  
 — 29. χαράσσεσθαι καὶ διὰ πυρός εἰς τὸ σῶμα  
 5. 43. ἰσχύειν πυρὶ καὶ δόρατι θήσεσθαι  
 — 43. B τὸν ἄβαστον αὐ. ἡμῖν νῶν πυρὶ πρηγία [Α al.]  
 6. 6. πυρὶ τὴν ψυχὴν αὐθαίρετως δεδοκίας  
 IV Ma. 5. 32. τὸ π. ἐκφύσα σφοδρότερον  
 6. 24. ἐπὶ τὸ π. αὐτὸν ἤγαγον  
 7. 10. ὁ . . . πυρός εὐνότερον πρὸς βύτα  
 — 12. διὰ τοῦ π. ὑπερηγόμενος  
 8. 13. ὡς δὲ . . . τὰ ἔσπυρα τοῦ π. οἱ δορυφόροι  
 προΐθισαν  
 9. 9. καρτερήσεις . . . βάσανον διὰ πυρός [B<sup>2</sup> om.  
 διὰ π.]  
 — 19. B ταῦτα λέγοντι πῦρ ὑπέστρωσαν [Α B al.]  
 — 22. ὥσπερ ἐν πυρὶ μετασχημαζόμενος  
 10. 14. οὐχ οὕτω καυστικότερον ἔχετε κατ' ἐμοῦ  
 τὸ πῦρ  
 11. 18. B ὑπεκαίειν πυρὶ [Α B om.]  
 — 26. τὸ π. σου ψυχρὸν ἦμῖν  
 12. 12. ταμεινέται σε . . . πυκνότερῳ καὶ αἰωνίῳ π.  
 13. 5. οἱ τῶν μὲν διὰ πυρός ἀληθύνων οὐκ ἐπεστρά-  
 φησαν  
 14. 9. Α Β καὶ τούτω ταῖς διὰ πυρός [B τοῦ π.]  
 δύναται  
 — 10. Α Β ἡ τοῦ π. οὐσα [B οὐ. ἡ τ. π.] δύναμις  
 15. 15. τὰς σάρκας . . . περὶ τὸ π. τηκομένας  
 16. 3. ἡ Μ. ἐκφλεγόμενη κάμνον λαβροτάτῳ π.  
 — 21. εἰς κάμνον πυρός ἀπέσφενδονήθησαν  
 18. 12. τοὺς ἐν πυρὶ Ἄν. καὶ Ἀζ. καὶ Μισ.  
 — 14. κἂν διὰ πυρός διέλθῃς  
 — 20. πῦρ φλέξας [B<sup>1</sup> σβέσας]  
 [Aq. Lx. 2. 14: Dt. 88. 2: Jb. 1. 16: 20.  
 26: 41. 10, 11: Ps. 103 (104). 4: 117 (118).  
 12: Ca. 8. 6: Is. 54. 16: 66. 15: Jc. 6.  
 23: 51 (28). 58: Ez. 1. 27, 27 (P.): 24.  
 12: 28. 16: Da. 8. 23: Za. 3. 2.]  
 [Bm. Lx. 2. 14: IV Ki. 16. 3: 23. 10: Jb.  
 20. 26 (P.): 41. 11: Ps. 17 (18). 14: 38  
 (89). 4: 88 (89). 47: 117 (118). 12: Pr.  
 26. 20: Is. 9. 5 (4): 31. 9: 54. 16: 64.  
 2 (1): 66. 15: Jc. 51 (28). 58: Am. 1. 14:  
 Za. 3. 2.]  
 [Th. Lx. 2. 3: 24. 9: Jd. 15. 14: Jb. 1. 16:  
 20. 26: 22. 20: 41. 11: Ps. 17 (18). 14:  
 Pr. 16. 27: Is. 30. 27: 54. 16: 64. 3 (1)  
 6: 66. 15: Jc. 17. 4 (Sw.): 39 (46). 8:  
 48 (31). 45: 61 (28). 58: Ez. 1. 27, 27 (P.):  
 20. 31 (Sw.): Da. 8. 21, 22†, (88): 7. 9, 10:  
 Am. 1. 14.]  
 [Al. Lx. 6. 17 (10): 7. 35: Nu. 16. 18: 31.  
 23: IV Ki. 1. 12: Jb. 1. 16: Ps. 45 (46).  
 10: Ez. 20. 31.]  
 [Sext. Ca. 8. 6.]  
 [Heb. Ez. 20. 47 (21. 3).]  
 πυρά.  
 Ju. 7. 5. Α Β B<sup>2</sup> καὶ ἀνακαύσαντες πυράς  
 Wi. 17. 6. διεφάνητο δ' αὐτοῖς μόνον αὐτομάτῃ πυρὰ  
 φάβου πλήρης  
 Si. 51. 4. Α Β S ἀπὸ πηγῆς πυρᾶς [B -ὅς] κυκλόθεν  
 I Ma. 12. 28. καὶ ἀνέκασαν πυράς  
 II Ma. 1. 22. ἀνήρθη π. μεγάλη  
 7. 5. τῇ π. προσάγειν ἐμπύρουν  
 10. 36. καὶ πυρὰς ἀνάψαντες  
 IV Ma. 17. 1. ταύτην ἔρριψε κατὰ τῆς π.  
 [Th. Is. 80. 33.]  
 [Al. Nu. 19. 6.]  
 πυραμῖς.  
 I Ma. 13. 28. ἔστησεν ἐπτά πυραμίδας  
 πυργόβαρις. (1) 𐤏𐤃𐤁𐤁  
 Ps. 121 (122). 7. καὶ εὐθνήα ἐν ταῖς [B<sup>1</sup> τοῖς]  
 π. σου (1)  
 πύργος. (1) 𐤏𐤃𐤁𐤁 (2) 𐤏𐤃𐤁𐤁 (3) 𐤏𐤃𐤁𐤁  
 Ge. 11. 4. οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοῖς . . . πύργον (1)  
 — 5. κατέβη κύριος ἰδεῖν . . . τὸν π. (1)  
 — 8. ἐπαύσαντο οἰκοδομοῦντες . . . τὸν π.



Ge. 35. 16 (21). ἐπέκεινα τοῦ π. Γαδὲρ (1)  
 Jd. 8. 9. κατακάψω τὸν π. τοῦτον (1)  
 — 17. τὸν π. φ. κατέστρεψε [Δ-έσκαψεν] (1)  
 9. 46, 47. Δ Β πάντες οἱ ἄνδρες πύργου [Β-ων] Σ. (1)  
 — 49. πάντες οἱ ἄνδρες πύργου Σ. (1)  
 — 51. π. ἰσχυρὸς ἦν [Δ-ἦν ὑψηλός] (1)  
 — 51. ἀνέβησαν ἐπὶ τὸ δῶμα τοῦ π. (1)  
 — 52. ἦλθεν Ἀβ. ἕως τοῦ π. (1)  
 — 52. ἕως τῆς θύρας τοῦ π. (1)  
 20. 38. Δ πύργον τοῦ καπνοῦ τῆς πόλεως [Β al.] (8)  
 — 40. Α δ π. ἤρξατο ἀναβαίνειν [Β al.] (8)  
 IV Kī. 9. 17. ἀνέβη ἐπὶ τὸν π. (1)  
 17. 9; 18. 8. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων (1)  
 I Ch. 27. 25. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν τῶν . . . ἐν τοῖς π. (1)  
 II Ch. 14. 7 (6). ποιήσωμεν . . . πύργους (1)  
 26. 9. φεκοδόμησαν Ὁς πύργους [Δ-ον] (1)  
 — 10. καὶ φεκοδόμησαν πύργους (1)  
 — 15. τοῦ εἶναι ἐπὶ τῶν π. (1)  
 27. 4; 32. 5. φεκοδόμησαν . . . πύργους (1)  
 I Es. 1. 55. τοὺς π. αὐ. ἐνεπύρισαν ἐν πυρὶ (1)  
 4. 4. κατεργάζονται . . . τοὺς π. (1)  
 Ne. 3. 1. ἕως πύργου τῶν ἐκατὸν ἠγίασαν ἕως πύργου Ἀναμ. (1, 1)  
 — 11. ἕως πύργου τῶν θανουρίμ (1)  
 — 19. μέτρον δευτέρον πύργου ἀναβάσιως (1)  
 — 25. δ π. ο. ἐξέχων ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ βασ. (1)  
 — 26. καὶ δ π. ο. ἐξέχων (1)  
 — 27. ἐξ ἐναντίας τοῦ π. τοῦ μεγάλου (1)  
 12. 38. Β<sup>3</sup> ὑπεράνω τοῦ π. τῶν θενουρίμ (1)  
 — 39. καὶ πύργῳ [Δ-ου] Ἀναμ. (1)  
 — 39. Β<sup>3</sup> ἀπὸ πύργου τοῦ Ἡρά [?] μηδ (1)  
 To. 13. 12. Β πάντες οἱ ἀνατρέποντες τοὺς π. σου — 16. καὶ οἱ π. καὶ οἱ προμαχώνες [Β al.] (1)  
 Ju. 1. 3. τοὺς π. αὐτοῦ ἔστησαν [Β-ῆς κατέστ.] (1)  
 — 14. ἐκράτισαν τῶν π. (1)  
 7. 5. Α Β Β<sup>3</sup> ἀνακαύσαντες πυρὰς ἐπὶ τοὺς π. αὐ. — 32. ἐπὶ τὰ τεῖχη καὶ τοὺς π. τῆς πόλεως αὐ. (1)  
 Ps. 47 (48). 12. διηγήσασθε ἐν τοῖς π. αὐτῆς (1)  
 60 (61). 3. πύργους ἰσχύος ἀπὸ προσώπου ἐχθροῦ (1)  
 Ca. 4. 4. ὡς πύργος Δαυὶδ τράχηλός σου (1)  
 7. 4 (5). ο. τράχηλός σου ὡς πύργος ἐλεφάντιος (1)  
 — 4 (5). μυκτὴρ σου ὡς πύργος τοῦ Λιβάνου (1)  
 8. 10. Α Β Β<sup>3</sup> μαστοὶ μου ὡς [Β om.] πύργοι (1)  
 Si. 49. 12. Α Β<sup>3</sup> φεκοδόμησαν πύργον [Β<sup>3</sup> Β Β<sup>3</sup> οἶκον] (1)  
 Mi. 4. 8. καὶ σὺ πύργους ποιμήνιοι αὐχμῶδης (1)  
 Za. 14. 10. καὶ ἕως τοῦ π. Ἀν. (1)  
 Is. 2. 15. ἐπὶ πάντα πύργον ὑψηλόν (1)  
 5. 2. φεκοδόμησαν πύργον ἐν μέσῳ αὐτοῦ (1)  
 9. 10 (9). οἰκοδομήσωμεν ἑαυτοῖς πύργον (1)  
 10. 9. οὐ δ π. φεκοδομήθη (1)  
 29. 3. θῆσθε περὶ [Δ-ἐπὶ] σὲ πύργους (1)  
 30. 25. ὅταν πέσωσι πύργοι (1)  
 Je. 88 (91). 38. ἀπὸ πύργου Ἀναμὴλ (1)  
 Ez. 26. 4. καταβαλοῦσι [Δ-καθελ.] τοὺς π. σου — 9. τοὺς π. σου καταβαλεῖ (1)  
 27. 11. φύλακες ἐν τοῖς π. σου ἦσαν (1)  
 Da. LXX. 4. 26. ἐπὶ τῶν π. αὐ. διεπορεύετο (1)  
 I Ma. 1. 33. φεκοδόμησαν τὴν πόλιν Δ. . . π. ὄχυροὺς 4. 60. φεκοδόμησαν . . . π. ὄχυρους (1)  
 5. 5. Α Β συνεκλείσθησαν [Δ-διεκλ.] . . . εἰς τοὺς π. [Β ἐν τοῖς π.] (1)  
 — 5. ἐνεπύρισαν τοὺς π. αὐ. ἐν πυρὶ (1)  
 — 65. τοὺς π. αὐ. ἐνεπύρισαν (1)  
 6. 37. π. ξυλῖνοι ἐπ' αὐτοὺς [Β<sup>3</sup> al.] (1)  
 13. 33. Α καὶ περμετεῖχον π. ὑψηλοὺς . . . καὶ πύργους [Β Β om. κ. π.] (1)  
 — 43. ἐπάταξε π. ἕνα (1)  
 16. 10. ἔφθον ἐἰς τοὺς π. (1)  
 II Ma. 10. 18. συμφυγόντων δὲ . . . εἰς δύο πύργους ὄχυρους (1)  
 — 20. ὑπὸ τῶν τῶν ἐν τοῖς π. ἐπέσθησαν (1)  
 — 22. τοὺς δύο π. κατελάβετο (1)  
 — 36. ἐνεπύρισαν τοὺς π. (1)  
 18. 5. ἔστι δὲ ἐν τῷ τόπῳ πύργος (1)  
 14. 41. τῶν δὲ πληθῶν μελλόντων τὸν π. καταλαβεῖσθαι (1)  
 III Ma. 2. 27. ἐπὶ τοῦ κατὰ τὴν αὐλὴν π. (1)  
 IV Ma. 18. 6. Β Β προβλήτες λιμένων πύργοι [Δ al.] (1)  
 [Aq. Ge. 35. 21; Ps. 47 (48). 13; 60 (61). 4; Pr. 18. 10; Ez. 29. 10; 30. 6.] (1)  
 [Sm. Ps. 60 (61). 4; Ez. 29. 10; 30. 6.] (1)  
 [Th. Jd. 9. 46; Pr. 18. 10.] (1)

πυρεῖον, πυρίον. (1) ΠΗΠΩ  
 Ex. 27. 3. καὶ ποιήσεις . . . τὸ π. αὐτοῦ (1)  
 38. 22 (1). ἐποίησε . . . ἐκ τῶν π. τῶν χαλκῶν — 23 (3). ἐποίησε . . . τὸ π. αὐτοῦ (17)  
 — 24 (4). ἔργον δικτυωτὸν κάτωθεν τοῦ π. (1)  
 Le. 10. 1. λαβόντες . . . ἕκαστος τὸ π. αὐτοῦ (1)  
 16. 12. λήψεται τὸ π. (1)  
 Nu. 4. 14. καὶ τὰ π. καὶ τὰς κρεάγρας (1)  
 16. 6. λάβετε ὑμῖν αὐτοῖς πυρεῖα (1)  
 — 17. λάβετε ἕκαστος τὸ π. αὐτοῦ (1)  
 — 17. Α<sup>3</sup> Β προσάγετε . . . ἕκαστος τὸ π. αὐ. (1)  
 — 17. Α<sup>3</sup> Β πενήκοντα καὶ διακόσια π. (1)  
 — 17, 17 (18). Α<sup>3</sup> Β ἕκαστος τὸ π. αὐτοῦ (1)  
 — 37 (17. 2). ἀνέλθετε τὰ π. τὰ χαλκᾶ (1)  
 — 38 (17. 3). ἠγίασαν τὰ π. τῶν ἑμαρτωλῶν τούτων (1)  
 — 39 (17. 4). ἔλαβεν . . . τὰ π. τὰ χαλκᾶ (1)  
 — 46 (17. 11). λάβε τὸ π. (1)  
 IV Kī. 25. 15. καὶ τὰ π. καὶ τὰς φιάλας (1)  
 II Ch. 4. 11. ἐποίησεν Χ. . . τὰ π. — 21. καὶ τὰ π. χρυσῖον καθαρόν (1)  
 Si. 60. 9. ὡς πύρ καὶ λίβανος ἐπὶ πυρίου [Aq., Sm., Th. Ex. 25. 37 (38).] (1)  
 [Al. Nu. 16. 18.] (1)  
 πυρετός. (1) ΠΗΠΩ  
 De. 28. 22. ἐν ἀπορίᾳ καὶ πυρετῷ (1)  
 πυρίζειν (f), vid. συδ πυρίζειν.  
 πυρίκαυστος. (1) α. ΠΗ ΠΗΠΩ δ. ΠΗΠΩ  
 ΠΗ ΠΗΠΩ c. ΠΗ ΠΗΠΩ  
 Is. 1. 7. αἱ πόλεις ὑμῶν πυρίκαυστοι (1 a)  
 — 22. Α αἱ πόλεις ὑμῶν πυρίκαυστοι (1 b)  
 9. 5 (4). εἰ ἐγένοντο πυρίκαυστοι (1 c)  
 64. 11 (10). ἡ δόξα . . . ἐγενήθη π. (1)  
 πύρινος. (1) ΠΗ  
 Si. 48. 9. δ ἀναλφθῆς . . . ἐν ἀρματι ἵππων πυρίνων (1)  
 Ez. 28. 14. ἐγενήθη [Δ om.] ἐν μέσῳ λίθων π. (1)  
 — 16. ἡγάγε σε τὸ χερ. ἐκ μέσου λίθων π. (1)  
 [Sm. Dt. 33. 2; Ps. 103 (104). 4; Ca. 8. 6.] (1)  
 πυρίον, vid. συδ πυρίον.  
 πυρίπνοος.  
 III Ma. 6. 34. Β τὴν π. τόλμαν ἀκλεῶς ἐσβεσμένοι [Δ al.] (1)  
 πυρισμός. (1) ΠΗ  
 Jo. 6. 23 (24). Β ἐνεπύρησθη ἐν πυρισμῷ [Δ Β al.] (1)  
 πυριφλεγής.  
 Wi. 18. 3. πυριφλεγὴ στυλὸν . . . παρέσχες (1)  
 III Ma. 3. 29. πᾶς δὲ τόπος . . . π. γινέσθω (1)  
 πυρόβολον.  
 I Ma. 6. 51. ἔστησαν ἐκεῖ . . . πυρόβολα (1)  
 πυρογενής.  
 Wi. 17. 5. Β<sup>3</sup> οὐτε πυρογενεῖς [Δ Β Β<sup>3</sup> om.] δστων ἑκλαμπροὶ φλόγες (1)  
 πυρόν, πυρόν.  
 [Aq. Ex. 29. 18; 30. 20; Le. 2. 3, 9, 16; 3. 9; 24. 9; Dt. 18. 1.] (1)  
 [Sm. Le. 3. 9.] (1)  
 [Th. Ex. 29. 18; 30. 20; Le. 2. 3, 9, 16; 3. 9.] (1)  
 [Al. Le. 3. 11, 16; 7. 25, 30; 8. 21; 21. 6, 21; 22. 27; 28. 8, 13.] (1)  
 πυρόπνοος.  
 III Ma. 6. 34. Α πυρόπνοον τόλμαν ἀκμαῖως ἐσβεσμένοι [Β al.] (1)  
 πυρός. (1) ΠΗ (2) α. ΠΗΠΩ δ. ΠΗΠΩ  
 Ge. 30. 14. ἐν ἡμέραις θερσμοῦ πυρῶν (2 a)  
 Ex. 9. 32. ο. δὲ π. καὶ ἡ ὀλύρα οὐκ ἐπλήγησαν (2 a)  
 29. 2. σεμίδαλιν ἐκ πυρῶν ποιήσεις αὐτά (2 a)  
 34. 22. ἀρχὴν θερσμοῦ πυροῦ [Δ-ων] (2 a)  
 De. 8. 8. γῆ πυροῦ καὶ κριθῶν (2 a)  
 32. 14. μετὰ στίσας νεφρῶν πυροῦ (2 a)  
 Jo. 3. 15. ὥστε ἡμέραι θερσμοῦ πυρῶν (2 a)  
 Jd. 6. 11. Α ἐράβδιν ἐν πυρὶ [Β al.] (2 a)  
 15. 1. ἐν ἡμέραις θερσμοῦ πυρῶν (2 a)  
 Ru. 2. 23. τὸν θερσμόν . . . τῶν π. (2 a)  
 I Kī. 6. 13. ἐθέρizon θερσμόν πυρῶν (2 a)

I Kī. 12. 17. οὐχὶ θερσμός πυρῶν σήμερον (2 a)  
 II Kī. 4. 6. ἐκάθαιρε πυροῦς (2 a)  
 17. 28. καὶ πυροῦς καὶ κριθᾶς (2 a)  
 24. 15. ἡμέραι θερσμοῦ πυρῶν — (2 a)  
 III Kī. 5. 11 (25). ἑκοσι χιλιάδας κόρους πυροῦ (2 a)  
 I Ch. 21. 20. Ὅρνα ἦν ἀλοῶν πυροῦς (2 a)  
 II Ch. 2. 10 (9). Α Β κόρων πυροῦ [Β om.] (2 a)  
 — ἑκοσι χιλιάδας (2 a)  
 27. 5. δέκα χιλιάδας κόρων πυροῦ (2 a)  
 I Es. 6. 30. πυρὸν καὶ ἄλα καὶ οἶνον (2 a)  
 8. 20. ἕως πυροῦ κόρων ἐκατὸν (2 a)  
 II Es. 6. 9. πυροῦς ἄλας οἶνον (2 b)  
 7. 22. ἕως πυροῦ κόρων ἐκατὸν (2 b)  
 Ne. 13. 12. ἤνεγκαν δεκάτην τοῦ [Δ om.] π. (1)  
 Ju. 2. 27. ἐν ἡμέραις θερσμοῦ πυρῶν (1)  
 3. 3. Α Β καὶ πᾶν πεδίον πυρῶν (2 a)  
 Jb. 31. 40. ἀντὶ πυροῦ ἄρα ἐξέλθοι μοι κνὴθ (2 a)  
 Ps. 80 (81). 16. ἐψώμασεν αὐτοὺς ἐκ στίσας πυροῦ (2 a)  
 147. 3 (14). καὶ στίερα πυροῦ ἐμπιπλῶν σε (2 a)  
 Si. 39. 26. Β Β ἄλα καὶ σεμίδαλις πυροῦ [Δ Β-όν] (2 a)  
 J1. 1. 11. θρηγνίτε κτήματα ὑπὲρ πυροῦ (2 a)  
 Is. 28. 25. πάλιν σπείρει [Δ om.] πυρόν (2 a)  
 Je. 12. 13. σπείρατε πυροῦς (2 a)  
 48 (41). 8. εἰσὶν ἡμῖν θησαυροὶ ἐν ἀργῷ πυροὶ καὶ κριθαί (2 a)  
 Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυροῦς (2 a)  
 45. 13. ἀπὸ τοῦ γομφίου τοῦ π. (2 a)  
 [Aq. III Kī. 5. 11 (25); Je. 41 (48). 8.] (1)  
 [Sm. Ps. 77 (78). 24; Je. 41 (48). 8.] (1)  
 πυροῦν. (1) ΠΗ (2) ΠΗΠΩ ni. (3) ΠΗΠΩ  
 α. qal. δ. ni. (4) ΠΗΠΩ  
 II Kī. 22. 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταῖον πεπρωμ. (3 a)  
 Ju. 8. 27. καθὼς ἐκείνους ἐπύρωσεν (3 a)  
 Es. 5. 1. τὸ πρόσωπον αὐτοῦ πεπρωμένον [Β<sup>3</sup> —πληρωμένη] δόξη (3 a)  
 Jb. 22. 25. καθαρὸν δὲ ἀποδώσει σε ὥσπερ ἀργύριον πεπρωμένον (4)  
 Ps. 11 (12). 6. ἀργύριον πεπρωμένον δοκίμον (3 a)  
 16 (17). 3. ἐπύρωσάς με (3 a)  
 17 (18). 30. τὰ λόγια κυρίου πεπρωμένα (3 a)  
 25 (26). 2. πύρωσόν τοὺς νεφροὺς μου (3 a)  
 65 (66). 10. ἐπύρωσας ἡμᾶς ὡς πυροῦται τὸ ἀργύριον (3 a, 3 a)  
 104 (105). 19. τὸ λόγιον τοῦ κ. ἐπύρωσεν αὐτόν (3 a)  
 — 20 (19). Β<sup>3</sup> τὸ λόγιον τοῦ κ. ἐπύρωσεν αὐτόν — 118 (119). 140. πεπρωμένον τὸ λόγιόν σου σφόδρα (3 a)  
 Pr. 10. 20. ἀργυρὸς πεπρωμένος [Δ πεπωρ.] (3)  
 γλῶσσα δικαίου (3)  
 24. 28 (30. 5). πάντες γὰρ λόγοι θεοῦ πεπρωμένοι (3 a)  
 Ec. 12. 11. Α Β ὡς ἥλοι πεπρωμένοι [Β πεφω-τεμένω] (1)  
 Za. 18. 9. πυρώσω αὐτοὺς ὡς πυροῦται τὸ ἀργύριον (3 a, 3 a)  
 Is. 1. 25. πυρώσω [Δ Β add. σε] εἰς καθαρὸν (3 a)  
 Je. 9. 7 (6). πυρώσω αὐτοὺς καὶ δοκιμῶ αὐτοὺς (3 a)  
 La. 4. 7. ἐπυρώθησαν [Δ ἐτυρ.] ὑπὲρ λίθους σαπφείρου (1)  
 Da. TH. 11. 35. τοῦ πυρᾶσθαι αὐτοὺς (3 a)  
 12. 10. καὶ πυρῶσθαι καὶ ἀγιασθῆναι πολλοὶ (3 b)  
 II Ma. 4. 37. πυρῶσθαι τοῖς θυμοῖς (3 a)  
 10. 3. πυρῶσαντες λίθους (3 a)  
 — 35. πυρῶσθαι τοῖς θυμοῖς (3 a)  
 14. 45. πεπρωμένοι τοῖς θυμοῖς (3 a)  
 III Ma. 4. 2. στεναγμοῖς πεπρωμένης τῆς . . . καρδίας (3 a)  
 IV Ma. 9. 17. πυροῦτε τὰς σάρκας (3 a)  
 11. 19. ὀβελίσκους ὀξεῖς πυρῶσαντες (3 a)  
 [Aq. Jd. 7. 4; Is. 1. 25; Je. 6. 29.] (1)  
 [Sm. Is. 1. 25; Je. 6. 29.] (1)  
 [Th. Jd. 7. 4; Is. 1. 25.] (1)  
 πυροφόρος.  
 Ob. 1. 18. οὐκ ἔσται πυροφόρος [Δ Β<sup>3</sup> πυρφ.] (1)  
 τῷ οἴκῳ Ἡ. (1)  
 πυρπνέιν (f).  
 Wi. 11. 18. Β ἦτοι πυρπνέον [Δ Β-όν] φυνώσας δσθμα (2 a)





P

**ράβιά.** (1) רָבִיָּא  
 Je. 52. 7. B ὁδὸν εἰς ρ. [A B al.] (1)  
**ραββίμ.**  
 [Aq. E. 41 (48). 12.]  
**ραβδίλειν.** (1) רָבִיָּא  
 Jd. 6. 11. Γ. ὁ υἱὸς αὐτ. ραβδίλειν σίτον [A ἐράβ-  
 διειν πυρρός] (1)  
 Ru. 2. 17. ἐρράβιδισεν δὲ συνέλεξε  
 [Aq. Dt. 24. 22 (20): Is. 27. 12: 28. 27.]  
 [Sm., Th. Is. 27. 12.]  
 [Al. Is. 28. 27.]  
**ραβδίων.**  
 Ez. 21. 21 (26). Α. τοῦ ἀναβράσαι ραβδία [B -δον] +  
 [Aq. Is. 11. 1.]  
 [Th. Fr. 14. 3.]  
**ράβδος.** (1) רָבִיָּא (2) רָבִיָּא (3) רָבִיָּא  
 (4) רָבִיָּא (5) רָבִיָּא (6) רָבִיָּא (7) רָבִיָּא  
 Ge. 30. 37. ἔλαβε δὲ ἑαυτῷ ἰ. ρ. στυρακίνην  
 χλωρὰν (8)  
 — 37. B ἐφαίνετο ἐπὶ ταῖς [A τοῖς] ρ. τὸ λευ-  
 κόν (8)  
 — 38. παρέθηκε τὰς ρ. (8)  
 — 38. ἐνόησαν τῶν ρ. ἐλθόντων αὐτῶν +  
 — 38. ἐγκοσμήσασιν τὰ πρόβατα εἰς τὰς ρ. +  
 — 39. ἐνέκισσαν τὰ πρόβατα εἰς τὰς ρ. (8)  
 — 41. ἔθηκεν ἰ. τὰς ρ. ἐναντίον τῶν προβάτων +  
 — 41. τοὺ ἐγκοσμήσας αὐτὰ κατὰ τὰς ρ. (8)  
 32. 10 (11). ἐν γὰρ τῇ ρ. μου δίδωμι τὸν ἴορδ.  
 τοῦτον (8)  
 38. 18. καὶ τὴν ρ. τὴν ἐν τῇ χειρὶ σου  
 — 25. ἐπίγρωθι τίνος... ἡ ρ. αὐτῇ (8)  
 47. 31. προσεκύνησεν ἰσρ. ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς ρ. αὐτ. +  
 Ex. 4. 2. ὁ δὲ εἶπε, ῥάβδος (2)  
 — 4. καὶ ἐγένετο ῥάβδος ἐν τῇ χειρὶ αὐτ. (2)  
 — 17. τὴν ρ. ταύτην τὴν στυρακίαν εἰς ὄφιν (2)  
 — 20. ἔλαβε δὲ M. τὴν ρ. τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ (2)  
 7. 9. λάβε τὴν ρ. (2)  
 — 10. ἔρριψεν Ἄ. τὴν ρ. (2)  
 — 12. ἔρριψαν ἑκάστος τὴν ρ. αὐτ. (2)  
 — 12. κατέπιεν ἡ ρ. ἡ Ἄ. τὰς ἐκείνων ρ. (2, 2)  
 — 15. τὴν ρ. τὴν στυρακίαν εἰς ὄφιν (2)  
 — 17. τυπτο τῇ ρ. τὴν ἐν τῇ χειρὶ μου (2)  
 — 19. λάβε τὴν ρ. σου (2)  
 — 20. ἔπρασ τῇ ρ. [A Ἄ. τὴν ρ. αὐτ.] (2)  
 8. 5 (1), 16 (12). ἔκεινον τῇ χειρὶ τὴν ρ. σου  
 — 17 (13). ἔξετεινεν οὖν Ἄ. τῇ χειρὶ τὴν ρ. (2)  
 10. 13. ἔπληρε M. τὴν ρ. (2)  
 14. 16. ἔπαρον τῇ ρ. [A τὴν ρ.] σου (2)  
 17. 5. καὶ τὴν ρ. ... λάβε (2)  
 — 9. καὶ ἡ ρ. τοῦ θεοῦ ἐν τῇ χειρὶ μου (2)  
 21. 19. περιπατήσῃ ἔξω ἐπὶ ῥάβδου (4)  
 — 20. εἰν δὲ τις πατάξῃ τὸν παῖδα αὐτ. ... ἐν  
 ῥάβδῳ (6)  
 Le. 27. 32. ὁ εἰς ἔλθῃ ἐν τῷ ἀριμνῷ ὑπὸ τὴν ρ. (6)  
 Nu. 17. 2 (17). λάβε παρ' αὐτῶν ῥάβδον ῥάβ-  
 δον κατ' οἶκους πατρῴων ... δώδεκα  
 ῥάβδους (2 ter)  
 — 2 (17). ἐκάστος τὸ ὄνομα αὐτ. ἐπίγραψον  
 ἐπὶ τῆς ρ. (2)  
 — 3 (18). τὸ δν. Ἄ. ἐπίγραψον ἐπὶ τῆς ρ. Ἄ. (2)  
 — 3 (18). ἔστι γὰρ ρ. μία (2)  
 — 5 (20). ἡ ρ. αὐτ. ἐκθλαστήσῃ (2)  
 — 6 (21). ἔδωκαν αὐτῶν... ῥάβδον τῷ ἀρχοντὶ  
 τῷ ἐνὶ ῥάβδον κατ' ἀρχοντα ... δώ-  
 δεκα ῥάβδους (2 ter)  
 — 6 (21). ἡ ρ. Ἄ. ἀνὰ μέσον τῶν ρ. αὐτ. (2, 2)  
 — 7 (22). ἀπέθηκε M. τὰς ρ. ἑναντι κυρίου (2)  
 — 8 (23). ἐθλάστησεν ἡ ρ. Ἄ. (2)  
 — 9 (24). ἐξήνεγκε M. πάσας τὰς ρ. (2)  
 — 9 (24). Α. B. ἔλαβον [B ἔβαλον] ἑκάστος  
 τὴν ρ. αὐτ. (2)  
 — 10 (25). ἀπέθεκε τὴν ρ. Ἄ. (2)  
 20. 8. λάβε τὴν ρ. σου (2)

Nu. 20. 9. ἔλαβε M. τὴν ρ. τὴν ἀπέναντι κυρίου (2)  
 — 11. ἐπάταξε τὴν πέτραν τῇ ρ. δις (2)  
 22. 23. Α. B. ἐπάταξε τὴν θύον ἐν [B om.] τῇ ρ. —  
 — 27. ἔτυπτε τὴν θύον τῇ ρ. (8)  
 Jd. 5. 14. ἐν ῥάβδῳ διηγήσεως γραμματέως  
 [A al.] (6)  
 6. 21. ἐξετίεινεν... τὸ ἄκρον τῆς ρ. (4)  
 I Ki. 17. 43. σὺ ἔρχῃ ἐπ' ἐμέ ἐν ῥάβδῳ (8)  
 II Ki. 7. 14. ἐλέγχεσθε αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ ἀνδρῶν (8)  
 28. 21. B κατέβη πρὸς αὐτὸν ἐν ῥάβδῳ [B τῷ  
 δόρατι] (6)  
 III Ki. 8. 1. Α. σὺν πάσας κεφαλὰς τῶν ρ. (2)  
 IV Ki. 18. 21. πέποιθας σταντῶ ἐπὶ τὴν ρ. τὴν  
 καλαμίνην (4)  
 I Ch. 11. 23. κατέβη ἐπ' αὐτὸν B. ἐν ῥάβδῳ (6)  
 To. 5. 17. οὐχὶ ἡ [B αὐτὸς] ρ. τῆς χειρὸς ἡμῶν  
 ἔστιν (6)  
 Es. 4. 11. ὃ ἐκτείνει ὁ βασιλ. τὴν χρυσὴν ρ. (7)  
 5. 2. ἄρας τὴν χρυσὴν ρ. (7)  
 8. 4. ἐξετίεινεν δὲ... τὴν ρ. τὴν χρυσὴν (7)  
 Jb. 9. 34. ἀπαλαξάτω ἀπ' ἐμοῦ τὴν ρ. (6)  
 Ps. 2. 9. ποιμαίνει αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ σιδηρᾷ (6)  
 22 (23). 4. ἡ ρ. σου καὶ ἡ βακτηρία σου αὐταὶ  
 [A αὐτὰ] με παρεκάλεσαν (6)  
 44 (45). 6. ῥάβδος ἐλθιτοῦ ἡ ρ. τῆς βασι-  
 λείας σου (6, 6)  
 73 (74). 2. ἐλυτρώσω ῥάβδον κληρονομίας σου (6)  
 88 (89). 32. ἐπισκέψομαι ἐν ῥάβδῳ τὰς ἀνο-  
 μίας αὐτῶν (6)  
 109 (110). 2. ῥάβδον δυνάμεως ἐξαποστελεῖ (2)  
 124 (125). 3. οὐκ ἀφήσει κύριος τὴν ρ. τῶν  
 ἀμαρτωλῶν (6)  
 Pr. 10. 13. ῥάβδῳ τυπτεῖν ἄνδρα ἀκάρδιον (6)  
 22. 15. ῥάβδος δὲ καὶ παιδεία μακρὰν ἀπ' αὐτοῦ (6)  
 23. 13. εἰν πατάξῃς αὐτὸν ῥάβδῳ (6)  
 — 14. σὺ μὲν γὰρ πατάξεις αὐτὸν ῥάβδῳ (6)  
 26. 3. οὕτως ῥάβδος ἔθνης παρανομῶν (6)  
 Si. 30. 33 (38. 24). ῥάβδος καὶ φορτία ὄνῃ (6)  
 Ho. 4. 12. ἐν ῥάβδοις αὐτ. ἀπηγγέλλων αὐτῷ (6)  
 Mi. 5. 1 (4. 14). ἐν ῥάβδῳ πατάξουσιν (6)  
 7. 14. ποιμαίνει λαόν σου ἐν ῥάβδῳ σου (6)  
 Na. 1. 13. συντρίψω τὴν ρ. αὐτ. ἀπὸ σοῦ +  
 Za. 8. 4. ἑκάστος τὴν ρ. αὐτ. ἔχων (4)  
 11. 7. λήψομαι ἑμαυτῷ δύο ῥάβδους (3)  
 — 10. λήψομαι τὴν ρ. μου τὴν καλὴν (3)  
 — 14. ἀπερίφηρα τὴν ρ. τὴν δευτέραν (3)  
 Is. 9. 4 (3). καὶ ἡ ρ. ἡ ἐπὶ τοῦ τραχήλου αὐτῶν  
 τὴν γὰρ ρ. τῶν ἀπεισιγμένων διεσκέ-  
 δασεν (2, 6)  
 10. 5. ἡ ρ. τοῦ θυμοῦ μου (6)  
 — 15. ὥς ἂν τις ἄρῃ ῥάβδον (6+2)  
 — 24. ἐν ῥάβδῳ πατάξει σε (6)  
 11. 1. ἐξελευσεται ρ. ἐκ τῆς ῥίξης Ἰεσσαί (1)  
 28. 27. ῥάβδῳ τινάσσεται τὸ μελάνθιον (2)  
 38. 6. πεποιθὼς εἶ ἐπὶ τὴν ρ. τὴν καλαμίνην  
 τὴν τεθλασμένην ταύτην (4)  
 Je. 31 (48). 17. συνετριβήσιν βακτηρία εὐκλεῖς ρ.  
 μεγαλόματις (3)  
 La. 3. 1. ἐν ῥάβδῳ θυμοῦ αὐτοῦ ἐπ' ἐμέ (3)  
 Ez. 7. 10. εἰ καὶ ἡ ρ. ἡνθικῇ (2)  
 19. 11. ἐγένετο αὐτῇ [A -νοτι αὐτῇ] ρ. (2)  
 — 12. ἐξήρανη ἡ ρ. ἰσχυρός αὐτῆς (2)  
 — 14. ἐξήλαθε πῦρ ἐκ ῥάβδου ἐκλεκτῶν αὐτῆς  
 ... οὐκ ἦν ἐν αὐτῇ ρ. ἰσχυρός (2, 2)  
 20. 37. διάξω ὑμᾶς ὑπὸ τὴν ρ. μου (6)  
 21. 21 (26). τοῦ ἀναβράσαι ῥάβδον [A -δία] +  
 29. 6. ἐγενήθη ρ. καλαμίνην (4)  
 37. 16. λάβε σεαυτῷ ῥάβδον... ῥάβδον δευ-  
 τέραν λήψῃ σεαυτῷ... ῥάβδον  
 ἑφθάρμυ (5 ter)  
 — 17. συνάψῃς αὐτὰς πρὸς ἀλλήλας σεαυτῷ  
 εἰς ῥάβδον μίαν (6)  
 — 19. ἔσονται εἰς ῥάβδον μίαν (6)  
 — 20. ἔσονται αἱ ρ. ... ἐν τῇ χειρὶ σου (6)  
 89. 9. ῥάβδοις χειρῶν καὶ λόγχαις (8)  
 Da. LXX. Bel 25. ἀνέλω τὸν δράκοντα ἀνευ...  
 ῥάβδου

Da. TH. Bel 26. ἀποκτενῶ τὸν δράκοντα ἀνευ...  
 ῥάβδου  
 [Aq. Nu. 1. 21, 47: III Ki. 8. 1: Ps. 78 (74).  
 2: Jb. 10. 16: Ez. 4. 16: 7. 11: Za. 11. 10.]  
 [Sm. Gr. 30. 41: Jd. 5. 14: I Ki. 14. 27: Is.  
 10. 24: 14. 5: Jb. 51 (28). 19.]  
 [Th. Ge. 47. 31: Nu. 21. 18: Jd. 5. 14: Pr.  
 10. 13: Jb. 10. 16: Ez. 7. 10: 21. 10 (15).]  
 [Al. Le. 26. 13, 26.]  
**ραβομόν, ραβσαρί.**  
 [Sm., Th. Jb. 39 (46). 13.]  
**ραβώθ.** (1) רָבִיָּא  
 IV Ki. 25. 5. Α. ἐν ρ. Ἰερ. [B al.] (1)  
**ραγάς.** (1) רָבִיָּא  
 Is. 7. 19. εἰς τὰ σπήλαια καὶ εἰς [A B σπ. ἐπὶ]  
 πᾶσαν γαγάδα (1)  
**ράγμα.** (1) רָבִיָּא  
 Am. 6. 12 (11). πατάξει... τὸν οἶκον τὸν μικρὸν  
 ῥάγμασιν [A ῥήγμασιν] (1)  
**ράδαμος.** (1) רָבִיָּא (2) רָבִיָּא  
 Jb. 8. 16. ἐκ σαπρίας αὐτοῦ ὁ ρ. αὐτοῦ ἐξελεύ-  
 σεται (1)  
 14. 7. ὁ ρ. αὐτοῦ οὐ μὴ ἐκλείπῃ (1)  
 15. 32. ὁ ρ. αὐτοῦ οὐ μὴ πυκνάσῃ (2)  
 40. 17 (22). σκιάζονται δὲ ἐν αὐτῷ δένδρα  
 μεγάλα σὺν ῥαδάμοις [B ῥάμοις] +  
**ράδιος.**  
 II Ma. 2. 26. καὶ ἡμῖν μὲν... οὐ ῥάδιον  
 4. 17. ἀσεβείν γὰρ εἰς τοὺς θεοὺς νόμους οὐ  
 ῥάδιον  
**ραθέμ.**  
 [Heb. III Ki. 19. 5.]  
**ραθυμ.** (1) רָבִיָּא  
 III Ki. 19. 4. ἐκάθισεν ὑποκάτω ρ. [A ῥαμάθ] (1)  
**ραθυμείν.** (1) רָבִיָּא hithpa.  
 Ge. 42. 1. ἵνα τί ῥαθυμεῖτε (1)  
 Ju. 1. 16. Α. B. B. καὶ ἦν ἐκεῖ ῥαθυμῶν  
 Si. 35 (32). 11. καὶ μὴ ῥαθυμῇ [A ἀθ.] (2)  
 II Ma. 6. 4. ὑπὸ τῶν ἐθνῶν ἐπεπληρώτω ῥαθυμούμενον  
**ραθυμία.**  
 III Ma. 4. 8. ἀντὶ εὐωχίας καὶ νεωτερικῆς ρ.  
**ραίνειν, ρανίζειν.** (1) רָבִיָּא (2) רָבִיָּא hi.  
 (3) רָבִיָּא  
 Ex. 29. 21. καὶ ῥανεῖς ἐπὶ Ἄ. (2)  
 Le. 4. 17. καὶ ῥανεῖ ἐπτάκις ἑναντι κυρίου (2)  
 5. 9. ῥανεῖ ἀπὸ τοῦ αἵματος (2)  
 8. 11. ἔρρανεν ἀπ' αὐτοῦ ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον  
 14. 16. ῥανεῖ [A -κεῖ] τῷ δακτύλῳ ἐπτάκις  
 — 27. ῥανεῖ ὁ ἱερεὺς τῷ δακτύλῳ τῷ δεξιῷ (2)  
 16. 14. ῥανεῖ τῷ δακτύλῳ ἐπὶ τὸ λαοστήριον  
 — 14. κατὰ πρόσωπον τοῦ λαοστήριου ῥανεῖ  
 ἐπτάκις (2)  
 — 15. ῥανεῖ τὸ αἷμα αὐτ. ἐπὶ τὸ λαοστήριον (2)  
 — 19. ῥανεῖ ἐπ' αὐτὸ ἀπὸ τοῦ αἵματος (2)  
 Nu. 19. 4. ῥανεῖ ἀπέναντι τοῦ προσώπου τῆς  
 σπηρῆς (2)  
 Is. 45. 8. αἱ νεφέλαι ῥαντίσωσαν [A ῥανίειν].  
 δικαιοσύνην (1)  
 Ez. 36. 25. ῥανώ ἐφ' ὑμᾶς ὕδωρ καθαρὸν  
 [Th. Le. 8. 11.]  
 [Al. Jb. 26. 8.]  
**ράκος.** (1) רָבִיָּא (2) רָבִיָּא  
 Es. 4. 17. βδελύσσομαι αὐτὸν ὡς ῥάκος καταμνηρῶν  
 Is. 64. 6 (5). ὡς ρ. ἀποκαθήμενης πᾶσα ἡ δικαιο-  
 σύνη ἡμῶν (1)  
 Je. 45 (38). 11. ἔλαβεν ἔκειθεν παλαιὰ ῥάκη  
 [Th. Jb. 38 (45). 12.] (2)

|   |   |  |
|---|---|--|
| <p><b>ρακάδης.</b> (1) רַאָדָה<br/>Pr. 23. 21. ἐνδύσεται διεργηγμένα καὶ ρακάδῃ (1)</p> <p><b>ραμά.</b> (1) רַמָּה<br/>Za. 14. 10. ραμά δὲ ἐπὶ τόπου μινεῖ (1)</p> <p><b>ραμάθ.</b><br/>III Ki. 19. 4. Ἀ ἐκάθισεν ὑποκάτω ῥ. [B ραθμίν] †</p> <p><b>ράμμα.</b> (1) רַמָּה<br/>Jd. 16. 12. Ἀ ἔσπασεν αὐτὰ . . . ὡς ράμμα (1)<br/>[Aq. Ge. 14. 23.]</p> <p><b>ράμος.</b> (1) רַמֶּה<br/>Jd. 9. 14. εἶπαν πάντα τὰ ξύλα τῇ ῥ. [A al.] (1)<br/>— 15. εἶπεν ἡ ῥ. πρὸς τὰ ξύλα (1)<br/>— 15. Ἀ ἐξέλιθ πῦρ ἐκ τῆς ῥ. [B al.] (1)<br/>Jb. 40. 17 (22). S<sup>1</sup> σκιάσονται δὲ ἐν αὐτῷ δένδρα<br/>μεγάλα σὺν ῥάμοις [A B S<sup>1</sup> ραδάμοις] †<br/>Ps. 57 (58). 9. B S<sup>1</sup> πρὸ τοῦ συνειναι [B<sup>2</sup> B<br/>— 19. αἰ] τὰς ἀκάνθας ὑμῶν τὴν ῥ. [S<sup>2</sup><br/>τῇ ῥ.] (1)<br/>Ep. Je. 71. τὸν αὐτὸν τρόπον καὶ τῇ ἐν κίφῃ ῥ.<br/>[Aq. Th. Jd. 9. 14.]<br/>[Sm. Ps. 57 (58). 10.]<br/>[Al. Ge. 50. 10, 11.]</p> <p><b>ρανίς.</b><br/>Wi. 11. 22. ὡς ρανίς ὁρᾶσιν ὁρῶντή<br/><b>ρανίζειν.</b> (1) נָחַץ (2) נָחַץ<br/>Le. 6. 27 (20). δὲ ἐὰν ρανισθῇ ἐπ' αὐτό<br/>IV Ki. 9. 33. ἐρρανίσθη τοῦ αἵματος αὐ.<br/>Ps. 50 (51). 7. ραντίζει με ὑσώσῃ<br/>[Aq. Le. 8. 11; Is. 52. 15; 63. 3.]<br/>[Sm. Is. 63. 3.]<br/>[Th. Is. 52. 15.]</p> <p><b>ραντισμός.</b> (1) נָחַץ<br/>Nu. 19. 9. ὕδωρ ραντισμοῦ ἀγνισμᾶ ἐστι (1)<br/>— 13, 20. ὕδωρ ραντισμοῦ οὐ περιερρανίσθη (1)<br/>— 21. ὁ περιερραίνων ὕδωρ ραντισμοῦ (1)<br/>— 21. ὁ ἀπτόμενος τοῦ ὕδατος τοῦ ῥ. (1)<br/>Za. 13. 1. Ἀ S<sup>1</sup> καὶ εἰς τὸν ῥ. [B S<sup>1</sup> χωρισμόν] (1)<br/>[Aq. Za. 13. 1.]</p> <p><b>ραντός.</b> (1) רַנָּה (2) רַנָּה (3) σποδοειδής<br/>ραντός α. רַנָּה δ. נָחַץ<br/>Ge. 80. 32. B καὶ πᾶν διᾶλκεον καὶ ῥ. [A al.] (1)<br/>— 33. πᾶν δ' ἐάν μὴ ῥ. ραντὸν καὶ διᾶλκεον (1)<br/>— 35. διᾶλκεον . . . τοὺς τράγους τοὺς ῥ. . .<br/>καὶ πᾶσας τὰς αἰγὰς τὰς ῥ. (2, 1)<br/>— 39. ἔτικτον τὰ πρόβατα . . . σποδοειδῆ ραντὰ (3 δ)<br/>81. 10. καὶ ποικίλοι καὶ σποδοειδεῖς ραντοὶ (3 α)<br/>— 12. καὶ ποικίλοι καὶ σποδοειδεῖς ραντούς (3 α)<br/>[Bext. Ca. 1. 11.]</p> <p><b>ραπίζειν.</b><br/>Jd. 16. 25. B καὶ ἐρραπίζον αὐτόν<br/>I Es. 4. 31. ἐρραπίζει τὸν βασιλ. τῇ ἀριστερᾷ<br/>Ho. 11. 4. ὡς ραπίζων ἄνθρωπος ἐπὶ τὰς σια-<br/>γόνας αὐ.</p> <p><b>ραπίσμα.</b> (1) רַפִּיָּה<br/>Is. 50. 6. τὰς δὲ σαγόνας μου εἰς ραπίσματα (1)</p> <p><b>ραπίτειν.</b> (1) רַפִּיָּה<br/>Ge. 7. 9. ἐρραψαν φύλλα σκυῆς<br/>Jb. 16. 16 (15). σκύων ἐρραψαν ἐπὶ βύρσης μου<br/>[A S<sup>1</sup> al.] (1)<br/>Ec. 3. 7. καιρὸς τοῦ ράψαι<br/><b>ραπτός.</b> (1) נָחַץ<br/>Ez. 16. 16. ἐποίησας σεαυτῇ ἐῶδωλα ραπτά<br/><b>ρασεῖμ.</b> ρασίμ, ρασσεῖμ. (1) רַסִּיָּה (2) רַסִּיָּה<br/>IV Ki. 11. 4. Ἀ B τὸν ἐκατοντάρχου . . . τῶν<br/>[B τὸν] ῥ. (2)<br/>— 19. ἔλαβε . . . τὸν ῥ. (2)<br/>I Ch. 4. 14. Ἀ τὸν ἱ. πατέρα γῆς ῥ. [B al.] (1)<br/>[Th. IV Ki. 11. 4.]</p> <p><b>ράσσειν.</b> (1) רַסִּיָּה (2) רַסִּיָּה hi. (3) רַסִּיָּה ru.<br/>(4) רַסִּיָּה hoph.<br/>Ju. 9. 8. σὺ ράσῃς [S συνρ.] αὐτὸν τὴν ἰσχύν<br/>18. 10. B S<sup>1</sup> Μῆδοι τὸ ὄρατος αὐ. ἐρράχθησαν<br/>[A S<sup>1</sup> ἐταράχ.]</p> | <p>Is. 9. 11 (10). ράξει ὁ θεὸς τοὺς ἐπαρισταμένους †<br/>18. 16. τὰ τέκνα αὐ. ράξουσιν [S<sup>1</sup> om.] ἐνόπιοι<br/>αὐτῶν (8)<br/>Je. 28. 33. ράξω ὑμᾶς (1)<br/>— 39. λαμβάνω καὶ ράσσω ὑμᾶς (1)<br/>Da. LXX. 8. 10. ἐρράχθη ἐπὶ τὴν γῆν (2)<br/>— 11. τὰ δὲ τὰ ἀπ' αἰῶνος ἐρράχθη (4)<br/>Da. TH. 8. 11. B δι' αὐτὸν θυσία ἐρράχθη [A B<br/>ἐταράχθη] (4)</p> <p><b>ράσων.</b><br/>[Heb. Ma. 2. 13.]</p> <p><b>ραφά.</b> (1) נָחַץ (2) נָחַץ<br/>II Ki. 21. 16. δὲ ἦν ἐν τοῖς ἐγγόνους τοῦ ῥ. (2)<br/>— 18. ἐν τοῖς ἐγγόνους τοῦ ῥ. (2)<br/>— 20. καὶ γὰρ αὐτὸς ἐτέχθη τῷ ῥ. (2)<br/>— 22. ἐτέχθησαν . . . τῷ ῥ. (2)<br/>I Ch. 20. 8. B οὗτος ἐγένετο ῥ. [A B al.] (1)</p> <p><b>ραφαεῖμ.</b> ραφαῖμ.<br/>[Aq. Jb. 26. 5; Is. 14. 9; 26. 19.]<br/>[Th. Is. 14. 9.]<br/>[Al. I Ch. 11. 15; 14. 9.]</p> <p><b>ραφαεῖν.</b> ραφαῖν.<br/>[Aq. Jb. 26. 5; Pr. 9. 18; 21. 16; Is. 26. 14.]<br/>[Quint. Pr. 9. 18.]</p> <p><b>ραφιδευτής.</b> (1) נָחַץ<br/>Ex. 27. 16. καὶ βύσσου κεκλωσμένης τῇ ποικιλίᾳ<br/>τοῦ ῥ. (1)</p> <p><b>ραφιδευτός.</b> (1) נָחַץ<br/>Ex. 37 (38). 23. τὰ ὑφάντα καὶ τὰ [A om.] ῥ. (1)</p> <p><b>ράχις.</b> (1) נָחַץ<br/>I Ki. 5. 4. ἡ ῥ. Δαγῶν ὑπελείφθη<br/>— 5. Ἀ πλὴν ἡ ῥ. Γαζέ (1)<br/>Jb. 40. 13 (18). ἡ δὲ ῥ. αὐτοῦ σίδηρος [A ὡς σ.]<br/>χυτός (1)</p> <p><b>ραφάρτης (?)</b><br/>[Aq. Je. 51 (28). 27.]</p> <p><b>ρεβωμά.</b><br/>[Aq. Je. 89 (46). 13.]</p> <p><b>ρέγχειν.</b> (1) נָחַץ ni.<br/>Jn. 1. 5. καὶ ἔρεγγε<br/>— 6. τί σὺ ρέγχεις [S<sup>1</sup> -ει]</p> <p><b>ρεῖθρον.</b><br/>[Aq. Ex. 1. 22; 7. 19, 24; Jb. 28. 10.]<br/>[Sm. Jb. 20. 17; 28. 10; Ps. 68 (69). 3; 77<br/>(78). 44; Is. 27. 12.]<br/>[Al. Ex. 2. 5; 4. 9; 7. 15; 8. 5 (1).]</p> <p><b>ρεῖν.</b> (1) נָחַץ (2) נָחַץ (3) נָחַץ ni.<br/>(4) נָחַץ (5) נָחַץ (6) נָחַץ<br/>Ex. 3. 8, 17. εἰς γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>18. 5. γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>38. 3. εἰς γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>Le. 15. 3. ῥέων γόνον ἐκ σμάματος αὐτοῦ (2)<br/>— 19. ἦτις ἐὰν ῥ. ρέουσα αἵματι (2)<br/>— 25. ἐὰν ῥέῃ ῥύσει αἷματος (2)<br/>— 25. ἐὰν καὶ ῥέῃ μετὰ τὴν ἀφειδρον αὐ. (2)<br/>20. 24; Nu. 18. 28 (27). γῆν ρέουσιν γάλα<br/>καὶ μέλι (2)<br/>Nu. 14. 8. ἦτις ἐστὶ ρέουσα γάλα καὶ μέλι (2)<br/>16. 13, 14. εἰς γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>De. 6. 3; 11. 9; 26. 9. γῆν ρέουσιν γάλα καὶ<br/>μέλι (2)<br/>26. 10. γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>— 15; 27. 3; 31. 20; Jo. 5. 6. γῆν ρέουσιν<br/>γάλα καὶ μέλι (2)<br/>Jb. 36. 28. ρυθίζονται παλαιώματα (2)<br/>38. 30. ἡ καταβαίνει ὥσπερ ὕδωρ ρέον (2)<br/>Ps. 61 (62). 10. πλοῦτος ἐὰν ῥέῃ (2)<br/>77 (78). 20; 104 (105). 41. καὶ ἐρρύσαν ὕδατα (2)<br/>147. 7 (18). καὶ ρυθίζονται ὕδατα (2)<br/>Pr. 3. 20. νείφει δὲ ἐρρύσαν δρόσους [S<sup>1</sup> -ψ] (2)<br/>Ca. 4. 16. ρευσάτωσαν ἀρώματα μου (2)<br/>Wi. 16. 29. ρυθίζεται ὡς ὕδωρ ἄχροντον (2)<br/>Jl. 46. 8. εἰς γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (1)<br/>Jl. 8 (4). 18. οἱ βουνοὶ ρυθίζονται γάλα (1)<br/>— 18. πᾶσαι αἱ ἀφίσσιν ἱ. ρυθίζονται ὕδατα (1)<br/>Za. 14. 12. οἱ ὄφθ. αὐ. ρυθίζονται ἐκ τῶν ὀπῶν αὐ. (3)</p> | <p>Is. 48. 21. ρυθίζεται ὕδωρ (2)<br/>Je. 9. 18 (17). τὰ βλεφάρων ὑμῶν ρέτω ὕδωρ (2)<br/>11. 5; 39 (32). 22. γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>Ba. 1. 20. γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>Ez. 20. 6, 15. γῆν ρέουσιν γάλα καὶ μέλι (2)<br/>[Aq. Le. 15. 4, 6; Nu. 5. 2; Ca. 4. 16.]<br/>[Sm. Le. 15. 4, 6; Nu. 5. 2; Jb. 36. 28; Ez. 7.<br/>17; 21. 7 (12).]<br/>[Th. Le. 15. 4, 6; Nu. 5. 2; Jb. 36. 28.]<br/>[Al. Le. 15. 2; 22. 4.]<br/>[Quint. Ca. 4. 15.]<br/>[Sext. Ps. 26 (27). 2; Ca. 4. 15.]</p> <p><b>ρεμβασμός.</b><br/>Wi. 4. 12. ρεμβασμός ἐπιθυμίας μεταλλεύει νοῦν<br/>ἀκακον</p> <p><b>ρέμβεσθαι.</b><br/>Pr. 7. 12. χρόνον γὰρ τινα ἔξω ρέμβεται —<br/>[Aq. Ps. 118 (119). 176.]<br/>[Sm. I Ki. 28. 13; Ps. 58 (59). 16; 118 (119).<br/>118; Ca. 1. 7.]</p> <p><b>ρεμβεύειν.</b> (1) נָחַץ<br/>Is. 23. 16. ρέμβευσον, πόλις πόρνη (1)<br/>[Aq. Je. 31 (38). 22; 49 (30). 4.]<br/>[Quint. Ho. 8. 6.]</p> <p><b>ρεμελέ.</b><br/>IV Ki. 14. 7. B ἐπάταξε τὴν Ἑ. ἐν ῥ. [A B al.] †</p> <p><b>ρεῦμα.</b><br/>Si. 39. 13. ὡς ῥόδον φυόμενον ἐπὶ ρεύματος ἀγροῦ<br/>[A S ὑγροῦ]</p> <p><b>ρήγμα.</b> (1) נָחַץ (2) נָחַץ<br/>III Ki. 11. 30. διέρρηξεν αὐτὸ δώδεκα ρήγματα (2)<br/>— 31. λάβε σεαυτῇ δέκα ρήγματα (2)<br/>— 31. Ἀ δώσω σοι δέκα ρήγματα [B σκήπτρα] †<br/>12. 24. B ῥῆξον αὐτὸ δώδεκα ρήγματα —<br/>— 24. B λάβε σεαυτῇ δέκα [B δώδεκα] ρήγματα —<br/>IV Ki. 2. 12. διέρρηξεν αὐτὰ εἰς δύο ρήγματα (2)<br/>Am. 6. 12 (11). Ἀ πατάξει . . . τὸν οἶκον τὸν<br/>μικρὸν ρήγμασιν [B ράγμασιν] (1)<br/>[Sm. Is. 22. 9.]</p> <p><b>ρηγνύναι</b> (incl. ῥήσσειν). (1) נָחַץ a. qal.<br/>δ. ni. c. pi. d. hoph. e. hithpa.<br/>(2) נָחַץ ni. (3) נָחַץ ni. (4) נָחַץ (5) נָחַץ<br/>a. qal. δ. ni. (6) ῥ. φωνῇ נָחַץ<br/>Ge. 7. 11. ἐρράγησαν πᾶσαι αἱ πηγαὶ τῆς ἀβ. (1 δ)<br/>Ex. 14. 16. καὶ ῥῆξον αὐτήν (1 α)<br/>28. 28 (31). ἵνα μὴ ῥαγῇ (5 δ)<br/>Nu. 16. 31. ἐρράγη ἡ γῆ (1 δ)<br/>Jo. 9. 13. καὶ οὗτοι ἐρράγησι (1 ε)<br/>Jd. 15. 19. ἐρράξεν ὁ θεὸς τὸν λαόν [A al.] (1 α)<br/>III Ki. 1. 40. ἐρράγη ἡ γῆ ἐν τῇ φωνῇ αὐ. (1 δ)<br/>11. 31. ῥήσσω τὴν βασιλ. ἐκ χειρὸς Σ. (5 α)<br/>12. 24. B ῥῆξον αὐτὸ δώδεκα ρήγματα<br/>13. 3. τὸ θυσιαστήριον ρήγνυται (5 δ)<br/>— 5. τὸ θυσιαστήριον ἐρράγη (5 δ)<br/>14. 8. Ἀ ἐρράξα σὺν τῷ βασιλείῳ ἀπὸ τοῦ<br/>οἴκου Δ. (5 α)<br/>IV Ki. 22. 11. Ἀ ἐρράξεν [B διέρρ.] τὰ ἱμάτια<br/>ἐαυτοῦ (5 α)<br/>25. 4. ἐρράγη ἡ πόλις (1 δ)<br/>I Es. 8. 71. B ἐρράξα [A B διέρρ.] τὰ ἱμάτια<br/>Ne. 9. 11. τὴν θάλασσαν ἐρράξας ἐνόπιοι αὐτῶν (1 α)<br/>Jb. 1. 20. B ἐρράξε [A B διέρρ.] τὰ ἱμάτια<br/>ἐαυτοῦ (5 α)<br/>2. 12. ῥήξαντες ἕκαστος τὴν ἐαυτοῦ στολήν (5 α)<br/>6. 5. εἰ δὲ καὶ ῥῆξαι φωνῇ βοῶς ἐπὶ φάτιγῃ (6)<br/>15. 13. θυμὸν ἐρράξας ἐναντι κυρίου †<br/>17. 11. Ἀ B S<sup>1</sup> ἐρράγη δὲ τὰ ἄρθρα τῆς καρδίας μου (8)<br/>26. 8. οὐκ ἐρράγη νείφος ὑποκάτω αὐτοῦ (1 δ)<br/>28. 10. Ἀ B S<sup>1</sup> δίνας δὲ ποταμῶν ἐρράξεν [B<br/>διέρρ.] (1 ε)<br/>31. 37. εἰ μὴ ῥῆξας αὐτὴν ἀπέδωκα †<br/>32. 19. ὥσπερ φουστὴρ [S<sup>1</sup> om., Ἀ δεδεμένος καὶ<br/>ἐρρηγῶς] (1 δ)<br/>Ps. 140 (141). 7. S<sup>1</sup> ὥσει πάχος γῆς ἐρράγη<br/>[A B S<sup>1</sup> διέρρ.] (1 α)<br/>Pr. 3. 20. ἐν ἀσθήσει ἀβυσσοὶ ἐρράγησαν (1 δ)<br/>Ec. 3. 7. καιρὸς τοῦ ῥῆξαι (5 α)<br/>Wi. 4. 19. ῥῆξαι αὐτοὺς ἀφώνους πρηγίς</p> |
|---|---|--|

Si. 19. 10. οὐ μὴ σε ῥήξει  
Hb. 3. 10 (9). ποταμὸν [B<sup>3</sup> -φ] ῥαγήσεται γῆ (1 c)  
Is. 5. 27. οὐδὲ μὴ ῥαγῶσιν οἱ ἱμάτιοι τῶν ὑποδη-  
μάτων αὐτῶν (3)  
33. 23. ἐρράγησαν τὰ σχοινία σου  
35. 6. ἐρράγη ἐν τῇ ἐρήμῳ ὕδωρ (1 b)  
49. 13. ῥηξάτωσαν τὰ ὄρη εὐφροσύνην (4)  
52. 9. ῥηξάτω εὐφροσύνην [B -ση] ἅμα τὰ  
ῥήματα ἱεροσολήμων (4)  
54. 1. ῥήξον καὶ βόθρον  
58. 8. ῥαγήσεται πρῶϊμος τὸ φῶς σου (1 b)  
59. 5. φῶς ἀσπίδων ἐρρήξαν (1 c)  
Je. 46 (39). 2. ἐρράγη ἡ πόλις (1 d)  
Ez. 13. 11. καὶ ῥαγήσεται (1 c)  
— 13. ῥήξω πνοὴν ἐξαιρουσαν (1 c)  
38. 20. ῥαγήσεται [A -σονται] τὰ ὄρη (3)  
I Ma. 4. 39. Ἐρρήξαν [A B διερρ.] τὰ ἱμάτια αὐ.  
[A q. III Kt. 14. 8: Ps. 34 (35). 15: Is. 64. 1  
(88. 19): Ez. 26. 10.]  
[Sm. Ps. 140 (141). 7: Is. 19. 3: 63. 12: 64. 1  
(83. 19).]  
[Th. Jb. 26. 8: Is. 54. 1: 59. 5: 64. 1 (83. 19).]  
ῥήμα (1) a. ῥῆμα δ. ῥῆμα c. ῥήμα  
d. ῥῆμα e. ῥῆμα (2) a. ῥῆμα δ. ῥῆμα pi.  
(3) ῥῆμα (4) ῥῆμα (5) ῥῆμα (6) ῥῆμα  
(7) ῥῆμα (8) ῥ. ποιηρά ῥῆμα  
Ge. 15. 1. μετὰ δὲ τὸ ῥ. ταῦτα ἐγενήθη ῥῆμα  
κυρίου πρὸς Ἄ. (2 a, 2 a)  
18. 14. μὴ ἀδυνατήσῃ παρὰ τῷ θεῷ ῥῆμα (2 a)  
— 25. ἰθαμῶδες σὺ ποιήσεις ὥς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
19. 21. ἐθαύμασά σου τὸ πρῶτον παλὸν καὶ ἐπὶ τῷ  
ῥ. τοῦτ' (2 a)  
20. 8. ἐλάλησε πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
21. 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥ. σφόδρα (2 a)  
— 12. A μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥ. [B om. τὸ ῥ.] (2 a)  
— 26. B τίς ἐποίησέ σοι τὸ ῥ. τοῦτο [A al.] (2 a)  
22. 1. καὶ ἐγένετο μετὰ τὸ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 16. οὐ εὐκρινέσθαι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 20. ἐγένετο δὲ μετὰ τὸ ῥ. ταῦτα (2 a)  
24. 9. ὁμοσεν αὐτῷ περὶ τοῦ ῥ. τοῦτου (2 a)  
— 28. ἀνῆγγειλεν . . . κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 30. ἐπὶ ἤκουσε τὰ ῥ. P. (2 a)  
— 33. ὥς τοῦ λαλήσαι με τὰ ῥ. μου (2 a)  
— 32. ἐν τῷ ἀκούσαι . . . τῶν ῥ. τούτων (2 a)  
— 66. διηγήσατο . . . π. τὰ ῥ. δ' ἐποίησεν (2 a)  
27. 34. ἦκουε ἤκουεν Ἡ. τὰ ῥ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)  
— 42. ἀπηγγέλει δὲ ῥεβέκκα τὰ ῥ. H. (2 a)  
29. 12. ἀπηγγέλει τῷ πατρὶ αὐ. κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
30. 31. ἐὰν ποιήσῃ μοι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 34. ἔστω κατὰ τὸ ῥ. σου (2 a)  
31. 1. ἤκουσε δὲ I. τὰ ῥ. τῶν υἱῶν Ἀ. (2 a)  
32. 19 (20). κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο λαλήσας (2 a)  
34. 14. B ποιήσαι τὸ ῥ. [A om. τὸ ῥ.] τοῦτο (2 a)  
— 19. τοῦ ποιήσαι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
37. 8. καὶ ἐκεκε τῶν ῥ. αὐ. (2 a)  
— 11. οὐ δὲ πατήρ αὐ. διετήρησε τὸ ῥ. (2 a)  
38. 10. A ποιήσας δὲ ἐφάνη τὸ ῥ. [B om. τὸ ῥ.] (2 a)  
— 39. 7. καὶ ἐγένετο μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 9. πῶς ποιήσω τὸ ῥ. τὸ ποιηρὸν τοῦτο (2 a)  
— 17. ἐλάλησεν αὐτῷ κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 19. ὡς ἤκουσεν . . . τὰ ῥ. τῆς θυγατρὸς αὐ. (2 a)  
40. 1. ἐγένετο δὲ μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
41. 28. τὸ δὲ ῥ. δ' εἶρηκα Φαραῶ (2 a)  
— 32. ἀλλ' ἔτι ζῶσι τὸ ῥ. τὸ παρὰ τοῦ θεοῦ (2 a)  
— 37. B ἥρπασε δὲ τὸ ῥ. [A τὰ ῥ.] ἐναντίον Φ. (2 a)  
42. 16. ὥς τοῦ φωνῆσαι γενέσθαι τὰ ῥ. ὕμνων (2 a)  
— 20. πιστευθήσονται τὰ ῥ. ὕμνων (2 a)  
44. 2. ἐγενήθη δὲ κατὰ τὸ ῥ. I. (2 a)  
— 6. ἔπαινε αὐτοῖς κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κύριος κατὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 7. B ποιήσαι κατὰ [A<sup>3</sup> om.] τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 17. μὴ μοι γένοιτο ποιήσαι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 18. λαλήσας ὁ παῖς σου ῥῆμα (2 a)  
— 24. ἀπηγγέλαμεν αὐτῷ τὰ ῥ. τοῦ κυρίου (2 a)  
47. 30. ἐγὼ ποιήσω κατὰ τὸ ῥ. σου (2 a)  
48. 1. ἐγένετο δὲ μετὰ τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
Ex. 2. 14. ἐι οὕτως ἐμφανέως γέγονε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 15. ἤκουσε δὲ Φ. τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 4. 15. ὅσους τὰ ῥ. μου εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)  
— 28. ἀνῆγγειλεν . . . πάντα τὰ ῥ. [A σημεία] (2 a)  
— 30. ἐλάλησεν Ἀ. πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
8. 26 (22). B' οὐ δυνατὸν γενέσθαι οὕτως τὸ ῥ.  
τοῦτο [A B<sup>2</sup> B om. τὸ ῥ. τ.] (2 a)

Ex. 9. 5. A<sup>2</sup> B ποιήσῃ κύριος τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 6. A<sup>2</sup> B ἐποίησε κύριος τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 20. ὁ φοβούμενος τὸ ῥ. κυρίου (2 a)  
— 21. ὅς δὲ μὴ προσέσχε τῇ διανοίᾳ εἰς τὸ ῥ.  
κυρίου (2 a)  
12. 24. φυλάσσετε τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
14. 12. οὐ τοῦτο ἦν τὸ ῥ. (2 a)  
16. 16. τοῦτο τὸ ῥ. δ' συνέταξε κύριος (2 a)  
— 23. B<sup>1</sup> B οὐ [A B<sup>2</sup> om.] τοῦτο τὸ ῥ. ἔστιν (2 a)  
— 32. τοῦτο τὸ ῥ. δ' συνέταξε κύριος (2 a)  
17. 1. διὰ ῥήματος κυρίου (6)  
18. 17. οὐκ ὀρθῶς σὺ ποιεῖς τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 18. B βαρὺ σοι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 22. τὸ δὲ ῥ. τὸ ὑπερόγκον ἀνοίσουσιν ἐπὶ σέ (2 a)  
— 23. ἐὰν τὸ ῥ. τοῦτο ποιήσῃς (2 a)  
— 26. πᾶν δὲ ῥ. ὑπέρρογκον ἀνεφύεσαν ἐπὶ  
M. [A al.] (2 a)  
— 26. πᾶν δὲ ῥ. ἐλάτουν ἐκρίνοσαν αὐτοὶ (2 a)  
19. 6. ταῦτα τὰ ῥ. ἐρεῖς τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 a)  
— 9. ἀνῆγγειλε δὲ M. τὰ ῥ. τοῦ λαοῦ (2 a)  
23. 7. ἀπὸ παντὸς ῥ. ἀδικίου ἀποστῆσθ (2 a)  
— 8. καὶ λυμάνεται ῥήματα δίκαια (2 a)  
— 22. ταῦτα τὰ ῥ. ἐρεῖς τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 a)  
24. 3. διηγήσατο τῷ λαφὶ πάντα τὰ ῥ. τοῦ θ. (2 a)  
— 4. ἔγραψε M. πάντα τὰ ῥ. κυρίου (2 a)  
33. 4. ἀκούσας ὁ λαὸς τὸ ῥ. τὸ ποιηρὸν τοῦτο (2 a)  
34. 1. γράψω ἐπὶ τῶν πλακῶν τὰ ῥ. (2 a)  
— 27. γράψον σεαυτῶν τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 28. ἔγραψεν ἐπὶ τῶν πλακῶν τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
35. 4. τοῦτο τὸ ῥ. δ' συνέταξε κύριος (2 a)  
Le. 4. 13. καὶ λάθῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς  
συναγωγῆς (2 a)  
8. 5. τοῦτ' ἐστὶ τὸ ῥ. τοῦτ' ἐστὶν (2 a)  
9. 6. τοῦτο τὸ ῥ. δ' εἶπε κύριος ποιήσατε (2 a)  
10. 7. ἐποίησαν κατὰ τὸ ῥ. M. (2 a)  
17. 2. τοῦτο τὸ ῥ. δ' ἐνετείλατο κύριος (2 a)  
Nu. 11. 14. βαρυτέρον [A βαρὺ] μοι ἐστὶ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 24. ἐλάλησε πρὸς τὸν λαὸν τὰ ῥ. κυρίου (2 a)  
13. 28 (26). ἀπεκρίθησαν αὐτοῖς ῥῆμα (2 a)  
14. 20. ὡς αὐτοῖς εἶμι κατὰ τὸ ῥ. σου (2 a)  
— 36. ἐξενέγκαι ῥ. ποιηρὰ περὶ [A ἐπὶ] τῆς γῆς (6)  
— 39. ἐλάλησε M. τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥ. κυρίου (6)  
15. 31. τὸ ῥ. [B<sup>1</sup> τὰ ῥ.] κυρίου ἐφάυλισε (2 a)  
22. 7. εἶπαν αὐτῶν τὰ ῥ. B. (2 a)  
— 18. οὐ δυνήσονται παραβῆναι τὸ ῥ. κ. τοῦ θεοῦ (6)  
— 20. τὸ ῥ. δ' ἐὰν λαλήσω [A εἶπω] πρὸς σέ (2 a)  
— 35. τὸ ῥ. δ' ἐὰν εἴπω πρὸς σέ (2 a)  
— 38. τὸ ῥ. δ' ἐὰν ἐμβάλῃ ὁ θεός (2 a)  
23. 3. καὶ ῥῆμα . . . ἀναγγελάω σοι (2 a)  
— 5. ἐνέβαλεν ὁ θ. ῥῆμα εἰς τὸ στόμα B. (2 a)  
— 16. καὶ ἐνέβαλε ῥῆμα εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)  
— 26. τὸ ῥ. δ' ἐὰν λαλήσῃ ὁ θεός (2 a)  
24. 13. οὐ δυνήσονται παραβῆναι τὸ ῥ. κυρίου (6)  
27. 14. παρήβητε τὸ ῥ. μου (6)  
30. 2. τοῦτο τὸ ῥ. δ' συνέταξε κύριος (2 a)  
— 3. οὐ βεβλήσεται τὸ ῥ. αὐ. (2 a)  
31. 16. κατὰ τὸ ῥ. B. (2 a)  
— 16. ὑπεριδύν τὸ ῥ. κυρίου (2 a)  
32. 20. ἐὰν ποιήσῃτε κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
33. 2. διὰ ῥήματος κυρίου (6)  
36. 6. τοῦτο τὸ ῥ. δ' συνέταξε κύριος (2 a)  
De. 1. 14. καλὸν τὸ ῥ. δ' ἐλάλησας ποιήσαι (2 a)  
— 17. τὸ ῥ. δ' ἐὰν σκληρὸν ᾖ ἀφ' ὕμνων (2 a)  
— 23. ἤρκεσεν ἐναντίον μου τὸ ῥ. (2 a)  
— 26. ἠπειθήσατε τῷ ῥ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (6)  
— 43. παρέβητε τὸ ῥ. κυρίου (6)  
2. 7. οὐκ ἐπεδείχθη ῥήματος (2 a)  
4. 1. A ἄκουε . . . τῶν ῥ. [B κριμάτων] (2 a)  
— 2. οὐ προσθήσατε πρὸς τὸ ῥ. (2 a)  
— 10. ἀκουσάτωσαν τὰ ῥ. μου (2 a)  
— 12. ἐλάλησε . . . φωνὴν ῥημάτων (2 a)  
— 13. ἀνῆγγειλεν ὕμν . . . τὰ δέκα ῥ. (2 a)  
— 32. εἰ γέγονε κατὰ τὸ ῥ. τὸ μέγα τοῦτο (2 a)  
— 36. καὶ τὰ ῥ. αὐ. ἤκουσας (2 a)  
5. 5. ἀναγγελάω ὑμῖν τὰ ῥ. κυρίου [A al.] (2 a)  
— 22 (19). τὰ ῥ. ταῦτα ἐλάλησε κύριος (2 a)  
6. 6. ἔσται τὰ ῥ. ταῦτα . . . ἐν τῇ καρδίᾳ σου (2 a)  
8. 3. ἀλλ' ἐπὶ παντὶ ῥ. τῷ ἐκπορευομῷ (2 a)  
9. 23. ἠπειθήσατε τῷ ῥ. κ. τοῦ θεοῦ ὕμνων (6)  
10. 2. γράψετε ἐπὶ τῶν πλακῶν τὰ ῥ. (2 a)  
11. 18. ἐμβαλεῖτε τὰ ῥ. ταῦτα εἰς τὴν καρδίαν  
ὕμν (2 a)  
12. 32 (13. 1). πᾶν ῥ. δ' ἐγὼ ἐντέλλομαι (2 a)  
13. 11 (12). κατὰ τὸ ῥ. τὸ ποιηρὸν [A τὸ πον.  
ῥ.] τοῦτο (2 a)

De. 15. 9. μὴ γένηται ῥ. κρυπτόν ἐν τῇ καρδίᾳ σου (2 a)  
— 10. διὰ τὸ ῥ. τοῦτο εἰλογῆσαι σε κύριος (2 a)  
— 11. ἐντέλλομαι ποιεῖν [A om.] τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 15. ἐντέλλομαι ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
17. 1. ἐν ᾧ ἐστὶν ἐν αὐτῷ ῥήματος πᾶν ῥ. ποιηρὸν (2 a)  
— 4. καὶ ἰδοὺ ἀληθῶς γέγονε τὸ ῥ. (2 a)  
— 8. ἐὰν δὲ ἀδυνατήσῃ ἀπὸ σοῦ ῥῆμα (2 a)  
— 8. ῥήματα κρίσεως ἐν ταῖς πόλεσιν ὕ. (2 a)  
— 10. A ποιήσεις κατὰ τὸ ῥ. [B πρᾶγμα] (6 + 2 a)  
— 11. οὐκ ἐκκλινεῖς ἀπὸ τοῦ ῥ. (2 a)  
18. 18. δώσω τὰ ῥ. [A τὸ ῥ.] μου ἐν τῷ στό-  
ματι αὐ. (2 a)  
— 20. λαλήσαι ἐπὶ τῷ ὀνόματί μου ῥῆμα (2 a)  
— 21. πῶς γνωσόμεθα τὸ ῥ. (2 a)  
— 22. A καὶ μὴ γένηται τὸ ῥ. [B om. τὸ ῥ.] (2 a)  
— 22. τοῦτο τὸ ῥ. δ' οὐκ ἐλάλησε κύριος (2 a)  
19. 7. ἐγὼ σοι ἐντέλλομαι τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 15. στήσεται πᾶν ῥ. (2 a)  
— 20. ποιήσαι κατὰ τὸ ῥ. τὸ ποιηρὸν τοῦτο (2 a)  
23. 9 (10). φυλάξῃ ἀπὸ παντὸς ῥ. [A πρᾶγ-  
ματος] ποιηρὸν (2 a)  
24. 18. ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 20. ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
— 22. ποιεῖν τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
28. 58. ποιεῖν πάντα τὰ ῥ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)  
29. 19 (18). ἐὰν ἀκούσῃ τὰ ῥ. τῆς ἀράς ταύτης (2 a)  
— 29 (28). ποιεῖν πάντα τὰ ῥ. τοῦ νόμου τούτου (2 a)  
30. 1. ὡς ἂν ἔλθωσιν ἐπὶ σέ πάντα τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
— 14. ἐγγὺς σοῦ ἐστὶ τὸ ῥ. σφόδρα (2 a)  
31. 9. ἔγραψε M. [A add. πάντα] τὰ ῥ. τοῦ  
νόμου τούτου (2 a)  
— 19. γράψατε τὰ ῥ. τῆς ὁδοῦ ταύτης (2 a)  
— 30. ἐλάλησε M. . . . τὰ ῥ. τῆς φθῆς ταύτης (2 a)  
32. 1. ἀκουέτω ἡ γῆ ῥήματα ἐκ στόματός μου (1 a)  
— 2. καταβῆτω ὡς ὁρόσος τὰ ῥ. μου (1 c)  
— 51. ἠπειθήσατε τῷ ῥ. μου (2 a)  
34. 5. ἐτελείησθε M. . . . διὰ ῥήματος κυρίου (6)  
Jo. 1. 13. μνησθήτε τὸ ῥ. (2 a)  
— 18. ὅστις μὴ ἀκούσῃ τῶν ῥ. σου (2 a)  
2. 21. κατὰ τὸ ῥ. ὕμν ἔστω (2 a)  
3. 9. ἀκούσατε τὸ ῥ. κυρίου (2 a)  
8. 8. κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο ποιήσατε (2 a)  
9. 2 (8. 34). ἀνέγνω I. πάντα τὰ ῥ. τοῦ νόμου  
τούτου (2 a)  
— 2 (8. 35). οὐκ ἦν ῥῆμα ἀπὸ πάντων (2 a)  
14. 6. σὺ ἐπίστη τὸ ῥ. (2 a)  
— 10. ἐλάλησε κύριος τὸ ῥ. τοῦτο πρὸς M. (2 a)  
— 12. σὺ ἀκήκοας τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
21. 43. οὐ διέπεισεν ἀπὸ πάντων τῶν ῥ. τῶν  
κλιῶν (2 a)  
22. 24. ἔκκεκε εὐλαβείας ῥήματος (2 a)  
23. 15. ἦκει πρὸς ἡμᾶς πάντα τὰ ῥ. τὰ καλὰ  
[A<sup>2</sup> κακά] (2 a)  
— 15. ἐπάει . . . πάντα τὰ ῥ. τὰ ποιηρὰ (2 a)  
24. 26. ἔγραψε τὰ ῥ. ταῦτα (2 a)  
Jd. 5. 29. A ἀπεκρίνατο ἐν ῥήμασιν αὐτῆς [B al.] (1 a)  
6. 29. τίς ἐποίησε τὸ ῥ. [A πρᾶγμα] τοῦτο (2 a)  
— 29. ἐποίησε τὸ ῥ. [A πρᾶγμα] τοῦτο (2 a)  
8. 1. τί τὸ ῥ. τοῦτο ἐποίησαι ἡμῖν (2 a)  
11. 10. κατὰ τὸ ῥ. σου οὕτως ποιήσομεν (2 a)  
— 37. A ποιήσαν μοι τὸ ῥ. τοῦτο [B al.] (2 a)  
18. 12. A ἐλθόντος τοῦ ῥ. σου [B al.] (2 a)  
— 17. ὅτι ἔλθοι τὸ ῥ. σου [A al.] (2 a)  
18. 7. A καὶ μὴ δυναμένους λαλήσαι ῥῆμα [B  
al.] (2 a)  
— 10. οὐκ ἔστιν ἐκεῖ ὑστέρημα παντὸς ῥ. (2 a)  
19. 24. μὴ ποιήσῃτε τὸ ῥ. τῆς ἀφροσύνης τ. (2 a)  
— 30. A εἰ γέγονε κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο (2 a)  
20. 9. τοῦτο τὸ ῥ. δ' ποιηθήσεται (2 a)  
Ru. 8. 18. πῶς οὐ πεσέται ῥῆμα (2 a)  
— 18. ὡς ἂν τελεσθῇ τὸ ῥ. (2 a)  
I Ki. 2. 23. A ἵνα τί ποιεῖτε κατὰ τὸ ῥ. τοῦτο δ'  
ἐγὼ ἀκούω ῥ. ποιηρὰ [B om. ῥ. π.] (2 a, 2 a)  
— 7. ῥῆμα κυρίου ἦν τίμον (2 a)  
8. 1. ῥῆμα . . . ἀποκαλύφθη αὐτῷ ῥῆμα  
κυρίου (2 a)  
— 11. ποιῶ τὰ ῥ. μου ἐν Ἰσρ. (2 a)  
— 17. τί τὸ ῥ. τὸ λαλήθην πρὸς σέ (2 a)  
— 17. ἐὰν κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (2 a)  
4. 16. τί τὸ γεγονός ῥ. (2 a)  
8. 6. ποιηρὸν τὸ ῥ. ἐν ὀφθαλμοῖς Σαμ. (2 a)  
— 10. εἶπε Σαμ. πᾶν τὸ ῥ. τοῦτο κυρίου (2 a)  
9. 10. ἀγαθὸν τὸ ῥ. (2 a)  
— 21. ἵνα τί ἐλάλησας πρὸς ἐμέ κατὰ τὸ ῥ.  
τοῦτο (2 a)

- I Ki. 9. 27. ἀκουσόν [Α ἀκουσόν σοι] ῥήμα θεοῦ (2 α)  
 10. 2. ἀποτεινέσθαι τὸ ρ. τῶν ὄντων (2 α)  
 — 16. τὸ δέ ρ. τῆς βασ. οὐκ ἀπήγγειλεν αὐτῷ (2 α)  
 11. 5. διηγούνται αὐτῷ τὰ ρ. (2 α)  
 — 6. Β ὡς ἤκουσε τὰ ρ. (2 α)  
 12. 16. ἴδτε τὸ ρ. τὸ μέγα τοῦτο (2 α)  
 14. 12. γνωριεύον ὑμῖν ῥήμα (2 α)  
 — 42. οὐκ ἔστι τὸ ρ. τοῦτο — (2 α)  
 15. 10. ἐγενήθη ῥήμα κυρίου πρὸς Σαμ. (2 α)  
 — 23. ἐξουδένωσας τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 24. παρέβην . . . τὸ ρ. σου (2 α)  
 — 26. ἐξουδένωσας τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 17. 11. ἤκουσε Σ. . . τὰ ρ. τοῦ ἀλλοφύλου ταῦτα (2 α)  
 — 23. Ἀ ἐλάλησεν κατὰ τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 27. Ἀ εἶπεν αὐτῷ ὁ λαὸς κατὰ τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 29. Ἀ οὐχὶ ῥῆμά ἐστιν (2 α)  
 — 30. Ἀ εἶπεν κατὰ τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 30. Ἀ ἀπεκρίθη αὐτῷ ὁ λαὸς κατὰ τὸ ρ. τοῦ πρώτου (2 α)  
 18. 8. ποιηρὸν ἐφάνη τὸ ρ. ἐν ὀφθαλμοῖς Σ. (2 α)  
 — 20. Ἀ εὐδυνήθη τὸ ρ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐ. [Β α.] (2 α)  
 — 23. ἐλάλησαν . . . τὰ [Α κατὰ τὰ] ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 24. ἀπήγγειλαν . . . κατὰ τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 26. ἀπαγγέλλουσιν . . . τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 19. 7. ἀπήγγειλεν αὐτῷ πάντα τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 20. 2. Δ<sup>2</sup> οὐ μὴ ποιῇσθαι ὁ πατήρ μου ῥήμα μέγα ἢ ῥήμα μικρόν [Α<sup>2</sup> Β α.] (2 α, 2 α)  
 — 2. τί ὅτι κρυψέῃ ὁ πατήρ μου τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 23. τὸ ρ. δ' ἐλάλησεν ἐγὼ καὶ σὺ (2 α)  
 21. 2. (3). ἐντέλλεται μοι ῥήμα σήμερον (2 α)  
 — 2 (3). μηδεὶς γνῶτω τὸ ρ. (2 α)  
 — 8 (9). ἦν τὸ ρ. τοῦ βασ. κατὰ σπουδὴν [Α κατασπεύδουσιν] (2 α)  
 — 12 (13). ἔθετο Δ. τὰ ρ. ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. (2 α)  
 22. 15. οὐκ ᾔδει . . . ρ. μικρόν ἢ μέγα (2 α)  
 24. 7. εἰ ποιῇσθαι τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 17. ὡς συνετέλεσε Δ. τὰ ρ. ταῦτα λαλῶν (2 α)  
 25. 9. Α Β λαλοῦσι . . . κατὰ [Β καί] πάντα τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 12. ἀνήγγειλαν τῷ Δ. κατὰ [Α add. πάντα] τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 36. οὐκ ἀπήγγειλεν αὐτῷ ρ. μικρόν ἢ μέγα (2 α)  
 — 37. ἀπήγγειλεν ἡ γυνὴ αὐ. τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 26. 16. οὐκ ἀγαθὸν τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 19. ἀκουσάτω . . . τὸ ρ. τοῦ δούλου αὐ. (2 α)  
 28. 18. διὰ τοῦτο τὸ ρ. ἐποίησε κύριος σοι (2 α)  
 II Ki. 2. 6. Α Β ἐποίησατε τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 8. 11. ἀποκριθῆναι τῷ Ἀβ. ῥήμα (2 α)  
 7. 4. ἐγένετο ῥήμα κυρίου πρὸς Ν. (2 α)  
 — 25. ῥήμα δ' ἐλάλησας (2 α)  
 11. 11. εἰ ποιῶσθαι τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 22. ἀπήγγειλε . . . πάντα τὰ ρ. τοῦ πολέμου — (2 α)  
 — 25. μὴ ποιηρὸν ἔστω ἐν ὀφθαλμοῖς σου τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 27. ποιηρὸν ἐφάνη τὸ ρ. (2 α)  
 12. 6. ἐποίησε τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 12. καγὼ ποιῶσθαι τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 14. παρώξυνας . . . ἐν τῷ ρ. τοῦτῳ (2 α)  
 — 21. τί τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 18. 20. τοῦ λαλήσαι εἰς τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 33. μὴ θέσθαι . . . ῥήμα [Α τὸ ρ.] (2 α)  
 14. 3. λαλήσεις πρὸς αὐτὸν κατὰ τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 12. 3. λαλήστω δὴ ἡ δούλη σου . . . ῥήμα (2 α)  
 — 15. λαλήσαι . . . τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 15. εἰ πως ποιῇσθαι ὁ βασ. τὸ ρ. τῆς δούλης αὐ. (2 α)  
 — 18. μὴ τὴν κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥήμα (2 α)  
 — 20. ἐνεκεν τοῦ περιελθεῖν τὸ πρόσωπον τοῦ ρ. τοῦτου (2 α)  
 15. 6. ἐποίησεν Ἀβ. κατὰ τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 11. οὐκ ἔγνωσαν πᾶν ρ. (2 α)  
 — 28. ὥς τοῦ ἐλθεῖν ῥήμα παρ' ὑμῶν (2 α)  
 — 35. πᾶν ρ. δ' εὖ ἀκούσθης (2 α)  
 — 36. πᾶν ρ. δ' ἀν ἀκούσθης (2 α)  
 17. 6. Α Β κατὰ τὸ ρ. τοῦτο [Β add. δ] ἐλάλησεν Ἀχ. (2 α)  
 — 19. καὶ οὐκ ἐγνώσθη ῥήμα (2 α)  
 19. 10 (11). τὸ ρ. παντὸς Ἰσρ. ἦλθε πρὸς τὸν βασ. — (2 α)  
 22. 31. τὸ ρ. κυρίου κραταῖον πεπυρωμ. (1 c)  
 24. 10. Α ἐποίησα τὸ ρ. τοῦτο [Β α.] — (2 α)  
 — 13. τί ἀποκριθῶ τῷ ἀποστείλαντί με ῥήμα (2 α)  
 III Ki. 1. 27. εἰ διὰ τοῦ κυρίου μου τοῦ βασ. γέγονε τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 III Ki. 2. 27. πληρωθῆναι τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 3. 1 (2. 38). ἀγαθὸν τὸ ρ. δ' ἐλάλησας (2 α)  
 — 10. (2. 42). Α ἀγαθὸν τὸ ρ. δ' ἤκουσα (2 α)  
 — 10. ἤρῃσας Σαλ. τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 11. ἤρῃσας παρ' ἐμοῦ τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 12. Α Β πεποιῶκα κατὰ [Β om.] τὸ ρ. σου (2 α)  
 8. 20. ἀνέστησε κύριος τὸ ρ. αὐ. (2 α)  
 — 26. πιστωθῆτω δὴ τὸ ρ. σου (2 α)  
 — 59. ῥήμα ἡμέρας ἐν ἡμέρᾳ ἐνιαυτοῦ (2 α)  
 11. 41. Β τὰ λοιπὰ τῶν ρ. [Α Β λόγων] Σαλ. (2 α)  
 — 41. ἐν βιβλίῳ ῥημάτων Σαλ. (2 α)  
 12. 15. ὅπως στήσῃ τὸ ρ. αὐ. (2 α)  
 — 24. παρ' ἐμοῦ γέγονε τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 24. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 24. Β ῥήμα κυρίου μετ' αὐτοῦ — (2 α)  
 — 24 (cf. Α 14. 13). Β εὐρέθη ἐν αὐτῷ ρ. καλὸν περὶ τοῦ κυρίου — (2 α)  
 — 24. Β ἀποκριθῆσθαι ὑμῖν ῥήμα (2 α)  
 — 24. Β τί ἀποκριθῶ τῷ λαῷ ῥήμα (2 α)  
 — 24. Β ἤρῃσε τὸ ρ. ἐν ὁπίσθιον Ρ. — (2 α)  
 — 24. Β ἐγένετο ῥήμα κυρίου πρὸς Σαμ. (2 α)  
 — 24. Β παρ' ἐμοῦ γέγονε τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 24. Β κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 13. 3. τοῦτο τὸ ρ. δ' ἐλάλησε κύριος [Α α.] — (2 α)  
 — 18. ἄγγελος λελάληκε πρὸς μὲ ἐν ῥήματι κυρίου (2 α)  
 — 21. παρεπικράνας τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 26. δε παρεπικράναν τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 26. Α κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 32. γινόμενον ἔσται τὸ ρ. (2 α)  
 — 33. μετὰ τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 34. ἐγένετο τὸ ρ. τοῦτο εἰς ἀμαρτίαν (2 α)  
 14. 5. Α τοῦ ἐκζητήσαι ῥήμα παρὰ σοῦ (2 α)  
 — 13. Α εὐρέθη ἐν αὐτῷ ρ. καλὸν περὶ τοῦ κυρίου (2 α)  
 — 18. Α κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 19. Α περισσὸν ῥημάτων Ἰερ. (2 α)  
 — 19. Α ἐπὶ βιβλίου ῥημάτων τῶν ἡμερῶν (2 α)  
 15. 5. Α ἐκτός ἐν ῥήματι Οὐρίου (2 α)  
 — 29. Β κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 16. 12. κατὰ τὸ ρ. δ' ἐλάλησε κύριος [Α α.] (2 α)  
 — 34. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 17. 2. ἐγένετο ῥήμα [Α λόγος] κυρίου πρὸς Ἡ. (2 α)  
 — 5. Β κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 8. ἐγένετο ῥήμα κυρίου πρὸς Ἡ. (2 α)  
 — 13. ποιῶσθαι κατὰ τὸ ρ. σου (2 α)  
 — 15. Α ἐποίησεν κατὰ τὸ ρ. Ἡ. [Β α.] (2 α)  
 — 16. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 17. Α ἐγένετο μετὰ τὰ ρ. [Β om. τὰ ρ.] ταῦτα (2 α)  
 — 24. ῥήμα κυρίου ἐν στόματι σου ἀληθινόν (2 α)  
 18. 1. ῥήμα κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἡ. (2 α)  
 — 24. καλὸν τὸ ρ. δ' ἐλάλησας (2 α)  
 19. 9. ῥήμα κυρίου πρὸς αὐτὸν (2 α)  
 20 (21). 1. Α ἐγένετο μετὰ τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 28. ἐγένετο ῥήμα κυρίου ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Ἡ. (2 α)  
 21 (20). 9. τὸ δέ ρ. τοῦτο οὐ δυνήσονται ποιῆσαι (2 α)  
 — 24. τὸ ρ. τοῦτο ποιῶσθαι (2 α)  
 22. 19. ἀκουε ῥήμα κυρίου (2 α)  
 — 38. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 IV Ki. 1. 16. Α τοῦ ἐκζητήσαι ἐν ῥήματι αὐ. (2 α)  
 — 17. ἀπέθανε κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 2. 2. κατὰ τὸ ρ. Ἐλ. (2 α)  
 3. 12. ἐστιν [Α add. σὺν] αὐτῷ ῥήμα (2 α)  
 4. 41. οὐκ ἐγενήθη ἐν ἐκείνῳ ρ. ποιηρὸν — (2 α)  
 — 44. κατὰ τὸ ρ. Ἐλ. (2 α)  
 5. 14. κατὰ τὸ ρ. Ἐλ. (2 α)  
 — 17 (18). ἀλλ' ἡ τῷ κυρίῳ τῷ ρ. τοῦτῳ (2 α)  
 6. 18. κατὰ τὸ ρ. Ἐλ. (2 α)  
 7. 2. μὴ ἔσται τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 16. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 19. Α Β μὴ [Β οὐ μὴ] ἔσται τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 8. 2. ἐποίησεν κατὰ τὸ ρ. Ἐλ. (2 α)  
 — 13. ὅτι ποιῇσθαι τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 9. 25. Α κύριος ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ ρ. [Β ἡμῶν] τοῦτο (2 α)  
 — 26. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 10. 10. οὐ πεσέτω ἀπὸ τοῦ ρ. κυρίου (2 α)  
 — 17. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 14. 25. κατὰ τὸ ρ. κ. θεοῦ Ἰσρ. (2 α)  
 17. 12. οὐ ποιῇσθαι τὸ ρ. τοῦτο κυρίῳ (2 α)  
 20. 4. ῥήμα κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτὸν (2 α)  
 — 17. οὐχ ὑπολειφθήσεται ῥήμα (2 α)  
 22. 9. ἀπέστρεψε τῷ βασ. ῥήμα (2 α)  
 IV Ki. 23. 1 (22. 20). ἐπέστρεψαν . . . τὸ ρ. (2 α)  
 — 16. κατὰ τὸ ρ. κυρίου (2 α)  
 24. 13. κατὰ τὸ ρ. κυρίου — (2 α)  
 I Ch. 11. 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ ρ. τοῦτο — (2 α)  
 18. 4. Β<sup>1</sup> ὑπελείπετο ἐξ αὐτῶν εἰκοσι ῥήματα [Α Β Β<sup>2</sup> ἑκατὸν ἄρματα] — (2 α)  
 21. 4. Β τὸ δέ ρ. τοῦ βασ. ἴσχυον [Α ἐκραταῖον] (2 α)  
 II Ch. 6. 17. πιστωθῆτω δὴ τὸ ρ. σου (2 α)  
 11. 4. παρ' ἐμοῦ ἐγένετο τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 28. 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥήμα κυρίου (2 α)  
 I Es. 1. 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν Ἰερ. — (2 α)  
 — 57. εἰς ἀναπλήρωσιν τοῦ ρ. τοῦ [Α δ. λόγους] κυρίου (2 α)  
 2. 1. εἰς συντέλειαν ῥήματος κυρίου (2 α)  
 3. 5. οὐ εὖ φανή τὸ ρ. αὐ. σφώτερον τοῦ ἐτέρου (2 α)  
 8. 72. ὅσα ποτὶ ἐπεκινούτο ἐπὶ τῷ ρ. κυρίου (2 α)  
 9. 55. ἐνεφυσιώθησαν ἐν τοῖς ρ. — (2 α)  
 II Es. 5. 7. Β ῥήμασιν [Α Β ῥήσιν] ἀπέστειλαν πρὸς αὐτὸν — (7)  
 — 11. Α Β τοιοῦτο [Β τοῦτο] τὸ [Α om.] ρ. ἀπεκρίθησαν (7)  
 6. 9. κατὰ τὸ ρ. ἱερώνων ἐν Ἰερ. (1 c)  
 — 11. δε ἀλλάξει τὸ ρ. τοῦτο (7)  
 7. 1. Α Β καὶ μετὰ τὰ ρ. [Β add. ταῦτα] (2 α)  
 10. 4. ἐπὶ σὲ τὸ ρ. (2 α)  
 — 5. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 9. ἀπὸ θεοῦ αὐ. περὶ τοῦ ρ. (2 α)  
 — 12. μέγα τοῦτο τὸ ρ. σου (2 α)  
 — 13. τοῦ ἀδικῆσαι ἐν τῷ ρ. τοῦτῳ (2 α)  
 — 14. τοῦ ἀποστρέψαι ὀργὴν . . . περὶ τοῦ ρ. τοῦτου (2 α)  
 — 16. ἐκζητήσαι τὸ ρ. (2 α)  
 Ne. 2. 19. τί τὸ ρ. τοῦτο ὁ ὑμεῖς ποιεῖτε (2 α)  
 6. 12. ποιῆσαι ὡς τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 — 13. ἐποίησεν ὁ λαὸς τὸ ρ. τοῦτο [Β<sup>2</sup> τὸν λόγον τοῦτον] (2 α)  
 6. 4. Β Β<sup>2</sup> ἀπέστειλαν πρὸς μὲ ὡς τὸ ρ. τοῦτο (2 α)  
 11. 24. Β<sup>2</sup> εἰς πᾶν ῥήμα [Α Β<sup>2</sup> ῥήμα] τῷ λαῷ (2 α)  
 To. 2. 6. Β ἐμνήσθην τοῦ ρ. τοῦ προφήτου [Α Β α.] (2 α)  
 12. 11. οὐ μὴ κρύψω ἀπ' ὑμῶν πᾶν ρ. (2 α)  
 14. 4. Β πιστεύω ἐγὼ τῷ ρ. τοῦ θεοῦ [Α Β α.] (2 α)  
 — 4. Β οὐ μὴ ἐλαττωσῇ ἐκ πάντων τῶν ρ. — (2 α)  
 — 4. Β οὐ μὴ διαπιστῇ ῥήμα ἐκ τῶν λόγων (2 α)  
 Ju. 1. 11. ἐφαύλισαν . . . τὸ ρ. Ναβ. (2 α)  
 2. 6. ἠπειθήσαν τῷ ρ. τοῦ στόματος μου (2 α)  
 — 13. οὐ παραβῆσθαι ἐν τῶν ρ. τοῦ κυρίου σου (2 α)  
 3. 5. ἀπήγγειλαν αὐτῷ κατὰ τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 6. 4. οὐ ματαιωθήσεται τὰ ρ. τῶν λόγων [Β τοῦ στόματος] αὐ. (2 α)  
 — 9. οὐδὲν διαπεσέεται τῶν ρ. μου (2 α)  
 — 17. ἀπήγγειλεν αὐτοῖς τὰ ρ. τῆς συνεδρίας Ὀλ. καὶ πάντα τὰ ρ. ὅσα ἐλάλησεν (2 α)  
 7. 28. ἵνα μὴ ποιῇσθαι κατὰ τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 31. ποιῶσθαι κατὰ τὰ ρ. ὑμῶν (2 α)  
 8. 8. δε ἐπὶνεγκεν αὐτῇ ρ. ποιηρὸν (2 α)  
 — 9. ἤκουσε τὰ [Β<sup>2</sup> om.] ρ. τοῦ λαοῦ τὰ ποιηρὰ (2 α)  
 10. 1. ὡς . . . συνετέλεσε πάντα τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 — 13. τοῦ ἀναγγεῖλαι ῥήματα ἀληθείας (2 α)  
 — 14. ὡς δὲ ἤκουσαν οἱ ἄνδρες τὰ ρ. αὐ. [Β ταῦτα] (2 α)  
 — 16. ἀναγγέλλων κατὰ τὰ ρ. σου (2 α)  
 11. 5. δέξαι τὰ ρ. τῆς δούλης σου (2 α)  
 — 9. ἤκουσάμεν τὰ ρ. αὐ. (2 α)  
 13. 3. Α Β ἐλάλησε κατὰ τὰ ρ. ταῦτα (2 α)  
 14. 19. Α Β ὡς δὲ ἤκουσαν ταῦτα [Β Β om.] τὰ ρ. (2 α)  
 Es. 1. 12. Β<sup>2</sup> κατὰ τὸ ρ. τοῦ βασ. (2 α)  
 — 17. διηγῆσθαι αὐτοῖς τὰ ρ. τῆς βασιλείας (2 α)  
 5. 14. ἤρῃσε τὸ ρ. τῷ Ἀ. (2 α)  
 Jb. 2. 9. εἰπόν τὸ ῥήμα εἰς [Α πρὸς] κύριον — (2 α)  
 4. 2. ἴσχυον δὲ ῥημάτων σου τίς ὑποῖσκει (3)  
 — 4. ἀσυνειδήτως τε ἐξανίστησιν ῥήμασι — (3)  
 — 12. εἰ δὲ τίς ῥήμα ἀληθινὸν ἐγγράψει ἐν λογισμοῖς σου (2 α)  
 6. 3. ἀλλ' ὡς εἴκε τὰ ρ. μου ἔστι φαῦλα (2 α)  
 — 6. εἰ δὲ καὶ ἔστι γέγραμ ἐν ῥήμασι κενοῖς — (2 α)  
 — 10. οὐ γὰρ ἐψευδάμην ῥήματα ἔγραψα [Α ἐν ῥήματι ἀγίου] θεοῦ μου (1 α)  
 — 25. ἀλλ' ὡς εἴκε φαῦλα ἀληθινὰ ῥήματα (1 α)  
 — 25. Α οὐ γὰρ παρ' ὑμῶν ῥήμα οὐδὲ [Β Β om. ρ. οὐδὲ] ἴσχυον αἰτοῦμαι — (2 α)  
 — 26. οὐδὲ ὁ ἐλεγχος ὑμῶν ῥήμασι με [Α τὰ ρ. μου] παύσει οὐδὲ γὰρ ὑμῶν φθέγμα [Α -ματος] ῥήμασιν [Β<sup>2</sup> τὸ ρ.] ἀνέξομαι (3, 1 α)  
 8. 10. Α ἡ οὐχ οὐτοί σε διδάξουσιν ῥήματα [Β Β om.] — (2 α)

Jb. 8. 10. καὶ ἐκ κερδίας ἐξείζουσιν [A διδάξουσιν] ῥήματα (8)  
 9. 14. ἡ διακρίνει τὰ ρ. μου (2 a)  
 10. 1. ἐπαφίωσεν ἐπ' αὐτὸν τὰ ρ. μου [A al.] (1)  
 11. 3. μὴ πολλὸν δέ ῥήματα γένουσι (2 a)  
 12. 11. B οὐδ' [A B S] νοῦς μὲν γὰρ ῥήματα διακρίνει (8)  
 13. 17. ἀκούσατε τὰ ρ. μου (8)  
 15. 3. ἐλγέων ἐν ῥήμασιν οἷς οὐ δεῖ [A al.] (2 a)  
 — 4. συνετέλεσεν δὲ ῥήματα τοιαῦτα (1)  
 — 5. ἐνοχος εἰ ῥήματι στόματός σου οὐδὲ διέκρινας ῥήματα [B<sup>2</sup> S<sup>1</sup> ῥήμα] δυνασ-  
 τῶν (1 a + 6)  
 — 13. ἐξήγαγες δὲ ἐκ στόματος ῥήματα τοιαῦτα (8)  
 16. 3. τί γὰρ μὴ τάξεις ἐστὶ ῥήμασι πνεύματος (2 a)  
 — 5. εἴτ' ἐναλοῦμαι ὑμῖν ῥήμασι [A λόγους] (6)  
 19. 4. λαλῆσαι ῥήματα ἃ [A B ῥήμα δ] οὐκ ἔδει τὰ δὲ ρ. μου πλασθῆναι (1)  
 — 23. τίς γὰρ ἂν δαή γραφῆται τὰ ρ. μου (8)  
 22. 22. ἀνάλαβε τὰ ρ. αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ σου (1 a)  
 23. 5. A B<sup>2</sup> γνῶνιν δὲ ῥήματα [B S<sup>1</sup> ἰάματα] (8)  
 — 12. ἐν δὲ κόλφῳ μου κρυψα ῥήματα αὐτοῦ (1 a + 6)  
 24. 25. τίς . . . θήσει εἰς οὐδὲν τὰ ρ. μου (8)  
 26. 4. τίνι ἀντήχηται ῥήματα (8)  
 27. 3. A<sup>2</sup> πνεῦμα δὲ θεῶν ἐντε περὶ μου ἐν ῥήμασιν μου [B S al.] (1)  
 29. 22. ἐπὶ τῷ ἔμφρ. οὐ προσέθεντο (2 a)  
 32. 1 (31. 40). ἐπαναστο ἰωβ ῥήμασιν (2 a)  
 — 11. ἐνωτίζεσθί μου τὰ ρ. (2 a)  
 — 12. B S<sup>2</sup> ἀποσκορμίζουσιν ῥήματα [A -ασιν] αὐτοῦ ἐξ ὑμῶν (1 a)  
 — 14. λαλῆσαι τοιαῦτα ῥήματα (3 + 1 a)  
 — 18. πληρῆς γὰρ εἰμι ῥημάτων (8)  
 33. 1. ἀκούσον, ἰωβ, τὰ ρ. μου (8)  
 — 3. καθαρὰ μου ἡ καρδία ῥήμασι [A ἐν ῥ.] (1 a)  
 — 8. φωνῇ ῥημάτων σου ἀκήκοα (1 a)  
 — 13. διὰ τί . . . οὐκ ἐπατήκοός μου πᾶν ῥήμα [A ἐν παντὶ ῥήματι] (2 a)  
 34. 16. ἐνωτίζου φωνῇ ῥημάτων (8)  
 — 34. ἀνὴρ δὲ σοφὸς ἀκήκοι μου τὸ ρ. (1)  
 — 35. τὰ ρ. αὐτοῦ [A σου] οὐκ ἐν ἐπιστήμῃ (2 a)  
 — 37. πολλὰ λαλοῦντων [A -οῦσιν] ῥήματα ἐναντίον τοῦ κυρίου (1 a)  
 35. 16. ἐν ἀγωνίᾳ ῥήματα βαρύνει (8)  
 36. 4. καὶ οὐκ ἄδικα ῥήματα (8)  
 38. 2. συνέχευ δὲ ῥήματα ἐν καρδίᾳ (8)  
 42. 3. φειδόμενος δὲ ῥημάτων (1)  
 — 7. μετὰ τὸ λαλῆσαι τὸν κύριον πάντα τὰ ρ. ταῦτα [A ομι.] τῷ ἰωβ (2 a)  
 Ps. 5. 1. τὰ ρ. μου ἐνωτίζονται, κύριε (1 a)  
 18 (17). 6. εἰσάκουσον τῶν ρ. μου (1 c)  
 18 (19). 2. ἡμέρα τῇ ἡμέρᾳ εἰρεύγεται ῥήμα (1 b)  
 — 4. εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμ. τὰ ρ. αὐ. (8)  
 35 (38). 3. τὰ ρ. τοῦ στόματος αὐ. ἀνομία (2 a)  
 51 (52). 4. B S ἡγάπησας πάντα τὰ [S<sup>2</sup> om.] ρ. καταπονησάμεν (2 a)  
 53 (54). 2. ἐνέταται τὰ ρ. τοῦ στόματος μου (1 a)  
 56 (58). 10. ἐπὶ τῷ θεῷ αἰνέσω ῥήμα (2 a)  
 67 (68). 11. κύριος δώσει ῥήμα (1 b)  
 76 (77). 8. S<sup>2</sup> συνετέλεσεν ῥήμα (1 b)  
 77 (78). 1. κλῖνατε τὸ οὖς ὑμῶν εἰς τὰ ρ. τοῦ στόματός μου (1 a)  
 137 (138). 1. B ἤκουσας πάντα [B om.] τὰ ρ. τοῦ στόματός μου (1)  
 — 4. ἤκουσαν πάντα τὰ ρ. τοῦ στόματος σου (1 a)  
 140 (141). 6. ἀκούσονται τὰ [S<sup>2</sup> om.] ρ. μου (1 a)  
 Pr. 3. 1. τὰ δὲ ρ. μου τηρεῖται σὴ καρδίᾳ (4)  
 4. 5. A μὴδὲ ἐκλίπῃς ἀπὸ ῥημάτων στόματός σου (1 a)  
 7. 24. πρόσχε ῥήμασι [A ῥήσιν] στόματός μου (1 a)  
 8. 8. μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ ρ. [A κρίματα] τοῦ στόματός μου (1 a)  
 17. 27. δὲ φείδεταί ῥημα προσέθαι σκληρόν (1 a)  
 Ec. 1. 1. ῥήματα ἐκκλησιαστοῦ υἱοῦ Δαυὶδ (2 a)  
 7. 30 (81). τίς οὐδὲ λυσιν ῥήματος (2 a)  
 8. 5. οὐ γνῶσεται ρ. ποιήσων (2 a)  
 Wi. 6. 25. παιδεύεσθε τοῖς ρ. μου (2 a)  
 16. 26. τὸ ρ. σου τοῖς οἰσ πιστεύουσας διατηρεῖ (1 a)  
 Si. 2. 15. οὐκ ἀπειθήσονται ῥημάτων [S<sup>1</sup> τῶν ρ.] αὐ. [A al.] (1)  
 4. 24. γνωσθήσεται . . . παιδεία ἐν ῥήματι γλώσσας [S<sup>1</sup> γλωσσώδους] (1)  
 12. 12. ἐπὶ τῶν ρ. μου κατανήγησιν (1 a)  
 16. 28. οὐκ ἀπειθήσονται τοῦ ρ. [S<sup>2</sup> τῶν ρ.] αὐ. (1 a)

Si. 39. 7. αὐτοὺς ἀνομβρήσει ῥήματα σοφίας αὐτοῦ — 17. ἐν ῥήματι στόματός αὐτοῦ ἀποδοχία ὑδάτων (1 a)  
 41. 16. ἐντράπηται ἐπὶ τῷ ρ. μου (2 a)  
 46. 15. A B ἐγνώσθη ἐν ῥήμασιν [B πιστεῖ] αὐτοῦ (1 a)  
 47. 8. ῥήματα δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὑμῆσε (2 a)  
 Ho. 6. 6 (5). ἀπέκριναν αὐτοὺς ἐν ῥήματι [A -ασιν] στόματός μου (1 a)  
 10. 4. λαλῶν ῥήματα προφάσεις ψευδεῖς (2 a)  
 Za. 1. 13. τῷ λαλοῦντι ἐν ἐμοί ρ. καλὰ (2 a)  
 Is. 8. 20. ἵνα ἐπωσιν οὐχ ὅτι τὸ ρ. τοῦτο (2 a)  
 14. 28. ἐγενήθη τὸ ρ. τοῦτο (6)  
 15. 1. τὸ ρ. [A δρᾶμα] τὸ κατὰ τῆς Μωαβιτιδος (5)  
 16. 13. A B τὸ τοῦτο τὸ [B om.] ρ. δ' ἐλάλησε κύριος (2 a)  
 17. 1. τὸ ρ. τὸ κατὰ Δαμασκὸν (5)  
 22. 1. τὸ ρ. [A δρᾶμα] τῆς φάραγγος Σιών (5)  
 23. 1. τὸ ρ. [A S δρᾶμα] Τύρου (5)  
 29. 11. ἔσται ὑμῖν τὰ ρ. πάντα ταῦτα ὡς οἱ λόγοι τοῦ βιβλίου (1 a)  
 38. 7. ποιήσει οὐ θεὸς τὸ ρ. τοῦτο (2 a)  
 40. 8. τὸ δὲ ρ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν μῖνι (2 a)  
 42. 16. ταῦτα τὰ ρ. [A add. d] ποιῶ (2 a)  
 44. 26. ἰσθῶν ῥήματα παιδὸς αὐτοῦ (2 a)  
 55. 11. οὕτως ἔσται τὸ ρ. μου (2 a)  
 58. 9. ἐὰν ἀφῆλθαι ἀπὸ σου . . . ρ. γογγυσμοῦ (2 b)  
 59. 21. τὰ ρ. ἃ ἔδωκα εἰς τὸ στόμα [S<sup>1</sup> τῆς καρδίας] σου οὐ μὴ ἐκλίπῃ (2 a)  
 66. 5. ἀκούσατε ῥήματα [A S τὸ ρ.] κυρίου (2 a)  
 Je. 1. 1. τὸ ρ. τοῦ θεοῦ δ' ἐγένετο ἐπὶ Ἱερემῶν (2 a)  
 5. 14. ἐλαλήσατε τὸ ρ. τοῦτο (2 a)  
 6. 10. τὸ ρ. κυρίου ἐγένετο αὐτοῖς εἰς διενδισμόν (2 a)  
 7. 23. τὸ ρ. τοῦτο ἐνετελέσθη αὐτοῖς (2 a)  
 9. 8 (7). δόλια τὰ ρ. τοῦ στόματος αὐτῶν (2 b)  
 16. 10. ὅταν ἀναγγεῖλῃς . . . ἅπαντα τὰ ρ. τ. (2 a)  
 18. 20. συνελάλησαν ῥήματα κατὰ τῆς ψυχῆς μου (1 a)  
 23. 33. S<sup>1</sup> ὑμεῖς ἐστέ τὸ ρ. [A B S<sup>2</sup> λῆμμα] (5)  
 33 (26). 2. μὴ ἀφῆλθαι τὸ ρ. (2 a)  
 42 (35). 14. ἔστησαν ρ. υἱοῖ Ἰωνάδᾶβ (2 a)  
 45 (38). 14. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ τὸ ρ. (2 a)  
 49 (42). 4. οὐ μὴ κρύψω ἀπ' ὑμῶν ρ. (2 a)  
 Ba. 4. 37. ἐρχονται . . . τῷ ρ. τοῦ αἵλου (2 a)  
 5. 5. ἴδε σου συνηγμένα τὰ τέκνα . . . τῷ ρ. τοῦ αἵλου (2 a)  
 La. 2. 17. συνετέλεσε ῥήματα αὐτοῦ (1 a)  
 Ez. 33. 31. ἀκούσιν τὰ ρ. σου (2 a)  
 — 32. ἀκούσονται σου τὰ ρ. [A al.] (2 a)  
 38. 10. ἀναβήσεται ῥήματα ἐπὶ τὴν καρδίαν σου (2 a)  
 Da. LXX. 1. 17. συνέσειν ἐν παντὶ ρ. (1)  
 2. 9. ἐὰν τὸ ρ. εἰπῇτε μοι (1)  
 7. 25. ῥήματα εἰς τὸν ὕψιστον λαλήσει (8)  
 — 28. τὸ ρ. ἐν καρδίᾳ μου ἐστήριξα (8)  
 10. 12. εἰσῆλθον τὸ ρ. σου (2 a)  
 — 12. εἰσῆλθον τῷ ρ. σου (2 a)  
 Da. TH. 1. 20. ἐν παντὶ ρ. σοφίας (2 a)  
 2. 8. ἀπὸ τῆς ἀπ' ἐμοῦ τὸ ρ. (8)  
 — 9. ρ. ψευδὲς . . . συνετέλεσε εἰπεῖν (8)  
 — 10. ὅστις τὸ ρ. τοῦ βασ. διηγήσεται γνωρίσει (8)  
 — 10. ρ. τοιοῦτο οὐκ ἐπερωτᾷ ἐπαυδῶν (8)  
 — 15. A ἐγνώρισε δὲ τὸ ρ. Ἀρ. τῷ Δαν. [B al.] (8)  
 — 17. τοῖς φίλοις αὐ. τὸ ρ. ἐγνώρισε (8)  
 3. 16. περὶ τοῦ ρ. τοῦτο ἀποκριθῆναι σοι (7)  
 — 22. τὸ ρ. τοῦ βασ. ὑπερίσχυεν (8)  
 — 38 (95). τὸ ρ. τοῦ βασ. ἠλλοώσαν (8)  
 4. 14. καὶ ῥήμα [A λόγους] ἀγίων τὸ ἐπερωτήμα (1 c)  
 5. 26. τοῦτο τὸ σύγκλημα τοῦ ρ. (3)  
 6. 14 (15). ὡς τὸ ρ. ἤκουσε (8)  
 7. 28. τὸ ρ. ἐν τῇ καρδίᾳ μου διετήρησα (8)  
 9. 23. ἐννοήθητι ἐν τῷ ρ. (2 a)  
 10. 9. A ἐν τῷ ἀκούσῃ με φωνῇ ῥημάτων [B om. φ. ρ.] αὐ. (2 a)  
 Bel. 9. γινέσθω κατὰ τὸ ρ. σου (1 a)  
 I Ma. 1. 50. A B κατὰ τὸ ρ. [B τὸν λόγον] τοῦ βασ. (1 a)  
 5. 14. ἀπαγγέλλουσιν κατὰ τὰ ρ. ταῦτα (1 a)  
 — 37. μετὰ δὲ τὰ ρ. ταῦτα (1 a)  
 [Aq. GE. 20. 10. 41. 32. Ex. 2. 10 (P.). 4. 10. 16. 4. 18. 14. DT. 22. 14. Jo. 2. 14. III Ki. 18. 26. 14. 5. 13. 18. 19. 15. 5. 17. 17. 21. 20. 1. IV Ki. 1. 16. 17. 11. Jb. 6. 3. 33. 13. 38. 12 (P.). Ps. 18 (19). 4. 21 (22). 2. 82 (88). 4. 6. 84 (85). 20. 65 (66). 5. 11. 68 (64). 4. 90 (91). 6. 118 (119). 49. 57. 105. 116. 129 (130). 147. 8 (19). Pr. 25. 2. 11. Is. 9. 8 (7). 39. 2. 4. Jz. 32 (39). 17. 38 (45). 5. 14. 27. 40 (47). 3. 44 (51). 4. 20. Ez. 20. 8. DA. 10. 1. Mi. 2. 7.]

[Sm. Jo. 2. 14. II Ki. 14. 20. Jb. 28. 5. Ps. 5. 2. Pr. 6. 1. 10. 25. 2. 27. 11. Da. 3. 22 (Sw.), 28 (95) (Sw.).]  
 [Th. Jo. 2. 14. Jb. 11. 37. 18. 12. II Ki. 12. 12. III Ki. 2. 42. 13. 26. 17. 17. Jb. 22. 28. 32. 12. 85. 16. Ps. 5. 2. Pr. 7. 5. 24. 26. 25. 11. 31. 1. Is. 24. 3. 32. 9. 39. 2. 4. Jz. 11. 6. 40 (47). 3. Da. 2. 10. 3. 22. 28 (95). 10. 9. 1.]  
 [Al. Ex. 22. 9 (8). Nu. 8. 16. 22. 8. 35. 30. Dt. 1. 32. 17. 9. 10. 22. 26. 11 Ch. 86. 22. Ec. 7. 30 (8. 1).]  
 [Quint. Ps. 34 (35). 20. 129 (130). 5.]  
 ρήσις. (1) רָשִׁים (2) רָשָׁה (3) רָשָׁה II Es. 5. 7. A B ῥήσιν [B ῥήμασιν] ἀπέστειλαν πρὸς αὐτὸν (8)  
 Pr. 1. 6. ῥήσεις τε σοφῶν καὶ αἰνύματα (2)  
 — 23. προσημαίω ὑμῖν ἐμῆς τῆς ῥήσιν (1)  
 2. 1. ἐὰν δεξιάνω ῥήσιν ἐμῆς ἐντολῆς κρίνῃς (1)  
 4. 5. μὴδὲ παρίδῃς ῥήσιν ἐμοῦ στόματος (2)  
 — 20. νίε, ἐμῇ ῥήσιν πρόσχε (1)  
 7. 24. A πρόσχε ῥήσιν [B S ῥήμασι] στόματός μου (1)  
 15. 26. ἀγῶν δὲ ῥήσεις σεμναί (1)  
 19. 27. μελετήσεις ῥήσεις κακάς (1)  
 24. 70 (31. 2). τί ; ῥήσεις θεοῦ (1)  
 27. 27. παρ' ἐμοῦ ἔχεις ῥήσεις ἰσχυράς (1)  
 [Sm. Jb. 34. 31. Ps. 17 (18). 31. 18 (19). 4. 28 (29). 9. 67 (68). 12. 76 (77). 9. 187 (188). 2. 140 (141). 6. Pr. 1. 2. 19. 7. Ec. 8. 2. Is. 32. 9.]  
 [Th. Pr. 19. 7.]  
 ῥήσιν, vid. ρ. ῥηγνύειν.  
 ῥητίνη (βίτ.). (1) רֶשֶׁתָּה Ge. 37. 25. ἔγχεον θυμῶν καὶ ῥητίνης (1)  
 43. 11. καταγγέλλε τῷ ἀνθρ. δῶρα τῆς ρ. (1)  
 Je. 8. 22. μὴ ρ. οὐκ ἔστιν ἐν Γαλαδὶ (1)  
 26 (46). 11. λάβε ῥητίνην τῇ παρθένῳ (1)  
 28 (51). 8. λάβετε ῥητίνην τῇ διαφθορᾷ αὐτῆς (1)  
 Ez. 27. 17. ἔλαιον καὶ ῥητίνην ἔδωκαν (1)  
 . ῥητός. (1) רָשָׁה Ex. 9. 4. οὐ τελεινῇσιν κατὰ πάντων τῶν τοῦ Ἰσρ. ῥητόν (1)  
 22. 9 (8). κατὰ πᾶν ρ. ἀδίκημα (1)  
 [Aq. Pr. 31. 1.]  
 [Sm. Is. 39. 2.]  
 ῥηχάβ. (1) רָחָב Jd. 1. 19. ρ. διεστειλῶσ αὐτοῖς (1)  
 ῥίγος. (1) רִיגוֹס De. 28. 22. πατάξει σε κύριος ἐν [A om.] . . . ῥίγῃ (1)  
 Da. LXX. 3. (67). εὐλόγητε ῥίγος καὶ ψυχὸς τὸν κ.  
 ρίζα. (1) רֵיֶס (2) רֵיֶס (3) רֵיֶס (4) רֵיֶס (5) רֵיֶס (6) רֵיֶס ρίζαν βάλλειν רֵיֶס hi. (7) ἐκ ρίζων ἀπολλύναι רֵיֶס ri. De. 29. 18 (17). μὴ τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν ρίζα ἄνω φύουσα (5)  
 IV Ki. 19. 30. προσθήσει . . . ρίζαν κάτω (5)  
 I Es. 8. 78. καταλειφθῆναι ἡμῖν ρίζαν (5)  
 — 87. ἔδωκα ἡμῖν τοιαύτην ρ. (5)  
 — 88. ἔως τοῦ μὴ καταλείπειν ρίζαν (5)  
 — 89. κατελείφθημεν γὰρ ρίζα ἐν τῇ σήμερον (5)  
 To. 5. 13. ἐκ ρ. καλῆς εἰ [A B al.] (1)  
 Ju. 6. 13. ἀφῆκαν ἐρριμμένον ὑπὸ τὴν ρ. τοῦ δρους (5)  
 7. 12. ἡ ἐκπορεύεται ἐκ τῆς ρ. τοῦ δρους (5)  
 Jb. 5. 3. ἐγὼ δὲ ἔώρακα ἄφρονας ρίζαν βάλλοντας (8)  
 8. 12. A B S<sup>2</sup> ἔτι ἐν ἐπὶ ρίζης (17)  
 13. 27. εἰς δὲ ρίζας τῶν ποδῶν μου ἀφίκου (5)  
 14. 8. ἐὰν γὰρ γραφῇ ἐν γῇ ἡ ρ. αὐτοῦ (5)  
 18. 16. ὑποκάτωθεν αἰ ρ. αὐτοῦ ἐξηρανόησονται (5)  
 19. 28. ρίζαν λόγον ἐρύσσωμεν ἐν αὐτῷ (5)  
 28. 9. κατέστρεψε δὲ ἐκ ρίζων ὄρη (5)  
 29. 19. ἡ ρ. διηροῖται ἐπὶ ὑδάτων (5)  
 30. 4. A B S B ρίζας ἔχλων ἐμασῶντο (5)  
 31. 12. οὐδ' ἂν ἐπέλθῃ ἐκ ρίζων ἀπώλεσεν (7)  
 Ps. 79 (80). 9. κατεφύλασεν τὰς ρ. αὐτῆς (5)  
 Pr. 12. 3. αἰ δὲ ρ. τῶν δικαίων οὐκ ἐξαρθήσονται (5)  
 — 12. αἰ δὲ ρ. τῶν εὐσεβῶν ἐν οὐρανῷ (5)  
 Wi. 8. 15. ἀδιάρκτος ἡ ρ. τῆς φρονήσεως (5)  
 3. ἐκ νόθων μοσχευμάτων οὐ δώσει ρίζαν εἰς βάθος (5)  
 7. 20. διαφορὰς φυτῶν καὶ δυνάμεις ρίζων (5)

Wi. 15. 3. εἰδάναι σου τὸ κράτος **ρίζα** ἀθανασίας  
 Si. 1. 6. **ρίζα** σοφίας τίνι ἀπεκαλύφθη  
 — 20. **ρίζα** σοφίας φοβέσθαι τὸν κύριον  
 10. 15. **ρίζας** ἰδῶν ἐξέλιπε ὁ κύριος  
 23. 25. οὐ διαδοῦναι τὰ τέκνα αὐτῆς εἰς **ρίζαν**  
 40. 15. **ρίζαι** ἀκάθαρτοι ἐπ' ἀκροτόμου πέτρας  
 47. 22. ἔδωκε . . . τῷ Δαυὶδ εἰς αὐτοῦ **ρίζαν**  
 Ho. 9. 16. τὰς **ρ.** αὐ. ἐξηράνθη (5)  
 14. 6. βαλεῖ τὰς **ρ.** αὐ. (5)  
 Am. 2. 9. καὶ τὰς **ρ.** αὐ. ὑποκάτωθεν  
 Ma. 4. 1 (3. 19). οὐ μὴ ὑπολειφθῇ ἐξ αὐτῶν **ρίζα** (5)  
 Is. 5. 24. ἡ **ρ.** αὐτῶν ὡς χυοὺς ἔσται (5)  
 11. 1. ἐξελεύσεται **ρίζα** ἐκ τῆς **ρ.** Ἰεσσαὶ καὶ  
 ἄνθος ἐκ τῆς **ρ.** ἀναβήσεται (2, 5)  
 — 10. ἔσται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ ἡ **ρ.** τοῦ Ἰεσσαὶ (5)  
 37. 31. φυήσουσι **ρίζαν** κάτω (5)  
 40. 24. οὐδὲ μὴ **ρίζω**θι εἰς τὴν γῆν ἡ **ρ.** αὐτῶν (5)  
 58. 2. ὡς **ρ.** ἐν γῇ διψώσῃ (5)  
 Je. 17. 3. ἐπὶ ἱκμάδα βαλεῖ **ρίζαν** [A S -as] αὐτοῦ (5)  
 Ez. 16. 3. ἡ **ρ.** σου . . . ἐκ γῆς Χαναάν (4)  
 17. 6. **ρίζαι** [A αἰ **ρ.**] αὐτῆς ὑποκάτω αὐτῆς ἦσαν (5)  
 — 7. **ρίζαι** [A αἰ **ρ.**] αὐτῆς πρὸς αὐτὸν (5)  
 — 9. οὐχὶ αἱ **ρ.** τῆς ἀπλοτήτος αὐτῆς καὶ ὁ  
 καρπὸς σπῆσθαι . . . τοῦ ἐκπαῖα  
 αὐτῆν ἐκ **ρίζων** αὐτῆς (5, 5)  
 31. 7. ἐγενήσαν αἱ **ρ.** αὐ. εἰς ὕδωρ πολὺ (5)  
 Da. LXX. 4. 12. **ρίζαν** μίαν ἄφετε αὐτοῦ (5)  
 — 23. ἡ **ρ.** τοῦ δένδρου ἡ ἀφειδέα (5)  
 11. 7. ἀναστήσεται φυτὸν ἐκ τῆς **ρ.** αὐ. (5)  
 — 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς **ρ.** αὐ. φυτὸν βασιλείας (3)  
 Da. Th. 2. 41. ἀπὸ τῆς **ρ.** τῆς σιδηρᾶς ἔσται ἐν αὐτῇ  
 4. 12. τὴν φυὴν τῶν **ρ.** αὐ. ἐν τῇ γῇ ἔασατε (5)  
 — 20. τὴν φυὴν τῶν **ρ.** αὐ. ἔασατε ἐν τῇ γῇ  
 — 23. ἔασατε τὴν φυὴν τῶν **ρ.** [A om. τ. **ρ.**]  
 τοῦ δένδρου (5)  
 11. 7. ἀναστήσεται ἐκ τοῦ δένδρου τῆς **ρ.** αὐ. (5)  
 — 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς **ρ.** αὐ. φυτὸν (3)  
 I Ma. 1. 10. ἐξῆλθεν ἐξ αὐτῶν **ρίζα** ἀμαρτωλῶς  
 [Aq. Le. 25. 47 : Jb. 38. 30 : Is. 58. 2.]  
 [Sm. Jb. 30. 4 : Jb. 38. 30 : Ps. 79 (80). 10 : Is.  
 58. 2.]  
 [Th. Jb. 8. 17 : 18. 16 : 19. 28 : 29. 19 : Is. 53.  
 2 : Da. 2. 41.]  
**ρίζοβολεῖν.**  
 [Sm. Ps. 79 (80). 10.]  
**ρίζω.** (1) **ρ.** α. **ρ.** poel. ὁ. poal.  
 Si. 3. 28. φυτὸν γὰρ πονηρίας ἐρρίζωκεν ἐν αὐτῷ  
 24. 12. ἐρρίζωσα ἐν λαῷ δεδοσμένῳ [B<sup>3</sup> δεδοκι-  
 μασμένῳ]  
 Is. 40. 24. οὐδὲ μὴ **ρίζω**θι εἰς τὴν γῆν ἡ **ρίζα** αὐτῶν (1α)  
 Je. 12. 2. ἐφύεσσας αὐτοὺς καὶ ἐρρίζωθησαν  
 [A S -ωσαν] (1β)  
 [Aq., Sm., Th. Is. 27. 6.]  
**ρίζωμα.** (1) α. **ρ.** **ρ.** δ. **ρ.** **ρ.** pi.  
 Jb. 38. 30. **ρίζωματα** [A -μα] τῆς θαλ. ἐκάλυψεν (1α)  
 Ps. 51 (52). 5. καὶ τὸ **ρ.** σου ἐκ γῆς ζῶντων (1β)  
 [Th. Jb. 38. 30.]  
**ρίζωσις.**  
 [Sm. Ez. 17. 5.]  
**ριμέμ.**  
 [Aq. Is. 34. 7.]  
**ριμός (?)**  
 [Aq. Dt. 32. 14.]  
**ρινητός.**  
 [Sm. Jb. 10. 5.]  
**ρινόκερως.**  
 [Aq. Jb. 39. 9 : Ps. 28 (29). 6.]  
**ρίζ (?)**  
 [Aq. I Ki. 18. 21.]  
**ριπίλειν.** (1) **ρ.** **ρ.**  
 Da. LXX. 2. 35. ἐρρίπισεν αὐτὰ ὁ ἄνεμος (1)  
**ριπιστός.** (1) **ρ.** **ρ.** **ρ.**  
 Je. 22. 14. ὑπερφῶ **ριπιστά** διενσταλμένα θυρίσι (1)  
 [Sm., Th. Jb. 22. 14 (Sw.).]  
**ριπτάξωθαι.**  
 [Aq. Is. 51. 20.]

**ρίπτειν, ριπτέιν.** (1) **ρ.** **ρ.** (2) **ρ.** **ρ.** (3) **ρ.** **ρ.**  
 (4) **ρ.** **ρ.** (5) **ρ.** **ρ.** hi. (6) **ρ.** **ρ.** a. qal.  
 δ. hi. (7) **ρ.** **ρ.** (8) α. **ρ.** **ρ.** δ. **ρ.** **ρ.** **ρ.** **ρ.** pe.  
 c. ithp. (9) **ρ.** **ρ.** pi. (10) **ρ.** **ρ.** a. hi.  
 δ. hoph.  
 Ge. 21. 15. ἔρριψε τὸ παιδίον ὑποκάτω μῆας  
 ἐλάτης (10 α)  
 37. 20. **ρίψομεν** αὐτὸν εἰς ἓνα τῶν λάκκων (10 α)  
 — 24. ἔρριψαν εἰς τὸν λάκκον (10 α)  
 Ex. 1. 22. πᾶν ἄρσεν . . . εἰς τὸν ποταμὸν **ρί-**  
 ψατε (10 α)  
 4. 3. **ρίψον** αὐτὴν ἐπὶ τὴν γῆν (10 α)  
 — 3. ἔρριψεν αὐτὴν ἐπὶ τὴν γῆν (10 α)  
 7. 9. **ρίψον** [A add. αὐτὴν] ἐπὶ τὴν γῆν (10 α)  
 — 10. ἔρριψαν Ἀ. τὴν **ράβδον** (10 α)  
 — 12. ἔρριψαν [A -εν] ἕκαστος τὴν **ράβδον** αὐ. (10 α)  
 15. 1. ἴππον . . . ἔρριψεν εἰς θάλασσαν (8 α)  
 — 4. τὴν δύναμιν αὐ. ἔρριψεν εἰς θάλασσαν (2)  
 — 21. ἴππον . . . ἔρριψεν εἰς θάλασσαν (8 α)  
 32. 19. ἔρριψεν ἀπὸ τῶν χειρῶν αὐ. τὰς δύο  
 πλάκας (10 α)  
 — 24. καὶ ἔρριψα εἰς τὸ πῦρ (10 α)  
 De. 9. 17. ἔρριψα αὐτὰς ἀπὸ τῶν δύο χειρῶν  
 μου (10 α)  
 — 21. ἔρριψα τὸν κονιορτὸν εἰς τὸν χειμάρρουν (10 α)  
 Jo. 8. 29. ἔρριψαν αὐτὸν εἰς τὸν βόθρον (10 α)  
 10. 27. ἔρριψαν αὐτοὺς εἰς τὸ σπῆλαιον (10 α)  
 Jd. 4. 22. Σ. ἐρριμμένος [A πεπτωκὸς] νεκρὸς (8 α)  
 8. 25. Ἀ. ἔρριψεν [B ἔβαλεν] ἐκείνῃ ἀνὴρ ἐνώπιον (10 α)  
 9. 17. Ἀ. ἔρριψεν [B ἔξερρ.] τὴν ψυχὴν αὐ. (10 α)  
 — 53. ἔρριψε γυνὴ μία κλάσμα (10 α)  
 15. 15. Ἀ. εὗρε σιγῶνα θνους ἐρριμμένην ἐν τῇ  
 ὁδῷ [B al.] +  
 — 17. ἔρριψε τὴν σιαγόνα (10 α)  
 II Ki. 11. 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψε κλάσμα μύλου (10 α)  
 — 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν ἐπ' αὐτὸν κλάσμα μύλου +  
 18. 17. ἔρριψεν αὐτὸν [A om.] εἰς χάσμα μέγα (10 α)  
 20. 21. ἡ κεφαλὴ αὐτοῦ **ρίψεται** (10 β)  
 III Ki. 13. 24. ἦν τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμμένον ἐν τῇ  
 ὁδῷ (10 β)  
 — 25. εἶδον τὸ θνησιμαῖον ἐρριμμένον ἐν τῇ  
 ὁδῷ (10 β)  
 — 28. εὗρε τὸ σῶμα αὐ. ἐρριμμένον ἐν τῇ ὁδῷ (10 β)  
 14. 9. Ἀ. ἐμὲ ἔρριψας ὅπως σώματός σου (10 α)  
 IV Ki. 2. 16. καὶ ἔρριψεν αὐτὸν ἐν τῷ Ἰ. (10 α)  
 — 21. καὶ ἔρριψεν ἐκεῖ **δία**  
 3. 25. ἔρριψαν αὐτὸν τὸν λίθον (10 α)  
 6. 6. καὶ ἔρριψεν ἐκεῖ (10 α)  
 7. 15. ὡν ἔρριψε Συρία (10 α)  
 9. 25. **ρίψαι** αὐτὸν ἐν τῇ μερίδι ἀγροῦ N. (10 α)  
 — 26. **ρίψον** αὐτὸν ἐν τῇ μερίδι (10 α)  
 10. 25. καὶ ἔρριψαν οἱ παστρέχοντες (10 α)  
 13. 21. ἔρριψαν τὸν ἄνδρα ἐν τῷ τάφῳ Ἑλ. (10 α)  
 23. 6. ἔρριψε τὸν χοῦν αὐ. εἰς τὸν τάφον (10 α)  
 — 12. ἔρριψε τὸν χοῦν αὐ. εἰς τὸν χειμάρρουν (10 α)  
 II Ch. 80. 14. καὶ ἔρριψαν εἰς τὸν χειμάρρουν K. (10 α)  
 34. 4. καὶ ἔρριψεν ἐπὶ πρόσωπον τῶν **μνημάτων** (1)  
 Ne. 9. 11. τοὺς καταδιώξαντας αὐτοὺς ἔρριψας  
 εἰς βυθὸν (10 α)  
 — 26. ἔρριψαν τὸν νόμον σου ὅπως σώματος  
 αὐ. (10 α)  
 18. 8. ἔρριψα πάντα τὰ σκεύη οἴκου T. (10 α)  
 To. 1. 17. εἰ τινα . . . ἐθεώρουν . . . ἐρριμμένον  
 2. 3. εἰς ἐκ τοῦ γένους ἡμῶν . . . ἐρρίπτει ἐν τῇ ἀγορᾷ  
 Ju. 6. 13. καὶ ἀφῆκαν ἐρριμμένον [A **ρεριμμ.**]  
 14. 15. ἔβρε αὐτὸν . . . ἐρριμμένον νεκρὸν  
 Jb. 16. 12 (11). ἐπὶ δὲ ἀσβεσίαν [A -βείς] ἔρ-  
 ριπέ με (8)  
 — 16 (15). Ἀ. **Β**<sup>3</sup> σάκκον ἔρριψαν [B S<sup>3</sup> B  
 ἔρραψαν] ἐπὶ βύρσης [A -η] μου +  
 20. 23. Ἀ. **Β**<sup>3</sup> **ρίψαι** [B S<sup>3</sup> **ρίψαι**] ἐπ' αὐτὸν  
 ὁδύνας (5)  
 Ps. 87 (88). 5. ὥστε τραυματῆαι ἐρριμμένοι [A S<sup>3</sup>  
 om.] καθιεύδοντες ἐν τάφῳ -  
 Wi. 5. 22. πλήρεις **ρίψονται** χαλᾶσαι  
 11. 14. τὸν γὰρ ἐν ἐκείνῃ πάλαι **ρίψεται**  
 18. 18. ἄλλος ἀλλαχὲ **ρίψεται** [A **ρίψεται**] ἡμῶντος  
 Si. 10. 9. ἐν **ρ.** ἔρριψα τὰ ἐνδόσθια αὐ. [S<sup>3</sup> al.]  
 Jj. 1. 7. ἐξηρεύσεν αὐτὴν καὶ ἔρριψεν (10 α)  
 Za. 5. 8. ἔρριψεν αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ μέτρου (10 α)  
 — 8. ἔρριψε τὸν λίθον τοῦ μολίβου εἰς τὸ  
 στόμα αὐ. (10 α)  
 Is. 14. 19. **ρίψω** ἐν τοῖς ὕρσιν (10 β)

Is. 22. 18. **ρίψει** σε εἰς χώραν μεγάλην (7)  
 33. 12. ὡς ἀκανθα ἐν ἀγρῷ ἐρριμμένη (4)  
 34. 3. οἱ δὲ τραυματῆαι αὐτῶν **ρίψονται** (10 β)  
 Je. 14. 16. ἔσονται ἐρριμμένοι ἐν ταῖς ὁδοῖς (10 β)  
 22. 19. **ρίψεται** ἐπέκεινα τῆς πύλης Ἱερ. (10 α)  
 27 (60). 30. οἱ ἄνδρες οἱ πολυμισταὶ αὐτῆς  
**ρίψονται** +  
 28 (51). 63. **ρίψις** αὐτὸ εἰς μέσον τοῦ Εὐ-  
 φράτου (10 α)  
 83 (26). 23. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς τὸ μῆμα (10 α)  
 43 (38). 23. ἔρριπτεν εἰς τὸ πῦρ (10 α)  
 — 30. τὸ θνησιμαῖον αὐτοῦ ἔσται ἐρριμμένον  
 [A **ρεριμμ.**] (10 β)  
 45 (38). 6. ἔρριψαν αὐτὸν εἰς λάκκον Μελχίου (10 α)  
 — 11. ἔρριψεν αὐτὰ πρὸς Ἱερ. εἰς τὸν λάκκον (9)  
 — 26. **ρίπτω** ἐγὼ τὸ ἔλεος μου κατ' ὀφθαλμούς  
 τοῦ βασιλέως (8 β)  
 48 (41). 9. εἰς ὃ ἔρριψεν ἐκεῖ Ἰσμ. πάντας (10 α)  
 Ep. Je. 71. κεκρῶ ἐρριμμένῳ ἐν σκότει  
 Ez. 5. 4. **ρίψις** αὐτοὺς εἰς μέσον τοῦ πυρός (10 α)  
 7. 19. **ρίψεται** ἐν ταῖς πλατείαις (10 α)  
 19. 12. ἐπὶ γῆν ἐρρίψῃ (10 β)  
 28. 17. ἐπὶ γῆν ἔρριψά σε (10 α)  
 Da. LXX. Su. 62. ἔρριψαν εἰς φάραγγα  
 — 62. ἔρριψε πῦρ διὰ μέσον αὐτῶν  
 4. 15. εἰκίσθη καὶ ἐρρίφῃ -  
 6. 5 (6). Ἰνα . . . **ρίψῃ** εἰς τὸν λάκκον τῶν λεόντων -  
 — 7 (8), 12 (13). **ρίψεται** εἰς τὸν λάκκον (8 γ)  
 — 14 (15). εἶπεν **ρίψεται** τὸν Δ. εἰς τὸν λάκκον -  
 — 17. Δαν. ἐρρίφῃ εἰς τὸν λάκκον (8 β)  
 — 22 (23). **ρίψεται** με εἰς τὸν λάκκον -  
 — 24 (25). ἐρρίψαν τοῖς λέουσιν (8 β)  
 8. 12. ἐρρίφῃ χαμαὶ ἡ δικαιοσύνη (10 α)  
 Da. Th. 8. 7. ἔρριψεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν γῆν (10 α)  
 — 12. ἐρρίφῃ χαμαὶ ἡ δικαιοσύνη (10 α)  
 9. 18. **ρίπτου**μεν τὸν οἰκτῆρμόν ἡμῶν ἐνώπιόν σου (8 β)  
 — 20. ἐτι ἐμοῦ . . . **ρίπτου**μεν τὸν ἔλεόν μου (8 β)  
 I Ma. 5. 43. ἔρριψαν τὰ ὅπλα αὐ.  
 7. 44. **ρίψαντες** τὰ ὅπλα αὐ.  
 11. 4. ἔδειξαν αὐτῷ . . . τὰ σώματα ἐρριμμένα  
 — 51. ἔρριψαν τὰ ὅπλα  
 II Ma. 8. 15. πρὸ τοῦ θυσιαστηρίου . . . **ρίψαντες**  
 αὐτούς  
 — 29. καὶ ὁ μὲν . . . ἐρρίπτο  
 III Ma. 5. 50. πρηνεῖς ὁμοθυμαδὸν **ρίψαντες** αὐτούς  
 6. 7. τὸν . . . λέουσι κατὰ γῆς **ρίψεται** θηροὶ βορὰν  
 IV Ma. 12. 20. αὐτὸν ἔρριψε κατὰ τὸν πηγάδων  
 17. 1. αὐτὴν ἔρριψε κατὰ τῆς πυρᾶς  
 [Aq. III Ki. 14. 9 : Jb. 36 (43). 23 : 38 (45). 26 :  
 Ez. 30. 23 : Jn. 2. 4 : Za. 11. 13 **ρίψ.**]  
 [Sm. Jb. 36 (43). 23 : Za. 11. 13 **ρίψ.**]  
 [Th. Jd. 8. 25 : Jb. 36 (43). 23 : 42 (49). 9 :  
 Jn. 2. 4.]  
 [Al. IV Ki. 9. 25 : Ec. 8. 5.]  
**ρίσ.** (1) **ρ.** **ρ.**  
 Jb. 27. 3. B S<sup>1</sup> πνεῦμα δὲ θεῖον τὸ περίον μοι  
 ἐν ῥίνι [B<sup>3</sup> ῥίσιν, A<sup>3</sup> ῥήμασί μου] (1)  
 40. 19 (24). ἐνσκολιεύμενος τῆρσει **ρίνα** (1)  
 — 20 (25). περιθήσεις δὲ φορέαν περὶ **ρίνα**  
 αὐτοῦ +  
 Ps. 118. 14 (115. 6) : 134 (135). 17 (A). **ρίνας**  
 ἔχουσι (1)  
 Pr. 11. 22. ὥσπερ ἐνώπιον [B<sup>3</sup> ἐ. χρυσοῦν] ἐν  
 ῥίνι υἱός (1)  
 Ca. 7. 8 (9). ὁσμή **ρίνας** σου ὡς μῆλα (1)  
 Wi. 2. 2. καπνὸς ἡ πνοὴ ἐν ῥίσιν ἡμῶν  
 15. 15. οὐτε **ρίνας** εἰς συνολκὴν ἀέρος  
 Is. 37. 29. ἐμβαλὼ **ρίνας** εἰς τὴν **ρ.** σου (1)  
 [Sm., Th. Jb. 40. 19 (24).]  
**ρόα.** (1) **ρ.** **ρ.**  
 Ex. 28. 29 (33). ὥστε ἐξανθούσης **ρόας** -  
 36. 32 (39. 24). ὡς ἐξανθούσης **ρόας** -  
 Nu. 13. 24 (23). καὶ ἀπὸ τῶν **ρ.** (1)  
 20. 5. οὐδὲ ἀμπέλοι οὐτε **ρόαι** (1)  
 De. 8. 8. ἀμπέλοι σκαῖ **ρόαι** (1)  
 I Ki. 14. 2. ἐκάθητο . . . ὑπὸ τὴν **ρ.** (1)  
 III Ki. 7. 18. δύο στήχει **ρόων** χαλκῶν δεδικοτω-  
 μένοι (1 ?)  
 — 20. Α. καὶ τῶν **ρ.** πέντε στήχει κύκλῳ (1)  
 — 42. τὰς **ρ.** τετρακοσίας ἀμφοτέροις τοῖς  
 δικτύοις (1)  
 — 42. δύο στήχει **ρόων** τῷ δικτύῳ τῷ ἐνί (1)  
 IV Ki. 25. 17. Α. B καὶ **ρόαι** ἐπὶ τοῦ χωθάρ [B al.] (1)  
 To. 1. 7. B καὶ τὴν δεκάτην . . . **ρόων** [B al.]



Ca. 4. 3. ὡς λέπυρον ρόας [A. τῆς ρ.] μῆλόν σου (1)  
— 13. Δ<sup>1</sup> B<sup>2</sup> H αποστολαί σου παράδεισος  
ροῶν [A<sup>2</sup> B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> om.] (1)  
6. 6 (7). ὡς λέπυρον τῆς [B<sup>1</sup> om.] ρ. μῆλόν σου (1)  
— 10 (11). ἐξήνθησαν [A. εἰ ἡνθ.] αἱ ρ. (1)  
7. 12 (13). ἡνθῆσαν αἱ ρ. (1)  
8. 2. ποτιῶ σε . . . ἀπὸ νάματος ροῶν (1)  
Jl. 1. 12. ρόα καὶ φοινῖξ καὶ μῆλον (1)  
Hg. 2. 20 (19). καὶ ἡ συκὴ καὶ ἡ ρ. (1)  
Je. 52. 22. δίκτυον καὶ ρόα ἐπὶ τοῦ γέισους  
κύκλω . . . τῷ στύλῳ τῷ δευτέρῳ  
ὁκτὼ ρόαι (1, 1)  
— 23. ἦσαν αἱ ρ. ἐνὶ ἑνὶ κόντα ἐξ τὸ ἐν μέρος  
καὶ ἦσαν αἱ πᾶσαι ρ. ἐκατόν (1, 1)  
Ez. 19. 10. ὡς ἄνθος ἐν ρόᾳ  
[Aq. Sm., Th. Ca. 4. 13.]  
ρῶαξ (?).  
Ez. 40. 40. A B κατὰ νότου τοῦ ρ. [B. ρύα.]  
ρῶαξ.  
[Th. Je. 39 (40). 13.]  
ρῶον.  
Es. 1. 6. κύκλω ρ. [A. δόρα] πεπασμένα [S<sup>1</sup> πεπλ.] +  
Wi. 2. 8. σπενόμεθα ροῶν κάλυξι  
Si. 24. 14. ὡς φυτὰ ρόδον ἐν Ἱερ.  
39. 13. βλαστήσατε ὡς ρόδον φυόμενον ἐπὶ ρεύμα-  
τος ἁγίου [A. B. ἵγρου]  
50. 8. ὡς ἄνθος ρόδων ἐν ἡμέραις νέων  
ρῶοφόρος.  
III Ma. 7. 17. A. εἰς Πτ. τὴν ὀνομαζομένην . . .  
ρῶοφόρον [B. al.]  
ρῶοφόρος.  
III Ma. 7. 17. B. εἰς Πτ. τὴν ὀνομαζομένην . . .  
ρῶοφόρον [A. al.]  
ρῶεῖν, ρῶεῖσθαι. (1) 𐤓𐤏𐤁 a. qal. δ. hi.  
(2) 𐤓𐤏𐤁  
IV Ki. 13. 17. A. ροῖζῃσιν καὶ ῥοῖζησιν [B.  
al.] (1a, 1b)  
Ca. 4. 15. φρενὸς ὑδάτος . . . ροῖζόντος ἀπὸ τοῦ  
Λιβάνου (2)  
[Aq. Ge. 31. 51: Ex. 19. 13: I Ki. 31. 3 dis:  
IV Ki. 18. 17 bis: Ps. 63 (64). 8: Is. 37. 33.]  
[Sm. I Ki. 31. 3: Is. 29. 4.]  
[Th. I Ki. 31. 3.]  
ρῶζος.  
Wi. 5. 11. πνεῦμα . . . σχιζόμενον βία ρῶζου κινου-  
μένων περὶ ὧν  
Ez. 47. 5. A. ὕδωρ ἔως ρῶζος χειμάρρου [B. al.] +  
Da. Th. Bel 36. ἐν τῷ ρ. τοῦ πνεύματος αὐτοῦ  
II Ma. 9. 7. ἀπὸ τοῦ ὁρμαίου φερομένου ρῶζος  
ρῶζκος. (1) 𐤓𐤏𐤁 (2) 𐤓𐤏𐤁  
Ex. 28. 29 (33). ρῶζκος ἐξ ὑακίνθου (2)  
— 29 (33). τὸ αὐτὸ εἶδος ρῶζκος χρυσοῦς (1)  
— 30 (34). παρὰ ρῶζκος χρυσοῦν κώδωνα (1)  
36. 32 (39. 24). ὡς ἐξανθούσης ρῶας ρῶζκος  
— 33 (39. 25). ἀνὰ μέσον τῶν ρ. (2)  
— 34 (39. 26). κώδων χρυσοῦς καὶ ρῶζκος (2)  
II Ch. 8. 16. ἐποίησε ρῶζκος ἐκατόν (2)  
4. 13. καὶ δύο γένη ρῶζκων ἐν τῷ δικτῷ τῷ  
ἐνί (2)  
Si. 45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν ρῶζκος  
[Aq., Sm., Th. Ex. 39. 25 (36. 33.)]  
ρῶαία. (1) 𐤓𐤏𐤁 (2) 𐤓𐤏𐤁 (3) 𐤓𐤏𐤁𐤓𐤏𐤁  
Ge. 8. 24. ἔταξε . . . τὴν φλογίνην ρ. (2)  
Ex. 5. 21. δούναι ρομφαίαν εἰς τὰς χεῖρας αὐ.  
32. 27. θέσθε ἑκάστος τὴν λαυτὴν ρ. ἐπὶ τὸν  
μυρὸν (2)  
Nu. 22. 23. καὶ τὴν ρ. ἔσπασμ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ.  
31. 8. τὸν B. . . ἀπέκτειναν ἐν ρομφαίᾳ [A.  
-ais] (2)  
Jo. 5. 12 (13). καὶ ἡ ρ. ἔσπασμ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ.  
6. 20 (21). ἐν στόματι ρομφαίας  
8. 24. ἐν στόματι ρομφαίας [B<sup>2</sup> μαχαίρας]  
24. 12. οὐκ ἐν τῇ ρ. σου οὐδὲ ἐν τῷ τόξῳ σου  
Jd. 1. 8. ἐν στόματι ρομφαίας [A. μαχαίρας]  
— 25: 4. 15, 16. ἐν στόματι ρομφαίας  
7. 14. ρομφαία Γ. υἱοῦ Ἰ.  
— 20. ρομφαία τῇ κυρίῳ καὶ τῷ Γ.  
— 22. ἔθηκε κύριος τὴν ρ. ἀνδρός [A. al.] (2)

Jd. 8. 10. ἐκατόν εἰκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν σπωμέ-  
νων ρομφαίαν (2)  
— 20. οὐκ ἔσπασε τὸ παδάριον τὴν ρ. αὐ.  
[A. al.] (2)  
9. 54. σπᾶσεν τὴν ρ. μου [A. al.] (2)  
18. 27. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ρομφαίας (2)  
19. 29. ἔλαβε τὴν ρ. [A. μάχαιραν] (2)  
20. 2. ἔλκοντες [A. σπώμενοι] ρομφαίαν (2)  
— 15. ἔλκων [A. σπώμενοι] ρομφαίαν (2)  
— 17. ἀνδρῶν ἐλκόντων [A. σπώμενοι] ρομ-  
φαίαν (2)  
— 25. B<sup>2</sup> B πάντες οὗτοι ἔλκοντες [A. ἔσπασ-  
μένοι] ρομφαίαν (2)  
— 35. πάντες οὗτοι ἔλκων [A. σπώμενοι] ρομ-  
φαίαν (2)  
— 37. ἐν στόματι ρομφαίας (2)  
— 46. ἀνδρῶν ἐλκόντων [A. σπώμενοι] ρομ-  
φαίαν (2)  
— 48. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ρομφαίας  
21. 10. ἐν στόματι ρομφαίας (2)  
I Ki. 2. 33. πεσοῦνται ἐν ρομφαίᾳ ἀνδρῶν (2)  
18. 19. B μὴ ποιήσωσιν οἱ Ἑβρ. ρομφαίαν (2)  
— 22. B οὐχ εὐρέθης ρομφαία καὶ δόρυ (2)  
14. 20. ἐγένετο ρομφαία ἀνδρός ἐπὶ τὸν πλη-  
σίον αὐ. (2)  
15. 8. ἀπέκτεινεν ἐν στόματι ρομφαίας (2)  
— 33. καθὼς ἠθέκνωσε γυναῖκα ἡ ρ. σου (2)  
17. 39. ἔζωσεν τὸν Δ. τὴν ρ. αὐ. [A. al.] (2)  
— 45. σὺ ἔρχῃ πρὸς με ἐν ρομφαίᾳ (2)  
— 47. οὐκ ἐν ρομφαίᾳ καὶ δόρῳ σώζει κύριος (2)  
— 50. A. ρομφαία οὐκ ἐν τῇ χειρὶ Δ. (2)  
— 51. ἔλαβε τὴν ρ. αὐ. (2)  
18. 4. A καὶ ὥς τῆς ρ. αὐ. (2)  
21. 8 (9). εἰ ἔστιν ἐνταῦθα . . . ρομφαία  
— 8 (9). τὴν ρ. μου . . . οὐκ ἐλήφα (2)  
— 9 (10). ἰδοὺ ἡ ρ. Γ. τοῦ ἀλλοφύλου (2)  
22. 10. τὴν ρ. Γ. τοῦ ἀλλοφύλου ἔδωκεν αὐτῷ  
— 13. δοῦναι . . . ρομφαίας (2)  
— 19. ἐπάταξεν ἐν στόματι ρομφαίας (2)  
— 19. A ἐν στόματι ρομφαίας (2)  
25. 13. ζώσασθε ἑκάστος τὴν ρ. αὐ. (2)  
31. 4. σπᾶσαι τὴν ρ. σου (2)  
— 4. ἔλαβε 2. τὴν ρ. (2)  
— 5. ἐπέπεσε καὶ αὐτὸς ἐπὶ τὴν ρ. αὐ. (2)  
II Ki. 1. 12. ἐπλήρησαν ἐν ρομφαίᾳ  
— 22. ρομφαία 2. οὐκ ἀνέκαμνε κενὴ  
10. 1. κ. μὴ εἰς νίκος καταφάγεται ἡ [A. om.] ρ. (2)  
3. 29. μὴ ἐκλίποι . . . πίπτων ἐν ρομφαίᾳ  
12. 9. τὸν Οὐ. . . ἐπάταξεν ἐν ρομφαίᾳ  
— 9. αὐτὸν ἀπέκτεινεν ἐν ρομφαίᾳ υἱὸν Ἀμίων (2)  
— 10. οὐκ ἀποστήσεται ρομφαία ἐκ τοῦ οἴκου  
σου (2)  
23. 8. B οὗτος ἔσπαστο τὴν ρ. αὐ. (2)  
24. 9. ἀνδρῶν δυνάμεις σπώμενοι ρομφαίαν  
III Ki. 1. 51. εἰ οὐ θανατώσει τὸν δοῦλον αὐ.  
ἐν ρομφαίᾳ (2)  
2. 8. εἰ θανατώσω σε ἐν ρομφαίᾳ  
— 32. καὶ ἀπέκτεινεν αὐτοὺς ἐν ρομφαίᾳ  
1. (2. 8). εἰ θανατώσῃς ἐν ρομφαίᾳ (2)  
19. 1. ἀπέκτεινεν τοὺς προφῆτας ἐν ρομφαίᾳ  
— 10. τοὺς προφῆτας σου ἀπέκτειναν ἐν ρομ-  
φαίᾳ (2)  
— 14. τοὺς προφῆτας σου ἀπέκτειναν ἐν ρομ-  
φαίᾳ [A. -ais] (2)  
— 17. τὸν σωζόμενον ἐκ ρομφαίας Ἰ. (2)  
— 17. B τὸν σωζόμενον ἐκ ρομφαίας Ἰ. (2)  
IV Ki. 3. 23. αἶμα τοῦτο τῆς ρ. (2)  
— 26. ἐπτακοσίους ἀνδρας ἔσπασμένους ρομ-  
φαίαν (2)  
6. 22. οὐς ἠμαλκτεύσας ἐν ρομφαίᾳ σου (2)  
8. 12. τοὺς ἐκλεκτοὺς αὐ. ἐν ρομφαίᾳ ἀποκτενεῖς (2)  
10. 25. ἐπάταξαν αὐτοὺς ἐν στόματι ρομφαίας (2)  
11. 15. θανατώσῃς ἐν ρομφαίᾳ  
— 20. τὴν Γ. θανάτωσας ἐν ρομφαίᾳ (2)  
19. 7. καταβάλῃ αὐτὸν ἐν ρομφαίᾳ  
I Ch. 10. 4. σπᾶσαι τὴν ρ. σου (2)  
— 4. ἔλαβε 2. τὴν ρ. (2)  
— 5. ἔπεσε καὶ αὐτὸς ἐπὶ τὴν ρ. αὐ. (2)  
11. 11. ἐπάταστο τὴν ρ. αὐ. ἀπαξ (2)  
— 20. ἐσπᾶστο τὴν ρ. αὐ. (2)  
21. 12. ἡ τρίτις ἡμέρας ρομφαίαν κυρίου  
— 16. καὶ ἡ ρ. αὐ. ἔσπασμένη (2)  
— 27. κατέθηκε τὴν ρ. εἰς τὸν κολεόν (2)  
— 30. ἀπὸ προσώπου τῆς ρ. ἀγγέλου κυρίου (2)  
II Ch. 20. 9. ἐάν ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακὰ ρομφαία (2)  
21. 4. ἀπέκτεινε πάντα τοὺς αὐ. αὐ. ἐν ρομφαίᾳ (2)

II Ch. 82. 21. κατέβαλον αὐτὸν ἐν ρομφαίᾳ (2)  
36. 17. ἀπέκτεινε τοὺς νεανίσκους αὐ. ἐν ρομ-  
φαίᾳ (2)  
I Es. 1. 53. ἀπέκτειναν τοὺς νεανίσκους αὐ. ἐν ρομ-  
φαίᾳ (2)  
— 56. ἀπήγαγε μετὰ [A. ἀπὸ] ρομφαίας εἰς Βαβ.  
4. 23. λαμβάνει ἄνθρωπος τὴν ρ. αὐ.  
8. 77. παρεδόθημεν . . . εἰς ρομφαίαν  
II Es. 9. 7. παρεδόθημεν . . . ἐν ρομφαίᾳ (2)  
Ne. 4. 13 (7). ἴσθησα τὸν λαὸν . . . μετὰ ρομ-  
φαίων αὐ. (2)  
— 18 (12). ἀνὴρ ρομφαίαν αὐ. ἐξωμένος (2)  
Ju. 1. 12. ἀνελείν τῇ [B. ἐν τῇ] ρ. αὐ.  
2. 27. ἐπάταξε . . . ἐν [B. om.] στόματι ρομφαίας  
7. 14. πρὶν ἐλθεῖν τὴν ρ. ἐπ' αὐτοὺς  
8. 19. ἐδόθησαν εἰς ρομφαίαν  
9. 2. φ. ἔδωκας ἐν χειρὶ ρομφαίαν  
11. 10. οὐ [A. ὅς, B. οὐδὲ] κατισχύει ρομφαία ἐπ'  
αὐτοὺς  
16. 5. A B καὶ τοὺς νεανίσκους μου ἀνελείν ἐν  
[B. S. om.] ρομφαίᾳ  
Ps. 7. 12. τὴν ρ. αὐτοῦ στυλίσσῃ (2)  
9. 6. τοῦ ἐχθροῦ ἐξέλιπον αἱ ρ. εἰς τέλος  
16 (17). 13. ρομφαίαν [B<sup>2</sup> -as] σου ἀπὸ ἐχθρῶν  
τῆς χειρὸς σου (2)  
21 (22). 20. ῥύσαι ἀπὸ ρομφαίας τὴν ψυχὴν μου (2)  
34 (35). 3. ἔκχεον ρομφαίαν [A. ρ. σου] (1)  
36 (37). 14. ρομφαίαν ἐσπᾶσαντο οἱ ἁμαρτωλοὶ (2)  
— 15. ἡ ρ. αὐ. εἰσέλθοι εἰς τὴν καρδίαν [B<sup>2</sup>  
εἰς ψυχὴν, B<sup>2</sup> εἰς τὰς καρδίας] αὐ. (2)  
43 (44). 3. οὐ γὰρ ἐν τῇ ρ. αὐτῶν ἐκλήρονται  
σαν γῆν (2)  
— 6. ἡ ρ. μου οὐ σώσει με (2)  
44 (45). 3. περιζώσαι τὴν ρ. σου ἐπὶ τὸν μηρὸν  
σου (2)  
58 (59). 7. καὶ ρομφαία ἐν τοῖς χεῖλεσιν αὐτῶν (2)  
62 (63). 10. B B<sup>2</sup> παραδόθησονται εἰς χεῖρας  
ρομφαίας (2)  
63 (64). 3. οἵτινες ἠκόνθησαν ὡς ρομφαίαν τὰς  
γλώσσας αὐτῶν (2)  
75 (76). 3. ὅπλον καὶ ρομφαίαν καὶ πόλεμον (2)  
77 (78). 62. συνέκλεισεν εἰς ρομφαίαν τὸν λαὸν  
αὐτοῦ (2)  
— 64. οἱ ἱερεῖς αὐτῶν ἐν ρομφαίᾳ ἔπασαν (2)  
88 (89). 43. ἀπέστρεψας τὴν βοήθειαν τῆς ρ.  
αὐτοῦ (2)  
143 (144). 10. ἐκ ρομφαίας ποιηρᾶς ῥύσαι με  
149. 6. καὶ ρ. δίστομοι ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. (2)  
Ca. 3. 8. πάντες κατέχοντες ρομφαίαν . . . ἀνὴρ  
ρομφαία [B. -av] αὐ. ἐπὶ μηρὸν αὐ. (2, 2)  
Wi. 5. 20. ὁζυνεὶ δὲ ἀπτόμοις ὀργῇ ἐν ρομφαίᾳ  
Si. 21. 3. ὡς ρομφαία δίστομος πᾶσα ἀνομία  
22. 21. ἐπὶ φίλον εἶν σπᾶσθης ρομφαίαν  
26. 28. ὁ κύριος ἐτοιμάσει εἰς ρομφαίαν αὐτὸν  
39. 30. ρομφαία ἐκδικούσα [B<sup>2</sup> ἐκδιώκ.] εἰς θλεθρον  
ἀσβεῖς  
40. 9. θάνατος καὶ αἶμα καὶ ἔρις καὶ ρομφαία  
46. 2. ὡς ἐδοξάσθη ἐν . . . τῷ ἐκκλίνα [A. B. ἐκτείνει]  
ρομφαίαν ἐπὶ πόλει  
Ho. 1. 7. οὐδὲ ἐν ρομφαίᾳ οὐδὲ ἐν πολέμῳ (2)  
2. 18 (20). ρομφαίαν καὶ πόλεμον συντρέψω (2)  
7. 16. πεσοῦνται ἐν ρομφαίᾳ οἱ ἄρχοντες αὐ. (2)  
11. 6. A B ἡσθῆνυσεν ρομφαία [B. ἐν ρ.] (2)  
14. 1. ἐν ρομφαίᾳ πεσοῦνται αὐτοὶ (2)  
Am. 1. 11. ἐνεκα τοῦ διῶσαι αὐτοὺς ἐν ρομφαίᾳ  
τὸν ἀδ. αὐ. (2)  
4. 10. ἀπέκτεινα ἐν ρομφαίᾳ τοὺς νεανίσκους  
ὑμῶν (2)  
7. 9. ἀναστήσομαι ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰ. ἐν ρομφαίᾳ (2)  
— 11. ἐν ρομφαίᾳ τελευτήσῃ Ἱερ. (2)  
— 17. ἐν ρομφαίᾳ πεσοῦνται (2)  
9. 1. τοὺς καταλοιποὺς αὐ. ἐν ρομφαίᾳ ἀποκτενῶ (2)  
— 4. ἐκεῖ ἐντελούμαι τῇ ρ. (2)  
— 10. ἐν ρομφαίᾳ τελευτήσουσι (2)  
Mi. 4. 3. κατακόψουσι τὰς ρ. αὐ. εἰς ἀροτρα  
— 3. οὐκ ἐστὶν ἀντήρ ἔθνος ἐπ' ἔθνος ρομφαίαν (2)  
5. 6 (5). ποιμανοῦσι τὸν Ἀσσοὺρ ἐν ρομφαίᾳ (2)  
6. 14. εἰς ρομφαίαν παραδοθήσονται (2)  
Jl. 8 (4). 10. συγκόψατε τὰ ἀροτρα ὑμῶν εἰς  
ρομφαίας (2)  
Na. 2. 13 (14). τοὺς λείοντάς σου καταφάγεται  
ρομφαία (2)  
3. 3. φωνὴ . . . στυλίσθησε ρομφαίας (2)  
— 15. ἐξολοθρεύσει σε ρομφαία (2)  
Ze. 2. 15. τραυματῖα ρομφαίας μου ἔσθῃ (2)  
Hg. 1. 11. ἐπάξω ρομφαίαν ἐπὶ τὴν γῆν

- Hg. 2. 23 (22). καταβήσονται... ἑκαστος ἐν ρομφαίᾳ (2)
- Za. 9. 13. ψηλαφῶ σε ὡς ρομφαίαν μαχητοῦ (2)
13. 7. ρομφαία, ἐξεγέρθητι ἐπὶ τοὺς ποιμένας μου (2)
- Is. 66. 16. ἐν τῇ ρ. αὐτοῦ πᾶσα σάρξ (2)
- Je. 5. 17. ἀλοήσουσι τὰς πόλεις τὰς δαυράς ὑμῶν... ἐν ρομφαίᾳ (2)
6. 25. ρ. [B ἡ ρ.] τῶν ἐχθρῶν παροικεῖ κυκλόθεν (2)
14. 18. Αἰδοῦ τραυματῖαι ρομφαίας [B S μαχαίρας] (2)
- 45 (38). 2. ἀποθάνειται ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ (2)
- 46 (39). 18. ἐν ρομφαίᾳ οὐ μὴ πέσῃς (2)
- 49 (42). 16. ἡ ρ. ... εὐρήσει ὑμᾶς (2)
- 17. ἐκλείψουσιν ἐν τῇ ρ. (2)
- 22. ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐκλείψετε (2)
- 50 (43). 11. οὐκ εἰς ρομφαίαν εἰς ρομφαίαν [S' om. eis ρ.] (2, 2)
- 51 (44). 12. πεσόνται ἐν ρομφαίᾳ (2)
- 13. ὡς ἐπισκενᾶμιν ἐπὶ Ἱερ. ἐν ρομφαίᾳ (2)
- 18. ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἐξελίκομεν (2)
- 27. ἐκλείψουσι... ἐν ρομφαίᾳ (2)
- 28. οἱ σισαωμίνοι ἀπὸ ρομφαίας (2)
- Ba. 2. 25. ἀπεθάνοντες... ἐν λιμῷ καὶ ἐν ρομφαίᾳ (2)
- La. 2. 21. ἐν ρομφαίᾳ καὶ ἐν λιμῷ ἀπέκτεινας (2)
4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τραυματῖαι ρομφαίας (2)
5. 9. ἀπὸ προσώπου ρομφαίας τῆς ἐρήμου (2)
- Ez. 5. 1. λάβε σισαυφ ρομφαίαν ὀξείαν (2)
- 2. τὸ τέταρτον κατακλίψεις ἐν ρομφαίᾳ (2)
- 12. τὸ τέταρτον σου ἐν ρομφαίᾳ πεσόνται (2)
- 17. ρομφαίαν ἐπάξω ἐπὶ σὲ κυκλόθεν (2)
6. 3. ἐπάγω ἐφ' ὑμᾶς ρομφαίαν (2)
- 8. ἐν τῷ γενέσθαι ἐξ ὑμῶν ἀνασωζομένους ἐκ ρομφαίας (2)
- 11. ἐν ρομφαίᾳ... πεσόνται (2)
- 12. ὁ ἔγγυς ἐν ρομφαίᾳ πεσέτω [A τελευτήσει] (2)
7. 15. ὁ πόλεμος ἐν ρομφαίᾳ ἔξωθεν... ὁ ἐν τῷ πεδίῳ ἐν ρομφαίᾳ τελευτήσει (2, 2)
11. 8. ρομφαίαν φοβέσῃς καὶ ρομφαίαν ἐπάξω (2, 2)
- 10. ἐν ρομφαίᾳ πεσέσθω (2)
12. 14. ρομφαίαν ἐκκενώσῃς [A ἐκχεῶ] ὀπίσω αὐτῶν (2)
- 16. ὑποκλίνομαι ἐξ αὐτῶν ἀνδρας ἀριμῶν ἐκ ρομφαίας (2)
14. 17. ρομφαίαν ἐὰν ἐπάγω... καὶ ἔπω, P. διελθᾶν (2, 2)
- 21. ἐὰν... ρομφαίαν... ἐξαποστείλω (2)
17. 21. ἐν ρομφαίᾳ πεσόνται (2)
21. 9 (14). ρ. ρ., ὀξείνου (2, 2)
- 11 (16). ἐξηκουρήθῃ ἡ [A om.] ρ. (2)
- 12 (17). ἐπὶ ρομφαίᾳ [B' ἐπὶ ρομφαίᾳ] ἐγένετο ἐν τῷ λαῷ μου (2)
- 14 (19). διπλασιάσαν ρομφαίαν ἡ τρίτῃ ρ. τραυματῖαν ἐστὶ ρ. τραυματῖαν ἡ μεγάλη (2 ter)
- 15 (20). παραδίδονται εἰς σφάγια ρομφαίας (2)
- 19 (24). τοῦ εἰσελθεῖν ρομφαίαν βασιλείως Βαβυλῶνος (2)
- 20 (25). τοῦ εἰσελθεῖν ρομφαίαν ἐπὶ Pababā (2)
- 28 (33). ρ. ρ. ἐσπασμένη εἰς [A ἐτοιμάζου] σφάγια (2, 2)
23. 10. αὐτὴν ἐν ρομφαίᾳ ἀπέκτειναν (2)
- 25. τοὺς καταλοίπους σου ἐν ρομφαίᾳ καταβαλοῦσιν (2)
24. 21 : 25. 13. ἐν ρομφαίᾳ πεσόνται (2)
29. 8. ἐπάγω ἐπὶ σὲ ρομφαίαν (2)
- 10. δώσω γῆν Αἰγ. εἰς... ρομφαίαν [A om.] + (2)
30. 24. δώσω τὴν ρ. μου εἰς τὴν χεῖρα αὐ. (2)
- 25. ἐν τῷ δίνειν τὴν ρ. μου εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2)
32. 10. ἐν τῷ πετάσθαι τὴν [A -θῆναι] ρ. μου (2)
- 11. ρ. βασιλέως Βαβυλῶνος ἦξει σοι (2)
33. 2. ἐφ' ἣν ἐν ἐπάγω ρομφαίαν [A al.] (2)
3. 10. τὴν ρ. ἐρχομένην (2)
4. καὶ ἐπέλεθ ἡ ρ. [A al.] (2)
- 6. ἐὰν ἴδῃ τὴν ρ. ἐρχομένην... καὶ ἐλθούσα ἡ ρ. λάβῃ ἐξ αὐτῶν ψυχὴν (2, 2)
- 26. Αἰ τῷττε ἐπὶ τῇ ρ. ὑμῶν (2)
- Da. LXX. Su. 59. τὴν ρ. ἐστῆκεν ἔχων (2)
11. 33. καὶ προσκόψουσι ρομφαίᾳ (2)
- 44. ἐξελύσεται ἐν... ρομφαίᾳ (2)
- Da. TH. Su. 59. μένει γὰρ ὁ ἀγγελος τοῦ θ. τὴν ρ. χων (2)
11. 33. ἀσθενήσουσιν ἐν ρομφαίᾳ (2)
- I Ma. 2. 9. οἱ νεανίσκοι αὐ. ἐν ρομφαίᾳ ἐχθροῦ (2)
- I Ma. 3. 3. σκεπάσων παρεμβολὴν ἐν ρομφαίᾳ (2)
4. 15. ἔπεισον ἐν ρομφαίᾳ (2)
- 33. κατέβαλε αὐτοὺς ρομφαίᾳ ἀγαπῶντων σε (2)
5. 28. ἀπέκτεινε πᾶν ἀρσενικὸν ἐν στόματι ρομφαίας (2)
- 51. ἀπώλεσε πᾶν ἀρσενικὸν ἐν στόματι ρομφαίας (2)
7. 38. πεσέτωσαν ἐν ρομφαίᾳ (2)
- 46. ἔπεισον πάντες ρομφαίᾳ (2)
8. 23. ρομφαία... μακρυνθεῖ ἀπ' αὐτῶν (2)
9. 73. κατέπαυσε ρομφαία ἐξ Ἱσρ. (2)
12. 48. πάντας... ἀπέκτειναν ἐν ρομφαίᾳ (2)
- II Ma. 15. 15. παραδούναι τῷ Ἰ. ρ. χρυσῇν (2)
- 16. λάβε τὴν ἀγίαν ρ. (2)
- [Aq. I Ki. 17. 50 : Je. 14. 15 : 44 (51). 12 : Ez. 5. 12 (P.) : 21. 3 (8) : 32. 20 : 35. 5.] (2)
- [Sm. I Ki. 17. 50 : Ez. 35. 5.] (2)
- [Th. Ex. 5. 3 : 20. 25 : I Ki. 17. 50 : II Ki. 12. 10 : Ps. 75 (76). 4 : Je. 14. 15 : 29 (36). 18 : 44 (51). 12 : Ez. 5. 12 (Sw.) : 7. 14 (P.) : 35. 5.] (2)
- [Al. Le. 26. 6, 7 : Nu. 22. 31.] (2)
- [Quint., Sext. Is. 75 (76). 4.] (2)
- ρόπαλον. (1) ῥῥῶ (2) ρῥῶ (2)
- Pr. 25. 18. ρόπαλον καὶ μάχαιρα (1)
- ῥοπή. (1) ῥῥῥ (2) ρῥῥ (2)
- Jo. 13. 22. καὶ τὸν B... ἀπέκτειναν ἐν τῇ ρ. + (2)
- Pr. 16. 11. ῥοπή (ζυγοῦ δικαιοσύνη παρὰ κυρίῳ (1)
- Wi. 11. 22. ὡς ῥοπή ἐκ πλοστίγων (2)
18. 12. πρὸς μίαν ρ. ἡ ἐντιμότερα γένεσις αὐτῶν διεφθάρη (2)
- Si. 1. 21. ἡ γὰρ ρ. [S' ὀργή] τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ πτώσις αὐτῶν (2)
- Is. 40. 15. ὡς ρ. ζυγοῦ ἐλογίσθησαν (2)
- III Ma. 5. 48. ὑστάτην βίον ῥοπήν αὐτοῖς ἐκείνην δόξαντες εἶναι (2)
- [Aq. Jb. 37. 18 : Pr. 8. 28.] (2)
- [Sm. Is. 40. 12.] (2)
- [Th. Ps. 61 (62). 10.] (2)
- [Heb. Jb. 20. 5.] (2)
- ῥοποπώλης, vid. συδ ῥοποπώλης.
- ῥοῦς.
- Si. 4. 26. μὴ βιάζου ροῦν ποταμοῦ (2)
- [Aq. Ps. 68 (69). 3.] (2)
- ῥοών. (1) ῥῥῥῥῥ (2) ρῥῥῥῥ (2)
- Za. 12. 11. ὡς κοπετὸς ῥοῶνος ἐν πεδίῳ ἐκκοπτομένου (1)
- ῥοῶς, ῥῥῥ. (1) ῥῥῥ (2) ρῥῥ (2)
- II Ki. 15. 32. ἦν Δ. ἐρχόμενος ἔως τοῦ ρ. (1)
16. 1. παρήλθε βραχύ τι ἀπὸ τῆς ρ. (1)
- Ez. 38. 2. στήριον ἐπὶ πρόσωπόν σου ἐπὶ Γῶν... ἀρχοῦτα ρ. Μεσόχ (1)
- 3 : 39. 1. ἐγὼ ἐπὶ σὲ ἀρχοῦτα ρ. Μεσόχ (1)
- [Sm., Th. Ez. 38. 2.] (2)
- ῥοῦξ.
- Ez. 40. 40. κατὰ νότον τοῦ ρ. [A B ρόα.] τῶν δολαυωμάτων + (2)
- ῥοῦην.
- II Ma. 3. 25. φερόμενος δὲ ρ. (2)
- ῥύεσθαι. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥῥ a. ni. δ. pi. (2)
- (3) ῥῥῥ hi. (4) ῥῥῥ a. ni. δ. pi. (2)
- (5) ῥῥῥ a. ni. δ. hi. c. ῥῥῥ aph. (2)
- (6) ῥῥῥ (7) ῥῥῥ (8) ῥῥῥ pi. (9) ῥῥῥ (2)
- (10) ῥῥῥ (2)
- Ge. 48. 16. ὁ ἀγγελος ὁ ρύμενος με (1)
- Ex. 2. 17. ἀσπαστὸς δὲ M. ἐρρύσας αὐτάς (1)
- 19. ἀνθρώπων Αἰγύπτου ἐρρύσας ἡμᾶς (5 δ)
5. 23. οὐκ ἐρρύσω τὸν λαόν σου (5 δ)
6. 6. ρύσομαι ὑμᾶς ἐκ τῆς δουλείας (5 δ)
12. 27. τοὺς δὲ οἴκους ἡμῶν ἐρρύσας (5 δ)
14. 30. ἐρρύσας τοὺς κύριους τὸν Ἱσρ. (8)
- Jo. 22. 22. μὴ ρύσασθαι ἡμᾶς (8)
- 31. ἐρρύσας τοὺς υἱοὺς Ἱσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (5 δ)
- Jd. 6. 9. B ἐρρύσας ὑμᾶς ἐκ χειρὸς Αἰγ. (5 δ)
8. 34. τοὺς ρυσαμένους αὐτοὺς ἐκ χειρὸς πάντων (5 δ)
9. 17. ἐρρύσας [A ἐξέλειπον] ὑμᾶς ἐκ χειρὸς M. (5 δ)
11. 26. διὰ τί οὐκ ἐρρύσας αὐτοὺς [A al.] (5 δ)
13. 28. καὶ οὐκ ἦν ὁ ρύμενος [A al.] (5 δ)
- II Ki. 12. 7. ἐρρύσας σε ἐκ χειρὸς Σ. (5 δ)
- II Ki. 14. 16. ρύσασθαι τὴν δούλην αὐ. (5 δ)
19. 9 (10). ἐρρύσας ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (5 δ)
- 9 (10). ἐρρύσας [B ἐξέλειπον] ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (4 δ)
22. 18. ἐρρύσας με ἐξ ἐχθρῶν μου (5 δ)
- 44. ρύσῃ με ἐκ μάχης λαῶν (8)
- 49. ἐξ ἀνδρῶν ἀδικημάτων ρύσῃ με (5 δ)
- IV Ki. 18. 32. κύριος ρύσεται ὑμᾶς (5 δ)
- 33. μὴ ρύμενοι ἐρρύσαντο οἱ θεοὶ... τὴν αὐτοῦ χάραν (5 δ, 5 δ)
19. 11. καὶ σὺ ρύσῃς (5 δ)
23. 18. ἐρρύσθης [A ἐρρύσθης] τὰ δὲ αὐ. (4 δ)
- I Es. 8. 61. ἐρρύσας ἡμᾶς ἀπὸ τῆς εἰσόδου (5 δ)
- II Es. 8. 31. ἐρρύσας ἡμᾶς ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ (5 δ)
- Ne. 9. 28. ἐρρύσας αὐτοὺς ἐν οἰκτιρμοῖς σου πολλοῖς (5 δ)
- To. 4. 10. A B ἐλεημοσύνη ἐκ θανάτου ρύται (2)
12. 9. ἐλεημοσύνη ἐκ θανάτου ρύται (2)
14. 11. A B δικαιοσύνη ρύται [S al.] (2)
- Ju. 6. 3. οὐ ρύσεται αὐτοὺς ὁ θεὸς αὐ. (2)
- Es. 4. 8. ρύσαι ἡμᾶς ἐκ θανάτου (2)
- 17. ἡμᾶς δὲ ρύσαι ἐν χειρὶ σου (2)
- 17. ρύσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν ποινηνέων. (2)
- 17. ρύσαι με ἐκ τοῦ φόβου μου (2)
10. 3. ἐρρύσας τοὺς κύριους ἡμᾶς (2)
- Jb. 5. 20. ἐν λιμῷ ρύσεται σε ἐκ θανάτου (7)
- 20. A ἐκ χειρὸς σιδήρου ρύσεται [B S λυσεῖ] σε (2)
6. 23. ὥστε... ἐκ χειρὸς δυναστῶν ρύσασθαι με (7)
22. 30. ρύσεται ἀδὸν (4 δ)
33. 17. τὸ δὲ σῶμα αὐτοῦ ἀπὸ πτώματος [A ἀδικίας πτ.] ἐρρύσας + (2)
- 30. ἐρρύσας τὴν ψυχὴν μου ἐκ θανάτου + (2)
- Ps. 6. 4. ρύσαι τὴν ψυχὴν μου (2 δ)
7. 1. καὶ ρύσαι με (5 δ)
- 16 (17). 13. ρύσαι τὴν ψυχὴν μου ἀπὸ ἀσεβοῦς (8)
- 17 (18). τί, ἐν ἡμέρᾳ ἡ ἐρρύσας αὐτὸν κ. (5 δ)
- 17. ρύσεται με ἐξ ἐχθρῶν μου δυνατῶν (5 δ)
- 19. ρύσεται με ὅτι ἠθέλησέ με (2 δ)
- 20. A B S' ρύσεται με ἐξ ἐχθρῶν μου δυνατῶν + (2)
- 29. ἐν σοὶ ρύσῃς με ἀπὸ πειρασμῶν (2)
- 43. ρύσαι με ἐξ ἀντιλογίας λαοῦ [A al.] (8)
- 48. ἀπὸ ἀνδρῶν ἀδικούντων ρύσῃ [A S' ρύσαι] με (5 δ)
- 21 (22). 4. ἡλπισαν καὶ ἐρρύσας αὐτοὺς (8)
- 8. ρύσας αὐτὸν (8)
- 20. ρύσαι ἀπὸ ρομφαίας τὴν ψυχὴν μου (5 δ)
- 24 (25). 20. καὶ ρύσαι με (5 δ)
- 30 (31). 1. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου ρύσαι με (8)
- 15. ρύσαι με ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν μου (5 δ)
- 32 (33). 19. ρύσασθαι ἐκ θανάτου τὰς ψυχὰς αὐτῶν (5 δ)
- 33 (34). 4. ἐκ πασῶν τῶν παροικούντων [A S' θλίψω] μου ἐρρύσας με (5 δ)
- 7. καὶ ρύσεται αὐτοὺς [A -όν]. (2 δ)
- 17. ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐτῶν ἐρρύσας αὐτοὺς (5 δ)
- 19. ἐκ πασῶν αὐτῶν ρύσεται αὐτοὺς ὁ κύριος (5 δ)
- 34 (35). 10. ρύμενος πτωχόν (5 δ)
- 36 (37). 40. A B S' καὶ ρύσεται αὐτοὺς (8)
- 38 (39). 8. ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομῶν μου ρύσαι [S' καθάρσιον] με (5 δ)
- 39 (40). 13. εὐδόκησον, κύριε, τοῦ ρύσασθαι με (5 δ)
- 40 (41). 1. ρύσεται αὐτὸν ὁ [S om.] κύριος (4 δ)
- 42 (43). 1. ἀπὸ ἀνθρώπου ἀδίκου καὶ δολίου ρύσαι με (8)
- 49 (50). 22. καὶ μὴ ἦ ὁ ρύμενος (5 δ)
- 50 (51). 14. ρύσαι με ἐξ αἰμάτων (5 δ)
- 53 (54). 7. ἐκ πάσης θλίψεως ἐρρύσας με (5 δ)
- 55 (56). 13. ἐρρύσας τὴν ψυχὴν μου ἐκ θανάτου (5 δ)
- 56 (57). 4. ἐρρύσας τὴν ψυχὴν μου (2)
- 58 (59). 2. ρύσαι με ἐκ τῶν ἐργαζομένων τὴν ἀνομίαν (5 δ)
- 59 (60). 5. ὅπως ἂν ρύσῃς οἱ ἀγαπῆτοί σου (2 α)
- 68 (69). 14. ρύσῃς ἐκ τῶν μισούντων με (5 α)
- 18. ἔνεκα τῶν ἐχθρῶν μου ρύσαι με (7)
- 70 (71). 2. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου ρύσαι με (2)
- 4. ρύσαι με ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλοῦ (8)
- 11. οὐκ ἐστὶν ὁ ρύμενος (5 δ)
- 71 (72). 12. ἐρρύσας πτωχόν (5 δ)
- 78 (79). 9. ρύσαι ἡμᾶς (5 δ)
- 80 (81). 7. καὶ ἐρρύσας σε (2 δ)
- 81 (82). 4. καὶ πτωχόν ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλοῦ ρύσας (5 δ)
- 85 (86). 13. ἐρρύσας τὴν ψυχὴν μου (5 δ)
- 88 (89). 48. ρύσεται τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (4 δ)

Ps. 90 (91). 3. ρύσεται σε ἐκ παγίδος θηρευτῶν (5 δ)  
— 14. ἐπ' ἐμὲ ἤλπισε καὶ ρύσονται αὐτὸν (8)  
98 (97). 10. ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλῶν ρύσεται αὐτοὺς (5 δ)  
105 (106). 43. πλεονάκις ἐρρύσατο αὐτούς (5 δ)  
106 (107). 6. ἐκ τῶν ἀναγκῶν αὐτῶν ἐρρύσατο αὐτούς (5 δ)  
— 20. ἐρρύσατο αὐτοὺς ἐκ τῶν διαφθορῶν αὐτῶν (4 δ)  
107 (108). 6. ὅπως ἂν ρύσθωσιν οἱ ἀγαπητοὶ σου (2 α)  
108 (109). 22 (21). ρύσαι με (5 δ)  
114 (116). 4. ρύσαι τὴν ψυχὴν μου (4 δ)  
118 (119). 170. 8 B ρύσαι [A ἤσόν] με (5 δ)  
119 (120). 2. ρύσαι τὴν ψυχὴν μου (5 δ)  
123 (124). 7. ἐρρύσθη ἐκ τῆς παγίδος τῶν θηρευτῶν... ἡμεῖς ἐρρύσθημεν (4 α, 4 α)  
139 (140). 1. ἀπὸ ἀνδρὸς ἀδίκου ρύσαι με (6)  
— 4. Α ἀπὸ ἀνθρώπου ἀδίκου ρύσαι με [B S al.] (8)  
141 (142). 6. ρύσαι με ἐκ τῶν καταδικωκόντων με (5 δ)  
143 (144). 7. ρύσαι με ἐξ υδάτων πολλῶν (5 δ)  
— 11. ἐκ βομβήσας ποιηρῶν ρύσαι με (9)  
Pr. 2. 12. ἵνα ρύσῃται σε ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (5 δ)  
6. 31. πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ δοῦναι ρύσεται αὐτόν —  
10. 2. δικαιοσύνη δὲ ρύσεται ἐκ θανάτου (5 δ)  
11. 4. δικαιοσύνη ρύσεται ἀπὸ θανάτου (5 δ)  
— 6. B δικαιοσύνη ἀνδρῶν ὁρθῶν ρύται [A S ρύσ.] αὐτοὺς (5 δ)  
12. 6. στόμα δὲ ὁρθῶν ρύσεται αὐτοὺς (5 δ)  
13. 17. ἀγγελος δὲ σοφὸς [S' πιστός] ρύσεται αὐτόν +  
14. 25. ρύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός (5 δ)  
22. 23. ρύση σὴν δούλον ψυχὴν +  
23. 14. τὴν δὲ ψυχὴν αὐτοῦ ἐκ θανάτου ρύση (5 δ)  
24. 11. ρύσαι ἀγομένους εἰς θάνατον (5 δ)  
Wi. 2. 18. ρύσεται αὐτὸν ἐκ χειρὸς ἀνθεστηκτόν  
— 6. αὐτὴ δικαιοὺν ἐξ ἀπολλυμένων ἀσέβων ἐρρύσατο  
— 9. σοφία δὲ τοὺς θεραπεύσασα αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσατο  
— 13. ἐξ ἀμαρτίας ἐρρύσατο αὐτόν  
— 15. αὐτὴ λαὸν ὅσιον... ἐρρύσατο  
16. 8. σύ ἐλὼ δὲ ρύσμενος ἐκ παντὸς κακοῦ  
19. 9. αἰνοῦντές σε, κύριε, τὸν ρύμενον [A ρύσ-μ.] αὐτοὺς  
Si. 29. 17. ἀχάριστος ἐν διανοίᾳ ἐγκαταλείψει ρυσά-μενον  
40. 24. ὑπὲρ ἀμφοτέρων ἐλεημοσύνη ρύσεται [A S ρύται]  
Ho. 13. 14. ἐκ χειρὸς ἔξω ρύσομαι [A add. αὐτοὺς] (7)  
Mi. 4. 10. ἐκείθεν ρύσεται σε (5 α)  
5. 6 (5). καὶ ρύσεται ἐκ τοῦ Ἀσσοῦρ (5 δ)  
Is. 1. 17. ρύσασθε ἀδικοῦμενον +  
5. 29. οὐκ ἔσται ὁ ρύμενος αὐτοὺς [A om.] (5 δ)  
25. 4. ἀπὸ ἀνθρώπων ποιηρῶν ρύση αὐτοὺς —  
— 5. B ρύση αὐτοὺς +  
36. 14. οὐ δύνηται ρύσασθαι ὑμᾶς [A S al.] (5 δ)  
— 15. ρύσεται ὑμᾶς ὁ θεός (5 δ)  
— 18. ὁ θεός ρύσεται ὑμᾶς (5 δ)  
— 18. μὴ ἐρρύσαντο οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν ἵκαστον τὴν αὐτοῦ χώραν (5 δ)  
— 19. μὴ ἔδυναντο ρύσασθαι Σαμαρείαν (5 δ)  
— 20. ἐρρύσατο τὴν γῆν αὐ. ἐκ χειρὸς μου ὅτι ρύσεται ὁ θ. τὴν Ἱερ. (5 δ, 5 δ)  
37. 11. B σύ ρύσῃ (5 α)  
— 12. μὴ ἐρρύσαντο αὐτοὺς οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν (5 δ)  
38. 6. ἐκ χειρὸς βασιλέως Ἀσσυρίων ρύσομαι [A S ὁσώω] σε (5 δ)  
44. 6. καὶ [A S ὁ] ρύσάμενος αὐτὸν θεός (1)  
47. 4. ὁ ρυσάμενος σε κύριος σαρβῶθ (1)  
48. 17. οὕτω λέγει κύριος ὁ ρυσάμενός σε (1)  
— 20. ἐρρύσατο κ. τὸν δούλον [A λαόν] αὐ. (1)  
49. 7. λέγει κύριος ὁ ρυσάμενός [S ρύμ.] σε (1)  
— 25. τοὺς υἱοὺς σου ρύσομαι (3)  
— 26. ἐγὼ κύριος [A om.] ὁ ρυσάμενός σε (8)  
50. 2. μὴ οὐκ ἴσχυει ἡ χεὶρ μου τοῦ ρύσασθαι (7)  
51. 10. ἡ θεὸς τὰ βάθη τῆς θαλάσσης ὁδὸν διαβάσας ρυνομένους (1)  
52. 9. ἐρρύσατο Ἱερουσαλὴμ (1)  
54. 5. καὶ ὁ ρυσάμενός σε (1)  
— 8. εἶπεν ὁ ρυσάμενός σε κύριος (1)  
59. 20. ἤξει ἐνεκεν Σιών ὁ [S' om.] ρύμενος (1)

Is. 68. 5. ἐρρύσατο αὐτοὺς ὁ βραχίον μου (8)  
— 16. ρύσαι ἡμᾶς (1)  
Er. Je. 36. ἐκ θανάτου ἄνθρωπον οὐ μὴ ρύσονται —  
— 54. οὐδὲ μὴ ρύσονται ἀδικημα [A -κούμενον]  
Ez. 8. 19. σύ τὴν ψυχὴν σου ρύση [A ἐρύσω] (5 δ)  
— 21. σύ τὴν σεαυτοῦ ψυχὴν ρύση (5 δ)  
13. 21, 23. ρύσομαι τὸν λαόν μου (5 δ)  
14. 18. οὐ μὴ ρύσονται υἱοὺς οὐδὲ θυγατέρας (5 δ)  
— 20. ρύσονται τὰς ψυχὰς αὐτῶν (5 δ)  
33. 9. A τὴν ψυχὴν σου ἐρύσω [B al.] (5 δ)  
37. 23. ρύσομαι αὐτοὺς ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομιῶν αὐτῶν (3)  
Da. LXX. 3. (88). ἐρρύσατο ἡμᾶς ἐκ μέσου καιομένης φλογός  
8. 4. οὐκ ἦν ὁ ρύμενος ἐκ τῶν χειρῶν αὐ. (5 δ)  
— 7. οὐκ ἦν ὁ ρύμ. τὸν κρίν ἀπὸ τοῦ τράγου (5 δ)  
— 11. ρύσεται τὴν αἰχμαλωσίαν +  
Da. Th. 8. 17. ἐκ τῶν χειρῶν σου, βασιλεῦ, ρύσεται ἡμᾶς (10)  
— (88). ἐρρύσατο ἡμᾶς  
— (88). ἐκ μέσου πυρὸς ἐρρύσατο ἡμᾶς  
— 29 (96). ὅστις διυήσεται ρύσασθαι οὕτως (5 ε)  
6. 27 (28). ἀντιλαμβάνεται καὶ ρύται (5 ε)  
8. 11. ἔως οὐ ὁ ἀρχιστράτηγος ρύσῃται τὴν αἰχμαλωσίαν +  
11. 45. οὐκ ἔστιν ὁ ρύμενος αὐτὸν  
I Ma. 2. 60. ἐρρύσθη ἐκ στόματος λεόντων  
5. 17. ρύσαι τοὺς ἀδ. σου  
12. 15. ἐρρύσθημεν ἀπὸ τῶν ἐχθρῶν  
16. 2. ρύσασθαι τὸν Ἰσρ. πλεονάκις  
II Ma. 8. 14. ρύσασθαι τοὺς... πεπραμένους  
III Ma. 2. 12. καὶ ἐρύσω αὐτοὺς  
— 32. ἐπειρώτων αὐτοὺς ρύσασθαι  
5. 8. καὶ ρύσασθαι αὐτοὺς  
6. 6. ἐρύσω μέχρι τριχὺς ἀπημάντους  
— 10. ρύσάμενος ἡμᾶς ἀπὸ ἐχθρῶν χειρὸς  
— 11. οὐδὲ ὁ θεὸς αὐ. ἐρρύσατο αὐτοὺς  
— 39. ἀπαίτουντο αὐτοὺς ἐρρύσατο ὁμοθυμαδόν  
[Aq. Ex. 5. 23: I Ki. 30. 22: Jb. 5. 19: Ps. 80 (81). 3: 32 (38). 16, 19: Pr. 11. 9: Is. 37. 11: 57. 13: Jb. 15. 21: 39 (46). 18 δὲ: Ez. 33. 9: Z.A. 3. 2.]  
[Sm. II Ki. 4. 9: Ps. 17 (18). 44: 55 (56). 8: 77 (78). 42: Pr. 11. 8: Is. 37. 11: 58. 11: Jb. 15. 21.]  
[Th. Ex. 5. 23: Is. 35. 9: 87. 11: 57. 13: Jb. 15. 21: Ez. 33. 9: Da. 8. 11.]  
[Al. Ps. 48 (44). 27: Pr. 19. 19: Hb. 3. 13.]  
[Quint. Ps. 82 (83). 16, 19.]  
ρύθμιζιν. (1) 𐤓𐤕𐤓𐤓𐤓 pi.  
Is. 44. 13. ἐν κόλλῃ ἐρρύθμισεν αὐτό (1)  
[Th. Is. 44. 12.]  
ρύθμος. (1) 𐤓𐤕𐤓𐤓𐤓 (2) 𐤓𐤕𐤓𐤓𐤓 (3) 𐤓𐤕𐤓𐤓𐤓  
Ex. 28. 15. κατὰ τὸν ρ. τῆς ἐπωμίδος (2)  
IV Ki. 16. 10. ἀπέστειλεν... τὸν ρ. αὐ. (8)  
Ca. 7. 1 (2). ρύθμοι μνηρῶν σου ὅμοιοι ὁρμίσκοις (1)  
Wi. 17. 18. ἡ ρύθμος υδάτος πορευομένου βίβ.  
19. 18. ὥσπερ ἐν ψαλτηρίᾳ φθόγγου τοῦ ρ. τὸ ὄνομα διαλλάσσοις  
ρύθμου.  
[Sm. Is. 44. 12.]  
ρύμη. (1) 𐤓𐤕𐤓  
To. 13. 18. ἐροῦσι πᾶσαι αἱ ρ. αὐτῆς ἀλληλοῦς [S al.]  
Pr. 31. 23. B περιβλεπτός δὲ γίνεται ἐν ῥύμαις [A B πύλαις] +  
Si. 9. 7. S' μὴ περιβλεπτοῦ ἐν ῥύμαις πόλεως καὶ ἐν ταῖς ρ. [A B S' ἐρήμοις] αὐτῆς μὴ πλῶν  
Is. 15. 3. κόπτεσθε... ἐν ταῖς ρ. αὐτῆς (1)  
ρύπαρός. (1) 𐤓𐤕𐤓  
Za. 8. 4 (3). ἴ. ἦν ἐνδεδυσμένος ἱμάτια ρ. (1)  
— 5 (4). ἀφίλετε τὰ ἱμάτια τὰ ρ. ἀπ' αὐτοῦ (1)  
ρύπος. (1) 𐤓𐤕𐤓𐤓 (2) 𐤓𐤕𐤓𐤓 (3) 𐤓𐤕𐤓𐤓  
Jb. 9. 31. ἱκανὸς ἐν ῥύπῃ καὶ ἔβανφας (8)  
11. 15. ἐκδύση δὲ ῥύπον +  
14. 4. τίς γὰρ καθαρὸς ἔσται ἀπὸ ῥύπου (1)  
Is. 4. 4. ἐκπλυνί κύριος τὸν ρ. τῶν υἱῶν (2)  
[Aq. Ex. 32. 25: Is. 30. 22.]  
[Th. Pr. 30. 12.]

ρύπτειν.  
[Heb. Ez. 21. 21 (26).]  
ρύσις. (1) α. 𐤓𐤕𐤓 δ. 𐤓𐤕𐤓 (2) 𐤓𐤕𐤓𐤓  
(3) 𐤓𐤕𐤓𐤓 (4) 𐤓𐤕𐤓𐤓𐤓  
Le. 15. 2. φ' εἰς γέννηται ῥύσις ἐκ τοῦ σώματος αὐ. (1 α)  
— 2. ἡ ρ. αὐ. ἀκάθαρτός ἐστι [A al.] (1 β)  
— 3. ἐκ τῆς ρ. ἥς συνέστηκε τὸ σῶμα αὐ. διὰ τῆς ρ. (1 β, 1 β)  
— 3. πᾶσαι αἱ ἡμέραι ῥύσεως σώματος αὐ. —  
— 3. ἡ συνέστηκε τὸ σῶμα αὐ. διὰ τῆς ρ. (1 β)  
— 13. ἐὰν δὲ καθαρὸς ὁ γονορρυῖς ἐκ τῆς ρ. αὐ. (1 β)  
— 15. ἐξιλίσσεται περὶ αὐτοῦ... ἀπὸ [A περὶ] τῆς ρ. αὐ. (1 β)  
— 19. ἔσται ἡ ρ. αὐ. ἐν τῷ σώματι αὐ. (1 β)  
— 25. ἐὰν ῥῇ ῥύσις αἵματος (1 β)  
— 25. πᾶσαι αἱ ἡμέραι ῥύσεως ἀκαθαρσίας αὐ. (1 β)  
— 26. πᾶσας τὰς ἡμέρας τῆς ρ. (1 β)  
— 28. ἐὰν δὲ καθαρὸς ὁ ἀπὸ τῆς ρ. (1 β)  
— 30. ἐξιλίσσεται... ἀπὸ ῥύσεως ἀκαθαρσίας αὐ. (1 β)  
— 33. ὁ γονορρυῖς ἐν τῇ ρ. αὐ. (1 β)  
20. 18. ἀπεκάλυψε τὴν ρ. τοῦ αἵματος αὐτῆς (3)  
De. 23. 10 (11). ὅς οὐκ ἔσται καθαρὸς ἐκ ῥύσεως αὐ. νυκτός  
Jb. 38. 25. τίς δὲ ἡτοίμασεν ὑπερὶ λάβρῃς ῥύσιν (4)  
[Al. Le. 20. 18.]  
ρύσις.  
Si. 51. 9. ὑπὲρ θανάτου [A ἀπὸ ἀθανάτου] ῥύσεως εἰδήθη  
ρύσσης. (1) 𐤓𐤕𐤓 pi.  
Ps. 17 (18). 2. κύριος στερεώμα μου καὶ καταφυγή μου καὶ ρ. μου (1)  
— 48. ὁ ρ. μου ἐξ ἐχθρῶν [A ἐ. μου] ὀργίλων (1)  
69 (70). 5. βοήθη μου καὶ ῥύσσης μου εἰ σύ (1)  
143 (144). 2. ἀντιλήπτωρ μου καὶ ῥύσσης μου (1)  
III Ma. 7. 23. εὐλογητός ὁ ρ. Ἰσρ.  
[Aq. Sm., Th. Ps. 17 (18). 49.]  
ρωκεῖμ, ρωκεῖμ. (1) 𐤓𐤕𐤓𐤓  
Ne. 3. 8. A B Ἀν. υἱὸς τοῦ ρ. [B S Ἰωακείμ] (1)  
ρωμαλός.  
II Ma. 12. 27. νεανίαν δὲ πρὸ τῶν τειχῶν καθεστῶτες ρ. ῥώμη.  
Pr. 6. 8. καίπερ οὐσα τῇ ρ. ἀσθενῆς —  
II Ma. 3. 26. τῇ ρ. μὲν εκπρεπεῖς  
III Ma. 2. 4. ῥώμη καὶ θράσει πεποιθότες  
3. 14. B καὶ τῇ ἡμετέρᾳ δὲ ρ. ... ἀχθείσης [A al.] ῥώνυσσθαι.  
II Ma. 9. 20. B εἰ [A om.] ἔρρωσθε  
11. 21. ἔρρωσθε  
— 28. B εἰ [A om.] ἔρρωσθε  
— 33. ἔρρωσθε  
III Ma. 1. 4. τῶν πραγμάτων μάλλον ἐρρωμένων τῷ Ἀντ.  
3. 12. χαίρειν καὶ ἐρρωσθαι  
— 13. ἔρρωμαι δὲ καὶ αὐτὸς ἐγώ  
7. 1. χαίρειν καὶ ἐρρωσθαι  
— 2. ἐρρωμέθα δὲ καὶ αὐτοὶ  
— 9. ἔρρωσθε  
ῥώξ. (1) 𐤓𐤕𐤓 (2) 𐤓𐤕𐤓𐤓 (3) 𐤓𐤕𐤓𐤓  
Le. 19. 10. οὐδὲ τοὺς ρ. τοῦ ἀμπελώνους σου συλλέξεις (2)  
Is. 17. 6. ὡς ῥώγες ἐλαίας δύο ἡ τρεῖς (1)  
65. 8. ὅν τρόπον εὐρεθήσεται ὁ ρ. ἐν τῷ βότρω (3)  
ῥωποπώλης (ῥοβ., ῥοπ.). (1) 𐤓𐤕𐤓  
III Ki. 10. 15. A χωρὶς τῶν φόρων... τῶν ἐμπορῶν τῶν ρ. [B om. τ. ρ.] (1)  
Ne. 3. 31. καὶ οἱ ρ. ἀπέναντι πύλης τοῦ M. (1)  
— 32. ἐκράτησαν οἱ χαλκεῖς καὶ οἱ ρ. (1)  
[Aq. III Ki. 10. 15: Ez. 27. 8.]  
ῥώς, vid. ῥώξ.  
ῥωσαί.  
I Ch. 26. 6. ρ. εἰς τὸν οἶκον τὸν πατρικὸν αὐ. +

## Σ

|  |  |  |
|--|--|--|
| <b>σααρείμ.</b><br>[Heb. Is. 26. 2.]   | Is. 22. 14. ἐν τοῖς ὡσὶ κυρίου σ. (1)<br>— 15. τάδε λέγει κύριος σ. [A <sup>1</sup> -ών] (1)<br>— 17. κύριος σ. . . ἐκτρίψει ἄνδρα (1)<br>— 25. τάδε λέγει κύριος σ. (1)   | Le. 26. 2. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)<br>— 34. εὐδοκῆσαι ἡ γῆ τὰ σ. αὐ. (1 α)<br>— 35 (34). εὐδοκῆσαι ἡ γῆ τὰ σ. αὐ. (1 α)  |
| <b>σαβαεῖν</b> (-εῖμ). (1) שָׁבַע<br>Da. TH. 11. 41. εἰσελεύσεται εἰς τὴν γῆν τοῦ σ. (1)<br>— 45. εἰς ὅρος σ. [A σαβεῖν] ἄγιον (1)<br>[Th. Da. 11. 45.]  | 23. 9. κύριος σ. ἐβουλεύσατο παραλῦσαι (1)<br>— 11. κύριος σ. ἐνετείλατο περὶ Χαναάν (1)<br>25. 6. ποιήσει κύριος σ. πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (1)<br>28. 5. ἔσται κύριος σ. ὁ στέφανος τῆς ἐλπίδος (1)<br>— 22. συντεταγμένα πράγματα ἤκουσα παρὰ κυρίου σ. (1) | — 35. σαββατεῖς ἀοικ ἐσαββάτισεν ἐν τοῖς σ. ὑμῶν (1 α)<br>— 43. προσδέξεται ἡ γῆ τὰ σ. αὐ. (1 α)<br>Nu. 15. 32. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. [A τοῦ σ.] (1 α)<br>— 33. B τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1)<br>28. 9. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 α)<br>— 10. ὀλοκαύτωμα σαββάτων [A -ου] ἐν τοῖς σ. (1 α, 1 α) |
| <b>σαβάτ.</b><br>[Quint. Ps. 78 (74). 2.]  | — 29. ταῦτα παρὰ κυρίου σ. ἐξῆλθε τὰ τέρατα (1)<br>29. 5 (6). ὡς στιγμὴ παραχρήμα παρὰ κυρίου σ. (1)   | De. 5. 12. φυλάξαι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 α)<br>— 14. σάββατα κ. τῷ θεῷ σου (1 α)<br>— 15. ὥστε φυλάσσεσθαι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 α)  |
| <b>σαβάχ.</b> (1) שָׁבַח<br>IV Ki. 25. 17. A τὸ ὕψος τοῦ χωθάρ τριῶν πῆχεων σ. [B al.] (1)   | 31. 4. καταβήσεται κύριος σ. (1)<br>— 5. ὑπερασπίει κύριος σ. [A om.] (1)<br>37. 16. κύριος [A B -ie] σ. ὁ θεὸς Ἰσραὴλ (1)<br>— 32. ὁ ζῆλος κυρίου σ. ποιήσει ταῦτα (1)  | IV Ki. 4. 23. οὐ νεομηνία οὐδὲ σάββατον (1 α)<br>11. 6 (5). τὸ τρίτον ἐξ ὑμῶν εἰσελθέτω τὸ σ. (1 α)<br>— 7. πᾶς ὁ ἐκπορευόμενος τὸ σ. [A om. τὸ σ.] (1 α)<br>— 9. καὶ τοὺς εἰσπορευομ. τὸ σ. (1 α)<br>— 9. A B μετὰ τῶν ἐκπορευομ. τὸ σ. (1 α)                             |
| <b>σαβαχά.</b> (1) שָׁבַח<br>IV Ki. 25. 17. B καὶ τὸ ὕψος τοῦ χωθάρ τριῶν πῆχεων σ. [A B al.] (1)<br>— 17. A B τῷ σὺλφ τῷ δευτέρῳ ἐπὶ τῷ σ. [B γαβ.] (1) | 39. 5. ἄκουσον τὸν λόγον κυρίου σ. (1)<br>44. 6. καὶ [A ὁ] ῥυσάμενος αὐτὸν θεὸς σ. (1)<br>45. 13. εἶπε κύριος σ. (1)<br>— 14. οὕτως λέγει κύριος σ. (1)  | I Ch. 9. 32. τοῦ ἐτοιμάσαι σάββατον κατὰ σάββατον [B <sup>1</sup> om. κατὰ σ.] (1 α, 1 α)<br>28. 31 : II Ch. 2. 4 (3). ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν ταῖς νεομηνίαις (1 α)<br>II Ch. 8. 13. ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν τοῖς μῆσιν (1 α)   |
| <b>σαβακώθ.</b><br>[Aq. Je. 52. 22.]   | 47. 4. ὁ ῥυσάμενος σε κύριος σ. (1)<br>48. 2. κύριος σ. ὄνομα αὐτῷ (1)<br>51. 15. κύριος σ. ὄνομα μοι (1)<br>54. 5. κύριος σ. ὄνομα αὐτῷ (1)   | I Ch. 9. 32. τοῦ ἐτοιμάσαι σάββατον κατὰ σάββατον [B <sup>1</sup> om. κατὰ σ.] (1 α, 1 α)<br>28. 31 : II Ch. 2. 4 (3). ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν ταῖς νεομηνίαις (1 α)<br>II Ch. 8. 13. ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν τοῖς μῆσιν (1 α)   |
| <b>σαβαωθ.</b> (1) שָׁבַע<br>Jo. 6. 16 (17). ἔσται ἡ πόλις ἀνάθεμα . . . κυρίῳ σ. [A al.] (1)  | Je. 26 (46). 10. A θυσία τῷ κυρίῳ σ. [B B om.] (1)<br>[Heb. III Ki. 19. 14.]   | 28. 4. τὸ τρίτον ἐξ ὑμῶν εἰσπορευέσθωσαν τὸ σ. (1 α)<br>— 8. ἀπ' ἀρχῆς τοῦ σ. ὥς ἐξόδου τοῦ σ. (1 α, 1 α)<br>81. 3. ὀλοκυντώσεις εἰς σάββατα (1 α)<br>36. 21. ὥς τοῦ προσδέξασθαι τὴν γῆν τὰ σ. αὐ. (1 α)  |
| <b>σαβαωθ.</b> (1) שָׁבַע<br>Jo. 6. 16 (17). ἔσται ἡ πόλις ἀνάθεμα . . . κυρίῳ σ. [A al.] (1)  | <b>σαβαωθ.</b><br>Is. 22. 15. A <sup>1</sup> τάδε λέγει κύριος σ. [A <sup>2</sup> B S -ώθ] + (1)   | I Es. 1. 58. ὥς τοῦ εὐδοκῆσαι τὴν γῆν τὰ σ. αὐ. (1 α)<br>5. 52. καὶ μετὰ ταῦτα . . . θυσίας σαββάτων (1 α)<br>Ne. 9. 14. τὸ σ. σου τὸ ἅγιον ἐργώρισας αὐτοῖς (1 α)<br>10. 31 (32). ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. ἀποδόσθαι (1 α)<br>— 31 (32). οὐκ ἀγορεύμεν παρ' αὐτῶν ἐν σαββάτῳ (1 α) |
| I Ki. 1. 3. θύειν κυρίῳ τῷ θεῷ σαβ. (1)<br>— 11. ἀδ. κύριε ἔλωε σαβ. (1)   | <b>σαββατίζεω.</b> (1) שָׁבַע<br>Ex. 16. 30. ἐσαββάτισεν ὁ λαὸς τῇ ἡμ. τῇ ἐβδόμῃ (1)   | 13. 15. εἶδον ἐν Ἱ. πατοῦντας ληνοὺς ἐν τῷ [A om.] σ. (1 α)<br>— 15. ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 16. B S <sup>1</sup> καὶ πᾶσαν πρᾶσιν πωλοῦντες ἐν [A S <sup>1</sup> B om.] τῷ σ. (1 α)  |
| — 20. παρὰ κυρίῳ θεοῦ σαβ. ᾗ τῇ σάμην αὐτῶν (1)<br>15. 2. τάδε εἶπε κύριος σαβ. (1)  | Le. 23. 32. σαββατεῖτε τὰ σάββατα ὑμῶν (1)<br>26. 35 (34). σαββατεῖ ἡ γῆ (1)<br>— 35. σαββατεῖ ἀοικ ἐσαββάτισεν (1, 1)   | — 17. καὶ βεβηλοῦτε τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)<br>— 18. βεβηλώσαι τὸ σ. (1 α)<br>— 19. ἡνίκα κατίστησαν πύλαι ἐν Ἱερ. πρὸ τοῦ σ. (1 α)  |
| 17. 45. ἐν ὀνόματι κυρίου θεοῦ σαβ. [A σαβ. θ.] (1)<br>I Es. 9. 46. A B τῷ κυρίῳ θεῷ τῷ ἱψίστῳ θεῷ σαβ. [B al.] (1)                                      | II Ch. 36. 21. ὥς τοῦ προσδέξασθαι τὴν γῆν τὰ σάββατα αὐ. σαββατίσται (1)<br>— 21. A B πᾶσας τὰς ἡμέρας ἐρημώσεως αὐ. σαββατίσται (1)  | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| Za. 13. 2. λέγει κύριος σ. [A om.] (1)<br>Is. 1. 9. εἰ μὴ κύριος σ. ἐγκατέλιπεν ἡμῖν σπέρμα (1)  | I Es. 1. 58. πάντα τὸν χρόνον τῆς ἐρημώσεως αὐ. σαββατεῖ (1)<br>II Ma. 6. 6. ἢ δ' οὐτε σαββατίζεις [Aq. Le. 25. 2.] (1)  | — 15. ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 16. B S <sup>1</sup> καὶ πᾶσαν πρᾶσιν πωλοῦντες ἐν [A S <sup>1</sup> B om.] τῷ σ. (1 α)<br>— 17. καὶ βεβηλοῦτε τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)<br>— 18. βεβηλώσαι τὸ σ. (1 α)   |
| — 24. τάδε λέγει κύριος ὁ δεσπότης σ. (1)<br>2. 12. ἡμέρα γὰρ κυρίου σ. ἐπὶ πάντα ὑβριστὴν (1)   | Ex. 16. 23. σάββατα ἀνάπαυσις ἁγία τῷ κ. αὐρίον (1 α)<br>— 25. ἔστι γὰρ σάββατα σήμερον τῷ κ. (1 α)<br>— 26. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)   | — 19. ἡνίκα κατίστησαν πύλαι ἐν Ἱερ. πρὸ τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)                        |
| 3. 1. ὁ δεσπότης κυρίου σ. ἀφελὲ ἀπὸ Ἱερουσαλὴμ . . . ἰσχύοντα καὶ ἰσχύουσιν (1)<br>5. 7. ὁ γὰρ ἀμπελὼν κυρίου σ. οἶκος τοῦ Ἰσρ. (1)                     | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 15. ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 16. B S <sup>1</sup> καὶ πᾶσαν πρᾶσιν πωλοῦντες ἐν [A S <sup>1</sup> B om.] τῷ σ. (1 α)<br>— 17. καὶ βεβηλοῦτε τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)<br>— 18. βεβηλώσαι τὸ σ. (1 α)   |
| — 9. ἡκοῦσθη γὰρ εἰς τὰ ὅσα κυρίου σ. ταῦτα (1)<br>— 16. ὑψωθήσεται κύριος σ. ἐν κρίματι (1)   | — 14. φυλάξεσθε τὰ σ. [A al.] (1 α)<br>— 15. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>— 15. A ὅστις ποιήσει ἔργον τῇ ἡμέρᾳ τοῦ σ. [B al.] (1 α)  | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| — 24. οὐ γὰρ ἠθέλησαν τὸν νόμον κυρίου σ. (1)<br>— 25. ἐθνωμένη ὁργὴ [B ὀργισθὴ θυμῷ] κύριος σ. (1)  | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 6. 3. ἄγιος ἄγιος ἄγιος κύριος σ. (1)<br>— 5. τὸν βασιλέα κυρίου σ. εἶδον (1)  | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 7. 7. τάδε λέγει κύριος σ. (1)<br>8. 18. παρὰ κυρίου σ. (1)  | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 9. 7 (6). ὁ ζῆλος κυρίου σ. ποιήσει ταῦτα (1)<br>10. 16. ἀποστελεῖ κύριος σ. . . ἀτιμίαν (1)   | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| — 24. τάδε λέγει κύριος σ. (1)<br>— 33. ὁ δεσπότης κυρίου σ. συνταράσσει τοὺς ἐνδόλους (1)   | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 13. 4. κύριος σ. ἐντέλλεται ἔθνει ὀπλομάχῳ (1)<br>— 13. διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου σ. (1)  | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 14. 22. λέγει κύριος σ. (1)<br>— 22. B τάδε λέγει κύριος σ. [A B om.] (1)  | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| — 24 : 17. 3. τάδε λέγει κύριος σ. (1)<br>18. 7. ἀνερχθήσεται ὥρα κυρίῳ σ. . . οὗ τὸ ὄνομα κυρίου σ. [B add. ἐπεκλήθη] (1, 1)                            | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 19. 4. τάδε λέγει κύριος σ. (1)<br>— 12. τί βεβουλεύεται κύριος σ. ἐπ' Αἴγυπτον (1)  | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| — 16. ἀπὸ προσώπου τῆς χειρὸς κυρίου σ. (1)<br>— 17. B διὰ τὴν βουλήν [A add. κυρίου σ.] ἢν βεβουλεύεται κύριος σ. [A B S om.] ἐπ' αὐτὴν (1, -)          | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| — 18. B ὁμνῶντες [A S <sup>1</sup> -ύουσιν] τῷ ὀνόματι κυρίου σ. [A B S om.] (1)<br>— 25. ἢν εὐλόγησε κύριος σ. (1)                                      | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 21. 6. S <sup>1</sup> οὕτως εἶπε πρὸς μέ κύριος σ. [A B S <sup>1</sup> al.] (1)<br>— 10. ἀ ἤκουσα παρὰ κυρίου σ. (1)                                     | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |
| 22. 5. πλάνησις [B <sup>1</sup> om.] παρὰ κυρίῳ σ. (1)<br>— 12. ἐκάλεσε κύριος κύριος σ. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ κλαυθμόν (1)                                 | 20. 8. μῆσθητι τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1)<br>— 10. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἐβδόμῃ σάββατα (1 α)<br>31. 13. τὰ σ. μου φυλάξεσθε (1 α)   | — 19. ὥστε μὴ ἀνοίγειν αὐτὰς ὥς ὅπως τοῦ σ. (1 α)<br>— 19. ὥστε μὴ αἰρεῖν βαστάγματα ἐν ἡμέρᾳ τοῦ σ. (1 α)<br>— 21. οὐκ ἤλθοσαν ἐν σαββάτῳ (1 α)<br>— 22. ἀγιάζειν τὴν ἡμέραν τοῦ σ. (1 α)   |

Je. 17. 24. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 a)  
 — 24. ΑΒΒ<sup>3</sup> καὶ ἀγάξειν τὴν ἡμέραν τῶν σ. (1 a)  
 — 27. τοῦ ἀγάξειν τὴν ἡμέραν τῶν σ. . . ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 a, 1 a)  
 La. 2. 6. ἐπελάθετο κύριος ἃ ἐποίησεν ἐν Σιών ἐορτῆς καὶ σαββάτου (1 a)  
 Ez. 20. 12. τὰ σ. μου ἔδωκα αἰτοῖς (1 a)  
 — 13. τὰ σ. μου ἐβεβήλωσαν σφόδρα (1 a)  
 — 16. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν (1 a)  
 — 20. τὰ σ. μου ἀγιάζετε (1 a)  
 — 21, 24. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν (1 a)  
 22. 8. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν ἐν σοὶ (1 a)  
 — 26. ἀπὸ τῶν σ. μου παρεκάλυπτον τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (1 a)  
 — 26. ἃ τὰ σ. μου ἐβεβήλουν [B al.] —  
 28. 38. τὰ σ. μου ἐβεβήλουν (1 a)  
 44. 24. τὰ σ. μου ἀγιάσονται (1 a)  
 45. 17. ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν πάσαις ταῖς ἐορταῖς οἴκου Ἰσραὴλ (1 a)  
 46. 1. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. ἀνοιχθῇ (1 a)  
 — 3. ἐν τοῖς σ. καὶ ἐν ταῖς νομμηναῖς (1 a)  
 — 4, 12. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ. (1 a)  
 I Ma. 1. 39. τὰ σ. αὐ. εἰς ὀνειδισμὸν [B<sup>1</sup> om. εἰς ὀν.]  
 — 43. ἐβεβήλωσαν τὸ σ. [A<sup>3</sup> ἀγίασμα]  
 — 45. καὶ βεβηλόσαν σάββατα  
 2. 32. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ.  
 — 34. βεβηλόσαν τὴν ἡμέραν τῶν σ.  
 — 38. ἀνέστησαν ἐπ' αὐτοὺς ἐν τῷ πολέμῳ τοῖς [B<sup>1</sup> om.] σ.  
 — 41. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ.  
 6. 49. σάββατον ἦν τῇ γῇ  
 9. 34, 43. τῇ ἡμέρᾳ τῶν σ.  
 10. 34. πᾶσαι αἱ ἐορταὶ καὶ τὰ σ.  
 II Ma. 5. 25. ἕως τῆς ἀγίας ἡμέρας τοῦ σ.  
 26. ἦν γὰρ ἡ πρὸ τοῦ σ. δικη  
 — 27. περὶ τὸ σ. ἐγένοντο περισσῶς εὐλογοῦντες  
 — 28. μετὰ δὲ τὸ σ.  
 12. 38. αὐτοὶ τὸ σ. διήγεν  
 16. 3. ἀγειν τὴν τὸν σ. ἡμέραν  
 [Aq. Le. 25. 2, 8; Ez. 20. 12.]  
 [Sm. Le. 25. 8.]  
 [Th. Le. 25. 8; IV Ki. 11. 9; Is. 58. 13; Ez. 22. 26; Ho. 2. 11 (13).]  
 [Al. Le. 23. 3, 11, 15, 16, 24, 39.]  
 [Quint. IV Ki. 11. 9.]  
 σαββεῖρ, σαβεῖρ. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Da. TH. 11. 16. ΑΒ Β στήσεται ἐν τῇ γῇ τοῦ σ. [B -ei] (1)  
 [Th. Da. 11. 16.]  
 σαβεῖ, σαβεῖν. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Da. TH. 11. 16. Β στήσεται ἐν τῇ γῇ τοῦ σ. [ΑΒ -ειρ] (1)  
 — 45. Α εἰς ὅρος σ. [B -aein] ἄγιον (1)  
 [Th. Da. 11. 16.]  
 σαβέκ. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Ge. 22. 13. κρύος εἰς κατεχόμενος ἐν φυτῷ σ. (1)  
 [Th. Ge. 22. 13.]  
 σαγή. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 II Ma. 3. 25. καλλίστη σ. διακεκοσμημένος  
 σαγήνη. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 (2) a. 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 δ. 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Ec. 7. 27 (26). σαγήνη καρδιά αὐτῆς (1)  
 Hb. 1. 15. συνήγαγεν αὐτὸν ἐν ταῖς σ. αὐ. (2 a)  
 — 16. θύσει τῇ σ. [A τῷ ἀμφιβλήστρῳ] αὐ. (1)  
 — 16. Α θυμιάσει τῇ σ. [B σ τῷ ἀμφιβλήστρῳ] αὐ. (2 a)  
 Is. 19. 8. στενάξουσιν . . . οἱ βάλλοντες σαγήνας (2 b)  
 Ez. 28. 5. ψυγμός σαγηνῶν ἔσται (1)  
 — 14. ψυγμός σαγηνῶν ἔσται (1)  
 47. 10. ψυγμός σαγηνῶν ἔσται (1)  
 [Sm. Ps. 9. 30; Ez. 12. 13.]  
 σάγμα. (1) 𐤒𐤁  
 Ge. 31. 34. ἐνέβαλεν αὐτὰ εἰς τὰ σ. τῆς καμήλου (1)  
 σάγος. (1) 𐤒𐤁  
 [Th. Jd. 4. 18.]  
 σαδδαῖ. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Ez. 10. 5. ὡς φωνὴ θεοῦ σ. λαλοῦντος (1)  
 [Aq., Th. Ez. 1. 24.]  
 [Sm. Jb. 6. 4; Ez. 1. 24.]  
 [Heb. Jb. 6. 4.]

σαδμημῶ. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 IV Ki. 23. 4. ΑΒ κατέκαυσεν αὐτὰ . . . ἐν σ. [B σαλ.] (1)  
 σαδμηρῶ. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 IV Ki. 11. 8. Β δ' εἰσπορευόμενος εἰς τὰς σ. [A B al.] (1)  
 — 15. Α ἐξαγάγετε αὐτὴν ἔσθωεν τὴν σ. [B al.] (1)  
 σαδίκ. [Heb. Is. 26. 2.]  
 σαθρός. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Jb. 41. 18 (19). χαλκὸν δι' ὥσπερ ἔϋλον σαθρὸν (1)  
 Wi. 14. 1. τοῦ φέροντος αὐτὸν πλοίου [A ἔϋλον] σαθρότερον ἔϋλον ἐπιβοᾶται  
 σαθροῦν. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Jd. 10. 8. Α ἐσάθρωσαν [B ἔθλιψαν] καὶ ἔθλασαν τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (1)  
 σακαχαρθαί. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 IV Ki. 25. 17. Β καὶ τὸ ὕψος τοῦ χωθάρ τριῶν πήχειν σ. [A B al.] (1)  
 σάκκος. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Ge. 37. 34. ἐπέθετο σάκκον ἐπὶ τὴν ὀσφύν αὐ. (1)  
 42. 25. ἀποδοῦναι τὸ ἀργ. ἐκαστὸν εἰς τὸν σ. αὐ. (1)  
 — 35. ἐν τῷ κατακεινόντων αὐτοὺς τοῖς σ. αὐ. (1)  
 — 35. ἦν ἐκίστου δ' δεσμός τοῦ ἀργ. ἐν τῷ σ. αὐ. (1)  
 Le. 11. 32. ἀπὸ παντὸς σκεύους ξυλίνου . . . ἡ σάκκου (1)  
 Jo. 9. 4. λαβόντες σ. παλαιούς ἐπὶ τῶν ὤμων αὐ. (1)  
 II Ki. 8. 31. περιώσασθε σάκκους (1)  
 21. 10. ἔλαβε P. . . τὸν σ. (1)  
 III Ki. 20 (21). 16. περιβάλετο σάκκον (1)  
 — 27. καὶ ἐξώσατο σάκκον (1)  
 — 27. Β καὶ περιβάλετο σάκκον (1)  
 21 (20). 31. ἐπιθώμαθα δὴ σάκκους (1)  
 — 32. περιέζωσαντο σάκκους (1)  
 IV Ki. 6. 30. εἶδεν ὁ λαὸς τὸν σ. (1)  
 19. 1. περιβάλετο σάκκον (1)  
 — 2. ἀπέστειλεν . . . τοὺς πρεσβυτ. τῶν ἱ. περιβεβλημένους σάκκους (1)  
 I Ch. 21. 16. ἔπεσε Δ. καὶ οἱ πρεσβύτ. περιβεβλημένοι ἐν σάκκοις (1)  
 Ne. 9. 1. συνηχθήσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . ἐν σάκκοις (1)  
 — 1. Β<sup>1</sup> ἐχωρήθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . ἐν σάκκοις (1)  
 Ju. 4. 10. ἐπέθετο σάκκους ἐπὶ τὰς δούφους αὐ. (1)  
 — 11. ἐξέτεινον τοὺς σ. αὐ. κατὰ πρόσωπον κυρίου (1)  
 — 12. τὸν θυσιαστήριον σάκκῳ περιέβαλον (1)  
 — 14. σάκκους περιέζωσαντο τὰς δούφους αὐ. (1)  
 8. 5. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν ὀσφύν αὐ. σάκκον (1)  
 — 31. Β εἰς πληρώσιν τῶν σ. [A B λάρκων] ἡμῶν (1)  
 9. 1. ἐγένικον σὲν ἐνεδύσκειτο σάκκον (1)  
 10. 3. περιέβατο τὸν σ. (1)  
 Es. 4. 1. ἐνεδύσατο σάκκον (1)  
 — 2. οὐ γὰρ ἦν αὐτῷ ἔξω . . . σάκκον ἔχοντι (1)  
 — 3. σάκκον καὶ σποδὸν ἔστρωσαν αὐτοῖς (1)  
 — 4. καὶ ἀφελέσθαι αὐτοῦ τὸν σ. (1)  
 Jb. 16. 16 (15). σάκκον ἔραψαν [A -ιψαν] (1)  
 Ps. 29 (30). 11. διέρρηξας τὸν σ. μου (1)  
 34 (35). 13. ἐνεδύσασθαι σάκκον (1)  
 68 (69). 11. ἐθέμην τὸ ἐνδυμᾶ μου σάκκον (1)  
 Si. 26. 17. σκотоὶ τὸ πρὸς σπῆναι αὐτῆς ὡς σάκκον [A B ἀρκος] (1)  
 Am. 8. 10. ἀναβιβᾶ ἐπὶ πᾶσαν ὀσφύν σάκκον (1)  
 Jl. 1. 8. ὑπὲρ νυμφῆς περιέζωσμένην σάκκον (1)  
 — 13. ὑπνώσατε ἐν σάκκοις (1)  
 Jn. 8. 5. ἐνεδύσατο σάκκους (1)  
 — 6. περιβάλετο σάκκον (1)  
 — 8. περιβάλλοντο σάκκους (1)  
 Is. 8. 24. περιώσθη σάκκον [B<sup>1</sup> -oi] (1)  
 15. 3. περιώσασθε σάκκους (1)  
 20. 2. ἀφ' ἑλὲ τὸν σ. ἀπὸ τῆς ὀσφύος σου (1)  
 22. 12. ἐκάλει κύριος . . . ὥσαν σάκκων (1)  
 32. 11. Α Β περιώσασθε σάκκους [B om.] τὰς δούφους (1)  
 37. 1. περιβάλετο σάκκον (1)  
 — 2. τοὺς πρεσβυτέρους τῶν ἱερῶν περιβεβλημένους σάκκους (1)  
 50. 3. ὡς σάκκον θύσω τὸν περιβάλλον αὐτοῦ (1)  
 58. 5. σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστράση (1)  
 Je. 4. 8. περιώσασθε σάκκους (1)

Je. 6. 26. περίωσαι σάκκον (1)  
 30 (49). 3. περιώσασθε σάκκους (1)  
 31 (48). 37. ἐπὶ πάσης ὀσφύος σ. (1)  
 Ba. 4. 20. ἐνεδύσασθαι δι' σάκκον τῆς δεξιᾶς μου (1)  
 La. 2. 10. περιέζωσαντο σάκκους (1)  
 Ez. 7. 18. περιέζωσαντο σάκκους (1)  
 27. 31. Α περιέζωσαντο σάκκον (1)  
 Da. LXX. 9. 3. ἐν νηστεῖαις καὶ σάκκῳ καὶ σποδῷ (1)  
 Da. TH. 9. 3. ἐν νηστεῖαις καὶ σάκκῳ (1)  
 I Ma. 2. 14. περιέβαλοντο σάκκους (1)  
 8. 47. περιέβαλοντο σάκκους (1)  
 II Ma. 3. 19. σάκκους κατὰ τὰς ὁδοὺς ἐπλήθυνον (1)  
 10. 25. τὰς δούφους σάκκοις ζώσαντες [Aq. Ps. 34 (35). 13; 68 (69). 12.] [Sm. Ge. 42. 27, 28; Ps. 34 (35). 13; 68 (69). 12.] [Th. Ez. 27. 31.]  
 σακχῶ. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 I Ch. 28. 20. Β καὶ σ. [A B ζ.] αὐ. καὶ τὰ ὑπερφά — σαλαμείν (-μίν).  
 Jo. 22. 29. θυσιαστήριον . . . ταῖς θυσίαις σ. — σαλασία (-σεία). (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 Je. 31 (48). 34. Β ἔδωκαν . . . ἀγγελίαν σ. [A -ia σαλασία, B<sup>2</sup> d. εἰς σαλίσια] (1)  
 σαλαχῶ. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 [Al. I Ch. 28. 16.]  
 σαλεύειν. (1) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 a. qal. δ. hithp. (2) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 (3) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 ni. (4) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 hi. (5) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 ni. (6) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅  
 (7) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 a. qal. δ. hithp. (8) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 pil. (1)  
 (9) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 a. qal. δ. ni. (10) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 ni. (1)  
 (11) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 (12) a. 𐤒𐤁𐤅 hi. δ. 𐤒𐤁𐤅 pe. (1)  
 (13) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 (14) 𐤒𐤁𐤅 a. qal. δ. ni. c. hi. (1)  
 (15) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 (16) 𐤒𐤁𐤅 hi. (17) 𐤒𐤁𐤅 pi. (1)  
 (18) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 hithp. (19) 𐤒𐤁𐤅 (20) 𐤒𐤁𐤅  
 (21) 𐤒𐤁𐤅𐤁𐤅 (22) 𐤒𐤁𐤅 (23) 𐤒𐤁𐤅  
 Jd. 6. 5. ὁρη ἐσαλεύθησαν (8)  
 II Ki. 22. 37. οὐκ ἐσαλεύθησαν τὰ σκέλη μου (11)  
 IV Ki. 17. 20. καὶ ἐσαλεύσεν αὐτοὺς (17)  
 21. 8. οὐ προσθήσω τοῦ σαλεύσαι τὸν πόδα Ἰσρ. (13 a)  
 I Ch. 18. 30. καὶ μὴ σαλευθῇ (9 b)  
 II Ch. 38. 8. οὐ προσθήσω σαλεύσαι τὸν πόδα Ἰσρ. (16)  
 Ju. 12. 16. Α Β ἐσαλεύθη ἡ ψυχὴ αὐ. (1)  
 16. 15. ὁρη γὰρ . . . σαλευθήσεται [B<sup>1</sup> ἐσαλεύθησαν σ., B<sup>2</sup> εἰς.] (1)  
 Jb. 9. 6. οἱ δὲ στύλοι αὐτῆς σαλεύονται (18)  
 28. 4. Β ἐκ βορρῶν ἐσαλεύθησαν [ABS om.] (14 a)  
 41. 14 (15). οὐ σαλευθήσεται (9 b)  
 Ps. 9. 27 (10. 6). οὐ μὴ σαλευθῶ ἀπὸ γενεᾶς εἰς γενεάν ἕνεκ κακοῦ (9 b)  
 12 (13). 4. εἰς σαλευθῶ (9 b)  
 14 (15). 5. ὁ ποιῶν ταῦτα οὐ σαλευθήσεται (9 b)  
 15 (16). 8. ἐκ δεξιῶν μου ἔστιν ἵνα μὴ σαλευθῶ (9 b)  
 16 (17). 5. Α Β ἵνα μὴ σαλευθῶσιν [B -θῇ] τὰ θεμέλια μου (9 b)  
 17 (18). 7. ἐσαλεύθη . . . ἡ γῇ καὶ τὰ θεμέλια τῶν ὀρέων . . . ἐσαλεύθησαν (1 a, 1 b)  
 20 (21). 7. ἐν τῷ ἔλκει τοῦ ὑψίστου οὐ μὴ σαλευθῇ [B<sup>1</sup> -θῶ] (9 b)  
 25 (26). 1. ἐπὶ τῷ κυρίῳ ἐλπίσω οὐ μὴ σαλευθῶ [A B ἀσθενίσω] (11)  
 29 (30). 6. οὐ μὴ σαλευθῶ εἰς τὸν πῶνα (9 b)  
 32 (33). 8. ἀπ' αὐτοῦ δι' ἐσαλευθήσων (1)  
 35 (36). 11. χεῖρ ἀμαρτωλῶν μὴ σαλεύσαι [ABS<sup>2</sup> -σει] με (12 a)  
 37 (38). 16. ἐν τῷ σαλευθῆναι πόδας μου (9 a)  
 45 (46). 5. ὁ θεὸς ἐν μέσῳ αὐτῆς οὐ σαλευθήσεται (9 b)  
 — 6. ἐσαλεύθη ἡ γῇ (7 a)  
 47 (48). 5. ἐταράχθησαν ἐσαλεύθησαν (5)  
 49 (50). 2. Β Β ἐπὶ ἐσαλεύθη [B -ησαν] (9 a)  
 61 (62). 2. οὐ μὴ σαλευθῶ ἐπὶ πλεῖον (9 b)  
 72 (73). 2. ἐμοῦ δὲ παρὰ μικρὸν ἐσαλεύθησαν οἱ πόδες (15)  
 76 (77). 18. ἐσαλεύθη . . . ἡ γῇ (20)  
 81 (82). 5. σαλευθήσονται [B<sup>1</sup> -ίτησαν] πάντα τὰ θεμέλια τῆς γῆς (9 b)

Ps. 92 (93). 1. ἤτις οὐ σαλευθήσεται (9 b)  
 93 (94). 18. στεθαμένοι οἱ πους μου (9 a)  
 95 (96). 9. σαλευθήτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ  
 πᾶσα ἡ γῆ (4)  
 — 10. ἤτις οὐ σαλευθήσεται (9 b)  
 — 11. σαλευθήτω ἡ θάλασσα (23)  
 96 (97). 4. ἐσαλεύθη ἡ γῆ (4)  
 97 (98). 7. σαλευθήτω ἡ θάλασσα (23)  
 98 (99). 1. σαλευθήτω ἡ γῆ (13)  
 106 (107). 27. ἐσαλεύθησαν ὡς ὁ μεθίων (14 a)  
 108 (109). 10. σαλευμένοι μεταστροφήσαν οἱ  
 υἱοὶ αὐτοῦ (14 a)  
 — 25. ἐσάλυνον κεφαλὰς αὐτῶν (14 c)  
 111 (112). 6. εἰς τὸν αἰῶνα οὐ σαλευθήσεται (9 b)  
 113 (114). 7. ἀπὸ προσώπου κυρίου ἐσαλεύθη  
 ἡ γῆ (4)  
 124 (125). 1. οὐ σαλευθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα (9 b)  
 Pr. 3. 26. ἐρείσει σὺν πύδα ἵνα μὴ σαλευθῇς (6)  
 Ec. 12. 3. ἢ ἐὰν σαλευθῶσι φύλακες τῆς οἰκίας (2)  
 Wi. 4. 4. ὑπὸ ἀνέμου σαλευθήσεται  
 — 19. σαλεύσει αὐτοὺς ἐκ θυμῶν (23)  
 Si. 13. 21. πλοῦσιτος σαλευόμενος στηρίζεται ὑπὸ  
 φιλῶν (14 a)  
 16. 18. ἀβυσσος καὶ γῆ σαλευθήσονται [B<sup>1</sup>-εύονται]  
 ἐν τῇ ἐπισκοπῇ αὐτοῦ (14 c)  
 28. 7. βοσύνοντες σαλευόμενοι γυνὴ πονηρὰ  
 28. 14. γλώσσα τρίτη πολλοὺς ἐσάλυνε  
 29. 18. ἐσάλυνον αὐτοὺς ὡς κύμα θαλάσσης  
 43. 16. ἐν ὅπταισι αὐτοῦ σαλευθήσεται [A B  
 -σονται] ὅρη (4)  
 48. 12. ἐν ἡμέραις αὐτοῦ οὐκ ἐσαλεύθη ὑπὸ ἀρχοντος  
 — 19. τότε ἐσαλεύθησαν καρδίαι καὶ χεῖρες αὐτῶν  
 Am. 8. 12. σαλευθήσονται [A -σεται] ὕδατα (14 a)  
 9. 5. ὁ ἐφάπτομενος τῆς γῆς καὶ σαλεύων αὐ-  
 τήν (7 a)  
 Mi. 1. 4. σαλευθήσεται τὰ ὄρη ὑποκάτωθεν αὐτοῦ (10)  
 Na. 1. 5. A B S<sup>2</sup> οἱ βουνοὶ ἐσαλεύθησαν (7 b)  
 3. 12. ἂν σαλευθῶσι (14 b)  
 Hb. 2. 16. καρδίᾳ σαλεύθητι [A B<sup>2</sup> al.] (4)  
 3. 6. ἐσαλεύθη ἡ γῆ (8)  
 Za. 12. 2. ὡς πρόβουρα σαλευόμενα πᾶσι τοῖς  
 λαοῖς κύκλῳ (22)  
 Is. 7. 2. ὃν τρόπον ἐν δρυμὶ ξύλου ὑπὸ πνεύμα-  
 τος σαλευθῇ (14 a)  
 33. 20. A<sup>1</sup> αἱ οὐκ ἐσαλεύθησαν [A<sup>2</sup> B S σεισθ.] (19)  
 40. 20. καὶ ἵνα μὴ σαλεύηται (9 b)  
 Je. 23. 9. ἐσαλεύθη πάντα τὰ ὀστά μου (21)  
 28 (31). 7. διὰ τοῦτο ἐσαλεύθησαν (14 a)  
 La. 4. 14. ἐσαλεύθησαν ἐγγίγοντες αὐτῆς  
 — 15. ἀνέφθησαν καὶ γε ἐσαλεύθησαν (14 a)  
 Da. Th. 4. 11. σαλευθήσονται τὰ θηρία ὑποκά-  
 τωθεν αὐτοῦ (12 b)  
 I Ma. 4. 32. σαλευθήσονται τῇ συντριβῇ αὐ-  
 — 6. 8. καὶ ἐσαλεύθη σφόδρα  
 — 41. καὶ ἐσαλεύοντο  
 9. 13. B B<sup>2</sup> ἐσαλεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς φωνῆς τῶν  
 παρεμβ. [A al.]  
 [Aq. Ge. 4. 12; Ex. 20. 18; 28. 28; Nu. 32.  
 13; Ps. 58 (59). 16; Is. 7. 2; Je. 50 (27). 3;  
 51 (28). 58 bis.]  
 [Sm. Ge. 4. 12; Pr. 10. 30; 12. 3; Is. 14. 9;  
 54. 10.]  
 [Th. Ge. 4. 12, 16; I Ki. 1. 13; Jb. 28. 4; 41.  
 15; Pr. 10. 30; Is. 20. 20; 54. 10 bis; 64. 1;  
 63. 19; Je. 10. 10; Ez. 27. 28.]  
 [Quint. Ps. 45 (46). 3; 61 (62). 3.]  
 [Sext. Ps. 25 (26). 1.]  
 [Heb. Ge. 4. 12.]  
 σαλευτόν.  
 [Al. Dt. 6. 8; 11. 18.]  
 σαλημῶθ.  
 IV Ki. 23. 4. κατέκαυσεν αὐτὰ ... ἐν σ. [A B σαδ.] +  
 σαλισά, σαλισία. (1) πηλὴ  
 Je. 31 (48). 34. S<sup>2</sup> ἀγγέλιον εἰς σαλισά [A  
 σαλισία, B σαλασία] (1)  
 σάλος. (1) ἡλὶ (2) εὐδ (3) πηλ.  
 (4) κηρ (5) πηρ.  
 Ps. 54 (55). 22. οὐ δώσει εἰς τὸν αἰῶνα σάλον  
 τῷ δικαίῳ (9)  
 65 (66). 9. καὶ μὴ δώσῃς εἰς σάλον τοὺς πόδας μου (2)  
 88 (89). 9. τὸν δὲ σ. τῶν κυμάτων αὐτῆς (4)  
 120 (121). 3. μὴ δώσῃς εἰς σάλον τὸν πόδα σου (2)  
 Si. 40. 5. θυμὸς καὶ ζῆλος καὶ παραχὴ καὶ σάλος

Jn. 1. 15. ἔσθη ἡ θάλασσα ἐκ τοῦ σάλου [A  
 -ους] αὐ. (1)  
 Za. 9. 14. πορεύσεται ἐν σάλῳ ἀπειλῆς αὐ. (5)  
 La. 1. 8. εἰς σάλον ἐγένετο (8)  
 [Sm. Jb. 39. 24; Ps. 59 (60). 5; Je. 15. 4; Ez.  
 12. 18.]  
 [Th. Ps. 120 (121). 3; Is. 24. 20; 51. 17; Je.  
 29 (36). 18; Ez. 12. 18.]  
 σάλπιγξ. (1) πηλὴ, πηλὴ (2) ἡλὶ  
 (3) κηρ (4) κηρ (5) κηρ (6) πηλ.  
 Ex. 19. 13. αἱ φωναὶ καὶ αἱ σ. καὶ ἡ νεφέλη (2)  
 — 16. φωνὴ τῆς σ. ἤγει μέγα (4)  
 — 19. ἐγένοντο δὲ αἱ φωναὶ τῆς σ. προβαί-  
 νουσαι (4)  
 20. 18. πᾶς ὁ λαὸς ἑώρα ... τὴν φωνὴν τῆς σ. (4)  
 Le. 23. 24. μνημόσυνον σαλπίζοντων (6)  
 25. 9. διαγγελεῖτε σαλπίζοντες φωνῇ (4)  
 — 9. διαγγελεῖτε σαλπίζοντες (4)  
 Nu. 10. 2. ποιήσαντες αὐτῶν δύο σαλπίζοντες (1)  
 — 8. σαλπίζοντες ταῖς σ. (1)  
 — 9. σημαίνετε [A σαλπίζετε] ταῖς σ. (1)  
 — 10. σαλπίζετε ταῖς σ. (1)  
 31. 6. καὶ αἱ σ. τῶν σημασιῶν (1)  
 Jo. 6. 4 (5). ὡς ἂν σαλπίζετε τῇ σ. (3 + 2 + 4)  
 — 7 (8). ἐπὶ τῇ ἐρείδι ἔχοντες ἐπὶ τ. ἐρείς (4 + 2)  
 — 12 (13). οἱ φέροντες ταῖς σ. τὰς ἐπὶ τ. [A al.] (4 + 2)  
 — 13. οἱ ἐρείς ἐσάλυνον ταῖς σ. (4)  
 — 19 (20). ἐσάλυνον ταῖς [A τοῖς] σ. (4)  
 — 19 (20). ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ λαὸς τῶν σ. [A al.] (4)  
 I Ki. 18. 3. B S. σαλπίζοντες ἱ. τῇ σ. (4)  
 II Ki. 2. 28. ἐσάλυνον ἱ. τῇ σ. (4)  
 IV Ki. 11. 14. οἱ φῶν καὶ αἱ σ. πρὸς τὸν βασ. (1)  
 — 14. καὶ πᾶς ὁ λαὸς ... σαλπίζων ἐν σάλ-  
 πιγξί (1)  
 12. 13 (14). ἦλοι φιλῶν καὶ σαλπίζοντες (1)  
 I Ch. 13. 8. ἐν κυμβάλῳ καὶ ἐν σάλπιγξί (1)  
 15. 24. σαλπίζοντες ταῖς σ. (1)  
 — 28. ἀνάγοντες τὴν κιθάραν ... ἐν σάλπιγξί (1)  
 16. 6. Βαν. καὶ Ὁζ. οἱ ἐρείς ἐν ταῖς σ. (1)  
 — 42. καὶ μετ' αὐτῶν σαλπίζοντες (1)  
 II Ch. 5. 12. σαλπίζοντες ταῖς [A om.] σ. (1)  
 — 13. ὕψωναν φωνὴν ἐν σάλπιγξί (1)  
 7. 6. οἱ ἐρείς σαλπίζοντες ταῖς σ. (1)  
 13. 12. μετ' ἡμῶν ... αἱ [A om.] σ. τῆς ση-  
 μασίας (1)  
 — 14. οἱ ἐρείς ἐσάλυνον ταῖς σ. (1)  
 15. 14. ὡμοσαν ἐν κυρίῳ ... ἐν σάλπιγξί (1)  
 20. 28. ἐσάλυνον ... ἐν σάλπιγξί (1)  
 23. 13. ἐπὶ τῇ εἰσόδῳ οἱ ἀρχοντες καὶ αἱ σ. (1)  
 — 13. ἐσάλυνον ταῖς [A ἐν] σ. (1)  
 29. 26. ἔστησαν ... οἱ ἐρείς ταῖς σ. (1)  
 — 27. καὶ σαλπίζοντες [A al.] πρὸς τὰ θρ-  
 γανα Δ. (1)  
 — 28. καὶ σαλπίζοντες [A al.] σαλπίζοντες (1)  
 I Es. 5. 59. ἔστησαν οἱ ἐρείς ... μετὰ μουσικῶν  
 καὶ σαλπίζοντων (1)  
 — 64. καὶ πολλοὶ διὰ σαλπίζοντων (1)  
 — 65. ὥστε τὸν λαὸν μὴ ἀκούειν τῶν σ. (1)  
 — 66. ἐπὶ τῶν τῆς φωνῆς τῶν σ. (1)  
 II Es. 3. 10. ἔστησαν οἱ ἐρείς ... ἐν σάλπιγξί (1)  
 Ne. 8. 15. ὅπως σημαίνοντες σαλπίζοντες (1)  
 12. 35. ἀπὸ τῶν τῶν ἐρέων ἐν [A om.] σάλπιγξί (1)  
 — 41. S<sup>2</sup> καὶ οἱ ἐρείς ... ἐν σάλπιγξί (1)  
 Jb. 39. 24. ὥς ἂν σημαίνῃ σαλπίζῃ (4)  
 — 25. σαλπίζοντες δὲ σημαίνοντες (4)  
 Ps. 46 (47). 5. κύριος ἐν φωνῇ σαλπίζοντος (4)  
 80 (81). 3. σαλπίζοντες ἐν νεομηνίᾳ σαλπίζοντες (4)  
 97 (98). 6. ἐν σάλπιγξιν ἐλαταῖς καὶ φωνῇ  
 σαλπίζοντες κερατίνης (1, 4)  
 150. 3. ἀνείκεται αὐτὸν ἐν ἡφω σαλπίζοντος (4)  
 Si. 50. 16. ἐν σάλπιγξιν ἐλαταῖς ἤχσαν (4)  
 Ho. 5. 8. σαλπίζοντες σαλπίζοντες ἐπὶ τοὺς βουνοὺς (4)  
 Am. 2. 2. μετὰ φωνῆς σαλπίζοντων (4)  
 3. 6. ἐφ' ὧν σημαίνῃ σαλπίζῃ ἐν πόλει (4)  
 Jl. 2. 1. 15. σαλπίζοντες σαλπίζοντες ἐν Σιών (4)  
 Ze. 1. 16. ἡμέρα σαλπίζοντος καὶ κρουγῆς (4)  
 Za. 9. 14. ἐν σάλπιγξιν σαλπίζῃ (4)  
 Is. 18. 3. ὡς σαλπίζοντες φωνῇ ἀκούστων ἔσται (4)  
 27. 13. σαλπίζοντες [A add. ἐν] τῇ σ. τῇ μεγάλῃ (4)  
 58. 1. ὡς σαλπίζοντες [A -γα, B -γορ] ὕψωνον  
 τὴν φωνὴν σου (4)  
 Je. 4. 5. σημαίνετε ἐπὶ τῇ γῆς σαλπίζοντες (4)  
 — 19. φωνὴν σαλπίζοντος ἤκουσεν ἡ ψυχὴ μου (4)

Je. 4. 21. ἀκούων φωνῆν σαλπίζοντων (4)  
 6. 1. ἐν [A ἐκ] Θεοῦ σημαίνοντες σαλπίζοντες (4)  
 — 17. ἀκούσατε τῆς φωνῆς τῆς σ. (4)  
 28 (31). 27. σαλπίζοντες ἐν ἔθνεσι σαλπίζοντες (4)  
 49 (42). 14. φωνὴν σαλπίζοντος οὐ μὴ ἀκούσω-  
 μεν (4)  
 Ez. 7. 14. σαλπίζοντες ἐν σάλπιγξί (5)  
 33. 3. καὶ σαλπίζῃ τῇ σ. (4)  
 — 4. καὶ ἀκούσῃ ὁ ἀκούσας τὴν φωνὴν τῆς σ. (4)  
 — 5. τὴν φωνὴν τῆς σ. ἀκούσας οὐκ ἐφύλαξται (4)  
 — 6. καὶ μὴ σημαίνῃ [A add. τῷ λαῷ] τῇ σ. (4)  
 Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)  
 — 7. ὅτε ἤκουσαν ... τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)  
 — 10. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)  
 — 15. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)  
 Da. Th. 3. 5. ἢ ἂν ὅρα ἀκούσῃ φωνῆς [A τῆς  
 φ. τῆς] σαλπίζοντος (3)  
 — 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)  
 — 10. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)  
 — 15. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς τῆς σ. (3)  
 I Ma. 3. 54. ἐσάλυνον ταῖς σ. (1)  
 4. 40. ἐσάλυνον ταῖς σ. τῶν σημασιῶν (1)  
 5. 31. ἡ κρουγὴ τῆς πλῆθους ἀνέβη ... σαλπίζῃ [B<sup>1</sup>  
 ἡ σ., B<sup>2</sup> καὶ σαλπίζῃ] (1)  
 — 33. ἐσάλυνον ταῖς σ. (1)  
 — 33. B<sup>1</sup> καὶ ἐβόησαν ταῖς σ. (1)  
 6. 33. καὶ ἐσάλυνον ταῖς σ. (1)  
 7. 45. ἐσάλυνον ὅπως αὐτῶν ταῖς σ. τῶν σημα-  
 σίων (1)  
 9. 12. ἐβόηον ταῖς σ. (1)  
 — 13. ἐσάλυνον ... ταῖς σ. (1)  
 16. 8. ἐσάλυνον ταῖς σ. (1)  
 II Ma. 15. 25. μετὰ σαλπίζοντων καὶ παύων προ-  
 στήγοντων (1)  
 [Sm. Jb. 39. 24; Je. 49 (30). 2.]  
 [Al. Ez. 21. 22 (27).]  
 σαλπίζειν. (1) ἡλὶ (2) εὐδ hi. (3) πηλ.  
 a. qal. b. ni.  
 Nu. 10. 3. B<sup>1</sup> σαλπίζοντες [A B<sup>2</sup> B -εἰς] ἐν αὐ-  
 ταῖς (3 a)  
 — 4. ἐὰν δὲ ἐν μῇ σαλπίζωσι (3 a)  
 — 5. καὶ σαλπίζοντες σημαίνοντες (3 a)  
 — 6. σαλπίζοντες σημαίνοντες δευτέρων (3 a)  
 — 6. σαλπίζοντες σημαίνοντες τρίτην (3 a)  
 — 6. σαλπίζοντες σημαίνοντες τετάρτην (3 a)  
 — 6. σημασία σαλπίζοντων ἐν τῇ ἐξέρσει αὐ. (3 a)  
 — 7. σαλπίζοντες καὶ οὐ σημασία (3 a)  
 — 8. σαλπίζοντες ταῖς σαλπίζῃ (3 a)  
 — 9. A σαλπίζοντες [B σημαίνοντες] ταῖς σαλπίζῃ (2)  
 — 10. σαλπίζοντες ταῖς σαλπίζῃ (3 a)  
 Jo. 6. 4. ὡς ἂν σαλπίζῃ τῇ σαλπίζῃ (3 a)  
 — 8 (9). καὶ οἱ ἐρείς ... σαλπίζοντες (3 a)  
 — 13. οἱ ἐρείς ἐσάλυνον ταῖς σαλπίζῃ (3 a)  
 — 15 (16). ἐσάλυνον οἱ ἐρείς (3 a)  
 — 19 (20). ἐσάλυνον ταῖς σαλπίζῃ οἱ ἐρείς (3 a)  
 Jd. 3. 27. 6. 34. ἐσάλυνον ἐν κερατίνῃ (3 a)  
 7. 18. σαλπίζῃ ἐν τῇ κερατίνῃ (3 a)  
 — 18. πάντες μετ' ἐμοῦ σαλπίζοντες (3 a)  
 — 19. ἐσάλυνον ἐν ταῖς κερατίναις (3 a)  
 — 20. ἐσάλυνον αἱ τρεῖς ἀρχαὶ ἐν ταῖς κερα-  
 τίναις (3 a)  
 — 20. τὰς κερατίνας τοῦ σαλπίζῃ (3 a)  
 — 22. ἐσάλυνον ἐν ταῖς τριακοσίοις κερα-  
 τίναις [A al.] (3 a)  
 I Ki. 18. 3. B S. σαλπίζοντες σαλπίζῃ (3 a)  
 II Ki. 2. 28. ἐσάλυνον ἱ. τῇ σαλπίζῃ (3 a)  
 18. 16. ἐσάλυνον ἱ. ἐν κερατίνῃ (3 a)  
 20. 1. ἐσάλυνον τῇ κερατίνῃ (3 a)  
 — 22. ἐσάλυνον ἐν κερατίνῃ (3 a)  
 III Ki. 1. 34. σαλπίζοντες κερατίνῃ (3 a)  
 — 39. ἐσάλυνον τῇ κερατίνῃ (3 a)  
 IV Ki. 9. 13. καὶ ἐσάλυνον ἐν κερατίνῃ (3 a)  
 11. 14. καὶ πᾶς ὁ λαὸς ... σαλπίζων ἐν σάλ-  
 πιγξί (3 a)  
 I Ch. 15. 24. σαλπίζοντες ταῖς σαλπίζῃ (1)  
 II Ch. 5. 12. ἐρείς ἐκατὸν εἰκοσι σαλπίζοντες  
 ταῖς σαλπίζῃ (1)  
 — 13. ἐγένετο μία φωνὴ ἐν τῇ σαλπίζῃ (1)  
 7. 6. καὶ οἱ ἐρείς σαλπίζοντες ταῖς σαλπίζῃ (1)  
 13. 14. οἱ ἐρείς ἐσάλυνον ταῖς σαλπίζῃ (1)  
 23. 13. ἐσάλυνον ταῖς [A ἐν] σαλπίζῃ (3 a)  
 29. 28. καὶ σαλπίζοντες σαλπίζοντες (1)  
 I Es. 5. 62. πᾶς ὁ λαὸς ἐσάλυνον (1)  
 — 65. ὁ γὰρ ὁχλος ἦν ὁ σαλπίζων μεγάλως (1)

Ne. 4. 18 (12). καὶ ὁ σαλπίζων ἐν τῇ κερατῇ  
ἐχόμενα αὐτοῦ (8 a)  
Ps. 80 (81). 3. σαλπίσσατε ἐν νεομηνίᾳ σάλ-  
πιγγι (8 a)  
Ho. 5. 8. σαλπίσσατε σάλπιγγι (8 a)  
Jl. 2. 1, 15. σαλπίσσατε σάλπιγγι ἐν Σιών (8 a)  
Za. 9. 14. ἐν σάλπιγγι σαλπίζει (8 a)  
Is. 27. 13. σαλπιοῦσι τῇ σάλπιγγι τῇ μετ. (8 b)  
44. 23. σαλπίσσατε τὰ θεμέλια τῆς γῆς (2)  
Je. 28 (51). 27. σαλπίσσατε ἐν ἔθνεσι [B<sup>1</sup> om. σ.  
ἐν ἔ.] σάλπιγγι (8 a)  
Ez. 7. 14. σαλπίσσατε ἐν σάλπιγγι (8 a)  
33. 3. καὶ σαλπίσση [A -σει] τῇ σάλπιγγι (8 a)  
I Ma. 8. 54. ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγγι (8 a)  
4. 13. ἐσάλπισαν οἱ παρὰ Ἰούδα  
— 40. ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγγι τῶν σημασιῶν  
5. 33. A ἐσάλπισαν [B B -σαν] ταῖς σάλπιγγι  
6. 33. A B ἐσάλπισαν [B -εν] ταῖς σάλπιγγι  
7. 45. A B ἐσάλπισαν [B -ίζον] ὅπως αὐτῶν  
9. 13. ἐσάλπισαν . . . ταῖς σ.  
16. 8. ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγγι  
[Aq., Sm. Jx. 6. 1.]  
**σαλπισμός.**  
[Th. Nu. 23. 21.]  
[Al. Le. 23. 24.]  
**σαλώμ.**  
[Heb. Is. 26. 3 δι.]  
**σαμβύκη.** (1) α. מְצַבֵּץ δ. מְצַבֵּץ  
Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . .  
σαμβύκης (1 a)  
— 7. ὅτε ἤκουσαν . . . τῆς φωνῆς . . . σαμβύ-  
κης (1 b)  
— 10. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 b)  
— 15. ὅσα τῇ ἀκούσῃ . . . σαμβύκης (1 b)  
Da. TH. 3. 5. ἡ δὲ ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . .  
σαμβύκης (1 a)  
— 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς . . . σαμ-  
βύκης (1 b)  
— 10. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . σαμβύκης (1 b)  
— 15. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς . . . σαμ-  
βύκης (1 b)  
**σαμβέχ.**  
[Th. Is. 47. 2.]  
**σανδαλίον.** (1) לֵבַי  
Jo. 9. 5. καὶ τὰ σ. αὐ. παλαιὰ (1)  
Ju. 10. 4. ἔλαβε σανδάλια εἰς τοὺς πόδας αὐ.  
18. 9. τὸ σ. αὐ. ἤρπασεν ὀφθαλμὸν αὐ.  
Is. 20. 2. τὰ σ. σου ὑπόλυσαι ἀπὸ τῶν ποδῶν  
σου (1)  
**σανιδίωμα.**  
III Ma. 4. 10. τῷ καθύπερθε πυκνῷ σ. διακειμένῳ  
**σανιδιώτης.** (1) הַחֵרֶץ  
Ex. 27. 8. κοίλων σανιδιωτῶν ποιήσεις αὐτό  
**σανίς.** (1) הַחֵרֶץ (2) הַחֵרֶץ  
IV Ki. 12. 9 (10). B ἔγραψεν τρώγλην ἐπὶ τῆς σ.  
αὐ. [A B al.] (1)  
Ca. 8. 9. διαγράψωμεν ἐπ' αὐτὴν σανίδα κεδρίνην (2)  
Ez. 27. 5. τανίσι σανίδων κυναρίσσου [A -στι-  
νων] ἐκ τοῦ λιβάνου ἐλήφθησαν (2)  
[Aq. Ex. 26. 15, 18; Ez. 27. 6.]  
[Sm. Ex. 26. 15, 18; 35. 11; Ca. 8. 9; Ez.  
27. 5.]  
[Th. Ex. 26. 15, 18; 35. 11; 39. 33 (14).]  
**σαπρία.** (1) שָׁרֵץ (2) הַחֵרֶץ  
Jb. 2. 9. οὐτὶ αὐτὸς ἐν σαπρίᾳ σκολήκων κάθηται —  
7. 5. φύρεται δέ μου τὸ σῶμα ἐν σαπρίᾳ σκολ-  
ήκων (2)  
8. 16. ἐκ σαπρίας αὐτοῦ ὁ ῥάδαμος αὐτοῦ  
ἐξελεύσεται +  
17. 14. μύτηρα δέ μου καὶ ἀδελφὴν σαπρίαν (2)  
21. 26. σαπρία δὲ αὐτοῦ ἐκάλυψεν (2)  
25. 6. ἀνθρωπος σαπρία καὶ υἱὸς ἀνθρώπου  
σκολήξ (2)  
Jl. 2. 20. B ἀναβήσεται σαπρία [A<sup>2</sup> B ἡ σ.]  
αὐ. (1)  
Is. 28. 21. ἡ σ. [A B πικρία] αὐτοῦ ἀλλοτρία +  
II Ma. 9. 9. A πᾶν τὸ στρατόπεδον βαρύνεσθαι τὴν  
σ. [B τῇ σ.]  
[Aq. Is. 5. 2; Am. 4. 10.]

**σαπρίζειν.**  
[Aq., Sm. Ex. 5. 21.]  
[Al. IV Ki. 8. 11.]  
**σαπριοῦν.** (1) שָׁרֵץ hi.  
Ec. 10. 1. μνίαί θανατοῦσαι σαπριοῦσι σκευασίαν  
ἐλαίου ἡδύματος (1)  
**σαπρός.**  
[Sam. Le. 27. 14, 33.]  
**σάπφειρος.** (1) שָׁפֵר  
Ex. 24. 10. ὥστε ἔργον πλίνθιν σαπφείρου [A -ος] (1)  
28. 18; 36. 18 (39. 11). ἀνθραξ καὶ σάπφειρος  
καὶ ἱασπιν (1)  
To. 13. 16. οἰκοδομηθήσεται Ἱερ. σαπφείρ [B al.] (1)  
Jb. 28. 6. τόπος σαπφείρου οἱ λίθοι αὐ. (1)  
— 16. ἐν ὄνυχι τιμῆς καὶ σαπφείρῳ (1)  
Ca. 5. 14. πυξίον ἐλεφάντινον ἐπὶ λίθῳ σαπ-  
φείρου (1)  
Is. 54. 11. ἐτοιμάζω . . . τὰ θεμέλια σου σάπφειρον (1)  
La. 4. 7. ὑπὲρ λίθους σαπφείρου τὸ ἀπό-  
σπασμα αὐ. (1)  
Ez. 1. 26. ὡς ὅρασις λίθου σαπφείρου (1)  
9. 2. ζώνη σαπφείρου ἐπὶ τῆς ὀσφύος αὐ. +  
10. 1. ὡς λίθος σαπφείρου ὁμοίωμα θρόνου (1)  
28. 13. ἐνδίδεσθαι . . . σάπφειρον καὶ ἱασπιν (1)  
[Sm. La. 4. 7.]  
**σαράβαρα.** (1) שָׂרָרָר  
Da. LXX. 3. 27 (94). τὰ σ. αὐ. οὐκ ἠλλοιώθησαν (1)  
Da. TH. 3. 21. ἐπεδύθησαν σὺν τοῖς σ. αὐ. (1)  
— 27 (94). τὰ σ. αὐ. οὐκ ἠλλοιώθη (1)  
[Aq. Da. 3. 21.]  
[Th. Da. 3. 21, 27 (94).]  
**σαραφέι, cf. σαρεφί, σεραφεῖν.** (1) שָׂרָף  
Ne. 3. 31. B Μελεχία υἱὸς τοῦ σαρ. [A B B al.] (1)  
**σαραφεῖν.** (1) שָׂרָף  
Is. 6. 6. B<sup>1</sup> ἀπεσταλὴν πρὸς με ἐν τῶν σ.  
[A B S<sup>2</sup> al.] (1)  
**σάρδιον.** (1) דָּרִי (2) דָּרִי  
Ex. 25. 6 (7). καὶ λίθους σαρδίον (2)  
28. 17. σαρδίον τοπάζιον καὶ σμάραγδος (1)  
35. 8 (9). οἰσούσι . . . λίθους σαρδίον (2)  
36. 17 (39. 10). σαρδίον καὶ τοπάζιον καὶ  
σμάραγδος (1)  
Pr. 25. 11. ἡλθον χρυσοὶ ἐν ὀρμίσκῳ σαρδίῳ +  
— 12. εἰς ἐνώπιον χρυσοῦ καὶ σαρδίον πολυ-  
τελεῖ δέδεται +  
Ez. 28. 13. ἐνδίδεσθαι σ. καὶ τοπάζιον (1)  
[Sam. Ex. 28. 9.]  
**σαρδονόχιον.**  
[Al. Jb. 28. 16.]  
**σαρεφί.** (1) שָׂרָף  
Ne. 3. 31. A B Μελεχ. υἱὸς τοῦ σ. [B S al.] (1)  
**σαρημώθ.** (1) הַחֵרֶץ  
Je. 38 (31). 40. B<sup>1</sup> πάντες σ. ἕως νάχαλ Κεδρών  
[A B S<sup>2</sup> al.] (1)\*, +  
**σάρκινος.** (1) שָׂרֵץ  
II Ch. 32. 8. μετ' αὐτοῦ βραχίονες σ. (1)  
Es. 4. 17. θανυσθήσονται βασιλεῖς σάρκινον εἰς αἰῶνα  
Pr. 24. 23 (29. 27). μάχηρα γλώσσα βασιλέως  
καὶ οὐ σαρκίν -  
Ez. 11. 19. δώσω αὐτοῖς καρδίαν σαρκίνην (1)  
36. 26. δώσω ὑμῖν καρδίαν σαρκίνην (1)  
**σαρκοφαγεῖν.**  
IV Ma. 5. 26. τὰ δὲ ἐναντιωθησόμενα ἐκώλυσε  
σαρκοφαγεῖν  
**σαρκοφαγία.**  
IV Ma. 5. 7. διὰ τί γὰρ . . . τὴν τοῦδε τοῦ ζῴου σ.  
βδελύσσεται  
— 14. ἐπὶ τὴν ἐκδοσμον σ. ἐποτρύνοντος τοῦ τυ-  
ράννου  
**σάρξ.** (1) אֶרֶץ (2) אֶרֶץ (3) אֶרֶץ  
Ge. 2. 21. ἀνελήρωσε σάρκα ἀπ' αὐτῆς (1 a)  
— 23. τοῦτο νῦν . . . σὰρξ ἐκ τῆς σ. μου (1 a, 1 a)  
— 24. ἔσονται οἱ δύο εἰς μίαν (1 a)  
6. 3. διὰ τὸ εἶναι αὐτοὺς σάρκας (1 a)

Ge. 6. 12. κατέφθειρε πᾶσα σ. τὴν ὁδὸν αὐ. (1 a)  
— 17. καταφθέραι πᾶσαν σ. (1 a)  
— 19. ἀπὸ πάντων τῶν θηρίων καὶ ἀπὸ πάσης σ. (1 a)  
7. 15. δύο δύο . . . ἀπὸ πάσης σ. (1 a)  
— 16. τὰ εἰσπορευόμενα . . . ἀπὸ πάσης σ. (1 a)  
— 21. ἀπέθανε πᾶσα σ. κινουμένη ἐπὶ τῆς γῆς (1 a)  
8. 17. καὶ πᾶσα σ. ἀπὸ πετεινῶν ἕως κτηνῶν (1 a)  
— 21. παύξαι πᾶσαν σ. ζῶσαν -  
9. 11. οὐκ ἀποθανείναι πᾶσα σ. ζῆτι (1 a)  
— 15. ἀνὰ μέσον πάσης ψυχῆς ζώσης ἐν  
πάσῃ σ. (1 a)  
— 15. ὥστε ἐξελίξαι πᾶσαν σ. (1 a)  
— 16. ἀνὰ μέσον π. ψυχῆς ζώσης ἐν πάσῃ σ. (1 a)  
— 17. ἥς διεβέμην . . . ἀνὰ μέσον πάσης σ. (1 a)  
17. 11. περιτμήθησθε τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας  
ὑμῶν (1 a)  
— 13. ἔσται ἡ διαθήκη μου ἐπὶ τῆς σ. ὑμῶν (1 a)  
— 14. δε οὐ περιτμήσεται τὴν σ. τῆς ἀκρο-  
βυστίας αὐ. (1 a)  
— 24. ἡνίκα περιέτεμε τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας  
αὐ. (1 a)  
— 25. ἡνίκα περιεμήθη τὴν σ. τῆς ἀκροβυ-  
στίας αὐ. (1 a)  
29. 14. ἐκ τῆς σ. μου εἰ σύ (1 a)  
34. 24. περιετέμνοντο τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ. -  
37. 27. σὰρξ ἡμῶν ἐστίν (1 a)  
40. 19. φάγεται τὰ θέρμα τῶν οὐρ. τὰς σ. σου (1 a)  
41. 2. καὶ ἐκλεκταὶ ταῖς σ. (1 a)  
— 3. 4. καὶ λεπταὶ ταῖς σ. (1 a)  
— 4. B καὶ τὰς ἐκλεκτὰς ταῖς σ. [A om. τ. σ.] -  
— 18. καὶ ἐκλεκταὶ ταῖς σ. (1 a)  
— 19. καὶ λεπταὶ ταῖς σ. (1 a)  
Ex. 4. 7. ἀπεκατέστη εἰς τὴν χροάν τῆς σ. αὐ. (1 a)  
30. 32. ἐπὶ σάρκα ἀνθρώπου οὐ χρωσθήσεται (1 a)  
Le. 4. 11. καὶ πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σ. (1 a)  
12. 3. περιτέμει τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ. (1 a)  
13. 10. ἀπὸ τοῦ ὕμνου τῆς σ. τῆς ζώσης (1 a)  
— 18. σὰρξ ἐὰν γέννηται ἐν τῷ δέρματι αὐ. ἔλκος (1 a)  
— 24. σὰρξ ἐὰν γέννηται ἐν τῷ δέρμ. αὐ. κατὰ-  
καυμα πυρὸς (1 a)  
— 38. ἐὰν γέννηται ἐν δέρματι τῆς σ. αὐ. αἰ-  
γισμα (1 a)  
— 39. ἐν δέρματι τῆς σ. αὐ. αἰγίσματα (1 a)  
— 39. ἐλασθεῖ ἐν τῷ δέρματι τῆς σ. αὐ. -  
— 43. ὡς εἶδος λέπρας ἐν δέρματι τῆς σ. αὐ. (1 a)  
17. 11, 14. ἡ γὰρ ψυχὴ πάσης σ. αἶμα αὐτοῦ  
ἐστίν (1 a)  
— 14. αἶμα πάσης σ. οὐ φάγεσθε (1 a)  
— 14. ἡ ψυχὴ πάσης σ. αἶμα αὐτοῦ ἐστίν (1 a)  
18. 6. πρὸς πάντα οἰκίαν σαρκὸς αὐ. (1 a)  
21. 5. ἐπὶ τὰς σ. αὐ. οὐ κατατεμνοῦσιν ἐντομίδας (1 a)  
25. 49. ἡ ἀπὸ τῶν οἰκείων τῶν σ. αὐ. ἐκ τῆς  
φυλῆς [A add. τῆς σ.] αὐ. (1 a, [-])  
28. 29. φάγεσθε τὰς σ. τῶν υἱῶν ὑμῶν (1 a)  
— 29. καὶ τὰς σ. τῶν θυγ. ὑμῶν φάγεσθε (1 a)  
Nu. 12. 12. κατεσθίει τὸ ἥμισυ τῶν σ. αὐ. (1 a)  
16. 22. θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σ. (1 a)  
18. 15. πᾶν διανοίγον μῆτρην ἀπὸ πάσης σ. (1 a)  
27. 16. ὁ θεὸς τῶν πνευμάτων καὶ πάσης σ. (1 a)  
De. 5. 26 (23). τίς γὰρ σὰρξ ἥτις ἤκουσε φωνὴν (1 a)  
28. 55. ὥστε δοῦναι ἐνὶ αὐτῶν ἀπὸ τῶν σ. τῶν  
τέκνων αὐ. (1 a)  
Jd. 8. 7. ἀλόσω [A καταξανῶ] τὰς σ. ὑμῶν (1 a)  
9. 2. σὰρξ ὑμῶν εἰμι (1 a)  
I Ki. 17. 44. δώσω τὰς σ. σου τοῖς πετεινοῖς τοῦ  
οὐρ. (1 a)  
II Ki. 5. 1. ὁστὰ σου καὶ σάρκες σου ἡμεῖς (1 a)  
19. 12 (13). ὁστὰ μου καὶ σάρκες μου ἡμεῖς (1 a)  
— 13 (14). οὐχὶ ὁστοῦν μου καὶ σὰρξ μου σύ (1 a)  
IV Ki. 4. 34. διεθερμάνθη ἡ σ. τοῦ παιδαρίου (1 a)  
5. 10. ἐπιστρέψεν ἡ σ. σου σοι (1 a)  
— 14. ἐπέστρεψεν ἡ σ. αὐ. ὡς σὰρξ παιδαρίου  
μικροῦ (1 a, 1 a)  
6. 30. εἶδεν ὁ λαὸς τὸν σάκκον ἐπὶ τῆς σ. αὐ. (1 a)  
9. 36. καταφάγονται οἱ κύνας τὰς σ. ἱεῖς. (1 a)  
I Ch. 11. 1. σάρκες σου ἡμεῖς (1 a)  
Ne. 5. 5. ὡς σὰρξ ἀδελφῶν ἡμῶν σὰρξ ἡμῶν (1 a, 1 a)  
Ju. 2. 3. ἔκρινον ἀδελφεύσαι πᾶσαν σ.  
10. 13. οὐ διαφωνήσει τῶν ἀνδρῶν αὐ. σ. μία  
14. 10. περιετέμμετο τὴν σ. τῆς ἀκροβυστίας αὐ.  
16. 17. δοῦναι . . . σκόληκας εἰς σάρκας αὐτῶν  
Jb. 2. 5. ἀφαί τῶν ὀστέων αὐτοῦ καὶ τῶν σ. αὐτοῦ (1 a)  
4. 15. ἐφρίξαν δέ μου τρίχες καὶ σάρκες (1 a)  
6. 12. ἡ αἰ. σ. μου εἰσι χάλκες (1 a)  
13. 14. ἀναλαβὼν τὰς σ. μου τοῖς ὀδοῦσι (1 a)



Jb. 14. 22. αἱ σ. αὐτοῦ ἤλγησαν (1 α)  
 16. 19 (18). γῆ μὴ ἐπικαλύψῃς ἐφ' αἵματι τῆς  
 [A om.] σ. μου —  
 19. 20. ἐν δερμῶν μου ἐσάπησαν αἱ [A om.] σ.  
 μου —  
 22. ἀπὸ δὲ σαρκῶν μου οὐκ ἐμπέπασθε (1 α)  
 21. 6. ἔχουσι δὲ μου τὰς σ. δύναι (1 α)  
 81. 31. τὶς ἀν δὴν ἡμῶν τῶν σ. αὐ. πλησθῆναι (1 α)  
 33. 21. ἔως ἀν σπῶσιν αὐτοῦ αἱ σ. (1 α)  
 — 25. ἀπαλυνεῖ δὲ αὐτοῦ τὰς σ. (1 α)  
 34. 15. τελευτήσῃ πᾶσα σὰρξ ὁμοθυμαδὸν (1 α)  
 41. 14 (15). σάρκες δὲ σώματος [B om.] αὐτοῦ  
 κεκόλληται †  
 Ps. 15 (16). 9. ἡ σ. μου κατασκηνώσει ἐπ' ἐλπίδι (1 α)  
 26 (27). 2. τοῦ φαγεῖν ἡ σ. μου (1 α)  
 27 (28). 7. ἀνέβη ἐν ἡ σ. μου †  
 37 (38). 3. οὐκ ἐστὶν ἱστίς ἐν [B<sup>1</sup> om.] τῇ σ.  
 μου (1 α)  
 55 (56). 4. οὐ φοβηθήσονται τί ποιήσῃ μοι σὰρξ (1 α)  
 62 (63). 1. ποσάπλως οἱ ἡ σ. μου (1 α)  
 64 (65). 2. πρὸς σὲ πᾶσα σὰρξ ἤξει (1 α)  
 72 (73). 26. ἐξέλιπεν ἡ καρδία μου καὶ ἡ σ. μου (3)  
 77 (78). 27. ἐβρέξεν ἐπ' αὐτοῦ ὥστε χεῖν σάρκα (3)  
 — 39. ἐμνήσθη ὅτι σὰρξ εἴμι (1 α)  
 78 (79). 2. τὰς σ. τῶν δούλων σου τοῖς θηρίοις  
 τῆς γῆς (1 α)  
 83 (84). 2. ἡ καρδία μου καὶ ἡ σ. μου ἡγαλλιά-  
 σαντο ἐπὶ θεῷ ζῶντα (1 α)  
 101 (102). 5. ἐκλήθητὶ δὲ οὐτοῦν μου τῇ σ. μου (1 α)  
 108 (109). 24. ἡ σ. μου ἡλλοιώθη δι' ἐλαίου (1 α)  
 118 (119). 120. καθήλωσον ἐκ τοῦ φόβου σου  
 τὰς σ. μου (1 α)  
 135 (136). 25. ὁ διδοὺς τροφὴν πάσῃ σαρκί  
 144 (145). 21. εὐλογεῖτω πᾶσα σ. τὸ ὄνομα τὸ  
 ὄνιον αὐτοῦ (1 α)  
 Pr. 3. 22. ἔσται δὲ ἱστίς ταῖς σ. σου —  
 4. 22. καὶ πάσῃ σαρκί [A B<sup>1</sup> σ. αὐτοῦ] ἴσως (1 α)  
 5. 11. ἡνίκα ἀν κατατριβῶσι σάρκες σώματός  
 σου —  
 26. 10. πᾶσα χεῖμαίεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων (1 α)  
 Ec. 2. 3. εἰ ἡ καρδία μου ἐλκύσει ὡς ἄνους τὴν  
 σ. μου (1 α)  
 4. 5. καὶ ἔφαγεν τὰς σ. αὐτοῦ (1 α)  
 5. 5. τοῦ ἐξαμαρτῆσαι τὴν σ. σου (1 α)  
 11. 10. πάραγε πονηρίαν ἀπὸ σαρκός σου (1 α)  
 12. 12. μελέτη πολλὴ κώσους σαρκός (1 α)  
 Wi. 7. 2. ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλύφθη σὰρξ  
 12. 5. σπλαγχνόφρονες ἀνθρωπίνων σαρκῶν  
 19. 21. οὐκ ἔμαρναν σάρκα ἐμπεριπατούντων  
 Si. 1. 10. μετὰ πάσης σαρκὸς κατὰ τὴν δόξιν αὐτοῦ  
 13. 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται  
 14. 17. πᾶσα σὰρξ ὡς ἱμάτιον παλαιούται  
 — 18. οὕτως γενεὰ σαρκὸς καὶ αἵματος  
 17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκὸς  
 — 31. πονηρὸς ἐνθυμώσεται σάρκα [A B<sup>2</sup> al.]  
 18. 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα  
 19. 12. βελδὸς πεπηγὸς ἐν μηρὶ σαρκὸς  
 23. 16. ἀνθρώπος πόρνος ἐν σώματι σαρκὸς αὐτοῦ  
 25. 26. ἀπὸ τῶν σ. σου ἀπόμενε αὐτὴν  
 28. 5. αὐτὸς σὰρξ ὧν διατρεῖ μὴνιν  
 30. 29 (33. 20). μὴ ἀλλάξῃς σεαυτὸν πάσῃ [A B<sup>2</sup> ἐν  
 π.] σαρκί  
 — 38 (33. 29). μὴ περισσεύσῃς ἐν [A B ἐπὶ] πάσῃ  
 σαρκί  
 34 (31). 1. ἀργυρίᾳ πλούτου ἐκτήκει σάρκα  
 39. 28. ἀτμίς πυρὸς πῆξει [A B τῆς] σάρκα αὐτοῦ  
 39. 19. ἔργα πῆσης σαρκὸς ἐνώπιον αὐτοῦ  
 40. 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ὡς κτήνους  
 41. 3. τοῦτο τὸ κρίμα πυρὶ κυρίου πάσῃ σαρκί  
 44. 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A om.]  
 πᾶσα σὰρξ  
 — 20. ἐν σαρκί αὐτοῦ ἔστησε [B ἐλήσεν] διαθήκην  
 — 27. ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκὸς  
 45. 4. ἐξελέξατο αὐτὸν ἐκ πάσης σαρκὸς  
 46. 19. ὡς ὑποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ  
 ἐλθῶν  
 Ho. 9. 12. σὺρξ μου εἴς αὐτὸν †  
 Mi. 3. 2. ἀρπάζοντες . . . τὰς σ. αὐ. ἀπὸ τῶν  
 ὀστέων αὐ. (8)  
 — 3. ὃν τρόπον κατέφαγον τὰς σ. τοῦ λαοῦ μου (3)  
 — 3. ἐμελίσαν ὡς σάρκα εἰς λείψαν †  
 Jl. 2. 28 (3. 1). ἐκχεῖ ἀπὸ τοῦ πνευμάτος μου  
 ἐπὶ πᾶσαν σ. (1 α)  
 Ze. 1. 17. ἐκχεῖ . . . τὰς σ. αὐ. ὡς βόλβιτα (2)  
 Za. 2. 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σ. ἀπὸ προσώ-  
 που κυρίου (1 α)

Za. 11. 9. κατεσθιέντων ἕκαστος τὰς σ. τοῦ  
 πλησίον αὐ. (1 α)  
 14. 12. τακίζονται αἱ [B<sup>1</sup> om.] σ. αὐ. (1 α)  
 Is. 9. 20 (19). ἔσθων τὰς σ. τοῦ βραχίονος αὐ. (1 α)  
 10. 18. καταφάγεταί ἀπὸ ψυχῆς ὡς σαρκῶν (1 α)  
 31. 3. ἵππων σάρκας καὶ οὐκ ἐστι βοήθεια (1 α)  
 40. 5. ὄφεται πᾶσα σ. τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ (1 α)  
 — 6. πᾶσα σ. χόρτος (1 α)  
 49. 26. φάγονται οἱ θλιψάντες σε τὰς σ. αὐ. . .  
 καὶ αἰσθανθήσεται πᾶσα σ. (1 α, 1 α)  
 66. 16. καὶ ἐν τῇ ρομφαίᾳ αὐτοῦ πᾶσα σ. (1 α)  
 — 23. ἤξει πᾶσα σ. τοῦ προσκυνησά (1 α)  
 — 24. ἔσονται εἰς ὄψαν πᾶσῃ σαρκί (1 α)  
 Je. 9. 26 (25). πάντα τὰ ἔθνη ἀπερίεμτα σαρκί —  
 12. 12. οὐκ ἐστὶν εἰρήνη πάσῃ σαρκί (1 α)  
 17. 5. στηρίξει σάρκα [B<sup>2</sup> -ας] βραχίονος αὐτοῦ  
 ἐπ' αὐτὸν (1 α)  
 19. 9. ἔδονται τὰς σ. τῶν νιῶν αὐτῶν καὶ τὰς σ.  
 τῶν θυγατέρων αὐτῶν καὶ ἕκαστος  
 τὴν σ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἔδονται (1 α ter)  
 32 (25). 31. κρίνεται αὐτὸς πρὸς πᾶσαν σ. (1 α)  
 39 (32). 27. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς πάσης σαρκὸς (1 α)  
 51. 35 (45. 5). ἐπάγω κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1 α)  
 Ba. 2. 3. τοῦ φαγεῖν ἡμᾶς ἀνθρώπων σάρκας νιῶν  
 αὐτοῦ καὶ ἀνθρώπων σάρκας θυγατρὸς  
 αὐτοῦ  
 La. 3. 4. ἐπαλίσσε σάρκα [A τὰς σ.] μου (1 α)  
 Ez. 11. 19. ἐκσπάσω τὴν καρδίαν τὴν λιθίνην ἐκ  
 τῆς σ. αὐτῶν (1 α)  
 20. 48 (21. 4). A B ἐπιγνώσεται [B -σονται]  
 πᾶσα σ. (1 α)  
 21. 4 (9). ἐξελεύσεται τὸ ἔγχεϊρίδιον μου . . .  
 ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1 α)  
 — 5 (10). ἐπιγνώσεται πᾶσα σ. (1 α)  
 — 7 (12). ἐκνύξει πᾶσα σ. —  
 23. 20. ὡς θῶν αἱ σ. αὐτῶν (1 α)  
 32. 5. ὥσως τὰς σ. σου ἐπὶ τὰ ὄρη (1 α)  
 36. 26. ἀφελὼ τὴν καρδίαν τὴν λιθίνην ἐκ τῆς  
 σ. ὑμῶν (1 α)  
 37. 6. ἀνάξω ἐφ' ὑμᾶς σάρκας  
 — 8. νεύρα καὶ σάρκες ἐφύονται [A ἀνεφ.] (1 α)  
 44. 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς νιῶν ἀλλογενεῖς . . .  
 ἀπεριμπτους σαρκί . . . ἐν τῷ προσ-  
 φέρειν ὑμᾶς ἄρτους [A add. μου καὶ]  
 σάρκας καὶ αἶμα . (1 α, †)  
 — 9. ἀλλογενεῖς . . . ἀπεριμπτους σαρκί οὐκ  
 εἰσελεύσονται (1 α)  
 Da. LXX. 2. 11. οὐ οὐκ ἐστὶ κατοικήτηριον μετὰ  
 πάσης σ. (1 β)  
 4. 31. ἡλλοιώθη ἡ σ. μου —  
 7. 5. κατάφαγε σ. πολλὰς (1 β)  
 Bel 4. καὶ ἔχοντα πάσης σ. κυρείαν  
 Da. TH. 1. 15. ὠράθησαν αἱ ἰδεαὶ αὐ. . . ἰσχυ-  
 ραὶ ταῖς σ. (1 α)  
 2. 11. ὧν οὐκ ἐστὶν ἡ κατοικία μετὰ πάσης σ. (1 β)  
 4. 9. ἐξ αὐτοῦ ἐτρίφετο πᾶσα σ. (1 β)  
 7. 5. φάγε σ. πολλὰς (1 β)  
 Bel 5. καὶ ἔχοντα πάσης σ. κυρείαν  
 I Ma. 7. 17. σάρκας [B<sup>1</sup> κρίας] δούλων σου . . . ἐξέ-  
 χσαν  
 II Ma. 9. 9. ὥστε . . . τὰς σ. αὐ. διαπίπτειν  
 IV Ma. 6. 6. ἀπεφαίνοντο ταῖς μαστίξι τὰς σ.  
 7. 13. καὶ περικεχαλασμένων δὲ τῶν σ.  
 — 18. κρατεῖν τῶν τῆς σ. παθῶν  
 9. 17. πυροῦν τὰς σ.  
 — 20. περὶ τοὺς ἄζοντας τοῦ ὀργάνου περιέρρεον  
 αἱ σ.  
 — 28. τὴν σ. πᾶσαν . . . οἱ παρδάλοι οὗθις ἀπέσταν  
 10. 8. ἐώρα τὰς αὐτοῦ σ. περιλαβόμενας  
 15. 15. τὰς σ. τῶν τέκνων ἐώρα περὶ τὸ πῦρ τηκομένης  
 — 15. τὰς τῶν κεφ. μέχρη τῶν περὶ τὰ γένηια σ.  
 — 20. ἐπὶ σαρκὶ τέκνων ὁρῶσα σάρκας τέκνων ἀπο-  
 κομήμενας [B<sup>1</sup> -καίωμ.]  
 [Aq. Ps. 62 (63). 2 : 118 (119). 120 : Is. 31. 3 :  
 58. 7 : Ez. 10. 12 : 28. 20.]  
 [Sm. Ge. 41. 2 : Le. 17. 14 : Jb. 39. 30 : Ps. 26  
 (27). 2 : 62 (63). 2 : 108 (109). 24 : 118 (119).  
 120 : Is. 10. 18 : 31. 3 : 58. 7 : Ez. 10. 12 :  
 28. 20.]  
 [Th. Jb. 31. 31 : Ps. 62 (63). 2 : Is. 31. 3 : 58.  
 7 : Ez. 10. 12 : 28. 20 : Da. 1. 15.]  
 [Al. Le. 6. 10 (3) : 18. 3, 10, 15, 24 : 15. 7 :  
 17. 11 : 20. 19.]

## σασών.

[Heb. Ps. 44 (45). 9.]

σατάν. (1) ἡβ̄  
 III Ki. 11. 14. ἤγειρε κύριος σ. τῷ Σαλ. (1)  
 — 14 (25). B ἦσαν σ. τῷ Ἰσρ. [A al.] (1)  
 — 23. A ἤγειρε κ. σ. τῷ Σ. (1)  
 [Aq. Nu. 22. 22 : I Ki. 29. 4 : Jb. 1. 6 : Za.  
 3. 1.]  
 [Sm., Th. I Ki. 29. 4 : Za. 3. 1.]  
 [Heb. Nu. 22. 22.]  
 σατανή.  
 [Th. Le. 19. 19.]  
 σάτον.  
 Hg. 2. 17 (16). ὅτε ἐνεβάλλετε εἰς κυψέλην  
 κριθῆς εἴκοσι σάτα —  
 — 27 (16). καὶ ἐγένετο κριθῆς δέκα σάτα —  
 [Aq. Ge. 18. 6 : I Ki. 25. 18 : Is. 27. 8 bis.]  
 [Sm. Ge. 18. 6 : Is. 27. 8 bis.]  
 [Al. Le. 5. 11 : 6. 20 (13).]  
 σατραπεία (-πία). (1) ἡβ̄ (2) ἡβ̄  
 Jo. 13. 3. προσλογίζεται ταῖς πέντε σ. τῶν Φ. (2)  
 Jd. 3. 3. τὰς πέντε σ. τῶν ἀλλοφύλων (2)  
 16. 18. A ἀνέβησαν πρὸς αὐτὴν πᾶσαι αἱ σ.  
 [B al.] (2)  
 I Ki. 6. 18. A κατ' ἀριθμὸν πασῶν τῶν πύλων  
 τῶν ἀλλοφ. τῶν πέντε σ. [B -πῶν] (2)  
 I Es. 8. 2. ἐν ταῖς ἐκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατραπείαις  
 Es. 8. 9. ἐγράφη . . . ἐκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατρα-  
 πείαις (1)  
 — 13. τοῖς . . . ἐκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατραπείαις  
 [B<sup>1</sup> -παῖς] χωρῶν ἄρχοντι  
 II Ma. 9. 25. ἀνατρέχων εἰς τὰς ἐπτά σ.  
 σατράπης. (1) ἡβ̄ (2) ἡβ̄ (3) ἡβ̄  
 (4) ἡβ̄ (5) ἡβ̄ (6) ἡβ̄  
 Jd. 5. 3. ἐνωσισαθῆς, σατράπαι (5)  
 16. 5. A ἀνέβησαν πρὸς αὐτὴν οἱ σ. [B ἄρ-  
 χοντες] (3)  
 — 8. A ἀνέβησαν αὐτῇ οἱ σ. [B ἄρχοντες] (3)  
 . . . ἐπτά νεύρας  
 — 18. A ἀπέστειλεν πάντας τοὺς σ. [B al.] (3)  
 — 23. A οἱ σ. [B ἄρχοντες] τῶν ἀλλοφύλων  
 συνήχθησαν (3)  
 — 27. A καὶ εἰς πάντες οἱ σ. [B ἄρχοντες]  
 τῶν ἀλλοφ. (3)  
 — 30. A ἔπεσον ὁ οἶκος ἐπὶ τοὺς σ. [B ἄρ-  
 χοντας] (3)  
 I Ki. 5. 8. συνάγουσι τοὺς [A τοὺς πάντας] σ.  
 τῶν ἀλλοφ. (3)  
 — 11. συνάγουσι τοὺς [A πάντας τοὺς] σ. τῶν  
 ἀλλοφ. (3)  
 6. 5 (4). κατ' ἀριθμὸν τῶν σ. τῶν ἀλλοφύλων (3)  
 — 12. οἱ σ. τῶν ἀλλοφ. ἐπορεύοντο ὅπισθ  
 αὐτῆς (3)  
 — 16. καὶ οἱ πέντε σ. τῶν ἀλλοφ. ἐώρων (3)  
 — 18. κατ' ἀριθμὸν πασῶν πύλων τῶν ἀλλοφ.  
 τῶν πέντε σ. [A -πῶν] (3)  
 7. 7. ἀνέβησαν σατράπαι ἀλλοφύλων ἐπὶ Ἰσρ. (3)  
 28. 2. σατράπαι τῶν ἀλλοφύλων παρεπορεύοντο (3)  
 — 3. εἶπον οἱ σ. τῶν ἀλλοφύλων (6)  
 — 6. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σ. (3)  
 — 7. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σ. τῶν ἀλλοφύλων (3)  
 — 9. οἱ σ. τῶν ἀλλοφύλων λέγουσιν (6)  
 II Ki. 10. 15. καὶ τῶν σ. τῆς γῆς (4)  
 21 (20). 24. θοὺ ἀντ' αὐτῶν σατράπαι (4)  
 II Ch. 9. 14. πλὴν . . . σατραπῶν τῆς γῆς (4)  
 I Es. 3. 2. ἐποίησε δοχὴν μεγάλην . . . πᾶσι τοῖς σ.  
 — 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς . . . σατράπαις  
 — 21. οὐ μόνον βασιλεία οὐδὲ σατράπην  
 4. 47. πρὸς πάντας τοὺς οἰκονόμους . . . καὶ σ.  
 — 49. πάντα δυνατὸν καὶ σ. . . μὴ ἐπελεύσεται  
 Ju. 2. 14. B<sup>1</sup> ἐκάλεσε . . . τοὺς σ. [A B S<sup>2</sup> al.]  
 5. 2. A B καὶ πάντας σ. τῆς παραλάς  
 Es. 1. 3. δοχὴν ἐποίησε . . . τοῖς ἀρχονσι τῶν σ. †  
 8. 9. ὅσα ἐνετείλατο . . . τοῖς ἀρχονσι τῶν σ. (4?)  
 — 9. B ἐκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατράπαις [A B S  
 -παῖς] κατὰ χώραν καὶ χώραν †  
 — 13. B<sup>1</sup> τοῖς . . . ἐκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατράπαις  
 [A B S<sup>2</sup> -παῖς] χωρῶν ἄρχοντι  
 — 13. A S<sup>2</sup> καὶ σατράπαις [B S<sup>1</sup> om.] τοῖς τὰ  
 ἡμέτερα φρονοῦσι †  
 9. 3. οἱ γὰρ ἄρχοντες τῶν σ. †  
 Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . σατράπαις  
 στρατηγούς (1)

Da. LXX. 6. 1 (2). κατέστησε σατράπας . . . ἐπὶ πάσης τῆς βασιλ. αὐ. (1)  
— 3 (4). καταστήσῃ . . . σατράπας ἐκατὸν εἰκοσι ἐπτά (1?)  
— 14 (15). ἐξέλθῃ αὐτὸν . . . ἀπὸ τῶν χειρῶν τῶν σ. —  
— 19 (20). παρέλαβε μεθ' ἑαυτοῦ τοὺς σ. —  
Da. TH. 2. 48. κατέστησεν αὐτὸν . . . ἄρχοντα σατραπῶν (2)  
3. 27 (94). συνάγονται οἱ σ. (1)  
6. 1 (2). κατέστησεν . . . σατράπας ἐκατὸν εἰκοσι —  
— 2 (3). τοῦ ἀποδιδόναι αὐτοῖς τοὺς σ. λόγον (1)  
— 4 (5). οἱ σ. ἐζήτουν πρόφρασιν εὐρεῖν (1)  
— 6 (7). οἱ σ. παρέστησαν τῷ βασι. (1)  
— 7 (8). συνεβουλεύσαντο πάντες . . . σατράπαι (1)  
[Th. Da. 2. 48: 6. 3†.]

**σαυλασαυ.**

[Heb. Is. 28. 13 bis.]

**σαῦρα.**

(1) שׂוּרָה

Le. 11. 30. καλαβότης καὶ σαῦρα καὶ ἀσπάλαξ (1)  
**σαυτοῦ.** *vid.* **σεαυτοῦ.**

**σαφής.**

Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . σαφές

Da. LXX. TH. Su. 48. οὐδὲ τὸ σ. ἐπιγνώτες  
II Ma. 12. 40. τοῖς δὲ πᾶσι σαφές ἐγένετο  
IV Ma. 3. 6. ἔστι γοῦν τοῦτο . . . σαφίστερον ἐπι-  
λογίσασθαι

**σαφούς.**

[Heb. Ps. 47 (48). 3.]

**σαφφῶθ (σαφῶθ).**

(1) שׂוּפָה (2) שׂוּפָה

II Ki. 17. 29. ἤνεγκαν . . . σαφφῶθ βοῶν (2)  
Je. 52. 19. A B B τὰ [S R τὰς] σ. [R ἀπφ.] καὶ τὰς μασμαρῶθ (1)

**σαφῶς.**

(1) שׂוּפָה (2) שׂוּפָה

De. 13. 14 (15). B ἀληθῶς [A B -ῆς] σ. ὁ λόγος (2)  
27. 8. γράψαις . . . πάντα τὸν νόμον τ. σ.

**σάφρα.**

Hb. 2. 2. γράψαντες δρασιν καὶ σ. εἰς πυξίον (1)  
II Ma. 4. 33. σ. ἐπεργακῶς δ' ὄ. ο.  
III Ma. 4. 20. συνέβη σ. αὐτὸν περὶ τοῦτου πιστω-  
θῆναι

**σαχών (AB), σαχώχ (B).**

II Es. 8. 18. ἀνήρ σ. ἀπὸ νιῶν M. +

**σαών.**

(1) שׂוּפָה

Je. 26 (46). 17. σ. ἐσβέλει μω. (1)  
[Aq. Je. 46 (26). 17.]  
[Th. Je. 46 (31). 45.]

**σβεννύναι.**

(1) שׂוּפָה (2) שׂוּפָה a. qal. δ. pi.

**(8) שׂוּפָה ni.**

Le. 6. 9 (2). οὐ σβεσθήσεται —  
— 12 (5). καὶ οὐ σβεσθήσεται (2 a)  
— 13 (6). οὐ σβεσθήσεται (2 a)  
II Ki. 14. 7. σβίσουσιν τὸν ἰσθρακὰ μου (2 b)  
21. 17. οὐ μὴ σβίσῃς τὸν λυχνὸν Ἰσρ. (2 a)  
IV Ki. 22. 17. καὶ οὐ σβεσθήσεται (2 a)  
II Ch. 29. 7. ἔσβισαν τοὺς λυχνούς (2 b)  
34. 25. καὶ οὐ σβησθήσεται (2 a)  
Es. 4. 17. καὶ σβέσαι δόξαν οἴκου σου +  
Jb. 4. 10. γυναιμία δὲ δρακόντων ἐσβέσθη (1)  
16. 16 (15). τὸ δὲ σθένος μου ἐν γῇ ἐσβέσθη [A εἰς γῆν ἐσβέσθη] +  
18. 5. φῶς ἀσέβων σβεσθήσεται (1)  
— 6. ὁ δὲ λυχνὸς ἐπ' αὐτῷ σβεσθήσεται (1)  
21. 17. ἀσέβων λυχνὸς σβεσθήσεται [S' οὐ σβ.] (1)  
30. 8. κλέος ἐσβεσμένον [S' -ων] ἀπὸ [A ἐπὶ] γῆς (8)  
34. 26. ἔσβεσε δὲ ἀσβεῖς +  
40. 7 (12). ἐκέρχοντο δὲ σβίσον +  
Pr. 10. 7. θνομα δὲ ἀσβεῖς σβέννυνται +  
13. 9. φῶς δὲ ἀσβῶν σβέννυνται (1)  
20. 20. κακολογούντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσ-  
θίσεται λαμπτήρ (1)  
24. 20. λαμπτήρ δὲ ἀσέβων σβεσθήσεται (1)  
Ca. 8. 7. ὕδωρ πολὺ οὐ δυνήσεται σβέσαι τὴν ἀγάπην (2 b)  
Wi. 2. 3. οὐ σβεσθέντος τέφρα ἀποβήσεται τὸ σῶμα +  
16. 17. ἐν τῷ πάντα σβέννυνται ὕδατι

Si. 28. 16. οὐ μὴ σβεσθῇ ἕως ἂν καταποθῇ  
28. 12. ἐὰν πύσης ἐπ' [A eis] αὐτὸν σβεσθήσεται —  
— 23. καὶ οὐ μὴ σβεσθῇ (2 b)  
Am. 5. 6. οὐκ ἔσται ὁ σβίσων τῷ οἴκῳ Ἰσρ. (2 b)  
Is. 1. 31. οὐκ ἔσται ὁ σβίσων (2 a)  
34. 10. οὐ σβεσθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (2 a)  
42. 3. λίνον καπνίζομενον οὐ σβέσει (2 b)  
— 4. B' οὐ σβεσθήσεται [A B S' θρανσθ.] +  
48. 17. ἐσβέσθησαν ὡς λίνον ἐσβεσμένον [S' -ων] (1, 2 a)  
66. 24. τὸ πῦρ αὐτῶν οὐ σβεσθήσεται (2 a)  
Je. 4. 4. οὐκ ἔσται ὁ σβίσων (2 b)  
7. 20. A οὐ σβεσθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέ-  
σων [B S al.] (2 a, -)  
17. 27. οὐ σβεσθήσεται (2 a)  
21. 12. καυθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβίσων (2 b)  
Ez. 20. 47 (21. 3). οὐ σβεσθήσεται ἡ φλόξ ἡ ἐξαφθεῖσα (2 a)  
— 48 (21. 4). οὐ σβεσθήσεται [A add. ἐτι] (2 a)  
32. 7. κατακαλύψω ἐν τῷ σβεσθῆναι εὐρανόν (2 b)  
III Ma. 6. 34. A καὶ πυρόπουν τὸλμαν ἀκαμίας ἐσβεσμένοι [B al.] +  
IV Ma. 3. 17. καὶ σβίσαι τὰς τῶν οὐστρων φλεγ-  
μονάς  
9. 20. τοῖς τῶν ἰχθύων ἐσβέννυντο ὀσταλαγμοῖς  
18. 20. B' πῦρ πυρός σβέσας λήθσιν ὡμοῖς [A B S al.]  
[Aq. I Ki. 3. 3.]  
[Sm. I Ki. 3. 3: Pr. 21. 14.]

**σβεστικός.**

Wi. 19. 20. ὕδωρ τῆς σβ. δυνάμεως [A B φύσεως] ἐπελαινθέντε

**σεαυτοῦ, σαυτοῦ.**

Ge. 6. 14, 19, 21 bis: 8. 17†: 14. 21: 19. 17: 24. 6: 28. 2: 31. 24, 29: 40. 14.  
Ex. 10. 28: 12. 24: 17. 5, 9: 18. 21: 20. 4: 28. 21: 28. 1: 30. 34: 32. 13: 33. 13, 18: 34. 1, 12, 17, 27.  
Le. 9. 2, 7: 19. 18, 19, 34: 22. 23†: 25. 8.  
Nu. 6. 19: 10. 2, 2†: 13. 3 (2): 18. 2: 21. 8: 27. 18.  
De. 4. 9: 5. 8: 6. 12: 7. 25: 8. 11: 9. 27: 10. 1 bis: 11. 16: 12. 13, 19, 30: 15. 9: 16. 9, 13, 18, 21 bis, 22: 17. 15 ter: 19. 2, 7, 9†: 20. 14: 21. 11: 22. 7, 12: 24. 8: 27. 2: 28. 36: 32. 37 (σαντῶν)†.  
Jo. 2. 18: 5. 2: 8. 1†, 2 bis: 17. 15.  
Jd. 4. 6: 17. 2†.  
Ru. 3. 3†: 4. 6, 8.  
I Ki. 2. 16: 9. 3: 19. 11: 20. 8: 21. 9 (10): 22. 13†.  
II Ki. 2. 21 bis: 7. 23, 24: 12. 9: 19. 7 (8): 20. 6†: 24. 12, 13†.  
III Ki. 3. 1 (2, 36), 5, 11, 11†, 11: 8. 53 bis: 11. 31: 12. 24† bis: 13. 18: 14. 9†: 17. 13: 20 (21). 7 (σανταῦ γενου)†: 21 (20). 34.  
IV Ki. 4. 3: 6. 7: 18. 21, 23, 24†.  
I Ch. 17. 22: 21. 10, 11, 23.  
II Ch. 1. 11.  
Ne. 6. 7: 9. 10.  
To. 4. 9†, 12†, 13†, 14†: 5. 3: 6. 4†: 9. 2.  
Ju. 2. 5.  
Es. 4. 13, 17.  
Jb. 5. 27: 10. 13†: 22. 23, 29: 38. 11.  
Ps. 54 (55). 10†: 79 (80). 15, 17.  
Pr. 2. 1: 3. 7: 4. 13, 24: 7. 1, 4: 9. 12: 22. 20, 26: 24. 67 (30. 32): 25. 10, 17.  
Ca. 1. 8.  
Si. 1. 30: 3. 18: 4. 7, 27: 6. 2, 3†, 31: 7. 7, 16, 25†: 9. 1: 12. 12: 14. 11: 18. 20, 23†: 29. 20: 30. 21, 29 (33. 20), 40 (33. 31)†: 34 (31). 15: 38. 21.  
Ho. 1. 2: 6. 12 (11).  
Na. 3. 11, 14†.  
Za. 11. 15.  
Is. 7. 11: 8. 1: 21. 6†: 22. 16, 16†, 16: 63. 14.  
Je. 2. 22, 28: 3. 3: 6. 26: 13. 1: 22. 14: 26 (46). 19: 34 (27). 21: 88 (31). 21: 89 (32). 7. 8†, 20, 25: 43 (36). 2, 28†: 50 (43). 9: 51. 35 (45. 5)†.  
Ba. 2. 11.  
La. 2. 18: 3. 44.  
Ez. 3. 21†: 4. 1, 3, 9 bis: 5. 1 bis: 12. 3, 5: 16. 16, 17, 24 bis, 52: 21. 19 (24): 24. 2: 28. 4, 23†: 31. 2: 38. 9†: 37. 16 bis, 17: 38. 7.

Da. LXX. Su. 55: 9. 15, 19.  
Da. TH. Su. 55, 59: 9. 15.  
I Ma. 5. 17: 12. 45.  
IV Ma. 5. 12: 6. 14: 10. 13.  
[Aq. Dt. 10. 11: III Ki. 3. 11: 14. 9: Ca. 1. 8: Is. 7. 11: 40. 9: Je. 16. 2: 30 (37). 2: 31 (38). 21 (Sw.): 82 (89). 8: 46 (26). 14: Ez. 5. 1.]  
[Sm. Ex. 30. 23: III Ki. 3. 11: Ps. 48 (49). 19: 88 (89). 8: Pr. 24. 27: Is. 7. 11: 40. 9: Je. 13. 21: 16. 2: 30 (37). 2: 88 (45). 10: Ez. 16. 61.]  
[Th. Jb. 22. 29: Is. 7. 11: 40. 9: 57. 8: Je. 30 (37). 2: Ez. 5. 1.]  
[Al. Ex. 33. 18.]  
[Quint. Ho. 6. 11.]

**σεβά[ε]σθαι.**

[Aq. Ho. 10. 5.]

**σεβαρέιμ.**

[Al. Jo. 7. 5.]

**σέβασμα.**

Wi. 14. 20. τὸν πρὸ ὀλίγου τιμηθέντα ἄνθρωπον νῦν σέβασμα ἐλογίσαντο

15. 17. κρείττων γὰρ ἐστὶ τὸν σ. [A σεβημ.] αὐτοῦ  
Da. TH. Bel. 27. ἴδετε τὰ σ. ὑμῶν

**σέβειν.**

(1) אָבָה verb. δ. adj. c. אָבָה

**(2) אָבָה**

Jo. 4. 24. ἵνα ὑμεῖς σέβησθε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (1 a)  
22. 25. ἵνα μὴ σέβωνται κύριον (1 a)  
24. 33. ἐσέβοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν Ἀστ. —  
Jb. 1. 9. μὴ δωρεὰν ἰδὼς σέβεται τὸν κύριον (1 b)  
Wi. 15. 6. κακῶν ἐραστὰι . . . καὶ οἱ ποθοῦντες καὶ οἱ σεβόμενοι  
— 18. καὶ τὰ ῥα δὲ τὰ ἔχθιστα σέβονται  
Jn. 1. 9. τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐρ. ἐγὼ σέβομαι [S' φοβοῦμαι] (1 b)  
Is. 29. 13. μᾶται δὲ σέβονται με (1 c)  
66. 14. A B γνωσθήσεται ἡ χεὶρ κυρίου τοῖς σεβομένοις [B φοβοῦμαι] αὐτῶν (2)  
Da. LXX. 3. (33). δυνεῖδος ἐγενήθη . . . τῶν σεβομέ-  
νων σε  
— (90). εὐλογεῖτε, πάντες οἱ σεβόμε. τὸν κ., τὸν θεόν  
Bel. 2. δὲ ἐσέβοντο οἱ Βαβυλώνιοι  
— 3. ὁ βασι. ἐσέβητο αὐτὸν  
— 4. οὐδένα σέβομαι ἐγὼ  
— 22. καὶ ἐσέβοντο οἱ Βαβυλώνιοι  
— 26. οὐ ταῦτα σέβεσθε, βασιλεῦ  
Da. TH. 3. (33). δυνεῖδος ἐγενήθη . . . τοῖς σεβομέ-  
νοισι σε  
— (90). εὐλογεῖτε, πάντες οἱ σεβόμε. τὸν κ., τὸν θεόν  
Bel. 4. ὁ βασι. ἐσέβητο αὐτὸν  
— 5. οὐ σέβομαι εὐδωλα χειροποιήτα  
— 23. ἐσέβοντο αὐτὸν οἱ Βαβυλώνιοι  
II Ma. 1. 3. εἰς τὸ σέβεσθαι αὐτὸν  
III Ma. 3. 4. σεβόμενοι δὲ τὸν θεόν  
IV Ma. 5. 24. ὥστε μόνον τὸν ὄντα θεὸν σέβειν μεγαλοπρεπῶς  
8. 14. ἣν σέβεσθε δίκην  
[Th. Da. 3. (33): 14. 22.]  
**σέβημα.**  
Wi. 15. 17. A κρείττων γὰρ ἐστὶ τὸν σ. [B S σεβασμ.] αὐτοῦ  
**σειερίμ.**  
[Th. Le. 17. 7.]  
**σείειν.** (1) שׂוּפָה hithp. (2) שׂוּפָה (3) שׂוּפָה  
(4) שׂוּפָה a. qal. δ. hi. (5) שׂוּפָה a. qal. δ. ni. c. hi. (6) שׂוּפָה (7) שׂוּפָה  
Jd. 5. 4. γῇ ἐσείσθη (5 a)  
II Ki. 22. 8. ἐσείσθη ἡ γῇ (5 a)  
I Es. 4. 36. πάντα τὰ ἔργα σείεται  
Jb. 9. 6. ὁ σείων τὴν γῆν ὑπ' οὐρανὸν ἐκ θεμελίων (4 b)  
— 28. σείομαι πᾶσι τοῖς μέλεσιν +  
Ps. 67 (68). 8. γῇ ἐσείσθη (5 a)  
Pr. 24. 56 (30. 21). διὰ τριῶν σείεται ἡ γῇ (4 a)  
Am. 1. 14. σείσθεται ἐν ἡμέραις συντελείας αὐ. +  
9. 1. σείσθεται αὐτὰ πρόπυλα (5 a)  
Jl. 2. 10: 3 (4). 16 (A B S). σείσθεται δὲ οὐρανός (5 a)  
Na. 1. 5. τὰ ὄρη ἐσείσθησαν ἀπ' αὐτοῦ (5 a)

Jb. 14. 22. αἱ σ. αὐτοῦ ἤλγησαν (1 α)  
 16. 19 (18). γῆ μὴ ἐπικαλύψῃς ἐφ' αἵματι τῆς  
 [A. om.] σ. μου — (1 α)  
 19. 20. ἐν δερματί μου ἐσάψηναι αἱ [A. om.] σ.  
 μου — (1 α)  
 — 22. ἀπὸ δὲ σαρκῶν μου οὐκ ἐμπέλασθε (1 α)  
 21. 6. ἔχουσι δὲ μου τὰς σ. οὐδύναι (1 α)  
 31. 31. τίς ἂν ἀφ' ἡμῶν τῶν σ. αὐ. πλησθῇναι (1 α)  
 33. 21. ἔως ἂν σαπῶσιν αὐτοῦ αἱ σ. (1 α)  
 — 25. ἀπαλυνεὶ δὲ αὐτοῦ τὰς σ. (1 α)  
 34. 15. τελευτήσῃ πᾶσα σὰρξ ὁμοθυμαδόν (1 α)  
 41. 14 (15). σάρκες δὲ σώματος [B. om.] αὐτοῦ  
 κεκόλληνται +  
 Ps. 16 (16). 9. ἡ σ. μου κατασπέρνωσιν ἐπ' ἐλπίδι (1 α)  
 26 (27). 2. τοῦ φαγείν τὰς σ. μου (1 α)  
 27 (28). 7. ἀνέβηλεν ἡ σ. μου +  
 37 (38). 3, 7. οὐκ ἔστιν ἱστίς ἐν [B<sup>1</sup> om.] τῇ σ.  
 μου (1 α)  
 55 (56). 4. οὐ φοβηθήσονται τί ποιήσει μοι σὰρξ (1 α)  
 62 (63). 1. ποσάπλως σοὶ ἡ σ. μου (1 α)  
 64 (65). 2. πρὸς σὲ πᾶσα σὰρξ ἤξει (1 α)  
 72 (73). 26. ἐξέλιπεν ἡ καρδία μου καὶ ἡ σ. μου (8)  
 77 (78). 27. ἐβρεξεν ἐπ' αὐτοῦ ὥστε χεῖν σάρκα (8)  
 — 39. ἐμνήσθη ὅτι σὰρξ εἰσι (1 α)  
 78 (79). 2. τὰς σ. τῶν ὁσίων σου τοῖς θηρίοις  
 τῆς γῆς (1 α)  
 83 (84). 2. ἡ καρδία μου καὶ ἡ σ. μου ἠγαλλιά-  
 σαντο ἐπὶ θεῷ ζῶντα (1 α)  
 101 (102). 5. ἐκόλληθη τὸ ὄστρον μου τῇ σ. μου (1 α)  
 108 (109). 24. ἡ σ. μου ἠλλοιώθη δι' ἐλαίου (1 α)  
 118 (119). 120. καθήλωνον ἐκ τοῦ φάρβου σου  
 τὰς σ. μου (1 α)  
 135 (138). 25. ὁ διδοὺς τροφήν πάσῃ σαρκί (1 α)  
 144 (145). 21. εὐλογεῖται πᾶσα σ. τὸ δόγμα τὸ  
 ἄγιον αὐτοῦ (1 α)  
 Pr. 8. 22. ἔσται δὲ ἱστίς ταῖς σ. σου —  
 4. 22. καὶ πάσῃ σαρκί [A. B<sup>3</sup> σ. αὐτοῦ] ἱστίς (1 α)  
 5. 11. ἡνίκα ἂν κατατρίβῃς σάρκες σώματος  
 σου (1 α)  
 — 26. 10. πολλὰ χειμάζεται πᾶσα σὰρξ ἀφρόνων —  
 Ec. 2. 3. εἰ ἡ καρδία μου ἐλκύσει ὡς οἶνον τὴν  
 σ. μου (1 α)  
 4. 5. καὶ ἔφαγε τὰς σ. αὐτοῦ (1 α)  
 5. 5. τοῦ ἐξαμαρτῆσαι τὴν σ. σου (1 α)  
 11. 10. παράγει πονηρίαν ἀπὸ σαρκὸς σου (1 α)  
 12. 12. μελέτη πολλῆς κώποσις σαρκὸς (1 α)  
 Wl. 7. 2. ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλύφην σὰρξ  
 12. 5. σπλαγχνοφάγων ἀνθρώπινων σαρκῶν  
 19. 21. οὐκ ἐμάρανεν σάρκα ἐμπεριπατούντων  
 Sl. 1. 10. μετὰ πάσης σαρκὸς κατὰ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ  
 13. 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται  
 14. 17. πᾶσα σὰρξ ὡς ἱμάτιον παλαιούται  
 — 18. οὗτος γενεὰ σαρκὸς καὶ αἵματος  
 17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκὸς  
 — 31. πονηρὸς ἐνθυμηθήσεται σίρκα [A. B<sup>3</sup> al.]  
 18. 13. ἔλαος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα  
 19. 12. βελὸς πεπηγὸς ἐν μηρῷ σαρκὸς  
 23. 16. ἄνθρωπος πόρνος ἐν σώματι σαρκὸς αὐτοῦ  
 25. 26. ἀπὸ τῶν σ. σου ἀπὸτέμε αὐτήν  
 28. 5. αὐτὸς σὰρξ ὧν διατρεῖ μὴνιν  
 30. 29 (33. 20). μὴ ἀλλάξῃς σεαυτὸν πάσῃ [A. B<sup>3</sup> ἐν  
 π.] σαρκί  
 — 38 (33. 29). μὴ περισσέυσῃς ἐν [A. B ἐπὶ] πάσῃ  
 σαρκί  
 34 (31). 1. ἀγρυπνία πλούτου ἐκτίκει σάρκα  
 38. 28. ἀτμίς πυρὸς πῆξει [A. B τῆξει] σάρκα αὐτοῦ  
 39. 19. ἔργα πῆξης σαρκὸς ἐνώπιον αὐτοῦ  
 40. 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους  
 41. 3. τοιοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί  
 44. 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A. om.]  
 πᾶσα σὰρξ  
 — 20. ἐν σαρκί αὐτοῦ ἔσθῃται [B ἐξήτησεν] διαθήκην  
 — 27. ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκὸς  
 45. 4. ἐξελέξατο αὐτὸν ἐκ πάσης σαρκὸς  
 48. 19. ἔως ὑποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ  
 ἐλθῆθα  
 Ho. 9. 12. σὰρξ μου ἐξ αὐτῶν +  
 Mi. 8. 2. ἀρπάζοντες . . . τὰς σ. αὐ. ἀπὸ τῶν  
 ὁστέων αὐ. (8)  
 — 3. ὃν τρόπον κατέφαγον τὰς σ. τοῦ λαοῦ μου (8)  
 — 3. ἐμέλισαν ὡς σάρκα εἰς λέβητα +  
 Jl. 2. 28 (8. 1). ἐκχεῖ ἀπὸ τοῦ πνευματός μου  
 ἐπὶ πᾶσαν σ. (1 α)  
 Ze. 1. 17. ἐκχεῖ . . . τὰς σ. αὐ. ὡς βάλβητα (8)  
 Za. 2. 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σ. ἀπὸ προσώ-  
 που κυρίου (1 α)

Za. 11. 9. κατεσθιέτωσαν ἕκαστος τὰς σ. τοῦ  
 πλησίον αὐ. (1 α)  
 14. 12. τακίσονται αἱ [B<sup>1</sup> om.] σ. αὐ. (1 α)  
 Is. 9. 20 (19). ἔσθω τὰς σ. τοῦ βραχίονος αὐ. (1 α)  
 10. 18. καταφάγεται ἀπὸ ψυχῆς ἕως σαρκῶν (1 α)  
 31. 3. ἔππων σάρκα καὶ οὐκ ἔστι βοήθεια (1 α)  
 40. 5. ὄψεται πᾶσα σ. τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ (1 α)  
 — 6. πᾶσα σ. χόρτος (1 α)  
 49. 26. φάγονται οἱ θλιψάντες σε τὰς σ. αὐ. . .  
 καὶ αἰσθανθήσεται πᾶσα σ. (1 α, 1 α)  
 68. 16. καὶ ἐν τῇ ῥομφαίᾳ αὐτοῦ πᾶσα σ. (1 α)  
 — 23. ἤξει πᾶσα σ. τοῦ προσκυνησαι (1 α)  
 — 24. ἔσονται εἰς ὄρανον πάσῃ σαρκί (1 α)  
 Je. 9. 26 (25). πάντα τὰ ἔθνη ἀπερίτμητα σαρκί —  
 12. 12. οὐκ ἔστιν εἰρήνη πάσῃ σαρκί (1 α)  
 17. 5. στηρίξει σάρκα [B<sup>3</sup>-as] βραχίονες αὐτοῦ  
 ἐπ' αὐτὸν (1 α)  
 19. 9. ἔδονται τὰς σ. τῶν νιῶν αὐτῶν καὶ τὰς σ.  
 τῶν θυγατέρων αὐτῶν καὶ ἕκαστος  
 τὰς σ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ ἔδονται (1 α ter)  
 32 (25). 31. κρίνεται αὐτὸς πρὸς πᾶσαν σ. (1 α)  
 39 (32). 27. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς πάσης σαρκὸς (1 α)  
 51. 35 (45. 5). ἐπάγων κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1 α)  
 Ba. 2. 3. τοῦ φαγείν ἡμᾶς ἀνθρώπων σάρκα  
 αὐτοῦ καὶ ἀνθρώπων σάρκα θυγατρὸς  
 αὐτοῦ  
 La. 3. 4. ἐπαλαίωσε σάρκα [A τὰς σ.] μου (1 α)  
 Ez. 11. 19. ἐκσάσω τὴν καρδίαν τὴν λιθίνην ἐκ  
 τῆς σ. αὐτῶν (1 α)  
 20. 48 (21. 4). A. B. ἐπιγνώσεται [B -σονται]  
 πᾶσα σ. (1 α)  
 21. 4 (9). ἐξελεύσεται τὸ ἐγχειρίδιόν μου . . .  
 ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (1 α)  
 — 5 (10). ἐπιγνώσεται πᾶσα σ. (1 α)  
 — 7 (12). ἐκψύξει πᾶσα σ. —  
 23. 20. ὡς ὄνων αἱ σ. αὐτῶν (1 α)  
 32. 5. δώσω τὰς σ. σου ἐπὶ τὰ ὄρη (1 α)  
 36. 26. ἀφελὼ τὴν καρδίαν τὴν λιθίνην ἐκ τῆς  
 σ. ὑμῶν (1 α)  
 37. 6. ἀνάξω ἐφ' ὑμᾶς σάρκα  
 — 8. νεῖρα καὶ σάρκες ἐφύοντο [A ἀνεφ.] (1 α)  
 44. 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς νιούς ἀλλογενεῖς . . .  
 ἀπερίτμητους σαρκί . . . ἐν τῷ προσ-  
 φέειν ὑμᾶς ἄρτους [A. add. μου καὶ]  
 σάρκα καὶ αἷμα . (1 α, †)  
 — 9. ἀλλογενεῖς . . . ἀπερίτμητοι σαρκί οὐκ  
 αἰσλεύσονται (1 α)  
 Da. LXX. 2. 11. οὐ οὐκ ἔστι κατοικητήριον μετὰ  
 πάσης σ. (1 β)  
 4. 31. ἠλλοιώθη ἡ σ. μου —  
 7. 5. κατέφαγε σ. πολλὰς (1 β)  
 Bel. 4. καὶ ἔχοντα πάσης σ. κυρεῖαν  
 Da. TH. 1. 15. ὠρίθησαν αἱ ἰδέαι αὐ. . . ἰσχυ-  
 ραὶ ταῖς σ. (1 α)  
 2. 11. ὧν οὐκ ἔστιν ἡ κατοικία μετὰ πάσης σ. (1 β)  
 4. 9. ἐξ αὐτοῦ ἐτρέφετο πᾶσα σ. (1 β)  
 7. 5. φάγε σ. πολλὰς (1 β)  
 Bel. 5. καὶ ἔχοντα πάσης σ. κυρεῖαν  
 I Ma. 7. 17. σάρκας [B<sup>1</sup> κρέας] ὁσίων σου . . . ἐξέ-  
 χαν  
 II Ma. 9. 9. ὥστε . . . τὰς σ. αὐ. διαπίπτειν  
 IV Ma. 6. 6. ἀπεξάιντο ταῖς μύστιξι τὰς σ.  
 7. 13. καὶ περικεχαλασμένων δὲ τῶν σ.  
 — 18. κρατεῖν τῶν τῆς σ. παθῶν  
 9. 17. πυροῦτε τὰς σ.  
 — 20. περὶ τοὺς ἄζοντας τοῦ ὄργανου περιέρρεον  
 αἱ σ.  
 — 28. τὴν σ. πᾶσαν . . . οἱ παρδάλοις θήρες ἀπέσυραν  
 10. 8. ἔωρα τὰς ἑαυτοῦ σ. περιλαϊσόμενας  
 15. 15. τὰς σ. τῶν τέκνων ἔωρα περὶ τὸ πῦρ τηκομένας  
 — 15. τὰς τῶν κεφ. μεχρὶ τῶν περὶ τὰ γένηα σ.  
 — 20. ἐπὶ σαρκὶ τέκνων ὥρσα σάρκας τέκνων ἀπο-  
 κεκομμένας [B<sup>3</sup>-καιομ.]  
 [Aq. Ps. 62 (68). 2 : 118 (119). 120 : Is. 31. 3 :  
 58. 7 : Ez. 10. 12 : 28. 20.]  
 [Sm. Ge. 41. 2 : Le. 17. 14 : Jb. 39. 30 : Ps. 26  
 (27). 2 : 62 (63). 2 : 108 (109). 24 : 118 (119).  
 120 : Is. 10. 18 : 31. 3 : 58. 7 : Ez. 10. 12 :  
 28. 20.]  
 [Th. Jb. 31. 31 : Ps. 62 (63). 2 : Is. 31. 3 : 58.  
 7 : Ez. 10. 12 : 28. 20 : Da. 1. 15.]  
 [Al. Le. 6. 10 (3) : 18. 3, 10, 15, 24 : 15. 7 :  
 17. 11 : 20. 19.]

σασών.

[Heb. Ps. 44 (45). 9.]

σατάν. (1) ὥψ  
 III Ki. 11. 14. ἤγειρε κύριος σ. τῷ Σαλ. (1)  
 — 14 (25). B ἦσαν σ. τῷ Ἰσρ. [A. al.] (1)  
 — 23. A ἤγειρε κ. σ. τῷ Σ. (1)  
 [Aq. Nu. 22. 22 : I Ki. 29. 4 : Jb. 1. 6 : Za.  
 3. 1.]  
 [Sm. Th. I Ki. 29. 4 : Za. 3. 1.]  
 [Heb. Nu. 22. 22.]

σατανή.

[Th. Le. 19. 19.]

σάτον.

Hg. 2. 17 (16). ὅτε ἐνέβαλλετο εἰς κυψέλην  
 κριθῆς εἴκοσι σάτα —  
 — 27 (16). καὶ ἐγένετο κριθῆς δέκα σάτα —  
 [Aq. Ge. 18. 6 : I Ki. 25. 18 : Is. 27. 8 bis.]  
 [Sm. Ge. 18. 6 : Is. 27. 8 bis.]  
 [Al. Le. 5. 11 : 6. 20 (13).]

σατραπεία (-πία). (1) ἡ'ΰ'ΰ' (2) ἡ'ΰ'ΰ'

Jo. 18. 3. προσλογίζεται ταῖς πέντε σ. τῶν Φ. (2)  
 Jd. 3. 3. τὰς πέντε σ. τῶν ἀλλοφύλων (2)  
 16. 18. A ἀνέβησαν πρὸς αὐτὴν πᾶσαι αἱ σ.  
 [B al.] (2)  
 I Ki. 6. 18. A κατ' ἀριθμὸν πασῶν τῶν πόλεων  
 τῶν ἀλλοφ. τῶν πέντε σ. [B -πῶν] (2)  
 I Es. 3. 2. ἐν ταῖς ἑκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατραπείαις  
 Es. 8. 9. ἐγγράφη . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατρα-  
 πείαις (1)  
 — 13. τοῖς . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατραπείαις  
 [B<sup>1</sup>-παις] χωρὼν ἄρχοντι  
 II Ma. 9. 25. ἀνατρέχων εἰς τὰς ἐπάνω σ.  
 σατράπης. (1) ἡ'ΰ'ΰ'ΰ'ΰ'ΰ' (2) ἡ'ΰ'ΰ' (3) ἡ'ΰ'ΰ'

(4) ἡ'ΰ'ΰ' (5) ἡ'ΰ'ΰ' (6) ἡ'ΰ'ΰ'

Jd. 5. 3. ἐνωπίσασθε, σατράπαι (5)  
 16. 5. A ἀνέβησαν πρὸς αὐτὴν οἱ σ. [B ἄρ-  
 χοντες] (8)  
 — 8. A ἀνῆνεγκαν αὐτῇ οἱ σ. [B ἄρχοντες] (8)  
 . . . ἐπτά νευράς  
 — 18. A ἀπέστειλεν πάντας τοὺς σ. [B al.] (8)  
 — 23. A οἱ σ. [B ἄρχοντες] τῶν ἀλλοφύλων  
 συνήχθησαν (8)  
 — 27. A καὶ ἐκεῖ πάντες οἱ σ. [B ἄρχοντες]  
 τῶν ἀλλοφ. (8)  
 — 30. A ἔπεσεν ὁ οἶκος ἐπὶ τοὺς σ. [B ἄρ-  
 χοντας] (8)  
 I Ki. 5. 8. συνάγουσι τοὺς [A τοὺς πάντας] σ.  
 τῶν ἀλλοφ. (3)  
 — 11. συνάγουσι τοὺς [A πάντας τοὺς] σ. τῶν  
 ἀλλοφ. (3)  
 6. 5 (4). κατ' ἀριθμὸν τῶν σ. τῶν ἀλλοφύλων (3)  
 — 12. οἱ σ. τῶν ἀλλοφ. ἐπορεύοντο ὅπως  
 αὐτῆς (3)  
 — 16. καὶ οἱ πέντε σ. τῶν ἀλλοφ. ἰώρων (3)  
 — 18. κατ' ἀριθμὸν πασῶν πόλεων τῶν ἀλλοφ.  
 τῶν πέντε σ. [A -πῶν] (8)  
 7. 7. ἀνέβησαν σατράπαι ἀλλοφύλων ἐπὶ Ἰσρ. (8)  
 29. 2. σατράπαι τῶν ἀλλοφύλων παρεπορεύοντο  
 — 3. εἶπον οἱ σ. τῶν ἀλλοφύλων (8)  
 — 6. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σ. (8)  
 — 7. ἐν ὀφθαλμοῖς τῶν σ. τῶν ἀλλοφύλων (8)  
 — 9. οἱ σ. τῶν ἀλλοφύλων λέγουσιν (8)  
 III Ki. 10. 15. καὶ τὰν σ. τῆς γῆς (4)  
 21 (20). 24. θοὺ ἀντ' αὐτῶν σατράπαις (4)  
 II Ch. 9. 14. πλὴν . . . σατραπῶν πῆς γῆς (4)  
 I Es. 3. 2. ἐποίησε δοχὴν μεγάλην . . . πᾶσι τοῖς σ.  
 — 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς . . . σατράπαις  
 — 21. οὐ μέρμηται βασιλεὺς οὐδὲ σατράπην  
 4. 47. πρὸς πάντας τοὺς οἰκονόμους . . . καὶ σ.  
 — 49. πάντα δυνατὸν καὶ σ. . . μὴ ἐπελεύσεται  
 Ju. 2. 14. B<sup>1</sup> ἐκάλεσε . . . τοὺς σ. [A. B B<sup>3</sup> al.]  
 6. 2. A B καὶ πάντας σ. τῆς παρालίας  
 Es. 1. 3. δοχὴν ἐποίησε . . . τοῖς ἄρχουσι τῶν σ. +  
 8. 9. ὅσα ἐνετείλατο . . . τοῖς ἄρχουσι τῶν σ. (4 ?)  
 — 9. B ἑκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατράπαις [A B S  
 -πείαις] κατὰ χώραν καὶ χώραν +  
 — 13. B<sup>1</sup> τοῖς . . . ἑκατὸν εἴκοσι ἐπτά σατράπαις  
 [A B S<sup>2</sup>-πείαις] χωρῶν ἄρχουσι  
 — 13. A B<sup>2</sup> καὶ σατράπαις [B S<sup>1</sup> om.] τοῖς τὰ  
 ἡμέτερα φρονούσι +  
 9. 3. οἱ γὰρ ἄρχοντες τῶν σ. +  
 Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . σατράπαις  
 στρατηγούς (1)

Da. LXX. 6. 1 (2). κατέστησε σατράπας . . .  
— 3 (4). καταστήσονται . . . σατράπας ἑκατὸν  
— 14 (15). ἐξελέσθαι αὐτὸν . . . ἀπὸ τῶν  
— 19 (20). παρέλαβε μεθ' ἑαυτοῦ τοὺς σ.  
Da. TH. 2. 48. κατέστησεν αὐτὸν . . . ἄρχοντα  
σατράπων (2)  
3. 27 (94). συνάγονται οἱ σ. (1)  
6. 1 (2). κατέστησεν . . . σατράπας ἑκατὸν ἑκοσι (1)  
— 2 (3). τοῦ ἀποδιδόναι αὐτοῖς τοὺς σ. λόγον (1)  
— 4 (5). οἱ σ. ἐξήλθον πρόφασιν εὐρεῖν (1)  
— 6 (7). οἱ σ. παρέστησαν τῷ βασι. (1)  
— 7 (8). συνεβουλευσάντο πάντες . . . σατράπαι (1)  
[Th. Da. 2. 48: 6. 3†.]

# σαυλασαῦ.

[Heb. Is. 28. 13 bis.]

## σαῦρα.

(1) שׂוּרָא

Le. 11. 30. καλαβώτης καὶ σαῦρα καὶ ἀσπάλαξ (1)  
σαυτοῦ, *vid.* σεαυτοῦ.

## σαφής.

Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A. om.] αὐτῇ πνεῦμα . . .  
σαφές  
Da. LXX., TH. Su. 48. οὐδὲ τὸ σ. ἐπιγινώσκεις  
II Ma. 12. 40. τοῖς δὲ πᾶσι σαφές ἐγένετο  
IV Ma. 8. 6. ἔστι γοῦν τοῦτο . . . σαφέστερον ἐπι-  
λογίσασθαι

## σαφούν.

[Heb. Ps. 47 (48). 3.]

## σαφῶδ (σαφῶδ).

(1) שׂוּרָא (2) שׂוּרָא

II Ki. 17. 29. ἤνεγκαν . . . σαφῶδ βοῶν (2)  
Je. 52. 19. A B S τὰ [B E τὰς] σ. [B ἀπφ.] καὶ  
τὰς μαρμαρίδας (1)

## σαφῶς.

(1) שׂוּרָא (2) שׂוּרָא

De. 13. 14 (15). B ἀληθῶς [A B -ης] σ. ὁ λόγος (2)  
27. 8. γράφεις . . . πάντα τὸν νόμον τ. σ.  
— σφῶδρα (1)  
Hb. 2. 2. γράψαντες ὅρασιν καὶ σ. εἰς πυξίον (1)  
II Ma. 4. 33. σ. ἐπιγινώσκεις ὁ σ.  
III Ma. 4. 20. συνιέντι σ. αὐτὸν περὶ τούτου πιστω-  
θῆναι

## σαχών (AB), σαχῶχ (B).

II Es. 8. 18. ἀνὴρ σ. ἀπὸ νῶον M. +

## σαών.

(1) שׂוּרָא

Je. 26 (46). 17. σ. ἐσβεί ἔμω. (1)  
[Aq. Je. 46 (26). 17.]  
[Th. Je. 48 (31). 45.]

## σβεννύειν.

(1) שׂוּרָא (2) שׂוּרָא a. qal. δ. pi.

(8) שׂוּרָא ni.  
Le. 6. 9 (2). οὐ σβεσθίσεται —  
— 13 (5). καὶ οὐ σβεσθίσεται (2 a)  
— 13 (6). οὐ σβεσθίσεται (2 a)  
II Ki. 14. 7. σβέσονται τὸν ἄνθρακ μου (2 b)  
21. 17. οὐ μὴ σβέσῃς τὸν λύχνον Ἰσρ. (2 b)  
IV Ki. 22. 17. καὶ οὐ σβεσθίσεται. (2 a)  
II Ch. 29. 7. ἔσβησαν τοὺς λύχνους (2 b)  
34. 25. καὶ οὐ σβεσθίσεται (2 a)  
Es. 4. 17. καὶ σβέσται δόξαν οἴκου σου  
Jb. 4. 10. γυνή μου δὲ δρακόντων ἐσβέσθη +  
16. 16 (15). τὸ δὲ σθένος μου ἐν γῇ ἐσβέσθη  
[A εἰς γῆν ἐσβέσται] (1)  
18. 5. φῶς ἀσέβων σβεσθίσεται (1)  
— 6. ὁ δὲ λύχνος ἐπ' αὐτῷ σβεσθίσεται. (1)  
21. 17. ἀσέβων λύχνος σβεσθίσεται. [B' οὐ σβ.] (1)  
30. 8. κλίεις ἐσβεσμένον [B' -ων] ἀπὸ [A ἐπὶ] (1)  
γῆς  
34. 26. ἔσβησε δὲ ἀσβεῖς +  
40. 7 (12). ὑπερήφανον δὲ σβέσων +  
Pr. 10. 7. δυνάμει δὲ ἀσέβων σβέννυνται +  
13. 9. φῶς δὲ ἀσέβων σβέννυνται (1)  
20. 20. κακολογούντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσ-  
θίσεται λαμπτήρ (1)  
24. 20. λαμπτήρ δὲ ἀσέβων σβεσθίσεται (1)  
Ca. 8. 7. ὕδωρ πολλὸ οὐ δύνηται σβέσαι τὴν  
ἀγάπην (2 b)  
Wi. 2. 3. οὐ σβεσθέντος τέφρα ἀποβήσεται τὸ σῶμα  
16. 17. ἐν τῷ πάντα σβέννυνται ὕδατι

Si. 28. 16. οὐ μὴ σβεσθῇ ἕως ἂν καταποθῇ  
28. 12. ἐὰν πύσης ἐπ' [A εἰς] αὐτὸν σβεσθίσεται  
— 23. καὶ οὐ μὴ σβεσθῇ  
Am. 6. 6. οὐκ ἔσται ὁ σβέσων τῷ οἴκῳ Ἰσρ. (2 b)  
Is. 1. 31. οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 b)  
34. 10. οὐ σβεσθίσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (2 a)  
42. 3. λίανος καπνίζόμενον οὐ σβέσει (2 b)  
— 4. B' οὐ σβεσθίσεται [A B S θρανσθ.] +  
43. 17. ἐσβίσθησαν ὡς λίανος ἐσβεσμένοι [B S  
-ων] (1, 2 a)  
66. 24. τὸ πῦρ αὐτῶν οὐ σβεσθίσεται (2 a)  
Je. 4. 4. οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 b)  
7. 20. A οὐ σβεσθίσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέ-  
σων [B S al.] (2 a, -)  
17. 27. οὐ σβεσθίσεται (2 a)  
21. 12. καυθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 b)  
Ez. 20. 47 (21. 3). οὐ σβεσθίσεται ἡ φλόξ ἢ  
ἐξαφθεῖσα (2 a)  
— 48 (21. 4). οὐ σβεσθίσεται [A add. ἔτι] (2 a)  
32. 7. κατακαλὺνῃ ἐν τῷ σβεσθῆναι σε οὐρανόν (2 b)  
III Ma. 6. 34. A καὶ πυρρόπουν τὸν λαὸν ἀκμαίως  
ἐσβεσμένοι [B al.]  
IV Ma. 8. 17. καὶ σβέσαι τὰς τῶν οὐστρων φλεγ-  
μονάς  
9. 20. τοῖς τῶν ἰχθῶν ἐσβέννυντο σταλαγμοῖς  
18. 20. B' πῦρ πυρρὸς σβέσας λήβησιν ὡμοῖς [A S B  
al.]  
[Aq. I Ki. 8. 3.]  
[Bm. I Ki. 8. 3: Pr. 21. 14.]

## σβεστικός.

Wi. 19. 20. ὕδωρ τῆς σβ. δυνάμεως [A S φύσεως]  
ἐπελαυνάμενο

## σεαυτοῦ, σαυτοῦ.

Ge. 6. 14, 19, 21 bis: 8. 17†: 14. 21: 19. 17: 24.  
6: 28. 2: 31. 24, 29: 40. 14.  
Ex. 10. 28: 12. 24: 17. 5, 9: 18. 21: 20. 4: 23.  
21: 28. 1: 30. 34: 32. 13: 33. 13, 18: 34. 1,  
12, 17, 27.  
Le. 9. 2, 7: 19. 18, 19, 34: 22. 23†: 25. 8.  
Nu. 5. 19: 10. 2, 2†: 13. 3 (2): 18. 2: 21. 8:  
27. 18.  
De. 4. 9: 5. 8: 6. 12: 7. 25: 8. 11: 9. 27: 10.  
1 bis: 11. 16: 12. 13, 19, 30: 15. 9: 16. 9, 13,  
18, 21 bis, 22: 17. 15 ter: 19. 2, 7, 9†: 20. 14:  
21. 11: 22. 7, 12: 24. 8: 27. 2: 28. 36: 32. 37  
(σαντων)†.  
Jo. 2. 18: 5. 2: 8. 1†, 2 bis: 17. 15.  
Jd. 4. 6: 17. 2†.  
Ru. 3. 3†: 4. 6, 8.  
I Ki. 2. 16: 9. 3: 19. 11: 20. 8: 21. 9 (10): 22.  
13†.  
II Ki. 2. 21 bis: 7. 23, 24: 12. 9: 19. 7 (8): 20.  
6†: 24. 12, 13†.  
III Ki. 8. 1 (2, 36), 5, 11, 11†, 11: 8. 53 bis: 11.  
31: 12. 24† bis: 13. 18: 14. 9†: 17. 13: 20 (21).  
7 (σαντου γενοῦ) 21 (20). 34.  
IV Ki. 4. 3: 6. 7: 18. 21, 23, 24†.  
I Ch. 17. 22: 21. 10, 11, 23.  
II Ch. 1. 11.  
Ne. 6. 7: 9. 10.  
To. 4. 9†, 12†, 13†, 14†: 5. 3: 6. 4†: 9. 2.  
Ju. 2. 5.  
Es. 4. 13, 17.  
Jb. 5. 27: 10. 13†: 22. 23, 29: 38. 11.  
Ps. 54 (55). 10†: 70 (80). 15, 17.  
Pr. 2. 1: 3. 7: 4. 13, 24: 7. 1, 4: 9. 12: 22. 20,  
26: 24. 67 (30. 32): 25. 10, 17.  
Ca. 1. 8.  
Si. 1. 30: 8. 18: 4. 7, 27: 6. 2, 3†, 31: 7. 7, 16,  
25†: 9. 1: 12. 12: 14. 11: 18. 20, 23†: 29. 20:  
30. 21, 29 (38. 20), 40 (38. 31)†: 34 (31). 15: 38.  
21.  
Hb. 1. 2: 6. 12 (11).  
Na. 8. 11, 14†.  
Za. 11. 15.  
Is. 7. 11: 8. 1: 21. 6†: 22. 16, 16†, 16: 63. 14.  
Je. 2. 22, 28: 3. 3: 6. 26: 13. 1: 22. 14: 26 (46).  
19: 34 (27). 2†: 38 (31). 21: 39 (32). 7, 8†, 20,  
25: 43 (36). 2, 28†: 50 (43). 9: 51. 35 (45. 5)†.  
Ba. 2. 11.  
La. 2. 18: 3. 44.  
Ez. 3. 21†: 4. 1, 3, 9 bis: 5. 1 bis: 12. 3, 5: 16.  
16, 17, 24 bis, 52: 21. 19 (24): 24. 2: 28. 4,  
23†: 31. 2: 33. 9†: 37. 16 bis, 17: 38. 7.

Da. LXX. Su. 55: 9. 15, 19.  
Da. TH. Su. 55, 59: 9. 15.  
I Ma. 5. 17: 12. 45.  
IV Ma. 5. 12: 6. 14: 10. 13.  
[Aq. Dt. 10. 11: III Ki. 8. 11: 14. 9: CA. 1.  
8: Is. 7. 11: 40. 9: Je. 16. 2: 30 (37). 2:  
31 (38). 21 (Sw.): 32 (39). 8: 46 (26). 14:  
Ez. 5. 1.]  
[Bm. Ex. 30. 23: III Ki. 8. 11: Ps. 48 (49). 19:  
88 (89). 8: Pr. 24. 27: Is. 7. 11: 40. 9: Je.  
13. 21: 16. 2: 30 (37). 2: 38 (45). 10: Ez.  
18. 6†.]  
[Th. Je. 22. 29: Is. 7. 11: 40. 9: 57. 8: Je.  
30 (37). 2: Ez. 6. 1.]  
[Al. Ex. 33. 18.]  
[Quint. Ho. 6. 11.]

## σεβάσθαι.

[Aq. Ho. 10. 5.]

## σεβαρεῖν.

[Al. Jo. 7. 5.]

## σέβασμα.

Wi. 14. 20. τὸν πρὸ ὀλίγου τιμηθέντα ἄνθρωπον νῦν  
σέβασμα ἐλογίσαντο  
15. 17. κρείττων γὰρ ἐστὶ τῶν σ. [A σεβημ.] αὐτοῦ  
Da. TH. Bel 27. ἴδετε τὰ σ. ὑμῶν

## σέβειν.

(1) a. שׂוּרָא verb. δ. adj. c. שׂוּרָא.

## (2) שׂוּרָא

Jo. 4. 24. ἵνα ὑμεῖς σέβησθε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (1 a)  
22. 25. ἵνα μὴ σέβωνται κύριον (1 a)  
24. 33. ἐσέβοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν Ἄσπ. —  
Jb. 1. 9. μὴ δωρεὰν ἰὼς σέβεται τὸν κύριον (1 b)  
Wi. 15. 6. κακῶν ἐρασταὶ . . . καὶ οἱ ποθοῦντες καὶ  
οἱ σεβόμενοι  
— 18. καὶ τὰ ζῶα διὰ τὴν ἰσχίαν σέβονται  
Jn. 1. 9. τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐρ. ἐγὼ σέβομαι [B S  
φοβούμαι] (1 b)  
Is. 29. 13. μάτην δὲ σέβονται με (1 c)  
66. 14. A B γνωσθήσεται ἡ χεὶρ κυρίου τοῖς  
σεβομένοις [B φοβουμ.] αὐτῶν (2)  
Da. LXX. 3. (33). θνείδος ἐγενήθη . . . τῶν σεβομέ-  
νων σε  
— (90). εὐλογεῖτε, πάντες οἱ σεβόμε. τὸν κ., τὸν θεόν  
Bel 2. δ ἐσέβοντο οἱ Βαβυλώνιοι  
— 3. ὁ βασι. ἐσέβητο αὐτὸν  
— 4. οὐδένα σέβομαι ἐγὼ  
— 22. καὶ ἐσέβοντο οἱ Βαβυλώνιοι  
— 26. οὐ ταῦτα σέβεσθε, βασιλεῦ  
Da. TH. 3. (33). θνείδος ἐγενήθη . . . τοῖς σεβομέ-  
νοις σε  
— (90). εὐλογεῖτε, πάντες οἱ σεβόμε. τὸν κ., τὸν θεόν  
Bel 4. ὁ βασι. ἐσέβητο αὐτὸν  
— 5. οὐ σέβομαι εἰδὼλα χειροποίητα  
— 23. ἐσέβοντο αὐτὸν οἱ Βαβυλώνιοι  
II Ma. 1. 3. εἰς τὸ σέβασθαι αὐτὸν  
III Ma. 3. 4. σεβόμενοι δὲ τὸν θεόν  
IV Ma. 5. 24. ὥστε μόνον τὸν ὄντα θεόν σέβειν  
μεγαλοπρεπῶς  
8. 14. ἢν σέβεσθε δικην  
[Th. Da. 3. (33): 14. 22.]  
σέβημα.  
Wi. 15. 17. A κρείττων γὰρ ἐστὶ τῶν σ. [B S σεβασμ.]  
αὐτοῦ  
σεεῖρειν.  
[Th. Le. 17. 7.]  
σείειν. (1) שׂוּרָא hithp. (2) שׂוּרָא (3) שׂוּרָא  
(4) שׂוּרָא a. qal. δ. hi. (5) שׂוּרָא a. qal.  
δ. ni. c. hi. (6) שׂוּרָא (7) שׂוּרָא  
Jd. 5. 4. γῇ ἐσείσθη (5 a)  
II Ki. 22. 8. ἐσείσθη ἡ γῇ (5 a)  
I Es. 4. 36. πάντα τὰ ἔργα σείεται  
Jb. 9. 6. ὁ σείων τὴν γῆν οὐρανὸν ἐκ θεμελίων (4 b)  
— 28. σείομαι πᾶσι τοῖς μέλεσιν +  
Ps. 67 (68). 8. γῇ ἐσείσθη (5 a)  
Pr. 24. 56 (30. 21). διὰ τῶν σείεται ἡ γῇ (4 a)  
Am. 1. 14. σείσθεται ἐν ἡμέραις συντελείας αὐ. +  
9. 1. σείσθεται τὰ πρόπυλα (5 a)  
Jl. 2. 10: 3 (4). 16 (A B S). σείσθεται δὲ  
οὐρανός (5 a)  
Na. 1. 5. τὰ ὅρα ἐσείσθησαν ἀπ' αὐτοῦ (5 a)

Hb. 2. 16. καὶ σείσθητι +  
 3. 14. σείσθησονται ἐν αὐτῇ (7)  
 Hg. 2. 7 (6). σείσω τὸν οὐρανόν (6 c)  
 — 22 (21). σείω [B<sup>2</sup> σείσω] τὸν οὐρανόν (6 c)  
 Is. 10. 14 (13). σείσω πόλεις κατοικουμένας +  
 13. 13. ἡ γῆ σείσθησεται ἐκ τῶν θεμελίων αὐτῆς (5 a)  
 14. 16. οὗτος ὁ ἄνθρωπος . . . σείων βασιλείς (5 c)  
 17. 4. τὰ πύονα τῆς δόξης αὐτοῦ σείσθησεται +  
 19. 1. σείσθησεται τὰ χειροποίητα Αἰγύπτου (2)  
 24. 18. σείσθησεται τὰ θεμέλια τῆς γῆς (5 a)  
 — 20. σείσθησεται ὡς πυροφυλάκιον ἡ γῆ (1)  
 28. 7. ἐσείσθησαν ἀπὸ τῆς μέθης (6)  
 33. 20. σκηναὶ αἱ οὐ μὴ σείσθωσιν [A<sup>1</sup> σαλευθ.] (8)  
 Je. 8. 16. ἐσείσθη πᾶσα ἡ γῆ (5 a)  
 27 (50). 46. σείσθησεται ἡ γῆ (5 b)  
 28 (51). 29. ἐσείσθη ἡ γῆ καὶ ἰπόνεσε (5 a)  
 29 (49). 21. Α<sup>1</sup> ἐσείσθη [B S ἐφοβήθη] ἡ γῆ (5 a)  
 Ez. 26. 10. σείσθησεται τὰ τεῖχη σου (5 a)  
 — 15. σείσθησονται αἱ νῆσοι (5 a)  
 31. 16. ἐσείσθησαν τὰ ἔθνη (5 c)  
 38. 20. σείσθησονται ἀπὸ προσώπου κυρίου οἱ λχθῶες (5 a)  
 Da. LXX. 2. 40. σείσθησεται πᾶσα ἡ γῆ +  
 I Ma. 1. 28. ἐσείσθη ἡ γῆ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτὴν  
 9. 13. Α<sup>1</sup> ἐσείσθη [B B ἑσάλυθη] ἡ γῆ ἀπὸ τῶν παρεμβολῶν αὐ.  
 II Ma. 3. 25. Α<sup>1</sup> ἔσειον τῷ ἥλ. τὰς ἐμπροθεσίους ὁπλὰς [B al.]  
 [Aq. Ps. 17 (18). 8: 76 (77). 19: Je. 10. 10: 51 (28). 29:]  
 [Sm. Jb. 3. 27: 41. 21: Ps. 45 (46). 4: 67 (68). 9: 76 (77). 19: Je. 50 (27). 34: Ez. 27. 28.]  
 [Th. Ps. 77 (77). 19: Is. 24. 20.]  
 [Al. Je. 10. 10: Hb. 3. 6, 9.]  
**σειρά.** (1) לַיָּדָי (2) לַיָּדָי  
 Jd. 16. 13. ἐὰν ὑφάρης τὰς ἐπτά σ. τῆς κεφαλῆς μου (2)  
 — 14. ἔλαβε Δ. τὰς ἐπτά σ. τῆς κεφ. αὐ. [A al.] —  
 — 19. ἐξύρρησε τὰς ἐπτά σ. τῆς κεφ. αὐ. [A al.] (2)  
 Pr. 5. 22. σειράς διέ τῶν ἐαυτοῦ ἀμαρτιῶν ἕκαστος σφίγγεται (1)  
**σειρήν.** (1) α. לַיָּדָי δ. לַיָּדָי חב (2) חב  
 Jb. 30. 29. ἀδελφὸς γέγονα σειρήνων (2)  
 Mi. 1. 8. ποιῆσεται . . . πένθος ὡς θυγατέρων σειρήνων (1 a)  
 Is. 13. 21. ἀναπαύσονται ἐκεῖ σειρήνες (1 b)  
 34. 13. ἔσται ἐπαυλὶς σειρήνων (2)  
 48. 20. εὐλόγησόν με τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ σειρήνες (2)  
 Je. 27 (50). 39. κατοικήσουσιν ἐν αὐτῇ θυγατέρες σειρήνων (1 a)  
 [Aq. Ps. 43 (44). 20: Is. 13. 22: 35. 7: 43. 20: Je. 9. 11 (10): Mi. 1. 8: Ma. 1. 3:]  
 [Sm. Is. 13. 22: 35. 7: 43. 20: Je. 9. 11 (10): 14. 6: 49. 33 (30. 11): 50 (27). 39: La. 4. 3:]  
 [Th. Is. 13. 22.]  
**σειρήνιος.**  
 IV Ma. 15. 21. οὐχ οὕτως σ. μελοφδία . . . ἐφέλκονται **σειρομάστης** (σιρ.). (1) לַיָּדָי (2) מַרְחָ  
 Nu. 26. 7. λαβὼν **σειρομάστην** ἐν τῇ χειρὶ (2)  
 Jd. 5. 8. Α<sup>1</sup> σκέπη νεοιδῶν **σειρομαστῶν** [B al.] —  
 — 8. Α<sup>1</sup> ἀνήφθη καὶ **σειρομάστης** [B al.]  
 III Ki. 18. 28. ἐν μαχαίραις καὶ **σειρομασταῖς** (2)  
 IV Ki. 11. 10. ἔδωκεν ὁ ἰ. τοῖς ἑκατομάρχοις τοὺς σ. (1)  
 Jl. 3 (4). 10. συγκόψατε . . . τὰ δρέπανα ὕμῶν εἰς **σειρομαστὰς** [B<sup>1</sup> -μάστρας] (2)  
 [Th. Jd. 5. 8.]  
**σειρομάστης** (?). (1) מַרְחָ  
 Jl. 3 (4). 10. B<sup>1</sup> συγκόψατε . . . τὰ δρέπανα ὕμῶν εἰς **σειρομαστῶν** [A B S -τας] (1)  
**σειρωτός.**  
 [Sm. Th. Ex. 28. 32.]  
**σεῖς, σῖς.**  
 [Aq. Je. 8. 7:]  
 [Th. Is. 38. 14.]  
**σεῖσμα** (σῖσμα).  
 Si. 27. 4. B<sup>1</sup> ἐν **σεῖσμάτι** [A B S σῖσμ.] κοσκίνου διαμένει κοπρία

**σεισμός.** (1) הַרְגָּה (2) הַרְגָּה  
 Es. 1. 1. ἰδοὺ . . . βροταὶ καὶ **σεισμός**  
 Jb. 41. 20 (21). καταγελάδῃ **σεισμοῦ** πυρφόρου (2)  
 Am. 1. 1. πρὸ δύο ἐτῶν τοῦ σ. (2)  
 Na. 3. 2. φωνὴ **σεισμοῦ** τροχῶν (2)  
 Za. 14. 5. ἐν ταῖς ἡμέραις [B<sup>2</sup> ἀπὸ προσώπου] τοῦ σ. +  
 Is. 15. 5. βοᾷ σύντριμμα καὶ **σεισμός**  
 29. 6. ἐπισκοπὴ γὰρ ἔσται μετὰ βροντῆς [A κραυγῆς] καὶ **σεισμοῦ** (2)  
 Je. 10. 22. καὶ σ. μέγας ἐκ γῆς βορρᾶ (2)  
 23. 19. ἰδοὺ σ. παρὰ κυρίου (1)  
 29 (47). 3. ἀπὸ **σεισμοῦ** τῶν ἀρμάτων αὐτοῦ (2)  
 Ez. 3. 12. ἤκουσα κατόπισθεν μου φωνὴν **σεισμοῦ** μεγάλου (2)  
 — 13. φωνὴ τοῦ σ. (2)  
 37. 7. ἰδοὺ σ. (2)  
 38. 19. ἔσται σ. μέγας ἐπὶ γῆς Ἰσραὴλ (2)  
 IV Ma. 17. 3. ὑπηνεγκας τὸν διὰ τῶν βασάνων σ. [Aq. Ez. 3. 14 (P.): 12. 18.]  
 [Sm. Is. 9. 5 (4): 28. 19:]  
 [Th. Jb. 39. 24: Ez. 3. 14 (P.)]  
**σειστρον.**  
 [Aq. Sm. II Ki. 6. 5.]  
**σεῖφ (σίφ).** (1) הִיד  
 Jd. 11. 16. ἕως θαλάσσης σ. [A ἐρυθρᾶς] (1)  
**σεῖων, υἱδ. συδ. σῖων.**  
**σελ.**  
 [Heb. Ps. 3. 3: 7. 6: 9. 17: 19 (20). 4: 74 (75). 4: 75 (76). 4, 10.]  
**σελά.**  
 [Quint. Hb. 3. 3.]  
**σελήνη.** (1) לַיָּדָי (2) לַיָּדָי  
 Ge. 37. 9. ὥστε ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. . . προσέκυον μου με (1)  
 De. 4. 19. ἰδὼν τὸν ἥλιον καὶ τὴν σ. (1)  
 17. 3. καὶ ἐλθόντες λατρεύσουσι . . . τῇ σ. (1)  
 Jo. 10. 12. στήνω . . . ἡ σ. κατὰ φάραγγα Αἰ. — 13. ἔστη . . . ἡ σ. ἐν στάσει (1)  
 IV Ki. 23. 5. καὶ τοὺς θυμῶντας . . . τῇ σ. (1)  
 Jb. 25. 5. εἰ **σελήνη** [A **σελήνη** δι'] συντάσσει (1)  
 31. 26. ἡ οὐχ ὁρώμεν ἥλιον . . . **σελήνην** δι' ἐφείνουσαν (1)  
 Ps. 8. 3. **σελήνην** καὶ ἀστέρτας δ' σὺ ἰθμελίωσας 71 (72). 5. καὶ πρὸ τῆς σ. γενεᾶς γενῶν (1)  
 — 7. ἕως οὗ ἀνταναίρεθῇ ἡ σ. (1)  
 73 (74). 16. B<sup>3</sup> σὺ κατηργήσω ἥλιον καὶ **σελήνην** [B<sup>2</sup> κατ. φαῦσιν καὶ ἡ.] +  
 88 (89). 37. ὡς ἡ σ. κατηργημένη εἰς τὸν αἰῶνα 103 (104). 19. ἐποίησε **σελήνην** εἰς καιροὺς 120 (121). 6. οὐδὲ ἡ σ. τὴν νύκτα 135 (136). 9. τῇ ποιήσαντι . . . τὴν σ. (1)  
 148. 3. αἰνεῖτε αὐτὸν ἥλιος καὶ **σελήνη** (1)  
 Ec. 12. 2. ἕως οὗ μὴ σκοτισθῇ . . . ἡ σ. (1)  
 Ca. 6. 9 (10). τίς αὐτὴ . . . καλὴ ὡς **σελήνη** (1)  
 Si. 27. 11. ὁ δὲ ἄφρων ὡς **σελήνη** ἀλλοιοῦται 43. 6. ἡ σ. ἐν πᾶσιν εἰς καιρὸν αὐτῆς — 7. ἀπὸ **σελήνης** σημείων ἑορτῆς 60. 6. ὡς **σελήνη** πλήρης ἐν ἡμέραις (1)  
 Jl. 2. 10. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. συσκοτᾶσονται — 31 (3. 4). μεταστραφίσεται . . . ἡ σ. εἰς αἶμα (1)  
 3 (4). 15. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. συσκοτᾶσονται (1)  
 Hb. 3. 11. ἡ σ. ἔστη ἐν τῇ τάξει αὐ. (1)  
 Is. 13. 10. ἡ σ. οὐ δώσει τὸ φῶς αὐτῆς 24. 23. B<sup>1</sup> ἐντραπησεται ἡ σ. (2)  
 30. 26. ἔσται τὸ φῶς τῆς σ. ὡς τὸ φῶς τοῦ ἡλίου (2)  
 60. 19. οὐδὲ ἀνατολὴ **σελήνης** φωτιεῖ σοι τὴν νύκτα (1)  
 — 20. ἡ σ. σοι οὐκ ἐκλείψει (1)  
 Je. 8. 2. ψύξουσιν αὐτὰ πρὸς τὸν ἥλιον καὶ τὴν σ. 38 (81). 35. κύριος ὁ δοῦς . . . **σελήνην** . . . εἰς φῶς [B<sup>1</sup> al.] (1)  
 Ep. Je. 60. ἥλιος μὲν γὰρ καὶ σ. καὶ ἄστρα — 67. A B οὐτε φωτισῶσιν ὡς ἡ [B om.] σ. (1)  
 Ez. 32. 7. σ. οὐ μὴ φάνη τὸ φῶς [A ἡ σ. οὐ δώσει τὸ φῶς] αὐτῆς (1)  
 Da. LXX. 3. (62). εὐλογεῖτε, ἥλιος καὶ **σελήνην**, τὸν κ. 4. 9. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σ. ἦν —  
 Da. TH. 3. (62). εὐλογεῖτε, ἥλιος καὶ **σελήνην**, τὸν κ.

IV Ma. 17. 5. οὐχ οὕτω **σελήνη** κατ' οὐρανόν . . . **σεμνὴ** καθίστηκεν  
 [Aq. Dt. 33. 14: Jb. 25. 5: 39. 2: Ps. 71 (72). 5, 7: Is. 60. 19:]  
 [Sm. Dt. 33. 14: Jb. 25. 5: 39. 2: Ps. 71 (72). 5, 7: Is. 24. 23:]  
 [Th. Dt. 33. 14: Jb. 25. 5: 39. 2:]  
 [Exet. Ps. 73 (74). 16.]  
 [Al. Hb. 3. 11.]  
**σελῖς.** (1) לַיָּדָי  
 Je. 43 (38). 23. ἀναγιώσκοντες Ἰουδαὶν τρεῖς **σελίδας** καὶ τέσσαρας (1)  
**σέμ.**  
 [Heb. Ge. 28. 19.]  
**σεμίδαλις.** (1) לַיָּדָי (2) מַרְחָ  
 Ge. 18. 6. φύρασον τρία μέτρα **σεμίδαλεως** (2 + 1)  
 Ex. 29. 2. **σεμίδαλιν** ἐκ πυρὸς ποιήσεις αὐτὰ (1)  
 — 40. δέκατον **σεμίδαλεως** πεφυραμένης (1)  
 Le. 2. 1. **σεμίδαλις** ἔσται τὸ δῶρον αὐ. (1)  
 — 2. δραξάμενος . . . ἀπὸ τῆς σ. (1)  
 — 4. δῶρον κυρίῳ ἐκ **σεμίδαλεως** (1)  
 — 5. **σεμίδαλις** πεφυραμένη ἐν ἐλαίῳ (1)  
 — 7. B<sup>1</sup> B **σεμίδαλις** [A B<sup>1</sup> om.] ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (1)  
 5. 11. οἶσει . . . τὸ δέκατον τοῦ οἴφι **σεμίδαλεως** [A -λιν] (1)  
 — 13. ὡς ἡ θυσία τῆς σ. —  
 6. 15 (8). ἀφελεῖ . . . ἀπὸ τῆς σ. τῆς θυσίας (1)  
 — 20 (13). B τὸ δέκατον τοῦ οἴφι **σεμίδαλεως** (1)  
 7. 2 (12). ἄρτους ἐκ **σεμίδαλιος** ἀναπεποιημένους +  
 — 2 (12). A<sup>2</sup> B καὶ **σεμίδαλιν** πεφυραμένην ἐν ἐλαίῳ (1)  
 9. 4. καὶ σ. πεφυραμένην ἐν ἐλαίῳ +  
 14. 10. λήψεται . . . τρία δέκατα **σεμίδαλεως** (1)  
 — 21. λήψεται . . . δέκατον **σεμίδαλεως** (1)  
 23. 13. δύο δέκατα **σεμίδαλεως** ἀναπεποιημένης (1)  
 — 17. ἐκ δύο δέκατων **σεμίδαλεως** ἔσονται (1)  
 24. 5. λήψατε **σεμίδαλιν** (1)  
 Nu. 6. 15. καὶ κανὼν ἀζύμων **σεμίδαλεως** ἄρτους (1)  
 7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79. ἀμφότερα πλήρη **σεμίδαλεως** (1)  
 8. 8. B καὶ τούτου θυσίαν **σεμίδαλεως** [A B -λιν] (1)  
 15. 4. προσοίσει . . . θυσίαν **σεμίδαλεως** (1)  
 — 6. ποιήσεις θυσίαν **σεμίδαλεως** (1)  
 — 9. προσοίσει . . . θυσίαν **σεμίδαλεως** (1)  
 28. 5. ποιήσεις τὸ δέκατον τοῦ οἴφι **σεμίδαλιν** (1)  
 — 9. καὶ δύο δέκατα **σεμίδαλεως** (1)  
 — 12. τρία δέκατα **σεμίδαλεως** (1)  
 — 12. καὶ δύο δέκατα **σεμίδαλεως** (1)  
 — 13. δέκατον **σεμίδαλεως** ἀναπεποιημένης (1)  
 — 20. καὶ θυσία αὐ. σ. ἀναπεποιημένη (1)  
 — 28: 29. 3, 9. ἡ θυσία αὐ. σ. ἀναπεποιημένη (1)  
 29. 14. αἱ θυσίαι αὐ. σ. ἀναπεποιημένης (1)  
 I Ki. 1. 24. ἀνέβη . . . ἐν . . . ἄρτοις καὶ οἴφι **σεμίδαλεως** (2)  
 III Ki. 3. 1 (cf. 4. 22 [5. 2]). B τριάκοντα κόροι **σεμίδαλεως** (1)  
 4. 22 (5. 2). τριάκοντα κόροι **σεμίδαλεως** (1)  
 IV Ki. 7. 1. μέτρον **σεμίδαλεως** σίκλου (1)  
 — 16. ἐγένετο μέτρον **σεμίδαλεως** σίκλου (1)  
 — 18. μέτρον **σεμίδαλεως** σίκλου (1)  
 I Ch. 9. 29. καθεσταμένοι . . . ἐπὶ τῆς σ. 23. 29. εἰς τὴν σ. τῆς θυσίας (1)  
 Si. 32 (35). 2. ἀνταποδιδούς χάριν προσφέρων **σεμίδαλιν** (1)  
 38. 11. δὸς εὐωδίας καὶ μνημόσυνον **σεμίδαλεως** 39. 26. B B ἄλα καὶ **σεμίδαλις** πυρὸς [A B πυρὸς] (1)  
 Is. 1. 13. ἐὰν φέριγγε **σεμίδαλιν** ὡς αἶμα ζεῖον +  
 66. 3. ὁ δὲ ἀναφέρων **σεμίδαλιν** ὡς αἶμα ζεῖον (1)  
 Ez. 16. 13. **σεμίδαλιν** καὶ ἔλαιον ὡς μέλι ἔφαγες (1)  
 — 19. **σεμίδαλιν** . . . ἐψώμασά σε (1)  
 46. 14. τοῦ ἀναμίξει τὴν σ. (1)  
 Da. LXX. Bel. 2. **σεμίδαλεως** ἀρτάβαι δέκα δύο Da. TH. Bel. 3. **σεμίδαλεως** ἀρτάβαι δώδεκα  
 II Ma. 1. 8. προσηγάμεν θυσίαν καὶ **σεμίδαλιν** [Al. Ez. 45. 24.]  
**σεμμάθεξ.**  
 [Aq. Is. 47. 2.]  
**σεμνολογείν.**  
 IV Ma. 7. 9. τὴν ἀγιαστίαν **σεμνολογῶντας**

**σεμνός.** (1) 𐤌𐤍𐤕 (2) 𐤌𐤍𐤕  
Jd. 11. 35. Ἀ ἐμπροσθέντα καὶ σεμνοτάτη [B al.] +  
Pr. 6. 8. τὴν τε ἐργασίαν ὡς σεμνήν ποιεῖται —  
8. 6. σεμνὰ [B' πολλά] γὰρ ἐρῶ (1)  
15. 26. ἀγνῶν δὲ ῥήσεις σεμναί (2)  
II Ma. 6. 11. κατὰ δόξαν τῆς σεμνοτάτης ἡμέρας  
— 28. ὑπὲρ τῶν σ. καὶ ἁγίων νόμων  
8. 15. ἔνεκα τῆς ἐπ' αὐτοὺς ἐπικλήσεως τοῦ σ. . .  
νόματος αὐ.  
IV Ma. 5. 36. οὐδὲ μακίς μου τὸ σ. γήρως στόμα  
7. 15. ὦ . . . σ. πολίαι καὶ βίου νομίμου  
17. 5. οὐχ οὕτω σελήνη κατ' οὐρανὸν . . . σεμνή  
καθίστηκεν  
**σεμνότης.**  
II Ma. 8. 12. τῇ τοῦ τετιμημ. . . ἱερῷ σεμνότητι  
**σεμνός.**  
IV Ma. 1. 17. δι' ἧς τὰ θεία σ. . . μανθάνομεν  
**σενσερωθ.**  
II Ch. 3. 16. Ἀ ἐποίησε σ. [B σερω.] ἐν τῷ  
δαβείρ +  
**σεραφεῖν, σεραφεῖν (-φίμ).** (1) 𐤌𐤍𐤕  
(2) 𐤌𐤍𐤕  
Ne. 3. 31. B Μελχ. υἱὸς τοῦ σεραφεῖν [A B al.] (1)  
Is. 6. 2. σ. ἐστήκεισαν κύκλῳ αὐτοῦ (2)  
— 6. ἀπεστάλη πρὸς με ἐν τῶν σ. [B' al.] (2)  
[Sm. Is. 6. 2.]  
**σερσερωθ.** (1) 𐤌𐤍𐤕𐤌𐤍𐤕  
II Ch. 3. 16. ἐποίησε σ. [A σερω.] ἐν τῷ δαβείρ (1)  
**σεττίμ.**  
[Aq. Dt. 10. 3.]  
**σευτλίων.**  
Is. 51. 20. οἱ καθεύδοντες ἐν' ἄκρῳ πάσης ἐξό-  
δου ὡς σ. ἡμίεθον +  
**σεφηλά.** (1) 𐤌𐤍𐤕𐤌𐤍𐤕  
II Ch. 26. 10. κτήνη πολλὰ ὑπῆρχον αὐτῷ ἐν σ. (1)  
Ob. 1. 19. καὶ οἱ ἐν τῇ σ. τοὺς ἀλλοφύλους (1)  
Je. 39 (32). 44 : 40 (38). 13 (38). ἐν πόλεσι τῆς σ. (1)  
I Ma. 12. 38. ψυχοδύμωσεν τὴν Ἀ. ἐν τῇ σ. [B' σ. πε-  
δυν]  
[Aq. Je. 17. 26.]  
**σεωρίμ.**  
[Heb. Ho. 3. 2 bē.]  
**σηεῖμ.**  
[Th. Is. 23. 13.]  
**σήθ.**  
[Al. Le. 13. 10, 19 : 14. 56.]  
**σηκός.**  
II Ma. 14. 33. τόνδε τὸν τοῦ θεοῦ σ. εἰς πεδῖον  
ποιήσω  
**σηκωμα.**  
[Th. Is. 28. 17.]  
**σημαία (-μεία).** (1) 𐤌𐤍𐤕 (2) 𐤌𐤍𐤕  
Nu. 2. 2. κατὰ σημαίας [A τὰς σ.] κατ' οἴκους  
πατριῶν αὐ.  
Is. 30. 17. ὡς σημαίαν φέρων ἐπὶ βουνοῦ (2)  
**σημαίνειν.** (1) 𐤌𐤍𐤕 hi. (2) a. 𐤌𐤍𐤕 hi.  
δ. 𐤌𐤍𐤕 aph. (3) 𐤌𐤍𐤕 (4) 𐤌𐤍𐤕 hi.  
(5) 𐤌𐤍𐤕 hi. (6) 𐤌𐤍𐤕  
Ex. 18. 20. σημανεῖς αὐτοὺς τὰς ὁδοὺς (2 a)  
Nu. 10. 9. σημανεῖτε [A σαλπικίτε] ταῖς σάλ-  
πικί (5)  
Jo. 6. 7 (8). σημανέντων εὐτόνως (6)  
Jd. 7. 21. αἱ ἐσημαναν (5)  
II Ch. 13. 12. αἱ σάλπιγγες τῆς σημασίας τοῦ  
σημαινέντου ἐφ' ἡμᾶς (5)  
I Es. 2. 4. ἐσημνή μοι οικοδομήσαι αὐτῷ  
8. 49. πάντων ἐσημνήθη [A ὀνομάσθη] ἡ ὀνοματο-  
γραφία  
II Es. 3. 11. B πᾶς ὁ λαὸς ἐσημνίον φωνὴν  
μεγάλην [A B al.] (5)  
Ne. 8. 15. B' ὅπως σημαινῶσι [A B' B-μάν.]  
σάλπιγγιν +

Es. 2. 22. καὶ ἐσημνίον ἔσθην (4)  
8. 13. προστετάχαμεν οὐκ οὐκ σημαινόμενος ὑμῖν  
Jb. 39. 24. ἔως ἀν σημῶν [A -νεί] σάλπιγγι +  
— 25. σάλπιγγος δὲ σημαινόνσης —  
Pr. 6. 13. σημαινὶ δὲ ποδὶ — (8)  
Ca. 2. 9. B ἡ νύμφη . . . σημαινόνσα αὐταῖς τὸν  
νυμφίον —  
5. 10. B ἡ νύμφη σημαινὶ τὸν ἀδελφιδόν  
Za. 10. 8. σημανῶ αὐτοῖς +  
Je. 4. 5. σημανάτε ἐπὶ τῆς γῆς σάλπιγγι (6)  
6. 1. ἐν [A ἐκ] θεοῦ σημανάτε σάλπιγγι (6)  
Ez. 33. 3. καὶ σημῶν τῷ λαῷ (1)  
— 6. καὶ μὴ σημῶν [A add. τῷ λαῷ] τῇ σάλπ. (6)  
Da. LXX. 2. 15. τότε τὸ πρῶταγμα ἐσημνεν (2 b)  
— 23. ἐσημανῶ μοι ὅσα ἡζίασα (2 b)  
— 30. ἐσημνήθη μοι ἡ ἐπέλαβες (2 b)  
— 45. ἐσημνῶ τὰ βασιλεῖς τὰ ἐσόμενα (2 b)  
II Ma. 2. 1. A' B' ὡς σεσημανται  
11. 17. ἡξίουν περὶ τῶν δὲ αὐτοῦ σημαινόμενων  
[Sm. Ps. 46 (47). 2 : 97 (98). 4 : 99 (100). 1.]  
[Al. Nu. 10. 10 : Ps. 65 (66). 1 : 94 (95). 2 : Is.  
42. 13.]  
**σημανίζεν (?)**  
Jb. 39. 24. A' ἔως ἀν σημανεῖ [B B -άνη] σάλπιγγι +  
**σημασία.** (1) 𐤌𐤍𐤕 (2) a. 𐤌𐤍𐤕 δ. 𐤌𐤍𐤕  
(3) 𐤌𐤍𐤕 (4) ἀφάσεως σ. 𐤌𐤍𐤕  
Le. 13. 2. οὐλὴ σημασίας [A -α] τῆς λαυγῆς (2 a)  
— 6. σημασία γὰρ ἐστίν (2 b)  
— 7. ἐάν δὲ μεταβαλοῦσα μεταπίσῃ ἡ σ. (2 b)  
— 8. μετέπεισεν ἡ σ. ἐν τῷ δέρματι (2 b)  
14. 56. οὗτος ὁ νόμος . . . σημασίας (2 a)  
25. 10. ἐναυτὸς ἀφάσεως σ. αὕτη ἐστὶ ὑμῖν (4)  
— 11. ἀφάσεως σημασία [B' -ας] αὕτη (4)  
— 12. ἀφάσεως σημασία ἐστίν (4)  
— 13. τῆς ἀφάσεως σημασίας αὕτης ἐπανελεύσεται (4)  
— 15. B μετὰ τὴν σ. κτήση (1)  
Nu. 10. 5. σαλπικίτες σημασίαν (3)  
— 6. σαλπικίτες σ. δευτέραν (3)  
— 6. σαλπικίτες σ. τρίτην —  
— 6. σαλπικίτες σ. τετάρτην —  
— 6. σημασίαν σαλπικίουσιν ἐν τῇ ἐξάρσει αὐ. (8)  
— 7. σαλπικίτες καὶ οὐ σημασία +  
29. 1. ἡμέρα σημασίας ἔσται ὑμῖν (3)  
31. 6. καὶ αἱ σάλπιγγες τῶν σ. (3)  
I Ch. 15. 28. ἀνάγοντες τὴν κιθάρην . . . ἐν ση-  
μασίᾳ (3)  
II Ch. 13. 12. μεθ' ἡμῶν . . . αἱ σάλπιγγες τῆς σ. (3)  
II Es. 3. 12. καὶ ὄχλος ἐν σημασίᾳ μετ' εὐφρο-  
σύνης (8)  
— 13. ἐπιγινώσκων φωνὴν σημασίας τῆς εὐ-  
φροσύνης (8)  
I Ma. 4. 40. A B ἐσάλπισαν ταῖς σάλπιγγι τῶν σ.  
[B σημαινῶν]  
7. 45. ἐσάλπισαν . . . ταῖς σάλπιγγι τῶν σ.  
[Aq. Ps. 32 (33). 3.]  
[Sm. Nu. 28. 21 : Jb. 8. 21 : Ps. 26 (27). 6 :  
32 (33). 3 : 88 (89). 16 : 160. 5.]  
**σημείον.** (1) a. 𐤌𐤍𐤕 δ. 𐤌𐤍𐤕 (2) 𐤌𐤍𐤕  
(3) 𐤌𐤍𐤕 (4) 𐤌𐤍𐤕 (5) 𐤌𐤍𐤕 (6) 𐤌𐤍𐤕  
(7) 𐤌𐤍𐤕 (8) 𐤌𐤍𐤕  
Ge. 1. 14. ἔστωσαν εἰς σημεῖα (1 a)  
4. 15. ἔθετο κ. ὁ θεὸς σημεῖον τῷ K. (1 a)  
9. 12. τοῦτο τὸ σ. τῆς διαθήκης (1 a)  
— 13. ἔσται εἰς σημεῖον διαθήκης (1 a)  
— 17. τοῦτο τὸ σ. τῆς διαθήκης (1 a)  
17. 11. ἔσται ἐν σημεῖῳ διαθήκης (1 a)  
Ex. 3. 12. τοῦτό σοι τὸ σ. (1 a)  
4. 8. μηδὲ ἰσχυροῦσαι τῆς φωνῆς τοῦ σ. τοῦ  
πρώτου (1 a)  
— 8. πιστεῦσαι σοὶ τῆς φωνῆς τοῦ σ. τοῦ  
ἐσχάτου (1 a)  
— 9. ἐάν μὴ πιστεῦσαι σοὶ τοῖς δυοῖ σ. τ. (1 a)  
— 17. ἐν ᾧ ποιῶσιν ἐν αὐτῇ τὰ σ. (1 a)  
— 28. A καὶ πάντα τὰ σ. [B ῥήματα] (1 a)  
— 30. ἐποίησε τὰ σ. ἐναντίον τοῦ λαοῦ (1 a)  
7. 3. πληθυνῶ τὰ σ. μου [A om.] (1 a)  
— 9. δότε ἡμῖν σημεῖον (3)  
8. 23 (19). A ἔσται τὸ σ. [B om. τὸ σ.] τοῦτο  
ἐπὶ τῆς γῆς (1 a)  
10. 1. ἵνα ἐξῆς ἐπέλθῃ τὰ σ. [A add. μου] (1 a)  
— 2. καὶ τὰ σ. μου ἂ ἐποίησα ἐν αὐτοῖς (1 a)

Ex. 11. 9. ἵνα πληθύνω πληθύνω μου τὰ σ. (3)  
— 10. ἐποίησαν πάντα τὰ σ. [A' al.] (3)  
12. 13. ἔσται τὸ αἷμα ὑμῖν ἐν σημεῖῳ (1 a)  
— 18. 9. ἔσται σοὶ σημεῖον ἐπὶ τῆς χειρὸς σου (1 a)  
— 16. ἔσται εἰς σημεῖον ἐπὶ τῆς χειρὸς σου (1 a)  
81. 13. σημεῖον ἐστὶ παρ' ἐμοί (1 a)  
— 17. σημεῖον ἐστὶν ἐν ἐμοὶ αἰώνιον (1 a)  
Nu. 14. 11. ἔως τίνος οὐ πιστεύουσιν μοι ἐν πᾶσι  
τοῖς σ. [A θαυμασίαις] (1 a)  
— 22. οἱ ὀρώντες τὴν δόξαν μου καὶ τὰ σ. (1 a)  
18. 38 (17. 3). ἐγένοντο εἰς σημεῖον (1 a)  
17. 10 (25). σημεῖον [A εἰς σ.] τοῖς υἱοῖς τῶν  
ἀνηκόντων (1 a)  
21. 8. θεὸς αὐτὸν ἐπὶ σημεῖου (5)  
— 9. ἔστησεν αὐτὸν ἐπὶ σημεῖου (5)  
26. 10. ἐγενήθησαν ἐν σημεῖῳ (5)  
De. 4. 34. λαβεῖν ἐαυτῷ ἔθνος . . . ἐν σημεῖοις (1 a)  
6. 8. ἀφάψει αὐτὰ εἰς σημεῖον (1 a)  
— 22. ἔθηκε κύριος σημεῖα (1 a)  
7. 19. μνηστῆς . . . τὰ σ. (1 a)  
11. 3. οὐδὲ ἰδοσαν . . . τὰ σ. αὐ. (1 a)  
— 18. ἀφάψει αὐτὰ εἰς σημεῖον (1 a)  
13. 1 (2). καὶ δὴ σοὶ σημεῖον ἡ τέρας (1 a)  
— 2 (3). καὶ ἔλθῃ τὸ σ. ἡ τὸ τέρας (1 a)  
26. 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν σημεῖοις (1 a)  
28. 46. ἔσται ἐν σοὶ σημεῖα (1 a)  
29. 3 (2). τὰ σ. καὶ τὰ τέρατα τὰ μεγάλα  
ἐκείνα (1 a)  
34. 11. ἐν πᾶσι τοῖς σ. καὶ τέρασιν (1 a)  
Jo. 2. 18. θῆσεις τὸ σ. (8 ?)  
4. 6. ἵνα ὑπάρχωσιν ὑμῖν οὗτοι εἰς σ. κείμενον  
διὰ παντός (1 a)  
24. 5. A ἐπάταξεν τὴν Αἴγυ. ἐν σημεῖοις [B al.] —  
Jd. 8. 17. A ποιήσεις μοι σημεῖον [B al.] (1 a)  
20. 38. σημεῖον ἦν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [A al.] (2)  
I Ki. 2. 34. καὶ τοῦτό σοι τὸ σ. (1 a)  
10. 1. καὶ τοῦτό σοι τὸ σ. —  
— 7. ὅταν ἤξει τὰ σ. ταῦτα ἐπὶ σέ (1 a)  
— 9. καὶ ἤλθε πάντα τὰ σ. (1 a)  
14. 10. τοῦτο ἡμῖν τὸ σ. (1 a)  
IV Ki. 19. 29. τοῦτό σοι τὸ σ. (1 a)  
20. 8. τί τὸ σ. (1 a)  
— 9. τοῦτο τὸ σ. παρὰ κυρίῳ (1 a)  
II Ch. 32. 24. σημεῖον ἔδωκεν αὐτῷ (8)  
Ne. 9. 10. καὶ ἔδωκεν σημεῖα (1 a)  
To. 5. 2. B σί σημεῖον δῶ αὐτῷ  
Es. 4. 17. B B δεδελύσσομαι τὸ σ. τῆς ὑπερηφανίας  
μου  
10. 3. ἐποίησεν ὁ θεὸς τὰ σ.  
Jb. 21. 29. τὰ σ. αὐτῶν οὐκ ἀπαλλοτριώσεται  
[B -ται, A -ωθήσεται] (1 a)  
Ps. 64 (65). 8. φοβηθήσονται . . . ἀπὸ τῶν σ.  
σου (1 a)  
78 (74). 4. B' B B ἔθεντο τὰ σ. αὐτῶν σημεῖα  
(1 a, 1 a)  
— 9. τὰ σ. ἡμῶν οὐκ εἶδομεν (1 a)  
77 (78). 43. ὡς ἔθετο ἐν Αἰγύπτῳ τὰ σ. αὐτοῦ (1 a)  
85 (86). 17. ποιήσω μετ' ἐμοῦ σημεῖον (1 a)  
104 (105). 27. τοὺς λόγους τῶν σ. αὐτοῦ (1 a)  
134 (135). 9. ἐξαπέστειλε σημεῖα καὶ τέρατα  
(1 a)  
Wi. 5. 11. οὐχ εὐρήθη σημεῖον ἐπιβάσεως  
— 13. ἀρετῆς μὲν σημεῖον οὐδὲν ἔσχομεν δεῖξαι  
8. 8. σημεῖα καὶ τέρατα προγινώσκει  
10. 16. φοβεροὶς ἐν τέρασιν καὶ σημεῖοις  
Si. 33 (38). 6. ἐγκαίνισον σημεῖα  
42. 19. ἐνέβλεψεν εἰς σημεῖον αἰῶνος  
43. 6. ἀνάδειξιν χρόνων καὶ σημεῖον αἰῶνος  
— 7. ἀπὸ σελήνης σημεῖον ἑορτῆς  
45. 3. ἐν λόγοις αὐτοῦ σημεῖα κατέπασσεν  
Jl. 2. 30 (31). B' δῶσω τέρατα . . . καὶ σημεῖα  
[A B' al.] —  
Is. 7. 11. αἰτῆσαι σεαυτῷ σ. (1 a)  
— 14. δώσει κύριος αὐτοῖς [A' -οῖς] ὑμῖν σ. (1 a)  
8. 18. ἔσται [A B add. εἰς] σημεῖα καὶ τέρατα (1 a)  
11. 2. ἀρεῖ σ. εἰς τὰ ἔθνη (5)  
13. 12. ἐπ' ὅρους πεδινῶν ἀρατε σ. (5)  
18. 3. ἡ χώρα αὐτῶν ὥσπερ [B' ὡς εἰς] σ. ἀπὸ  
θρόνου ἀρθῇ (5)  
19. 20. ἔσται εἰς σ. εἰς τὸν αἰῶνα κυρίῳ (1 a)  
20. 3. ἔσται εἰς [A B om.] σημεῖα [B' -ον] (1 a)  
33. 23. οὐκ ἀρεῖ σ. (5)  
37. 30. τοῦτο δέ σοι τὸ σ. (1 a)  
38. 7. τοῦτο δέ σοι τὸ σ. παρὰ κυρίῳ (1 a)  
— 22. τοῦτο σ. πρὸς Ἐξ. [A B τοῦτο τὸ σ.] (1 a)  
44. 25. τίς ἕτερος διασκεδάσει σημεῖα ἐγγα-  
στριμύθων (1 a)

|  |  |   |
|--|--|---|
| Is. 55. 13. ἔσται κ. εἰς δνομα καὶ εἰς σ. αἰώνιον (1 α)  | Ge. 35. 20. Δ ἔως τῆς σ. ἡμέρας [B al.] (2 α)                                  | De. 30. 15. δίδωκα πρὸ προσώπου σου σ. τὴν (1 α)              |
| 86. 19. καταλείψω ἐπ' αὐτῶν σ. [A B <sup>3</sup> -a] (1 α)   | 40. 7. τί ἐστι τὰ πρόσωπα ὑμῶν σκευροπὰ σ. (1 α)                               | — 16. ἀς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)                          |
| Je. 6. 1. ὑπὲρ B. ἄρατε σ. (4)   | 41. 9. τὴν ἁμαρτίαν μου ἀναμνήσκω σ. (1 α)                                     | — 18. ἀναγγέλλω σοι σ. (1 α)                                  |
| 10. 2. ἀπὸ τῶν σ. [B <sup>1</sup> θρηίων] τοῦ οὐρανοῦ μὴ (1 α)   | — 41. καθίστημι σε σ. ἐπὶ πάσης γῆς Aty. (1 α)                                 | — 19. διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 α)                             |
| φοβεῖσθε (1 α)   | 42. 13. ὁ νεώτερος μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν σ. (1 α)                               | 31. 2. ἐκατὸν καὶ ἑκοσι ἑτῶν ἐγὼ εἰμι σ. (1 α)                |
| 28 (51). 12. ἐπὶ τειχεῶν Βαβυλῶνος ἄρατε σ. (5)  | — 32. ὁ δὲ μικρότερος μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν σ. (1 α)                            | — 21. ὅσα ποιοῦσιν ὧδε σ. (1 α)                               |
| — 27. ἄρατε σ. ἐπὶ τῆς γῆς (5)   | 47. 23. κέκτημαι ὑμᾶς . . . σ. τῷ Φ. (1 α)                                     | — 27. ἔτι γὰρ ἐμοῦ ζῶντος μεθ' ὑμῶν σ. (1 α)                  |
| 31 (48). 9. δότε σημεῖα [Δ -ον] τῇ Μωάβ †  | 50. 20. ὅπως ἐν γεννηθῇ ὡς σ. (3 β)  | 32. 46. οὗς ἐγὼ διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 α)                   |
| 39 (32). 20. δε [Δ ὅσα] ἐποίησας σημεῖα (1 α)  | Ex. 2. 18. διὰ τὴν ἐταχυνάτε τοῦ παραγενέσθαι σ. (1 α)                         | Jo. 4. 9. εἰσὶν ἐκεῖ ἔως τῆς σ. ἡμέρας (2 β)                  |
| — 21. ἐν σημείοις καὶ ἐν τέρασιν (1 α)   | 5. 7. Α καὶ τὸ τῆς σ. — (4)  | 5. 8 (9). ἐν τῇ σ. ἡμέρᾳ ἀφείλον (6)                          |
| 51 (44). 29. τοῦτο ὑμῖν τὸ σημεῖον (1 α)   | — 14. καὶ τὸ τῆς σ. — (4)  | 6. 24 (25). ἔως τῆς σ. ἡμέρας (2 β)                           |
| Ba. 2. 11. ἐν σημείοις καὶ ἐν τέρασιν (1 α)  | 18. 4. ἐν γὰρ τῇ σ. ὑμεῖς ἐκπορεύεσθε (6 α)                                    | 7. 19. δὸς δόξαν σ. τῷ κυρίῳ θεῷ Ἰσρ. — (9)                   |
| Ep. Je. 67. σημεῖα τε ἐν ἔδνεσιν (1 α)   | 14. 13. ἦν ποιήσει ἡμῖν σ. (1 α)   | — 25. καθὰ καὶ σ. — (9)                                       |
| — 4. δὸς σ. ἐπὶ τὰ μέτωπα (7)  | — 13. ὅν τρόπον γὰρ ἐωράκατε τοὺς Aty. σ. (1 α)                                | 9. 27. 10. 27. ἔως τῆς σ. ἡμέρας (2 β)                        |
| — 6. ἐφ' οὗς ἐστι τὸ σ. (7)  | 16. 25. φάγετε σ. (1 α)  | 18. 13. ἔως τῆς σ. ἡμέρας [A al.] (2 β)                       |
| 20. 12. τοῦ εἶναι εἰς σ. (1 α)   | — 25. ἐστι γὰρ σβέβαστα σ. τῷ κυρίῳ (1 α)                                      | 14. 10. ἰδοὺ ἐγὼ σ. ὀδοῦν καὶ πέντε ἑτῶν (1 α)                |
| — 20. ἔστω εἰς σ. (1 α)  | 19. 10. θνήσκον αὐτοὺς σ. καὶ ἄβριον (1 α)                                     | — 11. ἔτι εἰμι σ. ἰσχυρῶν (1 α)                               |
| 39. 15. οἰκοδομήσει παρ' αὐτὸ σ. (8)   | 32. 29. ἐπληρώσατε τὰς χ. ὑμῶν σ. κυρίῳ (1 α)                                  | — 14. Α ἔως τῆς σ. ἡμέρας [B al.] (2 β)                       |
| Da. LXX. 3. 32 (99). τὰ σ. . . ἥρπεν ἐναντίον (1 β)  | Ex. 9. 4. σ. κύριος ὀφθίσσεται ἐν ὑμῖν (1 α)                                   | 22. 3. ἔως τῆς σ. ἡμέρας (2 β)                                |
| μου ἀναγγεῖλαι ὑμῖν (1 β)  | 10. 19. εἰ σ. προσαγγόχασι τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐ. (1 α)                      | — 16. ἀποστραφῆναι σ. ἀπὸ κυρίου (1 α)                        |
| 4. 34. ποιῇ σημεῖα καὶ τέρατα — (1 α)  | — 19. καὶ φάγομαι τὰ περὶ τῆς ἁμαρτίας σ. (1 α)                                | — 18. ἀπεστράφητε σ. ἀπὸ κυρίου (1 α)                         |
| — 34. καὶ ποιῇ σημεῖα (2 β)  | Nu. 22. 30. ἔως τῆς σ. ἡμέρας [A al.] (2 β)                                    | — 18. ἐὰν ἀποστήτε σ. [A om.] ἀπὸ κυρίου (1 α)                |
| 5. 10. ἐκάλεισεν τὴν βασιλίσσαν περὶ τοῦτου σ. — (1 β)   | De. 1. 10. ἰδοὺ ἐστε σ. ὡσεὶ τὰ ἄστρα (1 α)                                    | — 29. B ἐν ταῖς σ. ἡμέραις [A B τῇ σ. ἡ.] (10 [6])            |
| Da. TH. 3. 32 (99). τὰ σ. καὶ τὰ τέρατα (1 β)  | — 39. ὅστις οὐκ οἶδε σ. ἄγαθὸν ἢ κακόν (1 α)                                   | — 31. σ. ἐγνώκαμεν (1 α)                                      |
| 6. 27 (28). ποιῇ σημεῖα καὶ τέρατα (1 β)   | 2. 18. παραπορεύσθαι σ. τὰ ὅρια M. (1 α)                                       | 24. 15. ἐκλέξασθε ὑμῖν αὐτοῖς σ. (1 α)                        |
| I Ma. 4. 40. B ἰσάλασαν ταῖς σάλπιγγι τῶν σ. [A B -μυσίων] (1 α)   | 4. 1. ὅσα ἐγὼ διδάσκω ὑμᾶς σ. ποιεῖν (1 α)                                     | — 27. ὅ τὴν ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς σ. — (1 α)                      |
| II Ma. 6. 13. μεγάλης ἐνεργεσίας σημείων ἐστὶν (1 α)   | — 2. B <sup>2</sup> δ' ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. [A B <sup>1</sup> B om.] — (1 α) | — 30. ἔως τῆς σ. ἡμέρας — (1 α)                               |
| 15. 35. καὶ φανερὸν τῆς τοῦ κ. βοηθείας σ. (1 α)   | — 2. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (5 α)  | jd. 6. 17. ποιήσεις μοι σ. πᾶν [A al.] † (1 α)                |
| III Ma. 6. 32. χοροὺς συνίσταντο εὐφροσύνης εἰρη- (1 α)  | — 4. ἔζητε πάντες ἐν τῇ σ. (1 α)   | 9. 18. ὑμεῖς ἐπανάστητε . . . σ. (1 α)                        |
| νικῆς σημείων (1 α)  | — 8. ἐν ἐγὼ δίδωμι . . . σ. (1 α)  | 11. 27. κρίναι κύριος ὁ κρίνων σ. (1 α)                       |
| [Aq. Jo. 2. 12: Ps. 73 (74). 4 bis, 9: Is. 7. 11, 14: 8. 18: 80. 17: Je. 6. 1.] (1 α)                      | — 26. διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 α)  | 19. 9. Α κατὰ λυσον ὧδε ἐστὶ σ. [B al.] (1 α)                 |
| [Sm. Jo. 2. 12: Ps. 59 (60). 6: 73 (74). 4, 9: 77 (78). 43: Is. 7. 11, 14: 8. 18: 38. 22: Ez. 9. 4.] (1 α) | — 38. καθὼς ἔχει σ. (7)  | 21. 3. τοῦ ἐπισκεπῆναι σ. ἀπὸ Ἰσρ. φυλὴν μίαν (1 α)           |
| [Th. Jo. 2. 12: Ps. 73 (74). 4 bis, 9: Is. 7. 11: 8. 18: 80. 17:] (1 α)                                    | — 39. καὶ γνώση σ. (1 α)   | — 6. ἐξεκόπη σ. φυλὴ μία ἀπὸ Ἰσρ. (1 α)                       |
| [Al. Ex. 13. 20.] (1 α)  | — 40. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   | Ru. 2. 19. πού συνέλεξας σ. (1 α)                             |
| σημειοσκοπεῖσθαι. (1 α)  | 5. 3. ὑμεῖς ὧδε πάντες ζῶντες σ. (1 α)   | — 19. μεθ' οὗ ἐποίησα σ. (1 α)                                |
| [Sm. Dt. 18. 10: Mt. 5. 12 (11).] (1 α)  | 6. 2. ἀς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. — (1 α)   | 3. 18. ἔως ἀν τελέσῃ τὸ ῥῆμα σ. (1 α)                         |
| σημειοσκοπός. (1 α)  | — 6. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   | 4. 9, 10. μάρτυρες ὑμεῖς σ. (1 α)                             |
| [Al. I Ki. 28. 3, 9.] (1 α)  | — 24. ἵνα ζώμεν ὡς περ καὶ σ. (8)  | — 14. δε οὐ κατέλυσαι σοι σ. τὸν ἀγχιωτία (1 α)               |
| σημειοῦν. (1) N <sup>1</sup> (1 α)   | 7. 9. B <sup>1</sup> καὶ γνώσεσθε σ. [A B <sup>2</sup> B al.] (1 α)            | I Ki. 4. 3. κατὰ τί ἐπατασεν ἡμᾶς κ. σ. (1 α)                 |
| Ps. 4. 6. ἐσημειώθη ἐφ' ἡμᾶς τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου (1 α)   | — 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. ποιεῖν (1 α)                                   | — 8 (7). ἐξέλου ἡμᾶς, κυρίες, σ. — (1 α)                      |
| [Lq. Ps. 59 (60). 6: Ez. 9. 4.] (1 α)  | 8. 1. ἀς ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 α)  | — 16. πέφευγα ἐκ τῆς παρατάξεως σ. (1 α)                      |
| [Sm. Ez. 9. 4.] (1 α)  | — 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)  | 9. 12. θυσιά σ. τῷ λαφ' ἐν B. (1 α)                           |
| [Th. Is. 59. 19: Ez. 9. 4.] (1 α)  | — 18. ἵνα στήσῃ τὴν διαθήκην . . . ὡς σ. (3 β)                                 | — 19. φάγε μετ' ἐμοῦ σ. (1 α)                                 |
| σημειώσεις. (1) D <sup>1</sup> (1 α)   | — 19. διαμαρτύρομαι ὑμῖν σ. (1 α)  | — 20. περὶ τῶν ὄντων σου τῶν ἀπολλωλινῶν σ. (1 α)             |
| Ps. 59 (60). 4. ἔδωκα τοῖς φοβουμένοις σε ση- (1 α)  | 9. 1. διαβαίνεις σ. τὸν Ἰσρδ. (1 α)  | — 27. στήθι ὡς σ. (3 α)                                       |
| μειώσεις (1 α)   | — 3. καὶ γνώση σ. (1 α)  | 10. 2. ὡς ἀν ἀπέλθῃς σ. ἀπ' ἐμοῦ (1 α)                        |
| σήμεραν. (1) α. D <sup>1</sup> η δ. D <sup>1</sup> ηη c. η <sup>1</sup> η D <sup>1</sup> ηη (1 α)          | 10. 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)  | — 19. ὑμεῖς σ. ἐξουδενηκατε τὸν θεόν (1 α)                    |
| d. D <sup>1</sup> ηη (2) ἡ σ. ἡμέρα, ἡ ἡμ. ἡ σ. (1 α)  | 11. 2. καὶ γνώσεσθε σ. (1 α)   | 11. 13. σ. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν (1 α)                      |
| α. D <sup>1</sup> ηη δ. η <sup>1</sup> ηη D <sup>1</sup> ηη (3) ὡς σ. α. D <sup>1</sup> ηη (1 α)           | — 4. ἔως τῆς σ. ἡμέρας (2 β)   | 12. 5. μάρτυς χριστὸς αὐ. σ. (1 α)                            |
| δ. η <sup>1</sup> ηη D <sup>1</sup> ηη c. D <sup>1</sup> ηηη (4) τὸ τῆς σ. (1 α)                           | — 7. ὅσα ἐποίησεν ὑμῖν σ. — (1 α)  | — 17. οὐχὶ θερισμός πυρῶν σ. (1 α)                            |
| D <sup>1</sup> ηη (5) ἐν τῇ σ. α. D <sup>1</sup> ηη δ. η <sup>1</sup> ηη D <sup>1</sup> ηη (1 α)           | — 8. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)  | 14. 28. δε φάγεται ἄρτον σ. (1 α)                             |
| (6) ἐν τῇ σ. ἡμέρᾳ D <sup>1</sup> ηη (7) καθὼς ἔχεις (1 α)   | — 13. ἀς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   | — 30. ἔφαγεν ἐσθων σ. ὁ λαός (1 α)                            |
| σ. η <sup>1</sup> ηη D <sup>1</sup> ηη (8) ὡς περ καὶ σ. η <sup>1</sup> ηη D <sup>1</sup> ηηη (1 α)        | — 22. ἀς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. ποιεῖν — (1 α)                                  | — 38. ἐν τίνι γέγονεν ἡ ἁμαρτία αὐτῇ σ. (1 α)                 |
| (9) καθὰ καὶ σ. η <sup>1</sup> ηη D <sup>1</sup> ηη (10) ἐν ταῖς (1 α)                                     | — 26. δίδωμι ἐνώπιον ὑμῶν σ. τὴν εὐλογίαν (1 α)                                | — 41. τί ἐστι οὐκ ἀπεκρίθης τῷ δούλῳ σου σ. — (1 α)           |
| σ. ἡμέραις D <sup>1</sup> ηη (11) ἡ σ. α. D <sup>1</sup> ηη (1 α)  | — 27. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 α)  | — 44. θανάτῳ ἀποθανῇ σ. — (1 α)                               |
| δ. η <sup>1</sup> ηη D <sup>1</sup> ηη (1 α)   | — 28. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 α)   | — 45. εἰ σ. θανατωθήσεται — (1 α)                             |
| Ge. 4. 14. εἰ ἐκβαλεῖς με σ. ἀπὸ προσώπου τῆς (1 α)  | — 32. ὅσας ἐγὼ δίδωμι ἐνώπιον ὑμῶν σ. (1 α)                                    | 15. 28. διέρρηξε κ. τὴν βασ. σου . . . ἐκ χειρὸς σου σ. (1 α) |
| γῆς (1 α)  | 12. 8. ἀ ἡμεῖς ποιούμεν ὧδε σ. (1 α)   | 16. 5. εὐφράνθητε μετ' ἐμοῦ σ. † (1 α)                        |
| 19. 38 (37), 39 (38). ἔως τῆς σ. ἡμέρας (2 α)  | — 11. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. — (1 α)                                       | 17. 10. ὠνεῖδισα τὴν παράταξιν Ἰσρ. σ. (1 α)                  |
| 21. 26. οὐδὲ ἐγὼ ἤκουσα ἀλλὰ σ. (1 α)  | — 14. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. — (1 α)  | — 36. ἀφελῶ σ. θνεῖδος ἐξ Ἰσρ. — (1 α)                        |
| 22. 14. ἵνα εἰπωσι σ. (1 α)  | — 32 (13. 1). δ ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. — (1 α)                                 | — 45 (46). ἦν ὠνεῖδισας σ. (1 α)                              |
| 24. 12. εὐδωσον ἐναντίον ἐμοῦ σ. (1 α)   | 13. 18 (19): 15. 5. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)                           | — 45 (46). ἀποκλείεις σε κ. σ. — (1 α)                        |
| — 42. ἐλθὼν σήμερον ἐπὶ τὴν πηγὴν (1 α)  | 19. 9. ἀς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)  | 18. 21. Α ἐν ταῖς δυοῖν ἐπιγυμνέσεις μοι σ. (1 α)             |
| 25. 31. ἀπὸδόν μοι σ. τὰ πρωτοτοκεῖά σου ἐμοῖ (1 β)  | 20. 3. ὑμεῖς πορεύεσθε σ. εἰς τὸν πόλεμον (1 α)                                | 20. 27. οὐ παραγέγονεν ὁ υἱός Ἰ. καὶ ἐχθεῖς καὶ σ. (1 α)      |
| — 33. ὁμοσῶν μοι σ. (1 β)  | 26. 3. ἀναγγέλλω σ. κ. τῷ θεῷ μου (1 α)  | 21. 2 (3). ὁ βασ. ἐντέταλται μοι ῥῆμα σ. — (1 α)              |
| 26. 33. ἔως τῆς σ. ἡμέρας (2 β)  | — 17. τὸν θεόν εἰδὼν σ. εἶναι σου θεόν (1 α)                                   | — 5 (6). ἁγιασθήσεται σ. διὰ τὰ σκευὴν μου (1 α)              |
| 30. 16. πρὸς ἐμὲ εἰσέλευσθαι σ. — (1 α)  | — 18. κύριος εἰσαὶ σ. σ. (1 α)   | 22. 15. ἡ σ. ἡργμα ἐροῦνται αὐτῷ διὰ τοῦ θ. (1 α)             |
| — 32. παρεκθάτω τὰ πρόβατά σου σ. (1 α)  | 27. 1. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι ὑμῖν σ. (1 α)                                       | 24. 11. παρῑδωκὲ σε κ. σ. εἰς χεῖράς μου (1 α)                |
| 31. 43. τί ποιῶν ταῦταις σ. (1 α)  | — 4. οὗς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   | — 12. γινώθι καὶ ἴδε σ. — (1 α)                               |
| — 46. ὁ βουνὸς οὗτος μαρτυρεῖ . . . σ. (1 α)   | — 10. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)  | — 19. ἀπήγγελλας μοι σ. (1 α)                                 |
| 35. 4. ἔως τῆς σ. ἡμέρας — (1 α)   | 28. 1. ἀς ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)  | — 19. ὡς ἀπέκλεισε κ. σ. εἰς χεῖράς σου — (1 α)               |
|  | — 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. φυλάσσειν (1 α)                                | — 20. καθὼς πεποικάς σ. (1 α)                                 |
|  | — 14. ὡν ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   | 25. 10. σ. πεπληθύνοντες εἰσὶν οἱ δούλοι (1 α)                |
|  | — 15. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   | — 32. Α δὲ ἀποκλύσασθαι με σ. [B σ. ἐν ταύτῃ B al.] (1 α)     |
|  | 29. 10 (9). ἐσθήκατε πάντες σ. ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (1 α)                 | — 33. ἡ ἀποκλύσασθαι με σ. ἐν ταύτῃ (1 α)                     |
|  | — 12 (11). ὅσα κ. ὁ θ. σου διατίθεται πρὸς σὲ σ. (1 α)                         | — 34. δε ἀπεκλύσθαι με σ. — (1 α)                             |
|  | — 15 (14). τοῖς ὧδε οὐσι μεθ' ἡμῶν σ. (1 α)                                    | 26. 8. ἀπέκλεισε κ. σ. τὸν ἐχθρόν σου (1 α)                   |
|  | — 15 (14). τοῖς ἡμῖν οὐσι μεθ' ὑμῶν ὧδε σ. (1 α)                               | — 19. ἐξέβαλον με σ. (1 α)                                    |
|  | 30. 2. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   | — 21. ἐν τῇ σ. μεματαιώμαι (5 β)                              |
|  | — 8. ὅσας ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)  | — 23. παρῑδωκὲ σε κ. σ. [A om.] εἰς χεῖράς μου (1 α)          |
|  | — 11. ἡν ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σ. (1 α)   |   |



I Ki. 26. 24. καθὼς ἐμεγαλύνθη ἡ ψυχὴ σου σ. ἐν ταύτῃ (1a)  
 27. 10. ἐπὶ τῇ τῇ ἐνέθεθα σ. (1a)  
 29. 6. ἕως τῆς σ. ἡμέρας [A. ἡ. τῆς σ.] (2b)  
 30. 13. ἡνωχλήθην ἐγὼ σ. τριταίος (1a)  
 — 25. ἐγένετο εἰς πρόσταγμα . . . ἕως τῆς σ. (11b)  
 II Ki. 3. 8. ἐποίησα σ. ἄλως μετὰ τοῦ οἴκου Σ. (1a)  
 — 8. ἐπὶ τῆς σ. ἡμέρας [B. al.] (1a)  
 — 39. ἐγὼ εἰμι συγγενὴς σ. (1a)  
 6. 8. ἕως τῆς σ. ἡμέρας [B. al.] (2b)  
 — 20. τὶ δεδούλωται σ. ὁ βασις Ἰσρ. (1a)  
 — 20. δε ἀπεκαλύφθη σ. (1a)  
 11. 12. κίθισον ἐνταῦθα καὶ γε σ. (1a)  
 14. 22. σ. ἐγὼ οὐ δούλῳ σου (1a)  
 15. 20. σ. κινήσῃ σε μεθ' ἡμῶν (1a)  
 — 20. B. σ. μετακινήσῃ σε μεθ' ἡμῶν (1a)  
 18. 3. σ. ἐπιστρέψουσὶ μοι οἶκος Ἰσρ. (1a)  
 18. 31. ἐκρίνει σοὶ κ. σ. (1a)  
 19. 5 (6). κατήσχυνας σ. τὸ πρόσωπον π. τῶν δούλων σου τῶν ἐξαιρουμένων σ. (1a, 1a)  
 — 6 (7). καὶ ἀνῆγγεilas σ. (1a)  
 — 6 (7). οὐκ ἐγνώκα σ. (1a)  
 — 6 (7). πάντες ἡμέεις σ. νεκροί (1a)  
 — 7 (8). εἰ μὴ ἐκπορεύσῃ σ. — (1a)  
 — 20 (21). ἦλθον σ. πρότερος (1a)  
 — 22 (23). γένεσθαι μοι σ. εἰς ἐπίβουλόν (1a)  
 — 22 (23). σ. οὐ δανατωθήσεται τις ἀνὴρ (1a)  
 — 22 (23). οὐκ οἶδα εἰ σ. βασιλεύω ἐγὼ (1a)  
 — 35 (36). υἱὸς ἀνδρόκοιτα ἐγὼν ἐγὼ εἰμι σ. (1a)  
 III Ki. 1. 25. κατήβη σ. (1a)  
 — 48. δε ἔδωκε σ. ἐκ τοῦ σπέρματός σου (1a)  
 — 51. ὁμοσάτω μοι σ. Σαλ. (1b)  
 2. 24. σ. θανατωθήσεται Ἀδ. (1a)  
 — 31. ἔφαρξεν σ. τὸ αἶμα — (1a)  
 5. 7 (21). εὐλογητὸς ὁ θεὸς σ. (1a)  
 8. 15. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. σ. — (1a)  
 — 28. ἡς οὐ δούλῳ σου προσεύχεται . . . σ. (1a)  
 — 56. εὐλογητὸς κύριος σ. (1a)  
 18. 15. σ. ὁφείλομαι αὐτῷ (1a)  
 — 36. ἐπακούσων μου σ. ἐν πυρὶ [A. al.] (1a)  
 21 (20). 13. διδωμι αὐτὸν σ. εἰς χεῖρας σάς (1a)  
 22. 5. ἐπερωτήσατε δὴ σ. τὸν κύριον (1b)  
 IV Ki. 2. 3. κύριος σ. λαμβάνει τὸν κύριόν σου (1a)  
 — 5. σ. λαμβάνει κύριος τὸν κύριόν σου (1a)  
 4. 23. τί θεὶ σὺ πορεύῃ πρὸς αὐτὸν σ. (1a)  
 6. 28. φάγομεθα αὐτὸν σ. (1a)  
 — 31. εἰ στήσεται ἡ κεφ. Ἐλ. ἐπ' αὐτῷ σ. (1a)  
 I Ch. 29. 5. πληρώσαι τὰς χεῖρας αὐ. σ. κυρίῳ (1a)  
 II Ch. 6. 19. τοῦ ἐπακούσαι τῆς δεήσεως . . . σ. — (1a)  
 10. 7. ἐάν ἐν τῇ σ. γένῃ εἰς ἀγαθὸν τῷ λαῷ τ. — (1b)  
 18. 4. ζήτησον δὴ σ. τὸν κύριον (1b)  
 35. 21. οὐκ ἐπὶ σὲ ἦκε σ. (1a)  
 — 25. ἐπὶ αὐτὸν . . . θρήνην ἐπὶ Ἰωσ. ἕως τῆς σ. (11a)  
 I Es. 8. 77. μέχρι τῆς σ. ἡμέρας — (1a)  
 — 89. κατελείφθημεν γὰρ ρίζα ἐν τῇ σ. (1a)  
 Ne. 1. 6. ἦν ἐγὼ προσευχόμενος ἐνώπιόν σου σ. (1a)  
 — 11. ἐνδόξουν δὴ τῷ παιδί σου σ. (1a)  
 4. 2 (3. 34). B. σ. λίσσονται τοὺς λίθους (1d)  
 5. 11. ἐπιστρέψατε δὴ αὐτοῖς ὡς σ. ἀγροῦς αὐ. (8c)  
 9. 36. ἰδοὺ ἐσμεν σ. δούλοι (1a)  
 To. 6. 10. σ. αὐλισθησόμεθα παρὰ Ῥαγ. [B. al.] (1a)  
 7. 12. B. δέδοται σοὶ ἀπὸ τῆς σ. (1a)  
 Ju. 6. 2. ἐπροφήτευσας ἐν ἡμῖν καθὼς σ. (1a)  
 7. 28. 8. 12, 18. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ σ. (1a)  
 8. 29. οὐκ ἐν τῇ σ. [B] σῃ μερίμῃ ἡ σοφία σου πρόδηλος ἐστίν (1a)  
 12. 18. A. B. ἐμεγαλύνθη τὸ ζῆν μου ἐν ἡμέρᾳ σ. (1a)  
 13. 11. καθὰ καὶ σ. ἐποίησε — (1a)  
 — 17. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ σ. (1a)  
 Es. 1. 18. οὕτως σ. αἱ τυραννίδες αἱ λοιπαὶ (1c)  
 5. 4. ἡμέρα μου ἐπιστημὸς σ. ἐστίν — (1a)  
 — 4. ἦν ποιήσω σ. (1a)  
 Ps. 2. 7. ἐγὼ σ. γεγέννηκα σε (1a)  
 94 (95). 7. σ. ἐάν τῆς φωνῆς αὐτοῦ ἀκούσῃς (1a)  
 Pr. 14. 5. ἀποδίδωμι τὰς ἐχθὰς μου (1a)  
 Si. 10. 10. βασιλεὺς σ. καλὴ [B] καὶ αὐτὸς ἀβρὼν τελευτήσῃ (1a)  
 20. 15. σ. δαυὶ καὶ ἀβρὼν ἀπαιτήσῃ [A. ἀποτίσῃ] (1a)  
 38. 22. ἐμοὶ ἐχθρὸς καὶ σοὶ σ. (1a)  
 47. 7. ἕως σ. συνένειψεν αὐτὸν κείρας (1a)  
 Is. 10. 32. παρακαλεῖτε σ. ἐν ὁδῷ τοῦ μείρας (1a)  
 37. 3. ἡμέρα θλίψεως . . . ἡ σ. ἡμέρα (2b)  
 38. 19. ἀπὸ γὰρ τῆς σ. παιδία ποιήσω (11a)  
 58. 4. ἡν γὰρ μοι ἠσπύσθη ὡς σ. (3a)  
 Je. 1. 10. καθίσταται σε σ. ἐπὶ τῇ σ. (1c)  
 — 18. τεθείκα σε ἐν τῇ σ. ἡμέρᾳ ὡς πόλιν ὀχυράν (6)

Je. 41 (34). 15. ἐπιστρέψαν σ. ποιῆσαι τὸ εὐθεῖς (1a)  
 Ba. 8. 8. ἡμέεις σ. ἐν τῇ ἀποικίᾳ ἡμῶν (2b)  
 Ez. 2. 3. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2b)  
 8. 9. A. δε οὕτως ποιούσιν ὡδε σ. [B. om.] — (2b)  
 20. 29. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2b)  
 — 31. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (2a)  
 24. 2. ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς σ. (2b)  
 Da. LXX. Su. 55. σχίσαι σου τὴν ψυχὴν σ. (3. 37). ἐσμέν ταπεινοὶ ἐν πάσῃ τῇ γῇ σ. — (40). γενέσθω ἡμῶν ἡ θυσία ἐνώπιόν σου σ. Da. TH. 3. (37). ἐσμέν ταπεινοὶ ἐν πάσῃ τῇ γῇ σ. — (40). γενέσθω θυσία ἡμῶν ἐνώπιόν σου σ. I Ma. 2. 63. σ. ἐπαρθῆσεται (1a)  
 8. 17. ἐκλελύμεθα ἀστυόντες σ. (1a)  
 4. 10. καὶ συντρίψῃ τὴν παρεμβολὴν ταύτην . . . σ. (1a)  
 5. 32. πολέμησατε σ. ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν ὑμῶν (1a)  
 6. 26. παρεμβήκασι σ. ἐπὶ τὴν ἄκραν (1a)  
 7. 42. συντρίψαν τὴν παρεμβολὴν ταύτην . . . σ. (1a)  
 9. 30. νῦν οὖν σε ῥητίζαμεθα σ. — (44). οὐ γὰρ ἐστὶ σ. ὡς ἐχθρὸς (1a)  
 10. 20. καθιστάμεν σε σ. ἀρχιερέα τοῦ ζήθους σου — (30). ἀφίμῃ ἀπὸ τῆς σ. καὶ ἐπέκεινα — (30). ἀπὸ τῆς σ. ἡμέρας καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρόνον (1a)  
 18. 39. ἕως τῆς σ. ἡμέρας (1a)  
 16. 2. ἀπὸ νεότητος ἕως τῆς σ. ἡμέρας (1a)  
 III Ma. 5. 20. τὸ τῆς σ. ὕψος χάριν ἔχειν αὐτοῦς (1a)  
 6. 13. πτηξάτω δὲ ζῆλον σὴν δύναμιν ἀνίσκρον σ. [Aq. Ex. 16. 25: 32. 29: 34. 11: Ps. 2. 7: Je. 42 (49). 19.] (1a)  
 [Sm. Ex. 16. 25: 32. 29: 34. 11: I Ki. 14. 38: 17. 10: III Ki. 8. 24: Is. 58. 19: Je. 44 (51). 2, 6.] (1a)  
 [Th. Ex. 16. 25: 32. 29: 34. 11: Je. 40 (47). 4.] (1a)  
 [Al. III Ki. 1. 51.] (1a)  
 σημῖθ. [Heb. Ma. 2. 13.] (1a)  
 σηπεδών. [Sm. Jb. 18. 28.] (1a)  
 σήπειν. (1) ἡῖρ (2) ῥῥῥ ni. Jb. 16. 8 (7). κατὰ σὸν μὴ πεποιθὲς μαρὸν σεσσηπότα + (1a)  
 19. 20. ἐν δέρματί μου ἐσάψαν αἱ σάρκες μου + (1a)  
 33. 21. ἕως ἂν σπῶσιν αὐτοῦ αἱ σάρκες (1a)  
 40. 7 (12). σῆψον δὲ ἀσβεῖς παραχρημα + (1a)  
 Ps. 37 (38). 5. ἐσάψαν αἱ μολύνες τῆς (2a)  
 Si. 14. 19. πᾶν ἔργον σηπεδόνει ἐκλείπει (1a)  
 Ep. Je. 72. ἀπὸ . . . τῆς μαρμαροῦ τῆς ἐπ' αὐτοῦς [A. -ᾶν] σηπεδόνει (1a)  
 Ez. 17. 9. οὐχὶ . . . ὁ καρπὸς σαπῆσεται + (1a)  
 [Aq. Pr. 10. 7.] (1a)  
 [Sm. Pr. 10. 7: Ec. 10. 1.] (1a)  
 σῆπη. Si. 19. 3. A. B. S. σῆπη [B. σῆπες, B. B. σῆπτες] καὶ σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτὸν [B. τὴν γῆν] (1a)  
 [Al. Jb. 17. 14: 21. 26.] (1a)  
 σῆς. (1) ὁρ (2) ὅρ (3) ὅρ Jb. 4. 19. ζῆπαιεν αὐτοῦς σῆς τρόπον (2a)  
 27. 18. ἀπὸ τῆς δὲ οἴκου αὐ. ὥστε σῆπες [A. -ός] (2a)  
 — 20. S. συνήντησαν αὐτῷ ὥστε σῆπες αἱ ὀδύναι [A. B. S. al.] + (1a)  
 32. 22. εἰ δὲ μὴ καὶ ἐμὲ σῆπες ζῶνται + (1a)  
 Pr. 14. 30. σῆς δὲ ὀδύνας καρδία ἀσθητική (8)  
 25. 20. ὥστε σῆς ἐν [A. B. om.] ἰματίῳ + (1a)  
 Si. 19. 3. B. S. σῆπες [A. B. S. σῆπη, B. σῆπες] καὶ σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτὸν [B. τὴν γῆν] + (1a)  
 42. 13. ἀπὸ γὰρ ἰματίων ἐκπορεύεται σῆς (1a)  
 Mi. 7. 4. ὡς σῆς ἐκτρώγων + (1a)  
 Is. 33. 1. ὡς σ. ἐφ' ἰματίου [B. -ῖ] + (1a)  
 50. 9. σ. [A. ὡς σ.] καταφάγεται ὑμᾶς (2a)  
 51. 8. ὡς ἔρια βρωθήσεται ὑπὸ σῆος (1a)  
 σητόβρωτος. (1) ὅρ ὅρ Jb. 18. 28. ἡ ὥστε ἰμάτιον σητόβρωτον (1a)  
 σῆψ. Si. 19. 3. B. S. σῆπες [A. B. S. σῆπη, B. S. σῆπτες] καὶ σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτὸν [B. τὴν γῆν] (1a)

σῆψις. (1) ὅρ Is. 14. 11. ὑποκάτω σου στρώσουσι σῆψιν (1a)  
 [Aq. Jb. 17. 14 (P.): Ho. 5. 12.] (1a)  
 [Sm. Ho. 5. 12.] (1a)  
 σθάνειν (σθάνειν). III Ma. 8. 8. βοηθεῖν μὴ οὐκ ἴσθενον (1a)  
 σθένος. (1) ὅρ (2) ὅρ Jb. 4. 10. σθένος λείοντος φωνῇ δὲ λαλῆς (2a)  
 16. 16 (15). τὸ δὲ σθ. μου ἐν γῇ ἐσβέσθη + (1a)  
 26. 14. σθένος δὲ βροντῆς αὐτοῦ τίς οἶδεν ὅσπερ ποιῇσιν (1a)  
 III Ma. 2. 2. θράσει καὶ σθένει πεφρυασμένον [Sm. Ps. 26 (27). 1.] (1a)  
 σιαγόγιον. (1) ὅρ De. 18. 3. δώσει τῷ I. . . τὰ σ. (1a)  
 σιαγών. (1) ὅρ (2) ὅρ Jd. 15. 14. ἦλθον ἕως σιαγόνος (1a)  
 — 15. εὔρε σιαγὸνα θύου ἐξεριμμένην (1a)  
 — 16. ἐν σιαγόνι θύου ἐξαλείψαν ἐξήλειψαν αὐτοῦς (1a)  
 — 16. ἐν τῇ σ. τοῦ [A. ἐν σ.] θύου ἐπάταξε χιλιούς ἀνδρας (1a)  
 — 17. ἐρρίψε τὴν σ. ἐκ τῆς χειρὸς αὐ. (1a)  
 — 17. ἀνίρεσις σιαγόνος (1a)  
 — 19. τὸν λάκκον τὸν ἐν τῇ σ. [A. τὸ τραῦμα τῆς σ.] (1a)  
 — 19. ἡ ἴσιν ἐν σιαγόνι [A. al.] (1a)  
 III Ki. 22. 24: II Ch. 18. 23. ἐπάταξε τὸν M. ἐπὶ τὴν σ. (1a)  
 Jb. 21. 5. χεῖρα θέντες ἐπὶ σιαγόνι [A. στόμα] (2a)  
 Ps. 31 (32). 9. ἐν χαλινῷ καὶ κνημῶν τὰς σ. αὐ. ἀγέλι + (1a)  
 Ca. 1. 10. τὶ ὠραιώθησαν σιαγόνες σου (1a)  
 5. 13. σιαγόνες αὐτοῦ ὡς φιάλαι τοῦ ἀράματος (1a)  
 Si. 32 (35). 15. οὐχὶ δάκρυα χήρας ἐπὶ σιαγὸνα [A. -όνι, B. -ας] καταβαίνει (1a)  
 Ho. 11. 4. ὡς ραπίων ἀνθρώπος ἐπὶ τὰς σ. αὐ. (1a)  
 Mi. 5. 1 (4. 14). πατάξουσιν ἐπὶ σιαγὸνα [A. -ας] τὰς φυλάς τοῦ Ἰσρ. (1a)  
 Is. 50. 6. τὰς δὲ σ. μου εἰς ραπίσματα (1a)  
 La. 1. 2. τὰ δάκρυα αὐτῆς ἐπὶ τῶν σ. αὐτῆς (1a)  
 3. 30. δώσει τῷ παῖσιν αὐτὸν σιαγὸνα (1a)  
 Ez. 29. 4. δώσω παγίδας εἰς τὰς σ. σου (1a)  
 [Aq. Dt. 34. 7: Jd. 15. 9, 19: Jb. 16. 10: Ps. 3. 8: Is. 80. 28: Mi. 5. 1 (4. 14).] (1a)  
 [Sm. Dt. 34. 7: Jd. 15. 9, 19: Ps. 3. 8: Mi. 5. 1 (4. 14).] (1a)  
 [Th. Dt. 34. 7: Jd. 15. 9, 19: Jb. 40. 21 (26): Is. 30. 28: Ez. 38. 4: Mi. 5. 1 (4. 14).] (1a)  
 σιβύνη, νιδ, σιδ, ζιβύνη. σίγα. (1) ὅρ Is. 82. 5. οὐκέτι μὴ εἴπωσιν οἱ ὑπηρέται σου, Σίγα (1a)  
 σιγάν. (1) ὅρ (2) ὅρ (3) ὅρ a. qal. δ. hi. (4) ὅρ a. qal. δ. hi. Ex. 14. 14. καὶ ὑμεῖς σιγήσατε (3b)  
 Jd. 18. 9. A. ἐνεπεριπατήσαμεν . . . ἕως σιγήσαι — (1a)  
 I Es. 3. 24. εἰσῆλθον οὕτως ἔπαυς (1a)  
 4. 12. καὶ εἰσῆλθον (1a)  
 To. 6. 1. B. εἰσῆλθον [A. B. ἐπαύσατο] κλαίουσα (1a)  
 10. 6. σίγα μὴ λόγον ἔχε (1a)  
 7. σίγα μὴ πλάνα με [B. al.] (1a)  
 Ps. 31 (32). 3. ὅτι εἰσῆλθα (3b)  
 38 (39). 2. εἰσῆλθα ἐξ ἀγαθῶν (4b)  
 49 (50). 21. ταῦτα ἐποίησας καὶ εἰσῆλθα (3b)  
 82 (83). 1. μὴ σιγήσης μηδὲ καταπαυήσης (3a)  
 106 (107). 29. εἰσῆλθον τὰ κύματα αὐτῆς (4a)  
 Ec. 3. 7. καιρὸς τοῦ σιγᾶν (4a)  
 Wi. 8. 12. σιγᾶντὰ με περιμενοῦσι (1a)  
 Si. 23. 23. πάντες εἰσῆλθον + (1a)  
 20. 7. ἀνθρώπος σοφὸς σιγήσει [B. σιωπήσει] ἕως καιροῦ (1a)  
 Am. 6. 11 (10). καὶ ἐρεῖ, Σίγα (2a)  
 La. 3. 49. οὐ σιγήσομαι [A. σιωπήσω] τοῦ μὴ εἶναι ἔκνηψιν (1a)  
 I Ma. 11. 5. καὶ εἰσῆλθον ὁ βασις. [Aq. Ps. 27 (28). 1: 36 (37). 7: 38 (39). 3: Is. 42. 14: Je. 8. 14: 50 (27). 30.] (1a)  
 [Sm. Jd. 3. 19: Jb. 33. 33: Ps. 27 (28). 1: 108 (109). 1: Is. 23. 2: Je. 8. 14: Ez. 24. 17.] (1a)  
 [Al. Jd. 18. 19.] (1a)

## σιγή.

Wi. 18. 14. ἡσύχου γὰρ σιγῆς περιεχοῦσες τὰ πάντα  
III Ma. 8. 23. βδελυσσονται λόγω τε καὶ σιγῇ τοὺς  
... διακειμένους

[Aq., Sext. Ps. 21 (22). 3.]  
[Sm. Ps. 21 (22). 3: 88 (39). 3.]  
[Th. Ps. 21 (22). 3: Is. 62. 7.]

## σιγηρός.

Pr. 18. 18. ἀντιλογίας παῖτες σιγηρός [B<sup>8</sup> κληρός] †  
Si. 26. 14. δόσεις κυρίου γυνὴ σιγηρά

## σίγχο.

[Sm. La. 1. 8 (Sw.).]

σιδήρατος, σιδήρεος, *vid.* σιδ σιδηρούς.σιδήριον. (1) *ἡρῖα*

De. 19. 5. καὶ ἐκπέσῃ τὸ σ. ἀπὸ τοῦ ξύλου (1)  
IV Ki. 6. 5. τὸ σ. ἐξέπεσον εἰς τὸ ὕδωρ (1)  
— 6. ἐπεπόλασε τὸ σ. [A -ρον] (1)  
[b. 19. 24. B ἐν γραφείῳ σιδηρίῳ [A B -ρῳ] (1)  
Ec. 10. 10. ἐὰν ἐκπέσῃ τὸ σ. (1)  
[Sm., Th. Jb. 41. 22.]

## σιδηροδέσμος.

III Ma. 4. 9. θηρίων τρόπον ἀγόμενοι σιδηροδέσμοις  
ἀνάγκαις

σιδηρον. (1) *ἡρῖα*

IV Ki. 6. 6. A ἐπεπόλασε τὸ σ. [B -ριον] (1)

σιδηρός. (1) *ἡρῖα* (2) *ἡρῖα* (3) *ἡρῖα*

(4) *ἡρῖα* (5) *ἡρῖα* (6) τέκτων σιδηρού

Ge. 4. 22. χαλκεὺς χαλκοῦ καὶ σιδήρου (1)  
Nu. 31. 22. πλὴν τοῦ χρυσοῦ ... καὶ σιδήρου (1)  
35. 16. ἐὰν δὲ ἐν σκεύει σιδήρου πατάξῃ αὐτόν (1)  
De. 8. 9. γῆ ἥς οἱ λίθοι σιδηροί (1)  
20. 19. ἐπιβαλεῖν ἐπ' αὐτὰ σιδηρον (2)  
27. 5. οὐκ ἐπιβαλεῖς ἐπ' αὐτὸ σιδηρον (1)  
83. 25. σιδηρος καὶ χαλκὸς τὸ ὑπόδημα αὐ. ἔσται (1)  
Jo. 6. 18 (19). χρυσοῦν ... ἡ σιδηρός ἀγιον (1)  
— 23 (24). πλὴν ἀργυρίου ... καὶ σιδήρου (1)  
9. 2 (8. 31). ἐφ' οὗς οὐκ ἐπεβλήθη σιδήρος (1)  
17. 16. καὶ σιδηρός τῷ Χαν. τῷ κατοικοῦντι ἐν αὐτῷ (1)  
22. 8. ἀργύριον καὶ χρυσοῦν καὶ σιδηρον [A om. (1)  
c. σ.] (1)  
Jd. 18. 5. σιδηρός ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. οὐκ ἀναβήσεται (4)  
16. 17. σιδηρός οὐκ ἀνέβη ἐπὶ τὴν κεφ. μου [A al.] (4)

I Ki. 1. 11. σιδηρός οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (4)

13. 19. B τέκτων σιδήρου οὐχ εὗρίσκειτο (4)

17. 5. πέντε χιλιάδες σίκλων χαλκοῦ καὶ σιδήρου — (1)  
— 7. ἡ λόγῃ αὐ. ἐξακοσίων σίκλων σιδήρου (1)  
II Ki. 28. 7. καὶ πλῆρες σιδήρου (1)

III Ki. 8. 51. ἐκ μέσου χωνευτηρίου σιδήρου (1)

I Ch. 22. 3. καὶ σ. πολλὸν εἰς τοὺς ἡλούς (1)

— 14. ἡτοιμάσα ... χαλκὸν καὶ σιδηρον (1)

— 16. ἐν ... χαλκῷ καὶ ἐν σιδήρῳ (1)

29. 2. ἡτοιμάσα ... σιδηρον (1)

— 7. καὶ σιδήρου ταλάνων χιλιάδας ἑκατόν (1)

II Ch. 2. 7 (6). εἰδὸτα τοῦ ποιήσαι ... ἐν τῷ σ. (1)

— 14 (13). εἰδὸτα ποιήσαι ... ἐν σιδήρῳ (1)

24. 12. ἐμυσθούτω ... χαλκεῖς σιδήρου [A om. (1)  
χ. σ.] (1)

Ju. 6. 6. τότε διελεύσεται ὁ σ. τῆς στρατίας μου (1)

9. 8. καταβαλὶν σιδήρῳ κέρας θυσιαστηρίου σου (1)

Jb. 5. 20. ἐκ χειρὸς σιδήρου λύσει σε (3)

15. 22. ἐντεταλταί [A -αται] γὰρ ἥδη εἰς (1)

χειράς σιδήρου (1)

20. 24. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς σιδήρου (1)

28. 2. σιδηρός μὲν γὰρ ἐκ γῆς γίνεται (1)

39. 22. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ἀπὸ [A om.] σιδήρου (1)

[A -ον] (1)

40. 13 (18). ἡ δὲ ῥάχις αὐτοῦ σιδηρός [A ὡς (1)  
σ.] χυτὸς (1)

41. 18 (19). ἤγεται μὲν γὰρ σιδηρον ἀχυρα (1)

Ps. 104 (105). 18. σιδηρον διηλθεν ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (1)

106 (107). 10. πεπεδημένους ἐν πτωχείᾳ καὶ (1)

σιδήρῳ (1)

Pr. 27. 17. σιδηρός σιδηρον δέξναι (1, 1)

Wi. 18. 15. ἐν τοίχῳ ἔθηκεν αὐτὸ ἀσφαλισμένους (1)

σιδήρῳ (1)

Si. 22. 15. βῶλον σιδήρου [A B<sup>1</sup> -ον] εὐκοπον (1)

ὑπενεγκύν (1)

38. 28. καταμαθάνων ἀργῷ σιδήρῳ [A B al.] (1)

39. 26. ὕδωρ πῦρ [A B<sup>1</sup> καὶ π.] καὶ σιδηρός (1)

48. 17. ὤρυξε σιδήρῳ ἀκρότομον (1)

Is. 44. 12. ὥρνευεν τέκτων σιδηρον (1)

60. 17. ἀντὶ δὲ σιδήρου οἶσθε σοὶ ἀργύριον ... (1)

ἀντὶ δὲ λίθων σιδηρον (1, 1)

Je. 6. 28. χαλκὸς καὶ σ. πάντες διεφθαρμένοι εἰσίν (1)

15. 12. εἰ γνωσθήσεται σ. (1)

Ez. 22. 18. ἀναμειγμένους πάντες χαλκῷ καὶ (1)

σιδήρῳ (1)

— 20. εἰσδέχεται ἀργυρος καὶ χαλκὸς καὶ σ. (1)

27. 12. σιδηρον καὶ κασσίτερον ... ἔδωκαν τὴν (1)

ἀγοράν σου (1)

— 19. ἐξ' Ἀσὴλ σ. εἰργασμένοι [A -ον εἰργασ- (1)

μένον] (1)

Da. LXX. 2. 33. μέρος μὲν τι σιδήρου (6)

— 35. λεπτὰ ἐγένετο ἅμα ὁ σ. καὶ τὸ δοτρακον (6)

— 40. βασιλεία τετάρτη Ἰσχυρὰ ὡς ὁ σ. ὥσπερ (6)

ὁ σ. ὁ δαμάζων πάντα καὶ ὡς ὁ σ. (6)

πάν δένδρον ἐκκόπτων (6 ter)

— 41. μέρος δὲ τι σιδήρου (6)

— 41. καθάπερ εἶδες τὸν σ. ἀναμειγμένον (6)

— 43. ὡς εἶδες τὸν σ. ἀναμειγμένον (6)

— 43. ὥσπερ οὐδὲ ὁ σ. δύναται συγκεραθῆναι (6)

— 45. συνηλόησε τὸ δοτρακον τὸν σ. (6)

Bel 25. ἀνὴλὸν τὸν δοκοντα ἀνεν σιδήρου (6)

Da. TH. 2. 35. ἐλεπτήθησαν εἰσάπαξ τὸ δοτρα- (6)

κον ὁ σ. (6)

— 40. βασιλεία τετάρτη ἔσται Ἰσχυρὰ ὡς ὁ σ. (6)

— 40. ὃν τρόπον ὁ σ. λεπτύνει ... πάντα (6)

— 41. ὃν τρόπον εἶδες τὸν σ. ἀναμειγμένον (6)

— 43. εἶδες τὸν σ. ἀναμειγμένον τῷ δοστράκῳ (6)

— 43. καθὼς ὁ σ. οὐκ ἀναμειγνύται (6)

— 45. ἐλεπτύνει τὸ δοτρακον τὸν σ. (6)

IV Ma. 14. 19. καθάπερ σιδήρῳ τῷ κέντρῳ πλήσσουνσι (1)

[Aq. Je. 15. 12 *his*: Da. 2. 41 (Sw.).] (1)

[Sm. Ps. 104 (105). 18: Jb. 15. 12 *his*: Da. 2. (1)

41 (Sw.).] (1)

[Th. Da. 2. 40.] (1)

σιδηροίς. (1) *ἡρῖα* (2) *ἡρῖα*

Le. 26. 19. θῆσθε τὸν οὐρανὸν ὑμῶν σιδηροῦν (1)

De. 3. 11. ἡ κλίνη αὐ. κλίνη σ. (1)

4. 20. ἐξήγαγεν ὑμᾶς ... ἐκ τῆς καμίνου τῆς σ. (1)

28. 23. ἔσται ... ἡ γῆ ἡ ὑποκάτω σου σιδηρὰ (1)

— 48. ἐπιθήσει κλοιὸν σ. ἐπὶ τὸν τράχηλόν σου (1)

Jd. 4. 3. ἐννακόςια ἄρματα σιδηρὰ ἦν αὐτῷ (1)

— 13. ἐννακόςια ἄρματα σ. (1)

II Ki. 12. 31. καὶ ἔθηκεν ... ἐν τοῖς τριβύλοις (1)

τοῖς σ. (1)

— 31. A B καὶ ὑποτομεῖσι σιδηροῖς (1)

III Ki. 6. 7. πᾶν σκεῦος σ. οὐκ ἠκούσθη (1)

22. 11. ἐποίησεν αὐτῷ Σεδ. νίδος X. κέρατα σ. (1)

I Ch. 20. 3. διέπρισε ... ἐν σκεπάρνοις σ. (1)

II Ch. 18. 10. ἐποίησεν αὐτῷ Σεδ. νίδος X. κέ- (1)

ρατα σ. (1)

Jb. 19. 24. ἐν γραφείῳ σιδηρῷ [B -ῳ] καὶ μολὶβδῳ (1)

Ps. 2. 9. ποιμανεῖς αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ σιδηρᾷ (1)

106 (107). 16. μοχλοῦς σ. συνέθλασεν (1)

149. 8. καὶ τοὺς ἐνδόξους αὐ. ἐν χειροπέδαις σ. (1)

Si. 22. 15. A B<sup>1</sup> βῶλον σιδηροῦν [B B<sup>2</sup> -ρον] εὐκοπον (1)

ὑπενεγκύν (1)

28. 20. ὁ γὰρ ζυγὸς αὐτῆς ζυγὸς σιδηροῦς (1)

Am. 1. 3. ἐπύριον πρίσιον σιδηροῖς τὰς ἐν γαστρὶ (1)

ἐχούσας (1)

Mi. 4. 13. τὰ κέρατά σου θήσομαι σιδηρὰ (1)

Is. 45. 2. μοχλοῦς σιδηροῦς συγκλάσῃ (1)

48. 4. νεῖρον σιδηροῦν ὁ τράχηλός σου (1)

Je. 11. 4. ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐκ καμίνου τῆς σ. (1)

35 (28). 13. ποιήσω ἀντ' αὐτῶν κλοιούς σιδηροῦς (1)

— 14. ζυγὸν σιδηροῦν ἔθηκε ἐπὶ τὸν τράχηλον (1)

πάντων τῶν ἐθνῶν (1)

Ez. 4. 3. λάβε σεαυτῷ τήγανον σιδηροῦν καὶ (1)

θήσεις αὐτὸ τοίχῳ σιδηροῦν (1, 1)

Da. LXX. 2. 33. τὰ δὲ σκελῆ σ. (2)

— 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σ. (2)

— 42. μέρος μὲν τι σιδηροῦν (2)

7. 7. ἔχον ὀδόντας σ. μεγάλους (2)

— 19. οἱ ὀδόντες αὐ. σ. (2)

Da. TH. 2. 33. αἱ κυνμαῖ σ. οἱ πόδες μέρος μὲν (2, 2)

τι σιδηροῦν (2, 2)

— 34. ἐπάταξε τὴν εἰκόνα ἐπὶ τοὺς πόδας τοὺς σ. (2)

Da. TH. 2. 41. μέρος δὲ τι σιδηροῦν (2)

— 41. ἀπὸ τῆς ῥίζης τῆς σ. ἔσται ἐν αὐτῇ (2)

— 42. μέρος μὲν τι σιδηροῦν (2)

4. 12. ἐν δεσμῷ σ. ... κοιτασθήσεται (2)

— 20. ἐν δεσμῷ σ. ... αὐλισθήσεται (2)

5. 4. ἤνεσαν τοὺς θεοὺς τοὺς ... σ. (2)

— 23. τοὺς θεοὺς τοὺς ... σ. ... ἤνεσαν (2)

7. 7. καὶ οἱ ὀδόντες αὐ. σ. (2)

— 19. οἱ ὀδόντες αὐ. σ. (2)

II Ma. 11. 9. σ. τεῖχη τιτρώσκειν ὄντες ἴτοιμοι (2)

III Ma. 8. 25. ἀποστεῖλαι πρὸς ἡμᾶς ἐν δεσμοῖς σ. (2)

IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ ... χεῖρας σ. ... προέβησαν (2)

9. 26. σιδηρὰς [B<sup>1</sup> -έας] ἐναρμυσσόμενοι χεῖρας (2)

— 27. ταῖς σ. [B<sup>1</sup> -αῖαις] χερσὶν ἐπισπασσόμενοι (2)

11. 10. καὶ ταῦτα ποδάγραις σ. ἐφαρμοσάμενοι (2)

[Aq. Je. 1. 18: 17. 1.] (2)

[Sm. Jb. 40. 13 (18): Jb. 17. 1: Am. 1. 3.] (2)

[Th. Jb. 1. 18: 17. 1: Da. 2. 41.] (2)

[A. Jd. 1. 19.] (2)

σιείμ. (1) *ἡρῖα*

[Aq. Is. 34. 14: Jb. 50 (27). 39.] (1)

[Sm., Th. Is. 34. 14.] (1)

σιείν. (1) *ἡρῖα*

[Aq., Sm., Th. Is. 18. 21.] (1)

σιέλον (-ος). (1) *ἡρῖα*

I Ki. 21. 13 (14). τὰ σ. αὐ. κατέρρει ἐπὶ τὸν (1)

πόγωνα αὐ. (1)

Is. 40. 15. ὡς σιέλος [A<sup>1</sup> -ον] λογισθήσονται [A<sup>2</sup> al.] † (1)

σίκερα. (1) *ἡρῖα*

Le. 10. 9. οἶνον καὶ σίκερα οὐ πίεσθε (1)

Nu. 6. 3. ἀπὸ οἶνου καὶ σίκερα (1)

— 3. ὅζους ἐκ σίκερα οὐ πίνετε (1)

28. 7. στείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (1)

De. 14. 26. A B ἐπὶ οἶνῳ ἢ ἐπὶ σίκερα (1)

29. 6 (5). οἶνον καὶ σίκερα οὐκ ἐπίετε (1)

Jd. 13. 4, 7. A μὴ πῖς ... σίκερα [B μέθυσμα] (1)

— 14. A B σίκερα [B om.] μέθυσμα [A om.] (1)

μὴ πῖς (1)

Is. 5. 11. οἶναι οἱ ... τὸ σ. διώκοντες (1)

— 22. οἶναι ... οἱ δυνάσται οἱ κεραυνῶντες τὸ σ. (1)

24. 9. πικρὸν ἐγένετο τὸ σ. τοῖς πίνουσιν (1)

28. 7. ἐπλανήθησαν διὰ τὸ σ. ... ἐξέστησαν (1, 1)

διὰ τὸ σ. [A B om. δ. τ. σ.] ... (1, 1)

ἐσείσθησαν ἀπὸ τῆς μέθης [A B add. (1, 1)

τοῦ σ.] (1, 1)

29. 9. κραταῖον οὐκ ἀπὸ σ. οὐδὲ ἀπὸ οἶνου (1)

[Th. Jd. 13. 7: Is. 29. 9.] (1)

σίκεμα. (1) *ἡρῖα*

Ge. 48. 22. δίδωμί σο



III Ki. 22. 3. ἡμεῖς σιωπῶμεν λαβεῖν αὐτήν (7 b)  
 IV Ki. 2. 3. καὶ γὰρ ἔγνωκα σιωπᾶτε (7 b)  
 — 5. καὶ γὰρ ἔγνωκα σιωπᾶτε (7 b)  
 7. 9. καὶ ἡμεῖς σιωποῦμεν (7 b)  
 II Ch. 25. 16. ἐσιώπησεν ὁ προφήτης (5)  
 I Es. 4. 41. ἐσιώπησεν τοῦ λαοῦ (4 b)  
 Ne. 8. 11. σιωπάτε . . . καὶ μὴ καταπίνετε (4 b)  
 Jb. 16. 7 (6). εἰς δὲ καὶ σιωπήσω (5)  
 18. 3. διὰ τί δὲ ὥσπερ τετραπόδα σσειωπήκα-  
 μεν ἐναντίον σου (7 b)  
 29. 21. ἐσιώπησαν δὲ ἐπὶ τῇ ἐμῇ βουλῇ (8)  
 30. 27. ἡ κοιλία μου ἐξέτεσε καὶ οὐ σιωπῇσεται (8)  
 41. 3 (4). οὐ σιωπήσομαι δι' αὐτὸν (6)  
 SI. 19. 31. ἔστι σιωπῶν καὶ αὐτὸς φρόνιμος (8)  
 20. 5. ἔστι σιωπῶν εὐρισκόμενος σοφός  
 — 6. ἔστι σιωπῶν οὐ γὰρ ἔχει ἀπόκρισιν καὶ ἔστι  
 σιωπῶν εἰδὼς καιρὸν  
 — 7. 8. ἀνθρώπος σοφός σιωπῇσεται [A B σιγήσει]  
 ἕως καιροῦ  
 35 (32). 8. γίνου ὡς [A om.] γινώσκων καὶ ἅμα  
 σιωπῶν  
 Am. 5. 13. ὁ συνὼν ἐν τῷ καιρῷ ἐκ. σιωπῇσεται  
 [A' -ῇσεται] (8)  
 Is. 36. 21. ἐσιώπησαν καὶ οὐδεὶς ἀπεκρίθη (8)  
 42. 14. ἐσιώπησα μὴ καὶ εἰς σιωπήσομαι [B  
 -ωμαι] (7 b, 6)  
 62. 1. διὰ Σιών οὐ σιωπήσομαι [B' -ωμαι] (7 a)  
 — 6. διὰ τῆς πόλεως οὐ σιωπήσονται (7 a)  
 64. 12 (11). ἀνέσχου, κύριε, καὶ ἐσιώπησας (7 a)  
 65. 6. οὐ σιωπήσω [A -σωμαι] ἕως ἂν ἀποδώσω (7 a)  
 Je. 4. 19. οὐ σιωπήσομαι (7 a)  
 45 (38). 27. A ἐσιώπησαν [B S ἀπεσ.] (6)  
 La. 2. 10. ἐσιώπησαν πρὸς βίτην θυγατρὸς Σιών  
 — 18. μὴ σιωπήσῃς [B' -σέτω, B' -σάτω]  
 θυγατὴρ ὁ ὀφθαλμός σου (8)  
 3. 28. καθίσταται κατὰ μόναν καὶ σιωπῇσεται  
 — 49. A οὐ σιωπήσομαι [B σιγήσ.] (2)  
 Da. LXX. 10. 15. καὶ ἐσιώπησας (1)  
 IV Ma. 10. 18. σιωπῶντων ἀκούει ὁ θεός  
 [Aq. I Ki. 14. 9: Ps. 4. 5: 21 (22). 3 (P.). 30  
 (31). 18: 84 (85). 15: Is. 6. 5: 23. 2: Je. 14.  
 17: 47 (29). 6: 51 (28). 6.]  
 [Sm. Ps. 30 (31). 18: 88 (89). 3: 142 (143).  
 12: Is. 6. 5: 41. 1: 47. 5: Je. 38 (45). 27:  
 47 (29). 5: 51 (28). 6: Am. 6. 10.]  
 [Th. Jb. 30. 27: 41. 4: Ps. 4. 5: Is. 6. 5.]  
 [Al. Le. 10. 3.]  
 σιωπή. (1) σῶ  
 Si. 41. 19. ἀπὸ ἀσπαζομένων περὶ σιωπῆς  
 Am. 8. 3. ἐπιρρίψω σιωπὴν (1)  
 [Aq. Ps. 38 (39). 3.]  
 [Th. Ps. 21 (22). 3 (P.).]  
 [Quint. Ps. 21 (22). 3.]  
 σιωπηλός.  
 [Sm. Is. 47. 2.]  
 σιώπησις. (1) πῶς  
 Ca. 4. 1. ὀφθαλμοὶ περιστρεφά ἐκτός τῆς σ.  
 σου (1)  
 — 3. ὡς λέπυρον βόας μῆλόν σου ἐκτός τῆς σ.  
 σου (1)  
 6. 6 (7). ὡς λέπυρον τῆς βόας μῆλόν σου ἐκτός  
 τῆς σ. σου (1)  
 σκάειν.  
 [Sm. I Ki. 17. 39: Ps. 34 (35). 15: 37 (38). 18.]  
 σκαλεύειν.  
 [Aq. III Ki. 20 (21). 38: Ps. 63 (64). 7: 78  
 (77). 7.]  
 σκαλευσις.  
 [Aq. Ps. 63 (64). 7.]  
 σκαλιστρον.  
 [Aq. Sm. Je. 43 (50). 10.]  
 σκάλλειν. (1) σῶρ pi.  
 Ps. 76 (77). 6. B' B' σκαλλόν [B' -εν, B' -αλεν,  
 B' -αλον, B' -αλαν] τὸ πνεῦμά μου (1)  
 [Aq. Ps. 118 (119). 85.]  
 [Th. Ps. 76 (77). 7.]  
 σκαμβός. (1) σῶρ  
 Ps. 100 (101). 3. οὐκ ἐκολλήθη μοι καρδιά σκαμβή (1)  
 [Sm. Ps. 2. 15: Je. 17. 9.]

σκαμβούσθαι.  
 [Aq. Th. Is. 59. 8.]  
 σκανδαλίζειν. (1) σῶρ ni.  
 Si. 9. 5. μὴ ποτε σκανδαλισθῇς [B -ισθ σε] ἐν τοῖς  
 ἐπιτιμίοις αὐτῆς  
 28. 8. λοῖδορος καὶ ὑπερήφανος σκανδαλισθήσονται  
 ἐν αὐτοῖς  
 35 (32). 15. ὁ ὑποκρινόμενος σκανδαλισθήσεται ἐν  
 αὐτῷ  
 Da. LXX. 11. 41. καὶ πολλὰ σκανδαλισθήσονται (1)  
 [Aq. Ps. 63 (64). 9: Pr. 4. 12: Is. 40. 30: 63.  
 13: Da. 11. 41.]  
 [Sm. Is. 8. 21: Ma. 2. 8.]  
 [Th. Ma. 2. 8.]  
 σκάνδαλον. (1) σῶρ (2) σῶρ (3) σῶρ  
 (4) σῶρ  
 Le. 19. 14. ἀπέναντι τυφλοῦ οὐ προσθήσεις  
 σκάνδαλον (4)  
 Jo. 23. 13. ἔσονται ὑμῖν . . . εἰς σκάνδαλα (8)  
 Jd. 2. 3. οἱ θεοὶ αὐ. ἔσονται ὑμῖν εἰς σκάνδαλον (8)  
 8. 27. A ἐγένετο τῷ Γ. . . εἰς σκάνδαλον [B  
 σκάλων] (8)  
 I Ki. 18. 21. ἔσται αὐτῷ εἰς σκάνδαλον (8)  
 25. 31. οὐκ ἔσται . . . σκάνδαλον τῷ κ. μου (4)  
 Ju. 5. 1. ἔθηκαν ἐν τοῖς πεδίοις σκάνδαλα  
 — 20. ἐστὶν ἐν αὐτοῖς σκ. τοῖτο  
 12. 2. A B ἕνα μὴ γένηται σκάνδαλον  
 Ps. 48 (49). 13. αὕτη ἡ ὁδὸς αὐτῶν σκάνδαλον  
 αὐτοῖς (2)  
 49 (50). 20. κατὰ τοῦ υἱοῦ τῆς μητρὸς σου ἐτί-  
 θης σκάνδαλον (1)  
 68 (69). 22. γεννηθῶ ἡ τράπεζα αὐτῶν . . .  
 εἰς σκάνδαλον (8)  
 105 (106). 36. ἐγενήθη αὐτοῖς εἰς σκάνδαλον (8)  
 118 (119). 165. οὗ ἐστὶν αὐτοῖς σκάνδαλον (4)  
 189 (140). 5. ἐχόμενα τρίβων σκάνδαλον ἐθεντό  
 μοι (8)  
 140 (141). 9. ἀπὸ σκανδάλων [A -ου] τῶν  
 ἐργαζομένων τὴν ἀνομίαν (8)  
 Wi. 14. 11. εἰς σκάνδαλα ψυχῶν ἀνθρώπων  
 Si. 7. 6. θήσεις σκάνδαλον ἐν εἰδυτήρι σου  
 27. 23. ἐν τοῖς λόγοις σου δώσει σκάνδαλον  
 Ho. 4. 17. ἔθηκεν ἐαυτῷ σκάνδαλα  
 I Ma. 5. 4. οἱ ἦσαν τῷ λαῷ . . . εἰς σκάνδαλον  
 [Aq. Is. 8. 14: 57. 14: Ez. 3. 20: 7. 19: 14. 3:]  
 [Sm. Ps. 28. 8: Pr. 13. 14: 14. 27: 22. 25:  
 29. 6: Is. 8. 14 διὰ: Ez. 3. 20: 7. 19: Zk. 1. 3:]  
 [Th. Jd. 8. 27: Ps. 68 (69). 23: Pr. 13. 14:  
 14. 27: Is. 8. 14: Ez. 3. 20.]  
 [Al. Dt. 7. 16.]  
 [Quint. Pr. 14. 27.]  
 σκανδαλοῦν.  
 [Aq. Ps. 26 (27). 2: 30 (31). 11: Is. 8. 15: 59.  
 14: 68. 13: Ma. 2. 8.]  
 σκάπτειν. (1) σῶρ ni.  
 Is. 5. 6. οὐ μὴ τμηθῇ οὐδὲ μὴ σκαφῇ (1)  
 [Aq. Ps. 39 (40). 7.]  
 [Quint. Ps. 140 (141). 7.]  
 σκασμός.  
 [Aq. Ps. 34 (35). 15:]  
 σκαφεῖον (-φιον).  
 [Sm., Al. I Ki. 13. 20.]  
 σκάφη.  
 Da. LXX. Bel 32. ἔχων ἄρτους ἐντεθρυμμένους ἐν  
 σκάφῃ  
 Da. Th. Bel 33. ἐνέθρυνεν ἄρτους εἰς σκάφην  
 σκάφος.  
 II Ma. 12. 3. εἰς τὰ παρακατασταθέντα ὑπ' αὐτῶν σκ.  
 — 6. τὰ σκ. κατέφελε  
 σκεδαννύναι.  
 [Al. II Ki. 21. 17.]  
 σκελίζειν.  
 Je. 10. 18. σκελίζω τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν τ. +  
 [Aq. Jb. 8. 3:]  
 [Th. Ps. 19. 3:]

σκελισμός.  
 [Aq. Je. 14. 14.]  
 σκῆλος. (1) σῶρ (2) σῶρ (3) σῶρ  
 (4) σῶρ δ. σῶρ (5) σῶρ δ. σῶρ  
 Le. 11. 21. ἔχει σκέλη ἁνώτερον τῶν ποδῶν αὐ. (2)  
 I Ki. 17. 6. κημίδες χαλκαὶ ἐπάνω τῶν σκ.  
 αὐ. (4 a)  
 II Ki. 22. 37. οὐκ ἐσαλεύθησαν τὰ σκ. μου (8)  
 Pr. 26. 7. ἀφελὸς πορείαν σκελῶν (5 a)  
 Am. 3. 12. ὅταν ἐκοπάσῃ . . . ἐκ στόματος τοῦ  
 λείοντος δύο σκέλη (3)  
 Ez. 1. 7. τὰ σκ. αὐτῶν ὀρθά (4 a)  
 16. 25. διήγαγε τὰ σκ. σου παντὶ παρόδῳ (4 a)  
 24. 4. σκέλος καὶ ὄμω ἐκασταρκισμένα (1)  
 Da. LXX. 2. 33. τὰ δὲ σκ. σιδηρὰ (5 b)  
 Da. Th. 10. 6. καὶ τὰ σκ. ὡς θρασυὶ χαλκοῦ  
 στυλίσαντες (4 b)  
 IV Ma. 10. 6. A καὶ τὰ σκ. . . περιέλκων [B ἐλκων]  
 [Al. Le. 1. 13:]  
 σκεπάειν. (1) σῶρ (2) σῶρ hi. (3) σῶρ  
 δ. σῶρ (4) σῶρ (5) σῶρ pi.  
 (6) σῶρ a. qal. δ. hi. (7) σῶρ a. ni.  
 δ. hi. c. hithp. (8) σῶρ hi. (9) σῶρ  
 (10) σῶρ (11) σῶρ  
 Ex. 2. 2. ἐσκέπασαν αὐτὸ μῆνας τρεῖς (10)  
 12. 13. καὶ σκεπάσω ὑμᾶς (9)  
 — 27. ὡς ἐσκέπασε τοὺς οἴκους τῶν υἱῶν Ἰσρ. (9)  
 38. 22. σκεπάσω τὴν χειρὶ μου ἐπὶ σέ (11)  
 40. 3. σκεπάσεις τὴν κιβωτὴν (6 a)  
 — 21. ἐσκέπασε τὴν κιβωτὴν τοῦ μαρτ. (6 b)  
 Nu. 9. 20. ὅταν σκεπάσῃ ἡ νεφέλη . . . ἐπὶ τῆς  
 σκηνῆς (1)  
 De. 18. 8 (9). οὐδ' οὐ μὴ σκεπάσῃς αὐτόν (5)  
 32. 11. ὡς αὐτοῖς σκεπάσει νοστίαν αὐ. (8)  
 38. 27. A' B' B' σκεπάσει σε [A' -σεις, B' -σις]  
 θεοὺ ἀρχή +  
 I Ki. 23. 26. ἦν Δ. σκεπαζόμενος πορεύεσθαι +  
 26. 1. Δ. σκεπάζεται μεθ' ἡμῶν (7 c)  
 — 24. καὶ σκεπάσαι με [A al.] -  
 Ne. 8. 14. ἐσκέπασαν αὐτήν -  
 Ju. 8. 15. ἐν αἷς θίλει σκεπάσαι [A καὶ πάσαι]  
 ἡμέρας  
 Ps. 16 (17). 8. ἐν σκέπῃ τῶν πτερίγων σου  
 σκεπάσεις με (7 b)  
 26 (27). 5. ἐσκέπασέ με ἐν ἀποκρύφῳ τῆς σκη-  
 νῆς αὐτοῦ (7 b)  
 80 (81). 20. σκεπάσεις αὐτοὺς ἐν σκηνῇ (10)  
 60 (61). 4. σκεπασθήσομαι ἐν σκέπῃ τῶν πτερί-  
 γων σου (8 a)  
 63 (64). 2. ἐσκέπασάς [B' σκέπασόν] με ἀπὸ  
 συστορήφης πονηρευομένων (7 b)  
 90 (91). 14. σκεπάσω αὐτὸν διὰ ἔργον τὸ ὄνομά  
 μου +  
 Wi. 5. 16. τῇ δεξιᾷ σκεπάσει αὐτοὺς  
 19. 8. οἱ τῇ σῇ σκεπαζόμενοι χειρὶ  
 Si. 2. 13. διὰ τοῦτο οὐ σκεπασθήσεται  
 14. 27. σκεπασθήσεται ὑπ' [A B' ἀπ'] αὐτῆς ἀπὸ  
 καύματος  
 22. 25. φίλον σκεπάσαι οὐκ ἀσχυρήσομαι  
 28. 19. μακάριος ὁ σκεπασθεὶς ἀπ' αὐτῆς  
 48. 12. δὲ ἐν λαίλαπι ἐσκέπασθη  
 Ze. 2. 3. ὅπως σκεπασθήτε ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς  
 κυρίου (7 a)  
 Is. 4. 5. πάση τῇ δόξῃ [A add. κυρίου] σκεπασ-  
 θήσεται (4)  
 28. 15. τῷ ψεῦδι σκεπασθήσονται (7 a)  
 30. 2. τοῦ . . . σκεπασθῆναι ὑπὸ Αἰγυπτίων (3 b)  
 49. 2. B' ὑπὸ τὴν σκέπην . . . ἐσκέπασεν [A B B']  
 ἐκρυψέ] με (2)  
 — 2. A B' ἐν τῇ φαρίτρᾳ αὐτοῦ ἐσκέπασεν  
 [B B' ἐκρυψέ] με (7 b)  
 51. 16. ὑπὸ τὴν σκίαν [B σκέπην] τῆς χειρὸς  
 μου σκεπάσω σε (5)  
 I Ma. 3. 3. σκεπάζων παρεμβολὴν ἐν βορφαίᾳ  
 6. 37. πύργοι ἐξυλίου ἐπ' αὐτοὺς ὄχυροὶ σκεπαζό-  
 μενοι  
 11. 16. τοῦ σκεπασθῆναι αὐτὸν ἐκεῖ  
 II Ma. 10. 30. καὶ σκεπάζοντες ταῖς ἐαυτῶν παν-  
 οπλίαις  
 III Ma. 3. 27. ὅς δ' ἂν σκεπάσῃ τινα τῶν Ἰουδ.

III Ma. 3. 29. οὐ εἰς φωραβὴν τὸ σύνολον σκεπαζόμενος Ἰουδαίος  
[Aq. Ex. 25. 19 (20): Ez. 28. 16.]  
[Sm. Ex. 2. 2: Ps. 26 (27). 5: 30 (31). 21: 87 (88). 7: Ez. 28. 16.]  
[Th. Dt. 33. 12.]  
[Al. Nu. 6. 11: Ps. 19 (20). 2: 58 (59). 11: 105 (106). 11.]  
[Quint. Sext. Ps. 26 (27). 5.]  
σκέπαρνον. (1) יָרָן (2) יָרָן  
I Ch. 20. 3. διέπρισε . . . ἐν σκ. σιδηροῖς (1)  
Is. 44. 12. σκεπαρὼν εἰργάσατο αὐτό (2)  
[Aq., Sm., Th. Jk. 10. 3.]  
σκέπασις.  
De. 33. 27. B<sup>1</sup> σκέπασις θεοῦ ἀρχή [A B<sup>2</sup> B al.] +  
σκεπαστής. (1) יָרָן  
Ex. 15. 2. βοηθὸς καὶ σκεπαστής ἐγένετό μοι +  
De. 32. 38. γεννηθῶσαν ὑμῖν σκεπασταί (1)  
Ju. 9. 11. ἀπεγνωσμένοι σκεπαστής  
Ps. 70 (71). 6. ἐκ κοιλίας μητρός μου σύ μου εἰ  
σκεπαστής +  
Si. 51. 2. σκεπαστής καὶ βοηθὸς ἐγένον μοι  
III Ma. 6. 9. B τῶν ὄλων σκεπαστά [A δικαστά]  
[Quint. Ps. 83 (84). 12.]  
σκεπαστός.  
[Aq. Nu. 7. 3: Is. 66. 20.]  
σκέπατρον.  
[Sm. Jb. 24. 15.]  
σκέπειν. (1) יָרָן (2) יָרָן  
Ex. 26. 7. A ποιήσεις δέρρεις τριχίνας σκέπειν  
[B -ην] (1)  
Jb. 26. 9. A σκέπων [B S ἐκπετάζων] ἐπ' αὐτὸν  
νόφος αὐτοῦ (2)  
[Sm. Jb. 10. 21: Ps. 62 (63). 8: Pr. 11. 13: 12. 16: Ec. 7. 13 (12) δὲ: Ca. 4. 3: 6. 6 (7).]  
σκέπεινός. (1) יָרָן  
Ne. 4. 13 (7). κατόπισθεν τοῦ τείχους ἐν τοῖς σκ. (1)  
σκέπη. (1) יָרָן (2) יָרָן (3) יָרָן  
(4) וְהָ (5) וְהָ (6) וְהָ (7) וְהָ  
(8) a. וְהָ b. וְהָ hi.  
Ge. 19. 8. B εἰσῆλθον ὑπὸ τὴν σκ. [A στέγην]  
τῶν δοκῶν (8 a)  
Ex. 26. 7. ποιήσεις δέρρεις τριχίνας σκέπη [A  
-ειν] (1)  
Jd. 5. 8. A σκέπη νεανίδων σειρομαστῶν [B al.] +  
9. 15. A πεποιθότες ἐν τῇ σκ. μου [B al.] (8 a)  
I Ki. 25. 20. καταβαινόντων ἐν σκέπῃ τοῦ δρους (7)  
Es. 4. 14. βοηθία καὶ σκέπη ἔσται τοῖς Ἰουδ. (3)  
Jb. 21. 28. ποῦ ἐστιν ἡ [A om.] σκ. τῶν σκηνω-  
μάτων τῶν ἀσεβῶν (1)  
24. 8. παρὰ τὸ μὴ ἔχειν ἑαυτοὺς σκέπη (5)  
37. 8. B S εἰσῆλθε δὲ θηρία ὑπὸ [B ὑπὸ τὴν]  
σκέπην [A -ης] (2)  
Ps. 16 (17). 8. ἐν σκέπῃ τῶν πτερυγῶν σου (8 a)  
35 (36). 7. ἐν σκέπῃ [B<sup>1</sup> εἰς σκέπην] τῶν πτε-  
ρυγῶν σου ἐλπιούσι (8 a)  
60 (61). 4. ἐν σκέπῃ τῶν πτερυγῶν σου (7)  
62 (63). 7. ἐν τῇ σκ. τῶν πτερυγῶν σου (8 a)  
90 (91). 1. ἐν σκέπῃ τοῦ θεοῦ τοῦ οὐρανοῦ  
αὐλισθήσεται (8 a)  
104 (105). 39. διεπέτασε νεφέλην εἰς σκέπην  
αὐτοῖς (8)  
120 (121). 5. κύριος σκέπη σου ἐπὶ χεῖρα δεξιάν  
σου (8 a)  
Ca. 2. 14. σὺ περὶ μετὰ μου ἐν σκέπῃ τῆς πέτρας (4)  
Wi. 10. 17. ἐγένετο αὐτοῖς εἰς σκέπην ἡμέρας  
Si. 6. 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταῖά  
— 29. ἔσονται σοὶ αἱ πείδαι εἰς σκέπην ἰσχύος  
14. 26. θῆσαι τὰ τέκνα αὐ. ἐν τῇ [A om.] σκ. [B<sup>1</sup>  
σκηνῇ] αὐ. (1)  
29. 22. κρείσσων βίος πτωχοῦ ὑπὸ σκέπην δοκῶν  
31 (34). 16. σκέπη ἀπὸ καύσματος καὶ σκέπη ἀπὸ  
μωμηβρίας  
Ho. 4. 13. δεῖ καλὸν σκέπη (8 a)  
14. 6. καθιόνται ὑπὸ τῆς σκ. αὐ. (8 a)  
Is. 4. 6. ἐν σκέπῃ καὶ ἐν ἀποκρίφῃ (5)  
16. 3. ποιεῖ τὴν σκέπην πένθους (8 a)  
— 4. ἔσονται σκ. ὑμῖν ἀπὸ προσώπου διώκοντος (7)

Is. 25. 4. τοῖς ἀδύμωτοις δι' ἐνδιαν σκ. . . σκ.  
διψῶντων (5, 8 a)  
28. 2. ὡς χάλαια καταφερομένη οὐκ ἔχουσα  
σκέπην [B<sup>1</sup> om. οὐκ ἔ. σκ.] +  
30. 3. ἔσται γὰρ ὑμῖν σκ. [A B ἡ σκ.] Φαραὶ +  
49. 2. ὑπὸ τὴν σκ. τῆς χειρὸς αὐτοῦ ἐκρυψέ με  
[B<sup>1</sup> al.] (8 a)  
51. 16. B<sup>1</sup> ὑπὸ τὴν σκ. τῆς χειρὸς μου σκεπάσω  
σε [A B S<sup>1</sup> al.] (8 a)  
Ep. Je. 68. δύναται ἐκφυγόντα εἰς σκέπην αὐτὰ  
ἀφελῆσαι (8 a)  
Ex. 31. 3. A καὶ πυκνὸς ἐν τῇ σκ. (8 b)  
— 12. κατέβησαν ἀπὸ τῆς σκ. αὐτῶν (8 a)  
— 17. οἱ κατοικοῦντες ὑπὸ τὴν σκ. αὐτοῦ (8 a)  
I Ma. 9. 38. ἐκρύβησαν ὑπὸ τὴν σκ. τοῦ δρους  
II Ma. 5. 9. ὡς διὰ τὴν συγγένειαν τευξόμενος σκέπης  
13. 17. διὰ τὴν ἐπαρτίωσιν αὐτῶν τοῦ κ. σκέπην  
III Ma. 6. 6. οἱ δὲ πᾶσιν σκέπης ἔρημοι δοκοῦντες  
εἶναι  
[Aq. Ge. 31. 34: 35. 21: Ex. 35. 11: 39. 32  
(10): 40. 6, 26 (24): Nu. 8. 7: 4. 25: I Ki. 7. 6: Jb. 8. 22: 11. 14: Ps. 26 (27). 5, 6: 77 (78). 51: 90 (91). 10: Is. 38. 12: 40. 22: 54. 2.]  
[Sm. Ex. 35. 11: 39. 32 (10): 40. 6: Nu. 14. 9: I Ki. 7. 6: I Ki. 19. 4: Ps. 26 (27). 6: 30 (31). 21 δὲ: 31 (32). 7: 60 (61). 5: 90 (91). 1: Ca. 2. 3.]  
[Th. Ex. 35. 11: 39. 32 (14): 40. 6, 29: Jd. 5. 8: I Ki. 1. 21: Is. 25. 5: 28. 17: 30. 2: Jb. 48 (51). 45: Ez. 31. 3 (Sw).]  
[Al. Ex. 26. 36: Le. 6. 10 (3).]  
[Quint. Ps. 26 (27). 5.]  
σκέπτεσθαι. (1) יָרָן (2) יָרָן  
Ge. 41. 33. σκέψαι ἄνθρωπον φρόνιμον (2)  
Ex. 18. 21. καὶ σὺ σταντὴ σκέψαι . . . ἄνδρας  
δυνάτους (1)  
Za. 11. 13. σκέψοναι [A σκέψαι αὐτό, B<sup>1</sup> σκέψαι]  
εἰ δόκιμον ἔσται +  
Da. LXX. Bel. 15. σκέψαι μὴ τί σοι ἀσύμφωνον  
γενήνται  
σκευάζειν.  
Si. 49. 1. ἐσκευασμένοι [B -ον] ἔργῳ [A -ον] μυρεφῶ  
III Ma. 6. 31. τῆς θηρίων ἀγρίων ἐσκευασαν δα-  
ψυλὴ θοῶν  
[Sm. Ex. 23. 19.]  
[Th. Is. 57. 14: 62. 10.]  
σκευασία.  
Ec. 10. 1. μνία θανατοῦσαι σαρπίουσι σκευασίαν  
[B<sup>1</sup> σκευασίαν] εἰλαίου [B S<sup>1</sup> -ον] +  
ἡδύσματος  
[Th. Ez. 24. 10.]  
σκευασίς.  
Ec. 10. 1. B<sup>1</sup> μνία θανατοῦσαι σαρπίουσι σκευ-  
ασίαν [A B S<sup>1</sup> σκευασίαν] εἰλαίου  
[B S<sup>1</sup> -ον] ἡδύσματος +  
σκευασμα.  
Ju. 15. 11. ἔδωκαν τῇ 'I. . . πάντα τὰ σκ. [A B  
κατασκ.] αὐ. (1)  
σκευαστής.  
[Aq. Is. 32. 5.]  
σκευαστός. (1) יָרָן hoph.  
Is. 64. 17. πᾶν σκευός σκευαστόν [B<sup>1</sup> τὸν] ἐπὶ σέ  
οὐκ εὐδόκω [A π. σκ. φθαρτὸν ἐ.  
δὲ σὲ οὐκ εὐδόκω] (1)  
σκευή.  
III Ma. 5. 45. B φοβεραῖς κατεσκευασμένα σκευαῖς  
[A al.]  
[Sm. Is. 61. 10.]  
σκευός. (1) יָרָן (2) יָרָן  
Ge. 24. 53. ἐξενέγκας ὁ παῖς σκ. ἀργυρὰ (1)  
27. 3. λάβε τὸ σκ. (1)  
31. 37. ἡρένυσας πάντα τὰ σκ. τοῦ οἴκου μου (1)  
— 37. τί εὐρες ἀπὸ πάντων τῶν σκ. τοῦ οἴκου μου (1)  
45. 20. μὴ φείσῃσθε . . . τῶν σκ. (1)  
Ex. 3. 22. αἰτήσεις γυνή . . . σκ. ἀργυρὰ (1)  
11. 2. αἰτήσατέ μοι ἑκάστος . . . σκ. ἀργυρὰ (1)  
12. 35. ἤρσαν παρὰ τῶν Αἰγ. σκ. ἀργυρὰ (1)  
22. 7 (6). εἰς τὴν δὲ δῶ . . . σκευὴ φυλάξαι (1)

Ex. 25. 8 (9). καὶ τὸ παράδειγμα πάντων τῶν  
σκ. αὐ. (1)  
— 38 (39). πάντα τὰ σκ. ταῦτα τάλατον χρυ-  
σίον καθαρὸν [A al.] (1)  
27. 3. πάντα τὰ σκ. αὐ. ποιήσεις χαλκῷ (1)  
30. 27. A B καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
— 27. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
— 27. B καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
— 28. καὶ πάντα αὐτοῦ τὰ σκ. (1)  
— 28 (27): 31. 8 bis: 35. 15 (13), 15 (16)  
(A), 16 (14), 17 (16) (B). καὶ πάντα  
τὰ σκ. αὐ. (1)  
35. 22. ἤνεγκαν . . . πᾶν σκ. χρυσοῦν (1)  
38. 12 (37. 16). ἐποίησε τὰ σκ. τῆς τραπέζης  
— 23 (3). ἐποίησε πάντα τὰ σκ. τοῦ θυσια-  
στηρίου (1)  
39. 10 (38. 31). A B<sup>2</sup> B καὶ πάντα τὰ σκ. τοῦ  
θυσιαστ. —  
— 12 (32). ἐποίησαν σκευὴ εἰς τὸ λειτουργεῖν —  
— 14 (33). ἤνεγκαν . . . τὰ σκ. αὐ. (1)  
— 16 (38). τὸ θυσιαστ. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. —  
— 18 (36). B καὶ πάντα τὰ αὐτῆς σκ. [A<sup>2</sup> αὐ.  
τὰ σκ.] (1)  
— 21 (40). καὶ πάντα τὰ σκ. τῆς σκηνῆς (1)  
40. 9. καὶ πάντα τὰ σκ. [B<sup>1</sup> om.] αὐ. (1)  
— 10. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐτοῦ (1)  
Le. 6. 28 (21). σκ. δοτράκιον . . . συντριβήσεται (1)  
— 28 (21). εἰάν δὲ ἐν σκ. χαλκῷ ἐφέθῃ (1)  
8. 11. A B καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. [B π. τὰ ἐν  
αὐτῇ] (1)  
— 11. B καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. [A B π. τὰ ἐν αὐτῇ] —  
11. 32. ἀπὸ παντὸς σκ. ξυλίνου ἡ ἱματίου (1)  
— 32. πᾶν σκ. δὲ ἐὰν ποιῇ ἔργον ἐν αὐτῇ (1)  
— 33. πᾶν σκ. δοτράκιον εἰς δὲ ἐὰν πέσῃ (1)  
18. 49. ἡ ἐν παντὶ σκ. ἐργασίῳ δερμάτος (1)  
— 52, 53, 57. ἡ ἐν παντὶ σκ. δερμάτινῃ (1)  
— 58. ἡ πᾶν σκ. δερμάτινον δὲ πλυθήσεται (1)  
— 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφῆς λέπας . . . παντὸς  
σκ. δερμάτινου (1)  
14. 50. σφάζει τὸ ὀρνίθιον τὸ ἐν εἰς σκ. δοτρά-  
κιον (1)  
15. 4. πᾶν σκ. ἐφ' ὃ ἂν καθίσθῃ ἐπ' αὐτό (1)  
— 6. ὁ καθήμενος ἐπὶ τοῦ σκ. (1)  
— 12. σκ. δοτράκιον . . . συντριβήσεται (1)  
— 12. σκ. ξυλίνον μύθεται ὕδατι (1)  
— 22. πᾶς ὁ ἀπτόμενος παντὸς σκ. (1)  
— 23. ἡ ἐπὶ τοῦ σκ. οὐ εἰς καθίσθῃ ἐπ' αὐτῇ (1)  
— 26. πᾶν σκ. ἐφ' ὃ ἂν καθίσθῃ ἐπ' αὐτό (1)  
Nu. 1. 50. καὶ ἐπὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
— 50. αὐτοὶ ἀροῦσι . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
3. 8. φυλάξοντες πάντα τὰ σκ. τῆς σκηνῆς (1)  
— 31. καὶ ἡ φυλακή αὐ. . . τὰ σκ. τοῦ ἁγίου (1)  
— 36. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
4. 10. ἐμβαλοῦσιν αὐτὴν καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
— 12. λήγονται πάντα τὰ σκ. τὰ λειτουργικά (1)  
— 14. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ πάντα τὰ σκ. [A  
add. αὐτοῦ] . . . καὶ πάντα τὰ σκ. (1, 1)  
τοῦ θυσιαστηρίου (1)  
— 15. A B<sup>2</sup> B καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ ἅγια (1)  
— 25. B<sup>2</sup> ἀρεῖ τὰ σκ. [A B<sup>1</sup> B τὰς δέρρεις] τῆς  
σκηνῆς +  
— 26. καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ λειτουργικά (1)  
— 32. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
— 32. καὶ πάντα τὰ σκ. τῆς φυλακῆς (1)  
7. 1. ἡγίασεν . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. καὶ τὸ  
θυσιαστ. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1, 1)  
— 85. πᾶν τὸ ἀργύριον τῶν σκ. (1)  
18. 3. πρὸς τὰ σκ. τὰ ἅγια . . . οὐ προσελεύ-  
σονται (1)  
19. 15. καὶ πᾶν σκ. ἀνεργάμενον (1)  
— 17. ἐκχεοῦσιν . . . ὕδωρ ζῶν εἰς κεῖνος (1)  
— 18. περιρανί . . . ἐπὶ τὰ σκ. (1)  
31. 6. καὶ τὰ σκ. τὰ ἅγια (1)  
— 20. πᾶν σκ. δερμάτινον . . . καὶ πᾶν σκ.  
ξύλινον ἀφσργμῆτε (1, 1)  
— 50. δὲ εὐρε σκ. χρυσοῦν (1)  
— 51. ἔλαβε M. . . πᾶν σκ. ἐργασίμενον (1)  
35. 16. εἰάν δὲ ἐν σκεύει σιδήρου πατάξῃ αὐτόν (1)  
— 18. εἰάν δὲ ἐν σκ. ξυλίνῳ . . . πατάξῃ αὐτόν (1)  
— 20. καὶ ἐπιρίψει ἐπ' αὐτόν πᾶν σκ. [B<sup>2</sup> om.  
π. σκ.] —  
— 22. ἡ ἐπιρίψη ἐπ' αὐτόν πᾶν σκ. (1)  
De. 1. 41. ἀναλαβόντες ἑκάστος τὰ σκ. τὰ πολε-  
μικά αὐ. (1)  
22. 5. οὐκ ἔσται σκευὴ ἀνδρὸς ἐπὶ γυναῖκα (1)  
Jo. 7. 11. ἐνέβαλον εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)

- Jd. 9. 54. τὸ παιδάριον τὸ αἶρον τὰ σκ. αὐ. (1)  
 18. 11. ἰζωμένον σκευὴ παρατάξεως [A al.] (1)  
 — 16. οἱ ἀνέζωμένοι τὰ σκ. τῆς παρατάξεως [A al.] (1)  
 — 17. Α περιζωμένοι σκ. πολεμικά (1)  
 Ru. 2. 9. πορευθῆσθ εἰς τὰ σκ. (1)  
 I Ki. 6. 8. τὰ σκ. τὰ χρυσὰ ἀποδώσετε αὐτῇ (1)  
 — 15. ἀνήγγκαν . . . τὰ ἐπ' αὐτῆς σκ. τὰ χρυσὰ (1)  
 8. 12. καὶ ποιῶν σκ. πολεμικά αὐ. καὶ σκευὴ ἀρμάτων αὐ. (1, 1)  
 10. 22. κίεονται ἐν τοῖς σκ. (1)  
 13. 20. Β ἕκαστος τὸ θέμιστρον αὐ. καὶ τὸ σκ. (1)  
 — 21. Β τὰ δὲ σκ. ἦν τρεῖς σίκοι εἰς τὸν δόδονα (1)  
 14. 1. Β τῷ παιδάρῳ τῷ αἶρονι τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 6. Β τὸ παιδάριον τὸ αἶρον τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 7. Β εἶπεν αὐτῷ τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 12. ἀπεκρίθησαν . . . πρὸς τὸν αἶρονα τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 12. εἶπεν Ἰ. πρὸς τὸν αἶρονα τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 13. καὶ ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. μετ' αὐτοῦ (1)  
 — 13. ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. ἐπεδίδου ὀπίσω αὐτοῦ (1)  
 — 14. ἦν ἐπάταξεν Ἰων. καὶ ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 17. οὐχ εὐρίσκειτο Ἰων. καὶ ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. (1)  
 16. 21. ἐγενήθη αὐτῶν αἶρων τὰ [A om.] σκ. αὐ. (1)  
 17. 22. Α ἀφῆκεν Δ. τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 54. τὰ σκ. αὐ. ἔθηκαν ἐν τῷ σκηνώματι αὐ. (1)  
 20. 40. Β ἔδωκε τὰ σκ. ἐπὶ τὸ παιδάριον (1)  
 21. 5 (6). ἀγασθῆσεται σήμερον διὰ τὰ σκ. μου (1)  
 — 8 (9). τὰ σκ. [A σκ. μου] οὐκ εἰληφα (1)  
 25. 13. οἱ διακόσιοι ἐκάθισαν μετὰ τῶν σκ. (1)  
 26. 24. ἡ μερίς τοῦ καθήμενου ἐπὶ τὰ σκ. (1)  
 31. 4. εἶπε Σ. πρὸς τὸν αἶρονα τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 4. οὐκ ἐβούλετο ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 5. εἶδεν ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 6. ἀπέθανε Σ. . . καὶ ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 9. ἐγένοντο τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 10. ἀνέθηκαν τὰ σκ. αὐ. εἰς τὸ Ἀσταρτίων (1)  
 II Ki. 1. 27. ἀπώλοντο σκ. πολεμικά (1)  
 8. 8. ἐν αὐτῷ ἐποίησε . . . πάντα τὰ σκ. (1)  
 — 10. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. ἦσαν σκ. ἀργυρὰ καὶ σκ. χρυσὰ καὶ σκ. χαλκὰ (1, 1)  
 17. 28. Β καὶ σκευὴ κεράμων (1)  
 18. 15. δέκα παιδάρια αἶρονα τὰ σκ. Ἰ. (1)  
 23. 37 (36). Γ. ὁ Βθθ. αἶρων τὰ σκ. Ἰ. (1)  
 24. 22. τὰ σκ. τῶν βοῶν εἰς ξύλα (1)  
 III Ki. 6. 7. πᾶν σκ. σιδηροῦν οὐκ ἡκούσθη (1)  
 7. 45. καὶ πάντα τὰ σκ. ἂ ἐποίησε Χ. (1)  
 — 48 (47). ἔλαβεν ὁ βασιλ. Σαλ. τὰ σκ. [A al.] (1)  
 — 48. Α ἐποίησαν ὁ βασιλ. Σ. πάντα τὰ σκ. [B al.] (1)  
 — 51. Α Β τὰ σκ. [B om.] ἔδωκεν εἰς τοὺς θεσβουρούς (1)  
 8. 4. καὶ τὰ [A πάντα τὰ] σκ. τὰ ἅγια τὰ ἐν-τῷ σκηνώματι (1)  
 10. 21. πάντα τὰ σκ. τοῦ οἴκου θυμοῦ τοῦ Διβ. [A al.] (1)  
 — 21. πάντα τὰ σκ. οἴκου θυμοῦ τοῦ Διβ. (1)  
 — 25. Α ἔφερον . . . σκ. ἀργυρὰ καὶ [B om.] σκ. ἀργ. κ.] σκ. χρυσὰ (1, 1)  
 15. 15. τοὺς κίονας αὐ. εἰσήνεγκαν . . . καὶ σκευὴ (1)  
 19. 21. ἤψονεν αὐτὰ ἐν τοῖς σκ. τῶν βοῶν [A al.] (1)  
 IV Ki. 4. 3. αἰτήσαν σκευὴν σκευὴν ἔξωθεν . . . σκ. κενὰ (1, 1)  
 — 4. ἀποχεῖς εἰς [A πάντα] τὰ σκ. ταῦτα (1)  
 — 5 (6). ἕως ἐπλήσθησαν τὰ σκ. (1)  
 — 6. ἐγγίσαιτε ἐπὶ πρὸς μετὰ [A om.] σκ. (1)  
 — 6. οὐκ ἔστιν ἐπὶ σκευὴς (1)  
 7. 15. πᾶσα ἡ ὁδὸς πλήρης . . . σκευῶν (1)  
 11. 8. καὶ τὸ σκ. αὐ. ἐν χειρὶ αὐ. (1)  
 — 11. καὶ τὸ σκ. αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)  
 12. 11 (12). Α τὰ ἔργα τῶν ἐπὶ σκευῶν [ἐπισκ.] οἴκου κυρίου [B al.] (1)  
 — 13 (14). πᾶν σκ. χρυσοῦν καὶ σκ. ἀργυροῦν (1, 1)  
 14. 14. ἔλαβε . . . πάντα τὰ σκ. (1)  
 20. 13. ἔδειξεν αὐτοῖς . . . τὸν οἶκον τῶν σκ. (1)  
 23. 4. ἐξαγαγόν . . . πάντα τὰ σκ. (1)  
 24. 13. συνέκοψε πάντα τὰ σκ. τὰ χρυσὰ (1)  
 25. 14. πάντα τὰ σκ. τὰ χαλκὰ . . . ἔλαβε (1)  
 — 16. οὐκ ἦν σταθμὸς τῶν χαλκοῦ πάντων τῶν σκ. (1)  
 I Ch. 9. 28. ἐξ αὐτῶν ἐπὶ τὰ σκ. τῆς λειτουργίας (1)  
 — 29. ἐξ αὐτῶν καθεστῆμενον ἐπὶ τὰ σκ. καὶ ἐπὶ πάντα [A Σ π.] σκ. τὰ ἅγια (1, 1)  
 10. 4. εἶπε Σ. τῷ αἶρονι τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 4. οὐκ ἐβούλετο ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 5. εἶδεν ὁ αἶρων τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 9. ἔλαβον . . . τὰ σκ. αὐ. (1)  
 I Ch. 10. 10. ἔθηκαν τὰ σκ. αὐ. ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐ. (1)  
 11. 39. αἶρων σκευὴν υἱῷ Σαρ. (1)  
 22. 33. ἐκπορευόμενοι . . . ἐν πᾶσι σκ. πολεμικοῖς (1)  
 — 37. ἀπὸ Ἰ. . . ἐν πᾶσι σκ. πολεμικοῖς (1)  
 18. 8. ἐποίησε Σαλ. . . τὰ σκ. τὰ χαλκὰ (1)  
 — 11 (10). καὶ πάντα σκ. ἀργυρὰ καὶ χρυσὰ (1)  
 22. 19. τοῦ εἰσενέγκαι . . . σκ. τὰ ἅγια τοῦ θεοῦ (1)  
 23. 26. οὐκ ἦσαν αἶροντες . . . τὰ πάντα [A π. τὰ] σκ. αὐ. (1)  
 28. 13. καὶ τῶν ἀποθηκῶν τῶν λειτουργησίων σκ. (1)  
 II Ch. 4. 11. ἐποίησε . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 16. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. ἂ ἐποίησε Χ. (1)  
 — 18. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκ. ταῦτα (1)  
 — 19. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)  
 5. 1. εἰσήνεγκε Σ. . . τὰ σκ. (1)  
 — 5. ἔλαβον . . . πάντα τὰ σκ. τὰ ἅγια (1)  
 9. 20. καὶ πάντα τὰ σκ. τοῦ βασιλ. Σαλ. χρυσοῦν (1)  
 — 20. καὶ πάντα τὰ σκ. οἴκου θυμοῦ τοῦ Διβ. (1)  
 — 24. ἔφερον . . . σκ. ἀργυρὰ καὶ σκ. χρυσὰ (1, 1)  
 15. 18. εἰσήνεγκε . . . χρυσοῦν καὶ σκευὴ (1)  
 20. 25. εἶρον . . . σκ. ἐπιθυμητὰ (1)  
 28. 7. ἀνδρὸς σκευὴς σκευὴς [A om.] ἐν χειρὶ αὐ. (1, -)  
 24. 14. ἐποίησαν σκευὴν εἰς οἶκον κυρίου σκ. λειτουργικά (1, 1)  
 25. 24. πάντα τὰ σκ. τὰ εὐρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (1)  
 28. 24. ἀπώστηεν Ἀ. τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)  
 29. 18. ἠγίσταμεν . . . τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 18. καὶ τὴν τράπεζαν τῆς προθέσεως καὶ τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 19. καὶ πάντα τὰ σκ. ἂ ἐμίανεν Ἀ. (1)  
 32. 27. καὶ εἰς σκ. ἐπιθυμητὰ (1)  
 36. 7. μέρος τῶν σκ. οἴκου κυρίου ἀπήνεγκαν (1)  
 — 10. μετὰ τῶν σκ. τῶν ἐπιθυμητῶν οἴκου κυρίου (1)  
 — 18. καὶ πάντα τὰ σκ. οἴκου θεοῦ (1)  
 — 19. καὶ πᾶν σκ. ὠρίον εἰς ἀφανισμὸν (1)  
 I Es. 1. 41. ἀπὸ τῶν ἱερῶν σκ. τοῦ κυρίου λαβὼν Ναβ. (1)  
 — 45. ἅμα τοῖς ἱεροῖς σκ. τοῦ κυρίου (1)  
 — 54. Α καὶ πάντα τὰ ἱερὰ σκ. τοῦ κυρίου . . . καὶ τὰ σκευὴ κιβωτοῦ [B τὰς κιβωτοὺς] τοῦ κ. (1)  
 2. 10. Β ἐξήνεγκε τὰ ἅγια [A B ἱερὰ] σκ. τοῦ κυρίου (1)  
 — 13. καὶ ἅλλα σκ. χιλία (1)  
 — 14. τὰ δὲ πάντα σκ. ἐκομισθή (1)  
 4. 44. καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ ληφθέντα ἐξ ἱερ. (1)  
 — 57. ἐξαπέστειλε πάντα τὰ σκ. (1)  
 6. 18. καὶ τὰ ἱερὰ σκ. τὰ χρυσὰ (1)  
 — 19. ἀπήνεγκε πάντα τὰ σκ. ταῦτα [A al.] (1)  
 — 26. καὶ τὰ ἱερὰ σκευὴ τοῦ οἴκου κυρίου (1)  
 8. 17. Β καὶ κατὰ [A B om.] τὰ ἱερὰ σκ. σου τὰ δίδόμενα (1)  
 — 55. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὰ ἱερὰ σκ. τοῦ οἴκου (1)  
 — 56. καὶ σκ. ἀργυρὰ ταλάντων ἑκατόν (1)  
 — 57. καὶ σκ. χαλκὰ ἀπὸ χρηστοῦ χαλκοῦ σιλιβοντα χρυσοειδῆ σκ. δέκα (1)  
 — 58. καὶ τὰ σκ. τὰ ἅγια . . . εὐχὴ τῷ κυρίῳ (1)  
 — 60. τὰ σκ. τὰ ἐν ἱερ. ἦνεγκαν εἰς τὸ ἱερὸν (1)  
 II Es. 1. 6. ἐνίσχυσαν . . . ἐν σκευαῖν ἀργυρίου (1)  
 — 7. ἐξήνεγκε τὰ σκ. οἴκου (1)  
 — 10. καὶ σκ. ἔτερα χιλία (1)  
 — 11. πάντα τὰ σκ. τῷ χρυσῷ (1)  
 5. 14. Β καὶ τὰ σκ. τοῦ θεοῦ τὰ ἀργυρὰ [A B al.] (2)  
 — 15. πάντα τὰ σκ. λάβε (2)  
 6. 5. καὶ τὰ σκ. οἴκου τοῦ θεοῦ τὰ ἀργυρὰ (2)  
 7. 19. τὰ σκ. τὰ δίδόμενά σοι . . . παράδος (2)  
 8. 25. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὰ σκ. ἀπαρχῆς οἴκου θεοῦ ἡμῶν (1)  
 — 26. ἔστησα . . . σκ. ἀργυρὰ ἑκατόν (1)  
 — 27. σκευὴ χαλκοῦ σιλιβοντα ἀγαθὴ διάφορα (1)  
 — 28. καὶ τὰ σκ. ἅγια (1)  
 — 30. ἐδέξαντο . . . σταθμὸν . . . τῶν σκ. (1)  
 — 33. ἐστήσανμεν . . . τὰ σκ. (1)  
 Ne. 7. 71. Β² ἔδωκαν . . . ἀργυρὰ σκ. δισχιλία [B¹ al.] (1)  
 10. 39 (40). καὶ ἐκεί σκ. τὰ ἅγια (1)  
 12. 36. Β² καὶ ἀδ. αὐ. . . ἐν σκευαῖν [A B S¹ om.] ἐν σκ. (1)  
 18. 5. Α Β² S ἐκεί ἦσαν . . . δίδοντες . . . τὰ σκ. (1)  
 — 8. ἔρριψα πάντα τὰ σκ. οἴκου Τ. (1)  
 — 9. ἐπιστρέψα ἐκεί σκευὴ οἴκου τοῦ θεοῦ (1)  
 To. 10. 11. S παρέδωκεν Τ. . . σκευὴ [A B al.] (1)  
 Ju. 4. 3. καὶ τὰ σκ. . . ἡγιασμένα ἦν (1)  
 7. 5. ἀναλαβόντες ἕκαστος τὰ σκ. τὰ πολεμικά αὐ. (1)  
 14. 2. ἀναλίσψετε ἕκαστος τὰ σκ. τὰ πολεμικά ὑμῶν (1)  
 16. 19. ἀνέθηκαν Ἰ. πάντα τὰ σκ. ὈΑ. (1)  
 Jb. 28. 17. τὸ ἀλλαγμα αὐτῆς σκευὴ χρυσὰ (1)  
 Ps. 2. 9. ὡς σκευὴς [A B² η] κεραμέως συντριβῆς αὐτοῦς (1)  
 7. 13. ἐν αὐτῷ ἡτοίμασε σκευὴ θανάτου (1)  
 30 (31). 12. ἐγενήθη ὥστε σκευὴ ἀπολωλὸς (1)  
 70 (71). 22. Β ἐξομολογήσομαι σοι ἐν σκευαῖ ψαλμοῦ [B om.] ἐν σκ. ψ.] τὴν ἀλήθειάν σου (1)  
 Ec. 9. 18. ἀγαθὴ σοφία ὑπὲρ σκευὴ πολέμου (1)  
 Wi. 13. 11. κατεσκευάσε χρησίμον σκευὴς εἰς ὑπηρεσίαν ζωῆς (1)  
 15. 7. ἀνεπλάσαστο τὰ τε τῶν καθαρῶν ἔργων δοῦλα σκευὴ (1)  
 — 13. ὕλης γεώδους εὐθραυστα σκευὴ . . . δημιουργῶν (1)  
 Si. 27. 5. σκευὴ κεραμῶς δοκιμάζει κάμινος (1)  
 38. 28. κατέναντι ὁμοιωμάτων σκευῶν οἱ ὀφθ. αὐ. (1)  
 43. 2. σκευὴς θαυμαστὸν ἔργον ὑψίστου (1)  
 — 8. σκευὴς παρεμβολῶν ἐν ὑψέ (1)  
 45. 8. ἐστερώσαν αὐτὸν σκευαῖς [B ἐν σκ.] ισχύος (1)  
 50. 9. ὡς σκευὴς χρυσοῦ ἀλοσύφρητον (1)  
 Ho. 8. 8. ἐγένετο ἐν τοῖς ἔθνεσιν ὡς σκ. ἀχρηστον (1)  
 13. 15. καταξηραίνε . . . πάντα τὰ σκ. τὰ ἐπιθυμητὰ αὐ. (1)  
 Jn. 1. 5. ἐκβολὴν ἐποίησαντο τῶν σκ. (1)  
 Na. 2. 9 (10). B S βεβάρυνται ἐπὶ [A S ὑπὲρ] πάντα σκ. [A B τὰ σκ.] τὰ ἐπιθυμητὰ αὐ. (1)  
 Za. 11. 15. λάβε σεαυτῷ σκ. ποιμενικά ποιμένους ἀπείρου [A al.] (1)  
 Is. 10. 28. ἐν Μαχμάς θήσει τὰ σκ. αὐ. (1)  
 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς . . . πάντας τοὺς οἴκους τῶν σκ. τῆς γᾶς [B¹ al.] (1)  
 52. 11. ἀφορίσθητε, οἱ φέροντες τὰ σκ. κυρίου (1)  
 54. 16. ἐκφέρετε σκευὴς εἰς ἔργον (1)  
 — 17. πᾶν σκ. σκευαστὸν ἐπὶ σὲ οὐκ εὐδοσῶ [A B¹ al.] (1)  
 65. 4. μεμολυμμένα πάντα τὰ σκ. αὐτῶν (1)  
 Je. 22. 28. ὡς σκευὴς οὐκ ἔστι χρεῖα αὐτοῦ (1)  
 26 (46). 19. σκευὴ ἀποικισμοῦ ποίησον σεαυτῇ (1)  
 27 (50). 25. ἐξήνεγκε τὰ σκ. ὀργῆς αὐτοῦ (1)  
 28 (51). 20. διασκορπίσεις σὺ μοι σκευὴ πολέμου (1)  
 30 (7) (49. 29). πάντα τὰ σκ. αὐτῶν καὶ καμῆλους αὐτῶν λήψονται ἑαυτοῖς (1)  
 81 (48). 12. τὰ σκ. αὐτοῦ λεπτυνοῦσι (1)  
 34 (27). 16. σκευὴ οἴκου κ. ἐπιστρέψει ἐκ Βαβ. (1)  
 — 19. τῶν ἐπιλοιπῶν [B ὑπολ.] σκ. . . εἰς Βαβυλῶνα εἰσέλυσεται (1)  
 85 (28). 3. ἀποστρέψω εἰς τὸν τόπον τοῦτον τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)  
 — 6. τοῦ ἐπιστρέψαι τὰ σκ. οἴκου κυρίου (1)  
 52. 18. καὶ πάντα τὰ σκ. τὰ χαλκὰ (1)  
 Ba. 1. 8. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν τὰ σκ. οἴκου κυρίου . . . σκευὴ ἀργυρὰ ἂ ἐποίησε Σδεκίας (1)  
 Ep. Je. 17. ὁπωρ γὰρ σκευὴς ἀνθρώπου συντριβὴν σκ. ἐν οἰκίᾳ χρησίμων (1)  
 Ez. 9. 1. εἶχε τὰ σκ. τῆς ἐξολεθρεύσεως (1)  
 12. 3. ποιήσαν σεαυτῷ σκευὴ αἰχμαλωσίας (1)  
 — 4. ἐξοίσαις τὰ σκ. σου σκευὴ αἰχμαλωσίας (1, 1)  
 — 7. σκευὴ ἐξήνεγκα [A ἐ. ὡς σκ.] αἰχμαλωσίας (1, 1)  
 15. 3. τοῦ κρεμάσαι ἐπ' αὐτὸν [A -οῦ] πᾶν σκ. (1)  
 16. 17. ἔλαβες τὰ σκ. τῆς καυχῆσθαι σου (1)  
 — 39. 23. 26. λήψονται τὰ σκ. τῆς καυχῆσθαι σου (1)  
 27. 13. σκευὴ χαλκὰ ἔδωκαν τὴν ἐμπορίαν σου (1)  
 40. 42. ἐπ' αὐτὰ ἐπιθήσουσι τὰ σκ. [A al.] (1)  
 Da. LXX. 1. 2. μέρος τῶν ἱερῶν σκ. τοῦ κ. (1)  
 — 2. ἀπήνεγκαν αὐτὰ . . . καὶ τὰ σκ. (1)  
 5. 2. εἶπεν ἐνέγκαι τὰ σκ. τὰ χρυσὰ (2)  
 — 23. τὰ σκ. τοῦ οἴκου τοῦ θεοῦ τοῦ ζῶντος ἠρέχθη σοι (2)  
 11. 8. μετὰ τῶν σκ. τῶν ἐπιθυμητῶν αὐ. (1)  
 Da. TH. 1. 2. ἀπὸ μέρους τῶν σκ. οἴκου τοῦ θ. (1)  
 — 2. τὰ σκ. εἰσήνεγκαν εἰς τὸν οἶκον (1)  
 5. 2. ἐνεγκὴν τὰ σκ. τὰ χρυσὰ (2)  
 — 3. ἠνέχθησαν τὰ σκ. τὰ χρυσὰ (2)  
 — 23. τὰ σκ. τοῦ οἴκου αὐ. ἦνεγκας ἐνώπιόν σου (2)  
 11. 8. πᾶν σκ. ἐπιθυμητῶν αὐ. . . οἶσει (1)  
 I Ma. 1. 21. ἔλαβε . . . πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 23. ἔλαβε . . . τὰ σκ. τὰ ἐπιθυμητὰ (1)  
 2. 9. τὰ σκ. τῆς δόξης αἰχμαλωτὰ ἀπὶ χθθ (1)  
 3. συνεζώσατο τὰ σκ. τὰ πολεμικά αὐ. (1)  
 — 12. Α καὶ ἔλαβον τὰ σκ. [B S σκίλα] αὐ. (1)  
 4. 30. εἰς χεῖρας . . . τὰ ἀφρονεῖς τὰ σκ. αὐ. (1)  
 — 49. Α ἐποίησαν τὰ σκ. τὰ [B B ἐπ. σκ.] ἅγια καιρά

1 Μα. 6. 12. *Πλαβον πάντα τὰ σκ. τὰ ἀργυρά*  
 9. 40. *Α. Πλαβον πάντα τὰ σκ. [B σκῆλα] αὐ.*  
 14. 10. *ἔταξεν αὐτὸς ἐν σκεύεσιν ὀχυρώσεως*  
 — 15. *ἐπλήθυνε τὰ σκ. τῶν ἀγίων*  
 15. 26. *ἀπέστειλεν αὐτὸν . . . σκ. ἱκανά*  
 11 Μα. 4. 48. *οἱ περὶ . . . τῶν ἱερῶν σκ. προηγορή-  
 σαστε*  
 5. 16. *ταῖς μεραις χειρὶ τὰ ἱερὰ σκ. λαμβάνων*  
 9. 16. *καὶ τὰ ἱερὰ σκ. πολυπλάσια πάντα ἀποδώσειν*  
 [Aq. Ge. 49. 5: Ex. 31. 9: Dt. 24. 2 (23. 25):  
 1 Ki. 17. 40: 21. 5 (6): 111 Ki. 10. 25: Ec.  
 9. 18: Is. 18. 2: 39. 2: 54. 16, 17: 61. 10:  
 Je. 18. 4: 25. 34 (32. 20): 52. 20: Ez. 9. 2:  
 12. 7 bis: 82. 27.]  
 [Sm. Ex. 31. 9: 39. 37 (17): 1 Ki. 17. 40: 111  
 Ki. 10. 25: Jb. 28. 17: Is. 18. 5: 18. 2: 39.  
 2: 54. 16, 17: 66. 20: Je. 18. 4: 25. 34 (32.  
 20): 52. 20: Ez. 9. 2: 12. 7 bis: 82. 27.]  
 [Th. Ex. 31. 9: 38. 3 (23): 39. 37 (17): 1 Ki.  
 17. 40: 21. 5 (6): 111 Ki. 10. 25: Jb. 28. 17:  
 Ps. 20. 15: Is. 18. 2: 22. 24 bis: 39. 2: 54.  
 16, 17: Je. 27 (34). 18, 19, 21: Ez. 12. 7 bis:  
 82. 27: Da. 1. 2.]  
 [Heb. Ge. 49. 5.]  
 [A1 i Ki. 6. 11.]

## σκέψεις.

[Sm. Ps. 63 (64). 3.]

## σκηνή.

(1) 𐤏𐤍𐤊 (2) 𐤏𐤍𐤊 (3) 𐤏𐤍𐤊

(4) a. 𐤏𐤍𐤊 b. 𐤏𐤍𐤊 c. 𐤏𐤍𐤊

Ge. 4. 20. *ο πατήρ οἰκοῦντων ἐν σκηνῇ*  
 12. 8. *ἔστησαν ἐκεῖ τὴν σκ. αὐ.*  
 13. 3. *οὐ ἦν ἡ σκ. αὐ. τὸ πρότερον*  
 — 4. *αὐτὸς ἐποίησεν ἐκεῖ τὴν σκ. [B ἀρχήν]*  
 — 5. *B πρόσβατα καὶ βόες καὶ σκηναί [A κτήνη]*  
 18. 1. *καθήμενος αὐτοῦ ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ. αὐ.*  
 — 2. *προσέειπεν . . . ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. αὐ.*  
 — 6. *ἔπεισεσεν Ἀβ. ἐπὶ τὴν σκ.*  
 — 9. *ἰδοὺ ἐν τῇ σκ.*  
 — 10. *Σάρρα δὲ ἤκουσε πρὸς τὴν θύραν τῆς σκ.*  
 25. 16. *ταῦτα τὰ ὀνύμα. αὐ. ἐν ταῖς σκ. αὐ.*  
 28. 25. *ἔπηξεν ἐκεῖ τὴν σκ. αὐ.*  
 31. 25. *ἔπηξεν τὴν σκ. αὐ. ἐν τῷ ὄρει*  
 38. 17. *1. ἀπαίρει εἰς Σκηνάς (4 δ)*  
 — 17. *τοὺς κτήνας αὐ. ἐποίησε σκηνάς (4 δ)*  
 — 17. *ἐκίλεσε τὸ ὄν. τοῦ τόπου ἐκ. Σκηναί (4 δ)*  
 — 19. *οὐ ἔστησαν ἐκεῖ τὴν σκ. αὐ.*  
 35. 16 (21). *ἔπηξεν τὴν σκ. αὐ.*  
 Ex. 18. 7. *εἰσῆγγαγον αὐτοὺς εἰς τὴν σκ.*  
 25. 8 (9). *τὸ παρυδευμα τῆς σκ.*  
 1. *τὴν σκ. ποιήσεις δέκα αὐλαίας*  
 — 6. *καὶ ἴσται ἡ σκ. μία*  
 — 7. *σκέπην ἐπὶ τῆς σκ.*  
 — 9. *κατὰ πρόσσωπον τῆς σκ.*  
 — 12. *ἐν ταῖς δέρρεσι τῆς σκ.*  
 — 12. *Α. B τὸ πλεονάζον τῶν δέρρεων τῆς σκ.*  
 — 12. *ὑποκαλύψει [A ἐπικ.] ὀπίσω τῆς σκ.*  
 — 13. *ἐκ τοῦ μήκου τῶν δέρρεων τῆς σκ. [A al.]*  
 — 13. *ἴσται συγκαλύπτων ἐπὶ τὰ πλάγια τῆς σκ.*  
 — 14. *ποιήσεις κατακάλυμμα τῇ σκηνῇ*  
 — 15. *ποιήσεις στύλους τῇ σκ.*  
 — 17. *οὕτως ποιήσεις πᾶσι τοῖς στ. τῆς σκ.*  
 — 18. *ποιήσεις στύλους τῇ σκ.*  
 — 22. *ἐκ τῶν ὀπίσω τῆς σκ.*  
 — 23. *ἐπὶ τῶν γωνιῶν τῆς σκ.*  
 — 26. *ἐκ τοῦ ἐνὸς μέρους τῆς σκ.*  
 — 27. *τῷ ἐπὶ [A σκ.] κλίτει τῆς σκ. τῷ δευτέρῳ*  
 — 27. *τῷ κλίτει τῆς σκ. τῷ πρὸς θύλασσαν*  
 — 30. *ἀναστήσεις τὴν σκ.*  
 — 35. *ἐπὶ μέρους τῆς σκ. τὸ πρὸς νότον*  
 — 35. *ἐπὶ μέρους τῆς σκ. τὸ πρὸς βορρᾶν*  
 — 36. *B' B ποιήσεις ἐπίσπαστρον τῇ θύρᾳ  
 τῆς σκ. [A B' al.]*  
 27. 9. *ποιήσεις αὐλὴν τῇ σκ.*  
 — 21. *ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 28. 39 (43). *ὅταν εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκ. τοῦ  
 μαρτυρίου*  
 29. 4, 10. *ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 10. *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 11. *B παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 30. *δε εἰσελεύσεται εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 32. *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 42. *ἐπὶ θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 44. *ἀγιάσω τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 30. 16. *ἐπὶ τὸ κάτεργον τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*

Ex. 30. 18. *θήσεις αὐτὸν ἀνὰ μίσον τῆς σκ. τοῦ  
 μαρτ.*  
 — 20. *ὅταν εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 21. *ὅταν εἰσπορεύωνται εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 26. *Α. B χρίσεις ἐξ αὐτοῦ τὴν σκ. τοῦ μαρ-  
 τυρίου καὶ τὴν κιβ. [B add. τῆς σκ.]  
 τοῦ μαρτ.*  
 — 27. *B καὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 36. *ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 31. 7. *ποιήσουσι . . . τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 7. *καὶ τὴν διασκευὴν τῆς σκ.*  
 38. 7. *λαβὼν M. τὴν σκ. αὐ.*  
 — 7. *ἐκλήθη σκηνὴ μαρτυρίου*  
 — 7. *ἐξεπορεύετο εἰς τὴν σκ.*  
 — 8. *ἦνικα δ' ἂν εἰσπορεύετο M. εἰς τὴν σκ.*  
 — 8. *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. αὐ.*  
 — 8. *ὥς τοῦ εἰσελθεῖν αὐτὸν εἰς τὴν σκ.*  
 — 9. *ὥς δ' ἂν εἰσέλθῃ M. εἰς τὴν σκ.*  
 — 9. *ἴστατο ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ.*  
 — 10. *ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ.*  
 — 10. *ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. αὐ.*  
 — 11. *οὐκ ἐξεπορεύετο ἐκ τῆς σκ.*  
 35. 11. *ἐργαζίσθω . . . τὴν σκ.*  
 — 21. *εἰς πάντα τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 37. 1 (36. 8). *ἐποίησαν τῇ σκ. δέκα αὐλαίας*  
 — 5 (36. 37). *τὸ καταπέτασμα τῆς θύρας [A<sup>1</sup>  
 σκ. τ. θ.] τῆς σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 14 (38. 16). *πᾶσαι αἱ αὐλαίαι τῆς σκ. [A al.]*  
 — 19 (38. 21). *αὕτη ἡ σύνταξις τῆς σκ. τοῦ  
 μαρτυρίου*  
 38. 19 (38. 36). *ἐποίησε καὶ τοὺς κρίκους τῆς  
 σκ. χρυσοῦς [A al.]*  
 — 20 (38. 36). *ἐχώνουσιν τὰς κεφαλίδας τὰς  
 ἀργύρας τῆς σκ. [A<sup>2</sup> τοῖς στύλοις,  
 A<sup>1</sup> σκ. τ. σκ.]*  
 — 20 (38. 36). *τὰς κεφαλίδας τὰς χαλκὰς τῆς  
 θύρας τῆς σκ.*  
 — 21 (20). *Α. ἐποίησε τοὺς πασσάλους τῆς  
 σκ. [B al.]*  
 — 26 (8). *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρ-  
 τυρίου*  
 — 27 (40. 32). *εἰσπορευομένων αὐτῶν εἰς τὴν  
 σκ. τοῦ μαρτ.*  
 39. 4 (38. 27). *εἰς τὴν χώρευσιν τῶν ἱκανῶν  
 κεφαλίδων τῆς σκ.*  
 — 8 (38. 30). *τὰς βάσεις τῆς θύρας τῆς σκ.  
 τοῦ μαρτυρίου*  
 — 9 (38. 30). *Α. καὶ τὰς βάσεις τῆς σκ. [B  
 πύλης, B αὐλῆς] κύκλω*  
 — 9 (38. 31). *καὶ τοὺς πασσάλους τῆς σκ.*  
 — 9 (38. 31). *B<sup>1</sup> καὶ τοὺς πασσάλους τῆς  
 [A B' B αὐλῆς]*  
 — 10 (38. 31). *καὶ πάντα τὰ ἐργαλεῖα τῆς σκ.  
 τοῦ μαρτ.*  
 — 14 (33). *ἤνεγκαν . . . τὴν σκ.*  
 — 20 (40). *τὸ καταπέτασμα τῆς θύρας τῆς σκ.*  
 — 21 (40). *καὶ πάντα τὰ σκευὴ τῆς σκ.*  
 — 21 (40). *εἰς τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτ.*  
 40. 2. *στήσεις τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (3+1)*  
 — 5. *ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 6. *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3+1)*  
 — 6 (8). *περιθήσεις τὴν σκ. [A αὐλῆν]*  
 — 9. *χρίσεις τὴν σκ.*  
 — 12. *ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 17. *ἐστάθῃ ἡ σκ.*  
 — 18. *ἔστησε M. τὴν σκ.*  
 — 19. *ἐξέτεινε τὰς αὐλαίας ἐπὶ τὴν σκ.*  
 — 19. *ἐπίθηκε τὸ κατακάλυμμα τῆς σκ.*  
 — 21. *εἰσῆγγε τὴν κιβ. εἰς τὴν σκ.*  
 — 22. *ἐπέθηκε τὴν τράπεζαν εἰς τὴν σκ. τοῦ  
 μαρτ. ἐπὶ τὸ κλίτος τῆς σκ. τοῦ  
 μαρτ. . . ἔξωθεν τοῦ καταπετάσ-  
 μος τῆς σκ.*  
 — 24. *ἔθηκε τὴν λυχνίαν εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ.  
 εἰς τὸ κλίτος τῆς σκ. τὸ πρὸς νότον (1, 8)*  
 — 26. *ἔθηκε τὸ θυσιαστ. τὸ χρυσοῦν ἐν τῇ σκ.  
 τοῦ μαρτ.*  
 — 29. *A<sup>2</sup> B παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ.*  
 — 33. *B ἔστησε τὴν αὐλὴν κύκλω τῆς σκ.*  
 — 34. *ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 34. *δόξης κυρίου ἐπλησθῇ ἡ σκ.*  
 — 35. *εἰσελθεῖν εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 35. *δόξης κυρίου ἐπλησθῇ ἡ σκ.*  
 — 36. *ἦνικα δ' ἂν ἀνέβῃ ἡ νεφέλη ἀπὸ τῆς σκ.*  
 — 38. *νεφέλη γὰρ ἦν ἐπὶ τῆς σκ. ἡμέρας*  
 Le. 1. 1. *ἐλάλησε κ. αὐτῇ ἐκ τῆς σκ. τοῦ μαρτ.*

Le. 1. 3. *πρὸς τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 5. *τὸ ἐπὶ τῶν θυρίων τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 3. 2, 8, 13. *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ.*  
 4. 4. *παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 5. *εἰσίοισι αὐτὸ ἐπὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 7. *ὅ ἐστιν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 7, 14. *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 16. *εἰσίοισι . . . εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 18. *ὅ ἐστιν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 18. *τῶν πρὸς τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 6. 16 (9), 26 (19). *ἐν αὐλῇ τῆς σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 30 (23). *ὡν ἐὰν εἰσενεχθῇ . . . εἰς τὴν σκ.  
 τοῦ μαρτ.*  
 8. 3. *ἐκκλησιάσαν ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ  
 μαρτ.*  
 — 4. *ἐξεκλησίασε τὴν συναγ. ἐπὶ τὴν θύραν  
 τῆς σκ.*  
 — 11. *ἔχρισε τὴν σκ.*  
 — 31. *ἐν τῇ αὐλῇ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 33. *ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 35. *ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 9. 5. *ἀπέναντι τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 23. *εἰσῆλθε . . . εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 10. 7. *ἀπὸ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 9. *ἦνικα ἐν εἰσπορεύσει εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ.*  
 12. 6: 14. 11, 23. *ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ  
 μαρτυρίου*  
 15. 14. *ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 29. *ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 31. *ἐν τῷ μαινεῖν αὐτοὺς τὴν σκ. μου τὴν  
 ἐν αὐτοῖς*  
 16. 7. *παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 16. *οὕτως ποιήσει τῇ σκ. [B' τὴν σκ.] τοῦ  
 μαρτυρίου*  
 — 17. *πᾶς ἀνθρ. οὐκ ἔσται ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 20. *συντελέσει ἐξέλασκόμενος . . . τὴν σκ.  
 τοῦ μαρτ.*  
 — 23. *εἰσελεύσεται Ἀ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 33. *ἐξέλκεται . . . τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 17. 4. *ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 4. *ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1?)*  
 — 4. *ὥστε μὴ προσενέγκαι δῶρον κυρίῳ ἀπέ-  
 ναντι τῆς σκ. κυρίου*  
 — 5. *ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 6. *παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 9. *ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 19. 21. *παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 23. 34. *ἐορτὴ σκηνῶν ἐπὶ τὰς ἡμέρας τῷ κ.*  
 — 42. *ἐν σκηναῖς κατοικήσετε ἐπὶ τὰς ἡμέρας*  
 — 42. *πᾶς ὁ ἀποχθὼν ἐν ἴσρ. κατοικήσει ἐν  
 σκηναῖς*  
 — 43. *ἐν σκηνῇ κατέκτισα τοὺς υἱοὺς Ἰσρ.*  
 24. 3. *ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 26. 11. *B ἥσσω τὴν σκ. [A B διαθήκην] μου ἐν  
 ὑμῖν*  
 Nu. 1. 1. *ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 50. *ἐπίστησαν τοὺς Λ. ἐπὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ.*  
 — 50. *αὐτοὶ ἀροῖσι τὴν σκ.*  
 — 50. *κύκλω τῆς σκ. παρεμβάλοισι*  
 — 51. *ἐν τῷ ἐξαίρειν τὴν σκ.*  
 — 51. *ἐν τῷ παρεμβάλλειν τὴν σκ.*  
 — 53. *παρεμβάλεωσαν . . . κύκλω τῆς σκ.  
 τοῦ μαρτ.*  
 — 53. *τὴν φυλακὴν τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ.*  
 2. 2. *κύκλω τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 17. *ἀρθήσεται ἡ σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 3. 7. *ἔναντι τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 7. *ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα τῆς σκ.*  
 — 8. *πάντα τὰ σκευὴ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 8. *κατὰ πάντα τὰ ἔργα τῆς σκ.*  
 — 10. *καταστήσεις ἐπὶ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου*  
 — 23. *ὅπως τῆς σκ. παρεμβάλοισι*  
 — 25. *ἡ φυλακὴ υἱῶν Γ. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ.  
 ἡ σκ.*  
 — 25. *καὶ τὸ κατακάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκ.  
 τοῦ μαρτ.*  
 — 26. *τῆς πύλης τῆς αὐλῆς τῆς οὐσῆς ἐπὶ  
 τῆς σκ.*  
 — 29. *παρεμβιλοῦσιν ἐκ πλαγίων τῆς σκ.*  
 — 35. *ἐκ πλαγίων τῆς σκ. παρεμβάλοισι*  
 — 36. *τὰς κεφαλίδας τῆς σκ.*  
 — 38. *κατὰ πρόσσωπον τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (3+1)*  
 4. 3. *ποιήσαι πάντα τὰ ἔργα ἐν τῇ σκ. τοῦ  
 μαρτ.*  
 — 4. *ταῦτα τὰ ἔργα τῶν υἱῶν Κ. ἐν τῇ σκ. τοῦ  
 μαρτ.*



|   |  |   |
|---|--|---|
| Nu. 4. 5. Δ κατακαλύψουσιν ἐν αὐτῇ τὴν σκ. [B κισθόν] †   | Nu. 17. 13 (28). πᾶς ὁ ἀπτόμενος τῆς σκ. κυρίου (8)                        | I Ch. 6. 48 (33). εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας (8)                                      |
| — 15. ταῖτα ἀρούσιν . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | 18. 2. ἀπέναντι τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)                                  | 9. 19. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τῆς σκ. (1)  |
| — 16. ἡ ἐπισκοπὴ ὅλης τῆς σκ. (8)   | — 3. καὶ τὰς φυλακὰς τῆς σκ. [A add. σου] (1)                              | — 21. πτωχὸς τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)  |
| — 23. ποιεῖν τὰ ἔργα αὐ. ἐν τῇ σκ. [A ἔ. τῆς σκ.] τοῦ μαρτ. (1)   | — 4. φυλάσσονται τὰς φυλακὰς τῆς σκ. (1)                                   | — 23. ἐν οἴκῳ τῆς σκ. τοῦ φυλάσσειν (1)   |
| — 25. ἀρεῖ τὰς δέρρεις [B <sup>2</sup> τὰ σκεύη] εἰς σκ. καὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ. . . καὶ τὸ κάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (8, 1, 1) | — 6. λειτουργεῖν τὰς λειτουργίας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)                     | 15. 1. ἐποίησεν αὐτὴν σκηνήν (1)  |
| — 26. A B <sup>2</sup> B δσα ἐπὶ τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (8)  | — 21. δσα αὐτὰ λειτουργοῦσι . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)                  | 16. 1. ἀπείριστο αὐτὴν ἐν μέσῳ τῆς σκ. (1)  |
| — 28. αὐτὴ ἡ λειτουργία . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | — 22. οὐ προσελεύσονται ἔτι οἱ υἱοὶ Ἰσρ. εἰς τὴν σκ. (1)                   | — 39. ἐναντίον τῆς [B om.] σκ. κυρίου (8)   |
| — 30. λειτουργεῖν τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | — 23. τὴν λειτουργίαν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)                                | 17. 5. ἤμην ἐν σκηνῇ (1)  |
| — 31. B <sup>2</sup> κατὰ πάντα τὰ ἔργα τῶν [A B <sup>2</sup> B αὐτῶν] ἐν τῇ σκ. (1)  | — 31. τῶν λειτουργιῶν ὧν τῶν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)                       | 21. 29. σκηνὴ κυρίου . . . ἐν B. ἐν Γ. (8)  |
| — 31. τὰς κεφαλίδας τῆς σκ. (8)   | 19. 4. ἀπέναντι τοῦ προσώπου τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)                         | 23. 26. οὐκ ἦσαν αἰρόντες τὴν σκ. (8)   |
| — 31. A καὶ τὸ κατακάλυμμα τῆς σκ. [B om. τ. σκ.] —   | — 13. τὴν σκ. κυρίου ἐμίανεν (1)   | — 32. φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς σκηνῆς τοῦ μαρτ. (1)   |
| — 31. καὶ τὸ κατακάλυμμα τῆς θύρας τῆς σκ. —  | 20. 6. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)                             | II Ch. 1. 3. οὐ ἐκεῖ ἦν ἡ σκ. τοῦ μαρτυρίου τοῦ θ. (1)                                    |
| — 33. αὐτὴ ἡ λειτουργία . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | 24. 5. αἰ σκ. σου, Ἰακώβ (1)   | — 4. ἡτοίμασεν αὐτὴν σκηνὴν εἰς Ἱερ. (1)  |
| — 35. καὶ ποιεῖν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. [A al.] (1)  | — 6. ὥσει σκηνὰς δὲ ἐπὶ τῆς κύριος †                                       | — 5. ἐκεῖ ἦν ἐναντί τῆς σκ. κυρίου (8)  |
| — 37. πᾶς ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | 25. 6. παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)                            | — 6. ἐπὶ τὸ θυσιαστ. τὸ χαλκοῦν . . . τὸ ἐν τῇ σκ. (1)                                    |
| — 39. ποιεῖν τὰ ἔργα ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | 27. 2. ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)                             | — 13. B πρὸ προσώπου σκηνῆς [A B τῆς σκ. τοῦ] μαρτυρίου (1)                               |
| — 41. πᾶς ὁ λειτουργῶν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | 31. 30. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φυλακὰς ἐν τῇ σκ. κυρίου (8)                  | 5. 5. ἔλαβον . . . τὴν σκ. τοῦ μαρτ. καὶ πάντα τὰ σκεύη τὰ ἁγία τὰ ἐν τῇ σκ. (1, 1)       |
| — 43. πρὸς τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)  | — 47. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φυλακὰς τῆς σκ. κυρίου (8)                      | 8. 13. ἐν τῇ ἱερῇ τῶν σκ. (4, 6)  |
| — 47. τὰ ἔργα τὰ αἰρόμενα ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | — 54. εἰσῆγγεν αὐτὰ εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)                              | 14. 15 (14). σκηνὰς κτήσεων . . . ἐξέκοψαν (1)  |
| 5. 17. ἐπὶ τοῦ ἰδαίου τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (8)   | De. 1. 27. διεγογγύζετο ἐν ταῖς σκ. ὑμῶν (1)                               | 24. 6. ἐξεκκλησίασε τὸν Ἰσρ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)                                |
| 6. 10. οἴσει . . . ἐπὶ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | 11. 6. κατέπειν αὐτοὺς . . . καὶ τὰς σκ. αὐ. (1)                           | 29. 6. ἀπέστρεψαν τὸ πρόσωπον ἀπὸ τῆς σκ. κυρίου (8)                                      |
| — 13. προσοίσει αὐτοὺς παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | 16. 13. ἱερὴν σκηνὴν [A τῶν σκ.] ποιήσεις σεσαυγ. (4, 6)                   | II Es. 3. 4. ἐποίησαν τὴν ἱερὴν τῶν σκ. (4, 6)  |
| — 18. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)  | 31. 14. στήτε παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)                         | 8. 29. ὥς στήτε . . . εἰς σκηνὰς οἴκου κυρίου †   |
| 7. 1. ὥστε ἀναστήσει τὴν σκ. (8)  | — 14. A B <sup>2</sup> B καὶ ἐπορεύθη M. καὶ Ἰ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. —    | Ne. 8. 14. ὅπως κατοικήσωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν σκηναῖς (4, 6)                                |
| — 3. προσήγαγον ἐναντίον τῆς σκ. (8)  | — 14. A B <sup>2</sup> B ἔστησαν παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)      | — 15. A <sup>2</sup> B B ποιῶσαι σκηνὰς κατὰ τὸ γε-γραμμ. (4, 6)                          |
| — 5. πρὸς τὰ ἔργα τὰ λειτουργικὰ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | — 15. ἔστη παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. —                              | — 16. ἐποίησαν ἐντοὶς σκηνὰς (4, 6)   |
| — 89. ἐν τῇ εἰσπορεύσει M. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | — 15. ἔστη ὁ στυλὸς τῆς νεφέλης παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. (1)                 | — 17. ἐποίησαν . . . σκηνὰς [B <sup>2</sup> ἐν σκηναῖς] (4, 6)                            |
| 8. 9. προσάξεις τοὺς Λ. ἐναντί τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | Jo. 7. 21. ἐγκέκρυπται ἐν τῇ σκ. μου (1)                                   | — 17. καὶ ἐκίδωσαν ἐν σκηναῖς (4, 6)  |
| — 15. ἐργάσονται τὰ ἔργα τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | — 22. ἔδραμον εἰς τὴν σκ. (1)  | To. 18. 10. ἴνα πάλιν ἡ [A om.] σκ. αὐτοῦ οἰκοδομηθῇ [B al.] (1)                          |
| — 19. 22. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)   | — 22. ταῦτα ἦν κεκρυμμένα εἰς τὴν σκ. [A al.] (1)                          | Ju. 3. 3. A B καὶ πᾶσαι αἱ μάνδραι τῶν σκ. ἡμῶν (1)                                       |
| — 24. ἐνεργεῖν ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)  | — 23. ἐξήνεγκαν αὐτὰ ἐκ τῆς σκ. (1)  | 5. 22. πᾶς ὁ λαὸς ὁ κυκλῶν τὴν σκ. [A -φ τῆς σκ.] (1)                                     |
| — 26. ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)   | — 24. ἀνήγαγον αὐτὸν . . . καὶ τὴν σκ. αὐ. (1)                             | 6. 10. οἱ ἦσαν παρεστηκότες ἐν τῇ σκ. αὐ. [B παρ. αὐτῶ] (1)                               |
| 9. 15. ἡ ἐστὶν ἡ σκ. (8)  | 18. 1. ἐπῆσαν ἐκεῖ τὴν σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)                               | 7. 18. καὶ αἱ σκ. καὶ αἱ ἀπαρτίαι αὐ. (1)   |
| — 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκ. (3)   | 19. 14. παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)                           | 8. 5. ἐποίησαν ἐαυτῇ σκηνήν (1)   |
| — 15. ἦν ἐπὶ τῆς σκ. [A γῆς] ὡς εἶδος πυρός (1)   | 22. 19. οὐ κατασκευάζει ἐκεῖ ἡ σκ. [A κισθὸς] κυρίου (8)                   | — 36. ἀποστρέφοντες ἐκ τῆς σκ. (1)  |
| — 17. ἦν καὶ ἀνέβη ἡ νεφέλη ἀπὸ τῆς σκ. (1)   | — 29. ὁ ἔστιν ἐναντίον τῆς σκ. αὐ. (1)                                     | 10. 15. πρόσκειται ἐπὶ τὴν σκ. αὐ. (1)  |
| — 18. ἐν αἰς σκαίει ἡ νεφέλη ἐπὶ τῆς σκ. (8)  | 24. 25. ἐνώπιον τῆς σκ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. —                                    | — 17. ἦγαγον αὐτὰς ἐπὶ τὴν σκ. Ὀλ. (1)  |
| — 19. ὅταν ἐφέλκεται ἡ νεφέλη ἐπὶ τῆς σκ. (1)   | 4. 11. ἐπῆρε τὴν σκ. αὐ. (1)   | — 18. ἐκύκλων αὐτὴν . . . ἔξω τῆς σκ. Ὀλ. (1)   |
| — 20. ὅταν σκεπασθῇ ἡ νεφέλη . . . ἐπὶ τῆς σκ. (1)  | — 17. ἔφυγε τοῖς ποσὶν αὐ. εἰς σκηνὴν Ἰ. (1)                               | — 20. εἰσῆγαγον αὐτὴν εἰς τὴν σκ. (1)   |
| 10. 3. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)  | — 18. ἐξέκλυε πρὸς αὐτὴν εἰς τὴν σκ. (1)                                   | 12. 5. A B ἠγάγοντο αὐτὴν . . . εἰς τὴν σκ. (1)   |
| — 11. ἀνέβη ἡ νεφέλη ἀπὸ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (8)  | — 20. στήθε διὰ τῆς θύρας τῆς σκ. (1)                                      | — 9. B παρέμεινε τῇ [A ἐν τῇ] σκ. (1)   |
| — 17. καθιλοῦσι τὴν σκ. (8)   | — 21. ἔλαβεν Ἰ. . . τὸν πίσσαλον τῆς σκ. (1)                               | 13. 1. A B συνέκλεισε τὴν σκ. ἔξωθεν (1)  |
| — 17. αἰόντες τὴν σκ. (8)   | 5. 24. ἀπὸ γυναικῶν ἐν σκηναῖς εὐλογηθεῖ [A al.] (1)                       | — 2. B ὑπέλειψθη δι' Ἰ. μόνῃ ἐν τῇ σκ. [A om. ἐν τῇ σκ.] (1)                              |
| — 21. στήσαντες τὴν σκ. (8)   | 6. 5. αἰ σκ. αὐ. παρεγίνοντο [A al.] (1)                                   | 14. 3. συνδραμοῦνται ἐπὶ τὴν σκ. Ὀλ. (1)  |
| 11. 16. ἔξει αὐτοὺς πρὸς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | 7. 8. ἐξαπέστειλεν ἄνδρα εἰς σκηνὴν [A τὸ σκῆνωμα] αὐ. (1)                 | — 13. παρεγίνοντο ἐπὶ τὴν σκ. Ὀλ. (1)   |
| — 24. ἔστησαν αὐτοὺς κυκλῶ τῆς σκ. (1)  | — 13. ἦλθεν ἔως τῆς σκ. (1)  | — 14. ἔκρουσε τὴν αἰδία τῆς σκ. (1)   |
| — 26. οὐκ ἦλθον πρὸς τὴν σκ. (1)  | — 13. ἔπεισεν ἡ σκ. (1)  | — 17. εἰσῆλθεν εἰς τὴν σκ. (1)  |
| 12. 4. B ἐξήλθετε ὑμεῖς οἱ τρεῖς τὴν [A B εἰς τὴν] σκ. (1)  | 8. 11. ὁδὸν τῶν σκηνούτων ἐν σκηναῖς [A al.] (1)                           | 15. 11. ἔδωκαν τῇ Ἰ. τὴν σκ. Ὀλ. (1)  |
| — 5 (4). ἐξῆλθον οἱ τρεῖς εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. —   | I Ki. 2. 22. A παρὰ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)                        | Jb. 5. 24. ἡ δὲ δίατα τῆς σκ. σου οὐ μὴ ἀμάρτη [A al.] †                                  |
| — 5. ἔστη ἐπὶ τῆς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | II Ki. 6. 17. ἀνέθηκαν αὐτὴν . . . εἰς μέσον τῆς σκ. (1)                   | 8. 14. ἀράχην δὲ αὐτοῦ ἀποβήσεται ἡ σκ. †   |
| 14. 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη . . . ἐπὶ τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | 7. 2. ἡ κισθὸς τοῦ θ. κάθηται ἐν μέσῳ τῆς σκ. †                            | 18. 15. κατασκευάσει ἐν τῇ σκηνῇ αὐτοῦ (1)  |
| 16. 9. λειτουργοῦντας λειτουργίας τῆς σκ. κυρίου (8)  | — 6. ἦμην ἐμπεριπατῶν . . . ἐν σκηνῇ (8)                                   | 36. 30 (29). ἰσότητα σκηνῆς αὐτοῦ ἰδοὺ ἐκτενεῖ (4, 6)                                     |
| — 9. παρίστασθαι ἐναντί τῆς σκ. [A συναγωγῆς] †   | 11. 11. κατοικοῦντες ἐν σκηναῖς (4, 6)                                     | Ps. 17 (18). 11. A <sup>2</sup> B <sup>2</sup> κυκλῶ αὐτοῦ ἡ σκ. αὐ. (4, 6)               |
| — 18. A <sup>2</sup> B ἔστησαν παρὰ τὰς θύρας τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | 16. 22. ἐπῆσαν τὴν σκ. τῷ Ἀβ. (1)  | 26 (27). 5. ἐκρυψέ με ἐν σκηνῇ (4, 6)   |
| — 19. A <sup>2</sup> B πέρα τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | 22. 12. ἡ σκ. αὐ. σκότος ὑδάτων (4, 6)                                     | — 5. ἐσκέπασέ με ἐν ἀποκρύφῳ τῆς σκ. αὐτοῦ (1)  |
| — 26. ἀποσκήσθητε ἀπὸ τῶν σκ. τῶν ἀνθρώπων τῶν σκληρῶν γ. (1)   | III Ki. 1. 39. ἔλαβε . . . τὸ κέρας τοῦ ἐλαίου ἐκ τῆς σκ. (1)              | — 6. ἔθυσαν ἐν τῇ σκ. αὐτοῦ θυσίαν ἀλλογαμοῦ (1)  |
| — 27. ἀπέστρεψαν ἀπὸ τῆς σκ. K. (8)   | 2. 29. ἔφωγεν Ἰ. εἰς τὴν σκ. τοῦ κυρίου (1)                                | 28 (29). εἰ. ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ἐξοδίου σκηνῆς —   |
| — 27. παρὰ τὰς θύρας τῶν σκ. [A σκηνωμάτων] αὐ. (1)   | — 30. ἦλθε Βαν. υἱὸς Ἰ. . . εἰς τὴν σκ. τοῦ κ. (1)                         | 30 (31). 20. σκεπάσεις αὐτοὺς ἐν σκηνῇ (4, 6)   |
| — 30. καταπίεται . . . τὰς σκ. αὐ. —  | 18. 5. οὐκ ἐξολοθρευθήσονται ἀπὸ τῶν σκ. [A κτηνῶν] †                      | 41 (42). 4. διελίσσονται ἐν τόπῳ σκηνῆς θαν-μαστῆς (4, 6)                                 |
| — 42 (17. 7). ὄρμησαν ἐπὶ τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | 21 (20). 12. πῖνον ἦν αὐτοὺς . . . ἐν σκηναῖς (4, 6)                       | 59 (60). 6. τὴν κοιλιάδα τῶν σκ. διαμετρήσω (4, 6)  |
| — 43 (17. 8). εἰσῆλθε M. καὶ Ἀ. κατὰ πρόσωπον τῆς σκ. (1)   | IV Ki. 7. 7. ἐγκατέλιπον τὰς σκ. αὐ. (1)                                   | 77 (78). 60. ἀπάσαν τὴν σκ. Σηλωμ (8)   |
| — 50 (17. 15). ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκ. τοῦ μαρτ. (1)  | — 8. εἰσῆλθον εἰς σκ. μίαν (1)   | 107 (108). 7. A B τὴν κοιλιάδα τῶν σκ. [B σκηνωμάτων] διαμετρήσω (4, 6)                   |
| 17. 4 (19). ὅρμησε αὐτὰς ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτυρίου (1)  | — 10. καὶ αἱ σκ. αὐ. ὡς εἰσιν (1)  | 117 (118). 15. φωνὴ ἀγαλλιάσεως καὶ σωτηρίας ἐν σκηναῖς δικαίων (1)                       |
| — 7 (22). ἀπῆλθε M. τὰς ῥάβδους . . . ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | 10. 14. B <sup>2</sup> ἐσφαξαν αὐτοὺς ἐν τῇ σκ. [A B <sup>2</sup> B al.] † | Pr. 14. 11. σκηνὰ δὲ κατορθοῦνται στίσανται (1)   |
| — 8 (23). εἰσῆλθε M. καὶ Ἀ. εἰς τὴν σκ. τοῦ μαρτ. (1)   | I Ch. 6. 10. κατοικοῦντες ἐν σκηναῖς (1)                                   | Wi. 9. 8. μίμημα σκηνῆς ἁγίας (1)   |
|   | 6. 32 (17). ἐναντίον τῆς σκ. οἴκου μαρτυρίου (8)                           | 11. 2. ἐν ἀβύσσῳ ἐπῆσαν σκηνὰς (1)  |
|   |  | Si. 14. 25. στήσει τὴν σκ. αὐτοῦ κατὰ χεῖρας αὐτῆς (1)                                    |
|   |  | — 26. B <sup>2</sup> στήσει τὰ τέκνα αὐτοῦ ἐν τῇ σκ. [A B B <sup>2</sup> σκέπη] αὐτῆς (1) |
|   |  | 24. 8. ὁ κτίσας με κατέταυσε τὴν σκ. μου (1)  |

Si. 24. 10. ἐν σκηνῇ ἁγίᾳ ἐνώπιον αὐτοῦ ἐλειτουργήσα  
— 15. ὡς λιβάδιον ἀγίων ἐν σκηνῇ  
Ho. 12. 9 (10). κατοικίᾳ σου ἐν σκηνῇ (1)  
Am. 5. 26. ἀνελήφθης τὴν σκ. τοῦ Μ. (4c)  
9. 11. ἀναστῆσαι τὴν σκ. Δ. τὴν πεπτοκυῖαν (4b)  
Jn. 4. 5. ἐποίησεν ἑαυτὴν ἐκεί σκηνήν (4b)  
Hb. 3. 7. πτοήσονται καὶ αἱ [B om.] σκ. γῆς  
Maδ. +  
Is. 1. 8. ὡς σκηνὴ ἐν ἀμπελῶνι (4b)  
16. 5. καθιέται . . . ἐν σκηνῇ Δ. (1)  
22. 16. ἔγραψας σεαυτὴν ἐν πέτρᾳ σκηνήν (8)  
38. 20. σκηνὰ αὐτῶν οὐκ ἐστὶν οὐδὲ μὴ  
κινηθῶσιν οἱ πάσσαλοι τῆς σκ.  
αὐτῆς (1, -)  
38. 12. ἀπῆλθεν ἀπ' ἐμοῦ ὥσπερ ὁ σκηνὴν  
καταλύων πῆξας (1)  
40. 22. διατίνας ὡς σκηνὴν κατοικεῖν (1)  
54. 2. πλάτυνας τὸν τόπον τῆς σκ. σου (1)  
Je. 4. 20. τεταλαιπώρηκεν ἡ σκ. [A -al] (1)  
6. 3. πῆξουσιν ἐπ' αὐτὴν σκηνὰς κύκλω (1)  
10. 20. ἡ σκ. σου ἐταλαιπώρησεν (1)  
— 20. οὐκ ἔστιν ἐπὶ τόποις τῆς σκ. σου (1)  
30. 7 (49. 29). σκηνὰς αὐτῶν καὶ τὰ πρόβατα  
αὐτῶν λήψονται (1)  
42 (85). 7. ἐν σκηναῖς οἰκήσετε (1)  
— 10. φέρεσθαι ἐν σκηναῖς (1)  
La. 2. 4. ἐν [A. om.] σκηνῇ θυγατρὸς Σιών (1)  
Da. LXX. 11. 45. στήσῃ αὐτοῦ τὴν σκ. τότε (1)  
Da. TH. 11. 45. πῆξῃ τὴν σκ. αὐ. (1)  
II Ma. 2. 4. A<sup>2</sup> B τὴν σκ. . . ἐκέλευσεν . . . αὐτὴν  
συνακολουθεῖν (1)  
— 5. τὴν σκ. . . εἰσῆλθον ἐκεῖ (1)  
— 6. τὴν τὴν σκ. ἐορτήν . . . ἥσαν νεμέμνοι (1)  
12. 12. εἰς τὰς σκ. ἐχορήγησαν (1)  
III Ma. 1. 2. διακομισθὴν νύκτωρ ἐπὶ τὴν τοῦ Πτ.  
σκ. (1)  
— 3. ἀσπὸν τὴν κατέλκεν ἐν τῇ σκ. (1)  
IV Ma. 3. 8. ἐπὶ τὴν βασιλείαν σκ. ἡλθε  
[Aq. Ge. 24. 67; Ex. 28. 6b; Le. 8. 10; Nu. 8. 7; Jb. 31. 31; Ca. 1. 5; Is. 54. 2; Je. 4. 20; 30 (37). 18; Ez. 25. 4; 41. 1.]  
[Bm. Ex. 12. 37; 18. 18; 38. 31 (39. 9); 40. 26 (24); Nu. 3. 7 bis; 4. 25, 26 bis; Dt. 5. 30 (27); I Ki. 26. 5, 7; Jb. 8. 22; 11. 14; 18. 14; 29. 4; 31. 31; 36. 29; 40. 26 (31); Ps. 138 (139). 5; 26 (27). 5; 41 (42). 5; 51 (52). 7; 60 (61). 5; 68 (69). 26; 77 (78). 28; 90 (91). 10; Ca. 1. 5; 8; Is. 28. 20; 33. 20; Ez. 28. 14; 34. 11; 35 (42). 7; 87 (44). 10; Ez. 25. 4; Da. 11. 45; Am. 5. 26.]  
[Th. Ex. 38. 31 (39. 9); 40. 26 (24). 28, 30; Le. 8. 10; Nu. 8. 7 bis; Jd. 6. 5; I Ki. 9. 22; Jb. 8. 22; 11. 14; 18. 14; 15. 31; 31; 36. 29; Is. 33. 20; 38. 12; 54. 2; Ez. 25. 4; Da. 11. 45.]  
[Al. Ge. 31. 33 bis; 34; Ex. 18. 20; Jb. 18. 15; Hb. 3. 7.]  
[Heb. Ex. 26. 36; Jb. 18. 15.]  
[Bm. Ex. 38. 8 (26).]  
**σκηνοπηγία** (-εία). (1) πῆξ  
De. 16. 16. καὶ ἐν τῇ ἐορτῇ τῆς σκ. (1)  
31. 10. ἐν ἐορτῇ σκηνοπηγίας (1)  
I Es. 5. 51. ἡγάγασαν τὴν τῆς [A ἡγ. τὰς] σκ.  
ἐορτήν (1)  
Za. 14. 16. τοῦ ἐορτάζειν τὴν ἐορτήν τῆς σκ. (1)  
— 18. τοῦ ἐορτάσαι τὴν ἐορτήν τῆς σκ. (1)  
— 19. ἐορτάσαι τὴν ἐορτήν τῆς σκ. (1)  
I Ma. 10. 21. ἐν ἐορτῇ σκηνοπηγίας (1)  
II Ma. 1. 9. ἵνα ἀγῆται τὰς ἡμέρας τῆς σκ.  
— 18. ἵνα καὶ αὐτοὶ ἀγῆται σκηνοπηγίας (1)  
**σκηνοποιεῖν**.  
[Bm. Is. 33. 20; 22. 15.]  
**σκηνοποιεῖν**.  
[Al. Dt. 31. 10.]  
**σκήνος**.  
Wi. 9. 15. βρίθει τὸ γῶδες σκ. νοῦν πολυφρόντιδα  
σκηνοῦν. (1) λῆκ (2) πῆξ  
Ge. 13. 12. B ἐσκήνωσεν [A ἐσκ.] ἐν Σοδομοῖς (1)  
Jd. 5. 17. B Γ. ἐν τῇ πύρᾳ τοῦ Ἰ. ἐσκήνωσε  
[A B al.] (2)  
— 17. ἐπὶ διεξόδοις αὐ. σκηνώσει [A al.] (2)  
8. 11. ὁδὸν τῶν σκηνοῦντων [A ὁ κατοικούν-  
των] ἐν σκηνῇς (2)

III Ki. 8. 12. A κύριος εἶπεν τοῦ σκηνώσαι ἐν  
γρόφῳ (2)  
[Aq. Ex. 24. 16; 25. 7 (8); III Ki. 8. 12; Jb. 11. 14; 26. 5; 38. 19; Ps. 64 (65). 5; 67 (68). 7; 138 (139). 9; Is. 22. 15.]  
[Bm. Ex. 25. 7 (8); Jb. 11. 14.]  
[Th. Ex. 25. 7 (8); Jb. 11. 14; 38. 19.]  
[Al. Ex. 29. 45.]  
**σκήνωμα**. (1) λῆκ (2) πῆξ (3) πῆξ  
(4) πῆξ (5) πῆξ  
Nu. 16. 27. A παρὰ τὰς θύρας τῶν σκ. [B σκη-  
νῶν] αὐ. (1)  
De. 38. 18. καὶ Ἰσρ. ἐν τοῖς σκ. αὐ. (1)  
Jo. 8. 14. ἀπῆλθεν ὁ λαὸς ἐκ τῶν σκ. αὐ. (1)  
Jd. 7. 8. A ἐξασπείλειεν ἄνδρα εἰς τὸ σκ. [B  
εἰς σκηνήν] αὐ. (1)  
19. 9. πορεύσῃ εἰς τὸ σκ. σου (1)  
20. 8. οὐκ ἀπελευσόμεθα ἀπὸ τῆς σκηνῆς [A  
τὸ σκ.] αὐ. (1)  
I Ki. 4. 10. ἔφυγεν ἕκαστος εἰς σκήνωμα αὐ. (1)  
18. 2. B ἐξασπείλειεν ἕκαστος εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)  
17. 54. τὰ σκεύη αὐ. ἔθηκαν ἐν τῇ σκ. αὐ. (1)  
II Ki. 7. 23. ἔθηκαν καὶ σκεύη αὐ. (1)  
18. 17. πᾶς Ἰσρ. ἔφυγεν ἀπὸ τῆς σκ. αὐ. (1)  
19. 8 (9). Ἰσρ. ἔφυγεν ἀπὸ τῆς σκ. αὐ. (1)  
20. 1. ἀπὸ τῆς σκ. σου (1)  
— 22. ἀπὸ τῆς σκ. σου (1)  
III Ki. 2. 28. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὸ σκ. τοῦ κυρίου (1)  
8. 4. καὶ τὸ σκ. τοῦ μαρτυρίου καὶ τὰ σκεύη  
τὰ ἅγια τὰ ἐν τῇ σκ. τοῦ μαρτ. (1, 1)  
— 66. ἀπῆλθεν ἕκαστος εἰς τὸ σκ. αὐ. χαιρούμενος (1)  
9. 19. A πᾶσας τὰς πόλεις τῶν σκ. (2)  
12. 16. ἀπὸ τῆς σκ. σου. (1)  
— 16. ἀπῆλθεν Ἰσρ. εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)  
— 24. B εἰς τὸ σκ. σου Ἰσρ. (1)  
— 24. B ἀπῆλθεν ἕκαστος εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)  
IV Ki. 8. 21. ἔφυγεν ὁ λαὸς εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)  
18. 5. ἐκάθισαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν τοῖς σκ. αὐ. (1)  
14. 12. ἔφυγεν ἀπὸ τῆς σκ. αὐ. (1)  
I Ch. 5. 20. οἱ Ἀγ. καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. (1)  
II Ch. 7. 10. ἀπέστειλε τὸν λαὸν εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)  
10. 16. εἰς τὰ σκ. σου. Ἰσρ. (1)  
— 16. ἐπορεύθη πᾶς Ἰσρ. εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)  
11. 14. ἐγκατέλιπον οἱ Δ. τὰ σκ. τῆς κατασχέ-  
σεως αὐ. (1)  
21. 9. ἔφυγεν ὁ λαὸς εἰς τὰ σκ. αὐ. (1)  
25. 22. ἔφυγεν ἕκαστος εἰς τὸ σκ. αὐ. (1)  
I Es. 1. 50. καθὼς ἐφείδετο . . . τοῦ σκ. αὐ. (1)  
Ju. 2. 26. ἐνέπρησε τὸ σκ. αὐ. (1)  
9. 8. μᾶται τὸ σκ. τῆς καταπαύσεως τοῦ ὀνόμ. τῆς  
δόξης σου (1)  
10. 18. διεβόλη γὰρ εἰς τὰ σκ. ἡ παρουσία αὐ. (1)  
17. 7. εὐλογημένη οὐ ἐν παντὶ σκ. Ἰ. (1)  
15. 1. ὡς ἦκουσαν οἱ ἐν τοῖς σκ. [B τῇ σκ.] ὄντες (1)  
Jb. 21. 28. ἡ σκηνὴ τῶν σκ. τῶν ἀσεβῶν (8)  
39. 6. ἐθέμην . . . τὰ σκ. αὐτοῦ ἀλμυρίδα (8)  
Ps. 14 (15). 1. τίς παροικῆσαι ἐν τῇ σκ. σου (1)  
18 (19). 4. ἐν τῇ ἡλίᾳ ἔθετο τὸ σκ. αὐτοῦ (1)  
25 (26). 8. καὶ τόπον σκηνώματος δόξης σου (1)  
42 (43). 3. ἡγάγον με . . . εἰς τὰ σκ. σου (1)  
45 (46). 4. ἡγάγετο τὸ σκ. αὐτοῦ ὁ ὕψιστος (1)  
48 (49). 11. σκηνώματα αὐτῶν εἰς γενεὰν καὶ  
γενεὰν (1)  
51 (52). 5. B S<sup>1</sup> μεταναστεύσαις ἐκ ἀπὸ σκηνώ-  
ματος [S<sup>2</sup> τοῦ σκ. σου] (1)  
60 (61). 4. παροικῆσαι ἐν τῇ σκ. σου (1)  
68 (69). 25. ἐν τοῖς σκ. αὐ. μὴ ζῶτω ὁ κατοικῶν  
78 (74). 7. ἐβεβήλωσαν τὸ σκ. τοῦ ὀνόμ. σου (1)  
77 (78). 28. κύκλω τῶν σκ. αὐτῶν (1)  
— 51. ἐν τοῖς σκ. Χάμ. (1)  
— 55. B S<sup>2</sup> B κατεσκήνωσεν ἐν τοῖς σκ. αὐ.  
τὰς φυλάς [B<sup>1</sup> ταῖς φ.] τοῦ Ἰσραὴλ (1)  
— 60. σκήνωμα αὐτοῦ οὐ κατεσκήνωσεν ἐν  
ἀνθρώποις (1)  
— 67. ἀπόστατο τὸ σκ. Ἰωσήφ (1)  
82 (88). 6. τὰ σκ. τῶν Ἰδουμαίων (1)  
88 (84). 1. ὡς ἀγαπήτὰ τὰ σκ. σου (1)  
— 10. μάλλον ἢ οἰκεῖν με ἐπὶ [A B<sup>2</sup> ἐν] σκηνώ-  
μασιν ἀμαρτανῶν (1)  
86 (87). 2. ἀγαπᾷ κ. τὰς πύλας Σιών ὑπὲρ  
πάντα τὰ σκ. Ἰακώβ (1)  
90 (91). 10. μάλιστα οὐκ ἐγγίει τῇ σκ. σου (1)  
105 (106). 25. ἐγγύγγισαν ἐν τοῖς σκ. αὐτῶν (1)

Ps. 107 (108). 7. B τὴν κοιλίαν τῶν σκ. [A B  
σκηνοῦν] ἐκμετρήσω (4)  
119 (120). 5. κατεσκήνωσα μετὰ τῶν σκ. Κηδάρ (1)  
181 (182). 3. εἰ εἰσελεύσομαι εἰς σκήνωμα  
οἴκου μου (1)  
— 5. σκήνωμα τῷ θεῷ Ἰακώβ (8)  
— 7. εἰσελευσόμεθα εἰς τὰ σκ. αὐ. (8)  
Ca. 1. 5. ὡς σκηνώματα Κηδάρ (1)  
— 8. ποίμανε τὰς ἐρίφους σου ἐπὶ σκηνώμασι  
τῶν ποιμένων (8)  
Ho. 9. 6. ἀκαθαί ἐν τοῖς σκ. αὐ. (1)  
Hb. 1. 6. τοῦ κατακληρονομήσαι σκηνώματα οὐκ  
αὐτοῦ (8)  
8. 7. εἶδον σκηνώματα Αἰθίοπων (1)  
Za. 12. 7. σώσει κύριος τὰ σκ. Ἰ. (1)  
Ma. 2. 12. ἕως καὶ ταπεινωθῇ ἐκ σκηνωμάτων Ἰ. (1)  
Je. 9. 19 (18). ἀπερρίψανεν τὰ σκ. ἡμῶν (8)  
28 (31). 30. ἐνεπύρισθη τὸ σκ. αὐτῆς (8)  
La. 2. 6. διεπέτασεν ὡς ἀμπελὸν τὸ σκ. αὐτοῦ (8)  
Ez. 25. 4. δώσουσιν ἐν σοὶ τὰ σκ. αὐτῶν (8)  
I Ma. 9. 66. ἐπάταξεν Ὁδ. καὶ τοὺς ἀδ. αὐ. . . ἐν  
τῇ σκ. αὐ. (1)  
II Ma. 10. 6. ἥγον ἡμέρας ὀκτὼ σκηνωμάτων τρόπον  
[Aq. Ex. 1. 11; Ps. 18 (19). 5; Je. 30 (37). 18.]  
[Bm. Ex. 1. 11.]  
[Th. Jb. 38. 6; Ps. 18 (19). 5; 77 (78). 60; Je.  
30 (37). 18.]  
[Al. Ge. 9. 27; Jb. 5. 24.]  
[Quint. Ps. 18 (19). 5.]  
**σκήνωσις**.  
II Ma. 14. 35. A ναὸν τῆς σῆς σκ. ἐν ἡμῖν γενέσθαι  
[B al.] (1)  
[Aq., Th., Quint. Ps. 42 (43). 3.]  
[Bm. Ps. 25 (26). 8; 42 (43). 3; 77 (78). 51,  
60 bis.]  
**σκήπτρον** (incl. σκήπτρον). (1) πῆξ  
(2) πῆξ (3) πῆξ  
Jd. 5. 14. A ἐπολέμει μοι . . . ἐν σκήπτρῳ [B al.] (3)  
I Ki. 2. 28. ἐξελεξάμην τὸν οἶκον τοῦ πατρὸς σου  
ἐκ πάντων τῶν [A om.] σκ. (8)  
9. 21. οὐχὶ ἀνδρὸς Ἰεμ. ἐγὼ εἰμι τοῦ μικροῦ σκ.  
φυλῆς Ἰσρ. (8)  
— 21. καὶ τῆς φυλῆς τῆς ἐλαχίστης ἐξ Ἰσρ.  
σκ. Βεν. (8)  
10. 19. κατὰσπῃ ἐνώπιον κυρίου κατὰ τὰ σκ. ὑμῶν (8)  
— 20. προσήγαγε Σαμ. πάντα τὰ σκ. Ἰσρ. (8)  
— 20. κατακληρονομήσαι σκήπτρον Βεν. (8)  
— 21. προσάγει σκήπτρον Βεν. εἰς φυλὰς (8)  
14. 27. ἐξέτεινε τὸ ἀκρον τοῦ σκ. αὐ. (2)  
— 27. B<sup>1</sup> ἔβαλεν αὐτὸ εἰς τὸ σκ. [A B<sup>2</sup> B κη-  
ρίον] τοῦ μελίτος (1)  
— 43. ἐγενεσάμην ἐν ἀκρῷ τῷ σκ. τῷ ἐν τῇ  
χειρὶ μου βραχὺ μέλι (2)  
15. 17. ἡγουμένος σκήπτρον φυλῆς Ἰσρ. (8)  
III Ki. 8. 16. οὐκ ἐξελεξάμην . . . ἐν ἐνὶ σκ. Ἰσρ. (8)  
11. 13. σκήπτρον ἐν δώσω τῷ υἱῷ σου (8)  
— 31. δώσω σοι δίκαια σκήπτρα [A ῥήγματα] (8)  
— 32. δύο σκήπτρα ζῶνται αὐτῷ (8)  
— 35. δώσω σοι τὰ δέκα σκ. (8)  
— 36. τῷ δὲ υἱῷ αὐ. δώσω τὰ [A om.] δύο σκ. (8)  
12. 20. οὐκ ἦν ὅπισω οἴκου Δ. παρὲς σκήπτρου Ἰ. (8)  
— 21. ἐξεκλήθησεν . . . σκήπτρον Βεν. (8)  
— 24. B συνάγεται ἐκεῖ πᾶν σκ. Ἰσρ. (1)  
— 24. B πορεύονται ὅπισω αὐτοῦ πᾶν σκ. Ἰ.  
καὶ πᾶν σκ. Βεν. (1)  
II Es. 9. 13. S<sup>2</sup> κατέπαυσαν τὸ σκ. ἡμῶν (1)  
Es. 4. 17. μὴ παραδῶς, κύριε, τὸ σκ. σου (1)  
Wi. 6. 21. εἰ οὐν ἤθεσθε ἐπὶ θρόνους καὶ σκήπτροις  
7. 8. προέκριναν αὐτὴν σκήπτρων καὶ θρόνων (8)  
10. 14. ἤνεγκεν αὐτῷ σκήπτρα βασιλείας (8)  
Si. 32 (35). 18. ἕως . . . σκήπτρα δίδωκεν [A δικαίων]  
συντρίψῃ (1)  
Hb. 3. 9. ἐνέτεινας τόξον σου ἐπὶ σκήπτρα [A  
τὰ σκ., S<sup>2</sup> σκήπτρα] (2)  
Za. 10. 11. σκήπτρον Αἰγύπτου περιαρθεῖσεται (8)  
Ep. Je. 14. σκήπτρον ἔχει ὡς ἀνθρώπος κριτῆς χώρας  
Ez. 30. 18. ἐν τῷ συντρίψαί με ἐκεί τὰ σκ.  
Αἰγύπτου (1)  
[Aq. Ge. 49. 10; Jo. 8. 12; Ps. 44 (45). 7 bis;  
121 (122). 4; Is. 28. 27; 63. 17; Je. 10. 16;  
48 (51). 17.]  
[Bm. Nu. 24. 17; I Ki. 10. 20; Ps. 73 (74). 2;  
Is. 28. 27; Je. 48 (51). 17; Ez. 19. 14.]  
[Th. III Ki. 11. 31; Is. 28. 27; Je. 48 (51). 17.]

| σκιά.   | (1) לִצְ (2) נִצְוֹץ (3) סְכִיָּא   | σκιά.   | (1) חֲשֵׁי (2) חֲשֵׁי aph. (3) חֲשֵׁי                             | Nu. 16. 26. ἀπὸ τῶν σκιῶν τῶν ἀνθρώπων τῶν σκλ. τούτων (5)                           |
|---|---|---|---|--|
| Jd. 9. 15. ὑπόστρεψεν ἐν τῇ σκ. μου [A. al.] (1)  | θανάτου נִצְוֹץ (2)   | Ex. 38. 8 (37. 9). σκιάζοντα ταῖς πτέρυξιν αὐ. (4 + 8) (1)                | (4) חֲשֵׁי (5) חֲשֵׁי   | De. 1. 17. τὸ ῥῆμα δ' ἐὰν σκληρὸν ᾖ σφ' ἡμῶν (7 a)                                   |
| — 36. τῇ σκ. τῶν ὁρέων σὺ βλέπεις (1)   | — 36. τῇ σκ. τῶν ὁρέων σὺ βλέπεις (1)   | Nu. 9. 18. ἐν αἷς σκιάζει ἡ νεφέλη ἐπὶ τῇ σκηνῇ (5) (1)                   | — 22. Β τῇς νεφέλης σκιάζουσας (5) (1)                            | 15. 18. οὐ σκληρὸν ἔσται ἐναντίον σου (7 a)  |
| 1V Ki. 20. 9. πορεύσεται ἡ σκ. δέκα βαθμοὺς (1)   | — 10. κοῦφον τὴν σκ. κλίνας δέκα βαθμοὺς (1)  | 10. 34. ἡ νεφέλη ἐγένετο σκιάζουσα ἐπ' αὐτοὺς (1)                         | 24. 6. ὥστε καὶ σκιάζουσαι (1)                                    | 26. 6. ἐπέβησαν ἡμῖν ἔργα σκλ. (4 a)   |
| — 10. ἐπιστραφῆναι ἡ σκ. . . δέκα βαθμοὺς (1)   | — 10. ἐπιστραφῆναι ἡ σκ. . . δέκα βαθμοὺς (1)   | De. 28. 12. δ' ὁ θεὸς σκιάζει ἐπ' αὐτῷ (1)                                | De. 28. 12. δ' ὁ θεὸς σκιάζει ἐπ' αὐτῷ (1)                        | 31. 27. ἐπιστάμαι . . . τὸν τράχηλόν σου τὸν σκλ. (4 a)                              |
| — 11. ἐπίστρεψεν ἡ σκ. . . δέκα βαθμοὺς (1)   | — 11. ἐπίστρεψεν ἡ σκ. . . δέκα βαθμοὺς (1)   | II Ki. 20. 6. καὶ σκιάσει τοὺς ὀφθ. ἡμῶν (1)                              | I Ch. 28. 18. τῶν χερ. τῶν . . . σκιάζοντων ἐπὶ τῇς κιβ. (8) (1)  | Jd. 2. 19. οὐκ ἀπέρριψαν . . . τὰς ὁδοὺς αὐ. τὰς σκλ. [A. al.] (4 a)                 |
| I Ch. 29. 15. ὡς σκιά αἱ ἡμέραι ἡμῶν ἐπὶ γῆς (1)  | Jb. 8. 5. ἐκλάβοι δὲ αὐτὴν σκότος καὶ σκιά θανάτου (8) (1)  | Jb. 38. 28. ἐσκίασε δὲ νύκτι ἐπὶ ἀμυθίῳ βροτῷ [A. B <sup>3</sup> al.] (1) | 40. 17 (22). σκιάζονται δὲ ἐν [A. om.] αὐτῷ δένδρα μεγάλα (3) (1) | I Ki. 1. 15. γυνὴ ἡ σκλ. ἡμέρα ἐγὼ εἰμι (4 a)  |
| Jb. 8. 5. ἐκλάβοι δὲ αὐτὴν σκότος καὶ σκιά θανάτου (8) (1)  | 7. 2. ἡ ὥσπερ θερὰν . . . τετενυχῶς σκιάς (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | 42. 7. ἡλάλησεν αὐτοῖς σκληρά (4 a)                               | 5. 7. σκληρὰ χεὶρ αὐ. ἐφ' ἡμᾶς (4 b)   |
| 8. 9. σκιά γὰρ ἐστὶν ἡμῶν ἐπὶ τῇ γῇ δ' βίος (1)   | 12. 22. ἐξήγαγε δὲ εἰς φῶς σκίαν θανάτου (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | 45. 5. μηδὲ σκληρὸν ὦνιν φανταῶ (6 a)                             | 25. 3. καὶ ὁ ἀνθρώπος σκλ. καὶ πονηρὸς [A. π. κ. σκλ.] (4 a)                         |
| 14. 2. ἀπέθραυξεν δὲ ὥσπερ σκιά (1)   | 16. 17 (19). οὐ μὴ βάλῃ ἐπὶ τὴν γῆν σκίαν (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | 49. 3. σκληρὸς φέρεσθαι καὶ σκληρὸς αὐθάδης (4 a)                 | II Ki. 2. 17. ἐγένετο ὁ πόλεμος σκλ. ὥστε λίσαν (4 a)                                |
| 16. 17 (19). οὐ μὴ βάλῃ ἐπὶ τὴν γῆν σκίαν (1)   | 24. 17. τὸ πρῶτ' σκία θανάτου [A. πρ. διεσκέδασεν] ὅτι ἐπιγινώσκεται τάραχος σκιάς [A. B <sup>3</sup> al.] θανάτου (8, 3) (1) | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | Ex. 1. 14. κατωδύναν αὐ. τὴν ζωὴν ἐν τοῖς ἔργοις τοῖς σκλ. (4 a)  | 3. 39. οἱ δὲ ἄνδρες οὗτοι . . . σκληρότεροί μου εἰσιν (4 a)                          |
| 28. 3. λίθος σκοτία καὶ σκιά θανάτου (8) (1)  | 28. 3. λίθος σκοτία καὶ σκιά θανάτου (8) (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | 6. 9. οὐκ εἰσέγκουσιν . . . ἀπὸ τῶν ἔργων τῶν σκλ. (4 a)          | III Ki. 12. 4. κοῦφισον ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ πατρὸς σου τῆς σκλ. (4 a)               |
| Ps. 22 (28). 4. ἐὰν γὰρ καὶ πορευθῶ ἐν μέσῳ σκιάς θανάτου (8) (1)   | 48 (44). 19. ἐπεκάλυψεν ἡμᾶς σκία θανάτου (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | — 13. ἀπεκρίθη ὁ βασιλ. πρὸς τὸν λαὸν σκληρὰ (4 a)                                   |
| 56 (57). 1. ἐν τῇ σκ. τῶν πτερυγῶν σου ἐλπῶ (1)   | 79 (80). 10. ἐκάλυψεν ὄρη ἡ σκ. αὐτῆς (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | — 24. Β σκληρὰ ἐγὼ ἐπαποστείλω ἐπὶ σέ (4 a)  |
| 87 (88). 6. ἐν σκοτεινοῖς καὶ ἐν σκιά θανάτου (1)   | 101 (102). 11. αἱ ἡμέραι μου ὥσπερ σκία [B <sup>3</sup> al.] ἐκλήθησαν (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | 14. 6. Ἀ ἐγὼ εἰμι ἀπόστολος πρὸς σέ σκληρὸς (4 a)                                    |
| 106 (107). 10. καθήμενος ἐν σκότειν καὶ σκιά θανάτου (3) (1)  | — 14. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐκ σκοτειν καὶ σκιάς θανάτου (8) (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | II Ch. 10. 4. ἀφες ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ πατρὸς σου τῆς σκλ. (4 a)                    |
| — 14. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐκ σκοτειν καὶ σκιάς θανάτου (8) (1)  | 108 (109). 23. ὥστε σκία ἐν τῇ ἐκκλινῇ αὐτὴν ἀνταναρτήσθην (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | — 13. ἀπεκρίθη ὁ βασιλ. σκληρὰ (4 a)   |
| 148 (144). 4. αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ὥστε σκία [A <sup>1</sup> B <sup>3</sup> σκία] παράγονται (1)                                   | Ec. 7. 1 (6. 12). ἐπὶ σκία αὐτῆς ἐν σκιά [B <sup>3</sup> τῆς σ.] (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | I Es. 2. 27. βασιλεῖς ἰσχυροὶ καὶ σκλ. ἦσαν ἐν ἱερ. (4 a)                            |
| Ec. 7. 1 (6. 12). ἐπὶ σκία αὐτῆς ἐν σκιά [B <sup>3</sup> τῆς σ.] (1)  | — 13 (12). ἐν σκιά αὐτῆς ἡ σοφία [B <sup>3</sup> τῆς σ.] (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | To. 13. 12. Β οἱ ἐρούσιν λόγον σκλ. [A. B. al.] (4 a)                                |
| — 13 (12). ἐν σκιά αὐτῆς ἡ σοφία [B <sup>3</sup> τῆς σ.] (1)  | 8. 13. οὐ μακρυνεῖ ἡμέρας ἐν [B <sup>3</sup> ὡς ἐν] σκιά (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Ju. 9. 13. οἱ . . . ἐβουλεύσαντο σκληρὰ (4 a)  |
| Ca. 2. 3. ἐν τῇ σκ. αὐτοῦ ἐπεθύμησα (1)   | — 17. 4. 6. ὥς οὐ . . . κινήσωσιν αἱ σκ. (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Jb. 9. 4. τίς σκληρὸς γενόμενος ἐναντίον αὐτοῦ ὑπέμεινεν (8)                         |
| Wi. 2. 5. σκιάς γὰρ παράδος ὁ βίος [A <sup>1</sup> B <sup>3</sup> S. καὶ οὐ] ἡμῶν (1)   | 5. 9. παρήλθεν ἐκεῖνα πάντα ὡς σκία (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | 22. 21. γενεὴ δὲ σκληρὸς ἐὰν ἰσχυρὸς (4 a)   |
| Si. 31 (34). 2. ὡς δρασσομένης σκιάς (1)  | Am. 5. 8. ἐκτρέψαντες εἰς τὸ πρῶτ' σκίαν (2) (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Ps. 16 (17). 4. ἐγὼ ἐφύλαξα ὁδοὺς σκληρὰς (3)  |
| Jn. 4. 5. ἐκδήγῃ ὑποκάτω αὐτῆς ἐν σκιά (1)  | — 6. τοῦ εἶναι σκίαν [B <sup>3</sup> εἰς σκ.] ὑπὲρ αὐτῆς τῆς κεφ. αὐ. (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | 59 (60). 3. ζῶντας τῷ λαῷ σου σκληρὰ (4 a)   |
| Is. 4. 6. ἔσται εἰς σκίαν ἀπὸ καύματος (1)  | 9. 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρᾳ [A. B <sup>3</sup> add. καὶ] σκία θανάτου (3) (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Pr. 17. 27. δε φείδετα ῥῆμα προέσθαι σκληρὸν ἐπιγινώσκων (8)                         |
| 9. 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρᾳ [A. B <sup>3</sup> add. καὶ] σκία θανάτου (3) (1)   | 38. 8. στρέψω τὴν σκ. τῶν ἀναβαθμῶν . . . ὅς τε κατέβη ἡ σκ. (1, -) (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | 27. 16. βορέας σκληρὸς ἀνεμος (4 a)  |
| 51. 16. ὑπὸ τὴν σκ. [B <sup>3</sup> σκίαν] τῆς χειρὸς σου σκεπάζω σε [A. al.] (1)   | Jc. 6. 4. ἐκλείπουν αἱ σκ. τῆς ἡμέρας [A. ἐσπέρας] (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | 28. 14. ὁ δὲ σκλ. τὴν καρδίαν ἐμπνεύσει κακοῖς (4 d)                                 |
| Je. 6. 4. ἐκλείπουν αἱ σκ. τῆς ἡμέρας [A. ἐσπέρας] (1)  | 13. 16. ἐκεῖ σκία θανάτου (8) (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | 29. 19. λόγους οὐ παιδεύσεται οὐδέ τις σκληρὸς [B <sup>3</sup> σκληροτράχηλος] (4 a) |
| Ba. 1. 12. ζῆσόν με ἀπὸ τὴν σκ. Ναβουχοδονόσορ . . . καὶ ὑπὸ τὴν σκ. Βαλτάσαρ (1)   | La. 4. 20. ἐν τῇ σκ. αὐτοῦ ζῆσόν με (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Ec. 7. 18 (17). μὴ γίνου σκληρὸς (4 a)   |
| Ez. 17. 23. ὑπὸ τὴν σκ. αὐτοῦ ἀναπαύσεται (1)   | 81. 6. ἐν τῇ σκ. [A. ὑπὸ τὴν σκ.] αὐτοῦ κατέκνησε (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Ca. 8. 6. σκληρὸς [A. -ον] ὡς ἄδης ζῆλος (4 a)                                       |
| — 81. 6. ἐν τῇ σκ. [A. ὑπὸ τὴν σκ.] αὐτοῦ κατέκνησε (1)   | [A. q. Nu. 14. 9. Jb. 28. 3. 34. 22. Ps. 43 (44). 20. 90 (91). 1. 106 (107). 10. Is. 30. 2. Jc. 2. 6.] (1)                    | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Wi. 11. 4. ἱαμα διψῆς ἐκ λίθου σκληροῦ (4 a)   |
| [B. m. Jb. 24. 17. 28. 3. Ps. 35 (36). 8. 43 (44). 20. 90 (91). 1. 106 (107). 10. Ca. 2. 17. Is. 30. 2. 32. 2. Jc. 2. 6.] (1) | [Th. Nu. 14. 9. Jb. 24. 17. 28. 3. 34. 22. Ps. 43 (44). 20. 90 (91). 1. 106 (107). 10. Is. 30. 2. 32. 2. Jc. 2. 6.] (1)       | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Si. 8. 26. καρδία σκληρὰ κακοθήσεται ἐπ' ἐσχάτων (4 a)                               |
| [Quint. Ps. 43 (44). 20.] (1)   | [Bext. Ps. 106 (107). 10.] (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | — 27. καρδία σκληρὰ βαρυνθήσεται πόνους (4 a)  |
| σκιαγρ. φος (-ογρ.). (1)  | Wi. 15. 4. σκιαγράφον πόνους ἄκαρπος (1)  | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | 30. 8. ἵππος ἀδάμαστος ἀποθάνει σκληρὸς (4 a)  |
| σκιαδίων. (1)   | Is. 66. 20. ἐν λαμπήναις ἡμῶν μετὰ σκιαδίων (1)   | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                          | — 12. μὴ σκληρὸν ἔστω τὸ ῥῆμα ἐναντίον σου (7 b)                  | Ze. 1. 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου . . . σκληρὰ τέτακται (4 a)                            |

De. 9. 13. λαός σκλ. ἔστι (1a)  
 Pr. 29. 1. κρείσσων ἀνὴρ ἐλέγχων ἀνδρὸς σκληροαχλὺν (1b)  
 — 19. β' λόγους οὐ παιδευσθήσεται οὐκ ἐπὶ σκληροαχλὺν [A B S' σκληρός] —  
 Si. 16. 11. κἂν β' εἰς σκληροαχλὺν  
 Ba. 2. 30. λαός σκλ. ἔστι [Bm., Th. Ex. 32. 9.]  
σκληρύνειν. (1) רִפָּה a. qal. δ. pi. (2) רָפָה hi. (3) נִפְרָה a. qal. δ. hi. c. נִפְרָה (4) נִפְרָה hi.  
 Ge. 49. 7. ὅτι ἐσκληρύνθη (8a)  
 Ex. 4. 21. σκληρυνὼς τὴν καρδίαν αὐ. (1b)  
 7. 3. σκληρυνὼς τὴν καρδίαν Φ. (3b)  
 — 22. B ἐσκληρυνεν [A B - ὑπὸ] ἡ καρδία Φ. (1a)  
 8. 19 (15). ἐσκληρύνθη ἡ καρδία Φ. (1a)  
 9. 12. A' B ἐσκληρυνεν δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1a)  
 — 35. ἐσκληρύνθη ἡ καρδία Φ. (1a)  
 10. 1. ἐσκληρυνά [A ἐβάρυνά] αὐτοῦ τὴν καρδίαν (2)  
 — 20. ἐσκληρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1b)  
 — 27. 11. 10. ἐσκληρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1b)  
 13. 15. ἐσκληρυνε Φ. ἐξασποστεῖλαι ἡμῶν (3b)  
 14. 4. σκληρυνὼς τὴν καρδίαν Φ. (1b)  
 — 8. ἐσκληρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (1b)  
 — 17. σκληρυνὼς τὴν καρδίαν Φ. (1b)  
 De. 2. 30. ἐσκληρυνε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τὸ πνεῦμα αὐ. (3b)  
 10. 16. τὸν τράχηλον ὑμῶν οὐ σκληρυνεῖτε (3b)  
 Jd. 4. 24. ἐπορευέτο χεῖρ . . . πορευομένη καὶ σκληρυνομένη (3c)  
 II Ki. 19. 43 (44). ἐσκληρύνθη ὁ λόγος ἀνδρὸς 'I. (8a)  
 IV Ki. 2. 10. ἐσκληρυνας τοῦ αἰτήσασθαι (3b)  
 17. 14. ἐσκληρυναν τὸν πῦλον αὐ. (3b)  
 II Ch. 10. 4. ὁ πατήρ σου ἐσκληρυνε τὸν ἱγυὸν ἡμῶν (3b)  
 30. 8. μὴ σκληρύνῃτε τὰς καρδίας [A τοὺς τραχήλους] ὑμῶν (3b)  
 36. 13. ἐσκληρυναν τὸν τράχηλον αὐ. (3b)  
 I Es. 1. 48. σκληρυνας αὐτοῦ τὸν τράχηλον  
 Ne. 9. 16, 17. ἐσκληρυναν τὸν τράχηλον αὐ. (3b)  
 — 29. τράχηλον αὐ. ἐσκληρυναν (3b)  
 Ps. 89 (90). 6. σκληρυνθεὶς καὶ ξηρανθεὶς (3b)  
 94 (95). 8. μὴ σκληρύνῃτε τὰς καρδίας ὑμῶν (3b)  
 Si. 30. 12. μὴ ποτε σκληρυνθεὶς ἀπειθήσῃ σοι  
 Is. 63. 17. ἐσκληρυνας τὰς καρδίας ἡμῶν (4)  
 Je. 7. 26. ἐσκληρυναν [B' - α] τὸν τράχηλον αὐτῶν (3b)  
 17. 23. ἐσκληρυναν τὸν τράχηλον αὐτῶν (3b)  
 19. 15. ἐσκληρυναν τὸν τράχηλον [B αὐχένα] αὐτῶν (3b)  
 I Ma. 2. 30. A B ἐσκληρύνθη [B ἐπληθύνθη] ἐπ' αὐτοὺς τὰ κακά [ΔI I Ki. 12. 20.]  
σκληρῶς. (1) רַחֵץ (2) a. נִפְרָה hi. δ. נִפְרָה  
 Ge. 35. 17. ἐν τῷ σκληρῶς αὐτὴν τίκτειν (2a)  
 I Ki. 20. 7. ἔαν σκλ. ἀποκριθῇ σοι (1)  
 — 10. ἔαν ἀποκριθῇ ὁ πατήρ σου σκλ. (2b)  
 Is. 22. 3. οἱ ἀλόντες σκλ. δεδεμένοι εἰσὶ  
 III Ma. 4. 19. ἀπειλῶντες δὲ αὐτοὺς σκληρότερον  
 7. 6. ἐπὶ τούτοις σκληρότερον διαπειλῶσάμενοι σκνίψ. (1) a. נִפְרָה δ. נִפְרָה  
 Ex. 8. 16 (12). ἔσονται σκνίψες ἐν τε τοῖς ἀνθρώποις (1a)  
 — 17 (13). ἐγένοντο οἱ σκν. ἐν τοῖς ἀνθρώποις (1b)  
 — 17 (13). ἐν παντὶ χώματι τῆς γῆς ἐγένοντο οἱ σκν. (1a)  
 — 18 (14). ἐξάγειν τὸν σκν. (1a)  
 — 18 (14). ἐγένοντο οἱ σκν. ἐν τοῖς ἀνθρώποις (1b)  
 — 18 (14). B' ἐν παντὶ χώματι τῆς γῆς ἐγένοντο οἱ σκν. —  
 Ps. 104 (105). 31. καὶ σκνίψες ἐν πᾶσι τοῖς ὄρισι αὐτῶν (1a)  
 Wi. 19. 10. ἀντὶ μὲν γενέσθωσ [φῶν ἐξήγαγεν ἡ γῆ σκνίψα] [A B' σκνίψας]  
 [ΔI Ex. 8. 17 (13).]  
σκολαβρίζειν. (1) נִפְרָה hitph.  
 Jb. 5. 4. A σκολαβρισθείσαν [B σκολ.] δὲ ἐπὶ θύρας ἡσόνων (1)

σκολιάζειν. (1) נִפְרָה ni. (2) נִפְרָה ni.  
 Pr. 10. 8. ὁ δὲ δστέγος χεῖλεσι σκολιάζων υποσκλησιθῇσεται (2)  
 14. 2. ὁ δὲ σκολιάζων ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (2)  
 17. 16 (20). ὁ δὲ σκολιάζων τοῦ μαθεῖν (1)  
σκολιός. (1) נִפְרָה (2) נִפְרָה (3) נִפְרָה  
 (4) נִפְרָה (5) a. נִפְרָה δ. נִפְרָה c. נִפְרָה  
 (6) נִפְרָה ni. (7) נִפְרָה (8) נִפְרָה  
 (9) σκολιός ἀποβαίνειν נִפְרָה hi. (10) σκολιαῖς ὁδοῖς πορεύεσθαι נִפְרָה נִפְרָה  
 De. 32. 5. γενεὰ σκ. καὶ διςτραμμένη (5a)  
 Jb. 4. 18. κατὰ δὲ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιών τι ἐπενόησε (7)  
 9. 7. B B κατὰ δὲ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιών τι ἐπενόησαν —  
 — 20. ἔαν τε ὁ ἄμειπτος σκολιός ἀποβήσομαι (9)  
 Ps. 77 (78). 8. γενεὰ σκολιά καὶ παραπικραίνουσα (2)  
 Pr. 2. 15. ἄν αἱ τρίβοι σκολιαῖ (5a)  
 4. 24. περίελε σεαυτοῦ σκολιὸν στόμα (5b)  
 8. 8. οὐδὲν ἐν αὐτοῖς σκολιόν (6)  
 16. 27 (26). ὁ μέντοι σκ. ἐπὶ τῷ ἑαυτοῦ στόματι φορεῖ τὴν ἀπώλειαν —  
 — 28. ἀνὴρ σκολιὸς διασπένεται κακὰ (8)  
 21. 8. πρὸς τοὺς σκ. σκολιαῖς ὁδοῖς ἀποστέλλει ὁ θεός — (1)  
 22. 5. τρίβοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολιαῖς (5a)  
 — 14. ἀποστρέφειν δὲ δεῖ ἀπὸ ὁδοῦ σκολιαῖς καὶ κακῆς —  
 23. 33. τὸ στόμα σου τότε λαλήσει σκολιά (8)  
 28. 18. ὁ δὲ σκολιαῖς ὁδοῖς πορευόμενος (10)  
 Wi. 1. 3. σκολιοὶ γὰρ λογισμοὶ χωρίζουσιν ἀπὸ θεοῦ  
 13. 13. ξύλον σκολιὸν καὶ βροχὴ συμπεφυκός  
 16. 5. δῆγμασι τε σκολιὰ διεφθέρωντο φρεων  
 Ho. 9. 8. παγὶς σκολιά ἐπὶ πάσας τὰς ὁδοὺς αὐ. +  
 Is. 27. 1. ἐπὶ τὸν δρόμον αὐτῶν σκολιών (4)  
 40. 4. ἔσται πάντα [A om.] τὰ σκ. εἰς εὐθείαν (8)  
 42. 16. ποιήσω . . . τὰ σκ. εἰς εὐθείαν (6c)  
 [Aq. Je. 17. 9.]  
 [Bm. Jb. 5. 13: Is. 27. 1.]  
σκολιότης.  
 Ex. 16. 5. τῇ σκ. τῆς ψυχῆς σου  
 [Aq. Ps. 80 (81). 13: Je. 13. 10.]  
 [Bm. Ps. 124 (125). 5.]  
σκολιούσθαι.  
 [Bm. Is. 59. 8.]  
σκολιῶς. (1) נִפְרָה  
 Je. 6. 28. πάντες ἀνθρώποι πορευόμενοι σκ. (1)  
σκόλψ. (1) נִפְרָה (2) נִפְרָה (3) נִפְρָה  
 Nu. 33. 55. σκόλοπες ἐν τοῖς ὄφθ. ὑμῶν (8)  
 Si. 48. 19. παγέσινα γίνεται σκόλοπων ἄκρα  
 Ho. 2. 6 (8). φράσσω τὴν ὁδὸν αὐ. ἐν σκόλοψι (1)  
 Ez. 28. 24. σκόλοψ πικρίας καὶ ἄκανθα δύνῃς (2)  
σκοπεῖν.  
 Es. 8. 13. σκοπεῖν δὲ ἔξεστιν  
 II Ma. 4. 5. τὸ δὲ σύμφωνον κοινῇ . . . σκοπῶν  
σκόπελον. (1) נִפְרָה  
 IV Ki. 23. 17. τὸ σκ. ἐκείνο (1)  
 [Aq. Je. 81 (88). 21.]  
σκόπελος.  
 [Bm. Je. 81 (88). 21.]  
σκοπεύειν. (1) נִפְרָה hi. (2) נִפְרָה ni. (3) נִפְרָה pi. (4) נִפְרָה a. qal. δ. pi.  
 Ex. 33. 8. σκοπεύοντες ἑκαστὸς παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηνῆς αὐ. (2)  
 I Ki. 4. 13. καὶ ἰδοὺ H. . . σκοπεύων τὴν ὁδὸν (4b)  
 Jb. 39. 29. πόρρωθεν οἱ ὄφθ. αὐ. σκοπεύουσι (1)  
 Pr. 5. 21. εἰς δὲ πάσας τὰς τρυφὰς αὐτοῦ [A - οὐς] σκοπεύει (3)  
 15. 3. σκοπεύουσι κακοὺς τε καὶ ἀγαθοὺς (4a)  
 Ca. 7. 4 (5). ὡς πύργου τοῦ Λιβάνου σκοπεύων πρόσωπον Δαμασκού (4a)  
 Na. 2. 1 (2). σκοπεύοντων ὁδόν (4b)  
 [Aq. Je. 48 (81). 19.]  
 [Bm. Pr. 81. 27.]  
 [Th. Jb. 39. 29.]

σκοπεύσεις.  
 [Aq. Ho. 5. 1.]  
σκοπευτής.  
 [Aq. Is. 52. 8: 56. 10: Ez. 3. 17.]  
σκοπή.  
 Si. 37. 14. ἑπτὰ σκοποὶ ἐπὶ μετεώρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῇ  
 [Bm. Dt. 3. 27.]  
σκοπιά. (1) נִפְרָה (2) a. נִפְרָה qal. δ. pi. c. נִפְרָה d. נִפְרָה  
 Nu. 23. 14. παρέλαβεν αὐτὸν εἰς ἀγροῦ σκοπιάν (3a)  
 33. 52. ἐξαρείτε τὰς σκ. αὐ. (1)  
 Jd. 10. 17. παρενέβαλον ἐν τῇ σκ. [A Μασσ.] (2d)  
 11. 29. παρήλαθε τὴν σκ. Γαλ. (2c)  
 — 29. A καὶ ἀπὸ σκοπιᾶς Γαλ. (2c)  
 III Ki. 15. 22. φθοδόμησεν ἐν αὐτοῖς . . . τὴν σκ. (2d)  
 II Ch. 20. 24. 'I. ἦλθεν ἐπὶ τὴν σκ. τῆς ἐρήμου (2c)  
 Si. 40. 6. ἀπ' ἐκείνου ἐν ὑπνοῖς ὡς ἐν ἡμέρᾳ σκοπιᾶς  
 Ho. 5. 1. παγὶς ἐγενήθητε τῇ σκ. (2a)  
 Mi. 7. 4. ἐν ἡμέρᾳ σκοπιᾶς (2b)  
 Is. 21. 8. κάλεσον Οὐρίαν εἰς τὴν σκ. (2c)  
 41. 9. ἐκ τῶν σκ. αὐτῆς ἐκάλεσά σε +  
 [Aq. Ps. 72 (73). 7.]  
 [ΔI I Ki. 22. 3.]  
σκοπός. (1) נִפְרָה (2) נִפְרָה (3) נִפְרָה  
 a. qal. δ. pi.  
 Le. 26. 1. οὐδὲ λίθον σκοπὸν θήσετε ἐν τῇ γῇ ὑμῶν (2)  
 I Ki. 14. 16. εἶδον οἱ σκ. τοῦ Σ. ἐν Γ. Βεν. (3a)  
 II Ki. 13. 34. ἦρε τὸ παιδάριον ὁ σκ. τοὺς ὄφθ. αὐ. (3a)  
 — 34. παρεγένετο ὁ σκ. —  
 18. 34. ἐπορεύθη ὁ σκ. εἰς τὸ δῶμα τῆς πύλης (3a)  
 — 25. ἀνεβόρσεν ὁ σκ. (3a)  
 — 26. εἶδεν ὁ σκ. ἄνδρα ἑτερον τρέχοντα (3a)  
 — 26. ἐβόρσεν ὁ σκ. πρὸς τὴν πύλην (3a)  
 — 27. εἶπεν ὁ σκ. (3a)  
 IV Ki. 9. 17. ὁ σκ. ἀνέβη ἐπὶ τὸν πύργον 'I. (3a)  
 — 18. 20. ἀπήγγειλεν ὁ σκ. (3a)  
 Jb. 16. 13 (12). κατήσθη με ὡς περὶ σκοπὸν (1)  
 Wi. 5. 12. ὡς βέλους βληθέντος ἐπὶ σκοπὸν +  
 — 21. ὡς ἀπὸ εὐκλείου τόξου τῶν νεφῶν ἐπὶ σκοπὸν ἀλύνονται  
 Si. 37. 14. ἑπτὰ σκοποὶ ἐπὶ μετεώρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῇ  
 Ho. 9. 8. σκοπὸς 'Eφρ. μετὰ θεοῦ (3a)  
 — 10. ὡς σκοπὸν ἐν συκῇ πρῶμιον εἶδον πατήρας αὐ. +  
 Na. 3. 12. σκαῖ σκοποὺς [B' καρποὺς] ἔχουσιν +  
 Is. 21. 6. βαθίσας σεαυτὸν στήσον σκοπὸν (3a)  
 Je. 6. 17. καθίστακα ἐφ' ὑμᾶς σκοπέος (3a)  
 La. 3. 12. ἐστήλωσέ με ὡς σκοπὸν εἰς βέλος (1)  
 Ez. 3. 17. σκοπὸν δειδωκά σε τῷ ὀκφ 'Ισραὴλ (3a)  
 33. 2. δῶσαν αὐτὸν ἑαυτοῖς εἰς [A om.] σκοπὸν (3a)  
 — 6. ὁ σκ. ἐὰν ἴδῃ τὴν ῥομφαίαν . . . τὸ αἷμα ἐκ χειρὸς τοῦ σκ. ἐκγῆτσω (3a, 3a)  
 — 7. σκοπὸν δειδωκά σε τῷ ὀκφ 'Ισραὴλ (3a)  
 [Aq. I Ki. 20. 20.]  
 [Bm., Th. Is. 52. 8: 56. 10.]  
σκορακιζμός.  
 Si. 41. 19. ἀπὸ σκορακιζμοῦ λήψεως καὶ δόσεως σκόρδον. (1) נִפְרָה  
 Nu. 11. 5. ἐμνήσθημεν . . . τὰ σκ. (1)  
σκορπίδιον.  
 I Ma. 6. 51. ἔστησεν ἐκεῖ . . . σκορπίδια  
σκορπίζειν. (1) נִפְרָה (2) נִפְרָה pi. (3) נִפְרָה  
 (4) נִפְרָה hi. (5) נִפְרָה pi. (6) נִפְרָה ni.  
 II Ki. 22. 15. καὶ ἐσκορπίσεν αὐτοὺς (4)  
 Ne. 4. 19 (13). ἐσκορπίζεμεθα ἐπὶ τοῦ τείχους (8)  
 To. 8. 4. ἐν οἷς ἐσκορπίζεμεθα [B al.]  
 13. 5. οὐ ἔαν ἐσκορπίσθῃτε [A ἔσκ.] ἐν αὐτοῖς [B al.]  
 14. 4. οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν . . . ἐσκορπίθονται [B al.]  
 Ju. 7. 32. ἐσκορπίσεν τὸν λαὸν εἰς τὴν ἑαυ. παρεμβολήν  
 Jb. 39. 15. ἐπελάθετο ὅτι ποὺς σκορpieῖ (1?)  
 Ps. 17 (18). 14. καὶ ἐσκορπίσεν αὐτοὺς (4)  
 111 (112). 9. ἐσκορπίσεν ἔδωκε τὴν πύγην (5)  
 143 (144). 6. καὶ σκορpieῖ αὐτοὺς (4)

Wi. 17. 3. ἀφεγγεὶ λήθη παρακαλύμματα ἐσκορπίσθησαν [B διεσκ., A ἐσκορπίσθησαν]  
 Si. 48. 15. ἐσκορπίσθησαν [A B διεσκ.] ἐν πάσῃ τῇ γῇ  
 Hb. 8. 10. σκορπίων ὕδατα πορείας  
 Za. 11. 16. τὸ ἐσκορπισμένον [A διεσκ.] οὐ μὴ  
 (ἡγήση) (8)  
 Ma. 2. 3. σκορπίῳ ἔνυστρον ἐπὶ τὰ πρόσωπα  
 ὑμῶν [B al.] (2)  
 Ez. 5. 12. εἰς πάντα ἄνεμον σκορπίῳ [A δια-  
 σπερῶ] αὐτοὺς (2)  
 I Ma. 4. 4. ἔως ἔτι αἱ δυνάμεις ἐσκορπισμένα ἦσαν  
 6. 54. ἐσκορπίσθησαν ἕκαστος εἰς τὸν τόπον αὐ.  
 7. 6. A B ἡμᾶς ἐσκορπίσεν [B B -αν] ἀπὸ τῆς γῆς  
 ἡμῶν  
 10. 83. ἡ ἵππος ἐσκορπίσθη ἐν τῷ πεδίῳ  
 II Ma. 14. 13. τοὺς δὲ σὺν αὐτῷ σκορπίσαι  
 [Aq. Dt. 4. 27: 28. 64: Ps. 52 (53). 6: 140  
 (141). 7: Pr. 11. 24.]  
 [Sm. Jb. 88. 32: Ps. 140 (141). 7: Pr. 11. 24:  
 Jk. 49 (30). 5: Hb. 8. 14.]  
 [Th. I Ki. 80. 16: Jb. 39. 15: Pr. 11. 24.]  
 [Al. I Ki. 14. 34.]  
**σκορπίος.** (1) ⲥⲱⲣⲱⲛ  
 De. 8. 15. οὐ ὄφει δάναον καὶ σκορπίος (1)  
 III Ki. 12. 11, 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (1)  
 — 24. B κατάρξω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (1)  
 II Ch. 10. 11, 14. παιδεύσω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις (1)  
 Si. 26. 7. ὁ κρατὺς αὐτῆς ὡς ὁ δραστήσιμος σκορπίου  
 39. 30. θηρίων ὁδόντες καὶ σκορπίοι καὶ ἔχεις  
 Ez. 2. 6. ἐν μέσῳ σκορπίων σὺ κατοικεῖς (1)  
 IV Ma. 11. 10. ἐπὶ τὸν τροχὸν σκορπίου τρόπον  
 ἀνακλόμενος  
**σκορπισμός.**  
 [Aq. Sm., Th. Jb. 25. 34 (82. 20).]  
**σκοτίζεῖν.** (1) ⲥⲱⲩⲏⲁ qal. ὁ. hi. (2) ⲥⲱⲩⲏⲁ hi.  
 Ps. 104 (105). 28. ἐξοπίστευε σκότος καὶ ἐσκό-  
 τασε (1 b)  
 Ec. 12. 3. σκοτάσουσιν αἱ βλέπουσαι ἐν ταῖς  
 ὁπαῖς (1 a)  
 Mi. 6. 14. σκοτάσει ἐν σοὶ  
 La. 4. 8. ἐσκότασεν ὑπὲρ ἀσβόλην τὸ εἶδος  
 αὐτῶν (1 a)  
 5. 17. ἐσκότασαν οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν (1 a)  
 Ez. 31. 15. ἐσκότασεν ἐν' αὐτὸν [A ἐπίνθησεν  
 αὐ.] ὁ Διδανος (2)  
 [Aq. Ex. 10. 15.]  
 [Sm. Ex. 10. 15: Ec. 12. 2.]  
 [Th. Mi. 6. 14.]  
**σκοτασμός.**  
 [Aq. Is. 59. 9.]  
 [Sm. Ps. 87 (88). 19: Ca. 1. 5.]  
**σκοτεινός** (-τιν). (1) ⲥⲱⲩⲏⲁⲛ (2) a. ⲡⲥⲱⲩ  
 ὁ. ⲡⲥⲱⲩⲏⲁ c. ⲡⲥⲱⲩⲏⲁ (3) ⲡⲥⲱⲩⲏⲁ (4) ⲡⲥⲱⲩⲏⲁ  
 (5) σκ. λόγος ⲡⲥⲱⲩⲏⲁ  
 Ge. 15. 12. φόβος σκ. μέγας ἐπιπίπτει αὐτῷ (2 b)  
 IV Ki. 5. 24. ἦλθεν εἰς τὸ σκ.  
 Jb. 10. 21. πρὸ τοῦ με πορευθῆναι . . . εἰς γῆν  
 σκοτεινὴν (2 a)  
 15. 23. ἡμέρα δὲ σκοτεινὴ αὐτὸν στοβήσκει (2 a)  
 24. 11. A B ἡ σκοτεινότης [B B ὁ σκοτεινός] ἀδι-  
 κως ἐνέδρευεν (2 a)  
 Ps. 17 (18). 11. σκοτεινὸν ὕδωρ ἐν νεφέλαις  
 ἄερων (2 b)  
 87 (88). 6. ἐν σκοτεινότητι καὶ ἐν σκῇ θανάτου (2 c)  
 142 (143). 3. ἐκἀπὸ τοῦ ἐν σκοτεινότητι (2 c)  
 Pr. 1. 6. νοσησι τε παραβόλῃ καὶ σκοτεινὸν λόγον (5)  
 4. 19. αἱ δὲ ὁδοὶ τῶν ἀσεβῶν σκοτειναὶ (1)  
 Is. 45. 3. δόσω σοὶ θησαυροὺς σκ. ἀποκρύφους (2 a)  
 — 19. οὐκ ἐν κρυφῇ λελέλχη οὐδὲ ἐν τόπῳ  
 γῆς σκοτεινῷ (2 a)  
 48. 16. A B οὐδὲ ἐν τόπῳ γῆς σκοτεινῷ  
 Je. 13. 16. πρὸ τοῦ προσκόψαι πόδας ὑμῶν ἐπ'  
 ὁρῇ σκοτεινῇ (3)  
 La. 3. 6. A ἐν σκοτεινότητι ἐκἀπὸς με ἐν σκοτει-  
 νότητι αἰῶνος [B al.] (2 c, 1)  
 Da. LXX. 2. 22. ἀνακαλύπτει τὰ βαθύτατα καὶ σκ. (4)  
 [Aq. Ps. 87 (88). 7: Jk. 13. 17.]  
 [Sm. Jb. 38. 2: Ps. 87 (88). 7: 138 (139). 13:  
 La. 4. 8: Ez. 8. 12.]  
 [Th. Pr. 22. 29.]  
 [Heb. Jb. 10. 21.]  
 [Quint. Ps. 87 (88). 7.]

**σκοτία.** (1) ⲥⲱⲩⲏⲁ (2) ⲡⲥⲱⲩ  
 Jb. 28. 3. A B E λῆθος σκοτία [B -ίας] καὶ σκῆ  
 θαλάττης (1)  
 Mi. 3. 6. σκοτία ὑμῶν ἔσται ἐκ μαρτίας (2)  
 Is. 16. 3. ἐν μεσημβρῇ σκοτίᾳ φείγουσιν  
 [Aq. Is. 25. 7.]  
 [Sm. Gk. 1. 5: Ez. 12. 7.]  
 [Th. Jb. 28. 3: Is. 25. 7: 59. 9.]  
**σκοτίζεῖν.** (1) a. ⲡⲥⲱⲩ qal. ὁ. hi. c. ⲡⲥⲱⲩ  
 Ps. 68 (69). 23. σκοτισθήσονται οἱ ὀφθ. αὐ. (1 a)  
 73 (74). 20. B B ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκοτισμένοι  
 [B B -ωμένοι] τῆς γῆς οὐκ ἀνο-  
 188 (189). 12. A B B τὸ σκότος οὐ σκοτισθή-  
 σεται ἀπὸ σοῦ (1 b)  
 Ec. 12. 2. ἔως ὃ μὴ σκοτισθῇ ὁ ἥλιος (1 a)  
 Wi. 17. 3. A ἀφεγγεὶ λήθη παρακαλύμματα ἐσκο-  
 τίσθησαν [B ἐσκορπίσθησαν, B διεσκορ-  
 πίσθησαν]  
 Is. 13. 10. σκοτισθήσεται τοῦ ἡλίου ἀνατέλλοντος (1 a)  
 III Ma. 4. 10. πάντοθεν ἐσκοτισμένοι τοὺς ὀφθαλμούς  
 [Aq. Ps. 78 (74). 20.]  
 [Sm. Ps. 28 (29). 8 (P.): 73 (74). 20 (P.).]  
**σκοτομήνη** (-μένη). (1) ⲥⲱⲩⲏⲁ  
 Ps. 10 (11). 3. B B B τοῦ κατατοξεῖσθαι ἐν σκοτο-  
 μῇ [A -ωμένη, B -μένη] τοὺς εὐθεῖς  
 τῇ καρδίᾳ  
 [Aq. I Ki. 30. 17: Jb. 28. 3.]  
 [Sm. Pr. 20. 20.]  
 [Th. Ps. 10 (11). 2.]  
**σκοτομηρία.**  
 [Aq. Jb. 3. 6.]  
**σκότος.** (1) a. ⲥⲱⲩⲏⲁ ὁ. ⲡⲥⲱⲩ (2) a. ⲡⲥⲱⲩ  
 ὁ. ⲡⲥⲱⲩ c. ⲡⲥⲱⲩ d. ⲡⲥⲱⲩ e. ⲡⲥⲱⲩ  
 f. ⲡⲥⲱⲩ (8) ⲡⲥⲱⲩ (4) ⲡⲥⲱⲩ (5) ⲡⲥⲱⲩ  
 (6) ⲡⲥⲱⲩ (7) ⲡⲥⲱⲩ (8) ⲡⲥⲱⲩ (9) σκ.  
 δεινόν ⲡⲥⲱⲩ  
 Ge. 1. 2. καὶ σκότος ἐπάνω τῆς ἀβύσσου (2 a)  
 — 4. διεχώρισεν ὁ θ. . . ἀνὰ μέσον τοῦ σκ. (2 a)  
 — 5. τὸ σκ. ἐκάλυψε νύκτα (2 a)  
 — 18. διαχωρίζουν . . . ἀνὰ μέσον τοῦ σκότους (2 a)  
 Ex. 10. 21. γενήθητο σκότος ἐπὶ γῆν Aγ. ψηλα-  
 φητόν σκ. (2 a, 2 a)  
 — 22. ἐγένετο σκότος γνώφος θύελλα (2 a)  
 14. 20. καὶ ἐγένετο σκότος καὶ γνώφος (5)  
 De. 4. 11. σκότος γνώφος θύελλα (2 a)  
 5. 22 (19). σκότος γνώφος θύελλα (5)  
 28. 29. ὥστε τις ψηλαφῆσαι τυφλὸς ἐν τῷ σκ. (1 b)  
 Jo. 2. 5. ὥς δὲ ἡ πύλη ἐκλείπει ἐν τῷ σκ. (2 a)  
 II Ki. 1. 9. κατέσχευε τὸ σκ. δεινόν  
 22. 12. B ἔθετο σκότος ἀποκρυφῆς [A B -ην] αὐ. (2 a)  
 — 12. ἡ σκηνὴ αὐ. σκότος ὑδάτων  
 — 29. κύριος ἐκλάμψε μοι τὸ σκ. μου (2 a)  
 IV Ki. 7. 5. ἀνέστησαν ἐν τῷ σκ. (8)  
 — 7. ἀπέδρασαν ἐν τῷ σκ. (8)  
 I Es. 4. 24. ἐν σκότεινῇ βαδίζει  
 To. 4. 10. B οὐκ ἔσται ἐλθεῖν εἰς τὸ σκ. [A B al.]  
 6. 9. B ἐν τῷ σκ. κείμεν  
 14. 10. ἤγαγεν αὐτὸν εἰς τὸ [A om.] σκ. [B al.]  
 — 10. A B αὐτὸς κατέβη εἰς τὸ σκ.  
 Es. 1. 1. ἡμέρα σκότους καὶ γνόφου  
 Jb. 3. 4. ἡ νύξ [A ἡμέρα] ἐκείνη εἴη σκότος (2 a)  
 — 5. ἐκλάβοι δὲ αὐτὴν σκότος (2 a)  
 — 6. A B B ἀπενεγκοῖτο αὐτὴν σκότος (1 a)  
 5. 14. ἡμέρας [A ἐν ἡμέρᾳ] συναυτῆσται αὐτοῖς  
 σκότος (2 a)  
 10. 21 (22). πρὸ τοῦ με πορευθῆναι . . . εἰς γῆν  
 σκότους αἰωνίου (4 + 1 a + 7)  
 12. 22. ἀνακαλύπτει βάθος ἐκ σκότους (2 a)  
 — 25. ψηλαφῆσαι σκ. καὶ μὴ φῶς (2 a)  
 15. 22. μὴ πιστεύει ἀποστραφῆναι ἀπὸ σκό-  
 τος (2 a)  
 — 30. οὐδὲ μὴ ἐκφύγῃ τὸ [A om.] σκ. (2 a)  
 17. 12. A B B φῶς ἐγγὺς ἀπὸ προσώπου σκό-  
 τος (2 a)  
 18. 6. τὸ φῶς αὐτοῦ σκότος ἐν διαίτῃ (2 b)  
 — 18. ἀπώσκει αὐτὸν ἐκ φωτός εἰς σκότος (2 a)  
 19. 8. ἐπὶ προσώπων [A δὲ ἀτραπούς] μου  
 σκότος ἔθετο (2 a)  
 20. 26. πᾶν δὲ σκότος αὐτῷ ὑπομείναι (2 a)

Jb. 22. 11. τὸ φῶς σοὶ σκότος [A B εἰς σκ.]  
 ἀπείβη (2 a)  
 23. 17. οὐ γὰρ ἔδει ὅτι ἐπελεύσεται μοι σκότος  
 [A γνώφος] (2 a)  
 — 17. A πρόσωπον δὲ μου καλύψει σκότος  
 [B al.] (1 a)  
 24. 14. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς σκότος (2)  
 — 15. ὀφθαλμοὶ μοιχοῦ ἐφύλαξε σκότος  
 — 16. διώρυξεν ἐν σκότει οἰκίας (2 a)  
 26. 10. μέχρι συντελείας φωτός μετὰ σκότους (2 a)  
 28. 3. τάξιν ἔθετο σκότει (2 a)  
 29. 3. ὅτε . . . ἐπορεύσῃ ἐν σκότει (2 a)  
 37. 15. φῶς ποιήσας ἐκ σκότους (5)  
 38. 19. σκότους δὲ ποῖος ὁ τόπος (2 a)  
 Ps. 17 (18). 11. ἔθετο σκότος ἀποκρυφῆν αὐτὸν (2 a)  
 — 28. φωταῖς τὸ σκ. μου (2 a)  
 34 (35). 6. γενήθητι ἡ ὁδὸς αὐτῶν σκότος (2 a)  
 54 (55). 5. B B B ἐκάλυψεν με σκότος (2 a)  
 81 (82). 5. ἐν σκότει διαπορεύονται (2 c)  
 87 (88). 12. μὴ γνωσθήσεται ἐν τῷ σκ. τὰ θαν-  
 μασία σου (2 a)  
 90 (91). 6. ἀπὸ πρῆγματος διαπορευομένου ἐν  
 σκότει (1 a)  
 103 (104). 20. ἔθου σκότος καὶ ἐγένετο νύξ (2 a)  
 104 (105). 28. ἐξοπίστευε σκότος καὶ ἐσκότασε (2 a)  
 106 (107). 10. καθήμενός ἐν σκότει (2 a)  
 — 14. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐκ σκότους (2 a)  
 111 (112). 4. ἐξανέτειλεν ἐν [A τοῖς ἐν] σκότει  
 φῶς τοῖς εὐθεῖς (2 a)  
 188 (189). 11. ἀρα σκότος καταπατήσκει με (2 a)  
 — 12. A B B τὸ σκ. οὐ σκοτισθήσεται ἀπὸ  
 σοῦ (2 a)  
 — 13. ὥς τὸ σκ. αὐτῆς οὕτως καὶ τὸ φῶς αὐτῆς (2 d)  
 Pr. 2. 13. τοῦ πορεύσθαι ἐν ὁδοῖς σκότους (2 a)  
 7. 8 (9). λαλοῦντα ἐν σκότει ἐσπερινῇ (3)  
 20. 20. αἱ δὲ κόραι τῶν ὀφθαλμῶν αὐτῶν ὄψονται  
 [B ἔσονται] σκότος (2 a)  
 Ec. 2. 13. ὡς περισσεια τοῦ φωτός ὑπὲρ τὸ σκ. (2 a)  
 — 14. ὁ ἀφρων ἐν σκότει πορεύεται (2 a)  
 5. 16. πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐτοῦ ἐν σκότει (2 a)  
 6. 4. ἐν σκότει πορεύεται καὶ ἐν σκότει ὄνομα  
 αὐτοῦ καλυφθήσεται (2 a, 2 a)  
 11. 8. μνησθήσεται τὰς ἡμέρας τοῦ σκ. (2 a)  
 Wi. 17. 2. δέσμοι σκότους καὶ μακρὰς πεδίτας νυκτὸς  
 — 17. μὴ γὰρ ἀλίπει σκότος πάντες ἐδέχθησαν  
 — 21. εἰκὼν τοῦ μέλλοντος αὐτοῦ διαδέχεσθαι  
 σκ. αὐτοῖς δὲ ἦσαν βαρύτεροι σκότους  
 18. 4. ἀξιοί . . . φυλακισθῆναι ἐν [A B B om.] σκότει  
 [B -ους] (2 a, 2 a)  
 19. 17. ἀχαλεπὴ περιβλήνεται σκότει  
 Si. 23. 18. σκότος κύμα μου  
 Am. 6. 18. αὕτη ἐστὶ σκότος καὶ οὐ φῶς (2 a)  
 — 20. οὐκ ἔσται ἡμέρα τοῦ κυρίου (2 a)  
 Mi. 7. 8. εἰς καθίω ἐν τῷ σκ. (2 a)  
 Jl. 2. 2. ἡμέρα σκότους καὶ γνόφου (2 a)  
 — 31 (3. 4). ὁ ἥλιος μεταστραφῆσται εἰς  
 σκότος (2 a)  
 Na. 1. 8. τοὺς ἐχθροὺς αὐ. διώξεται σκότος (2 a)  
 Ze. 1. 15. ἡμέρα σκότους καὶ γνόφου (2 a)  
 Is. 5. 20. οἱ τιθέντες τὸ σκ. φῶς καὶ τὸ φῶς σκ. (2 a, 2 a)  
 — 30. ἰδοὺ σκ. σκληρὸν ἐν τῇ ἀπορίᾳ αὐτῶν (2 a)  
 8. 22. ἀπορία στενὴ καὶ σκ. [B om. κ. σκ.]  
 θλίψις καὶ στενοχωρία καὶ σκ. [A  
 al.] (2 a, 1 b)  
 9. 2 (1). ὁ λαὸς ὁ πορευόμενος [A καθ' ἡμ.] ἐν  
 σκότει (2 a)  
 29. 15. ἔσται ἐν σκότει τὰ ἔργα αὐτῶν (2 c)  
 — 18. ἀκούσονται . . . οἱ ἐν τῷ σκ. (1 a)  
 42. 7. ἐξαγαγῶν . . . καθημένους ἐν σκότει (2 a)  
 — 16. ποιήσας αὐτοῖς τὸ σκ. εἰς φῶς (2 c)  
 45. 7. ἐγὼ ὁ κατασκευάσας φῶς καὶ ποιήσας σκ. (2 a)  
 47. 1. A B εἰσελθε εἰς τὸ σκ. [B al.]  
 — 5. εἰσελθε εἰς τὸ σκ. (2 a)  
 49. 9. λέγοντα . . . τοῖς ἐν τῷ σκ. ἀνακαλύφθησαν (2 a)  
 50. 3. ἐνύσσω τὸν οὐρανὸν σκότος (8)  
 — 10. οἱ πορευόμενοι ἐν σκότει (2 c)  
 58. 10. ἀνατελεῖ ἐν τῷ σκ. τὸ φῶς σου καὶ τὸ  
 σκ. σου ὡς μεσημβρία (2 a, 1 b)  
 59. 9. φῶς ἐγένετο αὐτοῖς σκ. (2 a)  
 60. 2. σκ. [A B add. καὶ γνώφος] καλύψει γῆν (2 a)  
 Je. 13. 16. τεθήσονται εἰς σκότος (6)  
 28 (31). 34. κατέλαβέ με σκ. λεπτῶν  
 — La. 3. 2. ἀπὴργαγέ με εἰς σκότος καὶ οὐ φῶς (2 a)  
 Ep. Je. 71. νεκρῷ ἐρριμμένῳ ἐν σκότει ἀφωμωσέναι  
 Ez. 32. 8. δόσω σκότος ἐπὶ τὴν γῆν (2 a)

Da. LXX., TH. 2. 22. γινώσκων τὰ ἐν τῷ σκ. (2f)  
3. (72). εὐλογεῖτε, φῶς καὶ σκότος, τὸν κ.  
II Ma. 8. 27. πολλὰ σκ. περιχυθέντα

[Aq. Ge. 1. 2, 4, 5: Ez. 14. 20: Jb. 3. 6†:  
Ez. 8. 12.]  
[Sm. Ex. 14. 20: Ps. 138 (139). 11, 12 δις: Is.  
32. 14: 59. 9, 10 (σκότῃ): Ez. 8. 12 (Sw.).]  
[Th. Ge. 1. 2, 5: Jb. 17. 12: Ez. 8. 12: 12. 7.]  
[Sam. Ex. 14. 20.]  
[Heb. Jb. 10. 22.]  
[Al. Jb. 18. 6: 26. 9: Ps. 138 (139). 11.]  
[Sext. Ps. 10 (11). 2.]

σκοτοῦν. (1) α. η̄ψ̄ η̄ δ. η̄ψ̄ η̄ (2) η̄ η̄  
(3) η̄ η̄

Jd. 4. 21. ἐξέστως ἐσκοτώθ[η] [A. al.] +  
Jb. 3. 9. σκοταθίζ[ει] τὰ δάστυα τῆς νυκτὸς ἐκεί-  
νης (1a)  
80. 30. τὸ δὲ δέρμα μου ἐσκότῶται [A. μεμελά-  
νται] μεγάλως (3)  
Ps. 73 (74). 20. Β' B' ἐπληρώθησαν οἱ ἐσκοτώ-  
μενοι [B' B' -ισμένοι] τῆς γῆς οἰκῶν  
ἀνομίῃν (1b)  
Ec. 10. 15. Α' μόχθος τοῦ ἀφρονος σκοτώσει  
αὐτόν [B S al.] +  
Si. 25. 17. ποιηρία γυναικὸς ... σκοτοὶ τὸ πρόσωπον  
αὐτῆς  
Je. 8. 21. ἐπὶ συντρίμματι θυγατρὸς λαοῦ μου  
ἐσκοτώθην (2)  
14. 2. ἐσκοτώθησαν ἐπὶ τῆς γῆς (2)

σκοτώθης.

[Aq. Mi. 4. 8.]

σκοτωμένη (?)

(1) η̄ η̄

Ps. 10 (11). 3. Α' τοῦ καταστρέψαι ἐν σκοτω-  
μῇ [B' -ομένη, B' B' B' -ομήν] τοὺς  
εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (1)

σκυβαλίζειν.

Si. 26. 28. ἄνδρες συνετοὶ ἰδὲν σκυβαλισθῶσιν  
σκύβαλον.

Si. 27. 4. οὕτως σκύβαλα ἀνθρώπου ἐν λογισμῇ  
αὐτοῦ  
[Sm. Ez. 4. 12, 15.]

σκυθρωπάειν.

(1) η̄ η̄ (2) η̄ η̄ η̄ η̄

(3) η̄ η̄

Ps. 34 (35). 14. ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπάων  
οὕτως ἐταπεινώθη  
87 (88). 6. ὅλην τὴν ἡμέραν σκυθρωπάων  
ἐπορευόμενος (1)  
41 (42). 9: 42 (43). 2. ἵνα τί σκυθρωπάων  
περιούμην (1)  
Pr. 15. 13. ἐν δὲ λήπται οὐδὲς σκυθρωπάει (2)  
Je. 19. 8. πᾶς ὁ παρασπορευόμενος ἐπ' αὐτῆς  
σκυθρωπάσει (3)  
27 (50). 13. πᾶς ὁ διδοῦν διὰ βαβυλῶνος  
σκυθρωπάσει [B' κυκλωπ.] (3)

[Aq. Jb. 8. 21: 14. 2.]  
[Sm. I Ki. 20 (21). 43: Jb. 14. 2.]  
[Th. Ez. 81. 15.]

σκυθρωπός.

(1) η̄ η̄ (2) η̄ η̄

Ge. 40. 7. τί ὅτι τὰ πρόσωπα ὑμῶν σκυθρωπά  
σήμερον (2)  
Ne. 2. 1. B' καὶ ἡμῖν σκυθρωπός (2)  
Si. 25. 23. πρόσωπον σκυθρωπὸν καὶ πληγὴ καρδίας  
γυνὴ ποιηρά  
Da. TH. 1. 10. μὴ ποτε ἴδῃ τὰ πρόσωπα ὑμῶν  
σκυθρωπά (1)  
[Sm. Ge. 40. 6: Ps. 37 (38). 7: 41 (42). 10.]  
[Th. Da. 1. 10.]

σκυθρωπός.

III Ma. 5. 34. ὁ καθ' εἰς δὲ τῶν φίλων σκ. ὑπεκ-  
ρίων  
[Sm. Ps. 34 (35). 14.]

σκύλαξ.

[Aq. Ge. 49. 9.]  
[Al. Ps. 16 (17). 12.]

σκυλεία (-λία).

I Ma. 4. 23. ἀνέστρεψεν ἐπὶ τὴν σκ. τῆς παρεμ-  
βολῆς

σκυλεύειν. (1) η̄ η̄ (2) η̄ η̄ η̄ η̄ (3) η̄ η̄ η̄  
(4) η̄ η̄ η̄ η̄ (5) η̄ η̄

Ex. 8. 22. σκυλεύσατε [A. συσκειύσατε] τοὺς Αἴγ. (2)  
12. 36. ἐσκυλεύσαν τοὺς Αἴγ. (2)  
I Ch. 10. 8. τοῦ σκυλεύειν [A. -εῦσαι] τοὺς  
τραυματίας (4)  
II Ch. 14. 13 (12). ἐσκυλεύσαν σκύλα πολλὰ (3)  
— 14 (13). ἐσκυλεύσαν πάσας τὰς πόλεις αὐ.  
20. 25. ἦλθεν ... σκυλεύσαι τὰ σκύλα αὐ. (1)  
— 25. B καὶ ἐσκυλεύσεν [A B -σαν] ἐν αὐτοῖς  
— 25. σκυλεύοντων αὐτῶν τὰ σκύλα (1)  
25. 13. ἐσκυλεύσε σκύλα πολλὰ (1)  
28. 8. σκύλα πολλὰ ἐσκυλεύσαν ἐξ αὐτῶν (1)  
Ju. 2. 27. τὰς πόλεις αὐ. ἐσκυλεύσε  
4. 1. ὃν τρόπον ἐσκυλεύσε πάντα τὰ ἱερὰ αὐ.  
16. 5. καὶ τὰς παρθένους μου σκυλεύσαι  
Wi. 10. 20. δίκαιοι ἐσκυλεύσαν ἀσεβεῖς  
Hb. 2. 8. διότι ἐσκυλεύσαν ἔθνη πολλὰ (8)  
— 8. σκυλεύουσιν πάντες οἱ ὑποταχέντες λαοί (5)  
Za. 2. 8 (12). ἐπὶ τῇ ἔθνη τὰ σκυλεύοντα ὑμᾶς (5)  
Is. 8. 3. ταχέως σκυλεύουσιν +  
Ez. 26. 12. σκυλεύσει τὰ ὑπάρχοντά [A. τὸν  
πλούτιόν] σου (1)  
29. 19. σκυλεύσει τὰ σκύλα αὐτῆς (1)  
30. 24. σκυλεύσει τὰ σκύλα αὐτῆς +  
38. 12. σκυλεύσαι σκύλα αὐτῶν [A. om.] (1)  
— 13. σκυλεύσαι σκύλα ... τοῦ σκυλεύσαι  
σκύλα (1, 5)  
39. 10. σκυλεύουσιν τοὺς σκυλεύσαντας αὐτοὺς (1, 1)  
I Ma. 3. 20. τοῦ σκυλεύσαι ἡμᾶς  
5. 68. ἐσκυλεύσε τὰ σκύλα τῶν πόλεων  
11. 61. καὶ ἐσκυλεύσεν αὐτάς  
II Ma. 9. 16. ὃν δὲ πρότερον ἐσκυλεύσεν ἔχον νέω  
[Aq. Ex. 8. 22.]  
[Sm. Ex. 3. 22: Ca. 6. 12 (7. 1): 7. I (2).]  
[Th. Is. 59. 15.]  
[Al. Jd. 5. 30.]

σκυλεύεις.

[Heb. Jb. 15. 21.]

σκυλευτής.

[Aq. Ez. 23. 15, 23.]

σκυλμός.

III Ma. 3. 25. μετὰ ὕβρεως καὶ σκυλμών  
4. 6. B ὡς ἐσπαργμένοι σκυλμοῖς [A. σκύμνοις]  
ἀλλοθιθέντες  
7. 5. δεσμίους καταγαγόντες αὐτοὺς μετὰ σκυλμών  
σκύλον. (1) α. η̄ δ. η̄ η̄ (2) η̄ η̄ η̄  
(3) η̄ η̄

Ex. 15. 9. μεριῶ σκύλα (3)  
Nu. 31. 11. ἔλαβον ... πάντα τὰ σκ. αὐ. (2)  
— 12. καὶ ἔλαβον πρὸς M. ... τὰ σκ. (2)  
— 26. λάβετ' ἐκ κεφάλων τῶν σκ. τῆς αἰχμα-  
λωσίας (2)  
— 27. διελέγετε τὰ σκ. (2)  
De. 2. 35. τὰ σκ. τῶν πόλεων ἐλάβομεν (3)  
3. 7. τὰ σκ. τῶν πόλεων ἐπρονομήσαμεν ἑαυτοῖς (3)  
7. 16. φύγη πάντα τὰ σκ. τῶν ἐθνῶν —  
13. 16 (17). πάντα τὰ σκ. αὐ. συνάξεις (8)  
— 16 (17). καὶ πάντα τὰ σκ. αὐ. πανδημί (8)  
Jo. 8. 27. πλὴν τῶν σκ. τῶν ἐν τῇ πόλει (8)  
11. 14. πάντα τὰ σκ. αὐ. ἐπρονομήσαν ἑαυτοῖς (3)  
Jd. 5. 30. οὐχ εὐρήσουσιν αὐτὸν διαμερίζοντα  
σκύλα (3)  
— 30. σκύλα βαμμάτων τῷ Σ. (3)  
— 30. σκύλα βαμμάτων ποικιλίας (3)  
— 30. τῷ τραχίλῳ αὐ. σκύλα [A. al.] (3)  
8. 24. δότε μοι ἀνὴρ ἐνώγιον ἐκ [A. τῶν] σκύ-  
λων αὐ. (3)  
— 25. ἔβαλεν ἐκεῖ ἀνὴρ ἐνώγιον σκύλων αὐ. [A. al.] (3)  
I Ki. 14. 30. ἔφαγεν ... τῶν σκ. τῶν ἐχθρῶν αὐ. (3)  
— 32. ἐκλήθ' ὁ λαὸς εἰς τὰ σκ. (3)  
15. 12. τὰ πρῶτα τῶν σκ. ὧν ἤνεγκεν —  
— 19. τοῦ δέσθαι ἐπὶ τὰ σκ. (3)  
— 21. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν σκ. [A. κύλων] (3)  
— 23. εἰς τὰ σκ. τῶν ἀλλοφ. ἐσπορευόμεθα +  
30. 16. ἔορτάζοντες ἐν πᾶσι τοῖς σκ. τοῖς μεγάλοις (3)  
— 19. οὐ διεφώνησεν αὐτοῖς ... ἀπὸ τῶν σκ. (3)  
— 20. καὶ ἀπηγάγεν ἐμπροσθεν τῶν σκ. +  
— 20. καὶ τοῖς σκ. ἐκείνοις ἐλέγετο —  
— 20. ταῦτα τὰ [A. om.] σκ. Δ. (3)

I Ki. 30. 22. οὐ δώσωμεν αὐτοῖς ἐκ τῶν σκ. (3)  
— 26. ἀπέστειλε τοῖς πρεσβυτέροις τῶν σκ. 'I. (3)  
— 26. ἰδοὺ ἀπὸ [A. ὑμῶν] ἐβλόγα ἀπὸ τῶν σκ. (3)

II Ki. 3. 22. σκ. πολλὰ ἔφεραν μετ' αὐτῶν (3)  
8. 12. καὶ ἐκ τῶν σκ. 'Aδρ. (3)  
12. 30. σκύλα τῆς πόλεως ἐξήνεγκε πολλὰ  
σφόδρα (3)

IV Ki. 8. 23. καὶ νῦν ἐπὶ τὰ σκ., Μωάβ (3)  
I Ch. 20. 2. σκύλα τῆς πόλεως ἐξήνεγκε πολλὰ  
σφόδρα (3)

II Ch. 14. 13 (12). ἐσκυλεύσαν σκ. πολλὰ (3)  
— 14 (13). πολλὰ σκ. ἐγενήθη αὐτοῖς (1b)  
15. 11. Α' ἀπὸ τῶν σκ. [B. om. α. τ. σκ.] ὧν  
ἤνεγκαν (3)

20. 25. ἦλθεν ... σκυλεύσαι τὰ σκ. αὐ. (3)  
— 25. καὶ εὗρον ... σκύλα +  
— 25. σκυλεύοντων αὐτῶν τὰ σκ. (3)  
24. 23. πάντα τὰ σκ. αὐ. ἀπέστειλαν τῷ βασιλ. Δ. (3)  
25. 13. ἐσκυλεύσε σκ. πολλὰ (1b)  
28. 8. σκ. πολλὰ ἐσκυλεύσαν ἐξ αὐτῶν (3)  
— 8. ἤνεγκαν τὰ σκ. εἰς Σαρμ. (3)  
— 14. ἀφῆκαν οἱ πολεμιστὰι ... τὰ σκ. (1b)  
— 15. πάντας τοὺς γυμνοὺς περιέβαλον ἀπὸ  
τῶν σκ. (3)

Ju. 9. 4. ἔδωκεν ... πάντα τὰ σκ. εἰς διαιρέσειν  
Es. 8. 11. B' καὶ τὰ σκ. αὐ. εἰς προνομήν (3)  
Ps. 67 (68). 12. καὶ ὠραίστηι τοῦ οἴκου διελέσθαι  
σκύλα (3)

118 (119). 162. ὡς ὁ εὐρίσκων σκύλα πολλὰ (3)  
Pr. 1. 13. πληρώσωμεν δὲ οἴκους ἡμετέρους [B. -ων]  
σκύλων (3)

16. 19. δὲ διαίρεται σκύλα μετὰ ὕβριστων (3)  
31. 11. ἡ τοιαυτὴ καλὴν σκύλων οὐκ ἀπορήσει (3)  
Za. 2. 9 (13). ἔσονται σκύλα τοῖς δουλεύουσιν  
αὐτοῖς (3)

14. 1. διαμερισθήσονται τὰ σκ. σου ἐν σοί (3)  
Is. 8. 1. τοῦ ὀξέως προνομήν ποιῆσαι σκύλων (1a)  
— 4. λήφεται ... τὰ σκ. Σαρμ. (3)  
9: 3 (2). ὃν τρόπον [A. B. add. εὐφραίνονται] οἱ  
διαίρουμένοι σκύλα (3)

10. 6. συντάξω ποιῆσαι σκύλα καὶ προνομήν (3)  
33. 4. συναχθήσεται τὰ σκ. ὑμῶν (3)  
49. 24. μὴ λήφεται τις παρὰ γίγαντος σκύλα (2)  
— 25. λήφεται σκύλα (2)

53. 12. τῶν ἰσχυρῶν μεριεῖ σκύλα (3)  
Je. 21. 9. ἔσται ἡ ψυχὴ αὐτοῦ εἰς σκύλα (3)  
Ez. 7. 21. παραδόσω αὐτὰ ... εἰς σκύλα (3)  
29. 19. σκυλεύσει τὰ σκ. αὐτῆς (1b)  
30. 24. σκυλεύσει τὰ σκ. αὐτῆς +

38. 12. σκυλεύσαι σκύλα αὐτῶν [A. om.] (1a)  
— 13. σκυλεύσαι σκύλα ... τοῦ σκυλεύσαι  
σκύλα (1a, 3)

Da. LXX. 11. 24. σκύλα καὶ χρήματα αὐτοῖς δώσει (3)  
Da. TH. 11. 24. σκύλα καὶ ὑπαρξίαν αὐτοῖς δια-  
σκορπισί (3)

I Ma. 1. 3. ἔλαβε σκύλα πλείους ἐθνῶν  
— 19. ἔλαβε τὰ σκ. γῆς Αἰγύπτου  
— 31. ἔλαβε τὰ σκ. τῆς πόλεως  
— 35. συναγαγόντες τὰ σκ. 'Ιερ.

2. 10. ποῖον ἔθνος ... οὐκ ἐκράτησε τῶν σκ. αὐ.  
3. 12. B B' ἔλαβον τὰ σκ. [A. σκεῖν] αὐ.  
4. 17. μὴ ἐπιθυμήσῃτε τῶν σκ.  
— 18. Α' λάβετε σκύλα [B B' τὰ σκ.]

5. 3. B B' ἔλαβε τὰ σκ. [A. ἀγκύλα] αὐ.  
— 22. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.  
— 28. ἔλαβε πάντα τὰ σκ. αὐ.  
— 35. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.  
— 51. ἔλαβε τὰ σκ. αὐτῆς  
— 68. ἐσκυλεύσε τὰ σκ. τῶν πόλεων

6. 6. B B' ἐπίσχυναν ... σκ. πολλοῖς [A. om. σκ. π.]  
7. 47. ἔλαβον τὰ σκ.  
9. 40. B B' ἔλαβον πάντα τὰ σκ. [A. σκεῖν] αὐ.  
10. 84. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.  
— 87. ἔχοντες σκ. πολλὰ  
11. 48. ἐλάβοσαν σκ. πολλὰ  
— 51. ἔχοντες σκ. πολλὰ  
12. 31. ἔλαβε τὰ σκ. αὐ.

II Ma. 8. 27. τὰ σκ. ἐκδύσαντες τῶν πολεμίων  
— 28. τοῖς ὀρφανοῖς μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκ.  
— 31. τὰ δὲ λοιπὰ τῶν σκ. ἤνεγκαν εἰς 'Ιερ.  
[Aq. Is. 33. 23: Jb. 38 (45). 2: 46. 5 (51. 35):  
49. 32 (30. 10).]  
[Sm. Ge. 49. 27: Is. 33. 23.]  
[Al. Jd. 5. 30.]  
[Heb. Je. 21. 9.]





- Ex. 35. 33. ποιῶν ἐν παντὶ ἔργῳ σοφίας (8)  
 — 35. ἐμπλήσων αὐτοὺς σοφίας (8)  
 36. 1. φέει δὲ σοφία (8)  
 — 2. καὶ πάντα τοὺς ἔχοντας τὴν σ. (8)  
 De. 4. 6. αὐτὴ ἡ σ. ὑμῶν (8)  
 11 Ki. 14. 20. καθὼς σοφία ἀγγέλου τοῦ θ. (8)  
 20. 22. ἔλαλθεν πρὸς πᾶσαν τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐ. (8)  
 111 Ki. 2. 6. ποιήσεις κατὰ τὴν σ. σου (8)  
 8. 1 (cf. 4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . σ. πολλὴν σφόδρα (1 b)  
 4. 29 [5. 9]. ἔδωκε κ. φρόνησιν τῷ Σ. καὶ σ. [Α. σ. τ. Σ. κ. φρόνησιν] πολλὴν σφόδρα (1 b [3])  
 — 30 (5. 10). Α. ἐπληθύνη ἡ σ. Σαλ. σφόδρα [B al.] (8)  
 — 34 (5. 14). ἀκούσαι τῆς σ. Σαλ. (8)  
 — 34 (5. 14). ὅσοι ἴκοντο τῆς σ. [Α. τὴν σ.] αὐ. (8)  
 5. 12 (26). κύριος ἔδωκε σοφίαν τῷ Σαλ. (8)  
 10. 7. Α. προσέθηκε σοφίαν καὶ [B om. σ. κ.] ἀγαθὰ (8)  
 1 Ch. 22. 12. δὴν σοὶ σοφίαν καὶ σύνεσιν κύριος (8)  
 28. 21. πᾶς πρόθυμος ἐν σοφίᾳ (8)  
 11 Ch. 1. 10. σοφίαν καὶ σύνεσιν δός μοι (8)  
 — 11. ἥρπας σεαυτὴ σοφίαν καὶ σύνεσιν (8)  
 — 11 (12). τὴν σ. καὶ τὴν σύνεσιν δίδωμί σοι (8)  
 9. 3. εἰς ἐξ βασιλείας Σ. τὴν σ. Σαλ. (8)  
 — 5. ὃν ἴκοντο . . . περὶ τῆς σ. σου (8)  
 — 6. οὐκ ἀπηγγέλη μοι ἡμῶν τοῦ πληθους τῆς σ. σου (8)  
 — 7. ἀκούουσιν σοφίαν σου (8)  
 — 22. ἐμεγαλύνθη Σ. . . πλούτης καὶ σοφία (8)  
 — 23. ἀκούσαι τῆς σ. αὐ. (8)  
 1 Es. 3. 7. δεύτερος καθίσταται Δαρείου διὰ τὴν σ. αὐ. (8)  
 4. 59. παρὰ σοῦ ἡ σ. (8)  
 — 60. δε ἔδωκάς μοι σοφίαν (8)  
 8. 23. κατὰ τὴν σ. τοῦ θεοῦ ἀνάδειξον (8)  
 11 Es. 7. 25. ὡς ἡ σ. τοῦ θεοῦ ἐν χειρὶ σου (8)  
 Ju. 8. 29. οὐκ ἐν τῇ σήμερον ἡ σοφία σου πρὸδηλός ἐστιν (8)  
 11. 8. ἡκούσαμεν γὰρ τὴν σ. σου (8)  
 — 20. Α. Β. ἐθαύμασαν ἐπὶ τῇ σ. αὐ. (8)  
 Jb. 4. 21. παρὰ τὸ μὴ ἔχειν αὐτοὺς σοφίαν (8)  
 8. 10. Α. καὶ ἀνεγελούσιν σοὶ σύνεσιν σοφίας [B S al.] (8)  
 11. 6. εἰτα ἀναγγελεῖ σοὶ δύναμιν σοφίας (8)  
 — 20. Α. παρ. αὐτῶν γὰρ σοφία καὶ δύναμις (8)  
 12. 2. ἡ μετ' ὑμῶν τελευταῖα σοφία (8)  
 — 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [Α. σ. εὐρίσκεται] (8)  
 — 13. παρ. αὐτῶν σοφία καὶ δύναμις (8)  
 13. 5. ἀποβιβάζεται ὑμῖν σοφία [Α. εἰς σοφίαν] (8)  
 15. 8. εἰς δε σ. φέρεται σοφία (8)  
 26. 3. οὐχ φ. πᾶσα σ. [Α. φ. ἡ π. σ.] (8)  
 28. 12. ἡ δὲ σ. πόθεν εὐρίθη (8)  
 — 18. ἔλκυσον σοφίαν ὑπὲρ τὰ ἑσώτατα (8)  
 — 20. ἡ δὲ σ. πόθεν εὐρίθη (8)  
 — 28. ἡ θεοσβεία ἐστὶ σοφία (8)  
 32. 7. Α. Β. ἐν πολλοῖς δε ἔστιν [B S add. οὐκ] αἰσθαι σοφίαν (8)  
 — 13. εὐρομαν σοφίαν κυρίῳ προσθέμενοι (8)  
 33. 33. Α. Β. διδάξω σε σοφίαν [B om.] (8)  
 38. 36. Α. τίς δε ἔδωκε γνώμην ὑφάσματος σοφίαν ἢ ποιητικὴν σοφίας [B S om.] ἐπιστήμην (8, —)  
 — 37. τίς δε ὁ ἀριθμῶν κέφρ σοφία (8)  
 39. 17. κατεσκήνωσεν [B' ἐπηξεν] αὐτῇ ὁ θεός σοφίαν (8)  
 Ps. 36 (37). 30. στόμα δικαίου μελετᾷ σοφίαν (8)  
 48 (49). 3. τὸ στόμα μου λαλήσει σοφίαν (8)  
 50 (51). 6. τὰ κρυφία τῆς σ. σου ἐδήλωσάς μοι (8)  
 89 (90). 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [Α. Β' -δημῶνους] τῇ καρδίᾳ ἐν σοφίᾳ σοφίαν (8)  
 103 (104). 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας (8)  
 106 (107). 27. πᾶσα ἡ σ. αὐτῶν κατεπεθῆ (8)  
 110 (111). 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
 Pr. 1. 2. γνῶναι σοφίαν καὶ παιδείαν (8)  
 — 7. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
 — 7. σοφίαν δε καὶ παιδείαν ἀσβεβίς ἐξουθενήσουσιν (8)  
 — 20. σοφία ἐν ἐξόδοις ὑμνεῖται (8)  
 — 29. ἡμῶν γὰρ σοφίαν [Α. παιδείαν] (8)  
 2. 2. ὑπακούσεται σοφία τὸ οὐς σου (8)  
 — 3. εἰς γὰρ τὴν σ. ἐπικάλεισθ (1 a)  
 — 6. κύριος δίδωσι σοφίαν (8)  
 — 10. εἰς γὰρ ἔλθῃ ἡ [B' om.] σ. εἰς σὴν δαίμονα (8)  
 Pr. 8. 5. ἐπὶ δε σῇ σοφίᾳ μὴ ἐπαίρου (1 a)  
 — 13. μακάριος ἄνθρωπος δε εὖρε σοφίαν (8)  
 — 19. ὁ θεός τῇ σ. ἐδωκεν τὴν γῆν (8)  
 4. 5. Β' κτήσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (8)  
 — 5. Α. κτήσαι σοφίαν κτήσαι σύνεσιν (8)  
 — 11. ὁδοὺς γὰρ σοφίας δίδασκω σε (8)  
 5. 1. ἐμὴ σοφία πρόσσεχε (8)  
 6. 8. τὴν σ. τιμησάσα προήχθη (8)  
 7. 4. εἰπὼν τὴν σ. [B' τῇ σ.] σὴν ἀδελφὴν εἶναι (8)  
 8. 1. σὺ τὴν σ. κηρύξεις (8)  
 — 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (8)  
 — 12. ἐγὼ ἡ σ. κατεσκήνωσα βουλήν (8)  
 — 12. Β' κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (8)  
 — 33. Α. ἀκούσατε σοφίαν [B' παιδείαν] καὶ σοφιστή (4)  
 9. 1. ἡ σ. φροδοῦμεν ἐαυτὴ οἶκον (8)  
 — 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
 10. 13. Α. Β. δε ἐκ χειλέων προφέρει σοφίαν (8)  
 — 23. ἡ δὲ σ. ἀνδρὶ τίκεται φρόνησιν (8)  
 — 31. στόμα δικαίου ἀποστάζει σοφίαν (8)  
 11. 2. στόμα δε ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν (8)  
 14. 6. ῥητήρει σοφίαν παρὰ κακοῖς (8)  
 — 8. σοφία παυνηρῶν ἐπιγνώσεται τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (8)  
 — 33. ἐν καρδίᾳ ἀγαθῷ ἀνδρὸς [B' ἀναπαύεται] σοφία (8)  
 16. 4 (15. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία (8)  
 — 16. νοσησια σοφίας αἰρετέστερα χρυσίου (8)  
 17. 16. κτήσασθαι γὰρ σοφίαν [Α. -ας] ἀκάρδιος οὐ δύνηται (8)  
 — 28. ἀνοήτῳ ἐπρωτησάντι σοφίαν [B' -α, Α. om.] σοφία λογισθήσεται (8, —)  
 18. 2. οὐ χρειαν ἔχει σοφίας ἐνδεὲς φρενῶν (1 b)  
 20. 29. κόσμος νεανίας σοφία (8)  
 21. 30. οὐκ ἐστὶ σοφία οὐκ ἐστὶν ἀνδρεία (8)  
 22. 4. γενὰ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
 24. 3. μετὰ σοφίας οικοδομεῖται οἶκος (8)  
 — 7. σοφία καὶ ἔγνω ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (8)  
 — 14. οὐτὶς αἰσθήσῃ σοφίαν [Α. -ας] τῇ σῇ ψυχῇ (8)  
 — 26 (30. 3). θεός δεδιδάχῃ με σοφίαν (8)  
 — 73 (31. 5). ἡ μὴ πύκνους ἐπιλάθωνται τῆς σ. (8)  
 28. 26. δε δε πορεύεται σοφία σωθήσεται (8)  
 29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται πατήρ αὐτοῦ (8)  
 — 15. πληγαὶ καὶ ἔλγχοι διδάσκει σοφίαν (8)  
 Ec. 1. 13. τὸ κατασκεψάσθαι ἐν τῇ σ. (8)  
 — 16. προσέειπα [B προέβ.] σοφίαν ἐπὶ πᾶσιν (8)  
 — 16 (17). ἔδωκα καρδίαν μου τοῦ γνῶναι σοφίαν (8)  
 — 16. καρδία μου εἶδε πολλὰ σοφίαν καὶ γνώσιν (8)  
 — 18. ἐν πληθεί σοφίας πληθὸς γνώσεως (8)  
 2. 3. καρδία μου ὠδὴν ἔσται [B' ὠδ. με] ἐν σοφίᾳ (8)  
 — 9. σοφία μου ὁστάθῃ μου (8)  
 — 12. ἐπέβλεψα ἐγὼ τὸν ἰδεῖν σοφίαν (8)  
 — 13. ἰσὶ περισσεῖα τῆς σ. ὑπὲρ τὴν ἀφροσύνην (8)  
 — 21. μύθος αὐτοῦ ἐν σοφίᾳ (8)  
 — 26. τῷ ἀνθρώπῳ τῷ ἀγαθῷ πρὸ προσώπου αὐτοῦ ἔδωκε σοφίαν (8)  
 7. 11 (10). οὐκ ἐν σοφίᾳ ἐπρωτήσας (8)  
 — 22 (11). ἀγαθὸ σ. μετὰ κληρονομίας (8)  
 — 13 (12). ἐν σκιά αὐτῆς ἡ σ. [B' τῆς σ.] ὡς σκὰ ἀργυρίου καὶ περισσεῖα γνώσεως τῆς σ. [B' τῇ σ.] (ωποιοῖσιν [B' ἡ σ. ζ.] τὸν παρ' αὐτῆς [B' ἔχοντα αὐτὴν] (8, —, [3])  
 — 20 (19). ἡ σ. βοηθήσει τῷ σοφῷ (8)  
 — 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπείρωσα ἐν σοφίᾳ [Α. B τῇ σ.] (8)  
 — 26 (25). τοῦ (ῥητῆσαι σοφίαν καὶ ψῆφον (8)  
 8. 1. σοφία ἀνθρώπου φωταῖε πρόσωπον αὐ. (8)  
 — 16. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου τοῦ γνῶναι τὴν σ. (8)  
 9. 10. οὐκ ἐστὶ . . . σοφία ἐν γῇ (8)  
 — 13. τοῦτο εἶδον σοφίαν ὑπὸ τὸν ἥλιον (8)  
 — 15. διασώσῃ αὐτὸς τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐτοῦ (8)  
 — 16. ἀγαθὸ σ. ὑπὲρ δύναμιν (8)  
 — 16. σοφίᾳ τοῦ πένητος ἐξουθενώμενη (8)  
 — 18. ἀγαθὸ σ. ὑπὲρ οὐκείῃς πολέμου (8)  
 10. 1. Α. Β. Β. Β. τίμον ὀλίγον [B' ὁ λόγος] σοφίας ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλῃν (8)  
 — 10. περισσεῖα τῷ ἀνδρὶ οὐ σοφία [Α. B al.] (8)  
 Wi. 1. 1. σοφία Σολομῶντος (8)  
 1. 4. εἰς κακότεχνον ψυχὴν οὐκ εἰσελεύσεται σοφία (8)  
 Wi. 1. 5. Α. ἅγιον γὰρ πνεῦμα σοφίας [B S παιδείας] φεύζεται δόλον (8)  
 — 6. φιλάνθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [Α. -ίας] (8)  
 3. 11. σοφίαν γὰρ καὶ παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν ταλαίπωρος (8)  
 6. 9. ἵνα μάθῃτε σοφίαν καὶ μὴ παραπέσῃτε (8)  
 — 12. λαμπρὰ καὶ ἀμάρτανός ἐστιν ἡ σ. (8)  
 — 20. ἐπιθυμία ἀρα σοφίας ἀνάγει ἐπὶ βασιλείαν [B' al.] (8)  
 — 21. τιμῶσατε σοφίαν (8)  
 — 22. τί [B' τίς] δε ἐστὶ σοφία (8)  
 — 23. οὗτος οὐ κοινωνήσῃ σοφίᾳ (8)  
 7. 7. ἦλθέ μοι πνεῦμα σοφίας (8)  
 — 12. αὐτῶν ἡγείται σοφία (8)  
 — 15. αὐτὸς καὶ τῇ σ. ὀδηγός ἐστι (8)  
 — 22. ἡ γὰρ πάντων τεχνίτις ἐδίδαξέ με σοφία (8)  
 — 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικότερον σοφία (8)  
 — 28. οὐδὲν γὰρ ἀγαπᾷ ὁ θεός εἰ μὴ τὸν σοφίᾳ συνοικούντα (8)  
 — 30. σοφίας [Α. -ίας, B' -ία] δε οὐκ ἀντισχέει [Α. B οὐ κατὰ] κακία (8)  
 8. 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [B τιμῶν.] τῆς τὰ πάντα ἔργα[ομένης] [B' περιεργ.] (8)  
 — 17. ἐστὶν ἀθανάσια ἐν [B' om.] συγγενείᾳ σοφίας (8)  
 9. 2. καὶ τῇ σ. σου κατεσκεύασας ἄνθρωπον (8)  
 — 4. δός μοι τὴν τῶν σῶν θρόνων παρέδωκε σοφίαν (8)  
 — 6. τῆς ἀπὸ σοῦ σ. ἀπούσης εἰς οὐδὲν λογισθῆσεται (8)  
 — 9. μετὰ σοῦ ἡ σ. ἡ εἰδύα τὰ ἔργα σου (8)  
 — 17. εἰ μὴ σὺ ἔδωκας σοφίαν (8)  
 — 18. καὶ τῇ σ. [B σ. σου] ἐσώθησας (8)  
 10. 4. κατακλυζομένην γῆν πάλιν διέσωσε σοφία (8)  
 — 8. σοφίαν γὰρ παροδεύσας οὐ μόνον ἐβλάθησαν (8)  
 — 9. σοφία δε τοὺς θεραπεύσας αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσατο (8)  
 — 21. ἡ σ. ἤνοιξε στόμα κωφῶν (8)  
 14. 2. τεχνίτις δε σοφία κατεσκεύασεν (8)  
 — 5. θέλεις δε μὴ ἀργὰ εἶναι τὰ τῆς σ. σου [B om.] ἔργα (8)  
 subscr. σοφία Σολομῶντος (8)  
 Si. 1. 4. ὑπὲρ ὧν δέον ἐστὶν ἐπαυεῖν τὸν Ἰσραὴλ παιδείας καὶ σοφίας (8)  
 — 10. τῶν εἰς παιδείαν καὶ σοφίαν ἀνηκόντων (8)  
 1. 1. σοφία Σεραχ [Α. B Ἰσοῦ νιού Σεραχ] (8)  
 — 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου (8)  
 — 3. ἀβυσσὸν καὶ σοφίαν τίς ἐξηκνύσει (8)  
 — 4. προτέρα πάντων ἐκτισται σοφία (8)  
 — 6. ρίζα σοφίας τινὶ ἀπεκαλύφθη (8)  
 — 24. ἀρχὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν θεόν (8)  
 — 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον (8)  
 — 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου (8)  
 — 20. ρίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον (8)  
 — 24. ἐν θησαυροῖς σοφίας παραβολὴ ἐπιστήμης (8)  
 — 25. ἐπιθυμήσας σοφίαν διατήρησον ἐντολάς (8)  
 — 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου (8)  
 4. 11. ἡ σ. νιούς αὐτῇ [Α. B αὐτῆς] ἀνύψωσε (8)  
 — 24. ἐν γὰρ λόγῳ γνωσθήσεται σοφία (8)  
 6. 18. ὥς πολίαν εὐρήσεις σοφίαν [B χάριν] (8)  
 — 22. σοφία γὰρ κατὰ τὸ νόμον αὐτῆς ἐστὶ (8)  
 — 37. ἡ ἐπιθυμία τῆς σ. σου [Α. B om.] δοθήσεται σοι (8)  
 8. 8. B παρ. αὐτῶν μαθήσῃ σοφίαν [Α. B παιδείαν] (8)  
 11. 1. σοφία ταπεινοῦ ἀνύψωσε κεφαλὴν (8)  
 14. 20. δε ἐν σοφίᾳ τελευταῖα [B' μελετήσῃ] (8)  
 15. 3. ὕδωρ σοφίας ποτίσει αὐτὸν (8)  
 — 10. ἐν γὰρ σοφίᾳ ῥηθήσεται αἶνος (8)  
 — 18. πολλὴ σοφία [Α. B' ἡ σ.] τοῦ κυρίου (8)  
 18. 28. πᾶς συνετὸς ἔγνω σοφίαν (8)  
 19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου καὶ ἐν πάσῃ σοφία ποιήσῃ νόμον (8)  
 — 22. οὐκ ἐστὶ σοφία πονηρίας ἐπιστήμη (8)  
 — 23. ἔστιν ἀφρων ἐλαττωμένος σοφία (8)  
 20. 30. σοφία κεκρυμμένη καὶ θησαυρός ἀφανής (8)  
 — 31. ἀνθρώπος ἀποκρύπτων τὴν σ. αὐτοῦ (8)  
 21. 11. συντέλεια τοῦ φόβου κυρίου σοφία (8)  
 — 18. ὡς οἶκος ἡφανισμένος οὕτως μαρὴ σοφία (8)  
 22. 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [B' -ία] (8)  
 28. 2. ἐπὶ τῇ καρδίᾳ μου παιδείαν [Α. -ας] σοφίας (8)  
 24. 1. αἰνέσεις σοφίας (8)  
 — 1. ἡ [B' om.] σ. αἰνέσει ψυχὴν αὐτῆς (8)  
 — 25. ὁ πιμπλὼν ὡς φεῖσθαι σοφίαν (8)  
 25. 5. ὡς ὥραία γερῶντων σοφία (8)  
 — 10. ὡς μέγας ὁ εὐρὼν σοφίαν (8)

**σκύμνος.** (1) **נִמְנָם** (2) **א. נִמְנָם** **δ. נִמְנָם** (3) **נִמְנָם**  
 (4) **א. נִמְנָם** **δ. נִמְנָם** **ε. נִמְנָם** (5) **σκ.**  
 λέοντος **א. נִמְנָם** **δ. נִמְנָם**  
 Ge. 49. 9. σκύμνος λέοντος Ἰούδα (2a)  
 — 9. ἐκοιμήθη ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος (4a)  
 Nu. 23. 24. λαὸς ὡς σκύμνος ἀναστήσεται (4a)  
 24. 9. ἀνεπαίστατο ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος (4a)  
 De. 33. 22. δὲν σκύμνος λέοντος (2a)  
 Jd. 14. 5. σκύμνος λέοντος ὠρυόμενος (8)  
 Jb. 4. 11. σκύμνοι δὲ λέοντες ἔπιον ἀλλήλους (1)  
 Ps. 18 (17). 12. ὥσει σκύμνος οἰκῶν ἐν ἀποκρύφοις (3)  
 56 (57). 4. ἐρρίσαστο τὴν ψυχὴν μου ἐκ μέσου σκύμων (4c)  
 108 (104). 21. σκύμνοι ὠρυόμενοι ἀρπάσαι (3)  
 Pt. 24. 65 (30. 30). σκύμνος λέοντος ἰσχυρότερος κτηνῶν (5b)  
 Ho. 13. 8. καταφάγονται αὐτοὺς ἐκεῖ σκύμνοι δρυμοῦ (4a)  
 Am. 3. 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐ. (3)  
 Mi. 5. 8 (7). καὶ ὡς σκύμνος ἐν ποιμνίοις προβάτων (3)  
 Jl. 1. 6. καὶ αἱ μύλαι αὐ. σκύμνου (4a)  
 Na. 2. 11 (12). καὶ ἡ νομὴ ἡ οὐσα τοῖς [A. ἐν τοῖς] σκ. (8)  
 — 11 (12). τοῦ εἰσελθεῖν ἐκεῖ σκύμνον [A. S<sup>a</sup> -ος] λέοντος (2a)  
 — 12 (13). λέων ἤρπασε τὰ ἱκανὰ τοῖς σκ. αὐ. (2b)  
 Is. 5. 29. ἐπάρστησαν ὡς σκύμνοι [A. S<sup>a</sup> -ος] λέοντος (5a)  
 30. 6. λέων καὶ σκ. λέοντος (5b)  
 31. 4. ὅν τρόπον βοήσῃ ὁ λέων ἡ ὁ σκ. (8)  
 Je. 28 (31). 38. καὶ ὡς σκύμνοι λέοντων (2b)  
 La. 4. 3. ἐθλόσαν σκύμνοι αὐτῶν θυγατέρας λαοῦ μου (2a)  
 Ez. 19. 2. τί ἡ μήτηρ σου σκύμνος... ἐν μέσῳ λέοντων ἐπλήθυνε σκύμνους αὐτῆς (4b, 2a)  
 — 3. ἀπεπλήθυνεν [A. ἀπεδμήνησεν] εἰς τῶν σκ. αὐτῆς (2a)  
 — 5. ἔλαβεν ἄλλον ἐκ τῶν σκ. αὐτῆς (2a)  
 I Ma. 3. 4. καὶ ὡς σκ. ἐρευνόμενος εἰς θήραν  
 III Ma. 4. 6. A ὡς ἰσπαράγμεναι σκύμνος [B σκυλ-μοῖς] ἄλλοθενεῖσι  
 [Sm. Ge. 49. 9.]  
**σκυτάλη.** (1) **נִבְּ** (2) **נִבְּ**  
 Ex. 30. 4. ἰσονται ψαλίδες ταῖς σκ. (1)  
 — 5. ποιήσεις σκυτάλας ἐκ ξύλων ἀσπίτων (1)  
 II Ki. 3. 29. μὴ ἐκλίπῃς... κρατῶν σκυτάλης [A. -η] (2)  
 III Ki. 12. 24. B ἔδοκεν αὐτῶν Σ. εἰς ἄρχοντα σκυτάλης — [Al. Ge. 30. 37 : Zα. 11. 7.]  
**σκύφος.**  
 [Aq. Ge. 44. 2 : Ex. 25. 30 (31) : Jε. 35 (42). 5.]  
 [Sm. Jε. 35 (42). 5.]  
**σκωληκίσαις.**  
 [Sm., Th. Jb. 17. 14.]  
**σκώληξ.** (1) **נִבְּ** (2) **א. נִבְּ** **δ. נִבְּ**  
 c. **נִבְּ**  
 Ex. 16. 20. ἐξέλεσε σκώληκας (2a)  
 — 24. οὐδὲ σκώληξ ἐγένετο ἐν αὐτοῖς (1)  
 De. 28. 39. καταφάγεται αὐτὰ ὁ σκ. (2c)  
 Ju. 16. 17. δοῦναι... σκώληκας εἰς σάρκα αὐτῶν — 7. 5. φέρεται δὲ μου τὸ σῶμα ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων (1)  
 25. 6. καὶ υἱὸς ἀνθρώπου σκώληξ (2b)  
 Ps. 21 (22). 6. ἐγὼ δὲ εἰμι σκώληξ (2c)  
 Pr. 12. 4. ὥσπερ δὲ ἐν ξύλῳ σκώληξ (4)  
 25. 20. ὥσπερ σῆς ἐν ἱματίῳ καὶ σκώληξ ξύλῳ —  
 Si. 7. 17. ἐκδίκισαι ἀσβεστοῦ πῦρ καὶ σκώληξ  
 10. 11. κληρονομήσεις ἔρπετά καὶ θηρία καὶ [B S<sup>a</sup> om.] σκώληκας [S<sup>a</sup> -ες, S<sup>b</sup> om.]  
 19. 3. σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτόν [S<sup>a</sup> τὴν γῆν]  
 Jn. 4. 7. προσέειπεν ὁ θεὸς σκώληκι (2c)  
 Is. 14. 11. τὸ κατακάλυμμά σου σκώληξ (2b)  
 66. 24. ὁ γὰρ σκ. αὐ. οὐ τελευτήσει (2c)  
 I Ma. 2. 62. ἡ δόξα αὐ. ... εἰς σκώληκας  
 II Ma. 9. 9. ὥστε καὶ ἐκ τοῦ σώματος τοῦ δυσσε-  
 βούς σκώληκας ἀναΐειν  
 [Aq. Ex. 25. 4 : 28. 5 : 35. 23, 35 : Is. 41. 14.]  
 [Sm. Ps. 77 (78). 47 : Is. 41. 14 : Ez. 32. 5.]  
 [Th. Jb. 25. 6 : Is. 41. 14.]  
 [Sept. Hb. 2. 11.]

**σκῶλον.** (1) **א. לִשְׁחָ** **δ. לִשְׁחָ** (2) **לִשְׁחָ**  
 Ex. 10. 7. ἔως τίνος ἔσται τοῦτο ἡμῖν σκῶλον (2)  
 De. 7. 16. σκῶλον τοῦτο ἔστί σοι (2)  
 Jd. 8. 27. ἐγένετο τῷ Γ... εἰς σκῶλον [A. σκῶ-  
 δαλον] (3)  
 11. 35. A εἰς σκῶλον ἐγένετο ἐν ὀφθαλμοῖς μου [B al.] +  
 II Ch. 28. 23. ἐγένοντο αὐτῷ εἰς σκῶλον (1a)  
 Is. 57. 14. ἀρατε σκῶλα ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τοῦ λαοῦ μου (1b)  
 [Aq. Ps. 68 (69). 23 : Pr. 18. 7 : 20. 25 : 22. 25 : Is. 8. 14.]  
 [Sm., Th. Pr. 18. 7.]  
 [Al. Jo. 23. 13.]  
**σκολοῦσθαι.**  
 [Aq. Ho. 9. 8.]  
 [Al. Dt. 7. 25.]  
**σκόπτειν.**  
 Si. 10. 10. μακρὸν ἀρρώστημα σκόπτει ἱατροῖς [S<sup>a</sup> -όν]  
**σκούρια.**  
 [Sm. Ps. 118 (119). 119 : Is. 1. 25 : Ez. 22. 18 bis, 19.]  
**σμεραγδίστης.** (1) **נִבְּ**  
 Es. 1. 6. ἐπὶ λιθοστρώτου σμεραγδίστου λίθου [A. al.] (1)  
**σμεράγδος.** (1) **נִבְּ** (2) **נִבְּ** (3) **נִבְּ**  
 (4) **נִבְּ**  
 Ex. 28. 9. λήψῃ τοὺς δύο λίθους λίθους σμεράγδου (4)  
 — 17. σάρδιον τοπάzion καὶ σμεράγδος (1)  
 35. 13. B ἐργασέσθω... τοὺς λίθους [A. B. add. τοὺς] τῆς σμ. —  
 27. ἤνεγκαν τοὺς λίθους τῆς σμ. (4)  
 38. 13 (39. 6). ἐποίησαν ἀμφοτέρους τοὺς λίθους τῆς σμ. (4)  
 — 17 (39. 10). σάρδιον καὶ τοπάzion καὶ σμα-ράγδος (2)  
 To. 13. 16. οἰκοδομηθήσεται Ἱερ. σαφειρὸν καὶ σμα-ράγδος [B al.] (1)  
 Ju. 10. 21. ὁ ἦν ἐκ... σμεράγδου  
 Es. 1. 6. A ἐπὶ λιθοστρώτου σμεράγδου [B S al.] (1)  
 Si. 35 (32). 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσοῦ σφραγίς σμεράγδου  
 Ez. 28. 13. ἐνδιδέσται... σμεράγδον καὶ ἀνθρακα (3)  
**σμήγμα, σμίγμα.** (1) **נִבְּ**  
 Es. 2. 3. δοθήτω σμήγμα [A<sup>a</sup> σμίγμα, A<sup>b</sup> σμίσμα] (1)  
 — 9. ἔσπενσεν αὐτὴν δοῦναι τὸ σμ. (1)  
 — 12. καὶ ἐν τοῖς σμ. τῶν γυναικῶν (1)  
 Da. Th. Su. 17. ἐνέγκατε δὲ μοι... σμήγματα [A. -μα]  
**σμήχειν.**  
 [Al. Le. 6. 28 (21).]  
**σμικρότατος, vid. sub μικρός.**  
**σμικρύνειν, vid. sub μικρύνειν.**  
**σμίλαξ (-ας).**  
 Na. 1. 10. ὡς σμ. [S<sup>a</sup> -ας] περιπλεκόμενη βρωθήσεται +  
 Je. 26 (46). 14. κατέφαγε μάχαιρα τὴν σμ. σου +  
**σμίλη.**  
 [Sm. Jε. 38 (48). 23.]  
**σμιρίτης (σμιρ.), σμίριτος.**  
 Jb. 41. 6 (7). ὥσπερ σμιρίτης [A. -ος, B σμιρίτης] λίθος +  
**σμίσμα, vid. sub σμήγμα.**  
**σμούχ.**  
 [Heb. Is. 26. 3.]  
**σμουρίτης, vid. σμιρίτης.**  
**σμίρνα (ζμ.).** (1) **רִבְ** **רִבְ** (2) **רִבְ**  
 Ex. 30. 23. τὸ ἄθος σμίρνης ἐκλεκτῆς (1)  
 Ps. 44 (46). 8. σμίρνα καὶ στακτή [S<sup>a</sup> al.] (1)  
 Ca. 3. 6. θεθυμαμένη σμίρναν καὶ λίβανον (1)  
 4. 6. πορεύσομαι ἑμαυτῇ πρὸς τὸ ὄρος τῆς σμ. — 14. σμίρνα δλωθ [S. ἀλόθ] μετὰ πάντων πρῶτον μύρον (1)  
 5. 1. ἐτρύγησα σμίρναν [S. σταφυλὴν] μου (1)

Ca. 5. 5. χεῖρές μου ἔσταξαν σμίρναν δάκτυλοί μου σμίρναν πλήρη (1)  
 — 13. χεῖλη αὐτοῦ κρύνα στάζοντα σμίρναν (1)  
 Si. 24. 15. ὡς σμίρνα ἐκλεκτὴ διέδοκα εὐδοκίαν [A. al.]  
 [Aq. Ca. 1. 13 : 4. 6.]  
 [Sm. Ca. 1. 13.]  
**σμίρνος.** (1) **רִבְ**  
 Es. 2. 12. ἀλειφόμεναι ἐν σμ. ελαίφ [A. ἀλ. σμ. ελαιον]  
**σοάμ (B), σοάμ (AB).** (1) **נִבְּ**  
 I Ch. 29. 2. ἡτοίμακα... λίθους σ.  
**σοόρ.**  
 [Aq., Th. Ez. 27. 18.]  
**σόρ.** (1) **רִבְ**  
 Je. 21. 13. ἐγὼ πρὸς σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν κοιλάδα σ. (1)  
**σορός.** (1) **רִבְ**  
 Ge. 50. 26. καὶ ἔθηκαν ἐν τῇ σ. ἐν Αἴγ. (1)  
 Jb. 21. 32. A ἐπὶ σορῶ [B σωρῶ, B σωρῶν] ἡγρίπτησεν +  
 [Th. Jb. 21. 32.]  
**σός.**  
 Ge. 14. 23 : 20. 7 : 21. 13 : 30. 27 : 31. 32 : 33. 9.  
 Ex. 5. 15, 23 : 8. 23 (19) : 32. 13.  
 Le. 18. 10f.  
 De. 3. 24 : 22. 9f.  
 Jo. 5. 14.  
 I Ki. 22. 15f. : 25. 6.  
 II Ki. 9. 2 : 15. 34f.  
 III Ki. 21 (20). 4, 13, 28.  
 I Ch. 29. 14 bis.  
 I Es. 4. 59f. 59.  
 Ju. 8. 4f. : 8. 29f.  
 Jb. 3. 3f. : 15. 6 : 32. 20f. : 39. 26, 27.  
 Ps. 30 (31). 14f. : 78 (74). 16 bis : 88 (89). 11 bis, 13 : 115. 7 (116. 16), 7 (116. 16) : 118 (119). 91f. 94.  
 Pr. 1. 9 bis, 14, 15f. : 2. 10f. : 3. 1, 3, 5, 9 bis, 22, 22f. : 26. 29 : 4. 4, 9, 20, 21f. : 23. 26, 27 : 5. 1, 3, 8, 9, 10 bis, 15 bis, 16 ter, 19, 21f. : 6. 1 bis, 3, 3f. : 4 bis, 26 bis, 25 : 7. 3, 4, 15 : 9. 18 : 22. 17 bis, 18, 23, 25 : 28. 4, 5, 16, 19, 26 bis : 24. 14, 43 (28) bis, 71 (31. 3) : 27. 1 (31. 3), 76 (31. 8), 77 (31. 9) : 25. 8f. : 17 : 27. 2 bis, 30, 33, 27 : 28. 17.  
 Ec. 5. 5f.  
 Wi. 9. 4, 5 : 11. 26 : 12. 15 : 14. 3, 6 : 16. 11, 12, 15, 21 : 18. 21 : 19. 6f. : 6, 8.  
 Si. 8. 19f. : 38. 22.  
 Is. 4. 1 : 10. 16 bis.  
 Je. 38 (31). 16, 17 : 48 (86). 3f.  
 Ba. 4. 3f. : 33 : 5. 3.  
 Da. LXX. 9. 18.  
 II Ma. 14. 35.  
 III Ma. 2. 6, 8, 9f. : 5. 29 : 6. 5, 13.  
 IV Ma. 9. 6.  
 [Aq. Ps. 118 (119). 91 : Pr. 31. 3.]  
 [Sm. Ge. 18. 25 : Jd. 4. 9 : Ps. 88 (89). 14 : Pr. 31. 3.]  
 [Th. Pr. 31. 3.]  
**σουαρείμ.**  
 [Th. Jε. 29 (38). 17.]  
**σουμήν.**  
 [Heb. Ge. 1. 8.]  
**σούρ.**  
 [Sm. Is. 10. 26.]  
**σοῦχως.**  
 [Aq. III Ki. 10. 11.]  
**σοφία.** (1) **א. נִבְּ** **δ. נִבְּ** (2) **נִבְּ**  
 (3) **נִבְּ** (4) **נִבְּ** (5) **נִבְּ** (6) **נִבְּ**  
 Ex. 28. 3. B οὐς ἐνέπλησα πνεύματος σοφίας [A. B. om.] (3)  
 31. 3. ἐνέπλησα αὐτὸν πνεύμα θεῖον σοφίας (3)  
 35. 26. αἰς ἔδοξε τῇ διανοίᾳ αὐ. ἐν σοφίᾳ (3)  
 — 31. B<sup>1</sup> ἐνέπλησεν αὐτὸν πνεύμα [A. B<sup>1</sup> B add. θεῖον] σοφίας (3)

Εξ 35. 33. ποῦναι ἐν παντὶ ἔργῳ σοφίας (5)  
 — 35. ἐπέλυσεν αὐτοὺς σοφίας (8)  
 36. 1. καὶ πάντα τοὺς ἔχοντας τὴν σ. (8)  
 De 4. 6. αὐτὴ ἡ σ. ὡμῶν (8)  
 11 Ki 14. 20. καθὼς σοφία ἀγγέλου τοῦ θ. (8)  
 30. 12. ἐλάλησε πρὸς πᾶσαν τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐ. (8)  
 31 Ki 2. 6. ποιήσεις κατὰ τὴν σ. σου (8)  
 1. 1 (cf. 4. 29 [5, 9]). ἔδωκε κύριος . . . σ. πολλὴν σφόδρα (1 b)  
 4. 29 [5, 9]. ἔδωκε κ. φρόνησιν τῇ Σ. καὶ σ. [Α. σ. τ. Σ. κ. φρόνησιν] πολλὴν σφόδρα (1 b [9])  
 — 30 [5, 10]. Ἀ ἐπληθύνθη ἡ σ. Σαλ. σφόδρα [Α. α.] (8)  
 — 34 [5, 14]. ἀκούσαι τῆς σ. Σαλ. (8)  
 — 34 [5, 14]. ὅσοι ἤκουον τῆς σ. [Α. τὴν σ.] αὐ. (8)  
 4. 12 [26]. κύριος ἔδωκε σοφίαν τῇ Σαλ. (8)  
 10. 7. Ἀ προστεθείκας σοφίαν καὶ [Β. σμ. σ. κ.] ἀγαθὰ (8)  
 1 Ch 22. 12. ὁφίη σοι σοφίαν καὶ σύνεσιν κύριος (8)  
 28. 21. πᾶς πρόσθυμος ἐν σοφίᾳ (8)  
 11 Ch 1. 10. σοφίαν καὶ σύνεσιν δὲς μοι — 11. ἤρπας σεαυτῇ σοφίαν καὶ σύνεσιν — 11 [12]. τὴν σ. καὶ τὴν σύνεσιν διδώμι σοι 2. 3. εἰς βασιλείαν Σ. τὴν σ. Σαλ. (8)  
 — 5. ὃν ἤκουσα . . . περὶ τῆς σ. σου (8)  
 — 6. οὐκ ἀπηγγέλλω μοι ἡμῶν τοῦ πλῆθους τῆς σ. σου (8)  
 — 7. ἀκούσων σοφίαν σου (8)  
 — 22. ἐμεγαλύνθη Σ. . . . πλοῦτῃ καὶ σοφίᾳ (8)  
 — 23. ἀκούσαι τῆς σ. αὐ. (8)  
 1 Es 3. 7. δεύτερος καθιεῖται Δαρείου διὰ τὴν σ. αὐ. 4. 59. παρὰ σοῦ ἡ σ. — 60. ὃς ἔδωκε μοι σοφίαν 8. 23. κατὰ τὴν σ. τοῦ θεοῦ ἀνέδειξεν 11 Es 7. 25. ὡς ἡ σ. τοῦ θεοῦ ἐν χειρὶ σου (8) Ju 8. 29. οὐκ ἐν τῇ στήμονι ἡ σοφία σου πρυθιλλόεσται 11. 8. ἡκούσαμεν γὰρ τὴν σ. σου — 20. Α. Β. ἐβάνυσαν ἐπὶ τῇ σ. αὐ. Jb 4. 21. παρὰ τὸ μὴ ἔχην αὐτοὺς σοφίαν (8) 8. 10. Α. καὶ ἀναγγελοῦν σοι σύνεσιν σοφίας [Β. Σ. α.] — 11. 6. εἴτα ἀναγγέλει σοι δύναμιν σοφίας — 20. Α. παρ' αὐτῇ γὰρ σοφία καὶ δύναμις 12. 2. ἡ μετ' ὡμῶν τελευτήσῃ σοφία — 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [Α. σ. εὐρίσκειται] (8) — 13. παρ' αὐτῇ σοφία καὶ δύναμις 13. 5. ἀποβήσεται ὡμὶν σοφία [Α. εἰς σοφίαν] (8) 18. 6. εἰς δὲ σ. ἀδίκητο σοφία 25. 3. οὐχ ὡς πᾶσα σ. [Α. ὡς ἡ π. σ.] (8) 28. 12. ἡ δὲ σ. πόθεν εὐρέθη — 18. ἔλυσον σοφίαν ὑπὲρ τὰ ἐσώτατα — 20. ἡ δὲ σ. πόθεν εὐρέθη — 28. ἡ θεοσέβειά ἐστι σοφία 32. 7. Α. Β. ἐν πολλοῖς δὲ ἔτεσιν [Β. Σ. add. οὐκ] αἰδᾷσι σοφίαν (8) — 13. εὐρώνον σοφίαν κυρίῳ προσθέμενοι 33. 33. Α. Β. διδάξω σὲ σοφίαν [Β. σμ.] (8) 38. 36. Α. τίς δὲ ἔδωκε γυναιξὶν ὑφάσματος σοφίαν ἢ ποικιλικὴν σοφίας [Β. Σ. σμ.] ἐπιστήμην (8) — 37. τίς δὲ ὁ ἀριθμὸς νύμφη σοφία 39. 17. κατεσώπησεν [Β. ἐπὶ ἔργῳ] αὐτὴ ὁ θεὸς σοφίαν (8) Ps 36 (37). 30. στόμα δικαίου μελετήσῃ σοφίαν (8) 48 (49). 3. τὸ στόμα μου λαλήσῃ σοφίαν 50 (51). 6. τὰ κρυφία τῆς σ. σου ἐδήλωσάς μοι 89 (90). 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [Α. Β. ὁ δὲ] ἀριθμὸν τῇ καρδίᾳ ἐν σοφίᾳ 108 (104). 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας 108 (107). 27. πᾶσα ἡ σ. αὐτῶν κατεπόθη 110 (111). 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου Pr 1. 2. γνῶναι σοφίαν καὶ παιδείαν — 7. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου — 7. σοφίαν δὲ καὶ παιδείαν ἀσβεῖς ἐξουθενήσονται (8) — 20. σοφία ἐν ἐξόδοις ὑμνείται — 29. ἐμίστην γὰρ σοφίαν [Α. παιδείαν] 2. 2. ὑπακούσεται σοφίας τὸ οὖς σου — 1. ἐν γὰρ τὴν σ. ἐπικαλίσθω — 6. κύριος δίδωσι σοφίαν — 10. εἰς γὰρ ἔλθῃ ἡ [Β. σμ.] σ. εἰς σὴν δαίανον (8)

Pr 8. 5. ἐπὶ δὲ σὴ σοφία μὴ ἐπαίρων (1 a) — 13. μακάριος ἄνθρωπος ὃς εἶρα σοφίαν (8) — 19. ὁ θεὸς τῇ σ. ἐθελήσας τὴν γῆν (8) 4. 5. Β. κτῆσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (8) — 5. Α. κτῆσαι σοφίαν κτῆσαι σύνεσιν (8?) — 11. ὁδοὺς γὰρ σοφίας διδάσκει σε 5. 1. ἐμὴ σοφία πρόσσεχε 6. 8. τὴν σ. τιμήσασα προήχθη 7. 4. εἰπὼν τὴν σ. [Β. τῇ σ.] σὴν ἀδελφὴν εἶνα (8) 8. 1. σὺ τὴν σ. κηρύτεις — 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν — 12. ἐγὼ ἡ σ. κατεσκεύασα βουλὴν — 13. Β. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν — 33. Α. ἀκούσατε σοφίαν [Β. παιδείαν] καὶ σοφιστήν (4) 9. 1. ἡ σ. φοδόμυσεν ἐαυτὴν οἴκῳ — 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου 10. 13. Α. Β. ἔς ἐκ χειλέων προφέρει σοφίαν — 23. ἡ δὲ σ. ἀνδρὶ τίκεται φρόνησιν — 31. στόμα δικαίου ἀποστᾷ ἐκ σοφίας 11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν 14. 6. ζητήσεις σοφίαν παρὰ κακοῖς — 8. σοφία πανούργων ἐπικρύπτεται τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ — 33. ἐν καρδίᾳ ἀγαθῷ ἀνδρὸς [Β. ἀναπαύεται] σοφία (8) 16. 4 (16. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία — 16. νοσοῖσι σοφίας ἀλφειώτεροι χρυσίου (8) 17. 16. κτήσασθαι γὰρ σοφίαν [Α. -ας] ἀκάρδιος οὐ δυνατὸν (8) — 28. ἀνοήτῃ ἐπικρωτήσαντι σοφίαν [Β. -α, Α. πλ.] σοφία λογιζομένηται —, + 18. 2. οὐ χρειαίει σοφίας ἐνδεῆς φρενῶν (1 b) 20. 29. κόσμος κτανίσις σοφίας — 21. 30. οὐκ ἔστι σοφία οὐκ ἔστιν ἀνδρεία 22. 4. γενὰ σοφίας φόβος κυρίου 24. 3. μετὰ σοφίας ἀκοδομεῖται οἶκος — 7. σοφία καὶ ἐγνοῖα ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (8) — 14. οὕτως αἰσθῆναι σοφίαν [Α. -ας] τῇ σὴ ψυχῇ (8) — 26 (30. 3). θεὸς δαδιδάξῃ με σοφίαν — 73 (31. 5). ὡς μὴ πύκνους ἐπιπλάθωνται τῆς σ. + 28. 26. ὃς δὲ πορεύεται σοφία σωθίσεται (8) 29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται πατὴρ αὐτοῦ (8) — 15. πληγαὶ καὶ ἐλεγχοὶ διδάσκει σοφίαν Ec 1. 13. τοῦ κατασκεψάσθαι ἐν τῇ σ. (8) — 16. προσέθηκε [Β. προσέθ.] σοφίαν ἐπὶ πᾶσιν — 16 (17). ἔδωκα καρδίαν μου τοῦ γνῶναι σοφίαν (8) — 16. καρδία μου εἶδε πολλὰ σοφίαν καὶ γνῶσιν (8) — 18. ἐν πλῆθει σοφίας πλῆθος γνῶσεως 2. 3. καρδία μου ὠδῆγῃσεν [Β. ὡς, με] ἐν σοφίᾳ (8) — 9. σοφία μου ἐστάθη μοι (8) — 12. ἐπέβλεψα ἐγὼ τὸν ἰδεῖν σοφίαν (8) — 13. ἔστι περιστερὰ τῇ σ. ὑπὲρ τὴν ἀφροσύνην (8) — 21. μόθος αὐτοῦ ἐν σοφίᾳ — 26. τῷ ἀνθρώπῳ τῷ ἀγαθῷ πρὸ προσώπου αὐτοῦ ἔδωκε σοφίαν (8) 7. 11 (10). οὐκ ἐν σοφίᾳ ἐπικρώτησας — 12 (11). ἀγαθὴ σ. μετὰ κληρονομίας — 13 (12). ἐν σκίᾳ αὐτῆς ἡ σ. [Β. τῆς σ.] ὡς σκὰ ἀργυρίου καὶ περισσεῖα γνώσεως τῆς σ. [Β. τῇ σ.] [ὑποκρίσσει [Β. ἡ σ. ζ.] τὸν παρ' αὐτῆς [Β. ἔχοντα αὐτὴν] (8, —, [9]) — 20 (19). ἡ σ. βοηθῆσαι τῷ σοφῷ — 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπείρμας ἐν σοφίᾳ [Α. Β. τῇ σ.] (8) — 26 (25). τῷ [ζητῶν] σοφίαν καὶ ψῆφον 8. 1. σοφία ἀνθρώπου φωτεῖ πρόσωπον αὐ. (8) — 16. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου τοῦ γνῶναι τὴν σ. 9. 10. οὐκ ἔστι . . . σοφία ἐν ἀῖνι (8) — 13. τοῦτο εἶδον σοφίαν ὑπὸ τὸν ἥλιον — 15. διασώσῃ αὐτὸς τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐτοῦ (8) — 16. ἀγαθὴ σ. ὑπὲρ δυναμὶν (8) — 16. σοφίᾳ τοῦ πένιτος ἐξουθενωμένη (8) — 18. ἀγαθὴ σ. ὑπὲρ ὅκτου πολέμου (8) 10. 1. Α. Β. Β. Β. τίμον ὀλίγον [Β. ὁ λόγος] σοφίας ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλῃν (8) — 10. περισσεῖα τῷ ἀνδρὶ οὐ σοφία [Α. Β. α.] (8) Wi. tit. σοφία Σαλωμών 1. 4. εἰς κακότητον ψυχὴν οὐκ εἰσελεύσεται σοφία

Wi. 1. 5. Α. ἄγιον γὰρ πνεῦμα σοφίας [Β. Σ. παιδείας] φεῖνται δόλον — 6. φιλόανθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [Α. -ίας] 3. 11. σοφίαν γὰρ καὶ παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν ταλαίπωρος 6. 9. ἵνα μάθῃτε σοφίαν καὶ μὴ παραπίσσητε — 12. λαμπρὰ καὶ ἀμείραντος ἐστὶν ἡ σ. — 20. ἐπιθυμία ἄρα σοφίας ἀνάγει ἐπὶ βασιλείαν [Β. α.] — 21. τιμήσατε σοφίαν — 22. τί [Β. τίς] δὲ ἐστὶ σοφία — 23. ὅστος οὐ κοινωρήσῃ σοφίᾳ 7. 7. ἤλθε μοι πνεῦμα σοφίας — 12. αὐτὸν ἡγείται σοφία — 15. αὐτὸς καὶ τῆς σ. δόγος ἐστὶ — 22. ἡ γὰρ πάντων τεχνιτῶν ἐδίδαξέ με σοφία — 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικότερον σοφία — 28. οὐδὲν γὰρ ἀναστᾷ ὁ θεὸς εἰ μὴ τὸν σοφίᾳ συνοικεῖν — 30. σοφίας [Α. -ίαν, Β. -ία] δὲ οὐκ ἀντισχέει [Α. Β. οὐ κατωχ.] κακία 8. 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [Β. τιμωτ.] τῆς τὰ πάντα ἐργαζομένης [Β. περιεργ.] — 17. ἐστὶν δαδασία ἐν [Β. σμ.] συγγενεῖα σοφίας 9. 2. καὶ τῇ σ. σου κατεσκεύασας ἄνθρωπον — 4. ὃς μοι τὴν τῶν σῶν θρόνων πάρεδρον σοφίαν — 6. τῆς ἀπὸ σοῦ σ. ἀποιώσῃς εἰς οὐδὲν λογιζομένηται — 9. μετὰ σοῦ ἡ σ. ἡ εἰδύα τὰ ἔργα σου — 17. εἰ μὴ σὺ ἔδωκας σοφίαν — 18. καὶ τῇ σ. [Β. σ. σου] ἐσώθησαν 10. 4. κατακλυζομένην γῆν πάλιν διέσωσε σοφία — 8. σοφίαν γὰρ παροδεύσαντες οὐ μόνον ἐβλάβησαν — 9. σοφία δὲ τοὺς θεραπεύσας αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσατο — 21. ἡ σ. ἥνοιξε στόμα κωφῶν 14. 2. τεχνίτης δὲ σοφία κατεσκεύασεν — 5. θέλεις δὲ μὴ ἀργὰ εἶναι τὰ τῆς σ. σου [Β. σμ.] ἔργα 1. 1. σοφία Σαλωμώντος Si. prol. 4. ὑπὲρ ὧν θεὸς ἐστὶν ἐπαυκὴν τὸν Ἰσραὴλ παιδείας καὶ σοφίας — 10. τῶν εἰς παιδείαν καὶ σοφίαν ἀνηκόντων 1. 1. σοφία Σεραχ [Α. Β. Ἰησοῦ υἱοῦ Σεραχ] — 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου — 3. ἀβυσσὸν καὶ σοφίαν τίς ἐξηκνίσει — 4. προτέρα πάντων ἐκτίσται σοφία — 6. ῥίζα σοφίας τὴν ἀπεκαλύφθη — 14. ἀρχὴ σοφίας φοβέσθαι τὸν θεόν — 16. πλησμονὴ σοφίας φοβέσθαι τὸν κύριον — 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου — 20. ῥίζα σοφίας φοβέσθαι τὸν κύριον — 24. ἐν θησαυροῖς σοφίας παραβολὴ ἐπιστήμης — 25. ἐπιθυμήσας σοφίαν διατρίβει ἐν τοῖς — 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου 4. 11. ἡ σ. υἱὸς αὐτῇ [Α. Β. αὐτῆς] ἀνέψωσεν — 24. ἐν γὰρ λόγῳ γνωσθήσεται σοφία 6. 18. ὥς πολλῶν εὐρήσεις σοφίαν [Β. χάριν] — 22. σοφία γὰρ κατὰ τὸ ὄνομα αὐτῆς ἐστὶ — 37. ἡ ἐπιθυμία τῆς σ. σου [Α. Β. σμ.] δοθήσεται σοι 8. 8. Β. παρ' αὐτῶν μάθησιν σοφίαν [Α. Β. παιδείαν] 11. 1. σοφία ταπεινοῦ ἀνιήσκει κεφαλὴν 14. 20. ὃς ἐν σοφίᾳ τελευτήσῃ [Β. μελετήσῃ] 15. 3. ὕδωρ σοφίας ποτίσει αὐτὸν — 10. ἐν γὰρ σοφίᾳ ῥηθήσεται αἶνος — 18. πολλὴ σοφία [Α. Β. ἡ σ.] τὸν κυρίου 18. 28. πᾶς συνετὸς ἔγνω σοφίαν 19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου καὶ ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποίησις νόμου — 22. οὐκ ἔστι σοφία πονηρίας ἐπιστήμη — 23. ἐστὶν ἄβυσσος ἐλαττωμένων σοφία 20. 30. σοφία κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανὴς — 31. ἀνθρώπων ἀποκρύπτων τὴν σ. αὐτοῦ 21. 11. συντήλεια τοῦ φόβου κυρίου σοφία — 18. ὡς οἱ οὗτοι ἠδυνάμην οὕτως μορὴ σοφία 22. 6. μάλιστα καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [Β. -ία] 28. 2. ἐπὶ τῇ καρδίᾳ μου παιδείαν [Α. -ας] σοφίας 24. 1. αἰνεῖται σοφία — 1. ἡ [Β. σμ.] σ. αἰνεῖται ψυχὴν αὐτῆς — 25. ὁ πιμπλὼν ὡς φεῖσιν σοφίαν 25. 5. ὡς ὅρατα γερόντων σοφία — 10. ὡς μέγας ὁ εὐρὸν σοφίαν

**σκύμνος.** (1) **יֶמֶן** (2) **א. נִיב** **δ. נִיב** (3) **יֶמֶן**  
(4) **א. נִיב** **δ. נִיב** **ε. נִיב** (5) **σκ.**  
**λείοντος** **א. נִיב** **δ. נִיב**

Ge. 49. 9. σκύμνος λείοντος Ἰούδα (2a)  
— 9. ἐκοιμήθη ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος (4a)  
Nu. 28. 24. λαὸς ὡς σκύμνος ἀναστήσεται (4a)  
24. 9. ἀνέπασατο ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος (4a)  
De. 83. 22. Δὲν σκύμνος λείοντος (2a)  
Jd. 14. 5. σκύμνος λείοντος ὠρυόμενος (8)  
Jb. 4. 11. σκύμνος δὲ λεόντων ἐλιπον ἀλλήλους (1)  
Ps. 167. 12. ὥστε σκύμνος οἰκῶν ἐν ἀποκρύφῳ (8)  
58 (67). 4. ἐρρύσατο τὴν ψυχὴν μου ἐκ μέσου σκύμων (4c)  
103 (104). 21. σκύμνος ὠρυόμενος ἀρπάσσει (3)  
Pr. 24. 65 (30. 30). σκύμνος λείοντος ἰσχυρότερος κτηνῶν (5b)  
Ho. 13. 8. καταφάγονται αὐτοὺς ἐκεῖ σκύμνοι δρυμοῦ (4a)  
Am. 8. 4. εἰ ὅσκιε σκύμνος φωνῇ αὐ. (3)  
Mi. 5. 8 (7). καὶ ὡς σκύμνος ἐν ποιμνίῳ προβάτων (3)  
Jl. 1. 6. καὶ αἱ μύλαι αὐ. σκύμνου (4a)  
Na. 2. 11 (12). καὶ ἡ νομὴ ἡ οὐσα τοῖς [A. ἐν τοῖς] σκ. (3)  
— 11 (12). τοῦ εἰσελθεῖν ἐκεῖ σκύμνον [A. B<sup>3</sup> -ος] λείοντος (2a)  
— 12 (13). λέων ἤρπασε τὰ ἱκανὰ τοῖς σκ. αὐ. (2b)  
Is. 5. 29. παρέστηκαν ὡς σκύμνοι [A. B -ος] λείοντος (5a)  
80. 6. λέων καὶ σκ. λείοντος (5b)  
81. 4. ὅν τρόπον βοήσῃ ὁ λέων ἢ ὁ σκ. (3)  
Je. 28 (51). 38. καὶ ὡς σκύμνοι λείοντων (2b)  
La. 4. 3. ἐθύλασαν σκύμνοι αὐτῶν θυγατέρας λαοῦ μου (2a)  
Ez. 19. 2. τί ἡ μήτηρ σου σκύμνος . . . ἐν μέσῳ λείοντων ἐπλήθυνε σκύμνους αὐτῆς (4b, 2a)  
— 3. ἀπεπήδησεν [A. ἀπεδήμυσεν] εἰς τῶν σκ. αὐτῆς (2a)  
— 5. ἔλαβεν ἄλλον ἐκ τῶν σκ. αὐτῆς (2a)  
I Ma. 8. 4. καὶ ὡς σκ. ἐρευγόμενος εἰς θήραν  
III Ma. 4. 6. ὡς ἐσπαράγμεναι σκύμοις [B. σκυλ-μοῖς] ἀλλοθενῆσι  
[Sm. Gz. 49. 9.]

**σκυτάλη.** (1) **יָבֵן** (2) **יָבֵן**  
Ex. 30. 4. ἔσονται ψαλίδες ταῖς σκ. (1)  
— 5. ποιήσεις σκυτάλας ἐκ ξύλων ἀσήπτων (1)  
II Ki. 8. 29. μὴ ἐκλίποι . . . κρατὸν σκυτάλης [A. -η] (2)  
III Ki. 12. 24. Βέβαιον αὐτὸν Σ. εἰς ἀρχοντα σκυτάλης — [A. Gz. 80. 37 : Z. 11. 7.]

**σκύφος.**  
[Aq. Gz. 44. 2 : Ez. 25. 30 (31) : Je. 85 (42). 5.]  
[Sm. Je. 35 (42). 5.]

**σκοληκίσαι.**  
[Sm., Th. Jb. 17. 14.]

**σκολήξ.** (1) **יָבֵן** (2) **א. נִיב** **δ. נִיב** **ε. נִיב**  
**σ. נִיב**

Ex. 16. 20. ἐξέζετε σκολήκας (2a)  
— 24. οὐδὲ σκολήξ ἐγένετο ἐν αὐτοῖς (1)  
De. 28. 39. καταφάγεται αὐτὰ ὁ σκ. (2c)  
Ju. 16. 17. δοῦναι . . . σκολήκας εἰς σάρκας αὐτῶν  
Jb. 2. 9. σὺ τε αὐτὸς ἐν σαπρίᾳ σκολήκων κέθηται — 7. 5. φέρεται δέ μου τὸ σῶμα ἐν σαπρίᾳ σκολήκων (1)  
25. 6. καὶ νύξ ἀνθρώπου σκολήξ (2b)  
Ps. 21 (22). 6. ἐγὼ δὲ εἰμι σκολήξ (2c)  
Pr. 12. 4. ὥστε δὲ ἐν ξύλῳ σκολήξ — 25. 20. ὥστε δὲ ἐν ἱματίῳ καὶ σκολήξ ξύλῳ +  
Sl. 7. 17. ἐκδίκης ἀσεβούς πῦρ καὶ σκολήξ  
10. 11. κληρονομήσει ἐρπετὰ καὶ θηρία καὶ [B. S<sup>1</sup> om.] σκολήκας [B<sup>2</sup> -es, S<sup>1</sup> om.]  
19. 3. σκολήκας κληρονομήσουσιν αὐτὸν [B<sup>1</sup> τὴν γῆν]  
Jn. 4. 7. προσέταξεν ὁ θεὸς σκολήκῃ (2c)  
Is. 14. 11. τὸ κατακαύμα σου σκολήξ (2b)  
66. 24. ὁ γὰρ σκ. αὐ. οὐ τελευτήσει (2c)  
I Ma. 2. 62. ἡ δόξα αὐ. . . εἰς σκολήκας  
II Ma. 9. 9. ὥστε καὶ ἐκ τοῦ σώματος τοῦ δυσσε-  
βοῦς σκολήκας ἀναεῖν  
[Aq. Ex. 25. 4 : 28. 5 : 35. 23, 35 : Is. 41. 14.]  
[Sm. Ps. 77 (78). 47 : Is. 41. 14 : Ez. 32. 5.]  
[Th. Jb. 25. 6 : Is. 41. 14.]  
[Sept. Hb. 2. 11.]

**σκόλον.** (1) **א. נִיב** **hi. δ. נִיב** (2) **יָבֵן**  
Ex. 10. 7. ἔως τίνος ἔσται τοῦτο ἡμῖν σκόλον (2)  
De. 7. 16. σκόλον τοῦτό ἐστὶ σοι (2)  
Jd. 8. 27. ἐγένετο τῷ Γ. . . εἰς σκόλον [A. σκό-  
δαλον] (2)  
11. 35. A. εἰς σκόλον ἐγένετο ἐν ὀφθαλμοῖς μου [B. al.] +  
II Ch. 28. 23. ἐγένοντο αὐτῷ εἰς σκόλον (1a)  
Is. 57. 14. ἀρατε σκόλα ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τοῦ λαοῦ μου (1b)  
[Aq. Ps. 68 (69). 23 : Pr. 18. 7 : 20. 25 : 22. 25 : Is. 8. 14.]  
[Sm., Th. Pr. 18. 7.]  
[Al. Jo. 28. 13.]

**σκολοῦσθαι.**  
[Aq. Ho. 9. 8.]  
[Al. Dt. 7. 25.]

**σκόπτειν.**  
Si. 10. 10. μακρὸν ἀρρώστημα σκόπτει ἱατροῦς [B<sup>3</sup> -όν]

**σκούρια.**  
[Sm. Ps. 118 (119). 119 : Is. 1. 25 : Ez. 22. 18 bis, 19.]

**σμεραγδίτης.** (1) **יָבֵן**  
Es. 1. 6. ἐπὶ λιθοστρώτου σμεραγδίτου λίθου [A. al.] (1)

**σμεράγδος.** (1) **יָבֵן** (2) **יָבֵן** (3) **יָבֵן**  
(4) **יָבֵן**  
Ex. 28. 9. λήψῃ τοὺς δύο λίθους λίθους σμεράγδου (4)  
— 17. σάρδιον τοπάζιον καὶ σμεράγδος (1)  
85. 13. B. ἐργασίεσθω . . . τοὺς λίθους [AB add. τοὺς] τῆς σμ. (4)  
— 27. ἤνεγκαν τοὺς λίθους τῆς σμ. (4)  
36. 13 (89. 6). ἐποίησαν ἀμφοτέρους τοὺς λίθους τῆς σμ. (4)  
— 17 (89. 10). σάρδιον καὶ τοπάζιον καὶ σμα-  
ράγδος [B. al.] (2)  
To. 13. 16. οἰκοδομηθήσεται Ἱερ. σαπφείρ καὶ σμα-  
ράγδω [B. al.]  
Ju. 10. 21. ὁ ἦν ἐκ . . . σμεράγδου  
Es. 1. 6. A. ἐπὶ λιθοστρώτου σμεράγδου [B. S. al.] (1)  
Si. 35 (32). 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσοῦ σφραγῖς σμεράγδου  
Ez. 28. 13. ἐνδεδέσται . . . σμεράγδον καὶ ἄνθρακα (3)

**σμήγμα, σμίγμα.** (1) **יָבֵן**  
Es. 2. 3. δοθήτω σμήγμα [A<sup>2</sup> σμίγμα, A<sup>1</sup> σμίγμα] (1)  
— 9. ἔσπενσεν αὐτὴ δούαν τὸ σμ. (1)  
— 12. καὶ ἐν τοῖς σμ. τῶν γυναικῶν (1)  
Da. Th. Su. 17. ἐνέγκατε δὴ μοι . . . σμήγματα [A. -μα]

**σμήχειν.**  
[Al. Le. 6. 28 (21).]

**σμικρότατος, vid. sub μικρός.**

**σμικρύνειν, vid. sub μικρύνειν.**

**σμίλαξ (-ας).**  
Na. 1. 10. ὡς σμ. [B<sup>1</sup> -ας] περιπλεκόμενη βρωθήσεται +  
Je. 26 (48). 14. κατέφαγε μάχαιρα τὴν σμ. σου +

**σμίλη.**  
[Sm. Je. 38 (48). 23.]

**σμιρίτης (σμυρ.), σμίριτος.**  
Jb. 41. 6 (7). ὥστε σμιρίτης [A. -ος, B. σμιρίτης] +  
λίθος

**σμίσμα, vid. sub σμήγμα.**

**σμούχ.**  
[Heb. Is. 26. 3.]

**σμιρίτης, vid. σμιρίτης.**

**σμίρνα (σμ.).** (1) **יָבֵן**, **יָבֵן**  
Ex. 30. 23. τὸ ἄνθος σμίρνης ἐκλεκτῆς (1)  
Ps. 44 (45). 8. σμίρνα καὶ στακτή [B<sup>2</sup> al.] (1)  
Ca. 3. 6. τεθυμαμένη σμίρνα καὶ λίβανον (1)  
4. 6. πορεύσομαι ἐναντὶ πρός τὸ δρος τῆς σμ. (1)  
— 14. σμίρνα ἀλῶθ [B. ἀλῶθ] μετὰ πάντων πρώτων μύρων (1)  
5. 1. ἐτρέψῃς σμίρναν [B. σταφυλήν] μου (1)

Ca. 5. 5. χεῖρές μου ἔσταξαν σμίρναν δάκτυλοί μου σμίρναν πλήρη (1, 1)  
— 13. χεῖλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμίρναν πλήρη (1)  
Si. 24. 15. ὡς σμίρνα ἐκλεκτὴ διέδοκα εὐωδίαν [A. B<sup>1</sup> al.]  
[Aq. Ca. 1. 13 : 4. 6.]  
[Sm. Ca. 1. 13.]

**σμίρνινος.** (1) **יָבֵן**  
Es. 2. 12. ἀλειφόμεναι ἐν σμ. ἐλαίῳ [A. ἀλ. σμ. ἐλαίῳ] (1)

**σοόμ (B), σοόμ (AB).** (1) **יָבֵן**  
I Ch. 29. 2. ἡτοιμάκα . . . λίθους σ.

**σοόρ.**  
[Aq., Th. Ez. 27. 18.]

**σόρ.** (1) **יָבֵן**  
Je. 21. 13. ἐγὼ πρὸς σέ τὸν κατοικοῦντα τὴν κοιλάδα σ. (1)

**σορός.** (1) **יָבֵן**  
Ge. 50. 26. καὶ ἐθήκαν ἐν τῇ σ. ἐν Αἴγ. (1)  
Jb. 21. 32. A. ἐπὶ σορῶ [B. σωρῶ, B. σωρῶν] +  
[Th. Jb. 21. 32+.]

**σός.**  
Ge. 14. 23 : 20. 7 : 21. 13 : 80. 27 : 81. 32 : 83. 9.  
Ex. 5. 15, 23 : 8. 23 (19) : 82. 13.  
Le. 18. 10+.  
De. 3. 24 : 22. 9+.  
Jo. 5. 14.  
I Ki. 22. 15+ : 25. 6.  
II Ki. 9. 2 : 15. 34+.  
III Ki. 21 (20). 4, 13, 28.  
I Ch. 29. 14 bis.  
I Es. 4. 59+.  
Ju. 8. 4+ : 8. 29+.  
Jb. 3. 3+ : 15. 6 : 32. 20+ : 39. 26, 27.  
Ps. 80 (81). 14+ : 73 (74). 16 bis : 88 (89). 11 bis, 13 : 115. 7 (116. 16), 7 (116. 16)+ : 118 (119). 91+.  
Pr. 1. 9 bis, 14, 15+ : 2. 10+ : 8. 1, 3, 5, 9 bis, 22, 22+ : 26, 29 : 4. 4, 9, 20, 21+ : 23, 26, 27 : 5. 1, 3, 8, 9, 10 bis, 15 bis, 16 ter, 19, 21+ : 6. 1 bis, 3, 3+ : 4 bis, 26 bis, 25 : 7. 3, 4, 15 : 9. 18 : 22. 17 bis, 18, 23, 25 : 28. 4, 5, 16, 19, 26 bis : 24. 14, 43 (28) bis, 71 (81. 3)+ : 71 (81. 3), 76 (81. 8), 77 (81. 9) : 25. 8+ : 17 : 27. 2 bis, 10, 23, 27 : 28. 17.  
Ec. 5. 5+.  
Wi. 9. 4, 5 : 11. 26 : 12. 15 : 14. 3, 6 : 16. 11, 12, 15, 21 : 18. 21 : 19. 6+ : 6, 8.  
Si. 8. 19+ : 88. 22.  
Is. 4. 1 : 10. 16 bis.  
Je. 38 (31). 16, 17 : 48 (38). 3+.  
Ba. 4. 31, 33 : 5. 3.  
Da. LXX. 9. 18.  
II Ma. 14. 35.  
III Ma. 2. 6, 8, 9+ : 5. 29 : 6. 5, 13.  
IV Ma. 9. 6.  
[Aq. Ps. 118 (119). 91 : Pr. 81. 3.]  
[Sm. Gz. 18. 25 : Jd. 4. 9 : Ps. 88 (89). 14 : Pr. 81. 3.]  
[Th. Pr. 81. 3.]

**σουαρείμ.**  
[Th. Je. 29 (36). 17.]

**σουμήν.**  
[Heb. Gz. 1. 8.]

**σοόρ.**  
[Sm. Is. 10. 26.]

**σούχνος.**  
[Aq. III Ki. 10. 11.]

**σοφία.** (1) **א. נִיב** **δ. נִיב** (2) **יָבֵן**  
(3) **יָבֵן** (4) **יָבֵן** (5) **יָבֵן** (6) **יָבֵן**  
Ex. 28. 3. B. οὗς ἐπέπληξα πνεύματος σοφίας [A. B om.] (3)  
31. 3. ἐπέπληξα αὐτὸν πνεύμα θεῖον σοφίας (3)  
85. 26. αἰς ἔδοξε τῇ διανοίᾳ αὐ. ἐν σοφίᾳ (3)  
— 31. B<sup>2</sup> ἐπέπλησεν αὐτὸν πνεῦμα [A. B<sup>2</sup> B add. θεῖον] σοφίας (3)

- Ex. 35. 33. ποιῶν ἐν παντὶ ἔργῳ σοφίας (5)  
— 35. ἐπέστησεν αὐτοὺς σοφίας (8)  
36. 1. φ' ἐδόθη σοφία (9)  
— 2. καὶ πάντα τοὺς ἔχοντας τὴν σ. (9)  
De. 4. 6. αὐτὴ τ. σ. ὑμῶν (9)  
II Ki. 14. 20. καθὼς σοφία ἀγγέλου τοῦ θ. (8)  
20. 22. ἐλάλησε πρὸς πᾶσαν τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐ. (9)  
III Ki. 2. 6. ποιήσεις κατὰ τὴν σ. σου (9)  
3. 1 (cf. 4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . σ. πολλὴν σφόδρα (1 b)  
4. 29 [5. 9]. ἔδωκε κ. φρόνησιν τῷ Σ. καὶ σ. [Α. σ. τ. Σ. κ. φρόνησιν] πολλὴν σφόδρα (1 b [9])  
— 30 (5. 10). Α. ἐπληθύνη ἡ σ. Σαλ. σφόδρα [B al.] (8)  
— 34 (5. 14). ἀκούσαι τῆς σ. Σαλ. (8)  
— 34 (5. 14). ὅσοι ἤκουον τῆς σ. [Α. τὴν σ.] αὐ. (8)  
5. 12 (26). κύριος ἔδωκε σοφίαν τῷ Σαλ. (8)  
10. 7. Α. προστέθηκες σοφίαν καὶ [B om. σ. κ.] ἀγαθὰ (9)  
I Ch. 22. 12. δὲ σὺ σοφίαν καὶ σύνεσιν κύριος (6)  
28. 21. πᾶς πρόθυμος ἐν σοφίᾳ (8)  
II Ch. 1. 10. σοφίαν καὶ σύνεσιν δὲς μοι (8)  
— 11. ἤγιστος σταντὶ σοφίαν καὶ σύνεσιν (8)  
— 11 (12). τὴν σ. καὶ τὴν σύνεσιν διδόμε σοι (8)  
9. 3. εἶδε βασιλιστὰ Σ. τὴν σ. Σαλ. (8)  
— 5. ὅν ἤκουσα . . . περὶ τῆς σ. σου (8)  
— 6. οὐκ ἀπγγέλη μοι ἡμῶν τοῦ πλήθους τῆς σ. σου (8)  
— 7. ἀκούουσιν σοφίαν σου (8)  
— 22. ἐμαγαλύνθη Σ. . . . πλουτῇ καὶ σοφίᾳ (8)  
— 23. ἀκούσαι τῆς σ. αὐ. (8)  
I Es. 3. 7. δεύτερος καθιέται Δαρείου διὰ τὴν σ. αὐ. (8)  
4. 59. παρὰ σοῦ ἡ σ. (8)  
— 60. δὲ ἔδωκάς μοι σοφίαν (8)  
8. 23. κατὰ τὴν σ. τοῦ θεοῦ ἀνάδειξον (8)  
II Es. 7. 25. ὥς ἡ σ. τοῦ θεοῦ ἐν χειρὶ σου (8)  
Ju. 8. 29. οὐκ ἐν τῇ σήμερον ἡ σοφία σου πρυθιλλὲς ἐστίν (8)  
11. 8. ἡκούσαμεν γὰρ τὴν σ. σου (8)  
— 20. Α. Β. ἐθαύμασαν ἐπὶ τῇ σ. αὐ. (8)  
Jb. 4. 21. παρὰ τὸ μὴ ἔχειν αὐτοὺς σοφίαν (8)  
8. 10. Α. καὶ ἀναγέλουσίν σοι σύνεσιν σοφίας [B S al.] (8)  
11. 6. εἰτα ἀναγγέλει σοι δύναμιν σοφίας (8)  
— 20. Α. παρ' αὐτῶν γὰρ σοφία καὶ δύναμις (8)  
12. 3. ἡ μεθ' ὑμῶν τελευτήσει σοφία (8)  
— 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [Α. σ. εὐρίσκειται] (8)  
— 13. παρ' αὐτῶν σοφία καὶ δύναμις (8)  
18. 5. ἀποβήσεται ὑμῖν σοφία [Α. εἰς σοφίαν] (8)  
15. 8. εἰς δὲ σὺ ἀφίκετο σοφία (8)  
26. 3. οὐχ ὡς πᾶσα σ. [Α. φ' ἡ π. σ.] (8)  
28. 12. ἡ δὲ σ. πόθεν εὐρίσθη (8)  
— 18. ἔλκετον σοφίαν ὑπὲρ τὰ ἐσώτατα (8)  
— 20. ἡ δὲ σ. πόθεν εὐρίσθη (8)  
— 28. ἡ θεοσέβειά ἐστὶ σοφία (8)  
32. 7. Α. Β. ἐν πολλοῖς δὲ ἔτεσιν [B S add. οὐκ] αἰδᾷ σοφίαν (8)  
— 13. εὐρον σοφίαν κυρίῳ προσθήμενοι (8)  
33. 33. Α. Β. διδάξω σε σοφίαν [B om.] (8)  
38. 36. Α. τίς δὲ ἔδωκε γυναιξὶν ὑψίσματος σοφίαν ἡ ποικιλικὴν σοφίας [B S om.] ἐπιστήμην (8, -)  
— 37. τίς δὲ ὁ ἀριθμῶν νέφη σοφία (8)  
39. 17. κατενόησεν [B' ἐπὶ] αὐτὴ ὁ θεὸς σοφίαν (8)  
Ps. 36 (37). 30. στόμα δικαίου μελετήσει σοφίαν (8)  
48 (49). 3. τὸ στόμα μου λαλήσει σοφίαν (8)  
50 (51). 6. τὰ κρύφια τῆς σ. σου ἐδήλωσάς μοι (8)  
89 (90). 12. καὶ τοὺς πεκαυμένους [Α. Β. δ-ημέρους] τῇ καρδίᾳ ἐν σοφίᾳ (8)  
103 (104). 24. πάντα ἐν σοφίᾳ ἐποίησας (8)  
106 (107). 27. πᾶσα ἡ σ. αὐτῶν κατεπόθη (8)  
110 (111). 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
Pr. 1. 2. γνῶναι σοφίαν καὶ παιδείαν (8)  
— 7. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
— 7. σοφίαν δὲ καὶ παιδείαν ἀσβεβεῖς ἐξουθενή- σουσιν (9)  
— 20. σοφία ἐν ἐξόδοις ὑμνείται (8)  
— 29. ἔμελλαν γὰρ σοφίαν [Α. παιδείαν] (8)  
2. 2. ὑπακούσεται σοφίας τὸ οὐ σου (8)  
3. 1. ἴδαν γὰρ τὴν σ. ἐπικαλέσθη (1 a)  
— 6. κύριος δίδωσι σοφίαν (8)  
— 10. εἰ γὰρ ἔλθῃ ἡ [B' om.] σ. εἰς σὴν δαίαναν (8)  
Pr. 8. 5. ἐπὶ δὲ σὴ σοφία μὴ ἑπαίρου (1 a)  
— 13. μακάριος ἄνθρωπος δὲ εὖρε σοφίαν (8)  
— 19. ὁ θεὸς τῇ σ. ἐθμελίωσεν τὴν γῆν (8)  
4. 5. Β' κτήσας σοφίαν καὶ σύνεσιν (8)  
— 5. Α. κτήσας σοφίαν καὶ σύνεσιν (8)  
— 11. ὁδοὺς γὰρ σοφίας διδάσκω σε (8)  
5. 1. ἐμὴ σοφία πρόσχευ (8)  
6. 8. τὴν σ. τιμήσασα προήχθη (8)  
7. 4. εἰπὼν τὴν σ. [B' τῇ σ.] σὴν ἀδελφὴν εἶναι (8)  
8. 1. σὺ τὴν σ. κηρύξεις (8)  
— 11. κρίσας γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (8)  
— 12. ἐγὼ ἡ σ. κατεσκήνωσα βουλήν (8)  
— 12. Β' κρίσας γὰρ σοφία λίθων πολυ- τελῶν (8)  
— 33. Α. ἀκούσατε σοφίαν [B' παιδείαν] καὶ σοφιστήν (4)  
9. 1. ἡ σ. φοβόμην ἐαυτῇ οἶκον (8)  
— 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
10. 13. Α. Β. Ε. δὲ ἐκ χειλέων προφέρει σοφίαν (8)  
— 23. ἡ δὲ σ. ἀνδρὶ τίκει φρόνησιν (8)  
— 31. στόμα δικαίου ἀποστᾷ σοφίαν (8)  
11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν (8)  
14. 6. ἡγήσεις σοφίαν παρὰ κακοῖς (8)  
— 8. σοφία πανούργων ἐπιγνώσεται τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ (8)  
— 33. ἐν καρδίᾳ ἀγαθῶν ἀνδρῶν [B' ἀναπαύεται] σοφία (8)  
16. 4 (15. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία (8)  
— 16. νοσοῖαι σοφίας αἰρετώτεροι χυσιῶν (8)  
17. 16. κτήσασθαι γὰρ σοφίαν [Α. -ας] ἀκάρ- διος οὐ δύνηται (8)  
— 28. ἀνοήτῃ ἐπερωτήσαντι σοφίαν [B' -α, Α. om.] σοφία λογιζέσθεται (8)  
18. 2. οὐ κρίαν ἔχει σοφίας ἐνδεῖς φρονῶν (1 b)  
20. 29. κόσμος νεανίας σοφία (8)  
21. 30. οὐκ ἐστὶ σοφία οὐκ ἐστὶν ἀνδρεία (8)  
22. 4. γενὰ σοφίας φόβος κυρίου (8)  
24. 3. μετὰ σοφίας οικοδομεῖται οἶκος (8)  
— 7. σοφία καὶ ἔννοια ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (8)  
— 14. οὕτως αἰσθήσῃ σοφίαν [Α. -ας] τῇ σὴ ψυχῇ (8)  
— 26 (30. 3). θεὸς δεδιδαχέ με σοφίαν (8)  
— 73 (31. 5). ἵνα μὴ πόντες ἐπιλάθωνται τῆς σ. (8)  
28. 26. δὲ δὲ πορεύεται σοφία σωθήσεται (8)  
29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται πατὴρ αὐτοῦ (8)  
— 15. πληγαὶ καὶ ἔλεγχοι διδᾶσι σοφίαν (8)  
Ec. 1. 13. τοῦ κατασκεψασθαι ἐν τῇ σ. (8)  
— 16. προσέθηκε [B. προέβ.] σοφίαν ἐπὶ πᾶσιν (8)  
— 16 (17). ἔδωκα καρδίαν μου τοῦ γνῶναι σοφίαν (8)  
— 16. καρδία μου εἶδε πολλὰ σοφίαν καὶ γνῶσιν (8)  
— 18. ἐν πληθεῖ σοφίας πλήθος γνώσεως (8)  
2. 3. καρδία μου ὠδύνησεν [B' ὡδ. με] ἐν σοφίᾳ (8)  
— 9. σοφία μου ἐστάθη μοι (8)  
— 12. ἐπέβλεψα ἐγὼ τὸν ἰδεῖν σοφίαν (8)  
— 13. ἐστὶ περισκεῖα τῇ σ. ὑπὲρ τὴν ἀφρο- σύνην (8)  
— 21. μόχθος αὐτοῦ ἐν σοφίᾳ (8)  
— 26. τῷ ἀνθρώπῳ τῷ ἀγαθῷ πρὸ προσώπου αὐτοῦ ἔδωκε σοφίαν (8)  
7. 11 (10). οὐκ ἐν σοφίᾳ ἐπρωτήσας (8)  
— 22 (11). ἀγαθὴ σ. μετὰ κληρονομίας (8)  
— 13 (12). ἐν σκιά αὐτῆς ἡ σ. [B' τῆς σ.] ὥς σκὰ ἀργυρίου καὶ περισκεῖα γνώ- σεως τῆς σ. [B' τῇ σ.] (ὑποοίησεν [B' ἡ σ. ζ.] τὸν παρ' αὐτῆς [B' ἔχοντα αὐτὴν] (8, -, [B])  
— 20 (19). ἡ σ. βοηθήσει τῷ σοφῷ (8)  
— 24 (23). πάντα ταῦτα ἐπείρασεν ἐν σοφίᾳ [Α. S τῇ σ.] (8)  
— 26 (25). τῷ ἡγήσας σοφίαν καὶ ψῆφον (8)  
8. 1. σοφία ἀνθρώπων φατεῖ καὶ πρὸς πᾶσαν αὐ. (8)  
— 16. ἔδωκα τὴν καρδίαν μου τοῦ γνῶναι τὴν σ. (8)  
9. 10. οὐκ ἐστὶ . . . σοφία ἐν ᾗδῃ (8)  
— 13. τοῦτο εἶδον σοφίαν ὑπὸ τὸν ἥλιον (8)  
— 15. διασώσῃ αὐτὸς τὴν πόλιν ἐν τῇ σ. αὐτοῦ (8)  
— 16. ἀγαθὴ σ. ὑπὲρ δύναμιν (8)  
— 16. σοφία τοῦ πενήτου ἐξουθενωμένη (8)  
— 18. ἀγαθὴ σ. ὑπὲρ σκενὴ πολέμου (8)  
10. 1. Α. Β. Β. Τίμων ὀλίγον [B' ὁ λόγος] σο- φίας ὑπὲρ δόξαν ἀφροσύνης μεγάλῃν (8)  
— 10. περισκεῖα τῷ ἀνδρὶ οὐ σοφία [Α. S al.] (8)  
Wi. 11. σοφία Σαλωμών (8)  
1. 4. εἰς κακότερον ψυχῇ οὐκ εἰσελεύσεται σοφία (8)  
Wi. 1. 5. Α. ἄγων γὰρ πνεῦμα σοφίας [B S παιδείας] φεύζεται δόλον (8)  
— 6. φιλόανθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [Α. -ίας] (8)  
3. 11. σοφίαν γὰρ καὶ παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν ταλαί- πωρος (8)  
6. 9. ἵνα μάθῃτε σοφίαν καὶ μὴ παραστήτε (8)  
— 12. λαμπρὰ καὶ ἀμαράντινός ἐστιν ἡ σ. (8)  
— 20. ἐπιθυμία ἡρα σοφίας ἀνάγει ἐπὶ βασιλείαν [B' al.] (8)  
— 21. τιμήσατε σοφίαν (8)  
— 22. τί [B' τίς] δὲ ἐστὶ σοφία (8)  
— 23. ὁστος οὐ κοινωνήσει σοφίᾳ (8)  
7. 7. ἡλθέ μοι πνεῦμα σοφίας (8)  
— 12. αὐτῶν ἡγείται σοφία (8)  
— 15. αὐτὸς καὶ τῆς σ. ὁδηγός ἐστι (8)  
— 22. ἡ γὰρ πάντων τεχνίτης ἐδίδαξέ με σοφία (8)  
— 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία (8)  
— 28. οὐδὲν γὰρ ἀγαθὸν ὁ θεὸς εἰ μὴ τὸν σοφία συνοικοῦντα (8)  
— 30. σοφίας [Α. -ίας, B' -ία] δὲ οὐκ ἀντισχέει [Α. B. οὐ κατ' ἄν.] κακία (8)  
8. 5. τί σοφίας πλουσιώτερον [B. τιμωτ.] τῆς τὰ πάντα ἐργαζομένης [B' περιεργ.] (8)  
— 17. ἐστὶν ἀθανασία ἐν [B' om.] συγγενεῖ σο- φίας (8)  
9. 2. καὶ τῇ σ. σου κατεσκεύασας ἄνθρωπον (8)  
— 4. δὲς μοι τὴν τῶν σὼν θρόνων παράδωρον σοφίαν (8)  
— 6. τῆς ἀπὸ σοῦ σ. ἀποῦνης εἰς οὐδὲν λογισθί- σεται (8)  
— 9. μετὰ σοῦ ἡ σ. ἡ εἰδύια τὰ ἔργα σου (8)  
— 17. εἰ μὴ σὺ ἔδωκας σοφίαν (8)  
— 18. καὶ τῇ σ. [B. σ. σου] ἐσώθησεν (8)  
10. 4. καταλυζομένην γῆν πάλιν διέσωσε σοφία (8)  
— 8. σοφίαν γὰρ παροδύσαντες οὐ μόνον ἐβλά- θησαν (8)  
— 9. σοφία δὲ τοὺς θεραπεύσαντας αὐτὴν ἐκ πόνων ἐρρύσατο (8)  
— 21. ἡ σ. ἡνοίξε στόμα κωφῶν (8)  
14. 2. τεχνίτης δὲ σοφία κατεσκεύασεν (8)  
— 5. θέλει δὲ μὴ ἀργὰ εἶναι τὰ τῆς σ. σου [B om.] ἔργα (8)  
Iu. 1. 1. σοφία Σολομώντος (8)  
Si. prol. 4. ὑπὲρ ὧν δέον ἐστὶν ἐπαίνεω τὸν Ἰσραὴλ παιδείας καὶ σοφίας (8)  
— 10. τῶν εἰς παιδείαν καὶ σοφίαν ἀνηκόντων (8)  
1. 1. σοφία Σειράχ [Α. B. Ἰησοῦ υἱοῦ Σειράχ] (8)  
— 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίῳ (8)  
— 3. ἀβυσσὸν καὶ σοφίαν τίς ἐξιχνιάσει (8)  
— 4. προτέρα πάντων ἔκτισται σοφία (8)  
— 6. ῥίζα σοφίας τὴν ἀπεκαλύφθη (8)  
— 84. ἀρχὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν θεόν (8)  
— 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον (8)  
— 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου (8)  
— 20. ῥίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κύριον (8)  
— 24. ἐν θησαυροῖς σοφίας παραβολὴ ἐπιστήμης (8)  
— 25. ἐπιθυμήσας σοφίαν διατήρησον ἐντολάς (8)  
— 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου (8)  
4. 11. ἡ σ. οἶκός ἐαυτῇ [Α. B. αὐτῆς] ἀνύψωσε (8)  
— 24. ἐν γὰρ λόγῳ γνωσθήσεται σοφία (8)  
6. 18. ἔως πολλῶν εὐρήσεις σοφίαν [B. χάριν] (8)  
— 22. σοφία γὰρ κατὰ τὸ δρομα αὐτῆς ἐστὶ (8)  
— 37. ἡ ἐπιθυμία τῆς σ. σου [Α. B. om.] δοθήσεται σοι (8)  
8. 8. S. παρ' αὐτῶν μαθήσῃ σοφίαν [Α. B. παιδείαν] (8)  
11. 1. σοφία ταπεινοῦ ἀνύψωσε κεφαλὴν (8)  
14. 20. δὲ ἐν σοφίᾳ τελευτήσει [B' μελετήσει] (8)  
15. 3. ὥδωρ σοφίας ποτίσει αὐτόν (8)  
— 30. ἐν γὰρ σοφίᾳ ῥηθήσεται αὐτός (8)  
— 18. πολλὴ σοφία [Α. B' ἡ σ.] τοῦ κυρίου (8)  
18. 28. πᾶς συνετός ἐγνώ σοφίαν (8)  
19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου καὶ ἐν πάσῃ σοφίᾳ ποιήσεις νόμον (8)  
— 22. οὐκ ἐστὶ σοφία πονηρίας ἐπιστήμη (8)  
— 23. ἐστὶν ἀφρων ἐλαττωμένος σοφία (8)  
20. 30. σοφία κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής (8)  
— 31. ἀνθρώπος ἀποκρύπτων τὴν σ. αὐτοῦ (8)  
21. 11. συντίλεια τοῦ φόβου σοφίαν σοφία (8)  
— 18. ὡς οἶκος ἡφανισμένος οὕτως μαρὰ σοφία (8)  
22. 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν πατρὶ καὶ μαρὰ σοφίας [B' -ία] (8)  
28. 2. ἐπὶ τῆς καρδίας μου παιδείαν [Α. -ας] σοφίας (8)  
24. 1. ἀνεῖς σοφίας (8)  
— 1. ἡ [B' om.] σ. ἀνέσει ψυχὴν αὐτῆς (8)  
— 25. ὁ πικρὸς ὡς Φεισὼν σοφίαν (8)  
25. 5. ὡς ῥαία γερόντων σοφία (8)  
— 10. ὡς μέγας ὁ εὐρὺς σοφίαν (8)

Si. 27. 11. διηγήσεις εὐσεβούς [A σοφοῦ] διὰ παντός σοφία  
 31 (34). 8. σοφία στόματι πιστῶ τελειώσις  
 84 (81). 11. A τὰς ἐλεημοσύνας αὐτοῦ ἐκδιηγῆσθαι [B S ἐκκλησία]  
 37. 20. B<sup>1</sup> οὗτος πάσης σοφίας [A B S<sup>1</sup> τροφῆς] καθυστερήσει  
 — 21. πάσης σοφίας ἐπιτελήσει  
 38. 24. σοφία γραμματέως ἐν εὐκαιρία σχολῆς  
 39. 1. σοφίαν πάντων ἀρχαίων [B<sup>1</sup> ἀρχόντων] ἐκλή-  
 τήσει  
 — 7. αὐτὸς ἀνομβρήσει ῥήματα σοφίας αὐτοῦ  
 — 10. τὴν σ. αὐτοῦ διηγῆσονται ἔθνη [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> -νει]  
 40. 20. ὑπὲρ ἀμφότερα ἀγάπησις [S -σεις] σοφίας [S -ίαν]  
 41. 14. σοφία δὲ κεκρυμμένη καὶ θαυμαρὸς ἀφανής  
 — 15. ἀνθρώπος ἀποκρύπτει τὴν σ. αὐτοῦ  
 42. 21. τὰ μεγαλῶτα τῆς σ. αὐτοῦ ἐκδήμιση  
 43. 33. τοῖς ἐνεδείξιν ἐδωκε σοφίαν  
 44. 15. σοφίαν αὐτῶν διηγῆσονται λαοί  
 45. 26. δὴν ἡμῖν σοφίαν ἐν καρδίᾳ ὑμῶν  
 50. 27. δε ἀνομβρήσει σοφίαν [B<sup>1</sup> -ας] ἀπὸ καρδίας αὐ.  
 51. 13. ἐξήγησα σοφίαν προφανῶς ἐν προσευχῇ μου  
 — 17. τῷ δίδοντι μοι [A om.] σοφίαν δώσω δέξαν-  
 ται σοφία Ἰησοῦ υἱοῦ Σειράχ  
 Is. 10. 13. ἐν τῇ σ. τῆς συνέσεως [A τῇ συν-  
 τῆς σ.] ἀφελῶ ὅρια ἐθνῶν (3, +)  
 11. 2. πνεῦμα σοφίας καὶ συνέσεως (3)  
 29. 14. ἀπολῶ τὴν σ. τῶν σοφῶν (3)  
 39. 6. A S B<sup>1</sup> ἐκεῖ [B ἡκ.] σ. καὶ ἐπιστήμη (3)  
 50. 4. A κύριος διδασί μοι γλώσσαν σοφίας [B S παιδείας] +  
 Je. 8. 9. σ. τίς ἐστιν ἐν αὐτοῖς (3)  
 9. 23 (22). μὴ καυχᾶσθαι ὁ σοφὸς ἐν τῇ σ. αὐτοῦ (3)  
 10. 12. ὁ ἀνορθώσας τὴν οἰκὸν μου ἐν τῇ σ. αὐ. (3)  
 28 (51). 15. ἐτοιμάζων οἰκουμένην ἐν τῇ σ. αὐ. (3)  
 29 (49). 7. οὐκ ἐστιν ἐτι σ. ἐν Θ... φῆχτο σ. αὐ. (3, 3)  
 Ba. 8. 12. ἐγκατέλιπε τὴν πηγήν τῆς σ.  
 — 23. δὸν δὲ [A τῆς] σοφίας οὐκ ἐγνώσαν  
 Da. LXX. 1. 4. κενώσκους... ἐπιστήμονας ἐν  
 πάσῃ σ. (3)  
 — 17. ἔδωκε συνέσει... ἐν πάσῃ σ. (3)  
 2. 20. ἡ σ. καὶ ἡ μεγαλωσύνη αὐτοῦ ἐστι (3)  
 — 21. διδοὺς σοφίας σοφίαν (3)  
 — 23. σοφίαν καὶ φρόνησιν ἔδωκε μοι (3)  
 — 30. οὐ παρὰ τὴν σ. τὴν οὖσαν ἐν ἐμοί (3)  
 Da. TH. 1. 4. καὶ συνέσιαν ἐν πάσῃ σ. (3)  
 — 17. φρόνησιν ἐν πάσῃ γραμματικῇ καὶ σ. (3)  
 2. 20. ἐν παντὶ ῥήματι σοφίας καὶ ἐπιστήμης (3)  
 2. 20. ἡ σ. καὶ ἡ συνέσιαν αὐτοῦ ἐστι (3)  
 — 21. διδοὺς σοφίαν τοῖς σοφοῖς (3)  
 — 23. σοφίαν καὶ δυνάμιν διδασκὰς μοι (3)  
 — 30. οὐκ ἐν σοφίᾳ τῇ οὖσῃ ἐν ἐμοί (3)  
 5. 14. σ. περὶ τὴν εὐρέειαν ἐν σοί (3)  
 II Ma. 2. 9. σοφίαν ἔχων ἀνιγνέει θυσίαν  
 IV Ma. 1. 15. A ροὺς... προτιμών τὸν σοφίας λόγον [S B βίον]  
 — 16. σοφία ὅλῃ τοῖς ἐστὶ γνῶσις θείων... πραγ-  
 μάτων (3)  
 — 18. τῆς δὲ σ. ιδέαι καθεστᾶσι  
 [Aq. III Ki. 4. 30 (5. 10): Jb. 11. 6: 12. 2, 12: 28. 18: Pr. 2. 2: 4. 7 bis: 10. 13: 14. 6, 33: 18. 4: Ez. 28. 4, 12.]  
 [Sm. III Ki. 4. 30 (5. 10): Jb. 11. 6: 12. 2, 12: 28. 18: Pr. 2. 2: 4. 7 bis: 10. 13: 11. 2: 14. 6: 17. 24: 18. 4: Ec. 1. 16: 2. 3, 15: 7. 13 (12) bis: 24 (23): 10. 10: Is. 55. 6: Ez. 28. 4, 12.]  
 [Th. III Ki. 4. 30 (5. 10): Jb. 28. 18: 23. 33: Pr. 2. 2: 4. 7 bis: 8. 1: 10. 13: 11. 2: 13. 10: 14. 33: 18. 4: 23. 33: 80. 24: Ez. 28. 4, 12.]  
 [Al. Dt. 34. 9: III Ki. 7. 14 (2): Pr. 31. 26.]  
 [Quint. Pr. 18. 4.]  
 σοφίζεω. (1) 𐤒𐤁 (2) 𐤒𐤁𐤒 a. qal. b. pi.  
 c. hi. d. hithp.  
 I Ki. 3. 8. καὶ ἐσοφίσαστο Ἡ. (1)  
 III Ki. 4. 31 (5. 11). ἐσοφίσαστο ὑπὲρ πάντας τοὺς ἀνθρώπους (2 a)  
 — 31 (5. 11). ἐσοφίσαστο ὑπὲρ Γ. (2 a)  
 Ps. 18 (19). ἡ μαρτυρία κυρίου πιστῇ σοφί-  
 ζουσα νῆματα (2 c)  
 104 (105). 22. καὶ τοὺς πρεσβυτέρους αὐτοῦ σοφίσαι (2 b)  
 118 (119). 98. ὑπὲρ τοὺς ἐχθρούς μου ἐσόφισάς με τὴν ἐντολήν σου (2 b)

Pr. 8. 33. A B<sup>1</sup> καὶ σοφίσθητε (2 a)  
 16. 17. ὁ δὲ φυλάσσων ἐλέγχους σοφισθήσεται (2 a)  
 Ec. 2. 15. ἵνα τί ἐσοφισάμην (2 a)  
 — 19. φ. ἐσοφισάμην ὑπὸ τὸν ἥλιον (2 a)  
 7. 17 (16). μὴ σοφίζου περισσά (2 d)  
 — 24 (23). εἶπα, σοφισθήσομαι (2 a)  
 Si. 7. 5. παρὰ βασιλεῖ μὴ σοφίζου  
 10. 26. μὴ σοφίζου ποιῆσαι τὸ ἔργον σου  
 18. 29. συντοῖ ἐν λόγοις καὶ αὐτοὶ ἐσοφίσαντο  
 35 (32). 4. ἀκαίρως μὴ σοφίζου  
 37. 20. ἐστι σοφίζομενος ἐν λόγοις μαγῆς  
 38. 24. ὁ ἐλασσόμενος πράξει αὐτοῦ σοφισθήσεται  
 — 25. τί σοφισθήσεται [A τίς δόξεται] ὁ κρατῶν ἀνδρῶν  
 — 31. ἕκαστος ἐν τῷ ἔργῳ αὐτοῦ σοφίζεται  
 47. 14. ὡς ἐσοφίσθη ἐν νεότητι σου  
 50. 28. ὁ θεὸς αὐτὰ ἐπὶ καρδίαν αὐτοῦ σοφισθήσεται [Aq. Dt. 32. 29: Jb. 35. 11: Ps. 57 (58). 6.]  
 [Sm. Ps. 57 (58). 6: Pr. 21. 11.]  
 [Th. Jb. 35. 11: Pr. 20. 24.]  
 [Al. Pr. 13. 18, 20: Za. 9. 2.]  
 σοφιστής. (1) a. 𐤒𐤁𐤒 b. 𐤒𐤁𐤒 (2) 𐤒𐤁𐤒𐤒  
 Ex. 7. 11. συνεκάλεσε δὲ Φ. τοὺς σ. Αἰγ. (1 a)  
 Da. LXX. 1. 20. σοφιστέρους δεκαπλάσιους ὑπὲρ τοὺς σ. (2)  
 2. 14. ἐξαγαγὲν τοὺς σ. τῆς Βαβυλωνίας (2 a)  
 — 18. ὅπως μὴ ἐκδοθῶσι... ἅμα τοῖς σ. Βαβ. (1 b)  
 — 24. ἀποκτεῖναι πάντας τοὺς σ. τῆς Βαβ. (1 b)  
 — 24. τοὺς μὲν σ. τῆς Βαβ. μὴ ἀπαλῆσαι (1 b)  
 — 48. καὶ ἡγουμένους πάντων τῶν σ. Βαβ. (1 b)  
 4. 15. ἐκάλεσα τὸν Δαν. τὸν ἀρχοντα τῶν σ. (2)  
 — 34. ἀποδείξει ὑμῖν καὶ τοῖς σ. ὑμῶν (2)  
 [Th. Ge. 41. 24.]  
 σοφός. (1) 𐤒𐤁𐤒 ni. (2) a. 𐤒𐤁𐤒 b. 𐤒𐤁𐤒  
 (3) 𐤒𐤁𐤒𐤒 (4) 𐤒𐤁𐤒𐤒 (5) σ. εἶναι 𐤒𐤁𐤒  
 (6) σοφώτερος εἶναι a. 𐤒𐤁𐤒𐤒 ἡσῖν b. 𐤒𐤁𐤒  
 (7) γίνεσθαι σοφώτερος 𐤒𐤁𐤒 (8) σ. γίνεσθαι 𐤒𐤁𐤒  
 Ge. 41. 8. ἐκάλεσε... πάντας τοὺς σ. αὐ. (2 a)  
 Ex. 28. 3. λάλησον πᾶσι τοῖς σ. τῇ διανοίᾳ (2 a)  
 35. 10. πᾶς σ. τῇ καρδίᾳ ἐν ὑμῖν ἐλθὼν (2 a)  
 — 25. πᾶσα γυνὴ σ. τῇ διανοίᾳ ταῖς χερσὶ νῆθειν (2 a)  
 86. 1. καὶ πᾶς σ. τῇ διανοίᾳ (2 a)  
 — 4. καὶ παρεγίνοντο πάντες οἱ σ. (2 a)  
 — 8. ἐποίησε πᾶς σ. [A add. τῇ διανοίᾳ] (2 a)  
 De. 1. 13. ὅστε αὐτοὺς ἀνδρας σ. (2 a)  
 — 15. ἔλαβον ἐξ ὑμῶν ἀνδρας σ. (2 a)  
 4. 6. ἰδοὺ τὴν αἰσ. σ. ... τὸ ἔθνος τὸ μέγα τοῦτο (2 a)  
 16. 19. τὰ γὰρ δῶρα ἀποτυφλοὶ ὀφθαλμοὺς σοφῶν (2 a)  
 32. 6. λαὸς μαρὸς καὶ οὐχὶ σ. (2 a)  
 Jd. 6. 29. αἱ σ. ἀρχοῦνται αὐ. ἀπεκρίθησαν [A al.] (2 a)  
 I Ki. 16. 18. καὶ ὁ ἀνὴρ... σοφὸς [A συνετὸς] λόγῳ (1)  
 II Ki. 13. 3. καὶ Ἰων. ἀνὴρ σ. σφόδρα (2 a)  
 14. 2. ἔλαβεν ἐκείθεν γυναικα σ. (2 a)  
 — 20. καὶ ὁ κύριός μου σ. (2 a)  
 20. 16. ἐβόησε γυνὴ σ. ἐκ τοῦ τείχους (2 a)  
 III Ki. 2. 9. ἀνὴρ σ. εἰ σὺ (2 a)  
 3. 1 (4. 20). B ἦν ὁ βασις Σ. φρόνιμος σφόδρα καὶ σ. (2 a)  
 — 12. δίδωκά σοι καρδίαν φρονίμην καὶ σ. [A σ. κ. φρ.] (1 [2 a])  
 I Ch. 22. 15. καὶ πᾶς σ. ἐν παντὶ ἔργῳ (2 a)  
 II Ch. 2. 7 (6). ἀποστείλοναι μὴ ἀνδρα σ. (2 a)  
 — 7 (6). μετὰ τῶν σ. τῶν μετ' ἐμοῦ ἐν Ἰ. (2 a)  
 — 12 (11). ὅς ἐδωκε τῷ Δ... υἱὸν σ. (2 a)  
 — 13 (12). ἀπέσταλκά σοι ἀνδρα σ. (2 a)  
 — 14 (13). μετὰ τῶν σ. σου καὶ σοφῶν Δ. κυρίου μου (2 a, 2 a)  
 I Es. 3. 5. οὐ ἐὰν φανῇ τὸ ῥῆμα αὐ. σοφώτερον τοῦ ἐτέρου (2 a)  
 — 9. οὐ ὁ λόγος αὐ. σοφώτερος (2 a)  
 4. 42. οὐ τὸν τρόπον εὐρέτης σοφώτερος (2 a)  
 5. 6. δε ἐλάλησεν ἐπὶ Δαρ... λόγους σ. (2 a)  
 Jb. 5. 13. ὁ καταλαμβάνων σοφοὺς ἐν τῇ φρο-  
 νήσει (2 a)  
 9. 4. σοφὸς γὰρ ἐστὶ διανοία (2 a)  
 15. 2. πότερον [A τίνα ἄρα] σοφὸς ἀπόκρισιν δώσει (2 a)  
 — 18. ἂ σοφοὶ ἐροῦσι [A ἀνιγνέων] (2 a)

Jb. 21. 22. A αὐτὸς δὲ σοφούς [B S φόνους] διακρίνει +  
 32. 9. οὐχὶ οἱ πολλοὶ κηρύττει σοφοὶ (5)  
 33. 31. A ἀκούσατέ μου, σοφοὶ (2 a)  
 34. 2. ἀκούσατέ μου, σοφοὶ (2 a)  
 — 34. ἀνὴρ δὲ σοφός [A φρόνιμος] ἀκηκόε-  
 μου τὸ ῥῆμα (2 a)  
 37. 24. φοβηθήσονται δὲ αὐτὸν καὶ οἱ σοφοὶ καρδία (2 a)  
 Ps. 48 (49). 10. ὅταν ἴδῃ σοφοὺς ἀποθνήσκοντας (2 a)  
 57 (58). 5. φαρμάκου τε φαρμακευομένου παρὰ σοφοῦ +  
 106 (107). 43. τίς σοφὸς καὶ φυλάξει ταῦτα (2 a)  
 Pr. 1. 5. τῶνδε γὰρ ἀκούσας σοφὸς σοφώτερος ἔσται (2 a, 6 a)  
 — 6. ῥήσεις τε σοφῶν καὶ αἰνύματα (2 a)  
 3. 35. δέξαν σοφοὶ κληρονομήσουσιν (2 a)  
 6. 6. γενοῦ ἐκείνων σοφώτερος (2 a)  
 9. 8. ἔλεγχε σοφὸν καὶ ἀγαπήσει σε (7)  
 — 9. δίδον σοφῷ ἀφάρμην καὶ σοφώτερος ἔσται (2 a, 6 b)  
 — 12. εἰς σοφὸν γένη σεαυτῷ σοφὸς ἔσθι καὶ τοὺς πλησίον (8, 5)  
 10. 1. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα (2 a)  
 — 4. υἱὸς πεπαιδευμένος σοφὸς ἔσται (2 a)  
 — 8. σοφὸς καρδία δέξεται ἐντολάς (2 a)  
 — 14. σοφοὶ κρύψουσιν αἰσθήσιν (2 a)  
 12. 15. εἰσακούει δὲ συμβουλίας σοφός (2 a)  
 — 18. γλώσσῃ δὲ σοφῶν ἰστανται (2 a)  
 13. 10. ἵα δὲ αὐτῶν ἐπιγνώσκουσιν σοφοὶ +  
 — 13. οἰκείῃ δὲ σοφῷ εὐδοκίαν ἔσονται πράξις (2 a)  
 — 14. ῥήμας σοφοῦ πηγή ζωῆς (2 a)  
 — 17. ἀγγελος δὲ σοφός [B πιστὸς] ῥύσεται αὐτόν +  
 — 20. συμπερινομένοι σοφοῖς σοφὸς ἔσθι [A ἔσται] (2 a, 5)  
 14. 1. σοφαὶ γυναῖκες ἀφοδοῦσαν οἴκους (2 a)  
 — 3. χεὶρ δὲ σοφῶν φυλάσσει αὐτοὺς (2 a)  
 — 7. ὅπλα δὲ αἰσθήσεως χεὶρ σοφῶν +  
 — 16. σοφὸς φοβηθεὶς ἐξέλκεται ἀπὸ κακοῦ (2 a)  
 — 24. στέφανος σοφῶν πανουργός (2 a)  
 15. 2. γλώσσα σοφῶν καλὰ ἐπίσταται (2 a)  
 — 7. χεὶρ σοφῶν δίδεται αἰσθήσει (2 a)  
 — 12. μετὰ δὲ σοφῶν οὐχ ὁμολήσῃ (2 a)  
 — 20. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα (2 a)  
 16. 14. ἀνὴρ δὲ σοφὸς ἐξιδάσκει αὐτόν (2 a)  
 — 21. πῶς σ. καὶ συνετοὺς φαίλους καλοῦσιν (2 a)  
 — 23. καρδία σοφοῦ νοήσει τὰ ἀπὸ τοῦ ἰδίου στόματος (2 a)  
 17. 24. πρόσωπον συνετὸν ἀνδρὸς σοφοῦ +  
 18. 15. ὅσα δὲ σοφῶν ἡρεῖ ἔννοιαν (2 a)  
 19. 20. ἵνα σοφὸς γένῃ ἐπ' ἐχάτων σου (8)  
 20. 1. A B<sup>1</sup> πᾶς δὲ σ. ἐν συμμένονες [B -μηνύ-  
 μενος] αὐτῇ οὐκ ἔσται σοφός (5)  
 — 26. λιμνὴν ἀσέβων βασιλεὺς σοφός (2 a)  
 21. 11. συνίαν δὲ σοφὸς δέξεται γνῶσιν (2 a)  
 — 20. θησαυρὸς ἐπιθυμιῶν ἀναπαύσεται ἐπὶ στόματος σοφοῦ (2 a)  
 — 22. πόλις ὀχυρὰς ἐπέβη σοφός (2 a)  
 22. 17. λόγους σοφῶν παράβαλλε σὸν οὐς (2 a)  
 23. 15. εἰς σοφὴ γέννηται σου ἡ καρδία (8)  
 — 19. σοφὸς γίνου (8)  
 — 24. ἐπὶ δὲ υἱῷ σοφῷ εὐφραίνεται ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (2 a)  
 24. 5. κρείσσων σοφὸς ἰσχυροῦ (2 a)  
 — 7. σοφία καὶ ἐννοία ἀγαθὴ ἐν πύλαις σοφῶν (2 a)  
 — 7. σοφοὶ οὐκ ἐκκλίνουσιν ἐκ στόματος κυ-  
 ρίου (2 a)  
 — 38 (23). ταῦτα δὲ λέγω ὑμῖν τοῖς σ. ἐπιγι-  
 νώσκουσιν (2 a)  
 — 41 (26). A B<sup>1</sup> χεὶρ δὲ φιλήσουσιν ἀπο-  
 κρινόμενα λόγους σοφοῦς [B S<sup>1</sup> ἀγαθοῦς] (4)  
 — 59 (80. 24). ταῦτα δὲ ἐστὶ σοφώτερα τῶν σ. (2 a, +)  
 25. 12. λόγους σοφὸς εἰς εὐχκοὺν οὐς (2 a)  
 26. 5. ἵνα μὴ φαίνεται σοφὸς παρ' ἑαυτῷ (2 a)  
 — 12. εἶδον ἀνδρα δάξαντα παρ' ἑαυτοῦ σοφὸν εἶναι (2 a)  
 — 16. σοφώτερος ἑαυτῷ ὀκνηρὸς φαίνεται (2 a)  
 27. 11. σοφὸς γίνου, υἱέ (8)  
 28. 11. σοφὸς παρ' ἑαυτοῦ ἀνὴρ πλοῖσους (2 a)  
 29. 8. σοφοὶ δὲ ἀπέστρεψαν [B -ἐκρυψαν] ὁργὴν (2 a)  
 — 9. ἀνὴρ σοφὸς κρίνει ἔθνη (2 a)  
 — 11. σοφὸς δὲ ταμεύεται κατὰ μέρος (2 a)





Ec. 4. 12. τὸ σπ. τὸ τρίτον οὐ ταχέως ἀπορρα-  
γῆσεται (1)  
Ca. 4. 3. ὡς σπαρίον τὸ κέκικον χεῖλ σου (1)  
6. 5 (6). ὡς σπαρίον τὸ κέκικον χεῖλ σου —  
Is. 34. 11. ἐπιβλήθησεται ἐπ' αὐτὴν σπ. γεω-  
μετρίας ἐρήμου (8)  
Je. 52. 21. σπ. δώδεκα πῆχυν περιεκύκλου αὐτὸν (1)  
Ez. 40. 3. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ἦν σπ. οἰκοδόμων (8)  
[Aq. Ez. 27. 19.]  
[Al. III Ki. 7. 15 (3).]

**σπάρτος.**

[Sm. Is. 28. 17.]

**σπασμός.**

II Ma. 5. 3. καὶ μαχαίρων σπασμούς

σπατάλῃ. (1) 𐤒𐤕𐤕 hi.

Si. 21. 15. ἤκουσεν ὁ σπατάλῃ καὶ ἀπήρσεν αὐτῷ  
Ez. 16. 49. ἐν εὐθηνῇ [A. add. οἶνον] ἐσπατάλῃ (1)

**σπατάλη.**

Si. 27. 13. ὁ γέλως αὐτῶν ἐν σπατάλῃ [S. ὡς σπατάλη]  
ἀμαρτίας

[Sm. Ec. 2. 8; Ca. 7. 6 (7).]

[Al. Ca. 7. 6 (7); Is. 13. 22.]

**σπαταλός.**

[Sm. Dt. 28. 54.]

**σπείρα.**

Ju. 14. 11. ἐξήλθον κατὰ σπείρας [A. -αν]

II Ma. 8. 23. τῆς πρώτης σπ. αὐτοῦ προηγούμενος

12. 20. κατέστησεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν σπ.  
— 22. Ἀ ἐπιφανείας δὲ τῆς 'Ι. σπ. πρώτου [B. -ης]

σπείρειν. (1) 𐤒𐤕𐤕 (2) 𐤒𐤕𐤕 a. qal. δ. ni.

c. pu. d. hi. e. 𐤒𐤕𐤕 f. 𐤒𐤕𐤕 (8) 𐤒𐤕𐤕

(4) 𐤒𐤕𐤕 ni. (5) 𐤒𐤕𐤕 a. qal. δ. hi.

(6) 𐤒𐤕𐤕 pi. (7) 𐤒𐤕𐤕

Ge. 1. 11, 12. σπείρον σπέρμα κατὰ γένος (2 a)

— 29. B πάν ὅρτον σπόριμον σπείρον [A

-αν] σπέρμα (2 a)

26. 12. ἔσπειρε δὲ 'Ι. ἐν τῇ γῇ ἐκείνῃ (2 a)

47. 19. ἵνα σπείρωμεν —

— 23. σπείρατε τὴν γῆν (2 a)

Ex. 28. 10. ἐξ ἑτῆ σπείρας τὴν γῆν σου (2 a)

— 16. ὡν ἐὰν σπείρῃς ἐν τῷ ἀγρῷ σου (2 a)

32. 20. B ἐσπείρειν αὐτὸν ὑπὸ [A. B. ἐπὶ] τὸ

ὑδωρ (1)

Le. 11. 37. πᾶν σπέρμα σπόριμον δὲ σπαρήσεται (2 b)

25. 3. ἐξ ἑτῆ σπείρας τὸν ἀγρόν σου (2 a)

— 4. τὸν ἀγρόν σου οὐ σπείρεις (2 a)

— 11. οὐ σπείρεις (2 a)

— 20. ἐὰν μὴ σπείρωμεν (2 a)

— 22. σπείρετε τὸ ἔτος τὸ ὄγδοον (2 a)

26. 16. σπείρετε διὰ κενῆς τὰ σπέρματα ὑμῶν (2 a)

Nu. 16. 37 (17. 2). τὸ πῦρ τὸ ἀλλότριον τοῦτο

σπείρον ἐκεῖ (1)

20. 5. τόπος οὗ οὐ σπείρεται [A. σπείρεται] (2 c)

De. 11. 10. ὅταν σπείρωσι τὸν σπόρον (2 a)

21. 4. οὐδὲ σπείρεται (2 b)

22. 9. B δ' ἐὰν σπείρῃ [A. B. -ης] μετὰ τοῦ γε-  
νήματος (2 a)

29. 23 (22). πᾶσα ἡ γῆ αὐ. οὐ σπαρήσεται (2 b)

Jd. 6. 3. ἐὰν ἔσπειραν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. [A. al.] (2 a)

9. 45. B ἔσπειρον εἰς [A. B. αὐτὴν] ἄλῃς (2 a)

I Es. 4. 6. ὅταν σπείρωσι

Jb. 4. 8. οἱ δὲ σπείροντες αὐτὰ δύνανθερμούνουσιν

ἐαυτοὺς (2 a)

81. 8. σπείραμι [A. -οιμι] ἄρα καὶ ἄλλοι φά-  
γοισαν [A. φάγονται] (2 a)

Ps. 106 (107). 37. ἔσπειραν ἀγρούς (2 a)

125 (126). 5. οἱ σπείροντες ἐν δάκρυσιν (2 a)

Pr. 11. 21. ὁ δὲ σπείρων δικαιοσύνην λήψεται

μισθὸν πιστῶν (2 c)

— 24. εἰσὶν οἱ τὰ ἴδια σπείροντες πλεῖονα

ποιούσιν (8)

22. 8. ὁ σπείρων φαύλα θερίσει κακὰ (2 a)

Ec. 11. 4. Ἀ B τῶν ἄνεμον οὐ σπείρει [B. B.

σπείρει] (2 a)

— 6. σπείρον τὸ σπέρμα σου (2 a)

Si. 6. 19. ὡς . . . ὁ [B. om.] σπείρων πρόσελθε αὐτῇ

7. 3. μὴ σπείρῃς ἐπ' ἀλλοτρίαν ἀδικίας

Ho. 2. 23 (25). σπερῶ αὐτὴν ἐμᾶνθ' ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)

Ho. 8. 7. ἀνεμὸς φθορά ἔσπειραν (2 a)

10. 12. σπείρατε ἐαυτοὺς εἰς δικαιοσύνην (2 a)

Mi. 6. 15. σὺ σπείρεις καὶ οὐ μὴ ἀμείρῃς (2 a)

Na. 1. 14. οὐ σπαρήσεται ἐκ τοῦ ὀνόμ. σου ἔτι (2 b)

Ze. 3. 10. B<sup>2</sup> προσδέξομαι τοὺς λικεύοντάς με

τῶν ἐσπαρμένων [B. B. al.] (5 a)

Hg. 1. 6. ἐσπείρατε πολλὰ (2 a)

Za. 10. 9. σπερῶ αὐτοὺς ἐν λαοῖς (2 a)

Is. 5. 10. ὁ σπείρων ἀργάβας ἐξ (2 c)

17. 11. τὸ δὲ πρῶτ' ἐὰν σπείρῃς [A. φυτεύῃς] (2 c)

19. 7. πᾶν τὸ σπείρόμενον διὰ τοῦ ποταμοῦ

ξηρανθήσεται (2 f)

28. 25. σπείρει μικρὸν μελάνθιον . . . καὶ πάλιν

σπείρει [A. om.] πορὸν (5 b, 3 + 7)

32. 20. μακάριοι οἱ σπείροντες ἐπὶ πᾶν ὕδωρ (2 a)

37. 30. φάγε' τοὺτον τὸν ἐναυτὸν δ' ἔσπαρξας

. . . τῷ δὲ τρίτῳ σπείραντες ἀμείρασε

(†, 2 a)

40. 24. οὐδὲ μὴ σπείρωσιν [A. al.] (2 c)

55. 10. δὲ σπείρα τῷ σπείροντι (2 a)

Jc. 4. 3. μὴ σπείρῃς [S. -τε] ἐπ' ἀκάνθαις (2 a)

12. 13. σπείρατε [A. ὅπ. π] πυρούς (2 a)

37 (30). 17. ἐσπαρμένη ἐκλήθησθαι (2)

38 (31). 27. σπερῶ [S. σπείρω] τὸν 'Ισρ. καὶ

τὸν 'Ι. σπέρμα ἀνθρώπου (2 a)

42 (35). 7. σπέρμα οὐ μὴ σπείρῃς (2 a)

Ez. 38. 9. B καὶ σπαρήσῃς (2 b)

IV Ma. 10. 2. ὁ αὐτὸς με τοῖς ἀποθανούσιν ἔσπειρε

πατῆρ (2 b)

15. 15. B<sup>2</sup> τοὺς . . . δακτύλους ἐπὶ γῆς σπείρωντας

[A. B. al.] (2 a)

[Aq. Ec. 11. 4; Is. 28. 24 (Sw.); Je. 2. 2: 50

(27). 16.]

[Sm. Pr. 22. 8; Ec. 11. 4; Is. 28. 24; Je. 50

(27). 16.]

[Th. Pr. 22. 8; Ec. 11. 4; Je. 2. 2.]

**σπειρῶν.**

II Ma. 5. 2. καὶ λόγχασ σπ. ἐξωλισμένους

12. 20. διατάξας τὴν περὶ αὐτὸν στρατιάν σπ.

**σπειρώμα.**

[Aq. Je. 43 (50). 10.]

**σπένδειν.** (1) 𐤒𐤕𐤕 a. qal. δ. pi. c. hi.

d. hoph. e. 𐤒𐤕𐤕 pa. f. 𐤒𐤕𐤕

Ge. 35. 14. ἔσπεισεν ἐπ' αὐτὴν σπονδῆν (1 c)

Ex. 25. 28 (29). ἐν [B. om.] οἷς σπείσεις ἐν αὐτοῖς (1 d)

30. 9. σπονδῆν οὐ σπείσεις [A. -σεται] ἐπ' αὐτοῦ (1 a)

38. 12 (37. 16). ἐν οἷς σπείσεις [A. -εις] ἐν αὐτοῖς (1 d)

Nu. 4. 7. τὰ σπονδία ἐν οἷς σπένδεις (1 f)

28. 7. σπείσεις σπονδῆν σίκερα κυρίῳ (1 c)

II Ki. 23. 16. ἔσπεισεν [A. ἔπ.] αὐτὸ τῷ κυρίῳ (1 c)

III Ki. 21 (20). 33. καὶ ἐσπείσαντο +

IV Ki. 16. 13. Ἀ καὶ ἔσπεισεν τὴν σπονδὴν αὐ.

[B. al.] (1 c)

I Ch. 11. 18. καὶ ἔσπεισεν αὐτὸ τῷ κυρίῳ (1 b)

Si. 50. 15. ἔσπεισεν ἐξ αἵματος σταφυλῆς

Ho. 9. 4. οὐκ ἔσπεισαν τῷ κυρίῳ οἶνον (1 a)

Je. 7. 18. ἔσπεισαν [A. σπείσαι] σπονδὰς θεοῖς

ἀλλοτρίοις (1 c)

19. 13. ἔσπεισαν σπονδὰς θεοῖς ἀλλοτρίοις (1 c)

39 (32). 29. ἔσπειδον σπονδὰς θεοῖς ἑτέροις (1 c)

51 (44). 17. σπένδειν αὐτῇ σπονδὰς (1 c)

— 19 bis. ἐσπείσαμεν αὐτῇ σπονδὰς (1 c)

— 25. σπένδειν αὐτῇ σπονδὰς (1 c)

Ez. 20. 28. ἔσπεισαν ἐκεῖ τὰς σπονδὰς αὐτῶν (1 c)

Da. Th. 2. 46. εὐδοκίας εἶπὶ σπείσαι αὐτῷ (1 c)

IV Ma. 3. 16. ἔσπεισε τὸ πῶρ τῷ θεῷ

[Aq. Ps. 15 (16). 4; Je. 44 (51). 18 (Sw.).]

[Sm. Je. 44 (51). 18.]

[Th. Je. 44 (51). 18 (Sw.); Da. 2. 46.]

**σπέρμα.** (1) a. 𐤒𐤕𐤕 δ. 𐤒𐤕𐤕 c. 𐤒𐤕𐤕 d. 𐤒𐤕𐤕

e. 𐤒𐤕𐤕 f. 𐤒𐤕𐤕 (2) 𐤒𐤕𐤕 (3) 𐤒𐤕𐤕 (4) 𐤒𐤕𐤕 (5) 𐤒𐤕𐤕

τὸ σπ. 𐤒𐤕𐤕 (4) 𐤒𐤕𐤕 (5) 𐤒𐤕𐤕

(6) 𐤒𐤕𐤕

Ge. 1. 11. σπείρον σπέρμα κατὰ γένος (1 a)

— 11. οὐ τὸ σπ. αὐ. ἐν αὐτῷ κατὰ γένος (1 a)

— 12. σπείρον σπέρμα κατὰ γένος (1 a)

— 12. οὐ τὸ σπ. αὐ. ἐν αὐτῷ κατὰ γένος (1 a)

— 29. πᾶν χόρτον σπόριμον σπείρον σπέρμα (1 a)

— 29. δ' ἐκὶ ἐν εἰσὶν καρπὸν σπέρματος

σπορίμου (1 a)

Ge. 3. 15. ἔχθραν θῆσω . . . ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου

καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. αὐτῆς (1 a, 1 a)

4. 25. ἐξανέστησε γὰρ μοι δ. σπ. ἔτερον (1 a)

7. 3. διαθρήψαι σπέρμα ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (1 a)

8. 22. σπέρμα καὶ θερσιμός . . . οὐ καταπαύ-  
σουσι (1 a)

9. 9. ἀνίστημι τὴν διαθήκην μου ὑμῖν καὶ τῷ σπ.

ὑμῶν (1 a)

12. 7. τῷ σπ. σου δώσω τὴν γῆν ταύτην (1 a)

13. 15. σοὶ δώσω αὐτὴν καὶ τῷ σπ. σου (1 a)

— 16. ποιήσω τὸ σπ. σου ὡς τὴν ἄμμον τῆς γῆς (1 a)

— 16. τὸ σπ. σου ἀριθμηθήσεται (1 a)

— 17. σοὶ δώσω αὐτὴν καὶ τῷ σπ. σου —

15. 3. B ἐπειδὴ ἐμοὶ οὐκ ἔδωκας σπέρμα (1 a)

— 5. B οὕτως ἐστί τὸ σπ. σου (1 a)

— 13. πάροικον ἔσται τὸ σπ. σου ἐν γῇ οὐκ ἰδίᾳ (1 a)

— 18. τῷ σπ. σου δώσω τὴν γῆν ταύτην (1 a)

16. 10. πληθύνῃ τὸ σπ. σου (1 a)

17. 7. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου μετὰ σέ (1 a)

— 7. εἶναι σου θεὸς καὶ τοῦ σπ. σου μετὰ σέ (1 a)

— 8. δώσω σοι καὶ τῷ σπ. σου μετὰ σέ τὴν γῆν (1 a)

— 9. σὺ καὶ τὸ σπ. σου μετὰ σέ (1 a)

— 10. καὶ ἀνὰ μέσον τοῦ σπ. σου μετὰ σέ (1 a)

— 12. δε οὐκ ἔστιν ἐκ τοῦ σπ. σου (1 a)

— 19. καὶ τῷ σπ. αὐ. μετ' αὐτὸν (1 a)

19. 32, 34. ἐξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ πατρὸς ἡμῶν

σπέρμα (1 a)

21. 12. ἐν 'Ι. κληθήσεται σοὶ σπέρμα (1 a)

— 13. σπέρμα σὺν ἐστίν (1 a)

— 23. μὴ ἀδικῇς με μὴδὲ τὸ σπ. μου (2)

22. 17. πληθύνῃ τὸ σπ. σου (1 a)

— 17. κληρονομήσει τὸ σπ. σου τὰς πόλεις (1 a)

— 18. ἐνευλογηθήσονται ἐν τῷ σπ. σου πάντα

τὰ ἔθνη (1 a)

24. 7. B τῷ σπ. σου δώσω τὴν γῆν ταύτην

[A. B. al.] (1 a)

— 60. κληρονομήσας τὸ σπ. σου τὰς πόλεις (1 a)

26. 3. τῷ σπ. σου δώσω πᾶσαν τὴν γῆν ταύτην (1 a)

— 4. πληθύνῃ τὸ σπ. σου (1 a)

— 4. δώσω τῷ σπ. σου πᾶσαν τὴν γῆν ταύτην (1 a)

— 4. ἐνευλογηθήσονται ἐν τῷ σπ. σου πάντα

τὰ ἔθνη (1 a)

— 24. πληθύνῃ τὸ σπ. σου (1 a)

28. 4. σοὶ καὶ τῷ σπ. σου μετὰ σέ (1 a)

— 13. σοὶ δώσω αὐτὴν καὶ τῷ σπ. σου (1 a)

— 14. ἔσται τὸ σπ. σου ὡς ἡ ἄμμος (1 a)

— 14. ἐνευλογηθήσονται ἐν σοὶ . . . καὶ ἐν τῷ

σπ. σου (1 a)

32. 12 (13). θῆσω τὸ σπ. σου ὡς τὴν ἄμμον (1 a)

35. 12. τῷ σπ. σου μετὰ σέ δώσω τὴν γῆν

ταύτην (1 a)

38. 8. ἀνάστησον σπέρμα τῷ ἀδ. σου (1 a)

— 9. οὐκ αὐτῷ ἔσται τὸ σπ. (1 a)

— 9. τοῦ μὴ δοῦναι σπέρμα τῷ ἀδ. αὐ. (1 a)

46. 6. καὶ πᾶν τὸ σπ. αὐ. μετ' αὐτοῦ (1 a)

— 7. πᾶν τὸ σπ. αὐ. ἤγαγεν εἰς Αἴγ. (1 a)

47. 19. δὸς σπέρμα [A. -ατα] ἵνα σπείρωμεν (1 a)

— 23. λαβετε αὐτοὺς σπέρμα [A. -ατα] (1 a)

— 24. ἔσται ὑμῖν αὐτοὺς εἰς σπέρμα [A. -ατα] (1 a)

48. 4. δώσω σοὶ τὴν γῆν ταύτην καὶ τῷ σπ.

σου (1 a)

— 11. ἔ

Le. 22. 3. ὅς ἂν προσέλθῃ ἀπὸ [A B<sup>2</sup> add. παν-  
τός] τοῦ [A om.] σπ. ὑ. (1a)  
— 4. ἀνθρώπος ἐκ τοῦ σπ. 'Α. τοῦ ιερέως (1a)  
— 4. φ. ἂν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτης σπέρματος (1a)  
— 13. σπέρμα δὲ μὴ ἦν αὐτῇ (1a)  
26. 16. σπερείτε διὰ κενῆς τὰ σπ. ὑμῶν (1a)  
27. 30. πᾶσα θεκάτῃ τῆς γῆς ἀπὸ τοῦ σπ. τῆς  
γῆς (1a)  
Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς κοίτην  
σπέρματος (1a)  
— 28. ἐκσπερματίει σπέρμα (1a)  
11. 7. τὸ δὲ μάννα ὡσεὶ σπέρμα κορίον ἐστὶ (1a)  
14. 24. τὸ σπ. αὐ. κληρονομήσει αὐτήν (1a)  
18. 40 (17. 5). ὅς οὐκ ἔστιν ἐκ τοῦ σπ. 'Α. (1a)  
18. 19. διαθήκη . . . σοὶ καὶ τῷ σπ. σου μετὰ σέ (1a)  
21. 30. τὸ σπ. αὐ. ἀπολείπει (1a)  
23. 10. τίς ἐξηκριβάσας τὸ σπ. 'Ι. (1a)  
— 10. γένοντο τὸ σπ. μου ὡς τὸ σπ. τούτων (4, †)  
24. 7. ἐξελεῖσεται ἄνθρωπος ἐκ τοῦ σπ. αὐ. (1a)  
— 20. τὸ σπ. αὐ. ἀπολείπει (4)  
25. 13. ἔσται αὐτῷ καὶ τῷ σπ. αὐ. (1a)  
De. 1. 8. δοῦναι αὐτοῖς καὶ τῷ σπ. αὐ. μετ' αὐτούς (1a)  
3. 3. ὥς τοῦ μὴ καταλπεῖν αὐτοῦ σπέρμα (1a)  
4. 37. 10. 15. ἐξελήξατο τὸ σπ. αὐ. μετ' αὐτούς  
ὑμᾶς (1a)  
11. 9. δοῦναι αὐτοῖς καὶ τῷ σπ. αὐ. μετ' αὐτούς (1a)  
14. 22. πᾶν τὸ γεννηματός τοῦ σπ. σου (1a)  
22. 9. ἵνα μὴ ἀγίασθῇ . . . τὸ σπ. (1a)  
25. 5. σπέρμα δὲ μὴ ἦ αὐτῷ (5)  
28. 38. σπ. πολλὸν ἐξήσκει εἰς τὸ πεδῖον (1a)  
— 46. ἔσται ἐν σοὶ σημεῖα καὶ τέρατα ἐν [A  
καὶ ἐν] τῷ σπ. σου (1a)  
— 59. παραδοξάσει κ. . . τὰς πλῆγὰς τοῦ σπ.  
σου (1a)  
30. 6. περικαθαίρει κ. . . τὴν καρδίαν τοῦ σπ. σου (1a)  
— 6. Δ<sup>3</sup> καὶ τὸ σπ. σου (1a)  
— 19. ἵνα ἤρῃ σὺ καὶ τὸ σπ. σου (1a)  
31. 21. οὐ γὰρ μὴ ἐνέλησθῃ ἀπὸ στόματος . . .  
τοῦ σπ. αὐ. (1a)  
34. 4. τῷ σπ. ὑμῶν δώσω αὐτήν (1a)  
Jo. 24. 3. ἐπληθύνει αὐτοῦ σπέρμα [A τὸ σπ. αὐ.] (1a)  
Ru. 4. 12. ἐκ τοῦ σπ. οὐ δώσει κύριος (1a)  
I Ki. 1. 11. ἂν . . . φῆς τῇ δούλῃ σου σπέρμα  
ἀνδρῶν (1a)  
2. 20. ἀποτίσαι σοὶ κ. σπέρμα (1a)  
— 31. ἐξολοθρεύσω τὸ σπ. σου καὶ τὸ σπ.  
οἴκου πατρὸς σου (1a)  
8. 15. τὰ σπ. [A τὸ σπ.] ὑμῶν . . . ἀποδεκατώσει (1a)  
20. 42. A B κύριος ἔσται μάρτυς . . . ἀνὰ μέσον  
τοῦ σπ. σου [B μου καὶ ἀνὰ μέσον  
τοῦ σπ. σου] (1a, [1a])  
24. 22. οὐκ ἐξολοθρεύσεις τὸ σπ. μου (1a)  
II Ki. 4. 8. ἐκ Σ. τοῦ ἐχθροῦ σου καὶ ἐκ τοῦ σπ.  
αὐ. (1a)  
7. 12. ἀναστήσω τὸ σπ. σου μετὰ σέ (1a)  
22. 51. τῷ Δ. καὶ τῷ σπ. αὐ. (1a)  
III Ki. 1. 48. ὅς ἔδωκε σήμερον ἐκ τοῦ σπ. μου (1a)  
23. 33. καὶ εἰς κεφαλὴν τοῦ σπ. αὐ. (1a)  
— 33. τῷ Δ. καὶ τῷ σπ. αὐ. . . γένοντο εἰρήνη (1a)  
3. 1. υἱὸς τοῦ [A om.] σπ. τοῦ 'Ιεμ. (1a)  
11. 14 (24). B 'Α. ὁ 'Ιδουμ. ἐκ τοῦ σπ. τῆς βασ. (1a)  
— 39. A κακουήσω τὸ σπ. 'Ισρ. διὰ ταύτην (1a)  
18. 32. θάλασσαν χερσοῦσαν δύο μετρητάς  
σπέρματος (1a)  
IV Ki. 5. 27. ἡ λέπρα N. κολληθήσεται . . . ἐν  
τῷ σπ. σου (1a)  
11. 1. ἀπόλεις πᾶν τὸ σπ. τῆς βασ. (1a)  
14. 27. ἐξαλείψει τὸ σπ. 'Ισρ. (1a)  
17. 20. ἀπεώσαντο τὸν κ. ἐν παντὶ σπ. 'Ισρ. (1a)  
25. 25. ἦλθεν . . . ἐκ τοῦ σπ. τῶν βασ. (1a)  
I Ch. 16. 13. σπέρμα 'Ισρ. παῖδες αὐ. (1a)  
17. 11. ἀναστήσω τὸ σπ. σου μετὰ σέ (1a)  
II Ch. 20. 7. καὶ ἔδωκε αὐτῇ σπέρματι 'Αβρ. (1a)  
22. 10. ἀπόλεις πᾶν τὸ σπ. τῆς βασ. (1a)  
I Es. 8. 70. ἐπέμνη τὸ σπ. τὸ ἄγιον (1a)  
— 88. ὥς τοῦ μὴ καταλπεῖν ρίζαν καὶ σπέρμα  
II Es. 2. 59. οὐκ ἠδυνάσθησαν τοὺς ἀναγγεῖλαι  
. . . σπέρμα αὐ. (1a)  
9. 2. παρήχησεν τὸ σπ. τὸ ἄγιον (1a)  
Ne. 7. 61. οὐκ ἠδυνάσθησαν ἀπογγεῖλαι . . .  
σπέρμα αὐ. (1a)  
9. 8. δοῦναι αὐτῇ τὴν γῆν . . . καὶ τῷ σπ. αὐ. (1a)  
To. 1. 1. Ταῖς . . . ἐκ τοῦ σπ. 'Ασιήλ  
— 9. ἐκ τοῦ σπ. τῆς πατρίδος ἡμῶν  
4. 12. A B γυναικὰ πρῶτον λάβε ἀπὸ τοῦ σπ. τῶν  
πατέρων σου (1a)

To. 4. 12. A B τὸ σπ. αὐτῶν κληρονομήσει γῆν  
6. 17. S ἔστιν αὐτῷ ἀδελφὴ ἐκ τοῦ σπ. τοῦ οἴκου  
τοῦ πατρὸς αὐ. (1a)  
8. 6. ἐκ τούτων ἐγενήθη τὸ ἀνθρώπων σπ. [S al.]  
13. 16. S τὸ κατάλιμμα τοῦ σπ. μου (1a)  
Es. 9. 27. προσεδέχοντο . . . ἐπὶ τῷ σπ. αὐ. (1a)  
Jb. 6. 24. A ἐν εἰρήνῃ τὸ σπ. σου [B S al.] (1a)  
— 25. γνώσῃ δὲ ὅτι πολλὸν τὸ σπ. σου (1a)  
Ps. 17 (18). 50. καὶ τῷ σπ. αὐτοῦ ἕως αἰῶνος (1a)  
20 (21). 10. καὶ τὸ σπ. αὐτῶν ἀπὸ νῦν ἀνθρώπων (1a)  
21 (22). 23. ἅπαν τὸ σπ. 'Ιακώβ. δοξάσατε  
αὐτὸν φοβηθῆσαν αὐτὸν ἅπαν τὸ  
σπ. 'Ισραὴλ (1a, 1a)  
— 30. τὸ σπ. μου δουλεύσει αὐτῷ (1a)  
24 (25). 13. τὸ σπ. αὐτοῦ κληρονομήσει γῆν (1a)  
36 (37). 25. οὐδὲ τὸ σπ. αὐτοῦ ἔργον ἄρτους (1a)  
— 26. τὸ σπ. αὐτοῦ εἰς εὐλογίαν ἔσται (1a)  
— 28. σπέρμα ἀσεβῶν ἐξολοθρευθήσεται (1a)  
68 (69). 36. τὸ σπ. τῶν δούλων αὐτοῦ καθεύδουσιν  
αὐτήν (1a)  
88 (89). 4. ἕως τοῦ αἰῶνος ἐτοιμάσω τὸ σπ. σου (1a)  
— 29. θήσομαι εἰς τὸν αἰῶνα τὸν αἰῶνος τὸ σπ.  
αὐτοῦ (1a)  
— 36. τὸ σπ. αὐτοῦ εἰς τὸν αἰῶνα μενεῖ (1a)  
101 (102). 28. τὸ σπ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα  
κατενυθῆσεται (1a)  
104 (105). 6. σπέρμα 'Αβραὰμ δούλοι αὐτοῦ (1a)  
105 (106). 27. τὸ καταβαλεῖν τὸ σπ. αὐτῶν ἐν  
τοῖς ἔθνεσι (1a)  
111 (112). 2. δυνατὸν ἐν τῇ γῇ ἔσται τὸ σπ.  
αὐτοῦ (1a)  
125 (126). 6. A B<sup>2</sup> ἔκλειον αἵροντες [S<sup>2</sup> B βάλ-  
λας] τὰ σπ. αὐτῶν (1a)  
Pr. 11. 18. σπέρμα δὲ δικαίων μισθὸς ἀληθείας (1c)  
Ec. 11. 6. σπείρον τὸ σπ. σου (1a)  
Wi. 8. 16. ἐκ παρανόμου κοίτης σπέρμα ἀφανισθή-  
σεται (1a)  
7. 2. παγίει ἐν αἵματι ἐκ σπέρματος ἀνδρὸς  
10. 15. σπέρμα ἀμειπτον ἐρρύσατο ἐξ ἔθνους  
θλιβάντων (1a)  
12. 11. σπέρμα γὰρ ἦν καταπραμένον ἀπ' ἀρχῆς  
14. 6. ἀπέλειπεν αἰὼν σπέρμα γενέσθαι  
Si. 1. 15. μετὰ τοῦ σπ. αὐτῶν ἐμπιστευθήσεται  
10. 19. σπέρμα ἔντιμον ποῖον; σπέρμα ἀνθρώπου  
σπέρμα ἔντιμον ποῖον; οἱ φοβούμενοι τὸν  
κύριον. σπέρμα ἄτιμον ποῖον; σπέρμα  
ἀνθρώπου σπέρμα ἄτιμον ποῖον οἱ παρα-  
βαίνοντες ἐντολὰς  
41. 6. μετὰ τὸ σπ. αὐτῶν ἐνδελεχεῖ δυνεῖς  
44. 11. μετὰ τὸ σπ. αὐτῶν διαμενεῖ ἀγαθὴ κληρονομία  
— 12. ἔσθι σπέρμα [A S τὸ σπ.] αὐτῶν καὶ τὰ  
τέκνα αὐτῶν δι' [S<sup>2</sup> μετ'] αὐτούς  
— 13. ὥς αἰῶνος μενεῖ σπέρμα αὐτῶν  
— 21. ἐνευλογηθῆναι ἔθνη ἐν τῷ [A S om.] σπ.  
αὐτοῦ  
— 21. A B S<sup>2</sup> ὡς ἄστρα ἀνυψώσαι τὸ σπ. αὐτοῦ  
45. 15. ἐν [A S om.] τῷ σπ. αὐτοῦ ἐν ἡμέραις οὐρανοῦ  
— 21. ἃς ἔδωκεν αὐτῷ τε καὶ τῷ σπ. αὐτοῦ  
— 24. ἵνα αὐτῷ ᾗ καὶ τῷ σπ. αὐτοῦ ἱερωσύνης  
μεγαλείον (1a)  
— 25. κληρονομία 'Λαρόν [A αὐτῷ, S αὐτῶν] καὶ  
τῷ σπ. αὐτοῦ  
46. 9. τὸ σπ. αὐτοῦ κατέσχε κληρονομίαν  
47. 20. ἐβεβήλωσας τὸ σπ. σου  
— 22. σπέρμα [A τὸ σπ.] τοῦ ἀγαπήσαντος αὐτὸν  
οὐ μὴ ἐξάρῃ  
— 23. κατέλιπε μετ' αὐτὸν ἐκ τοῦ σπ. αὐτοῦ λαοῦ  
ἀφροσύνην  
Ma. 2. 15. τί ἄλλο ἢ σπέρμα ζητεῖ ὁ θεός (1a)  
Is. 1. 4. σπ. πονηρὸν (1a)  
— 9. εἰ μὴ κύριος σαβαὼθ ἐγκατέλειπε ἡμῶν σπέρμα  
14. 20. οὐ μὴ μείνης εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον σπ.  
πονηρὸν (1a)  
— 22. ἀπολὼ αὐτῶν ὄνομα καὶ κατάλιμμα καὶ  
σπέρμα (2+θ)  
— 29. ἐκ γὰρ σπέρματος ὄψεως ἐξελεύσεται  
ἐκγονα ἀσπίδων (1a)  
— 30. ἀνέλει δὲ λιμὸς τὸ σπ. σου (1a)  
15. 9. ἄρῳ τὸ σπ. Μωάβ (1a)  
17. 5. σπέρμα σταχύων ἀμύση (1a)  
— 10. φυτεύσεις φύτευμα ἁπλοῦς καὶ σπ. ἁπλοῦς  
23. 3. σπέρμα μεταβόλων (1a)  
30. 23. τότε ἔσται ὁ ὑπὸς τῷ σπ. τῆς γῆς σου (1a)  
31. 9. μακάριος ὁς ἔχει ἐν Σιών σπέρμα  
33. 2. ἐγενήθη τὸ σπ. τῶν ἀπειθούντων εἰς ἀπώ-  
λειαν (1a)

Is. 37. 31. ποιήσουσι σπέρμα ἄνω (1a)  
41. 8. ὃν ἐξελεξάμην σπέρμα 'Αβραάμ (1a)  
43. 5. ἀπὸ ἀνατολῶν ἄξω τὸ σπ. σου (1a)  
44. 3. ἐπιθήσω τὸ πνεῦμά μου ἐπὶ τὸ σπ. σου (1a)  
45. 19. οὐκ εἶπα τῷ σπ. 'Ιακώβ (1a)  
— 26 (25). ἐνδοξασθήσεται πᾶν τὸ σπ. τῶν  
υἱῶν 'Ισραὴλ (1a)  
48. 14. τοῦ ἔραι σπέρμα Χαλδαιῶν (1a)  
— 19. ἐγένετο ἂν ὡς ἡ ἄμμος τὸ σπ. σου (1a)  
53. 10. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὀφείλει σπ. μακρόβιον (1a)  
54. 3. τὸ σπ. σου ἔθνη κληρονομήσει (1a)  
55. 10. καὶ δὲ σπέρμα τῷ σπείροντι (1a)  
57. 3. σπέρμα μοιχῶν καὶ πόρνης (1a)  
— 4. σπέρμα ἀνομον (1a)  
58. 7. ἀπὸ τῶν οἰκείων τοῦ σπ. σου οὐκ ὑπερ-  
όψῃ (8)  
59. 21. B<sup>1</sup> καὶ ἐκ τοῦ σπ. [A B<sup>2</sup> S B στόματος]  
τοῦ σπ. σου (1a)  
61. 9. γνωσθήσεται ἐν τοῖς ἔθνεσι τὸ σπ. αὐτῶν  
. . . οὗτοί εἰσι σπέρμα ὑλοποιηθέντων  
ὑπὸ θεοῦ (1a, 1a)  
— 11. καὶ ὡς κήπος [A -ον] τὰ σπ. αὐτοῦ (1b)  
65. 9. ἐξάξω τὸ ἐξ 'Ιακώβ σπ. (1a)  
— 23. σπ. ἐυλογημένων ὑπὸ θεοῦ ἔστι  
66. 22. οὕτω στήσεται τὸ σπ. ὑμῶν (1a)  
Je. 7. 15. ἀπέρριψα τοὺς ἀδελφούς ὑμῶν πᾶν τὸ  
σπ. 'Εφραΐμ (1a)  
22. 30. οὐ μὴ αὐξήσῃ ἐκ τοῦ [S om.] σπ. αὐτοῦ (1a)  
23. 8. συνήγαγεν ἅπαν τὸ σπ. 'Ισρ. (1a)  
26 (46). 27. τὸ σπ. σου ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας  
αὐτῶν (1a)  
27 (50). 16. ἐξολοθρεύσασθε σπέρμα ἐκ Βαβ. (1c)  
38 (31). 27. σπερῶ τὸν 'Ισρ. καὶ τὸν 'Ι. σπέρμα  
ἀνθρώπου καὶ σπέρμα κτήנוς (1a, 1a)  
42 (35). 7. σπέρμα οὐ μὴ σπείρητε  
— 9. σπ. οὐκ ἐγένετο ἡμῶν (1a)  
Ez. 17. 5. ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ σπ. τῆς γῆς  
— 13. λήγεται ἐκ τοῦ σπ. τῆς βασιλείας (1a)  
20. 5. ἐγνωρίσθη τῷ σπ. οἴκου 'Ιακώβ (1a)  
31. 17. τὸ σπ. αὐτοῦ . . . ἀπώλοντο (1a)  
43. 19. δώσεις τοῖς ἱερεῦσι . . . τοῖς ἐκ τοῦ σπ.  
Σαδδουκ (1a)  
44. 22. ἀλλ' ἢ παρθένον ἐκ τοῦ σπ. 'Ισραὴλ (1a)  
Da. LXX. Su. 56. διὰ τί διεσπαρμένον τὸ σπ. σου  
3. (36). πολυπληθύνει τὸ σπ. αὐ. (1a)  
Da. TH. Su. 56. σπέρμα Χαν. καὶ οὐκ 'Ιούδα  
1. 3. εἰσαγαγεῖν . . . ἀπὸ τοῦ σπ. τῆς βασι-  
λείας (1a)  
— 12. δότωσαν ἡμῖν ἀπὸ τῶν σπ. (1d)  
— 16. εἰδίδον αὐτοῖς σπέρματα (1c)  
2. 43. συμμειγῆς ἔσονται ἐν σπέρματι ἀνθρώπων (1f)  
3. (36). πληθύνει τὸ σπ. αὐ. (1a)  
9. 1. ἀπὸ τοῦ σπ. τῶν Μήδων (1a)  
11. 6. οὐ στήσεται τὸ σπ. αὐ. (1a)  
— 31. σπέρματα ἐξ αὐτοῦ ἀναστήσονται (1a)  
I Ma. 5. 62. οὐκ ἦσαν ἐκ τοῦ σπ. τῶν ἀνδρῶν ἐκείνων  
7. 14. A B ἀνθρώπος ἱερεὺς ἐκ τοῦ [S om.] σπ. 'Α. (1a)  
II Ma. 7. 17. ὡς σὶ καὶ τὸ σπ. σου βασανεῖ  
III Ma. 6. 3. ἐπιδεῖ ἐπὶ 'Αβραάμ σπέρμα  
IV Ma. 18. 1. ὁ τῶν 'Αβραμίων σπ. ἀπόγονοι παῖδες  
'Ισρ.  
[Aq. Ge. 1. 29: Ex. 32. 13: III Ki. 11. 39: Pr.  
11. 21: Is. 1. 4: 6. 13: 41. 8: 59. 21 δις: Je.  
29 (36), 32: 31 (38), 36: 36 (48), 31.]  
[Sm. Ge. 1. 29 δις: Ps. 21 (22), 31: 88 (89).  
5. 30: Is. 1. 4: 6. 13: 41. 8: 59. 21 δις: Je.  
29 (36), 32: Da. 11. 6 (Sw.).]  
[Th. Ge. 1. 29 ter: Is. 1. 4: 6. 13: 88. 2: 59.  
21 δις: Je. 30 (37), 10: 38 (40), 22, 26 ter:  
Da. 1. 12: 2. 43: 8. (36): 11. 6, 31: 18. 56.]  
[Sam. Ex. 16. 31.]  
[Al. Le. 22. 4.]  
σπερμαίνειν.  
[Aq. Ge. 1. 29.]  
[Th. Ge. 1. 29 δις.]  
σπερματίζειν. (1) לְהַזְרִי (2) זָרַח hi.  
Ex. 9. 31. τὸ δὲ λίον σπερματίζον (1)  
Le. 12. 2. γυνὴ ἥτις ἐὰν σπερματωθῇ (2)  
[Aq. Ge. 1. 11, 12.]  
[Sm. Ge. 1. 11, 12, 29 δις.]  
[Al. Le. 12. 2.]  
σπερματισμός.  
Le. 23. 23. οὐ δώσεις τὴν κοίτην σου εἰς σπερμα-  
τισμόν



σποδοειδής. (1) σπ. ραντός α. ῥῶβ δ. Νῶβ  
Ge. 30. 39. ἔκτανον τὰ πρόβατα διάλευκα . . .  
καὶ σπ. ραντά (1b)  
31. 10. διαλέουσι καὶ ποικίλοι καὶ σπ. ραντοὶ (1a)  
— 12. διαλέουσι καὶ ποικίλους καὶ σπ. ραντούς (1a)  
σποδός. (1) ῥῶβ (2) ῥῶβ  
Ge. 18. 27. ἐγὼ δὲ εἰμι γῆ καὶ σποδός (1)  
Le. 1. 16. ἐκβαλεῖ αὐτὸν . . . εἰς τὸν τόπον τῆς σπ. (2)  
Nu. 19. 9. συνάξει ἄνθρωπος καθαρὸς τὴν σπ.  
τῆς δαμάλεως (1)  
— 10. Α ὁ συνάγων τὴν σπ. [B σποδιάν] τῆς  
δαμάλεως (1)  
II Ki. 13. 19. ἔλαβε Θ. σποδὸν (1)  
— 19. B ἐπέθηκε σποδὸν [A R om.] ἐπὶ τὴν  
κεφ. αὐ. (1)  
Ne. 9. 1. R καὶ σποδὸν ἐπὶ κεφαλῇ αὐτῶν  
Ju. 4. 15. ἦν σποδὸς ἐπὶ τὰς κιδάρεϊς αὐ.  
9. 1. ἐπέθετο σποδὸν ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ.  
Es. 4. 1. κατεπάσαστο σποδὸν  
— 2. σάκκον ἔχοντι καὶ σποδὸν  
— 3. σάκκον καὶ σποδὸν ἔστρωσαν ἐαυτοῖς  
— 17. σποδοῦ . . . ἐπλησεν τὴν κεφ. αὐ.  
Jb. 13. 12. ἀποβήσεται δὲ ὕμῶν τὸ γαυρίαμα  
ἵσα σποδῷ (1)  
30. 19. ἐν γῇ καὶ σποδῷ μου ἡ μερίς  
42. 6. ἤγαγον δὲ ἐμαυτὸν γῆν καὶ σποδὸν  
Ps. 101 (102). 9. σποδὸν ὡσεὶ ἄρτον ἔφαγον  
147. 5 (16). ἡμίχλην ὡσεὶ σποδὸν πύσσουσιν  
Wi. 15. 10. σποδὸς ἡ καρδία αὐτοῦ  
Si. 10. 9. τί υπερηφανεύεται γῆ καὶ σποδός  
17. 32. οἱ ἄνθρωποι πάντες γῆ καὶ σποδός  
40. 3. ὥς τεταπεινωμένοι ἐν γῇ καὶ σποδῷ  
Jn. 3. 6. ἐκάθισεν ἐπὶ σποδῷ (1)  
Ma. 4. 3 (8. 21). ἔσονται σποδὸς ὑποκάτω τῶν  
ποδῶν ὑμῶν (1)  
Is. 44. 20. σποδὸς ἡ καρδία αὐτῶν  
58. 5. σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστρώσῃ  
61. 3. δοθῇ . . . δόξαν ἀντὶ σποδοῦ (1)  
Je. 6. 26. κατὰπασαι ἐν σποδῷ [A κ. σποδὸν]  
La. 3. 16. ἐνὶ σποδῷ με σποδὸν  
Ez. 27. 30. σποδὸν στρώσονται [A ὑποστρ.]  
28. 18. δόσω σε [A add. εἰς] σποδὸν (1)  
Da. LXX. 9. 3. ἐν νηστείας καὶ σάκκῳ καὶ σποδῷ  
Bel 13. καταστήσαι ὅλον τὸν γαὸν σποδῷ  
Da. TH. 9. 3. A ἐν νηστείας . . . καὶ σποδῷ  
[B om. κ. σπ.] (1)  
I Ma. 3. 47. περιεβάλλοντο . . . σποδὸν ἐπὶ τὰς  
κεφ. αὐ.  
4. 39. ἐπέθετο σποδὸν ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ.  
II Ma. 4. 41. R τινὲς δὲ ἐκ τῆς παρακειμ. σπ. [A  
ἐπίδου] δραστήμιοι  
13. 5. πύργος πεντήκοντα πύχων πλήρης σποδοῦ  
— 5. ὄργανον . . . πάντοθεν ἀποκρίνοντες εἰς τὴν σπ.  
— 8. οὐ τὸ πῦρ ἀγνὸν ἦν καὶ ἡ σπ.  
— 8. ἐν σποδῷ τὸν θάνατον ἐκμίσητο  
III Ma. 1. 18. B σποδῷ καὶ κόνει τὰς κεφ. πασά-  
μεναι [A al.]  
[Aq. III Ki. 20 (21). 38 : Jb. 2. 8 : 42. 6.]  
[Sm. III Ki. 20 (21). 38 : Jb. 2. 8.]  
[Th. Da. 9. 3.]  
[Al. Le. 6. 10 (3), II (4).]  
σποδοῦσθαι.  
Ju. 4. 11. ἐσποδώσαντο τὰς κεφαλὰς αὐ.  
σπονδεῖον, σπόνδιον. (1) ῥῶβ  
Ex. 25. 28 (29). ποιήσεις . . . τὰ σπ. (1)  
38. 12 (37. 16). ἐποίησε . . . τὰ σπ. (1)  
Nu. 4. 7. ἐπιβάλλουσιν ἐπ' αὐτὴν . . . τὰ σπ.  
I Ch. 28. 17. καὶ τῶν κρηρῶν καὶ σπονδεῖων (1)  
I Es. 2. 13. σπ. χρυσὰ χίλια σπ. ἀργύρῳ χίλια  
Si. 50. 15. ἐξέτεινεν ἐπὶ σπονδεῖον χεῖρα αὐτοῦ  
I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τὰ σπ.  
[Aq. JE. 52. 17 (Sw.).]  
[Sm. JE. 52. 19.]  
[Th. JE. 52. 17 (Sw.), 19.]  
σπουδή. (1) α. ῥῶβ, ῥῶβ δ. ῥῶβ c. ῥῶβ  
Ge. 35. 14. ἔσπειρον ἐπ' αὐτὴν σπονδὴν (1a)  
Ex. 29. 40. καὶ σπονδὴν τὸ τέταρτον τοῦ εἴν  
— 41. κατὰ τὴν σπ. αὐ. (1a)  
30. 9. σπονδὴν οὐ σπείσεις [A -σεται] ἐπ'  
αὐτοῦ (1a)  
Le. 23. 13. A B σπονδὴ [B<sup>2</sup> R -ῆν] αὐ. τὸ  
τέταρτον τοῦ ἐν οἴνῳ (1a)  
— 18. καὶ αἱ θυαῖαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1a)

Le. 23. 37. ὥστε προσενέγκαι . . . σπονδὰς αὐ. (1a)  
Nu. 6. 15. B θυαῖα αὐ. καὶ σπονδὴ αὐ. [A R al.] (1a)  
— 17. ποιήσει δ' ἰ. . . τὴν σπ. αὐ. (1a)  
7. 87. αἱ θυαῖαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. —  
15. 5, 7, 10 (A B<sup>2</sup> R). καὶ οἶνον εἰς σπονδὴν (1a)  
— 24. καὶ σπονδὴν αὐ. κατὰ τὴν σύστασιν (1a)  
28. 7. καὶ σπονδὴν [A -ῆ] αὐ. τὸ τέταρτον  
τοῦ ἐν (1a)  
— 7. σπείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (1a)  
— 8. κατὰ τὴν σπ. αὐ. ποιήσετε (1a)  
— 9. εἰς θυαῖαν καὶ σπονδὴν (1a)  
— 10. καὶ τὴν σπ. αὐ. (1a)  
— 14. ἡ σπ. αὐ. τὸ ἥμισυ τοῦ ἐν (1a)  
— 15. καὶ ἡ σπ. αὐ. (1a)  
— 24. ποιήσεις τὴν σπ. αὐ. (1a)  
— 31. καὶ τὰς σπ. [A αἱ σπ.] αὐ. (1a)  
29. 6. αἱ θυαῖαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. —  
6. αἱ θυαῖαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1a)  
— 11. ἡ θυαῖα αὐ. καὶ ἡ σπ. αὐ. (1a)  
— 16. αἱ θυαῖαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1a)  
— 18. ἡ θυαῖα αὐ. καὶ ἡ σπ. αὐ. (1a)  
— 19. αἱ θυαῖαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1a)  
— 21. B καὶ ἡ σπ. αὐ. (1a)  
— 22, 24, 25, 27, 28, 30, 31, 33, 34, 37, 38.  
αἱ θυαῖαι αὐ. καὶ αἱ σπ. αὐ. (1a)  
— 39. τὰς θυαῖας ὑμῶν καὶ τὰς σπ. ὑμῶν (1a)  
De. 32. 38. καὶ ἐπίτετε τὸν οἶνον τῶν σπ. αὐ. (1b)  
IV Ki. 16. 13. ἐθυμιάσε . . . τὴν σπ. αὐ. [A al.] (1a)  
— 15. πρόσφερε . . . τὴν [A om.] σπ. αὐ. (1a)  
I Ch. 29. 21. ἀνέγκειν . . . τὰς σπ. αὐ. (1a)  
II Ch. 29. 35. καὶ τῶν σπ. τῆς ὀλοκαυτώσεως (1a)  
I Es. 6. 31. ὥς πρὸς σπονδὴν σπονδαῖ  
II Es. 7. 17. καὶ θυαῖας αὐ. καὶ σπονδὰς αὐ. (1c)  
Es. 4. 17. οὐδὲ ἔσθιον οἶνον σπονδῶν  
Jl. 1. 9. ἐξήρται . . . σπονδὴ ἐξ οἴκου κυρίου (1a)  
— 13. ἀπασχηκεν ἐξ οἴκου θεοῦ ὑμῶν . . .  
σπονδῇ (1a)  
2. 14. καὶ ὑπολείπεται . . . σπονδὴν κ. τῷ θεῷ  
ἡμῶν (1a)  
Is. 57. 6. ἐκείνους ἐξέχεας σπονδὰς [B<sup>1</sup> πόδας] (1a)  
Je. 7. 18 : 19. 13. ἔσπειραν σπονδὰς θεοῖς ἀλ-  
λοτρίοις (1a)  
39 (32). 29. ἔσπειρον σπονδὰς θεοῖς ἐτέροις (1a)  
51 (44). 17. σπένδειν αὐτῇ σπονδὰς (1a)  
— 19 bis. ἔσπειραμεν αὐτῇ σπονδὰς (1a)  
— 25. σπένδειν αὐτῇ σπονδὰς (1a)  
Ez. 20. 28. A R ἔσπειραν ἐκεῖ τὰς [B om.] σπ.  
αὐτῶν (1a)  
45. 17. αἱ σπ. [A add. ἔσονται] ἐν ταῖς ἐορταῖς (1a)  
Da. LXX. 2. 46. σπονδὰς ποιῶσαι αὐτῷ  
9. 27. ἀρθήσεται ἡ θυαῖα καὶ ἡ σπ. +  
Da. TH. 9. 27. ἀρθήσεται μὲν θυαῖα καὶ σπονδὴ +  
I Ma. 1. 45. καλῶνται . . . σπονδὴν ἐκ τοῦ ἀγιάσματος  
[Aq. Ps. 15 (16). 4 : Je. 44 (51). 18 (Sw.).]  
[Sm. JE. 44 (51). 18.]  
[Th. JE. 44 (51). 18 (Sw.) : Da. 9. 27.]  
σπόνδυλος (?).  
IV Ma. 10. 8. S ἐκ σπονδύλων [A R σφονδ.] ἐκμε-  
λιζόμενος  
[Sm. I Ki. 4. 18.]  
σπορά. (1) ῥῶβ  
IV Ki. 18. 29. καὶ ἔτι τρίτῃ σπορά (1)  
I Ma. 10. 30. ἀντὶ τοῦ τρίτου τῆς σπ.  
σπέρματος. (1) α. ῥῶβ δ. ῥῶβ  
Ge. 1. 29. πᾶν χόρτον σπέρματι σπείρον σπέρμα (1a)  
— 29. δ' ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπὸν σπέρματος  
σπέρματι (1a)  
Le. 11. 37. ἐὰν δὲ ἐπιπέσῃ . . . ἐπὶ πᾶν σπέρμα  
σπ. [A<sup>1</sup> om.] (1b)  
Si. 40. 22. S<sup>1</sup> ὑπὲρ ἀμφοτέρω χλόην σπορίμου [A B S<sup>2</sup>  
σπόρου]  
[Sm. I Ki. 8. 15 : Ez. 17. 5.]  
σπόριον (?). (1) ῥῶβ  
I Ch. 6. 58 (43). A καὶ τὴν ἰ. καὶ τὰ σπ. [B  
περισπ.] αὐ. (1)  
σπόρος. (1) α. ῥῶβ δ. ῥῶβ (2) ῥῶβ  
(3) ῥῶβ  
Ex. 34. 21. τῷ σπ. καὶ τῷ ἀμύγμ. κατὰπανσις (2)  
Le. 26. 5. δ' ὁ τρίγυτος καταλήγεται τὸν σπ. (1a)  
— 20. οὐ δώσει ἡ γῆ ὑμῶν τὸν σπ. αὐ. (3)  
27. 16. ἔσται ἡ τιμὴ κατὰ τὸν σπ. αὐ. (1a)

De. 11. 10. ὅταν σπείρωσι τὸν σπ. (1a)  
Jb. 21. 8. ὁ σπ. αὐτῶν κατὰ ψυχὴν (1a)  
39. 12. ἀποδώσει σοι τὸν σπ. (1a)  
Si. 40. 22. ὑπὲρ ἀμφοτέρω χλόην σπόρου [S<sup>1</sup> σπορίμου]  
Am. 9. 13. περὶ αἵ τῆς σφαυλῆς ἐν τῷ σπ. (1a)  
Is. 28. 24. σπόρον προετοιμάσει (1b)  
32. 10. A S πέπναιται ὁ σπ. [B om. ὁ σπ.] +  
[Al. Ma. 2. 3.]  
σπουδάξω. (1) ῥῶβ hi. (2) ῥῶβ a. ni.  
δ. pi. c. hi. (3) ῥῶβ  
Ge. 19. 15. R ἐσπούδαζον [A ἔπεισεν] οἱ ἄγγε-  
λοι τὸν Λ. (1)  
Ju. 13. 1. A B ἐσπούδασαν οἱ δοῦλοι αὐ. ἀναλύειν  
— 12. ἐσπούδασαν τοῦ καταβῆναι (1)  
Jb. 4. 5. σὺ ἐσπούδασας [A -ακας] (2a)  
21. 6. ἐὰν τε γὰρ μνησθῶ ἐσπούδακα (2a)  
22. 10. ἐσπούδασι σε πόλεμος ἐξαισίος (2b)  
23. 14 (15). διὰ τοῦτο ἐπ' αὐτῷ ἐσπούδακα  
[A -κειν] (2a)  
— 16. ὁ δὲ παντοκράτωρ ἐσπούδασέ με [A  
-ακεν ἐπ' ἐμέ] (2c)  
31. 5. εἰ δὲ καὶ ἐσπούδασεν ὁ ποῦς μου εἰς  
δόλον (3)  
Ec. 8. 2 (3). περὶ λόγον ὅρκου θεοῦ [A B om.] (2a)  
μὴ σπουδάσῃς  
Is. 21. 3. ἐσπούδασα [S<sup>1</sup> -αν] τοῦ [A B τὸ] μὴ  
βλέπειν (2a)  
III Ma. 7. 10. οὐκ ἐσπούδασαν εὐθέως περὶ τὴν  
ἀφθοον  
[Sm., Th. Pr. 20. 21.]  
[Al. Ex. 5. 7 (P.).]  
σπουδαῖος.  
Ez. 41. 25. σπουδαῖα ξύλα κατὰ πρόσωπον τοῦ  
αἰλάμ +  
σπουδαῖότης.  
III Ma. 1. 9. τῇ σπ. . . καταπληγίς  
σπουδαῖως.  
Wi. 2. 6. χρῆσώμεθα τῇ κτίσει ὡς νεότητι [A S<sup>1</sup>  
-τητος] σπ.  
σπουδασμός.  
[Th. Ez. 27. 36.]  
σπουδή. (1) α. ῥῶβ δ. ῥῶβ c. ῥῶβ ni.  
d. ῥῶβ ithpe. (2) ῥῶβ (3) ῥῶβ  
(4) ῥῶβ pi. (5) ῥῶβ (6) ῥῶβ  
Ex. 12. 11. ἔδεσθε αὐτὸ μετὰ σπουδῆς (3)  
— 33. κατεβιάζοντο οἱ Αἰγ. τὸν λαὸν σπουδῇ (4)  
De. 16. 3. ἐν σπουδῇ ἐξήλθετε ἐξ Αἰγ. (3)  
Jd. 5. 22. σπουδῇ ἔσπειραν ἰσχυροὶ αὐ. [A al.] +  
I Ki. 21. 8 (9). ἦν τὸ ῥῆμα τοῦ βασιλ. κατὰ σπου-  
δὴν [A κατασπείδων] (5)  
I Es. 2. 30. ἀναεύξαντες εἰς ἱερ. κατὰ σπουδὴν  
6. 10. τὰ ἔργα ἐκεῖνα ἐπὶ σπουδῆς [A -ῆν] γινόμενα  
II Es. 4. 23. B ἐπορεύθησαν εἰς [A R om.]  
σπουδῇ εἰς ἱερ. (1a)  
Ps. 77 (78). 33. καὶ τὰ ἔργα αὐτῶν μετὰ σπουδῆς (1b)  
Wi. 14. 17. ἵνα τὸν ἀπὸντα . . . κολλάωσι διὰ τῆς  
[A om.] σπ.  
19. 2. μετὰ σπουδῆς προεπέμψαντες αὐτοῖς  
Si. prol. 22. προσενέγκασθαι τινα [S<sup>1</sup> προειν.] σπονδὴν  
20. 18. πῶσις κακὴν κατὰ σπουδὴν ἤξει  
21. 5. τὸ κρίμα αὐτοῦ κατὰ σπουδὴν ἔρχεται  
27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατῇ κατὰ σπουδὴν  
43. 22. ἱασίς πάντων [S<sup>2</sup> πάγων] κατὰ σπουδὴν  
ὁμίχλη  
Ze. 1. 18. συντέλειαν καὶ σπουδὴν ποιήσει (1c)  
Je. 8. 15. εἰς καιρὸν ἰάσεως καὶ ἰδοὺ σπ. (2)  
15. 8. ἐπέρριψα ἐπ' αὐτὴν . . . σπουδὴν (1b)  
La. 4. 6. ἐμεγαλύνθη ἀνομία . . . ὥσπερ σπ. (6)  
Ez. 7. 11. οὐ μετὰ θορύβου οὐδὲ μετὰ σπουδῆς +  
Da. LXX. 2. 25. κατὰ σπουδὴν εἰσήγαγε τὸν  
Δαν. (1d)  
10. 7. ἀπὸδρασαν ἐν σπουδῇ +  
Da. TH. Su. 50. ἀνέστρεψε πᾶς ὁ λαὸς μετὰ σπου-  
δῆς  
2. 25. ἐν σπουδῇ εἰσήγαγε τὸν Δ. (1d)  
3. 24 (91). ἐξανέστη ἐν σπουδῇ (1d)  
6. 19 (20). καὶ ἐν σπουδῇ ἦλθεν ἐπὶ τὸν λακκὸν (1d)  
9. 27. A B<sup>2</sup> ὥς συντελείας καὶ σπουδῆς +  
11. 44. σπουδαὶ ταραξύνουσιν αὐτὸν —

I Ma. 6. 63. ἀπῆρε κατὰ σπουδὴν  
II Ma. 14. 43. διὰ τὴν τοῦ ἀγώνος σπ.  
III Ma. 4. 15. ἐγένετο μὲν οὖν ἡ τοῦτων ἀπογραφὴ  
μετὰ περικραῖς σπ.  
5. 24. προσδιδόντα τὴν προίαν μετὰ σπουδῆς  
— 27. μετὰ σπουδῆς τετελείσται  
[Aq. Is. 65. 23; Jk. 15. 8; 18. 7, 9; Da. 3.  
24 (91).]  
[Sm. Ec. 11. 10; Is. 65. 23.]  
[Th. Is. 38. 11; 65. 23; Ez. 12. 18; Da. 3. 24  
(91); 11. 36†.]  
[Al. Lk. 26. 16; Jk. 31 (38). 2; Da. 9. 27.]

**σταγέτος.**

[Aq. Pr. 19. 13.]

**σταγών.** (1) הַגֶּזֶר (2) הַגֶּזֶר (3) א. הַגֶּזֶר

δ. הַגֶּזֶר hi. (4) הַגֶּזֶר

Jb. 36. 27. ἀρθήσεται [S -oi, S' ἀναρ.] δι' αὐτῷ  
σταγόνες ὑποῦ (3 a)  
Ps. 64 (65). 10. ἐν ταῖς στ. αὐτῆς εὐφρανθή-  
σεται ἀνατέλλουσα (4)  
71 (72). 6. ὥστε σταγόνες στάζουσιν ἐπὶ τὴν γῆν (4)  
Pr. 27. 15. σταγόνες ἐκβάλλουσιν ἄνθρωπον ...  
ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ (1)  
Si. 1. 2. σταγόνες ὑποῦ ... τίς ἐξαριθμήσει  
18. 10. ὡς σταγὼν ὕδατος ἀπὸ θαλάσσης  
Mi. 2. 11. ἔσται ἐκ τῆς στ. τοῦ λαοῦ τούτου (3 b)  
Is. 40. 15. εἰ πάντα τὰ ἔθνη ὡς στ. ἀπὸ κάδου  
... ἐλογίσθησαν (2)  
IV Ma. 10. 8. καὶ κατὰ σπλάγχχνων σταγόνας αἵματος  
ἀπορρέουσας  
[Sm. Pr. 19. 13.]

**σταδίων, σταδῖος.**

Da. LXX. Su. 37. κυκλοῦντες τὸ στ. εἶδονεν ταύτην  
4. 9. οἱ κλάδοι αὐ. τῆ μῆκει ὡς σταδίων τριά-  
κοντα  
II Ma. 11. 5. Β' ἀπέχοντι ὥστε σταδίου [A σχοίνους]  
πέnte  
12. 9. σταδίων ὄντων διακοσίων τεσσαράκοντα  
— 10. ἀποσπᾶσαντες σταδίου ἐνία  
— 16. τὸ πλάτος ἔχουσιν σταδίου δύο  
— 17. ἀποσπᾶσαντες σταδίου ἐπτακοσίου πεντή-  
κοντα  
— 29. ἀπέχουσιν ἀπὸ 'Ιερ. σταδίου ἐξακοσίου

**στάζειν.** (1) הַגֶּזֶר (2) הַגֶּזֶר (3) הַגֶּזֶר

(4) הַגֶּזֶר (5) הַגֶּזֶר a. qal. δ. ni.

Ex. 9. 33. ἡ χλόαξ οὐκ ἐσταζεν [A -an] οὐκ ἐτί (5 b)  
Jd. 5. 4. ὁ οὐρανὸς ἔσταξε δρόσους [A al.] (4)  
— 4. αἱ νεφέλαι ἔσταξαν ὕδωρ (4)  
6. 38. ἔσταξε δρόσος ἀπὸ τοῦ πόκου [A al.] (8)  
II Ki. 21. 10. ὡς ἔσταξεν ἐπ' αὐτοὺς ὕδωρ (5 b)  
II Ch. 12. 7. οὐ μὴ στάξῃ ὁ θυμὸς μου ἐν 'Ιερ. (5 a)  
Jb. 16. 21 (20). B' ἔναντι δι' αὐτοῦ στάζου [A  
στάζει] μου ὁ ὀφθαλμὸς (1)  
Ps. 67 (68). 8. οἱ οὐανοὶ ἔσταξαν ἀπὸ προσώπου  
τοῦ θεοῦ (4)  
71 (72). 6. ὥστε σταγόνες στάζουσιν ἐπὶ τὴν  
γῆν (2)  
Ec. 10. 18. ἐν ἀργίᾳ χεῖρων στάζει [A στενάζει]  
ἡ οἰκία (1)  
Ca. 5. 5. χεῖρές μου ἔσταξαν σμύρναν  
— 13. χεῖλῃ αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν  
πλήρη (4)  
Je. 49 (42). 18. καθὼς ἔσταξεν ὁ θυμὸς μου ἐπὶ  
τοῖς κατοικοῦντας 'Ιερουσαλὴμ οὕτως  
στάζει ὁ θυμὸς μου ἐφ' ὑμᾶς (5 b, 5 a)  
51 (44). 6. ἔσταξεν ἡ ὀργὴ μου καὶ ὁ θυμὸς  
μου (5 a)

[Aq. Jk. 7. 20; Da. 9. 27.]

[Sm. Jk. 7. 20; Da. 9. 27; Na. 1. 6.]

[Th. Jd. 5. 4; Na. 1. 6.]

[Quint., Sext. Ps. 118 (119). 28.]

[Al. Da. 9. 27.]

**σταθμάσθαι.**

[Aq. Jb. 28. 25; Is. 40. 13.]

**σταθμίσειν.**

[Aq. Jb. 28. 25; 31. 6; Ps. 74 (75). 4; Pr. 24.

12; Is. 33. 18; 55. 2.]

[Sm. Jb. 8. 2; Za. 11. 12.]

[Al. Ex. 22. 17 (16).]

**στάθμων.** (1) הַגֶּזֶר (2) א. הַגֶּזֶר δ. הַגֶּזֶר

c. הַגֶּזֶר d. הַגֶּזֶר

Le. 19. 35. ἐν μέτροις καὶ ἐν σταθμοῖς (2 a)  
— 36. ζυγὰ δίκαια καὶ στ. δίκαια ... ἔσται  
ὑμῖν (1)  
27. 25. πᾶσα τιμὴ ἔσται στ. ἀγίοις (2 b)  
De. 25. 13. οὐκ ἔσται ... στάθμων καὶ στάθμων (1, 1)  
— 15. στ. ἀληθινὴν καὶ δίκαιον ἔσται σοι (1)  
IV Ki. 21. 13. ἐκτενῶ ... τὸ στ. [A -on] οἴκου  
'Αχ. (2 c)  
Pr. 11. 1. στάθμων δι' δίκαιον δεκτὸν αὐτῷ (1)  
16. 11. τὰ δι' ἔργα αὐτοῦ στάθμα δίκαια (1)  
20. 10. στάθμων μέγα καὶ μικρὸν (1)  
— 23. βδελύγμα κυρίῳ δις τὸν στάθμων (1)  
Si. 42. 4. περὶ ἀκριβείας ζυγοῦ καὶ σταθμίων (2 b)  
Am. 8. 5. τοῦ μεγαλύνειν στάθμων [A -ia] (1)  
Mi. 6. 11. καὶ ἐν μαρσιππῇ στάθμα δόλου (1)  
Ez. 4. 10. A' φάγεσιν ἐν σταθμῷ [B -m] (2 a)  
5. 1. λήψῃ ζυγὸν σταθμίων (2 a)  
45. 12. τὰ στ. ἔκοσι ὀβολοί (2 b)  
[Aq. Is. 28. 17; Ez. 5. 1.]  
[Sm. Pr. 17. 8.]  
[Th. Pr. 16. 11.]  
[Al. Lk. 37. 3, 26.]

**σταθμόν (?)** (1) הַגֶּזֶר

IV Ki. 21. 13. A' ἐκτενῶ ... τὸ στ. [B -mion] οἴκου 'Αχ. (1)

**σταθμός.** (1) הַגֶּזֶר (2) הַגֶּזֶר (3) הַגֶּזֶר

(4) הַגֶּזֶר (5) הַגֶּזֶר (6) א. הַגֶּזֶר δ. הַגֶּזֶר

c. הַגֶּזֶר d. הַגֶּזֶר

Ge. 48. 21. τὸ ἀργύριον ἡμῶν ἐν σταθμῷ ἀπε-  
στρέψαμεν (6 b)  
Ex. 12. 7. καὶ θήσουσιν ἐπὶ τῶν δύο στ. (1)  
— 22. καὶ ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν στ. (1)  
— 23. ὄψεται τὸ αἷμα ... ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν στ. (1)  
21. 6. προσάξει αὐτὸν ... ἐπὶ τὸν στ. (1)  
Le. 26. 26. ἀποδώσουσι τοὺς ἀρτους ὑμῶν ἐν  
σταθμῷ (6 b)  
27. 3. πεντήκοντα διδραχμα ἀργυρίου τῷ στ.  
τῷ ἁγίῳ (6 a)  
Nu. 33. 1. B οἱ στ. [A B οἱ στ.] τῶν υἱῶν 'Ισρ. (8)  
— 2. ἔγραψε M. ... τοὺς στ. αὐ. (8)  
— 2. οὗτοι στ. [A οἱ στ.] τῆς παρείας αὐ. (8)  
De. 15. 17. A' ἐπὶ τὸν στ. —  
Jd. 8. 26. ἐγένετο ὁ στ. τῶν ἐνοικίων τῶν χρυσῶν (6 b)  
16. 3. ἐπελάβετο τῶν θυρῶν ... σὺν τοῖς θυσι  
στ. [A al.] (1)  
I Ki. 17. 5. καὶ ὁ στ. τοῦ θάρακος αὐτοῦ (6 b)  
II Ki. 12. 30. καὶ ὁ στ. αὐ. τάλαντον χρυσίου (6 b)  
21. 16. καὶ ὁ στ. τοῦ δόρατος αὐ. τριακοσίων  
σίκλων (6 b)  
III Ki. 7. 47. οὐκ ἦν σταθμός τοῦ χαλκοῦ —  
— 47. οὐκ ἦν τίρμα τῶν στ. τοῦ χαλκοῦ (6 b)  
— 48. A οὐκ ἦν σταθμός τοῦ χαλκοῦ —  
10. 14. ἦν ὁ [A om.] στ. τοῦ χρυσοῦ (6 b)  
IV Ki. 12. 9 (10). οἱ ἱερεῖς οἱ φυλάσσοντες τὸν στ. (4)  
22. 4. δ' συνήγαγον οἱ φυλάσσοντες τὸν στ. (4)  
23. 4. ἐνετείλατο ... τοῖς φυλάσσουσιν τὸν στ.  
[A om. τ. στ.] (4)  
25. 16. οὐκ ἦν σταθμός τοῦ χαλκοῦ (6 b)  
— 18. τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάσσοντας τὸν στ. (4)  
I Ch. 20. 2. εὐρέθῃ ὁ στ. αὐ. τάλαντον χρυσοῦ (6 b)  
22. 3. οὐκ ἦν σταθμός (6 b)  
— 14. οὐκ ἔστι σταθμός (6 b)  
28. 14. καὶ τὸν στ. τῆς ὀλκῆς αὐ. (6 b)  
— 16. ἔδωκεν αὐτῷ ὁμοίως τὸν στ. τῶν τρα-  
πέζων (6 b)  
— 17. A B' B καὶ τὸν [B' om.] στ. τῶν χρυσῶν  
... ἐκάστου στ. (6 b, 6 b)  
— 18. τὸν τοῦ θυσιαστ. ... στ. ὑπέδειξεν αὐτῷ (6 b)  
II Ch. 9. 13. ἦν ὁ στ. τοῦ χρυσοῦ (6 b)  
II Es. 8. 30. ἐδέξαντο οἱ I ... σταθμόν τοῦ ἀργ. (6 b)  
— 34. ἐν ἀριθμῷ καὶ ἐν σταθμῷ τὰ πάντα (6 b)  
— 34. ἐγράφῃ πᾶς ὁ στ. (6 b)  
Jb. 28. 25. εἰδὼς ... ἀνέμων σταθμὸν [A al.] (6 b)  
Pr. 8. 34. τῆρσι σταθμοῖς ἐμὸν εἰσδὼν (1)  
Wi. 11. 20. πάντα ... ἀριθμῷ καὶ σταθμῷ διέταξας  
Si. 6. 15. οὐκ ἔστι σταθμός τῆς καλλονῆς αὐτοῦ  
18. 25. ἐκφαίνω ἐν σταθμῷ παιδείαν  
28. 15. οὐκ ἔστι σταθμός πᾶς ἄλιος ἐγκρατοῦς ψυχῆς  
28. 25. τοῖς λόγοις σου ποιήσων ζυγὸν καὶ σταθμόν  
42. 7. δ' ἐὰν παραδίδῃς ἐν ἀριθμῷ καὶ σταθμῷ

Is. 28. 17. ἡ δὲ ἐλεημοσύνη μου εἰς σταθμούς (6 c)  
40. 12. τίς ἔσται τὰ ὄρη σταθμῷ (5)  
46. 6. στήσουσιν ἐν σταθμῷ —  
57. 8. ὅπως τῶν στ. τῆς θύρας σου (1)  
Je. 9. 2 (1). τίς δὲ φῶν ἐν τῇ ῥῆμῳ σταθμὸν  
ἔσχατον (2)  
52. 20. οὐκ ἦν σταθμός τοῦ χαλκοῦ αὐ. (6 b)  
Ez. 4. 10. φάγεσιν ἐν σταθμῷ [A -m] (6 d)  
— 16. φάγονται ἄρτον ἐν σταθμῷ (6 b)  
[Aq. Dt. 11. 20; Pr. 16. 11; Jk. 35 (42). 4;  
52. 24.]  
[Sm. Jk. 35 (42). 4; 52. 24.]  
[Th. Jk. 35 (42). 4.]  
[Al. Lk. 5. 15 bis; Nu. 7. 13; 33. 1; II Ki.  
21. 16.]

**σταθμοῦν.**III Ki. 6. 23. δέκα πήχεων μέγεθος ἐσταθμω-  
μένον [A -on] —**σταθμοῦχος.**

[Sm. Ex. 3. 22.]

**σταῖς.** (1) הַגֶּזֶר

Ex. 12. 34. ἀνέλαβε δὲ ὁ λαὸς τὸ στ. (1)

— 39. ἔφεψαν τὸ στ. (1)

II Ki. 13. 8. ἔλαβε τὸ στ. [A στέαρ] (1)

Je. 7. 18. αἱ γυναῖκες αὐτῶν τρέβουσι σταῖς [B' στέας] (1)

[Sm. Jk. 7. 18.]

**στακτή.** (1) הַגֶּזֶר (2) הַגֶּזֶר (3) הַגֶּזֶר

(4) הַגֶּזֶר (5) הַגֶּזֶר

Ge. 37. 25. οἱ κάμηλοι αὐ. ἔχοντες ... στακτῆς (2)  
43. 11. καταγάγετε ... θυμίαμα καὶ στακτὴν (2)  
Ex. 30. 34. λάβε σεαυτῷ ... στακτὴν (4)  
III Ki. 10. 25; II Ch. 9. 24; ἔφερον ... στακ-  
τὴν καὶ ἡδύσματα +  
Ps. 44 (45). 8. στακτὴ [B' -h] καὶ κασία [B' -an] (1)  
Ca. 1. 13. ἀπόδεσμος τῆς στ. ἀδελφιδὸς μου ἐμοί (3)  
Si. 24. 15. ὡς χαλβάνη καὶ δυνεὶ καὶ στακτὴ  
Is. 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον ... τῆς στ. —  
Ez. 27. 16. στακτὴν καὶ ποικιλίματα (5)  
[Sm. Ez. 27. 19.]

**σταλαγμός.**

IV Ma. 9. 20. τοῖς τῶν ἰχθῶν ἐσβέννουν σταλαγμοῖς

**σταλάζειν.** (1) הַגֶּזֶר hi.

Mi. 2. 11. ἐστάλαξέ σοι εἰς οἶκον καὶ μέθυσμα (1)

[Aq. Mi. 2. 6 ter.]

**στάμνος.** (1) הַגֶּזֶר (2) הַגֶּזֶר

Ex. 18. 33. λάβε στ. χρυσίου ἕνα (2)

III Ki. 12. 24 (cf. A 14. 3). B λάβε εἰς τὴν  
χειρὰ σου ... στάμνον μέλιτος (1)— 24. B ἔλαβεν ... στάμνον μέλιτος —  
— 24. B ἦν τί μοι ἐνίνοχος ... στάμνον μέλιτος  
14. 3. A λάβε εἰς τὴν χειρὰ σου ... στάμνον  
μέλιτος (1)Da. LXX. Bel 32. ἔχων ... στάμνον οἶνου κεκρασ-  
μένου

[Aq. III Ki. 14. 3.]

**στασιάζειν.**

Ju. 7. 15. ἀνθ' ὧν ἐστασίασαν

II Ma. 4. 30. συνέβη Ταρσεῖς καὶ Μαλλώτας στα-  
σιάζειν

14. 6. πολεμοτροφοῦσι καὶ στασιάζουσιν

[Aq. Is. 19. 2.]

[Sm. Ps. 74 (75). 5 bis.]

**στάσιμος.**

Si. 26. 17. κάλλος προσώπου ἐπὶ ἡλικίᾳ στασίμῃ

**στάσις.** (1) הַגֶּזֶר (2) הַגֶּזֶר (3) הַגֶּזֶר

(4) הַגֶּזֶר (5) הַגֶּזֶר (6) א. הַגֶּזֶר

δ. הַגֶּזֶר c. הַגֶּזֶר d. הַגֶּזֶר (7) הַגֶּזֶר

(8) הַגֶּזֶר

De. 28. 65. οὐδ' οὐ μὴ γένηται στάσις τῷ ἔχρει  
τοῦ ποδὸς σου (2)

Jo. 10. 13. ἔσται ὁ ἄλιος καὶ ἡ σελήνη ἐν στάσει (6 d)

Jd. 9. 6. πρὸς τῇ βαλάνῳ τῇ εὐρετῇ τῆς στ. τῆς  
ἐν Σικ. (4)

III Ki. 10. 5. καὶ τὴν στ. λειτουργῶν αὐ. (6 b)

I Ch. 28. 2. οικοδομήσαι...στάσιν ποδῶν κυρίου ἡμῶν (1)  
 II Ch. 9. 4. εἶδε...στάσιν λειτουργῶν αὐ. (6b)  
 23. 13. ὁ βασις ἐπὶ τῆς στ. αὐ. (6a)  
 24. 13. ἀνίστησαν τὸν οἶκον κ. ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (5)  
 30. 16. ἔστησαν ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (6c)  
 35. 10. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (6c)  
 — 15. καὶ οἱ ψαλμῳδοὶ υἱοὶ Ἀ. ἐπὶ τῆς στ. αὐ. (6b)  
 Ne. 8. 7. καὶ ὁ λαὸς ἐν τῇ στ. αὐ. (6c)  
 9. 3. ΒΒ ἔστησαν ἐπὶ στάσεις [Α.Β. τῇ στ.] αὐ. (6c)  
 — 6. ἐποίησας...πᾶσαν τὴν στ. αὐ. †  
 13. 11. ἔστησα αὐτοὺς ἐπὶ τῇ [Α. om.] στ. αὐ. (6c)  
 Pr. 17. 14. προηγείται δὲ τῆς ἐνδίας στάσεως (8)  
 Si. 36 (33). 12. ἀνίστασθαι αὐτοὺς ἀπὸ στάσεως [Α. ἀποστ.] αὐτῶν  
 Na. 3. 11. ἡγήσεις σεαυτὸν στάσιν ἐξ ἐχθρῶν (3)  
 Is. 22. 19. ἀφαιρεθήσῃ...ἐκ τῆς στ. σου (6b)  
 Ez. 1. 28. ΑΒ οὕτως ἡ στ. τοῦ φέγγους κυκλόθεν †  
 Da. LXX. 6. 7 (8). στάσιν ἐστράμην (6c)  
 8. 17. ἔστη ἐχόμενός μου τῆς στάσεως (6c)  
 Da. TH. 6. 7 (8). στήσαι στάσεις βασιλικῇ [Α. τοῦ στ. στάσιν β.] (7)  
 — 15 (16). τοῦ πᾶν ὁρίσμων καὶ στάσιν...οὐ δεῖ παραλλάξαι (7)  
 8. 17. ἔστη ἐχόμενός [Α. ἀνὰ μέσον] τῆς στ. μου (6c)  
 10. 11. στήθι ἐπὶ τῇ στ. σου (6c)  
 I Ma. 7. 18. παρῖσταν γὰρ τὴν στ.  
 10. 72. οὐκ ἔστιν ἡμῖν στάσεις ποδὸς κατὰ πρόσωπον ἡμῶν  
 III Ma. 1. 23. ἐπὶ τὴν αὐτὴν τῆς δεήσεως παρήσαν στ. [Aq. Jo. 4. 3: Jc. 44 (51). 29: Ez. 20. 6, 15.] [Sm. Jo. 4. 3: Jb. 16. 18: Ps. 68 (69). 3: Is. 6. 13: 29. 3: Ez. 20. 6.] [Th. Jo. 4. 3: I Ki. 13. 23: 14. 1: Jc. 44 (51). 29: DA. 10. 11.] [Al. I Ki. 10. 5.]  
**στατήρ.**  
 [Aq. Ex. 30. 13: 38. 24 (39. 1): Nu. 8. 47 bis: I Ki. 17. 7.] [Sm. Ex. 21. 32: 30. 13: Nu. 8. 47 bis: Ez. 4. 10.] [Al. Ge. 28. 15: I Ki. 9. 8.]  
**σταυροῦν.** (1) הָרַךְ  
 Es. 7. 9. σταυρωθήτω ἐπ' αὐτοῦ (1)  
 8. 13. διὰ τὸ αὐτὸν...ἐσταυρώσθαι σὺν τῇ πανοικίᾳ  
**σταφίς.** (1) שָׂרִי (2) שָׂרִי (3) שָׂרִי  
 Nu. 6. 3. σταφίδα οὐ φάγεται (1)  
 I Ki. 25. 18. καὶ ἔλαβε...γομῶρ ἐν σταφίδος (8)  
 30. 12. Α διδάσκων αὐτῶν...διακοσίους σταφίδας [B om. δ. στ.] (8)  
 II Ki. 18. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς...ἐκατὸν σταφίδες (3)  
 III Ki. 14. 3. Α λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου...σταφίδας—  
 I Ch. 12. 40. ἔφερον αὐτοῖς...σταφίδας (3)  
 Ho. 3. 1. φυλάσσει πέμματα μετὰ σταφίδος [A -ων] (2)  
 [Aq. I Ki. 30. 12: III Ki. 14. 3.] [Sm. I Ki. 30. 12.]  
**σταφυλή.** (1) שָׂרִי  
 Ge. 40. 10. πέπειρος οἱ βότρυες σταφυλῆς (1)  
 — 11. ἔλαβον τὴν στ. (1)  
 49. 11. πλυνεῖ...ἐν αἵματι σταφυλῆς τὴν περιβολὴν αὐ. (1)  
 Le. 25. 5. τὴν στ. τοῦ ἀγίασματός σου οὐκ ἐκτρονήσεις (1)  
 Nu. 6. 3. ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς οὐ πίνεται (1)  
 — 3. σταφυλὴν πρόσφατον...οὐ φάγεται (1)  
 13. 21 (20). ἡμέραι ἔαρος πρόδρομοι σταφυλῆς — 24 (23). ἐκοφῶν ἐκείθεν...βότρυν σταφυλῆς (1)  
 De. 23. 24 (25). ΑΒ φάγη σταφυλὴν (1)  
 32. 14. αἶμα σταφυλῆς ἐπὶ οἶνον (1)  
 — 32. σταφυλὴ [Α. ἡ στ.] αὐ. σταφυλὴ χολῆς (1, 1)  
 III Ki. 12. 24. Β λάβε εἰς τὴν χεῖρά σου...  
 — 24. Β ἔλαβεν εἰς τὴν χεῖρά αὐ. ...σταφυλὴν —  
 — 24. Β ἴνα τί μοι ἐνήνοχας...σταφυλὴν —  
 Ne. 13. 15. καὶ οἶνον καὶ σταφυλὴν (1)  
 Ca. 5. 1. Β ἐγγύγησα σταφυλὴν [Α. Β σμύρναν] μου †  
 Si. 39. 26. αἶμα σταφυλῆς καὶ ἔλαιον καὶ ἰμάτιον  
 50. 15. ἔσπεισεν ἐξ αἵματος σταφυλῆς  
 51. 15. ἔξ ἁθῶνος ὅς περκαύουσιν σταφυλῆς  
 Ho. 9. 10. ὡς σταφυλὴν ἐν ἐρήμῳ εἶρον τὸν Ἰσρ. (1)  
 Am. 9. 13. περκαῖσι ἡ στ. ἐν τῇ σπόρῃ  
 Is. 5. 2, 4. ἔμεινα τὸ ποιῆσαι σταφυλὴν (1)

Je. 8. 13. οὐκ ἔστι στ. ἐν ταῖς ἀμπελοῖς (1)  
 Ez. 36. 8. τὴν στ. καὶ τὸν καρπὸν ὑμῶν †  
 I Ma. 6. 34. τοῖς ἐλέφανσιν ἔδειξαν αἶμα σταφυλῆς [Aq. Sm. Nu. 6. 3.] [Al. Nu. 18. 21 (20).]  
**στάχυς.** (1) הָאֵלֶּךְ (2) הָאֵלֶּךְ (3) הָאֵלֶּךְ  
 Ge. 41. 5. ἐπὶ στάχυες ἀνέβαινον (3)  
 — 6. ἄλλοι δὲ ἐπὶ στάχυες λεπτοὶ (3)  
 — 7. κατέπιον οἱ ἐπὶ στ. οἱ λεπτοὶ...τοὺς ἐπὶ στ. τοὺς ἐλεκετούς (3, 3)  
 — 22. ὥσπερ ἐπὶ στάχυες ἀνέβαινον (3)  
 — 23. ἄλλοι δὲ ἐπὶ στάχυες λεπτοὶ (3)  
 — 24. κατέπιον οἱ ἐπὶ στ. οἱ λεπτοὶ...τοὺς ἐπὶ στ. τοὺς καλοὺς (3, 3)  
 — 26. οἱ ἐπὶ στ. οἱ καλοὶ ἐπὶ στ. ἔστι (3)  
 — 27. καὶ οἱ ἐπὶ στ. οἱ λεπτοὶ (3)  
 Ex. 22. 6 (5). καὶ προσεμπρήση βλανας ἡ στάχυς (2)  
 De. 23. 25 (26). ΑΒ συλλέξεις ἐν ταῖς χερσὶ σου στάχυς (1)  
 Jd. 12. 6. εἶπον δὲ Στάχυς [Α. al.] (9)  
 15. 5. ἐξασπέσειεν ἐν τοῖς στ. [Α. al.] (2)  
 — 5. Α ἐνεπύρισε τοὺς στ. [B al.] —  
 — 5. καὶ ἔως στ. ὁρῶν [Α. al.] (2)  
 Ru. 2. 2. συνάξεν ἐν τοῖς στ. (3)  
 Jb. 24. 24. ὥσπερ στάχυς ἀπὸ καλῆς αὐτόματος ἀποπείσων (8)  
 Is. 17. 5. σπέρμα σταχυῶν ἀμύση...ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν (3, 3)  
 [Aq. Jd. 12. 6.]  
**στεάζειν.**  
 [Al. Ps. 19 (20). 4.]  
**στέαρ, σφ. στήρ.** (1) שָׁחַ (2) שָׁחַ  
 Ge. 4. 4. ἤνεγκε καὶ αὐτὸς...ἀπὸ τῶν στ. αὐ. (1)  
 Ex. 23. 18. οὐδέ μὴ κοιμηθῇ στέαρ τῆς ἑορτῆς μου (1)  
 29. 13. λήψῃ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας...καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1, 1)  
 — 22. λήψῃ ἀπὸ τοῦ κρινοῦ τὸ στ. αὐ. καὶ τὸ στ. τὸ κατακαλύπτει τὴν κοιλίαν (1, 1)  
 — 22. καὶ τοὺς δύο νεφροὺς καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 Le. 1. 8. ἐπιστοιβάσουσιν...τὸ στ. ἐπὶ τὰ ξύλα (2)  
 — 12. διελούσιν αὐτὸ...καὶ τὸ στ. (2)  
 3. 3. τὸ στ. τὸ κατακαλύπτει τὴν κοιλίαν (1)  
 — 3. καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)  
 — 4. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 — 9. προσοίσει...τὸ στ. (1)  
 — 9. Α Β καὶ τὸ στ. [B. add. τὸ κατακαλύπτει τὴν κοιλίαν καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας] (1, 1)  
 — 10. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 — 14. ἀνοίσει...τὸ στ. τὸ κατακαλύπτει τὴν κοιλίαν (1)  
 — 14. ΑΒ καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)  
 — 15. καὶ πᾶν [Α. om.] τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 — 16. πᾶν τὸ στ. τῷ κυρίῳ (1)  
 — 17. πᾶν στ...οὐκ ἔδωκε (1)  
 4. 8. πᾶν τὸ στ. [Α. τὸ πᾶν στ.] τοῦ μόσχου (1)  
 — 8. τὸ στ. τὸ κατακαλύπτει τὸ ἐνδοσθίον (1)  
 — 8. πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθίων (1)  
 — 9. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 — 19. τὸ πᾶν στ. περιελθὶ ἀπ' αὐτοῦ (1)  
 — 26. τὸ πᾶν στ. αὐ. ἀνοίσει...ὥσπερ τὸ στ. θυσίας σωτηρίου (1, 1)  
 — 31. πᾶν τὸ στ. περιελθὶ (1)  
 — 31. ὅν τρόπον περιαιρείται στέαρ (1)  
 — 35. πᾶν αὐτοῦ τὸ στ. περιελθὶ (1)  
 — 35. ὅν τρόπον περιαιρείται στέαρ προβάτου (1)  
 6. 12 (5). ἐπιθίγει ἐπ' αὐτὸ τὸ στ. τοῦ σωτηρίου (1)  
 — 33 (7. 3). πᾶν τὸ στ. αὐ. προσοίσει (1)  
 — 33 (7. 3). καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ κατακαλύπτει τὰ ἐνδοσθία (1)  
 — 33 (7. 3). καὶ πᾶν τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῶν ἐνδοσθίων (1)  
 — 34 (7. 4). καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 7. 13 (23). πᾶν στ. βοῶν...οὐκ ἔδωκε (1)  
 — 14 (24). καὶ στέαρ θησιμαῖον [Α. -ων]...ποιηθήσεται (1)  
 — 15 (25). πᾶς ὁ ἔσθων στέαρ (1)  
 — 20 (30). τὸ στ. τὸ ἐπὶ τοῦ σπηθίου (1)  
 — 21 (31). ἀνοίσει ὁ ἱερεὺς τὸ στ. (1)  
 — 23 (33). ὁ προσφύρων...τὸ στ. τὸ ἀπὸ τῶν νῶν Α. (1)

Le. 8. 16. ἔλαβε Μ. πᾶν τὸ [Α. om.] στ. (1)  
 — 16. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 — 19 (20). ἀνήνεγκε Μ...τὸ στ. (2)  
 — 24 (25). καὶ ἔλαβε τὸ στ. (1)  
 — 24 (25). καὶ τὸ στ. τὸ ἐπὶ τῆς κοιλίας (1)  
 — 24 (25). καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν (1)  
 — 25 (26). καὶ ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ στ. (1)  
 9. 10. καὶ τὸ στ...ἀνήνεγκεν (1)  
 — 19. καὶ τὸ στ. τὸ ἀπὸ τοῦ μόσχου (1)  
 — 19. καὶ τὸ στ. τὸ κατακαλύπτει ἐπὶ τῆς κοιλίας —  
 — 19. καὶ τὸ στ. τὸ ἐπ' αὐτῶν —  
 — 20. ἐπέθηκε τὰ στ. ἐπὶ τὰ σπηθία (1)  
 — 20. ἀνήνεγκεν τὰ στ. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (1)  
 — 24. καὶ κατέφαγε...τὰ στ. (1)  
 10. 15. ἐπὶ τῶν καρπῶν, τῶν στ. (1)  
 16. 25. τὸ στ. τὸ περὶ τῶν ἀμαρτιῶν ἀνοίσει (1)  
 17. 6. ἀνοίσει τὸ στ. εἰς δαμνὴν εὐωδίας (1)  
 Nu. 18. 17. τὸ στ. ἀνοίσει κάρπωμα (1)  
 De. 32. 14. μετὰ στέατος ἀρνῶν καὶ κριῶν (1)  
 — 14. μετὰ στέατος νεφρῶν πυρροῦ (1)  
 — 38. ὡν τὸ στ. τῶν θυσιῶν αὐ. ἡσθίετε (1)  
 Jd. 8. 22. ἀπέκλεισε τὸ στ. κατὰ τῆς φλογός [Α. φλεβός] (1)  
 I Ki. 2. 15. πρὶν θυμαθῆναι τὸ στ. (1)  
 — 16. θυμαθῆτω πρῶτον ὡς καθήκει τὸ στ. (1)  
 15. 22. καὶ ἡ ἐπακρόσσις ὑπὲρ στέαρ κριῶν (1)  
 II Ki. 1. 22. ἀπὸ στέατος δυνάτων (1)  
 13. 8. Α ἔλαβε τὸ στ. [B. στείς] †  
 III Ki. 8. 64. ἐποίησεν ἐκεῖ...τὰ στ. τῶν ἐρηνηκῶν (1)  
 II Ch. 7. 7. ἐποίησεν ἐκεῖ...τὰ στ. τῶν σωτηριῶν (1)  
 — 7. οὐκ ἐξέποιε δέσασθαι...τὰ στ. (1)  
 29. 35. ἐν τοῖς στ. τῆς τελειώσεως τοῦ σωτηρίου (1)  
 85. 14. ἐν τῷ ἀναφέρειν τὰ στ. (1)  
 I Es. 1. 14. οἱ γὰρ ἱερεῖς ἀνέφερον τὰ στ. (1)  
 Ju. 16. 16. ἐλάχιστον πᾶν στ. εἰς δολοκαυτῶμα σοι (1)  
 Jb. 15. 27. ἐκάλυψε τὸ πρόσσωπον αὐτοῦ ἐν στείᾳ αὐτοῦ (1)  
 21. 24. τὰ δὲ ἔγκατα αὐτοῦ πλήρης στέατος †  
 Ps. 16 (17). 10. τὸ στ. αὐτῶν συνήλκεσαν (1)  
 62 (68). 5. ὥσπερ στέατος καὶ πότμος ἐμπεπλησθείη ἡ ψυχὴ μου (1)  
 72 (78). 7. ἐξελευσεται ὡς ἐκ στέατος ἡ ἀδικία αὐτῶν (1)  
 80 (81). 16. ἐψόμισεν αὐτοὺς ἐκ στέατος πυρροῦ (1)  
 147. 3 (14). στέαρ πυρροῦ ἐμπιπλῶν σε (1)  
 Si. 47. 2. ὥσπερ στέαρ ἀφωρισμένον ἀπὸ σωτηρίου (1)  
 Ho. 7. 4. ἀπὸ φαρσέως στέατος †  
 Is. 1. 11. στέαρ ἀρνῶν...οὐ βούλομαι (1)  
 34. 6. ἐπαχύνῃ ἀπὸ στέατος [Α. B add. ἀρνῶν]...καὶ ἀπὸ στέατος τράγων καὶ κριῶν (1, 1)  
 — 7. ἀπὸ τοῦ στ. αὐτῶν ἐμπλησθήσεται (1)  
 43. 24. οὐδέ τὸ [Α. S<sup>1</sup> om.] στ. τῶν θυσιῶν σου ἐπεθυμῶσα (1)  
 55. 1. φάγετε [Α. B πίετε] ἀνευ ἀργυρίου καὶ τιμῆς οἴνου καὶ στέαρ †  
 Ez. 39. 19. φάγεσθε στέαρ εἰς πλησμονὴν (1)  
 44. 15. τοῦ προσφέρειν μοι θυσίαν στέαρ καὶ αἶμα (1)  
 Da. LXX. Bel 26. λαβὼν ὁ Δαν...στέαρ  
 Da. TH. Bel 27. Β ἔλαβεν ὁ Δαν, πῖσαν καὶ στέαρ [Α. Β στήρ]  
 [Aq. Ge. 45. 18: Ps. 72 (78). 7: 118 (119). 70.] [Sm. Jb. 15. 27: Ps. 16 (17). 10: 118 (119). 70.] [Th. Jb. 15. 27.]  
**στέας, vid. σὺδ. στείς.**  
**στεατούσθαι.** (1) מִשְׁחָה  
 Ez. 39. 18. οἱ μόσχοι ἐστεατωμένοι πάντες (1)  
 [Aq., Sm., Th. Jc. 5. 28.]  
**στεγάειν.** (1) מִשְׁחָה (2) מִשְׁחָה pi.  
 II Ch. 34. 11. στεγάσαι τοὺς οἴκους (2)  
 Ne. 2. 8. στεγάσαι τὰς πύλας (2)  
 8. 3. ἐστέγασαν αὐτὴν καὶ ἐστέγασαν [Α. ἐστησαν] θύρας αὐ. (2, 1)  
 — 6. ἐστέγασαν αὐτὴν (2)  
 Ps. 103 (104). 3. ὁ στεγάων ἐν ὕδασι τὰ ὑπερῶα αὐτοῦ (2)  
**στέγειν.**  
 Si. 8. 17. οὐ γὰρ δυνήσεται λόγον στέγειν



**στέγη.** (1) סָתָר (2) לִי  
Ge. 8. 13. ἀπεκάλυψε Νῶε τὴν στ. τῆς κιβωτοῦ (1)  
19. 8. Δ. εἰσῆλθον ὑπὸ τὴν στ. [B σκέπη] τῶν  
δοκῶν μου (2)  
I Es. 6. 4. καὶ τὴν στ. ταύτην . . . ἐπιτελεῖτε  
Ez. 40. 43. ἔξουσι . . . ἐπὶ τὰς τραπέζας ἐπά-  
νωθεν στέγας —  
IV Ma. 17. 3. σὺ στέγη ἐπὶ τοῦ στύλου τῶν παιδῶν  
γενναίως ἰδρυμένη

**στεγνός.**  
Pr. 31. 26 (27). στεγναὶ διατριβαὶ οἶκον αὐτῆς +

**στεγός.**  
Ep. Jc. 11. δώσουσι δὲ ἀπ' αὐτῶν καὶ ταῖς ἐπὶ τοῦ  
στ. [A τ.] πόρνας

**στεῖρος, στείρα.** (1) חָרָב, חֲרָב (2) סְטֵירָאן ποιεῖν ἡ

Ge. 11. 30. ἦν Σάρα στείρα (1)  
25. 21. ὅτι στείρα ἦν (1)  
29. 31. 'Ραχὴλ δὲ ἦν στείρα (1)  
Ex. 23. 26. οὐκ ἔσται . . . στείρα ἐπὶ τῆς γῆς σου (1)  
De. 7. 14. οὐκ ἔσται ἐν ὑμῖν . . . στείρα (1)  
Jd. 13. 2. καὶ γυνὴ αὐ. στείρα (1)  
— 3. ἰδοὺ σὺ στείρα (1)  
I Ki. 2. 5. στείρα ἔτεκεν ἐπτά (1)  
Jb. 24. 21. στείραν δὲ οὐκ εὖ ἐποίησα [A α.] (1)  
Ps. 112 (113). 9. ὁ κατοικῶν στείραν ἐν οἴκῳ (1)  
Wi. 8. 13. μακαρία στείρα ἡ ἀμάντος (1)  
Is. 54. 1. εὐφράνῃτη, στείρα ἡ οὐ τίκτουσα (1)  
66. 9. γεννώσαν καὶ στείραν ἐποίησα (2)  
[Aq. Dt. 7. 14.]

**στεῖρουν.**  
Si. 42. 10. μὴ ποτε στεῖρώσῃ [A B -ωθῇ]

**στελέχος.** (1) מַטֵּה (2) מַטְחָה (3) חֲזָז  
(4) מַטְחָה (5) מַטְחָה (6) στ. φοινίκων  
ῥαβ

Ge. 49. 21. Νεφθ. στ. ἀνεμύνον +  
Ex. 15. 27. ἦσαν ἐκεῖ . . . ἐβδομήκοντα στελέχη  
φοινίκων (6)  
Nu. 33. 9. ἐν Αἰ. . . ἐβδομήκοντα στελέχη  
φοινίκων (6)  
Jb. 14. 9 (8). τὸ στ. αὐτοῦ ἀπὸ ὁσμῆς ὕδατος  
ἀνθῆκεν (1)  
29. 18. ὥσπερ στελέχος φοινίκος πολὺν χρόνον  
βιώσκει +  
Ca. 3. 6. τίς αὕτη . . . ὡς στελέχη καπνοῦ τεθυ-  
μηνμένη σμύρνην (5)  
Si. 50. 12. ἐκύκλωσαν αὐτὸν ὡς στελέχη φοινίκων  
Jc. 17. 8. ἔσται ἐπ' [A ἐν] αὐτῷ στελέχη ἀλ-  
σώδη (8)  
Ez. 19. 11. ὑψώθη . . . ἐν μέσῳ στελεχῶν [A -έων] (3)  
31. 12. συνεγρίθη τὰ στ. αὐτοῦ (4)  
— 13. ἐπὶ τὰ στ. αὐτοῦ ἐγίνοντο πάντα τὰ  
θηρία (4)

**στελλεσθαί.** (1) חָזַק ni.  
Pr. 31. 24 (26). τάξιν ἐστειλατο τῇ γλώσσῃ αὐτῆς —  
Wi. 7. 14. πρὸς θεὸν ἐστειλατο φιλίαν  
14. 1. πλοῦν τις πάλιν στελλόμενος

Ma. 2. 5. καὶ ἀπὸ προσώπου ὀνόματός μου στέλ-  
λεσθαὶ αὐτόν (1)  
II Ma. 5. 1. τὴν δευτέραν ἀφοδὸν ὁ Ἀντ. εἰς Ἀγυπ-  
τὴν ἐστειλατο

III Ma. 1. 19. αἱ δὲ καὶ προσαρτίως ἐσταλμέναι  
4. 11. τοῖς ἐκ τούτων εἰς τὴν χώραν στελλομένοις  
[Aq. Ge. 8. 1.]

**στεμφύλλον** (-υλον). (1) מִטְפָּלָן  
Nu. 6. 4. οἶνον ἀπὸ στεμφύλλων ἕως γιγάρτου  
οὐ φάγεται (1)  
[Aq. Ps. 118 (119). 119: Is. 1. 25.]

**στεναγμός.** (1) חֲרָבָה (2) חֲרָבָה (3) חֲרָבָה  
(4) חֲרָבָה (5) חֲרָבָה (6) חֲרָבָה

Ge. 3. 16. πληθυνῶ . . . τὸν στ. σου (3)  
Ex. 2. 24. εἰσῆκουσεν ὁ θ. τὸν στ. αὐ. (4)  
6. 5. εἰσῆκουσα τὸν στ. τῶν νῶν Ἰσρ. (4)  
Jd. 2. 18. παρεκλήθη κ. ἀπὸ τοῦ στ. αὐ. (4)  
To. 3. 1. B ἠρξάμην προσευχεσθαι μετὰ στεναγμῶν  
[A B α.]  
Ju. 14. 16. ἐβόησε . . . μετὰ . . . στεναγμοῦ

Jb. 3. 24. πρὸ γὰρ τῶν σίτων μου στεναγμός  
ἦκει (1)  
23. 2. ἡ χεὶρ αὐτοῦ βαρεῖα γέγονεν ἐπ' ἐμὲ στ.  
[A B α.] (1)

Ps. 6. 6. ἐκοπίασα ἐν τῷ στ. μου (1)  
11 (12). 5. ἀπὸ τοῦ στ. τῶν πενήτων (2)  
30 (31). 10. καὶ τὰ ἐγὼ μου ἐν στεναγμοῖς (1)  
87 (88). 8. ὠρνούμεν ἀπὸ στεναγμοῦ τῆς καρ-  
δίας μου (5)

— 9. ὁ στ. μου οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ σοῦ (1)  
78 (79). 11. εἰσελθέτω ἐνώπιόν σου ὁ στ. τῶν  
πεπεδημένων (2)  
101 (102). 5. ἀπὸ φωνῆς τοῦ στ. μου (1)  
— 20. τοῦ ἀκούσαι τὸν στ. τῶν πεπεδημένων (2)

Wi. 11. 12. στεναγμοὶ μνημῶν τῶν παρελθουσῶν  
[A B -όντων]

Si. 27. 14. B ἡ μάχη αὐτῶν στεναγμός [A B B ε-  
μ-φραγμός] ὁπίω (1)  
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον  
. . . καὶ στεναγμῷ ἐκ κόπης (2)

Is. 35. 10: 51. 11. ἀπὸ δάδων καὶ λύπης καὶ  
στεναγμῶν (1)  
Jc. 4. 31. φωνῆς ὡς ὠδινούσης ἤκουσα τοῦ στ.  
σου (6)

51. 33 (45. 3). ἐκοιμήθην ἐν στεναγμοῖς (1)  
La. 1. 22. πολλοὶ οἱ στ. μου (1)  
Ez. 24. 17. στεναγμοὶ αἵματος +

III Ma. 1. 18. στεναγμῶν ἐν ἐπιπλυν τὰς πλατείας  
4. 2. A στεναγμοὶ πεπυρρωμένους πάντοθεν αὐ. τῆς  
καρδίας [B α.]

[Aq. Jb. 3. 24: Ps. 30 (31). 11: Jc. 45. 3  
(51. 33).]  
[Th. Jc. 45. 3 (51. 33): Ez. 30. 24.]  
[Al. Pr. 19. 12.]

**στενάξιν.** (1) חָרָבָה (2) חָרָבָה (3) חָרָבָה ni,  
(4) חָרָבָה (5) חָרָבָה (6) חָרָבָה (7) חָרָבָה  
(8) חָרָבָה (9) חָרָבָה pi.

To. 3. 1. B καὶ στενάξας ἔκλαυσα [A B α.]  
Jb. 9. 27. συγκύψας τῷ προσώπῳ στενάξω +  
18. 20. ἐπ' αὐτῷ ἐστίναξαν ἔσχατοι —

23. 2. A στενάξω δὲ ἐπ' ἐμαυτὸν [B B α.] +  
24. 12. ψυχὴ δὲ νηπίων ἐστίναξε μέγα (6)  
30. 25. ἐστίναξα ἰδὼν ἄνδρα ἐν ἀνάγκῃ (8)  
31. 38. εἰ ἐπ' ἐμοὶ ποτε ἡ γῆ ἐστίναξε (6)

Ec. 10. 18. A ἐν ἀργίᾳ χειρῶν στενάξει [B B  
στάξει] ἡ οἰκία +

Wi. 5. 3. B διὰ στενοχωρίαν πνεύματος στενάζοντες  
[A B -άζονται, B -άζουσιν]

Si. 16. 3. B στενάξεις γὰρ πένθει ὁδῶν  
30. 20. στενάζων ὥσπερ εὐνοῦχος περιλαμβάνων  
παρθένον καὶ στενάζων

36. 30 (27). οὐ οὐκ ἔστι γυνὴ στενάξει πλανώμενος  
Na. 3. 7. τίς στενάξει αὐτὴν [A ἀπὸ σοῦ] (7)  
Is. 19. 8. στενάξουσιν οἱ ἀδελφεοὶ καὶ στενάξουσιν  
πάντες οἱ βαλλόντες ἄγκιστρον (2, 1)

21. 2. νῦν στενάξω καὶ παρακαλέσω ἐμαυτὸν +  
24. 7. στενάξουσιν πάντες οἱ εὐφραυνόμενοι τὴν  
ψυχὴν (3)

30. 15. θῶν ἀποστραφεὶς στενάξῃς [A -η] +  
46. 8. μνήσθητι ταῦτα καὶ στενάξατε (5)  
59. 11. ὡς ἀποθνήσκοντες στενάξουσιν (6)

Jc. 38 (31). 19. ἐστίναξα [B μετεστ.] ἐφ' ἡμέ-  
ρας [B -αἰς] αἰσχύνῃς  
La. 1. 8. αὕτη στενάξουσα καὶ ἀπεστράφη [A  
add. εἰς τὴν] ὀπίσω (3)

— 21. ἀκούσατε δὴ ὅτι στενάξω ἐγὼ (3)  
Ez. 21. 6 (11). ἐν δόλαις στενάξεις (3)  
— 7 (12). ἔνεκα τίνος σὺ στενάξεις (3)  
26. 15. ἐν τῷ στενάξει τραυματίας (4)

— 16. στενάξουσιν ἐπὶ σέ (4)  
28. 19. στενάξουσιν [A στυγνάζουσιν] ἐπὶ σέ +  
I Ma. 1. 26. καὶ ἐστίναξαν ἄρχοντες  
IV Ma. 9. 21. ὁ μεγαλόφρων . . . νεανίας οὐκ ἐστί-  
ναξεν

[Aq. Pr. 6. 11: Jc. 51 (28). 52.]  
[Sm. Pr. 6. 11: Ez. 24. 17.]  
[Th. Pr. 6. 11: Ez. 30. 24.]

**στενακτός.**  
Ez. 5. 15. ἔση στενακτὴ +  
**στενεῖν.** (1) חָרָבָה ni. (2) חָרָבָה (3) חָרָבָה  
Ge. 4. 12. στένων καὶ τρέμων ἔσθ' ἐπὶ τῆς γῆς (2)  
— 14. ἔσομαι στένων καὶ τρέμων ἐπὶ τῆς γῆς (2)

Jb. 10. 1. στένων ἐπαφίσσω ἐπ' αὐτὸν τὰ ῥήματά  
μου [A α.] +  
30. 28. στένων πεπύρνωμαι ἀνευ φημοῦ (8)  
Pr. 28. 28. ἐν τόποις ἀσεβῶν στένουσι δίκαιοι +  
29. 2. ἀρχόντων δὲ ἀσεβῶν στένουσιν ἄνδρες (1)

[Sm. Jb. 6. 5.]  
[Th. Ma. 2. 13.]

**στενός.** (1) חָרָבָה (2) חָרָבָה (3) חָרָבָה  
(4) חָרָבָה (5) חָרָבָה (6) חָרָבָה

Nu. 22. 26. ὑπέστη ἐν τόπῳ στ. (3)  
I Ki. 23. 14. καὶ ἐκάθισεν . . . ἐν τοῖς στ. (2 a)

— 19. οὐκ ἰδοὺ Δ. κέρυπται . . . ἐν τοῖς στ. (2 a)  
24. 1. ἐκάθισεν ἐν τοῖς στ. Ἐργ. (2 a)  
— 23. ἀνέβησαν εἰς τὴν Μ. στενήν (2 b)

II Ki. 24. 14. στενά [A -όν?] μοι πάντοθεν  
σφόδρα ἐστίν (3)

IV Ki. 6. 1. ὁ τόπος . . . στενὸς ἀπ' ἡμῶν (3)  
I Ch. 21. 13. στενά μοι καὶ τὰ τρία σφόδρα (3)

Ju. 4. 7. στενὴ τῆς προσβάσεως [B ἀναβ., A B  
διαβ.] ὁδὸς (1)

Jb. 18. 12. ἔλθοισαν ἐν [A ἔλθοι] λιμῷ στενῷ +  
24. 11. ἐν στενοῖς [A B σκοτεινοῖς] ἀδικῶς +

Pr. 23. 27. καὶ φέρεται στενὸν ἀλλότριον (3)  
Za. 10. 11. διελευσονται ἐν θαλάσσῃ στενῇ (3)

Is. 8. 22. ἰδοὺ ἀπορία στενὴ [A α.] (4)  
30. 20. δώσει κ. ὑμῖν . . . ὕδωρ στενόν (1)

49. 20. στ. μοι ὁ τόπος (3)  
Jc. 37 (30). 7. χρόνος στ. ἐστὶ τῷ Ἰακώβ (3)  
Ba. 3. 1. ψυχὴ ἐν στενοῖς καὶ πνεῦμα ἀκηδῶν (3)

Da. Th. Su. 22. στενά μοι πάντοθεν  
[Aq. I Ki. 28. 15: Jb. 41. 7: Ps. 30 (31). 10:  
68 (69). 18: Is. 59. 19.]

[Sm. I Ki. 28. 15: Is. 28. 20.]  
[Th. Is. 28. 20.]  
[Al. Jb. 18. 11.]

**στενότης.**  
II Ma. 12. 21. διὰ τὴν πάντων τῶν τόπων στ.

**στενοῦσθαι.**  
[Aq. Pr. 4. 12.]  
[Th. Is. 38. 12.]

**στενοχωρεῖν.** (1) חָרָבָה (2) חָרָבָה pi. (3) חָרָבָה  
(4) חָרָבָה

Jo. 17. 15. εἰ στενοχωρεῖ σε τὸ δρος τὸ Ἐφρ. (1)  
Jd. 16. 16. καὶ ἐστενοχώρησεν [A παρηναχλη-  
σεν] αὐτόν (2)

Is. 28. 19 (20). μάθετε ἀκούειν στενοχωρούμενοι (4)  
49. 19. στενοχωρήσει [B -η] ἀπὸ τῶν κατοι-  
κούντων (3)

IV Ma. 11. 11. τὸ πνεῦμα στενοχωρούμενος  
[Sm. I Ki. 22. 2: Is. 29. 2.]

**στενοχωρία.** (1) חָרָבָה (2) חָרָבָה (3) ὁ ἐν  
(τῇ) στενοχωρίᾳ (δν) חָרָבָה חָרָבָה

De. 28. 53, 55, 57. ἐν τῇ στ. σου καὶ ἐν τῇ θλίψει  
σου (1)

Es. 1. 1. ἰδοὺ . . . θλίψις καὶ στενοχωρία [A om.]  
4. 17. ἐνδύσασο ἱμάτια στενοχωρίας

Wi. 5. 3. διὰ στενοχωρίαν πνεύματος  
Si. 10. 26. μὴ δοξάζου ἐν καιρῷ στενοχωρίας σου  
Is. 8. 22. θλίψις καὶ στ. καὶ σκότος (2)

— 22 (23). οὐκ ἀπορηθήσεται ὁ ἐν στενοχωρίᾳ  
[B τῇ στ.] ὢν [A om.] (3)

30. 6. ἐν τῇ θλίψει καὶ [A B add. ἐν] τῇ στ. (2)  
I Ma. 2. 53. ἐν καιρῷ στενοχωρίας αὐ.

13. 3. αὐτοὶ οἶδατε . . . τὰς στ. [B om. τ. στ.]  
III Ma. 2. 10. εἰ . . . καταλάβῃ ἡμᾶς στενοχωρία  
[Aq. Sm. Is. 30. 6, 20.]  
[Th. Ps. 118 (119). 143: Is. 30. 6, 20.]

**στενός.** (1) חָרָבָה  
I Ki. 13. 6. B εἶδεν ὅτι στ. αὐτῷ μὴ προσάγειν  
αὐτόν (1)

**στεργεῖν.**  
Si. 27. 17. στεργέων φίλον καὶ πιστώθητι μετ' αὐτοῦ  
[Th. Dt. 15. 7.]

**στερεῖν.** (1) חָרָבָה (2) חָרָבָה  
Ge. 30. 2. δε ἐστέρησέ σε καρπὸν κοιλίας (2)

48. 11. A B τοῦ προσώπου σου οὐκ ἐστερήθην +



Nu. 24. 11. B<sup>1</sup> ἐστέρεσέν [AB<sup>2</sup>B-ησέ] σε κύριος  
της δόξης (2)

Es. 8. 13. της ἀρχῆς στερήσαι [B<sup>1</sup>-έσαι] ἡμᾶς (2)

Jb. 22. 7. πεινώμενος ἐστέρησας ψυμὸν (2)

Ps. 20 (21). 2. τὴν δέσιν [B<sup>1</sup> θέλῃσιν] τῶν  
χειλέων αὐτοῦ οὐκ ἐστέρησας αὐτὸν (2)

77 (78). 30. οὐκ ἐστέρηθησαν ἀπὸ τῆς ἐπιθυ-  
μίας αὐτῶν (1)

83 (84). 11. B<sup>1</sup> κύριος οὐ στερήσκει [AB B<sup>1</sup>  
οὐκ ὑπερήσκει] τὰ ἀγαθὰ τοὺς πο-  
ρευομένους ἐν ἀκακίᾳ (2)

Wi. 18. 4. ἀξιοὶ μὲν γὰρ ἐκείνοι [A-ου] στερηθῆναι  
φωτός (2)

Si. 7. 21. μὴ στερήσης αὐτὸν ἐλευθερίας

28. 15. B<sup>1</sup> ἐστέρεσεν [A-αν, B<sup>1</sup>B-ησεν] αὐτὰς  
τῶν πόνων αὐτῶν (2)

37. 21. πάσης σοφίας ἐστέρηθη

II Ma. 8. 29. πάσης ἐπαιρημένης ἐλπίδος

13. 10. τοῖς τοῦ νόμου . . . στερείσθαι μέλλουσι

III Ma. 1. 12. καὶ εἰ ἐκείνους ἐστέρηται ταῖς τῆς  
τιμῆς (2)

2. 33. καὶ τῆς κουχῆς συναναστροφῆς . . . ἐστέρου

5. 32. τὸ ἦν ἀντὶ τούτων ἐστέρηθη

IV Ma. 4. 7. εἰ οὐ . . . πιστευσάντες . . . στερηθί-  
σονται (2)

12. 6. αὐτὴν ἐλείψας τοσοῦτων νύων στερηθείσαν

[Aq. Pr. 6. 32.]

[Sm. Jb. 31. 39.]

**στερέμιος.**

[Aq. Ge. 41. 2.]

**στερεοκαθρίδος.** (1) שָׁרֵפֶת

Ez. 2. 4. A υἱοὶ σκληροπρόσωποι καὶ στ. (1)

[Aq. Ez. 2. 4 (Sw.)]

[Th. Ez. 2. 4.]

**στερεός.** (1) יָבֵשׁ (2) יָבֵשׁ (3) שָׁרֵפֶת

(4) רִיף (5) שָׁרֵפֶת (6) שָׁרֵפֶת (7) στ.

πέτρα a. γ. δ. γ. c. שָׁרֵפֶת

Ex. 38. 14 (37. 17). ἐποίησε τὴν λυχρίαν . . .

στερεάν τὸν καλὸν (6)

— 16 (37. 22). καὶ τὸ ἐνδύμενον . . . στ. διον

χρυσῶν (6 ?)

Le. 14. 42. AB λήγονται λίθους ἀπεξυσμένους

στ. [B ἐτέρος] +

Nu. 8. 4. αὐτὴ ἡ κατασκευὴ τῆς λυχρίας στερεά

χρυσή . . . στερεὰ δὴ (6, 8)

De. 32. 13. καὶ ἔλαιον ἐκ στ. πέτρας (8)

I Ki. 4. 8. ἐκ χειρὸς τῶν θῶν τῶν στ. τούτων (1)

Ps. 34 (35). 10. ρυόμενος πτωχὸν ἐκ χειρὸς [A

στ.] στερεωτέρων αὐτοῦ (4)

Is. 2. 21. τοὺς εἰσελθεῖν εἰς τὰς τρώγλας τῆς στ.

πέτρας (7 a)

5. 28. ὡς στερεὰ πέτρα ἐλογίσθησαν (7 b)

17. 5. ἔαν τις συναγάγῃ στᾶν ἐν φάραγγι στερεά

50. 7. ἔθηκε τὸ πρόσωπόν μου ὡς στερεάν

πέτραν (7 c)

51. 1. ἐμβλέψατε εἰς τὴν στ. πέτραν (7 a)

Jc. 15. 18. ἡ πληγὴ μου στερεά (3)

20. 13. AB ἐκ χειρὸς στερεωτέρων [B στ.]

πονηρευμένων [A αὐτοῦ] +

37 (30). 14. πληγὴν ἐχθροῦ ἐπαῖσα σε παιδείαν

στερεάν (2)

38 (31). 11. ἐξέλιτο αὐτὸν ἐκ χειρὸς στερεω-  
τέρων αὐτοῦ (4)

[Aq. Dt. 8. 15 : 82. 31 δις : II Ki. 2. 16 : Ps.

26 (27). 5 : 27 (28). 1 : 30 (31). 3 : 60 (61).

3 : 61 (62). 8 : 73 (74). 15 : Is. 8. 14 : 30. 29 :

Jc. 49. 19 (29. 20) : Hb. 1. 12.]

[Sm. II Ki. 2. 16 : Ps. 60 (61). 3 : 72 (73). 4 :

Ez. 13. 10.]

[Quint. Ps. 27 (28). 1 : 30 (31). 3. 4.]

**στερεόν.** (1) רִיף (2) רִיף a. gal. δ. pi.

(3) רִיף pi. (4) רִיף ni. (5) רִיף

(6) רִיף (7) רִיף ni. (8) רִיף (9) רִיף

(10) רִיף ni. (11) רִיף a. gal. δ. hi.

(12) רִיף pi.

I Ki. 2. 1. ἐστερέθη ἡ καρδία μου ἐν κρυφῇ (8)

6. 18. ἐκ πόλεως ἐστερεωμένης καὶ ἔως κομῆς

τοῦ φ. (6)

Jb. 37. 18. A στερεωθεὶς [B B-ωσις, B-ώσις]

μετ' αὐτοῦ εἰς παλαιώματα (11 b)

Ps. 17 (18). 17. ἐστερεώθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1)

32 (33). 6. τῷ λόγῳ τοῦ κυρίου οἱ οὐρανοὶ

ἐστερεώθησαν (10)

74 (75). 3. ἐγὼ ἐστερέωσα τοὺς στύλους αὐτῆς (12)

92 (93). 1. ἐστερέωσε τὴν οἰκουμένην (4)

135 (136). 6. τῷ στερεώσαντι τὴν γῆν ἐπὶ τῶν

υδάτων (11 a)

Si. 3. 2. κρίνει μὴτρός ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς

28. 10. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιατρέπτω στερέωσον φυλακὴν

29. 3. στερέωσον λόγον καὶ πιστώθητι μετ' αὐτοῦ

34 (31). 11. στερεωθήσεται τὰ ἀγαθὰ αὐτοῦ

39. 28. ἐν θυμῷ αὐτῶν ἐστερέωσαν [B<sup>1</sup>-εν] μάλιστα

αὐτῶν

42. 11. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιατρέπτω στερέωσον φυλακὴν

— 17. δ ἐστερέωσε κύριος ὁ παντοκράτωρ

— 25. ἐν τοῦ ἐνὸς ἐστερέωσε τὰ ἀγαθὰ

45. 8. ἐστερέωσεν αὐτὸν σκένυσιν [B ἐν σκ.] ἰσχύος

50. 1. ἐν ἡμέραις αὐτοῦ ἐστερέωσε τὸν ναόν

Ho. 13. 4. B στερεῶν [AB ὁ στ.] τὸν οὐρανόν

Am. 4. 13. στερεῶν βροντὴν καὶ κτίζων πνεῦμα

Is. 42. 5. ὁ θεὸς . . . ὁ στερεώσας τὴν γῆν (11 a)

44. 24. ἐστερέωσα τὴν γῆν (11 a)

45. 12. τῇ χειρὶ μου ἐστερέωσα τὸν οὐρανόν

48. 13. ἡ δεξιὰ μου ἐστερέωσε τὸν οὐρανόν

51. 6. ὁ οὐρανὸς ὡς καπνὸς ἐστερεώθη

Je. 5. 3. ἐστερέωσαν [A-ώθησαν] τὰ πρόσωπα

αὐτῶν ὑπὲρ πέτραν (2 b)

10. 4. ἤλθοι ἐστερέωσαν αὐτὰ (2 b)

52. 6. ἐστερεώθη ὁ λιμὸς ἐν τῇ πόλει (2 a)

La. 2. 4. ἐστερέωσε δεξιὰν αὐτοῦ ὡς ὑπεραντίος (7)

Ez. 4. 7. τὸν βραχίονά σου στερέωσεις

Da. LXX. 8. 24. στερεωθήσεται ἡ ἰσχύς αὐ.

I Ma. 9. 62. A καὶ ἐστερέωσεν [B B-αν] αὐτὴν

10. 50. ἐστερέωσε τὸν πόλεμον σφόδρα

[Aq. I Ki. 13. 21 : Jb. 37. 18 : Pr. 16. 30 : Is.

28. 4.]

[Sm. Ps. 26 (27). 14 : 30 (31). 25 : 88 (89). 22.]

[Th. Pr. 16. 30.]

[Al. Ex. 14. 17.]

[Sext. Ps. 74 (75). 4.]

**στερέωμα.** (1) שָׁרֵפֶת (2) שָׁרֵפֶת (3) שָׁרֵפֶת

Ge. 1. 6. γενεθῆναι στερέωμα ἐν μέσῳ τοῦ ὕδατος (2)

— 7. ἐποίησεν ὁ θ. τὸ στ. (2)

— 7. δ ἦν ὑποκάτω τοῦ στ. (2)

— 7. ἀνὰ μέσον τοῦ ὕδατος τοῦ ἐπάνω τοῦ στ. (2)

— 8. ἐκάλεσεν ὁ θ. τὸ στ. οὐρανόν

— 14. γενεθῆναι φωστῆρες ἐν τῷ στ. τοῦ

οὐρ. (2)

— 15. ἔστωσαν εἰς φαῖσιν ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρ. (2)

— 17. ἔθετο αὐτοῦς ὁ θ. ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρ. (2)

— 20. πετεινὰ πετόμενα . . . κατὰ τὸ στ. τοῦ οὐρ. (2)

Ex. 24. 10. ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐρ. +

De. 33. 26. καὶ ὁ μεγαλοπρεπὴς τοῦ στ. (3)

I Es. 8. 81. δοῦναι ἡμῖν στερέωμα ἐν τῇ 'I.

Es. 9. 29. τὸ τέ τε στ. τῆς ἐπιστολῆς τῶν φρ.

— 30. B<sup>1</sup> τό τε στ. τῆς ἐπιστολῆς

Ps. 17 (18). 2. κύριος στερέωμά μου

18 (19). 1. ποιήσιν δὲ χειρῶν αὐτοῦ ἀναγγέλλει

τὸ στ. (2)

70 (71). 3. στερέωμά μου καὶ καταφυγὴ μου

εἰ σὺ (1)

72 (73). 4. καὶ στερέωμα ἐν τῇ μαστίγῃ αὐτῶν

150. 1. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν στερεώματι δυνάμει

αὐτοῦ (2)

Si. 43. 1. γαυρίαμα ὕψους στερέωμα καθαριότητος

— 8. ἐν στερεώματι οὐρανὸν ἐκλάμπων

Ez. 1. 22. ὁμοίωμα ὑπὲρ κεφαλῆς . . . ὥσει

στερέωμα

— 23. ὑποκάτωθεν τοῦ στ. αἱ πτέρυγες αὐτῶν

ἐκτεταμέναι (2)

— 25. φωνὴ ὑπεράνωθεν τοῦ στ. (2)

— 26. A ὑπέρνω τοῦ στ. τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς

αὐτῶν (2)

10. 1. ἐπάνω τοῦ στ. τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς τῶν

χειρῶν (2)

13. 5. οὐκ ἔστησαν ἐν στερεώματι

Da. LXX. 3. (56). εὐλογητὸς εἰ ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρανὸ

Da. Th. 3. (56). εὐλογητὸς εἰ ἐν τῷ στ. τοῦ οὐρανὸ

12. 3. ὡς ἡ λαμπρότης τοῦ στ. (2)

I Ma. 9. 14. τὸ στ. τῆς παρεμβολῆς ἐν τοῖς δεξιοῖς

[Aq. Ge. 1. 6, 8, 20 : Ps. 150. 1 : Ez. 4. 16.]

[Sm. Ge. 1. 6, 8, 20 : Jb. 37. 18 : Ps. 150. 1 :

Ez. 4. 16.]

[Th. Ge. 1. 6, 8, 20 : Ez. 1. 26 : 4. 16 : Da. 3.

(56) : 12. 3.]

[Al. Ex. 14. 27.]

**στερεωμάτιζεν.**

[Aq. II Ki. 22. 43.]

**στερέωσις.** (1) שָׁרֵפֶת hi.

Jb. 37. 18. B B στερέωσις [B-σεις, A-ωσεις]

μετ' αὐτοῦ εἰς παλαιώματα (1)

Si. 28. 10. κατὰ τὴν στ. τῆς μάχης ἐκκαυθήσεται

στερείσκειν. (1) שָׁרֵפֶת pi.

Ec. 4. 8. στερείσκω τὴν ψυχὴν μου ἀπὸ ἀγαθῶ-

σύνης (1)

**στερνον.**

Si. 26. 18. πόδες ὄρατοι ἐπὶ στέρνοις εὐσταθοῦς [B<sup>1</sup>

πτέρνοις εὐστάθμοις]

**στερρὼς.**

[Sm., Th. Pr. 20. 21.]

**στεφάνη.** (1) רִיף (2) רִיף (3) רִיף

(4) רִיף

Ex. 25. 23 (24). ποιήσεις αὐτὴν στεφάνην παλαι-

στοῦ (1)

— 24 (25). ποιήσεις στρεπτὸν κυμάτιον τῇ στ.

κύκλῳ (2)

— 25 (27). ἐπιθήσεις . . . ὑπὸ τὴν στ. (2)

27. 3. ποιήσεις στεφάνην τῷ θυσιαστηρίῳ

30. 3. ποιήσεις αὐτὴν στρεπτὴν στ. χρυσοῦν

κύκλῳ (1)

— 4. ποιήσεις ὑπὸ τὴν στρεπτὴν στ. αὐ.

De. 22. 8. ποιήσεις στεφάνην τῷ δώματι σου (3)

Za. 6. 11. B<sup>1</sup> ποιήσεις στεφάνην [AB B<sup>1</sup>-ους] (3)

Jc. 52. 18. τὴν στ. καὶ τὰς φιάλας

[Sm. Ex. 25. 10 (11) : 87 (88). 2.]

[Th. Ex. 37. 12 (38. 11) δις, 14 (38. 11).]

[Al. Ex. 25. 26 (27).]

**στεφανηφορεῖν.**

Wi. 4. 2. ἐν τῷ αἰῶνι στεφανηφοροῦσα πομπεῖται [A<sup>1</sup>

στεφανηφόρος ἀποπέμπτει]

**στεφανηφόρος.**

Wi. 4. 2. A<sup>1</sup> στεφανηφόρος ἀποπέμπτει [A<sup>2</sup>B<sup>1</sup>B al.]

**στέφανος.** (1) שָׁרֵפֶת (2) שָׁרֵפֶת (3) שָׁרֵפֶת

(4) שָׁרֵפֶת

Is. 62. 3. ἔστη στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου (4)  
 Je. 13. 18. καθρέψε ἀπὸ κεφαλῆς ὑμῶν στέφανος διόξης ὑμῶν (4)  
 La. 2. 15. Ἀβ<sup>3</sup> S στέφανος διόξης [B<sup>1</sup> R om.]  
 εὐφροσύνης (2)  
 5. 16. ἔπεισεν ὁ στ. ἡμῶν τῆς κεφαλῆς (2)  
 Ep. Je. 9. κατασκευάζουσι στεφάνους (4)  
 Ez. 16. 12. ἔδωκα . . . στέφανον καυχήσεως (4)  
 21. 26 (31). ἐπέθεν τὸν στ. αὐτῇ (4)  
 23. 42. ἐδίδωσαν . . . στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὰς κεφαλὰς αὐτῶν (4)  
 28. 12. στέφανος κάλλους . . . ἐγενήθη (2)  
 I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τοὺς στ. (2)  
 4. 57. κατεκόσμησαν τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ στ. χρυσοῖς (2)  
 10. 20. ἀπέστειλεν αὐτῷ . . . στ. χρυσοῦν — 29. ἀφίμμι πάντας τοὺς 'I. . . ἀπὸ τῶν στ. (2)  
 11. 35. καὶ τοὺς ἀνίκοντας ἡμῖν στ. (2)  
 13. 37. τὸν στ. τὸν χρυσοῦν . . . κεκοσμήσατο — 39. ἀφίμεν δὲ ὑμῖν . . . τὸν στ. (2)  
 II Ma. 14. 4. προσάγων αὐτῷ στ. χρυσοῦν (2)  
 [Aq. Pr. 14. 24: Is. 28. 1: 61. 3, 10.]  
 [Sm. Is. 28. 1: 61. 10: Ez. 24. 17, 23.]  
 [Th. Pr. 14. 24: Is. 28. 1: 61. 3: Ez. 27. 3.]  
 [Sam. Ex. 37 (38). 2.]  
 [Al. Le. 8. 9.]

στεφανούν. (1) ἡβ<sup>3</sup> a. qal. δ. pi.  
 Ju. 15. 13. ἐστεφανώσαντο [A - ατο] τὴν ἐλαίαν (1)  
 Ps. 5. 12. ὡς ὄπλημ εὐδοκίας ἐστεφάνωσας ἡμᾶς (1)  
 8. 5. δόξα καὶ τιμὴ ἐστεφάνωσας αὐτὸν (1)  
 102 (103). 4. τὸν στεφανώσαντα σε ἐν ἐλπίδι (1)  
 Ca. 3. 11. φ<sup>3</sup> ἐστεφάνωσεν αὐτὸν ἡ μήτηρ αὐτοῦ (1)  
 III Ma. 3. 28. καὶ τῆς ἐλευθερίας στεφανωθήσεται (1)  
 IV Ma. 17. 15. τοὺς ἐαυτῆς ἀδελφὰς στεφανώσας (1)  
 [Aq. Ps. 5. 13.]  
 [Sm. Ps. 5. 13: 141 (142). 8.]  
 [Al. Dt. 24. 22 (20).]

στέφειν.  
 Wi. 2. 8. στεφνώμεθα ῥόδων κάλυξι (2)  
 [Aq. Ps. 8. 6.]  
 [Th. Pr. 14. 18.]

στήφος.  
 III Ma. 4. 8. βρόχους ἀντὶ στεφῶν τοὺς αὐχένα περιπελεγμένοι (1)  
 στήθος. (1) ἡβ<sup>3</sup> (2) ἡβ<sup>3</sup> (3) ἡβ<sup>3</sup>

Je. 2. 32. μὴ ἐπὶ τῷ στ. . . παρθένος τὴν στ. αὐτῆς (1)  
 στήθος. (1) ἡβ<sup>3</sup> (2) ἡβ<sup>3</sup> (3) ἡβ<sup>3</sup>  
 Ge. 3. 14. ἐπὶ τῷ στ. σου . . . πορεύσῃ (1)  
 Ex. 28. 23 (29). ἐπὶ τοῦ λογιείου τῆς κρίσεως ἐπὶ τοῦ στ. (3)  
 — 26 (30). ἔσται ἐπὶ τοῦ στ. 'A. (3)  
 — 26 (30). οἶσει 'A. τὰς κρίσεις . . . ἐπὶ τοῦ στ. (3)  
 Jb. 39. 20. δόξαν δὲ στήθεω αὐτοῦ τόλμῃ (3)  
 Pr. 6. 10. ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζῃ χερσὶ στήθῃ (3)  
 24. 48 (33). ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίζομαι χερσὶ στήθῃ (3)  
 Da. LXX. 2. 32. τὸ στ. καὶ οἱ βραχιόνες ἀργυροὶ (2)  
 Da. TH. 2. 32. τὸ στ. καὶ οἱ βραχιόνες αὐ. ἀργυροὶ (2)  
 [Aq. Le. 11. 42: Je. 17. 1.]  
 [Sm. Pr. 8. 3: 7. 3: Je. 17. 1.]  
 [Th. Je. 17. 1: 31 (38). 33.]

στηθύνειν (-θύν). (1) ἡβ<sup>3</sup>  
 Ex. 29. 26. λήψῃ τὸ στ. ἀπὸ τοῦ κριοῦ (1)  
 — 27. ἀγιάσεις τὸ στ. ἀφ' ὀρίσματος (1)  
 Le. 7. 20 (30). τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τοῦ στ. (1)  
 — 21 (31). ἔσται τὸ στ. 'A. (1)  
 — 24 (34). τὸ γὰρ στ. τοῦ ἐπιθέματος . . . εὐλῆφα (1)  
 8. 28 (29). λαβὼν M. τὸ στ. (1)  
 9. 20. ἐπέθηκε τὰ στέατα ἐπὶ τὰ στ. (1)  
 — 21. τὸ στ. . . ἀφείλεν 'A. ἀφαίρεμα (1)  
 10. 14. τὸ στ. τοῦ ἀφορίσματος . . . φάγεσθε (1)  
 — 15. τὸ στ. τοῦ ἀφορίσματος . . . προσοίσουσιν (1)  
 Nu. 6. 20. ἄγιον ἔσται τῷ 'I. ἐπὶ τοῦ στ. τοῦ ἐπιθέματος (1)  
 18. 18. καθὰ καὶ τὸ στ. τοῦ ἐπιθέματος (1)

στήκειν. (1) ἡβ<sup>3</sup> hithp. (2) ἡβ<sup>3</sup> ni. (3) ἡβ<sup>3</sup>  
 Ex. 14. 13. Ἀ στήκετε [B στήγε] καὶ ὁράτε (1)  
 Jd. 16. 26. B ἐφ' οἷς ὁ οἶκος στήκει ἐπ' αὐτοὺς [A R al.] (2)  
 III Ki. 8. 11. οὐκ ἠδύναντο οἱ 'I. στήκειν [A στήκαι] (3)  
 [Aq., Th. Jo. 10. 19.]  
 στήλη. (1) ἡβ<sup>3</sup> (2) a. ἡβ<sup>3</sup> δ. ἡβ<sup>3</sup>  
 c. ἡβ<sup>3</sup>

Ge. 19. 26. καὶ ἐγένετο στήλη ἀλός (2)  
 28. 18. ἔστησεν αὐτὸν στήλην (2)  
 — 22. ὃν ἔστησα στήλην (2)  
 31. 13. φ<sup>3</sup> ἡλειψάς με ἐκεῖ στήλην (2)  
 — 45. ἔστησεν αὐτὸν στήλην (2)  
 — 48 (51). ἡ στ. αὐτῇ ἦν ἔστησα (2)  
 — 48 (52). μαρτυρεῖ ἡ στ. αὐτῇ (2)  
 — 51. B μάρτυς ἡ στ. αὐτῇ (2)  
 — 52. μηδὲ σὺ διαβῆς πρὸς μέ . . . τὴν στ. ταύτην (2)  
 35. 14. ἔστησεν 'I. στήλην . . . στ. λιθίνην (2)  
 — 20. ἔστησεν 'I. στήλην (2)  
 — 20. αὐτῇ ἐστὶν στήλη μνημείου 'Ραχὴλ (2)  
 Ex. 28. 24. συντρίβων συντρίψεις τὰς στ. αὐ. (2)  
 29. 29. Ἀ ἡ στ. [B στολή] τοῦ ἀγίου ἡ ἐστὶν 'A. (2)  
 34. 13. τὰς στ. αὐ. συντρίψετε (2)  
 Le. 26. 1. οὐδὲ στήλην ἀναστήσετε ὑμῖν — 30. ἐρημώσω τὰς στ. ὑμῶν (2)  
 Nu. 22. 28. κατέπτε στήλας 'Αρνὼν (1)  
 22. 41. ἀνέβιβασεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν στ. τοῦ B. (1)  
 33. 52. πάσας τὰς στ. αὐ. ἐξερίετε (1)  
 De. 7. 5. τὰς στ. αὐ. συντρίψετε (2)  
 12. 3. συντρίψετε τὰς στ. αὐ. (2)  
 16. 22. οὐ στήσεις σεαυτῷ στήλην (2)  
 II Ki. 18. 18. B ἔστησεν αὐτῷ τὴν στ. — 18. τὴν στ. [A στήλωσιν] τὴν ἐν τῇ κοιλάδι τοῦ βασι. (2)  
 — 18. A ἐκάλεσε τὴν στ. ἐπὶ τῷ ὀνόμ. αὐ. (2)  
 — 18. ἐκάλεσε τὴν στ. Χεῖρ Αβ. (2)  
 III Ki. 14. 23. φκοδόμησαν ἐαυτοῖς . . . στήλας (2)  
 IV Ki. 1. 18 (3. 2). ἀπέστησε τὰς στ. τοῦ B. (2)  
 3. 2. B μετέστησε τὰς στ. τοῦ B. (2)  
 10. 26. B ἐξήνεγκαν τὴν στ. [A B στολήν] τοῦ B. (2)  
 — 27. κατέσπασαν τὰς στ. τοῦ B. (2)  
 17. 10. ἐστήλωσαν ἐαυτοῖς στήλας (2)  
 18. 4. συνέτριψε τὰς [A πάσας τὰς] στ. (2)  
 23. 14: II Ch. 14. 3 (2). συνέτριψε τὰς στ. (2)  
 II Ch. 31. 1. συνέτριψαν τὰς στ. (2)  
 33. 3. ἔστησε στήλας τοῖς B. (2)  
 Wi. 10. 7. ἀπιστοῦσας ψυχῆς μνημείον ἐστήκει στήλη ἀλός (2)  
 Si. 45. 10. S στήλη [A B στολή] ἀγία χρυσοῦ καὶ ὑακινθῶ (2)  
 Ho. 10. 1. φκοδόμησε στήλας (2)  
 — 2. ταλαιπωρήσουσιν αἱ στ. αὐ. (2)  
 Mi. 5. 13 (12). ἐξολοθρεύσω . . . τὰς στ. σου (2)  
 Is. 19. 19. στήλη πρὸς τὸ ὄριον αὐτῆς τῷ κυρίῳ (2)  
 Ez. 8. 3. οὐ ἦν ἡ στ. τοῦ κτωμένου (2)  
 I Ma. 14. 27. A καὶ ἔθεντο ἐν στήλῃ [S R -ais] (2)  
 III Ma. 2. 27. ἐπὶ τοῦ κατὰ τὴν αὐλὴν πύργου στήλην ἀναστήσας (2)  
 7. 20. ὅς καὶ ἀνιέρωσαντες ἐν στήλῃ [Aq., Sm. Je. 43 (50). 13.] (2)  
 [Th. Ez. 26. 11.]  
 [Al. Ge. 31. 51, 52.]

στηλογραφία. (1) ἡβ<sup>3</sup>  
 Ps. 15 (16). tit. στηλογραφία τῷ Δαυὶδ (1)  
 55 (56). tit. : 56 (57). tit. : 57 (58). tit. : 58 (59). tit. τῷ Δαυὶδ εἰς στηλογραφίαν (1)  
 59 (60). tit. εἰς στηλογραφίαν τῷ Δαυὶδ (1)  
 [Quint. Ps. 55 (56). 1.]  
 στηλοῦν. (1) ἡβ<sup>3</sup> hithp. (2) a. ἡβ<sup>3</sup> ni. δ. hi. c. ἡβ<sup>3</sup> (3) ἡβ<sup>3</sup>  
 Jd. 18. 16. A ἐστήλωμένοι παρὰ τὴν θύραν [B al.] (2)  
 — 17. A ὁ 'Ιερεὺς ἐστήλωμένοι παρὰ τῇ θύρᾳ [B al.] (2)  
 I Ki. 17. 16. A ἐστήλωθη τεσσαράκοντα ἡμέρας (1)  
 II Ki. 1. 19. στήλωσαν, 'Ισρ., ὑπὲρ τῶν τεθυνηκότων [A al.] (1)

II Ki. 8. 14. A ἔθηκεν ἐστηλωμένους (2)  
 18. 17. ἐστήλωσεν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων μέγαν σφύδρα (2)  
 — 18. ἐστήλωσεν αὐτὴν (2)  
 — 30. στήλωσθι δὲ [A om.] (1)  
 23. 12. ἐστήλωθη ἐν μέσῳ τῆς μερίδος (1)  
 III Ki. 9. 23. A οὗτοι οἱ ἄρχοντες οἱ ἐστήλωμένοι (2)  
 22. 48. βασιλεὺς οὐκ ἦν ἐν 'E. ἐστήλωμένοι (2)  
 IV Ki. 17. 10. ἐστήλωσαν ἐαυτοῖς στήλας (2)  
 Is. 22. 23. B<sup>1</sup> στήλω [A B<sup>2</sup> S R στήσω] αὐτὸν ἄρχοντα (3)  
 La. 3. 12. ἐστήλωσέ με ὡς σκοπὸν εἰς βέλος (2)  
 [Aq. II Ki. 8. 6: III Ki. 9. 23: 22. 48: Ps. 38 (39). 6: 44 (45). 10: 73 (74). 17.]  
 [Sm. La. 2. 4.]  
 [Th. Ps. 73 (74). 17.]  
 [Al. Ge. 28. 13: Jd. 5. 30: I Ki. 8. 10.]

στήλωμα.  
 [Aq. Jd. 9. 6.]  
 [Th. Is. 6. 13.]

στήλωσις. (1) ἡβ<sup>3</sup>  
 II Ki. 18. 18. A τὴν στ. [B στήλην] τὴν ἐν τῇ κοιλάδι τοῦ βασι. (1)  
 [Aq. Is. 6. 13.]

στήμων. (1) ἡβ<sup>3</sup>  
 Le. 13. 48. ἡ ἐν στήμονι ἡ ἐν κρίκῃ — 49, 51. ἡ ἐν τῷ στ. ἡ ἐν τῇ κρίκῃ — 52. κατακαύσει τὸ ἱμάτιον ἡ τὸν στ. — 53. ἡ ἐν τῷ στ. ἡ ἐν τῇ κρίκῃ — 55. ἐστρίψεται ἐν τῷ ἱματίῳ ἡ ἐν τῷ στ. — 56. ἀπορήξει αὐτὸ . . . ἀπὸ τοῦ στ. — 57. εἰν δὲ ὀφθῇ ἐτι . . . ἐν τῷ στ. — 58. τὸ ἱμάτιον ἡ ὁ στ. — 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφῆς λέπρας . . . στήμωνος (1)

στήρ. cf. στέαρ.  
 Da. TH. Bel 27. A B ἔλαβε Δαν. πίσσαν καὶ στήρ [B στέαρ]

στήριγμα (-ισμα). (1) ἡβ<sup>3</sup> (2) ἡβ<sup>3</sup>  
 (3) ἡβ<sup>3</sup>

II Ki. 20. 19. ἐγὼ εἰμι εἰρηνικὰ τῶν στ. 'Ισρ. (1)  
 IV Ki. 25. 11. τὸ λοιπὸν τοῦ στ. μετῆρε N. (1)  
 II Es. 9. 8. A B<sup>2</sup> R δυνάμι ἡμῶν στήριγμα [? -ισμα, B<sup>1</sup> σωτήρισμα, B<sup>3</sup> σωτηρίαγμα] (2)  
 To. 8. 6. ἔδωκε αὐτῷ βοηθὸν Εὐδαν στήριγμα τὴν γυναῖκα αὐ. (2)  
 Ps. 71 (72). 16. ἔσται στήριγμα ἐν τῇ γῇ 104 (105). 16. πᾶν στήριγμα ἄρτον συνέτριψεν (3)  
 Si. 3. 31. ἐν καιρῷ πτώσεως ἐνρήσει στήριγμα 81 (84). 15. A B<sup>2</sup> S τὸς αὐτοῦ στήριγμα [B<sup>1</sup> R τὸς ἀντιστήριγμα αὐτοῦ] (2)  
 — 16. ὑπερασπισμός δυναστείας καὶ στήριγμα ἰσχυρός (2)  
 49. 15. ἡγούμενος ἀδελφῶν στήριγμα λαοῦ (2)  
 Ez. 4. 16. συντρίψω στ. ἄρτον ἐν 'Ιερουσαλὴμ (3)  
 5. 16. συντρίψω στ. ἄρτον σου (3)  
 7. 11. συντρίψει στ. ἀνόμου (3)  
 14. 13. συντρίψω [A add. ἀπ'] αὐτῆς στ. ἄρτον (3)  
 I Ma. 2. 43. καὶ ἐγένοντο αὐτοῖς εἰς στήριγμα 6. 18. ζητούντες . . . στήριγμα τοῖς ἔθνεσι 10. 23. τοῦ φιλίαν καταλαβέσθαι τοῖς 'I. εἰς στήριγμα (2)  
 [Aq. Ez. 40. 12, 14 (P.), 16 bis, 24, 26 (P.): 41. 3.]  
 [Sm. Is. 3. 1.]  
 [Al. Le. 26. 26.]

στηριγμός.  
 [Sm. Is. 3. 1.]

στηρίζειν. (1) a. ἡβ<sup>3</sup> δ. ἡβ<sup>3</sup> (2) ἡβ<sup>3</sup> (3) ἡβ<sup>3</sup> hi. (4) ἡβ<sup>3</sup> a. hiph. δ. hoph. (5) ἡβ<sup>3</sup> (6) ἡβ<sup>3</sup> a. qal. δ. ni. c. pi. (7) ἡβ<sup>3</sup> (8) ἡβ<sup>3</sup> hithp. (9) ἡβ<sup>3</sup>, ἡβ<sup>3</sup> (10) ἡβ<sup>3</sup> (11) ἡβ<sup>3</sup>  
 Ge. 27. 37. σίτω καὶ ὀνῶφ ἐστήρισα αὐτὸν (6)  
 28. 12. κλίμαξ ἐστήριγμένη ἐν τῇ γῇ (4)

Ex. 17. 12. ἐστήριζον τὰς χ. αὐτοῦ (10)  
— 12. ἐγένοντο αἱ χεῖρες M. ἐστηρικμέναι (1 a)  
Le. 13. 55. ἐστήρισται ἐν τῷ ἱματίῳ  
Jd. 19. 5. στήρισον τὴν καρδίαν σου ψυμῷ ἄρτου (7)  
— 8. στήρισον δὴ τὴν καρδίαν σου (7)  
I Ki. 26. 19. ἐξέβαλον με σήμερον μὴ ἐστηρίσθαι  
ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (8)  
IV Ki. 18. 16. συνέκοψιν Ἐξ. . . τὰ ἐστηρικμένα (1 b)  
— 21. ὅς ἐν στήριχθῇ ἀνὴρ ἐπ' αὐτὴν (6 b)  
Jb. 20. 7. Δ. ὅταν γὰρ δοκῇ ἡδὴ ἐστηρίχθαι [B B  
κατ'εστ.] †  
Ps. 50 (51). 12. πνευματικῶς στήρισόν με (6 a)  
103 (104). 15. ἄρτος καρδίας ἀνθρώπου στήριζει (7)  
110 (111). 8. ἐστηρικμέναι εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ  
αἰῶνος (6 a)  
111 (112). 8. ἐστήρικται ἡ καρδιά αὐτοῦ (6 a)  
Pr. 15. 25. ἐστήριξε [B' ἐστησεν] δι' ὅριον χήρας (4 a)  
16. 30. στήριζον δι' ὀφθαλμούς αὐτοῦ †  
27. 20. βδελύγμα κυρίῳ στήριζον ὀφθαλμόν  
Ca. 2. 5. στήριαστέ με ἐν μυροῖς (6 c)  
Si. 3. 9. εὐλογία γὰρ πατὴρ στήριξε οἴκου τέκνων  
5. 10. ἰσθὶ ἐστηρικμένον ἐν συνείσει σου  
6. 37. αὐτὸς στήριξε τὴν καρδίαν σου  
13. 21. πλούσιος σαλευόμενος στήριζεται ὑπὸ φίλων  
15. 4. στήριχθήσεται [Δ B -ισθί, σεται] ἐπ' αὐτὴν  
22. 16. καρδιά ἐστηρικμένη ἐπὶ διανοήματος βουλή  
24. 10. οὕτως ἐν ζωῇ ἐστηρίχθην  
38. 34. κτίσμα αἰῶνος στήριγνόντι [B οὐ στήριζουσιν]  
39. 32. ἐξ ἀρχῆς ἐστηρίχθην [B' -ισθην]  
40. 19. τέκνα καὶ οικοδομὴ πόλεως στήριζουσιν  
δογμα  
42. 17. στήριχθῆναι ἐν δόξῃ αὐτοῦ τὸ πᾶν  
Am. 9. 4. στήριξέ τοὺς ὀφθ. μου ἐπ' αὐτοὺς  
Is. 22. 25. κληθήσεται ὁ ἀνθρώπος ὁ ἐστηρικ-  
μένος ἐν τόπῳ πιστῷ (11)  
59. 16. τῇ κληρονομίᾳ ἐστηρίσαστο (6 a)  
Je. 3. 12. οὐ στήριω τὸ πρόσωπόν μου ἐφ' ὑμᾶς (3)  
17. 5. στήριξαι σάρκα βραχίονος αὐτοῦ ἐπ' αὐτόν (9)  
21. 10. ἐστήρικα [Δ -σα, B' -ξα] τὸ πρόσωπόν  
μου ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην εἰς κακίαν (9)  
24. 6. στήριω τοὺς ὀφθαλμούς μου ἐπ' αὐτοὺς (9)  
Ez. 6. 2. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὰ ὄρη  
17. 17. στήρισον τὸ πρόσωπόν σου  
14. 8. στήριω τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὸν ἀνθρώ-  
πον ἐκείνον (5)  
15. 7. Δ. στήριω [B δώσω] τὸ πρόσωπόν μου  
ἐπ' αὐτοὺς  
— 7. ἐν τῷ στήρισαί με τὸ πρόσωπόν μου ἐπ'  
αὐτοὺς (9)  
20. 46 (21. 2). στήρισον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ  
θαιμᾶν (9)  
21. 2 (7) : 25. 2 : 28. 21 : 29. 2 : 38. 2. στή-  
ρισον τὸ πρόσωπόν σου (9)  
Da. LXX. 7. 28. τὸ ῥῆμα ἐν καρδίᾳ μου ἐστήριξα (2)  
I Ma. 2. 17. Δ. B καὶ ἐστηρικμένον ἐν [B -ισμ.]  
νόμῳ  
— 49. Δ. B νῦν ἐστηρίχθῃ [B -ισθῇ] ὑπερηφανία  
14. 14. ἐστήριξε πάντας τοὺς ταπεινούς τοῦ λαοῦ αὐ.  
— 26. Δ. B ἐστήριξε [B -ισται] γὰρ αὐτός  
IV Ma. 17. 5. καὶ ἐστήριξαι ἐν οὐρανῷ σὺν αὐτοῖς  
[Aq. Is. 26. 3 : 63. 5.]  
[Sm. Ps. 103 (104). 15 : Pr. 8. 30 : Is. 49. 16 :  
63. 5.]  
[Th. Jd. 16. 29 : Pr. 8. 30.]  
**στήρισμα, vid. sub στήριγμα.**  
**στιβαρός.** (1) 723  
Ez. 3. 6. οὐδὲ στιβαροὺς τῇ γλώσσῃ ὄντας (1)  
**στιβαρός.**  
Hb. 2. 6. καὶ βαρύνων τὸν κλοιὸν αὐ. στ.  
**στιβάς.** †  
[Aq. Ez. 46. 23.]  
**στιβί cf. στίμμι.** (1) 718  
Je. 4. 30. ἀν' ἐγχρίστῃ στ. [Δ στίμμι] τοὺς ὀφθαλ-  
μούς σου  
[Aq., Sm., Th. Is. 54. 11.]  
**στιβί, στίμμι, vid. στίμμι.**  
**στίμμι.** (1) 723  
Ca. 1. 11. ὁμοιώματα χρυσίου ποιησόμεν σοι  
μετὰ στυγμάτων τοῦ ἀργυρίου (1)  
[Al. Jd. 5. 30.]

**στιγμή.** (1) 718  
Is. 29. 5. ἔσται ὡς στ. παραχρῆμα παρὰ κυρίου  
σαβασθ  
II Ma. 9. 11. κατὰ στιγμήν ἐπιτενόμενος ταῖς ἀλγυδούσι  
**στικτός.** (1) 723  
Le. 19. 28. γράμματα στ. οὐ ποιήσετε ἐν ὑμῶν (1)  
**στίλβειν.** (1) 723 (2) 723 hoph. (8) 723  
III Ki. 7. 47. Δ. οὐκ ἦν τέρμα τῶν σταθμῶν τοῦ  
χαλκοῦ στίλβοντος [B om.] —  
I Es. 8. 57. παρέδωκεν αὐτοῖς . . . στίλβοντα χρυ-  
σοειδὴ σκεύη δώδεκα  
II Es. 8. 27. σκεύη χαλκοῦ στίλβοντος ἀγαθῷ  
διάφορα (2)  
Na. 3. 3. φωνή . . . στίλβουσας ῥομφαίας (1)  
Er. Je. 24. οὐ μὴ στίλψωσιν  
Ez. 21. 29 (33). ἐγείρου ὅπως στίλβης †  
40. 3. ὡσεὶ ῥασαὶ χαλκοῦ στίλβοντος  
Da. Th. 10. 6. ὡς ῥασαὶ χαλκοῦ στίλβοντος (3)  
I Ma. 6. 39. ὡς δὲ ἴστανται ὁ ἥλιος  
— 39. ἴστανται τὰ ὄρη ἐπ' αὐτῶν  
[Sm. Jd. 5. 10 : Ps. 103 (104). 15.]  
**στίλβος.**  
[Sm. Le. 13. 36 : Ez. 27. 18.]  
**στίλβουν.** (1) 723  
Ps. 7. 12. τὴν μάχαιραν αὐτοῦ στίλβώσαι [A -σιν] (1)  
[Th. Ez. 21. 10 (15).]  
**στίλβωσις.** (1) 723  
Ps. 7. 12. Δ. τὴν ῥομφαίαν αὐ. στίλβωσιν [B B  
-σιν] . . . ἐνέτεινε †  
Ez. 21. 10 (15). ὅπως γένη εἰς στίλβωσιν  
— 15 (20). εὐ γέγονεν εἰς στίλβωσιν (1)  
**στιλπνότης.**  
[Aq. Dt. 7. 13 : Zl. 4. 14.]  
**στίμη.** (1) 718  
Je. 4. 30. Δ. ἐν ἐγχρίστῃ στίμῃ [B B στίμμι] τοὺς  
ὀφθαλμούς σου (1)  
**στιμίζεσθαι** (στιβ., στίμμι.). (1) 718  
(2) 718 διῶ  
IV Ki. 9. 30. B' ἐστιμίσαστο [B -ιμμι, Δ B'  
ἐστιβ.] τοὺς ὀφθ. αὐ.  
Ez. 23. 40. ἐστιμίζου τοὺς ὀφθαλμούς σου  
[Aq., Th. Ez. 23. 40.]  
**στίμμι.**  
[Aq., Sm., Th. Is. 54. 11.]  
**στιπνίνος, στιπνίνος, στιπνίνος.** (1) 723  
Le. 13. 47. ἐν ἱματίῳ ἔρεψ ἢ ἐν ἱματίῳ στ. (1)  
— 59. οὗτος ὁ νόμος ἀφ' ἑσέως ἱματίου ἔρεψ  
ἢ στ. [A om. ε. ἢ στ.] (1)  
**στιπνύν, στιπνύν, στιπνύν.** (1) 723  
(2) 723 (3) καλὰ μὴ στιπνύν  
Jd. 15. 14. ὡσεὶ στιπνύν ὁ ἐξεκαῖθῃ ἐν πυρὶ  
[A al.] (2)  
18. 9. ὡς εἰ τις ἀποσπάσει στρέμμα στιπνύν  
[A al.] (1)  
Si. 21. 9. στιπνύν συννηγμένον συναγωγὴ [A εἰσαγ.]  
ἀνόμῳ  
Is. 1. 31. ἔσται ἡ ἰσχὺς αὐτῶν ὡς καλὰ μὴ στιπνύν (3)  
Da. LXX. 3. (46). οἱ δὲ ὑπὲρ καὶ ὑποκάτωθεν αὐτῶν  
. . . στιπνύν  
Da. Th. 3. (46). καίοντες τὴν κάμινον . . . στιπνύν  
[Al. Le. 13. 48.]  
**στίφος.**  
[Sm. Ca. 6. 9 (10).]  
**στιχίλειν.**  
Ez. 42. 3. Δ. B ἐξέδρα . . . ἐστιχισμένοι [B ἐστοιχ.] —  
**στίχος.** (1) 723  
Ez. 28. 17. στίχος λίθων ἔσται (1)  
— 17. τοπάριον καὶ σμάραγδος ὁ στ. ὁ εἰς (1)  
— 18. καὶ ὁ στ. ὁ δεύτερος (1)  
— 19. καὶ ὁ στ. ὁ τρίτος (1)  
— 20. καὶ ὁ στ. ὁ τέταρτος (1)  
— 20. ἔστωσαν κατὰ στίχον αὐ.  
†

Ex. 38. 17 (39. 10). στίχος λίθων (1)  
— 17 (39. 10). ὁ στ. ὁ εἰς (1)  
— 18 (39. 11). ὁ στ. ὁ δεύτερος (1)  
— 19 (39. 12). ὁ στ. ὁ τρίτος (1)  
— 20 (39. 13). ὁ στ. ὁ τέταρτος (1)  
III Ki. 6. 36. τρεῖς στίχους ἀπέλεκτων (1)  
— 36. καὶ στίχος κατεργασμένης κέδρου (1)  
7. 18. δύο στίχοι ῥῶν χαλκῶν . . . στίχος ἐπὶ  
στίχον (1, -, -)  
— 20. Δ. καὶ τῶν ῥῶν πέντε στίχοι κύκλω (1)  
— 24. Δ. δύο στίχοι τῶν ὑποστηρικτῶν (1)  
— 42. δύο στίχοι ῥῶν τῷ δικτύῳ τῷ ἐνὶ (1)  
— 2. καὶ τριῶν στίχων στύλων κεδρίων (1)  
— 3. καὶ πέντε ὁ στ. (1)  
— 12. τρεῖς στίχοι ἀπέλεκτων καὶ στίχος  
κεκολλημένος (1, 1)  
**στοά.** (1) 718 (2) 718 (3) 718  
III Ki. 6. 31 (33). στοαὶ τετραπλῶς (2)  
Ez. 40. 18. al [A om.] στ. κατὰ νότον τῶν πυλῶν (3)  
42. 3. ἀντιπρόσωποι στοαὶ τριῶν (1)  
— 5. οὕτως στοαὶ δύο [A om.] —  
**στοιβάειν.** (1) 723 (2) 723 pi.  
Le. 1. 7. Δ. B' στοιβάουσιν [B' B ἐπιστ.] ξύλα  
ἐπὶ τὸ πῦρ (1)  
6. 12 (5). στοιβάει ἐπ' αὐτοῦ τὴν οὐκαὶ τῶν (1)  
Jo. 2. 6. ἐν τῇ λυκαοκαλίμῃ τῇ ἐστοιβασμ. αὐτῇ  
ἐπὶ τοῦ δάμ. (1)  
III Ki. 18. 33. ἐστοίβασε τὰς σχιδάκας (1)  
— 33. καὶ ἐστοίβασεν ἐπὶ τὸ θυσαοστήριον —  
Ca. 2. 5. στοιβάσατέ με [A om.] ἐν μήλοις (2)  
[Sm. Ps. 119 (120). 4.]  
[Th. Ps. 49 (50). 21 : Pr. 9. 2.]  
[Al. Le. 24. 3, 8.]  
**στοίβασις.**  
[Al. Le. 24. 6.]  
**στοιβή (στουβή).** (1) 723 (2) 723  
(3) 723  
Jd. 15. 5. Δ. ἀπὸ στουβῆς καὶ ἔως ἐστῶτος [B al.] (1)  
Ru. 3. 7. ἤλθε κοιμηθῆναι ἐν μερίδι τῆς στ. (8)  
Is. 55. 13. ἀντὶ τῆς στ. ἀναβήσεται κυνάρισσος (2)  
[Sm. Is. 55. 13.]  
[Th. Jd. 15. 5.]  
**στοιχείν.** (1) 723  
Ec. 11. 6. οὐ γνώσκεις ποῖαν στοιχήσει [B -στ] (1)  
**στοιχείον.**  
Wi. 7. 17. εἰδέναι . . . ἐνέργειαν στοιχείων  
19. 18. δι' αὐτῶν γὰρ τὰ στ. μεθαυριόμενα  
IV Ma. 12. 13. ἐκ τῶν αὐτῶν γεγονότας στ.  
**στοιχείωσις.**  
II Ma. 7. 22. τὴν ἐκάστον στ. οὐκ ἐγὼ διεγέρθημα  
**στοιχίλειν.**  
Ez. 42. 3. B. ἐξέδρα . . . ἐστοιχισμένοι [Δ B ἐστιχ.] —  
**στολή.** (1) 723 (2) 723 (3) 723  
(4) 723 (5) 723 (6) 723  
(7) 723 (8) 723 (9) 723  
(10) 723 (11) 723 (12) αἱ στ. τῶν  
δοξῶν 723  
Ge. 27. 15. λαβούσα 'PeB. τὴν στ. 'H. (8)  
35. 2. ἀλλάξατε τὰς στ. ὑμῶν (11)  
41. 14. ἡλλάξαν τὴν στ. αὐ. (11)  
— 42. ἐνέδυσεν αὐτὸν στ. βυσσίνην (8)  
45. 22. πᾶσιν ἔδωκε διστάς στ. καὶ τῷ Ben. . .  
πέντε ἀλλασσοῦσας στ. (11, 11)  
49. 11. πλυνεῖ ἐν ὕδρῳ τὴν στ. αὐ. (7)  
Ex. 28. 2. ποιήσεις στ. ἁγίαν 'A. τῷ δδ. σου (8)  
— 3. ποιήσουσι τὴν στ. τὴν ἁγίαν 'A. (8)  
— 4. αὐτοὶ αἱ στ. ὡς ποιήσουσι (3)  
— 4. ποιήσουσι στ. ἁγίας 'A. (3)  
29. 5. λαβὼν τὰς στ. (8)  
— 21. B καὶ ἐπὶ τὴν στ. αὐ. (8)  
— 21. ῥαυεῖς . . . ἐπὶ τὰς στ. τῶν νιών αὐ. (8)  
— 21. ἀγασθήσεται αὐτὸς καὶ ἡ στ. αὐ. . . καὶ  
αἱ στ. τῶν νιών αὐ. (8, 8)  
— 29. ἡ στ. [A στήλη] τοῦ ἁγίου ἡ ἔστιν 'Aarῶν (8)  
31. 10. ποιήσουσι . . . τὰς στ. τὰς λειτουργικὰς  
'A. καὶ τὰς στ. τῶν νιών αὐ. (3, 8)

- Ex. 33. 5. ἀφέλεσθε τὰς στ. τῶν δοξῶν [B<sup>1</sup> om. τ. δ.] ὑμῶν (12)
35. 18 (19). ἐργασέσθω . . . τὰς στ. τὰς ἁγίας Ἀ. τοῦ ἱεροῦ καὶ τὰς στ. ἐν αἷς λειτουργήσουσι (3, 3)
- 21. εἰς πᾶσας τὰς στ. τοῦ ἁγίου (3)
36. 8 (39. 1). ἐποίησε . . . τὰς στ. τῶν ἁγίων (3)
39. 13 (1). ἐποίησαν στ. λειτουργικὰς Ἀ. (3)
- 14 (33). ἤνεγκαν τὰς στ. πρὸς Μ. (3)
- 19 (41). καὶ τὰς στ. τοῦ ἁγίου . . . καὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
40. 13. ἐνδύσεις Ἀ. τὰς στ. τὰς ἁγίας (3)
- Le. 6. 11 (4). ἐκδύσεται τὴν στ. αὐ. (3)
- 11 (4). ἐνδύσεται στ. ἄλλην (3)
8. 2. λάβε . . . τὰς στ. αὐ. (3)
- 29 (30). προσέγγρασαν ἐπὶ Ἀ. καὶ τὰς στ. αὐ. . . καὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
- 30. B<sup>2</sup> ἤγασεν . . . τὰς στ. αὐ. . . καὶ τὰς στ. τῶν υἱῶν αὐ. (3, 3)
16. 23. ἐκδύσεται τὴν στ. τὴν λιγὴν (3)
- 24. ἐνδύσεται τὴν στ. αὐ. (3)
- 32. ἐνδύσεται τὴν στ. τὴν λιγὴν στ. ἁγίαν (3, 3)
- Nu. 20. 26. ἔκδυσον Ἀ. τὴν στ. αὐ. (3)
- De. 22. 5. οὐδὲ μὴ ἐνδύσῃται ἀνὴρ στ. γυναικίαν (11)
- Jd. 14. 12. δώσω ὑμῖν . . . τριάκοντα στολὰς ἱματίων (4)
- 13. δώσετε ὑμεῖς ἐμοὶ . . . τριάκοντα ἀλλασσομένας [A om.] στολὰς ἱματίων (4)
- 19. Ἀ. ἔλαβε τὰς στ. [B τὰ ἱμάτια] αὐ. (5)
- 19. ἔδωκε τὰς στ. [A om. τ. στ.] τοῖς ἀπαγγελοῖς (4)
17. 10. δώσω σοι . . . στολὴν [A ζεύγος] ἱματίων (9)
- II Ki. 6. 14. καὶ ὁ Δ. ἐνεδυκὼς στ. ἔξαλλον (9)
- II Ki. 5. 5. ἔλαβεν . . . δέκα ἀλλασσομένας στ. (3)
- 22. δὸς δὴ αὐτοῖς . . . δύο ἀλλασσομένας στ. (3)
- 23. Ἀ καὶ δύο ἀλλασσομένας στ. (3)
- 23. ἔλαβε . . . δύο ἀλλασσομένας στ. (3)
10. 26. Ἀ B ἐξήνεγκαν τὴν στ. [B στήλην] τοῦ Β. †
- I Ch. 15. 27. καὶ Ἀ. περιζωσμένοι ἐν στ. βυσσίνῃ (2)
- 27. καὶ ἐπὶ Δ. στ. βυσσίνῃ (2)
- II Ch. 5. 12. τῶν ἐνδεδυμένων στ. βυσσίνας (3)
18. 9. καὶ ἐνδεδυμένοι στολὰς (3)
23. 13. διέρρηξε Γ. τὴν στ. αὐ. (3)
- I Es. 4. 17. ποιοῦσι τὰς στ. τῶν ἀνθρώπων
- 54. ἔγραψε δὲ καὶ . . . τὴν ἱερατικὴν στ. (3)
5. 45. δοῦναι . . . στ. ἱερατικὰς ἐκατόν (3)
- Ju. 10. 7. καὶ τὴν στ. μεταβελήκειαν (3)
16. 8. Ἀ B S<sup>2</sup> ἐξεδύσατο γὰρ στολὴν χρηρείσεως αὐ. (3)
- 8. ἔλαβε στ. λιγὴν εἰς ἀνάτην αὐ. (3)
- Es. 5. 1. πᾶσαν [A τὴν S<sup>2</sup> add. τὴν] στ. τῆς ἐπιφανείας αὐ. ἐνεδύσκει
- 6. 8. ἐνεκάτωσαν . . . στ. βυσσίνην (7)
- 11. ἔλαβε δὲ Ἀ. τὴν στ. (7)
8. 15. ἐξῆλθεν ἐστολισμένος τὴν βασιλικὴν στ. (7)
- Jb. 2. 12. ῥίξαντες ἐκαστος τὴν ἑαυτοῦ στ. (8)
9. 31. ἐξβλέψατο δὲ μετὰ στ. (10)
30. 13. ἐξίδυσαν γὰρ μου τὴν στ. (7)
- 18. ἐπελάβετό μου τῆς στ. (7)
37. 17. σοὺ δὲ ἡ στ. θερμὴ (3)
- Si. 6. 29. Ἀ B οἱ κλοιοὶ [B S κλάδοι] αὐτῆς εἰς στολὴν δόξης
- 31. στολὴν δόξης ἐνδύσῃ αὐτὴν (3)
45. 7. B περιζωσεν αὐτὸν στολὴν [A περιστολῇ, B S περιστολῇ] δόξης
- 10. στολῇ [S στήλῃ] ἁγία χρυσῷ καὶ νακίνθω (3)
50. 11. ἐν τῇ ἀναλαμβάνῃ αὐτὸν στολὴν δόξης (3)
- Jn. 3. 6. περιελθὼν τὴν στ. αὐ. ἀπὸ ἑαυτοῦ (1)
- Is. 9. 5 (4). πᾶσαν στολὴν ἐπισπυρηγμένην δόλφ . . . ἀποτίσουσι †
22. 17. ἀφείλε τὴν στ. σου (6)
- 21. ἐνδύσω αὐτὸν τὴν στ. σου (3)
68. 1. οὗτος ὥραιος ἐν στολῇ (7)
- Je. 52. 33. ἤλαξε τὴν στ. τῆς φυλακῆς αὐτοῦ (3)
- Ba. 4. 20. ἐξεδύσαμεν τὴν στ. τῆς εἰρήνης (3)
5. 1. ἔκδυται, Ἱερουσαλὴμ, τὴν στ. τοῦ πένθους (3)
- Ez. 10. 2. πρὸς τὸν ἀνδρὰ τὸν ἐνδεδυκτὰ τὴν στ. (3)
- 6. τῷ ἀνδρὶ τῷ ἐνδεδυκτῷ τὴν στ. τὴν ἁγίαν †
- 7. εἰς τὰς χεῖρας τοῦ ἐνδεδυκτοῦ τὴν στ. τὴν ἁγίαν †
44. 17. στολὰς λιναῖς ἐνδύσονται (3)
- 19. ἐκδύσονται τὰς στ. αὐτῶν . . . ἐνδύσονται καὶ στολὰς ἐνέρας καὶ οὐ μὴ ἀγιάσῃσι τὸν λαὸν ἐν ταῖς στ. αὐτῶν (3 ter)
- I Ma. 6. 15. ἔδωκεν αὐτῷ . . . τὴν στ. αὐ. (3)
10. 21. ἐνεδύσατο ἱών. τὴν ἁγίαν στ. (3)
- I Ma. 14. 9. ἐνεδύσαντο . . . στολὰς πολέμου (3)
- II Ma. 3. 15. ἐν ταῖς ἱερατικαῖς στ. ῥίψαντες ἑαυτοὺς
5. 2. ἱππεῖς διαχρύστους στ. ἔχοντας
- [Aq. Jo. 7. 21.]
- [Sm., Th. Ex. 39. 1 (13).]
- [Al. Jd. 14. 12.]
- [Quint. IV Ki. 23. 7.]
- στολίζειν. (1) שָׁלַח a. ru. δ. hi. c. שָׁלַח
- I Es. 1. 2. στήσας τοὺς ἱερεῖς . . . ἐστολισμένους
5. 59. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς ἐστολισμένοι
7. 9. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . ἐστολισμένοι
- II Es. 3. 10. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς ἐστολισμένοι (1 a)
- Ju. 10. 3. ἐν αἷς ἐστολίζετο [S ἐκοσμεῖτο]
- Es. 4. 4. ἀπέστειλε στολίσαι τὸν Μαρδ. (1 b)
6. 9. στολίσάτω [S<sup>2</sup> -σαν] τὸν ἄνθρωπον (1 b)
- 11. B S ἐστόλισε τὸν Μαρδ. (1 b)
8. 15. ἐξῆλθεν ἐστολισμένος τὴν βασιλικὴν στολὴν
- Da. LXX. 5. 7. στολίει αὐτὸν πορφύραν (1 c)
- 16. στολιῶ σε πορφύραν (1 c)
- II Ma. 3. 33. ἐφάνησαν . . . ἐν ταῖς αὐταῖς ἐσθήσεσιν ἐστολισμένοι
- στολισμός. (1) שָׁלַח (2) שָׁלַח
- II Ch. 9. 4. εἶδε . . . στολισμὸν αὐ. (3)
- Si. 19. 30. στολισμὸς ἀνδρὸς . . . ἀναγγέλλει τὰ περὶ αὐτοῦ [A ἐμοῦ]
- Ez. 42. 14. μὴ ἄπτανται τοῦ στ. αὐτῶν (1)
- [Aq., Sm. IV Ki. 10. 22.]
- στολιστής.
- IV Ki. 10. 22. ἐξήνεγκεν αὐτοῖς ὁ στ. †
- στόλος.
- I Ma. 1. 17. εἰσῆλθεν εἰς Ἀγρυπτον . . . ἐν στ. μεγάλῃ
- II Ma. 12. 9. ὑψήψεν τὸν λιμένα σὺν τῷ στ.
14. 1. μετὰ πλήθους ἰσχυροῦ καὶ στόλου
- III Ma. 7. 17. ἐν ᾗ προσέμενεν αὐτοὺς ὁ στ.
- στόμα. (1) פֶּה (2) דֶּבַר (3) פֶּה
- (4) τὸ ἐξελεῖν ἐκ τοῦ στ. פֶּה
- Ge. 4. 11. ἡ ἔχανε τὸ στ. αὐ. (1)
8. 11. εἶχε φύλλον ἐλαίας κάρφος ἐν τῷ στ. αὐ. (1)
24. 57. ἐπερωτήσωμεν τὸ στ. αὐ. (1)
29. 2. λίθος δὲ ἦν μέγας ἐπὶ τῷ στ. τοῦ φρέατος (1)
- 3. ἀπεκύλιον τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ φρέατος (1)
- 3. ἀπεκαθίστων τὸν λίθον ἐπὶ τὸ στ. τοῦ φρέατος (1)
- 8. καὶ ἀποκύλισται τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ φρέατος (1)
- 10. ἀπεκύλιον τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ φρέατος (1)
34. 26. ἀπέκτειναν ἐν στόματι μαχαίρας (1)
41. 40. ἐπὶ τῷ στ. σου ὑπακούσεται πᾶς ὁ λαὸς μου (1)
42. 27. ἦν ἐπάνω τοῦ στ. τοῦ μαρσίππου (1)
44. 1. ἐμβάλατε ἐκίστου τὸ ἀργ. ἐπὶ τοῦ στ. τοῦ μαρσίππου αὐ. (1)
45. 12. τὸ στ. μου τὸ λαλὸν πρὸς ὑμᾶς (1)
- Ex. 4. 11. τίς ἔδωκε στόμα ἀνθρώπῳ
- 12. ἀνοίξω τὸ στ. σου (1)
- 15. δώσεις τὰ ῥήματά μου εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
- 15. Ἀ B<sup>2</sup> ἄνοιξω τὸ στ. σου καὶ τὸ στ. αὐ. (1, 1)
- 16. αὐτὸς ἔσται σου στόμα (1)
13. 9. ὅπως ἂν γένηται ὁ νόμος κυρίου ἐν τῷ στ. σου (1)
23. 13. οὐδὲ μὴ ἀκουσθῇ ἐκ τοῦ στ. ὑμῶν (1)
- Le. 13. 45. περὶ τὸ στ. αὐ. περιβαλέσθω (8)
- Nu. 4. 27. κατὰ στόμα Ἀ. καὶ τῶν υἱῶν αὐ. (1)
12. 8. στόμα κατὰ στόμα λαλήσω αὐτῷ (1, 1)
16. 30. ἀνοίξασα ἡ γῆ τὸ στ. αὐ. (1)
22. 28. ἤνοιξε ὁ θ. τὸ στ. τῆς δυν. (1)
- 38. ὁ ἐν βάλῃ ὁ θ. εἰς τὸ στ. Ἀ τὴν καρδαν μου (1)
23. 5. B<sup>1</sup> ἐνέβαλεν ὁ θ. ῥῆμα εἰς στόμα [A B<sup>2</sup> R τὸ στ.] Βαλ. (1)
- 12. ὅσα ἐὰν ἐμβάλῃ ὁ θ. εἰς τὸ στ. μου (1)
- 16. ἐνέβαλε ῥῆμα εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
26. 10. ἀνοίξασα ἡ γῆ τὸ στ. αὐ. (1)
27. 11. ἐπὶ τῷ στ. αὐ. ἐξελεῖσονται καὶ ἐπὶ τῷ στ. αὐ. εἰσελεύσονται (1, 1)
30. 3. ὅσα ἂν ἐξελεθῇ ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)
32. 24. τὸ ἐκπορευόμενον ἐκ τοῦ στ. ὑμῶν (1)
- Nu. 33. 7. παρενέβαλον ἐπὶ στόμα Εἰ. (1)
- De. 8. 3. ἐπὶ παντὶ ῥήμ. τῷ ἐκπορευομ. διὰ στόματος θεοῦ (1)
11. 6. ἀνοίξασα ἡ γῆ τὸ στ. αὐ. (1)
18. 18. δώσω τὰ ῥήματά μου ἐν τῷ στόματι αὐ. (1)
19. 15. ἐπὶ στόματος δύο μαρτύρων καὶ ἐπὶ στόματος τριῶν μαρτύρων (1, 1)
21. 5. ἐπὶ τῷ στ. [A ὑνόματι] αὐ. ἔσται πᾶσα ἀντιλογία (1)
23. 23 (24). ὁ ἐλάλησας τῷ στ. σου [A<sup>1</sup> om. τ. στ. σ.] (1)
30. 14. ἐγγύς σου ἔστι τὸ ῥῆμα σφόδρα ἐν τῷ στ. σου (1)
31. 19. ἐμβαλεῖτε αὐτὴν εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
- 21. B οὐ γὰρ μὴ ἐπιλησθῇ ἀπὸ στόματος [A B add. αὐ. καὶ ἀπὸ στόματος] τοῦ σπέρματος αὐ. (1, [—])
32. 1. ἀκούτω ἡ γῆ ῥήματα ἐκ στόματός μου (1)
- Jo. 1. 8. οὐκ ἀποστήσεται ἡ βίβλος . . . ἐκ τοῦ στ. σου (1)
6. 20 (21). ἀνεθεμάτισεν αὐτὴν . . . ἐν στόματι ρομφαίας (1)
8. 24. ἐπάταξεν αὐτὴν ἐν στόματι ρομφαίας (1)
10. 18. κυλίσατε λίθους ἐπὶ τὸ στ. τοῦ σπηλαίου (1)
- 28, 30, 32. ἐφόνευσαν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
- 33. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰ. ἐν στόματι ξίφους (1)
- 35. ἐφόνευσεν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
- 37. ἐπάταξεν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
- 39. ἐπάταξεν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (1)
11. 11. Ἀ ἀπέκτειναν πᾶν ἑμπνόν . . . ἐν στόματι ξίφους [B al.] (1)
- 12. ἀνέκλειν αὐτοὺς ἐν στόματι ξίφους (1)
- 14. αὐτοὺς δὲ πάντας ἐξωλίθρυσαν ἐν στόματι ξίφους (1)
19. 47. ἐπάταξεν αὐτὴν ἐν στόματι μαχαίρας (1)
- Jd. 1. 8. ἐπάταξεν αὐτὴν ἐν στόματι ρομφαίας
- 25. ἐπάταξεν τὴν πόλιν ἐν στόματι ρομφαίας (1)
4. 15. ἐξίστησε κ. τὸν Σ. . . ἐν στόματι ρομφαίας (1)
- 16. ἔπεσε πᾶσα παρεμβολὴ Σ. ἐν στόματι ρομφ. (1)
7. 6. τῶν λαφάντων ἐν χειρὶ αὐ. πρὸς τὸ στ. αὐ. [A al.] (1)
9. 38. ποῦ ἔστι τὸ στ. σου (1)
11. 35. ἤνοιξα κατὰ σοῦ τὸ στ. μου [A al.] (1)
- 36. ἤνοιξας τὸ στ. σου πρὸς κύριον (1)
- 36. ὃν τρόπον ἐξῆλθεν ἐκ στόματός σου (1)
14. 8. συναγωγὴ μελισσῶν ἐν τῷ στ. τοῦ λέοντος †
- 9. Ἀ ἐξέλειν αὐτὸ εἰς τὸ στ. [B εἰς χεῖρας] †
- 9. B ἀπὸ τοῦ στ. τοῦ λέοντος ἐξέλειν τὸ μέλι [A al.] †
18. 19. ἐπίδες τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὸ στ. σου (1)
- 27. ἐπάταξεν αὐτοὺς ἐν στόματι ρομφαίας (1)
20. 37. ἐπάταξεν τὴν πόλιν ἐν στόματι ρομφαίας (1)
- 48. ἐπάταξεν αὐτοὺς ἐν στόματι ρομφαίας (1)
21. 10. πατάξατε τοὺς οἰκούντας Ἰ. Γ. ἐν στόματι ρομφαίας (1)
- I Ki. 1. 12. ἐφύλαξε τὸ στ. αὐ. (1)
- 23. τὸ ἐξελεῖν ἐκ τοῦ στ. σου (4)
2. 1. ἐπλατυνῇ ἐπὶ ἔχθρους μου τὸ στ. μου (1)
- 3. μὴ ἐξελεθῶ μεγαλορημοσύνη ἐκ τοῦ στ. ὑμῶν (1)
- 23. ὁ ἐγὼ ἀκούω ἐκ στόματος παντὸς τοῦ λαοῦ κυρίου (1)
12. 14. ἐὰν . . . μὴ ἐρίσῃτε τῷ στ. κυρίου (1)
- 15. ἐὰν δὲ . . . ἐρίσῃτε τῷ στ. κυρίου (1)
14. 26. οὐκ ἦν ἐπιστρέφω τὴν χεῖρά αὐ. εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
- 27. ἐπέστρεψε τὴν χεῖρά αὐ. εἰς τὸ στ. αὐ. (1)
15. 8. πάντα τὸν λαὸν . . . ἀπέκτεινεν ἐν στόματι ρομφ. (1)
17. 35. καὶ ἐξέσπασα ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)
22. 19. Ἀ τὴν Ν. . . ἐπάταξεν ἐν στόματι ρομφαίας . . . ἕως . . . δυνάμει προβάτων ἐν στόματι ρομφαίας [B om. ἐν στ. ρ.] (1, 1)
- II Ki. 1. 16. τὸ στ. σου ἀπεκρίθη κατὰ σοῦ (1)
13. 32. ἐπὶ στόματος Ἀβ. ἦν κείμενος (1)
14. 3. ἔθηκεν Ἰ. τοὺς λόγους ἐν τῷ στ. [A εἰς τὸ στ.] αὐ. (1)
- 13. ἡ ἐκ στόματος τοῦ βασι. ὁ λόγος οὗτος †
- 19. ἔθετο ἐν τῷ στ. [A στ. μου] τῆς δούλης σου (1)

- 11 Κί. 15. 14. ἴνα μὴ ... πατάξῃ τὴν πόλιν στόματι μαχαίρας (1)  
 17. 5. ἀκούσμεν τὴν ἐν τῷ στ. αὐ. (1)  
 18. 25. εὐαγγέλια ἐν τῷ στ. αὐ. (1)  
 22. 9. πῦρ ἐκ στόματος αὐ. κατέβηται (1)  
 111 Κί. 7. 31. ἂ καὶ στόμα αὐ. ἰσώθεν τῆς κεφαλίδος (1)  
 — 31. ἂ καὶ στόμα αὐ. στοργαγυλῶν (1)  
 — 31. ἂ καὶ γὰρ ἐπὶ στόματος αὐ. διατορεύματα (1)  
 8. 15. δὲ ἐλάλησεν ἐν τῷ [A om.] στ. αὐ. (1)  
 — 24. ἐλάλησας ἐν τῷ [A om.] στ. σου (1)  
 17. 1. οἷτι ἐμὴ μὴ διὰ στόματος λόγου μου (1)  
 — 24. ῥήμα κυρίου ἐν στόματι σου ἀληθινόν (1)  
 19. 18. καὶ πᾶν στ. δὲ οὐ προσεκύνησεν αὐτῷ (1)  
 21 (20). 33. ἀνέλεξεν τὸν λόγον ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)  
 22. 13. λαλοῦσι πάντες οἱ προφῆται ἐν στόματι ἐνὶ (1)  
 — 22. ἴσονται πνεῦμα ψευδὲς εἰς τὸ στ. [A ἐν στόματι] πάντων τῶν προφητῶν αὐ. (1)  
 — 23. ἴδωκε κ. πνεῦμα ψευδὲς ἐν στόματι πάντων τῶν προφητῶν σου τούτων (1)  
 14 Κί. 4. 34. ἔθηκε τὸ στ. αὐ. ἐπὶ τὸ στ. αὐ. (1)  
 10. 21. ἐπλήσθη ὁ οἶκος τοῦ Β. στόμα εἰς στόμα (1)  
 — 25. ἐπάταξεν αὐτοὺς ἐν στόματι ῥομφαίας (1)  
 21. 16. ὥς οὐ ἐπλήσθη τὴν ἱερ. στόμα εἰς στόμα (1)  
 23. 35. τοῦ δοῦναι τὸ ἀργύριον ἐπὶ στόματος Φ. (1)  
 1 Ch. 16. 12. γέρατα καὶ κρίματα τοῦ στ. αὐ. (1)  
 11 Ch. 6. 4. δὲ ἐλάλησεν ἐν στόματι αὐ. (1)  
 — 15. ἐλάλησας ἐν στόματι [A τῷ στ.] σου (1)  
 18. 12. ἐλάλησαν οἱ προφῆται ἐν στ. ἐνὶ ἀγνιδίᾳ (1)  
 — 22. ἴδωκε κύριος πνεῦμα ψευδὲς ἐν στόματι τῶν προφητῶν σου τούτων (1)  
 35. 22. οὐκ ἤκουσαν τῶν λόγων Ν. διὰ στόματος θεοῦ (1)  
 36. 4. Β. τοῦ δοῦναι τὸ ἀργύριον ἐπὶ στόμα Φ. (1)  
 — 12. οὐκ ἐνερπήθη ... ἐκ στόματος κυρίου (1)  
 — 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κ. διὰ στόματος ἱερ. (1)  
 — 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κ. διὰ στόματος ἱερ. (1)  
 1 Es. 1. 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν ἱερ. προφῆτου ἐκ στόματος κυρίου (1)  
 — 47. τῶν ῥημάτων λόγων ὑπὸ ἱερ. τοῦ προφῆτου ἐκ στόματος τοῦ κυρίου (1)  
 — 57. εἰς ἀναπληρωσιν τοῦ ῥῆμ. τοῦ κ. ἐν στόματι ἱερ. (1)  
 2. 1. εἰς συντέλειαν ῥήματος κυρίου ἐν στόματι ἱερ. (1)  
 4. 19. χάσκοντες τὸ στ. θεωροῦσιν αὐτήν (1)  
 — 31. ὁ βασιλ. χάσκον τὸ στ. ἰδεῖται αὐτήν (1)  
 — 6. ἦν ἠρξά ... ἐκ στόματος σου (1)  
 11 Es. 1. 1. τοῦ γελοῦσθαι λόγον κ. ἀπὸ στόματος ἱερ. (1)  
 8. 17. ἔθηκε ἐν στόματι αὐ. λόγους (1)  
 9. 11. ὧν ἐπλήσαν αὐτήν ἀπὸ στόματος ἐπὶ στόμα (1)  
 Ne. 2. 13. B καὶ πρὸς στόμα [A B B πρόστ.] πηγῆς τῶν συκῶν (1)  
 9. 20. τὸ μάνα σου οὐκ ἀφυστέρησας ἀπὸ στόματος αὐ. (1)  
 Γο. 13. 6. A B B ἐξομολογήσασθαι αὐτῷ ἐν ὅλῳ τῷ στ. [B σῶματι] ἡμῶν (1)  
 Ju. 2. 2. συνετέλεισε πᾶσαν τὴν κακίαν τῆς γῆς ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)  
 — 3. οἱ οὐκ ἠκολούθησαν τῷ λόγῳ τοῦ στ. αὐ. (1)  
 — 6. ἠπειθήσαν τῷ ῥήματι τοῦ στ. σου (1)  
 — 27. ἐπάταξε πάντας τοὺς νεανίσκους αὐ. ἐν στόματι ῥομφαίας (1)  
 5. 5. ἀκούσαντες δὲ ... ἐκ στόματος τοῦ δούλου σου (1)  
 — 5. οὐκ ἐξελεύσεται ψεύδος ἐκ τοῦ στ. τοῦ δούλου σου (1)  
 6. 4. B οὐ ματαιωθήσεται τὰ ῥήματα τοῦ στ. [A B τῶν λόγων] αὐ. (1)  
 8. 21. B ἡγήσεται τὴν βεβήλωσιν αὐ. ἐκ τοῦ στ. [A B αἵματος] ἡμῶν (1)  
 15. 13. μετὰ στεφάνου καὶ ὕμνων ἐν τῷ στ. αὐ. [B al.] (1)  
 Es. 4. 17. μὴ ἀφανίσῃς στόμα [A τὸ στ., B<sup>1</sup> τὸ αἷμα] αἰνούντων σου (1)  
 — 17. ἐξῆρα ὀρισμὸν στόματός σου (1)  
 — 17. ἐμφράξει στόμα [B -ατα] αἰνούντων σοι (1)  
 — 17. ἀνοίξει στόμα ἐθῶν (1)  
 Es. 4. 17. δὲς λόγον εὐρυθρον ἐκ τοῦ στ. μου (1)  
 7. 8. B<sup>1</sup> ὁ λόγος ἐξῆλθεν ἐκ τοῦ στ. τοῦ βασ. (1)  
 11. 15. A τοὺς παῖδας ἐπάταξαν ἐν στόματι μαχαίρας [B B al.] (1)  
 8. 1. ἤνοιξεν ἰσὺς τὸ στ. αὐτοῦ (1)  
 5. 16. ἀδίκου δὲ στόμα ἐμφραχθεῖ (1)  
 6. 4. B βέλη γὰρ κυρίου ἐν τῷ στ. [A B σῶματι] μου ἴσιν (1)  
 7. 11. οὐδὲ ἐγὼ φέισομαι τῷ στ. μου (1)  
 — 11. A B<sup>1</sup> ἀνοίξω τὸ στ. μου [B B<sup>1</sup> al.] (1)  
 8. 2. πνεῦμα πολυρρήμων τοῦ στ. σου (1)  
 — 21. ἀληθινὸν δὲ στόμα ἐμπλήσει γέλωτος (1)  
 9. 20. ἐάν γὰρ δὲ δίκαιος τὸ στ. μου ἀσεβήσῃ (1)  
 13. 6. ἀκούσατε ἐλεγχον τοῦ [A B om.] στ. μου (1)  
 15. 5. ἔνοχος εἰ ῥήμασι στόματός σου (1)  
 — 6. ἐλέγξει σε τὸ σὸν στ. καὶ μὴ ἐγὼ (1)  
 — 13. ἐξηγάγεις δὲ ἐκ στόματος ῥήματα τοιαῦτα (1)  
 16. 6 (5). εἴη δὲ ἰσχύς ἐν τῷ στ. μου (1)  
 19. 16. στόμα δὲ μου ἐδέετο (1)  
 20. 12. ἐάν γλυκαίνῃ ἐν στόματι αὐτοῦ κακία (1)  
 21. 5. A χεῖρα θίντες ἐπὶ στόμα [B B σιαγόνι] (1)  
 22. 22. ἔκλαβε δὲ ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐξηγορίας (1)  
 23. 4. τὸ δὲ στ. μου ἐμπλήσει [A ἐμπλ. με, B<sup>1</sup> -ήσω] ἐλεγχῶν (1)  
 27. 4. A οὐ μὴ λαλήσῃ τὸ στ. μου ἀδικα [B B al.] (1)  
 29. 9. δακτύλον ἐπιθέντες ἐπὶ στόματι (1)  
 — 13. στόμα δὲ χήρας μὴ εὐλόγησεν (1)  
 31. 27. εἰ δὲ χεῖρά μου ἐπιθεῖς ἐπὶ στόματι μου ἐφίλησα (1)  
 32. 5. οὐκ ἔστιν ἀπόκρισις ἐν στόματι τῶν τριῶν ἀνδρῶν (1)  
 33. 2. ἰδοὺ γὰρ ἤνοιξε τὸ στ. μου (1)  
 35. 16. ἰσὺς ματαίως ἀνοίγει τὸ στ. αὐτοῦ (1)  
 36. 16. προσεπηπάτησε ἐκ στόματος ἐχθροῦ (1)  
 37. 2. μελίτη ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐξελεύσεται (1)  
 39. 34 (40. 4). χεῖρα θήσῃ ἐπὶ στόματι μου (1)  
 40. 18 (23). προκεκοῦσιν ὁ Ἰ. εἰς τὸ στ. αὐ. (1)  
 41. 10 (11). ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐκπορεύονται λαμπάδες καύμεναι (1)  
 — 12 (13). φλόξ δὲ ἐκ στόματος αὐτοῦ ἐκπορεύεται (1)  
 Ps. 5. 9. οὐκ ἔστιν ἐν τῷ [B<sup>1</sup> om.] στ. αὐτῶν ἀλήθεια (1)  
 8. 2. ἐκ στόματος νηπίων καὶ θηλαζόντων (1)  
 9. 28 (10. 7). οὐ ἀράς τὸ στ. αὐτοῦ γέμει (1)  
 13 (14). 3. B B ὧν τὸ στ. ἀράς καὶ πεκρίας γέμει (1)  
 16 (17). 2. ὅπως ἂν μὴ λαλήσῃ τὸ στ. μου τὰ ἔργα τῶν ἀνθρώπων (1)  
 — 10. τὸ στ. αὐτῶν ἐλάλησεν ὑπερφηανίαν (1)  
 18 (19). 14. ἔσονται εἰς ἐδοκίαν τὰ λόγια τοῦ στ. μου (1)  
 21 (22). 13. ἤνοιξαν ἐπ' ἐμὲ τὸ στ. αὐτῶν (1)  
 — 21. σῶσόν με ἐκ στόματος λῃστών (1)  
 31 (32). 2. οὐδὲ ἔστιν ἐν τῷ στ. αὐτοῦ ὁδός (1)  
 32 (33). 6. καὶ τῷ πνεύματι τοῦ στ. αὐ. πᾶσα ἡ δυνάμις αὐ. (1)  
 33 (34). 1. διὰ παντὸς ἡ αἰνεῖσις αὐτοῦ ἐν τῷ στ. μου (1)  
 34 (35). 21. ἐπλήθυναν ἐπ' ἐμὲ τὸ στ. αὐτῶν (1)  
 35 (36). 3. τὰ ῥήματα τοῦ στ. αὐτοῦ ἀνομία (1)  
 36 (37). 30. στόμα δικαίου μελετήσει σοφίαν (1)  
 37 (38). 13. ὥσπερ ἀλαλὸς οὐκ ἀνοίγει τὸ στ. αὐτοῦ (1)  
 — 14. A B<sup>1</sup> B οὐκ ἔχων ἐν τῷ [B B<sup>1</sup> om.] στ. αὐτοῦ ἐλεγμῶν (1)  
 38 (39). 1. ἐθέμην τῷ στ. μου φυλακὴν (1)  
 — 9. οὐκ ἤνοιξε τὸ στ. μου (1)  
 39 (40). 3. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στ. μου ἄσμα καινόν (1)  
 48 (49). 3. τὸ στ. μου λαλήσει σοφίαν (1)  
 — 13. ἐν τῷ στ. αὐτῶν εὐλογήσουσι [A B<sup>1</sup> -δοκήσουσιν] (1)  
 49 (50). 16. καὶ ἀνυπαλάβαντες τὴν διαθήκην μου διὰ στόματός σου (1)  
 — 19. τὸ στ. σου ἐπλεόνησεν κακίαν (1)  
 50 (51). 15. τὸ στ. μου ἀναγγελεῖ τὴν αἰνίσιν σου (1)  
 53 (54). 2. ἐνώτισαι τὰ ῥήματα τοῦ στ. μου (1)  
 57 (58). 6. συνέτριψε τοὺς ὀδόντας αὐτῶν ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)  
 58 (59). 7. ἀποφθέγγονται ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)  
 — 12. ἀμαρτῖαν στόματος αὐτῶν (1)  
 61 (62). 4. τῷ στ. αὐτῶν εὐλόγησον (1)  
 62 (63). 5. B<sup>1</sup> χεῖρ ἀγαλλιάσεως αἰνέσει τὸ στ. μου [B B<sup>1</sup> ὀνόματι σου] (1)  
 — 11. ἐνεφράγῃ στόμα λαλούντων ἀδικα (1)  
 Ps. 65 (66). 14. ἐλάλησε τὸ στ. μου ἐν τῇ θλίψει μου (1)  
 — 17. πρὸς αὐτὸν τῷ στ. μου ἐκέκραξα (1)  
 68 (69). 15. B B μὴδὲ συσχεῖται ἐπ' ἐμὲ φρίαρ τὸ [B om.] στ. αὐτοῦ (1)  
 70 (71). 8. πληρωθήτω τὸ στ. μου αἰνέσεως (1)  
 — 15. τὸ στ. μου ἐξαγγελεῖ τὴν δικαιοσύνην σου (1)  
 72 (73). 9. ἔθεντο εἰς οὐρανὸν τὸ στ. αὐτῶν (1)  
 77 (78). 1. κλίνετε τὸ ὄς ὑμῶν εἰς τὰ ῥήματα τοῦ στ. μου (1)  
 — 2. ἀνοίξω ἐν παραβολαῖς τὸ στ. μου (1)  
 — 30. ἔτι τῆς βρώσεως αὐ. ὁσσης ἐν τῷ στ. αὐ. (1)  
 — 36. ἠγάπησαν αὐτὸν ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)  
 80 (81). 10. πλάτυνον τὸ στ. σου (1)  
 88 (89). 1. ἀπαγγεῖλω τὴν ἀληθείαν σου ἐν τῷ στ. μου (1)  
 104 (105). 5. καὶ τὰ κρίματα τοῦ στ. αὐτοῦ (1)  
 106 (107). 42. B B πᾶσα ἀνομία ἐμφράξει τὸ [A om.] στ. αὐτῆς (1)  
 108 (109). 2. στόμα ἀμαρτωλοῦ καὶ στόμα δολοῦ ἐπ' ἐμὲ προίχθη (1)  
 — 30. ἐξομολογήσονται τῷ κυρίῳ σφόδρα ἐν τῷ στ. μου (1)  
 118. 13 (115. 5). στόμα ἔχουσι (1)  
 118 (119). 13. ἐξήγγειλα πάντα τὰ κρίματα τοῦ στ. σου (1)  
 — 43. μὴ περιέλθῃ ἐκ τοῦ στ. μου λόγον ἀληθείας ὥς σφόδρα (1)  
 — 72. ἀγαθὸς μοι ὁ νόμος τοῦ στ. σου (1)  
 — 88. φυλάξω τὰ μαρτύρια τοῦ στ. σου (1)  
 — 103. ὑπὲρ μέλι τῷ στ. μου (1)  
 — 108. τὰ ἐκούσια τοῦ στ. μου εὐδόκησον δὴ (1)  
 — 131. τὸ στ. μου ἤνοιξε (1)  
 125 (126). 2. ἐπλήσθη χαρὰς τὸ στ. ἡμῶν (1)  
 134 (135). 16. στόμα ἔχουσι καὶ οὐ λαλήσουσιν (1)  
 — 17. οὐδὲ γὰρ ἔστι πνεῦμα ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)  
 137 (138). 1. B B ἤκουσας τὰ ῥήματα τοῦ στ. μου (1)  
 — 4. ἤκουσαν πάντα τὰ ῥήματα τοῦ στ. σου (1)  
 140 (141). 3. θεοὶ κύριε, φυλακὴν τῷ στ. μου (1)  
 143 (144). 8, 11. ὧν τὸ στ. ἐλάλησε ματαιότητα (1)  
 144 (145). 21. αἰνεῖται κυρίῳ λαλήσει τὸ στ. μου (1)  
 Pr. 8. 16. ἐκ τοῦ στ. αὐτῆς ἐκπορεύεται δικαιοσύνη (1)  
 4. 5. μὴδὲ παρίδῃς ῥῆσιν ἐμοῦ στόματος (1)  
 — 5. A μὴδὲ ἐκλίπῃς ἀπὸ ῥημάτων στόματός μου (1)  
 — 24. περιέλεε σεαυτοῦ σκολιὸν στόμα (1)  
 6. 2. ἀλίσκεται χεῖλεσιν ἰδίῳ στόματός μου (1)  
 7. 24. πρόσχεχε ῥήμασι [A ῥῆσιν] στόματός μου (1)  
 8. 24. μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ ῥήματα [A κρίματα] τοῦ στ. μου (1)  
 — 29. A B<sup>1</sup> ὕδατα οὐ παρελεύσονται στόματος αὐτοῦ (1)  
 10. 6. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύνει πένθος ἄωρον (1)  
 — 11. στόμα δὲ ἀσεβοῦς καλύνει ἀπάλεια (1)  
 — 14. στόμα δὲ προπετοῦς ἐγγίζει συντριβῇ (1)  
 — 31. στόμα δικαίου ἀποσταλάξει σοφίαν (1)  
 — 32. στόμα δὲ ἀσεβῶν ἀποστρέφεται [B<sup>1</sup> καταστρ.] (1)  
 11. 2. στόμα δὲ ταπεινῶν μελετᾷ σοφίαν (1)  
 — 9. ἐν στόματι ἀσεβῶν παγίς πολιταίς (1)  
 — 10 (11). στόμασι δὲ ἀσεβῶν κατεσκάφη (1)  
 12. 6. στόμα δὲ ὀρθῶν ῥύσεται αὐτοὺς (1)  
 — 8. στόμα συνετοῦ ἐγκωμιάζεται ὑπὸ ἀνδρός (1)  
 — 14. ἀπὸ καρπῶν στόματος ψυχῇ ἀνδρός πλησθήσεται ἀγαθῶν (1)  
 13. 3. δὲ φυλάσσει τὸ ἑαυτοῦ στ. τηρεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν (1)  
 14. 3. ἐκ στόματος ἀφρόνων βακτηρία ὕβρεως (1)  
 15. 2. στόμα δὲ ἀφρόνων ἀναγγελεῖ κακά (1)  
 — 14. στόμα δὲ ἀπαιδεύτων [B<sup>1</sup> ἀσεβῶν] γνώσεται κακά (1)  
 — 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν ἀποκρίνεται κακά (1)  
 16. 10. ἐν δὲ κρίσει οὐ μὴ πλανηθῇ τὸ στ. αὐτοῦ (1)  
 — 17. ἀγαπῶν δὲ ζῶν αὐτοῦ φέισται στόματος αὐτοῦ (1)  
 — 23. καρδία σοφοῦ νοήσει τὰ ἀπὸ τοῦ [B<sup>1</sup> om.] ἰδίου στ. (1)  
 — 27 (26). ὁ μέντοι σκολιὸς ἐπὶ τῷ ἑαυτοῦ στ. φορεῖ τὴν ἀπάλεια (1)  
 18. 6. τὸ δὲ στ. αὐτοῦ τὸ θρασὺ θάνατον ἐπικαλεῖται (1)  
 — 7. στόμα ἀφρόνων συντριβὴ αὐτῷ (1)  
 — 20. ἀπὸ καρπῶν στόματος ἀνὴρ ἰμπίλησι κολίαν αὐτοῦ (1)  
 19. 24. οὐδὲ τῷ στ. οὐ μὴ προσενέγκῃ αὐτὰς (1)



- Pr. 19. 28. στόμα δι' ἀσεβῶν καταπίεται κρίσις (1)  
 21. 20. θησαυρὸς ἐπιθυμητὸς ἀναπαύσεται ἐπὶ  
 στόματος σοφοῦ +  
 — 23. δε φυλάσσει τὸ στ. αὐτοῦ (1)  
 22. 14. βόστρος βαθεὺς στόμα παρανόμου (1)  
 23. 33. τὸ στ. σου τότε λαλήσει σκολιά (1)  
 24. 7. σοφοὶ οὐκ ἐκκλινουσιν ἐκ στόματος κυρίου +  
 — 76 (31. 8). ἀνοίγει σὺν στόμα λόγφ θεοῦ (1)  
 — 77 (31. 9). ἀνοίγει σὺν στόμα (1)  
 26. 7. καὶ παρανομίαν ἐκ στόματος ἀφρόνων (1)  
 — 15. οὐ δυνήσεται ἐπενεγκεῖν ἐπὶ [A B<sup>3</sup> εἰς  
 τὸ] στόμα (1)  
 — 28. στόμα δι' ἀστεγῶν ποιεῖ ἀκαταστασίας (1)  
 27. 2. ἐγκωμιάζω σε ὁ πέλας καὶ μὴ τὸ σὺν  
 στόμα (1)  
 — 21. ἀνὴρ δὲ δοκιμάζεται διὰ στόματος ἐγκω-  
 ματόντων αὐτῶν (1)  
 31. 24 (26). στόμα [B -ατα] αὐτῆς διῶνιζε  
 — 27 (26). τὸ στ. δι' [A στ. δι' αὐτῆς] ἀνοίγει  
 σοφῶς (1)  
 Ec. 6. 1. μὴ σπένδε ἐπὶ στόματί σου (1)  
 — 5. μὴ ὧς τὸ στόμα [A<sup>1</sup> αἶμα] σου τοῦ  
 ἐξαμάρτησαι τὴν σάρκα σου (1)  
 6. 7. πᾶς μόχθος ἀνθρώπου εἰς στόμα αὐ. (1)  
 8. 2. στόμα βασιλέως φύλαξον (1)  
 10. 12. λόγοι [B<sup>2</sup> λόγοις] στόματος σοφοῦ χάρις (1)  
 — 13. ἀρχὴ λόγων στόματος αὐτοῦ ἀφροσύνη (1)  
 — 13. A B B ἐσχάτη στόματος [B στ.] αὐτοῦ  
 περιφέρεια ποιηρᾶ (1)  
 Ca. 1. 2. φιλησάτω μὴ ἀπὸ φιλημάτων στόματος  
 αὐτοῦ (1)  
 Wi. 1. 11. στόμα δὲ καταψευδόμενον ἀναιρεῖ ψυχὴν  
 8. 12. χεῖρα ἐπιθήσουσιν ἐπὶ στόμα [B<sup>1</sup> τὸ στ.] αὐ.  
 10. 21. ἡ σοφία ἥνοιε στόμα κοφῶν  
 Si. 1. 29. μὴ ὑποκριθῆς ἐν στόμασιν [B -ατι] ἀνθρώπων  
 5. 12. ἡ χεὶρ σου ὥστω ἐπὶ στόματι [B τῷ στ.] σου  
 8. 11. ἵνα μὴ ἐγκαθίσθῃς ὡς ἐνέδρον τῷ στ. σου  
 13. 24. ποιηρᾶ ἡ πτωχεία ἐν στόμασιν [A B -ατι]  
 ἀσεβοῦς  
 14. 1. δε οὐκ ὥλισθησεν ἐν στόματι [A τῷ στ.] αὐ.  
 15. 5. ἐν μίσφῳ ἐκκλησίας ἀνοίξει στόμα [A B τὸ στ.]  
 αὐτοῦ  
 — 9. οὐχ ὥραῖος αἶνος ἐν στόματι ἀμαρτωλοῦ  
 20. 15. ἀνοίξει τὸ στ. αὐτοῦ ὡς κήρυξ  
 — 19. ἐν στόματι ἀπαιδεύτων ἐνδελειχθήσεται  
 20. ἀπὸ στόματος μαωρὺ ἀποδοκιμασθήσεται  
 παραβολή  
 — 24. ἐν στόματι ἀπαιδεύτων ἐνδελειχθήσεται  
 — 29. ὡς φῆμις ἐν στόματι ἀποτρέπει [A -έμι]  
 ἐλεγμους  
 21. 5. δέησις πτωχοῦ ἐκ στόματος ἔως ὧτων αὐτοῦ  
 — 17. στόμα φρονίμου ζηρησθήσεται ἐν ἐκκλησίᾳ  
 26. ἐν στόματι μαωρῶν ἡ καρδιά αὐτῶν καρδιά  
 δὲ σοφῶν [A φρονίμων] στόμα αὐτῶν  
 22. 22. ἐπὶ φίλον ἐὰν ἀνοίξῃς στόμα μὴ εὐλαθήσῃς  
 — 27. τίς δώσει μοι ἐπὶ στόμα [A -ατί, B<sup>1</sup> τῷ στ.]  
 μου φυλακὴν  
 23. 7. B παιδεία στόματος  
 — 7. παιδείαν στόματος ἀκούσατε, τέκνα  
 — 9. ὅρκω μὴ ἐθίσῃς τὸ στ. σου  
 — 13. ἀπαιδεύσαν ἀσυρὴ τῆς συνειδήσεως τὸ στ. σου  
 24. 2. ἐν ἐκκλησίᾳ ὑψίστου στόμα [B τὸ στ.] αὐτῆς  
 ἀνοίξει  
 — 3. ἐγὼ ἀπὸ στόματος ὑψίστου ἐξῆλθον  
 28. 12. ὡς ψάψων ὀδοιπὸρος τὸ [B<sup>2</sup> om.] στ. ἀνοίγει  
 27. 23. ἀπέναντι τῶν ὀφθαλμῶν σου γλυκανεῖ στόμα  
 σου [A B τὸ στ. αὐτοῦ]  
 — 23. ὑπερὶν δὲ διαστρέψει τὸ στ. αὐτοῦ  
 28. 12. ἀμφοτέρω ἐκ τοῦ στ. σου ἐκπορεύεται [A B  
 ἐξελύσσει]  
 — 18. πολλοὶ ἔπεισαν ἐν στόματι μαχαίρας  
 — 24. B περιφράξον τὸ στ. [A B κτημά] σου  
 ἀκύνθους  
 — 25. τῷ στ. σου ποίησον θύραν καὶ μοχλόν  
 29. 24. οὐκ ἀνοίξει [A B -εἰς] στόμα  
 30. 18. ἀγαθὰ ἐκκεχυμένα ἐπὶ στόματι κεκλεισμένφ  
 31 (34). 8. σοφία στόματος πιστῷ τελειώσις  
 37. 22. οἱ καρποὶ τῆς συνειδήσεως αὐτοῦ ἐπὶ στόματος  
 [B -τι] πιστοῦ  
 39. 5. B B ἀνοίξει τὸ [A B om.] στ. αὐτοῦ ἐν  
 πρ. σσευχῇ  
 — 17. ἐν ῥήματι στόματος αὐτοῦ ἀποδοχεῖα ὑδάτων  
 — 35. ἐν πασῇ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε  
 40. 30. ἐν στόματι ἀναιδῶν γλυκανθήσεται ἐπαί-  
 τησις [B ἀπ.]  
 49. 1. ἐν παντὶ στόματι ὡς μέλι γλυκανθήσεται  
 Si. 51. 25. ἥνοιε τὸ στ. μου καὶ ἐλάλησα  
 Ho. 2. 17 (19). ἐξαρῶ τὰ ὀνόματα τῶν B. ἐκ  
 στόματος αὐ. (1)  
 6. 6 (5). ἀπέκτεινε αὐτοὺς ἐν ῥήματι στόματός  
 μου (1)  
 Am. 3. 12. ὅταν ἐκσπάσῃ . . . ἐκ στόματος τοῦ  
 λείοντος δύο σκέλη (1)  
 Mi. 3. 5. καὶ οὐκ ἐδόθη εἰς τὸ στ. αὐ. (1)  
 4. 4. τὸ στ. κυρίου παντοκράτορος ἐλάλησε ταῦτα  
 6. 12. B ὑψώθητι [A B -θη] ἐν τῷ στ. αὐ. (1)  
 7. 16. ἐπιθήσουσι χεῖρας ἐπὶ τὸ [A om.] στ. αὐ. (1)  
 J1. 1. 5. ἐξήρθη ἐκ στόματος [A τὸ στ.] ὑμῶν  
 εὐφροσύνη (1)  
 Na. 3. 12. πεσούσιν εἰς στόμα ἔσθοντος (1)  
 Ze. 3. 13. οὐ μὴ εὐρέθῃ ἐν τῷ [A om.] στ. αὐ.  
 γλώσσα δολία (1)  
 Za. 5. 8. ἔτριψε τὸν λίθον . . . εἰς τὸ στ. αὐ. (1)  
 8. 9. τῶν ἀκούοντων . . . τὸν λόγον τοῦτους  
 ἐκ στόματος τῶν προφητῶν (1)  
 9. 7. ἐξαρῶ τὸ αἶμα αὐ. ἐκ στόματος αὐ. (1)  
 14. 12. ἡ γλῶσσα αὐ. τακθήσεται ἐν τῷ στ. αὐ. (1)  
 Ma. 2. 6. νόμος ἀληθείας ἦν ἐν τῷ στ. αὐ. (1)  
 — 7. νόμος ἐκζητούντων ἐκ στόματος αὐ. (1)  
 Is. 1. 20. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (1)  
 5. 14. διῶνιζε τὸ στ. αὐτοῦ τοῦ μὴ διαλεπεῖν (1)  
 6. 7. ἦψατο τοῦ στ. μου (1)  
 9. 12 (11). τοῦς κατεσθίοντας τὸν Ἰσραὴλ ὅλη  
 τῷ στ. (1)  
 — 17 (16). πᾶν στ. λαλεῖ ἀδικα (1)  
 11. 4. πατάξει γῆν τῷ λόγφ τοῦ στ. αὐτοῦ (1)  
 24. 3. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε ταῦτα  
 25. 8. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε  
 26. 21. A ἀνακαλύψει ἡ γῆ τὸ στ. [B B αἶμα]  
 αὐτῆς  
 29. 13. ἐγγίξει μοι ὁ λαὸς οὗτος ἐν τῷ στ.  
 αὐτοῦ [A B om. ἐν τ. στ. αὐ.] (1)  
 45. 23. εἰ μὴ ἐξελεύσεται ἐκ τοῦ στ. μου  
 δικαιοσύνη (1)  
 48. 3. ἐκ τοῦ στ. μου ἐξῆλθε (1)  
 49. 2. ἔθηκε τὸ στ. μου ὡς μάχαιραν ὀξείαν (1)  
 51. 16. θῆσω τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στ. σου (1)  
 52. 15. συνέξουσιν [A -ἀξ.] βασιλεῖς τὸ στ.  
 αὐτῶν (1)  
 53. 7. οὐκ ἀνοίγει τὸ στ. . . οὕτως οὐκ ἀνοίγει  
 τὸ στ. αὐ. (1, 1)  
 — 9. οὐδὲ ὅλον [A B<sup>2</sup> εὐρέθῃ ὅλος] ἐν τῷ  
 στ. αὐτοῦ (1)  
 55. 11. ὁ ἐὰν ἐξέλθῃ ἐκ τοῦ στ. μου (1)  
 57. 4. ἐπὶ τίνα ἥνοιε τὸ στ. ὑμῶν (1)  
 58. 13. οὐδὲ λαλήσεις λόγον ἐν ὀργῇ ἐκ τοῦ  
 στ. σου +  
 — 14. τὸ γὰρ στ. κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (1)  
 59. 21. τὰ ῥήματα ἂν ἔδωκα εἰς τὸ στ. [B<sup>1</sup> τὴν  
 καρδίαν] σου οὐ μὴ ἐκλιπῇ ἐκ τοῦ  
 στ. σου καὶ ἐκ τοῦ στ. σου σπέρ-  
 μωτός σου [B<sup>1</sup> αἰ.] (1 ter)  
 Je. 1. 9. ἦψατο τοῦ στ. μου . . . δέδωκε τοὺς  
 λόγους μου εἰς τὸ στ. σου (1, 1)  
 4. 1. ἐὰν περιελθῇ τὰ βελύγματα αὐτοῦ ἐκ  
 στόματος αὐτοῦ [A om. ἐκ στ. αὐ.] -  
 5. 14. δέδωκε τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στ. σου πῦρ (1)  
 7. 28. ἐξέλιπεν ἡ πίστις ἐκ στόματος αὐτῶν (1)  
 9. 8 (7). δόλια τὰ ῥήματα τοῦ στ. αὐτῶν (1)  
 — 12 (11). λόγος στόματος κυρίου πρὸς αὐτόν (1)  
 — 20 (19). δεξάσθω τὰ ὅσα ὑμῶν λόγους  
 στόματος αὐτοῦ (1)  
 12. 2. ἐγγύς ἐὶ σὺ τοῦ στ. αὐτῶν (1)  
 15. 19. ὡς στόμα μου ἔστη (1)  
 21. 7. κατακόνθουσιν αὐτοὺς ἐν στόματι μαχαίρας  
 23. 16. καὶ οὐκ ἀπὸ στόματος κυρίου (1)  
 28 (51). 44. ἐξοίσω δὲ κατέπειν ἐκ τοῦ στ. αὐ. (1)  
 31 (48). 28. περιστράτοι νοστεύουσιν ἐν πέτραις  
 στόματι βοθίνων (1)  
 39 (32). 4. λαλήσει στόμα αὐ. πρὸς στόμα αὐ. (1, 1)  
 41 (34). 3. A στόμα αὐ. μετὰ τοῦ στ. σου  
 λαλήσει (1, 1)  
 43 (38). 4. ἔγραψεν ἀπὸ στόματος Ἱερემίου  
 πάντας τοὺς λόγους κυρίου (1)  
 — 18. ἀπὸ στόματος αὐτοῦ ἀντήγγειλ μοι  
 Ἱερემίας πάντας τοὺς λόγους τοῦτους (1)  
 — 27. οὗς ἔγραψε Βαροῦχ ἀπὸ στόματος Ἱερ.  
 — 32. ἔγραψεν ἐν' αὐτῷ ἀπὸ στόματος Ἱερ.  
 51 (44). 17. δε ἐξελεύσεται ἐκ τοῦ στ. ἡμῶν  
 — 25. ὑμεῖς γυναικες τῷ στ. ὑμῶν ἐλαλήσατε  
 — 26. ἐὰν γέννηται ἔτι ὄνομα μου ἐν τῷ στ.  
 παντὸς Ἰούδα (1)  
 Je. 51. 31 (46. 1). ἔγραψε τοὺς λόγους τοῦτους  
 . . . ἀπὸ στόματος Ἱερემίου (1)  
 La. 1. 18. στόμα [A B τὸ στ.] αὐτοῦ παρεπίκρανα (1)  
 2. 16. διῶνιζαν ἐπὶ σὲ στόμα αὐτῶν (1)  
 8. 38. ἐκ στόματος ὑψίστου οὐκ ἐξελεύσεται τὰ  
 κακά καὶ τὸ ἀγαθόν (1)  
 — 46. διῶνιζαν ἐφ' ἡμᾶς τὸ [A om.] στ. αὐ. (1)  
 Ez. 2. 8. χάινε τὸ στ. σου (1)  
 3. 2. διῶνιζε τὸ στ. μου (1)  
 — 3. τὸ στ. σου φύγεται . . . ἐγένετο ἐν τῷ  
 στ. μου ὡς μέλι (1, 1)  
 — 17. A<sup>2</sup> B ἀκούση ἐκ στόματός μου λόγον (1)  
 — 27. ἀνοίξω τὸ στ. σου (1)  
 4. 14. οὐδὲ εἰσεληλυθὲν εἰς τὸ στ. μου πᾶν  
 κρέας ἔωλον [A<sup>2</sup> B<sup>1</sup> βέβηλον] (1)  
 16. 56. ἦν Σόδομα ἡ ἀδελφὴ σου εἰς ἀκοήν ἐν  
 τῷ στ. σου (1)  
 — 63. μὴ ᾗ σοι ἔτι ἀνοίξει τὸ στ. σου [A om.] (1)  
 21. 22 (27). τοῦ διανοίξει στόμα ἐν βροχῇ (1)  
 24. 22. ἀπὸ στόματος αὐτῶν οὐ παρακληθήσεται (3)  
 — 27. διανοικήσεται τὸ στ. σου (1)  
 29. 21. σοὶ ὁσὼς στόμα ἀνεφγμένον (1)  
 38. 7. ἀκούση ἐκ στόματός μου λόγον (1)  
 — 22. ἥνοιε μοι τὸ στ. . . ἀνοίχθην μοι τὸ  
 στ. οὐ συνσχεθῇ [A -εκλισθῇ] ἔτι (1, 1)  
 — 31. ψεύδος ἐν τῷ στ. αὐτῶν (1)  
 34. 10. ἐξελοίμαι τὰ πρόβατά μου ἐκ τοῦ στ.  
 αὐτῶν (1)  
 35. 13. ἐμγαλορρηγνύσας ἐπ' ἐμέ τῷ στ. σου (1)  
 Da. LXX. Su. 60. ἐκ τοῦ ἰδίου στ. ὁμολογῶν αὐτοὺς  
 κατέστησιν ἀμφοτέρους ψευδομάρτυρας  
 3. (25). ἀνοίξας τὸ στ. αὐ. (1)  
 — (33). οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀνοίξει τὸ στ. (1)  
 — (51). ὡς ἐξ ἐνὸς στόματος ὕμνον (1)  
 4. 28. ἔτι τοῦ λόγου ἐν τῷ στ. τοῦ βασ. ὄντος (2)  
 6. 17 (18). καὶ ἐτέθη τὸ στ. τοῦ λάκκου (2)  
 — 18 (19). ἀπέκλεισε τὸ στ. τῶν λεόντων -  
 — 19 (20). ἔστη ἐπὶ τοῦ στ. τοῦ λάκκου τῶν  
 λεόντων -  
 7. 5. τρία πλευρὰ ἦν ἐν τῷ στ. αὐ. (2)  
 — 8. 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (2)  
 10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στ. μου (1)  
 — 5. καὶ τὸ στ. αὐ. ὥσει θαλάσσης (1)  
 — 16. ἥνοιε τὸ στ. μου (1)  
 Bel 26. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στ. τοῦ δράκοντος  
 Da. TH. Su. 61. συνστήσεν αὐτοὺς Δ. ἐκ τοῦ στ. αὐ.  
 3. (24). ἀνοίξας τὸ στ. αὐ. . . εἶπεν  
 — (33). οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀνοίξει τὸ στ. ἡμῶν  
 — (51). οἱ τρεῖς ὡς ἐξ ἐνὸς στ. ὕμνον (1)  
 4. 28. ἔτι τοῦ λόγου ἐν στόματι τοῦ βασ. ὄντος (2)  
 6. 17 (18). καὶ ἐπέθηκαν ἐπὶ τὸ στ. τοῦ λάκκου (2)  
 — 18 (19). ἐκλείσκει ὁ θεὸς τὸ στ. τῶν λεόντων -  
 — 20 (21). ἐξελεῖσθαι ἐκ ἐκ στόματος τῶν λεόν-  
 των (2)  
 — 22 (23). ἐνέφραξε τὰ στ. τῶν λεόντων (1)  
 7. 5. καὶ τρεῖς πλευραὶ ἐν τῷ στ. αὐ. (2)  
 — 8. 20. καὶ στόμα λαλοῦν μεγάλα (2)  
 10. 3. οἶνος οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στ. μου (1)  
 — 16. B ἥνοιε τὸ στ. μου (1)  
 Bel 27. καὶ ἔδωκεν εἰς τὸ στ. τοῦ δράκοντος  
 I Ma. 2. 60. ἐρρύσθη ἐκ στόματος λεόντων  
 5. 28. ἀπέκτεινε πᾶν ἄρσενικὸν ἐν στόματι ῥομ-  
 φαίας  
 — 51. ὁπώλεσε πᾶν ἄρσενικὸν ἐν στόματι ῥομφαίας  
 9. 55. ἀπεφράγη τὸ στ. αὐ.  
 III Ma. 2. 20. δὸς αἰνέσεις ἐν τῷ στ. τῶν καταπετω-  
 κότων  
 4. 16. καὶ βεβήλω στ.  
 IV Ma. 5. 36. οὐδὲ μαρτυρεῖται μου τὸ σεμνὸν γήρως στόμα  
 [Aq. Ex. 4. 10: Dt. 17. 6: Jo. 6. 10: I Ki. 13. 21: III Ki. 8. 24: Jb. 21. 5: Ps. 8. 3: 17 (18): 9: 38 (39): 2: 182 (183): 2: 140 (141). 7: 149. 6: Pr. 2. 6: 4. 24: 10. 11: 11. 9: 30. 20. 32: Is. 5. 14: 6. 7: 29. 13: 41. 15 δι: 59. 21 (Sw.): 62. 2: Jb. 12. 2: 22. 28 (Sw.): 43 (31). 28.]  
 [Sm. Ex. 14. 9: Nu. 31. 8: Dt. 9. 23: Jo. 6. 10: Jb. 14. 9: I Ki. 1. 12: III Ki. 8. 24: IV Ki. 21. 16: Jb. 9. 20: 16. 5: 21. 5: 31. 27: Ps. 16 (17). 10: 17 (18). 9: 31 (32). 2: 37 (38). 15: 38 (39). 2: 10: 54 (55). 22: 58 (59). 8. 13: 62 (63). 6: 65 (66). 17: 68 (69). 16: 70 (71). 8: 72 (73). 9: 140 (141). 7: Pr. 2. 6: 6. 1. 12: 8. 13: 10. 11: 11. 9: 26. 7. 9: 30. 20: Ec. 5. 1: Is. 5. 14: 29. 13: 59. 21 (Sw.): 62. 2: Jb. 9. 12 (11).]  
 [Th. Dt. 1. 26: 9. 23: Jo. 6. 10: I Ki. 17.

- 37: Jb. 21. 5: Pr. 2. 6: 4. 24: 6. 12: 8. 13, 29: 11. 9: 20. 17: 30. 20, 32: Is. 5. 14: 6. 7: 10. 14: 22. 25: 29. 13: 59. 21 (Sw.): 62. 2: Da. 4. 28: 6. 18.]
- [Al. Ge. 48. 21: Lx. 24. 12: II Ch. 36. 22: Ps. 9. 28 (10. 7): Pr. 8. 13: 18. 4: Hb. 3. 16.]
- [Quint. Pr. 2. 6.]
- στομίζεσθαι.**
- [Aq. Jb. 39. 30.]
- στομίζ.** (1) **πινύρη**
- Pr. 24. 37 (30. 14). **ΔΒ** και τὰς μύλας στομίδας [B τομ.] (1)
- στομοδοῦσθαι.**
- [Sm. Is. 41. 15.]
- στόμωμα.**
- Si. 34 (31). 26. κάμνος δοκιμάζει στόμωμα ἐν βαφῇ [Aq. I Ki. 13. 21.]
- στοργή.**
- III Ma. 5. 32. διὰ τὴν τῆς συστοργίας στ.
- IV Ma. 14. 13. πολυπλοκοῦς ἐστὶν ἡ τῆς φιλοτεκνίας στ.
- 14. ὁμοίαν τὴν πρὸς τὰ ἐξ αὐτῶν γεννώμ. . . στ. ἔχει
- 17. ἀλογούντα τῇ στ.
- στοχαζέσθαι.** (1) **ἰῃ hi.**
- De. 19. 3. στόχασαι σοι τὴν δόδον (1)
- Wi. 13. 9. ἵνα δυνώται στοχασάσθαι τὸν αἰῶνα
- Si. 9. 14. κατὰ τὴν ἰσχύρ σου στόχασαι τοὺς πλησίον
- II Ma. 14. 8. τὸν ἰδίον πολιτὴν στοχασάμενος
- στοχαστής.** (1) **ἰῃ hi.**
- Is. 3. 2. ἀφελεί . . . στοχαστὴν καὶ πρεσβύτερον (1)
- στοραγαλλᾶσθαι.**
- To. 2. 3. **ΔΒ** εἰς . . . ἐστοραγαλλήμενος [B<sup>1</sup>-ωμένος] ἔρριπται [B al.]
- 3. **Β** καὶ αὐτόθι νῦν ἐστοραγγάληται [A B al.]
- στοραγαλλιά.** (1) **ἰῃ hi.** (2) **ἰῃ hi.**
- Ps. 124 (125). 5. **Α** τοὺς δὲ ἐκκλίνοντας εἰς τὰς στρ. ἀπάζει κύριος (2)
- Is. 58. 6. διδύμι στοραγαλλίας βιαίαν συναλλαγμάτων (1)
- [Sm., Th. Is. 58. 6.]
- στοραγαλλίς.** (1) **ἰῃ hi.**
- Jd. 8. 26. παμείξ των μνησκαν καὶ τῶν στρ. [A al.] (1)
- στοραγαλλιώδης.** (1) **ἰῃ hi.**
- Pr. 8. 8. **Β** οὐδὲν ἐν αὐτοῖς [B οὐδὲν ἐαυτοῖς] σκολιὸν οὐδὲ στοραγαλλιώδες [A B<sup>1</sup>-λιώδες] (1)
- στοραγαλλοῦσθαι.**
- To. 2. 3. **Β** εἰς ἐκ τοῦ γένους ἡμῶν ἐστοραγαλλωμένος [A B<sup>1</sup>-ἡμένος, B al.]
- στοραγαλλώδης.** (1) **ἰῃ hi.**
- Pr. 8. 8. **ΑΒ** οὐδὲν ἐν αὐτοῖς σκολιὸν οὐδὲ στοραγαλλώδες [B<sup>1</sup> B -λιώδες] (1)
- στοραγγεῦσθαι.**
- [Sm. Ge. 19. 16: Pr. 18. 9: 24. 10: Hb. 2. 3.]
- στοραγγίζ.** (1) **ἰῃ hi.**
- Le. 1. 15. στοραγγίξαι τὸ αἶμα [Aq., Sm., Th. Jd. 6. 38.]
- στρατεία, vid. sub στρατιά.**
- στρατεύειν.** (1) **ἰῃ hi.** (2) **ἰῃ hi.** (3) **ἰῃ hi.**
- Jd. 19. 8. στρατεύουσιν [A -εύητι] ἕως κλίνει τὴν ἡμέραν (2)
- II Ki. 15. 28. ἐγὼ εἰμι στρατεύομαι ἐν Ἀρ. (2)
- I Es. 4. 6. ὅσοι οὐκ στρατεύονται
- Pr. 24. 62 (30. 27). στρατεύει [A ἐκστρ.] ἀφ' ἐνὸς κλεψύδατος εὐτάκτως (1)
- Is. 29. 7. πάντες οἱ στρατεύμενοι [A B<sup>1</sup>-σάμ.] ἐπὶ Ἱερουσαλὴμ (3)
- II Ma. 15. 17. διέγνωσαν μὴ στρατεύεσθαι
- IV Ma. 9. 23. ἱερὰν καὶ εὐγενῆ στρατεῖαν στρατεύ-σασθε [B ἱστρ.]
18. 6. **Β** ἐστράτευον [A B ἐστρατοπέδουσεν] ἐπὶ Πέρσας
- [Aq. Ex. 38. 8 (26): Nu. 8. 24.]
- [Sm. Ex. 38. 8 (26).]
- στράτευμα.**
- Ju. 11. 8. καὶ θαυμαστός ἐν στρατεύμασι πολέμου
- I Ma. 9. 34. ἦλθεν αὐτὸς καὶ πᾶν τὸ στρ. αὐ.
- II Ma. 5. 24. ἐπεμψε δὲ τὸν μισάρχην Ἀπ. μετὰ στρατεύματος
8. 21. τετραμερές τι ἐποίησε τὸ στρ.
12. 38. ἰ. δὲ ἀναλαβὼν τὸ στρ.
13. 13. πρὶν εἰσβαλεῖν τὸ στρ. τοῦ βασιλ. ἐπὶ τὴν Ἰουδ.
- IV Ma. 5. 1. τὸν στρ. αὐτῷ παρεστηκότων κυκλόθεν
- [Sm. Ps. 43 (44). 10: 107 (108). 12.]
- [Al. I Ki. 13. 3.]
- στράτευσις.**
- [Sm. Ps. 59 (60). 12: 107 (108). 12.]
- στρατηγείν.**
- II Ma. 10. 32. στρατηγούντος ἐκεί Χαιρέου
14. 31. γενναῖος ὑπὸ τοῦ ἀνδρὸς ἐστρατήγηται
- στρατηγία.**
- II Ma. 14. 29. εὐκαιρὸν ἐτήρηε στρατηγίᾳ τοῦ ἐπιτελέσαι
- στρατηγία (-εία).** (1) **ἰῃ hi.**
- III Ki. 2. 35. ἔδωκεν ὁ βασιλ. τὸν Βαν. . . ἐπὶ τὴν στρ. (1)
- Ju. 5. 3. **Β** ἡγούμενος στρατηγίας [A B στρατιάς] αὐ.
- στρατηγός.** (1) **ἰῃ hi.** (2) **ἰῃ hi.**
- (3) **α. ἰῃ hi.** (4) **ἰῃ hi.** (5) **ἰῃ hi.**
- I Ki. 29. 3. εἶπεν Ἀ. πρὸς τοὺς στρ. τῶν ἀλλοφ. (5)
- 4. ἐλυπήθησαν ἐπ' αὐτῷ οἱ στρ. τῶν ἀλλοφ. (5)
- I Ch. 11. 6. ἔσται εἰς ἀρχὸντα καὶ εἰς στρατηγόν (5)
12. 19. ἐν Βουλή ἐγένετο παρὰ τῶν στρ. τῶν ἀλλοφ. (4)
- II Ch. 32. 21. ἐξέτριψε πάντα δυνατὸν . . . καὶ στρατηγὸν (5)
- I Es. 3. 2. καὶ πᾶσι τοῖς σατράπαις καὶ στρατηγοῖς
- 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς . . . στρατηγούς
4. 47. πρὸς πάντας τοὺς οἰκονόμους . . . καὶ στρ.
- Ne. 2. 16. **Α** **Β** καὶ τοῖς στρ. [B<sup>1</sup> βασιλεύουσιν, B om. κ. τ. στρ.] . . . οὐκ ἀπήγ-γχιλα (3 a)
4. 14 (8). **Α** **Β** καὶ πρὸς τοὺς στρ. (3 a)
12. 40. **Β** καὶ τὸ ἡμῶν τῶν στρ. μετ' ἐμοῦ (3 a)
13. 11. **Β** ἐμαχασάμην τοῖς στρ. [A B B<sup>1</sup> om. τ. στρ.] (3 a)
- Ju. 2. 14. ἐκάλεσε . . . τοὺς στρ.
5. 2. ἐκάλεσε . . . τοὺς στρ. [A<sup>2</sup> add. υἱοῦς] Ἀ.
7. 8. καὶ οἱ στρ. τῆς παραλίας
14. 3. ἐγερούσι τοὺς στρ. τῆς δυνάμεως Ἀσσ.
- 12. **Α** **Β** οἱ δὲ ἦλθον ἐπὶ τοὺς [B<sup>2</sup> B B<sup>1</sup> om.] στρ. (1)
- Es. 3. 12. ὡς ἐπὶ τῶν Ἀ. τοῖς στρ. (1)
- Jb. 15. 24. ὥσπερ στρ. πρωτοστάτης πίπτων (2)
- Je. 28 (51). 23. διασκορπίω ἐν σοὶ ἡγεμόνας καὶ στρατηγούς σου (3 a)
- 28. ἀναβιβάζετε ἐπ' αὐτὴν . . . πάντας τοὺς στρ. αὐτοῦ (3 a)
- 57. μεθύσει μέθῃ . . . τοὺς στρ. αὐτῆς [A om. κ. τ. στρ. αὐ.] (3 a)
- Ez. 23. 6. ἐπὶ τοῖς Ἀσσυρίοις . . . ἡγουμένους καὶ στρατηγούς (3 a)
- 12. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῶν Ἀσσυρίων ἐπέθετο ἡγουμένους καὶ στρατηγούς (3 a)
- 23. ἐπάξω . . . ἡγεμόνας καὶ στρατηγούς (3 a)
32. 30. πάντες στρατηγοὶ Ἀσσοῦ
- Da. LXX. 3. 2. ἐπιτυναγμένοι . . . σατράπαις στρατηγούς (3 b)
- 3. τότε συνήχθησαν . . . στρατηγοὶ (3 b)
10. 13. ὁ στρ. βασιλέως Περσῶν ἀνθεστήκει (5)
- 13. αὐτὸν ἐκεῖ κατέλιπον μετὰ τοῦ στρ. τοῦ βασιλ. Περσῶν (2 ?)
- 20. διαμείχεσθαι μετὰ τοῦ στρ. βασιλέως τῶν Π. (5)
- 20. στρατηγὸς Ἑλλήνων εἰσπορεύετο (5)
- Da. TH. 3. 2. ἀπείστειλε συναγαγεῖν . . . τοὺς στρ. (3 b)
- 3. συνήχθησαν . . . στρατηγοὶ (3 b ?)
- 27 (94). συνάγονται . . . οἱ στρ. (3 b)
- Da. TH. 6. 7 (8). συνεβουλευσάντο πάντες . . . στρατηγοὶ (3 b)
- I Ma. 8. 10. ἀπέστειλαν ἐπ' αὐτοὺς στρ. ἕνα
10. 65. ἔθετο αὐτὸν στρατηγόν
11. 59. Σίμων . . . κατέστησε στρατηγόν
13. 42. ἐπὶ Σίμωνος ἀρχιερέως μεγάλου καὶ στρα-τηγού
14. 42. τοῦ εἶναι ἐπ' αὐτῶν στρατηγόν
- 47. καὶ εἶναι στρατηγὸς καὶ ἐθνάρχης
16. 11. ἦν καθεσταμένος στρατηγός
- II Ma. 3. 5. τὸν κατ' ἐκείνων τὸν καιρὸν . . . Φοινίκης στρατηγόν
4. 4. Ἀπολλώνιον . . . ἕως τῶν Κολίης Φοινίκης . . . στρατηγόν
8. 8. πρὸς Πτ. τὸν Κολίης Συρίας . . . στρ.
- 9. συνέστησαν . . . Γοργίαν ἄνδρα στρ.
9. 19. βασιλεὺς Ἀντίοχος καὶ στρατηγός
10. 11. Κολίης δὲ Συρίας καὶ Φοινίκης στρατηγόν
- πρώταρχον
- 14. Γ. δὲ γενόμενος στρ. τῶν τόπων
12. 2. τῶν δὲ κατὰ τόπον στρ. Τιμ. καὶ Ἀπ.
- 32. ὥρμησαν ἐπὶ Γοργίαν τὸν τῆς Ἰδοῦμ. στρ.
13. 24. κατέλειπε στρατηγὸν ἀπὸ Πτ.
14. 12. καὶ στρατηγὸν ἀναδείξας τῆς Ἰουδ.
- III Ma. 3. 12. τοῖς . . . κατὰ τόπον στρ. . . χαίρειν
4. 4. ὑπὸ τῶν κατὰ πόλιν στρ. . . ἐξπιστέλλοντο
- 18. ὡς ἀδυνάτου καθεστῶτος πᾶσιν τοῖς ἐπ' Αἴγυπτον στρ.
6. 41. ἐγράψεν . . . πρὸς τοὺς κατὰ πόλιν στρ.
7. 1. βασιλεὺς Πτ. Φ. τοῖς κατ' Αἴγυπτον στρ.
- IV Ma. 4. 2. πρὸς Ἀπ. τὸν Συρίας . . . στρ.
- [Sm. Da. 2. 48 (Sw.).]
- [Heb. Ez. 32. 30 (P.).]
- στρατιά (-εία).** (1) **ἰῃ hi.** (2) **ἰῃ hi.** (3) **ἰῃ hi.**
- (4) **ἰῃ hi.**
- Ex. 14. 4. ἐνδοξασθίσομαι . . . ἐν πάσῃ τῇ στρ. αὐ. (1)
- 9. καὶ οἱ ἱππεῖς καὶ ἡ στρ. αὐ. (1)
- 17. ἐνδοξασθίσομαι . . . ἐν πάσῃ τῇ στρ. αὐ. (1)
- Nu. 10. 28. αὐταὶ αἱ στρ. υἱῶν Ἰσρ. (8)
- De. 20. 9. καταστήσουσιν ἀρχοντας τῆς στρ. (4)
- Jd. 8. 6. **Α** δώσωμιν τῇ στρ. [B δυνάμει] σου ἀρτους (4)
- II Ki. 8. 23. ἰ. καὶ πᾶσα ἡ στρ. αὐ. ἠχθήσαν (4)
8. 16. ἰ. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρ. (4)
- III Ki. 4. 4. **Α** Βαν. υἱὸς ἰ. ἐπὶ τῆς στρ. [B δυνάμει] (4)
11. 15. ἐν τῇ πορεύσει ἰ. ἀρχοντα τῆς στρ. (4)
- [A δυνάμει] (4)
- 21. τέθηκην ἰ. ὁ ἀρχὸν τῆς στρ. (4)
16. 16. ἐβασίλευσαν ἐν Ἰσρ. τὸν Ζ. τὸν ἡγού-μενον τῆς στρ. (4)
- 21 (20). 39. ἐξῆλθεν ἐπὶ τὴν στρ. τοῦ πολέμου
22. 19. πᾶσα ἡ στρ. τοῦ οὐρ. εἰσῆλθε περὶ αὐτὸν (4)
- I Ch. 12. 14. οὗτοι ἐκ τῶν υἱῶν Γαδ ἀρχοντες τῆς στρ. (4)
- 21. ἦσαν ἡγούμενοι ἐν τῇ στρ. (4)
- 23. ταῖτα τὰ ὀνόματα τῶν ἀρχόντων τῆς στρ. (4)
18. 15. ἰ. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρ. (4)
19. 8. ἀπέστειλε . . . πᾶσαν τὴν στρ. τῶν δυνα-τῶν (4)
20. 1. ἤγαγεν ἰ. πᾶσαν τὴν δύναμιν τῆς στρ. (4)
28. 1. **Α** **Β** καὶ τοὺς μαχητὰς τῆς στρ. [B om. τ. στρ.] ἐν ἰερ. (1)
- II Ch. 32. 9. καὶ πᾶσα ἡ στρ. μετ' αὐτοῦ (2)
33. 3. προσκύνειν πᾶσιν τῇ στρ. τοῦ οὐρανοῦ (4)
- 5. Β ψαλμῶντι θυσιαστήριον τῇ πάσῃ [A B π. τῇ] στρ. τοῦ οὐρ. (4)
- Ne. 9. 6. οἱ προσκυνοῦσιν αἱ στρ. τῶν οὐρανῶν (4)
- Ju. 3. 10. **Β** εἰς τὸ συλλέξαι πᾶσαν τὴν στρ. [A B ἀπαρτίαν]
5. 3. **Α** **Β** ἡγούμενος στρατιάς [B στρατηγίας] αὐ.
- 24. εἰς κατάβρωμα πάσης τῆς στρ. σου
6. 6. διελεύσεται ὁ σιδηρὸς τῆς στρ. μου
7. 1. περήγγειλεν Ὁλ. πάσῃ τῇ στρ. αὐ.
- 18. καὶ ἡ λοιπὴ στρ. τῶν Ἀσσ. παρενέβαλον
- Ho. 13. 4. οὐ αἱ χεῖρες ἐκτίσαν πᾶσαν τὴν στρ. τοῦ οὐρ. —
- Ze. 1. 5. καὶ τοὺς προσκυνοῦντας . . . τῇ στρ. τοῦ οὐρ. (4)
- Je. 7. 18. τοὺ ποιῆσαι χαυνῶσαι τῇ στρ. τοῦ οὐρανοῦ
8. 2. ψύξουσιν αὐτὰ . . . πρὸς πᾶσαν τὴν στρ. τοῦ οὐρανοῦ (4)



Je. 19. 13. ἰθυμίαν . . . πύση τῇ στρ. τοῦ οὐρ. (4)  
 I Ma. 2. 66. οὗτος ἡμῖν ἵσται ἄρχων στρατιάς  
 11. 70. ἄρχοντες τῆς στρ. τῶν δυνάμεων  
 II Ma. 8. 24. τὸ πλεῖον μέρος τῆς τοῦ Ν. στρ.  
 12. 20. διατάξας τὴν περὶ αὐτὸν στρ. σπειρηδόν  
 13. 14. περὶ δὲ Μ. ἐποίησατο τὴν στρ.  
 15. 20. καὶ τῆς στρ. ἐκταγείσης  
 III Ma. 5. 3. συναγαγὼν τοὺς μάλιστα . . . τῆς στρ.  
 6. 4. σὺν τῇ ὑπερηφάνῃ στρ. ποταβοβρόχους ἀπώ-  
 λησας  
 IV Ma. 4. 10. Α ἀνιόντος τε μετὰ καθωπλισμένης στρ.  
 [B S τῆς στρ.]  
 9. 23. ἱερὰν καὶ εὐγενῆ στρατείαν στρατεύσασθε  
 16. 14. B<sup>1</sup> μήτηρ καὶ εὐσεβοῦς στρατιάς  
 [Aq. Ex. 12. 41 : Nu. 1. 20 : 8. 24 : Dt. 4. 19 :  
 17. 3 : I Ki. 1. 3 : II Ki. 5. 10 : 10. 7 : Jb. 7.  
 1 : 10. 17 : Ps. 82 (85). 6 : 68 (69). 7 : 83 (84).  
 13 : 148. 2 : Is. 1. 9, 24 : 8. 15 : 5. 7 : 10. 23 :  
 34. 2, 4 bis : 40. 2, 26 : Jb. 49. 26 (30. 15) :  
 Da. 10. 1.]  
 [Sm. Nu. 1. 20 : I Ki. 1. 3 : II Ki. 10. 7 : Jb.  
 25. 3 : Ps. 67 (68). 12, 13 : 148. 2 : Is. 5. 7 :  
 34. 4 : 40. 26 : Za. 9. 8.]  
 [Th. II Ki. 10. 7 : III Ki. 4. 4† : Is. 34. 4 :  
 40. 26.]  
 [Al. I Ki. 15. 2 : Am. 8. 13.]

## στρατιώτης.

II Ki. 23. 8. B<sup>1</sup> B ἐπάσατο τὴν ῥομφ. αὐ. ἐπὶ  
 ὀκτακοσίους στρ. [A B<sup>1</sup> al.] +  
 II Ma. 5. 12. ἐκείνους τοὺς στρ. κόπτειν  
 14. 39. ἀπέστειλε στρατιώτας . . . συλλαβεῖν αὐτόν  
 III Ma. 3. 12. τοῖς . . . κατὰ τόπον . . . στρ. χαίρειν  
 IV Ma. 3. 7. πολλοὺς αὐτῶν ἀπέκτεινε μετὰ τῶν τοῦ  
 θήνων στρ.  
 — 12. δύο νεανίσκοι στρ. καρτεροί  
 17. 23. ἀνεκρίβη τοῖς στρ. αὐ. . . τὴν ἐκείνων  
 ὑπομονήν

## στρατιώτης.

IV Ma. 16. 14. ὁ μήτηρ δι' εὐσίβειαν θεοῦ στρατιῶτι  
 στρατοκῆρυξ.  
 III Ki. 22. 36. ἔσθη ὁ στρ. +  
 στρατοπεδία (-δία). (1) ἡῖθ  
 Jo. 4. 3. θέτε αὐτοὺς ἐν τῇ στρ. ἡμῶν (1)  
 II Ma. 18. 14. B ἐποίησατο περὶ Μ. τὴν στρ. [A  
 στρατιάς]

## στρατοπεδεύειν. (1) ἡῖθ (2) שׁוּב (3) יָצַף

Ge. 12. 9. ἐστρατοπέδουν ἐν τῇ ἐρήμῃ (2)  
 Ex. 13. 20. ἐστρατοπέδουν ἐν Ὁ. (3)  
 14. 2. στρατοπεδυσάσων ἀπέναντι τῆς ἐπαύ-  
 λους  
 — 2. στρατοπεδεύσεις ἐπὶ τῆς θαλάσσης (1)  
 — 10. οἱ Αἰγ. ἐστρατοπέδουν ὀπίσω αὐτῶν (2)  
 Nu. 24. 2. καθορὰ τὸν Ἰσρ. ἐστρατοπεδεύκοντα  
 κατὰ φυλάς (3)  
 De. 1. 40. ἐστρατοπεδεύσατε εἰς τὴν ἔρημον (2)  
 Pr. 4. 15. ἐν φ' ἂν τόπῃ [B om.] στρατοπεδεύσῃσι +  
 II Ma. 9. 23. καθ' ὅδε καιροὺς εἰς τοὺς ἄνω τόπους  
 ἐστρατοπέδουν  
 15. 17. B διέγνωσαν μὴ στρατοπεδεύεσθαι [A στρα-  
 τεύεσθαι]  
 IV Ma. 3. 8. περὶ ἣν ὁ πᾶς τῶν προγόνων στρατὸς  
 ἐστρατοπεδεύκει  
 18. 6. A B ἐστρατοπέδουν [B ἐστράτευσεν] ἐπὶ  
 Πέρσας

## στρατοπεδίων (?)

IV Ma. 3. 13. A<sup>1</sup> κατὰ πᾶν τὸ τῶν πολεμίων στρ.  
 [A<sup>2</sup> B R -δον]  
 στρατόπεδον (-ος). (1) ἡῖθ  
 Wi. 12. 8. A B ἀπέστειλās τε προδρόμους τοῦ στρ.  
 [B S τοὺς στρατοπέδους] συν σφῆκας  
 Je. 41 (34). 1. πᾶν τὸ στρ. αὐτοῦ καὶ πᾶσα ἡ γῆ  
 ἀρχῆς αὐτοῦ ἐπολέμουν (1)  
 48 (41). 12. ἤγαγον ἅπαν τὸ στρ. αὐτῶν +  
 II Ma. 8. 12. μεταδόντος . . . τὴν παρουσίαν τοῦ στρ.  
 9. 9. πᾶν τὸ στρ. βαρύνονσαι τὴν σαπρίαν  
 III Ma. 6. 17. ἀκατάσχετον πτοῆν ποιῆσαι παντὶ τῷ  
 στρ.  
 IV Ma. 3. 13. διεξήσαν . . . κατὰ πᾶν τὸ τῶν πολε-  
 μίων στρ. [A<sup>1</sup> -διον]  
 [Sm. I Ki. 23. 3 : Jb. 29. 25.]  
 [Al. Ps. 26 (27). 3.]

## στρατός.

I Ma. 4. 35. B πλεονάσας τὸν γενηθέντα στρατόν  
 [A S al.]  
 II Ma. 8. 35. εὐμεμετικῶς ἐπὶ τῇ τοῦ στρ. διαθορᾷ  
 IV Ma. 3. 8. περὶ ἣν ὁ πᾶς τῶν προγόνων στρ.  
 ἐστρατοπεδεύκει  
 4. 5. μετὰ . . . βαρυτάτου στρ. προσελθόν  
 — 11. ὅπως . . . τὸν ἐπουράνιον ἐξευμενίσωνται στρ.  
 στρέβλευμα.  
 [Sm., Th. Pr. 6. 12.]

## στρέβλη (-α).

Si. 30. 35 (33. 26). καὶ οἰκίη κακούργη στρέβλαι  
 IV Ma. 7. 4. τὴν ἱερὰν ψυχὴν . . . στρέβλαις πυρ-  
 πολοῦμενος  
 — 14. τῷ Ἰσακίῳ λογιμῷ τὴν πολυκέφαλον στρ.  
 ἤκυρωσεν  
 8. 11. πλὴν τοῦ μετὰ στρεβλῶν ἀποθανεῖν  
 — 24. μηδὲ κενοδοξήσωμεν ἐπὶ τῇ ἐαυτῶν στρ.  
 9. 22. ὑπέμεινε εὐγενῶς τὰς στρ.  
 14. 12. τὰς ἐφ' ἐνὶ ἐκάστῳ τῶν τέκνων στρ.  
 15. 24. καὶ τὴν τῶν στρ. [B<sup>1</sup> τέκνων] πολυπλοκὸν  
 ποικιλίαν  
 — 25. A καὶ φιλοτεκνίαν καὶ τέκνων στρέβλαν [B R  
 -ας]

## στρεβλοκάρδιος.

[Aq., Pr. 11. 20.]  
 [Sm., Th. Pr. 11. 20 : 17. 24.]

## στρεβλός. (1) שׁוּב (2) ἡῖθ

II Ki. 22. 27. μετὰ στρεβλοῦ διαστρέψης [A  
 διαστρέψεις] (1)  
 Ps. 17 (18). 26. μετὰ στρεβλοῦ διαστρέψεις (1)  
 77 (78). 57. μετεστρέψαν εἰς τόξον στρεβλόν (2)  
 Si. 36. 25 (22). καρδία στρεβλή δώσει λύπην  
 [Aq. Is. 58. 5.]  
 [Sm. Pr. 8. 13 : 23. 33.]  
 [Th. Pr. 2. 15 : 8. 13.]  
 [Al. Le. 21. 20 : Ps. 100 (101). 4.]

## στρεβλότης.

[Aq. Pr. 4. 24 : 6. 14.]  
 [Th. Pr. 4. 24.]  
 [Al. Pr. 6. 14.]

## στρεβλοῦν. (1) ἡῖθ hithpa.

II Ki. 22. 27. μετὰ στρεβλοῦ στρεβλωθήσῃ [A  
 διαστρέψεις] (1)  
 III Ma. 4. 14. στρεβλωθέντας δι' παρηγγελμέναις  
 αἰκίαις  
 IV Ma. 9. 17. στρεβλοῦτε τὰ ἄρθρα  
 12. 4. διὰ γὰρ ἀπειθεῖαν στρεβλωθέντες τεθνήκασιν  
 — 11. καὶ τοὺς τῆς εὐσεβείας ἀσκήτας στρεβλώσας  
 15. 14. καθ' ἑνα στρεβλοῦμενον . . . ὀρώσα μήτηρ  
 [Aq. Jb. 9. 20 : Is. 19. 15.]  
 [Sm. Pr. 10. 9 : DA. 10. 16 (Sw.).]

## στρεβλωτήριον.

IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . στρεβλωτήρια . . . προῖθσαν  
 [Sm. Je. 20. 2.]

## στρέμμα.

(1) ἡῖθ (2) ἡῖθ  
 Jd. 16. 9. ὡς εἴ τις ἀποσπᾷ στρέμμα στυπ-  
 πίου [A al.] (1)  
 IV Ki. 15. 30. B συνέστρεψε στρέμμα [A B  
 σύστρ.] Ὁ. (2)

## στρεπτός. (1) שׁוּב (2) ἡῖθ (3) στρ.

κυμάτιον ῥ' (4) στρ. στεφάνη ῥ'  
 Ex. 25. 10 (11). ποιήσεις αὐτὴν κυμάτια χρυσᾷ στρ. (8)  
 — 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στρ. κυμάτια χρυσᾷ  
 [A al.] (8)  
 — 24 (25). ποιήσεις στρ. κυμάτιον (8)  
 30. 3. ποιήσεις αὐτῷ στρ. στεφάνην χρυσῇν  
 — 4. ποιήσεις ὑπὸ τὴν στρ. στεφάνην αὐ. (4)  
 De. 22. 12. στρεπτὰ ποιήσεις σεαντῷ (1)  
 III Ki. 7. 41. στύλους δύο καὶ τὰ στρ. τῶν  
 στύλων (2)  
 — 41. τοῦ καλύπτεν ἀμφότερα τὰ στρ. τῶν  
 γλυφῶν (2)  
 — 42. περικαλύπτειν ἀμφότερα τὰ δῦτα τὰ  
 στρ. τῆς μεχ. (2)  
 Es. 4. 17. A<sup>2</sup> B S ἐπλησε στρεπτῶν τριχῶν αὐ.  
 [Aq. Ge. 38. 18.]  
 [Quint. Ca. 1. 11.]

## στρέφειν. (1) שׁוּב (2) ἡῖθ hithpo. (3) שׁוּב

a. qal. δ. ni. c. hithpa. (4) שׁוּב a. qal.  
 δ. hi. (5) ἡῖθ a. qal. δ. hi. (6) ἡῖθ  
 (7) שׁוּב a. qal. δ. hi.  
 Ge. 3. 24. τὴν φλογίνην ῥομφαίαν τὴν στρεφόμε. (3 c)  
 Ex. 4. 17. τὴν ῥάβδον ταύτην τὴν στραφείσαν  
 εἰς ὄφιν  
 7. 15. τὴν ῥάβδον τὴν στραφείσαν εἰς ὄφιν (3 b)  
 De. 3. 1. B<sup>1</sup> στραφέντες [A B<sup>2</sup> B ἐπιστρ.] ἀνέ-  
 βημεν ὁδὸν τὴν εἰς Β. (5 a)  
 Jd. 7. 13. μαγίς ἄρτου κριθίνου στρεφόμενη [A  
 κυλίωμ.] (3 c)  
 I Ki. 10. 6. στραφίσῃ [A -ει] εἰς ἄνδρα ἄλλον (3 b)  
 14. 47. οὗ ἂν ἐστράφῃ [B<sup>2</sup> ἀνέστρ.] ἐσώζ(ετο) (5 a)  
 III Ki. 2. 14 (15). ἐστράφῃ ἡ βασ. (4 a)  
 6. 34. καὶ δύο πτυχὰί ἡ θύρα ἡ δευτ. στρεφό-  
 μενα (1)  
 18. 37. ἔστρεψας [A ἐπέστρ.] τὴν καρδίαν τοῦ  
 λαοῦ τ. ὁπίσω (4 b)  
 I Es. 4. 34. στρέφεται ἐν τῷ κύκλῳ τοῦ οὐρανοῦ  
 Ne. 13. 2. B S ἔστρεψεν [A B ἐπέστρ.] ὁ θ.  
 ἡμῶν τὴν κατάραν εἰς εὐλογίαν (3 a)  
 To. 2. 6. στραφίσονται αἱ ἐορταὶ ἡμῶν εἰς πένθος  
 Es. 4. 8. A ὡς ἐστράφῃς [B S ἐστρ.] ἐν χειρὶ μου —  
 — 17. στρέψον τὸ πένθος ἡμῶν εἰς εὐχίαν  
 — 17. στρέψον τὴν βουλήν αὐ. ἐπ' αὐτοὺς  
 9. 22. ἐν φ' ἐστράφῃ [A B ἐστράφῃ] αὐτοῖς (3 b)  
 Jb. 28. 5. ὑποκάτω αὐτῆς ἐστράφῃ ὥσπερ πῦρ (3 b)  
 34. 25. στρέψει νύκτα (3 a)  
 41. 16 (17). στραφέντος δὲ αὐτοῦ φόβος θηρίους (6)  
 Ps. 29 (30). 11. ἔστρεψας τὸν κοπετόν μου εἰς  
 χαρὰν ἐμοί (3 a)  
 31 (32). 4. ἐστράφῃ εἰς ταλαιπωρίαν (3 b)  
 40 (41). 3. ὁλην τὴν κοίτην αὐτοῦ ἔστρεψας ἐν  
 τῇ ἀρρωστίᾳ αὐτοῦ (3 a)  
 77 (78). 9. ἐστράφῃσαν ἐν ἡμέρᾳ πολέμου (3 a)  
 113 (114). 3. ὁ Ἰορδάνης ἐστράφῃ εἰς τὰ ὀπίσω (4 a)  
 — 5. A B<sup>2</sup> B ἐστράφῃς [B<sup>1</sup> ἀνεχώρησας] εἰς  
 τὰ ὀπίσω (4 a)  
 — 8. τοῦ στρέψαντος τὴν πέτραν εἰς λίμνας  
 ὑδάτων (3 a)  
 Pr. 12. 7. οὗ ἐὰν στραφῇ ὁ ἀσεβὴς ἀφανίζεται (3 a)  
 26. 14. ὥσπερ θύρα στρέφεται ἐπὶ τοῦ στρέ-  
 φηγος [A τῷ στρ.] (4 a)  
 Si. 6. 28. στραφίσεται σοι εἰς εὐφροσύνην  
 34 (31). 20. B<sup>1</sup> καὶ στρεφόμενος [A B S<sup>2</sup> στρόφος]  
 μετὰ ἀνδρὸς ἀπλήστου  
 36 (33). 5. ὡς ἄξων στρεφόμενος ὁ διαλογισμὸς  
 αὐτοῦ  
 Ze. 3. 20. B<sup>1</sup> ἐν τῷ στρέφειν [A B<sup>2</sup> B ἐπιστρ.]  
 με τὴν αἰχμαλωσίαν ἡμῶν (7 a)  
 Is. 34. 9. στραφίσονται αὐτῆς αἱ φάραγγες εἰς  
 πῖσσαν (3 b)  
 38. 8. B<sup>2</sup> B στρέφω [A B<sup>1</sup> S -φω] τὴν σιάν  
 τῶν ἀναβαθμῶν (7 b)  
 63. 10. ἐστράφῃ αὐτοῖς εἰς ἔχθραν (3 b)  
 Je. 2. 21. πῶς ἐστράφῃς [A -η] εἰς πικρίαν (3 b)  
 — 27. ἔστρεψαν [B ἐπέστρ.] ἐπ' ἐμὲ νῦτα (5 a)  
 31 (48). 39. πῶς ἔστρεψε νῶτον Μωάβ (5 b)  
 37 (30). 6. ἐστράφῃσαν πρόσωπα εἰς ἑκτερον (3 b)  
 — 23. ἐξῆλθεν [B ἐπῆλθεν] ὁργὴ στρεφόμενη (2)  
 38 (31). 13. στρέψω [B<sup>1</sup> ἐπιστρ.] τὸ πένθος  
 αὐτῶν εἰς χαρμονίην [A εὐφροσύνην] (3 a)  
 41 (34). 15. A ἔστρεψαν [B S ἐπέστρ.] σήμε-  
 ρον ποιῆσαι τὸ εὐδές (7 a)  
 La. 1. 20. ἡ καρδία μου ἐστράφῃ ἐν ἐμοί (3 b)  
 5. 15. ἐστράφῃ εἰς πένθος ὁ χορὸς ἡμῶν (3 b)  
 Ez. 4. 8. μὴ [A οὐ μὴ] στραφῇς ἀπὸ τοῦ πλεν-  
 ροῦ σου (3 b)  
 Da. TH. 10. 16. ἐστράφῃ τὰ ἐντὸς μου ἐν ἐμοί (3 b)  
 I Ma. 1. 39. αἱ ἐορταὶ αὐ. ἐστράφῃσαν [B<sup>1</sup> -φῃ] εἰς  
 πένθος  
 — 40. τὸ ὕψος αὐ. ἐστράφῃ εἰς πένθος  
 2. 63. B ἔστρεψεν [A B ἐπέστρ.] εἰς τὸν χοῦν αὐ.  
 [Aq. Le. 13. 13 : Ps. 31 (32). 4 : Pr. 17. 20 :  
 Ze. 3. 9.]  
 [Sm. Pr. 17. 20 : Ez. 4. 3.]  
 [Th. Jb. 34. 25 : Ps. 31 (32). 4 : Pr. 17. 20 :  
 Is. 88. 8 : Ez. 47. 6 (Sw.) : DA. 10. 16 : Ze.  
 3. 9.]  
 [Quint., Sext. Ps. 31 (32). 4.]  
 στρηνιάν.  
 [Sm. Is. 61. 6.]

**στρήνος.** (1) **יִרְמָשׁ**  
IV Ki. 19. 28. τὸ στρ. σου ἀνέβη ἐν τοῖς ὤσι μου  
**στρήνης** (?).  
[Al. Le. 26. 9.]  
**στρίφνος.**  
Jb. 20. 18. ὥσπερ στρίφνος [A στρύχων, B<sup>a</sup> στρύχως] ἀμάσπητος [A -ον]  
**στροβείν.** (1) **יִרְמָשׁ** pi.  
Jb. 9. 34. ὁ δὲ φόβος αὐτοῦ μὴ με στροβείτω  
18. 11. πότερον οὐχὶ δὶνα [A δειλία] αὐτοῦ στροβήσκει ὑμᾶς  
15. 23 (24). ἡμέρα δὲ σκοτεινὴ αὐτὸν στροβήσκει  
33. 7. οὐχ ὁ φόβος μου σε στροβήσκει  
**στρογγυλός.** (1) **יִרְמָשׁ**  
III Ki. 7. 23. στρογγύλιον κύκλω τὸ αὐτό  
— 31. A καὶ διάπηγα αὐ. τεράγωνα οὐ στρογγύλα  
— 35. στρογγύλιον κύκλω ἐπὶ τῆς κεφαλῆς τῆς μυχ.  
II Ch. 4. 2. ἐποίησε τὴν θάλασσαν . . . στρογγύλην κυκλόθεν  
[Aq. Ez. 1. 7.]  
**στρογγυλοῦν.** (1) **יִרְמָשׁ**  
III Ki. 7. 31. A καὶ στόμα αὐ. στρογγυλοῦν  
**στρογγυλωμα.**  
[Al. I Ki. 19. 16.]  
**στρογγυλωσις.** (1) **יִרְמָשׁ**  
I Ki. 17. 20. A ἤλθεν εἰς τὴν στρ.  
[Aq. Sm., Th. I Ki. 26. 5.]  
**στρουβίζειν.**  
[Th. Is. 10. 14: 38. 14.]  
**στρουβίον.** (1) **יִרְמָשׁ** (2) **יִרְמָשׁ** (3) **יִרְמָשׁ**  
To. 2. 10. στρουβία ἐν τῷ τοίχῳ ἔστι [S al.]  
— 10. ἀφώδυσαν τὰ στρ. θερμὸν εἰς τοὺς ὀφθαλμούς μου [S al.]  
Jb. 40. 24 (29). ἡ δῆσαι αὐτὸν ὥσπερ στρουβίων παιδίον  
Ps. 10 (11). 2. μεταναστεύουσ ἐπὶ τὰ ἔρη ὡς στρουβίον  
88 (84). 3. στρουβίον εὗρεν ἐαυτῷ οἰκίαν  
101 (102). 7. ἐγενήθη ὥσει στρ. μονά(ον)  
108 (104). 17. ἐκεῖ στρουβία ἐννοσε αὐτοῖς  
128 (124). 7. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὡς στρουβίον ἐρρύσθη ἐκ τῆς παγίδος τῶν θηριόντων  
Ec. 12. 4. ἀναστήσεται εἰς φωνὴν τοῦ στρ.  
Je. 8. 7. στρουβία ἐφύλαξαν καιροὺς εἰσιδὼν ἐαυτῶν  
La. 3. 52. θρηνησάντες ἐθρήνησαν με ὡς στρουβίον  
4. 3. ὡς στρουβίον ἐν ἐρήμῳ  
[Sm. Ps. 108 (104). 17: Ec. 12. 4: Is. 31. 5.]  
[Al. Le. 14. 4.]  
**στρουθοκάμηλος.**  
[Aq. Dt. 14. 14 (15): Is. 13. 21: 34. 13: 48. 20: Mt. 1. 8.]  
[Sm. Jb. 30. 29: Is. 13. 21: 34. 13: 48. 20: Je. 50 (27). 39: La. 4. 3: Mt. 1. 8.]  
[Th. Is. 48. 20.]  
[Al. Le. 11. 16 (15).]  
**στρουθός.** (1) **אֲרָמָה** תב, תב, תב δ. תב  
(2) **יִרְמָשׁ** (3) **יִרְמָשׁ**  
Le. 11. 15 (16): De. 14. 15. καὶ στρουθὸν καὶ γλαύκα καὶ λάρον  
Jb. 30. 29. ἀδελφὸς γέγονα σειρήνων ἐταῖρος δὲ στρουθῶν  
Pr. 26. 2. ὥσπερ ὄρεα πέταται καὶ στρουθοὶ  
Is. 34. 13. ἔσται ἐπαύλεις σειρήνων καὶ αὐλὴ στρουθῶν  
48. 20. σειρήνες καὶ θυγατέρες στρουθῶν  
Je. 10. 22. εἰς ἀφανισμόν καὶ κοίτην στρουθῶν  
30. 11 (49. 33). ἔσται ἡ αὐλὴ διατριβὴ στρουθῶν  
[Aq. Ps. 88 (84). 4: Je. 50 (27). 39.]  
[Th. Jb. 30. 29.]

**στροφεύς.** (1) **יִרְמָשׁ** (2) **יִרְמָשׁ**  
III Ki. 6. 34. ἡ θύρα ἡ μία καὶ στροφεύς αὐτῶν (1)  
I Ch. 22. 3. σὶδρον πολὺν εἰς . . . τοὺς στρ. ἥτοιμασε Δ.  
[Aq. Pr. 26. 14.]  
**στροφή.**  
Pr. 1. 3. δέξασθαι τε στροφὰς λόγων  
Wi. 8. 8. ἐπιστάται στροφὰς λόγων  
Si. 39. 2. ἐν στροφαῖς παραβολῶν συνεισελύσεται  
[Th. Is. 29. 16.]  
**στροφίγι.** (1) **יִרְמָשׁ**  
Pr. 26. 14. ὥσπερ θύρα στροφίγεται ἐπὶ τοῦ στρ.  
[A τῷ στρ.] (1)  
**στρόφος.**  
Si. 34 (31). 20. πόντος ἀγρυπνίας . . . καὶ στρόφος [B<sup>a</sup> στροφεύς] μετὰ ἀνδρὸς ἀπλήστου  
**στροφωτός.** (1) **יִרְמָשׁ** ho.  
Ez. 41. 23 (24). τοῖς δυοῖν θυρώμασι τοῖς στρ. (1)  
**στρωφαλὶς** (στρυνφ.). (1) **יִרְמָשׁ**  
I Ki. 17. 18. A καὶ τὰς δέκα στρ. τοῦ γάλακτος τ. εἰσίοσεις (1)  
**στρώχνος.**  
Jb. 20. 18. A ὥσπερ στρύχων [B<sup>a</sup> -ος, B B<sup>1</sup> στρίφνος] ἀμάσπητος [B S -ος] (1)  
**στρώμα.** (1) **יִרְמָשׁ**  
Pr. 22. 27. λήψονται τὸ στρ. τὸ ὑπὸ τὰς πλευράς σου (1)  
[Aq. III Ki. 6. 10: IV Ki. 8. 15.]  
[Sm. IV Ki. 8. 15.]  
**στρωμή.** (1) **יִרְמָשׁ** (2) **יִרְמָשׁ** (3) **יִרְמָשׁ**  
(4) **יִרְמָשׁ**  
Ge. 49. 4. τότε ἐμάσανε τὴν στρ. (1)  
Ju. 9. 3. καὶ τὴν στρ. αὐ. ἡ ἡδέαστο  
18. 9. ἀπεκύλισε τὸ σῶμα αὐ. ἀπὸ τῆς στρ.  
Es. 1. 6. καὶ στρωμνὰς διαφανεῖς [B ἐπιφ., A στρωμνὴς ἐπιφανοῦς]  
Jb. 17. 13. ἐν δὲ γνώφῳ ἔστρωται μου ἡ στρ. (1)  
41. 21 (22). ἡ στρ. αὐτοῦ ὀβελίσκοι δέξεις (4)  
Ps. 6. 6. ἐν δακρύσι μου τὴν στρ. μου βρέξω (8)  
62 (63). 6. εἰ ἐμνημόνευσον σου ἐπὶ τῆς στρ. μου (1)  
131 (132). 3. εἰ ἀναβήσομαι ἐπὶ κλινῆς στρωμνῆς μου (1)  
Am. 6. 4. κατασπατάλῶντες ἐπὶ ταῖς στρ. αὐ. (8)  
Ez. 27. 7. βύσσος . . . ἐγένετο σοὶ στρωμνὴ (2)  
[Sm. Ps. 62 (63). 7: Is. 28. 20.]  
**στρωννύειν, στρωννύναι.** (1) **יִרְמָשׁ** pi.  
(2) **יִרְמָשׁ** ho. (3) **יִרְמָשׁ** (4) **יִרְמָשׁ** (5) **יִרְמָשׁ**  
(6) **יִרְמָשׁ** hithpa. (7) **יִרְמָשׁ** pi.  
To. 7. 17. B ἔστρωσεν εἰς τὸ ταμίειον [A B al.]  
Ju. 12. 15. A B ἔστρωσεν αὐτῇ κατέναντι 'Ολ.  
Es. 4. 3. σάκκον καὶ σποδὸν ἔστρωσαν [B<sup>a</sup> ὑπέστρ.] αὐτοῖς  
Jb. 17. 13. ἐν δὲ γνώφῳ ἔστρωται μου ἡ στρωμνὴ (7)  
26. 12. ἐπιστήμη δὲ ἔστρωται [A S -ωσεν] τὸ κῆτος (4)  
Pr. 7. 16. ἀμφιτάτοις δὲ ἔστρωκα τοῖς ἀπ' Αἴγ. (5)  
15. 19. ὁδοὶ ἀεργῶν ἔστρωμένα ἀκάνθαις  
Is. 14. 11. ὑποκάτω σου στρώσουσι σῆψιν  
Ez. 23. 41. ἐκάθον ἐπὶ κλινῆς ἔστρωμέναις  
27. 30. σποδὸν στρώσουσι [A ὑποστρ.] (8)  
28. 7. στρώσουσι τὸ κάλλος σου εἰς ἀπώλειαν (1)  
[Aq. Is. 51. 14: Je. 48 (31). 12.]  
[Sm. Je. 48 (31). 12.]  
[Al. Ex. 14. 6.]  
**στρωτήρ.**  
[Quint. Ca. 1. 17.]  
**σρώτης.**  
[Aq. Je. 48 (31). 12.]  
**στυβή, vid. sub στοιβή.**  
**στυγεῖν.**  
II Ma. 5. 8. στυγνόμενος ὡς τῶν νόμων ἀποστάτης  
III Ma. 2. 31. τὰς τῆς πόλεως εὐσεβείας ἐπιβάθρας στυγούτες

**στυγνάζειν.** (1) **יִרְמָשׁ** a. qal. δ. hi.  
Ez. 27. 35. ἐστύγνασαν ἐπὶ σέ (1a)  
28. 19. A στυγνάζουσιν [B στενάζουσιν] ἐπὶ σέ (1a)  
82. 10. στυγνάζουσιν ἐπὶ σέ ἔθνη πολλά [A om.] (1b)  
**στυγνός.** (1) **יִרְמָשׁ** (2) **יִרְמָשׁ**  
Wi. 17. 5. καταυγάζειν ὑπόμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νυκτα  
Is. 57. 17. ἐπορεύθη στυγνὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (2)  
Da. LXX. 2. 12. τότε ὁ βασ. στ. γενόμενος (1)  
**στυλός.** (1) **יִרְמָשׁ** (2) **יִרְמָשׁ** (3) **יִרְמָשׁ**  
(4) **יִרְמָשׁ** δ. **יִרְמָשׁ** (5) **יִרְמָשׁ**  
Ex. 18. 21. ἡμέρας μὲν ἐν στυλῳ νεφέλης (4b)  
— 21. τὴν δὲ νύκτα ἐν στυλῳ πυρός (4b)  
— 22. οὐκ ἐξέλιπε δὲ ὁ στ. τῆς νεφέλης ἡμέρας καὶ ὁ στ. τοῦ πυρός νυκτὸς (4b, 4b)  
14. 19. ἐξῆρε δὲ καὶ ὁ στ. τῆς νεφέλης (4b)  
— 24. ἐν στυλῳ πυρός καὶ νεφέλης (4b)  
19. 9. παραγίνομαι πρὸς σέ ἐν στυλῳ νεφέλης (5)  
26. 15. ποιήσεις στυλοῦς τῇ σκηνῇ  
— 16. δέκα πῆχων ποιήσεις τὸν στ. τὸν ἕνα (5)  
— 16. τὸ πλάτος τοῦ στ. τοῦ ἑνός (5)  
— 17. δύο ἀγκωνίσκου τῷ στ. τῷ ἐνὶ (5)  
— 17. οὕτως ποιήσεις πᾶσι τοῖς στ. τῆς σκηνῆς (5)  
— 18. ποιήσεις στυλοῦς τῇ σκηνῇ ἕκαστος στυλοῦς (5, 5)  
— 19. τεσσαράκοντα βάσεις ἀργ. ποιήσεις τοῖς εἰκοσι στ. (5)  
— 19. δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἐνὶ (5)  
— 19. B<sup>a</sup> δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἐνὶ (5)  
— 20. τὸ κλίτος τοῦ δευτέρου . . . εἰκοσι στυλοῦς (5)  
— 21. δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἐνὶ (5)  
— 21. A B δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἐνὶ (5)  
— 22. ποιήσεις ἐξ στυλοῦς (5)  
— 23. δύο στυλοῦς ποιήσεις (5)  
— 25. ἔσονται ὀκτὼ στυλοὶ (5)  
— 25. δύο βάσεις τῷ ἐνὶ στ. [A στ. τῷ ἐνὶ] (5)  
— 25. καὶ δύο βάσεις τῷ στ. τῷ ἐνὶ (5)  
— 26. μοχλοῦς . . . πέντε τῷ ἐνὶ στ. (5)  
— 27. καὶ πέντε μοχλοῦς τῷ στ. τῷ ἐνὶ [A al.] (5)  
— 27. καὶ πέντε μοχλοῦς τῷ στ. τῷ ὀπισθίῳ (5)  
— 28. ὁ μοχλὸς ὁ μέσος ἀνὰ μέσον τῶν στ. (5)  
— 29. τοὺς στ. καταχρυσώσεις χρυσίῳ (5)  
— 32. ἐπιθήσεις αὐτὸ ἐπὶ τεσσάρων στ. (4b)  
— 33. B<sup>a</sup> B<sup>1</sup> θήσεις τὸ καταπέτασμα ἐπὶ τῶν στ. [A B<sup>a</sup> τοὺς στ.] (1)  
— 37. ποιήσεις τῷ καταπέτασματι πέντε στυλοῦς (4b)  
27. 10. καὶ οἱ [A om.] στ. αὐ. εἰκοσι (4b)  
— 11. καὶ οἱ στ. αὐ. εἰκοσι (4b)  
— 11. καὶ αἱ ψαλίδες τῶν στ. (4b)  
— 12. στυλοὶ αὐτῶν δέκα (4b)  
— 13. στυλοὶ αὐτῶν δέκα (4b)  
— 14. 15. στυλοὶ αὐτῶν τρεῖς (4b)  
— 16. στυλοὶ αὐτῶν τέσσαρες (4b)  
— 17. πάντες οἱ στ. τῆς αὐλῆς κύκλω (4b)  
88. 9. κατέβανεν ὁ στ. τῆς νεφέλης (4b)  
— 10. ἔώρα πᾶς ὁ λαὸς τὸν στ. τῆς νεφέλης (4b)  
35. 11. ἐργασάτω . . . τοὺς στ. (4b)  
— 12 (17). ἐργασάτω . . . τοὺς στ. αὐ. (4b)  
87. 4 (38. 36). ἐπὶ ἔθηκαν αὐτὸ ἐπὶ τέσσαρες στ. ἀσήμετους (4b)  
— 6 (38. 38). καὶ τοὺς στ. αὐ. πέντε (4b)  
— 8 (38. 10), 9 (38. 11) (A<sup>a</sup> B). καὶ οἱ στ. αὐ. εἰκοσι (4b)  
— 10 (38. 12). A<sup>a</sup> B στυλοὶ αὐτῶν δέκα (4b)  
— 12 (38. 14). A<sup>a</sup> B καὶ οἱ στ. αὐ. τρεῖς (4b)  
— 13 (38. 15). στυλοὶ [A οἱ στ.] αὐ. τρεῖς (4b)  
— 15 (38. 17). καὶ αἱ βάσεις τῶν στ. αὐ. χαλκαὶ (4b)  
— 15 (38. 17). καὶ οἱ στ. περιγυρωμένοι ἀργυρίῳ (4b)  
— 15 (38. 17). πάντες οἱ στ. τῆς αὐλῆς (4b)  
— 17 (38. 19). καὶ οἱ στ. αὐ. τέσσαρες (4b)  
38. 18 (38. 34). περιγυρώσω τοὺς στ. (5)  
— 18 (38. 34). ἐχώνευσεν τῷ στ. [A τοῖς στ.] (4b)  
— 18 (38. 36). κατεχρυσώσω τοὺς στ. τοῦ καταπέτασματος (4b)  
— 19 (38. 36). A ἐποίησε τοὺς στ. τῆς σκηνῆς χρυσοῦς [B al.] (4b)  
— 20 (38. 36). A<sup>a</sup> ἐχώνευσεν τὰς κεφαλίδας τὰς ἀργυρὰς τοῖς στ. [B τῆς σκηνῆς, A<sup>a</sup> om. τ. στ.] (4b)

- Ex. 38. 20 (36. 36). ἀγκύλας ἐποίησε τοῖς στ. — [A om. τ. στ.] ἀργυράς ἐπὶ τῶν στ. — 39. 6 (38. 28). ἐποίησαν εἰς τὰς ἀγκύλας τοῖς στ. [A τῶν στ.] (4 b)  
— 14 (33). ἤμεσαν . . . τοὺς στ. (4 b)  
— 20 (40). τὰ ἱστία τῆς αὐλῆς καὶ τοὺς στ. (4 b)  
40. 18. ἔστησε τοὺς στ. [A add. αὐ.] (4 b)  
Nu. 3. 36. καὶ τοὺς στ. αὐ. (4 b)  
— 37. καὶ τοὺς στ. τῆς αὐλῆς κύκλω (4 b)  
4. 31. καὶ τοὺς στ. αὐ. (4 b)  
— 31. καὶ οἱ στ. αὐ. — (4 b)  
— 32. καὶ τοὺς στ. τῆς αὐλῆς κύκλω (4 b)  
— 32. καὶ τοὺς στ. τοῦ καταπετάσματος τῆς πύλης — (4 b)  
12. 5. κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης (4 b)  
14. 14. ἐν στύλῳ νεφέλης τὸν πορεύη (4 b)  
— 14. καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν νύκτα (4 b)  
De. 31. 15. Ἀ κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης [B al.] (4 b)  
— 15. ἔστη ὁ στ. τῆς νεφέλης παρὰ τὰς θύρας (4 b)  
Jd. 16. 25. Ἀ ἔστησαν αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῶν δύο στ. [B τ. κίονων] (4 b)  
— 26. Ἀ ποίησον ψηλαφῆσαί με ἐπὶ τοὺς στ. [B al.] (4 b)  
— 29. Ἀ περιέλαβε Σ. τοὺς δύο στ. [B al.] (4 b)  
20. 40. τὸ σύστημα ἀνέβη . . . ὡς στύλος καπνοῦ [A al.] (4 b)  
II Ki. 8. 8. ἐν αὐτῷ ἐποίησε . . . τοὺς στ. — (4 b)  
III Ki. 3. 1. ἐποίησε Σαλ. . . τοὺς στ. — (4 b)  
7. 15. Ἀ βῆ ἔχωνε τοὺς δύο στ. τῷ αὐ. [B al.] (4 b)  
— 15. ὁκτὼ καὶ δέκα πήχεις τὸ ὕψος τοῦ στ. (4 b)  
— 15. τὸ πάχος τοῦ στ. — (4 b)  
— 15. Β οὐτος στύλος [A B ὁ στ.] ὁ δεύτερος (4 b)  
— 16. δοῦναι ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν στ. (4 b)  
— 17. περικαλύψαι τὸ ἐπίθεμα τῶν στ. (4 b)  
— 21. ἔστησε τοὺς στ. τοῦ αὐ. τοῦ παυῦ (4 b)  
— 21. ἔστησε τὸν στ. τὸν εἶνα (4 b)  
— 21. ἔστησε τὸν στ. τὸν δεύτερον (4 b)  
— 19. ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. ἔργον κρίνου (4 b)  
— 20. μελαθρον ἐπ' ἀμφότερων τῶν στ. (4 b)  
— 22. Ἀ ἐτελειώθη τὸ ἔργον τῶν στ. (4 b)  
— 41. στύλους δύο καὶ τὰ στρεπτά τῶν στυλῶν ἐπὶ τῶν κεφ. τῶν στ. δύο (4 b, 2, 4 b)  
— 41. ἀμφὸς τὰ στρεπτά τῶν γλῶφῶν τὰ ὄντα ἐπὶ τῶν στ. (4 b)  
— 42. ἀμφὸς τὰ ὄντα τὰ στρεπτά τῆς μεχ. ἐπ' ἀμφὸς τοῖς στ. (4 b)  
— 45. καὶ οἱ στ. τεσσαράκοντα καὶ ὁκτὼ — (4 b)  
— 2. καὶ τριῶν στίχων στ. κεδρίων (4 b)  
— 2. καὶ ὁμίας κεδρίων τοῖς στ. (4 b)  
— 3. ἐπὶ τῶν πλευρῶν τῶν στ. (4 b)  
— 3. καὶ ἀριθμὸς τῶν στ. τεσσαράκοντα — (4 b)  
— 6. καὶ τὸ αὐ. τῶν στ. (4 b)  
— 6. καὶ στύλοι καὶ πάχος ἐπὶ πρόσκωπον αὐ. (4 b)  
IV Ki. 11. 14. ὁ βασ. εἰστέκει ἐπὶ τοῦ στ. (4 b)  
28. 3. ἔστη ὁ βασ. πρὸς τὸν στ. (4 b)  
26. 13. τοὺς [A εἰς τοὺς] στ. τοὺς χαλκοῦς . . . συνέτριψαν (4 b)  
— 16. στύλους δύο ἢ θάλασσα ἢ μία (4 b)  
— 17. ὕψος τοῦ στ. τοῦ ἐνός (4 b)  
— 17. καὶ κατὰ τὰ αὐτὰ τῷ στ. τῷ δευτέρῳ (4 b)  
I Ch. 18. 8. ἐποίησε Σαλ. . . τοὺς στ. (4 b)  
II Ch. 3. 15. ἐποίησαν ἐμπροσθεν τοῦ τοίχου στύλους δύο (4 b)  
— 16. καὶ ἔδωκεν ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. (4 b)  
— 17. ἔστησε τοὺς στ. (4 b)  
4. 12. στύλους δύο καὶ ἐπ' αὐτῶν γυλάβ (4 b)  
— 12. ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. δύο (4 b)  
— 12. ἄ ἐστιν ἐπὶ τῶν κεφαλῶν τῶν στ. (4 b)  
— 13. ἄ ἐστιν ἐπάνω τῶν στ. (4 b)  
34. 31. ἔστη ὁ βασ. ἐπὶ τῶν στ. (4 a)  
Ne. 9. 12. ἐν στύλῳ νεφέλης ὠδήγησας αὐτοὺς ἡμέρας καὶ ἐν στύλῳ πυρὸς τὴν νύκτα (4 b, 4 b)  
— 19. τὸν στ. τῆς νεφέλης οὐκ ἐξέκλινας ἀπ' αὐτῶν (4 b)  
— 19. καὶ τὸν στ. τοῦ πυρὸς τὴν νύκτα (4 b)  
Ju. 18. 9. ἀφείλε τὸ κωνόπιον ἀπὸ τῶν στ. (4 b)  
Es. 1. 6. ἐπὶ στύλους παρίνοισ καὶ λιθίνοισ (4 b)  
Jb. 9. 6. οἱ δὲ στ. αὐτῆς σαλευσονται (4 b)  
26. 11. στύλοι οὐρανοῦ ἐπετάσθησαν (4 b)  
38. 6. Ἀ ἐπὶ τῶν δὲ οἱ στ. [B S κρίκοι] αὐτῆς πεπύγασι (1)  
Ps. 74 (75). 3. ἐγὼ ἐστερέωσα τοὺς στ. αὐτῆς (4 b)  
98 (99). 7. ἐν στύλῳ νεφέλης ἐλάλει πρὸς αὐτοὺς (4 b)
- Pr. 9. 1. ἠγήρῃσε στύλους ἐπτά (4 b)  
Ca. 3. 10. στύλους αὐτοῦ ἐποίησαν ἀργύριον (4 b)  
δ. 15. κῆμαι αὐτοῦ στύλοι μαρμαρίνοι (4 b)  
Wi. 18. 3. πυρὸς ἐπὶ στύλοι . . . παρσῆες (4 b)  
Si. 24. 4. ὁ θρόνος μου ἐν στύλῳ νεφέλης (4 b)  
28. 18. στύλοι χρυσοῖ [A -έως] ἐπὶ βάσεως ἀργυρῆς (4 b)  
38. 29 (26). καὶ στύλον ἀπαυασιῶς (4 b)  
Je. 50 (43). 13. συντρίψει τοὺς στ. Ἠλίου πόλεως (8)  
52. 17. τοὺς στ. τοὺς χαλκοῦς . . . συνέτριψαν (4 b)  
— 20. οἱ στ. δύο καὶ ἡ θάλασσα μία (4 b)  
— 21. οἱ στ. τριακοντα πέντε πηχῶν ὕψος τοῦ στ. τοῦ ἐνός (4 b, 4 b)  
— 22. τῷ στ. τῷ δευτέρῳ ὁκτὼ βόαι τῷ πῆχει (4 b)  
Ep. 59. ἔζυλον ἐν τῷ βασίλειος (4 b)  
Ez. 40. 49. στύλοι ἦσαν ἐπὶ τὸ αὐλῆς (4 b)  
42. 6. στύλους οὐκ εἶχον καθὼς οἱ στ. τῶν ἐξωτέρων [A ἐξερῶν] (4 b, 4 b)  
I Ma. 13. 29. περιβέει στύλους μεγάλους — 29. ἐποίησαν ἐπὶ τοῖς στ. πανοπλίας (4 b)  
IV Ma. 17. 3. ἐπὶ τοῦ στ. [S τοὺς στ.] τῶν παιδων γενναίως ἰδρυμένη (4 b)  
[Aq. Ex. 26. 32 : Jd. 16. 29 : III Ki. 7. 20 (9) : Ps. 74 (75). 4 : JE. 1. 18.]  
[Sm. Ex. 26. 32 : 35. 17 : Jd. 16. 29 : III Ki. 7. 20 (9) : Ps. 74 (75). 4 : JE. 52. 21.]  
[Th. Ex. 26. 32 : 38. 10 (37. 8), 11 (37. 9), 12 (37. 10) : Jd. 16. 29 : III Ki. 7. 20 (9) : JE. 1. 18 : 27 (84). 19.]  
[Quint., Sext. Ps. 74 (75). 4.]
- στιτυπείων, στιτυπῖον, vid. sub στιτυπῖον.  
στιτυπῖον. (1) πῆχ. (2) πῆχ. (3) πῆχ. (4) πῆχ. (5) πῆχ. (6) πῆχ. (7) πῆχ. (8) πῆχ. (9) πῆχ. (10) πῆχ. (11) πῆχ. (12) πῆχ. (13) πῆχ. (14) πῆχ. (15) πῆχ. (16) πῆχ. (17) πῆχ. (18) πῆχ. (19) πῆχ. (20) πῆχ. (21) πῆχ. (22) πῆχ. (23) πῆχ. (24) πῆχ. (25) πῆχ. (26) πῆχ. (27) πῆχ. (28) πῆχ. (29) πῆχ. (30) πῆχ. (31) πῆχ. (32) πῆχ. (33) πῆχ. (34) πῆχ. (35) πῆχ. (36) πῆχ. (37) πῆχ. (38) πῆχ. (39) πῆχ. (40) πῆχ. (41) πῆχ. (42) πῆχ. (43) πῆχ. (44) πῆχ. (45) πῆχ. (46) πῆχ. (47) πῆχ. (48) πῆχ. (49) πῆχ. (50) πῆχ. (51) πῆχ. (52) πῆχ. (53) πῆχ. (54) πῆχ. (55) πῆχ. (56) πῆχ. (57) πῆχ. (58) πῆχ. (59) πῆχ. (60) πῆχ. (61) πῆχ. (62) πῆχ. (63) πῆχ. (64) πῆχ. (65) πῆχ. (66) πῆχ. (67) πῆχ. (68) πῆχ. (69) πῆχ. (70) πῆχ. (71) πῆχ. (72) πῆχ. (73) πῆχ. (74) πῆχ. (75) πῆχ. (76) πῆχ. (77) πῆχ. (78) πῆχ. (79) πῆχ. (80) πῆχ. (81) πῆχ. (82) πῆχ. (83) πῆχ. (84) πῆχ. (85) πῆχ. (86) πῆχ. (87) πῆχ. (88) πῆχ. (89) πῆχ. (90) πῆχ. (91) πῆχ. (92) πῆχ. (93) πῆχ. (94) πῆχ. (95) πῆχ. (96) πῆχ. (97) πῆχ. (98) πῆχ. (99) πῆχ. (100) πῆχ. (101) πῆχ. (102) πῆχ. (103) πῆχ. (104) πῆχ. (105) πῆχ. (106) πῆχ. (107) πῆχ. (108) πῆχ. (109) πῆχ. (110) πῆχ. (111) πῆχ. (112) πῆχ. (113) πῆχ. (114) πῆχ. (115) πῆχ. (116) πῆχ. (117) πῆχ. (118) πῆχ. (119) πῆχ. (120) πῆχ. (121) πῆχ. (122) πῆχ. (123) πῆχ. (124) πῆχ. (125) πῆχ. (126) πῆχ. (127) πῆχ. (128) πῆχ. (129) πῆχ. (130) πῆχ. (131) πῆχ. (132) πῆχ. (133) πῆχ. (134) πῆχ. (135) πῆχ. (136) πῆχ. (137) πῆχ. (138) πῆχ. (139) πῆχ. (140) πῆχ. (141) πῆχ. (142) πῆχ. (143) πῆχ. (144) πῆχ. (145) πῆχ. (146) πῆχ. (147) πῆχ. (148) πῆχ. (149) πῆχ. (150) πῆχ. (151) πῆχ. (152) πῆχ. (153) πῆχ. (154) πῆχ. (155) πῆχ. (156) πῆχ. (157) πῆχ. (158) πῆχ. (159) πῆχ. (160) πῆχ. (161) πῆχ. (162) πῆχ. (163) πῆχ. (164) πῆχ. (165) πῆχ. (166) πῆχ. (167) πῆχ. (168) πῆχ. (169) πῆχ. (170) πῆχ. (171) πῆχ. (172) πῆχ. (173) πῆχ. (174) πῆχ. (175) πῆχ. (176) πῆχ. (177) πῆχ. (178) πῆχ. (179) πῆχ. (180) πῆχ. (181) πῆχ. (182) πῆχ. (183) πῆχ. (184) πῆχ. (185) πῆχ. (186) πῆχ. (187) πῆχ. (188) πῆχ. (189) πῆχ. (190) πῆχ. (191) πῆχ. (192) πῆχ. (193) πῆχ. (194) πῆχ. (195) πῆχ. (196) πῆχ. (197) πῆχ. (198) πῆχ. (199) πῆχ. (200) πῆχ. (201) πῆχ. (202) πῆχ. (203) πῆχ. (204) πῆχ. (205) πῆχ. (206) πῆχ. (207) πῆχ. (208) πῆχ. (209) πῆχ. (210) πῆχ. (211) πῆχ. (212) πῆχ. (213) πῆχ. (214) πῆχ. (215) πῆχ. (216) πῆχ. (217) πῆχ. (218) πῆχ. (219) πῆχ. (220) πῆχ. (221) πῆχ. (222) πῆχ. (223) πῆχ. (224) πῆχ. (225) πῆχ. (226) πῆχ. (227) πῆχ. (228) πῆχ. (229) πῆχ. (230) πῆχ. (231) πῆχ. (232) πῆχ. (233) πῆχ. (234) πῆχ. (235) πῆχ. (236) πῆχ. (237) πῆχ. (238) πῆχ. (239) πῆχ. (240) πῆχ. (241) πῆχ. (242) πῆχ. (243) πῆχ. (244) πῆχ. (245) πῆχ. (246) πῆχ. (247) πῆχ. (248) πῆχ. (249) πῆχ. (250) πῆχ. (251) πῆχ. (252) πῆχ. (253) πῆχ. (254) πῆχ. (255) πῆχ. (256) πῆχ. (257) πῆχ. (258) πῆχ. (259) πῆχ. (260) πῆχ. (261) πῆχ. (262) πῆχ. (263) πῆχ. (264) πῆχ. (265) πῆχ. (266) πῆχ. (267) πῆχ. (268) πῆχ. (269) πῆχ. (270) πῆχ. (271) πῆχ. (272) πῆχ. (273) πῆχ. (274) πῆχ. (275) πῆχ. (276) πῆχ. (277) πῆχ. (278) πῆχ. (279) πῆχ. (280) πῆχ. (281) πῆχ. (282) πῆχ. (283) πῆχ. (284) πῆχ. (285) πῆχ. (286) πῆχ. (287) πῆχ. (288) πῆχ. (289) πῆχ. (290) πῆχ. (291) πῆχ. (292) πῆχ. (293) πῆχ. (294) πῆχ. (295) πῆχ. (296) πῆχ. (297) πῆχ. (298) πῆχ. (299) πῆχ. (300) πῆχ. (301) πῆχ. (302) πῆχ. (303) πῆχ. (304) πῆχ. (305) πῆχ. (306) πῆχ. (307) πῆχ. (308) πῆχ. (309) πῆχ. (310) πῆχ. (311) πῆχ. (312) πῆχ. (313) πῆχ. (314) πῆχ. (315) πῆχ. (316) πῆχ. (317) πῆχ. (318) πῆχ. (319) πῆχ. (320) πῆχ. (321) πῆχ. (322) πῆχ. (323) πῆχ. (324) πῆχ. (325) πῆχ. (326) πῆχ. (327) πῆχ. (328) πῆχ. (329) πῆχ. (330) πῆχ. (331) πῆχ. (332) πῆχ. (333) πῆχ. (334) πῆχ. (335) πῆχ. (336) πῆχ. (337) πῆχ. (338) πῆχ. (339) πῆχ. (340) πῆχ. (341) πῆχ. (342) πῆχ. (343) πῆχ. (344) πῆχ. (345) πῆχ. (346) πῆχ. (347) πῆχ. (348) πῆχ. (349) πῆχ. (350) πῆχ. (351) πῆχ. (352) πῆχ. (353) πῆχ. (354) πῆχ. (355) πῆχ. (356) πῆχ. (357) πῆχ. (358) πῆχ. (359) πῆχ. (360) πῆχ. (361) πῆχ. (362) πῆχ. (363) πῆχ. (364) πῆχ. (365) πῆχ. (366) πῆχ. (367) πῆχ. (368) πῆχ. (369) πῆχ. (370) πῆχ. (371) πῆχ. (372) πῆχ. (373) πῆχ. (374) πῆχ. (375) πῆχ. (376) πῆχ. (377) πῆχ. (378) πῆχ. (379) πῆχ. (380) πῆχ. (381) πῆχ. (382) πῆχ. (383) πῆχ. (384) πῆχ. (385) πῆχ. (386) πῆχ. (387) πῆχ. (388) πῆχ. (389) πῆχ. (390) πῆχ. (391) πῆχ. (392) πῆχ. (393) πῆχ. (394) πῆχ. (395) πῆχ. (396) πῆχ. (397) πῆχ. (398) πῆχ. (399) πῆχ. (400) πῆχ. (401) πῆχ. (402) πῆχ. (403) πῆχ. (404) πῆχ. (405) πῆχ. (406) πῆχ. (407) πῆχ. (408) πῆχ. (409) πῆχ. (410) πῆχ. (411) πῆχ. (412) πῆχ. (413) πῆχ. (414) πῆχ. (415) πῆχ. (416) πῆχ. (417) πῆχ. (418) πῆχ. (419) πῆχ. (420) πῆχ. (421) πῆχ. (422) πῆχ. (423) πῆχ. (424) πῆχ. (425) πῆχ. (426) πῆχ. (427) πῆχ. (428) πῆχ. (429) πῆχ. (430) πῆχ. (431) πῆχ. (432) πῆχ. (433) πῆχ. (434) πῆχ. (435) πῆχ. (436) πῆχ. (437) πῆχ. (438) πῆχ. (439) πῆχ. (440) πῆχ. (441) πῆχ. (442) πῆχ. (443) πῆχ. (444) πῆχ. (445) πῆχ. (446) πῆχ. (447) πῆχ. (448) πῆχ. (449) πῆχ. (450) πῆχ. (451) πῆχ. (452) πῆχ. (453) πῆχ. (454) πῆχ. (455) πῆχ. (456) πῆχ. (457) πῆχ. (458) πῆχ. (459) πῆχ. (460) πῆχ. (461) πῆχ. (462) πῆχ. (463) πῆχ. (464) πῆχ. (465) πῆχ. (466) πῆχ. (467) πῆχ. (468) πῆχ. (469) πῆχ. (470) πῆχ. (471) πῆχ. (472) πῆχ. (473) πῆχ. (474) πῆχ. (475) πῆχ. (476) πῆχ. (477) πῆχ. (478) πῆχ. (479) πῆχ. (480) πῆχ. (481) πῆχ. (482) πῆχ. (483) πῆχ. (484) πῆχ. (485) πῆχ. (486) πῆχ. (487) πῆχ. (488) πῆχ. (489) πῆχ. (490) πῆχ. (491) πῆχ. (492) πῆχ. (493) πῆχ. (494) πῆχ. (495) πῆχ. (496) πῆχ. (497) πῆχ. (498) πῆχ. (499) πῆχ. (500) πῆχ. (501) πῆχ. (502) πῆχ. (503) πῆχ. (504) πῆχ. (505) πῆχ. (506) πῆχ. (507) πῆχ. (508) πῆχ. (509) πῆχ. (510) πῆχ. (511) πῆχ. (512) πῆχ. (513) πῆχ. (514) πῆχ. (515) πῆχ. (516) πῆχ. (517) πῆχ. (518) πῆχ. (519) πῆχ. (520) πῆχ. (521) πῆχ. (522) πῆχ. (523) πῆχ. (524) πῆχ. (525) πῆχ. (526) πῆχ. (527) πῆχ. (528) πῆχ. (529) πῆχ. (530) πῆχ. (531) πῆχ. (532) πῆχ. (533) πῆχ. (534) πῆχ. (535) πῆχ. (536) πῆχ. (537) πῆχ. (538) πῆχ. (539) πῆχ. (540) πῆχ. (541) πῆχ. (542) πῆχ. (543) πῆχ. (544) πῆχ. (545) πῆχ. (546) πῆχ. (547) πῆχ. (548) πῆχ. (549) πῆχ. (550) πῆχ. (551) πῆχ. (552) πῆχ. (553) πῆχ. (554) πῆχ. (555) πῆχ. (556) πῆχ. (557) πῆχ. (558) πῆχ. (559) πῆχ. (560) πῆχ. (561) πῆχ. (562) πῆχ. (563) πῆχ. (564) πῆχ. (565) πῆχ. (566) πῆχ. (567) πῆχ. (568) πῆχ. (569) πῆχ. (570) πῆχ. (571) πῆχ. (572) πῆχ. (573) πῆχ. (574) πῆχ. (575) πῆχ. (576) πῆχ. (577) πῆχ. (578) πῆχ. (579) πῆχ. (580) πῆχ. (581) πῆχ. (582) πῆχ. (583) πῆχ. (584) πῆχ. (585) πῆχ. (586) πῆχ. (587) πῆχ. (588) πῆχ. (589) πῆχ. (590) πῆχ. (591) πῆχ. (592) πῆχ. (593) πῆχ. (594) πῆχ. (595) πῆχ. (596) πῆχ. (597) πῆχ. (598) πῆχ. (599) πῆχ. (600) πῆχ. (601) πῆχ. (602) πῆχ. (603) πῆχ. (604) πῆχ. (605) πῆχ. (606) πῆχ. (607) πῆχ. (608) πῆχ. (609) πῆχ. (610) πῆχ. (611) πῆχ. (612) πῆχ. (613) πῆχ. (614) πῆχ. (615) πῆχ. (616) πῆχ. (617) πῆχ. (618) πῆχ. (619) πῆχ. (620) πῆχ. (621) πῆχ. (622) πῆχ. (623) πῆχ. (624) πῆχ. (625) πῆχ. (626) πῆχ. (627) πῆχ. (628) πῆχ. (629) πῆχ. (630) πῆχ. (631) πῆχ. (632) πῆχ. (633) πῆχ. (634) πῆχ. (635) πῆχ. (636) πῆχ. (637) πῆχ. (638) πῆχ. (639) πῆχ. (640) πῆχ. (641) πῆχ. (642) πῆχ. (643) πῆχ. (644) πῆχ. (645) πῆχ. (646) πῆχ. (647) πῆχ. (648) πῆχ. (649) πῆχ. (650) πῆχ. (651) πῆχ. (652) πῆχ. (653) πῆχ. (654) πῆχ. (655) πῆχ. (656) πῆχ. (657) πῆχ. (658) πῆχ. (659) πῆχ. (660) πῆχ. (661) πῆχ. (662) πῆχ. (663) πῆχ. (664) πῆχ. (665) πῆχ. (666) πῆχ. (667) πῆχ. (668) πῆχ. (669) πῆχ. (670) πῆχ. (671) πῆχ. (672) πῆχ. (673) πῆχ. (674) πῆχ. (675) πῆχ. (676) πῆχ. (677) πῆχ. (678) πῆχ. (679) πῆχ. (680) πῆχ. (681) πῆχ. (682) πῆχ. (683) πῆχ. (684) πῆχ. (685) πῆχ. (686) πῆχ. (687) πῆχ. (688) πῆχ. (689) πῆχ. (690) πῆχ. (691) πῆχ. (692) πῆχ. (693) πῆχ. (694) πῆχ. (695) πῆχ. (696) πῆχ. (697) πῆχ. (698) πῆχ. (699) πῆχ. (700) πῆχ. (701) πῆχ. (702) πῆχ. (703) πῆχ. (704) πῆχ. (705) πῆχ. (706) πῆχ. (707) πῆχ. (708) πῆχ. (709) πῆχ. (710) πῆχ. (711) πῆχ. (712) πῆχ. (713) πῆχ. (714) πῆχ. (715) πῆχ. (716) πῆχ. (717) πῆχ. (718) πῆχ. (719) πῆχ. (720) πῆχ. (721) πῆχ. (722) πῆχ. (723) πῆχ. (724) πῆχ. (725) πῆχ. (726) πῆχ. (727) πῆχ. (728) πῆχ. (729) πῆχ. (730) πῆχ. (731) πῆχ. (732) πῆχ. (733) πῆχ. (734) πῆχ. (735) πῆχ. (736) πῆχ. (737) πῆχ. (738) πῆχ. (739) πῆχ. (740) πῆχ. (741) πῆχ. (742) πῆχ. (743) πῆχ. (744) πῆχ. (745) πῆχ. (746) πῆχ. (747) πῆχ. (748) πῆχ. (749) πῆχ. (750) πῆχ. (751) πῆχ. (752) πῆχ. (753) πῆχ. (754) πῆχ. (755) πῆχ. (756) πῆχ. (757) πῆχ. (758) πῆχ. (759) πῆχ. (760) πῆχ. (761) πῆχ. (762) πῆχ. (763) πῆχ. (764) πῆχ. (765) πῆχ. (766) πῆχ. (767) πῆχ. (768) πῆχ. (769) πῆχ. (770) πῆχ. (771) πῆχ. (772) πῆχ. (773) πῆχ. (774) πῆχ. (775) πῆχ. (776) πῆχ. (777) πῆχ. (778) πῆχ. (779) πῆχ. (780) πῆχ. (781) πῆχ. (782) πῆχ. (783) πῆχ. (784) πῆχ. (785) πῆχ. (786) πῆχ. (787) πῆχ. (788) πῆχ. (789) πῆχ. (790) πῆχ. (791) πῆχ. (792) πῆχ. (793) πῆχ. (794) πῆχ. (795) πῆχ. (796) πῆχ. (797) πῆχ. (798) πῆχ. (799) πῆχ. (800) πῆχ. (801) πῆχ. (802) πῆχ. (803) πῆχ. (804) πῆχ. (805) πῆχ. (806) πῆχ. (807) πῆχ. (8

συγγραφείς.

II Ma. 2. 28. τὸ μὲν διακρίβουν . . . τῷ σ. παραχωρήσαντες

συγγραφῆ.

To. 7. 14. ἔγραψε συγγραφῆν  
Jb. 31. 35. συγγραφῆν δὲ ἦν εἶχον κατὰ τινας  
Is. 68. 6. πᾶσαν συγγραφῆν ἀδικον διάσπα  
I Ma. 13. 42. γράφειν ἐν ταῖς σ.  
14. 43. ὅπως γράφονται . . . πᾶσαι σ. [B<sup>2</sup> αἰ σ.]  
[Sm. Is. 58. 6.]

συγγυμνασία.

Wi. 8. 18. ἐν συγγυμνασίᾳ ὁμιλίας αὐτῆς φρόνησις

συγκαθίσθαι.

Ps. 100 (101). 6. τοῦ συγκαθίσθαι αὐτοὺς μετ' ἐμοῦ

συγκαθίζειν.

Ge. 15. 11. συνεκάθισεν αὐτοὺς Ἀβραμ  
Ex. 18. 13. συνεκάθισεν Μ. κρίνειν τὸν λαόν  
Nu. 22. 27. συνεκάθισεν ὑποκάτω Β.  
I Es. 9. 6. συνεκάθισαν [A -εν] πᾶν τὸ πλῆθος  
— 16. Α συνεκάθισαν [B -εκέλισθησαν] . . . ἐτάσαι τὸ πρᾶγμα  
Je. 16. 8. οὐκ ἐπέλυσεν συγκαθίσει [A τοῦ κ.] μετ' αὐτῶν

συγκαθυφαίνεσθαι.

Is. 8. 23. ἀφελεί . . . σὺν χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ συγκαθυφασμένα

συγκαίειν.

Is. 1. 3. ἀφελεί . . . σὺν χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ συγκαθυφασμένα  
poalal. (4) פִּרְשֵׁי (5) הִרְשֵׁי hi. (6) הִרְשֵׁי ni.  
Ge. 31. 40. ἐγκύμην τῆς ἡμέρας συγκαίωμιος τῷ καύσωνι  
III Ki. 7. 49. Α καὶ τὰς λυχρίας . . . συγκαίωμιος [B -κλειωμ.]  
Jb. 16. 17 (16). ἡ γαστήρ μου συγκαίεται ἀπὸ κλαυθμοῦ  
Ps. 120 (121). 6. Α Β<sup>2</sup> Ε ἡμέρας ὁ ἥλιος οὐ συγκαίεται [B<sup>2</sup> οὐκ ἐκαύσει] σε  
Pr. 24. 23 (29. 27). συγκαίει [B ἐκαίει] ὥσπερ φλόξ  
Jn. 4. 8. προστάζειν ὁ θ. πνεύματι καύσωνος συγκαίεται  
Is. 5. 11. ὁ γὰρ οἶνος αὐτοὺς συγκαίει  
— 24. συγκαίεται ὑπὸ φλογὸς ἀνεμμένης  
I. 19 (18). διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου συγκαίεται [A συγκαυθεῖται] ἡ γῆ ὅλη  
[Aq. CA. 1. 6.]  
[Sm. Jb. 32. 18.]

συγκάλειν.

Ex. 7. 11. συνεκάλεσε δὲ φ. τοὺς σοφιστὰς Αἰγ. (1 α)  
Jo. 9. 22. συνεκάλεσεν αὐτοὺς Ἰ. (1 α)  
10. 24. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντα Ἰσρ. (1 α)  
22. 1. τότε συνεκάλεσεν Ἰ. τοὺς υἱοὺς Ῥ. (1 α)  
23. 2. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντας τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (1 α)  
24. 1. συνεκάλεσε τοὺς πρεσβυτέρους αὐ. (1 α)  
Ju. 2. 2. συνεκάλεσε πάντας τοὺς θεράποντας αὐ. (1 α)  
6. 16. Β συνεκάλεσεν [A B E -αν] πάντας τοὺς πρεσβυτ. τῆς πόλεως  
13. 12. συνεκάλεσαν τοὺς πρεσβυτέρους τῆς πόλεως  
Pr. 9. 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρα (1 α)  
Za. 3. 11 (10). συγκαλίσσεις ἕκατος τὸν πλησίον αὐ. (1 α)  
Is. 62. 12. Β<sup>1</sup> συνεκλήθη [A B E<sup>2</sup> σὺ δὲ κληθήσῃ] Ἐπιγινωσκμένη πόλις (1 β)  
Je. 1. 15. Β συγκαλὼ πάσας τὰς βασιλείας ἀπὸ βορρᾶ τῆς γῆς (1 α)  
La. 2. 3. Β συνεκάλεσεν [A B E -έκλεσεν] ἐν ὀργῇ θυμὸν αὐ. (1 α)  
II Ma. 15. 31. συγκαλεσάμενος τοὺς ὁμοεθνεῖς

συγκάλυμμα.

De. 22. 30 (23. 1). οὐκ ἀποκαλύψει συγκάλυμμα τοῦ πατρὸς αὐ. (1 α)

συγκάλυπτεν.

27. 20. ἀπεκάλυψε συγκάλυμμα τοῦ πατρὸς αὐ. (1 α)  
(3) הִרְשֵׁי pi. (4) הִרְשֵׁי hi. (5) הִרְשֵׁי ni.  
Ge. 9. 23. συνεκάλυψεν τὴν γύμνωσιν τοῦ πατρὸς αὐ.

Ex. 26. 13. ἔσται συγκαλύπτον ἐπὶ τὰ πλάγια τῆς σκηνῆς

Nu. 4. 14. συγκαλύψουσιν τὸν λουτήρα  
Jd. 4. 18. Α συνεκάλυψεν αὐτὸν ἐν τῇ δέρρει αὐ. [B αἰ.]

— 19. Α συνεκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐ. [B αἰ.] (8)  
— 21. Α καὶ συνεκάλυψεν αὐτὸν ἐν τῇ δέρρει αὐ. —

I Ki. 28. 8. καὶ συνεκάλυψατο [A περιεκ.] Σ. (2)  
III Ki. 20 (21). 4. συνεκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐ. (4)

22. 30. συγκαλύψομαι [A -ψόν με] (2)  
— 30. συνεκάλυψατο βασιλεὺς Ἰσρ. (2)

IV Ki. 4. 35. Α συνεκάλυψεν [B -έκαμψεν] ἐπὶ τὸ παιδάριον (1)

II Ch. 4. 12. δίκτυα δύο συγκαλύψαι τὰς κεφαλὰς τῶν χ. (8)

— 13. τοῦ συγκαλύψαι τὰς δύο γυναικὶ τῶν χ. (8)  
5. 8. Β συνεκάλυψε τὰ χερ. τὴν [A B ἐπὶ τὴν] κίβ. (8)

18. 29. συνεκάλυψατο βασιλεὺς Ἰσρ. (2)  
Jb. 9. 24. πρόσωπα κριτῶν αὐ. συγκαλύπτει (8)

Ps. 68 (69). 10. Β<sup>1</sup> συνεκάλυψα [B B<sup>2</sup> -έκαμψα] ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχὴν μου (8)

Pr. 26. 26. Β<sup>1</sup> συγκαλύπτει διὰ τὰς εἰς αὐτοῦ ἀμαρτίας [A B B<sup>2</sup> αἰ.] (2)

Si. 26. 8. ἀσχημοσύνη αὐτῆς οὐ συγκαλύψει (8)  
Ez. 12. 6. τὸ πρόσωπόν σου συγκαλύψει (8)

— 12. τὸ πρόσωπόν αὐτοῦ συγκαλύψει (8)  
Da. LXX. Su. 39. ὁ δὲ νεανίσκος ἐφυγε συγκαλυμμένος

[Sm. Jd. 4. 19.]  
[Th. Jb. 9. 24.]

συγκάμπτειν. (1) הִרְשֵׁי (2) הִרְשֵׁי (3) הִרְשֵׁי hi.

Jd. 5. 27. Α ἀνὰ μέσον τῶν ποδῶν αὐ. συγκάμψας [B αἰ.] (2)

IV Ki. 4. 35. συνεκάμψεν [A -έκαλυσεν] ἐπὶ τὸ παιδάριον (1)

Ps. 68 (69). 10. Β<sup>1</sup> συνέκαμψα [B<sup>2</sup> -έκαλυσα] ἐν νηστείᾳ τὴν ψυχὴν μου (1)

— 23. τὸν νότον αὐτῶν διὰ πωτὸς σύκαμψον [Th. Jd. 5. 27.] (8)

συγκαταβαίνειν. (1) הִרְשֵׁי

Ps. 48 (49). 17. Α Β οὐδὲ συγκαταβήσεται αὐτῷ ἡ δόξα [B<sup>2</sup> δ. τοῦ ὀκεῖν] αὐ. (1)

Wi. 10. 13. συγκατέβη αὐτῷ εἰς λάκκον (1)  
Da. LXX. 3. (49). ἄγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη (1)

Da. TH. 3. (49). ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου συγκατέβη [Aq., Sm. Ps. 48 (49). 18.] (2)

συγκαταγρᾶσκειν.

To. 8. 7. ἐλθῆσάι με καὶ αὐτῇ συγκαταγρᾶσαι [A -σομαι, B αἰ.]

συγκαταγνῶναι.

[Sm. Ps. 28 (29). 5 δὲ: 67 (68). 24: Ez. 6. 9.]

συγκατακληρονομεῖν. (1) הִרְשֵׁי ni.

Nu. 32. 30. συγκατακληρονομήσουσιν ἐν ὑμῖν (1)

συγκαταμιγνύναι. (1) הִרְשֵׁי

Jo. 23. 12. εἰν γὰρ . . . συγκαταμιγνῆτε αὐτοῖς (1)

συγκατατίθεσθαι. (1) הִרְשֵׁי (2) הִרְשֵׁי

Ex. 23. 1. οὐ συγκαταθήσεται μετὰ τοῦ ἀδικοῦ (2)  
— 32. οὐ συγκαταθήσεται αὐτοῖς . . . διαθήκην (1)

Da. TH. Su. 20. συγκαταθήσεται ἡμῖν

συγκαταφάρεσθαι.

Is. 30. 30. ὥς ὕδωρ καὶ χάλαια συγκαταφερομένη βία (1)

συγκατεσθῆναι.

Is. 9. 18 (17). συγκατεσθῆται τὰ κύκλω τῶν θουμῶν πάντα (1)

σύγκεισθαι. (1) הִרְשֵׁי

I Ki. 22. 8. σύγκεισθε πάντες ὑμεῖς ἐπ' ἐμὲ (1)  
Si. 43. 26. ἐν λόγῳ αὐτοῦ σύγκειται πάντα [Aq., Sm. Ez. 27. 24.] (1)

[Th. Ez. 27. 24. (F.)]

συγκεινῆναι.

II Ma. 12. 23. συγκεινῶν τοὺς ἀλιτηρίους

συγκερανύναι. (1) הִרְשֵׁי iithpa.

Da. LXX. 2. 43. ὥσπερ οὐδὲ ὁ σιδηρὸς δύναται συγκεραθῆναι τῷ ὀστράκῳ (1)

II Ma. 15. 39. οἶνος ὕδατι συγκερασθεῖς

συγκερατίζεσθαι. (1) הִרְשֵׁי iithpa.

Da. LXX. 11. 40. συγκερατισθήσεται αὐτῷ ὁ βασ. Αἰγύπτου (1)

Da. TH. 11. 40. συγκερατισθήσεται μετὰ τοῦ βασ. τοῦ νότου (1)

συγκεραυνῶναι.

II Ma. 1. 16. συγκεραυνῶσαν τὸν ἡγούμενα

συγκλάν. (1) הִרְשֵׁי a. qal. δ. ni. c. pi.

(2) הִרְשֵׁי pi.

Ps. 45 (46). 9. συγκλάσει ὄπλον (2)  
74 (75). 10. πάντα τὰ κέρατα τῶν ἀμαρτωλῶν (1 c)

συγκλάσω [B<sup>2</sup> συνθλάσω] (1 c)  
75 (76). 3. Β<sup>1</sup> ἐκεί συγκλάσει τὰ κέρατα (1 c)

106 (107). 16. Β μοχλοῦς σιδηροῦς συνέκλασεν [A B -έθλασεν] (1 c)

Si. 28. 17. πληγὴ δὲ γλώσσης συγκλάσει ὁστά (1 c)  
Is. 45. 2. μοχλοῦς σιδηροῦς συγκλάσῃ [B ἐκλ.] (1 c)

Je. 27 (50). 23. Α Β συνέκλασεν [B -εκάλεσεν] ἐν ὀργῇ θυμοῦ αὐτοῦ πᾶν κέρας Ἰσραὴλ (1 a)

La. 2. 3. Α Β συνέκλασεν [B -εκάλεσεν] ἐν ὀργῇ θυμοῦ αὐτοῦ πᾶν κέρας Ἰσραὴλ (1 a)

Ez. 29. 7. συνέκλασας αὐτῶν πᾶσαν ὀφύην (1 a)  
[Aq. I Ki. 24. 8.]  
[Sm. Jb. 28. 12: Ez. 6. 4.]  
[Th. Ps. 74 (75). 11.]  
[Al. Ps. 45 (46). 10.]

σύγκλασις.

[Th. Pr. 19. 29.]

συγκλασμός. (1) הִרְשֵׁי

Jl. 1. 7. ἔθετο . . . τὰς συκὰς μου εἰς συγκλασμόν (1)

συγκλείειν. (1) הִרְשֵׁי ni. (2) הִרְשֵׁי a. qal.

δ. ni. c. pu. d. hi. e. הִרְשֵׁי (3) הִרְשֵׁי hi.

(4) הִרְשֵׁי (5) הִרְשֵׁי pi. (6) הִרְשֵׁי (7) הִרְשֵׁי

Ge. 16. 2. συνέκλεισε με κύριος τοῦ μὴ τίττειν (4)  
20. 18. Β συγκλείων [A οπ.] συνέκλεισε κ. (2 a)

Ex. 14. 3. συνέκλεισε γὰρ αὐτοὺς ἡ ἔρημος (2 a)  
Jo. 6. 1. καὶ Ἰερ. συγκεκλεισμένη καὶ ὠχυρωμένη (2 a)

20. 5. οὐ συγκεκλεισμένοι τὸν φονεύσαντα (2 d)  
I Ki. 1. 6. συνέκλεισε [A συναπέκλ.] κ. τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐ. (2 a)

III Ki. 6. 20. περιέσχεν αὐτὸ χρυσεῖον συγκεκλεισμένον (2 a)  
7. 49. καὶ τὰς λυχρίας . . . συγκεκλεισμένας [A -καίωμ.] (2 a)

10. 21. πάντα τὰ σκεύη . . . χρυσεῖον συγκεκλεισμένα [B<sup>1</sup> -οι, A -φ] (2 a)

11. 27. συνέκλεισε τὸν φραγμὸν τῆς πόλεως Δ. (2 a)  
12. 24. Β συνέκλεισε τὴν πόλιν Δ. (2 a)

IV Ki. 24. 14. ἀπόκισε . . . τὸν συγκεκλεισμένον (2 c)  
— 16. καὶ τὸν τέκτονα καὶ τὸν συγκεκλεισμένον (2 c)

I Es. 9. 16. συνεκλείσθησαν [A -εκάθισαν] . . . ἐτάσαι τὸ πρᾶγμα

To. 8. 4. Α Β ὥς δὲ συνεκλείσθησαν ἀμφότεροι [B αἰ.]

Ju. 5. 1. τὰς διόδους τῆς ὀρεινῆς συνέκλεισαν (1 a)  
13. 1. Α Β συνέκλεισε τὴν σκηνὴν ἐξ ὧθεν (1 a)

Jb. 3. 10. οὐ συνέκλεισε πύλας γαστρός μητρὸς μου (2 a)

— 23. συνέκλεισε γὰρ ὁ θεὸς κατ' αὐτοῦ (3)  
Ps. 18 (17). 10. τὸ στήθερ αὐτῶν συνέκλεισαν (2 a)

80 (81). 8. οὐ συνέκλεισας με εἰς χεῖρας ἐχθροῦ (2 d)  
84 (85). 3. σύγκλεισον ἐξ ἐναντίας τῶν καταδω. (2 a)

77 (78). 50. τὰ κτήνη αὐτῶν εἰς θάνατον συνέκλεισε (2 d)

— 62. συνέκλεισεν εἰς ῥομφαίαν τὸν λαὸν αὐτοῦ (2 d)  
Pr. 4. 12. οὐ συγκεκλεισθήσεται σου τὰ διαβήματα (7)

Si. 29. 12. σύγκλεισον ἐλεημοσύνην ἐν τοῖς ταμείοις σου (2 d)

Am. 1. 6. τοῦ συγκεκλείσαι εἰς τὴν Ἰδουμαίαν (2 d)  
— 9. συνέκλεισαν αἰχμαλωσίαν τοῦ Σαλ. εἰς τὴν Ἰδουμ. (2 d)

Mi. 3. 3. Α τὰ ὁστά αὐ. συνέκλεισαν [B -έθλασαν] (5)  
Ob. 1. 14. μηδὲ συγκεκλίσῃς τοὺς φεύγοντας αὐτοῦ (2 d)

Ma. 1. 10. συγκεκλεισθήσονται θύραι (2 a)  
Is. 45. 1. πόλεις οὐ συγκεκλεισθήσονται (2 b)

Je. 18. 19. πόλεις αἰ πρὸς νότον συγκεκλεισθήσονται (2 c)  
21. 4. τοὺς Χηλδ. τοὺς συγκεκλεισμένους [A συγκεκλεισμένους] ὑμᾶς ἐξ ὧθεν τοῦ τέχους (8)

— 9. πρὸς τοὺς Χηλδ. τοὺς συγκεκλεισμένους ὑμᾶς (8)

Εζ. 4. 3. συγκλείσεις αὐτήν  
83. 22. Α ἀνοίξῃ μου τὸ στόμα οὐ συνεκλείσθῃ (1 ?)  
[B -σχεθῇ] ἔτι

1 Μα. 8. 18. συγκλείσθην πολλοὺς ἐν χερσὶν δλίγων  
4. 31. συγκλείσθην τὴν παρεμβολὴν ταύτην  
5. 5. B B συνεκλείσθῃσαν [A διεκλ.] ὑπ' αὐτοῦ  
6. 18. ἥσαν συγκλείοντες τὸν Ἰσρ.  
— 49. οὐκ ἦν αὐτοῖς ἐκεῖ διατροφή τοῦ συνεκλείσθαι ἐν αὐτῇ

11. 65. καὶ συνέκλεισεν αὐτήν  
15. 25. συνέκλεισε τὸν Τρ. τοῦ εἰσπορεύεσθαι

11 Μα. 1. 15. συγκλείσαντες τὸ ἱερόν  
8. 25. ἀνέλυσαν ἀπὸ τῆς χώρας συγκλείμενοι

12. 7. τοῦ δὲ χωρίου συγκλείσθαι  
[Aq. Ez. 21. 12 (17): 85. 5.]

[Bm. Ge. 2. 21: 1 Ki. 28. 30: Jb. 26. 13: Is. 24. 22: 27. 1: Ez. 85. 5.]

[Th. Le. 13. 4, 5: Ez. 85. 5.]

[Al. Le. 13. 4, 26: 1 Ki. 28. 12 bis.]

**σύνκλεισμα.** (1) η̅ϛ̅ϛ̅  
III Kī. 7. 29. καὶ ἐπὶ τὰ σ. [A -κλίματα] αὐ. (1)

— 35. καὶ τὰ σ. αὐ. (1)

— 36. καὶ τὰ σ. αὐ. χερ. (1)

IV Kī. 16. 17. συνέκλεισε ὁ βασις τὰ σ. [A al.] (1)

**συνκλεισμός.** (1) α. ἰϛ̅ ϛ̅ δ. η̅ϛ̅ϛ̅  
(2) ἰϛ̅ ϛ̅

II Kī. 5. 24. ἐν τῇ ἀκούσῃ σε τὴν φωνὴν τοῦ σ. +

22. 46. σφάλλουσιν ἐκ τῶν σ. αὐτῶν (1 b)

Jb. 28. 15. οὐ δώσει συγκλεισμών ἀντ' αὐτῆς (1 a)

Ho. 13. 8. διαρρήξω συγκλεισμών καρδίας αὐ. (1 a)

Mi. 7. 17. συγχυθίσονται ἐν συγκλεισμῷ αὐ. (1 b)

Ez. 4. 3. ἔσται ἐν συγκλεισμῷ αὐ. (2)

— 7. εἰς τὸν [A om.] σ. Ἰερουσαλὴμ ἐτοιμάσεις τὸ πρόσωπόν σου (2)

— 8. ἔως οὐ συντελεσθῶσιν ἡμέραι τοῦ σ. σου (2)

5. 2. κατὰ τὴν πληρώσιν τῶν ἡμερῶν τοῦ σ. (2)

I Ma. 6. 21. ἐξῆλθον ἐξ αὐτῶν ἐκ τοῦ σ. (2)

[Bm. Ps. 141 (142). 8: Is. 24. 22: Jb. 87 (44). 16.]

[Th. Jb. 28. 15.]

[Al. Jb. 37 (44). 16.]

**συνκλειστός.** (1) α. ἰϛ̅ ϛ̅ δ. η̅ϛ̅ϛ̅  
III Kī. 7. 28. συγκλειστὸν αὐτοῖς καὶ συγκλεισ-

τὸν ἀνὰ μίσον τῶν ἐξεχόμενων (1 b, 1 b)

— 50. τὰ τρυβλία καὶ αἱ θύσικαι χρυσαὶ συγκλεισται (1 a)

**συνκληρονομεῖν.**

Si. 22. 23. ἵνα ἐν τῇ κληρονομίᾳ αὐτοῦ συγκληρονομῇ

**σύνκλητος.** (1) ῀ϛ̅ ϛ̅  
Nu. 16. 2. σύνκλητοι βουλῆς καὶ ἄνδρες ὀνομαστοὶ (1)

**σύνκλημα.**

III Kī. 7. 29. Α καὶ ἐπὶ τὰ σ. [B -κλίματα] αὐ. +

**συνκλύειν, συγκλύειν.** (1) η̅ϛ̅ϛ̅  
Ca. 8. 7. ποταμοὶ οὐ συγκλύουσιν αὐτήν (1)

Wi. 5. 22. ποταμοὶ δὲ συγκλύουσιν [A συγκλύουσιν] ἀποτόμως

Is. 43. 2. ποταμοὶ οὐ συγκλύουσιν σε

**συνκοιτάζεσθαι.**

[Aq. Dt. 28. 30.]

**σύνκοιτος.** (1) ϛ̅ ϛ̅ η̅ϛ̅ϛ̅  
Mi. 7. 5. ἀπὸ τῆς σ. φύλαξαι (1)

[Aq. Ps. 44 (45). 10.]

**συνκολάπτειν.**

[Aq. Le. 22. 24.]

**συνκολληθῆναι.**

Si. 22. 7. συγκολληθῶν δοτρακὸν [B -ων] ὁ διδάσκων μαρόν

**συνκόλλημα.**

[Th. Ex. 38. 11 (37. 9), 12 (37. 10).]

**συνκομιδή.**

[Bm. Ex. 28. 16.]

**συνκομίσσεται.** (1) η̅ϛ̅ ϛ̅

Jb. 5. 26. ὥσπερ θυμῶν ἄλωνος κατ' ὄραν συ-

**συνκόπτειν.** (1) η̅ϛ̅ ϛ̅ a. qal. δ. pi.

(2) η̅ϛ̅ ϛ̅ hi. (3) ῀ϛ̅ ϛ̅ pi. (4) η̅ϛ̅ ϛ̅

(5) ῀ϛ̅ ϛ̅ pi. (6) ϛ̅ ϛ̅

Ge. 34. 30. συγκόψουσιν με

Ex. 30. 36. συγκόψουσιν ἐκ τοῦτων λεπτόν (2)

De. 9. 21. καὶ συνέκοψα [A -έτριψα] αὐτόν (1 a)

IV Ki. 10. 32. ἤρξατο κ. συγκόπτειν ἐν τῷ Ἰσρ. (4)

16. 17. συνέκοψεν ὁ βασις τὰ συγκλείσματα [A al.] (5)

18. 16. συνέκοψεν Ἐξ. τὰς θύρας ναοῦ (5)

24. 13. συνέκοψεν πάντα τὰ σκεῆθ' αὐτοῦ χρυσᾶ (5)

Ju. 5. 22. εἶπαν . . . συγκόψαι αὐτόν

Ps. 88 (89). 23. συγκόψω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ τοὺς ἐχθρούς αὐτοῦ [A μου] (1 a)

128 (129). 4. συνέκοψεν αἰχένις ἀμαρτωλῶν (5)

Jl. 3 (4). 10. συγκόψατε τὰ ἄροτρα ὑμῶν εἰς βομφαίας (1 a)

Is. 2. 4. συγκόψουσιν τὰς μαχαίρας αὐτῶν εἰς ἄροτρα (1 b)

Je. 31 (48). 12. τὰ κέρατα αὐτοῦ συγκόψουσι (3)

[Aq. Jb. 50 (27). 23.]

[Bm. Ps. 88 (89). 24: Jb. 50 (27). 23.]

**σύγκρασις.** (1) ῀ϛ̅ ϛ̅

Ez. 22. 19. ἐγένεσθε εἰς σύγκρασιν μίαν (1)

**συνκρατεῖν.**

[Bm. Ps. 16 (17). 5.]

**σύγκριμα.** (1) η̅ϛ̅ ϛ̅ (2) ῀ϛ̅ ϛ̅

Jd. 18. 9. Α κατὰ σύγκριμα τῶν Σιδ. —

Si. 85 (82). 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίῳ [A -ῖα] οἶνον

— 17. κατὰ τὸ θέλημα αὐτοῦ εὐρίσκει σύγκριμα

Da. LXX. 5. 7. ἀπαγγέλλαι τὸ σ. τῆς γραφῆς —

— 7. τὸ σ. τῆς γραφῆς οὐκ ἐδύνατο συγκρίναι —

— 7. δε δὲ ὑποδείξῃ τὸ σ. τῆς γραφῆς (2)

— 8. τὸ σ. τῆς γραφῆς ἀπαγγέλλαι (2)

— 9. ἀπαγγέλλαι τῷ βασι. τὸ σ. τῆς γραφῆς —

— 12. συγκρίματα ὑπέρτοκα ὑπέδειξε +

— 16. δὴν μοι ὑποδείξαι τὸ σ. τῆς γραφῆς (2)

— 26. τοῦτο τὸ σ. τῆς γραφῆς —

— 30. τὸ σ. ἐπὶ ἁλὲς βαλτ. τῷ βασι. (2)

Da. TH. 2. 25. ὅστις τὸ σ. τῷ βασι. ἀναγγελεῖ (2)

4. 14. διὰ συγκρίματος εἶρ ὁ λόγος (1)

— 15. τὸ σ. εἰπὼν (2)

— 15. οὐ δύναται τὸ σ. αὐ. δηλώσαι μοι (2)

— 21. καὶ σύγκριμα ὑψίστου ἐστίν (1)

5. 26. τοῦτο τὸ σ. τοῦ ῥήματος (2)

I Ma. 1. 57. τὸ σ. τοῦ βασι. ἐθανάτου αὐτόν

[Th. Da. 2. 25.]

**συνκρίνειν.** (1) ῀ϛ̅ ϛ̅ ru. (2) α. ῀ϛ̅ ϛ̅

δ. ῀ϛ̅ ϛ̅ re. c. pa.

Ge. 40. 8. ὁ συγκρίνων αὐτὸ οὐκ ἔστιν (2 a)

— 16. ὁρθὸς συνέκρινε (2 a)

— 22. καθὰ συνέκρινεν αὐτοῖς ἰ. (2 a)

41. 12. καὶ συνέκρινεν ἡμῖν (2 a)

— 13. καθὼς συνέκρινεν ἡμῖν (2 a)

— 15. ὁ συγκρίνων αὐτὸ οὐκ ἔστιν (2 a)

— 15. ἀκούσαντά σε ἐνύπνια συγκρίναι αὐτὰ (2 a)

Nu. 15. 34. οὐ γὰρ συνέκριναν τί ποιήσωσιν αὐτόν (1)

Wi. 7. 29. φωτὶ συγκρινομένη εὐρίσκειται προτέρα

15. 18. ἀνοία γὰρ συγκρινόμενα τῶν ἄλλων ἐστὶ χειρόνα

Da. LXX. 5. 7. τὸ σύγκριμα τῆς γραφῆς οὐκ ἐδύνατο συγκρίναι —

Da. TH. 5. 12. συγκρίνων ἐνύπνια (2 c)

— 16. δύναται κρίματα συγκρίναι [A -ειν] (2 b)

I Ma. 10. 71. συγκριβόμεν αὐτοῖς ἐκεῖ

[Al. Le. 16. 22.]

**σύγκρισις.** (1) ῀ϛ̅ ϛ̅ ϛ̅ (2) α. ῀ϛ̅ ϛ̅ δ. ῀ϛ̅ ϛ̅

(3) ῀ϛ̅ ϛ̅

Ge. 40. 12. τοῦτο ἡ σ. αὐτοῦ (2 a)

— 18. αὕτη ἡ σ. αὐτοῦ (2 a)

Nu. 9. 3. κατὰ τὴν σ. αὐ. ποιήσεις αὐτό (1)

29. 6. κατὰ τὴν σ. αὐ. (1)

— 11. κατὰ τὴν σ. —

— 18, 21, 24, 27, 30, 33, 37. κατὰ τὴν σ. αὐ. (1)

Jd. 7. 15. ὥς ἤκουσε . . . τὴν σ. αὐ. (3)

18. 7. Α κατὰ τὴν σ. τῶν Σιδ. [B al.] (1)

Wi. 7. 8. πλοῖτον οὐδὲν ἡγήσαμην ἐν συγκρίσει αὐτῆς

Da. LXX. 2. 4. φράσομεν τὴν σ. αὐ. (2 b)

— 5. ἐὰν μὴ . . . τὴν τοῦτου σ. δηλώσῃ μοι (2 b)

— 6. ἐὰν δὲ . . . τὴν τοῦτου σ. ἀναγγεῖλαι μοι (2 b)

— 9. ἐὰν μὴ . . . τὴν τοῦτου σ. δηλώσῃ —

— 26. θυνήσῃ δηλώσαι μοι . . . τὴν τοῦτου σ. (2 b)

4. 15. ὑπέδειξε μοι πᾶσαν τὴν σ. αὐ. —

— 16. καὶ ἡ σ. αὐ. τοῖς ἐχθροῖς σου ἐπέλθοι (2 b)

5. 17. καὶ αὕτη ἡ σ. αὐ. (2 b)

Da. TH. 2. 4. τὴν σ. ἀναγγελοῦμεν (2 b)

— 5. ἐὰν μὴ γνωρίσῃ μοι . . . τὴν σ. (2 b)

— 6. ἐὰν δὲ . . . τὴν σ. αὐ. γνωρίσῃ μοι (2 b)

— 6. τὴν σ. αὐ. ἀπαγγεῖλαί μοι (2 b)

— 7. τὴν σ. αὐ. ἀναγγελοῦμεν (2 b)

— 9. τὴν σ. αὐ. ἀναγγελεῖ μοι (2 b)

— 16. καὶ τὴν σ. αὐ. ἀναγγεῖλῃ τῷ βασι. (2 b)

— 24. τὴν σ. τῷ βασι. ἀναγγεῖλῃ (2 b)

— 26. εἰ δύνασαι μοι ἀναγγεῖλαι . . . τὴν σ. αὐ. (2 b)

— 30. ἔκρινε τοῦ τὴν σ. τῷ βασι. γνωρίσαι (2 b)

— 36. τὴν σ. αὐ. ἐροῦμεν ἐνώπιον τοῦ βασι. (2 b)

— 45. καὶ πιστὴ ἡ σ. αὐ. (2 b)

4. 3. ὅπως τὴν σ. τοῦ ἐνυπνίου γνωρίσω μοι (2 b)

— 4. τὴν σ. αὐ. οὐκ ἐγνώρισαν μοι (2 b)

— 6. τὴν σ. αὐ. εἶπον μοι (2 b)

— 16. Α ἡ σ. μὴ κατασπενσάτω σε (2 b)

— 16. καὶ ἡ σ. αὐ. τοῖς ἐχθροῖς σου (2 b)

— 21. τοῦτο ἡ σ. αὐ. (2 b)

5. 7. δε δὲ . . . τὴν σ. [A σ. αὐ.] γνωρίσῃ μοι (2 b)

— 8. οὐκ ἠδύνατο . . . τὴν σ. γνωρίσαι τῷ βασι. (2 b)

— 12. τὴν σ. αὐ. ἀναγγεῖλῃ μοι (2 b)

— 15. ἵνα . . . τὴν σ. αὐ. γνωρίσω μοι (2 b)

— 16. B ἐὰν . . . τὴν σ. αὐ. γνωρίσῃ μοι (2 b)

[A B al.]

— 17. τὴν σ. αὐτῆς γνωρίσω σοι (2 b)

7. 16. τὴν σ. τῶν λόγων ἐγνώρισέ μοι (2 b)

[Th. Da. 4. 16+.]

**συνκροτεῖν.** (1) ῀ϛ̅ ϛ̅ (2) ϛ̅ ϛ̅

Nu. 24. 10. συνεκρότησε ταῖς χερσὶν αὐ. (2)

Da. TH. 5. 6. τὰ γόνατα αὐ. συνεκροτούτο (1)

**συνκρούειν.**

[Bm. Ps. 108 (109). 11.]

[Al. Is. 29. 1.]

**σύνκρουσις.**

[Bm. Ez. 8. 13.]

**συνκρουσμός.**

I Ma. 6. 41. Α πάντες οἱ ἀκούοντες . . . συνκρουσ-

μούς [B B -ού] τῶν ὁπλων

**συνκρύπτειν.**

II Ma. 14. 30. συνεκρύπτετο τὸν Νικ.

[Aq. Jb. 10. 13: Ps. 26 (27). 5: 30 (31). 20, 21: 82 (83). 4: Pr. 10. 14.]

**συνκτίζειν.**

Si. 1. 14. μετὰ πιστῶν ἐν μήτρᾳ συνεκτίσθη αὐτοῖς

**συνκύπτειν.** (1) ῀ϛ̅ ϛ̅

Jb. 9. 27. συγκύψας τῷ προσώπῳ στενάξω (1 ?)

Si. 12. 11. ἐὰν ταπεινωθῇ καὶ πορεύεται συνεκκυφώς

19. 26. ἔστι πονηρεῦσιν συνεκκυφῶς μελαριά

[Al. IV Ki. 4. 35.]

**συνκυρεῖν.** (1) η̅ϛ̅ ϛ̅ (2) ῀ϛ̅ ϛ̅ (3) ῀ϛ̅ ϛ̅

(4) ῀ϛ̅ ϛ̅

Nu. 21. 25. ἐν Ἐσ. καὶ ἐν πάσαις ταῖς συγκυ-

ρούσαις αὐτῇ (1)

35. 4. τὰ συγκυροῦντα τῶν πόλεων

**συγχάριεν.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ge. 21. 6.  $\delta\varsigma$  γὰρ ἐὰν ἀκούσῃ συγχάριται μοι (1)  
III Ma. 1. 8. B καὶ ἐπὶ τοῖς συμπεβηκόσι συγχαρῶ-  
μένους [A χαρ.]  
**συγχάιν.** (1)  $\text{L}\overline{\text{L}}\overline{\text{L}}$  (2)  $\text{L}\overline{\text{L}}\overline{\text{L}}$  hithpo. (3)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
(4)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  (5)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  hi. (6)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  pi. (7)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
(8)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  (9)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ge. 11. 7. συγχάωμεν ἐκεῖ αὐτῶν τὴν γλῶσσαν (1)  
— 9. συνέχεε κύριος τὰ χεῖλη πάσης τῆς γῆς (1)  
I Ki. 7. 10. B συνεχύθησαν καὶ ἔπταισαν (8)  
III Ki. 20 (21). 4. A ἦλθεν Ἀχ. πρὸς οἶκον αὐ.  
συγκεχυμένος [B αἰ.] (7)  
21 (20). 43. ἀπῆλθεν ὁ βασις. Ἰσρ. συγκεχυμένος (7)  
IV Ki. 14. 26. A εἶδε κ. . . ὀλιγοστοὺς συγ-  
κεχυμένους [B αἰ.] (8)  
Jb. 30. 17. νυκτὶ δέ μου τὰ ὀστὰ συγκέχυται (6)  
[A συνέβλασαν] (6)  
Wi. 10. 5. ἐν ὁμονοίᾳ ποιηρίας ἔθνων συγχυθέντων  
Am. 3. 15. συγχέω καὶ πατάξω τὸν οἶκον τὸν  
περιπίπτει (5)  
Mi. 7. 17. συγχυθίσονται ἐν συγκλεισμῷ αὐ. (6)  
Jl. 2. 1. συγχυθίσωσαν [A συναχθήτ.] πάντες (8)  
— 10. συγχυθήσεται ἡ γῆ (9)  
Jn. 4. 1. καὶ συνεχύθη (9)  
Na. 2. 4 (5). συγχυθίσονται [A<sup>1</sup> -υνθ.] τὰ ἄρματα (2)  
I Ma. 4. 27. ὁ δὲ ἀκούσας συνεχύθη (8)  
II Ma. 10. 30. συγχυθέντες ἀορασία (2)  
13. 23. συνεχύθη τοὺς Ἰουδ. παρεκάλεισεν  
14. 28. συνεκίχτο καὶ δυσφώρας ἔφευγεν  
[Sm. Ps. 54 (55). 3: Jz. 4. 23.]  
**συγχρᾶσθαι.**  
[AL. I Ki. 30. 19.]  
**συγχροεῖν, συγχρονεῖν.**  
Si. prol. 21. παραγεννηθείς εἰς Αἴγυπτον καὶ συγχρο-  
νίσας [A -ήσας]  
**σύγχυσις.** (1)  $\text{L}\overline{\text{L}}\overline{\text{L}}$  (2)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ge. 11. 9. ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐ. Σύγχυσις (1)  
I Ki. 5. 6. ἐγένετο σύγχυσις [A χυσις] θανάτου  
μεγάλῃ  
— 12 (11). ἐγένεθη σύγχυσις [A σ. θανάτου] (2)  
ἐν ὅλῃ τῇ πόλει (2)  
14. 20. σ. μεγάλη σφόδρα (2)  
[Aq. Jb. 37. 18.]  
[Sm. Is. 34. 11: Jz. 5. 30.]  
**συγχυνεῖν.**  
[Aq. Na. 1. 6.]  
**συγχυνῶναι.**  
[Aq. Ex. 8. 14 (10).]  
**συγχυρεῖν.**  
Da. LXX. Bel 25. συνεχώρησεν αὐτῷ ὁ βασις.  
II Ma. 4. 9. B εἶαν συγχωρηθῇ [A ἐπιχωρηθῇ] . . .  
γυμνάσιον  
11. 15. συνεχώρησεν ὁ γραμματεὺς  
— 18. δὲ ἦν ἐνδεχόμενα συνεχώρησεν  
— 24. συγχωρηθῆναι αὐτοῖς τὰ νόμιμα  
— 35. ὑπὲρ ὧν Δ. ὁ συγγενὴς τοῦ βασις. συνεχώ-  
ρησεν ὑμῖν  
**συχωρητέον.**  
II Ma. 2. 31. τῇ τὴν μετάφρασιν ποιούμενῃ συγ-  
χωρητέον  
**συζευγνῶναι.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ez. 1. 11. ἑκατέρω δύο συνευγμέναι πρὸς  
ἀλλήλας  
— 23. A ἐκάστω δύο συνευγμέναι [B αἰ.] (1)  
**συζητεῖν, συζητεῖν.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  pi.  
Ne. 2. 4. A B<sup>1</sup> περὶ τίνος τοῦτο συζητεῖς  
[B<sup>2</sup> B B σὺ ζ.] (1)  
**συζυγής.**  
III Ma. 4. 8. οἱ δὲ τοῦτων σ. βρόχους . . . περιπε-  
πλεγμένοι  
**συζυγία.**  
[Aq. Ez. 23. 17.]  
**σύζυγος.**  
[Aq. Ez. 23. 21.]

**συζωννῶναι.**  
Le. 8. 8. καὶ συνέζωσεν αὐτόν +  
I Ma. 3. 3. συνεζώσατο τὰ σκεύη τὰ πολεμικὰ αὐ.  
**συκάμινος.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Am. 7. 14. ἀλλ' ἡ . . . κνίζων συκάμινα (1)  
**συκάμινος.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
III Ki. 10. 27. τὰς κέδρους ἔδωκεν ὡς συκαμί-  
νους (1)  
I Ch. 27. 28. καὶ ἐπὶ τῶν σ. τῶν ἐν τῇ πεδινῇ (1)  
II Ch. 1. 15. ἔθηκεν . . . τὰς κέδρους ἐν τῇ Ἰ. (1)  
ὡς συκαμίνας (1)  
9. 27. ἔδωκεν . . . τὰς κέδρους ὡς συκαμίνας (1)  
Ps. 77 (78). 47. καὶ τὰς σ. αὐτῶν ἐν τῇ πύλῃ (1)  
Is. 9. 10 (9). κόφωμεν συκαμίνας (1)  
[Th. Am. 7. 14.]  
**συκεών, υἱδ. συδ. συκῶν.**  
**συκῆ.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ge. 3. 7. ἔρραψαν φύλλα συκῆς (1)  
Nu. 13. 24 (23). A B<sup>2</sup> B ἀπὸ τῶν ῥώων καὶ ἀπὸ  
τῶν σ. [B<sup>1</sup> σικύν] (1)  
20. 5. οὐδὲ συκαὶ οὐδὲ ἄμπελαι (1)  
De. 8. 8. ἄμπελαι συκαὶ ῥόαι (1)  
Jd. 9. 10. ἔπειον τὰ ἔξλα τῇ σ. (1)  
— 11. ἔπειον αὐτοὺς ἡ σ. (1)  
III Ki. 3. 1 (B), 4. 25 [A] [5. 5]. ἕκαστος . . .  
ὑπὸ τὴν σ. αὐ. (1)  
IV Ki. 18. 31. ἀνὴρ τὴν σ. αὐ. φάγεται (1)  
Ne. 2. 13. πρὸς στόμα πηγῆς τῶν σ. (1)  
Ps. 104 (105). 33. ἐπάταξε . . . τὰς συκάς αὐ. (1)  
Pr. 27. 18. ὅς φυτεῖται συκὴν (1)  
Ca. 2. 13. ἡ σ. ἐξήνεγκεν ὀλίγους αὐτῆς (1)  
Ho. 2. 12 (14). ἀφανῶ . . . τὰς σ. αὐ. (1)  
9. 10. ὡς σκοπὸν ἐν συκῇ πρῶτον εἶδον πατέ-  
ρας αὐ. (1)  
Mi. 4. 4. ἀναπαύσεται . . . ἕκαστος ὑποκάτω  
συκῆς αὐ. (1)  
Jl. 1. 7. ἔθετο . . . τὰς σ. μου εἰς συγκαλάμην (1)  
— 12. αἰ σ. ἀλλογώθησαν (1)  
2. 22. συκὴ καὶ ἄμπελος ἔδωκεν τὴν ἰσχυρὴν αὐ. (1)  
Na. 3. 12. πάντα τὰ δορυρὰ σου συκαὶ σκοποὺς  
ἐχουσιν (1)  
Hb. 3. 17. συκὴ οὐ καρποφορήσει (1)  
Hg. 2. 20 (19). ἡ ἄμπελος καὶ ἡ σ. καὶ ἡ ῥόα (1)  
Za. 3. 11 (10). ὑποκάτω ἄμπελου καὶ ὑποκάτω  
συκῆς (1)  
Is. 34. 4. ὡς πίπτεται φύλλα ἀπὸ συκῆς (1)  
36. 16. φάγεσθε ἕκαστος . . . τὰς σ. (1)  
Je. 8. 13. οὐκ ἔστι σῖκα ἐν ταῖς σ. (1)  
I Ma. 14. 12. A B ἐκάθισεν ἕκαστος ὑπὸ . . . τὴν  
σ. αὐ. [S om. τ. σ. αὐ.] (1)  
[Aq., Sm. Is. 34. 4.]  
[Al. Hb. 3. 17.]  
**συκῆρατος, συκῆρατος (ῥ).**  
Ep. Je. 70. B ὥσπερ γὰρ ἐν συκῆρατῷ [A συκῆρ.,  
B σικυρ.] προσβάσκινον  
**συκόμορος.**  
[Aq., Sm. Ps. 77 (78). 47: Is. 9. 10 (9):  
Am. 7. 14.]  
[Th. Is. 9. 10 (9).]  
**σύκων.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  (2)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  πρόδρομος σύκου  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
IV Ki. 20. 7. λαβέτωσαν παλᾶθρην σύκων (1)  
Ne. 13. 15. καὶ οἶνον καὶ σταφυλὴν καὶ σῖκα (1)  
To. 1. 7. B<sup>2</sup> καὶ τῶν σ. (1)  
Is. 28. 4. ὡς πρόδρομος σύκου ὁ ἰδὼν αὐτό (2)  
38. 21. λάβε παλᾶθρην ἐκ [B om.] σύκων (1)  
Je. 8. 13. οὐκ ἔστι σῖκα ἐν ταῖς συκαῖς (1)  
24. 1. ἔδωξέ μοι κύριος δύο καλᾶθους σύκων (1)  
— 2. ὁ καλᾶθος ὁ εἰς σύκων χρηστὸν σφόδρα  
ὡς τὰ σ. τὰ πρῶτα (1, 1)  
— 2. καὶ ὁ καλᾶθος ὁ ἕτερος σύκων ποιητῶν  
σφόδρα (1)  
— 3. A B<sup>2</sup> B εἶπα, σῖκα [B<sup>1</sup> S om., A add. καὶ  
τὰ, B<sup>2</sup> add. τὰ] σῖκα τὰ χρηστὰ  
χρηστὰ λίαν (1, 1)  
— 5. ὡς τὰ σ. τὰ χρηστὰ ταῦτα οὕτως ἐπινώ-  
σομαι τοὺς ἀποικισθέντας Ἰουδαίους (1)  
— 8. ὡς τὰ σ. τὰ ποτηρὰ δ' οὐ βρωθήσεται (1)  
[Sm. Je. 24. 3 (Sw.).]  
[Th. Je. 29 (36). 17.]

**συκοφαντεῖν.** (1)  $\text{L}\overline{\text{L}}\overline{\text{L}}$  hithpo. (2) a.  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
δ.  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  (3)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  pi.  
Ge. 43. 18. τοῦ συκοφαντήσαι ἡμᾶς (1)  
Le. 19. 11. οὐ συκοφαντήσῃ ἕκαστος τὸν πλησίον (3)  
Jb. 35. 9. ἀπὸ πλῆθους συκοφαντοῦμενοι κεκρά-  
ξονται (2 δ)  
Ps. 118 (119). 122. μὴ συκοφαντήσάτωσάν με  
ὑπερήφανοι (2 α)  
Pr. 14. 31: 22. 16. ὁ συκοφαντῶν πένιπτα (2 α)  
28. 3. ἀνδρεῖος ἐν ἀσεβείαις συκοφαντεῖ πτω-  
χοὺς (2 α)  
Ec. 4. 1. ἰδοὺ δάκρυον τῶν συκοφαντοῦμένων (2 α)  
— 1. ἀπὸ χειρὸς συκοφαντούντων αὐτοὺς ἰσχυεῖς (2 α)  
[Aq. Ge. 26. 20: Le. 6. 2 (5. 21): Dt. 24. 16  
(14): Jb. 10. 3: Ps. 118 (119). 121: Pr. 28.  
3: Jz. 50 (27). 33: Ez. 22. 29.]  
[Sm. Le. 6. 2 (5. 21): Dt. 24. 16 (14): Ec. 4.  
1: Is. 52. 4: Jb. 50 (27). 33: Ez. 22. 29 δὲ:]  
[Th. Le. 6. 2 (5. 21): Dt. 24. 16 (14): Jb. 35.  
9: Pr. 28. 3.]  
[Al. Le. 19. 13: I Ki. 12. 3: I Ch. 16. 21:  
Jb. 10. 3.]  
**συκοφάντης.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  a. qal. δ.  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ps. 71 (72). 4. ταπεινώσει συκοφάντην (1 α)  
Pr. 28. 16. βασιλεὺς ἐνδεὴς προσδῶν μέγας  
συκοφάντης (1 δ)  
**συκοφαντία (-εία).** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  (2) a.  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
δ.  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ps. 118 (119). 134. λίτρωσαι με ἀπὸ συκοφαν-  
τίας ἀνθρώπων (2 δ)  
Ec. 4. 1. εἶδον συμπάσας [S πάσας] τὰς σ. (2 α)  
5. 7. ἐὰν συκοφαντίαν πένιπτος . . . ἴδῃς ἐν χώρα (2 δ)  
7. 8 (7). ἡ σ. περιφέρει σοφόν (2 δ)  
Am. 2. 8. οἶνον ἐκ συκοφαντιῶν ἔπινον (1)  
[Aq. Ge. 26. 20: Le. 6. 4 (5. 23): Is. 33. 15:  
38. 14: Jz. 6. 6: 22. 17: Ez. 22. 29.]  
[Sm. Le. 6. 4 (5. 23): Jb. 35. 9: Ps. 72 (73).  
8: Is. 33. 15: Jz. 22. 17: Ez. 22. 12, 29.]  
[Th. Le. 6. 4 (5. 23): Is. 33. 15: Ez. 22. 12.]  
**συκῶν (συκεών).** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Am. 4. 9. συκῶνις ὑμῶν . . . κατέφαγεν ἡ κάμη (1)  
Je. 5. 17. κατέδονται . . . τοὺς σ. ὑμῶν (1)  
**συλάν.**  
Ep. Je. 18. ὅπως ὑπὸ τῶν ληστῶν μὴ συληθῶσι  
[Aq. Ex. 3. 22.]  
**συλλαλεῖν.** (1)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  pi. (2)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ex. 34. 35. ἕως ἂν εἰσέλθῃ συλλαλεῖν αὐτῷ (1)  
III Ki. 12. 14. A καὶ συλλαλήσαν πρὸς αὐτούς (1)  
Pr. 6. 22. ἵνα ἐγειρομένη συλλαλή [A -λήσω]  
σοι (2)  
Is. 7. 6. συλλαλήσαντες αὐτοὺς ἀποστρέψομεν  
αὐτούς +  
Je. 18. 20. συνελάλησαν ῥήματα κατὰ τῆς ψυχῆς  
μου +  
**συλλαμβάνειν.** (1) a.  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  δ.  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
(2)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  pul. (3)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  a. qal. (4) ni.  
(4)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  (5)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  (6)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$  pu. (7)  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
a. qal. (8) ni. (8) σ. ἐν γαστρὶ  $\text{P}\overline{\text{P}}\overline{\text{P}}$   
Ge. 4. 1. A συνέλαβεν καὶ ἔτεκε τὸν K. [B αἰ.] (1 α)  
— 17. συλλαβοῦσα ἔτεκε τὸν Ἰ. (1 α)  
— 25. συλλαβοῦσα ἔτεκε τὸν K. (1 α)  
16. 4. καὶ συνέλαβε (1 α)  
19. 36. συνέλαβον αἱ δύο θυγατέρες Λώτ (1 α)  
21. 2. συλλαβοῦσα ἔτεκε . . . υἱόν (1 α)  
25. 21. B συνέλαβεν [A ἔλ.] ἐν γαστρὶ ῥεβ. (1 α)  
29. 32. καὶ συνέλαβε Λεία (8)  
— 33. συνέλαβε πάλιν Λεία (1 α)  
— 34. καὶ συνέλαβεν ἔτι (1 α)  
— 35. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (1 α)  
30. 5. συνέλαβε B. ἡ παιδίσκη ῥ. (1 α)  
— 7. συνέλαβεν ἔτι B. (1 α)  
— 10. καὶ συνέλαβε Z. (1 α)  
— 12. καὶ συνέλαβεν ἔτι Z. (1 α)  
— 17. συλλαβοῦσα ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν πέμπτον (1 α)  
— 19. συνέλαβεν ἔτι Λεία (1 α)  
— 23. συλλαβοῦσα ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (1 α)  
38. 3. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (1 α)  
— 4. συλλαβοῦσα ἔτι ἔτεκεν υἱόν (1 α)

- Ex. 12. 4. συλλήψεται μεθ' ἑαυτοῦ τὸν γείτονα (4)  
Nu. 5. 13. καὶ αὐτὴ μὴ θ' συνελημμένη (7 δ)  
De. 21. 19. συλλαβόντες [B' om.] αὐτὸν δ' πατὴρ  
αὐ. καὶ ἡ μήτηρ αὐ. (7 α)  
Jo. 8. 23. τὸν βασιλ. τῆς Γ. συνελαβὼν ζῶντα (7 α)  
Jd. 7. 25. συνελαβὼν τοὺς ἀρχοντας M. (8 α)  
8. 14. συνέλαβε [A -or] παιδάριον ἀπὸ τῶν  
ἀνδρῶν Σ. (3 α)  
13. 3. καὶ συλλήψῃ [A τέξῃ] υἱόν (1 α)  
15. 4. συνέλαβε τριακοσίας ἀλώπεκας (9 α)  
I Ki. 1. 20. καὶ συνέλαβε (1 α)  
2. 21. A καὶ συνέλαβεν (1 α)  
4. 19. νύμφη αὐ. γυνὴ Φ. συνεληφύα τοῦ τεκέειν (1 β)  
15. 8. συνέλαβε τὸν 'A. βασιλεῖα 'Aμ. ζῶντα (7 α)  
28. 26. παρενέβαλον . . . συλλαβείν αὐτούς (7 α)  
II Ki. 12. 24. καὶ συνέλαβε - (7 α)  
III Ki. 13. 4. συλλάβετε αὐτὸν (7 α)  
18. 40. συλλάβετε τοὺς προφῆτας τοῦ B. (7 α)  
— 40. καὶ συνελαβὼν αὐτούς (7 α)  
21 (20). 18. συλλαβεῖν [A -βετε] αὐτοὺς ζῶν-  
τας (7 α)  
— 18. ζῶντας συλλαβεῖν [A -βετε] αὐτούς (7 α)  
IV Ki. 7. 12. συλληγόμεθα αὐτοὺς ζῶντας (7 α)  
10. 14. συλλάβετε αὐτοὺς ζῶντας (7 α)  
— 14. A καὶ συνελαβὼν αὐτοὺς ζῶντας (7 α)  
14. 7. συνέλαβε τὴν πέτραν ἐν τῷ πολέμῳ (7 α)  
— 13. τὸν 'Aμ. . . συνέλαβεν [A ἔλ.] 'I. (7 α)  
16. 9. καὶ συνελαβεν αὐτὴν (7 α)  
17. 6. συνέλαβε βασιλεὺς 'Assυρίων τὴν Σαμ. (8 α)  
18. 10. καὶ συνεληφθῇ Σαμ. (8 β)  
— 13. καὶ συνελαβεν αὐτὰς (7 α)  
25. 6. συνελαβὼν τὸν βασιλ. (7 α)  
I Es. 1. 38. Ζαρ. δὲ τὸν ἀδελφὸν αὐ. συλλαβὼν  
Ju. 6. 9. A οὐ συλληφθήσονται [B B ληφθ.]  
— 10. προσέταξεν . . . συλλαβεῖν τὸν 'Aχ.  
— 11. συνελαβὼν αὐτὸν οἱ δοῦλοι αὐ. (7 α)  
10. 12. συνελαβὼν αὐτὴν (8 α)  
Jb. 22. 16. οἱ συνεληφθῇσαν ἄστροι (6)  
39. 13. εἰς συλλάβῃ αὐτὰ καὶ νέσσοι +  
Ps. 7. 14. συνέλαβε πόνον (1 α)  
9. 15. συνεληφθῇ δ' οὖτος αὐτῶν (8 β)  
— 16. συνεληφθῇ δ' ἀμαρτωλός (5)  
— 23 (10. 2). συλλαμβάνονται ἐν διαβουλίᾳ (7 β)  
34 (35). 8. ἡ θύρα ἣν ἐκρύψαν συλλαβέτω αὐ-  
τούς (8 α)  
50 (51). 5. ἐν ἀνομίαις συνεληφθῇ (8 α)  
58 (59). 12. συλληφθήτωσαν ἐν τῇ ὑπερηφανίᾳ  
αὐτῶν (8 β)  
Ec. 7. 27 (26). ἀμαρτανῶν συλληφθήσεται ἐν  
αὐτῇ (8 β)  
Ca. 3. 4. εἰς ταμεῖον τῆς συλλαβοῦσης με (1 α)  
8. 2. εἰς ταμεῖον τῆς συλλαβοῦσης με +  
Ho. 1. 3. συνέλαβε καὶ ἔτεκε αὐτῷ υἱόν (1 α)  
— 6. συνέλαβεν ἔτι καὶ ἔτεκε θυγατέρα (1 α)  
— 8. συνελαβεν ἔτι καὶ ἔτεκε υἱόν (1 α)  
Am. 8. 5. ἀνεν τοῦ συλλαβεῖν τι (3 α)  
Is. 38. 1. A καὶ συνελαβὼν [B B ἔλ.] αὐτὰς (7 α)  
Je. 5. 26. καὶ συλλαμβάνουσιν (8 α)  
6. 11. ἀνὴρ καὶ γυνὴ συλληφθήσονται (8 β)  
29 (49). 16. συνελαβεν ἰσχυρὸν βουνοῦ ὑψηλοῦ (7 α)  
31 (48). 7. σὺ συλληφθήσῃ (8 β)  
— 41. τὰ ὀχυρώματα συνεληφθῇ (7 β)  
— 44. συλληφθήσεται ἐν τῇ παγίδι (8 β)  
33 (28). 8. συνελάβωσαν [B<sup>2</sup> -βον] αὐτὸν οἱ  
ἱερεῖς (7 α)  
— 23. A συνελάβωσαν αὐτὸν - (7 α)  
39 (32). 24. ὄχλος ἦκει εἰς τὴν πόλιν συλλα-  
βεῖν αὐτὴν (8 α)  
41 (34). 2. συλλήψεται αὐτὴν - (7 α)  
— 3. A B B συλλήψεται συλληφθήσῃ [B -σει] (7 β)  
43 (36). 26. συλλαβεῖν τὸν Βαρούχ (4)  
44 (37). 8. συλλήψονται αὐτὴν (8 α)  
— 13. συνέλαβε τὸν 'Ιερემίαν (7 α)  
14. συνέλαβε Ζαρουῖαν τὸν 'Ιερემίαν (7 α)  
45 (38). 3. συλλήψεται [A -ονται, B<sup>1</sup> λήψεται]  
αὐτὴν (3 α)  
— 23. ἐν χειρὶ βασιλέως Βαβ. συλληφθήσῃ  
[A α.] (7 β)  
— 28. ἥως χρόνον οὐ συνεληφθῇ 'Ιερουσαλὴμ (8 β)  
52. 9. συλλαβὼν τὸν Βοσιδαί (7 α)  
La. 4. 20. συληφθῇ ἐν τῷ διαφθοραῖς αὐ. (8 β)  
Ez. 12. 13. συλληφθήσεται ἐν τῇ περιοχῇ μου (7 β)  
19. 4. ἐν τῇ διαφθορᾷ αὐτῶν συνεληφθῇ (7 β)  
— 8. ἐν διαφθορᾷ αὐτῶν συνεληφθῇ (7 β)  
Da. TH. 11. 15. συλλήψεται πόλεις ὀχυράς  
— 18. καὶ συλλήψεται πολλὰς (8 α)  
Da. TH. Bel 21. συνέλαβε [A -ετο] τοὺς ἱερεῖς  
I Ma. 5. 26. πολλοὶ ἐξ αὐτῶν συνελημμένοι εἰσιν  
— 27. ἐν ταῖς λοιπαῖς πόλεσι τῆς Γαλ. εἰσὶ συνε-  
λημμένοι (8 α)  
7. 2. συνέλαβον [B<sup>1</sup> -οντο] αἱ δυνάμεις τὸν 'Αντ.  
— 16. συνέλαβεν ἐξ αὐτῶν ἐξήκοντα ἄνδρας  
— 19. καὶ συνέλαβε [B<sup>1</sup> -έβαλεν] πολλοὺς  
9. 36. καὶ συνέλαβον 'Ιωάννην  
— 58. συλλήψεται αὐτοὺς πάντας  
— 60. ὅπως συλλάβωσι τὸν 'Ιων.  
— 61. A συνέλαβον [B -οντο, B -έβαλον] ἀπὸ τῶν  
ἀνδρῶν τῆς χώρας  
12. 40. A B ἐζήτει πόρον τοῦ [B om. π. τ.] συλλαβεῖν  
αὐτὸν  
— 48. καὶ συνελαβὼν αὐτὸν  
— 50. συνεληφθῇ καὶ ἀπόλωλε  
14. 2. συλλαβεῖν αὐτὸν ζῶντα  
— 3. καὶ συνελαβεν αὐτὸν  
16. 22. συνελαβεν τοὺς ἄνδρας τοὺς ἐλθόντας  
II Ma. 7. 1. ἐπὶ ἀδελφούς . . . συλληφθέντας ἀναγ-  
κάσθαι  
14. 39. ἀπέστειλε στρατιώτας . . . συλλαβεῖν αὐτὸν  
— 40. ἔδοξε γὰρ ἐκείνων συλλαβῶν  
III Ma. 1. 5. πολλοὺς δὲ καὶ δορκαλῶτους συλλημ-  
θῆναι  
IV Ma. 16. 15. ὅτε συνεληφθῇ μετὰ τῶν παίδων  
17. 1. ὅτε ἔμελλε καὶ αὐτὴ συλλαμβάνεσθαι  
[Aq. IV Ki. 10. 14 : Jb. 15. 35 : Pr. 11. 6 : Is.  
7. 14 : 33. 11 : Jb. 6. 12 : Ez. 21. 23 (28).]  
[Sm. Ru. 1. 12 : II Ki. 8. 4 : Ps. 58 (59). 13 :  
68 (69). 23 : Pr. 5. 22 : 11. 6 : Ca. 2. 15 : Is.  
7. 14 : 8. 15 : Jb. 22. 19 : Ez. 21. 24 (29).]  
[Th. Jb. 22. 16 : 39. 13 : Pr. 11. 6 : Is. 51. 20.]  
[Heb. Jb. 15. 7.]  
[Al. Ec. 9. 12.]  
συλλέγειν. (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
a. qal. δ. pi. c. hithpa. (4) δ τὰ  
δράγματα συλλέγειν 𐤒𐤓𐤕 pi. (5) 𐤒𐤓𐤕  
(6) 𐤒𐤓𐤕 ro.  
Ge. 31. 46. συλλέγετε λίθους (8 α)  
46. συνέλεξαν λίθους (2)  
Ex. 5. 11. συλλέγετε ἑαυτοῖς ἄχυρα (2)  
16. 4. συλλέξουσιν τὸς τῆς ἡμέρας εἰς ἡμέραν (8 α)  
— 16. ἕκαστος σὺν τοῖς συσκηρίοις ὑμῶν συλ-  
λέξατε (3)  
— 17. συνέλεξαν ὁ τὸ πολὺ καὶ ὁ τὸ ἔλαττον (8 α)  
— 18. ἕκαστος . . . παρ' ἑαυτῷ συνέλεξαν [A<sup>2</sup>  
-εν] (3 α)  
— 21. συνέλεξαν αὐτὸ πρωτὶ (3 α)  
— 22. συνέλεξαν τὰ δέοντα διπλᾶ (3 α)  
— 26. ἔξ ἡμέρας συλλέξετε (8 α)  
— 27. ἐξήλθον τινες ἐκ τοῦ λαοῦ συλλέξαι (3 α)  
Le. 19. 9. τὰ ἀποπίπτοντα τοῦ θερισμοῦ σου οὐ  
[B<sup>1</sup> om.] συλλέξεις (8 β)  
— 10. οὐδὲ τοὺς ῥόγας τοῦ ἀμπελωνῆς σου  
συλλέξεις (8 β)  
28. 22. τὰ ἀποπίπτοντα τοῦ θερισμοῦ σου οὐ  
συλλέξεις (8 β)  
Nu. 11. 8. καὶ συλλέγον (8 α)  
15. 32. εὗρον ἄνδρα συλλέγοντα ξύλα (6)  
— 33. οἱ εὐρόντας συλλέγοντα [B<sup>1</sup> -ες] ξύλα (8 α)  
De. 23. 25 (26). B συλλέξεις [A<sup>2</sup> συναΐξεις] ἐν  
ταῖς χερσὶ σου στάχυς (5)  
Jd. 1. 7. ἥσαν συλλέγοντες τὰ ὑποκάτω τῆς τρα-  
πέζης μου (8 β)  
11. 3. A συνελέγοντο πρὸς τὸν 'I. ἄνδρες λιτοὶ  
[B α.] (8 ε)  
Ru. 2. 3. συνέλεξεν ἐν τῷ ἀγρῷ (8 β)  
— 7. συλλέξω δὴ καὶ συνάω (8 β)  
— 8. μὴ πορευθῇς ἐν ἀγρῷ συλλέξαι ἐτέρω (8 α)  
— 15. ἀνίστη τοῦ συλλέγειν (8 β)  
— 15. ἀνὰ μέσον τῶν δραγματῶν συλλεγέτω (8 β)  
— 16. καὶ φάγεται καὶ συλλέξει (8 β)  
— 17. συνέλεξεν ἐν τῷ ἀγρῷ (8 β)  
— 17. ἐρράβδιεν ἀ συνέλεξεν (8 β)  
— 18. εἶδεν ἡ πενθερά αὐ. δ συνέλεξεν (8 β)  
— 19. ποῦ συνέλεξας σήμερον (8 β)  
— 23. προσεκολλήθη 'Ρουβ. . . συλλέγειν (8 β)  
III Ki. 10. 26. A συνέλεξεν Σ. ἄρματα (1)  
17. 10. γυνὴ χίρα συνέλεγε ξύλα (6)  
— 12. συλλέγω δύο ξυλάρια (6)  
IV Ki. 4. 39. ἐξήλθεν εἰς τὸν ἀγρὸν συλλέξαι  
ἀρίων (8 β)  
— 39. συνέλεξεν ἀπ' αὐτῆς τολὴν ἀγρίαν (8 β)  
Ju. 3. 10. εἰς τὸ συλλέξαι πᾶσαν τὴν ἐπαρτίαν [B  
στρατίαν]  
4. 3. πᾶς ὁ λαὸς συνελελεγτο τῆς 'Ιουδαίας  
Ps. 108 (104). 28. δόντος σου αὐτοῖς συλλέ-  
ξουσιν (3 α)  
128 (129). 7. ὁ τὰ δράγματα συλλέγων (4)  
Ca. 6. 1 (2). καὶ συλλέγειν κρίνα (8 α)  
Je. 7. 18. οἱ υἱοὶ αὐτῶν συλλέγουσι [B<sup>1</sup> -έξ.]  
ξύλα (8 β)  
III Ma. 1. 21. ποικίλη δὲ ἦν τῶν εἰς τοῦτο συλλεγέ-  
των ἡ δέσις  
[Aq. Ge. 49. 33 : Dt. 32. 50 : Ps. 25 (26). 9 :  
26 (27). 10 : 34 (35). 15 : 38 (39). 7 : 49 (50).  
5 : Pr. 30. 4 : Ec. 2. 26 : Is. 52. 12 : 57. 1 δὲ :  
60. 20 : Mt. 4. 11.]  
[Sm. Jb. 39. 12 : Zc. 2. 1.]  
[Th. Ps. 38 (39). 7.]  
[Sext. Ps. 26 (27). 10.]  
συλλεγμα.  
[Al. Le. 23. 32.]  
συλληψις. (1) a. 𐤒𐤓𐤕 δ. 𐤒𐤓𐤕 (2) a. 𐤒𐤓𐤕  
δ. 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
Jb. 18. 10. ἡ σ. αὐτοῦ ἐπὶ τριῶν (2 β)  
Ho. 9. 11. αἱ δόξαι αὐ. ἐκ τόκων . . . καὶ συλ-  
λήψων (1 β)  
Je. 18. 22. ἐνχείρησαν λόγον εἰς συλληψίν μου (2 α)  
20. 17. ἡ μήτρα συλλήψεως αἰωνίας (1 α)  
41 (34). 3. συλληψίς συλληφθήσῃ (3)  
[Aq. Ge. 3. 17 (16) : Ho. 9. 11.]  
[Sm., Th., Quint. Ho. 9. 11.]  
συλλογή. (1) 𐤒𐤓𐤕  
I Ki. 17. 40. ἐν τῷ καδίῳ τῷ ποιμενεῖ τῷ ὄντι  
αὐτῷ εἰς συλλογὴν (1)  
[Aq. Ec. 23. 16 : I Ki. 2. 36 : Is. 32. 10.]  
συλλογίζειν. (1) 𐤒𐤓𐤕 hithpa. (2) 𐤒𐤓𐤕  
a. pi. δ. hithpa.  
Le. 25. 27. συλλογιέται [A -τε] τὰ ἔτη τῆς  
πράσεως αὐ. (2 α)  
— 50. συλλογιέται [A -τε] πρὸς τὸν κεκτημ. (2 α)  
αὐτὸν  
— 52. συλλογιέται [A -τε] αὐτῷ κατὰ τὰ ἔτη  
αὐ. (2 α)  
Nu. 23. 9. ἐν ἔθνεσιν οὐ συλλογισθήσεται (2 β)  
Is. 43. 18. τὰ ἀρχαῖα μὴ συλλογίσεσθε (1)  
συλλογισμός. (1) 𐤒𐤓𐤕  
Ex. 30. 12. εἰς λάβρε τὸν σ. τῶν υἱῶν 'Ισρ. (1)  
Wi. 4. 20. ἐλευσύνται ἐν συλλογισμῷ ἀμαρτημάτων  
αὐτῶν δειλοί  
[Th. Pr. 1. 4.]  
συλλογος.  
[Th. Ps. 1. 5.]  
συλλοιδορεῖν. (1) 𐤒𐤓𐤕  
Je. 36 (29). 27. διὰ τί συλλοιδορήσατε [B ἔλ.]  
'Ιερემίαν (1)  
συλλοχᾶν.  
I Ma. 4. 28. συνελόχησεν [B<sup>1</sup> -ευδόχησεν] . . . ἐξί-  
κοντα χιλιάδας  
συλλοχισμός. (1) 𐤒𐤓𐤕 hithpa.  
I Ch. 9. 1. καὶ πᾶς 'Ισρ. δ' σ. αὐ. (1)  
συλλύειν.  
I Ma. 13. 47. συνελύθη Σ. αὐτοῖς  
II Ma. 11. 14. A ἔπεισε συλλυέσθαι [B -λύσ.] ἐπὶ  
πᾶσι τοῖς δικαίοις  
13. 23. συνελύθη καὶ θυσιᾶν προσήγαγεν  
συλλυπεῖσθαι. (1) 𐤒𐤓𐤕  
Ps. 68 (69). 20. ὑπέμεινα συλλυπούμενον (1)  
Is. 51. 19. τίς σοι συλλυπηθήσεται (1)  
[Sm. Ps. 68 (69). 21.]  
συμβαίνειν. (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
(4) 𐤒𐤓𐤕 a. qal. δ. ni. (5) 𐤒𐤓𐤕 a. qal.  
δ. hi. (6) 𐤒𐤓𐤕 (7) ποιεῖν συμβῆναι  
𐤒𐤓𐤕 hi.  
Ge. 41. 13. οὕτω καὶ συνέβη (2)  
42. 4. μὴ ποτε συμβῇ αὐτῷ μαλακία (5 α)



Ge. 42. 29. ἐπήγγειλαν αὐτῶ πάντα τὰ συμβε-  
βηκότα αὐτοῖς (6)  
— 38. συμβήσονται αὐτὸν μαλακισθῆναι (5 a)  
44. 29. εἰς οὖν . . . συμβῇ αὐτῶ μαλακία (6)  
Ex. 1. 10. ἡνίκα ἂν συμβῇ ἡμῖν πόλεμος (5 a)  
3. 16. ὅσα συμβέβηκεν ὑμῖν ἐν Αἴγ. (4 a)  
24. 14. εἰς τὴν συμβῇ κρίσις †  
Le. 10. 19. καὶ συμβήσκει μοι ταῦτα (5 a)  
De. 18. 22. καὶ μὴ γίνῃται καὶ μὴ συμβῇ (1)  
Jo. 2. 23. διηγήσαντο αὐτῶ πάντα τὰ συμβεβη-  
κότα αὐτοῖς (8)  
I Es. 1. 25. συνέβη Φ. βασιλείᾳ Αἴγ. ἐλθόντα πόλε-  
μον ἐγείραι (9)  
8. 86. τὰ συμβήσονται πάντα ἡμῖν γίνεται  
To. 3. 7. ἐν τῇ αὐτῇ ἡμέρᾳ συνέβη . . . Σάρρα  
12. 20. Β γράψατε πάντα ταῦτα τὰ συμβάντα ὑμῖν  
[A B al.]  
14. 4. Β πάντα συμβήσονται τοῖς καιροῖς αὐ.  
Ju. 6. 16. ἐπρώτησεν αὐτὸν Ὁρ. τὸ συμβεβηκός  
Es. 2. 11. τί ἔσθ' ὅθ' ἂν συμβῇ [A -βαίνει] (4 b)  
6. 13. διηγήσατο Ἀ. τὰ συμβεβηκότα αὐτῶ (6)  
Jb. 1. 22. ἐν τούτοις πᾶσι τοῖς συμβεβηκόσιν  
αὐτῶ —  
2. 10. ἐν πᾶσι τούτοις τοῖς συμβεβηκόσιν αὐτῶ —  
42. 11. ἤκουσαν δὲ . . . πάντα τὰ συμβεβηκότα  
αὐτῶ —  
Wi. 19. 4. τὸν συμβεβηκότων ἀνηστίαν ἐπέβαλεν  
Si. 22. 26. B<sup>3</sup> ἐκ κακῆ μοι συμβῇ [A -βέβηκεν, B<sup>1</sup>-  
βήσεται, S<sup>1</sup> συνέβη, S<sup>2</sup> συμβαίη] δι.  
αὐτόν  
37. 9. ἰδεὶν τὸν συμβησόμενόν σοι  
Is. 3. 11. πονηρὰ κατὰ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐ-  
τοῦ συμβήσεται αὐτῶ (4 b)  
41. 22. ἀναγγελεύσαντες ὑμῖν ὅτι συμβήσεται (6)  
Je. 39 (32). 23. A<sup>3</sup> B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> ἐποίησαν [B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> om.]  
συμβῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ κακὰ  
ταῦτα (7 [5 b])  
Da. LXX. 2. 1. συνέβη εἰς δράματα . . . ἐμπροσθέν  
τὸν βασιλ. —  
Da. TH. Su. 26. ἰδεῖν [A. l. τ] τὸν συμβεβηκότα αὐτῇ  
I Ma. 4. 26. ἀπῆγγειλαν τῶ Ἀ. πάντα τὰ συμβεβη-  
κότα  
5. 25. Α διηγήσαντο αὐτοῖς ὅλα τὰ συμβεβηκότα  
[B -βάντα] τοῖς ἀδ. αὐ.  
8. 27. εἰς ἔθνη Ἰουδαίων συμβῇ πρότερος πόλεμος  
II Ma. 3. 2. συνέβησαν καὶ αὐτοῖς τὸν βασιλ. τιμῶν  
τὸν τύπον  
4. 30. συνέβη Ταρσεὶς καὶ Μαλλώτας στασιάσειν  
5. 2. συνέβη δὲ . . . φαίνεσθαι . . . τρέχοντας ἵππους  
— 18. εἰ δὲ μὴ συνέβη προσενέχισθαι  
7. 1. συνέβη δὲ καὶ ἐπὶ ἀδελφούς . . . συλληφ-  
θέντας  
9. 2. συνέβη τροπωθέντα τὸν Ἀντ.  
— 7. συνέβη δὲ καὶ πεσεῖν αὐτόν  
10. 5. συνέβη . . . τὸν καθαρισμὸν γενέσθαι τοῦ  
ναοῦ  
12. 24. καὶ τοὺς ἀλογηθέντας συμβήσονται  
— 34. παραταξαμένους δὲ συνέβη πεισὶν ὀλίγους  
τῶν Ἰουδ.  
18. 7. τὸν παράνομον συνέβη θανεῖν  
III Ma. 1. 3. ὃν συνέβη κομίσασθαι τὴν ἐκείνου κό-  
λασιν  
— 5. συνέβη τοῖς ἀντιπάλους . . . διαφθαρήναι  
— 8. καὶ ἐπὶ τοῖς συμβεβηκόσι χαρησομένοις  
— 8. συνέβη μᾶλλον αὐτὸν προθυμηθῆναι  
4. 19. συνέβη σαφὲς αὐτὸν περὶ τούτου πιστω-  
θῆναι  
IV Ma. 4. 14. δηλώσαν τῶ βασιλ. τὰ συμβάντα αὐτῶ  
[Sm. Jb. 34. 11 : Ec. 8. 14 δις : 9. 3.]  
**συμβάλλειν.** (1) ἡῖθ hithpa. (2) ἡῖ  
(3) ἡῖ hi.  
Ge. 30. 8. Α συμβάλλετό μοι ὁ θ. [B al.] †  
II Ch. 25. 19. ἴνα τί συμβάλλεις ἐν κακίᾳ (1)  
Wi. 5. 8. τί πλοῦτος μετὰ ἀλαζονείας συμβάλλεται  
ἡμῖν  
Si. 22. 1. λίθω ἠδωλόμενῳ συνέβληθῇ [S<sup>3</sup> ἐλιθο-  
βολήθῃ] ὀκνηρὸς  
— 2. βολεύειτο κορίαν [A S -ίω] συνέβληθῇ [S<sup>3</sup>  
ἐβλ.] ὀκνηρὸς  
Is. 46. 6. οἱ συμβαλλόμενοι χρυσίον ἐκ μαρσιν-  
πίου (2)  
Je. 50 (43). 3. συμβάλλει σε πρὸς ἡμᾶς (3)  
I Ma. 4. 34. καὶ συνέβιλλον ἀλλήλους  
7. 19. S<sup>1</sup> συνέβαλεν [A<sup>3</sup> B<sup>2</sup> -ελαβε] πολλούς

I Ma. 9. 61. B συνέβιλον [A -ελαβον, B -ελάβοντο]  
ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν τῆς χώρας  
II Ma. 8. 23. συνέβαλε τῶ Νικάνορι  
14. 17. συμβεβηλώς ἦν τῶ Νικάνορι  
[Aq. Ge. 14. 3.]  
[Sm. Jb. 85. 3 : Is. 19. 2.]  
**σύμβαμα.**  
[Sm. Ec. 3. 19.]  
**συμβασιλεύειν.**  
I Es. 8. 26. Α ἐναντίον τοῦ βασιλ. καὶ τῶν συμβασι-  
λεύοντων [B -βουλ., B al.]  
**συμβαστάζειν.** (1) ἡῖ ru.  
Jb. 28. 16. οὐ συμβασταχθήσεται χρυσίον Σ. (1)  
— 19. χρυσίον καθαρὸν οὐ συμβασταχθήσεται (1)  
[Sm. Ex. 18. 22 : Nu. 18. 1.]  
[Th. Ex. 18. 22 : Jb. 7. 13 : 28. 16, 19.]  
**συμβιβάζειν.** (1) ἡῖ hi. (2) ἡῖ hi.  
(3) ἡῖ hi. (4) ἡῖ hi.  
Ex. 4. 12. συμβιβάζω σε δὲ μέλλεις λαλήσαι (8)  
— 15. συμβιβάζω ὑμᾶς ὅπως ποιήσετε (8)  
18. 16. συμβιβάζω αὐτοὺς τὰ προστάγματα τοῦ θ. (2)  
Le. 10. 11. συμβιβάζετε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. πάντα  
τὰ νόμιμα (8)  
De. 4. 9. συμβιβάζετε τοῖς υἱοῖς σου (2)  
Jd. 13. 8. συμβιβασάτω [A φωτισάτω] ἡμᾶς (8)  
Ps. 31 (32). 8. συμβιβάζω σε ἐν ὁδῷ ταύτῃ ἢ πορείᾳ (3)  
Is. 40. 13. ὅς συμβιβάζει [A S<sup>2</sup> -άσει] αὐτόν (2)  
— 14. συνεβίβασεν αὐτόν (1)  
Da. TH. 9. 22. ἐξῆλθον συμβιβάζσαι σε σύσκεψιν (4)  
[Aq., Al. Pr. 6. 13.]  
[Th. Is. 55. 4.]  
**συμβιόσθαι.**  
Si. 18. 5. εἰς ἔχρη συμβιωσεται σοι  
**συμβίωσις.**  
Wi. 8. 3. εὐνείαναι δοξάζει συμβίωσιν θεοῦ ἔχουσα  
— 9. ἐκρίνα τὸν τὴν ἀγαγέσθαι πρὸς συμ-  
βίωσιν  
— 16. οὐδὲ ὀδύνῃ ἢ σ. αὐτῆς  
Si. 31 (34). 22. φονεῖων τὸν πλησίον ὁ ἀφαιρού-  
μενος συμβίωσιν [A S ἐμβ.]  
**συμβιωτής.**  
Da. LXX. Bel. 1. συμβιωτῆς τοῦ βασιλ. Βαβυλῶνος  
— 29. ἐκάλεσε τοὺς σ. αὐ.  
Da. TH. Bel. 2. ἦν Δ. συμβιωτῆς τοῦ βασιλ.  
**σύμβλημα.** (1) ἡῖ  
Is. 41. 7. σ. καλὸν ἐστίν (1)  
[Sm. Jb. 40. 13 (18).]  
**σύμβλησις.** (1) ἡῖ  
Ex. 26. 24. εἰς σ. [A συμβολήν] μίαν (1)  
**συμβολή.** (1) ἡῖ  
III Ki. 21 (20). 16. βασιλεῖς συμβολῆσι μετ'  
αὐτοῦ (1)  
**συμβολή.** (1) ἡῖ (2) ἡῖ (3) ἡῖ  
(3) ἡῖ (4) ἡῖ  
Ex. 26. 4. B<sup>1</sup> ἐκ τοῦ ἐνὸς μέρους τὴν [A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup>  
εἰς τὴν] σ. (2 a)  
— 4. πρὸς τὴν σ. τῆς δευτέρας (2 b)  
— 5. κατὰ τὴν σ. τῆς δευτέρας (2 b)  
— 10. τῆς ἀνὰ μέσον κατὰ συμβολήν [A τὴν σ.] (2 a)  
— 24. Α εἰς σ. [B σύμβλησιν] μίαν (1)  
28. 28 (32). τὴν σ. συνφασμένην ἐξ αὐτοῦ †  
36. 25 (39. 18). καὶ εἰς τὰς δύο σ. τὰ δύο  
ἐμπλόκια (4)  
— 28 (39. 20). Α B κατὰ τὴν σ. ἄνωθεν τῆς  
συνφῆς τῆς ἐπωμίδος (2 b)  
Pr. 28. 20. μηδὲ ἐκτείνον συμβολαῖς †  
Si. 18. 32. μηδὲ προσδεθῇς [A S<sup>1</sup> -δεθῇς] συμβολῇ  
[A -ῆς, S<sup>2</sup> τῇ σ.] αὐτῆς  
Is. 28. 18. εἰς συμβολὴν μνημόσυνον ἔναντι κυρίου (8)  
[Th. Ex. 28. 27.]  
[Sam. Ex. 26. 5.]  
**συμβολοκοπεῖν.** (1) ἡῖ  
De. 21. 20. συμβολοκοπῶν οὐνοφλογεῖ (1)  
Si. 9. 9. μὴ συμβολοκοπήσῃς μετ' αὐτῆς ἐν οὐφ

Si. 18. 33. μὴ γίνου πτωχὸς συμβολοκοπῶν ἐκ δανει-  
σμοῦ  
[Aq. Dr. 21. 20.]  
[Th. Pr. 23. 20.]  
**συμβολοκοπος.**  
[Aq., Th. Pr. 23. 21 : 28. 7.]  
[Sm. Pr. 23. 21.]  
**σύμβολον.**  
Wi. 2. 9. καταλίπωμα σύμβολα τῆς ἐξοφούσης  
16. 6. B σύμβολον [A S B -βουλον] ἔχοντες σωτη-  
ρίας  
Ho. 4. 12. ἐν συμβόλοις ἐπρωτών †  
**σύμβολος.**  
II Ki. 8. 17 (18). Α καὶ B. υἱὸς Ἰ. σύμβολος  
[B -βουλος] —  
II Es. 7. 14. Α ἀπὸ προσώπου . . . τῶν ἐπὶ σ. †  
[B -βουλος]  
8. 25. Α<sup>1</sup> δὲ ὕψωνεν ὁ βασιλ. καὶ οἱ σ. [A<sup>2</sup> B<sup>3</sup>  
-βουλοι] αὐ. †  
**συμβόσκειν.** (1) ἡῖ  
Is. 11. 6. συμβόσκεισθαι λύκος μετὰ ἀρνός (1)  
**συμβουλεύειν.** (1) ἡῖ a. qal. δ. ni.  
c. ἡῖ ithpa. (2) ἡῖ hi. (3) ἡῖ  
Ex. 18. 19. καὶ συμβουλεύσω σοι (1 a)  
Nu. 24. 14. συμβουλεύσω σοι τί ποιήσεις (1 a)  
Jo. 15. 18. καὶ συνεβουλεύσατο αὐτῶ (2)  
II Ki. 17. 11. οὕτως συμβουλεύων [A om.] ἐγὼ  
συνεβούλευσα [A -πο] (-, 1 a)  
— 15. οὕτως καὶ οὕτως συνεβούλευσεν Ἀχ.  
τῶ Ἀβ. (1 a)  
— 15. οὕτως καὶ οὕτως συνεβούλευσα ἐγὼ (1 a)  
III Ki. 1. 12. συμβουλεύσω σοι δὴ συμβουλίαν (1 a)  
12. 8. ὁ συνεβούλευσαντο αὐτῶ (1 a)  
— 8. συνεβούλευσαν μετὰ τῶν παιδαρίων (1 b)  
— 9. τί ὑμεῖς συμβουλεύετε [A Βουλ.] (1 b)  
— 13. ὁ συνεβούλευσαντο αὐτῶ (1 a)  
— 24. B συμβουλεύομαι μετ' αὐτῶν —  
— 24. B καθὼς συνεβούλευσαν αὐτῶ οἱ σύν-  
τροφοι αὐ. —  
II Ch. 10. 8. οἱ συνεβούλευσαντο αὐτῶ (1 a)  
— 8. συνεβούλευσαν μετὰ τῶν παιδαρίων (1 b)  
I Es. 8. 26. B ἐναντίον τοῦ βασιλ. καὶ τῶν συμβου-  
λευόντων [A B al.]  
Jb. 28. 3. τίς συνεβούλευσαι [S<sup>1</sup> βεβ.] (1 a)  
Si. 8. 17. μετὰ μωροῦ μὴ συμβουλεύει  
9. 14. μετὰ σοφῶν συμβουλεύει [A B Βουλ.]  
37. 7. ἔστι συμβουλευτὴς εἰς ἐαυτόν  
Is. 33. 18. ποῦ εἰσὶν οἱ συμβουλεύοντες (8)  
— 19. φ. οὐ συνεβούλευσαντο [A -σαν, B -σαντο] †  
40. 14. πρὸς τίνα συνεβούλευσαντο (1 b)  
Je. 43 (36). 16. συνεβούλευσαντο ἕκατος πρὸς  
τὸν πλησίον αὐτοῦ †  
45 (38). 15. εἰς συνεβούλευσά σοι (1 a)  
Da. TH. 6. 7 (8). συνεβούλευσαντο πάντες οἱ  
ἐπὶ τῆς βασιλείας σου (1 c)  
I Ma. 9. 59. συνεβούλευσαντο αὐτῶ  
— 69. τοῖς ἀνδράσι τοῖς ἀνόμοις τοῖς συμβουλεύ-  
σασιν αὐτῶ  
IV Ma. 1. 1. συμβουλεύεσμαι ἂν ὑμῖν ὁρθῶς  
5. 6. συμβουλεύεσμαι ἂν σοι ταῦτα  
8. 5. οὐ μόνον συμβουλεύω μὴ μανῆναι  
— 29. τὸν τύραννον συμβουλεύοντα αὐτοῖς μαρο-  
φάγησαι  
[Aq. Jb. 26. 3 : Pr. 12. 20 : 15. 22.]  
[Sm. Jb. 26. 3 : Ps. 82 (83). 4 : Pr. 15. 22 :  
Ez. 11. 2.]  
[Th. Pr. 12. 20 : 18. 10 : 15. 22.]  
**συμβουλευτής.**  
I Es. 8. 11. καθάπερ δέδοκται . . . τοῖς ἐπὶ φίλοις  
συμβουλευταῖς  
**συμβουλευτικός.**  
[Sm. Pr. 14. 17.]  
**συμβουλία.** (1) ἡῖ  
III Ki. 1. 12. συμβουλεύσω σοι δὴ συμβουλίαν (1)  
II Ch. 25. 16. οὐκ ἐπῆκουσας τῆς σ. μου (1)  
To. 4. 18. Α B συμβουλίαν παρὰ πάντος φρονίμου  
ζήτησον  
— 18. Α B μὴ καταφρονησῇς ἐπὶ πύσης σ. χρησι-  
μης

Ps. 118 (119). 24. **A** **S**<sup>1</sup> ἡ σ. [**S**<sup>1</sup> **B** αἰ σ.] μου  
 †  
 Pr. 12. 15. εἰσάκουε δὲ συμβουλίας σοφός (1)  
 Si. 6. 23. μὴ ἀπαναίνου τὴν σ. μου  
 87. 11. μὴ ἐπὶ τοῖς περὶ πάσης [**A** **om.**] σ.  
 IV Ma. 6. 16. ὥστε πικρότερον διὰ τῆς σ. αἰκισθείς  
 [S<sup>m</sup>. Ps. 72 (73). 24.]

**συμβούλιον.**

IV Ma. 17. 17. **B** καὶ δλον τὸ σ. [**A** **B** συνέδριον] αὐ.  
 [Th. Pr. 15. 22.]

**σύμβουλος.** (1) **A** γῆρ δ. πῆρ ὡς **c.** **B** γῆρ

II Ki. 8. 17 (18). **B** υἱὸς 'I. σύμβουλος [**A** -βολος] —  
 15. 12. ἀπέστειλεν 'Aβ. τῷ 'Aχ. τῷ Θ. σύμ-  
 βουλον [**A** τῷ σ.] Δ. (1a)

III Ki. 3. 1. **B** καὶ K. υἱὸς N. δ σ. —

I Ch. 27. 32. καὶ 'Iων. ὁ πατράδελφος Δ. σύμ-  
 βουλος (1a)

— 33. 'Aχ. σύμβουλος τοῦ βασι. (1a)

II Ch. 22. 3. μήτηρ αὐ. ἦν σύμβουλος τοῦ ἀμαρ-  
 τάνων (1a)

— 4. ἦσαν αὐτῷ . . . σύμβουλοι (1a)

25. 16. μὴ σύμβουλον τοῦ βασι. δίδωκά σε (1a)

I Es. 8. 55. οὕτως ἐδωρήσατο ὁ βασι. καὶ οἱ σ. αὐ.  
 II Es. 7. 14. ἀπὸ προσώπου . . . τῶν ἐπτά σ. [**A**  
 -βδων] (1c)

— 15. ὁ βασιλεὺς καὶ οἱ σ. ἡκουσάσθησαν (1c)

— 28. ἐν ὀφθαλμοῖς τοῦ βασι. καὶ τῶν σ. αὐ. (1a)

8. 25. ἀψώσεν ὁ βασι. καὶ οἱ σ. [**A**<sup>1</sup> -βολοί] αὐ. (1a)

Es. 8. 13. πυθόμενοι δὲ μου τῶν σ. —

Jb. 15. 8. **B** ἡ σύμβουλό σοι ἐχρίσατο ὁ θεός —

Wi. 8. 9. ἔσται μοι σύμβουλος ἀγαθῶν

16. 6. **A** **S** **B** σύμβουλον [**B** σύμβολον] ἔχοντες  
 σωτηρίας

Si. 6. 6. οἱ δὲ σ. σου εἰς ἀπὸ χιλίων

87. 7. πᾶς σύμβουλος ἐξάιρει βουλὴν

— 8. ἀπὸ συμβούλου φύλαξον τὴν ψυχὴν σου

42. 21. καὶ οὐ προσεδείχθη οὐδένος σ. [**B**<sup>1</sup> ἀνδρός σ.]

Is. 1. 26. καὶ τοὺς σ. σου ὡς τὸ ἀπ' ἀρχῆς (1a)

3. 3. ἀφελεί . . . θυμαστὸν σύμβουλον (1a)

9. 6 (5). **A** **S**<sup>1</sup> θαυμαστὸς σ. ἰσχυρός (1a)

19. 11. οἱ σοφοὶ σ. τοῦ βασιλείως (1a)

40. 13. τίς αὐτοῦ σ. ἐγένετο (1b)

Ex. 27. 27. οἱ κυβερνήται σου καὶ οἱ σ. σου †

II Ma. 7. 25. παρίνει γενέσθαι τοῦ μειρακίου σύμ-  
 βουλον

IV Ma. 9. 2. εἰ μὴ τῇ τοῦ νόμου εὐπειθείᾳ συμβούλῳ  
 . . . χρυσαίμβα

— 3. σύμβουλε τυράννε παρανομίας

15. 25. τῇ ταύτῃ ψυχῇ θεῖνους ὁρώσα σ.  
 [Aq. Jb. 12. 17: Is. 9. 6 (5).]

**συμβραβεύειν.**

I Es. 9. 14. συνεβράβευσαν αὐτοῖς

**συμβράσσειν.**

II Ma. 5. 8. **B** εἰς Αἴγυπτον συνεβράσθη [**A** ἐξεβρ.]

**συμμαχεῖν.** (1) ἡγῆ

Jo. 1. 14. καὶ συμμαχήσετε αὐτοῖς (1)

I Ch. 12. 21. συνεμάχησαν τῷ Δ. ἐπὶ τὸν γ. (1)

I Ma. 8. 25. συμμαχήσει τὸ ἔθνος τῶν 'Iουδαίων

— 27. συμμαχήσουσιν οἱ 'Ρωμαῖοι ἐκ ψυχῆς

— 28. καὶ τοῖς συμμαχοῦσιν οὐ δοθήσεται σίτος

10. 47. καὶ συνεμάχουσι αὐτῷ πᾶσας τὰς ἡμέρας

11. 43. οἱ συμμαχήσουσι μοι

15. 19. ἵνα μὴ συμμαχώσι τοῖς πολεμοῦσιν αὐτοῖς

— 26. ἀπέστειλεν αὐτῷ 2. διαχιλίους ἄνδρας ἐκλεκ-  
 τοὺς συμμαχήσαι αὐτῷ

II Ma. 11. 13. τοῦ δυναμένου θεοῦ συμμαχοῦντος  
 αὐτοῖς

III Ma. 7. 6. **A** ὡς πατέρα ὑπὲρ νῶν διὰ παντὸς συμ-  
 μαχοῦντα [**B** ὑπερμ.]

IV Ma. 3. 4. τὸ μὴ καμφθῆναι . . . δύναται ὁ λογισ-  
 μὸς συμμαχίας

**συμμαχία.**

Ju. 3. 6. ἐλαβεν ἐξ αὐτῶν εἰς συμμαχίαν ἄνδρας  
 ἐπιλέκτους

7. 1. οἱ παρεγένοντο ἐπὶ τὴν σ. αὐ.

Is. 18. 4. ἥρθη ἡ σ. σου †

I Ma. 8. 17. στήσαι αὐτοῖς φιλίαν καὶ συμμαχίαν

— 20. στήσαι μεθ' ἡμῶν συμμαχίαν

— 22. μνημόσυνον εἰρήνης καὶ συμμαχίας

11. 60. ἡραιοίσθησαν . . . εἰς συμμαχίαν

12. 3. ἀνανεώσασθαι . . . τὴν σ.

I Ma. 12. 8. ἐν αἷς διεσπείρετο περὶ συμμαχίας

— 16. ἀνανεώσασθαι τὴν . . . σ. τὴν πρότερον

14. 18. **A** **B** τοῦ ἀνανεώσασθαι πρὸς αὐτὸν . . . τὴν  
 [S **om.**] σ.

— 24. εἰς τὸ στήσαι πρὸς αὐτοὺς τὴν σ.

15. 17. ἀνανεοῦμεν τὴν ἐξ ἀρχῆς φιλίαν καὶ σ.

II Ma. 4. 11. ὑπὲρ φιλίας καὶ συμμαχίας πρὸς τοὺς  
 'Ρωμ.

III Ma. 3. 14. τῇ τῶν θεῶν ἀπροσπότη σ.

— 21. διὰ τε τὴν σ. καὶ τὰ πεποιημένα . . . πράγ-  
 ματα

**σύμμαχος.**

I Ma. 8. 20. καὶ γραφῆναι ἡμᾶς συμμάχους

— 24. εἰς τὸ ἐνστῆ πόλεμος . . . πᾶσι τοῖς σ. αὐ.

— 31. **A** **B** ἐπὶ τοὺς φίλους ἡμῶν τοὺς σ. [**S** σ.  
 ἡμῶν] 'Ιουδ.

9. 60. ἀπέστειλεν ἐπιστολὰς λάθρα πᾶσι τοῖς σ. αὐ.

10. 6. καὶ εἶναι αὐτὸν σύμμαχον αὐ.

— 16. ποιήσωμεν αὐτὸν φίλον καὶ σύμμαχον ἡμῶν

12. 14. παρενοχλεῖν ἡμῖν καὶ τοὺς λοιποὺς σ.

14. 40. προσπαρονοῦνται 'Ιουδ. ὑπὸ 'Ρωμ. . . σύμ-  
 μαχοι

15. 17. ἦλθον πρὸς ἡμᾶς φίλοι ἡμῶν καὶ σύμμαχοι

II Ma. 8. 24. γενομένου δὲ αὐτοῖς τοῦ παντοκράτορος  
 συμμάχου

10. 16. ἀξιώσαντες τὸν θεὸν σύμμαχον αὐτοῖς  
 γενέσθαι

11. 10. τὸν ἀπ' οὐρανοῦ σύμμαχον ἔχοντες

12. 36. ἐπικαλεσάμενος ὁ 'I. τὸν κύριον σύμμαχον  
 φανήσας

[S<sup>m</sup>. Ps. 82 (83). 9.]

**συμμενεῖν.**

Pr. 20. 1. **A** πᾶς δὲ ὁ συμμενόμενος [**S**<sup>1</sup>-μινύ-  
 μενος αὐτῷ] οὐκ ἔσται σοφός †

**συμμερίζεσθαι.** (1) ῥῥη

Pr. 29. 24. **B**<sup>2</sup> δὲ συμμερίζεται [**A** **B** μερ., **S**<sup>1</sup>  
 ἐρίζεται] κλέπτη (1)

**συμμετέχειν.**

II Ma. 5. 20. αὐτοὶ ὁ τόπος συμμετασχῶν τοῦ ἔθνους

**συμμετρία.**

[Aq. Ex. 80. 32.]

**σύμμετρος.** (1) ἡγῆ

Je. 22. 14. φκοδύμμετος σεαυτῷ οἶκον σύμμετρον (1)

**συμμαινεῖν.**

Ba. 8. 10. συνμαίνεθαι τοῖς νεκροῖς

**συμμιγῆς.** (1) ῥῥη ithpa.

Da. LXX. 2. 43. συμμιγῆς ἔσονται εἰς γένεσιν  
 ἀνθρώπων

Da. TH. 2. 43. συμμιγῆς ἔσονται ἐν σπέρματι  
 ἀνθρώπων (1)

**συμμιγνύναι.** (1) ῥῥη hithpo. (2) ῥῥη hithpa.

(3) ῥῥη (4) ῥῥη (5) ῥῥη

Ex. 14. 20. οὐ συνέμιξαν ἀλλήλοις (4)

Pr. 11. 15. ὅταν συμμιγῇ δικαίῳ (3)

20. 1. **S**<sup>2</sup> πᾶς δὲ ὁ συμμιγνύμενος αὐτῇ [**A**  
 -μενόμενος] οὐκ ἔσται σοφός (5)

Ho. 7. 8. 'Εφρ. ἐν τοῖς λαοῖς αὐ. συνεμῖγνυτο  
 [**A** συναμει.] (1)

Da. TH. 11. 6. μετὰ τὰ ἔτη αὐ. συμμιγῇσονται  
 [**A** ἀποσυνμ.] (2)

II Ma. 3. 7. συμμιγῆς δὲ 'Aπ. τῷ βασιλεῖ

18. 3. συνέμιξε δὲ αὐτοῖς καὶ Μενέλαος

15. 20. **B** καὶ ἦδη συμμιγάντων [**A** προσμ.] τῶν  
 πολεμίων

— 26. συνάμειξαν τοῖς πολεμίοις

[Aq. Ge. 11. 9.]

[S<sup>m</sup>. Pr. 14. 10.]

[Th. Ez. 27. 9.]

**σύμμικτος.** (1) ῥῥη a. qal. δ. ῥῥη c. ῥῥη

Ju. 1. 16. **A** **S** **B** καὶ πᾶς ὁ σ. αὐ.

Na. 3. 17. ἐξήλατο ὡς ἀπτελέστος ὁ σ. σου †

Je. 27 (50). 37. μάχισαν . . . ἐπὶ τὸν σ. τὸν ἐν  
 μέσῳ αὐτῆς (1b)

32 (25). 20. ἐπὶστία . . . πάντας τοὺς σ. (1b)

— 24. πάντας τοὺς σ. τοὺς καταλύοντας ἐν τῇ  
 ἐρήμῳ (1b)

Ez. 27. 16. ἀπὸ πληθους τοῦ σ. σου †

Ez. 27. 17. ῥήτην ἔδωκαν εἰς τὸν σ. σου (1c)

— 19. ἐν τῷ σ. σου ἔστι (1c)

— 25. ἔμποροί σου ἐν τῷ πληθει ἐν τῷ σ. σου (1c)

— 27. ὁ μισθός σου καὶ τῶν σ. [**A** σου ἐν τῷ  
 σ.] σου (1c)

— 27. καὶ οἱ σ. σου ἐκ τῶν σ. σου (1a, 1c)

— 33. ἀπὸ τοῦ σ. σου ἐπλοῦτισας πάντας (1c)

— 34. ἐν βάθει ὕδατος ὁ σ. σου (1c)

[Th. Ez. 27. 9, 13, 27.]

**σύμμιξ.** (1) ῥῥη

IV Ki. 14. 14. ἔλαβε . . . τοὺς υἱοὺς τῶν σ. (1)

II Ch. 25. 24. καὶ τοὺς υἱοὺς τῶν σ. (1)

[Aq. I Ki. 17. 18.]

**συμμισγεῖν.**

I Ma. 11. 22. συμμισγεῖν εἰς Πτολεμαῖδα τὴν ταχίσ-  
 την

II Ma. 14. 14. συνάμειγον ἀγγελοὶ τῷ Νικάνορι

— 16. **B** συμμισγοῦσιν [**A** -μίσσει] αὐτοῖς ἐπὶ κώ-  
 μῳ Δ.

**συμμισησθῆναι.**

II Ma. 4. 36. συμμισησθῆναι καὶ τῶν 'Ελλήνων

**συμμισησθῆναι.**

H Ma. 14. 16. **A** συμμισησθῆναι [**B** -μίσσοι] αὐτοῖς  
 ἐπὶ κώμῳ Δ.

**συμμισησθῆναι.** (1) ῥῥη hithpa.

Da. LXX. 1. 8. ἵνα μὴ συμμισησθῇ (1)

**συμμισησθῆναι.**

IV Ma. 6. 13. τὰ δὲ ἐν συμπαθείᾳ τῆς σονθείας ὄντες

14. 13. πρὸς τὴν τῶν σπλάγχνων σ.

— 14. ὁμοίαν τὴν πρὸς τὰ ἐξ αὐτῶν γεννᾶμ. σ. . .  
 ἔχει

— 18. ἐπιδεικνύει τὴν πρὸς τὰ τέκνα σ.

— 20. **A** οὐχὶ τὴν 'Aβρ. . . μητέρα μετεκίνησε τῇ  
 σ. τέκνων [**B** αἰ.]

15. 7. ἡγαγκασμένη τὴν εἰς αὐτοὺς ἔχεν σ.

— 11. τὸν . . . εἰς συμπαθείαν ἐλκόντων τὴν μητέρα

**συμπαθεῖν.**

IV Ma. 5. 25. **A** **B** ἡμῖν συμπαθεῖ . . . ὁ τοῦ κόσμου  
 κτίστης [**B** αἰ.]

18. 23. καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας συμπαθούσης

[S<sup>m</sup>. I Ki. 22. 8: Jb. 2. 11.]

**συμπαθῆς.** (1) ῥῥη

Jb. 29. 25. **A** ὃν τρόπον συμπαθεῖς παρακαλῶν

[**B** αἰ.] (1)

IV Ma. 5. 25. **B** κατὰ φύσιν ἡμῖν συμπαθεῖ [**A** **B** αἰ.]

13. 23. **B** καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας συμπαθούς

[**A** αἰ.]

— 23. συμπαθεστέρον ἔσχον τὴν πρὸς ἀλλήλους  
 ὁμόνοιαν [**B** αἰ.]

15. 4. διὰ τὸ . . . τὰς μητέρας καθεστάναι συμπα-  
 θεστέρας

**συμπατίζειν.**

Si. 30. 9. συμπατίζον αὐτῷ καὶ λυπήσει σε

**συμπαράγειν.**

To. 12. 12. **B** ὥσαύτως συμπαρήγημι [**A** **B** -ῆμην]

σοι

**συμπαράγειν.** (1) ῥῥη ni.

Ps. 82 (83). 8. καὶ γὰρ καὶ 'Aσσοὺρ συμπαρε-  
 γένητο μετ' αὐτῶν (1)

**συμπαράλαμβάνειν.** (1) ῥῥη ni. (2) ῥῥη

(3) ῥῥη

Ge. 19. 17. μὴ ποτε συμπαράληφθῃς (1)

Jb. 1. 4. συμπαράλαμβάνοντες ἅμα καὶ τὰς τρεῖς  
 ἀδελφὰς αὐτῶν (3+2)

III Ma. 1. 1. καὶ τὴν ἀδ. 'Αρσινόην συμπαράλαβὼν

**συμπαράλαβὼν.**

**σύμπας.** (1) **לָב** (2) ή σύμπασα α. **לָבָב**  
δ. **לָבָב**

I Ki. 2. 22. **Α** καὶ ἤκουσεν σύμπατα [B om.] (1)  
III Ki. 9. 9. **Α** ἐπὶ γαγεν κ. ἐπ' αὐτοὺς σ. [B om.] τὴν κακίαν τ. (1)  
15. 18. **Α** **Β** ἔλαβεν Ἀ. σ. [B om.] τὸ ἀργύριον — 29. **Α** ἐπάταξε τὸν σ. οἴκου ἱερ. [B al.] (1)  
21 (20). 15. **Α** ἐπισκέψατο σ. τὸν λαόν [B al.] (1)  
Es. 4. 7. **Β** ὑπέδειξεν αὐτῷ σύμπα [A B S<sup>1</sup> om.] τὸ γεγονός (1)  
Jb. 2. 2. ἐμπεριπατήσας τὴν σύμπασαν [A γῆν] πάρειμι (1)  
25. 2. ὁ ποῖων τὴν σύμπασαν ἐν ὑψίστῳ (1)  
Ps. 38 (39). 5. τὰ σ. ματαιότης (1)  
103 (104). 28. τὰ σ. [S<sup>1</sup> πάντα] πλησθήσονται χρηστότητος (1)  
118 (119). 91. τὰ σ. δοῦλα σά (1)  
144 (145). 9. **Β** χρηστός κύριος τοῖς σ. [B S<sup>1</sup> ὑπομένονσι, A ὑπομένουσιν αὐτὸν] (1)  
Ec. 1. 14. εἶδον σύμπατα [B S ὅν π. ?] τὰ ποιήματα [S<sup>1</sup> om. τὰ π.] τὰ πεποιμένα (1)  
2. 18. ἐμίσησα ἐγὼ σύμπ. [A S ὅν π.] μόχθον [S τὸν μ.] μου (1)  
3. 11. τὰ [A S<sup>2</sup> om.] σύμπ. δ. [S<sup>1</sup> om.] ἐποίησε καλὰ (1)  
— 11. σύμπ. [A S ὅν] τὸν αἰῶνα ἔδωκεν ἐν καρδίᾳ αὐ. (1)  
4. 1. εἶδον σύμπ. [S πάσας, A ὅν π.] τὰς συκοφαντίας (1)  
— 2. ἐπῆρξα ἐγὼ σύμπ. [A S ὅν] τοὺς θετηγ-  
κότας (1)  
— 4. εἶδον ἐγὼ σύμπ. [S ὅν πάντα] τὸν μόχθον καὶ σύμπ. [A S ὅν πᾶσαν] ἀνδρείαν τοῦ ποιήματος (1, 1)  
— 15. εἶδον σύμπατας τοὺς ζῶντας (1)  
7. 16 (15). **Β** σύμπατα [B τὰ πάντα, S<sup>1</sup> ὅν τὰ πάντα, A S<sup>2</sup> ὅν πάντα] εἶδον [S<sup>2</sup> δ εἶδον] ἐν ἡμέραις ματαιότητός μου (1)  
8. 9. σύμπατα [A ὅν πᾶν] τοῖτο εἶδον (1)  
— 17. εἶδον σύμπ. [A S ὅν πάντα] τὰ ποιή-  
ματα τοῦ θεοῦ (1)  
— 17 (9. 1). σύμπατα [A S ὅν πᾶν] τοῖτο ἔδωκα εἰς καρδίαν μου καὶ καρδία μου σύμπατα [A S ὅν πᾶν] εἶδε τοῦτο (1, 1)  
9. 11. ἀπάντα συναριθμῆσαι σύμπασιν [A S τοῖς πᾶσιν] αὐτοῖς (1)  
10. 9. **Β** ἐπακούσεται τὰ σ. [A B S<sup>1</sup> al.] (1)  
11. 5. ὅσα ποιήσει τὰ σύμπατα (1)  
12. 14. σύμπατα [A S ὅν πᾶν] τὸ ποίημα ὁ θεὸς ἔξει ἐν κρίσει (1)  
Na. 1. 5. ἀνστήσει ἡ γῆ ἀπὸ προσώπου αὐ. ἡ σ. (2 δ)  
Hb. 2. 14. **Α** ἐμπεληθήσεται ἡ σ. [B S om.] γῆ (2 α)  
Is. 11. 9. ἐνεπλήσθη ἡ σ. τοῦ γνῶναι τὸν κύριον (2 α)  
Ez. 7. 14. κρίνατε τὰ σ. (1)  
27. 13. ἡ Ἑλλάς καὶ ἡ σ. [A τὰ σ.] (1)  
II Ma. 3. 12. τοῦ τετιμῆναι κατὰ τὸν σ. κόσμον ἱερῷ (1)  
7. 38. τὴν ἐπὶ τὸ σ. ἡμῶν γένος δικαίως ἐπημμένην (1)  
8. 9. **Β** τὸ σ. τῶν ἱουδ. ἔξαραι γένος [A al.] (1)  
12. 7. τὸ σ. τῶν ἱσπανίων ἐκρίξωσαι πολίτευμα (1)  
14. 8. τὸ σ. ἡμῶν γένος οὐ μικρὸς ἀκλήρει (1)  
[Aq. Ge. 1. 29, 31 : 31. 34 : Lx. 8. 10 : III Ki. 15. 18, 29 : Ps. 3. 8 : 63 (64). 7 (P.) : 144 (145). 9 : Ca. 8. 7 : Jb. 11. 6 : 20. 5 : 45. 4 (51. 34) : Ez. 18. 11.] (1)  
[Sm. Ps. 63 (64). 7 : 144 (145). 9 : Ec. 4. 4 : Jb. 31 (38). 40 : 45. 4 (51. 34) : 50 (27). 26 : Ez. 20. 40.] (1)  
[Th. III Ki. 15. 18 : Ps. 144 (145). 9.] (1)  
[Sext. Ps. 103 (104). 28.] (1)

**συμπάσχειν.**  
[Al. I Ki. 22. 8.]

**συμπάτειν.** (1) **שָׁלַח** (2) α. **שָׁלַח** δ. **שָׁלַח**  
(3) **שָׁלַח**

IV Ki. 7. 17, 20. συνεπάτησεν αὐτὸν ὁ λαὸς ἐν τῇ πόλει (2 α)  
9. 33. καὶ συνεπάτησαν αὐτήν (2 α)  
14. 9. συνεπάτησαν τὸν ἀκάνα (2 α)  
Na. 3. 14. συμπατήθητι [A πᾶντι] ἐν ἀχίροις (2 α)  
Da. TH. 7. 7, 19. τὰ ἐπιλοιπα τοῖς ποσὶν αὐ. συνεπάτει (1)  
— 23. καὶ συμπατήσῃ αὐτήν (3)

Da. TH. 8. 7. καὶ συνεπάτησεν αὐτὸν (2 α)  
— 10. καὶ συνεπάτησαν αὐτὰ [A -ήθη] (2 α)  
— 13. ἕως πότε... ἡ δύναμις συμπατηθήσεται (2 β)  
[Aq. Ps. 43 (44). 6 : Is. 18. 7.] (1)  
[Sm. Ps. 43 (44). 6.] (1)

**συμπεῖθειν.**  
II Ma. 18. 26. συνέπεισε καὶ κατεπαύνην (1)  
III Ma. 7. 3. συνέπεισαν ἡμᾶς (1)

**συμπενθεῖν.**  
[Sm. Jb. 48 (31). 17.] (1)

**συμπεραίνειν.** (1) **נָצַח**  
Hb. 2. 10. συνεπέρανας λαοὺς πολλοὺς (1)

**συμπεριλαμβάνειν.** (1) **נָצַח**  
Ez. 5. 3. **Α** **Β** συμπεριλήψῃ [B -ει] αὐτοὺς τῇ ἀναβολῇ σου (1)

**συμπεριπλέκειν.**  
[Aq., Th. Pr. 7. 18.] (1)

**συμπεριφέρεσθαι.**  
Pr. 5. 19. ἐν γὰρ τῇ ταύτης [A ταύτῃ τῇ] φιλίᾳ συμπεριφερόμενος (1)  
11. 29. ὁ μὴ συμπεριφερόμενος τῷ ἑαυτοῦ οὐκ (1)  
Si. 25. 1. γυνὴ καὶ ἀνὴρ ἑαυτοῖς συμπεριφερόμενοι (1)  
II Ma. 9. 27. συσταθέντα τῇ ἐμῇ προαίρεσει συμ-  
περιεχθήσονται ὑμῖν (1)  
III Ma. 3. 20. τῇ τοῦτων ἀνοίᾳ συμπεριεχθέντες (1)

**συμπίνειν.** (1) **עָנָה** **הָנָה**  
Es. 7. 1. συμπίνειν τῇ βασιλίᾳ σου (1)  
[Sm. Jd. 5. 11.] (1)

**συμπίπτειν.** (1) **נָפַל** ni. (2) **נָפַל** (3) **נָפַל** ni. (4) **נָפַל** ni. (5) **נָפַל** (6) **נָפַל** hi. (7) **נָפַל**  
Ge. 4. 5. συνέπεισε τῷ προσώπῳ (5)  
— 6. ἵνα τί συνέπεισε τὸ πρ. σου (5)  
I Ki. 1. 18. τὸ πρόσωπον αὐ. οὐ συνέπεισεν ἐτι (5)  
17. 32. μὴ δὲ συμπεσέτω καρδία τοῦ κ. μου (5)  
II Ki. 5. 18. συνέπεισαν εἰς τὴν κοιλάδα τῶν Τιτάνων (4)  
— 22. συνέπεισαν ἐν τῇ κοιλάδι τῶν Τιτάνων (4)  
I Ch. 14. 9. συνέπεισαν [A S -αν] ἐν [S om.] τῇ κοιλάδι τῶν γιγάντων (7)  
— 13. συνέπεισαν ἐτι ἐν τῇ κοιλάδι τῶν γιγάντων (7)  
Ju. 6. 9. μὴ συμπεσέτω [A -άτω] σου τὸ πρόσω-  
πον (5)  
Jb. 4. 14. **Α**<sup>1</sup> μεγάλως μου τὰ ὀστά συνέπεισεν [A B S al.] (6)  
Is. 3. 5. συμπεσέται ὁ λαὸς (3)  
— 8. ἡ Ἰουδαία συμπεσέτωκε (5)  
34. 7. συμπεσούντων οἱ ἄδροι μετ' αὐτῶν (2)  
64. 11 (10). πάντα ἔνδοξα ἡμῶν συνέπεισε (1)  
Ez. 30. 4. συμπεσούντων [A πεσ.] τετραυματισ-  
μένοι ἐν Αἴγυπτῳ καὶ συμπεσέται (5, 1)  
I Ma. 6. 10. συμπεσέτωκα τῇ καρδίᾳ ἀπὸ τῆς μερίμνης [Aq. Dt. 9. 25.] (1)  
[Sm. Jb. 51 (28). 49.] (1)

**συμπλάσσειν.**  
[Aq. Is. 45. 9 (Sw.).] (1)

**συμπλέκειν.** (1) **נָצַח** (2) **נָצַח** hithpa. (3) **נָצַח** pu. (4) **נָצַח** (5) **נָצַח** ni. (6) **נָצַח** (7) **נָצַח** pi. (8) **נָצַח** a. pu. (9) **נָצַח** hithpalp. (10) **נָצַח** hithpalp. (11) **נָצַח** hithpalp. (12) **נָצַח** hithpalp. (13) **נָצַח** hithpalp. (14) **נָצַח** hithpalp. (15) **נָצַח** hithpalp. (16) **נָצַח** hithpalp. (17) **נָצַח** hithpalp. (18) **נָצַח** hithpalp. (19) **נָצַח** hithpalp. (20) **נָצַח** hithpalp. (21) **נָצַח** hithpalp. (22) **נָצַח** hithpalp. (23) **נָצַח** hithpalp. (24) **נָצַח** hithpalp. (25) **נָצַח** hithpalp. (26) **נָצַח** hithpalp. (27) **נָצַח** hithpalp. (28) **נָצַח** hithpalp. (29) **נָצַח** hithpalp. (30) **נָצַח** hithpalp. (31) **נָצַח** hithpalp. (32) **נָצַח** hithpalp. (33) **נָצַח** hithpalp. (34) **נָצַח** hithpalp. (35) **נָצַח** hithpalp. (36) **נָצַח** hithpalp. (37) **נָצַח** hithpalp. (38) **נָצַח** hithpalp. (39) **נָצַח** hithpalp. (40) **נָצַח** hithpalp. (41) **נָצַח** hithpalp. (42) **נָצַח** hithpalp. (43) **נָצַח** hithpalp. (44) **נָצַח** hithpalp. (45) **נָצַח** hithpalp. (46) **נָצַח** hithpalp. (47) **נָצַח** hithpalp. (48) **נָצַח** hithpalp. (49) **נָצַח** hithpalp. (50) **נָצַח** hithpalp. (51) **נָצַח** hithpalp. (52) **נָצַח** hithpalp. (53) **נָצַח** hithpalp. (54) **נָצַח** hithpalp. (55) **נָצַח** hithpalp. (56) **נָצַח** hithpalp. (57) **נָצַח** hithpalp. (58) **נָצַח** hithpalp. (59) **נָצַח** hithpalp. (60) **נָצַח** hithpalp. (61) **נָצַח** hithpalp. (62) **נָצַח** hithpalp. (63) **נָצַח** hithpalp. (64) **נָצַח** hithpalp. (65) **נָצַח** hithpalp. (66) **נָצַח** hithpalp. (67) **נָצַח** hithpalp. (68) **נָצַח** hithpalp. (69) **נָצַח** hithpalp. (70) **נָצַח** hithpalp. (71) **נָצַח** hithpalp. (72) **נָצַח** hithpalp. (73) **נָצַח** hithpalp. (74) **נָצַח** hithpalp. (75) **נָצַח** hithpalp. (76) **נָצַח** hithpalp. (77) **נָצַח** hithpalp. (78) **נָצַח** hithpalp. (79) **נָצַח** hithpalp. (80) **נָצַח** hithpalp. (81) **נָצַח** hithpalp. (82) **נָצַח** hithpalp. (83) **נָצַח** hithpalp. (84) **נָצַח** hithpalp. (85) **נָצַח** hithpalp. (86) **נָצַח** hithpalp. (87) **נָצַח** hithpalp. (88) **נָצַח** hithpalp. (89) **נָצַח** hithpalp. (90) **נָצַח** hithpalp. (91) **נָצַח** hithpalp. (92) **נָצַח** hithpalp. (93) **נָצַח** hithpalp. (94) **נָצַח** hithpalp. (95) **נָצַח** hithpalp. (96) **נָצַח** hithpalp. (97) **נָצַח** hithpalp. (98) **נָצַח** hithpalp. (99) **נָצַח** hithpalp. (100) **נָצַח** hithpalp. (101) **נָצַח** hithpalp. (102) **נָצַח** hithpalp. (103) **נָצַח** hithpalp. (104) **נָצַח** hithpalp. (105) **נָצַח** hithpalp. (106) **נָצַח** hithpalp. (107) **נָצַח** hithpalp. (108) **נָצַח** hithpalp. (109) **נָצַח** hithpalp. (110) **נָצַח** hithpalp. (111) **נָצַח** hithpalp. (112) **נָצַח** hithpalp. (113) **נָצַח** hithpalp. (114) **נָצַח** hithpalp. (115) **נָצַח** hithpalp. (116) **נָצַח** hithpalp. (117) **נָצַח** hithpalp. (118) **נָצַח** hithpalp. (119) **נָצַח** hithpalp. (120) **נָצַח** hithpalp. (121) **נָצַח** hithpalp. (122) **נָצַח** hithpalp. (123) **נָצַח** hithpalp. (124) **נָצַח** hithpalp. (125) **נָצַח** hithpalp. (126) **נָצַח** hithpalp. (127) **נָצַח** hithpalp. (128) **נָצַח** hithpalp. (129) **נָצַח** hithpalp. (130) **נָצַח** hithpalp. (131) **נָצַח** hithpalp. (132) **נָצַח** hithpalp. (133) **נָצַח** hithpalp. (134) **נָצַח** hithpalp. (135) **נָצַח** hithpalp. (136) **נָצַח** hithpalp. (137) **נָצַח** hithpalp. (138) **נָצַח** hithpalp. (139) **נָצַח** hithpalp. (140) **נָצַח** hithpalp. (141) **נָצַח** hithpalp. (142) **נָצַח** hithpalp. (143) **נָצַח** hithpalp. (144) **נָצַח** hithpalp. (145) **נָצַח** hithpalp. (146) **נָצַח** hithpalp. (147) **נָצַח** hithpalp. (148) **נָצַח** hithpalp. (149) **נָצַח** hithpalp. (150) **נָצַח** hithpalp. (151) **נָצַח** hithpalp. (152) **נָצַח** hithpalp. (153) **נָצַח** hithpalp. (154) **נָצַח** hithpalp. (155) **נָצַח** hithpalp. (156) **נָצַח** hithpalp. (157) **נָצַח** hithpalp. (158) **נָצַח** hithpalp. (159) **נָצַח** hithpalp. (160) **נָצַח** hithpalp. (161) **נָצַח** hithpalp. (162) **נָצַח** hithpalp. (163) **נָצַח** hithpalp. (164) **נָצַח** hithpalp. (165) **נָצַח** hithpalp. (166) **נָצַח** hithpalp. (167) **נָצַח** hithpalp. (168) **נָצַח** hithpalp. (169) **נָצַח** hithpalp. (170) **נָצַח** hithpalp. (171) **נָצַח** hithpalp. (172) **נָצַח** hithpalp. (173) **נָצַח** hithpalp. (174) **נָצַח** hithpalp. (175) **נָצַח** hithpalp. (176) **נָצַח** hithpalp. (177) **נָצַח** hithpalp. (178) **נָצַח** hithpalp. (179) **נָצַח** hithpalp. (180) **נָצַח** hithpalp. (181) **נָצַח** hithpalp. (182) **נָצַח** hithpalp. (183) **נָצַח** hithpalp. (184) **נָצַח** hithpalp. (185) **נָצַח** hithpalp. (186) **נָצַח** hithpalp. (187) **נָצַח** hithpalp. (188) **נָצַח** hithpalp. (189) **נָצַח** hithpalp. (190) **נָצַח** hithpalp. (191) **נָצַח** hithpalp. (192) **נָצַח** hithpalp. (193) **נָצַח** hithpalp. (194) **נָצַח** hithpalp. (195) **נָצַח** hithpalp. (196) **נָצַח** hithpalp. (197) **נָצַח** hithpalp. (198) **נָצַח** hithpalp. (199) **נָצַח** hithpalp. (200) **נָצַח** hithpalp. (201) **נָצַח** hithpalp. (202) **נָצַח** hithpalp. (203) **נָצַח** hithpalp. (204) **נָצַח** hithpalp. (205) **נָצַח** hithpalp. (206) **נָצַח** hithpalp. (207) **נָצַח** hithpalp. (208) **נָצַח** hithpalp. (209) **נָצַח** hithpalp. (210) **נָצַח** hithpalp. (211) **נָצַח** hithpalp. (212) **נָצַח** hithpalp. (213) **נָצַח** hithpalp. (214) **נָצַח** hithpalp. (215) **נָצַח** hithpalp. (216) **נָצַח** hithpalp. (217) **נָצַח** hithpalp. (218) **נָצַח** hithpalp. (219) **נָצַח** hithpalp. (220) **נָצַח** hithpalp. (221) **נָצַח** hithpalp. (222) **נָצַח** hithpalp. (223) **נָצַח** hithpalp. (224) **נָצַח** hithpalp. (225) **נָצַח** hithpalp. (226) **נָצַח** hithpalp. (227) **נָצַח** hithpalp. (228) **נָצַח** hithpalp. (229) **נָצַח** hithpalp. (230) **נָצַח** hithpalp. (231) **נָצַח** hithpalp. (232) **נָצַח** hithpalp. (233) **נָצַח** hithpalp. (234) **נָצַח** hithpalp. (235) **נָצַח** hithpalp. (236) **נָצַח** hithpalp. (237) **נָצַח** hithpalp. (238) **נָצַח** hithpalp. (239) **נָצַח** hithpalp. (240) **נָצַח** hithpalp. (241) **נָצַח** hithpalp. (242) **נָצַח** hithpalp. (243) **נָצַח** hithpalp. (244) **נָצַח** hithpalp. (245) **נָצַח** hithpalp. (246) **נָצַח** hithpalp. (247) **נָצַח** hithpalp. (248) **נָצַח** hithpalp. (249) **נָצַח** hithpalp. (250) **נָצַח** hithpalp. (251) **נָצַח** hithpalp. (252) **נָצַח** hithpalp. (253) **נָצַח** hithpalp. (254) **נָצַח** hithpalp. (255) **נָצַח** hithpalp. (256) **נָצַח** hithpalp. (257) **נָצַח** hithpalp. (258) **נָצַח** hithpalp. (259) **נָצַח** hithpalp. (260) **נָצַח** hithpalp. (261) **נָצַח** hithpalp. (262) **נָצַח** hithpalp. (263) **נָצַח** hithpalp. (264) **נָצַח** hithpalp. (265) **נָצַח** hithpalp. (266) **נָצַח** hithpalp. (267) **נָצַח** hithpalp. (268) **נָצַח** hithpalp. (269) **נָצַח** hithpalp. (270) **נָצַח** hithpalp. (271) **נָצַח** hithpalp. (272) **נָצַח** hithpalp. (273) **נָצַח** hithpalp. (274) **נָצַח** hithpalp. (275) **נָצַח** hithpalp. (276) **נָצַח** hithpalp. (277) **נָצַח** hithpalp. (278) **נָצַח** hithpalp. (279) **נָצַח** hithpalp. (280) **נָצַח** hithpalp. (281) **נָצַח** hithpalp. (282) **נָצַח** hithpalp. (283) **נָצַח** hithpalp. (284) **נָצַח** hithpalp. (285) **נָצַח** hithpalp. (286) **נָצַח** hithpalp. (287) **נָצַח** hithpalp. (288) **נָצַח** hithpalp. (289) **נָצַח** hithpalp. (290) **נָצַח** hithpalp. (291) **נָצַח** hithpalp. (292) **נָצַח** hithpalp. (293) **נָצַח** hithpalp. (294) **נָצַח** hithpalp. (295) **נָצַח** hithpalp. (296) **נָצַח** hithpalp. (297) **נָצַח** hithpalp. (298) **נָצַח** hithpalp. (299) **נָצַח** hithpalp. (300) **נָצַח** hithpalp. (301) **נָצַח** hithpalp. (302) **נָצַח** hithpalp. (303) **נָצַח** hithpalp. (304) **נָצַח** hithpalp. (305) **נָצַח** hithpalp. (306) **נָצַח** hithpalp. (307) **נָצַח** hithpalp. (308) **נָצַח** hithpalp. (309) **נָצַח** hithpalp. (310) **נָצַח** hithpalp. (311) **נָצַח** hithpalp. (312) **נָצַח** hithpalp. (313) **נָצַח** hithpalp. (314) **נָצַח** hithpalp. (315) **נָצַח** hithpalp. (316) **נָצַח** hithpalp. (317) **נָצַח** hithpalp. (318) **נָצַח** hithpalp. (319) **נָצַח** hithpalp. (320) **נָצַח** hithpalp. (321) **נָצַח** hithpalp. (322) **נָצַח** hithpalp. (323) **נָצַח** hithpalp. (324) **נָצַח** hithpalp. (325) **נָצַח** hithpalp. (326) **נָצַח** hithpalp. (327) **נָצַח** hithpalp. (328) **נָצַח** hithpalp. (329) **נָצַח** hithpalp. (330) **נָצַח** hithpalp. (331) **נָצַח** hithpalp. (332) **נָצַח** hithpalp. (333) **נָצַח** hithpalp. (334) **נָצַח** hithpalp. (335) **נָצַח** hithpalp. (336) **נָצַח** hithpalp. (337) **נָצַח** hithpalp. (338) **נָצַח** hithpalp. (339) **נָצַח** hithpalp. (340) **נָצַח** hithpalp. (341) **נָצַח** hithpalp. (342) **נָצַח** hithpalp. (343) **נָצַח** hithpalp. (344) **נָצַח** hithpalp. (345) **נָצַח** hithpalp. (346) **נָצַח** hithpalp. (347) **נָצַח** hithpalp. (348) **נָצַח** hithpalp. (349) **נָצַח** hithpalp. (350) **נָצַח** hithpalp. (351) **נָצַח** hithpalp. (352) **נָצַח** hithpalp. (353) **נָצַח** hithpalp. (354) **נָצַח** hithpalp. (355) **נָצַח** hithpalp. (356) **נָצַח** hithpalp. (357) **נָצַח** hithpalp. (358) **נָצַח** hithpalp. (359) **נָצַח** hithpalp. (360) **נָצַח** hithpalp. (361) **נָצַח** hithpalp. (362) **נָצַח** hithpalp. (363) **נָצַח** hithpalp. (364) **נָצַח** hithpalp. (365) **נָצַח** hithpalp. (366) **נָצַח** hithpalp. (367) **נָצַח** hithpalp. (368) **נָצַח** hithpalp. (369) **נָצַח** hithpalp. (370) **נָצַח** hithpalp. (371) **נָצַח** hithpalp. (372) **נָצַח** hithpalp. (373) **נָצַח** hithpalp. (374) **נָצַח** hithpalp. (375) **נָצַח** hithpalp. (376) **נָצַח** hithpalp. (377) **נָצַח** hithpalp. (378) **נָצַח** hithpalp. (379) **נָצַח** hithpalp. (380) **נָצַח** hithpalp. (381) **נָצַח** hithpalp. (382) **נָצַח** hithpalp. (383) **נָצַח** hithpalp. (384) **נָצַח** hithpalp. (385) **נָצַח** hithpalp. (386) **נָצַח** hithpalp. (387) **נָצַח** hithpalp. (388) **נָצַח** hithpalp. (389) **נָצַח** hithpalp. (390) **נָצַח** hithpalp. (391) **נָצַח** hithpalp. (392) **נָצַח** hithpalp. (393) **נָצַח** hithpalp. (394) **נָצַח** hithpalp. (395) **נָצַח** hithpalp. (396) **נָצַח** hithpalp. (397) **נָצַח** hithpalp. (398) **נָצַח** hithpalp. (399) **נָצַח** hithpalp. (400) **נָצַח** hithpalp. (401) **נָצַח** hithpalp. (40

Jd. 11. 8. **Α** συμπορεύσθαι ἡμῖν [B al.] (2)  
 — 40. **Α** συνεπορεύοντο [B ἔπορ.] αἱ θγατέρες Ἰερ. (2)  
 13. 25. **Α** ἤρξατο πνεῦμα κ. συμπορεύεσθαι [B συνεκτ.] αὐτῷ (3)  
 I Es. 8. 10. συμπορεύεσθαι σοι εἰς Ἱερ. (2)  
 To. 1. 3. **Α** καὶ τῷ ἔθνεϊ μου τοῖς συμπορευομ. μετ' ἐμοῦ [B S al.] (3)  
 5. 3. δε συμπορεύεται σοι [S al.]  
 — 8. **Α** B δε συμπορεύεται μοι  
 — 11. **Α** B δε συμπορεύεται μετὰ τοῦ υἱοῦ σου  
 — 13. **Β** συνεπορεύοντό μοι εἰς Ἱερ. [A B al.]  
 — 16. ὁ ἄγγελος αὐτοῦ συμπορεύθη ὑμῖν [S al.]  
 — 21. ἄγγελος γὰρ ἀγαθὸς συμπορεύσεται [A εἴται, B συνελεύσεται] αὐτῷ  
 Jb. 1. 4. συμπορεύονται δὲ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ πρὸς ἀλλήλους (2)  
 Pr. 13. 20. συμπορεύονται [A δ σ.] σοφοῖς σοφὸς ἐσθ' [A S ἔσται] (2)  
 — 20. ὁ δὲ συμπορεύμ. [A συρεμβδμ.] ἀφροσι γνωσθήσεται (4)  
 Ez. 38. 31. ὡς συμπορεύεται λαὸς (1 c)  
 Da. LXX. 11. 6. καὶ τῶν συμπορευομένων μετ' αὐτοῦ (1 b)  
συμπορπᾶν. (1) 𐤇𐤁𐤏 ho.  
 Ex. 36. 13 (39. 6). ἐποίησαν ἄμφω. τοὺς λίθους ... συμπεπορημένους (1)  
συμποσία.  
 Si. 35 (32). 5. **Α** σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίᾳ [B S -ίφ] οἶνον  
 III Ma. 5. 15. ὑπέδειξε τὸν τῆς σ. καιρὸν ἤδη παρατρέχοντα  
 — 16. τοὺς παραγεγονότας ἐπὶ τὴν σ.  
 — 17. τὸ παρὸν τῆς σ. ... εἰς εὐφροσύνην καταθέσθαι μέρος  
 7. 20. κατὰ τὸν τῆς σ. τόπον  
συμποσιάζειν.  
 [Aq. Dt. 21. 20.]  
συμποσίον. (1) 𐤇𐤁𐤏 𐤏𐤏𐤏  
 Es. 4. 17. οὐκ ἐδόξασα συμπόσιον βασιλέως  
 7. 7. ἐξανεῖπται ἀπὸ τοῦ σ. (1)  
 Si. 34 (31). 31. ἐν συμποσίᾳ οἶνον μὴ ἐλέγξῃς τὸν πλησίον  
 35 (32). 5. σύγκριμα μουσικῶν ἐν συμποσίᾳ [A -ίφ] οἶνου  
 49. 1. ὡς μουσικὰ ἐν συμποσίᾳ οἶνου  
 I Ma. 18. 16. ἐπεισῆλθοσαν τῷ Σίμωνι εἰς τὸ σ.  
 I Ma. 2. 27. καθάπερ τῷ παρασκευάζοντι συμπόσιον  
 III Ma. 4. 16. συμπόσια ἐπὶ πάντων τῶν εἰδώλων συνιστάμενος  
 5. 36. συστραφάμενος πᾶν τὸ σ.  
 6. 33. περὶ τούτων συμπόσιον βαρὺ συνάγων  
 [Aq. Is. 1. 22.]  
 [Sm., Quint. Ho. 4. 18.]  
συμπότης.  
 III Ma. 2. 25. διὰ τε τὸν προαποδεδειγμένων σ.  
συμπραγματεύεσθαι.  
 III Ma. 8. 10. ἤδη δὲ καὶ τινες γείτονες ... καὶ συμπραγματεύονται  
συμπράσσειν.  
 [Sm. II Ki. 3. 9.]  
συμπροπέμπειν. (1) 𐤏𐤏𐤏 pi.  
 Ge. 12. 20. συμπροπέμψαι αὐτὸν καὶ τὴν γυν. αὐ. (1)  
 18. 16. συνεπορεύετο μετ' αὐτῶν συμπροπέμψων αὐτοῦ (1)  
συμπροπορεύεσθαι. (1) 𐤏𐤏𐤏  
 De. 31. 8. **Α** κύριος ὁ συμποπορεύμ. [B συμπορ.] μετὰ σοῦ (1)  
συμπροσείναι. (1) 𐤏𐤏𐤏 (2) 𐤏𐤏𐤏  
 Ps. 98 (94). 20. μὴ συμπροσέσται [A B ἔστω] σοι θρόνος ἀνομίας (1)  
 Ec. 8. 15. συμπροσέσται αὐτῷ ἐν μόχθῳ αὐτοῦ (2)  
 [Sm. Ec. 8. 15.]  
συμπροσπλέκειν. (1) 𐤏𐤏𐤏 hithpa.  
 Da. TH. 11. 10. συμπροσπλάκασται [A προσυμπλάκασται] ἕως τῆς ἰσχύος αὐ. (1)

σύμπτωμα. (1) 𐤏𐤏𐤏 (2) 𐤏𐤏𐤏  
 I Ki. 6. 9. σύμπτωμα τοῦτο γέγονεν ἡμῖν (1)  
 20. 26. σύμπτωμα φαίνεται μὴ καθαρὸς εἶναι (1)  
 Ps. 90 (91). 6. ἀπὸ συμπτώματος καὶ δαιμονίου μεσημβρινοῦ (2)  
 Pr. 27. 9. καταρρήγνυται δὲ ὑπὸ συμπτωμάτων ψυχὴ † [Aq. Ge. 42. 4.]  
σύμπτωσις.  
 [Al. Ge. 44. 29.]  
συμφαγεῖν. vid. sub συνεσθίειν.  
συμφέρειν. (1) a. 𐤏𐤏𐤏 b. 𐤏𐤏𐤏 (2) 𐤏𐤏𐤏  
 (8) 𐤏𐤏𐤏  
 De. 23. 6 (7). οὐ προσαγορεύσεις ... συμφέροντα αὐτοῖς (1 b)  
 Es. 3. 8. οὐ συμφέρει τῷ βασι. εἶσαι αὐτούς (8)  
 Pr. 19. 10. οὐ συμφέρει ἀφρονι τρυφή (2)  
 31. 19. τοὺς πῆχεις [A B ἔσται] αὐτῆς ἐκτείνει ἐπὶ τὰ συμφέροντα †  
 Si. 12. 14. **Α** οὕτως τὸν ... συμφερόμενον [B S συμφύρ.] ἐν ταῖς ἁμαρτίαις αὐτοῦ  
 30. 19. τί συμφέρει κάρπωσις εἰδώλῳ  
 37. 28. οὐ γὰρ πάντα πᾶσι συμφέρει  
 Je. 33 (26). 14. ποιήσεται μοι ὡς συμφέρει (1 a)  
 Ba. 4. 3. μὴ δὲς ... τὰ συμφερόντά σοι ἔθνεϊ ἄλλοτρίῳ  
 II Ma. 4. 5. **Β** τὸ δὲ συμφέρον [A -φορον] ... σκοπῶν  
 11. 15. τοῦ συμφέροντος φροντίζων  
 III Ma. 6. 24. λάθρα μηχανώμενοι τὰ μὴ συμφέροντα τῇ βασιλείᾳ  
 IV Ma. 5. 11. φιλοσοφῆσαι τὴν τοῦ συμφέροντος ἀλήθειαν  
 [Sm. II Ki. 17. 14: Ps. 118 (119). 71: Ec. 7. 1 (6. 12).]  
 [Al. Jb. 13. 9.]  
συμφερόντως.  
 IV Ma. 1. 17. δι' ἧς ... τὰ ἀνθρώπινα σ. μαθάνομεν συμφεύγειν.  
 I Ma. 10. 84. **Β** καὶ τοὺς συμφεύγοντας εἰς αὐτὸ [A B ἔσται] αὐτοῦ  
 II Ma. 10. 18. συμφεύγοντων δὲ οὐκ ἔλαττον τῶν ἐνακιστοχολίων  
 — 32. συνέφυγεν εἰς Γ.  
 12. 6. τοὺς δὲ ἐκεῖ συμφεύγοντας ἐξέκινησε  
συμφέλειν. (1) 𐤏𐤏𐤏 pi.  
 Is. 42. 25. οἱ συμφέλειντες αὐτοὺς κύκλῳ (1)  
συμφλογίζειν.  
 II Ma. 6. 11. μηνυθέντες τῷ Φιλ. συμφλογίσθησαν [Th. Is. 42. 25.]  
συμφορά.  
 Es. 8. 13. περιέβαλε συμφοραῖς ἀνηέστοις  
 Wi. 14. 21. ἡ συμφορὰ ἡ τυραννίδι δουλεύσαντες ἄνθρωποι  
 18. 21. πείρας ἐπέθηκε τῇ σ.  
 Si. 32 (35). 1. **Β** ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει συμφορὰς [A B S B προσφ.]  
 II Ma. 6. 12. μὴ συστέλλεσθαι διὰ τὰς σ.  
 — 16. παιδεύων δὲ μετὰ συμφορὰς  
 9. 6. τὸν πολλὰς καὶ ξενίζουσας σ. ἐτέρων σπλάγχνα βασανίσαντα  
 14. 14. τὰς τῶν ἰουδ. ... σ. ἰδίας εὐμερίας δοκοῦντες ἔσσεσθαι  
 — 40. τοῖτοίς ἐνεργάσασθαι συμφορὰν  
 IV Ma. 3. 21. **Α** πολυτρόπως [B R -οις] ἐχρήσαντο συμφοραῖς  
 [Aq. Ze. 1. 15.]  
 [Sm. Ez. 7. 26 εἰν.]  
συμφοράζειν. (1) 𐤏𐤏𐤏  
 Is. 18. 8. συμφοράσουσιν ἕτερος πρὸς τὸν ἕτερον (1)  
σύμφορος.  
 II Ma. 4. 5. τὸ δὲ σ. κοινὴ ... σκοπῶν [Sm. Ec. 2. 3.]  
συμφράσσειν.  
 Is. 27. 12. συμφράζει [B συνταρ.] ὁ θεὸς ἀπὸ τῆς διώρυγος †  
 [Sm. Ps. 20 (21). 12.]

συμφρονεῖν.  
 III Ma. 3. 2. ἀνθρώποις συμφρονουσιν εἰς κακοποιήσιν  
συμφρύγειν. (1) 𐤏𐤏𐤏 a. qal. δ. ni.  
 Jb. 30. 30. **Α** τὰ δὲ δὸτὰ μου ἀπὸ καύματος συνεφρύγη [B ἔφρην, B S om.] (1 a)  
 Ps. 101 (102). 3. τὰ δὸτὰ μου ... συνεφρύγησαν (1 b)  
 Ez. 24. 10. **Α** τὰ δὸτὰ συμφρύγησονται (1 b)  
 — 11. **Α** ὅπως συμφρύγη [B al.] (1 a)  
 IV Ma. 8. 11. αὐτὸν ἀλόγιστος ἐπιθυμία τοῦ ... ὕδατος ... συνίφρυγε [B διεφρ.]  
 [Th. Jb. 30. 30: Ez. 24. 10 (Sw.).]  
συμφρυγίζειν. (1) 𐤏𐤏𐤏 ni.  
 Ps. 101 (102). 3. **Β** τὰ δὸτὰ μου ὥστε φρύγιον συνεφρύγισαν [A B S al.]  
συμφρυγμός.  
 [Al. Le. 26. 16.]  
συμφύειν.  
 Wi. 18. 13. ἔξωρον σκολιὸν καὶ ὄζοις συμπεφυκότος [B ὥς]  
σύμφυλος.  
 [Aq. Zl. 13. 7.]  
συμφύρειν. (1) 𐤏𐤏𐤏 (2) 𐤏𐤏𐤏 pi.  
 Si. 12. 14. οὕτως τὸν ... συμφυρόμενον [A συμφερ.] ἐν ταῖς ἁμαρτίαις αὐτοῦ  
 Ho. 4. 14. μετὰ τῶν πορνῶν συνεφύροντο (2)  
 Ez. 22. 6. συνεφύροντο [A συναμφ., B ἐνεφύραντο] ἐν σοὶ (1)  
συμφυτεῖν.  
 I Ma. 10. 84. **Β** καὶ τοὺς συμφυτοῦντας εἰς αὐτὸ [A B al.]  
σύμφυτος. (1) a. 𐤏𐤏𐤏 b. 𐤏𐤏𐤏 (2) 𐤏𐤏𐤏 hithp.  
 Es. 7. 7. **Β** εἰς τὸν κήπον τὸν σ. [A B S om. τ. σ.] †  
 — 8. **Β** εἰς τὸν κήπον τοῦ σ. [A B S om. τ. σ.] †  
 Am. 9. 13. πάντες οἱ βουνοὶ σύμφυτοι ἔσονται (2 ?)  
 Za. 11. 2. κατεσπάρθη ὁ δρυμὸς ὁ σ. (1 a\*, 1 b)  
 III Ma. 3. 22. τῇ σ. κακοθηεῖα τὸ καλὸν ἀπωσάμενοι  
 [Sm. Ez. 19. 11.]  
συμφωνεῖν. (1) 𐤏𐤏𐤏 ni. (2) 𐤏𐤏𐤏 (3) 𐤏𐤏𐤏  
 Ge. 14. 3. πάντες οὗτοι συνεφώνησαν (2)  
 IV Ki. 12. 8 (9). συνεφώνησαν οἱ λερεῖς (1)  
 Is. 7. 2. συνεφώνησαν Ἀρὰμ πρὸς τὸν Ἑφραῖμ (8)  
 IV Ma. 14. 6. πρὸς τὸν ὑπὲρ αὐτῆς συνεφώνησαν θάνατον  
συμφωνία. (1) a. 𐤏𐤏𐤏𐤏 b. 𐤏𐤏𐤏𐤏  
 c. 𐤏𐤏𐤏𐤏  
 Da. LXX. 8. 5. ὅταν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ... συμφωνίας (1 a)  
 — 15. ὅμα τῷ ἀκούσαι ... συμφωνίας (1 a)  
 Da. TH. 8. 5. **Α** ἢ ἂν ὅρα ἀκούσῃ φωνῆς ... συμφωνίας [B om.] (1 a)  
 — 7. **Α** ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς ... συμφωνίας [B om.] —  
 — 10. **Α** δε ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ... συμφωνίας [B om.] (1 b, 1 c\*)  
 — 15. ὡς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ... συμφωνίας (1 a)  
 IV Ma. 14. 3. **Α** ἐναρμόστους περὶ τῆς εἰσεβείας τῶν ἐπὶ τὰ δὲ συμφωνίας [B R al.]  
 [Th. Da. 8. 5†.]  
σύμφωνος. (1) 𐤏𐤏𐤏𐤏  
 Ec. 7. 15 (14). **Α** S τοῦτο σύμφωνος [B σὺν τούτῳ συμφώνως] τούτῳ [A B τοῦτο] ἐποίησεν [B δ ἐπ.] ὁ θεός (1)  
 IV Ma. 7. 7. ὁ συμφωνεῖ νόμου  
 14. 7. ὁ πανάγιοι συμφώνων ἀδελφῶν ἐβδομάς συμφώνως. (1) 𐤏𐤏𐤏𐤏  
 Ec. 7. 15 (14). σὺν τούτῳ σ. [A B τοῦτο σύμφωνος] τούτῳ [B τούτῳ] ἐποίησεν [B δ ἐπ.] ὁ θεός (1)  
 IV Ma. 14. 6. σ. τοῖς τῆς ψυχῆς ἀφῆγγῃσιν κινούνται  
 [Aq. Ez. 8. 8: 11. 22.]  
 [Th. Ex. 28. 27.]

συμφᾶν. (1) הָפִיחַ ni. (2) הָפִיחַ  
Je. 22. 19. συμψηφίσαι [A S -ψηθ.] ριφίσεται  
ἐπικεινα τῆς πόλεως Ἱερουσαλὴμ (2)  
29 (49). 20. εἰν μὴ συμψηφίσω [A -ψηθισθ., S  
συνώσω] τὰ ἐλάχιστα τῶν προβάτων (2)  
31 (48). 33. συνεψήφισα [A -ψηθισθ.] χαμοσύνη (1)  
[Aq. Je. 50 (27). 45.]  
[Sm. Je. 46 (26). 15: 49. 20 (29. 21).]

συμψηφίζειν.  
Je. 29 (49). 20. A εἰν μὴ συμψηφίσωσι [B -ηθ.,  
S συνώσω] τὰ ἐλάχιστα τῶν προβάτων +  
σύν. I. c. gen. (= "Πῃ").

Ec. 9. 15.  
II. c. dat. \* δ σύν.

Ex. 6. 26: 7. 4 bis: 10. 9 bis: 11. 1: 12. 9, 51:  
15. 19: 16. 16†: 29. 17: 36. 10 (39. 3), 10 (39.  
3)† bis: 40. 36.  
Le. 1. 16: 2. 2, 16: 3. 4, 9, 10, 15: 4. 9, 11: 6.  
15 (8) bis, 34 (7. 4): 14. 31.  
Nu. 1. 3, 45†, 52: 2. 3, 9, 10†, 16, 18, 24, 25,  
31†, 32: 10. 12, 14, 18, 22, 25, 28: 19. 5: 31. 6,  
8: 32. 33: 33. 1: 34. 2.  
De. 32. 25: 33. 2.

Jo. 6. 23 (24): 11. 21: 21. 13\*†.  
Jd. 8. 27: 7. 4† bis: 9. 28: 16. 3†, 3, 13†, 14†:  
18. 22\*†: 20. 44†, 46†.

I Ki. 7. 9: 14. 32, 33, 34: 30. 10†.  
II Ki. 6. 4.  
III Ki. 6. 5†, 12†: 8. 5†: 13. 19†: 21 (20). 20†.  
IV Ki. 3. 12†: 15. 19†: 17. 15†.

I Ch. 16. 32: 28. 1†.  
II Ch. 30. 6.  
I Es. 1. 32: 2. 7: 5. 58: 8. 14†, 77 ter, 93: 9. 36.  
II Es. 4. 7†.

Ne. 5. 18: 8. 13†: 9. 19†.  
To. 9. 5†: 12. 13†.  
Ju. 2. 5: 11. 18†: 16. 15.

Es. 8. 13: 6. 14: 8. 13 bis.  
Jb. 24. 2: 33. 26: 39. 25: 40. 17 (22).  
Ps. 33 (34). 3: 54 (55). 18: 119 (120). 4: 135 (136).  
10: 139 (140). 13†: 140 (141). 4.

Pr. 24. 23 (29. 27).  
Ec. 7. 15 (14)†.  
Wi. 14. 10.

Ho. 4. 3 quater.  
Am. 6. 8.  
Mi. 2. 11: 7. 13†.

Is. 3. 23: 10. 34: 29. 1: 60. 8.  
Je. 20. 4: 23. 9†: 48 (41). 15†.  
Ba. 5. 9.

Ez. 1. 20, 21: 12. 19: 16. 37, 61: 17. 7, 10: 25.  
4†: 30. 12†: 32. 15, 30.  
Da. LXX. Su. 30, 54: 3. 21: 4. 13.

Da. TH. 1. 10†: 3. 21: 5. 17†: 9. 26.  
I Ma. 3. 14\*, 40: 5. 5, 23, 44: 7. 1†: 9. 60\*†:  
10. 24, 85, 87: 13. 45: 15. 10, 13.

II Ma. 1. 14\*: 3. 24: 5. 26, 27: 7. 5, 7, 12\*, 29:  
8. 1\*, 12\*, 20: 9. 15: 10. 1\*, 19\*: 11. 6: 12.  
3\*, 3, 9: 13. 1, 2, 13, 14\*, 15: 14. 13\*: 15. 8\*,  
28, 30.

III Ma. 1. 18, 22, 27: 2. 7: 3. 25: 5. 47: 6. 4,  
16.  
IV Ma. 10. 7: 12. 8\*: 13. 26: 17. 2, 5† bis: 18.  
8, 10, 23.

[Aq. GE. 1. 30: 5. 22, 24: 6. 10 (9): EX. 35.  
23: LE. 8. 10: Nu. 8. 26: Jo. 8. 2 (P), 18: I Ki.  
14. 18: III Ki. 6. 12: IV Ki. 17. 15: Jb. 12.  
2: Ps. 9. 7: 119 (120). 4: Pr. 8. 18: Is. 16.  
14: 39. 2: 40. 10: 41. 6, 7 bis: 45. 9: 63.  
11: 66. 10: Je. 6. 15: 12. 5 bis: Ez. 1. 21 (P):  
32. 21, 25, 29: 33. 30: DA. 3. 33 (100) (Sw.):  
11. 2 (Sw.): HB. 8. 13: ZA. 12. 10: MA. 2. 3.]

[Sm. GE. 4. 1: 6. 18 (P): 9. 4: LE. 1. 16: 26.  
39: Jo. 8. 2 (P), 18 bis: I Ki. 14. 18: III Ki.  
6. 12: Jb. 12. 2: 40. 17 (22): Ps. 9. 7: 23. 2:  
74 (75). 4: 95 (96). 11: 97 (98). 7: 188 (139).  
16: 140 (141). 4: Is. 16. 14: 63. 3: Ez. 17. 9:  
32. 25, 29: ZE. 1. 3.]

[Th. LE. 1. 16: III Ki. 6. 5, 12: Ps. 95 (96).  
11: Is. 16. 14: 22. 6: JE. 8. 12: Ez. 1. 21 (P):  
25. 6: 32. 25, 29: 33. 30: DA. 3. 21: 9. 26].  
[Al. LE. 4. 6: Nu. 10. 28: 25. 6: Ps. 11 (12).  
5: CA. 3. 1: JE. 12. 5: Ez. 32. 25.]

[Quint. Hb. 8. 13.]

III. a. c. acc. = Πῃ, Πῃς, cf. σύμψας.

III Ki. 8. 1†: 9. 15†, 16†, 24†, 25†: 14. 8†.  
Es. 6. 10†.  
Ec. 1. 14†: 2. 12†, 17, 18†: 3. 10, 11†, 17 bis:  
4. 1†, 2†, 3†, 4† bis: 5. 6†: 7. 16 (15)†, 27 (26),  
30 (29): 8. 8, 9†, 15, 17†, 17, 17 (9. 1)† bis: 10.  
19†: 11. 7: 12. 9, 14†.

[Aq. GE. 1. 1 bis, 4, 16 bis, 27: 2. 7: 20. 10:  
31. 52: 36. 24: EX. 2. 14: 3. 9: 9. 14: 14.  
20: 28. 5: Dt. 14. 14: 27. 1: Jo. 7. 2:  
III Ki. 8. 1: 9. 15, 24, 25: 14. 8: 20 (21).  
15: Is. 27. 1: 49. 21 (Sw.): JE. 14. 22:  
16. 10 (Sw.): 19. 4 bis, 8, 11, 12 (Sw.): 20. 5  
(Sw.): 22. 1: 4 (Sw.): 5: 23. 21, 24 (Sw.) bis,  
25 (Sw.): 24. 10: 25. 13, 15 (32. 1), 17 (32.  
3) bis, 20 (32. 6) bis, 22 (32. 8) bis, 23 (32.  
9) (Sw.), 24 (32. 10), 25 (32. 11) (Sw.), 26 (32.  
12): 26 (33). 6: 28 (35). 10: 32 (39). 9: Ez.  
6. 14: 7. 3: 9. 7, 9: 11. 18, 25: 20. 12, 28:  
DA. 8. 7: 10. 1 (Sw.): 11. 2 (Sw.).]

[Sm. JE. 28 (35). 10: 32 (39). 9: 35 (42). 18  
(Sw.): LA. 2. 2.]  
[Th. Is. 49. 21 (Sw.): JE. 25. 20 (32. 6), 20 (32.  
6) (Sw.), 24 (32. 10): 28 (35). 10: 32 (39). 9,  
14 (Sw.).]

[Al. JE. 47 (29). 4.]  
b. c. acc.

Jb. 22. 22†.  
[Aq. Is. 87. 11 (Sw.).]

συνάγειν. (1) הָפִיחַ a. qal. δ. ni. c. pi.  
d. pu. e. hithpa. f. הָפִיחַ g. הָפִיחַ

(2) הָפִיחַ a. qal. δ. ni. (3) הָפִיחַ  
(4) הָפִיחַ hi. (5) הָפִיחַ (6) הָפִיחַ (7) הָפִיחַ hi.  
(8) הָפִיחַ (9) הָפִיחַ (10) הָפִיחַ ni.  
(11) הָפִיחַ hi. (12) הָפִיחַ ni. (13) הָפִיחַ hi.  
(14) הָפִיחַ hithpa. (15) הָפִיחַ (16) הָפִיחַ

a. qal. δ. hithpa. c. הָפִיחַ pe. d. ithpe.  
(17) הָפִיחַ a. qal. δ. pi. c. pu. (18) הָפִיחַ  
(19) הָפִיחַ hi. (20) הָפִיחַ (21) הָפִיחַ hi.  
(22) הָפִיחַ hi. (23) הָפִיחַ hi. (24) הָפִיחַ ni.  
(25) הָפִיחַ (26) הָפִיחַ a. qal. δ. ni. c. hi.  
(27) הָפִיחַ (28) הָפִיחַ hi. (29) הָפִיחַ hi.  
(30) הָפִיחַ hi. (31) הָפִיחַ (32) הָפִיחַ

(33) הָפִיחַ ni. (34) הָפִיחַ a. qal. δ. ni.  
c. pi. d. pu. e. hithpa. (35) הָפִיחַ a. ni.  
δ. hi. (36) הָפִיחַ a. ni. δ. pi. c. הָפִיחַ  
(37) הָפִיחַ (38) הָפִיחַ (39) הָפִיחַ (40) הָפִיחַ  
(41) הָפִיחַ a. ni. δ. hi. (42) הָפִיחַ  
(43) הָפִיחַ a. po. δ. hithpo. (44) הָפִיחַ  
(45) הָפִיחַ hithpa. (46) הָפִיחַ hithpa.  
(47) הָפִיחַ pil. (48) הָפִיחַ (49) הָפִיחַ

μισοὺς συνάγειν הָפִיחַ hithpa. (50) הָפִיחַ ni.

Ge. 1. 9. συναχθήτω τὸ ὕδωρ... εἰς συναγωγὴν  
μίαν (38 a)  
— 9. συναχθὲν τὸ ὕδωρ... εἰς τὰς συναγωγὰς αὐ., —  
6. 21. καὶ συναγάγειν πάντες σεαυτοὶ (1 a)  
29. 3. συναγόντο ἐκεῖ πάντα τὰ ποίμνια (1 b)  
— 7. οὕτω ὥρα συναχθῆναι τὰ κτήνη (1 b)  
— 8. ἕως τοῦ συναχθῆναι πάντα τοὺς ποιμένας (1 b)  
— 22. συναγαγεῖν δὲ Ἀ. πάντας τοὺς ἄνδρας (1 a)  
34. 30. συναχθέντες ἐπ' ἐμέ (1 b)  
37. 35. συναχθῆσαν δὲ πάντες οἱ υἱοὶ αὐ. +  
41. 35. συναγαγέωσαν πάντα τὰ βρώματα (34 a)  
— 35. συναχθῆτω ὁ σῖτος (32)  
— 35. Α βρώματα ἐν ταῖς πόλεσι συναχθήτω  
[R φυλαχθήτω] (48)

— 48. συναγαγεῖν πάντα τὰ βρώματα (34 a)  
— 49. συναγαγεῖν ἴ. σῖτον (32)  
47. 14. συναγαγεῖν δὲ ἴ. πᾶν τὸ ἀργύριον (17 b)  
49. 1. συναχθήτω ἡ ἀναγγελία (1 b)  
— 2. συναχθήτω [A ἀβροσθήτω] καὶ ἀκούσασθε  
μου (34 b)

Ex. 3. 16. συναγάγειν τὴν γερούσιαν (1 a)

Ex. 4. 29. συναγαγόντων τὴν γερούσιαν τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 a)  
5. 7. συναγαγέτωσαν ἑαυτοὶ ἀχῆρα (43 a)  
— 12. συναγαγεῖν καλᾶμιν εἰς ἀχῆρα (43 a)  
8. 5 (1). Α συνάγαγε [B ἀνάγ.] τοὺς βατραχίους (20)  
— 14 (10). συναγαγόντες αὐτοὺς θιμωνίας θιμω-  
νίας (32)

9. 19. κατάσπευσον συναγαγεῖν τὰ κτήνη σου (28)  
— 20. συναγαγεῖν τὰ κτήνη αὐ. εἰς τοὺς οἴκους (22)  
16. 5. δ εἰν συναγάγῃ [A εἰσενέγκῃ] (17 a)  
— 16. συναγαγεῖν ἀπ' αὐτοῦ ἕκαστος (17 a)  
23. 10. συνάξεις [A εἰσάξεις] τὰ γεννήματα αὐ. (1 a)  
Le. 25. 3. συνάξεις τὸν καρπὸν αὐ. (1 a)  
— 20. μηδὲ συναγαγόμεν τὰ γεννήματα ἡμῶν (1 a)

Nu. 1. 18. πᾶσαν τὴν συναγωγὴν συναγάγον  
[A al.] (35 b)  
8. 9. συνάξεις πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (35 b)  
10. 3. συναχθήσεται πᾶσα ἡ συναγωγή (12)  
— 7. ὅταν συναγάγῃς τὴν συναγωγὴν (35 b)  
11. 16. συνάγαγε μοι ἐβρομῆκοιτα ἄνδρας (1 a)  
— 22. Α Β ἡ πᾶν τὸ ὕψος τῆς θαλ. συναχθή-  
σεται αὐτοῖς (1 b)

— 24. συναγαγεῖν ἐβρομῆκοιτα ἄνδρας (1 a)  
— 32. συναγαγόντων τὴν ὀρνυγομίτταν (1 a)  
— 32. ὁ τὸ ὅλγον συναγαγεῖν δέκα κόρους (1 a)  
19. 9. συνάξει ἄνθρωπος καθαρὸς τὴν σποδὸν (1 a)  
— 10. ὁ συνάγων τὴν σποδίαν τῆς δαμάλεως (1 a)  
21. 16. Β συναγάγει τὸν λαόν (1 a)  
— 23. συναγάγει Σ. πάντα τὸν λαόν αὐ. (1 a)

De. 13. 16 (17). πάντα τὰ σκύλα αὐ. συνάξεις  
[B\* -ει] (34 a)  
16. 13. ἐν τῷ συναγαγεῖν σε ἐκ τῆς ἀλωνῆς σου (1 a)  
19. 5. συναγαγεῖν ἔξυλα (8)  
22. 2. συνάξεις αὐτὸν ἐνδὸν εἰς τὴν οἰκίαν σου (1 a)  
23. 25 (26). Α² συνάξεις [B συλλέξεις] ἐν  
ταῖς χερσὶ σου στάχυς (38)

30. 3. καὶ πάλιν συνάξεις σε (34 c)  
— 4. ἐκείθεν συνάξεις σε (34 c)  
32. 23. συνάξω εἰς αὐτοὺς κακὰ (38 c)  
— 34. οὐκ ἰδοὺ ταῦτα συνήκασι παρ' ἐμοί (15)  
33. 5. συναχθέντων ἀρχόντων λαόν (1 c)  
— 21. συναγμένον ἅμα ἀρχιτοῖς λαόν (3)

Jo. 2. 18. τὸν δὲ πατέρα σου... συνάξεις πρὸς  
σεαυτήν (1 a)  
7. 14. συναχθήσασθε [A -αι] πάντες τὸ πρῶτ' (41 a)  
10. 6. συναγμένοι εἰσὶν ἐφ' ἡμᾶς πάντες οἱ βασι. (34 b)  
24. 1. συναγαγεῖν ἴ. πᾶσας φυλάς Ἰσρ. (1 a)  
Jd. 8. 13. συναγάγε [A προσγ.] πρὸς ἑαυτὸν  
πάντας τοὺς υἱοὺς Α. (1 a)

6. 33. υἱοὶ ἀνατολῶν συναχθήσαν ἐπὶ τὸ αὐτό (1 b)  
7. 23 (22). Α καὶ συναγμένη ἕως χεῖλους Β.  
[B al.] +

9. 6. συναχθήσαν πάντες ἄνδρες Σικίμων (1 b)  
— 47. συναχθήσαν πάντες οἱ ἄνδρες πυργῶν Σ. (34 c)  
10. 17. συναχθήσαν [A ἐξήλθον] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 b)  
11. 20. συνήξε [A -ήγαγεν] Σ. πάντα τὸν λαόν αὐ. (1 a)  
12. 1. Α συναχθήσαν οἱ υἱοὶ Ἐφρ. (33)  
16. 23. οἱ ἀρχόντες τῶν ἀλλοφύλων συναχθήσαν (1 b)  
19. 15. οὐκ ἦν ἀνὴρ συναγὼν αὐτοὺς [A al.] (1 c)  
— 18. οὐκ ἔστιν ἀνὴρ συναγὼν με εἰς τὴν οἰκίαν (1 c)  
20. 11. συναχθῆναι πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. (1 b)  
— 14. συναχθήσαν οἱ υἱ. Βεν. (1 b)

Ru. 2. 2. συνάξω ἐν τοῖς στάχυσι (17 b)  
— 7. συνάξω ἐν τοῖς δράγμασι (1 a)  
I Ki. 5. 8, 11. συναγούσι τοὺς σατράπας τῶν  
ἀλλοφ. (1 a)

7. 6. συναχθήσαν εἰς Μ. (34 b)  
13. 5. Β οἱ ἀλλοφύλοι συναγόνται εἰς πόλεμον (1 b)  
— 11. Β οἱ ἀλλοφύλοι συναχθήσαν εἰς Μ. (1 b)  
14. 19. συνάγαγε τὰς χεῖράς σου (1 a)  
— 52. συναγαγεῖν αὐτοὺς πρὸς αὐτόν (1 a)

17. 1. συνάγουσιν ἀλλοφύλοι τὰς παρεμβολὰς  
αὐ. (1 a)  
— 1. συνάγονται εἰς Σ. τῆς Ἰδουμ. (1 b)  
— 2. Σ. καὶ οἱ ἄνδρες Ἰσρ. συναγόνται (1 b)  
22. 2. συναγόντο πρὸς αὐτόν (34 c)  
II Ki. 3. 34. συναχθῆναι πᾶς ὁ λαός (11)

6. 1. συναγαγεῖν ἐπὶ Δ. πάντα νεανίαν (1 a)  
10. 15. συναχθήσαν ἐπὶ τὸ αὐτό (1 b)  
— 16. συναγάγει τὴν Συρίαν (13)  
— 17. συναγάγει τὸν πάντα Ἰσρ. (1 a)  
11. 27. συναγαγεῖν αὐτὴν εἰς τὸν οἶκον αὐ. (1 a)  
12. 28. συνάγαγε τὸ κατὰλοιπον τοῦ λαοῦ (1 a)  
— 29. συναγάγει Δ. πάντα τὸν λαόν (1 a)

14. 14. δ οὐ συναχθήσεται (1 b)  
17. 11. συναγόμενος συναχθήσεται ἐπὶ σὲ πᾶς  
Ἰσρ. (1 b, 1 b)



- 11 Κι. 17. 13. ἐάν εἰς τὴν πόλιν συναχθῇ (1 δ)  
 21. 13. συναγάγετε τὰ δὲ τῶν ἐξηλιασμένων (1 α)  
 28. 9. συνήχθησαν ἐκεῖ εἰς πόλεμον (1 δ)  
 — 11. συνήχθησαν οἱ ἀλλόφυλοι εἰς Θ. (1 δ)  
 III Κι. 7. 23. καὶ συνηγμένοι τρεῖς καὶ τριάκοντα ἐν πύχει +  
 12. 24. Β συναγεται ἐκεῖ πᾶν σκήπτρον Ἐφρ. —  
 18. 20. Α συναγαγεν [Β ἐπισ.] πάντας τοὺς προφύτας (34 α)  
 IV Κι. 5. 11. Α συναξει [Β ἀποσυν.] τὸ λεπρον (1 α)  
 19. 25. συνήγαγον [Α καὶ ἡγ.] αὐτὴν (4)  
 22. 4. δ συναγαγον οἱ φυλάσσοντες τὸν σταθμόν (1 α)  
 — 20. συναχθήσῃ εἰς τὸν τάφον σου (1 δ)  
 23. 1. συναγάγετε πρὸς ἑαυτὸν πάντας τοὺς πρεσβυτ. Ἰ. (1 α)  
 I Ch. 11. 13. συνήχθησαν ἐκεῖ εἰς πόλεμον (1 δ)  
 13. 2. συναχθῶσιν πρὸς ἡμᾶς (34 β)  
 15. 3. Α συναγαγεν [Β ἐκκλησίαν] Δ. τὸν πάντα Ἰσρ. (35 β)  
 — 4. Α<sup>2</sup> Β Β συναγάγετε Δ. τοὺς υἱοὺς Ἀ. (1 α)  
 19. 7. συνήχθησαν ἐκ τῶν πόλεων αὐ. (1 δ)  
 — 17. συναγάγετε τὸν πάντα Ἰσρ. (1 α)  
 22. 2. εἰπε Δ. συναγαγεῖν πάντας τοὺς πρεσβυτ. (18 α)  
 23. 2. συναγάγετε τοὺς πάντας ἄρχοντας Ἰσρ. (1 α)  
 II Ch. 1. 14. συναγάγετε Σ. ἐβδόμηκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν (27)  
 — 16 (15). Α συναξει [Β σὺ ἀξει] αὐτὰ εἰς Ἰερ. (39)  
 — 17 (16). συναγάγετε Σ. πάντας τοὺς ἀνδρας (27)  
 10. 6. συναγαγεν ὁ βασ. Ῥ. τοὺς πρεσβυτ. +  
 11. 13. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν (14)  
 12. 5. πρὸς τοὺς ἀρχοντας Ἰ. τοὺς συναχθέντας εἰς Ἰερ. (1 δ)  
 13. 7. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἄνδρες λοιμοὶ (34 β)  
 15. 10. συνήχθησαν εἰς Ἰερ. (34 β)  
 18. 5. συναγαγεν ὁ βασ. Ἰσρ. τοὺς προφύτας (34 α)  
 20. 4. καὶ συνήχθη Ἰούδας (34 β)  
 23. 2. Β συναγαγεν [Α Β -ον] τοὺς Α. (34 α)  
 24. 5. συναγάγετε τοὺς Ἰερ. (34 α)  
 — 5. συναγάγετε ἀπὸ παντὸς Ἰσρ. ἀργύριον (34 α)  
 — 11. συναγαγον ἀργύριον πολὺ (1 α)  
 25. 5. συναγάγετε Ἀμ. τὸν ὅλεον Ἰ. (34 α)  
 29. 15. Β<sup>1</sup> συναγάγετε [Α Β<sup>2</sup> -ον] τοὺς ἀδελφούς αὐ. (1 α)  
 — 20. συναγάγετε τοὺς ἀρχοντας τῆς πόλεως (1 α)  
 30. 3. ὁ λαὸς οὐ συνήχθη εἰς Ἰερ. (1 α)  
 — 13. συνήχθησαν εἰς Ἰερ. λαὸς πολὺς (1 δ)  
 32. 4. συναγάγετε λαὸν πολὺν (34 β)  
 — 6. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν (34 α)  
 34. 9. δ συναγαγον οἱ Α. (1 α)  
 — 29. συναγάγετε τοὺς πρεσβυτέρους Ἰ. (1 α)  
 I Es. 4. 18. ἐάν δε συναγάγῃ χρυσίον  
 5. 47. συνήχθησαν ὁμοθυμαδὸν εἰς τὸ εὐρύχωρον  
 8. 14. καὶ πᾶν χρυσίον . . . συναχθῆναι [Α<sup>1</sup> α.]  
 — 27. συναγαγον ἐκ τοῦ Ἰσρ. ἀνδρας  
 — 41. Β συναγαγὼν [Α Β -ήγαγον] αὐτοὺς ἐπὶ τὸν λεγόμεν. Θ. ποταμὸν  
 9. 3. ἐγένετο κήρυγμα . . . συναχθῆναι εἰς Ἰερ. —  
 — 38. συνήχθη πᾶν τὸ πλῆθος ὁμοθυμαδόν  
 II Es. 3. 1. συνήχθη ὁ λαὸς ὡς ἀνὴρ εἰς (1 β)  
 7. 28. συνήξα ἀπὸ Ἰσρ. ἀρχοντας (34 α)  
 8. 15. συνήξα αὐτοὺς πρὸς τὸν ποταμὸν (34 α)  
 — 20. πάντες συνήχθησαν ἐν ὀνόματι (34)  
 9. 4. συνήχθησαν πρὸς μέ (1 β)  
 10. 1. συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν ἀπὸ Ἰσρ. (34 β)  
 — 7. Β<sup>2</sup> τὸν συναχθῆναι [Β -αθροισθῆναι] εἰς Ἰερ. (34 β)  
 — 9. συνήχθησαν πάντες ἄνδρες Ἰ. (34 β)  
 Ne. 1. 9. ἐκείθεν συνάξω αὐτοὺς (34 α)  
 4. 8 (2). συνήχθησαν πάντες ἐπὶ τὸ αὐτό (42)  
 — 20 (14). ἐκεῖ συναχθῆσθε πρὸς ἡμᾶς (34 β)  
 5. 16. καὶ πάντες οἱ συνηγμένοι ἐκεῖ ἐπὶ τὸ ἔργον (34 α)  
 6. 2. συναχθῶμεν ἐπὶ τὸ αὐτὸ ἐν ταῖς κώμας  
 — 10. συναχθῶμεν εἰς οἶκον τοῦ θεοῦ (12)  
 7. 5. συνήξα τοὺς ἐντίμους (34 α)  
 8. 1. συνήχθησαν πᾶς ὁ λαὸς (1 β)  
 — 13. συνήχθησαν οἱ ἀρχοντες τῶν πατριῶν (1 β)  
 9. 1. συνήχθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ (1 β)  
 12. 25. ἐν τῷ συναγαγεῖν με τοὺς πτωχοὺς (1 γ)  
 — 28. συνήχθησαν [Β<sup>1</sup> ἡχθ.] οἱ υἱοὶ τῶν φιδόντων (1 δ)  
 Ne. 12. 44. καὶ τοῖς συνηγμένοις ἐν αὐτοῖς ἀρχουσι τῶν πόλεων (18 α)  
 13. 11. καὶ συνηγαγον αὐτοὺς (34 α)  
 To. 6. 5. Β συνηγαγεν τὴν χολὴν  
 13. 5. συνάξει ἡμᾶς ἐκ πάντων τῶν ἐθνῶν [Β α.]  
 — 13. συναχθῶσιν καὶ εὐλογήσουσι τὸν κ. [Β α.]  
 Ju. 1. 6. Β συνήχθησαν [Α Β συνήλθον] ἔθνη πολλὰ  
 Es. 2. 8. συνήχθησαν κοράσια πολλὰ [Α α.] (34 β)  
 9. 15. συνήχθησαν οἱ Ἰουδαῖοι (35 α)  
 — 16. συνήχθησαν καὶ [Α -αχθῆντες] ἑαυτοῖς ἐβοήθουν (35 α)  
 — 18. οἱ δὲ Ἰουδ. . . συνήχθησαν (35 α)  
 10. 3. Α τὰ συναχθέντα [Β Β ἐπισ.] ἀπολέσθαι τὸ ὄνομα τῶν Ἰουδ. —  
 Jb. 5. 5. ἂν γὰρ ἐκείνοι συνηγαγον [Α ἐθέρισαν] (40)  
 20. 13. συνάξει αὐτὴν ἐν μέσῳ τοῦ λάρυγγος αὐτοῦ (18)  
 — 15. πλοῦτος ἀδικῶς συναγόμενος ἐξεμῆθησεται (5)  
 27. 16. ἐάν συναγάγῃ ὥστε γῆν ἀργύριον (32)  
 Ps. 2. 2. συνήχθησαν ἐπὶ τὸ αὐτὸ κατὰ τοῦ κυρίου (10)  
 15 (16). 4. οὐ μὴ συναγάγῃ τὰς συναγαγὰς αὐτὸν ἐξ αἱμάτων (18)  
 30 (31). 13. ἐν τῷ συναχθῆναι [Α Β ἐπισυν.] αὐτοὺς ἅμα ἐπ' ἐμὲ (10)  
 32 (33). 7. συναγὼν ὥστε ἀσκὸν ὕδατα θαλάσσης (18 α)  
 34 (35). 15. κατ' ἐμοῦ εὐφράνθησαν καὶ συνήχθησαν (1 δ)  
 — 15. συνήχθησαν ἐπ' ἐμὲ μαστίγες (1 β)  
 38 (39). 6. οὐ γινώσκει τίς συνάξει [Α<sup>1</sup> -άγει] αὐτὰ (1 α)  
 40 (41). 6. ἡ καρδία αὐτοῦ συναγαγεν ἀνομίαν ἑαυτῷ (34 α)  
 46 (47). 9. ἀρχοντες λαῶν συνήχθησαν (1 δ)  
 47 (48). 4. οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς συνήχθησαν (12)  
 49 (50). 5. συναγάγετε αὐτῶν τοὺς δόλιους αὐτοῦ (1 α)  
 101 (102). 23. ἐν τῷ συναχθῆναι [Α Β<sup>2</sup> ἐπισυν.] λαοὺς ἐπὶ τὸ αὐτό (34 β)  
 103 (104). 22. Α Β καὶ συνήχθησαν [Β -αχθῆ-σονται] (1 β)  
 106 (107). 3. ἐκ τῶν χωρῶν συναγαγεν αὐτοὺς (34 α)  
 Pr. 9. 12. συνάξει δὲ χερσὶν ἀκαρίπια —  
 10. 10. συνάγει ἀνδράσι λύπας (25)  
 11. 24. εἰσὶ δὲ καὶ οἱ συνάγοντες [Β<sup>1</sup> σ. τὰ ἀλλότρια] ἐλαττονοῦνται (9?)  
 13. 11. ὁ δὲ συνάγων ἑαυτῷ μετ' εὐσεβείας πληθυνθήσεται (34 α)  
 24. 27 (30. 4). τίς συνήγαγεν ἀνέμους ἐν κόλπῳ (1 α)  
 27. 25. σέσωγε [Α συναγάγε] χόρτον θρεῖνόν (1 β)  
 28. 8. τῷ ἐλεοῦτι πτωχοὺς συνάγει αὐτὸν (34 α ν. 34 α)  
 31. 14. συνάξει δὲ αὐτὴ τὸν βίον [Α Β<sup>1</sup> πλοῦτον] (4)  
 Ec. 2. 8. συνήγαγον μοι καὶ γὰρ ἀργύριον (18 α)  
 — 26. τοῦ προσθῆναι καὶ τοῦ [Β σμ.] συναγαγεῖν (18 α)  
 3. 5. καιρὸς τοῦ συναγαγεῖν λίθους (18 α)  
 Si. 13. 16. πᾶσα σὰρξ κατὰ γένος συνάγεται  
 14. 4. ὁ συνάγων ἀπὸ τῆς ψυχῆς αὐτοῦ συνάγει ἄλλους  
 21. 8. Β Β ὡς ὁ [Α Β σμ.] συνάγων αὐτοῦ τοὺς λίθους εἰς χειμῶνα  
 — 9. στυπτεῖον συνηγμένων συναγωγὴ [Α εἰσαγ.] ἀνέμων  
 25. 3. ἐν [Α δ ἐν] νεότητι οὐ συναγοῖσας  
 33 (36). 11. σὺναγε [Α -άγαγε] πᾶσας φυλάς Ἰακώβ  
 47. 18. συνήγαγεν καὶ εἰσελθόμενος τὸ χρυσίον  
 Ho. 1. 11 (2. 2). συναχθῶσιν οἱ υἱοὶ Ἰούδα (34 β)  
 10. 10. συναχθῶσιν ἐπ' αὐτοὺς λαοὶ (1 δ)  
 Am. 3. 9. συνάχθητε ἐπὶ τὸ δρὸς Σαμαρείας (1 β)  
 Mi. 1. 7. ἐκ μισθώματος πορνείας συναγάγετε (34 α)  
 2. 11 (12). συναγόμενος συναχθήσεται Ἰ. σὺν πᾶσιν (1 α, 1 α)  
 4. 6. συνάξω τὴν συνετριμμένην (1 α)  
 — 12. συναγάγετε αὐτοὺς ὡς βράγματα θύων (34 α)  
 5. 7 (6). ὅπως μὴ συναχθῇ μηδεὶς (36 β)  
 7. 1. ἐγενήθη ὡς ἡμῶν ἀκαλῆμην (1 γ)  
 Jb. 1. 14. συναγάγετε πρεσβυτέρους (1 α)  
 2. 1. Α συναχθῆτωσαν [Β Β συνηχθῆ.] πάντες (44)  
 — 16. συναγάγετε λαὸν (1 α)  
 — 16. συναγάγετε νῆπια θηλάζοντα μαστούς (1 α)  
 3 (4). 2. συνάξω πάντα τὰ ἔθνη (34 α)  
 — 11. συνάχθητε [Β<sup>1</sup> -θήσεται] ἐκεῖ (34 β)  
 Hb. 1. 9. συνάξει ὡς ἡμῶν ἀκαλῶσιαν (1 α)  
 — 15. συναγάγετε αὐτὸν ἐν ταῖς σαγήναις αὐ. (1 α)  
 2. 16. Α Β Β<sup>2</sup> συνήχθη ἀνίμια ἐπὶ τὴν δόξαν σου —  
 Ze. 2. 1. συνάχθητε καὶ συνδέθητε (43 β)  
 Ze. 3. 18. συνάξω τοὺς συνετριμμένους (1 α)  
 Hg. 1. 6. ὁ τοὺς μισθοὺς συνάγων [Β -αγαγὼν] συνηγαγεν εἰς δεσμὸν τετριμμένους (49, 45)  
 Za. 2. 6 (10). ἐκ τῶν τεσσάρων ἀνέμων τοῦ οὐρ. συνάξω ὑμᾶς +  
 9. 3. Α Β<sup>2</sup> Β συναγάγε [Β Β<sup>1</sup> σμ.] χρυσίον —  
 14. 14. συνάξει τὴν ἰσχύον πάντων τῶν λαῶν κυκλῶν (1 δ)  
 Is. 11. 12. συνάξει τοὺς ἀπολωμένους Ἰσρ. καὶ τοὺς διεσπαρμ. Ἰ. συνάξει (1 α, 34 α)  
 13. 4. φωνὴ βασιλείων καὶ ἐθνῶν συνηγμένων (1 β)  
 — 14. οὐκ ἔσται ὁ συνάγων (34 α)  
 — 15. οἵτινες συνηγμένοι εἰσὶ (36 β)  
 17. 5. ἐάν τις συναγάγῃ ἄμνην ἰσθηκίαν . . . ἐάν τις συναγάγῃ σάκχυν (1 α, 17 β)  
 18. 6. συναχθήσεται ἐπ' αὐτοὺς τὰ πετεινά (37)  
 23. 18. οὐκ αὐτοὶ συναχθήσονται (2 β + 50)  
 24. 22. συνάξουσιν συναγωγὴν αὐτῆς [Α σμ. σ. αὐ.] εἰς δεσμοτήριον (1 δ)  
 27. 12. συναγάγετε κατὰ ἕνα [Α Β add. ἕνα] τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ (17 α)  
 28. 20. ἀσθενούμεν τοῦ ἡμᾶς συναχθῆναι (18 β)  
 29. 1. συναγάγετε γεννημένα ἑαυτὸν ἐπὶ ἐνι-αυτὸν (26 α)  
 — 7. πάντες οἱ συνηγμένοι ἐπ' αὐτὴν +  
 33. 4. συναχθήσεται τὰ σκύλα ὑμῶν . . . ὃν τρώ-πον ἐάν τις συναγάγῃ ἀκρίδας (1 δ, 1 γ)  
 34. 16. τὸ πνεῦμα αὐ. συναγάγετε αὐτὰ [Α -άξ] (34 α)  
 35. 10. καὶ συνηγμένοι διὰ κυρίου (31)  
 39. 6. ὅσα συναγαγον οἱ πατέρες σου (2 α)  
 40. 11. τῷ βραχίονι αὐτοῦ συνάξει ἀρας (34 α)  
 43. 5. ἀπὸ θυμῶν συνάξω σε (34 α)  
 — 9. πάντα τὰ ἔθνη συνήχθησαν ἅμα καὶ συναχθῶσιν ἀρχοντες ἐξ αὐτῶν (34 β, 1 β)  
 44. 11. κοφὸι ἀπὸ ἀνθρώπων συναχθῶσιν πάντες (34 α)  
 45. 20. συνάχθητε καὶ ἤκετε (34 β)  
 48. 14. συναχθῶσιν πάντες (34 β)  
 49. 5. τοῦ συναγαγεῖν τὸν Ἰακώβ πρὸς αὐτὸν . . . συναχθῶσιν καὶ δοξασθῶσιν (47, 1 β)  
 — 18. συνήχθησαν καὶ ἡλθον πρὸς σέ (34 β)  
 52. 12. Β<sup>1</sup> καὶ ὁ συνάγων [Α Β Β<sup>2</sup> ἐπισ.] ὑμᾶς κ. ὁ θ. Ἰσρ. (1 α)  
 — 15. Α συνάξουσιν [Β Β -έξ.] βασιλεῖς τὸ στόμα αὐτῶν (39)  
 56. 8. εἰπε κ. ὁ συνάγων τοὺς διεσπαρμ. Ἰσρ. διτι συνάξω ἐπ' αὐτὸν συναγωγὴν (34 α, 34 α)  
 60. 4. ἴδε συνηγμένα τὰ τέκνα σου (34 β)  
 — 7. πάντα τὰ πρόβατα Κηθὼρ συναχθῶσιν [Β add. σοι] (34 β)  
 — 22. ἐγὼ κύριος κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτοὺς (7)  
 62. 9. οἱ συναγαγόντες [Α Β συνάγοντες] φάγονται αὐτὰ . . . καὶ οἱ συναγαγόντες [Α Β<sup>2</sup> συνάγοντες] πίοσιν αὐτὰ [Β α.] (1 α, 34 α)  
 66. 18. ἔρχομαι συναγαγεῖν πάντα τὰ ἔθνη (34 α)  
 Je. 3. 17. συναχθῶσιν πάντα τὰ ἔθνη εἰς αὐτὴν (36 α)  
 4. 5. εἰπατε, Συναχθῆτε (1 β)  
 7. 21. τὰ ὀλοκαυτώματα ὑμῶν συναγάγετε (36 α)  
 8. 10 (13). συνάξουσιν τὰ γεννητά αὐτῶν (1 α)  
 — 14. συνάχθητε καὶ εἰσελθόμενοι εἰς τὰς πόλεις (1 β)  
 — 15. συνήχθημεν εἰς εἰρήνην (36 β)  
 9. 22 (21). οὐκ ἔσται ὁ συνάγων (1 α)  
 10. 17. συναγάγετε ἐξωθεν τὴν ὑπόστασιν σου (1 α)  
 12. 9. συναγάγετε [Β<sup>1</sup> συνάγετε] πάντα τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ (1 α)  
 17. 11. συναγάγετε δὲ οὐκ ἔτεκε (8)  
 21. 4. Β συνάξω αὐτοὺς [Α Β σμ. σ. αὐ.] εἰς τὸ μέσον τῆς πόλεως ταύτης (1 α)  
 23. 7. Β<sup>1</sup> δε συναγάγε τὸν λαὸν Ἰσρ. [Α Β Β<sup>2</sup> α.] (39)  
 — 8. δε συναγάγε τὸ σπέρμα Ἰσραὴλ (29 + 4)  
 27 (50). 7. νομὴ δικαιοσύνης τῷ συναγαγόντι τοὺς πατέρας αὐτῶν (36 α)  
 28 (51). 44. οὐ μὴ συναχθῶσι πρὸς αὐτὴν ἐπὶ τὰ ἔθνη (30)  
 29 (49). 14. συνάχθητε [Β<sup>1</sup> -ήναι] καὶ παμα-γίνεσθε εἰς αὐτὴν (34 α)  
 30 (49). 5. οὐκ ἔστιν ὁ συνάγων (34 α)  
 37 (50). 21. συνάξω αὐτοὺς (41 β)  
 38 (31). 8. συνάξω αὐτοὺς ἀπ' [Α ἐπ'] ἐσχάτου τῆς γῆς (34 α)  
 — 10. ὁ λεκμήσας τὸν Ἰσραὴλ συνάξει αὐτὸν (34 α)

Je. 39 (82). 37. συναγωγή αὐτοὺς ἐκ πάσης τῆς γῆς (34 c)  
47 (40). 10. Α συναγάγετε οἶκον καὶ ὁπώραν  
καὶ συναγάγετε [B om.] ἔλαιον (1 a, -)  
— 12. συνήγαγον οἶκον καὶ ὁπώραν πολλὴν  
σφόδρα (1 a)  
— 15. διασπαρῆ πᾶς Ἰουδαίᾳ [B<sup>1</sup> om.] συνή-  
γμεινὸς πρὸς σέ [A al.] (34 b)  
Ba. 1. 6. συνήγαγον ἀργύριον  
4. 37. ἐρχονται συνήγμεινοι ἀπὸ ἀνατολῶν  
5. 5. ἴδε σου συνήγμεινα τὰ τέκνα  
Ez. 11. 17. Α<sup>3</sup> B συναῖω αὐτοὺς ἐκ τῶν χωρῶν (1 a)  
13. 5. συνήγμεινοι ποίμνια  
16. 31. ἐγένοντο ὡς πόρην συναῖωσα μισθώματα †  
— 37. Α ἐπὶ σέ συναῖω [B ἐπισυναῖω] πάντας  
τοὺς ἐραστάς σου (34 c)  
— 37. συναῖω αὐτοὺς ἐπὶ σέ κυκλῶθεν (34 c)  
22. 20. συναῖω καὶ χωνεύσω [A<sup>1</sup> ἐπαφήσω] (21)  
— ὕμᾱς (21)  
28. 25. συναῖω τὸν Ἰσραὴλ (34 c)  
29. 5. οὐ μὴ συναῖω (1 b)  
— 13. συναῖω Αἰγυπτίους ἀπὸ τῶν ἐθνῶν (34 c)  
34. 12. Α συναῖω [B ἀπελάσω] αὐτὰ ἀπὸ  
ποινῶν τούτου (23)  
— 13. συναῖω αὐτοὺς ἀπὸ [A ἐκ] τῶν χωρῶν (34 c)  
37. 21. συναῖω αὐτοὺς ἀπὸ πάντων τῶν περι-  
κύκλω αὐτῶν (34 c)  
38. 4. συναῖω σε (47 + 13)  
— 7. B ἡ ἐκκλησία σου ἡ συναῖω [A B  
οὐ σ.] μετὰ σοῦ (35 a)  
— 8. συνήγμεινοι ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν (34 d)  
— 12. ἐπ' ἐθνῶν συνήγμεινοι ἀπὸ ἐθνῶν πολλῶν (1 d)  
— 13. συνήγαγε συναγωγὴν σου (35 b)  
39. 2. Α συναῖω σε... καὶ συναῖω [B ἀν.] σε (47, 4)  
— 17. συναῖω καὶ ἐρχεσθε συναῖω (34 b, 1 b)  
— 27. ἐν τῇ... συναγαγεῖν με αὐτοὺς (34 c)  
Da. LXX. 8. 3. τότε συνήχθησαν ὑπάτοι (16 d)  
— 27 (94). συνήχθησαν οἱ ἑσπεῖοι (16 d)  
6. 23 (24). συνήχθησαν πᾶσαι αἱ δυνάμεις  
11. 10. συναῖε συναγωγὴν δόλου πολλοῦ (1 a)  
— 13. συναῖε πόλεως συναγωγὴν (30)  
— 34. συναῖουσιν ἰσχυρὴν βραχείαν †  
12. 12. συναῖε εἰς ἡμέρας χιλίας (19)  
Bel 27. συνήχθησαν οἱ ἀπὸ τῆς χώρας πάντες  
Da. TH. 8. 2. ἀπέστειλε συναγαγεῖν τοὺς ὑπά-  
τους (16 c)  
— 3. καὶ συνήχθησαν οἱ τοπάρχαι (16 d)  
— 3. Α καὶ συνήχθησαν οἱ τοπάρχαι  
— 27 (94). συναγῶνται οἱ στρατοὶ (16 d)  
11. 10. οἱ υἱοὶ αὐ. συναῖουσιν δόλον (1 a)  
— 40. συναῖουσιν ἐπ' αὐτὸν βασιλ. τοῦ βορρᾶ (46)  
I Ma. 1. 4. συνήξε δυνάμει ἰσχυρὰν σφόδρα  
— 35. συναγῶντες τὰ σέβλα Ἰερ.  
2. 16. Μιττ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. συνήχθησαν  
— 42. συνήχθησαν πρὸς αὐτοὺς συναγωγὴ Ἰουδαίων  
3. 9. καὶ συναγῶντες ἀπολλυμένους  
— 10. καὶ συναγῶντες Ἀπ. ἐθνη  
— 27. συναγῶντες τὰς δυνάμεις πάσας  
— 31. καὶ συναγῶντες ἀργύριον πολὺ  
— 46. συνήχθησαν καὶ ἤλθον εἰς Μ.  
— 52. τὰ ἐθνη συνήκται ἐφ' ἡμᾶς  
4. 37. συνήχθη ἡ παρεμβολὴ πᾶσα  
5. 37. συναγῶντες ἱμ. παρεμβολὴν ἄλλην  
— 45. συναγῶντες ἱ. πάντα Ἰερ.  
6. 20. B<sup>2</sup> B καὶ συνήχθησαν ἅμα  
— 28. συναγῶντες πάντας τοὺς φίλους αὐ.  
7. 22. συναγῶντες πρὸς αὐτὸν πάντες  
9. 7. οὐκ εἶχε καιρὸν συναγαγεῖν αὐτοὺς  
— 13. Α ἐγένετο ὁ πόλεμος συνήγμεινος [B B-ημ.]  
— 63. συναγῶντες πᾶν τὸ πλῆθος αὐ.  
10. 2. συναγῶντες δυνάμεις πολλὰς σφόδρα  
— 6. ἔδωκεν αὐτῷ ἐξουσίαν συναγαγεῖν δυνάμεις  
— 8. ἔδωκεν αὐτῷ ὁ βασιλ. ἐξουσίαν συναγαγεῖν  
δυνάμεις  
— 21. καὶ συναγῶντες δυνάμεις  
— 48. συναγῶντες ἅλ. ὁ βασιλ. δυνάμεις μεγάλας  
— 61. Α συναγῶντες [B ἐπισ.] ἐπ' αὐτὸν ἄνδρες  
λοιμοὶ  
— 69. συναγῶντες δυνάμει μεγάλην  
11. 20. συναγῶντες ἱων. τοὺς ἐκ τῆς Ἰουδ.  
12. 37. συνήχθησαν τοὺς ὀκτακομίδας  
13. 1. συναγῶντες Τρ. δυνάμει πολλήν  
— 6. συνήχθησαν πάντα τὰ ἐθνη  
— 10. συναγῶντες πάντας τοὺς ἄνδρας  
14. 1. συναγῶντες ἅλ. ὁ βασιλ. τὰς δυνάμεις αὐ.  
— 7. συναγῶντες αἰχμαλωσίαν πολλήν  
— 7. B συναγῶντες [A ἐκυρίευσεν] Γαζ.

I Ma. 15. 12. B συνήκται ἐπ' αὐτὸν τὰ κακά [A B al.]  
II Ma. 2. 7. ὥς ἂν συνήγῃ ὁ θεὸς ἐπισυναγωγὴν  
τοῦ λαοῦ  
8. 1. τοὺς μεμνημένους ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ... συνή-  
γαγον  
— 16. συναγῶντες δὲ ὁ Μ. τοὺς περὶ αὐτὸν ὄντας  
10. 21. συναγῶντες τοὺς ἡγουμένους τοῦ λαοῦ  
— 24. συναγῶντες ξίνας δυνάμεις παμπληθεῖς  
14. 23. τοὺς δὲ συναγῶντας ἀγκυλοῦς δόλους  
ἀπέλυσεν  
III Ma. 1. 28. ἐκ δὲ τῆς... τῶν δόλων συναγομένης  
κραυγῆς  
3. 1. καὶ προστάζει σπεύδοντας συναγαγεῖν πάντας  
5. 3. συναγῶντες τοὺς μάλιστα τῶν φίλων  
6. 33. περὶ τούτων συμπόσιον βαρὺ συνάγων  
[Aq. Ps. 82 (83). 7: 45 (46). 7: 49 (50). 5: Ec.  
2: 26: Je. 8. 2: 16. 5: 26. 33 (32. 19): 48  
(31). 33: Ez. 5. 16: Na. 3. 18.]  
[Sm. Ge. 49. 33: II Ki. 14. 14: Ps. 82 (83). 7:  
34 (35). 15: 45 (46). 7: 49 (50). 5: 55 (56).  
7: Pr. 6. 8: 10. 5: 30. 4: Is. 57. 1 bis: 60.  
20: Je. 21. 4: Mi. 4. 11: Na. 3. 18.]  
[Th. II Ki. 14. 14: Jb. 39. 12: Ps. 46 (47). 10:  
49 (50). 5: Is. 28. 20: 54. 7: 57. 1 bis: 60.  
20: Je. 21. 4 (Sw.): 25. 33 (32. 19): Ez. 5. 16  
(Sw.): Da. 3. 3: Na. 3. 18.]  
[Al. Ge. 9. 14: Le. 19. 25: 23. 39: Nu. 12.  
14: Dt. 4. 10: 11. 14: 28. 38.]  
[Heb. Ps. 49 (50). 5:]  
[Quint. Ps. 82 (83). 7:]  
συναγελάζειν.  
IV Ma. 18. 23. εἰς πατέρων χορὸν συναγελάζονται  
[B<sup>1</sup> al.]  
σύναγμα. (1) ἡδῶν a. qal. δ. ἡδῶν  
Ec. 12. 11. Α B<sup>1</sup> οἱ παρὰ τῶν σ. [B<sup>2</sup> συναγ-  
μάτων, B συνθεμάτων] ἰδούσαν (1)  
συναγωγή. (1) ἡδῶν a. qal. δ. ἡδῶν  
c. ἡδῶν (2) ἡδῶν (3) ἡδῶν (4) ἡδῶν  
(5) ἡδῶν (6) ἡδῶν (7) ἡδῶν (8) ἡδῶν  
(9) ἡδῶν (10) ἡδῶν (11) ἡδῶν  
(12) ἡδῶν (13) ἡδῶν (14) ἡδῶν  
(15) ἡδῶν (16) ἡδῶν (17) ἡδῶν  
δ. ἡδῶν (18) ἡδῶν (19) ἡδῶν  
Ge. 1. 9. συναγῶντες τὸ ὕδωρ... εἰς σ. μίαν (10)  
— 9. συναγῶντες τὸ ὕδωρ... εἰς τὰς σ. αὐ. —  
28. 3. ἡδῶν εἰς συναγῶντες ἡδῶν (17 a)  
35. 11. συναγῶντες ἡδῶν ἡδῶν εἰς σὺ (17 a)  
48. 4. ποιῶν σε εἰς συναγῶντες ἡδῶν (17 a)  
Ex. 12. 3. λάλησον πρὸς πάντας σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 6. πᾶν τὸ πλῆθος συναγῶντες υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 19. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψυχὴ ἐκ ἐκ συνα-  
γωγῆς Ἰερ. (13)  
— 47. πᾶσα σ. υἱὸν Ἰερ. ποιήσει αὐτὸ (13)  
16. 1. ἡλθον πᾶσα σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 2. διηγῶντες πᾶσα σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 3. ἀποκτείναντες πᾶσαν τὴν σ. ταύτην (17 a)  
— 6. εἶπε Μ. καὶ Ἄ. πρὸς πάντας σ. υἱὸν Ἰερ. —  
— 9. εἶπον πᾶσι σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 10. ἡνίκα δὲ ἐλάλει Ἄ. πᾶσι σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 22. πάντες οἱ ἀρχόντες τῆς σ. (13)  
17. 1. ἀπῆρε πᾶσα σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
23. 16. ἐν τῇ σ. τῶν ἔργων σου (1 a)  
34. 22. B καὶ ἀρχὴν [A B ἐορτήν] συναγωγῆς  
μεσοῦτος τοῦ ἐνιαυτοῦ (1 b)  
— 31. καὶ πάντες οἱ ἀρχόντες τῆς σ. (13)  
35. 1. συνήθροισεν Μ. πᾶσαν [A add. τὴν] σ.  
υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 4. εἶπε Μ. πρὸς πάντας σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 20. καὶ ἐξῆλθε πᾶσα σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
38. 22 (2). τοὺς καταστασάσασιν μετὰ τῆς Κ.  
συναγωγῆς —  
39. 2 (88. 25). παρα τῶν ἐπεσεκμενῶν ἀνδρῶν  
τῆς σ. (13)  
Le. 4. 13. ἐὰν δὲ πᾶσα σ. Ἰερ. ἀγνοήσῃ ἀκου-  
σίως (13)  
— 13. καὶ λάβῃ ῥῆμα ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς σ. (17 a)  
— 14. προσάξει ἡ σ. μόσχον (17 a)  
— 15. ἐπιθῆσονται οἱ πρεσβύτεροι τῆς σ. τὰς  
χείρας αὐ. (13)  
— 21. ἀμαρτία συναγωγῆς ἐστίν (17 a)  
8. 3. πᾶσαν τὴν σ. ἐκκλησίαν (13)

Le. 8. 4. ἐκκλησίασε τὴν σ. (18)  
— 5. εἶπε Μ. τῇ σ. (13)  
9. 5. προσῆλθε πᾶσα σ. (13)  
10. 3. ἐν πάσῃ τῇ [B<sup>1</sup> om.] σ. δοξασιόσονται (14)  
— 6. ἐπὶ πᾶσαν τὴν σ. ἔσται θυμὸς (13)  
— 17. ἵνα ἀφέλῃται τὴν ἀμαρτίαν τῆς σ. (13)  
11. 36. πλὴν πηγῶν ὕδατος... καὶ συναγωγῆς  
ὑδατος (9)  
16. 5. παρὰ τῆς σ. τῶν υἱῶν Ἰερ. λήψεται δύο  
χιμάρους (13)  
— 17. καὶ περὶ πάσης σ. υἱῶν Ἰερ. (17 a)  
— 33. περὶ πάσης σ. ἐξέλθεται (13)  
19. 2. λάλησον τῇ σ. τῶν υἱῶν Ἰερ. (13)  
22. 18. λάλησον... πᾶσι σ. Ἰερ. (8)  
24. 14. λιθοβολήσονται αὐτὸν πᾶσα ἡ σ. (13)  
— 16. Α B<sup>1</sup> λιθοβολήτω αὐτὸν πᾶσα [B<sup>2</sup> B  
add. ἡ] σ. Ἰερ. (13)  
Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν πάσης σ. [A add. υἱῶν]  
Ἰερ. (13)  
— 16. οὐτοι ἐπὶ κλητοὶ τῆς σ. (13)  
— 18. πᾶσαν τὴν [A om.] σ. συνήγαγον (13)  
5. 2. Α ἐξαποστελεῖσθε αὐτοὺς ἐκ τῆς σ. [B παρεμ-  
βολῆς] (8)  
8. 9. συναῖε πᾶσαν σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 20. Μ. καὶ Ἄ. καὶ πᾶσα σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
16. 2. ἔσονται σοὶ ἀνακαλεῖν τὴν σ. (13)  
— 3. συναγῶντες πᾶσα ἡ σ. (13)  
— 7. ὅταν συναγῶντες τὴν σ. (17 a)  
13. 27 (26). ἦλθον... πρὸς πάντας σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 27 (26). ἀπεκρίθησαν αὐτοῖς ῥῆμα καὶ πᾶσι  
σ. [A τῇ σ.] (13)  
14. 1. ἀναλαβοῦσα πᾶσα ἡ σ. ἐνέδωκε φωνὴν (13)  
— 2. εἶπαν πρὸς αὐτοὺς πᾶσα ἡ σ. (13)  
— 5. ἐναντίον πάσης σ. υἱῶν Ἰερ. (13)  
— 7. εἶπαν πρὸς πάντας σ. υἱῶν Ἰερ. (13)  
— 10. εἶπε πᾶσα ἡ σ. καταλιθοβολήσας αὐτοὺς (13)  
— 27. ὥς τίνας τὴν σ. τὴν ποιητὴν ταύτην (13)  
— 35. ἐλὼν οὕτως ποιῶν τῇ σ. τῇ ποιητῇ τ. (13)  
— 36. διηγῶντες κατ' αὐτῆς πρὸς τὴν σ. (13)  
15. 14 (15). οὕτως ποιήσει ἡ σ. κυρία (17 a)  
— 24. ἐὰν ἐξ ὀφθαλμῶν τῆς σ. γενήσῃ ἀκου-  
σίως (13)  
— 24. καὶ ποιήσει πᾶσα ἡ σ. μόσχον ἕνα (13)  
— 25. ἐξέλθεται... περὶ πάσης σ. υἱῶν Ἰερ. (13)  
— 26. ἀφθῆσεται κατὰ πᾶσαν σ. [A ἀφ. πᾶσα  
ἡ σ.] (13)  
— 33. προσήγαγον αὐτὸν... πρὸς πᾶσαν σ.  
υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 35. λιθοβολήσας αὐτὸν λίθοις πᾶσα ἡ σ. (13)  
— 36. ἐξήγαγον αὐτὸν πᾶσα ἡ σ. (13)  
— 36. ἐλιθοβολήσεν αὐτὸν πᾶσα ἡ σ. λίθοις —  
18. 2. ἀρχὴν συναγωγῆς (13)  
— 3. πᾶσα ἡ σ. πάντες ἄγιοι (13)  
— 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν σ. κυρίου (17 a)  
— 5. ἐλάλησε... πρὸς πάντας αὐτοὺς τὴν σ. (13)  
— 6. Κ. καὶ πᾶσα ἡ σ. αὐ. (13)  
— 9. διέστειλεν ὁ θ. Ἰερ. ὕμᾱς ἐκ συναγωγῆς  
Ἰερ. (13)  
— 9. Α παρίστασθαι ἐναντί τῆς σ. [B σκηνῆς] (13)  
— 11. σὺ καὶ πᾶσα ἡ σ. σου (13)  
— 16. ἀγίασον τὴν σ. σου (13)  
— 19. Α<sup>2</sup> B ἐπισυνέστησαν ἐπ' αὐτοὺς Κ. τὴν  
πᾶσαν αὐτοῦ σ. (13)  
— 19. ὥφθη ἡ δόξα κυρίου πᾶσι τῇ σ. (13)  
— 21. ἀποσχίσθητε ἐκ μέσου τῆς σ. ταύτης (13)  
— 22. ἐπὶ πᾶσαν τὴν σ. ὀργὴ κυρίου (13)  
— 24. λάλησον τῇ σ. (13)  
— 24. ἀναχωρήσας κύκλω ἀπὸ τῆς σ. Κ. (11)  
— 26. ἐλάλησε πρὸς τὴν σ. (13)  
— 33. ἀπώλοντο ἐκ μέσου τῆς σ. (17 a)  
— 42 (17. 7). ἐν τῇ ἐπισυνέστησαν αὐτοὺς τὴν σ.  
ἐπὶ Μ. (13)  
— 45 (17. 10). ἐκχωρήσας ἐκ μέσου τῆς σ. τ. (13)  
— 47 (17. 12). ἔδραμεν εἰς τὴν σ. (17 a)  
19. 9. ἔσται τῇ σ. υἱὸν Ἰερ. (13)  
— 20. ἐξολεθρευθήσεται ἡ ψυχὴ ἐκ ἐκ μέσου  
τῆς σ. (17 a)  
20. 1. ἦλθον οἱ υἱοὶ Ἰερ. πᾶσα ἡ σ. (13)  
— 2. οὐκ ἦν ὕδωρ τῇ σ. (13)  
— 4. ἵνα τί ἀπηγάγετε τὴν σ. κυρίου (17 a)  
— 6. ἦλθε Μ. καὶ Ἄ. ἀπὸ προσώπου τῆς σ. (17 a)  
— 8. B ἐκκλησίασαν τῇ σ. [A B τὴν σ.] (13)  
— 8. ποτιεῖτε τὴν σ. (13)  
— 10. ἐκκλησίασε Μ. καὶ Ἄ. τὴν σ. (17 a)  
— 11. ἔπειν ἡ σ. (13)  
— 12. οὐκ εἰσάξατε ὑμῖς τὴν σ. ταύτην (17 a)



|   |   |   |
|---|---|---|
| Nu. 20. 22. Β' παρηγόνησαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. πᾶσα σ. [A B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> ἡ σ.] (18)          | Ps. 106 (106). 18. ἐξεκαύθη πῦρ ἐν τῇ σ. αὐτῶν (18)   | Jo. 22. 12. συνθηροίσθησαν πάντες οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (8 α)   |
| — 25. ἀναβίβασαν αὐτοὺς . . . ἐναντι πάσης τῆς σ. (18)  | 110 (111). 1. ἐν Βουλῇ εὐδύναν καὶ συναγωγῇ (18)  | Jd. 12. 4. Α συνθηροίσειν 'Ι. πάντας τοὺς ἀνδρας (5 α)  |
| — 27. ἀνεβίβασαν αὐτὸν . . . ἐναντίον πάσης τῆς σ. (18)   | Pr. 5. 14. ἐν μέσῳ ἐκκλησίας καὶ συναγωγῆς (18)   | Γ. [B al.] (5 α)  |
| — 29. εἶδε πᾶσα ἡ σ. (18)   | 21. 16. ἐν συναγωγῇ γινώσκων ἀσπαύσεται (17 α)  | I Ki. 4. 1. συναβροίζονται ἀλλόφυλοι εἰς πόλεμον — 7. 7. συνθηροίσθησαν πάντες οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (5 c)  |
| 22. 4. οὐκ ἐκλείξει ἡ σ. αὐτῇ πάντας (17 α)   | Si. 1. 30. ἐν μέσῳ συναγωγῆς καταβαλεῖ σε (18)  | 8. 4. συναβροίζονται ἄνδρες 'Ισρ. (5 c)   |
| 25. 6. ἐναντίον πάσης σ. υἱὸν 'Ισρ. (18)  | 4. 7. προσφύλῃ συναγωγῇ σεαυτὸν ποιεῖ (18)  | 25. 1. συναβροίζονται πᾶς 'Ισρ. (5 b)   |
| — 7. ἐξάνιστή ἐκ μέσου τῆς σ. (18)  | 16. 6. ἐν συναγωγῇ ἀμαρτωλῶν ἐκκαυθήσεται πῦρ (18)  | 28. 1. συναβροίζονται ἀλλόφυλοι — 4. συναβροίζονται οἱ ἀλλόφυλοι (5 b)  |
| 26. 2. λάβε τὴν ἀρχὴν πάσης σ. [A τῆς σ.] υἱὸν 'Ισρ. (18)   | 21. 9. συσπείκων συνηγμένων συναγωγῇ [A εἰσαγ.] ἀνόμων (18)   | — 4. συναβροίζει Σ. πάντα ἄνδρα 'Ισρ. (5 α)   |
| — 9. οὗτοι ἐπὶ κλητοὶ τῆς σ. (18)   | 24. 23. κληρονομίαν συναγωγῆς 'Ιακώβ (18)   | 29. 1. συναβροίζουσιν [A -ονται] ἀλλόφυλοι π. τὰς παρεμβολὰς αὐ. (5 α)  |
| — 9. οἱ ἐπισυντάττες . . . ἐν τῇ σ. K. (18)   | 84 (81). 3. ἐκοπίασε πλοῦσις ἐν συναγωγῇ χρημάτων (18)  | II Ki. 2. 25. συναβροίζονται υἱοὶ Βεν. (5 c)  |
| — 10. Β' κατέπειν αὐτοὺς καὶ K. ἐν τῇ σ. [A B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> τὸ δανᾶν τῆς σ.] (18)       | 41. 18. ἀπὸ συναγωγῆς καὶ λαοῦ περὶ ἀνομίας (18)  | — 30. συνθηροίσει [A -αν] πάντα τὸν λαόν 'Ισρ. (5 α)  |
| 27. 2. σπᾶσαι . . . ἐναντι πάσης σ. [A τῆς σ.] (18)   | 43. 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει (18)   | 8. 21. συναβροίσει πρὸς κυρίον μου τὸν βασι. πάντα 'Ι. (5 α)  |
| — 3. οὐκ ἦν ἐν μέσῳ τῆς σ. . . ἐν τῇ σ. K. (18)   | 45. 18. ἄνδρες οἱ περὶ Δ. καὶ 'Αβ. καὶ ἡ σ. Κορέ (18)   | III Ki. 11. 14 (24). συνθηροίσθησαν ἐπ' αὐτὸν ἄνδρες (5 α)  |
| — 14. ἐν τῷ ἀνταπίπτειν τῆς σ. (18)   | 46. 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγὴν (18)  | 12. 24. B συνθηροίσειν ἐκεί τὰς φυλλὰς τοῦ 'Ισρ. — 24. B συνθηροίσειν 'Ρ. πάντα ἄνδρα 'Ι. (5 α)   |
| — 16. ἐπισκοπήσας . . . ἀνθρώπων ἐπὶ τῆς σ. ταύτης (18)   | Ob. 1. 13. μὴδὲ ἐπὶ τῆς καὶ σὺ τὴν σ. αὐ. (18)  | 18. 19. συναβροίσειν πρὸς μέ πάντα 'Ισρ. (5 α)  |
| — 17. οὐκ ἔσται ἡ σ. κυρίου ὡσεὶ πρόβατα (18)   | Ze. 3. 8. τὸ κρίμα μὴν εἰς συναγωγὰς ἐθνῶν (17 α)   | 21 (20). 1. συνθηροίσειν υἱὸς 'Α. πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐ. (5 α)   |
| — 19. ἐντελεῖ αὐτῷ ἐναντι πάσης σ. (18)   | Za. 9. 12. καθήσεσθε ἐν ὀχυρώμασι δέσμοι τῆς σ. (18)  | 22. 6. συνθηροίσειν ὁ βασιλεὺς 'Ισρ. πάντας τοὺς προφῆτας (5 α)   |
| — 21. αὐτοὺς . . . καὶ πᾶσα ἡ σ. (18)   | Is. 19. 6. ξηρανθήσεται πᾶσα σ. ὕδατος (18)   | IV Ki. 10. 18. B συνθηροίσειν [A B ἐξήλωσεν] 'Ι. πάντα τὸν λαόν (5 α)   |
| — 22. ἔστησαν αὐτὸν . . . ἐναντίον πάσης σ. (18)  | 22. 6. καὶ σ. παρατάξεις (18)   | II Es. 10. 7. B τοὺς συναβροισθέντας [B <sup>2</sup> -αχθῆ-ναι] εἰς 'Ιερ. (5 b)   |
| 31. 13. καὶ πάντες οἱ ἄρχοντες τῆς σ. (18)  | 22. 22. συναβροίσειν συναγωγὴν αὐτῆς [A om. σ. αὐ.] εἰς δεσμοφωρίαν (1 c)   | Am. 4. 8. συναβροισθήσονται δύο καὶ τρεῖς πόλεις (7)  |
| — 16. ἐγένετο ἡ πληγὴ ἐν τῇ σ. κυρίου (18)  | 37. 25. ἡρήμωσα ὕδατα καὶ πᾶσαν σ. ὕδατος (18)  | Jl. 8 (4). 11. συναβροίσεσθε καὶ εἰσπορεύσεσθε τὴν ἐσθλὴν (4)   |
| — 26. καὶ οἱ ἄρχοντες τῶν πατριῶν τῆς σ. (18)   | 56. 8. συναβροίσει ἐπ' αὐτὸν συναγωγὴν (18)   | Jc. 20. 10. ἤκουσα φήγαν πολλῶν συναβροισμένων κυκλάδων (3)   |
| — 27. καὶ ἀνὰ μέσον πάσης σ. [A τῆς σ.] (18)  | Je. 6. 11. ἐκχεῖ . . . ἐπὶ συναγωγὴν νεανίσκων ἅμα (18)   | I Ma. 1. 52. συνθηροίσθησαν ἀπὸ τοῦ λαοῦ . . . πολλοὶ (18)  |
| 33. 4. ἐγένετο τὸ ἡμίσημα ἀπὸ [A τὸ] τῆς σ. (18)  | 27 (50). 9. εἰρήνη ἐπὶ Βαβυλῶνα συναγωγὰς ἐθνῶν (17 α)  | 3. 44. B συνθηροίσθη ἡ συναγωγὴ [A B al.] (18)  |
| 32. 2. εἶπαν . . . πρὸς τοὺς ἄρχοντας τῆς σ. (18)   | 33 (26). 17. εἶπαν πάσῃ τῇ σ. τοῦ λαοῦ (17 α)   | II Ma. 10. 24. τοὺς τῆς 'Α. γενεῖς. ἵππους συναβροίσας οὐκ ἐλίγους (18)   |
| — 15. ἀνομήσετε εἰς δὴν τὴν σ. ταύτην (14)  | 38 (31). 4. ἐξελεύσθη μετὰ συναγωγῆς παύζοντων (7)  | 11. 2. συναβροίσειν περὶ τὰς ὀκτὼ μυριάδας (18)   |
| 35. 12. ἔως ἀν στή ἐναντι τῆς σ. (18)   | — 13. χαρήσονται παρθένοι ἐν συναγωγῇ νεανίσκων (7)   | III Ma. 5. 24. τὰ δὲ κατὰ τὴν πόλιν πλήθῃ συνιθροίστο (18)  |
| — 24. καὶ κρινεῖ ἡ σ. (18)  | 51 (44). 15. θυμώσιν αἱ γυναῖκες αὐτῶν . . . σ. μεγάλη (17 α)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 25. Α B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> ἀποκαταστήσουσιν αὐτὸν ἡ σ. (18)                                | Ez. 26. 7. μετὰ . . . συναγωγῆς ἐθνῶν πολλῶν [A πολλὰς ἡ σ.] σφόδρα (17 α)  | 7. 3. τοὺς ὑπὸ τὴν βασιλείαν 'Ιουδ. συναβροισάντας [Aq. IV Ki. 10. 18 : Is. 8. 9.] [Sm. Ps. 49 (50). 5 : Is. 8. 9.] [Th. Is. 8. 9.] [Al. Le. 8. 3 : Nu. 16. 42 (17. 7) : Dt. 4. 10.] (18) |
| De. 5. 22 (19). ἐλάλησε κ. πρὸς πᾶσαν σ. ὡμῶν (17 α)  | 27. 27. πᾶσα σ. [A ἡ σ.] σου ἐν μέσῳ σου πεσοῦνται (17 α)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 33. 4. κληρονομίαν συναγωγῆς 'Ι. (18)   | — 34. πᾶσα ἡ σ. σου ἐν μέσῳ σου (17 α)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| Jo. 9. 15. ὥμωσαν αὐτοῖς οἱ ἄρχοντες τῆς σ. (18)  | — 32. 22. ἐκεῖ 'Ασσοῦρ καὶ πᾶσα ἡ σ. αὐτοῦ (17 α)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 18. Α ὥμωσαν αὐτοῖς π. οἱ ἄρχοντες τῆς σ. [B om. τ. σ.] (18)  | — 23. ἐγενήθη ἡ σ. αὐτοῦ (17 α)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 18. διεγόγγυσαν πᾶσα ἡ σ. (18)  | 37. 10. ἔστησαν . . . σ. πολλὴ [A μεγάλη] (8)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 19. εἶπαν οἱ ἄρχοντες πάσῃ [A om.] τῇ σ. (18)   | 88. 4. συναβροίσει . . . συναγωγὴ πολλὴ (17 α)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 21. ἔσονται ξυλοκόποι . . . πάσῃ τῇ σ. (18)   | — 7. σὺ καὶ πᾶσα ἡ σ. σου (17 α)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 27. κατέστησαν αὐτοὺς . . . ὑδροφόρους πάσῃ τῇ σ. (18)  | — 13. συνιγγαγεῖς συναγωγῆν σου (17 α)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 18. 1. ἐξεκκλησιάσθη πᾶσα σ. υἱὸν 'Ισρ. (18)  | — 15. σ. μεγάλη καὶ δύναμις πολλή (17 α)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 20. 4. Α ἐπιστρέψουσιν αὐτὸν ἡ σ. πρὸς αὐτοὺς (18)  | Da. LXX. Su. 28. ἐλθόντες ἐπὶ τὴν σ. τῆς πόλεως (18)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 6. Α ἔως τῆς κατὰ πρόσωπον τῆς σ. [B al.] (18)  | — 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ σ. πᾶσα (18)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 9. ἔως ἀν καταστήθῃ ἐναντι τῆς σ. (18)  | — 51. εἶπε Δαν. τῇ σ. (18)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 22. 16. τὰδε λέγει πᾶσα ἡ σ. κυρίου (18)  | — 60. πᾶσα ἡ σ. ἀνεβόησεν ἐπὶ τῷ νεωτέρῳ (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 17. ἐγενήθη πληγὴ ἐν τῇ σ. κυρίου (18)  | 8. 25. ποιήσει συναγωγὴν χειρὸς (18)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 20. ἐπὶ πᾶσαν σ. [A τὴν σ.] 'Ισρ. ἐγενήθη ὁργὴ (18)   | 11. 10. συναβροίσει συναγωγὴν ὄχλου πολλοῦ (5)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 30. πάντες οἱ ἄρχοντες τῆς σ. 'Ισρ. (18)  | — 11. παραδοθήσεται ἡ σ. εἰς τὰς χεῖρας αὐ. (5)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| Jd. 14. 8. συναγωγὴ [A συστροφὴ] μελισσῶν ἐν τῷ στόματι τοῦ λείοντος (18)                             | — 12. λήψεται τὴν σ. (5)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 20. 1. ἐξεκκλησιάσθη ἡ [A πᾶσα ἡ σ.] (18)   | — 13. συναβροίσει πόλεως συναγωγὴν (5)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 21. 10. ἀπέστειλεν ἐκεῖ ἡ σ. δώδεκα χιλιάδας (18)   | Da. TH. Su. 41. ἐπίστευσεν αὐτοῖς ἡ σ. (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 13. ἀπέστειλε πᾶσα ἡ σ. (18)  | — 60. ἀνεβόησε πᾶσα ἡ σ. φωνὴ μεγάλη (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 16. εἶπον οἱ πρεσβύτεροι τῆς σ. (18)  | I Ma. 2. 42. Α B συνιγγαγεῖς πρὸς αὐτοὺς συναγωγῇ 'Ασιδαίων [B πᾶσα σ. 'Ιουδ.] (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| III Ki. 8. 5. Α καὶ πᾶσα σ. 'Ισρ. [B al.] (18)  | 3. 44. Α ἡθροίσθησαν ἡ σ. [B B al.] (18)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 12. 20. ἐκάλισεν αὐτὸν εἰς τὴν σ. (18)  | 7. 12. ἐπισυνιγγαγῆσαν . . . συναγωγῇ γραμματέων (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| — 21. ἐξεκκλησιάσθη τὴν σ. 'Ι. (2)  | 14. 28. ἐπὶ συναγωγῆς μεγάλῃς ἱερῶν [Aq. Nu. 3. 7 : Jb. 15. 34 : Ps. 1. 5 : 73 (74). 8 : 81 (82). 1 : 85 (86). 14 : Jb. 15. 17 : Ho. 7. 12.] (18) | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| II Ch. 5. 6. ὁ βυσ. Σαλ. καὶ πᾶσα σ. 'Ισρ. (18)   | [Sm. Nu. 3. 7 : Jb. 15. 34 : Ps. 1. 5 : 73 (74). 8 : 81 (82). 1 : 85 (86). 14 : Jb. 15. 17 : Ez. 32. 3.] (18)                                     | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| II Es. 10. 14. B S <sup>1</sup> ἐλθόντων εἰς καιροὺς ἀπὸ συναγωγῶν [A S <sup>2</sup> B συνταγῶν] (18) | [Th. Nu. 3. 7 : Jb. 15. 34 : Ez. 32. 3.] (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| Es. 10. 3. μετὰ συναγωγῆς καὶ χαρὰς καὶ εὐφροσύνης (18)   | [Al. Nu. 16. 3, 46 (17. 11) : Dt. 11. 6.] (18)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| Jb. 8. 17. ἐπὶ συναγωγῇ [A -ῇ] λίθων κοιμάται (18)  | συνάδεν. (1) 728 (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| Ps. 7. 7. συναγωγὴ λαῶν κυκλάσει σε (18)  | Ho. 7. 2. Α ὅπως συνάδουσιν ὡς συνάδοντες τῇ καρδίᾳ αὐ. [B al.] (1, -)  | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 15 (16). 4. οὐ μὴ συναγάγω τὰς σ. αὐτῶν ἐξ αἱμάτων (18)   | συναβροίσειν. (1) 729 hi. (2) 729 ni. (3) 729 (4) 729 (5) 729 a. qal. δ. ni. (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 21 (22). 16. συναγωγὴ ποικιλομήνων περιέσχον με (18)  | σ. hithpa. (8) 729 a. ni. δ. hi. (7) 729 (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 39 (40). 10. οὐκ ἐκρυψά το ἑλὸς σου . . . ἀπὸ συναγωγῆς πολλῆς (17 α)                                 | Ex. 35. 1. συνθηροίσει Μ. πᾶσαν συναγωγὴν (6 b)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 61 (62). 8. B S <sup>2</sup> ἐλπίσατε ἐπ' αὐτὸν πᾶσα συναγωγὴ λαοῦ (18)                               | Nu. 16. 11. πᾶσα ἡ συναγωγὴ σου ἡ συνθηροισμένη πρὸς τὸν θ. (8)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 67 (68). 30. ἡ σ. τῶν ταυρῶν ἐν ταῖς δαμάλεσι τῶν λαῶν (18)   | 20. 2. Α συνθηροίσθησαν [B ἡθρ.] ἐπὶ Μ. καὶ 'Α. (6 α)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 78 (74). 2. μνήσθητι τῆς σ. σου (18)  | De. 1. 41. συναβροισθέντες ἀνεβαίνειτε εἰς τὸ ὄρος (18)   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 81 (82). 1. ὁ θεὸς ἔστη ἐν συναγωγῇ θεῶν (18)   |   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 85 (86). 14. συναγωγὴ κραταιῶν ἐζήτησαν τὴν ψυχὴν μου [B <sup>2</sup> al.] (18)                       |   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |
| 105 (106). 17. ἐκάλυψεν ἐπὶ τὴν σ. 'Αβειράων (18)   |   | — 34. τοὺς συνθηροισμένους ἀπέλυσαν (18)  |

συναλοῶν (—λοιῶν). (1) P<sup>27</sup> aph.  
Da. LXX. 2. 45. συναλόρησε τὸ δοτρακὸν τὸν σὶδρον (1)  
συναναβαίνειν. (1) הָיָה  
Ge. 50. 7. συνανέβησαν μετ' αὐτοῦ πάντες οἱ παῖδες Φ. (1)  
— 9. συνανέβησαν μετ' αὐτοῦ καὶ ἄρματα (1)  
— 14. οἱ συναναβάντες [A. add. πάντες] θάψαι τὸν πατ. αὐ. (1)  
Ex. 12. 38. ἐπὶ μίκτος πολλὸς συνανέβη αὐτοῖς (1)  
24. 2. ὁ δὲ λαὸς οὐ συναναβήσεται μετ' αὐτῶν (1)  
38. 3. οὐ γὰρ μὴ συναναβῶ μετὰ σοῦ (1)  
Nu. 18. 32 (31). οἱ ἄνθρωποι οἱ συναναβάντες μετ' αὐτοῦ (1)  
Jo. 14. 8. Ἀ οἱ ἀδ. οἱ συναναβάντες μετ' ἐμοῦ [B. al.] (1)  
Jd. 6. 3. οἱ υἱοὶ ἀνατολῶν συνανέβαινον αὐτοῖς [A. al.] (1)  
II Ch. 18. 2. τοῦ συναναβήναι μετ' αὐτοῦ εἰς 'P. (1)  
I Es. 5. 3. ἐποίησαν αὐτοῖς συναναβήναι μετ' ἐκείνων (1)  
8. 5. συνανέβησαν ἐκ τῶν υἱῶν 'Isr. (1)  
— 27. ὥστε συναναβήναι μοι  
συναναβιβάζειν. [A. Ge. 50. 25.]  
συνανακεῖσθαι.  
III Ma. 5. 39. οἱ δὲ συνανακεῖμενοι συγγενεῖς συναναλαμβάνειν. [Aq. Ex. 9. 24.]  
συναναμιγνύειν (—μίγειν). (1) הִיחָפוּ hithpo.  
Ho. 7. 8. Ἀ ἔφρ. ἐν τοῖς λαοῖς αὐ. συναμεῖγνυτο [B. συνημ.] (1)  
Ez. 20. 18. ἐν τοῖς ἐπιτηδεύμασιν αὐτῶν μὴ συναναμιγεσθε [A. —μίγυσθε] — [Th. Pr. 20. 19.]  
συνανάμειξ. (1) הִיחָפוּ hithpa.  
Da. TH. 11. 23. ἀπὸ τῶν σ. πρὸς αὐτὸν ποιήσει δόλον (1)  
συναναμίγειν, νιδ. συναναμιγνέειν.  
συναναπαύεσθαι. (1) נָחַץ  
Is. 11. 6. πῆλθαίς συναναπαύεσται ἐρίφω (1)  
συναναπλέκειν. [Aq. Jb. 89. 13.]  
συναναστρέφειν. (1) הִנִּיחַ ni.  
Ge. 30. 8. συναναστράφησεν τῇ ἀδελφῇ μου (1)  
Si. 41. 5. τέκνα . . . συναναστρέφονται παροικίας ἀρεῶν  
Ba. 3. 37. ἐν τοῖς ἀνθρώποις συναναστράφη [Aq. Ge. 30. 8.]  
συναναστροφῇ.  
Wi. 8. 16. οὐ γὰρ ἔχει περικρίαν ἢ σ. αὐτῆς  
III Ma. 2. 31. ἀπὸ τῆς ἰσομέτῃς τῷ β. σ. — 33. καὶ τῆς κοιτῆς σ. . . ἐστέρουσ  
8. 5. τῇ δὲ . . . εὐπραγία κοσμοῦντες τὴν σ. [Aq. Ge. 30. 8.]  
συναναφίρεσθαι. (1) הִנִּיחַ hi.  
Ge. 50. 25. συνανοίσετε τὰ ὀσά μου ἐντεῦθεν (1)  
Ex. 18. 19. συνανοίσετε μου τὰ ὀσά ἐντεῦθεν (1)  
II Ki. 6. 18. συνετέλεσε Α. συναναφίρων τὰς ὁλοκαυτώσεις (1)  
συναναφύρεσθαι. (1) הִנִּיחַ  
Ez. 22. 6. Α. συνεπύρρυνοντο [B<sup>1</sup> B. συνεφ., B<sup>2</sup> ἐκπύρρυνον] ἐν σοὶ (1)  
συναντάν. (1) א. מִלֵּךְ ב. ל' מִלֵּךְ (2) מִלֵּךְ מִלֵּךְ  
הִנִּיחַ (3) מִלֵּךְ (4) מִלֵּךְ (5) מִלֵּךְ hi.  
(6) מִלֵּךְ (7) מִלֵּךְ a. qal. δ. ni. c. pi.  
(8) מִלֵּךְ ni. (9) מִלֵּךְ pi. (10) מִלֵּךְ a. qal. δ. ni. (11) מִלֵּךְ a. qal. δ. ni.  
(12) συναντήσας σοι מִלֵּךְ מִלֵּךְ  
Ge. 32. 1 (2). συνήντησαν αὐτῷ οἱ ἄγγελοι τοῦ θ. (6)  
— 17 (18). ἐάν τις συναντήσῃ 'Isr. (7 a)  
48. 28. τὸν δὲ 'I. ἀπέστειλεν . . . συναντήσαι αὐτῷ +

Ex. 4. 24. συνήντησαν αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (7 a)  
— 27. καὶ συνήντησαν αὐτῷ (7 a)  
5. 3. μὴ ποτε συναντήσῃ [A. —σει] ἡμῖν θάνατος (8)  
— 10. συνήντησαν δὲ Μ. καὶ 'Aαρὼν (8)  
7. 15. ἔση συναντῶν αὐτῷ (10 a)  
23. 4. ἐάν δὲ συναντήσῃς τῷ βοί τοῦ ἐχθροῦ σου (8)  
Nu. 28. 16. συνήντησαν ὁ θ. τῷ Β. (11 b)  
35. 19. ὅταν συναντήσῃ αὐτῷ οὗτος (8)  
— 21. ἐν τῷ συναντήσῃ αὐτῷ (8)  
De. 22. 6. ἐάν δὲ συναντήσῃς νοσσιὰ ὀρνέων (10 b)  
23. 4 (5). παρὰ τὸ μὴ συναντήσῃ αὐτοῖς ὑμῖν (8)  
31. 29. Α. καὶ συναντήσεται ὑμῖν τὰ κακὰ [B. al.] (10 a)  
Jo. 2. 16. μὴ συναντήσωσιν ὑμῖν οἱ καταδιώκοντες (8)  
11. 20. συναντῶν εἰς πόλεμον πρὸς 'Isr. (10 a)  
Jd. 8. 21. συναντήσων [A. ἀπάντ.] ἡμῖν (8)  
15. 12. μὴ ποτε συναντήσῃ ἐν ἐμοὶ ὑμεῖς [A. al.] (8)  
18. 25. μὴ ποτε συναντήσωσιν ἐν ἡμῖν ἄνδρες [A. al.] (8)  
20. 41. συνήντησαν ἐπ' αὐτοῖς ἡ ποτήρια [A. al.] (4)  
II Ki. 2. 13. Α. συναντῶσιν αὐτοῖς ἐπὶ τὴν κρήνην τὴν Γ. (7 a)  
18. 9. συνήντησαν 'Aβ. ἐνώπιον τῶν παιδῶν Δ. (10 b)  
Ne. 12. 38. B<sup>2</sup> ἡ δευτέρα ἐπορεύετο συναντῶσα αὐτοῖς (2)  
18. 2. οὐ συνήντησαν τοῖς υἱοῖς 'Isr. ἐν ἄρτῳ (8)  
Ju. 1. 6. συνήντησαν [A. —εν] πρὸς αὐτόν (8)  
10. 11. συνήντησαν αὐτῇ προφυλακῇ τῶν 'Ass. (8)  
Jb. 3. 12. ἴνα τί δὲ συνήντησας μοι τὰ γόνατα (8)  
— 25. φόβος γὰρ . . . ὅν ἐδεδοίκεν συνήντησέ μοι (1 b)  
4. 12. Α. οὐδὲν ἂν τοῦτων κακῶν συνήντησέν μοι [B. B. al.] — (10 a)  
— 14. φρίκη μοι συνήντησε (10 a)  
5. 14. ἡμέρας [A. ἐν ἡμέρᾳ] συναντήσεται αὐτοῖς σκότος (7 c)  
27. 20. συνήντησαν [A. κοιμηθέντι] συναντήσωσιν αὐτῷ (8)  
30. 26. συνήντησάν μοι μᾶλλον ἡμέρας κακῶν (1 a)  
39. 22. συναντῶν βασιλεῖ [A. βέλει] καπαγελᾷ + (8)  
41. 17 (18). ἐάν συναντήσωσιν αὐτῷ λόγχοι (8)  
Ps. 84 (85). 10. ἔλκος αὐτῷ ἀληθεία συνήντησαν (7 b)  
Pr. 7. 10. ἡ δὲ γυνὴ συναντᾷ αὐτῷ (10 a)  
9. 18. ἐπὶ πέταυρον θῶον συναντᾷ (10 a)  
12. 13. ὁ δὲ συναντῶν ἐν πύλαις ἐκθλίψει ψυχάς — (23. καρδία δὲ ἀφρόνων συναντήσεται ἀράς) (10 a)  
17. 20. ὁ δὲ σκληροκαρδὸς οὐ συναντᾷ ἀγαθούς (8)  
20. 30. ὑπέσπασεν καὶ συναντήσας ἀναγινῶν κακοῖς + (8)  
22. 2. πλοῦσις καὶ πτωχὸς συνήντησαν [A. —ῇ.] ἀλλήλους (7 b)  
24. 7. ἀπαίδευτος συναντᾷ θάνατος (10 a)  
Ec. 2. 14. συνάντημα ἐν συναντήσῃ τοῖς πᾶσιν αὐτοῖς (11 a)  
— 15. καὶ γὰρ ἐμὸν συναντήσεται μοι [B<sup>2</sup> om.] (11 a)  
9. 11. ἀπάντημα συναντήσεται σὺ μπάσιν αὐτοῖς (11 a)  
Is. 8. 14. οὐχ ὥς λίθον προσκομίσει συναντήσας σοι (12)  
14. 9. ὁ βῆξ κάτωθεν ἐπικράνθη συναντήσας σοι (8)  
21. 14. συναντᾷ τοῖς φεῖγους (8)  
34. 14. συναντήσουσι δαιμόνια ὀνομασταῖς (7 a)  
— 15. ἐκεῖ συνήντησαν ἔλαφοι (8)  
64. 5 (4). συναντήσεται γὰρ τοῖς ποιοῦσι [B. ὑπομένουσιν] τὸ δίκαιον (8)  
I Ma. 4. 29. καὶ συνήντησαν αὐτοῖς 'I. 5. 25. συνήντησαν τοῖς Ναβ. (8)  
7. 39. συνήντησαν αὐτῷ δύναμις Συρίας (8)  
10. 74. συνήντησαν αὐτῷ Σ. (8)  
11. 2. Α. Β. καὶ συνήντησαν [B. —ον] αὐτῷ (8)  
— 2. ἐντολὴ ἦν 'Aλ. τοῦ β. σ. συναντᾷ αὐτῷ (8)  
— 6. συνήντησαν 'Isr. τῷ β. σ. (8)  
— 64. συνήντησαν αὐτοῖς [B<sup>1</sup> —αν ἐαυ.] [Aq. Is. 51. 10; 60. 18; Je. 32 (39). 23.] [Sm. Is. 51. 10; 60. 18; 64. 5 (4).] [Th. Pr. 17. 12.] [Al. Nu. 17. 4 (19).]  
συναντή. (1) מִלֵּךְ  
III Ki. 18. 16. ἐπορεύθη 'Aβδ. εἰς συναντήν [A. —ῃσιν] τῷ 'Aχ. (1)  
IV Ki. 2. 15. ἦλθον εἰς συναντήν [A. —ῃσιν] αὐ. (1)  
5. 26. ὅτε ἐπύρρυνον . . . εἰς συναντήν [A. —ῃσιν] σοι (1)

συνάντημα. (1) מִלֵּךְ (2) מִלֵּךְ (3) מִלֵּךְ  
Ex. 9. 14. ἐξαποστείλω πάντα τὰ σ. μου (1)  
III Ki. 8. 37. πᾶν σ. πᾶν πόνον (8)  
Ec. 2. 14. συνάντημα ἐν συναντήσῃ τοῖς πᾶσιν αὐτοῖς (2)  
— 15. ὡς συνάντημα τοῦ ἀφρόνου (2)  
3. 19. Α. Β. καὶ γὰρ αὐτοῖς συνάντημα [B. οὐ σ., B. ὡς σ.] υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου καὶ συνάντημα κτήνους σ. ἐν αὐτοῖς [B<sup>2</sup> τοῖς πᾶσιν] (2 ter)  
9. 2. συνάντημα ἐν τῷ δικαίῳ καὶ τῷ ἀσεβεί (2)  
— 3. συνάντημα ἐν τοῖς πᾶσι (2)  
[Aq. I Ki. 6. 9; Is. 57. 13.] [Al. Ec. 12. 11.]  
συνάντησις. (1) מִלֵּךְ (2) מִלֵּךְ (3) מִלֵּךְ  
Ge. 14. 17. B. ἐξῆλθε δὲ βασιλεὺς Σοδ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)  
18. 2. προσέδραμεν εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)  
19. 1. ἀνέστη εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)  
24. 17. ἐπέδραμε δὲ ὁ πάσι εἰς συνάντησιν αὐτῶν (3)  
— 65. ὁ πορευόμενος ἐν τῷ πεδίῳ εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)  
29. 13. ἔδραμεν εἰς συνάντησιν αὐτοῦ (3)  
30. 16. ἐξῆλθε Α. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)  
32. 6 (7). ἔρχεται εἰς συνάντησιν σοι (3)  
33. 4. προσέδραμεν 'H. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)  
48. 29. ἀνέβη εἰς συνάντησιν 'Isr. τῷ πατρὶ αὐ. (3)  
Ex. 4. 14. ἐξελύσεται εἰς συνάντησιν σοι (3)  
— 27. πορεύθητι εἰς συνάντησιν Μωυσεῖ (3)  
5. 20. ἐρχόμενοι εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)  
18. 7. ἐξῆλθε δὲ Μ. εἰς συνάντησιν τῷ γαμβρῷ (3)  
19. 17. ἐξῆλγε Μ. τὸν λαόν εἰς [A. B<sup>2</sup> add. πᾶν] συνάντησιν τοῦ θ. (3)  
Nu. 20. 18. ἐξελύσονται εἰς συνάντησιν σοι (3)  
— 20. ἐξῆλθεν 'E. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)  
21. 33. ἐξῆλθεν 'Oγ. . . εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)  
22. 34. ἀνέστησας ἐν τῇ ὁδῷ εἰς συνάντησιν αὐτοῖς [A. add. μοι] (8)  
— 36. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτῷ (8)  
23. 3. εἰ μοι φανείται ὁ θ. ἐν συναντήσῃ (3)  
24. 1. οὐκ ἐπορεύθη . . . εἰς συνάντησιν τοῖς αἰωνοῖς (3)  
81. 13. ἐξῆλθε Μ. . . εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)  
De. 1. 44. ἐξῆλθεν ὁ 'Aμ. . . εἰς συνάντησιν ὑμῖν (8)  
2. 32. ἐξῆλθε Σ. . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)  
3. 1. ἐξῆλθεν 'Oγ. . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (3)  
29. 7 (6). ἐξῆλθε . . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (8)  
Jo. 8. 5. ὡς ἂν ἐξέλθωσιν . . . εἰς συνάντησιν ἡμῖν (8)  
— 14. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (8)  
— 22. ἐξῆλθον ἐκ τῆς πόλεως εἰς συνάντησιν αὐτῶν (8)  
9. 11. πορεύθητε εἰς συνάντησιν αὐτῶν (8)  
Jd. 4. 18. ἐξῆλθεν 'I. εἰς συνάντησιν Σ. [A. al.] (8)  
— 22. ἐξῆλθεν 'I. εἰς συνάντησιν αὐτῷ [A. al.] (8)  
6. 35. ἀνέβη εἰς συνάντησιν αὐτῶν [A. al.] (8)  
7. 24. κατάβητε εἰς συνάντησιν Μ. [A. al.] (8)  
11. 31. ὅς ἂν ἐξέλθῃ . . . εἰς συνάντησιν [A. ἀπάντ.] μου (8)  
14. 5. ὠρυσόμενος εἰς συνάντησιν [A. ἀπάντ.] αὐτοῦ (8)  
15. 14. καὶ ἔδραμον εἰς συνάντησιν αὐτοῦ [A. al.] (8)  
19. 3. ὑφράνθη εἰς συνάντησιν αὐ. [A. al.] (8)  
20. 25. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ Βεν. εἰς συνάντησιν αὐτοῖς [A. al.] (9)  
— 31. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ Βεν. εἰς συνάντησιν τοῦ λαοῦ [A. al.] (8)  
I Ki. 17. 48. καὶ ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν Δ. (8)  
18. 6. ἐξῆλθον αἱ χορεύουσαι εἰς συνάντησιν Δ. (8)  
28. 28. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν τῶν ἀλλοφ. (8)  
25. 20. κατέβαινον εἰς συνάντησιν αὐτῆς (8)  
II Ki. 2. 25. ἐγένθησαν εἰς σ. μῖαν (1)  
5. 23. οὐκ ἀναβήσας εἰς συνάντησιν αὐτῶν (8)  
III Ki. 12. 24. B. ἐξελύσονται σοὶ εἰς συνάντησιν (8)  
18. 7. ἦλθεν 'H. εἰς συνάντησιν αὐ. (8)  
— 16. Α. ἐπορεύθη 'Aβδ. εἰς συνάντησιν [B. —ῃν] τῷ 'Aχ. (8)  
— 16. ἐπορεύθη εἰς συνάντησιν 'H. (3)  
IV Ki. 1. 3. ἀναστὰς δεῦρο εἰς συνάντησιν τῶν ἀγγέλων (8)  
— 6. ἀνὴρ ἀνέβη εἰς συνάντησιν ἡμῶν (8)  
— 7. τίς ἡ κρίσις τοῦ ἀνδρὸς τοῦ ἀναβάτος εἰς συνάντησιν ὑμῖν (8)

IV Ki. 2. 15. Ἄλθον εἰς συνάντησιν [B-ήν] αὐ. (8)  
 5. 26. Ἀ ὅτε ἐπίστρεψεν . . . εἰς συνάντησιν [B-ήν] σοι (8)  
 II Ch. 14. 10 (9). ἐξῆλθεν Ἀ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (2)  
 35. 20. ἐπορεύθη βασιλεὺς Ἰωσφ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)  
 To. 11. 16. ἐξῆλθε Τωβ. εἰς συνάντησιν τῇ νύμφῃ αὐ. [B al.] (3)  
 Ju. 2. 6. ἐξελεύσῃ εἰς συνάντησιν πάσῃ τῇ γῇ [B al.] (3)  
 Ps. 58 (59). 4. ἐξεγέρθη εἰς συνάντησίν μου (3)  
 151. 6. ἐξῆλθον εἰς συνάντησιν τῷ ἄλλοφύλῳ [B<sup>1</sup> ὑπάντ.] (3)  
 Pr. 7. 15. ἐξῆλθον εἰς συνάντησιν [B<sup>1</sup> ὑπάντ.] σοι (3)  
 Za. 2. 3 (7). ἐξεπορεύετο εἰς συνάντησιν αὐτῷ [A B al.] (3)  
 Is. 7. 3. ἔβηλε εἰς συνάντησιν Ἀχαζ (3)  
 21. 14. εἰς συνάντησιν διψῶντι ὕδωρ φέρετε (3)  
 I Ma. 3. 11. καὶ ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτῷ — 16. ἐξῆλθεν Ἰ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ δολιοστός — 17. Ἀ τὴν παρεμβολὴν ἔρχομ. εἰς συνάντησιν αὐτῷ [B-ων, B-οῖς] (3)  
 5. 39. ἐπορεύθη Ἰ. εἰς συνάντησιν αὐτῶν — 59. ἐξῆλθε Γ. . . εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)  
 6. 48. ἀνέβαινον εἰς συνάντησιν αὐτῶν (3)  
 7. 31. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν τῷ Ἰούδα (3)  
 9. 11. ἔστησαν εἰς συνάντησιν αὐτοῖς — 39. Ἀ B ἐξῆλθε . . . εἰς συνάντησιν [B ὑπάντ.] αὐ. (3)  
 10. 2. ἐξῆλθεν εἰς συνάντησιν αὐτῷ — 59. ἔλθειν εἰς συνάντησιν [B<sup>3</sup> τὴν σ.] αὐτῷ — 86. ἐξῆλθον οἱ ἐκ τῆς πόλεως εἰς συνάντησιν αὐτῷ (3)  
 16. 5. δύναμις πολλὴ εἰς συνάντησιν αὐτοῖς (3)  
 III Ma. 5. 2. εἰσλαγαγείν πρὸς συνάντησιν τοῦ μέρου τῶν Ἰουδ. (3)  
 [Aq. I Ki. 20. 26.]

**συναντίζειν.**

[Aq. Mt. 2. 8.]

συναντιλαμβάνεσθαι. (1) B<sup>3</sup> ni. (2) K<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

Ge. 30. 8. B συναντελάβετό μου [A συνεβά-λειτό μοι] ὁ θ. (2)

Ex. 18. 22. καὶ συναντιλήψονται σοι [A σου] (2)

Nu. 11. 17. συναντιλήψονται μετὰ σοῦ τὴν ὁρμὴν τοῦ λαοῦ (2)

Ps. 88 (89). 21. ἡ γὰρ χεὶρ μου συναντιλήφεται αὐτῷ (1)

**συνάντησιν.**

[Aq. Dt. 23. 10 (11).]

συναπάγειν. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

Ex. 14. 6. πάντα τὸν λαὸν αὐ. συναπάγαγε (1)

**συναπέρχεσθαι.**

[Sm. Ec. 5. 14.]

συναποθνήσκειν.

Si. 19. 10. ἀκήκας λόγον συναποθανέντω σοι

**συναποκλείειν.**(1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

I Ki. 1. 5. Ἀ συναπέκλειον [B ἀπ.] τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐ. (1)

— 6. Ἀ συναπέκλειον [B συνεκλ.] κ. τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐ. (1)

**συναποκρύπτειν.**

Ep. Je. 48. ποῦ συναποκρυβῶσι μετ' αὐτῶν

**συναπολλύναι.**(1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (2) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> a. gal.δ. ni. (8) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ithpa.

Ge. 18. 23. μὴ συναπολέσῃς δίκαιον μετὰ ἀσε-βούς (2 a)

19. 15. ἵνα μὴ συναπολῇ ταῖς ἀνομίαις τῆς πόλεως (2 b)

Nu. 16. 26. μὴ συναπολῇσθε ἐν πάσῃ τῇ ἀπαρ-τίᾳ αὐ. (2 b)

De. 29. 19 (18). ἵνα μὴ συναπολέσῃ ὁ ἀμαρ-τωλὸς τὸν ἀναμάρτητον (2 a)

Ps. 25 (26). 9. μὴ συναπολέσῃς μετὰ ἀσεβῶν τὴν ψυχὴν μου (1)

27 (28). 3. μετὰ ἐργαζομένων ἀδικίαν μὴ συν-απολέσῃς με

Wi. 10. 3. ἀδικος . . . ἀδελφοκτόνος συναπώλετο θυμοῖς

Si. 8. 15. τῇ ἀφροσύνῃ αὐτοῦ συναπολῇ Da. LXX. 2. 13. ἐξητήθη . . . χάριν τοῦ συναπο-λέσθαι (8)

[Sm. I Ki. 12. 25.]

συναποστέλλειν. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

Ex. 33. 2. συναποστειλὼ τὸν ἄγγελόν μου (1)

— 12. δὲ συναποστειλὼ μετ' ἐμοῦ (1)

I Es. 5. 2. συναπέστειλε μετ' αὐτῶν ἱππεῖς χιλιούς

συνάπτειν. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (2) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (3) K<sup>3</sup> B<sup>3</sup> hi.(4) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> hithpa. (5) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> hi. (6) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>a. gal. δ. pi. (7) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> a. gal. δ. hi.(8) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> hi. (9) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (10) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (11) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>(12) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> pi. (13) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (14) σ. πόλεμον,σ. εἰς πόλεμον B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> hithpa.

Ex. 26. 6. συνάψεις τὰς αὐλαίας (6 b)

— 9. συνάψεις τὰς πέντε θέρρεις (6 b)

— 10. ἐπὶ τοῦ χειλὸς τῆς θέρρεις τῆς συνα-ποτίσῃς τῆς δευτέρας (6 a)

— 11. συνάψεις τοὺς κρίκους ἐκ τῶν ἀγκυλῶν (6 b)

— 11. συνάψεις τὰς θέρρεις (6 b)

29. 5. Ἀ B συνάψεις αὐτὸ τὸ λογιόν (2)

De. 2. 5. μὴ συνάψῃς πρὸς αὐτοὺς πόλεμον (14)

— 9. μὴ συνάψῃς πρὸς αὐτοὺς πόλεμον (4)

— 19. μὴ συνάψῃς αὐτοῖς εἰς πόλεμον (14)

— 24. συνάψῃς πρὸς αὐτὸν πόλεμον (4)

Jo. 17. 10. ἐπὶ Ἀ. συνάψουσιν ἐπὶ βορρᾶν (11)

19. 11. συνάψῃ ἐπὶ B. εἰς τὴν φάραγγα (11)

— 26. συνάψῃ τὰ θρία ἐπὶ Γ. (11)

— 26. συνάψῃ τὰς Καρμὴλ (11)

— 27, 34. συνάψῃ τὰς Ζαβ. (11)

— 34. καὶ Ἀ. συνάψῃ κατὰ θάλασσαν (11)

Jd. 20. 20. συνήψαν αὐτοῖς ἐπὶ Γ. [A al.] (10)

— 22. προσέβηκαν ἀνψάμιν παρίταξιν [A al.] (10)

— 22. ἐν τῷ τόπῳ ὅπου συνήψαν [A al.] (10)

— 30. συνήψαν πρὸς τὴν Γ. [A al.] (10)

— 33. καὶ συνήψαν ἐν B. Θ. [A al.] (10)

I Ki. 14. 22. συνάπτουσιν καὶ αὐτοὶ ὅπως αὐτῶν εἰς πόλεμον (5)

31. 2. συνάπτουσιν ἀλλήλους τῷ Σ. (5)

II Ki. 1. 6. οἱ ἱππάρχαι συνήψαν αὐτῷ (5)

III Ki. 18. 20. τὰς συνάψῃς αὐ. δε συνήψεν (13)

21 (20). 14. τίς συνάψῃ τὸν πόλεμον (19)

IV Ki. 10. 34. καὶ τὰς συνάψῃς δε συνήψεν — (5)

Ne. 3. 19. μέτρον δευτέρου πύργου ἀναβάσεως τῆς συναπτούσης τῆς γωνίας (6 ?)

Si. 82 (85). 16. ἡ δέσπας αὐτοῦ ἐξ νεφελῶν συνάψῃ Is. 5. 8. οὐαὶ οἱ συνάπτοντες οἰκίαν πρὸς οἰκίαν (7 b)

15. 8. συνήψεν γὰρ ἡ βοή τὸ δριον [A εἶρος] (8)

τῆς Μωαβιτίδος (7 a)

16. 8. οὐ μὴ συνάψῃς (7 a)

Ez. 37. 17. συνάψῃς αὐτὰς πρὸς ἀλλήλας σαυτῷ (12)

Da. TH. 11. 25. ὁ βασιλ. τοῦ νότου συνάψῃ πόλε-μον (4)

I Ma. 4. 14. καὶ συνήψαν

5. 7. συνήψεν πρὸς αὐτοὺς πόλεμον πολλοὺς — 19. μὴ συνάψῃς πόλεμον πρὸς τὰ ἔθνη

— 21. συνήψεν πόλεμον πολλοὺς πρὸς τὰ ἔθνη

7. 43. συνήψαν αἱ παρεμβολαὶ εἰς πόλεμον

9. 13. B ἐγένετο ὁ πόλεμος συννημμένος [A -ηγμ.] — 47. συνήψεν ὁ πόλεμος

10. 49. συνήψαν [B<sup>1</sup> -εν] πόλεμον οἱ δύο βασ. — 53. συνήψαν πρὸς αὐτὸν μάχην

— 78. συνήψαν αἱ παρεμβολαὶ ὅπως αὐτοῦ — 82. Ἀ B συνήψεν [B -αν] πρὸς τὴν φάλαγγα

11. 69. καὶ συνήψαν πόλεμον

13. 14. συνάπτουσιν αὐτῷ μελλεῖν εἰς πόλεμον

15. 14. Ἀ B τὰ πλοῖα ἀπὸ θαλάσσης συνήψαν [Aq. Ez. 3. 13.]

[Sm. Jb. 3. 6: 38. 31: Ps. 93 (94). 20: 118 (119). 63.]

[Th. Is. 28. 20.]

[Al. Le. 19. 19.]

συναριθμύνειν. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

Ex. 12. 4. ἕκαστος τὸ ἀρκούν αὐτῷ συναριθμή-σεται (1)

συναρπαγῇ.

[Sm. Ps. 34 (35). 20.]

συναρπάζειν. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

Pr. 6. 25. μὴ δὲ συναρπασθῇς [A -σπς] ἀπὸ τῶν αὐτῆς βλεφάρων (1)

II Ma. 8. 27. συναρπάσαντες καὶ εἰς φορεῖον ἐνθέοντες 4. 41. συναρπάσαντες οἱ μὲν πέτρους

IV Ma. 5. 4. πολλῶν δὲ συναρπασθέντων

συναρχία (-εία).

Es. 8. 13. πρὸς τὸ μὴ κατατίθεσθαι τὴν . . . σ.

**συνασπίζειν.**

III Ma. 3. 10. πίστει εἰδίδουν συνασπίζειν

συναυλίζεσθαι. (1) K<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

Pr. 22. 24. φίλῳ δὲ ὀργίλῳ μὴ συναυλίζου (1)

**συναύξειν.**

II Ma. 4. 4. συναύξοντα τὴν κακίαν τοῦ Σ.

IV Ma. 18. 27. τῶν τῆς ἀρετῆς ἡθῶν τὰ . . . φιλτρα συναυξόντων [B<sup>1</sup> -άτων]**συνάφεια.**

[Aq. Ge. 8. 17 (16).]

[Sm. Ps. 121 (122). 3.]

**συναφιστάναι.**To. 1. 5. Ἀ B S<sup>3</sup> πᾶσαι αἱ φυλαὶ αἱ συναποσταῖσαι [B<sup>1</sup> al.]**σύναψις.**(1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

III Ki. 18. 20. τὰς σ. αὐ. δε συνήψεν (1)

IV Ki. 10. 34. καὶ τὰς σ. δε συνήψεν —

**συνδάκνειν.**

To. 11. 12. Ἀ B ὡς δε συνεδήχθησαν

συνδύνειν. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> hi. (2) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> hi. (3) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ni.(4) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (5) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> a. pu. δ. n<sup>3</sup> B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>(6) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ni.

Ex. 14. 25. συνήψεν τοὺς ἄρτους τῶν ἀρμάτων αὐ. +

28. 20. συνδεδεμένα ἐν χρυσίῳ (5 a)

36. 20 (39. 13). συνδεδεμένα [A add. ἐν] χρυ-σίῳ (5 b)

Jd. 15. 4. Ἀ συνήψεν [B ἐπέστρεψεν] κέρκων πρὸς κέρκων (2)

I Ki. 18. 1. Ἀ ἡ ψυχὴ Ἰ. συνεδέθη τῇ ψυχῇ Δ. (3)

Jb. 17. 3. Ἀ B S<sup>3</sup> τῇ χειρὶ μου συνεδέθη (6)

Si. 86 (83). 4. συνήψεν παιδείαν (13)

Ze. 2. 1. συνήψεν καὶ συνεδέθη [B<sup>3</sup> -δεῖθ]. (4)

Ez. 3. 26. τὴν γλώσσάν σου συνεδέσσω (1)

[Aq. Ge. 44. 30: Dt. 6. 8: 11. 18: I Ki. 22. 8, 13: Pr. 3. 3: 6. 21: 7. 3: Am. 7. 10.]

[Sm. Ps. 117 (118). 27.]

[Th. Jb. 17. 3: Pr. 6. 21.]

συνδεδειπνύνειν. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (2) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

Ge. 43. 32. καὶ τοῖς Ἀιγ. τοῖς συνδεδειπνύνουσιν μετ' αὐτοῦ (1)

Pr. 23. 6. μὴ συνδεδίπνῃς ἀνδρὶ βασκανῷ (2)

**σύνδειπνος.**

Si. 9. 16. ἄνδρες δίκαιοι ἔστωσαν σύνδειπνοὶ σου

**συνδεδίσθαι.**Ze. 2. 1. S<sup>3</sup> συνάχθητε καὶ συνδεδίθητε [A B S<sup>3</sup> -δεῖθ]. +σύνδεσμος. (1) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (2) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (3) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>(4) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (5) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> (6) B<sup>3</sup> B<sup>3</sup>

III Ki. 6. 10. συνέσχε τὸν σ. [A ἐνδ.] (1)

14. 24. σύνδεσμος ἐγενήθη ἐν τῇ γῇ +

IV Ki. 11. 14. καὶ ἐβόησε, σύνδεσμος σύνδεσμος (6, 6)

12. 20 (21). Ἀ B<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ἔδωκαν πάντα σ. [B<sup>1</sup> δεσμόν] (6)

Jb. 41. 6 (7). σύνδεσμος [A -οι] δὲ αὐ. ὥσπερ σμυρτίνης λίθος (4)

Is. 58. 6. λυε πάντα σύνδεσμον ἀδικίας (2)

— 9. ἐάν ἀφέλῃς ἀπὸ σοῦ σύνδεσμον (3)

Je. 11. 9. εὐρέθη σ. τοῖς ἀνδράσιν [A πόλεσιν] Ἰουδα (6)

Da. TH. 5. 6. οἱ σ. τῆς ὁσφύς αὐ. διελύοντο (5)

— 12. καὶ λύων συνδέσμον (5)

[Aq. Ca. 7. 1 (2): Ho. 5. 13.]

[Sm. Ca. 7. 1 (2): Hb. 2. 11.]

[Th. I Ki. 22. 8: Is. 58. 6: Je. 11. 9: Da. 5. 16+: Hb. 2. 11.]

[Quint. Hb. 2. 11:]

|  |   |  |
|--|---|--|
| <p><u>συνδιαιτῆσθαι.</u><br/>[Sm. Ps. 54 (55). 15.]</p> <p><u>συνδιώκειν.</u><br/>II Ma. 8. 25. <u>συνδιώξαντες</u> δὲ αὐτοὺς ἐφ' ἱκανὸν <u>συνδιώδειν</u>, cf. <u>συνδιώγειν</u>. (1) D<sup>h</sup><br/>Ps. 140 (141). 4. A<sup>1</sup> B οὐ μὴ <u>συνδιώσω</u> [A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -δύσω, B<sup>1</sup> ἐνδύσω] μετὰ τῶν ἐκ-<br/>λεκτῶν αὐτοῦ (1) H<sup>2</sup><br/>II Es. 4. 7. ἔγραψεν . . . τοῖς λοιποῖς σ. [A. al.] (1)<br/>— 9. καὶ οἱ κατάλοιποι σ. ἡμῶν (1)<br/>— 17. ἀπέστειλεν ὁ βασις πρὸς . . . τοὺς κατα-<br/>λοιποὺς σ. αὐ. (1)<br/>— 23. ἐνόμιον P. καὶ Z. γραμματέως <u>συνδιώ-<br/>λων</u> αὐ. (1)<br/>5. 3, 6; 6. 13. Sab. καὶ οἱ σ. αὐ. (1)<br/><u>συνδραμεῖν</u>, vid. <u>συντρέχειν</u>.<br/><u>συνδρομή</u>.<br/>Ju. 10. 18. ἐγένετο <u>συνδρομή</u> ἐν π. τῇ παρεμβολῇ<br/>III Ma. 8. 8. θεωροῦντες . . . σ. ἀπροσκόπους γινομένης<br/><u>συνδύειν</u>. (1) D<sup>h</sup><br/>Ps. 140 (141). 4. A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> οὐ μὴ <u>συνδύσω</u> [A<sup>1</sup> B<br/>-δύσω, B<sup>1</sup> ἐνδύσω] μετὰ τῶν<br/>ἐκλεκτῶν αὐτοῦ (1)<br/>[Sm. I Ki. 26. 19.]<br/><u>συνεγγίειν</u>.<br/>Si. 32 (35). 17. ἔως <u>συνεγγίση</u> οὐ μὴ παρακληθῇ<br/>II Ma. 10. 25. <u>συνεγγίζοντες</u> αὐτοῦ<br/>— 27. <u>συνεγγισαντες</u> δὲ τοῖς πολεμίοις<br/>11. 5. καὶ <u>συνεγγίσας</u> Βεθσ.<br/><u>σύνεγγυς</u>. (1) L<sup>2</sup><br/>De. 8. 29. ἐνκαθήμεθα ἐν νάπη <u>σύνεγγυς</u> οἴκου Φ. (1)<br/>To. 11. 15. B ἐστὶν <u>σύνεγγυς</u> τῆς πύλης Νιν.<br/>Si. 14. 24. ὁ καταλύων σ. τοῦ οἴκου αὐτῆς<br/>26. 12. ἀπὸ παντὸς ὕδατος τοῦ σ. πίεται<br/>51. 6. ἡ ζωὴ μου ἦν σ. ἄδου κάτω [B<sup>2</sup> κατωτάτου]<br/>[Al. Le. 18. 6.]<br/><u>συνεγείρειν</u>. (1) T<sup>2</sup> pil. (2) B<sup>2</sup><br/>Ex. 23. 5. B<sup>2</sup> <u>συνεγείρεις</u> [B<sup>1</sup> B συναρείς, A ἐγ.]<br/>αὐτὸ μετ' αὐτοῦ (2)<br/>Is. 14. 9. <u>συντηρέθησαν</u> σοι πάντες οἱ γίγαντες (1)<br/>IV Ma. 2. 14. καὶ τὰ πεπτωκότα <u>συνεγείρων</u><br/><u>συνεδρενεῖν</u>.<br/>Si. 11. 9. ἐν κρίσει ἀμαρτωλῶν μὴ <u>συνέδρευε</u><br/>23. 14. A B<sup>2</sup> B ἀνὰ μέσον γὰρ μεγιστάνων <u>συν-<br/>εδρεύεις</u> [B<sup>1</sup> -ει, B -σεις]<br/>42. 12. ἐν μέσῳ γυναικῶν μὴ <u>συνέδρευε</u><br/>Da. LXX. Su. 28. <u>συνήδρευσαν</u> οἱ ὅτε ἐκεῖ πάντες<br/><u>συνεδρία</u> (-εία).<br/>Ju. 6. 1. ὁ θύρβος τῶν ἀνδρῶν τῶν κύελφ τῆς σ.<br/>— 17. ἀπήγγειλεν αὐτοῖς τὰ ῥήματα τῆς σ. 'Ολ.<br/>11. 9. ὃν ἐλάλησεν 'Αχ. ἐν τῇ σ. σου<br/><u>συνεδριάζειν</u>. (1) T<sup>2</sup><br/>Pr. 8. 32. ἐν δὲ δικαίοις οὐ <u>συνεδριάζει</u> (1)<br/><u>συνεδριον</u>. (1) T<sup>2</sup> (2) P<sup>2</sup> (3) T<sup>2</sup><br/>(4) D<sup>h</sup><br/>Ps. 25 (26). 4. οὐκ ἐκάθισα μετὰ <u>συνεδρίου</u><br/>ματαιώτητος [A -ας] (2)<br/>Pr. 11. 13. ἀνὴρ δόγλωστος ἀποκαλύπτει βουλὰς<br/>ἐν <u>συνεδρίῳ</u> (2)<br/>15. 22. ὑπερτίθενται λογισμοὺς οἱ μὴ τιμῶντες<br/><u>συνεδρία</u> (2)<br/>22. 10. ἐκβαλεῖ ἐκ <u>συνεδρίου</u> λοιμὸν<br/>— 10. ὅταν γὰρ καθίσῃ ἐν <u>συνεδρίῳ</u><br/>24. 7. λογίζονται ἐν <u>συνεδρίοις</u><br/>26. 26. ἐβγῶκτος ἐν <u>συνεδρίοις</u> [A B<sup>2</sup> -ίφ]<br/>27. 22. εἰς μαστιγὸς ἀφρονα ἐν μέσῳ <u>συν-<br/>εδρίου</u> [A -φ] ἀτιμάζων<br/>31. 23. ἡνίκα ἀν καθίσῃ ἐν <u>συνεδρίῳ</u><br/>Je. 15. 17. οὐκ ἐκάθισα ἐν <u>συνεδρίῳ</u> αὐτῶν παι-<br/>ζόντων (2)<br/>II Ma. 14. 5. προσκληθῆς ἐν <u>συνεδρίῳ</u><br/>IV Ma. 17. 17. καὶ ἔδωκεν τὸ σ. [B συμβούλιον] αὐτῶν<br/>[Al. Ps. 1. 1.]</p> | <p><u>συνέδρος</u>.<br/>Jd. 5. 10. B πορευόμενοι ἐπὶ ὁδοὺς <u>συνέδρων</u> [A. al.]<br/>IV Ma. 5. 1. προκαθίσας γὰρ τοὺς μετὰ τῶν σ.<br/><u>συνεθίζειν</u>.<br/>Si. 28. 9. ὀνομασίᾳ τοῦ ἁγίου [A B<sup>2</sup> ὑψίστου] μὴ<br/>συνεθισθῆς<br/>— 13. ἀπαιδευσίαν ἀσυρὴ μὴ <u>συνεθίσσης</u> [B<sup>1</sup> ἐθ.] τὸ<br/>στόμα σου<br/>— 15. ἀνθρώπος <u>συνεθιζόμενος</u> λόγους ὀνειδισμοῦ<br/><u>συνειδένας</u>. (1) Y<sup>2</sup><br/>Le. 5. 1. καὶ οὗτος μάρτυς ἡ ἑώρακεν ἢ <u>σύνειδεν</u> (1)<br/>Jb. 27. 6. οὐ γὰρ <u>σύνειδα</u> ἐμὰντ' ὅσπα πράξας<br/>I Ma. 4. 21. A οἱ δὲ ταῦτα <u>συνειδότες</u> [B B<sup>2</sup> -ιδόντες]<br/>II Ma. 4. 41. A <u>συνειδότες</u> [B -ιδόντες] δὲ καὶ τὴν<br/>ἐπίθεσιν τοῦ Λ.<br/>III Ma. 2. 8. B οἱ καὶ <u>συνειδότες</u> [A -ιδόντες] ἔργα<br/>σῆς χειρὸς<br/><u>συνειδῆσις</u>. (1) Y<sup>2</sup><br/>Ec. 10. 20. ἐν <u>συνειδῆσει</u> σου βασιλέα μὴ κατα-<br/>ράση (1)<br/>Wl. 17. 11. προσεῖληψε [B<sup>2</sup> προεῖληφεν] τὰ χαλεπὰ<br/>συνεχομένη τῇ σ.<br/>Si. 42. 18. B ἔγνων γὰρ ὁ ὑψίστος πᾶσαν <u>συνειδῆσιν</u><br/>[A B<sup>2</sup> εἰδῆσιν]<br/><u>συνείκειν</u>.<br/>IV Ma. 8. 6. παρακαλῶ <u>συνείξαντάς</u> μοι τῆς ἐμῆς<br/>ἀπολαύσαις φιλίας<br/><u>συνείναι</u>. (1) Y<sup>2</sup><br/>I Es. 6. 2. <u>συνόντων</u> τῶν προφητῶν τοῦ κ. βοηθούτων<br/>αὐτοῖς<br/>8. 50. A B ἡμῶν τε καὶ τοῖς συνοῦσιν ἡμῖν [B om.<br/>σ. ἡ.] τέκνοις ἡμῶν<br/>Jb. 36. 29. εἰς σὴν [A B<sup>2</sup> -ῆς] ἀπέκτασις [A B<sup>2</sup><br/>-ιν] κέλεται<br/>Ps. 57 (58). 9. B<sup>1</sup> B πρὸ τοῦ <u>συνείναι</u> [B<sup>2</sup> B<br/>-ιέναι] τὰς ἀκάνθας ὡς τὴν ῥάμνον<br/>[B<sup>2</sup> τῇ ῥ.]<br/>Pr. 5. 19. <u>συνέειπες</u> σοι ἐν παντὶ καιρῷ<br/>Je. 3. 20. ὡς ἀθετεῖ γυνὴ εἰς τὸν <u>συνόντα</u> αὐτῇ (1)<br/>II Ma. 9. 4. τῆς ἐξ οὐρανοῦ δὴ κρίσεως <u>συνούσης</u><br/>αὐτῷ<br/>[Sm. Jb. 37. 18; Ps. 72 (78). 23; 88 (89). 22,<br/>25; Is. 57. 1.]<br/>[Th. Is. 57. 1.]<br/><u>συνειπεῖν</u>. (1) T<sup>2</sup> a. aph. δ. ithpa.<br/>Da. LXX. Su. 38. τότε <u>συνειπάμεθα</u> ἀλλήλοις<br/>2. 9. <u>συνειπάσθε</u> γὰρ λόγους ψευδεῖς ποιῆ-<br/>σασθαι (1 a*, 1 b)<br/><u>συνεισέρχασθαι</u>. (1) D<sup>2</sup> N<sup>2</sup><br/>Ex. 21. 3. εἰς δὲ γυνὴ <u>συνεισέλθῃ</u> μετ' αὐτοῦ<br/>Es. 2. 13. παραδώσει αὐτὴν <u>συνεισέρχασθαι</u> αὐτῷ (1)<br/>Jb. 22. 4. καὶ <u>συνεισελεύσεται</u> σοι εἰς κρίσιν (1)<br/>Si. 39. 2. ἐν στροφαῖς παραβολῶν <u>συνεισελεύσεται</u><br/>I Ma. 12. 48. B πάντας τοὺς <u>συνεισελθόντας</u> [A<br/>συνελθ., B εἰσελθ.] αὐτῷ<br/><u>συνεισφορά</u>.<br/>[Sm. Ex. 23. 16.]<br/><u>συνεκκεντεῖν</u>.<br/>II Ma. 5. 26. τοὺς ἐλθόντας πάντας ἐπὶ τὴν θεωρίαν<br/><u>συνεκεκέντησε</u><br/><u>συνεκπολεμεῖν</u>. (1) D<sup>2</sup> ni.<br/>De. 1. 30. <u>συνεκπολεμήσεις</u> αὐτοὺς μεθ' ὧν (1)<br/>20. 4. <u>συνεκπολεμήσεις</u> ἡμῖν τοὺς ἐχθρούς ὧν (1)<br/>Jo. 10. 14. B κύριος <u>συνεκεπολέμησε</u> [A B <u>συνεπ-</u><br/>τῷ 'Ισρ.] (1)<br/>Wi. 5. 20. <u>συνεκπολεμήσεις</u> [B <u>συνπ.</u>] δὲ αὐτῷ ὁ<br/>κόσμος ἐπὶ τοὺς παράφροντας<br/><u>συνεκορπεύσασθαι</u>. (1) N<sup>2</sup> (2) D<sup>2</sup> B<sup>2</sup><br/>Jd. 11. 3. A <u>συνεκορπεύοντο</u> [B ἐξήλθον] μετ'<br/>αὐτοῦ (1)<br/>13. 25. ἤρξατο πνεῦμα κυρίου <u>συνεκορπεύεσθαι</u><br/>[A <u>συνμ.</u>] αὐτῷ (2)<br/><u>συνεκτικὸς</u>.<br/>[Aq. Da. 6. 2.]<br/><u>συνεκτοκίλειν</u>.<br/>[Sm. Is. 66. 9.]</p> | <p><u>συνεκτρέφειν</u>. (1) T<sup>2</sup><br/>II Ch. 10. 8. μετὰ τῶν παιδαρίων τῶν <u>συνεκτρα-<br/>φέντων</u> μετ' αὐτοῦ (1)<br/><u>συνεκτρίβειν</u>.<br/>Wi. 11. 19. οὐ μόνον ἡ βλάβη ἡδύνατο <u>συνεκτρίβειν</u><br/>[A B<sup>2</sup> ἐκτρ.] αὐτοὺς<br/><u>συνέκτροφος</u>.<br/>I Ma. 1. 6. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐ. . . τοὺς σ. αὐ.<br/><u>συνεκφαίνειν</u>.<br/>III Ma. 4. 1. B μετὰ παρησίας <u>συνεκφαινομένης</u><br/>[A νῦν ἐκφ.] ἀπεχθείας<br/><u>συνελαύνειν</u>.<br/>II Ma. 4. 26. εἰς τὴν Ἀρμανίτιν χώραν <u>συνήλαστο</u><br/>— 42. πάντας δὲ εἰς φυγὴν <u>συνήλασαν</u><br/>5. 5. τῶν δὲ ἐπὶ τῷ τείχει <u>συνελασθέντων</u><br/><u>συνέλευσις</u>. (1) T<sup>2</sup><br/>Jd. 9. 46. ἦλθον εἰς <u>συνέλευσιν</u> Βαυθ. [A. al.] (1)<br/>— 49. καὶ ἐπέθηκαν ἐπὶ τὴν σ. [A τὸ δούλωμα] (1)<br/>— 49. ἐνεπύρισαν ἐπ' αὐτοὺς τὴν σ. [A. al.] (1)<br/>[Aq. Ps. 1. 1.]<br/>[Sm. Ps. 1. 5.]<br/>[Th. Jd. 9. 49.]<br/><u>συνέλκειν</u>. (1) T<sup>2</sup><br/>Ps. 27 (28). 3. μὴ <u>συνελκύσῃς</u> μετὰ ἀμαρτωλῶν<br/>τὴν ψυχὴν μου [B με μετὰ ἀμ.] (1)<br/>[Sm. Ps. 27 (28). 3.]<br/><u>συνεξαίρειν</u>.<br/>[Th. A. Jb. 4. 21.]<br/><u>συνεξέρχασθαι</u>. (1) N<sup>2</sup><br/>Ju. 2. 20. πολλοὶ δὲ ἐπίμκτος . . . <u>συνεξῆλθον</u> [B -εν<br/>αὐτοῖς]<br/>Pr. 22. 10. <u>συνεξελύσεται</u> αὐτῷ νεῖκος (1)<br/><u>συνεξορμᾶν</u>.<br/>I Es. 8. 11. <u>συνεξορμάσθωσαν</u> [A -άσωσαν]<br/><u>συνεπαίρειν</u>.<br/>[Sm. Ez. 1. 19, 20.]<br/><u>συνεπακολουθεῖν</u>. (1) N<sup>2</sup> pi.<br/>Nu. 32. 11. οὐ γὰρ <u>συνεπακολούθησαν</u> ὀπίσω μου (1)<br/>— 12. B <u>συνεπακολούθησαν</u> [A B -αν] ὀπίσω<br/>κυρίου (1)<br/><u>συνεπείναι</u> (?).<br/>[Aq. Is. 38. 12.]<br/><u>συνέπεσθαι</u>.<br/>II Ma. 15. 2. τῶν δὲ κατὰ ἀνάγκην <u>συνεπομένων</u> αὐτῷ<br/>'Ιουδαίων<br/>III Ma. 5. 48. B καὶ τῆς <u>συνεπομένης</u> [A ἐπ.] ἐν-<br/>όπλου δυνάμει<br/>6. 21. ἐπὶ τὰς <u>συνεπομένας</u> ἐνόπλους δυνάμεις<br/><u>συνεπίθεις</u>.<br/>[Aq. Ps. 118 (119). 118.]<br/><u>συνεπισκῆπτεσθαι</u>. (1) T<sup>2</sup> a. qal.<br/>δ. hothpa.<br/>Nu. 1. 47. A οὐ <u>συνεπεσκέπησαν</u> [B οὐκ ἐπέσκ.]<br/>ἐν τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. (1 b)<br/>— 49. ὅρα τὴν φυλὴν Λ. οὐ <u>συνεπισκέψῃ</u> (1 a)<br/>2. 33. οἱ δὲ Δ. οὐ <u>συνεπεσκέπησαν</u> ἐν [A om.]<br/>αὐτοῖς (1 b)<br/>26. 62. οὐ γὰρ <u>συνεπεσκέπησαν</u> ἐν μέσῳ υἱῶν<br/>'Ισρ. (1 b)<br/><u>συνεπίστασθαι</u>. (1) T<sup>2</sup><br/>Jb. 9. 35. οὐ γὰρ οὕτω <u>συνεπίσταμαι</u> [A B<sup>2</sup> σ.<br/>ἐμὰντ' ἀδικον] (1)<br/>19. 27. ἀ ἐγὼ ἐμὰντ' <u>συνεπίσταμαι</u> (1)<br/><u>συνεπισχέειν</u>. (1) T<sup>2</sup><br/>II Ch. 32. 3. B <u>συνεπίσχυον</u> [A B -αν] αὐτῷ (1)<br/>Es. 8. 13. καὶ <u>συνεπίσχυεν</u> αὐτοῖς<br/>[Sm. Je. 5. 31.]<br/><u>συνεπιτιθέναι</u>. (1) T<sup>2</sup> pi. (2) T<sup>2</sup> (3) T<sup>2</sup><br/>(4) T<sup>2</sup><br/>Nu. 12. 11. μὴ <u>συνεπιθῇ</u> ἡμῖν ἀμαρτίαν (3)<br/>De. 32. 27. ἵνα μὴ <u>συνεπιθῶνται</u> οἱ ὑπερῆγοι (1)</p> |
|--|---|--|

Ps. 3. 6. Ἀ ὁ τὸν κύλῳ [A -ων] συνεπιτιθέμενον  
[B ἐπιτιθ.] μοι (3)  
Ob. 1. 13. Ἀ Β' Β' Ε μὴ δὲ συνεπιθῇ ἐπὶ τὴν  
δύναμιν αὐ. (4)  
Za. 1. 15. ἐπὶ τὰ ἔθνη τὰ συνεπιτιθέμενα  
— 15. αὐτοὶ δὲ συνεπιτίθεντο εἰς κακά (2)

## συνεργεῖν.

I Es. 7. 2. συνεργοῦντες τοῖς πρεσβυτέροις τῶν Ἰ.  
I Ma. 12. 1. οὐ καίρως αὐτῶ συνεργεῖ

## συνεργός.

II Ma. 8. 7. τὰς νύκτας . . . συνεργοὺς ἐλάμβανε  
14. 5. καὶρὸν δὲ λαβὼν τῆς ἰδίας ἀνοίας συνεργόν  
[Th. Is. 308. 12.]

## συνερίζειν.

II Ma. 8. 30. Α τοὺς περὶ Τιμ. καὶ Β. συνερίζωντες  
[B al.]

## συνέρχεσθαι. (1) 𐤒𐤒𐤍 ni. (2) 𐤒𐤒𐤍 (3) 𐤒𐤒𐤍

(4) 𐤒𐤒𐤍 pi. (5) 𐤒𐤒𐤍 ni. (6) 𐤒𐤒𐤍 ni.  
(7) 𐤒𐤒𐤍 hithpa.

Ex. 32. 26. συνηλθον [A -οσαν] οὖν . . . πάντες  
οἱ υἱοὶ Λ. (1)

Jo. 9. 2. συνηλθοσαν [A -ον] ἐπὶ τὸ αὐτό (7)

11. 5. συνηλθον πάντες οἱ βασι. (5)

To. 5. 9. Β εἰ δυνήσῃ συνηλθὲν αὐτῶ  
— 21. Β ἀγγελος γὰρ ἀγαθὸς συνελκύεται αὐτῶ  
[A B al.]

11. 4. συνηλθεν ὁ κύων ἐπισθεν αὐτῶν [B al.]

12. 1. ὅρα . . . μεθὸν τῶ ἀνθρώπῳ τῶ συνηλθόντι σοι  
[B al.]

Ju. 1. 6. συνηλθον [A -αν, B -ήθησαν] ἔθνη πολλὰ  
— 11. οὐ συνηλθον [B -οσαν] αὐτῶ εἰς τὸν πόλεμον

Jb. 6. 29. πάλιν τῶ δικαίῳ συνέρχου +

20. 26 (31). πᾶν δὲ πλωτὸν συνηλθὸν οὐ μὴ  
ἐνέγκωσι βύρσαν μίαν οὐράς αὐτοῦ +

Pr. 5. 20. Β μὴ δὲ συνέρχου [A B E -έχου]  
ἀγκάλας τῆς μὴ ἰδίας [A ταῖς μὴ  
ἰδίας] (4)

23. 35. ἵνα ἐλθὼν ζητήσω μεθ' ὧν συνελεύσονται +

29. 13. δανειστὸν καὶ χρεωφειλετὸν ἀλλήλοισ  
[A -ων] συνηλθόντες (6)

Wi. 7. 2. ἐκ σπέρματος ἀνδρὸς καὶ ἡδονῆς ὑπ᾿ [B  
-ου] συνηλθούσης

Za. 8. 21. συνελεύσονται [B' -οδεύσ.] κατοικι-  
κούντες πέντε πόλεις (3)

— 21. B' συνελεύσονται κατοικοῦντες πέντε  
πόλεις (9)

Je. 3. 18. συνελεύσονται [A -σεται] οἶκος Ἰ. ἐπὶ  
τὸν οἶκον τοῦ Ἰ. (3)

Ez. 33. 30. συνελευσόμεναι καὶ ἀκούσωμεν (2)

Da. TH. Su. 28. 6. συνηλθεν ὁ λαὸς πρὸς τὸν ἄνθρω-  
πὸν αὐ. Ἰ.

I Ma. 9. 14. συνηλθον αὐτῶ πάντες οἱ εὐψυχοὶ τῇ  
καρδίᾳ

12. 47. χίλιοι δὲ συνηλθον αὐτῶ  
— 48. Α πάντας τοὺς συνηλθόντας [B συνεισελθ.,  
B εισελθ.] μετ' αὐτοῦ

15. 10. συνηλθον πρὸς αὐτὸν πᾶσαι αἱ δυνάμεις

II Ma. 3. 24. ὥστε πάντας τοὺς κατατολμήσαντας  
συνελθεῖν

[Ssm. Gz. 14. 3: Ps. 82 (83). 5.]

## συνεσθίειν. (1) 𐤒𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤒𐤍

Ge. 43. 32. οὐ γὰρ ἐδύναντο οἱ Αἰγ. συνεσθίειν  
. . . ἄρτους (1)

Ex. 18. 12. συνεσθίοντες [A φ.] ἄρτον μετὰ τοῦ  
γαμβροῦ Μ. (1)

II Ki. 12. 17. οὐ συνέφαγεν αὐτοῖς ἄρτον (2)

Ps. 100 (101). 5. τοῦτοφ οὐ συνησθίον +

[Ssm. Ps. 40 (41). 10: 140 (141). 4: Ob. 7.]

## σύνεσις. (1) 𐤒𐤒𐤍 a. ni. δ. hi. c. 𐤒𐤒𐤍

𐤒𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤒𐤍 (3) a. 𐤒𐤒𐤍 δ. 𐤒𐤒𐤍

c. 𐤒𐤒𐤍 (4) 𐤒𐤒𐤍 (5) 𐤒𐤒𐤍 (6) 𐤒𐤒𐤍

a. hi. δ. 𐤒𐤒𐤍, 𐤒𐤒𐤍 c. 𐤒𐤒𐤍, 𐤒𐤒𐤍

(7) δίδοναι σύνεσιν 𐤒𐤒𐤍 hi.

Ex. 81. 3. ἐνέπλησα αὐτὸν πνεῦμα θεῖον . . .  
σύνεσις (1 d)

— 6. καὶ παντὶ συνετῶ καρδίᾳ δέδωκα σύνεσιν (4)

35. 31. ἐνέπλησεν αὐτὸν πνεῦμα . . . σύνεσις (1 d)

Ex. 35. 35. ἐνέπλησεν αὐτοὺς . . . σύνεσις [A om.] (4)

De. 4. 6. αὕτη ἡ σοφία ὑμῶν καὶ ἡ σ. (1 c)

34. 9. ἐνεπλήσθη πνεύματος σύνεσις (4)

I Ki. 25. 3. καὶ ἡ γυνὴ αὐ. ἀγαθὴ σύνεσις [A  
τῇ σ.] (6 b)

III Ki. 7. 14. πεπληρωμένος τῆς τέχνης καὶ  
σύνεσις (1 d)

I Ch. 12. 32. γινώσκοντες σύνεσιν εἰς τοὺς  
καιροὺς (1 c)

22. 12. δέη σοι σοφίαν καὶ σύνεσιν κύριος (1 c)

28. 19. κατὰ τὴν περιγενήθεισαν αὐτῶ σ. (6 a)

II Ch. 1. 10. σοφίαν καὶ σύνεσιν δός μοι (3 b)

— 11. ἤρπας σεαυτῶ σοφίαν καὶ σύνεσιν (3 b)

— 11 (12). τὴν σοφίαν καὶ τὴν σ. δίδωμί σοι (3 b)

2. 12 (11). Β υἱὸν . . . ἐπιστάμενον σύνεσιν  
καὶ ἐπιστήμην [A B εἰ. κ. σ.] (6 b [1 c])

— 13 (12). ἄνδρα σοφὸν καὶ εἰδότα σύνεσιν (1 c)

30. 22. καὶ τῶν συνόντων σ. ἀγαθὴν τῶ κ. (6 b)

I Es. 1. 33. τὸ καθ' ἐν πραχθὲν . . . τῆς σ. αὐ. (6 b)

Ju. 8. 29. ἔγνω πᾶς ὁ λαὸς τὴν σ. σου

11. 21. Α Β ἐν καλῶ προσώπῳ καὶ σύνεσις λόγων

Jb. 6. 30. ἡ ὁ λάρυγγ μου οὐχὶ σύνεσιν μελετᾷ +

8. 10. Α καὶ ἀναγγελοῦσιν σοι σύνεσιν σοφίας  
[B S om. σοι σ. σ.]

12. 13. αὐτῶ [A παρ' αὐτῶ] βουλὴ καὶ σύνεσις (1 d)

— 16. αὐτῶ [A παρ' αὐτῶ] ἐπιστήμην καὶ σύνεσις +

— 20. σύνεσιν δὲ πρεσβυτέρων ἐγὼ (5)

15. 2. πότερον [A τίνα ἄρα] σοφὸς ἀπόκρισιν  
δώσει σύνεσις πνεῦμα [A B' B'  
-ατος] (3 a)

20. 3. πνεῦμα εἰς τῆς σ. [A σ. σου] ἀποκρίνεται  
μοι (1 c)

21. 22. πότερον οὐχὶ ὁ κύριός ἐστιν ὁ διδάσκων  
σύνεσιν (3 a)

22. 2. πότερον οὐχὶ ὁ κύριός ἐστιν ὁ διδάσκων  
σύνεσιν +

28. 20. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς [A om.] σ. (1 c)

32. 11. Α ἐνωπιστάμενον μέχρι σύνεσις ὑμῶν (1 d)

33. 3. σύνεσις δὲ χειλῶν μου καθαρὰ νοήσει (3 a)

34. 35. ἰὼβ δὲ οὐκ ἐν σύνεσις ἐλάλησε [A  
-σας] (3 a)

38. 4. εἰ ἐπιστῇ σύνεσιν (1 c)

39. 17. οὐκ [B' om.] ἐμίσησεν αὐτὴ ἐν τῇ σ. (1 c)

Ps. 81 (82). τί. σύνεσις [A ψαλμός] τῶ Δ. (6 d)

— 9. ὡς ἵππος καὶ ἡμίονος οἷς οὐκ ἔστι σύνεσις (1 b)

41 (42). τί. εἰς τὸ τέλος οἷς σύνεσις (6 d)

42 (43). τί. Α εἰς τὸ τέλος σύνεσις τοῖς υἱοῖς  
Κορέ -

43 (44). τί. εἰς σύνεσιν [A om. εἰς σ.] ψαλμός  
[B om.] (6 d)

44 (45). τί. Β Β τοῖς υἱοῖς Κορέ εἰς σύνεσιν φθὴ (6 d)

48 (49). 3. καὶ ἡ μελέτῃ τῆς καρδίας μου σύνεσιν  
[B' -σεις] (1 d)

51 (52). τί. εἰς τὸ τέλος σύνεσις τῶ Δαυὶδ (6 d)

52 (53). τί. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ μαλεθὲς σύνεσις  
τῶ Δαυὶδ (6 d)

53 (54). τί. : 54 (55). τί. εἰς τὸ τέλος ἐν ὑμνοῖς  
σύνεσις τῶ Δαυὶδ (6 d)

73 (74). τί. : 77 (78). τί. σύνεσις τῶ Ἀσάφ (6 d)

77 (78). 72. B B' ἐν τῇ σ. [B' ταῖς σ.] τῶν  
χειρῶν αὐτοῦ ὠδήγησεν αὐτοὺς (1 d)

87 (88). τί. σύνεσις Αἰμὰν τῶ Ἰσραηλίτῃ (6 d)

88 (89). τί. σύνεσις Αἰθὰν τῶ Ἰσραηλίτῃ (6 d)

110 (111). 10. σύνεσις δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς  
ποιοῦσιν αὐτήν (6 b)

135 (136). 5. τῶ ποιήσαντι τοὺς οὐρανούς ἐν  
σύνεσι (1 d)

141 (142). τί. σύνεσις τῶ Δαυὶδ (6 d)

146 (147). 5. τῆς σ. αὐτοῦ οὐκ ἔστιν ἀριθμὸς (1 d)

Pr. 1. 7. σ. δὲ ἀγαθὴ πᾶσι τοῖς ποιοῦσιν αὐτήν -

2. 2. παραβαλεῖς καρδίαν σου εἰς σύνεσιν (1 d)

— 3. καὶ τῇ σ. δὲς φανερὴν σου (1 d)

— 6. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ γνώσις καὶ σύνεσις  
[A -σεις] (1 d)

4. 5. B' κτήσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (1 c)

— 5. Α κτήσαι σοφίαν κτήσαι σύνεσιν (1 c)

9. 6. κατορθώσας ἐν γνώσει σύνεσιν (1 c)

— 10. βουλὴ ἁγίων σύνεσις (1 c)

13. 15. σύνεσις ἀγαθὴ δίδωσι χάριν (6 b)

24. 3. μετὰ σύνεσις ἀνθρώπων (1 d)

Wi. 4. 11. ἠρπάγη μοι κακία ἀλλάξῃ σύνεσιν αὐ.

9. 5. ἐλάσσω ἐν σύνεσις κρίσεως καὶ νόμον

18. 13. B' B' ἐμπερία σύνεσις [A B' B' ἀνέσεις]  
ἐτύπωνεν αὐτὸ

Si. 1. 4. σύνεσις φρονήσις ἐξ αἰῶνος

— 19. ἐπιστήμην καὶ γνώσιν σύνεσις ἐξώμωρσεν

Si. 1. 23. χεῖρ πιστῶν [A B πολλῶν] ἐκδηγῆσται

σύνεσιν αὐτοῦ

8. 13. κἂν ἀπολείπῃ σύνεσιν συγγνώμην ἔχε

— 23. πλείους γὰρ σύνεσις ἀνθρώπων ὑπεδείχθησιν

6. 10. ἰσθὶ ἰσθηγμένους ἐν σύνεσις σου

— 12. εἰ ἔστι σοι σύνεσις

6. 35. παροιμίαι σύνεσις μὴ ἐκφνεγέωσάν σε

8. 9. παρ' αὐτῶν μαθήσῃ σύνεσιν

10. 3. πόλεις οἰκισθήσεται ἐν σύνεσις δυναστῶν

18. 22. ἐφθέγγατο σύνεσιν

14. 20. ὅς ἐν σύνεσις αὐτοῦ διαλεχθήσεται [A δια-  
δεχθ.]

15. 3. ψωμὶ αὐτῶν ἄρτον σύνεσις

17. 7. ἐπιστήμην σύνεσις ἐνέπλησεν αὐτοῦς

19. 24. Α κρίττων ἡττώμενος ἐν σύνεσις ἐμφοβος  
ἡ περισσεύων ἐν σύνεσις [B B φρονήσῃ]

22. 11. Α B' B' ἐξέλιπε γὰρ σύνεσιν [B' B' -is]

— 17. καρδία ἡδρασμένη ἐπὶ διανοίας [A B' -q]  
σύνεσις

24. 26. ὁ ἀναπληρῶν ὡς Εὐφράτης σύνεσιν

25. 2. γέροντα μοχλὸν ἐλαττούμενον σύνεσις

81 (84). 9. ὁ πολίτευρος ἐκδηγῆσται σύνεσιν

— 11. πλείους τῶν λόγων μου σύνεσις μου

37. 22. οἱ καρποὶ τῆς σ. αὐ. ἐπὶ στόματος πιστοῖ

— 23. οἱ καρποὶ τῆς σ. αὐτοῦ πιστοῖ

39. 6. πνεύματι σύνεσις ἐμπλησθήσεται [A B'  
-πλήσει αὐτῶν]

— 9. αἰνέσουσι τὴν σ. αὐτοῦ πολλοὶ

44. 3. βουλεύονται ἐν σύνεσις αὐτῶν

— 4. ἐν διαβουλίαις καὶ σύνεσις γραμματείας λαοῦ

47. 14. ἐνεπλήσθη ὡς ποταμὸς σύνεσις

— 23. ἐλασσόμενον σύνεσις Ροβόαμ

50. 27. παιδείαν σύνεσις . . . ἐχάραξα

Ho. 2. 15 (17). διανοίξαι σύνεσιν αὐ. +

Ob. 1. 7. οὐκ ἔστι σύνεσις αὐτοῖς (1 d)

— 8. ἀπολῶ . . . σύνεσιν ἐξ ὅρου Ἡσαῦ (1 d)

Is. 8. 20. Α καὶ τὴν σ. [B B συνθ.] τοῦ κόσμου  
τῆς δόξης +

10. 13. ἐν τῇ σοφίᾳ τῆς σ. [A τῇ σύνεσις τῆς  
σοφίας] ἀφελῶ ὅρια ἐθνῶν (1 a [4])

11. 2. πνεῦμα σοφίας καὶ σύνεσις (1 c)

27. 11. οὐ γὰρ λαὸς ἐστὶν ἔχων σύνεσιν (1 c)

29. 14. τὴν σ. τῶν συνετῶν κρύψω (1 c)

— 24. γνώσονται οἱ πλανώμενοι τῶ πνεύματι  
σύνεσιν (1 c)

33. 19. οὐκ ἔστι τῶ ἀκούοντι σ. (1 c)

40. 14. ὁδὸν σύνεσις τίς εἰδείξεν αὐτῶ (1 d)

47. 10. ἡ σ. τούτων ἔσται (4 + 3 a)

53. 11. πλάσαι τῇ σ. (3 a)

56. 11. εἰσι ποιητοὶ οὐκ εἰδότες σύνεσιν (1 b)

Je. 28 (51). 15. ἐν τῇ σ. αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν  
οὐρανόν (1 d)

Ba. 8. 14. μόδε . . . ποῦ ἐστὶν σ.

— 23. οἱ τε [A οὐτε] υἱοὶ Ἀγαρ οἱ ἐκζητούντες τὴν  
σ. . . καὶ οἱ ἐκζητούντες τῆς σ.

— 32. ἐξεύρεν αὐτὴν τῇ σ. αὐτοῦ

Da. LXX. Su. 42. ἔδωκεν . . . πνεῦμα σύνεσις  
νεωτέρῳ ὄντι Δαν.

— 64. ἔσται ἐν αὐτοῖς πνεῦμα . . . σύνεσις

1. 17. τοῖς νεωσκότοις ἔδωκεν ὁ κύριος . . .  
σύνεσιν (6 a)

— 17. τῶ Δαν. ἔδωκε σύνεσιν (7)

— 20. ἐν παντὶ λόγῳ καὶ σύνεσις (4)

2. 21. διδοὺς . . . σύνεσιν τοῖς ἐν ἐπιστήμῃ οὐσιν (8 c)

Da. TH. 1. 17. ἔδωκεν αὐτοῖς ὁ θ. σύνεσιν (6 a)

2. 20. ἡ σοφία καὶ ἡ σ. αὐτοῦ ἐστὶ

**συνεταιρίς.** (1) **א. נָשִׁי.** **δ. ΠΝΥ.**  
Jd. 11. 37. **ἴσθ' ἡμὶ καὶ αἱ σ. μου** (1 a, 1 b\*)  
— 38. **ἐπορεύθη αὐτὴ καὶ αἱ σ. αὐ.** (1 a)  
**συνεταιρός.** (1) **נָכַר** (2) **צָר**  
Jd. 15. 2. **Ἄ ἔδωκα αὐτὴν τῷ σ. σου** [B al.] (2)  
— 6. **ἔδωκεν αὐτὴν τῷ σ. αὐ.** [B al.] (2)  
I Es. 8. 3. **καὶ Σαθρ. καὶ οἱ σ. [Α σ. αὐτοῦ]**  
— 7. **καὶ Σαθρ. καὶ οἱ σ. οἱ ἐν Συρία**  
— 27. **καὶ Σαθραβουζάνη καὶ τοῖς σ.**  
7. 1. **καὶ Σαθρ. καὶ οἱ σ.**  
Da. LXX. 2. 17. **τοῖς σ. ἐπέδειξε πάντα** (1)  
(25). **ἐξωμολογήτο τῷ κ. ἄμα τοῖς σ. αὐ.**  
6. 6. **οἱ σ. κύκλῳ αὐτοῦ ἐκαυχῶντο**  
[Sm. GE. 26. 26.]  
[Th. Jd. 15. 6.]  
**συνετίειν.** (1) **נָחַי.** (2) **נָחַי.** (3) **נָחַי.** hi.  
Ne. 8. 7. **ἥσαν συνετίζοντες τὸν λαόν** (1)  
— 9. **Β συνετίζον [Α Β Ε καὶ οἱ συνετίζοντες]**  
τὸν λαόν (1)  
9. 20. **τὸ πνεῦμά σου τὸ ἀγαθὸν ἔδωκες συνε-**  
τίαις αὐτοῖς (8)  
Ps. 15 (16). 7. **εὐλογῶν τὸν κύριον τὸν συνε-**  
τίαντά με (2)  
31 (32). 8. **συνετίω σε** (3)  
118 (119). 27. **ὁδὸν δικαιοματῶν σου συνετί-**  
σόν με (1)  
— 34, 73, 125. **συνετίσόν με** (1)  
— 130. **συνετίει ἠπλιότι** (1)  
— 144. **συνετίσόν με** (1)  
— 169. **κατὰ τὸ λόγόν σου συνετίσόν με** (1)  
Je. 9. 12 (11). **Β<sup>3</sup> συνετίω [Β Β<sup>1</sup> συνέτω, Α**  
**συνετίαι] τοῦτο** (1)  
Da. LXX. 8. 16. **συνετίσων ἐκείνον τὴν ὁρασίαν** (1)  
Da. TH. 8. 16. **συνετίσων ἐκείνον τὴν ὁρασίαν** (1)  
9. 22. **καὶ συνετίει με** (1)  
10. 14. **ἤλθον συνετίσαι σε** (1)  
[Aq. Dt. 32. 29.]  
[Sm. GE. 3. 6 (5); Ps. 31 (32). 8; 72 (73). 17;  
Is. 40. 14.]  
[Th. I Ki. 8. 8; Da. 8. 16.]  
**συνετός.** (1) **נָחַי.** **α. qal.** **δ. ni.** **c. hi.**  
(2) **נָחַי.** (3) **נָחַי.** (4) **נָחַי.** (5) **נָחַי.**  
(6) **נָחַי.** (7) **נָחַי.** **α. hi.** **δ. נָחַי.**  
(8) **συνετός καρδίας (-α) נָחַי.**  
Ge. 41. 33. **σκέψαι ἄνθρωπον φρόνιμον καὶ σ.** (2)  
— 39. **ἄνθρωπος φρονιμώτερός σου καὶ συνε-**  
τώτερος (2)  
Ex. 31. 6. **καὶ παῖτι σ. καρδία δέδωκα σύνεσιν** (2)  
De. 1. 13. **δοτε ἑαυτοῖς ἄνδρας ... συνετοὺς** (4)  
— 15. **ἐλαβον ἐξ ἡμῶν ἄνδρας ... συνετοὺς** (4)  
I Ki. 18. 18. **Α καὶ ὁ ἀνὴρ συνετός ... καὶ**  
**συνετός [Β σοφός] λόγῳ** (†, 1 b)  
IV Ki. 11. 9. **ὅσα ἐνετέλειτο Ἰ. ὁ σ.** (†)  
I Ch. 15. 22. **ὅτι συνετός ἦν** (1 c)  
27. 32. **καὶ Ἰων. ... ἄνθρωπος σ.** (1 c)  
Jb. 34. 10. **συνετοὶ καρδίας [Α -φ] ἀκούσατέ μου** (8)  
— 34. **συνετοὶ καρδίας [Α Β<sup>1</sup> -φ] ἐροῦσι ταῦτα** (8)  
Pr. 12. 8. **στόμα συνετοῦ ἐγκωμιάζεται ὑπὸ**  
**ἀνδρός** (7 b)  
— 23. **ἀνὴρ συνετός θρόνος αἰσθήσεως** (6)  
15. 24. **ὁδοὶ ζωῆς διαφύλαγμα συνετοῦ** (7 a)  
18. 20. **συνετός ἐν πράγμασιν εὐμετῆς ἀγαθὸν** (7 a)  
— 21. **τοὺς σοφοὺς καὶ σ. φαύλους καλοῦσιν** (8)  
17. 24. **πρόσωπον συνετὸν ἀνδρὸς σοφοῦ** (1 c)  
23. 9. **μὴ ποτε μνηστῆρσί τοὺς σ. λόγους σου** (7 b)  
28. 7. **φυλάσσει νόμον υἱὸς συνετός** (1 c)  
31. 30. **γυνὴ γὰρ συνετὴ εὐλογεῖται** —  
Ec. 9. 11. **οὐ τοῖς σ. πλοῦτος** (1 b)  
Si. 8. 29. **καρδία συνετοῦ διανοηθήσεται παραβολὴν**  
6. 36. **ἐὰν ὁδὸς συνετὸν ὁρῶντις πρὸς αὐτόν**  
7. 21. **Α Β Ε οἰκίτην συνετὸν [Β ἀγαθόν] ἀγαπάτω**  
σου ἢ ψυχῇ  
— 25. **ἀνδρὶ συνετῷ δώρησαι αὐτὴν**  
9. 15. **μετὰ συνετὸν ἔστω ὁ διαλογισμός σου**  
10. 1. **ἡγμονία συνετοῦ τεταγμένη ἔσται**  
— 23. **οὐ δίκαιον ἀτιμάσαι πτωχὸν συνετὸν**  
— 25. **Β<sup>1</sup> οἰκίτην συνετῷ [Α Β Β<sup>3</sup> σοφῷ] ἐλευθεροὶ**  
**λειτουργήσουσι**  
18. 4. **ἀπὸ γὰρ ἐνὸς συνετοῦ συνοικισθήσεται πόλις**  
18. 28. **πᾶς συνετός ἔγνω σοφίαν**  
— 29. **συνετοὶ ἐν λόγους καὶ αὐτοὶ ἐσοφίσαντο**

Si. 19. 2. **οἷος καὶ γυναῖκες ἀποστήσουσι συνετοὺς**  
21. 16. **ἐπὶ δὲ χεῖλους συνετοῦ εὐρεθήσεται χάρις**  
[Α ομ., Β<sup>3</sup> παραβολή]  
— 18. **Β<sup>1</sup> γνώσις συνετοῦ [Α Β Β<sup>2</sup> ἄσυν.] ἀδιεξέ-**  
**ταστοι λόγοι**  
25. 8. **μακάριος ὁ συνουκὼν γυναικὶ συνετῇ**  
26. 28. **ἄνδρες συνετοὶ ἐὰν σκυβαλισθῶσιν**  
36 (33). 3. **ἄνθρωπος συνετός ἐμπιστεύσει νόμῳ**  
36. 24 (21). **οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς**  
Ho. 14. 10. **ἡ συνετός καὶ ἐπιγνώσεται αὐτὰ** (1 b)  
Is. 3. 3. **ἀφελεῖ ... συνετὸν ἀκροατὴν** (1 b)  
5. 21. **οὐαὶ οἱ σ. ἐν ἑαυτοῖς** (2)  
19. 11. **υἱὸς συνετῶν, ἡμεῖς υἱὸς βασιλέων** (2)  
29. 14. **τὴν σύνεσιν τῶν σ. κρύψω** (1 b)  
32. 8. **οἱ δὲ εὐσεβεῖς συνετὰ ἐβουλεύσαντο** (6†)  
Je. 4. 22. **υἱὸι ἀφρονεῖς ἴσκι καὶ οὐ συνετοὶ** (1 b)  
9. 12 (11). **τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ σ. [Α al.]** (2)  
18. 18. **οὐκ ἀπολείπεται ... βουλὴ ἀπὸ συνετοῦ**  
[Β<sup>1</sup> -ὼν] (2)  
27 (50). 9. **ὡς βολὴ μαχθητοῦ συνετοῦ** (7 a)  
— 35. **ἐπὶ τοὺς μεγιστάνους αὐτῆς καὶ ἐπὶ τοὺς**  
**σ. αὐτῆς** (2)  
29 (49). 7. **ἀπώλετο βουλὴ ἐκ συνετῶν** (1 a)  
Da. LXX. 1. 4. **νεανίσκου ... σ. καὶ σοφοὺς** (1 c)  
6. 3 (4). **ἦν ἐνδοξὸς καὶ ἐπιστήμων καὶ σ.** —  
Da. TH. 11. 33. **οἱ σ. τοῦ λαοῦ συνήσουσιν εἰς**  
**πολλά** (7 a)  
[Aq. Dt. 4. 6; Pr. 10. 13; 14. 33; Is. 3. 3;  
Je. 10. 7.]  
[Sm. I Ki. 18. 14; Ps. 118 (119). 100; Pr. 1.  
2; 10. 13; 17. 24; 19. 14; Is. 8. 3; Je. 50  
(27). 9.]  
[Th. Pr. 10. 13; 14. 33; 17. 10; Is. 3. 3.]  
[Quint. Pr. 17. 28.]  
**συνετός.** (1) **נָחַי.** (2) **נָחַי.** (3) **נָחַי.**  
**ποιεῖν נָחַי.**  
Ps. 46 (47). 7. **ψάλατε σ.** (2)  
Is. 29. 16. **οὐ σ. με ἐποίησας** (3)  
Je. 9. 12 (11). **Α τίς ὁ ἄνθρωπος σ. [Β Β al.]** (1)  
**συνευδοκεῖν.**  
I Ma. 1. 57. **εἰ τις συνευδοκεῖ τῷ νόμῳ**  
4. 28. **Β<sup>1</sup> συνευδόκησεν [Α Β<sup>2</sup> Ε -ἐλόχησεν] ...**  
**ἐξήκοντα χιλιάδας**  
II Ma. 11. 24. **τοὺς ἰουδ. μὴ συνευδοκούντας τῇ ...**  
**μεταθέσει**  
— 35. **καὶ ἡμεῖς συνευδοκοῦμεν**  
**συνευφραίνεσθαι.** (1) **נָחַי.**  
Pr. 5. 18. **συνευφραίνου μετὰ γυναῖκος τῆς ἐκ**  
**νεότητός σου** (1)  
**συνήγειν.** (1) **נָחַי.** (2) **נָחַי.** (3) **נָחַי.** ni.  
(4) **נָחַי.** (5) **נָחַי.** (6) **נָחַי.** (7) **נָחַי.**  
σ. **נָחַי.** (8) **נָחַי.** (9) **נָחַי.** **α. ni.**  
**δ. hithpa.** (10) **נָחַי.** (11) **נָחַי.** (12) **נָחַי.**  
**α. qal.** **δ. ni.** **c. נָחַי.** (13) **נָחַי.**  
(14) **נָחַי.** (15) **נָחַי.** (16) **συνεχόμενος**  
**ἐκ נָחַי.** (17) **נָחַי.** hi.  
Ge. 8. 2. **συνεσχέθη ὁ ὑετός ἀπὸ τοῦ οὐρ.** (8)  
Ex. 26. 3. **Α πεῖντε δὲ αὐλαῖς ἔσονται συνεχό-**  
**μαι [Α ἐξ ἀλλήλων ἐχόμε.]** (6)  
— 3. **καὶ πέντε αὐλαῖς ἔσονται συνεχόμεναι** (6)  
28. 7. **δύο ἐπωμίδες συνεχόσονται ἔσονται [Α**  
**al.]** (6)  
36. 11 (39. 4). **ἐπωμίδες συνεχόσονται ἐξ ἀμφο-**  
**τέρων τῶν μερῶν** (6)  
— 29 (39. 21). **συνεχόμενοι ἐκ τῆς ὑακίνθου** (18)  
De. 11. 17. **καὶ συνεχὴ τὸν οὐρανόν** (13 a)  
I Ki. 14. 6. **Β οὐκ ἔστι τῷ κ. συνεχόμενον** (12 c)  
21. 7 (8). **ἐκεῖ ἦν ἐν τῶν παιδῶν τῶν Σ. ...**  
**συνεχόμενος νεεσσαράν** (12 b)  
23. 8. **συνέχειν τὸν Δ. καὶ τοὺς ἄνδρας αὐ.** (18)  
II Ki. 20. 3. **καὶ ἥσαν συνεχόμενα ... χῆραι**  
**ζῶσαι** (14)  
24. 21. **Β συνεχέχθη [Α -έσθη, Β συσχεθῇ] ἡ**  
**θραῦσις** (12 b)  
— 25. **συνεσχέθη [Α -έσθη] ἡ θραῦσις** (12 b)  
III Ki. 6. 10. **συνέχε τὸν συνεδρισμόν** (1)  
6. 15. **Β<sup>1</sup> ἐκοιλοτάθμισεν συνεχόμενος [Α Β<sup>2</sup> Ε**  
**-α] ἔθλους** —  
8. 35. **ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐρ.** (12 b)

III Ki. 20 (21). 21. **ἐξολεθρεύσω ... συνεχό-**  
**μενον ... ἐν Ἰσρ.** (12 a)  
IV Ki. 9. 8. **ἐξολεθρεύσεις ... συνεχόμενον ...**  
**ἐν Ἰσρ.** (12 a)  
14. 26. **εἶδε κ. ... ὀλίγους τοὺς συνεχόμενους**  
**[Α al.]** (12 a)  
I Ch. 12. 1. **ἐτι συνεχόμενον ἀπὸ προσώπου Σ.**  
**υἱοῦ Κ.** (12 a)  
II Ch. 6. 26. **ἐν τῷ συσχεθῆναι τὸν οὐρανόν**  
**7. 13. ἐὰν συσχω τὸν οὐρανόν** (12 b)  
I Es. 9. 17. **Α τὰ κατὰ τοὺς ἄνδρας τοὺς συνέχοντας**  
**[Β ἐπισσ., Β ἐπισυναχθέντας] γυναῖκας**  
**ἀλλογενεῖς** (12 a)  
Ne. 6. 10. **αὐτοὺς συνεχόμενος** (12 a)  
Jb. 2. 9. **αἱ με νῦν συνεχόσων** —  
3. 24. **δακρύω δὲ ἐγὼ συνεχόμενος φόβῳ** †  
7. 11. **ἀνοίξω πικρίαν ψυχῆς μου συνεχόμενος**  
**[Α Β<sup>2</sup> al.]** —  
10. 1. **πικρία ψυχῆς μου συνεχόμενος** —  
31. 23. **φόβος γὰρ κυρίου συνέχευ [Α -εἶχεν] με** †  
84. 14. **εἰ γὰρ βούλοιο συνέχειν [Β<sup>3</sup> συσχεῖν]** —  
86. 8. **οἱ πεπεθήμενοι ἐν χειροπέδεσιν συσχεθῇ-**  
**σονται** (9 a)  
88. 2. **συνέχων δὲ ῥήματα ἐν καρδίᾳ** —  
41. 8 (9). **συνέχονται [Α -ωνται] καὶ οὐ μὴ**  
**ἀποσπασθῶσιν [Β<sup>1</sup> πάθωσιν]** (9 b)  
Ps. 68 (69). 15. **μηδὲ συσχετὼ ἐπ' ἐμέ φρέαρ**  
**τὸ στόμα αὐτοῦ** (2)  
76 (77). 9. **ἡ συνέξει ἐν τῇ ὁργῇ αὐτοῦ τοὺς**  
**οἰκτιρμοὺς αὐτοῦ** (16)  
Pr. 5. 20. **Α Β Ε μηδὲ συνέχου [Β -έρχου]**  
**ἀγκάλας τῆς μὴ ἰδίας [Α ταῖς μὴ**  
**ἰδίαις]** (6)  
11. 26. **ὁ συνέχων σίτον** (10)  
Wi. 1. 7. **τὸ συνέχων τὰ πάντα γνώσιν ἔχει φωνῆς**  
17. 11. **προσείληφε [Β<sup>3</sup> προείληφεν] τὰ χαλεπὰ**  
**συνεχομένη τῇ συνειδήσει**  
— 20. **ἀνεμποδίστοις συνέχετο ἔργοις**  
Mi. 7. 18. **οὐ συνέχων εἰς μαρτύριον ὁργὴν αὐ.** (17)  
Is. 52. 15. **συνέξουσιν [Α -έξ.] βασιλεῖς τὸ στόμα**  
**αὐτῶν** (15)  
Je. 2. 13. **οὐ δυνήσονται ὕδωρ σ.** (7)  
23. 9. **ὡς ἄνθρωπος συνεχόμενος ἀπὸ οἶνου** (11)  
Ez. 33. 22. **τὸ στόμα οὐ συνεσχέθη [Α -εκλείσθη]**  
**ἐτι** (8)  
43. 8. **ἔδωκαν τὸν τοῖχόν μου ὡς συνεχόμενον**  
**ἐμοῦ καὶ αὐτῶν** (4)  
I Ma. 13. 15. **Α Β συνεχόμενον [Β -εἶχ.] αὐτόν**  
II Ma. 9. 2. **ἐπεχείρησεν ... τὴν πόλιν συνέχειν**  
10. 10. **Α συνετίμωρεν τὰ συνέχοντα τῶν πόλεων**  
**κακὰ [Ε al.]**  
IV Ma. 15. 32. **ταῖς τῶν υἱῶν βασάνοις συνεχόμενῃ**  
**[Α q. I Ki. 21. 5 (6), 7 (8); 22. 2; Je. 20. 9;**  
**32 (39). 2; 39 (46). 15.]**  
[Sm. GE. 16. 2; I Ki. 16. 14; Is. 87. 25; 86.  
9; Je. 20. 9.]  
[Th. I Ki. 21. 5 (6); 22. 2; Je. 39 (46). 15.]  
[Al. Jb. 20. 13.]  
**συνήθεια (-θεία).**  
IV Ma. 2. 12. **τῆς φίλων σ. δεσπόζει**  
6. 13. **τὰ δὲ ἐν συμπαθείᾳ τῆς σ. [Β<sup>1</sup> τὴν σ.] ὄντες**  
13. 22. **αἰσθῶνται σφοδρότερον διὰ ... τῆς καθ'**  
**ἡμέραν σ.**  
— 27. **τῆς φύσεως καὶ τῆς σ. καὶ τῶν τῆς ἀρετῆς ἡθῶν**  
**[Sm. Pr. 17. 9.]**  
**συνήθης.**  
[Sm. Ps. 54 (55). 14; Pr. 17. 9; Je. 13. 21.]  
**συνήθειν.**  
Si. 9. 4. **Β<sup>3</sup> μετὰ λυριζούσης μὴ συνήθεις [Α Β<sup>1</sup> Β Ε al.]**  
**συνήθος.**  
II Ma. 3. 31. **ταχὺ δὲ τινες τῶν τοῦ ἥλ. σ.**  
**συνήθως.**  
[Aq., Th. Ps. 44 (45). 18 (P.).]  
**συνήλικος.** (1) **נָחַי.**  
Da. TH. 1. 10. **παρὰ τὰ παιδάμια τὰ σ. ἡμῶν [Α al.]** (1)  
[Th. Da. 1. 10.]  
**συνήγειν.**  
III Ma. 6. 17. **τοὺς παρακειμ. αὐλῶνας συνηγέ-**  
**σαντας**  
[Sm. Ps. 58 (59). 7; 82 (83). 3.]

|  |   |  |
|--|---|--|
| συνθέλειν. (1) 𐤒𐤕𐤕   | Jb. 30. 17. Ἀνύκτες δέ μου τὰ ὅσα συνέθλασαν [B S al.] (3)  | Nc. 10. 28 (29). πᾶς ὁ εἰδὼς καὶ συνιών (1 b)  |
| De. 13. 8 (9). οὐ συνθελήσεται αὐτῷ  | Ps. 57 (58). 6. τὰς μύλας τῶν λεόντων συν-έθλασεν κύριος (4)  | 13. 7. Ἀβὲς συνήκα ἐν τῇ πονηρίᾳ (1 a)   |
| σύνθεμα. (1) 𐤒𐤕𐤕   | 67 (68). 21. συνθλάσει κεφαλὰς ἐχθρῶν αὐ. (2)   | To. 3. 8. οὐ συνιέει ἀποπνιγούσά σου τοὺς ἀνδρας [S al.] (1 a)   |
| Ec. 12. 11. οἱ παρὰ τῶν σ. [A B <sup>1</sup> συναγμάτων, B <sup>2</sup> συναγμάτων] ἐδόθησαν (1)   | 73 (74). 14. B οὐ συνέθλασας τὴν κεφαλὴν τοῦ δράκοντος [B <sup>2</sup> B al.] (6 b)   | Jb. 15. 9. τί συνιέει σὺ δὲ οὐ καὶ ἡμεῖς [A al.] (1 a)   |
| σύνθεσις. (1) 𐤒𐤕𐤕 (2) 𐤒𐤕𐤕 (3) 𐤒𐤕𐤕  | 74 (75). 10. B <sup>2</sup> πάντα τὰ κέρατα τῶν ἑμπαυλῶν συνθλάσω [B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> συγκλάσω] (1)   | 20. 2. οὐχὶ συνιέει [A B <sup>2</sup> -ιέναι] μᾶλλον ἢ καὶ ἐγώ (2 ?)   |
| (4) 𐤒𐤕𐤕  | 106 (107). 16. A B μοχλοῦντες σιδηροῦς συν-έθλασεν [S -έκλασεν] (1)   | 31. 1. οὐ συνήσω ἐπὶ παρθένον [A -ων] (1 c)  |
| Ex. 30. 32. κατὰ τὴν σ. ταύτην οὐ ποιηθήσεται  | 109 (110). 5. συνέθλασεν ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ βασιλεῖς (2)  | 32. 12. μέχρι [A ἔως] ὕμῶν συνήσω (1 c)  |
| — 35. Ἀ <sup>2</sup> ἔργον μυρεψοῦ μεμυγμένον συνθέσεις [B om.] (2)  | — 6. συνθλάσει κεφαλὰς ἐπὶ γῆς πολλῶν (2)   | 36. 4. ἀδικίᾳ συνιέει — 29. A B <sup>2</sup> εἰς συνῆς ἐπέκτασιν πεφέλῃς [B S <sup>1</sup> al.] (1 a)  |
| — 37. κατὰ τὴν σ. ταύτην οὐ ποιήσετε (2)   | — 3. 3. τὰ ὅσῃ αὐ. συνέθλασαν [A -έκλεισαν] (5)   | 38. 31. συνηκας δὲ δεσμῶν Πλειάδας [A al.] (1 a)   |
| 81. 11. καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. τοῦ ἁγίου (3)  | Is. 42. 3. A καλαμὸν συντεθλασμένον [B τεθλ.] οὐ συντρίγει (6 a)  | Ps. 2. 10. καὶ νῦν, βασιλεῖς, σύνετε (6 b)   |
| 35. 19 (15). καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)   | [Aq. GE. 25. 22 : Ps. 73 (74). 14.] [Sm. Ps. 43 (44). 20 : 50 (51). 19 b <sup>1</sup> .] [Th. Ps. 41 (42). 11.] (6 a)   | 5. 1. σύνες τῆς κραυγῆς [A τῇ κρ.] μου (1 a)   |
| — 28. καὶ τὸ λογιεῖν καὶ τὰς σ. [A λ. τῆς σ.] (1)  | συνθλίβειν. (1) 𐤒𐤕𐤕   | 13 (14). 2. A <sup>2</sup> B S εἰ ἔστι συνιών ἢ ἐκζητῶν τὸν θεόν (6 b)   |
| — 28. ἤρεγκαν . . . τὴν σ. τοῦ θυμιάματος (4)  | Ec. 12. 6. A B καὶ συνθλίβῃ [B -τριβῃ] τὸ ἀνέμιον (1)   | 18 (19). 12. παραπτώματα τίς συνήσει (1 a)   |
| 88. 25 (37. 29). ἐποίησε . . . τὴν σ. τοῦ θυμιάματος (3)   | Si. 34 (31). 14. μὴ συνθλίβου αὐτῷ ἐν τρυβλίῳ I Ma. 16. 14. A συνέθλιβε [B ἐθλ.] τὴν πόλιν [A l. Ki. 12. 3.] (1)  | 27 (28). 5. οὐ συνήκαν [A -κα] εἰς τὰ ἔργα κυρίου (1 a)  |
| 89. 16 (38). καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)   | συνθραύειν. [Sm. Ec. 12. 6.]  | 32 (38). 15. ὁ συνιέει [S <sup>2</sup> σ. εἰς, B <sup>2</sup> -ιών] πάντα τὰ ἔργα αὐ. (1 b)  |
| 40. 27. ἐθυμιάσεν ἐπ' αὐτοῦ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)  | συνιδεῖν. Da. LXX. 3. 14. οὐδὲ καὶ συνιδὼν Ναβ. (1)   | 35 (36). 3. οὐκ ἐβουλήθη συνιέναι [B <sup>1</sup> -εἶναι] τοῦ ἀγαθῆναι (6 b)   |
| Le. 4. 7. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυμ. τῶν θυμιάματος τῆς σ. (3)   | — 21. συνιδόντες δὲ καὶ τὴν Ἰουδα παρεμβολήν I Ma. 16. 14. A συνέθλιβε [B ἐθλ.] τὴν πόλιν [A l. Ki. 12. 3.] (1)   | 40 (41). 1. μακάριος ὁ [B om.] συνιών ἐπὶ πτωχόν (6 b)   |
| — 18. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυμ. τῶν θυμιάτων τῆς σ. (3)   | συνιδραύειν. [Sm. Ec. 12. 6.]   | 48 (49). 12. ἀνθρώπος ἐν τιμῇ ὧν οὐ συνήκει (1 a)  |
| 16. 12. πληρεῖ τὰς χεῖρας θυμιάματος σ. λεπτῆς (3)   | συνιδεῖν. Da. LXX. 3. 14. οὐδὲ καὶ συνιδὼν Ναβ. (1)   | — 20. ἀνθρώπος ἐν τιμῇ ὧν οὐ συνήκει (1 a)   |
| Nu. 4. 16. καὶ τὸ θυμίαμα τῆς σ. (3)   | — 21. συνιδόντες δὲ καὶ τὴν Ἰουδα παρεμβολήν I Ma. 16. 14. A συνέθλιβε [B ἐθλ.] τὴν πόλιν [A l. Ki. 12. 3.] (1)   | 49 (50). 22. σύνετε δὴ ταῦτα (1 a)   |
| II Ch. 13. 11. θυμῶσι . . . θυμίαμα συνθέσεις (3)  | συνιδραύειν. [Sm. Ec. 12. 6.]   | 52 (53). 2. τοῦ ἰδεῖν εἰ ἔστι συνιών ἢ ἐκζητῶν τὸν θεόν (6 b)  |
| Si. 49. 1. μνημόσυνον Ἰ. εἰς σύνθεσιν θυμιάματος (3)   | συνιδεῖν. Da. LXX. 3. 14. οὐδὲ καὶ συνιδὼν Ναβ. (1)   | 57 (58). 9. B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> πρὸς τοῦ συνιέναι [B <sup>1</sup> S -εἶναι] τὰς ἀκάνθας ὕμῶν τὴν ῥάμνον [S <sup>2</sup> τῇ β.] (1 a) |
| Is. 8. 20. ἀφέλει . . . τὴν σ. [A σύνεσιν] τοῦ κόσμου τῆς δόξης (3)  | — 21. συνιδόντες δὲ καὶ τὴν Ἰουδα παρεμβολήν I Ma. 16. 14. A συνέθλιβε [B ἐθλ.] τὴν πόλιν [A l. Ki. 12. 3.] (1)   | 63 (64). 9. τὰ ποιήματα αὐτοῦ συνήκαν (6 b)  |
| [Aq. Is. 57. 9.] [Th. Ex. 35. 8.] [Al. Ex. 27. 5 : Le. 24. 7.]   | συνιδεῖν. Da. LXX. 3. 14. οὐδὲ καὶ συνιδὼν Ναβ. (1)   | 72 (73). 17. B <sup>2</sup> συνὼ εἰς τὰ ἔσχατα [B <sup>2</sup> ἔ. αὐτῶν] (1 a)   |
| σύνθετος. (1) 𐤒𐤕𐤕  | 14. 26. συνιδὼν τὴν πρὸς ἀλλήλους εὐνοίαν — 30. διεξαγαγόντα συνιδὼν τὸν N. τὰ πρὸς αὐτὸν 15. 21. συνιδὼν ὁ Μακκ. τὴν τῶν πληθῶν παρουσίαν III Ma. 2. 8. οἱ καὶ συνιδόντες ἔργα σῆς χειρὸς 5. 50. τὰς . . . ἀντιλήψης ἐξ οὐρανοῦ συνιδόντες 6. 23. συνιδὼν πρηνεῖς ἅπαντας εἰς τὴν ἀπώλειαν | 81 (82). 5. οὐκ ἔγνωσαν οὐδὲ συνήκαν (1 a)   |
| Ex. 30. 7. θυμῶσι . . . θυμίαμα σ. λεπτόν (1)  | συνιέν. (1) 𐤒𐤕𐤕 a. qal. δ. hi. c. hithpal. (2) 𐤒𐤕𐤕 (3) 𐤒𐤕𐤕 (4) 𐤒𐤕𐤕 (5) 𐤒𐤕𐤕 (6) 𐤒𐤕𐤕 a. qal. δ. hi. (7) 𐤒𐤕𐤕   | 91 (92). 6. ἀσύνετος οὐ συνιέει ταῦτα (1 a)  |
| συνθήκη. (1) 𐤒𐤕𐤕 (2) 𐤒𐤕𐤕 (3) a. 𐤒𐤕𐤕 δ. 𐤒𐤕𐤕 (4) 𐤒𐤕𐤕   | Ex. 35. 35. πάντα συνιέναι ποιῆσαι τὰ ἔργα τοῦ ἁγίου (3)  | 98 (94). 7. οὐδὲ συνιέει ὁ θεὸς τοῦ Ἰακώβ (1 a)  |
| IV Ki. 17. 15. A ἀπέρριψαν . . . τὴν σ. αὐ. (1)  | 38. 1. συνιέναι ποιεῖν πάντα τὰ ἔργα (3)  | — 8. σύνετε δὴ, ἀφρονεῖ ἐν τῷ λαῷ (1 a)  |
| Wi. 1. 16. συνθήκην ἔθεντο πρὸς αὐτὸν 12. 21. ὧν τοῖς πατέρας . . . συνθήκας ἔδωκεν ἀγαθὸν ὑποσχέσαντων  | De. 29. 9 (8). ἵνα συνήτε πάντα ὅσα ποιήσετε (6 b)  | 100 (101). 2. A B S συνήσω ἐν δόξῃ [B φθῶ] ἀμύμη (6 b)   |
| Is. 28. 15. ἐποίησαν . . . μετὰ τοῦ θανάτου συνθήκας (2)   | 82. 7. A <sup>2</sup> B <sup>2</sup> σύνετε ἔτη γενεῶν γενεαῖς (1 a)  | 105 (106). 7. οὐ συνήκαν τὰ θαυμάσιά σου (6 b)   |
| 30. 1. ἐποίησαν . . . συνθήκας οὐ διὰ τοῦ πνεύματος μου (4)  | — 29. οὐκ ἐφρόνουν συνιέναι (6 b)   | 106 (107). 43. συνήσουσιν τὰ ἔλη τοῦ κ. (1 c)  |
| Da. LXX. 11. 6. εἰσελεύσεται . . . ποιήσασθαι συνθήκας (3 b)   | Jo. 1. 7. ἵνα συνήτε ἐν πᾶσιν (7)   | 118 (119). 95. τὰ μαρτύριά σου συνήκα (1 c)  |
| — 17. συνθήκας μετ' αὐτοῦ ποιήσεται (3 a)  | — 8. A ἵνα συνήτε [B εἰδῆς] ποιεῖν (7)  | — 99. ὑπὲρ πάντας τοὺς διδασκόντας με συνήκα (6 b)   |
| Da. Th. 11. 6. τοῦ ποιῆσαι συνθήκας μετ' αὐτοῦ (8 b)   | — 8. καὶ τότε συνήσεις (6 b)  | — 100. ὑπὲρ πρεσβυτέρους συνήκα (1 c)  |
| I Ma. 10. 26. ἐπεὶ συνετηρήσατε τὰς [B <sup>1</sup> τὰ] πρὸς ἡμᾶς σ. (3)   | I Ki. 2. 10. συνιέν καὶ γινώσκειν τὸν κύριον (1)  | — 104. ἀπὸ τῶν ἐντολῶν σου συνήκα (1 c)  |
| II Ma. 12. 1. γενομένων δὲ τῶν σ. τούτων 13. 25. ἐδυσφόρουν περὶ τῶν σ. οἱ Πτ. 14. 20. ἐπένευσαν ταῖς σ. — 26. συνιδὼν . . . τὰς γενομένας σ. — 27. ἔγραψε Νικάνορι ὑπὲρ μὲν τῶν σ. [Aq. GE. 6. 19 (18) : Dt. 9. 15 : III Ki. 6. 19 : IV Ki. 17. 15 : Ps. 24 (25). 10, 14 : Is. 42. 6 : 55. 3 : 59. 21 : 61. 8 : Jk. 11. 2, 6 : Da. 9. 27 : Ho. 12. 1 (2).] [Sm. GE. 6. 19 (18) : Le. 24. 8 : Ps. 24 (25). 10, 14 : 43 (44). 18 : 54 (55). 21 : 88 (89). 40 : 110 (111). 5 : Is. 28. 15, 18 : 42. 6 : 59, 21 : 61. 8 : Jk. 11. 2, 6 : Ez. 20. 37 : Da. 9. 27 : Ho. 12. 1 (2).] [Th. III Ki. 6. 19 : Ps. 24 (25). 14 : Is. 42. 6 : 59, 21 : Da. 11. 6.] [Al. GE. 17. 2 : Le. 5. 1 : Dt. 4. 23.] | 138 (139). 2. σὺ συνήκας τοὺς διαλογισμούς μου ἀπὸ μακρόθεν (1 a)   | Pr. 2. 5. τότε συνήσεις φόβον κυρίου (1 a)   |
| σύνθημα (-εμα). Jd. 12. 6. A εἴπατε δὲ σύνθημα [B al.] (1)   | II Ki. 12. 19. καὶ συνήκε Δ. (5)  | — 9. τότε συνήσεις δικαιοσύνην καὶ κρίμα (1 a)   |
| II Ma. 8. 23. ὅπου σύνθημα θεοῦ βοηθείας 13. 15. ἀναδοὺς δὲ τοῖς περὶ αὐτὸν σύνθημα θεοῦ νίκην [Sm. Jd. 20. 38.]   | III Ki. 2. 3. B <sup>1</sup> ἵνα συνήσεις [B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> -ης, A -ίης] ἀποιήσεις (6 b)   | 8. 9. πάντα ἐνοπίᾳ τοῖς συνιούσι (1 b)   |
| συνθλάν. (1) 𐤒𐤕𐤕 pi. (2) 𐤒𐤕𐤕 (3) 𐤒𐤕𐤕 pi. (4) 𐤒𐤕𐤕 (5) 𐤒𐤕𐤕 pi. (6) 𐤒𐤕𐤕 a. qal. δ. pi. c. hi. Jd. 5. 26. A καὶ συνέθλασεν [B al.] (2)   | 3. 9. τοῦ συνιέν [A -ιέναι] ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ (1 b)  | 21. 11. συνιέν δὲ σοφὸς δέχεται γνῶσιν (6 b)   |
| 9. 53. A συνέθλασεν [B ἔκλασε] τὸ κρανίον αὐ. (6 c)  | — 11. τοῦ συνιέν τοῦ εἰσακούειν κρίμα (1 b)   | — 12. συνιέει δικαίος καρδίας ἀσεβῶν (6 b)   |
|  | IV Ki. 18. 7. ἐν πᾶσιν οἱ ἐποίει συνήκε (6 b)   | — 29. ὁ δὲ εἰδὼς αὐτοῦ συνιέει τὰς δόδοις αὐτοῦ (1 a, 4*)  |
|  | I Ch. 25. 7. δειδασμένοι ᾤδων κυρία πᾶς συνιών (1 b)  | 28. 5. ἄνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> νοή-σουσιν] κρίμα οἱ δὲ ἡγούμενοι τὸν κύριον συνήσουσιν ἐν παντί (1 a, 1 a)    |
|  | II Ch. 20. 17. ταῦτα σύνετε (1)   | 29. 7. A B <sup>2</sup> ὁ δὲ ἀσεβὴς οὐ συνήσει [B S <sup>1</sup> νοεῖ] γνῶσιν (1 a)  |
|  | 30. 22. καὶ τῶν συνιόντων σύνεσιν ἀγαθὴν τῷ κ. (6 b)  | Wi. 8. 9. οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ συνήσουσιν ἀλήθειαν (1)   |
|  | 34. 12. πᾶς Λευίτης πᾶς συνιών ἐν ὀργάνοις ψῶδων (1 b)  | 6. 1. ἀκούσατε οὖν, βασιλεῖς, καὶ σύνετε (1 a)   |
|  | II Es. 8. 15. συνήκα ἐν τῷ λαῷ (1 a)  | 9. 11. οἷδε γὰρ ἐκείνη πάντα καὶ συνιέει (1 a)   |
|  | — 16. B ἀπέστελλα . . . τῷ 'E. συνιόντας [A B -έντας] (1 b)   | Ho. 4. 14. ὁ λαὸς ὁ συνιών συνεπλέκετο μετὰ πόρνης (1 a)   |
|  | Ne. 8. 2. καὶ πᾶς ὁ συνιών ἀκούειν (1 b)  | 14. 10. τίς σοφὸς καὶ συνήσει (1 a)  |
|  | — 3. καὶ αὐτοὶ συνιόντες (1 b)  | Am. 5. 13. ὁ συνιών ἐν τῷ καιρῷ ἐκ. σιωπῆ-σται (6 b)   |
|  | — 8. συνήκεν ὁ λαὸς ἐν τῇ ἀναγνώσει (1 b)   | Mi. 4. 12. οὐ συνήκαν τὴν βουλήν αὐ. (1 b)   |
|  | — 12. συνήκεν ἐν τοῖς λόγοις (1 b)  | Is. 1. 3. ὁ λαὸς με οὐ συνήκεν (1 c)   |
|  |   | 6. 9. ἀκοῇ ἀκούσατε καὶ οὐ μὴ συνήτε (1 a)   |
|  |   | — 10. καὶ τῇ καρδίᾳ συνώσι (1 a)   |
|  |   | 7. 9. ἐὰν μὴ πιστεύσητε οὐδὲ μὴ συνήτε (1 a)   |
|  |   | 43. 10. ἵνα γνῶτε . . . καὶ συνιέει [S <sup>2</sup> om. κ. σ.] (1 a)   |
|  |   | 52. 13. συνήσει ὁ πᾶς μου (6 b)  |
|  |   | — 15. οἱ οὐκ ἀκηκάσαι συνήσουσι (1 c)  |
|  |   | 59. 15. μετέστησαν τὴν διάνοιαν τοῦ σ. [A S <sup>1</sup> -εἶναι] (1 a)   |
|  |   | Je. 9. 12 (11). συνέτω [A συνιέται, B <sup>2</sup> συνετιῶ] τοῦτο (1 a)  |
|  |   | — 24 (23). A <sup>2</sup> B S συνιέν καὶ γινώσκειν ὅτι ἐγὼ εἰμι κύριος (6 b)   |



Je. 20. 12. κύριε δοκίμαζον δίκαια συνίων νεφρούς (B)  
23. 5. βασιλεύσει βασιλεὺς καὶ συνήσει (B)  
29 (49). 20. B ἐὰν μὴ συνῶσιν [B συμψηφίσαι, A συμψηφισθῶσι] τὰ ἐλάχιστα τῶν προβάτων †  
Ba. 8. 21. οὐδὲ συνήκαν τριβῶν αὐτῆς  
Da. LXX. 11. 33. συνήσουσιν εἰς πολλούς (1 a)  
— 35. ἐκ τῶν συνιέντων διανοηθήσονται (B)  
12. 3. οἱ συνιέντες φανούσιν (B)  
Da. TH. 1. 4. καὶ συνιέντας ἐν πάσῃ σοφίᾳ (B)  
— 17. συνήκαν ἐν πάσῃ ὁράσει (1 b)  
8. 5. ἐγὼ ἤμην συνίων (1 b)  
— 17. A B<sup>2</sup> συνέες [B<sup>2</sup> om.], υἱὲ ἀνθρώπου (1 b)  
— 23. ἀναστήσεται βασιλεὺς . . . συνίων προ-  
βλήματα (1 b)  
— 27. οὐκ ἦν ὁ συνίων (1 b)  
9. 2. συνήκα . . . τὸν ἀριθμὸν τῶν ἐτῶν (1 a)  
— 13. τοῦ συνιέντος ἐν πάσῃ ἀληθείᾳ σου (B)  
— 23. συνέες ἐν τῇ ὁπτασίᾳ (1 b)  
— 25. γνώσῃ καὶ συνήσεις (B)  
10. 11. συνέες ἐν τοῖς λόγοις (1 b)  
— 12. ἔδωκας τὴν καρδίαν σου τοῦ συνιέντος (1 b)  
11. 30. συνήσεις ἐπὶ τοὺς καταλιπούσας δια-  
σθεῖν ἁγίαν (1 b)  
— 33. οἱ συνετοὶ τοῦ λαοῦ συνήσουσιν εἰς  
πολλά (1 a)  
— 35. ἀπὸ τῶν συνιέντων ἀσθενήσουσι (B)  
— 37. B<sup>1</sup> ἐπὶ παντὸς θεοῦ [A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> -as θ.].  
. . . οὐ συνήσει (1 a)  
— 37. ἐπὶ πάνθ' ὅθεν οὐ συνήσει (1 a)  
12. 3. οἱ συνιέντες λάμψουσιν (B)  
— 8. καὶ οὐ συνήκα (1 a)  
— 10. οὐ συνήσουσιν [A νοήσ.], πάντες ἄνθρωποι (1 a)  
— 10. οἱ νοήμονες συνήσουσι (1 a)  
[Aq. Jb. 28. 8. 34. 16. 38. 29. Ps. 27 (28). 5. 31 (32). 9. 32 (33). 15. 91 (92). 7. Ps. 14. 15. 17. 10. 24. 12. Is. 57. 1. Je. 9. 17 (16). 80 (37). 24. Da. 10. 1. 11. 37 bis.]  
[Sm. 1 Ki. 3. 8. Jb. 28. 23. 34. 16. Ps. 27 (28). 5. 91 (92). 7. Is. 6. 10. Je. 30 (37). 24. Da. 12. 10. Zc. 2. 1.]  
[Th. Jb. 81. 1. 82. 12. 38. 29. 87. 14. 38. 18. Ps. 93 (94). 8. 118 (119). 100. Is. 28. 19. Da. 9. 23. 11. 30, 37 bis. 12. 3, 10.]  
**συνιστοῦν.**  
[Quint. Ps. 93 (94). 20.]  
**συνιστάναι** (-ιστάν). (1) 𐤒𐤓𐤏 (2) 𐤒𐤓𐤏 hi.  
(3) 𐤒𐤓𐤏 (4) 𐤒𐤓 pil. (5) 𐤒𐤓𐤏 (6) 𐤒𐤓𐤏  
(7) 𐤒𐤓𐤏 (8) 𐤒𐤓𐤏 (9) 𐤒𐤓𐤏 pi.  
(10) 𐤒𐤓𐤏 ni. (11) 𐤒𐤓𐤏 pi.  
Ge. 40. 4. συνίστησεν ὁ ἀρχιερεὺς τῇ 1.  
αὐτοῦ (8)  
Ex. 7. 19. καὶ ἐπὶ πάντων συνεστήκατο ὕδωρ αὐ. (8)  
82. 1. συνέστη ὁ λαὸς ἐπὶ Ἀ. (10)  
Le. 15. 3. ἥς συνεστήκατο τὸ σῶμα αὐ. (2)  
— 3. ἥ συνεστήκατο τὸ σῶμα αὐ. διὰ τῆς ῥύσεως (2)  
Nu. 16. 3. B<sup>1</sup> συνέστησαν ὁπίσω [A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἐπὶ] M. καὶ Ἀ. (10)  
27. 23. καὶ συνέστησαν αὐτὸν (10)  
82. 28. συνέστησαν αὐτοῖς M. (9)  
1 Ki. 17. 26. A εἶπε Δ. πρὸς τοὺς ἄνδρας τοὺς  
συνεστήσαντες μετ' αὐ. (7)  
1 Es. 1. 29. συνεστήσαντο πρὸς αὐτὸν πόλεμον  
2. 23. B καὶ οἱ I. . . πολιορκίας συνεσταμένοι [AB  
-ιστάμενοι]  
Jb. 28. 23. ὁ θεὸς εὖ συνέστησεν αὐτῆς τὴν ὁδὸν †  
Ps. 38 (39). 1. ἐν τῇ συστῆναι τὸν ἀμαρτωλὸν  
ἐναντίον μου †  
106 (107). 36. συνεστήσαντο πόλεις κατοικεῖσαι (4)  
117 (118). 27. συστήσασθε ἐορτὴν ἐν τοῖς πυ-  
κάουσι (1)  
140 (141). 9. φύλαξόν με ἀπὸ παγίδος ἥς συνε-  
στήσαντό μοι (3)  
Pr. 6. 14. ὁ τοιοῦτος ταραχὴς συνίστησι πόλει (11)  
26. 26. ὁ κρύπτων ἔχθραν συνίστησι δόλῳ  
Wi. 7. 14. διὰ τὰς ἐκ παιδείας δωρεὰς συσταθέντες  
Je. 5. 27. B ὡς παγὶς συνεσταμένη [AB ἐφέστ.].  
πλήρης πετεινῶν  
Da. LXX. 7. 21. τὸ κέρας ἐκ. πόλεμον συνιστά-  
μενον πρὸς τοὺς ἁγίους (8)  
Da. TH. Su. 61. συνέστησεν αὐτοῦ Δ. ἐκ. τοῦ στό-  
ματος αὐ. (8)  
8. (24). συστάς Ἀζ. προσήξατο οὕτως

I Ma. 1. 2. συνεστήσαντο πολέμους πολλούς  
— 18. συνεστήσαντο πόλεμον πρὸς Πτ.  
2. 32. B B συνεστήσαντο [A -κατεῖλαντο] πρὸς αὐ-  
τοὺς πόλεμον  
— 44. συνεστήσαντο δύναμιν  
8. 3. συνεστήσαντο πολέμους  
10. 54. A συστήσωμεν [B B νῦν στήσωμεν] πρὸς  
αὐτὸν φιλίαν  
12. 43. συνέστησεν [B<sup>1</sup> -έταξεν] αὐτὸν πᾶσι τοῖς  
φίλοις αὐ. (1)  
II Ma. 4. 9. καὶ ἐφθίβαν αὐτῷ συστήσασθαι  
— 24. ὁ δὲ συσταθεὶς τῷ βασιλεῖ  
— 30. τοιοῦτον δὲ συνεστήσαντο  
8. 9. συνέστησαν δὲ αὐτῷ καὶ Γοργίαν  
9. 25. ὃν . . . τοῖς πλείστοις ὑμῶν . . . συνίσταν  
— 27. A ἐπικεικῶς καὶ φιλανθρώπως συσταθέντα τῇ  
ἐμῇ προαρίεσι [B al.]  
14. 15. τὸν ἄχρι αἰῶνος συστήσαντα τὸν αὐτοῦ λαόν  
15. 6. διεγνώκει κοινὸν . . . συστήσασθαι τρόπον  
III Ma. 1. 19. δρόμον ἄτακτον συνίσταντο  
2. 26. ὥστε δυσφημίας ἐν τοῖς τόποις συνίστασθαι  
4. 1. δημοτελεῖς συνίσταντο . . . εὐνοχία  
— 16. συμπόσια ἐπὶ πάντων τῶν εἰδωλῶν συνιστά-  
μενος  
— 18. τὸν μὲν κατὰ τὰς οἰκίας ἔτι συνεστήσαντο  
5. 36. συστήσαντες πάντ' ὅσα συνεστήσαν  
6. 31. κώθωνα σωτηρίων συστήσαντες  
— 32. χοροὺς συνίσταντο  
— 35. συστήσαντες τὸν προειρημένον χρόνον  
— 38. συνίστανται δὲ αὐτὸν τὴν ἀπώλειαν  
[Aq. Ge. 1. 9.]  
[Sm. Ge. 1. 9: Ps. 2. 2: 8. 3: 74 (75). 4: 187  
(188). 3.]  
[Al. 1 Ki. 14. 48.]  
[Sext. Ps. 8. 3.]  
**συνίσταω.** (1) 𐤒𐤓𐤏  
Jb. 16. 20 (19). A B S<sup>2</sup> ὁ δὲ σ. μου ἐν ὑψίστοις (1)  
**συννέφει.**  
[Th. Jb. 3. 5.]  
**συννεφέιν.** (1) 𐤒𐤓𐤏 pi.  
Ge. 9. 14. ἐν τῇ συνεφέιν με νεφέλας ἐπὶ τὴν  
γῆν (1)  
[Sm. Jb. 37. 21.]  
**συννεφέης.** (1) 𐤒𐤓𐤏  
De. 33. 28. ὁ οὐρανὸς σοι συννεφέης δρόσφ [A  
al.] (1)  
**συννοεῖν.**  
II Ma. 5. 6. οὐ συννοῶν τὴν εἰς τοὺς συγγενεῖς εὐη-  
μερίαν δυσημερίαν εἶναι τὴν μεγίστην  
11. 13. συννοήσας ἀνέκτισον εἶναι τοὺς Ἑβρ.  
14. 3. συννοήσας ὅτι . . . οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία  
σύννοος.  
1 Es. 8. 71. καὶ ἐκάθισα σύννοος  
[Sm. Da. 4. 16.]  
**σύννομος.** (1) 𐤒𐤓𐤏  
Ru. 1. 15. ἀνέστρεψε σύννομος [A ἡ σ.] σου (1)  
— 15. ἐπιστράφητι δὴ καὶ σὺ ὁπίσω τῆς σ. σου (1)  
**συνοδεύειν.** (1) 𐤒𐤓𐤏  
To. 5. 16. S ὁ ἄγγελος αὐ. συνοδεύσαι ὑμῖν [A B al.]  
Wi. 6. 23. οὐτε μὴν φθόνῳ τετηκὶν συνοδεύσω  
Za. 8. 21. S<sup>1</sup> συνοδεύονται [A B S<sup>2</sup> -ελεύσ.]  
κατοικοῦντες πόλεις πολλὰς (1)  
[Sm. Ge. 38. 12.]  
**συνοδία** (-εία). (1) 𐤒𐤓𐤏 a. hithpa. δ. 𐤒𐤓𐤏  
Ne. 7. 5. συνηξα . . . τὸν λαόν εἰς συνοδίαν (1 a)  
— 5. εὐρον βιβλίον τῆς σ. (1 b)  
— 64. ἐζήτησαν γραφὴν αὐ. τῆς σ. (1 a)  
**σύνδοξ.** (1) 𐤒𐤓𐤏  
De. 33. 14. καὶ ἀπὸ συνόδων μνηνῶν †  
III Ki. 15. 13. καθὼς ἐποίησας σύνδοξ †  
1 Es. 1. 8. B<sup>2</sup> καὶ ἡ σ. [A B<sup>1</sup> Ἰουδαίος] οἱ ἐπιστάται  
τοῦ ἱεροῦ  
Je. 9. 2 (1). πάντες μοιχῶνται σ. ἀθετοῦνται (1)  
[Sm. Ps. 67 (68). 31: 81 (82). 1.]  
[Al. 1 Ki. 10. 5.]  
**συνδυνασθῆναι.**  
Si. 30. 10. μὴ συγγέλῃς αὐτῷ ἵνα μὴ συνδυνασθῇς

**συνοικεῖν.** (1) 𐤒𐤓𐤏 (2) 𐤒𐤓𐤏 (3) 𐤒𐤓𐤏  
(4) 𐤒𐤓𐤏 pi.  
Ge. 20. 3. αὕτη δὲ ἐστὶ συνοικεῖν ἀνδρὶ (2)  
De. 22. 13. καὶ συνοικεῖν αὐτῇ (1)  
24. 1. B καὶ συνοικεῖν [A<sup>2</sup> -σει] αὐτῇ (2)  
25. 5. καὶ συνοικεῖται αὐτῇ (4)  
Jd. 14. 20. A συνοικεῖται ἡ γυνὴ Σ. τῷ νυμφα-  
γωγῷ αὐ. [B al.] (8)  
1 Es. 8. 70. A συνοικεῖται [cod. -ήκ., B -κισαν]  
γὰρ μετὰ τῶν θυγ. αὐ.  
— 84. B τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ συνοικεῖσθε [A B -κισ.]  
τοῖς υἱοῖς αὐ.  
9. 7. B συνοικεῖσθε [A B -φκίσι.] γυναῖξιν ἄλλο-  
γενεῖσι [A al.]  
— 36. B συνοικεῖται γυναῖξιν ἄλλογενεῖσι [A B al.]  
Pr. 19. 14. B<sup>2</sup> παρὰ δὲ θεοῦ συνοικεῖ [A B<sup>1</sup> S<sup>2</sup>  
ἀρμύεται] γυνὴ ἀνδρὶ †  
Wi. 7. 28. οὐδὲν γὰρ ἀγαπᾷ ὁ θεὸς εἰ μὴ τὸν σοφίᾳ  
συνοικοῦντα  
Si. 25. 8. μακάριος ὁ συνοικῶν γυναῖκα συνετῇ  
— 16. A S<sup>2</sup> συνοικῆσαι λέοντι καὶ δράκοντι εὐδοκῆ-  
σαι [B S<sup>1</sup> -ήσω] ἢ συνοικῆσαι [B S<sup>1</sup>  
ἐνοικ.] μετὰ γυναῖκος ποιητῆς  
42. 9. συνοικεῖται [B<sup>2</sup> σ. ἀνδρὶ] μὴ ποτε μνηστῇ  
— 10. συνοικεῖται μὴ ποτε στεριώσῃ [A S<sup>2</sup> -ωθῇ]  
Is. 62. 5. ὡς συνοικῶν νεανίσκος παρθένῃ (2)  
II Ma. 1. 14. ὡς γὰρ συνοικῶν αὐτῇ παρεγένετο  
[Aq. Ge. 30. 20.]  
[Sm. Pr. 30. 23.]  
[Al. Le. 16. 16.]  
**συνοικεῖσθαι.**  
To. 7. 14. S ἔγραψε συγγραφήν βιβλίου συνοικῆ-  
σεως [A B om. β. σ.]  
**συνοικιστῆν.** (1) 𐤒𐤓𐤏 a. qal. δ. ni.  
De. 21. 13. καὶ συνοικισθήσῃ αὐτῇ (1 a)  
22. 22. κοιμώμενος μετὰ γυναῖκος συνοικισμένης  
ἀνδρὶ (1 a)  
1 Es. 8. 70. B συνοικισαν [A B -ησαν] τὰς [τ. τινος,  
A μετὰ] τῶν θυγ. αὐ.  
— 84. A B τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ συνοικεῖσθε [B -κίσι.]  
τοῖς υἱοῖς αὐ.  
— 93. A B συνοικισάμεν γυναῖκας ἄλλογενεῖς [B al.]  
9. 7. A B συνοικισάτε [B -οικῆσ.] γυναῖξιν ἄλλο-  
γενεῖσι [A al.]  
— 36. A B συνοικισαν γυναῖκας ἄλλογενεῖς [B al.]  
Si. 16. 4. ἀπὸ γὰρ ἐνὸς συνετοῦ συνοικισθήσεται  
πόλις  
Is. 62. 4. B ἡ γῆ σου συνοικισθήσεται (1 b)  
[Sm. Ge. 3. 13 (12): Is. 62. 4 bis.]  
[Th. Is. 62. 4 bis.]  
**συνοικοδομεῖν.**  
1 Es. 5. 68. συνοικοδομήσωμεν ὑμῖν  
**συνολκῇ.**  
Wi. 15. 15. οὐτε ῥίνες εἰς συνολκὴν ἀέρος  
**σύνολος.**  
Es. 8. 13. πᾶσα δὲ πόλις ἡ χώρα τὸ σ.  
Si. 9. 9. μετὰ ὑπάρχοντος γυναικὸς μὴ κάθου τὸ σ.  
III Ma. 8. 29. οὐ εἰς φωραθὴν τὸ σ. σκεπαζόμενος  
Ἰουδαίος  
4. 3. τίς τὸ σύνολον οἰκτιστος τόπος  
— 11. τὸ σ. καταξιώσας περιβόλῳ  
7. 8. μνησθὲν αὐτοῦ τὸ σ. καταβλάπτουτος  
— 9. εἰς . . . ἐπιτυπώσωμεν αὐτοὺς τὸ σ.  
— 21. τὸ σ. ὑπὸ μηδενὸς διασεισθέντες τῶν ὑπαρ-  
χόντων  
[Sm. Dt. 32. 5.]  
**συνόμιλος.**  
[Sm. Jb. 19. 19.]  
**συνομολογεῖν.**  
IV Ma. 13. 1. συνομολογεῖται πανταχόθεν  
**συνορᾶν.**  
II Ma. 2. 24. συνορᾶντες γὰρ τὸ χύμα τῶν ἀριθμῶν  
4. 4. συνορᾶν Ὁ. τὸ χαλεπὸν τῆς φιλονεικίας  
5. 17. οὐ συνορᾶν ὅτι . . . ἀπώργισται  
7. 4. τῶν λοιπῶν ἀδ. καὶ τῆς μητρὸς συνορᾶντων  
— 20. ἀπολλυμένων υἱοῦς ἐπὶ συνορᾶσα  
8. 8. συνορᾶν δὲ ὁ Φ. . . εἰς προκοπὴν ἐρχόμενον  
τὸν ἄνδρα

## συνούλωσις. (1) סִנְיָה

Je. 40 (33). 6. ἀνάγω αὐτὴν [A ἐπάγω ἐπ' αὐτοὺς] συνούλωσιν

[Aq. Je. 30 (37). 17.]

[Sm. Je. 30 (37). 13, 17.]

[Th. Is. 58. 8.]

## συνουσιασμός.

Si. 23. 6. κοιλίας ὄρεξις καὶ συνουσιασμός μὴ κατα-  
λαβέτωσάν με

IV Ma. 2. 3. ἀκμάζων πρὸς συνουσιασμόν

συναρχή. (1) סִנְיָה (2) סִנְיָה

Jd. 2. 3. ἔσονται ὑμῖν εἰς συνοχάς

Jb. 30. 3. οἱ φεύγοντες ἀνδρῶν ἐχθρὸς συνοχήν (2)

38. 28. Α τίς δὲ ἐστὶν ὁ τεκοῦς συνοχάς καὶ

[B S om. σ. καὶ] βάλους δρόσου

Mi. 5. 1 (4. 14). συνοχήν ἔταξεν ἐφ' ὑμᾶς (1)

Je. 52. 5. ἤλθεν ἡ πόλις εἰς συνοχήν (1)

[Aq. Ps. 24 (25). 17: 118 (119). 143: Je. 37

(44). 15: Ez. 7. 25.]

[Sm. Jb. 38. 16: Ps. 106 (107). 39: Pr. 30. 16.]

[Th. Ez. 7. 25.]

## συνρ. vid. sub oppr.

## συνταγή. (1) סִנְיָה pu. (2) סִנְיָה

Jd. 20. 38. Α ἡ σ. ἡν ἀνδρὶ Ἰσρ. [B al.] (2)

II Es. 10. 14. Α B² R ἐλθέτωσαν εἰς καιροὺς

ἀπὸ συνταγῶν [B S¹ συναγωγῶν] (1)

[Aq. Nu. 3. 7: 4. 25: I Ki. 9. 24: 13. 8: 20.

35: Ps. 78 (74). 4: 74 (75). 3: Is. 33. 20: Ez.

18. 68: 22. 9: 23. 27, 29, 44, 48: 24. 13 (Sw.).]

[Sm. Nu. 3. 7: 4. 25: I Ki. 13. 8: Pr. 1. 26:

[Ez. 24. 13 (Sw.).]

[Th. I Ki. 20. 35: Ez. 24. 13 (P.).]

## σύνταγμα. (1) סִנְיָה (2) סִנְיָה

Jb. 15. 8. ἡ σύνταγμα κυρίου ἀκήκοας (2)

Ec. 12. 11. S² οἱ παρὰ τῶν σ. [A S¹ συναγ-

μάτων, B συνθεμάτων] ἐδόθησαν (1)

II Ma. 2. 23. πειρασόμεθα δι' ἐνὸς σ. ἐπιτεμεῖν

[Aq. Ec. 12. 11.]

[Sm. I Ki. 20. 35.]

[Th. Jb. 38. 33.]

## σύνταξις. (1) סִנְיָה (2) סִנְיָה (3) סִנְיָה

(4) סִנְיָה (5) סִנְיָה (6) a. סִנְיָה δ. סִנְיָה

Ex. 5. 8. τὴν σ. τῆς πλυνθείας . . . ἐπιβαλεῖς

αὐτοῖς (6 δ)

— 11. οὐ γὰρ ἀφαιρείται ἀπὸ τῆς σ. ὑμῶν οὐδὲν (4)

— 14. διὰ τί οὐ συνετελέσατε τὰς σ. ὑμῶν τῆς

πλυνθείας (2)

— 18. τὴν σ. τῆς πλυνθείας ἀποδώσετε (6 α)

37. 19 (38. 21). αὕτη ἡ σ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτ.

Nu. 9. 14. κατὰ τὴν σ. αὐ. ποιήσῃ αὐτό (3)

15. 24. καὶ σπονήδῃ αὐ. κατὰ τὴν σ. [A σ. αὐ.] (3)

III Ki. 4. 28 (5. 8). ἐκαστος κατὰ τὴν σ. αὐ. (3)

I Es. 6. 29. ἀπὸ τῆς φορολογίας . . . σύνταξιν δι-

δοσθαί (1)

Je. 52. 34. ἡ σ. αὐτῷ ἐδίδοτο διὰ παντός (1)

I Ma. 4. 35. τὴν γενομ. τροπὴν τῆς αὐτοῦ συντάξεως

II Ma. 9. 16. τὰς δὲ ἐπιβαλλούσας πρὸς τὰς θυ-

σίας σ.

15. 38. εὐθίκως τῇ σ.

— 39. τέρπει τὰς ἀκοὰς τῶν ἐντυχανόντων τῇ σ.

[Sm. Ge. 47. 22: Le. 24. 9: Ps. 41 (42). 4:

Je. 52. 34 bis.]

[Th. Pr. 31. 15: Je. 52. 34 bis.]

## συνταράσσειν. (1) סִנְיָה pa. (2) סִנְיָה pi.

(3) סִנְיָה (4) סִנְיָה (5) סִנְיָה (6) סִנְיָה ni.

(7) סִנְיָה pi. (8) סִנְיָה pi. (9) סִנְיָה

(10) סִנְיָה ithpa.

Ex. 14. 24. συνταράσσει τὴν παρεμβολὴν τῶν

Αἰγ.

II Ki. 22. 8. τὰ θεμέλια τοῦ οὐρ. συνταράχθη-

σαν [A ἐτ.] (9)

Ps. 17 (18). 14. συνταράξεν αὐτοὺς (4)

20 (21). 9. ἐν ὁργῇ αὐτοῦ [A σου] συνταράξει

[A -εις] αὐτοὺς (2)

41 (42). 5, 11: 42 (43). 5. ἵνα τί συνταράσσεις με (3)

59 (60). 2. καὶ συνταράξας αὐτὴν (8)

64 (65). 7. S R ὁ συνταράσσειν τὸ κύτος [B

ὑδωρ] τῆς θαλάσσης

Ps. 143 (144). 6. συνταράξεις αὐτοὺς (4)

Ho. 11. 8. συνταράξῃ ἡ μεταμελείᾳ μου (7)

Is. 10. 33. συνταράσσει [S -άζει] τοὺς ἐνδόξους (6)

27. 12. S συνταράξει [A B συμφρ.] ὁ θεὸς

ἀπὸ τῆς διάρρυος τοῦ ποταμοῦ (5)

Da. TH. 4. 2. αἱ ὁράσεις τῆς κεφ. μου συνε-

τάραξάν με (1)

— 16: 5. 6. οἱ διαλογισμοὶ αὐ. συνταράσσον

αὐτόν (1)

5. 9. οἱ μεγιστάνες αὐ. συνταράσσονται [A -ον

αὐτόν] (10)

7. 28. οἱ διαλογισμοὶ μου ἐπὶ πολλῷ συνταράσ-

σόν με (1)

I Ma. 3. 6. πάντες οἱ ἐργάται τῆς ἀνομίας συνταράχ-

θησαν

[Th. Da. 7. 15.]

συντάσσειν. (1) סִנְיָה (2) a. סִנְיָה pi.

δ. סִנְיָה (3) סִנְיָה hithpa. (4) סִנְיָה hi.

(5) סִנְיָה ni. (6) סִנְיָה (7) סִנְיָה pu.

(8) סִנְיָה a. pi. (δ) pu.

Ge. 18. 19. συντάξει τοῖς υἱοῖς αὐ. (8 α)

26. 11. συντάξει δὲ Ἀβ. παντὶ τῷ λαῷ αὐ. (8 α)

Ex. 1. 17. καθότι συντάξεν αὐταῖς ὁ βαρ. Αἰγ. (2 α)

— 22. συντάξει δὲ Φ. παντὶ τῷ λαῷ αὐ. (8 α)

5. 6. συντάξει δὲ Φ. τοὺς ἐργονόμους (8 α)

6. 13. συντάξεν αὐτοῖς πρὸς Φ. (8 α)

9. 12. Α² B καθὰ συντάξει κύριος (2 α)

12. 35. καθὰ συντάξεν αὐτοῖς M. (2 β)

16. 16. ὁ συντάξει κύριος (8 α)

— 24. καθὼς συντάξεν αὐτοῖς M. (8 α)

— 32. ὁ συντάξει κύριος (8 α)

— 34. ὁ συντάξει κύριος (8 α)

19. 7. οὗς συντάξεν αὐτοῖς ὁ θ. (8 α)

27. 20. σύνταξον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (8 α)

31. 6. ὅσα συντάξῃ σοι (8 α)

— 13. σύνταξον τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (2 α)

34. 4. καθότι συντάξεν αὐτῷ κύριος (8 α)

35. 4. ὁ συντάξει κύριος (8 α)

— 10. ὅσα συντάξει κύριος (8 α)

— 29. ὅσα συντάξει κύριος ποιήσαι αὐτὰ (8 α)

36. 1. ὅσα συντάξει κύριος (8 α)

— 5. ὅσα συντάξει κύριος ποιήσαι (8 α)

— 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39.

21), 34 (39. 26). καθὰ συντάξει

κύριος τῷ M. (8 α)

— 37 (39. 29), 40 (39. 31). ὁ συντάξει κύριος

τῷ M. (8 α)

37. 19 (38. 21). καθὰ συντάξει Mωυσῆ (7)

— 20 (38. 22). καθὰ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

38. 27 (40. 32). καθάπερ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

39. 11 (32). καθὰ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 22 (42). ὅσα συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 23 (43). ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

40. 16. Α ὅσα συντάξεν κύριος [B al.] (8 α)

— 19. καθὰ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 21, 23, 25. ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 27. καθάπερ [A ὁ συντάξει] συντάξει κ.

τῷ M. (8 α)

Le. 8. 4. ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 9. ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 13. καθάπερ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 17. ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 31. ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

— 36. οὗς συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

9. 21: 10. 15. ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

10. 18. ὁ συντάξει κύριος τῷ M. (8 α)

13. 54. καὶ συντάξει ὁ ἱερεὺς (8 α)

16. 34: 24. 23. καθὰ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

Nu. 1. 19. ὁ συντάξει κύριος κ. τῷ M. (8 α)

2. 34. ὅσα συντάξει κ. τῷ M. [A al.] (8 α)

3. 16. ὁ συντάξει [A καθὰ] συντάξεν αὐτοῖς

κύριος (8 β)

— 51: 4. 49. ὁ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

8. 3 (A B² R), 22: 9. 5. καθὰ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

15. 23. καθὰ συντάξει κ. πρὸς ὑμᾶς [A κ. ὑμῖν] (8 α)

— 23. ἡς συντάξει κύριος πρὸς ὑμᾶς (8 α)

— 36. καθὰ συντάξει κ. τῷ M. [A al.] (8 α)

17. 11 (26). καθὰ [A ὅσα] συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

19. 2. ὅσα συντάξει κύριος (8 α)

20. 9, 27. καθὰ συντάξει κύριος (8 α)

26. 4. ὁ συντάξει κύριος κ. τῷ M. (8 α)

27. 11. καθὰ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

— 23. καθάπερ συντάξει κ. τῷ M. (2 α)

Nu. 30. 2. τοῦτο τὸ ῥῆμα ὁ συντάξει κύριος (8 α)

31. 21. ὁ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

— 31, 41. καθὰ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

— 47. ὁ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

34. 13. B¹ ὁ συντάξει κ. τῷ M. [A B² R

om. τ. M.] (8 α)

35. 2. σύνταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8 α)

36. 2. τῷ κυρίῳ συντάξει κύριος (8 β)

— 6. ὁ συντάξει κ. ταῖς θυγατράσι Σαλπ. (8 α)

— 10. ὁ συντάξει κ. Mωυσῆ [A πρὸς

Mωυσῆν] (8 α)

De. 4. 23. A B¹ ὁ συντάξει [B² R add. σοι] κ.

ὁ θεὸς σου (8 α)

5. 15. συντάξει σοι [A σε] κ. ὁ θεὸς σου (8 α)

Jo. 4. 3. σύνταξον αὐτοῖς (8 α)

— 8. καθάπερ συντάξει κ. τῷ Ἰ. (2 α)

8. 27. ὁ συντάξει κ. τῷ Ἰ. (8 α)

— 29. συντάξεν Ἰ. (8 α)

9. 24. ὅσα συντάξει κ. ὁ θεὸς σου Mωυσῆ (8 α)

11. 12. ὁ συντάξει M. (8 α)

— 15. ὁ συντάξει κ. τῷ M. (8 α)

— 15. ὁ συντάξει αὐτῷ M. (8 α)

24. 30. καθὰ συντάξεν αὐτοῖς κύριος

III Ki. 8. 5. Α οἱ συνταγαγμένοι ἐπ' αὐτόν σὺν

αὐτῷ (5)

I Es. 2. 16. καὶ οἱ λοιποὶ οἱ τοῖτους συντασσόμενοι

— 25. ἀντέγραψε . . . τοῖς λοιποῖς τοῖς συντασσομ.

— 30. οἱ τοῖτους συντασσόμενοι . . . ἤρξαντο κω-

λύειν

6. 4. τίνος ὑμῖν συντάξαντος

Ju. 2. 16. ὁ συντάξει πλῆθος συντάσσεται

4. 8. καθὰ συντάξεν αὐτοῖς Ἰ. ὁ ἱερεὺς

7. 16. συντάξει ποιὴν καθὰ ἐλάλησαν

10. 9. συντάξεν τοῖς νεανίσκοις ἀνοίξει αὐτὴν

12. 1. συντάξει καταστρώσει αὐτὴν

Jb. 25. 5. εἰ σελήνη [A σελήνην δὲ] συντάσσει

37. 6. ἐποίησε γὰρ μεγάλα . . . συντάσσειν

χίονι

— 13. ταῦτα συντάσσεται παρ' αὐτοῦ ἐπὶ τῆς

γῆς

38. 12. ἡ ἐπὶ σοῦ συντάσσα φέγγος πρωϊῶν (8 α)

42. 9. καθὼς συντάξεν αὐτοῖς ὁ κύριος (2 α)

Pr. 24. 31 (30. 8). σύνταξον δέ μοι τὰ δέοντα (4)

Is. 10. 6. τῷ ἐμῷ λαῷ συντάξω ποιήσαι σκῦλα (8 α)

13. 3. ἐγὼ συντάσσω (8 α)

27. 4. ἐποίησε κύριος πάντα ὅσα συντάξει

37. 26. ἐξ ἡμερῶν ἀρχαίων συντάσσα (6 ?)

Je. 33 (26). 2. οὗς συντάξῃ σοι (8 α)

— 8. ὁ συντάξεν αὐτῷ κύριος λαλήσει (8 α)

34 (27). 4. συντάξῃ [S προστ.] αὐτοῖς πρὸς

τοὺς κυρίους αὐτῶν εἰπεῖν (8 α)

36 (29). 23. ὁ συντάξῃ αὐτοῖς (8 α)

39 (32). 13. συντάσσα τῷ Βαροὺχ (8 α)

— 35. ὁ συντάξῃ αὐτοῖς (8 α)

41 (34). 22. ἰδοὺ ἐγὼ συντάσσω (8 α)

44 (37). 21. συντάξεν ὁ βασιλεὺς (8 α)

Ba. 1. 20. ἡ ἀρὰ ἡν συντάξει κύριος τῷ Mωυσῆ

5. 7. συντάξει γὰρ ὁ θεὸς ταπεινῶσθαι πᾶν ὄρος

Er. Je. 63. τὸ τε πῦρ . . . ποιεῖ τὸ συνταχθεῖν

Da. LXX. 11. 23. μετὰ τῆς διαθήκης καὶ δῆμου

συνταγίτος μετ' αὐτοῦ (3)

Da. TH. Su. 14. κοινῇ συντάσσοντο καιρόν

- Jo. 4. 8. ἐν τῇ σ. τῆς διαβάσεως τῶν υἱῶν Ἰσρ. (7)  
Jd. 20. 40. B ἀνέβη ἢ [A B om.] σ. τῆς πόλεως (8 b)  
I Ki. 8. 3. ἐξέκλιναν ὁπίσω τῆς σ. (8)  
20. 41. ἐκλαυσεν . . . ἕως σ. μεγάλης +  
III Ki. 6. 21 (22). ἕως συντελείας παντός τοῦ οἴκου (11)  
— 25. ἐν μέτρῳ ἐνὶ σ. μία (10)  
— 25. B ἀμφοτέροις σ. μία [A B om. σ. μ.] —  
IV Ki. 13. 17. πατάξει τὴν Σ. . . ἕως συντελείας (5 a)  
— 19. τότε ἂν ἐπάταξας τὴν Σ. ἕως συντελείας (5 a)  
II Ch. 24. 23. μετὰ τὴν σ. τοῦ ἐνιαυτοῦ (12)  
I Es. 2. 1. εἰς συντελείαν ῥήματος κυρίου  
6. 20. οὐκ ἔλαβε συντελείαν  
II Es. 9. 14. μὴ παροξυνθῆς ἐν ἡμῖν ἕως συντελείας (5 a)  
Ne. 9. 31. οὐκ ἐποίησας αὐτοὺς συντελείαν (5 b)  
Es. 4. 17. εἰς συντελείαν αὐτοῦ  
Jb. 26. 10. μέχρη συντελείας φωτός μετὰ σκότους (5 d)  
80. 2. ἐπ' αὐτοὺς ἀπόλετο συντελεία +  
Ps. 58 (59). 13. B B' διαγγελῶσιν αὐτὴν συντελεία [B' ἐν συντελείᾳ] ἐν ὁργῇ συντελείας (5 a, 5 a)  
118 (119). 96. πάσης συντελείας εἶδον πέρας (5 c)  
Si. 11. 27. ἐν συντελείᾳ ἀνθρώπου ἀποκλινύσῃ ἐργῶν αὐτοῦ  
16. 3. B' ἐξέβησεν αὐτῶν συντελείαν γνώσεται  
21. 9. ἡ σ. αὐτῶν φλόξ πυρός  
— 11. συντελεία τοῦ φόβου κυρίου σοφία  
22. 8. ἐπὶ συντελείᾳ ἦρι, τί ἐστίν  
30. 32 (33. 23). ἐν ἡμέρᾳ συντελείας ἡμερῶν ζωῆς σου  
37. 11. μετὰ μισθίου ἐφαστίου περὶ συντελείας  
38. 28. καρδίαν αὐτοῦ δώσῃ εἰς συντελείαν ἐργῶν καὶ ἡ ἀντιπῆξις αὐτοῦ κοσμήσῃ ἐπὶ συντελείας  
39. 28. ἐν καιρῷ συντελείας ἰσχυρὴν ἐκχέουσι  
40. 14. οἱ παραβαίνοντες εἰς συντελείαν ἐκλείψουσιν [A -θλίψουσιν]  
48. 7. φαστὴρ μινύμενος ἐπὶ συντελείας [A B' -q]  
— 27. συντελεία λόγων τὸ πᾶν ἐστίν αὐτός  
45. 8. ἐνέδωκεν αὐτὸν συντελείαν καυχήματος  
47. 10. ἐκόσμησε καιροῦς μέχρη συντελείας  
60. 11. ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεισθαι αὐτὸν συντελείαν καυχήματος [A καύματος]  
— 14. συντελείαν λειτουργῶν ἐπὶ βωμῶν  
Am. 1. 14. στείθῃσιν ἐν ἡμέραις συντελείας αὐ. (8)  
8. 8. ἀναβήσεται ὡς ποταμὸς συντελεία (8 a)  
9. 5. ἀναβήσεται ὡς ποταμὸς συντελεία αὐ. (8 a)  
Na. 1. 3. ἐν συντελείᾳ . . . ἡ ὁδὸς αὐ. (8)  
— 8. συντελείαν ποιήσεται (5 b)  
— 9. συντελείαν αὐτὸς ποιήσεται (5 b)  
Hb. 1. 9. συντελεία [B' -aw] εἰς ἀσέβεις ἦξει (8 a)  
— 15. συντελείαν ἐν ἀγαστρίῳ ἀνέσπασε (8 a)  
3. 19. τάξει τοὺς πόδας μου εἰς συντελείαν +  
Ze. 1. 18. συντελείαν καὶ σπουδὴν ποιήσει (5 b)  
Jc. 1. 3. B ἕως συντελείας [A B om.] ἐνδεκάτου ἔτους τοῦ Σεδ. (11)  
4. 27. συντελείαν δὲ οὐ μὴ ποιήσω (5 b)  
5. 10. συντελείαν δὲ μὴ ποιήσῃ (5 b)  
— 18. οὐ μὴ ποιήσω ὑμᾶς εἰς συντελείαν (5 b)  
26 (46). 28. ποιήσω συντελείαν ἐν παντὶ θῶναι (5 b)  
Ez. 11. 13. εἰς συντελείαν σὺ ποιεῖς τοὺς καταλοιπούς (5 b)  
13. 13. ἐν θυμῷ ἐπάξω εἰς συντελείαν (5 b)  
20. 17. οὐκ ἐποίησα αὐτοὺς εἰς συντελείαν (5 b)  
21. 28 (33). βορμαία . . . ἑσπασμένη εἰς συντελείαν (8 c)  
22. 12. συντελέσω συντελείαν κακίας σου +  
Da. LXX. 4. 25. ἐπὶ συντελείᾳ τῶν λόγων —  
— 28. ἐπὶ συντελείας τοῦ λόγου αὐ. —  
— 32. ἐπὶ συντελείᾳ τῶν ἐπτά ἐτών —  
8. 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μνεῖ (9)  
9. 26. ἦξει ἡ σ. αὐ. μετ' ὁργῆς καὶ καιροῦ συντελείας [B al.] (9, 9)  
— 27. καὶ κατὰ συντελείαν καιρῶν —  
— 27. ἕως καιροῦ συντελείας πολέμου —  
— 27. ἵσταται ἕως συντελείας (5 b)  
— 27. συντελεία δοθῇσεται ἐπὶ τὴν ἐρήμωσιν (4)  
11. 6. εἰς συντελείαν ἐνιαυτῶν ἄξει αὐτοὺς (9)  
— 13. κατὰ συντελείαν καιροῦ ἐνιαυτοῦ (9)  
— 27. ἔτι γὰρ συντελεία εἰς καιρὸν (9)  
— 35. ἕως καιροῦ συντελείας (9)  
— 36. εἰς αὐτὸν γὰρ συντελεία γίνεται (9)  
— 40. καθ' ὥραν συντελείας (9)  
Da. LXX. 11. 45. ἦξει ὥρα τῆς σ. αὐ. (9)  
12. 4. ἕως καιροῦ συντελείας (9)  
— 6. πότε οὖν συντελεία ὦν εἰρηκᾶς μοι (9)  
— 7. ἕως καιροῦ συντελείας —  
— 7. ἡ σ. χειρῶν ἀφέσεως λαοῦ ἁγίου (5 a)  
— 13. εἰς ἀναπλήρωσιν συντελείας (9)  
— 13. εἰς συντελείαν ἡμερῶν (9)  
Da. TH. 9. 27. A B' ἕως συντελείας καὶ σπουδῆς (5 b)  
— 27. ἕως τῆς [A om.] σ. καιροῦ συντελεία δοθῇσεται (5 b, 4)  
11. 36. εἰς γὰρ συντελείαν γίνεται (4)  
12. 4. ἕως καιροῦ συντελείας (9)  
— 13. εἰς ἀναπλήρωσιν συντελείας (9)  
— 13. εἰς συντελείαν ἡμερῶν (9)  
I Ma. 3. 42. εἰς ἀπώλειαν καὶ συντελείαν [A q. Is. 28. 22; Ez. 28. 12; Da. 9. 27.] [Sm. Jc. 80 (87); 11; Da. 9. 27.] [Th. Jb. 80. 2; Da. 9. 27 bis; 11. 36; 12. 13 bis.] [Al. II Ch. 36. 22; Da. 9. 27.] [Quint. Ps. 29 (30). 6; 84 (35). 20.]  
συντελείαν. (1) ἡρᾶς (2) ἡρᾶς pi. (8) ὕμνων  
a. qal. δ. pi. c. ὕμνων (4) ὕμνων (5) ὕμνων  
(6) ὀργῇ (7) ἡρᾶς a. qal. δ. pi. c. ru.  
d. ἡρᾶς subst. e. ἡρᾶς (8) a. ὕμνων δ. ὕμνων  
(9) ἡρᾶς (10) ὕμνων (11) ὕμνων a. qal.  
δ. pi. (12) ὕμνων hi. (13) ὕμνων (14) ὕμνων  
a. qal. δ. ni. (15) ὕμνων a. qal. δ. pi.  
(16) ὕμνων a. qal. δ. hi. c. hiithpa.  
(17) συντελείαν συντελείν ὕμνων pi. (18)  
πονηρὰ συντελείν ὕμνων hi.  
Ge. 2. 1. συντελέσθησαν οὐρανὸς καὶ ἡ γῆ (7 c)  
— 2. συντελέσεν ὁ θ. . . τὰ ἔργα αὐ. (7 b)  
6. 16. εἰς πῆχυν συντελέσας αὐτὴν ἄνωθεν (7 b)  
17. 23. συντελέσας διὰ λαλῶν πρὸς αὐτὸν (7 b)  
18. 21. εἰ κατὰ τὴν κρανὴν αὐ. . . συντελοῦνται (14 a + 7 d)  
24. 15. πρὸ τοῦ συντελέσαι αὐτὸν λαλοῦντα (7 b)  
— 45. πρὸ τοῦ συντελέσαι με λαλοῦντα (7 b)  
29. 27. συντελέσων οὖν τὰ ἔθνη καὶ τὰς γῆς (11 b)  
43. 2. ἡνῖκα συντελέσων καταφάγειν (7 b)  
44. 5. A πονηρὰ συντελέσθη [B -τετέλεκατε] (18)  
49. 5. συντελέσων ἀδικίαν +  
Ex. 5. 13. συντελέτε τὰ ἔργα τὰ καθήκοντα (7 b)  
— 14. διὰ τί οὐ συντελέσατε τὰς συντάξεις ὑμῶν (7 b)  
36. 2. ὥστε συντελεῖν αὐτὰ (14 a)  
40. 33. συντελέσει M. πάντα τὰ ἔργα (7 b)  
Le. 16. 20. συντελέσει ἐξελισσόμενος τὸ ἄγιον (7 b)  
19. 9. B' B οὐ συντελέσετε τὸν θερισμὸν ὑμῶν (7 b)  
23. 23. οὐ συντελέσετε τὸ λοιπὸν τοῦ θερισμοῦ (7 b)  
— 39. ὅταν συντελέσητε τὰ γεννήματα τῆς γῆς (1)  
Nu. 4. 15. συντελέσουσιν Ἄ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. καλύπτοντες (7 b)  
7. 1. ἡ ἡμέρα συντελέσει M. (7 b)  
De. 26. 12. ἐὰν δὲ συντελέσῃς ἀποδεκατῶσαι (7 b)  
31. 1. συντελέσει M. λαλῶν πάντας τοὺς λόγους τ. +  
— 24. ἡνῖκα δὲ συντελέσει M. γράφων (7 b)  
32. 23. A τὰ βέλη μου συντελέσω [B συμπολημῶσιν] εἰς αὐτοὺς (7 b)  
— 45. A συντελέσει [B ἐξετ.] M. λαλῶν παντὶ Ἰσρ. (7 b)  
34. 8. συντελέσθησαν αἱ ἡμέραι πένθους (16 a)  
Jo. 8. 17. ἕως συντελέσει πᾶς ὁ λαὸς διαβαίνειν τὸν Ἰ. (16 a)  
4. 1. ἐπεὶ συντελέσει πᾶς ὁ λαὸς διαβαίνειν τὸν Ἰ. (16 a)  
— 10. ἕως οὐ συντελέσων Ἰ. πάντα (16 a)  
— 11. ὡς συντελέσει πᾶς ὁ λαὸς διαβαίνειν (16 a)  
21. 40. συντελέσων Ἰ. διαμερίσας τὴν γῆν —  
Jd. 8. 18. ἡνῖκα συντελέσων Ἀ. προσφώνων (7 b)  
15. 17. A ἡνῖκα συντελέσων λαλῶν [B al.] (7 b)  
Ru. 2. 23. ἕως οὐ συντελέσων τὸν θερισμὸν τῶν κριθῶν (7 a)  
8. 3. ἕως οὐ συντελέσαι αὐτὸν φαγεῖν (7 b)  
I Ki. 10. 13. καὶ συντελέσει προφητεύων (7 b)  
13. 10. B ὡς συντελέσων ἀναφέρων τὴν δολοκαύτωσιν (7 b)  
15. 18. ἕως συντελέσῃς [A -σεις] αὐτοὺς (7 b)  
18. 1. A ὡς συντελέσων λαλῶν πρὸς Σ. (7 b)  
I Ki. 20. 7. συντελέσεται ἡ κακία παρ' αὐτοῦ (7 a)  
— 9. συντελέσεται ἡ κακία παρὰ τοῦ πατρὸς μου (7 a)  
— 33. συντελέσεται ἡ κακία αὐτῇ παρὰ τοῦ πατρὸς αὐ. (7 d)  
— 34. συντελέσων ἐπ' αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐ. +  
24. 17. ὡς συντελέσει Δ. τὰ ῥήματα ταῦτα λαλῶν (7 b)  
25. 17. συντελέσεται ἡ κακία εἰς τὸν κύριον ἡμῶν (7 a)  
II Ki. 6. 18. συντελέσει Δ. συναναφέρων (7 b)  
11. 19. ἐν τῷ συντελέσαι πάντας τοὺς λόγους (7 b)  
18. 36. ἡνῖκα συντελέσει λαλῶν (7 b)  
21. 5. ὁ ἀνὴρ συντελέσων ἐφ' ἡμᾶς (7 b)  
22. 38. ἕως συντελέσω αὐτοὺς (7 b)  
III Ki. 1. 41. καὶ αὐτοὶ συντελέσων φαγεῖν (7 b)  
8. 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἶκον κυρίου (7 b)  
— I (5. 15). ἐποίησε καὶ συντελέσει —  
— I (9. 25). συντελέσει τὸν οἶκον (15 b)  
— 1. A ἕως οὐ συντελέσων οικοδομῶν (7 b)  
4. 34 (8. 1). B ἕως συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἶκον κυρίου (7 b)  
6. 1 (38). συντελέσθη ὁ οἶκος (7 a)  
— 3. καὶ συντελέσων αὐτὸν —  
— 9. 14 (A). καὶ συντελέσων αὐτὸν (7 b)  
7. 40. συντελέσει Χ. ποιῶν πάντα τὰ ἔργα (7 b)  
— 1. A συντελέσων δλον τὸν οἶκον αὐ. (7 b)  
8. 1. B' ὡς συντελέσει [B' ἐν τῷ συντελέσαι] Σαλ. —  
— 53. ὡς συντελέσει τοῦ οικοδομήσαι αὐτὸν —  
— 54. ὡς συντελέσει Σ. προσευχόμενος (7 b)  
9. 1. B' ὡς συντελέσει Σ. οικοδομῶν [A B' -ὦν] (7 b)  
22. 11. κερατιεῖς τὴν Σ. ἕως συντελέσῃ (7 b)  
IV Ki. 10. 25. ὡς συντελέσει ποιῶν τὴν δολοκαύτωσιν (7 b)  
I Ch. 16. 2. συντελέσει Δ. ἀναφέρων δολοκαυτώματα (7 b)  
27. 24. καὶ οὐ συντελέσει (7 a)  
28. 20. ἕως τοῦ συντελέσαι σε πᾶσαν ἐργασίαν (7 b)  
II Ch. 4. 11. συντελέσει Χ. ποιῆσαι πᾶσαν τὴν ἐργασίαν (7 b)  
— 22 (5. 1). συντελέσθη πᾶσα ἡ ἐργασία (15 a)  
7. 1. ὡς συντελέσει Σ. προσευχόμενος (7 b)  
— 11. συντελέσει Σ. τὸν οἶκον κυρίου (7 b)  
18. 10. ἕως ἂν συντελέσῃ (7 b)  
20. 23. ὡς συντελέσων τοὺς κατοικοῦντας Σ. (7 b)  
24. 14. ὡς συντελέσων (7 b)  
29. 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρισκαίδεκάτῃ . . . συντελέσων (7 b)  
— 28. ἕως οὐ συντελέσῃ [A' -λεσεν] ἡ δολοκαύτωσις (7 a)  
— 29. ὡς συντελέσων ἀναφέροντες (7 b)  
— 34. ἕως οὐ συντελέσῃ τὸ ἔργον (7 a)  
30. 22. συντελέσων τὴν ἰορτὴν τῶν ἀγώνων +  
31. 1. ὡς συντελέσῃ πάντα ταῦτα (7 b)  
— 7. ἐν τῷ ἐβδόμῳ μηνὶ συντελέσθησαν (7 b)  
34. 8. A ὅτε συντελέσων [B om. ὅτε σ.] τοῦ καθαρῖσαι —  
I Es. 1. 17. συντελέσῃ τὰ τῆς θυσίας τοῦ κυρίου —  
— 56. συντελέσων πάντα τὰ ἐνδοξα αὐ. ἀχρεῖῶσαι  
2. 19. ἐὰν οὖν . . . τὰ τεῖχη συντελέσῃ  
— 27. καὶ οἱ ἄνθρωποι . . . πολέμους ἐν αὐτῇ συντελοῦντες  
6. 10. καὶ ἐν πάσῃ δόξῃ . . . συντελοῦμενα  
7. 4. καὶ συντελέσων ταῦτα  
— 5. συντελέσῃ ὁ οἶκος  
To. 8. 1. ὅτε δὲ συντελέσων δειπνοῦντες [B al.]  
— 11. B ὅτε συντελέσων ὀρίσσαντες τὸν τάφον  
— 17. συντελέσων τὴν ζωὴν αὐτῶν  
— 19. B εἴπε συντελεῖν αὐτοὺς  
— 20. A B πρὶν ἢ συντελέσῃ τὰς ἡμέρας τοῦ γάμου  
10. 1. B ὅτε συντελέσῃσαν αἱ ἡμέραι [A B al.]  
— 7. συντελέσῃσαν αἱ δέκα τέσσαρες ἡμέραι τοῦ γάμου  
12. 20. γράψατε πάντα τὰ συντελεσθέντα [B al.]  
14. 1. B συντελέσῃσαν οἱ λόγοι τῆς ἐξομολογήσεως T. [A B al.]  
— 4. B πάντα δὲ εἶπεν ὁ θ. συντελεσθήσεται  
— 10. B δόλος πολὺς συντελεῖται ἐν αὐτῇ  
Ju. 2. 2. συντελέσει πᾶσαν τὴν κακίαν τῆς γῆς  
— 4. ὡς συντελέσει τὴν βουλήν αὐ.  
10. 1. ὡς . . . συντελέσει πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα  
15. 4. τοὺς ἀπαγγέλλοντας ὑπὲρ τῶν συντελεσμένων

Εξ. 8. 13. τὰ χεῖριστα συντελοῦν κακά (14 β)  
 4. 1. ἐπιγνοῦς τὸ συντελούμενον (14 β)  
 8. 13. ὅσα ἐστὶ . . . ἀνοσίως συντελεσμένα  
 Jb. 1. 5. ὥς ἂν συντελεσθῇσαν αἱ ἡμέραι τοῦ πόντου (12)  
 14. 14. ζήσεται συντελέσας ἡμέρας τοῦ βίου αὐτοῦ (8 α)  
 15. 4. συντελέσας δὲ ῥήματα τοιαῦτα ἔσονται τοῦ κυρίου (6)  
 19. 27. παρὰ γὰρ κυρίῳ ταῦτά μοι συντελέσθη +  
 — 27. πάντα δὲ μοι συντελέσονται ἐν κόλφῳ [B<sup>1</sup> κόφῳ] (7 α)  
 21. 13. συντελέσαντες δὲ ἐν ἀγαθοῖς τὸν βίον αὐτῶν (2\*, 7 β)  
 33. 27. οἱ αὖτε συντελοῦν [A -οῦμην] +  
 35. 14. ὁρατὴς ἐστὶ τὸν συντελοῦντων τὰ ἄνομα +  
 36. 11. συντελέσουσι τὰς ἡμέρας αὐτῶν ἐν ἀγαθοῖς (7 β)  
 Ps. 7. 9. συντελεσθῆτω δὴ πονηρία ἀμαρτωλῶν 76 (77). 8. B<sup>1</sup> συντελέσεν ῥῆμα (4)  
 118 (119). 87. παρὰ βραχὺ συντελέσαν με ἐν τῇ γῇ (7 β)  
 Pr. 1. 19. αὐταὶ αἱ ὁδοὶ εἰσι πάντων τῶν συντελοῦντων τὰ ἄνομα (3 α)  
 8. 31. ὅτε ἐνεφραίνεται τὴν οἰκουμένην συντελέσαντες +  
 22. 8. πληγὴν δὲ ἔργων αὐτοῦ συντελέσει (7 α)  
 — 8. ματαιώματα δὲ ἔργων αὐτοῦ συντελέσει (7 α)  
 Si. 18. 7. A B ὅταν συντελέσει [B -σται, B -σῃ] ἀνθρώπος  
 23. 20. οὕτως καὶ μετὰ τὸ συντελεσθῆναι [A τελ.]  
 24. 28. οὐ συντελέσεν ὁ πρῶτος γνῶναι αὐτὴν 31 (34). 8. ἀνευ ψεύδους συντελεσθήσεται νόμος 38. 8. οὐ μὴ συντελέσῃ [A B -εσθῇ] ἔργα αὐτοῦ — 27. B<sup>1</sup> καὶ ἡ ἀγρυπνία αὐ. συντελέσαι [A B<sup>1</sup> τελ.] ἔργον  
 — 30. καρδίαν ἐπιδώσει [B αὐτοῦ δώσει] συντελέσαι τὸ χρίσμα [B<sup>1</sup> χρίσμα]  
 45. 19. συντελεσθῇσαν ἐν θυμῷ ὁργήν  
 50. 19. ὥς συντελεσθῇ [B<sup>1</sup> συντελ.] κόσμος κυρίου  
 Ho. 13. 2. ἔργα τεκτόνων συντελεσμένα αὐτοῖς (8 α)  
 Am. 7. 2. ἐὰν συντελέσῃ τοῦ καταφαγεῖν (7 β)  
 Mi. 2. 1. ἅμα τῇ ἡμέρᾳ συντελοῦν αὐτὰ (14 α)  
 J. 1. 2. καὶ οὐ μὴ συντελεσθῶσι [B<sup>1</sup> -σωσιν, A -σουσιν] (3 α)  
 Na. 2. 1. συντελέσεται ἐξήρται (8 α)  
 Za. 5. 4. καὶ συντελέσει αὐτὸν (7 β)  
 Ma. 8. 9. τὸ ἔτος συντελεσθῇ (8 α)  
 Is. 1. 28. οἱ ἐγκαταλειπόντες τὸν κύριον συντελεσθῶσιν (7 α)  
 8. 8. ἡ δυνατόν συντελέσασθαι [A -λέσαι] τι +  
 10. 12. ὅταν συντελέσῃ κύριος πάντα ποιῶν (8 β)  
 — 23 (22). λόγον συντελῶν καὶ συντέμνων ἐν δικαιοσύνῃ (7 ε)  
 16. 4. A συντελέσθη ταραχώρια (7 α)  
 18. 5. ὅταν συντελεσθῇ ἄνθος (16 α)  
 28. 22. συντελεσμένα καὶ συντεταγμένα πράγματα ἤκουσα (7 α)  
 32. 6. τοῦ σ. ἄνομα (14 α)  
 44. 24. ἐγὼ κύριος ὁ συντελῶν πάντα [A ταῦτα] (14 α)  
 46. 10. ἅμα συντελέσθῃ (14 β)  
 55. 11. A B ὥς ἂν συντελεσθῇ [B τελ.] (14 α)  
 Je. 5. 3. A B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> συντελέσας αὐτοὺς (7 β)  
 6. 11. οὐ συντελέσει αὐτοὺς +  
 — 13. πάντες συντελέσαντο [A -σαν] ἄνομα (8 α)  
 13. 9. συντελέσαν [A B -εν] ἀποικιαντεῖαν (8 α)  
 14. 12. ἐν θαλάττῃ ἐγὼ συντελέσω [B -λῶ] αὐτοὺς (7 β)  
 — 15. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται οἱ προφῆται (16 ε)  
 15. 16. συντελέσων αὐτοὺς  
 16. 4. ἐν λιμῷ συντελεσθήσονται (7 α)  
 41 (34). 8. μετὰ τὸ συντελέσαι τὸν βασιλεῖα Σεδεκίαν διαθήκην (9)  
 — 15. συντελέσαν διαθήκην κατὰ πρόσωπον μου (9)  
 La. 2. 17. συντελέσει ῥήματα αὐτοῦ (8 β)  
 3. 22. B οὐ συντελέσθησαν οἱ οἰκτιρμοὶ αὐτοῦ . . . οὐ συντελέσθημεν ὅτι οὐ συντελέσθησαν οἱ οἰκτιρμοὶ αὐτοῦ (7 α, 16 α?, 7 α?)  
 4. 11. συντέλεσε κύριος θυμὸν αὐτοῦ (7 β)  
 Ep. Je. 62. συντελοῦσι τὸ ταχθέν  
 Ez. 4. 6. συντελέσεις ταῦτα [A αὐτὰ πάντα] (7 β)  
 — 8. ὥς οὐ συντελεσθῶσιν ἡμέραι τοῦ συγκλεισμοῦ σου (7 β)

Ez. 5. 12. τὸ τέταρτον σου ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται (7 α)  
 — 13. συντελεσθήσεται ὁ θυμὸς μου . . . ἐν τῷ συντελέσει μετὴν ὁργήν μου (7 α, 7 β)  
 6. 12. ἐν λιμῷ συντελεσθήσεται καὶ συντελέσω τὴν ὁργήν μου ἐν\* αὐτοῖς (10, 7 β)  
 7. 8. συντελέσω τὸν θυμὸν μου ἐν σοὶ (7 β)  
 — 15. τοὺς δ' ἐν τῇ πόλει λιμὸς καὶ θάνατος συντελέσει +  
 11. 15. πᾶς ὁ οἶκος τοῦ Ἰσραὴλ συντελέσεται (8 α)  
 13. 14. συντελεσθήσεται [A -σεται] μετ' ἐλέγχων (7 α)  
 — 15. συντελέσω τὸν θυμὸν μου ἐπὶ τὸν τοῖχον (7 β)  
 16. 14. συντελεσμένοι ἦν ἐν ἐμπρεΐᾳ (8 β)  
 20. 8. τοῦ συντελέσαι ὁργήν μου ἐν αὐτοῖς (7 β)  
 — 21. B τοῦ συντελέσαι τὴν ὁργήν μου (7 β)  
 22. 12. συντελέσαντες συντελέσαν κακίας σου (17)  
 — 13. ἐφ' οἷς συντελέσαι οἷς ἐποίησας (8 ε)  
 — 31. τοῦ συντελέσαι [A add. αὐτοὺς] τὰς ὁδοὺς αὐ. (7 β)  
 28. 32. τοῦ συντελέσαι μέθην +  
 42. 15. συντελεσθῇ ἡ διαμέτρσις τοῦ οἴκου ἔσων (7 β)  
 43. 23. μετὰ τὸ συντελέσαι σε τὸν ἐξέλασμόν σου (7 β)  
 Da. LXX. 5. 27. συντέμνεται καὶ συντελεσται +  
 9. 24. συντελεσθῇ τὴν ἀμαρτίαν (7 β)  
 — 24. συντελεσθῇ τὰ ὁράματα (8)  
 10. 3. ὥς τοῦ συντελέσαι με τὰς τρεῖς ἡμέρας (11 α)  
 11. 36. ὥς ἂν συντελεσθῇ ἡ ὁργή (7 α)  
 12. 7. συντελεσθήσεται πάντα ταῦτα (7 α)  
 Da. TH. 4. 30. ὁ λόγος συντελεσθῇ ἐπὶ Ναβ. (18)  
 9. 24. τοῦ συντελεσθῆναι [A -λέσαι] ἀμαρτίαν (7 β)  
 11. 16. A συντελεσθήσεται [B τελ.] ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (7 α)  
 — 36. μέχρις οὐ συντελεσθῇ ἡ ὁργή (7 α)  
 12. 7. ἐν τῷ συντελεσθῆναι [A -λέσαι] διασκορπισμῷ (7 β)  
 I Ma. 8. 31. ὡς ὁ βασιλ. Δημ. συντελεῖται εἰς αὐτοὺς 10. 5. ὡς συντελέσαντες πρὸς αὐτὸν 11. 40. A B ὅσα συντελέσει [B -έτασαν δ] Δ. 16. 1. δ. συντελεῖ [B -λεσει] K.  
 II Ma. 8. 32. κακουργίαν τινα . . . ὑπὸ τῶν Ἰουδ. συντελεσθῆναι  
 4. 3. ὥστε καὶ διὰ τίνος . . . φόνους συντελεσθῆναι 5. 5. αἰφνιδίως ἐπὶ τὴν πόλιν συντελέσαστο ἐπίβειν 8. 17. τὴν ἀνέμους εἰς τὸν ἄγιον τόπον συντελεσμένην . . . ὑβρίν  
 12. 3. τηλικούτο συντελέσαντο τὸ δυσσέβημα 13. 8. ἐπεὶ γὰρ συντελέσαστο πολλὰ . . . ἀμαρτήματα  
 III Ma. 5. 4. τὸ προσταγὴν ἀράρωτος ἔρμων συντελεῖ — 43. τῶν συντελοῦντων ἐκεῖ θυσίαν  
 7. 4. μέχρις ἂν συντελεσθῇ τοῦτο [Aq. Ps. 77 (78). 33 : Is. 52. 15 : Je. 10. 25 : 26 (33). 8 : 51 (28). 63 : Ez. 24. 10 : Da. 9. 24.] [Sm. Ps. 58 (59). 14 : 76 (77). 9 : Is. 24. 13 : 33. 1 : 61. 8 : Je. 10. 25 : 26 (33). 8 : 51 (28). 63 : Ez. 17. 13 : 27. 4 : Da. 2. 46 (Sw.).] [Th. II Ki. 21. 2 : Jb. 36. 11 : Je. 10. 25 : Da. 9. 24 : 11. 16 : 12. 7. 7.] [Al. Le. 26. 16 : II Ch. 18. 10 : Ps. 137 (138). 8 : Is. 16. 4.]  
 συντελῶν (?).  
 Is. 28. 22. A συντελεσμένα [B B -τετμημ.] πράγματα ἤκουσα +  
 συντέμνειν. (1) ὧν a. qal. δ. ni.  
 (2) ὧν ni. (3) ὧν  
 Is. 10. 23 (22). λόγον συντελῶν καὶ συντέμνων ἐν δικαιοσύνῃ (1 α)  
 — 23. λόγον συντελεσθέντα ποιήσει κύριος (8 + 1 β)  
 28. 22. συντελεσμένα [A -τετμημ.] πράγματα κυρίου παρὰ κυρίῳ σαβασθῇ (1 β)  
 Da. LXX. 5. 27. συντέμνεται καὶ συντελεσται +  
 Da. TH. 9. 24. ἐβδωμήκοντα ἐβδωμάδες συντελεσθῶσιν (8)  
 — 26. ὥς τέλος πολέμου συντελεσθέντος τάξει (1 β)  
 II Ma. 10. 10. συντέμνοντες τὰ συνεχόμενα τῶν πόλεων κακά [Aq. II Ki. 5. 24 : Pr. 12. 24 : Is. 28. 27.] [Sm. II Ki. 5. 24.] [Th. Pr. 21. 5 : Da. 9. 24. 26.]

συντηρεῖν. (1) ὧν (2) ὧν (3) ὧν  
 To. 1. 11. συντηρήσας τὴν ψυχὴν μου μὴ φαγεῖν 8. 15. ἵνα συντηρήσω ἑμαυτὸν ἀπὸ γυναικᾶ  
 Pr. 15. 4. ὁ δὲ συντηρῶν αὐτὴν πλησθήσεται πνεύματος  
 Si. 2. 15. οἱ ἀγαπῶντες αὐτὸν συντηρήσουσι τὰς ὁδοὺς [B<sup>1</sup> ἐντολὰς] αὐτοῦ  
 4. 20. συντηρήσων καιρὸν καὶ φύλαξαι ἀπὸ πονηροῦ 6. 26. συντηρήσων [A B τήρ.] τὰς ὁδοὺς αὐτῆς 13. 12. ἀνελήμων ὁ μὴ συντηρῶν λόγους — 13. συντηρήσων καὶ πρόσθε σφοδρῶς 15. 15. ἐὰν θέλῃς συντηρήσεις [B<sup>1</sup> -ῃς] ἐντολὰς 17. 22. χάριν ἀνθρώπου ὡς κόρην συντηρήσεις 27. 12. εἰς μέσον ἀσυνέτων συντηρήσων καιρὸν 28. 3. ἀνθρώπος ἀνθρώπων συντηρεῖ ὁργήν 32 (35). 1. ὁ συντηρῶν νόμον πλεονάζει προσφοράς 37. 12. ὃν ἂν ἐπιγνώσῃς συντηροῦντα ἐντολὰς 39. 2. διηγήσεις ἀνθρώπων ὀνομασθῶν συντηρήσει 41. 14. παιδίαν ἐν εἰρήνῃ συντηρήσατε 44. 20. ὃς συντηρήσῃ νόμον ὑψίστου  
 Ez. 18. 19. πάντα τὰ νόμμά μου συντηρήσῃ (3)  
 Da. LXX. 3. 23. αὐτοὶ δὲ συντηρήσαντες — (30). οὐδὲ συντηρήσαντες —  
 4. 23. ὁ τόπος τοῦ θρόνου σου σοὶ συντηρηθήσεται (3)  
 — 25. τοὺς λόγους ἐν τῇ καρδίᾳ συντηρήσῃ —  
 Da. TH. 3. (30). οὐδὲ συντηρήσαντες —  
 7. 28. A τὸ ῥῆμα ἐν τῇ καρδίᾳ μου συντηρήσας [B διετ.] (1)  
 I Ma. 8. 12. B B συντηρήσαν [A σ. αὐτοῖς] φίλιαν 10. 20. καὶ συντηρεῖν φίλιαν πρὸς ἡμᾶς — 26. B ἐπεὶ συντηρήσατε [A B ἐπισυν.] τὰς πρὸς ἡμᾶς συνθήκας — 27. A B τοῦ συντηρήσαι [B σ. τι] πρὸς ἡμᾶς πίστιν  
 11. 33. φίλους ἡμῶν καὶ συντηροῦσι τὰ πρὸς ἡμᾶς δίκαια  
 14. 35. ἢν συντηρήσῃ τῷ ἔθνει αὐ.  
 II Ma. 8. 1. τῶν νόμων ὅτι κάλλιστα συντηροῦμεν 9. 26. ἕκαστον συντηρεῖν τὴν οὐσαν εὐνοίαν 10. 12. τὸ δίκαιον συντηρεῖν προηγούμενος 11. 19. ἐὰν μὲν οὖν συντηρήσῃ τὴν εἰς τὰ πράγματα εὐνοίαν  
 12. 42. συντηρεῖν αὐτοὺς ἀναμαρτίτους εἶναι [Aq. Ps. 18 (19). 14.] [Sm. Jb. 21. 30 : 27. 18.]  
 συντιθέναι. (1) ὧν a. aph. δ. ithpa.  
 (2) ὧν (3) ὧν hi.  
 I Ki. 22. 13. ἵνα τί συνέθετο κατ' ἐμοῦ (2)  
 III Ki. 16. 28 (22. 44 [45]). B δὲ συνέθετο Ἰωσ. (3)  
 To. 9. 5. B καὶ συνέθετο αὐτὰ [A B αὐ.]  
 Da. LXX. Su. 19. συνθέμενος προσήλθοσαν αὐτῇ Da. TH. 2. 9. ῥῆμα ψευδὲς . . . συνέθεσθε εἰπεῖν (1 α\*, 1 β)  
 I Ma. 9. 70. τοῦ συνθέσθαι πρὸς αὐτὸν εἰρήνην 11. 9. συνθέμεθα πρὸς ἑαυτοὺς διαθήκην 15. 27. A ὅσα ἐσυνέθετο [B B συνέθ.] αὐτῷ τὸ πρότερον  
 II Ma. 8. 31. πάντα συνέθετο εἰς τοὺς ἐπικαίρους τόπους  
 13. 15. τὸν πρωτεύοντα τῶν ἐλεφάντων . . . συνέθετο  
 IV Ma. 4. 16. συνθέμενος [B<sup>1</sup> -ος] δώσει [Sm. I Ki. 22. 8 bis : II Ki. 3. 21 : Jb. 38. 37 : Is. 54. 11 : Ez. 24. 5.] [Th. Jb. 38. 37 (P.).] [Al. Le. 24. 4.]  
 συντιμήσεις. (1) ὧν  
 Le. 27. 4. τῆς δὲ θηλείας ἔσται ἡ σ. τριάκοντα διδραχμα (1)  
 — 18. ἀνθυφαιρεθήσεται ἀπὸ τῆς σ. αὐ. (1)  
 Nu. 18. 16. ἡ σ. πέντε σίκλων (1)  
 IV Ki. 12. 4 (5). ἀργύριον συντιμήσεως ἀνὴρ ἀργύριον λαβὼν συντιμήσεως [A αὐ.] (†, 1)  
 23. 35. ἀνὴρ κατὰ τὴν σ. αὐ. ἔδωκεν τὸ ἀργύριον (1)  
 συντομή.  
 [Aq. Is. 28. 22.]  
 σύντομος.  
 Wi. 14. 14. σύντομος αὐτῶν τέλος ἐπενοήθη II Ma. 2. 31. τὸ δὲ σ. τῆς λέξεως μεταδιώκεται IV Ma. 14. 10. σύντομος ἡ τοῦ πυρὸς οὐσα δύναμις [Aq. Pr. 19. 13.]

**συντόμως.** (1) **סְבִיבָה** **נְבִיבָה**  
Pr. 13. 23. δίκαιος δὲ ἀπολογείται σ. (1)  
23. 28. οὗτος γὰρ σ. ἀπολείπει  
III Ma. 6. 25. αὐτοὺς βοηθεῖται σ.  
**συντρέφειν.** (1) **נִנְיָה**  
Da. LXX. 1. 10. παρὰ τοὺς συντρέφειν. ὑμῖν  
νεανίας (1)  
IV Ma. 13. 21. ἀφ' οὗ συντρέφονται [B συστρ.] ...  
φιλὰδελφοὶ ψυχαί  
— 24. τῷ δικαίῳ συντρεφίντες [B' συστρ.] βίω  
**συντρέχειν.** (1) **עָנָה**  
Ju. 6. 16. συνέδραμον ... εἰς τὴν ἐκκλησίαν  
13. 13. καὶ συνέδραμον πάντες  
14. 3. συνδραμοῦνται ἐπὶ τὴν σκητὴν 'Ολ.  
15. 12. συνέδραμε πᾶσα γυνὴ 'Ισρ. τοῦ ἰδεῖν αὐτήν  
Ps. 49 (50). 18. συνέτρεχες αὐτῷ (1)  
II Ma. 3. 19. αἱ μὲν συνέτρεχον ἐπὶ τοὺς πυλῶνας  
6. 11. ἔτεροι δὲ πληροὶ συνδραμόντες εἰς τὰ σπή-  
λαια  
**συντρίβειν.** (1) **נִצַּח** a. qal. δ. ni.  
(2) **נִצַּח** ni. (3) **הָרַם** (4) **הָרַם** (5) **הָרַם**  
(6) **הָרַם** a. qal. δ. ni. (7) **הָרַם** (8) **הָרַם**  
a. qal. δ. ni. (9) **הָרַם** (10) **הָרַם** ni.  
(11) **הָרַם** hi. (12) **הָרַם** pi. (13) **הָרַם**  
(14) **הָרַם** (15) **הָרַם** a. qal. δ. pi.  
(16) **הָרַם** a. qal. δ. ni. c. pi. d. **הָרַם**  
(17) **הָרַם** ni. (18) **הָרַם** a. qal. δ. ni.  
c. **הָרַם** (19) **הָרַם** ni. (20) **הָרַם** ni.  
(21) **הָרַם** pi. (22) **הָרַם** pi. (23) **הָרַם** pi.  
(24) **הָרַם** pi. (25) **הָרַם**  
Ge. 19. 9. ἤγαγον συντρίβειν τὴν θύραν (19 a)  
49. 24. συντρίβει μετὰ κράτους τὰ τόξα αὐ. †  
Ex. 9. 25. πάντα τὰ ξύλα ... συντρίβειν ἢ  
χάλαρα (19 c)  
12. 10. ὅσπου οὐ συντρίβεται ἀπ' αὐτοῦ  
— 46. ὅσπου οὐ συντρίβεται [A -αι] ἀπ' αὐ-  
τοῦ (19 a)  
15. 3. κύριος συντρίβειν πολέμους †  
— 7. συντρίβειν τοὺς ὑπεκρίτους (8)  
22. 10 (9). καὶ συντρίβει ἢ τελευτᾷ (19 b)  
— 14 (13). καὶ συντρίβει ἢ ἀποδύει (19 b)  
23. 24. συντρίβειν συντρίβειν τὰς στήλας αὐ. (19 c, 19 c)  
32. 19. συντρίβειν αὐτὰς ὑπὸ τὸ ὄρος (19 c)  
34. 1. αἰς [A δὲ] συντρίβειν (19 c)  
— 13. τὰς στήλας αὐ. συντρίβετε (19 c)  
Le. 6. 28 (21). σκεῦος ὁστράκινον ... συντρι-  
βήσεται (19 b)  
11. 33. καὶ αὐτὸ συντρίβησεται (19 a)  
15. 12. σκεῦος ὁστράκινον ... συντρίβησεται (19 b)  
22. 22. A' B' τιφλὸν ἢ συντετριμμένον ... οὐ  
προσάξουσι (19 a)  
26. 13. συντρίβει τὸν δεσμὸν τοῦ ζυγοῦ ὑ. (19 a)  
— 19. συντρίβει τὴν ὕβριν τῆς ὑπερηφανίας  
ὑμῶν (19 a)  
Nu. 9. 12. ὅσπου οὐ συντρίβουσιν [A -τρι-  
βεται] ἀπ' αὐτοῦ (19 a)  
De. 1. 42. οὐ μὴ συντρίβητε ἐνώπιον τῶν  
ἐχθρῶν ὑ. (10)  
7. 5. τὰς στήλας αὐ. συντρίβετε (19 c)  
9. 17. καὶ συντρίβει [A σ. αὐτὰς] ἐναντίον  
ὑμῶν (19 c)  
— 21. A καὶ συντρίβει [B -έκοψα] αὐτὸν (9)  
10. 2. δὲ [A αἰς] συντρίβειν (19 c)  
12. 3. συντρίβετε τὰς στ. αὐ. (19 c)  
28. 7. παραδοῦ κ. ὁ θ. σου τοὺς ἐχθρούς σου ...  
συντετριμμένους (10)  
33. 20. συντρίβειν βραχίονα καὶ ἄρματα (7)  
Jo. 7. 5. συντρίβειν αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ καταφεροῦς (11)  
10. 10. συντρίβειν αὐτοὺς κ. συντρίβει μεγάλη  
[A αἰ.] (11)  
— 12. ἦνικα συντρίβειν αὐτοὺς ἐν Γ. —  
— 12. συντρίβειν ἀπὸ προσώπου υἱῶν 'Ισρ. —  
Jd. 2. 2. τὰ γλυπτὰ αὐ. συντρίβετε  
7. 20. συντρίβειν τὰς ὑδρίας (19 a)  
14. 6. συντρίβειν αὐτὸν ὥστε συντρίβει ἔριφον  
[A αἰ.] (24, 24)

I Ki. 4. 18. συντρίβει ὁ νότος αὐ. (19 b)  
III Ki. 13. 26. A καὶ συντρίβειν αὐτὸν  
— 28. B καὶ οὐ συντρίβει τὸν θύον (19 a)  
16. 28 (22. 48 [49]). B συντρίβει ἢ καὶ ἐν Γ. (19 b)  
19. 11. πνεῦμα μέγα ... συντρίβειν πέτρας  
21 (20). 37. καὶ συντρίβει (19 c)  
22. 49. A συντρίβειν αὐτὸν ἢ ἐν 'Α. (19 b)  
IV Ki. 1. 18 (3. 2). καὶ συντρίβειν αὐτὰς —  
11. 18. τὰς εἰκόνας αὐ. συντρίβειν ἀγαθῶς (19 c)  
18. 4. 23. 14. συντρίβειν τὰς στήλας (19 c)  
23. 15. συντρίβει τοὺς λίθους αὐ. †  
25. 13. τὴν θάλασσαν τὴν χαλκὴν ... συνέ-  
τριβαν (19 c)  
II Ch. 14. 3 (2). συντρίβειν τὰς στήλας  
— 13 (12). συντρίβειν ἐνώπιον κυρίου (19 b)  
20. 37. συντρίβει τὰ πλοῖα σου (19 b)  
31. 1. συντρίβειν τὰς στήλας (19 c)  
34. 4. τὰ χερσὶν αὐ. συντρίβειν (19 c)  
Ne. 2. 13. ἤμην συντρίβειν ἐν τῷ τείχει 'Ιερ. (19 a)  
— 15. ἤμην συντρίβειν ἐν τῷ τείχει (19 a)  
4. 10 (4). συντρίβει ἢ ἰσχυρὸς τῶν ἐχθρῶν (8 a)  
Ju. 9. 7. σὺ εἰ κύριος συντρίβειν πολέμους  
16. 3. θεὸς συντρίβειν πολέμους κύριος  
Jb. 24. 20. συντρίβειν δὲ πᾶς δίκος (19 b)  
29. 17. συντρίβει δὲ μύλας ἀδικῶν (19 c)  
31. 22. ὁ δὲ βραχίον μου ἀπὸ τοῦ ἀγκῶνος  
συντρίβει (19 b)  
38. 11. ἐν σταντὶ συντρίβησεται σου τὰ κύματα †  
— 15. βραχίονα δὲ ὑπερηφάνου συντρίβειν (19 b)  
Ps. 2. 9. ὡς σκεῦος κεραμῆος συντρίβει αὐτοὺς (12)  
3. 7. ὁδόντας ἀμαρτανῶν συντρίβειν (19 c)  
9. 36 (10. 15). σὺν τῶν βραχίονα τοῦ  
ἀμαρτανῶν (19 a)  
28 (29). 5. φωνὴ κυρίου συντρίβειν κέδρους (19 a)  
— 5. συντρίβει κύριος τὰς κέδρους τοῦ λιβ. (19 c)  
33 (34). 18. ἔγγυς κύριος τοῖς συντετριμμένοις  
τὴν καρδίαν (19 b)  
— 20. ἐν ἐξ αὐτῶν οὐ συντρίβησεται (19 b)  
36 (37). 15. A' B' τὰ τόξα αὐτῶν συντρίβει  
[B B' -ησαν] (19 b)  
— 17. βραχίονες ἀμαρτανῶν συντρίβησονται (19 b)  
45 (46). 9. τόξον συντρίβει (19 c)  
47 (48). 7. ἐν πνεύματι βλαίφ συντρίβειν [A -ει]  
πλοῖα θαλάσσης (19 c)  
50 (51). 17. θυσία τῷ θ. πνεῦμα συντετριμ-  
μένον συντετριμμένον καὶ τεταπεινωμ.  
ὁ θ. οὐκ ἐξουθενᾷ (19 b, 19 b)  
57 (58). 6. B' B' τὸ θεὸς συντρίβει [B' B'  
-τρίβει] τοὺς ὁδόντας αὐτῶν (8)  
73 (74). 13. σὺ συντρίβειν τὰς κεφαλὰς τοῦ  
ὁρακτοῦ (19 c)  
— 14. B' B' σὺ συντρίβειν τὰς κεφαλὰς τοῦ  
δράκοντος [B αἰ.] (19 b)  
75 (76). 3. συντρίβειν τὰ κράτη τῶν τόξων (19 c)  
104 (105). 16. πᾶν στήριγμα ἄρτου συντρίβειν (19 a)  
— 33. συντρίβει πᾶν ξύλον ὀρίου αὐτῶν (19 c)  
106 (107). 16. συντρίβειν πύλας χαλκᾶς (19 c)  
123 (124). 7. ἡ γὰρ συντρίβει (19 b)  
146 (147). 3. ὁ ἰώμενος τοὺς συντετριμμένους  
τὴν καρδίαν [B' τῇ κ.] (19 a)  
Pr. 6. 16. συντρίβεται [B' -βή] δὲ δὲ ἀκαθα-  
ρίαν ψυχῆς †  
17. 10. συντρίβει ἀπειλὴ καρδίας φρονίμου (8 b)  
24. 23 (29. 27). δὲ δ' ἀν παραδοθὲν συντρίβεται †  
25. 15. γλώσσα δὲ μαλακὴ συντρίβει ὁδὸν (19 a)  
26. 10. συντρίβεται γὰρ ἡ ἔκστασις αὐτῶν †  
Ec. 12. 6. καὶ συντρίβει [A B -θλιν] τὸ ἀνθέ-  
μον τοῦ χρυσίου καὶ συντρίβει ὑδρία  
(18 a, 19 b)  
Si. 13. 2. καὶ αὕτη συντρίβησεται  
21. 14. ἔγκατα μαρτοῦ ὡς ἀγγεῖον συντετριμμένον  
27. 2. ἀνὰ μέσον πράξεως καὶ ἀγορασμοῦ συντρίβη-  
σεται ἄμαρτια  
32 (35). 18. A B εἰς ἀν συντρίβει [B -ει] ὁσφὶν  
ἀνελκυσμένον  
— 18. ἔως ... σκήπτρα ἀδικῶν [A δικαίων]  
συντρίβειν  
33 (36). 10. συντρίβειν κεφαλὰς ἀρχόντων ἐχθρῶν  
47. 7. ἔως σήμερον συντρίβειν αὐτῶν κέρας  
Ho. 1. 5. συντρίβει τὸ τόξον τοῦ 'Ισρ. (19 a)  
2. 18 (20). πόλεμον συντρίβει ἀπὸ τῆς γῆς (19 a)  
Am. 1. 5. συντρίβει μοχλοῦς δαμασκού (19 a)  
Mi. 4. 6. συνέχευε τὴν συντετριμμένην (14)  
— 7. θύσομαι τὴν συντετριμμένην εἰς ὑπό-  
λειμμα (14)  
Jl. 2. 6. ἀπὸ προσώπου αὐ. συντρίβησονται λαοὶ (8)

Jn. 1. 4. τὸ πλοῖον ἐκινδύνευε συντρίβηται [A B'  
αἰ.] (19 b)  
Na. 1. 13. συντρίβει τὴν ῥάβδον αὐ. ἀπὸ σοῦ (19 a)  
Ze. 8. 18. B B' συνάγει τοὺς συντετριμμένους  
[A B σ. σου] —  
Za. 11. 16. τὸ συντετριμμένον οὐ μὴ λίσσεται (19 b)  
Is. 1. 28. συντρίβησονται οἱ ἄνομοι (19 d)  
8. 15. πεσοῦνται καὶ συντρίβησονται (19 b)  
10. 33. οἱ ὑψηλοὶ τῇ ὕβρει συντρίβησονται (1 a)  
13. 18. τοξέματα νεανίσκων συντρίβουσι (16)  
14. 5. συντρίβει κύριος τὸν ζυγὸν τῶν ἀμαρ-  
τανῶν (19 a)  
— 12. συντρίβει εἰς τὴν γῆν ὁ ἀποστέλλων  
πρὸς πάντα τὰ ἔθνη (1 b)  
— 29. συντρίβει γὰρ ὁ ζυγὸς τοῦ παιόντος  
ὑμᾶς (19 b)  
21. 9. A B B' τὰ χειροποίητα αὐτῆς συντρί-  
βησαν [B -η] εἰς τὴν γῆν (19 c)  
28. 13. συντρίβησονται καὶ κινδυνεύουσι (19 b)  
38. 13. συντρίβει πάντα τὰ ὀστά μου (19 c)  
42. 3. κάλαμον τεθλασμένον οὐ συντρίβει (19 a)  
— 13. συντρίβει πόλεμον †  
45. 2. θύρας χαλκᾶς συντρίβειν (19 c)  
46. 1. συντρίβει Ναβῶ [A B Δαγών] (15)  
57. 15. διδοὺς ζῶν τοῖς συντετριμμένοις τὴν  
καρδίαν (2)  
59. 5. συντρίβει οὐβριν εὖρε (4)  
61. 1. λίσσασθαι τοὺς συντετριμμένους τὴν καρ-  
δίαν [A B τῇ κ.] (19 b)  
Je. 2. 13. ὠρυζαν ἑαυτοὺς λάκκους συντετριμ-  
μένους (19 b)  
— 20. ἀπ' αἰῶνος συντρίβει τὸν ζυγὸν σου (19 a)  
6. 5. ὁμοθυμαδὸν συντρίβειν τὸν ζυγὸν (19 a)  
13. 17. συντρίβει τὸ ποίμνιον κυρίου †  
14. 17. συντρίβει συντρίβει θυγάτηρ λαοῦ  
μου (19 b)  
17. 18. διδοὺς συντρίβει συντρίβει αὐτοὺς (19 a)  
19. 10. συντρίβει τὸν βίβιν (19 a)  
— 11. οὕτως συντρίβει τὸν λαὸν τοῦτον ...  
καθὼς συντρίβεται ἄγγος ὁστράκινον  
(19 a, 19 a)  
22. 20. συντρίβειν πάντες οἱ ἑρασταὶ σου (19 b)  
23. 9. συντρίβει ἡ καρδία μου ἐν ἐμοί ... ἐγε-  
νήθη ὡς ἀπὸ συντετριμμένους (19 b, †)  
25. 14 (49. 35). συντρίβει [A B συντρίβηται]  
τὸ τόξον Αἰλὰμ (19 a)  
27 (50). 23. συντρίβει ἡ σφύρα πάσης τῆς γῆς (19 b)  
28 (51). 8. ἀφῶν ἔπεισε B. καὶ συντρίβει (19 b)  
— 30. συντρίβειν οἱ μοχλοὶ αὐτῆς (19 b)  
31 (48). 4. συντρίβει Μωάβ (19 b)  
— 17. πῶς συντρίβει βακτηρία εὐκλείης (19 b)  
— 20. κατησχύνθη Μωάβ ὅτι συντρίβει (6 a)  
— 25. τὸ ἐπιχειροῦν αὐτοῦ συντρίβει (19 b)  
— 38. συντρίβει [A B' add. τὸν Μωάβ, B'  
-έστρεψα] ... ὡς ἀγγεῖον (19 a)  
35 (28). 2. συντρίβει τὸν ζυγὸν τοῦ βασ. B. (19 a)  
— 4. συντρίβει [A -έτριβα] τὸν ζυγὸν βασι-  
λέως Βαβυλῶνος (19 a)  
— 10. συντρίβειν αὐτοὺς (19 a)  
— 11. συντρίβει τὸν ζυγὸν βασιλέως Βαβ. (19 a)  
— 12. μετὰ τὸ συντρίβει 'Αν. τοὺς κλοιούς (19 a)  
— 13. κλοιούς ξυλίνους συντρίβειν (19 a)  
37 (30). 8. συντρίβει τὸν ζυγὸν ἀπὸ τοῦ τραχέ-  
λου αὐτῶν (19 a)  
50 (43). 13. συντρίβει τοὺς στύλους 'Ηλίου  
πόλεως (19 c)  
52. 17. τοὺς στύλους τοὺς χαλκοὺς ... συνέ-  
τριβαν οἱ Χαλδαῖοι (19 c)  
La. 1. 15. τοῦ συντρίβει ἐκλεκτοῦ μου (19 a)  
2. 7. συντρίβειν ἐν χειρὶ ἐχθροῦ τείχος †  
— 9. συντρίβει μοχλοῦς αὐτῆς (19 c)  
3. 4. ὁστὲ μοι συντρίβειν (19 c)  
Er. Je. 17. ὥσπερ γὰρ σκεῦος ἀνθρώπου συντρίβειν  
Ec. 4. 16. συντρίβει στήριγμα ἄρτου ἐν 'Ιερ. (19 a)  
6. 16. συντρίβει στήριγμα ἄρτου σου (19 a)  
6. 4. συντρίβησονται τὰ θυσιαστήρια ὑμῶν  
(23 + 19 b)  
— 6. συντρίβησονται τὰ ἰδῶλα ὑμῶν (19 b + 20)  
7. 11. συντρίβει στήριγμα ἀνίμου —  
14. 13. συντρίβει [A add. ἀπ'] αὐτῆς στήριγμα  
ἄρτου (19 a)  
28. 2. εὐγε συντρίβει (19 b)  
27. 26. τὸ πνεῦμα τοῦ νότου συντρίβει σε (19 a)  
— 34. συντρίβει ἐν θαλάσῃ (19 b)  
29. 7. ὅτε ἐπαπεπύσαντο ἐπὶ σὲ συντρίβειν (19 b)  
30. 8. συντρίβει [A -βήσονται] πάντες οἱ  
βοηθοῦντες αὐτῇ (19 b)

Εζ. 30. 18. ἐν τῇ συντριβῇ με ἐκεῖ τὰ σκήπτρα Αἰγύπτου (19 α)  
 — 21. τοὺς βραχίονας Φαραὼ βασιλέως Αἰγύπτου συντρίβειν (19 α)  
 — 22. Α συντρίβω τοὺς βραχίονας αὐτοῦ τοὺς ἰσχυροὺς καὶ τοὺς τεταμ., καὶ τοὺς συντριβήμ. [B om. κ. τ. σ.] (19 α, 19 β)  
 81. 12. συντριβὴ τὰ στελέχη αὐτοῦ (19 β)  
 32. 12. συντριβήσεται πᾶσα ἡ ἰσχύς αὐτῆς (22)  
 — 28. Α ἐν μέσῳ ἀπεριτμήτων συντριβήσῃ [B om.] (19 β)  
 34. 4. τὸ συντετριμμένον οὐ κατεδήσατε (19 β)  
 — 16. τὸ συντετριμμένον καταδήσω (19 β)  
 — 27. ἐν τῇ συντριβῇ με τὸν ζυγὸν [A. add. τοῦ κλοιού] αὐτῶν (19 α)  
 Da. LXX. 2. 42. μέρος τι ἔσται συντετριμμένον (25)  
 3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμένη ... προσδεχέιμεν  
 — (44). καὶ ἡ ἰσχύς αὐ. συντριβείη  
 8. 7. συντέριψεν ἀμφοτέρω τὰ κέρατα αὐ. (19 c)  
 — 7. καὶ συντέριψεν αὐτὸν (17)  
 — 8. συντριβὴ αὐτοῦ τὸ κέρα τὸ μέγα (19 β)  
 — 22. cod. τὰ συντριβέοντα [B τοῦ συντριβέοντος] ... τέσσαρα κέρατα (19 β)  
 11. 4. συντριβήσεται ἡ βασιλεία αὐ. (19 β)  
 — 20. ἐν ἡμέραις ἐσχάταις συντριβήσεται (19 β)  
 — 22. τοὺς βραχίονας τοὺς συντριβέοντας συντρίψει (21 c, 21 β + 19 β)  
 — 34. ὅταν συντριβῶνται (8 β)  
 Da. TH. 2. 42. καὶ ἀπ' αὐτῆς ἔσται συντριβόμενον (25)  
 3. (39). ἐν ψυχῇ συντετριμμένη ... προσδεχέιμεν  
 — (44). καὶ ἡ ἰσχύς αὐ. συντριβείη  
 8. 7. συντέριψεν ἀμφοτέρω τὰ κέρατα αὐ. (19 c)  
 — 8. συντριβὴ τὸ κέρα αὐ. τὸ μέγα (19 β)  
 — 22. καὶ τοῦ συντριβέοντος οὐ ἔστησαν  
 — 25. ὡς φᾶ χειρὶ συντρίψει (19 β)  
 11. 4. συντριβήσεται καὶ διαιερέθεται (19 β)  
 — 20. ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκ. συντριβήσεται (19 β)  
 — 22. καὶ συντριβήσονται (19 β)  
 — 26. καὶ συντρίψουσιν αὐτόν (19 α)  
 — 40. καὶ συντρίψει καὶ παρελεύσεται (21 α)  
 I Ma. 3. 22. συντρίψει αὐτοὺς πρὸ προσώπου ἡμῶν  
 — 23. καὶ συντριβήσῃ  
 4. 10. καὶ συντρίψει τὴν παρεμβολὴν ταύτην  
 — 14. καὶ συντριβήσονται τὰ ἔθνη  
 — 30. ὁ συντρίβας τὸ ὄρημα τοῦ δυνατοῦ  
 — 36. συντριβήσαν οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν  
 5. 7. συντριβήσαν πρὸ προσώπου αὐ.  
 — 21. συντριβὴ τὰ ἔθνη ἀπὸ προσώπου αὐ.  
 — 43. συντριβήσαν πρὸ προσώπου αὐ. πάντα τὰ ἔθνη  
 7. 42. Α συντέριψεν [B E συντρίψον] τὴν παρεμβολὴν ταύτην  
 — 43. συντριβὴ ἡ παρεμβολὴ Νικάνορος  
 8. 4. ὥς συντέριψαν αὐτοὺς  
 — 5. συντέριψαν αὐτοὺς ἐν πολέμῳ  
 — 6. καὶ συντριβὴ ἀπ' αὐτῶν  
 9. 7. συντριβὴ τῇ καρδίᾳ  
 — 15. συντριβὴ τὸ δεξιὸν κέρα ἀπ' αὐτῶν  
 — 16. συντριβὴ τὸ δεξιὸν κέρα  
 — 68. συντριβὴ ὑπ' αὐτῶν  
 10. 52. καὶ συντέριψαν τὸν Δημ.  
 — 53. καὶ συντέριψαν αὐτοὺς  
 — 82. Α συντριβήσαν ἀπ' [B E ὑπ'] αὐτοῦ  
 13. 51. συντριβὴ ἐχθρὸς μέγας ἐξ' Ἰσρ.  
 14. 13. οἱ βασι. συντριβήσαν  
 II Ma. 12. 28. τὸν μετὰ κρείτους συντρίβοντα τὰς τῶν πολεμίων ὁλκάς  
 III Ma. 2. 20. τῶν ... συντετριμμένων τὰς ψυχὰς  
 [Aq. i Ki. 2. 5: i Ki. 13. 26: 22. 49: Jb. 38. 15: Ps. 47 (48). 8: 68 (69). 21: 78 (74). 13: Pr. 29. 1: Is. 58. 5: Jc. 50 (27). 23: Ez. 6. 4, 9: 33. 12.]  
 [Sm. Jb. 38. 15: Is. 27. 11: Jc. 50 (27). 23.]  
 [Th. Jd. 4. 23: i Ki. 13. 26: Pr. 29. 1: Is. 66. 2: Ez. 6. 4, 9: 30. 24: Da. 8. 22: 11. 40.]  
 [A. i. Le. 28. 26: Jo. 7. 5: i Ki. 22. 49: Ps. 10 (11). 3: Jc. 13. 19.]  
 συντριβή. (1) ἡτρήθη (2) α. ἡτρήθη. δ. ἡτρήθη, ἡτρήθη. c. ἡτρήθη. d. ἡτρήθη (3) ἡτρήθη  
 Pr. 6. 15. διακοπή καὶ συντριβὴ ἀνιάτος (2 α)  
 — 16. B<sup>1</sup> συντριβὴ [A B B<sup>3</sup> -βεται] δὲ δι' ἀκαθαρσίαν ψυχῆς  
 10. 14. στόμα δὲ προπετοὺς ἐγγίζει συντριβῇ (1)

Pr. 10. 15. συντριβὴ δὲ ἀσεβῶν πενία (1)  
 — 29. συντριβὴ δὲ τοῖς ἐργαζομένοις κακά (1)  
 14. 28. ἐν δὲ ἐκλείψει λαοῦ συντριβὴ δυνατόν (1)  
 18. 18. πρὸ συντριβῆς ἡγνείας ὕβρις (2 β)  
 17. 16 (19). ζητεῖ συντριβὴν (2 β)  
 18. 7. στόμα ἀφρονος συντριβὴ αὐτῷ  
 — 12. πρὸ συντριβῆς ὑψοῦται καρδίᾳ ἄνδρος (2 β)  
 Ho. 13. 13. οὐ μὴ ὑποστῇ ἐν συντριβῇ τέκνων (2 d)  
 Am. 6. 6. οὐκ ἔπασχον οὐδὲν ἐπὶ τῇ σ. 'I. (2 β)  
 Na. 3. 19. οὐκ ἔστιν ἴσους τῇ σ. σου (2 β)  
 Is. 13. 6. σ. παρὰ τοῦ θεοῦ ἤξει (3)  
 65. 14. ἀπὸ συντριβῆς πνεύματος ὑμῶν ὀλο-  
 λίζετε (2 β)  
 Jc. 4. 6. κακὰ ἐγὼ ἐπάγω ἀπὸ βορρᾶ καὶ συντρι-  
 βὴν μεγάλην (2 β)  
 6. 1. σ. μεγάλη γίνεται (2 β)  
 27 (50). 22. σ. μεγάλη ἐν γῇ Χαλδαίων (2 β)  
 28 (51). 54. σ. μεγάλη ἐν γῇ [A ἐκ γῆς] Χαλδ. (2 β)  
 La. 2. 13. ἐμεγαλύνθη ποτήριον συντριβῆς σου (2 β)  
 8. 47. ἔπαυσις καὶ σ. (2 β)  
 Ez. 21. 6 (11). καταστάνεσθον ἐν συντριβῇ  
 ὁσφύος σου (2 c)  
 I Ma. 4. 32. σαλευθήσωνται τῇ σ. αὐ.  
 [Aq. Pr. 16. 18.]  
 [Sm. Pr. 17. 19: Is. 51. 19: Ez. 32. 9.]  
 [Th. Pr. 17. 19.]  
 σύντριμμα. (1) ἡτρήθη (2) ἡτρήθη (3) α. ἡτρήθη, ἡτρήθη. δ. ἡτρήθη (4) ἡτρήθη  
 Le. 21. 19. ὃ ἔστιν ἐν αὐτῷ σύντριμμα χειρὸς  
 ἡ σύντριμμα ποδός (3 α, 3 α)  
 24. 20. σύντριμμα ἀντὶ συντρίμματος (3 α, 3 α)  
 Nu. 32. 14. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> σύντριμμα [A B<sup>1</sup> σύστρεμμα]  
 ἀνθρώπων ἁμαρτωλῶν +  
 II Ki. 15. 12. ἐγένετο σ. [A σύστρεμμα] ἰσχυρὸν +  
 Ps. 9. 17. πολλὰ δέ μου τὰ σ. πεποίηκε διὰ κενῆς (2)  
 Ps. 13 (14). 3. B<sup>3</sup> σύντριμμα καὶ ταλαιπωρία ἐν  
 ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν -  
 59 (60). 2. ἴσται τὰ σ. αὐτῆς (3 α)  
 146 (147). 3. δεσμούων τὰ σ. αὐτῶν (1)  
 Pr. 20. 30. σύντριμμα συναγῆ κακοῖς (2)  
 23. 29. τίνι σύντριμμα διὰ κενῆς (2)  
 Wi. 3. 3. ἡ ἀφ' ἧμῶν πορεία σύντριμμα  
 Si. 40. 9. A B<sup>2</sup> B E λιμός καὶ σύντριμμα καὶ μάστιξ  
 Am. 9. 9. οὐ μὴ πείσῃ σύντριμμα ἐπὶ τὴν γῆν +  
 Is. 15. 5. βλασφ. καὶ σιγῆς (3 α)  
 22. 4. παρακληθεῖ με ἐπὶ τὸ σ. τῆς θυγατρὸς  
 τοῦ γένους μου (4)  
 28. 12. τοῦτο τὸ ἀνάπαυμα τῷ πεινῶντι καὶ  
 τοῦτο τὸ σ. +  
 80. 14. τὸ πτώμα αὐτῆς ἔσται ὡς σ. ἀγγείου  
 ὁστρακίνου (3 α)  
 — 26. ὅταν ἰσθῇται κύριος τὸ σ. τοῦ λαοῦ αὐ. (3 α)  
 51. 19. πτώμα καὶ σ. (3 α)  
 59. 7. σ. καὶ ταλαιπωρία ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν (4)  
 60. 18. οὐδὲ σ. οὐδὲ ταλαιπωρία ἐν τοῖς ὁρίοις  
 σου (4)  
 Jc. 3. 22. ἴσσομαι τὰ σ. ὑμῶν [A ἰ. αὐτοῖς] +  
 6. 14. ἵκντο τὸ σ. τοῦ λαοῦ μου ἐξουθενούντες (3 α)  
 8. 21. ἐπὶ σύντριμματι θυγατρὸς λαοῦ μου  
 ἐσκότῳ (3 α)  
 10. 19. οὐαὶ ἐπὶ σύντριμματι σου (3 α)  
 14. 17. σύντριμματι συντριβὴ θυγάτηρ λαοῦ  
 μου (3 α)  
 17. 18. δισσοῦ σ. σύντριψον αὐτοὺς (3 β)  
 31 (48). 3. ὀλεθρον καὶ σ. μέγα (3 α)  
 — 5. κραυγὴν συντριμμένων ἠκούσατε [B -σα] (3 α)  
 37 (30). 12. ἀνίστασθ. σ. (3 α)  
 La. 2. 11. ἐπὶ τὸ σ. τῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (3 α)  
 3. 48. ἐπὶ τὸ σ. τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου (3 α)  
 4. 10. ἐν τῷ σ. τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου (3 α)  
 I Ma. 2. 7. Α ἰδεῖν τὰ σ. [B E τὸ σ.] τοῦ λαοῦ μου  
 καὶ τὸ σ. τῆς πόλεως τῆς ἁγίας  
 [Aq. Jc. 14. 17: 30 (37). 12, 15.]  
 [Sm. Jc. 14. 17: 30 (37). 12.]  
 [Th. Jc. 8. 11: 30 (37). 15.]  
 σύντριμμός. (1) α. ἡτρήθη. δ. ἡτρήθη (2) ἡτρήθη  
 II Ki. 22. 5. περιέσχον με συντριμμοὶ θανάτου (1 β)  
 Am. 5. 9. ὁ διαρῶν συντριμμὸν ἐπὶ ἰσχύν (2)  
 Mi. 2. 8. τοῦ ἀφελέσθαι ἐλπίδα συντριμμὸν πολέμου +  
 Ze. 1. 10. καὶ σ. μέγας ἀπὸ τῶν βονῶν (1 α)  
 Jc. 4. 20. ταλαιπωρίαν [A add. καὶ] συντριμμὸν  
 ἐπικαλεῖται (1 α)  
 [Aq. Ps. 41 (42). 8: Is. 15. 5.]  
 [Al. Jc. 4. 20 δις.]

σύντριψις. (1) ἡτρήθη  
 Jo. 10. 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κ. σ. μεγάλην  
 [A σ. μεγάλην] (1)  
 συντροφία. (2) β)  
 III Ma. 5. 32. B διὰ τὴν τῆς σ. [A συστρ.] στοργήν  
 IV Ma. 13. 22. A B ἀδελφῶν σφοδρότερον διὰ συν-  
 τροφίας [B -αν]  
 σύντροφος.  
 III Ki. 12. 24. B εἰσήγαγε τοὺς σ. αὐ. -  
 — 24. B εἶπαν οἱ σ. αὐ. -  
 — 24. B καθὼς συνβουλεύσαν αὐτῷ οἱ σ. αὐ. -  
 I Ma. 1. 6. B ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐ. ... τοὺς σ.  
 [A B συνεκτρ.]  
 II Ma. 9. 29. παρεκομίζετο δὲ τὸ σῶμα Φ. ὁ σ. αὐ.  
 συντροχάδιν. (1) ἡτρήθη. ni.  
 Ec. 12. 6. καὶ συντροχάδῃ ὁ τροχὸς ἐπὶ τὸν λάκκον (1)  
 συντυγχάνειν.  
 II Ma. 8. 14. τοὺς ... πρὶν συντυχεῖν πεπραμένους  
 συνυφαίνειν. (1) ἡτρήθη. pi. (2) ἡτρήθη  
 Ex. 28. 28 (32). τὴν συμβολὴν συνυφασμένην  
 ἐξ αὐτοῦ +  
 38. 10 (39). 3. ὥστε συνυφάνει σὺν τῇ ὑακίνθῳ (2)  
 — 17 (39). 10. συνυφάνθη ἐν αὐτῷ ὑφάσμα (1)  
 συνυφή. (1) ἡτρήθη  
 Ex. 38. 28 (39. 20). κατὰ τὴν συμβολὴν ἀνωθεν  
 τῆς σ. τῆς ἐπωμίδος (1)  
 συνωμοσία.  
 [Sm. Ez. 22. 25.]  
 συνωμοτής. (1) ἡτρήθη. ἡτρήθη  
 Ge. 14. 13. οἱ ἦσαν συνωμόται τοῦ 'Ab.  
 συνωρίς. vid. ξυνωρίς.  
 σύρειν. (1) ἡτρήθη. (2) ἡτρήθη. (3) ἡτρήθη  
 De. 32. 24. μετὰ θυμοῦ σφύρων ἐπὶ γῆν (1)  
 II Ki. 17. 13. σφύροντες αὐτὴν ὥς εἰς τὸν χει-  
 μάρον (2)  
 Mi. 7. 17. λείψουσιν χοῦν ὡς ὄφεις σύροντες γῆν (1)  
 Is. 3. 16. ἅμα σύρουσαι τοὺς χιτῶνας +  
 28. 2. ὡς ὕδατος πολλὴ πληθὺς σφύρον χώραν (3)  
 30. 28. ὡς ὕδωρ ἐν φάραγγι σφύρον (3)  
 IV Ma. 6. 1. ἔσφραν ἐπὶ τὰ βασανιστήρια τὸν 'El.  
 [Sm. Mi. 7. 17.]  
 [Al. Ge. 49. 17: Nu. 23. 3.]  
 σύριγμα. (1) α. ἡτρήθη. δ. ἡτρήθη  
 Je. 18. 16. τοῦ τάξει τὴν γῆν αὐτῶν εἰς ἀφανισ-  
 μὸν καὶ σ. [A εἰς σύριγμα] αἰώνιον (1 α\*, 1 β)  
 σύριγγος, vid. συρίγγος.  
 σύριγγος. (1) ἡτρήθη  
 Da. LXX. 3. 5. ὅταν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ...  
 σύριγγος (1)  
 — 7. ὅτε ἤκουσαν ... τῆς φωνῆς ... σύριγγος (1)  
 — 10. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ... σύριγγος (1)  
 — 15. ἅμα τῷ ἀκούσαι ... σύριγγος (1)  
 Da. TH. 3. 5. ἡ ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ...  
 σύριγγος (1)  
 — 7. ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς ... σύριγγος (1)  
 — 10. ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ... σύριγγος (1)  
 — 15. ὡς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς ... σύριγγος (1)  
 [Al. Jd. 5. 16.]  
 συρίζειν. (1) ἡτρήθη  
 III Ki. 9. 8. ἐσκότῃται καὶ συρίει (1)  
 Jb. 27. 23. συρίει αὐτὸν ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (1)  
 Wi. 17. 18. εἰ τε πνεῦμα συρίζον [B<sup>1</sup> διασ.]  
 Ze. 3. 1 (2. 15). πᾶς ὁ διαπορευόμενος δι' αὐτῆς συρίει (1)  
 Is. 5. 26. συρίει αὐτοὺς [A B -οῖς] ἀπ' ἀκροῦ  
 τῆς γῆς (1)  
 7. 18. συρίει κύριος μνίας (1)  
 Je. 19. 8. συρίει ὑπὲρ πόσεως τῆς πληγῆς αὐτῆς (1)  
 26 (48). 2. φωνὴ ὡς ὄφιος συρίζοντος [A<sup>1</sup> -ε] +  
 27 (50). 13. σφύρουσιν ἐπὶ πᾶσαν τὴν πληγὴν  
 αὐτῆς (1)  
 29 (49). 17. πᾶς ὁ παραπορευόμενος ἐπ' αὐτὴν  
 συρίει (1)  
 La. 2. 15. ἐσφύρισαν καὶ ἐκίνησαν τὴν κεφαλὴν  
 αὐτῶν (1)



Ia. 2. 16. ἐσύρισαν καὶ ἔβρυσαν δόδοντας (1)  
 Ez. 27. 36. ἔμποροι ἀπὸ ἐθνῶν ἐσύρισαν σε (1)  
 [Aq. Is. 5. 26; Jc. 50 (27). 13; Ez. 27. 36.]  
 [Sm. Is. 5. 26; Jc. 50 (27). 13; Ez. 27. 36.]  
συρισμός (-ιγμός). (1) α. ἡρῃ δ. ἡρῃ  
 Jd. 5. 16. Β τοῦ ἀκούσαι συρισμοῦ ἀγγέλων  
 [B ἀγγέλων, A al.] (1b)  
 II Ch. 29. 8. ἔδωκεν αὐτοῖς... εἰς συρισμόν [A  
 -ιγμόν] (1a)  
 Wi. 17. 9. ἐρπετῶν συρισμοῖς [A B<sup>1</sup> -ισμοῖς] ἐκσεσο-  
 βημένοι [A ἐκπεφοβ.] (1a)  
 Mi. 6. 16. ὅπως παραδῶ... τοὺς κατοικοῦντας  
 αὐτὴν εἰς συρισμόν (1a)  
 Je. 19. 8. ABB<sup>1</sup> κατάξω τὴν πόλιν τ... εἰς συ-  
 ρισμόν [B<sup>1</sup> -ισμόν] (1a)  
 25. 9. δώσω αὐτοῖς... εἰς συρισμόν [B<sup>1</sup> -ισμόν] (1a)  
 32 (25). 18. τοῦ θείναι αὐτάς... εἰς συρισμόν  
 [B<sup>1</sup> -ισμόν] (1a)  
 [Aq. Sm. Jc. 18. 16.]  
 [Th. Jc. 29 (36). 18.]  
 [Al. Jd. 5. 16.]  
συρράπτειν. (1) ἡρῃ pi.  
 Jb. 14. 12. ὥς ἂν ὁ οὐρανὸς οὐ μὴ συρραφῇ [A  
 οὐρ. παλαιωθῇ] +  
 Ez. 18. 18. οὐαὶ ταῖς συρραπτοῖς προσκεφάλαια (1)  
 [Sm. Ez. 13. 18.]  
 [Al. Jb. 10. 11.]  
συρράπτειν (συρρ.).  
 Ju. 9. 8. Β σύρραξον [A B σύρραξον] αὐτῶν τὴν ἰσχὺν  
συρρεῖν.  
 [Sm. Jc. 51 (28). 44.]  
συρρέμβασθαι (συρρ.). (1) ἡρῃ  
 Pr. 13. 20. Α ὁ δὲ συρρεμβόμενος [B B συμ-  
 πορευόμενος] ἀφροσι γνωσθήσεται (1)  
 [Al. Pr. 13. 20.]  
σύρρηγμα.  
 Je. 18. 16. Α εἰς ἀφανισμόν καὶ εἰς σ. [B B κ.  
 σύρηγμα] αἰώνιον +  
 σὺς. (1) ἡρῃ  
 Ps. 79 (80). 13. ἐλυμήνατο αὐτὴν σὺς [A B<sup>2</sup> ὄς]  
 ἐκ ὄρνυος (1)  
συσκέπτεσθαι.  
 [Sm. Ps. 2. 2; 30 (31). 14.]  
συσκευάζειν. (1) ἡρῃ pi.  
 Ex. 3. 22. Α συσκευάσεται [B συκευάσεται] τοὺς Aiy. (1)  
συσκεψίς.  
 [Sm. Ps. 63 (64). 3.]  
συσκήσις. (1) ἡρῃ ἡρῃ  
 Ex. 16. 16. ἕκαστος σὺν τοῖς σ. ὑμῶν συλλέξατε  
 [A al.] (1)  
σύσκησις. (1) ἡρῃ ἡρῃ (2) ἡρῃ ἡρῃ  
 Ex. 3. 22. αἰτήσιν γυνὴν παρὰ γείτονος καὶ συ-  
 σκῆσιν αὐ. (1)  
 16. 16. Α ἕκαστος ἐν τοῖς σ. ὑμῶν συλλέξατε [B al.] (2)  
συσκιάζειν. (1) α. ἡρῃ δ. ἡρῃ (2) δένδρον  
 συσκιάζον ἡρῃ  
 Ex. 25. 19 (20). συσκιάζοντες ἐν [A om.] ταῖς  
 πτέρυξιν αὐ. (1a)  
 Nu. 4. 5. καθελούσι τὸ καταπέτασμα τὸ συσκιάζον (1b)  
 Ho. 4. 13. ἔθνον ὑποκάτω... δένδρου συσκιάζοντος (2)  
 [Aq. Ez. 28. 16.]  
 [Th. Ex. 39. 34 (21); Ez. 28. 16; Ho. 4. 13.]  
συσκιάσμός.  
 [Aq. Ps. 26 (27). 5; 30 (31). 21; 59 (60). 8;  
 Am. 5. 26.]  
 [Al. Ex. 13. 20.]  
συσκοῖς. (1) ἡρῃ  
 III Ki. 14. 23. καὶ ὑποκάτω παντὸς ξύλου σ. (1)  
 Ca. 1. 16. πρὸς κλίθην ἡμῶν συσκοῖς (1)  
 Ez. 6. 13. ὑποκάτω δένδρου συσκοῖς (1)  
 [Aq. Ps. 41 (42). 5.]  
 [Sm. Za. 14. 20.]  
 [Th. Ez. 6. 13 (Sw.).]

συσκοτάζειν. (1) ἡρῃ a. qal. δ. hi.  
 (2) ἡρῃ a. qal. δ. hi. c. hithpa.  
 III Ki. 18. 45. ὁ οὐρανὸς συσκοτάσας κεφαλὰς (2c)  
 Am. 5. 8. ἡμέραν εἰς νύκτα συσκοτάζων (1b)  
 8. 9. συσκοτάσει ἐπὶ τῆς γῆς ἐν ἡμέρᾳ τὸ φῶς (1b)  
 Mi. 3. 6. συσκοτάσει ἐπ' αὐτοῖς ἡμέρα (2a)  
 6. 14. B συσκοτάσει [A B σκοτ.] ἐν σοὶ +  
 J1. 2. 10; 3 (4). 15. ὁ ἥλιος καὶ ἡ σελήνη συσκο-  
 τάσουσι (2a)  
 Je. 4. 28. συσκοτάσεται ὁ οὐρανὸς ἄνωθεν (2a)  
 18. 16. δότε τῷ κυρίῳ θεῷ ὑμῶν δόξαν πρὸ τοῦ  
 συσκοτάσαι (1b)  
 Ez. 30. 18. ἐν Τάφναις συσκοτάσει ἡ ἡμέρα (1a)  
 32. 7. συσκοτάσῃ τὰ ἄσπρα αὐτοῦ (2b)  
 — 8. πάντα τὰ φαίνοντα φῶς... συσκοτά-  
 σουσιν ἐπὶ σέ (2b)  
 [Sm. I Ki. 80. 17.]  
 [Th. Mi. 6. 14.]  
συσπᾶν.  
 La. 5. 10. συσπᾶσθῃσαν ἀπὸ προσώπου καται-  
 γίδων λιμοῦ -  
 [Aq. Sm. Is. 88. 12.]  
 [Al. IV Ki. 14. 7.]  
συσσεῖν. (1) ἡρῃ hi. (2) ἡρῃ hi.  
 (3) ἡρῃ hi.  
 Jb. 4. 14. A<sup>2</sup> B μεγάλω μου τὰ δὲ συνέ-  
 σεν [A<sup>1</sup> ἐπέσειν, B διέσειν]; (2)  
 Ps. 28 (29). 8. φωνὴ κυρίου συσσεινόντος ἔρημον +  
 συσσεισὶ κύριος τὴν ἔρημον K. (1, 1)  
 59 (60). 2. συσσεισας τὴν γῆν (3)  
 Si. 16. 19. ἅμα τὰ ἔρη καὶ τὰ θεμέλια τῆς γῆς...  
 τρόμω συσσεινόνται (3)  
 Hg. 2. 8 (7). συσσεισὼς πάντα τὰ ἔθνη (3)  
συσσεισμός. (1) α. ἡρῃ δ. ἡρῃ (2) ἡρῃ  
 (3) ἡρῃ (4) ἡρῃ  
 III Ki. 19. 11. μετὰ τὸ πνεῦμα συσσεισμός (3)  
 — 12 (11). οὐκ ἐν τῷ σ. κύριος (3)  
 — 12. μετὰ τὸν σ. πῦρ (3)  
 IV Ki. 2. 1. ἐν τῷ ἀνάγειν κύριον ἐν συσσεισμῷ  
 τὸν H. (1b)  
 — 11. ἀνελήφθη H. ἐν συσσεισμῷ (1b)  
 I Ch. 14. 15. ἐν τῷ ἀκούσαι σε τὴν φωνὴν τοῦ σ. (2)  
 Si. 22. 16. ἡμῶνται ἐξ ἑλπίου... ἐν συσσεισμῷ οὐ  
 διαλυθῇσεται (3)  
 Na. 1. 3. ἐν συσσεισμῷ ἡ δόδος αὐ. (4)  
 Za. 14. 5. B ἐν ταῖς ἡμέραις τοῦ σ. [A B B  
 σισμοῦ] (3)  
 Je. 23. 19. ὄργη ἐκπορεύεται [A<sup>2</sup> -πορευομένη]  
 εἰς συσσεισμόν (1a)  
 [Aq. Jb. 21. 18; 37. 9; Pr. 1. 27; Is. 5. 28.]  
σύσσημον. (1) ἡρῃ (2) ἡρῃ  
 Jd. 20. 38. ἀνεγέγκη αὐτοῖς σύσσημον καπνοῦ  
 [A al.] (1)  
 — 40. τὸ σ. ἀνέβη ἐπὶ πλείον [A al.] (1)  
 Is. 5. 26. ἀρεὶ σύσσημον ἐν τοῖς ἔθνεσι τοῖς μακρὰν (2)  
 49. 22. εἰς τὰς νύκτας ἄρῃ σύσσημόν μου (2)  
 62. 10. ἐξήραται σύσσημον εἰς τὰ ἔθνη (2)  
 [Aq. Ps. 59 (60). 6; Is. 11. 10; 33. 23; 59. 19.]  
 [Sm. Is. 11. 10; 33. 23; Jc. 6. 1.]  
 [Th. Is. 33. 23.]  
συσσύρειν.  
 II Ma. 5. 16. ταῖς βεβήλοις χερσὶ συσσύρων  
 [Aq. I Ki. 12. 25; 15. 6.]  
 [Sm. I Ki. 26. 10.]  
συστάς.  
 [Aq. Jb. 38. 28.]  
σύστασις. (1) ἡρῃ  
 Ge. 49. 6. ἐπὶ τῇ σ. αὐ. μὴ ἐρίσαι τὰ ἡπατά μου (1)  
 I Es. 5. 73. καὶ συστάσεις [A ἐπίσ.] ποιούμενοι +  
 Wi. 7. 17. εἰδέναι σύστασιν κόσμου +  
 III Ma. 2. 9. σύστασιν ποιησάμενος αὐτοῦ +  
συστάλλειν. (1) ἡρῃ ni.  
 Jd. 8. 28. συσταλὴν [A ἐνέτραπην] M. ἐνώπιον  
 υἱῶν Ἰσρ. (1)  
 11. 33. συσταλῆσαν [A ἐνέτραπῆσαν] οἱ υἱοὶ A. (1)  
 Si. 4. 31. μὴ ἔστω ἡ χεὶρ σου... ἐν τῷ ἀποδιδόναι  
 συσταλμένη

I Ma. 2. 32. Α συσσεῖται [B B<sup>2</sup> -εῖται] πρὸς  
 αὐτοὺς πόλεμον  
 3. 6. συσσεῖται οἱ ἄνθρωποι ἀπὸ τοῦ φόβου αὐ.  
 5. 3. καὶ συσσεῖται αὐτοὺς  
 II Ma. 6. 12. μὴ συσσεῖται διὰ τὰς συμφορὰς  
 III Ma. 5. 33. τῷ προσώπῳ συσσεῖται  
 [Sm. Ps. 72 (78). 21.]  
σύστημα (σύστημα). (1) ἡρῃ (2) ἡρῃ  
 (3) α. ἡρῃ δ. ἡρῃ (4) ἡρῃ  
 Ge. 1. 10. τὰ σ. τῶν ὑδάτων ἐκάλεσε θαλάσσας (2)  
 II Ki. 23. 14. τὸ δὲ σ. τῶν ἀλλοφύλων τότε ἐν B. (3b)  
 I Ch. 11. 16. καὶ τὸ σ. [A ὑπόστ.] τῶν ἀλλοφ.  
 τότε ἐν B. (3a)  
 Je. 28 (51). 32. τὰ σ. αὐτῶν ἐνέτησαν ἐν πυρὶ (1)  
 Ez. 31. 4. τὰ σ. αὐτῆς ἐξαπέστειλεν (4)  
 II Ma. 8. 5. γενόμενος δὲ ὁ Μακκ. ἐν συστήματι  
 15. 12. κατεῖχεσθαι τῷ παντὶ τῶν Ἰουδ. σιστήματι  
 III Ma. 8. 9. μὴ γὰρ οὕτω παροραθῆσθαι τηλι-  
 κούτο σ.  
 7. 3. τοὺς ὑπὸ τὴν βασ. Ἰουδ. συναθροίσαντας τὰ σ.  
 [Aq. Ge. 1. 10; 49. 10.]  
 [Sm. Ge. 1. 10; I Ki. 14. 1.]  
 [Th. Ge. 1. 10; I Ki. 19. 20.]  
 [Al. IV Ki. 3. 16 bis.]  
συστολή.  
 [Aq. Ez. 7. 7.]  
συστρέτευμα. (1) ἡρῃ  
 IV Ki. 14. 19. Α συστρέψαν ἐπ' αὐτὸν  
 συστρέτευμα [B σύστρημα] (1)  
σύστρημα. (1) ἡρῃ (2) ἡρῃ (3) ἡρῃ  
 Nu. 32. 14. Α B<sup>1</sup> σύστρημα [B<sup>2</sup> B σύστρημα]  
 ἀνθρώπων ἀμαρτωλῶν (3)  
 II Ki. 4. 2. δύο ἄνδρες ἡγούμενοι συστρημάτων (1)  
 15. 12. Α ἐγένετο σ. [B σύστρημα] ἰσχυρόν (2)  
 III Ki. 11. 14 (24). ἡν ἄρχων συστρημάτων (1)  
 IV Ki. 14. 19. συστρέψαν ἐπ' αὐτὸν σύ-  
 στρέτευμα [A συστρέτευμα] (2)  
 15. 30. Α B συστρέψε σύστρημα [B στρέμ-  
 μα] Ὡ. (2)  
 II Es. 8. 3. καὶ μετ' αὐτοῦ τὸ σ.  
 [Aq. Jc. 6. 11; Ez. 22. 25.]  
 [Th. I Ki. 30. 8.]  
συστρέφειν. (1) ἡρῃ hithpa. (2) ἡρῃ hithpa.  
 (3) ἡρῃ ni. (4) ἡρῃ hithpa. (5) ἡρῃ  
 (6) ἡρῃ (7) ἡρῃ a. qal. δ. hithpa.  
 Ge. 43. 30. συστρέφετο γὰρ τὰ ἔντερα αὐ. (3)  
 Jd. 11. 3. συστρέψαν [A -ελέγοντο] πρὸς  
 Ἰ. ἄνδρες κενοὶ (4)  
 12. 4. συστρέψεν Ἰ. πάντας τοὺς ἄνδρας T.  
 [A al.] (6)  
 II Ki. 15. 31. καὶ Ἀχ. ἐν τοῖς συστρεφοῖς μετὰ  
 Ἀβ. (7a)  
 III Ki. 16. 9. συστρέψεν ἐπ' αὐτὸν Z. (7a)  
 — 16. συστρέψεν Z. (7a)  
 IV Ki. 9. 14. συστρέψεν Ἰ. ... πρὸς Ἰ. (7b)  
 10. 9. συστρέψαν ἐπὶ τὸν κύριόν μου (7a)  
 14. 19. συστρέψαν ἐπ' αὐτὸν σύστρημα (7a)  
 15. 10. συστρέψαν ἐπ' αὐτόν (7a)  
 — 15. ἡ συστρεφὴ αὐ. ἡ [A ἡν] συστρέψεν (7a)  
 — 25. συστρέψεν ἐπ' αὐτόν Φ. (7a)  
 — 30. συστρέψε σύστρημα Ὡ. (7a)  
 21. 23. συστρέψαν οἱ παῖδες A. πρὸς αὐτόν (7a)  
 — 24. ἐπάταξεν ὁ λαὸς τῆς γῆς πάντας τοὺς  
 συστρεφέντας ἐπὶ τὸν βασ. Ἀ. (7a)  
 Pr. 24. 27 (30. 4). τίς συστρέψεν ὕδωρ ἐν  
 ἱματίῳ (5)  
 Si. 89. 29. κεραμεὺς... συστρέφον ἐν ποσὶν αὐτοῦ  
 τροχόν [B<sup>2</sup> πηλόν] (7a)  
 Mi. 1. 7. ἐκ μισθωμάτων πορείας συστρέψεν +  
 Is. 33. 18. Α B πού ἐστιν ὁ ἀριθμὸν τοῦ συστρε-  
 φομένου [B τρ.] +  
 Je. 23. 19. συστρεφόμενη ἐπὶ τοὺς ἀσβεῖς ἦξει (2)  
 31 (48). 38. B<sup>1</sup> συστρέψα... ὡς ἀγγεῖον +  
 [A B B<sup>2</sup> al.] +  
 Ez. 1. 13. ὡς ὅπως λαμπάδων συστρεφόμενων (1)  
 13. 20. ἐφ' ἃ ὑμεῖς συστρέφετε ἐκεῖ ψυχὰς +  
 Da. Th. Bel 28. συστρέψαν ἐπὶ τὸν βασ.  
 I Ma. 12. 50. B B καὶ ἐπορεύοντο συστραμμένοι  
 [A -εμμ.] +  
 II Ma. 14. 30. συστρέψας οὐκ ὀλίγους τῶν περὶ αὐτὸν



IV Ma. 13. 21. **Β** ἀφ' οὗ συστροφούνται [A B συτρ.]  
 ... φιλάδελφοι ψυχαί  
 — 24. **Β'** τῷ δὲ αὐτῷ συστροφάινται [A B' B συτρ.]  
 βίη  
 [Aq. Pr. 6. 8.]  
 [Sm. Is. 59. 5; Jk. 47 (20). 5.]  
 [Th. I Ki. 22. 13.]  
 [Al. I Ki. 22. 8.]

**συστροφή.** (1) **דִּוּד** (2) **הִנָּה** (3) **הִנָּה**  
 (4) **הִנָּה** (5) **הִנָּה** συστροφάς ποιέσθαι **הִנָּה**

Jd. 14. 8. **A** συστροφὴ [B συναγωγή] μελισσῶν  
 ἐν τῷ στόματι τοῦ λέοντος (2)  
 IV Ki. 15. 15. καὶ ἡ σ. αὐτῆς συνεστράφη (4)  
 Ps. 68 (64). 2. **B'** B ἐσκέπασās με ἀπὸ συ-  
 στροφῆς ποτηρευομένων (1)  
 Si. 43. 17. καταγίγς βορέου καὶ συστροφῇ πνεύματος  
 Ho. 4. 19. συστροφὴ πνεύματος σὺ εἶ (3)  
 13. 12. συστροφὴν ἀδικίας ἔσφ. (8)  
 Am. 7. 10. συστροφάς ποιέται κατὰ σοῦ 'A. (5)  
 Jc. 4. 16. συστροφάι ἐρχονται ἐκ γῆς μακρόθεν +  
 Ez. 13. 21. οὐκ εἶσονται ἐν χερσὶν ὑμῶν εἰς  
 συστροφὴν +

I Ma. 14. 44. ἐπισυντρέψαι συστροφὴν ἐν τῇ χώρῃ  
 III Ma. 6. 41. καὶ πληθύουσα συστροφάις ἦδη  
 [Aq. Ps. 30 (31). 14; 33 (34). 5; 54 (55). 16;  
 Is. 66. 4.]  
 [Sm. I Ki. 19. 20; II Ki. 2. 25; Jb. 38. 28;  
 Ps. 54 (55). 16; 67 (68). 31.]  
 [Th. Is. 60. 6; Ez. 22. 25.]  
 [Al. I Ki. 10. 10.]

#### συστροφία.

III Ma. 6. 32. διὰ τὴν τῆς σ. στοργήν  
**συσφιγγειν.** (1) **דִּבְרֵי** (2) **דִּבְרֵי** (3) **דִּבְרֵי**  
 (4) **דִּבְרֵי** pi.

Ex. 38. 29 (39. 21). συνέσφιγγε τὸ λογιόν (8)  
 Le. 8. 8 (7). καὶ συνέσφιγγεν αὐτὸν ἐν αὐτῇ (1)  
 De. 15. 7. B οὐδ' οὐ μὴ συσφιγῆς [A B -εις]  
 τὴν χεῖρά σου (2)  
 III Ki. 18. 46. συνέσφιγγε τὴν ὀσφύν αὐτῆς.  
 [Aq., Sm. Ex. 28. 39; 39. 6 (36. 13).]  
 [Th. Ex. 28. 11, 28, 39; 39. 6 (36. 13).]

#### συσφιγκτήρ.

[Sm. Ps. 44 (45). 14.]

#### σύσφιγκτος.

[Aq., Sm. Ex. 28. 4. 14.]  
 [Th. Ex. 28. 25.]

#### συχνών.

[Aq. Gz. 22. 13.]

#### συχνός.

II Ma. 5. 9. δ. συχνός τῆς πατρίδος ἀποξενώσας

#### σφαγή.

(1) **א. הִנָּה** **δ. הִנָּה** (2) **הִנָּה**  
 (3) **א. הִנָּה** **δ. הִנָּה** **א. הִנָּה** (4) **הִנָּה**  
 (5) **הִנָּה**

Jb. 10. 16. ἀντρέομαι γὰρ ὥσπερ λέων εἰς σφαγὴν +  
 21. 20. ἴδισαν οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν τὴν ἐαυτοῦ σφ. (4)  
 27. 14. εἰς σφαγὴν εἰσποῦται (2)  
 Ps. 43 (44). 22. ἐλογίσθημεν ὡς πρόβατα σφα-  
 γῆς (8c)  
 Pr. 7. 22. ὥσπερ δὲ βοῦς ἐπὶ σφαγὴν ἀγεται (3b)  
 Ob. 1. 10 (9). διὰ τὴν σφ. ... ἀδελφοῦ σου 'I. (6)  
 Za. 11. 4. ποιμαίνετε τὰ πρόβατα τῆς σφ. (1b)  
 — 7. ποιμαίνω τὰ πρόβατα [B' τὸ πρ.] τῆς σφ. (1b)  
 Is. 34. 2. τοῦ ... παραδοῦναι αὐτοὺς εἰς σφαγὴν (3b)  
 — 6. σφ. μεγάλη ἐν τῇ ἰδουμαίᾳ (3b)  
 53. 7. ὡς πρόβατον ἐπὶ σφαγὴν ἤχθη (3b)  
 66. 12. πάντες ἐν [B om.] σφαγῇ πεσέσασθε (3b)  
 Jc. 12. 3. ἀγνοῦν αὐτοὺς εἰς ἡμέραν σφαγῆς  
 αὐτῶν (1b)  
 15. 3. τὴν μάχαιραν εἰς σφαγὴν (1a)  
 19. 6. πολυάνδριον τῆς σφ. (1b)  
 27 (50). 27. καταβήγασαν εἰς σφαγὴν (3b)  
 28 (51). 40. καταβήγασαν [B' -σω] αὐτοὺς ὡς  
 ἄρνας εἰς σφαγὴν (3a)  
 81 (48). 15. κατέβησαν εἰς σφαγὴν (3b)  
 32 (25). 34. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι ὑμῶν εἰς  
 σφαγὴν (3a)  
 Ez. 21. 15 (20). εἰ γέγονεν εἰς σφαγὴν (3b)

II Ma. 5. 6. ἐποικεῖτο σφαγὰς τῆς πόλεως  
 — 13. παρόντων τε καὶ νηπίων σφαγαί  
 12. 16. ἀμύθητους ἐποιήσαντο σφαγὰς  
 [Aq. Jk. 7. 32; 11. 19.]  
 [Sm. Ps. 41 (42). 11; Is. 80. 25; Jk. 7. 32;  
 11. 19.]  
 [Th. Jk. 12. 3.]

#### σφαγιαίνεω.

IV Ma. 13. 12. σφαγιασθῆναι ... ὑπέμεινεν ὁ 'Is.  
 16. 20. τὸν ἐθνοπάτορα υἱὸν σφαγιασάαι 'Is.

#### σφάγιον.

(1) **הִנָּה** (2) **הִנָּה** (3) **הִנָּה**  
 Le. 22. 23. **A'** B σφάγια ποιήσεις αὐτὰ σεαυτῷ (9)  
 Am. 5. 25. μὴ σφάγια ... προσηνέγκατέ μοι (1)  
 Ez. 21. 10 (15). ὅπως σφάξης σφάγια (2)  
 — 15 (20). παραδίδονται [A παραδοθήσονται]  
 εἰς σφάγια βομβαίας +  
 — 28 (33). βομβαία [A add. ἐτοιμάζου] ἐσπα-  
 σμένη εἰς [A om.] σφάγια (2)  
 [Al. Gz. 48. 16.]

#### σφάζειν.

(1) **הִנָּה** (2) **הִנָּה** (3) **הִנָּה**  
 δ. **הִנָּה** (4) **הִנָּה** a. qal. δ. ni.  
 (5) **הִנָּה** pi.

Ge. 22. 10. σφάζει τὸν υἱὸν αὐτοῦ. (4a)  
 37. 31. ἔσφαζαν ξείφον αἰγῶν (4a)  
 43. 16. σφάζον θύματα καὶ ἐτοιμάσων (3a)  
 Ex. 12. 6. σφάζουσιν αὐτὸ πᾶν τὸ πλῆθος (4a)  
 22. 1 (21. 37). εἰ δέ τις ... σφάξῃ [A add.  
 αὐτὸ] (3a)  
 29. 11. B σφάζει τὸν μόσχον (4a)  
 — 16, 20. καὶ σφάζει αὐτὸν (4a)  
 34. 25. οὐ σφάζει ἐπὶ ζῆμ' αἵμα θυμωμάτων  
 μου (4a)  
 Le. 1. 5. σφάζουσι τὸν μόσχον ἐναντι κυρίου (4a)  
 — 11. σφάζουσιν αὐτὸ ἐκ πλαγίων τοῦ θυσι-  
 αστῆ. (4a)  
 8. 2. σφάζει αὐτὸ ἐναντίον κυρίου (4a)  
 — 8. σφάζει αὐτὸ παρὰ τὰς θύρας τῆς σκηπῆς (4a)  
 — 13. σφάζουσιν αὐτὸ ἐναντι κυρίου (4a)  
 4. 4. σφάζει τὸν μόσχον ἐνώπιον κυρίου (4a)  
 — 15. **A B'** B σφάζουσιν τὸν μόσχον ἐναντι  
 κυρίου (4a)  
 — 24. σφάζουσιν αὐτὸ ἐν τόπῳ οὐ σφάζουσι  
 τὰ δλοκαυτώματα (4a, 4a)  
 — 29. σφάζουσι τὴν χίμαιραν τὴν τῆς ἀμαρ-  
 τίας (4a)  
 — 29. ἐν τῷ τόπῳ οὐ σφάζουσι τὰ δλοκαυτῶμ. —  
 33. σφάζουσιν αὐτὸ ἐν τόπῳ οὐ σφάζουσι  
 τὰ δλοκαυτῶματα (4a, 4a)  
 6. 25 (18). ἐν τόπῳ οὐ σφάζουσι τὸ δλοκαυ-  
 τῶμα σφάζουσι τὰ περὶ τῆς ἀμαρ-  
 τίας (4b, 4b)  
 — 32 (7. 2). οὐ σφάζουσι τὸ δλοκαυτῶμα (4a)  
 — 32 (7. 2). σφάζουσι τὸν κριὸν τῆς πλημμε-  
 λείας (4a)  
 8. 15. καὶ ἔσφαζεν αὐτὸν (4a)  
 — 18 (19). ἔσφαξε M. τὸν κριόν (4a)  
 — 22 (23). καὶ ἔσφαζεν αὐτὸν (4a)  
 9. 8. ἔσφαξε τὸ μοσχάριον (4a)  
 — 12. ἔσφαξε τὸ δλοκαυτῶμα (4a)  
 — 15. καὶ ἔσφαζεν αὐτό (4a)  
 — 18. ἔσφαξε τὸν μόσχον (4a)  
 14. 5. σφάζουσι τὸ ὀρνίθιον τὸ ἐν  
 — 6. εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὀρνίθιου τοῦ σφαγέντος (4a)  
 — 13. σφάζουσιν τὸν ἀμνὸν ἐν τόπῳ οὐ σφά-  
 ζουσι τὰ δλοκαυτῶματα (4a, 4a)  
 — 19. σφάζει ὁ ἰ. τὸ δλοκαυτῶμα (4a)  
 — 25. σφάζει τὸν ἀμνὸν τῆς πλημμελείας (4a)  
 — 50. σφάζει τὸ ὀρνίθιον τὸ ἐν (4a)  
 — 51. βάψει αὐτὸ εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὀρνίθιου τοῦ  
 ἐσφαγμ. (4a)

16. 11. σφάζει τὸν μόσχον τὸν περὶ τῆς ἀμαρ-  
 τίας (4a)  
 — 15. σφάζει τὸν χίμαρον τὸν περὶ τῆς ἀμαρ-  
 τίας (4a)  
 17. 3. ὅς ἐάν σφάξῃ μόσχον (4a)  
 — 3. ὅς ἐάν σφάξῃ ἔξω τῆς παρεμβολῆς (4a)  
 — 4. ὅς ἐάν σφάξῃ ἔξω —  
 — 5. ὅσας ἀν αὐτοὶ σφάζουσιν [A -ωσιν] ἐν  
 τοῖς πεδίοις (2)  
 22. 28. αὐτὴν καὶ τὰ παιδία αὐτῆς οὐ σφάζεις (4a)  
 Nu. 11. 22. **A'** B μὴ πρόβατα καὶ βόες σφαγι-  
 σονται αὐτοῖς (4b)

Nu. 11. 32. **B** ἔσφαξαν [AB ἔψυξαν] ἐαυτοῖς  
 ψυγμούς +  
 19. 3. σφάζουσιν αὐτὴν ἐνώπιον αὐτοῦ (4a)  
 De. 28. 31. ὁ μόσχος σου ἐσφαγμένος ἐναντίον  
 σου (3a)  
 Jd. 12. 6. **A** σφάζουσιν αὐτοὺς ἐπὶ τὰς διαβά-  
 σεις τοῦ 'I. [B al.] (4a)

I Ki. 1. 25. ἔσφαζεν ὁ πατὴρ αὐτῆς τὴν θυσίαν  
 — 25. ἔσφαξε τὸν μόσχον (4a)  
 14. 32. καὶ ἔσφαζεν ἐπὶ τὴν γῆν (4a)  
 — 34. καὶ σφαζέτω [A σφαζέτω] ἐπὶ τούτου (4a)  
 — 34. καὶ ἔσφαζον [A ἔσφαζεν] ἐκεῖ (4a)  
 15. 33. ἔσφαξε Σαμ. τὸν 'A. ἐνώπιον κυρίου (5)  
 III Ki. 18. 40. καὶ ἔσφαζεν αὐτοὺς ἐκεῖ (4a)  
 IV Ki. 10. 7. καὶ ἔσφαζαν αὐτοὺς (4a)  
 — 14. καὶ ἔσφαζαν αὐτοὺς εἰς B. (4a)  
 25. 7. τοὺς υἱοὺς Σεδ. ἔσφαξε (4a)  
 II Es. 6. 20. ἔσφαξαν τὸ πάσχα τοῖς πᾶσιν υἱοῖς  
 τῆς ἀποικισίας (4a)  
 Ps. 38 (37). 14. τοῦ σφάζει τοὺς εὐθείς τῇ καρδίᾳ (3a)  
 Pr. 9. 2. ἔσφαξε τὰ ἐναντὶς θύματα (3a)  
 Is. 14. 21. ἐτοιμάσων τὰ τέκνα σου σφαγῆναι (3b)  
 22. 13. ἐποιήσαντο εὐφροσύνην καὶ ἀγαλλίαμα  
 σφάζοντες μόσχους (1)  
 57. 5. σφάζοντες τὰ τέκνα αὐτῶν (4a)  
 Jc. 19. 7. σφάζω τὴν βουλὴν 'Ιουδα +  
 48 (41). 7. ἔσφαζεν αὐτοὺς εἰς τὸ φρέαρ (4a)  
 52. 10. ἔσφαξε βασιλεὺς Βαβ. τοὺς υἱοὺς Σεδ. (4a)  
 — 10. πάντας τοὺς ἀρχοντας 'I. ἔσφαζεν (4a)  
 Ez. 16. 21. ἔσφαξας τὰ τέκνα σου (4a)  
 21. 10 (15). ὅπως σφάξεις σφάγια ... σφάζε (3a, +)  
 28. 39. ἐν τῇ σφ. αὐτοὺς τὰ τέκνα αὐτῶν (4a)  
 84. 3. τὸ παχὺ σφάζετε [A ἔσφ.] (2)  
 40. 39. ὅπως σφάζωσιν ἐν αὐτῇ [A σφ. τὴν  
 δλοκαυτῶσιν καὶ] τὰ ὑπὲρ ἀμαρτίας (4a)  
 — 41. ἐπ' αὐτὰ σφάζουσι τὰ θύματα (4a)  
 — 42. ἐν οἷς σφάζουσιν ἐκεῖ τὰ δλοκαυτῶμ. (4a)  
 44. 11. οὕτως σφάζουσι τὰ δλοκαυτῶμ. (4a)  
 I Ma. 1. 2. καὶ ἔσφαξε βασιλεῖς  
 2. 24. ἔσφαζεν αὐτὸν ἐπὶ τὸν βωμὸν  
 II Ma. 5. 14. οὐχ ἦσαν δὲ τῶν ἐσφαγμ. ἐπαράθησαν  
 [Aq., Sm. Is. 66. 3.]  
 [Th. Is. 66. 3; Jk. 39 (46). 6 εἰς.]  
 [Al. II Ch. 29. 22.]

#### σφαίρα.

[Aq., Th. Is. 29. 3.]

#### σφαιρωτήρ (σφυρ.).

(1) **הִנָּה** (2) **הִנָּה**  
 Ge. 14. 23. ἀπὸ σπατίου ἕως σφαιρωτήρος  
 ὑποδήματος (8)  
 Ex. 25. 30 (31). οἱ κρατῆρες καὶ οἱ σφ. (1)  
 — 32 (33). ἐν τῷ ἐνὶ καλαμίσκῳ σφαιρωτήρ (1)  
 — 33 (34). ἐν τῷ ἐνὶ καλαμίσκῳ σφαιρωτήρες  
 [A -ήρ] (1)  
 — 34. **A** οἱ σφ. καὶ τὰ κρίνα αὐτῶν. (1)  
 — 34 (35). ὁ σφ. ὑπὸ τοὺς δύο καλαμίσκους (1)  
 — 34 (35). **A'** B σφαιρωτήρ ὑπὸ τοὺς τέσσαρας  
 καλαμίσκους (1)  
 — 35 (36). οἱ σφ. καὶ οἱ καλαμίσκοι ἐξ αὐτῆς  
 ἔστωσαν (1)

#### σφακελίζειν.

(1) **הִנָּה** a. pi. δ. **הִנָּה**  
 Le. 26. 16. σφακελίζοντας τοὺς ὀφθ. ὑ. (1a)  
 De. 28. 32. οἱ ὀφθ. σου βλέψονται σφακελι-  
 ζοντες εἰς αὐτὰ (1b)

#### σφακτής.

[Aq. Da. 2. 14 (Sw.).]

#### σφαλερός.

(1) **הִנָּה**  
 Pr. 5. 6. σφαλεραί δὲ αἱ τροχαὶ αὐτῆς (1)

#### σφάλλιν.

(1) **הִנָּה** (2) **הִנָּה** ni. (3) **הִנָּה** pi.  
 (4) **הִנָּה** hi.

De. 32. 35. ὅταν σφαλῇ ὁ ποὺς αὐτοῦ. (1)  
 II Ki. 22. 46. σφαλουσὶν ἐκ τῶν συγκλεισμένων αὐτῶν.  
 I Es. 4. 27. πολλοὶ ἀπώλοντο καὶ ἐσφάλησαν  
 Jb. 18. 7. σφάλαι δὲ [A καὶ σφαλεῖν] αὐτοῦ ἢ  
 βουλή (4)  
 21. 10. καὶ οὐκ ἐσφαλε (3)  
 Wi. 10. 8. ἵνα ἐν οἷς ἐσφάλησαν μὴδὲ λαθεῖν δυνηθῶσι  
 Si. 13. 22. πλουσίον σφαλέντος πολλοὶ ἀντιλήπτορες  
 — 22. ταπεινὸς ἐσφαλε [A -λή] (4a)  
 36. 31 (28). εὐζώνῳ ληστῇ σφαλλομένῳ [A B  
 ἀφαλλ.] ἐκ πόλεως εἰς πόλιν

- Am. 5. 2. παρθένος τοῦ 'Ισρ. ἰσφαλεν ἐπὶ τῆς γῆς αὐ. (2)  
[Aq. Ps. 14 (15). 5: 29 (30). 7: 45 (46). 3, 7: 61 (62). 3, 7: Pr. 10. 30: Is. 54. 10.]  
[Sm. Ex. 10. 16: Jb. 4. 4: Ps. 14 (15). 5: 26 (27). 2: 61 (62). 7: 65 (66). 9.]
- σφάλμα.** (1) שָׁלַח  
Pr. 29. 25. ἀσέβεια ἀνδρὶ δίδωσι σφάλμα (1)  
**σφαλμός.**  
[Aq. Ps. 120 (121). 3: Is. 58. 6 bis, 9: Ez. 9. 9.]
- σφενδονᾶν.** (1) שָׁרַף  
I Ki. 17. 49. καὶ σφενδονῆσε (1)  
25. 9. ψυχὴν ἐχθρῶν σου σφενδονήσεις (1)  
[Aq. Sm. Jb. 10. 18.]
- σφενδόνη.** (1) שָׁרַף (2) שָׁרַף  
I Ki. 17. 40. ἔθετο... σφενδόνῃ αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (2)  
— 50. ἠκραταιώσεν Δ. ὑπὲρ τὸν ἀλλόφυλον ἐν τῇ σφ. (2)  
25. 9. σφενδονήσεις ἐν μέσῳ τῆς σφ. (2)  
II Ch. 28. 14. καὶ τόξα καὶ σφενδόνας εἰς λίθους (2)  
Ju. 9. 7. ἤλπισαν... ἐν... σφενδόνῃ  
Pr. 26. 8. ὅς ἀποδοκιμασίαν λίδων ἐν σφενδόνῃ  
Si. 47. 4. ἐν τῷ ἐπάραι χεῖρα ἐν λίδω σφενδόνῃ  
Za. 9. 15. καταχάσσουσιν αὐτοὺς ἐν λίθους σφενδόνῃς (2)  
I Ma. 6. 51. εἰς τὸ βάλλεσθαι... σφενδόνας  
[Aq. Sm., Th. I Ki. 17. 50: Jb. 41. 20.]
- σφενδονήτης (-ηστής).** (1) α. שָׁרַף δ. שָׁרַף  
Jd. 20. 16. πάντες οὗτοι σφενδονήγαι (1 α)  
IV Ki. 3. 25. ἐκύκλωσαν οἱ σφ. (1 δ)  
I Ch. 12. 2. καὶ σφενδονήγαι ἐν λίθοις καὶ τόξοις —  
Ju. 6. 12. πᾶς ἀνὴρ σφ. διεκράτησαν τὴν ἀνάβασιν αὐ.  
I Ma. 9. 11. οἱ σφ... προεπορεύοντο τῆς δυνάμεως
- σφηκία.** (1) שָׁרַף  
Ex. 23. 28. ἀποστελῶ τὰς σφ. προτέραις σου (1)  
De. 7. 20. Α Β Γ δ τὰς σφ. ἀποστελεῖ κ. ὁ θεός σου εἰς αὐτοὺς  
Jo. 24. 12. ἐξαπέστειλε προτέραν ἡμῶν τὴν σφ. (1)
- σφήν.**  
IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ... σφήνας... προέθεσαν  
11. 10. Δ τὴν ὁσφὺν αὐ. ἐπὶ τὸν τροχιαὶον σφ. κατέκαμψαν [B A al.]
- σφηνοῦν.** (1) שָׁרַף (2) שָׁרַף  
Jd. 8. 23. καὶ σφηνώσας  
— 24. αἱ θύραι τοῦ ὑπερφύου σφηνωμέναι [Δ ἀποκεκλεισμέναι] (2)  
Ne. 7. 3. καὶ σφηνώσας [B<sup>3</sup> -νοισθ-, B<sup>1</sup> -νοισθω] (1)
- σφήξ.**  
Wi. 12. 8. ἀπέστειλās τε προδρόμους τοῦ στρατοπέδου [B B τοὺς στρ.] σου σφήξας  
[Heb. Is. 7. 18.]
- σφίγγειν.** (1) שָׁרַף (2) שָׁרַף ni.  
IV Ki. 12. 10 (11). σφίγγαν καὶ ἠρίβησαν τὸ ἀργύριον (1)  
Pr. 5. 22. σφίγγας δὲ τὸν ἑαυτοῦ ἀμαρτιῶν ἑκαστος σφίγγεται (2)  
[Aq. Ex. 28. 11.]  
[Sm. Pr. 6. 21: Is. 1. 6.]
- σφίγγια.**  
Si. 11. 18. ἔστι πλουτῶν ἀπὸ προσοχῆς καὶ σφίγγιας αὐτοῦ
- σφιγκτήρ.**  
[Aq. Ex. 28. 13: 89. 16 (36. 23): II Ki. 1. 9.]  
[Sm. Ex. 28. 13.]
- σφόδρα.** (1) שָׁרַף (2) α. שָׁרַף δ. שָׁרַף שָׁרַף  
c. שָׁרַף שָׁרַף d. שָׁרַף שָׁרַף e. שָׁרַף שָׁרַף  
(8) שָׁרַף ni. (4) שָׁרַף (5) שָׁרַף  
a. שָׁרַף שָׁרַף d. שָׁרַף שָׁרַף (6) שָׁרַף  
σφόδρα שָׁרַף שָׁרַף (7) שָׁרַף שָׁרַף  
שָׁרַף שָׁרַף  
Ge. 7. 18. ἐπληθύνοντο σφ. ἐπὶ τῆς γῆς (2 α)  
— 19. B τὸ δὲ ὕδωρ ἐπεκράτει σφ. σφ. [A σφοδρῶς] (2 α, 2 α)
- Ge. 12. 14. καλὴ ἦν σφ. (2 α)  
13. 2. Ἀβρὰμ δὲ ἦν πλούσιος σφ. κτήνῃσι (2 α)  
— 13. ἀμαρτωλοὶ ἐναντίον τοῦ θεοῦ σφ. (2 α)  
15. 1. B ὁ μισθὸς σου πολλὸς ἔσται σφ. [A al.] (2 α)  
17. 2. πληθύνω σε σφ. (2 α)  
— 6. B αὐξάνω σε σφ. σφ. [A om.] (6 [2 α])  
— 20. πληθύνω αὐτὸν σφ. (2 α)  
18. 20. καὶ αἱ ἀμαρτίαι αὐ. μεγάλαι σφ. (2 α)  
19. 9. παρεβιάζοντο τὸν ἀνδρα τὸν Λωτ σφ. (2 α)  
20. 8. ἐφοβήθησαν δὲ πάντες οἱ ἄνθρωποι σφ. (2 α)  
21. 11. σκληρὸν δὲ ἔφάνη τὸ ῥῆμα σφ. (2 α)  
24. 16. ἦν καλὴ τῇ ὄψει σφ. (2 α)  
— 35. εὐλόγησε τὸν κύριόν μου σφ. (2 α)  
26. 13. μέγας ἐγένετο σφ. (2 α)  
— 16. δυνατώτερος ἡμῶν ἐγένετο σφ. (2 α)  
27. 33. ἐξίστη δὲ 'I. ἔκστασιν μεγάλῃν σφ. (2 α)  
— 34. φωνὴν μεγάλῃν καὶ πικρὰν σφ. (2 α)  
29. 17. B καὶ ὁραία τῇ ὄψει σφ. [A om.] —  
30. 43. ἐπλούτησεν ὁ ἄνθρωπος σφ. σφ. (2 α, 2 α)  
32. 7 (8). ἐφοβέτο δὲ 'I. σφ. (2 α)  
34. 7. λυπηρὸν ἦν αὐτοῖς σφ. (2 α)  
— 12. πληθύνεται τὴν φερόν σφ. (2 α)  
39. 6. ἦν 'I. ὁραῖος τῇ ὄψει σφ. —  
41. 31. ἰσχυρὸς γὰρ ἔσται σφ. (2 α)  
— 49. σίτον ὥστε τὴν ἄμυν τῆς θαλ. πολλὴν σφ. (2 α)  
47. 13. ἐνίσχυσε γὰρ ὁ λιμὸς σφ. (2 α)  
— 27. ἐπληθύνθησαν σφ. (2 α)  
50. 9. ἐγένετο ἡ παρεμβολὴ μεγάλη σφ. (2 α)  
— 10. κοπετὸν μέγαν καὶ ἰσχυρὸν σφ. (2 α)  
Ex. 1. 7. κατῆλθον σφ. σφ. (6)  
— 12. καὶ ἰσχυρὸν σφ. [A om.] σφ. —  
— 20. καὶ ἰσχυρὸν σφ. (2 α)  
9. 3. θάνατος μέγας σφ. (2 α)  
— 18. ὡς... χάλιασιν πολλὴν σφ. (2 α)  
— 24. ἡ δὲ χάλιασιν πολλὴ σφ. [A add. σφ.] (2 α, [—])  
10. 14. καὶ κατέπαυσεν... πολλὰ σφ. (2 α)  
11. 3. ὁ ἀνθρ. M. μέγας ἐγένετο σφ. (2 α)  
12. 38. καὶ κτήν πολλὰ σφ. (2 α)  
14. 10. καὶ ἐφοβήθησαν σφ. (2 α)  
19. 18. ἐξίστη πᾶς ὁ λαὸς σφ. (2 α)  
— 19. ἐγένετο δὲ αἱ φωναὶ... προβαίνουσιν ἰσχυρότεροι αὐ. (2 α)  
Nu. 11. 10. ἐθυμώθη ὁργῇ κύριος σφ. (2 α)  
— 33. ἐπάταξε κ. τὸν λαὸν πληγὴν μεγάλῃν σφ. (2 α)  
12. 3. ὁ ἄνθρωπος M. παῦς σφ. (2 α)  
18. 29 (28). πόλεις ὀχυραὶ τετελιχισμέναι μεγάλαι σφ. (2 α)  
14. 7. ἡ γῆ... ἀγαθὴ ἔστι σφ. σφ. (2 α, 2 α)  
— 39. ἐπέστησεν ὁ λαὸς σφ. (2 α)  
18. 15. ἐβαρυνθήμην M. σφ. (2 α)  
22. 3. ἐφοβήθη M. τὸν λαὸν σφ. (2 α)  
32. 1. κτήν πληθὺς ἦν... πληθὺς [A add. πολλὴ] σφ. (2 α)  
De. 2. 4. εὐλαβήθησαν αὐτὸν ὕμῳ σφ. (2 α)  
8. 5. πλὴν τῶν πύλων τῶν φ. τῶν πολλῶν σφ. (2 α)  
4. 9. φύλαξον τὴν ψυχὴν σου σφ. (2 α)  
— 15. φυλάξασθε σφ. τὰς ψυχὰς ὑμῶν (2 α)  
6. 3. ἔτα πληθυνθήτε σφ. (2 α)  
9. 20. Α ἐθυμώθη κύριος σφ. [B al.] (2 α)  
— 21. συνέκοψα αὐτὸν καταλίσας σφ. [A al.] (1)  
18. 14 (13). καὶ ἐρευνήσεις σφ. (1)  
17. 4. καὶ ἐκλήρησεν σφ. (1)  
— 17. χρυσίον οὐ πληθύνει ἑαυτῷ σφ. [B<sup>1</sup> al.] (2 α)  
20. 15. οὕτω ποιήσεις πᾶσας τὰς πόλεις τὰς μάκραν ὁστας σου σφ. (2 α)  
24. 8. φυλάξῃ σφ. ποιεῖν (2 α)  
27. 8. γράψεις... πάντα τὸν νόμον τ. σαφῶς σφ. (1)  
28. 54. ὁ τρυφερὸς σφ. βασκανεῖ τῷ ὀφθ. αὐ. τὸν δδ. (2 α)  
— 56. Α ἡ ἀπαλὴ ἐν ὑμῖν καὶ ἡ τρυφερὰ σφ. [B om.] —  
29. 28 (27). ἐν... παροξυσμῷ μεγάλῳ σφ. (2 α)  
30. 14. ἔστι σου ἐγγὺς τὸ ῥῆμα σφ. (2 α)  
Jo. 8. 16. ἔστι πῆγμα ἐν ἀφαισθητοῖς μακρὰν σφ. σφοδρῶς [A<sup>2</sup> om., A<sup>1</sup> al.] (2 α)  
6. 17 (18). φυλάξασθε σφ. ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος [A al.] —  
9. 9. ἐκ γῆς μακρόθεν σφ. ἦκασιν (2 α)  
— 13. πεπαλαίωται ἀπὸ τῆς πολλῆς ὁδοῦ σφ. (2 α)  
— 22. μακρὰν ἀπὸ σοῦ ἔσμεν σφ. (2 α)  
— 24. ἐφοβήθημεν σφ. περὶ τῶν ψυχῶν ἡμῶν (2 α)
- Jo. 10. 2. ἐφοβήθησαν ἀπ' αὐτῶν σφ. (2 α)  
— 20. κύνες αὐτοὺς κοπὴν μεγάλῃν σφ. (2 α)  
11. 4. ἵπποι καὶ ἄρματα πολλὰ σφ. (2 α)  
22. 5. φυλάξασθε σφ. ποιεῖν τὰς ἐντολάς — 8. καὶ κτήν πολλὰ σφ. καὶ ἀργύριον (2 α)  
— 8. Α καὶ ἱματισμὸν πολλὸν σφ. [B om.] (2 α)  
23. 6. κατισχύσατε οὖν σφ. φυλάσσειν (2 α)  
— 11. φυλάξασθε σφ. τοῦ ἀγαπᾶν (2 α)  
Jd. 2. 15. ἐξέβλησεν αὐτοὺς σφ. (2 α)  
8. 17. καὶ 'E. ἀνὴρ ἀστέιος σφ. (2 α)  
6. 6. ἐπτόχευσεν 'Ισρ. σφ. (2 α)  
10. 9. B ἐβλίβη 'Ισρ. σφ. [A B al.] (2 α)  
11. 33. ἐπάταξεν αὐτοὺς... πληγὴν μεγάλῃν σφ. (2 α)  
12. 2. ὁ λαὸς μου καὶ οἱ υἱοὶ 'A. σφ. [A al.] (2 α)  
13. 6. καὶ εἶδος αὐτοῦ... φοβερόν σφ. [A al.] (2 α)  
15. 18. εἰδύψατο σφ. (2 α)  
18. 9. καὶ ἰδοὺ ἀγαθὴ σφ. (2 α)  
19. 11. ἡ ἡμέρα προεβίβηκε σφ. (2 α)  
Ru. 1. 13. Α ἐπικράνθη μοι σφ. [B om.] ὑπὲρ ὕμῳς (2 α)  
— 20. ἐπικράνθη ἐν ἑμοὶ ὁ ἱκανὸς σφ. (2 α)  
I Ki. 2. 17. ἦν ἡ ἀμαρτία... τῶν παιδαριῶν μεγάλῃ σφ. (2 α)  
— 22. καὶ 'H. πρεσβύτερος σφ. (2 α)  
8. 21. καὶ 'H. πρεσβύτερος σφ. —  
4. 10. ἐγένετο πληγὴ μεγάλη σφ. (2 α)  
6. 9. τάραχος μέγας σφ. (2 α)  
— 12 (11). σύγχυσεν ἐν δλῃ τῇ πόλει βαρεῖα σφ. (2 α)  
6. 19. ἐπάταξε κ. ἐν τῷ λαῷ πληγὴν μεγάλῃν σφ. —  
11. 6. ἐθυμώθη ἐπ' αὐτοὺς ὀργὴ αὐ. σφ. (2 α)  
12. 18. B ἐφοβήθησαν πᾶς ὁ λαὸς τὸν κ. σφ. (2 α)  
14. 20. σύγχυσεν μεγάλῃ σφ. (2 α)  
— 31. ἐκοπίασεν ὁ λαὸς σφ. (2 α)  
16. 21. ἠγάπησεν αὐτὸν σφ. (2 α)  
17. 11, 24 (A). καὶ ἐφοβήθησαν σφ. (2 α)  
— 15. αὐτὸς συνίει σφ. (2 α)  
— 30. Α ἐτιμήθη τὸ ὄνομα αὐ. σφ. (2 α)  
19. 2 (1). 'I. ὁ υἱὸς Δ. ῥέριτο τὸν Δ. σφ. (2 α)  
— 4. καὶ τὰ ποιήματα αὐ. ἀγαθὰ σφ. (2 α)  
— 8. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς πληγὴν μεγάλῃν σφ. —  
20. 30. ἐθυμώθη ὀργῇ Δ. ἐπὶ 'Ιων. σφ. —  
21. 12 (13). ἐφοβήθη σφ. ἀπὸ προσώπου 'A. (2 α)  
25. 2. καὶ ὁ ἄνθρωπος μέγας σφ. (2 α)  
— 3. καὶ ἡ γυνὴ... ἀγαθὴ τῷ εἶδει σφ. —  
— 15. καὶ οἱ ἄνδρες ἀγαθοὶ ἦμιν σφ. (2 α)  
— 36. καὶ αὐτὸς μεθύων ἔως σφ. (2 α)  
26. 21. ἠγρόνηκα πολλὰ σφ. (2 α)  
27. 12. ἐπιστεύθη Δ. ἐν τῷ 'A. σφ. —  
28. 5. ἐξίστη ἡ καρδιά αὐ. σφ. (2 α)  
— 15. θλίβομαι σφ. (2 α)  
— 20. ἐφοβήθη σφ. ἀπὸ τῶν λόγων Σαμ. (2 α)  
— 21. ἔσπευσε σφ. (2 α)  
30. 6. ἐβλίβη Δ. σφ. (2 α)  
31. 4. ἐφοβήθη σφ. (2 α)  
II Ki. 1. 26. ὠραιώθη μοι σφ. (2 α)  
8. 8. Α Β ἐθυμώθη σφ. 'Aβ. περὶ τοῦ λόγου M. (2 α)  
8. 8. ἔλαβεν... χαλκὸν πολλὸν σφ. (2 α)  
10. 5. ἦσαν οἱ ἄνδρες ἡττησμένοι σφ. (2 α)  
11. 2. καὶ ἡ γυνὴ καλὴ τῷ εἶδει σφ. (2 α)  
12. 2. τῷ πλουσίῳ ἦν... βουκόλια πολλὰ σφ. (2 α)  
— 5. ἐθυμώθη ὀργῇ Δ. σφ. [A add. σφ.] τῷ ἀνδρὶ (2 α, [—])  
— 30. σκύλα τῆς πόλεως ἐξήνεγκε πολλὰ σφ. (2 α)  
13. 1. ἀδελφὴ καλὴ τῷ εἶδει σφ. —  
— 3. καὶ 'Ιων. ἀνὴρ σοφὸς σφ. (2 α)  
— 15. ἐμίσησεν αὐτὴν 'A. μίσος μέγα σφ. (2 α)  
— 21. ἐθυμώθη σφ. (2 α)  
— 36. Α Β ἐκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν σφ. [B om.] (2 α)  
14. 25. ὡς 'Aβ. οὐκ ἦν ἀνὴρ ἐν παντὶ 'Ισρ. αἰνετὸς σφ. (2 α)  
— 27. αὐτὴ ἦν γυνὴ καλὴ σφ. —  
17. 8. δυνατοὶ εἰσι σφ. —  
18. 17. ἐστήλωσαν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων μέγαν σφ. (2 α)  
— 32 (33). καὶ B. ἀνὴρ πρεσβύτερος σφ. (2 α)  
— 32 (33). ἀνὴρ μέγας ἔστι σφ. (2 α)  
24. 10. ἡμαρτον σφ. ὁ ἐποίησα (2 α)  
— 10. ἐμωράνθη σφ. (2 α)  
— 14. στενά μοι πάντοθεν σφ. ἐστίν (2 α)  
— 14. πολλοὶ οἱ οἰκτιρμοὶ αὐ. σφ. —  
III Ki. 1. 4. ἡ νεάνις καλὴ ἔως σφ. (2 α)  
— 6. καὶ γὰρ αὐτὸς ὠραῖος τῇ ὄψει σφ. (2 α)

- III Ki. 1. 15. ὁ βασις πρεσβύτερος σφ. (2 a)  
 2. 12. ἡτοιμάσθη ἡ βασις αὐ. σφ. (2 a)  
 3. 1 (cf. 4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . σοφίαν πολλὴν σφ. (2 a)  
 — 1 (4. 29 [5. 9]). Ἐ ἐπληθύνθη ἡ φρόνησις Σ. σφ. [A B om.] —  
 — 1 (4. 20). Β ἦν ὁ βασις Σ. φρόνιμος σφ. —  
 — 1 (B), 4. 20 (A). 'Ι. καὶ 'Ισρ. πολλοὶ σφ. —  
 [A om.] —  
 4. 29 (5. 9). ἔδωκε κ. . . σοφίαν πολλὴν σφ. (2 a)  
 — 30 (5. 10). ἐπληθύνθη Σαλ. σφ. —  
 5. 7 (21). ἐχάρη σφ. (2 a)  
 7. 47. οὐ ἐποίησε πάντα τὰ ἔργα τ. ἐκ πλήθους σφ. (2 b)  
 — 48 (47). Α ἀπὸ τοῦ πλήθους σφ. σφ. (2 a, 2 a)  
 10. 2. ἐν δυνάμει βασιλεὺς σφ. (2 a)  
 — 2. κάμηλοι αἰρουνται . . . χρυσὸν πολλὸν σφ. (2 a)  
 — 10. ἔδωκε τῷ Σ. . . ἡδύσματα πολλὰ σφ. (2 a)  
 — 11. ἡνγεκε ξύλα πελεκητὰ πολλὰ σφ. (2 a)  
 11. 19. εὗρεν Α. χάριν ἐναντίον Φ. σφ. (2 a)  
 12. 24. Β ἠρρώσθησε τὸ παιδάριον αὐ. ἀρρωστία κραταιὰ σφ. (2 a)  
 17. 17. ἦν ἡ ἀρρωστία αὐ. κραταιὰ σφ. (2 a)  
 18. 3. 'Αβδ. ἦν φοβούμενος τὸν κύριον σφ. (2 a)  
 20 (21). 26. καὶ ἐβδελύχθη σφ. (2 a)  
 IV Ki. 10. 4. Α φοβήθησαν σφ. σφ. [B om.] (2 a, 2 a)  
 14. 26. εἶδε κ. τὴν ταπεινῶσαν 'Ισρ. πικρὰν σφ. (2 a)  
 17. 18. ἐθιμώθη κύριος σφ. ἐν τῷ 'Ισρ. (2 a)  
 21. 16. αἶμα ἀδρῶν ἐξέχεε Μαν. πολὺν σφ. (2 a)  
 I Ch. 10. 4. ἐφοβέτο σφ. (2 a)  
 16. 25. μέγας κύριος καὶ αἰνετός σφ. (2 a)  
 18. 8. ἔλαβε Δ. χαλκὸν πολλὸν σφ. (2 a)  
 19. 5. ἦσαν ἡτιμωμένοι σφ. (2 a)  
 20. 2. σκύλα τῆς πόλεως ἐξήνγεκε πολλὰ σφ. (2 a)  
 21. 8. ἡμάρτηκα σφ. (2 a)  
 — 8. ἐματαιώθη σφ. (2 a)  
 — 13. στενά μοι καὶ τὰ τρία σφ. (2 a)  
 — 13. πολλοὶ οἱ οἰκτιρμοὶ αὐ. σφ. (2 a)  
 II Ch. 4. 18. ἐποίησε Σ. πάντα τὰ σκευὴ ταῦτα εἰς πλῆθος σφ. (2 a)  
 7. 8. ἐκκλησία μεγάλη σφ. (2 a)  
 9. 1. ἐν δυνάμει βασιλεὺς σφ. (2 a)  
 11. 12. κατισχυεν αὐτὰς εἰς πλῆθος σφ. (2 a)  
 16. 8. εἰς ἱππεὶς εἰς πλῆθος σφ. (2 a)  
 — 12. ἔως σφ. ἐμαλακίσθη (5 b)  
 — 14. Β ἐποίησαν αὐτῷ ἐκφορὰν μεγάλην σφ. [A B εὖος σφ.] (2 c [5 a])  
 24. 24. παρέδωκεν εἰς τὰς χεῖρας αὐ. δυνάμιν πολλὴν σφ. (2 a)  
 25. 10. ἐθιμώθησαν σφ. ἐπὶ 'Ιουδαν (2 a)  
 30. 13. συνήχθησαν . . . ἐκκλησία πολλή σφ. (2 a)  
 32. 27. ἐγένετο τῷ Ἐζ. . . δόξα πολλή σφ. (2 a)  
 — 29. ἔδωκεν αὐτῷ κ. ἀποσκευὴν πολλὴν σφ. (2 a)  
 33. 12. καὶ ἐταπεινώθη σφ. (2 a)  
 — 14. καὶ ὕψωσε σφ. (2 a)  
 35. 23. ἐπύνασε σφ. (2 a)  
 I Es. 8. 91. ἐπισυνήχθησαν . . . ὄχλος πολὺς σφ.  
 II Es. 10. 1. συνήχθησαν . . . ἐκκλησία πολλή σφ. (2 a)  
 Ne. 2. 2. ἐφοβήθη πολὺ σφ. (2 a)  
 4. 7 (1). πονηρὸν αὐτοὶς ἐφάνη σφ. (2 a)  
 5. 6. ἐλυπήθη σφ. (2 a)  
 6. 16. ἐπέπεσε φόβος [S φ. μέγας] σφ. (2 a)  
 13. 8. πονηρὸν μοι ἐφάνη σφ. (2 a)  
 To. 3. 10. ταῦτα ἀκούσασα ἐλυπήθη σφ. [S al.]  
 6. 17. ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐκολλήθη σφ. αὐτῇ [S al.]  
 Ju. 1. 6. Β συνήλθεν ἔθνη πολλὰ σφ. [A B S om.]  
 — 12. ἐθιμώθη Ναβ. ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν τ. σφ.  
 — 16. Α Β Β πλῆθος ἀνδρῶν πολεμιστῶν πολὺ σφ.  
 2. 17. ἔλαβε . . . πλῆθος πολὺ σφ.  
 — 18. καὶ ἀργύριον ἐξ οἴκου βασιλεῶς [A B<sup>2</sup> add. πολὺ] σφ. [B<sup>1</sup> om. ἐξ . . . σφ.]  
 — 28. ἐφοβήθησαν αὐτὸν σφ.  
 4. 2. ἐφοβήθησαν σφ. σφ. [A S om.]  
 — 2. ὠργίσθη θυμὸς σφ.  
 — 9. ἐπληθύνθησαν . . . ἐν κτήνεσι πολλοὶ σφ.  
 — 18. ἐξελάτρευσαν . . . ἐπὶ πολὺ σφ.  
 6. 20. ἐπινεσαν αὐτὸν σφ.  
 7. 2. καὶ ἡ δυνάμει αὐ. . . πλῆθος πολὺ σφ.  
 — 4. ἐταράχθησαν σφ.  
 — 18. ἦσαν εἰς πλῆθος πολὺ σφ.  
 8. 7. ἦν . . . ὥραία τῇ ὄψει σφ.  
 — 8. ἐφοβέτο τὸν θεόν σφ.  
 — 30. ὁ λαὸς ἐδίψησε σφ.

- Ju. 10. 4. ἐκαλλώπησαν σφ.  
 — 7. ἐθαύμασαν ἐπὶ τῷ κάλλει αὐ. ἐπὶ πολὺ σφ.  
 — 14. ἦν ἐναντίον αὐτῶν θαυμάσιον τῷ κάλλει σφ.  
 12. 16. Α Β ἦν κατεπίθιμος σφ. τοῦ συγγενέσθαι μετ' αὐτῆς  
 — 20. Α Β ἐπὶ οὖνον πολλὸν σφ.  
 13. 17. ἐξέστη πᾶς ὁ λαὸς σφ.  
 14. 10. ἐπίστευσε τῷ θεῷ σφ.  
 — 19. ἐταράχθη ἡ ψυχὴ αὐτῶν σφ.  
 — 19. ἐγένετο αὐτῶν . . . βοή μεγάλη σφ.  
 15. 6. καὶ ἐπλούτησαν σφ.  
 — 7. ἦν γὰρ πλῆθος πολὺ σφ.  
 16. 23. ἦν προβαίνουσα μεγάλη σφ.  
 Es. 2. 7. S<sup>2</sup> καὶ ὥραϊον τῇ ὄψει σφ. —  
 3. 5. ἐθιμώθη σφ. (3)  
 4. 17. τὸ σῶμα αὐ. ἐταπεινώσε σφ.  
 5. 1. καὶ ἦν φοβερός σφ.  
 — 9. ἐθιμώθη σφ. (8)  
 Jb. 1. 3. ὑπηρεσία πολλή σφ. (2 a)  
 2. 13. ἐώραν γὰρ τὴν πλεῖν δεινὴν οὐσαν καὶ μεγάλην σφ. (2 a)  
 32. 2. ὠργίσθη δὲ τῷ 'Ιωβ σφ. —  
 — 3. καὶ κατὰ τῶν τριῶν δὲ φίλων ὠργίσθη σφ. —  
 35. 15. οὐκ ἔγωγε παράπτωμά τι σφ. (2 a)  
 Ps. 6. 3. ἡ ψυχὴ μου ἐταράχθη σφ. (2 a)  
 — 10. ταραχθείσαν σφ. [B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> om.] πάντες οἱ ἐχθροὶ μου (2 a)  
 — 10. αἰσχυνθείσαν [A S<sup>2</sup> καταισχ.] σφ. διὰ τάχους —  
 20 (21). 1. ἐπὶ τῷ σωτηρίῳ σου ἀγαλλιάσεται σφ. (2 a)  
 30 (31). 11. καὶ τοῖς γείτοσί μου σφ. (2 a)  
 36 (37). 23. Α τὴν ὁδὸν αὐτοῦ θελήσει σφ. [B S om.] —  
 37 (38). 8. ἐταπεινώθη ἔως σφ. (2 a)  
 45 (46). 1. βοήθησεν ἐν δόξῃ αὐτοῖς εἰρούσας ἡμᾶς σφ. (2 a)  
 46 (47). 9. τοῦ θεοῦ οἱ κραταιοὶ τῆς γῆς σφ. ἐπύρηναν (2 a)  
 47 (48). 1. μέγας κύριος καὶ αἰνετός σφ. (2 a)  
 49 (50). 3. κύμα αὐτοῦ καταγίγισ σφ. (2 a)  
 77 (78). 29. ἐνεπλήσθησαν σφ. (2 a)  
 — 59. ἐξουδένωσε σφ. τὸν 'Ισραὴλ (2 a)  
 78 (79). 8. ἐπταχύναν σφ. (2 a)  
 91 (92). 5. σφ. ἐβαθύνθησαν [A B S<sup>1</sup> ἐβαρύνθ.] οἱ διαλογισμοὶ σου (2 a)  
 92 (93). 5. τὰ μαρτύρια σου ἐπιστάθησαν σφ. (2 a)  
 95 (96). 4. μέγας κύριος καὶ αἰνετός σφ. (2 a)  
 96 (97). 9. σφ. ὑπερνήθης ὑπὲρ [B ἐπὶ] πάντας τοὺς θεοὺς (2 a)  
 103 (104). 1. ἐμεγαλύνθη σφ. (2 a)  
 104 (105). 24. ἤβησε τὸν λαὸν αὐτοῦ σφ. (2 a)  
 106 (107). 38. ἐπληθύνθησαν σφ. (2 a)  
 108 (109). 30. ἐξομολογήσομαι τῷ κυρίῳ σφ. (2 a)  
 111 (112). 1. Α<sup>2</sup> S B ἐν ταῖς ἐντολαῖς αὐτοῦ θελήσει σφ. [A<sup>1</sup> om.] (2 a)  
 115. 1 (116. 10). ἐγὼ δὲ ἐταπεινώθη σφ. (2 a)  
 118 (119). 4. σὺ ἐνετείλω τὰς ἐντολάς σου φυλάσσειν σφ. (2 a)  
 — 8. μὴ με ἐγκαταλίπης ἔως σφ. (2 a)  
 — 43. μὴ περιέλθῃς ἐκ τοῦ στόματός μου λόγον ἀληθείας ἔως σφ. (2 a)  
 — 47. Α Β αἰς ἡγάπησα [S -σας] σφ. [S<sup>2</sup> om.] —  
 — 48. Α B<sup>1</sup> ἀς ἡγάπησα σφ. [B<sup>2</sup> S om.] —  
 — 51. Α Β ὑπερήφανοι παρηνύμουν ἔως σφ. (2 a)  
 — 96. πλάσει ἡ ἰσχύς σου σφ. (2 a)  
 — 107. ἐταπεινώθη ἔως σφ. (2 a)  
 — 138. ἐνετείλω δικαιοσύνην τὰ μαρτύριά σου καὶ ἀληθείαν σφ. (2 a)  
 — 140. πεπνυμένον τὸ λόγιόν σου σφ. (2 a)  
 — 156. S<sup>1</sup> οἱ οἰκτιρμοὶ σου πολλοὶ, κυριε, σφ. [A B<sup>2</sup> S om.] —  
 — 167. ἡγάπησεν αὐτὰ σφ. (2 a)  
 138 (139). 14. ἡ ψυχὴ μου γινώσκει σφ. (2 a)  
 141 (142). 6. ἐταπεινώθη σφ. (2 a)  
 144 (145). 3. μέγας δὲ κύριος καὶ αἰνετός σφ. (2 a)  
 Si. 1. 8. εἰς ἐστὶ σφόδρος φόβος σφ.  
 6. 20. ὡς τραχεία [B<sup>1</sup> ταχ.] ἐστὶ σφ. τοῖς ἀπαιδεύτοις  
 7. 17. ταπεινῶσαν σφ. τὴν ψυχὴν σου  
 11. 6. πολλοὶ δυνάσται ἡτιμώθησαν σφ.  
 17. 26. σφ. μίσρον βδελύγμα  
 25. 2. προσώχθισα σφ. τῇ ζωῇ αὐτῶν  
 39. 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα τὰ κατὰ σφ.  
 43. 11. σφ. ὥραϊον ἐν τῷ αἰγάζματι αὐτοῦ  
 — 29. φοβερός κύριος καὶ σφ. μέγας

- Si. 47. 24. ἐπληθύνθησαν αἱ ἀμαρτίαι αὐτῶν σφ.  
 51. 24. αἱ ψυχαὶ ὡμῶν διψῶσι σφ.  
 Jl. 2. 11. πολλή ἐστὶ σφ. ἡ παρεμβολὴ αὐ. (2 a)  
 — 11. μεγάλη ἡμέρα τοῦ κ. μεγάλη καὶ ἐπιφανής σφ. (2 a)  
 Ob. 1. 2. ἡτιμωμένοι σὺ εἰ σφ. (2 a)  
 Jn. 4. 4, 9. εἰ σφόδρα λελύπηται σὺ (1)  
 — 9. σφ. λελύπημαι ἐγὼ ἕως θανάτου (1)  
 Na. 2. 1 (2). ἀνδρῖσαι τῇ ἰσχύϊ σφ. (2 a)  
 Ze. 1. 14. ἐγγὺς ἡμέρα κ. ἡ μεγ. ἐγγὺς καὶ ταχεία σφ. (2 a)  
 Za. 9. 2. ἐφρόνησαν σφ. (2 a)  
 — 5. καὶ ὀδυνηθήσεται σφ. (2 a)  
 — 9. χαίρει σφ. (2 a)  
 14. 4. σχισθήσεται . . . χάος μέγα σφ. [A al.] (2 a)  
 — 14. συνάζει . . . ἱματισμὸν εἰς πλῆθος σφ. (2 a)  
 Is. 16. 6. ὑβριστὴς σφ. τὴν ὑπερηφανίαν ἐξήρα [A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> -as] (2 a)  
 31. 1. ἐφ' ἵπποις πλῆθος σφ. (2 a)  
 47. 6. τοῦ πρεσβυτέρου ἐβάρυνας τὸν ζυγὸν σφ. (2 a)  
 — 9. ἐν τῇ ἰσχύϊ τῶν ἐπασιδῶν σου σφ. (2 a)  
 52. 13. δοξασθήσεται σφ. (2 a)  
 64. 9 (8). μὴ ὀργίζου ἡμῖν σφ. (2 d)  
 — 12 (11). ἐταπεινώσας ἡμᾶς σφ. (2 d)  
 Je. 2. 10. νοήσατε σφ. (2 a)  
 — 12. ἐφρίξεν ἐπὶ πλείον σφ. (2 a)  
 — 36. κατεφρόνησας σφ. τοῦ δευτερώσαι τὰς ὁδοὺς σου (2 a)  
 9. 19 (18). κατησχύνθημεν σφ. (2 a)  
 14. 17. πλεῖν ὀδυνῶν σφ. (2 a)  
 18. 13. ἀ ἐποίησε σφ. πυρθέτους 'Ι. (2 a)  
 20. 11. ἡσχύνθησαν σφ. (2 a)  
 24. 2. ὁ κάλαθος ὁ εἰς σίκων χρηστῶν σφ. (2 a)  
 — 2. ὁ κάλαθος ὁ ἕτερος σίκων πονηρῶν σφ. (2 a)  
 27 (50). 12. ἡσχύνθη ἡ μήτηρ ὡμῶν σφ. (2 a)  
 31 (48). 16. πονηρία αὐτοῦ ταχεία σφ. (2 a)  
 — 29. Α ὕβρισε σφ. [B S λίαν] (2 a)  
 47 (40). 12. συνήγαγον οὖνον καὶ ὕδωρ πολλὴν σφ. (2 a)  
 La. 5. 22. ὠργίσθη ἐφ' ἡμᾶς ἔως σφ. (2 a)  
 Ez. 9. 9. ἀδικία . . . μεμεγαλύνεται σφ. σφ. (6)  
 16. 13. Α ἐγένου καλὴ σφ. σφ. [B om.] (6 [2 c])  
 20. 13. τὰ σάββατά μου ἐβελύχσαν σφ. (2 a)  
 26. 7. μετὰ . . . συναγωγῆς ἐθνῶν πολλῶν [A πολλῆς ἐ.] σφ. —  
 27. 25. ἐβαρύνθη σφ. (2 a)  
 37. 2. πολλὰ σφ. ἐπὶ προσώπου τοῦ πεδίου [A add. καὶ ἰδού] ξηρὰ σφ. (2 a, 2 a)  
 — 10. συναγωγὴ πολλή [A μεγάλη] σφ. (2 b)  
 40. 2. ἐθρή με ἐπ' ὄρος ὕψηλόν σφ. (2 a)  
 47. 7. δένδρα πολλὰ σφ. [A om.] ἔνθεν καὶ ἔνθεν (2 a)  
 — 9. ἔσται ἐκεῖ ἰχθύς πολὺς σφ. (2 a)  
 — 10. πλῆθος πολὺ σφ. (2 a)  
 Da. LXX. Su. 2. ἡ ὄνομα Σ. θυγ. Χ. καλὴ σφ.  
 — 4. ἦν 'Ι. πλούσιος σφ.  
 — 31. ἦν δὲ ἡ γυνὴ τρυφερὰ σφ. —  
 3. 31. ἦν ἡ εἰκὼν ἐκείνη μεγάλη σφ. —  
 3. (25). ὑποκυριεύτης τῆς καμίνου ὑπὸ τῶν Χ. σφ. —  
 4. 15. σφ. ἐθαύμασα ἐπὶ τοῖτοισ (4)  
 6. 14 (15). τότε ὁ βασις σφ. ἐλυπήθη (4)  
 7. 28. σφ. ἐκτάσει περιεχόμεν (4)  
 8. 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν κατισχυσε σφ. (2 d)  
 11. 25. ἐν ὄχλῳ ἰσχυρῷ σφ. λίαν (7)  
 Bel 18. ἐγέλασε Δαν. σφ.  
 Da. TH. Su. 2. ἡ ὄνομα Σουσ. θυγ. Χελκ. καλὴ σφ.  
 — 4. ἦν 'Ι. πλούσιος σφ.  
 — 27. κατησχύνθησαν οἱ δοῦλοι σφ.  
 — 31. ἡ δὲ Σουσ. ἦν τρυφερὰ σφ.  
 8. 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν ἐμεγαλύνθη ἔως σφ. (2 a)  
 11. 25. ἐν δυνάμει μεγάλη καὶ ἰσχυρὰ σφ. (2 d)  
 Bel 30. ἐπείγουσιν αὐτὸν σφ.  
 I Ma. 1. 4. συνηξὶ δυνάμιν ἰσχυρὰν σφ.  
 — 64. ἐγένετο ὄργη μεγάλη ἐπὶ 'Ισρ. σφ.  
 2. 14. καὶ ἐπέπλησαν σφ.  
 — 39. Α Β ἐπέπλησαν ἐπ' αὐτοὺς ἔως σφ. [S al.]  
 3. 27. Α B<sup>2</sup> B παρεμβολὴν ἰσχυρὰν σφ.  
 — 31. ἡπορείτο τῇ ψυχῇ αὐ. σφ.  
 — 41. ἐλυθον . . . χρυσὸν πολὺ σφ.  
 4. 21. ἐδεικώθησαν σφ.  
 — 58. ἐγενήθη εὐφροσύνη μεγάλη ἐν τῷ λαῷ σφ.  
 5. 1. Α ὠργίσθη [S B -ησαν] σφ.  
 — 38. ἐπισυνηγμένοι εἰσὶ . . . δυνάμιν πολλή σφ.  
 — 45. συνηγγεν . . . παρεμβολὴν μεγάλην σφ.  
 — 46. αὐτὴ ἡ πόλις μεγάλη . . . ὀχυρὰ σφ.

I Ma. 6. 63. ἰδοῦσθσαν σφ. ἰναντίον παντός ἴσρ.  
6. 2. καὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐν αὐτῇ πλοῦσιον σφ.  
— 8. καὶ ἐσάλειψθ. σφ.  
— 41. ἦν γὰρ ἡ παρεμβολὴ μεγάλη σφ.  
7. 48. ἡφράνθη ὁ λαὸς σφ.  
8. 4. καὶ ὁ τόπος ἦν μακρὰν ἀπέχων ἀπ' αὐτῶν σφ.  
— 6. ἔχοντα . . . δύναμιον πολλὴν σφ.  
— 13. καὶ ὑψώθησαν σφ.  
— 19. καὶ ἡ ὁδὸς πολλὴ σφ.  
9. 6. καὶ ἐφοβήθησαν σφ.  
— 22. πολλὰ γὰρ ἦν σφόδρα  
— 24. ἐγενήθη λιμὴς μεγάλη σφ.  
— 68. ἔθλιβον αὐτὸν σφ.  
10. 2. συνήγαγε δυνάμεις πολλὰς σφ.  
— 46. ἔθλιψεν αὐτούς σφ.  
— 50. ἐστερίωσε τὸν πόλεμον σφ.  
— 68. καὶ ἐλυπήθη σφ.  
11. 53. ἔθλιβεν αὐτὸν σφ.  
12. 52. καὶ ἐφοβήθησαν σφ.  
13. 22. ἦν χιὼν πολλὴ σφ.  
— 49. καὶ ἐπείνασαν σφ.  
14. 16. ἐλυπήθησαν σφ.  
16. 7. ἡ δὲ ἔκπτος τῶν ὑπεραντίων πολλὴ σφ.  
— 22. ἐξίστη σφ.

II Ma. 3. 11. σφ. ἀνδρὸς ἐν ὑπεροχῇ κειμένου

14. 37. καὶ σφόδρα καλῶς ἀκούων

III Ma. 5. 51. ἀνέβησαν φωνὴν μεγάλην σφ.

IV Ma. 3. 8. ἰδρῶν καὶ σφ. κεκμηκός

8. 2. σφ. περιπαθεῖς ἐκένυσεν ἄλλους . . . ἀγαγεῖν  
[Aq. Gk. 1. 31: 4. 5: Nu. 12. 3: Jo. 1. 7: I Ki. 31. 3: II Ki. 2. 17: IV Ki. 10. 4: Jb. 1. 3: Ps. 6. 11: 45 (46): 2: 46 (47): 10: 49 (50): 3: Is. 56. 12: Jc. 49. 30 (30. 8): 50 (27): 12 (Sw.): Ez. 37. 10 (Sw.): 10 (P.).]

[Sm. Gk. 1. 31: Nu. 12. 3: Jo. 1. 7: I Ki. 31. 3: II Ki. 2. 17: Jb. 1. 3: 85. 15: Ps. 6. 11: 45 (46): 2: 77 (78): 29, 59: 78 (79): 8: 91 (92): 6: 103 (104): 1: 115. 1 (116. 10): 118 (119): 96: 141 (142): 7: Is. 16. 6: Jc. 48 (31): 29: 49. 30 (30. 8): 50 (27): 12 (Sw.): Ez. 37. 10 (Sw.): 10 (P.).]

[Th. Nu. 12. 3: Jo. 1. 7: I Ki. 31. 3: IV Ki. 10. 4: Jb. 35. 15: Ps. 6. 11: 49 (50): 3: Is. 56. 12: Jc. 50 (27): 12 (Sw.): Ez. 37. 10 (Sw.): 10 (P.).]

[AL. I Ki. 18. 8.]

[Sept. Ps. 49 (50): 3.]

[Hebr. Gk. 18. 2.]

σφοδρός. (1) 𐤔𐤓𐤕 (2) 𐤔𐤓𐤕𐤓 (3) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Ex. 10. 19. μετίβαλε κύριος ἵπμον ἀπὸ θαλάσσης σφοδρόν

15. 10. ἔδωσαν ὡσεὶ μόλις ἐν ὕδατι σφ.

Ne. 9. 11. ὡσεὶ λίθον ἐν ὕδατι σφ.

Wi. 18. 5. ἐπώλεσαν ἐν ὕδατι σφ.  
[AL. Gk. 41. 31.]

σφοδρῶς (σφοδρότερον). (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Ge. 7. 19. Ἀ τὸ δι ὕδωρ ἐπεκράτει σφόδρα σφ.  
[B -ra]

Jo. 3. 16. ἔστι πηγὴ ἐν ἀφίστερκος μακρὰν σφόδρα [A<sup>1</sup> om.] σφ. [A<sup>2</sup> om.]

Si. 13. 13. συντήρησον καὶ πρόσχε σφ.

IV Ma. 5. 32. τὸ πῦρ ἐκφύσα σφοδρότερον

6. 11. καὶ ἐπασθμαῖνον σφ.

13. 22. ἀξιώσαν σφοδρότερον διὰ συντροφίας σφόνδυλος. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Le. 5. 8. ἀποκρίσει ὁ ἰ. τὴν κ. αὐ. ἀπὸ τοῦ σφ. (1)

IV Ma. 10. 8. Ἀ β. ἐκ σφονδύλων [S σπονδ.] ἐκμελίζομαι

σφραγίζειν. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 a. qal. δ. ni. c. pi.

d. 𐤔𐤓𐤕 (2) 𐤔𐤓𐤕𐤓 (3) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 hi.

De. 32. 34. καὶ ἐσφράγισται ἐν τοῖς θησαυροῖς μου

III Ki. 20 (21). 8. ἐσφραγίστο τῇ σφραγιδί αὐ. (1 a)

IV Ki. 22. 4. σφράγισον τὸ ἀργύριον

I Es. 8. 2. γράψαντες ἑκάστος τὸν ἑαυτοῦ λόγον ἐσφραγίσαντο

Jb. 14. 17. ἐσφράγισας δέ μου τὰς ἀνομίας [A τὰ ἀμαρτήματα, B τὰς ἀμαρτίας] ἐν βαλαντίῳ

24. 16. ἡμέρας ἐσφράγισαν ἑαυτούς

Ca. 4. 12. κήπος κεκλεισμένος πηγὴ ἐσφραγισμ.

Is. 8. 16. φανεροὶ ἔσονται οἱ σφραγίζοντες [S ἐσφραγισμ.] τὸν νόμον

29. 11. ὡς οἱ λόγοι τοῦ βιβλίου τοῦ ἐσφραγισμένου τούτου

— 11. οὐ δύναμαι ἀναγνῶναι ἐσφράγισται γὰρ

Jc. 39 (32). 10. ἐσφραγισμένη [A B διεσφρ.] καὶ διεμαρτυρήσῃ μάρτυρας

— 11. ἔλαβον τὸ βιβλίον τῆς κτήσεως τὸ ἐσφραγισμένον

— 25. ἐσφραγισμένη καὶ ἐπεμαρτυρήσῃ μάρτυρας

— 44. γράψεις βιβλίον καὶ σφραγίσῃ

Da. LXX. 6. 17 (18). καὶ ἐσφραγίσαστο ὁ βασι.

12. 4. σφράγισαι τὸ βιβλίον

— 9. ἐσφραγισμένα τὰ προστάγματα

Bel 13. καὶ τότε σφραγισάμενος τὸν ναὸν ἐκέλευσε σφραγίσαι τῷ τοῦ βασι. δακτυλίῳ

Da. TH. 6. 17 (18). καὶ ἐσφραγίσαστο ὁ βασι. (1 d)

8. 26. σφράγισον τὴν δρασην

9. 24. τοῦ σφραγισαίου ἀμαρτίας [A δρασην. d.] (1 a\*, 9)

— 24. τοῦ σφραγισαίου δρασην

12. 4. σφράγισον τὸ βιβλίον [A τοὺς λόγους] (1 a)

— 9. ἐσφραγισμένοι οἱ λόγοι

Bel 11. καὶ σφράγισον τὸ δακτυλίδιον σου

— 14. καὶ ἐσφραγίσαντο ἐν [A -σαν] τῷ δακτυλίῳ τοῦ βασι.

[Aq. Lk. 15. 3: Is. 8. 16: Jc. 32 (39) 44.]

[Sm. Is. 8. 16: Jc. 32 (39) 44.]

[Th. Lk. 15. 3: Jb. 24. 16: Da. 9. 24 dis.]

[Heb. Ex. 4. 26.]

[AL. Da. 8. 23.]

σφραγίς. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 (2) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 (3) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Ex. 28. 11. γλύμμα σφραγίδος διαγλύψεις τοὺς δύο λίθους

— 21. γλυφαὶ σφραγίδων . . . ἔστησαν εἰς δέκα δύο φυλάς

— 32 (36). ἐκτύπώσεις ἐν αὐτῷ ἐκτύπωμα σφραγίδος

35. 22. ἤνεγκαν σφραγίδας

36. 13 (39. 6). ἐκεκολλημένους ἐκκόλαμμα σφραγίδος

— 21 (39. 14). ἐγγεγραμμένα εἰς σφραγίδας [A al.]

— 39 (39. 30). γράμματα ἐκτετυπωμένα σφραγίδος [A al.]

III Ki. 20 (21). 8. ἐσφραγίστο τῇ σφρ. αὐ.

To. 9. 5. προήνεγκε τὰ θυλάκια ἐν ταῖς σφρ. [S al.]

Ca. 8. 6. θές με ὡς σφραγίδα ἐπὶ τὴν καρδίαν σου ὡς σφραγίδα ἐπὶ τὸν βραχίονά σου

Si. 17. 22. ἐλημοσύνη ἀνδρὸς ὡς σφραγίς μετ' αὐτοῦ

22. 27. ἐπὶ τὴν χεῖράν μου σφραγίδα πανούργου [A B -ω]

85 (32). 5. σφραγίς ἀνθρακος ἐπὶ κόσμῳ χρυσῷ

— 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσῷ σφραγίς σμαράγδου

38. 27. οἱ γλύφοντες γλύμματα [S<sup>1</sup> γράμματα] σφραγίδων

42. 6. ἐπὶ γυναικὶ πονηρᾷ καλὸν σφραγίς

45. 11. λίθοις πολυτελεῖσι γλύμματος σφραγίδος

— 12. ἐκτύπωμα σφραγίδος ἀγιόσματος

49. 11. αὐτὸς ὡς σφραγίς ἐπὶ δεξιᾷ χειρὸς

Hg. 2. 24 (23). θήσομαι σε ὡς [A εἰς] σφραγίδα (1)

Da. LXX. Bel 15. ἐπιθέσει τὰς σφρ. ὑμῶν

— 16. εὐρὸν ὡς ἦν ἡ σφρ.

— 16. ἀπ' ἐλπίαν τὴν σφρ.

Da. TH. Bel 17. σφρ. [A -αι] αἱ σφρ., Δαν.

IV Ma. 7. 15. ὃν πιστὴ θανάτου σφρ. ἐτελείωσεν

[Aq. Gk. 38. 18: Jb. 41. 7: Jc. 22. 24: Ez. 28. 12.]

[Sm. Jb. 24. 16: Ca. 8. 6: Jc. 22. 24.]

[Th. Jc. 22. 24.]

σφύρα. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 (2) a. 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 δ. 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

(3) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Jd. 4. 21. ἔθηκε τὴν σφ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (2 b)

5. 26. καὶ δεξιὰν αὐ. εἰς σφύραν κοπιώντων [A al.]

III Ki. 6. 7. σφύρα . . . οὐκ ἠκούσθη ἐν τῷ οἴκῳ (2 a)

Si. 38. 28. φωνὴ σφύρης καινιεῖ [A καινιεῖ] τὸ οὖς αὐτοῦ

Is. 41. 7. χαλκεὺς τύπων σφύρη [S<sup>1</sup> -q] (8)

Jc. 10. 4. ἀργυρίῳ καὶ χρυσῷ κεκαλλωπισμένα ἐν σφύραις

27 (50). 23. συνετριβή ἡ σφ. πάσης τῆς γῆς (8)

[Aq. Jd. 5. 26: Jb. 41. 21: Is. 41. 7: 44. 12.]

[Sm. Is. 41. 7.]

[Th. Jb. 41. 21.]

σφυρεύς. [AL. III Ki. 7. 14 (2).]

σφυροκοπεῖν. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Jd. 5. 26. καὶ ἐσφυροκόπησε [A ἀπέτεμε] Σισ. (1)

[Aq. Jd. 5. 26.]

σφυροκοπία. [Sm. Pr. 19. 29.]

σφυροκόπος. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Ge. 4. 22. ἦν σφυροκόπος χαλκεὺς χαλκοῦ (1)

[Th. Is. 41. 7.]

σφυρόν. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Jb. 41. 20 (21). ὡς καλὰ μὲν ἐλογίσθησαν σφυρά [S<sup>2</sup> -άν, S<sup>3</sup> -αί] (1)

σφυρωτήρ, ὑψ. σφαιρωτήρ.

σχάζειν. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Am. 3. 5. εἰ σχασθήσεται [A<sup>1</sup> χασθ.] παγὶς ἐπὶ τῆς γῆς

σχέδια. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 (2) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

III Ki. 5. 9 (23). θήσομαι αὐτὰ σχέδιας (1)

II Ch. 2. 16 (15). ἀξίωσαν αὐτὰ σχέδιας (2)

I Es. 5. 55. διαφείρειν σχέδιας εἰς τὸν ἴσπην λιμένα

Wi. 14. 5. διελθόντες κλύδωνα σχέδια διεσώθησαν

— 6. ἡ ἐλπίς τοῦ κόσμου ἐπὶ σχέδιας καταφυγούσα

III Ma. 4. 11. τούτων δὲ ἐπὶ τὴν λεγομένην σχ. ἀχθέντων

σχεδιάζειν.

Ba. 1. 19. ἐσχεδιάζομεν [A -άσαμεν] πρὸς τὸ μὴ ἀκούειν τῆς φωνῆς αὐτοῦ

σχεδόν. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

II Ma. 5. 2. σχ. ἐφ' ἡμέρας τεσσαράκοντα

III Ma. 5. 14. μεσούσης δὲ ἡδὴ δεκάτης ὥρας σχ.

— 45. τὰ θηρία σχ. . . εἰς κατὰστημα μανιώδες ἀγροχῶς

σχετλιάζειν.

IV Ma. 3. 12. ἐπὶ τῇ τοῦ βασι. ἐπιθυμίᾳ σχετλιαζόντων

4. 7. Ἀ β. τοῦ ἔθνους πρὸς τὸν λόγον σχετλιάσαντος [S -όντας]

[Sm. Ez. 6. 11.]

σχετίλος.

II Ma. 15. 5. ἐπιτελείσαι τὸ σχ. αὐτοῦ βούλημα

σχήμα. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Is. 3. 17. κύριος ἀνακαλύψει [A ἀποκ.] τὸ σχ. αὐτῶν

σχίδαξ. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

III Ki. 18. 33. ἐστίβασε τὰς σχ.

— 33. B ἐπέθηκε τὰς [A B ἐπὶ τὰς] σχ.

— 33 (34). ἐπιχέετε . . . ἐπὶ τὰς σχ.

— 38. κατέφαγε . . . τὰς σχ.

σχίλα. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 (2) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

I Ki. 20. 20. τρισσεύσω ταῖς σχ. ἀκονίζων

— 21. Ἀ β. εὐρέ μοι τὴν σχ. [B γούαν]

— 22 (21). ὦδε ἡ σχ. ἀπὸ σοῦ καὶ ὦδε

— 22. ὦδε ἡ σχ. ἀπὸ σοῦ καὶ ἐπέκεινα

— 36. εὐρέ μοι τὰς σχ.

— 36. ἠκόντιζε τῇ σχ. [A -ει]

— 37. ἦλθε τὸ παιδάριον ἕως τοῦ τόπου τῆς σχ.

— 37. ἐκεί ἡ σχ. ἀπὸ σοῦ καὶ ἐπέκεινα

— 38. ἀνέλεξε τὸ παιδάριον τὰς σχ.

— 38. Ἀ B<sup>2</sup> B καὶ ἤνεγκε τὰς σχ.

I Ma. 10. 80. ἐξετίναξαν τὰς σχ. εἰς τὸν λαόν

σχίλειν. (1) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕 a. qal. δ. ni. c. pi.

(2) 𐤔𐤓𐤕𐤓𐤕

Ge. 22. 3. σχίσας ξύλα

Ex. 14. 21. ἐσχίσθη [A διεσχ.] τὸ ὕδωρ

I Ki. 6. 14. σχίζουσι τὰ ξύλα τῆς ἀμάξης

Ec. 10. 9. σχίζων ἔϋλα κινδυνεύσει [B -εύει] ἐν αὐτοῖς (1a)  
 Wi. 5. 11. πνεύμα . . . σχίζόμενον βιά ῥοίζου κινουμένων περὶ γῶν (1a)  
 Za. 14. 4. σχισθήσεται τὸ ὄρος τῶν ἑλαιῶν (1b)  
 Is. 36. 22. εἰσῆλθεν Ἐλιακὴμ . . . καὶ Σομνάς . . . ἐσχισμένοι τοὺς χιτῶνας (2)  
 37. 1. ἔσχισε τὰ ἱμάτια (2)  
 48. 21. σχισθήσεται πέτρα (1a)  
 Da. LXX. Su. 55. σχίσει σου τὴν ψυχὴν σήμερον (1a)  
 Da. TH. Su. 55. σχίσει σε μέσον (1a)  
 I Ma. 6. 45. ἐσχίζοντο ἀπ' αὐτοῦ ἔνθα καὶ ἔνθα [Aq. Ps. 77 (78). 15; Is. 59. 5 bis; 63. 12; Ez. 13. 13.]  
 [Sm. Ez. 13. 13.]  
 [Th. Is. 19. 3.]  
 [Al. Ex. 14. 16.]

**σχῖνος.**

Da. LXX. Su. 54. ἔπειν ὁ ἀσέβης, ἔπιν ὁ σχῖνος  
 Da. TH. Su. 54. ὁ δὲ εἶπεν, ἔπιν σχῖνον  
 [Th. Da. 13. 54.]

**σχινμή.**

(1) ἡ'ν'ν' (2) ἡ'ν'ν' (3) ἡ'ν'ν'  
 Jn. 2. 7. ἔδω ἡ κεφαλὴ μου εἰς σχισμὰς ὁρέων (3)  
 Is. 2. 19. εἰς τὰ σπήλαια καὶ εἰς τὰς σχ. τῶν πετρῶν (1)  
 — 21. τοῦ εἰσελθεῖν . . . εἰς τὰς σχ. τῶν πετρῶν (2)

**σχιστός.**

(1) ῥ'ν'ν'  
 Is. 19. 9. ἀσχύνη λήφεται τοὺς ἐργαζομένους τὸ λῖνον τὸ σχ. (1)

**σχουῖον.**

(1) ῥ'ν'ν' (2) ῥ'ν'ν' (3) ῥ'ν'ν'

**σχουῖα.**

II Ki. 8. 2. διεμέρησαν αὐτοὺς ἐν σχουῖοις (1)  
 17. 13. λήφεται πᾶς ἴσρ. . . σχουῖα (1)  
 III Ki. 21 (20). 31. ἐπιθάμβηα δὴ . . . σχουῖα ἐπὶ τὰς κεφ. ἡμῶν (1)  
 — 32. ἔθωσαν σχουῖα ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. (1)  
 Es. 1. 6. τεταμένους [B' τεταμ.] ἐπὶ σχ. θυσιῶν (1)

Jb. 18. 10. κέκρυπται ἐν τῇ γῇ σχουῖον [B' τὸ σχ.] αὐτοῦ (1)

36. 8. συσχεθίσονται ἐν σχουῖοις [B' -φ] πενίας (1)

40. 12 (17). A τὰ δὲ νεῖρα αὐτοῦ ὥσπερ σχουῖα [B σχ. om. ὥσπερ σχ.] συμπεπλεκται + (1)

Ps. 15 (16). 6. σχουῖα ἐπέπεσαν μοι ἐν τοῖς κρατίστοις (1)

77 (78). 55. ἐκληροδότησεν αὐτοὺς ἐν σχουῖν κληροδοσίας (1)

118 (119). 61. σχουῖα ἄμαρτων περιεπλάκησάν μοι (1)

139 (140). 5. σχουῖα διέτειναν παγίδας τοῖς ποσὶ μου (1)

Ec. 12. 6. ὥς δέου μὴ [B om.] ἀνατραπῇ τὸ [AB om.] σχ. τοῦ ἀργύρου (1)

Am. 2. 8. τὰ ἱμάτια αὐ. δεσμεύουσιν σχουῖοις 7. 17. ἡ γῇ σου ἐν σχουῖν καταμετρηθήσεται (1)

Mi. 2. 4. μερὶς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν σχουῖν + (1)

— 5. οὐκ ἔσται σου βῆλλον σχουῖον (1)

Za. 2. 1 (5). ἐν τῇ χειρὶ αὐ. σχ. γεωμετρικῶν (1)

Is. 3. 24. ἀπὶ ζωνῆς σχουῖν [B -ιον] ζώση (2)

5. 18. οὐαὶ οἱ ἐπισπώμενοι τὰς ἀμαρτίας ὡς σχουῖν μακρῶν (1)

33. 20. οὐδὲ τὰ σχ. αὐτῆς οὐ μὴ διαρραγῶσιν (1)

— 23. ἐρράγησαν τὰ σχ. σου (1)

Je. 45 (38). 11. ἔλαβεν ἐκείθεν παλαιὰ ῥάκη καὶ παλαιὰ σχουῖα (8 ?)

— 12. ταῦτα θίς ὑποκάτω τῶν σχ. (1)

— 13. ἐλκυσαν αὐτὸν [A add. ἐν] τοῖς σχ. (1)

Ep. Je. 43. αὶ δὲ γυναῖκες περιθέμεναι σχουῖα . . . οὐτὸ τὸ σχ. αὐτῆς διεκράνη (1)

Ez. 27. 24. θησαυροὺς ἐκλεκτοὺς δεδεμένους σχουῖοις (1)

[Aq. Jo. 2. 15; Pr. 5. 22; Je. 10. 20; 38 (45). 6.]

[Sm. Jo. 2. 15; II Ki. 8. 2 bis; Jb. 12. 18; 38. 5; Ez. 12. 6; Is. 5. 18; 33. 23; Je. 38 (45). 6, 12.]

[Th. Jo. 2. 15; Je. 38 (45). 6 (Sw.), 11.]

**σχουῖσμα.**

(1) ῥ'ν'ν' (2) ῥ'ν'ν' (3) ῥ'ν'ν'

De. 32. 9. σχουῖσμα κληρονομίας αὐ. ἴσρ. (1a)

Jo. 17. 14. διὰ τὴν κληρονομίαν ἡμῶν . . . σχ. ἐν (1a)

19. 29. A ἔσται ἡ διεξόδος αὐ. ἡ θάλασσα καὶ ἀπὸ τοῦ σχ. [B al.] (1a)

II Ki. 8. 2. B τὰ δύο σχουῖνματα τοῦ θανατῶσαι (1a)

— 2. τὰ δύο σχουῖνματα ἐξώγησεν (1a)

III Ki. 4. 13. τοῦφ σχουῖνμα ἔρ. (1a)

I Ch. 16. 18. σχουῖσμα κληρονομίας ὑμῶν (1a)

Ps. 104 (105). 11. σχουῖσμα κληρονομίας ὑμῶν (1a)

Ze. 2. 5. οὐαὶ οἱ κατοικοῦντες τὸ σχ. τῆς θαλ. (1a)

— 7. ἔσται τὸ σχ. τῆς θαλ. τοῖς καταλοιποῖς οἰκον. ἱ. (1a)

Za. 11. 7. τὴν ἑτέραν ἐκάλεσα σχουῖσμα (1b)

— 14. ἀπέρριψα τὴν ῥάβδον τὴν δευτ. τὸ σχ. (1b)

Is. 54. 2. μακρυνον τὰ σχ. σου (2)

Ez. 47. 13. ταῖς δώδεκα φυλαῖς . . . πρόσθεσις σχουῖνματος (1a)

[Aq. Dt. 8. 4; Ze. 2. 6; Za. 11. 7.]

[Sm. I Ki. 10. 5; II Ki. 11. 7.]

[Th. Dt. 8. 4; Jo. 2. 15.]

[Al. I Ki. 10. 10.]

**σχουῖνός.**

(1) ῥ'ν'ν'

Jo. 17. 5. ἔπεισεν ὁ σχ. αὐ. ἀπὸ Ἁ. (1)

**σχουῖος.**

(1) ῥ'ν'ν' (2) ῥ'ν'ν' (3) ῥ'ν'ν'

Ps. 188 (189). 3. τὴν σχ. μου ἐξιχνίασας + (1)

Mi. 6. 5. τί ἀπεκρίθη αὐτῷ Βαλ. . . ἀπὸ τῶν σχ. + (1)

Jl. 3 (4). 18. ποιεῖ τὸν χειμάρρον τῶν σχ. + (1)

Je. 8. 8. εἰς μάτην ἐγενήθη σχ. ψευδὲς γραμματεῖων (1)

18. 15. ἀσθενήσουσιν ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν σχουῖος αἰωνίους (2 a\*, 2 b)

II Ma. 11. 5. ἱεροσολύμων δὲ ἀπέχοντι ὥστε σχουῖος πέντε (1)

[Aq. Ps. 44 (45). 2.]

**σχολάζειν.**

(1) ῥ'ν'ν' a. ni. δ. hi.

Ex. 5. 8. σχολάζουσι γὰρ (1a)

— 17. σχολάζετε σχολασαί ἐσθε (1a)

Ps. 45 (46). 10. σχολάσατε καὶ γνῶτε (1b)

[Aq. Pr. 19. 27; Ma. 8. 1.]

[Sm. II Ki. 8. 18; II Ch. 31. 11; Pr. 19. 27; Is. 57. 14; Ma. 8. 1.]

[Th. Jb. 6. 28; Pr. 19. 27.]

**σχολαστής.**

(1) ῥ'ν'ν' ni.

Ex. 5. 17. σχολάζετε σχολασαί ἐσθε (1)

σχολή. (1) κατὰ σχολήν ἔσθ' (1)

Ge. 33. 14. ἐνισχύσω ἐν τῇ ὁδῷ κατὰ σχολήν τῆς πορεύσεως (1)

Pr. 28. 19. ὁ δὲ δίκων σχολήν πλησθήσεται πενίας + (1)

Si. 38. 24. σοφία γραμματέως ἐν εὐκαιρίᾳ σχολῆς + (1)

**σώζειν.**

(1) ῥ'ν'ν' (2) ῥ'ν'ν' a. gal. δ. pi.

c. hi. (3) ῥ'ν'ν' (4) ῥ'ν'ν' (5) ῥ'ν'ν' a. ni. δ. hi.

c. ῥ'ν'ν' d. ῥ'ν'ν' e. ῥ'ν'ν' f. ῥ'ν'ν' (1)

(6) ῥ'ν'ν' a. ni. δ. pi. c. hi. (7) ῥ'ν'ν' a. ni. δ. pi. c. hi. (8) ῥ'ν'ν' (9) ῥ'ν'ν' a. gal. δ. ni. (10) ῥ'ν'ν' a. pi. δ. ῥ'ν'ν' c. ῥ'ν'ν' (1)

d. ῥ'ν'ν' e. ῥ'ν'ν' (11) ῥ'ν'ν' (12) ῥ'ν'ν' (13) ῥ'ν'ν' (14) ῥ'ν'ν' (15) ῥ'ν'ν' (16) ῥ'ν'ν' (17) ῥ'ν'ν' (18) ῥ'ν'ν' (19) ῥ'ν'ν' (20) ῥ'ν'ν' (21) ῥ'ν'ν' (22) ῥ'ν'ν' (23) ῥ'ν'ν' (24) ῥ'ν'ν' (25) ῥ'ν'ν' (26) ῥ'ν'ν' (27) ῥ'ν'ν' (28) ῥ'ν'ν' (29) ῥ'ν'ν' (30) ῥ'ν'ν' (31) ῥ'ν'ν' (32) ῥ'ν'ν' (33) ῥ'ν'ν' (34) ῥ'ν'ν' (35) ῥ'ν'ν' (36) ῥ'ν'ν' (37) ῥ'ν'ν' (38) ῥ'ν'ν' (39) ῥ'ν'ν' (40) ῥ'ν'ν' (41) ῥ'ν'ν' (42) ῥ'ν'ν' (43) ῥ'ν'ν' (44) ῥ'ν'ν' (45) ῥ'ν'ν' (46) ῥ'ν'ν' (47) ῥ'ν'ν' (48) ῥ'ν'ν' (49) ῥ'ν'ν' (50) ῥ'ν'ν' (51) ῥ'ν'ν' (52) ῥ'ν'ν' (53) ῥ'ν'ν' (54) ῥ'ν'ν' (55) ῥ'ν'ν' (56) ῥ'ν'ν' (57) ῥ'ν'ν' (58) ῥ'ν'ν' (59) ῥ'ν'ν' (60) ῥ'ν'ν' (61) ῥ'ν'ν' (62) ῥ'ν'ν' (63) ῥ'ν'ν' (64) ῥ'ν'ν' (65) ῥ'ν'ν' (66) ῥ'ν'ν' (67) ῥ'ν'ν' (68) ῥ'ν'ν' (69) ῥ'ν'ν' (70) ῥ'ν'ν' (71) ῥ'ν'ν' (72) ῥ'ν'ν' (73) ῥ'ν'ν' (74) ῥ'ν'ν' (75) ῥ'ν'ν' (76) ῥ'ν'ν' (77) ῥ'ν'ν' (78) ῥ'ν'ν' (79) ῥ'ν'ν' (80) ῥ'ν'ν' (81) ῥ'ν'ν' (82) ῥ'ν'ν' (83) ῥ'ν'ν' (84) ῥ'ν'ν' (85) ῥ'ν'ν' (86) ῥ'ν'ν' (87) ῥ'ν'ν' (88) ῥ'ν'ν' (89) ῥ'ν'ν' (90) ῥ'ν'ν' (91) ῥ'ν'ν' (92) ῥ'ν'ν' (93) ῥ'ν'ν' (94) ῥ'ν'ν' (95) ῥ'ν'ν' (96) ῥ'ν'ν' (97) ῥ'ν'ν' (98) ῥ'ν'ν' (99) ῥ'ν'ν' (100) ῥ'ν'ν' (101) ῥ'ν'ν' (102) ῥ'ν'ν' (103) ῥ'ν'ν' (104) ῥ'ν'ν' (105) ῥ'ν'ν' (106) ῥ'ν'ν' (107) ῥ'ν'ν' (108) ῥ'ν'ν' (109) ῥ'ν'ν' (110) ῥ'ν'ν' (111) ῥ'ν'ν' (112) ῥ'ν'ν' (113) ῥ'ν'ν' (114) ῥ'ν'ν' (115) ῥ'ν'ν' (116) ῥ'ν'ν' (117) ῥ'ν'ν' (118) ῥ'ν'ν' (119) ῥ'ν'ν' (120) ῥ'ν'ν' (121) ῥ'ν'ν' (122) ῥ'ν'ν' (123) ῥ'ν'ν' (124) ῥ'ν'ν' (125) ῥ'ν'ν' (126) ῥ'ν'ν' (127) ῥ'ν'ν' (128) ῥ'ν'ν' (129) ῥ'ν'ν' (130) ῥ'ν'ν' (131) ῥ'ν'ν' (132) ῥ'ν'ν' (133) ῥ'ν'ν' (134) ῥ'ν'ν' (135) ῥ'ν'ν' (136) ῥ'ν'ν' (137) ῥ'ν'ν' (138) ῥ'ν'ν' (139) ῥ'ν'ν' (140) ῥ'ν'ν' (141) ῥ'ν'ν' (142) ῥ'ν'ν' (143) ῥ'ν'ν' (144) ῥ'ν'ν' (145) ῥ'ν'ν' (146) ῥ'ν'ν' (147) ῥ'ν'ν' (148) ῥ'ν'ν' (149) ῥ'ν'ν' (150) ῥ'ν'ν' (151) ῥ'ν'ν' (152) ῥ'ν'ν' (153) ῥ'ν'ν' (154) ῥ'ν'ν' (155) ῥ'ν'ν' (156) ῥ'ν'ν' (157) ῥ'ν'ν' (158) ῥ'ν'ν' (159) ῥ'ν'ν' (160) ῥ'ν'ν' (161) ῥ'ν'ν' (162) ῥ'ν'ν' (163) ῥ'ν'ν' (164) ῥ'ν'ν' (165) ῥ'ν'ν' (166) ῥ'ν'ν' (167) ῥ'ν'ν' (168) ῥ'ν'ν' (169) ῥ'ν'ν' (170) ῥ'ν'ν' (171) ῥ'ν'ν' (172) ῥ'ν'ν' (173) ῥ'ν'ν' (174) ῥ'ν'ν' (175) ῥ'ν'ν' (176) ῥ'ν'ν' (177) ῥ'ν'ν' (178) ῥ'ν'ν' (179) ῥ'ν'ν' (180) ῥ'ν'ν' (181) ῥ'ν'ν' (182) ῥ'ν'ν' (183) ῥ'ν'ν' (184) ῥ'ν'ν' (185) ῥ'ν'ν' (186) ῥ'ν'ν' (187) ῥ'ν'ν' (188) ῥ'ν'ν' (189) ῥ'ν'ν' (190) ῥ'ν'ν' (191) ῥ'ν'ν' (192) ῥ'ν'ν' (193) ῥ'ν'ν' (194) ῥ'ν'ν' (195) ῥ'ν'ν' (196) ῥ'ν'ν' (197) ῥ'ν'ν' (198) ῥ'ν'ν' (199) ῥ'ν'ν' (200) ῥ'ν'ν' (201) ῥ'ν'ν' (202) ῥ'ν'ν' (203) ῥ'ν'ν' (204) ῥ'ν'ν' (205) ῥ'ν'ν' (206) ῥ'ν'ν' (207) ῥ'ν'ν' (208) ῥ'ν'ν' (209) ῥ'ν'ν' (210) ῥ'ν'ν' (211) ῥ'ν'ν' (212) ῥ'ν'ν' (213) ῥ'ν'ν' (214) ῥ'ν'ν' (215) ῥ'ν'ν' (216) ῥ'ν'ν' (217) ῥ'ν'ν' (218) ῥ'ν'ν' (219) ῥ'ν'ν' (220) ῥ'ν'ν' (221) ῥ'ν'ν' (222) ῥ'ν'ν' (223) ῥ'ν'ν' (224) ῥ'ν'ν' (225) ῥ'ν'ν' (226) ῥ'ν'ν' (227) ῥ'ν'ν' (228) ῥ'ν'ν' (229) ῥ'ν'ν' (230) ῥ'ν'ν' (231) ῥ'ν'ν' (232) ῥ'ν'ν' (233) ῥ'ν'ν' (234) ῥ'ν'ν' (235) ῥ'ν'ν' (236) ῥ'ν'ν' (237) ῥ'ν'ν' (238) ῥ'ν'ν' (239) ῥ'ν'ν' (240) ῥ'ν'ν' (241) ῥ'ν'ν' (242) ῥ'ν'ν' (243) ῥ'ν'ν' (244) ῥ'ν'ν' (245) ῥ'ν'ν' (246) ῥ'ν'ν' (247) ῥ'ν'ν' (248) ῥ'ν'ν' (249) ῥ'ν'ν' (250) ῥ'ν'ν' (251) ῥ'ν'ν' (252) ῥ'ν'ν' (253) ῥ'ν'ν' (254) ῥ'ν'ν' (255) ῥ'ν'ν' (256) ῥ'ν'ν' (257) ῥ'ν'ν' (258) ῥ'ν'ν' (259) ῥ'ν'ν' (260) ῥ'ν'ν' (261) ῥ'ν'ν' (262) ῥ'ν'ν' (263) ῥ'ν'ν' (264) ῥ'ν'ν' (265) ῥ'ν'ν' (266) ῥ'ν'ν' (267) ῥ'ν'ν' (268) ῥ'ν'ν' (269) ῥ'ν'ν' (270) ῥ'ν'ν' (271) ῥ'ν'ν' (272) ῥ'ν'ν' (273) ῥ'ν'ν' (274) ῥ'ν'ν' (275) ῥ'ν'ν' (276) ῥ'ν'ν' (277) ῥ'ν'ν' (278) ῥ'ν'ν' (279) ῥ'ν'ν' (280) ῥ'ν'ν' (281) ῥ'ν'ν' (282) ῥ'ν'ν' (283) ῥ'ν'ν' (284) ῥ'ν'ν' (285) ῥ'ν'ν' (286) ῥ'ν'ν' (287) ῥ'ν'ν' (288)

Το. 5. 13. Β ὑγιαίνων ἔλθοις καὶ σωζόμενος [A B om. κ. σ.]  
 6. 17. σώσει ἡμᾶς καὶ ἐλευθερίει [S al.]  
 — 17. σὺ αὐτὴν σώσεις  
 14. 7. B πῦρες ἐπ' οὐλοῦ τοῦ Ἰσρ. οἱ σωζόμενοι  
 — 10. B 'Αχιάχαρος μὲν ἔσωσεν [A 'Αχιάχαρος μὲν ἔσώθη]  
 — 10. ἐσώθη ἐκ παγίδος θανάτου [S al.]  
 Ju. 10. 15. σέσωκας τὴν ψυχὴν σου  
 Es. 4. 11. οὐτως σωθήσεται (2 a)  
 — 13. σωθήσῃ [A B<sup>3</sup> -σονται] μόνῃ ἐν τῇ βασ. (6 a)  
 — 17. ἐν τῇ θείῃ ἐν σε σώσει τὸν Ἰσρ.  
 8. 6. πῶς δυνήσονται σωθῆναι (11)  
 10. 3. οἱ βοήσαντες πρὸς τὸν θεὸν καὶ σωθέντες  
 — 3. ἔσωσε κύριος τὸν λαὸν αὐτ.  
 Jd. 1. 15, 16. σωθεὶς δὲ ἐγὼ μόνος [A καὶ ἐσώθη ἐγὼ μόνος] (6 a)  
 — 17, 19. ἐσώθη ἐν ἐγὼ μόνος (6 a)  
 6. 23. ὥστε σώσασθαι με ἐξ ἐχθρῶν [A ἐκ χειρὸς κακῶν] (6 b)  
 18. 19. οὐδὲ σεσωσμένοις [B<sup>1</sup> -ον] ἐν τῇ ὑπ' οὐρανὸν ὁ οἶκος αὐτοῦ (18)  
 20. 20. ἐν ἐπιθυμίᾳ αὐτοῦ οὐ σωθήσεται (6 b)  
 — 24. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς σιδηροῦ (1)  
 22. 29. κρύφοντα ὀφθαλμοῖς σώσει (5 b)  
 27. 8. πεποιθὼς [A μὴ π.] ἐπὶ κύριον ἄρα [A εἰ δὲ] σωθήσεται +  
 33. 28. σῶσον ψυχὴν μου (9 a)  
 35. 14. καὶ [A δε] σώσει με +  
 40. 9 (14). δύνανται ἡ δεξιὰ σου σώσαι (5 b)  
 Ps. 3. 7. σῶσόν με, ὁ θεός μου (5 b)  
 6. 4. σῶσόν με ἐν κινήσει τοῦ ἑλίου σου (5 b)  
 7. 1. σῶσόν με ἐκ πάντων τῶν διωκόντων με (5 b)  
 — 2. μὴ ὅπως λυτρωμένου μὴ δὲ σώζοντος (7 c)  
 — 10. τοῦ θεοῦ τοῦ σώζοντος τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (5 b)  
 11 (12). 1. σῶσόν με, κύριε (5 b)  
 16 (17). 7. ὁ σώζων τοὺς ἐλπίζοντας ἐπὶ σέ (5 b)  
 17 (18). 3. ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου σωθήσονται (5 b)  
 — 27. σὺ λαὸν ταπεινὸν σώσεις (5 b)  
 — 41. οὐκ ἔσθ' ὁ σώζων (5 b)  
 19 (20). 6. ἔσωσε κύριος τὸν χριστὸν αὐτοῦ (5 b)  
 — 9. σῶσον τὸν βασιλεῖα (5 b)  
 21 (22). 5. πρὸς σέ ἐκέκραξαν καὶ ἐσώθησαν (6 a)  
 — 8. σῶσάτω αὐτὸν ὅτι θέλει αὐτόν (7 c)  
 — 21. σῶσόν με ἐκ στυγερῶς λείοντος (5 b)  
 27 (28). 9. σῶσον τὸν λαόν σου (5 b)  
 29 (30). 3. ἔσωσας με ἀπὸ [B<sup>1</sup> ἐκ] τῶν καταβαυρῶν ἐν λαόν σου (2 b)  
 30 (31). 2. καὶ εἰς οἶκον καταφυγῆς τοῦ σώσαι με (5 b)  
 — 7. ἔσωσας ἐκ τῶν ἀναγκῶν τὴν ψυχὴν μου (4)  
 — 16. σῶσόν με ἐν τῇ ἐλπίδι σου (5 b)  
 32 (33). 16. οὐ σώζεται βασιλεὺς διὰ πολλὴν δύναμιν καὶ γίγας οὐ σωθήσεται ἐν πληθεὶ λόγων αὐτοῦ (5 a, 7 a)  
 — 17. ἐν δὲ πληθεὶ δυνάμεως αὐτοῦ οὐ σωθήσεται (6 b)  
 33 (34). 6. ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐτοῦ ἔσωσεν αὐτόν (5 b)  
 — 18. τοὺς ταπεινούς τῃ πνεύματι σώσει (5 b)  
 35 (36). 6. ἀνθρώπους καὶ κτῆνη σώσεις (5 b)  
 36 (37). 40. καὶ σώσει αὐτούς (5 b)  
 43 (44). 4. ὁ βραχίον αὐτῶν οὐκ ἔσωσεν αὐτούς (5 b)  
 — 6. ἡ ῥομφαία μου οὐ σώσει με (5 b)  
 — 7. A B<sup>3</sup> ἔσωσας γὰρ ἡμᾶς ἐκ τῶν θλιβόντων ἡμᾶς (5 b)  
 53 (54). 1. ἐν τῇ ἐλπίδι σου σῶσόν με (5 b)  
 54 (55). 8. προσερχόμενον τὸν σώζοντά με ἀπὸ διωγόντων (10 d)  
 55 (56). 7. ὑπὲρ τοῦ μνηστῆρος σώσεις αὐτοῦ (10 a)  
 56 (57). 3. καὶ ἔσωσε με (5 b)  
 58 (59). 2. ἐξ ἀνδρῶν αἱμάτων σῶσόν με (5 b)  
 59 (60). 5. σῶσον τὴν δεξιὰ σου (5 b)  
 67 (68). 20. ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ θεὸς τοῦ σώζειν (5 c)  
 68 (69). 1. σῶσόν με, ὁ θεός (5 b)  
 — 14. σῶσόν με ἀπὸ πλοῦ (7 c)  
 — 35. ὁ θεὸς σώσει τὴν Σιών (5 b)  
 69 (70). τί. (1). εἰς τὸ σώσαι με κύριον (7 c)  
 70 (71). 2. καὶ σῶσόν με (5 b)  
 71 (72). 4. σώσει [B<sup>1</sup> -εις] τοὺς υἱοὺς τῶν πενήτων (5 b)  
 — 13. ψυχὰς πενήτων σώσει (5 b)  
 75 (76). 9. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> B τοῦ σώσαι πάντας τοὺς πρὸς τὴν καρδίᾳ [B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> τῆς γῆς] (5 b)

Ps. 79 (80). 2. ἔλθ' εἰς τὸ σώσαι ἡμᾶς (5 d)  
 — 3, 7, 19. καὶ σωθῶσιν ἡμᾶς (5 a)  
 85 (86). 2. σῶσον τὸν δούλον σου (5 b)  
 — 16. σῶσον τὸν υἱὸν τῆς παιδείας σου (5 b)  
 97 (98). 1. ἔσωσεν αὐτὸν ἡ δεξιὰ αὐτοῦ (5 b)  
 105 (106). 8. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς τοῦ ὀνόματος αὐτοῦ (5 b)  
 — 10. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς μουσόντων (5 b)  
 — 21. ἐπελάθοντο τοῦ θεοῦ τοῦ σώζοντος αὐτούς (5 b)  
 — 47. σῶσον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (5 b)  
 106 (107). 13, 19. ἐκ τῶν ἀναγκῶν αὐτῶν ἔσωσεν αὐτούς (5 b)  
 107 (108). 6. σῶσον τὴν δεξιὰ σου (5 b)  
 108 (109). 26. σῶσόν με κατὰ τὸ ἑλέος σου (5 b)  
 — 31. τοῦ σώσαι ἐκ τῶν καταδικαζόντων τὴν ψυχὴν μου (5 b)  
 114 (116). 6. ἐταπεινώθη καὶ ἔσωσε με (5 b)  
 117 (118). 25. ὁ κύριε, σῶσον δὴ (5 b)  
 118 (119). 94. σῶσόν με (5 b)  
 — 117. καὶ σωθήσονται (5 a)  
 — 146. σῶσον με (5 b)  
 — 173. γενέσθω ἡ χεὶρ σου τοῦ σώσαι με (5 b)  
 187 (188). 7. ἔσωσε με ἡ δεξιὰ σου (5 b)  
 144 (145). 19. καὶ σώσει αὐτούς (5 b)  
 Pr. 6. 3. ποιεῖ . . . καὶ σώζων (7 a)  
 — 5. ἵνα σώξῃ ὥστε δόξα ἐκ βρόχων (7 a)  
 10. 25. δικαιοὶ δὲ ἐκκλησίας σωθῶνται εἰς τὸν αἰῶνα +  
 11. 31. εἰ δὲ μὴ δικαιοὶ μὴ σωθῶνται (16)  
 15. 24. ἵνα ἐκκλησίας ἐκ τοῦ ἔθους σωθῇ +  
 — 27. ὁ δὲ μισθὸν δώρων λήψεται σώζεται (2 a)  
 19. 7. δε δὲ ἐρεθίσας λόγους οὐ σωθήσεται +  
 28. 26. δε δὲ πειρεῖται σοφία σωθήσεται (6 a)  
 29. 25. δε δὲ πειρεῖται ἐπὶ τῇ δεσποτῇ [B σω- τηρ] σωθήσεται (12)  
 Wi. 9. 18. τῇ σοφίᾳ [B σ. σου] ἐσώθησαν  
 10. 4. A B κατακληύμενην γῆν πάλιν ἔσωσεν [B διέσωσε] σοφία (5 b)  
 14. 4. δύνασαι ἐκ παντὸς σώζειν (5 b)  
 16. 7. ὁ γὰρ ἐπιστράφηκε οὐ διὰ τὸ θεωρούμενον ἐσώζετο (5 b)  
 18. 5. ἐνός ἐκτελέοντος τέκνου καὶ σωθέντος (5 b)  
 Si. 2. 11. σώζει ἐν καιρῷ θλίψεως (5 b)  
 3. 1. οὕτως ποιήσατε ἵνα σωθῇτε (5 a)  
 31 (34). 13. ἡ γὰρ ἐλπίς αὐτῶν ἐπὶ τὸν σώζοντα αὐτοὺς (5 b)  
 33 (36). 9. ἐν ὀργῇ πυρὸς καταβροθήτω ὁ σώζόμενος [B<sup>1</sup> ὁ μὴ σ., B<sup>2</sup> ὁ ἀσέβης ὁ σ.] (5 b)  
 51. 8. σώζει αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐθνῶν [A B ἐχθρῶν] — 12. ἔσωσας γὰρ με ἐξ ἀπωλείας (5 b)  
 Ho. 1. 7. σώσω αὐτοὺς ἐν κυρίῳ θεῷ αὐτ. (5 b)  
 — 7. οὐ σώσω αὐτοὺς ἐν τόξῳ (5 b)  
 18. 4. σώζων οὐκ ἔστι παρὰ ἐμοῦ (5 b)  
 14. 4. Ἀσσοὺρ οὐ μὴ σώσῃ [A -σιν] ἡμᾶς (5 b)  
 Am. 2. 14. B οὐ μὴ σώσει τὴν ψυχὴν αὐτ. (5 b)  
 — 15. B οὐ μὴ σώσει [A B -σιν] τὴν ψυχὴν αὐτ. (5 b)  
 Mi. 6. 9. σώσει φοβούμενους τὸ ὄνομα αὐτ. +  
 Jl. 2. 32 (3. 5). πᾶς δε ἂν ἐπικαλεῖται . . . (6 a)  
 Ob. 1. 21. A ἀναβροθῶντες ἄνδρες σεσωσμένοι [B S al.] (5 b)  
 Hb. 1. 2. καὶ οὐ σώσεις (5 b)  
 3. 13. τοῦ σώσαι τὸν χριστὸν σου (5 c)  
 Ze. 3. 17. ὁ δυνατός σώσει σε (5 b)  
 — 19. σώσω τὴν ἐκπεπαισμένην (5 b)  
 Za. 8. 7. σώζω [A ἀνασ.] τὸν λαόν μου (5 b)  
 9. 9. ἔρχεται σοὶ δικαιοὶ καὶ σώζων (5 b)  
 — 16. σώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεὸς αὐτ. (5 b)  
 10. 6. τὸν οἶκον Ἰ. σώσω (5 b)  
 12. 7. σώσει [A δώσει] κύριος τὰ σκηνώματα Ἰ. (5 b)  
 Ma. 3. 15. καὶ ἐσώθησαν (6 a)  
 Is. 1. 27. σωθήσεται ἡ αἰχμαλωσία αὐτῆς (9 b)  
 10. 20. οἱ σωθέντες τοῦ Ἰακώβ (10 c)  
 — 22. τὸ κατὰ ἐλπίδα αὐτῶν σωθήσεται (14)  
 12. 2. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> σωθήσονται ἐν αὐτῷ +  
 14. 32. σωθήσονται οἱ ταπεινοὶ τοῦ λαοῦ (8)  
 15. 7. μὴ καὶ οὕτως μέλλει σωθῆναι +  
 19. 20. δε σώσει αὐτοὺς κρίνων σώσει αὐτούς (5 b, 7 c)  
 20. 6. οὐκ ἡδύνατο σωθῆναι ἀπὸ βασιλείας Ἀσσυρίων καὶ πῶς ἡμεῖς σωθῶμεθα (7 a, 8 a)  
 25. 9. B σώσει ἡμᾶς (5 b)  
 30. 15. τότε σωθήσεται (5 a)  
 31. 5. περιποιήσεται καὶ σώσει (6 c)

Is. 33. 22. κύριος οὗτος ἡμᾶς σώσει (5 b)  
 34. 15. ἔσωσεν ἡ γῆ τὰ παῖδια αὐτῆς μετὰ ἀσφαλίας (6 b)  
 35. 4. αὐτὸς ἔξει καὶ σώσει ἡμᾶς (5 b)  
 37. 20. σῶσον ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτ. (5 b)  
 — 32. οἱ σωζόμενοι ἐξ [A ἐπ'] δρους Σιών (10 c)  
 — 35. τοῦ σώσαι αὐτὴν δι' ἐμέ (5 b)  
 38. 6. A B σώσω [B ῥύσωμαι] σε (7 c)  
 43. 3. ἐγὼ κύριος . . . ὁ σώζων σε (5 b)  
 — 11. οὐκ ἔστι παρὰ ἐμοῦ σώζων (5 b)  
 — 12. ἀγγέλια καὶ ἔσωσα (5 b)  
 45. 17. σώζεται ὑπὸ κ. σωτηρίαν αἰώνιον (5 a)  
 — 20. βουλεύσασθε ἅμα, οἱ σωζόμενοι ἀπὸ τῶν ἐθνῶν . . . πρὸς θεοῦ οἱ οὐ σώζονται [A B -ωσιν] (10 b, 5 b)  
 — 22. A<sup>2</sup> B S σωθήσεται οἱ ἀπ' ἐσχάτου τῆς γῆς (5 a)  
 46. 2. οὐ δυνήσονται σωθῆναι ἀπὸ πολέμου (5 b)  
 — 4. ἀναλήψομαι καὶ σώσω ὑμᾶς (5 b)  
 — 7. ἀπὸ κακῶν οὐ μὴ σώσῃ [A -ει] αὐτόν (5 b)  
 47. 13. σωσάτωσάν σε οἱ ἀστρολόγοι (5 b)  
 49. 24. ἐὰν αἰχμαλωτεύσῃ τις ἀδικῶς σωθήσεται (6 a)  
 — 25. λαμβάνων δὲ παρὰ ἰσχύοντος σωθήσεται (6 a)  
 51. 14. ἐν γὰρ τῇ σάφεισθαι σε οὐ στήσεται +  
 59. 1. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χεὶρ κυρίου τοῦ σώσαι (5 b)  
 60. 16. ἐγὼ κύριος ὁ σώζων σε (5 b)  
 63. 9. αὐτοὶ [A B<sup>1</sup> add. κύριος] ἔσωσεν αὐτοὺς (5 b)  
 66. 19. ἐξαποστελῶ ἐξ αὐτῶν σεσωσμένους εἰς τὰ ἔθνη (10 b)  
 Je. 2. 27. ἀνάστα καὶ σῶσον ἡμᾶς (5 b)  
 — 28. σώσουσιν ἐν καιρῷ τῆς κακώσεώς σου (5 b)  
 4. 14. ἵνα σωθῇς (5 a)  
 11. 12. B<sup>2</sup> οἱ [A B om.] μὴ σώσουσιν αὐτούς (5 b)  
 14. 8. σώσεις [B -σεις] ἐν καιρῷ κακῶν (5 b)  
 — 9. ὡς ἄνθρωπος οὐ δυνάμενος σ. (5 b)  
 15. 20. μετὰ σοῦ εἰμι τοῦ σ. σε (5 b)  
 17. 14. A<sup>2</sup> B S σῶσόν με καὶ σωθήσονται (5 b, 5 a)  
 23. 6. ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτοῦ [A ἐκείναις] καὶ σωθήσεται Ἰουδία (5 a)  
 26 (46). 27. ἐγὼ ἰδοὺ σώζων [A B εἰ. σώζω] σε μακρόθεν (5 b)  
 31 (48). 6. σώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (6 b)  
 — 8. οὐ μὴ σωθῇ (5 b)  
 — 19. ἐρώτησον φεύγοντα καὶ σωζόμενον (6 a)  
 37 (38). 7. ἀπὸ τούτου σωθήσονται (5 a)  
 38 (31). 7. ἔσωσε κύριος τὸν λαόν αὐτοῦ (5 b)  
 39 (32). 4. A B S<sup>2</sup> Ζεδεκίας οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς τῶν Χαλδαίων (6 a)  
 41 (34). 3. σὺ οὐ μὴ σωθῇς ἐκ χειρὸς αὐτ. (6 a)  
 — 11. S ἔσωσαν [A B ἔσωσαν] αὐτοὺς εἰς παιδᾶς +  
 45 (38). 18, 23. σὺ οὐ μὴ σωθῇς (6 a)  
 46 (39). 17. σώσω σε ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ (7 c)  
 — 18. σώζων σώσω σε (6 b, 6 b)  
 48 (41). 15. ἐσώθη σὺν [B ἐν] ὅκτῳ ἀνθρώποις (7 a)  
 49 (42). 11. σ. ὑμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτῶν (6 c)  
 — 17. οὐκ ἔσται αὐτῶν οὐδεὶς σωζόμενος ἀπὸ τῶν κακῶν (18 + 10 e)  
 51 (44). 14. οὐκ ἔσται σεσωσμένοις οὐδεὶς τῶν ἐπιλοιπῶν Ἰουδα (10 e + 18)  
 — 28. οἱ σεσωσμένοι ἀπὸ ῥομφαίας (10 c)  
 La. 2. 13. τίς σώσει [A B add. σε] +  
 4. 18 (17). ἀπεσκοπεύσαμεν εἰς ἔθνος οὐ σώζων (5 b)  
 Ep. Je. 49. οὐτε σώσουσιν ἑαυτούς ἐκ πολέμου (7 b)  
 Ez. 14. 14. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ αὐτῶν σωθήσονται (7 b)  
 — 16. εἰ υἱοὶ ἡ θυγατέρες σωθήσονται ἀλλ' ἡ αὐτοὶ μόνον σωθήσονται (7 c, 7 a)  
 — 18. αὐτοὶ μόνον σωθήσονται (7 a)  
 17. 15. A παραβαίνων διαθήκην εἰ σωθήσεται [B διασ.] (6 a)  
 — 18. πάντα ταῦτα ἐποίησεν αὐτῷ μὴ σωθήσεται (6 a)  
 33. 12. δικαιοὶ οὐ μὴ δύνανται σωθῆναι (2 a)  
 34. 22. σώσω τὰ πρόβατά μου (5 b)  
 36. 29. σώσω ὑμᾶς ἐκ πασῶν τῶν ἀκαθαρσιῶν ὑμῶν (5 b)  
 Da. LXX. Su. 62. ἐσώθη αἷμα ἀναιτόν (5 b)  
 3. (88). ἔσωσεν ἡμᾶς ἐκ χειρὸς θανάτου — 28 (95). καὶ ἔσωσε τοὺς παῖδας αὐτ. (15)  
 6. 20 (21). εἰσώκει σε ἀπὸ τῶν λείωντων (15)  
 — 22 (23). εἰσώκει με ὁ θ. ἀπὸ τῶν λείωντων —  
 — 27 (28). τὰ γὰρ εἰδὼλα τὰ χειροποίητα οὐ δύνανται σώσαι —  
 11. 41. σωθήσονται ἀπὸ χειρὸς αὐτ. (6 a)  
 Da. TH. Su. 60. ἐλόγησαν τὸ θ. β. π. σώζοντες τοὺς ἐλπίζοντας ἐπ' αὐτόν





**σώρ.**  
[Heb. Is. 26. 4.]  
σωρεύειν. (1) ηηη  
Ju. 15. 11. ἐσώρευσεν αὐτὰ ἐπ' αὐτῶν  
Pr. 25. 22. ἀνθρακας πυρός [A om.] σωρεύσεις  
ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ (1)  
[Aq., Sm., Th. Ex. 15. 8.]  
**σώρευμα.**  
[Al. Ge. 31. 47.]  
σωρηδόν.  
Wi. 18. 23. σ. γὰρ ἦδη πεπτωκότων ἐπ' ἀλλήλων  
νεκρῶν  
σωρήκ (-ηχ). (1) ρηϛ  
Is. 5. 2. ἐφύτιστα ἀμπελον σ. (1)  
[Aq. Ez. 17. 6.]  
**σωρός.** (1) שָׂרִי (2) לֵב (3) כְּרִי  
Jo. 7. 26. ἐπίστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων μέγαν (2)  
8. 29. ἐπίστησαν αὐτῷ σωρὸν λίθων (2)  
II Kī. 18. 17. ἐστήλωσεν ἐπ' αὐτὸν σωρὸν λίθων  
μέγαν σφόδρα (2)  
II Ch. 31. 6. A B καὶ ἔθηκαν σωρούς σωρούς  
[B om.] (3, 8)  
— 7. B ἤρξαντο οἱ θεμελιοὶ σωροὶ θεμελιουῖσθαι  
[A B al.] (3)  
— 8. εἶδον τοὺς σ. (3)  
— 9. ἐπυνόησαν . . . ὑπὲρ τῶν σ. (3)  
Jb. 21. 32. αὐτοὶ ἐπὶ σωρῶν [A B -φ] ἡγύρηνθησαν (1)  
IV Ma. 9. 20. ο. σ. τῆς ἀνδρακίας τοῖς τῶν ἰχθύων  
ἐσβέννυτο σταλαγμοῖς  
[Aq. Ge. 31. 52; Ex. 8. 14 (10) δις; Jo. 8. 13;  
Ho. 12. 11 (12).]  
[Sm. Ca. 7. 2 (3); Jc. 50 (27). 26.]  
[Th. Jo. 8. 13; Jb. 21. 32.]  
[Al. Ge. 31. 47; 51, 52; Lk. 1. 16; Jb. 5. 26.]  
[Quint. Ps. 32 (83). 7.]  
**σωσανεῖμ.**  
[Heb. Ps. 44 (45). 1.]  
**σωτήρ.** (1) a. שָׁחַד hi. δ. נַחֲשֶׁה c. שָׁחַד  
De. 32. 15. ἀπέστη ἀπὸ θεοῦ σωτήρος αὐ. (1b)  
Jd. 8. 9. ἤγειρε κ. σωτήρα τῷ Ἰσρ. (1a)  
— 15. ἤγειρεν αὐτοῖς σωτήρα τὸν Ἀ. (1a)  
12. 3. οὐκ εἶ σωτήρ [A al.] (1a)  
I Kī. 10. 19. δς αὐτοὶ ἐστὶν ὑμῶν σωτήρ (1a)  
I Ch. 16. 35. B<sup>1</sup> ὁ θεὸς ὁ σ. [A B B<sup>2</sup> τῆς σωτη-  
ρίας] ἡμῶν (1c)  
Ne. 9. 27. ἔδωκεν αὐτοῖς σωτήρας [A -ρίας] (1a)  
Ju. 9. 11. ἀπηλπισμένον σωτήρ  
Es. 5. 1. ἐπικαλοσμένον τὸν πάντων ἐπόπτην θεὸν  
καὶ σ.  
8. 13. τὸν τε ἡμέτερον σ. . . ἀληθάμενος  
Ps. 23 (24). 5. καὶ ἐλεημοσύνην παρὰ θεοῦ  
σωτήρος αὐτοῦ (1c)  
24 (25). 5. σὺ εἶ ὁ θεὸς ὁ σ. μου (1c)  
26 (27). 1. κύριος φωτισμός μου καὶ σωτήρ  
μου (1c)  
— 9. μὴ ὑπεριδῆς [B<sup>2</sup> ἐγκαταλίπης] με, ὁ θεὸς  
ὁ σ. μου (1c)  
61 (62). 2, 6. αὐτὸς θεὸς μου καὶ σωτήρ μου (1b)  
84 (65). 5. ἐπάκουσον ἡμῶν, ὁ θεὸς ὁ σ. ἡμῶν (1c)  
78 (79). 9. βοήθησον ἡμῖν, ὁ θεὸς ὁ σ. ἡμῶν (1c)  
94 (95). 1. ἀλαλάζοντες τῷ θεῷ τῷ σ. ἡμῶν (1c)  
Pr. 29. 25. B δς δὲ πειθοῖεν ἐπὶ τῷ σ. [A B  
δεσπότη] σωθῶσεται +  
Wi. 16. 7. διὰ σὲ τὸν πάντων σ.  
Sl. 51. 1. αἰνῶσα σε [A om.] θεὸν τὸν σ. μου  
Mi. 7. 7. ὑπομένω ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σ. μου (1c)  
Hb. 3. 18. χαρήσομαι ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σ. μου (1c)  
Is. 12. 2. ὁ θεὸς μου σ. μου (1b)  
17. 10. κατέλιπες τὸν θεὸν τὸν σ. σου (1c)  
25. 9. B<sup>1</sup> εὐφρανθήσονται ἐπὶ τῷ σ. [A B B<sup>2</sup>  
τῇ σωτηρίᾳ] ἡμῶν (1b)  
45. 15. A B B<sup>2</sup> ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ σ. [B om.] (1a)  
— 21. A<sup>2</sup> B B<sup>2</sup> δίκαιοι καὶ σ. οὐκ ἐστὶ [A<sup>2</sup>  
ἐστὶν ἄλλος] πάρεξ ἐμοῦ (1a)  
— 22. A<sup>2</sup> δίκαιοι καὶ σ. οὐκ ἐστὶν πάρεξ ἐμοῦ —  
62. 11. ο. σ. σοι παραγέγονεν [A B -γίνεται] (1c)  
Ba. 4. 22. ἔξει ὑμῖν ἐν τάχει παρὰ τοῦ αἰωνίου σ.  
ὑμῶν  
I Ma. 4. 30. εὐλογητὸς εἶ, ὁ σ. Ἰσρ.  
III Ma. 6. 29. τὸν ἄγιον σ. θεὸν αὐ. ὑπολόγουν

III Ma. 6. 32. τὸν Ἰσρ. σωτήρα . . . αἰνοῦντες θεόν  
7. 16. τῷ θεῷ τῶν πατέρων αὐ. ἀγίος σ. τοῦ Ἰσρ.  
[Aq. Ps. 26 (27). 9; Is. 19. 20; 47. 15.]  
[Sm. Ps. 24 (25). 5; Is. 19. 20; 32. 5; 47. 15.]  
[Th. Is. 12. 2; 19. 20; 47. 15.]  
[Bext. Ps. 17 (18). 36.]  
**σωτηρία.** (1) a. שָׁחַד hi. δ. נַחֲשֶׁה c. שָׁחַד  
(2) כְּרִי (3) לֵב (4) a. שָׁחַד hi. δ. נַחֲשֶׁה  
(5) נַחֲשֶׁה (6) נַחֲשֶׁה, נַחֲשֶׁה  
Ge. 26. 31. ἀπῆλθον ἀπ' αὐτοῦ μετὰ σωτηρίας (4a)  
28. 21. καὶ ἀποστρέψῃ με μετὰ σωτηρίας (4a)  
44. 17. ἀνάβητε μετὰ σωτηρίας πρὸς τὸν πα-  
τέρα ὑ. (4a)  
49. 18. τὴν σ. περιμείνων κυρίου (1b)  
Ex. 14. 13. ὁρᾶτε τὴν σ. τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ (1b)  
15. 2. σκεπαστὴς ἐγένετό μοι εἰς σωτηρίαν (1b)  
Nu. 6. 14. B<sup>1</sup> καὶ κριὸν ἐνὰ ἄμωμον εἰς σωτηρίαν  
[A B<sup>2</sup> B -ου] (4b)  
Jd. 15. 18. εὐδόκησας . . . τὴν σ. τὴν μεγάλην τ. (5)  
I Kī. 2. 1. εὐφραίνηθ' ἐν σωτηρίᾳ σου (1b)  
11. 9. αὐριον ὑμῶν ἡ σ. (5)  
— 13. σήμερον ἐποίησε κύριος σωτηρίαν ἐν Ἰσρ. (5)  
14. 45. ὁ ποιῶν τὴν σ. τὴν μεγάλην ταύτην (1b)  
19. 5. ἐποίησε κύριος σ. μεγάλην (5)  
II Kī. 10. 11. ἔσεσθαι μοι εἰς σωτηρίαν (1b)  
15. 14. οὐκ ἐστὶν ἡμῖν σ. ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (2)  
19. 2 (3). ἐγένετο ἡ σ. . . εἰς πένθος (5)  
22. 3. καὶ κέρας σωτηρίας μου (1a)  
— 3. καὶ καταφύγιον μου σωτηρίας [A<sup>1</sup> -α] μου (1c)  
— 36. ἔδωκε μοι ὑπερασπιστὴν σωτηρίας μου [1a]  
— 47. ὁ φύλαξ τῆς σ. μου (1a)  
— 51. μεγαλύνων σωτηρίας βασιλείας αὐ. (1b)  
23. 5. πᾶσα σ. μου καὶ πᾶν θέλημα (1a)  
— 10, 12. ἐποίησε κύριος σ. μεγάλην (5)  
IV Kī. 13. 5. ἔδωκε κύριος σωτηρίαν τῷ Ἰσρ. (1c)  
— 17. βέλος σωτηρίας τῷ κυρίῳ (5)  
— 17. βέλος σωτηρίας ἐν Συρία (5)  
I Ch. 11. 14. ἐποίησε κ. σ. μεγάλην (5)  
16. 23. ἀναγγεῖλαι . . . σωτηρίαν [A B τὸ  
σωτήριον] αὐ. (1b)  
— 35. ἔσωσεν [A ὥσον] ἡμᾶς ὁ θεὸς τῆς σ. (1a)  
[B<sup>1</sup> ὁ σωτήρ] ἡμῶν (1a)  
19. 12. ἔσθ' μοι εἰς σωτηρίαν (5)  
II Ch. 6. 41. ἱερεῖς σου . . . ἐνδύσονται σωτηρίαν (5)  
12. 7. δώσω αὐτοῖς ὡς μακρὸν εἰς σωτηρίαν (2)  
20. 17. ἴδετε τὴν σ. κυρίου μεθ' ὑμῶν (1b)  
II Es. 9. 8. τοῦ καταλείπειν ἡμῖν εἰς σωτηρίαν (2)  
— 13. ἔδωκε ἡμῖν σωτηρίαν (2)  
Ne. 9. 27. A ἔδωκεν αὐτοῖς σωτηρίας [B B<sup>2</sup> -ρας] (1c)  
To. 5. 16. B συνοδεύσαι ὑμῖν μετὰ σωτηρίας [A B al.]  
6. 17. B ἴνα ἔλεος γένηται καὶ σωτηρία ἐφ' ὑμᾶς  
[A B al.]  
8. 4. B ὅπως ποιῶσιν ἐφ' ἡμᾶς ἔλεος καὶ σωτηρίαν  
[A B al.]  
— 5. B ὅπως γένηται αὐτοῖς σωτηρία  
— 17. B ποιήσαν αὐτοῖς . . . ἔλεος καὶ σωτηρίαν  
[A B om. κ. σ.]  
14. 4. B ἐν τῇ M. ἔσται σωτηρία [A B εἰρήνη]  
Ju. 8. 17. ἀναμείνοντες τὴν παρ' αὐτοῦ σ.  
11. 3. ἦκει γὰρ εἰς σωτηρίαν —  
Es. 4. 11. οὐκ ἐστὶν αὐτῷ σωτηρία —  
— 17. ὑπόδρασκον φιλεῖν πέλματα ποδῶν αὐ. πρὸς  
σωτηρίαν Ἰσρ.  
8. 13. ὅπως . . . σωτηρία ἡμῖν  
Jb. 2. 9. προσδεχόμενος τὴν ἐλπίδα τῆς σ. μου —  
5. 4. πόρρω γέγονον [A ἐγένοντο] οἱ υἱοὶ  
αὐτῶν ἀπὸ σωτηρίας (1a)  
11. 20. σωτηρία δὲ αὐτοῦς ἀπολείψει +  
13. 16. τοῦτό μοι ἀποβήσεται εἰς σωτηρίαν (1b)  
20. 20. οὐκ ἐστὶν αὐτοῦ σωτηρία τοῖς ὑπάρ-  
χουσιν [A al.] (8)  
30. 15. ὥσπερ νεφὸς ἡ σ. μου [A μου παρήλθεν] (1b)  
— 22. ἀπεριψάξ' με ἀπὸ σωτηρίας (T<sup>2</sup>, 8)  
Ps. 3. 2. οὐκ ἐστὶ σωτηρία αὐτῷ ἐν τῷ θεῷ αὐτοῦ (1b)  
— 8. τοῦ κυρίου ἡ σ. (1b)  
11 (12). 5. B<sup>1</sup> θήσομαι ἐν σωτηρίᾳ [A B<sup>2</sup> B -ίῳ] (1a)  
17 (18). 2. A B<sup>2</sup> ὑπερασπιστὴς μου καὶ κέρας  
σωτηρίας μου [B om.] (1a)  
— 35. ἔδωκε μοι ὑπερασπιστὴν σωτηρίας μου (1a)  
— 46. ὑψώθητι ὁ θεὸς τῆς σ. μου (1a)  
— 50. μεγαλύνων τὰς σ. τοῦ βασ. αὐ. [B<sup>2</sup> om.] (1b)  
19 (20). 6. ἐν δυναστείᾳ ἡ σ. τῆς δεξιᾶς αὐτοῦ (1a)  
21 (22). 1. μακρὰν ἀπὸ τῆς σ. μου οἱ λόγοι τῶν  
παραπομπῶν μου (1b)  
32 (33). 17. ψευδὲς ἵππος εἰς σωτηρίαν (5)

Ps. 84 (85). 3. σωτηρία σου ἐγὼ εἰμι (1b)  
36 (87). 39. σωτηρία δὲ τῶν δικαίων παρὰ κυρίου (5)  
37 (88). 22. κύριε τῆς σ. μου (5)  
41 (42). 11. ἡ σ. [A B<sup>2</sup> σωτήριον] τοῦ προσ-  
ώπου μου (1b)  
43 (44). 4. ὁ ἐντελλόμενος τὰς σ. Ἰακώβ (1b)  
50 (51). 14. ὁ θεὸς ὁ θεὸς τῆς σ. μου (5)  
59 (60). 11. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (5)  
68 (69). 13. ἐν ἀληθείᾳ τῆς σ. σου (1a)  
— 29. B B<sup>2</sup> ἡ σ. τοῦ προσώπου [B<sup>2</sup> om. τοῦ πρ.]  
σου ἀντελάβετό μου (1b)  
70 (71). 15. ὀλην τὴν ἡμέραν τὴν σ. σου (5)  
73 (74). 12. ἐργάσατο σωτηρίαν ἐν μέσῳ τῆς γῆς (1b)  
87 (88). 1. κύριε ὁ θ. τῆς σωτηρίας μου (1b)  
88 (89). 26. θεὸς μου καὶ ἀντιλήπτωρ τῆς σ. μου (1b)  
107 (108). 12. ματαία σωτηρία ἀνθρώπου (5)  
117 (118). 14. ἐγένετό μοι εἰς σωτηρίαν (1b)  
— 15. φωνὴ ἀγαλλιάσεως καὶ σωτηρίας ἐν  
σκηναῖς δικαίων (1b)  
— 21. ἐγένοντο μοι εἰς σωτηρίαν (1b)  
— 28. ἐγένοντο μοι εἰς σωτηρίαν —  
118 (119). 155. μακρὰν ἀπὸ ἀμνηστῶν σωτηρία  
[B<sup>1</sup> ἡ σ.] (1b)  
131 (132). 16. τοὺς ἱερεῖς αὐτῆς ἐνδύσω σωτη-  
ρίαν (1a)  
139 (140). 7. κύριε κύριε, δύναμις τῆς σ. μου (1b)  
143 (144). 10. τῷ διδόντι τὴν [A om.] σ. τοῖς  
βασιλεῦσι (5)  
145 (146). 3. οἷς οὐκ ἐστὶ σωτηρία (5)  
149. 4. ὑψώσει πράξεις ἐν σωτηρίᾳ (1b)  
Pr. 2. 7. θησαυρίζει τοὺς κατορθοῦναι σωτηρίαν (5)  
11. 14. σωτηρία δὲ ὑπάρχει ἐν πολλῇ βουλῇ (5)  
Wi. 5. 2. ἐκστήσονται ἐπὶ τῷ παραδόξῳ τῆς σ.  
6. 24. πλήθος δὲ σοφῶν σωτηρία κόσμου  
18. 6. A B B<sup>2</sup> σύμβουλον [B -βουλον] ἔχοντες σωτηρίας  
18. 7. προσδεχθῆ [A προσδεχθῆ] ὑπὸ λαοῦ σου  
σωτηρία μὲν δικαίων  
Si. 4. 23. μὴ κωλύσῃς λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας  
40. 7. ἐν καιρῷ σωτηρίας αὐτοῦ ἐξηγέρθη  
46. 1. δς ἐγένετο . . . μέγας ἐπὶ σωτηρίᾳ ἐλεεκτῶν  
αὐτοῦ  
Ob. 1. 17. ἐν δὲ τῷ ὄρει Σιών ἔσται σωτηρία  
[A B<sup>2</sup> ἡ σ.] (2)  
Hb. 3. 8. καὶ ἡ ἱππασία σου σωτηρία (1b)  
— 13. ἐξηλθες εἰς σωτηρίαν λαοῦ σου (1a)  
Is. 12. 1. B<sup>1</sup> ὠργίσθη μοι εἰς σωτηρίαν [A B B<sup>2</sup>  
om. εἰς σ.] —  
— 2. ἐγένετό μοι εἰς σωτηρίαν (1b)  
25. 9. εὐφρανθήσονται ἐπὶ τῷ σ. [B<sup>1</sup> τῷ σωτήρι] (1b)  
ἡμῶν  
26. 18. πνεῦμα σωτηρίας σου ἐποίησαμεν ἐπὶ  
τῆς γῆς  
33. 2. ἡ δὲ σ. ἡμῶν ἐν καιρῷ θλίψεως (1b)  
— 6. ἐν θησαυροῖς ἡ σ. ἡμῶν (1b)  
38. 20. θεὸς [A B κύριε] τῆς σ. μου (1c)  
45. 17. σώζεται ὑπὸ κ. σωτηρίαν αἰώνιον (5)  
46. 13. τὴν σ. τὴν παρ' ἐμοῦ οὐ βραδυνοῦ (5)  
— 13. δέδοκα ἐν Σιών σωτηρίαν τῷ Ἰσραὴλ (5)  
47. 15. σοὶ δὲ οὐκ ἐστὶ σ. (1c)  
48. 6. τοῦ εἶναι σε εἰς σωτηρίαν (1b)  
— 8. ἐν ἡμέρᾳ σωτηρίας ἐβοήθησά σοι (1b)  
52. 7. ἀκουστήν ποιήσω τὴν σ. σου (1b)  
— 10. δύνονται πάντα ἄκρα τῆς γῆς τὴν σ. τὴν  
παρὰ τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1b)  
59. 11. ἀνεμείναμεν κρίσιν καὶ οὐκ ἐστὶ σ. (1b)  
63. 1. B<sup>1</sup> διαλέγομαι δικαιοσύνην καὶ κρίσιν  
σωτηρίας [A B B<sup>2</sup> -ίου] (1c)  
— 8. ἐγένετο αὐτοῖς εἰς σωτηρίαν (1c)  
Je. 3. 23. διὰ κυρίου θεοῦ ἡμῶν ἡ σ. τοῦ [A τῷ]  
Ἰσραὴλ (5)  
32 (25). 35. ἀπολείπει . . . σ. ἀπὸ τῶν κριῶν  
τῶν προβιῶν (2)  
37 (80). 6. ἐν φ. καθέξουσιν ὁσφύν καὶ σωτηρίαν —  
38 (81). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν εἰς καταφύ-  
τευσιν καὶ κρινὴν ἐν σωτηρίᾳ [B εἰς  
σωτηρίαν] περιελέγονται ἀνθρώπων —, +  
Ba. 4. 22. ἤλπισα ἐπὶ τῷ αἰωνίῳ τὴν σ. ὑμῶν  
— 24. δύνονται ἐν τάχει τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ὑμῶν σ.  
— 29. ἐπάξει ὑμῖν τὴν αἰώνιον εὐφροσύνην μετὰ  
τῆς σ. ὑμῶν  
Da. TH. 11. 42. γῇ Αἴγ. οὐκ ἐστὶ εἰς σωτηρίαν (2)  
I Ma. 3. 6. εὐδοκῶν σωτηρίαν ἐν χειρὶ αὐ.  
4. 25. ἐγενήθη σ. μεγάλη τῷ Ἰσρ.  
5. 62. οἱ ἐδόθη σωτηρία Ἰσρ. διὰ χειρὸς αὐ.  
II Ma. 3. 29. πάσης ἐσπερημένης ἐλπίδος καὶ σωτηρίας  
— 32. προσήγαγε θυσίαν ὑπὲρ τῆς τοῦ ἀνδρὸς σ.



## T

|   |  |
|---|--|
| <b>ταβείν.</b>  |  |
| IV Κί. 25. 12. ὑπέλιπεν ... εἰς τ. [A γηβεῖν] †   |  |
| <b>τάγμα.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍 (2) 𐤕𐤁𐤍 (3) 𐤕𐤁𐤍   |  |
| Nu. 2. 2. ἄνθρωπος ἐχόμενος αὐτοῦ κατὰ τάγμα (1)  |  |
| — 3. τάγμα παρεμβολῆς 'I. (1)   |  |
| — 10. τάγμα παρεμβολῆς 'P. (1)  |  |
| — 17. A κατὰ τάγμα αὐ. [B καθ' ἡγεμονίαν] (1)   |  |
| — 18. τάγμα παρεμβολῆς 'Εφρ. (1)  |  |
| — 25. τάγμα παρεμβολῆς Δάν (1)  |  |
| — 31. ἐξαρούσι κατὰ τάγμα αὐ. (1)   |  |
| — 34. παρεμβάλον κατὰ τάγμα αὐ. (1)   |  |
| 10. 14. ἐξήραν τάγμα παρεμβολῆς υἱὸν 'I. (1)  |  |
| — 18. ἐξήραν τάγμα παρεμβολῆς 'Εφρ. (1)   |  |
| — 22. ἐξαρούσι τάγμα παρεμβολῆς 'Εφρ. (1)   |  |
| — 25. ἐξαρούσι τάγμα παρεμβολῆς υἱὸν Δάν (1)  |  |
| I Κί. 4. 10. τρῖκοντα χιλιάδες ταγμάτων (3)   |  |
| 15. 4. τετρακοσία χιλιάδες ταγμάτων (3)   |  |
| — 4. τριάκοντα χιλιάδες ταγμάτων (3)  |  |
| II Κί. 25. 13. καὶ τάγμα τῶν ἀλλοφύλων (2)  |  |
| Es. 8. 13. B <sup>1</sup> τοῦ τεταγμένου ἐπὶ τῶν τ. [A B <sup>2</sup> B πραγματῶν] (2)              |  |
| [Aq. Th. Ex. 28. 17: Nu. 2. 17.]  |  |
| [Sm. Ex. 28. 17: Nu. 2. 17: Ca. 6. 3 (4).]  |  |
| [Al. Nu. 29. 39: 30. 3: Jb. 1. 17.]   |  |
| <b>ταϊνία.</b>  |  |
| Ez. 27. 5. ταϊνία σαυίδων κυκάρισσου [A -ιστί-<br>ων] ... ἐλγῆθησαν †                               |  |
| <b>τακτικός.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍 (2) 𐤕𐤁𐤍  |  |
| Da. Th. 6. 2 (3). κατέστησεν ... ἐπάνω αὐτῶν<br>τακτικούς τρεῖς (2)                                 |  |
| — 4 (5). οἱ τ. ... ἐλθόντες πρόφασιν εὑρεῖν (2)   |  |
| — 5 (6). καὶ εἶπον οἱ τ. (2)  |  |
| — 6 (7). τότε οἱ τ. ... παρέστησαν τῷ βασ. (2)  |  |
| [Th. Da. 6. 2, 3†.]   |  |
| <b>τακτός.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍  |  |
| Jb. 12. 5. εἰς χρόνον γὰρ τακτὸν ἡτοίμαστο πειθεῖν (1)  |  |
| <b>ταλαιπωρεῖν.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍 ni. (2) 𐤕𐤁𐤍 a. qal.   |  |
| δ. ni. c. pu. d. po.  |  |
| Ps. 16 (17). 9. ἀπὸ προσώπου ἀσεβῶν [A -οῦς]<br>τῶν ταλαιπωρησάντων [B <sup>1</sup> -ρισ.] με (2 a) |  |
| 37 (38). 6. ἐταλαιπώρησα καὶ κατεκάμψην (1)   |  |
| Ho. 10. 2. ταλαιπωρήσουσιν αἱ στήλαι αὐ. (2 d)  |  |
| Mi. 2. 4. ταλαιπωρία ἐταλαιπώρησεν (2 b)  |  |
| Jl. 1. 10. τεταλαιπώρηκε τὰ πεδία (2 c)   |  |
| — 10. τεταλαιπώρηκε σίτος (2 c)   |  |
| Za. 11. 2. μεγάλως μεγιστάνες ἐταλαιπώρησαν (2 c)   |  |
| — 3. τεταλαιπώρηκεν ἡ μεγαλοσύνη αὐ. (2 c)  |  |
| — 3. τεταλαιπώρηκε τὸ φρύαγμα τοῦ 'Ιερδ. (2 c)  |  |
| Is. 33. 1. οὐαὶ τοῖς ταλαιπωροῦσιν ὑμᾶς (2 a)   |  |
| Je. 4. 13. οὐαὶ ἡμῖν ὅτι ταλαιπωροῦμεν (2 c)  |  |
| — 20. τεταλαιπώρηκε πᾶσα ἡ γῆ (2 c)   |  |
| — 20. ἀφῶν τεταλαιπώρηκεν ἡ σκεπή (2 c)   |  |
| 9. 19 (18). πᾶς ἐταλαιπώρησεν (2 c)   |  |
| 10. 20. ἡ σκεπή σου ἐταλαιπώρησεν (2 c)   |  |
| 12. 12. ἐν τῇ ἐρήμῳ ἦλθον ταλαιπωροῦντες (2 a)  |  |
| III Ma. 5. 5. τὰς τῶν ταλαιπωρουμένων ἐδέσμευον<br>χεῖρας (2 a)                                     |  |
| [Aq. Je. 4. 20: 49. 10 (29. 11), 28 (80. 6): 51<br>(28). 56.]                                       |  |
| [Sm. Is. 21. 2: 33. 1 δις.]   |  |
| [Th. Je. 49. 10 (29. 11).]  |  |
| <b>ταλαιπωρία.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍 (2) 𐤕𐤁𐤍  |  |
| (3) 𐤕𐤁𐤍 (4) 𐤕𐤁𐤍 (5) 𐤕𐤁𐤍 (6) a. 𐤕𐤁𐤍  |  |
| δ. 𐤕𐤁𐤍 (7) a. 𐤕𐤁𐤍 δ. 𐤕𐤁𐤍  |  |
| Jb. 5. 21. A οὐ φοβηθήσῃ ἀπὸ ταλαιπωρίας (6 a)  |  |
| — 21 (22). A ἐλευσεται ταλαιπωρία (6 a)   |  |
| 30. 3. οἱ φεύγοντες ... ταλαιπωρίαν (7 b)   |  |

|  |  |
|--|--|
| Ps. 11 (12). 5. ἀπὸ [B <sup>1</sup> ἔνεκεν] τῆς τ. τῶν πτω-<br>χῶν ... πῶν ἀναστήσομαι (6 a)                       |  |
| 13 (14). 3. B <sup>1</sup> σύμμιγμα καὶ ταλαιπωρία ἐν<br>ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν (6 a)                                    |  |
| 31 (32). 4. ἐστράφη ἐν ταλαιπωρίαν †   |  |
| 39 (40). 2. ἀνῆγαγε με ἐκ λάκκου ταλαιπωρίας (4)   |  |
| 68 (69). 20. ὀνειδισμὸν προσεδέκχεν ἡ ψυχὴ<br>μου καὶ ταλαιπωρίαν (3)  |  |
| 87 (88). 18. καὶ τοὺς γνωστοὺς μου ἀπὸ ταλαι-<br>πωρίας (2)  |  |
| 139 (140). 10. ἐν ταλαιπωρίας οὐ μὴ ὑποστῶσιν (1)  |  |
| Ho. 9. 6. πορεύονται ἐκ ταλαιπωρίας Αἰγύπτου (6 a)   |  |
| Am. 8. 10. οἱ θησαυρίζοντες ... ταλαιπωρίαν<br>ἐν ταῖς χώραις αὐ. (6 a)  |  |
| 5. 9. ταλαιπωρίαν ἐπὶ ὀχύρωμα ἐπέστων (6 a)  |  |
| Mi. 2. 4. ταλαιπωρία ἐταλαιπώρησεν (6 b)   |  |
| Jl. 1. 15. ὡς ταλαιπωρία ἐκ ταλαιπωρίας ἦξει (6 a, †)  |  |
| Hb. 1. 3. ἵνα τί θδεῖξαι μοι ... ταλαιπωρίαν<br>[A al.] (6 a)  |  |
| 2. 17. ταλαιπωρία θηρίων προήκει σε (6 a)  |  |
| Ze. 1. 15. B <sup>1</sup> ἡμέρα ταλαιπωρίας [AB <sup>1</sup> ἀωρίας]<br>καὶ ἀφανισμοῦ (7 a)                        |  |
| Is. 16. 4. A συνετέλεισθ τ. (6 a)  |  |
| 47. 11. ἦξει ἐπὶ σέ τ. (6 a)   |  |
| 59. 7. σύμμιγμα καὶ τ. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν (5)   |  |
| 60. 18. οὐδὲ τ. ἐν τοῖς ὁρίοις σου (5)   |  |
| Je. 4. 20. ταλαιπωρίαν [A ad. καὶ] συμμιγμὸν<br>ἐπικαλεῖται (5)  |  |
| 6. 7. ἀσέβεια καὶ τ. ἀκουσθήσεται ἐν αὐτῇ (6 a)  |  |
| — 26. ἦξει τ. ἐφ' ὑμᾶς (6 b)   |  |
| 15. 8. ἐπηγάγον ... ταλαιπωρίαν ἐν μεσημβρίᾳ (6 b)   |  |
| 20. 8. ἀθεσίαν καὶ ταλαιπωρίαν ἐπικαλεῖσθαι (6 a)  |  |
| 28 (31). 35. ἐξώσαν με ... αἱ τ. μου †   |  |
| — 56. ἦλθεν ἐπὶ Βαβυλῶνα τ. (6 b)  |  |
| Ez. 45. 9. ἀδικίαν καὶ ταλαιπωρίαν ἀφέλεσθε (6 a)  |  |
| II Ma. 6. 9. παρὴν ὅν ὄραν τὴν ἐνεστώσαν τ. (1)  |  |
| III Ma. 4. 12. ἀποδύρεσθαι τὴν ἀλεψὶ τῶν ἀδ. τ.<br>[Aq. Dt. 7. 15: 28. 60: Jb. 18. 21 (P.): 28. 1.<br>15.]         |  |
| [Sm. Ps. 17 (18). 19: 54 (55). 11: 72 (73). 5:<br>93 (94). 20: 106 (107). 39: 51. 19: Jb.<br>20. 8.]               |  |
| [Th. Jb. 18. 27: Ps. 31 (32). 4.]  |  |
| [Quint. Ps. 31 (32). 4.]   |  |
| [Al. Is. 16. 4.]   |  |
| <b>ταλαιπωρεῖν.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍  |  |
| Ps. 16 (17). 9. B <sup>1</sup> ἀπὸ προσώπου ἀσεβῶν τῶν<br>ταλαιπωρησάντων [A B <sup>2</sup> -ρισ.] με (1)          |  |
| [Sm. Is. 21. 2: 33. 1 δις.]  |  |
| [Th. Is. 33. 1.]   |  |
| <b>ταλαιπωρος.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍 (2) ποιεῖν ταλ-<br>αίπων 𐤕𐤁𐤍  |  |
| Jd. 5. 27. A ἐκεῖ ἔπενεν ταλαιπώρος [B ἐξοδευεῖς] (1)  |  |
| To. 7. 7. 8 ὁ ταλαιπώρων κικῶν ὅτι ἐνυφλώθη<br>[A B al.]   |  |
| 13. 10. ἀποστήσαι ἐν σοὶ τοὺς [B πάντας τ.] τ. (1)   |  |
| Ps. 136 (137). 8. θυγάτηρ Βαβυλῶνος ἦ τ. (1)   |  |
| Wi. 3. 11. σοφίαν γὰρ καὶ παιδείαν ὁ ἐξουθενῶν<br>ταλαιπώρος (1)   |  |
| 13. 10. ταλαιπώροι διὰ καὶ ἐν νεκροῖς αἱ ἐλπίδες αὐτῶν<br>Is. 33. 1. ὑμᾶς δὲ οὐδεὶς ποιεῖ ταλαιπώρους (2)          |  |
| II Ma. 4. 47. τοῖς δὲ τ. ... τοῖς θανάτων ἀπέκρινε<br>III Ma. 5. 5. A τὰς τῶν τ. [A -ρουμένων] ἐδέσμευον<br>χεῖρας |  |
| — 22. εἰς τὸ παντοῖους μηχανᾶσθαι τοῖς τ. δοκοῦσιν<br>ἐμπαίγμους   |  |
| — 47. θεῶσθαι τὴν ... ταλαιπωρῶν τῶν προσεση-<br>μαμένων καταστροφῆς   |  |
| IV Ma. 16. 7. ὁ ... τ. γαλακτοτροφίας<br>[Aq. Is. 30. 22: Jb. 4. 30.]  |  |
| [Sm. Je. 4. 30.]   |  |
| [Th. Jd. 5. 27: Jb. 4. 30 (Sw.).]  |  |

|   |  |
|---|--|
| <b>ταλαμών, vid. sub τελαμών.</b>   |  |
| <b>τάλαντον.</b> (1) 𐤕𐤁𐤍 (2) a. 𐤕𐤁𐤍 δ. 𐤕𐤁𐤍  |  |
| Ex. 25. 38 (39). πάντα τὰ σκεῖθ' αὐτὰ τάλαντον<br>χρυσίου καθαροῦ [A al.] (2 a)   |  |
| 39. 1 (38. 24). πᾶν τὸ χρυσίον ... ἐννέα καὶ<br>εἰκοσι τάλαντα (2 a)  |  |
| — 2 (38. 25). ἀργυρίου ἀφαίρεμα ... ἑκατὸν<br>τάλαντα (2 a)   |  |
| — 4 (38. 27). ἐγενήθη τὰ ἑκατὸν τ. τοῦ ἀργυ-<br>ρίου (2 a)  |  |
| — 5 (38. 27). ἑκατὸν κεφαλίδες εἰς τὰ ἑκατὸν τ. (2 a)   |  |
| — 5 (38. 27). τάλαντον [A τ. ἐν] τῇ κεφαλίδι (2 a)  |  |
| — 7 (38. 29). καὶ ὁ χαλκὸς ... ἑβδομήκοντα<br>τάλαντα (2 a)   |  |
| II Ki. 12. 30. ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσίου (2 a)   |  |
| III Ki. 9. 14. ἤνικε X. τῷ 2. ἑκατὸν καὶ εἰκοσι<br>τάλαντα χρυσίου (2 a)  |  |
| — 28. ἔλαβον ἐκεῖθεν χρυσίου ἑκατὸν εἰκοσι<br>τάλαντα (2 a)   |  |
| 10. 10. ἔδωκε τῷ Σαλ. ἑκατὸν εἰκοσι τάλαντα<br>χρυσίου (2 a)  |  |
| — 14. ἐξακόσια καὶ ἐξήκοντα ἐξ τάλαντα χρυ-<br>σίου (2 a)   |  |
| 16. 24. ἐν δύο τάλαντων ἀργυρίου (2 a)  |  |
| 21 (20). 39. ἡ τάλαντον ἀργυρίου στήσεις (2 a)  |  |
| IV Ki. 5. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. δέκα τάλαντα<br>ἀργυρίου (2 a)  |  |
| — 22. δὲς δὴ αὐτοῖς τάλαντων ἀργυρίου (2 a)   |  |
| 15. 19. M. ἔδωκε τῷ Φ. χίλια τ. ἀργυρίου (2 a)  |  |
| 18. 14. τριακόσια τ. ἀργυρίου καὶ τριακόσια<br>τάλαντα χρυσίου (2 a, 2 a)   |  |
| 23. 33. B ἔδωκεν ἑκατὸν τάλαντα ἀργυρίου καὶ<br>ἑκατὸν τάλαντα χρυσίου [A B al.] (2 a, 2 a)   |  |
| I Ch. 19. 6. ἀπέστειλεν ... χίλια τ. ἀργυρίου (2 a)   |  |
| 20. 2. εὐρίθη ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσίου (2 a)  |  |
| 22. 14. ἡτοίμασα ... χρυσίου τάλαντων ἑκατὸν<br>χιλιάδας καὶ ἀργυρίου τάλαντων ἑκατὸν<br>χιλιάδας χιλιάδας (2 a, 2 a)   |  |
| 29. 4. τρισχίλια τ. χρυσίου ... καὶ ἑπτακισ-<br>χίλια τ. ἀργυρίου (2 a, 2 a)  |  |
| — 7. ἔδωκεν ... χρυσίου τ. πεντακισχίλια<br>... καὶ ἀργυρίου τάλαντων δέκα<br>χιλιάδας καὶ χαλκοῦ τ. μύρια ὀκτα-<br>κισχίλια καὶ σιδήρου τάλαντων<br>χιλιάδας ἑκατὸν (2 a quater) |  |
| II Ch. 8. 8. ἐχρυσώσεν αὐτὸν ... εἰς τ. ἐξακόσια (2 a)  |  |
| 8. 18. ἔλαβον ἐκεῖθεν τὰ [A om.] τετρακόσια<br>καὶ πενήκοντα τάλαντα χρυσίου (2 a)  |  |
| 9. 9. ἔδωκε τῷ βασ. ἑκατὸν εἰκοσι τάλαντα<br>χρυσίου (2 a)  |  |
| — 13. ἦν ὁ σταθμὸς ... ἐξακόσια ἐξήκοντα ἐξ<br>τάλαντα χρυσίου (2 a)  |  |
| 25. 6. ἐμισθώσατο ... ἑκατὸν τάλαντων ἀργυ-<br>ρίου (2 a)   |  |
| — 9. τί ποιῶμεν τὰ ἑκατὸν τ. (2 a)  |  |
| 27. 5. ἐδίδουν αὐτῷ ... ἑκατὸν τάλαντα ἀργυρίου (2 a)   |  |
| 36. 3. ἑκατὸν τάλαντα ἀργυρίου καὶ τάλαντον<br>χρυσίου (2 a, 2 a)   |  |
| I Es. 1. 36. ἀργυρίου τάλαντος ἑκατὸν καὶ χρυσίου<br>τάλαντα ἐνὶ (2 a)  |  |
| 3. 21. πάντα διὰ τάλαντων ποιεῖ λαλεῖν  |  |
| 4. 51. δοθῆναι κατ' ἐνιαυτὸν τάλαντα εἰκοσι   |  |
| — 52. ἄλλα τ. δέκα κατ' ἐνιαυτὸν  |  |
| 8. 20. ἕως ἀργυρίου τάλαντων ἑκατὸν   |  |
| — 56. στήσας ... ἀργυρίου τάλαντα ἐξακόσια  |  |
| — 56. καὶ σκεῖθ' ἀργυρὰ τάλαντων ἑκατὸν   |  |
| — 56. A B χρυσίου τάλαντων ἑκατὸν   |  |
| II Es. 7. 22. ἕως ἀργυρίου τάλαντων ἑκατὸν<br>[B <sup>1</sup> om.] (2 b)  |  |
| 8. 26. ζήτησα ... ἀργυρίου τ. ἐξακόσια καὶ<br>πεντήκοντα ... καὶ τάλαντα χρυσίου<br>ἑκατὸν (2 a, 2 a)   |  |

Το. 1. 14. παρεθέμην Γαβαίλῃ . . . ἀργυρίου τάλαντα δέκα [B al.]

4. 20. B ἐπιδεικνύσας τοὶ τὰ δέκα τ. τοῦ ἀργυρίου [A B al.]

Es. 1. 7. κυλίκιον . . . ἀπὸ τ. τρισμυρίων — 3. 9. διαγράψω . . . τ. μύρια (2 a)

4. 7. εἰς τὴν γάζαν μυρίων τ.

Ζα. 5. 7. ἰδοὺ τάλαντον μολίβου ἐξαιρόμενον (3 a)

— 7. A μία γυνὴ ἐκάθρο ἐν μίσφ τοῦ τ. [B S μέτρον] (1)

I Ma. 11. 28. ἐπηγγέλιτο αὐτῷ τ. τριακόσια

13. 16. ἀπόστειλον ἀργυρίου ἑκατὸν τάλαντα — 19. A B ἀπέστειλε . . . τὰ ἑκατὸν τ. [B al.]

15. 31. δότε ἀντ' αὐτῶν πεντακόσια τ. ἀργυρίου — 31. καὶ τὸν φόρων τῶν πόλεων ἄλλα τ. πεντακόσια

— 35. τούτων δώσωμεν τάλαντα ἑκατὸν

II Ma. 8. 11. τὰ δὲ πάντα ἀργυρίου τετρακόσια τ.

4. 8. ἐπαγγελάμενος . . . τάλαντα ἐξήκοντα — 8. καὶ προσδοῦν τινὲς ἄλλης τάλαντα ὀδοήκοιτα — 24. ὑπερβάλλον τὸν I. τάλαντα ἀργυρίου τριακόσια

5. 21. ἀπεργεκάμενος ἐκ τοῦ λευκοῦ τάλαντα

8. 10. τὸν φόρον . . . ὅσα τ. διαχλίνων — 11. ἐνενηκοντα σώματα ταλάντου παραχωρήσειν

IV Ma. 4. 17. δώσειν . . . τρισχίλια ἐξακόσια ἐξήκοντα τάλαντα

**τάλας.**

Wi. 15. 14. τάλανες ὑπὲρ ψυχὴν νηπίου [A ψυχὸς νηπίων]

Is. 6. 5. ὦ τ. ἐγὼ —

IV Ma. 8. 17. ὦ τάλανες ἡμεῖς

12. 4. σὺ . . . τάλας βασανισθεὶς καὶ αὐτὸς τεθηξῃ

**ταμίος.** (1) δ τ. תַּמִּיּוֹן תַּמִּיּוֹן

Is. 22. 15. πορεύου . . . πρὸς Σομῶν τὸν τ. [A γραμματεῖα] (1)

**ταμειὼν (ταμειών, ταμίον).** (1) דַּרְמָן (2) תַּמִּיּוֹן (3) תַּמִּי (4) תַּמִּי

Ge. 48. 30. εἰσελθὼν δὲ εἰς τὸ τ. (2)

Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . εἰς τὰ τ. τῶν κτηνῶν σου (2)

De. 28. 8. ἀποστέλλει κ. . . τὴν εὐλογίαν ἐν τοῖς τ. σου (1)

32. 25. καὶ ἐκ τῶν τ. φόβος

Jd. 3. 24. μὴ ποτε ἀποκενοὶ τοὺς πόδας αὐ. ἐν τ. τ. τῷ θερινῷ [A al.] (2)

15. 1. εἰσελεύσονται πρὸς τὴν γυν. μου εἰς τὸ τ. [A τὸν κοιτῶνα] (2)

16. 9. τὸ ἐνέδρον αὐτῇ ἐκάθρο ἐν τῷ τ. — 12. B τὰ ἐνέδρα ἐξήλθεν ἐκ τοῦ τ. — 12. A τὸ ἐνέδρον ἐκάθρο ἐν τῷ τ. (2)

II Ki. 13. 10. εἰσέγεγκε τὸ δρόμα εἰς τὸ τ. (2)

II Ki. 1. 15. εἰσῆλθε B. πρὸς τὸν βασιλ. εἰς τὸ τ. (2)

21 (20). 30. εἰσῆλθεν . . . εἰς τὸ τ. (2)

22. 25. B' ὅταν εἰσελθῇς ταμειὼν τοῦ τ. τοῦ κρυφίου [A B' B κρυβήναι] (2, 2)

IV Ki. 6. 12. οὗς δὲν λαλήσης ἐν τῷ τ. τοῦ κοιτῶνος σου (2)

9. 2. εἰσάξεις αὐτὸν εἰς τὸ τ. ἐν ταμειῷ [A τῷ τ.] (2, 2)

11. 2. ἐν τῷ τ. τῶν κλινῶν (2)

II Ch. 18. 24. εἰσελεύσῃ ταμειὼν ἐκ ταμειῶν κλινῶν (2)

22. 11. ἔδωκεν αὐτὸν . . . εἰς ταμειὼν [A τὸ τ.] (2)

Το. 7. 16. ἐτόιμασον τὸ ἔτερον τ. [B τ. τὸ ἔ.] — 17. B ἔστρωσον εἰς τὸ τ. [A B al.]

8. 1. B εἰσῆγαγον αὐτὸν εἰς τὸ τ. [A B al.] — 4. B ἀπέκλεισαν τὴν θύραν τοῦ τ. [A B al.]

Jb. 9. 9. ὁ ποιῶν . . . ταμεία νότου (2)

37. 9. ἐκ ταμειῶν ἐπέρχονται [A ἐξέρχ.] ὀδύναι (2)

Ps. 104 (105). 30. A B' B ἐν τοῖς τ. τῶν βασιλείων [B S' -ειῶν] αὐ. (2)

143 (144). 13. τὰ τ. αὐτῶν πλήρη (2)

Pr. 3. 10. ἵνα πῖμπληται τὰ τ. σου πληρομένης σίτης [A B' -ου] (1)

7. 27. κατὰγουσαι εἰς τὰ [A B' om.] τ. τοῦ θανάτου (2)

20. 27. δε ἐρευνᾷ ταμεία κοιλάς — 30. πληγαὶ δὲ εἰς ταμεία [B' τὰ τ.] κοιλάς

24. 4. μετὰ αἰσθήσεως ἐμπιμπλάνται ταμεία

28. 22. οὐτοὶ δὲ τύπτουσιν εἰς ταμεία σπλῆγ-χων [B' κοιλάς] (2)

Ec. 10. 20. ἐν ταμειῶσι κοιτῶνων σου μὴ κατα-ράσῃ πλοῦσιον (2)

Ca. 1. 4. εἰσῆγγεκε μὲ δ βασιλ. εἰς τὸ τ. αὐ. (2)

3. 4. εἰσῆγγον αὐτὸν . . . εἰς ταμειὼν τῆς συλ-λαβούσης με (2)

8. 2. εἰσάξω σε [B' om. εἰσ. σε] . . . εἰς τα-μειὼν τῆς συλλαβούσης με —

Si. 29. 12. σύγκλεισον ἐλεημοσύνην ἐν τοῖς τ. σου

Is. 26. 20. εἰσελθε εἰς τὰ τ. σου (2)

42. 22. ἡ γὰρ γαλὶς ἐν τοῖς τ. πανταχοῦ +

Ez. 28. 16. ἐπλησας [A ἐπλήθυνας] τὰ τ. σου ἀνομίας (4)

[Th. Jd. 16. 12.]

**ταμειεύσθαι.** (1) תַּמִּיּוּן pi.

Pr. 29. 11. σοφὸς δὲ ταμειεύεται κατὰ μέρος (1)

IV Ma. 12. 12. ταμειεύεται [B -εὐσ.] σε ἡ θεία δίκη

**ταμύνει.** (1) תַּמִּיּוּן

Jb. 9. 8. ὁ ταμύνει τὸν οὐρανὸν μόνος (1)

Si. 43. 12. χεῖρες ὑψίστου ἐτάνυσαν αὐτὸ

**τάξις.** (1) תַּבְיָא (2) תַּבְיָא (3) תַּבְיָא (4) תַּבְיָא (5) תַּבְיָא (6) תַּבְיָא (7) תַּבְיָא (8) תַּבְיָא (9) תַּבְיָא

Nu. 1. 52. ἀνὴρ ἐν τῇ ἐαυτοῦ τάξει (4)

Jd. 5. 20. A ἐκ τῆς τ. αὐ. ἐπολέμωσαν [B al.] (5)

III Ki. 7. 37. τάξιν μίαν [A -is μία] καὶ μέτρον ἐν πάσαις (3)

I Es. 1. 5. στάντες ἐν τῷ ἁγίῳ . . . ἐν τάξει — 15. ἦσαν ἐπὶ τῆς τ. αὐ. (2)

Jb. 16. 3. τί γὰρ μὴ τάξις ἐστὶ ῥήμασι πνεύματος

24. 5. ὑπὲρ ἐμοῦ ἐξελεθόντες τὴν ἐαυτῶν τάξιν [B πράξειν, A τῇ ἐ. πράξει] (7)

28. 3. τάξιν ἔθετο σκότει (8)

36. 28. οἰδασι δὲ κοίτης τάξιν (8)

38. 12. ἐσωφόρος δὲ εἶδε τὴν ἐαυτοῦ τ. (6)

Ps. 109 (110). 4. σὺ ἱερὸς εἰς τὸν αἰῶνα κατὰ τὴν τ. Μελοχιστέ (1)

Pr. 31. 24 (26). τάξιν ἐστελλαιο τῇ γλώσσῃ αὐτῆς (9)

Hb. 3. 11. ἡ σελήνη ἔστη ἐν τῇ [B' om.] τ. αὐ. (2)

Da. TH 9. 26. ὥς τέλους πολλῶν συνετεμη-μένου τάξει —

II Ma. 1. 19. τάξιν ἔχοντες ἀνδρον

8. 22. τάξας ἀδελφούς αὐ. προηγουμένους ἑκατέρας τάξας

9. 18. ἔχουσιν ἱκετηρίας τάξιν

10. 36. εἰσδεχόμενοι δὲ τὴν λοιπὴν τ.

13. 21. ῥόδοκος ἐκ τῆς Ἰουδαϊκῆς τ. [Aq. Jb. 28. 13: 41. 4.] [Bm. Pr. 7. 10: Jk. 30 (37). 18.] [Al. Is. 22. 19.]

**ταπεινός.** (1) תַּיָּוֶן (2) תַּיָּוֶן (3) תַּיָּוֶן (4) תַּיָּוֶן (5) תַּיָּוֶן (6) תַּיָּוֶן (7) תַּיָּוֶן (8) תַּיָּוֶן (9) תַּיָּוֶן (10) תַּיָּוֶן (11) תַּיָּוֶן (12) תַּיָּוֶן (13) תַּיָּוֶן (14) תַּיָּוֶן (15) תַּיָּוֶן (16) תַּיָּוֶן (17) תַּיָּוֶן (18) תַּיָּוֶן (19) תַּיָּוֶן (20) תַּיָּוֶן (21) תַּיָּוֶן (22) תַּיָּוֶן (23) תַּיָּוֶן (24) תַּיָּוֶן (25) תַּיָּוֶן (26) תַּיָּוֶן (27) תַּיָּוֶן (28) תַּיָּוֶן (29) תַּיָּוֶן (30) תַּיָּוֶן (31) תַּיָּוֶן (32) תַּיָּוֶן (33) תַּיָּוֶן (34) תַּיָּוֶן (35) תַּיָּוֶן (36) תַּיָּוֶן (37) תַּיָּוֶן (38) תַּיָּוֶן (39) תַּיָּוֶן (40) תַּיָּוֶן (41) תַּיָּוֶן (42) תַּיָּוֶן (43) תַּיָּוֶן (44) תַּיָּוֶן (45) תַּיָּוֶן (46) תַּיָּוֶן (47) תַּיָּוֶן (48) תַּיָּוֶן (49) תַּיָּוֶן (50) תַּיָּוֶן (51) תַּיָּוֶן (52) תַּיָּוֶן (53) תַּיָּוֶן (54) תַּיָּוֶן (55) תַּיָּוֶן (56) תַּיָּוֶן (57) תַּיָּוֶן (58) תַּיָּוֶן (59) תַּיָּוֶן (60) תַּיָּוֶן (61) תַּיָּוֶן (62) תַּיָּוֶן (63) תַּיָּוֶן (64) תַּיָּוֶן (65) תַּיָּוֶן (66) תַּיָּוֶן (67) תַּיָּוֶן (68) תַּיָּוֶן (69) תַּיָּוֶן (70) תַּיָּוֶן (71) תַּיָּוֶן (72) תַּיָּוֶן (73) תַּיָּוֶן (74) תַּיָּוֶן (75) תַּיָּוֶן (76) תַּיָּוֶן (77) תַּיָּוֶן (78) תַּיָּוֶן (79) תַּיָּוֶן (80) תַּיָּוֶן (81) תַּיָּוֶן (82) תַּיָּוֶן (83) תַּיָּוֶן (84) תַּיָּוֶן (85) תַּיָּוֶן (86) תַּיָּוֶן (87) תַּיָּוֶן (88) תַּיָּוֶן (89) תַּיָּוֶן (90) תַּיָּוֶן (91) תַּיָּוֶן (92) תַּיָּוֶן (93) תַּיָּוֶן (94) תַּיָּוֶן (95) תַּיָּוֶן (96) תַּיָּוֶן (97) תַּיָּוֶן (98) תַּיָּוֶן (99) תַּיָּוֶן (100) תַּיָּוֶן (101) תַּיָּוֶן (102) תַּיָּוֶן (103) תַּיָּוֶן (104) תַּיָּוֶן (105) תַּיָּוֶן (106) תַּיָּוֶן (107) תַּיָּוֶן (108) תַּיָּוֶן (109) תַּיָּוֶן (110) תַּיָּוֶן (111) תַּיָּוֶן (112) תַּיָּוֶן (113) תַּיָּוֶן (114) תַּיָּוֶן (115) תַּיָּוֶן (116) תַּיָּוֶן (117) תַּיָּוֶן (118) תַּיָּוֶן (119) תַּיָּוֶן (120) תַּיָּוֶן (121) תַּיָּוֶן (122) תַּיָּוֶן (123) תַּיָּוֶן (124) תַּיָּוֶן (125) תַּיָּוֶן (126) תַּיָּוֶן (127) תַּיָּוֶן (128) תַּיָּוֶן (129) תַּיָּוֶן (130) תַּיָּוֶן (131) תַּיָּוֶן (132) תַּיָּוֶן (133) תַּיָּוֶן (134) תַּיָּוֶן (135) תַּיָּוֶן (136) תַּיָּוֶן (137) תַּיָּוֶן (138) תַּיָּוֶן (139) תַּיָּוֶן (140) תַּיָּוֶן (141) תַּיָּוֶן (142) תַּיָּוֶן (143) תַּיָּוֶן (144) תַּיָּוֶן (145) תַּיָּוֶן (146) תַּיָּוֶן (147) תַּיָּוֶן (148) תַּיָּוֶן (149) תַּיָּוֶן (150) תַּיָּוֶן (151) תַּיָּוֶן (152) תַּיָּוֶן (153) תַּיָּוֶן (154) תַּיָּוֶן (155) תַּיָּוֶן (156) תַּיָּוֶן (157) תַּיָּוֶן (158) תַּיָּוֶן (159) תַּיָּוֶן (160) תַּיָּוֶן (161) תַּיָּוֶן (162) תַּיָּוֶן (163) תַּיָּוֶן (164) תַּיָּוֶן (165) תַּיָּוֶן (166) תַּיָּוֶן (167) תַּיָּוֶן (168) תַּיָּוֶן (169) תַּיָּוֶן (170) תַּיָּוֶן (171) תַּיָּוֶן (172) תַּיָּוֶן (173) תַּיָּוֶן (174) תַּיָּוֶן (175) תַּיָּוֶן (176) תַּיָּוֶן (177) תַּיָּוֶן (178) תַּיָּוֶן (179) תַּיָּוֶן (180) תַּיָּוֶן (181) תַּיָּוֶן (182) תַּיָּוֶן (183) תַּיָּוֶן (184) תַּיָּוֶן (185) תַּיָּוֶן (186) תַּיָּוֶן (187) תַּיָּוֶן (188) תַּיָּוֶן (189) תַּיָּוֶן (190) תַּיָּוֶן (191) תַּיָּוֶן (192) תַּיָּוֶן (193) תַּיָּוֶן (194) תַּיָּוֶן (195) תַּיָּוֶן (196) תַּיָּוֶן (197) תַּיָּוֶן (198) תַּיָּוֶן (199) תַּיָּוֶן (200) תַּיָּוֶן (201) תַּיָּוֶן (202) תַּיָּוֶן (203) תַּיָּוֶן (204) תַּיָּוֶן (205) תַּיָּוֶן (206) תַּיָּוֶן (207) תַּיָּוֶן (208) תַּיָּוֶן (209) תַּיָּוֶן (210) תַּיָּוֶן (211) תַּיָּוֶן (212) תַּיָּוֶן (213) תַּיָּוֶן (214) תַּיָּוֶן (215) תַּיָּוֶן (216) תַּיָּוֶן (217) תַּיָּוֶן (218) תַּיָּוֶן (219) תַּיָּוֶן (220) תַּיָּוֶן (221) תַּיָּוֶן (222) תַּיָּוֶן (223) תַּיָּוֶן (224) תַּיָּוֶן (225) תַּיָּוֶן (226) תַּיָּוֶן (227) תַּיָּוֶן (228) תַּיָּוֶן (229) תַּיָּוֶן (230) תַּיָּוֶן (231) תַּיָּוֶן (232) תַּיָּוֶן (233) תַּיָּוֶן (234) תַּיָּוֶן (235) תַּיָּוֶן (236) תַּיָּוֶן (237) תַּיָּוֶן (238) תַּיָּוֶן (239) תַּיָּוֶן (240) תַּיָּוֶן (241) תַּיָּוֶן (242) תַּיָּוֶן (243) תַּיָּוֶן (244) תַּיָּוֶן (245) תַּיָּוֶן (246) תַּיָּוֶן (247) תַּיָּוֶן (248) תַּיָּוֶן (249) תַּיָּוֶן (250) תַּיָּוֶן (251) תַּיָּוֶן (252) תַּיָּוֶן (253) תַּיָּוֶן (254) תַּיָּוֶן (255) תַּיָּוֶן (256) תַּיָּוֶן (257) תַּיָּוֶן (258) תַּיָּוֶן (259) תַּיָּוֶן (260) תַּיָּוֶן (261) תַּיָּוֶן (262) תַּיָּוֶן (263) תַּיָּוֶן (264) תַּיָּוֶן (265) תַּיָּוֶן (266) תַּיָּוֶן (267) תַּיָּוֶן (268) תַּיָּוֶן (269) תַּיָּוֶן (270) תַּיָּוֶן (271) תַּיָּוֶן (272) תַּיָּוֶן (273) תַּיָּוֶן (274) תַּיָּוֶן (275) תַּיָּוֶן (276) תַּיָּוֶן (277) תַּיָּוֶן (278) תַּיָּוֶן (279) תַּיָּוֶן (280) תַּיָּוֶן (281) תַּיָּוֶן (282) תַּיָּוֶן (283) תַּיָּוֶן (284) תַּיָּוֶן (285) תַּיָּוֶן (286) תַּיָּוֶן (287) תַּיָּוֶן (288) תַּיָּוֶן (289) תַּיָּוֶן (290) תַּיָּוֶן (291) תַּיָּוֶן (292) תַּיָּוֶן (293) תַּיָּוֶן (294) תַּיָּוֶן (295) תַּיָּוֶן (296) תַּיָּוֶן (297) תַּיָּוֶן (298) תַּיָּוֶן (299) תַּיָּוֶן (300) תַּיָּוֶן (301) תַּיָּוֶן (302) תַּיָּוֶן (303) תַּיָּוֶן (304) תַּיָּוֶן (305) תַּיָּוֶן (306) תַּיָּוֶן (307) תַּיָּוֶן (308) תַּיָּוֶן (309) תַּיָּוֶן (310) תַּיָּוֶן (311) תַּיָּוֶן (312) תַּיָּוֶן (313) תַּיָּוֶן (314) תַּיָּוֶן (315) תַּיָּוֶן (316) תַּיָּוֶן (317) תַּיָּוֶן (318) תַּיָּוֶן (319) תַּיָּוֶן (320) תַּיָּוֶן (321) תַּיָּוֶן (322) תַּיָּוֶן (323) תַּיָּוֶן (324) תַּיָּוֶן (325) תַּיָּוֶן (326) תַּיָּוֶן (327) תַּיָּוֶן (328) תַּיָּוֶן (329) תַּיָּוֶן (330) תַּיָּוֶן (331) תַּיָּוֶן (332) תַּיָּוֶן (333) תַּיָּוֶן (334) תַּיָּוֶן (335) תַּיָּוֶן (336) תַּיָּוֶן (337) תַּיָּוֶן (338) תַּיָּוֶן (339) תַּיָּוֶן (340) תַּיָּוֶן (341) תַּיָּוֶן (342) תַּיָּוֶן (343) תַּיָּוֶן (344) תַּיָּוֶן (345) תַּיָּוֶן (346) תַּיָּוֶן (347) תַּיָּוֶן (348) תַּיָּוֶן (349) תַּיָּוֶן (350) תַּיָּוֶן (351) תַּיָּוֶן (352) תַּיָּוֶן (353) תַּיָּוֶן (354) תַּיָּוֶן (355) תַּיָּוֶן (356) תַּיָּוֶן (357) תַּיָּוֶן (358) תַּיָּוֶן (359) תַּיָּוֶן (360) תַּיָּוֶן (361) תַּיָּוֶן (362) תַּיָּוֶן (363) תַּיָּוֶן (364) תַּיָּוֶן (365) תַּיָּוֶן (366) תַּיָּוֶן (367) תַּיָּוֶן (368) תַּיָּוֶן (369) תַּיָּוֶן (370) תַּיָּוֶן (371) תַּיָּוֶן (372) תַּיָּוֶן (373) תַּיָּוֶן (374) תַּיָּוֶן (375) תַּיָּוֶן (376) תַּיָּוֶן (377) תַּיָּוֶן (378) תַּיָּוֶן (379) תַּיָּוֶן (380) תַּיָּוֶן (381) תַּיָּוֶן (382) תַּיָּוֶן (383) תַּיָּוֶן (384) תַּיָּוֶן (385) תַּיָּוֶן (386) תַּיָּוֶן (387) תַּיָּוֶן (388) תַּיָּוֶן (389) תַּיָּוֶן (390) תַּיָּוֶן (391) תַּיָּוֶן (392) תַּיָּוֶן (393) תַּיָּוֶן (394) תַּיָּוֶן (395) תַּיָּוֶן (396) תַּיָּוֶן (397) תַּיָּוֶן (398) תַּיָּוֶן (399) תַּיָּוֶן (400) תַּיָּוֶן (401) תַּיָּוֶן (402) תַּיָּוֶן (403) תַּיָּוֶן (404) תַּיָּוֶן (405) תַּיָּוֶן (406) תַּיָּוֶן (407) תַּיָּוֶן (408) תַּיָּוֶן (409) תַּיָּוֶן (410) תַּיָּוֶן (411) תַּיָּוֶן (412) תַּיָּוֶן (413) תַּיָּוֶן (414) תַּיָּוֶן (415) תַּיָּוֶן (416) תַּיָּוֶן (417) תַּיָּוֶן (418) תַּיָּוֶן (419) תַּיָּוֶן (420) תַּיָּוֶן (421) תַּיָּוֶן (422) תַּיָּוֶן (423) תַּיָּוֶן (424) תַּיָּוֶן (425) תַּיָּוֶן (426) תַּיָּוֶן (427) תַּיָּוֶן (428) תַּיָּוֶן (429) תַּיָּוֶן (430) תַּיָּוֶן (431) תַּיָּוֶן (432) תַּיָּוֶן (433) תַּיָּוֶן (434) תַּיָּוֶן (435) תַּיָּוֶן (436) תַּיָּוֶן (437) תַּיָּוֶן (438) תַּיָּוֶן (439) תַּיָּוֶן (440) תַּיָּוֶן (441) תַּיָּוֶן (442) תַּיָּוֶן (443) תַּיָּוֶן (444) תַּיָּוֶן (445) תַּיָּוֶן (446) תַּיָּוֶן (447) תַּיָּוֶן (448) תַּיָּוֶן (449) תַּיָּוֶן (450) תַּיָּוֶן (451) תַּיָּוֶן (452) תַּיָּוֶן (453) תַּיָּוֶן (454) תַּיָּוֶן (455) תַּיָּוֶן (456) תַּיָּוֶן (457) תַּיָּוֶן (458) תַּיָּוֶן (459) תַּיָּוֶן (460) תַּיָּוֶן (461) תַּיָּוֶן (462) תַּיָּוֶן (463) תַּיָּוֶן (464) תַּיָּוֶן (465) תַּיָּוֶן (466) תַּיָּוֶן (467) תַּיָּוֶן (468) תַּיָּוֶן (469) תַּיָּוֶן (470) תַּיָּוֶן (471) תַּיָּוֶן (472) תַּיָּוֶן (473) תַּיָּוֶן (474) תַּיָּוֶן (475) תַּיָּוֶן (476) תַּיָּוֶן (477) תַּיָּוֶן (478) תַּיָּוֶן (479) תַּיָּוֶן (480) תַּיָּוֶן (481) תַּיָּוֶן (482) תַּיָּוֶן (483) תַּיָּוֶן (484) תַּיָּוֶן (485) תַּיָּוֶן (486) תַּיָּוֶן (487) תַּיָּוֶן (488) תַּיָּוֶן (489) תַּיָּוֶן (490) תַּיָּוֶן (491) תַּיָּוֶן (492) תַּיָּוֶן (493) תַּיָּוֶן (494) תַּיָּוֶן (495) תַּיָּוֶן (496) תַּיָּוֶן (497) תַּיָּוֶן (498) תַּיָּוֶן (499) תַּיָּוֶן (500) תַּיָּוֶן (501) תַּיָּוֶן (502) תַּיָּוֶן (503) תַּיָּוֶן (504) תַּיָּוֶן (505) תַּיָּוֶן (506) תַּיָּוֶן (507) תַּיָּוֶן (508) תַּיָּוֶן (509) תַּיָּוֶן (510) תַּיָּוֶן (511) תַּיָּוֶן (512) תַּיָּוֶן (513) תַּיָּוֶן (514) תַּיָּוֶן (515) תַּיָּוֶן (516) תַּיָּוֶן (517) תַּיָּוֶן (518) תַּיָּוֶן (519) תַּיָּוֶן (520) תַּיָּוֶן (521) תַּיָּוֶן (522) תַּיָּוֶן (523) תַּיָּוֶן (524) תַּיָּוֶן (525) תַּיָּוֶן (526) תַּיָּוֶן (527) תַּיָּוֶן (528) תַּיָּוֶן (529) תַּיָּוֶן (530) תַּיָּוֶן (531) תַּיָּוֶן (532) תַּיָּוֶן (533) תַּיָּוֶן (534) תַּיָּוֶן (535) תַּיָּוֶן (536) תַּיָּוֶן (537) תַּיָּוֶן (538) תַּיָּוֶן (539) תַּיָּוֶן (540) תַּיָּוֶן (541) תַּיָּוֶן (542) תַּיָּוֶן (543) תַּיָּוֶן (544) תַּיָּוֶן (545) תַּיָּוֶן (546) תַּיָּוֶן (547) תַּיָּוֶן (548) תַּיָּוֶן (549) תַּיָּוֶן (550) תַּיָּוֶן (551) תַּיָּוֶן (552) תַּיָּוֶן (553) תַּיָּוֶן (554) תַּיָּוֶן (555) תַּיָּוֶן (556) תַּיָּוֶן (557) תַּיָּוֶן (558) תַּיָּוֶן (559) תַּיָּוֶן (560) תַּיָּוֶן (561) תַּיָּוֶן (562) תַּיָּוֶן (563) תַ

- e. hi. f. hithp. g. הִיִּחַפּ h. הִיִּחַפּ (15) חִיִּחַפּ  
(16) חִיִּחַפּ hithpal. (17) חִיִּחַפּ (18) חִיִּחַפּ  
a. qal. b. ni. c. hi. (19) חִיִּחַפּ hi.  
(20) חִיִּחַפּ a. qal. b. hi. c. חִיִּחַפּ aph.
- Ge. 15. 13. καὶ ταπεινώσουσιν αὐτούς (14 c)  
16. 9. B ταπεινώθητι ὑπὸ τὰς χεῖρας αὐ. (14 f)  
31. 50. εἰ ταπεινώσεις τὰς θυγατέρας μου (14 c)  
34. 2. καὶ ἐταπεινώσεν αὐτήν (14 c)  
Ex. 1. 12. καθότι δὲ αὐτοὺς ἐταπεινούν (14 c)  
Le. 16. 29. ταπεινώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (14 c)  
— 31 : 23. 27. ταπεινώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (14 c)  
23. 29. πᾶσα ψυχὴ ἥτις μὴ ταπεινωθήσεται (14 d)  
— 32. ταπεινώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (14 c)  
25. 39. ἐὰν δὲ ταπεινωθῇ ὁ ἀδελφός σου (14 a)  
De. 21. 14. ἐταπεινώσας αὐτήν (14 c)  
22. 24. ἐταπείνωσε τὴν γυναῖκα τοῦ πλησίον (14 c)  
— 29. ἀνθ' ὧν ἐταπεινώσεν αὐτήν (14 c)  
26. 6. καὶ ἐταπεινώσαν ἡμᾶς (14 c)  
Jd. 4. 23. Α ἐταπείνωσε κ. ὁ θεὸς τὸν 'Ι. [B al.] (10 b)  
6. 13. Α ταπεινώσαν μοι τοὺς ἰσχυροτέρους μου [B al.] +  
12. 2. Α ἐταπεινῶν με σφόδρα [B al.] —  
16. 5. τοῦ [A ὥστε] ταπεινώσαι αὐτόν (14 c)  
— 6. τοῦ ταπεινωθῆναι σε (14 c)  
— 19. ἤρξατο ταπεινῶσαι αὐτόν [A -νοῦσθαι] (14 c)  
19. 24. καὶ ταπεινώσατε αὐτὰς (14 c)  
20. 5. τὴν παλακὴν μου ἐταπεινώσαν (14 c)  
Ru. 1. 21. καὶ κύριος ἐταπείνωσέ με (14 a)  
I Ki. 2. 7. κύριος . . . ταπεινοὶ καὶ ἀνηφοῖ (20 b)  
7. 13. ἐταπείνωσε κ. τοὺς ἀλλοφύλους (10 a)  
12. 8. ἐταπεινῶν αὐτοὺς Αἴγυπτος —  
26. 9. μὴ ταπεινώσῃς [A διαφθείρῃς] αὐτόν (19)  
II Ki. 7. 10. τοῦ ταπεινώσαι αὐτόν (14 c)  
13. 12. μὴ ταπεινώσῃς με (14 c)  
— 14. καὶ ἐταπεινώσεν αὐτήν (14 c)  
— 22. οὐ ἐταπείνωσεν Θ. τὴν ἀδ. αὐ. (14 c)  
— 32. ἥς ἐταπείνωσε Θ. τὴν ἀδ. αὐ. (14 c)  
22. 28. ὀφθαλμοὺς ἐπὶ μετρώων ταπεινώσεις (20 b)  
III Ki. 8. 35. ὅταν ταπεινώσῃς αὐτούς (14 c)  
I Ch. 4. 10. τοῦ μὴ ταπεινώσαι με (16)  
17. 9. οὐ προσθήσει ἀδικία τοῦ ταπεινώσαι αὐτόν (2)  
— 10. ἐταπείνωσα ἅπαντας τοὺς ἐχθρούς σου (10 b)  
20. 4. καὶ ἐταπεινῶν αὐτόν (10 a)  
II Ch. 6. 26. ταπεινώσεις αὐτούς (14 c)  
18. ἐταπεινώθησαν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. (10 a)  
28. 19. ἐταπείνωσε κύριος τὸν 'Ιούδαν (10 b)  
32. 26. ἐταπεινώθη 'Εζ. ἀπὸ τοῦ ὕψους τῆς καρδίας αὐ. (10 a)  
33. 12. καὶ ἐταπεινώθη σφόδρα (10 a)  
— 23. οὐκ ἐταπεινώθη ἐναντίον κυρίου ὡς ἐταπεινώθη Μαν. (10 a, 10 a)  
34. 27. ἐταπεινώθη ἀπὸ προσώπου μου (10 a)  
— 27. καὶ ἐταπεινώθη ἐναντίον μου (10 a)  
II Es. 8. 21. τοῦ ταπεινωθῆναι ἐνώπιον θεοῦ ἡμῶν (14 f)  
To. 4. 19. B δ' [A B δν] ἐὰν θέλῃ ταπεινοὶ Ju. 4. 9. ἐταπεινούσαν [B -ωσαν] τὰς ψυχὰς αὐ. 5. 11. ἐταπεινώσαν [A B -εν] αὐτούς  
Es. 4. 17. τὸ σῶμα αὐ. ἐταπείνωσε σφόδρα 6. 13. ἤρξατο ταπεινῶσαι ἐνώπιον αὐτοῦ (18)  
Jb. 22. 12. τοὺς δὲ ὕβρις φερόμενους ἐταπείνωσε + 23. ἐὰν δὲ . . . ταπεινώσῃς σεαυτὸν ἐναντίον κυρίου — 29. ὅτι ἐταπείνωσας σεαυτόν (20 b)  
24. 9. ἐκπεινώκατα δὲ ἐταπεινώσαν + 31. 10. τὰ δὲ νηπιά μου ταπεινώθει (11)  
34. 25. A B καὶ ταπεινώθησονται [B B -σεται] (4 b)  
40. 6 (11). πάντα δὲ ὕβριστην ταπεινώσων (20 b)  
Ps. 39. 31 (10. 10). ἐν τῇ παγιδίᾳ αὐτοῦ ταπεινώσει αὐτόν (5 a)  
17 (18). 27. ὀφθαλμοὺς ὑπερηφάνων ταπεινώσεις (20 b)  
34 (35). 13. ἐταπείνων ἐν νηστειᾷ τὴν ψυχὴν μου (14 c)  
— 14. ὡς πενθῶν καὶ σκυθρωπάζων οὕτως ἐταπεινώμην (18 a)  
37 (38). 8. ἐταπεινώθη ἕως σφόδρα (5 b)  
38 (39). 2. ἐκωφώθη καὶ ἐταπεινώθη + 43 (44). 19. ἐταπείνωσας ἡμᾶς ἐν τότῳ κακῶσιν (5 c)  
— 25. ἐταπεινώθη εἰς χοῦν ἡ ψυχὴ ἡμῶν (17)  
50 (51). 8. ἀγαλλιάσονται ὅσα ἐταπεινωμένα (5 c)  
— 17. καρδίαν . . . ταπεινωμένην ὁ θεὸς οὐκ ἐξουθενώσει (5 b)
- Ps. 54 (55). 19. ταπεινώσει αὐτοὺς ὁ ὑπάρχων πρὸ τῶν αἰώνων (14 c)  
71 (72). 4. ταπεινώσει συκοφάντην (4 a)  
73 (74). 21. μὴ ἀποτραφῇτε ταπεινωμένοι (3)  
74 (75). 7. τοῖτον ταπεινοὶ (20 b)  
80 (81). 14. ἐν τῷ μηδεὶ ἂν τοὺς ἐχθρούς αὐτῶν ἐταπεινώσα (10 b)  
87 (88). 15. ὕψωθείς δὲ ἐταπεινώθη + 88 (89). 10. σὺ ἐταπείνωσας ὡς τραυματίαν ὑπερήφανον (4 a)  
89 (90). 15. ἀνθ' ὧν ἡμερῶν ἐταπείνωσας ἡμᾶς (14 c)  
93 (94). 5. τὸν λαόν σου, κύριε, ἐταπείνωσαν (4 a)  
104 (105). 18. ἐταπείνωσεν ἐν πείδαις τοὺς πόδας αὐτοῦ (14 c)  
105 (106). 42. ἐταπεινώθησαν ὑπὸ τὰς χεῖρας αὐτῶν (10 a)  
— 43. ἐταπεινώθησαν ἐν ταῖς ἀνομίαις αὐτῶν (12 b)  
106 (107). 12. ἐταπεινώθη ἐν κόπῳ ἡ καρδία αὐτῶν (10 b)  
— 17. διὰ γὰρ τὰς ἀνομίας αὐτῶν ἐταπεινώθησαν (14 f)  
114 (116). 6. ἐταπεινώθη καὶ ἔσωσέ με (6)  
115. 1 (116. 10). ἐγὼ δὲ ἐταπεινώθη ἡ σφόδρα (14 a)  
118 (119). 67. πρὸ τοῦ μὴ ταπεινωθῆναι (14 a)  
— 71. ἀγαθὸν μοι ὅτι ἐταπείνωσάς με (14 d)  
— 75. ἀληθείᾳ ἐταπείνωσάς με (14 c)  
— 107. ἐταπεινώθη ἕως σφόδρα (14 b)  
141 (142). 6. ἐταπεινώθη ἡ σφόδρα (6)  
142 (143). 3. ἐταπεινώσεν εἰς τὴν γῆν τὴν ζωὴν μου (4 a)  
146 (147). 6. ταπεινῶν δὲ ἀμαρτωλοὺς ἕως τῆς γῆς (20 b)  
Pr. 10. 4. πῆκα ἄνδρα ταπεινοὶ + 13. 7. εἰσὶν οἱ ταπεινούντες ἑαυτοὺς ἐν πολλῷ πλούτῳ (16)  
18. 12. καὶ πρὸ δόξης ταπεινοῦται (14 g)  
25. 7. ἡ ταπεινώσει [B -ωθῆναι] σε ἐν προσώπῳ δυνάστου (20 b)  
29. 23. ὕβρις ἄνδρα ταπεινοὶ (20 b)  
Ec. 10. 18. ἐν ὀκνηρίᾳ ταπεινωθήσεται ἡ δόκωσις (12 c)  
12. 4. ταπεινώθησονται πᾶσαι αἱ θυγατέρες τοῦ ἄσματος (18 b)  
Si. 2. 17. ἐνώπιον αὐτοῦ ταπεινώσουσι τὰς ψυχὰς αὐτῶν  
8. 18. τοσοῦτ' ταπεινοὶ σεαυτόν  
4. 7. μεγιστάνι [B<sup>3</sup> πρεσβυτέρῳ] ταπεινοῦ τὴν κεφαλὴν σου  
6. 12. ἐὰν ταπεινώθῃς ἔσται κατὰ σοὺ  
7. 11. ἔστι γὰρ ὁ ταπεινὸς καὶ ἀνυψῶν  
— 17. ταπεινώσων σφόδρα τὴν ψυχὴν σου  
12. 11. ἐὰν ταπεινώθῃ καὶ παρῇται συγκυκλωφῶς  
13. 8. μὴ ταπεινώθῃς ἐν ἐνφορῶν σου  
18. 21. πρὶν ἀρρωστήσῃ σε ταπεινώθητι  
29. 5. ἐπὶ τῶν χρημάτων τοῦ πλησίον ταπεινώσει φωνήν  
31 (34). 26. τί ὠφέλησεν ἐν τῷ ταπεινωθῆναι αὐτόν  
36 (38). 12. ἀπ' αὐτῶν ἠγάσας καὶ ἐταπείνωσε [A καὶ πρὸς αὐτὸν ἤργισεν]  
40. 3. καὶ ἕως τεταπεινωμένων ἐν γῇ καὶ σποδῷ  
Ho. 2. 15 (17). καὶ ταπεινωθήσεται ἐκεῖ (14 a)  
5. 5. ταπεινώθησεται ἡ ὕβρις τοῦ 'Ισρ. (14 a)  
7. 10. ταπεινωθήσεται ἡ ὕβρις 'Ισρ. (14 a)  
14. 9. ἐγὼ ἐταπείνωσα αὐτόν (14 a)  
Ma. 2. 12. ἕως καὶ ταπεινωθῇ ἐκ σκηνωμάτων 'Ι. (14 a)  
Is. 1. 25. A B<sup>3</sup> πάντας ὑπερηφάνους ταπεινώσω [B<sup>3</sup> om.] —  
2. 9. ἐταπεινώθη ἀνὴρ (20 a)  
— 11. ταπεινωθήσεται τὸ ὕψος τῶν ἀνθρώπων (18 a)  
— 12. καὶ ταπεινωθήσονται (20 a)  
— 17. ταπεινωθήσεται πᾶς ἄνθρωπος (18 a)  
3. 9 (8). ἐταπεινώθη ἡ δόξα αὐτῶν +  
— 17. ταπεινώσει ὁ θεὸς ἀρχούσας θυγατέρας Σιών +  
— 25 (26). πεσοῦνται καὶ ταπεινωθήσονται (1 a)  
6. 15. ταπεινωθήσεται ἄνθρωπος . . . οἱ ὀφθαλμοὶ οἱ μετῴρωι ταπεινωθήσονται (18 b, 20 a)  
10. 33. οἱ ὑψηλοὶ ταπεινωθήσονται (20 a)  
18. 11. ὕβρις ὑπερηφάνων ταπεινώσεται (20 b)  
25. 11. ἐταπείνωσε τοῦ ἀπολέσαι καὶ ταπεινώσει τὴν ὕβριν αὐτοῦ (†, 20 b)  
— 12. τὸ ὕψος τῆς καταφύγου τοῦ τοῦχου σου ταπεινώσει (18 c + 20 b)  
26. 5. ταπεινώσας κατήγαγεν τοὺς ἐνοκούοντας (18 c)  
29. 4. ταπεινωθήσονται εἰς τὴν γῆν οἱ λόγοι σου (20 a)
- Is. 40. 4. πᾶν ὄρος καὶ βουνὸς ταπεινωθήσεται (20 a)  
51. 21. ἄκουε, ταπεινωμένη (14 h)  
— 23. εἰς τὰς χεῖρας . . . τῶν ταπεινωσάντων σε (8 b)  
57. 9. ἐταπεινώθη [B -ῇ] ἕως ἄβου (20 b)  
58. 3. ἐταπεινώσαμεν τὰς ψυχὰς ἡμῶν (14 c)  
— 5. τ. ἀνθρώπων τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (14 c)  
— 10. ψυχὴν ταπεινωμένην ἐμπλήσῃς (14 b)  
60. 14. πορεύσονται πρὸς σέ . . . υἱοὶ ταπεινωσάντων σε (14 c)  
64. 12 (11). ἐταπείνωσας ἡμᾶς σφόδρα (14 c)  
Je. 18. 18. ταπεινώθητε καὶ καθίσαιτε [A om. κ. κ.] (20 b)  
88 (81). 37. ἐὰν ταπεινωθῇ τὸ ἔδαφος τῆς γῆς κάτω +  
Ba. 5. 7. συνέταξε . . . ταπεινοῦσθαι πᾶν ὄρος  
La. 1. 5. κύριος ἐταπείνωσεν αὐτήν (8 b)  
— 8. πάντες οἱ δοξάζοντες αὐτήν ἐταπείνωσαν αὐτήν (7)  
— 12. φθεγγόμενος ἐν ἐμοὶ ἐταπείνωσέ με κύριος (8 b)  
2. 5. ἐπλήθυνε τῇ θυγατρὶ 'Ιούδα ταπεινούμενη [A B -ον] καὶ ταπεινωμένην (1 c, 1 b)  
8. 32. ὁ ταπεινώσας οὐκ ἐκείρῃς (8 b)  
— 33. ἐταπείνωσεν υἱὸς ἀνδρός (8 a)  
— 34. τοῦ ταπεινώσαι ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτοῦ πάντας δεσμίους (4 a)  
5. 11. γυναῖκα ἐν Σιών ἐταπείνωσαν (14 c)  
Ez. 17. 24. ἐγὼ κύριος ὁ ταπεινὸς ἔξυλον ὑψηλόν (20 b)  
21. 26 (31). ἐταπείνωσας τὸ ὑψηλόν (20 b)  
22. 10. ἐν ἀκαθαρσίᾳ ἀποκαθήμενη [A -ῃς] ἐταπείνων (14 c)  
— 11. ἕκαστος τὴν ἀδελφὴν αὐτοῦ . . . ἐταπείνων ἐν σοὶ (14 c)  
Da. LXX. 8. (39). ἐν . . . πνεύματι ταπεινωμένην προσδεχέμενην  
7. 24. τρεῖς βασιλεῖς ταπεινώσει (20 c)  
10. 12. καὶ ταπεινωθῇ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (14 f)  
Da. TH. 4. 34. πάντας τοὺς πορευομ. ἐν ὑπερηφανίᾳ δύναται ταπεινώσαι (20 c)  
5. 19. οὗς ἠβούλετο αὐτὸς ἐταπείνου (20 c)  
— 22. οὐκ ἐταπείνωσας τὴν καρδίαν σου (20 c)  
7. 24. τρεῖς βασιλεῖς ταπεινώσει (20 c)  
11. 30. καὶ ταπεινωθήσεται (9)  
I Ma. 12. 15. ἐταπεινώθησαν οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν  
II Ma. 8. 35. ταπεινωθεὶς ὑπὸ τῶν καθ' αὐτὸν νομίζομ. ἐλαχίστων εἶναι  
[Aq. Pr. 29. 23 : Is. 2. 12 : 10. 33 : 19. 10 : 32. 19 : 57. 9 : Ez. 24. 12 (Sw.).]  
[Sm. Le. 25. 25, 35 : Ps. 74 (75). 8 : 88 (89). 11 (P.) : Pr. 17. 22 : 29. 23 : Is. 2. 12 : 10. 33 : 29. 4 : 32. 19 : 37. 13 : 53. 4 : 57. 9 : Ez. 24. 12 (P.).]  
[Th. Jb. 5. 4 : 22. 29 : 34. 25 : Pr. 29. 23 : Is. 2. 12 : 10. 33 : 19. 10 : 25. 5 : 58. 4 : 57. 9 : Jb. 17. 4 (Sw.) : 44 (51). 10 : Ez. 24. 12 (Sw.) : Da. 7. 25† : 11. 30.]  
[Al. Ex. 22. 21 (20) : Jd. 8. 30 : Ps. 38 (39). 12 : Hb. 6.]  
[Quint. Ps. 42 (48). 5.]  
ταπεινοφορεῖν. (1) נִיָּחַפּ pi.  
Ps. 130 (131). 2. A εἰ μὴ ἐταπεινοφόρου [B B -φρόνου] (1)  
ταπεινοφορεῖν. (1) נִיָּחַפּ pi.  
Ps. 130 (131). 2. B B εἰ μὴ ἐταπεινοφρόνου [A -φόρου] (1)  
[Sm. Jb. 22. 29.]  
ταπεινῶρυν. (1) נִיָּחַפּ pi.  
Pr. 29. 23. A B<sup>3</sup> B τοὺς δὲ τ. ἐρείδει [B ἐρείζει, B<sup>3</sup> ἐγείρει] δόξῃ κυρίου (1)  
[Aq. Ps. 15 (16). 1.]  
[Sm. Ps. 15 (16). 1 : 55 (56). 1 : 56 (57). 1 : 59 (60). 1.]  
[Al. Pr. 29. 23.]  
ταπεινώσις. (1) נִיָּחַפּ (2) a. נִיָּחַפּ d. נִיָּחַפּ  
c. נִיָּחַפּ d. נִיָּחַפּ (3) נִיָּחַפּ (4) נִיָּחַפּ  
Ge. 16. 11. ἐπήκουσε κύριος τῇ τ. σου (2 a)  
29. 32. εἶδε μου κύριος τὴν τ. (2 a)  
31. 42. τὴν τ. μου . . . εἶδεν ὁ θ. (2 a)  
41. 52. ἐν γῇ ταπεινώσεώς μου (2 a)  
De. 26. 7. εἶδε τὴν τ. ἡμῶν (2 a)  
I Ki. 1. 11. B ἐὰν . . . ἐπιβλέψῃς τὴν [A B ἐπὶ τὴν] τ. τῆς δουλείας σου (2 a)  
9. 16. ἐπέβλεψα ἐπὶ τὴν τ. τοῦ λαοῦ μου —  
II Ki. 16. 12. εἰ πως ἴδοι κ. ἐν τῇ τ. μου +

IV Ki. 14. 26. εἶδε κ. τὴν τ. ἱερ. πικρὰν σφόδρα (2 a)  
 II Es. 9. 5. ἀνίστην ἀπὸ ταπεινώσεως [A. 7ης τ.] (2 b)  
 Ne. 9. 9. εἶδες τὴν τ. [B<sup>2</sup> κακίαν] τῶν πατέρων ἡμῶν (2 a)  
 Ju. 6. 19. ἔλεγον τὴν τ. τοῦ γένους ἡμῶν  
 7. 32. ἥσαν ἐν τ. πολλῇ  
 13. 20. διὰ τὴν τ. τοῦ γένους ἡμῶν  
 Es. 4. 8. μνησθεῖσα ἡμῶν ταπεινώσεώς σου —  
 Ps. 9. 13. ἴδε τὴν τ. μου ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου (2 a)  
 21 (22). 21. καὶ ἀπὸ κεράτων μονοκεράτων τὴν τ. μου †  
 24 (25). 18. ἴδε τὴν τ. μου (2 a)  
 30 (31). 7. ἐπέιδες τὴν τ. μου (2 a)  
 89 (90). 3. μὴ ἀποστρέψῃς ἄνθρωπον εἰς ταπεινώσιν (1)  
 118 (119). 50. αὐτὴ με παρεκάλεσεν ἐν τῇ τ. μου (2 a)  
 — 92. τότε ἂν ἀπαλώμην ἐν τῇ τ. μου (2 a)  
 — 153. ἴδε τὴν τ. μου (2 a)  
 135 (136). 23. A B<sup>2</sup> B ἐν τῇ τ. ἡμῶν ἐμνήσθη ἡμῶν ὁ κύριος (4)  
 Pr. 16. 19. κρείσσων πραύθυμος [A. πρόβ.] μετὰ ταπεινώσεως (2 d\*, 2 c)  
 Ec. 10. 19. τοῦ ἀργυρίου ταπεινώσει [A B<sup>2</sup> om.] ἐπακουσεται τὰ πάντα —  
 Si. 2. 4. ἐν ἀλλήλοις ταπεινώσεώς σου μακροθύμησον — 5. ἄνθρωποι δεκτοὶ ἐν κομῇ ταπεινώσεως  
 11. 12. ἀνῶρθωσεν αὐτὸν ἐκ ταπεινώσεως αὐτοῦ  
 13. 20. A βδελύγμα ὑπερηφάνης ταπεινώσεως [B S -νότης]  
 20. 11. ἔστιν δε ἀπὸ ταπεινώσεως ἥρε κεφαλὴν  
 Is. 40. 2. ἐπλήσθη ἡ τ. αὐτῆς †  
 53. 8. ἐν τῇ τ. ἡ κρίσις αὐτοῦ ἥρθη [B<sup>1</sup> ἤχη] (8)  
 Je. 2. 24. ἐν τῇ τ. αὐτῆς εὐρήσουσιν αὐτήν †  
 La. 1. 3. μετῴκησθη ἱ. ἀπὸ ταπεινώσεως αὐ. (2 a)  
 — 7. ἐμνήσθη ἱερ. ἡμῶν ταπεινώσεως αὐ. (2 a)  
 — 9. ἴδε, κύριε, τὴν τ. μου (2 a)  
 Da. Th. 3. (39). ἐν... πνεύματι ταπεινώσεως προσδεχθήμεν  
 I Ma. 8. 51. καὶ οἱ ἱερεῖς σου ἐν πένθει καὶ ταπεινώσει  
 III Ma. 2. 12. βροθήσαντες αὐτοὺς ἐν τῇ τ.  
 [Aq., Sm. Is. 32. 19.]  
 [Th. Je. 2. 24: Da. 8. (39).]  
 [Quint. Ps. 92 (93). 3: 131 (132). 1.]  
 [Sext. Ps. 92 (93). 3.]  
 ταράσσειν. (1) תָּרַס a. ni. δ. pi. c. תָּרַס pa.  
 d. ithpa. (2) תָּרַס ni. (3) תָּרַס pi.  
 (4) תָּרַס ni. (5) תָּרַס ni. (6) תָּרַס a. qal.  
 d. hithp. (7) תָּרַס (8) תָּרַס hi. (9) a. תָּרַס  
 d. תָּרַס (10) a. תָּרַס d. תָּרַס (11) תָּרַס  
 (12) תָּרַס a. qal. d. hithp. (13) תָּרַס  
 (14) תָּרַס a. qal. d. poalal. c. תָּרַס  
 (15) תָּרַס (16) תָּרַס ni. (17) תָּרַס hi.  
 (18) תָּרַס (19) תָּרַס ni. (20) תָּרַס hithp.  
 (21) תָּרַס pi. (22) תָּרַס ni. (23) תָּרַס hi.  
 (24) תָּרַס hithp. (25) תָּרַס hi. (26) תָּרַס pilp.  
 (27) תָּרַס (28) תָּרַס pi. (29) תָּרַס pi.  
 (30) תָּרַס hi. (31) תָּרַס (32) תָּרַס a. ni.  
 d. hithp. (33) תָּרַס hithp. (34) תָּרַס  
 (35) תָּרַס pilp. (36) תָּרַס a. pilp.  
 d. hithp. (37) תָּרַס (38) תָּרַס (39) תָּרַס  
 hithp. (40) תָּרַס (41) תָּרַס (42) תָּרַס hi.  
 (43) תָּרַס hithp. (44) תָּרַס hithp.  
 (45) תָּרַס hithp. (46) תָּרַס tetaragmenon  
 ὄσωρ תָּרַס  
 Ge. 19. 16. καὶ ἐταράχθησαν (20)  
 40. 6. καὶ ἥσαν τεταραγμένοι (10 a)  
 41. 8. ἐταράχθη ἡ ψυχὴ αὐ. (32 a)  
 42. 28. ἐταράχθησαν πρὸς ἀλλήλους (15)  
 43. 30. ἐταράχθη δὲ ἱ. (21)  
 45. 3. ἐταράχθησαν γὰρ (1 a)  
 De. 2. 25. οἰκτιρε ἀκούσαντες τὸ ὄνομα σου ταραχθίσονται (37)  
 Jd. 11. 35. ταραχὴ ἐτάραξέ με [A. al.] (17)  
 Ru. 3. 8. ἔξεστη ὁ ἀνὴρ καὶ ἐταράχθη (19)

I Ki. 14. 16. ἡ παρεμβολὴ τεταραγμένη ἔθεν  
 καὶ ἔθεν (22)  
 II Ki. 18. 33 (19. 1). ἐταράχθη ὁ βασι. (37)  
 22. 8. ἐταράχθη καὶ ἐσίσθη ἡ γῆ (8 a\*, 8 b)  
 — 8. A τὰ θεμέλια τοῦ οὐρ. ἐταράχθησαν [B συνετ.] (37)  
 — 8. A καὶ ἐταράχθησαν [B ἐσπαρ.] (8 b)  
 III Ki. 3. 26. ἐταράχθη ἡ μήτρα αὐ. ἐπὶ τῷ νύμφ. αὐ. (18)  
 20 (21). 4. ἐγένετο τὸ πνεῦμα Ἀχ. τεταραγμένον [A. al.] (27 + 10 b)  
 — 5. τί τὸ πνεῦμα σου τεταραγμένον (27)  
 I Ch. 29. 11. ἀπὸ προσώπου σου τάρασσεται πᾶς βασιλεὺς †  
 To. 12. 16. ἐταράχθησαν οἱ δύο  
 Ju. 4. 2. περὶ ἱερ. ... ἐταράχθησαν  
 7. 4. οἱ δὲ υἱοὶ ἱερ. ... ἐταράχθησαν σφόδρα  
 14. 7. ἀκούσαντες τὸ ὄνομα σου ταραχθίσονται  
 — 19. ἐταράχθη ἡ ψυχὴ αὐτῶν σφόδρα  
 16. 10. A B<sup>2</sup> Μηδοὶ τὸ ὄρασε αὐ. ἐταράχθησαν [B S<sup>1</sup> ἐράραχ.]  
 Es. 1. 1. ἐταράχθη πᾶν ἔθνος δίκαιον  
 3. 15. ἐτάρασσετο δὲ ἡ πόλις (2)  
 4. 4. ἐταράχθη ἀκούσασα τὸ γεγονός (12 b)  
 5. 2. ἐταράχθη ἡ καρδία μου  
 — 2. ὁ βασι. ἐτάρασσετο  
 7. 6. A. δὲ ἐταράχθη ἀπὸ τοῦ βασι. (4)  
 Jb. 8. 3. ἡ δὲ τὰ πάντα ποιήσας ταράξει τὸ δίκαιον (29)  
 19. 6. κύριος ἐστὶν ὁ ταράξας [A B<sup>2</sup> add. με] (29)  
 34. 10. ἐναντὶ παντοκράτορος ταράξει τὸ δίκαιον †  
 — 12. ἡ δὲ παντοκράτωρ ταράξει κρίσιν [A τὸ δίκαιον] (29)  
 37. 1. ἐταράχθη ἡ καρδία μου (15)  
 Ps. 2. 5. ἐν τῷ θυμῷ αὐτοῦ ταράξει αὐτούς (1 b)  
 6. 2. ἐταράχθη τὰ ὀστά μου (1 a)  
 — 3. ἡ ψυχὴ μου ἐταράχθη σφόδρα (1 a)  
 7. ἐταράχθη ἀπὸ θυμοῦ ὁ ὀφθαλμὸς μου (21)  
 — 10. ταραχθίσαντες σφόδρα πάντες οἱ ἐχθροὶ μου (1 a)  
 17 (18). 7. τὰ θεμέλια τῶν ὀρέων ἐταράχθησαν (37)  
 29 (30). 7. ἐγενήθη τεταραγμένος (1 a)  
 30 (31). 9. ἐταράχθη ἐν θυμῷ ὁ ὀφθαλμὸς μου (31)  
 — 10. τὰ ὀστά μου ἐταράχθησαν (31)  
 37 (38). 10. ἡ καρδία μου ἐταράχθη (26)  
 38 (39). 6. B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> πλὴν μάτην τάρασσεται [A B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> -ονται] (9 a)  
 — 11. πλὴν μάτην τάρασσεται [A B om.] πᾶς ἄνθρωπος —  
 41 (42). 6. πρὸς ἐμάντων ἡ ψυχὴ μου ἐταράχθη (43)  
 45 (46). 2. ἐν τῇ ταρασσέσθαι τὴν γῆν (23)  
 — 3. ἐταράχθησαν τὰ ὕδατα αὐ. [B<sup>1</sup> τὰ κύματα] ἐταράχθησαν [A -θη] τὰ ὄρη ἐν τῇ κραταιότητι αὐ. (14 a, 40)  
 — 6. ἐταράχθησαν ἔθνη (9 a)  
 47 (48). 5. ἐταράχθησαν ἐσάλειψαν (1 a)  
 54 (55). 2. ἐταράχθη ἀπὸ φωνῆς ἐχθροῦ (8)  
 — 4. ἡ καρδία μου ἐταράχθη ἐν ἐμοὶ (12 a)  
 56 (57). 4. ἐκοιμήθη τεταραγμένος (18)  
 63 (64). 8. ἐταράχθησαν πάντες οἱ θεωροῦντες αὐτούς (24)  
 64 (65). 7. ταραχθίσονται τὰ ἔθνη (9 b)  
 67 (68). 4. B ταραχθίσονται [S -ήτσαν] ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ †  
 75 (76). 5. ἐταράχθησαν πάντες οἱ ἀσύνετοι τῇ καρδίᾳ (44)  
 76 (77). 4. ἐταράχθη καὶ οὐκ ἐλάλησα (32 a)  
 — 16. ἐταράχθησαν ἄβυσσοι (37)  
 82 (83). 15. ἐν τῇ ὁργῇ σου ταράξεις αὐτούς (1 b)  
 — 17. ταραχθίσασαι εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (1 a)  
 87 (88). 16. B οἱ φοβεροὶ μου ἐτάραξαν [A B B<sup>2</sup> ἐξέτ.] με (36)  
 89 (90). 7. ἐν τῷ θυμῷ σου ἐταράχθημεν (1 a)  
 103 (104). 29. ἀποστρέψαντος δὲ σου τὸ πρόσωπον ταραχθίσονται (1 a)  
 106 (107). 27. ἐταράχθησαν ἐσάλειψαν ὡς ὁ μεθύων (11)  
 108 (109). 22. ἡ καρδία μου τετάρακται ἐντός μου (18)  
 118 (119). 60. ἠτοιμάσθη καὶ οὐκ ἐταράχθη (20)  
 142 (143). 4. ἐν ἐμοὶ ἐταράχθη ἡ καρδία μου (46)  
 Pr. 12. 25. φυβεῖς λόγους καρδίαν τάρασσει ἀνδρὸς δίκαιου (42)  
 Ec. 10. 10. καὶ αὐτὸς πρόσσωπον ἐτάραξε (36 a)  
 Wi. 5. 2. ἰδόντες ταραχθίσονται φόβῳ διειρηθῶν  
 11. 6. ἀπὸ μὲν πηγῆς ἀέννητον ποταμὸν αἵματι λυθρῶδες ταραχθίσεται [A B -ος]  
 16. 6. εἰς νοθεύσας δὲ πρὸς ὀλίγων ἐταράχθησαν [B<sup>1</sup> -η]

Wi. 17. 4. S ἤχοι δὲ ταράσσοντες [B<sup>1</sup> ἐκτ., A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> καταράσσοντες] αὐτοὺς περιεκόμπουν  
 Si. 28. 9. ἀνὴρ ἀμαρτωλὸς ταράξει φίλους  
 30. 7. ἐπὶ πάσῃ βοῇ ταραχθίσεται σπλάγχνα αὐτοῦ  
 51. 21. ἡ κοιλία μου ἐταράχθη ἐκζητήσας αὐτήν  
 Ho. 6. 9 (8). πόλις ... τάρασσασα ὕδωρ †  
 Am. 8. 8. ἐπὶ τοῖς οὐ ταραχθίσεται ἡ γῆ (37)  
 Hb. 3. 2. ἐν τῷ ταραχθίσαι τὴν ψυχὴν μου —  
 — 15. τοὺς ἵππους σου τάρασσοντας ὕδωρ πολὺ (14 c)  
 — 16. ὑποκάτωθ' ἐμὴν ἐταράχθη ἡ ἔξις μου (37)  
 Is. 3. 12. τὸν τρίβον τῶν ποδῶν ὑ. τάρασσουσιν (8)  
 8. 12. οὐδὲ μὴ ταραχθῇ (30)  
 13. 8. ταραχθίσονται οἱ πρέσβεις (1 a)  
 14. 31. κεκραγέτωσαν πόλεις τεταραγμέναι (22)  
 17. 12. οὕτως ταραχθίσασθε (9 a)  
 19. 3. ταραχθίσεται τὸ πνεῦμα τῶν Αἰγυπτίων (5)  
 24. 14. ταραχθίσεται τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης (34)  
 — 19. ταραχὴ ταραχθίσεται ἡ γῆ (39 + 33)  
 30. 28. τοῦ ταράξει ἔθνη †  
 51. 15. ὁ θεὸς σου ὁ τάρασσων τὴν θάλασσαν (38)  
 64. 2 (1). ἀπὸ προσώπου σου ἔθνη ταραχθίσονται (37)  
 Je. 4. 24. εἰδὼν ... πάντας τοὺς βουνοὺς ταρασσομένους (38 b)  
 5. 22. ταραχθίσεται καὶ οὐκ ἐκζητήσεται [A -ηθίσ.] (8 b)  
 La. 1. 20. ἡ κοιλία μου ἐταράχθη (14 b)  
 2. 11. ἐταράχθη ἡ καρδία μου (14 b)  
 3. 9. ἐτάραξεν ἄρκος ἐνεδρεύουσα (28)  
 Ez. 26. 18. A ταραχθίσονται νῆσοι ἐν τῇ θαλ. (1 a)  
 30. 16. ταραχὴ ταραχθίσεται Σὺν [A. al.] (12 a)  
 32. 2. ἐτάρασσε ὕδωρ τοὺς ποταμούς σου (7)  
 — 13. οὐ μὴ ταράξῃ αὐτὸ ποῖος ἄνθρωπος (7)  
 34. 18. τὸ λοιπὸν τοῖς ποσὶν ὑμῶν ἐτάρασσετε [B<sup>2</sup> -ο] (41)  
 — 19. τὰ τεταραγμένα ὕδωρ ὑπὸ τῶν ποδῶν ὑμῶν ἐπινον (46)  
 Da. LXX. 2. 1. καὶ ταραχθῇ ἐν τῷ ἐνυπνίῳ αὐ. (32 b)  
 7. 15. ἐτάρασσόν με οἱ διωλοισμοὶ μου (1 c)  
 11. 12. καὶ ταράξει πολλοὺς (25)  
 — 44. ἀκοὴ ταράξει αὐτὸν (1 b)  
 Da. Th. 4. 2. ἐταράχθη ἐπὶ τῆς κοίτης μου †  
 — 2. B αἱ δράσεις τῆς κεφ. μου ἐτάραξαν [A B συνετ.] με (1 c)  
 5. 9. ὁ βασι. B. ἐταράχθη [A πολὺ ἐτ.] (1 d)  
 — 10. μὴ ταρασσέσθαι σε οἱ διωλοισμοὶ σου (1 c)  
 7. 15. αἱ δράσεις τῆς κεφ. μου ἐτάρασσόν με (1 c)  
 8. 11. A B θυσία ἐταράχθη [B al.] †  
 11. 44. σπουδαὶ ταράσσουσιν αὐτὸν (1 b)  
 I Ma. 3. 5. τοὺς ταρασσοντας τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐφλόγισε  
 7. 22. πάντες οἱ ταρασσοντας τὸν λαὸν αὐ. (1)  
 11. 24. A ἐτάραξεν τὰ πλείονα [S B al.]  
 II Ma. 16. 19. ταρασσόμενοι τῆς ἐν ὑπαίθρῳ προσβολῆς  
 III Ma. 1. 17. οἱ κατὰ τὴν πόλιν ἀπολειπόμενοι ταραχθίεντες ἐξεπλήθησαν  
 [Aq. Jo. 7. 25: I Ki. 14. 29: Pr. 11. 29: 15. 27: Jb. 5. 22: 33 (40). 9: 50 (27). 34: 51 (28). 29. 32: Ez. 32. 10.]  
 [Sm. Ex. 15. 14: Dt. 7. 25: Jo. 7. 25: I Ki. 14. 29: 28. 15: Jb. 5. 13: 22. 10: 23. 15: 38. 11 (P.): Ps. 47 (48). 6: Pr. 11. 17, 29: 15. 27: 27. 6: CA. 5. 4: Is. 5. 25: 18. 13: 14. 16: 28. 7, 28: 82. 11: 54. 10: Jb. 5. 22: 31 (38). 20: 50 (27). 34: 51 (28). 32: Ez. 32. 13.]  
 [Th. Jo. 7. 25: I Ki. 14. 29: Jb. 37. 1: Pr. 11. 29: 15. 27: 27. 6: Is. 5. 25: 18. 13: 28. 17, 28: 32. 11: Ez. 26. 18: Da. 7. 15.]  
 [Hob. Jb. 13. 11.]  
 [Al. Pr. 15. 27: Jb. 5. 22: Hb. 3. 7. 10, 15, 16.]  
 ταραχή. (1) תָּרַס (2) תָּרַס (3) תָּרַס  
 (4) a. תָּרַס d. תָּרַס (5) תָּרַס  
 (6) תָּרַס pil. (7) תָּרַס hi. (8) תָּרַס  
 (9) תָּרַס (10) תָּרַס (11) תָּרַס  
 (12) תָּרַס (13) תָּרַס  
 Jd. 11. 35. ταραχὴ ἐτάραξέ με [A. al.] (7)  
 Jb. 24. 17. A B<sup>2</sup> ἐπιγνώσεται ταραχὰς [B S<sup>1</sup> -χος] σκιάς [A B<sup>1</sup> -ὰ] θανάτου (1)  
 Ps. 30 (31). 20. κατακρύψει αὐτοὺς ... ἀπὸ ταραχῆς ἀνθρώπων (12)  
 Pr. 6. 14. ὅτι οὗτοι ταραχὰς συνίστησι πόλεις (9\*, 8)  
 26. 21. ἀνὴρ δὲ λειδωρὸς εἰς ταραχὴν μάχης (6)

Wi. 14. 25. **Β** φθορά ἀπιστία **ταραχή** [A B S -χος]  
 17. 8. οἱ γὰρ ὑποσχομένοι . . . **ταραχὰς** ἀπελευνύν  
 ψυχῆς νοσοῦσης [S' al.]  
 Si. 11. 34. ἀποτρέψει σε ἐν **ταραχαῖς** [B -η]  
 40. 5. θυμός καὶ ἥλος καὶ **ταραχή** καὶ σάλος  
 Ho. 5. 12. ἐγὼ ὡς **ταραχὴ** τῷ Ἐφρ.  
 Is. 22. 5. ἡμέρα **ταραχῆς** [S' -χους] (10)  
 24. 19. **ταραχὴ** **ταραχθήσεται** ἡ γῆ (18)  
 52. 12. οὐ μετὰ **ταραχῆς** ἐξελίσεσθε (5)  
 Je. 14. 19. ἰδοὺ τ. (2)  
 La. 3. 59. Ἰδὲς, κύριε, τὰς τ. μου (11)  
 Ez. 23. 46. ὁδὸς ἐν αὐταῖς [A ἐπ' αὐτὰς] **ταραχὴν** (3)  
 30. 4. ἵσταται τ. ἐν γῇ [A τη] Αἰθιοπία (4 δ)  
 — 9. ἵσταται τ. ἐν αὐτοῖς [A Αἰγύπτω] (4 δ)  
 — 16. **B B** τ. [B -ήν] **ταραχθήσεται** Συρία (4 α)  
 [A al.] (4 α)  
 Da. LXX. 11. 7. καὶ ποιήσει **ταραχὴν** +  
 II Ma. 3. 30. τὸ μικρὸν πρότερον . . . **ταραχῆς** γέμον  
 ἱερὸν  
 10. 30. διεκόπτοντο **ταραχῆς** πεπληρωμένοι  
 11. 25. τοῖτο τὸ ἔθνος ἐκτός **ταραχῆς** εἶναι  
 13. 16. τὴν παρεμβολὴν δέουσιν καὶ **ταραχῆς** ἐπιλή-  
 ρωσαν  
 15. 29. γενομένης δὲ **κραυγῆς** καὶ **ταραχῆς**  
 III Ma. 3. 8. τ. ἀπροσδοκῆτον περὶ τοὺς ἀνδρας  
 θεωροῦντες  
 — 24. ἀλφειδίου μετέπειτα **ταραχῆς** ἐνστάσης ἡμῶν  
 6. 19. τὴν δύναμιν τῶν ὑπεναγνίων ἐπιλήρως **τα-  
 ραχῆς**  
 [Aq. Ez. 32. 10.]  
 [Sm. Dt. 7. 23; I Ki. 5. 11; Ps. 29 (30). 8:]  
 [Is. 30. 7.]  
 [Th. Jb. 24. 17+.]  
 [Al. Ps. 54 (55). 23.]  
**τάραχος**. (1) תַּרְחוּם (2) תַּרְחֻם (3) תַּרְחָץ  
 Jd. 11. 35. καὶ οὐκ ἔστι ἐν τῷ τ. μου [A al.] (3)  
 I Ki. 5. 9. γίνεται χεὶρ κ. τη πόλει τ. μέγας σφόδρα (2)  
 Es. 1. 1. ἰδοὺ . . . **τάραχος** ἐπὶ τῆς γῆς  
 — 1. ἰδοὺ . . . τ. μέγας ἐπὶ τῆς γῆς  
 Jb. 24. 17. ἐπιγνώσκειται **τάραχος** [A B<sup>3</sup> -ας] (1)  
 σκιάς [A B<sup>3</sup> -α] θαλάσσης  
 Wi. 14. 26. φθορά ἀπιστία **τάραχος**  
 Is. 22. 5. **B<sup>1</sup>** ἡμέρα **ταράχους** [A B S<sup>3</sup> -χης] (2)  
 [Sm. Is. 30. 7.]  
 [Th. Jb. 24. 17+.]  
**ταραχώδης**. (1) תַּרְחָוּ  
 Ps. 90 (91). 3. καὶ ἀπὸ λόγου **ταραχώδους** (1)  
 Wi. 17. 9. εἰ μὴδὲν αὐτοὺς **ταραχώδεις** [S<sup>3</sup> τερατώδεις]  
 ἰφθίμει  
**ταριχεύειν**.  
 Ep. Je. 28. αἱ γυναῖκες ἀπ' αὐτῶν **ταριχεύουσιν**  
**ταρσός**. (1) תָּרָס  
 Wi. 5. 11. πληγὴ δὲ **ταρσῶν** μαστιζόμενον πνεῦμα  
 κοῦφον  
 Da. TH. 10. 10. **A** καὶ **ταρσῶν** χειρῶν μου (1)  
 [Aq. Nu. 6. 19; Dt. 28. 56; I Ki. 25. 29;  
 Ps. 9. 17; 77 (78). 72; 90 (91). 12; 118  
 (119). 109; 127 (128). 2; Is. 49. 16; 55.  
 12; Da. 10. 10.]  
 [Sm. Da. 10. 10.]  
 [Th. Da. 10. 10+.]  
 [Al. Dt. 2. 5.]  
**τάρταρος**.  
 Jb. 40. 15 (20). ἐποίησε **χαρμονίαν** **τετράπους**  
 ἐν τῷ τ. +  
 41. 23 (24). τὸν δὲ τ. τῆς ἀβύσσου ὥσπερ αἰχ-  
 μάλων +  
 Pr. 24. 51 (30. 16). καὶ **τάρταρος** καὶ γῆ οὐκ  
 ἐμπιπλάμην ὕδατος -  
**τάσσειν**. (1) תָּסַס (2) תָּסַס ni. (3) תָּסַס hi.  
 (4) תָּסַס a. qal. δ. ni. c. תָּסַס (5) תָּסַס  
 (6) תָּסַס (7) תָּסַס hi. (8) תָּסַס hithp.  
 (9) תָּסַס pi. (10) תָּסַס (11) תָּסַס, תָּסַס  
 (12) תָּסַס hi. (13) תָּסַס  
 Ge. 3. 24. **ἐταξ** τὰ χερουβὶν -  
 Ex. 8. 9 (5). **τάξαι** πρὸς μέ (8)  
 — 12 (8). ὡς **ἐτάξατο** Φ. (11)  
 29. 43. **τάξομαι** ἐκεῖ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (4 δ)

Jd. 18. 31. **A** **ἐταξαν** [B **ἐθχαν**] αὐτοῖς τὸ  
 γλυπτόν (11)  
 20. 30. **A** **ἐταξεν** Ἰσρ. πρὸς τὸν Βεν. [B al.] +  
 — 36. **A** δὲ **ἐταξαν** πρὸς τὸν Γ. [B al.] (11)  
 — 36. **A** δὲ **ἐταξαν** πρὸς τὸν Γ. (11 ?)  
 I Ki. 20. 35. καθὼς **ἐτάξατο** εἰς τὸ μαρτύριον Δ. (4 c ?)  
 22. 7. εἰ . . . πάντας ὑμᾶς **τάξει** ἐκατοντάρχους (11)  
 II Ki. 7. 11. ὡν **ἐταξα** κριτὰς ἐπὶ τὸν λαὸν μου (9)  
 20. 5. οὐ **ἐτάξατο** αὐτῶν (4 a)  
 23. 23. **ἐταξεν** αὐτὸν Δ. πρὸς [B<sup>3</sup> εἰς] τὰς ἀκοὰς  
 αὐ. (11)  
 III Ki. 2. 5. **ἐταξε** τὰ αἵματα πολέμου ἐν εἰρήνῃ (11)  
 IV Ki. 10. 24. **ἐταξεν** αὐτὸν ἔξω ἀγδοῦντα  
 ἀνδρας (11)  
 — 27. **A B** **ἐταξαν** [B ἐπάταξεν] αὐτὸν εἰς λυτ-  
 ρῶνας (11)  
 12. 17 (18). **ἐταξεν** Ἀζ. τὸ πρῶτον αὐ. (11)  
 I Ch. 16. 4. **ἐταξε** . . . ἐκ τῶν Α. λειτουργούντας (9)  
 — 7. **ἐταξε** Δ. ἐν ἀρχῇ τοῦ αἰνῶν τὸν κ. (9)  
 17. 10. ὡν **ἐταξα** κριτὰς ἐπὶ τὸν λαὸν μου Ἰσρ. (9)  
 II Ch. 31. 2. **ἐταξεν** Ἐζ. τὰς ἐφημερίας τῶν ἱ. (7)  
 I Es. 1. 15. κατὰ τὰ ὑπὸ Δ. **τεταγμένα**  
 To. 1. 21. **ἐταξεν** Ἀχάλαρον . . . ἐπὶ πᾶσαν τὴν  
 ἐκλογιστὴν τῆς βασιλείας  
 5. 6. **B** ἀπέκρινε ὁδὸν ἡμερῶν δύο **τεταγμένων**  
 Es. 1. 6. **B<sup>1</sup>** **καρπασίους** **τεταγμένους** [A B S<sup>2</sup>  
 τεταμ.] ἐπὶ σχοινίοις βυσσίνους (1)  
 3. 13. ὑπὸ Ἀ. τοῦ **τεταγμένου** ἐπὶ τῶν πραγμάτων  
 8. 13. πολλοὺς τῶν ἐπ' ἐξουσίας **τεταγμένων**  
 Jb. 14. 13. ὥς ἂν . . . **τάξῃ** μοι χρόνον (18)  
 30. 22. **ἐταξας** δὲ με ἐν ὁδούαις (5)  
 31. 24. εἰ **ἐταξα** χρυσὸν εἰς χούρ μου (11)  
 38. 13. ὑποκριταὶ καρδίᾳ **τάξουσιν** θυμὸν (11)  
 Ca. 2. 4. **τάξιν** ἐπ' ἐμὲ ἀγάστην +  
 6. 3 (4). **θάμβος** ὡς **τεταγμένοι** (2)  
 — 9 (10). **θάμβος** ὡς **τεταγμένοι** [B<sup>3</sup> -η] (2)  
 Si. 10. 1. ἡγεμονία συνετοῦ **τεταγμένη** ἔσται (18)  
 Ho. 2. 3 (5). **τάξω** αὐτὴν ὡς γῆν ἀνδρῶν  
 — 14 (16). **τάξω** αὐτὴν ὡς ἔρημον (9)  
 Mi. 5. 1 (4. 14). **συνοχὴν** ἔταξεν ἐφ' ὑμᾶς (11)  
 Hb. 1. 12. εἰς κρίμα **τάξας** αὐτὸ (11)  
 2. 9. τοῦ **τάξαι** εἰς ὑψος νοσσιῶν αὐ. (11)  
 3. 19. **τάξει** τοὺς πόδας μου εἰς συντέλειαν (11)  
 Ze. 1. 14. **φωτὴ** ἡμέρας κυρίου . . . σκληρὰ τέ-  
 τακται +  
 Hg. 1. 5. **τάξιν** τῇ δὴ τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς  
 ὁδοὺς ὑμῶν (11)  
 2. 19 (18). **A B<sup>2</sup>** **τάξαστε** [B S<sup>1</sup> ὑποτ.] δὴ τὰς  
 καρδίας ὑμῶν (11)  
 Za. 7. 12. τὴν καρδίαν αὐ. **ἐταξαν** ἀπειθῆ (11)  
 — 14. **ἐταξαν** γῆν ἐλεκτην εἰς ἀφανισμόν (11)  
 10. 3. **τάξει** αὐτοὺς ὡς ἵππων ἐπιρῆπὴ αὐ. (11)  
 — 4. καὶ ἀπ' αὐτοῦ **ἐταξε** +  
 Ma. 1. 3. **ἐταξα** τὰ ὅρια αὐ. εἰς ἀφανισμόν (11)  
 Is. 38. 1. **τάξαι** περὶ τοῦ οἴκου σου (9)  
 Je. 2. 15. **ἐταξαν** τὴν γῆν αὐτοῦ εἰς ἔρημον (18)  
 3. 19. **A B B** **τάξω** σε εἰς τέκνα [B **ἐθνη**] (18)  
 5. 22. τὸν **τάξαι** ἄμωρον ὄρνιν τῇ δαλίσσῃ (11)  
 7. 30. **ἐταξαν** τὰ βελούματα αὐτῶν ἐν τῷ οἴκῳ (11)  
 10. 22. τοῦ **τάξαι** τὰς πόλεις Ἰ. εἰς ἀφανισμόν (11)  
 11. 13. **ἐτάξεται** [A S -ξαν] **βασιμὸς** θυμὸν τῇ  
 Βαβλ. (11)  
 18. 16. τοῦ **τάξαι** τὴν γῆν αὐτῶν εἰς ἀφανισμόν (11)  
 19. 8. **A** **τάξω** [B S **κατάξω**] τὴν πόλιν ταύτην  
 εἰς ἀφανισμόν (11)  
 La. 3. 21. ταύτην **τάξω** εἰς τὴν καρδίαν μου (12)  
 Ep. Je. 62. **συντελοῦσι** τὸ **ταχθῆν** (11)  
 Ez. 4. 2. **τάξιν** τὰς βλοσυράς εἰς κίελας  
 14. 4. 7. τὴν κόλασιν τῆς ἀδικίας αὐτοῦ **τάξῃ**  
 πρὸ προσώπου αὐτοῦ (11)  
 16. 14. ἐν τῇ ὥραιότητι ἡ **ἐταξα** ἐπὶ σέ (11)  
 17. 5. ἐπιβλεπόμενον **ἐταξεν** αὐτὸ (11)  
 19. 5. **λείοντα** **ἐταξεν** αὐτόν (11)  
 20. 28. **ἐταξαν** ἐκεῖ ὁσμὴν εὐωδίας (11)  
 24. 7. ἐπὶ **λεωπεριαν** τίταχα αὐτό (11)  
 40. 4. **τάξον** εἰς τὴν καρδίαν σου πάντα (11)  
 44. 5. **τάξον** εἰς τὴν καρδίαν σου (11)  
 — 5. **τάξιν** τὴν καρδίαν σου εἰς τὴν εἰσοδὸν (11)  
 — 14. **A** καὶ **τάξουσιν** [B **κατάξ.**] αὐτοῦ  
 φυλάσσειν (6)  
 Da. TH. 6. 12 (13). οὐκ ὀρίσμων **ἐταξας** (10)  
 — 13 (14). **A** περὶ τοῦ ὀρίσμου οὐ **ἐταξας** (10)  
 9. 27. **A B<sup>2</sup>** **τάξει** ἐπὶ ἀφανισμόν (11)  
 11. 17. **τάξει** τὸν πρῶτον αὐ. εἰσελθεῖν (11)  
 I Ma. 5. 27. εἰς ἀβρὼν **τάσσονται** (11)  
 12. 26. οὕτως **τάσσονται** ἐπιστεῖν ἐπ' αὐτοὺς

I Ma. 14. 10. **A B** **ἐταξεν** αὐτὰς ἐν σκεύεισιν ὀχυρώ-  
 σεις [S al.]  
 15. 41. **A B** **ἐταξεν** [S ἀπέρ.] ἐκεῖ ἱππεῖς  
 II Ma. 3. 14. **ταξάμενος** δὲ ἡμέραν  
 6. 21. οἱ δὲ πρὸς τῷ παρανόμῳ σπλαγχνισμῷ **τεταγ-  
 μένοι**  
 — 21. **ἐσθίοντα** τὰ ὑπὸ τοῦ βασιλ. **τεταγμένα**  
 8. 22. **τάξας** ἀδελφούς αὐ. προηγουμένους ἑκατέρας  
**τάξας**  
 — 27. ἀρχὴν ἐλλοὺς **τάσσοντας** αὐτοῖς  
 10. 28. οἱ δὲ **καθηγούμενοι** τῶν ἀγόνων **ταττόμενοι**  
 τὸν θυμὸν  
 14. 21. **ἐτάξαντο** δὲ ἡμέραν  
 15. 20. τῆς δὲ ἵππου κατὰ κέρας **τεταγμένης**  
 III Ma. 5. 14. ὁ πρὸς ταῖς κλήσεσι **τεταγμένους**  
 7. 1. καὶ πᾶσι τοῖς **τεταγμένοις** ἐπὶ πραγμάτων  
 [Aq. Ca. 2. 4; Is. 80. 33; 40. 18.]  
 [Sm. I Ki. 7. 23; 8. 14; Jb. 14. 5; 24. 25;  
 82. 14; 87. 15; 88. 11; Ps. 8. 2; 9. 21; 11  
 (12). 6; 16 (17). 11; 18 (19). 5; 20 (21).  
 13; 38 (39). 9; 43 (44). 11; 47 (48). 14;  
 48 (49). 15; 61 (62). 11; 65 (66). 2; 9; 68  
 (69). 12; 72 (73). 9; 18; 80 (81). 6; 83  
 (84). 7; 87 (88). 7; 9; 108 (109). 41; Pr.  
 27. 23; 30. 26; Ec. 8. 16; 17 (9. 1); Je.  
 12. 10; 52. 32; Ez. 3. 17; 7. 20; 18. 17;  
 21. 2 (7); 25. 2; 29. 2.]  
 [Th. Jd. 18. 21, 31; Jb. 31. 24; 38. 13; Je.  
 33 (40). 25; Ez. 6. 2; Da. 6. 13+; 9. 26.]  
 [Al. Lx. 27. 2; Nu. 30. 3; Ps. 12 (13). 3; 140  
 (141). 2; Da. 9. 27; Hb. 3. 16.]  
**ταυρηδόν**.  
 IV Ma. 15. 19. τοὺς ὀφθ. ἐνὸς ἐκάστου θεωροῦσα τ.  
 ἐπὶ τῶν βασιῶν ὁρώσας  
**ταῦρος**. (1) תָּוֹר (2) תָּוֹר (3) תָּוֹר  
 (4) תָּוֹר (5) תָּוֹר  
 Ge. 32. 15 (16). **ἐλαβεν** . . . **ταύρους** δέκα (4)  
 49. 6. **ἐνευροκόπησαν** **ταύρων** (5)  
 Ex. 21. 28. **ἐὰν** δὲ **κερατίσῃ** **ταύρος** ἄνδρα (5)  
 — 28. **λίθοις** **λιθοβολήσεται** ὁ τ. (5)  
 — 28. ὁ δὲ κύριος τοῦ τ. **ἀθῶς** ἔσται (5)  
 — 29. **ἐὰν** δὲ ὁ τ. **κερατίστῃ** ἡ (5)  
 — 29. ὁ τ. **λιθοβολήσεται** (5)  
 — 32. **ἐὰν** δὲ **παῖδα** **κερατίσῃ** ὁ τ. (5)  
 — 32. ὁ τ. **λιθοβολήσεται** (5)  
 — 35. **ἐὰν** δὲ **κερατίσῃ** **τινὸς** **ταύρου** τὸν **ταῦρον**  
 τοῦ πλησίον (5, 5)  
 — 35. **ἀποδώσονται** τὸν τ. τὸν ζῶντα (5)  
 — 35. τὸν τ. τὸν **τεθνηκότα** **διελκύονται** -  
 — 36. **ἐὰν** δὲ **γνωρίζῃται** ὁ τ. (5)  
 — 36. **ἀποτίσει** **ταῦρον** ἀντὶ **ταύρου** (5, 5)  
 De. 32. 14. **ὠίων** **ταύρων** καὶ **τράγων** +  
 33. 17. **πρωτότοκος** **ταύρου** τὸ κάλλος αὐ. (5)  
 Jd. 6. 4. **οὐδὲ** ἐν τοῖς **ποιμνίοις** **ταύρων** [A al.] (5)  
 — 25. **λάβει** τὸν **μόσχον** τὸν τ. [A σιτυτόν] (5)  
 I Es. 6. 29. εἰς **ταύρους** καὶ **κρίους** καὶ **ἀρνας**  
 7. 7. **προσήμεγκαν** . . . **ταύρους** ἐκατόν  
 8. 14. **A B** εἰς **ταύρους** καὶ **κρίους** καὶ **ἀρνας**  
 — 65. **A B** **ταύρους** **δώδεκα** ὑπὲρ **παντός** Ἰσρ.  
 Ps. 21 (22). 12. **ταῦροι** **πίονες** **περίεσχον** με +  
 49 (50). 13. **μὴ** **φύγομαι** **κρέα** **ταύρων** (1)  
 67 (68). 30. ἡ **συναγωγὴ** τῶν τ. ἐν ταῖς **δαμῖ-  
 λεσι** τῶν λαῶν (1)  
 Si. 6. 2. **ὡς** **μὴ** **διαρπαγῇ** [S ἀρπ.] ὡς **ταῦρος** ἡ **ψυχὴ**  
 σου  
 38. 25. ἡ **διήγησις** αὐ. ἐν υἱοῖς **ταύρων**  
 Is. 1. 11. **αἶμα** **ταύρων** καὶ **τράγων** (4)  
 5. 17. **βοσκηθήσονται** οἱ **δηρησμένοι** ὡς **ταῦροι** +  
 11. 6. τ. καὶ **λέων** **ἄμα** **βοσκηθήσονται** (3)  
 30. 24. οἱ τ. ὑμῶν . . . **φάγονται** **ἄχνα** (2)  
 34. 7. **συμπεσούντα** . . . οἱ **κρίοι** καὶ οἱ τ. (1)  
 Je. 27 (50). 11. **ἐκερατίζε** **τε** **ταῦροι** (1)  
 Da. LXX. 3. (40). ἐν ὀλοκαυτώμασι **κρίων** καὶ **ταύρων**  
 Da. TH. 3. (40). ἐν ὀλοκαυτώμασι **κρίων** καὶ **ταύρων**  
 [Sm. I Ki. 1. 24; Ps. 21 (22). 13; 68 (69). 32.]  
 [Th. Pr. 14. 4; Is. 34. 7.]  
**ταφέθ** (-έτ). (1) תָּפֶח  
 IV Ki. 23. 10. **ἐμίμνη** τὸν τ. [A **θοφθά**] (1)  
 Je. 7. 31. **φθοδόμησαν** τὸν **δωμὸν** τοῦ τ. (1)  
 — 32. **βωμὸς** τοῦ τ. -  
 — 32. **θάψουσιν** ἐν τῷ [A **add.** **τάφῳ**] τ. (1)  
 19. 14. **A** ἀπὸ τῆς **διαπτώσεως** τοῦ **τόπου** τ.  
 [B S om. τ. τ. τ.] (1)



**ταφή.** (1) **נָחַל** (2) **א. נָחַל ב. נָחַל**  
**נָחַל**  
 Ge. 50. 3. οὕτως γὰρ καταριθμοῦνται αἱ ἡμέραι  
 τῆς τ. (1)  
 De. 21. 23. ταφή θάψετε αὐτό (2 α)  
 34. 6. οὐκ οἶδεν οὐδεὶς τὴν τ. [Α τελειήνη] αὐ. (2 β)  
 II Ch. 26. 23. ἐν τῇ πεδίῳ τῆς [Α μετὰ τῆς] τ.  
 τῶν βασ. (2 β)  
 Jb. 17. 1. Α Β Β<sup>2</sup> δέομαι δὲ ταφῆς (2 α)  
 Ec. 6. 3. καὶ γε ταφή [Β ἀφή] οὐκ ἐγένετο αὐτῷ (2 β)  
 Si. 38. 16. μὴ ὑπερίβης τὴν τ. αὐτοῦ  
 40. 1. ὥς ἡμέρας ἐπὶ ταφή [Α ἡ ἐπιταφῆς, Β<sup>2</sup> ἡ  
 ἐπιστράφη] εἰς μητέρα πάντων  
 Na. 1. 14. χωνεύτῃ θήσομαι ταφὴν σου (2 α)  
 Is. 53. 9. δώσω τοὺς πονηροὺς ἀντὶ τῆς τ. αὐτοῦ (2 α)  
 57. 2. ἔσται ἐν εἰρήῃ ἡ τ. αὐτοῦ  
 Je. 22. 19. ταφὴν δύνου [Β οὐ] ταφῆσεται (2 β)  
 Ez. 32. 23. Α Β ἡ τ. αὐτῶν ἐν βάθει βόθρου (2 α)  
 — 23. Α οἱ ἔδωκαν τὰς τ. αὐτῆς ἐν μηροῖς  
 λακκου (2 α)  
 — 23. Α ἐπεκράτησε τῆς τ. αὐτοῦ (2 β)  
 Da. LXX. Bel 30. καὶ μηδὲ ταφῆς τύχη  
 II Ma. 9. 15. ὥς διενεργεῖται μηδὲ ταφῆς ἀξιώσας  
 [Αq. Ez. 32. 23.]  
 [Th. Ez. 32. 23. δὲ.]  
 [Al. Ez. 32. 25.]  
**ταφονοῦν** (1) **נָחַל**  
 III Ki. 7. 3. Α ἐτάφυνον [Β ἐφάπνευσεν] τὸν  
 οἶκον (1)  
**τάφος.** (1) **א. נָחַל ב. נָחַל** **נָחַל**  
 Ge. 28. 4. δότε οὖν μοι κτήσιν τάφου  
 — 20. εἰς κτήσιν τάφου παρὰ τῶν νιῶν Χέτ  
 47. 30. θάψαι με ἐν τῇ τ. αὐ. (1 α)  
 Jd. 8. 32. ἐτάφη ἐν τῇ τ. 'Ι. (1 α)  
 16. 31. ἔθαψαν αὐτὸν . . . ἐν τῇ τ. Μαν. (1 α)  
 I Ki. 10. 2. εὐρίσκει δύο ἀνδρας πρὸς τοῖς τ. 'Ρ. (1 β)  
 Ki. 2. 32. ἀνταποδοῦν αὐτὸν ἐν τῇ τ. τοῦ  
 πατρὸς αὐ. (1 α)  
 3. 32. ἔκλινον ἐπὶ τοῦ τ. αὐ. (1 α)  
 4. 12. τὴν κεφ. 'Ι. ἔθαψαν ἐν τῇ τ. 'Αβ. (1 α)  
 17. 23. ἐτάφη ἐν τῇ τ. [Α οἶκος] τοῦ πατρὸς  
 αὐ. (1 α)  
 19. 37 (38). ἀποθανοῦμαι . . . παρὰ τῇ τ. τοῦ  
 πατρὸς μου (1 α)  
 21. 14. ἔθαψαν τὰ ὀστά Σ. . . ἐν τῇ τ. Κ. (1 α)  
 III Ki. 13. 22. οὐ μὴ εἰσελθῇ τὸ σῶμά σου εἰς  
 τὸν τ. τῶν πατ. σου (1 α)  
 — 30. τοῦ θάψαι αὐτὸν ἐν τῇ τ. ἑαυ. (1 α)  
 — 31. θάψαι με ἐν τῇ τ. τούτῳ (1 α)  
 14. 13. Α οὗτος μόνος εἰσελεύσεται τῇ 'Ιερ.  
 πρὸς τάφον (1 α)  
 IV Ki. 9. 28. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῇ τ. αὐ. (1 β)  
 13. 21. ἔρριψαν τὸν ἀνδρὰ ἐν τῇ τ. 'Ελ. (1 α)  
 21. 26. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῇ τ. αὐ. (1 α)  
 22. 20. συναχθῆσι εἰς τὸν τ. [Α οἶκος] σου (1 β)  
 23. 6. ἔρριψεν τὸν χροῦν αὐ. εἰς τὸν τ. τῶν νιῶν  
 τοῦ λαοῦ (1 α)  
 — 16. εἶδε τοὺς τ. ἐκεῖ (1 α)  
 — 16. ἔλαβε τὰ ὀστά ἐκ τῶν τ. (1 α)  
 — 16. ἤρε τοὺς ὀφθ. αὐ. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ ἀνθρ.  
 τοῦ θεοῦ — (1 α)  
 — 30. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῇ τ. αὐ. (1 β)  
 II Ch. 21. 20. καὶ οὐκ ἐν τάφοις τῶν βασ. (1 α)  
 24. 25. οὐκ ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῇ τ. τῶν βασ. (1 α)  
 28. 27. οὐκ εἰσπνεγκαν αὐτὸν εἰς τοὺς τ. τῶν  
 βασ. 'Ισρ. (1 α)  
 32. 33. ἐν ἀναβίσει τάφων νιῶν Δ. (1 α)  
 I Es. 1. 31. ἐτάφη ἐν τῇ πατρικῇ τ. (1 α)  
 Ne. 8. 16. ὥς κήπου τάφου Δαυὶδ (1 α)  
 To. 4. 4. θάψον αὐτὴν παρ' ἐμοῖ ἐν ἐντ. τ.  
 — 17. Α Β ἔκρινον τοὺς ἄρτους σου ἐπὶ τὸν τ. τῶν  
 δικαίων  
 6. 14. κατὰ τὴν ζωὴν τοῦ πατρὸς μου καὶ τῆς  
 μητρὸς μου . . . εἰς τὸν τ. αὐ. (1 α)  
 8. 9. ὥρνε τάφον  
 — 11. Β ὅτε συνετέλεσαν ὀρύσσοντας τὸν τ.  
 — 18. ἡσάται τὸν τ. (1 α)  
 Jb. 5. 26. ἐλίσσῃ δὲ ἐν τάφῳ (1 α)  
 6. 10. εἴη δέ μοι πόλις [Α μοι ἡ πόλις μου]  
 — τάφος (1 α)  
 21. 32. αὐτοὶ εἰς τάφους ἀπηνέχθη (1 α)  
 Ps. 5. 9. πάρος ἀνεφγμένοι οἱ λάρυγγες αὐτῶν  
 13 (14). 3. Β Β<sup>2</sup> τάφος ἀνεφγμένος οἱ λάρυγγες  
 αὐτῶν —

Ps. 48 (49). 11. οἱ τ. αὐτῶν οἰκίαι αὐτῶν εἰς τὸν  
 αἰῶνα (1 α)  
 67 (88). 6. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τάφοις  
 87 (88). 5. καθύπνουσιν ἐν τάφῳ (1 α)  
 — 11. μὴ διγνήσεται τις ἐν τάφῳ τὸ θεός σου (1 α)  
 Ec. 8. 10. εἶδον ἀσεβεῖς εἰς τάφους εἰσπαλόντας (1 α)  
 Wi. 19. 3. προσδοκῶμεν τάφους νεκρῶν  
 Si. 30. 18. θέματα βρωμάτων παρακείμενα ἐπὶ τάφῳ  
 Je. 7. 32. Α θάψουσιν ἐν τῇ τ. [Β Β<sup>2</sup> om.] ταφῆθ —  
 8. 1. ἐξοίσουσιν τὰ ὀστά . . . ἐκ τῶν τ. αὐτῶν (1 α)  
 20. 17. ἐγένετο μοι ἡ μήτηρ μου τ. μου (1 α)  
 Ez. 37. 13. ἐν τῇ ἀνοίξει με τοὺς τ. ὑμῶν τοῦ  
 ἀναγαγεῖν με ἐκ τῶν τ. τὸν λαόν  
 μου (1 α, 1 α)  
 I Ma. 2. 70. ἔθαψαν αὐτὸν οἱ υἱοὶ αὐ. ἐν τάφοις  
 πατέρων αὐ. (1 α)  
 9. 19. ἔθαψαν αὐτὸν ἐν τῇ τ. τῶν πατέρων αὐ.  
 13. 27. φκοδόμους Σ. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ πατρὸς αὐ.  
 — 30. οὗτος ὁ τ. ὃν ἐποίησεν  
 II Ma. 5. 10. Β οὕτε πατρίῳ τάφῳ [Α νόμου]  
 μετέσχε  
 12. 39. ἀποκαταστήσει εἰς τοὺς πατρίους τ.  
 III Ma. 6. 31. τὸν εἰς . . . τάφον ἡτοιμασμένον τόπον  
 [Αq. III Ki. 14. 13: Is. 65. 4: JE. 5. 16 (Sw.):  
 Ez. 32. 23, 25.]  
 [Sm. Ps. 87 (88). 6: Is. 65. 4: JE. 5. 16 (88).  
 40: Ez. 32. 25.]  
 [Th. JE. 5. 16 (Sw.): Ez. 32. 25.]  
**τάφρος.** (1) **נָחַל**  
 Mi. 5. 6 (5). ποιμανοῦσι . . . τὴν γῆν τοῦ Ν. ἐν  
 τῇ τ. αὐ. (1 ?)  
 [Sm. Ez. 17. 17: 21. 22 (27): 26. 8.]  
 [Quint. IV Ki. 20. 20.]  
**τάχα.**  
 Wi. 13. 6. αὐτοὶ τάχα πλανῶνται  
 14. 19. ὁ μὲν γὰρ τάχα κρατοῦνται βουλόμενος  
 ἀρέσαι  
**ταχέως.** (1) **א. נָחַל ב. נָחַל** **נָחַל**  
 (2) **נָחַל hi.**  
 Jd. 9. 48. τ. ποιήσατε ὡς ἐγώ (1 α)  
 II Ki. 17. 18. ἐπορεύθησαν οἱ δύο τ. (1 β)  
 — 21. διάβητε τ. τὸ ὕδωρ (1 β)  
 IV Ki. 1. 11. τ. κατὰβηθι (1 β)  
 Es. 6. 10. Β<sup>2</sup> τ. λάβε σὺν τῷ ἔνδυμα (1 α)  
 Pr. 25. 8. μὴ πρόσπιπτε εἰς μάχην τ. (1 α)  
 Ec. 4. 12. Α Β Β<sup>2</sup> τὸ σπαρτίον τὸ ἔντριον οὐ τ. (1 α)  
 [Β ταχὺ] ἀπορραγήσεται  
 Wi. 4. 16. νέστης [Α -ητος] τελεσθεῖσα τ. [Β<sup>2</sup> om.]  
 πολυτετὲς γῆρας αἰκόου  
 6. 5. φρικτῶς καὶ τ. ἐπιστῆσεται ὑμῖν  
 — 15. ὁ ἀγρυπνήσας δὲ αὐτὴν τ. ἀμύρμος ἔσται  
 14. 15. τοῦ ταχέως ἀφηνειθῆναι τέκευ  
 — 28. ἡ ἐπιρροὸς ταχέως  
 J. 8 (4). 4. τ. ἀνταποδοῦν τὸ ἀνταπόδομα ὑμῶν (1 β)  
 Is. 8. 3. τ. σκλεύουσιν (1 α)  
 Je. 27 (30). 44. τ. ἐκδιώξω αὐτοὺς (2)  
 Da. LXX. 2. 16. εἰσῆλθε τ. πρὸς τὸν βασ. —  
 II Ma. 2. 18. τ. ἡμᾶς ἐλέησει  
 4. 48. τ. οὖν τὴν ἀδικον ζημίαν ὑπέσχεον  
 6. 23. τ. λέγον προπέμψειν εἰς τὸν ἄδην  
 7. 10. τὴν γλώσσαν αἰτηθεῖς τ. προέβαλλεν  
 8. 9. ὁ δὲ τ. προχειρισάμενος Νικάνορα  
 14. 27. τὸν Μακκ. δέσμιον ἐξαποστῆλιν εἰς 'Αντ. τ.  
 — 44. τῶν δὲ τ. ἀναποδιστάτων  
 III Ma. 2. 23. τ. αὐτὸν ἐξέκλινον  
 IV Ma. 4. 22. τ. ἐπ' αὐτοὺς ἀνέειψεν  
 10. 21. σὲ δὲ τ. μετελεύσειται ὁ θεός  
 12. 9. τ. ἔλυσαν αὐτὸν  
 14. 10. τ. διέλυσε τὰ σώματα  
 [Αq. Jo. 2. 5: Ps. 30 (31). 3.]  
 [Sm. Jo. 2. 5: Ps. 15 (16). 4.]  
 [Th. Jo. 2. 5.]  
**ταχύνειν.**  
 [Al. Hb. 8. 19.]  
**ταχύνος.** (1) **נָחַל** **א. ni. δ. pi.** (2) **τ. εἰναι**  
**נָחַל**  
 Pr. 1. 16. Α καὶ ταχύνος [Β<sup>2</sup> τ. εἰσι] τοῦ ἐκχῆαι  
 αἷμα (1 β [2])  
 Wi. 13. 2. ἡ πῦρ ἡ πνευμῆ αἱ ταχύνος ἀέρα  
 Si. 11. 22. ἐν ὥρᾳ ταχυῇ ἀναβάλλει εὐλογίαν αὐτοῦ  
 18. 26. πάντα ἐστί ταχινὰ ἔναντι κυρίου

Hb. 1. 6. τὸ ἔθνος τὸ πικρὸν [Α ταχύνος] καὶ  
 τὸ τ. [Α πικρὸν, Β<sup>2</sup> ταπεινόν] ([†], 1 α)  
 Is. 59. 7. οἱ πόδες . . . ταχύνος ἐκχέαι αἷμα (1 β)  
 [Αq. Sm. Ps. 44 (45). 2.]  
**τάχος.** (1) **נָחַל** (2) **א. נָחַל** **ב. נָחַל** **π. δ. נָחַל**  
 (3) τὸ τ. α. **נָחַל** **ב. נָחַל** **π. δ. נָחַל** (4) ἐν τάχει  
 α. **נָחַל** **π. δ. נָחַל** **π. δ. נָחַל** **π. δ. נָחַל** (5) διὰ  
 τάχους **נָחַל**  
 Ex. 32. 7. Β βάδιζε τὸ τ. ἐντεῦθεν [Α Β α.] —  
 Nu. 16. 46 (17. 11). ἀπένεγκε τὸ τ. εἰς τὴν  
 παρεμβολήν (3 α)  
 De. 7. 4. ἐξολοθρεύσει σε τὸ τ. (3 β)  
 — 22. οὐ δυνήσῃ ἐξαναλῶσαι αὐτοὺς τὸ τ. (3 β)  
 9. 3. Α Β ἐπολεῖ αὐτοὺς ἐν τάχει [Β om. ἐν τ.] (4 α)  
 — 12. κατὰβηθι τὸ τ. ἐντεῦθεν (3 β)  
 11. 17. καὶ ἀπολείσθῃ ἐν τάχει (4 β)  
 28. 20. ὥς ἂν ἀπολέσῃ σε ἐν τάχει (4 α)  
 — 24. ὥς ἂν ἀπολέσῃ σε ἐν τάχει [Α om.  
 ἐν τ.] —  
 — 63. ἐξαρθήσεσθε ἐν τάχει [Α om. ἐν τ.] —  
 Jo. 8. 18. τὰ ἔνδρα ἐξαναστήσονται ἐν τάχει —  
 — 19. τὰ ἔνδρα ἐξανέστησαν ἐν τάχει (4 β)  
 10. 6. ἀνίβηθι πρὸς ἡμᾶς τὸ τ. (3 α)  
 Jd. 2. 23. τοῦ μὴ ἐξάραι αὐτὰ τὸ τ. (3 β)  
 7. 9. Α κατὰβηθι τὸ τ. [Β om. τὸ τ.] —  
 9. 54. Α ἐβύσε τὸ τ. [Β ἐβ. ταχὺ] πρὸς τὸ  
 παιδάριον (3 α)  
 I Ki. 23. 22. οὐ ἔσται ὁ πούς αὐ. ἐν τάχει —  
 III Ki. 22. 9. Β τάχος [Α Β τὸ τ.] Μιχαῖαν υἱὸν  
 'Ι. (2 α [3 β])  
 I Ch. 12. 8. ὡς δορκάδες ἐπὶ τῶν ὀρέων τῇ τ. (2 α)  
 [Α ἐν τ.]  
 II Ch. 18. 8. τάχος Μιχαῖαν υἱὸν 'Ι. (2 α)  
 Es. 8. 13. τοῦ . . . θεοῦ διὰ τάχους ἀποδόντος αὐτῷ  
 κρίσιν  
 Ps. 2. 12. ὅταν ἐκκαυθῇ ἐν τάχει ὁ θυμὸς αὐτοῦ (4 α)  
 6. 10. αἰσχυνθήσονται [Α Β<sup>2</sup> καταισχ.] σφόδρα  
 διὰ τάχους (5)  
 147. 4 (15). ὥς τάχους [Β<sup>2</sup> ὡς ταχὺς] δραμεῖ-  
 ται ὁ λόγος αὐτοῦ (2 β)  
 Wi. 18. 14. νυκτὸς ἐν ἰδίῳ τάχει μεσαζούσης  
 Si. 11. 21. διὰ τάχους ἐξάπνα πλουτίσαι πῆνητα  
 27. 3. ἐν τάχει καταστραφήσεται αὐτοῦ ὁ οἶκος  
 Is. 5. 19. τὸ τ. ἐγγιστάτω ἂ ποιήσει (3 β)  
 Ba. 4. 22. ἡ ἤξει ὑμῖν ἐν τάχει  
 — 24. ὀψονται ἐν τάχει τὴν παρὰ τοῦ θεοῦ ὕμνη  
 σωτηρίαν  
 — 25. ὅψαι αὐτοῦ τὴν ἀπώλειαν ἐν τάχει  
 Ez. 29. 5. καταβαλὼ σε ἐν τάχει +  
 Da. LXX. 9. 21. τάχει φερόμενος προσήγγισέ  
 μοι (1)  
 I Ma. 6. 27. ἐάν μὴ προκαταλάβῃ αὐτοὺς διὰ τάχους  
 III Ma. 8. 23. διὰ τάχους ἡμᾶς καταστρέψαι τὰ  
 πράγματα  
 5. 43. ἰσότησον πυρὶ καὶ δόρατι στήσσεσθαι διὰ  
 τάχους  
 — 43. καὶ τὸν ἄβασιν ἡμῖν αὐτῶν ναὸν πυρὶ πρή-  
 σαντα ἐν τάχει  
 6. 9. τάχος ἐπιφάνηθι τοῖς ἀγίοις 'Ισρ. γίνους  
**ταχυκάρδιος.**  
 [Th. Is. 35. 4.]  
**ταχύνειν.** (1) **נָחַל** **א. qal. δ. pi.** **π. δ. נָחַל**  
 Ge. 18. 7. ἐτάχυνε τοῦ ποιῆσαι αὐτό (1 β)  
 41. 32. ταχύνει ὁ θ. τοῦ ποιῆσαι αὐτό (1 β)  
 45. 13. ταχύναντες καταγάγετε τὸν πατέρα  
 μου (1 β)  
 Ex. 2. 18. διὰ τὶ ἐτάχυνε τοῦ παραγενέσθαι (1 β)  
 Jd. 13. 10. ἐτάχυνεν ἡ γυνή (1 β)  
 I Ki. 9. 12. Α τάχυνον [Β om.] νῦν (1 β)  
 17. 48. Α καὶ ἐτάχυνε Δ. (1 β)  
 20. 38. ταχύνας σπένυσον καὶ μὴ σπῆς (1 α)  
 25. 42. Α καὶ ἐτάχυνε (1 β)  
 II Ki. 15. 14. ταχύνετε τοῦ πορευθῆναι ἵνα μὴ  
 ταχύνῃ (1 β, 1 β)  
 19. 16 (17). ἐτάχυνε Σ. υἱὸς Γ. (1 β)  
 Ps. 15 (16). 4. μετὰ ταῦτα ἐτάχυνεν (1 α)  
 30 (31). 2. τάχυνον τοῦ ἐξελεῖσθαι με (1 α)  
 105 (106). 13. ἐτάχυναν ἐπελάθοντο τῶν ἔργων  
 αὐτοῦ (1 β)  
 Ec. 5. 1. καρδία σου μὴ ταχυνάτω [Α Β -έτω] (1 β)  
 τοῦ ἐξεργάσαι λόγον  
 Si. 43. 13. ταχύνει ἀστραπὴ κρίματος αὐτοῦ

I Ma. 2. 35. **Α Β** ἐτάχυναν [B -ev] ἐπ' αὐτοὺς πόλε-  
μον  
13. 10. ἐτάχυνε τοῦ τελίσαι τὰ τεῖχη Ἱερ.  
[Aq. i Ki. 25. 42: Pr. 6. 18: Is. 9. 1 (8. 23):  
32. 4: 51. 13, 14: 59. 7: Je. 9. 18 (17): 47  
(29): 6: 49. 30 (30. 8).]  
[Sm. iv Ki. 9. 13: Ps. 78 (79). 8: Pr. 6. 18:  
Is. 9. 1 (8. 23): 69. 7].  
[Th. Ps. 16 (16). 4: Pr. 6. 18: Is. 9. 1 (8. 23):  
32. 4: Je. 9. 18 (17)].  
[Al. Ge. 43. 30: i Ki. 25. 18: 28. 19: iv Ki.  
9. 13].  
ταχύς (incl. ταχὺ adv., τάχιον, θάπτον,  
τάχιστα). (1) תָּחַץ (2) א. תָּחַץ pi.  
δ. תָּחַץ c. תָּחַץ d. תָּחַץ (3) תָּחַץ  
(4) תָּחַץ hi.  
Ge. 27. 20. τί τοῦτο δ ταχὺ εἶρες (2 a)  
Ex. 32. 8: De. 9. 12. περιβήσαν ταχὺ ἐκ τῆς  
δοδοῦ (2 a)  
De. 9. 16. Α παρίβετε ταχὺ [B om.] ἀπὸ τῆς  
δοδοῦ (2 a)  
Jd. 2. 17. ἐξέκλιναν ταχὺ ἐκ τῆς δόδοῦ (2 a)  
9. 54. ἐβόησε ταχὺ [A τὸ τάχος] πρὸς τὸ παι-  
δάρων (2 b)  
ii Ki. 17. 16. ἀποστείλατε ταχὺ (2 b)  
I Es. 4. 34. καὶ ταχύς τῷ δρόμῳ ὁ ἥλιος  
ii Es. 7. 6. καὶ αὐτοὶ γραμματεῖς τ. ἐν νόμῳ M. (2 c)  
Ps. 36 (37). 2. ὥσει χόρτος ταχὺ ἀποξηρανθή-  
σονται καὶ ὥσει λάχανα χλόης ταχὺ  
ἀποτεσθύναι (2 b, -)  
68 (69). 17. ταχὺ ἐπέκουσόν μου (2 a)  
78 (79). 8. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν ἡμᾶς οἱ  
οἰκτιρμοὶ σου (2 a)  
101 (102). 3. ταχὺ εἰσάκουσόν [B ἐπάκ.] μου (2 a)  
137 (138). 3. ταχὺ ἐπάκουσόν μου  
142 (143). 7. ταχὺ ἐλάκουσόν μου (2 a)  
147. 4 (15). B<sup>1</sup> ὥς ταχὺς [A B S<sup>2</sup> ὥς τάχους]  
θραμίζεται ὁ λόγος αὐ. (2 b)  
Pr. 12. 19. μάρτυς δὲ ταχύς γλώσσαν ἔχει  
ᾄδων (4)  
20. 25. παγὶς ἀνδρὶ ταχὺ τὴν ἰδίαν ἀγιάσαι  
29. 20. ἐάν ὧγες ἀνδρα ταχύν [B<sup>2</sup> τραχύν] ἐν  
λόγους (1)  
Ec. 4. 12. B τὸ σπαρτίον τὸ ἔντριτον οὐ ταχὺ  
[A B B ταχέως] ἀποροραγίσεται (2 d)  
8. 11. τὸν ποιούντων τὸ [A om.] ποιεῖν ταχὺ (2 d)  
Wi. 13. 9. τὸν τούτων δεσπότην πῶς τάχους οὐχ  
εἶδον  
Si. 4. 29. A B<sup>1</sup> μὴ γίνου ταχύς [B τραχύς, S<sup>2</sup> θρασὺς]  
ἐν γλώσσῃ σου  
5. 11. γίνου ταχύς ἐν ἀκροάσει σου  
6. 7. μὴ ταχὺ ἐμπιστεύσῃς αὐτῷ  
— 19. ταχὺ φάγηται τὸν γεννημένων αὐτῆς  
— 20. B<sup>1</sup> ὥς ταχέϊα [A B<sup>2</sup> S B τραχ.] ἐστί σφόδρα  
τοῖς ἀπαίδευτοις  
19. 4. ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κοῖφός καρδίᾳ  
21. 22. ποῦ μοῦ ταχύς εἰς οἰκίαν  
48. 20. ὁ δῖος ἐξ οὐρανοῦ ταχὺ ἐπήκουσεν αὐτῶν  
Na. 1. 14. ὅτι ταχεῖς  
Ze. 1. 14. ἐγγὺς ἡμῶν κυρίου . . . ἐγγὺς καὶ  
ταχέϊα σφόδρα (2 a)  
Ma. 8. 5. ἔσονται μάρτυρες τ. ἐπὶ τὰς φαρμακοὺς (2 a)  
Is. 5. 26. ταχὺ κούφως ἔρχονται (2 b)  
9. 1 (8. 23). ταχὺ ποιεῖ χώρα Ζαβουλὼν  
14. 1 (13. 22). ταχὺ ἔρχεται καὶ οὐ χρονεῖ (3)  
82. 4. ταχὺ [A<sup>1</sup> om.] μαθησονται λαλεῖν εἰρήνην (2 a)  
49. 17. ταχὺ οἰκοδομηθήσεται (2 a)  
51. 5. ἐγγίξει ταχὺ ἡ δικαιοσύνη μου  
58. 8. τὰ ἱάματα σου ταχὺ ἀνατελεῖ (2 b)  
Je. 29 (49). 19. ταχὺ ἐκδιώξω αὐτοὺς ἀπ' αὐτῆς  
81 (48). 16. πονηρία αὐτοῦ ταχέϊα σφόδρα (2 a)  
I Ma. 2. 40. νῦν ταχίον ἡμᾶς ἀλεθρεύουσιν  
11. 22. συμμίσησιν εἰς Ἱππολειδίαν τὴν ταχίστην  
ii Ma. 3. 31. ταχὺ δὲ τινες τῶν τοῦ Ἠλ. συνήθων  
ἦξιον  
4. 31. θάπτον οὐδ' ὁ βασις ἦκε  
5. 21. θάπτον εἰς τὴν Ἀντ. ἔχωρισθη  
7. 37. ἴλεως ταχὺ τῷ ἔθνει γενέσθαι  
14. 11. θάπτον οἱ λοιποὶ φίλοι δυσμενῶς ἔχοντες  
iii Ma. 1. 8. ὥς τάχιστα πρὸς αὐτοὺς παραγενέ-  
σθαι  
2. 20. ταχὺ προκαταλαβέτωσαν οἱ οἰκτιρμοὶ σου  
— 23. B ταχέϊα καὶ [A om. τ. κ.] δέξιαν ἰδόντες  
τὴν καταλαβοῦσαν αὐτὸν ἐδύναν

IV Ma. 4. 5. ταχὺ εἰς τὴν πατρίδα ἡμῶν . . . προ-  
ελθόν  
[Aq. Ps. 68 (69). 18: Je. 27 (34). 16].  
[Sm. i Ki. 28. 40: Je. 7. 6: Ps. 80 (31). 3:  
Pr. 25. 8: Je. 27 (34). 16].  
[Th. Je. 27 (34). 16].  
[Quint. Ps. 80 (31). 3].  
ταών. (1) דַּוָּרָה  
iii Ki. 10. 22. Α ναὺς ἐκ Θ. . . πιθήκων καὶ  
ταώνων [B al.] (1)  
[Al. Le. 11. 18].  
τε. \* ἐάν τε \*\* ἐάν τε γάρ.  
Ge. 2. 20†, 25: 8. 8: 13. 17†: 20. 11: 24. 27†:  
27. 3, 36: 31. 44†, 52\*\*†: 34. 26, 28, 29, 30: 37.  
10: 41. 10, 13: 43. 11†: 48. 13.  
Ex. 1. 11: 8. 20, 23: 7. 19: 8. 16 (12), 17 (13)†  
bis, 18 (14)†: 9. 3†, 9, 10†, 22: 10. 8: 12. 19:  
14. 26: 19. 13\* bis: 20. 11†: 22. 4 (3)†, 9 (8):  
28. 1: 31. 17†: 38. 16, 16†: 35. 34: 38. 12 (37.  
16)†.  
Le. 1. 10: 3. 1\* bis: 7. 16 (26): 9. 24: 24. 16\*  
bis: 26. 16: 27. 26\* bis.  
Nu. 16. 27†: 20. 19†: 25. 8: 26. 60.  
De. 4. 26: 5. 14†: 8. 19†: 18. 3\* bis: 22. 22†:  
30. 19: 31. 28.  
Jo. 22. 13.  
iii Ki. 12. 28†.  
iv Ki. 13. 6†: 19. 12.  
i Ch. 28. 14.  
ii Ch. 2. 12 (11)†.  
i Es. 1. 1†, 33: 2. 18: 3. 19 ter: 4. 53: 5.  
46: 6. 16, 26†: 8. 11, 13, 14†, 24\* bis, 50, 51†:  
9. 41†.  
ii Es. 7. 26\*† quater.  
To. 8. 21†: 10. 7†.  
Es. 1. 1†: 3. 12, 13 bis: 7. 4: 8. 11†, 13 bis, 13†,  
13, 13†: 9. 6, 11†, 21†, 25†, 29†: 10. 1†, 2.  
Jb. 1. 5†: 2. 9†: 4. 4† bis: 5. 9: 6. 18†: 9. 4,  
10, 15\*\*†, 16†, 20, 27\*\*†: 10. 14\*\*†, 15\*\*†, 15\*\*†:  
11. 18: 12. 5, 7†: 14. 21\*†: 19. 15†: 21. 6\*\*†:  
26. 13†: 28. 25†: 30. 4†: 34. 24: 37. 13\*† ter:  
39. 11†.  
Ps. 17 (18). 43†: 48 (49). 2: 57 (58). 5†.  
Pr. 1. 2 bis, 3, 4, 5†, 6 bis: 8. 3†: 6. 8 bis, 33:  
7. 21: 8. 13: 15. 3: 28. 20†.  
Ec. 12. 14\*† bis.  
Wi. 1. 3†: 3. 17\*\*†, 18\*†: 4. 2: 6. 7: 7. 6, 13†,  
13, 16, 21†: 8. 19: 10. 2, 14, 20: 12. 5, 8: 13.  
13†: 15. 5, 6, 7 bis, 9, 10: 16. 5: 17. 6†, 17 (εἰ  
τε γάρ), 18 (εἰ τε).  
Si. prol. 7: 13. 25\*†, 25\*: 40. 3†: 41. 4 (εἰ τε)  
ter: 45. 21†.  
Is. 16. 3: 30. 21 (εἰ τε) bis: 37. 12.  
Je. 29 (49). 10†.  
Ba. 3. 23†.  
Ep. Je. 7, 8, 11†, 18, 20, 27†, 46, 46†, 51†, 54,  
56†, 63†, 67, 72 bis.  
Ez. 40. 20: 41. 18†.  
Da. LXX. 8. 7 bis, 10, 15 bis.  
Da. Th. Su. 22\* bis: 2. 38: 3. 5, 5†, 7, 7†, 10,  
10†, 15, 15†.  
I Ma. 6. 1†: 8. 7: 11. 34†: 12. 11†, 21: 14. 25†.  
ii Ma. 1. 14, 18, 19†, 21, 22†, 23, 23†: 2. 20: 8.  
1, 10, 12†, 21: 4. 1, 2, 6. 13 bis: 10. 8†, 17,  
17†: 11. 20, 25, 26†: 12. 14, 16, 18†, 22, 23†,  
29†, 43, 45 (εἰ τε)†: 15. 20†, 21.  
iii Ma. 1. 1†, 4, 12, 13†, 16, 18†, 20, 22, 23†,  
23, 28†: 2. 23, 25†, 29, 32, 33†: 3. 10, 15†, 21,  
23: 4. 8†: 5. 5 bis, 13†, 35, 48: 6. 8, 30, 32†,  
34, 35, 41†: 7. 7, 14†, 20.  
iv Ma. 1. 3, 4, 8, 20, 28, 29†: 2. 23: 4. 2, 7, 7  
(οἷς τε ἦν), 10 bis, 12, 22: 5. 23: 7. 4†: 8. 3,  
13 ter: 9. 29: 16. 4, 10, 22†, 25†, 26: 17. 24:  
18. 11†, 12†.  
[Aq. Le. 27. 26\* bis].  
[Sm. Ge. 1. 30 bis: Le. 27. 26\* bis: Ps. 48  
(49). 3: 86 (87). 5: Ec. 9. 1 (πρὸς τε δέ): 12.  
14\* bis: Mi. 2. 6].  
[Th. Je. 37. 13\*].  
[Al. ii Ch. 18. 19: Ps. 54 (55). 23: Je. 12. 5].  
[Heb. Je. 10. 16\*].  
τέ.  
Ez. 39. 12. κληθήσεται τὸ τέ [A γαί] τὸ πολύν-  
δριον τοῦ Γάγ +

Ez. 39. 15. B<sup>1</sup> ὥς ὅτου βάψωσιν . . . εἰς τὸ  
τέ [A B<sup>2</sup> γαί] +  
τέγος.  
Ep. Je. 11. Α δώσουσι δὲ ἀπ' αὐτῶν καὶ ταῖς ἐπὶ  
τοῦ τ. [B στ.] πόρταις  
[Aq. Nu. 25. 8].  
τεθνήκειν (?). (1) מָוָה  
Ex. 21. 35. B τὸν ταῦρον τὸν τεθνήκοντα [A B  
-κότα] διελούνται (1)  
τείνειν. (1) תָּנַח (2) תָּנַח (3) תָּנַח  
(4) תָּנַח  
i Ch. 5. 18. ἄνδρες . . . τείνοντες [A ἐντ.] τόξον (3)  
8. 40. ἦσαν υἱοὶ Αἰ. . . τείνοντες τόξον (2)  
ii Ch. 18. 33. ἀνὴρ ἔτεινε [A ἐνέτ.] τόξον εὐ-  
στόχως (3)  
Es. 1. 6. καρπασίους τεταμένους [S<sup>1</sup> τεταγμέ-  
νους] ἐπὶ σχοινίοις βυσσίνους (1)  
Pr. 7. 16. κειραῖς τέτακα τὴν κλίνην μου (4)  
Je. 27 (50). 14. πάντες τείνοντες τόξον (2)  
28 (51). 3. τεινέτω ὁ τείνων τὸ τόξον αὐτοῦ (2, 2)  
Ez. 30. 22. συντρίψω τοὺς βραχίονας αὐτοῦ . . .  
τοὺς τεταμένους +  
iii Ma. 5. 25. τείνοντες τὰς χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν  
[Sm. Ps. 57 (58). 8].  
τεινέτης. (1) א. תָּנַח δ. תָּנַח (2) תָּנַח  
(3) א. תָּנַח δ. תָּנַח  
Nu. 13. 20 (19). εἰ ἐν τεινέσειν ἢ ἐν ἀτεινέσι-  
ν τοῖς (1 b)  
De. 9. 1. κληρονομήσαι . . . πόλεις μεγάλας  
καὶ τ. (1 a)  
Jo. 19. 35. καὶ αἱ πόλεις τ. τῶν Τυρίων (1 b)  
iii Ki. 4. 13. ἐξήκοντα πόλεις μεγάλας τ. (2)  
ii Ch. 11. 5. φεκοδόμησε πόλεις τ. ἐν τῇ Ἰ. (3 a)  
— 10. καὶ φεκοδόμησε . . . πόλεις τ. (3 b)  
— 11. ὥχρυσεν αὐτὰς τεινέτης [A τεινέταις] (3 b)  
14. 6 (5). πόλεις τ. ἐν γῇ Ἰ. (3 b)  
32. 1. παρενέβαλεν ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς τ. (1 a)  
33. 14. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσι ταῖς τ. (1 a)  
Je. 4. 5. εἰσέλθωμεν [A -βατ] εἰς τὰς πόλεις  
τὰς τ. [A ὀχυράς] (1 b)  
τεινέταις. (1) א. תָּנַח δ. תָּנַח (2) תָּנַח  
(3) תָּנַח (4) תָּנַח  
Le. 25. 29. οἰκίαν οἰκίτην ἐν πόλει τετεινισμένη (2)  
Nu. 13. 29 (28). καὶ πόλεις ὀχυραὶ τετεινισμ. (1 a)  
32. 17. κατοικήσει . . . ἐν πόλεσι τετεινισμ. (1 b)  
De. 1. 28. πόλεις μεγάλας καὶ τετεινισμ. ὥς  
τοῦ οὐρ. (1 a)  
i Ki. 27. 8. ἡ ἀπὸ Γ. τετεινισμένη +  
ii Ch. 21. 3. μετὰ πόλεων τετεινισμένων ἐν Ἰ. (4)  
Ju. 4. 5. ἐτεινίσαντο [A B -αν] τὰς ἐν αὐτοῖς κόμας  
5. 1. ἐτεινίσαν πᾶσαν κορυφὴν ὄρους ὑψηλοῦ  
Ho. 8. 14. Ἰ. ἐπλήθυνε πόλεις τετεινισμένας (1 a)  
Ez. 17. 4. εἰς πόλιν τετεινισμένην ἔθετο αὐτὰ +  
33. 27. τοὺς ἐν ταῖς τετεινισμέναις . . . ἀπο-  
κτενῶ (3)  
[Sm. i Ki. 6. 18: Is. 58. 12].  
τεινιστής. (1) תָּנַח  
iv Ki. 12. 12 (13). ἐξέδωσαν . . . τοῖς τ. (1)  
22. 6. ἔδωκεν αὐτὸ . . . τοῖς τ. (1)  
τεινός. (1) תָּנַח (2) תָּנַח (3) תָּנַח  
(4) תָּנַח (5) תָּנַח (6) תָּנַח  
Ex. 14. 22. τὸ ὕδωρ αὐτοῖς τείχος ἐκ δεξιῶν καὶ  
τείχος ἐξ ἐκωνύμων (1, -)  
— 29. τὸ δὲ ὕδωρ αὐτοῖς τείχος ἐκ δεξιῶν καὶ  
τείχος ἐξ ἐκωνύμων (1, -)  
15. 8. ἐπάγη ὥσπερ τείχος τὰ ὕδατα +  
Le. 25. 30. ἐν πόλει τῇ ἐκούσῃ τείχος (1)  
— 31. αἱ οὐκ ἔστιν ἐν αὐταῖς τείχος κύκλω (1)  
Nu. 35. 4. ἀπὸ τείχους τῆς πόλεως καὶ ἐξω (4)  
De. 3. 5. πᾶσαι πόλεις ὀχυραὶ τ. ὑψηλά  
28. 52. ὥς ἂν καθαιρεθῶσι τὰ τ. [A τ. σου] (1)  
τὰ ὑψηλά  
Jo. 6. 5. πεσεῖται αὐτόματα τὰ τ. τῆς πόλεως (1)  
— 19 (20). ἔπεσαν ἅπαν τὰ τ. κύκλω (1)  
i Ki. 25. 16. ὥς τείχος ἦσαν περὶ ἡμᾶς (1)  
31. 10. τὸ σῶμα αὐ. κατέπρεξε ἐν τῷ τ. B. (1)  
— 12. ἔλαβον τὸ σῶμα Σ. . . ἀπὸ τείχους B. (1)



Ex. 20. 5. ἀποδοῦναι ἁμαρτίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (8)  
 34. 7. ἐπάγων ἁμαρτίας πατέρων ἐπὶ τέκνα καὶ ἐπὶ τέκνα τέκνων (8 ter)  
 Le. 26. 41. καὶ τὰ τ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (8)  
 — 46. καταμεριεῖτε αὐτοὺς τοῖς τ. ὑμῶν (8)  
 Nu. 14. 18. ἀποδοῦναι ἁμαρτίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (8)  
 — 23. τὰ τ. αὐ. δ' ἐστὶ μετ' ἐμοῦ ὦδε (8)  
 16. 27. αἱ γυναῖκες αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ. (8)  
 De. 2. 34. ἐξωλεθρεύσωμεν . . . τὰ τ. αὐ. (8)  
 3. 19. αἱ γυναῖκες ὑμῶν καὶ τὰ τ. ὑμῶν (8)  
 5. 9. ἀποδοῦναι ἁμαρτίας πατέρων ἐπὶ τέκνα (8)  
 11. 19. διδάξτε αὐτὰ τὰ τ. ὑμῶν (8)  
 21. 17. οὗτος ἐστὶν ἀρχὴ τέκνων αὐ. (8)  
 22. 6. οὐ λήψῃ τὴν μητέρα μετὰ τῶν τ. (8)  
 24. 16. οὐκ ἀποθανοῦνται πατέρες ὑπὲρ τέκνων (8)  
 28. 54. καὶ τὰ καταλειμμένα τ. [A τὰ τ.] δ' ἂν καταλειφθῇ (8)  
 — 55. ἀπὸ τῶν σαρκῶν τῶν τ. αὐ. (8)  
 — 57. καὶ τὰ τ. [A τ. αὐτῆς] δ' ἂν τέκῃ (8)  
 29. 11 (10). A αἱ γυναῖκες ὑμῶν καὶ τὰ τ. [B ἔκγονα] ὑμῶν (8)  
 — 29 (28). τὰ δὲ φημερὰ ἡμῖν καὶ τοῖς τ. ἡμῶν (8)  
 32. 5. ἡμέτερον οὐκ αὐτῶν τέκνα μωμητὰ (8)  
 33. 24. εὐλογημένος ὅστις τὸ τέκνον 'Α. (8)  
 Jo. 14. 9. σοὶ ἐστὶ ἐν κλήρῳ καὶ τοῖς τ. σου (8)  
 22. 34. ἵνα μὴ ἴδωσιν αβρίον τὰ τ. ὑμῶν τοῖς τ. ἡμῶν (8, 3)  
 — 27. A καὶ ἀνὰ μέσον τῶν τ. [B γενεῶν] ἡμῶν μετ' ἡμῶν (8)  
 — 27. καὶ οὐκ ἐροῦσι τὰ τ. ὑμῶν τοῖς τ. ἡμῶν (8, 3)  
 — 28. A μαρτυροῦν ὅστις . . . ἀνὰ μέσον τῶν τ. [B υἱὸν] ἡμῶν (8)  
 Jd. 18. 21. ἔθηκαν τὰ τ. . . ἔμπροσθεν αὐτῶν [A αἱ] (8)  
 I Ki. 1. 8. οὐκ ἀγαθὸς ἐγὼ σοὶ ὑπὲρ δέκα τέκνα (8)  
 2. 5. ἡ πολλὴ ἐν τέκνοις ἡσθένει (8)  
 — 24. μὴ, τέκνα, οὐκ ἀγαθὴ ἡ ἀκοή (8)  
 3. 9. κἀνευθε, τέκνον (8)  
 — 16. εἶπεν Ἡ. πρὸς Σαμ., Σαμ. τέκνον (8)  
 4. 16. τί τὸ γεγονός ῥημα, τέκνον (8)  
 6. 7. δύο βόαι πρωτοτοκούσας ἄνευ τῶν τ. (8)  
 — 7. ἀπαγάγετε τὰ τ. ἀπὸ θυσίας αὐτῶν (8)  
 — 10. τὰ τ. αὐ. ἀπεκάλυσαν εἰς οἶκον (8)  
 14. 32. ἔλαβεν ὁ λαὸς . . . τέκνα βῶων (8)  
 24. 17. ὁ φωνὴ σου αὐτῇ, τέκνον Δ. (8)  
 26. 21. ἐπιστρέψε, τέκνον Δ. (8)  
 — 25. εὐλογημένος σὺ, τέκνον [A add. Δ.] (8)  
 30. 22. τὰ τ. αὐ. ἀπαγείσθωσαν (8)  
 III Ki. 8. 25. πλὴν ἐν φυλάξουσιν τὰ τ. σου τὰς δούλῃς (8)  
 9. 6. ἐὰν δὲ . . . ἀποστραφῇτε ὑμεῖς καὶ τὰ τ. ὑ. ἀπ' ἐμοῦ (8)  
 10. 22 (9. 21). τὰ τ. αὐ. τὰ ὑπολειμμ. μετ' αὐτοῦς (8)  
 12. 24 (cf. A 14. 3). B λάβε . . . κολλύρια τοῖς τ. αὐ. (8)  
 14. 3. A λάβε . . . κολλυρίδα τοῖς τ. αὐ. (8)  
 15. 4. B ἴνα στήσῃ τέκνα [A B τὰ τ.] αὐ. μετ' αὐτῶν (8)  
 17. 12. ποιῶσα αὐτὸ ἐμνηστὴ καὶ τοῖς τ. μου (8)  
 — 13. σαιτὴ δὲ καὶ τοῖς τ. σου ποιήσεις (8)  
 — 15. ἡσθιεν αὐτὴ καὶ αὐτοὶ καὶ τὰ τ. αὐ. (8)  
 21 (20). 3. τὰ τ. σου ἐμὰ ἐστὶ (8)  
 — 5. A B τὰ τ. σου [B om. τὰ τ. σ.] δώσεις ἐμοί (8)  
 IV Ki. 2. 24. A καὶ εἶπε, Τέκνα παραβίασας (8)  
 I Ch. 2. 30. ἀπέθανε Σ. οὐκ ἔχων τέκνα (8)  
 — 32. ἀπέθανεν Ἰ. οὐκ ἔχων τέκνα (8)  
 22. 7. τέκνον, ἐμοὶ γένετον ἐπὶ ψυχῇ (8)  
 II Ch. 25. 4. οὐκ ἀποθανοῦνται πατέρες ὑπὲρ τέκνων (8)  
 28. 3. διηγέ τὰ τ. αὐ. διὰ πυρὸς (8)  
 30. 9. τὰ τ. ὑμῶν ἔσονται ἐν οἰκτιρμοῖς (8)  
 33. 6. διηγέ τὰ τ. αὐ. ἐν πυρὶ (8)  
 35. 7. ἐρίφους ἀπὸ τῶν τ. τῶν αἰγῶν (8)  
 I Es. 4. 53. ὑπάρχειν τὴν ἐλευθερίαν . . . τοῖς τ. αὐ. (8)  
 8. 50. B ἡμῖν τε καὶ τοῖς [A B add. συνοῦσιν ἡμῖν] τ. ἡμῶν (8)  
 — 84. A τὰς θυγ. αὐ. μὴ συνοικίσῃτε τοῖς τ. ὑμῶν [B al.] (8)  
 — 84. A τὰς θυγ. ἡμῶν μὴ δότε τοῖς τ. αὐ. [B al.] (8)  
 — 85. B καὶ κατακληρονομήσῃτε τοῖς τ. [A B υἱοῖς] ὑμῶν (8)  
 — 93. ἐκβαλεῖν πύσας τὰς γυν. ἡμῶν . . . σὺν τοῖς τ. αὐ. (8)

I Es. 9. 36. ἀπέλυσαν αὐτὰς σὺν τέκνοις (8)  
 II Es. 8. 21. ἤτησαι . . . ὁδὸν εὐθείαν . . . τοῖς τ. ἡμῶν (6)  
 Ne. 12. 43. καὶ τὰ τ. αὐ. ὑψοφάνθησαν (7)  
 To. 3. 15. B οὐχ ὑπάρχει αὐτῶν ἕτερον τ. [A B αὐ. παίδιον] (8)  
 4. 12. A B εὐλογήθησαν ἐν τοῖς τ. αὐτῶν (8)  
 7. 18. θάρσει, τέκνον [B θυγάτηρ] (8)  
 10. 5. οὐ μέλει μοι, τέκνον [B al.] (8)  
 — 12. B εὐδωσέις ὑμᾶς, τέκνα [A B al.] (8)  
 — 13. B τέκνον καὶ ἀδελφεὶ ἡγαπημένε [A B al.] (8)  
 — 13. B ἰδοὺ μοι τέκνα [A B al.] (8)  
 11. 14. B εἶδόν σε, τέκνον (8)  
 12. 1. δρα, τέκνον [B al.] (8)  
 14. 3. τέκνον, λάβε τοὺς υἱοὺς σου [B al.] (8)  
 — 4. ἀπελθε εἰς τὴν Μηδίαν, τέκνον [B al.] (8)  
 — 8. τέκνον, ἀπελθε ἀπὸ Νινευῆ [B al.] (8)  
 — 10. τέκνον, ἴδε τί ἐποίησεν [B al.] (8)  
 Ju. 7. 14. καὶ αἱ γυναῖκες αὐ. καὶ τὰ τ. αὐ. (8)  
 — 27. καὶ τὰς γυν. ἱκας καὶ τὰ τ. ἡμῶν ἐκλειπούσας τὰς ψυχὰς αὐ. (8)  
 — 32. τὰ τ. εἰς τοὺς οἴκους αὐ. ἀπέστειλε (8)  
 Es. 3. 13. πάντας σὺν γυναίξιν καὶ τέκνοις ἀπολέσαι (8)  
 7. 4. ἡμεῖς καὶ τὰ τ. ἡμῶν εἰς παῖδας (8)  
 9. 25. ἐκρεμάσθη αὐτοὶ καὶ τὰ τ. αὐ. (8)  
 Jb. 5. 25. τὸ δὲ τ. σου ἐστὶ ὡς περὶ τὸ παμβότανον τοῦ ἀγροῦ (10)  
 21. 8. τὰ δὲ τ. αὐτῶν ἐν ὀφθαλμοῖς (10)  
 39. 4. ἀπορρήξονται τὰ τ. αὐτῶν (8)  
 — 16. ἀπεσκήρυνε τὰ τ. αὐτῶν ὥστε μὴ εἶναι (8)  
 Ps. 38 (34). 11. δεῦτε, τέκνα, ἀκούσατέ μου (8)  
 65 (66). 5. B' δεῦτε, τέκνα [B' S B om.] (8)  
 77 (78). 4. οὐκ ἐκρύθη ἀπὸ τῶν τ. αὐτῶν (8)  
 108 (109). 13. γενηθήτω τὰ τ. αὐτοῦ εἰς ἐξολέθρουν (1)  
 112 (118). 9. A B' B' μητέρα ἐπὶ τέκνοις [B' μ. τέκνον] εὐφρανόμενῃ [B' -ων, B' -η] (8)  
 Pr. 7. 7. ὃν ἐν ἰδῶ τῶν ἀφρόνων τ. νεανίαν ἐνδεῆ φρονῶν (8)  
 14. 26. τοῖς δὲ τ. αὐτοῦ καταλείπει ἔρεισμα (8)  
 17. 6. στέφανος γερόντων τέκνα τέκνων καυχῆμα δὲ τέκνων πατέρες αὐτῶν (8 ter)  
 24. 27 (30. 4). τί ὄραμα τοῖς τ. αὐτοῦ (8)  
 — 70 (31. 2). τί, τέκνον, τηρήσεις (4)  
 — 70 (31. 2). τί, τέκνον ἐμῆς κοιλίας; τί, τέκνον ἐμῶν εὐχῶν (4, 4)  
 31. 28. ἡ δὲ ἐλεημοσύνη αὐ. ἀνέστησε τὰ τ. αὐ. (8)  
 Wi. 3. 12. πονηρὰ τὰ τ. αὐτῶν (8)  
 — 16. τέκνα δὲ μοιχῶν ἀτέλιστα ἐσθαι (8)  
 4. 6. ἐκ γὰρ ἀνόμων ὕψων τέκνα γεννώμενα (8)  
 10. 5. ἐπὶ τέκνον σπληγχνοῦς ἰσχυρὸν ἐφύλαξεν (8)  
 12. 5. τέκνων τε φονέας ἀνελήμονας (8)  
 13. 17. περὶ δὲ . . . τέκνων προσευχόμενος [B εὐχ.] (8)  
 14. 15. ὁρῶν γὰρ πένθει τρυχημένου πατρὸς τοῦ ταχέως ἀφαιρηθέντος τέκνου (8)  
 18. 21. τὴν σὴν γλυκύτητα πρὸς τέκνα ἐνεφάνισε (8)  
 18. 5. ἐνὸς ἐκτεθέντος τέκνου καὶ σωθέντος (8)  
 — 5. τὸ αὐτῶν ἀφείλω πλῆθος τέκνων (8)  
 Si. 2. 1. τέκνον, εἰ προσέχη δουλεύειν κυρίῳ θεῷ (8)  
 3. 1. ἐμοῦ τοῦ πατρὸς ἀκούσατε, τέκνα (8)  
 — 2. ὁ γὰρ κύριος ἐδόξεσε πατέρα ἐπὶ τέκνοις (8)  
 — 5. ὁ τιμὴν πατέρα εὐφρανθήσεται ὑπὸ τέκνων [A ἐπὶ τέκνοις] (8)  
 — 9. εὐλογία γὰρ πατρὸς στηρίζει οἴκους τέκνων (8)  
 — 11. οὐκ εἰδὸς τέκνοις μήτηρ ἐν ἀδοξίᾳ (8)  
 — 12. τέκνον, ἀντιλαβοῦ ἐν γῆρᾳ πατρός σου (8)  
 — 17. τέκνον, ἐν πραύτητι τὰ ἔργα σου διέταξε (8)  
 4. 1. τέκνον, τὴν (ὡν) τοῦ πατρὸς μὴ ἀποστερήσῃς (8)  
 6. 18. τέκνον, ἐκ νεότητός σου ἐπιδέξαι παιδείαν (8)  
 — 23. ἀκούσων, τέκνον, καὶ δέξαι γνώμην μου (8)  
 — 32. ἐὰν θέλῃς, τέκνον, παιδεύσῃ σου (8)  
 7. 23. τέκνα σοὶ ἐστὶ παιδεύσων αὐτὰ (8)  
 10. 28. τέκνον, ἐν πραύτητι δάσασον τὴν ψυχὴν σου (8)  
 11. 10. τέκνον, μὴ περὶ πολλὰ ζήσῃς αἱ πράξεις σου (8)  
 — 28. ἐν τέκνοις αὐτοῦ γνωσθήσεται ἡ γῆ [A om.] (8)  
 14. 11. τέκνον, καθὸς ἐὰν ἔχῃς εὐ ποιεῖς σεαυτὸν (8)  
 — 26. θίσει τὰ τ. αὐ. ἐν τῇ σκῆπῃ αὐ. (8)  
 16. 1. μὴ ἐπιθύμει τέκνων [B' -ον] πλῆθος ἀχρήστων [A -ον] (8)  
 — 3. ἀποθανεῖν ἀτεκνον ἢ ἔχειν τέκνα ἀσεβῆ (8)  
 — 24. ἀκούσων μου, τέκνον (8)  
 15. 15. τέκνον, ἐν ἀγαθοῖς μὴ ὄφῃς μῶμων (8)  
 21. 1. τέκνον, ἡμαρτίαι μὴ προσθήῃς μηκέτι (8)  
 23. 7. παιδείαν στόματος ἀκούσατε, τέκνα (8)

Si. 23. 23. ἐξ ἄλλοτρίου ἀνδρὸς τέκνα παρήστησεν (8)  
 — 24. ἐπὶ τὰ τ. αὐτῆς ἐπισκοπῇ ἐσθαι (8)  
 — 25. οὐ διαδόσονται τὰ τ. αὐτῆς εἰς ῥίζαν (8)  
 25. 7. ἀνθρώπος εὐφραίνόμενος ἐπὶ τέκνοις (8)  
 30. 1. περὶ τέκνων (8)  
 — 9. τιθήνησον τέκνον καὶ ἐκθαμβήσεις σε (8)  
 — 30 (33. 21). κρείσσον γὰρ ἐστὶ τὰ τ. δεηθῆναι σου (8)  
 34 (31). 22. ἀκούσων μου, τέκνον (8)  
 35 (32). 22. ἀπὸ τῶν τ. σου φύλαξαι (8)  
 37. 27. τέκνον, ἐν τῇ ζωῇ σου πείρασον τὴν ψυχὴν σου (8)  
 38. 9. τέκνον, ἐν ἀρρωσθηματί σου μὴ παράβλεπε (8)  
 — 16. τέκνον, ἐπὶ νεκρῷ κατάγαγε δάκρυα (8)  
 40. 19. τέκνα καὶ οἰκοδομὴ πόλεως στηρίζουσιν νομοῖς (8)  
 — 28. τέκνον, (ὡν) ἐπατήσεως μὴ βιωσῇς (8)  
 41. 5. τέκνα βδελυκτὰ γίνεταί τέκνα ἁμαρτωλῶν (8)  
 — 6. τέκνον ἁμαρτωλῶν ἀπολείπει κληρονομία (8)  
 — 7. πατρί ἀσεβεῖ μέμνηται τέκνα (8)  
 — 14. παιδείαν ἐν εἰρήρῃ συντηρήσατε, τέκνα (8)  
 42. 5. περὶ παιδείας τέκνων πολλῶν (8)  
 44. 9. τὰ τ. αὐτῶν μετ' αὐτοῦς (8)  
 — 12. ἔσθῃ . . . τὰ τ. αὐτῶν δι' [B' μετ'] αὐτοῦς (8)  
 47. 20. ἐπαγαγὲν ὀργὴν ἐπὶ τὰ τ. σου (8)  
 Ho. 1. 2. λάβε σεαυτῷ . . . τέκνα πορνείας (7)  
 2. 4 (6). τὰ τ. αὐ. οὐ μὴ ἐλεῶσιν (8)  
 — 4 (6). τέκνα πορνείας ἐσθιὶν (8)  
 4. 6. ἐπιλήσονται τέκνον σου (8)  
 5. 7. τ. ἀλλοτρίᾳ ἐγενήθησαν αὐτοῖς (8)  
 9. 12. ἐὰν ἐκθρέψωσι τὰ τ. αὐ. (8)  
 — 13. εἰς θῆραν παρήστησαν τὰ τ. αὐ. (8)  
 — 13. τοῦ ἐξαγαγεῖν εἰς ἀποκέντησιν τὰ τ. αὐ. (8)  
 10. 9. πόλεμος ἐπὶ τῇ [A om.] τ. ἀδικίας (8)  
 — 14. μητέρα ἐπὶ τέκνοις ἠδάφισαν (8)  
 11. 1. ἐξ Αἰγύπτου μετεκάλεσα τὰ τ. αὐ. (8)  
 — 10. ἐκστησονται τέκνα ὑδάτων (8)  
 13. 13. οὐ μὴ ὑποστῇ ἐν συντριβῇ τέκνον (8)  
 Mi. 1. 16. κείραι ἐπὶ τὰ τ. τὰ τρυφερά σου (8)  
 J1. 1. 3. τοῖς τ. ὑμῶν διηγέσασθε (8)  
 — 3. καὶ τὰ τ. ὑμῶν τοῖς τ. αὐ. (8, 3)  
 — 3. καὶ τὰ τ. αὐ. εἰς γενεὰν ἐτέραν (8)  
 2. 23. τὰ τ. Σιών, χαίρετε (8)  
 Za. 9. 13. ἐξέγερω τὰ τ. σου, Σ., ἐπὶ τὰ τ. τῶν Ἑλλήνων (8, 3)  
 10. 7. τὰ τ. αὐ. θύονται (8)  
 — 9. ἐκθρέψουσιν τὰ τ. αὐ. (8)  
 Is. 2. 6. τέκνα πολλὰ ἀλλόφυλα ἐγενήθη αὐτοῖς (7)  
 18. 16. τὰ τ. αὐτῶν ῥάβδουσιν (8)  
 — 18. τὰ τ. ὑμῶν οὐ μὴ ἐλεήσωσιν οὐδὲ ἐπὶ τοῖς τ. σου φείσονται οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν (8, 3)  
 14. 21. ἐτοιμάσων τὰ τ. σου σφαιρίων (8)  
 27. 6. οἱ ἐρχόμενοι τέκνα ἱακῶβ (8)  
 29. 23. ὅταν ἰδῶσι τὰ τ. αὐ. τὰ ἔργα μου (7)  
 30. 1. οὐαί, τέκνα ἀποστατά (8)  
 31. 2. ἀπὸ τῶν τ. σου . . . λήψονται (8)  
 44. 3. ἐπιθῶ . . . τὰς εὐλογίας μου ἐπὶ τὰ τ. σου (10)  
 51. 18. οὐκ ἦν ὁ παρακαλῶν σε ἀπὸ πάντων τῶν τ. σου (8)  
 54. 1. πολλὰ τὰ τ. τῆς ἐρήμου (8)  
 — 13. ἐν πολλῇ εἰρήρῃ τὰ τ. σου (8)  
 57. 4. οὐχ ὑμεῖς ἐστέ τέκνα ἀπωλείας (7)  
 — 5. σφάλλετε τὰ τ. αὐτῶν ἐν ταῖς φάραγξιν (7)  
 60. 4. ἴδε συνηγμένα τὰ τ. σου (8)  
 — 9. ἀγαγὲν τὰ τ. σου μακρόθεν (8)  
 63. 8. τέκνα οὐ μὴ ἀθετήσωσι (8)  
 65. 23. A οὐδὲ τέκνα ποιήσουσιν [B S οὐ τέκνον.] (11)  
 Je. 2. 30. μήτηρ ἐπάταξα τὰ τ. ὑμῶν (8)  
 3. 19. A B B τάζω σε εἰς τέκνα [B ἔθνη] (8)  
 19. 2. εἰς τὸ πολυάνδρουν υἱὸν τῶν τ. αὐτῶν (8)  
 38 (31). 17. μόνιμον τοῖς σοῖς τ. (1)  
 — 29. οἱ ὀδόντες τῶν τ. ἠμῶν δάσαν (8)  
 39 (32). 18. ἀποδοῦναι ἁμαρτίας πατέρων εἰς κόλπους τέκνων αὐτῶν (8)  
 — 39. εἰς ἀγαθὸν αὐτοῖς καὶ τοῖς τ. αὐτῶν (8)  
 42 (35). 14. δ' ἐνετείλατο τοῖς τ. αὐτοῦ (8)  
 45 (38). 23. τὰ τ. σου ἐξάβουσιν πρὸς τοὺς Χαλδ. (8)  
 Ba. 4. 12. ἠρημώθην διὰ τὰς ἁμαρτίας τῶν τ. μου (8)  
 — 19. βαδίετε, τέκνα (8)  
 — 21. θαρσύνετε, τέκνα (8)  
 — 25. τέκνα, μακροθυμήσατε (8)  
 — 27. θαρσύνετε, τέκνα (8)  
 — 32. αἰς ἐδούλευσαν τὰ τ. σου (8)  
 5. 5. ἴδε σου συνηγμένα τὰ τ. (8)  
 Ez. 5. 10. πατέρες φάγονται τέκνα . . . καὶ τέκνα φάγονται πατέρας (8, 3)



Pr. 11. 3. **Α** τελειώτης εὐθείων ὁδηγήσει αὐτοὺς (1 b)  
 Wi. 6. 15. τὸ γὰρ ἐνθυμηθῆναι περὶ αὐτῆς φρονήσεως  
 τελειώτης  
 12. 17. ἀπιστοῦμενος ἐπὶ θυμῷ τελειώτητι  
 Je. 2. 2. **Β** ἐμνήσθην . . . ἀγάπης τελειώτηρός  
 [A. B. -ώσεως] σου +  
 [Aq. Ex. 28. 30.]  
 [Sm. Ex. 28. 30 : Dt. 33. 8 : Jb. 12. 2 : Ps. 25  
 (26). 11 : 83 (84). 12.]  
 [Th. Ex. 28. 30 : Pr. 11. 3.]  
 [Al. Lx. 3. 3 : 4. 10, 26 : 1 Ki. 14. 41.]  
 [Heb. Jb. 2. 3.]  
 [Quint. Ps. 25 (26). 1, 11.]

τελειούν. (1) תָּמַם (2) כָּלַם (3) כָּלַם ri.  
 (4) יָמַם נָמַם (5) נָמַם ni. (6) כָּלַם  
 (7) כָּלַם a. qal. δ. hithpa.

Ex. 29. 9. τελειώσεις 'Α. τὰς χεῖρας αὐ. (3)  
 — 29. καὶ τελειώσαι τὰς χεῖρας αὐτῶν (3)  
 — 33. τελειώσαι τὰς χεῖρας αὐ. (3)  
 — 35. τελειώσεις αὐτῶν τὰς χεῖρας (3)  
 Le. 4. 5. ὁ ἱερὺς ὁ χριστὸς ὁ τετελειωμένος τὰς  
 χεῖρας — (3)  
 8. 33. τελειώσεις τὰς χεῖρας ὑμῶν (3)  
 16. 32. **Α** Β' ὃν ἂν τελειώσουσι [B' B. -σωσι]  
 τὰς χεῖρας αὐ. (3)  
 21. 10. τοῦ ελαίου τοῦ χριστοῦ καὶ τετελειωμένου (4)  
 Nu. 3. 3. οὗς ἐτελείωσαν τὰς χεῖρας αὐ. (3)  
 II Ki. 22. 26. μετὰ ἀνδρὸς τελείου τελειωθῆσθαι (7 b)  
 III Ki. 1. 7. 22. **Α** ἐτελειώθη τὸ ἔργον τῶν στ. (7 a)  
 14. 10. **Α** ὡς τελειωθῆναι αὐτῶν (7 a)  
 II Ch. 8. 16. **Α** ἀφ' ἧς ἡμέρας ἐτελειώθη [B  
 ἐθιμολογῶν] +  
 — 16. ὥς οὐ ἐτελείωσεν Σ. τὸν οἶκον κυρίου (1 + 6)  
 Ne. 6. 3. ὡς ἂν τελειώσω αὐτό +  
 — 16. τελειωθῆναι τὸ ἔργον τοῦτο (6)  
 Ju. 10. 8. τελειώσαι τὰ ἐπιτηδεύματά σου  
 Wi. 4. 13. τελειώθεις ἐν ὀλίγῳ ἐπλήρωσε χρόνους  
 μακροὺς

Si. 7. 25. **Β'** ἔση τετελειωκὸς [A. B. B' -λεκὸς] ἔργον  
 μέγα

— 32. ὡς τελειώθῃ ἡ εὐλογία σου  
 34 (31). 10. τίς ἐδοκίμασθαι ἐν αὐτῷ καὶ ἐτελειώθῃ  
 50. 19. τὴν λειτουργίαν αὐτοῦ ἐτελείωσαν [B' ελει-  
 τούργησαν]

Ez. 27. 11. οὗτοι ἐτελείωσάν σου τὸ κάλλος (2)  
 Da. LXX. 3. (40). καὶ τελειώσαι ὑπισθὲν σου

IV Ma. 7. 15. ὃν πιστὴ θανάτου σφραγὶς ἐτελείωσεν  
 [Aq. Nu. 14. 33 : Dt. 2. 14 : 1 Ki. 16. 11 : III  
 Ki. 14. 10 : Ps. 39 (40). 7 (P.) : Da. 9. 24.]  
 [Sm. Jd. 17. 5 : Ps. 39 (40). 7 (P.) : 101 (102).  
 28.]  
 [Th. Ps. 16 (17). 5 : 39 (40). 7 (P.)]  
 [Al. Gz. 47. 18.]  
 [Quint. Bext. Ps. 39 (40). 7 (P.)]

τελειώμα.

[Aq. Jb. 12. 2.]

τελείως.

Ju. 11. 6. τ. πράγμα ποιήσει μετὰ σοῦ ὁ θεός  
 II Ma. 12. 42. ἀξιώσαντες τὸ γεγονός ἀμάρτημα τ.  
 ἐξαλειφθῆναι  
 III Ma. 3. 26. τ. ἡμῶν τὰ πράγματα . . . κατασταθί-  
 σεσθαι  
 7. 22. **Β** τὰ μεγαλεία τοῦ μεγίστου θεοῦ ποιήσαντος  
 τ. [A. al.]

τελείωσις. (1) תָּמַם (2) תָּמַם תָּמַם

τ. תָּמַם (3) τ. τ. τοῦ σωτηρίου תָּמַם  
 Ex. 29. 22. ὅτι γὰρ τελειώσεις αὐτή (1)  
 — 26. λήψῃ τὸ στήθιον ἀπὸ τοῦ κριοῦ τῆς τ. (1)  
 — 27. δε ἀφῆρηται ἀπὸ τοῦ κριοῦ τῆς τ. (1)  
 — 31. τὸν κριὸν τῆς τ. λήψῃ (1)  
 — 34. ἀπὸ τῶν κριῶν τῆς θυσίας τῆς τ. (2)  
 Le. 7. 27 (37). οὗτος ὁ νόμος . . . τῆς τ. (1)  
 8. 21 (22). προστάγας . . . κριὸν [A. add. τῆς]  
 τελειώσεως (1)  
 — 25 (26). ἀπὸ τοῦ κανοῦ τῆς τ. +  
 — 27 (28). ἐπὶ τὸ ὀλοκαύτωμα τῆς τ. (1)  
 — 28 (29). ἀπὸ τοῦ κριοῦ τῆς τ. (1)  
 — 31. ἐν τῷ κανὼ τῆς τ. (1)  
 — 33. **Α** Β' ὥς ἡμέρα πληρωθῇ [B' B. add.  
 ἡμέρα] τελειώσεως ὑμῶν (1)  
 II Ch. 29. 35. ἐν τοῖς στέασι τῆς τ. τοῦ σωτηρίου (3)  
 Ju. 10. 9. ἐξελεύσονται εἰς τελειώσιν τῶν λόγων

Si. 81 (34). 8. σοφία στόματι πιστῷ τελειώσις  
 Je. 2. 2. ἐμνήσθην . . . ἀγάπης τελειώσεως [B  
 -ἀγάπης] σου +

II Ma. 2. 9. ἀνῆκεν θυσίαν . . . τῆς τ. τοῦ ἱεροῦ  
 [Aq. Lx. 8. 8 : Dt. 31. 24.]  
 [Th. Lx. 8. 8.]  
 [Al. Lx. 4. 35 : 6. 12 (5) : 7. 29 : 8. 33.]  
 [Sam. Nu. 29. 35.]

τέλειος.

III Ma. 1. 22. οὐκ ἠνέχοντο τέλειον αὐτοῦ ἐπιεικμένον  
 [Aq. Ps. 12 (13). 2.]

τελειουργεῖν.

Pr. 19. 7. ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελειουργεῖ κακίαν —  
 τελειος.

[Aq. Ps. 118 (119). 96.]

τέλεισμα.

[Al. Ps. 134 (135). 7.]

τελειοφορεῖν.

IV Ma. 18. 20. διὰ τῆς αὐτῆς ψυχῆς τελειοφορηθέντες  
 [Sm. Ps. 64 (65). 10 : Is. 37. 27.]

τελειόφορος. (1) תָּמַם

De. 28. 18. οὐκ ἔσται τελειόφορος ἀπὸ θυγ. 'Ισρ. (1)  
 τελετή. (1) α. תָּמַם δ. תָּמַם

III Ki. 15. 12. ἀφείλε τὰς τ. ἀπὸ τῆς γῆς (1 a)  
 Wi. 12. 4. ἐπὶ τῷ ἔχθιστα πράσσειν . . . τελετὰς  
 ἀνοσιους

14. 15. παρέδωκε τοῖς ὑποχείριόις μυστήρια καὶ  
 τελετὰς  
 — 23. ἡ γὰρ τεκνοφόνους τελετὰς . . . ἄγοντες  
 Am. 7. 9. αἱ τ. τοῦ 'Ισρ. ἐρημωθήσονται (1 b)

III Ma. 2. 30. ἐν τοῖς κατὰ τελετὰς μεμνημένοις  
 ἀναστρέφονται

[Sm. III Ki. 14. 24 : IV Ki. 23. 7.]

τελευταίος. (1) תָּמַם

Pr. 14. 12. τὰ δὲ τ. αὐ. ἔρχεται εἰς πυθμένα ἔδου (1)  
 — 13. τελευταία δὲ χαρὰ [A. -ās] εἰς πένθος

ἔρχεται (1)  
 16. 25. τὰ μέντοι τ. αὐτῶν βλέπει εἰς πυθμένα  
 ἔδου (1)

20. 21. ἐν τοῖς τ. οὐκ εὐλογηθήσεται (1)  
 III Ma. 5. 49. βρέφει τελευταῖον ἔλκοντα γάλα

[Aq. Jo. 15. 21 : Ps. 60 (61). 3 : Is. 37. 24 : 41.  
 5, 9 : 56. 11.]

[Sm. I Ki. 9. 27 : Ec. 9. 3.]

[Th. I Ki. 9. 27.]

τελευτᾶν. (1) תָּמַם (2) תָּמַם a. qal. δ. hoph.

(3) תָּמַם

Ge. 6. 17. ὅσα ἐὰν ᾖ ἐπὶ τῆς γῆς τελευτήσῃ (1)  
 25. 32. πορεύονται τελευτᾶν (2 a)

30. 1. τελευτήσω ἐγὼ (2 a)  
 44. 31. καὶ ἔσται . . . τελευτήσῃ (2 a)

50. 5. **Α** ὥρκεισε με πρὸ τοῦ τελευτήσῃ [B. al.] —  
 — 16. ὥρκεισε πρὸ τοῦ τελευτήσῃ αὐτόν (2 a)

— 26. ἐτελεύτησεν 'Ι. ἐτὼν ἑκατὸν δέκα (2 a)  
 Ex. 1. 6. ἐτελεύτησε δὲ 'Ι. (2 a)

2. 23. ἐτελεύτησεν ὁ βασιλ. Αἴγ. (2 a)  
 4. 18. ἐτελεύτησεν ὁ βασιλ. Αἴγ. —

7. 18. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ ποταμῷ τελευτήσουσι (2 a)  
 — 21. οἱ ἰχθύες οἱ ἐν τῷ ποταμῷ ἐτελεύτησαν (2 a)

8. 13 (9). ἐτελεύτησαν οἱ βάτραχοι (2 a)  
 9. 4. οὐ τελευτήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν τοῦ 'Ι. υἱῶν  
 ῥητόν (2 a)

— 6. **Α** Β' ἐτελεύτησε πάντα τὰ κτήνη τῶν Αἴγ. (2 a)  
 — 6. **Α** Β' ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν . . . οὐκ ἐτελεύ-  
 τησεν οὐδὲν (2 a)

— 7. **Α** Β' οὐκ ἐτελεύτησεν ἀπὸ πάντων τῶν  
 κτηνῶν . . . οὐδὲν (2 a)

— 19. καὶ τὰ κτήνη . . . τελευτήσῃ (2 a)  
 11. 5. τελευτήσῃ πᾶν πρωτότοκον (2 a)

19. 12. πᾶς ὁ ἀνὴρ. τοῦ θροῦν θανάτῳ τελευ-  
 τήσῃ (2 b)

21. 16 (17). τελευτήσῃ θανάτῳ [A. θ. τελευτᾶν] (2 b)  
 — 17 (16). θανάτῳ τελευτᾶν [A. θανατούσθω] (2 b)

— 34. τὸ δὲ τετελευτηκὸς [A. τεθυνηκός] αὐτῷ  
 ἔσται (2 a)

— 35. καὶ τελευτήσῃ [A. -σει] (2 a)  
 — 36. ὁ δὲ τετελευτηκὸς αὐτῷ ἔσται (2 a)

Ex. 22. 10 (9). καὶ συντρίβῃ ἡ τελευτήσῃ [A  
 τελευτήσῃ ἡ σ.] (2 a)

85. 2. πᾶς ὁ ποιῶν ἔργον ἐν αὐτῇ τελευτᾷ (2 b)  
 Le. 18. 1. μετὰ τὸ τελευτήσῃ τοὺς δύο υἱοὺς 'Α. (2 a)

— 1. καὶ ἐτελεύτησαν (2 a)  
 21. 11. ἐπὶ πάσῃ ψυχῇ τετελευτηκῆς (2 a)

24. 16. ἐν τῷ ὀνομασίᾳ αὐτὸν τὸ ὄν. κυρίου  
 τελευτᾷ (2 b)

Nu. 3. 4. ἐτελεύτησε Ν. καὶ 'Αβ. (2 a)  
 6. 6. ἐπὶ πάσῃ ψυχῇ τετελευτηκῆς (2 a)

20. 1. ἐτελεύτησεν ἐκεῖ Μ. (2 a)  
 35. 16. ἐὰν δὲ . . . πατάξῃ αὐτὸν καὶ τελευτήσῃ (2 a)

De. 17. 5. καὶ τελευτήσουσιν (2 a)  
 25. 5. **Α** οὐκ ἔσται ἡ γυνὴ τοῦ τετελευτηκός (2 a)

[B. τεθυνηκός] ἔξω (2 a)  
 — 6. ἔσται τὸ παιδίον . . . ἐκ τοῦ ὀνόματος τοῦ  
 τετελευτηκός (2 a)

82. 50. τελευτᾷ ἐν τῷ ὄρει (2 a)  
 34. 5. ἐτελεύτησε Μ. οἰκῆτης κυρίου (2 a)

— 7. ἐν τῷ τελευτᾷ [A. -τήσῃ] αὐτόν (2 a)  
 Jo. 1. 2. Μ. ὁ θεράπων μου τετελεύτηκε (2 a)

24. 33. 'Ελ. υἱὸς 'Α. ὁ ἀρχιερεὺς ἐτελεύτησε (2 a)  
 Jd. 2. 8. ἐτελεύτησεν 'Ι. υἱὸς Ναυῆ (2 a)

I Ch. 29. 28. ἐτελεύτησεν ἐν γῆρῃ καλῶ (2 a)  
 II Ch. 13. 20. καὶ ἐτελεύτησε (2 a)

16. 13. ἐτελεύτησεν ἐν τῷ τριακοστῷ ἔτει τῆς  
 βασιλ. αὐ. (2 a)

24. 15. καὶ ἐτελεύτησεν ὡς ἑκατὸν καὶ τριάκοντα  
 ἐτῶν ἐν τῷ τελευτᾷ αὐτόν (2 a, 2 a)

Ju. 8. 3. ἐτελεύτησεν ἐν Βαιτ.  
 Jb. 1. 19. καὶ ἐτελεύτησαν [B' -εν] (2 a)

2. 9. καὶ τελευτᾷ (2 a)  
 3. 11. διὰ τὴν γὰρ ἐν κοιλίᾳ οὐκ ἐτελεύτησα (2 a)

4. 21. **Α** καὶ ἐτελεύτησαν [B. ἐξηράνθησαν] (2 a)  
 12. 2. ἡ μετ' ὑμῶν τελευτήσῃ σοφία (2 a)

14. 8. ἐν δὲ πέτρᾳ [A. ἐὰν δὲ πέτραις] τελευτήσῃ  
 [A. -σει] (2 a)

— 10. ἀνὴρ δὲ τελευτήσας φῆγετο (2 a)  
 21. 25. ὁ δὲ τελευτᾷ ὑπὸ πικρίας ψυχῆς (2 a)

27. 15. **Β'** **Β** θανάτῳ τελευτήσουσι [A. -σωσιν] +  
 34. 15. τελευτήσῃ πᾶσα σὰρξ ὁμοθυμαδόν (1)

42. 17. ἐτελεύτησεν 'Ιωβ πρὸς βασιλέα [B. -ύτη] (2 a)  
 Pr. 6. 23. οὗτος τελευτᾷ μετὰ ἀπαιδεύτων (2 a)

10. 21. ἐν ἐνδείᾳ τελευτᾶν [B. -τήσουσιν] (2 a)  
 11. 7. τελευτήσας ἀνδρὸς δικαίου (2 a)

15. 10. οἱ δὲ μισοῦντες ἐλέγχους τελευτᾶσιν  
 ἀσχερῶς (2 a)

Wi. 3. 18. ἐὰν τε ὀξέως τελευτήσωσιν [B' -σουσιν]  
 4. 7. δικαίος δὲ ἐὰν φθάσῃ τελευτᾷ

Si. 8. 7. μνησθῆναι δὲ πάντες τελευτᾶν  
 10. 10. βασιλεὺς σήμερον καὶ ἀβριον τελευτήσῃ

14. 13. πρὶν σε τελευτήσῃ εὖ ποιεῖ φίλῳ  
 — 18. ἡ μὲν τελευτᾷ ἑτέρα δὲ γεννάται

— 20. μακάριος ἀνὴρ ὃς ἐν σοφίᾳ τελευτήσῃ [B'  
 μελετήσῃ]

23. 17. οὐ μὴ κοπάσῃ ὥς ἂν τελευτήσῃ [A. -σει]  
 30. 4. ἐτελεύτησεν αὐτοῦ ὁ πατήρ

37. 31. δι' ἀπληστίας πολλοὶ ἐτελεύτησαν  
 Am. 7. 11. ἐν βομφαίᾳ τελευτήσῃ 'Ιερ. (2 a)

— 17. ἐν γῇ ἀκαθάρτῳ τελευτήσῃ (2 a)  
 9. 10. ἐν βομφαίᾳ τελευτήσουσι πάντες ἄμαρ-  
 τωλοὶ λαοῦ μου (2 a)

Is. 66. 24. ὁ γὰρ σκόληξ αὐτῶν οὐ τελευτήσῃ  
 [A. -τῇ] (2 a)

Je. 11. 22. τελευτήσουσιν ἐν λιμῷ (2 a)  
 Ez. 6. 12. **Α** ὁ ἐγγὺς ἐν βομφαίᾳ τελευτήσῃ  
 [B. πεσεῖται] ὁ δὲ μακρὸν ἐν θανάτῳ  
 τελευτήσῃ (3, 2 a)

7. 15. ὁ [A. οἱ] ἐν τῷ πεδίῳ ἐν βομφαίᾳ τελευ-  
 τήσῃ [A. -σουσι] (2 a)

12. 13. ἐκεῖ τελευτήσῃ (2 a)  
 17. 16. μετ' αὐτοῦ ἐν μίσῳ βασιλ. τελευτήσῃ (2 a)

18. 17. οὐ τελευτήσῃ ἐν ἀδικίᾳ πατρός αὐτοῦ (2 a)  
 I Ma. 9. 29. ἀφ' οὗ ὁ ἀδ. σου 'Ιουδὰς τετελεύτηκε

II Ma. 6. 30. μὴλλον δὲ ταῖς πληγαῖς τελευτᾶν  
 7. 5. ἀλλήλους παρεκάλουν . . . γενναίως τελευτᾶν  
 — 14. γενόμενος πρὸς τῷ τελευτᾷ  
 — 41. ἐσχάτη δὲ τῶν υἱῶν ἡ μῆτηρ ἐτελεύτησε

III Ma. 1. 23. καὶ θαρραλέως ὑπὸ τοῦ πατρός μου  
 τελευτᾶν

IV Ma. 4. 15. τελευτήσας διὰ Σελεύκου τοῦ βασιλ.

6. 22. εὐγενὲς ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας τελευτᾷ

11. 13. τελευτήσαντος δὲ καὶ τούτου

18. 9. ἐτελεύτησεν ὁ πατήρ

[Aq., Th. Jx. 14. 15 : Ez. 18. 17.]

[Sm. Ez. 18. 17.]

**τελευτή.** (1) ΠῚΠῚ (2) α. ΠῚ δ. ΠῚ  
 Ge. 27. 2. οὐ γινώσκω τὴν ἡμέραν τῆς γ. μου (3 α)  
 De. 31. 20. Ἰσχυάσθαι τῆς γ. μου (3 α)  
 33. 1. ἦν εὐλόγησε . . . πρὸ τῆς [A om.] τ. αὐ. (2 α)  
 34. 6. Α οὐκ οἶδεν οὐδεὶς τὴν τ. [B ταφὴν] αὐ. +  
 Jo. 1. 1. μετὰ τὴν τ. Μωϋσῆ (2 β)  
 Jd. 1. 1. μετὰ τὴν τ. Ἰησοῦ (2 β)  
 I Ch. 22. 5. ἡτοίμασε Δ. . . ἔμπροσθεν τῆς τ. αὐ. (2 α)  
 II Ch. 24. 17. μετὰ τὴν τ. 'Ι. (2 β)  
 28. 21. ἔως ἡμέρας τῆς τ. αὐ. (2 α)  
 Pr. 24. 14. ἔσται καλὴ ἡ τ. σου (1)  
 Wi. 2. 1. οὐκ ἔστιν ἰσχύς ἐν τελευτῇ ἀνθρώπου  
 — 5. οὐκ ἔστιν ἀναποδισμός [B ἀνταπ.] τῆς τ. ἡμῶν  
 4. 17. θύονται γὰρ τελευτὴν σοφοῦ  
 5. 4. ἐλογισμέθα . . . τὴν τ. αὐτοῦ ἄτιμον [B<sup>1</sup> -μῖαν]  
 Si. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς αὐτοῦ  
 11. 26. ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς ἀποδοῦναι ἀνθρώπῳ  
 — 28. πρὸ τελευτῆς ἡμῶν μακάριζε μηδένα  
 18. 24. μνησθῆτι θυμοῦ ἐν ἡμέραις τελευτῆς [B al.]  
 30. 5. ἐν τῇ τ. αὐτοῦ οὐκ ἐληψήθη  
 — 32 (33. 23). ἐν καιρῷ τελευτῆς διὰ δόξης κληρονομίαν  
 40. 2. ἐπίνοια προσδοκίας ἡμέρα τελευτῆς  
 48. 20. ὑπέδειξε βασιλεῖ τὴν τ. αὐτοῦ  
 48. 14. ἐν τελευτῇ θαυμάσια τὰ ἔργα αὐτοῦ  
 Ba. 3. 25. οὐκ ἔχει τελευτὴν  
 I Ma. 9. 23. μετὰ τὴν τ. 'Ι.  
 II Ma. 10. 9. τὰ μὲν τῆς 'Αντιόχου . . . τ. οὕτως εἶχε  
 16. 39. ἐνταῦθα δὲ ἔσται ἡ τ. τελέως.  
 III Ma. 7. 22. τὰ μεγαλεία τοῦ μεγ. θεοῦ ποιήσαν-  
 τος τ.  
**τελίσκεσθαι.** (1) ΠῚΠῚ  
 De. 23. 18. καὶ οὐκ ἔσται τελισκόμενος (1)  
**τέλμα.**  
 [Aq. 8m. Je. 38 (45). 22.]  
 [Al. Ps. 134 (135). 7.]  
**τέλος.** (1) α. Δῶδ δ. Δῶδ (2) Δῶ  
 (3) ἡδ (4) α. γῖ δ. γῖ δ. γῖ δ. γῖ δ.  
 (5) διὰ τέλους γῖδ (6) εἰς (τὸ) τέλος  
 α. ἡδ δ. ἡδ δ. γῖ δ. γῖ δ. γῖ δ. γῖ δ.  
 ε. γῖδ δ. γῖδ δ. γῖδ δ. γῖδ δ. γῖδ δ.  
 (7) εἰς τέλος ἡμέρας μᾶς Δῶδ δῖδ  
 (8) ἔως εἰς (τὸ) τέλος α. γῖδ δ. γῖδ δ.  
 c. Δῶδ γῖδ  
 Ge. 46. 4. ἀναβιβάσω σε εἰς τέλος +  
 Ex. subscr. B τέλος τῆς ἐξόδου [A B al.]  
 Le. 27. 23. λογιέται πρὸς αὐτὸν ὁ ἰ. τὸ τ. τῆς  
 τιμῆς (1 β)  
 Nu. 17. 33 (28). ἔως εἰς τέλος ἀποθάνωμεν (8 β)  
 31. 28. ἀφελείναι τέλος [A τὸ τ.] κυρίῳ (1 α)  
 — 37. ἐγένετο τὸ τ. κυρίῳ (1 α)  
 — 38. 39. καὶ τὸ τ. κυρίῳ (1 α)  
 — 40. καὶ τὸ τ. αὐ. κυρίῳ (1 α)  
 — 41. ἔδωκε M. τὸ τ. κυρίῳ (1 α)  
 subscr. B τέλος τῶν ἀριθμῶν  
 De. 31. 24. 30. ἔως εἰς τέλος (8 c)  
 subscr. B τέλος τοῦ δευτερονομίου  
 Jo. 3. 16. ἔως εἰς τὸ τ. ἐξέλειπε (8 β)  
 8. 24. οὐ κατεδίωξαν αὐτοὺς ἀπ' αὐτῆς εἰς [A  
 ἔως εἰς] τέλος (8 h [8 c])  
 10. 13. οὐ προσηγορεύετο . . . εἰς τέλος ἡμέρας  
 μᾶς (7)  
 — 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπήν· μετὰ τὴν σφῶδρα  
 ἔως εἰς τέλος (8 c)  
 Jd. 11. 39. ἐν τῇ τ. τῶν [A μετὰ τέλος] δύο  
 μῶν (4 α)  
 subscr. B τέλος τῶν κριτῶν [A B al.]  
 Ru. subscr. A B τέλος τῆς 'Ροῦθ [B al.]  
 II Ki. 15. 7. ἀπὸ τέλους τεσσαράκοντα ἐτῶν (4 α)  
 24. 8. ἀπὸ τέλους ἐννέα μῶν καὶ εἰκοσι ἡμε-  
 ρῶν (4 β)  
 IV Ki. 8. 3. μετὰ τὸ τ. τῶν ἐπτὰ ἐτῶν (4 β)  
 18. 10. ἀπὸ τέλους τριῶν ἐτῶν (4 β)  
 19. 23. A εἰς μέρος τέλους αὐ. δρυμῶ [B al.]  
 (4 β\*, 4 α)

I Ch. 28. 9. καταλείψει σε εἰς τέλος (8 g)  
 29. 19. τοῦ ἐπὶ τέλος ἀγαγεῖν τὴν κατασκευὴν  
 τοῦ οἴκου σου +  
 II Ch. 12. 12. καὶ οὐκ εἰς καταφθόραν εἰς τέλος (8 c)  
 18. 2. κατέβη διὰ τέλους ἡ πόλις (4 α)  
 31. 1. κατέσπασαν τὰ ἱερῆα . . . ἔως εἰς τέλος (8 α)  
 subscr. B τέλος τῶν παραλειπομένων [A B al.]  
 Ne. 18. 6. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> μετὰ τέλος [A B τὸ τ. τῶν  
 ἡμερῶν] (4 α)  
 Ju. 7. 30. οὐ γὰρ ἐγκαταλείψει ἡμᾶς εἰς τέλος  
 14. 13. ἵνα ἐξολοθρευθῶσιν εἰς τέλος  
 subscr. B τέλος τῆς 'Ι. [A B S al.]  
 Es. 3. 13. ὅπως . . . ἀτάραχα παρέχωσιν ἡμῖν διὰ  
 τέλους τὰ πρίγματα  
 10. 1. A B ἔγραψε δὲ ὁ βασι. τέλη [B al.] (2)  
 subscr. B τέλος τῆς 'Εσθῆρ [A B S al.]  
 Jb. 6. 9. εἰς τέλος δὲ μὴ με ἀνέλτω +  
 14. 20. ὥσας αὐτὸν εἰς τέλος (8 f)  
 20. 7. τότε εἰς τέλος ἀπολείπεται (8 f)  
 — 28. ἐλκύσαι τὸν οἶκόν σου ἀπὸ λείας εἰς τέλος +  
 23. 3. καὶ ἐλθὼμι εἰς τέλος +  
 — 7. ἐξαγάγεις δὲ εἰς τέλος τὸ κρίμα μου (8 f)  
 Ps. 4. iit. εἰς τὸ τ. ἐν ψαλμοῖς ψῆδ [A τ. ψαλ-  
 μὸς] τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 5. iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῆς κληρονομουμένης (8 c)  
 6. iit. εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις ὑπὲρ τῆς δοξῆς (8 c)  
 8. iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ληρῶν (8 c)  
 9. iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν κρυφίων τοῦ νοῦ (8 c)  
 — 6. τοῦ ἐχθροῦ ἐξέλπτον ἀ ρόμφαίαι εἰς  
 τέλος (8 f)  
 — 18. A B<sup>2</sup> οὐκ εἰς τέλος ἐπιλησθήσεται ὁ  
 πτωχὸς ἡ ὑπομὴν τῶν πενήτων οὐκ  
 ἀπολείπεται εἰς τέλος [B S<sup>1</sup> τὸν αἰῶνα]  
 (8 f, 8 g)  
 — 32 (10. 11). τοῦ μὴ θλίπειν εἰς τέλος  
 10 (11). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 11 (12). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῆς δοξῆς (8 c)  
 12 (13). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 — 1. ἔως πότε, κύριε, ἐπιλήσῃ μου εἰς τέλος (8 d)  
 18 (14). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 15 (16). 11. τερπνότητες [A -ότες] ἐν τῇ δεξιᾷ  
 σου εἰς τέλος (8 d)  
 17 (18). iit. εἰς τὸ τ. τῷ παιδὶ κυρίῳ τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 — 35. ἡ παιδεία σου ἀνώρωσέ με εἰς τέλος  
 [B<sup>1</sup> om. εἰς τ.] -  
 18 (19). iit. : 19 (20). iit. : 20 (21). iit. εἰς τὸ  
 τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 21 (22). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῆς ἀναλήψεως τῆς  
 ἐωθινῆς (8 c)  
 29 (30). iit. εἰς τὸ τ. [A B om. εἰς τὸ τ.] ψαλ-  
 μὸς ψῆδ -  
 30 (31). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 35 (36). iit. εἰς τὸ τ. τῷ δούλῳ κυρίῳ τῷ Δαυὶδ  
 [A al.] (8 c)  
 36 (37). iit. A εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δ. [B S al.] -  
 37 (38). 6. κατεκμήθη ἔως τέλους +  
 38 (39). iit. εἰς τὸ τ. τῷ Ἰδιδούν (8 c)  
 39 (40). iit. εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ ψαλμός (8 c)  
 40 (41). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 41 (42). iit. εἰς τὸ τ. εἰς συνέσω (8 c)  
 42 (43). iit. A εἰς τὸ τ. συνέσω τοῖς υἱοῖς Κορέ -  
 43 (44). iit. εἰς τὸ τ. τοῖς υἱοῖς Κορέ (8 c)  
 — 23. μὴ ἀπόσῃ εἰς τέλος (8 f)  
 44 (45). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ἀλλοιωθησομέ-  
 νων τοῖς υἱοῖς Κορέ [A al.] (8 c)  
 45 (46). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν υἱῶν Κορέ [A B  
 al.] (8 c)  
 46 (47). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν υἱῶν Κορέ ψαλ-  
 μὸς [A al.] (8 c)  
 47 (48). iit. A εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ [B S  
 al.] +  
 48 (49). iit. εἰς τὸ τ. τοῖς υἱοῖς Κορέ ψαλμός  
 [A al.] (8 c)  
 — 9. ῥήσεται εἰς τέλος (8 f)  
 49 (50). iit. A εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δ. [B S al.] -  
 50 (51). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 51 (52). iit. εἰς τὸ τ. συνέσω τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 — 5. ὁ θεὸς καθέλει σε εἰς τέλος (8 f)  
 52 (53). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ μαλεθ (8 c)  
 53 (54). iit. : 54 (55). iit. εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (8 c)  
 55 (56). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τοῦ λαοῦ τοῦ ἀπὸ  
 τῶν ἁγίων μακαρυμένων (8 c)  
 56 (57). iit., 57 (58). iit., 58 (59). iit. εἰς τὸ τ.  
 μὴ διαφθείρῃς (8 c)  
 59 (60). iit. εἰς τὸ τ. τοῖς ἀλλοιωθησομένοις  
 ἐτι (8 c)

Ps. 60 (61). iit. εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (8 c)  
 61 (62). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ Ἰδιδούν (8 c)  
 63 (64). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ (8 c)  
 64 (65). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ ψῆδ (8 c)  
 65 (66). iit. εἰς τὸ τ. ψῆδ ψαλμῶν ἀναστάσεις  
 [B om.] (8 c)  
 66 (67). iit. εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (8 c)  
 67 (68). iit. εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ ψαλμός ψῆδ (8 c)  
 — 16. καὶ γὰρ ὁ κ. κατασκευάσει εἰς τέλος (8 f)  
 68 (69). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ἀλλοιωθησομέ-  
 νων (8 c)  
 69 (70). iit. εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ εἰς ἀνάμνησιν (8 c)  
 72 (73). 6. B<sup>2</sup> ἐκράτησεν αὐτοὺς ἡ ὑπερηφανία  
 εἰς τέλος [B S<sup>1</sup> om. εἰς τ.] -  
 73 (74). 1. ἵνα τί ἀπώσῃ ὁ θεὸς εἰς τέλος (8 f)  
 — 3. ἔπαρον τὰς χεῖράς σου ἐπὶ τὰς ὑπερη-  
 φανίας αὐτῶν εἰς τέλος (8 d)  
 — 10. παροξύνει ὁ ὑπερηφανὸς τὸ ὄνομα σου  
 εἰς τέλος (8 f)  
 — 11. καὶ τὴν δεξιάν σου ἐκ μέσου τοῦ κόλπου  
 σου εἰς τέλος (8 b)  
 — 19. τῶν ψυχῶν τῶν πεινῶν σου μὴ ἐπι-  
 λάθῃς εἰς τέλος (8 f)  
 74 (75). iit. εἰς τὸ τ. μὴ διαφθείρῃς (8 c)  
 75 (76). iit. εἰς τὸ τ. ἐν ὕμνοις (8 c)  
 78 (77). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ Ἰδιδούν (8 c)  
 — 8. ἡ εἰς τέλος ἀποκόψει τὸ ἔλεος (8 f)  
 78 (79). 5. ἔως πότε, κύριε, ὀργισθήσῃς εἰς τέλος (8 f)  
 79 (80). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ἀλλοιωθησομέ-  
 νων (8 c)  
 80 (81). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ληρῶν [A ἀλ-  
 λωιωθησομένων] (8 c)  
 83 (84). iit. εἰς τὸ τ. ὑπὲρ τῶν ληρῶν (8 c)  
 84 (85). iit. εἰς τὸ τ. τοῖς υἱοῖς Κορέ ψαλμός (8 c)  
 87 (88). iit. εἰς τὸ τ. [B om. εἰς τ.] ὑπὲρ  
 μαλεθ τοῦ ἀποκριθῆναι (8 c)  
 88 (89). 46. ἔως πότε, κύριε, ἀποστρέψεις  
 [B -η, B -ψεις] εἰς τέλος (8 f)  
 102 (103). 9. οὐκ εἰς τέλος ὀργισθήσεται (8 f)  
 108 (109). iit. εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δ. (8 c)  
 138 (139). iit. B B εἰς τὸ τ. ψαλμοῖς τῷ Δαυὶδ  
 [A al.] (8 c)  
 139 (140). iit. εἰς τὸ τ. τῷ Δαυὶδ ψαλμός (8 c)  
 Ec. 3. 11. ἀπ' ἀρχῆς καὶ μέχρι τέλους (3)  
 7. 3 (2). τοῦτο τέλος [A τ.] πατὴρ ἀνθρώ-  
 που (3)  
 12. 13. τέλος λόγου τὸ πᾶν ἄκουε (3)  
 Wi. 3. 19. γενεαὶ γὰρ ἀδίκου χαλεπαὶ τὰ τ.  
 7. 18. ἀρχὴν καὶ τέλος καὶ μεσότητα χρόνων  
 11. 14. ἐπὶ τέλει τῶν ἐκβάσεων ἐθαύμασαν  
 14. 14. σύντομον αὐτῶν τέλος [A τ.] ἐπενοήθη  
 16. 5. οὐ μέχρι τέλους ἔμμενεν ἡ ὀργὴ τοῦ  
 19. 1. τοῖς θεοῖς ἀσβεστοὶ μέχρι τέλους ἀνελεῖται  
 θυμὸς ἐπέστη  
 Si. 10. 13. κατέστρεψεν εἰς τέλος αὐτοὺς  
 12. 11. οὐκ εἰς τέλος κατίσσε  
 43. 26. δι' αὐτὸν εὐδοία [A -δοκία] τέλος [B<sup>2</sup> -ους]  
 αὐτοῦ +  
 Am. 9. 8. οὐκ εἰς τέλος ἐξάρω τὸν οἶκόν 'Ι. +  
 Hb. 1. 4. οὐ διεξάγεται εἰς τέλος κρίμα (8 f)  
 3. 13. B<sup>2</sup> εἰς τέλος [A B S<sup>1</sup> om. εἰς τ.] διάψαλμα -  
 Is. 19. 15. ὁ ποιήσει . . . ἀρχὴν καὶ τ. +  
 62. 6. οἱ διὰ τέλους οὐ σιωπήσονται (5)  
 Ba. 3. 17. οὐκ ἔστι τ. τῆς κτήσεως αὐτῶν +  
 Ez. 15. 4. ἐκλείπει εἰς τ. +  
 — 5. πῦρ αὐτὸ ἀνάλωσεν εἰς τ. +  
 20. 40. δουλεύουσιν μοι πᾶς οἶκος Ἰσραὴλ εἰς τ. (8 α)  
 22. 30. τοῦ μὴ εἰς τ. ἐξαλείψαι αὐτὴν -  
 38. 10. πᾶν οἶκόν 'Ισραὴλ εἰς τ. (8 α)  
 Da. LXX. 3. (34). μὴ παραδῶς ἡμᾶς εἰς τέλος  
 7. 26. καὶ ἀπολέσαι ἔως τέλους (8)  
 9. 27. ἐν τῷ τ. τῆς εβδομάδος ἀρβύσεται ἡ θυσία -  
 Da. TH. 1. 15. μετὰ τὸ τ. τῶν δέκα ἡμερῶν (4 c)  
 — 18. μετὰ τὸ τ. τῶν ἡμερῶν (4 c)  
 2. 34. καὶ ἐλέπυνεν αὐτοὺς εἰς τέλος -  
 3. 19. ἔως οὐ εἰς τέλος ἐκκαί -  
 — (34). μὴ δὲ παραδῶς ἡμᾶς εἰς τέλος  
 4. 31. μετὰ τὸ τ. τῶν ἡμερῶν (4 c)  
 6. 26 (27). καὶ ἡ κυρία αὐ. ἔως τέλους (3)  
 7. 26. τοῦ ἀπολέσαι ἔως τέλους (3)  
 9. 26. ἔως τέλους πολέμου συνετημένον (4 α)  
 11. 13. εἰς τὸ τέλος τῶν καιρῶν ἐναντῶν (4 α)  
 Bel subscr. A B τέλος Δαν. προφήτου [B Δαν.]  
 I Ma. 10. 31. οἱ δεκάται καὶ τὰ τ.  
 11. 35. τὰ ἄλλα . . . τῶν τ. τῶν ἀνηκόντων ἡμῖν  
 II Ma. 5. 5. καὶ τέλος ᾗδ καταλαβανομένης τῆς  
 πύλεως  
 — 7. τὸ δὲ τ. τῆς ἐπιβουλῆς αἰσχυρὴν λαβῶν



II Ma. 6. 15. πρὸς τέλος ἀφικόμενων ἡμῶν τῶν ἀμαρτιῶν  
8. 29. εἰς τέλος καταλλαγῆναι τοῖς αὐτοῦ δούλοις  
18. 16. τὸ τ. τὴν παρὰ μὲν δέοντες . . . ἐπλήρωσαν  
III Ma. 1. 26. τέλος ἐπιθεῖναι δοκῶν τῇ προκηρυγμένῃ  
8. 14. ἐπιστρατίας . . . κατὰ λόγον ἐπὶ τέλος ἀχθείσης  
4. 14. στρεβλωθέντας δέ . . . τὸ τ. ἀφάνισαι  
— 15. ἀνήντων λαμβάνουσα τὸ τ.  
5. 19. τὸ προσταγὲν ἐπὶ τέλος ἀγοχέιναι  
— 49. εἶναι τὸ τ. τῆς ἀθλιωτάτης προσδοκίας  
IV Ma. 12. 4. τῆς μὲν τῶν ἀδ. σου ἀπονοίας τὸ [B<sup>1</sup> om.] τ. ὁράς  
[Aq. Ge. 6. 14 (13) : Jb. 6. 11 : 16. 3 : 28. 3 : Ec. 4. 8, 16 : Is. 9. 7 (6) : Jz. 42 (49). 7.]  
[Sm. Ps. 12 (13). 2 : 43 (44). 24 : 67 (68). 17 : 88 (89). 47 : Ec. 4. 16 : 7. 9 (8) : Is. 19. 15 : 25. 8 : 38. 20 : 57. 16 : Am. 1. 11.]  
[Th. Jo. 16. 21 : Jd. 11. 39 : Ps. 11 (12). 1 : 78 (74). 1 : Is. 28. 28 : Da. 1. 15 : 9. 26 : 11. 13 : Am. 1. 11 : Mi. 7. 18.]  
[Sam. Nu. 31. 26.]  
[Al. Jo. 3. 2 : Jd. 5. 26 : Ps. 9. 19 : 47 (48). 11 : 48 (49). 20 : 66 (67). 8 : 97 (98). 3 : Da. 11. 13.]  
[Sext. Ps. 3. 3 : 9. 1 : 19 (20). 4 : 38 (39). 6 : 75 (76). 4, 10 : Am. 1. 11.]  
[Heb. Ez. 47. 11 (Sw.).]

τελωνεῖσθαι.

I Ma. 13. 39. εἴ τι ἄλλο ἐτελωνεῖτο ἐν Ἱερ. μηκέτι τελωνεῖσθαι

τέμαχος.

[Al. I Ki. 17. 18.]

τέμενος. (1) זִמָּה (2) לִצְוֶה (3) מִצְוָה

IV Ki. 21. 6. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> ἐποίησαν τεμένην [A B<sup>1</sup> al.] (1)  
Ho. 8. 14. φθορόμην τεμένην (2)  
Ez. 6. 4. ἀποτρίβονται . . . τὰ τ. ὕμων (3)  
— 6. καὶ ἐξορθῇ τὰ τ. ὕμων (3)  
I Ma. 1. 47. οἰκοδομήσονται . . . τεμένην  
5. 43. ἔφυγον εἰς τὸ τ.  
— 44. τὸ τ. ἐνέπυρσαν ἐν πυρὶ  
II Ma. 1. 15. B<sup>1</sup> εἰς τὸν περιβολὸν τοῦ τ. [A -ου]  
10. 2. ἐτι δὲ τεμένην καθύλακ  
11. 3. καθὼς τὰ λοιπὰ τῶν ἐθνῶν τ.  
III Ma. 1. 7. καὶ τοῖς τ. δωρεὰς ἀποτέμει  
— 13. αὐτὸν εἰσπαρχόμενον εἰς πᾶν τ.  
[Aq. Th. Is. 27. 9 : Ez. 6. 4.]  
[Sm. Is. 27. 9.]

τέμνειν. (1) a. qal. δ. ni. (8) מְצַדֵּי pī.

Ex. 36. 10 (39. 3). ἐτέμθη τὰ πέταλα τοῦ χρυσίου τρίχες (8)  
Le. 25. 3. ἐξ ἑτῆς τέμεις τὴν ἀμπελὸν σου (2 a)  
— 4. τὴν ἀμπελὸν σου οὐ τέμεις (2 a)  
IV Ki. 6. 4. ἔτεμνον τὰ ξύλα (1 a)  
Wi. 5. 12. τμηθεὶς ὁ ἀὴρ εὐθὺς εἰς ἐαυτὸν ἀνελύθη (2 b)  
Is. 5. 6. οὐ μὴ τμηθῇ οὐδὲ μὴ σκαφῇ (2 b)  
Da. LXX. 2. 34. ἐτέμθη λίθος ἐξ δρους (1 b)  
— 45. ἐξ δρους τμηθῆναι λίθον (1 b)  
Da. TH. 2. 34. A<sup>1</sup> εὖς οὐ ἐτέμθη λίθος . . . ἀνευ χειρῶν [B al.] (1 b)  
— 45. ἀπὸ δρους ἐτέμθη λίθος (1 b)  
IV Ma. 9. 17. τέμνετέ μου τὰ μέλη  
10. 19. προκεχάλασται ἡ γλώσσα τέμνε  
[Aq. Da. 9. 26.]  
[Sm. Ps. 89 (90). 10 : Is. 10. 18 : Da. 9. 26.]  
[Th. Da. 2. 34†.]  
[Al. Ez. 16. 4.]

τενοντοκοπεῖν.

[Aq. Ex. 34. 20.]

τενοντοῦ.

[Aq. Ex. 13. 13 : Dt. 21. 4 : Is. 66. 3.]

τένων.

IV Ma. 9. 27. ἀπὸ τῶν τ. . . ἐπισπασσάμενοι  
[Aq. Dt. 9. 6 (7) : I Ki. 4. 18.]  
[Sm. Jz. 7. 26.]  
[Al. Le. 5. 8.]  
[Heb. Jz. 16. 12.]

τέρας. (1) מִלְאָה (2) a. מִלְאָה δ. מִלְאָה hi. (8) מִלְאָה (4) מִלְאָה

Ex. 4. 21. ὅρα πάντα τὰ τ. (1)  
7. 3. πληθυνῶ . . . τὰ τ. [A add. μου] (1)

Ex. 7. 9. δότε ἡμῖν . . . τέρας (1)  
11. 9. ἵνα πληθύνων πληθύνω μου . . . τὰ τ. (1)  
— 10. ἐποίησαν . . . τὰ τ. ταῦτα (1)  
15. 11. ποιῶν τέρατα (2 a)  
De. 4. 34. λαβεῖν ἐαυτῷ ἔθνος . . . ἐν τέρασι (1)  
6. 22. ἔδωκε κύριος . . . τ. μεγάλα καὶ ποικιλὰ (1)  
7. 19. μνησθήσῃ . . . τὰ τ. (1)  
11. 3. οὐδὲ ἴδωσαν . . . τὰ τ. αὐ. (1)  
13. 1 (2). καὶ δῶ σοι σημεῖον ἡ τέρας (1)  
— 2 (3). καὶ ἔλθῃ τὸ σημεῖον ἡ τὸ τ. (1)  
26. 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν τέρασι (1)  
28. 46. ἔσται ἐν σοὶ σημεῖα καὶ τέρατα (1)  
29. 3 (2). τὰ σημεῖα καὶ τὰ τ. τὰ μεγάλα ἐκεῖνα (1)  
34. 11. ἐν πᾶσι τοῖς σημεῖοις καὶ τέρασι (1)  
III Ki. 18. 3. ὅσους ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. τέρας (1)  
— 3. A<sup>1</sup> τοῦτο τ. [B τὸ ῥῆμα] δ' ἐλάλησε κύριος (1)  
— 5. κατὰ τὸ τ. δ' ἔδωκεν ὁ ἀνθρώπος τοῦ θ. (1)  
I Ch. 16. 12. τέρατα καὶ κρίματα τοῦ στόματος αὐ. (1)  
II Ch. 32. 31. πνεύσθαι παρ' αὐτοῦ τὸ τ. (1)  
Ne. 9. 10. ἔδωκεν σημεῖα καὶ τέρατα [A B om. κ. τ.] ἐν Αἴγ. (1)

Es. 10. 3. ἐποίησεν ὁ θεὸς . . . τὰ τ. τὰ μεγάλα (1)  
Ps. 45 (46). 8. δ' ἔθετο τέρατα ἐπὶ τῆς γῆς (3)  
70 (71). 7. ὥσπερ τέρας ἐγενήθη τὸν πολλοῖς (1)  
77 (78). 43. καὶ τὰ τ. αὐτοῦ ἐν πεδίῳ Τάμεως (1)  
104 (105). 5. τὰ τ. αὐτοῦ καὶ τὰ κρίματα τοῦ στόματος αὐτοῦ (1)  
— 27. καὶ τῶν τ. ἐν γῇ Χάμ (1)  
184 (185). 9. ἐξαπέστειλε σημεῖα καὶ τέρατα (1)  
Wi. 8. 8. σημεῖα καὶ τέρατα προγινώσκει (1)  
10. 16, 19 (8<sup>1</sup>). φοβεροὶ ἐν τέρασι καὶ σημεῖοις (1)  
17. 15. τὰ μὲν τέρατον ἡλάνθοντο φαντασμάτων (1)  
19. 8. θεωρήσαντες θαυμαστὰ τέρατα (1)  
Si. 45. 19. ἐποίησαν αὐτοῖς [B ἐν αὐ.] τέρατα (1)  
48. 14. ἐν ζωῇ αὐτοῦ ἐποίησε τέρατα (1)  
Jl. 2. 30 (3. 3). ὁσὼν τέρατα ἐν οὐρανῷ (1)  
Is. 8. 13. ἔσται [A B add. εἰς] σημεῖα καὶ τέρατα (1)  
20. 3. ἔσται εἰς [A B om.] σημεῖα καὶ τέρατα τοῖς Αἰγυπτίοις (1)  
24. 16. τέρατα ἠκούσαμεν (1)  
28. 29. παρὰ κυρίου σαβαὶθ ἐξῆλθε τὰ τ. (2 b)  
Je. 39 (32). 20. ἐποίησαν σημεῖα καὶ τέρατα (1)  
— 21. ἐν σημεῖοις καὶ ἐν τέρασι (1)  
Ba. 2. 11. ἐξήγαγεν τὸν λαὸν σου . . . ἐν τέρασι (1)  
Ez. 12. 6. τ. δὲ δώκα σε τῷ οἴκῳ Ἰσραὴλ (1)  
— 11. ἐγὼ τέρατα ποιῶ (1)  
24. 24. ἔσται ἡ ἐκκλησίᾳ ὑμῖν εἰς τ. (1)  
— 27. ἔσθι αὐτοῖς εἰς τ. (1)  
Da. LXX. 8. 32 (99). τὰ τ. . . ἤρρεσαν ἐναντίον μου ἀναγγεῖλαι ὑμῖν (4)  
4. 34. ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα (4)  
Da. TH. 3. 32 (99). τὰ τ. . . ἤρρεσαν ἐναντίον μου ἀναγγεῖλαι ὑμῖν (4)  
6. 27 (28). ποιεῖ σημεῖα καὶ τέρατα (4)  
[Aq. Is. 8. 18 : Ez. 11. 1 (P.) : ZA. 3. 8.]  
[Sm. Ps. 70 (71). 7 : 77 (78). 43 : Is. 8. 18 : Ez. 11. 1 (P.).]  
[Th. Is. 8. 18.]

τεράστιος. [Sm. Nu. 13. 34 (33) : Ps. 25 (26). 7 : 89 (40). 6 : 76 (77). 12 : 87 (88). 11 : 97 (98). 1 : 106 (107). 8 : 118 (119). 18.]

τερατεύεσθαι.

III Ma. 1. 14. κακῶς αὐτὸ τοῦτο τερατεύεσθαι

τερατοποιεῖν.

II Ma. 15. 21. ἐπεκαλέσασθαι τὸν τ. κύριον

III Ma. 6. 32. τὸν . . . τ. αἰνοῦντες θεόν

τερατοσκοπός. (1) מְרַאֵה (2) מְרַאֵה

De. 18. 11. ἐγγαστρίμυθος καὶ τερατοσκοπός (1)

Za. 8. 9 (8). ἄνδρες τ. εἰσὶ (2)

τερατώδης.

Wi. 17. 9. S<sup>1</sup> εἰ μὴ ἐν αὐτοῖς τερατώδεις [A B S<sup>2</sup> παραχάδες] ἐφάβει

τεραφεῖν.

[Aq. Ez. 21. 21 (26) (P.).]

τερέβινθος, τερέμινθος, τέρμινθος. (1) a. מִלְאָה

δ. מִלְאָה c. מִלְאָה (2) מִלְאָה

Ge. 14. 6. ἦος τῆς τ. τῆς φ. (1 a)

43. 11. καταγάγετε . . . τερέμινθον καὶ κάρνα (2)

Jo. 17. 9. τερέμινθος [A ἡ τερέβ.] τῷ Ἐφρ. (1)

Jo. 24. 26. ἔστησεν αὐτὸν Ἰ. ὑπὸ τὴν τ. (1 b)  
Jd. 6. 11. ἐκάτισεν ὑπὸ τὴν τ. [A al.] (1 c)  
— 19. ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ὑπὸ τὴν τ. [A δρύν] (1 c)  
Si. 24. 16. A B ὡς τερέβινθος [B -μινθος] ἐξέτεινα κλάδους μου (1 c)  
Is. 1. 30. ὥς τ. ἀποβεβληκνία τὰ φύλλα (1 c)  
6. 13. πάλιν ἔσται εἰς προνομὴν ὥς τ. (1 c)  
[Aq. I Ki. 21. 9 (10) : Ez. 6. 13 : Ho. 4. 13.]

τέρετρον. (1) מִלְאָה

Is. 44. 12. ἐν τερέτρῳ ἔστησεν [A ἔστησεν] αὐτό (1)

[Sm. Is. 44. 12.]

τέρμα. (1) εἶναι τ. מִלְאָה ni. (2) מִלְאָה

III Ki. 7. 37. A μέτρον ἐν τέρμα ἐν [B om. τ. ἐν] πάσαις (2)

— 47. οὐκ ἦν τέρμα τῶν σταθμῶν (1)

Wi. 12. 27. τὸ τ. τῆς καταδικῆς ἐπ' αὐτοὺς ἐπῆλθε

τέρπειν. (1) מִלְאָה (2) מִלְאָה a. qal. δ. hi.

c. מִלְאָה (3) מִלְאָה (4) מִלְאָה ri.

Jb. 39. 13. πτέρυξ τερπομένην μελέσσει (2 c)

Ps. 34 (35). 9. τερφοθήσεται ἐπὶ τῇ σωτηρίᾳ αὐτοῦ (8)

64 (65). 8. ἐξόδους πρωίας καὶ ἐσπέρας τέρψει (2 b)

67 (68). 3. τερφοθήσεται ἐν εὐφροσύνῃ (8)

118 (119). 14. ἐν τῇ ὁδῷ τῶν μαρτυριῶν σου ἐτερφοθήν (8)

Pr. 27. 9. θυμῷ σου τέρπειται καρδία (4)

Wi. 1. 13. οὐδὲ τέρπειται ἐπ' ἀπωλείᾳ ζώντων

18. 3. ὥν εἰ μὲν τῇ καλλοῇ τερπομένοι θεοὺς ὑπελάμβανον

Si. 1. 12. φόβος κυρίου τέρπει καρδίαν

26. 13. χάρις γυναικὸς τέρπει τὸν ἄνδρα αὐτῆς

Ze. 3. 14. S<sup>1</sup> τέρπον [A B S<sup>2</sup> κατατ.] ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου (1)

Za. 2. 10 (14). τέρπον καὶ εὐφραίνου (2 a)

II Ma. 15. 39. τὸ τῆς κατασκευῆς τοῦ λόγου τέρπει τὰς ἀκοάς

[Sm. Ge. 4. 4 : Ps. 118 (119). 143.]

[Th. Is. 54. 1.]

τερπνός. (1) מִלְאָה

Ps. 80 (81). 2. ψαλτήριον τερπνόν μετὰ κιθάρας (1)

132 (133). 1. ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἡ τί τερπνόν (1)

[Sext. Ca. 1. 16.]

τερπνότης. (1) a. מִלְאָה δ. מִלְאָה

Ps. 15 (16). 11. τερπνότητες [A S<sup>2</sup> -ότης] ἐν τῇ δεξιᾷ σου εἰς τέλος (1 a)

26 (27). 4. τοῦ θεωρεῖν με τὴν τ. κυρίου (1 b)

[Th. Ps. 118 (119). 143.]

[Al. Ps. 140 (141). 4.]

τέρψις. (1) מִלְאָה

III Ki. 8. 28. A B ἀκούειν τῆς τ. [B al.] (1)

Wi. 8. 18. ἐν φιλίᾳ αὐτῆς τέρψις ἀγαθῇ

— 18. S<sup>1</sup> ἐν πόνοις χειρῶν αὐτῆς τέρψις [A B S<sup>2</sup> πλοῦτος] ἀνεκλιπῆς

Ze. 3. 17. εὐφρανθήσεται ἐπὶ σὶ ἐν τέρψει (1)

I Ma. 3. 45. ἐξήρθη τέρψις ἐξ Ἰ.

III Ma. 4. 6. ἀντὶ τέρψεως μεταλαβούσαι γούσας

τεσσαράκοντα (-ερ.)

Ge. 5. 13 : 7. 4 bis, 12 bis, 17 bis : 8. 6 : 18. 28 bis, 29 bis : 25. 20 : 26. 34 : 32. 15 (16) : 47. 28 : 50. 3.

Ex. 16. 35 : 24. 18 bis : 26. 19, 21 : 34. 28 bis.

Le. 25. 8.

Nu. 1. 21, 33, 25, 41 : 2. 11, 15, 19, 28 : 13. 26 (25) : 14. 33, 34 bis : 26. 7, 18, 47, 50† : 32. 13 : 35. 6, 7.

De. 2. 7 : 8. 4 : 9. 9 bis, 11 bis, 18 bis, 25 bis : 10. 10 bis : 25. 3 : 29. 5 (4).

Jo. 5. 5 : 14. 7 : 21. 39.

Jd. 3. 1† : 5. 8, 32 (31) : 8. 28 : 12. 6, 13 (14) : 13. 1.

I Ki. 17. 16†.

II Ki. 2. 10 : 5. 4 : 10. 18 : 15. 7.

III Ki. 2. 11 : 3. 1 (B), 4, 26 [5. 6] (A) : 6. 2†, 17 : 7. 38, 45, 3 : 10. 26† : 11. 42 : 14. 21 : 15. 10 : 19. 8 bis.

IV Ki. 2. 24 : 8. 9, 17† : 10. 14 : 12. 1 (2) : 14. 23.

I Ch. 5. 18 : 12. 36 : 19. 18 : 29. 27.

II Ch. 9. 30 : 12. 13 : 24. 1.

I Es. 5. 12†, 12, 14†, 18†, 19†, 22, 25, 27†, 42, 43.

II Es. 2. 8, 10, 24†, 25, 34, 38, 41†, 66.

Ne. 5. 15 : 7. 13, 15, 28, 29†, 36, 41, 44, 62, 67, 68† : 9. 21 : 11. 13.  
To. 1. 21†.  
Ju. 1. 4.  
Jb. 42. 16.  
Ps. 94 (95). 10.  
Am. 2. 10 : 6. 25.  
Ez. 4. 6 : 29. 11, 12†, 13 : 41. 2, 4 : 46. 22.  
Da. LXX. 3. (47).  
Da. TH. 3. (47) : 12. 11† : Bel 3.  
I Ma. 8. 39 : 12. 41.  
II Ma. 5. 2 : 10. 33† : 12. 9.  
III Ma. 4. 15 : 6. 38.

[Aq. Sm. I Ki. 4. 18 : III Ki. 6. 17 : 7. 38 (24) : Ps. 94 (95). 10 : Jn. 8. 4.]  
[Th. I Ki. 4. 18 : III Ki. 6. 17 : Jz. 52. 30 : Da. 14. 2 : Jn. 8. 4.]  
[Al. Jd. 5. 8.]

τεσσαρακονταδύο, *vid. sub* τεσσαράκοντα *εἰς* δύο.

τεσσαρακονταεννέα, *vid. sub* τεσσαράκοντα *εἰς* ἐννέα.

τεσσαρακονταεπτά, *vid. sub* τεσσαράκοντα *εἰς* ἐπτά.

τεσσαρακονταοκτώ, *vid. sub* τεσσαράκοντα *εἰς* ὀκτώ.

τεσσαρακονταπέντε, *vid. sub* τεσσαράκοντα *εἰς* πέντε.

τεσσαρακοντατρεῖς, *vid. sub* τεσσαράκοντα *εἰς* τρεῖς.

τεσσαρακοστός. (1) D'פָּרָשׁ

Nu. 38. 38. *ἐν* τῷ τ. *ἔτει* τῆς ἐξόδου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1)  
De. 1. 3. *ἐν* τῷ τ. *ἔτει* (1)  
Jo. 14. 10. τοῦτο τ. καὶ πέμπτον ἔτος (1)  
III Ki. 6. 1. *ἐν* τῷ τ. καὶ τετρακοσιοστῷ ἔτει †  
I Ch. 26. 31. *ἐν* τῷ τ. *ἔτει* τῆς βασι. αὐ. (1)  
II Ch. 16. 13. *Ἀ* *ἐν* τῷ τ. καὶ ἐν ἔτει τῆς βασι. αὐ. [B al.] (1)  
I Ma. 1. 20. *ἐν* τῷ ἑκατοστῷ καὶ τ. καὶ τρίτῳ ἔτει — 54. τῷ πέμπτῳ καὶ τ. . . ἔτει (1)  
2. 70. *ἐν* τῷ ἑκτῷ καὶ τ. καὶ ἑκατοστῷ ἔτει (1)  
3. 37. ἔτους ἐβδόμου καὶ τ. καὶ ἑκατοστοῦ (1)  
4. 52. ὁ μὴν Χ. τοῦ ὀγδόου καὶ τ. καὶ ἑκατοστοῦ ἔτους (1)  
6. 16. ἔτους ἐνάτου καὶ τ. καὶ ἑκατοστοῦ (1)  
II Ma. 11. 21, 33, 38. ἔτους ἑκατοστοῦ τ. ὀγδόου (1)  
1. τῷ δὲ ἐνάτῳ καὶ τ. καὶ ἑκατοστῷ ἔτει (1)  
τέσσαρες (-ερ.). \* ἐπὶ τέσσαρα.

Ge. 2. 10 : 11. 16 : 14. 9 : 31. 41 : 47. 24.  
Ex. 22. 1 (21. 37) : 25. 11 (12) *bis*, 25 (26), 25 (26)†, 25 (26), 33 (34), 34 (35)†, 34 (35) : 26. 2†, 8, 32 *bis* : 27. 2, 4 *bis*, 16 *bis* : 37. 2 (38. 9), 4 (38. 36) *bis*, 17 (38. 19) *bis* : 38 (37). 3, 3† : 38. 10 (37. 13), 24 (5) *bis*.  
Le. 11. 20\*, 21\*, 23, 27\*, 42\*† : 27. 5†.

Nu. 1. 27, 29 : 2. 6 : 7. 7, 8, 88 : 16. 49 (17. 14) : 25. 9 : 26. 25, 18†, 43 : 29. 13, 15, 17, 20, 23, 26, 29, 32.  
De. 8. 11 : 22. 12.  
Jo. 16. 36 : 19. 7 : 21. 18, 22, 24, 29, 31, 35†, 36, 37.

Jd. 9. 34 (τέττασιν†) : 11. 40 : 20. 47†.  
I Ki. 4. 2 : 17. 4† : 27. 7.  
II Ki. 21. 20, 22.

III Ki. 7. 15 *bis*, 19, 27, 30 *bis*, 32†, 34 *bis*, 35†, 38† : 8. 65† : 10. 26† : 15. 33 : 18. 33 (34).  
IV Ki. 6. 25† : 7. 3.  
I Ch. 8. 5 : 5. 18 : 7. 1, 7 : 9. 24, 26 : 20. 6, 8 : 21. 20 : 23. 4, 5, 5†, 10, 12 : 25. 5 : 26. 17, 17†, 18 *ter* : 27. 1, 2, 4, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15.

II Ch. 9. 25 : 18. 21.  
I Es. 5. 12†, 4, 26, 41.  
II Es. 2. 7, 15, 31, 40, 64, 65†.

Ne. 7. 12, 20†, 23, 34†, 43, 66 : 11. 18.  
To. 2. 10† : 8. 19† *bis*, 20† *bis* : 9. 2†, 5† : 10. 7.  
Ju. 7. 20 : 8. 4.  
Jb. 1. 19.

Pr. 24. 59 (30. 24).  
Si. 37. 18.

Am. 1. 3, 6, 9, 11, 13 : 2. 1, 4, 6.  
Za. 1. 18 (2. 1), 20 (2. 3), 21 (2. 4) : 2. 6 (10) : 6. 1, 5.

Is. 11. 12 : 17. 6.  
Je. 16. 3 : 25. 15 (49. 36) *bis* : 48 (38). 23 : 52. 21.  
Ez. 1. 5, 6 *bis*, 8, 9, 10 *ter*, 11, 15, 16†, 17, 18 : 7. 2 : 10. 9, 10, 11, 12, 14†, 21 : 14. 21 : 37. 9 : 40. 41 *bis*, 42, 47, 48 : 41. 5 : 42. 20 : 43. 14, 15, 16, 17 *ter*, 20 *bis* : 45. 19 : 46. 21, 22 *bis*, 23 : 48. 16 *bis*.

Da. LXX. Su. 30 : 8. 25 (92) : 7. 2, 3, 6 *bis*, 17 : 8. 8 *bis*, 22 *bis* : 11. 4 : Bel 2.

Da. TH. 1. 17 : 8. 25 (92) : 7. 2, 3, 6 *bis*, 17 *bis* : 8. 8 *bis*, 22 *bis* : 11. 4.  
I Ma. 11. 57 : 18. 28†.

II Ma. 5. 14 : 10. 33†.  
IV Ma. 1. 18†.

[Aq. Ex. 28. 17 : III Ki. 8. 65 : Jz. 15. 3 : Ez. 10. 21 *bis* : 37. 9 : 42. 20.]  
[Sm. Ex. 28. 17 : Pr. 30. 21.]

[Th. Ex. 25. 25 (26) : 28. 17 : 37. 13 (38. 11) *ter* : Jd. 9. 34 : Ez. 10. 14, 21 *bis*.]

τεσσαρεσκαίδεκα, *vid. sub* τέσσαρες *εἰς* δέκα.

τεσσαρεσκαίδεκάτος (-ισκ.). (1) שָׁנָה עֲשָׂרִים, חָמֵשׁ עָשָׂר

Ge. 14. 5. *ἐν* δὲ τῷ τ. *ἔτει* (1)  
Ex. 12. 6. *ἔως* τῆς τ. τοῦ μηνὸς τούτου (1)  
— 18. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)  
Le. 23. 5. *ἐν* τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς (1)

Nu. 9. 3. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)  
— 5. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς (1)  
— 11. *ἐν* τῇ τ. ἡμέρᾳ (1)  
28. 16. τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς (1)

Jo. 5. 9 (10). τῇ [A om.] τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς (1)  
IV Ki. 18. 13. τῷ τ. *ἔτει* τοῦ βασι. 'Εζ. (1)  
25. 1. Α τεσσαρεσκαίδεκάτῃ τοῦ μηνός †

I Ch. 24. 13. τῷ 'Ι. ὁ τ. (1)  
25. 21. ὁ τ. Ματθαίας (1)  
II Ch. 30. 15. τῇ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ δευτέρου (1)

35. 1. τῇ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)  
I Es. 1. 1. τῇ τ. ἡμέρᾳ τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)  
7. 10. *ἐν* τῇ τ. τοῦ πρώτου μηνός (1)

II Es. 6. 19. τῇ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ πρώτου (1)  
Es. 3. 7. ἔπεισον ὁ κληρὸς εἰς τὴν τ. τοῦ μηνός (1)  
— 13. τῇ τ. τοῦ δωδεκάτου μηνός 'Εζ. (1)

9. 1. Β' τεσσαρεσκαίδεκάτῃ [A B B' τρισκαίδ.] τοῦ μηνός †  
— 15. τῇ τ. [B' τρισκαίδ.] τοῦ 'Α. (1)  
— 16. Α τῇ τ. [B B' τρισκαίδ.] τοῦ 'Α. (1)

— 16. Β' καὶ τεσσαρεσκαίδεκάτῃ (1)  
— 17. τῇ τ. τοῦ αὐτοῦ μηνός †  
— 17. Α τῇ τ. τοῦ αὐτοῦ μηνός (1)

— 18. καὶ τῇ τ. (1)  
— 19. ἀγοῦσι τὴν τ. τοῦ 'Α. (1)  
— 21. ἀγειν τε τὴν τ. [B' τῇ τ.] . . . τοῦ 'Α. (1)

10. 3. τῇ τ. . . τοῦ αὐτοῦ μηνός (1)  
Is. 36. 1. τοῦ τ. ἔτους βασιλείουτος 'Εζεκίου (1)  
Ez. 40. 1. *ἐν* τῷ τ. *ἔτει* (1)

45. 21. τεσσαρεσκαίδεκάτῃ τοῦ μηνός (1)  
III Ma. 6. 40. μέχρι τῆς τ.

τεταγμένως.  
I Ma. 6. 40. ἤρχοντο ἀσφαλῶς καὶ τ.

τεταρταίος. (1) רְבִיעִי  
II Ki. 3. 4. Α καὶ ὁ τ. [B -τος] 'Ο. υἱὸς Φ. (1)

τέταρτος. (1) אַרְבָּעִת, אַרְבָּעִת (2) α. רְבִיעִי  
δ. רְבִיעִי. c. רְבִיעִי. d. רְבִיעִי (3) τ. γενεά רְבִיעִי

Ge. 1. 19. καὶ ἐγένετο . . . ἡμέρα τετάρτη (2 a)  
2. 14. ὁ δὲ ποταμὸς ὁ τ. οὗτος Εὐφράτης (2 a)  
15. 16. Β τ. δὲ γενεά ἀποστραφίσονται ὧδε (2 a)

Ex. 20. 5. *ἔως* τρίτης καὶ τ. γενεάς [A al.] (8)  
28. 20. καὶ ὁ στίχος ὁ τ. (2 a)  
29. 40. τῷ τ. [A τοῦ τ.] τοῦ εἶν (2 b)  
— 40. καὶ σπονδὴν τὸ τ. τοῦ εἶν (2 a)

34. 7. ἐπὶ τρίτῃ καὶ τ. γενεάν (8)  
36. 20 (39. 13). ὁ στίχος ὁ τ. (2 a)  
Le. 19. 24. τῷ ἔτει τῷ τ. ἔσται πᾶς ὁ καρπὸς αὐ. (2 a)

23. 13. σπονδὴν αὐ. τὸ τ. τοῦ ἐν αἶνῳ (2 a)  
Nu. 7. 30. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 a)  
10. 6. σαλπείσει σημασίαν τ. —

Nu. 14. 18. Β *ἔως* τρίτης καὶ τετάρτης [A B add. γενεάς] (2 c [8])

15. 4. *ἐν* ἐλαίῳ *ἐν* τετάρτῳ τοῦ ἔν [A al.] (2 a)  
— 5. τὸ τ. τοῦ ἔν καὶ σπασεῖ (2 a)

28. 5. *ἐν* ἐλαίῳ *ἐν* τετάρτῳ τοῦ ἔν (2 a)  
— 7. καὶ σπονδὴν αὐ. τὸ τ. τοῦ ἔν (2 a)  
— 14. καὶ τὸ τ. τοῦ ἔν ἔσται τῷ ἀμῶφ τῷ ἐνί (2 a)

29. 23. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 a)  
De. 5. 9. ἐπὶ τρίτῃ καὶ τ. γενεάν (3)  
Jo. 15. 7. ἐπὶ τὸ τ. τῆς φάραγγος 'Α. †

19. 17. τῷ 'Ισρ. ἐξῆλθεν ὁ κληρὸς ὁ τ. (2 a)  
Jd. 14. 15. *ἐν* τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. †  
19. 5. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 a)

I Ki. 9. 8. εὐρήται . . . τέταρτον σίκλου ἀργυρίου (2 b)  
II Ki. 3. 4. καὶ ὁ τ. [A -ταίος] 'Ο. υἱὸς Φ. (2 a)

III Ki. 6. 1. τῷ ἔτει τῷ τ. (2 a)  
— 1 (37). *ἐν* τῷ ἔτει τῷ τ. (2 a)  
15. 8. Β *ἐν* τῷ εἰκοστῷ καὶ τ. ἔτει τοῦ 'Ιερ. —

— 9. Β *ἐν* τῷ ἐκαυτῷ τῷ τ. καὶ εἰκοστῷ [A B al.] †  
22. 41. ἔτει τ. τῷ 'Αχ. ἐβασιλευσεν (1)  
IV Ki. 6. 25. τέταρτον τοῦ κάβου κόπρου περιστερῶν [A al.] (2 d)

10. 30 : 15. 12. υἱοὶ τ. καθίσονται σοι (2 a)  
18. 9. *ἐν* τῷ ἔτει τῷ τ. βασιλεῖ 'Εζ. (2 a)  
I Ch. 2. 14. Ναβ. ὁ τ. (2 a)

3. 2. ὁ τ. 'Αδ. υἱὸς 'Α. (2 a)  
— 15. ὁ τ. Σαλούμ (2 a)  
8. 2. Βεν. ἐγέννησε . . . Νωά τὸν τ. (2 a)

12. 10. Μασ. ὁ τ. (2 a)  
23. 19. 'Ι. ὁ τ. (2 a)  
24. 8. τῷ Σ. ὁ τ. (2 a)

— 18. Α Β τῷ Μ. ὁ τ. καὶ εἰκοστός (1)  
— 23. 'Ι. ὁ τ. (2 a)  
25. 11. ὁ τ. 'Ιεσδρεί (2 a)

— 31. ὁ εἰκοστός τ. 'Ρομ. (1)  
26. 2. Α Β 'Ι. ὁ τ. [B al.] (2 a)  
— 4. Α Β Σ. ὁ τ. [B al.] (2 a)

— 11. Α Β Ζαχ. ὁ τ. [B al.] (2 a)  
27. 7. ὁ τ. εἰς τὸν μῆνα τὸν τ. (2 a, 2 a)  
II Ch. 3. 2. *ἐν* τῷ ἔτει τῷ τ. τῆς βασι. αὐ. (1)

20. 26. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 a)  
I Es. 8. 62. Α Β τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ τ. (1)  
II Es. 8. 33. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (2 a)

Ne. 9. 1. *ἐν* ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τ. [B τ. κ. ἐκάδε] τοῦ μηνός (1)  
Ju. 12. 10. Α Β *ἐν* τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. (1)

Es. 10. 3. ἔτους τ. βασιλείουτος Πτολεμαίου (1)  
Jb. 42. 16. εἶδεν 'Ιωβ . . . τετάρτην γενεάν (1)  
Pr. 24. 50 (30. 15). ἡ τ. οὐκ ἠρκέσθη εἰπεῖν (1)

— 53 (30. 18). τὸ τ. οὐκ ἐπιγινώσκω (1)  
— 56 (30. 21). τὸ δὲ τ. οὐ δύναται φέρειν (1)  
— 64 (30. 29). τέταρτον [A B τὸ τ.] ὁ καλῶς διαβαίνει (1)

Si. 26. 5. ἐπὶ τῷ τ. προσώπῳ ἐδεῖθην [B' ἐδόθην, Α B' ἐφοβήθην] (1)  
Za. 6. 3. *ἐν* τῷ ἀρματὶ τῷ τ. ἱσποὶ ποικίλοι ψαροὶ (2 a)

7. 1. *ἐν* τῷ τ. *ἔτει* (1)  
Je. 25. 1. Α Β B' *ἐν* τῷ ἔτει τῷ τ. τοῦ 'Ιωακείμ (2 a)  
26 (46). 2. *ἐν* τῷ ἔτει τῷ τ. 'Ιωακείμ (2 a)

28 (51). 59. *ἐν* τῷ ἔτει τῷ τ. [A τῷ τ. ἔ.] τῆς βασιλείας αὐτοῦ (2 a)  
85 (28). 1. *ἐν* τῷ τ. *ἔτει* [A add. βασιλείουτος] (2 a)

Σαδεκία (2 a)  
48 (38). 1. *ἐν* τῷ ἐκαυτῷ τῷ τ. 'Ιωακείμ (2 a)  
46 (39). 2. *ἐν* τῷ μηνὶ τῷ τ. (2 a)

51. 31 (45. 1). *ἐν* τῷ ἐκαυτῷ τῷ τ. 'Ιωακείμ (2 a)  
Ez. 1. 1. *ἐν* τῷ [B' om. *ἐν* τῷ] τ. μηνί (2 a)  
6. 2. τὸ τ. *ἐν* πυρὶ ἀνακαύσει †

— 2. λήψῃ τὸ τ. . . τὸ τ. κατακόψει . . . τὸ τ. διασκορπίσει τῷ πνεύματι †, —, †  
— 12. τὸ τ. σου *ἐν* θανάτῳ ἀναλωθήσεται καὶ τὸ τ. σου *ἐν* λιμῷ συντελεσθήσεται . . . καὶ τὸ τ. σου εἰς πάντα ἄνεμον σκορπίω αὐτοὺς καὶ τὸ τ. σου *ἐν* βομφαίᾳ πεσόνται †, —, †, †

10. 14. Α τὸ τ. πρόσπον ἀετοῦ (2 a)  
Da. LXX. 2. 40. καὶ βασιλεία τ. ἰσχυρά ὡς ὁ σίδηρος (2 a)

3. 25 (92). ἡ ὁρασις τοῦ τ. ὁμοίωμα ἀγγέλου θεοῦ (2 a)  
7. 7. ἐθιεύρουν . . . θηρίον τ. φοβερόν (2 a)

— 19. ἐξακριβασσάσαι περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τ. (2 a)  
— 23. ἐρρήθῃ μοι περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τ. (2 a)  
— 23. βασιλεία τ. ἔσται ἐπὶ τῆς γῆς (2 a)

Da. LXX. 10. 4. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τ. καὶ εἰκάδι (1)  
 11. 2. ὁ τ. πλοῦνται πλοῦτον μέγαν (2 a)  
 Da. TH. 2. 40. βασιλεία τ. ἔσται ἰσχυρά (2 a)  
 3. 25 (92). ἡ ὁρασις τοῦ τ. ὁμοία νύφ̄ θεοῦ (2 a)  
 7. 7. ἰδοὺ θηρίον τ. φοβερόν (2 a)  
 — 19. ἔξ̄ιτον ἀκριβῶς περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τ. (2 a)  
 — 23. τὸ θηρίον τὸ τ. βασιλεία τ. ἔσται (2 a, 2 a)  
 10. 4. ἐν ἡμέρᾳ εἰκοστῇ καὶ τ. τοῦ μηνὸς τοῦ  
 πρώτου (1)  
 11. 2. ὁ τ. πλοῦνται πλοῦτον μέγαν (2 a)  
 I Ma. 15. 10. ἔτους τ. καὶ ἐβδομηκοστοῦ καὶ ἑκατοστοῦ  
 II Ma. 7. 13. τὸν τ. ὡσαύτως ἐβασάνον  
 11. 21. B διὸς Κορινθίου εἰκοστῇ τετάρτῃ [A al.]  
 III Ma. 6. 38. ὥς τῆς τ. τοῦ Ἐπιφί  
 IV Ma. 11. Μακκαβαίων τέταρτος  
 10. 12. τὸν τ. ἐπισπώντο  
 [Aq. Ez. 5. 12 (P.): ZA. 8. 19.]  
 [Sm. ZA. 8. 19.]  
 [Th. Ez. 5. 12: 10. 14: DA. 8. 25 (92): ZA.  
 8. 19.]  
**τετράγωνος.** (1) טַבָּחָא a. qal. δ. pu. c. טַבָּחָא  
 Ge. 6. 14. κιβωτὸν ἐκ ξύλων τ. +  
 Ex. 27. 1. τ. ἔσται τὸ θυσιαστήριον (1 a)  
 28. 16. ποιήσεις αὐτὸ τ. (1 a)  
 30. 2. τετράγωνος ἔσται (1 a)  
 36. 16 (39. 9). τετράγωνον διπλοῦν ἐποίησαν  
 τὸ λογέον (1 a)  
 III Ki. 7. 31. καὶ διέπηγα αὐ. τετράγωνα (1 b)  
 — 5. καὶ αἱ χῶραι τετράγωνοι μεμελοδωμένοι (1 a)  
 Ez. 41. 21. τὸ ἄγιον καὶ ὁ ναὸς ἀναπτυσσόμενος  
 [A -ena] τετράγωνα (1 a)  
 43. 16. τὸ ἀριλὴ ... τετράγωνον ἐπὶ τὰ τέσ-  
 σαρα μέρη αὐτοῦ (1 a)  
 — 17. A τὸ εὐρύς τετράγωνον [B om.] (1 a)  
 45. 2. πεντακῶσι ἐπὶ πεντακῶσις τετρά-  
 γωνον (1 b)  
 48. 20. τετράγωνον ἀφοριεῖτε αὐτοῦ τὴν ἀπαρ-  
 χὴν (1 c)  
 I Ma. 10. 11. οικοδομεῖν τὰ τεῖχη ... ἐκ λίθων τ.  
 [B<sup>1</sup> -πόδων, B<sup>2</sup> -πέδων]  
**τετράδραχμον.**  
 Jb. 42. 11. τετράδραχμον χρυσοῦ καὶ ἀσήμου  
 [A B χρυσοῦν ἀσημον] +  
**τετραίνειν.** (1) טַבָּחָא (2) טַבָּחָא  
 IV Ki. 12. 9 (10). ἔτρησε τρώγλην ἐν τῇ τρώ-  
 γλῃ αὐ. (1)  
 18. 21. καὶ τρήσει [A τρηγῆσει] αὐτὴν (1)  
 Jb. 40. 19 (24). ἐντοκλιενόμενος τρήσει ῥίνα (1)  
 Pr. 23. 27. πῖδος γὰρ τετρημένος ἐστὶν ἄλλο-  
 τριος οἴκος +  
 Is. 35. 6. B<sup>1</sup> τρησέσθαι γλῶσσα μογιλάων  
 [A B B<sup>1</sup> al.] (2)  
 36. 6. B τρήσει αὐτὴν (1)  
 44. 12. A B<sup>1</sup> ἐν τερτῶν ἔτρησεν [B B<sup>1</sup> ἔστρησεν]  
 αὐτὸ +  
 [Th. Jb. 40. 19 (24), 21 (26): Is. 36. 6.]  
**τετρακισμῦριοι.**  
 Jo. 4. 13.  
**τετρακισχίλιοι.**  
 Nu. 26. 18†.  
 I Ch. 12. 26.  
 Jb. 42. 12.  
 Ez. 48. 16 bis, 30, 32, 33, 34.  
 II Ma. 8. 20: 18. 15†.  
 [Th. Jb. 52. 30.]  
 [Al. Jo. 4. 13.]  
**τετρακόσιοι.**  
 Ge. 11. 13: 15. 13: 23. 15, 16: 32. 6 (7): 33. 1.  
 Ex. 12. 40, 41: 39. 7 (38. 29)† bis.  
 Nu. 1. 29, 31†, 37, 43: 2. 6, 8, 9, 16, 21†, 23, 30†:  
 7. 85: 26. 25†, 47†, 43†.  
 Jd. 20. 2, 17: 21. 12.  
 I Ki. 15. 4†: 22. 2: 23. 13: 25. 13: 27. 2†: 30.  
 9†, 10, 17.  
 III Ki. 7. 42: 9. 28†: 18. 19†, 19 bis, 22, 22†:  
 22. 6.  
 IV Ki. 14. 13: 15. 25.  
 I Ch. 21. 5†.  
 II Ch. 1. 14: 4. 13: 8. 18: 13. 3: 18. 5: 25. 23†.  
 I Es. 2. 13, 14: 6. 9†, 14, 15, 20, 28†, 43: 7. 7.

II Es. 1. 10†, 11: 2. 4†, 15, 28†, 67: 6. 17.  
 Ne. 7. 69†: 11. 6.  
 Da. TH. 8. 14†.  
 II Ma. 8. 11: 12. 33.  
 [Aq. III Ki. 18. 19.]  
 [Th. II Ki. 24. 9: DA. 8. 14†.]  
 [Al. Nu. 26. 50.]  
**τετρακοσιοστός.** (1) תְּרַבְּסָא  
 III Ki. 6. 1. ἐν τῷ τετρακοσιτῷ καὶ τ. ἔτει (1)  
**τετραμερής.**  
 II Ma. 8. 21. τετραμερές τι ἐποίησε τὸ στράτευμα  
**τετραμερὺς.**  
 [Sm. Ez. 1. 8.]  
**τετράμηνον.** (1) מְשָׁרָה מְשָׁרָה  
 Jd. 19. 2. A ἐγένετο ἐκεί ἡμέρας τετράμηνον [B al.] (1)  
 20. 47. A ἐκάθισαν ἐν τῇ πέτρᾳ P. τετράμηνον  
 [B al.] (1)  
**τετράπεδος.** (1) מְשָׁרָה  
 II Ch. 34. 11. ἀγῶρασι λίθους τ. [A -πόδους] (1)  
 Je. 52. 4. B<sup>2</sup> B περιεκυβόδησαν αὐτὴν τετρα-  
 πέδοις [A B<sup>1</sup> -πόδους] +  
 I Ma. 10. 11. B<sup>2</sup> οικοδομεῖν τὰ τεῖχη ... ἐκ λίθων  
 τ. [B<sup>1</sup> -πόδων, A B -γώνων]  
**τετραπλάσιος.**  
 [Aq. Th. II Ki. 12. 6.]  
**τετραπλάσιος.**  
 [Sm. II Ki. 12. 6.]  
**τετραπλῶς.**  
 III Ki. 6. 31 (33). στοαί τ. +  
**τετράποδος.** vid. sub τετράπεδος.  
**τετράπους.** (1) מְשָׁרָה (2) מְשָׁרָה  
 Ge. 1. 24. ἐξαγαγέτω ἡ γῆ ... τετράποδα  
 34. 23. τὰ τ. αὐ. οὐχ ἡμῶν ἔσται (1)  
 Ex. 8. 16 (12). ἔσονται σκνίφες ... ἐν τοῖς τ. (1)  
 — 17 (13). ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς τ. (1)  
 — 18 (14). ἐγένοντο οἱ σκνίφες ... ἐν τοῖς τ. (1)  
 9. 9. ἔσται ... ἐπὶ τὰ τ. ἔλκη (1)  
 — 9. ἐν τε τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς τ. (1)  
 — 10. A<sup>2</sup> B ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς τ. (1)  
 Le. 7. 11 (21). ἡ ἀπὸ ἀκαθαρσίας ἀνθρώπου ἡ  
 τῶν τ. τῶν ἀκαθάρτων (1)  
 18. 23. πρὸς πᾶν τ. οὐ δώσει τὴν κοίτην σου (1)  
 — 23. γυνὴ οὐ στήσεται πρὸς πᾶν τ. (1)  
 20. 15. δε ἂν δὴ κοιτασθῶν αὐ. ἐν τετράποδι (1)  
 — 15. τὸ τ. ἀποκτενεῖτε (1)  
 27. 27. ἐὰν δὲ τῶν τ. τῶν ἀκαθάρτων (1)  
 Nu. 35. 3. B καὶ πᾶσι τοῖς τ. αὐ. (2)  
 Jb. 12. 7. ἐρώτησον τετράποδα ἐὰν σοι εἴπωσι (1)  
 18. 3. διὰ τὸ δὲ ὥστερ τετράποδα σεσιωπήκαμεν (1)  
 35. 11. ὁ διορίζων με ἀπὸ τετραπόδων γῆς (1)  
 40. 15 (20). ἐποίησε χαρμόνην τετράποσιν ἐν  
 τῷ πατόρῳ (2)  
 41. 16 (17). φόβος θηρίοις τετράποσιν ἐπὶ γῆς  
 ἀλλομένοις +  
 Is. 30. 6. ἡ ὁρασις τῶν τ. τῶν ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)  
 40. 16. πάντα τὰ τ. οὐχ ἰκανὰ εἰς ὀλοκάρπωσιν (2)  
 Ba. 3. 32. ἐνέπλησεν αὐτὴν κτηνῶν τετραπόδων (1)  
 Da. LXX. 3. (81). εὐλογεῖτε, τετράποδα ... τὸν κ.  
 IV Ma. 1. 34. ἐνύδρων ἐπιθυμούντες ... καὶ τετρα-  
 πόδων  
**τετραπρόσωτος.**  
 [Sm. Ez. 1. 15.]  
 [Al. Ez. 1. 17.]  
**τετράς.** (1) מְשָׁרָה (2) מְשָׁרָה  
 Ps. 98 (94). τίτ. ψαλμός [A ψ. ψδῆς] τῷ Δαυὶδ  
 τετράδι σαββάτου -  
 Hg. 2. 1 (1. 15). τῇ τ. καὶ εἰκάδι τοῦ μηνὸς τοῦ  
 ἔκτου (1)  
 — 11 (10). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ ἐνάτου μηνὸς (1)  
 — 19 (18). ἀπὸ τῆς τ. καὶ εἰκάδος τοῦ ἐνάτου μηνὸς (1)  
 — 21 (20). τετράδι καὶ εἰκάδι τοῦ μηνὸς (1)  
 Za. 1. 7. τῇ τ. καὶ εἰκάδι τῷ ἐνδεκάτῳ μηνί (1)  
 7. 1. τετράδι [A τῇ τ. καὶ εἰκάδι] τοῦ μηνὸς τοῦ  
 ἐνάτου (1)  
 8. 19. νηστεία ἡ τ. καὶ νηστεία ἡ πέμπτη (2)  
 Je. 52. 31. ἐν τῇ τ. καὶ εἰκάδι τοῦ μηνὸς +  
 II Ma. 11. 21. διὸς Κορινθίων τετράδι καὶ εἰκάδι

**τετράστιχος.** (1) מְשָׁרָה מְשָׁרָה  
 Ex. 28. 17: 36. 17 (39. 10). ὕψασμα κατὰλινον τ. (1)  
 Wi. 18. 24. ποτέρων δόξαι ἐπὶ τετράστιχον λίθον  
 [A -ων] γλυφῆς [B<sup>1</sup> -ῇ]  
**τέττιξ.**  
 [Sm. Jb. 8. 7.]  
**τεύχος.**  
 [Sm. Ps. 39 (40). 8: Is. 8. 1: Ez. 2. 9.]  
**τέφρα.**  
 To. 6. 16. A B λήψῃ τέφραν θυμιάματων  
 — 16. B ἐπίθεε ἐπὶ τὴν τ. τῶν θυμιάματων  
 8. 2. A B ἔλαβε τὴν τ. τῶν θυμιάματων  
 — 2. B καὶ ἐπέθηκεν ἐπὶ τὴν τ. τοῦ θυμιάματος  
 Wi. 2. 3. οὐ σβεσθέντος τέφρα ἀποθίσεται τὸ σῶμα  
 Da. TH. Bel 14. ἦνεγκαν τέφραν  
 [Th. Da. 14. 13.]  
**τεχνάζεσθαι.** (1) מְשָׁרָה hi.  
 Is. 46. 5. τεχνάσασθε οἱ πλανώμενοι (1)  
**τεχνᾶσθαι.**  
 Wi. 18. 11. τεχνήσαντες εὐπρεπῶς [B εὐτρ.] κατε-  
 σκεύασε χρήσιμον σκεῦος  
**τέχνη.** (1) מְשָׁרָה (2) מְשָׁרָה (3) מְשָׁרָה  
 Ex. 28. 11. ἔργον λιθουργικῆς τ. +  
 30. 25. μύρον μυρεψικὸν τέχνη μυρεψοῦ (2)  
 III Ki. 7. 14. καὶ πεπληρωμένοι τῆς τ. (1)  
 I Ch. 28. 21. πᾶς πρόθεμος ἐν σοφίᾳ κατὰ  
 πᾶσαν τ. (8)  
 Wi. 13. 10. χρυσὸν καὶ ἀργυρον τέχνης ἐμμελέτημα  
 [B<sup>2</sup> -ματα]  
 14. 4. ἵνα κἂν ἀνευ τέχνης τις ἐπιβῇ  
 — 19. ἐξεβιάσατο τῇ τ. τὴν ὁμοιότητα ἐπὶ τὸ  
 κάλλιον  
 17. 7. μαγκῆς δὲ ἐμπαίγματα κατέκειτο τέχνης  
 Si. 38. 34. ἡ δέησις αὐτῶν ἐν ἐργασίᾳ τέχνης  
 Da. LXX. 1. 17. φρόνησιν ἐν πάσῃ γραμματικῇ τ. (1)  
 [Sm. Ec. 9. 11.]  
 [Al. Ex. 32. 4.]  
**τέχνημα.**  
 [Al. Le. 8. 7.]  
**τεχνίτης.** (1) מְשָׁרָה (2) מְשָׁרָה (3) מְשָׁרָה  
 De. 27. 15. ἔργον χειρῶν τεχνιτῶν [A -ου] (8)  
 IV Ki. 12. 12 (13). A ἐξέδοσαν ... τοῖς τ. [B  
 om. τ. τ.] (2 ?)  
 I Ch. 22. 15. τεχνίται καὶ οικοδόμοι λίθων (2)  
 29. 5. διὰ χειρὸς τεχνιτῶν (3)  
 Ca. 7. 1 (2). ἔργον [A ἔργον χειρῶν] τεχνίτου (1)  
 Wi. 8. 6. A B τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλον ἐστὶ  
 τεχνίτης [B B<sup>1</sup> -ίτης]  
 13. 1. οὐτε ... ἐπέγνωνσαν τὸν τ. (1)  
 14. 2. B τεχνίτης [A B B<sup>1</sup> -ίτης] δὲ σοφία κατε-  
 σκεύασεν  
 — 18. ἡ τοῦ τ. προετρέψατο φιλοτιμία  
 Si. 9. 17. ἐν χειρὶ τεχνιτῶν ἔργον ἐπαινεσθήσεται  
 45. 11. κεκλωσμένη κλέφα ἔργον τεχνίτου (8)  
 Je. 10. 9. ἔργα τεχνιτῶν πάντα (8)  
 24. 1. μετὰ τὸ ἀποικίαι Ναβ. ... τοὺς τ. (8)  
 86 (29). 2. ἐξεληθέντος ... δεσμώτου καὶ τεχνί-  
 του (8)  
 Ep. Je. 45. δ βούλονται οἱ τ. αὐτὰ γεεῖσθαι [A om.  
 οἱ τ. αὐ. γ.]  
 [Aq. Ho. 8. 6.]  
**τεχνίτης.**  
 Wi. 7. 22. ἡ γὰρ πάντων τ. ἐδίδαξέ με σοφία  
 8. 6. B B<sup>1</sup> τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλον ἐστὶ τεχνίτης  
 [A B -ίτης]  
 14. 2. τεχνίτης δὲ σοφία κατεσκεύασεν  
**τηγανίζειν.**  
 II Ma. 7. 5. αὐτὸν ... ἐκέλευσε ... τηγανίζειν  
**τήγανον.** (1) אֶבְרָחָא, δ. תְּבַבְבָּא (2) תְּבַבְבָּא  
 (3) λάγανον ἀπὸ τηγάνου מְשָׁרָה  
 Le. 2. 5. ἐὰν δὲ θυσία ἀπὸ τηγάνου τὸ δωρόν  
 σου (1 b)  
 6. 21 (14). B ἐπὶ τηγάνου ἐν ἐλαίῳ ποιηθήσεται (1 b)  
 — 39 (7. 9). ἤτις ποιηθήσεται ... ἐπὶ τηγάνου (1 b)  
 II Ki. 6. 19. διεμέρισε ... ἐκάστω ... λάγανον  
 ἀπὸ τηγάνου (8)

II Ki. 13. 9. ἔλαβε τὸ τ. (2)  
 I Ch. 9. 31. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς θυσίας τοῦ τ. τοῦ  
 μεγάλου ἱερέως (1a)  
 Ez. 4. 3. λάβε σεαυτὸν τ. σιδηροῦν (1b)  
 II Ma. 7. 3. προσέταξε τήγανα καὶ λείβητας ἐκπυροῦν  
 — 5. τῆς δὲ ἀτμίδος ἐφ' ἱκανὸν διδούσης τοῦ τ.  
 IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . τήγνῃ . . . προέβασαν  
 12. 10. δρᾶμὸν ἐπὶ πλησίον τῶν τ.  
 — 20. ἐαυτὸν ἔριψε κατὰ τῶν τ.

τήκειν. (1) עָבַד hithp. (2) תָּבַחַף

(3) עָבַד pu. (4) תָּבַח a. qal. δ. pi.  
 (5) עָבַד a. ni. δ. hithp. (6) תָּבַח  
 (7) עָבַד hi. (8) a. עָבַד ni. δ. עָבַד  
 (9) עָבַד a. ni. δ. hi. (10) תָּבַח  
 (11) תָּבַח ni. (12) תָּבַח (13) עָבַד hi.

Ex. 15. 15. ἐτάκσαν πάντες οἱ κατοικοῦντες X. (5a)  
 16. 21. ἦν καὶ διεθερμάνουν ὁ ἥλιος ἐτίκτο (8a)  
 Le. 26. 39. ἐν τῇ γῇ τῶν ἐχθρῶν αὐ. τακίσονται (9a)  
 De. 28. 65. ὁσέτι σοι κυρίως . . . τηκομένην  
 ψυχὴν (2)  
 32. 24. τηκομένοι λιμῷ (8a)  
 Jo. 5. 1. ἐτάκσαν [A. κατε.] αὐτὸν αἱ διάνοιαι (8a)  
 Jd. 15. 14. ἐτάκσαν δεσμὸν αὐ. ἀπὸ χειρῶν αὐ.  
 [A. αἱ.] (8a)  
 II Ki. 17. 10. οὗ ἡ καρδία . . . τηκομένη τακί-  
 σεται (8a, 8a)

Ju. 7. 14. τακίσονται ἐν τῇ λιμῷ  
 16. 15. ὡς κηρὸς τακίσονται [A. -σεται]  
 Jb. 6. 17. καθὼς τακίσει [A. τακίς] θέρμης  
 γενομένης (3)

7. 5. τήκω δὲ βώλακας γῆς ἀπὸ ἰχώρος ξύων  
 [A. ξύων] +  
 11. 20. ὀφθαλμοὶ δὲ ἀσεβῶν τακίσονται (4a)  
 17. 5. A B S<sup>8</sup> ὀφθαλμοὶ δὲ ἐφ' οὐλοῖς ἐτάκσαν (4a)  
 31. 16. A χήρας δὲ τὸν ὀφθαλμὸν οὐκ ἐτήξα  
 [B S ἐξέτ.] (4b)

38. 30. A S πρόσσωπον δὲ ἀσεβοῦς τίς ἐτήξεν  
 [B ἐπτήξε] +  
 42. 6. ἐφάυλισα ἐμαυτὸν καὶ ἐτάκην  
 Ps. 21 (22). 14. ἐγενήθη ἡ καρδία μου ὥσει κη-  
 ρὸς τηκόμενος (8a)

57 (58). 8. ὥσει κηρὸς ὁ [B<sup>8</sup> om.] τακίς (8b)  
 67 (68). 2. ὡς τηκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου  
 πυρός (8a)

74 (75). 3. ἐτάκη ἡ γῇ (5a)  
 96 (97). 5. τὰ ὄρη ὥσει κηρὸς ἐτάκσαν (8a)  
 106 (107). 26. ἡ ψυχὴ αὐτῶν ἐν κακοῖς ἐτίκτο (5b)  
 111 (112). 10. τοὺς ὀδόντας αὐτοῦ βρῦξίς καὶ  
 τακίσει (8a)

147. 7 (18). καὶ τήξει αὐτὰ (7)  
 Wi. 1. 16. φίλον ἡγήσασθαι αὐτὸν ἐτάκσαν  
 6. 23. οὐτε μὴν φθόνῳ τετηκὼς συνοδεύσω  
 16. 22. χιὼν δὲ καὶ κρυσταλλὸς . . . οὐκ ἐτίκτο  
 — 27. ὑπὸ βραχείας ἀκτίνος ἡλίου θερμαινόμενον  
 ἐτίκτο

— 29. ἀχαρίστου γὰρ ἐλπίς ὡς χειμῆρις [A S  
 -μνῇ] πᾶν τακίσει (8a)

Si. 38. 28. A S ἀτμίς πυρὸς τήξει [B πήξει] σάρκας  
 αὐτοῦ

Mi. 1. 4. αἱ κοιλίδες τακίσονται (1)  
 Na. 1. 6. ὁ θυμὸς αὐ. τηκε ἀρχάς (11)  
 Hb. 3. 6. S<sup>1</sup> ἐτάκη [A B S<sup>8</sup> διετ.] ἔθνη +  
 — 6. ἐτάκσαν βουνοὶ αἰῶνός πορείας αἰῶνός αὐ. (12)

Za. 14. 12. τακίσονται αἱ σάρκες αὐ. (9b)  
 — 12. ἡ γλῶσσα αὐ. τακίσει ἐν τῷ στόματι  
 αὐ. (9a)

Is. 24. 23. τακίσει αἱ πλίνθος +  
 34. 4. B τακίσονται πᾶσαι αἱ δυνάμεις τῶν οὐρ. (9a)  
 64. 1 (63. 19). καὶ τακίσονται (10)

— 1. ὡς κηρὸς ἀπὸ προσώπου [B S<sup>8</sup> om.]  
 πυρὸς τηκεται +  
 Je. 6. 29. πονηρία αὐτῶν οὐκ ἐτάκη +  
 Ez. 4. 17. A B<sup>1</sup> τακίσονται [B<sup>8</sup> ἐτ.] ἐν ταῖς  
 ἀδικίαις αὐτῶν (9a)

24. 10. ὅπως τακῇ [A ἐκ.] τὰ κρέα (18)  
 — 11. καὶ τακῇ ἐν μέσῳ ἀκαθαρσίας αὐτῆς  
 [A. αἱ.] (11)

33. 10. ἐν αὐταῖς ἡμεῖς τηκομέθα (9a)  
 Ma. 4. 32. τήξον θράσος ἰσχύος αὐ.

III Ma. 6. 8. τὸν τε . . . ἐν γαστρὶ κήτους ἰ. τηκό-  
 μων ἀφιδῶν

IV Ma. 6. 30. A S<sup>1</sup> καὶ τὰ σπλάγχνα μου τήξεις  
 [B -ης, S<sup>8</sup> -εις]

15. 15. τὰς σάρκας τῶν τέκνων ἐώρα περὶ τὸ πῦρ  
 τηκόμενας  
 [Aq. Le. 26. 39 bis: Jo. 2. 9: I Ki. 15. 9: Ps.  
 57 (58). 9: Is. 19. 1: 34. 3, 4: Ez. 21. 7 (12).]  
 [Sm. Le. 26. 39 bis: Jo. 2. 9: Is. 19. 1: 34. 4:  
 64. 2 (1): Ez. 24. 11 (P.).]  
 [Th. Le. 26. 39 bis: Jo. 2. 9: Ps. 57 (58). 9:  
 Is. 19. 1: 34. 3, 4: 64. 2 (1): Ez. 24. 11 (P.):  
 Am. 7. 7 bis.]

τηκτός.

Wi. 19. 21. οὐδὲ τηκτὸν εὐτηκτον κρυσταλλοειδὲς  
 γένος ἀμβροσίας τροφῆς

τηλαύγμα. (1) תִּלְאָוּגָה

Le. 13. 23. ἐὰν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ τ. (1)  
 [Sm. Le. 13. 28.]

τηλαυγής. (1) a. תִּלְאָוּגָה δ. תִּלְאָוּגָה (2) תִּלְאָוּגָה

Le. 13. 2. οὐλὴ σημάσις [A. -α] τηλαυγής (1b)  
 — 4. ἐὰν δὲ τηλαυγὴς λευκὴ ᾖ (1b)  
 — 19. καὶ γένῃται . . . τηλαυγὴς λευκαίνουσα (1b)  
 — 24. τὸ ὕψισθὸν τοῦ κατακαύματος αὐγάζον  
 τ. λευκόν (1b)

Jb. 37. 21. τηλαυγὲς ἐστὶν ἐν τοῖς παλαιώμασιν (1a)  
 Ps. 18 (19). 8. ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς φωτί-  
 ζουσα ὀφθαλμούς (2)

[Aq. Le. 13. 4: Jb. 37. 21.]

τηλαυγής. (1) תִּלְאָוּגָה

Ps. 17 (18). 12. ἀπὸ τῆς τ. ἐνώπιον αὐτοῦ αἱ  
 νεφθαί διηλθον (1)

τηλικοῦτος.

II Ma. 12. 3. τηλικοῦτο συνετελέσαν τὸ δυσείβημα  
 III Ma. 8. 9. μὴ γὰρ οὕτω παρορθῆσθαι τ. σύ-  
 στημα

IV Ma. 16. 4. κατέσβεσε τοσαῦτα καὶ τηλικοῦτα  
 πάθη

τημελεῖν.

[Sm. Ps. 30 (31). 4: Is. 40. 11.]

τηνικοῦτα.

IV Ma. 2. 22†

τηρεῖν. (1) תִּרְעֶה (2) תִּרְעֶה (3) תִּרְעֶה

(4) תִּרְעֶה hi. (5) תִּרְעֶה aph. (6) תִּרְעֶה  
 (7) תִּרְעֶה

Ge. 3. 15. αὐτὰς σου τηρήσει κεφαλὴν +  
 — 15. σὺ τηρήσεις αὐτοῦ πτέρναν +  
 I Ki. 15. 11. τοὺς λόγους μου οὐκ ἐτήρησε [A  
 ἐστησε] (4)

I Es. 4. 11. τηροῦσι κύκλῳ περὶ αὐτὸν  
 II Es. 8. 29. ἀγρυπνεῖτε καὶ τηρεῖτε (7)  
 To. 14. 9. τήρουν τὸν νόμον [B al.]

Ju. 12. 16. A B ἐτήρει καιρὸν τοῦ ἀπατήσαι αὐτὴν  
 Pr. 2. 11. ἐννοια δὲ ὅσα τηρήσει σε (2)  
 3. 1. τὰ δὲ βήματά μου τηρεῖτω σὴ καρδία (2)  
 — 21. τηρήσον δὲ ἐμὴν βουλήν καὶ ἐννοια (2)  
 4. 6. ἐράσθητι αὐτῆς καὶ τηρήσει σε (2)  
 — 23. πάσῃ φυλακῇ τηρεῖ σὴν καρδίαν (2)  
 7. 5. ἵνα σε τηρήσῃ ἀπὸ γυναικὸς ἀλλοτριᾶς (7)  
 8. 34. τηρῶν σταθμούς ἐμὸν εἰσόδων (7)  
 13. 3. δε φυλάσσει τὸ ἐαυτοῦ στόμα τηρεῖ τὴν  
 ἐαυτοῦ ψυχὴν (7)

16. 3 (15. 32). δὲ δὲ τηρῶν ἐλέγχους ἀγαπᾷ  
 ψυχὴν αὐτοῦ (6)  
 — 17. δε φυλάσσει τὰς ἐαυτοῦ ὁδοὺς τηρεῖ τὴν  
 ἐαυτοῦ ψυχὴν (7)

19. 16. δε φυλάσσει ἐντολήν τηρεῖ τὴν ἐαυτοῦ  
 ψυχὴν (7)  
 23. 18. ἐὰν γὰρ τηρήσῃς αὐτὰ —  
 — 26. οἱ δὲ σοὶ ὀφθ. ἐμας ὁδοὺς τηρεῖτωσαν (+, 2)  
 24. 70 (31. 2). τῇ τέκνῳ, τηρήσεις [B<sup>8</sup> om.] —  
 25. 10. δε τηρήσον σεαυτὸν —  
 Ec. 11. 4. τηρῶν ἀνεμὸν οὐ σπείρει (7)  
 Ca. 3. 3. εὐροσάν με οἱ τηροῦντες (7)  
 7. 13 (14). πάντα ἀκρόδρνα . . . ἀδελφιδέ μου,  
 ἐτήρησον (8)

8. 11. ἔδωκε τὸν ἀμπελῶνα αὐτοῦ τοῖς τηροῦσιν (1)  
 — 12. οἱ διακόνοι [B διακλῖνοι] τοῖς τηροῦσι  
 τὸν καρπὸν αὐτοῦ (1)

Wi. 10. 5. ἐτήρησεν αὐτὸν ἀμπετον θεῷ

Si. 6. 26. A B ἐν δὴ δυνάμει σου τηρήσον [B συν-  
 τηρ.] τὰς ὁδοὺς αὐτῆς

29. 1. ὁ ἐπισχωὺν τῇ χειρὶ αὐτοῦ τηρεῖ [A ποιεῖ]  
 ἐντολὰς

38. 34. B κτίσμα αἰῶνος τηρήσουσιν [A B B al.]  
 Je. 20. 10. τηρήσατε τὴν ἐπινοίαν αὐτοῦ (7)  
 Da. LXX. 6. 11 (12). ἐτήρησαν τὸν Δαν. (6)  
 9. 4. τηρῶν τὴν διαθήκην . . . τοῖς ἀγαπᾶσι σε (7)  
 I Ma. 4. 61. ἀπέταξαν ἐκεῖ δυνάμιν τηρεῖν αὐτό  
 — 61. ὡχύρωσαν αὐτὸ τηρεῖν τὴν B.

6. 50. ἐπέταξεν ἐκεῖ φρουρὰν τηρεῖν αὐτὴν  
 II Ma. 14. 29. εὐκαιρὸν ἐτήρει στρατηγήματι  
 [Sm. Le. 18. 26: I Ki. 9. 24.]  
 [Th. Pr. 16. 17.]  
 [Al. Le. 19. 18: Nu. 23. 9: Pr. 3. 26.]

τηρεῖς.

[Al. Le. 11. 17.]

τήρησις.

Wi. 6. 18. ἀγάπη δὲ τήρησις [B -εις] νόμον αὐτῆς  
 Si. 35 (32). 23. τοῦτο ἐστὶ τήρησις ἐντολῶν [A -ης]  
 I Ma. 5. 18. κατέλειπεν ἰώσ. . . εἰς τήρησιν  
 II Ma. 3. 40. τὰ μὲν κατὰ Ἑλ. καὶ τὴν τοῦ γαζοφυ-  
 λακίου τ.

III Ma. 5. 44. διέτασσον τὰς δυνάμεις . . . πρὸς τὴν τ.  
 τιάρα. (1) תִּיָּרָה (2) תִּיָּרָה

Ez. 23. 15. A τιάραι βαπτὰ [B παραβαπτὰ καὶ]  
 ἐπὶ τῶν κεφαλῶν αὐτῶν (2)

Da. LXX. 8. 21. ἐχοντες . . . τὰς τ. αὐ. ἐπὶ τῶν  
 κεφαλῶν αὐ. (1)

Da. TH. 3. 21. σὺν τοῖς σαραβάροις αὐ. καὶ  
 τιάραις (1)

[Sm. II Ki. 6. 14.]

τίειν. (1) תִּיָּעַ hi. (2) תִּיָּעַ pi. (3) תִּיָּעַ

τίειν שְׂנַי ni.

Pr. 20. 22. τίσομαι τὸν ἐχθρόν (2)  
 24. 22. ἐξαιφνης γὰρ τίσονται τοὺς ἀσεβεῖς +  
 — 44 (29). τίσομαι δὲ αὐτὸν δὲ με ἡδίκησεν (1)  
 27. 12. ἀφρονες δὲ ἐπελεθόντες ζημίαν τίσουσιν (3)  
 [Sm. I Ki. 18. 25.]

τιθασός.

[Sm. Je. 11. 19.]

τιθέναι. (1) תִּתֵּן (2) תִּתֵּן hi. (3) תִּתֵּן hi.

(4) תִּתֵּן hi. (5) תִּתֵּן (6) תִּתֵּן hi.  
 (7) תִּתֵּן hi. (8) תִּתֵּן (9) תִּתֵּן hi.

(10) תִּתֵּן hi. (11) תִּתֵּן a. hi. δ. hoph.  
 (12) תִּתֵּן hi. (13) a. תִּתֵּן pi. δ. תִּתֵּן aph.

(14) תִּתֵּן hi. (15) תִּתֵּן (16) תִּתֵּן  
 (17) תִּתֵּן hi. (18) תִּתֵּן hi. (19) תִּתֵּן  
 (20) תִּתֵּן hi. (21) תִּתֵּן pi. (22) תִּתֵּן  
 a. qal. δ. hi. (23) תִּתֵּן hi. (24) תִּתֵּן peil.

(25) תִּתֵּן, D<sup>8</sup> a. qal. δ. pe. (26) תִּתֵּן pi.  
 (27) תִּתֵּן (28) תִּתֵּן (29) תִּתֵּן  
 (30) תִּתֵּן (31) ἀσεβῇ τ. U<sup>8</sup> hi. (32) ἀσ-  
 φαλῇ τ. U<sup>8</sup> (33) τ. γέφυραν U<sup>8</sup>

(34) ἰήματα τ. U<sup>8</sup> ni. (35) καθαρὸν  
 τ. U<sup>8</sup> hi. (36) πρόσκομμα τ. U<sup>8</sup>  
 (37) תִּתֵּן poal.

Ge. 1. 17. ἔθετο αὐτοὺς ὁ θ. ἐν τῷ στερεώματι (16)  
 2. 8. ἔθετο ἐκεῖ τὸν ἄνθρωπον (25a)  
 — 15. ἔθετο αὐτὸν ἐν τῷ παραδείσῳ (11a)  
 3. 15. ἐχθραν θῆσω ἀνὰ μέσον σου (27)  
 4. 15. ἔθετο κ. ὁ θεὸς σημεῖον τῷ K. (25a)  
 9. 13. τὸ τόξον μου τίθημι ἐν τῇ νεφέλῃ (16)  
 15. 10. ἔθηκεν αὐτὰ ἀντιπρόσωπα ἀλλήλοις (16)  
 17. 2. θῆσμαι τὴν διαθήκην μου ἀνὰ μέσον  
 ἐμοῦ (16)

— 5. πατέρα πολλῶν ἐθνῶν θεικὴν σε (16)  
 — 6. θῆσω σε εἰς ἔθνη (16)  
 24. 2. θές τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μηρὸν σου (25a)  
 — 9. ἔθηκεν ὁ παῖς τὴν χεῖρα αὐ. (25a)

28. 11. B καὶ ἔθηκε [A ἐπέθ.] πρὸς κεφαλῇ  
 αὐτοῦ (25a)

- Ge. 28. 18. **Α** δὲ **ἐθηκεν** [B ὑπέθ.] ἐκεῖ πρὸς κεφαλῆς αὐ. (25 a)  
 30. 41. **ἐθηκεν** ἴ. τὰς ῥάβδους ἐναντίον τῶν προβάτων (25 a)  
 — 42. οὐκ εἰτίθει (25 a)  
 31. 37. **οἱς** ὤδε ἐναντίον τῶν ἀδελφῶν σου (25 a)  
 32. 12 (13). **θῆσω** τὸ σπέρμα σου ὡς τὴν ἡμῶν (25 a)  
 33. 2. **Β** **ἔθετο** [A ἐποίησεν] τὰς δύο παιδικὰς . . . ἐν πρώτοις (25 a)  
 40. 3. **ἔθετο** αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (16)  
 41. 10. **ἔθετο** ἡμᾶς ἐν φυλακῇ (16)  
 — 48. **ἔθηκε** τὰ βρώματα ἐν ταῖς πόλεσι (16)  
 — 48. βρώματα τῶν πεδίων . . . **ἐθηκεν** ἐν αὐτῇ (16)  
 42. 17. **ἔθετο** αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (1)  
 — 30. **ἔθετο** ἡμᾶς ἐν φυλακῇ (16)  
 47. 26. **ἔθετο** αὐτοῖς ἴ. εἰς πρόσταγμα (25 a)  
 48. 20. **ἔθηκε** τὸν Ἑφρ. **ἐμπροσθεν** τοῦ Μ. (25 a)  
 50. 26. καὶ **ἐθηκεν** [A add. αὐτὸν] ἐν τῇ σοφῇ (5)  
 Ex. 2. 3. **ἐθηκεν** αὐτὴν εἰς τὸ ἔλθω (25 a)  
 12. 7. καὶ **θίξουσιν** ἐπὶ τῶν δύο σταθμῶν (16)  
 15. 25. **ἐκεῖ** **ἔθετο** αὐτῷ δικαιώματα (25 a)  
 23. 18. **Α**<sup>3</sup> οὐ **θῆσεται** [A<sup>3</sup> θυμάσεις, B θύσεις] ἐπὶ ὕμῳ †  
 — 31. **θῶ** τὰ ὄριά σου (27)  
 26. 33. **θῆσεται** τὸ καταπέτασμα ἐπὶ τῶν στύλων (16)  
 — 35. **θῆσεται** τὴν τράπεζαν **ἔξωθεν** τοῦ καταπέτασματος (25 a)  
 — 35. **Α**<sup>3</sup> **Β**<sup>3</sup> **Β** τὴν τράπεζαν **θῆσεται** [B<sup>1</sup> ἐπιθ.] ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς (16)  
 28. 12. **Α** **Β** **θῆσεται** τοὺς δύο λίθους (25 a)  
 — 24. **θῆσεται** ἐπὶ τὸ λογεῖον τῆς κρίσεως (16)  
 29. 6. **θῆσεται** [A<sup>3</sup> ἐπιθ.] τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐ. (25 a)  
 — 12. **Α**<sup>3</sup> **Β** καὶ **θῆσεται** ἐπὶ τῶν κεράτων (16)  
 30. 6. **θῆσεται** αὐτὸ ἀπέναντι τοῦ καταπέτασματος (16)  
 — 18. **θῆσεται** αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῆς σκ. (16)  
 — 36. **θῆσεται** ἀπέναντι τῶν μαρτυρίων (16)  
 32. 27. **θέσθαι** ἕκαστος τὴν ἐν. ῥομφαίαν (25 a)  
 33. 22. **θῶ** σε εἰς ὅπην τῆς πέτρας (25 a)  
 34. 10. τίθημι σοὶ διαθήκην (8)  
 — 12. 15. μὴ ποτε **θῆς** [A διαθῇ] διαθήκην (8)  
 — 26. τὰ πρωτογεννή. τῆς γῆς σου **θῆσεται** [A εἰσίοσις] εἰς τὸν οἶκον (2)  
 — 27. τίθειμαι [B<sup>1</sup> τίθεμαι] σοὶ διαθήκην (8)  
 40. 3. **Α** **Β** **θῆσεται** τὴν κιβωτὸν τοῦ μαρτυρίου (25 a)  
 — 5. **θῆσεται** τὸ θυσιαστήριον τὸ χρυσοῦν (16)  
 — 5. **Α** **θῆσεται** τὸ κάλυμμα τοῦ καταπέτασματος [B al.] (25 a)  
 — 6. τὸ θυσιαστ. τῶν καρπωμάτων **θῆσεται** (16)  
 — 21. **Α**<sup>1</sup> **ἐθηκεν** [A<sup>2</sup> B ἐπέθ.] τὸ κατακάλυμμα (25 a)  
 — 22. **Α**<sup>3</sup> **ἐθηκεν** [B<sup>1</sup> B ἐπέθ.] τὴν τράπεζαν (16)  
 — 24. **ἐθηκεν** τὴν λυχνίαν εἰς τὴν σκηνὴν (25 a)  
 — 26. **ἐθηκεν** τὸ θυσιαστ. τὸ χρυσοῦν (25 a)  
 — 29. τὸ θυσιαστ. τῶν καρπωμάτων **ἐθηκεν** (25 a)  
 Le. 10. 1. **Α** **ἐθηκεν** [B ἐπέθ.] ἐπ' αὐτὸ πῦρ (16)  
 17. 5. **Α** **θῆσονται** [B θύσ.] θυσιάαν σωτηρίου †  
 28. 11. **θῶ** τὴν διαθήκην μου ἐν ὑμῖν (16)  
 — 19. **θῶ** τὸν οὐρανὸν ὑμῖν σιδηροῦν (16)  
 — 30. **θῶ** τὰ κῶλα ὑ. ἐπὶ τὰ κῶλα τῶν εἰδῶλων ὑ. (16)  
 — 31. **θῶ** τὰς πόλεις ὑμῶν ἐρήμους (16)  
 Nu. 17. 4 (19). **θῆσεται** αὐτὰς ἐν τῇ σκηνῇ τοῦ μαρτυρίου (11 a)  
 24. 21. **ἐὰν** **θῆς** ἐν πέτρᾳ τὴν νοστίαν σου (25 a)  
 — 23. **ὅταν** **θῇ** [B<sup>1</sup> ἔλθῃ] ταῦτα ὁ θ. (25 a)  
 De. 14. 28. **θῆσεται** αὐτὸ ἐν ταῖς πόλεσι σου (11 a)  
 26. 4. **θῆσεται** αὐτὸν ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου (11 a)  
 27. 15. **θῆσεται** αὐτὸ ἐν ἀποκρυφῷ (25 a)  
 31. 26. **θῆσεται** αὐτὸ ἐκ πλαγίων τῆς κιβωτοῦ (25 a)  
 Jo. 2. 18. **θῆσεται** τὸ σημεῖον —  
 4. 3. **ὅτε** [A **θῆσεται**] αὐτοὺς ἐν τῇ στρατοπεδείᾳ ὑμῶν (11 a)  
 — 18. **ἐθηκεν** τοὺς πόδας ἐπὶ τῆς γῆς †  
 7. 23. **ἐθηκεν** αὐτὰ ἐναντίον κυρίου (4)  
 8. 28. **χῶμα** αἰκήθησαν εἰς τὸν αἰῶνα **ἐθηκεν** αὐτὴν (25 a)  
 21. 40. **ἐθηκεν** [A -αν] αὐτὰς ἐν Θ. —  
 22. 25. **ὅρα** **ἐθηκεν** κύριος (16)  
 24. 30. **ἐκεῖ** **ἐθηκεν** μετ' αὐτοῦ εἰς τὸ μῆγμα φέρον (25 a)  
 Jd. 1. 28. **Α** **ἔθετο** [B ἐποίησε] τὰν Χαν. εἰς φέρον (25 a)  
 4. 21. **ἐθηκεν** τὴν σφύραν ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (25 a)  
 — 21. **Α** **ἐθηκεν** τὸν πᾶσαν αὐτὸν ἐν τῇ γράφῃ αὐ. [B al.] (80)  
 Jd. 6. 18. καὶ **θῆσω** ἐνώπιόν σου (11 a)  
 — 19. τὰ κρέα **ἐθηκεν** ἐν τῷ κοφίνῳ [A al.] (25 a)  
 — 20. **θῆς** πρὸς τὴν πέτραν ἐκείνην (11 a)  
 — 37. τίθημι τὸν πόκον τοῦ ἔριον ἐν τῇ ἄλῳ [A al.] (8)  
 7. 22. **ἐθηκεν** [A **ἔθετο**] κ. τὴν ῥομφαίαν ἀνδρὸς ἐν τῷ πλησίον αὐτοῦ (25 a)  
 8. 31. **ἐθηκεν** τὸ ὄνομα αὐ. Ἀβ. [A al.] (25 a)  
 — 33. **ἐθηκεν** ἐαυτοῖς τῷ B. διαθήκην [A al.] (25 a)  
 9. 24. τοῦ θείναι ἐπὶ Ἀβ. τὸν ἀδ. αὐ. [A al.] (25 a)  
 — 25. **ἐθηκεν** αὐτῷ οἱ ἄνδρες Σικ. ἐνδρευνότας [A al.] (25 a)  
 — 48. καὶ **ἐθηκεν** ἐπὶ ὁμων αὐ. [A al.] (25 a)  
 11. 11. **ἐθηκεν** αὐτὸν ὁ λαὸς ἐπ' αὐτοὺς εἰς κεφαλὴν (25 a)  
 12. 3. **ἐθηκεν** [A **ἐθέμην**] τὴν ψυχὴν μου ἐν χειρὶ μου (25 a, 5\*)  
 15. 4. **ἐθηκεν** λαμπάδα μίαν ἀνὰ μέσον τῶν δύο κέρκων (25 a)  
 16. 3. καὶ **ἐθηκεν** ἐπὶ ὁμων αὐ. [A al.] (25 a)  
 — 3. καὶ **ἐθηκεν** αὐτὰ ἐκεῖ —  
 18. 21. **ἐθηκεν** τὰ τέκνα . . . **ἐμπροσθεν** αὐτῶν [A al.] (25 a)  
 — 31. **ἐθηκεν** [A **ἐταξαν**] ἐαυτοὺς τὸ γλυπτὸν (25 a)  
 19. 30. **Β** **θέσθαι** ὑμῖν αὐτοὶ [A B al.] (25 a)  
 20. 29. **ἐθηκεν** οἱ υἱοὶ Ἰσρ. **ἐκδρα** τῇ Γ. (25 a)  
 — 36. **Β** **ἐθηκεν** ἐπὶ τὴν Γ. [A B al.] (25 a)  
 Ru. 4. 16. καὶ **ἐθηκεν** [A add. αὐτὸ] εἰς τὸν κολπον αὐ. (27)  
 I Ki. 6. 8. **θῆσεται** αὐτὴν ἐπὶ τὴν ἁμαξάν (16)  
 — 8. καὶ οὐ **θῆσεται** ἐν θεματὶ βερσεχθάν (25 a)  
 — 11. **ἔθεντο** τὴν κιβωτὸν κ. ἐπὶ τὴν ἁμαξάν (25 a)  
 — 15. καὶ **ἔθεντο** ἐπὶ τοῦ λίθου τοῦ μεγάλου (25 a)  
 8. 11. καὶ **θῆσεται** αὐτοὺς ἐν ἁμαξῶν αὐ. (25 a)  
 — 12. καὶ **θέσθαι** αὐτοὺς ἐαυτῷ χιλιάρχους (25 a)  
 9. 20. μὴ **θῆς** τὴν καρδίαν σου αὐταῖς (25 a)  
 — 22. **ἔθετο** αὐτοῖς ἐκεῖ τόπον (16)  
 — 23. ἢ **εἰπά** σοι **θῆναι** αὐτὴν παρὰ σοί (25 a)  
 — 24. εἰς μαρτύριον **τίθεται** [A -θεσταί] σοι (28)  
 10. 25. καὶ **ἐθηκεν** ἐνώπιον κυρίου (11 a)  
 11. 2. καὶ **θῆσονται** ἑνὶ ἑσθ. ἐπὶ Ἰσρ. (25 a)  
 — 11. **ἔθετο** Σ. τὸν λαὸν εἰς τρεῖς ἀρχὰς (25 a)  
 12. 2. **Α**<sup>1</sup> **γεγῆρακα** καὶ **θῆσονται** [A<sup>2</sup> B καθῶς.] †  
 15. 19. τὸν **θέσθαι** ἐπὶ τὰ σκέλη —  
 17. 40. **ἔθετο** αὐτοὺς ἐν τῷ καδὶφ (25 a)  
 — 54. τὰ σκεύη αὐ. **ἐθηκεν** ἐν τῷ σκηνωμένῳ αὐ. (25 a)  
 19. 5. **ἔθετο** τὴν ψυχὴν αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (25 a)  
 — 13. καὶ **ἔθετο** [A **ἐθηκεν**] ἐπὶ τὴν κλινὴν (25 a)  
 — 13. ἦπαρ τῶν αἰγῶν **ἔθεντο** πρὸς κεφαλῆς αὐ. (25 a)  
 21. 12 (13). **ἔθετο** [A **ἐθηκεν**] Δ. τὰ ῥήματα ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. (25 a)  
 22. 13. **θέσθαι** αὐτὸν ἐπ' ἐμὲ εἰς ἐχθρόν (22 a)  
 25. 18. καὶ **ἔθετο** ἐπὶ τοὺς δυνεὺς (25 a)  
 — 25. μὴ διῆ **θέσθω** ὁ κ. μου καρδίαν αὐ. (25 a)  
 28. 2. ἀρχισαματοφύλακα **θῆσονται** σε (25 a)  
 — 21. **ἐθέμην** τὴν ψυχὴν μου ἐν τῇ χειρὶ μου (25 a)  
 29. 10. λόγον λουμὸν μὴ **θῆς** ἐν καρδίᾳ σου —  
 II Ki. 7. 10. **θῆσονται** τόπον τῷ λαφ. μου (25 a)  
 8. 6. **ἔθετο** Δ. φρουράν (25 a)  
 — 14. **ἔθετο** ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ φρουράν (25 a)  
 — 14. **ἔθηκεν** ἐσθλωμένους (25 a)  
 10. 19. **Β**<sup>3</sup> καὶ **ἔθεντο** διαθήκην —  
 11. 16. **ἐθηκεν** τὸν Οὐρ. εἰς τὸν τόπον (16)  
 12. 31. καὶ **ἐθηκεν** ἐν τῷ πρίονι (25 a)  
 18. 20. μὴ **θῆς** τὴν καρδίαν σου (27)  
 — 33. μὴ **θέσθω** ὁ κ. μου ὁ βασ. ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐ. ἡμίμα (25 a)  
 14. 3. **ἐθηκεν** ἴ. τοὺς λόγους ἐν τῷ στόματι [A εἰς τὸ στ.] αὐ. (25 a)  
 — 7. **ὥστε** μὴ **θέσθαι** τῷ ἀνδρὶ μου κατὰ λεύμα (25 a)  
 — 19. **ἔθετο** ἐν τῷ στόματι τῆς δουλῆς σου π. τοὺς λόγους τ. (25 a)  
 18. 3 **βις**. οὐ **θῆσονται** ἐφ' ἡμᾶς καρδίαν (25 a)  
 19. 19 (20). τοῦ **θέσθαι** τὸν βασ. εἰς τὴν καρδίαν αὐ. (25 a)  
 — 28 (29). **ἐθηκεν** τὸν δούλον σου ἐν τοῖς ἐσθίουσι (27)  
 30. 18. **ἔθετο** ὁ πιστοὶ τοῦ Ἰσρ. —  
 22. 12. **ἔθετο** σκότους ἀποκρυφὴν αὐ. (27)  
 — 34. τίθεις τὸν πόδα μου ὡς ἐλάφον (26)  
 23. 5. διαθήκην γὰρ αἰῶνον **ἔθετο** μου (25 a)  
 — 7. **Β** **θῆσονται** αἰσχύνην αὐ. [A B al.] †  
 III Ki. 2. 15. **ἐπ'** **ἐκεῖ** **ἔθετο** πᾶς Ἰσρ. τὸ πρόσ-  
 ωπον αὐ. (25 a)  
 III Ki. 2. 19. **ἐτίθει** θρόνος τῇ μητρὶ τοῦ βασ. (25 a)  
 — 24. **δς** . . . **ἔθετό** με ἐπὶ τὸν θρόνον Δ. (8)  
 5. 9 (23). **θῆσονται** αὐτὰ σχεδίας (25 a)  
 6. 27. **Α** **ἐθηκεν** ἀμφότερα τὰ χερ. [B al.] (16)  
 7. 39. **ἔθετο** τὰς πίντες μεχ. (16)  
 8. 9. **δς** **ἐθηκεν** Μ. ἐν Χ. (11 a)  
 — 21. **ἐθέμην** ἐκεῖ τόπον τῇ κιβωτῷ (25 a)  
 9. 3. τοῦ **θέσθαι** τὸ ὄνομα μου ἐκεῖ (25 a)  
 10. 9. **ἔθετό** σε βασιλείᾳ ἐπ' αὐτοὺς (25 a)  
 — 26. **ἔθετο** αὐτὰς ἐν ταῖς πόλεσι τῶν ἀρμάτων (12)  
 11. 36. τοῦ **θέσθαι** τὸ ὄνομα μου ἐκεῖ (25 a)  
 12. 29. **Β** **ἔθετο** τὴν μίαν εἰς [A B ἐν] Β. (25 a)  
 13. 31. παρὰ τὰ ὄστα αὐ. **θέτε** με (11 a)  
 14. 21. **θέσθαι** τὸ ὄνομα αὐ. ἐκεῖ (25 a)  
 18. 42. **ἐθηκεν** τὸ πρόσωπον αὐ. ἀνὰ μέσον τῶν γωνάτων αὐ. (25 a)  
 19. 2. **θῆσονται** τὴν ψυχὴν σου καθὼς ψυχὴν ἑνός (25 a)  
 21 (20). 12. **ἔθεντο** χάρακα ἐπὶ τὴν πόλιν (25 a)  
 — 24. **θοῦ** ἀντ' αὐτῶν στρατῶν (25 a)  
 — 32. **ἔθεσαν** [A **ἐθηκεν**] σχοινία ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. —  
 — 34. **ἐξόδοις** **θῆσεται** σαυτῷ ἐν Δαμ. (25 a)  
 — 34. καθὼς **ἔθετο** ὁ πατήρ μου ἐν Σαμ. (25 a)  
 22. 27. **θέσθαι** τοὺτον ἐν φυλακῇ (25 a)  
 IV Ki. 2. 20. **θέτε** ἐκεῖ δλα (25 a)  
 4. 10. **θῶ** μιν αὐτῷ ἐκεῖ κλινὴν (25 a)  
 — 34. **ἐθηκεν** τὸ στόμα αὐ. ἐπὶ τὸ στόμα αὐ. (25 a)  
 5. 1. **Α** ἐν αὐτῷ **ἐθηκεν** [B **ἔδωκε**] κ. σωτηρίαν Συρίας (16)  
 8. 11. καὶ **ἐθηκεν** ἑως αἰσχύνης (25 a)  
 9. 13. καὶ **ἐθηκεν** ὑποκάτω αὐτοῦ (25 a)  
 10. 7. **ἐθηκεν** τὰς κεφ. αὐ. ἐν καρτάλλοις (25 a)  
 — 8. **θέτε** αὐτὰς βουνοῦς δύο (25 a)  
 11. 18. **ἐθηκεν** ὁ ἴ. ἐπισκόπους (25 a)  
 13. 7. **ἔθεντο** αὐτοὺς ὡς χοῦν (25 a)  
 17. 29. καὶ **ἐθηκεν** ἐν οἴκῳ τῶν ὑψηλῶν (11 a)  
 — 34. οὐ **ἐθηκεν** τὸ ὄνομα αὐ. Ἰσρ. (25 a)  
 18. 11. **ἐθηκεν** αὐτοὺς ἐν Ἀ. (12)  
 19. 28. **θῶ** τὸ ἀγκιστρὰ μου ἐν τοῖς μυκ-  
 τήρσι σου (25 a)  
 21. 4. ἐν Ἰερ. **θῶ** τὸ ὄνομα μου [A al.] (25 a)  
 — 7. **ἐθηκεν** τὸ γλυπτὸν τοῦ ἄλσους ἐν τῷ οἴκῳ [A al.] (25 a)  
 — 7. **θῶ** τὸ ὄνομα μου εἰς τὸν αἰῶνα (25 a)  
 24. 17. **Α** **ἐθηκεν** [B ἐπέθ.] τὸ ὄνομα αὐ. Σ. (17)  
 I Ch. 10. 10. **ἐθηκεν** τὰ σκεύη αὐ. ἐν οἴκῳ θεοῦ αὐ. (25 a)  
 — 10. τὴν κεφ. αὐ. **ἐθηκεν** ἐν οἴκῳ Δ. (30)  
 14. 3. **Β**<sup>1</sup> **ἐτίθησαν** [A B **Β**<sup>1</sup> **ἐτίχθ'**] Δ. ζτι υἱοὶ †  
 17. 9. **θῆσονται** τόπον τῷ λαφ. μου Ἰσρ. (25 a)  
 — 21. τοῦ **θέσθαι** αὐτῷ ὄνομα μέγα (25 a)  
 18. 6. **ἔθετο** Δ. φρουράν (25 a)  
 — 13. **ἔθετο** ἐν τῇ κοιλίᾳ φρουράς (25 a)  
 II Ch. 1. 15. **ἐθηκεν** ὁ βασ. τὸ χρυσίον . . . ἐν Ἰερ. ὡς λίθους (16)  
 3. 16. **Α** καὶ **ἐθηκεν** [B **ἔδωκεν**] ἐπὶ τῶν κεφ. τῶν στύλων (16)  
 — 16. **Α** **Β** καὶ **ἐθηκεν** [B ἐπέθ.] ἐπὶ τῶν χαλαστῶν (16)  
 4. 6. **ἐθηκεν** [A ἐπέθ.] τοὺς πέντε ἐκ δεξιῶν (16)  
 — 7. καὶ **ἐθηκεν** ἐν τῷ ναφ. (16)  
 — 8. καὶ **ἐθηκεν** ἐν τῷ ναφ. (11 a)  
 — 10. τὴν θάλ. **ἐθηκεν** ἀπὸ γωνίας τοῦ οἴκου (16)  
 5. 10. **δς** **ἐθηκεν** Μ. ἐν Χ. (16)  
 6. 11. **ἐθηκεν** ἐκεῖ τὴν κιβωτὸν (25 a)  
 — 13. **ἐθηκεν** αὐτὴν ἐν μέσῳ τῆς αὐλῆς τοῦ ἱεροῦ (16)  
 9. 25. **ἔθετο** αὐτοὺς ἐν πόλεσι πᾶν ἀρμάτων (11 a)  
 24. 8. **θέτω** ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου **ἔξω** (16)  
 31. 6. καὶ **ἐθηκεν** σωρούς (16)  
 32. 6. **ἔθετο** ἀρχοντας τοῦ πολέμου ἐπὶ τὸ λαὸν (16)  
 33. 7. **ἐθηκεν** τὸ γλυπτὸν τὸ χωνευτὸν (25 a)  
 — 7. **θῶ** [A **σώθῃτω**] τὸ ὄνομα μου εἰς τὸν αἰῶνα (25 a)  
 35. 3. **ἐθηκεν** τὴν κιβωτὸν τὴν ἀγ. εἰς τὸν οἶκον (16)  
 36. 7. **ἐθηκεν** αὐτὰ ἐν τῷ ναφ. αὐ. (16)  
 I Es. 3. 8. καὶ **ἐθηκεν** ὑπὸ τὸ προσκεφάλαιον Δαρ. —  
 6. 9. **ἐζύλων** τιθεμένων ἐν τοῖς τοίχοις —  
 — 26. **ὥπως** **τεθῇ** ἐκεῖ (25 b)  
 II Es. 4. 19. παρ' ἐμοῦ **ἐτίθει** γνώμην —  
 — 21. **θέτε** γνώμην καταργησάμενος τοὺς ἀνδρας ἐκ. (25 b)  
 5. 3, 9. **τίς** **ἐθηκεν** ὑμῖν γνώμην (25 b)  
 — 13. **Β** κύριος **βασίλειος** **ἐθηκεν** [A B **ἔθετο**] γνώμην (25 b)

II Es. 5. 15. θές αὐτὰ ἐν οἴκῳ τῶν ἐν Ἱερ. (18 β)  
 — 17. Α Β ἀπὸ βασιλείας Κύριου ἐτίθει [Β ἐγί-  
 νετο] γνώμη (25 β)  
 6. 1. τότε Δαρ. ὁ βασις, ἔθηκε γνώμην  
 — 3. Κύριος ὁ βασιλεὺς ἔθηκε γνώμην (25 β)  
 — 3. ἔθηκαν ἐπαρμα ὕψους πηγῆς ἐξήκοντα (37)  
 — 5. ἐπὶ τόπον ἐτίθει [Α τῆθ] ἐν οἴκῳ τοῦ  
 θεοῦ (13 β)  
 — 8, 11. ἀπ' ἐμοῦ ἐτίθει γνώμην (25 β)  
 — 12. ἐγὼ Δαρ. ἔθηκα γνώμην (25 β)  
 7. 13. ἀπ' ἐμοῦ ἐτίθει γνώμην (25 β)  
 — 21. ἔθηκα γνώμην πάσαις ταῖς γάζαις (25 β)  
 8. 17. ἔθηκα ἐν στόματι αὐ. λόγους (25 α)  
 Ne. 6. 10. ἔθηκαν ἐαυτοῖς ἀργύριον †  
 7. 71. Β Β<sup>3</sup> ἔθηκαν [Β<sup>3</sup> ἔδωκα, Α Β ἔδωκαν] εἰς  
 ἔθσανον τοῦ ἔτους (16)  
 To. 2. 4. Α Β καὶ εἰς τὸν οἰκίδιον ἔθηκα [Α Β α.]  
 5. 3. Α καὶ ἔθηκα μετὰ τὸ ἀργύριον  
 6. 4. Α Β λαβὼν . . . τὴν χολὴν θές ἀσφαλῶς  
 [Α α.]  
 14. 11. Β ἔθηκαν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλίνην [Α Β α.]  
 Ju. 1. 14. τὸν κόσμον αὐ. ἔθηκεν εἰς δεικνὸς αὐτῆς  
 2. 2. ἔθετο μετ' αὐτὸν τὸ μυστήριον τῆς βουλῆς αὐ.  
 5. 1. ἔθηκαν [Α<sup>1</sup> α] ἐν τοῖς πεδίοις σκάνδαλα  
 — 11. ἔθετο [Α ἔθετο] αὐτοὺς εἰς δούλους  
 6. 7. θήσουσι σε ἐν μαζῇ τῶν πλεων  
 8. 23. εἰς ἀτίμιαν θήσει αὐτὴν  
 9. 1. Β<sup>2</sup> ἔθετο [Α Β Β<sup>1</sup> ἐπέθ.] σποδὸν ἐπὶ τὴν κεφ.  
 αὐ.  
 11. 19. θήσω τὸν δῖφρον σου ἐν μέσῳ αὐτῆς  
 12. 1. Α Β οὐ ἐτίθει τὰ ἀργυράματα αὐ.  
 15. 11. Β ἔθηκεν [Α Β ἐπέθ.] ἐπὶ τὴν ἡμίονον αὐ.  
 16. 5. τὰ θηλάζοντά μου θήσων εἰς ἑσθρας  
 Es. 4. 4. Α ὁ δὲ οὐκ ἐτίθει [Β<sup>2</sup> -ει, Β Β<sup>1</sup> ἐπέισθη] †  
 — 17. ἵνα μὴ θῶ δόξαν ἀνθρώπου ὑπεράνω δόξης θεοῦ  
 — 17. ἔθηκαν τὰς χειράς αὐ.  
 9. 24. καθὼς ἔθετο ψήφισμα (14)  
 Jb. 7. 20. διὰ τί ἔθου με κατεντεκνὴν σου (25 α)  
 10. 12. (ζῶν) δὲ καὶ ἔλεος ἔθου παρ' ἐμοῦ (19)  
 11. 13. εἰ γὰρ σὺ καθαρὰν ἔθου τὴν καρδίαν  
 σου (35)  
 13. 14. ψυχὴν δέ μου θήσω ἐν χειρὶ (25 α)  
 — 27. ἔθου δέ μου τὸν πόδα ἐν κωλύματι [Α  
 κυκλώματι] (25 α)  
 14. 5. εἰς χρόνον ἔθου καὶ οὐ μὴ ὑπερβῇ (19)  
 17. 6. Α Β Β<sup>2</sup> ἔθου δέ με θρύλλημα ἐν ἔθνεσι (3)  
 — 12. Α Β Β<sup>2</sup> νύκτα εἰς ἡμέραν ἔθηκα [Α  
 -αν] (25 α)  
 19. 8. ἐπὶ πρόσωπον [Α δὲ ἀτραπούς] μου  
 σκότος ἔθετο (25 α)  
 — 23. τεθῆναι δὲ αὐτὰ ἐν βιβλίῳ εἰς τὸν αἰῶνα (16)  
 20. 4. ἀφ' οὗ ἐτίθει ἀνθρώπος ἐπὶ τῆς γῆς (25 α)  
 21. 5. χεῖρα δίντες ἐπὶ σιαγόνι [Α στόμα] (25 α)  
 22. 4. θῆση [Α -εις] ἐπὶ χῆματι ἐν πέτρᾳ (27)  
 24. 15. ἀποκρυβὴν προσώπον ἔθετο (25 α)  
 — 25. τίς . . . θήσει [Β<sup>1</sup> -εις] εἰς οὐδὲν τὰ ῥή-  
 ματά μου (25 α)  
 28. 3. τὰξιν ἔθετο σκότι (25 α)  
 29. 2. τίς ἄν με θείῃ κατὰ μῆνα ἔμπροσθεν  
 ἡμερῶν [Α α.] (16)  
 — 7. ἐν δὲ πλατείας ἐτίθειτό μου ὁ δῖφρος (7)  
 31. 1. διαθήκη ἐθέμην τοῖς ὀφθαλμοῖς [Β<sup>1</sup>  
 ἀδελφοῖς] μου (8)  
 — 25. εἰ δὲ καὶ ἐπ' ἀναριθμήτους ἐθέμην χεῖρά μου †  
 32. 3. ἔθετο αὐτὸν εἶναι ἀσεβῆ (31)  
 33. 3. Α σύνεσις δὲ χειλῶν μου καθαρὰν θήσει  
 [Β Β οτ.] †  
 — 11. ἔθετο δὲ ἐν ζύλῳ [Α κυκλώματι] τὸν  
 πόδα μου (25 α)  
 34. 19. οὐδὲ οὐδε τιμὴν θέσθαι ἀδρόις θανμασθῆ-  
 ναι πρόσωπα αὐτῶν [Α α.] †  
 — 23. οὐκ ἐπ' ἄνδρα θήσει ἐτι (25 α)  
 36. 28. ἄνθρωπος ἔθετο κτήνην -  
 37. 12. Α ἐν τοῖς κατεστάτῳ θεῖς ἔργα αὐτῶν  
 [Β Β α.] †  
 — 15. ὁ θεὸς ἔθετο ἔργα αὐτοῦ (25 α)  
 38. 5. τίς ἔθετο τὰ μέτρα αὐτῆς (25 α)  
 — 9. ἐθέμην δὲ αὐτῇ νεφὸς ἀμφίαισιν (25 α)  
 — 10. ἐθέμην δὲ αὐτῇ ὅρια †  
 — 14. καὶ λαλήτων αὐτὸν ἔθου ἐπὶ γῆς †  
 39. 6. ἐθέμην δὲ τὴν διαίταν αὐτοῦ ἔρημον (25 α)  
 — 34 (40. 4). χεῖρα θήσω ἐπὶ στόματι μου (25 α)  
 40. 23 (28). θέσθαι δὲ μετὰ σοῦ διαθήκη (8)  
 Ps. 11 (12). 5. θήσομαι ἐν σωτηρίῳ [Β Β<sup>1</sup> -ιῳ] (27)  
 12 (13). 2. ὥς τίνος θήσομαι βουλὰς ἐν ψυχῇ  
 μου (27)

Ps. 16 (17). 11. τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν ἔθετο  
 ἐκλίνειν ἐν τῇ γῇ (27)  
 17 (18). 11. ἔθετο σκότος ὀποκρυβὴν αὐτοῦ (27)  
 — 32. ἔθετο ἄμωμον τὴν ὁδὸν μου (18)  
 — 34. ἔθου τόξον χαλκοῖν τοὺς βραχίονάς μου (18 α)  
 18 (19). 4. ἐν τῇ ἡλίῳ ἔθετο τὸ σκῆνωμα αὐτοῦ (25 α)  
 20 (21). 3. ἔθηκες ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ στέ-  
 φανον ἐκ λίθου τιμίου (27)  
 — 9. θήσεις αὐτοὺς ὡς κλίβανον πυρὸς εἰς καιρὸν  
 τοῦ προσώπου σου (27)  
 — 12. θήσεις αὐτοὺς ὡς ὄντων (27)  
 32 (33). 7. τίθει ἐν ἔθσανοις ἀβύσσους [Β<sup>2</sup>  
 -οις] (16)  
 38 (39). 1. ἐθέμην τῷ στόματι μου φυλακὴν (28)  
 — 5. παλαιὰς [Α Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> παλαιστας] ἔθου τὰς  
 ἡμέρας μου (18)  
 43 (44). 13. ἔθου ἡμᾶς δεικνὸς [Α εἰς δ.] τοῖς  
 γείτοσιν ἡμῶν (25 α)  
 — 14. Α Β Β<sup>2</sup> ἔθου ἡμᾶς εἰς παραβολὴν ἐν τοῖς  
 ἔθνεσιν (25 α)  
 45 (46). 8. ἔθετο τέρατα ἐπὶ τῆς γῆς (25 α)  
 47 (48). 13. θέσθε τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὴν  
 δυναμὶν αὐτῆς (27)  
 48 (49). 14. ὡς πρόβατα ἐν ἄρῃ ἔθετο [Β  
 ἔθετο] (29)  
 49 (50). 18. μετὰ μοιχῶν τὴν μερίδα σου ἐτίθει -  
 — 20. κατὰ τὸν νότον τῆς μετῆς σου ἐτίθει  
 σκάνδαλον (16)  
 51 (52). 7. ἔθου ἔθετο τὸν δειὸν βοσθὸν αὐτοῦ (25 α)  
 55 (56). 8. ἔθου τὰ δάκρυά μου ἐνώπιόν σου (25 α)  
 65 (66). 9. τοῦ θεμινοῦ τὴν ψυχὴν μου εἰς (ζῶν) (25 α)  
 — 11. Β Β<sup>2</sup> ἔθου θλίψεις ἐνώπιόν [Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> ἐπὶ τὸν  
 νότον] ἡμῶν (25 α)  
 68 (69). 11. ἐθέμην τὸ ἐνδύμα μου σάκκον (16)  
 72 (73). 9. ἔθετο εἰς οὐρανὸν τὸ στόμα αὐτῶν (29)  
 — 18. διὰ τὰς δολότητας ἔθου αὐτοῖς (27)  
 — 28. τίθεισιν ἐν τῷ κυρίῳ τὴν ἐλπίδα μου (29)  
 73 (74). 4. Β<sup>2</sup> Β Β<sup>1</sup> ἔθετο τὰ σημεῖα αὐτῶν  
 σημεῖα (25 α)  
 77 (78). 5. Β<sup>2</sup> νόμον ἔθετο ἐν Ἰσραὴλ ὃν ἔθετο  
 [Β Β<sup>2</sup> ἐντελείλατο] τοῖς πατέρας ἡμῶν (25 α, 21)  
 — 7. ἵνα θῶνται ἐπὶ τὸν θεὸν τὴν ἐλπίδα αὐ. (25 α)  
 — 43. ὡς ἔθετο ἐν Αἰγύπτῳ τὰ σημεῖα αὐ. (25 α)  
 78 (79). 1. ἔθετο Ἱερ. εἰς ὀπισθοφυλάκειον (25 α)  
 — 2. ἔθετο τὰ θνητοῖμα τῶν δούλων σου  
 βρώματα τοῖς πεινινοῖς τοῦ οὐρανοῦ (16)  
 79 (80). 6. ἔθου ἡμᾶς εἰς ἀντλογίαν (25 α)  
 80 (81). 5. μαρτυροῦν ἐν τῇ ἱ. ἔθετο αὐτὸν (25 α)  
 82 (83). 11. θοὺ τοὺς ἀρχοντας αὐτῶν ὡς τὸν  
 Ὁρῆθ καὶ Ζυβῆ (27)  
 — 13. θοὺ αὐτοὺς ὡς τρυχὸν (27)  
 83 (84). 3. οὐ θήσει τὰ νοσσία ἐαυτῆς (27)  
 — 6. εἰς τόπον ὃν ἔθετο (27)  
 84 (85). 13. θήσει εἰς ὁδὸν τὰ διαθήματα αὐ. (25 α)  
 87 (88). 6. ἔθετο [Β<sup>1</sup> -ετθ] με ἐν λάκκῳ κατω-  
 τάτῳ (29)  
 — 8. ἔθεντό με βδελύγμα ἐαυτοῖς (29)  
 88 (89). 19. ἐθέμην βοσθίαν ἐπὶ δυνατόν (26)  
 — 25. θήσομαι ἐν θαλάσσῃ χεῖρα αὐτοῦ (25 α)  
 — 27. κατὰ πρωτότοκον θήσομαι αὐτὸν (16)  
 — 29. θήσομαι εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος τὸ  
 σπέρμα αὐτοῦ (25 α)  
 — 40. ἔθου τὰ ὀχυράματα αὐτοῦ δειλίαν (25 α)  
 89 (90). 8. ἔθου τὰς ἀνομίας ἡμῶν ἐνώπιόν σου (29)  
 90 (91). 9. τὸν ὕψιστον ἔθου καταφυγὴν σου (25 α)  
 108 (104). 3. ὁ τιθεὶς νῆφην τὴν ἐπίβασιν αὐ. (25 α)  
 — 9. ὅριον ἔθου ὃ οὐ παρελεύσονται (25 α)  
 — 20. ἔθου σκότος καὶ ἐγένετο νύξ (27)  
 104 (105). 27. ἔθετο ἐν [Β<sup>1</sup> Β<sup>2</sup> οτ.] αὐτοῖς τοὺς  
 λόγους τῶν σημείων αὐτοῦ (25 α)  
 — 32. ἔθετο τὰς βροχὰς αὐτῶν χαλάσαν (18)  
 106 (107). 33. ἔθετο ποταμοὺς εἰς ἔρημον (25 α)  
 — 35. ἔθετο ἔρημον εἰς λίμνας [Β λιμένας]  
 ὑδάτων (25 α)  
 — 41. ἔθετο ὡς πρόβατα πατριάς (25 α)  
 108 (109). 5. ἔθετο κατ' ἐμὸν κακὰ ἀντὶ αγαθῶν (25 α)  
 109 (110). 1. ὥς ἂν θῶ τοὺς ἐχθρούς σου ὑπο-  
 πόδιον τῶν ποδῶν σου (27)  
 118 (119). 110. ἔθετο ἀμαρτωλοῖ παγίδα μοι (18)  
 131 (132). 11. ἐκ καρποῦ τῆς κοιλίας σου θή-  
 σομαι ἐπὶ τὸν ὅρ. σου (27)  
 138 (139). 5. ἔθηκες ἐπ' ἐμὲ τὴν χεῖρά σου (27)  
 139 (140). 5. σκάνδαλον ἔθετό μοι (27)  
 140 (141). 3. θοὺ [Β<sup>1</sup> ἔθου], κύριε, φυλακὴν τῷ  
 στόματι μου (27)

Ps. 147. 3 (14). ὁ τιθεὶς τὰ ὅρια σου εἰρήνην (25 α)  
 148. 6. πρόσταγμα ἔθετο (18)  
 Pr. 2. 18. ἔθετο γὰρ παρὰ τῷ θανάτῳ τὸν οἶκον  
 αὐτῆς †  
 8. 28. ὡς ἀσφαλὲς ἐτίθει πηγὰς τῆς ὑπ' οὐ-  
 ρανῶν (32)  
 — 29. Α Β<sup>2</sup> ἐν τῷ τιθέμαι αὐτὸν τῇ θαλάσσῃ  
 ἀκρίβασμόν νύτῳ (25 α)  
 22. 28. ἔθετο οἱ πατέρες σου (19)  
 23. 10. Α ἔθετο οἱ πατέρες σου -  
 Ec. 7. 22 (21). εἰς πάντας λόγους . . . μὴ θῆς  
 [Β θῆς] καρδίαν σου (18)  
 Ca. 1. 6. ἔθεντό με φυλακίσαν ἐν ἀμπελώσιν (25 α)  
 6. 11 (12). ἔθεντό με ἄρματα Ἄμινάδᾶβ (25 α)  
 8. 6. θές με ὡς σφραγίδα ἐπὶ τὴν καρδίαν σου (25 α)  
 Wi. 1. 16. συνήκην ἔθετο πρὸς αὐτὸν  
 4. 15. μηδὲ θέντες ἐπὶ διανοῖα τοῦ τοιοῦτο  
 6. 22. θήσω εἰς τὸ ἐμφανὲς τὴν γνώμην αὐτῆς  
 10. 21. γλώσσας νηπιῶν ἔθηκε τρανὰς  
 18. 15. ἐν τοίχῳ ἔθηκεν αὐτὸ  
 Si. prol. 22. ἀναγκαῖατοτον ἐθέμην [Β<sup>1</sup> προεθ.] αὐτὸς  
 7. 6. θήσεις σκάνδαλον ἐν εὐδυντῇ σου  
 14. 26. θήσεις [Α Β<sup>1</sup> καὶ στήσεις] τὰ τέκνα αὐτοῦ ἐν  
 τῇ σκέπῃ [Β<sup>1</sup> σκηνῇ] αὐτῆς  
 17. 4. ἔθηκε τὸν φόβον αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκός  
 — 8. ἔθηκε τὸν ὀφθαλμὸν αὐ. ἐπὶ τὰς καρδίας αὐτῶν  
 29. 11. θές τὸν θησαυρὸν σου κατ' ἐντολὰς ὑψίστου  
 36 (33). 9. ἐξ αὐτῶν ἔθηκεν εἰς ἀριθμὸν ἡμερῶν  
 44. 18. διαθήκει αἰῶνος ἐτίθεισαν πρὸς αὐτὸν  
 50. 28. Α Β Β<sup>2</sup> θέεις [Β<sup>1</sup> Β ὁ θ.] αὐτὰ ἐπὶ καρδίαν  
 αὐτοῦ σοφισθήσεται  
 Ho. 1. 11 (2. 2). θήσονται ἐαυτοῖς ἀρχὴν μίαν (25 α)  
 2. 3 (5). θήσω [Α -σομαι] αὐτὴν ἔρημον (25 α)  
 — 12 (14). θήσομαι αὐτὰ εἰς μαρτύριον (25 α)  
 4. 7. τὴν δόξαν αὐ. εἰς ἀτίμιαν θήσομαι [Α -σω] (9)  
 — 17. ἔθηκεν ἐαυτῷ σκάνδαλα (11 α)  
 11. 8. ὡς Ἀδαμὶ θήσομαι σε (25 α)  
 13. 1. ἔθετο αὐτὰ τῇ Βαβλ. †  
 Atm. 5. 7. δικαιοσύνην εἰς γῆν ἔθηκεν (11 α)  
 8. 10. θήσομαι αὐτὸν ὡς πέπλος ἀσπητοῦ (25 α)  
 Mi. 1. 6. θήσομαι Σαμ. εἰς ὀπισθοφυλάκειον (25 α)  
 — 7. πάντα τὰ εἰδωλα αὐ. θήσομαι εἰς ἀφα-  
 νισμόν (25 α)  
 2. 12. ἐπὶ τὸ αὐτὸ θήσομαι τὴν ἀποστροφήν  
 αὐ. (25 α)  
 4. 7. θήσομαι τὴν συντετριμμένην εἰς ἱπὸ-  
 λειμμα (25 α)  
 — 13. τὰ κέρατά σου θήσομαι σιδηρὰ (25 α)  
 — 13. τὰς ὀπλὰς σου θήσομαι χαλκὰς (25 α)  
 JI. 1. 7. ἔθετο τὴν ἀμπελὸν μου εἰς ἀφανισμόν (25 α)  
 Ob. 1. 4. ἐὰν ἀνὰ μέσον τῶν ἀστέρων θῆς νοστίαν  
 σου (25 α)  
 — 7. ἔθηκαν Ἰνδρα ὑποκίτω σου (25 α)  
 Na. 1. 14. θήσομαι ταφὴν σου (25 α)  
 3. 6. θήσομαι σε εἰς παράδειμον (25 α)  
 Hb. 8. 4. ἔθετο ἀγάπην κραταῖαν ἰσχύος αὐ. †  
 Ze. 2. 13. θήσει [Β<sup>2</sup> -σω] τὴν Νιν. εἰς ἀφανισμόν  
 ἀνδρῶν (25 α)  
 3. 19. Α Β<sup>2</sup> καὶ θήσομαι αὐτοὺς εἰς καύχημα  
 [Β Β<sup>1</sup> α.] (25 α)  
 Hg. 1. 7. θέσθαι τὰς καρδίας ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς  
 ὑμῶν (25 α)  
 2. 16 (15). θέσθε δὲ εἰς [Α Β<sup>2</sup> ἐπὶ] τὰς καρδίας  
 ὑμῶν (25 α)  
 — 16 (15). πρὸ τοῦ θείναι λίθον ἐπὶ λίθον (25 α)  
 — 19 (18). θέσθε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν (25 α)  
 — 24 (23). θήσομαι σε ὡς [Α εἰς] σφραγίδα (25 α)  
 Za. 5. 11. θήσονται αὐτὸ ἐκεῖ ἐπὶ τὴν ἐτοιμασίαν  
 αὐ. (11 β)  
 9. 12. Α καὶ θήσονται [Β Β<sup>2</sup> καθήσεσθε, Β<sup>1</sup>  
 καθήσεται] ἐν ὀχυρώματι †  
 12. 2. τίθημι τὴν Ἱερ. ὡς πρόθυρα σαλευόμενα (25 α)  
 — 3. θήσομαι τὴν Ἱερ. λίθον καταπαύμενον (25 α)  
 — 6. θήσομαι τοὺς χιλιάρχους Ἱ. ὡς δαλὸν  
 πυρὸς (25 α)  
 Ma. 1. 1. θέσθε δὲ ἐπὶ τὰς καρδίας ὑμῶν -  
 2. ἐὰν μὴ θῆσθε [Β<sup>2</sup> θέσθε] εἰς τὴν καρδίαν  
 ὑμῶν (25 α)  
 — 2. οὐ τίθεσθε εἰς [Β<sup>2</sup> ἐπὶ] τὴν καρδίαν ὑμῶν (25 α)  
 Is. 5. 20. οὐαί . . . οἱ τιθέντες τὸ σκότος φῶς . . .  
 οἱ τιθέντες τὸ πικρὸν γλυκύ (25 α, 25 α)  
 10. 6. θίνας αὐτὰς εἰς κοινοῖαν (25 α)  
 — 28. ἐν Μαχμάς θήσει τὰ σκευὴ αὐτοῦ (20)  
 18. 9. θίνας τὴν οἰκουμένην ἔρημον (25 α)  
 14. 13. θήσω τὸν ὄρθρον μου (25 α)  
 — 17. ὁ θεὸς τὴν οἰκουμένην ὀλην ἔρημον (25 α)

15. 14. 23. θήσω τὴν Βαβυλωνίαν ἔρημον . . .  
 θήσω αὐτὴν πηλοῦ βάρβαρον (25 α, -)  
 22. 18. θήσει τὸ ἔργον σου τὸ καλὸν εἰς ἀτίμιαν †  
 25. 2. ἔθηκες πόλεις εἰς χῆμα (25 α)  
 26. 1. σωτήριον θήσει τὸ τοίχος (27)  
 27. 4. τίς με θήσει φυλάσσειν καλὰ μνην (16)  
 — 9. ὅταν θῶσι [Α. θῶ] πάντας τοὺς λίθους τῶν  
 βωμῶν κατακεκομμένους (25 α)  
 28. 15. ἔθηκεν ψεύδος τὴν ἐλπίδα ἡμῶν (25 α)  
 — 17. θήσω κρίσιν εἰς ἐλπίδα (25 α)  
 29. 3. θήσω περὶ [Α. ἐπὶ] σὲ πύργους (22 β)  
 — 21. τοὺς ἐλέγχοντας ἐν πύλαις πρόσκομμα  
 θήσουσιν (36)  
 37. 25. ἔθηκε γέφυραν (33)  
 41. 7. θήσουσιν αὐτὰ καὶ οὐ κινήθονται  
 — 15. ὡς χροῖν [Α. χροῖν] θήσεις (25 α)  
 — 19. θήσας εἰς τὴν ἀνδρῶν γῆν κέδρον (16)  
 42. 4. ἴως ἀν θῇ ἐπὶ τῆς γῆς κρίσιν (25 α)  
 — 15. ὅσοις ποταμοὶς εἰς κήσους (25 α)  
 — 25. οὐδὲ ζῆντο ἐπὶ ψυχῇ (25 α)  
 46. 7. ἐάν δι θῶσιν αὐτὸ ἐπὶ τοῦ τόπου αὐ. (11 α)  
 49. 2. ἔθηκε τὸ στόμα μου ὡς μάχιστον  
 — 2. ἔθηκεν μὲ ὡς ἑλκός ἐκλεκτὸν (25 α)  
 — 6. Α. Β. τίθεικά [Β. δίδωκά] σε εἰς φῶς ἐθνῶν (16)  
 — 11. θήσω πᾶν ὅρος εἰς ὁδόν (25 α)  
 50. 2. θήσω ποταμούς ἐρήμους (25 α)  
 — 3. ὡς σάκκον θήσω [Β. ὅτι] τὸ περιβόλαιον  
 αὐτοῦ (25 α)  
 — 4. ἔθηκε μοι πρῶτ' †  
 — 7. ἔθηκε τὸ πρόσωπόν μου ὡς στερεὴν  
 πέτραν (25 α)  
 51. 3. Β. Β. θήσω τὰ ἔρημα αὐτῆς ὡς παρί-  
 δεον (25 α)  
 — 10. ἡ θέσια τὰ βάθη τῆς θαλάσσης ὁδόν (25 α)  
 — 16. θήσω τοὺς λόγους μου εἰς τὸ στόμα σου (25 α)  
 — 23. ἔθηκες ἴσα τῇ γῇ τὰ μέσα [Α. Β. μετὰ  
 φρονί] σου (25 α)  
 54. 12. θήσω τὰς ἐπάλξεις σου ἵασπιν (25 α)  
 57. 8. ὁπίσω τῶν σταθμῶν τῆς θύρας σου ἔθηκες  
 μηνύσασιν σου (25 α)  
 60. 15. θήσω σε ἀγαλλίαμα αἰώνιον (25 α)  
 63. 11. ποῦ ἴσθι ὁ θεὸς ἐν αὐτοῖς τὸ πνεῦμα τὸ  
 ἄγιον (25 α)  
 Je. 1. 5. προφήτην εἰς ἔθνη τίθεικά σε (16)  
 — 15. θήσουσιν ἕκαστος τὸν θρόνον αὐτοῦ (16)  
 — 18. τίθεικά σε . . . ὡς πόλιν ὀχυρὰν (16)  
 2. 7. τὴν κληρονομίαν μου [Α. καὶ] ἔδωκε εἰς  
 βδελυγμὰ (25 α)  
 4. 7. τοῦ θεῖναι τὴν γῆν εἰς ἐρήμωσιν [Β. αὐ.] (25 α)  
 9. 11 (10). τὰς πόλεις 'Ιουδα εἰς ἀφανισμόν  
 θήσομαι (16)  
 10. 4. Β. θήσουσιν αὐτὰ †  
 12. 11. ἐτίθη [Α. ἐγενήθη] εἰς ἀφανισμόν ἀπω-  
 λείας (25 α)  
 — 11. οὐκ ἴσθι ἀνὴρ τιθέμενος ἐν καρδίᾳ  
 (25 α)  
 13. 16. τεθῶσιν αὐτὸς ἐκός (27)  
 22. 6. ἐάν μὴ θῶ σε εἰς ἔρημον (27)  
 25. 12. θήσομαι αὐτοὺς εἰς ἀφανισμόν αἰώνιον (25 α)  
 — 17 (49. 38). θήσω τὸν θρόνον μου ἐν Ἀλῶνι (25 α)  
 27 (50). 3. θήσει τὴν γῆν αὐτῆς εἰς ἀφανισμόν (27)  
 28 (51). 16. εἰς φωνὴν ζῆτο ἡχος ὕδατος (16)  
 — 29. τοῦ θεῖναι τὴν γῆν Βαβ. εἰς ἀφανισμόν (25 α)  
 31 (48). 6. Β. Β. θέσει [Α. Β. ἔτισσε] ὥσπερ  
 ὄνος ἄγριος †  
 32 (25). 18. τοῦ θεῖναι αὐτὰς εἰς ἐρήμωσιν (16)  
 35 (28). 14. ὤχον σιδηροῦν ἔθηκε ἐπὶ τὸν πρῶ-  
 χλον (16)  
 39 (32). 14. θήσεις [Β. καθήσεις, Β. καταθ.]  
 αὐτὸ [Α. Β. ὅτι] εἰς ἀγγίον (16)  
 — 34. ἔθηκαν τὰ μύσματα αὐτῶν ἐν τῇ οἰκῇ (25 α)  
 41 (34). 13. Β. Β. εἰδήμην [Α. Β. διεδ.] διαθήκη (6)  
 45 (38). 12. ταῦτα θές ὑποκάτω τῶν σκηνῶν (25 α)  
 47 (40). 4. θήσω τοὺς ὀφθαλμούς μου ἐπὶ σέ (25 α)  
 49 (42). 17. οἱ θίντες τὸ πρόσωπον αὐτῶν εἰς  
 γῆν Αἰγύπτου (25 α)  
 50 (43). 10. θήσει αὐτοῦ τὸν θρόνον ἐπάνω τῶν  
 λίθων τούτων (25 α)  
 Ba. 2. 26. ἔθηκε τὸν ὅλον . . . ὡς ἡ ἡμέρα αὕτη  
 Ia. 3. 11. ζῆτό με ἡφανισμένην (25 α)  
 — 45. ἔθηκες ἡμᾶς ἐν μέσῳ τῶν λαῶν (25 α)  
 Ez. 4. 1. θήσεις αὐτὴν πρὸ προσώπου σου (16)  
 — 3. θήσεις αὐτὸ τοίχον σιδηροῦν (16)  
 — 4. θήσεις τὰς ἀδικίας τοῦ οἴκου 'Ισραὴλ ἐν  
 αὐτοῦ (25 α)  
 — 6. ἡμέραν εἰς ἡμερὰν τίθεικά σοι (16)  
 5. 5. ἐν μέσῳ τῶν ἐθνῶν τίθεικά αὐτὴν (25 α)

- Ez. 5. 14. θήσομαι σε εἰς ἔρημον (16)  
 6. 14. θήσομαι τὴν γῆν εἰς ἀφανισμόν (16)  
 7. 20. ἐκλεκτὰ κόσμου εἰς ὑπερφανίαν ζῆντο  
 αὐτὰ (25 α)  
 13. 14. θήσω αὐτὸν ἐπὶ τὴν γῆν (10)  
 14. 3. ζῆντο τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὰς καρδίας  
 αὐ. καὶ τὴν κόλπον τῶν ἀδικῶν αὐ. (18, 16)  
 — 4. δε ἀν θῇ τὰ διανοήματα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν  
 καρδίαν αὐτοῦ (18)  
 — 7. θῆται [Α. θῇ] τὰ ἐνθυμήματα αὐτοῦ ἐπὶ  
 τὴν καρδίαν αὐτοῦ (18)  
 — 8. θήσομαι [Α. σῶ] αὐτὸν εἰς ἔρημον †  
 16. 18. τὸ θυμιάμα μου ἔθηκες πρὸ προσώπου  
 αὐτῶν (16)  
 — 19. ἔθηκες αὐτὰ πρὸ προσώπου αὐτῶν (16)  
 — 38. θήσω [Α. σῶμα] σε ἐν αἵματι θυμοῦ  
 [Α. τῷ αἵ. σου] (16)  
 17. 4. εἰς πόλιν τετακτισμένην ζῆτο αὐτὰ (25 α)  
 18. 12. εἰς τὰ ἰδῶλα ζῆτο τοὺς ὀφθαλμούς  
 αὐτοῦ (15)  
 — 15. τοὺς ὀφθ. αὐ. οὐκ ζῆτο εἰς τὰ ἐνθυμήμ. (15)  
 19. 9. ζῆντο αὐτὸν ἐν κημῇ (16)  
 21. 27 (32). ἀδικίαν ἀδικίαν ἀδικίαν [Α. Β. ὅτι].  
 θήσομαι αὐτὴν (25 α)  
 25. 13. θήσομαι αὐτὴν ἔρημον (16)  
 28. 14. ἔθηκε σε ἐν ὄρει ἀγίῳ θεοῦ (16)  
 30. 24. Α. θήσω [Β. ὥσω] τὴν ῥομφαίαν μου  
 εἰς τὴν χεῖρα αὐτοῦ (16)  
 32. 27. ἔθηκαν τὰς μαχαίρας αὐ. ὑπὸ τὰς κεφ. (16)  
 35. 9. ἐρημίαν αἰώνιον θήσομαι σε (16)  
 38. 37. Α. ζῆτο τοῦτο ζήτημα θήσομαι [Β. τ. ζήτη-  
 μα] (34)  
 37. 1. ἔθηκε με ἐν μέσῳ τοῦ πεδίου (11 α)  
 — 14. θήσομαι ὑμᾶς ἐπὶ τὴν γῆν ὑμῶν (11 α)  
 — 26. θήσω τὰ ἀγία μου ἐν μέσῳ αὐτῶν (16)  
 40. 2. ἔθηκε με ἐπ' ὄρος ὑψηλόν (11 α)  
 42. 13. Β. ἐκεί θήσουσι τὰ ἅγια τῶν ἁγίων (11 α)  
 43. 8. ἐν τῷ τ. αὐτοῦ τὸ πρῶτον (16)  
 44. 19. θήσουσιν αὐτὰς ἐν ταῖς ἐξέδραις τῶν  
 ἁγίων (11 α)  
 — 30. τοῦ θεῖναι εὐλογία ὑμῶν ἐπὶ τοὺς οἴκους  
 ὑμῶν (11 α)  
 Da. LXX. 6. 17 (18). καὶ ἐτίθη εἰς τὸ στόμα τοῦ  
 λάκκου (25 β)  
 7. 9. ἴως ὅτε θρόνοι ἐτίθησαν (24)  
 8. 11. ἔθηκεν αὐτὴν ἴως χαμαὶ ἐπὶ τὴν γῆν  
 Bel 35. ἔθηκεν αὐτὸν ἐπάνω τοῦ λάκκου  
 Da. TH. Su. 34. ἔθηκαν τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ.  
 1. 8. ζῆτο Δ. ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐ. (25 α)  
 3. 10. σὺ, βασιλεῦ, ἔθηκες δόγμα (25 β)  
 4. 3. δι' ἐμοῦ ἐτίθη δόγμα (25 β)  
 6. 26 (27). ἐκ προσώπου μου ἐτίθη δόγμα τοῦτο (25 β)  
 7. 9. θρόνοι ἐτίθησαν (24)  
 Bel 11. καὶ τὸν οἶνον κεράσας θές  
 — 36. ἔθηκεν αὐτὸν εἰς Βαβυλῶνα  
 I Ma. 1. 34. ἔθηκαν ἐκεῖ ἔθνος ἀμαρτανῶν  
 — 53. ζῆντο τὸν 'Ισρ. ἐν κρυφίῳ  
 9. 51. Α. ζῆντο [Β. ζῆτο] φρουρὰν ἐν αὐτοῖς  
 — 52. Α. ζῆντο [Β. ζῆτο] ἐν αὐταῖς δυνάμει  
 — 53. Α. ζῆντο [Β. ζῆτο] αὐτοὺς ἐν τῇ ἀκρᾷ  
 10. 4. τοῦ εἰρήνην θεῖναι μετ' αὐτῶν πρὶν ἢ θεῖναι  
 αὐτὸν μετὰ 'Αλ.  
 — 65. ζῆτο αὐτὸν στρατηγόν  
 11. 37. καὶ τεθῶν ἐν τῇ ὄρει τῇ ἀγίῃ  
 — 66. ζῆτο ἐπ' αὐτὴν φρουρὰν  
 12. 34. ζῆτο ἐκεῖ φρουρὰν  
 13. 33. ζῆτο βρώματα ἐν τοῖς ὀχυρώμασι  
 — 53. ζῆτο αὐτὸν ἡγούμενον τῶν δυνάμεων πασῶν  
 14. 3. Α. Β. ζῆτο αὐτὸν ἐν φυλακῇ  
 — 23. τοῦ θέσθαι τὸ ἀντίγραφον τῶν λόγων αὐ. ἐν  
 τοῖς ἀποδεξιμ. . . βιβλίοις  
 — 27. Α. καὶ ζῆντο ἐν στήλῃ [Β. αἰς]  
 — 33. ζῆτο ἐκεῖ φρουρὰν ἀνδράς 'Ιουδ.  
 — 34. ὅσα ἐπιτήδεια . . . ζῆτο ἐν αὐτοῖς  
 — 35. Α. Β. ζῆτο [Β. ζῆτο] αὐτὸν ἡγούμενον αὐτῶν  
 — 46. θέσθαι Σίμωνι ποιῆσαι  
 — 48. τὴν γραφὴν τ. εἶπον θέσθαι ἐν δέλοισι χαλκαῖς  
 — 48. Α. καὶ θῆσαι [Β. στήσαι] αὐτὰς ἐν περιβόλῳ  
 — 49. τὰ δι' ἀντίγραφα αὐ. θέσθαι ἐν τῇ γαζο-  
 φυλακίῳ  
 II Ma. 4. 15. τὰς μὲν πατρίδας τιμὰς ἐν οὐδενὶ θεθε-  
 μένοι  
 — 34. Α. δεξιάς θεῖς [Ζ. δεξιῶν] μεθ' ὀρκῶν [Β. αὐ.]  
 5. 21. τὸ πέλγαος πορευτὸν θέσθαι  
 7. 12. ὡς ἐν οὐδενὶ τὰς ἀληθινὰς ἐτίθητο

- II Ma. 14. 21. ἔθεσαν δέφρους  
 III Ma. 1. 17. ἀδελφὸν τιθέμενος τὸ γινώσκον  
 2. 24. μετὰ ἀπειλῆς δὲ πικρὰς θέμενος ἀνέλασε  
 5. 43. Β. ἰσάπεδον πυρὶ καὶ δόρατι θήσεσθαι [Α.  
 στή].  
 6. 34. εἰς δλεθρον καὶ οἰκνοβρώτους αὐτοὺς ἔσεσθαι  
 τιθέμενοι  
 IV Ma. 4. 23. δόγμα ζῆτο  
 8. 12. Β. ἐκίλευσεν εἰς τὸ ἐμπροσθεν τιθένας [Α. Β.  
 προτεθῆναι] τὰ βασανιστήρια  
 [Α. Α. Ε. 24. 6: 40. 3. 30: Dt. 7. 15: I Ki. 6. 8: 9. 24: 22. 4: IV Ki. 9. 13: Jb. 1. 17: 13. 27: 17. 12: Ps. 9. 21: 18 (19). 5: 20 (21). 13: 38 (39). 9: 45 (46). 9: 48 (49). 15: 51 (52). 9: 65 (66). 2. 11: 78 (74). 4: 88 (84). 4. 7: 87 (88). 7: 90 (91). 9: 106 (107). 41: Pr. 23. 2: 27. 23: Is. 41. 19: 49. 6: 51. 23: 57. 1. 7: 82. 7: Jb. 9. 8 (7): 40 (47). 10: 42 (49). 15. 15: 61 (28). 25: Ez. 6. 2: 13. 17: 19. 5: 21. 2 (7). 19 (24). 27 (32): 25. 2: 29. 2: 36. 37: Da. 3. 12 (Sw.).] [Sm. Ge. 19. 16: 30. 41. 42: Ex. 40. 3. 30: I Ki. 6. 8: 22. 4: III Ki. 6. 19. 27: IV Ki. 9. 13: 12. 17 (18). 16. 14: 21. 7: Ps. 9. 35 (10. 14): 55 (56). 9: 65 (66). 11: 78 (74). 4: 84 (85). 14: 90 (91). 9: Is. 49. 6: 50. 4: 51. 23: 57. 1. 7: 82. 7: Jb. 9. 8 (7): 42 (49). 15. 15: Ez. 6. 2: 7. 4: 21. 27 (32): 23. 24: 36. 37.] [Th. Ex. 28. 26: 40. 3. 28. 30: Jd. 1. 28: 9. 25: I Ki. 22. 4: Jb. 17. 12: 22. 24: 24. 15: 25: 84. 23: 87. 17: Ps. 18 (19). 5: 78 (74). 4: Pr. 8. 29: 28. 2: 27. 23: Ca. 1. 6: Is. 26. 12 (Sw.): 38. 13: 41. 19: 49. 6: 51. 23: 57. 1. 7: 82. 7: Jb. 12. 11: 88 (45). 12: 89 (46). 12: 44 (51). 12: Ez. 13. 17: 20. 28: 21. 2 (7). 27 (32): 23. 24: 25. 2: 29. 2: 36. 37.] [Al. Ge. 44. 21: Dt. 11. 18: I Ki. 22. 15: II Ki. 20. 19: Jb. 26. 9: Is. 26. 12.] [Heb. IV Ki. 16. 14.] [Quint. IV Ki. 16. 14: Ps. 18 (19). 5: 90 (91). 9: Ca. 6. 11 (12).]  
 τιθηνῆν. (1) ἱϛῆ  
 Si. 30. 9. τιθήνησεν τέκνον καὶ ἐκπαμβήσει σε  
 La. 4. 5. Β. οἱ τιθηνοῦμενοι ἐπὶ κόκκων [Β. φ. Α. κόλπων] περιεβάλλοντο [Α. -ελαβον] (1)  
 III Ma. 8. 15. τιθνήσασθαι τὰ κατοικοῦντα Κολήνη  
 Συρίαν . . . ἔθνη  
 [Α. Α. Is. 60. 4].  
 τιθνή (8 -ιος).  
 IV Ma. 16. 7. ὦ . . . ἄκαρποι τ.  
 τιθνήζεσθαι.  
 [Α. Α. Is. 53. 2].  
 τιθνήσ. (1) ἱϛῆ  
 Nu. 11. 12. ὥσει ἄραι τιθνήσιν τὸν θηλάζοντα (1)  
 Ru. 4. 16. ἐγενήθη αὐτῷ εἰς τιθνήσιν (1)  
 II Ki. 4. 4. Β. ἦν αὐτὸν ὁ [Α. Β. Β. ἦ] τ. αὐ. (1)  
 IV Ki. 10. 1. ἀπέστειλεν . . . πρὸς τοὺς τ. 'Αχ. (1)  
 — 5. ἀπέστειλεν . . . οἱ τ. πρὸς 'Ι. (1)  
 Is. 49. 23. ἔσονται βασιλεῖς τιθνήσιν σου (1)  
 III Ma. 1. 20. αἱ τε πρὸς τοῖτους μητέρες καὶ τιθνήσιν  
 [Α. Α. Ge. 24. 59].  
 τιθνηοῦσθαι.  
 [Α. Α. Pr. 8. 30].  
 τιθνίεσθαι.  
 [Α. Α. Is. 53. 2].  
 τίκτειν. (1) ἱπῆ (2) ἱπῆ a. qal. δ. ni.  
 c. pu. d. hi. e. hoph. f. ἱπῆ g. ἱπῆ  
 (3) ὠπῆ hi.  
 Ge. 3. 16. ἐν λυπᾷ τέξῃ τέκνα (2 α)  
 4. 1. ἔτεκε τὸν Κ. (2 α)  
 — 2. προσέθηκε τέκνιν τὸν ἀδ. αὐ. τὸν 'Α. (2 α)  
 — 17. συλλαβοῦσα ἔτεκε τὸν 'Ε. (2 α)  
 — 20. ἔτεκεν 'Α. τὸν 'Ι. (2 α)  
 — 22. δὲ ἔτεκε καὶ αὐτὴ τὸν Θ. (2 α)  
 — 25. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (2 α)  
 16. 1. Σάρα δὲ . . . οὐκ ἔτεκεν αὐτῷ (2 α)  
 — 2. συνέκλεισε με κύριος τοῦ μὴ τίκτειν (2 α)  
 — 11. καὶ τέξῃ υἱόν (2 α)



|  |   |  |
|--|---|--|
| Ge. 16. 15. ἔτεκεν Ἄ. τῷ Ἀβ. υἱόν (2 a)                    | Le. 22. 27. ὡς ἂν τεχθῇ (2 b)   | Ps. 47 (46). 6. ἐκεῖ ὠδίνες ὡς τικτούσῃς (2 a)   |
| — 15. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Ἄ. (2 a)                              | Nu. 11. 12. ἡ ἐγὼ ἔτεκον [Ἀ τέτοκα] αὐτοῦς (2 a)                        | 77 (78). 6. ὅπως ἂν γυνὴ γενεὰ ἐτέρα υἱοὶ οἱ τεχθῶσιν (2 b)  |
| — 16. ἡνίκα ἔτεκεν Ἄ. τὸν Ἰσρ. τῷ Ἀβ. (2 a)                | 26. 59. ἡ ἔτεκε τούτους τῷ Ἀ. (2 a)                                     | Pr. 3. 28. οὐ γὰρ οἶδας τί τέξεται ἡ ἐπιούσα — (2 a)   |
| 17. 17. B εἰ ἡ 2. ἐνενηκοντα ἐτῶν τέξεται [Ἀ αλ.] (2 a)    | — 59. καὶ ἔτεκε τῷ Ἀβραμ τὸν Ἄ. (2 a)                                   | 10. 23. ἡ δὲ σοφία ἀνδρὶ τίκειν φρόνησιν — (2 a)   |
| — 19. Σάρρα ἡ γυνὴ σου τέξεται σοι υἱόν (2 a)              | — 60. Ἀ ἐτέχθησαν [B ἐγενήθησαν] τῷ Ἄ. δὲ τε Ν. (2 b)                   | 17. 25. B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> B καὶ ὀδύνη τῇ τεκούσῃ αὐτὸν [Ἀ B <sup>1</sup> B <sup>1</sup> -οῦ] (2 a)   |
| — 21. ὃν τέξεται σοι Σάρρα (2 a)                           | De. 15. 19. ὃ ἐὰν τεχθῇ ἐν ταῖς βουσί σου (2 b)                         | 19. 13. Ἀ καὶ ὀδύνη τῇ τεκούσῃ αὐτοῦ — (2 a)   |
| 18. 13. ἀρὰ γε ἀλλῶδες τέξομαι (2 a)                       | 21. 15. καὶ τέκωσιν αὐτῷ ἡ ἡγαπημ. καὶ ἡ μισοῦμ. (2 a)                  | 23. 25. χαίρετω ἡ τεκούσα σε (2 a)   |
| 19. 37. ἔτεκεν ἡ πρεσβυτέρα υἱόν (2 a)                     | 25. 6. τὸ παιδίον δὲ ἐὰν τέξη [Ἀ ἂν τεχθῇ] (2 a)                        | 27. 1. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τέξεται ἡ ἐπιούσα (2 a)   |
| — 39 (38). ἔτεκε δὲ καὶ ἡ νεωτέρα υἱόν (2 a)               | 28. 57. καὶ τὸ τέκνον δὲ ἂν τέξη (2 a)                                  | Ec. 3. 2. καιρὸς τοῦ τεκεῖν (2 a)  |
| 20. 17. καὶ ἔτεκον (2 a)                                   | Jd. 8. 31. ἔτεκεν αὐτῷ καὶ γε αὐτὴ υἱόν (2 a)                           | Ca. 6. 8 (9). B <sup>2</sup> B ἐλεκτηὶ ἐστὶ τῇ τεκούσῃ αὐτῇ [Ἀ B <sup>1</sup> B <sup>1</sup> -ῆς] (2 a)  |
| 21. 2. ἔτεκε Σ. τῷ Ἀβ. υἱόν εἰς τὸ γήρας (2 a)             | 11. 1. Ἀ καὶ ἔτεκε τῷ Γ. τὸν Ἰ. [B αλ.] (2 a)                           | 8. 5. B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> B ἐκεῖ ὠδίνοντι σε ἡ τεκούσα σε [Ἀ B <sup>1</sup> B <sup>1</sup> σου] (2 a)  |
| — 3. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Σ. (2 a)                               | — 2. ἔτεκεν ἡ γυνὴ Γ. αὐτῷ υἱόν (2 a)                                   | Si. 8. 18. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τέξεται (2 a)   |
| — 7. τέκνον υἱόν ἐν τῷ γήρει μου (2 a)                     | 18. 2. καὶ οὐκ ἔτεκε [Ἀ ἔτεκεν] (2 a)                                   | 19. 11. ὡς ἀπὸ προσώπου βροφῆς ἡ τίκτουσα (2 a)  |
| 22. 20. τέτοκε Μ. καὶ αὐτὴ υἱόν Ν. (2 a)                   | — 3. καὶ οὐκ ἔτεκε [Ἀ ἔτεκεν] (2 a)                                     | 48. 19. ὠδίνοντες ὡς αἱ τίκτουσαι (2 a)  |
| — 23. οὗς ἔτεκε Μ. τῷ Ν. (2 a)                             | — 3. καὶ οὐκ ἔτεκε [Ἀ ἔτεκεν] (2 a)                                     | Ho. 1. 3. ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (2 a)   |
| — 24. ἔτεκε καὶ αὐτὴ τὸν Τ. (2 a)                          | — 5. 7. καὶ τέξη υἱόν (2 a)   | — 6. ἔτεκε θυγατέρα (2 a)  |
| 24. 15. Ῥεβ. ἐξεπορεύσθαι ἡ τεχθεῖσα Βαθ. (2 a)            | — 8. τί ποιῶμεν τὸν παῖδ' αὐτῷ τῷ τικτομ. (2 a)                         | — 8. ἔτεκεν υἱόν (2 a)   |
| — 24. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Ν. (2 a)                              | — 14. ἔτεκεν ἡ γυνὴ υἱόν [Ἀ om.] (2 a)                                  | 2. 5 (7). κατηνύχυνεν ἡ τεκούσα αὐτὰ (1)   |
| — 36. ἔτεκε Σάρρα . . . υἱόν ἔνα (2 a)                     | 18. 29. ὃς ἐτέχθη [Ἀ ἐγενήθη] τῷ Ἰσρ. (2 a)                             | 13. 13. ὠδίνες ὡς τικτούσῃς ἤξουσιν αὐτῷ (2 a)   |
| — 47. ὃν ἔτεκεν αὐτῷ Μ. (2 a)                              | 4. 12. ὃν ἔτεκε Θ. τῷ Ἰ. (2 a)  | Mi. 4. 9. κατεκρήνησεν σου ὠδίνες ὡς τικτούσῃς (2 a)   |
| 25. 2. ἔτεκε δὲ αὐτῷ τὸν Ζ. (2 a)                          | — 13. καὶ ἔτεκεν [Ἀ ἐγέννησεν] υἱόν (2 a)                               | — 10. ἐγγίξῃς, θυγάτηρ Σιών, ὡς τίκτουσα (2 a)   |
| — 12. ὃν ἔτεκεν Ἄ. (2 a)                                   | — 15. ἡ νύμφη ἡ ἀγαπήσασά σε ἔτεκεν αὐτὸν (2 a)                         | 5. 3 (2). ὁῶσαι αὐτοὺς ἕως καιροῦ τικτούσῃς τέξεται (2 a, 2 a)   |
| — 24. ἐπληρώθησαν αἱ ἡμέραι τοῦ τεκεῖν αὐτῇ (2 a)          | — 17. ἐτέχθη υἱὸς τῇ Ν. (2 a)   | Is. 7. 14. τέξεται υἱόν (2 a)  |
| — 26. B ὅτε ἔτεκεν [Ἀ ἐγέννησεν] αὐτοῦς Ῥεβ. (2 a)         | I Ki. 1. 20. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)                                      | 8. 3. ἔτεκεν υἱόν (2 a)  |
| 29. 32. ἔτεκεν υἱόν τῷ Ἰ. (2 a)                            | 2. 5. στείρα ἔτεκεν ἐπτά (2 a)  | 13. 8. ὠδίνες αὐτοὺς ἔξουσιν ὡς γυναῖκες τικτούσῃς (2 a)   |
| — 33. ἔτεκεν υἱόν δεύτερον τῷ Ἰ. (2 a)                     | — 21. ἔτεκεν ἐπὶ τρεῖς υἱούς (2 a)                                      | 21. 3. ὠδίνες ἐλαβόν με ὡς τὴν τίκτουσαν (2 a)   |
| — 34. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)                                | 4. 19. συναβύσσους ἐπὶ τεκεῖν (2 a)                                     | 23. 4. οὐκ ὠδίνον οὐδὲ ἔτεκον (2 a)  |
| — 34. τέτοκα γὰρ αὐτῷ τρεῖς υἱούς (2 a)                    | — 19. ἔκλαυσεν καὶ ἔτεκεν (2 a)   | 26. 17. ἡ ὠδίνουσα ἐγγίξει [Ἀ B <sup>2</sup> add. τοῦ] τεκεῖν (2 a)  |
| — 35. συναβύσσους ἐπὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)                    | — 20. υἱὸν τέτοκας (2 a)  | — 18. ὠδίνουσαν καὶ ἔτεκον (2 a)   |
| — 35. ἔστη τοῦ τίκειν (2 a)                                | II Ki. 3. 2. ἐτέχθησαν τῷ Δ. υἱοὶ (2 b, 2 c)                            | 37. 3. ἦκει ἡ ὠδὴν τῇ τικτούσῃ λωχὴν δὲ οὐκ ἔχει τοῦ τεκεῖν (1, 2 g)   |
| 30. 1. οὐ τέτοκε τῷ Ἰ. (2 a)                               | — 5. οὗτοι ἐτέχθησαν τῷ Δ. (2 a)  | 42. 14. ὡς ἡ τίκτουσα ἐκατέρησα (2 a)  |
| — 3. τέξεται ἐπὶ τὸν γονάτων μου (2 a)                     | 11. 27. ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (2 a)  | 51. 18. ἀπὸ πάντων τὸν τίκνον σου ὃν ἔτεκες (2 a)  |
| — 5. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (2 a)                                | 12. 14. ὁ υἱὸς σου ὁ τεχθεὶς σοι θανάτῳ ἀποθανεῖται (2 f)               | 54. 1. εὐφράνησθι στείρα ἡ οὐ τίκτουσα (2 a)   |
| — 7. ἔτεκεν υἱόν δεύτερον τῷ Ἰ. (2 a)                      | — 15. δὲ ἔτεκεν ἡ γυνὴ Οὐρ. τῷ Δ. (2 a)                                 | 59. 4. τίκτουσαν ἀνομίαν (2 a)   |
| — 9. ἔστη τοῦ τίκειν (2 a)                                 | — 24. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)   | 66. 7. πρὶν τὴν ὠδίνουσαν τεκεῖν (2 a)   |
| — 10. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (2 a)                               | 14. 27. τίκειν αὐτῷ τῷ Ἀβ. (2 b)  | — 7. ἔτεκεν ἄρσεν (2 a)  |
| — 12. ἔτεκεν ἐπὶ τῷ Ἰ. υἱόν δεύτερον (2 a)                 | — 27. τίκειν αὐτῷ τῷ Ἀβ. (2 b)  | — 8. ἐτέχθη ἔθνος εἰσπάξῃς ὅτι ὠδίνε καὶ ἔτεκε Σιών τὰ παιδιά αὐτῆς (2 b, 2 a)   |
| — 17. συναβύσσους ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν πέμπτον (2 a)           | 21. 8. οὗς ἔτεκε τῷ Σαούλ (2 a)   | Jc. 6. 24. ὠδίνες ὡς τικτούσῃς (2 a)   |
| — 19. ἔτεκεν υἱόν ἔκτον τῷ Ἰ. (2 a)                        | — 8. οὗς ἔτεκε τῷ Ἐ. (2 a)  | 8. 21. κατισχυσάν με ὠδίνες ὡς τικτούσῃς (2 a)   |
| — 20. τέτοκα γὰρ αὐτῷ υἱούς ἐξ (2 a)                       | — 20. αὐτὸς ἐτέχθη τῷ Ῥ. (2 c)  | 13. 21. καθεξέουσιν σε καθὼς γυναῖκα τίκτουσαν (2 a)   |
| — 21. ἔτεκε θυγατέρα (2 a)                                 | — 22. οἱ τέσσαρες οὗτοι ἐτέχθησαν [Ἀ om.] ἀπύονοι (2 c)                 | 14. 5. ἑλπίον ἐν ἀγρῷ ἔτεκον [Ἀ -οσαν] (2 a)   |
| — 21. Ἀ ἔστη τοῦ τίκειν (2 a)                              | III Ki. 1. 6. καὶ αὐτὸν ἔτεκεν ὀπίσω Ἀβ. (2 a)                          | 15. 9. ἐκνώθη ἡ τίκτουσα ἐπτά (2 a)  |
| — 23. ἔτεκε τῷ Ἰ. υἱόν (2 a)                               | 8. 17. καὶ ἐτίκον ἐν τῷ ὀλέῳ (2 a)                                      | — 10. ὡς τινὰ με ἔτεκες ἀνδρα δικαίον (2 a)  |
| — 25. ὡς ἔτεκε Ῥ. τὸν Ἰ. (2 a)                             | 11. 20. ἔτεκεν αὐτῷ ἡ ἀδ. Θ. τῷ Ἄ. τὸν Γ. (2 a)                         | 16. 3. περὶ τῶν μητέρων αὐτῶν τὸν τετοκῶν αὐτοῦς (2 a)   |
| — 39. ἔτικον τὰ πρόβατα διάλευκα (2 a)                     | 12. 24. B ἔτεκε τῷ Ἰερ. τὸν Ἀ. υἱόν αὐ. (2 a)                           | 17. 11. συνηγάγεν ἡ οὐκ ἔτεκε αὐτῷ (2 a)   |
| — 42. Ἀ ἡνίκα γὰρ ἔτεκεν τὰ πρόβατα [B αλ.] (2 a)          | 13. 2. υἱὸς τίκεται τῷ ὀλέῳ (2 b)                                       | 20. 14. ἐν ᾗ ἐτέχθη [Ἀ ἐγενήθη] ἐν αὐτῇ ἡ ἡμέρα ἐν ᾗ [B ἡ ἡ] ἔτεκεν με ἡ μήτηρ μου (2 c, 2 a)  |
| 31. 8. τέξεται πάντα τὰ πρόβατα ποικίλα (2 a)              | IV Ki. 4. 17. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)                                     | — 15. ἐτέχθη σοι ἄρσεν [B S -σεν] (2 c)  |
| — 8. τέξεται πάντα τὰ πρόβατα λευκά (2 a)                  | 19. 3. λωχὺς οὐκ ἐστὶ τῇ τικτούσῃ (2 a)                                 | 22. 23. ἐν τῷ ἐλθεῖν σοι οὐδυνας [Ἀ ὠδίνας] ὡς τικτούσῃς (2 a)   |
| — 43. τί ποιῶμεν . . . τοῖς τέκνοις αὐ. οἳ ἔτεκον (2 a)    | I Ch. 1. 32. καὶ ἔτεκεν [Ἀ add. υἱόν] αὐτῷ τὸν Ζ. (2 a)                 | — 26. ἀπορρίψω [Ἀ παραδώσω] σε καὶ τὴν μητέρα σου τὴν τεκούσαν σε εἰς γῆν οὐ οὐκ ἐτέχθης ἐκεῖ (2 a, 2 c)   |
| 34. 1. ἢν ἔτεκε τῷ Ἰ. (2 a)                                | — 36. Ἀ ἔτεκεν αὐτὴ τὸν Ἀμ. [B αλ.] (2 a)                               | 27 (50). 12. Ἀ B ἐνετράπη ἡ τεκούσα ὑμᾶς (2 a)   |
| 35. 16. ἔτεκε Ῥαχὴλ (2 a)                                  | 2. 4. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Φ. (2 a)  | — 43. ὠδίνες ὡς τικτούσῃς (2 a)  |
| — 17. ἐν τῷ σκληρῶς αὐτὴν τίκειν (2 a)                     | — 9. οἱ ἐτέχθησαν αὐτῷ (2 b)  | 37 (80). 6. ἴδετε εἰ ἔτεκεν ἄρσεν (2 a)  |
| 36. 4. ἔτεκε δὲ Ἀδὰ τῷ Ἡ. τὸν Ἐλ. (2 a)                    | — 19. καὶ ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ὀρ (2 a)                                      | Ez. 16. 4. 5. ἐν ᾗ ἡμέρα ἐτέχθης (2 c)   |
| — 4. Βασ. ἔτεκε τὸν Ῥαγ. (2 a)                             | — 21. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Σ. (2 a)  | 23. 4. ἔτεκον υἱοὺς καὶ θυγατέρας (2 a)  |
| — 5. Ὀλ. ἔτεκε τὸν Ἰ. (2 a)                                | — 24. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ἀ. (2 a)  | III Ma. 1. 18. σὺν ταῖς τεκούσαις ἐξώρμησαν (2 a)  |
| — 12. ἔτεκε τῷ Ἐλ. τὸν Ἀμαλὴκ (2 a)                        | — 29. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ἀχ. (2 a)   | IV Ma. 16. 6. ἦτις ἐπὶ παῖδας τεκούσα [Ἀ Q. GE. 33. 13. DT. 25. 6. Jb. 15. 35. Ps. 2. 7. 7. 15. 86 (87). 4, 5, 6. 89 (90). 2. Is. 7. 14. Jb. 15. 10. 30 (37). 6. 49. 24 (30. 13).] (2 a) |
| — 14. ἔτεκε δὲ τῷ Ἡ. τὸν Ἰ. (2 a)                          | — 35. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ἐθθαί (2 a)                                       | [Sm. GE. 4. 2. Ex. 1. 19. Jb. 25. 4. Ps. 47 (48). 7. 86 (87). 4, 5, 6. 89 (90). 2. Ca. 8. 5. Is. 7. 14. 66. 7. 9. Jb. 15. 10. 30 (37). 6. 50 (27). 12.] (2 a)                            |
| 38. 3. συναβύσσους ἔτεκεν υἱόν (2 a)                       | 8. 1. υἱοὶ Δ. οἱ τεχθέντες αὐτῷ ἐν Χ. (2 b)                             | [Th. Ex. 1. 19. Jb. 13. 3. Is. 33. 11. 54. 1. Jb. 14. 5. 30 (37). 6. 49. 24 (30. 13).] (2 a)   |
| — 4. συναβύσσους ἐπὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)                     | 4. 6. ἔτεκεν αὐτῷ Ἀ. τὸν Ὡ. (2 a)                                       | [Al. Ex. 6. 20. Ps. 86 (87). 4.] (2 a)   |
| — 5. προσθείσα ἐπὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)                       | — 9. ἔτεκον ὡς γάβης (2 a)  | τίλλευ. (1) Ὡρ ᾧ a. qal. ὁ pu. c. Ὡρ ᾧ (2 a)   |
| — 5. ἡνίκα ἔτεκεν αὐτοὺς (2 a)                             | — 18. ἔτεκε τὸν Ἰ. (2 a)  | II Es. 9. 3. ἐτίλλον ἀπὸ τῶν τριχῶν τῆς κεφαλῆς μου (1 a)  |
| — 27. Ἀ ἡνίκα ἔτεκεν [B ἔτιμω] (2 a)                       | 7. 14. ὃν ἔτεκεν ἡ παλλακὴ αὐ. ἡ Σύρα (2 a)                             | Is. 18. 7. ἐκ λαοῦ τεθλιμμένου καὶ τετιλμένου (1 b)  |
| — 28. ἐν τῷ τίκειν αὐτῇ (2 a)                              | — 14. ἔτεκε τὸν Μ. πατέρα Γαλ. (2 a)                                    | Da. LXX. 7. 4. ἐτίλλ τὰ περὶ αὐ. (1 c)   |
| 41. 50. οὗς ἔτεκεν αὐτῷ Ἀσ. (2 a)                          | — 16. ἔτεκε Μ. γυνὴ Μ. υἱόν (2 a)                                       |  |
| 44. 27. δύο ἔτεκε μοι ἡ γυνὴ (2 a)                         | — 18. ἔτεκε τὸν Ἰσρ. (2 a)  |  |
| 46. 15. οὗς ἔτεκε τῷ Ἰ. (2 a)                              | — 21. ἀνδρες Γεθ οἱ τεχθέντες ἐν γῇ (2 b)                               |  |
| — 18. ἡ ἔτεκε τούτους τῷ Ἰ. (2 a)                          | — 23. καὶ ἔτεκεν υἱόν (2 a)   |  |
| — 20. οὗς ἔτεκεν αὐτῷ Ἀσ. (2 a)                            | 13. 3. ἐτέχθησαν [B <sup>1</sup> ἐτέβ] Δ. ἐπὶ υἱοὶ (2 a)                |  |
| — 20. οὗς ἔτεκεν αὐτῷ ἡ παλλακὴ ἡ Σύρα (2 a)               | 4. ταῦτα τὰ ὀνόματα αὐτῶν τῶν τεχθέντων (2 a)                           |  |
| — 22. B οὗς ἔτεκε τῷ Ἰ. [Ἀ αλ.] (2 c)                      | 22. 9. υἱὸς τίκεται σοι (2 b)   |  |
| — 25. ἡ ἔτεκε τούτους τῷ Ἰ. (2 a)                          | 26. 6. τῷ Σαμ. υἱὸς αὐ. ἐτέχθησαν υἱοὶ (2 b)                            |  |
| 50. 23. ἐτέχθησαν ἐπὶ μηρῶν Ἰ. (2 c)                       | II Ch. 11. 19. ἔτεκεν [Ἀ -ον] αὐτῷ υἱούς (2 a)                          |  |
| Ex. 1. 16. ὅταν . . . ὦσι πρὸς τῷ τίκειν (2 a)             | — 20. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Ἀ. (2 a)  |  |
| — 19. τίκτουσιν γὰρ πρὶν ἢ εἰσελθεῖν . . . τὰς μαιάς (2 a) | Jb. 38. 28. τίς δὲ ἐστὶν ὁ νεοκὼς βάλους δρόσου (2 a)                   |  |
| — 19. καὶ ἔτικον (2 a)                                     | — 29. πᾶν γὰρ δὲ ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκε (2 a)                             |  |
| — 21. ὃ ἐὰν τεχθῇ τοῖς Ἐβρ. (2 f)                          | Ps. 7. 14. Ἀ S B ἔτεκεν ἀνομίαν [B ἀδικίαν] (2 a)                       |  |
| 2. 2. καὶ ἔτεκεν ἄρσεν (2 a)                               | 21 (22). 31. ἀναγγελοῦσιν τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ λαῷ τῷ τεχθρομένῳ (2 b) |  |
| — 22. ἔτεκεν υἱόν (2 a)                                    |   |  |
| 6. 23. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν τε Ν. (2 a)                         |   |  |
| — 25. ἔτεκεν αὐτῷ τὸν Φ. (2 a)                             |   |  |
| 21. 4. ἐὰν δὲ . . . τέκη αὐτῷ υἱούς (2 a)                  |   |  |
| Le. 12. 2. καὶ τέκη ἄρσεν (2 a)                            |   |  |
| — 5. ἐὰν δὲ θῶλον τέκη (2 a)                               |   |  |
| — 7. οὗτος ὁ νόμος τῆς τικτούσῃς ἄρσεν (2 a)               |   |  |

τιμᾶν. (1) תִּמְּן (2) תִּמְּן (3) תִּמְּן a. pi.  
 δ. pu. (4) תִּמְּן pi. (5) a. תִּמְּן hi.  
 δ. תִּמְּן (6) תִּמְּן  
 Ex. 20. 12. τίμα τὸν πατέρα σου (3 a)  
 Le. 19. 32. τιμῆσαι πρόσωπον πρεσβυτέρου (1)  
 27. 8 bis. τιμῆσαι αὐτὸν ὁ ἱερεὺς (5 a)  
 — 12. τιμῆσαι [A -σαι] αὐτὸ ὁ ἱερεὺς (5 a)  
 — 12. καθὼς ἐν τιμῆσεται [A -μήσεται, B -μήσεται] ὁ ἱ. (5 b)  
 — 14. τιμῆσαι αὐτὴν ὁ ἱερεὺς (5 a)  
 — 14. ὡς ἐν τιμῆσεται αὐτὴν ὁ ἱερεὺς (5 a)  
 Nu. 22. 17. ἐντίμως γὰρ τιμήσω σε (3 a)  
 — 37. ὅπως οὐ δυνήσομαι τιμῆσαι σε (3 a)  
 24. 11. τιμήσω σε (3 a)  
 De. 5. 16. τίμα τὸν πατέρα σου (3 a)  
 I Ki. 18. 30. Ἀ ἐτίμηθ' τὸ ὄνομα αὐ. σφόδρα (2)  
 I Es. 8. 26. καὶ ἐμ' ἐτίμησεν  
 To. 4. 3. τίμα αὐτὴν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου [S al.]  
 10. 13. τίμα τοὺς πενηθροὺς σου [S al.]  
 11. 1. S εὐδοκῆθ' σοι τιμᾶν αὐτοὺς  
 Es. 8. 12. πολλοὶ τῇ πλεῖστη . . . χρηστότητι πυκνότερον τιμώμενοι  
 9. 3. οἱ βασιλικοὶ γραμματεῖς ἐτίμων [S' τιμῶν-ται] τοὺς Ἰουδ. (4)  
 Ps. 138 (139). 17. ἐμοὶ δὲ λίαν ἐτίμηθησαν οἱ φίλοι σου (2)  
 Pr. 3. 9. τίμα τὸν κύριον ἀπὸ ὧν δικαίων πόνων (3 a)  
 4. 8. τίμισον αὐτὴν ἵνα σε περιλάβῃ (3 a)  
 6. 8. τὴν σοφίαν τιμήσασα προήχθη —  
 7. 2. τίμα τὸν κύριον καὶ ἰσχύσεις —  
 14. 31. ὁ δὲ τιμῶν αὐτὸν ἐλεᾷ πτωχόν (3 a)  
 15. 22. ὑπερίτελλον λογισμοὺς οἱ μὴ τιμῶντες συνέδρια —  
 25. 2. δόξα δὲ βασιλείας τιμᾷ πράγματα [A B<sup>3</sup> προστάγματα] +  
 — 27. τιμᾶν δὲ χρὴ λόγους ἐνδόξους +  
 27. 18. ὅς δὲ φυλάσσει τὸν ἐαυτοῦ κύριον τιμηθήσεται (3 b)  
 — 26. τίμα πῆδον ἵνα ὁσί σοι ἄρνες +  
 Wi. 4. 2. Ἀ παροῦσάν τε τιμῶσιν [B S μιμούνται] αὐτὴν  
 6. 21. τιμῆσατε σοφίαν  
 14. 15. Ἀ S R τὸν τότε νεκρὸν ἄνθρωπον νῦν ὡς θεὸν ἐτίμησε [B -σαν]  
 — 17. οὗς ἐν ὅψει μὴ δυνάμενοι τιμᾶν ἄνθρωποι  
 — 17. ἐμφανῇ εἰκόνα τὸν τιμώμενον βασιλέως ἐποίησαν  
 — 20. τὸν πρὸ ὀλίγων τιμηθέντα ἄνθρωπον  
 Si. 3. 3. ὁ τιμῶν πατέρα ἐξιλίσσεται ἁμαρτίας  
 — 5. ὁ τιμῶν πατέρα εὐφρανθήσεται ὑπὸ τέκνων [A ἐπὶ τέκνοις]  
 — 8. ἐν ἔργῳ καὶ λόγῳ τίμα τὸν πατέρα σου  
 38. 1. τίμα ἱατρὸν πρὸς τὰς χρεῖας [A S χρ. αὐτοῦ] τιμαῖς αὐτοῦ [S<sup>2</sup> om. τ. αὐτοῦ]  
 Is. 29. 13. ἐν τοῖς χεῖλεσιν αὐτῶν τιμῶσι με (3 a)  
 55. 2. ἵνα τί τιμᾶσθε ἀργυρίου (6)  
 Da. LXX. 11. 38. θεὸν . . . τιμήσει ἐν χρυσῷ (3 a)  
 II Ma. 3. 2. συνέβαινε καὶ αὐτοὺς τοὺς βασ. τιμᾶν τὸν τόπον  
 — 12. τῇ τοῦ τετιμημ. . . ἱεροῦ σεμνότητι  
 13. 23. ἐτίμησε τὸν νεώ  
 III Ma. 3. 16. τιμῆσαι τὸ ἱερὸν τῶν ἀλιτηρίων  
 — 17. καὶ τοῖς ἐκπρεπέσιν . . . ἀνθήμασι τιμῆσαι  
 IV Ma. 17. 20. τετιμῆται οὐ μόνον οὐν ταύτῃ τῇ τ. [Aq. Ps. 71 (72). 14: ZL. 11. 13.]  
 [Sm. Ex. 28. 3: I Ki. 15. 30: 25. 35: II Ki. 10. 3: Ps. 44 (45). 10.]  
 [Th. Ps. 44 (45). 13.]  
 [Al. Ps. 138 (139). 17.]  
 τιμή. (1) תִּמְּן (2) תִּמְּן (3) תִּמְּן (4) a. תִּמְּן  
 δ. תִּמְּן c. תִּמְּן (5) תִּמְּן (6) תִּמְּן  
 (7) תִּמְּן (8) תִּמְּן (9) תִּמְּן (10) תִּמְּן  
 (11) תִּמְּן (12) τιμὴν ἐαυτῷ περιτιθέναι  
 תִּמְּן hithp.  
 Ge. 20. 16. ταῦτα ἔσται σοι εἰς τιμὴν τοῦ προσώπου σου +  
 44. 2. καὶ τὴν τ. τοῦ σίτου αὐ. (6)  
 Ex. 28. 2. σπολὴν ἁγίαν . . . εἰς τιμὴν καὶ δόξαν (5)  
 — 36 (40). κιδάρες ποίησεις αὐτοῖς εἰς τιμὴν +  
 34. 20. τιμὴν δόσεις (6)

Le. 5. 15. τιμῆς ἀργυρίου σίκλων (10)  
 — 18. κριὸν ἁμῶν . . . τιμῆς ἀργυρίου (10)  
 δ. 5 (5. 25). οἶσαι τῷ κυρίῳ κριὸν . . . τιμῆς (10)  
 27. 2. ὥστε τὴν τῆς ψυχῆς αὐ. τῷ κυρίῳ (10)  
 — 3. ἔσται ἡ τ. τοῦ ἄρσενος . . . ἔσται αὐτοῦ ἡ τ. πενήκοντα διδραχμα (10, 10)  
 — 5. ἔσται ἡ τ. τοῦ ἄρσενος εἰκοσι διδραχμα (10)  
 — 6. ἔσται ἡ τ. τοῦ ἄρσενος πέντε διδραχμα (10)  
 — 7. ἔσται ἡ τ. πέντε καὶ δέκα διδραχμα (10)  
 — 8. B<sup>1</sup> ἐὰν δὲ ταπεινὸς ἢ [A B<sup>2</sup> R add. τῇ] τιμῇ (10)  
 — 13. προσθήσεται τὸ ἐπίπεμπτον πρὸς τὴν τ. αὐ. (10)  
 — 15. τὸ ἐπίπεμπτον τοῦ ἀργυρίου τῆς τ. [A om. τ. τ.] (10)  
 — 16. ἔσται ἡ τ. κατὰ τὸν σπῆρον αὐ. (10)  
 — 17. κατὰ τὴν τ. αὐτοῦ στήσεται (10)  
 — 19. προσθήσει τὸ ἐπίπεμπτον τοῦ ἀργ. πρὸς τὴν τ. αὐ. (10)  
 — 23. λογίζεται πρὸς αὐτὸν ὁ ἱ. τὸ τέλος τῆς τ. (10)  
 — 23. καὶ ἀποδώσει τὴν τ. (10)  
 — 25. πάσα τ. ἔσται σταθμὸς ἁγίους (10)  
 — 27. ἀλλάξει κατὰ τὴν τ. αὐ. (10)  
 Nu. 20. 19. ὡσὼς τιμὴν σοι (8)  
 II Ch. 1. 16. καὶ ἡ τ. τὸν ἐμπόρων τοῦ βασ. +  
 32. 33. τιμὴν ἔδωκαν αὐτῷ  
 Es. 1. 20. περιθήσουσι τιμὴν τοῖς ἀνδράσιν ἐαυτῶν (4 a)  
 8. 16. S<sup>2</sup> τοῖς δὲ Ἰουδ. ἐγένετο . . . τιμῇ [A B S<sup>2</sup> om.] (4 a)  
 Jb. 31. 39. εἰ δὲ καὶ τὴν ἰσχὴν αὐτῆς ἔφαγον μόνος ἀνευ τιμῆς (6)  
 34. 19. οὐδὲ οἶδε τιμὴν θέσθαι ἄδρους [A al.] +  
 37. 22. ἐπὶ τοῖς μεγάλῃ ἡ δύξι καὶ τιμῇ παντοκράτορος (2 ?)  
 40. 5 (10). δόξαν δὲ καὶ τιμὴν ἀμφίσει (1)  
 Ps. 8. 5. δόξη καὶ τιμῇ [A -ῇ] ἐστεφάνωσας αὐτὸν (1)  
 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν καὶ τιμὴν (9)  
 44 (44). 12. ἀπένδον τὸν λαόν σου ἀνευ τιμῆς (3)  
 44 (45). 9. ἐξ ὧν πύθρανάν σε θυγατέρες βασιλέων ἐν τῇ τ. σου (4 b)  
 48 (49). 8. καὶ τὴν τ. τῆς λυτρώσεως τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (4 c)  
 — 12. 20. ἄνθρωπος ἐν τιμῇ ὧν οὐ συνήκε (4 a)  
 61 (62). 4. τὴν τ. μου ἐξουλεύσαντο ἀπόσασθαι (11)  
 95 (96). 7. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν καὶ τιμὴν (9)  
 98 (99). 4. A B S<sup>2</sup> τιμῇ βασιλέως κρίσιν ἀγαπᾷ (9)  
 Pr. 6. 26. τιμῇ γὰρ πόρνης ὄση καὶ ἐνὸς ἄρτου +  
 12. 9. τιμὴν ἐαυτῷ περιτιθεῖς (12)  
 22. 9. νίκην καὶ τιμὴν περιποιεῖται ὁ δῶρα δούς —  
 26. 1. οὐκ ἔστιν ἄφρονις τιμῇ (5)  
 Ec. 7. 9 (8). B S<sup>2</sup> ἀγαθὸν μακρόθυμος ὑπὲρ ὑψηλὸν πνεῦμα τιμῆς [A S<sup>2</sup> R πνεύματι] +  
 Wi. 8. 10. καὶ τιμὴν παρὰ πρεσβυτέρους ὁ νέος  
 Si. 3. 11. ἡ γὰρ δόξα ἀνθρώπου ἐκ τιμῆς πατρὸς αὐτοῦ  
 10. 28. ὅς αὐτῇ τιμὴν [S<sup>1</sup> -ῇ] κατὰ τὴν ἀξίαν αὐτῆς  
 38. 1. τίμα ἱατρὸν πρὸς τὰς χρεῖας τιμαῖς αὐτοῦ [S<sup>2</sup> om. τ. αὐ.]  
 45. 12. καύχημα τιμῆς ἔργον ἰσχύος  
 Is. 10. 16. ἀποστελεῖ . . . εἰς τὴν σὴν τ. ἀτιμίαν (5)  
 11. 10. ἔσται ἡ ἀνάστασις αὐτοῦ τ. (5)  
 14. 18. ἐκοιμήθησαν ἐν τιμῇ (5)  
 25. 2. καὶ ἡ τ. τοῦ Καρμύλου (1)  
 35. 1. φάγετε [A S<sup>2</sup> πιετε] ἀνευ ἀργυρίου καὶ τιμῆς οἴνου (7)  
 Ep. Je. 25. ἐκ πάσης τιμῆς ἡγορασμένα ἐστὶν  
 Ez. 22. 25. οἱ ἀφροσύμενοι . . . τιμὰς λαμβάνοντες [A δῶρα ἐλάμβανον] (4 a)  
 Da. LXX. 1. 9. ἔδωκε κ. τῷ Δ. τιμὴν +  
 2. 37. τὴν τ. καὶ τὴν δόξαν ἔδωκεν (4 a)  
 4. 27. εἰς τιμὴν τῆς δόξης μου (4 a)  
 7. 14. ἐδόθη αὐτῷ . . . τ. βασιλική (4 a)  
 Da. TH. 2. 6. τ. πολλὴν λήψομεν παρ' ἐμοῦ (4 a)  
 4. 27. εἰς τιμὴν τῆς δόξης μου (4 a)  
 — 33. εἰς τὴν τ. τῆς βασιλείας μου ἦλθον (4 a)  
 5. 18. τὴν τ. . . ἔδωκε NaB. τῷ πατρί σου (4 a)  
 — 20. ἡ τ. ἀφῆρθε ἀπ' αὐτοῦ (4 a)  
 7. 14. αὐτῷ ἐδόθη . . . ἡ τ. (4 a)  
 I Ma. 1. 39. S<sup>2</sup> R ἡ [A om.] τιμῇ αὐτῆς [S<sup>1</sup> om. τ. αὐ.] εἰς ἐξουδένισιν  
 10. 29. ἀφίμην πάντας τοὺς Ἰ. ἀπὸ . . . τῆς τ. τοῦ ἀλός  
 14. 21. ἀπήγγειλαν ἡμῖν περὶ τῆς δόξης ἡμῶν καὶ τ.  
 II Ma. 4. 15. τὰς μὲν πατροφᾶς τιμὰς ἐν οὐδενὶ τεθειμέναι

II Ma. 5. 16. πρὸς αἵξιν καὶ δόξαν τοῦ τόπου καὶ τιμῆς  
 9. 21. ἡμῶν τὴν τ. . . ἐμνημόνεον φιλοστόργως  
 III Ma. 1. 12. καὶ εἰ ἐκείνι ἐστέρηται ταύτης τῆς τ.  
 IV Ma. 1. 10. τῶν δὲ τ. μακαρίσταιμ' ἂν  
 11. 6. ταῦτα τιμῶν οὐ βασάνων ἐστὶν ἀξία  
 17. 20. τετιμῆται οὐ μόνον οὐν ταύτῃ τῇ τ.  
 [Aq. Je. 20. 5: ZL. 11. 13.]  
 [Sm. Ps. 43 (44). 13: 65 (66). 2: 72 (73). 24: Pr. 25. 27.]  
 [Th. Da. 7. 14.]  
 [Al. Ge. 49. 3: Nu. 18. 8: I Ki. 6. 5.]  
 τίμημα. (1) תִּמְּן  
 Le. 27. 27. πρᾶθήσεται κατὰ τὸ τ. αὐ. (1)  
 [Sm. Jb. 28. 13.]  
 τίμιος. (1) יָמִים (2) a. יָמִים δ. יָמִים c. יָמִים  
 (3) רִיחַ (4) λίθος τ. יָמִים  
 I Ki. 3. 1. ῥῆμα κυρίου ἦν τίμιον (2 a)  
 II Ki. 12. 30. ὁ σταθμὸς αὐ. ταλαντον χρυσίου καὶ λίθων τ. (2 a)  
 III Ki. 6. i (5. 17 [31]). B<sup>1</sup> αἶρουσι λίθους μεγάλους τ. [A B<sup>2</sup> R al.] (2 a)  
 7. 14. A καὶ ὁ πατήρ αὐ. ἀνὴρ τ. [B Τύριος] +  
 — 9. πάντα ταῦτα ἐκ λίθων τ. (2 a)  
 — 10. τὴν τεθμελιωμένην ἐν τιμίῳ λίθῳι μεγάλῳι (2 a)  
 — 11. καὶ ἐπάνωθεν τίμιος [A λίθους τ.] (2 a)  
 10. 2. κάμηλοι αἶρουσαι . . . λίθων τ. (2 a)  
 — 10. ἔδωκε τῷ Σ. . . λίθων τ. (2 a)  
 — 11. ἦν γκε . . . λίθων τ. (2 a)  
 I Ch. 20. 2. καὶ ἐν αὐτῷ λίθος τ. (2 a)  
 29. 2. ἡτοίμακα . . . πάντα λίθων τ. (2 a)  
 II Ch. 3. 6. ἐκόσμησε τὸν ὀκτὸν λίθους τ. (2 a)  
 9. 1. κάμηλοι αἶρουσαι . . . λίθων τ. (2 a)  
 — 9. ἔδωκε τῷ βασ. . . λίθων τ. (2 a)  
 — 10. ἔφερον . . . λίθων τ. (2 a)  
 32. 27. θησαυροὺς ἐποίησαν . . . τοῦ λίθου τοῦ τ. (2 a)  
 II Es. 4. 10. ὧν ἀπόκτισεν Ἀσ. ὁ μέγας ὁ τ. (2 b)  
 To. 13. 16. S καὶ λίθῳ τ. πάντα τὰ τεῖχη σου [A B al.]  
 Jb. 28. 10. A πᾶν δὲ τίμιον ἔστιν αὐτοῦ ὁ ὀφθαλμὸς [B S al.] (2 c)  
 — 16. οὐ συμβασταχθήσεται . . . ἐν δυνάμει τιμῷ (2 a)  
 Ps. 18 (19). 10. ἐπιθυμητὰ ὑπὲρ χρυσίου καὶ λίθων τίμιον πολὺν (4)  
 20 (21). 3. στέφανον ἐκ λίθου τιμίου (4)  
 115. 6 (116. 15). τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν ὁσίων (2 a)  
 Pr. 3. 15. τιμωτέρα δὲ ἐστὶ λίθων πολυτελῶν (2 a)  
 — 15. πᾶν δὲ τίμιον οὐκ ἀξίον αὐτῆς ἐστὶ (1)  
 6. 26. γυνὴ δὲ ἀνδρὸν τίμιος ψυχᾶς ἀργυρεῖ (2 a)  
 8. 11. πᾶν δὲ τίμιον οὐκ ἀξίον αὐτῆς ἐστὶν (1)  
 — 19. βέλτιον ἐμὲ καρπίσθαι ὑπὲρ χρυσίου καὶ λίθων τίμιον [A τ. πολὺν] (4)  
 12. 27. κτῆμα δὲ τίμιον ἀνὴρ καθαρὸς (2 a)  
 20. 6. μέγα ἄνθρωπος καὶ τίμιον ἀνὴρ εὐλείμων +  
 24. 4. ἐμπίπλυνται ταμεία ἐκ πατὸς πλουτοῦ τιμίου καὶ καλοῦ (2 a)  
 31. 10. τιμωτέρα δὲ ἐστὶ λίθων πολυτελῶν ἡ τοιαύτη (3)  
 Ec. 10. 1. τίμιον ὀλίγων [B<sup>1</sup> ὁ λόγος] σοφίας (2 a)  
 Wi. 4. 8. γῆρας γὰρ τίμιον οὐ τὸ πολυχρόνιον  
 8. 5. S τί σοφίας τιμωτέρον [A B πλουσιώτ.] τῆς τὰ πάντα ἐργαζομένης [S<sup>2</sup> περιεργ.]  
 12. 7. ἡ [S<sup>1</sup> om.] παρὰ σοὶ πασῶν [S<sup>2</sup> πάντων] τιμωτάτῃ γῇ  
 Ho. 11. 7. ὁ θ. ἐπὶ τὰ τ. αὐ. θυμωθήσεται +  
 Is. 60. 6. A S<sup>1</sup> φέροντες . . . λίθων τίμιον [B S<sup>2</sup> om. λ. τ.] —  
 Je. 15. 19. S<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἐὰν ἐξηγάγῃς τίμιον ἀπὸ ἀναξίου [A B S<sup>1</sup> ἀξ.] (2 a)  
 La. 4. 2. υἱοὶ Σιών οἱ τίμοι οἱ ἐπηρσμένοι ἐν χρυσῷ (2 a)  
 Da. TH. 11. 38. θεὸν . . . δοξάσει ἐν . . . λίθῳ τ. (2 a)  
 I Ma. 11. 27. ὅσα ἄλλα εἶχε τίματα τὸ πρότερον  
 IV Ma. 5. 35. οὐδὲ ἐξαρησόμεναι σε, ἱερωσύνη τιμία  
 [Aq. Ps. 85 (86). 8: Pr. 1. 13: Ez. 27. 22.]  
 [Sm. Ps. 85 (86). 8: 71 (72). 14: Pr. 1. 13: CA. 5. 11: Ez. 27. 22: 28. 13.]  
 [Th. Jb. 28. 16: Pr. 1. 13: 20. 15: Ez. 27. 22.]  
 [Quint. Ps. 85 (86). 8.]  
 [Al. Ps. 138 (139). 17.]

|  |  |   |
|--|--|---|
| <b>τιμοῦν.</b><br>[Δα. Ps. 71 (72). 14.]   | Ex. 16. 27. ἐξήλθοσαν τινες ἐκ τοῦ λαοῦ —  | III Ki. 12. 24. Β αἰσῆσαι τὴν αἰτῆμα —                      |
| <b>τιμογραφεῖν.</b> (1) 𐤔𐤓 hi.   | 19. 12. καὶ θιγάν τινες (10)   | — 31. ἐποίησαν ἱερεῖς μέρος τὸ ἐκ τοῦ λαοῦ —                |
| IV Ki. 23. 35. ἐτιμογράψαν τὴν γῆν —   | 21. 7. ἐὰν δέ τις ἀποδώται τὴν ἰαυ. θυγ. οἰκῆτιν (2)                             | 19. 5. ἰδοὺ τις ἦσαν τοῦ αὐτοῦ +                            |
| <b>τιμωρεῖν.</b> (1) 𐤔𐤓 ri.  | — 12. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὴν τινα (-, 2)  | 21 (20). 20. Α ὥσεται υἱὸς Ἀ. . . σὺν ἱππεῦ-<br>σιν τισιν — |
| Jd. 5. 14. Α λαὸς Ἐφρ. ἐτιμώρησάτο αὐτούς [B al.] +  | — 14. ἐὰν δέ τις ἐπιθῇ τὴν πλησίον (2)   | IV Ki. 5. 20. λήψομαι παρ' αὐτοῦ τι (6)                     |
| Pr. 22. 3. πανούργος ἰδὼν ποιητὴν τιμωρούμενον —   | — 17 (16). δε ἐὰν κλέψῃ τις τινα τῶν υἱῶν Ἰσρ. (-, 2)                            | 6. 8. εἰς τὸν τόπον τόνδε τινα ἐλ. παρεμβάλω +              |
| Wi. 12. 20. εἰ γὰρ ἐχθροὺς παίδων σου . . . μετὰ τούτων ἐτιμώρησας [A -σω] προσοχῆς —                      | — 18. Α καὶ πατάξῃ τις τὸν πλησίον [B al.] (2)                                   | 9. 35. οὐχ εὖρον ἐν αὐτῇ ἄλλο τι —                          |
| 18. 8. ὡς γὰρ ἐτιμώρησεν τοὺς ὑπεναυτίους (1)  | — 20. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν παῖδα αὐ. (2)  | 23. 10. Α μανὲί τις τὸν Τ. [B al.] —                        |
| Ez. 5. 17. τιμώρησάμην σε (1)  | — 26. ἐὰν δέ τις πατάξῃ τὸν ὄφθ. τοῦ οἰκείου αὐ. (2)                             | I Es. 2. 5. εἰ τις ἴσται οὐκ ὕμῶν ἐκ τοῦ ἴθους αὐ. —        |
| 14. 15. τιμώρησάμην αὐτήν (1)  | — 33. ἐὰν δέ τις ἀνοίξῃ λακκὸν (2)   | 6. 32. ὅσοι ἐὰν παραβῶσι τὴν γραμμὴν —                      |
| II Ma. 7. 7. πρὸ τοῦ τιμωρηθῆναι κατὰ μέλος τὸ σῶμα —  | — 35. Β' ἐὰν δέ κερατίζῃ τις [A B' B om.] τινος ταύρος ταυρὸν τοῦ πλησίον (-, 2) | 8. 22. Α Ε ἐπιβαλὼν τὴν τοῦτο [B al.] —                     |
| IV Ma. 9. 24. τιμώρησιν τὸν ἀλάστορα τύραννον —  | 22. 1 (21. 37). ἐὰν δέ τις κλέψῃ μόσχον (2)                                      | — 70. Β συσφικῶσαν τινὰς [cod. τὰς] τῶν θυγ. αὐ. [A al.]    |
| 12. 19. σὲ δέ . . . καὶ θανάτω τιμωρήσεται (1)   | — 5 (4). ἐὰν δέ καταβοσκῇ τις ἀγρόν (2)  | — 78. κατὰ πόσον τὴν ἐγνήθη ἡμῶν ἔλεος —                    |
| 17. 21. καὶ τὸν τύραννον τιμωρήσεται (1)   | — 7 (6). ἐὰν δέ τις δῶ τῷ πλησίον ἀργύριον (2)                                   | II Es. 6. 8. μὴ ποτέ τι ποιήσῃς +                           |
| 18. 5. ὁ τύραννος Ἀντ. καὶ ἐπὶ γῆς τετιμώρηται [Smt. I Ki. 14. 24 : Ps. 8. 3 : 48 (44). 17 : Jb. 6. 29.] — | — 10 (9). ἐὰν δέ τις δῶ τῷ πλησίον ὑποζύγιον (2)                                 | 7. 18. Α Β καὶ εἰ τις [B ἐπὶ] ἐπὶ σὲ . . . ἡγαθύνῃ (11 c) + |
| [Th. Jd. 5. 14.]   | — 14 (13). ἐὰν δέ αἰσῆσαι τις παρὰ τοῦ πλησίον (2)                               | — 23. Β' προσέχετε ἐπιχειρήσαι μίτη [A B' B al.] +          |
| <b>τιμωρητής.</b>  | — 16 (15). ἐὰν δέ ἀπατήσῃ τις παρθένον ἀμνηστου (2)                              | Ne. 5. 2. ἡσάν τινες λέγοντες (8)                           |
| II Ma. 4. 16. πολέμιους καὶ τιμωρητὰς ἔσχον —  | 24. 14. ἐὰν τινι συμβῇ κρίσις (11 d)   | — 3, 4. εἰς τινες λέγοντες (3)                              |
| <b>τιμωρία.</b> (1) 𐤔𐤓𐤓𐤓 (2) 𐤔𐤓 (3) 𐤔𐤓𐤓𐤓   | 32. 24. εἰ [A om.] τινι ὑπάρχει χρυσία (11 d, [7])                               | To. 1. 17. εἰ τινα . . . ἐθεώρουν τεθηκότα —                |
| I Es. 8. 24. ἐὰν τε καὶ θανάτῳ ἐάν τε καὶ τιμωρίᾳ —  | — 33. εἰ τις ἡμάρτηκεν ἐνώπιόν μου (11 d + 11 a)                                 | — 18. εἰ τινα ἀπέκτεινε Σεν. —                              |
| Pr. 19. 29. καὶ τιμωρία ὁμοίως ἀφροσύν (1)   | 33. 11. Β ὡς εἰ τις λαλήσῃ [A B -σαι] (11 a)                                     | — 19. 8 εἰς τὴν ἐκ τῆς Νιν. [A B al.] —                     |
| 24. 22. τὰς δέ τ. ἀμφοτέρων τὴν γνώσεται (2)   | Le. 4. 2. καὶ ποιήσῃ ἐν τῇ αὐτῶν —   | 2. 3. 8 (ἡγήσας) τινα πτωχῶν τῶν αὐτῶν ἡμῶν —               |
| Wi. 19. 13. αὐτ. τοῖς ἀμαρτωλοῖς ἐπὶ τὸν θάνατον —   | 5. 4. καὶ ἀμάρτη ἐν τῇ τοῦτων —  | — 4. ἀνείλεμν αὐτὸν εἰς τὴν ὑπερμα [B al.] —                |
| Jc. 38 (31). 21. ποιήσων τιμωρίαν (8 ?)  | 6. 2 (5, 21). ἡ ἡδίκησεν τὸν πλησίον —   | 6. 7. ἐάν τινα ὀχλῇ δαυμόνιον [B al.] —                     |
| Da. LXX. 2. 18. παρήγγειλε δέσμιον καὶ τιμωρίαν —  | 13. 2. ἀνθρώπων ἐάν τινι [A τ. ε.] γένηται . . . οὐλῇ —                          | Ju. 2. 13. οὐ παραβίβῃ ἐν τῇ τῶν ῥημάτων τοῦ κ. σου —       |
| II Ma. 6. 12. λογιζέσθαι δέ τὰς τ. μὴ πρὸς θλῆθρον —   | — 40. ἐὰν δέ τινα μαθήσῃ ἡ κεφ. αὐ. (2)  | Es. 8. 13. ἀναμειχθῶς δυσμενῆ λαόν τ. —                     |
| — 26. εἰ γὰρ . . . ἐξελοῦμαι τὴν ἐξ ἀνθρώπων τ. —  | 15. 24. ἐὰν δέ κοίτῃ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς (2)                                  | Jb. 1. 1. ἀνθρώπος τις [A] ἦν ἐν χωρὶ τῇ Αὐστ. —            |
| III Ma. 2. 6. ποικιλίας καὶ πολλὰς ἐδουκίμασας τιμωρίας —  | — 32. ἐάν τινι ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτῃ σπέρματος (11 a)                            | 2. 9. εἰσὶν τὴν ῥῆμα —                                      |
| 4. 4. εἰ τὰς ἐξάλλοις τ. —   | 19. 20. ἐὰν τινι κοιμηθῇ μετὰ γυναῖκα (2)  | 4. 12. εἰ δέ τι ῥῆμα ἀληθινὸν ἐγενόνη —                     |
| — 13. μὴ λειπομένοις . . . τῆς ἐκείνων τ. —  | — 33. ἐὰν δέ τις προσέλθῃ ὑμῖν προσήλυτος —                                      | — 18. κατὰ δέ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιὸν τὴν ἐπενόρησε —         |
| 7. 3. κολάζεσθαι ξενίζούσας ἀποστάτων τιμωρίας —   | 20. 2. ἐὰν τινι ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 c)   | 5. 1. εἰ τις σοὶ ὑπακούσεται (11 d)                         |
| IV Ma. 4. 24. πᾶσας τὰς ἐαυτοῦ ἀπειλὰς καὶ τ. ἑώρα καταλυομένας —  | — 11. ἐὰν τις κοιμηθῇ μετὰ γυναῖκα τοῦ πατρὸς αὐ. (2)                            | — 17. εἰ τις ἐπράξας [A B' B' al.] —                        |
| 5. 10. ἔτι κάμω καταφρονήσεις ἐπὶ τῇ ἰδίᾳ τ. —   | — 12. ἐὰν τις κοιμηθῇ μετὰ νύμφης αὐ. (2)  | 6. 2. εἰ γὰρ τις ἴσται στήσαι μου τὴν ὀργὴν [A al.] —       |
| 11. 3. Α Β ὅπως . . . ὀφείλῃς τῇ οὐρανῷ δικῇ τιμωρίαν [B al.] —  | 24. 19. ἐὰν τις δῶ μῶμον τῷ πλησίον (2)  | — 22. μὴ τὴν ὑμᾶς ἤτῃσα —                                   |
| [Smt. Ps. 17 (18). 48 : 68 (69). 23 : Jb. 20. 10 : 50 (27). 34.]   | 25. 26. ἐὰν δέ μὴ ἡ τινι ὁ ἀρχισυνεὺς (2)  | — 24. εἰ τις πεπλάνηται (11 b)                              |
| [Al. II Ki. 4. 8.]   | — 29. ἐὰν δέ τις ἀποδώσῃ οἰκίαν (2)  | 9. 7. Β Β κατὰ δέ ἀγγέλων αὐτοῦ σκολιὸν τὴν ἐπενόρησε —     |
| <b>τινάσσειν.</b> (1) 𐤔𐤓 ni.   | — 51. ἐὰν δέ τινα πλείον τῶν ἐτῶν ἦ —  | 11. 14. εἰ ἀνομόν τι ἴσται ἐν χειρὶ σου —                   |
| Is. 28. 27. ῥάβδῳ τινάσσεται [A B ἐκτ.] τὸ μελάνθιον (1)   | Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς κοίτην σπέρματος (2)                       | 14. 17. εἰ τις ἴκων παρέβην —                               |
| <b>τις.</b> (1) 𐤔𐤓 (2) 𐤔𐤓 (3) 𐤔𐤓 (4) 𐤔𐤓  | — 19. εἰ μὴ κεκοιμηται τις μετὰ σοῦ (2)  | 22. 8. ἐθαύμασας δέ τινων πρόσωπων —                        |
| (5) 𐤔𐤓𐤔𐤓 (6) 𐤔𐤓𐤓𐤓 (7) 𐤔𐤓 (8) 𐤔𐤓  | — 20. καὶ ἔδοκε τις τῇ κοίτην αὐ. ἐν σοὶ (2)                                     | 25. 3. μὴ γὰρ τις ὑπολάβοι —                                |
| (9) 𐤔𐤓 (10) τὴν αὐτοῦ 𐤔𐤓 (11) ἐάν τις, εἰ τις α. 𐤔𐤓 δ. 𐤔𐤓 c. 𐤔𐤓 d. 𐤔𐤓                                      | 6. 9. ἐὰν δέ τις ἀποθῇ ἐπ' αὐτῷ ἐξέπῃνα —  | 27. 10. μὴ ἔχει τινα [B' τι, A om.] παρρησίαν —             |
| e. 𐤔𐤓 𐤔𐤓 f. 𐤔𐤓 (12) μὴ τὴν 𐤔𐤓  | 11. 1. κατέφαγε μέρος τὴν παρεμβολῆς —   | 31. 35. ἢν εὖρον κατὰ τινος (2)                             |
| (13) ὅτι οὐκ τὴν 𐤔𐤓  | 22. 38. δυνατὸς ἴσται λαλήσας τι —   | 35. 15. οὐκ ἔγνω παραπτῶμα τὴν σφύδρα —                     |
| Ge. 6. 5. πᾶς τις διανοεῖται ἐν τῇ καρδίᾳ αὐ. —  | — 41. εἰδεξεν αὐτῷ ἐκείθεν μέρος τὸ τοῦ λαοῦ —                                   | Ps. 8. 5. ἡλάνθων αὐτὸν βραχὺ τὴν παρ' ἀγγέλων —            |
| 16. 6. εἰ δύναται τις ἐξαριθμῆσαι τὴν ἄμνον (2)  | 33. 6. ὅ ἐστι μέρος τὴν [B' om.] τῆς ἐρήμου —                                    | 28 (29). 9. ἐν τῷ νῶφ αὐ. πῶς τις λέγει δόξαν —             |
| 14. 13. παραγενόμενος δέ τῶν ἀνασωθέντων τις —   | De. 1. 31. ὡς εἰ τις [A om.] τροφοφορήσας ἀνθρώπων τὸν υἱὸν αὐ. (11 a)           | 87 (88). 11. μὴ διηγῇται τινες ἐν τῷ τῶν ἐλεός σου —        |
| 30. μὴ τὴν κύριε, ἐὰν λαλήσω —   | — 35. εἰ ὀφείλει τις . . . τὴν ἀγάβην ταύτην γῆν (2)                             | Pr. 6. 27. ἀποδοῖς τις πῦρ ἐν κόλπῳ (2)                     |
| — 32. μὴ τὴν κύριε, ἐὰν λαλήσω ἐπὶ ἀπαξ (8)  | 8. 5. ὡς εἰ τις ἀνθρώπος παιδεύσας τὸν υἱὸν αὐ. (11 a)                           | — 28. ἡ περιπατήσας τις ἐπ' ἀνδράκων πυρὸς (2)              |
| 19. 12. Α ἴσται τις σοὶ δὲ [B al.] (7)   | 21. 3. Α εἰ τις [B ἴσται] οὐχ εὐκυνε (11 a)                                      | — 30. ἐὰν ἀλλοί τις κλέπτῃ —                                |
| — 12. ἡ εἰ τις σοὶ ἄλλος ἴσται ἐν τῇ πόλει +   | — 18. ἐὰν δέ τινα ἡ υἱὸς ἀπειθῇ (2)  | 7. 12. χρόνον γὰρ τινα ἔξω ῥέμβεται —                       |
| 20. 9. μὴ τὴν ἡμάρτομεν εἰς σέ (12)  | — 22. ἐὰν δέ γένηται ἐν τῇ ἀμαρτία (2)   | 15. 23. οὐδὲ μὴ ἐπὶ καίρων τινος —                          |
| 26. 10. μικροῦ ἐκμήθῃ τις τοῦ γένουσε τινος —  | 22. 13. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα (2)  | 17. 28. ἐνὸν δέ τις ἐαυτὸν ποιήσας —                        |
| 27. 44. οἰκισσον μετ' αὐτοῦ ἡμέρας μίας (1)  | — 26. ὡς εἰ τις ἐπασσῇ ἀνθρώπος ἐπὶ τὸν πλησίον (11 a)                           | 20. 25. παγὶς ἀνδρὶ ταχὺ τὴν τῶν ἰδίων ἀγαθῶν —             |
| 33. 10. ὡς ἂν τινος ἰδοὺ πρόσωπον θεοῦ —   | — 28. ἐὰν δέ τις εὐρῇ τὴν παῖδα (2)  | 21. 25. οὐ γὰρ προαιρῶνται αἱ χεῖρες αὐ. ποιῶν τι —         |
| 37. 34. Α ἐπένδει τὸν υἱὸν αὐ. ἡμέρας τινὰς [B πολλάς] (9)   | 24. 1 (A' B). 5. ἐὰν δέ τις λάβῃ γυναῖκα (2)                                     | 23. 7. εἰ τις καταπίοι τρέμα —                              |
| 38. 1. ἔως πρὸς ἀνθρώπων τινα Ὀδολλαμίτην —  | — 10. Α ἐὰν ὀφείληται ἡ . . . ὀφείληται ὅτι οὐκ τὴν [B om.] (18)                 | 25. 26. εἰ τις πηγήν φράσσει —                              |
| 39. 11. ἐγένετο δέ τοιαύτη τις ἡμέρα +   | 28. 29. ὡς εἰ τις [A om.] ψηλαφῇ τινος τυφλός (11 a)                             | — 28. ὅς οὐ μετὰ βουλήν τὴν πράσσει —                       |
| Ex. 2. 1. ἡν δέ τις ἐκ τῆς φυλῆς Λ. —  | — 29. 18 (17). μὴ τις ἴσται ἐν ὑμῖν ἀνὴρ —                                       | Ec. 6. 10. εἰ [A ἡ] τὴν ἐγένετο ὅδε (11 f)                  |
| — 11. ὅρα ἀνθρώπων Λγ. τύπονται τινα Ἐφρ. (2)  | Jo. 2. 20. ἐὰν δέ τις ἡμᾶς ἀδικῇ (8)   | Wi. 8. 7. εἰ δικαιοσύνην ἀγαπᾷ τις —                        |
| 12. 44. Α πάντα οἰκῆτιν τινὸς [B om.] (2)  | Jd. 4. 20. Α ἐὰν τινος [B ἀνὴρ] ἰδῇ πρὸς σέ (2)                                  | — 8. εἰ δέ καὶ πολυπερίαν ποθεῖ τις —                       |
| — 48. ἐὰν δέ τις προσέλθῃ πρὸς ὑμᾶς —  | 16. 9. ὡς εἰ τις ἀποσπᾷ στήν τινος στυπτικίου [A al.] (11 a)                     | 9. 6. κὰν γὰρ τις ἡ τέλειος —                               |
| 16. 20. κατέλιπον τινες ἀπ' αὐτοῦ (2)  | I Ki. 10. 12. καὶ ἀπεκρίθη τινος αὐτῶν (2)                                       | 11. 16. δι' ὧν τινος ἀμαρτάνει —                            |
|  | 14. 6. Β εἰ τις ποιῇται κρυφὸν ἡμῖν —  | — 24. οὐδὲ γὰρ ἂν μᾶλλον τὴν κατεσκεύασας —                 |
|  | — 29. Β ἐγενεσάνην βραχὺ τὴν [A B om.] τοῦ μέλιτος τ. —                          | — 25. πᾶς δέ ἐμεινεν ἂν τὴν [B al.] —                       |
|  | 24. 20. εἰ εὐροῖτο τὸν ἐχθρόν αὐ. [A al.] (2)                                    | 12. 11. οὐδὲ εὐλαβούμενος τινα . . . ἀδειαν ἐδίδους —       |
|  | II Ki. 3. 35. οὐ γὰρ γένουμαι ἀπὸ τῶν αὐτῶν (6)                                  | 18. 11. εἰ δέ καὶ τινος ὑλοτόμος τέκτων —                   |
|  | — 13. 2. τοῦ ποιῇται τὴν αὐτῇ (6)  | — 14. ἡ ζῶν τινος εὐτελεῖ ὁμοίωσεν αὐτὸ —                   |
|  | 16. 1. Α παρήλαθε βραχὺ τὴν ἀπὸ τῆς 'Ρ. —  | 14. 1. πλοῦν τινος πάλιν στελλόμενος —                      |
|  | — 23. Β δὲν τῶν ἐπερωτήσας τινος [A B om.] (2)                                   | — 4. ἡν κὰν ἀνευ τέχνης τὴν ἐπιβῇ —                         |
|  | — 19. 22 (23). οὐ θανατωθήσεται τινος ἀνὴρ (2)                                   | 16. 21. πρὸς ὅ τινος ἐβούλητο μετεκινῶντο —                 |
|  | III Ki. 8. 5. αἰσῆσαι τὴν αἰτῆμα σεαυτῶν +                                       | 17. 17. εἰ τις γὰρ γεωργὸς ἦν τινος —                       |
|  |  | 19. 15. ἀλλ' ἡ τις [?] ἡντις ἐπισκοπῇ ἴσται αὐτῶν —         |
|  |  | Si. 10. 10. συγγράφαι τὴν [B περὶ] τῶν εἰς παιδείαν —       |
|  |  | — 15. τισὶ τῶν λέξεων ἀδυναμῶν —                            |
|  |  | — 22. προσενέγκασθαι τινα [B om.] σπουδῇ —                  |
|  |  | 10. 24. οὐκ ἴσται αὐτῶν τινος μεζών —                       |
|  |  | 18. 17. μὴ ἐξ ὑψους τινος μου μνησθήσεται [B' al.] —        |
|  |  | 19. 13. εἰ τις ἐποίησε [A B' al.] —                         |
|  |  | 23. 16. B' ὡς ἂν καταπῇ τὴν [A B B' -ποδῇ] —                |
|  |  | 29. 26. εἰ τις ἐν τῇ χειρὶ σου —                            |

- Si. 48. 16. τινες μὲν αὐτὸν ἐποίησαν τὸ ἀρεστόν  
— 16. τινες δὲ ἐπληθύναν ἁμαρτίας  
Am. 3. 4. εἰ μὴ ἀπάσῃ τι —  
— 5. ἀνευ τοῦ συλλαβεῖν τι —  
Mi. 7. 5. φύλαξαι τοῦ ἀναβῆσαι τι αὐτῇ —  
Hb. 1. 5. εἰναι τι ἐκδιηγῆται —  
Za. 9. 17. εἰ τι ἀγαθὸν αὐτοῦ καὶ εἰ τι καλὸν αὐτοῦ (11 δ, 11 δ)  
Ma. 3. 8. μὴ τι [A B<sup>3</sup> εἰ] πτερνεῖ ἄνθρωπος θεόν —  
Is. 5. 8. ἵνα τοῦ πλησίον ἀφελῶνται τι +  
8. 8. ἡ δυνατόν συντελέσασθαι τι +  
10. 15. ὡς ἂν τις ἄρῃ βύζαντον —  
17. 5. ὅν τρόπον εἰναι τις συναγάγῃ ἀμύγδαλόν —  
— 5. ὅν τρόπον εἰναι τις συναγάγῃ στάχυν —  
24. 13. ὅν τρόπον εἰναι τις καλημέρηται ἐλαιάν —  
33. 4. ὅν τρόπον εἰναι τις συναγίγῃ ἀκρίδας —  
49. 24. μὴ λήψεται τις παρὰ γίγαντος σκύλα —  
— 24. εἰναι αἰχμαλωτεύσῃ τις ἀδίκως —  
— 25. εἰναι τις αἰχμαλωτεύσῃ γίγαντα —  
57. 8. πλείον τι ἐξείει —  
— 17. βραχύ τι ἐλύπησα αὐτόν —  
68. 18. B<sup>1</sup> ἵνα μικρόν τι [A B S<sup>3</sup> om.] κληρονομήσωμαι —  
66. 13. ὡς εἰ τινα μήτηρ παρακαλέσει (2)  
Je. 13. 13. B S πληρῶ... τοὺς κατοικοῦντας ἐν 'Ιερ. μεθ' ὑμᾶς τι [A B μεθύματι] +  
23. 24. εἰ κριθῶνται τις [A ἀνθρώπος] ἐν κρυφαίῳς (2)  
— 40. A εἰ τις οὐκ ἐπιλησθήσεται [B S al.] (11 a)  
39 (32). 27. μὴ ἀπ' ἐμὸν κρυβήσεται τι [A ἐτι] (5)  
43 (38). 32. B<sup>1</sup> ἐπὶ τι [A B S<sup>3</sup> ἐτι] προσετέθησαν αὐτῷ λόγοι +  
44 (37). 10. εἰναι... καταλειφθῶσι τινες ἐκκεκνημένοι (4 + 2)  
Ep. Je. 18. ὥσπερ νινὴ ἠδικότι βασιλεῖα  
— 24. εἰναι μὴ τις ἐκμίσῃ τὸν ἴον —  
— 27. εἰναι αὐτὸ ὁρδὸν στήσῃ —  
— 32. ὥσπερ τινες ἐν περιεπιπῶν περὶ —  
— 34. εἰναι κακὸν πάθος ἐν ὑπὸ τινος —  
— 35. εἰναι τινες αὐτῶν ἐξάμενος μὴ ἀποδῶ —  
— 43. ὅταν δέ τις εὐχὴν ἐφελκυσθεῖσα ὑπὸ τινος τῶν παρὰ ποταμὸν κοιμηθῇ  
Ez. 16. 5. τοῦ παθεῖν τι ἐπὶ σοί  
27. 33. πόσον τινὰ [A καὶ τίς] εἶδες μισθόν +  
Da. LXX. 1. 2. καὶ μέρος τι τῶν ἰερῶν σκευῶν τοῦ κ. —  
2. 11. εἰ μὴ τις [cod. τι] ἀγγελος —  
— 33. μέρος μὲν τι σιδηροῦ μέρος δέ τι ὀστράκινον —  
— 41. μέρος μὲν τι ὀστράκινον κεραμικοῦ —  
— 41. μέρος δέ τι σιδηροῦ —  
— 42. μέρος μὲν τι σιδηροῦ —  
— 42. μέρος δέ τι ὀστράκινον —  
— 42. μέρος δέ τι τῆς βασ. ἔσται ἰσχυρόν —  
— 42. μέρος δέ τι ἔσται συνετημένον —  
3. 12. εἰσὶ δέ τινες ἄνθρωποι 'Ιουδαῖοι —  
4. 34. σοὶ ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντες τι —  
6. 7 (8). ἡ ἀξίωμα ἀξίωμα τι παρὰ πάντος θεοῦ —  
— 12 (13). ἵνα μὴ ἐλαττώσῃς τι τῶν ἐπιμένων —  
Bel. 1. ἄνθρωπος τις ἦν ἱερεὺς —  
— 13. καὶ τοῖς δακτυλίοις τινῶν ἐνδόξων ἱερῶν —  
— 15. σκέψαι μὴ τί σοι ἀσύμφωνον γεγένηται —  
Da. TH. 2. 33. A B οἱ πόδες μέρος μὲν τι σιδηροῦν μέρος δέ τι [B om. δέ τι] ὀστράκινον —  
— 41. μέρος μὲν τι ὀστράκινον μέρος δέ τι σιδηροῦν —  
— 42. μέρος μὲν τι σιδηροῦν μέρος δέ τι ὀστράκινον —  
— 42. μέρος δέ τι τῆς βασιλείας ἔσται ἰσχυρόν —  
I Ma. 1. 13. A B προεβουλήσαν τινες ἀπὸ [B om.] τοῦ λαοῦ  
— 57. ὅπου ἐνρίσκειτο παρὰ τινι βιβλίῳ διαθήκης —  
— 57. εἰ τις συνευδοκεῖ τῷ νόμῳ —  
4. 19. ὥφθη μέρος τι ἐκκινεῖται ἐκ τοῦ θρόνου —  
6. 5. ἤλθον ἀπαγγέλλων τις αὐτῷ —  
— 21. ἐκολληθήσαν αὐτοῖς τινες τῶν ἀσεβῶν —  
— 40. ἐξέτασθαι μέρος τι τῆς παρεμβολῆς [B<sup>1</sup> al.] —  
— 40. καὶ τινες ἐπὶ τὰ ταπεινά —  
7. 19. συνέλαβε... τινες τοῦ λαοῦ —  
10. 14. ὑπελειφθήσαν τινες τῶν καταλιπόντων τὸν νόμον —  
— 27. S συνετήρησά τι [A B τὸν σ.] πρὸς ἡμᾶς πιστῶν —  
— 35. S καὶ παρενοχλεῖν τινα αὐτῶν περὶ τινος [A B παυτός] πράγματος  
I Ma. 11. 21. ἐπορεύθησαν τινες μουσῶντες τὸ ἔθνος αὐ. —  
— 25. ἐπετίγγονον κατ' αὐτοῦ τινες ἄνομοι —  
18. 39. εἰ τι ἄλλο ἐτέλεσεν —  
— 40. εἰ τινες ἐπὶ τῇδεῖς ὑμῶν γραφῆται —  
14. 44. ἀδελφεῖται τι τοῦτων —  
— 45. ἡ ἀδελφότης τι τοῦτων —  
15. 3. ἐπειδὴ τινες λοιμοὶ κατεκράτησαν τῆς βασ. —  
— 21. εἰ τινες οὖν λοιμοὶ διαπεφεύγασιν —  
— 33. ἐν τινι καιρῷ κατεκράτηθη —  
— 21. S B προδραμών τις [A om.] ἀπήγγειλεν 'Ιωάννην —  
16. 16. ἀπέκτεινάν... τινες [B<sup>1</sup> τινα] τῶν παιδαρίων —  
— 21. S B προδραμών τις [A om.] ἀπήγγειλεν 'Ιωάννην —  
II Ma. 2. 6. προσελθόντες τινες τῶν συνακολουθούντων —  
3. 4. Σίμων δέ τις ἐκ τῆς Βεν. φυλῆς —  
— 11. τινὰ δὲ καὶ 'Υκραυοῦ —  
— 17. περιεκέχυτο γὰρ ἐπὶ τὸν ἄνδρα δέος τι —  
— 19. τινες δὲ διὰ τῶν θυρίδων δέκνυντο —  
— 25. B ὥφθη γὰρ τις ἵππος αὐτοῖς [A al.] —  
— 31. ταχὺ δέ τινες τῶν τοῦ 'Ηλ. συνήθων —  
— 32. κακουργίαν τινὰ περὶ τὸν 'Ηλ. —  
— 37. ποῖός τις εἰς ἐπιτήδειος —  
— 38. εἰ τινα εἶχες πολέμιον —  
— 38. διὰ τὸ περὶ τὸν τόπον ἀληθῶς εἶναι τινα θεοῦ δύναμιν —  
4. 3. διὰ τινος τῶν ὑπὸ τοῦ Σ. δεδοκιμασμένων —  
— 8. καὶ προσόδου τινὸς ἄλλης γάλακτος ὀδοῦντα —  
— 13. B ἦν δ' οὕτως ἀκαμῆ τις [A τοῦ] 'Ελληνισμοῦ —  
— 32. χρυσώματα τινα τῶν τοῦ ἱεροῦ νοσφισάμενος —  
— 40. προηγησάμενος τινὸς Λυραῶν —  
— 41. τινες δὲ ἐκ τῆς παρακειμ. σποδοῦ δραστήσιοι —  
— 42. τινὰς δὲ κατέβαλον —  
— 46. ἀπολαβὼν ὁ Πρ. εἰς τι περιστύλον —  
6. 18. 'Ελ. τις τῶν προτευνόντων γραμματέων —  
8. 7. B λαλίαι τις τῆς ἐνανδρίας αὐ. διεκίετο [A al.] —  
— 21. τετραμερές τι ἐποίησε τὸ στράτευμα —  
— 33. B καὶ τινες ἀλλοῦς ὑψήσαν [A al.] —  
9. 24. εἰναι τὴν παράδοξον ἀποβαῖν καὶ προσεπέλθῃ τι δυσχερές —  
10. 11. ἀνέδειξεν ἐπὶ τῶν πραγμάτων Λυσίαν τινὰ —  
— 20. ὑπὸ τινων τῶν ἐν τοῖς πυργῶσι ἐπέστησαν —  
— 20. εἰσάν τινες διαρρηγνῆται —  
— 37. καὶ τὸν Τιμ. ἀποκεκρυμμένον ἐν τινι λάκκῳ —  
11. 36. πέμψατέ τινα παραχρήμα —  
— 37. πέμψατέ τινες —  
12. 13. ἐπέβαλε δέ καὶ ἐπὶ τινα πόλιν —  
— 18. καταλειπομένη δὲ φρουρὰν ἐν τινι τόπῳ —  
— 35. Δωσίθεος δέ τις τῶν τοῦ Βακ. —  
— 35. τῶν ἱππέων τινὸς Θρακῶν ἐπενεχθέντος αὐτῷ —  
18. 6. ἡ καὶ τινων ἄλλων κακῶν ὑπεροχὴν πεποιήμενος —  
14. 3. 'Αλκιμος δέ τις προγεγονὸς ἀρχιερεὺς —  
— 37. 'Ραφίς δέ τις τῶν ἀπὸ 'Ιερ. προσβυτέρων —  
— 45. σπᾶς ἐπὶ τινος πέτρας ἀπορρώγος —  
15. 11. ὑπὲρ τι πάντας ἠφθόρην —  
— 13. θαυμαστήν δέ τινα... εἶναι τὴν περὶ αὐτὸν ὑπεροχὴν —  
III Ma. 1. 2. Θεὸς δέ τις ἐκπληρῶσαι τὴν ἐπιβουλὴν διανοηθείς —  
— 3. ἀσπῆμον τινα κατέκλειον ἐν τῇ σπητῇ —  
— 9. καὶ τῶν ἐξῆς τι τῷ τόπῳ ποιήσας —  
— 14. καὶ τις ἀπρονοήτως ἔφη —  
— 15. γενομένου δέ φησι τούτου διὰ τινα [? τινα] αἰτίαν —  
— 28. ἀνείκαστος τις ἦν βοή —  
2. 3. τοῦ ἐβρεῖ καὶ ἀγρωχία τι πρᾶσσοντας —  
— 30. εἰναι δέ τινες ἐξ αὐτῶν προαιρῶνται —  
— 31. ὡς μεγάλῃς τινὸς κοινωνήσαντες εὐελείας —  
3. 4. B χωριστῶν ἐποίησαν ἐπὶ τινων [A al.] —  
— 7. καὶ μέγα τι τοῖς πρᾶγμασιν ἐναντιούμενους —  
— 10. ἦθῃ δέ καὶ τινες γαίοντες καὶ καὶ φίλοι... μουστικῶς τινες ἐπισπόμενοι —  
— 27. δε δ' ἂν σκεπασθῇ τινὰ τῶν 'Ιουδ. —  
4. 4. καὶ τινες τῶν ἐχθρῶν λαμβάνοντας... τὸν κοινὸν ἔλκον —  
6. 1. 'Ελ. δέ τις ἀνὴρ ἐπίσημος —  
— 13. A ἐν τινι μὴ δυνάμει ἔχων [B al.] —  
7. 3. τῶν φίλων τινες... πυκνότερον ἡμῖν παρὰ κείμενοι —  
— 9. εἰναι τι κακοτεχνήσων πονηρόν —  
— 22. τοὺς ἔχοντες τι —  
IV Ma. 1. 5. ἵσως εἴποιεν ἂν τινες [B<sup>2</sup> εἴποι ἂν τις] —  
— 24. εἰναι ἐννοηθῇ τις —  
2. 7. τινα τρόπον μονοφάγος τις ἂν... μεταπαίδευσται —  
— 8. κἂν φιλαργυρὸς τις ᾗ

- IV Ma. 2. 9. κἂν φειδωλὸς τις ᾗ  
— 17. οὐ θυμῷ τι κατ' αὐτὸν τινες ἐποίησαν —  
— 24. εἴποι τις ἂν [B<sup>1</sup> al.] —  
3. 2. ἐπιθυμίαν τις ὑμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι —  
— 3. θυμὸν τις οὐ δύναται ἐκκόψαι —  
— 4. κακοήθειάν τις ὑμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι —  
— 11. ἀλλὰ τις... ἀλόγιστος ἐπιθυμία τοῦ... ὕδατος —  
— 21. τότε δὴ τινες πρὸς τὴν κοινὴν νεωτερίσαντες ὁμόνοιαν —  
4. 1. Σίμων γὰρ τις πρὸς 'Ονίαν ἀντιπολιτευόμενος —  
— 23. A B εἰ τινες [B τις] αὐτῶν φάνοιεν —  
5. 1. προκαθίσας... ἐπὶ τινος ὑψηλοῦ τόπου —  
— 3. εἰ δέ τινες [B<sup>1</sup> τις] μὴ θέλοιεν μορφοφάγησαι —  
— 13. εἰ καὶ τις ἐστὶ τῆς δετῆς θρησκείας ἐποπτικῆς δύναμις —  
6. 8. ἀδὲ γέ τοι τῶν πικρῶν τις δορυφόρος —  
— 14. προσκύνει αὐτῷ τινες τῶν τοῦ β. —  
7. 17. ἴσως δ' ἂν εἴποιεν τινες —  
— 20. τὸ φαίμεσθαί τινες παθοκρατεῖσθαι —  
8. 16. εἰ δειλόψυχοι τινες ἦσαν —  
10. 4. A B εἰ τι ἔχεις κολαστήριον —  
12. 8. B εἴπω τι [A B om.] τῷ βασι. —  
16. 10. οὐδ' ἂν ἀποθάνω θάπτοντα τῶν νῶν ἐξω τινὰ —  
— 12. οὐδ' ἂν μὴ ἀποθάνωσιν ἀπέρχεται αὐτῶν τινα —  
17. 1. ἔλεγον δέ καὶ τῶν δορυφόνων τινες —  
— 1. A ἵνα μὴ ψεύσιν τι [B B τις] τοῦ σώματος αὐτῆς —  
— 7. A εἰ δὲ ἐξόν ἡμῖν ἦν ὥσπερ τινος [B B ἐπὶ τ.] (ῥαγραφῶσαι τὴν... εὐσέβειαν [Aq. Ex. 2. 14: 21. 18, 33: Jd. 4. 14: I Ki. 21. 2 (3): 29. 3: IV Ki. 6. 8: Jb. 4. 1: 7. 1: 10. 3: 11. 7: 14. 14: 15. 2, 8: 28. 6: 28. 5: 38. 28: 40. 26 (31): Pr. 24. 12: Is. 7. 13: 66. 8, 9: Jk. 16. 10: 23. 39 (Sw.): Ez. 13. 7, 12: Am. 9. 7: 13: Mi. 2. 7: Za. 8. 2.] [Sma. Ex. 2. 14: 15. 11: 21. 18: Ru. 4. 1: IV Ki. 6. 8: Jb. 4. 16: 6. 6: 21. 22: 22. 29: 39. 32 (40. 2): 40. 3 (8): Ec. 1. 10: 12: 4. 12: 7. 7 (6): 10. 5: Jk. 15. 10: 20. 7: 23. 39 (Sw.): 26 (38): 20: 44 (51): 14: Da. 2. 10. (Sw.): 8. 13: Am. 9. 7.] [Th. Ex. 21. 18, 33: I Ki. 21. 2 (3): Jb. 14. 14: 36. 15: Is. 1. 23: Jk. 8. 10: 15. 10: Da. 2. 42.] [Al. I Ki. 22. 7: Jb. 10. 3: 13. 9.] [Hob. Ez. 47. 3.]
- τίς. (1) ἦν (2) πῶς (3) ἦν (4) ἦν  
(5) πῶς c. suff. (6) ἦν (7) ἦν  
(8) α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(9) διὰ τί α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(10) εἰς  
τί πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(11) ὥς τίνος α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(12) ἵνα τί α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(13) ἵνα τί τοῦτο α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(14) κατὰ τί α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(15) μέχρι  
τίνος α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(16) τί ὅτι  
α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(17) τί τοῦτο  
α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(18) τί ὅτι α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(19) τί ὅτι α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
(20) ὡς τί α. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
δ. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ  
ε. πῶ, πῶ, πῶ, πῶ, πῶ
- Ge. 2. 19. ἵδεν τι καλέσει αὐτὰ (8 a)  
8. 1. τί ὅτι εἶπεν ὁ θ. (8)  
— 11. τίς ἀνήγγειλε σοι ὅτι γυνὸς εἶ (8 d)  
— 13. τί τοῦτο ἐποίησας (8 a)  
4. 6. ἵνα τί περιλίπας ἐγένου (12 d)  
— 6. ἵνα τί συνέπεσε τὸ πρόσωπόν σου (12 d)  
— 10. τί πεποίηκας (8 a)  
12. 18. τί τοῦτο ἐποίησας μοι (8 a)  
— 19. ἵνα τί εἶπας τί ἀδελφῇ μου ἐστὶ (12 d)  
15. 2. B τί μοι δώσεις (8 a)  
— 8. κατὰ τί γνώσῃς (14 a)  
18. 13. B τί [A om.] ὅτι ἐγέλασε Σάρρα (16 g)  
20. 9. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (17 a)  
— 10. τί ἐνὺδ' ἐποίησας τοῦτο (8 a)

Ge. 21. 7. τίς ἀναγγελεῖ τῷ Ἀβ. (8 d)  
 — 17. τί ἐστίν, Ἀ. (8 a)  
 — 26. τίς ἐποίησεν τὸ πρᾶγμα τοῦτο (8 d)  
 — 29. τί εἰσιν αἱ ἐπὶ ἀνάδες (8 a)  
 22. 7. τί ἐστίν, τέκνον (5)  
 23. 15. ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ τί ἂν εἴη τοῦτο (8 a)  
 24. 23. θυγάτηρ τίνος εἶ (8 d)  
 — 31. ἵνα τί ἐσθῆκας ἔξω (12 d)  
 — 47. τίνος θυγάτηρ εἶ (8 d)  
 — 65. τίς ἐστίν ὁ ἄνθρωπος ἐκείνος (8 d)  
 25. 22. ἵνα τί μοι τοῦτο (12 d)  
 — 32. ἵνα τί μοι ταῦτα τὰ πρωτοτοκεία (12 d)  
 26. 9. τί ὅτι εἶπας (16 a)  
 — 10. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (8 a)  
 — 27. ἵνα τί ἤλθατε πρὸς μέ (12 a)  
 27. 18. τίς εἰ σύ, τέκνον (8 d)  
 — 20. τί τοῦτο δὲ ταχὺ εὔρες (8 d)  
 — 32. τίς εἰ σύ (8 d)  
 — 33. τίς οὖν ὁ θηρεύσας μοι θήραν (8 d)  
 — 37. σοὶ δὲ τί ποιήσω (8 a)  
 — 46. ἵνα τί μοι ζῆν (12 d)  
 29. 15. τίς ὁ μισθός σου ἐστίν (8 a)  
 — 25. τί τοῦτο ἐποίησας μοι (8 a)  
 — 25. ἵνα τί παροργίσω με (12 d)  
 30. 11. τί σοι δώσω (8 a)  
 31. 11. τί ἐστίν (5)  
 — 26. τί ἐποίησας (8 a)  
 — 26. ἵνα τί κρὶνῇ ἀπέδρας — (8 a)  
 — 30. ἵνα τί ἐκλεψας τοὺς θεούς μου (12 d)  
 — 32. ἐπίγνωθι τί ἐστὶ τῶν σὸν παρ' ἐμοί (8 a)  
 — 36. τί τὸ δέδικτά μου καὶ τί τὸ ἀμάρτημά μου (8 a, 8 a)  
 — 37. τί εὔρες ὅπου πάντων τῶν σκευῶν τοῦ οἴκου σου (8 a)  
 — 43. τί ποιήσω ταῦταις σήμερον (8 a)  
 32. 17 (18). τίνος εἶ (8 d)  
 — 17 (18). τίνος ταῦτα τὰ προπροτενόμενά σου (8 d)  
 — 27 (28). τί τὸ ὄνομά σου ἐστίν (8 a)  
 — 29 (30). ἵνα τί σὺ ἐρωτᾷς τὸ ὄνομά μου (12 c)  
 33. 5, 8. τί ταῦτά σοι ἐστίν (8 d)  
 — 15. ἵνα τί τοῦτο (12 d)  
 37. 10. τί τὸ ἐνύπνιον τοῦτο (8 a)  
 — 15. τί ζητεῖς (8 a)  
 — 20. ὄψομαι τί ἐστὶ τὰ ἐνύπνια αὐ. (8 a)  
 — 26. τί χρῆσμαι ἐὰν ἀποκτείνωμαι (8 a)  
 38. 16. τί μοι δώσεις (8 a)  
 — 18. τίνα τὸν ἀρραβωνᾷ σοι δώσω (8 a)  
 — 25. Ἀ ἐκ τοῦ ἀνθρώπου τίνος ταῦτά ἐστίν [B. al.] (4)  
 — 25. ἐπίγνωθι τίνος ὁ δακτύλιος (8 d)  
 — 29. τί διεκόπη διὰ σέ φραγμός (8 a)  
 40. 7. τί ὅτι τὰ πρόσωπα ὡμῶν σκυθρωπὰ (16 b)  
 42. 1. ἵνα τί βαθυμίτῃ (12 d)  
 — 28. τί τοῦτο ἐποίησεν ὁ θεὸς ἡμῖν (8 a)  
 43. 6. τί ἀκαποποιήσατέ μοι (8 c)  
 — 22. οὐκ ὀλοσάμεν τίς ἐνέβαλε τὸ ἀργύριον (8 d)  
 44. 2. τί ὅτι ἀναπεδωκάτε μοι ποιηρὰ (10 f)  
 — 5. ἵνα τί ἐκλέψατε μου τὸ κόνδυ (8 a)  
 — 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κύριος (12 d)  
 — 15. τί τὸ πρᾶγμα τοῦτο ἐποίησατε (8 a)  
 — 16. τί ἀντεροῦμαι τῷ κυρίῳ (8 a)  
 — 16. τί λαλήσωμεν ἡ τί δικαιωθώμεν (8 a, 8 a)  
 46. 2. τί ἐστίν (5)  
 — 33. τί τὸ ἔργον ὡμῶν ἐστίν (8 a)  
 47. 3. τί τὸ ἔργον ὡμῶν (8 a)  
 — 15. ἵνα τί ἀποθνήσκωμεν ἐναντίον σου (12 d)  
 48. 8. τίνες σοι οὗτοι (8 d)  
 49. 1. τί ἀπαντήσῃ ὡμῖν ἐπ' ἐσχάτων τῶν ἡμερῶν (4)  
 — 9. τίς ἐγγερεῖ αὐτὸν (8 d)  
 Ex. 1. 18. τί ἐπείκουσάντε τὸ πρᾶγμα τοῦτο (16 b)  
 2. 4. μαθεῖν τί [A. om.] τὸ ἀποβησόμενον αὐτῷ (8 a)  
 — 13. διὰ τί σὺ τύπτεις τὸν πλησίον (9 c)  
 — 14. τίς σε κατέστησεν ἄρχοντα (8 a)  
 — 18. διὰ τί [A. τί] ἐταχύναντε τοῦ παραγενέσθαι (9 b [16 b])  
 — 20. ἵνα τί καταλελοίπατε τὸν ἄνθρω. (12 c)  
 3. 4. ἵνα τί [B. om.] ὅτι οὐ καταλείπεται ὁ βᾶτος (16 b)  
 — 4. τί ἐστίν (8 a)  
 — 11. τίς εἰμι ἐγὼ ὅτι πορεύομαι (8 d)  
 — 13. τί ὄνομα αὐτῷ (8 a)  
 — 13. τί ἐρῶ πρὸς αὐτούς (8 a)  
 4. 1. τί ἐρῶ πρὸς αὐτούς — (8 a)  
 — 2. τί τοῦτο ἐστὶ τὸ ἐν τῇ χειρὶ σου (17 b\*, 8 a)  
 — 11. τίς ἔδωκε στόμα ἀνθρώπων (8 d)  
 — 11. τίς ἐποίησε δυσκάρων καὶ κακῶν (8 d)  
 5. 2. τίς ἐστίν οὐκ ἀκούσομαι τῆς φωνῆς αὐ. (8 d)

Ex. 5. 4. ἵνα τί . . . διωστρέφετε τὸν λαόν μου (12 d)  
 — 14. διὰ τί οὐ συνετέλεσάτε τὰς συντάξεις ὡμῶν (9 b)  
 — 15. ἵνα τί οὕτως ποιεῖς τοῖς σοῖς οἰκέταις (12 d)  
 — 22. τί [A. τί] ἐκάκωσας τὸν λαόν τοῦτον (8 c [9 c])  
 — 22. ἵνα τί ἀπέσταλκάς με (12 c)  
 10. 3. ἕως τίνος οὐ βούλει ἐντραπήναι με (11 d)  
 — 7. ἕως τίνος ἐσθαι τοῦτο ἡμῖν σκῶλον (11 d)  
 — 8. τίνες δὲ καὶ τίνες εἰσὶν οἱ πορευόμενοι (8 d, 8 d)  
 — 26. οὐκ οἶδαμεν τί λατρεύσωμεν κ. τῷ θεῷ. (8 a)  
 12. 26. τίς ἡ λατρεία αὐτῇ (8 a)  
 13. 14. τί τοῦτο (8 a)  
 14. 5. τί τοῦτο ἐποίησαν (8 a)  
 — 11. τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (8 a)  
 — 15. τί βοᾷς πρὸς μέ (8 a)  
 15. 11. τίς ὁμοῖός σοι ἐν θεοῖς (8 d)  
 — 11. τίς ὁμοῖός σοι (8 d)  
 — 24. τί πύμμεθα (8 d)  
 16. 7, 8. ἡμεῖς δὲ τί ἐσμεν (8 a)  
 — 15. τί ἐστὶ τοῦτο (8 a)  
 — 15. οὐ γὰρ ἤδεσαν τί ἦν (8 a)  
 — 28. ἕως τίνος οὐ βούλεισε εἰσακοῖν (11 c)  
 17. 2. τί λοιδορίωσθε μοι (8 a)  
 — 2. τί πειράζετε κύριον (8 a)  
 3. ἵνα τί τοῦτο ἀνέβλεψας ἡμᾶς (12 d)  
 — 4. τί ποιήσω τῷ λαῷ τούτῳ (8 a)  
 18. 14. τί τοῦτο δὲ σὺ ποιεῖς τῷ λαῷ (8 a)  
 — 14. διὰ τί σὺ κἀποκαίρεις μῖσος (9 b)  
 22. 27 (26). ἐν τίνι κοιμηθήσεται (8 a)  
 32. 1. οὐκ οἶδμεν τί γέγονεν αὐτῷ (8 a)  
 — 11. ἵνα τί, κύριε, θυμὸς ὀργῇ (12 d)  
 — 21. τί ἐποίησέ σοι ὁ λαὸς οὗτος (8 a)  
 — 23. οὐκ οἶδαμεν τί γέγονεν αὐτῷ (8 a)  
 — 24. Ἀ τίς [B. εἰ τις] ὑπάρχει χρυσία (8 d)  
 — 26. τίς πρὸς κύριον (8 d)  
 Le. 6. 4 (5. 24). τίνος ἐστίν αὐτῷ ἀποδώσει (4)  
 10. 17. διὰ τί οὐκ ἐφάγγετο τὸ πῶρι τῆς ἀμαρτίας (9 b)  
 14. 35. ἤξει τίνος αὐτοῦ ἡ οἰκία (4)  
 21. 17. τίνα ἐὰν ἦ ἐν αὐτῷ μῶμος (4)  
 25. 20. τί φηγάμεθα ἐν τῷ ἐτει τῷ ἐβδ. τ. (8 a)  
 Nu. 5. 7. ἀποδώσει τίνι ἐπλημμέλησεν αὐτῷ (4)  
 9. 8. ἀκούσομαι τί ἐντελείται κύριος (8 a)  
 11. 4. τίς ἡμᾶς ψωμίει κρέα (8 d)  
 — 11. ἵνα τί ἐκάκωσας τὸν θηράποντά σου (12 d)  
 — 11. διὰ τί οὐχ εὐρυκα χάριν ἐναντίον σου (9 c)  
 — 18. τίς ἡμᾶς ψωμίει κρέα (8 d)  
 — 20. ἵνα τί ἡμῖν ἐξέλθωμεν ἐξ Αἴγ. (12 c)  
 — 29. τίς δὴν πάντα τὸν λαόν κυρίου προφήτας (8 d)  
 12. 8. διὰ τί οὐκ ἐφοβήθητε (9 b)  
 13. 19 (18). δέσμεσε τὴν γῆν τίς ἐστίν (8 a)  
 — 20 (19). καὶ τίς ἡ γῆ εἰς ἣν οὗτοι ἐγκάθηται (8 a)  
 — 20 (19). καὶ τίνες αἱ πόλεις εἰς ἃς οὗτοι κατοικοῦν (8 a)  
 — 21 (20). καὶ τίς ἡ γῆ ἡ πῶν ἡ παρεμμένη (8 a)  
 14. 3. ἵνα τί κύριος ἐλόνγει ἡμᾶς (12 d)  
 — 11. ἕως τίνος παροξύνει με ὁ λαὸς οὗτος (11 c)  
 — 11. ἕως τίνος οὐ πιστεύουσιν μοι (11 c)  
 — 27. ἕως τίνος τὴν συναγωγὴν τὴν ποιηρὰν τ. (11 d)  
 — 41. ἵνα τί ὡμᾶς παραβλαπτετὸν τὸ ῥῆμα κυρίου (12 c)  
 15. 34. οὐ γὰρ συνέκριναν τί ποιήσωσιν αὐτὸν (8 a)  
 16. 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συναγωγὴν κ. (9 b)  
 — 11. καὶ Ἀ. τίς [A. τί] ἐστίν (8 a)  
 20. 4. ἵνα τί ἀνηγάγετε τὴν συναγωγὴν κυρίου (12 d)  
 — 5. ἵνα τί τοῦτο ἀνήγαγε ἡμᾶς ἐξ Αἴγ. (13 b)  
 21. 5. ἵνα τί τοῦτο ἐξήγαγε ἡμᾶς ἐξ Αἴγ. (13 b)  
 22. 9. τί οἱ ἄνθρωποι οὗτοι παρὰ σοῦ (8 d)  
 — 19. γνῶσμαι τί προσθήσει κύριος λαλήσαι (8 a)  
 — 28. τί ἐπὶ ἡσά σοι (8 a)  
 — 32. διὰ τί ἐπάταξας τὴν δύναμίν σου τοῦτο τρίτον (8 a)  
 — 37. διὰ τί οὐκ ἤρξου πρὸς μέ (9 c)  
 23. 8. τί ἀράσωμαι ἐν μὴ ἀράταις κύριος (8 a)  
 — 8. τί καταράσωμαι ἐν μὴ καταράταις ὁ θ. (8 a)  
 — 10. τίς ἐξηκριβίσαστο τὸ σπέρμα Ἰ. (8 d)  
 — 10. τίς ἐξηκριβίσεται δῆμονος Ἰερ. — (8 a)  
 — 11. τί πεποιθήσας μοι (8 a)  
 — 17. τί ἐλάλησε κύριος (8 a)  
 — 23. τί ἐντελέσει ὁ θεός (8 a)  
 24. 9. τίς ἀναστήσει αὐτὸν (8 d)  
 — 14. συμβουλεύσω σοι τί ποιήσεις ὁ λαὸς οὗτος (4)  
 — 23. τίς ζήσεται ὅταν θῇ ταῦτα ὁ θεός (8 d)  
 31. 15. ἵνα τί ἐξωργίσασθε πᾶν θῆλυ + (8 a)  
 32. 7. ἵνα τί διωστρέφετε τὰς διανοίας τῶν υἱῶν Ἰσρ. (12 d)  
 De. 3. 24. τίς γὰρ ἐστὶ θεὸς ἐν τῷ οὐρ. (8 d)

De. 5. 26 (23). τίς γὰρ σὰρξ ἦτις ἤκουσε φωνὴν (8 d)  
 — 29 (26). τίς δώσει εἶνα οὕτως τὴν καρδίαν αὐτῶν (8 d)  
 6. 20. τί [A. τίνα] ἐστὶ τὰ μαρτύρια (8 a)  
 9. 2. τίς ἀντιστήσεται κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἰ. (8 d)  
 10. 12. τί κύριος ὁ θεός σου αἰτεῖται παρὰ σοῦ (8 a)  
 20. 5. τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ οἰκοδομήσας οἰκίαν καὶνὴν (8 d)  
 — 6. τίς ὁ ἄνθρωπος ὅστις ἐφύτευεν ἀμπέλωνα (8 d)  
 — 7. τίς ὁ ἄνθρωπος ὅστις μεμψήτεται γυναικα (8 d)  
 — 8. τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος (8 d)  
 29. 18 (17). τίνος ἡ διάνοια ἐξέκλινεν ἀπὸ κ. τοῦ θ. ἡμῶν (4)  
 — 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτως τῇ γῇ ταύτῃ (8 a)  
 — 24 (23). τίς ὁ θυμὸς τῆς ὀργῆς ὁ μέγας οὗτος (8 a)  
 30. 12. τίς ἀναθήσεται ἡμῖν εἰς τὸν οὐρ. (8 d)  
 — 13. Ἀ Β? τίς διαπεράσει ἡμῖν (8 d)  
 32. 20. δαίμων τί ἐστὶ αὐτοῖς (8 a)  
 33. 29. τίς ὁμοῖός σοι (8 d)  
 Jo. 4. 6. Ἀ Β τί εἰσιν οἱ λίθοι οὗτοι ἡμῖν (8 a)  
 — 21. τί εἰσιν οἱ λίθοι οὗτοι (8 a)  
 5. 14. τί προστάσεις τῷ σφ. οἰκίῃ (8 a)  
 7. 7. ἵνα [A. διὰ] τί διεβίβασεν ὁ παῖς σου τὸν λαόν τ. (12 d [9 c])  
 — 8. καὶ τί ἐρῶ (8 a)  
 — 9. τί ποιήσεις τὸ ὄνομά σου τὸ μέγα (8 a)  
 — 10. ἵνα τί τοῦτο σὺ πέτακος (12 d)  
 — 19. ἀνάγκη μοι τί ἐποίησας (8 a)  
 — 25. τί ὠλέθρυνας ἡμᾶς (8 a)  
 9. 22. διὰ τί παρελόγασθέ με (9 c)  
 15. 18. τί ἐστὶ σοι (8 a)  
 17. 14. διὰ τί ἐκληρονόμησας ἡμᾶς κληρὸν ἔνα (9 b)  
 18. 3. ἕως τίνος ἐκλήθησθε (11 c)  
 22. 16. τίς ἡ πλημμέλεια αὐτῇ (8 a)  
 — 24. τί ὡμῖν κ. τῷ θεῷ Ἰσρ. (8 a)  
 24. 15. ἐκλήσθε ὡμῖν αὐτοῖς σήμερον τίνι λατρεύετε (8 d)  
 Jd. 1. 1. τίς ἀναθήσεται ἡμῖν πρὸς τοὺς Χαν. (8 d)  
 — 14. τί ἐστὶ σοι (8 a)  
 5. 16. εἰς τί ἐκάθισαν [A. ἵνα τί μοι κάθισαι] (10 [12 d])  
 — 17. Δὲν εἰς [A. ἵνα] τί παροικεῖ πλῆθος (10 [12 d])  
 — 28. Ἀ διὰ τί ἡσχάτισεν τὸ ἄρμα αὐ. [B. al.] (9 b)  
 — 28. Ἀ διὰ τί ἐχρόνισαν ἰσχυρὰ ἀρμάτων αὐ. [B. al.] (9 b)  
 6. 13. εἰς [A. ἵνα] τί εὐρεν ἡμᾶς τὰ κακὰ ταῦτα (10 [12 d])  
 — 15. ἐν τίνι σώσω τὸν Ἰσρ. (8 a)  
 — 29. τίς ἐποίησε τὸ ῥῆμα τοῦτο (8 d)  
 7. 3. τίς ὁ φοβούμενος καὶ δειλός (8 d)  
 — 10 (11). ἀκουσὴ τί λαλήσουσι (8 a)  
 8. 1. τί το ῥῆμα τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν (8 a)  
 — 2. τί ἐποίησα νῦν (8 a)  
 — 3. τί ἡδυνήθη ποιῆσαι ὡς ὡμῖς (8 a)  
 9. 2. τί τὸ ἀγαθὸν ὡμῖν [A. al.] (8 a)  
 — 28. τίς [A. τί] ἐστίν Ἀβ. καὶ τίς ἐστίν υἱός σου (8 d, 8 d)  
 — 28. τί ὅτι δουλεύομεν αὐτῷ ἡμῖς [A. al.] (16 b)  
 — 29. τίς δὴν τὸν λαόν τ. ἐν χειρὶ μου (8 d)  
 — 38. τίς [A. ποῦ] ἐστίν Ἀβ. (8 d)  
 — 48. Ἀ τί [B. δ.] εἶδετε με ποιοῦντα (8 a)  
 10. 18. τίς ὁ ἀνὴρ (8 d)  
 11. 7. διὰ τί [A. τί] ἤλθατε πρὸς μέ (9 b [16 b])  
 — 12. τί ἐμοὶ καὶ σοὶ (8 a)  
 — 26. διὰ τί [A. διότι] οὐκ ἐρῶσιν αὐτούς (9 b)  
 12. 1. διὰ τί παρήλθε [A. τί] ὅτι ἐπορεύθης (9 b [16 b])  
 — 3. εἰς [A. ἵνα] τί ἀνέστης (10 [12 d])  
 13. 8. συμμίσθασάντων ἡμᾶς τί ποιήσωμεν (8 a)  
 — 12. τίς ἐστὶ κρῖσις [A. τί] ἐστὶ τὸ κρίμα τοῦ παιδίου (8 a)  
 — 17. τί τὸ ὄνομά σοι (8 d)  
 — 18. εἰς [A. ἵνα] τί τοῦτο ἐρωτᾷς τὸ ὄνομά μου (10 [12 d])  
 14. 14. τί βρωτὸν ἐξῆλθεν ἐκ βιβρώσκοντος [A. al.] — (8 a)  
 — 18. τί γλυκύτερον μέλιτος (8 a)  
 — 18. τί ισχυρότερον λίοντος (8 a)  
 15. 6. τίς ἐποίησε ταῦτα (8 d)  
 — 10. εἰς [A. ἵνα] τί ἀνέβητε ἐφ' ἡμᾶς (10 [12 d])  
 — 11. τί τοῦτο [A. ἵνα] τί ταῦτα ἐποίησας ἡμῖν (8 a [12 b])  
 16. 5. ἴδε ἐν τίνι ἡ ἰσχύς αὐ. ἡ μεγάλη καὶ ἐν τίνι δυνάμεθα αὐτῷ (8 a, 8 a)  
 — 6. ἐν τίνι ἡ ἰσχύς σου ἡ μεγάλη (8 a)  
 — 6, 10, 13. ἐν τίνι διεθήθη (8 a)  
 — 15. ἐν τίνι ἡ ἰσχύς σου ἡ μεγάλη (8 a)

Jd. 18. 3. τίς ἤνεγκέ σε ὧδε (8 d)  
— 3. σὺ τί ποιεῖς ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (8 a)  
— 3. καὶ τί σοι ὧδε (8 a)  
— 8. τί ὑμεῖς κάθησθε (8 a)  
— 14. ἂν ὦτε τί [B δ τι] ποιήσετε (8 a)  
— 18. τί ὑμεῖς ποιεῖτε (8 a)  
— 23. τί ἐστὶ σοι ὅτι ἐβόησας (8 a)  
— 24. καὶ τί μοι ἐστὶ (8 a)  
— 24. καὶ τί τοῦτο λέγετε πρὸς μέ, τί κράξεις [A al.] (8 a, 8 a)  
20. 12. τίς ἡ πορνεία αὐτῇ (8 a)  
— 18. τίς ἀναβήσεται ἡμῶν (8 d)  
21. 3. εἰς [A ινα] τί . . . ἐγενήθη αὐτῇ (10 [12 d])  
— 5. τίς οὐκ ἀνέβη ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ (8 d + 4)  
— 7. τί ποιήσωμεν αὐτοῖς τοῖς περισσοῖς (8 a)  
— 8. τίς εἰς πόλιν Ἰσρ. (8 d)  
— 16. τί ποιήσωμεν τοῖς περισσοῖς εἰς γυναῖκας (8 a)  
Ru. 1. 11. ἵνα τί πορεύσεσθε μετ' ἐμοῦ (12 d)  
— 19. Α αὐτῇ τί [B om.] ἐστὶ Ν. (8 a)  
— 21. ἵνα τί κληθεῖς με Ν. (12 d)  
2. 5. τίνας ἡ νεῖσις αὐτῇ (8 d)  
— 10. τί ὅτι ἔδωκε χάριν (10 b)  
3. 9. τίς [B τ] εἰ σύ (8 d)  
— 16. Α τίς εἶ, θυγάτηρ [B al.] (8 d)  
I Ki. 1. 8. τί ἐστὶ σοι ὅτι κλαίεις (16 e)  
— 8. ἵνα [A διὰ] τί οὐκ ἐσθίεις (12 c [9 d])  
— 8. ἵνα τί τῆται σε ἡ καρδιά σου (12 c)  
2. 16. Α τί [B ὅτι] νῦν δώσεις (8 a)  
— 23. ἵνα τί ποιεῖτε κατὰ τὸ ῥῆμα τοῦτο (12 d)  
— 25. τίς προσεύχεται ὑπὲρ αὐτοῦ (8 d)  
— 29. ἵνα τί ἐπέβλεψας ἐπὶ τὸ θυμιάματόν μου (12 d)  
3. 17. τί τὸ ῥῆμα τὸ λαλήθην πρὸς σέ (8 a)  
4. 3. κατὰ τί ἐπαίσατε ἡμᾶς κ. σήμερον (14 b)  
— 6. τίς ἡ κραυγὴ ἡ μεγάλη αὐτῇ (8 a)  
— 8. τίς ἐξέλκεται ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν θεῶν (8 d)  
— 14. τίς ἡ βοή τῆς φωνῆς ταύτης (8 a)  
— 16. (15). τίς ἡ φωνὴ τοῦ ἤχου τούτου (8 a)  
— 16. τί τὸ γεγονός ῥῆμα, τέκνον (8 a)  
5. 8. τί ποιήσωμεν κιβωτῷ θεοῦ Ἰσρ. (8 a)  
— 10. τί ἀπεστρέψατε πρὸς ἡμᾶς τὴν κιβωτόν (8 a)  
6. 2. τί ποιήσωμεν τῇ κιβωτῷ κυρίου (8 a)  
— 2. ἐν τίνι ἀποστελεῖται αὐτῇ (8 a)  
— 4. τί τὸ τῆς βασάνου ἀποδώσομεν αὐτῇ (8 a)  
— 6. ἵνα τί βαρύνετε τὰς καρδίας ὑμῶν (12 d)  
— 20. τίς δυνήσεται διελθεῖν (8 d)  
— 20. πρὸς τίνα ἀνιβήσεται κιβωτὸς κυρίου (8 d)  
9. 7. τί ὁλοκαυτὸν τῷ ἀνδρὶ καὶ τοῦ θεοῦ (8 a)  
— 20. τίς τὰ ὅρια μου Ἰσρ. (8 d)  
— 21. ἵνα τί ἐλάλησας πρὸς ἐμέ (12 d)  
10. 2. τί ποιήσω ὑπὲρ τοῦ νιού μου (8 a)  
— 11. τί τοῦτο τὸ γεγονός τῷ υἱῷ Κ. (8 a)  
— 12. καὶ τίς πατήρ αὐτοῦ (8 d)  
— 15. ἀπαγγέλου ὅ μοι τί εἶπε σοι Σαμ. (8 a)  
— 27. τίς σώσει ἡμᾶς οὗτος (8 a)  
11. 5. τί ἐστὶ κλαίει ὁ λαός (8 a)  
— 12. τίς ὁ εἶπας ὅτι Σαμ. οὐ βασιλεύσει ἡμῶν (8 d)  
12. 3. μύσχω τίνας εἰληφά ἢ ὄρον τίνας εἰληφά (8 d)  
— 4. τίνα κατεδυνάστευσαν ὑμῶν ἢ τίνα ἐξέπισα ἢ ἐκ χειρὸς τίνας εἰληφά ἐξέλασμα (8 d quinquies)  
13. 11. Β τί πεποιήκας (8 a)  
14. 17. ἴδετε τίς [A τίς δ] πεπόμεναι ἐξ ἡμῶν (8 d)  
— 38. ἐν τίνι γέγονεν ἡ ἁμαρτία αὐτῇ σήμερον (8 a)  
— 41. τί [A om.] ὅτι οὐκ ἀπεκρίθης (8 a)  
— 43. ἀπαγγέλου μοι τί πεποιήκας (8 a)  
15. 14. καὶ τίς ἡ φωνὴ τοῦ ποιμνίου τούτου (8 a)  
— 19. ἵνα τί οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (12 d)  
17. 8. τί ἐκπορεύσθαι παρατάξασθαι (8 c)  
— 26. Α τίς ἀλλόφυλος ὁ ἀπερίτμητος αὐτός (8 d)  
— 28. Α ἵνα τί τοῦτο κατέβης (12 d)  
— 28. Α ἐπὶ τίνα ἀφῆκας τὰ μικρὰ πρόβατα ἐκείνα (8 d)  
— 29. Α τί ἐποίησα νῦν (8 a)  
— 36. τίς ὁ ἀπερίτμητος οὗτος (8 d)  
— 55. 56. Α υἱὸς τίνος ὁ νεανίσκος οὗτος (8 d)  
— 58. Α υἱὸς τίνος εἶ (8 d)  
18. 8. Α τί αὐτῷ πλὴν ἡ βασιλεία (8 a)  
— 18. Α τίς ἐγὼ εἰμι (8 d)  
— 18. Α τίς ἡ ζῶη τῆς συγγενείας σου (8 d)  
19. 5. ἵνα τί ἁμαρτάνεις εἰς αἷμα ἀθῶν (12 d)  
— 17. ἵνα τί οὕτως παρελογίσω με (12 d)  
20. 1. τί πεποιήκα (8 a)  
— 1. τί τὸ ἀδικημά μου (8 a)  
— 1. τί ἡμάρτηκα ἐνώπιον τοῦ πατρός σου (8 a)  
— 2. τί ὅτι κρύψει ὁ πατήρ μου τὸ ῥῆμα τοῦτο (16 b)

I Ki. 20. 4. τί ἐπιθυμῶ ἡ ψυχὴ σου (8 a)  
— 4. τί [A om.] ποιήσω σοι (8 a)  
— 8. ἵνα τί οὕτως εἰσάγεις με (12 d)  
— 10. τίς ἀπαγγέλλει μοι (8 d)  
— 27. τί ὅτι οὐκ ἀπαγγέγονεν ὁ υἱὸς Ἰ. (16 b)  
— 32. ἵνα τί ἀποθνήσκει (12 d)  
— 32. τί πεποιήκα (8 a)  
21. 1 (2). τί ὅτι σὺ μόνος (16 b)  
— 14 (15). ἵνα τί εἰσπαύετε αὐτὸν πρὸς μέ (12 d)  
22. 3. ἕως ὅτου γνῶ τί [A δ τι] ποιήσεις μοι ὁ θ. (8 a)  
— 13. ἵνα τί συνέθου κατ' ἐμοῦ (12 d)  
— 14. καὶ τίς ἐν πᾶσι τοῖς δούλοις σου ὡς Δ. (8 d)  
24. 10. ἵνα τί ἀκούεις τῶν λόγων τοῦ λαοῦ (12 d)  
— 15. ὅπισω τίνας σὺ ἐκπορεύῃ (8 d)  
— 15. ὅπισω τίνας καταδιώκεις σὺ (8 d)  
25. 10. τίς ὁ Δ. καὶ τίς ὁ υἱὸς Ἰ. (8 d, 8 d)  
— 17. ἴδε σὺ τί ποιήσεις (8 a)  
26. 6. τίς εἰσελεύσεται μετ' ἐμοῦ πρὸς Σ. (8 d)  
— 9. τίς ἐπείσει χεῖρα αὐ. ἐπὶ χριστὸν κυρίῳ (8 d)  
— 14. τίς εἰ σὺ ὁ καλῶν (8 d)  
— 15. τίς ὡς σὺ ἐν Ἰσρ. (8 d)  
— 15. διὰ τί οὐ φυλάσσεις τὸν κ. σου τὸν βασιλ. (9 e)  
— 18. ἵνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κύριος (12 d)  
— 18. τί [A om.] ἡμάρτηκα (8 a)  
— 18. τί εὐρέθην ἐν μοι ἀδικημα (8 a)  
27. 5. ἵνα τί καθάρις ὁ δούλος σου ἐν πέλει (12 d)  
— 10. ἐπὶ τίνα ἐπίσθωθε σήμερον (8 a)  
28. 9. ἵνα τί σὺ παγιδεύεις τὴν ψυχὴν μου (12 d)  
— 11. τίνα ἀναγάγω σοι (8 d)  
— 12. ἵνα τί παρελογίσω με (12 d)  
— 13. εἰπὸν τίνος ἐώρακας (8 a)  
— 14. τί ἐγίνωκε (8 a)  
— 15. ἵνα τί παρηγόρησάς μοι (12 d)  
— 15. γινώσκω μοι τί ποιήσω (8 a)  
— 16. ἵνα τί ἐπερωτῶς με (12 d)  
29. 3. τίνας οἱ διαπορευόμενοι οὗτοι (8 a)  
— 4. ἐν τίνι διαλλαχθήσεται οὗτος τῷ κυρίῳ αὐ. (8 a)  
— 8. τί πεποιήκα σοι (8 a)  
— 8. τί εὐρες ἐν τῷ δούλῳ σου (8 a)  
30. 13. τίνας σὺ εἶ (8 d)  
— 24. τίς ἐπακούσεται ὑμῶν τῶν λόγων τ. (8 d)  
II Ki. 1. 4. τίς ὁ λόγος οὗτος (8 a)  
— 8. τίς εἰ σύ (8 d)  
3. 7. τί ὅτι εἰσῆλθες πρὸς τὴν παλλακὴν (16 b)  
— 24. τί τοῦτο ἐποίησας (17 a)  
— 24. ἵνα τί ἐξέπιστάλας αὐτόν (12 c)  
6. 20. τί δεδόξασται σήμερον ὁ βασιλ. Ἰσρ. (8 a)  
7. 7. Α τί [B ὅτι, B ινα τί] οὐκ ὀφειδομῆκατέ μοι οἶκον κέδρινον (8 c [12 d])  
— 18. τίς εἰμι ἐγὼ . . . καὶ τίς ὁ οἶκός μου (8 d, 8 d)  
— 20. τί προσθήσεις Δ. ἐπὶ τοῦ λαλήσαι (8 a)  
— 23. τίς ὡς λαὸς σου Ἰσρ. ἔθνος ἄλλο (8 d)  
9. 8. τίς εἰμι ὁ δούλος σου (8 a)  
11. 10. τί ὅτι οὐ κατέβης εἰς τὸν οἶκόν σου (16 b)  
— 20. τί ὅτι [A om.] ἠγγίσατε πρὸς τὴν πόλιν (16 b [7])  
— 21. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. (8 d)  
— 21. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τεῖχος (12 d)  
— 22. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὴν πόλιν (8 a)  
— 22. τίς ἐπάταξε τὸν Ἀβ. (8 a)  
— 22. ἵνα τί προσηγάγετε πρὸς τὸ τεῖχος (8 a)  
12. 9. Α τί [B ὅτι, B ινα τί] ἐφάυλισας τὸν λόγον κυρίου (7 [16 b])  
— 21. τί τὸ ῥῆμα τοῦτο ὁ ἐποίησας (8 a)  
— 22. τίς ὡς εἰ ἐλθῇ μοι κύριος (8 d)  
— 23. ἵνα τί τοῦτο ὀγὼ νηστεύω (12 d)  
13. 4. τί σοι ἐστὶ σὺ οὕτως ἀσθενής (16 b)  
— 26. ἵνα τί περιεθῇ μετὰ σοῦ (12 d)  
14. 5. τί ἐστὶ σοι (8 a)  
— 10. τίς ὁ λαλῶν πρὸς σέ (8 a)  
— 13. ἵνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο (12 d)  
— 31. ἵνα τί ἐνεπύρισαν οἱ παῖδές σου (12 d)  
— 32. ἵνα τί ἦλθον ἐκ Γ. (12 d)  
15. 4. τίς με καταστῆσει κριτὴν ἐν τῇ γῇ (8 d)  
— 19. ἵνα τί ποιεῖς καὶ σὺ μεθ' ἡμῶν (12 d)  
16. 2. τί ταῦτά σοι (8 a)  
— 9. ἵνα τί καταράται ὁ κύων ὁ τεθνηκώς οὗτος (12 d)  
— 10. τί ἐμοὶ καὶ ὑμῖν (8 a)  
— 10. τίς ἐρεῖ, ὡς τίς ἐποίησας οὕτως (8 d, 20)  
— 17. ἵνα τί οὐκ ἀπῆλθες μετὰ τοῦ ἑταίρου (12 d)  
— 19. τίς ἐγὼ δουλεύω (8 d)  
— 20. φέρετε ἑαυτοὺς βουλὴν τί ποιήσωμεν (8 a)  
17. 5. ἀκούσωμεν τί ἐν τῷ στόματι αὐ. (8 a)  
18. 11. τί ὅτι οὐκ ἐπάταξας αὐτῶν (16 b)

II Ki. 18. 22. ἵνα τί σὺ τοῦτο τρέχεις (12 d)  
— 23. τί γὰρ ἐὰν δραμοῖμαι (8 a)  
— 29. οὐκ ἔργων τί ἐκεῖ (8 a)  
— 33 (19. 1). τίς δαψὴ τὸν θάνατόν μου ἀντὶ σοῦ (8 d)  
19. 10 (11). ἵνα τί ὑμεῖς καφεύετε (12 d)  
— 11 (12), 12 (13). ἵνα τί γίνεσθε ἐσχατοὶ (12 d)  
— 22 (23). τί ἐμοὶ καὶ ὑμῶν (8 a)  
— 25 (26). τί ὅτι οὐκ ἐπορεύθης μετ' ἐμοῦ (16 f)  
— 28 (29). τί ἐστὶ μοι ἐπὶ δικαίωμα (8 a)  
— 29 (30). ἵνα τί λαλεῖς ἐπὶ τοὺς λόγους σου (12 d)  
— 35 (36). ἵνα τί ἐστὶς ἐπὶ ὁ δούλος σου εἰς φορτίον (12 d)  
— 36 (37). ἵνα τί ἀνταποδιδώσι μοι ὁ βασιλ. (12 d)  
— 41 (42). τί ὅτι ἐκλεψάν σε οἱ ἀδ. ἡμῶν (16 b)  
— 42 (43). ἵνα τί οὕτως ἐθυμώθης (12 d)  
— 43 (44). ἵνα τί τοῦτο ὑβρίσας με (13 a)  
20. 11. τίς ὁ βουλόμενος Ἰ. (8 d)  
— 11. τίς τοῦ Δ. ὅπισω Ἰ. (8 d + 4)  
— 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (12 d)  
21. 3. τί ποιήσω ὑμῶν (8 a)  
— 3. ἐν τίνι ἐξέλασσωμαι (8 a)  
— 3. τί ὑμεῖς λέγετε (8 a)  
22. 32. τίς ἰσχυρὸς πλὴν κυρίου (8 d)  
— 32. τίς κτίστης ἐστὶς πλὴν τοῦ θεοῦ ἡμῶν (8 d)  
23. 15. τίς ποιεῖ με ὑδωρ (8 d)  
24. 3. ἵνα τί βουλεύεται ἐν τῷ λόγῳ τ. (12 d)  
— 13. ἴδε τί ἀποκριθῶ (8 a)  
— 17. οὗτοι τὰ πρόβατα τί ἐποίησαν (8 a)  
— 21. τί ὅτι ἦλθεν ὁ κύριός μου (16 b)  
III Ki. 1. 6. διὰ τί σὺ ἐποίησας (9 b)  
— 13. τί ὅτι ἐβυσσίλευσεν Ἀδ. (16 b)  
— 16. τί ἐστὶ σοι (8 a)  
— 20. ἀπαγγέλου αὐτοῖς τίς καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου (8 d)  
— 27. οὐκ ἐγνώρισας τῷ δούλῳ σου τίς καθήσεται (8 d)  
— 41. τίς ἡ φωνὴ τῆς πόλεως ἡχοῦσης (7)  
2. 22. ἵνα τί [A om.] σὺ ᾄτῃσαι τὴν Ἀβ. τῷ Ἀδ. (12 d)  
— 29. τί γεγονός σοι (8 a)  
3. 1 (2, 43). τί ὅτι οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὄρκον κυρίου (16 b)  
— 9. τίς δυνήσεται κρίνειν τὸν λαόν σου (8 d)  
9. 8. ἐνεκα τίνας ἐποίησε κύριος οὕτως (8 a)  
— 13. τί αἱ πόλεις αὐταῖς (8 a)  
11. 22. τίς σὺ ἐλαττοῦ μετ' ἐμοῦ (8 a)  
12. 9. τί ὑμεῖς συμβουλευεσθε (8 a)  
— 9. τί ἀποκριθῶ τῷ λαῷ τούτῳ (8 a)  
— 16. τίς ἡμῖν μερὶς ἐν Δ. (8 a)  
— 24. Β ἵνα τί μοι ἐννοήσας ἄρτους (8 a)  
— 24. Β τί ἀποκριθῶ τῷ λαῷ ῥῆμα (8 a)  
14. 3. Α αὐτὸς ἀμαρτίαν σοι τί ἐστὶς τῷ παιδί (8 a)  
— 6. Α ἵνα τί σὺ τοῦτο ἀπεφενούσαι (12 d)  
— 14. Α καὶ τί καὶ νῦν (8 a)  
17. 18. τί ἐμοὶ καὶ σοὶ (8 a)  
18. 9. τί ἡμάρτηκα (8 a)  
19. 9, 13. τί σὺ ἐνταῦθα (8 a)  
20 (21). 5. τί τὸ πνεῦμά σου τεταραγμένον (8 b)  
21 (20). 14. εἶπεν Ἀχ., Ἐν τίνι (8 d)  
— 14. τίς συνάψαι τὸν πόλεμον (8 d)  
— 22. ἴδε τί ποιήσεις (4)  
22. 20. τίς ἀπατήσῃ τὸν Ἀχ. (8 d)  
— 22 (21). εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος, Ἐν τίνι (8 a)  
IV Ki. 1. 5. τί ὅτι ἐπιστρέψατε (16 d)  
— 7. τίς ἡ κρίσις τοῦ ἀνδρός (8 a)  
— 16. τί ὅτι ἀπέστειλεις ζητῆσαι [A al.] (8 a)  
2. 9. τί ποιήσω σοι (8 a)  
3. 13. τί ἐμοὶ καὶ σοὶ (8 a)  
4. 2. τί ποιήσω σοι (8 a)  
— 2. τί ἐστὶ σοι ἐν τῷ οἴκῳ (8 a)  
— 13. τί δέει ποιῆσαι σοι (8 a)  
— 14. τί δέει ποιῆσαι αὐτῇ (8 a)  
— 23. τί ὅτι σὺ πορεύῃ πρὸς αὐτόν (16 b)  
— 43. τί [A τίνι] δῶ τοῦτο (8 a)  
5. 8. ἵνα τί διέρρηξας τὰ ἱμάτιά σου (12 d)  
6. 11. τίς προδίδωσι με βασιλεῖ Ἰσρ. (8 d)  
— 28. τί ἐστὶ σοι (8 a)  
— 33. τί ὑπομείνω τῷ κ. ἐπὶ (8 a)  
7. 3. τί ἡμεῖς καθήμεθα ὧδε (8 a)  
12. 12. τί [A om.] ὅτι ὁ κύριός μου κλαίει (16 b)  
— 13. τίς ἐστὶν ὁ δούλος σου (8 a)  
— 14. Β τί εἶπε σοι Ἐλ. [A B al.] (8 a)  
9. 5. πρὸς τίνα ἐκ πάντων ἡμῶν (8 d)  
— 11. τί ὅτι εἰσῆλθεν ὁ ἐπίληπτος οὗτος (16 b)  
— 18, 19. τί σοι καὶ εἰρήνη (8 a)







- Jb. 35. 5 (6). τί πράξεις (8a)  
 — 5 (6). τί δύνασαι ποιῆσαι [B<sup>1</sup> al.] (8a)  
 — 7. τί δώσεις αὐτῷ (8a)  
 — 7. τί χιμῆρες σου λήψεται (8a)  
 36. 22. τίς γάρ ἐστι κατ' αὐτὸν δυνάστης (8d)  
 — 23. τίς δὲ ἐστὶν ὁ ἐτάζων αὐτὸ τὰ ἔργα (8d)  
 — 23. τίς ὁ εἶπας (8d)  
 37. 19. διὰ τί διδάξῃ με, τί ἐροῦμεν αὐτῷ (-, 8a)  
 38. 2. τίς οὗτος ὁ κρύπτων με βουλὴν (8d)  
 — 5. τίς ἔθετο τὰ μέτρα αὐ., (8d)  
 — 5. τίς ὁ ἐπαγγέλων σπαρτίων ἐπ' αὐτῆς (8d)  
 — 6. ἐπὶ τίνος οἱ κῆκοι αὐ. πεπήγασι (8a)  
 — 6. τίς δὲ ἐστὶν ὁ βαλὼν λίθον γυναικίαν (8d)  
 — 18. πόσῃ τίς [A. ἤτις] ἐστὶ (8d)  
 — 25. τίς δὲ ἠτοίμασεν ὑποφ' λάβρῃ βύσσιν (8d)  
 — 28. τίς ἐστὶν ὑποφ' πατῆρ (8d)  
 — 28. τίς ἐστὶν ὁ τετακὼς βώλους δρόσου (8d)  
 — 29. ἐκ γαστροῦ δὲ τίνος ἐκπορεύεται ὁ κρύσταλλος (8d)  
 — 29. πᾶσιν δὲ ἐν οὐρανῷ τίς τέτοκεν (8d)  
 — 30. πρὸς ὅποιον δὲ ἀνέβη τίς ἐπῆλθε (8d)  
 — 35. ἐροῖσιν δὲ σοί, τί ἐστὶ (5)  
 — 36. τίς δὲ ἔδωκε γυναίξιν ὑφάσματος σοφίαν (8d)  
 — 37. τίς δὲ ὁ ἀριθμῶν γέφυρ σοφία (8d)  
 — 41. τίς δὲ ἠτοίμασεν κῆρακας βορᾶν (8d)  
 39. 5. τίς δὲ ἐστὶν ὁ ἀφείλες ὄνον ἄγριον ἐλευθέρου (8d)  
 — 5. δεσμοῦν δὲ αὐτοῦ τίς ἔλυσεν (8d)  
 — 34 (40. 4). τί ἐτι ἐγὼ κρίνομαι (8d)  
 — 34 (40. 4). τίνα ἀπέκρινεν δὴ πρὸς ταῦτα (8a)  
 41. 1 (2). τίς γάρ ἐστιν ὁ ἐμοὶ ἀντιπῶς (8d)  
 — 2 (3). τίς ἀντιπῶσται μοι [A. al.] (8d)  
 — 4 (5). τίς ἀποκαλύψει πρὸς ὅποιον ἀνυπόστατος αὐ. (8d)  
 — 4 (5). εἰς δὲ πτεῖν θώρακος αὐ. τίς ἀνείσθλιν (8d)  
 — 5 (6). πύλας προσώπων αὐ. τίς ἀνοίξει (8d)  
 42. 3. A B S<sup>1</sup> τίς γάρ ἐστιν ὁ κρύπτων σε βουλὴν (8d)  
 — 3. τίς δὲ ἀνγγελεῖ μοι [A. al.] (8d)  
 Ps. 2. 1. ἵνα τί ἐφόρμαζαν ἄθῃ (12d)  
 3. 1. τί ἐπληρώθησαν οἱ θλιβαντές με (8a)  
 4. 2. ἵνα τί ἀπαύγατε ματαιότητά (8d)  
 — 6. τίς δείξει ἡμῖν τὰ ἀγαθὰ (8d)  
 6. 5. ἐν δὲ τῷ ᾧ τὴν ἐξομολογήσεται σοί (8d)  
 8. 4. τί [A. τίς] ἐστὶν ἄνθρωπος (8a)  
 9. 22 (10. 1). ἵνα τί, κύριε, ἀφίστηκας μακρόθεν (12d)  
 — 34 (10. 13). ἔσκεν τίνος παραβῆναι ὁ ἀσεβὴς τὸν θ. (8a)  
 10 (11). 4. ὁ δὲ δικαίος τί ἐποίησεν (8a)  
 11 (12). 4. τίς ἡμῶν κύριός ἐστιν (8d)  
 12 (13). 2. ὥς τίνος θησομαί βουλὰς ἐν ψυχῇ μου (11c)  
 13 (14). 7. τίς δώσει ἐκ Σιών τὸ σωτήριον τοῦ Ἰσρ. (8d)  
 14 (15). 1. τίς παροικεῖ ἐν τῷ σπέρματι σου (8d)  
 — 1. τίς κατασκηνοῖ ἐν τῷ ὄρει τῷ ἁγίῳ σου (8d)  
 17 (18). 31. τίς θεὸς πλὴν τοῦ κυρίου (8d)  
 — 31. τίς θεὸς πλὴν τοῦ θεοῦ ἡμῶν (8d)  
 18 (19). 12. παραπαισίσματα τίς συνήσει (8d)  
 21 (22). 1. ἵνα τί ἐγκαταλείπεις με (12d)  
 23 (24). 3. τίς ἀναρῆσται εἰς τὸ δρος τοῦ κυρίου (8d)  
 — 3. τίς στήσεται ἐν τόπῳ ἁγίῳ αὐ. (8d)  
 — 8. 10. A B S<sup>1</sup> τίς ἐστὶν οὗτος ὁ βασις τῆς δόξης (8d)  
 24 (25). 12. τίς ἐστὶν ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (8d)  
 26 (27). 1. τίνα φοβηθήσονται (8d)  
 — 1. ἀπὸ τίνος διελίσσεται (8d)  
 29 (30). 9. τίς ἀφέλει ἐν τῷ αἵματι μου (8a)  
 33 (34). 12. τίς ἐστὶν ἄνθρωπος ὁ θέλων ζῶν (8d)  
 34 (35). 10. τίς θμολός σοι (8d)  
 38 (39). 4. καὶ τὸν ἀρβύλον τῶν ἡμερῶν μου τίς ἐστὶν (8a)  
 — 4. ἵνα γινώσκῃς ὑποφ' ἐγὼ (8a)  
 — 6. οὐ γινώσκεις τίς συνάξει αὐτά (8d)  
 — 7. τίς ὁ ὑπομονή μου (8a)  
 39 (40). 5. οὐκ ἐστὶ τίς ὁμοιωθήσεται σοί (8d)  
 41 (42). 5. ἵνα τί περιλύσεις εἰ (12b)  
 — 5. ἵνα τί συνταράσσεις με (8d)  
 — 9. διὰ τί μου ἐπέλειπες (8d)  
 — 9. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (12d)  
 — 11. ἵνα τί περιλύσεις εἰ (12b)  
 — 11. ἵνα τί συνταράσσεις με (12b)  
 42 (43). 2. ἵνα τί ἀπώσω με (12d)  
 Ps. 42 (43). 2. ἵνα τί σκυθρωπάζων πορεύομαι (12d)  
 — 5. ἵνα τί περιλύσεις εἰ (12b)  
 — 5. ἵνα τί συνταράσσεις με (12b)  
 43 (44). 23. ἵνα τί ὑπνοῖς (12d)  
 — 24. ἵνα τί τὸ πρόσωπόν σου ἀποστρέφεις (12d)  
 48 (49). 5. ἵνα τί φοβούμαι ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾷ (12d)  
 49 (50). 16. ἵνα τί σὺ διηγῇ τὰ δικαιώματά μου (12b)  
 51 (52). 1. τί ἐγκαυχῇ ἐν κακίᾳ ὁ δυνατὸς ἀνομίαν (8a)  
 52 (53). 6. τίς δώσει ἐκ Σιών τὸ σωτήριον τοῦ Ἰσρ. (8d)  
 54 (55). 6. τίς δώσει μοι πτέρυγας (8d)  
 55 (56). 4. τί ποιήσει μοι σάρξ (8a)  
 — 11. τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (8a)  
 58 (59). 7. τίς ἤκουσε (8d)  
 59 (60). 9. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (8d)  
 — 9. τίς ὀδηγήσει με ὡς τῆς Ἰδουμ. (8d)  
 60 (61). 7. ἀληθεύει αὐτοῦ τίς ἐκζητήσει αὐτὸν (8c)  
 63 (64). 5. τίς θύεται αὐτοῦ (8d)  
 64 (65). 7. S<sup>1</sup> ἤλθους κυμάτων αὐ. τίς ὑποστήσεται [B S<sup>1</sup> om. τ. ὑ.] (8d)  
 67 (68). 16. ἵνα τί ὑπολαμβάνετε ὅρη τετυρωμένα (12d)  
 70 (71). 19. τίς θμολός σοι (8d)  
 72 (73). 25. τί γάρ μοι ὑπάρχει ἐν τῷ οὐρανῷ (8d)  
 — 25. πᾶρα σοῦ τί ἠβλήσα ἐπὶ τῆς γῆς (8d)  
 73 (74). 1. ἵνα τί ἀπώσω, ὁ θεός, εἰς τέλος (12d)  
 — 11. ἵνα τί ἀποστρέφεις τὴν χεῖρά σου (12d)  
 75 (76). 7. τίς ἀντιστήσεται σοί (8d)  
 76 (77). 13. τίς θεὸς μέγας ὡς ὁ θεὸς ἡμῶν (8d)  
 79 (80). 12. ἵνα τί καθεῖλες τὸν φραγμὸν αὐ. (12d)  
 82 (83). 1. τίς ὁμοιωθήσεται σοί (8d)  
 84 (85). 8. ἀκούσονται τί λαλήσει ἐν ἐμοὶ (8a)  
 87 (88). 14. ἵνα τί, κύριε, ἀπώσθεις τὴν προσευχήν μου (12d)  
 88 (89). 6. τίς ἐν νιφάλοις ἰσθώσεται τῷ κ. (8d)  
 — 6. τίς [A S<sup>1</sup> om.] ὁμοιωθήσεται τῷ κυρίῳ (8d)  
 — 8. τίς θμολός σοι (8d)  
 — 47. μῆσθητίς μοι ἡ ὑπόστασις (8a)  
 — 48. τίς ἐστὶν ἄνθρωπος δεξήσεται (8d)  
 89 (90). 11. τίς γινώσκει τὸ κράτος τῆς ὀργῆς σου (8d)  
 93 (94). 16. τίς ἀναστήσεται μοι (8d)  
 — 16. τίς συμπαρηστήσεται μοι (8d)  
 105 (106). 2. τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τοῦ κυρίου (8d)  
 106 (107). 43. τίς σοφὸς καὶ φυλάξει ταῦτα (8d)  
 107 (108). 10. τίς ἀπάξει με εἰς πόλιν περιοχῆς (8d)  
 — 10. τίς ὀδηγήσει με ὡς τῆς Ἰδουμ. (8d)  
 112 (113). 5. τίς ὡς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν (8d)  
 113 (114). 5. τί σοὶ ἐστὶ, θαλάσσα (8a)  
 115. 3 (116. 12). τί ἀναποδώσω τῷ κυρίῳ (8a)  
 117 (118). 6. οὐ φοβηθήσονται τί ποιήσει μοι ἄνθρωπος (8a)  
 118 (119). 9. ἐν αὐτῇ καταρθώσονται νεώτερος τῇν ὁδὸν αὐ. (8a)  
 119 (120). 3. τί δοθήει σοί (8a)  
 — 3. τί προστεθήει σοί (8a)  
 129 (130). 3. τίς ὑποστήσεται (8d)  
 132 (133). 1. τί καλὸν ἢ τί τερπνόν (8a, 8a)  
 143 (144). 3. τί [A. τίς] ἐστὶν ἄνθρωπος (8a)  
 147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψυχῆς αὐ. τίς ὑποστήσεται (8d)  
 151. 3. τίς ἀναγγελεῖ τῷ κυρίῳ μου (8d)  
 Pr. 3. 28. οὐ γὰρ οἶδας τί τέξεται ἡ ἐπιούσα (8d)  
 6. 9. ὥς τίνος, ὀκνηρῆ, κατακείσεται (11d)  
 17. 16. ἵνα τί ὑπῆρξεν χρημάτων ἄφρονι (12c)  
 18. 14. ὀλιγψύχων δὲ ἄνδρα τίς ὑποίσει (8d)  
 20. 9. τίς καυχήσεται ἀγνὴν ἔχειν τὴν καρδίαν (8d)  
 — 9. τίς παρησαύσεται καθαρὸς εἶναι ἀπὸ ἀμαρτίας (8d)  
 23. 29. τίς οὐαί· τίς θάρβος· τίς κρίσεις (8d, 8d)  
 — 29. τίς δὲ ἀληθὴς καὶ λέσχει (8d)  
 — 29. τίς συντρίμματα διὰ κενῆς (8d)  
 — 29. τίς πελιδνοὶ οἱ ὀφθαλμοί (8d)  
 24. 22. τίς δὲ τιμωρίας ἀμφοτέρων τίς γνώσεται (8d)  
 — 24 (30. 1). S<sup>1</sup> τί δὲ [A B S<sup>1</sup> τάδε] λέγει ὁ ἀνὴρ (8d)  
 — 27 (30. 4). τίς ἀνίστη εἰς τὸν οὐρανόν (8d)  
 — 27 (30. 4). τίς συνηγάγεν ἀνέμους ἐν κόλπῳ (8d)  
 — 27 (30. 4). τίς συνέστρεψεν ὕδωρ ἐν ἱματίῳ (8d)  
 — 27 (30. 4). τίς ἐκράτησε πάντων τῶν ἰσχυρῶν τῆς γῆς (8d)  
 — 27 (30. 4). τίς θύρα αὐτῷ (8a)  
 — 27 (30. 4). τίς θύρα τοῦ τέκνου αὐ. [A. al.] (8a)  
 Pr. 24. 32 (30. 9). τίς με ὀρᾷ (8d)  
 — 70 (31. 2). τί [B<sup>1</sup> om.] τέκνον, τηρήσεις· τίς; (8a, -)  
 — 70 (31. 2). τί τέκνον ἐμὲς κοίλας (8a)  
 — 70 (31. 2). τί τέκνον ἐμὼν εὐχῶν (8a)  
 27. 1. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τέξεται ἡ ἐπιούσα (8a)  
 31. 10. γυναῖκα ἀνδρείαν τίς εὕρησει (8d)  
 Ec. 1. 3. τίς περισσεία τῷ ἀνθρώπῳ (8a)  
 — 9. τί τὸ γεγονός [A. γένος] (8a)  
 — 9. τί τὸ πεποιημένον (8a)  
 2. 2. τί τοῦτο ποιεῖς (8a)  
 — 12. τίς ἄνθρωπος δεξήσεται [A. om.] ἐπιεικῶς (8a)  
 — 15. ἵνα τί ἐσοφισάμην ἐγὼ (12d)  
 — 19. τίς οἶδεν εἰ σοφὸς ἐσται (8d)  
 — 25. τίς φάσκει καὶ τίς πείπει ἀπὸ αὐτοῦ (8d, 8d)  
 3. 9. τίς περισσεία τοῦ ποιούντος (8a)  
 — 19. τί ἐπείρασεν ὁ ἀνθρ. [B<sup>1</sup> τίς περισσεία τῷ ἀνθρ.] (8d)  
 — 21. τίς οἶδε πνεῦμα (8d)  
 — 22. τίς ἀζει αὐτὸν τοῦ ἰδεῖν (8d)  
 4. 8. τίς ἐγὼ μοχθῶ (8d)  
 5. 9. τίς ἠγάπησεν ἐν πληθεί αὐ. γέννημα (8d)  
 — 10. τί [B<sup>1</sup> τίς] ἀνδρεία [B<sup>1</sup> -rl] τῇ παρ' αὐτῆς (8a)  
 — 15. A B S<sup>1</sup> τίς [B. om.] ἡ περισσεία αὐ. (8a)  
 6. 8. A B S<sup>1</sup> τίς [B S<sup>1</sup> al.] περισσεία τῷ σοφῷ (8a)  
 7. 1 (8. 11). τί [B<sup>1</sup> ἐστὶ] περισσεία τῷ ἀνθρώπῳ (8a)  
 — 1 (8. 12). A B S<sup>1</sup> τίς οἶδεν τί [B<sup>1</sup> τίς, B. om.] ἀγαθὸν τῷ ἀνθρ. (8d, 8a)  
 — 1 (8. 12). τίς ἀπαγγελεῖ τῷ ἀνθρ. τί ἐστὶ (8d, 8a)  
 — 2 (1). A. τίς ἀπαγγελεῖ αὐτῷ (8d)  
 — 11 (10). τί ἐγένετο (8a)  
 — 14 (13). τίς δυνήσεται κοσμήσαι (8d)  
 — 25 (24). τίς εὕρησει αὐτὸν (8d)  
 — 30 (8. 1). τίς οἶδε σοφούς (8d)  
 — 30 (8. 1). τίς οἶδε λύσιν ῥήματος (8d)  
 8. 5 (4). τίς ἐρεῖ αὐτῷ, τί ποιεῖς (8d, 8a)  
 — 7. οὐκ ἐστὶ γινώσκων τί τὸ ἐσόμενον (8a)  
 — 7. τίς ἀναγγελεῖ αὐτῷ (8d)  
 9. 4. τίς δε κοινῶναι πρὸς πάντας τοὺς ζῶντας (8d)  
 10. 14. οὐκ ἔγνω ἄνθρωπος τί τὸ γενόμενον καὶ τί τὸ ἐσόμεν. [B<sup>1</sup> γενόμεν.] (-, 8a)  
 — 14. B. τί [A B S<sup>1</sup> om.] ὅπως αὐτοῦ τίς ἀναγγελεῖ αὐτῷ (8d, 8a)  
 11. 2. τί ἐστὶ πονηρὸν ἐπὶ τῇ γῇ (8a)  
 — 5. οὐκ ἐστὶ γινώσκων τίς ὁδὸς τοῦ πνεύματος (8a)  
 Ca. 1. 10. τί ὠραιώθησαν σιαγόνας σου (8d)  
 3. 6. τίς αὐτῇ ἡ ἀναβαίνουσα (8d)  
 4. 10, 10 (A B S<sup>1</sup> B). τί ἐκαλλιώθησαν μαστοὶ σου (8a)  
 5. 8. τί ἀπαγγελεῖτε αὐτῷ [B. al.] (8a)  
 — 9. δις. τί ἀδελφίδος σου ἀπὸ ἀδελφίδου (8a)  
 7. 9 (10). τίς αὐτῇ ἡ ἐκτεπνοῦσα (8d)  
 6. 1. τί ὤψεσθε ἐν τῇ Σουναμίτιδι (8a)  
 — 1 (2). A. τί [B S<sup>1</sup> om.] ὠραιώθησαν διαβήματα σου (8a)  
 — 6 (7). τί ὠραιώθη καὶ τί ἡδύνη, ἀγάπη (8a, 8a)  
 8. 1. τίς δῶκε σε, ἀδελφιδέ μου (8d)  
 — 4. A. τί [B S<sup>1</sup> ἐν] ἐγείρην (8a)  
 — 4. A S<sup>1</sup> καὶ τί [B S<sup>1</sup> om., B<sup>1</sup> B<sup>1</sup> al.] ἐξέγειρε τὴν ἀγάπην (8a)  
 — 5. τίς αὐτῇ ἡ ἀναβαίνουσα (8d)  
 — 8. τί παῖσάμεν τῇ ἀδελφῇ ἡμῶν (8a)  
 Wi. 4. 17. οὐ κηρύσσονται εἰς βουλεύματα ... καὶ εἰς τὴν ἡσυχασίαν (8d)  
 5. 8. τί ὠφείλουν ἡμᾶς ἡ ὑπερηφανία (8d)  
 — 8. τίς πλοῦτος μετὰ ἀλαζονίας συμβέβηται ἡμῖν (8d)  
 6. 22. τί [B<sup>1</sup> τίς] δὲ ἐστὶ σοφία (8d)  
 8. 5. τί σοφίας πλουσιώτερον (8d)  
 — 6. τίς αὐτῆς τῶν ὄντων μᾶλλον ἐστὶ τεχνίτης (8d)  
 — 20. τὸ εἰδέναι τίνος ἡ χάρις (8d)  
 9. 9. ἐπισταμένη τὴν ἀρετὴν ἐν ὀφθαλμοῖς σου καὶ τί εἶδες ἐν ἐντολαῖς σου (8d)  
 — 10. καὶ γὰρ ἄνθρωπος γινώσκειται βουλὴν θεοῦ (8d)  
 — 13. τίς ἐνθυμῶσται τίς θλίβει ὁ κύριος (8d)  
 — 16. τὰ δὲ ἐν οὐρανοῖς τίς ἐξίχνιασε (8d)  
 — 17. βουλὴν δὲ σου τίς ἔγνω (8d)  
 11. 21. κράτει βραχιόνος σου τίς ἀντιστήσεται (8d)  
 12. 12. τίς γὰρ ἐρεῖ, τί ἐποίησας (8d)  
 — 12. τίς ἀντιστήσεται τῷ κρίματι σου (8d)  
 — 12. τίς δὲ ἐγκαλέσει σοὶ κατὰ ἐθὺς ἀπολωλότων (8d)  
 — 12. τίς εἰς κατάστασιν σοὶ θλίβεται (8d)  
 15. 7. τοῦτων δὲ ἐκατέρου τίς ἐκείνου ἐστὶν ἡ χρησιμότης (8d)

Si. 1. 2. **ἡμέρας αἰῶνος** τίς ἐξαριθμῆσαι  
— 3. σοφίας τίς ἐξεκρίνασι  
— 6. **μία** σοφία τίς ἀπεκαλύφθη  
— 6. **τά** πανουργήματα αὐ. τίς ἔγνω  
2. 5. **B<sup>1</sup> τί** [A B S<sup>2</sup> δτι] ἐν πυρὶ δοκιμάζεται χρυσός  
— 10. τίς ἐνεπίστευσε κυρίῳ  
— 10. τίς ἐνέμεινε τῷ φόβῳ αὐ.  
— 10. τίς ἐπεκαλέσαστο αὐτόν  
— 14. τί ποιήσετε ὅταν ἐπισκέπτηται ὁ κύριος  
5. 3. **A B S<sup>4</sup>** τίς με δυναστεύσει  
— 4. τί μοι ἐγένετο  
6. 34. τίς σοφὸς αὐτῷ προσκολλήθητι  
7. 28. τί ἀπαποδώσεις αὐτοῖς  
8. 18. οὐ γὰρ γινώσκεις τί τίξεται  
9. 11. οὐ γὰρ οἶδας τί [A B<sup>1</sup> τίς] ἔσται ἡ καταστροφή αὐ.  
10. 9. τί ὑπερβαίνεται γῆ καὶ σποδός  
— 29. τὸν ἀμαρτάνοντα εἰς τὴν ψυχὴν αὐ. τίς δικαιώσει  
— 29. τίς δοξάσει τὸν ἀτιμάζοντα τὴν ζωὴν αὐ.  
11. 19. οὐκ οἶδε τίς καιρὸς παρελεύσεται  
— 23. τίς ἐστί μοι χρεία  
— 23. τίνα ἀπὸ τοῦ νῦν ἔσται μου τὰ αγαθά  
— 24. τί ἀπὸ τοῦ νῦν κακοθήσονται  
12. 1. γινώθι τί μοι ποιεῖς  
— 13. τίς ἐλεήσει ἐπαυδὸν ὀφύδηκτον  
13. 2. τί κοινωνήσῃ χίττα πρὸς λέβητα  
— 6. τίς ἡ χρεία σου  
— 17. τί κοινωνήσῃ λυκος ἀμφοῖ  
— 18. τίς εἰρήνη ὑαίνῃ πρὸς κύνα  
— 18. τίς εἰρήνη πλουσίῳ πρὸς πένι πτα  
— 23. καὶ εἶπα, τίς οὗτος  
14. 3. ἀνθρώπῳ βασκανῶ ἵνα τί χρήματα  
— 5. ὁ ποιητὴς ἐαυτῷ τί ἀγαθὸς ἔσται  
18. 17. τίς γὰρ ἡ ψυχὴ μου ἐν ἀμετρίῳ κτίσει  
— 20. τὰς ὁδοὺς αὐ. τίς ἐθυμώθησεται  
— 22. ἔργα δικαιοσύνης τίς ἀναγγελεῖ ἡ τίς ὑπομνεῖ  
— 27. ὑψίστῳ τίς αἰνεῖται ἐν ἄδου  
— 31. τί [B<sup>1</sup> τὸ] φωτεινότερον ἡλίου  
— 31. **B<sup>1</sup>** τί ποιοῦν ἔνθου μὴθήσεται [A B S<sup>1</sup> αὐ.]  
18. 4. τίς ἐξεκρίνασι τὰ μεγάλα αὐ.  
— 5. κράτος μεγαλυνῶν αὐ. τίς ἐξαριθμῆσεται  
— 5. τίς προσθήσει ἐκδιηγῆσασθαι τὰ ἐλεῖ αὐ.  
— 8. τί [B<sup>1</sup> τίς] ἄνθρωπος καὶ τί ἡ χρῆσις αὐ.  
— 8. τί τὸ αγαθὸν αὐ. καὶ τί τὸ κακὸν αὐ.  
19. 16. τίς οὐχ ἡμάρτησεν ἐν τῇ γλώσσῃ αὐ.  
20. 30. τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις  
22. 8. ἐρεῖ, τί ἐστίν  
— 14. ὑπὲρ μολιβδίου τί βαρυνθήσεται  
— 14. τί αὐτῷ ὄνομα ἀλλ' ἡ μορὸς  
— 27. τίς ὁδοὶ μοι ἐπὶ στίμα μου φυλακὴν  
23. 2. τίς ἐπιστήσῃ ἐπὶ τοῦ διανοημάτος μου μώστιγας  
— 18. τίς με ὄρε  
— 18. τί [A τίνα] εὐλαβοῦμαι  
24. 7. ἐν κληρονομίᾳ τίνος αἰλισθήσονται  
25. 11. ὁ κρατὼν αὐτοῦ τί μοι ὁμοιωθήσεται  
25. 5. τίς ἐξέλκεται τὰς ἀμαρτίας αὐ.  
30. 19. τί συμβέριε κάρτισσις εἰδωλῶ  
31 (34). 4. ἀπὸ ἀκαθάρτου τί καθαρισθήσεται  
— 4. ἀπὸ ψευδοῦς τί ἀληθεύσει  
— 15. τίς ἐπέχει καὶ τίς ἀντιτίρηγμα αὐ.  
— 23. τί ὠφέλησαν πλείον  
— 24. τίνος φωνὴς εἰσακούσεται ὁ δεσπότης  
— 25. τί ὠφέλησε τῷ λουτρῷ αὐ.  
— 26. τῆς προσευχῆς αὐ. τίς εἰσακούσεται  
— 26. τί ὠφέλησεν ἐν τῷ ταπεινωθῆναι αὐτῶν  
34 (31). 9. τίς ἐστί καὶ μακαριούμεν αὐτόν  
— 10. τίς ἐδοκίμασεν ἐν αὐτῷ  
— 10. τίς ἐδύνατο παραβῆναι  
— 13. ποιοῦν ὁδὸν αὐτοῦ τί ἔκτισται  
— 27. τίς ζωὴ ἐλασσονεύει οὐκ  
36 (33). 7. διὰ τί ἡμέρα ἡμέρας ὑπερέχει  
36. 31 (28). τίς γὰρ πιστεύσει εὐζώνῳ ληστῇ  
37. 8. γινώθι πρότερον τίς αὐτοῦ χρεία  
— 27. ἴδε τί ποιῶν αὐτῇ  
38. 25. τί σοφισθήσεται [A B τίς ὀφθῆναι] ὁ κρατὼν ἀρόστρου  
39. 17, 21. τί τοῦτο ; εἰς τί τοῦτο  
41. 4. τί ἀπαναίη ἐν εὐδοκίᾳ ὑψίστου  
— 14. τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις  
42. 25. τίς πλησθῆσεται ὥραν δύξαν αὐτοῦ  
43. 3. ἐναντίον κυμάτων αὐ. τίς ὑποστήσεται  
— 31. τίς ἐάρεκεν αὐτόν  
— 31. τίς μεγαλύνει αὐτόν  
46. 3. τίς πρότερον [A B -ος] αὐτοῦ οὕτως ἔσται  
48. 4. τίς ὁμοῖός σοι καυχᾶσθαι

Si. 51. 24. **A B** τίς δτι [B καὶ δτι, B διότι] ὑστερεῖτε  
Ho. 6. 5 (4). τί σοι ποιῶν, Ἐφρ. (8 a)  
— 5 (4). τί σοι ποιῶν, Ἰουδα (8 a)  
8. 5. ἔως τίνος οὐ μὴ δύναται καθαρῶς θῆναι (11 d)  
9. 5. τί ποιήσετε ἐν ἡμέραις πανηγύρεως (8 a)  
— 14. τί δώσεις αὐτοῖς (8 a)  
10. 3. ὁ δὲ βασ. τί ποιήσει ἡμῖν (8 a)  
— 13. ἵνα τί παρσιωπήσατε ἀσέβειαν (—)  
11. 8. τί σε διαβάωμι (1)  
— 8. τί σε διαβάω (1)  
13. 9. τῇ διαφθορᾷ σου, Ἰερ., τίς βοηθήσει (8 a)  
— 10. τίς σοφὸς καὶ συνήσει ταῦτα (8 d)  
Am. 3. 8. τίς οὐ προβήσεται (8 d)  
— 8. τίς οὐ προφητεύσει (8 d)  
5. 18. ἵνα τί ἐγὼ ὑμῖν ἡμέρα τοῦ κυρίου (12 d)  
7. 2, 5. τίς ἀναστήσει τὸν Ἰ. (8 d)  
— 8. τί σὺ ὄρεῖς, Ἀμώς (8 a)  
8. 2. τί σὺ βλάπτεις, Ἀμώς (8 d)  
Mi. 1. 5. τίς ἡ ἀσέβεια τοῦ Ἰακώβ (8 d)  
— 5. τίς ἡ ἀμαρτία οἴκου Ἰουδα (8 d)  
— 12. τίς ἤρξατο εἰς ἀγαθὰ κυριακοῦς ὁδοὺς (8 a)  
4. 9. ἵνα τί ἐγὼς κακὰ (12 d)  
6. 3. τί ἐποίησά σοι ἡ τί ἐλύπησά σε ἡ τί παρηνόχησά σοι (8 a, 8 a, —)  
— 5. μνησθήτι δὴ τί βουλεύσατο κατὰ σοῦ B. (8 a)  
— 5. τί ἀπεκρίθη αὐτῷ Βαλ. (8 a)  
— 6. ἐν τίνι κατελάβω τὸν κύριον (8 a)  
— 8. εἰ ἀνηγγέλη σοι, ἄνθρωπε, τί καλὸν (8 a)  
— 8. τί κύριος ἐκτίρει παρὰ σοῦ (8 a)  
— 9. τίς [A τί] κοσμήσει πόλιν (8 d)  
— 7. τίς θεὸς ὥσπερ σὺ (8 d)  
Jl. 1. 18. τί ἀποθήσονται ἐκντοῖς (8 a)  
2. 11. τίς ἔσται ἱκανὸς αὐτῇ (8 d)  
— 14. τίς οἶδεν εἰ ἐπιστρέψει (8 d)  
3 (4). 4. καὶ τί [A add. καὶ] ὑμεῖς ἐμοί (8 a)  
Ob. 1. 3. τίς με καταξίει ἐπὶ τὴν γῆν (8 d)  
Jn. 1. 6. τί σοι ρέγγεις (8 a)  
— 7. 8 (A). τίνος ἐνεκεν ἡ κακία αὐτῇ ἐστίν (8 a)  
— 8. τίς σου ἡ ἐργασία ἐστὶ (8 a)  
— 10. τί τοῦτο ἐποίησας (8 a)  
— 11. τί σοι ποιήσωμι [A B -ωμι] (8 a)  
3. 9. τίς οἶδεν εἰ μετανοήσει ὁ θεός (8 d)  
4. 5. τί ἔσται τῇ [B ἐν τῇ] πόλει (8 a)  
Na. 1. 6. ἀπὸ ποσούτου ὀργῆς αὐ. τίς ὑποστήσεται (8 d)  
— 6. τίς ἀνστήσεται ἐν ὀργῇ θυμοῦ αὐ. (8 d)  
— 9. τίς λογισθεῖ ἐπὶ τὸν κύριον (8 a)  
3. 7. τίς στενάζει αὐτῇ (8 d)  
— 19. ἐπὶ τίνα οὐκ ἐπλήθυνεν ἡ κακία σου (8 d)  
Hb. 1. 2. ἔως τίνος, κύριε, κεκράζουμαι (11 c)  
— 3. ἵνα τί ἰδιεύς μοι κύριος... ἐπιβλέπειν (12 d)  
— 13. ἵνα [A εἰς] τί ἐπιβλέπεις ἐπὶ καταφρονούντας (12 d [10])  
2. 1. τοῦ ἰδεῖν τί λαλήσει ἐν ἐμοὶ καὶ τί ἀποκριθῶ (8 a, 8 a)  
— 6. ὁ πληθύνων... ἔως τίνος (11 d)  
— 18. B τί ὠφέλει γλυπτόν τί [A B S δτι] ἔγλυψαν αὐτό (8 a, +)  
Ze. 3. 18. τίς ἔλαβεν ἐπ' αὐτὴν ὀνειδισμὸν (—)  
Hg. 2. 4 (3). τίς ἐξ ὑμῶν [B<sup>2</sup> add. περιελθόντες] ὅς εἶδε (8 d)  
— 17 (16). τίνες ἦτε (8 a)  
Za. 1. 9. τί οὗτοι, κύριε (8 a)  
— 9. δείξω σοι τί ἐστί ταῦτα (8 a)  
— 12. ἔως τίνος οὐ μὴ ἐλεήσῃς τὴν Ἱερ. (11 d)  
— 19 (2. 2). τί ἐστί ταῦτα, κύριε (8 a)  
— 21 (2. 4). τί οὗτοι ἔρχονται ποιῆσαι (8 a)  
4. 2. τί σὺ βλέπεις (8 a)  
— 4. τί ἐστί ταῦτα, κύριε (8 a)  
— 5. A B S<sup>2</sup> οὐ γινώσκεις τί ἐστί ταῦτα (8 a)  
— 7. τίς εἰ σὺ (8 d)  
— 10. τίς ἐξουδένωσεν εἰς ἡμέρας μικράς (8 a)  
— 11. τί αἱ δύο εὐλαῖαι αὐταῖ (8 a)  
— 12. τί οἱ δύο κλάδοι οὗτοι (8 a)  
— 13. οὐκ οἶδας τί ἐστί ταῦτα (8 a)  
5. 2. τί σὺ βλέπεις (8 a)  
— 5. B<sup>2</sup> ἴδε τί [A B S<sup>1</sup> om.] τὸ ἐκπορευόμενον τοῦτο (8 a)  
— 6. τί ἐστί (8 a)  
6. 4. τί ἐστί ταῦτα, κύριε (8 a)  
8. 20. B<sup>1</sup> τί [A B S<sup>2</sup> ἐτι] ἤξουσιν λαοὶ πολλοί (8 a)  
13. 6. τί αἱ πληγαὶ αὐταῖ ἀνὰ μέσον τῶν χειρῶν σου (8 a)  
Ma. 1. 2. ἐν τίνι ἡγήγησας ἡμᾶς (8 a)  
— 6. ἐν τίνι ἐφάνυσμας τὸ ὄνομα σου (8 a)

Ma. 1. 7. ἐν τίνι ἡλισσώσαμεν αὐτοῦς (8 a)  
2. 10. τί ἐστὶ ἐγκατελείπετε ἕκαστος τὸν ἀδ. αὐ. (16 b)  
— 14. εἶπατε, Ἐνεκεν τίνος (8 a)  
— 15. τί ἄλλο ἢ σπέρμα ζῆτὸς ὁ θεός (8 a)  
— 17. ἐν τίνι παρωξύνουμεν αὐτόν (8 a)  
3. 2. τίς ὑπομνεῖ ἡμέραν εἰσόδου αὐ. (8 d)  
— 2. τίς ὑποστήσεται ἐν τῇ ὀπτασίᾳ αὐ. (8 d)  
— 7. ἐν τίνι ἐπιστρέψωμεν (8 a)  
— 8. ἐν τίνι ἐπετρύσαμεν σε (8 a)  
— 13. ἐν τίνι καταλαλήσαμεν κατὰ σοῦ (8 a)  
— 14. τί πλέον ἐστὶ ἐφύλαξαμεν τὰ φυλάγματα αὐ. (8 a)  
Is. 1. 5. τί ἐτι πληγῆτε προστιθέντες ἀνομίαν (8 a)  
— 11. τί μοι πλῆθος τῶν θυσιῶν ὑμῶν (8 c)  
— 12. τίς γὰρ ἐξετίμησε ταῦτα (8 d)  
3. 14. τί ἐνεπύρισατε τὸν ἀμπελώνα μου (—)  
— 15. τί ὑμεῖς ἀδικεῖτε τὸν λαόν μου (10\*, 8 a)  
5. 4. τί ποιῶν ἔτι τῷ ἀμπελώνῳ μου (8 a)  
— 5. ἀναγγεῖλὲ ὑμῖν τί ποιῶν (4)  
6. 8. τίνα ἀποστείλω καὶ τίς [B<sup>2</sup> om.] πορεύσεται (8 d, 8 d)  
8. 19. τί ἐκτίπτουσι περὶ τῶν ζώων τοὺς νεκρούς (8 a)  
— 10. 3. τί ποιήσουσι τῇ ἡμέρᾳ τῆς ἐπισκοπῆς (8 a)  
— 3. πρὸς τίνα καταφεύξεσθε (8 d)  
14. 2. τίς διασκεδάσει (8 d)  
— 27. τὴν χεῖρα αὐ. τὴν ὑψηλὴν τίς ἀποστρέψει (8 d)  
— 32. τί ἀποκριθῶσιν βισαλεῖς ἐθνῶν (8 a)  
18. 2. τίς [A τί] αὐτοῦ ἐπέκεινα (8 a)  
19. 12. τί βεβουλεύεται κύριος σαβ. (8 a)  
22. 1. τί ἐγένετό σοι (8 a)  
— 16. τί [B<sup>2</sup> τίς] σὺ ὥδε καὶ τί σοὶ ἐστὶν ὥδε (8 a, 8 d)  
23. 2 (1). τίνι ὁμοῖοι γεγόνασιν (8 a)  
— 8. τίς ταῦτα ἐβούλευσεν ἐπὶ Τύρον (8 d)  
27. 4. τίς με θῆσει φυλάσσειν καλὰ μνη (8 d)  
28. 9. τίνα ἀνηγγεῖλαμεν ἀγγελίαν (8 d)  
— 9. τίνα ἀνηγγεῖλαμεν ἀγγελίαν (8 d)  
29. 15. τίς ἐώρακεν ἡμᾶς (8 d)  
— 15. τίς ἡμᾶς γινώσκει (8 d)  
33. 14. τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν ὅτι πῦρ καίεται (8 d)  
— 14. τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν τὸν τόπον τῶν αἰώνων (8 d)  
36. 4. τί [B<sup>2</sup> τίς] πεποιθὸς εἰ (8 a)  
— 5. ἐπὶ τίνα [A B τίς] πέποιθας (8 d)  
— 11. ἵνα τί λαλεῖς εἰς τὰ ὅσα τῶν ἀνθρ. (8 a)  
— 20. τίς τῶν θεῶν πάντων τῶν ἐθνῶν τοῦτων (8 d)  
37. 23. τίνα ἀνείδειας (8 d)  
— 23. πρὸς τίνα ὑψώσας τὴν φωνὴν σου (8 d)  
39. 3. τίς λίγους οἱ ἄνθρωποι οὗτοι (8 a)  
— 4. τίς εἶδον ἐν τῷ οἴκῳ σου (8 a)  
40. 6. τίς βόισω (8 a)  
— 12. τίς [B<sup>1</sup> τίς] ἐμέτρησε τῇ χειρὶ τὸ ὕδωρ (8 d)  
— 12. τίς ἐστῆσε τὰ ὄρη, σταθμῶ (8 d)  
— 13. τίς ἐγὼ νῦν κυρίου (8 d)  
— 13. τίς αὐτοῦ συμβούλιος ἐγένετο (8 d)  
— 14. πρὸς τίνα συνέβουλεύσατο (8 d)  
— 14. τίς ἔδειξεν αὐτῷ κρίσιν (—)  
— 14. ὁδὸν συνέσεως τίς ἔδειξεν αὐτῷ (—)  
— 14. A B<sup>1</sup> τίς προέδωκεν αὐτῷ (—)  
— 18. τίνα ὁμολώσατε κύριον (8 d)  
— 18. τίνα ὁμολώσατε ὁμολώσατε αὐτόν (8 a)  
— 25. τίνα με ὁμολώσατε (8 d)  
— 26. τίς κατέδειξε ταῦτα πάντα (8 d)  
— 27. καὶ τί ἐλάλησας (—)  
41. 2. τίς ἐξήγαγεν ἀπὸ ἀνατολῶν δικαιοσύνην (8 d)  
— 4. τίς ἐνήργησε καὶ ἐποίησε ταῦτα (8 d)  
— 22. τὰ πρότερον τίνα ἦν εἴπατε (8 a)  
— 22. γινώσκοντες τί τὰ ἔσχατα (—)  
— 26. τίς γὰρ ἀναγγελεῖ τὰ ἐξ ἀρχῆς (8 d)  
42. 19. τίς τυφλὸς ἀλλ' ἡ οἱ παῖδες μου (8 d)  
— 23. τίς ἐν ὑμῖν ὅς ἐνωτιέται ταῦτα (8 d)  
— 24. A B τίς [B οἱ] ἔδωκεν εἰς διαπαγὴν Ἰ. (8 d)  
43. 9. τίς ἀναγγελεῖ ταῦτα (8 d)  
— 9. τὰ ἐξ ἀρχῆς τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν (—)  
— 13. τίς ἀποστρέψει αὐτό (8 d)  
44. 7. τίς ὥσπερ ἐγὼ (8 d)  
— 25 (24). τίς ἕτερος διασκεδάσει σημεῖα (8 a)  
45. 9. τίς ποιεῖς (8 a)  
— 10. τίς γεννῆσεις (8 a)  
— 10. τίς ἀδικεῖς (8 a)  
— 21. τίς ἀκουστὰ ἐποίησε ταῦτα (8 d)  
46. 5. τίνα με ὁμολώσατε (8 d)  
47. 13. τίς μέλλει ἐπὶ σὶ ἐρχεσθαι (4)  
48. 14. τίς ἀλλοὺς ἀνήγγελε ταῦτα (8 d)  
49. 21. τίς ἐγέννησέν μοι τοὺτους (8 d)  
— 21. τοὺτους δὲ τίς ἐξέθρεψέ μοι (8 d)

13. 50. 1. τίνι [Α<sup>1</sup> τίνων] υπόχρεφ πέπρακα ὑμᾶς (8 d)  
— 2. τί ὅτι [Β<sup>1</sup> διότι] ἦλθον (18 b)  
— 8. τίς ὁ κρινόμενος μοι (8 d)  
— 9. τίς κακός με (8 d)  
— 10. τίς ἐν ὑμῖν ὁ φοβούμε. τὸν κύριον (8 d)  
51. 12. γινώθι τίς οὗσα [Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> τίνι] ἐφοβήθη (8 d)  
— 19. τίς σοι συλλληπθῆσεται (8 d)  
— 19. τίς παρακαλεῖ σε (8 d)  
52. 5. τί ᾄδῃ ἔστε (8 a)  
58. 1. τίς ἐπίστευσε τῇ ἀκοῇ ἡμῶν (8 d)  
— 1. ὁ βραχίων κυρίου τίνι ἀπεκαλύφθη (8 d)  
— 8. τὴν γενεάν αὐ. τίς διηγῆσεται (8 d)  
55. 2. ἵνα τί τιμᾶσθε ἀργυρίου (12 d)  
57. 4. ἐν τίνι ἐνετρυφῆσατε (8 d)  
— 4. ἐπὶ τίνι [Β<sup>1</sup> τίνι] ἠνοίξατε τὸ στόμα ὑμῶν (8 d)  
— 4. ἐπὶ τίνι ἐγαλάσσετε τὴν γλῶσσαν ὑμῶν (8 d)  
— 11. τίς εὐλαβηθῆσα ἐφοβήθη (8 d)  
58. 3. τί ὅτι ἐπηττύσαμεν (16 f)  
— 4. ἵνα τί μοι ἠσθεύετε (8 d)  
60. 8. τίνες οἶδε ὡς κηδεῖται πέτονται (8 d)  
68. 1. τίς οὗτος ὁ παραγινόμενος ἐξ Ἑδῶμ (8 d)  
— 2. διὰ τί σου ἐρυθρὰ τὰ ἱμάτια (9 b)  
— 17. τί ἐπλάνασθε ἡμᾶς (8 c)  
65. 24. ἔρω. Τί ἐστὶ (8 d)  
66. 2. ἐπὶ τίνι ἐπιβλέψω (8 d)  
— 8. τίς ἔκρυψε τοιοῦτο καὶ τίς ἔωρακεν οὗτως (8 d, 8 d)  
Je. 1. 11, 13 (Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup>). τί σὺ ὁρᾷς (8 a)  
2. 5. τί εὐρόσαν οἱ πατέρες ὑμῶν (8 a)  
— 14. διὰ τί [Β<sup>1</sup> διότι] εἰς προνομὴν ἐγένετο (9 b)  
— 18. τί σοι καὶ τῇ ὁδῷ Ἀλγυπτου (8 a)  
— 18. τί σοι καὶ τῇ ὁδῷ Ἀσσυρίων (8 a)  
— 23. γινώθι τί ἐποιήσατε (8 a)  
— 24. τίς ἐπιστρέψει αὐτήν (8 d)  
— 29. ἵνα τί λαλεῖτε πρὸς μέ (12 d)  
— 31. διὰ τί εἶπεν ὁ λαός μου (9 b)  
— 33. τί ἐτι καλὸν ἐκτίθηθενοις (8 a)  
4. 30. καὶ σὺ τί ποιήσεις (8 a)  
5. 19. τίνος ἔνεκεν ἐποίησε . . . πάντα ταῦτα (8 a)  
— 31. τί ποιήσετε εἰς τὰ μετὰ ταῦτα (8 a)  
6. 10. πρὸς τίνα λαλήσω (8 a)  
— 20. ἵνα τί μοι λήβαρον ἐκ Σ. φέρετε (12 c)  
7. 17. ἡ οὐχ ὁρᾷς τί αὐτοὶ ποιοῦσιν (8 a)  
8. 5. διὰ τί [Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> διότι] ἀπέστρεψεν ὁ λαός μου (9 b)  
— 6. τί ἐποίησα (8 a)  
— 9. σοφία τίς ἐστὶν ἐν αὐτοῖς (8 a)  
— 14. ἐπὶ τί ἡμεῖς καθήμεθα (8 a)  
— 19. ΒΒ<sup>1</sup> διὰ τί [Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> διότι] παρώργισάν με (9 b)  
— 22. διὰ τί οὐκ ἀνέβη ἱασίς (9 b)  
9. 1 (8. 23). τίς δώσει κεφαλὴ μου ὕδωρ (8 d)  
— 2 (1). τίς ᾄδει μοι ἐν τῇ ἐρήμῳ σταθμὸν ἔσχατον (8 d)  
— 12 (11). τίς ὁ ἄνθρωπος ὁ συνετός (8 d)  
— 12 (11). ἔνεκεν τίνος ἀπώλετο ἡ γῆ (8 a)  
11. 15. τί ἡ γῆπαρμήν . . . ἐποίησε βδελυγμα (8 a)  
12. 1. τί ὅτι ὁδὸς ἀσεβῶν εὐοδοῖται (16 b)  
13. 21. τί ἔρεῖς ὅταν ἐπισκέπτονται σε (8 a)  
— 22. διὰ [Α<sup>1</sup> ο.π.] τί ἀπήνησέ μοι ταῦτα (9 b, 7)  
— 27. ἕως τίνος ἔτι (11 b)  
14. 8. ἵνα τί ἐγενήθης ὥστε πάροικος (12 d)  
— 19. ἵνα τί ἔπαυσας ἡμᾶς (12 a)  
15. 5. Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> τίς φέισεται ἐπὶ σοί (8 d)  
— 5. Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> τίς δειλιάσει ἐπὶ σοί (8 d)  
— 5. Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> τίς ἀνακάμψει εἰς εἰρήνην σοι (8 d)  
— 10. ὡς τίνα με ἔτεκες (8 d)  
— 18. ἵνα τί ὀλυνπυνέμε με κατισχύουσί μου (12 d)  
16. 10. διὰ τί ἐλάλησεν . . . πάντα τὰ κακὰ ταῦτα (8 a)  
— 10. τίς ἡ ἀδικία ἡμῶν (8 a)  
— 10. τίς ἡ ἀμαρτία ἡμῶν (8 a)  
17. 9. τίς γινώσκει αὐτόν (8 d)  
18. 13. τίς ἤκουσε γοαῖατα φρικτά (8 d)  
20. 18. ἵνα τί τοῦτο ἐξῆλθεν (12 d)  
21. 13. τίς πτοῖσθαι ἔμελλε (8 d)  
— 13. τίς εἰσελεύσεται πρὸς τὸ κατοικητήριον (8 d)  
22. 8. διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτως (8 a)  
23. 18. τίς [Α<sup>1</sup> ο.π.] ἔστη ἐν ὑποστήγματι κυρίου (8 d)  
— 18. τίς ἠνωτήσατο (8 d)  
— 28. τί τὸ ἄχρον πρὸς τὸν σίτον (8 a)  
— 33. τί τὸ λῆμμα κυρίου (8 a)  
— 35. τί ἀπεκρίθη κύριος (8 a)  
— 35. Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> τί ἐλάλησε κύριος (8 a)  
— 37. διὰ τί [Β<sup>1</sup> τί] ἐλάλησε κ. ὁ θεός ἡμῶν (9 c, 18 c)  
24. 3. τί σὺ ὁρᾷς (8 a)  
26 (46). 5. τί ὅτι αὐτοὶ πτοοῦνται (10 b)

Je. 26 (46). 7. τίς οὗτος ὅς ποταμός ἀναβήσεται (8 d)  
— 15. διὰ τί ἐφύγεν ἀπὸ σοῦ ὁ ἄπιστος (9 b)  
27 (50). 44. τίς ὥσπερ ἐγώ (8 d)  
— 44. τίς ἀντιστήσεται μοι (8 d)  
— 44. τίς οὗτος ποιμήν (8 d)  
28 (51). 5. Α<sup>1</sup> διὰ τί [Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> διότι] οὐκ ἐχίρουνεν Ἰσρα. (8 d)  
29 (47). 6 (5). ἕως τίνος κόψεις (11 d)  
— 6. ἕως τίνος οὐχ ἠσυχάσεις (11 c)  
29 (49). 19. τίς ὥσπερ ἐγώ (8 d)  
— 19. τίς ἀντιστήσεται μοι (8 d)  
— 19. τίς οὗτος ποιμήν (8 d)  
30 (49). 1. διὰ τί [Β<sup>1</sup> διότι] παρέλαβε Μ. τὴν Γ. (9 b)  
— 4. τί [Α<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> ο.π.] ἀγαλλιάσθε ἐν τοῖς πεδίοις Ἑν. (8 a)  
— 4. τίς [Β<sup>1</sup> οὐδεὶς] εἰσελεύσεται ἐπ' ἐμέ (8 d)  
31 (48). 19. τί ἐγένετο (8 a)  
36 (29). 27. διὰ τί συνηλοδορήσατε Ἰερμῖαν (9 c)  
37 (30). 21. τίς ἐστὶν οὗτος (8 d)  
39 (32). 3. Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> διὰ τί σὺ προφητεύεις (9 b)  
43 (38). 29. διὰ τί ἐγραψας ἐπ' αὐτῷ (9 b)  
44 (37). 18. τί ἠδίκησά σε (8 a)  
— 20. τί ἀποστρέφεις με εἰς οἶκον Ἰ. (8 a)  
45 (38). 25. τί ἐλάλησέ σοι ὁ βασις. (8 a)  
— 25. τί ἐλάλησε πρὸς σὲ ὁ βασις. (8 a)  
51 (44). 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα (12 d)  
— 28. λόγος τίνος ἔμενεῖ (8 d)  
Ba. 3. 10. τί ἐστὶν Ἰσρα. (8 a)  
— 10. τί [Α<sup>1</sup> ο.π.] ὅτι ἐν γῇ τῶν ἐχθρῶν εἶ (8 a)  
— 15. τίς εὔρε τὸν τόπον αὐ. (8 a)  
— 15. τίς εἰσῆλθεν εἰς τοὺς θησαυροὺς αὐ. (8 a)  
— 29. τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐρανόν (8 a)  
— 30. τίς διέβη πέραν τῆς θαλάσσης (8 a)  
4. 17. ἐγὼ δὲ τί δυνατὴ βοήθησιν ὑμῖν (12 d)  
La. 2. 13. τί μαρτυρήσω σοι ἡ τί μοι ὁμοίωσά σοι (8 a, 8 a)  
— 13. Β<sup>3</sup> τίς σώσεις καὶ τίς [Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> Β<sup>3</sup> ο.π.] παρακαλέσει σε (8 a, -)  
— 13. τίς ἰάσεται σε (8 d)  
— 20. τίς ἐπεφύλαξε οὕτως (8 a)  
3. 37. τίς [Α<sup>1</sup> κύριος] οὕτως εἶπε (8 d)  
— 39. τί γογγύσει ἄνθρωπος (8 a)  
5. 20. ἵνα τί εἰς νίκος ἐπλήρησ ἡμῶν (12 d)  
Er. Je. 52. τίνι οὖν γνωστὸν ἐστὶν (8 a)  
Εξ. 8. 6. ἔωρακας τί οὗτοι ποιοῦσιν (18\*, 8 a)  
12. 9. τί σὺ ποιεῖς (8 a)  
— 22. τίς ἡ παραβολὴ ὑμῖν (8 a)  
15. 2. τί ἂν γένοιτο τὸ ξύλον τῆς ἀμπέλου (8 a)  
16. 30. τί διαβῶ τὴν θυγατέρα σου (8 a)  
17. 12. οὐκ ἐπίστασθαι τί ἔν τῇ αὐτῇ (8 a)  
18. 2. τί ὑμῖν ἡ παραβολὴ αὐτῇ (8 a)  
— 19. τί [Α<sup>1</sup> ο.π.] ὅτι οὐκ ἔλαβε τὴν ἀδικίαν (18 b)  
— 31. ἵνα τί ἀποθνήσκετε (12 d)  
19. 2. τί ἡ κήτηρ σου (8 a)  
20. 29. Β<sup>1</sup> τίς [Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> τί] ἐστὶν ἀβανὰ (8 a)  
21. 7 (12). ἔνεκα τίνος σὺ στεναγὰς (8 a)  
— 13 (18). Β<sup>1</sup> τί καὶ φύλῃ ἀπωσθῇ [Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> α.]. (8 a)  
24. 13. τί ἐὰν μὴ καθαρίσθης [Α<sup>1</sup> α.]. (8 a)  
— 19. τί ἐστὶ ταῦτα ἃ σὺ ποιεῖς (8 a)  
27. 2. Α<sup>1</sup> τίς ὥσπερ Τύρος (8 d)  
— 33. Α<sup>1</sup> πόσον καὶ τίνα [Β<sup>1</sup> π. τινα] εἶρες μισθόν (8 d)  
81. 2. τίνι ὁμιώσας σεαυτὸν (8 d)  
— 18. τίνι ὁμιώσθης (8 d)  
82. 9. τίνος κρείττων εἶ (8 d)  
83. 11. ἵνα τί ἀποθνήσκετε (12 d)  
87. 18. τί ἐστὶ ταῦτά σοι (8 a)  
Da. LXX. Su. 12. τίς φανήσεται αὐτῇ πρότερος (8 a)  
— 13. τί σὺ οὗτος ὁρθρον ἐξῆλθες (8 a)  
— 38. μάθωμεν τίνες εἰσὶν οὗτοι (8 a)  
— 40. τίς ὁ ἄνθρωπος (8 a)  
— 40. οὐκ ἀπήγγειλεν ἡμῖν τίς ἦν (8 a)  
— 54. ὑπὸ τί δένδρον . . . ἔωρακας αὐτούς (8 a)  
— 56. διὰ τί διεστραμμένον τὸ σπέρμα σου (8 a)  
— 58. ὑπὸ τί δένδρον . . . κατέλαβες αὐτούς (8 a)  
2. 15. περὶ τίνος δογματίζεται πικρῶς (8 a)  
3. 14. διὰ τί . . . τοῖς θεοῖς μου οὐ λατρεύετε (8 a)  
8. 13. ἕως τίνος τὸ δράμα στήσεται (11 d)  
10. 14. ὑποδιζαί σοι τί ὑπαντήσεται τῷ λαφ σου (4)  
— 20. γινώσκεις τί ἦλθον πρὸς σέ (8 c)  
12. 8. τίς ἡ λύσις τοῦ λόγου τούτου (8 a)  
— 8. τίνος αἱ παραβολαὶ αὐταῖ (8 a)  
Bel 3. διὰ τί οὐ προσκυνεῖς τῷ Βῆλ (8 a)  
— 18. ταῦτα τὰ ἰχνη τίνος ἐστὶ (8 a)  
Da. TH. Su. 26. Α<sup>1</sup> ἰδεῖν τί [Β<sup>1</sup> ο.π.] τὸ συμβεβηκός αὐτῇ (8 a)

Da. TH. Su. 40. ἐπηρωτώμεν τίς ἦν ὁ κενώσκος (8 d)  
— 47. τίς ὁ λόγος οὗτος ἐν σὺν λεκάλῃς (8 a)  
— 54. ὑπὸ τί δένδρον εἶδες αὐτούς (8 a)  
— 58. ὑπὸ τί δένδρον κατέλαβες αὐτούς (8 a)  
2. 15. περὶ τίνος ἐξῆλθεν ἡ γνώμη (8 a)  
— 29. τί δὲ γενέσθαι μετὰ ταῦτα (8 a)  
3. 15. τίς ἐστὶ θεός ὃς ἐξελεύεται ὑμᾶς (8 c)  
4. 32. τί ἐποίησας (8 a)  
10. 20. εἰ οἶδας ἵνα τί ἦλθον πρὸς σέ (12 d)  
12. 8. τί τὰ ἔσχατα τούτων (8 a)  
Bel 4. διὰ τί οὐ προσκυνεῖς τῷ Βῆλ (8 a)  
— 8. τίς ὁ κατέσθων τὴν δαπάνην ταύτην (8 a)  
— 19. γινώθι τίνος τὰ ἰχνη ταῦτα (8 a)  
I Ma. 2. 7. ἵνα τί τοῦτο ἐγεννήθην ἰδεῖν (8 a)  
— 13. ἵνα τί ἡμῖν ἔτι ζῆν (8 a)  
3. 17. τί δυσησόμεθα ὀλιγοστοὶ ὄντες (8 a)  
— 50. τί ποιήσωμεν αὐτοῖς (8 a)  
4. 44. τί αὐτῷ ποιήσωσι (8 a)  
5. 16. τί ποιήσωσι τοῖς ἀδελφοῖς αὐ. (8 a)  
6. 11. ἕως τίνος θλίψεις ἦλθον (8 a)  
8. 31. διὰ τί ἐβάρυνας τὸν ζυγόν σου (8 a)  
10. 23. τί τοῦτο ἐποιήσαμεν (8 a)  
— 70. διὰ τί σὺ ἐξουσιάζῃς ἐφ' ἡμᾶς (8 a)  
— 72. μάθε τίς εἰμι (8 a)  
12. 44. ἵνα τί ἔκοψας πάντα τὸν λαὸν τούτων (8 a)  
14. 25. τίνα χάριν ἀποδώσομεν Σίμωνι (12 d)  
II Ma. 8. 9. καὶ τίνος ἔνεκεν πάρεστι διεσάφην (8 a)  
7. 2. Β<sup>1</sup> τί [Α<sup>1</sup> ο.π.] μέλλεις ἐρωτᾶν (8 a)  
— 30. τίνα μένετε (8 a)  
14. 5. ἐν τίνι διαβέσεις . . . καθεστήκασιν οἱ Ἰουδαῖοι (8 a)  
III Ma. 1. 13. διὰ τίνα αἰτίαν αὐτὸν εἰσερχόμενον . . . οὐθεὶς ἐκώλυσε (8 a)  
— 15. διὰ τίνα [Ζ<sup>1</sup> τινα] αἰτίαν οὐχὶ πάντων εἰσελεύσεσθαι (8 a)  
4. 3. τίς νομὴς ἡ πόλις ἡ τίς τὸ σύνολον οἰκτιστος τόπος ἡ τίνες ἀγυαὶ κοπετοῦ . . . οὐκ ἐμπιπλῶντο (8 a)  
5. 18. ἐπυνθάνετο τίνος ἔνεκεν αἰτίας ἰάσθησαν (8 a)  
— 27. Β<sup>1</sup> τί τὸ πρᾶγμα ἐφ' οὗ τοῦτο . . . τετέλεσται [Α<sup>1</sup> α.]. (8 a)  
— 40. μέχρι τίνος ὡς ἡμᾶς διαπεράζει (8 a)  
6. 25. τίς τοὺς κρατήσαντας ἡμῶν . . . ἀποστήσας (8 a)  
— 26. τίς τοὺς . . . διαφέροντας . . . περιέβαλεν αἰκίας (8 a)  
IV Ma. 1. 14. Α<sup>1</sup> Β<sup>1</sup> τί ποτε ἐστὶ λογισμός καὶ τί [Β<sup>1</sup> ο.π.] πάθος (8 a)  
2. 1. καὶ τί θαυμαστόν (8 a)  
— 7. τίνα τρόπον μονοφάγος τις ὦν τὸν ἥθος . . . μεταπαίδευεται (8 a)  
— 19. διὰ τί ὁ πάντοφός ἡμῶν πατὴρ Ἰ. τοὺς περὶ Σ. καὶ Α. αἰτιάται (8 a)  
5. 7. διὰ τί γὰρ . . . τὴν . . . σαρκοφάγαν βδελύττη (8 a)  
6. 14. τί [Β<sup>1</sup> ο.π.] τοῖς κακοῖς τοῖτοις σεαυτὸν ἀλογίστως ἀπόλλεις (8 a)  
— 23. τί μέλλετε (8 a)  
7. 21. τίς . . . εὐσεβῶς φιλοσοφῶν (8 a)  
8. 18. τί βουλήμασι κενοῖς ἑαυτοὺς εὐφραίνωμεν (8 a)  
— 23. τί ἐξάγομεν ἑαυτοὺς τοῦ ἡδίστου βίου (8 a)  
9. 1. τί μέλλεις, ὦ τύραννε (8 a)  
11. 4. τί δράσαντας ἡμᾶς τοῦτον πορθεῖς τὸν τρόπον (8 a)  
13. 12. τίνος πατὴρ χειρὶ σφραγισθῆσαν . . . ὑπέμεινεν (8 a)  
14. 10. ὦν τί γένοιτο ἐπαλγέστερον (8 a)  
— 18. τί δέ . . . ἐπιδεικνύται (8 a)  
15. 4. τίνα τρόπον ἠθολογήσασιν (8 a)  
17. 16. τίνες οὐκ ἐθαύμασαν τοὺς . . . ἀθλητάς (8 a)  
— 16. τίνες οὐκ ἐξεπλάγησαν (8 a)  
[Aq. Ge. 4. 6: 12. 18: 20. 10: 31. 27: 37. 26: 38. 29: Ex. 18. 14: Jo. 7. 25: III Ki. 14. 3, 6, 14: IV Ki. 9. 32: Jb. 6. 11, 25: 9. 29: 11. 8: 14. 4: 15. 14 (P): 21. 4: 29. 2: 81. 1: 33. 13: 36. 23: 38. 25: Ps. 2. 1: 10 (11). 3: 11 (12). 5: 21 (22). 2: 24 (25). 12: 26 (27). 1 δις: 80 (81). 20: 85 (86). 8: 38 (39). 7: 41 (42). 6, 12: 48 (49). 6: 61 (62). 4: 67 (68). 17: 72 (73). 25: 78 (74). 1: 78 (79). 10: 84 (85). 9: 87 (88). 15: 93 (94). 16: 119 (120). 3 δις: 143 (144). 3: 147. 6 (17): Pr. 17. 16: 20. 6: 30. 4. 3. 1. 3: Ec. 1. 3: 6: 8: 7. 11 (10). 30 (8. 1): Ca. 7. 1 (2): 8. 1: Is. 2. 22: 5. 4: 8: 29. 17: 38. 15: 40. 13. 18: 48. 14: 51. 12: 52. 5: 7: 11. 2: 58. 3: Jk. 9. 2 (1). 12 (11): 10. 7: 11. 15: 15. 5 δις: 18: 27 (34). 17: 30 (37). 6, 15: 37 (44). 18: 49. 19 (29. 20) Jer. Ez. 32. 19: Am. 4. 13: Na. 1. 6: Ma. 3. 8.]

[Sm. Gr. 3. 2 (1): 4. 6: 20. 10: 27. 37: 37. 26: Ex. 18. 14: Jo. 7. 25: 9. 8 (14): Jd. 5. 16: 1 Ki. 14. 38: II Ki. 14. 13: Jb. 9. 24: 15. 12, 14 (P.): 16. 6: 19. 28: 21. 4: 21: 25. 3 (P.): 26. 14: 29: 31. 14: 33. 13: 34. 29: 35. 6: 38. 36. 37: 41. 5: Ps. 2. 1: 10 (11): 3: 24 (25): 12: 26 (27): 1: 29 (30): 10: 30 (31): 20: 35 (36): 8: 38 (39): 8: 41 (42): 6 bis, 10, 12: 42 (43): 5 bis: 48 (44): 24: 25: 54 (55): 7: 55 (56): 12: 61 (62): 4: 67 (68): 17: 72 (73): 25: 73 (74): 1: 78 (79): 10: 84 (85): 9: 87 (88): 15: 88 (89): 7: 47: 89 (90): 11: 93 (94): 16 bis: 118 (119): 9: 119 (120): 3 bis: 188 (139): 17: 148 (144): 3: 147. 6 (17): Pr. 4. 19: 17. 16: 20. 6, 9: 30. 4 bis, 9: Ec. 1. 3: 2. 2, 12, 15: 3. 19, 22: 5. 10, 15: 6. 8: 7. 1 (6. 12): 30 (8. 1): 8: 7: 9. 4: 15. 2. 22: 5. 4: 6. 8: 38. 22: 40. 14, 18, 27: 42. 19 bis: 45. 10: 48. 14: 51. 12: 52. 5, 7: 55. 2: 58. 3: Jc. 11. 15: 13. 21: 14. 19: 15. 18: 17. 9: 23. 18: 27 (34): 17: 30 (37): 6: 37 (44): 18: 46 (26): 15: 49. 19 (29. 20) bis: Ez. 16. 30: 20. 29: 32. 19: Am. 7. 2: Ma. 8. 8.]

[Th. Gr. 20. 10: 37. 26: Jo. 7. 25: Jd. 12. 1: 13. 12: II Ki. 12. 9: 14. 13: IV Ki. 9. 32: Jb. 9. 24: 12. 9: 15. 12, 14: 16. 3: 17. 3: 15: 21. 15: 22. 17: 31. 31, 35: 34. 29: 35. 7: 38. 25, 37: Ps. 38 (39): 7: 67 (68): 17: 78 (74): 1: 78 (79): 10: 84 (85): 9: 87 (88): 15: 93 (94): 16: Pr. 18. 14: 20. 6: 30. 4 ter: Ec. 3. 19: 6. 8: 15. 2. 22: 5. 4: 6. 8: 29. 17: 40. 18: 42. 19: 44. 10: 50. 2: 52. 5: 58. 3: Jc. 10. 7: 28. 37 bis: 27 (34): 17: 30 (37): 15: 33 (40): 24: Ez. 18. 2: 27. 32: Da. 2. 29: 18. 40: Ma. 8. 8.]

[Heb. Gr. 38. 29: Jb. 7. 20.]

[Al. Nu. 20. 4: Jd. 5. 16: I Ki. 9. 7: 28. 14, 15, 16: II Ki. 6. 20: Jb. 15. 12: 18. 3: Ps. 8. 2: 11 (12): 5: 70 (71): 19: 132 (138): 1 bis: 138 (139): 17: Pr. 27. 4: Ec. 5. 9.]

[Quint. IV Ki. 9. 32: Ps. 8. 5: 35 (36): 8: 42 (43): 5.]

**τίθη.**  
[Aq. Gr. 24. 59.]

**τιθίσω.**  
[Aq. Is. 53. 2.]

**τιθός.**  
[Aq. Pr. 5. 19: 7. 18.]  
[Sm. Pr. 7. 18: Ez. 23. 3, 21.]  
[Th. Pr. 7. 18: Ez. 23. 17.]

**τίτος.**  
[Aq., Sm., Th. Jc. 21. 4.]

**τιτρώσκω.** (1) מִצְרִי pi. (2) הִלֵּךְ a. qal.  
δ. hoph. (3) הִלֵּךְ (4) הִלֵּךְ (5) הִלֵּךְ  
(6) הִלֵּךְ hi. (7) הִלֵּךְ (8) הִלֵּךְ

Nu. 31. 19. δ ἀπτόμ. τοῦ τετρωμ. ἀγνισθή-  
σεται (3)

De. 1. 44. ἐτίτρωσκον ὑμᾶς ἀπὸ Σ. (3)

7. 21. Α Β<sup>3</sup> Β οὐ τρωθήσῃ ἀπὸ προσώπου αὐ-  
τῶν (7)

III Ki. 22. 34. ἐξάγαγε με ἐκ τοῦ πολέμου οὗτι  
τέτρωμαι (2 δ)

Ju. 16. 12. Α Β ὡς παῖδας αὐτομολοῦντων ἐτίτρωσκον  
[B add. αὐτοὺς] (3)

Jb. 6. 9. ἀράξαι με δὲ κύριος τρωσάτω με  
18. 7 (6). τὶ ἐλαττον τρωθήσομαι (4)

20. 24. τρώσαι αὐτὸν τῶν χάλκεων (4)

33. 23. εἰς αὐτὸν οὐ μὴ τρώσῃ αὐτόν (4)

38. 14. ἡ δὲ (ω) αὐτὸν τιτρώσκουμένη ὑπὸ [A  
εἰν ὑπὸ] ἀγγέλων (4)

— 25. δσοι τιτρώσκουμένοι εἰσι βροτοί (4)

41. 19 (20). οὐ μὴ τρώσῃ αὐτὸν τῶν χάλκεων  
[A om. τ. χ.] (3)

Pr. 7. 26. πολλοὺς γὰρ τρώσασα καταβέβηκε  
12. 18. εἰσὶν οἱ λέγοντες τιτρώσκουσι μαιχραὶ  
[A -αν] (5)

Ca. 2. 5. τετρωμένη ἀγάπης ἐγὼ (2 α)

5. 8. τετρωμένη ἀγάπης [B<sup>1</sup> ἀγάπης τετρω-  
μένη] ἐγὼ εἰμι (2 α)

Jc. 9. 8 (7). βολὴς τιτρώσκουσα ἡ γλώσσα [A  
καρδία] αὐτῶν (8)

II Ma. 8. 16. τιτρώσκεισθα τὴν διάνοιαν  
11. 9. σιδηρὰ τεῖχη τιτρώσκειν ὄντες ἔτοιμοι  
[Aq. Jc. 9. 8 (7): Ez. 19. 5.]  
[Sm. Jb. 39. 30: Ps. 87 (88): 6: Ca. 2. 5: Is.  
57. 10: Jc. 9. 8 (7): 14. 18: 25. 33 (32. 19):  
51 (28): 52: La. 4. 6: Ez. 31. 17.]  
[Al. Jd. 5. 30.]

**τμήμα.**  
[Al. Ps. 135 (136). 13.]

**τμητός.** (1) Πῆμα  
[Al. Ps. 135 (136). 13.]

Ex. 20. 25. οὐκ οἰκοδομήσεις αὐτοὺς τμητούς (1)

**τοι.** cf. καίτοι.

IV Ma. 2. 17: 4. 11, 21†: 5. 1: 6. 8, 11: 7. 24:  
17. 17.

**τοιγαροῦν.**  
[Aq., Th. Jb. 7. 11.]

Jb. 7. 11†: 22. 10: 24. 22.  
Pr. 1. 26, 31.  
Si. 41. 16.  
Is. 5. 26.  
II Ma. 7. 23.  
IV Ma. 1. 34: 9. 7†: 13. 16: 17. 4.  
[Aq., Th. Jb. 7. 11.]

**τοῖνον.**  
I Ch. 28. 10†.  
II Ch. 28. 23.  
Jb. 8. 13: 36. 14.  
Wi. 1. 11: 8. 9.  
Is. 8. 10: 5. 13: 27. 4: 33. 23.  
Je. 7. 14†.  
II Ma. 8. 1†.  
IV Ma. 1. 13, 15, 16, 17, 30†, 31: 7. 16: 18. 1,  
23: 16. 1.

**τοῖος.** (1) ἴσ  
II Es. 5. 3. Α Β τοῖα [B τοιάδε] εἶπαν αὐτοῖς (1)

**τοιάσδε.** (1) ἴσ  
II Es. 5. 3. B τοιάδε [A B τοῖα] εἶπαν αὐτοῖς (1)

II Ma. 11. 27. ἡ τοῦ βασ. ἐπιστολὴ τοιάδε ἦν (1)

15. 12. ἦν δὲ ἡ τοῦτου θεωρία τοιάδε

**τοιούτος.** (1) ἴσ (2) α. הִלֵּךְ δ. הִלֵּךְ  
c. הִלֵּךְ (3) α. מִצְרִי δ. מִצְרִי (4) α. הִלֵּךְ  
δ. מִצְרִי c. הִלֵּךְ d. מִצְרִי e. הִלֵּךְ  
(5) מִצְרִי (6) α. מִצְרִי δ. מִצְרִי (7) מִצְרִי  
(8) ἴσ (9) מִצְרִי

Ge. 39. 11. ἐγένετο δὲ τοιαύτη τις ἡμέρα (1)

41. 19. οἷος οὐκ ἔδον τοιαύτας (6 δ)

— 38. μὴ εὐρήσωμεν ἀνθρώπων τ. (4 c)

Ex. 9. 18, 24. ἥτις τοιαυτὴ οὐ γέγονεν ἐν Αἴγ. (7)

10. 14. προτέρα αὐτῆς οὐ γέγονεν τοιαυτὴ ἀκρις (8)

11. 6. ἥτις τοιαυτὴ οὐ γέγονεν καὶ τοιαυτὴ οὐκέτι  
προσθεσθῆσεται (7, 7)

Le. 10. 19. Β<sup>2</sup> Β καὶ συμβέβηκε μοι τοιαῦτα  
[A<sup>1</sup> om., A<sup>2</sup> B<sup>1</sup> ταῦτα] (2 δ)

Nu. 15. 13. ποιήσει οὕτως τοιαῦτα (2 α)

De. 4. 32. B εἰ ἤκουσαι τοιοῦτο (7)

Jo. 10. 14. οὐκ ἐγένετο ἡμέρα τ. (3 δ)

I Ki. 4. 8 (7). οὐ γέγονεν τοιαυτὴ ἐχθὲς καὶ τρί-  
την (4 d)

II Ki. 14. 13. ἴνα τί ἐλογίσω τοιοῦτο [A -ον] (4 d)

III Ki. 10. 12. οὐκ ἐπληθύει τοιαῦτα ξύλα (8)

II Ch. 9. 11. οὐκ ἐπληθύει τοιαῦτα ἐμπροσθεν (6 α)

30. 26. οὐκ ἐγένετο τ. ἐορτὴ ἐν Ἱερ. (4 d)

I Es. 1. 20. οὐκ ἤχηθ' τὸ πάσχα τοιοῦτο  
— 21. οὐκ ἠγάγουν πάσχα τοιοῦτον [A -ο] (4 d)

2. 20. μὴ ὑπεριδεῖν τὸ [A om.] τοιοῦτο (4 d)

4. 37. ἀδικα πάντα τὰ ἔργα αὐ. πάντα τὰ τ. (4 d)

8. 87. ἔδωκες ἡμῖν τοιαύτην κρίσιν (4 d)

II Es. 5. 11. Α Β τοιοῦτο [B τοῦτο τὸ] ῥῆμα  
ἀπεκρίθησαν ἡμῖν (9)

Ju. 10. 19. δε εἶχε ἐν αὐτῷ γυναῖκα τ. (3)

11. 21. Α Β οὐκ ἔστι τοιαυτὴ γυνή (3)

12. 12. Α Β εἰ γυναῖκα τοιαύτην παρήσομεν (3 α)

Jb. 3. 8. Α κατήρασε τοιαύτην [B B al.] (3 α)

8. 18. οὐχ ἔδρακα τοιαῦτα (3 α)

— 19. οὐ κατὰ στροφὴν ἀσεβοῦς τοιαύτη (3 α)

15. 4. συνετελέσθη δὲ ῥήματα τοιαῦτα ζῆντι  
τοῦ κυρίου (3 α)

— 13. ἐξήγαγε δὲ ἐκ στόματος ῥήματα τοιαῦτα (3 α)

Jb. 16. 2. ἀκήκοε τοιαῦτα πολλά (2 c)

32. 14. ἀνθρώπων δὲ ἐπετρέψατε λαλήσαι τοιαῦτα ῥήματα (3 c)

38. 16. ἐν εἰδοσὶ φόβου τοιοῦτοι αὐτοὺς ἐξε-  
φύθησαν (3 c)

39. 34 (40. 4). ἐλέγχων κύριον ἀκούων τοιαῦτα  
οὐδὲν ἄν [A al.] (3 c)

Pr. 6. 14. ὁ τ. παραχὰς συνίστησι πόλει (3 c)

20. 1. πᾶς δὲ ἀφρων τοιοῦτοις [B<sup>1</sup> -ος] συμ-  
πλέκεται (3 c)

— 3. πᾶς δὲ ἀφρων τοιοῦτοις συμπλέκεται (3 c)

23. 2. τοιαῦτά σε δεῖ παρασκευάσαι (3 c)

24. 55 (30. 20). τοιαυτὴ ὁδὸς γυναῖκος μοιχα-  
λίδος (8)

28. 21. ὁ τ. ψωμοῦ ἄρτου ἀποδώσεται ἄνδρα (3 c)

— 26. δε πέποιθε θρασείᾳ καρδίᾳ ὁ τ. ἀφρων (3 α)

31. 10. τιμωτέρα δὲ ἐστὶ λῆθων πολυτελῶν ἢ  
τ. [B om. ἢ τ.] (3 c)

— 11. ἡ τ. καλὴν σκύλον οὐκ ἀπορήσει (3 c)

Wi. 4. 15. μὴ δὲ θύνηται ἐπὶ διανοίᾳ τὸ τ. (3 c)

12. 19. εἰδὼς δὲ σου τὸν λαὸν διὰ τὸν τ. ἔργων (3 c)

15. 6. δεῖσθαι τε τοιοῦτων ἐλπίδων καὶ οἱ δρώντες (3 c)

16. 9. ἀξιοὶ ἦσαν ὑπὸ τοιοῦτων [B<sup>1</sup> τοῦτων] κολασ-  
θῆναι (3 c)

Si. 7. 35. ἐκ γὰρ τῶν τ. ἀναπηθήσῃ (3 c)

16. 5. πολλά τοιαῦτα ἐώρακα ἐν ὀφθαλμοῖς [B ἐώ-  
ρακεν ὁ ὀφθαλμός] μου (3 c)

20. 15. μισήσας ἄνθρωπος ὁ τ. (3 c)

45. 13. πρὸ αὐτοῦ οὐ γέγονεν τοιαῦτα ἕως αἰῶνος (3 c)

49. 14. οὐδὲ εἰς ἐκτίσθη οἷος ἔστωχ τοιοῦτος ἐπὶ τῆς  
γῆς (3 c)

Jl. 1. 2. εἰ γέγονεν τοιαῦτα ἐν ταῖς ἡμέραις ἡμῶν (4 b)

Is. 58. 6. οὐχί τ. ηἰσταντο ἐν ἡμέραις ἡμῶν (4 a)

66. 8. τίς ἤκουσε τοιοῦτο [B τοιαῦτα] (4 d)

Jc. 2. 10. ἴδετε εἰ γέγονεν τοιαῦτα (4 d)

5. 9. ἡ ἐν ἔθνι τ. οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψυχὴ μου (4 c)

— 29. ἡ ἐν ἔθνι τῷ [A B om.] τ. οὐκ ἐκδικήσει  
ἡ ψυχὴ μου (4 c)

9. 9 (8). B B ἡ ἐν λαῷ τῷ [A B om.] τ. οὐκ  
ἐκδικήσει ἡ ψυχὴ μου (4 c)

10. 16. οὐκ ἔστι τ. μερὶς τῷ Ἰ. (3 c)

18. 13. τίς ἤκουσε τ. φρικτὰ (3 b)

28 (51). 19. οὐ τ. μερὶς τῷ Ἰ. [A al.] (3 c)

37 (30). 7. μεγάλη ἡ ἡμέρα ἐκ. καὶ οὐκ ἔστι τ. (7)

Ep. Jc. 17. τοιοῦτοι ὑπάρχουσιν οἱ θεοὶ αὐ. (3 c)

Es. 3. 6. εἰ πρὸς τοιοῦτους ἐξαπέστελά σε (4 b)

21. 26 (31). οὐ τοιαυτὴ ἔσται (4 b)

— 27 (32). τοιαυτὴ ἔσται (4 b)

31. 8. κυνάριασσι τοιαῦτα ἐν τῷ παραδείσῳ (4 b)

Da. LXX. 2. 10. τ. πρῶμα οὐκ ἐπερωτῇ πάντα  
σοφόν (5)

Da. TH. Su. 27. οὐκ ἐρρήθη λόγος τ. περὶ Σουσαννῆς  
2. 10. ῥῆμα τ. οὐκ ἐπερωτῇ ἐπισοιδόν (5)

I Ma. 4. 27. οὐχ οὐα ἦθελε τοιαῦτα γέγονεν τῷ Ἰσρ. (3 c)

— 27. B οὐχ οὐα ἐνετίλειτο αὐτῷ ὁ βασ. τοιαῦτα  
ἐξέβη [A B al.] (3 c)

10. 16. μὴ εὐρίσκωμεν ἄνδρα τοιοῦτον ἔνα (3 c)

— 73. οὐ δύνησιν ὑποσχεθῆναι . . . δύναμις τ. (3 c)

13. 35. ἔγραψεν αὐτῷ ἐπιστολὴν τ. (3 c)

II Ma. 2. 3. Α<sup>2</sup> Β ἔτερα τοιαῦτα λέγων (3 c)

4. 30. τοιοῦτων δὲ συνεστηκότων (3 c)

8. 7. τὰς νύκτας πρὸς τὰς τ. ἐπιβολὰς συνεργούς (3 c)

10. 4. μηκέτι παραπείσει τ. κακοῖς (3 c)

11. 27. B ἡ τοῦ βασ. ἐπιστολὴ τ. [A τοιάδε] ἦν (3 c)

18. 7. τοιοῦτ' ὁ μὲν τὸν παράνομον συνήβη θαμνῶν (3 c)

14. 11. τοιοῦτων δὲ ῥηθέντων ὑπὸ τοῦτου (3 c)

III Ma. 2. 1. B ἐντάκτας ἐποιήσατο τὴν δέσιν τ. (3 c)

IV Ma. 1. 6. B καὶ τῶν τ. [A B καὶ τοῦτων] οὐχ  
ὥστε αὐτὰ καταλύσαι (3 c)

7. 8. τοιοῦτους δὲ δεῖ εἶναι τοὺς δημιουργοῦντας τὸν  
κόσμον (3 c)

11. 9. τοιαῦτα λέγοντα (3 c)

[Aq. Ez. 21. 27 (32).]  
[Sm. II Ki. 14. 13: Jb. 33. 6: Ez. 21. 27 (32):  
Da. 2. 10 (Sw.).]  
[Th. Is. 56. 12: Ez. 21. 27 (32): Da. 2. 10:]  
[Al. Jd. 3. 2.]

**τοίχος.** (1) ἴσ (2) מִצְרִי (3) ἴσ  
(4) α. הִלֵּךְ δ. הִלֵּךְ (5) ἴσ

Ex. 30. 3. τὴν ἐσχάραν αὐ. καὶ τοὺς τ. αὐ. κύκλῳ (5)

Le. 5. 9. βανί . . . ἐπὶ τὸν τ. τοῦ θουσιαστηρίου (5)

14. 37. ὁφεται τὴν ἀφῆν ἐν τοῖς τ. τῆς οἰκίας (5)

— 37. καὶ ἡ δψις αὐ. ταπεινωτέρα τῶν τ. (5)

— 39. οὐ διεκχυθὲ ἡ ἀφῆ ἐν τοῖς τ. τῆς οἰκίας (5)

- Nu. 22. 25. προσέβλεψεν ἐαυτὴν πρὸς τὸν τ. (5)  
— 25. Α Β ἀπέβλεψεν τὸν πόδα Β. πρὸς τὸν τ. [B om. πρὸς τ. τ.] (5)  
Jd. 16. 13. ἐάν... ἐγκρούσῃ τῷ πασσάλῳ εἰς τὸν τ. — (5)  
— 14. ἔπληξε τῷ πασσάλῳ εἰς τὸν τ. [A al.] — (5)  
— 14. ἐξήρε τὸν πάσσαλον... ἐκ τοῦ τ. — (5)  
I Ki. 18. 11. Α πατάξω ἐν Δ. καὶ ἐν τῷ τ. (5)  
19. 10. Α πατάξει τὸ δόρυ εἰς Δ. καὶ ἐν τῷ τ. [B al.] (5)  
— 10. ἐπάταξε τὸ δόρυ εἰς τὸν τ. (5)  
20. 25. ἐκάθισεν... ἐπὶ τῆς καθίδρας παρὰ τοίχον (5)  
25. 22. εἰ ὑπολείψομαι... οὐρουντα πρὸς τοίχον (5)  
— 34. εἰ ὑπολείφθῃται τῷ Ν... οὐρῶν πρὸς τοίχον (5)  
II Ki. 5. 11. Α ἀπέστειλε... τέκονας λίθων τοίχου [B om.] (5)  
III Ki. 4. 33 (δ. 13). ἔως τῆς ὑσσόπου τῆς ἐκπορευομ. διὰ τοῦ τ. (5)  
6. 5. Β ἔδωκεν ἐπ' αὐτὸν [Α Β ἐπὶ τὸν] τοίχον — (5)  
— 5. Α σὺν τοίχοις τοῦ οἴκου — (5)  
— 6. ὅπως μὴ ἐπιλαμβάνωνται τῶν τ. τοῦ οἴκου — (5)  
— 15. φθοδύμους τοὺς τ. τοῦ οἴκου — (5)  
— 15. ἔως τῶν τ. καὶ ἔως τῶν δοκῶν — (5)  
— 16. ὅτ' ἄκρου τοῦ τ. + (5)  
— 27. ἤπτετο πτέρυξ μία τοῦ τ. (5)  
— 27. ἤπτετο τοῦ τ. τοῦ δευτέρου (5)  
— 29. πάντας τοὺς τ. τοῦ οἴκου... ἔγραψε (5)  
12. 24 (cf. Α 14. 10). Β ἐξολοθρεύσας τοῦ Ἱερ. οὐρουντα πρὸς τοίχον — (5)  
14. 10. Α ἐξολοθρεύσας τοῦ Ἱερ. οὐρουντα πρὸς τοίχον (5)  
16. 11. Α οὐχ ὑπέλειπεν αὐτῷ οὐρουντα πρὸς τοίχον — (5)  
20 (21). 21. ἐξολοθρεύσας τοῦ Ἀχ. οὐρουντα πρὸς τοίχον (5)  
IV Ki. 3. 25. ἔως τοῦ καταλιπεῖν τοὺς λίθους τοῦ τ. καθηρμένους (5)  
9. 8. ἐξολοθρεύσεις τῷ οἴκῳ Ἀχ. οὐρουντα πρὸς τοίχον (5)  
— 33. ἐρραντίσθῃ τοῦ αἵματος αὐ. πρὸς τὸν τ. (5)  
20. 2. ἀπέστρεψεν Ἐζ. πρὸς τὸν τ. (5)  
I Ch. 14. 1. Α ἀπέστειλε Χ... οἰκοδόμους ταίχων [B om.] (5)  
29. 4. ἐξάλειψαν ἐν αὐτοῖς τοὺς τ. τοῦ Ἱερου (5)  
II Ch. 3. 7. ἐκρύσσωσε... τοὺς τ. — (5)  
— 7. ἔγλυψε χερουβεὶν ἐπὶ τῶν τ. — (5)  
— 11. ἀποτομήν τοῦ τ. τοῦ οἴκου (5)  
— 12. Α ἀποτομήν τοῦ τ. τοῦ οἴκου (5)  
— 15. ἐκοίτησεν ἑμπροσθεν τοῦ τ. στύλους δύο + (5)  
I Es. 6. 9. Α Β ἔβλαν τιθεμένων ἐν τοῖς τ. [B οἴκοις] (4 δ)  
II Es. 5. 8. ἔβλα ἐντίθεται ἐν τοῖς τ. — (5)  
— 10. στρουθία ἐν τῷ τ. ἐστὶ [B al.] — (5)  
Jb. 33. 24. ὁσπερ ἀλοιφήν ἐπὶ τοίχου — (5)  
Ps. 61 (62). 3. ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ καὶ φραγμῷ ὡμίον (5)  
Ca. 2. 9. οὗτος ὀπίσω [Α ἔστρεψεν ὀπ.] τοῦ τ. ἡμῶν (4 α)  
Wi. 13. 15. ἐν τοίχῳ ἔθηκεν αὐτό (5)  
Si. 14. 24. πῆγε πάσσαλον ἐν τοῖς τ. [B οἴκοις] αὐτῆς — (5)  
22. 17. ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοίχου ξυστοῦ [B ἔσσοτο] (5)  
23. 18. οἱ [B om.] τ. με καλύπτουσι (5)  
Am. 5. 19. καὶ ἀπερείσθαι τὰς χεῖρας αὐ. ἐπὶ τὸν τ. (5)  
Hb. 2. 11. λίθος ἐκ τοίχου βοήσεται (5)  
Is. 5. 5. καθελὼ τὸν τ. [Α οἶκον] αὐτοῦ (1)  
23. 13. ὁ τ. αὐτῆς πῆπτικεν + (5)  
25. 12. τὸ ὕψος τῆς καταφυγῆς τοῦ τ. ταπεινώσει (2)  
29. 5. Β ὡς κοινοὶ ἀπὸ τοίχου [Α Β τρυχοῦ] + (5)  
38. 2. ἀπέστρεψεν Ἐζεκίας τὸ πρόσωπον αὐτοῦ πρὸς τὸν τ. (5)  
59. 10. ψηλαφῆσονται ὡς τυφλοὶ τοίχον (5)  
Ez. 4. 3. θήσεις αὐτὸ τοίχον σιδηροῦν (5)  
8. 7. Α ὅπῃ μία ἐν τῷ τ. — (5)  
— 8. Α ὀρυξὸν δὴ ἐν τῷ τ. [B om. δὴ ἐν τ. τ.] (5)  
— 12. 5. διωρύξον σαυτῷ εἰς τὸν τ. — (5)  
— 7. διωρύξα [Α ὥρ.] ἐμαυτῷ τὸν τ. (5)  
— 12. κεκρυμμένους ἐξελείψεται διὰ τοῦ τ. (5)  
13. 10. οὗτος οἰκοδομῇ τοίχου [Α τὸν τ.] (5)  
— 12. πῆπτικεν ὁ τ. — (5)  
— 14. κατασκάψω τὸν τ. — (5)  
— 15. συντελείσω τὸν θυμὸν μου ἐπὶ τὸν τ. (5)  
Ez. 13. 15. οὐκ ἔστιν ὁ τ. (5)  
23. 14. εἶδεν ἄνδρας ἑξωγραφμένους ἐπὶ τοῦ τ. (5)  
40. 13. ἀπὸ τοῦ τ. [Α τοίχους] τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὸν τ. τοῦ θεοῦ + (5)  
41. 5. διεμήνησε τὸν τ. τοῦ οἴκου (5)  
— 6. διάστημα ἐν τῷ τ. τοῦ οἴκου (5)  
— 6. μὴ ἀπντωνται τῶν τ. τοῦ οἴκου (5)  
— 7. κατὰ τὸ πρόσθεμα ἐκ τοῦ τ. [Α οἶκον] + (5)  
— 9. εὖρος τοῦ τ. τῆς πλευρᾶς ἔξωθεν πηχῶν πέντε (5)  
— 12. πλάτος τοῦ τ. τοῦ διορίζοντος πηχῶν πέντε (5)  
— 13. οἱ τ. αὐτῶν μήκος πηχῶν ἑκατὸν (5)  
— 15. Α διεμήνησε τὸν τ. [B δ. μήκος] τοῦ διορίζοντος + (5)  
— 17. ἐφ' ὅλον τὸν τ. [Α οἶκον] κύκλω (5)  
— 22. οἱ τ. αὐτοῦ ἔξυλινον (5)  
43. 8. ἔδωκαν τὸν τ. μου ὡς συνεχόμενον ἐμοῦ καὶ αὐτῶν (5)  
Da. LXX. 5. 1. ἐπέγραψαν ἐπὶ τοῦ τ. οἴκου αὐ. — (5)  
— 5. ἔγραψαν ἐπὶ τοῦ τ. τοῦ οἴκου αὐ. (4 δ)  
Da. TH. 5. 5. ἔγραψον... ἐπὶ τὸ κοινάμα τοῦ τ. (4 δ)  
[Aq. III Ki. 14. 10: Is. 16. 7: Je. 48 (81). 31: Ez. 8. 8.] (5)  
[Sm. Je. 48 (81). 31: Ez. 8. 10.] (5)  
[Th. III Ki. 6. 5: Je. 48 (81). 36: Ez. 8. 7, 10.] (5)  
[Al. Le. 1. 15: Ez. 12. 5.] (5)  
τοκάς. — (5)  
III Ki. 3. 1 (B): 4. 26 [5. 6] (A). τεσσαράκοντα χιλιᾶδες τ. ἱπποῖς [Α -ων] + (5)  
τοκετός. (1) 777 (5)  
Ge. 35. 16. ἔδυστόκησεν ἐν τῷ τ. (1)  
Jb. 39. 1. εἰ ἔγνων καιρὸν τοκετοῦ τραγελάφου πέτρας — (1)  
— 2. ἡρῶμης δὲ μήνας αὐτῶν πλήρεις τοκετοῦ (1)  
Si. 23. 14. καὶ τὴν ἡμέραν τοῦ τ. σου καταράσῃ [Aq., Sm., Quint. Ho. 9. 11.] (5)  
[Th. Jb. 39. 1: Ho. 9. 11.] (5)  
τόκος. (1) 777 (2) 777 (3) 777 (4) 777 (5)  
Ex. 22. 25 (24). οὐκ ἐπιθήσεις αὐτῷ τόκον (3)  
Le. 25. 36. οὐ λήψῃ παρ' αὐτοῦ τόκον [Α τὸ κακόν] (3)  
— 37. τὸ ἀργ. σου οὐ δώσεις αὐτῷ ἐπὶ τόκῳ (3)  
De. 23. 19 (20). οὐκ ἐκτοκίεις τῷ ἀδ. σου τόκον ἀργυρίου καὶ τόκον βρωμάτων καὶ τόκον παντὸς πράγματος (3 ter)  
IV Ki. 4. 7. ἀποτίσεις τοὺς τ. σου (2)  
Ps. 14 (15). 5. τὸ ἀργύριον αὐτοῦ οὐκ ἔδωκεν ἐπὶ τόκῳ (3)  
54 (55). 11. Α Β ἔδωκεν ἐκ τῶν πλατειῶν αὐτῆς τόκος [B Β' κόπος] (4)  
71 (72). 14. ἐκ τόκου καὶ ἐξ ἀδικίας λυτρώσεται τὰς ψυχὰς αὐτῶν (4)  
Pr. 28. 8. ὁ πληθύνων τὸν πλοῦτον αὐτοῦ μετὰ τόκων (3)  
Ho. 9. 11. αἱ δόξαι αὐ. ἐκ τόκων (1)  
Je. 9. 6 (5). τ. ἐπὶ τόκῳ (4)  
Ez. 18. 8. τὸ ἀργύριον αὐτοῦ ἐπὶ τόκῳ οὐ δώσει — (3)  
— 13. μετὰ τόκου ἔδωκε (3)  
— 17. τόκον οὐδὲ πλεονασμὸν οὐκ ἔλαβε (3)  
22. 12. τόκον καὶ πλεονασμὸν ἐλαμβάνουσιν (3)  
IV Ma. 2. 8. τοὶς δεομένοις δανείζων χωρὶς τόκων (5)  
τολμᾶν. (1) 777 (2) 777 (3) 777 (4)  
Ju. 14. 13. ἐτόλμησαν οἱ δοῦλοι καταβαίνειν (5)  
Es. 1. 18. τολμήσουσιν [Α -ωσιν] ὁμοίως ἀτιμάσαι τοὺς ἄνδρας αὐ. + (5)  
7. 5. ὅστις ἐτόλμυσε ποιῆσαι τὸ πρᾶγμα τοῦτο (2)  
Jb. 15. 12. τί ἐτόλμυσεν ἡ καρδία σου (1)  
II Ma. 4. 2. ἐκτεθῶν τῶν πραγμάτων ἐτόλμα λέγειν — (5)  
III Ma. 3. 21. Β μύρια πράγματα τολμήσαντες [Α om.] ἐξαλλοιώσας + (5)  
IV Ma. 8. 18. τί... θανατηφόρον ἀπέβλεπεν τολμῶμεν — (5)  
[Aq. Ec. 8. 11.] (5)  
[Sm. Jb. 39. 35 (40. 5): Pr. 7. 13.] (5)  
τολμῇ (-α?). — (5)  
Ju. 16. 10. ἐφρίξαν Πέρσαι τὴν τολμάν [Α -ην] αὐ. — (5)  
Jb. 21. 27. τολμῇ ἐπικεισθῆ μοι + (5)  
39. 20. δόξαν δέ [Α καὶ δόξην] στήθεων αὐτοῦ τολμῇ [Α -ην] + (5)  
II Ma. 8. 18. ὅπλοις πεπιόθασιν ἅμα καὶ τόλαις (5)  
III Ma. 6. 34. καὶ πυρρῶν τολμᾶν ἀκαίως ἐσθίεσθαι — (5)  
τολμηρός. (1) 777 (5)  
Si. 8. 15. μετὰ τολμηροῦ μὴ πορεύου ἐν ὁδῷ (5)  
19. 2. ὁ κολλώμενος πόρνας τολμηρότερος [B -ρός] ἔσται + (5)  
— 3. ψυχὴ τολμηρὰ [B -ας] ἐξαρθήσεται (5)  
τολύπη. (1) 777 (5)  
IV Ki. 4. 39. συνέλεξεν ἀπ' αὐτῆς τ. ἀργίαν (1)  
τομή. (1) 777 (5)  
Jb. 15. 32 (31). ἡ τ. αὐτοῦ πρὸ ὥρας φθαρήσεται + (5)  
Ca. 2. 12. καιρὸς τῆς τ. ἐφθαικε (1)  
[Aq. Da. 9. 27:] (5)  
[Sm. Ps. 185 (186). 13: Da. 9. 27.] (5)  
τομῆς. (1) 777 (5)  
Pr. 24. 37 (30. 14). καὶ τὰς μύλας τομίδας [Α B στομίδας] (1)  
τόμος. (1) 777 (5)  
I Es. 6. 23. Α εὐρέθη... τόμος εἰς [B al.] (5)  
Is. 8. 1. λάβε σεαυτῷ τόμον [Α add. χάρτου] καινοῦ (1)  
[Sm. Je. 36 (48). 2, 4.] (5)  
τονηροστής. — (5)  
[Aq. Pr. 16. 28: 26. 20, 22.] (5)  
τόνος. — (5)  
IV Ma. 7. 13. B B λελυμένοι μὲν ἤδη τῶν τοῦ σώματος τ. [Α πόρων] + (5)  
τοξεύειν. (1) 777 (2) 777 a. qal. δ. hi. (5)  
II Ki. 11. 20. B' τοξεύουσιν [Α -εύουσιν, B' πληγήσασθαι] ἀπάνωθεν τοῦ τοίχους (2 δ)  
— 24. ἐτόξευσαν οἱ τοξέυοντες πρὸς τοὺς παῖδας σου [Α δ. 2 δ] (2 δ)  
IV Ki. 13. 17. B τοξέυσον καὶ ἐτόξευσε [Α al.] (2 α, 2 δ)  
19. 32. οὐ τοξεύσει ἐκεῖ βέλους (2 δ)  
II Ch. 35. 23. ἐτόξευσαν οἱ τοξόται ἐπὶ βασιλείᾳ Ἰ. (2 δ)  
Je. 27 (50). 14. τοξεύσατε ἐπ' αὐτήν (1)  
[Sm. Is. 37. 33:] (5)  
[Th. Ex. 19. 13: Is. 37. 33:] (5)  
τόξευμα. (1) 777 (2) 777 (5)  
Ge. 49. 23. ἐνέειχον αὐτῷ κύριον τοξέυματά (1)  
IV Ki. 9. 16. ἐθραπέυοντο ἐν τῷ Ἰ. ἀπὸ τῶν τ. — (5)  
Pr. 7. 23. ὡς ἑλᾶφος τοξέυματι πεπληγὸς εἰς τὸ ἥπαρ (1)  
25. 18. ῥόπαλον καὶ μάχαιρα καὶ τόξευμα ἀκιδωτόν [Α B' ἀκιδιῶν]. (1)  
Is. 7. 24. μετὰ βέλους καὶ τοξέυματος εἰσελεύσονται (3)  
13. 18. τοξέυματα νεανίσκων συντρίψουσι (3)  
21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν τ. τῶν διατεταγμένων — (3)  
— 17. τὸ κατάλοιπον [B λ.] τῶν τ. τῶν ἰσχυρῶν νίων Κηθάρ ἔσται ὀλίγον (2)  
Je. 27 (50). 14. μὴ φείσῃσθε ἐπὶ τοῖς τ. ὕμνων (1)  
28 (51). 11. παρασκευάσετε τὰ τ. (1)  
Ez. 39. 3. ἀπολῶ... τὰ τ. σου ἀπὸ τῆς χειρὸς σου τῆς δεξιᾶς (1)  
— 9. καύσουσιν ἐν τοῖς... τόξοις καὶ τοξέυμασι (1)  
II Ma. 10. 30. τοξέυματα καὶ κεραυνοὺς ἐξερρίπτουσιν [Sm. Ps. 59 (60). 6:] (5)  
[Sam. Ge. 49. 24:] (5)  
τοξικόν. (1) 777 (5)  
Jd. 5. 28. παρέκυψε μήτηρ Σ. ἐκτὸς τοῦ τ. [Α al.] (1)  
[Sm. Ez. 40. 16:] (5)  
τόξον. (1) 777 (2) 777 (3) 777 (4)  
Ge. 9. 13. τὸ τ. μου τίθημι ἐν τῇ νεφέλῃ (3)  
— 14. ὀφθήσεται τὸ τ. μου ἐν τῇ νεφέλῃ (3)  
— 16. ἔσται τὸ τ. μου ἐν τῇ νεφέλῃ (3)  
21. 16. ὡσεὶ τόξον βολῆν (3)  
27. 3. λάβε τὸ σκεῦος τῆν τε φάρετραν καὶ τὸ τ. (3)  
48. 22. ἦν ἑλᾶβον... ἐν μαχαίρᾳ μου καὶ τόξῳ (3)  
49. 24. συνεγρίβη μετὰ κρᾶτους τὰ τ. αὐ. (3)  
Jo. 24. 12. οὐκ ἐν τῇ βομφαίᾳ σου οὐδὲ ἐν τῷ τ. σου (3)  
I Ki. 2. 4. τόξον δυνατὸν ἠσθένισσε (3)

I Ki. 18. 4. Α καὶ ἔως τοῦ τ. αὐ.  
 II Ki. 1. 18. Α τοῦ διδάξαι τοὺς υἱοὺς Ἰσρ.  
 — 22. τόξον [A. -ων] Ἰων. οὐκ ἀπεστράφη  
 κενόν  
 22. 35. κατὰ τ. χαλκοῦν ἐν βραχίονί μου  
 III Ki. 22. 34. ἐπέτεινε εἰς τὸ [A. om.] τ.  
 IV Ki. 6. 22. οὐς ἡχμαλότευτας ἐν . . . τόξῳ  
 σου  
 9. 24. ἐπλησεν Ἰ. τὴν χεῖρα αὐ. ἐν τῷ τ.  
 13. 15. ἔλαβε τόξον καὶ βέλη  
 — 15. ἔλαβε πρὸς αὐτὸν τόξον καὶ βέλη  
 — 16. ἐπιβίβασεν τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὸ [A.  
 om.] τ.  
 — 16. Α ἐπιβίβασεν Ἰ. τὴν χεῖρα αὐ. ἐπὶ τὸ  
 τ. [B. om. ε. τὸ τ.]  
 — 18. ἔλαβε τόξα  
 I Ch. 5. 18. ἀνδρες . . . τείνοντες τόξον  
 8. 40. ἦσαν υἱοὶ Αἰ. . . τείνοντες τόξον  
 10. 3. εὐρον αὐτοὺς οἱ τοξῶται ἐν τόξοις [A. B.  
 τοῖς τ.]  
 — 3. καὶ ἐπόνεσαν ἀπὸ τῶν τ.  
 12. 2. καὶ τόξῳ [B. ἐν τ.] ἐκ δεξιῶν  
 — 2. καὶ σφενδονήται ἐν λίθοις καὶ τόξοις (2 + 3)  
 II Ch. 18. 33. ἀνὴρ ἔειπε τόξον εὐστόχως  
 26. 14. καὶ τόξα καὶ σφενδόνες εἰς λίθους  
 Ne. 4. 13 (7). λόγχας αὐ. καὶ τόξα [B<sup>3</sup> τὰ τ.]  
 αὐ.  
 — 16 (10). καὶ τὰ τ. καὶ οἱ θώρακες  
 Ju. 9. 7. ἤλπιον . . . ἐν . . . τόξῳ  
 Jb. 20. 24. τρώσει αὐτὸν τόξον χαλκεῖον  
 28. 20. τὸ τ. μου ἐν χειρὶ αὐτοῦ πορεύεται  
 36. 30. Α ἐκτενέει ἐπ' αὐτὴν τὸ τ. [B<sup>3</sup> ἡ φῶδι,  
 B<sup>3</sup> B. ἡδὲ] +  
 39. 23. ἐπ' αὐτῷ γαυριᾷ τόξον  
 41. 19 (20). οὐ μὴ τρώσῃ αὐτὸν τόξον χαλκεῖον  
 [A. om. τ. χ.]  
 Ps. 7. 12. τὸ τ. αὐτοῦ ἐνέτεινε  
 10 (11). 3. οἱ ἀμαρτωλοὶ ἐνέτειναν τόξον  
 17 (18). 3. ἔθου τόξον χαλκοῦν τοὺς βραχίον-  
 ας μου  
 36 (37). 14. ἐνέτειναν τόξον αὐτῶν  
 — 15. τὰ τ. αὐτῶν συντριβέει [B<sup>3</sup> ἦσαν]  
 43 (44). 6. οὐ γὰρ ἐπὶ τῷ τ. μου ἔλπιω  
 45 (46). 9. τόξον συντριβέει  
 57 (58). 7. ἐντενέει τὸ τ. αὐτοῦ  
 59 (60). 4. τοῦ φυγεῖν ἀπὸ προσώπου τόξου  
 63 (64). 3. ἐνέτειναν τόξον πρᾶγμα πικρὸν  
 75 (76). 3. ἐκεῖ συνέτριψε τὰ κράτη τῶν τ.  
 77 (78). 9. B<sup>3</sup> B. υἱοὶ Ἐφραΐμ ἐνέτεινεν καὶ  
 βάλλοντες τόξοις [B<sup>3</sup> B. -ον]  
 — 57. μετεστράφησαν εἰς τόξον στριβλόν  
 Wi. 5. 21. ὡς ἀπὸ ἐκκύλου τ. τῶν νεφῶν  
 Si. 43. 11. ἰδε τόξον  
 50. 7. AB ὡς τόξον φωτίζον [BS -ων] ἐν νεφέλαις  
 δόξης  
 Ho. 1. 5. συντριψὺν τὸ τ. τοῦ Ἰσρ.  
 — 7. οὐ σώσω αὐτοὺς ἐν τόξῳ  
 2. 18 (20). τόξον . . . συντριψὺν ἀπὸ τῆς  
 γῆς  
 7. 16. ἐγίνοντο ὡς τ. ἐντεταμένον  
 Hb. 3. 9. ἐνέτεινας τόξον [A B<sup>3</sup> τὸ τ.] σου  
 Za. 9. 10. B<sup>3</sup> ἐξολοθρευθήσεται τόξον [A B B<sup>3</sup>  
 — θρεύσει ἄρματα] ἐξ Ἐφρ.  
 — 10. ἐξολοθρεύσεται τ. πολεμικόν  
 — 13. ἐνέτεινε σε, Ἰουδα, ἐμαντῶ τόξον [A  
 εἰς τ.]  
 10. 4. καὶ ἀπ' αὐτοῦ τόξον [A τὸ τ.] ἐν θυμῷ  
 Is. 5. 28. τὰ τ. αὐ. ἐντεταμένα  
 41. 2. ὡς φρίγαντα ἐξωσμένα τὰ τ. αὐτῶν  
 Je. 4. 29. ἀπὸ φωνῆς ἡππίως καὶ ἐντεταμένου  
 τόξου  
 6. 23. τ. καὶ ἰβύνην κρατήσουσιν  
 9. 3 (2). ἐνέτειναν τὴν γλῶσσαν αὐτῶν ὡς τ.  
 [A. -ος]  
 25. 14 (49. 35). συνετριβὴν τὸ [B. om.] τ. Αἰλᾶμ  
 26 (40). 9. ἐνέτεινε τ.  
 27 (50). 14. πάντες τείνοντες τόξον  
 — 29. πατὴρ ἐνέτεινεν τόξον  
 — 42. τ. καὶ ἐχρηρίδιον ἔχοντες  
 28 (51). 3. τεκνέτω ὁ τείνων τὸ τ. αὐτοῦ  
 — 56. ἐπτόνται τὸ τ. αὐ.  
 La. 2. 4. ἐνέτεινε τ. αὐτοῦ ὡς ἐχθρὸς  
 3. 12. ἐνέτεινε τ. αὐτοῦ  
 Ez. 1. 28. A<sup>3</sup> B τὸ φέγγος αὐτοῦ κύκλω ὡς ὄρασις  
 τόξου (3)

Ez. 39. 3. ἀπολὼ τὸ τ. σου ἀπὸ [A. ἐκ] τῆς  
 χειρὸς σου (3)  
 — 9. καύσουσιν ἐν τοῖς . . . τ. καὶ τοξεύμασι (3)  
 [Aq. II Ki. 1. 18: Is. 7. 24: Je. 50 (27). 42: 51 (28). 56.]  
 [Bm. II Ki. 1. 18: Ps. 57 (58). 8: 63 (64). 4: Je. 50 (27). 42.]  
 [Th. I Ki. 81. 3: II Ki. 1. 18: Ps. 56 (57). 5: [A1. Hb. 8. 9.]  
 τοξότης. (1) תַּחַת a. qal. δ. hi. (2) a. תַּחַת  
 תַּחַת δ. תַּחַת c. תַּחַת d. תַּחַת  
 e. תַּחַת  
 Ge. 21. 20. ἐγένετο δὲ τοξότης (2 a)  
 I Ki. 31. 3. εὐρίσκουσιν αὐτὸν οἱ ἀκονιστῆς  
 ἄνδρες τ. (2 b)  
 I Ch. 10. 3. ἐθρον αὐτοῦ οἱ τ. (1 b)  
 II Ch. 14. 8 (7). ἐν γῇ Βεν. . . τοξόται (2 c)  
 17. 17. καὶ μετ' αὐτοῦ τοξόται (2 d)  
 22. 5. ἐπτόνται οἱ τ. τὸν Ἰ. +  
 35. 23. ἐτόξευσαν οἱ τ. ἐπὶ βασιλείᾳ Ἰωσ. (1 a)  
 Ju. 2. 15. ἠρίθμουν . . . ἡπίεις τ. μυρίους διαχι-  
 λίους  
 Am. 2. 15. A<sup>3</sup> B δ τ. οὐ μὴ ὑποστῇ (2 e)  
 I Ma. 9. 11. οἱ τ. προσκορεύοντο τῆς δυνάμεως  
 [Bm. Jb. 41. 20.]  
 [Th. I Ki. 81. 3.]  
 τοπάζιον. (1) תַּחַת (2) תַּחַת  
 Ex. 28. 17. σάρδιον τοπάζιον καὶ σμάρagdος (2)  
 36. 17 (39. 10). σάρδιον καὶ τοπάζιον καὶ σμάρ-  
 agδος (2)  
 Jb. 28. 19. οὐκ ἰσχυρήσεται αὐτῇ τοπάζιον Αἰθ.  
 Ps. 118 (119). 127. ἡγάπησα τὰς ἐντολάς σου  
 ὑπὲρ τὸ χρυσιον καὶ τοπάζιον (1)  
 Ez. 28. 13. ἐνδέδεσαι σάρδιον καὶ τ. (2)  
 τοπάρχης. (1) תַּחַת (2) תַּחַת  
 (3) תַּחַת (4) תַּחַת  
 Ge. 41. 34. καταστρεφάτω τοπάρχας ἐπὶ τῆς γῆς (4)  
 IV Ki. 18. 24. πῶς ἀποστρέψει τὸ πρόσωπον  
 τ. ἐνός (3)  
 I Es. 8. 2. πᾶσι τοῖς σατραπαῖς καὶ στρατηγοῖς καὶ τ.  
 — 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς . . . τ.  
 4. 47. πρὸς πάντας τοὺς οἰκονόμους καὶ τ.  
 — 48. καὶ πᾶσι τοῖς τ. ἐν κοίτῃ Συρία  
 — 49. πάντα δυνατὸν . . . καὶ τ. . . μὴ ἐπελε-  
 σσθαι  
 Es. 3. 13. τοῖς . . . τ. ὑποπεταγμένοις τάδε γράφει  
 Is. 36. 9. ἀποστρέψει εἰς πρόσωπον τῶν τ.  
 [A. B<sup>3</sup> τοπάρχον ἐνός] (3)  
 Da. LXX. 2. ἐπισυναγαγείν . . . τοπάρχας  
 καὶ ὑπέρους (3)  
 — 3. τότε συνήχθησαν . . . τοπάρχαι (3)  
 — 27 (94). καὶ συνήχθησαν . . . τοπάρχαι (2)  
 Da. TH. 3. 2. ἀπέστειλε συναγαγεῖν . . . τοὺς τ.  
 — 3. καὶ συνήχθησαν οἱ τ. (1)  
 — 3. Α καὶ συνήχθησαν οἱ τ. (3)  
 — 27 (94). συνάγονται . . . οἱ τ. (3)  
 6. 7 (8). συνισβουλεύσαντο πάντες . . . τοπάρχαι (3)  
 [Th. Da. 3. 2.]  
 τοπαρχία.  
 I Ma. 11. 28. καὶ τὰς τρεῖς τ. [B<sup>3</sup> al.]  
 [A1. II Ch. 13. 19.]  
 τόπος. (1) תַּחַת (2) תַּחַת (3) תַּחַת (4) תַּחַת  
 (5) תַּחַת (6) תַּחַת (7) תַּחַת (8) תַּחַת  
 (9) תַּחַת (10) תַּחַת (11) תַּחַת (12) a. תַּחַת  
 δ. תַּחַת (13) תַּחַת (14) תַּחַת (15) תַּחַת (16) תַּחַת  
 γίνεται תַּחַת (17) תַּחַת τ. תַּחַת  
 (18) תַּחַת תַּחַת  
 Ge. 12. 6. διώδυσεν . . . ἔως τοῦ τ. Σ. (3)  
 13. 3. ἐπορεύθη . . . ἔως τοῦ τ. (3)  
 — 4. εἰς τὸν τ. τοῦ θουσιατηρίου (3)  
 — 14. ἰδε ἀπὸ τοῦ τ. οὐ νῦν σὺ εἶ (3)  
 18. 24. οὐκ ἀνήσεις τὸν τ. (3)  
 — 26. ἀφῆσθε πάντα τὸν τ. δι' αὐτοὺς (3)  
 — 33. Ἄβ. ἀπέστρεψεν εἰς τὸν τ. αὐ. (3)  
 19. 12. ἐξάγαγε ἐκ τοῦ τ. τοῦτου (3)  
 — 13. ἀπὸλυμν ἡμεῖς τὸν τ. τοῦτον (3)

Ge. 19. 14. ἐξέλθατε ἐκ τοῦ τ. τοῦτου (3)  
 — 27. ὠρῶσαν δὲ Ἄβ. τὸ πρῶτ' εἰς τὸν τ. (3)  
 20. 11. οὐκ ἔστι θεοσβία ἐν τῷ τ. τοῦτω (3)  
 — 13. εἰς πάντα τ. οὐ ἔαν ἐισέλθωμεν ἐκεῖ (3)  
 21. 17. ἐκ τοῦ τ. οὐ ἦν  
 — 17. ἐκ τοῦ τ. οὐ ἔστιν  
 — 31. ἐπανώμασε τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου (3)  
 22. 3. ἦλθεν ἐπὶ τὸν τ. (3)  
 — 4. ἰδε τὸν τ. μακρόθεν (3)  
 — 9. ἦλθεν ἐπὶ τὸν τ. (3)  
 — 14. ἐκάλεσεν Ἄβ. τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου (3)  
 24. 23. εἰ ἔστι . . . τόπος ἡμῶν καταλύσαι (3)  
 — 25. καὶ τόπος τοῦ καταλύσαι (3)  
 — 31. ἡτοίμασα . . . τόπον ταῖς καμύλοις (3)  
 26. 7. ἐπηρώτησαν δὲ οἱ ἄνδρες τοῦ τ. (3)  
 — 7. μὴ ποτε ἀποκτείνωσιν αὐτὸν οἱ ἄνδρες  
 τοῦ τ. (3)  
 28. 11. ἀπῆντησε τόπηρ (3)  
 — 11. ἔλαβεν ἀπὸ τῶν λίθων τοῦ τ. (3)  
 — 11. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τ. ἐκείνῳ (3)  
 — 16. ἔστι κύριος ἐν τῷ τ. τοῦτω (3)  
 — 17. ὡς φοβερὸς ὁ τ. οὗτος (3)  
 — 19. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου (3)  
 29. 3. ἀπεκαθίσταν τὸν λίθον . . . εἰς τὸν τ. αὐ. (3)  
 — 22. συνήγαγε δὲ Ἀ. πάντας τοὺς ἄνδρας τοῦ τ. (3)  
 — 26. οὐκ ἔστιν οὗτος ἐν τῷ τ. ἡμῶν (3)  
 30. 25. ἵνα ἀπέλθω εἰς τὸν τ. μου (3)  
 31. 13. ὁ ὀφθαλμὸς σου ἐν τῷ τ. +  
 — 55 (52. 1). ἀπῆλθεν εἰς τὸν τ. αὐ. (3)  
 32. 2 (3). ἐκάλεσε τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου (3)  
 — 30 (31). ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου (3)  
 33. 17. ἐκάλεσε τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου (3)  
 35. 1. ἀνάβηθι εἰς τὸν τ. B. —  
 — 7. ἐκάλεσε τὸ δνομα τοῦ τ. B. (3)  
 — 13. ἀνέβη δὲ ὁ B. ἀπ' αὐτοῦ ἐκ τοῦ τ. (3)  
 — 14. ἐν τῷ τ. φ. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ (3)  
 — 15. ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ δνομα τοῦ τ. (3)  
 36. 40. ἐν ταῖς φυλαῖς αὐ. κατὰ τόπον αὐτῶν  
 38. 21. ἐπηρώτησε δὲ τοὺς ἄνδρας τοὺς ἐπὶ τοῦ τ. (3)  
 — 22. οἱ ἄνθρωποι οἱ ἐκ τοῦ τ. λέγουσι (3)  
 39. 20. εἰς τὸν τ. ἐν φ. οἱ δεισμάτοι τοῦ βασ.  
 κατῆγονται (3)  
 40. 3. εἰς τὸν τ. οὐ Ἰ. ἀπῆκτο ἐκεῖ (3)  
 50. 11. Α ἐκάλεσε τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου [B. al.] +  
 Ex. 3. 5. ὁ γὰρ τ. ἐν φ. σὺ ἔστηκας (3)  
 — 8. εἰς τὸν τ. τῶν Χαναανίων (3)  
 15. 23. ἐπανώμασε τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου +  
 16. 29. μηδεὶς ἐκπορεύεσθω ἐκ τοῦ τ. [A. οἴκου]  
 αὐ. (3)  
 17. 7. ἐπανώμασε τὸ δνομα τοῦ τ. ἐκείνου (3)  
 — 15. Α ἐπανώμασε τὸ δνομα τοῦ τ. [B. Bn. αὐ.] +  
 18. 23. εἰς τὸν ἑαυτοῦ τ. μετ' ἐπιρήνης ἦξει (3)  
 20. 24. ἐν παντὶ τ. οὐ ἔαν ἐπιορῶμασθω (3)  
 21. 13. ὥσω σοι τόπον (3)  
 24. 10. εἶδον τὸν τ. οὐ εἰσῆλθαι ὁ B. τοῦ Ἰσρ. —  
 — 11. ὥφθησαν ἐν τῷ τ. τοῦ θεοῦ —  
 29. 31. ἐψήσεις τὰ κρία ἐν τ. ἀγίῳ (3)  
 32. 34. εἰς τὸν τ. Bn. εἰπά σοι —  
 33. 21. ἰδοὺ τόπος παρ' ἐμοί (3)  
 Le. 1. 16. ἐκβαλεῖ αὐτὸ . . . εἰς τὸν τ. τῆς σπο-  
 δοῦ (3)  
 4. 12. ἐξοίσουσιν . . . εἰς τ. καθαρὸν (3)  
 — 24. σφάζουσιν αὐτὸ ἐν τόπῳ (3)  
 — 29. 33. ἐν τόπῳ οὐ σφάζουσι τὰ δλοκαυ-  
 τωματα (3)  
 6. 11 (4). ἐξοίσει τὴν κατακάρπωσιν . . . εἰς τ. καθαρὸν (3)  
 — 16 (9). ἄζυμα βρωθήσεται ἐν τ. ἀγίῳ (3)  
 — 25 (18). ἐν τόπῳ οὐ σφάζουσι τὰ δλοκαυ-  
 τωματα (3)  
 — 26 (19). ἐν τ. ἀγίῳ βρωθήσεται (3)  
 — 27 (20). πλυθήσεται ἐν τ. ἀγίῳ  
 — 30 (23). Α ἐξέλασασθαι ἐν τ. [B. ἐν τῷ] ἀγίῳ —  
 — 32 (7. 2). ἐν τόπῳ οὐ σφάζουσι τὰ δλοκαυ-  
 τωματα (3)  
 — 36 (7. 6). ἐν τ. ἀγίῳ ἔδοται αὐτὰ (3)  
 8. 31. ἐψήσατε τὰ κρία . . . ἐν τ. ἀγίῳ —  
 10. 13. φάγεσθε αὐτὴν ἐν τ. ἀγίῳ (3)  
 — 14. τὸ στήθιον . . . φάγεσθε ἐν τ. ἀγίῳ (3)  
 — 17. διὰ τί οὐκ ἐφάγετε τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας  
 ἐν τ. ἀγίῳ (3)  
 — 18. φάγεσθε αὐτὸ ἐν τ. ἀγίῳ —  
 18. 19. καὶ γίνηται ἐν τῷ τ. τοῦ ἔλκουσ οὐλὴ  
 λευκῇ (3)  
 14. 13. ἐν τόπῳ οὐ σφάζουσι τὰ δλοκαυτωματα  
 . . . ἐν τ. ἀγίῳ (3, 8)



|   |        |  |     |   |     |
|---|--------|--|-----|---|-----|
| 14. 17. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλημμελείας                                  | -      | Jd. 9. 55. ἐπορεύθησαν ἀνὴρ εἰς τὸν τ. αὐ.             | (8) | IV Ki. 4. 10. ποιήσωμεν δὴ αὐτῷ ὑπερφόν τ. μικρὸν                                   | (8) |
| — 28. ἐπὶ τὸν τ. τοῦ αἵματος τοῦ τῆς πλημμελείας                                    | (8)    | 11. 19. παρῆλθοντες δὴ . . . ὥς τοῦ τ. ἡμῶν            | (8) | 5. 11. ἐπιθήγει τὴν χεῖρα αὐ. ἐπὶ τὸν τ.  | (8) |
| — 40. ἐκβαλοῦσιν αὐτοὺς . . . εἰς τ. ἀκάθαρτον                                      | (8)    | 17. 8. ἐν ᾧ εἰς εὐρὴν τόπῳ [A. al.]                    | (8) | 6. 1. ὁ τ. . . στενὸς ἀπ' ἡμῶν  | (8) |
| — 41. ἐκχεοῦσιν τὸν χοῦν . . . εἰς τ. ἀκάθαρτον                                     | (8)    | — 9. ἐν ᾧ εἰς εὐρὴν τόπῳ [A. al.]                      | (8) | — 8. εἰς τὸν τ. τόνδε τινα ἔλ. παρεμβάλω  | (8) |
| — 45. πάντα τὸν χοῦν ξοίσουσιν . . . εἰς τ. ἀκάθαρτον                               | (8)    | 18. 3. τί ποιεῖς ἐν τῷ τ. τούτῳ [A. π. ἐν-ταῖθα]       | (8) | — 9. φυλάξαι μὴ παρελθεῖν ἐν τῷ τ. τούτῳ  | (8) |
| 16. 24. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι ἐν τ. ἀγίῳ                                       | (8)    | — 10. τόπος ὅπου οὐκ ἔστιν ἐκεῖ ὑστέρημα               | (8) | — 10. ἀπίστευται ὁ βασιλ. Ἰσρ. εἰς τὸν τ.   | (8) |
| 24. 9. φάγονται αὐτὰ ἐν τ. ἀγίῳ   | (8)    | — 12. ἐκλήβη ἐν [A. om.] ἐκεῖν τῷ τ.                   | (8) | 18. 25. μὴ ἀνευ κυρίου ἀνέβημεν ἐπὶ τὸν τ. αὐτοῦ                                    | (8) |
| Nu. 9. 17. ἐν τῷ τ. οὐ ἂν ἴσθῃ ἡ νεφέλη   | (8)    | 19. 13. ἔγγισαμεν ἡμεῖς τὸν τ.                         | (8) | 20. 13. αὐ. ὅν ἡν τόπος [B λόγος] ὃν οὐκ εἶδεν ἑξ ἑαυτοῦ Ἐξ.                        | (8) |
| 10. 29. ἐξάιροντες ἡμῖς εἰς τὸν τ.  | (8)    | — 16. καὶ οἱ ἄνδρες τοῦ τ. υἱοὶ Βεν.                   | (8) | 22. 16. ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον  | (8) |
| 11. 3. 34. ἐκλήβη τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου   | (8)    | — 21. τόπον ἐποίησε τοῖς δούσι [A. al.]                | (8) | — 17. ἐκκαθίσταται ὁ θυμὸς μου ἐν τῷ τ. τούτῳ                                       | (8) |
| 13. 25. (24). τὸν τ. ἐκείνου ἐπωνόμασαν   | (8)    | — 28. ἐπορεύθη εἰς τὸν τ. αὐ.                          | (8) | — 19. ὅσα ἐλάλησα ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον   | (8) |
| 14. 40. ἀναβησάμεθα εἰς τὸν τ.  | (8)    | 20. 22. προσέβησαν συνίαίς παράταξιν ἐν τῷ τ. [A. al.] | (8) | — 20. Α συναθήκη εἰς τὸν τ. [B τάφω] σου  | (8) |
| 18. 31. ἔδωκε αὐτὸ ἐν παντὶ τ.  | (8)    | — 33. πᾶς ἀνὴρ ἀνέστη ἐκ τοῦ τ. αὐ.                    | (8) | — 20. οἱ εἰς γὰρ ἐμὴ ἐπάγω ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον  | (8) |
| 19. 3. ἐξάουσιν αὐτὴν . . . εἰς τ. καθαρὸν  | (8)    | — 33. τὸ ἐνέρον Ἰσρ. ἐπὶ ἡγήτο ἐκ τοῦ τ. αὐ.           | (8) | 23. 14. ἐπλήσε τοὺς τ. αὐ. ὅστων ἀνθρώπων   | (8) |
| — 9. ἀποθήσει ἔξω . . . εἰς τ. καθαρὸν  | (8)    | — 36. ἔδωκεν ἀνὴρ Ἰσρ. τόπον τῷ Βεν.                   | (8) | I Ch. 13. 11. ἐκάλεισε τὸν τ. ἐκείνου   | (8) |
| 20. 5. B <sup>1</sup> παραγεύσασθαι εἰς τὸν τ. [A. B <sup>2</sup> R add. τὸν ποιν.] | (8)    | 3. 4. γνῶσθαι τὸν τ.                                   | (8) | 14. 11. ἐκάλεισε τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκείνου  | (8) |
| — 5. τόπος οὗ οὐ στείρεται  | (8)    | I Ki. 2. 20. ἀπῆλθεν ὁ ἀνθρώπος εἰς τὸν τ. αὐ.         | (8) | 15. 1. ἡτοίμασε τὸν τ. τῇ κιβωτῷ τοῦ θεοῦ   | (8) |
| 21. 3. ἐπέκαλσαν τὸ ὄνομα τοῦ τ. ἐκ.  | (8)    | 8. 2. Ἡ. ἐκάθεικεν ἐν τῷ τ. αὐ.                        | (8) | — 3. A <sup>2</sup> B S εἰς τὸν τ. [S <sup>1</sup> om. εἰς τ. τ.] ὃν ἡτοίμασεν αὐτῇ | (8) |
| 22. 26. ὑπέστη ἐν τ. στενῷ  | (8)    | — 9. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τ. αὐ.                             | (8) | 16. 27. καὶ καύχημα ἐν τῷ τ. [A τῷ τ.] αὐ.  | (8) |
| 23. 13. δεῖρο ἐτι μετ' ἐμοῦ εἰς τ. ἄλλον  | (8)    | 5. 3. κατέστησαν εἰς τὸν τ. αὐ.                        | (8) | 17. 9. θύσονται τόπον τῷ λαῷ μου Ἰσρ.   | (8) |
| — 27. παραλάβω σε εἰς τ. ἄλλον  | (8)    | — 11. καθίσταται εἰς τὸν τ. αὐ.                        | (8) | 21. 22. δῶς μοι τὸν τ. σου τῆς δαλ  | (8) |
| 24. 11. φεύγει εἰς τὸν τ. σου   | (8)    | 6. 2. ἐν τῷ τ. ἀποστείλοντες αὐτὴν εἰς τὸν τ. αὐ.      | (8) | — 25. ἔδωκε Δ. τῷ Ὁ. ἐν τῷ τ. [A περὶ τοῦ τ.] αὐ. σίκλους                           | (8) |
| — 14. ἀποτρέχει εἰς τὸν τ. μου  | (8)    | 9. 22. ἔθετο αὐτοῖς ἐκεῖ τόπον ἐν πρώτοις              | (8) | II Ch. 3. 1. ἐν τῷ τ. τῷ Ὁ. ἡτοίμασε Δ.   | (8) |
| — 25. ἀποστραφείς εἰς τὸν τ. αὐ.  | (8)    | 10. 25. ἀπῆλθεν ἐκαστος εἰς τὸν τ. αὐ.                 | (8) | 5. 7. εἰσῆγγαγον οἱ ἱ. τὴν κιβωτὸν . . . εἰς τὸν τ. αὐ.                             | (8) |
| 32. 1. ἡν ὁ τ. τόπος κτερίσει   | (8, 8) | 12. 8. κατέκρινεν αὐτοὺς ἐν τῷ τ. τούτῳ                | (8) | — 8. διαπεπτακὸς τὰς πτέρυγας αὐ. ἐπὶ τὸν τ. τῆς κιβ.                               | (8) |
| — 17. ζῶν ἐν ἀγάπῳι αὐτοὺς εἰς τὸν ἑαυτῶν τ.  | (8)    | 14. 46. ἀπῆλθον εἰς τὸν τ. αὐ.                         | (8) | 6. 20. εἰς τὸν τ. τοῦτον ὃν ἐπας  | (8) |
| De. 1. 31. ὥς ἦλθετε εἰς τὸν τ. τοῦτον  | (8)    | 20. 19. ἦξετε εἰς τὸν τ. σου                           | (8) | — 20. ἦς ὁ πᾶς σου προσερχεται εἰς τὸν τ. τοῦτον                                    | (8) |
| — 33. ἐκλέγεσθαι ὑμῖν τόπον   | (8)    | — 25. ἐπισκέπη ὁ τ. Δ.                                 | (8) | — 21. ἀν προσερχόμενοι εἰς τὸν τ. τοῦτον  | (8) |
| 7. 24. ἀπολείπει τὸ ὄνομα αὐ. ἐκ τοῦ τ. ἐκ.   | (8)    | — 27. ἐπισκέπη ὁ τ. τοῦ Δ.                             | (8) | — 21. εἰσακούσῃ ἐν τῷ τ. τῆς κατοικήσεώς σου  | (8) |
| 7. ἦλθετε εἰς τὸν τ. τοῦτον   | (8)    | — 37. ἦλθε τὸ παιδίον ὥς τοῦ τ. τῆς σχίζης             | (8) | — 26. προσεῖχεται εἰς τὸν τ. τοῦτον   | (8) |
| 11. 5. ὥς ἦλθετε εἰς τὸν τ. τοῦτον  | (8)    | 21. 2. (3). ἐν   |     |   |     |



- Ne. 1. 9. εἰσάξω αὐτοὺς εἰς τὸν τ. (8)  
 2. 14. οὐκ ἔν τὸν τόπον τῷ κτήνι παρελθεῖν ὑπο-  
 κάτω μου (8)  
 4. 3 (35). μὴ θυσιάσουσιν . . . ἐπὶ τοῦ τ. αὐ. †  
 — 12 (6). ἀναβαῖνουςιν ἐκ πάντων τῶν τ. (8)  
 — 13 (7). εἰς τὰ κατώτατα τοῦ τ. (8)  
 — 20 (14). ἐν τόπῳ οὗ ἐὰν ἀκούσῃτε τὴν φωνήν  
 12. 27. ἐξήρασαν τοὺς ἄ. ἐν τοῖς τ. αὐ. (8)  
 To. 3. 6. ἐπίταξαν ἀπολυθῆναι με . . . εἰς τὸν αἰώ-  
 νιον τ. [S al.]  
 5. 5. εἰ ἔμπερος εἰ τὸν τ. [S al.]  
 Ju. 8. 3. A. καὶ πᾶς τ. ἡμῶν  
 Es. 4. 3. B<sup>2</sup> ἐν πάσῃ χώρᾳ καὶ τόπῳ [A B S<sup>1</sup>  
 om. κ. τ.] (8)  
 — 17. πάντα τ. κόσμου ἀγγελλάματος αὐ. (8)  
 8. 13. τὸ δὲ ἀντίγραφον . . . ἐκβέντες ἐν παντὶ τ.  
 Jb. 2. 9. κατὰ πλανώμενη [A B<sup>2</sup> πλανήτης] καὶ  
 λάρσις τόπον ἐκ τοῦ τοῦ [A τ. περιερ-  
 χομένη] —, —  
 7. 10. οὐδ' οὐ μὴ ἐπιγῶν αὐτὸν ἔτι ὁ τ. αὐτοῦ (8)  
 8. 18. ὁ τ. ψεύσεται αὐτὸν (8)  
 14. 18. πέτρα παλαιωθήσεται ἐκ τοῦ τ. αὐτῆς (8)  
 16. 19 (18). μὴδὲ εἴη τόπος τῇ κραυγῇ [A τῆς  
 κρ.] μου (8)  
 18. 21. οὗτος δὲ ὁ [A om.] τ. τῶν μὴ εἰδόντων  
 τὸν κύριον (8)  
 20. 9. οὐκ εἶναι προσνοσήσει αὐτὸν ὁ τ. αὐτοῦ (8)  
 27. 21. λικμήσει αὐτὸν ἐκ τοῦ τ. αὐτοῦ (8)  
 — 23. συριεῖ αὐτὸν ἐκ τοῦ τ. αὐτοῦ (8)  
 28. 1. ἐστὶ γὰρ ἀργύρεω τόπος οὗθεν γίνεταί  
 τόπος δὲ χρυσαίου θδεν διηβείται (10, 8)  
 — 6. τόπος σαφείρου οὐ λίθοι αὐτῆς (8)  
 — 12. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς ἐπιστήμης (8)  
 — 20. ποῖος δὲ τόπος ἐστὶ τῆς συνείσεως (8)  
 — 23. αὐτὸς δὲ οὐδε τὸν τ. αὐτῆς (8)  
 34. 22. οὐδὲ ἔσται τόπος τοῦ κρυβήσαν τοὺς  
 ποιούντας τὰ ἄνομα †  
 37. 1. ἀπέρρου ἐκ τοῦ τ. αὐτῆς (8)  
 38. 19. σκότους δὲ ποῖος ὁ [A ἐστίν] τ. (8)  
 Ps. 22 (28). 2. εἰς τόπον χλῆδος ἐκεί με κατεσκή-  
 νωσαν (9)  
 28 (24). 3. τίς στήσεται ἐν τόπῳ ἁγίῳ αὐτοῦ (8)  
 25 (26). 8. καὶ τόπον σκηνώματος δόξης σου (8)  
 36 (37). 10. ζητήσεις τὸν τ. αὐτοῦ (8)  
 — 36. οὐχ εὐρήσῃ ὁ τ. αὐτοῦ —  
 41 (42). 4. διελεύσασιν ἐν τόπῳ σκηπῆς θαν-  
 μαστῆς (12 a)  
 48 (44). 19. ἐταπείνωσας ἡμᾶς ἐν τόπῳ κακώ-  
 σεως (8)  
 67 (68). 5. ὁ θεὸς ἐν τόπῳ ἁγίῳ αὐτοῦ (8)  
 70 (71). 3. καὶ εἰς τόπον ὀχυρὸν τοῦ σώσαι με (7)  
 75 (76). 2. ἐγενήθη ἐν εἰρήνῃ ὁ τ. αὐτοῦ (12 b)  
 78 (79). 7. τὸν τ. αὐτοῦ ἠρήμωσαν (10)  
 83 (84). 6. εἰς τόπον δν ἔθετο †  
 102 (103). 16. οὐκ ἐπὶ γνωστέῃ ἐτι τὸν τ. αὐτοῦ (8)  
 — 22. ἐν παντὶ τόπῳ τῆς δυναστείας [A B<sup>2</sup>  
 δεσποτίας] αὐτοῦ (8)  
 103 (104). 8. καταβαίνουσιν πεδία εἰς τόπον [B  
 τὸν τ.] (8)  
 118 (119). 54. ἐν τόπῳ παροικίας μου (9)  
 131 (132). 5. ἔως οὗ εὐρώ τόπον τῷ κυρίῳ  
 — 7. προσκυνησώμεν εἰς τὸν [A om.] τ. †  
 Pr. 4. 15. ἐν φᾶν τόπῳ [B<sup>1</sup> om.] στρατοπεδεύ-  
 σωσι †  
 9. 18. μὴ χρονίσῃς ἐν τῷ τ. [B<sup>2</sup> τ. αὐ.] (8)  
 15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (8)  
 19. 23. ὁ δὲ ἀφοβὸς αὐλισθήσεται ἐν τόποις (8)  
 25. 6. μὴδὲ ἐν τοῖσι δυναστῶν ὑψίστασο (8)  
 27. 8. θγαν ἀποξενωθῇ ἐκ τῶν ἰδίων τ. (8)  
 28. 12. ἐν δὲ τοῖσι ἀσεβῶν ἀλίσκονται ἄνθρωποι †  
 — 28. ἐν τοῖσι ἀσεβῶν στείνοισι δίκαιος †  
 Ec. 1. 5. εἰς τὸν τ. αὐτοῦ ἔκει (8)  
 — 7. B B<sup>2</sup> εἰς τὸν [A B om.] τ. οὗ [B om.] οἱ  
 χεῖμαρροι πορεύονται (8)  
 3. 16. εἶδον ὑπὸ τὸν ἥλιον τόπον τῆς κρίσεως  
 ἐκεῖ ὁ ἀσεβὴς καὶ τόπον τοῦ δικαίου  
 ἐκεῖ ὁ εὐσεβὴς (8, 8)  
 — 20. τὰ πάντα εἰς [A B<sup>2</sup> πορεύεται εἰς] τόπον  
 ἑνα (8)  
 6. 6. μὴ οὐκ εἰς τόπον ἑνα πυρεύεται τὰ πάντα (8)  
 10. 4. τόπον σου μὴ ἀφῆς (8)  
 11. 3. τόπος οὗ πεσέτω τὸ ξύλον ἐκεῖ ἔσται (8)  
 Wi. 12. 10. ἰδιδους τόπον μετανοίας —  
 — 20. δοὺς χρόνους καὶ τόπον —  
 19. 22. οὐχ ὑπερίδεις ἐν παντὶ κυριῷ καὶ τόπῳ [B<sup>1</sup>  
 τὸ πρῶτ] παριστάμενος (8)  
 Si. 4. 5. μὴ δῶς τόπον ἀνθρώπων καταράσασθαι σε  
 12. 12. μὴ . . . στῇ ἐπὶ τὸν τ. [B<sup>2</sup> τοῦ τ.] σου (8)  
 18. 22. οὐκ ἐδόθη αὐτῷ τόπος (8)  
 16. 3. μὴ ἔπεχε ἐπὶ τὸν τ. [A B τὸ πλῆθος] αὐτῶν  
 — 14. πάσῃ ἐλεημοσίῃ ποιήσῃς τόπον (8)  
 19. 17. δὲς τόπον νόμῳ ὑψίστου (8)  
 36. 18 (15). A B οἰκείρισον . . . τόπον [B πόλιν]  
 καταπαύματος σου (8)  
 38. 12. ἱατρῶ δὲς τόπον (8)  
 41. 19. ἀπὸ τόπου οὗ παροικεῖς περὶ κλοπῆς [B  
 πλοκῆς] (8)  
 46. 12. τὰ ὁστά αὐτῶν ἀναβάλαι ἐκ τοῦ τ. αὐτῶν  
 49. 10. τῶν δώδεκα προφητῶν τὰ ὁστά ἀναβάλαι ἐκ  
 τοῦ τ. αὐτῶν (8)  
 Ho. 1. 10 (2, 1). ἔσται ἐν τῷ τ. (8)  
 6. 15. ἐπιστρέψω εἰς τὸν τ. μου (8)  
 Am. 4. 6. δώσω . . . ἱδναίαν ἄρτων ἐν πᾶσι  
 τοῖς τ. ὑμῶν [A al.] (8)  
 8. 3. πολλὸς ὁ πεπτωκὸς ἐν παντὶ τ. (8)  
 Mi. 1. 3. κύριος ἐκπορεύεται ἐκ τοῦ τ. αὐ. (8)  
 J. 3 (4). 7. ἐξεγείρω αὐτοὺς ἐκ τοῦ τ. (8)  
 Na. 3. 17. οὐκ ἔγνω τὸν τ. αὐ. (8)  
 Ze. 1. 4. ἐξαρά ἐκ τοῦ τ. τοῦτο τὰ ὀνόματα  
 τῆς B. (8)  
 2. 11. προσκυνήσουσιν αὐτῷ ἕκαστος ἐκ τοῦ τ.  
 αὐ. (8)  
 Hg. 2. 10 (9). ἐν τῷ τ. τοῦτῳ δώσω εἰρήνην (8)  
 Za. 13. 1. ἔσται πᾶς τ. διανοιγόμενος τῷ [A ἐν  
 τῷ] οἴκῳ Δ. (8)  
 14. 10. 'Ραμὰ δὲ ἐπὶ τόπου μενεῖ (14)  
 — 10. ἔως τοῦ τ. [A om. τοῦ τ.] τῆς πύλης τῆς  
 πρώτης (8)  
 Ma. 1. 11. ἐν παντὶ τ. θυμῶμα προσάγεταί (8)  
 Is. 4. 5. ἔσται πᾶς τ. τοῦ θρους Ζιών (8)  
 5. 1. ἀμπελὼν ἐγενήθη . . . ἐν τόπῳ πίνου †  
 7. 2. πᾶς τ. οὗ ἐὰν ὦσι χίλια ἀμπελοὶ †  
 10. 26. ἐν τόπῳ θλίψεως †  
 14. 2. εἰσάξουσιν εἰς τὸν τ. αὐτῶν (8)  
 18. 7. εἰς τὸν τ. οὗ τὸ δρομα κυρίου (8)  
 22. 23. στήσω αὐτὸν ἀρχοντα ἐν τόπῳ πιστῷ  
 — 25. κινήσεται . . . ὁ ἱστανγόμενος ἐν τόπῳ  
 [B τῷ] πιστῷ (8)  
 30. 23. βοσκήσεται . . . τόπον πίνου (8)  
 33. 14. τίς ἀναγγελεῖ ὑμῖν τὸν τ. τὸν αἰώνιον †  
 — 21. τ. ὑμῖν ἔσται (8)  
 45. 19. οὐδὲ ἐν τόπῳ γῆς σκοτεινῇ (8)  
 46. 7. ἐπὶ τοῦ τ. αὐτοῦ μένει (14 + 8)  
 48. 16. A B<sup>1</sup> οὐδὲ ἐν τόπῳ γῆς σκοτεινῇ —  
 49. 20. στένωσιν μοι ὁ τ. ποιήσῃ μοι τόπον (B, 18)  
 54. 2. πλάτνουν τὸν τ. τῆς σκηπῆς σου (8)  
 56. 5. δώσω αὐτοῖς . . . τόπον ὀνομαστόν (8)  
 60. 13. δοξάσαι τὸν τ. τὸν ἑλθόν μου (8)  
 66. 1. ποῖος τ. τῆς καταπαύσεώς μου (8)  
 Je. 4. 7. ἐξήλθεν ἐκ τοῦ τ. αὐτοῦ (8)  
 7. 3. κατοικίῳ [A οὐ κ.] ὑμᾶς ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 — 6. αἶμα ἀθῶν μὴ ἐκχέτῃ ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 — 7. κατωκίῳ ὑμᾶς ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 — 12. πορεύθητε εἰς τὸν τ. μου τὸν ἐν Σηλῷ (8)  
 — 14. A ποιήσω τῷ τ. τοῦτῳ [B τῷ οἴκῳ] (2)  
 — 14. ποιήσω . . . τῷ τ. φᾶ ἔδωκα [A ἐλάλησα]  
 ὑμῖν (8)  
 — 20. θυμὸς μου χεῖται ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)  
 — 32. διὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν τόπον (8)  
 8. 3. ἐν παντὶ τόπῳ οὗ [A φᾶ] ἐὰν ἐξώσω αὐτοὺς  
 ἐκεῖ (8)  
 10. 20. οὐκ ἔσται ἐτι τ. τῆς σκηπῆς σου τ. τῶν  
 δειρῶν μου †, †  
 18. 7. ἔλαβον τὸ περίζωμα ἐκ τοῦ τ. (8)  
 — 24. A φρίγαν φερόμενα ὑπὸ ἀνέμου εἰς  
 ἔρημον [B S om.] (17)  
 14. 13. εἰρήνην δώσω . . . ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 16. 2. οὐ γεννηθήσεται σοι υἱὸς . . . ἐν τῷ τ.  
 τοῦτῳ (8)  
 — 3. περὶ τῶν υἱῶν . . . τῶν γεννημένων ἐν τῷ  
 τ. τοῦτῳ (8)  
 — 9. καταλύω ἐκ τοῦ τ. τοῦτον . . . φωνῇ χαρᾶς (8)  
 19. 3. ἐπάγω ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον κακὰ (8)  
 — 4. ἀπηλλοτριώσαν τὸν τ. τοῦτον (8)  
 — 4. ἐπλήσαν τὸν τ. τοῦτον αἱμάτων ἀθῶν (8)  
 — 6. οὐ κληθήσεται τῷ [A ἐπὶ τῷ] τ. τοῦτῳ ἐτι  
 [A B<sup>1</sup> om.] Δαίπτισιν (8)  
 — 7. σφάζω τὴν Βουλήν 'I. . . ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 — 12. οὐτως ποίω . . . τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 — 13. ἴσονται καθὼς ὁ τ. ὁ διαπίνων (8)  
 — 14. A ἀπὸ τῆς διαπτώσεως τοῦ τ. Ταφῆθ [B S  
 om. τ. τ. T.] —  
 Je. 22. 3. αἶμα ἀθῶν μὴ ἐκχέτῃ ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 — 11. δε ἐξήλθεν ἐκ τοῦ τ. τοῦτον (8)  
 — 12. ἐν τῷ τ. οὐ μετῴμισα αὐτόν (8)  
 24. 5. οὐς ἐξαπέστακα [A -ας] ἐκ τοῦ τ. τοῦτον (8)  
 — 9. εἰς κατάραν ἐν παντὶ τόπῳ (8)  
 27 (50). 16. A ἕκαστος εἰς τὸν τ. [B S λαὸν]  
 αὐτοῦ ἀποστρέψουσι †  
 — 44. A ἀναβήσεται ἀπὸ τοῦ 'Ισραὴν εἰς  
 τόπον [B S om.] Αἰθῶν (10)  
 28 (51). 62. ἐλάλησας ἐπὶ τὸν τ. τοῦτον (8)  
 29 (49). 8. ἡγορήθη ὁ [S om.] τ. αὐτῶν [B<sup>1</sup> al.] †  
 — 19. ὥσπερ λέων ἀναβήσεται . . . εἰς τόπον  
 [A τὸν τ.] Αἰθῶν (10)  
 31 (48). 37. πᾶσαν κεφαλὴν ἐν παντὶ τόπῳ  
 ἐσυρθήσονται —  
 32 (25). 30. λύκων χρηματεῖ ἐπὶ [A ἀπὸ] τοῦ  
 τ. αὐτοῦ (10)  
 35 (28). 3. ἀποστρέψω εἰς τὸν τ. τοῦτον τὰ  
 σκεύη (8)  
 — 6. τοῦ ἐπιστρέψαι τὰ σκεύη . . . εἰς τὸν τ.  
 τοῦτον (8)  
 36 (29). 10. τοῦ τὸν λαὸν ὑμῶν ἀποστρέψαι εἰς  
 τὸν τ. τοῦτον (8)  
 39 (32). 37. ἐπιστρέψω αὐτοὺς εἰς τὸν τ. τοῦτον (8)  
 40 (38). 10. ἐτι ἀκουσθήσεται ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 — 12. ἐτι ἔσται ἐν τῷ τ. τοῦτῳ τῷ ἐρήμῳ [A  
 τ. τῷ ἠρημαμένῳ τοῦτῳ] (8)  
 43 (36). 7. A ἦν ἐλάλησεν ἐπὶ τὸν τ. [B S λαὸν]  
 τοῦτον †  
 44 (37). 10. ἕκαστος ἐν τῷ [A om.] τ. αὐτοῦ †  
 47 (40). 2. ἐλάλησε τὰ κακὰ ταῦτα ἐπὶ τὸν τ.  
 τοῦτον (8)  
 49 (42). 18. οὐ μὴ ἴδῃτε οὐκείν τὸν τ. τοῦτον (8)  
 — 22. ἐκλείψεται ἐν τῷ τ. (8)  
 51. 35 (45. 5). εἰς [B om.] εὐρεμα ἐν παντὶ τόπῳ (8)  
 Ba. 2. 24. τοῦ ἐξενεχθῆναι τὰ ὁστά . . . ἐκ τοῦ τ. αὐτῶν  
 3. 15. τίς εὐρε τὸν τ. αὐτῆς †  
 — 24. ἐπιμνησὲς ὁ τ. τῆς κήσεως αὐτοῦ (8)  
 Ez. 3. 12. εὐλογημένη ἡ δόξα κυρίου ἐκ τοῦ τ.  
 αὐτοῦ (8)  
 10. 11. εἰς δν ἂν τόπον ἐπέβλεψεν ἡ ἀρχὴ ἡ μία (8)  
 12. 3. αἰχμαλωτίζου ἐκ τοῦ τ. [A οἴκου] σου  
 εἰς ἕτερον τόπον (8, 8)  
 17. 16. ἐν τόπῳ [A τῷ τ.] ὁ βασιλεὺς ὁ βασι-  
 λεύσας αὐτὸν . . . τελευτήσει (8)  
 21. 30 (35). μὴ καταλύσῃς ἐν τῷ τ. τοῦτῳ (8)  
 34. 12. ἀπελάσω [A συναξῶ] αὐτὰ ἀπὸ παιτὸς  
 τόπου (8)  
 38. 15. ἤξει ἐκ τοῦ τ. σου (8)  
 39. 11. δώσω τῷ 'Ισραὴν ὀνομαστόν (8)  
 42. 13. ὁ τ. θμος [A add. ἐστίν] (8)  
 43. 7. ἐώρακας . . . τὸν [B<sup>1</sup> om.] τ. τοῦ θρόνου μου  
 καὶ τὸν τ. τοῦ ἰχθυος τῶν ποδῶν μου (8, 8)  
 45. 4. ἔσται αὐτοῖς τ. εἰς οἴκον ἀφωρισμένον (8)  
 46. 19. καὶ ἰδοὺ ἐκεῖ τ. κχωρισμένον (8)  
 — 20. οὗτος ὁ τ. ἐστίν οὐ ἐψηρῶσιν (8)  
 Da. LXX. Su. 54. ποταπῷ τοῦ παραδείσου τόπῳ  
 ἐώρακας αὐτοὺς —  
 — 58. ἐν ποίῳ τοῦ κήπου τ. κατέλαβες αὐτοὺς  
 3. (38). οὐδὲ τόπος τοῦ καρπῶσαι —  
 4. 22. εἰς τ. ἔρημον ἀποστελοῦσά σε —  
 — 23. ὁ τ. τοῦ θρόνου σου σοι συντηρηθήσεται (15)  
 — 34. πᾶσι τοῖς κατὰ τόπον ἔθνεσι καὶ χώραις —  
 5. 1. ἐπήγεσε πάντας τοὺς θεοὺς . . . ἐν τῷ τ.  
 αὐτοῦ (8)  
 8. 11. ἐξήρθη ὁ τ. αὐτῶν (8)  
 — 18. ἤγειρέ με ἐπὶ τοῦ τ. (13)  
 10. 11. στήθι ἐπὶ τοῦ τ. σου (13)  
 11. 21. ἀναστήσεται ἐπὶ τὸν τ. αὐ. εὐκαταφρό-  
 νητος (4)  
 — 38. ἐπὶ τὸν τ. αὐ. κινήσει (4)  
 — 43. κρατῆσι τοῦ τ. τοῦ χρυσαίου καὶ τοῦ τ.  
 τοῦ ἀργυρίου †, —  
 Bel 14. παρεγίνοντο ἐπὶ τὸν τ. —  
 — 22. ἦν δράκων ἐν τῷ αὐτῷ τ. —  
 Da. TH. 2. 35. καὶ τόπος οὐχ εὐρήσῃ αὐτοῖς (1)  
 — 38. ἐν παντὶ τ. ὅπου κατοικοῦσιν οἱ υἱοὶ τῶν  
 ἀνθρ. —  
 3. (38). οὐ τόπος τοῦ καρπῶσαι ἐναντίον σου  
 11. 38. θεὸν μαωξείε ἐπὶ τόπου αὐ. δοξάσει (4)  
 Bel 23. A ἦν δράκων μέγας ἐν τῷ τ. [B om. ἐν τῷ τ.]  
 — 39. ἀπεκατέστησε τὸν 'A. . . εἰς [A ἐπὶ] τὸν τ. αὐ.  
 I Ma. 1. 8. ἐπεκράτησαν . . . ἕκαστος ἐν τῷ τ. αὐ.  
 — 25. ἐγένετο πένθος μέγα . . . ἐν παντὶ τ. αὐ.  
 3. 35. ἀραὶ τὸ μνημόσυον αὐ. ἀπὸ τοῦ τ. —  
 — 46. τόπος προσευχῆς εἰς M. τὸ πρῶτον τῷ 'Ισρ.

I Ma. 4. 43. ἤραν τοὺς λίθους τοῦ μασμοῦ εἰς τ. ἀκάθαρτον  
 — 46. ἀπείναι τοὺς λίθους . . . ἐν τ. ἐπιτηδείῳ  
 5. 49. τοῦ παρεμβάλλοντος ἑαυτὸν ἐν φ' ἔστι τ. [B' τρόπῳ]  
 6. 54. ἐσκαρπίσθησαν ἕκαστος εἰς τὸν τ. αὐ.  
 — 57. καὶ ὁ τ. . . ἔστιν ὀχυρὸς  
 — 62. εἶδε τὸ ὄχνημα τοῦ τ.  
 8. 4. κατεκράτησαν τοῦ τ. παντός  
 — 9. ὁ τ. ἦν μακρὰν ἀπέχων ἀπ' αὐτῶν σφόδρα  
 9. 45. οὐκ ἔστι τόπος τοῦ ἐκκλίνειν  
 10. 13. κατέλειπεν ἕκαστος τὸν τ. αὐ.  
 — 40. διδωμι . . . ἀπὸ τῶν τ. τῶν ἀνηκόντων  
 — 73. οὐδὲ τόπος τοῦ φυγεῖν  
 11. 14. ἀπεστάτων οἱ ἀπὸ τῶν τ. ἐκείνων  
 — 37. τεθήκω . . . ἐν τ. [B' τῷ τ.] ἐπιτηδείῳ ἐπιστήμῳ  
 — 38. B Ἀπύλυνε . . . ἕκαστον εἰς τὸν [A om. εἰς τὸν] ἴδων τ.  
 — 69. ἐξαικίσθησαν ἐκ τῶν τ. αὐτῶν  
 12. 2. A B πρὸς Σπ. καὶ τ. [B εἰς τ.] ἐτέρους ἀπέ-  
 στειλεν  
 — 4. ἔδωκαν ἐπιστολάς αὐτοῖς πρὸς αὐτοὺς κατὰ τόπον  
 13. 20. εἰς πάντα τ. οὗ ἂν ἐπορεύτο  
 14. 48. A καὶ στήσαι αὐτὰς . . . ἐν τ. πιστῷ [B εἰσισημῷ]  
 15. 2. A' ἦσαν περιέχουσαι τὸν τ. [A' B εἰς τὸν τ.]  
 — 29. A B ἐκρυμμέναι τ. [B om.] πολλῶν  
 — 30. παράδοτε . . . τοὺς φόρους τῶν τ.  
 II Ma. 1. 14. παρεγίνετο εἰς τὸν τ.  
 — 19. ὅστε πᾶσιν ἀγνώστον εἶναι τὸν τ.  
 — 29. καταφύττειν τὸν λαὸν σου εἰς τὸν τ. τὸν  
 ἄγιον σου  
 — 33. εἰς τὸν τ. . . τὸ ὕδωρ ἐφάνη  
 2. 7. ἀγνώστους ὁ τ. ἔσται  
 — 8. ἵνα ὁ τ. καθαρῶς μεγαλῶς  
 — 18. καὶ ἐπισυναγάξῃ . . . εἰς τὸν ἄγιον τ.  
 — 18. τὸν τ. ἐκαθάρισεν  
 2. 3. συνέβαινε καὶ αὐτοὺς τοὺς βασ. τιμᾶν τὸν τ.  
 — 12. τοὺς πιστευμένους εἰς ἄστυον τ. ἀγισμὸν  
 — 18. διὰ τὸ μὴ μᾶλλον εἰς καταφρόνησιν ἐρχεσθαι  
 τὸν τ.  
 — 30. τὸν παραδοξάοντα τὸν ἑαυτοῦ τόπον  
 — 38. διὰ τὸ περὶ τὸν τ. ἀληθῶς εἶναι τινα θεοῦ  
 δύναμι  
 — 39. καὶ βοηθὸς ἐκείνου τοῦ τ.  
 4. 33. ἀποκεχωρηκὸς εἰς ἄστυον τ.  
 — 36. τοῦ δὲ βασ. ἐπαυελθόντος ἀπὸ τῶν κατὰ  
 Κιλικίαν τ.  
 — 38. περιπαγὼν . . . ἐπ' αὐτὸν τὸν τ.  
 5. 16. πρὸς αἰσχρὸν καὶ δόξαν τοῦ τ.  
 — 17. γέγονε περὶ τὸν τ. παρράσις  
 — 19. οὐ διὰ τὸν τ. τὸ ἔθνος ἀλλὰ διὰ τὸ ἔθνος τὸν  
 τ. ὁ κύριος ἐξέλεετο  
 — 20. αὐτοὺς ὁ τ. συμμετασχόν τοῦ ἔθνους  
 6. 2. καθὼς ἐνέγκοντο οἱ τὸν τ. οἰκοῦντες  
 8. 6. τοὺς ἐπικαίρους τ. ἀπολαμβάνουσιν  
 — 17. τὴν ἀνάμει εἰς τὸν ἄγιον τ. συντελεσμένην  
 . . . ὕβριν  
 — 31. πάντα συνέθηκαν εἰς τοὺς ἐπικαίρους τ.  
 — 35. A δραπετεύον τὸν [B τρώπον] ἔρρημον ἑαυτὸν  
 ποιήσας  
 9. 1. ἀναγλυκὸς ἀκόσμος ἐκ τῶν περὶ τὴν Περσίδα τ.  
 — 17. καὶ πάντα τ. οἰκτὸν ἐπέλευσεν  
 — 21. ἐπαναγαγὼν ἐκ τῶν κατὰ τὴν Περσίδα τ.  
 — 23. καθ' ὅδε καιροῦ εἰς τοὺς ἀνω τ. ἐστρατο-  
 πέδων  
 10. 7. καθαρῶς τὸν ἑαυτοῦ τόπον  
 — 14. B Γ. δὲ γινόμενος στρατηγὸς τῶν τ. [A  
 τρόπῳ]  
 — 17. ἐγκρατὴς ἐγένοντο τῶν τ.  
 — 19. εἰς ἐπιγόνους τόπους ἀπολείπων Σίμωνα  
 — 32. τῶν ἐρμυνόσπτι τοῦ τ. πεποιθότες  
 12. 2. τῶν δὲ κατὰ τόπον στρατηγῶν Τιμ. καὶ Ἀπ.  
 — 18. Τιμόθεον μὲν ἐπὶ τῶν τ. οὐ κατέλαβον  
 — 18. ἄσκραν τότε ἐκ τῶν τ. ἐκλεικνύτα  
 — 18. καταλλοιπότης δὲ φρουρῶν ἐν τιμ. τ.  
 — 21. διὰ τὴν πάντων τῶν τ. στενότητα  
 13. 4. ὡς ἔθος ἐστὶν ἐν τῷ τ.  
 — 5. ἔστι δὲ ἐν τῷ τ. πύργος  
 — 18. κατεπείρασε διὰ μεθόδων τοὺς τ.  
 — 23. τὸν τ. ἐφίλανθρῶσεν  
 14. 22. διέταξεν Ἰ. ἐνδύλους ἐτοιμοὺς ἐν τοῖς  
 ἐπικαίροις τ.  
 15. 1. τοὺς . . . ὄντας ἐν τοῖς κατὰ Σαμ. τ.  
 — 34. ὁ διατηρήσας τὸν ἑαυτοῦ τ. ἀμάρτυον

III Ma. 1. 1. τὴν γένην τῶν ἐπ' αὐτοῦ κρατουμένων  
 τ. ἀφάρσει  
 — 1. ἐξέφρασε μέχρι τῶν κατὰ Ῥαφίαν τ.  
 — 2. A' τὸν προποταγμ. αὐτῷ τόπον [A' B  
 ὅπλων] Πτ. τὰ κράσις  
 — 9. καὶ τῶν ἐξῆς τι τῷ τ. ποιήσας  
 — 9. παραγινόμενος εἰς τὸν τ.  
 — 23. ἱκανὴν ἐποίησαν ἐν τῷ τ. τραχύτητα  
 — 29. ἀντὶ τῆς τοῦ τ. βεβηλώσεως  
 2. 9. ἡγίασαν τὸν τ. τοῖτον  
 — 10. καὶ ἐλθόντες εἰς τὸν τ. ἡμῶν δεσθῶμεν  
 — 14. καθυβρίσαι τὸν . . . ἄγιον τ.  
 — 16. ἡγίασαν τὸν τ. τοῖτον  
 — 26. ὅστε δυσφημίαι ἐν τοῖς τ. συνίστασθαι  
 3. 12. τοῖς . . . κατὰ τόπον στρατηγῶν  
 — 29. πᾶς δὲ τ. . . ἄβαστος καὶ πυρροφλεγῆς γίνεσθω  
 4. 3. τίς τὸ σύνολον οὐκίτας τ.  
 — 18. τῶν δὲ καὶ κατὰ τὸν τ.  
 5. 44. ἐπὶ τοὺς εὐκαρπύτους τ. τῆς πόλεως  
 6. 30. ἐν φ' τ. ἔδοξαν τὸν ἐλθρον ἀναλαμβάνειν  
 — 31. τὸν εἰς . . . τάφον ἡτοιμασμένον τ. . . κατε-  
 μέρισαντο  
 7. 8. B ἐν παντὶ τ. [A τρόπῳ] μηθὲν αὐτοὺς τὸ  
 σύνολον καταβλάπτουσιν  
 — 12. κατὰ πάντα τὸν ὑπὸ τῆς βασ. αὐ. τ.  
 — 17. διὰ τὴν τοῦ τ. ἰδιότητα  
 — 20. κατὰ τὸν τῆς συμποσίας τ.  
 IV Ma. 4. 9. A ὑπρασπισίας τοῦ [B εἰς τὸν τ.]  
 καταφρόντων τ. [B τοῦ τ.]  
 — 12. τὴν τοῦ ἱεροῦ τ. μακαριότητα  
 5. 1. προκρίβεις . . . ἐπὶ τινος ὑψηλοῦ τόπου  
 [Aq. Ge. 1. 9: L. 24. 9: Ru. 4. 10: I Ki. 21.  
 2 (3): IV Ki. 6. 8: Jb. 38. 12: Ps. 23 (24).  
 3: 48 (44). 20: 118 (119). 54: Ec. 3. 30: 8.  
 10: Is. 5. 8: 26. 21: 28. 8: 60. 13: Jb. 14.  
 13: 17. 12: 19. 11: 44 (51). 29: 45. 5 (51).  
 35: Ez. 6. 13.]  
 [Sm. Ge. 1. 9: L. 24. 9: Jd. 2. 5: Ru. 4. 10:  
 I Ki. 10. 5: 21. 2 (3): II Ki. 7. 10: III Ki.  
 14. 28: IV Ki. 6. 8: Jb. 38. 20: Ps. 26 (28).  
 8: 80 (81): 3: 48 (44). 20: 118 (119). 54:  
 Ec. 1. 7: 8: 10: 10. 4: Is. 5. 8: 26. 21: 28.  
 8: 33. 21: 60. 13: Jb. 17. 12: Ez. 41. 11.]  
 [Th. Ge. 1. 9: L. 24. 9: I Ki. 21. 2 (3): Jb.  
 27. 23: 38. 12: Ps. 118 (119). 54: Is. 5. 8:  
 26. 21: 28. 8: 60. 13: Jb. 19. 11: 27 (34).  
 22: 29 (30). 14. 12: 44 (51). 29: Ez. 12. 3 dies  
 (Sw.): Da. 2. 35.]  
 [Al. L. 6. 30: 23: 18. 23, 28: 16. 32: II Ki.  
 2. 23.]  
 τορευτός. (1) לִיָּי (2) פִּשְׁרָה (3) פִּרְה  
 Ex. 25. 17 (18). A B' ποιήσεις δύο χερ. χρυσᾶ  
 τορευτά [B' B χρυσῶν] (2)  
 — 30 (31). τορευτὴν ποιήσεις τὴν λυχνίαν (2)  
 — 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἐξ ἑνὸς χρυσίου καθαροῦ (2)  
 III Ki. 10. 22. ναὺς ἐκ Θ. . . λίθων τ. [A al.] †  
 Ca. 5. 14. χεῖρας αὐτοῦ κρηναὶ χρυσᾶς (1)  
 7. 2 (3). ὀμφαλὸς σου κρητὴ τορευτός (8)  
 Je. 10. 5. ἀργύριον τορευτόν ἐστι (27)  
 [Sm. Je. 10. 5.]  
 τότε. Si. 11. 11. τόσφ [A πόσφ, B' B' τοσούτφ] μᾶλλον  
 ὑπερείται  
 13. 9. τόσφ μᾶλλον προσκαλίσσεται σε  
 τοσούτος. (1) יָדָה  
 Ex. 1. 12. τοσούτφ πλείους ἐγένοντο (1)  
 Nu. 15. 5. τῷ ἀμύφ τῷ ἐν ποίησιν τοσούτο —  
 To. 2. 10. B τοσούτφ μᾶλλον ἐξετηφλοῦντο οἱ ὀφθ.  
 μου  
 Es. 8. 13. οὐ τοσούτον ἐκ τῶν παλαιστέρων . . .  
 ἱστωρίων  
 — 13. ἐτυχεν . . . ἐπὶ τοσούτον ὥστε ἀναγορεύεσθαι  
 Wi. 12. 20. εἰ γὰρ ἐχθρὸς παίδων σου . . . μετὰ  
 τοσαύτης ἐτιμώσεως προσοχῆς  
 13. 9. εἰ γὰρ τοσούτον ἵσχυον εἰδέναι  
 14. 22. τὰ τοσαῦτα κακὰ εἰρήνην προσγορεύουσιν  
 Si. 8. 18. ὅσφ μέγας εἰ τοσούτφ ταπεινὸς σεαυτὸν  
 11. 11. B' B' τοσούτφ [B' B' B' τόσφ, A πόσφ]  
 μᾶλλον ὑπερείται  
 I Ma. 8. 17. πολέμησαι πρὸς πλῆθος τοσούτο  
 II Ma. 2. 32. τοῖς προσηρμμένοις τοσούτον ἐπιε-  
 ξαντες  
 4. 3. τῆς δὲ ἐχθρας ἐπὶ τοσούτον προβαλόντες  
 6. 28. τοσαῦτα δὲ εἶπαν  
 7. 42. ἐπὶ τοσούτον δεδηλώσθω

II Ma. 14. 34. τοσαῦτα δὲ εἰπὼν ἀπῆλθεν  
 III Ma. 2. 26. ἐπὶ τοσούτον θράσους προῆλθεν  
 3. 1. ἐπὶ τοσούτον ἐξεχώλησεν  
 IV Ma. 5. 6. μετὰ τοσούτον ἐχῶν χρόνον  
 8. 5. τὸ πλῆθος τοσούτων ἀδελφῶν ὑπεριπμῶν  
 — 26. πόθεν ἡμῖν ἡ τοσαύτη ἐντέτηκε φιλονεικία  
 11. 20. ἐφ' ὃν . . . ἀδελφοὶ τ. κληθέντες οὐκ  
 ἐνικήθημεν  
 12. 6. τοσούτων υἱὸν στερηθήσαν  
 15. 5. τοσούτφ μᾶλλον εἰσι φιλοτεκνώτεροι  
 — 11. τοσούτων ὄντων τῶν . . . ἐλκόντων τὴν μητέρα  
 16. 4. A B κατέσβεσε τοσαῦτα [B τὰ τοσ.] καὶ τηλι-  
 καῦτα πόθῃ  
 τότε. (1) אָז δ. אָז (2) אָז  
 δ. אָז (3) אָז (4) אָז (5) אָז  
 (6) אָז (7) אָז (8) אָז (9) אָז  
 (10) אָז (11) אָז  
 Ge. 12. 6. οἱ δὲ Χαν. τότε κατέκον τὴν γῆν (2a)  
 13. 7. οἱ Φ. τότε κατέκον τὴν γῆν (2a)  
 24. 41. τότε ἀφῶς ἔση ἐκ τῆς ἀρᾶς μου (2a)  
 49. 4. τότε ἐμίνας τὴν στρωμνὴν (2a)  
 Ex. 12. 44. καὶ τότε φάγεται ἀπ' αὐτοῦ (2a)  
 — 48. καὶ τότε προσκυνεῖται ποιῆσαι αὐτὸ (2a)  
 15. 1. τότε ἦσε Μ. (2a)  
 — 15. τότε ἔσπευσαν ἡγεμόνες Ἐδὼμ (2a)  
 21. 6. καὶ τότε προσάξει αὐτὸν —  
 33. 23. καὶ τότε ὄψη τὰ ὀπίσω μου (2a)  
 Le. 22. 7. καὶ τότε φάγεται τὸν ἄγιον (8)  
 26. 34. τότε εὐδοκίσει ἡ γῆ (2a)  
 — 35 (34). τότε σαββατικὴ ἡ γῆ (2a)  
 — 41. τότε ἐντραπήσεται ἡ καρδία αὐ. (2a)  
 — 41. τότε εὐδοκίῃσονται τὰς ἀμαρτίας αὐ. (2a)  
 — 43. τότε προσδέξεται ἡ γῆ τὰ σάββατα αὐ. (7)  
 Nu. 21. 17. τότε ἦσαν Ἰσρ. τὸ ἄσμα τοῦτο (2a)  
 De. 4. 41. τότε ἀφώρμασε Μ. τρεῖς πόλεις (2a)  
 28. 13. ἔση τότε ἐπάνω (11?)  
 — 29. ἔση τότε ἀδικούμενος (4)  
 29. 20 (19). τότε ἐκκαθίσταται ὀργὴ κυρίου (2a)  
 Jo. 1. 8. τότε εὐδοκίῃσεται ὁργὴ κυρίου (2a)  
 — 8. καὶ τότε συνήσεις (2a)  
 9. 9 (10). καὶ τότε ἀναβοήσεται (2a)  
 9. 2 (8. 30). τότε ψαλμώσων ἰ. θυσιαστήριον (2a)  
 10. 12. τότε ἐλάλησεν ἰ. πρὸς κύριον (2a)  
 — 33. τότε ἀνέβη Ἀλ. (2a)  
 20. 6. A τότε ἐπιστρέψει ὁ φονεύσας (2a)  
 22. 1. τότε συνεκάλεσεν ἰ. τοὺς υἱ. Π. (2a)  
 Jd. 6. 8. B τότε [B ὅτε] ἐπολέμωσαν πόλεις  
 ἀρχόντων [A al.] (2a)  
 — 11. τότε κατέβη εἰς τὰς πόλεις λαὸς κυρίου (2a)  
 — 13. τότε κατέβη κατὰ λυμῶνα [A al.] (2a)  
 — 19. τότε ἐπολέμωσαν βασιλεῖς Χ. (2a)  
 — 22. τότε ἐνεποδίσθησαν πτέραι ἱσπων (2a)  
 8. 3. τότε ἀνέβη τὸ πνεῦμα αὐ. (2a)  
 18. 21. τότε ἔγνω Μαν. (2a)  
 I Ki. 6. 3. καὶ τότε λαθρήσεται (2a)  
 26. 34. τότε εἶπα —  
 II Ki. 2. 27. τότε ἐκ πρῶθεν ἀνέβη ὁ λαός (2a)  
 5. 24. τότε καταβήσκει πρὸς αὐτοὺς (2a)  
 — 24. τότε ἐξελεύσεται κύριος (2a)  
 16. 34. παῖς τοῦ πατρὸς σου ἦμιν τότε καὶ ἀρ-  
 τῶς (2b)  
 19. 6 (7). τότε τὸ εὐθεῖς ἦν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2a)  
 21. 17. τότε ὤμοσαν οἱ ἄνδρες Δ. (2a)  
 — 18. τότε ἐπάταξε Σ. . . τὸν Σίφ (2a)  
 23. 14. καὶ Δ. τότε ἐν τῇ περιούχῃ (2a)  
 — 14. καὶ τὸ ὑπόστημα τῶν ἀλλοφ. τότε ἐν Β. (2a)  
 — 15. τὸ δὲ σύστημα τῶν ἀλλοφ. τότε ἐν Β. —  
 III Ki. 8. 1 (9. 24). τότε ψαλμώσων τὴν ἀκραν (2a)  
 — 16. τότε ὤφθησαν δύο γυναικες (2a)  
 4. 34 (9. 16). B τότε [B ὅτε] ἀνέβη Φ. —  
 8. 1. τότε ἐξεκληρίσθησαν . . . π. τοὺς πρεσβυτ.  
 Ἰσρ. (2a)  
 — 12. A τότε εἶπεν Σολ. (2a)  
 — 53. τότε ἐλάλησε Σαλ. —  
 9. 9. τότε ἀνέστη Σ. τὴν θυγατέρα Φ. —  
 11. τότε ἔδωκεν ὁ βασ. τῷ Χ. εἰκοσι πόλεις (2a)  
 11. 7. τότε ψαλμώσων Σ. ὑψηλὸν τῷ Χ. (2a)  
 16. 21. τότε μερίζεται ὁ λαὸς Ἰσρ. (2a)  
 — 28 (22. 49 [50]). B τότε εἶπεν βασιλεὺς  
 Ἰσρ. πρὸς Ἰ. (2a)  
 22. 50. A τότε εἶπεν Ὁχ. υἱὸς Ἀχ. (2a)  
 IV Ki. 5. 3. τότε ἀποσυνάξει αὐτὸν ἀπὸ τῆς λεί-  
 πρας αὐ. (2a)

|   |  |   |
|---|--|---|
| IV Ki. 8. 22. τότε ἤβησε Ἀ. (2 α)                             | Ps. 2. 5. τότε λαλήσεις πρὸς αὐτοὺς (2 α)  | Da. LXX. 2. 14. τότε Δαν. εἶπε βουλὴν (1 β)                     |
| 12. 17 (18). τότε ἀνέβη Ἀζ. βασιλεὺς Συρίας (2 α)             | 18 (19). 13. τότε ἄμμος ἔσται (2 α)  | — 15. τότε τὸ πρόσταγμα εἰσήλυσαν (1 α)                         |
| 13. 19. τότε ἂν ἐπάταξεν τὴν Σ. (2 α)                         | 39 (40). 7. τότε ἐπὶ τοῦ ἰδοῦ ἦκω (2 α)  | — 17. τότε ἀπελθὼν Δαν. εἰς τὸν οἶκον αὐ. (1 α)                 |
| 14. 8. τότε ἀπέστειλεν Ἀμ. ἀγγέλους (2 α)                     | 50 (51). 19. τότε εὐδοκήσεις θυσίαν δικαιοσύνης (2 α)  | — 19. τότε τῷ Δαν. . . ἐξέφαινε (1 α)                           |
| 15. 16. τότε ἐπάταξε Μ. καὶ τὴν Θ. (2 α)                      | — 19. τότε ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον σου μόσχους (2 α)  | — 19. τότε Δαν. εὐλόγησεν τὸν κ. (1 α)                          |
| 16. 5. τότε ἀνέβη Ῥ. βασιλεὺς Σ. (2 α)                        | 55 (56). 9. Σ <sup>2</sup> τότε [B <sup>1</sup> om.] ἐπιστρέψουσιν οἱ ἰχθῆροι μου εἰς τὰ ὕψη (2 α)           | — 25. τότε Ἀ. κατὰ σπουδὴν εἰσῆγαγε τὸν Δ. (1 α)                |
| I Ch. 11. 16. καὶ Δ. τότε ἐν τῇ περιοχῇ ἐν Β. (2 α)           | 68 (69). 4. Δ οὐκ ἤρπασα τότε ἀπεινύσας (2 α)  | — 35. τότε λεπτὰ ἐγένετο ἄμα (1 β)                              |
| — 16. καὶ τὸ σύστημα τῶν ἀλλοφυλῶν τότε ἐν Β. (2 α)           | 75 (76). 7. Σ τίς ἀντιστήσεται σοι ἀπὸ τότε ἢ ὀργή [B ἀπὸ τῆς δ.] σου (2 α)                                  | — 46. τότε Ναβ. ὁ βασιλ. πεισὼν (1 β)                           |
| 14. 15. τότε ἐξελεύσῃ εἰς τὸν πόλεμον (2 α)                   | 77 (78). 34. Σ τότε [B om.] ἐξεζήτουν αὐτὸν (7)  | — 48. τότε ὁ βασιλ. Ναβ. Δαν. μεγαλύνει (1 α)                   |
| 15. 2. τότε εἶπε Δ. (2 α)                                     | 88 (89). 19. τότε ἐλάλησας ἐν ὁράσει τοῖς υἱοῖς σου (2 α)  | 8. 3. τότε συνήχθησαν ὑπατοὶ (1 β)                              |
| 16. 7. τότε ἔταξε Δ. ἐν ἀρχῇ τοῦ αἰνέειν τὸν κ. (2 α)         | 91 (92). 14. τότε [A <sup>2</sup> Σ <sup>2</sup> ἔτι, B <sup>1</sup> om.] πληθυνθήσονται ἐν γῆρι πῖονι (2 α) | — 13. τότε Ναβ. θυμωθεὶς ὀργή (1 β)                             |
| — 33. τότε εὐφρανθήσεται τὰ ξύλα (2 α)                        | 92 (93). 2. ἔτοιμος ὁ θρόνος σου ἀπὸ τότε (2 α)  | — 13. τότε οἱ ἄνθρωποι ἤχησαν (1 β)                             |
| 20. 4. τότε ἐπάταξε Σ. τὸν Σ. (2 α)                           | 95 (96). 12. τότε ἀγαλλιάσονται πάντα τὰ ξύλα τοῦ ὁρμου (2 α)  | — 18. καὶ τότε φανερὸν σοι ἔσται (1 α)                          |
| 22. 13. τότε εὐδοκᾷ (2 α)                                     | 118 (119). 6. τότε οὐ μὴ ἐπαισχυνῶ (2 α)   | — 19. τότε Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 β)                             |
| II Ch. 5. 2. τότε ἐξεκκλησίασε Σαλ. τοὺς πρεσβυτέρους (2 α)   | — 92. τότε ἂν ἀπωλύμην ἐν τῇ ταπεινώσει μου (2 α)  | — 21. τότε οἱ ἄνδρες ἐκείνοι συνεποδίσθησαν (1 β)               |
| 6. 1. A <sup>2</sup> B τότε εἶπε Σαλ. (2 α)                   | 125 (126). 2. τότε ἐπλήσθη χαρὰς τὸ στόμα ἡμῶν (2 α)   | — 24 (91). τότε Ναβ. ὁ βασιλ. ἐθαύμασε (1 α)                    |
| 8. 12. τότε ἀνήγειρε Σ. ὀλοκαυτώματα τῷ κ. (2 α)              | — 2. τότε ἐροῦσιν ἐν τοῖς ἔθνεσιν (2 α)  | 5. 7. τότε ὁ βασιλ. ἐξέθηκε πρόσταγμα (1 α)                     |
| — 17. τότε φέχτο Σ. εἰς Γ. (2 α)                              | Pr. 2. 5. τότε συνήσεις φόβον κυρίου (2 α)   | — 10. τότε ὁ βασιλ. ἐκάλεσε τὴν βασιλίαν (1 α)                  |
| 21. 10. τότε ἀπέστη Ἀ. (2 α)                                  | — 9. τότε συνήσεις δικαιοσύνην καὶ κρίμα (2 α)   | — 11. τότε ἡ βασιλίσσα ἐμνήσθη πρὸς αὐτὸν (1 α)                 |
| 24. 17. τότε ἐπῆκουσεν αὐτοὺς ὁ βασιλ. (2 α)                  | 3. 8. τότε ἰασίς ἐσται τῶ σώματί σου (2 α)   | — 13. τότε Δαν. εἰσῆλθε πρὸς τὸν βασιλ. (1 β)                   |
| 36. 4. B τότε ἤρξατο ἡ γῆ φορολογεῖσθαι (2 α)                 | 23. 33. τὸ στόμα σου τότε λαλήσει σκολιὰ (7)   | — 17. τότε Δαν. ἔστη κατέναντι τῆς γραφῆς (1 β)                 |
| I Es. 2. 25. τότε ἀντέγραψεν ὁ βασιλ. Ῥ. (2 α)                | Ec. 2. 15. A <sup>2</sup> τότε [B <sup>1</sup> om.] περυσὸν ἐλάλησεν ἐν καρδίᾳ μου (2 α)                     | — 29. τότε Β. ὁ βασιλ. ἐνέδωκε τὸν Δαν. πορφυράν (1 β)          |
| — 30. τότε ἀναγνώσκουσιν τῶν . . . γραφέντων (2 α)            | 8. 10. τότε εἶδον ἀσέβεις εἰς τάφους εἰσαχθέντας (9 β)   | 6. 3 (4). τότε ὁ βασιλ. ἐβουλεύσατο (1 α)                       |
| 8. 3. A τότε [B δὲ] Δαρ. ὁ βασιλ. ἀνέλυσεν (2 α)              | — 12. ἐποίησε τὸ ποιητὴν ἀπὸ τότε (2 α)  | — 4 (5). τότε βουλὴν καὶ γνώμην ἐβουλεύσατο (1 α)               |
| — 4. τότε οἱ τρεῖς νεανίσκοι (2 α)                            | Wi. 5. 1. τότε στήσεται ἐν παρηγορίᾳ πολλῇ ὁ δίκαιος (2 α)   | — 6 (7). τότε προσήλθοσαν οἱ ἄνθρωποι ἐκείνοι (1 α)             |
| — 8. καὶ τότε γράψαντες ἕκαστος τὸν ἑαυτοῦ λόγον (2 α)        | 11. 8. δείξας διὰ τοῦ δικίφους (2 α)   | — 12 (13). τότε οὗτοι οἱ ἄνθρωποι ἐνέτυχον τῷ βασιλ. (1 β)      |
| 4. 33. καὶ τότε ὁ βασιλ. καὶ οἱ μεγιστάνες ἐβλεπον (2 α)      | 14. 15. τὸν τότε [A ποτὶ] νεκρὸν ἄνθρωπον νῦν ὡς θεὸν ἐτίμησε (2 α)  | — 14 (15). τότε ὁ βασιλ. σφόδρα ἐλυπήθη (1 α)                   |
| — 41. πᾶς ὁ λαὸς τότε ἐφώνησε καὶ τότε εἶπον (2 α)            | 16. 25. διὰ τοῦτο καὶ τότε εἰς πάντα [B om. εἰς π.] μεταλλευομένη (2 α)                                      | — 17 (18). τότε Δαν. ἐρρίφη εἰς τὸν λάκκον τῶν λεόντων (1 α)    |
| — 42. τότε ὁ βασιλ. εἶπεν αὐτῷ (2 α)                          | 18. 17. τότε παραχρῆμα φαντασίαι μὲν . . . ἐξέταραν αὐτοὺς (2 α)   | — 18 (19). τότε ὑπέστρεψεν ὁ βασιλ. (1 α)                       |
| — 43. τότε εἶπε τῷ βασιλ. (2 α)                               | — 20. B <sup>1</sup> ἤψατο δὲ καὶ δίκαιον τότε [B <sup>2</sup> ποτὶ, A B om.] πείρα θανάτου (2 α)            | — 18 (19). τότε ὁ θεὸς τοῦ Δαν. πρόνοιαν ποιοῦμενος αὐτοῦ (1 α) |
| — 47. τότε ἀναστὰς Δαρ. ὁ βασιλ. (2 α)                        | Si. 11. 7. νόησον πρότον καὶ τότε ἐπιτίμα (2 α)  | — 20 (21). τότε ὁ βασιλ. ἐκάλεσε τὸν Δαν. (1 α)                 |
| 6. 2. τότε στὰς Σορ. (2 α)                                    | 18. 7. ὅταν συντελέσῃ ὁ ἄνθρωπος τότε ἀρχεται [A ἐρχ.] καὶ ὅταν παύσῃται τότε ἀπορῆται (2 α)                 | — 21 (22). τότε Δαν. ἐπῆκουσε (1 α)                             |
| — 11. τότε ἐπυνθανόμην τῶν πρεσβυτέρων τούτων (2 α)           | 24. 8. τότε ἐνετειλάτο μοι ὁ κτίστης ἀπάντων (2 α)   | — 23 (24). τότε συνήχθησαν πᾶσαι αἱ δυνάμεις (1 β)              |
| — 20. τότε ὁ Σαν. παραγενόμενος (2 α)                         | 28. 2. καὶ τότε δεηθέντος σου αἱ ἀμαρτίαι σου λυθῶσιν (2 α)  | — 24 (25). τότε οἱ δύο ἄνθρωποι ἐκ. οἱ καταμαρτυρήσαντες (1 α)  |
| — 23. τότε ὁ βασιλ. Δαρ. προσέταξεν (2 α)                     | 48. 19. τότε ἐσάλυθον καρδίαν (2 α)  | — 25 (26). τότε Δαρ. ἔγραψε πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (1 β)             |
| 7. 1. τότε Σ. ἐπαρχος κοίτης Συρίας (2 α)                     | 50. 16. τότε ἀνέκραγον υἱοὶ Ἀπαρὼν (2 α)   | 7. 1. τότε Δαν. τὸ ὄραμα . . . ἔγραψεν (1 β)                    |
| — 24. τότε ἤρξατο τὸ ἔργον οἴκου τοῦ θεοῦ (1 β)               | — 17. τότε πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέπνευσε (2 α)   | — 11. ἐθέλουν τότε τὴν φωνὴν τῶν λόγων (1 β)                    |
| 5. 2. τότε ἀνίστην Σ. . . καὶ Ἰ. (1 β)                        | — 20. τότε καταβῆ ἑπὶ τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2 α)  | — 19. τότε ἤβηκεν ἐξαικρίβασθαι (1 α)                           |
| — 4. τότε ταῦτα εἶπσαν αὐτοῖς (1 α)                           | Ho. 2. 7 (9). καλὸς μοι ἦν τότε ἡ νῦν (2 α)  | 11. 45. στήσεις αὐτοὺς τὴν σκηνὴν τότε (1 α)                    |
| — 5. καὶ τότε ἀπεστάλη τῷ φορολόγῳ (1 α)                      | Hb. 1. 11. τότε μεταβάλλει τὸ πνεῦμα (2 α)   | Bel 13. καὶ τότε σφραγισμένοι τὸν ναὸν (1 α)                    |
| — 9. τότε ᾤκησαν αὐτοὺς πρεσβυτέρους ἐκ. (1 α)                | Ze. 8. 9. τότε μεταστρέψω ἐπὶ λαοὺς γλώσσας (2 α)  | Da. Th. Su. 14. καὶ τότε κοινῇ συνετάξαντο καιρὸν (1 α)         |
| — 16. τότε Σ. ἐκείνους ἤλασε (1 α)                            | — 11. τότε περιελθὼ ἀπὸ σου τὰ φαυλίσματα (2 α)  | 2. 12. τότε ὁ βασιλ. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ εἶπεν (8)                 |
| — 16. ἀπὸ τότε ἔως τοῦ νῦν φοδομοῖσθ (1 α)                    | Is. 8. 16. τότε φανεροὶ ἐσονται (2 α)  | — 14. τότε Δαν. ἀπεκρίθη βουλὴν (1 β)                           |
| 6. 1. τότε Δ. ὁ βασιλ. ἔθηκε γνώμην (1 β)                     | 20. 2. τότε ἐλάλησε κύριος (2 α)   | — 19. τότε τῷ Δ. . . ἀπεκαλύφθη [A α.] (1 α)                    |
| — 13. τότε ὁ ἔπαρχος . . . οὕτως ἐπιμελῶς ἐποίησαν (1 α)      | 28. 25. τότε [A πρότον] σπεῖρει μικρὸν μελάνθιον (7)   | — 25. τότε Ἀ. ἐν σπουδῇ εἰσῆγαγε τὸν Δ. (1 α)                   |
| Ne. 2. 16. τοῖς Ἰουδαίοις . . . ἔως τότε οὐκ ἀπήγγειλα (9 α)  | 30. 15. τότε σωθῆσιν (2 α)   | — 35. τότε ἐλεπτύθησαν εἰσπάξας (1 β)                           |
| To. 1. 22. B τότε [A B καὶ] ἤξιωσεν Ἀχ. περὶ ἐμοῦ (2 α)       | — 23. τότε ἔσται ὁ υἱός (2 α)  | — 46. τότε ὁ βασιλ. Ναβ. ἔπνευσε (1 β)                          |
| 5. 1. B τότε ἐκάλεσεν Τωβ. Ραφ. [A B α.] (2 α)                | 35. 5. τότε ἀνοικήθησαν οἱ ὀφθαλμοὶ τυφλῶν (2 α)   | 8. 8. τότε προσήλθοσαν ἄνδρες Χαλδαῖοι (8)                      |
| 6. 3. τότε ἀπεκρίθη Τωβ. εἶπεν (2 α)                          | — 6. τότε ἀλείψαι ὡς ἔλαφος χωλὸς (2 α)  | — 13. τότε Ναβ. ἐν θυμῷ καὶ ὀργῇ εἶπεν (1 β)                    |
| — 13. τότε ἔταξε τὸν παιδῆριον τὸν ἀγγελὸν [B α.] (2 α)       | 41. 1. τότε κρίσιν ἀναγγελεύσας (2 α)  | — 19. τότε Ναβ. ἐπλήσθη θυμοῦ (1 β)                             |
| 8. 18. B τότε εἶπεν τοῖς οἰκέταις αὐ. [A B α.] (2 α)          | — 7. A τότε [B ποτὶ] μὲν ἐρεῖ (2 α)  | — 21. τότε [A ὅτε] οἱ ἄνδρες ἐκείνοι ἐπεδήθησαν (1 β)           |
| — 21. A B καὶ τότε λαβόντα τὸ ἥμισυ [B α.] (2 α)              | 44. 8. καὶ οὐκ ἤκουσαν τότε (2 α)  | — (51). τότε οἱ τρεῖς ὡς ἐξ ἐνὸς στόματος ὕμνον (1 β)           |
| 9. 1. B τότε ἐκάλεσεν Τωβ. Ραφ. [A B α.] (2 α)                | 45. 21. τότε [B ποτὶ] ἀπηγγέλι ἡμῖν (2 β)  | — 26 (93). τότε προσήλθε Ναβ. (1 β)                             |
| 12. 6. A B τότε [B καὶ] καλέσας τοὺς δύο (2 α)                | 58. 8. τότε ῥαγίσεται πρῶτον τὸ φῶς σου (2 α)  | — 30 (97). τότε ὁ βασιλ. κατεῖχεν τὸν Σ. (1 β)                  |
| — 14. Σ τότε ἀπέσταλμαι ἐπὶ σέ [A B α.] (2 α)                 | — 9. τότε βόησεν (2 α)   | 4. 16. τότε Δαν. . . ἀπηνέωθη (1 α)                             |
| 13. 6. τότε ἐπιστρέψαι πρὸς ὑμᾶς (2 α)                        | — 10. τότε ἀνταλεῖ ἐν τῷ σκότει τὸ φῶς σου (2 α)   | 5. 6. τότε τοῦ βασιλ. ἡ μορφή ἡλλοιώθη (1 α)                    |
| — 13. B τότε πορεύθητι [A B α.] (2 α)                         | 60. 5. τότε ὄψην (2 α)   | — 13. τότε Δαν. εἰσῆλθε (1 β)                                   |
| Ju. 6. 6. τότε διελεύσεται ὁ σιδηρὸς τῆς στρατίας μου (2 α)   | 65. 25. τότε λύκοι καὶ ἄρνες βοσκηθήσονται ἄμα (2 α)   | — 17. A τότε ἀπεκρίθη Δαν. [B α.] (1 β)                         |
| 15. 3. καὶ τότε οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . ἐξεχύθησαν (2 α)             | Je. 11. 18. τότε εἶδον τὰ ἐπιτηδεύματα αὐ. (2 α)   | 6. 6 (7). τότε οἱ τακτικοὶ . . . παρέστησαν τῷ βασιλ. (1 α)     |
| 16. 11. τότε ἡλάλασαν οἱ ταπεινοὶ μου (2 α)                   | 19. 1. τότε εἶπε κύριος πρὸς μέ (2 α)  | — 9 (10). τότε ὁ βασιλ. Δ. ἐπέταξε γραφῆναι (8)                 |
| Es. 2. 13. καὶ τότε εἰσπορεύεται πρὸς τὸν βασιλ. (5 β)        | 22. 22. τότε αἰσχυρήθη (2 α)   | — 11 (12). τότε οἱ ἄνδρες ἐκ. πορεύθησαν (1 α)                  |
| 4. 16. καὶ τότε εἰσελεύσονται πρὸς τὸν βασιλ. (9 β)           | 38 (81). 13. τότε χαρίζονται παρθένους (2 α)   | — 13 (14). τότε ἀπεκρίθησαν (1 β)                               |
| 7. 10. καὶ τότε ὁ βασιλ. ἐκάταξε τοῦ θυμοῦ (2 α)              | Er. Je. 41. A τὸν Βηλ ἀξιοῦσι τότε λαλήσαι [B α.] (2 α)  | — 14 (15). τότε ὁ βασιλ. . . πολλὴ ἐλυπήθη (1 α)                |
| 9. 31. καὶ τότε στρίσαντες κατὰ τῆς ὑμείας αὐ. (2 α)          | Ez. 32. 14. οὕτως τότε ἡσυχάσει τὰ ὕδατα αὐ. (2 α)   | — 15 (16). τότε οἱ ἄνδρες ἐκ. λέγουσιν τῷ βασιλ. (1 β)          |
| Jb. 1. 12. τότε [A καὶ] εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (7)             | 39. 11. κληθήσεται τότε [τὸ τὲ, A τὸ γαί] τὸ πάλανδριον τοῦ Γαῶν (2 α)                                       | — 16 (17). τότε ὁ βασιλ. εἶπε (1 β)                             |
| 2. 2. τότε εἶπεν ὁ διαβόλος ἐνώπιον τοῦ κυρίου (7)            | Da. LXX. Su. 33. τότε συνεπάμειθα ἀλλήλους (2 α)   | — 19 (20). τότε ὁ βασιλ. ἀνέστη (1 β)                           |
| 11. 6. τότε γνώσῃ (2 α)                                       | — 62. τότε ὁ ἀγγελος κυρίου ἔρριψε πυρ (2 α)   | — 23 (24). τότε ὁ βασιλ. πολλὴ ἡγαθύνθη ἐπ' αὐτῷ (1 β)          |
| 18. 20. τότε ἀπὸ τοῦ προσώπου σου οὐ [B om.] κρυβήσομαι (2 α) | 2. 12. τότε ὁ βασιλ. στυγνὸς γενόμενος (8)   | — 25 (26). τότε Δαρ. ὁ βασιλ. ἔγραψε (1 β)                      |
| 15. 21. A τότε [B om.] ἤξει αὐτοῦ ἡ καταστροφή (2 α)          |  | 7. 11. ἐθέλουν τότε (1 β)                                       |
| 19. 29. τότε γινώσκονται (10)                                 |  | Bel 21. ὁρμηθεὶς ὁ βασιλ. τότε συνέλαβε τοὺς λερεῖς (1 β)       |
| 20. 7. τότε εἰς τέλος ἀπολείται (2 α)                         |  | — 32. τότε δὲ οὐκ ἐδίδον αὐτοῖς (1 α)                           |
| 28. 17. τότε εἶδεν αὐτὴν (2 α)                                |  | I Ma. 2. 29. τότε κατέβησαν πολλοὶ (1 α)                        |
| 33. 16. τότε ἀνακαλύπτει νοῦν ἀνθρώπων (2 α)                  |  | — 42. τότε συνήχθησαν πρὸς αὐτοὺς (1 α)                         |
| — 27. εἶτα τότε ἀπομύμνεται ἀνθρώπος (2 α)                    |  | 4. 41. τότε ἐπέταξε Ἰ. ἀνδράσι (1 α)                            |
| 38. 21. οἶδα ὅρα ὅτι τότε [A εἰς τοῦτο] γεγέννηται (2 α)      |  | 14. 32. τότε ἀνέστη Σίμων (1 α)                                 |
|   |  | 16. 9. τότε ἐτραυματίσθη Ἰ. (1 α)                               |

II Μα. 1. 18. Α ὁ οἰκοδομήσας τότε τὸ [B τό τε] ἱερὸν  
— 19. B οἱ τότε [A τε] εὐσεβεῖς ἱερεῖς  
2. 8. καὶ τότε ὁ κ. ἀναδείξει ταῦτα  
12. 18. ἀπρακτον τότε ἐκ τῶν τόπων ἐκλελυκότα  
III Μα. 1. 29. τῶν πάντων τότε θάνατον ἀλλασσομένων  
5. 1. τότε προκαλεσάμενος Ἑρμῶνα  
— 44. τότε περιχαρεῖς ἀναλίσκοντες οἱ φίλοι  
6. 18. τότε ὁ μεγαλόδοξος . . . θεός  
— 31. τότε οἱ τὸ πρὶν ἐπονείδιστοι  
7. 13. τότε κατενυφήμενοι αὐτὸν  
— 14. B τότε τὸν ἐμπροσθέντα . . . ἐκολάζοντο [A αἰ].  
IV Μα. 3. 8. τότε δὴ γενομένης ἐσπέρας  
— 21. τότε δὴ τινες . . . ἐχρήσαντο συμφοραῖς  
8. 2. B E τότε [A τότε] δὴ σφόδρα περιπαθῶς ἐκένυσεν  
15. 22. πηλίκαις καὶ πόσαις τότε ἡ μήτηρ . . . ἐβασανίζετο βασάνους  
17. 12. ἡλοδοχίει γὰρ τότε ἀρετὴ  
18. 6. τότε δὴ ἀπάρας ἀπὸ τῶν ἱερ.  
— 20. ὁ περὶ τῆς τότε ἡμέρας  
[Aq. Gk. 4. 26: Ek. 4. 10 (ἀπὸ τότε): Jo. 10. 33: III Ki. 8. 12: 9. 24: 22. 50: Jb. 9. 31: Ps. 55 (58). 10: 68 (69). 5: 95 (96). 12: Ca. 8. 10: Is. 33. 23: 58. 14: Jc. 11. 15, 18: 22. 15, 16 (Sw.): Da. 8. 24 (91): Zc. 8. 9.]  
[Sm. Gk. 4. 26: Jo. 10. 33: I Ki. 9. 9: Ps. 50 (51). 21: 55 (56). 10: 92 (93). 2 (ἀπὸ τότε): Pr. 8. 22 (ἀπὸ τότε): Is. 16. 13 (ἡ τότε): 33. 23: 58. 14: Jc. 11. 18: 22. 15 (Sw.): Zc. 8. 9.]  
[Th. Ps. 55 (56). 10: Pr. 8. 22 (ἀπὸ τότε): 20. 14: Is. 16. 13 (ἀπὸ τότε): 58. 14: Jc. 22. 15, 16 (Sw.): 37 (44). 16: Da. 3. (51), 30 (97): 5. 6: 6. 15: Zc. 8. 9.]  
[Al. I Ki. 22. 50: Ps. 128 (124). 4, 5: Pr. 1. 28.]  
[Quint. Ps. 55 (56). 10.]  
**τουναντίον, vid. sub ἐναντίος.**  
**τραγέκασθα.**  
[Aq. Jb. 8. 7.]  
**τραγέλαφος.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕  
De. 14. 5. A καὶ βούβαλον καὶ τραγέλαφον (1)  
Jb. 39. 1. ei [A ἦ] ἔγνω καὶ τὸ τοκετοῦ τραγέλαφον πέτρας (2)  
[Th. Jb. 39. 1.]  
**τράγμα.**  
[Aq. Dt. 38. 13, 14, 15.]  
**τράγος.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
Ge. 30. 35. διέστειλεν . . . τοὺς τρ. τοὺς βαντοῖς (8)  
31. 10. οἱ τρ. καὶ οἱ κριοὶ ἀναβαίνοντες ἦσαν (1)  
— 12. ἴδε τοὺς τρ. . . ἀναβαίνοντας (1)  
32. 14 (15). ἐξέστειλεν . . . τράγους ἐλκοῖσι (8)  
Nu. 7. 17, 23. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε (1)  
— 29. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε [B<sup>1</sup> om. τρ. π.] (1)  
— 35. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε (1)  
— 41. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε [B<sup>1</sup> om. τρ. π.] (1)  
— 47. 53, 59, 65, 71, 77, 83. εἰς θυσίαν σωτηρίου . . . τράγους πέντε (1)  
— 88. τράγος ἐθήκετα (1)  
De. 32. 14. υἱὸν ταύρων καὶ τράγων (1)  
II Ch. 17. 11. Α ἔφερον . . . τράγους [B om.] (8)  
I Es. 8. 66. τράγους ὑπὲρ σωτηρίου δώδεκα Pr. 49 (50). 13. ἡ αἶμα τράγων πίομαι (1)  
Ps. 24. 66 (30. 31). τράγους ἡγνούμενος αἰπολίου (8)  
Is. 1. 11. αἶμα ταύρων καὶ τράγων (1)  
34. 6. ἐπὶ αἵματος τράγων καὶ ἀμνῶν (1)  
— 6. ἀπὸ στέατος τράγων καὶ κριῶν (1)  
Ez. 34. 17. διακριθὲν ἀπὸ μύσων . . . κριῶν καὶ τράγων [A -ου] (1)  
39. 18. κριοὺς καὶ μύσους καὶ τράγους (1)  
Da. LXX. 8. 5. τράγους αἰγῶν ἥρχετο ἀπὸ δυσμῶν (2)  
— 5. ἦν τοῦ τρ. κέρας ἐν θεωρητόν (2)  
— 7. στήναι κατέναντι τοῦ τρ. (1)  
— 7. οὐκ ἦν ὁ ρύμιος τὸν κρινὸν ἀπὸ τοῦ τρ. (1)  
— 8. ὁ τρ. τῶν αἰγῶν κατὰσχισσε σφόδρα (2)  
— 21. ὁ τρ. τῶν αἰγῶν βασιλεὺς τῶν Ἑλλ. ἐστὶ (2)  
Da. TH. 8. 5. τράγους αἰγῶν ἥρχετο ἀπὸ λιβάς (2)

Da. TH. 8. 5. καὶ τῶ τρ. κέρας μέσον τῶν ὀφθ. αὐτοῦ (2)  
— 8. ὁ τρ. τῶν αἰγῶν ἐμεγαλύνθη (2)  
— 21. καὶ ὁ τρ. τῶν αἰγῶν βασιλεὺς Ἑλλήνων (2)  
[Aq. Lx. 16. 8: Ps. 65 (66). 15: Is. 34. 6.]  
[Th. Ps. 65 (66). 15.]  
[Al. Lx. 16. 8, 7, 15.]  
**τραγῶδός.**  
[Al. Gk. 81. 27.]  
**τρανός.** (1) τρανός εἶναι [2]  
Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [A om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . τρανόν  
10. 21. γλώσσας ἡπτιῶν ἔθηκε τρανὰς  
Is. 35. 6. τρανὴ δὲ ἔσται [B<sup>1</sup> καὶ τρανίσταται] γλώσσα μογιλάων (1)  
[Sm. Is. 32. 4.]  
**τρανός.**  
[Sm. Is. 32. 4.]  
**τράπεζα.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
(4) 𐤒𐤓𐤕  
Ex. 25. 22 (23). ποιήσεις τρ. χρυσῆν [A om.] (4)  
— 26 (27). ὥστε αἶρεν ἐν αὐτοῖς τὴν τρ. (4)  
— 27 (28). ἀρθήσεται ἐν αὐτοῖς ἡ τρ. (4)  
— 29 (30). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὴν τρ. (4)  
26. 35. θήσεις τὴν τρ. ἔξωθεν τοῦ καταπετάσματος (4)  
— 35. καὶ τὴν λυχνίαν ἀπέναντι τῆς τρ. (4)  
— 35. τὴν τρ. ἐπιθήσεις ἐπὶ μέρους τῆς σκηνῆς (4)  
30. 28. καὶ τὴν τρ. καὶ πάντα τὰ σκεύη αὐ. (4)  
31. 8. ποιήσουσι . . . τὴν τρ. (4)  
35. 15 (13). ἐργαζέσθω . . . τὴν τρ. (4)  
38. 9 (37. 10). ἐποίησεν τὴν τρ. τὴν προκειμένην (4)  
— 11 (37. 15). τοὺς διωστήρας . . . τῆς τρ. ἐποίησε (4)  
— 12 (37. 16). ἐποίησε τὰ σκεύη τῆς τρ. (4)  
39. 18 (36). καὶ τὴν τρ. τῆς προβέσεως (4)  
40. 4. εἰσοίσεις τὴν τρ. (4)  
— 22. ἐπίθηκε τὴν τρ. εἰς τὴν σκηνὴν (4)  
Le. 24. 6. ἐπιθήσετε αὐτοὺς . . . ἐπὶ τὴν τρ. τὴν καθάραν (4)  
Nu. 8. 31. καὶ ἡ φυλακὴ αὐ. . . ἡ τρ. (4)  
4. 7. ἐπὶ τὴν τρ. τὴν προκειμ. ἐπιβαλοῦσιν (4)  
Jd. 1. 7. ἦσαν συλλέγοντες τὰ ὑποκάτω τῆς τρ. μου (4)  
I Ki. 20. 24. ἔρχεται ὁ βασι. ἐπὶ τὴν τρ. (1)  
— 27. οὐ παραγέγονται ὁ υἱὸς Ἰ. . . ἐπὶ τὴν τρ. (1)  
— 29. οὐ παραγέγονται ἐπὶ τὴν τρ. τοῦ βασι. (4)  
— 34. ἀνετίθηεν Ἰ. ἀπὸ τῆς τρ. (4)  
II Ki. 9. 7. σὺ φάγῃς ἄρτον ἐπὶ τῆς τρ. μου (4)  
— 10. φάγεται . . . ἄρτον ἐπὶ τῆς τρ. μου (4)  
— 11. Μ. ἥσθην ἐπὶ τῆς τρ. Δ. (4)  
— 13. ἐπὶ τῆς τρ. τοῦ βασι. διὰ παντός ἔσθιε (4)  
19. 28 (29). ἐν τοῖς ἐσθίουσι τὴν τρ. σου (4)  
III Ki. 2. 7. ἔσονται ἐν τοῖς ἐσθίουσι τὴν τρ. σου (4)  
4. 27 (5. 7). πάντα τὰ διαγγέλλματα ἐπὶ τὴν τρ. τοῦ βασι. (4)  
7. 48. τὸ θυσιαστήριον τὸ χρυσοῦν καὶ τὴν τρ. (4)  
12. 24. B ἐβάρυνε τὰ βρώματα τῆς τρ. αὐ. (4)  
13. 20. A B<sup>2</sup> B αὐτῶν καθήμενος ἐπὶ τῆς τρ. [B<sup>1</sup> om. ἐπὶ τ. τρ.] (4)  
18. 19. τοὺς προφῆτας . . . ἐσθιόντας τράπεζαν ἱεζ. (4)  
IV Ki. 4. 10. ὥσπερ αὐτὸς ἐκεῖ . . . τράπεζαν (4)  
I Ch. 28. 16. τὸν σταβλὸν τῶν τρ. τῆς προβέσεως ἐκάστης τρ. χρυσῆς (4)  
II Ch. 4. 8. ἐποίησε τραπέζας δέκα (4)  
— 19. ἐποίησε Σαλ. . . τὰς τρ. (4)  
9. 4. εἶδε . . . τὰ βρώματα τῶν τρ. (4)  
13. 11. προβέσεις ἄρτων ἐπὶ τῆς τρ. τῆς καθαρᾶς (4)  
29. 18. ἡγνίσανμεν . . . τὴν τρ. τῆς προβέσεως (4)  
Ne. 5. 17. καὶ ἐργάμοι . . . ἐπὶ τράπεζαν μου (4)  
To. 2. 2. B παρετίθη μοι ἡ τρ. (4)  
Es. 4. 17. οὐκ ἔφαγον ἡ δοῦλη σου τράπεζαν Ἰ. (4)  
Jb. 36. 16. κατέβη τράπεζα σου πλήρης πύστιης (4)  
Ps. 22 (28). 5. ἡτοιμάσας ἐνώπιόν μου τράπεζαν (4)  
68 (69). 22. γεννηθήτω ἡ τρ. αὐτῶν ἐνώπιόν αὐτῶν εἰς παιγία (4)  
77 (78). 19. ἡτοιμάσαι τράπεζαν ἐν ἐρήμῳ (4)  
— 20. ἡ ἡτοιμάσαι τράπεζαν ἐν τῇ λαῷ αὐτοῦ (4)  
127 (128). 3. οἱ υἱοὶ σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλω τῆς τρ. σου (4)  
Pr. 9. 2. ἡτοιμάσατο τὴν ἐαυτῆς τρ. (4)

Pr. 23. 1. ἐν καθίσῃς δειπνῶν ἐπὶ τραπέζῃς θυράστω (4)  
Si. 6. 10. A B ἔστι φίλος κοινωνὸς τραπέζων (4)  
14. 10. ἑλλήπης ἐπὶ τῆς τρ. αὐτοῦ (4)  
29. 26. παρέλθε, πάραικε, κόσμησον τράπεζαν (4)  
34 (31). 12. ἐπὶ τραπέζῃς μεγάλῃς ἐκάθισας (4)  
40. 29. ἀνὴρ βλῆπων εἰς τράπεζαν ἀλλοτρίαν (4)  
Ma. 1. 7, 12. τράπεζα κυρίου ἡλισσημένη ἐστὶ (4)  
Is. 21. 5. ἡτοιμάσαν τὴν τρ. (4)  
65. 11. ἡτοιμάσαντες τῇ δαιμονίῳ τράπεζαν (4)  
Ez. 23. 41. τρ. κεκοσμημένη πρὸς προσώπου αὐτῆς (4)  
39. 20. ἐμπλησθήσεσθε ἐπὶ τῆς τρ. μου (4)  
40. 39. A δύο τράπεζαι ἔθεν καὶ δύο τράπεζαι ἔθεν (4, 4)  
— 40. A δύο τράπεζαι πρὸς ἀνατολὰς . . . δύο τράπεζαι καὶ ὀκτὼ τράπεζαι [B om. κ. ὁ τρ.] κατὰ ἀνατολὰς (4, 4, -)  
— 41. κατέναντι τῶν ὀκτῶ τρ. τῶν θυμάτων (4)  
— 42. τέσσαρες τράπεζαι τῶν δολοκαυμάτων (4)  
— 43. ἐπὶ τὰς τρ. ἐπάνωθεν στήγας (4)  
41. 22. αὕτη ἡ τρ. ἡ πρὸ προσώπου [A τρ. κατὰ προσώπου] κυρίου [B<sup>1</sup> om.] (4)  
44. 16. προσελεύσονται πρὸς τὴν τρ. μου (4)  
Da. LXX. 1. 5. δίδουσι αὐτοῖς ἐκθεσιν . . . ἀπὸ τῆς βασιλικῆς τρ. (2)  
11. 27. ἐπὶ μᾶς τρ. φάγονται (4)  
Bel 17. εἶδον . . . τὰς τρ. κενὰς (4)  
Da. TH. 1. 5. διατάξεν αὐτοῖς . . . ἀπὸ τῆς τρ. τοῦ βασι. (2)  
— 8. οὐ μὴ ἀλισγηθῇ ἐν τῇ τρ. τοῦ βασι. (2)  
— 13. τῶν παιδαρίων τῶν ἐσθύντων τὴν τρ. τοῦ βασι. (2)  
— 15. ὑπὲρ τὰ παιδάρια τὰ ἔσθοντα τὴν τρ. τοῦ βασι. (2)  
11. 27. ἐπὶ τρ. μὲν ψευδὴ λαλήσουσι (4)  
Bel 18. ἐπιδέψας ὁ βασι. ἐπὶ τὴν τρ. (4)  
— 21. ἰδαπάνων τὰ ἐπὶ τῇ τρ. (4)  
I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τὴν τρ. τῆς προβέσεως (4)  
4. 49. εἰσηγγεκαν . . . τὴν τρ. εἰς τὸν ναὸν (4)  
— 51. ἐπίθηκαν ἐπὶ τὴν τρ. ἄρτους (4)  
[Aq. Is. 28. 8.]  
[Sm. Ex. 40. 24 (22): Jb. 36. 16: Ps. 68 (69). 23: Is. 28. 8.]  
[Th. Ex. 37. 14 (38. 11), 15 (38. 11): 40. 24 (22): Jb. 36. 16: Is. 28. 8: Da. 1. 8.]  
[Heb. Ex. 30. 27.]  
**τραῦμα.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
(4) 𐤒𐤓𐤕  
Ge. 4. 23. ἄνδρα ἀπέκτεινα εἰς τραῦμα ἰμοῖ (4)  
Ex. 21. 25. δώσει . . . τραῦμα ἀντὶ τραυματίου (4, 4)  
Le. 13. 31. ἐὰν ἴδῃ ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφὴν τοῦ τρ. (3)  
— 31. Α ἀφοριεὶ ὁ ἰ. τὴν ἀφὴν τοῦ τρ. [B θραύσματος] (3)  
Nu. 19. 18. Α ἐπὶ τὸν ἡμέμον . . . τοῦ τρ. [B τραυματίου] (2)  
Jd. 15. 19. Α ἦνοιξεν ὁ θ. τὸ τρ. τῆς σιαγόνας [B αἰ.] (4)  
Ju. 9. 13. εἰς τραῦμα καὶ μώλωπα αὐ. (4)  
13. 18. εἰς τραῦμα κεφαλῆς δρχοντος ἐχθρῶν ἡμῶν (4)  
Jb. 6. 21. ὥστε ἰδόντες τὸ ἐμὸν τραῦμα φοβήθητε (4)  
16. 7 (6). οὐκ ἀλγίστω τὸ τρ. (4)  
Ps. 68 (69). 26. ἐπὶ τὸ ἀλγος τῶν τρ. μου προσέθηκαν (2)  
Pr. 27. 6. ἀξιοπιστότερα ἐστὶ τραύματα φίλων (4)  
Si. 27. 21. τραῦμα ἐστὶ καταδίκη (4)  
— 25. πληγὴ δολία διελεῖ [A<sup>1</sup> εἰλεῖ] τραύματα (4)  
30. 7. περιψύχων υἱὸν καταδισμεῖσαι τραύματα αὐ. (4)  
34 (31). 30. ἐλαττῶν ἰσχυρὸν καὶ προσποιῶν τραύματα (4)  
Is. 1. 6. οὐτε τραῦμα οὐτε μώλωπ (4)  
Jc. 10. 19. τοῦτο τὸ τρ. σου [A αἰ.] (1)  
Ez. 32. 29. οἱ δόντες τὴν ἰσχυρὴν αὐ. εἰς τρ. μαχαίρας (2)  
II Ma. 14. 45. καὶ δυσχερῶν τῶν τρ. ὄντων (4)  
[Aq. Th. Pr. 20. 30.]  
[Sm. Is. 1. 6.]  
**τραυματίας.** (1) α. 𐤒𐤓𐤕 β. 𐤒𐤓𐤕 𐤒𐤓𐤕  
c. 𐤒𐤓𐤕 ru.  
Ge. 34. 27. εἰσῆλθον ἐπὶ τοὺς τρ. (1 a)  
Nu. 19. 16. ὅς ἐν ἀψήτοι . . . τραυματίου (1 b)  
— 18. ἐπὶ τὸν ἡμέμον . . . τοῦ τρ. [A τραύματος] (1 a)  
23. 24. αἶμα τραυματιῶν πέται (1 a)  
31. 8. ἅμα τοῖς τρ. αὐ. (1 a)

- Nu. 31. 8. πὺν τοῖς [A ταῖς] τρ. αὐ. —  
De. 21. 1. ἐὰν δὲ εὐρήθῃ τραυματίας ἐν τῇ γῇ — 2. ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ τοῦ τρ. — 3. ἢ πόλεις ἢ ἐγγίζουσα τῷ τρ. — 6. οἱ ἐγγίζοντες τῷ τρ.  
32. 2. ἀφ' αἵματος τραυματιῶν  
Jd. 9. 40. ἔπεσον τραυματίαι πολλοὶ [A -αῖ]  
18. 24. ἐπλήθυνε τὸν τρ. ἡμῶν  
30. 31. ἤρξαντο πατάσσειν ἀπὸ τοῦ λαοῦ τραυματίας (1a)  
— 39. ἤρξατο πατάσσειν τραυματίας (1a)  
I Ki. 17. 52. ἔπεσον τραυματίαι τῶν ἀλλοφ. (1a)  
81. 1. πίπτουσι τραυματίαι ἐν τῷ ὄρει τῷ Γ. (1a)  
II Ki. 1. 19. ὑπὲρ τῶν τεθνηκότων ἐπὶ τὰ ὕψη σου τραυματιῶν [A αῖ.] (1a)  
— 22. ἀφ' αἵματος τραυματιῶν (1a)  
— 25. ἐπὶ τὰ ὕψη σου τραυματίαι [A -ας] (1a)  
23. 8. A B<sup>2</sup> ἐσπάσαστο τὴν ῥομφ. αὐ. ἐπὶ ὀκτακοσίοις [B<sup>2</sup> τριακ.] τρ. [B<sup>2</sup> στρατιώτας] (1a)  
— 18. ἐξήγαγε τὸ δόρυ αὐ. ἐπὶ τριακοσίοις τρ. (1a)  
III Ki. 11. 15. θάπτειν τοὺς τρ. (1a)  
I Ch. 5. 22. τρ. πολλοὶ [A -αῖ] ἔπεσον (1a)  
10. 1. ἔπεσον τραυματίαι ἐν ὄρει Γ. (1a)  
— 8. τοῦ σκυλεύειν τοὺς [B<sup>2</sup> δ, B<sup>1</sup> τὰς] τρ. (1a)  
11. 11. ἐσπάσαστο τὴν ῥομφ. αὐ. ἀπαξ ἐπὶ τριακοσίοις τρ. (1a)  
— 20. ἐσπάσαστο τὴν ῥομφ. αὐ. ἐπὶ τριακοσίοις τρ. (1a)  
II Ch. 18. 17. ἔπεσον τραυματίαι ἀπὸ Ἰσρ. (1a)  
Ju. 2. 8. οἱ τρ. αὐ. πληρώσαντες τὰς φάραγγας αὐ. (1a)  
6. 6. πεσὴν ἐν τοῖς [B<sup>2</sup> ταῖς] τρ. αὐ. (1a)  
Ps. 87 (88). 5. ὥσει τραυματίαι ἐρριμμένοι [A B<sup>2</sup> σμ.] καθεύδοντες ἐν τάφῳ (1a)  
88 (89). 10. σὺ ἐπατίναςας ὡς τραυματίαν ὑπερήφανον (1a)  
Na. 3. 3. φωνή . . . πληθύνει τραυματιῶν (1a)  
Ze. 2. 12. τραυματίαι ῥομφαίας μου ἔστε (1a)  
Is. 22. 2. οἱ [B<sup>1</sup> αἱ] τρ. σου οὐ τραυματίαι ἐν μαχαίραις [A B τρ. μαχαίρας] (1a, 1a)  
34. 3. οἱ δὲ τρ. αὐτῶν ῥιφίσονται (1a)  
66. 16. πολλοὶ τραυματίαι ἔσονται ὑπὸ κυρίου (1a)  
Je. 14. 18. ἰδοὺ τραυματίαι μαχαίρας [A ῥομφαίας] (1a)  
28 (51). 4. πεσόνται τραυματίαι ἐν γῇ Χ. (1a)  
— 49. πεσόνται τραυματίαι πάσης τῆς γῆς [B αἱ.] (1a)  
— 52. ἐν πύσῃ τῇ γῇ αὐτῆς πεσόνται τραυματίαι (1a)  
82 (25). 33. ἔσονται τραυματίαι ὑπὸ κυρίου (1a)  
48 (41). 9. τοῦτο ἐπέληθεν Ἰσραὴλ τραυματιῶν (1a)  
La. 2. 12. ἐν τῷ ἐκλίσθαι αὐτοὺς ὡς τραυματίας (1a)  
4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τρ. ῥομφαίας ἢ οἱ τρ. λιμοῦ (1a, 1a)  
Ez. 6. 4. καταβαλὼ τραυματίαις ὕμῶν (1a)  
— 7. πεσόνται τραυματίαι ἐν μέσῳ ὕμῶν (1a)  
— 13. ἐν τῷ εἶναι τοὺς τρ. ὕμῶν ἐν μέσῳ τῶν ἐιδώλων ὕμῶν (1a)  
11. 6. ἐνεπλήσατε τὰς ὁδοὺς αὐ. τραυματιῶν (1a)  
21. 14 (19). ἡ τρίτη ῥομφαία τραυματιῶν ἔστι ῥομφαία τραυματιῶν ἡ μεγάλη (1a, 1a)  
— 29 (34). τοῦ παραδοῦναι σε ἐπὶ τραχήλους τραυματιῶν ἀνέμων (1a)  
28. 15. ἐν τῷ στενάζει τραυματίας (1a)  
28. 8. ἀποθανῇ θανάτῳ τραυματιῶν (1a)  
30. 11. πλησθήσεται ἡ γῇ τραυματιῶν (1a)  
31. 7. κατέβησαν . . . εἰς ἄβυσσον ἐν τοῖς τρ. ἀπὸ μαχαίρας [A μετὰ τραυματιῶν μ.] (1a)  
— 18. κοιμήθησιν μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας (1a)  
32. 19 (20). ἐν μέσῳ μαχαίρας τραυματιῶν [A μ. τρ. μαχαίρας] πεσόνται (1a)  
— 21. κοιμήθησιν . . . ἐν μέσῳ τραυματιῶν μαχαίρας (1a)  
— 22. πάντες τραυματίαι ἐκεῖ ἐδόθησαν (1a)  
— 23. πάντες οἱ τρ. οἱ πεπνυκότες μαχαίρα (1a)  
— 24. πάντες αὐτοὶ τραυματίαι (1a)  
— 24. πάντες οἱ τρ. οἱ πεπνυκότες μαχαίρα (1a)  
— 25. ἐν μέσῳ τραυματιῶν (1a)  
— 26. πάντες τραυματίαι αὐτοῦ πάντες ἀπερίτμητοι τραυματίαι ἀπὸ [A σμ. τρ. α.] μαχαίρας (-, 1c)  
— 29. μετὰ τραυματιῶν [A add. μαχαίρας] ἐκοιμήθησαν (1b [1a])  
— 30. ἐκεῖ . . . οἱ καταβαίνοντες τραυματίαι (1a)  
Ez. 32. 30. ἐκοιμήθησαν ἀπερίτμητοι μετὰ τραυματιῶν [A τετραυματισμένοι] μαχαίρας (1a)  
— 31. A τραυματίαι μαχαίρα φεραῶ (1a)  
— 32. κοιμήθησαν . . . μετὰ τραυματιῶν [A -ας] μαχαίρας φεραῶ (1a)  
35. 8. ἐμπλήσω τὸν τρ. βουβούς σου (1a)  
Da. LXX. TH. 11. 26. πεσόνται τρ. πολλοὶ (1a)  
I Ma. 1. 18. καὶ ἔπεσον τρ. πολλοὶ (1a)  
3. 11. καὶ ἔπεσον τρ. πολλοὶ (1a)  
8. 10. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τρ. πολλοὶ (1a)  
9. 17, 40. ἔπεσον τρ. πολλοὶ (1a)  
16. 8. ἔπεσον ἐξ αὐτῶν τρ. πολλοὶ (1a)  
II Ma. 4. 42. πολλοὺς μὲν αὐτῶν τραυματίας ἐποίησαν (1a)  
8. 24. τραυματίας δὲ καὶ τοῖς μύλεσιν ἀναπήρους (1a)  
11. 12. οἱ πλείονες δὲ αὐτῶν τρ. γυμνοὶ διεσώθησαν [Aq. Dt. 23. 1 (2); Ez. 21. 25 (30).] (1a)  
[Sm. Ps. 88 (89). 11 (P.).] (1a)  
[Th. Ez. 30. 24; 32. 23, 31.] (1a)  
[Al. Jo. 18. 22; Ez. 32. 25.] (1a)  
τραυματίζω. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓 a. pi. ὁ. po. c. 𐤒𐤓 (3) 𐤒𐤓  
I Ki. 31. 3. ἐτραυματίσθη εἰς τὰ ὑποχόνδρια (1)  
Ca. 5. 7. ἐπάταξεν με ἐτραυματίσας με (3)  
Is. 53. 5. ἐτραυματίσθη διὰ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν (2b)  
Je. 9. 1 (8. 23). κλαύσομαι . . . τοὺς [A καὶ] τετραυματισμ. θυγατρὸς λαοῦ μου (2c)  
Ez. 28. 10 (9). A ἐν πλείοις τραυματιζόμενοι σε [B αἱ.] (2a)  
— 16. ἐτραυματίσθη ἀπὸ δρυος τοῦ θεοῦ (2a)  
— 23. πεσόνται τετραυματισμένοι [A add. ἐν] μαχαίραις (2c)  
30. 4. συμπεσόνται τετραυματισμένοι ἐν Αλ-γύπτῳ (2c)  
32. 28. κοιμήθησιν μετὰ τετραυματισμένων μαχαίρα (2c)  
— 30. A μετὰ τετραυματισμένων [B τραυματιῶν] μαχαίρας (2c)  
35. 8. τετραυματισμένοι μαχαίρα πεσόνται ἐν σοί (2c)  
I Ma. 18. 9. τότε ἐτραυματίσθη Ἰ. [Sm. III Ki. 20 (21). 37; Is. 51. 10.] (1a)  
[Th. II Ki. 1. 25; Ez. 28. 10 (9) (Sw.).] (1a)  
τραυματισμός. [Sm. Is. 53. 10.] (1a)  
τραχήλιον. (1) 𐤒𐤓 hitpha. (1a)  
Jb. 15. 25. ἔναντι δὲ κυρίου παντοκράτορος τραχήλοισιν (1)  
τραχήλοκοπεῖν. [Sm. Ex. 34. 20; Is. 66. 3.] (1a)  
τράχηλος. (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓 (3) 𐤒𐤓 (4) a. 𐤒𐤓 δ. 𐤒𐤓 c. 𐤒𐤓  
Ge. 27. 16. καὶ ἐπὶ τὰ γυνὰ τοῦ τρ. αὐ. (4a)  
— 40. ἐκλίσκει τὸν ζυγὸν αὐ. ἀπὸ τοῦ τρ. σου (4a)  
33. 4. προσέπεσον ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. (4a)  
41. 42. περιέθηκε κλοιὸν χρυσοῦν περὶ τὸν τρ. αὐ. (4a)  
45. 14. ἐπιπεσὼν ἐπὶ τὸν τρ. Βεν. (4a)  
— 14. Βεν. ἐκλαυσεν ἐπὶ τῷ τρ. αὐ. (4a)  
46. 29. ἐπέπεσον ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. (4a)  
50. 1. A ἐπίπεσον Ἰ. ἐπὶ τὸν τρ. [B τὸ πρόσ-ωπον] τοῦ πατρὸς αὐ. (4a)  
Le. 16. 4. A καὶ κιδάρεται περὶ τὸν τρ. αὐ. [B αἱ.] (4a)  
De. 10. 16. τὸν τρ. ὕμῶν οὐ σκληρύνετε (8)  
28. 48. ἐπιθήσει κλοιὸν σιδηροῦν ἐπὶ τὸν τρ. σου (4a)  
31. 27. ἐπίσταμαι . . . τὸν τρ. σου τὸν σκληρόν (4a)  
33. 29. ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. ἐπίβησιν (4a)  
Jo. 10. 24. ἐπίβητε τοὺς πόδας ὕμῶν ἐπὶ τοὺς τρ. αὐ. (4a)  
— 24. ἐπέθηκαν τοὺς πόδας αὐ. ἐπὶ τοὺς τρ. αὐ. (4a)  
Jd. 5. 30. τῷ τρ. αὐ. σκίλα [A αἱ.] (4a)  
8. 21. τοὺς μνησκούς τοὺς ἐν τοῖς τρ. τῶν καμῶν αὐ. (4a)  
— 26. ὁ ἦν ἐν τοῖς τρ. τῶν καμῶν αὐ. [A αἱ.] (4a)  
II Ch. 30. 8. A μὴ σκληρύνετε τοὺς τρ. [B τὰς καρδίας] ὕμῶν (8)  
36. 13. ἐσκληρυνε τὸν τρ. αὐ. (8)  
I Es. 1. 48. σκληρύνας αὐτοῦ τὸν τρ. (8)  
3. 6. καὶ μαριάκην περὶ τὸν τρ. [A τρ. αὐτοῦ] (8)  
Ne. 8. 5. οὐκ εἰσήνεγκαν τράχηλον αὐ. εἰς δουλείαν αὐ. (4a)  
9. 16, 17. ἐσκληρυναν τὸν τρ. αὐ. (8)  
— 29. τράχηλον [B τὸν τρ.] αὐ. ἐσκληρυναν (8)  
To. 7. 7. B ἐπιπεσὼν ἐπὶ τὸν τρ. Τωβεία (8)  
11. 9. ἐπέπεσον ἐπὶ τὸν τρ. τοῦ νιού αὐ. (8)  
— 13. ἐπέπεσον ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. (8)  
Ju. 13. 8. A B ἐπάταξεν εἰς τὸν τρ. αὐ. (8)  
16. 9. διήλθεν ὁ ἀκινάκης τὸν τρ. αὐ. (8)  
Es. 6. 2. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸν τρ. αὐ. (8)  
Jb. 39. 19. ἐνέδυσας δὲ τραχήλῳ αὐτοῦ φόβον (4a)  
41. 13 (14). ἐν δὲ τραχήλῳ αὐτοῦ αὐλίζεται δύναμις (4a)  
Pr. 1. 9. καὶ κλοιὸν χρύσεον περὶ σῶφ τρ. (1)  
3. 3. ἀφάψαι δὲ αὐτὸς ἐπὶ σῶφ τρ. (1)  
— 22. καὶ χάρις ἦ περὶ σῶφ τρ. (1)  
6. 21. A B<sup>2</sup> B ἐγκλωίσαι περὶ [B B<sup>1</sup> ἐπὶ] σῶφ τρ. (1)  
Ca. 1. 10. τράχηλός σου ὡς ὁρμισκοί [A -ος] (4a)  
4. 4. ὡς πύργος Δαυὶδ τράχηλός σου (4a)  
— 9. ἐν μᾶ [B<sup>1</sup> ἐν] ἐνέματι τραχήλων [A B -ου] σου (4c)  
7. 4 (5). δ [A B σμ.] τρ. σου ὡς πύργος ἐλεφάντιος (4a)  
Si. 6. 24. εἰσήνεγκον [A -και] . . . εἰς τὸν κλοιὸν αὐτῆς τὸν τρ. σου (4a)  
7. 23. κάμψον ἐκ κνήκων τὸν [A<sup>1</sup> σμ.] τρ. αὐ. (4a)  
80. 12. B κάμψον τὸν τρ. αὐτοῦ ἐν κνήκῳ (4a)  
— 35 (33. 26). ζυγὸς καὶ ἱμᾶς κάμψουσι τράχηλον (4a)  
51. 26. τὸν τρ. ὕμῶν ὑπόθετε ὑπὸ ζυγόν (4a)  
Ho. 10. 11. ἐπελίσσομαι ἐπὶ τὸ καλλίστον τοῦ τρ. αὐ. (4a)  
Mi. 2. 3. ἐξ ὧν οὐ μὴ ἄρῃτε τοὺς τρ. ὕμῶν (4a)  
Hb. 3. 13. ἐξηγήρας δεσμούς ὡς τραχήλου (4a)  
Is. 3. 16. ἐπαρεύθησαν ὑψηλῶς τραχήλῳ (4a)  
9. 4 (3). ἡ ῥάβδος ἡ ἐπὶ τοῦ τρ. αὐτῶν (4a)  
30. 28. ἦξε ἔως τοῦ τρ. (4a)  
48. 4. κνῦρον σιδηροῦν ὁ τρ. σου (4a)  
52. 2. A B ἐκδύσαι [B ἐκλ.] τὸν δεσμὸν τοῦ τρ. σου (4a)  
58. 5. οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρίκον τὸν τρ. σου (4a)  
Je. 7. 26. ἐσκληρυναν τὸν τρ. αὐτῶν (3)  
11. 19. A ἐμβάλωμεν ξύλον εἰς τὸν ἄρτον [A<sup>1</sup> σμ.] τράχηλον [B B<sup>2</sup> σμ.] αὐτοῦ (3)  
17. 23. ἐσκληρυναν τὸν τρ. αὐτῶν (3)  
19. 15. ἐσκληρυναν τὸν τρ. [B αὐχένα] αὐτῶν (3)  
34 (27). 2. περίβου περὶ τὸν τρ. σου (4a)  
— 8. ὅσοι ἐὰν μὴ ἐμβάλωσι τὸν τρ. αὐτῶν (4a)  
— 11. εἰσαγάγῃ τὸν τρ. αὐ. ὑπὸ τὸν ζυγόν (4a)  
— 12. εἰσαγάγετε τὸν τρ. ὕμῶν (4a)  
85 (28). 10. ἔλαβεν . . . τοὺς κλοιούς ἀπὸ τοῦ τρ. Ἰερμίας (4a)  
— 11. συντρίψω . . . ἀπὸ τραχήλων [B -ου] πάντων τῶν ἐθνῶν (4a)  
— 12. μετὰ τὸ συντρίψαι Ἄν. τοὺς κλοιούς ἀπὸ τοῦ τρ. αὐτοῦ (4a)  
— 14. ζυγὸν σιδηροῦν ἔθηκε ἐπὶ τὸν τρ. πάντων τῶν ἐθνῶν (4a)  
37 (30). 8. συντρίψω τὸν ζυγὸν ἀπὸ τοῦ [A B σμ.] τρ. αὐτῶν (4a)  
Ba. 4. 25. ἐπὶ τραχήλους [A τοὺς τρ.] αὐ. ἐπιβήσῃ (4a)  
La. 1. 14. ἀνέβησαν ἐπὶ τὸν τρ. μου (4a)  
5. 5. ζύλα ἡμῶν . . . ἦλθεν ἐπὶ τὸν τρ. ἡμῶν (4a)  
Ez. 18. 11. περιέθηκε . . . κάθεμα περὶ τὸν τρ. σου (2)  
21. 29 (34). τοῦ παραδοῦναι σε ἐπὶ τραχήλους τραυματιῶν ἀνέμων (4a)  
Da. LXX. 1. 10. κινδυνεύω τῷ ἰδίῳ τρ. (4a)  
Da. TH. 5. 7. καὶ ὁ μαριάκης ὁ χρυσοῦς ἐπὶ [A ἔσται περὶ] τὸν τρ. αὐ. (4b)  
— 16. ἔσται ἐπὶ τῷ τρ. [A περὶ τὸν τρ.] σου (4b)  
— 29. τὸν μαριάκην . . . περιέθηκαν περὶ τὸν τρ. αὐ. (4b)  
I Ma. 1. 61. ἐκρέμασαν τὰ βρέφη ἐκ τῶν τρ. αὐ. (4a)  
III Ma. 4. 9. τοῖς ζυγοῖς τῶν πλοίων προσκλωμεῖν τοὺς τρ. (4a)  
5. 49. ἐπὶ τοὺς τρ. ἐπιπίπτοντες (4a)  
IV Ma. 11. 10. B περὶ τὸν τρ. [A B ἐπὶ τὸν τροχόν] . . . ἀνακλωμενος (4a)  
[Aq. Ca. 4. 9; Jc. 30 (37). 8.] (4a)  
[Sm. Ps. 74 (75). 6; Ca. 4. 9; Jc. 30 (37). 8; La. 5. 5.] (4a)  
[Th. Jc. 30 (37). 8.] (4a)  
[Al. Jd. 5. 30; Hb. 3. 19.] (4a)  
[Quint. Ca. 4. 9.] (4a)

**τραχύς.** (1) תָּרֵךְ (2) תָּרֵךְ  
De. 21. 4. καταβιβάζουσιν . . . δάμην εἰς  
φάραγγα τρ. (17)  
II Ki. 17. 8. Β ὡς ἐς τραχέα ἐν τῇ πεδίῳ —  
Pr. 29. 20. Β³ ἐὰν ἴδῃς ἀνδρα τραχύν [Α Β¹ Β  
ταχύν] ἐν λόγοις +  
Si. 4. 29. μὴ γίνου τραχύς [Α Β¹ ταχύς, Β³ θρασύν]  
ἐν γλώσσῃ σου  
6. 20. ὡς τραχέα [Β¹ ταχ.] ἐστὶ σφόδρα τοῖς  
ἀπαιδευτοῖς  
Is. 40. 4. ἡ τρ. εἰς πεδία [Α Β³ ὁδοὺς λείας] (2)  
Je. 2. 25. ἀποστρέφον τὸν πόδα σου ἀπὸ ὁδοῦ  
τραχείας +  
Ba. 4. 26. οἱ τρυφεροὶ μου ἐπορεύθησαν ὁδοὺς τρα-  
χείας  
**τραχύτης.**  
III Ma. 1. 23. ἱκανὴν ἐποίησαν ἐν τῇ τόπῃ τρ.  
[Αq. Ps. 80 (81). 21.]  
**τρέις.**  
Ge. 5. 31, 32: 6. 10: 7. 13: 9. 19: 17. 25: 18. 2,  
6: 29. 2, 34: 30. 36: 40. 10, 12 bis, 13, 16, 18  
bis, 19: 42. 17: 46. 15.  
Ex. 2. 2: 3. 18: 5. 3: 6. 18†: 7. 7: 8. 27 (23):  
10. 22, 23†, 23: 15. 22: 16. 36: 19. 15: 21. 11:  
23. 14, 17: 25. 31 (32) bis, 32 (33): 27. 1, 14  
bis, 15 bis: 34. 23, 24: 37. 12 (38. 14) bis, 13  
(38. 15) bis: 38. 15 (37. 18) bis.  
Le. 12. 4†: 14. 10: 19. 23: 25. 21: 27. 6.  
Nu. 1. 43: 2. 30: 3. 43, 46: 10. 33 bis: 12. 4, 5  
(4): 15. 9: 26. 7, 47, 62: 28. 12, 20, 28: 29. 3,  
9, 13†, 14, 14†: 33. 8, 39: 35. 14 bis.  
De. 4. 41: 14. 28: 16. 16: 17. 6: 19. 2, 7, 9 bis,  
15.  
Jo. 1. 11: 2. 16, 22: 3. 2: 9. 16: 15. 14: 18. 4,  
28: 19. 6: 21. 4, 6, 19, 32, 33, 35†.  
Jd. 1. 20, 20†: 7. 16, 20: 9. 22, 43: 10. 2: 14.  
14: 15. 11†: 19. 4: 20. 15†.  
I Ki. 2. 21: 10. 3 ter: 11. 11: 18. 2†, 17†, 21†:  
17. 13†, 14†: 24. 3: 26. 2: 30. 12 bis: 31. 6,  
8†.  
II Ki. 2. 18: 5. 5: 6. 11: 18. 38: 14. 27: 18. 14:  
20. 4: 21. 1: 28. 9, 13, 16, 17, 18 bis, 19 bis, 22,  
23 bis: 24. 12, 13 ter.  
III Ki. 2. 11: 8. 1 (9. 25), 1 (5. 16 [30]), 1 (2. 38),  
1 (2. 39): 5. 16 (30), 17 (32): 6. 36: 7. 23, 25  
quater, 49†, 2, 4, 19: 9. 25†: 10. 17, 22: 12. 5,  
24†: 15. 2†: 22. 1.  
IV Ki. 2. 17: 3. 10, 13, 21†: 9. 32†: 17. 5: 18.  
10: 23. 31, 31†: 24. 1: 25. 17, 18.  
I Ch. 2. 3, 16, 22: 8. 4, 23: 4. 27†: 6. 62 (47†):  
7. 6: 10. 6: 11. 12, 15, 18†, 19, 20†, 20, 21 bis,  
24, 25: 12. 27, 29, 39: 13. 14: 21. 10, 12 ter,  
13: 23. 8†, 9†, 23: 25. 5: 26. 11†, 18: 29.  
27.  
II Ch. 4. 4 quater: 6. 13: 8. 13: 9. 21: 10. 5:  
11. 17 bis: 18. 2: 20. 25: 25. 13: 35. 7: 36. 2,  
5.  
I Es. 1. 34, 35, 44: 4. 9: 5. 13, 16, 17, 19†:  
6. 25: 8. 41: 9. 4, 5.  
II Es. 2. 11, 17, 19, 21, 24†, 25, 28, 36: 6. 4: 8.  
15, 32: 10. 8, 9.  
Ne. 2. 11: 7. 24†, 26†, 29†, 32, 39.  
Ju. 1. 2: 2. 21: 8. 4: 12. 7†: 16. 20.  
Es. 4. 16.  
Jb. 1. 2, 4, 17: 2. 11: 32. 1, 3, 5: 33. 29, 31†:  
35. 3: 42. 13.  
Pr. 24. 50 (30. 15) bis, 53 (30. 18), 56 (30. 21), 64  
(30. 29).  
Si. 25. 1, 2: 26. 5.  
Am. 3. 1, 6, 9, 11, 13: 2. 1, 4, 6: 4. 7, 8.  
Jn. 2. 1 bis: 3. 3, 4.  
Za. 11. 8.  
Is. 5. 10: 16. 14: 17. 6: 20. 3, 3†.  
Je. 25. 3: 48 (38). 23: 52. 24.  
Ex. 14. 14, 16, 18: 40. 10 ter, 11, 21 bis, 48 bis:  
41. 16, 22: 48. 31, 32, 33, 34.  
Da. LXX. 1. 5: 3. (46), (51), 24 (91): 6. 2 (3) bis:  
7. 5, 8, 20, 24: 10. 2, 3: 11. 2.  
Da. TH. 1. 5: 8. 23, (51), 24 (91): 6. 2 (3), 10  
(11), 13 (14): 7. 5, 8, 20†, 24: 10. 2, 3: 11. 2.  
I Ma. 5. 24, 33: 10. 30, 34 bis, 38: 11. 28, 34.  
II Ma. 4. 44: 5. 14: 7. 27: 12. 23: 13. 12: 15.  
27.

III Ma. 6. 6, 38.  
IV Ma. 13. 9.  
[Αq. Ge. 40. 16: II Ki. 23. 18, 19 bis: III Ki.  
9. 25: IV Ki. 9. 32: Jb. 1. 17: Pr. 30. 15:  
Is. 16. 14: Da. 8. 23.]  
[Sm. Ge. 40. 16: Ex. 14. 7: I Ki. 1. 24: 10.  
3: II Ki. 23. 18, 19 bis: IV Ki. 9. 32: 18. 10:  
Pr. 30. 15: Is. 16. 14.]  
[Th. II Ki. 23. 8: Jb. 33. 29: Pr. 30. 15: Is.  
16. 14: Jb. 52. 28: Da. 8. 23, (51): 6. 2:  
7. 20†.]  
[Al. Jo. 8. 2: Jb. 1. 17.]  
**τρέμειν.** (1) תָּרַח (2) תָּרַח (3) תָּרַח  
(4) תָּרַח hi. (5) תָּרַח (6) ποιεῖν τρ. תָּרַח  
Ge. 4. 12. στένων καὶ τρέμων ἔσθ' ἐπὶ τῆς γῆς (8)  
— 14. ἔσομαι στένων καὶ τρέμων ἐπὶ τῆς γῆς (8)  
I Ki. 15. 32. προσῆλθε πρὸς αὐτὸν Ἀ. τρέμων +  
I Es. 4. 36. πάντα τὰ ἔργα σείεται καὶ τρέμει  
9. 6. τρέμονται τὸν ἐνιστάτω χειμῶνα  
II Es. 10. 3. Β³ ἐν βουλῇ . . . τὸν τρέμονται ἐν  
ἐντολαῖς αὐ. [Α Β Β¹ al.] (2)  
Ps. 108 (104). 32. καὶ ποιῶν αὐτὴν τρέμειν (6)  
Is. 66. 2. ἐπὶ τῇ ἐπιγλήφῃ ἀλλ' ἡ ἐπὶ τὸν . . .  
τρέμονται τοὺς λόγους μου (2)  
— 5. οἱ τρέμονται τὸν λόγον αὐτοῦ (2)  
Je. 4. 24. εἰδὼν τὰ ὅρα καὶ ἦν τρέμονται (6)  
Da. LXX. 10. 11. ἔσθ' ἐπὶ τῇ τρέμειν (4)  
Da. TH. 5. 19. ἦσαν τρέμονται καὶ φοβούμενοι (1)  
6. 26 (27). εἶναι τρέμονται . . . ἀπὸ προσώπου  
τοῦ θεοῦ Δαν. (1)  
[Al. Dt. 28. 65.]  
**τρέπειν.** (1) תָּרַח (2) תָּרַח ni. (3) תָּרַח hi.  
Ex. 17. 13. ἐτρέψατο Ἰ. τὸν Ἀμ. (1)  
Nu. 14. 45. καὶ ἐτρέψαντο [Α -ατο] αὐτοὺς (3)  
I Ch. 30. 11. Β ἀνθρώποι Ἀ. . . ἐτρέψαν  
[Α Β ἐνερτ.] (2)  
Ju. 15. 3. ἐτρέψαντες εἰς φυγὴν  
Si. 37. 2. φίλος τρεπόμενος εἰς ἔχθραν [Α -όν]  
39. 27. οὕτως τοῖς ἀμαρτωλοῖς τραπήσεται εἰς κακά  
I Ma. 11. 39. Β³ ἐτρέψεν [Β³ ἐτρ., Α Β ἐτρέφε]  
τὸν Ἀντ.  
II Ma. 3. 24. εἰς ἔκλυσιν καὶ δειλίαν τραπήναι  
4. 37. καὶ τραπεῖς ἐπὶ ἔλεος  
8. 5. τῆς ὁργῆς τὸ κ. εἰς ἔλεος τραπέισις  
9. 2. ἐπὶ τῇ τῶν ἐπὶ τῶν βοήθειαν ἐτρέψαν  
10. 25. Β πρὸς ἑκείνῃ τοῦ θ. ἐτρέψαν [Α al.]  
12. 42. εἰς ἐκείνῃ ἐτρέψαν  
III Ma. 1. 27. ἐτρέψαν εἰς τὸ . . . ἐπικαλεῖσθαι  
τὸν πᾶν κράτος ἔχοντα  
δ. 3. ἐτρέπτο πρὸς τὴν εὐχαρίαν  
— 16. καὶ τραπεῖς εἰς τὸν πᾶσαν  
— 36. εἰς εὐφροσύνην τραπήναι παρεκάλε  
— 49. εἰς οὐκὸν καὶ γόστου τραπέισις  
IV Ma. 1. 12. εἰς τὸν περὶ αὐτὸν τρέφομαι λόγον  
7. 3. Β ἐτρέψε [Α Β μετέτρ.] τοὺς τῆς εὐσεβείας  
οἰκίας  
[Αq. Ez. 17. 6.]  
[Sm. I Ki. 14. 32: Is. 53. 6: Ez. 10. 11.]  
**τρέφειν.** (1) תָּרַח hi. (2) תָּרַח pi.  
(3) תָּרַח ithp. (4) תָּרַח pil. (5) תָּרַח  
a. pi. δ. hi. (6) תָּרַח pilp. (7) תָּרַח  
(8) תָּרַח  
Ge. 6. 19. ἵνα τρέφῃς μετὰ σεαυτοῦ (5 δ)  
— 20. εἰσελεύσονται πρὸς σὲ τρέφεσθαι μετὰ  
σου (5 δ)  
15. 15. τραφεῖς ἐν γήρῃ καλῶ +  
48. 15. οἱ τρέφωμαι ἐκ νεότητος (8)  
50. 20. ἵνα τραφῇ [Α διατρ.] λαὸς πολὺς (5 δ)  
Nu. 6. 5. ἄριστος ἔσται τρέφωμαι κόμην τρίχα κεφα-  
λῆς (2)  
De. 32. 18. ἐπελάβου θεοῦ τοῦ τρέφοντός σε (4)  
III Ki. 18. 13. καὶ ἐτρέψα [Α add. αὐτοὺς] ἐν  
ἄρτοις (6)  
To. 2. 10. Ἀχ. δι' ἐτρέφε με  
14. 10. τί ἐποίησαν Ἀ. Ἀχ. τῷ θρέψαντι αὐτὸν [Β al.]  
Es. 4. 8. ὡς ἐτρέψῃς [Α ἔστρ.] ἐν χειρὶ μου —  
Pr. 25. 21. Α Β ἐὰν πεινῇ ὁ ἐχθρὸς σου τρέφε  
[Β ψώμιζε] αὐτόν (1)  
Wi. 16. 23. τοῦτο πάλιν δ' ἵνα τραφῶσι δίκαιοι  
— 26. οὐχ αἱ γενεαὶ τῶν καρπῶν [Α ἀνθρώπων]  
τρέφουσιν ἄνθρωπον

Is. 7. 21. θρέψει ἄνθρωπος δάμην βοῶν (6 α)  
38. 18. ποῦ ἐστὶν ὁ ἀριθμὸς τοὺς τρεφόμενους  
[Α Β συστρ.] +  
58. 6. Β ἀπόστειλε τρεφόμενους [Α Β τε-  
θραυσμ.] ἐν ἀφάσει +  
Je. 26 (46). 21. ὥσπερ μῶσχοι σιτευτοὶ τρεφόμε-  
νοι ἐν αὐτῇ (7)  
Ba. 4. 11. ἐτρέψα γὰρ αὐτοὺς μετ' εὐφροσύνης  
Da. LXX. Bel 31. ἐν δ' ἐτρέφοντο λέοντες ἐπτά  
Da. TH. 1. 5. καὶ θρέψαι αὐτοὺς ἐτη τρία (2)  
4. 9. ἐξ αὐτοῦ ἐτρέφοντο πᾶσα σάρξ (8)  
I Ma. 8. 33. καὶ τρέφειν Ἀντίοχον τὸν υἱὸν αὐ.  
11. 39. δε ἐτρέφε [Β³ ἐτρέψεν, Β² ἐτρέψεν] τὸν Ἀντ.  
IV Ma. 11. 15. Α Β γενηθέντες καὶ τρεφέντες [Β  
ἀνατρ.]  
[Sm. IV Ki. 8. 4.]  
[Heb. Ez. 44. 20.]  
**τρέχειν.** (1) תָּרַח (2) תָּרַח a. qal. δ. hi.  
c. Nṣṣ  
Ge. 18. 7. εἰς τὰς βόας ἔδραμον Ἀβ. (2 α)  
24. 20. ἔδραμον ἐπὶ τὸ φρέαρ (2 α)  
— 28. δραμούσα ἡ παῖς ἀπηγγεῖλεν (2 α)  
— 29. ἔδραμε Ἀ. πρὸς τὸν ἄνθρωπον (2 α)  
29. 12. δραμούσα ἀπηγγεῖλε τῷ πατρὶ αὐ. (2 α)  
— 13. ἔδραμον εἰς συνάντησιν αὐτοῦ (2 α)  
Nu. 18. 47 (17. 12). ἔδραμον εἰς τὴν συναγωγὴν (2 α)  
Jo. 7. 22. ἔδραμον εἰς τὴν σκηνήν (2 α)  
Jd. 7. 21. ἔδραμε πᾶσα ἡ παρεμβολή (2 α)  
13. 10. καὶ ἔδραμε [Α ἐξέδρ.] (2 α)  
15. 14. καὶ ἔδραμον [Α οτ. κ. ἐδρ.] εἰς συνάν-  
τησιν αὐτοῦ —  
I Ki. 3. 5. Β ἔδραμε πρὸς Ἡ. (2 α)  
4. 12. ἔδραμον ἀνὴρ Ἰεμ. ἐκ τῆς παρατάξεως (2 α)  
10. 23. ἔδραμε καὶ λαμβάνει αὐτὸν ἐκείθεν (2 α)  
17. 22. Α καὶ ἔδραμον εἰς τὴν παρατάξιν (2 α)  
— 48. Α καὶ ἔδραμον εἰς τὴν παρατάξιν τοῦ  
ἀλλοφ. (2 α)  
— 51. καὶ ἔδραμε Δ. (2 α)  
20. 6. παρητήσατο ἀπ' ἐμοῦ Δ. δραμεῖν ἕως  
εἰς Β. (2 α)  
— 36. δράμε εὐρὸ μοι τὰς σχίζας (2 α)  
— 36. τὸ παιδάριον ἔδραμε (2 α)  
II Ki. 18. 19. δράμο δὴ καὶ εὐαγγελιῶ τῷ βασι. (2 α)  
— 22. ἔστω ὅτι δράμο καὶ γε ἐγὼ ὅπισω τοῦ Χ. (2 α)  
— 22. ἵνα τί σοι τοῦτο τρέχεις (2 α)  
— 23. τί γὰρ εἰς δαμονοῖμαι (2 α)  
— 23. καὶ εἶπεν αὐτῷ Ἰ. Δράμε (2 α)  
— 23. καὶ ἔδραμε Ἀχ. ὁδὸν τὴν τοῦ Κ. (2 α)  
— 24. ἰδοὺ ἀνὴρ τρέχων μόνος ἐνώπιον αὐτοῦ (2 α)  
— 26. εἶδεν ὁ σκοπὸς ἀνδρα ἑτερον τρέχοντα (2 α)  
— 26. ἰδοὺ ἀνὴρ ἑτερος τρέχων μόνος (2 α)  
22. 30. ἐν σοὶ δραμονοῖμαι μονόζωνος (2 α)  
III Ki. 8. 1. Β ἔδραμεν ἐπὶ τὸν οἶ. αὐ. —  
18. 46. ἐτρέχεν ἐμπροσθεν Ἀχ. εἰς Ἰ. (2 α)  
IV Ki. 4. 22. δραμονοῖμαι ἕως τοῦ ἀνθρώπου τοῦ  
θεοῦ (2 α)  
— 26. δράμε εἰς ἀπάντην αὐτῆς (2 α)  
5. 20. δραμονοῖμαι ὀπίσω αὐτοῦ (2 α)  
— 21. εἶδεν αὐτὸν Ν. τρέχοντα ὀπίσω αὐτοῦ (2 α)  
11. 13. τὴν φωνὴν τῶν τρεχόντων τοῦ λαοῦ (2 α)  
II Ch. 23. 12. τὴν φωνὴν τοῦ λαοῦ τρεχόντων  
[Α τῶν τρ.] (2 α)  
30. 6. ἐπορεύθησαν οἱ τρέχοντες (2 α)  
— 10. ἦσαν οἱ τρέχοντες διαπορευόμενοι (2 α)  
35. 13. ἔδραμον πρὸς πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ  
λαοῦ (2 δ)  
Jb. 15. 26. ἔδραμε δι' ἐναντίον αὐτοῦ ὕβρει (2 α)  
16. 15 (14). ἔδραμον πρὸς με δυνάμει (2 α)  
41. 13 (14). ἐμπροσθεν αὐτοῦ τρέχει [Α προτρ.]  
ἀπόλεια (1)  
Ps. 58 (59). 4. ἄνευ ἀνομίας ἔδραμον (2 α)  
61 (62). 4. ἔδραμον ἐν δόλῳ +  
118 (119). 32. ὁδὸν ἐντολῶν σου ἔδραμον (2 α)  
147. 4 (15). ἕως τὰς τάχους δραμεῖται ὁ λόγος αὐ. (2 α)  
Pr. 1. 16. Α Β³ οἱ γὰρ πῶδες αὐτὸν εἰς κακίαν  
τρέχουσιν (2 α)  
4. 12. ἐὰν δὲ τρέχῃς οὐ κοπιᾷσεις (2 α)  
7. 23. οὐκ εἶδός ἐστι περὶ ψυχῆς τρέχει —  
Ca. 1. 4. ὀπίσω σου εἰς δσμήν μύρων σου  
δραμονοῖμαι (2 α)  
Jl. 2. 7. ὡς μαχηταὶ δραμονοῖται (2 α)  
— 9. ἐπὶ τῶν τειχέων δραμονοῖται (2 α)  
Za. 2. 4 (8). δράμε καὶ λάλησον (2 α)  
Is. 40. 31. δραμονοῖται καὶ οὐ κοπιᾷσιν (2 α)

Is. 59. 7. οὐδὲ πόδες αὐτῶν ἐπὶ ποτηρίαν τρέχουσι (3 a)  
 Je. 8. 6. διέλιπεν ὁ τρέχων ἀπὸ τοῦ δρόμου αὐτοῦ †  
 12. 5. σοὶ οὐ πόδες τρέχουσι (3 a)  
 23. 21. αὐτοὶ ἔτρεχον (3 a)  
 Ez. 1. 14. Α τὰ ψα ἔτρεχον (2 c)  
 Da. LXX. 8. 6. ἔδραμε πρὸς αὐτὸν ἐν θυμῷ ὀργῆς (3 a)  
 Da. TH. Su. 25. δραμών δ' εἰς ἥνοιξε τὰς θύρας  
 — 38. ἔδραμον ἐπ' αὐτοῦ  
 8. 6. καὶ ἔδραμε πρὸς αὐτὸν (3 a)  
 I Ma. 2. 24. δραμών ἔσφαζεν αὐτὸν ἐπὶ τὸν βωμόν  
 — 32. ἔδραμον ὅπως αὐτὸν πολλοὶ  
 II Ma. 5. 2. φαῖναι διὰ τῶν αἰρών τρέχοντας ἰππεῖς  
 IV Ma. 12. 10. δραμών ἐπὶ πλησίον τῶν τηγάνων  
 14. 5. ὥσπερ ἐπ' ἀδυνασίας ὁδὸν τρέχοντες  
 [Aq. III Ki. 14. 28 : IV Ki. 11. 4 : Ps. 18 (19).  
 6 : Pr. 6. 18 : 18. 10 : Ec. 12. 6 : Je. 12. 5 :  
 Hb. 2. 2.]  
 [Sm. Ps. 18 (19). 6 : Pr. 6. 18 : 18. 10 : Je. 12.  
 5 : Hb. 2. 2.]  
 [Th. Ps. 18 (19). 6 : Pr. 6. 18 : 18. 10 : Ez.  
 1. 14.]  
 [Al. Je. 12. 5.]

## τρήσις.

[Aq. Ez. 28. 13.]

## τριάκας.

II Ma. 11. 30. μέχρι τριάκας Ξιανθικὸν

## τριάκοντα.

Ge. 5. 3, 5, 16 : 6. 15 : 11. 12, 13†, 13 bis, 14, 15, 16, 18, 20, 22 : 18. 30 bis : 25. 17 : 32. 15 (16) :  
 41. 46 : 46. 15 : 47. 9.  
 Ex. 6. 16, 18, 20 : 12. 40, 41 : 21. 32 : 26. 8 : 39. 1 (38. 24)†.  
 Le. 12. 4 : 27. 4.  
 Nu. 1. 35, 37 : 2. 21, 23 : 4. 40 : 7. 13, 19, 25, 37, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79, 85 : 20. 29 : 26. 7†, 37, 41, 50†, 51 : 31. 35, 36, 38, 39, 40, 43, 44, 45.  
 De. 2. 14 : 34. 8.  
 Jo. 7. 5 : 8. 3.  
 Jd. 10. 4 ter : 12. 9 ter, 13 (14) : 14. 11, 12 bis, 13 bis, 19 : 20. 31, 39.  
 I Ki. 4. 10 : 13. 5† : 15. 4†.  
 II Ki. 5. 4, 5 : 23. 13, 24, 39.  
 III Ki. 2. 11 : 3. 1 (4. 22 [5. 2]) : 5. 13 (27) : 6. 2† : 7. 23, 2†, 6† : 16. 28 (22. 42)† : 21 (20). 1, 15, 16 : 22. 31, 42.  
 IV Ki. 8. 17 : 18. 14 : 22. 1.  
 I Ch. 3. 4 : 7. 4, 7 : 11. 11, 15, 25, 42 : 12. 4 bis, 18, 34 : 15. 7† : 19. 7 : 23. 3 : 27. 6, 6† : 29. 27.  
 II Ch. 8. 15 : 4. 2 : 11. 21† : 20. 31 : 21. 5, 20 : 24. 15 : 34. 1 : 35. 7.  
 I Es. 1. 7 : 2. 13 : 5. 13†, 14†, 15, 23†, 28, 42, 43 bis.  
 II Es. 1. 9, 10 : 2. 35, 42, 58†, 65, 66, 67.  
 Ne. 7. 38, 45, 67, 68†, 69†, 70.  
 Ju. 7. 20 : 15. 11.  
 Es. 4. 11.  
 Za. 11. 12, 13.  
 Je. 45 (38). 10 : 52. 21, 31†.  
 Ez. 40. 17 : 41. 6 : 48. 22.  
 Da. LXX. 4. 9 : 6. 5 (6), 7 (8), 12 (13) : 12. 12 : Bel 26.  
 Da. TH. 6. 7 (8), 12 (13).  
 I Ma. 6. 30, 37 : 10. 36.  
 [Aq. Ge. 5. 5 : Ez. 40. 17 (P.) : Za. 11. 12.]  
 [Sm. Za. 11. 12.]  
 [Th. Je. 52. 29 : Ez. 40. 17 (P.)]

τριάκονταδύο, *vid. sub* τριάκοντα *ei* δύο.τριάκονταεννέα, *vid. sub* τριάκοντα *ei* έννέα.τριάκονταέξ, *vid. sub* τριάκοντα *ei* έξ.τριάκονταεπτά, *vid. sub* τριάκοντα *ei* επτά.

τριάκονταετής. (1) תַּרְסָּנָה עֶשְׂרִים שָׁנָה

I Ch. 23. 3. ἀπὸ τριάκονταετοῦς καὶ ἐπάνω (1)

τριάκονταοκτώ, *vid. sub* τριάκοντα *ei* ὀκτώ.τριάκονταπέντε, *vid. sub* τριάκοντα *ei* πέντε.τριάκοντατέσσαρες, *vid. sub* τριάκοντα *ei*

τέσσαρες.

τριάκοντατρεῖς, *vid. sub* τριάκοντα *ei* τρεῖς.

## τριάκοσιοι.

Ge. 5. 23 : 6. 15 : 9. 28 : 11. 13, 15, 17† : 14. 14 : 45. 22.  
 Nu. 1. 23, 35† : 2. 13, 21† : 8. 50 : 4. 36† : 26. 25†, 50 : 31. 36, 43.  
 Jd. 7. 6, 7, 8, 16, 22† : 8. 4† : 11. 26 : 15. 4.  
 I Ki. 22. 18.  
 II Ki. 2. 31 : 21. 16 : 23. 8†, 18.  
 III Ki. 10. 16 bis, 17 : 11. 1 (3) : 12. 24† : 21 (20). 15†.  
 IV Ki. 18. 14.  
 I Ch. 11. 11, 20†.  
 II Ch. 9. 16, 16† : 14. 8 (7), 9 (8) : 17. 14 : 25. 5, 23† : 26. 13 : 28. 8 : 35. 8.  
 I Es. 1. 8 : 5. 13†, 16, 22†, 23, 35, 41, 42† : 8. 32†.  
 II Es. 2. 4†, 17, 32, 34, 58†, 64, 65 : 8. 5†.  
 Ne. 7. 9, 17, 22, 23, 35, 36, 60, 66, 67, 71†.  
 Es. 9. 15.  
 Da. LXX. 8. 14 : 12. 12.  
 Da. TH. 8. 14†.  
 I Ma. 8. 15 : 11. 28.  
 II Ma. 4. 8, 19, 24 : 13. 2 bis.  
 III Ma. 7. 15.  
 [Aq. Sm. Jd. 7. 22 : Ez. 4. 5.]  
 [Th. Jd. 7. 22 : Ez. 4. 5 : Da. 8. 14†.]

## τριάκοστός. (1) ד'רסן

III Ki. 16. 23. ἐν τῷ ἔτει τῷ τρ. καὶ πρώτῳ τοῦ βασιλ. 'Α. (1)  
 — 29. Α ἐν ἔτει τρ. καὶ ὀγδόῳ τοῦ 'Α. [B al.] (1)  
 IV Ki. 13. 10. ἐν ἔτει τρ. καὶ ἑβδόμῳ ἔτει τῷ 'Ι. (1)  
 15. 8. ἐν ἔτει τρ. καὶ ὀγδόῳ τῷ 'Αζ. (1)  
 — 13, 17. ἐν ἔτει τρ. καὶ ἐνῑντῷ 'Αζαρία (1)  
 25. 27. ἐν τῷ τρ. καὶ ἑβδόμῳ ἔτει (1)  
 II Ch. 15. 19. ὥς τοῦ πέμπτου καὶ τρ. ἔτους τῆς βασιλ. 'Α. (1)  
 16. 1. ἐν τῷ ὀγδόῳ καὶ τρ. ἔτει τῆς βασιλ. 'Α. (1)  
 — 12. ἐν τῷ ἐνάτῳ καὶ τρ. ἔτει τῆς βασιλ. αὐ. (1)  
 — 13. B† ἐν τῷ τρ. ἔτει τῆς βασιλ. αὐ. [A B† al.] (1)  
 Ne. 5. 14. ὥς ἔτους τρ. καὶ δευτέρου τῷ 'Αρθ. (1)  
 18. 6. Α B† B ἐν ἔτει τρ. καὶ δευτέρῳ τοῦ 'Αρθ. (1)  
 Si. prol. 19. ἐν γὰρ τῷ ὀγδόῳ καὶ τρ. ἔτει ἐπὶ τοῦ Εὐεργέτου βασιλεῖος  
 Je. 52. 31. ἐγένετο ἐν τῷ τρ. καὶ ἑβδόμῳ ἔτει [A al.] (1)  
 Ez. 1. 1. ἐγένετο ἐν τῷ τρ. ἔτει (1)  
 I Ma. 1. 10. ἐν ἔτει ἑκατοστῇ καὶ τρ. καὶ ἑβδόμῳ

## τρίβανον.

[Sm. Ps. 6. 8.]

## τρίβειν. (1) תִּרְבֵּן (2) תִּרְבֵּן (3) תִּרְבֵּן

Nu. 11. 8. καὶ ἔτρεβον ἐν τῇ θύρᾳ (1)  
 Pr. 15. 19. αὐτὸς δὲ τῶν ἀνδρῶν τετυμμέναι (3)  
 Is. 38. 21. τρέβον καὶ κατὰπλᾶσαι — (2)  
 Je. 7. 18. αἱ γυναῖκες αὐτῶν τρέβονται σταῖς [Aq. Pr. 6. 13.] (2)  
 τρίβολος. (1) תִּרְבֹּל (2) תִּרְבֹּל (3) תִּרְבֹּל  
 Ge. 3. 18. ἀκάνθας καὶ τρίβλους ἀνατελεῖ σοι (1)  
 II Ki. 12. 31. B καὶ ἔθηκεν . . . ἐν τρ. [A B τοῖς τρ.] τοῖς σιδηροῖς (2)  
 Pr. 22. 5. τρίβολοι καὶ παγίδες ἐν ὁδοῖς σκολαῖς (1)  
 Ho. 10. 8. ἀκανθαὶ καὶ τρίβολοι ἀναβήσονται (1)  
 [Sm. Jd. 8. 7.]  
 [Th. Is. 28. 27.]

## τρίβος. (1) תִּרְבֵּן (2) תִּרְבֵּן (3) תִּרְבֵּן

(4) תִּרְבֵּן (5) תִּרְבֵּן, תִּרְבֵּן (6) תִּרְבֵּן  
 Ge. 49. 17. ἐγκαθήμενος ἐπὶ τρίβου (1)  
 Jd. 5. 6. Α καὶ ἐπορεύθησαν τρίβους [B ἀτραπούς] (3)  
 — 20. ἐκ τρίβων αὐτῶν παρῆλθαντο [A al.] (5)  
 I Ki. 6. 12. ἐν τρίβῳ ἐνὶ ἐπορεύοντο (3)  
 II Ki. 20. 12. ἐν μέσῳ τῆς τρ. — 12. ἀπέστρεψαν τὸν 'Αμ. ἐκ τῆς τρ. (3)  
 — 13. ἥνικα δὲ ἔφθασεν ἐκ τῆς τρ. (3)  
 I Ch. 26. 18. καὶ εἰς τὸν τρ. δύο διαδεχομένους (3)  
 To. 4. 19. Α B ὅπως . . . πάσαι αἱ τρ. . . εὐδοκῶσιν (5)  
 Jb. 18. 10. ἡ σύλληψις αὐτοῦ ἐπὶ τρίβων (5)  
 22. 15. μὴ τρίβων αἰώνιον φυλάξεις (1)  
 28. 7. τρίβος οὐκ ἔγνα αὐτὴν πετεινόν (5)  
 30. 12. ὠδοποίησαν ἐπ' ἐμέ τρίβους ἀπωλείας αὐτῶν (1)

Jb. 80. 13. ἐξετρίβησαν τρίβου μου (5)  
 84. 11. ἐν τρίβῳ ἀνδρὸς εὐρήσει αὐτόν (1)  
 88. 20. εἰ δὲ καὶ ἐπίστασαι τρίβους αὐτῶν (5)  
 Ps. 8. 8. τὰ διαπορευόμενα τρίβους θαλασσῶν (1)  
 16 (17). 5. κατάρτισαι τὰ διαβήματα μου ἐν ταῖς τρ. σου (4)  
 17 (18). 45. ἐχάλασαν ἀπὸ τῶν τρ. αὐτῶν †  
 22 (23). 3. ὠδήγησέν με ἐπὶ τρίβους δικαιοσύνης (4)  
 24 (25). 4. τὰς τρ. σου διδάξόν με (1)  
 26 (27). 11. ὠδήγησόν με ἐν τρίβῳ εὐθείᾳ (1)  
 43 (44). 18. B† B ἐξέκλινας τὰς [A B† B τοῖς] τρ. ἡμῶν ἀπὸ τῆς ὁδοῦ σου †  
 76 (77). 19. αἱ τρ. σου ἐν ὕδασι πολλαῖς (6)  
 77 (78). 50. ὠδοποίησε τρίβων τῇ ὁργῇ αὐτοῦ (5)  
 118 (119). 35. Α B† ὠδήγησόν με ἐν τρίβῳ [B† B τῇ τρ.] τῶν ἐντολῶν σου (5)  
 — 105. καὶ φάς ταῖς τρ. μου (5)  
 138 (139). 3. τὴν τρ. μου καὶ τὴν σχοινίον μου ἐξηκρίσας (1)  
 — 23. γινώθι τὰς τρ. σου — †  
 139 (140). 5. ἐχόμενα τρίβου σκάνδαλον ἔθεντό μοι (4)  
 141 (142). 3. σὺ ἔγνωες τὰς τρ. μου (5)  
 Pr. 1. 15. ἔκκλινον δὲ τὸν πόδα σου ἐκ τῶν τρ. αὐτῶν (5)  
 2. 15. ὦν αἱ τρ. σκολιαὶ (1)  
 — 19. οὐδὲ μὴ καταλάβῃς τρίβους εὐθείας (1)  
 — 20. εἰ γὰρ ἐπορεύοντο τρίβους ἀγαθὰς εὐροσαν ἂν τρίβους δικαιοσύνης (2, 1)  
 3. 17. πάντες οἱ [B† al.] τρ. αὐ. ἐν εἰρήρῃ (5)  
 8. 2. ἀνὰ μέσον δὲ τῶν τρ. ἔστηκε (5)  
 — 20. ἀνὰ μέσον τρέβων [B† ὁδῶν] δικαιοῦματος [A B† δικαιοσύνης] ἀναστρέφομαι (5)  
 15. 21. ἀνοήτου τρίβου ἐνδεῖας φρενῶν †  
 16. 17. τρίβου (ὡς) ἐκκλινουσιν [B -κινουσιν] ἀπὸ κακῶν (3)  
 24. 54 (30. 19). καὶ τρίβους ἡδὲ ποταποπορεύσεις (2)  
 Wi. 2. 15. ἐξηλλαγμένοι αἱ τρ. αὐτοῦ †  
 6. 7. ἀνομίας ἐνεπλήσθημεν τρίβους — 10. B† οὐδὲ ἀτραπὸν τρίβων [B† τροπιῶς, Α B† τροπέως, B† B τροπίος] αὐτῆς ἐν κύμασιν (1)  
 6. 16. ἐν ταῖς τρ. φαντάζεται αὐτοῖς εὐμένως (5)  
 9. 18. οὕτως διαρῶσθῃσαν αἱ τρ. τῶν ἐπὶ γῆς (5)  
 10. 10. αὐτὴ . . . δικαίον ὠδήγησεν ἐν τρίβους εὐθείας (5)  
 14. 3. ἔδωκεν . . . ἐν κύμασι τρίβων ἀσφαλῆ (5)  
 Si. 2. 12. οὐαὶ . . . ἀμαρτωλῷ ἐπιβιβάζονται ἐπὶ δύο τρίβους (1)  
 6. 36. B† βαθμοὺς τρέβων [A B† B θυρῶν] αὐτοῦ ἐκτριβέτω ὁ πους σου (5)  
 Ho. 2. 6 (8). τὴν τρ. αὐ. οὐ μὴ εὐρῇ (5)  
 Mi. 4. 2. πορευοσάμεθα ἐν ταῖς τρ. αὐ. (1)  
 Ji. 2. 7. οὐ μὴ ἐκκλινῶσι τὰς [A τοῖς] τρ. αὐ. (1)  
 Is. 3. 12. τὸν [A B τὴν] τρ. τῶν ποδῶν ὡμῶν παρὰσσοντι (2)  
 80. 11. ἀφῆλτε ἀφ' ἡμῶν τὸν [A τὴν] τρ. τοῦτον (1)  
 40. 3. εὐθείας ποιεῖτε τὰς τρ. τοῦ θ. ἡμῶν (3)  
 42. 16. τρίβους δις [A B οὐς] οὐκ ἠδεδίκαν πατήσῃ (5)  
 43. 16. ὁ διδοὺς . . . ἐν ὕδατι ἰσχυρῶς τρίβων (5)  
 49. 9. ἐν πάσαις ταῖς [B† οπ., B† τοῖς] τρ. ἡ νομὴ αὐτῶν †  
 — 11. θῆσω . . . πᾶσαν [B† πάντα] τρίβον εἰς βάσκειμα αὐτοῖς (3)  
 58. 12. Α B† B τοῖς [B† B τὰς] τρ. σου ἀνὰ μέσον πᾶνσι (5)  
 59. 8. αἱ γὰρ τρ. αὐτῶν διεστραμμέναι (5)  
 Je. 6. 16. ἐρωτήσατε τρίβους κυρίου αἰωνίους (5)  
 9. 10 (9). λάβετε . . . ἐπὶ τὰς τρ. τῆς ἐρήμου θρήνον †  
 18. 15. τοὺς ἐπιβῆναι τρίβους οὐκ ἔχοντας ὁδόν (5 + 2)  
 Ba. 3. 21. οὐδὲ συνῆκαν τρίβους αὐτῆς — 23. οὐδὲ ἐμνήσθησαν τὰς τρ. αὐτῆς — 31. οὐδὲ ἐνθυμούμενος τὴν τρ. αὐτῆς (5)  
 4. 13. οὐδὲ τρίβους παιδείας ἐν δικαιοσύνῃ αὐτοῦ ἐπῆβησαν †  
 La. 3. 9. ἐνέφραξε τρίβους μου (5)  
 Da. TH. 4. 34. καὶ αἱ τρ. αὐ. κρίσεις (1)  
 [Aq. Jb. 80. 12 : Ps. 141 (142). 4 : Je. 18. 15 : 31 (38). 21.]  
 [Sm. Ps. 24 (25). 10 : 141 (142). 4 : Pr. 4. 11 : 10. 17 : Is. 30. 11 : 58. 12 : Je. 6. 16 : 31 (38). 21.]  
 [Th. Jd. 5. 6 : Jb. 22. 15 : 30. 12, 13 : Ps. 138 (139). 3 bis.]



**τριγῆχος.**  
[Sm. Jε. 49 (80). 3.]  
[Al. I Ki. 25. 22.]

**τριετής.** (1)  $\tau\rho\iota\epsilon\tau\acute{\eta}\varsigma$  (2)  $\tau\rho\iota\epsilon\tau\acute{\eta}\varsigma$   $\tau\rho\iota\epsilon\tau\acute{\eta}\varsigma$   
II Ch. 31. 16. ἀπὸ τριετούς καὶ ἐπάνω (2)  
Is. 15. 5. δάμαλις γὰρ ἐστὶ τρ. (1)  
II Ma. 4. 23: 14. 1. μετὰ δὲ τρ. χρόνον  
[Aq., Sm. Jε. 48 (31). 34.]

**τριετίειν.** (1)  $\tau\rho\iota\epsilon\tau\acute{\eta}\varsigma$  ru. δ.  $\tau\rho\iota\epsilon\tau\acute{\eta}\varsigma$   
Ge. 15. 9. λάβε μοι δίσκον τριετίουσαν καὶ αἶγα τριετίουσαν καὶ κρὶν τριετίουσα (1 a ter)

I Ki. 1. 24. ἀνίβη... ἐν μόσχῳ τριετίουσι (1 b)

**τρίειν.**  
[Aq. Am. 2. 13 bii.]  
[Sm. Is. 38. 14.]

**τριημερία.** (1)  $\tau\rho\iota\eta\mu\epsilon\rho\acute{\iota}\alpha$   
Am. 4. 4. ἡνέκατε... εἰς τὴν τρ. τὰ ἐπιδέκατα ἡμῶν (1)

**τριήμερος.**  
[Sm. I Ki. 9. 20.]

**τριηραρχία.**  
I Ma. 11. 28. β' καὶ τρεῖς τριηραρχίας [A B<sup>2</sup> R al.]

**τριήρης.**  
II Ma. 4. 20. εἰς τὰς τῶν τρ. κατασκευάς  
[Aq. Is. 33. 21.]

**τρικμία.**  
IV Ma. 7. 2. κατατλούμενος ταῖς τῶν βασάνων τρ.

**τριμερίειν.** (1)  $\tau\rho\iota\mu\epsilon\rho\acute{\iota}\epsilon\iota\varsigma$  pi.  
De. 19. 3. τριμερίεις τὰ ὅρια τῆς γῆς σου (1)

**τρίμηνον.** (1)  $\tau\rho\iota\mu\eta\text{--}\nu\acute{o}\nu$  δ.  $\tau\rho\iota\mu\eta\text{--}\nu\acute{o}\nu$   $\tau\rho\iota\mu\eta\text{--}\nu\acute{o}\nu$   
Ge. 38. 24. ἐγένετο δὲ μετὰ τρίμηνον (1 a)  
IV Ki. 23. 31. τρίμηνον [A τρεῖς μῆνας] ἐβασίλευσεν ἐν Ἱερ. (1 b)  
24. 8: II Ch. 36. 2. τρίμηνον ἐβασίλευσεν ἐν Ἱερ. (1 b)  
II Ch. 36. 9. τρίμηνον καὶ δέκα ἡμέρας ἐβασίλευσεν (1 b)

**τρίσδοτος.** (1)  $\tau\rho\iota\sigma\delta\acute{o}\tau\eta\varsigma$   $\tau\rho\iota\sigma\delta\acute{o}\tau\eta\varsigma$   
I Ki. 2. 13. καὶ κρέατα τρ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)

**τριπλασίον, τριπλασίως.**  
Si. 43. 4. Α τριπλασίον [B S -ίως] ἥλιος ἐκαίειν ὄρη

**τριπλοῦν.**  
[Sm. Ec. 4. 12.]

**τριπλοῦς.** (1)  $\tau\rho\iota\pi\lambda\acute{o}\upsilon\varsigma$  ru.  
Ez. 42. 6. τριπλοὶ ἦσαν (1)  
[Sm. Ec. 4. 12.]

**τρίς.** (1)  $\tau\rho\iota\varsigma$  (2)  $\tau\rho\iota\varsigma$   $\tau\rho\iota\varsigma$   
I Ki. 20. 41. προσέκυνησεν αὐτῷ τρίς (2)  
III Ki. 17. 21. ἐνεφύσησεν τῷ παιδαριῷ τρίς (2)  
IV Ki. 13. 18. ἐπάταξεν ὁ βασις τρίς (2)  
— 19. τρίς πατάξεν τὴν Σ. (2)  
— 25. τρίς ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰ. (2)  
Si. 13. 7. ἕως οὐ ἀποκένωσεν σε δις ἢ τρίς  
48. 3. κατήγαγεν οὕτως [B<sup>2</sup> om.] τρίς πῖρ  
Ez. 41. 6. διεμέτρησε... πλευρά... τριάκοντα [A add. καὶ] τρ. δις (2)  
Da. LXX. 6. 5 (6). δέεται κ. τοῦ θεοῦ αὐ. τρίς τῆς ἡμέρας  
— 10 (11). ἐπιπτεν ἐπὶ πρόσωπον αὐ. τρίς τῆς ἡμέρας (1)  
— 11 (12). κατέλαβον αὐτὸν εὐχόμενον τρίς τῆς ἡμέρας  
— 13 (14). εὐρομεν Δαν. τὸν φίλον σου εὐχόμενον... τρίς τῆς ἡμέρας (1)  
— 16 (17). φ. σὺ λαγρεύεις ἐνδελεχῶς τρίς τῆς ἡμέρας  
[Aq. I Ki. 30. 13.]  
[Sm. Jε. 33. 29.]

**τρισάθλιος.**  
III Ma. 4. 4. Β δακρύειν αὐτῶν τρισάθλιον [A τὴν δυσάθλιον] ἔξαποστολῆν  
IV Ma. 16. 6. ὁ μελέα ἔγωγγε καὶ πολλάκις τρισαθλία

**τρισαλιτήριος.**  
Es. 8. 13. τοὺς ὑπὸ τοῦ τρ. παραδεδωμένους εἰς ἀφάνισμὸν Ἰουδαίους  
II Ma. 8. 34. ὁ δὲ τρ. Νικάνωρ  
15. 3. ὁ δὲ τρ. ἐπὶ πρῶτῳ τρ.

**τρισκαίδεκα.**  
Nu. 29. 13†, 14†.  
Jo. 18. 28†.  
Jd. 6. 27†.  
III Ki. 7. 1.  
I Ch. 6. 60 (45), 62 (47)†: 26. 11†.

**τρισκαίδεκατος.** (1)  $\tau\rho\iota\sigma\kappa\alpha\iota\delta\epsilon\kappa\alpha\tau\acute{o}\varsigma$  δ.  $\tau\rho\iota\sigma\kappa\alpha\iota\delta\epsilon\kappa\alpha\tau\acute{o}\varsigma$   
Ge. 14. 4. τῷ δὲ τρ. ἔτει ἀπίστησαν (1 a)  
I Ch. 24. 13. τῷ Ὁ. ὁ τρ. (1 b)  
25. 20. ὁ τρ. Σουβαήλ (1 b)  
II Ch. 29. 17. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. [A ἐκκαίδ.] †  
Es. 3. 12. μηνὶ πρῶτῳ τῇ τρ. [B<sup>2</sup> add. ἡμέρα αὐ.] (1 b)  
8. 12. τῇ τρ. τοῦ δωδεκάτου μηνός  
— 13. τῇ τρ. τοῦ δωδεκάτου μηνός  
9. 1. τρισκαίδεκατῇ [B<sup>2</sup> τεσσαρεσκαίδ.] τοῦ μηνός (1 b)  
— 15. B<sup>2</sup> τῇ τρ. [A B S<sup>1</sup> τεσσαρεσκαίδ.] τοῦ Ἀ. †  
— 16. τῇ τρ. [A τεσσαρεσκαίδ.] τοῦ Ἀ. [B al.] —  
— 18. B<sup>2</sup> τῇ τρ. τοῦ αὐτοῦ (1 b)  
Je. 1. 2. ἔτους τρισκαίδεκάτου ἐν τῇ βασ. αὐ. (1 a)  
25. 3. ἐν τρισκαίδεκάτῳ ἔτει [A add. τοῦ βασιλέως] Ἰωσία (1 a)

I Ma. 7. 43. τῇ τρ. τοῦ μηνός Ἀδάρ  
— 49. τῇ τρ. τοῦ Ἀδάρ  
II Ma. 15. 36. ἔχεν δὲ ἐπίσημον τὴν τρ. τοῦ δωδεκάτου μηνός  
[Aq., Sm. Jε. 25. 3.]

**τρισκελής.**  
[Aq. I Ki. 18. 21.]

**τρισμός.**  
[Aq. Ps. 65 (66). 11.]

**τρισμύριος.**  
Es. 1. 7.

**τρισεύειν.** (1)  $\tau\rho\iota\sigma\epsilon\upsilon\acute{\epsilon}\iota\varsigma$  pi. δ.  $\tau\rho\iota\sigma\epsilon\upsilon\acute{\epsilon}\iota\varsigma$   
I Ki. 20. 19. καὶ τρισεύσεις (1 a)  
— 20. τρισεύσω ταῖς σχίσαις ἀκοντίων (1 b)  
III Ki. 18. 34. καὶ ἐτρίσαντο [A -ωσαν] (1 a)  
[Aq. I Ki. 20. 19.]

**τρισός.** (1)  $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\varsigma$   
III Ki. 10. 22 (9. 22). Α Β ἀρχοντες αὐ. καὶ τρισσοὶ αὐ. (1)  
IV Ki. 11. 10. ἔδωκεν ὁ Ἰ. τοῖς ἐκατοντάρχαις... τοὺς τρ. τοῦ βασ. — (1)  
Ez. 23. 15. ὅπως τρισὶ πάντων  
— 23. ἐπάξω... πάντας τρισσοὺς καὶ ὀνομαστοὺς (1)  
42. 3. ἀντιπρόσωποι στοαὶ τρισσαί [Aq. III Ki. 9. 22: Is. 40. 12.] (1)  
[Th. Ez. 28. 15.]  
[Al. Ez. 42. 3.]

**τρισοῦν.** (1)  $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\nu$  pi. δ.  $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\nu$   
III Ki. 18. 34. καὶ εἶπε, Τρισώσατε (1)  
— 34. Α καὶ ἐτρίσαντο [B -ευσαν] (1)

**τρισώσ.** (1)  $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\varsigma$  δ.  $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\varsigma$   $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\varsigma$   
c.  $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\varsigma$  δ.  $\tau\rho\iota\sigma\acute{o}\varsigma$   
I Ki. 20. 12. ἀνακρινῶ τὸν πατέρα μου ὡς ἂν ὁ καιρὸς τρ. (1 a)  
III Ki. 7. 4. καὶ χώρα ἐπὶ χώραν τρ. [A<sup>2</sup> om.] (1 b)  
— 5. καὶ ἀπὸ τοῦ θυρώματος ἐπὶ θύραν τρ. (1 b)  
Pr. 22. 20. καὶ σὺ δὲ ἀπόγραψαι αὐτὰ σεαυτῷ τρ. (1 c)  
Ez. 16. 30. ἐξεπόμενος τρ. ἐν [A ἐπὶ] ταῖς θυγατράσι σου +  
41. 16. αἱ θυρίδες ἀπαπυσσόμεναι τρ. (1 d)

**τριστατής.** (1)  $\tau\rho\iota\sigma\tau\acute{\alpha}\tau\eta\varsigma$  δ.  $\tau\rho\iota\sigma\tau\acute{\alpha}\tau\eta\varsigma$   
Ex. 14. 7. λαβὼν... τριστατάς ἐπὶ πάντων (1)  
15. 4. ἐπὶ τριστατάς ἀναβήσας τριστατάς (1)  
IV Ki. 7. 2. ἀπεκρίθη ὁ τρ. (1)  
— 17. ὁ βασ. κατίσθησε τὸν τρ. (1)

IV Ki. 7. 19. ἀπεκρίθη ὁ τρ. τῷ Ἐλ. (1)  
9. 25. εἶπε πρὸς Β. τὸν τρ. αὐ. (1)  
10. 25. εἶπεν Ἰ. ... τοῖς τρ. (1)  
— 25. καὶ ἔρριψαν... οἱ τρ. (1)  
15. 25. συνεισέταξεν ἐπ' αὐτὸν Φ. υἱὸς Ἰ. ὁ τρ. αὐ. (1)  
[Sm. Ez. 28. 15, 23.]

**τρίστεγον.**  
[Sm. Ge. 6. 17 (16): Ez. 42. 6.]

**τρισχίλιοι.**  
Ex. 32. 28: 39. 3 (38. 26).  
Nu. 1. 46: 2. 32: 4. 44.  
Jo. 7. 3, 4.  
Jd. 15. 11†: 16. 27†.  
I Ki. 25. 2.  
III Ki. 4. 32 (5. 12).  
I Ch. 29. 4.  
II Ch. 2. 2 (1), 17 (16), 18 (17): 4. 5: 29. 33.  
I Es. 1. 7: 5. 13†, 17, 23.  
II Es. 2. 12†, 35.  
Ne. 7. 38†.  
Jb. 1. 3.  
I Ma. 4. 6, 15: 5. 20, 22, 34†: 7. 40: 9. 5, 49†: 11. 44, 74: 12. 47.  
II Ma. 4. 40: 8. 34: 12. 20†, 33.  
IV Ma. 4. 17†.  
[Th. Jε. 52. 28.]

**τρισχίλιος.**  
I Ma. 10. 77. παρενέβαλε τρισχίλιον ἵππον

**τριταίος.** (1)  $\tau\rho\iota\tau\acute{\alpha}\iota\circ\varsigma$  δ.  $\tau\rho\iota\tau\acute{\alpha}\iota\circ\varsigma$   $\tau\rho\iota\tau\acute{\alpha}\iota\circ\varsigma$   
I Ki. 9. 20. περὶ τῶν ὄνων σου τῶν ἀπολωλυῶν (1 b)  
σημέρον τριταίων (1 a)  
80. 13. ἡνωχλήσθη ἐγὼ σήμερον τριταίος (1 a)

**τρίτος.** (1)  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  δ.  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$ ,  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$ ,  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$ ,  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$   
 $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  c.  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  d.  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  e.  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  f.  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$   
(2) τρ. ἡμέραν, τρίτην, (τῆς) τρ. ἡμέρας, (τῆς) τρ. διῶν,  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  (3) τρ. (γενεὰ)  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  (4) ἕως τρ. γενεᾶς  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  (5) α.  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$   $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$  δ.  $\tau\rho\iota\tau\acute{o}\varsigma$   $\tau\rho\ιο\tau\acute{o}\varsigma$   
Ge. 1. 13. καὶ ἐγένετο... ἡμέρα τρίτη (1 a)  
2. 14. καὶ ὁ ποταμὸς ὁ τρ. Τίγρις (1 a)  
22. 3 (4). τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
31. 2, 5. ὡς ἐχθὲς καὶ τρίτην ἡμέραν (2)  
— 22. τῇ τρ. ἡμέρᾳ (1 a)  
32. 19 (20). ἐνετελείατο... τῷ τρ. (1 a)  
34. 25: 40. 20. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
42. 18. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
50. 23. ἕως τρ. γενεᾶς (4)  
Ex. 4. 10. οὐδὲ πρὸ τῆς τρ. ἡμέρας (2)  
5. 7, 14. καθάπερ ἐχθὲς καὶ τρ. ἡμέραν (2)  
19. 1. τοῦ δὲ μηνός τοῦ τρ. τῆς ἐξόδου (1 a)  
— 11. ἔστωσαν ἔτοιμοι εἰς τὴν ἡμέραν τὴν τρ. (1 a)  
— 11. τῇ γὰρ ἡμέρᾳ τῇ τρ. καταβήσεται κύριος (1 a)  
— 16. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
20. 5. ἕως τρ. καὶ τετάρτης γενεᾶς [A al.] (3)  
21. 29. πρὸ τῆς ἐχθὲς καὶ πρὸ τῆς τρ. (2)  
— 36. πρὸ τῆς ἐχθὲς καὶ πρὸ τῆς τρ. ἡμέρας [A om.] (2)  
28. 19. καὶ ὁ στίχος ὁ τρ. (1 a)  
34. 7. ἐπὶ τρίτῃ καὶ τετάρτῃ γενεᾷ (3)  
36. 19 (39. 12). ὁ στίχος ὁ τρ. (1 a)  
Le. 7. 17 (17). τὸ καταλειφθὲν ἀπὸ τῶν κρεῶν... ἕως ἡμέρας τρ. (1 a)  
— 8 (18). τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
19. 6. ἐὰν καταλειφθῇ ἕως ἡμέρας τρ. (1 a)  
— 7. ἐὰν δὲ βρώσκει βρωθὴ τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
Nu. 2. 24. τρίτος ἐξαροῦσι (1 a)  
7. 24. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
10. 6. σκαπείτε σηματοῖαν τρ. —  
14. 18. B ἕως τρίτης καὶ τετάρτης [A B add. γενεᾶς] (8)  
15. 6. ποιήσεις... τὸ τρ. τοῦ Ἰω (1 a)  
— 7. τὸ τρ. τοῦ Ἰω προσοίσετε (1 a)  
19. 12 bii. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1 a)  
— 19. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. [A B<sup>2</sup> R πρώτῳ] † (1 a)  
20. 1. B<sup>2</sup> ἐν τῷ μηνὶ τῷ τρ. [A B<sup>2</sup> R πρώτῳ] † (1 a)  
22. 28. πέπακάς με τοῦτο τρ. (5 b)  
— 32. διὰ τὴν ἐπάταξας τὴν ὄνον σου τοῦτο τρ. (5 b)  
— 32 (33). ἐξέκλινεν ἐπ' ἐμοῦ τρ. τοῦτο (5 b)  
24. 10. εὐλογῶν εὐλόγησας τρ. τοῦτο (5 a)

Nu. 28. 14. τὸ τρ. τοῦ ἰν ἔσται τῷ κριῶ τῷ ἐνί  
[B<sup>1</sup> al.] (1a)  
29. 20. 31. 19. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
De. 4. 42. πρὸ τῆς ἐχθρῆς οὐδὲ πρὸ τῆς τρ.  
[A B<sup>2</sup> al.] (2)  
5. 9. ἐπὶ τρίτῃ καὶ τετάρτῃ γενεάν (3)  
19. 4. πρὸ τῆς ἐχθρῆς καὶ τρίτης [A al.] (2)  
— 6. πρὸ τῆς ἐχθρῆς οὐδὲ πρὸ τῆς τρ. [A al.] (1a)  
23. 8 (9). γενεῶν τρ. εἰσελευσονται (1a)  
26. 12. ἐν τῷ ἔτει τῷ τρ. (1a)  
Jo. 3. 4. ἀπ' ἐχθρῆς καὶ τρίτης ἡμέρας (2)  
4. 18. ἐπορεύετο καθὰ ἐχθρῆς καὶ τρ. ἡμέραν (2)  
17. 11. καὶ τὸ τρ. τῆς M. (1b)  
19. 10. ἐξῆλθεν ὁ κληρὸς ὁ τρ. τῷ Z. (1a)  
20. 5. ἀπ' ἐχθρῆς καὶ τρίτῃ (2)  
Jd. 16. 15. τοῦτο τρ. ἐπ' αὐτῇ με [A al.] (5a)  
19. 8. A τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. [B πέμπτῃ] (1a)  
20. 30. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
Ru. 2. 11. ἐν οὐκ ᾔδει ἐχθρῆς καὶ τρίτης (2)  
I Ki. 3. 8. καλέσαι Σαμ. ἐν τρίτῳ (1a)  
8 (7). οὐ γέγονε τοιαύτη ἐχθρῆς καὶ τρίτῃ  
[A -ης] (2)  
10. 11. B πάντες οἱ εἰδότες αὐτὸν ἐχθρῆς καὶ  
τρίτῃ [A B -ης] (2)  
14. 21. οἱ ὄντες ἐχθρῆς καὶ τρ. ἡμέραν μετὰ τῶν  
ἄλλοι. (2)  
17. 13. A καὶ ὁ τρ. αὐ. Σ. (1a)  
19. 7. ὥσει ἐχθρῆς καὶ τρ. ἡμέραν (2)  
— 21. προσέθετο Σ. ἀποστέλλει ἀγγέλους  
τρ. (1a)  
20. 5. A κρυβήσομαι . . . ὥς δειλὴς τῆς τρ. [B  
om. τ. τρ.] (1a)  
21. 5 (6). ἀπεσχίμωσα ἐχθρῆς καὶ τρ. ἡμέραν (2)  
30. 1. II Ki. 1. 2. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
II Ki. 3. 3. καὶ ὁ τρ. 'Αβ. (1a)  
— 17. ἐχθρῆς καὶ τρίτῃ ἐξηγεῖται τὸν Δ. (2)  
5. 2. ἐχθρῆς καὶ τρίτῃ ὄντος Σ. βασιλέως (2)  
18. 2. ἀπέστειλε Δ. τὸν λαὸν τὸ [A τὸν] τρ. ἐν  
χειρὶ 'I. καὶ τὸ τρ. ἐν χειρὶ 'Αβ. . . .  
καὶ τὸ τρ. ἐν χειρὶ 'Ε. (1a ter)  
23. 8. ἄρχων τοῦ τρ. ἐστίν (1a)  
III Ki. tit. βασιλείων τρίτῃ (1a)  
3. 18. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
6. 6. καὶ ἡ τρ. ἐπ' αὐτῇ ἐν πῆχει (1a)  
12. 12. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
— 12. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
— 24. B ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
15. 28. ἐν ἔτει τρ. βασιλέως τοῦ 'Α. (1b)  
— 33. ἐν τῷ ἔτει τῷ τρ. τοῦ 'Α. βασιλέως 'I. (1b)  
18. 1. 22. 2. ἐν τῷ ἐνιαυτῷ τῷ τρ. (1a)  
IV Ki. 1. 13. A ἀποστέλλει ἡγουμένον πεντη-  
κονταρχον τρ. [B om. π. τρ.] (1a)  
— 13. ἦλθεν ὁ πεντηκονταρχος ὁ τρ. (1a)  
11. 6 (5). τὸ τρ. ἐξ ὧμων εἰσελθέτω (1a)  
— 6. καὶ τὸ τρ. ἐν τῇ πύλῃ τῶν ὁδῶν (1a)  
— 6. καὶ τὸ τρ. τῆς πύλης ὁπίσω τῶν παρατρε-  
χόντων (1a)  
12. 6 (7). ἐν τῷ εἰκοστῷ καὶ τρ. ἔτει (1b)  
13. 1. ἐν ἔτει εἰκοστῷ καὶ τρ. ἔτει τῷ 'I. (1b)  
— 5. καθὼς ἐχθρῆς καὶ τρίτης (2)  
18. 1. ἐν ἔτει τρ. τῷ 'Ω. (1b)  
19. 29. ἔπει [A τῷ ἔτει τῷ] τρ. σπορά (1a)  
20. 5. τῇ [A ἐν τῇ] ἡμέρᾳ τῇ τρ. ἀναθήσει (1a)  
— 8. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
I Ch. 2. 13. Σαμαὶ ὁ τρ. (1a)  
3. 2. ὁ τρ. 'Αβ. υἱὸς M. (1a)  
— 15. ὁ τρ. Σαδ. (1a)  
8. 1. Βεν. ἐγέννησε B. . . 'Α. τὸν τρ. (1a)  
— 39. 'Ελφ. ὁ τρ. (1a)  
11. 2. ἐχθρῆς καὶ τρίτῃ ὄντος Σ. βασιλέως (2)  
12. 9. 'Ελ. ὁ τρ. (1a)  
23. 19. 'Ιεζ. ὁ τρ. (1a)  
24. 8. τῷ X. ὁ τρ. (1a)  
— 18. τῷ 'Α. ὁ τρ. καὶ εἰκοστὸς (1b)  
— 23. 'I. ὁ τρ. (1a)  
25. 10. ὁ τρ. Z. (1a)  
— 30. ὁ τρ. καὶ εἰκοστὸς M. (1b)  
26. 2. A B Ζαβ. ὁ τρ. [B al.] (1a)  
— 4. A B 'I. ὁ τρ. [B al.] (1a)  
— 11. Ταβ. ὁ τρ. (1a)  
27. 5. ὁ τρ. τὸν μῆνα τὸν τρ. (1a, 1a)  
II Ch. 7. 10. ἐν τῇ τρ. καὶ εἰκοστῇ τοῦ μηνὸς  
τοῦ ἰβδ. (1b)  
10. 12 bis. τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
15. 10. ἐν τῷ μηνὶ τῷ τρ. (1a)  
17. 7. ἐν τῷ τρ. ἔτει τῆς βασ. αὐ. (1b)

II Ch. 23. 4. τὸ τρ. ἐξ ὧμων εἰσπορεύεσθωσαν τὸ  
σάββατον (1a)  
— 5. B καὶ τρίτον [A<sup>2</sup> R τὸ τρ.] ἐν οἴκῳ τοῦ  
βασ. (1a)  
— 5. καὶ τὸ τρ. ἐν τῇ πύλῃ τῇ μέσῃ (1a)  
27. 5. ἐν τῷ πρώτῳ ἔτει καὶ τῷ δευτ. καὶ τῷ τρ. (1a)  
29. 17. B<sup>1</sup> τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. [A B<sup>2</sup> R πρώτῃ] (1a)  
31. 7. ἐν τῷ μηνὶ τῷ τρ. (1a)  
I Es. 3. 12. B<sup>2</sup> R ὁ τρ. [B<sup>1</sup> ὅτι τρ., A ὁ ἄλλος]  
ἐγραψεν (1a)  
4. 13. ὁ δὲ τρ. ὁ εἶπας περὶ τῶν γυναικῶν  
7. 5. ὥς τρίτης καὶ εἰκάδος μηνὸς 'Α. (1a)  
8. 62. γενομένης αὐτοῦ ἡμέρας τρίτης (1a)  
II Es. 6. 15. ὥς ἡμέρας τρ. μηνὸς 'Αδάρ (1d)  
Ne. 10. 32 (33). δοῦναι ἐφ' ἡμᾶς τρίτον τοῦ  
διδράχμου (1a)  
To. 1. 8. τὴν τρ. διδόνον οἰς καθέκει [S al.] (1a)  
— 8. S ἐν τῷ τρ. ἔτει (1a)  
Es. 1. 3. ἐν τῷ τρ. ἔτει βασιλευσάντος αὐτοῦ (1b)  
5. 1. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
8. 9. S<sup>2</sup> ἐν τῷ τρ. [A B S<sup>1</sup> πρώτῃ] μηνὶ (1a)  
— 9. τρίτῃ καὶ εἰκάδι τοῦ αὐτοῦ ἔτους (1b)  
Jb. 42. 14. τὴν δὲ τρ. 'Αμαλθαίας κέρας (1a)  
Si. 23. 16. τὸ τρ. ἐπ' αὐτῇ ὀργῇ (1a)  
— 23. τὸ τρ. ἐν πορείᾳ ἐμοιχείθῃ (1a)  
26. 28. ἐπὶ τῷ τρ. θυμὸς μοι ἐπῆλθεν (1a)  
28. 14. γλώσσα τρίτῃ πολλοὺς ἐσάλευσε (1a)  
— 15. γλώσσα τρίτῃ γυναῖκα ἀνδρείας ἐξέβαλε (1a)  
45. 23. Φινεὲς υἱὸς 'Ελεάζαρ τρίτος εἰς δύξαν (1a)  
50. 25. τὸ τρ. οὐκ ἔστιν ἔθνος (1a)  
Ho. 6. 3 (2). ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
Za. 6. 3. ἐν τῷ ἄρματι τῷ τρ. ἵπποι λευκοὶ (1a)  
13. 8. τὸ δὲ τρ. ὑπολείψεται ἐν αὐτῇ (1a)  
— 9. διάξω τὸ τρ. διὰ πυρὸς (1a)  
Is. 19. 24. ἔσται 'Ισραὴλ τρίτος ἐν τοῖς Αἰγ. (1a)  
37. 30. τῷ δὲ τρ. σπειράντες ἀμήσατε (1a)  
Ez. 10. 14. A τὸ πρόσωπον τοῦ τρ. πρόσωπον  
λείπεται (1a)  
21. 14 (19). ἡ τρ. ῥομφαία τραυματιῶν ἐστί (1a)  
31. 1. ἐγένετο . . . ἐν τῷ τρ. μηνὶ (1a)  
40. 8. τὸ θεὸς τὸ τρ. ἴσον τῷ καλὸν μήκος (1a)  
46. 14. καὶ εἰλαίου τρίτον τοῦ [A τὸ τρ. τῷ] εἰν (1a)  
Da. LXX. 1. 1. ἐπὶ βασιλείᾳ 'I. τῆς 'Ιουδ. ἔτους  
τρ. (1b)  
2. 39. καὶ τρ. βασιλείᾳ ἄλλη χαλκῇ (1c)  
5. 7. δοθήσεται αὐτῷ ἐκουσιᾷ τοῦ τρ. μέρους  
τῆς βασ. (1f)  
— 16. ἔξεις ἐξουσίαν τοῦ τρ. μέρους τῆς βασ.  
μου (1c)  
— 29. ἔδωκεν ἐξουσίαν αὐτῷ τοῦ τρ. μέρους  
τῆς βασ. αὐ. (1c)  
8. 1. ἔτους τρ. βασιλευσάντος Βαλτ. (1b)  
Da. TH. Su. 15. καθὼς ἐχθρῆς καὶ τρ. ἡμέρας  
1. 1. ἐν ἔτει τρ. τῆς βασ. 'I. (1b)  
2. 39. ἀναστήσεται . . . βασιλεία τρ. (1c)  
5. 7. καὶ τρίτος ἐν τῇ βασιλείᾳ μου ἄρξει (1f)  
— 16. καὶ τρίτος ἐν τῇ βασιλείᾳ μου ἄρξει (1c)  
— 29. εἰναὶ αὐτὸν ἄρχοντα τρ. ἐν τῇ βασιλείᾳ  
τῇ 'I. B<sup>1</sup> ἐν ἔτει τρ. [A B<sup>2</sup> R πρώτῃ] Βαλτ. (1c)  
8. 1. ἐν ἔτει τρ. τῆς βασιλείας Βαλτ. (1b)  
10. 1. ἐν ἔτει τρ. Κύρου βασιλείᾳ Περσῶν (1b)  
I Ma. 1. 20. ἐν τῷ ἑκατοστῷ καὶ τεσσαρακοστῷ καὶ  
τρ. ἔτει (1a)  
9. 44. ὡς ἐχθρῆς καὶ τρ. ἡμέραν (1a)  
— 54. ἐν ἔτει τρ. καὶ πεντηκοστῷ (1a)  
10. 30. ἀντὶ τοῦ τρ. τῆς σποράς (1a)  
11. 18. A B ἐν [S om.] τῇ ἡμέρᾳ τῇ τρ. (1a)  
13. 51. τῇ τρ. καὶ εἰκάδι τοῦ δευτέρου μηνὸς  
14. 27. A B καὶ τοῦτο [S τῷ] τρ. ἔτος ἐπὶ Σίμωνος  
II Ma. 7. 10. μετὰ δὲ τούτων ὁ τρ. ἐνεπαίχτο (2)  
II Ma. tit. B Μακκαβίων [A add. λόγος] τρίτος  
5. 40. προστάσαν ἡδὲ τρίτον αὐτοὺς ἀφανίσαι (1a)  
IV Ma. 10. 1. ὁ τρ. ἡγετο (1a)  
15. 18. οὐδὲ τρίτος ἀποψύχων (1a)  
[Aq. Ex. 5. 7. I Ki. 20. 19. Is. 40. 12. Jb. 88  
(45). 14. Ez. 5. 2 ter.] (1a)  
[Sm. I Ki. 20. 19. Is. 40. 12. Jb. 88 (45). 14. Ez. 5. 2 ter. Am. 4. 4.] (1a)  
[Th. Ex. 5. 7. I Ki. 20. 19. Is. 40. 12. Jb. 88  
(45). 14. (Sw.) 52. 30. Ez. 5. 2 ter. 10. 14. Da. 5. 7.] (1a)  
[A I Ki. 20. 12.] (1a)  
τριχαπτός. (1) ὡψ  
Ez. 16. 10. περιέβαλον σε τριχαπτόν (1)  
— 13. τὰ περιβάλλορά σου βύσσινά καὶ τριχαπτά (1)

τριχιδῶν.  
[Aq. Le. 17. 7. Dt. 32. 2, 17. Is. 13. 21. 34. 14.] (1a)  
[Sm., Th. Is. 34. 14.] (1a)  
τρίχιος. (1) ὡψ  
Ex. 26. 7. ποιήσεις δέρρεις τριχίνας σκέπην (1)  
Za. 13. 4. ἐνδύσονται δέρμιν τρ. (1)  
[Aq., Sm. Ex. 26. 7.] (1)  
τριχιώτης.  
[Aq. Is. 13. 21 (Sw.).] (1a)  
τριχούσθαι.  
[Sm. Ge. 25. 25.] (1a)  
τρίχωμα. (1) ὡψ (2) α. ὡψ δ. ὡψ  
I Es. 8. 71. B τὴν ἱερὰν ἐσθήτα κατέτευνον τοῦ τρ.  
τῆς κεφ. [A B al.] (1a)  
Ca. 4. 1. 6. 4 (5). τριχώμα σου ὡς ἀγάλα τῶν  
αἰγῶν (2a)  
Ez. 24. 17. οὐκ ἔσται τὸ τρ. σου συμπεπλεγμένον  
ἐπὶ σέ (1)  
Da. LXX. 7. 9. καὶ τὸ τρ. τῆς κεφαλῆς αὐ. ὥσει  
ἔριον (2b)  
[Aq. Le. 13. 36. Jb. 7. 29.] (1a)  
τριώροφος. (1) ὡψ  
Ge. 6. 16. κατάγαμα διώροφα καὶ τρ. ποιήσεις  
αὐτὴν (1)  
III Ki. 6. 8. καὶ ἐκ τῆς μέσης ἐπὶ τὰ τρ. (1)  
Ez. 41. 7. ἐκ τῶν γειῶν [A μέσων] ἐπὶ τὰ τρ. (1)  
τρομάειν (?).  
I Ma. 2. 24. S<sup>2</sup> ἐτρόμασαν [A S<sup>1</sup> R -σαν] οἱ νεφροὶ αὐ.  
τρομεῖν. (1) ὡψ  
Es. 5. 9. S<sup>2</sup> οὐδὲ ἐτρόμυσεν ἀπ' αὐτοῦ (1)  
I Ma. 2. 24. ἐτρόμυσαν [S<sup>2</sup> -σαν] οἱ νεφροὶ αὐ.  
[Aq. Ec. 12. 5.] (1a)  
τρόμος. (1) ὡψ (2) ὡψ (3) ὡψ  
(4) ὡψ (5) ὡψ (6) ὡψ (7) ὡψ  
δ. ὡψ  
Ge. 9. 2. ὁ τρ. . . ἔσται ἐπὶ πᾶσι τοῖς θηρίοις (2)  
Ex. 15. 15. ἔλαβον αὐτοὺς τρόμος (7a)  
— 16. ἐπίπτοι ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ φόβος  
[A φ. κ. τρ.] (1)  
De. 2. 25. δοῦναι τὸν τρ. σου καὶ τὸν φόβον  
σου (5)  
11. 25. B τὸν τρ. ὧμων καὶ τὸν φόβον [A B φ.  
ὡ. κ. τ. τρ.] ὧμων (5 [2])  
Ju. 2. 28. B S ἐπίπτοι φόβος καὶ τρόμος [A R ὁ  
τρ.] αὐ. (1)  
15. 2. ἐπέπτοι ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ φόβος [A S  
φ. κ. τρ.] (1)  
Jb. 4. 14. φόβος καὶ συνήνησε καὶ τρόμος (7b)  
38. 34. B S τρόμος [A δρόμος] ὕδατος λάβρω  
ὑπακούσεται σου (1)  
Ps. 2. 11. ἀγαλλιάσθε αὐτῷ ἐν τρόμῳ (7b)  
47 (48). 6. τρόμος ἐπελάβετο [A ὑπελ.] αὐ-  
τῶν (7b)  
54 (55). 5. B<sup>2</sup> S R φόβος καὶ τρόμος ἦλθεν ἐπ'  
ἐμέ (7a)  
Si. 16. 19. ἐν τῷ ἐπιβλέψαι εἰς αὐτὰ τρόμος συσσει-  
νεται (5)  
Hb. 3. 16. εἰσῆλθε τρόμος εἰς τὰ ὅσα μου (1)  
Is. 19. 16. ἔσονται οἱ Αἰγ. ὡς γυναῖκες ἐν φόβῳ  
καὶ ἐν τρόμῳ (5)  
33. 14. λήψεται τρ. τοὺς ἀσεβεῖς (7b)  
54. 14. τρ. οὐκ ἐγγίει σοι (3)  
64. 1 (63. 19). 3 (2). τρ. λήψεται ἀπὸ σοῦ ὄρη (1)  
Je. 15. 8. ἐπέρριψα ἐπ' αὐτὴν ἐξαίφνης τρόμον (4)  
30 (49). 24. τρ. ἐπελάβετο αὐτῆς (6)  
Ba. 3. 33. ὑπῆκουσεν αὐτῷ τρόμος (1)  
Da. LXX. 4. 16. τρόμου λαβόντος αὐτόν (1)  
— 34. ἀπὸ τοῦ φόβου αὐ. τρόμος ἐλλήφει με (1)  
I Ma. 7. 18. ἐπέπτοι αὐτὸν . . . ὁ τρ. εἰς πάντα τὸν  
λαόν (1)  
II Ma. 15. 23. R εἰς δέος καὶ τρόμον [A τρόπον]  
IV Ma. 4. 10. καὶ πολλὸν αὐτοῖς φόβον τε καὶ τρόμον  
ἐνίοντες (1)  
[Aq. Ec. 12. 5.] (1a)  
[Al. Hb. 3. 16.] (1a)

τρόπαιον.  
II Ma. 5. 6. δοκῶν δὲ πολεμίων ... τρόπαια κατα-  
βάλλεσθαι  
15. 6. B κοινὸν τῶν περὶ τὸν Ἰ. συστήσασθαι τρ.  
[8m. II Ki. 8. 3.]  
[Th. Is. 68. 3.]

τροπή. (1) תָּפַח (2) תְּפִלָּה (3) תְּפִי  
Ex. 32. 18. οὐδὲ φωνῇ ἐξαρχόντων τροπῆς (2)  
De. 33. 14. καθ' ὅραν γεννημάτων ἡλίου τροπῶν —  
III Ki. 22. 35. ἐξεπορεύετο τὸ αἷμα τῆς [A ἐκ  
τῆς] τρ. (3)  
Jb. 38. 33. ἐπίστασαι δὲ τροπὰς οὐρανοῦ  
Wi. 7. 18. τροπῶν ἀλλαγὰς καὶ μεταβολὰς καιρῶν  
Si. 45. 23. ἐν τῇ ... στήσῃ [A στήναι] αὐτὸν ἐν  
τροπῇ λαοῦ  
Je. 30. 10 (49. 32). οἶσώ τὴν τρ. αὐτῶν (1)  
I Ma. 4. 35. ἰδὼν δὲ Ἀ. τὴν γενομ. τρ. τῆς αὐτοῦ  
συντάξεως  
5. 61. ἐγενήθη τρ. μεγάλη ἐν τῇ λαῷ  
II Ma. 12. 27. μετὰ δὲ τὴν τούτων τρ.  
— 37. τροπὴν ἐποιήσατο αὐτῶν  
[Aq. Jb. 37. 18.]

τροπιά, τρόπις.  
Wi. 5. 10. B' B οὐδὲ ἀτραπὸν τρόπιος [B' τρίβων,  
B' τροπιάς, A B' τρόπεις] αὐτῆς ἐν κύ-  
μασιν

τρόπος. (1) דָּרָךְ (2) מַעַב (3) תְּרֹפֶן יִשְׂרָאֵל  
(4) δὲν τρόπον α. תָּפַח δ. תְּפִלָּה c. הַ  
תָּפַח הַיָּדָיִם d. תָּפַח הַכֶּבֶד e. ב' f. יָדָיִם, כֶּבֶד  
g. תְּפִלָּה h. יְיָ יִשְׂרָאֵל  
Ge. 26. 29. δὲν τρόπον ἐχρήμαθ' σοι καλῶς (4 b)  
Ex. 2. 14. δὲν τρόπον ἀνέλεες ἐχθὲς τὸν Αἴγ. (4 b)  
13. 11. δὲν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (4 b)  
14. 13. δὲν τρόπον γὰρ ἐωράκατε τοὺς Αἴγ. σή-  
μερον (4 a)  
16. 34 : 36. 37 (39. 29), 40 (39. 31) : 39. 23  
(43). δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
40. 15. δὲν τρόπον ἠλείψας τὸν πατέρα αὐ. (4 b)  
— 21, 23, 25. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
— 27. Ἀ. δὲν τρόπον [B καθύπερ] συνέταξε κ.  
τῷ Μ. (4 b)  
Le. 4. 10. δὲν τρόπον ἀφαίρειτε αὐτὸ ἀπὸ τοῦ  
μόσχου (4 b)  
— 20. δὲν τρόπον ἐποίησε τὸν μόσχον (4 b)  
— 21. δὲν τρόπον κατέκαυσαν τὸν μόσχον τὸν  
πρῶτον. (4 b)  
— 31. δὲν τρόπον περιαίρειται στέαρ (4 b)  
— 35. δὲν τρόπον περιαίρειται στέαρ προβά-  
του (4 a)  
7. 28 (38). δὲν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (4 b)  
8. 4. δὲν τρόπον συνέταξεν αὐτῷ κύριος (4 b)  
— 9, 17. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
— 31. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
9. 10. δὲν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (4 b)  
— 21. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
10. 5. A B' E δὲν τρόπον εἶπε Μ. (4 b)  
— 15. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
— 18. δὲν τρόπον μοι συνέταξε κύριος (4 b)  
16. 15. δὲν τρόπον ἐποίησε τὸ αἷμα τοῦ μόσχου (4 b)  
18. 28. δὲν τρόπον προσώχισσε τοῖς ἔθνεσι (4 b)  
Nu. 1. 19. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
3. 16. δὲν τρόπον [A καθὰ] συνέταξεν αὐτοῖς  
κύριος (4 b)  
— 42. δὲν τρόπον ἐνετείλατο κύριος (4 b)  
— 51. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
4. 49. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 a)  
14. 17. δὲν τρόπον εἶπας (4 b)  
— 28. δὲν τρόπον λελλήκατε εἰς τὰ ὀνόματά μου  
15. 14. δὲν τρόπον ποιεῖτε ὑμεῖς (4 b)  
18. 7. κατὰ πάντα τρ. τοῦ θυσιαστηρίου (1)  
23. 2. δὲν τρόπον εἶπεν αὐτῷ Β. (4 b)  
26. 4 : 31. 47. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
28. 27. δὲν τρόπον οὐ κύριος λέγει (4 b)  
34. 13. δὲν τρόπον συνέταξε κ. (4 a)  
36. 10. δὲν τρόπον συνέταξε κ. Μ. (4 b)  
De. 1. 21. δὲν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεός (4 b)  
2. 1. δὲν τρόπον ἐλάλησε κ. πρὸς μὲ (4 b)  
— 12. δὲν τρόπον ἐποίησεν Ἰσρ. τὴν γῆν (4 b)  
— 22. δὲν τρόπον ἐξέτριψαν τὸν Χ. (4 a)

De. 4. 33. δὲν τρόπον ἀκήκοας σύ (4 b)  
5. 12, 16, 32 (29). δὲν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ.  
ὁ θεός σου (4 b)  
6. 16. δὲν τρόπον ἐξεπεύρασατε ἐν τῇ Πειρασ-  
μῷ (4 b)  
11. 25. δὲν τρόπον ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς (4 b)  
12. 21. δὲν τρόπον ἐνετείλαμην σοι (4 b)  
13. 17 (18). δὲν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι  
σου (4 b)  
15. 6. δὲν τρόπον ἐλάλησέ σοι (4 b)  
19. 8. δὲν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου  
— 19. δὲν τρόπον ἐπονηρεύσατο ποιήσαι (4 b)  
20. 17. δὲν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θ. σου (4 b)  
23. 23 (24). δὲν τρόπον εἶψε κ. τῷ θεῷ (4 b)  
24. 8. δὲν τρόπον ἐνετείλαμην ὑμῖν (4 b)  
27. 3. δὲν τρόπον εἶπε κ. ὁ θ. τῶν πατέρων σου  
σοι (4 b)  
28. 9. δὲν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι σου (4 b)  
— 63. δὲν τρόπον ἐφράνησθ' κ. ἐφ' ὑμῖν (4 b)  
29. 13 (12). δὲν τρόπον εἶπε σοι (4 b)  
— 13 (12). δὲν τρόπον ὤμοσε τοῖς πατράσι  
σου (4 b)  
32. 50. δὲν τρόπον ἀπέθανεν Ἀ. (4 b)  
Jo. 1. 3. δὲν τρόπον εἶρηκα τῷ Μ. (4 b)  
— 17. δὲν τρόπον ἦν μετὰ Μωυσῆ (4 b)  
5. 4. δὲν δὲ τρόπον περικέκαθεν Ἰ. τοὺς υἱοὺς  
Ἰσρ. (4 c)  
8. 2. δὲν τρόπον ἐποίησα τὴν Ἰερ. (4 b)  
— 6. δὲν τρόπον καὶ ἔμπροσθεν (4 b)  
— 27. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Ἰησοῦ (4 a)  
10. 1. δὲν τρόπον ἐποίησαν τὸν Ἰερ. (4 b)  
— 28, 30. δὲν τρόπον ἐποίησαν τῷ βασι. Ἰερ. (4 b)  
— 32. δὲν τρόπον ἐποίησαν τὴν Ἀ. (4 d)  
— 35. δὲν τρόπον ἐποίησαν τὴν Ἀ. (4 d)  
— 37. δὲν τρόπον ἐποίησαν τὴν Ὀδ. (4 d)  
— 39. δὲν τρόπον ἐποίησαν τὴν Χ. (4 b)  
— 40. δὲν τρόπον ἐνετείλατο κ. ὁ θ. Ἰσρ. (4 b)  
11. 9. δὲν τρόπον [A καθότι] ἐνετείλατο αὐτῷ κ. (4 b)  
— 12. δὲν τρόπον συνέταξε Μ. (4 b)  
— 15. δὲν τρόπον συνέταξε κ. τῷ Μ. (4 b)  
— 20. δὲν τρόπον εἶπε κ. πρὸς Μ. (4 b)  
13. 6. δὲν τρόπον σοι ἐνετείλαμην (4 b)  
14. 2. δὲν τρόπον ἐνετείλατο κ. (4 b)  
— 5. δὲν τρόπον ἐνετείλατο κ. τῷ Μ. (4 b)  
— 10. δὲν τρόπον εἶπε (4 b)  
— 12. δὲν τρόπον εἶπέ μοι κύριος (4 b)  
21. 8. δὲν τρόπον ἐνετείλατο κ. τῷ Μ. (4 b)  
22. 4. δὲν τρόπον εἶπεν αὐτοῖς (4 b)  
23. 15. δὲν τρόπον ἦκει πρὸς ἡμᾶς πάντα τὰ  
ῥήματα τὰ καλά (4 b)  
Jd. 2. 22. δὲν τρόπον ἐφύλαξαν οἱ πατέρες αὐ. (4 b)  
6. 27. δὲν τρόπον [A καθὰ] ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν  
κύριος (4 b)  
— 36, 37. Ἀ. δὲν τρόπον [B καθὼς] ἐλάλησας (4 b)  
8. 8. δὲν τρόπον ἀπεκρίθησιν ἄνδρες Σ. (4 b)  
11. 36. δὲν τρόπον ἐξήλθεν ἐκ στόματός σου (4 b)  
15. 10. δὲν τρόπον ἐποίησεν ἡμῖν (4 b)  
— 11. δὲν τρόπον ἐποίησάν μοι (4 b)  
16. 9. Ἀ. δὲν τρόπον διασπάται κλῶσμα τοῦ  
ἀποτινάγματος [B αἶ.] (4 b)  
I Ki. 21. 13 (14). Ἀ. ἡλλοίωσεν τὸν τρ. [B τὸ  
πρόσωπον] αὐ. (2)  
25. 33. εὐλογητὸς ὁ τρ. σου (2)  
II Ki. 10. 2. δὲν τρόπον ἐποίησεν ὁ πατήρ αὐ. μετ'  
ἐμοῦ ἔλεος (4 b)  
16. 23. δὲν τρόπον ἐπερωτήσῃ ἐν λόγῳ τοῦ θεοῦ (4 b)  
17. 3. δὲν τρόπον ἐπιστρέφει ἡ νύμφη πρὸς τὸν  
ἄνδρα αὐ. (4 c)  
24. 19. καθ' ὅν τρόπον ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (4 b)  
I Es. 4. 42. δὲν τρόπον [A ἀνθ' ὧν] εὐρέθης σοφώτερος  
Ju. 2. 16. δὲν τρόπον πολέμου πληθὺς συντάσσεται  
4. 1. δὲν τρόπον ἐσκύλευσε πάντα τὰ ἱερὰ αὐ.  
Es. 8. 13. B' γὰρ τῆς κακοθείας τρ. [A B' αἶ.]  
— 13. διὰ γὰρ τῶν τρ. τούτων φήθη  
Jb. 4. 8. καθ' ὅν τρόπον εἶδον τοὺς ἀποτριώνοντας  
τὰ ἄτοπα (4 a)  
— 19. ἔπαισεν αὐτοὺς σητὸς τρόπον (3)  
29. 25. δὲν τρόπον παβέωσαν παρακαλῶν (4 b)  
Ps. 41 (42). 1. δὲν τρόπον ἐπιποθεῖ ἡ ἐλαφὸς (4 c)  
Pr. 9. 11. τούτῳ γὰρ τῷ τρ. πολλὴν χρίσεις χρόνον †  
23. 7. δὲν τρόπον γὰρ εἰ τις καταπίῃ τρίχα (4 f)  
24. 44 (29). δὲν τρόπον ἐχρήσατό μοι (4 b)  
Ho. 9. 13. δὲν τρόπον [A add. εἶδος] εἰς θῆραν  
παρίστησαν (4 b)  
Am. 2. 13. δὲν τρόπον κυλιέται ἡ ἑμαῖα (4 b)  
3. 12. δὲν τρόπον ὅταν ἐκσπάσῃ ὁ ποιμὴν (4 b)

Am. 5. 14. δὲν τρόπον εἶπας (4 b)  
— 19. δὲν τρόπον ἐν φύγῃ ἀνθρώπος (4 b)  
9. 9. δὲν τρόπον λικμάται ἐν τῇ λικμῇ (4 b)  
Mi. 8. 3. δὲν τρόπον κατέγαγον τὰς σάρκας τοῦ  
λαοῦ μου (4 a)  
5. 8 (7). δὲν τρόπον ὅταν διελθῇ (4 a)  
Ob. 1. 15. δὲν τρόπον ἐποίησας (4 b)  
— 16. δὲν τρόπον ἔπιες ἐπὶ τὸ ὄρος (4 b)  
Jn. 1. 14. δὲν τρόπον ἐβούλου πεποιήκας (4 b)  
Za. 4. 1. δὲν τρόπον ὅταν ἐξεγερθῇ ἀνθρώπος (4 c)  
7. 13. δὲν τρόπον εἶπε (4 b)  
8. 13. δὲν τρόπον ἦτε ἐν κατάρῃ (4 b)  
— 14. δὲν τρόπον διενεώθη τὸ κακῶσαι ὑμᾶς (4 b)  
10. 6. ἔσονται δὲν τρόπον οὐκ ἀπεστρεψάμην  
αὐτοὺς (4 b)  
11. 13. δὲν τρόπον ἐδοκίμασθην ὑπὲρ αὐτῶν (4 a)  
14. 5. B' δὲν τρόπον [A B' καθὼς] ἐνεφράγη (4 b)  
Ma. 8. 17. δὲν τρόπον αἰρετίζει ἀνθρώπος τὸν  
υἱὸν αὐ. (4 b)  
Is. 5. 24. δὲν τρόπον καυθήσεται καλήμην (4 c)  
7. 2. δὲν τρόπον ἐν θυμῷ ξύλον ... σαλευθῇ (4 c)  
9. 3 (2). δὲν τρόπον [A B add. εὐφρανόνται] οἱ  
διαιρούμενοι σκύλα (4 b)  
10. 10. δὲν τρόπον ταῖτας ἔλαβον (4 b)  
— 11. δὲν τρόπον γὰρ ἐποίησα Σαμαρεία (4 b)  
13. 19. δὲν τρόπον κατέστρεψεν ὁ θεός Σόδομα (4 c)  
14. 20 (19). δὲν τρόπον ἰμάτιον ... οὐκ ἔσται  
καθαρόν (4 c?)  
— 24. δὲν τρόπον εἶρηκα ... δὲν τρόπον βεβού-  
λευμαι (4 b, 4 b)  
17. 5. δὲν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ ἀμνητὸν ...  
δὲν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ στάχυν (4 c, 4 c)  
— 9. δὲν τρόπον κατέλιπον οἱ Ἀμ. (4 c)  
20. 3. δὲν τρόπον πεπονήνται (4 b)  
24. 13. δὲν τρόπον ἐάν τις καλαμῆσθται (4 c)  
25. 10. δὲν τρόπον πατούσιν ὄλωνα (4 c)  
— 11. δὲν τρόπον ... ἐταπείνωσε τοῦ ἀπολέσαι (4 b)  
29. 8. δὲν τρόπον ἐντυπνιάζεται ὁ διψῶν (4 b)  
31. 4. δὲν τρόπον βοήσῃ ὁ λέων (4 c)  
33. 4. δὲν τρόπον ἐάν τις συναγάγῃ ἀκρίδας (4 b)  
38. 19. δὲν τρόπον καγῶ (4 f)  
51. 13. δὲν τρόπον γὰρ ἐβουλεύσατο (4 b)  
52. 14. δὲν τρόπον ἐκστήσονται ἐπὶ σὲ πολλοί (4 b)  
62. 5. δὲν τρόπον ἐφρανθήσεται νυμφίος (4 b)  
65. 8. δὲν τρόπον εὐρεθήσεται ὁ ῥῶξ (4 b)  
66. 22. δὲν τρόπον γὰρ οὐρανὸς καινός ... μένει (4 b)  
La. 1. 22. δὲν τρόπον ἐποίησαν ἐπιφυλλίδα (4 b)  
Ep. Je. 69. κατ' οὐδένα οὐδ' τρ. ἐστὶν ἡμῖν φανερόν  
— 71. τὸν αὐτὸν τρ. καὶ τῇ ἐν κτηφ' ῥάμῳ  
Ez. 10. 10. δὲν τρόπον ὅταν ἡ τροχὸς ἐν μέσῳ  
τροχοῦ (4 b)  
12. 11. δὲν τρόπον πεποιήκα (4 b)  
15. 6. δὲν τρόπον τὸ ξύλον τῆς ἀμπελὸς ἐν τοῖς  
ξύλοις (4 b)  
16. 48. δὲν τρόπον ἐποίησας σύ (4 b)  
— 57. δὲν τρόπον νῦν ὀνειδος εἰ θυγατέρων  
Συρίας (4 f)  
18. 4. δὲν τρόπον ἡ ψυχὴ τοῦ πατρὸς οὕτως ἡ  
ψυχὴ τοῦ υἱοῦ (4 c)  
20. 32. οὐκ ἔσται δὲν τρόπον ὑμεῖς λέγετε (4 a)  
— 36. δὲν τρόπον διεκρίθην πρὸς τοὺς πατέρας  
ὑμῶν (4 b)  
22. 22. δὲν τρόπον χωνεύεται ἀργύριον (4 c)  
23. 18. δὲν τρόπον ἀπίστη ἡ ψυχὴ μου (4 b)  
— 44. δὲν τρόπον εἰσπορεύονται πρὸς γυναῖκα  
πόρνην (4 c)  
24. 18. δὲν τρόπον ἐνετείλατό μοι (4 b)  
— 18. δὲν τρόπον [A καθὼς] ἐπέταγέ μοι (4 b)  
— 22. δὲν τρόπον πεποιήκα (4 c)  
25. 8. δὲν τρόπον πάντα τὰ ἔθνη οἴκος Ἰσραὴλ (4 b)  
40. 23. δὲν τρόπον τῆς πύλης τῆς βλεπούσης  
κατὰ ἀνατολὰς —  
42. 3. δὲν τρόπον αἱ πύλαι τῆς αὐλῆς τῆς ἐσω-  
τέρας καὶ δὲν τρόπον τὰ περιστάλα (4 a, 4 a)  
— 7. δὲν τρόπον αἱ ἐξέδρα τῆς αὐλῆς τῆς ἐξωτ. (4 g)  
45. 6. δὲν τρόπον ἡ ἀπαρχὴ τῶν ἁγίων (4 g)  
46. 12. δὲν τρόπον ποιεῖ ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῶν σαββ. (4 b)  
48. 11. δὲν τρόπον ἐπλανήθησαν οἱ Λευῖται (4 b)  
Da. LXX. 1. 14. ἐχρήσατο αὐτοῖς τὸν τρ. τοῖτον (1)  
Da. TH. Su. 62. δὲν τρόπον ἐπονηρεύσαντο τῷ πλη-  
σίῳ (4 b)  
2. 40. δὲν τρόπον ὁ σίδηρος λεπτύνει ... πάντα (4 H)  
— 41. δὲν τρόπον εἶδες τὸν σίδηρον (4 H)  
— 45. δὲν τρόπον εἶδες (4 H)

I Ma. 5. 49. S<sup>1</sup> τοῦ παρεμβαλῆν ἕκαστον ἐν ᾧ ἔστι  
 τρ. [A S<sup>3</sup> R αλ.]  
 11. 29. ἐπιστολὰς . . . ἔχουσας τὸν τρ. τοῦτον  
 14. 35. ἐξεζήτησε παντὶ τρ. ὑψῶσαι τὸν λαὸν αὐ.  
 15. 2. ἦσαν περιέχοντες τὸν τρ. [A<sup>1</sup> τόπον] τοῦτον  
 II Ma. 1. 24. ἣν δὲ ἡ προσευχὴ τὸν τρ. ἔχουσα τοῦτον  
 5. 22. τὸν δὲ τρ. βαρβαρώτερον ἔχοντα  
 — 27. θηρίων τρόπον διέζη  
 6. 20. καθ' ὃν ἔδει τρόπον προσέρχεσθαι  
 — 31. οὗτος οὖν τοῦτον τὸν τρ. μετέλλαξεν  
 7. 7. μεταλλάξαντος δὲ τοῦ πρώτου τὸν τρ. τοῦτον  
 8. 35. R δραπετὸν τρόπον [A τόπον] ἔρμον ἐαυτὸν  
 ποιήσας  
 — 36. διὰ τὸν τρ. τοῦτον ἀνθρώπους εἶναι τοὺς Ἰουδ.  
 10. 6. ἦγον ἡμέρας ὅκτω σκηνωμάτων τρόπον  
 — 6. τὴν τὴν σκηνῶν οὐκ ἔστιν ἡθρίων τρόπον ἦσαν  
 νεμόμενοι  
 — 14. A γενόμενος στρατηγὸς τῶν τρ. [R τόπον]  
 11. 16. περιέχοντες τὸν τρ. τοῦτον  
 — 31. οὐδεὶς αὐτῶν κατὰ οὐδένα τρ. παρενοχληθή-  
 σεται  
 12. 8. τὸν αὐτὸν ἐπιτελεῖν βουλομένους τρ.  
 — 39. R καθ' ὃν τρόπον [A χρόνον] τὸ τῆς χρείας  
 ἐγγύνει  
 14. 3. καθ' ὅντινα τὸν τρόπον οὐκ ἔστιν αὐτῷ σωτηρία  
 — 46. τόνδε τὸν τρ. μετέλλαξεν  
 15. 6. A διεγνώκει κοῦνον . . . συστήσασθαι τρόπον  
 [R τρόπον]  
 — 12. πρῶτον δὲ τὸν τρ.  
 — 22. ἔλεγε δὲ ἐπικαλούμενος τόνδε τὸν τρ.  
 — 23. A εἰς θεὸς καὶ τρόπον [R τρόπον]  
 — 39. ὃν δὲ τρόπον οἶνος ὕδατι συγκερασθεῖς  
 III Ma. 3. 24. τοῦτους κατὰ πάντα δυσνοεῖν ἡμῖν  
 τρόπον  
 4. 9. θηρίων τρόπον ἀγόμενοι  
 — 13. τὸν αὐτὸν τρ. ἐπιμελῶς ὥς ἐκείνους ποιῆσαι  
 μὴ λειπομένους κατὰ μηδένα τρ. τῆς ἐκεί-  
 νων τιμωρίας  
 — 14. προδεδλωμένον τῶν ἔργων κατὰ τρόπον  
 λατρείαν  
 6. 12. ἐν ἐπιβουλῇ τὸν τρόπον  
 7. 7. ἀπολεῖν καὶ πάσης καθ' ὅντινα αἰτίας τρόπον  
 — 8. ἐν παντὶ τρ. μὴδὲν αὐτοῦ τὸ σύνολον κατα-  
 βάλλαντος  
 IV Ma. 1. 29. ὁ λογισμὸς . . . πάντα τρ. μεταχέων  
 2. 7. τίνα τρ. μονοφάγος τις ὢν τὸ ἦθος . . . μετα-  
 παιδεύεται  
 — 8. βιάζεται τὸν ἐαυτοῦ τρ.  
 4. 1. πάντα τρ. διαβάλλων ὑπὲρ τοῦ ἔθνους  
 — 24. κατὰ μηδένα τρ. ἴσχυε καταλῦσαι  
 5. 14. τοῦτον τὸν τρ. . . ἐποτρύνοντος τοῦ τυράννου  
 — 17. κατ' οὐδένα τρ. παρανομεῖν ἀξιοῦμεν  
 6. 1. τοῦτον τὸν τρ. ἀντιρρητορεύσαντα  
 — 5. κατ' οὐδένα τρ. μετετρέπετο  
 7. 3. κατ' οὐδένα τρ. μετέτρεψε τοὺς . . . οἰκας  
 9. 15. οὐκ ἀνδροφονήσαντα με τοῦτον κατακίεῖς τὸν  
 τρ. [S αλ.]  
 — 17. A οὐχ οὕτως ἰσχυρὸς ὡς ἐστὶν ὁ τρ. [S R  
 τροχός]  
 — 29. ὡς ἦδὺς πᾶς τρ. θανόντων  
 10. 7. κατὰ μηδένα τρ. ἰσχύοντες αὐτὸν ἀγχαί  
 11. 4. τί δράσαντας ἡμᾶς τοῦτον πορθεῖς τὸν τρ.  
 — 10. A ἐπὶ τὸν τροχὸν σκορπίου τρόπον ἀνακλώ-  
 μενος [S αλ.]  
 — 11. κατὰ τοῦτον τὸν τρ. καὶ τὸ πνεῦμα στενο-  
 χωρούμενος  
 12. 13. A τοῦτον κατακίεῖς [S κατακίεσας] τὸν τρ.  
 14. 17. καθ' ὃν δύνανται τρόπον [A αλ.]  
 15. 4. τίνα τρόπον ἡβολογήσασιν φιλότεκνα γυνέων  
 παθῶν  
 18. 1. καὶ πάντα τρ. εὐσεβεῖτε  
 [Sm. Ex. 2. 14: Jb. 31. 15: Ps. 32 (33). 22:  
 33 (34). 1: Ec. 8. 6.]  
 [Th. Ex. 2. 14: Jd. 6. 36: 16. 9: Jb. 29. 25:  
 Is. 52. 14.]  
 [Al. i Ki. 28. 17.]  
 [Quint. Ps. 41 (42). 2.]  
 τροποῦν. (1) לָקַח (2) לָקַח (3) וַיִּשְׁלַח hi.  
 (4) לָקַח hi. (5) וַיִּשְׁלַח a. qal. δ. ni.  
 (6) לָקַח  
 Jo. 11. 6. παραδίδωμι τετροπωμένους αὐτοὺς (1)  
 Jd. 4. 23. ἐτρόπωσεν ὁ θ. . . τὸν Ἰ. [A αλ.] (3)  
 20. 35. A ἐτρόπωσεν [B ἐπάταξε] κ. τὸν Βεν. (5 a)  
 — 36. A εἶδεν Βεν. ὅτι τετρόπωται [B αλ.] (5 b)

Jd. 20. 39. A τροποῦμενος τροποῦται ἐναντίον  
 ἡμῶν [B αλ.] (5 b, 5 b)  
 II Ki. 8. 1. καὶ ἐτρόπωσάτο αὐτοὺς (3)  
 III Ki. 22. 35. ἐτρόπωσάτο ὁ πόλεμος (3)  
 I Ch. 18. 1. καὶ ἐτρόπωσάτο αὐτοὺς (3)  
 19. 16. ἐτρόπωσάτο αὐτὸν Ἰσρ. (5 b)  
 II Ch. 18. 34. ἐτρόπωσάτο ὁ πόλεμος (3)  
 20. 22. A<sup>2</sup> B καὶ ἐτρόπωσθησαν (5 b)  
 25. 8. τροπώσεται σε κύριος (4)  
 — 8. ἐστὶ παρὰ κυρίου . . . τροπώσασθαι [A  
 -σεσθαι] (4)  
 — 22. ἐτρόπωσάτο Ἰ. κατὰ πρόσωπον Ἰσρ. (5 b)  
 Ps. 88 (89). 23. τοὺς μισούντας αὐτὸν τροπώ-  
 σομαι (5 a)  
 Da. LXX. 7. 21. τὸ κέρας ἐκείνου . . . τροποῦ-  
 μενον αὐτοὺς (2)  
 I Ma. 4. 20. A R ἴδεν ὅτι τετρόπωται [S -ωνται]  
 5. 44. καὶ ἐτρόπωσάτο ἡ Κ. (1)  
 — 60. καὶ ἐτρόπωσάτο Ἰωστ.  
 6. 5. τετρόπωται αἱ παρεμβολαὶ  
 10. 72. A R δις ἐτρόπωσθησαν [S διετρ.] οἱ πατέρες  
 σου  
 11. 15. καὶ ἐτρόπωσάτο αὐτὸν  
 — 55. A R καὶ ἐτρόπωσάτο [S -ησαν]  
 — 72. καὶ ἐτρόπωσάτο αὐτοὺς  
 16. 8. ἐτρόπωσάτο [S<sup>1</sup> -ησαν] K. καὶ ἡ παρεμβ. αὐ.  
 II Ma. 8. 6. οὐκ ὀλίγους τῶν πολεμίων τροποῦμενος  
 9. 2. συνίβη τροπωθῆντα τὸν Ἰσρ.  
 13. 19. ἐτροπούτο προσεκρόνονεν  
 [Sm. Dt. 28. 25: II Ki. 2. 17.]  
 [Th. Dt. 28. 25.]  
 [Al. i Ki. 4. 2.]  
 τροποφορεῖν. (1) נָשָׂא  
 De. 1. 31. B<sup>1</sup> ὡς εἴ τις τροποφορήσει ἀνθρώπος  
 τὸν υἱὸν αὐ. [A B<sup>2</sup> R αλ.] (1)  
 τροφεῖα.  
 IV Ma. 15. 13. ὡ φύσις ἱερὰ . . . καὶ τροφεῖα  
 τροφεῖν. (1) נָשָׂא hi.  
 Ex. 2. 7. θέλει καλέσω σοι γυναῖκα τροφεύουσιν (1)  
 Ba. 4. 8. ἐπελάβεσθε τὸν τροφεύσαντα ὑμᾶς θεόν  
 τροφή. (1) נָשָׂא (2) נָשָׂא (3) נָשָׂא  
 (4) נָשָׂא (5) נָשָׂא  
 Ge. 49. 20. A διαδώσει τροφήν [B τρυφήν] ἀρ-  
 χουσι +  
 — 27. εἰς τὸ ἐσπέρει δίδωσι τροφήν +  
 Jd. 8. 5. δότε δὴ ἄρτους εἰς τροφήν [A om.  
 εἰς τρ.] (4?)  
 II Ch. 11. 23. ἔδωκεν αὐταῖς τροφάς (5)  
 I Es. 8. 79. 80. δούναί ἡμῖν τροφήν  
 Ju. 12. 9. B προσηγάγοντο τὴν τρ. [A τρυφήν] αὐ.  
 Jb. 36. 32 (31). A S B δώσει τροφήν τῷ ἰσχυ-  
 ρῷ [B ἀκούσιν] (1)  
 Ps. 64 (65). 9. ἡτοίμασας τὴν τρ. αὐτῶν (2)  
 103 (104). 27. δούναί τῃ τρ. αὐτοῖς εὐκαιρον (1)  
 110 (111). 5. τροφήν ἔδωκε τοῖς φοβουμένοις  
 αὐτὸν (3)  
 135 (136). 25. ὁ διδούς τροφήν πάσῃ σαρκί (4)  
 144 (145). 15. σὺ δίδως τὴν τρ. αὐτῶν ἐν  
 εὐκαιρίᾳ (1)  
 145 (146). 7. διδόντα τροφήν τοῖς πεινώσι (4)  
 146 (147). 9. καὶ διδόντι τοῖς κτήνεσι τροφήν  
 αὐτῶν (4)  
 Pr. 6. 8. ἐτοιμάζεται θέρον τὴν τρ. (4)  
 24. 60 (30. 25). ἐτοιμάσονται θέρον τὴν τρ. (4)  
 Wi. 13. 12. εἰς ἐτοιμασίαν [A ὑπηρεσίαν] τροφῆς  
 ἀναλώσας [S -ώσεως]  
 16. 2. τροφήν ἡτοίμασας ὀργυρομήτρην  
 — 3. ἐκείνη μὲν ἐπιθυμῶντες τροφήν [S -ῆς]  
 — 20. ἀγγέλων τροφήν ἐνώμασας τὸν λαὸν σου  
 19. 21. κρυσταλλοειδὲς γένος ἀμβροσίας τροφῆς  
 [S<sup>1</sup> τροφῆς]  
 Si. 37. 20. πάσης τροφῆς [S<sup>1</sup> σοφίας] καθυστερήσει  
 41. 1. ἀνδρὶ . . . ἐτι ἰσχυρὸν ἐπιδέξασθαι τροφήν  
 La. 4. 5. A B οἱ ἐσθοντες τὰς τρ. [B τρυφάς] +  
 Da. TH. 4. 9. καὶ τροφή πάντων ἐν αὐτῷ  
 — 18. καὶ τροφή πᾶσιν ἐν αὐτῷ (5)  
 I Ma. 1. 35. παρέθεντο ὅπλα καὶ τροφήν  
 6. 57. καὶ ἡ τρ. ἡμῖν ὀλίγη  
 13. 21. καὶ ἀποστελεῖται αὐτοῖς τροφάς  
 II Ma. 5. 27. τὴν χορτὴν τρ. σιτομένου διετέλουν  
 III Ma. 3. 4. χωρισμὸν ἐποίησαν ἐπὶ τῷ κατὰ τὰς τρ.  
 [cod. καταστροφάς]

III Ma. 3. 7. τὴν δὲ περὶ τῶν . . . τρ. διάστασιν  
 ἐθρύλουν  
 IV Ma. 1. 33. κινούμενοι πρὸς τὰς ἀπειρημ. τρ.  
 4. 26. μαρῶν ἀπογενομένων τροφῶν  
 [Aq. Le. 22. 11.]  
 [Sm. Ge. 47. 12: Le. 22. 7, 11: III Ki. 5. 11  
 (25): Jb. 20. 21: 36. 31: Ps. 64 (65). 14:  
 68 (69). 22: 103 (104). 14: Ec. 9. 11: Da.  
 1. 8 (Sw.).]  
 [Th. Jb. 36. 31.]  
 [Al. Ge. 42. 25: 45. 23: Ex. 12. 39.]  
 τροφός. (1) נָשָׂא hi.  
 Ge. 35. 8. ἀπέθανε δὲ Δ. ἡ τρ. R<sup>1</sup> B<sup>1</sup>. (1)  
 IV Ki. 11. 2. ἐκλεψεν . . . αὐτὸν καὶ τὴν τρ. αὐ. (1)  
 II Ch. 22. 11. ἔδωκεν . . . τὴν τρ. αὐ. εἰς ταμίον  
 κλιών (1)  
 Is. 49. 23. αἱ δὲ ἀρχουσαι αὐ. [A om.] τροφοὶ σου (1)  
 [Sm. Ge. 24. 59.]  
 [Al. Nu. 11. 12.]  
 τροφοφορεῖν. (1) נָשָׂא  
 De. 1. 31. ὡς ἐτροφοφόρησεν σε κ. ὁ θεός (1)  
 — 31. B<sup>2</sup> R ὡς εἴ τις τροφοφορήσει [A -σαι,  
 B<sup>1</sup> τροποφ.] ἀνθρώπος τὸν υἱὸν αὐ. (1)  
 II Ma. 7. 27. ἐλέησον με τὴν . . . τροφοφορήσαντα  
 τροχάξεν.  
 [Aq. Je. 49. 19 (29. 20).]  
 τροχάιος.  
 IV Ma. 11. 10. R περὶ τροχάιον σφήνα κατέκαμψαν  
 [A S αλ.]  
 τροχαντήρ.  
 IV Ma. 8. 13. ὡς δὲ . . . τροχαντήρας [S<sup>1</sup> -ρια] . . .  
 προέθεσαν  
 τροχαντήριον.  
 IV Ma. 8. 13. S<sup>1</sup> ὡς δὲ . . . τροχαντήρια [A S<sup>2</sup> R  
 -ρας] . . . προέθεσαν  
 τροχιά (-εία). (1) נָשָׂא  
 Pr. 2. 15. καὶ καμπύλαι αἱ τρ. αὐτῶν (1)  
 4. 11. ἐμβιβάζω δέ σε τροχιάς ὁρθαῖς (1)  
 — 26. ὁρθὰς τροχιάς ποιεῖ σοὶς ποσὶ (1)  
 — 27. αὐτοὺς δὲ ὁρθὰς ποιήσει τὰς τρ. σου  
 5. 6. σφαλεραὶ δὲ αἱ τρ. αὐτῆς (1)  
 — 21. εἰς δὲ πάσας τὰς τρ. αὐτοῦ [A -οὺς]  
 σκοπεύει (1)  
 Ez. 27. 19. A καὶ τροχιάς ἔδωκεν [B αλ.] +  
 [Al. Pr. 2. 18.]  
 τροχιάιος.  
 IV Ma. 11. 10. A τὴν ὁσφὺν αὐ. ἐπὶ τὸν τρ. σφήνα  
 κατέκαμψαν [S R αλ.]  
 τροχίας (-είας), cf. τροχιά.  
 Ez. 27. 19. τροχίας [A add. ἔδωκεν] ἐν τῷ συμ-  
 μίκτῳ σου ἐστι +  
 τροχίξεν.  
 IV Ma. 5. 3. τοῦτους τροχισθέντας ἀναιρεθῆναι  
 τροχίσκος. (1) נָשָׂא  
 Ez. 16. 12. ἔδωκα . . . τροχίσκους ἐπὶ τὰ δά σου (1)  
 τροχός. (1) נָשָׂא (2) נָשָׂא (3) נָשָׂא  
 II Ki. 24. 22. καὶ οἱ τρ. καὶ τὰ σκεύη τῶν βοῶν  
 εἰς ἔξυλα (3)  
 III Ki. 7. 30. τέσσαρες τρ. χαλκοὶ τῇ μεχ. τῇ μεχ. (1)  
 — 32. A καὶ τέσσαρες τρ. (1)  
 — 32. καὶ χεῖρες ἐν τοῖς τρ. (1)  
 — 32. καὶ τὸ ὕψος τοῦ τρ. τοῦ ἐνός (1)  
 — 33. καὶ τὸ ἔργον τῶν τρ. ἔργον τροχῶν ἀρ-  
 ματος (1, 1)  
 Ps. 76 (77). 18. φωνὴ τῆς βροντῆς σου ἐν τῷ τρ. (2)  
 82 (83). 13. θοὺ αὐτοὺς ὡς τροχόν (2)  
 Pr. 20. 26. ἐπιβαλεῖ αὐτοῖς τροχόν (1)  
 Ec. 12. 6. καὶ συντροχάσῃ ὁ τρ. ἐπὶ τὸν λάκκον (2)  
 Si. 36 (33). 5. τροχὸς ἀμάξης σπλάγχνα μαρῶν  
 38. 29. συστρέφω ἐν ποσὶν αὐτοῦ τροχῶν [S<sup>2</sup>  
 πηλόν]  
 Na. 3. 2. φωνὴ σεισμοῦ τροχῶν (1)  
 Is. 5. 28. οἱ τρ. τῶν ἀρμάτων αὐτῶν ὡς καταγίς (2)  
 17. 13. ὡς κοινοῦν τροχὸν καταγίς φέροντα (2)  
 28. 27. οὐδὲ τρ. ἀμάξης περιάξει (1)  
 29. 5. A S B ὡς κοινοῦν ἀπὸ τροχοῦ [B τοίχ.] +  
 41. 15. ἐποίησά σε ὡς τροχὸς ἀμάξης (3)

Je. 29 (47). 3. ἀπὸ . . . ἤκου τροχῶν [S<sup>1</sup> -ού, Δ τῶν τρ.] αὐτοῦ (3)  
 Ez. 1. 15. τρ. εἰς ἐπὶ τῆς γῆς ἐχόμενος τῶν ζῴων (1)  
 — 16. τὸ εἶδος τῶν τρ. ὡς εἶδος θαρσεῖς (1)  
 — 16. καθὼς ἂν εἴη τρ. ἐν [Δ ἐπὶ] τροχῷ (1, 1)  
 — 19. ἐπορεύοντο οἱ τρ. ἐχόμενοι αὐτῶν (1)  
 — 19. ἐξήρποντο οἱ τρ. (1)  
 — 20. ἐπορεύοντο οἱ τρ. καὶ ἐξήρποντο σὺν αὐτοῖς διότι πνεῦμα ζωῆς ἐν τοῖς τρ. (1, 1)  
 — 21. πνεῦμα ζωῆς ἦν ἐν τοῖς τρ. (1)  
 8. 13. φωνὴ τῶν τρ. ἐχομένη αὐτῶν (1)  
 10. 2. εἰσέλθε εἰς τὸ μέσον τῶν τρ. (2)  
 — 6. λάβε πῦρ ἐκ μέσου τῶν τρ. (2)  
 — 6. ἴσθη ἐχόμενος τῶν τρ. (1)  
 — 9. τροχοὶ τέσσαρες εἰστέκισαν ἐχόμενοι τῶν χειρ. (1)  
 — 9. Δ τρ. εἰς ἐχόμενος τοῦ χ. τοῦ ἐνὸς καὶ τρ. εἰς ἐχόμενος τοῦ χερούβ καὶ ἡ ὄψις τῶν τρ. ὡς ὄψις λίθου ἀνθρώπου [B al.] (1 iter)  
 — 10. ὅταν ἦ τρ. ἐν μέσῳ τροχοῦ (1, 1)  
 — 12. οἱ τρ. πλήρεις ὀφθαλμῶν κυκλῶντες [A om.] τοῖς τέσσασι τροχοῖς (1, 1)  
 — 13. τοῖς δὲ τρ. τοῖσις [A -το] ἐπεκλήθη Γελγὴλ (1)  
 — 16. ἐπορεύοντο οἱ τρ. (1)  
 — 16. οὐκ ἐπέστρεψον οἱ τρ. αὐτῶν (1)  
 — 19. 11. 22. οἱ τρ. ἐχόμενοι αὐτῶν (1)  
 23. 24. ἄρματα καὶ τροχοὶ [A add. ἵπποι] μετ' ὅχλου λαόν (3)  
 26. 10. ἀπὸ τῆς φωνῆς . . . τῶν τρ. τῶν ἀρμάτων αὐτοῦ (2)  
 Da. LXX. 7. 9. τροχοὶ αὐ. πῦρ καίμενον (2)  
 Da. TH. 7. 9. οἱ τρ. αὐ. πῦρ φλέγον (2)  
 IV Ma. 5. 3. πρὸς ταῦτα τροχοῦς εὐτρέπιζε (1)  
 8. 13. ὡς δὲ τροχοῦς . . . προῖθκεσαν (1)  
 9. 12. ἀνέβαλον αὐτὸν ἐπὶ τὸν τρ. (1)  
 — 17. S B οὐχ οὕτως ἰσχυροὶ ὡς τινὲς ὁ τρ. [A al.] (1)  
 — 19. τὸν τρ. προσεπικατέτεινον [B al.] (1)  
 — 20. ἐμολύνειν δὲ πάντοθεν αἵματι ὁ τρ. (1)  
 10. 7. καὶ εἰσέως ἦγον ἐπὶ τὸν τρ. (1)  
 11. 10. ὅλος ἐπὶ τὸν τρ. [B περὶ τὸν τράχηλον] . . . ἀνακλῶμενος (1)  
 — 17. παρήγον ἐπὶ τὸν τρ. (1)  
 15. 22. τῶν υἱῶν βασανιζομένων τροχοῖς [Aq. Ps. 76 (77). 19. : Je. 47 (29). 3. : Ez. 1. 16, 19, 21 (Sw.). 10. 13.] (1)  
 [Sm. Ps. 76 (77). 19. : Is. 28. 28. : Je. 47 (29). 3. : Ez. 1. 16. : 10. 6, 16. : Am. 1. 3.] (1)  
 [Th. Ps. 76 (77). 19. : Is. 28. 28. : Ez. 1. 16, 19, 21 (Sw.). : 10. 6, 9 (Sw.). : Da. 7. 9.] (1)  
**τροβλίον.** (1) ἡβ (2) ἡβρ (3) ἡβρ  
 Ex. 25. 28 (29). ποῖσιν τὰ τρ. αὐ. (2)  
 38. 12 (37. 16). τὰ τε τρ. καὶ τὰς θύσας (2)  
 Nu. 4. 7. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν . . . τὰ τρ. (2)  
 7. 13, 19. προσήγγικε . . . τρ. ἀργυροῦν ἐν — 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79. τὸ ὄψον αὐ. τρ. ἀργυροῦν ἐν (2)  
 — 84. τρ. ἀργυρὰ δώδεκα (2)  
 — 85. τριάκοντα καὶ ἑκατὸν σέλιων τὸ τρ. τὸ ἐν (3)  
 III Ki. 7. 50. αἱ φυλαὶ καὶ τὰ τρ. (1)  
 Si. 84 (81). 14. μὴ συνθλίβου αὐτῶν ἐν τρυβλίῳ [B τῶν τρ.] (1)  
**τρυνῶν.** (1) ἡβ (2) ἡβρ (3) ἡβρ  
 (4) ἡβ pi. (5) ἡβ (6) α. ἡβρ  
 δ. ἡβρ  
 Le. 25. 11. οὐ τρυγῆσατε [A -αι] τὰ ἡγιασμένα αὐτῆς (2)  
 De. 24. 21. ἐὰν δὲ τρυγῆσῃ τὸν ἀμπελῶνα σου (2)  
 28. 30. καὶ οὐ μὴ τρυγῆσῃς αὐτόν (4)  
 Jd. 9. 27. ἐτρυγῆσαν τοὺς ἀμπελῶνας αὐ. (2)  
 I Ki. 8. 12. καὶ τρυγῶν τρυγητὸν αὐτοῦ (6 a)  
 IV Ki. 18. 21. Δ καὶ τρυγῆσαι [B τρήσει] αὐτὴν (1)  
 Jb. 15. 33. τρυγηθεὶ δὲ ὡς ὀμφαξ πρὸ ὄρας (5)  
 Ps. 79 (80). 12. καὶ τρυγῶσιν αὐτὴν πάντες οἱ παραπορευόμενοι τὴν ὁδὸν (1)  
 Ca. 5. 1. ἐτρυγῆσα σμίρναν [B σταφυλὴν] μου (1)  
 Si. 80. 25 (83. 16). ὡς τρυγῶν ἐπληρώσα λήρην (1)  
 Ho. 6. 12 (11). ἄρχου τρυγῶν σεσαυτῶ (6 b)  
 10. 12. τρυγῆσατε [A add. ἐαυτοῖς] εἰς καρπὸν ζωῆς (6 a)

Ho. 10. 13. ἴνα τί . . . τὰς ἀδικίας αὐ. ἐτρυγῆσατε (6 a)  
 Je. 6. 9. ὡς ὁ τρυγῶν ἐπὶ τὸν κάρταλλον αὐτοῦ (2)  
 82 (25). 30. ὥσπερ τρυγῶντες ἀποκριθῆσονται (3)  
 [Al. Dt. 24. 22 (30).]  
**τρυνήτης.** (1) α. ἡβ (2) ἡβρ  
 Si. 30. 25 (83. 16). ὡς καλαμώμενος ὅπως τρυγητῶν Ob. 1. 5. εἰ τρυγητὰ εἰσῆλθον πρὸς σέ (1 a)  
 Je. 29 (49). 9. τρυγητὰ ἦλθον (1 a)  
 81 (48). 32. ἐπὶ τρυγηταῖς [S<sup>1</sup> τρυπηταῖς] σου (1 b)  
 [Sm. Je. 49. 9 (29. 10).]  
**τρυγητός, τρυγητός.** (1) ἡβ (2) α. ἡβρ  
 δ. ἡβρ  
 Le. 26. 5. ΔB<sup>1</sup> καταλήγεται ἡμῖν ὁ ἄμπος [B<sup>2</sup>B ἀλποτός] τὸν τρ. (1)  
 — 5. ὁ τρ. καταλήγεται τὸν σπόρον (1)  
 Jd. 8. 2. ἡ οὐχὶ κρείττων ἐπιφυλλίς 'Εφρ. ἢ τρυγητός 'Αβ. (1)  
 I Ki. 8. 12. καὶ τρυγῶν τρυγητὸν αὐ. (2 a)  
 18. 21. B ἦν ὁ τρ. ἔτοιμος τοῦ θείξειν (2 a)  
 Si. 24. 27. ὡς Ἰθὼν ἐν ἡμέραις τρυγητοῦ (2 a)  
 Am. 4. 7. πρὸ τριῶν μηνῶν τοῦ τρ. (2 a)  
 9. 13. καταλήγεται ὁ ἄμπος τὸν τρ. (2 b)  
 Mi. 7. 1. καὶ ὡς ἐπιφυλλίδα ἐν τρυγητῷ (1)  
 Jl. 1. 11. ἀπόλωλε τρυγητός ἐξ ἀγροῦ (2 a)  
 8 (4). 13. B<sup>2</sup> παρέστηκεν τρυγητός [AB δὲ τρ.] (2 a)  
 Is. 16. 9. ἐπὶ τῷ τρ. σου καταστήσω (2 a)  
 24. 13. ἐὰν παύσῃται ὁ τρ. (1)  
 32. 10. ἀνῆλθαι ὁ τρ. (1)  
 [Sm. Is. 24. 13.] (1)  
**τρυγίς.** (1) ἡβ  
 Ps. 74 (75). 8. ὁ τρ. αὐτοῦ οὐκ ἐξεκινώθη (1)  
 [Sm. Ps. 74 (75). 9. : Je. 48 (81). 11.] (1)  
 [Th. Is. 25. 6 δέ.] (1)  
**τρυγών.** (1) ἡβ, ἡβ  
 Ge. 15. 9. λάβε μοι . . . τρυγῶνα (1)  
 Le. 1. 14. προσάσεις ἀπὸ τῶν τρ. (1)  
 5. 7. οἶσαι . . . δύο τρυγῶνας (1)  
 — 11. ἐὰν δὲ μὴ εὐρίσκῃ αὐ. ἡ χεὶρ ζεύγος τρυγῶν (1)  
 12. 6. προσάσεις . . . τρυγῶνα [A δύο τρυγῶνας] περὶ ἀμαρτίας (1)  
 — 8. λήψεται δύο τρυγῶνας (1)  
 14. 22. λήψεται . . . δύο τρυγῶνας (1)  
 — 30. ποιήσει μίαν τῶν τρ. (1)  
 15. 14. λήψεται ἑαυτῷ δύο τρυγῶνας (1)  
 — 29. λήψεται αὐτῇ δύο τρυγῶνας (1)  
 Nu. 6. 10. οἶσαι δύο τρυγῶνας (1)  
 Ps. 83 (84). 3. καὶ τρυγῶν νοσσιὰν ἑαυτῇ (1)  
 Ca. 1. 10. B καὶ ὠραιώθησαν σιγαλῆς σου ὡς τρυγῶνας [A B S -ες] (1)  
 2. 12. S<sup>2</sup> B φωνὴ τῆς [A B S<sup>1</sup> τοῦ] τρ. ἡκούσθη ἐν τῇ γῇ ἡμῶν (1)  
 Je. 8. 7. τρ. καὶ χελιδὼν ἀγροῦ (1)  
 [Aq., Sm. Je. 8. 7.] (1)  
**τρυμαλιά.** (1) ἡβ (2) ἡβρ (3) ἡβρ  
 (4) ἡβρ  
 Jd. 6. 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς . . . τὰς τρ. [A al.] (2)  
 15. 8. ἐκάθισεν ἐν τρυμαλίᾳ τῆς πέτρας 'H. [A al.] (4)  
 — 11. κατέβησαν . . . εἰς τρυμαλίαν πέτρας [A al.] (4)  
 Je. 18. 4. κατακρύψον αὐτὸν ἐκεῖ ἐν τῇ τρ. τῆς πέτρας (8)  
 16. 16. θηρεύουσιν αὐτοὺς . . . ἐκ τῶν τρ. τῶν πετρῶν (8)  
 29 (49). 16. ἱαμάτα καρδίας σου κατέλυσεν τρυμαλίᾳς πετρῶν (1)  
 [Sm. Is. 51. 1.] (1)  
**τρυξ.** (1) ἡβ (2) ἡβρ (3) ἡβρ  
 [Aq. Je. 48 (81). 11.] (1)  
**τρυπᾶν.** (1) ἡβ (2) ἡβ (3) ἡβ  
 Ex. 21. 6. τρυπήσει ὁ κύριος αὐ. τὸ οὖς (3)  
 De. 15. 17. τρυπήσει τὸ ὠτίον αὐ. (2)  
 Jb. 40. 21 (26). ψελὶφ δὲ τρυπήσει τὸ χεῖλος αὐτοῦ (1)  
 Hg. 1. 6. συνήγαγεν εἰς δεσμὸν τετρυπημένον (1)  
 [Sm. Je. 40. 19 (24).]

**τρυπανισμός.**  
 [Aq. Is. 54. 12.]  
**τρυπητής.** (?)  
 Je. 31 (48). 32. S<sup>1</sup> ἐπὶ τρυπηταῖς [A B S<sup>2</sup> τρυγ.] σου θλεθροὶ ἐπέπεσε (1)  
**τρυπᾶν.** (1) ἡβ hithp. (2) ἡβ hithp.  
 Ne. 9. 25. ἐτρυπῆσαν [A ἐνετρ.] ἐν ἀγαθωσύνῃ σου τη μεγ. (1)  
 Si. 14. 4. ἐν τοῖς ἀγαθοῖς αὐτοῦ τρυφήσουσιν [S<sup>2</sup> ἐντρ.] ἑτέροι (2)  
 Is. 66. 11. ἴνα ἐκθλάσωνται τρυφήσῃ (2)  
**τρυφερέεσθαι.**  
 Es. 5. 1. ἐπηρείδετο ὡς τρυφερευομένη  
**τρυφερία.**  
 [Aq. Ge. 18. 12 : I Ki. 15. 32.]  
**τρυφερός.** (1) ἡβ (2) α. ἡβ δ. ἡβ  
 c. ἡβ  
 De. 28. 54. ὁ ἀπαλὸς ὁ ἐν σοὶ καὶ ὁ τρ. (2 a)  
 — 56. ἡ ἀπαλὴ ἐν ὑμῖν καὶ ἡ τρ. (2 a)  
 Mi. 1. 16. κείραι ἐπὶ τὰ τέκνα τὰ τρ. σου (2 c)  
 Is. 47. 1. οὐκέτι προστεθήσῃ κληθῆναι ἀπαλὴ καὶ τρυφερά (2 a)  
 — 8. ἄκουε ταῦτα [A S add. ἡ] τρυφερά (1)  
 58. 13. καλέσεις τὰ σάββατα τρυφερά (2 b)  
 Je. 26 (48). 28. ἡ ἀπότητος καὶ τρ. παρεδόθη — (1)  
 27 (50). 2. ἡ τρ. παρεδόθη Μαιρωδάχ [A S Μεω.] (1)  
 Ba. 4. 26. οἱ τρ. μου ἐπορεύθησαν ὁδοῖς τραχείας (1)  
 Da. LXX. Su. 31. ἦν δὲ ἡ γυνὴ τρ. σφόδρα (1)  
 Da. TH. Su. 31. ἡ δὲ Σουσ. ἦν τρ. σφόδρα (1)  
 [Aq. Is. 51. 3 : Je. 6. 2.] (1)  
 [Sm., Th. Je. 6. 2.] (1)  
**τρυφερότης.** (1) ἡβ hithp. (2) ἡβ  
 De. 28. 56. B ἦς οὐκί πείραν ἔλαβεν ὁ ποὺς αὐ. . . διὰ τὴν τρ. [A B add. καὶ διὰ τὴν ἀπαλότητα] (1 + 2 [1])  
**τρυφερός.**  
 [Th. Pr. 15. 1.]  
**τρυφή.** (1) α. ἡβ δ. ἡβ (2) ἡβ  
 (3) ἡβ  
 Ge. 2. 15. B ἐν τῷ παραδείσῳ τῆς τρ. [A om. τῆς τρ.] (1 a)  
 3. 23. ἐκ τοῦ παραδείσου τῆς τρ. (1 a)  
 — 24. ἀπέναντι τοῦ παραδείσου τῆς τρ. (1 a)  
 49. 20. ὁῶσι τρυφήν [A τρυφήν] ἀρχουσι (1 b)  
 Ju. 12. 9. A προσήνεγκαν τὴν τρ. [B τρυφήν] αὐ. (1)  
 Ps. 35 (36). 8. τὸν χερμαρῶν τῆς τρ. σου ποτιεῖ αὐτοῦ (1 a)  
 138 (139). 11. νύξ φωτισμὸς ἐν τῇ τρ. μου (1 a)  
 Pr. 4. 9. στεφάνῳ δὲ τρυφῆς ὑπερασπίσθη σου (3)  
 19. 10. οὐ συμφέροι ἀφροῖν τρυφῆς (2)  
 Ec. 2. 8. B<sup>1</sup> S<sup>1</sup> ἐν τρυφῇ μετὰ υἱῶν ἀνθρώπων [A B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> B al.] (2)  
 Ca. 7. 6 (7). τί ἡδυνῆς ἀγάπῃ ἐν τρυφαῖς σου (2)  
 Wi. 19. 11. ἡγήσαντο ἐδέσματα τρυφῆς — 21. S<sup>1</sup> κρυσταλλοειδὲς γένος ἀμβροσίας τρ. [A B S<sup>2</sup> τρυφῆς] (2)  
 Si. 11. 27. κάκωσις ὥρας ἐπιλησμονῇ ποιεῖ τρυφῆς (1)  
 14. 16. οὐκ ἴσται ἐν ἔδῳ ζητῆσαι τρυφήν [A -ῆς] (2)  
 18. 32. μὴ εὐφραίνου ἐπὶ πολλῇ τρυφῇ (1)  
 37. 29. μὴ ἀπληροῦσιν ἐν πάσῃ τρυφῇ (1)  
 Mi. 2. 9. ἀπορριφῆσονται ἐκ τῶν οἰκῶν τρυφῆς αὐ. (2)  
 Jl. 2. 3. ὡς παράδεισος τρυφῆς [S<sup>1</sup> θύπης] ἡ γῇ πρὸ προσώπου αὐ. (1 a)  
 Je. 28 (51). 34. ἐπλησε τὴν κοιλίαν αὐτοῦ ἀπὸ τῆς τρ. μου (1 a)  
 La. 4. 5. B οἱ ἐσθόντες τὰς τρ. [A B τρυφ.] (1 b)  
 Ez. 28. 13. ἐν τῇ τρ. τοῦ παραδείσου τοῦ θ. (1 a)  
 31. 9. τὰ ξύλα τοῦ παραδείσου τῆς τρ. τοῦ θ. (1 a)  
 — 16. παρεκάλουν αὐτὸν . . . πάντα τὰ ξύλα τῆς τρ. (1 a)  
 — 18. καταβιάσθη μετὰ τῶν ξύλων τῆς τρ. (1 a)  
 34. 14. ἐκεῖ ἀναπαύσονται ἐν τρυφῇ ἀγαθῇ (1 a)



Εζ. 86. 35. ἐγενήθη ὡς κήπος τρυφῆς (1 α)  
 Da. LXX. 4. 28. τὴν τρ. σου παραλήγεται  
 — 29. τὸν οἶκον τῆς τρ. σου . . . ἔτερος ἔξει  
 [Aq. Ge. 49. 30: Dt. 28. 56: II Ki. 1. 24: Ec.  
 2. 8: CA. 7. 6 (7).]  
 [Sm. II Ki. 1. 24: Pr. 29. 17.]  
 [Th. Pr. 29. 17: Is. 61. 3: 58. 13: Ez. 31.  
 18.]  
 [Quint. Ho. 7. 14.]  
 τρύφημα.  
 Si. 34 (31). 3. ἐν τῇ ἀναπαύσει ἐμπίπταται τῶν τρ.  
 αὐτοῦ  
 τρυφήτης.  
 [Aq. Dt. 28. 54.]  
 [Sm. Am. 6. 7.]  
 τρύχεσθαι.  
 Wi. 11. 11. καὶ ἀπόντες δὲ καὶ παρόντες ὁμοίως  
 ἐτρώχοντο  
 14. 15. ἄωρον γὰρ πένθει τρυχόμενος πατήρ  
 τρώγλη. (1) הָרָה (2) א. רָה δ. רָה  
 (3) הָרָה (4) רָה (5) הָרָה  
 I Ki. 14. 11. ἐκπορεύονται ἐκ τῶν τρ. αὐ. (2 α)  
 I Ki. 12. 9 (10). ἐτρώχε τρώγλην ἐν τῇ τρ. αὐ. (2 α, 1)  
 Jb. 30. 6. οἱ οἴκοι αὐτῶν ἦσαν τρώγλαι [B<sup>2</sup> ὡς  
 τρ.] πετρώων [A τῶν π.] (2 α)  
 Is. 2. 19. εἰσενέγκαντες . . . εἰς τὰς τρ. τῆς γῆς (3)  
 — 21. τοῦ εἰσελθεῖν εἰς τὰς τρ. τῆς στερείας  
 πέτρας (5)  
 7. 19. ἐν ταῖς τρ. τῶν πετρώων (4)  
 11. 8. παῖδιν ὥπιον ἐπὶ τρώγλῶν [A B -λην]  
 ἀσπίδων (2 β)  
 τρώσις.  
 [Sm. Ps. 76 (77). II: CA. 7. I (2): Ez. 30. 11.]  
 τυγχάνειν. (1) נָחַץ  
 De. 19. 5. καὶ ἐκπεσὼν τὸ σιδήριον . . . τύχη  
 τοῦ πλησίον (1)  
 I Es. 8. 53. ἐτύχομεν εὐλόγῳ [A al.]  
 To. 5. 13. σὺ τυγχάνεις ἀδελφός μου [S ὦν]  
 6. 1. B ἐτυχεν αὐτοὺς νύξ μία  
 Es. 8. 13. πρὸς τὸ μὴ τὴν βασ. εὐσταθείας τυγχάνειν  
 6. 23. ἐτυχεν ἡς ἔχομεν . . . φιλανθρωπίας  
 Jb. 3. 21. οὐ τυγχάνουσιν ἀνορύσσοντες ὥσπερ  
 θησαυροὺς  
 7. 2. ἡ ὥσπερ θεράπων . . . τετευχὼς [A τετυ-  
 χηκὼς] σκιάς  
 17. 1. A B B<sup>2</sup> δέομαι δὲ ταφῆς καὶ οὐ τυγχάνω  
 Pr. 24. 58 (30. 23). μοσητὴ γυνὴ ἐὰν τύχη ἀνδρὸς  
 ἀγαθοῦ  
 Wi. 15. 19. ὡς ἐν ζῶων ὄψει καλὰ τυγχάνει  
 Da. LXX. Bel 30. καὶ μὴ δὲ ταφῆς τύχη  
 I Ma. 11. 42. ἐὰν εὐκαιρίας τύχῃ  
 II Ma. 8. 9. εἰ ταῖς ἀληθείαις ταῖτα οὕτως ἔχοντα  
 τυγχάνει  
 4. 6. ἀδύνατον εἶναι τυχεῖν εἰρήνης  
 — 32. ἔτερα ἐτύχανε πεπρακὼς  
 5. 8. πέρας οὐν κακῆς καταστροφῆς ἔτυχε  
 — 9. ὡς διὰ τὴν συγγενεῖαν τευόμενος σκέπης  
 6. 2. καθὼς ἐτύχωναν οἱ τὸν τύπον οἰκοῦντες  
 — 18. B καὶ τὴν πρόσφιν τοῦ προσώπου κάλλισ-  
 τος τυγχάνων [A om.]  
 — 22. ἵνα . . . τυχοῖ φιλανθρωπίας  
 9. 1. ἐτύχωναν ἄντ. ἀναλεκτικῶς ἀκόσμως  
 13. 7. μὴ δὲ τῆς γῆς τυγχάνοντα Μεγέλαον  
 14. 6. οὐκ ἔωσαν τὴν βασιλείαν εὐσταθείας τυχεῖν  
 — 10. ἀδύνατον εἰρήνης τυχεῖν τὰ πρίγματα  
 15. 7. ἀντιλήψεις τεύεσθαι παρὰ τοῦ κ.  
 III Ma. 2. 33. εὐέλπιδες τε καθελότηκεισαν ἀντιλή-  
 ψους τεύεσθαι  
 3. 7. οὐ τῷ τυχεῖν περιεψάντο φάβῃ  
 — 28. B τῆς ἐλευθερίας τεύεται [A al.]  
 5. 35. καὶ τῇσδε τῆς βοηθείας αὐ. τετευχότες  
 7. 10. τυχεῖν δὲ αὐτῶν τῆς δρεῖλομένης κολάσεως  
 [Quint. Ho. 7. 9.]  
 τυλοῦσθαι. (1) רָצַץ  
 De. 8. 4. οἱ πόδες σου οὐκ ἐτυλόθησαν (1)  
 τυμπανίζειν. (1) תִּבְּרִי  
 I Ki. 21. 13 (14). ἐτυμπάνιζεν ἐπὶ ταῖς θύραις  
 τῆς πύλως (17)

τυμπανίαστρια. (1) תִּבְּרִי  
 Ps. 67 (68). 25. ἐν μέσῳ μαινιδῶν τυμπανιστριῶν (1)  
 τύμπανον. (1) תִּבְּרִי  
 Ge. 31. 27. μετὰ μουσικῶν τυμπάνων καὶ κιθάρας (1)  
 Ex. 15. 20. λαβοῦσα δὲ M. . . τὸ τ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (1)  
 — 20. ἐξήλθοσαν . . . μετὰ τυμπάνων (1)  
 Jd. 11. 34. ἐξεπορεύετο . . . ἐν τυμπάνοις (1)  
 I Ki. 10. 5. καὶ ἐμπροσθεν αὐτῶν . . . τύμπανον  
 [A -α] (1)  
 18. 6. ἐξήλθον αἱ χορεύουσαι . . . ἐν τυμπάνοις (1)  
 II Ki. 6. 5: I Ch. 13. 8. παίζοντες . . . ἐν τυμ-  
 πάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις (1)  
 I Es. 5. 2. καὶ μετὰ μουσικῶν τυμπάνων καὶ αὐλῶν  
 Ju. 3. 7. ἐδέξαντο αὐτὸν . . . μετὰ στεφάνων . . . καὶ  
 τυμπάνων  
 18. 2. ἐξήρχετε τῷ θεῷ μου ἐν τυμπάνοις (1)  
 Ps. 80 (81). 2. δότε τύμπανον (1)  
 149. 3. ἐν τυμπάνῳ καὶ ψαλτηρίῳ (1)  
 150. 4. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν τυμπάνῳ καὶ χορῷ (1)  
 Is. 5. 12. μετὰ γὰρ κιθάρας καὶ ψαλτηρίου καὶ  
 τυμπάνων (1)  
 24. 8. πέπαιται εὐφροσύνη τυμπάνων (1)  
 30. 32. μετὰ τυμπάνων [A B αὐλῶν] καὶ κιθάρας (1)  
 Je. 88 (81). 4. ἔτι λήψη τύμπανόν σου (1)  
 I Ma. 9. 39. ἐξήλθε . . . μετὰ τυμπάνων  
 II Ma. 6. 19. ἐπὶ τῷ τ. προήγγε  
 — 28. ἐπὶ τῷ τ. εὐθὺς ἤλθε  
 [Aq. Ps. 80 (81). 3: Is. 5. 12 (Sw.): Je. 31  
 (38). 4.]  
 [Sm. Ps. 80 (81). 3: Je. 31 (38). 4: Ez. 28. 13.]  
 [Al. Is. 5. 12.]  
 τύπος. (1) דָּבָר (2) תִּבְּרִי  
 Ex. 28. 39 (40). κατὰ τὸν τ. τὸν δεδειγμένον σοι (2)  
 Am. 6. 26. ἀνέλθετε . . . τοὺς τ. αὐ. (1)  
 III Ma. 3. 30. ὁ μὲν τῆς ἐπιστολῆς τ. οὕτως ἐγγράφητο  
 IV Ma. 6. 19. γενομένη τοῖς νέοις ἀσεβείας τύπος  
 [Al. Ge. 47. 26: Ex. 12. 43.]  
 τυπούν.  
 Wi. 13. 13. B<sup>2</sup> R ἐμπερίᾳ συνέσεως [A B S<sup>1</sup> ἀνέσ.]  
 ἐτύπωσεν αὐτό  
 Si. 38. 30. ἐν βραχίονι αὐτοῦ τυπώσει πηλόν  
 τύπτειν. (1) רָצַץ hi. (2) תִּבְּרִי hi. (3) תִּבְּרִי  
 (4) תִּבְּרִי hi.  
 Ex. 2. 11. ὁρᾷ ἀνθρώπων Αἰγ. τύπτοντά τινα Ἑβρ. (4)  
 — 13. διὰ τί σὺ τύπτεις τὸν πλησίον (4)  
 7. 17. τύπτω τῇ ῥάβδῳ τῇ ἐν τῇ χειρὶ μου (4)  
 8. 2 (7. 27). τύπτω πάντα τὰ δριμύ σου τοῖς  
 βατράχοις (8)  
 21. 15. δε τύπτει πατέρα αὐ. (4)  
 Nu. 22. 27. ἐτυπτε τὴν ὄνον τῇ ῥάβδῳ (4)  
 De. 25. 11. ἐκ χειρὸς τοῦ τύπτοντος αὐτὸν (4)  
 27. 24. ἐπικατάρατος ὁ τύππων τὸν πλησίον (4)  
 Jd. 20. 31. A ῥέζαντο τύπτεν ἐκ τοῦ λαοῦ [B al.] (4)  
 — 39. A ῥέζαντο τοῦ τύπτεν τραυματίας [B al.] (4)  
 I Ki. 1. 8. ἵνα τί τύπτει σε ἡ καρδία [A τύπτει  
 ἐν καρδίᾳ] σου (4)  
 11. 11. ἐτυπτον [A ἐπληξε] τοὺς υἱοὺς Ἀ. (4)  
 17. 36. τὴν ἄρκον ἐτυπτεν ὁ δούλος σου (4)  
 27. 9. ἐτυπτε τὴν γῆν (4)  
 31. 2. τύπτονσιν ἀλλόφυλοι τὸν Ἰων. (4)  
 II Ki. 1. 1. Δ. ἀνέστρεψε τύππων τὸν Ἀμ. (4)  
 2. 23. τύπτει αὐτὸν Ἀβ. (4)  
 4. 7. καὶ τύπτονσιν αὐτὸν (4)  
 5. 8. πᾶς τύπων Ἰεβουσαίων (4)  
 24. 17. B ἐν τῷ ἰδεῖν αὐτὸν τὸν ἀγγελὸν τύ-  
 ποντα [A B τὸν τ.] ἐν τῷ λαφ. (4)  
 III Ki. 18. 4. ἐν τῷ τύπτεν τὴν Ἰ. τοὺς προφή-  
 τας κυρίου (2)  
 IV Ki. 3. 24. εἰσῆλθον . . . τύπτοντες τὴν M. (4)  
 6. 22. δε ρηματώσεως . . . σὺ τύπτεις (4)  
 14. 10. τύπων ἐπάταξεν τὴν Ἰδ. (4)  
 I Ch. 11. 6. πᾶς τύπων Ἰεβουσαίων ἐν πρώτοις (4)  
 II Ch. 28. 23. ἐκλήψων τοὺς θεοὺς Δαρ. τοὺς  
 τύπτοντάς με (4)  
 I Es. 4. 8. εἶπε πατάξαι τύπτονσιν (4)  
 Pr. 10. 13. ῥάβδῳ τύπτει ἄνδρα ἀκάρδιον (4)  
 23. 35. τύπτονται καὶ οὐκ ἐπόμεσα (4)  
 25. 4. τύπτει [A κρύπτει] ἀδόκιμον ἀργύριον (4)  
 28. 22. οἱ τοὶ δὲ τύπτονσιν εἰς ταμεία σπλάγ-  
 χων [B<sup>2</sup> κοιλίας] (4)  
 Is. 41. 7. χαλκεὺς τύπων σφύρη (1)  
 58. 4. τύπτετε πνεύματι ταπεινόν (4)

Εζ. 7. 9. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ τύπων (4)  
 Da. LXX. 11. 20. ἀνὴρ τύπων δόξαν βασιλείας (4)  
 Da. Th. 5. 19. οὐκ ἠβούλετο αὐτὸς ἐτυπτε (4)  
 I Ma. 9. 66. ἐξήρξατο τύπτεν . . . ἐν ταῖς δυνάμει  
 II Ma. 8. 39. τοὺς παρανομῶν. ἐπὶ κίωσει τυπτῶν  
 ἀπολλυεῖ  
 IV Ma. 6. 8. εἰς τοὺς κενεῶνας ἐναλλόμενος ἐτυπτεν  
 — 10. καθάπερ γενναῖος ἀθλητῆς τυπτόμενος  
 9. 12. ὡς δὲ τύπτοντες ταῖς μαστίγι ἐκοπίασαν  
 [Sm. II Ki. 5. 8: Is. 68. 3: Je. 37 (44). 15:  
 Mi. 5. 1 (4. 14).]  
 [Th. Is. 68. 2, 3.]  
 [Al. Le. 24. 18.]  
 τυραννείν. (1) לָחַץ  
 Pr. 28. 15. δε τυραννεί πτωχὸς ὡν ἔθρους πενι-  
 χροῦ (1)  
 Wi. 10. 14. ἐξουσίαν τυραννοῦντων αὐτοῦ [B<sup>2</sup> -όν]  
 16. 4. εἰδὲ γὰρ ἐκείνους μὲν ἀπαραίτητον ἐνδεῖαν ἐπέλ-  
 θεῖν τυραννοῦντας  
 IV Ma. 5. 38. ἀσεβῶν μὲν γὰρ τυραννήσεις  
 τυραννία.  
 I Ma. 1. 4. A καὶ ἤρξε . . . τυραννῶν [S B τυράν-  
 νων]  
 τυραννικός.  
 III Ma. 3. 8. τυραννική γὰρ ἦν ἡ διάθεσις  
 IV Ma. 5. 27. A τυραννικὸν δὲ οὐ μόνον ἀναγκάζει  
 ἡμᾶς παρανομεῖν [S B al.]  
 τυραννίς. (1) תִּבְּרִי  
 Es. 1. 18. σήμερον αἱ τ. αἰλοπαῖ τῶν ἀρχόντων  
 Περσῶν (1)  
 Wi. 14. 21. ἡ συμφορὰ ἡ τυραννίδι δουλεύσαντες  
 Si. 47. 21. γενέσθαι δίχα τυραννίδα [B<sup>2</sup> -δος]  
 IV Ma. 1. 11. τοῦ καταλυθῆναι τὴν κατὰ τοῦ ἔθνους τ.  
 8. 15. τὴν τ. αὐ. κατέλυσαν  
 9. 30. τὸν [S<sup>1</sup> om.] τῆς τ. ὑπερήφανον λογιζόμεν  
 11. 24. κατελύσαμεν σου τὴν τ.  
 τυράννος. (1) תִּבְּרִי תִּבְּרִי (2) תִּבְּרִי  
 (3) תִּבְּרִי (4) תִּבְּרִי (5) תִּבְּרִי  
 Es. 9. 3. οἱ τ. . . ἐτίμων τοὺς Ἰουδ. (1)  
 Jb. 2. 11. Βαλδὰδ ὁ Σαυαίων τυράννος  
 42. 18. Βαλδὰδ ὁ Σαυαίων τυράννος [A al.]  
 Pr. 8. 16. τυράννοι δι' ἐμοῦ κρατοῦσι γῆς (4)  
 Wi. 6. 9. πρὸς ὑμᾶς οὐν, ὡ τυράννοι, οἱ λόγοι μου  
 — 21. τυράννοι λαῶν, τιμῆσατε σοφίαν  
 8. 15. φοβηθήσονται με ἀκούσαντες τυράννοι φρικτοὶ  
 12. 14. οὔτε βασιλεὺς ἡ τύραννος ἀποσφραλισσά  
 δυναστεῖα σοι  
 14. 16. τυράννων ἐπιτογαῖς ἐθροσκέυετο τὰ γλυπτὰ  
 Si. 11. 5. πολλοὶ τυράννοι ἐκάθισαν ἐπὶ ἐδάφους  
 Hb. 1. 10. καὶ τυράννοι παίγνια αὐ. (5)  
 Da. LXX. 3. 3. τότε συνήχθησαν . . . τ. μεγάλοι (2)  
 Da. Th. 3. 2. ἀπέστησε συναγαγεῖν . . . τυράν-  
 νους (2)  
 — 3. συνήχθησαν . . . τ. μεγάλοι (2)  
 4. 33. οἱ τ. μου . . . ἐξήγουν με (3)  
 I Ma. 1. 4. S B καὶ ἤρξε . . . τυράννων [A -ίων]  
 II Ma. 4. 25. θυμοὺς δὲ ὡμοῦ τ. . . ἔχων (4)  
 5. 8. ἐγκλεισθεὶς πρὸς Ἀρείταν τὸν τῶν Ἀράβων τ.  
 7. 27. χλευάσασα τὸν ὡμόν τ.  
 III Ma. 6. 24. τυράννοις ὑπερβεβηκότες ὁμότητι  
 IV Ma. 1. 11. νικῆσαντες τὸν τ. τῇ ὑπομονῇ  
 5. 1. προκαθίσας . . . ὁ τ. Ἀντ. ἐπὶ τινος ὑψηλοῦ  
 τόπου  
 — 4. καὶ πολλοὶ τῶν περὶ τὸν τ. . . γνώριμος  
 — 14. ἐπὶ τὴν ἔκθεμον σαρκοφάγιαν ἐστροφύνοντες  
 τοῦ τ.  
 6. 1. ἀντιρρηγοῦνσαντα ταῖς τοῦ τ. παρηγορίας  
 — 21. καὶ ἐπὶ μὲν τοῦ τ. καταφρονηθῶμεν  
 — 23. οἱ δὲ τοῦ τ. δορυφόροι  
 7. 2. κατακίεζόμενος ταῖς τοῦ [S om. τ. τ.] τ.  
 ἀπειλαῖς  
 8. 1. ἐπειδὴ γὰρ . . . ἐνικήθῃ περιφανὴς ὁ τ.  
 — 3. ταῦτα διαταξαμένον τοῦ τ.  
 — 4. οὐς ἰδὼν ὁ τ.  
 — 13. ὑπολάβων δὲ ὁ τύραννος ἔφη  
 — 15. ἀντεφίλοσφόθησαν τῷ τ.  
 — 29. ἀμα τῷ παύσασθαι τὸν τ.  
 9. 1. τὴν μέλλειν, ὡ τυράννε  
 — 1. B<sup>1</sup> ἐτοίμαι γὰρ ἐσμεν, ὡ τυράννε [A S<sup>2</sup> B om.  
 ὡ τ.]  
 — 3. σύμβουλε τυράννε παρανομίας

|   |   |   |
|---|---|---|
| IV Ma. 9. 7. πείραζε γὰρ οὖν, τύραννε<br>— 10. οὐ μόνον . . . ἐχθαίρειναι δ τ.<br>— 15. τύραννε μαρῶντατε<br>— 24. τιμωρήσεις τὸν ἀλάστορα τ.<br>— 29. ἔφη τε πρὸς τὸν τ.<br>— 30. πάντων ὁμώτατε τύραννε<br>— 32. μαρῶντατε τύραννε<br>10. 10. ὁ μαρῶντατε τύραννε<br>— 15. μὰ . . . τὸν αἰῶνα τοῦ τ. διεθρον<br>— 16. ἐπινόει, τύραννε, βασάνους<br>11. 2. οὐ μάλλιν, τύραννε, . . . παραιτίσθαι<br>— 12. ἄ ελεγεν . . . ὁ τ. [B αλ.]<br>— 13. πυνθανομένου τοῦ τ.<br>— 21. Ἄ Β ἀνίκατος γὰρ ἐστίν, ὁ [B om.] τύραννε,<br>— 27. οὐ γὰρ τυράννου . . . προσεστήκασιν ἡμῶν οἱ<br>— 27. οὐ γὰρ τυράννου . . . προσεστήκασιν ἡμῶν οἱ<br>12. 2. δὲ κατοικτείρησας ὁ τ.<br>— 11. Ἄ Β πάντων τῶν πονηρῶν ἀσυνέστατε τ.<br>[B om.]<br>15. 1. ὁ λογισμὸς τέκνων παθῶν τύραννε<br>— 2. κατὰ τὴν τοῦ τ. ὑπόσχεσιν<br>16. 14. διὰ κρητρίαν καὶ τύραννον ἐνίκησας<br>17. 2. καταλύσασα τὴν τοῦ τ. βίαν<br>— 9. διὰ τυράννου βίαν [B' διὰ τύραννον]<br>— 14. ὁ τ. ἀντηγωνίζετο<br>— 17. αὐτὸς γὰρ τοῦ τ. καὶ ὅλον τὸ συνέδριον αὐ.<br>— 21. καὶ τὸν τ. τιμωρήθησαν<br>— 23. πρὸς γὰρ τὴν ἀνδρείαν . . . ὁ τ. ἀφιδῶν<br>18. 5. ὁ τ. Ἄντ. καὶ ἐπὶ γῆς τιτιμώρηται<br>— 20. ὅτε ὁ πικρὸς Ἑλλήνων τ. πῦρ φλέξας [B'<br>— 22. B μετελεύσεται τὸν ἀλάστορα τ. [A B om.]<br>[Aq. Ez. 23. 23.]<br>[Th. Da. 3. 2.] | τυρός. (1) תִּירָס<br>Jb. 10. 10. ἐτύρωσας [A ἐπῆξας] δέ με ἴσα τυρῶ (1)<br>[Al. i Ki. 17. 18.]<br>τυροῦν. (1) תִּירָס (2) שִׁרָס (3) נִרָס hi.<br>Jb. 10. 10. ἐτύρωσας [A ἐπῆξας] δέ με ἴσα τυρῶ (8)<br>Ps. 67 (68). 15. ὅρος τετυρωμένων ὅρος πῖον (1)<br>— 16. ἵνα τί ὑπολαμβάνετε ὅρη τετυρωμένα (1)<br>118 (119). 70. ἐτυρώθη ὡς γάλα ἡ καρτεία αὐτῶν (2)<br>La. 4. 7. Ἄ ἐτυρώθησαν [B ἐπυρ.] ὑπὲρ λίθους<br>σαπφείρου τὸ ἀπόσπασμα αὐτῶν<br>τύρσις.<br>[Sm. Ez. 4. 2: 21. 22 (27).]<br>τυρῶθ.<br>[Th. Ez. 46. 23.]<br>τυφλός. (1) α. תִּירָס δ. תִּירָס<br>Ex. 4. 11. τίς ἐποίησε . . . βλέποντα καὶ τυφλόν (1 a)<br>Le. 19. 14. ἀπέναντι τυφλοῦ οὐ προσήσθεις<br>σκάνδαλον (1 a)<br>21. 18. ἀνθρώπος τ. ἡ χλωδός (1 a)<br>22. 2. Ἄ Β τυφλὸν ἡ συντετριμμένον . . . οὐ<br>προσάξουσιν (1 b)<br>De. 15. 21. χλωδὸν ἡ τυφλὸν . . . οὐ θύσεις αὐτό (1 a)<br>27. 18. ἐπικατάρατος ὁ πλανῶν τυφλὸν ἐν<br>ὁδῷ (1 a)<br>28. 29. ὡς εἰ τις ψηλαφήσῃ τυφλὸς [A ὁ τ.] (1 a)<br>II Ki. 5. 6. ἀντίστησαν οἱ τ. (1 a)<br>— 8. ἀπείσθω . . . τοὺς τ. (1 a)<br>— 9 (8). τυφλοὶ . . . οὐκ εἰσελεύσονται εἰς<br>οἶκον κ. (1 a)<br>Jb. 29. 15. ὀφθαλμοὶ ἤμην τυφλῶν (1 a)<br>Ps. 145 (146). 8. κύριος σοφοὶ τυφλοῦς (1 a) | Ze. 1. 17. πορεύσονται ὡς τυφλοὶ (1 a)<br>Ma. 1. 8. ἐὰν προσαγγίγητε τυφλὸν εἰς θυσίαν (1 a)<br>Is. 29. 18. ὀφθαλμοὶ τυφλῶν θύονται (1 a)<br>85. 5. ἀνοιχθήσονται ὀφθαλμοὶ τυφλῶν (1 a)<br>42. 7. αἰοῖται ὀφθαλμοὶ τυφλῶν (1 a)<br>— 16. ἄψω τυφλοὺς ἐν ὁδῷ (1 a)<br>— 18. οἱ τ., ἀναβλέψατε ἰδεῖν (1 a)<br>— 19. τίς τ. ἀλλ' ἢ οἱ παῖδες μου (1 a)<br>43. 8. ἐξήγαγον λαὸν τυφλὸν καὶ ὀφθαλμοὶ<br>εἰσιν ὡσαύτως τυφλοὶ (1 a, -)<br>59. 10. ψηλαφήσουσιν ὡς τυφλοὶ [B' -ὄς]<br>τοίχων (1 a)<br>61. 1. κηρύξαι . . . τυφλοῖς ἀνάβλεψιν<br>Ep. Je. 37. ἀνθρώπων τυφλὸν εἰς θρασὺν οὐ μὴ περι-<br>στήσωσιν [A παραστ.]<br>[Aq. Is. 56. 10.]<br>[Sm. II Ki. 5. 6: Is. 42. 19 bis: 56. 10: La.<br>4. 14.]<br>[Th. Is. 42. 19: 56. 10.]<br>τυφλοῦν. (1) תִּירָס<br>To. 7. 7. B ἐτυφλώθη ἀνὴρ δίκαιος [A B αλ.]<br>Wi. 2. 21. B ἐτυφλώσιν [A B ἀπετυφλώσιν] γὰρ<br>αὐτοὺς ἡ κακία αὐτῶν<br>Is. 42. 19. ἐτυφλώθησαν οἱ δοῦλοι τοῦ θεοῦ (1)<br>τύφος.<br>III Ma. 8. 18. τύφοις φερόμενοι παλαισιτέροις<br>τυφῶν.<br>[Al. Ps. 148. 8.]<br>τύχη. (1) תִּירָס (2) תִּירָס<br>Ge. 30. 11. καὶ εἶπε Λεία, Ἐν τύχῃ (1)<br>Is. 65. 11. πληροῦντες τῇ τ. κέραςμα (2)<br>II Ma. 7. 37. σῶμα καὶ τύχην προδίδωμι |
|---|---|---|

Υ

|  |  |   |
|--|--|---|
| δαίνα. (1) דָּאִינָא<br>Si. 13. 18. τίς εἰρήνην ὑαίην πρὸς κύνα<br>Je. 12. 9. μὴ σπῆλαιον ὑαίην [A ληστῶν] ἡ<br>κληρονομία μου ἐμοί<br>[Aq. i Ki. 18. 18.]<br>δακύνθινος. (1) דָּאִינָא (2) דָּאִינָא<br>Ex. 25. 5. καὶ δέρματα ὑ. καὶ ξύλα ἄσπετα (1)<br>26. 4. ποιήσεις αἰτὰς ἀγκύλας ὑ. (2)<br>— 14. καὶ ἐπικάλυμμα δέρματα ὑ. ἐπάνωθεν (1)<br>28. 27 (31). ποιήσεις ὑποπόδιον ποδῶν ὅλον ὑ. (2)<br>35. 7. οἰσούσι . . . δέρματα ὑ. (1)<br>— 23. παρ' ὧ ἐνέριθ . . . δέρματα ὑ. (1)<br>36. 30 (39. 22). ἔργον ὑφαντὸν ὅλον ὑ. (2)<br>— 40 (39. 31). ἐπίθηκαν ἐπὶ τὸ λῶμα ὑ. (1)<br>39. 21 (34). καὶ τὰ καλύμματα δέρματα ὑ. (2)<br>Nu. 4. 6. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ κατακάλυμμα<br>δέρμα ὑ. (1)<br>— 6. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν ἱμάτιον ὅλον ὑ.<br>ἀνωθεν (2)<br>— 8. καλύψουσιν αὐτὴν καλύμματι δερμα-<br>τίνῳ ὑ. (1)<br>— 9. λήψονται ἱμάτιον ὑ. (2)<br>— 10. ἐμβαλοῦσιν αὐτὴν . . . εἰς κάλυμμα δερ-<br>ματίνον ὑ. (1)<br>— 11. ἐπικάλυψουσιν ἱμάτιον ὑ. (2)<br>— 11. καλύψουσιν αὐτὸ καλύμματι δερματίνῳ ὑ. (1)<br>— 12. καὶ ἐμβαλοῦσιν εἰς ἱμάτιον ὑ. (2)<br>— 12. καλύψουσιν αὐτὰ καλύμματι δερματίνῳ ὑ. (1)<br>— 14. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὸ κάλυμμα δερμα-<br>τίνον ὑ. (1)<br>— 14. ἐμβαλοῦσιν αὐτὸ εἰς κάλυμμα δερμα-<br>τίνον ὑ. (1?)<br>— 25. ἄρει . . . τὸ κατακάλυμμα τὸ ὑ. (1)<br>15. 38. καὶ ἐπιθήσετε . . . κλῶσιν ὑ. (1)<br>Es. 8. 15. B' ἐστολισμένους τὴν βασιλικὴν στο-<br>λὴν ὑακινθίνην [A B B' om.] (2) | Si. 8. 30. οἱ θεσμοὶ αὐτῆς κλῶσιν ὑακινθίνον<br>40. 4. Ἄ B ἀπὸ φοροῦντος ὑακινθίνον [B -θον] καὶ<br>στήφανον<br>Is. 8. 23. ἀφείλει . . . τὰ ὑ. καὶ κόκκινον<br>Ez. 23. 6. ἐπὶ τοῦς Ἀσσυρίους . . . ἐνεδουκότας<br>ὑακινθίνα (2)<br>[Th. Ex. 28. 28: Ez. 16. 10.]<br>ὑάκινθος. (1) דָּאִינָא (2) דָּאִינָא<br>Ex. 25. 4. καὶ ὑάκινθον καὶ πορφύραν (2)<br>26. 1. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης καὶ ὑακινθίνου<br>— 31. ποιήσεις καταπέτασμα ἐξ ὑακινθίνου<br>— 36. ποιήσεις ἐπίσπαστρον ἐξ ὑακινθίνου<br>27. 16. ἐξ ὑακινθίνου καὶ πορφύρας (2)<br>28. 5. λήψονται . . . τὸν [A τὴν] ὑ. (2)<br>— 8. ἔσται ἐκ χρυσοῦ καὶ ὑακινθίνου (2)<br>— 15. ἐκ χρυσοῦ καὶ ὑακινθίνου (2)<br>— 29 (33). ἐξ ὑακινθίνου καὶ πορφύρας (2)<br>— 33 (37). ἐπιθήσεις αὐτὸ ἐπὶ ὑακινθίνου κε-<br>κλωσμένης (2)<br>31. 4. ἐργάζεσθαι . . . τὴν ὑ. (2)<br>35. 6. οἰσούσι . . . ὑακινθίνον (2)<br>— 23. Ἄ ὑάκινθον καὶ πορφύρα καὶ κόκκινον<br>— 25. ἤνεγκαν . . . τὴν ὑ. (2)<br>36. 9 (39. 2). ἐκ χρυσοῦ καὶ ὑακινθίνου<br>— 10 (39. 3). ὥστε συννηθῆναι σὺν τῇ ὑ. (2)<br>— 12 (39. 5), 15 (39. 8). ἐκ χρυσοῦ καὶ<br>ὑακινθίνου (2)<br>— 29 (39. 21). συνεχρομένους ἐκ τῆς ὑ. (2)<br>— 32 (39. 24). ἐξ ὑακινθίνου καὶ πορφύρας (2)<br>— 37 (39. 29). ἐκ βύσσου καὶ ὑακινθίνου καὶ<br>πορφύρας (2)<br>37. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 16 (38. 18). ἐξ ὑακιν-<br>θίνου καὶ πορφύρας (2)<br>39. 13 (1). καὶ τὴν καταλειφθήσαν ὑ. (2)<br>II Ch. 2. 7 (6). Ἄ B καὶ ἐν τῇ ὑ. (2)<br>— 14 (13). εἰδὸτα . . . ὑφαίνειν . . . ἐν τῇ ὑ. (2) | II Ch. 8. 14. ἐποίησε τὸ καταπέτασμα ὑακινθίνον<br>[A ἐξ ὑ.] (2)<br>Si. 40. 4. ἀπὸ φοροῦντος ὑάκινθον [A B -θινον] καὶ<br>στήφανον<br>— 45. 10. στολῇ [B στήλῃ] ἀγία χρυσῇ καὶ ὑακινθῇ<br>Is. 3. 23. σὺν χρυσῇ καὶ ὑακινθῇ συγκαθνήφασμένα †<br>Je. 10. 9. ὑακινθὸν καὶ πορφύραν ἐνδύσουσιν αὐτὰ (2)<br>Ez. 16. 10. ὑπεδυσά [A B -δυσά] σε ὑάκινθον (1)<br>27. 7. τοῦ . . . περιβαλεῖν σε ὑάκινθον (2)<br>— 24. ἔμποροι σου φέροντες ἔμποριαν ὑακινθίνον (2)<br>I Ma. 4. 23. καὶ ἔλαβον . . . ὑάκινθον<br>[Aq. Ez. 35. 23, 35: 38. 23 (37. 21): Je. 10.<br>9: Ez. 27. 24.]<br>[Sm. Ex. 28. 20: 35. 23, 35: 39. 1 (13): Cl.<br>5. 14: Ez. 1. 16: 10. 9: 27. 24 (P.).]<br>[Th. Ex. 35. 23, 35: 38. 23 (37. 21): 39. 1<br>(13): Je. 10. 9: Ez. 27. 24 (P.).]<br>ὑαλος. (1) תִּירָס<br>Jb. 28. 17. οὐκ ἰσθώρηται αὐτῇ χρυσίον καὶ<br>ὑαλος (1)<br>[Th. Jb. 28. 17.]<br>ὑβρίζειν. (1) α. תִּירָס δ. תִּירָס (2) תִּירָס<br>(3) תִּירָס hi.<br>II Ki. 19. 43 (44). ἵνα τί τοῦτο ὑβρίσας με (8)<br>Is. 13. 3. ἐρχονται . . . χαίροντες ὅμα καὶ ὑβρί-<br>ζοντες (1 b)<br>23. 12. οὐκ εἶπε μὴ προστεθῇ τοῦ ὑ. (2)<br>Je. 31 (48). 29. ὑβρίσας λίαν ὑβρίων αὐτοῦ (1 a)<br>II Ma. 14. 42. καὶ τῆς ἰδίας εὐγενείας ἀναξίως ὑβρί-<br>σθηται<br>III Ma. 6. 9. ὑπὸ δὲ ἐβδελυγμένον ἀνόμων ἐθνῶν<br>ὑβρίζομενοι<br>[Aq. Ez. 22. 7.]<br>[Al. i Ki. 17. 10.]<br>[Quint. Na. 1. 14.] |
|--|--|---|



|   |   |   |
|---|---|---|
| <p><b>ὑβρις.</b> (1) α. <math>\text{ὑβρις}</math> δ. <math>\text{ὑβρις}</math> c. <math>\text{ὑβρις}</math> d. <math>\text{ὑβρις}</math><br/> c. <math>\text{ὑβρις}</math> (2) <math>\text{ὑβρις}</math> (3) <math>\text{ὑβρις}</math> (4) <math>\text{ὑβρις}</math><br/> (5) <math>\text{ὑβρις}</math> (6) <math>\text{ὑβρις}</math></p> <p>Le. 26. 19. συντριψὼ τὴν ὑ. τῆς υπερφανίας ὑμῶν (1 c)<br/> Es. 4. 17. οὐκ ἐν ὑβρις . . . ἐποίησα τοῦτο<br/> Jb. 15. 26. ἔδραμε δι' ἐναντίον αὐτοῦ ὑβρις +<br/> — 27. Α αἶνος δι' αὐτοῦ ὑβρις —<br/> 22. 12. τοὺς δὲ ὑβρις φερόμενους ἐταπείνωσε<br/> 35. 12. οὐ μὴ εἰσακούσῃ καὶ [A. om.] ἀπὸ ὑβρις πονηρῶν (1 c)<br/> 37. 4. βροντῆσαι ἐν φωνῇ ὑβρις αὐτοῦ (1 c)<br/> Pr. 1. 22. οἱ δὲ ἀφρονεῖς τῆς ὑ. ὄντες ἐπιθυμηταί (4)<br/> 8. 13. ὑβρις τε καὶ ἀπερηφανίαν καὶ ὁδοὺς πονηρῶν [B<sup>1</sup> al.] (1 a)<br/> 11. 2. οὐ ἐὰν εἰσέλθῃ ὑβρις ἐκεῖ καὶ ἀτιμία (3)<br/> 13. 10. κακὸς μεθ' ὑβρις πράσσει κακὰ (3)<br/> 14. 3. ἐκ στόματος ἀφρόνων βακτηρία ὑβρις (1 b)<br/> — 10. οὐκ ἐπιμύγνεται ὑβρις [A. ὑβρις] +<br/> 16. 18. πρὸς συντριβὴς ἡγεῖται ὑβρις (1 c)<br/> — 19. Α δὲ διαιρείται σκύλα μετὰ ὑβρις [B<sup>1</sup> ὑβριστῶν] (1 c)<br/> 19. 10. ἐὰν οἰκίτης ἀρῇται μεθ' ὑβρις δυναστεύειν +<br/> — 18. εἰς δὲ ὑβρις μὴ ἐπαίρου τῇ ψυχῇ σου +<br/> 21. 4. μεγαλόφρων ἐφ' ὑβρις θρασυκαρδίας<br/> 29. 23. ὑβρις ἀνδρα ταπεινοί (1 b)<br/> Wi. 2. 19. ὑβρις καὶ βασάνῳ ἐτάσσωμεν αὐτὸν<br/> 4. 18. ἐσονται . . . εἰς ὑβρις ἐν νεκροῖς<br/> Si. 10. 6. μὴ πράσσει μὴδὲν ἐν ἔργοις ὑβρις<br/> — 8. βασιλεία ἀπὸ ζήτους εἰς ἔθνος μετέγεται διὰ . . . ὑβρις<br/> 21. 4. καταπληγμός καὶ ὑβρις ἐρημάσους πλοῦτον<br/> Ho. 5. 5. ταπεινωθήσεται ἡ ὑ. τοῦ Ἰσρ. (1 c)<br/> 7. 10. ταπεινωθήσεται ἡ ὑ. Ἰσρ. (1 c)<br/> Am. 6. 8. βδελύσσομαι ἐγὼ πᾶσαν τὴν ὑ. Ἰ. (1 c)<br/> Mi. 6. 10. καὶ μετὰ ὑβρις ἀδικία +<br/> Na. 2. 2 (3). ἀπέστρεψε κύριος τὴν ὑ. Ἰ. καθὼς ὑβρις τὸν Ἰσρ. (1 c, 1 c)<br/> Ze. 2. 10. αὐτὴ αὐτοῖς ἀντὶ τῆς ὑ. αὐ. (1 c)<br/> 3. 11. περιελὼ ἀπὸ σοῦ τὰ φαυλίσματα τῆς ὑ. σου (1 b)<br/> Za. 9. 6. καθελὼ ὑβρις ἀλλοφύλων<br/> 10. 11. ἀφαιρεθήσεται πᾶσα ὑ. Ἀσσυρίων<br/> Is. 2. 17. πεσεῖται ὑ. [A<sup>1</sup> B ὑβρις] ἀνθρώπων (1 c)<br/> 9. 9 (8). ἐφ' [B ἐν] ὑβρις καὶ ὑψηλῇ καρδίᾳ (1 b)<br/> 10. 33. οἱ ὑψηλοὶ τῇ ὑ. συντριβήσονται +<br/> 13. 11. ἀπολὼ ὑβρις ἀνόνων καὶ ὑβρις υπερηφάνων ταπεινώσω (1 c, 1 b)<br/> 16. 6. ἡκούσαμεν τὴν ὑ. Μωάβ (1 c)<br/> 23. 7. οὐχ αὕτη ἦν ὑμῶν ἡ ὑ. ἀπ' ἀρχῆς (1 c)<br/> — 9. παραλῦσαι πᾶσαν [A. om.] τὴν ὑ. τῶν ἐνδόξων (1 c)<br/> 25. 11. ταπεινώσει τὴν ὑ. αὐτοῦ (1 b)<br/> 28. 1. οὐαὶ τῷ στεφάνῳ τῆς ὑ. (1 d)<br/> — 3. καταπληθήσεται ὁ στέφανος τῆς ὑ. (1 d)<br/> Je. 13. 9. φθέρῃ τὴν ὑ. Ἰούδα καὶ τὴν ὑ. Ἰερουσαλὴμ τὴν πολλὴν ταύτην ὑ. (1 c, 1 c, —)<br/> — 17. κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν ἀπὸ προσώπου ὑβρις (2)<br/> 27 (50). 32. ἀσθενήσει ἡ ὑ. σου (8)<br/> 31 (48). 29. ἤκουσα ὑβρις Μωάβ ὑβρισε λῖαν ὑβρις αὐτοῦ (1 c, 1 c)<br/> Ez. 7. 10. ἡ ὑ. ἐξάνεστηκε (3)<br/> 30. 6. καταθίσεται ἡ ὑ. τῆς ἰσχύος αὐτῆς<br/> — 18. ἀπολείπει ἐκεῖ ἡ ὑ. ἰσχύος αὐτῆς (1 c)<br/> 32. 12. ἀπολοῦσι τὴν ὑ. Αἰγύπτου (1 c)<br/> 33. 28. ἀπολείπει ἡ ὑ. τῆς ἰσχύος αὐτοῦ (1 c)<br/> I Ma. 3. 20. πληθύνει ὑβρις καὶ ἀνομία<br/> II Ma. 8. 17. τὴν ἀνόμεν . . . συνετελεσμένην ἐπ' αὐτὸν ὑβρις<br/> III Ma. 2. 3. τοὺς ὑβρις . . . τι πράσσοντας<br/> — 21. τὸν ὑβρις καὶ θράσει μεγάλως ἐπηρμένον<br/> 3. 25. μετὰ ὑβρις καὶ σκυλῶν<br/> 6. 12. κατ' ὑβρις ἀνόνων ἀλόγιστον<br/> [Aq. Je. 8. 18.]<br/> [Sm. Pr. 6. 33 : Is. 13. 3 : Ho. 5. 5.]<br/> [Th. Jb. 37. 4 : Pr. 12. 16 : Is. 13. 11 : 18. 6.]<br/> [Heb. Ge. 49. 5.]<br/> [Al. Dt. 21. 23.]</p> <p><b>ὑβριστής.</b> (1) α. <math>\text{ὑβριστής}</math> δ. <math>\text{ὑβριστής}</math> (2) <math>\text{ὑβριστής}</math><br/> Jb. 40. 6 (11). πάντα δὲ ὑβριστῶν ταπεινώσων (1 b)<br/> Pr. 6. 17. ὀφθαλμοὶ ὑβριστοῦ γλῶσσα δίκος (2)<br/> 15. 25. οἶκος ὑβριστῶν κατασπῆ κύριος (1 b)</p> | <p>Pr. 16. 19. δὲ διαιρείται σκύλα μετὰ ὑβριστῶν [A. ὑβρις] (1 b)<br/> 27. 13. ὑβριστῆς ὅστις τὰ ἀλλότρια λυμαινεται +<br/> Si. 8. 11. μὴ ἐξαναστῇ ἀπὸ προσώπου ὑβριστοῦ 32 (35). 18. ἔως ἐξάρῃ πλῆθος ὑβριστῶν<br/> Is. 2. 12. ἡμέρα γὰρ κ. σαβῶθ ἐπὶ πάντα ὑ. (1 b)<br/> 16. 6. ὑ. σφόδρα (1 a)<br/> Je. 28 (51). 2. ἐξαποστελῶ εἰς Βαβυλῶνα ὑβριστὰς +<br/> ὑβριστία. (1) <math>\text{ὑβρις}</math><br/> Je. 27 (50). 31. Α B<sup>1</sup> ἐγὼ πρὸς [B S ἐπὶ] σὲ τὴν ὑ. [B S<sup>2</sup> -τριαν] (1)<br/> ὑβριστικός. (1) <math>\text{ὑβρις}</math><br/> Pr. 20. 1. ἀκόλαστον ὄνος καὶ ὑβριστικὸν μέθη (1)<br/> ὑβριστρια. (1) <math>\text{ὑβρις}</math><br/> Je. 27 (50). 31. B S<sup>2</sup> ἐγὼ ἐπὶ [A. πρὸς] σὲ τὴν ὑ. [A. S<sup>1</sup> -τριαν] (1)<br/> ὑγεία, ὑγία, ὑγία. (1) <math>\text{ὑγία}</math> τὴν δ. <math>\text{ὑγία}</math> (2) <math>\text{ὑγία}</math><br/> (3) <math>\text{ὑγία}</math><br/> Ge. 42. 15, 16. νῆ τὴν ὑ. Φοραῶ (1)<br/> To. 8. 17. συντέλεσον τὴν ζῶην αὐτῶν ἐν ὑγείᾳ [B om. ἐν ὑ.]<br/> — 21. πορεύεσθαι μετὰ ὑγείας πρὸς τὸν πατέρα [B al.]<br/> Es. 9. 31. στήσαντες κατὰ τῆς ὑ. ἐπ. (2)<br/> Pr. 6. 8. ἰδιώται πρὸς ὑγίαν προσφέρονται [A. φέρ.]<br/> Wi. 7. 10. ὑπὲρ ὑγίαν καὶ εὐμορφίαν ἡγάπησα αὐτὴν<br/> 13. 18. καὶ περὶ μὲν ὑγίας τὸ ἀσθενὲς ἐπικαλεῖται<br/> Si. 1. 18. ἀναβῶλων ἐρίηρον καὶ ὑγίαν ἰστέως [B<sup>1</sup> αἰῶνος]<br/> 30. 14. B περὶ ὑγίας<br/> — 15. ὑγία καὶ εὐεξία βελτίων παντὸς χρυσίου<br/> — 16. A<sup>2</sup> περὶ ὑγίας [A<sup>1</sup> B<sup>2</sup> B om., B<sup>1</sup> B περὶ βρωμάτων]<br/> — 16. οὐκ ἔστι πλοῦτος βελτίων ὑγίας σώματος 34 (31). 20. ὕπνος ὑγίας ἐπὶ ἐντέρφ μετρίῳ<br/> Is. 9. 6 (5). ἔγω γὰρ ἐρίηρον . . . καὶ ὑγίαν αὐτῶν<br/> Ez. 47. 12. ἀνάβασις αὐτῶν εἰς ὑγίαν (8)<br/> ὑγιάζω. (1) <math>\text{ὑγία}</math> a. q. al. δ. pi. (2) <math>\text{ὑγία}</math> ni.<br/> Le. 13. 18. καὶ ὑγιασθῇ<br/> — 24. B<sup>2</sup> B καὶ γένηται ἐν τῷ δερμ. αὐ. τὸ [A B<sup>1</sup> om.] ὑγιασθέν +<br/> — 37. ὑγιαίνει τὸ θράσος<br/> Jo. 5. 8. ἔως ὑγιασθῇ<br/> IV Ki. 20. 7. καὶ ὑγιαίνει (1 a)<br/> Jb. 24. 23. μαλακισθεὶς μὴ ἐλπιζέτω ὑγιασθῆναι [A. -ἴαναι] +<br/> Ho. 6. 3 (2). ὑγιαίνει ἡμᾶς μετὰ δύο ἡμέρας (1 b)<br/> Ez. 47. 8. ὑγιαίνει τὰ ὕδατα (2)<br/> — 9. ὑγιαίνει καὶ ζήσεται πᾶν (2)<br/> — 11. ἐν τῇ ὑπεράρει αὐτοῦ οὐ μὴ ὑγιαίνωσιν [A. ὑγ.] (3)<br/> [Aq. Is. 38. 1.]<br/> ὑγιαίνει. (1) α. <math>\text{ὑγία}</math> ru. δ. <math>\text{ὑγία}</math><br/> Ge. 29. 6. εἶπε δὲ αὐτοῖς, Ὑγιαίνει (1 b)<br/> — 6. οἱ δὲ εἶπαν, Ὑγιαίνει (1 b)<br/> 37. 14. ἴδε εἰ ὑγιαίνουν οἱ ἀδελφοί σου (1 b)<br/> 43. 27. εἰ ὑγιαίνει ὁ πατὴρ ὑμῶν (1 b)<br/> — 28. ὑγιαίνει ὁ παῖς σου ὁ πατὴρ ἡμῶν (1 b)<br/> Ex. 4. 18. βιάδιζε ὑγιαίνων (1 b)<br/> I Ki. 25. 6. εἰς ὥρας καὶ σὺ ὑγιαίνων (1 b)<br/> — 6. καὶ πάντα τὰ σὰ ὑγιαίνοντα (1 b)<br/> II Ki. 14. 8. ὑγιαίνουσα βιάδιζε εἰς τὸν οἶκόν σου —<br/> 20. 9. εἰ ὑγιαίνει, ἀδελφέ (1 b)<br/> To. 5. 13. ὑγιαίνων ἔλθοις<br/> — 15. Α B ἐὰν ὑγιαίνοντες ἐπιστρέψῃτε<br/> — 15. B ὑγιαίνοντες ἀπελυσιμέθα καὶ ὑγιαίνοντες ἐπιστρέψομεν<br/> — 16. B ἀποκαταστήσας ὑμᾶς πρὸς ἐμὲ ὑγιαίνοντας<br/> — 16. B πορεύου ὑγιαίνων<br/> — 20. B ὑγιαίνων πορεύεσθαι τὸ παιδίον ἡμῶν<br/> — 20. ὑγιαίνων ἐλευσεται<br/> — 20. B ἢ ἀντὶ τῆς πρὸς σὲ ὑγιαίνων<br/> — 21. ὑποστρέψῃ ὑγιαίνων<br/> 6. 8. B καὶ ὑγιαίνουσιν [A B ἰαθῇσεται]<br/> 7. 1. B καλὸς ἦλθατε ὑγιαίνοντες<br/> — 4. Α B B εἶπεν αὐτοῖς, Ὑγιαίνει<br/> — 5. ζῇ καὶ ὑγιαίνει [B ὑ. κ. ζῇ]</p> | <p>To. 7. 13. B ἀπάγαγε πρὸς τὸν πατέρα σου ὑγιαίνων [A B om.]<br/> 8. 21. B ὑπάγε ὑγιαίνων πρὸς τὸν πατέρα σου [A B al.]<br/> 10. 6. μὴ λόγον ἔχε ὑγιαίνει<br/> — 12. B ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς ὑγιαίνοντας [A B om.]<br/> — 12. B ὑγιαίνει, παιδίον, ὑγιαίνων ὑπάγε<br/> — 13. B καὶ ἀπέστειλεν ὑγιαίνοντας<br/> 11. 1. B ἀπῆλθεν Ἰωβ, ἀπὸ Παγ. ὑγιαίνων<br/> — 17. ἔλθοις ὑγιαίνουσα, θύγατερ<br/> — 17. B εἰσελθεῖ εἰς τὴν οἰκίαν σου ὑγιαίνουσα<br/> 12. 3. B ἐμὲ ἀγόρευεν ὑγιαίνοντα [A B al.]<br/> — 5. B B ὑπάγε ὑγιαίνων<br/> Jb. 24. 23. Α μαλακισθεὶς μὴ ἐλπιζέτω ὑγιαίνει [B S -ιασθῆναι] +<br/> Pr. 13. 13. ὁ δὲ φοβούμενος ἐντολὴν οὗτος ὑγιαίνει (1 a)<br/> Da. LXX. 10. 19. μὴ φοβοῦ ὑγιαίνει (1 b)<br/> II Ma. 1. 10. Ἰ. Ἀριστοβούλῳ . . . χαίρειν καὶ ὑγιαίνειν<br/> 9. 19. τοῖς χρηστοῖς Ἰουδ. . . πολλὰ χαίρειν καὶ ὑγιαίνειν<br/> 11. 28. καὶ αὐτοὶ δὲ ὑγιαίνοντες<br/> — 38. ὑγιαίνετε<br/> [Aq. Dt. 28. 35.]<br/> [Sm. Is. 38. 9.]<br/> [Th. II Ki. 11. 7.]<br/> [Al. Ex. 1. 19.]<br/> ὑγία, vid. sub δέγεια.<br/> ὑγίης. (1) <math>\text{ὑγία}</math> (2) <math>\text{ὑγία}</math> (3) δ. εἶναι <math>\text{ὑγία}</math><br/> Le. 13. 10. ἀπὸ τοῦ ὑ. [A ἡδους?] τῆς σαρκὸς τῆς ζώσης +<br/> — 15. ὕψεται ὁ ἱερεὺς τὸν χρῶτα τὸν [A om.] ὑ. (1)<br/> — 15. μιανεῖ αὐτὸν ὁ χρῶς ὁ ὑ. (1)<br/> — 16. ἐὰν δὲ ἀποκαταστῇ ὁ χρῶς ὁ ὑ. (1)<br/> Jo. 10. 21. ἀπεστρέφη πᾶς ὁ λαὸς . . . ὑγίης [B<sup>2</sup> -ης] (2)<br/> To. 12. 3. σὺ με ἀγχοῖς σοὶ ὑγίη [B al.]<br/> Si. 17. 28. ζῶν καὶ ὑγίης αἰνέει τὸν κύριον<br/> So. 14. κρείστων πτωχὸς ὑγίης<br/> Is. 38. 21. καὶ ὑγίης ἔσῃ (3)<br/> [Sm. Is. 1. 6.]<br/> [Quint. Ho. 6. 2.]<br/> ὑγιῶς.<br/> Pr. 24. 76 (81. 8). κρίνει πάντας ὑ. +<br/> ὑγραινέιν. (1) <math>\text{ὑγρ}</math><br/> Jb. 24. 8. ἀπὸ ψεκᾶδων ὀρέων ὑγραινόνται (1)<br/> [Th. Jb. 24. 8.]<br/> ὑγρασία. (1) <math>\text{ὑγρ}</math><br/> Je. 31 (48). 18. καθίσον ἐν ὑγρασίᾳ καθημένη +<br/> Ez. 7. 17. Α B πάντες μνηροὶ μολυνθήσονται ὑγρασίᾳ [B -as] (1)<br/> 21. 7 (12). πάντες μνηροὶ μολυνθήσονται ὑγρασίᾳ (1)<br/> [Heb. Ez. 16. 6.]<br/> ὑγρός. (1) <math>\text{ὑγρ}</math> (2) <math>\text{ὑγρ}</math><br/> Jd. 16. 7. ἐὰν δῆσασί με ἐν ἐπτά νευραῖς ὑ. (1)<br/> — 8. ἀνήμεγκαν αὐτῇ . . . ἐπτά νευράς ὑ. (1)<br/> Jb. 8. 16. ὑγρὸς γὰρ ἐστὶν ὑπὸ ἡλίου (2)<br/> Si. 39. 13. Α B ὥς ῥόδον φνύμενον ἐπὶ ῥεύματι ὑγροῦ [B ἀγροῦ]<br/> ὑδραγωγίον.<br/> [Aq. II Ki. 8. 1.]<br/> ὑδραγωγός. (1) <math>\text{ὑδρ}</math> <math>\text{ὑδρ}</math> (2) <math>\text{ὑδρ}</math><br/> IV Ki. 18. 17. ἔστησαν ἐν τῷ ὑ. τῆς κολυμβήθρας (2)<br/> 20. 20. τὴν κρήνην καὶ τὸν ὑδρ. (2)<br/> Si. 24. 30. ὥς ὑδραγωγὸς ἐξῆλθεν εἰς παράδεισον<br/> Is. 36. 2. ἔσθι ἐν τῷ ὑ. τῆς κολυμβήθρας (2)<br/> 41. 18. ποιήσω . . . τὴν διψήσαν γῆν ἐν ὑδραγωγῷ (1)<br/> [Aq. II Ki. 8. 1 : Jb. 38. 25.]<br/> [Th. II Ki. 2. 24 : Jb. 38. 25 : Ez. 31. 4.]<br/> ὑδρεύεσθαι. (1) α. <math>\text{ὑδρ}</math> δ. <math>\text{ὑδρ}</math><br/> Ge. 24. 11. ἦν καὶ ἐκπορεύονται αἱ ὑδρεῦσαι (1 a)<br/> — 19. καὶ ταῖς καμήλοις σου ὑδρεύεσθαι (1 a)<br/> — 20. ὑδρεύεσθαι πᾶσαι ταῖς καμήλοις (1 a)<br/> — 43. Α B ἐξελύσσονται ὑδρεύεσθαι ὑδρ [B al.] (1 a)<br/> — 44. καὶ ταῖς καμήλοις σου ὑδρεύεσθαι (1 a)</p> |
|---|---|---|

Ge. 24. 45. καὶ ὑδρεύσαστο (1 α)  
Jd. 5. 11. ἀνὰ μέσον ὑδρευομένων [Α εὐφραι-  
νομ.] (1 β)  
Ru. 2. 9. ὅθεν ἂν ὑδρεύωνται [Α -ονται] τὰ  
παιδάρια (1 α)  
I Ki. 7. 6. καὶ ὑδρεύονται [Α -αι] ὕδωρ (1 α)  
9. 11. τὰ κοράσια ἐξεληλυθότα ὑδρεύεσθαι [Α  
-ασσθαί] ὕδωρ (1 α)  
II Ki. 23. 16. ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου (1 α)  
I Ch. 11. 18. Α Β Β<sup>2</sup> καὶ ὑδρεύσαντο ὕδωρ (1 α)  
Ju. 7. 13. ἐκβαίνον ὑδρεύονται πάντες οἱ κατοικοῦντες  
Βαιθ.

## ὕδρευμα.

[Th. Jc. 89 (46). 10.]

ὕδρια (-εία). (1) 𐤅𐤃𐤓𐤕

Ge. 24. 14. ἐπιέλιπον τὴν ὕ. σου (1)  
— 15. ῥχουσα τὴν ὕ. ἐπὶ τῶν ὁμων αὐ. (1)  
— 16. ἐπλησε τὴν ὕ. αὐ. (1)  
— 17. πότισον με μικρὸν ὕδωρ ἐκ τῆς ὕ. σου (1)  
— 18. καθεῖλε τὴν ὕ. (1)  
— 20. ἐξέκλινε τὴν ὕ. (1)  
— 43. πότισον με ἐκ τῆς ὕ. σου μικρὸν ὕδωρ (1)  
— 45. ῥχουσα τὴν ὕ. ἐπὶ τῶν ὁμων (1)  
— 46. σπένδασα καθεῖλε τὴν ὕ. (1)

Jd. 7. 16. ἔδωκε . . . ὕ. κενὸς καὶ λαμπράς ἐν  
ταῖς ὕ. [Α ἐν μέσφ τῶν ὕ.] (1, 1)

— 19. ἐξέτιναζεν τὰ ὕ. (1)  
— 20. συνέτριψαν τὰς ὕ. (1)

III Ki. 17. 12. δρᾶξ ἀλευροῦ ἐν τῇ ὕ. (1)

— 14. ὅ ὕ. ἀλευροῦ οὐκ ἐκλείψει (1)

— 16. ὅ ὕ. τοῦ ἀλευροῦ οὐκ ἐξέλειπε (1)

18. 33 (34). λάβετέ μοι τέσσαρας ὕ. ὕδατος (1)

Ec. 12. 6. καὶ συντριβὴ ὕδρια [Α Β ὕ ὕ.] (1)

[Aq. Jd. 7. 16: III Ki. 7. 50 (36): Jc. 52. 19.]

[Sm. Jd. 7. 16: III Ki. 7. 50 (36).]

[Th. Jd. 7. 16.]

ὕδρισκη. (1) 𐤅𐤃𐤓𐤕𐤔

IV Ki. 2. 20. λάβετέ μοι ὕ. καυὴν (1)

## ὕδροκελία.

[Sm. Ho. 5. 10.]

ὕδροποτεῖν. (1) 𐤅𐤃𐤓𐤕𐤔𐤕

Da. LXX. 1. 12. ὥστε κάπτειν καὶ ὑδροποτεῖν (1)

ὕδροφόρος. (1) 𐤅𐤃𐤓𐤕𐤔𐤕

De. 29. 11 (10). καὶ ἔως ὑδροφόρου ὕμνων (1)

Jo. 9. 21. ἴσονται . . . ὑδροφόροι πάσῃ τῇ  
συναγωγῇ (1)

— 23. Β οὐ μὴ ἐκλείπῃ . . . ὑδροφόρος ἐμοί  
[Α Β α.] (1)

— 27. κατέστρεψεν αὐτοὺς . . . ὑδροφόρους (1)

— 27. Β ἐγένοντο . . . ξυλοκόποι καὶ ὑδροφόροι (1)

ὕδωρ. (1) 𐤅𐤃𐤓 (2) 𐤅𐤃𐤓𐤕 (3) ὕδατος ἐξοδος

## ἡρῃ

Ge. 1. 2. πνεῦμα θεοῦ ἐπεφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕ. (1)

— 6. γενεθὴται στερίωμα ἐν μέσφ τοῦ ὕ. (1)

— 6. ἔστω διχωρίζων ἀνὰ μέσον ὕδατος καὶ  
ὑδατος (1, 1)

— 7. διεχώρισεν ὁ θ. ἀνὰ μέσον τοῦ ὕ. . . καὶ  
ἀνὰ μέσον τοῦ ὕ. (1, 1)

— 9. συναχθῆτω τὸ ὕ. . . εἰς συναγωγὴν μίαν (1)

— 9. συνηχθῶ τὸ ὕ. . . εἰς τὰς συναγωγὰς αὐ. (1)

— 10. τὰ συστήματα τῶν ὕ. ἐκάλεσε θαλάσσας (1)

— 20. ἐξαγαγίτω τὰ ὕ. ἐπετὰ ψυχῶν ζωῶν (1)

— 21. ἂ ἐξήγαγε τὰ ὕ. κατὰ γένῃ αὐτῶν (1)

— 22. πληρώσαστε τὰ ὕ. ἐν ταῖς θαλάσσαις (1)

6. 17. ἐπάγω τὸν κατακλυσμόν ὕδωρ ἐπὶ τὴν  
γῆν (1)

7. 6. Β ὁ κατακλυσμός τοῦ ὕ. ἐγένετο [Α α.] (1)

— 7. διὰ τὸ ὕ. τοῦ κατακλυσμοῦ (1)

— 10. τὸ ὕ. τοῦ κατακλυσμοῦ ἐγένετο ἐπὶ τῆς  
γῆς (1)

— 17. ἐπληθύνθη τὸ ὕ. (1)

— 18. ἐπεκράτει τὸ ὕ. (1)

— 18. ἐπεφέρετο ἡ κιβωτός ἐπάνω τοῦ ὕ. (1)

— 19. τὸ δὲ ὕ. ἐπεκράτει σφόδρα σφόδρως (1)

— 20. ὑψώθη τὸ ὕ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)

— 24. ὑψώθη τὸ ὕ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)

8. 1. ἐκάσασε τὸ ὕ. (1)

— 3. ἐνεδίδου τὸ ὕ. πορευόμενον ἀπὸ τῆς γῆς (1)

— 3. Α ἐνεδίδου τὸ ὕ. [Β α.] (1)

Ge. 8. 4 (5). τὸ δὲ ὕ. πορευόμενον ἤλαττονούτο (1)

— 7. Α εἰ κεκόσπασεν τὸ ὕ. (1)

— 7. ἔως τοῦ ξηραθῆναι τὸ ὕ. (1)

— 8. εἰ κεκόσπασεν τὸ ὕ. ἀπὸ τῆς γῆς (1)

— 9. ὕδωρ ἦν ἐπὶ παντὶ προσώπῳ πάσης τῆς  
γῆς (1)

— 11. κεκόσπασεν τὸ ὕ. ἀπὸ τῆς γῆς (1)

— 13. ἐξέλειπε τὸ ὕ. ἀπὸ τῆς γῆς (1)

— 13. ἐξέλειπε τὸ ὕ. ἀπὸ προσώπου τῆς γῆς (1)

9. 11. οὐκ ἀποθανεῖται . . . ἀπὸ τοῦ ὕ. τοῦ  
κατακλυσμοῦ (1)

— 11. οὐκ ἔσται ἔτι κατακλυσμός ὕδατος (1)

— 15. οὐκ ἔσται ἔτι τὸ ὕ. εἰς κατακλυσμόν (1)

16. 7. Β ἐπὶ τῆς πηγῆς τοῦ ὕ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)

18. 4. ληφθῆται δὴ ὕδωρ (1)

21. 14. ἔλαβεν ἄρτους καὶ ἄσκον ὕδατος (1)

— 15. ἐξέλειπε δὲ τὸ ὕ. ἐκ τοῦ ἄσκου (1)

— 19. εἶδε φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)

— 19. ἔπληρε τὸν ἄσκον ὕδατος (1)

— 25. ἤλεγξεν Ἀβ. τὸν Ἀβ. περὶ τῶν φρεά-  
των τοῦ ὕ. (1)

24. 11. παρὰ τὸ φρέαρ τοῦ ὕ. (1)

— 13. ἔσθηκα ἐπὶ τῆς πηγῆς τοῦ ὕ. (1)

— 13. ἐκπορεύονται ἀντλήσαι ὕδωρ (1)

— 17. πότισον με μικρὸν ὕ. (1)

— 20. Α ἔδραμεν ἐπὶ τὸ φρέαρ ἀντλήσαι ὕδωρ  
[Β α.] (1)

— 32. ἔδωκεν . . . ὕδωρ τοῖς ποσὶν αὐ. (1)

— 43. ἔσθηκα ἐπὶ τῇ πηγῇ τοῦ ὕ. (1)

— 43. ἐξελίσσονται ὑδρεύσασθαι ὕδωρ (1)

— 43. πότισον με . . . μικρὸν ὕ. (1)

26. 18. ὥρυξε τὰ φρέατα τοῦ ὕ. (1)

— 19. εὗρον ἐκεῖ φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)

— 20. φάσκοντες αὐτῶν εἶναι τὸ ὕ. (1)

— 32. οὐκ εὗρον ὕδωρ (1)

30. 38. ἐν ταῖς ληνοῖς τῶν ποτιστηρίων τοῦ ὕ. (1)

37. 24. Α ὁ δὲ λάκκος ἐκ. ὕδωρ οὐκ εἶχεν [Β α.] (1)

43. 24. ἤνεγκεν ὕδωρ νίψαι τοὺς πόδας αὐ. (1)

49. 4. ἐξύβρισας ὡς ὕδωρ (1)

Ex. 2. 10. ἐκ τοῦ ὕ. αὐτὸν ἀνείλομην (1)

4. 9. λήψῃ ἀπὸ τοῦ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)

— 9. ἔσται τὸ ὕ. . . αἷμα ἐπὶ τοῦ ξηροῦ (1)

7. 15. ἐκπορεύεται ἐπὶ τὸ ὕ. (1)

— 17. τύπτω . . . ἐπὶ τὸ ὕ. τὸ ἐν τῷ ποταμῷ (1)

— 18. πειν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (1)

— 19. ἔκτεινον τὴν χεῖρά σου ἐπὶ τὰ ὕ. Αλγ. (1)

— 19. καὶ ἐπὶ πᾶν συνεστηκὸς ὕ. αὐ. (1)

— 20. ἐπάταξε τὸ ὕ. τὸ ἐν τῷ ποταμῷ (1)

— 20. μετέβλεπε πᾶν τὸ ὕ. τὸ ἐν τῷ ποταμῷ (1)

— 21. πειν ὕδωρ ἐκ τοῦ ποταμοῦ (1)

— 24. ὥστε πειν ὕδωρ (1)

— 24. οὐκ ἠδύνατο πειν ὕδωρ ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ (1)

8. 6 (2). ἐξέτεινεν Ἀ. τὴν χεῖρα ἐπὶ τὰ ὕ. Αλγ. (1)

— 20 (16). ἐξελίσσεται ἐπὶ τὸ ὕ. [Α<sup>2</sup> α.] (1)

12. 9. οὐδὲ ἤψαμνον ἐν ὕδατι (1)

14. 21. ἐσχίσθη [Α διεσχ.] τὸ ὕ. (1)

— 22. τὸ ὕ. αὐτοῖς τείχος ἐκ δεξιῶν (1)

— 26. ἀποκαταστήτω τὸ ὕ. (1)

— 27. ἀπεκατέστη τὸ ὕ. (1)

— 27. ἔφυγον ὑπὸ τὸ ὕ. (1)

— 28. ἐπαναστραφὲν τὸ ὕ. ἐκάλυψε τὰ ἄρματα (1)

— 29. τὸ δὲ ὕ. αὐτοῖς τείχος ἐκ δεξιῶν (1)

15. 8. διέστη τὸ ὕ. (1)

— 8. ἐπάτη ὥσπερ τείχος τὰ ὕ. (2)

— 10. ἔδυσαν ὥσπερ μολίβδος ἐν ὕ. σφοδρῶ (1)

— 19. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς κ. τὸ ὕ. τῆς θαλ. (1)

— 22. οὐκ ἠνέκατον ὕδωρ ὥστε πειν (1)

— 23. Α οὐκ ἠδύνατο πειν ὕδωρ [Β om.] (1)

— 25. ἐνέβαλεν αὐτὸ εἰς τὸ ὕ. (1)

— 25. ἐγκυκλῆθη τὸ ὕ. (1)

— 27. ἦσαν ἐκεῖ δώδεκα πηγαὶ ὑδάτων (1)

— 27. παρενέβαλον δὲ ἐκεῖ παρὰ [Α ἐπὶ] τὰ ὕ. (1)

17. 1. οὐκ ἦν δὲ ὕδωρ τῷ λαφ πειν (1)

— 2. δὸς ἡμῖν ὕδωρ (1)

— 3. ἰδίψησε δὲ ἐκεῖ ὁ λαὸς ὕδατι (1)

— 6. ἐξελίσσεται ἐξ αὐτῆς ὕδωρ (1)

20. 4. ὅσα ἐν τοῖς ὕ. ὑποκόμω τῆς γῆς (1)

23. 25. εὐλαγῆσω . . . τὸ ὕ. σου (1)

29. 4. καὶ λούσεις αὐτοὺς ἐν ὕδατι (1)

— 17. καὶ πλυνεῖς . . . τοὺς πόδας ὕδατι [Α<sup>1</sup>  
om.] (1)

30. 18. ἐκχεεῖς εἰς αὐτὸν ὕδωρ (1)

— 19. νίψεται . . . τοὺς πόδας ὕδατι [Α<sup>1</sup> om.] (1)

— 20. νίψονται ὕδατι (1)

— 21. νίψονται . . . τοὺς πόδας ὕδατι (1)

— 21. νίψονται ὕδατι (1)

Ex. 82. 20. ἔσπειρεν αὐτὸν ὑπὸ [Α Β<sup>2</sup> ἐπὶ] τὸ ὕ. (1)

34. 28. καὶ ὕδωρ οὐκ ἔπιε (1)

40. 12. λούσεις αὐτοὺς ὕδατι (1)

Le. 1. 9, 13. καὶ τοὺς πόδας πλυνούσιν ὕδατι (1)

6. 28 (21). καὶ ἐκκλῦσι ὕδατι (1)

8. 6. καὶ ἔλυσεν αὐτοὺς ὕδατι (1)

— 19 (21). τοὺς πόδας ἔπλυνεν ὕδατι (1)

9. 14. ἔπλυνε . . . τοὺς πόδας ὕδατι (1)

11. 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐν τοῖς ὕ. (1)

— 9. Β πάντα ὅσα ἐστὶν αὐτοῖς περὶ γῆς . . . ἐν  
τοῖς ὕ. (1)

— 10. ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς περὶ γῆς . . . ἐν  
τῷ ὕ. (1)

— 10. ὡν ἐρευνῆται τὰ ὕ. (1)

— 10. ἀπὸ πάσης ψυχῆς ζώσης ἐν τῷ ὕ. (1)

— 12. Α Β ὅσα οὐκ ἐστὶν αὐτοῖς περὶ γῆς . . .  
τῶν [Α om.] ἐν τῷ ὕ. [Β τοῖς ὕ.] (1)

— 32. πᾶν σκεῦος . . . εἰς ὕδωρ βαφθήσεται (1)

— 34. εἰς δ' ἐὰν ἐπὶ ἑλθῇ ἐπ' αὐτὸ ὕδωρ (1)

— 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων . . . καὶ συναγωγῆς  
ὑδατος (1, 1)

— 38. ἐὰν δὲ ἐπιχυθῇ ὕδωρ ἐπὶ πᾶν σπέρμα (1)

— 40. Α καὶ λούσεται ὕδατι (1)

— 40. Α<sup>2</sup> Β καὶ λούσεται ὕδατι (1)

— 46. περὶ . . . πάσης ψυχῆς τῆς κινουμ. ἐν  
τῷ ὕ. (1)

14. 5. σφάζουσι τὸ ὄρνιθιον τὸ ἐν . . . ἐφ' ὕ. (1)

— 6. εἰς τὸ αἷμα τοῦ ὄρνιθιου τοῦ σφαγέντος  
ἐφ' ὕ. ζῶντι (1)

— 8. καὶ λούσεται ἐν ὕδατι (1)

— 9. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)

— 50. σφάζει τὸ ὄρνιθιον τὸ ἐν . . . ἐφ' ὕ. ζῶντι (1)

— 51. τοῦ ὄρνιθιου τοῦ ἐσφαγμένου ἐφ' ὕ.  
ζῶντι (1)

— 52. Β<sup>1</sup> ἐν τῷ αἵματι τοῦ ὄρνιθιου τοῦ [Α Β<sup>2</sup> Β  
om.] καὶ ἐν τῷ ὕ. τῷ ζῶντι (1)

15. 5, 6, 7, 8, 10. καὶ λούσεται ὕδατι (1)

— 11. Β<sup>2</sup> Β καὶ τὰς χεῖρας οὐ νένιπται ὕδατι  
[Α Β<sup>1</sup> om.] (1)

— 11. λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1)

— 12. σκεῦος ὕλινον νιφθῆται ὕδατι (1)

— 13. λούσεται τὸ σῶμα ὕδατι (1)

— 16. λούσεται ὕδατι πᾶν τὸ σῶμα αὐ. (1)

— 17. καὶ πλυθήσεται ὕδατι (1)

— 18. καὶ λούσονται ὕδατι (1)

— 21. λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)

— 22. καὶ λούσεται ὕδατι (1)

— 27.

- Νυ. 20. 24. παρεξήνατέ με ἐπὶ τοῦ ὕ. τῆς λοιθορίας (1)  
 21. 5. οἱ ἐστὶν ἄρτος οὐδὲ ὕδωρ (1)  
 — 16. δώσω αὐτοῖς ὕδωρ πίνειν (1)  
 — 22. οὐ πικρῶμεθα ὕδωρ ἐκ φρεατῶς σου (1)  
 24. 6. ὥσει κέδρω παρ' ὕδατα (1)  
 27. 14. οὐχ ἠγάσαστέ με ἐπὶ τῷ ὕ. (1)  
 — 14. Β τοῦτο ἐστὶν ὕ. [Α Β τὸ ὕ.] ἀντιλογίας (1)  
 31. 23. τῷ ὕ. τοῦ ἀγνισμοῦ ἀγνισθήσεται (1)  
 — 23. πάντα . . . διελεύσεται δι' ὕδατος (1)  
 33. 9. Α ἐν Αἰ. δώδεκα πηγαὶ ὑδάτων ὑδάτων [Β om.] (1, -)  
 — 9. παρεξήναλον ἐκεῖ παρὰ τὸ ὕ. (1)  
 — 14. οὐκ ἦν ἐκεῖ ὕδωρ τῷ λαῷ πίνειν (1)  
 De. 2. 6. καὶ ὕδωρ μέτρον λήψεσθε (1)  
 — 28. ὕδωρ ἀργυρίου ἀποδόσῃ μοι (1)  
 4. 18. ὅσα ἐστὶν ἐν τοῖς ὕ. ὑποκάτω τῆς γῆς (1)  
 8. 8. ὅσα ἐν τοῖς ὕ. [Α τῷ ὕ.] ὑποκάτω τῆς γῆς (1)  
 7. 2. οὐ χείμαρροι ὑδάτων (1)  
 — 15. οὐ οὐκ ἦν ὕδωρ (1)  
 — 15. τοῦ ἐξαγαγόντος σοι . . . πηγὴν ὕδατος (1)  
 9. 9. 18. ὕδωρ οὐκ ἐπιον (1)  
 10. 7. γῆ χείμαρροι [Α -ου] ὑδάτων (1)  
 11. 4. ὥς ἐπέκλυσε τὸ ὕ. τῆς θαλ. (1)  
 — 11. ἐκ τοῦ ὑετοῦ τοῦ οὐρ. πέται ὕδωρ (1)  
 12. 16. 24. ἐπὶ τὴν γῆν ἐκείναι αὐτὸ ὥς ὕδωρ (1)  
 14. 9. ἀπὸ πύλων τῶν ἐν τῷ ὕ. [Α τοῖς ὕ.] (1)  
 15. 23. ἐπὶ τὴν γῆν ἐκείναι αὐτὸ ὥς ὕδωρ (1)  
 23. 4 (5). παρὰ τὸ μὴ συναντήσας αὐτοὺς ἑμὶν μετὰ . . . ὕδατος (1)  
 — 11 (12). λούσεται τὸ σῶμα αὐ. ὕδατι (1)  
 32. 51. ἠπειθήσατε . . . ἐπὶ τοῦ ὕ. ἀντιλογίας (1)  
 33. 8. ἐλοιθόρσαν αὐτὸν ἐφ' ὕδατος ἀντιλογίας (1)  
 Jo. 3. 8. ὅς ἂν εἰσελθῶντες ἐπὶ μέρους τοῦ ὕ. τοῦ 'Ι. (1)  
 — 13. ὅς ἂν καταπαύσων οἱ πόδες . . . ἐν τῷ ὕ. τοῦ 'Ι. (1)  
 — 13. τὸ ὕ. τοῦ 'Ι. ἐκλείψει (1)  
 — 13. τὸ δὲ ὕ. τὸ καταβαίνειν στήσεται (1)  
 — 15. ἐξάφρσαν εἰς μέρος τοῦ ὕ. τοῦ 'Ι. (1)  
 — 16. ἔσται τὰ ὕ. τὰ καταβαίνοντα ἀνωθεν (1)  
 4. 18. ὥρμησε τὸ ὕ. τοῦ 'Ι. κατὰ χώραν (1)  
 — 23. ἀποξηράναντος κ. τοῦ θ. ἡμῶν τὸ ὕ. τοῦ 'Ι. (1)  
 7. 5. ἐγένετο ὥσπερ ὕδωρ (1)  
 11. 5. παρεξήναλον ἐπὶ τοῦ ὕ. Μ. (1)  
 — 7. ἦλθεν 'Ι. . . ἐπὶ τὸ ὕ. Μ. (1)  
 15. 7. διεκβάλλει ἐπὶ τὸ ὕ. τῆς πηγῆς ἡλίου (1)  
 — 9. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος [Α τὸ ὕ.] Μ. (1)  
 18. 15. ἐπὶ πηγὴν ὕδατος Ν. (1)  
 Jd. 1. 15. δώσω μοι ὕδωρ ὡς ὕδατος (1)  
 4. 19. πόσιον με δὴ μικρὸν ὕ. (1)  
 5. 4. αἱ νεφέλαι ἔστασαν ὕδωρ (1)  
 — 19. ἐπολύμωσαν . . . ἐπὶ ὕδατι [Α -ος] Μεγ. (1)  
 — 25. ὕδωρ ἤττησε (1)  
 6. 38. πληρῆς λεκάην ὕδατος (1)  
 7. 4. κατένεγκον αὐτοὺς πρὸς τὸ ὕ. (1)  
 — 5. κατένεγκε τὸν λαὸν πρὸς τὸ ὕ. (1)  
 — 5. ὅς ἂν λάβῃ τὴν γλῶσση αὐ. ἀπὸ τοῦ ὕ. (1)  
 — 6. ἔκλιναν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐ. πίνειν ὕδωρ (1)  
 — 24. καταλάβετε ἑαυτοὺς τὸ ὕ. (1)  
 — 24. προκατελάβοντο τὸ ὕ. (1)  
 15. 19. ἐξῆλθεν ἐξ αὐτοῦ ὕδωρ [Α ὕδατα] (1)  
 I Ki. 7. 6. καὶ ὑδρεύοντα ὕδωρ (1)  
 9. 11. ἐξεληλυθὸτα ὑδρεύσθαι ὕδωρ (1)  
 26. 11. λάβε . . . τὸν φακὸν τοῦ ὕ. [Α om. τ. ὕ.] (1)  
 — 16. τὸ δῶρον τοῦ βασιλ. καὶ ὁ φακὸς τοῦ ὕ. (1)  
 30. 11. ἐπόσιον αὐτὸν ὕδωρ (1)  
 — 12. οὐ πεπόκει ὕδωρ (1)  
 II Ki. 5. 20. ὡς διακόπτεται ὕδατα (1)  
 12. 27. κατελαβόμεν τὴν πόλιν τῶν ὕ. (1)  
 14. 14. ὥσπερ τὸ ὕ. τὸ καταφθειρόμ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 17. 20. παρήλθαν μικρὸν τοῦ ὕ. (1)  
 — 21. διαβήτε ταχέως τὸ ὕ. (1)  
 21. 10. ὥς ἔσταζεν ἐπ' αὐτοὺς ὕδωρ (1)  
 22. 12. ἡ σκηνὴ αὐ. σκότος ὑδάτων (1)  
 — 17. ἐκκύσε με ἐξ ὕ. πολλῶν (1)  
 23. 15. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου (1)  
 — 16. ὑδρεύσαντο ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου (1)  
 III Ki. 12. 24. Β ἱμάτιον κανὼν τὸ οὐκ εἰσελθ-  
 λυθὸς εἰς ὕδωρ (1)  
 13. 8. οὐδὲ μὴ πῶ ὕδωρ ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (1)  
 — 9. μὴ πῖναι ὕδωρ (1)  
 — 16. οὐδὲ πίομαι ὕδωρ ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (1)  
 — 17. μὴ πῖναι ὕδωρ (1)  
 — 18. καὶ πῖτω ὕδωρ (1)  
 — 19. καὶ ἐπινεν ὕδωρ (1)  
 III Ki. 13. 22. καὶ ἐπινεν ὕδωρ ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (1)  
 — 22. μὴ πῖναι ὕδωρ (1)  
 — 23. μετὰ τὸ . . . πίνειν ὕδωρ (1)  
 14. 15. Α καθὰ κενεῖται ὁ ἀνεμος ἐν τῷ ὕ. (1)  
 17. 4. ἐκ τοῦ χείμαρρου πλείονα ὕδωρ (1)  
 — 6. ἐκ τοῦ χείμαρρου ἐπίνεν ὕδωρ (1)  
 — 10. λάβε δὴ μοι ὀλίγον ὕ. εἰς ἄγγος (1)  
 18. 4. διέτρεφεν αὐτοὺς ἐν ἄρτῳ καὶ ὕδατι (1)  
 — 5. διέλθωμεν . . . ἐπὶ πηγὰς τῶν ὕ. (1)  
 — 13. καὶ ἔθρεψα ἐν ἄρτοις καὶ ὕδατι (1)  
 — 33 (34). λάβετέ μοι τέσσαρας ὑδρίας ὕδατος (1)  
 — 35. διαπορεύετο τὸ ὕ. κύκλῳ τοῦ θυσιαστ. (1)  
 — 35. τὴν θάλασσαν ἐπλησαν ὕδατος (1)  
 — 36. Α καὶ ἐγένετο κατὰ ἀνάβασιν τὸ ὕ. (1)  
 — 38. κατέφαγε . . . τὸ ὕ. ἐν τῇ θαλάσῃ (1)  
 — 44. νεφέλη μικρὰ . . . ἀνάγουσα ὕδωρ (1)  
 19. 6. πρὸς κεφαλῆς αὐ. . . κανάκης ὕδατος (1)  
 22. 27. καὶ ἐσθίον αὐτὸν . . . ὕδωρ θλίψεως (1)  
 IV Ki. 2. 8. ἐπάταξε τὸ ὕ. (1)  
 — 8. διηρέθη τὸ ὕ. ἔθα καὶ ἔθα (1)  
 — 14. ἐπάταξε τὸ ὕ. (1)  
 — 14. ἐπάταξε τὰ ὕ. [Α' τὸ ὕ.] (1)  
 — 19. καὶ τὰ ὕ. πονηρά (1)  
 — 21. ἐξῆλθεν 'Ελ. εἰς τὴν διέξοδον τῶν ὕ. (1)  
 — 21. λαμαὶ τὰ ὕ. ταῦτα (1)  
 — 22. λάθσαν τὰ ὕ. (1)  
 3. 9. οὐκ ἦν ὕδωρ τῇ παρεμβολῇ (1)  
 — 11. ὅς ἐπέχεον ὕδωρ ἐπὶ χεῖρας 'Η. (1)  
 — 17. ὁ χείμαρρος οὗτος πληθήσεται ὕδατος (1)  
 — 19. πάσας πηγὰς ὕδατος ἐμφράσσετε (1)  
 — 20. ὕδατα ἰσχυρὰ ἐξ ὁδοῦ 'Εδῶμ (1)  
 — 20. ἐπλησθήνῃ ἡ γῆ ὕδατος (1)  
 — 22. ὁ ἥλιος ἀνέτειλεν ἐπὶ τὰ ὕ. (1)  
 — 22. εἶδε Μ. ἐξ ἐναντίας τὰ ὕ. πυρρά (1)  
 — 25. Α πᾶσαν πηγὴν ὕδατος [Β om.] ἐν-  
 ἐφρασαν (1)  
 5. 12. οὐχὶ ἀγαθὸς 'Αβ. . . ὑπὲρ πάντα τὰ ὕ. (1)  
 — 'Ισρ. (1)  
 6. 5. τὸ σιδηρὸν ἐξέπεσεν εἰς τὸ ὕ. (1)  
 — 22. παράθεσ. . . ὕδωρ ἐνώπιον αὐτῶν (1)  
 8. 15. καὶ ἔβανεν τῷ ὕ. (1)  
 18. 31. πέται ὕδωρ τοῦ λάκκου αὐ. (1)  
 19. 24. ἐπιον ὕ. ἀλλὰ τρία (1)  
 20. 20. εἰσῆγεγε τὸ ὕ. εἰς τὴν πόλιν (1)  
 I Ch. 11. 17. τίς ποτιεῖ με ὕδωρ ἐκ τοῦ λάκκου Β. (1)  
 — 18. Α Β Σ² καὶ ὑδρεύσαντο ὕδωρ (1)  
 14. 11. δέκοψεν . . . ὡς διακοπὴν ὕδατος (1)  
 II Ch. 18. 26. ἐσθίειν . . . ὕδωρ θλίψεως (1)  
 32. 3. ἐμφράξει τὰ ὕ. τῶν πηγῶν (1)  
 — 4. ἐνέφραξε τὰ ὕ. τῶν πηγῶν (1)  
 — 4. μὴ . . . εὐρῇ ὕ. πολὺ (1)  
 — 30. ἐνέφραξε τὴν ἐξοδὸν τοῦ ὕ. Σ. τὸ ἄνω (1)  
 I Es. 9. 2. οὐδὲ ὕδωρ ἐπιε (1)  
 II Es. 10. 6. ὕδωρ οὐκ ἐπινεν (1)  
 Ne. 3. 26. ὥς κηπουρὸς πύλιν τοῦ ὕ. (1)  
 8. 1. εἰς τὸ πλάτος τὸ ἔμμερσθεν πύλιν τοῦ ὕ. (1)  
 9. 11. ὥσει λίθον ἐν ὕ. σφοδρῶς (1)  
 — 15. ὕδωρ ἐκ πέτρας ἐξήνεγκες αὐτοῖς (1)  
 — 20. ὕδωρ ἔδωκας αὐτοῖς τῷ δύνει αὐ. (1)  
 12. 37. ὥς πύλιν τοῦ ὕ. (1)  
 13. 2. οὐ συνῆλθον τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. . . ἐν ὕδατι (1)  
 To. 6. 2. Σ ἀναπηθήσας ἰχθὺς μέγας ἐκ τοῦ ὕ. [Α Β al.] (1)  
 Ju. 7. 7. ἐτοιμάσεν γῆν καὶ ὕδωρ (1)  
 7. 7. Β Σ τὰς πηγὰς τῶν ὕ. [Α Β add. αὐ.] ἐφώδυνε (1)  
 — 12. ἐπικρατήσαντες . . . τῆς πηγῆς τοῦ ὕ. (1)  
 — 17. προκατελάβοντο τὰ ὕ. καὶ τὰς πηγὰς τῶν ὕ. (1)  
 — 20. πάντα τὰ ἀργεῖα αὐτῶν τῶν ὕ. (1)  
 — 21. οὐκ εἶχον πίνειν εἰς πλησμονὴν ὕδωρ (1)  
 8. 9. ὠλιγοψύχῃσαν ἐπὶ τῇ σπείνι τῶν ὕ. (1)  
 9. 12. κτίσται ὕ. (1)  
 10. 3. περιεκύλιστο τὸ σῶμα ὕδατι (1)  
 11. 12. καὶ ἐσπένθησαν πᾶν ὕ. (1)  
 12. 7. Α Β ἐβαντίετο . . . ἐπὶ τῆς πηγῆς τοῦ ὕ. (1)  
 16. 15. ὅρη γὰρ . . . σὺν ὕδατι σαλευθήσεται (1)  
 Es. 1. 1. ἐγένετο . . . ὕ. πολὺ (1)  
 10. 3. ἦν φῶς καὶ ἥλιος καὶ ὕ. πολὺ (1)  
 Jb. 5. 10. ἀποστέλλονται ὕδωρ ἐπὶ τὴν ἡμ' οὐρανόν (1)  
 8. 11. μὴ θάλλει πάντῃς ἀνέν ὕδατος (1)  
 11. 15. ἀναλάμβει σου τὸ πρόσωπον ὥσπερ ὕδωρ καθαρὸν (1)  
 12. 15. εἰς κωλύσῃ τὸ ὕ. ξηραίνει τὴν γῆν (1)  
 14. 9. ἀπὸ ὁσμῆς ὕδατος ἀνθίσει (1)  
 — 19. λίθους ἐλάσαν [Α -εν] ὕδατα καὶ κατέκλυσε ὕδατα ὑπὲρ τοῦ χῶμα-  
 τος τῆς γῆς (1, +)  
 22. 7. οὐδὲ ὕδωρ διαφώτισας ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
 Jb. 22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε (1)  
 24. 18. ἐλαφρὸς ἐστὶν ἐπὶ πρόσωπον [Α -ου] ὕδατος (1)  
 26. 5. μὴ γίγαντες [Σ¹ γίγαντες] μαυθίσονται ὑποκάτωθεν ὕδατος (1)  
 — 8. δεσμύνω ὕδωρ ἐν νεφέλαις αὐτοῦ (1)  
 — 10. πρόσταγμα ἐγύρωσεν ἐπὶ πρόσωπον ὕδατος (1)  
 27. 20. συνῆλθον αὐτῶν ὥσπερ ὕδωρ [Σ¹ σῆτες] αἱ ὀδύναι (1)  
 28. 25. ὕδατος [Α -ων] μέτρα ὅτε ἐποίησεν (1)  
 29. 19. ἡ βίβλα διήνοικται ἐπὶ ὕδατος (1)  
 34. 7. πῖνον μυκτηρισμὸν ὥσπερ ὕδωρ (1)  
 37. 10. οἰκίζει δὲ τὸ [Α om.] ὕ. ὡς ἐν βούλῃ (1)  
 38. 30. ἡ καταβαίνει ὥσπερ ὕδωρ ῥέον (1)  
 — 34. Α Β καὶ τριῶμ [Α δρόμῳ] ὕδατος λάβρην [Β Σ -φ] ὑπακούσεται [Σ ἑσπας.] σου (1)  
 41. 25 (26). αὐτοὺς δὲ βασιλεὺς πάντων τῶν ἐν τοῖς ὕ. (1)  
 Ps. 1. 3. παρὰ τὰς διεξόδους τῶν ὕ. (1)  
 17 (18). 11. σκοτεινὸν ὕδωρ ἐν νεφέλαις ἀέρων (1)  
 — 15. ὥφθησαν αἱ πηγαὶ τῶν ὕ. (1)  
 — 16. προσελάβετο με ἐξ ὕδατος πολλῶν (1)  
 21 (22). 14. ὥσει ὕδωρ ἐξεχύθη [Σ² -θη] (1)  
 22 (23). 2. ἐπὶ ὕδατος ἀναπαύσας ἐξέθρεψε με (1)  
 28 (29). 3. φωνὴ κυρίου ἐπὶ τῶν ὕ. (1)  
 — 3. κύριος ἐπὶ ὕδατος πολλῶν (1)  
 31 (32). 6. ἐν κατακλυσμῷ ὑδάτων πολλῶν (1)  
 32 (33). 7. συνάνων ὥσει ἀσκὸν ὕδατος θαλάσσης (1)  
 41 (42). 1. ὃν τρόπον ἐπιποθεῖ ἡ βασις ἐπὶ τὰς πηγὰς τῶν ὕ. (1)  
 45 (46). 3. ἐταράχθησαν τὰ ὕ. αὐτῶν [Σ¹ τὰ κύματα] (1)  
 57 (58). 7. ἐξουθενώθησονται ὡς ὕδωρ διαπορευόμενον (1)  
 64 (65). 7. Β ὁ συνταράσσων τὸ ὕ. [Σ R κύτος] τῆς θαλάσσης (1)  
 — 9. ὁ ποταμὸς τοῦ θεοῦ ἐπληρώθη ὑδάτων (1)  
 65 (66). 12. διήλθομεν διὰ πυρὸς καὶ ὕδατος (1)  
 68 (69). 1. εἰσῆλθον ὕδατα ἕως ψυχῆς μου (1)  
 — 14. ῥυσθεῖν . . . ἐκ τοῦ βάθους τῶν ὕ. (1)  
 — 15. μὴ με καταποντισάτω καταιγὶς ὕδατος (1)  
 73 (74). 13. σὺ συνέντηγας τὰς κεφαλὰς τῶν δρακόντων ἐπὶ τοῦ ὕ. (1)  
 76 (77). 16. εἰδοσάν σε ὕδατα, ὁ θεὸς, εἰδοσάν σε ὕδατα (1, 1)  
 — 17. Β Σ² πληθὺς ἡχους ὕδατος [Σ² R ὑδάτων] (1)  
 — 19. αἱ τρίβοι σου ἐν ὕδασι πολλοῖς (1)  
 77 (78). 13. ἔστησεν ὕδατα ὥσει ἀσκὸν (1)  
 — 16. ἐξήγαγεν ὕδωρ ἐκ πέτρας καὶ κατήγαγεν ὡς ποταμούς ὕδατα (2, 1)  
 — 20. ἐρρύσαν ὕδατα (1)  
 78 (79). 3. ἐξέχεον τὸ αἷμα αὐτῶν ὡς ὕδωρ (1)  
 80 (81). 7. ἐδοκιμάσας σε ἐπὶ ὕδατος ἀντιλογίας (1)  
 87 (88). 17. ἐκύκλωσάν με ὡς ὕδωρ (1)  
 92 (93). 4. ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν (1)  
 103 (104). 3. ὁ στεγάζων ἐν ὕδατι τὰ ὑπερῶα αὐτοῦ (1)  
 — 6. ἐπὶ τῶν ὁρέων στήσονται ὕδατα (1)  
 — 10. ἀνὰ μέσον τῶν ὁρέων διελεύσονται ὕδατα (1)  
 104 (105). 29. μετέστρεψε τὰ ὕ. αὐ. εἰς αἷμα (1)  
 — 41. ἐρρύσαν ὕδατα (1)  
 105 (106). 11. ἐκάλυψεν ὕδωρ τοὺς θλίβοντας αὐτούς (1)  
 — 32. παρώργισαν αὐτὸν ἐπὶ ὕδατος ἀντιλογίας (1)  
 106 (107). 23. ποιούντες ἐγ. γασίαν ἐν ὕδασι πολλοῖς (1)  
 — 33. καὶ διεξόδους ὑδάτων εἰς δύναν (1)  
 — 35. ἔθετο ἔρημον εἰς λίμνας ὑδάτων καὶ γῆν ἀνυδρὸν εἰς διεξόδους ὑδάτων [Σ¹ om. καὶ . . . ὕ.] (1, 1)  
 108 (109). 18. εἰσῆλθεν ὥσει ὕδωρ εἰς τὰ ἔγ-  
 κατα αὐτοῦ (1)  
 109 (110). 7. Α ἐκ χείμαρρου ἐν ὁδῷ πέται ὕδωρ [Σ R om.] (1)  
 113 (114). 8. τοῦ στρέψαντος τὴν πέτραν εἰς λίμνας ὑδάτων καὶ τὴν ἀκρόστομον εἰς πηγὰς ὑδάτων (1, 1)  
 118 (119). 136. Σ R διεξόδους ὑδάτων κατέβη-  
 σαν [Α διεβ.] οἱ ὀφθαλμοί μου (1)  
 123 (124). 4. ἀρα τὸ ὕ. ἂν κατεπύοντιςεν ἡμᾶς (1)  
 — 5. ἀρα διήλθεν ἡ ψυχὴ ἡμῶν τὸ ὕ. τὸ ἀνυπό-  
 στατον (1)  
 135 (136). 6. Α Σ² R τῷ στερεώσαντι τὴν γῆν ἐπὶ τῶν ὕ. [Σ¹ τὸ ὕ.] (1)  
 143 (144). 7. ῥύσαι με ἐξ ὑδάτων πολλῶν (1)

|   |   |  |
|---|---|--|
| Ps. 147. 7 (18). ῥύσεται ὕδατα (1)                                | [n. 3. 7. μηδὲ ὕδωρ πνέωσαν (1)                                   | Je. 13. 1. ἐν ὕδατι οὐ διελεύσεται (1)                                   |
| 148. 4. καὶ τὸ ὕ. τὸ ὑπεράνω τῶν οὐρανῶν (1)                      | Na. 1. 12. κύριος καταρῶν ὑδάτων πολλῶν +                         | 14. 3. ἀπέστειλαν [S <sup>1</sup> -τησαν] τοὺς νεωτέρους (1)             |
| Pr. 5. 15. πνεῦμα ἀπὸ σὸν ἀργίας (1)                              | 2. 8 (9). ὡς κολυμβήθρα ὑδάτος τὰ ὕ. αὐ. [A (1,                   | αὐ. ἐφ' ὕ. (1)   |
| — 16. μὴ [A S <sup>2</sup> om.] ὑπερεκχέισθαι σοι ὕδατα (1)       | 3. 8. ὕδωρ κύκλω αὐτῆς (1)  | — 3. οὐχ εἴρσαν ὕ. (1)   |
| [A τὰ ὕ.] ἐκ τῆς σῆς πηγῆς +                                      | — 8. καὶ ὕδωρ τὰ τεῖχη αὐ. (1)                                    | 15. 18. ἐγενήθη μοι ὡς ὕ. ψευδές [A S -δος] (1)                          |
| — 16. εἰς δὲ σὰς πλατείας διαπορεύσθαι τὰ σὰ ὕ. (1)               | — 14. ὕδωρ περιοχῆς ἐπίσπασαι σεαυτῇ [S <sup>1</sup> al.] (1)     | 17. 8. ἔσται ὡς ξύλον εὐθύνον παρ' ὕδατα (1)                             |
| — 18. ἡ πηγὴ σου τοῦ ὕ. ἔστω σοι ἰδία (1)                         | Hb. 2. 14. ὡς ὕδωρ [A ὕ. πολλὸν] κατακαλύψει (1)                  | 18. 14. μὴ ἐκκλίνῃ ὕ. βιαίως ἀνέμῳ φερόμενον (1)                         |
| 8. 24. πρὸ τοῦ προελθεῖν τὰς πηγὰς τῶν ὕ. (1)                     | αὐτοὺς (1)  | 23. 15. ποτιῶ αὐτοὺς ὕ. πικρὸν (1)                                       |
| — 29. A S <sup>2</sup> ὕδατα οὐ παρελεύσονται στόμα- (1)          | 3. 10. σκορπίζων ὕδατα πορείας (1)                                | 26 (46). 7. ὡς ποταμοὶ κυμαίνουσιν ὕ. [S <sup>1</sup> om.] (1)           |
| τος αὐτοῦ (1)   | — 15. τοὺς ἵππους σου ταρασσόντας ὕ. πολὺ (1)                     | — 8. ὕδατα Αἰγύπτου ὡς ποταμοὶ ἀναβήσονται (1)                           |
| 9. 17. καὶ ὕδατος κλοπῆς γλυκεροῦ (1)                             | [S <sup>2</sup> ὕ. πολλὰ] (1)                                     | 27 (50). 38. ἐπὶ [S ἐν] τῷ ὕ. αὐτῆς [A add. (1)                          |
| — 18. οὕτως γὰρ διαβήσῃ ὕδωρ ἀλλότριον (1)                        | Za. 9. 10. καὶ κατάρξει ὑδάτων (1)                                | ἐπεποθεῖ (1)   |
| — 18. ἀπὸ δὲ ὑδάτος ἀλλοτριῶν ἀπόσχω (1)                          | — 11. ἐκ λάκκου οὐκ ἔχοντος ὕδωρ (1)                              | 28 (51). 13. ἐπὶ . . . κατασκηνούντας ἐφ' ὕδασι (1)                      |
| 18. 4. ὕδωρ βαθύ λόγος ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (1)                       | 14. 8. ἐξελεύσεται ὕδωρ ὡς ἐξ Ἱερ. (1)                            | πολλοῖς (1)  |
| 20. 5. ὕδωρ βαθύ βουλή ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (1)                       | 15. 1. 22. μίσχοντες τὸν οἶνον ὕδατι (1)                          | — 16. εἰς φωνὴν ἔθετο ἦχος ὕδατος (1)                                    |
| 21. 1. ὥσπερ ὁρμὴ ὕδατος (1)                                      | — 30. ὡς παράδεισος ὕ. μὴ ἔχων (1)                                | — 55. φωνὴν μεγάλην ἠχοῦσαν ὡς ὕδατα πολλὰ (1)                           |
| 24. 27 (30. 4). τὰς συνέστρεψεν ὕδωρ ἐν ἱματίῳ (1)                | 3. 1. ἀφ' ἐλ. . . ἰσχυρὸν ὕδατος (1)                              | 29 (47). 2. ὕδατα ἀναβαίνει ἀπὸ βορρᾶ (1)                                |
| — 51 (30. 16). καὶ γῆ οὐκ ἐμπυπλομένη ὑδάτος (1)                  | 5. 13. διὰ λιμὸν καὶ δίψας ὕδατος (1)                             | 29 (49). 19. S <sup>1</sup> ἀναβήσεται ἐκ τοῦ ὕ. [A B S <sup>2</sup> (1) |
| καὶ ὕδωρ καὶ πῦρ οὐ μὴ εἴπωσιν, (1, -)                            | 8. 6. διὰ τὸ μὴ βούλεσθαι τὸν λαὸν τ. τοῦ ὕ. τοῦ Σ. (1)           | ἐκ μέσου τοῦ Ἰορδάνου] +   |
| 25. 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρὸν ψυχῇ διψώσῃ (1)                         | — 7. κύριος ἀνάγει ἐφ' ἡμᾶς τὸ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)                 | 31 (48). 34. τὸ ὕ. Νεβρεὶν εἰς κατάκαμα ἔσται (1)                        |
| — 26. καὶ ὑδάτος ἐξοδὸν λυμαίνονται (1)                           | 11. 9. ὡς ὕ. πολὺ κατακαλύψει θαλάσσας (1)                        | 38 (31). 9. αὐλίζων ἐπὶ διώρυγας ὑδάτων (1)                              |
| Ec. 2. 6. ἐπαίσιμ' αὐτὸν κολυμβήσας ὑδάτων (1)                    | 12. 3. ἀντλήσετε ὕ. μετ' εὐφροσύνης (1)                           | 45 (38). 6. ἐν τῷ λάκκῳ οὐκ ἦν ὕ. (1)                                    |
| 11. 1. A B S <sup>2</sup> B ἀπόστειλον τὸν ἄρτον σου ἐπὶ (1)      | 15. 6. τὸ ὕ. τῆς Νεμερδαίμ' ἐρημον ἔσται [S <sup>1</sup> al.] (1) | 48 (41). 12. εὗρον αὐτὸν ἐπὶ ὑδάτος πολλοῦ (1)                           |
| πρὸς ὥσπον τοῦ ὕδ. (1)  | — 9. τὸ δὲ ὕ. τὸ Δεῖμον πλησθήσεται αἵματος (1)                   | La. 1. 16. ὁ ὀφθαλμὸς μου κατήγαγεν ὕ. (1)                               |
| Ca. 4. 15. φέρον ὑδάτος ζῶντος καὶ ροιζούντος (1)                 | 17. 12. νότος ἐθῶν πολλὸν ὡς ὕ. ἡχίσει (1)                        | 2. 19. ἔκχεον ὡς ὕ. καρδίαν σου (1)                                      |
| 5. 12. A S ὡς περικυτῆται ἐπὶ πληρώματα (1)                       | — 13. ὡς ὕ. πολὺ ἐθῶν πολλὰ ὡς ὕδατος πολ- (1)                    | 3. 18. ἀφ' ὧν ὑδάτων κατὰξαι ὁ ὀφθαλμὸς μου (1)                          |
| ὑδάτων . . . καθίμηναι ἐπὶ πληρώ- (1, -)                          | λοι βία φερόμενον [A καταφ.] (-, 1)                               | — 54. ὑπερεκχέθῃ ὕ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν μου (1)                              |
| ματά ὑδάτων [B om.] (1, -)  | 18. 2. ὁ ἀποστέλλων . . . ἐπιστολὰς βιβλίνας (1)                  | 5. 4. B ὕ. ἡμῶν ἐν ἀργυρίῳ ἐπίμον [A B al.] (1)                          |
| 8. 7. ὕδωρ πολὺ οὐ δυνάσεται σβέσαι τὴν ἀγάπην (1)                | 19. 5. πίνονται οἱ Αἰγύπτιοι ὕ. τὸ παρὰ θάλασσαν (1)              | Εζ. 1. 24. ἴκονον . . . ὡς φωνὴν ὑδάτος πολλοῦ (1)                       |
| Wi. 5. 10. ὡς καὶ διερχομένη κυμαίνουμένη ὕδωρ (1)                | — 6. ξηρανθήσεται πᾶσα συναγωγὴ ὑδάτος (1)                        | 4. 11. ὕ. ἐν μέτρῳ πίεται (1)  |
| — 22. ἀγανακτήσει κατ' αὐτὸν ὕδωρ θαλάσσης (1)                    | 21. 14. διψῶντι ὕ. φέρετε (1)                                     | — 16. ὕ. ἐν μέτρῳ καὶ ἐν ἀφανισμῷ πίνονται (1)                           |
| 10. 18. διήγαγεν αὐτοὺς δι' ὕδατος πολλοῦ (1)                     | 22. 9. ἀπέστρεψε τὸ ὕ. τῆς ἀρχαίας κολυμ- (1)                     | — 17. ὅπως ἐνδεεῖς γένωνται ἄρτου καὶ ὑδάτος (1)                         |
| 11. 4. ἐδάθον αὐτοὺς ἐκ πέτρας ἀκροτόμου ὕδωρ (1)                 | βήθρας (1)  | 12. 18. τὸ ὕ. μετὰ βασάνου καὶ θλίψεως [A (1)                            |
| — 7. ἔδωκεν αὐτοῖς διαφυλῆς ὕ. ἀνεπίστως (1)                      | — 11. ἐποιήσατε ἑαυτοῖς ὕ. (1)                                    | ἐκθ.] πίεται (1)   |
| 13. 2. ἡ κύκλον ἄστρων ἢ βλαύον ὕδωρ (1)                          | 23. 3. διαπερῶντες τὴν θάλασσαν ἐν ὕδατι (1)                      | — 19. τὸ ὕ. αὐτῶν μετὰ ἀφανισμοῦ πίνονται (1)                            |
| 16. 17. ἐν τῷ πάντα σβεννύντι ὕ. (1)                              | πολλῶ (1)   | 16. 4. ἐν ὕδατι οὐκ ἐλουίσθης [A add. τοῦ χρι- (1)                       |
| — 19. μεταξὺ ὑδάτος ὑπὲρ τὴν πυρὸς δύνημιν φλέγει (1)             | 24. 14. παραχθήσεται τὸ ὕ. τῆς θαλάσσης (1)                       | στοῦ μου] (1)  |
| — 29. ῥύσεται ὡς ὕδωρ ἀχρηστον (1)                                | 28. 2. ὡς ὑδάτος πολὺ πληθὺς σῦρον χώραν (1)                      | — 9. ἔλουσά σε ἐν ὕδατι (1)  |
| 17. 19. ῥυθμὸς ὑδάτος πορευόμενον βία (1)                         | 30. 14. A B S <sup>2</sup> ἐν ᾧ ἀποσπνέει ὕ. (1)                  | 17. 5. ἔδωκεν αὐτὸ εἰς τὸ πεδῖον φυτὸν ἐφ' (1)                           |
| 18. 5. ἀπόλωσας ἐν ὕδατι σφοδρῶ (1)                               | — 20. δώσει . . . ἄρτον θλίψεως καὶ ὕ. στενόν (1)                 | ὕδατι πολλῶ (1)  |
| 19. 7. ἐκ δὲ προῦφροσθέντος ὑδάτος ξηρὰς ἀνάδυσιν (1)             | — 22. λιμνίσαι ὡς ὕ. ἀποκαθμήνης (1)                              | — 8. ἐφ' ὕδατι πολλῶ αὐτὴ πιαίνεται (1)                                  |
| γῆς ἐθωρήθη (1)   | — 25. ἔσται . . . ὕ. διαπορευόμενον (1)                           | 19. 10. ὡς ἀμπέλος . . . ἐν ὕδατι πεφυτευμένη (1)                        |
| — 20. πῦρ ἰσχυρὸν ἐν ὕδατι τῆς ἰδίας δυνάμεως (1)                 | — 28. ὡς ὕ. ἐν φάραγιν σῦρον ἦξει (1)                             | ὁ καρπὸς αὐτῆς καὶ ὁ θλαστός αὐτῆς (1, 1)                                |
| [A δ. ἐπιτελεσμένον] καὶ ὕδωρ τῆς (1)                             | — 30. ὡς ὕ. καὶ χιλιὰς (1)  | ἐγένετο ἐξ ὑδάτος πολλοῦ (1)   |
| σβεστικῆς δυνάμεως [A S φύσεως] ἐπε- (1)                          | 32. 2. κρυβήσεται ὡς ἀφ' ὕδατος φερόμενον (1)                     | 24. 3. ἔγχεον [A ἐκχ.] εἰς αὐτὸν ὕ. (1)                                  |
| λανθάνον (1)  | — 20. μακάριοι οἱ σπείροντες ἐπὶ πάν ὕ. (1)                       | 26. 19. κατακαλύψει σε ὕ. πολὺ (1)                                       |
| Si. 3. 30. πῦρ φλογιζόμενον ἀποσβέσει ὕδωρ (1)                    | 33. 16. τὸ ὕ. αὐτοῦ πιστόν (1)                                    | 27. 26. ἐβαρύνθη σφόδρα . . . ἐν ὕδατι πολλῶ (1)                         |
| 15. 3. ὕδωρ σοφίας ποτίσει αὐτὸν (1)                              | 35. 6. ἐρράγη ἐν τῇ ἐρήμῳ ὕ. (1)                                  | — 34. ἐν βάθει ὑδάτος ὁ σύμμικτός σου (1)                                |
| — 16. παρήγγειλε σοι πῦρ καὶ ὕδωρ (1)                             | — 7. εἰς τὴν διψῶσαν γῆν πηγὴ ὑδάτος ἔσται (1)                    | 30. 16. διαχυθήσεται ὕδατα (1)   |
| 18. 10. ὡς σταγὼν ὑδάτος ἀπὸ θαλάσσης (1)                         | 36. 16. πείσθη ὕ. τοῦ λάκκου ἡμῶν (1)                             | 31. 4. ὕ. ἐξέβρεψεν αὐτὸν (1)  |
| 25. 25. μὴ ὄψαι ὕδατι διέξοδον (1)                                | 37. 25. ἡρώμαστα ὕδατα καὶ πᾶσαν συναγωγὴν (1, +)                 | — 5. ἐπλανήθησαν οἱ κλάδοι αὐτ. ὕ. ἀφ' ὑδάτος (1)                        |
| 26. 12. ἀπὸ παντὸς ὑδάτος τοῦ σύγγενος πίεται (1)                 | ὕδατος (1)  | πολλοῦ [A al.] (1)   |
| 29. 21. ἀρχὴ ζωῆς [A <sup>2</sup> ζ. ἀνθρώπου] ὕδωρ καὶ ἄρτος (1) | 40. 12. τίς ἐμέτησε τῇ χειρὶ τὸ ὕ. (1)                            | — 7. ἐγενήθησαν αἱ ρίζαι αὐτοῦ εἰς ὕ. πολὺ (1)                           |
| 38. 5. οὐκ ἀπὸ ξύλου γλυκύνει ὕδωρ (1)                            | 41. 17. ἡττήσονται γὰρ ὕδωρ καὶ οὐκ ἔσται (1)                     | — 14. πάντες οἱ πίνοντες ὕ. (1)  |
| 39. 17. ἔσθη ὡς θημῶν ὕδωρ καὶ ἐν ῥήματι στόματος (1)             | — 18. ποιήσω τὴν ἐρημον εἰς ἐλὴ ὑδάτων [A S <sup>3</sup> (1)      | — 15. ἐκάλυψα πληθὺς ὑδάτος (1)  |
| αὐτοῦ ἀποδοχεῖα ὑδάτων (1)  | om.] (1)  | — 16. τὰ ἐκλεκτὰ τοῦ Λιβάνου πάντα τὰ πί- (1)                            |
| — 23. ὡς μετέστρεψεν ὕδατα εἰς ἄλμην (1)                          | 43. 2. εἰς διαβόλῃς δι' ὕδατος (1)                                | νοντα ὕ. (1)   |
| — 26. ὕδωρ πῦρ καὶ σίδηρος (1)                                    | — 16. ὁ διδοὺς . . . ἐν ὕδατι ἰσχυρῶ τρίβον (1)                   | 32. 2. ἐτάρασσες ὕ. [A τὸ ὕ.] τοῖς ποτί σου (1)                          |
| 40. 11. ἀπὸ ὑδάτων εἰς θάλασσαν ἀνακάμπτει (1)                    | — 20. ἔδωκεν ἐν τῇ ἐρήμῳ ὕ. (1)                                   | — 13. ἀπολῶ πάντα τὰ κτήνη αὐτῆς ἀφ' ὑδάτος (1)                          |
| — 16. ἔχει ἐπὶ παντὸς ὑδάτος . . . ἐκτιλήσεται (1)                | 44. 3. δώσω ὕ. ἐν δίψει τοῖς πορευόμενοις (1)                     | πολλοῦ (1)   |
| 43. 20. παγήσεται κρύσταλλος ἀφ' [A S ἐφ'] ὑδάτος (1)             | — 4. ἀνατελοῦσιν ὡς ἀνὰ μέσον ὑδάτος χόρτος (1)                   | — 14. ἡσυχάσει τὰ ὕ. αὐτῶν (1)   |
| — 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὑδάτος καταλύσει καὶ (1)                | καὶ ὡς ἵερα ἐπὶ παραρρέον ὕ. (-, 1)                               | — 19. A ἐξ ὑδάτων εὐπρεποῦς κατὰβηθι (1)                                 |
| ὡς θώρακα ἐνδύσεται [S ἐκδ.] τὸ ὕ. (1)                            | — 12. οὐ μὴ πῖν ὕ. (1)  | 34. 18. τὸ καθεστῆκός ὕ. ἐπίνετε (1)                                     |
| 48. 17. A εἰσάγαγεν εἰς μέσον αὐτῆς ὕδωρ [B S al.] (1)            | 48. 21. ὕ. ἐκ πέτρας ἐξάξει αὐτοῖς (1)                            | — 19. τὸ τετραπαγμένον ὕ. ὑπὸ τῶν ποδῶν (1)                              |
| — 17. φοβοῦμενος κρήνης εἰς ὕδατα (1)                             | — 21. ῥύσεται ὕ. (1)  | — 36. 25. ῥανθὲ ἐφ' ἡμᾶς καθαρὸν ὕ. (1)                                  |
| 50. 3. ἡλατῶθη ἀποδοχεῖον [A S -εἰα] ὑδάτων (1)                   | 49. 10. διὰ πηγῶν ὑδάτων ἄξει αὐτοὺς (1)                          | 47. 1. τὸ ὕ. ἐξεπορεύοντο ὑποκατάθεντο τοῦ αἵθριον (1)                   |
| — 8. ὡς κρίνα ἐπ' ἐξόδων [A S -φ] ὑδάτος (1)                      | 50. 2. ἀπὸ τοῦ μὴ εἶναι ὕ. (1)                                    | — 1. τὸ ὕ. κατέβαιναν ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ (1)                            |
| Ho. 2. 5 (7). τῶν διδόντων μοι . . . τὸ ὕ. μου (1)                | 51. 10. ὕ. ἀβίσσου πληθὺς (1)                                     | δεξιῶ (1)  |
| 5. 10. ἐκχέω ὡς ὕδωρ τὸ ὄμμα μου (1)                              | 54. 9. ἀπὸ τοῦ ὕ. τοῦ ἐπὶ Νῶε τοῦτο μοι ἔστι (1)                  | — 2. τὸ ὕ. κατεφέρετο ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιῶ (1)                      |
| 6. 9 (8). πόλις . . . ταρασσούσα ὕδωρ (1)                         | 55. 1. οἱ διψῶντες πορεύεσθε ἐφ' ὕ. (1)                           | — 4 (3). διηλθεν ἐν τῷ ὕ. ὕ. ἀφ' ὧν (1, 1)                               |
| 10. 7. ὡς φρίγγανον ἐπὶ προσώπῳ ὑδάτος (1)                        | 58. 11. ἦν μὴ ἐξέλειπεν ὕ. (1)                                    | — 4. διηλθεν ἐν τῷ ὕδατι ὕδωρ ὡς τῶν μνηρῶν (1)                          |
| 11. 10. ἐκστήσονται τέκνα ὑδάτων (1)                              | 63. 12. κατίσχυσεν ὕ. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (1)                      | . . . καὶ διηλθεν ὕ. ἕως ὀσφύος (1 ter)                                  |
| Am. 4. 8. συναρπασθήσονται . . . τοῦ πεινῶ (1)                    | Je. 2. 13. ἐμε ἐγκατέλειπον πηγὴν ὑδάτος ζωῆς (1)                 | — 5. A ἐξέβριζεν τὸ ὕ. ὕ. ἕως ροίους χειμάρ- (1, 1)                      |
| ὕδωρ (1)  | [A S <sup>2</sup> ζῶντος] (1)                                     | ρου [B al.] (1)  |
| 5. 8. ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕ. τῆς θαλάσσης (1)                     | — 13. οἱ οὐ δυνήσονται ὕ. συνέχειν (1)                            | — 8. τὸ ὕ. τοῦτο τὸ ἐκπορευόμενον . . . ἤρκετο (1)                       |
| — 24. κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα (1)                              | — 18. τοῦ πεινῶ ὕ. Γῶν . . . τοῦ πεινῶ θ. (1, 1)                  | ἕως ἐπὶ τὴν θαλά. ἐπὶ τὸ ὕ. τῆς (1)                                      |
| 8. 11. οὐ λιμὸν ἄρτων οὐδὲ δίψαν ὑδάτος (1)                       | ποταμῶν (1)   | διεκβολῆς [A ἐκ.] καὶ ὑγιάσει τὰ ὕ. (1, 1)                               |
| — 12. σαλευθήσονται ὕδατα τῆς θαλάσσης (1)                        | — 24. τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐπλάτυνεν ἐφ' ὕδατα ἐρήμου (1)              | — 9. ἦκει ἐκεῖ τὸ ὕ. τοῦτο (1)   |
| 9. 6. ὁ προσκαλούμενος τὸ ὕ. τῆς θαλάσσης (1)                     | 6. 7. ὡς ψυχὴ λάκκου ὕ. (1)                                       | — 12. τὰ ὕ. αὐτῶν ἐκ τῶν ἁγίων ταῦτα ἐκπο- (1)                           |
| Mi. 1. 4. ὡς ὕδωρ καταφερόμενον ἐν καταβάσει (1)                  | 8. 14. ἐπότησεν ἡμᾶς ὕ. χολῆς (1)                                 | εύεται (1)   |
| 7. 12. A ἡμέρα ὑδάτος καὶ θορύβου (1)                             | 9. 1 (8. 23). τίς δώσει κεφαλὴν μοι ὕ. (1)                        | — 19. ἕως ὑδάτος μαριμβῶ Καδὴμ (1)                                       |
| Jl. 1. 20. ἐξηρανθήσαν ἀφ' ὧν ὑδάτων (1)                          | — 15 (14). ποτιῶ αὐτοὺς ὕ. χολῆς (1)                              | 48. 28. ἀπὸ θαιμᾶν καὶ ὑδάτος βαριμβῶ Καδὴς (1)                          |
| 3 (4). 18. πᾶσαι αἱ ἀφ' ὧν ὕ. ῥύονται ὕδατα (1)                   | — 18 (17). τὰ βλεφάρων ἡμῶν λείπτω ὕ. (1)                         |  |
| Jn. 2. 6. περιεχύθη ὕδωρ μοι ἕως ψυχῆς (1)                        | 10. 13. πληθὺς ὑδάτος ἐν οὐρανῷ (1)                               |  |

Da. LXX. 8. (60). εὐλογεῖτε, ὕδατα . . . τὸν κύριον  
— (79). καὶ πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕ.  
12. 6. B εἶπα τῷ ἐνὶ . . . τῷ ἐπάνω τοῦ ὕ. τοῦ  
ποταμοῦ [cod. opt. τ. ὕ. τ. π.] (1)  
— 7. δε ἦν ἐπάνω τοῦ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)  
Da. TH. 1. 12. καὶ ὕδωρ πῶμθα (1)  
8. (60). εὐλογεῖτε, ὕδατα . . . τὸν κύριον  
— (79). B καὶ πάντα τὰ κινούμενα ἐν ὕδασι [A B  
τοῖς ὕ.] (1)  
12. 6. 7. δε ἦν ἐπάνω τοῦ ὕ. τοῦ ποταμοῦ (1)  
I Ma. 5. 40. ἐν τῷ ἐγγίξειν . . . ἐπὶ τὸν χεῖμαρρουν  
τοῦ ὕ.  
— 42. ὡς δὲ ἤγγισεν Ἰ. ἐπὶ τὸν χεῖμαρρουν τοῦ ὕ.  
9. 33. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕ. λάκκου Ἀσφάλ  
— 45. τὸ δὲ ὕ. τοῦ Ἰορδ. ἔνθεν καὶ ἔνθεν  
11. 67. παρενέβαλον ἐπὶ τὸ ὕ. τοῦ Γ.  
II Ma. 1. 20. μὴ ἐντρέχειν πῦρ ἀλλὰ ὕ. παχύ  
— 21. ἐπιρράναι τῷ ὕ. τὰ τε ξύλα  
— 31. καθὼς δὲ ἀνελώθη . . . τὸ περιλειπόμεν. ὕ.  
— 33. εἰς τὸν τόπον . . . τὸ ὕ. ἐφάνη  
15. 39. ὡσαύτως δὲ καὶ ὕδωρ πάλιν πολέμιον  
— 39. οἶνος ὕδατι συγκερασθεῖς  
III Ma. 2. 4. ἐπαγαγὼν αὐτοῖς ἀμέτητον ὕ.  
IV Ma. 3. 11. ἐπιθυμία τοῦ παρὰ τοῖς πολέμοις ὕ.  
[Aq. Ge. 1. 2, 6 iter, 10, 20: 8. 1: 49. 4: Ex. 7.  
24 bis: Jo. 11. 8: III Ki. 14. 15: Jb. 8. 24:  
22. 11: 28. 5: 28. 25: 38. 34: Ps. 31 (32).  
6: 32 (35): 7: 64 (65): 10: 73 (74): 13: 15.  
19: 5: 30. 14: 20: 36. 12: 41. 17, 18 bis: 64.  
9: 57. 20: 58. 11: Jb. 15. 18: Ez. 31. 4:  
45. 15.]  
[Sm. Ge. 1. 2, 6 iter, 10, 20: 8. 1: 49. 4: Ex.  
7. 24 bis: Dt. 38. 8: Jo. 13. 6: Jd. 1. 15:  
II Ki. 14. 14: Jb. 14. 11: 24. 18: 28. 25:  
38. 34: Ps. 1. 3: 31 (32): 6: 32 (38): 7: 45  
(46): 4: 57 (68): 8: 62 (63): 2: 64 (65): 10:  
68 (69): 2: 3: 80 (81): 8: 87 (88): 18: 118  
(119): 136: Pr. 8. 29: Is. 80. 20, 25: 36. 12:  
37. 25: 41. 17, 18 bis: 48. 1: 54. 9: 57. 20:  
58. 11: 63. 12: 64. 2 (1): Jb. 10. 13: 15.  
18: Ez. 7. 17: 21. 7 (12): 45. 15.]  
[Th. Ge. 1. 2, 6 iter, 10, 20: 49. 4: Ex. 7. 24  
bis: 40. 30: II Ki. 14. 14: Jb. 14. 19: 22.  
11: 24. 18: 28. 5: 34. 7: 38. 34: Ps. 28  
(29): 3: Pr. 8. 29: 17. 14: 15. 24: 14: 28.  
17: 30. 20: 37. 25: 41. 17, 18: 48. 1: 54.  
9: 57. 20: 58. 11: 63. 12: 64. 2 (1): Jb. 10.  
15: 18: Ez. 32. 19: Da. 12. 6: Ho. 5. 10.]  
[Al. Ex. 15. 19: 17. 1: Nu. 5. 18: 20. 24:  
Ps. 123 (124). 4: 5: 135 (136): 6: Mi. 7. 12:  
Hb. 8. 15.]  
[Heb. Ez. 7. 17: 48. 2.]  
ἕιν. (1) 𐤇𐤓𐤁 hi.  
Ex. 9. 18. ὥω [A ὥων] . . . χαλάζην πολλήν  
σφόδρα (1)  
16. 4. ὥω ὕμιν ἄρτους ἐκ τοῦ οὐρ. (1)  
[Sm. Ps. 10 (11). 6.]  
ἕιος (ὑἱος). (1) 𐤇𐤓𐤁 hi.  
Ps. 16 (17). 14. ἐχρησάσθην ὑἱόν [A ὑἱόν] +  
Is. 65. 4. οἱ ἔσθοντες κρέας ὑἱόν [A B κρέα ὕ.] (1)  
66. 3. ὁ δὲ ἀναφέρων σμεῖδαι ὡς αἶμα ὑἱόν (1)  
— 17. ἔσθοντες κρέας [A B<sup>2</sup>-έα] ὑἱόν [B<sup>1</sup>-ια,  
B<sup>2</sup>-ων] (1)  
I Ma. 1. 47. καὶ θύειν ὑἱα  
II Ma. 6. 18. ἡραγκίζετο φαγεῖν ὕ. κρέας  
7. 1. ἀπὸ τῶν ἀθεμίτων ὕ. κρεῶν ἐφάπτεσθαι  
IV Ma. 5. 2. καὶ κρεῶν ὕ. . . ἀναγκάζει ἀπογενεσθαι  
— 6. ἀπογενεσθαι τῶν ὕ.  
6. 15. ὑποκρινόμενος τῶν ὕ. ἀπογενεσθαι  
ὀνέτι [Lein. (1) 𐤇𐤓𐤁 hi. (2) 𐤇𐤓𐤁 hi.  
Jb. 38. 26. τοῦ ὑἱοῦ ἐπὶ γῆν [A γῆς] (2)  
Je. 14. 22. μὴ ἔστιν ἐν εἰδωλοῖς τῶν ἐθνῶν ὑἱέων (1)  
[Aq. Jb. 20. 23: Jb. 14. 22.]  
[Sm. Jb. 14. 22.]  
[Th. Jb. 38. 26.]  
ὑετός. (1) 𐤇𐤓𐤁 (2) 𐤇𐤓𐤁 (3) 𐤇𐤓𐤁  
(4) 𐤇𐤓𐤁 (5) ἐπάγειν ὑετόν 𐤇𐤓𐤁 hi.  
(6) ὕ. λάβρος 𐤇𐤓𐤁 (7) ὕ. γίνεται  
𐤇𐤓𐤁 ru.  
Ge. 7. 4. ἐπάγω ὑετόν ἐπὶ τὴν γῆν (5)  
— 12. ἐγένετο ὁ ὕ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)  
8. 2. συνεσχέθη ὁ ὕ. ἀπὸ τοῦ οὐρ. (1)  
Ex. 9. 29. ἡ χάλας καὶ ὁ ὕ. οὐκ ἔσται ἔτι

Ex. 9. 33. ὁ ὕ. οὐκ ἔσται ἔτι (2)  
— 34. πέπναιτο ὁ ὕ. (2)  
Le. 26. 4. δάσω τὸν ὕ. ὕμιν ἐν καιρῷ αὐτοῦ  
De. 11. 11. ἐκ τοῦ ὕ. τοῦ οὐρ. πίεται ὕδωρ  
— 14. δάσει τὸν ὕ. τῇ γῇ σου (2)  
— 17. B καὶ οὐκ ἔσται ὁ [A B om.] ὕ. (2)  
28. 12. δοῦναι τὸν ὕ. τῇ γῇ σου ἐπὶ καιροῦ  
— 24. δάψ κ. ὁ θ. σου τὸν ὕ. τῇ γῇ σου κοινορ-  
τόν (2)  
32. 2. προσδοκᾶσθω ὡς ὑετός τὸ ἀπόφθεγμά  
μου (2)  
I Ki. 12. 17. δώσει φωνὰς καὶ ὑετόν (2)  
— 18. B ἔδωκε κύριος φωνὰς καὶ ὑετόν (2)  
II Ki. 1. 21. καὶ μὴ ὑετός [A ὕ. πέσοι] ἐφ'  
ὑμᾶς (2)  
23. 4. ὡς ἐξ ὑετοῦ χλόης ἀπὸ γῆς (2)  
III Ki. 8. 35. ἐν τῷ . . . μὴ γενέσθαι ὑετόν  
— 36. δάσει ὑετόν ἐπὶ τὴν γῆν (2)  
17. 1. εἰ ἔσται τὰ ἔτη ταῦτα δρόσος καὶ ὑετός  
— 7. οὐκ ἐγένετο ὑετός ἐπὶ τῆς γῆς (2)  
— 14. τοῦ δοῦναι κύριον τὸν [A om.] ὕ. ἐπὶ  
τῆς γῆς (1)  
18. 1. δάσω ὑετόν ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς  
— 41. φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ ὕ. (2)  
— 44. μὴ καταλάβῃ σε ὁ ὕ. (1)  
— 45. καὶ ἐγένετο ὁ ὕ. μέγας (2)  
IV Ki. 8. 17. οὐκ ὀψασθε ὑετόν (1)  
II Ch. 6. 26. ἐν τῷ . . . μὴ γενέσθαι ὑετόν  
— 27. δάσει ὑετόν ἐπὶ τὴν γῆν σου (2)  
7. 13. εἰ . . . μὴ γένηται ὑετός (2)  
Ju. 8. 31. ἀποστείλει κύριος τὸν ὕ.  
Jb. 5. 10. τὸν διδόντα ὑετόν ἐπὶ τὴν γῆν (2)  
29. 23. ὥσπερ γῆ διψῶσα προσδεχομένη τὸν  
[A om.] ὕ. (2)  
36. 27. ἀριθμηταὶ δὲ αὐτῷ σταγόνες ὑετοῦ καὶ  
ἐπιχυθίσκονται ὑετῷ εἰς νεφέλην (2, 2)  
37. 6. καὶ χειμῶν ὑετός [A χειμῶν ἵνα ἦ ὕ.  
καὶ χειμῶν ὑετῶν δυναστείας [A-αις  
αὐτοῦ] (2, 2)  
38. 25. τίς δὲ ἠτοίμασεν ὑετῷ λάβρην ῥύσιν  
— 28. τίς ἐστὶν ὑετοῦ πατήρ (2)  
Ps. 71 (72). 6. καταβήσεται ὡς ὑετός ἐπὶ πόκον  
134 (135). 7. ἀστραπαὶ εἰς ὑετόν ἐποίησεν (2)  
146 (147). 8. τῷ ἐτοιμάζοντι τῇ γῇ ὑετόν (2)  
Pr. 25. 14. ὥσπερ ἀνεμὸς καὶ νεφέλη καὶ ὑετοὶ  
ἐπιφανίστατα [A B<sup>2</sup>-οι] (1)  
26. 1. ὥσπερ ὑετός ἐν θέρει (1)  
28. 4 (3). ὥσπερ ὑετός λάβρος καὶ ἀνοφέλης  
Ec. 11. 3. εἰς πληθῶσιν [A B πληρωθῶσιν] τὰ  
νέφη ὑετοῦ (1)  
12. 2. ἐπιστρέψουσιν τὰ νέφη ὀπίσω τοῦ [A  
om.] ὕ. (1)  
Ca. 2. 11. ὁ ὕ. ἀπῆλθεν (1)  
Wi. 16. 16. ξένοις ὑετοῖς καὶ χαλάζαις . . . διωκό-  
μενοι (1)  
— 22. πῦρ . . . ἐν [B<sup>2</sup> om.] τοῖς [B<sup>2</sup> ξένοις] ὕ.  
διαστράπτων (2)  
Si. 1. 2. σταγόνες ὑετοῦ . . . τίς ἐξαριθμῆσαι  
32 (35). 20. ὡς νεφέλαι ὑετοῦ ἐν καιρῷ ἀβροχίας  
40. 13. ὡς βροχὴ μεγάλη ἐν ὑετῷ ἐξηχίσει  
43. 18. ἐπὶ τοῦ ὕ. αὐτῆς ἐκστήσεται καρδία  
Ho. 6. 4 (3). ἦξει ὡς ὕ. ἡμῖν πρῶτος (1)  
Am. 4. 7. ἀνέσχον ἐξ ὕμῶν τὸν ὕ. (1)  
Jl. 2. 23. βρέξει ὕμιν ὕ. πρῶτον (1)  
Za. 10. 1. αἰτεῖσθαι παρὰ κυρίου ὑετόν  
— 1. ὕ. χειμερινὸν δώσει αὐτοῖς (2)  
Is. 4. 6. ἐν ἀποκρύφῳ ἀπὸ σκληρότητος καὶ  
νετοῦ (2)  
5. 6. τοῦ μὴ βρέξει εἰς αὐτὸν ὑετόν (2)  
80. 23. ἔσται ὁ ὕ. τῷ σπέρματι τῆς γῆς σου (2)  
44. 14. ὕ. ἐμήκυνεν (1)  
55. 10. ὡς γάρ ἂν καταβῇ ὁ [A B om.] ὕ. ἡ  
γῆ (1)  
Je. 5. 24. τὸν διδόντα ἡμῖν ὕ. πρῶτον (1)  
10. 13. ἀστραπαὶ εἰς ὑετόν ἐποίησε (2)  
14. 4. οὐκ ἦν ὕ. (1)  
28 (51). 16. ἀστραπαὶ εἰς ὑετόν ἐποίησε (2)  
Er. Je. 53. οὐτε ὑετόν ἀνθρώποις οὐ μὴ δώσει  
Ez. 1. 28. A<sup>2</sup> B ἐν τῇ νεφέλῃ ἐν ἡμέραις ὑετοῦ  
13. 11. ἔσται ὕ. κατακλύζων (1)  
— 13. ὕ. κατακλύζων ἐν ὀργῇ μου ἔσται (1)  
22. 24. οὐδὲ ὕ. ἐγένετο ἐπὶ σέ [A ὕ. καταβή-  
σεται σοι] (7)  
84. 26. δάσω τὸν ὕ. ὕμιν ὑετόν εὐλογίας [A  
ἀποστελῶ ὕ. ἐν. αὐτοῖς] (1, 1)  
88. 9. ἀναβήσῃ ὡς ὕ. (4)

Ex. 38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . ὑετῷ κατακλύζοντι (1)  
40. 43. τοῦ καλύπτεσθαι ἀπὸ τοῦ ὕ. —  
[Aq. Jb. 38. 28: Ps. 71 (72). 6: Za. 14. 17.]  
[Sm. Jb. 37. 6: 38. 28: Ps. 67 (68). 10: Ec.  
12. 2: Za. 14. 17.]  
[Th. II Ki. 1. 21: Jb. 36. 27: 37. 6: 38. 28  
(P.): Za. 14. 17.]  
ὑἱος, υἱά. υἱά. υἱά. υἱά. υἱά. υἱά. υἱά. υἱά. υἱά. υἱά.  
υἱός. (1) 𐤇𐤓𐤁 (2) 𐤇𐤓𐤁 (3) 𐤇𐤓𐤁 (4) 𐤇𐤓𐤁  
(5) 𐤇𐤓𐤁 (6) a. 𐤇𐤓𐤁 b. 𐤇𐤓𐤁 (7) 𐤇𐤓𐤁  
(8) υἱοὶ Ἀμμών 𐤇𐤓𐤁 (9) υἱοὶ Γάδ 𐤇𐤓𐤁  
(10) υἱοὶ Γηρσών (Γεδσών, Γεδσωνί) 𐤇𐤓𐤁  
(11) υἱοὶ Ἑσθ. 𐤇𐤓𐤁 (12) υἱός  
Καδῶ 𐤇𐤓𐤁 (13) υἱοὶ Κορέ 𐤇𐤓𐤁  
(14) υἱοὶ Ῥουβὴν 𐤇𐤓𐤁  
Ge. 4. 17. ἐπὶ τῷ ὀνόματι τοῦ υἱ. αὐ. Ἐ. (3)  
— 25. συλλαβοῦσα ἔτεκε υἱόν (3)  
— 26. τῷ Σ. ἐγένετο υἱός (3)  
5. 4, 7, 10, 13, 16, 19, 22, 26. ἐγέννησεν υἱούς  
καὶ θυγατέρας (3)  
— 28. ἐγέννησεν υἱόν (3)  
— 30. ἐγέννησεν υἱούς καὶ θυγατέρας (3)  
— 32. ἐγέννησεν Νῶε τρεῖς υἱούς —  
6. 2. B ἰδόντες δὲ υἱοὶ τοῦ θ. τὰς θυγ. τῶν ἀνθρ.  
[A al.] (3)  
— 4. ὡς ἐν εἰσπορεύοντο οἱ υἱοὶ τοῦ θεοῦ (3)  
— 10. ἐγέννησεν δὲ Ν. τρεῖς υἱούς (3)  
— 18. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου . . . καὶ αἱ γυναῖκες  
τῶν υἱ. σου (3, 3)  
7. 7. Νῶε καὶ οἱ υἱ. αὐ. . . καὶ αἱ γυναῖκες τῶν  
υἱ. αὐ. (3, 3)  
— 13. Σὴμ Χάμ Ἰ. υἱοὶ Νῶε . . . καὶ αἱ τρεῖς  
γυναῖκες τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)  
8. 16. οἱ υἱ. σου καὶ αἱ γυναῖκες τῶν υἱ. σου (3, 3)  
— 18. οἱ υἱ. αὐ. [A<sup>1</sup> om. οἱ υἱ. αὐ.] καὶ αἱ  
γυναῖκες τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)  
9. 1. ἡλόγησεν ὁ θ. τὸν Ν. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)  
— 8. εἶπεν ὁ θ. τῷ Νῶε καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
— 18. οἱ υἱ. Νῶε οἱ ἐξεληθέντες ἐκ τῆς κιβωτοῦ (3)  
— 19. τρεῖς οὗτοι εἰσιν οἱ υἱ. Νῶε (3)  
— 24. δσα ἐποίησεν αὐτῷ ὁ υἱ. αὐ. ὁ νεώτερος (3)  
10. 1. αὐταὶ δὲ αἱ γενεαὶς τῶν υἱ. Νῶε  
— 1. ἐγεννήσαν αὐτοῖς υἱοὶ (3)  
— 2. υἱοὶ Ἰαφὲθ (3)  
— 3. καὶ υἱοὶ Γαμέρ (3)  
— 4. καὶ υἱοὶ Ἰωάν (3)  
— 6. υἱοὶ δὲ Χάμ (3)  
— 7. υἱοὶ δὲ Χούς (3)  
— 7. υἱοὶ δὲ Ῥεγκμά (3)  
— 20. οὗτοι υἱοὶ Χάμ ἐν ταῖς φυλαῖς αὐ. (3)  
— 21. πατρὶ πάντων τῶν υἱ. Ἐβερ (3)  
— 22. υἱοὶ Σὴμ (3)  
— 23. καὶ υἱοὶ Ἀράμ (3)  
— 25. τῷ Ἐ. ἐγεννήθησαν δύο υἱοὶ  
— 29. πάντες οὗτοι υἱοὶ Ἰεκτῶν (3)  
— 31. οὗτοι οἱ υἱ. Σὴμ (3)  
— 32. αὐταὶ αἱ φυλαὶ υἱῶν Νῶε (3)  
11. 5. δν φθοδόμωσαν οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)  
— 10. Σὴμ υἱὸς ἐτῶν ἐκατόν (3)  
— 11. ἐγέννησεν υἱούς καὶ θυγατέρας (3)  
— 13. ἐγέννησεν υἱούς καὶ θυγατέρας —  
13, 15, 17, 19, 21, 23, 25. ἐγέννησεν υἱούς  
καὶ θυγατέρας (3)  
— 31. ἔλαβε Θ. τὸν Ἀβ. τὸν υἱ. αὐ. καὶ τὸν  
Λὼτ υἱὸν Ἀρρὰν υἱὸν τοῦ υἱ. αὐ. (3 quater)  
— 31. καὶ τὴν Σάραν . . . γυναῖκα τοῦ υἱοῦ αὐ. (3)  
12. 5. καὶ τὸν Λὼτ υἱὸν τοῦ ἀδ. αὐτοῦ (3)  
14. 12. τὸν Λὼτ υἱὸν τοῦ ἀδελφοῦ Ἀβ. (3)  
15. 2. B ὁ δὲ υἱ. Μ. τῆς οἰκογενεῦς μου (3)  
16. 11. καὶ τέξῃ υἱόν (3)  
— 15. ἔτεκεν Ἀ. τῷ Ἀβ. υἱόν (3)  
— 15. ἐκάλεσεν Ἀβ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
17. 12. ὁ ἀργυρώνητος ἀπὸ παντὸς υἱ. ἀλλοτρίου (3)  
— 17. εἰ τῷ ἐκατοναετῇ γενήσεται υἱός —  
19. Σάρρα ἡ γυνὴ σου τέξεται σοι υἱόν (3)  
— 23. ἔλαβε Ἀβ. Ἰσμ. τὸν υἱ. αὐ. (3)  
— 25. Ἰσμ. δὲ ὁ υἱ. αὐ. ἐτῶν δέκα τριῶν ἦν (3)  
— 26. περιεμήθη Ἀβ. καὶ Ἰσμ. ὁ υἱ. αὐ. (3)  
18. 10. ἔξαι υἱὸν Σάρρα ἡ γυνὴ σου (3)  
— 14. ἔσται τῇ Σάρρα υἱός (3)  
— 19. συντάξει τοῖς υἱ. αὐ. (3)



Ge. 19. 12. γαμβροὶ ἢ υἱοὶ ἢ θυγατέρες (8)  
 — 37. ἔτεκεν ἢ προσβύτηρα υἱόν (8)  
 — 39 (38). ἔτεκε δὲ καὶ ἡ νεώτερα υἱόν (8)  
 — 39 (38). ὁ υἱ. τοῦ γένους μου (8)  
 21. 2. ἔτεκε Σ. τῷ 'Αβ. υἱόν εἰς τὸ γῆρας (8)  
 — 3. καὶ ἐκάλεσεν 'Αβ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 — 5. ἦν ἡλικία ἐγγύς αὐτῷ 'Ι. ὁ υἱ. αὐ. (8)  
 — 7. ἔτεκεν υἱόν ἐν τῷ γῆρει μου (8)  
 — 8. ἡ ἡμέρα ἀπεγαλκτίσθη 'Ι. ὁ υἱ. αὐ. (8)  
 — 9. ἰδοῦσα δὲ Σ. τὸν υἱ. 'Α. . . παίζοντα μετὰ 'Ι. τοῦ υἱ. ἐαυτῆς (8, -)  
 — 10. ἐκβαλε . . . τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 10. οὐ γὰρ μὴ κληρονομήσει ὁ υἱ. τῆς παιδίσκης μετὰ τοῦ υἱ. μου 'Ι. (8, 8)  
 — 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα . . . περὶ τοῦ υἱ. αὐ. 'Ισμ. (8)  
 — 13. καὶ τὸν υἱ. δὲ τῆς παιδίσκης ταύτης (8)  
 22. 2. λάβει τὸν υἱ. σου τὸν ἀγαπητὸν (8)  
 — 3. παρέλαβε δὲ . . . 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 6. ἐπέθηκεν 'Ι. τῷ υἱ. αὐ. (8)  
 — 9. συμποδίσας 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 10. σφάξει τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 12. οὐκ ἐφείσω τοῦ υἱ. σου τοῦ ἀγαπητοῦ (8)  
 — 13. ἀνήγγειλεν αὐτὸν . . . ἀπ' 'Ι. τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 — 16. οὐκ ἐφείσω τοῦ υἱ. σου τοῦ ἀγαπητοῦ (8)  
 — 20. τέτοκε Μ. καὶ αὐτὴ υἱοὺς (8)  
 — 23. ὅπως οὗτοι υἱοὶ (8)  
 28. 3. εἶπεν 'Αβ. τοῖς υἱ. Χέτ (8)  
 — 4 (5). ἀπεκρίθησαν δὲ οἱ υἱ. Χέτ (8)  
 — 7. προσκύνησεν τῷ λαῷ τῆς γῆς τοῖς υἱ. Χέτ (8)  
 — 10. ἐκάθητο ἐν μέσῳ τῶν υἱ. Χέτ (8)  
 — 10. ἀκούοντων τῶν υἱ. Χέτ (8)  
 — 16. ὁ ἐλάλησεν εἰς τὰ ῥῆματα τῶν υἱ. Χέτ (8)  
 — 18. εἰς κτήσιν ἐναντίον τῶν υἱ. Χέτ (8)  
 — 20. εἰς κτήσιν τάσθον παρὰ τῶν υἱ. Χέτ (8)  
 24. 3. ἵνα μὴ λάβῃς γυναῖκα τῷ υἱ. μου 'Ι. (8)  
 — 4. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου 'Ι. (8)  
 — 5. ἀποστρέψω τὸν υἱ. σου (8)  
 — 6. μὴ ἀποστρέψῃς τὸν υἱ. μου ἐκεῖ (8)  
 — 7. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου 'Ι. (8)  
 — 8. τὸν υἱ. μου μὴ ἀποστρέψῃς ἐκεῖ (8)  
 — 15. ἡ τεχέσις Βαθ. υἱὸς Μέλχας (8)  
 — 36. ἔτεκε Σάρρα . . . υἱὸν ἵνα (8)  
 — 37. οὐ λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου (8)  
 — 38. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου ἐκείθεν (8)  
 — 40. λήψῃ γυναῖκα τῷ υἱ. μου (8)  
 — 47. θυγάτηρ Βαθ. εἰμι ἐγὼ τοῦ υἱ. Ν. (8)  
 — 48. λαβεῖν τὴν θυγατέρα . . . τῷ υἱ. αὐ. (8)  
 — 51. ἴστω γυνὴ τῷ υἱ. τοῦ κυρίου σου (8)  
 25. 3. υἱοὶ δὲ Δ. ἐγένοντο (8)  
 — 4. υἱοὶ δὲ Μ. (8)  
 — 5. οἱ οὖτοι πάντες ἦσαν υἱοὶ Χεττ. (8)  
 — 5. ἔδωκε δὲ 'Αβ. πάντα . . . 'Ι. τῷ υἱ. αὐ. (8)  
 — 6. καὶ τοῖς υἱ. τῶν παλλακῶν αὐ. (8)  
 — 6. ἐξαιτέσθαι αὐτοὺς ἀπὸ 'Ι. τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 — 9. 'Ι. καὶ 'Ισμ. οἱ δύο υἱ. αὐ. (8)  
 — 10. ὁ ἐκτῆστο 'Αβ. παρὰ τῶν υἱ. Χέτ (8)  
 — 11. εὐλόγησεν ὁ θ. τὸν 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 12. αὐταὶ δὲ αἱ γυνεῖς 'Ισμ. τοῦ υἱ. 'Αβ. (8)  
 — 13. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. 'Ισμ. (8)  
 — 16. οὔτοι εἰσιν οἱ υἱ. 'Ισμ. (8)  
 — 19. αὐταὶ αἱ γυνεῖς 'Ι. τοῦ υἱ. 'Αβ. (8)  
 — 25. ἐξήλθε δὲ ὁ υἱ. ὁ πρωτότοκος (8)  
 27. 1. ἐκάλεσεν 'Η. τὸν υἱ. αὐ. τὸν προσβύτηρον (8)  
 — 1. εἶπεν αὐτῷ, 'Υἱ μου (8)  
 — 5. λαλοῦντος 'Ι. πρὸς 'Η. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 6. εἶπε πρὸς 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. τὸν ἐλάσω (8)  
 — 8. νῦν οὖν, υἱέ, ἀκούσθον μου (8)  
 — 15. τὴν στολὴν 'Η. τοῦ υἱ. αὐ. τοῦ προσβύτηρου (8)  
 — 15. ἐνέδυσεν 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. τὸν νεώτερον (8)  
 — 17. εἰς τὰς χεῖρας 'Ι. τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 — 19. Α. εἶπεν 'Ι. ὁ υἱ. αὐ. τῷ πατρὶ αὐ. [B. al.] (8)  
 — 20. εἶπε δὲ 'Ι. τῷ υἱ. αὐ. (8)  
 — 21. εἰ σὺ εἶ ὁ υἱ. μου 'Η. (8)  
 — 24. σὺ εἶ ὁ υἱ. μου 'Η. (8)  
 — 27. σῶμ' τοῦ υἱ. μου (8)  
 — 29. προσκυνήσουσί σε οἱ υἱ. τοῦ πατρὸς σου (8)  
 — 30. εὐλογοῦντα τὸν 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 31. φαγέτω τῆς θήρας τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 — 32. ἐγὼ εἰμι ὁ υἱ. σου ὁ πρωτότοκος 'Η. (8)  
 — 42. τὰ ῥήματα 'Η. τοῦ υἱ. αὐ. τοῦ προσβύτ. (8)  
 — 42. ἐκάλεσεν 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. τὸν νεώτερον (8)  
 — 46. διὰ τὰς θυγατέρας τῶν υἱ. Χέτ (8)  
 28. 5. πρὸς Α. τὸν υἱ. Βαθ. τοῦ Σύρου (8)  
 — 9. τὴν Μ. θυγατέρα 'Ισμ. τοῦ υἱ. 'Αβ. (8)

Ge. 29. 1. πρὸς Α. τὸν υἱ. Βαθ. τοῦ Σύρου (8)  
 — 5. γνώσκετε Α. τὸν υἱ. Ναχώρ (8)  
 — 12. υἱὸς 'Ρεβέκκας ἐστὶ (8)  
 — 13. τὸ ὄνομα 'Ι. τοῦ υἱ. τῆς ἀδελφῆς αὐ. (8)  
 — 32. ἔτεκεν υἱὸν τῷ 'Ι. (8)  
 — 32. Β. καὶ ἔδωκε μοι υἱόν (8)  
 — 33. ἔτεκεν υἱ. δεύτερον τῷ 'Ι. (8)  
 — 34. καὶ ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 34. τέτοκα γὰρ αὐτῷ τρεῖς υἱοὺς (8)  
 — 35. συλλαβοῦσα ἐτι ἔτεκεν υἱόν (8)  
 30. 5. ἔτεκε τῷ 'Ι. υἱόν (8)  
 — 6. ἔδωκε μοι υἱόν (8)  
 — 7. ἔτεκεν υἱ. δεύτερον τῷ 'Ι. (8)  
 — 10. ἔτεκε τῷ 'Ι. υἱόν (8)  
 — 12. ἔτεκεν ἐτι τῷ 'Ι. υἱ. δεύτερον (8)  
 — 14. ὅς μοι τῶν μανδραγοῶν τοῦ υἱ. σου (8)  
 — 15. μὴ καὶ τοὺς μανδραγοῦς τοῦ υἱ. μου λήψῃ (8)  
 — 15. ἀπ' τῶν μανδραγοῶν τοῦ υἱ. σου (8)  
 — 16. ἀπ' τῶν μανδραγοῶν τοῦ υἱ. μου (8)  
 — 17. ἔτεκε τῷ 'Ι. υἱ. πέμπτον (8)  
 — 19. ἔτεκεν υἱ. ἕκτον τῷ 'Ι. (8)  
 — 20. τέτοκα γὰρ αὐτῷ υἱοὺς ἕξ (8)  
 — 23. ἔτεκε τῷ 'Ι. υἱόν (8)  
 — 24. προσθέτω ὁ θεός μοι υἱ. ἕτερον (8)  
 — 35. ἔδωκε διὰ χειρὸς τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 31. 1. ἤκουσε δὲ 'Ι. τὰ ῥήματα τῶν υἱ. Α. (8)  
 — 43. καὶ οἱ υἱ. σου υἱοὶ μου (8, 8)  
 — 55 (32. 1). καταφίλισε τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 32. 32 (33). οὐ μὴ φάγωσιν οἱ υἱ. 'Ισρ. τὸ νεῦρον (8)  
 33. 2. ἐποίησε . . . τοὺς υἱ. αὐ. ἐν πρώτοις (8, α)  
 34. 2. Συχεμ ὁ υἱ. 'Εμμώρ ὁ Χορραῖος (8)  
 — 5. ἐμίανεν ὁ υἱ. 'Ε. Δείναν (8)  
 — 5. οἱ δὲ υἱ. αὐ. ἦσαν μετὰ τῶν κτηνῶν αὐ. (8)  
 — 7. οἱ δὲ υἱ. 'Ι. ἦλθον ἐκ τοῦ πεδίου (8)  
 — 8. Συχεμ ὁ υἱ. μου προεἰλατο . . . τὴν θυγ. ὕμω (8)  
 — 9. τὰς θυγ. ἡμῶν λάβετε τοῖς υἱ. ὕμω (8)  
 — 13. ἀπεκρίθησαν δὲ οἱ υἱ. 'Ι. τῷ Σ. (8)  
 — 14. Α. οἱ ἀδελφοὶ Δείνας υἱοὶ δὲ Λείας [B. al.] (8)  
 — 18. ἐναντίον Συχεμ τοῦ υἱ. 'Εμμώρ (8)  
 — 20. 'Εμμώρ καὶ Συχεμ ὁ υἱ. αὐ. (8)  
 — 24. εἰσηκούσαν 'Εμμώρ καὶ Σ. τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 — 25. ἔλαβον οἱ δύο υἱ. 'Ι. Συμ. καὶ Α. (8)  
 — 26. τὸν Σ. τὸν υἱ. αὐ. ἐπέκτειναν (8)  
 — 27. οἱ δὲ υἱ. 'Ι. εἰσηλθόν ἐπὶ τοὺς τραυματίας (8)  
 35. 5. οὐ κατεδίψαν ὀπίσω τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 17. οὐτός ἐστιν υἱός (8)  
 — 18. υἱὸς δούλης μου (8)  
 — 22. ἦσαν δὲ οἱ υἱ. 'Ι. δώδεκα (8)  
 — 23. υἱοὶ Λείας (8)  
 — 24. υἱοὶ δὲ 'Ραχὴλ (8)  
 — 25. υἱοὶ δὲ Βαλλὰς (8)  
 — 26. υἱοὶ δὲ Ζελοφᾶς (8)  
 — 26. οὗτοι οἱ υἱ. 'Ι. (8)  
 — 29. ἔθαψαν αὐτὸν 'Η. καὶ 'Ι. οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 36. 2. θυγατέρα 'Ανὰ τοῦ υἱ. Σεβ. (8)  
 — 5. οὗτοι υἱ. 'Ησαῦ (8)  
 — 6. ἔλαβε δὲ 'Η. . . τοὺς υἱ. (8)  
 — 10. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. 'Η. (8)  
 — 10. 'Ελ. υἱὸς 'Αδὰς γυναικὸς 'Η. (8)  
 — 10. 'Ραγ. υἱὸς Βαθ. γυναικὸς 'Η. (8)  
 — 11. ἐγένοντο δὲ οἱ υἱ. 'Ελ. (8)  
 — 12. ἡ δὲ ἦν παλλακὴ 'Ελ. τοῦ υἱ. 'Η. (8)  
 — 12. οὗτοι οἱ υἱ. 'Αδὰς (8)  
 — 13. οὗτοι δὲ υἱ. 'Ραγ. (8)  
 — 13. οὗτοι ἦσαν υἱ. Μασ. (8)  
 — 14. οὗτοι δὲ υἱ. 'Ελ. θυγατὸς 'Ανὰ τοῦ υἱ. Σεβ. (8, +)  
 — 15. Α. οὗτοι οἱ ἡγεμόνες υἱοῦ 'Η. [B. al.] (8)  
 — 15. υἱοὶ 'Ελ. πρωτότοκος 'Η. (8)  
 — 16. οὗτοι υἱ. 'Αδὰς (8)  
 — 17. οὗτοι υἱ. 'Ραγ. υἱοῦ 'Η. (8, 8)  
 — 17. οὗτοι υἱ. Μασ. (8)  
 — 18. οὗτοι δὲ υἱ. 'Ολ. (8)  
 — 19. οὗτοι δὲ υἱ. 'Η. (8)  
 — 19. οὗτοι εἰσιν οἱ ἡγεμόνες αὐ. υἱοὶ 'Εδὼμ (8, +)  
 — 20. οὗτοι δὲ υἱ. Σχεῖρ (8)  
 — 21. οὗτοι οἱ ἡγεμόνες υἱοὶ Χορραίου τοῦ υἱ. Σ. (8)  
 — 22. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Λωτάν (8)  
 — 23. οὗτοι δὲ υἱ. Σ. (8)  
 — 24. καὶ οὗτοι υἱ. Σεβ. (8)  
 — 25. οὗτοι δὲ υἱ. 'Ανὰ (8)  
 — 26. οὗτοι δὲ υἱ. Διθῶν (8)  
 — 27. οὗτοι δὲ υἱ. Σαάρ (8)  
 — 28. οὗτοι δὲ υἱ. 'Ρεῖσῶν (8)

Ge. 36. 32. ἐβασίλευσεν 'Εδὼμ Βαλὰκ υἱὸς τοῦ Β. (8)  
 — 33. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ 'Ι. υἱὸς Ζαρά (8)  
 — 35. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ 'Α. υἱὸς Β. (8)  
 — 38. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Βαλ. υἱὸς 'Αχ. (8)  
 — 39. ἀπέθανε δὲ Βαλ. υἱὸς 'Αχ. (8)  
 — 39. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ 'Α. υἱὸς Β. (8)  
 — 39. Μετ. θυγάτηρ Μασρ. υἱοῦ Μεξ. (8, +)  
 37. 2. ἦν ποιμαίνων . . . μετὰ τῶν υἱ. Β. καὶ μετὰ τῶν υἱ. Ζ. (8, 8)  
 — 3. ἡγάπα τὸν 'Ι. παρὰ πάντας τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 — 3. υἱὸς γῆρους ἦν αὐτῷ (8)  
 — 4. αὐτὸν ἐφίλει ὁ πατήρ αὐ. ἐκ πάντων τῶν υἱ. αὐ. (8, +)  
 — 32. ἐπίγνωθι εἰ χιτῶν τοῦ υἱ. σου ἐστιν (8)  
 — 33. χιτῶν τοῦ υἱ. μου ἐστὶ (8)  
 — 34. ἐπένθη τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 35. συνηχθήσαν δὲ πάντες οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 35. καταβήσονται πρὸς τὸν υἱ. μου (8)  
 38. 3. συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 4. συλλαβοῦσα ἐτι ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 5. προσθείσα ἐτι ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 11. ὥς μέγας γένηται Σ. ὁ υἱ. μου (8)  
 — 14. Α. μέγας γέγονε Σ. ὁ υἱ. αὐ. [B. om. ὁ υἱ. αὐ.] (8)  
 — 26. οὐκ ἔδωκα αὐτῇ Σ. τῷ υἱ. μου (8)  
 41. 50. τῷ δὲ 'Ι. ἐγένοντο υἱοὶ δύο (8)  
 42. 1. εἶπε τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 5. ἦλθον δὲ οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 11. πάντες ἐσμέν υἱοὶ ἐνὸς ἀνθρώπου (8)  
 — 32. υἱοὶ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (8)  
 — 37. τοὺς δύο υἱ. μου ἀπόκτεινον (8)  
 — 38. οὐ καταβήσεται ὁ υἱ. μου μεθ' ὕμω (8)  
 45. 9. γὰρ λέγει ὁ υἱ. σου 'Ι. (8)  
 — 10. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ. σου (8, 3 ter)  
 — 11. ἵνα μὴ ἐκτριβῇς σὺ καὶ οἱ υἱ. σου (8)  
 — 21. ἐποίησαν δὲ οὗτος οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 26. ὁ υἱ. σου 'Ι. ζῇ (8)  
 — 28. εἰ ἐτι ὁ υἱ. μου 'Ι. ζῇ (8)  
 46. 5. ἀνέλαβον οἱ υἱ. 'Ισρ. τὸν πατέρα αὐ. (8)  
 — 7. υἱοὶ καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ. αὐ. (8, 3 ter)  
 — 7. Α. θυγατέρες καὶ θυγατέρες τῶν υἱ. αὐ. [B. al.] (8)  
 — 8. ταῦτα δὲ τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 8. 'Ι. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 9. υἱοὶ δὲ 'Ρουβὴν (8)  
 — 10. υἱοὶ δὲ Συμεὼν (8)  
 — 10. Σαμ. υἱὸς τῆς Χαναανίτιδος (8)  
 — 11. υἱοὶ δὲ Λευὶ (8)  
 — 12. υἱοὶ δὲ 'Ισὺδα (8)  
 — 12. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Φαρές (8)  
 — 13. υἱοὶ δὲ 'Ισασάχαρ (8)  
 — 14. υἱοὶ δὲ Ζαβουλὼν (8)  
 — 15. οὗτοι υἱ. Λείας (8)  
 — 15. πᾶσαι αἱ ψυχαὶ υἱοὶ καὶ αἱ θυγατέρες (8)  
 — 16. υἱοὶ δὲ Γαδ (8)  
 — 17. υἱοὶ δὲ 'Ασὴρ (8)  
 — 17. υἱοὶ δὲ Βαριά (8)  
 — 18. οὗτοι υἱ. Ζελοφᾶς (8)  
 — 19. υἱοὶ δὲ 'Ραχὴλ (8)  
 — 20. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ 'Ι. (8)  
 — 20. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Μαν. (8)  
 — 20. υἱοὶ δὲ 'Εφρ. ἀδελφοὶ Μαν. (8)  
 — 20. υἱοὶ δὲ Σουτ. (8)  
 — 21. υἱοὶ δὲ Βεν. (8)  
 — 21. ἐγένοντο δὲ υἱοὶ Βαλά (8)  
 — 22. οὗτοι υἱ. 'Ραχὴλ (8)  
 — 23. υἱοὶ δὲ Δάν (8)  
 — 24. καὶ υἱοὶ Νεφθαλὶ (8)  
 — 25. οὗτοι υἱ. Βαλλὰς (8)  
 — 26. χωρὶς τῶν γυναικῶν υἱὸν 'Ι. (8)  
 — 27. υἱοὶ δὲ 'Ι. οἱ γενόμενοι αὐτῷ (8)  
 47. 4. ἦλθον δὲ . . . 'Ι. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 29. ἐκάλεσε τὸν υἱ. αὐ. 'Ι. (8)  
 48. 1. ἀναλαβὼν τοὺς δύο υἱ. αὐ. (8)  
 — 2. ὁ υἱ. σου 'Ι. ἔρχεται πρὸς σέ (8)  
 — 5. οἱ δύο υἱ. σου οἱ γενόμενοι σοι (8)  
 — 8. ἰδὼν δὲ 'Ισρ. τοὺς υἱ. 'Ι. (8)  
 — 9. υἱοὶ μοι εἰσιν (8)  
 — 13. λαβὼν δὲ 'Ι. τοὺς δύο υἱ. αὐ. (8)  
 49. 1. ἐκάλεσε δὲ 'Ι. τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 — 2. ἀκούσατέ μου, υἱοὶ 'Ι. (8)  
 — 8. προσκυνήσουσί σοι οἱ υἱ. τοῦ πατρὸς σου (8)  
 — 9. ἐκ βλαστῶν, υἱέ μου, ἀνέβης (8)  
 — 22. υἱὸς πύξημένος 'Ι. (8)  
 — 22. υἱὸς πύξημένος μου (8)  
 — 22. υἱὸς μου νεώτατος (8, +)

|  |        |   |     |  |     |
|--|--------|---|-----|--|-----|
| Ge. 49. 28. πάντες οὗτοι [Α οἱ] υἱοὶ Ἰ. δώδεκα               | †      | Ex. 12. 40. ἡ δὲ κατοίκησις τῶν υἱ. Ἰσρ.  | (8) | Ex. 28. 26 (30). οἷσαι Ἀ. τὰς κρίσεις τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)                         |     |
| — 32. ἐν κτήρει τοῦ ἀγροῦ . . . παρὰ τῶν υἱ.                 |        | — 42. ὥστε πᾶσι τοῖς υἱ. Ἰσρ. εἶσαι   | (8) | — 34 (38). ὅσα ἀν ἐμάσων οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)                                       |     |
| — 33. κατέτασαν ἐν ἱ. ἐπίτασων τοῖς υἱ. αὐ.                  | (8)    | — 47. πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. ποιήσει αὐτὸ  | (8) | — 36 (40). καὶ τοῖς υἱ. Α. ποιήσεις χιτῶνας (8)                                |     |
| 50. 12. ἐποίησαν αὐτῷ οὕτως οἱ υἱ. αὐ.                       | (8)    | — 50. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 37 (41). ἐνδύσεις αὐτὰ . . . τοὺς υἱ. αὐ. (8)                                |     |
| — 23. υἱοὶ Μ. τοῦ υἱ. Μ. ἐτέχθησαν                           | (8)    | — 51. ἐξήγαγε κύριος τοὺς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 39 (43). εἶπεν Ἀ. αὐτὰ καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)                                    |     |
| — 13. ἀνέλαβον αὐτὸν οἱ υἱ. αὐ.                              | (8)    | 18. 2. ἀγιάσθω μοι πᾶν πρωτότοκον . . . ἐν τοῖς   | (8) | 29. 4. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. προσάξεις ἐπὶ τὰς                                   |     |
| — 25. ὥρισεν Ἰ. τοὺς υἱ. Ἰσρ.                                | (8, 8) | υἱ. Ἰσρ.  | (8) | θύρας (8)  |     |
| Ex. 1. 1. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἰσρ.                      | (8)    | — 8. ἀναγγελεῖς τῷ υἱ. σου  | (8) | — 8. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. προσάξεις (8)  |     |
| — 7. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ὑψήθησαν                                 | (8)    | — 13. πᾶν πρωτότοκον ἀνθρώπου τῶν υἱ. σου   | (8) | — 9. καὶ τὰς χεῖρας τῶν υἱ. αὐ. (8)  |     |
| — 9. τὸ γένος τῶν υἱ. Ἰσρ. μέγα πληθὺς                       | (8)    | — 14. ἐὰν δὲ ἐρωτήσῃ σε ὁ υἱ. σου   | (8) | — 10, 15. ἐπιθήσουσιν Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰς                                    |     |
| — 12. ἐβδελύσσοντο οἱ Αἴγ. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ.                  | (8)    | — 15. πᾶν πρωτότοκον τῶν υἱ. μου λυτρώ-   | (8) | χεῖρας (8)   |     |
| — 13. κατεδυνάστευον οἱ Αἴγ. τοὺς υἱ. Ἰσρ.                   | (8)    | σομαι   | (8) | — 19. ἐπιθήσει Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰς χεῖρας αὐ. (8)                            |     |
| βία  | (8)    | — 18. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 20. ἐπὶ τοὺς λοβούς τῶν ὀντων τῶν υἱ. αὐ.                                    |     |
| 2. 10. ἐγενήθη αὐτῇ εἰς υἱόν                                 | (8)    | — 19. ὅρκω γὰρ ὥρκισεν τοὺς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | τῶν δεξιῶν (8)   |     |
| — 11. ἐξῆλθε πρὸς τοὺς ἀδ. αὐ. τοὺς υἱ. Ἰσρ.                 | (8)    | — 20. ἐξάραντες δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 21. ῥανεῖς . . . ἐπὶ τοὺς υἱ. αὐ. καὶ ἐπὶ τὰς                                |     |
| — 11. τινὰ Ἑβρ. τῶν ἑαυ. ἀδελφῶν τῶν υἱ. Ἰσρ.                | (8)    | 14. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (8, 8)  |     |
| — 22. ἔτεκεν υἱόν  | (8)    | — 3. οἱ υἱ. Ἰσρ. πλανῶνται οὗτοι [Α αἱ].  | (8) | — 21. Β καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)   |     |
| — 23. κατετίθεισαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀπὸ τῶν ἔργων                 | (8)    | — 5. τοῦ ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 21. καὶ αἱ στολαὶ τῶν υἱ. αὐ. (8)  |     |
| — 25. ἐπείθεν ὁ θ. τοὺς υἱ. Ἰσρ.                             | (8)    | — 8. κατεδιώκων ὅπισθω τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 24. καὶ ἐπὶ τὰς χεῖρας τῶν υἱ. αὐ. (8)                                       |     |
| 3. 9. κραυγὴ τῶν υἱ. Ἰσρ. ἦκει πρὸς μέ                       | (8)    | — 8. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐξεπορεύοντο  | (8) | — 27. ἀπὸ τοῦ Ἀ. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. αὐ. (8)                                       |     |
| — 10. ἐξάξεις τὸν λαόν μου τοὺς υἱ. Ἰσρ.                     | (8)    | — 10. ἀναβλεψάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. τοῖς ὀφθαλ-  | (8) | — 28. ἔσται Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. νόμιμον αἰώ-                                   |     |
| — 11. τίς εἰμι ἐγὼ . . . ὅτι ἐξάξω τοὺς υἱ. Ἰσρ.             | (8)    | μοῖς  | (8) | κον παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (8, 8)   |     |
| — 13. ἐξελεύσομαι πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ.                         | (8)    | — 10. ἀνέβησαν δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς κύριον   | (8) | — 28. ἀφαίρεμα ἔσται ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. [Α                                       |     |
| — 14. 15. οὕτως ἐρίεις τοῖς υἱ. Ἰσρ.                         | (8)    | — 15. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ.   | (8) | αἱ]  | (8) |
| — 16. συναγάγε τὴν γερούσιαν τῶν υἱ. Ἰσρ.                    | (8)    | — 16. εἰσεβάθουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 28. ἀπὸ τῶν θυμάτων τῶν σ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. —                                   |     |
| — 22. καὶ ἐπιθήσετε ἐπὶ τοὺς υἱ. ἱμῶν                        | (8)    | — 19. ὁ προπορεύμενος τῆς παρεμβολῆς τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 29. ἔσται τοῖς υἱ. αὐ. μετ' αὐτὸν (8)  |     |
| 4. 22. υἱ. πρωτότοκος μου Ἰσρ.                               | (8)    | — 22. εἰσηλθόν οἱ υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 30. Β ἐνδύσεται αὐτὰ ὁ ἱερὺς ὁ ἀντ' αὐτοῦ                                    |     |
| — 23. ἀποκτενῶ τὸν υἱ. σου τὸν πρωτότοκον                    | (8)    | — 29. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐπορεύθησαν διὰ ξηρᾶς  | (8) | [Α Β add. ἐκ] τῶν υἱ. αὐ. (8)  |     |
| — 25. περιέμετε τὴν ἀκροβυστίαν τοῦ υἱ. αὐ.                  | (8)    | 16. 1. Α <sup>2</sup> Β ἦρε Μ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. [Α <sup>2</sup> αἱ].   | (8) | — 32. ἔδεται Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰ κρία (8)                                     |     |
| — 29. συνήγαγον τὴν γερούσιαν τῶν υἱ. Ἰσρ.                   | (8)    | — 19. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐπορεύθησαν διὰ ξηρᾶς  | (8) | — 35. ποιήσεις Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (8)   |     |
| — 31. ἐπισέψατο ὁ θ. τοὺς υἱ. Ἰσρ.                           | (8)    | — 22. ἐξῆρε δὲ Μ. τοὺς υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 43. τάξομαι ἐκεί τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)   |     |
| 5. 2. ὥστε ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ.                        | (8)    | 16. 1. ἦλθον πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ.  | (8) | — 44. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. ἐμάσων (8)   |     |
| — 14. οἱ γραμματεῖς τοῦ γένους τῶν υἱ. Ἰσρ.                  | (8)    | — 2. διεγόγγυζε πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ.   | (8) | — 45. ἐπικληθήσομαι ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)                                       |     |
| — 15. ἐισελθόντες δὲ οἱ γραμματεῖς τῶν υἱ. Ἰσρ.              | (8)    | — 3. εἶπαν πρὸς αὐτούς οἱ υἱ. Ἰσρ.  | (8) | 80. 12. ἐὰν λάβῃς τὸν συλλογισμὸν τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)                             |     |
| — 19. ἑώρων δὲ οἱ γραμματεῖς τῶν υἱ. Ἰσρ. ἑαυτούς            | (8)    | — 6. πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ.   | (8) | — 16. λήψῃ τὸ ἀργ. τῆς εἰσφορᾶς παρὰ τῶν                                       |     |
| 6. 5. εἰσηκούσα τὸν στεναγμὸν τῶν υἱ. Ἰσρ.                   | (8)    | — 9. εἶπον πᾶση συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ.  | (8) | υἱ. Ἰσρ. (8)   |     |
| — 6. εἶπον τοῖς υἱ. Ἰσρ.                                     | (8)    | — 10. πᾶση συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ.   | (8) | — 16. ἔσται τοῖς υἱ. Ἰσρ. μνημόσυνον (8)                                       |     |
| — 9. ἐλάλησε δὲ Μ. οὕτως τοῖς υἱ. Ἰσρ.                       | (8)    | — 12. εἰσακήκοα τὸν γογγυσμὸν τῶν υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 19. νύφεται Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  |     |
| — 11. ἵνα ἐξαποστεῖλῃ τοὺς υἱ. Ἰσρ.                          | (8)    | — 15. ἰδόντες δὲ αὐτοὶ οἱ υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 30. Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. χρίσεις (8)  |     |
| — 12. οἱ υἱ. Ἰσρ. οὐκ ἐισήκουσαν μου                         | (8)    | — 17. ἐποίησαν δὲ οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 31. τοῖς υἱ. Ἰσρ. λαλήσεις (8)   |     |
| — 13. ὥστε ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ.                        | (8)    | — 31. ἐπυνόμασαν αὐτὸ οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ ὄνομα  | (8) | 81. 2. Α τὸν Βεσ. τὸν τοῦ Οὐρ. υἱοῦ [Β τὸν]                                    |     |
| — 14. υἱοὶ Ῥ. πρωτότοκος Ἰσρ.                                | (8)    | αὐ.   | (2) | — 10. καὶ τὰς στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (8)   |     |
| — 15. καὶ υἱοὶ Σου.  | (8)    | — 35. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἔφαγον τὸ μάν  | (8) | — 13. σύνταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)   |     |
| — 16. αὐταὶ αἱ πατριαὶ τῶν υἱ. Σου.                          | (8)    | 17. 1. ἀπῆρε πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ.  | (8) | — 16. φυλάξουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὰ σάββατα (8)                                    |     |
| — 18. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Α.                            | (8)    | — 6. ἐποίησε δὲ Μ. οὕτως ἐναντίον τῶν υἱ. Ἰσρ. †  | (8) | — 17. ἐν ἐμοὶ καὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  |     |
| — 17. οὗτοι υἱ. Γεδ.   | (8)    | — 7. διὰ τὴν λοιδορίαν τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | 32. 20. ἐπύτισεν αὐτὸ τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  |     |
| — 18. καὶ υἱοὶ Καδὶθ   | (8)    | 18. 3. ἐλαβε δὲ Ἰ. . . τοὺς δύο υἱ. αὐ.   | (8) | — 26. συνηλθον οὖν . . . πάντες οἱ υἱ. Α. (8)                                  |     |
| — 19. καὶ υἱοὶ [Α οἱ υἱ.] Μεραρεί                            | (8)    | — 5. ἐξῆλθεν Ἰ. . . καὶ οἱ υἱ. καὶ ἡ γυνή   | (8) | — 28. ἐποίησαν οἱ υἱ. Α. (8)   |     |
| — 21. καὶ υἱοὶ Ἰσααὶ   | (8)    | — 6. καὶ ἡ γυνὴ καὶ οἱ δύο υἱ. σου μετ' αὐτοῦ   | (8) | — 29. ἔκαστος ἐν τῷ υἱ. ἡ ἐν τῷ ἀδελφῷ   |     |
| — 22. καὶ υἱοὶ [Α οἱ υἱ.] Οῤ.                                | (8)    | 19. 1. τῷ δὲ μνηστὴ τοῦ τρίτου σου ἐξόμου τῶν   | (8) | υἱ. Ἰσρ. (8)   |     |
| — 24. υἱοὶ δὲ Κορέ   | (8)    | υἱ. Ἰσρ.  | (8) | 33. 5. εἶπε κύριος τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)   |     |
| — 26. ἐξαγγελεῖς τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐκ γῆς Αἴγ.                   | (8)    | — 3. τὰδε . . . ἀναγγελεῖς τοῖς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 6. περιελάντο οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸν κόσμον αὐ. (8)                                 |     |
| — 27. ἐξήγαγον τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐκ γῆς Αἴγ.                     | (8)    | — 6. ταῦτα τὰ ῥήματα ἐρίεις τοῖς υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 11. ὁ δὲ θεράπων Ἰ. υἱὸς Ναυῆ (8)  |     |
| 7. 2. ὥστε ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ.                        | (8)    | 20. 10. σὺ καὶ οἱ υἱ. [Α <sup>2</sup> οἱ υἱ.] σου καὶ ἡ θυγά-   | (8) | 34. 16. καὶ λήβῃς τῶν θυγ. αὐ. τοῖς υἱ. σου (8)                                |     |
| — 4. ἐξάξω . . . τὸν λαόν μου τοὺς υἱ. Ἰσρ.                  | (8)    | τηρ σου   | (8) | — 16. καὶ τῶν θυγ. σου ὅας τοῖς υἱ. αὐ. —                                      |     |
| — 5. ἐξάξω τοὺς υἱ. Ἰσρ.                                     | (8)    | — 22. τὰδε . . . ἀναγγελεῖς τοῖς υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 16. Β καὶ ἐκπορεύουσιν οἱ υἱ. σου ὀπίσω                                      |     |
| 9. 4. ἀνὰ μέσον τῶν κτηνῶν τῶν υἱ. [Α κτ. τοῦ] Ἰσρ.          | (8)    | 21. 4. ἐὰν δὲ . . . τέκῃ αὐτῷ υἱούς   | (8) | τῶν θεῶν αὐ. (8)   |     |
| — 4. οὐ τελευτήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν τοῦ Ἰσρ. υἱ. ῥήτων [Α αἱ].  | (8)    | — 9. ἐὰν δὲ τῷ υἱ. καθολογησῇται αὐτῇ   | (8) | — 20. πᾶν πρωτότοκον τῶν υἱ. σου λυτρώσῃ (8)                                   |     |
| — 6. ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν τῶν υἱ. [Α <sup>2</sup> κτ. τοῦ] Ἰσρ. | (8)    | — 17 (16). ὅς ἐάν κλέψῃ τίς τινα τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 30. Α Ἀ. καὶ πάντες οἱ υἱ. [Β πρὸςβύτεροι] Ἰσρ. (8)                          |     |
| — 7. Α <sup>2</sup> Β ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν τῶν υἱ. Ἰσρ.     | (8)    | — 31. ἐὰν δὲ υἱὸν . . . κερατίσῃ  | (8) | — 32. προσήλθον πρὸς αὐτὸν πάντες οἱ υἱ. [Α <sup>2</sup> πρὸςβύτεροι] Ἰσρ. (8) |     |
| — 26. οὐ ἦσαν οἱ υἱ. Ἰσρ.                                    | (8)    | 22. 29 (28). τὰ πρωτότοκα τῶν υἱ. σου δώσεις ἐμοὶ   | (8) | — 34. ἐλάλει πᾶσι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  |     |
| — 35. οὐκ ἐξαπέστειλε τοὺς υἱ. Ἰσρ.                          | (8)    | 28. 12. Β <sup>2</sup> ἵνα ἀναπαύσῃται [Α Β <sup>2</sup> Β-ψύχῃ] ὁ  | (8) | — 35. εἶδον οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πρόσωπον Μ. (8)                                     |     |
| 10. 9. σὺν τοῖς υἱ. καὶ θυγατράσι                            | (8)    | υἱ. τῆς παιδείας σου  | (8) | 35. 1. πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (8)   |     |
| — 20. οὐκ ἐξαπέστειλε τοὺς υἱ. Ἰσρ.                          | (8)    | — 22. ταῦτα τὰ ῥήματα ἐρίεις τοῖς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 4. εἶπε Μ. πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (8)                                |     |
| — 23. πᾶσι δὲ τοῖς υἱ. Ἰσρ. φῶς ἦν                           | (8)    | 24. 5. ἐξαπέστειλε τοὺς νεανίσκους τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 19. καὶ τοὺς χιτῶνας τοῖς υἱ. Α. (8)   |     |
| 11. 7. ἐν πᾶσι τοῖς υἱ. Ἰσρ. οὐ γρύζει κύων                  | (8)    | — 17. ὥσε πῦρ φλέγον . . . ἐναντίον τῶν υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 20. ἐξῆλθε πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (8)                                       |     |
| — 10. ἐξαποστεῖλαι τοὺς υἱ. Ἰσρ.                             | (8)    | — 25. 2. εἶπον τοῖς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 29. ἤνεγκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀφαίρεμα κυρίως (8)                                  |     |
| 12. 3. λάλησον πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ.                | (8)    | — 21 (22). ὅσα ἀν ἐντελειώμασι σοι πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 30. εἶπε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  |     |
| — 6. πᾶν τὸ πλήθος συναγωγῆς υἱῶν [Α τῶν υἱ.] Ἰσρ.           | (8)    | 27. 20. σύνταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 30. Α τὸν Βεσ. τὸν τοῦ Οὐρ. υἱοῦ [Β αἱ]. (8)                                 |     |
| — 21. πᾶσαν γερούσιαν υἱῶν [Α om.] Ἰσρ.                      | (8)    | — 21. καύσει αὐτὰ Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ.   | (8) | 36. 3. ἡ ἤνεγκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)   |     |
| — 24. νόμιμον σεσαυφῆ καὶ τοῖς υἱ. σου                       | (8)    | — 21. νόμιμον αἰώνιον . . . παρὰ τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 13 (39. 6). ἐκ τῶν ὀνομάτων τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)                                 |     |
| — 26. Β τὰν λέγῃσι πρὸς ἡμᾶς υἱοὶ [Α Β οἱ υἱ.] ἡμῶν          | (8)    | 28. 1. τὸν τε Α. τὸν ἀδ. σου καὶ τοὺς υἱ. αὐ. ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. . . καὶ Ἑλ. καὶ Ἰδ. υἱοὺς [Α τοὺς υἱ.] Α. (8 ter) | (8) | — 14 (39. 7). λίθους μνημύων τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)                                  |     |
| — 27. ὡς ἐσκόπασε τοὺς οἴκους τῶν υἱ. Ἰσρ.                   | (8)    | — 4. ποιήσουσι στολὰς ἁγίας Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)   | (8) | — 21 (39. 14). ἐκ τῶν ὀνομάτων τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)                                |     |
| — 28. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ.                                   | (8)    | — 9. γλύψεις ἐν αὐτοῖς τὰ ὀνόμ. τῶν υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 35 (39. 27). ἐποίησαν χιτῶνας . . . Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)                  |     |
| — 31. καὶ ἡμέτε καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ.                              | (8)    | — 11. Α Β ἐπὶ τοῖς ὀνόμασι τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | 87. 19 (38. 21). διὰ Ἰδ. τοῦ υἱ. Α. (8)  |     |
| — 35. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἐποίησαν                                | (8)    | — 12. λίθοι μνημύων εἰσι τοῖς υἱ. Ἰσρ.  | (8) | 88. 27 (40. 31). ἵνα νύπτωται . . . Μ. καὶ Ἀ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)               |     |
| — 37. ἀπάραντες δὲ οἱ υἱ. Ἰσρ.                               | (8)    | — 12. ἀναλῆψεν Ἀ. τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Ἰσρ. †   | (8) | 39. 11 (32). ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  |     |
|  |        | — 21. ἐκ τῶν ὀνομάτων τῶν υἱ. Ἰσρ.  | (8) | — 19 (41). Α <sup>2</sup> Β καὶ τὰς στολὰς τῶν υἱ. αὐ. (8)                     |     |
|  |        | — 23 (29). λήγεται Ἀ. τὰ ὀνόμ. τῶν υἱ. Ἰσρ.   | (8) | — 22 (42). οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πᾶσαν τὴν ἀποσκευὴν (8)                  |     |
|  |        |   |     | 40. 12. προσάξεις Ἀ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (8)                                      |     |
|  |        |   |     | — 14. τοὺς υἱ. αὐ. προσάξεις (8)   |     |



Ex. 40. 36. ἀνεψεύγυσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
*subscr.* Ἀ. ἔξοδος τῶν υἱ. 'Ισρ. ἐξ Αἰγ. [B al.]  
 Le. 1. 2. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 5. προσοίσουσιν οἱ υἱ. 'Α. οἱ ἱερεῖς (8)  
 — 7. ἐπιστάσουσιν οἱ υἱ. 'Α. οἱ ἱερεῖς πῦρ (8)  
 — 8. ἐπιστοβάσουσιν οἱ υἱ. 'Α. οἱ ἱερεῖς (8)  
 — 11. προσχεύουσιν οἱ υἱ. 'Α. οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα αὐ. (8)  
 2. 2. οἷσει πρὸς τοὺς υἱ. 'Α. τοὺς ἱερεῖς (8)  
 — 3. τὸ λοιπὸν . . . 'Α. καὶ τοῖς υἱ. [B<sup>1</sup> τοὺς υἱ.] αὐ. (8)  
 — 10. τὸ δὲ καταλειφθὲν . . . 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 3. 2. προσχεύουσιν οἱ υἱ. 'Α. οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα (8)  
 — 5. ἀνοίσουσιν αὐτὰ οἱ υἱ. 'Α. οἱ ἱερεῖς (8)  
 — 8, 13. προσχεύουσιν οἱ υἱ. 'Α. οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα (8)  
 4. 2. ἀλήσων πρὸς τοὺς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 6. 8 (2). ἔντεilai 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 14 (7). ἡν προσάξουσιν αὐτὴν οἱ υἱ. 'Α. (8)  
 — 16 (9). ἔδεται 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 20 (13). Β τοῖτο τὸ δῶρον 'Α. καὶ τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 — 22 (15). Β ὁ ἱερεὺς ὁ χριστὸς ἀντ' αὐτοῦ ἐκ τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 — 25 (18). ἀλήσων 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 40 (7. 10). πᾶσα θυσία . . . πᾶσι τοῖς υἱ. 'Α. ἵσταται (8)  
 7. 13 (23). ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 19 (29). τοῖς υἱ. 'Ισρ. λαλήσεις (8)  
 — 21 (31). καὶ ἵσταται . . . τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 23 (33). καὶ τὸ στήθαρ τὸ ἀπὸ τῶν υἱ. 'Α. (8)  
 — 24 (34). εἰλῆφα παρὰ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 24 (34). ἔδωκε αὐτὰ 'Α. τῇ ἱερει καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 24 (34). νόμιμον αἰώνιον παρὰ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 25 (35). αὕτη . . . ἡ χρίσις τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 — 26 (36). ἡ ἡμέρα ἔχρισεν αὐτοὺς παρὰ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 28 (38). ἡ ἡμέρα ἐνετείλατο τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 8. 2. λάβε 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 6. προσήγγεκε . . . τοῖς υἱ. αὐτοῦ (8)  
 — 13. προσήγγεκε Μ. τοῖς υἱ. 'Α. (8)  
 — 14. ἐπέθηκεν 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. [A καὶ υἱ. 'Α.] (8)  
 — 18, 21 (22). ἐπέθηκεν 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰς χεῖρας αὐ. (8)  
 — 23 (24). προσήγγεκε Μ. τοῖς υἱ. 'Α. (8)  
 — 26 (27). καὶ ἐπὶ τὰς χεῖρας τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 — 29 (30). προσέτρεψαν ἐπὶ 'Α. . . καὶ τοῖς υἱ. αὐ. καὶ τὰς στολάς τῶν υἱ. αὐ. (8, 8)  
 — 30. B<sup>1</sup> B ἡγίασεν . . . τοῖς υἱ. αὐ. καὶ τὰς στολάς τῶν υἱ. αὐ. (8, 8)  
 — 31. εἶπε Μ. πρὸς 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 31. 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. φάγονται ταῖτα (8)  
 — 36. ἐποίησαν 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. πάντα τοὺς λόγους (8)  
 9. 1. ἐκάλεσε Μ. 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 9. προσήγγεκαν οἱ υἱ. 'Α. τὸ αἷμα πρὸς αὐτόν (8)  
 — 12, 18. προσήγγεκαν οἱ υἱ. 'Α. τὸ αἷμα (8)  
 10. 1. λαβόντες οἱ δύο υἱ. 'Α. Ν. καὶ 'Αβ. (8)  
 — 4. ἐκάλεσε Μ. τὸν Μ. καὶ τὸν 'Ελ. υἱοὺς 'Οζ. υἱοὺς τοῦ ἀδ. τοῦ πατρὸς 'Α. (8, -)  
 — 6. πρὸς 'Α. καὶ 'Ελ. καὶ 'Ιθ. τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 9. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ (8)  
 — 11. συμβιβάσεις τοὺς υἱ. 'Ισρ. πάντα τὰ νόμιμα (8)  
 — 12. καὶ πρὸς 'Ελ. καὶ 'Ιθ. τοῖς υἱ. 'Α. (8)  
 — 13. καὶ νόμιμον τοῖς υἱ. σου τοῖτο (8)  
 — 14. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου (8)  
 — 14. καὶ νόμιμον τοῖς υἱ. σου ἔδωκε ἀπὸ τῶν θυσῶν τοῦ ασηρίου τῶν υἱ. 'Ισρ. [A<sup>1</sup> om. τ. υἱ. 'Ισρ.] (8, 8)  
 — 15. ἵσταται σοὶ καὶ τοῖς υἱ. σου (8)  
 — 16. ἐπὶ 'Ελ. καὶ 'Ιθ. τοῖς υἱ. 'Α. (8)  
 11. 2. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 12. 2. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 6. ἐφ' υἱὸς ἡ ἐπὶ θυγατρὶ (8)  
 13. 2. ἀχθήσεται πρὸς . . . ἕνα τῶν υἱ. αὐ. τῶν ἱερέων (8)  
 15. 2. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 31. ἐλαβεῖς ποιήσετε τοὺς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 16. 1. μετὰ τὸ τελεῖν ταῖς τοὺς δύο υἱ. 'Α. (8)  
 — 5. παρὰ τῆς συναγ. τῶν υἱ. 'Ισρ. λήφεται (8)  
 — 16. ἀπὸ τῶν ἀκαθαρσιῶν τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 17. καὶ περὶ πάσης συναγωγῆς υἱῶν 'Ισρ. (8)  
 — 19. ἀπὸ τῶν ἀκαθαρσιῶν τῶν [A om.] υἱ. 'Ισρ. (8)

Le. 16. 21. πᾶσας τὰς ἀνομίας τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 34. ἐξιδάσκουσαι περὶ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 17. 2. ἀλήσων . . . πρὸς τοὺς υἱ. αὐ. καὶ πρὸς πάντας [A add. τοὺς] υἱ. 'Ισρ. (8, 8)  
 — 3. ἀνθρώπος ἀνθρώπος τῶν υἱ. 'Ισρ. (2)  
 — 5. ὅπως ἀναφέρουσιν οἱ υἱ. 'Ισρ. τὰς θυσίας αὐ. (8)  
 — 8. ἀνθρώπος ἀνθρώπος τῶν υἱ. 'Ισρ. ἡ ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν προσελύτων (2, -)  
 — 10. ἀνθρώπος ἀνθρώπος τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 12. εἰρηκα τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 13. ἀνθρώπος ἀνθρώπος τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 14. εἶπα τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 18. 2. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 10. ἀσχημοσύνην θυγατρὸς υἱοῦ σου (8)  
 — 15. γυνὴ γὰρ υἱοῦ σου ἐστίν (8)  
 — 17. τὴν θυγατέρα τοῦ υἱ. αὐ. . . σὺ λήψῃ (8)  
 19. 2. ἀλήσων τῇ συναγωγῇ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 18. οὐ μνηστὴς τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (8)  
 20. 2. τοῖς υἱ. 'Ισρ. λαλήσεις (8)  
 — 2. ἄν τις ἀπὸ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 17. ἐξολεθρευθήσονται ἐνώπιον υἱῶν γένους αὐ. (8)  
 21. 1. εἶπον τοῖς ἱερεῦσι τοῖς υἱ. 'Α. (8)  
 — 2. ἐπὶ . . . υἱοῖς καὶ θυγατρίσιν (8)  
 — 24. ἐλάλησε Μ. πρὸς 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. καὶ πρὸς πάντας υἱ. 'Ισρ. (8, 8)  
 22. 2. εἶπον 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 2. προσεχέουσιν ἀπὸ τῶν ἀγίων τῶν [A om.] υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 3. ὅσα ἀν ἀγιάξουσιν οἱ υἱ. 'Ισρ. τῇ κ. (8)  
 — 15. οὐ βεβηλώσουσι τὰ ἅγια τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 18. ἀλήσων 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 18. ἀνθρώπος ἀνθρώπος ἀπὸ τῶν υἱ. 'Ισρ. ἡ τῶν υἱ. τῶν προσελύτων (8, -)  
 — 32. ἀγασθήσονται ἐν μέσῳ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 23. 2. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 10. εἶπον τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 24, 34. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 43. ἐν σκηνῇ κατὰ τὴν ἐκείνην τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 44. ἐλάλησε Μ. τὰς ἐσθρὰς κυρίου τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 24. 2. ἐντεilai τοῖς υἱ. 'Α. (8)  
 — 3. καύσουσιν αὐτὸ 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 8. προβήσεται . . . ἐνώπιον τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 9. ἵσταται 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 10. ἐξῆλθεν υἱὸς γυναικὸς 'Ισραηλίδος (8)  
 — 10. οὗτος ἦν υἱὸς Ἀντιπύτου ἐν τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8, 8)  
 — 11. ἐκονομάσας ὁ [A om.] υἱ. τῆς γυναικὸς τῆς 'Ισρ. (8)  
 — 15. τοῖς υἱ. 'Ισρ. ἀλήσων (8)  
 — 23. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 23. οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐποίησαν (8)  
 25. 2. ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 33. ἐν μέσῳ υἱῶν 'Ισρ. (8)  
 — 45. ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν παροίκων τῶν ὄντων ἐν ὑμῖν (8)  
 — 46. τῶν δὲ ἀδελφῶν ὑμῶν τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 49. υἱὸς ἀδελφοῦ πατρὸς λυτρώσεται αὐτόν (8)  
 — 55. ἐμοὶ οἱ υἱ. 'Ισρ. οἰκέται εἰσὶ (8)  
 28. 29. φάγεσθε τὰς σάρκας τῶν υἱ. ὑμῶν (8)  
 — 46. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 27. 1 (2). ἀλήσων τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 34. ὅς ἐνετείλατο κ. τῷ Μ. πρὸς τοὺς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 Nu. 1. 2. Ἀ λάβετε ἀρχὴν πάσης συναγωγῆς υἱῶν [B om.] 'Ισρ. (8)  
 — 5. B<sup>1</sup> τῶν υἱ. [A B<sup>2</sup> B om.] 'Ρ. 'Ελ. υἱὸς Σ. (-, 8)  
 — 6. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (8)  
 — 7. Ναασσὼν υἱὸς 'Αμμ. (8)  
 — 8. Ναβ. υἱὸς Σωγάρ (8)  
 — 9. 'Ελ. υἱὸς Χ. (8)  
 — 10. τῶν υἱ. 'Ι. τῶν 'Εφρ. 'Ελ. υἱὸς 'Εμ. (8, 8)  
 — 10. Γαμ. υἱὸς Φαδ. (8)  
 — 11. 'Αβ. υἱὸς Γαδ. (8)  
 — 11. 'Αχ. υἱὸς 'Αμσ. (8)  
 — 13. Φαγ. υἱὸς 'Εχράν (8)  
 — 14. 'Ελ. υἱὸς 'Ραγ. (8)  
 — 15. 'Αχ. υἱὸς Αἰνάν (8)  
 — 20. ἐγίνοντο οἱ υἱ. 'Ρ. (8)  
 — 22. τοῖς υἱ. Σ. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 26. τοῖς υἱ. 'Ι. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 28. τοῖς υἱ. 'Ισρ. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 30. τοῖς υἱ. Ζ. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 32. τοῖς υἱ. 'Ι. υἱοῖς [A<sup>1</sup> -ὄς] 'Εφρ. (8, 8)  
 — 34. τοῖς υἱ. Μαν. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 36. τοῖς υἱ. Βεν. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 24. τοῖς υἱ. Γαδ κατὰ συγγενείας αὐ. (8)

Nu. 1. 38. τοῖς υἱ. Δαν κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 40. τοῖς υἱ. 'Α. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 42. τοῖς υἱ. Ν. κατὰ συγγενείας αὐ. (8)  
 — 45. πᾶσα ἡ ἐπίσκεψις [A add. τῶν] υἱῶν 'Ισρ. (8)  
 — 47. οὐκ ἐπισκέψαντο ἐν τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 49. ἐν μέσῳ υἱῶν 'Ισρ. [A al.] (8)  
 — 52. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 53. οὐκ ἔσται ἀμάρτημα ἐν υἱοῖς 'Ισρ. (8)  
 — 54. ἐποίησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. κατὰ πάντα (8)  
 2. 2. παρεμβαλέτωσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 2. παρεμβαλοῦσιν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 3. καὶ ὁ ἄρχων τῶν υἱ. 'Ι. Ν. υἱὸς 'Αμ. (8, 8)  
 — 5. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. 'Ισρ. Ναβ. υἱὸς Σ. (8, 8)  
 — 7. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Ζαβ. 'Ελ. υἱὸς Χ. (8, 8)  
 — 10. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. 'Ρ. 'Ελ. υἱὸς Σεδ. (8, 8)  
 — 12. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Συμ. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (8, 8)  
 — 14. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Γαδ 'Ελ. υἱὸς 'Ραγ. (8, 8)  
 — 18. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. 'Εφρ. 'Ελ. υἱὸς [B<sup>1</sup> om.] 'Εμ. (8, 8)  
 — 20. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Μαν. Γαμ. υἱὸς Φαδ. (8, 8)  
 — 22. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Βεν. 'Αβ. υἱὸς Γαδ. (8, 8)  
 — 25. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Δαν 'Αχ. υἱὸς 'Αμ. (8, 8)  
 — 27. ὁ ἄρχων τῶν υἱ. 'Ασθρ. Φαγ. υἱὸς 'Εχράν (8, 8)  
 — 29. Α B<sup>2</sup> B ὁ ἄρχων τῶν υἱ. Νεφθ. 'Αχ. υἱὸς Αἰνάν (8, 8)  
 — 32. αὕτη ἡ ἐπίσκεψις τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 34. ἐποίησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πάντα (8)  
 8. 2, 3. ταῖτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. 'Α. (8)  
 — 7. καὶ τὰς φυλάκας τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 8. φυλάξουσιν . . . τὰς φυλάκας τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 9. δώσεις τοὺς 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 9. δεδομένοι δόμα οὗτοί μοι εἰσιν ἀπὸ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 10. 'Α. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. καταστήσεις (8)  
 — 12. εἰλῆφα τοὺς 'Α. ἐκ μέσον τῶν υἱ. 'Ισρ. ἀντὶ πάντες πρωτοτόκου . . . παρὰ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8, 8)  
 — 15. ἐπίσκεψαι τοὺς υἱ. 'Α. (8)  
 — 17. ἥσαν οὗτοι οἱ [A om.] υἱ. Λευὶ (8)  
 — 18. ταῖτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. 'Ι. (8)  
 — 19. Α B<sup>2</sup> B υἱοὶ Κ. κατὰ δῆμον αὐ. (8)  
 — 20. καὶ [A add. οὗτοι] υἱοὶ Μερ. κατὰ δῆμον αὐ. (8)  
 — 23. B<sup>1</sup> καὶ υἱοὶ [B<sup>2</sup> οὗτοι, Α B οἱ υἱ.] Γεδσών (7)  
 — 24. καὶ ὁ ἄρχων . . . 'Ελ. υἱὸς Δαθλ. (8)  
 — 25. καὶ ἡ φυλακὴ υἱῶν 'Ι. (8)  
 — 29. οἱ δῆμοι τῶν υἱ. Κ. (8)  
 — 30. καὶ ὁ ἄρχων . . . 'Ελ. υἱὸς 'Οζ. (8)  
 — 32. καὶ ὁ ἄρχων . . . 'Ελ. ὁ [A om.] υἱ. 'Α. τοῦ ἱερέως (8)  
 — 35. καὶ ὁ ἄρχων . . . Σουρ. υἱὸς 'Αβ. (8)  
 — 36. B ἡ ἐπίσκεψις ἡ φυλακὴ [A B τῆς φ.] υἱῶν Μερ. (8)  
 — 38. Μ. καὶ 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐτοῦ (8)  
 — 38. εἰς τὰς φυλάκας τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 40. ἐπίσκεψαι πᾶν πρωτότοκον ἄρσεν τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 41. bis. ἐν τοῖς κτήνεσι τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 42. πᾶν πρωτότοκον ἐν τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 45. ἀντὶ πάντων τῶν πρωτοτόκων τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 46. ἀπὸ τῶν πρωτοτόκων τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 48. δώσεις τὸ ἀργ. 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 50. παρὰ τῶν πρωτοτόκων τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 51. ἔδωκε Μ. τὰ λίτρυ . . . 'Α. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 4. 2. λάβε τὸ κεφάλαιον τῶν υἱ. Κ. ἐκ μέσου υἱῶν 'Α. (8, 8)  
 — 4. Ἀ ταῦτα τὰ ἔργα τῶν υἱ. Κ. ἐκ μέσου υἱῶν 'Α. [B al.] (8, -)  
 — 5. εἰσελεύσεται 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 15. συνηλεύσονται 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. καλῶν-  
 τούτες (8)  
 — 15. εἰσελεύσονται υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Κ. αἰρεῖν (8)  
 — 15. ταῦτα ἀρῶσιν οἱ υἱ. Κ. (8)  
 — 16. ἐπίσκοπος 'Ελ. υἱὸς 'Α. τοῦ ἱερέως (8)  
 — 19. 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. προσπορεύσονται (8)  
 — 22. λάβε τὴν ἀρχὴν τῶν υἱ. 'Ι. (8)  
 — 27. κατὰ στόμα 'Α. καὶ τῶν υἱ. αὐ. ἵσταται ἡ λειτουργία τῶν υἱ. 'Ι. (8, 8)  
 — 28. αὕτη ἡ λειτουργία τῶν υἱ. 'Ι. (7+8)  
 — 28. ἐν χειρὶ 'Ιθ. τοῦ υἱ. 'Α. τοῦ ἱερέως (8)  
 — 29. Β υἱοὶ [A B οἱ υἱ.] Μερ. κατὰ δῆμον αὐ. (8)  
 — 33. αὕτη ἡ λειτουργία δῆμον υἱῶν Μερ. (8)  
 — 33. B ἐν χειρὶ 'Ιθ. υἱοῦ [A B τοῦ υἱ.] 'Α. τοῦ ἱερέως (8)  
 — 34. ἐπισκέψατο . . . τοὺς υἱ. Κ. (8)

- Nu. 4. 38. ἐπεσκέψαν υἱοὶ [Α. οἱ υἱ.] Γ. (3)  
 — 41. αὐτὴ ἡ ἐπίσκεψις δῆμον υἱῶν Γ. (3)  
 — 42. ἐπεσκέψαν δὲ καὶ δῆμος υἱῶν Μερ. (3)  
 — 45. αὐτὴ ἡ ἐπίσκεψις δῆμον υἱῶν Μερ. (3)  
 — 46. Α. καὶ οἱ ἀρχαῖοι υἱῶν [B om.] Ἰσρ. — (3)  
 5. 2. πρόσταξον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 4. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 4. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 6. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 9. κατὰ πάντα τὰ ἀγαθὰ ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)  
 — 12. 6. 2 (Α<sup>2</sup> B). λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 23. Α. Β. Β<sup>2</sup> λάλησον Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
 — 23. οὕτως εὐλογήσατε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 27. ἐπιθῆσουσι τὸ ὄνομα μου ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 7. 7. τοὺς τίσασθαι βόας ἔδωκε τοῖς υἱ. Γ. (3)  
 — 8. τοὺς ὀκτὼ βόας ἔδωκε τοῖς υἱ. Μερ. . . (3)  
 — 8. διὰ ἰθ. υἱοῦ [Α. τοῦ υἱ.] Α. τοῦ Ι. (3, 3)  
 — 9. τοῖς υἱ. Κ. οὐκ ἔδωκεν (3)  
 — 12. ἦν ὁ προσφέρων . . . Ν. υἱὸς Ἀμν. (3)  
 — 17. τοῦτο τὸ δῶρον Ν. υἱοῦ Ἀμν. (3)  
 — 18. προσήνεγκε Ναβ. υἱὸς Σ. (3)  
 — 23. τοῦτο τὸ δῶρον Ναβ. υἱοῦ Σ. (3)  
 — 24. ἄρχων τῶν υἱ. Ζαβ. Ἐλ. υἱὸς Χ. (3, 3)  
 — 29. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Χ. (3)  
 — 30. ἄρχων τῶν υἱ. Ρ. Ἐλ. υἱὸς Σ. (3, 3)  
 — 35. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Σεδ. (3)  
 — 36. ἄρχων τῶν υἱ. Συμ. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (3, 3)  
 — 41. τοῦτο τὸ δῶρον Σαλ. υἱοῦ Σουρ. (3)  
 — 42. ἄρχων τῶν υἱ. Γαδ. Ἐλ. υἱὸς Ραγ. (3, 3)  
 — 47. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Ραγ. (3)  
 — 48. ἄρχων τῶν υἱ. Ἐφρ. Ἐλ. υἱὸς Ἐμ. (3, 3)  
 — 53. τοῦτο τὸ δῶρον Ἐλ. υἱοῦ Ἐμ. (3)  
 — 54. ἄρχων τῶν υἱ. Μαν. Γαμ. υἱὸς Φαδ. (3, 3)  
 — 59. τοῦτο τὸ δῶρον Γαμ. υἱοῦ Φαδ. (3)  
 — 60. ἄρχων τῶν υἱ. Βεν. Ἀβ. υἱὸς Γαδ. (3, 3)  
 — 65. τοῦτο τὸ δῶρον Ἀβ. υἱοῦ Γαδ. (3)  
 — 66. ἄρχων τῶν υἱ. Δάν. Ἀχ. υἱὸς Ἀμσ. (3, 3)  
 — 71. τοῦτο τὸ δῶρον Ἀχ. υἱοῦ Ἀμσ. (3)  
 — 72. ἄρχων τῶν υἱ. Α. Φαγ. υἱὸς Ἐχράν (3, 3)  
 — 77. τοῦτο τὸ δῶρον Φαγ. υἱοῦ Ἐχράν (3)  
 — 78. ἄρχων τῶν υἱ. Νεφθ. Ἀχ. υἱὸς Αἰ. (3, 3)  
 — 83. τοῦτο τὸ δῶρον Ἀχ. υἱοῦ Αἰ. (3)  
 — 84. Β<sup>1</sup> ἡ ἱμ. ἔχρυσεν αὐτὸ παρά τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — [Α. Β<sup>2</sup> B. al.] — (3)  
 8. 6. λάβε τοὺς Α. ἐκ μέσου υἱῶν [Α. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)  
 — 9. συνάξεις πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 10. ἐπιθῆσουσι οἱ υἱ. Ἰσρ. τὰς χεῖρας αὐ. (3)  
 — 11. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου παρά τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 13. ἔναντι Ἀ. καὶ ἔναντι τῶν υἱ. αὐ. (3)  
 — 14. διαστειλεῖς τοὺς Α. ἐκ μέσου υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 16. ἀποδοτέον οὗτοι μοι εἰσιν ἐκ μέσου υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 16. Β<sup>1</sup> πρωτότοκον πάντων τῶν [Α. Β<sup>2</sup> B. om.] ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 17. ἐμοὶ πᾶν πρωτότοκον ἐν υἱοῖς [Α. ἐξ υἱῶν] Ἰσρ. (3)  
 — 18. ἀντὶ παντός πρωτότοκου ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)  
 — 19. ἀπόδομα δεδομένους Ἀ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. ἐκ μέσου υἱῶν Ἰσρ. ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα τῶν υἱ. Ἰσρ. (3 ter)  
 — 19. ἐξυλάσκεσθαι περὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 19. Α. οὐκ ἔσται ἐν [B om.] τοῖς υἱ. Ἰσρ. προσεγγίζων τῶν υἱ. Ἰσρ. [B om. r. υἱ.] πρὸς τὰ ἄγια (3, 3)  
 — 20. Μ. καὶ Ἀ. πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 20. οὕτως ἐποίησαν αὐτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 22. ἔναντι Ἀ. καὶ ἔναντι τῶν υἱ. αὐ. (3)  
 9. 2. ποιέτωσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πάσχα (3)  
 — 4. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 7. ἐν μέσφ υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 10. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 17. ἀπῆραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 17. ἐκεῖ παρενέβαλον οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 18. παρεμβάλουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 18. παρεμβάλουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. — (3)  
 — 19. φυλάσσονται οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν φυλακὴν τοῦ θεοῦ (3)  
 — 22. παρεμβάλουσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 10. 8. οἱ υἱ. Ἀ. οἱ ἱερεῖς σαλπιοῦσι (3)  
 — 12. ἔξηραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 14. ἔξηραν τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν [Α. τῶν υἱ.] Ἰ. (3)  
 — 14. ἐπὶ τῆς δυνάμεως αὐ. Ν. υἱὸς Ἀμν. (3)  
 — 15. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ἰσρ. Ναβ. υἱὸς Σ. (3, 3)  
 Nu. 10. 16. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ζαβ. Ἐλ. υἱὸς Χ. (3, 3)  
 — 17. ἐξαροῦσιν οἱ υἱ. Γ. καὶ οἱ υἱ. Μερ. (3, 3)  
 — 18. καὶ ἐπὶ τῆς δυνάμεως αὐ. Ἐλ. υἱὸς Σεδ. (3)  
 — 19. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Συμ. Σαλ. υἱὸς Σουρ. (3, 3)  
 — 20. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Γαδ. Ἐλ. υἱὸς Ραγ. (3, 3)  
 — 21. ἐξαροῦσιν οἱ υἱ. Κ. (3)  
 — 22. ἐπὶ τῆς δυνάμεως αὐ. Ἐλ. υἱὸς Ἐμ. (3)  
 — 23. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Μαν. Ἀβ. υἱὸς [B ὁ τοῦ] Γαδ. (3, 3)  
 — 24. Α. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Βεν. Ἀβ. υἱὸς [B ὁ τοῦ] Γαδ. (3, 3)  
 — 25. ἐξαροῦσι τάγμα παρεμβολῆς υἱῶν Δάν. υἱὸς τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Α. Φαγ. υἱὸς Ἐχράν (3, 3)  
 — 26. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Α. Φαγ. υἱὸς Ἐχράν (3, 3)  
 — 27. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Νεφθ. Ἀχ. υἱὸς Αἰ. (3, 3)  
 — 28. αὐταὶ αἱ στρατιαὶ υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 29. εἶπε Μ. τῷ Ο. υἱὲ Ραγ. τῷ Μαδ. (3)  
 11. 4. ἐκλαῖον καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 13. 3 (2). ἦν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 4 (3). πάντες ἄνδρες ἀρχηγοὶ υἱῶν Ἰσρ. οὗτοι (3)  
 — 5 (4). Σαμ. υἱὸς [Α. -οῦ] Ζ. (3)  
 — 6 (5). Σαφ. υἱὸς Σουρεῖ (3)  
 — 7 (6). Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (3)  
 — 8 (7). Ἰλ. υἱὸς Ἰ. (3)  
 — 9 (8). Αἰὼν τῆς Ναυῆ (3)  
 — 10 (9). Φαλγεί υἱὸς Ρ. (3)  
 — 11 (10). Γ. υἱὸς Σουδεῖ (3)  
 — 12 (11). τῆς φυλῆς Ἰ. τῶν υἱ. Μαν. Γ. υἱὸς Σουσεῖ (3, 3)  
 — 13 (12). Ἀμ. υἱὸς Γ. (3)  
 — 14 (13). Σαδοῦ υἱὸς Μ. (3)  
 — 15 (14). Ναβὶ υἱὸς Ἰ. (3)  
 — 16 (15). Γουδ. υἱὸς Μ. (3)  
 — 17 (16). ἐπώνυμοι Μ. τὸν Αὐ. υἱὸν [Α. -ος] Ν. Ἰσραὴλ (3)  
 — 25 (24). ὃν ἐκοίτων ἐκείθεν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 27 (26). πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 33 (32). ἐξήνεγκαν ἔκτασιν . . . πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 14. 2. διεγύγουν . . . πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 5. ἐναντίον πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 7. εἶπαν πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 10. ἡ δόξα κ. ᾠδῆ . . . πᾶσι [Α. ἐν π.] τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 27. τὴν γύγυσιν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 30. ἀλλ' ἡ Χαλεβ υἱὸς Ἰεφ. (3)  
 — 33. οἱ δὲ υἱ. ἱμῶν ἔσονται νεμόμενοι (3)  
 — 38. Ἰ. υἱὸς Ναυῆ καὶ Χ. υἱὸς Ἰεφ. (3, 3)  
 — 39. ἐλάλησε Μ. τὰ ῥήμα, ταῦτα πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. (3)  
 15. 2, 18. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 25. περὶ πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 26. κατὰ πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. [Α. al.] (3)  
 — 29. τῷ ἐγγχωρίῳ ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)  
 — 32. ἦσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν τῇ ἐρήμῳ (3)  
 — 33. πρὸς πᾶσαν συναγωγὴν υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 38. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 16. 1. ἐλάλησε Κ. υἱὸς Ἰσρ. υἱὸς Κ. υἱοῦ Α. (3 ter)  
 — 1. Δ. καὶ Ἀβ. υἱοὶ Ἐλ. (3)  
 — 1. Αὐν υἱὸς Φ. υἱοῦ Ρ. (3, 3)  
 — 2. ἄνδρες τῶν υἱ. Ἰσρ. πενήτηκοντα καὶ διακόσιοι (3)  
 — 7. ἱκανούσθω ἱμῖν, υἱοὶ Λευὶ (3)  
 — 8. εἰσακούσατέ μου, υἱοὶ Λευὶ (3)  
 — 10. καὶ πάντας τοὺς ἀδ. σου υἱοὺς Λευὶ (3)  
 — 12. καλέσει Δ. καὶ Ἀβ. υἱοὺς Ἐλ. (3)  
 — 37 (17. 2). καὶ πρὸς Ἐλ. τὸν υἱ. Α. (3)  
 — 38 (17. 3). ἐγένοντο εἰς σημεῖον [Α. add. ἐν] τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 39 (17. 4). ἔλαβεν Ἐλ. υἱὸς Α. τοῦ Ι. (3)  
 — 40 (17. 5). μνημόσυνον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 41 (17. 6). ἐγύγυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 17. 2 (17). λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 5 (20). Β<sup>1</sup> περιελθὼν ἀπ' ἐμοῦ τὸν γογγυσμὸν τῶν [Α. Β<sup>2</sup> B. om.] υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 6 (21). ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 9 (24). ἐξήνεγκε Μ. . . πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 10 (25). σημεῖον τοῖς υἱ. τῶν ἀνηκόων (3)  
 — 12 (27). εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς Μ. (3)  
 18. 1. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου . . . λήψεσθε τὰς ἀμαρτίας (3)  
 — 1. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου λήψεσθε τὰς ἀμαρτίας (3)  
 — 2. καὶ σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ (3)  
 — 5. οὐκ ἔσται θυμὸς ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 Nu. 18. 6. Β<sup>1</sup> εἴληφα τοὺς ἀδ. ἱμῶν τοὺς Α. ἐκ μέσου υἱῶν [Α. Β<sup>2</sup> B. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)  
 — 7. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ (3)  
 — 8. ἀπὸ πάντων τῶν ἡγιασμ. μοι παρά τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 8. σοὶ δέδωκα αὐτὰ . . . καὶ τοῖς υἱ. σου μετὰ σέ (3)  
 — 9. σοὶ ἔσται καὶ τοῖς υἱ. σου (3)  
 — 10. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου (3)  
 — 11. ἀπὸ πάντων τῶν ἐπιθεμάτων τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 11. σοὶ δέδωκα αὐτὰ καὶ τοῖς υἱ. σου (3)  
 — 14. πᾶν ἀναθεματισμ. ἐν υἱοῖς [Α. τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (3)  
 — 19. ὅσα ἐὰν ἀφέλωσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. κυρίῳ (3)  
 — 19. δέδωκά σοι καὶ τοῖς υἱ. σου (3)  
 — 20. κληρονομία σου ἐν μέσφ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 21. τοῖς υἱ. Α. ἰδοὺ δέδωκα (3)  
 — 22. οὐ προσελεύσονται ἔτι οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 23. ἐν μέσφ υἱῶν [Α. τῶν υἱ.] Ἰσρ. οὐ κληρονομήσουσι (3)  
 — 24. τὰ ἐπιδικάματα τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 24. ἐν μέσφ υἱῶν [Α. τῶν υἱ.] Ἰσρ. οὐ κληρονομήσουσι (3)  
 — 26. ἐὰν λάβῃτε παρά τῶν υἱ. Ἰσρ. τὸ ἐπιδικάτον (3)  
 — 28. ὅσα ἐὰν λάβῃτε παρά τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 31. Α. καὶ οἱ υἱ. ἱμῶν (27)  
 — 32. τὰ ἄγια τῶν υἱ. Ἰσρ. οὐ βεβηλώσετε (3)  
 19. 2. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 9. ἔσται τῇ συναγωγῇ υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 10. καὶ ἔσται τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 20. 1. ἦλθον οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 12. Β. ἡγάσας με ἐναντίον υἱῶν [Α. B. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)  
 — 13. ἐλοδορήθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 19. λέγουσιν αὐτῷ οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 22. παρεγένοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 24. ἦν δέδωκα τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 25. λάβε τὸν Ἀ. καὶ Ἐλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 26. ἐνδυσον Ἐλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 28. ἐνέδυσεν αὐτὰ Ἐλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 21. 6. ἀπέθανε λαὸς πολλὸς τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 10. ἀπῆραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 24. ἔως ἱσθῶ ἔως υἱῶν Ἀμμὼν (3)  
 — 24. ἰσθρὶ ὅρια υἱῶν Ἀμμὼν ἔστι (3)  
 — 29. ἀπεδόθησαν οἱ υἱ. αὐ. διασώζεσθαι (3)  
 — 35. ἐπάταξεν αὐτὸν καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3)  
 22. 1. ἀπαύρατες οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 2. ἰδὼν Β. υἱὸς Σεφθὼρ πάντα (3)  
 — 3. ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 4. Β. υἱὸς Σεφθὼρ βασιλεὺς Μ. ἦν (3)  
 — 5. πρὸς Βαλ. υἱὸν Β. (3)  
 — 5. ὁ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ γῆς υἱῶν λαοῦ αὐ. (3)  
 — 10. Β. υἱὸς Σεφθὼρ βασιλεὺς Μ. ἀπέτελεν (3)  
 23. 8. ἐνάστισαι μάρτυς υἱὸς Σεφθὼρ (3)  
 — 19. οὐδ' ὡς υἱὸς ἀνθρώπου ἀπειληθῆναι (3)  
 24. 3, 15. φησὶ Β. υἱὸς Βεθρ. (3)  
 — 17. προνομύσει πάντας υἱ. [Α. τοὺς υἱ.] Σηβ (3)  
 25. 6. ἀνθρώπος τῶν υἱ. Ἰσρ. ἐλθὼν (3)  
 — 6. ἐναντίον πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 7. Β. ἰδὼν Φ. υἱὸς Ἐλ. υἱὸς [Α. B. -οῦ] Α. τοῦ Ι. (3, 3)  
 — 8. ἐπαύσατο ἡ πλὴγὴ ἀπὸ υἱῶν [Α. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)  
 — 11. Β<sup>1</sup> Φ. υἱὸς Ἐλ. υἱὸς [Α. Β<sup>2</sup> B. υἱοῦ] Α. τοῦ Ι. κατέπαυσε τὸν θυμὸν μου ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (3 ter)  
 — 11. οὐκ ἐξανήλωσα τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 13. ἐξιλάσατο περὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 14. Ζαμβρεὶ υἱὸς Σ. (3)  
 — 16. λάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. — (3)  
 26. 2. λάβε τὴν ἀρχὴν πάσης συναγωγῆς υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 4. οἱ υἱ. Ἰσρ. οἱ ἐξελεθότες ἐξ Αἰγ. (3)  
 — 5. υἱοὶ δὲ Ρ. (3)  
 — 8. καὶ υἱοὶ Φ. (3)  
 — 9. καὶ υἱοὶ Ἐλ. (3)  
 — 11. οἱ δὲ υἱ. Κ. οὐκ ἀπέθανον (3)  
 — 12. καὶ οἱ υἱ. Συμ. — (3)  
 — 12. ὁ δῆμος τῶν υἱ. Συμ. — (3)  
 — 19. υἱοὶ δὲ Ἰ. (3)  
 — 20. ἐγένοντο δὲ οἱ [Α. Β<sup>2</sup> om.] υἱ. Ἰ. (3)  
 — 21. Β<sup>1</sup> ἐγένετο [Α. Β<sup>2</sup> B. -οντο] υἱοὶ Φ. (3)  
 — 23. καὶ υἱοὶ Ἰσρ. κατὰ δῆμον αὐ. (3)  
 — 26. υἱοὶ Ζαβ. κατὰ δῆμον αὐ. (3)  
 — 15. υἱοὶ Γαδ κατὰ δῆμον αὐ. (3)  
 — 18. οὗτοι δῆμοι υἱῶν [Α. om.] Γαδ (3)

Nu. 26. 44. υἱοὶ Ἀσὴρ κατὰ δῆμους αὐ. (8)  
 — 28. υἱοὶ Ἰ. κατὰ δῆμους αὐ. (8)  
 — 29. υἱοὶ Μαν. (8)  
 — 30. καὶ οὗτοι υἱ. Γαλ. (8)  
 — 33. καὶ τῷ Σαλπ. υἱῷ Ὁ. οὐκ ἐγένοντο υἱοὶ (8, 3)  
 — 35. καὶ οὗτοι υἱ. Ἐφρ. (8)  
 — 36. οὗτοι υἱ. Σουτ. (8)  
 — 37. οὗτοι δῆμοι υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 38. υἱοὶ Βεν. κατὰ δῆμους αὐ. (8)  
 — 40. ἐγένοντο οἱ [A. om.] υἱ. Β. (8)  
 — 41. οὗτοι υἱοὶ Βεν. (8)  
 — 42. καὶ υἱοὶ Δὰν κατὰ δῆμους αὐ. (8)  
 — 48. υἱοὶ Νεφθ. κατὰ δῆμους αὐ. (8)  
 — 51. αὕτη ἡ ἐπισκέψαι υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 57. καὶ υἱοὶ Λ. κατὰ δῆμους αὐ. †  
 — 58. οὗτοι δῆμοι υἱῶν Λ. (8)  
 — 62. ἐν μέσφ υἱῶν [A. ἐν τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 62. οὐ δίδονται αὐτοῖς κληρὸς ἐν μέσφ υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 63. οἱ ἐπισκέψαντο τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 64. οὐδ ἐπεσκέψαντο τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 65. Α. πλὴν Χ. υἱὸς Ἰεφ. καὶ Ἰ. υἱὸς [B δ τοῦ] Ναυή (8, 3)  
 27. 1. αἱ θυγατέρες Σαλπ. υἱοῦ Ὁ. υἱοῦ Γαλ. υἱοῦ Μ. (8 ter)  
 — 1. τοῦ δῆμου Μαν. τῶν υἱ. Ἰ. (8)  
 — 3. υἱοὶ οὐκ ἐγένοντο αὐτῷ (8)  
 — 3 (4). οὐκ ἔστιν αὐτῷ υἱὸς (8)  
 — 7 (8). καὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. λαλήσεις (8)  
 — 8. καὶ υἱὸς μὴ ᾗ αὐτῷ (8)  
 — 11. ἔσται τοῦτο τοῖς υἱ. Ἰσρ. δικαίωμα κρί-  
 σως (8)  
 — 12. ἢν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 18. λαβὲς πρὸς σεαυτὸν τὸν Ἰ. υἱὸν Ναυή (8)  
 — 20. ὅπως ἂν εἰσακούσωνται αὐτοῦ οἱ [A. om.] υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 21. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 28. 2. ἐντεταίλας τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 30. 1. ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 2. Α Β πρὸς τοὺς ἀρχοντας τῶν φυλῶν υἱῶν [B. om.] Ἰσρ. (8)  
 31. 2. ἐκδίδει τὴν ἐκδίκισιν υἱῶν [A. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 4. Β ἐκ πασῶν φυλῶν υἱῶν [A. B. om.] Ἰσρ. (8)  
 — 6. καὶ Φ. υἱὸν [A. -ος] Ἐλ. υἱοῦ Ἀ. τοῦ Ἰ. (8, -)  
 — 8. τὸν Βαλ. υἱὸν Β. ἀπέκτειναν (8)  
 — 12. καὶ ἤγαγον . . . πρὸς πάντας υἱ. [A. τοὺς υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 16. αἶται γὰρ ἦσαν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 30. ἀπὸ τοῦ ἡμίσεος τοῦ [B' τοῦτων] τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 42. 47. ἀπὸ τοῦ ἡμισεύματος τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 44. μετῴσων τῶν υἱ. Ἰσρ. ἐναντι κυρίου (8)  
 32. 1. κτήνη πληθὺς ἦν τοῖς υἱ. Ἰσρ. καὶ τοῖς υἱ. Γαδ (8, 3)  
 — 2. προσελθόντες οἱ υἱ. Ἰσρ. καὶ οἱ υἱ. Γαδ (8, 3)  
 — 4. ἦν παραδίδωκε κ. ἐνώπιον τῶν [A. om.] υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 6. εἶπε Μ. τοῖς υἱ. Γαδ καὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8, 3)  
 — 7. ἵνα τί διαστρέψαι τὰς διανοίας τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 9. ἀπέστησαν τὴν καρδίαν τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 12. πλὴν Χ. υἱὸς Ἰεφ. ὁ διακωχισμένος (8)  
 — 17. πρότεροι τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 18. ὥς ἂν καταμερισθῶσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 25. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. καὶ οἱ υἱ. Γαδ πρὸς Μ. (8, 3)  
 — 28. Ἐλ. τὸν ἱερέα καὶ Ἰ. υἱὸν Ναυή (8)  
 — 29. ἐὰν διαβάσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. καὶ οἱ υἱ. Γαδ (8, 3)  
 — 31. Β ἀπεκρίθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. καὶ υἱοὶ [A. B. υἱ.] Γαδ (8, 3)  
 — 33. ἔδωκαν αὐτοῖς Μ. τοῖς υἱ. Γ. καὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8, 3)  
 — 33. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 34. φεκοδύμσαν οἱ υἱ. Γαδ τὴν Δ. (8)  
 — 37. οἱ υἱ. Ἰσρ. φεκοδύμσαν τὴν Ἐσ. (8)  
 — 39. ἐπορεύθη υἱὸς Μ. υἱοῦ Μαν. Γαλ. (8, 3)  
 — 40. ἔδωκε Μ. τὴν Γ. τῷ Μ. υἱῷ Μαν. (8)  
 33. 1. οὗτοι οἱ σταθμοὶ τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 3. ἐξήλθον οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν χειρὶ ὑψηλῇ (8)  
 — 5. ἀπράντες οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐκ Ῥαμ. (8)  
 — 38. ἐν τῷ τεσσαρακοστῷ ἔτει τῆς ἐξόδου τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 40. ὅτε εἰσεπορεύοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 51. λαλήσαν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)

Nu. 34. 2. ἐντεταίλας τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 13. ἐνετείλατο Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 14. ἔλαβε φυλὴν υἱῶν Ἰσρ. καὶ φυλὴν υἱῶν Γαδ (8, 3)  
 — 17. Α. καὶ Ἰσραὴλ υἱὸς [B δ τοῦ] Ναυή (8)  
 — 19. Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (8)  
 — 20. Σαλ. υἱὸς Σεμ. (8)  
 — 21. Ἐλδὰδ υἱὸς Χασλὼν (8)  
 — 22. ἄρχων Β. υἱὸς Ἐγλί (8)  
 — 23. τῶν υἱ. Ἰ. φυλῆς υἱῶν Μαν. ἄρχων Ἀν. υἱὸς Σ. (8 ter)  
 — 24. τῆς φυλῆς υἱῶν Ἐφρ. ἄρχων Κ. υἱὸς Σαβ. (8, 3)  
 — 25. ἄρχων Ἐλ. υἱὸς Φ. (8)  
 — 26. τῆς φυλῆς υἱῶν Ἰσρ. ἄρχων Φ. υἱὸς Ὁζά (8, 3)  
 — 27. τῆς φυλῆς υἱῶν Ἀ. ἄρχων Ἀχ. υἱὸς Σελ. (8, 3)  
 — 28. ἄρχων Φ. υἱὸς Ἰ. (8)  
 — 29. καταμερισταὶ τοῖς υἱ. Ἰσρ. [A. al.] (8)  
 85. 2. συνταξάν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 8. ἀπὸ τῆς κατασχίσσεως υἱῶν [A. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 10. λαλήσαν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 15. φυγαδεῖον ἔσται τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 34. κατασχίσαν ἐν μέσφ τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 36. 1. οἱ ἀρχοντες φυλῆς υἱῶν Ἰ. υἱοῦ Μ. υἱοῦ Μαν. ἐκ τῆς φυλῆς υἱῶν Ἰ. (8 quater)  
 — 1. Β' καὶ ἐναντὶ τῶν ἀρχόντων οἴκων πατριῶν υἱῶν [A. B' H. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 2. ἀποδοῦναι τὴν γῆν . . . ἐν κλήρῳ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 3. ἔσονται ἐν τῶν φυλῶν υἱῶν Ἰσρ. γυναῖκες (8)  
 — 4. ἐὰν δὲ γένηται ἡ ἀφῆσις τὰν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 5. ἐνετείλατο Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 5. οὕτως φυλὴ υἱῶν Ἰ. λέγουσι (8)  
 — 7. οὐχὶ περιστραφῆσεται κληρονομία τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 7. Β' προσκολληθήσονται υἱοὶ [A. B' H. οἱ υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 8. πᾶσα θυγάτηρ . . . ἐκ τῶν φυλῶν υἱῶν Ἰσρ. [A. al.] (8)  
 — 8. ἵνα ἀγχιστευθῶσιν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 9. προσκολληθήσονται οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 12. ἐκ τοῦ δῆμου τῶν Μαν. υἱῶν Ἰ. (8)  
 De. 1. 3. ἐλάλησε Μ. πρὸς πάντας τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 28. υἱοὺς γιγνάντων ἐοράκαμεν ἐκεῖ (8)  
 — 31. ὥς εἰ τις τροφοφορήσει ἄνθρωπος τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 36. πλὴν Χάλεβ υἱὸς Ἰεφ. (8)  
 — 36. τοῦτ' ὁσὼν . . . καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 38. Ἰ. υἱὸς Ναυή ὁ παρεστηκὸς σοι (8)  
 2. 4. διὰ τῶν ὁρίων τῶν ἀδελφῶν ὑμῶν υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 5. Β' ἐν κλήρῳ δέδωκε υἱοῖς [A. B' H. τοῖς υἱ.] Ἰ. (8)  
 — 8. παρῆλθοντες τοὺς ἀδ. ὑμῶν υἱοὺς Ἰσραὴλ (8)  
 — 9. τοῖς γὰρ υἱ. Δὼδ δέδωκε τὴν Σ. (8)  
 — 12. υἱοὶ [A. οἱ υἱ.] Ἰσραὴλ ἀπώλεσαν αὐτοὺς (8)  
 — 19. προσάγετε ἐγγύς υἱ. Ἀμμάν (8)  
 — 19. οὐ γὰρ μὴ δα ἀπὸ τῆς γῆς υἱῶν Ἀμμάν σοι (8)  
 — 19. τοῖς υἱ. Δὼδ δέδωκε αὐτὴν ἐν κλήρῳ (8)  
 — 22. ὥσπερ ἐποίησαν τοῖς υἱ. Ἰσραὴλ (8)  
 — 29. καθὼς ἐποίησάν μοι οἱ υἱ. Ἰσραὴλ (8)  
 — 33. ἐπάταξεν αὐτὸν καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 37. ἐγγύς [A. εἰς γῆν] υἱῶν Ἀμμάν οὐ προσ-  
 ἤλθον (8)  
 3. 11. ἐν τῇ ἀκρᾷ τῶν υἱ. Ἀμμάν (8)  
 — 14. Ἰ. υἱὸς Μαν. ἔλαβε πᾶσαν τὴν περὶχω-  
 ρον Ἀ. (8)  
 — 16. ὁ χειμάρρους ὄριον τοῖς υἱ. Ἀμμάν (8)  
 — 18. πρὸ προσώπου τῶν ἀδ. ὑμῶν υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 4. 9. συμβιβάζσεις τοὺς υἱ. σου καὶ τοὺς υἱ. τῶν υἱ. σου (8 ter)  
 — 10. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. διδάξουσιν (8)  
 — 25. ἐὰν δὲ γεννηθῶς υἱὸς καὶ υἱοὺς τῶν υἱ. σου (8 ter)  
 — 40. ἵνα εὐ σοι γένηται καὶ τοῖς υἱ. σου μετὰ σέ (8)  
 — 44. ὃν παρέθετο Μ. ἐνώπιον υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 45. δσα ἐλάλησε Μ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 46. ὃν ἐπάταξε Μ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 5. 14. Β' σὺ καὶ οἱ υἱ. [A. B' H. οἱ υἱ.] σου (8)  
 — 29 (26). ἵνα εὐ ᾗ αὐτοῖς καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 6. 2. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ. σου (8 ter)  
 — 3 (4). δσα ἐνετείλατο κ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 7. προβιβάζσεις αὐτὰ τοῖς υἱ. σου (8)  
 — 20. ὅταν ἐρωτήσῃ σε ὁ υἱ. σου ἀβριαν (8)  
 — 21. εἰρεῖς τῷ υἱ. σου (8)  
 7. 3. τὴν θυγατέρα σου οὐ δώσεις τῷ υἱ. αὐ. (8)  
 — 3. τὴν θυγατέρα αὐ. οὐ λήψῃ τῷ υἱ. σου (8)  
 — 4. ἀποστήσει γὰρ τὸν υἱ. σου ἀπ' ἐμοῦ (8)

De. 8. 5. ὥς εἰ τις ἄνθρωπος παιδείῃ τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 9. 2. λαὸν μέγαν . . . καὶ εὐμήκη [A. -εις] υἱοὺς Ἰ. (8)  
 — 2. τίς ἀντιστήσεται κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἰ. (8)  
 10. 6. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀπήραν ἐκ Β. υἱῶν Ἰ. (8, 3)  
 — 6. ἱεράτευσεν Ἐλ. υἱὸς αὐτοῦ ἀντ' αὐτοῦ (8)  
 11. 6. τῷ Δ. καὶ Ἀβ. υἱοῖς Ἐλ. υἱοῦ Ἰ. (8, 3)  
 — 21. καὶ αἱ ἡμέραι τῶν υἱ. ὑμῶν (8)  
 12. 12. ὑμεῖς καὶ οἱ υἱ. ὑμῶν καὶ αἱ θυγ. ὑμῶν (8)  
 — 18. σὺ καὶ ὁ υἱ. σου καὶ ἡ θυγ. σου (8)  
 — 25, 28. ἵνα εὐ σοι γένηται καὶ τοῖς υἱ. σου (8)  
 — 31. τοὺς υἱ. αὐ. καὶ τὰς θυγ. αὐ. κατα-  
 καίουσιν (8)  
 13. 6 (7). ἐὰν δὲ παρακλήσῃ σε . . . ὁ υἱ. σου (8)  
 14. 1. υἱοὶ ἔστε κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (8)  
 — 26. Β. σὺ καὶ ὁ υἱ. [A. B. οἴκος] σου (8)  
 16. 11, 14. ὁ υἱ. σου καὶ ἡ θυγάτηρ σου (8)  
 17. 20. αὐτοὺς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8, -)  
 18. 5. αὐτοὺς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. [A. al.] (8, -)  
 — 6. ἐκ μίας τῶν πόλεων ἐκ πάντων τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 10. περικαθαίρων τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 21. 15. καὶ γένηται υἱὸς πρωτότοκος τῆς μουσουλ. (8)  
 — 16. ᾗ ἂν ἡμέρα κατακληρονομή τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 16. οὐ δυνήσεται πρωτοτοκεῖναι τῷ υἱ. [A. τὸν υἱ.] τῆς ἡγαπῃ. (8)  
 — 16. ὑπερίδων τὸν υἱ. τῆς μουσουλ. τὸν πρωτό-  
 τοκον (8)  
 — 17. τὸν πρωτότοκον υἱ. τῆς μουσουλ. (8)  
 — 18. ἐὰν δὲ τῇ υἱ. ἀπειθήσῃ καὶ ἐρεθισθῇ (8)  
 — 20. ὁ υἱ. ἡμῶν ὅπως ἀπειθεῖ (8)  
 22. 21. ἐποίησεν ἀφροσύνην ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (8)  
 23. 4 (5). ἐμισθάσαντο ἐπὶ σέ τὸν Β. υἱὸν Β. (8)  
 — 8 (9). υἱοὶ ἐὰν γεννηθῶσιν αὐτοῖς (8)  
 — 17 (18). οὐκ ἔσται πορνείων ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 18. οὐκ ἔσται τελεικόμενος ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 24. 7. κλέπτων ψυχὴν ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 16. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (8)  
 28. 32. Α. Β' H. οἱ υἱ. σου καὶ αἱ θυγ. σου (8)  
 — 41. υἱοὺς καὶ θυγατέρας γεννήσεις (8)  
 — 53. κρεῖα υἱῶν σου καὶ θυγατέρων σου (8)  
 — 56. βασκανεῖ . . . τὸν υἱ. καὶ τὴν θυγ. αὐ. (8)  
 29. 1 (28. 69). στήσαι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 2 (1). ἐκάλεσε Μ. πάντας τοὺς [A. om.] υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 21 (20). διαστειλεῖ αὐτὸν . . . ἐκ πάντων υἱ. [A. τῶν υἱ.] Ἰσρ. (8, +)  
 — 22 (21). οἱ υἱ. ὑμῶν οἱ ἀναστήσονται μεθ' ὑμᾶς (8)  
 31. 1. λαλῶν πάντας τοὺς λόγους τ. πρὸς πάντας υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 9. Α Β ἔδωκε τοῖς ἱερεῦσι τοῖς υἱ. Λ. [B. om. τ. υἱ. Λ.] . . . καὶ τοῖς πρεσβυ-  
 τέροις τῶν υἱ. Ἰσρ. (8, -)  
 — 13. οἱ υἱ. αὐ. οἱ οὐκ οἰδῶσιν ἀκούσονται (8)  
 — 19. διδάξατε αὐτὴν τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 19. μαρτυροῦσα ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (8)  
 — 22. ἐδίδαξεν αὐτὴν τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 23. Α. ἐνετείλατο Μ. Ἰσραὴλ υἱῷ Ναυή [B. al.] (8)  
 — 23. εἰσάξεις τοὺς υἱ. Ἰσρ. εἰς τὴν γῆν (8)  
 32. 8. Α' B' ὥς διέσπειρεν υἱοὺς Ἀ. (8)  
 — 14. μετὰ στέατος ἁγίων καὶ κριῶν υἱῶν ταύρων (8)  
 — 19. δι' ὄργην υἱῶν αὐ. καὶ θυγατέρων (8)  
 — 20. υἱοὶ οἵς οὐκ ἔστι πίστις ἐν αὐτοῖς (8)  
 — 43. προσκυνησάτωσαν αὐτῷ υἱοὶ θεοῦ (8)  
 — 43. B. ἐρισχυσάτωσαν αὐτῷ πάντες υἱ. θεοῦ [A. B. al.] (8)  
 — 43. τὸ αἷμα τῶν υἱ. αὐ. ἐκδικᾷται (8, +)  
 — 44. ἐδίδαξεν αὐτὴν τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 46. δ. ἐντελίσθε τοῖς υἱ. ὑμῶν (8)  
 — 49. ἢν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 51. ἠπειθήσατε τῷ ῥήματι μου ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 51. ἠγάπησάτε με ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 33. 1. ἢν εὐλόγησε Μ. . . τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 9. B. τοὺς υἱ. αὐ. ἀπέγνω (8)  
 34. 8. ἐκλαυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. Μωυσῆν (8)  
 — 9. Ἰ. υἱὸς Ναυή ἐνεπλήσθη πνεύματος συν-  
 έσεως (8)  
 — 9. εἰσήκουσαν αὐτοῦ οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 Jo. 1. 1. υἱὸς Ναυή [B. om. υἱ. Ν.] (8)  
 1. 1. εἶπε κ. τῷ Ἰσραὴλ υἱῷ Ν. (8)  
 2. 1. ἀπέστειλεν Ἰ. υἱὸς Ν. . . δύο νεανίσκους (8)  
 — 2. εἰσπεπνέοντα ὡς ἄνθρωποι τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 23. διέβησαν πρὸς Ἰ. υἱὸν Ν. (8)

10. 8. 7. κατενόησαν πάντων υἱ. [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. —  
 — 9. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 12. δώδεκα ἀνδρας ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. —  
 — 17. πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. διεβαῖνον διὰ ξηρᾶς —  
 4. 4. δώδεκα ἀνδρας τῶν ἐνδόξων ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 6. ὅταν ἐρωτᾷ σε ὁ υἱ. σου ἀβριον (8)  
 — 7. A<sup>2</sup> B καὶ σὺ δηλώσεις τῷ υἱ. σου —  
 — 7. μνημόσυνον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 8. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 8. ἐν τῇ συντελείᾳ τῆς διαβάσεως τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 12. διεβήσαν οἱ υἱ. P. καὶ οἱ υἱ. Γάδ . . . —  
 — ἐμπροσθεν τῶν υἱ. Ἰσρ. (3 ter)  
 — 19. κατεστρατοπίδευσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. —  
 — 21. ὅταν ἐρωτᾷς ἡμᾶς οἱ υἱ. ἡμῶν —  
 — 22. ἀναγγεῖλατε τοῖς υἱ. ἡμῶν (8)  
 5. 1. ἐκ τῶν ἐμπροσθεν τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 1. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 2. περίεμε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 3. περίεμε τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 4. ὃν δὲ τρόπον περιεκάβαρεν Ἰ. τοὺς υἱ. [A<sup>1</sup> τοῖς υἱ.] Ἰσρ. —  
 — 7. ἀντικατέστης τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 — 8 (9). εἶπε κ. τῷ Ἰ. υἱῷ Ναυὴ [A om. υἱ. N.] —  
 — 9 (10). ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ πάσχα —  
 — 11 (12). οὐκ ἐτὶ ὑπῆρχε τοῖς υἱ. Ἰσρ. μάννα (8)  
 6. 6. A εἰσῆλθεν Ἰ. υἱὸς [B δ τοῦ] N. (8)  
 — 15 (16). εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. —  
 — 17 (18). καὶ ποιήσῃ τὴν παρεμβ. τῶν υἱ. Ἰσρ. ἀνάθεμα —  
 7. 1. ἐπλημμέλησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πλημμέλειαν —  
 — μάλῃ (8)  
 — 1. ἔλαβεν Ἀ. υἱὸς X. υἱοῦ Z. υἱοῦ Z. (3 ter)  
 — 1. ἐθυμώθη κένυρος ὁργῇ τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 12. οὐ μὴ δύνανται οἱ υἱ. Ἰσρ. ὑποστῆναι —  
 — 18. ἐνδείχθη Ἀ. υἱὸς Z. υἱοῦ Z. (8, 8)  
 — 24. ἔλαβεν Ἰ. τὸν Ἀ. υἱὸν Z. (8)  
 — 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν . . . καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 8. 16. κατεδίωξαν ὀπίσω τῶν υἱ. Ἰσρ. —  
 — 24. ὡς ἐπαύσαντο οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀποκτείνοντες —  
 — 27. ἂ ἐπρονόμουν αὐτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. —  
 9. 2 (8. 31). καδὸς ἐνετείλατο M. . . τοῖς υἱ. Ἰσρ. —  
 — 2 (8. 32). ἔγραψεν Ἰ. . . ἐνώπιον τῶν υἱῶν Ἰσρ. —  
 — 2 (8. 35). εἰς τὰ ὄρα πάσης ἐκκλησίας υἱῶν [A om.] Ἰσρ. —  
 — 7. εἶπαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς τὸν X. (1)  
 — 17. ἀπήραν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 18. οὐκ ἐμαχέοντο αὐτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 26. ἐξείλατο αὐτοὺς . . . ἐκ χειρῶν υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 10. 4. ὑπὸ τομὴν γὰρ . . . πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 10. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. [A om. τ. υἱ.] Ἰσρ. —  
 — 11. ἀπὸ προσώπου τῶν [A om.] υἱ. Ἰσρ. —  
 — 11. οὐδ ἀπέκριναν οἱ υἱ. Ἰσρ. μαχαίρα (8)  
 — 12. συνετίβησαν ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A om.] Ἰσρ. (8)  
 — 20. Ἰ. καὶ πᾶς υἱ. [A πάντες οἱ υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 21. οὐκ ἐγρυγνεν οὐδεὶς τῶν υἱ. Ἰσρ. τῇ γλώσσῃ αὐ. (8)  
 11. 6. A ἐναντίον υἱῶν [B τοῦ] Ἰσρ. —  
 — 14. ἐπρονόμουν αὐτοῖς οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 19. A ἦτις οὐ παρέδωκεν τοῖς υἱ. Ἰσρ. [B al.] (8)  
 — 22. οὐ κατελείφθη τῶν ἔν. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 12. 1. οὐδ ἀνέκλιν οἱ [A M. καὶ] υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 2. ὅρια υἱῶν Ἀμμιών (8)  
 — 6. οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐπάταξαν αὐτοὺς (8)  
 — 7. οὐδ ἀνέκλιν Ἰ. καὶ οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 13. 10. ὥς τῶν ὁρίων υἱῶν Ἀ. (8)  
 — 13. οὐκ ἐξωλέθρευαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸν Γ. —  
 — 13. κατὰ κ. . . ὁ M. ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. —  
 — 14. ὃν κατεμίσησε M. τοῖς υἱ. Ἰσρ. —  
 — 23. αὐτὴ ἡ κληρονομία υἱῶν P. (8)  
 — 24. ἔδωκε δὲ M. τοῖς υἱ. Γάδ —  
 — 25. καὶ τὸ ἥμισυ γῆς υἱῶν Ἀμμιών (8)  
 — 28. αὐτὴ ἡ κληρονομία υἱῶν Γάδ (8)  
 — 31. τοῖς υἱ. M. υἱοῖς [A οὐ] Μαν. καὶ τοῖς ἥμισυν υἱοῖς M. υἱοῖς [A<sup>2</sup> ἢ τῆς φυλῆς] Μαν. (3 ter, —)  
 14. 1. οἱ κατακληρονομήσαντες υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 1. καὶ οἱ ἀρχόντες πατριῶν φυλῶν τῶν υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 4. ἦσαν οἱ υἱ. Ἰ. δύο φυλαὶ (8)  
 — 5. οὕτως ἐποίησαν οἱ υἱ. [A τοῖς υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 6. προσήλθον οἱ υἱ. Ἰ. πρὸς Ἰ. (8)  
 — 13. ἔδωκε X. τῷ X. υἱῷ [A X. υἱῷ X. τῷ] Ἰεφ. υἱῷ K. (8, — [†, †])

10. 15. 6. ἐπὶ λίθον Βαῖων υἱοῦ Ἰ. (8)  
 — 12. ταῦτα τὰ ὅρια υἱῶν Ἰ. κύλα (8)  
 — 13. τῷ X. υἱ. Ἰεφ. ἔδωκε μερίδα ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰ. (8, 8)  
 — 14. ἐξωλέθρευεν ἐκείθεν X. υἱὸς Ἰεφ. τοὺς τρεῖς υἱ. E. (—, 8)  
 — 17. ἔλαβεν αὐτὴν Γ. υἱὸς K. (8)  
 — 20. αὐτὴ ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 21. πόλεις πρὸς τῇ φυλῇ υἱῶν Ἰ. [A al.] (8)  
 — 63. οὐκ ἡδυνήθησαν οἱ υἱ. Ἰ. ἀπολέσαι αὐτοὺς (8)  
 16. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 4. ἐκληρονόμησαν οἱ υἱ. Ἰ. (8)  
 — 5. ἐγενήθη ὅρια υἱῶν Ἐφρ. (8)  
 — 8. A αὐτὴ ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν [B om.] Ἐφρ. (8)  
 — 9. αἱ πόλεις αἱ ἀφορισθεῖσαι τοῖς υἱ. Ἐφρ. ἀνὰ μέσον τῆς κληρονομίας υἱῶν Μαν. (8, 8)  
 17. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια φυλῆς υἱῶν Μαν. —  
 — 2. ἐγενήθη τοῖς υἱ. Μαν. . . τοῖς υἱ. Ἰ. καὶ τοῖς υἱ. K. καὶ τοῖς υἱ. Ἰ. καὶ τοῖς υἱ. Σ. καὶ τοῖς υἱ. Συμ. καὶ τοῖς υἱ. O. (3 septies)  
 — 3. τῷ Σ. υἱ. O. οὐκ ἦσαν αὐτῷ υἱοὶ (8, 8)  
 — 4. A ἔστησαν . . . ἐναντίον Ἰ. υἱοῦ N. [B om. υἱ. N.] (8)  
 — 6. θυγατέρες υἱῶν Μαν. ἐκληρονόμησαν κληρον —  
 — 6. ἡ δὲ γῆ Γαλ. ἐγενήθη τοῖς υἱ. Μαν. (8)  
 — 7. ἐγενήθη ὅρια υἱῶν Μαν. Δ. —  
 — 7. ἡ ἔστι κατὰ πρόσωπον υἱῶν Ἀ. [A al.] —  
 — 8. ἐπὶ τῶν ὁρίων Μαν. τοῖς υἱ. Ἐφρ. [A om. τ. υἱ. E.] (8)  
 — 12. οὐκ ἡδυνήθησαν οἱ υἱ. Μαν. ἐξολεθρεύσαι (8)  
 — 13. ἐπεὶ κατίσχυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 14. ἀντίπαλον δὲ οἱ υἱ. Ἰ. τῷ Ἰσραὶ (8)  
 — 16. A εἶπαν οἱ υἱ. Ἰ. [B om. οἱ υἱ. Ἰ.] (8)  
 — 17. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰ. (8)  
 18. 1. ἐξεκκλησιάσθη πᾶσα συναγωγὴ υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 2. κατελείφθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 3. εἶπεν Ἰ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. [A al.] (8)  
 — 5. οἱ υἱ. Ἰ. στήσονται αὐτοῖς ἀπὸ βορρᾶ (8)  
 — 7. οὐ γὰρ ἔστι μίρις τοῖς υἱ. Ἀ. ἐν ἡμῖν —  
 — 7. A<sup>2</sup> καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς υἱῶν [A<sup>1</sup> B om.] Μαν. —  
 — 11. B ἀνὰ μέσον υἱῶν [A B om.] Ἰ. (8)  
 — 11. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν [A om.] υἱ. Ἰ. (8)  
 — 14. K. πόλεις υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 16. A κατὰ πρόσωπον νύμφης υἱοῦ Ἐ. [B v. Σ.] (8)  
 — 18 (17). ἐπὶ λίθον B. υἱῶν [A οὐ] P. (8)  
 — 20. αὐτὴ ἡ κληρονομία υἱῶν Βεν. (8)  
 — 21. ἐγενήθησαν αἱ πόλεις τῶν υἱ. Βεν. (8)  
 — 28. αὐτὴ ἡ κληρονομία υἱῶν Βεν. (8)  
 19. 1. ἐξήλθεν ὁ δευτέρως κληρὸς τῶν υἱ. Σ. [A al.] (8)  
 — 1. ἀνὰ μέσον κληρῶν υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 8. αὐτὴ ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. (8)  
 — 9. A ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰ. ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. [B al.] (8, 8)  
 — 9. ἐγενήθη ἡ μερίς υἱῶν Ἰ. μείζων τῆς αὐτῶν (8)  
 — 9. ἐκληρονόμησαν οἱ υἱ. [A om.] υἱ. Σ. (8)  
 — 16. αὐτὴ ἡ κληρονομία τῆς φυλῆς υἱῶν Ζαβ. (8)  
 — 23. αὐτὴ ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 31. αὐτὴ ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἀ. (8)  
 — 39. αὐτὴ ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν N. (8)  
 — 48. αὐτὴ ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Δάν (8)  
 — 48. οὐκ ἐξέθλιψαν οἱ υἱ. Δάν τὸν Ἀμ. —  
 — 47. ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. Ἰ. (8)  
 — 49. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. κληρον Ἰσραὶ τῷ [A om.] υἱ. N. (8, 8)  
 20. 2. γάλησον τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 9. αἱ πόλεις αἱ ἐπὶ κληρῶν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 21. 1. προσήλθον οἱ ἀρχιπατριῶται τῶν υἱ. Ἀ. —  
 — 1. A ἐκ τῶν φυλῶν τῶν υἱ. [B om. τ. υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 3. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . τὰς πόλεις (8)  
 — 4. ἐγένετο τοῖς υἱ. Ἀ. (8)  
 — 5. καὶ τοῖς υἱ. K. τοῖς καταλελειμμένοις (8)  
 — 6. καὶ τοῖς υἱ. Γ. ἀπὸ τῆς φυλῆς Ἰσρ. (8)  
 — 7. B<sup>1</sup> καὶ ἐν [A B<sup>2</sup> B om.] τοῖς υἱ. Μερ. κατὰ δῆμον αὐ. (8)  
 — 8. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τοῖς Ἀ. τὰς πόλεις (8)  
 — 9. ἡ φυλὴ υἱῶν Ἰ. καὶ ἡ φυλὴ υἱῶν Συμ. καὶ ἀπὸ τῆς φυλῆς υἱῶν Βεν. (8, 8, —)  
 — 10. ἐπεκλήθησαν τοῖς υἱ. Ἀ. ἀπὸ τοῦ δήμου τοῦ K. τῶν υἱ. Ἀ. (8, 8)

21. 12. τὰς κόμας αὐ. ἔδωκεν Ἰ. τοῖς υἱ. X. υἱοῦ [A τῷ X. υἱῷ] Ἰεφ. (—, 8)  
 — 13. καὶ τοῖς υἱ. Ἀ. ἔδωκε τὴν πόλιν (8)  
 — 19. πᾶσαι αἱ πόλεις υἱῶν Ἀ. (8)  
 — 20. καὶ τοῖς δῆμοις υἱοῖς [A οὐ] K. τοῖς Ἀ. τοῖς καταλελειμμένοις ἀπὸ τῶν υἱ. K. (8, 8)  
 — 26. τοῖς δῆμοις υἱῶν K. τοῖς ὑπολελειμμένοις (8)  
 — 27. καὶ τοῖς υἱ. Γ. τοῖς Λευαῖταις (8)  
 — 34. καὶ τῷ δήμῳ υἱῶν Μερ. —  
 — 34. A ἐκ τῆς φυλῆς υἱῶν [B om.] Ζαβ. —  
 — 38. πᾶσαι πόλεις τοῖς υἱ. Μερ. (8)  
 — 39. ἐν μέσῳ κατασχέσεως υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 40. ἔδωκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. μερίδα τῷ Ἰ. —  
 — 40. ἐν αἷς περιέμετε τοὺς υἱ. Ἰσρ. —  
 — 43. ὡς ἐλάλησε κ. τοῖς υἱ. Ἰσρ. (2)  
 22. 1. συνεκάλεσεν Ἰ. τοὺς υἱ. P. [A τ. Pου-βηνίτας] καὶ τοὺς υἱ. Γάδ (14, 8)  
 — 9. B ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. P. καὶ οἱ υἱ. Γάδ καὶ τὸ ἥμισυ φυλῆς υἱῶν [A B om.] Μαν. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἰσρ. (8, 3, —, 8)  
 — 10. φηκοδόμησαν οἱ υἱ. P. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (8, 8)  
 — 11. ἤκουσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 11. φηκοδόμησαν οἱ υἱ. P. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (8, 3)  
 — 11. ἐν τῷ πέραν υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 12. συνηθροίσθησαν πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 13. ἀπέτελλαν οἱ υἱ. Ἰσρ. πρὸς τοὺς υἱ. P. καὶ πρὸς τοὺς υἱ. Γάδ καὶ πρὸς τοὺς υἱ. [A om. τ. υἱ.] ἥμισυ φυλῆς Μαν. (3 ter, —)  
 — 13. τὸν τε Φ. υἱὸν Ἐλ. υἱοῦ Ἀ. (8, —)  
 — 15. παρεγίνοντο πρὸς τοὺς υἱ. P. καὶ πρὸς τοὺς υἱ. Γάδ (8, 8)  
 — 21. ἀπεκρίθησαν οἱ υἱ. P. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (8, 8)  
 — 25. ἀπαλλοτριώσουσιν οἱ υἱ. ἡμῶν τοὺς υἱ. ἡμῶν (8, 8)  
 — 28. μαρτυρίον ἔστιν . . . ἀνὰ μέσον τῶν υἱ. [A τέκνων] ἡμῶν —  
 — 30. οὐδ ἐλάλησαν οἱ υἱ. P. καὶ οἱ υἱ. Γάδ (8, 8)  
 — 31. εἶπε Φ. ὁ ἰ. τοῖς υἱ. P. καὶ τοῖς υἱ. Γάδ (8, 8)  
 — 31. ἐρύσσασθε τοὺς υἱ. Ἰσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (8)  
 — 32. οἱ ἀρχόντες ἀπὸ τῶν υἱ. P. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Γάδ (8, 8)  
 — 32. ἀπέστρεψε Φ. . . πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 33. ἤρεσε τοῖς υἱ. Ἰσρ. (8)  
 — 33. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς υἱ. Ἰσρ. —  
 — 33. εὐλόγησαν τὸν θεὸν υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 33. ἐξολεθρεύσαι τὴν γῆν τῶν υἱ. P. καὶ τῶν υἱ. Γάδ (8, 8)  
 23. 2. συνεκάλεσεν Ἰ. πάντας τοὺς υἱ. Ἰσρ. —  
 24. 4. Ἰ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. κατέβησαν εἰς Αἴγ. (8)  
 — 29. ἀπέθανεν Ἰ. υἱὸς N. (8)  
 — 30. ἐν αἷς περιέμετε τοὺς υἱ. Ἰσρ. —  
 — 32. τὰ ὅσα Ἰ. ἀνήγαγον οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐξ Αἴγ. (8)  
 — 33. Ἐλ. υἱὸς [A ὁ υἱ.] Ἀ. ὁ ἀρχιερεὺς ἐτε-λειύσθη (8)  
 — 33. ἐτάφη ἐν Γ. Φ. τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 — 33. λαβόντες οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ —  
 — 33. οἱ δὲ υἱ. Ἰσρ. ἀπῆλθον —  
 — 33. ἐσέβοντο οἱ υἱ. Ἰσρ. τὴν Ἀσθάρτην —  
 — μισερ. Ἰ. υἱὸς Ναυὴ —  
 Jd. 1. 1. ἡπρώτων οἱ υἱ. Ἰσρ. διὰ τοῦ κ. (8)  
 — 8. ἐπολέμουν οἱ υἱ. Ἰ. τὴν Ἰερ. (8)  
 — 9. κατέβησαν οἱ υἱ. Ἰ. (8)  
 — 13. προκατελάβετο αὐτὴν Γ. υἱὸς K. (8)  
 — 16. οἱ υἱ. Ἰ. . . ἀνέβησαν . . . μετὰ τῶν υἱ. [A πρὸς τοὺς υἱ.] Ἰ. (8, 8)  
 — 20. ἐκληρονόμησαν ἐκείθεν τὰς τρεῖς πόλεις τῶν υἱ. E. [A al.] (8)  
 — 21. τὸν Ἰεβ. . . οὐκ ἐκληρονόμησαν οἱ υἱ. Βεν. (8)  
 — 21. κατῴκησεν ὁ Ἰεβ. μετὰ τῶν υἱ. Βεν. (8)  
 — 22. ἀνέβησαν οἱ υἱ. Ἰ. καὶ γε αὐτοὶ (8)  
 — 34. ἐξέθλιψεν ὁ Ἀμ. τοὺς υἱ. Δάν (8)  
 2. 4. ὡς ἐλάλησεν . . . πρὸς πάντας υἱ. [A πάντα] Ἰσρ. (8)  
 — 6. A ἀπηλθον οἱ υἱ. Ἰσρ. ἕκαστος εἰς τὸν οἶκόν αὐ. [B al.] (8)  
 — 8. ἐτελειύτησεν Ἰ. υἱὸς N. . . υἱὸς [A om.] ἑκατὸν δέκα ἐτῶν (8, 8)  
 — 11. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ ποτηρὸν —  
 — 21. ὡς κατέλειπεν Ἰ. υἱὸς N. [A om. υἱ. N.] —  
 — 22. A ὃν τρόπον ἐφυλάξαντο υἱοὶ Ἰσρ. [B al.] —  
 3. 2. πλὴν διὰ τὰς γενεὰς υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (8)  
 — 5. οἱ υἱ. Ἰσρ. κατῴκησαν ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. (8)  
 — 6. τὰς θυγ. αὐ. ἔδωκαν τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 7. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τὸ ποτηρὸν (8)  
 — 8. ἐδούλευσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. τῷ X. (8)

Jd. 8. 9. ἐκείκραζαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς κύριον (8)  
 — 9. ἤγειρε κ. . . τὸν Γοθ. υἱὸν K. (8)  
 — 11. ἀνέβανεν Γοθ. υἱὸς K. (8)  
 — 12. προσέθεντο οἱ υἱ. 'Ισρ. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν (8)  
 — 13. συνήγαγε πρὸς ἑαυτὸν πάντας τοὺς υἱ. 'Α. (8)  
 — 14. ἐδούλευσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. τῷ 'Ε. (8)  
 — 15. ἐκείκραζαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς κύριον (8)  
 — 15. ἤγειρεν . . . τὸν 'Α. υἱ. Γ. υἱὸν [A - ou] (8, 3)  
 — 15. ἐξέστειλαν οἱ υἱ. 'Ισρ. δῶρα (8)  
 — 27. κατέβησαν σὺν αὐτῷ οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 31. ἀνέστη Σαμ. υἱὸς Δ. (8)  
 4. 1. προσέθεντο οἱ υἱ. 'Ισρ. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν (8)  
 — 2. ἀπὸδοτε τοὺς υἱ. 'Ισρ. [A. απ. αὐτοῖς] (8)  
 — 3. ἐκείκραζαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς κύριον (8)  
 — 5. ἐκάλεισαν πρὸς αὐτὴν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 6. ἐκάλεσε τὸν B. υἱὸν 'Αβ. (8)  
 — 6. δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν ἐκ τῶν υἱ. Νεφθ. (8, 3)  
 — 11. ἐχώρησεν ἀπὸ K. ἀπὸ τῶν υἱ. 'Ι. (8)  
 — 12. ἀνέβη B. υἱὸς 'Αβ. εἰς ὄρος Θ. (8)  
 — 23. ἐτρέψαντες ὁ θ. τὸν 'Ι. . . ἔμπροσθεν τῶν υἱ. 'Ισρ. [A. al.] (8)  
 — 24. ἐπορεύετο χεὶρ τῶν υἱ. 'Ισρ. [A. al.] (8)  
 5. 1. ἦσαν Δ. καὶ B. υἱὸς 'Αβ. (8)  
 — 6. ἐν ἡμέραις Σαμ. υἱοῦ 'Α. (8)  
 — 12. αἰχμαλωτίσας αἰχμαλωσίας σου, υἱὸς 'Αβ. (8)  
 6. 1. ἐποίησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. τὸ πονηρὸν (8)  
 — 2. ἐποίησαν ἑαυτοῖς οἱ υἱ. 'Ισρ. . . τὰς τρυμ- (8)  
 — 3. ἐν ἐσπεραν οἱ υἱ. 'Ισρ. [A. al.] (8)  
 — 3. οἱ υἱ. ἀνατολῶν συναβύβαινον αὐτοῖς (8)  
 — 7. Ἀ ἐκείκραζαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς κύριον (8)  
 — 6. ἐβόησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς κύριον [A. al.] (8)  
 — 8. ἐξέστειλε κ. ἀνδρα προφήτην πρὸς τοὺς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 11. καὶ Γ. υἱὸς αὐ. ῥαβδίῳ σίτον [A. B. al.] (8)  
 — 29. Γ. υἱὸς [A. ο. υ.] 'Ι. ἐποίησε τὸ ῥῆμα τοῦτο (8)  
 — 30. ἐξένεγκε τὸν υἱ. σου (8)  
 — 31. εἶπε Γ. υἱὸς [A. om. Γ. υ.] 'Ι. (8)  
 — 33. υἱοὶ ἀνατολῶν συνήχθησαν ἐπὶ τὸ αὐτὸ (8)  
 7. 12. αὐτοὶ πάντες υἱ. ἀνατολῶν βεβηλμένοι (8)  
 — 14. ῥομφαία Γ. υἱοῦ 'Ι. ἀνδρὸς 'Ισρ. (8)  
 8. 10. Ἀ πάντες καταλειφθέντες υἱοὶ ἀνατολῶν [B. al.] (8)  
 — 13. ἐπίστρεψεν Γ. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 18. εἰς ὁμοίωμα υἱοῦ βασιλέως [A. al.] (8)  
 — 19. υἱοὶ τῆς μητρὸς μου ἦσαν (8)  
 — 22. B. καὶ σὺ καὶ ὁ υἱ. σου καὶ ὁ υἱ. τοῦ υἱοῦ σου [A. B. al.] (8 ter)  
 — 23. οὐκ ἄρξαι ὁ υἱ. μου ἐν ὑμῖν (8)  
 — 28. συνητάλη M. ἐνόμιον υἱὸν 'Ισρ. [A. al.] (8)  
 — 29. ἐπορεύθη 'Ι. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 30. τῷ Γ. ἦσαν υἱοὶ ἐδωμήκοντα (8)  
 — 31. ἔτεκεν αὐτῷ καὶ γε αὐτῇ υἱόν (8)  
 — 32. ἀπέθανε Γ. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 33. ἐπίστρεψαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 34. οὐκ ἐμνήσθησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 9. 1. ἐπορεύθη 'Αβ. υἱὸς 'Ιερ. (8)  
 — 2. κυριεύσαι ὑμῶν . . . πάντας υἱ. 'Ιερ. (8)  
 — 5. ἀπέκτεινε τοὺς ἀδ. αὐ. υἱοὺς 'Ιερ. (8)  
 — 5. κατελείφθη 'Ι. υἱὸς 'Ιερ. ὁ νεώτερος (8)  
 — 18. καὶ ἀπέκτειναι τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 — 18. ἐβασιλεύσατε τὸν 'Αβ. υἱὸν παιδείας αὐ. (8)  
 — 24. τὴν ἀδικίαν τῶν ἐδωμήκων υἱὸν 'Ιερ. (8)  
 — 26. ἦλθε Γ. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 28. εἶπε Γ. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 28. τίς ἐστὶν υἱὸς [A. ο. υ.] Σ. (8)  
 — 28. οὐχ υἱὸς 'Ιερ. (8)  
 — 30. ἤκουσε . . . τοὺς λόγους Γ. υἱοῦ 'Ι. (8)  
 — 31. ἰδοὺ Γ. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 35. ἐξῆλθεν Γ. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 36. εἶδε Γ. υἱὸς 'Ι. τὸν λαόν (8)  
 — 57. ἐπλήσθη ἐπ' αὐτὸν ἡ κατὰρα 'Ι. υἱοῦ 'Ιερ. [A. τοῦ υἱ. αὐ.] (8)  
 10. 1. Θ. υἱὸς Φ. υἱὸς παραδέλφου αὐ. (8, 3)  
 — 4. ἦσαν αὐτῷ τριάκοντα καὶ δύο υἱοὶ (8)  
 — 6. προσέθεντο οἱ υἱ. 'Ισρ. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν (8)  
 — 6. ἐδούλευσαν . . . τοῖς θεοῖς υἱὸν 'Αμμών (8)  
 — 7. ἀπὸστο αὐτοῖς . . . ἐν χειρὶ υἱὸν 'Αμμών (8)  
 — 8. ἔθλασαν τοὺς υἱ. 'Ισρ. . . τοὺς πάντας [A. π. τοῖς] υἱ. 'Ισρ. (8, 3)  
 — 9. διέβησαν οἱ υἱ. 'Α. τὸν 'Ιορδ. (8)  
 — 9. Ἀ ἐβίβησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. σφόδρα [B. al.] (8)  
 — 10. ἐβόησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς κύριον (8)  
 — 11. εἶπε κύριος πρὸς τοὺς υἱ. 'Ισρ. (8)

Jd. 10. 11. μὴ οὐχὶ . . . ἀπὸ υἱὸν [A. οἱ υἱ.] 'Αμμών (8)  
 — 15. εἶπαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς κύριον (8)  
 — 17. ἀνέβησαν οἱ υἱ. 'Αμμών (8)  
 — 17. συνήχθησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 18. παρατάσσασθαι πρὸς υἱὸς 'Α. [A. al.] (8)  
 11. 1. καὶ αὐτοὺς υἱὸς γυναικὸς πόρνης (8)  
 — 2. ἔτεκεν ἡ γυνὴ Γ. αὐτῷ υἱόν (8)  
 — 2. ἠδρύνθησαν οἱ υἱ. τῆς γυναικὸς (8)  
 — 2. υἱὸς γυναικὸς ἑταίρας σὺ [A. al.] (8)  
 — 4. ἦνικα παρτάξαντο οἱ υἱ. 'Α. μετὰ 'Ισρ. [A. al.] (8)  
 — 5. Ἀ ἦνικα ἐπολεμούσαν οἱ υἱ. 'Α. μετὰ 'Ισρ. (8)  
 — 6. παρατάξωμεθα πρὸς υἱοὺς 'Α. [A. al.] (8)  
 — 8. παρατάξω πρὸς υἱοὺς 'Αμμών [A. al.] (8)  
 — 9. παρατάσσασθαι ἐν υἱοῖς 'Αμμών [A. al.] (8)  
 — 12. ἀπέστειλεν 'Ι. ἀγγέλους πρὸς βασιλεία υἱὸν 'Α. (8)  
 — 13. εἶπε βασιλεὺς υἱὸν 'Αμμών (8)  
 — 14. ἀπέστειλεν ἀγγέλους πρὸς βασιλεία υἱὸν 'Α. (8)  
 — 15. οὐκ ἔλαβεν 'Ισρ. . . τὴν γῆν υἱὸν 'Α. (8)  
 — 25. μὴ ἐν ἀγαθῷ ἀγαθώτερος σὺ ὑπὲρ B. υἱὸν Σ. [A. al.] (8)  
 — 27. ἀνὰ μέσον υἱὸν [A. τῶν υἱ.] 'Ισρ. καὶ ἀνὰ μέσον υἱὸν [A. τῶν υἱ.] 'Α. (8, 3)  
 — 28. οὐκ ἤκουσε βασιλεὺς υἱὸν 'Α. (8)  
 — 29. εἰς τὸ πέραν υἱὸν 'Α. (8)  
 — 30. εἰδὼν διδοὺς ὄφει μοι τοὺς υἱ. 'Α. ἐν τῇ χειρὶ μου (8)  
 — 31. ἐν τῷ ἐπιστρέφειν με . . . ἀπὸ υἱὸν 'Α. [A. al.] (8)  
 — 32. παρήλθεν 'Ι. πρὸς υἱοὺς 'Α. [A. al.] (8)  
 — 33. συνεστάλαντο οἱ υἱ. 'Α. ἀπὸ προσώπου υἱὸν 'Ισρ. (8, 3)  
 — 34. οὐκ ἦν αὐτῷ ἕτερος υἱ. [A. al.] (8)  
 — 36. B. ἀπὸ τῶν ἐχθρῶν σου ἀπὸ υἱὸν 'Α. [A. B. al.] (8)  
 12. 1. Ἀ συνήχθησαν οἱ υἱ. 'Εφρ. [B. al.] (8)  
 — 1. παρατάσσασθαι ἐν υἱοῖς 'Α. [A. al.] (8)  
 — 2. ὁ λαὸς μου καὶ οἱ υἱ. 'Α. [A. al.] (8)  
 — 3. παρήλθον πρὸς υἱοὺς 'Α. [A. al.] (8)  
 — 9. ἦσαν αὐτῷ τριάκοντα υἱοὶ (8)  
 — 9. τριάκοντα θυγατέρας εἰσένεγκε τοῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 13. καὶ ἔκρινε . . . 'Α. υἱὸς 'Ε. (8)  
 — 13 (14). ἦσαν αὐτῷ τεσσαράκοντα υἱοὶ καὶ τριάκοντα υἱὸν υἱοῖ [A. υἱὸν τῶν υἱ. αὐ.] (8 ter)  
 — 14 (15). ἀπέθανεν 'Α. υἱὸς 'Ε. (8)  
 13. 1. προσέθηκαν οἱ υἱ. 'Ισρ. ποιῆσαι (8)  
 — 3. καὶ συλλήψῃ [A. τέξῃ] υἱόν (8)  
 — 5. 7. καὶ τέξῃ υἱόν (8)  
 — 24. ἔτεκεν ἡ γυνὴ υἱόν [A. om.] (8)  
 14. 4. Ἀ οἱ ἀλλόφυλοι ἐκυριεον τῶν υἱ. 'Ισρ. [B. al.] (8)  
 — 16. ὁ προσβαλὼν τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ μου (8)  
 — 17. ἀπηγγέλει τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ αὐ. (8)  
 17. 2. εὐλογητός ὁ υἱ. μου τῷ κυρίῳ (8)  
 — 3. ἡγίασε τὸ ἀργύριον . . . τῷ υἱ. μου [A. al.] (8)  
 — 5. ἐπληρώσε τὴν χεῖρα ἀπὸ ἐνὸς υἱὸν [A. τῶν υἱ. αὐ.] (8)  
 — 11. ὡς εἰς ἀπὸ [A. εἰς τῶν] υἱὸν αὐ. (8)  
 18. 1. B. ἐν μέσφ φυλῶν υἱὸν [A. B. om.] 'Ισρ. (8)  
 — 2. ἀπέστειλαν οἱ υἱ. Δάν . . . υἱοὺς δυνάμει ἀπὸ Σ. (8, 9)  
 — 16. οἱ ἐκ τῶν υἱ. Δάν (8)  
 — 22. κατελάβοντο [A. ἐβόησαν πρὸς] τοὺς υἱ. Δάν (8)  
 — 23. B. ἐπίστρεψαν τὸ πρόσωπον αὐ. υἱοὶ Δάν [A. B. al.] (8 ?)  
 — 25. εἶπαν πρὸς αὐτὸν οἱ υἱ. Δάν (8)  
 — 26. ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. Δάν (8)  
 — 27. οἱ υἱ. Δάν ἔλαβον ὁ ἐποίησε M. [A. al.] (8)  
 — 30. ἔστησαν ἑαυτοῖς οἱ υἱ. Δάν τὸ γλυπτὸν (8)  
 — 30. 'Ιων. υἱὸς Γ. υἱὸς [A. - ou] Μαν. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἦσαν ἱερεῖς (8 ter)  
 19. 12. ἐν ᾧ οὐκ ἔστιν ἀπὸ υἱὸν 'Ισρ. ὅδε [A. al.] (8)  
 — 16. καὶ οἱ ἄνδρες τοῦ τόπου υἱοὶ Ben. (8)  
 — 22. ἄνδρες τῆς πόλεως υἱοὶ παρανόμων (8)  
 — 30. ἀπὸ ἡμέρας ἀναβίσεως υἱὸν 'Ισρ. (8)  
 — 30. Ἀ ἀπὸ τῆς ἡμέρας ἀναβίσεως υἱὸν 'Ισρ. (8 ?)  
 20. 1. ἐξῆλθον πάντες οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 3. ἤκουσαν οἱ υἱ. Ben. (8)  
 — 3. ἀνέβησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 3. εἶπαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 6. ἐν παντὶ ὅρις λαπονομίας υἱὸν [A. om.] 'Ισρ. (8)  
 — 7. πάντες ὑμεῖς υἱ. [A. οἱ υἱ.] 'Ισρ. (8)

Jd. 20. 13. δότε τοὺς ἄνδρας υἱοὺς παρανόμων [A. δ. τοὺς ἀσεβεῖς] τοὺς ἐν Γ. [A. add. τοὺς υἱ. Βελιμί] (8, [-])  
 — 13. οὐκ εὐδόκησαν οἱ υἱ. Ben. ἀκούσαι τῆς φωνῆς τῶν ἀδ. αὐ. υἱὸν 'Ισρ. [A. al.] (-\*, 3, 3)  
 — 14. συνήχθησαν οἱ υἱ. Ben. (8)  
 — 14. ἐξελθεῖν εἰς παρτάξιν πρὸς υἱοὺς 'Ισρ. [A. al.] (8)  
 — 15. ἐπεσκέπησαν οἱ υἱ. Ben. (8)  
 — 17. Ἀ ἐπεσκέπησαν χωρὶς τῶν υἱ. Ben. [B. al.] (8)  
 — 18. εἶπαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 18. εἰς παρτάξιν πρὸς υἱοὺς Ben. [A. al.] (8)  
 — 19. ἀνέστησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. τὸ πρῶτ' (8)  
 — 21. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Ben. (8)  
 — 23. ἀνέβησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 23. ἐγγίσαι εἰς παρτάξιν πρὸς υἱοὺς Ben. [A. al.] (8)  
 — 24. προσήλθον οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς υἱοὺς [A. om.] Ben. (8, 3)  
 — 25. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Ben. εἰς συνάντησιν αὐτοῖς [A. al.] (8)  
 — 25. διέφθειραν ἀπὸ υἱὸν 'Ισρ. ἔτι ὀκτὼ καὶ δέκα χιλιάδας [A. al.] (8)  
 — 26. ἀνέβησαν πάντες οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 27. Ἀ καὶ ἐπρώτησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐν κυρίῳ (8)  
 — 28. Φ. υἱὸς 'Ελ. υἱοῦ 'Α. παρστικῶς ἐνόμιον αὐτῆς (8, 3)  
 — 28. B. ἐπρώτησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐν κυρίῳ (8)  
 — 28. ἐξελθεῖν εἰς παρτάξιν πρὸς υἱοὺς Ben. [A. al.] (8)  
 — 29. ἔθηκαν οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐνεδρα τῇ Γ. (8)  
 — 30. ἀνέβησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς υἱοὺς Ben. [A. al.] (8, 3)  
 — 31. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Ben. (8)  
 — 32. εἶπαν οἱ υἱ. Ben. (8)  
 — 32. καὶ οἱ υἱ. 'Ισρ. εἶπον (8)  
 — 35. ἐπάταξε κ. τὸν Ben. ἐνόμιον υἱὸν 'Ισρ. [A. al.] (8)  
 — 35. διέφθειραν οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐκ τοῦ Ben. (8)  
 — 36. εἶδον οἱ υἱ. Ben. [A. al.] (8)  
 — 38. σημείον ἦν τοῖς υἱ. 'Ισρ. [A. al.] (1)  
 — 39. καὶ εἶδον οἱ υἱ. 'Ισρ. [A. al.] (1)  
 — 42. ἐπέβλεψαν ἐνόμιον υἱὸν 'Ισρ. [A. al.] (1)  
 — 45. ἐκαλαμῆσαντο ἐξ αὐτῶν οἱ υἱ. 'Ισρ. [A. al.] (1)  
 — 45. κατέβησαν ὅπως αὐτῶν οἱ υἱ. 'Ισρ. [A. al.] (1)  
 — 48. οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐπέστρεψαν πρὸς υἱοὺς Ben. [A. al.] (1, 3)  
 21. 1. οἱ υἱ. 'Ισρ. ὤμοσαν [A. al.] (1)  
 — 5. εἶπαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 6. παρεκλήθησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 10. δώδεκα χιλιάδας ἀνδρῶν ἀπὸ υἱὸν [A. τῶν υἱ.] τῆς δυνάμεως (8)  
 — 13. ἐλάλησαν πρὸς τοὺς υἱ. Ben. [A. al.] (8)  
 — 14. ἐπίστρεψεν Ben. πρὸς τοὺς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 14. ἔδωκαν αὐτοῖς οἱ υἱ. 'Ισρ. [A. om. οἱ υἱ. 'Ισρ.] τὰς γυναῖκας (8)  
 — 18. ὤμοσαν ἐν υἱοῖς [A. οἱ υἱ.] 'Ισρ. (8)  
 — 20. ἐνετείλαντο τοῖς υἱ. Ben. (8)  
 — 23. ἐποίησαν οὕτως οἱ υἱ. Ben. (8)  
 — 24. περιεπάτησαν ἐκείθεν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 Ru. 1. 1. B. αὐτὸς καὶ ἡ γυνὴ αὐ. καὶ οἱ υἱ. [A. B. δύο υἱ.] αὐ. (8)  
 — 2. καὶ ὄνομα τοῖς θυγατρὶν υἱ. αὐ. M. καὶ X. (8)  
 — 3. κατελείφθη αὐτῇ καὶ οἱ δύο υἱ. αὐ. (8)  
 — 5. κατελείφθη ἡ γυνὴ . . . ἀπὸ τῶν δύο υἱ. αὐ. (8 a)  
 — 11. μὴ ἔτι μοι υἱοὶ ἐν τῇ κοιλίᾳ μου (8)  
 — 12. καὶ τέξομαι υἱοὺς (8)  
 4. 13. καὶ ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 15. ἡ ἔστιν ἀγαθὴ σοι ὑπὲρ ἐπτά υἱοὺς (8)  
 — 17. ἐτέχθη υἱὸς τῇ N. (8)  
 i Ki. 1. 1. Ἀ καὶ ὄνομα αὐτῷ 'Ελ. υἱὸς 'Ιερ. υἱοῦ 'Ηλ. υἱοῦ [B' om.] Θ. υἱοῦ Σ. [B. ἐν νασεῖς] (8 quater)  
 — 3. καὶ ἐκεῖ 'Η. καὶ οἱ [A. om.] δύο υἱ. αὐ. (8)  
 — 4. ἔδωκε . . . τοῖς [A. πᾶσι τοῖς] υἱ. αὐ. μερίδας (8)  
 — 20. καὶ ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 23. ἐθῆλσε τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 2. 12. υἱοὶ 'Η. τοῦ ἱερέως υἱ. λοιμοὶ (8, 3)  
 — 21. ἔτεκεν ἔτι τρεῖς υἱοὺς (8)  
 — 22. Ἀ ἐποίησαν οἱ υἱ. αὐ. τοῖς υἱ. 'Ισρ. (8, †)  
 — 28. τὰ πάντα τοῦ πυρὸς υἱὸν 'Ισρ. (8)  
 — 29. ἐδόξασας τοὺς υἱ. σου ὑπὲρ ἐμέ (8)  
 — 34. ὁ ἔξε ἐπὶ τοὺς δύο υἱ. σου τούτους (8)

1 Ki. 8. 6. Α οὐ κέκληκά σε, υἱέ μου [B om. υἱέ μου] (8)  
 — 13. ἐν δίκαις υἱὸν αὐτοῦ (8)  
 — 13. κακολογούντες θεὸν υἱὸν αὐτοῦ (8)  
 — 21. καὶ οἱ υἱ. αὐ. πορευόμενοι ἐπορεύοντο —  
 4. 4. καὶ ἀμφότεροι οἱ [A om.] υἱ. 'H. μετὰ τῆς  
 κιβωτοῦ (8)  
 — 11. Β ἀμφότεροι υἱοὶ [A B οἱ υἱ.] 'H. ἀπέθανον (8)  
 — 15. καὶ 'H. υἱὸς [A υἱ. ὧν] ἐνεγκότα ἐτῶν (8)  
 — 17. ἀμφότεροι οἱ υἱ. σου τεθήκασαι (8)  
 — 20. υἱὸν τέτοκας (8)  
 6. 19. οὐκ ἠγάπησαν οἱ [A om.] υἱ. 'Ιεχ. —  
 7. 1. τὸν 'Ελ. υἱὸν αὐ. ἠγάσαν (8)  
 — 4. περιέδωκεν οἱ υἱ. 'Ισρ. γὰς Β. (8)  
 — 6. ἔδωκε Σαμ. τοὺς υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 7. συνηγορήσαντες πάντες οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 7. ἀκούουσιν οἱ υἱ. 'Ισρ. (8)  
 — 8. εἰσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. πρὸς Σαμ. (8)  
 — 14. δὲ ἔλαβον οἱ ἀλλόφυλοι παρὰ τῶν υἱ. 'Ισρ. —  
 8. 1. κατέστησε τοὺς υἱ. αὐ. δικαστὰς τῷ 'Ισρ. (8)  
 — 2. ταῦτα τὰ ἀνόματα τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 — 3. οὐκ ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. αὐ. ἐν ὁδῷ αὐ. (8)  
 — 5. οἱ υἱ. σου οὐ πορεύονται ἐν τῇ ὁδῷ σου (8)  
 — 11. τοὺς υἱ. ὑμῶν λήψεται (8)  
 9. 1. ἀνὴρ ἐξ υἱὸν Βεν. (8\*) [?] —  
 — 1. ὄνομα αὐτῷ Κεῖς υἱὸς 'Αβ. υἱοῦ 'Α. υἱοῦ  
 Β. υἱοῦ 'Α. υἱὸν ἀνδρὸς 'Ιεμ. (3 quinquies)  
 — 2. καὶ τοῦτ' υἱὸς (8)  
 — 2. οὐκ ἦν ἐν υἱοῖς 'Ισρ. ἀγαθὸς ὑπὲρ αὐτὸν (8)  
 — 3. εἶπε Κ. πρὸς Σ. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 21. οὐχὶ ἀνδρὸς υἱὸς 'Ιεμ. ἐγὼ εἰμι (8)  
 10. 2. τί ποιῶσ' ὑπὲρ τοῦ υἱ. μου (8)  
 — 11. τί τοῦτο τὸ γεγονός τῷ υἱ. Κ. (8)  
 — 18. εἶπε πρὸς υἱοὺς 'Ισρ. (8)  
 — 18. ἀνήγαγον τοὺς υἱ. [A τὸν] 'Ισρ. ἐξ Αἴγ. —  
 — 21. κατακληροῦνται Σ. υἱὸς Κ. (8)  
 — 26. καὶ ἐπορεύθησαν υἱοὶ δυνάμεων [A -μενοι] —  
 — 27. καὶ υἱοὶ [A οἱ υἱ.] λοιμοὶ εἶπαν (8)  
 11. 5. Β διγυνοῦνται αὐτὰ τὰ ῥήματα τῶν υἱ.  
 [B ἀνδρῶν] 'Ι. [A om. τ. υἱ. 'Ι.] (1)  
 — 11. ἔτυπον τοὺς υἱ. 'Α. (8)  
 12. 2. καὶ οἱ υἱ. μου ἰδοὺ ἐν ὑμῖν (8)  
 — 8. ὡς εἰσῆλθεν 'Ι. καὶ οἱ υἱ. αὐ. εἰς Αἴγ. —  
 — 12. Ν. βασιλεὺς υἱὸν 'Α. ἦλθεν ἐφ' ὑμᾶς (8)  
 13. 4. Β ἀνέβησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. ὁπίσω Σ. †  
 — 16. Β Σ. καὶ 'Ιων. υἱὸς αὐ. . . ἐκάθισαν ἐν Γ. (8)  
 — 22. Β εὐρέθη τῷ Σ. καὶ τῷ 'Ιων. υἱῷ αὐ. (8)  
 14. 1. Β εἶπεν 'Ιων. υἱὸς Σ. τῷ παιδαριῷ (8)  
 — 3. Β 'Α. υἱὸς 'Αχ. ἀδελφοῦ 'Ιωχ. υἱοῦ Φ.  
 υἱοῦ Δ. (3 ter)  
 — 39. ἐὰν ἀποκριθῇ κατὰ 'Ιων. τοῦ υἱ. μου (8)  
 — 40. ἐγὼ καὶ 'Ιων. ὁ υἱ. μου ἐσόμεθα εἰς  
 δουλείαν (8)  
 — 41. ἢ ἐν 'Ιων. τῷ υἱ. μου ἡ ἀδικία —  
 — 42. βάλλετε . . . ἀνὰ μέσον 'Ιων. τοῦ υἱ. μου (8)  
 — 42. βάλλουσιν . . . ἀνὰ μέσον 'Ιων. τοῦ υἱ. αὐ. —  
 — 47. εἰς τοὺς υἱ. 'Α. καὶ εἰς τοὺς υἱ. 'Ε. (8, -)  
 — 49. Β ἦσαν υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Σ. 'Ιων. καὶ 'Ι.  
 καὶ Μ. (8)  
 — 50. 'Αβ. υἱὸς Ν. υἱοῦ οἰκείου Σ. (8, †)  
 — 51. Νῆρ πατὴρ 'Αβ. υἱὸς 'Ι. υἱοῦ 'Α. (-, 8)  
 — 52. ἰδὼν Σ. . . πάντα ἀνδρα υἱὸν δυνάμεως (8)  
 15. 6. ἐποίησας ἔλεος μετὰ τῶν [A πάντων τ.]  
 υἱ. 'Ισρ. (8)  
 16. 1. ἔώρακα ἐν τοῖς υἱ. αὐ. ἐμοὶ βασιλεύειν (8)  
 — 5. ἠγάσας τὸν 'Ι. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 — 10. παρήγαγεν 'Ι. τοὺς ἐπτά υἱ. αὐ. ἐνώπιον  
 Σαμ. (8)  
 — 18. ἔώρακα υἱὸν τῷ 'Ι. Βηθλ. (8)  
 — 19. ἀπέστειλεν πρὸς μετὰ τὸν υἱ. σου Δ. (8)  
 — 20. ἐξαπέστειλεν ἐν χειρὶ Δ. τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 17. 12. Α εἶπεν Δ. υἱὸς 'Εφραθαίου (8)  
 — 12. Α καὶ αὐτῷ ὁκτὼ υἱοὶ (8)  
 — 13. Α ἐπορεύθησαν οἱ τρεῖς υἱ. 'Ι. (8)  
 — 13. Α καὶ ὄνομα τῶν υἱ. αὐ. τῶν πορευθέντων (8)  
 — 55, 56. Α υἱὸς τίνος Δ νεανίσκος οὗτος (8)  
 — 58. Α υἱὸς τίνος εἶ (8)  
 — 58. Α υἱὸς δούλου σου 'Ι. τοῦ Βηθλ. (8)  
 18. 17. Α γίνου μοι εἰς υἱὸν δυνάμεως (8)  
 19. 1. ἐλάλησε Σ. πρὸς 'Ι. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 2 (1). Β 'Ι. υἱὸς [A B οἱ υἱ.] Σ. ῥεῖται τὸν  
 Δ. σφόδρα (8)  
 20. 27. εἶπε Σ. πρὸς 'Ιων. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 27. εἰ δὲ οὐ παραγένοντο Δ [A om.] υἱ. 'Ι. (8)  
 — 30. υἱὸς κοραΐων ἀνταμολούτων (8)  
 — 30. μέτοχος εἶ σὺ τῷ υἱ. 'Ι. (8)  
 — 31. ἀς ὁ υἱ. 'Ι. ζῇ ἐπὶ τῆς γῆς (8)

1 Ki. 20. 31. υἱὸς θανάτου οὗτος (8)  
 22. 7. ἀκούσατε δὲ υἱοὶ Βεν. (8)  
 — 7. εἰ ἀληθῶς πᾶσιν ὑμῖν δώσει ὁ 'Ι. ἀγρούς (8)  
 — 8. ἐν τῷ διαβίῳ τὸν υἱ. μου διαθήκη μετὰ  
 τοῦ [A μετ' αὐτοῦ] υἱ. 'Ι. (8, 8)  
 — 8. ἐπήγειρεν ὁ [A om.] υἱ. μου τὸν δούλον  
 μου (8)  
 — 9. ἔώρακα τὸν υἱ. 'Ι. παραγινόμενον εἰς Ν. —  
 πρὸς 'Αβ. υἱὸν 'Αχ. (8, 8)  
 — 11. καλέσαι τὸν 'Αβ. υἱὸν 'Αχ. καὶ πάντας  
 τοὺς υἱ. τοῦ πατρὸς αὐ. (8, 8)  
 — 12. ἀκούει δὲ υἱὸς 'Αχ. (8)  
 — 13. ἴνα τί συνέθετο κατ' ἐμοῦ σὺ καὶ ὁ υἱ. 'Ι. (8)  
 — 20. διασώζεται υἱὸς εἰς τῷ 'Αβ. υἱῷ 'Αχ. (8, 8)  
 23. 6. ἐν τῷ φυγεῖν 'Αβ. υἱὸν 'Αχ. πρὸς Δ. (8)  
 — 16. ἀνέστη 'Ιων. υἱὸς Σ. (8)  
 25. 8. δὲς δὲ ὅ ἐάν εὐρηῇ ἡ χεὶρ σου τῷ υἱ. σου (8)  
 — 10. καὶ τίς ὁ [A om.] υἱ. 'Ι. (8)  
 — 17. καὶ οὗτος υἱ. Λοιμὸς (8)  
 — 44. ἔδωκε Μ. τὴν θυγ. αὐ. . . τῷ Φ. υἱῷ 'Α. (8)  
 26. 5. καὶ ἐκεῖ 'Αβ. υἱὸς Νῆρ (8)  
 — 6. εἶπε . . . πρὸς 'Αβ. υἱὸν Σαρ. (8)  
 — 16. υἱοὶ θανάτωσης ὑμεῖς (8)  
 — 19. καὶ εἰ υἱοὶ ἀνθρώπων (8)  
 27. 2. ἀνέστη Δ. . . πρὸς 'Α. υἱὸν 'Α. (8)  
 28. 19. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου μετὰ σοῦ πεσοῦνται (8)  
 30. 3. οἱ υἱ. αὐ. καὶ αἱ θυγ. αὐ. ἡμιμαρτυμένοι (8)  
 — 6. κατὰ δυνος ψυχὴ παντὸς τοῦ λαοῦ ἐκάστου  
 ἐπὶ τοὺς υἱ. αὐ. (8)  
 — 7. εἶπε Δ. πρὸς 'Αβ. τὸν υἱ. υἱὸν 'Αχ. (8)  
 — 19. καὶ ἔως υἱὸν καὶ θυγατέραν (8)  
 31. 2. συναπτουσιν ἀλλόφυλοι τῷ Σ. καὶ τοῖς  
 υἱ. αὐ. (8)  
 — 2. τύπτουσιν ἀλλόφυλοι . . . τὸν Μ. υἱὸν  
 [A υἱοῦ] Σ. (8)  
 — 6. ἀπέθανε Σ. καὶ οἱ τρεῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 7. τέθηκε Σ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 8. Β εὐρίσκουσι Σ. καὶ τοὺς τρεῖς υἱ. (8)  
 — 12. ἔλαβον . . . τὸ σῶμα 'Ιων. τοῦ υἱ. αὐ. (8)  
 II Ki. 1. 4. 'Ιων. ὁ υἱ. αὐ. ἀπέθανεν (8)  
 — 5. τέθηκε Σ. καὶ 'Ιων. ὁ υἱ. αὐ. (8)  
 — 12. ἐνήστευσαν . . . ἐπὶ 'Ιων. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 13. υἱὸς ἀνδρὸς παροίκου 'Αμ. ἐγὼ εἰμι (8)  
 — 17. ἐπὶ Σ. καὶ ἐπὶ 'Ιων. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 18. τοῦ διδάσαι τοὺς υἱ. 'Ι. [A 'Ισρ. τῶν] (8)  
 2. 5. Β καὶ 'Ιων. τὸν υἱ. αὐ. —  
 — 7. Α Ε. γίνεσθε εἰς υἱ. δυνατοὺς (8)  
 — 8. 'Αβ. υἱὸς Νῆρ . . . ἔλαβε τὸν 'Ι. υἱὸν Σ. (8, 8)  
 — 10. τεσσαράκοντα ἐτῶν 'Ι. υἱὸς Σ. (8)  
 — 12. Α ἐξῆλθεν 'Αβ. υἱὸς Νῆρ καὶ οἱ παῖδες  
 'Ι. υἱοῦ Σ. (8, 8)  
 — 13. Α 'Ι. υἱὸς Σ. καὶ οἱ παῖδες Δ. ἐξῆλθον (8)  
 — 15. δώδεκα τῶν 'Ιεθσοῦς υἱοῦ Σ. (8)  
 — 18. ἐγένοντο ἐκεῖ τρεῖς υἱ. Σαρ. (8)  
 — 25. συναβροῦνται υἱοὶ Βεν. (8)  
 — 31. ἐπάταξαν τὸν υἱ. Βεν. . . τριακοσίους  
 ἐξήκοντα ἀνδρας —  
 3. 2. ἐτέχθησαν τῷ Δ. υἱοὶ (8)  
 — 3. ὁ τρίτος 'Αβ. υἱὸς Μ. θυγατὸς Θ. (8)  
 — 4. καὶ ὁ τέταρτος 'Ο. υἱὸς Φ. (8)  
 — 7. εἶπε Μ. υἱὸς Σ. πρὸς 'Αβ. —  
 — 14. ἐξαπέστειλε Δ. πρὸς Μ. υἱὸν Σ. ἀγγέλους (8)  
 — 15. παρὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐ. παρὰ Φ. υἱοῦ Σ. (8)  
 — 23. ἦκει 'Αβ. υἱὸς Νῆρ πρὸς Δ. (8)  
 — 25. ἡ οὐκ οἶδας τὴν κακίαν 'Αβ. υἱοῦ Νῆρ (8)  
 — 28. ἀπὸ τῶν αἱμάτων 'Αβ. υἱοῦ Νῆρ (8)  
 — 34. ἐνώπιον υἱὸν ἀδικίας ἐπεσας (8)  
 — 37. θανάτωσαν τὸν 'Αβ. υἱὸν Νῆρ (8)  
 — 39. οἱ δὲ ἄνδρες οὗτοι υἱ. Σ. (8)  
 4. 1. ἤκουσε Μ. υἱὸς Σ. (8)  
 — 1. Β τέθηκεν 'Αβ. υἱὸς Νῆρ [A B om. υἱ. Ν.] —  
 — 2. ἡγοῦμενοι συστρημάτων τῷ Μ. υἱῷ Σ. (8, 8)  
 — 2. Β Β. ἐλογίζετο τοῖς υἱ. Βεν. —  
 — 4. τῷ 'Ιων. υἱῷ Σ. υἱὸς πεπληγμένος τοὺς πόδας  
 υἱὸς ἐτῶν πέντε (8 ter)  
 — 4. ἐν τῷ ἐλθῆναι τὴν ἀγγελίαν Σ. καὶ 'Ι. τοῦ  
 υἱ. αὐ. —  
 — 5. ἐπορεύθησαν υἱοὶ [A οἱ υἱ.] 'Ρ. (8)  
 — 8. ἰδοὺ ἡ κεφαλὴ Μ. υἱοῦ Σ. (8)  
 — 9. ἀπεκρίθη Δ. τῷ 'Ρ. καὶ τῷ Β. δδ. αὐ.  
 υἱοῖς 'Ρ. (8)  
 — 12. ἐν τῷ τάφῳ 'Αβ. υἱοῦ Νῆρ —  
 5. 4. υἱὸς τριακόντα ἐτῶν Δ. (8)  
 — 13. ἐγένοντο τῷ Δ. ἑπτά υἱοὶ (8)  
 6. 3. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ 'Αμ. (8)

II Ki. 6. 5. Δ. καὶ οἱ υἱ. 'Ισρ. παίζοντες (8)  
 7. 6. ἀνήγαγον τοὺς υἱ. 'Ισρ. ἐξ Αἴγ. (8)  
 — 10. οὐ προσθήσει υἱὸς ἀδικίας (8)  
 — 14. αὐτοὶ ἵσταται μοι εἰς υἱόν (8)  
 — 14. ἐλέγησ' αὐτὸν . . . ἐν ἀφάει υἱὸν ἀνθρώπων (8)  
 8. 3. ἐπάταξε Δ. τὸν 'Αδρ. υἱὸν 'Ρ. (8)  
 — 7. ἐν ἡμέραις 'Ιερ. υἱοῦ Σολ. —  
 — 10. ἀπέστειλε Θ. 'Ιεδδ. τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 — 12. ἐκ γῆς Μ. καὶ ἐκ τῶν υἱ. 'Α. (8)  
 — 12. καὶ ἐκ τῶν σκυλῶν 'Αδρ. υἱοῦ 'Ρ. (8)  
 — 16. 'Ι. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρατιᾶς (8)  
 — 16. 'Ιωσ. υἱὸς 'Αχ. ἐπὶ τῶν ὑπομημάτων (8)  
 — 16 (17). καὶ Σ. υἱὸς 'Αχ. καὶ 'Αχ. υἱὸς 'Αβ.  
 ἱερεῖς (8, 8)  
 — 18. καὶ Β. υἱὸς 'Ι. σύμβουλος (8)  
 — 18. υἱοὶ Δ. αὐτάρχει ἦσαν (8)  
 9. 3. ἔτι ἔστιν υἱὸς τῷ 'Ιων. (8)  
 — 4. ἐν οἴκῳ Μ. υἱοῦ 'Αμ. (8)  
 — 5. ἐκ τοῦ οἴκου Μ. υἱοῦ 'Αμ. (8)  
 — 6. παραγίνεται Μ. υἱὸς 'Ιων. υἱοῦ Σ. (8, 8)  
 — 9. πάντα . . . δέδωκα τῷ υἱ. τοῦ κυρίου σου  
 [A αἱ.] (8)  
 — 10. σὺ καὶ οἱ υἱ. σου καὶ οἱ δούλοι σου (8)  
 — 10. εἰσάσεις τῷ υἱ. τοῦ κυρίου σου ἄρτους (8)  
 — 10. Μ. υἱὸς τοῦ κυρίου σου φάγεται . . .  
 ἄρτον (8)  
 — 10. τῷ Σ. ἦσαν πέντε καὶ δέκα υἱοὶ (8)  
 — 11. καθὼς εἰς τῶν υἱ. αὐ. τοῦ βασ. (8)  
 — 12. τῷ Μ. υἱὸς μικρὸς (8)  
 10. 1. ἀπέθανε βασιλεὺς υἱὸν 'Α. (8)  
 — 1. ἐβασίλευσεν 'Α. υἱὸς αὐ. (8)  
 — 2. ποιῶσ' ἔλεος μετὰ 'Α. υἱοῦ Ν. (8)  
 — 2. εἰς τὴν γῆν υἱὸν 'Α. (8)  
 — 3. ἐπὶ οἱ ἀρχοντες υἱὸν 'Α. (8)  
 — 6. εἶδαν οἱ υἱ. 'Α. (8)  
 — 6. ἀπέστειλαν οἱ υἱ. 'Α. (8)  
 — 8. ἐξῆλθον οἱ υἱ. 'Α. (8)  
 — 10. παρτάξαντο ἐξ ἐναντίας υἱὸν 'Α. (8)  
 — 11. ἐὰν κραταιώσιν υἱοὶ [A οἱ υἱ.] 'Α.  
 ὑπὲρ σέ (8)  
 — 14. οἱ υἱ. 'Α. εἶδαν (8)  
 — 14. ἀνίστασθαι 'Ι. ἀπὸ τῶν υἱ. 'Α. (8)  
 — 19. τοῦ σάσαι ἑπὶ τοὺς υἱ. 'Α. (8)  
 11. 1. διεφθέραιαν τοὺς υἱ. 'Α. (8)  
 — 21. τίς ἐπάταξε τὸν 'Αβ. υἱὸν 'Ιερ. υἱοῦ Νῆρ  
 (8, -)  
 — 22. τίς ἐπάταξε τὸν 'Αβ. υἱὸν 'Ιερ. —  
 — 27. ἔτεκεν αὐτὴν υἱὸν (8)  
 12. 3. ἡδυνήθη . . . μετὰ τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 — 5. υἱὸς θανάτου ὁ ἀνὴρ ὁ ποιήσας τοῦτο  
 — 9. ἐν ῥομφαίᾳ υἱὸν 'Α. (8)  
 — 14. ὁ υἱ. σου ὁ τεχθεὶς σοι θανάτῳ ἀποθα-  
 νείται (8)  
 — 24. καὶ ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 26. ἐπολιμήσεν 'Ι. ἐν 'Ρ. υἱὸν 'Α. (8)  
 — 31. οὕτως ἐποίησε πᾶσαις ταῖς πόλεσιν  
 υἱὸν 'Α. (8)  
 13. 1. ἐγενήθη . . . τῷ 'Αβ. υἱῷ Δ. ἀδελφῇ (8)  
 — 1. ἡγάπησεν αὐτὴν 'Α. υἱὸς Δ. (8)  
 — 3. 'Ιων. υἱὸς Σ. τοῦ ἀδελφοῦ Δ. (8)  
 — 4. σὺ οὕτως ἀσθενῆς, υἱέ τοῦ βασ. (8)  
 — 21. οὐκ ἐλύπησε τὸ πνεῦμα 'Α. τοῦ υἱ. αὐ. —  
 — 23. ἐκάλεσεν 'Αβ. πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (8)  
 — 25. μὴ δὴ, υἱέ μου (8)  
 — 27. ἀπέστειλε μετ' αὐτοῦ . . . πάντας τοὺς  
 υἱ. τοῦ βασ. (8)  
 — 28. γίνεσθε εἰς υἱοὺς δυνάμεως (8)  
 — 29. ἀνέστησαν πάντες οἱ υἱ. τοῦ βασ. (8)  
 — 30. ἐπάταξεν 'Αβ. πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (8)  
 — 32. ἀπεκρίθη 'Ιων. υἱὸς Σ. (8)  
 — 32. πάντα τὰ παιδάρια τοὺς υἱ. τοῦ βασ.  
 ἐθανάτωσεν (8)  
 — 33. πάντες οἱ υἱ. τοῦ βασ. ἀπέθανον (8)  
 — 35. οἱ υἱ. τοῦ βασ. πάρεσι (8)  
 — 36. οἱ υἱ. τοῦ βασ. ἦλθον (8)  
 — 37. ἐπορεύθη πρὸς Θ. υἱὸν 'Ε. (8)  
 — 37. ἐπέμυσεν ὁ βασ. Δ. ἐπὶ τὸν υἱ. αὐ. (8)  
 14. 1. ἔγνω 'Ι. υἱὸς Σαρ. (8)  
 — 6. τῇ δούλῃ σου δύο υἱοὶ (8)  
 — 11. οὐ μὴ ἐξάρῃ τὸν υἱ. μου (8)  
 — 11. εἰ ποιεῖται ἀπὸ τῆς τριχὸς τοῦ υἱ. σου (8)  
 — 16. τοῦ ζητούντος ἐξάραί με καὶ τὸν υἱ. μου (8)  
 — 27. ἐτέχθησαν τῷ 'Αβ. τρεῖς υἱοὶ —  
 — 27. γίνεται γυνὴ τῷ 'Ρ. υἱῷ Σαλ. —  
 15. 27. 'Αχ. ὁ υἱ. σου καὶ 'Ιων. ὁ υἱ. 'Αβ. οἱ  
 δύο υἱ. ὑμῶν μετ' ὑμῶν (8 ter)

11 Κι. 15. 36. ἐκεῖ μετ' αὐτῶν δύο υἱοὶ αὐ. 'Αχ.  
υἱὸς τῷ Σ. καὶ 'Ιων. υἱὸς τῷ 'Αβ. (3, -)  
16. 3. καὶ πού ὁ υἱ. τοῦ κυρίου σου (3)  
— 5. καὶ δομα αὐτῷ Σ. υἱὸς Γ. (3)  
— 8. ἐν χειρὶ 'Αβ. τοῦ υἱ. σου (3)  
— 9. εἶπεν 'Αβ. υἱὸς Σαρ. (3)  
— 10. τί ἐμοὶ καὶ ὑμῖν, υἱοὶ Σαρ. (3)  
— 11. ὁ υἱ. μου . . . ἡρεῖ τὴν ψυχὴν μου καὶ  
προσέτι νῦν ὁ υἱ. τοῦ 'Ιεμ. (3, 3)  
— 19. οὐχ ἐνώπιον τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
17. 10. καὶ γε αὐτὸς υἱὸς δυνάμεως (3)  
— 10. καὶ υἱοὶ [Α οὐ υἱ.] δυνάμεως οἱ μετ'  
αὐτοῦ (3)  
— 25. καὶ 'Αμ. υἱὸς ἀνδρός (3)  
— 27. υἱὸς Ν. ἐκ 'Ρ. υἱὸν [Α -ὸς] 'Α. καὶ  
Μ. υἱὸς 'Αμ. ἐκ Α. (3 ter)  
18. 2. ἐν χειρὶ 'Αβ. υἱοῦ Σαρ. (3)  
— 12. οὐ μὴ ἐπιβάλω τὴν χεῖρά μου ἐπὶ τὸν υἱ.  
τοῦ βασ. (3)  
— 18. οὐκ ἔστιν αὐτῷ υἱὸς (3)  
— 19. 'Αχ. υἱὸς Σ. εἶπεν (3)  
— 20. ὁ υἱ. τοῦ βασ. ἀπέθανε (3)  
— 22. προσέειπε 'Αβ. υἱὸς Σ. (3)  
— 22. ἵνα τί τοῦτο τρέχεις, υἱέ μου (3)  
— 27. ὡς δρόμον 'Αχ. υἱοῦ Σ. (3)  
— 33 (19. 1). Β. υἱέ μου 'Αβ. υἱέ μου υἱέ μου  
'Αβ. [Α Β αλ.] (3 ter)  
— 33 (19. 1). 'Αβ. υἱέ μου υἱέ μου (3, 3)  
19. 2 (3). λυγνίσται ὁ βασ. ἐπὶ τῷ υἱ. αὐ. (3)  
— 4 (5). Α. υἱέ μου Σ. υἱὸς υἱέ μου υἱέ μου [Β  
ομ. υἱ. μ.] (3 ter)  
— 5 (6). τὸν ἐξαραιμένον . . . τὴν ψυχὴν  
τῶν υἱ. σου (3)  
— 16 (17). ἐτάχυνε Σ. υἱὸς Γ. υἱοῦ τοῦ 'Ιεμ. (3, 3)  
— 17 (18). καὶ δέκα πέντε υἱοὶ αὐ. μετ' αὐτοῦ (3)  
— 18 (19). Σ. υἱὸς Γ. ἔπαισεν ἐπὶ πρόσωπον αὐ. (3)  
— 21 (22). ἀπεκρίθη 'Αβ. υἱὸς Σαρ. (3)  
— 22 (23). τί ἐμοὶ καὶ ὑμῖν, υἱοὶ Σαρ. (3)  
— 24 (25). Μ. υἱὸς υἱοῦ [Α ομ.] Σαούλ  
κατίβη (3, -)  
— 32 (33). υἱὸς ὀγδοήκοντα ἐτῶν (3)  
— 35 (36). υἱὸς ὀγδοήκοντα ἐτῶν ἐγὼ εἰμι  
σίμερον (3)  
20. 1. ἐκεῖ ἐπικαλούμενος υἱὸς παράνομος καὶ  
δομα αὐτῷ Σ. υἱὸς Β. (1, 3)  
— 1. οὐκ ἔστιν . . . κληρονομία ἡμῖν ἐν τῷ  
υἱ. 'Ι. (3)  
— 2. ἀνέβη . . . ὅπως Σ. υἱοῦ Β. (3)  
— 6. πῶν κακοποιοῖσι ἡμᾶς Σ. υἱὸς Β. (3)  
— 7. διώξαι ἐπίσω Σ. υἱοῦ Β. (3)  
— 10. ἰδὼξεν ἐπίσω Σ. υἱοῦ Β. (3)  
— 13. τοῦ διώξαι ἐπίσω Σ. υἱοῦ Β. (3)  
— 21. Σ. υἱὸς Β. δομα αὐτοῦ (3)  
— 22. ἀπέλει τὴν κεφαλὴν Σ. υἱοῦ Β. (3)  
— 23. Βαν. υἱὸς 'Αχ. ἐπὶ τοῦ Χ. (3)  
— 24. καὶ 'Ιωσ. υἱὸς 'Αχ. ἀναμνησκων  
21. 2. οἱ Ταβ. οὐχ υἱοὶ 'Ισρ. εἰσιν (3)  
— 2. οἱ υἱ. 'Ισρ. ἄμωσαν αὐτοῖς (3)  
— 2. ἐν τῷ 'ηλωσαι αὐτὸν τοὺς υἱ. 'Ισρ. (3)  
— 6. ἐπτά ἄνδρες ἐκ τῶν υἱ. αὐ. (3)  
— 7. ἐπὶ Μεμφ. υἱὸν 'Ιων. υἱοῦ [Α -ὸν] Σ. (3, 3)  
— 7. καὶ ἀνὰ μέσον 'Ιων. υἱοῦ Σ. (3)  
— 8. ἔλαβεν ὁ βασ. τοὺς δύο υἱ. 'Ρ. . . καὶ τοὺς  
πέντε υἱ. Μ. (3, 3)  
— 8. οὐς ἔτεκε τῷ 'Ε. υἱὸς Β. (3)  
— 11. κατέλαβεν αὐτοὺς Δάν υἱὸς 'Ι. (3)  
— 12. καὶ τὰ ὀστέα 'Ιων. τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
— 12. παρὰ τῶν ἀνδρῶν υἱῶν 'Ι. Γ. (3)  
— 13. 14. καὶ τὰ ὀστέα 'Ιων. τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
— 17. ἔβριθεν αὐτῷ 'Αβ. υἱὸς Σαρ. (3)  
— 19. ἐπάταξεν 'Ελ. υἱὸς 'Αρ. . . τὸν Γοθ.  
ταύτης (3)  
— 21. ἐπάταξεν αὐτὸν 'Ιων. υἱὸς Σ. (3)  
22. 45. υἱ. ἀλλότριος ἐνεύσαντά μοι (3)  
— 46. υἱ. ἀλλότριος ἀπερριφθῆσονται (3)  
23. 1. πιστὸς Δ. υἱὸς 'Ι. (3)  
— 9. 'Ελ. υἱὸς παρὰδελφου αὐ. υἱὸς Σ. (3, 3)  
— 11. μετ' αὐτὸν Σ. υἱὸς 'Α. (3)  
— 18. 'Αβ. ἀδελφὸς 'Ι. υἱὸς Σαρ. (3)  
— 20. καὶ Βαν. υἱὸς 'Ι. (3)  
— 20. Β. ἐπάταξε τοὺς δύο υἱ. 'Αρ. (3)  
— 22. ταῦτα ἐποίησε Βαν. υἱὸς 'Ι. (3)  
— 24. 'Ελ. υἱὸς Δ. (3)  
— 26. 'Ιρας υἱὸς 'Ισκα (3)  
— 27. 'Αρ. . . ἐκ τῶν υἱ. τοῦ 'Ανωθ. (3)  
— 29. 'Εσθ. υἱὸς 'Ρ. ἐκ Γ. υἱὸς Βεν. [Α αλ.] (3, 3)  
— 32. υἱοὶ 'Α. 'Ιων. (3)

11 Κι. 28. 33. 'Αμνὰν υἱὸς 'Α. (3)  
— 34. 'Αλ. υἱὸς τοῦ 'Αβ. υἱὸς τοῦ Μαχ. (3, 3)  
— 34. 'Ελ. υἱὸς 'Αχ. (3)  
— 36 (35). Γ. υἱὸς Ναθὰν . . . υἱὸς Γαλ. (3, +)  
— 31. Β Γ. υἱὸς τοῦ 'Αραβωθαίου [Α αλ.] (3)  
— 37 (36). Γ. ὁ Βηθ. αἶρων τὰ σκ. 'Ι. υἱὸς  
[Α -ὸν] Σαρ. (3)  
III Κι. 1. 5. 'Αδ. υἱὸς 'Α. ἐπὶ ῥετο (3)  
— 7. ἐγένοντο οἱ λόγοι αὐ. μετὰ 'Ι. τοῦ υἱ.  
Σαρ. (3)  
— 8. Β. υἱὸς 'Ι. . . καὶ υἱ. δυνατοῦ τοῦ Δ. (3, -)  
— 9. Α. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. τοὺς υἱ.  
τοῦ βασ. [Β αλ.] (3)  
— 11. ἐβασίλευσεν 'Αδ. υἱὸς 'Α. (3)  
— 12. καὶ τὴν ψυχὴν τοῦ υἱοῦ σου Σαλ. (3)  
— 13. 17. ὁ υἱ. σου Σαλ. βασιλεύσει μετ' ἐμέ  
(3)  
— 19. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)  
— 21. ἔσσωμαι ἐγὼ καὶ Σαλ. ὁ υἱ. μου ἀμαρ-  
τωλὸς (3)  
— 25. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱ. τοῦ βασ. (3)  
— 26. Βαν. υἱὸν 'Ι. . . οὐκ ἐκάλεσε (3)  
— 30. Σαλ. ὁ υἱ. σου βασιλεύσει μετ' ἐμέ  
(3)  
— 32. καλέσατέ μοι . . . Βαν. υἱὸν 'Ι. (3)  
— 33. ἐπιβίβασατε τὸν υἱ. μου Σαλ. ἐπὶ τὴν  
ἡμίονον (3)  
— 36. ἀπεκρίθη Βαν. υἱὸς 'Ι. τῷ βασ. (3)  
— 38. κατέβη . . . Βαν. υἱὸς 'Ι. (3)  
— 42. 'Ιων. υἱὸς 'Αβ. τοῦ ἱερέως εἰσῆλθε (3)  
— 44. ἀπέστειλε . . . Βαν. υἱὸν 'Ι. (3)  
— 47. Α. ἀγνῶναι ὁ θ. τὸν δν. Σαλ. τοῦ υἱ. σου  
[Β ομ. τ. υἱ. σου] (3)  
— 52. ἐὰν γέννηται εἰς υἱὸν δυνάμεως (3)  
2. 1. ἀπεκρίστω Σαλ. υἱὸς αὐ. (3)  
— 4. ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱ. σου τὴν ὁδὸν αὐ. (3)  
— 5. ὅσα ἐποίησέ μοι 'Ι. υἱὸς Σαρ. (3)  
— 5. ὅσα ἐποίησε . . . τῷ 'Αβ. υἱὸς Νῆρ καὶ τῷ  
'Αμ. υἱὸς 'Ι. (3, 3)  
— 7. τοῖς υἱ. Β. τοῦ Γ. ποιήσεις ἔλεος (3)  
— 8. μετὰ σοῦ Σ. υἱὸς Γ. υἱὸς τοῦ 'Ιεμ. (3, 3)  
— 13. Α Β. εἰσῆλθεν 'Αδ. υἱὸς 'Α. [Β ομ.  
υἱ. Α.] (3)  
— 22. καὶ αὐτῷ 'Ι. ὁ υἱ. Σαρ. . . ἐταίρος (3)  
— 25. ἐν χειρὶ Βαν. υἱοῦ 'Ι. (3)  
— 28. ἡ ἀκοή ἦλθεν ἐως 'Ι. τοῦ υἱ. Σαρ. [Α ομ.  
τ. υἱ. Σ.] (3)  
— 29. ἀπέστειλε Σαλ. τὸν Βαν. υἱὸν 'Ι. (3)  
— 30. ἦλθε Βαν. υἱὸς 'Ι. . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (3)  
— 30. ἀπέστρεψε Βαν. υἱὸς 'Ι. (3)  
— 32. τὸν 'Αβ. υἱὸν Νῆρ (3)  
— 32. Β καὶ τὸν 'Αμ. υἱὸν [Β τὸν] 'Ι. (3)  
— 34. Β καὶ ἀνέβη Β. υἱὸς [Α καὶ] 'Ι. (3)  
— 35. ἔδωκεν ὁ βασ. τὸν Βαν. υἱὸν 'Ι. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
3. 1. Β Σαλ. υἱὸς Δ. ἐβασίλευσεν ἐπὶ 'Ισρ. (3)  
— 1 (4. 30 [5. 10]). ἐπληθύνθη ἡ φρόνησις  
Σαλ. πάντων ἀρχαίων υἱ. (3)  
— 1 (2. 8). μετὰ σοῦ Σ. υἱὸς Γ. υἱὸς τοῦ σπέρ-  
ματος τοῦ 'Ιεμ. (3, 3)  
— 1 (2. 39). ἀπέδρασαν δύο δοῦλοι τοῦ Σ.  
πρὸς 'Α. υἱὸν Μ. (3)  
— 1 (2. 46). ἐνετείλατο ὁ βασ. Σ. τῷ Β. υἱὸς  
[Α τῷ] 'Ι. (3)  
— 1. Β 'Αζ. υἱὸς Σ. τοῦ ἱερέως καὶ 'Ορν. υἱὸς Ν. (3)  
— 1. Β καὶ Β. υἱὸς 'Αχ. ἀναμνησκων (3)  
— 1. Β καὶ 'Α. υἱὸς 'Ι. ἀρχιστράτηγον (3)  
— 1. Β καὶ 'Αχ. υἱὸς 'Εδρ. ἐπὶ τὰς ἀρσεις (3)  
— 1. Β καὶ Βαν. υἱὸς 'Ι. ἐπὶ τὴν αὐλαρχίαν (3)  
— 1. Β καὶ Κ. υἱὸς Ν. ὁ σύμβουλος (3)  
— 1. Β Σ. υἱὸς Δ. ἐβασίλευσεν ἐπὶ 'Ισρ. (3)  
— 6. δοῦναι τὸν υἱ. αὐ. ἐπὶ τὸν θρόνον αὐ. (3)  
— 19. ἀπέθανεν ὁ υἱ. τῆς γυν. [Α ομ. τ. γ.]  
ταύτης (3)  
— 20. ἔλαβε τὸν υἱ. μου (3)  
— 20. τὸν υἱ. αὐ. τὸν τεθνηκότα ἐκοίμισεν (3)  
— 21. θηλάσαι τὸν υἱ. μου (3)  
— 21. οὐκ ἦν ὁ υἱ. μου (3)  
— 22. Α. ὁ υἱ. σου ἔστιν ὁ νεκρὸς υἱὸς δὲ ἐμὸς  
ὁ ζῶν (3, 3)  
— 22. ὁ υἱ. μου ὁ ζῶν ὁ δὲ υἱ. σου ὁ τεθνηκώς (3, 3)  
— 23. οὗτος ὁ υἱὸς μου ὁ ζῶν καὶ ὁ υἱ. ταύτης  
ὁ τεθνηκώς (3, 3)  
— 23. ὁ υἱὸς μου ὁ ζῶν καὶ ὁ υἱ. σου ὁ τεθνη-  
κώς [Α αλ.] (3, 3)  
— 26. ἦς ἦν ὁ υἱ. ὁ ζῶν (3)  
— 26. ἐπαράχθη ἡ μήτηρ αὐ. ἐπὶ τῷ υἱ. αὐ. (3)  
4. 2. 'Αρ. υἱὸς Σαδῶκ (3)  
— 3. 'Αχ. υἱὸς Σ. (3)

III Κι. 4. 3. 'Ιωσ. υἱὸς 'Αχ. ἀναμνησκων (3)  
— 4. Α Βαν. υἱὸς 'Ι. ἐπὶ τῆς στρατίας [Β δυνά-  
μεως] (3)  
— 5. 'Ορν. υἱὸς Ν. ἐπὶ τῶν καθεσταν. (3)  
— 5. Ζ. υἱὸς Ν. ἐταίρος τοῦ βασ. (3)  
— 6. 'Ελ. υἱὸς Σαφ. ἐπὶ τῆς πατριᾶς (3)  
— 6. 'Αδ. υἱὸς 'Α. ἐπὶ τῶν φόρων (3)  
— 8. Α Β Β. υἱὸς 'Ορ. ἐν ὄρει 'Εφρ. [Β αλ.] (3)  
— 9. υἱὸς Δ. ἐν Μαχ. (3)  
— 10. υἱὸς 'Εσρ. (3)  
— 10. Α. πᾶσα ἡ γῆ υἱοῦ 'Αβ. [Β αλ.] (3)  
— 12. Β. υἱὸς 'Αχ. (3)  
— 13. υἱὸς Γ. ἐν 'Ρ. (3)  
— 13. Α. ὁ Αὐ. 'Ιαρ. υἱοῦ Μαν. [Β αλ.] (3)  
— 14. 'Αχ. υἱὸς 'Α. (3)  
— 16. Β. υἱὸς Χ. ἐν 'Α. (3)  
— 18. Β υἱὸς [Α Β Σ. υἱ.] 'Η. ἐν τῷ Βεν. (3)  
— 19. Β υἱὸς [Α Β Γ. υἱ.] 'Α. ἐν τῇ γῇ Γ. (3)  
— 17. 'Ιωσ. υἱὸς Φ. ἐν 'Ισρ. (3)  
— 31 (5. 11). Β καὶ Δ. υἱὸς [Α Β -ὸν] Μ. (3)  
5. 5 (19). ὁ υἱ. σου δν δώσω ἀντὶ τοῦ (3)  
— 7 (21). ὃς ἔδωκε τῷ Δ. υἱ. φρόνιμον (3)  
6. 1. ἐν τῷ τεσσαρακοστῷ . . . ἔτει τῆς ἐξόδου  
υἱῶν [Α τῶν υἱ.] 'Ισρ. (3)  
— 1 (5. 18 [32]). ἐπελίκσαν οἱ υἱ. Σαλ. καὶ  
οἱ υἱ. Χ. (3, 3)  
— 13. Α. κατασκευάσω ἐν μέσῳ υἱῶν 'Ισρ. (3)  
7. 14. ἔλαβε τὸν Χ. . . υἱὸν [Α -ὸν] γυναικὸς  
Χήρας (3)  
8. 1. Α τῶν πατέρων τῶν υἱ. 'Ισρ. [Β αλ.] (3)  
— 9. ὁ δὲ υἱὸς κ. μετὰ τῶν [Α ομ.] υἱ. 'Ισρ. (3)  
— 19. ὁ υἱ. σου ὁ ἐξελεθὼν ἐκ τῶν πλευρῶν σου (3)  
— 39. οἶδας τὴν καρδίαν πάντων υἱ. ἀνθρώπων (3)  
— 62. πάντες οἱ υἱ. 'Ισρ. ἔθυσαν θυσίαν (3)  
— 63. ὁ βασ. καὶ πάντες οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)  
10. 22 (9. 20). τῶν μὴ ἐκ τῶν υἱ. 'Ισρ. ὄντων (3)  
— 22 (9. 21). οὓς οὐκ ἐδύνατο οἱ υἱ. 'Ισρ.  
ἐξολοθρεῦσαι αὐτούς (3)  
— 22 (9. 22). ἐκ τῶν υἱ. 'Ισρ. οὐκ ἔδωκε Σ. (3)  
11. 2. ὡς ἀπέειπε κύριος τοῖς υἱ. 'Ισρ. (3)  
— 5. Α. ὁπίσω τῶν βασ. αὐ. εἰδὼλον υἱῶν 'Α. (3)  
— 7. καὶ τῷ βασ. αὐ. [Α τῷ Μελχὺ] εἰδῶλφ  
υἱῶν 'Α. (3)  
— 12. ἐκ χειρὸς υἱοῦ σου λήσονται αὐτήν (3)  
— 13. σκηπτρον ἐν δώσω τῷ υἱ. σου (3)  
— 14 (23). καὶ τὸν 'Ε. υἱὸν 'Ελ. [Α αλ.] (3)  
— 20. ἔτεκεν αὐτῷ . . . τὸν Γ. υἱὸν αὐ. (3)  
— 20. ἐν μέσῳ υἱῶν Φ. (3)  
— 20. Β ἦν Γ. ἐν μέσῳ υἱῶν Φ. (3)  
— 26. 'Ιερ. υἱὸς Ν. . . υἱὸς γυναικὸς Χήρας  
[Α αλ.] (3, +)  
— 33. καὶ τῷ βασ. αὐ. προσοχθίσματα υἱῶν  
[Α -φ.] 'Α. (3)  
— 35. λήσονται τὴν βασ. ἐκ χειρὸς τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
— 36. τῷ δὲ υἱ. αὐ. δώσω τὰ δύο σκ. (3)  
— 43 (12. 2). Β. ὡς ἔκρινεν 'Ιερ. υἱὸς Ν. (3)  
— 44 (43). ἐβασίλευσε 'Ρ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
12. 2. Α. ὡς ἔκρινεν 'Ιερ. υἱὸς Ν. (3)  
— 15. ὁ ἐλάλησεν . . . περὶ 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
— 16. οὐκ ἔστιν ἡμῖν κληρονομία ἐν υἱῷ 'Ι. (3)  
— 17. Α καὶ υἱὸν 'Ισρ. τῶν καθμ. ἐν πόλεισιν 'Ι. (3)  
— 21. ἐπιστρέψαι τὴν βασ. 'Ροβ. υἱὸς Σαλ. (3)  
— 23. εἶπὸν τῷ 'Ρ. υἱὸς Σαλ. (3)  
— 24. οὐδὲ πολεμήσετε μετὰ τῶν ἀδ' υἱ. υἱῶν 'Ισρ. (3)  
— 24. Β ἐβασίλευσε 'Ρ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ ἐν  
'Ιερ. υἱὸς δν ἐκαίδεκα ἐτῶν (3, -)  
— 24. Β θυγάτηρ 'Ανὰ υἱὸς Ν. βασιλεύσας  
υἱῶν [Β ομ.] 'Α. (3, -)  
— 24. Β ἔτεκε τῷ 'Ιερ. τὸν 'Α. υἱὸν αὐ. (3)  
— 24. Β οὗτος ἦν υἱὸς ἐξήκοντα ἐτῶν (3)  
— 24. Β ἀνέβη ἐκεί 'Ρ. υἱὸς Σαλ. (3)  
— 24. Β εἶπεν ὁ λαὸς πρὸς 'Ρ. υἱὸν Σαλ. (3)  
— 24. Β οὐδὲ κληρονομία ἐν υἱῷ 'Ι. (3)  
— 24. Β οὐδὲ πολεμήσετε πρὸς τοὺς ἀδ. υἱ.  
υἱῶν 'Ισρ. (3)  
— 31. οἱ οὗτοι ἦσαν ἐκ τῶν υἱ. Λ. (3)  
— 33. ἐποίησεν ἑορτὴν τοῖς υἱ. 'Ισρ. (3)  
13. 2. υἱὸς τίκεται τῷ υἱὸς Φ. (3)  
— 11. ἔρχονται οἱ υἱ. αὐ. (3)  
— 12. δικνύουσιν αὐτῷ οἱ υἱ. αὐ. τὴν ὁδὸν (3)  
— 13. εἶπε τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
— 27. Α. ἐλάλησεν πρὸς τοὺς υἱ. αὐ. (3)  
— 31. εἶπε τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
14. 1. Α ἠρρώστησεν 'Α. υἱὸς 'Ιερ. (3)  
— 5. Β. παρὰ σοῦ ὑπὲρ [Α ομ.] υἱοῦ αὐ. ὅτι  
ἀρρωστὸς ἔστι (3)



III Κί. 14. 20. Α ἔβασιλευσεν Ν. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 21. 'Ρ. υἱὸς Σαλ. ἔβασιλευσεν ἐπὶ 'Ι. (3)  
 — 22. υἱὸς τεσσαράκοντα καὶ ἐνὸς ἐνιαυτῶν 'Ρ. (3)  
 — 24. ὃν ἔζηρε κ. ἀπὸ προσώπου υἱὸν 'Ισρ. (3)  
 — 31. ἔβασιλευσεν 'Αβ. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 15. 1. βασιλεύοντος 'Ιερ. υἱοῦ Ν. βασιλεύει 'Αβ. υἱὸς 'Ιερ. (3, -)  
 — 8. βασιλεύει 'Α. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 18. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς ὁ βασιλ. 'Α. πρὸς υἱὸν 'Α. υἱὸν Ταβ. υἱοῦ 'Α. (3 *Ιερ*)  
 — 20. ἤκουσεν υἱὸς 'Α. τοῦ βασιλ. 'Α. (3)  
 — 24. βασιλεύει 'Ιωσ. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 25. Ν. υἱὸς 'Ιερ. βασιλεύει ἐπὶ 'Ισρ. (3)  
 — 27. περικέκασεν αὐτὸν Β. υἱὸς 'Α. ἐπὶ τὴν οἰκὸν Β. (3)  
 — 27. Β ὁ υἱ. 'Α. [Α Β αλ.] —  
 — 28. ἐν ἔτει τρίτῳ τοῦ 'Α. υἱοῦ 'Α. [Α αλ.] —  
 — 33. βασιλεύει Β. υἱὸς 'Αχ. ἐπὶ 'Ισρ. (3)  
 — 34. ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ 'Ιερ. υἱοῦ [Α -ὸς] Ν. —  
 16. 1. ἐν χειρὶ 'Ι. υἱοῦ 'Αν. (3)  
 — 3. ὥσθ' τὸν οἶκόν σου ὡς τὸν οἶκόν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 6. βασιλεύει 'Η. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 7. Α Β ἐν χειρὶ 'Ι. υἱοῦ 'Αν. [Β αλ.] (3)  
 — 8. 'Η. υἱὸς Β. ἔβασιλευσεν ἐπὶ 'Ισρ. (3)  
 — 13. περὶ πασῶν τῶν ἁμαρτιῶν Β. καὶ 'Η. τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
 — 19. πορευθῆναι ἐν ὁδῷ 'Ιερ. υἱοῦ Ν. —  
 — 21. ὅπως Θ. υἱοῦ Γ. (3)  
 — 22. ὁ λαὸς ὁ ὡς ὅπως Θ. υἱοῦ Γ. [Α ομ. υἱ. Γ, Β αλ.] (3)  
 — 26. ἐν πάσῃ ὁδῷ 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 28. βασιλεύει 'Αχ. ὁ [Β' ομ.] υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 28 (22. 42). Β βασιλεύει 'Ιωσ. υἱὸς 'Α. —  
 — 28 (22. 50 [51]). Β ἔβασιλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 29. Β βασιλεύει 'Αχ. υἱὸς Ζ. [Α Β αλ.] (3)  
 — 29. Α βασιλεύσας δὲ 'Αχ. υἱὸς Ζ. ἐπὶ 'Ισρ. (3)  
 — 30. Α ἐποίησεν 'Αχ. υἱὸς Ζ. [Β ομ. υἱ. Ζ.] τὸ πονηρὸν (3)  
 — 31. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 34. ὁ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Ι. υἱοῦ Ν. (3)  
 17. 17. ἠρρώτισεν ὁ υἱ. τῆς γυναῖκος (3)  
 — 18. τοῦ ... θανατώσαι τὸν υἱ. μου (3)  
 — 19. δὸς μοι τὸν υἱ. σου (3)  
 — 20. τοῦ θανατώσαι τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 23. ζῇ ὁ υἱ. σου (3)  
 19. 10. ἐγκατέλιπόν σε οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 14. Β' ἐγκατέλιπόν σε οἱ υἱ. 'Ισρ. [Α Β' αλ.] (3)  
 — 16. Β τὸν υἱ. 'Ι. υἱοῦ Ναμ. χρίσεις [Α Β αλ.] (-) (3)  
 — 16. Β τὸν 'Ελ. υἱὸς Ζ. χρίσεις [Α Β αλ.] (3)  
 — 19. εἰρήσιν τὸν 'Ελ. υἱὸν Σ. (3)  
 20 (21). 10. ἐγκαθίστατε δύο ἄνδρες υἱοὺς παρανόμων —  
 — 13. Α ἦλθον δύο ἄνδρες οἱ υἱ. παρανόμων [Β αλ.] (3)  
 — 22. ὡς τὸν οἶκόν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. καὶ ὡς τὸν οἶκόν Β. υἱοῦ 'Αχ. (3, 3)  
 — 26. ὃν ἐξώλεθρευσεν κ. ἀπὸ προσώπου υἱὸν 'Ισρ. (3)  
 — 29. Β ἐν ταῖς ἡμέραις υἱοῦ [Α Β τοῦ υἱ.] αὐ. ἐπίφω τὴν κακίαν αὐ. (3)  
 21 (20). 1. συνήθροισεν υἱὸς 'Α. πῶς τὴν δύναμιν αὐ. (3)  
 — 3. τάδε λέγει υἱὸς [Α ὁ υἱ.] 'Α. (3)  
 — 5. Β τάδε λέγει υἱὸς [Α Β ὁ υἱ.] 'Α. (3)  
 — 7. ἀπέσταλται ... περὶ τῶν υἱ. μου (3)  
 — 9. εἴτε τοῖς ἀγγέλοις υἱοῦ 'Α. (3)  
 — 10. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν υἱὸς 'Α. (3)  
 — 15. ἐπισκέψατο ... πάντα υἱὸν δυνάμεως (3)  
 — 16. υἱὸς 'Α. πῶς μεθ' ὧν ἐν Σ. (3)  
 — 17. Α ἀπέστειλε υἱὸς 'Α. [Β αλ.] (3)  
 — 20. σώζεται υἱὸς 'Α. —  
 — 22. υἱὸς 'Α. ... ἀναβαίνει ἐπὶ σέ —  
 — 26. ἐπισκέψατο υἱὸς 'Α. τὴν Σ. (3)  
 — 27. οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐπισκέψαντο (3)  
 — 27. Α παρεμβύλον οἱ υἱ. 'Ισρ. [Β αλ.] (3)  
 — 30. υἱὸς 'Α. ἔφυνε (3)  
 — 32. δοῦλος σου υἱὸς 'Α. λέγει (3)  
 — 33. ἀδελφός σου υἱὸς 'Α. (3)  
 — 33. ἐξῆλθε πρὸς αὐτὸν υἱὸς 'Α. (3)  
 — 35. ἄνθρωπος εἰς ἐκ τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 22. 8. εἰς ἐστὶν ἄνθρωπος ... Μ. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 9. τὸ τάχος Μειχταν υἱὸν 'Ι. (3)  
 — 11. ἐποίησεν εὐνοῖαν Σ. υἱὸς Χ. κέρατα σιδηρᾶ (3)

III Κί. 22. 24. προσῆλθε Σαδ. υἱὸς Χ. (3)  
 — 26. τῷ 'Ι. υἱὸ τοῦ βασιλ. ἐπὶ [Α αλ.] (3)  
 — 40. ἔβασιλευσεν 'Οχ. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 41. 'Ιωσ. υἱὸς 'Α. ἔβασιλευσεν ἐπὶ 'Ι. (3)  
 — 42. 'Ιωσ. υἱὸς τριάκοντα καὶ πέντε ἐτῶν (3)  
 — 50. Α τότε εἶπεν 'Οχ. υἱὸς 'Αχ. πρὸς 'Ιωσ. (3)  
 — 51. ἔβασιλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 52. 'Οχ. υἱὸς 'Αχ. ἔβασιλευσεν (3)  
 — 52. Β 'Οχ. υἱὸς 'Αχ. —  
 — 53. ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 IV Κί. 1. 18 (3. 1). 'Ι. υἱὸς 'Αχ. βασιλεύει (3)  
 — 18. Α ἐν ἔτει δευτέρῳ 'Ι. υἱὸς 'Ιωσ. —  
 — 18. Α οὐκ ἦν αὐτῷ υἱός —  
 2. 3. ἦλθον οἱ υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 — 3. Α εἶπον πρὸς αὐτὸν οἱ υἱ. τῶν προφ. [Β ομ. οἱ υἱ. τ. πρ.] —  
 — 5. ἤγγισαν οἱ υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 — 7. πενήκοντα ἄνδρες υἱοὶ τῶν προφητῶν (3)  
 — 15. εἶδαν αὐτὸν οἱ υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 — 16. πενήκοντα ἄνδρες υἱοὶ δυνάμεως [Α αλ.] (3)  
 3. 1. 'Ι. υἱὸς 'Αχ. ἔβασιλευσεν (3)  
 — 3. ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 11. ὤδε 'Ελ. υἱὸς Σ. (3)  
 — 27. ἔλαβε τὸν υἱ. αὐ. τὸν πρωτότοκον (3)  
 4. 1. γυνὴ μία ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 — 1. λαβεῖν τοὺς δύο υἱ. μου εἰαυτῷ (3 α)  
 — 4. ἀποκλείσεις τὴν θυρὴν ... κατὰ τῶν υἱ. σου (3)  
 — 5. ἀπέκλεισε τὴν θυρὴν ... κατὰ τῶν υἱ. αὐ. (3)  
 — 6. εἶπε πρὸς τοὺς υἱ. αὐ. (3)  
 — 7. σὺ καὶ οἱ [Α ομ.] υἱ. σου ζήσεσθε (3)  
 — 14. καὶ μάλ' αὖτις οὐκ ἔστιν αὐτῇ (3)  
 — 16. εἰς τὸν καιρὸν τοῦτον ... σὺν περιεληφύῃα υἱὸν (3)  
 — 17. καὶ ἔτεκεν υἱόν (3)  
 — 28. μὴ ἡγήσασθαι υἱὸν παρὰ τοῦ κυρίου μου (3)  
 — 36. λάβε τὸν υἱ. σου (3)  
 — 37. ἔλαβε τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 38. ὁ υἱ. τῶν προφητῶν ἐκάθητο ἐνώπιον αὐτοῦ (3)  
 — 38. ἔφη ἔψμα τοῖς υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 5. 22. δύο παιδάρια ... ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 6. 1. εἶπον οἱ υἱ. τῶν προφητῶν πρὸς 'Ελ. (3)  
 — 24. ἡθροισεν υἱὸς 'Α. ... πᾶσαν τὴν παρεμβ. αὐ. (3)  
 — 28. δὸς τὸν υἱ. σου ... καὶ τὸν υἱ. μου φαγόμεθα (3)  
 — 29. ἡψίσταμεν τὸν υἱ. μου (3)  
 — 29. δὸς τὸν υἱ. σου (3)  
 — 29. ἔκρυψε τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 31. Α εἰ στήσεται ἡ κεφ. 'Ελ. υἱοῦ Σ. [Β υἱ. Σ.] ἐπ' αὐτῷ σήμερον (3)  
 — 32. ἀπέστειλεν ὁ υἱ. τοῦ φονεῦτοῦ (3)  
 8. 1. ἡς ἐζωπύρησε τὸν υἱ. —  
 — 5. ἡς ἐζωπύρησεν υἱὸν τιθηκτότα —  
 — 5. ἡς ἐζωπύρησε τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 5. οὗτος ὁ [Α ομ.] υἱ. αὐ. ὃν ἐζωπύρησεν 'Ελ. (3)  
 — 7. υἱὸς 'Α. βασιλεὺς Συρίας ἠρρώτισσε (3)  
 — 9. υἱὸς [Α ὁ υἱ.] σου υἱὸς 'Α. ... ἀπέστειλέ με (3, 3)  
 — 12. ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱ. 'Ισρ. κακὰ (3)  
 — 16. ἐν ἔτει πέμπτῳ τῷ 'Ι. υἱὸς [Α τοῦ 'Ι. υἱοῦ] 'Αχ. (3)  
 — 16. ἔβασιλευσεν 'Ι. υἱὸς 'Ιωσ. (3)  
 — 17. υἱὸς τριάκοντα καὶ δύο ἐτῶν (3)  
 — 19. Α Β θύοναι αὐτῷ λύχρον καὶ τοῖς υἱ. αὐ. [Β ομ. κ. τ. υἱ. αὐ.] (3)  
 — 24. ἔβασιλευσεν 'Οχ. υἱὸς αὐ. (3)  
 — 25. ἐν ἔτει δωδεκάτῳ τῷ 'Ι. υἱὸς 'Αχ. (3)  
 — 25. ἔβασιλευσεν 'Οχ. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 26. υἱὸς [Α ομ.] εἰκοσι καὶ δύο ἐτῶν 'Οχ. (3)  
 — 28. ἐπορεύθη μετὰ 'Ι. υἱοῦ 'Αχ. (3)  
 — 29. 'Οχ. υἱὸς 'Ι. κατέβη τοῦ ἰδίου τὸν 'Ι. υἱὸν 'Αχ. ἐν 'Ι. (3, 3)  
 9. 1. ἐκάλεσεν ἕνα τῶν υἱ. τῶν προφητῶν (3)  
 — 2. Β ὅψη ἐκεῖ υἱὸν 'Ιωσ. 'Ι. υἱοῦ Ναμ. [Α Β αλ.] (3, 3)  
 — 9. ὡς τὸν οἶκόν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 9. ὡς τὸν οἶκόν Β. υἱοῦ 'Αχ. (3)  
 — 14. συνεισπράφη 'Ι. υἱὸς 'Ιωσ. υἱοῦ Ν. πρὸς 'Ι. (3, 3)  
 — 20. ἦγε τὸν 'Ι. υἱὸν [Α -οῦ] Ν. (3)  
 — 26. τὰ αἵματα τῶν υἱ. αὐ. εἶδον ἐχθές (3)  
 — 29. Α ἐν ἔτει ἐνδεκάτῳ υἱοῦ 'Ι. βασιλεὺς 'Ισρ. [Β αλ.] (3 ?)

IV Κί. 10. 1. τῷ 'Αχ. ἑβδομήκοντα υἱοὶ ἐν Σαμ. (3)  
 — 2. καὶ μεθ' ὧν οἱ υἱ. τοῦ κυρίου ὧν (3)  
 — 3. ὤψισθε τὸν ἀγαθὸν ... ἐν τοῖς υἱ. τοῦ κ. ὧν (3)  
 — 6. λάβετε τὴν κεφ. ἀνδρῶν τῶν υἱ. [Α ομ. τ. υἱ.] τοῦ κ. ὧν (3)  
 — 6. αἱ υἱ. τοῦ βασιλ. ἦσαν ἑβδομήκοντα ἄνδρες (3)  
 — 7. ἔλαβον τοὺς υἱ. τοῦ βασιλ. (3)  
 — 8. ἤνεγκαν τὰς κεφ. τῶν υἱ. τοῦ βασιλ. (3)  
 — 13. κατέβημεν εἰς εἰρήνην τῶν υἱ. τοῦ βασιλ. καὶ τῶν υἱ. τῆς δυναστεύουσας (3, 3)  
 — 15. ἔλαβε τὸν 'Ιωσ. υἱὸν 'Ρ. (3)  
 — 23. εἰσῆλθεν 'Ι. καὶ 'Ιωσ. υἱὸς 'Ρ. εἰς οἶκον τοῦ Β. (3)  
 — 29. πλην ἁμαρτιῶν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 30. υἱ. τέταρτοι καθίστανται σοι (3)  
 — 35. ἔβασιλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 11. 1. ἀπέθανεν ὁ υἱ. [Α -αν οἱ υἱ.] αὐ. (3)  
 — 2. Α ἔλαβεν 'Ι. θυγάτηρ τοῦ βασιλ. 'Ι. υἱὸν 'Οχ. τὸν 'Ι. υἱὸν 'Αλ. [Β Β αλ.] (+, 3)  
 — 2. ἐκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου τῶν υἱ. τοῦ βασιλ. (3)  
 — 4. εἶδεν αὐτοὺς 'Ι. τὸν υἱ. τοῦ βασιλ. (3)  
 — 12. ἐξαπέστειλε τὸν υἱ. τοῦ βασιλ. (3)  
 — 21 (12. 1). υἱὸς ἐπὶ ἐτῶν 'Ι. ἐν τῷ βασιλευμένῳ (3)  
 12. 21 (22). 'Ιεζ. υἱὸς 'Ι. καὶ 'Ιεζ. ὁ [Α ομ.] υἱ. αὐ. Σ. (3, 3)  
 — 21 (22). ἔβασιλευσεν 'Αμ. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 13. 1. ἐν ἔτει εἰκοστῷ ... τῷ 'Ι. υἱὸς 'Οχ. [Α αλ.] (3)  
 — 1. ἔβασιλευσεν 'Ιωαχ. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 2. ἐπορεύθη ὅπως ἁμαρτιῶν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 3. ἐν χειρὶ υἱοῦ 'Α. υἱοῦ 'Αλ. (3, 3)  
 — 5. ἐκάθισαν οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐν τοῖς σκεπνόμενοις αὐ. (3)  
 — 6. Α οὐκ ἀπέστησαν ἀπὸ ἁμαρτίας οἴκου 'Ιερ. υἱοῦ Ν. [Β αλ.] —  
 — 9. ἔβασιλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐ. (3)  
 — 10. ἔβασιλευσεν 'Ι. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 11. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πάσης 'Ιερ. υἱοῦ Ν. ἁμαρτίας (3)  
 — 24. ἔβασιλευσεν υἱὸς 'Α. υἱὸς αὐ. (3, 3)  
 — 25. ἐπέστρεψεν 'Ι. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 25. ἔλαβε τὰς πόλεις ἐκ χειρὸς υἱοῦ 'Α. υἱοῦ 'Αλ. (3, 3)  
 14. 1. ἐν ἔτει δευτέρῳ τῷ 'Ι. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 1. ἔβασιλευσεν 'Αμ. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 2. υἱὸς εἰκοσι καὶ πέντε ἐτῶν ἦν (3)  
 — 6. τοὺς υἱ. τῶν πασιζάντων οὐκ ἐθανάτωσε (3)  
 — 6. οὐκ ἀποθανόντων πατέρες ὑπὲρ υἱῶν (3)  
 — 6. υἱοὶ οὐκ ἀποθανόντων ὑπὲρ πατέρων (3)  
 — 8. ἀπέστειλεν 'Αμ. ἀγγέλους πρὸς 'Ι. υἱὸν 'Ι. υἱοῦ 'Ι. (3, 3)  
 — 9. δὸς τὴν θυγ. σου τῷ υἱ. μου εἰς γυναῖκα (3)  
 — 13. Α τὸν 'Αμ. ... υἱὸν 'Ι. υἱοῦ 'Α. ἔλαβεν 'Ι. υἱὸς 'Ι. [Β ομ. υἱ. 'Ι.] (3, 3, -)  
 — 14. ἔλαβε ... τοὺς υἱ. τῶν συμμίζων (3)  
 — 16. ἔβασιλευσεν 'Ιερ. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 17. ἔζησεν 'Αμ. υἱὸς 'Ι. ... μετὰ τὸ ἀποθανεῖν 'Ι. υἱὸν 'Ι. (3, 3)  
 — 21. καὶ αὐτὸς υἱ. ἐκκαίδεκα ἐτῶν (3)  
 — 23. ἐν ἔτει πεντεκαίδεκάτῳ τοῦ 'Αμ. υἱὸς [Α -αὐ] 'Ι. (3)  
 — 23. ἔβασιλευσεν 'Ιερ. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 24. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πασῶν ἁμαρτιῶν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 25. ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Ι. υἱοῦ 'Αμ. (3)  
 — 27. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς 'Ιερ. υἱοῦ 'Ι. (3)  
 — 29 : 15. 1. ἔβασιλευσεν 'Αλ. υἱὸς 'Αμ. (3)  
 15. 2. υἱὸς ἐκκαίδεκα ἐτῶν ἦν (3)  
 — 5. καὶ 'Ιωσ. υἱὸς τοῦ βασιλ. ἐπὶ τῷ οἴκῳ (3)  
 — 7. ἔβασιλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 8. ἔβασιλευσεν Ζαχ. υἱὸς 'Ιερ. (3)  
 — 9. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ ἁμαρτιῶν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 10. συνεστράφησαν ἐπ' αὐτὸν Σ. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 12. υἱ. τέταρτοι καθίστανται σοι (3)  
 — 13. Σ. υἱὸς 'Ι. ἔβασιλευσεν (3)  
 — 14. ἀνέβη Μ. υἱὸς Γ. (3)  
 — 14. ἐπάταξε τὸν Σ. υἱὸν 'Ι. (3)  
 — 17. ἔβασιλευσεν Μ. υἱὸς Γ. (3)  
 — 18. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πασῶν ἁμαρτιῶν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 22. ἔβασιλευσεν Φ. υἱὸς αὐτῷ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 23. ἔβασιλευσεν Φ. υἱὸς Μ. (3)  
 — 24. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ ἁμαρτιῶν 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 25. συνεστράφη ἐπ' αὐτὸν Φ. υἱὸς 'Ρ. (3)  
 — 27. ἔβασιλευσε Φ. υἱὸς 'Ρ. (3)

IV Kι. 15. 28. οὐκ ἀπέστη ἀπὸ πασῶν ἀμαρτιῶν  
 'Ιερ. υἱοῦ Ν. (3)  
 — 30. συνίστηναι σύστημα 'Ω. υἱὸς 'Η. ἐπὶ  
 Φ. υἱὸν 'Ρ. (3, 3)  
 — 30. ἐν ᾧ εἰκοστῷ 'Ι. υἱὸς [Α - οὐ] 'Α. (3)  
 — 32. ἐν ᾧ δευτέρῳ Φ. υἱοῦ 'Ρομ. (3)  
 — 32. ἐβασίλευσεν 'Ι. υἱὸς 'Αζ. (3)  
 — 33. υἱὸς εἰκοσι καὶ πέντε ἐτῶν ἦν (3)  
 — 37. ἤρξατο κ. ἐξυποστῆλλαι . . . τὸν Φ.  
 υἱὸν 'Ρ. (3)  
 — 38. ἐβασίλευσεν 'Α. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 18. 1. ἐν ᾧ ἐπτακαιδεκάτῳ Φ. υἱοῦ 'Ρ. (3)  
 — 1. ἐβασίλευσεν 'Α. υἱὸς 'Ι. (3)  
 — 2. υἱὸς εἰκοσι ἐτῶν ἦν 'Α. (3)  
 — 3. Ἀπορεύθη ἐν ὁδῷ 'Ιερ. υἱοῦ Ν. [Β α.] + (3)  
 — 3. τὸν υἱ. αὐ. διήγεν ἐν πυρὶ (3)  
 — 3. ὡν ἐξήρη κ. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 5. ἀνέβη . . . Φ. υἱὸς 'Ρ. (3)  
 — 7. δοῦλός σου καὶ υἱός σου ἐγώ (3)  
 — 20. ἐβασίλευσεν 'Εζ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 17. 1. ἐβασίλευσεν 'Ω. υἱὸς 'Η. (3)  
 — 7. ἤμαρτον οἱ υἱ. 'Ισρ. τῷ κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (3)  
 — 8. ὡν ἐξήρη κ. ἐκ προσώπου υἱὸν 'Ισρ. (3)  
 — 9. ὅσοι ἠμφιέσσαντο οἱ υἱ. 'Ισρ. λόγους (3)  
 — 17. διήγον τοὺς υἱ. αὐ. . . ἐν πυρὶ (3)  
 — 21. ἐβασίλευσαν τὸν 'Ιερ. υἱὸν Ν. (3)  
 — 22. ἐπορεύθησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐν πάσῃ ἀμαρ-  
 τίᾳ 'Ιερ. (3)  
 — 24. κατεκρίθησαν . . . ἀντὶ τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 31. ἥρκα κατέκαιον τοὺς υἱ. αὐ. (3)  
 — 34. ἦν ἐνετέλιτο κ. τοῖς [Α σμ.] υἱ. 'Ι. (3)  
 — 41. οἱ υἱ. καὶ οἱ υἱ. [Α σμ. κ. οἱ υἱ.] τῶν  
 υἱ. αὐ. (3 ter)  
 18. 1. ἐν ᾧ τρίτῳ τῷ 'Ω. υἱὸς 'Η. (3)  
 — 1. ἐβασίλευσεν 'Εζ. υἱὸς 'Α. (3)  
 — 2. υἱὸς εἰκοσι καὶ πέντε ἐτῶν (3)  
 — 4. ἦσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. θυμῶντες αὐτῷ (3)  
 — 9. αὐτοὶ ἐνιστῶντες ὁ 'Εβδ. τῷ 'Ω. υἱὸς 'Η. (3)  
 — 18. ἦλθον πρὸς αὐτὸν 'Ελ. υἱὸς [Α δ υἱ.] Χ. (3)  
 — 18. Ε καὶ 'Ι. οἱ υἱ. Σ. [Α Β σμ. οἱ υἱ. Σ.] δ  
 ἀναμνησκῶν (3)  
 — 26. εἶπεν 'Ελ. υἱὸς Χελκ. (3)  
 — 37. Δ εἰσῆλθεν 'Ελ. υἱὸς [Α δ τοῦ] Χελκ. δ  
 οἰκονόμος δ υἱ. Χελκ. [Β σμ. οἱ υἱ.  
 Χ.] . . . καὶ 'Ι. υἱὸς Σ. (3, -, 3)  
 19. 2. ἀπέστειλεν . . . πρὸς 'Η. τὸν προφ. υἱὸν  
 [Α - δς] 'Α. (3)  
 — 3. ἦλθον υἱοὶ ἑως ὀδίνων (3)  
 — 12. οὗς διέφθειραν . . . υἱοὺς [Α - δς] 'Ε. (3)  
 — 20. ἀπέστειλεν 'Ησρ. υἱὸς 'Α. πρὸς 'Εζ. (3)  
 — 37. 'Αδρ. καὶ Σαρ. οἱ [Α σμ.] υἱ. αὐ. ἐπά-  
 τησαν αὐτὰν (-\*, 3)  
 — 37. ἐβασίλευσεν 'Ασρ. δ [Α σμ.] υἱ. αὐ. ἀντ'  
 αὐτοῦ (3)  
 20. 1. εἰσῆλθε πρὸς αὐτὸν 'Ησρ. υἱὸς 'Α. (3)  
 — 12. ἀπέστειλε Μ. Β. υἱὸς Β. . . βιβλία (3)  
 — 18. οἱ υἱ. σου οἱ ἐξελεύσονται ἐκ σοῦ (3)  
 — 21. ἐβασίλευσε Μ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 21. 1. υἱὸς δώδεκα ἐτῶν Μαν. (3)  
 — 2. ὡν ἐξήρη κ. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 6. διήγε τοὺς υἱ. αὐ. ἐν πυρὶ (3)  
 — 7. φῆκε κύριος . . . πρὸς Σ. τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 9. δ ἠφάνισε κ. ἐκ προσώπου υἱὸν 'Ισρ. (3)  
 — 18. ἐβασίλευσεν 'Α. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 19. υἱὸς εἰκοσι καὶ δύο ἐτῶν 'Α. (3)  
 — 24. ἐβασίλευσεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν 'Ι. υἱ. αὐ. (3)  
 — 26. ἐβασίλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐ. (3)  
 22. 1. υἱὸς ὀκτὼ ἐτῶν 'Ι. (3)  
 — 3. ἀπέστειλεν ὁ βασι. τὰς Σ. υἱὸν 'Ε. υἱοῦ  
 [Α - δν] Μ. (3, 3)  
 — 12. ἐνετέλιτο ὁ βασι. . . τῷ 'Αχ. υἱὸς Σ.  
 καὶ τῷ 'Αχ. υἱὸς Μ. (3, 3)  
 — 14. πρὸς 'Ο. τὴν προφῆτην μητέρα Σ. υἱοῦ  
 Θ. υἱοῦ 'Α. (3, 3)  
 28. 6. εἰς τὸν τάφον τῶν υἱ. τοῦ λαοῦ (3)  
 — 10. τὸν ταφῆν τὸν ἐν φάργγι υἱοῦ 'Ε. (3)  
 — 10. τοῦ διαγινέειν ἄνδρα τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 13. καὶ τῷ Μ. βδελύγματος υἱὸν 'Α. (3)  
 — 15. δ ἐποίησεν 'Ιερ. υἱὸς Ν. (3)  
 — 30. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν 'Ι. υἱὸν 'Ιωσρ. (3)  
 — 31. υἱὸς εἰκοσι καὶ τριῶν ἐτῶν ἦν 'Ι. (3)  
 — 34. ἐβασίλευσε . . . τὸν 'Ελ. υἱὸν 'Ι. (3)  
 — 36. υἱὸς εἰκοσι καὶ πέντε ἐτῶν 'Ι. (3)  
 24. 2. καὶ τοὺς μονοζώνους υἱὸν 'Α. (3)  
 — 6. ἐβασίλευσεν 'Ι. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 8. υἱὸς ὀκτὼ καὶ δέκα ἐτῶν 'Ι. (3)

IV Kι. 24. 17. ἐβασίλευσε . . . τὸν Μ. υἱὸν αὐ.  
 ἀντ' αὐτοῦ + (3)  
 — 18. Β υἱὸς εἰκοσι καὶ ἑνὸς ἐνιαυτοῦ Σ. [Α Β α.] (3)  
 25. 7. τοὺς υἱ. Σεδ. ἔσφαξε (3)  
 — 18. ἔλαβεν . . . τὸν Σ. υἱὸν τῆς δευτερώσεως + (3)  
 — 22. κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν τὸν 'Ιοδ. υἱὸν 'Αχ.  
 υἱὸν [Α - οὐ] Σ. (3, 3)  
 — 23. 'Ισρ. υἱὸς Ν. καὶ 'Ι. υἱὸς Κ. καὶ Σαρ.  
 υἱὸς Θ. δ Ν. καὶ 'Ιεζ. υἱὸς τοῦ Μαχ.  
 (8 quater)  
 — 25. Β ἦλθεν 'Ι. υἱὸς Ν. υἱὸς [Α Β - οὐ] 'Ελ. (3, 3)  
 I Ch. 1. 4. υἱοὶ Νῶε Σημ Χάμ 'Ιαφὲθ - (3)  
 — 5. υἱοὶ 'Ιαφὲθ (3)  
 — 6. καὶ υἱοὶ Γαμὲρ (3)  
 — 7. καὶ υἱοὶ 'Ιωσαν (3)  
 — 8. καὶ υἱοὶ Χάμ (3)  
 — 9. καὶ υἱοὶ Χούε (3)  
 — 9. καὶ υἱοὶ 'Ρεγμά (3)  
 — 17. υἱοὶ Σημ (3)  
 — 17. Α καὶ υἱοὶ 'Αράμ - (3)  
 — 19. Α τῷ 'Ε. ἐγέννηθησαν δύο υἱοὶ (3)  
 — 23. Α πάντες οὗτοι υἱ. 'Ι. (3)  
 — 28. υἱοὶ δὲ 'Αβραάμ (3)  
 — 31. οὗτοι υἱοὶ [Α εἰσιν οἱ υἱ.] 'Ισμαῆλ (3)  
 — 32. καὶ υἱοὶ Χεττοῦρας (3)  
 — 32. Α ἔτεκεν υἱὸν [Β σμ.] αὐτῷ τὸν Ζ. - (3)  
 — 32. καὶ υἱοὶ 'Ιεζάν (3)  
 — 32. Α καὶ υἱοὶ Δαυδάν - (3)  
 — 33. καὶ υἱοὶ Μαδιαμ (3)  
 — 33. πάντες οὗτοι υἱ. Χεττοῦρας (3)  
 — 34. καὶ υἱοὶ 'Ισαάκ (3)  
 — 35. υἱοὶ 'Ησαῦ (3)  
 — 36. υἱοὶ 'Ελιφάζ (3)  
 — 37. καὶ υἱοὶ 'Ραγ. (3)  
 — 38. υἱοὶ Σειρί (3)  
 — 39. καὶ υἱοὶ Α. (3)  
 — 40. υἱοὶ Σωβάλ (3)  
 — 40. υἱοὶ δὲ Σεβ. (3)  
 — 41. υἱοὶ Σων. [Α α.] (3)  
 — 41. υἱοὶ δὲ Δαισῶν (3)  
 — 42. καὶ υἱοὶ 'Ωσάρ (3)  
 — 42. υἱοὶ Δ. (3)  
 — 43. Α πρὸ τοῦ βασιλεῖσαι βασιλέα τοῖς υἱ.  
 'Ισρ. (3)  
 — 43. Βαλὰκ υἱὸς Βεώρ (3)  
 — 44. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ 'Ι. υἱὸς Ζ. (3)  
 — 46. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ 'Αδὰδ υἱὸς Β. (3)  
 — 49. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Β. υἱὸς 'Αχ. (3)  
 — 50. ἀπέθανε Β. υἱὸς 'Αχ. - (3)  
 — 50. ἐβασίλευσεν ἀντ' αὐτοῦ 'Α. υἱὸς Β. [Α  
 σμ. υἱ. Β.] - (3)  
 2. 1. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 3. υἱοὶ 'Ιούδα (3)  
 — 4. πάντες υἱοὶ 'Ι. πέντε (3)  
 — 5. υἱοὶ Φαρίε (3)  
 — 6. καὶ υἱοὶ Ζαρά (3)  
 — 7. καὶ υἱοὶ Χ. (3)  
 — 8. καὶ υἱοὶ Αἰθάμ (3)  
 — 9. καὶ υἱοὶ 'Εσρ. (3)  
 — 16. καὶ υἱοὶ Σαρ. (3)  
 — 18. Χ. υἱὸς 'Εσρ. ἐγέννησε τὴν Γ. (3)  
 — 18. καὶ οὗτοι υἱ. αὐτῆς (3)  
 — 23. πᾶσαι αὐτὰ υἱὸν Μ. πατρὸς Γαλ. (3)  
 — 25. ἦσαν υἱοὶ 'Ιερ. (3)  
 — 27. ἦσαν υἱοὶ 'Ράμ (3)  
 — 28. ἦσαν υἱοὶ 'Ο. . . καὶ υἱοὶ Σ. (3, 3)  
 — 30. υἱοὶ Ναβιάβ (3)  
 — 31. καὶ υἱοὶ 'Α. 'Ισρ. καὶ υἱοὶ 'Ισρ. Σ. καὶ  
 υἱοὶ Σ. 'Α. (3 ter)  
 — 32. καὶ υἱοὶ 'Ι. (3)  
 — 33. καὶ υἱοὶ 'Ιων. (3)  
 — 33. οὗτοι ἦσαν υἱ. 'Ι. (3)  
 — 34. οὐκ ἦσαν τῷ Σ. υἱοὶ (3)  
 — 42. καὶ υἱοὶ Χ. ἀδελφοὶ 'Ιερ. (3)  
 — 42. καὶ υἱοὶ Μαρ. (3)  
 — 43. καὶ υἱοὶ Χεβρών (3)  
 — 45. καὶ υἱὸς αὐ. Μ. (3)  
 — 47. καὶ υἱοὶ 'Ι. (3)  
 — 50. οὗτοι ἦσαν υἱ. Χ. (3)  
 — 50. υἱοὶ 'Ωρ πρωτοτόκου 'Εφρ. (3)  
 — 52. ἦσαν υἱοὶ τῷ Σ. (3)  
 — 53. ἐκ τούτων ἐξήλθον . . . υἱοὶ 'Εσθ. [Α α.] (11)  
 — 54. υἱοὶ Σιλωμών (3)  
 8. 1. οὗτοι ἦσαν υἱ. Δ. (3)  
 — 2. δ τρίτος 'Αβεσσ. υἱὸς Μ. (3)

I Ch. 8. 2. ὁ τέταρτος 'Αδ. υἱὸς 'Α. (3)  
 — 9. πάντες υἱ. Δ. πλὴν τῶν υἱ. τῶν παλλακῶν (3, 3)  
 — 10. υἱοὶ Σαλ. (3)  
 — 10. 'Αβ. υἱὸς αὐ. 'Ασά υἱὸς αὐ. 'Ιωσρ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 11. 'Ι. υἱὸς αὐ. 'Οζ. υἱὸς αὐ. 'Ιω. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 12. 'Αμ. υἱὸς αὐ. 'Αζ. υἱὸς αὐ. 'Ιω. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 13. Α' Β' 'Α. υἱὸς αὐ. 'Εζ. υἱὸς αὐ. Μαν.  
 υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 14. 'Α. υἱὸς αὐ. 'Ιωσρ. υἱὸς αὐ. (3, 3)  
 — 15. καὶ υἱοὶ 'Ιωσρ. (3)  
 — 16. καὶ υἱοὶ 'Ιωακείμ (3)  
 — 16. 'Ιεχ. υἱὸς αὐ. Σεδ. υἱὸς αὐ. (3, 3)  
 — 17. καὶ υἱοὶ 'Ιεχ. (3)  
 — 17. Σαλ. υἱὸς αὐ. (3)  
 — 19. Α Β καὶ υἱοὶ Σαλ. [Β Φαδ.] (3)  
 — 19. Α Β καὶ υἱοὶ Ζορ. (3)  
 — 21. καὶ υἱοὶ 'Αρ. (3)  
 — 21. 'Ιεσρ. υἱὸς αὐ. 'Ρ. υἱὸς αὐ. 'Ο. υἱὸς αὐ.  
 [Α σμ. 'Ο. υἱ. αὐ.] 'Αβδ. υἱὸς αὐ.  
 Σεχ. υἱὸς αὐ. (3 quater, -)  
 — 22. καὶ υἱὸς Σεχ. (3)  
 — 22. Β καὶ υἱὸς [Α Β - οἱ] Σαμ. (3)  
 — 23. καὶ υἱοὶ Ν. (3)  
 — 24. καὶ υἱοὶ 'Ελ. (3)  
 4. 1. καὶ υἱοὶ 'Ιούδα (3)  
 — 2. καὶ 'Ρ. υἱὸς αὐ. (3)  
 — 3. καὶ οὗτοι υἱ. Αλ. + (3)  
 — 4. οὗτοι υἱ. 'Ωρ (3)  
 — 6. πάντες οὗτοι υἱ. 'Ι. (3)  
 — 7. καὶ υἱοὶ Ν. (3)  
 — 8. γεννήσεις ἀδελφοῦ 'Ρ. υἱοῦ 'Ι. (3)  
 — 13. καὶ υἱοὶ Κ. (3)  
 — 13. καὶ υἱοὶ Γοβ. (3)  
 — 15. Α Β καὶ υἱοὶ [Β - οὐ] Χ. υἱοῦ 'Ιεφ. (3, 3)  
 — 15. καὶ υἱοὶ 'Α. (3)  
 — 16. καὶ υἱὸς αὐ. [Α Β - οἱ] Γ. (3)  
 — 17. καὶ υἱοὶ 'Ε. (3)  
 — 18. οὗτοι υἱ. Β. (3)  
 — 19. καὶ υἱοὶ γυναικὸς τῆς 'Ιδ. (3)  
 — 19. Α καὶ υἱοὶ Ναήμ [Β α.] - (3)  
 — 20. καὶ υἱοὶ Σεμ. (3)  
 — 20. καὶ 'Α. υἱὸς Φ. (3)  
 — 20. καὶ υἱοὶ Σ. (3)  
 — 20. καὶ υἱοὶ Ζ. (3)  
 — 21. υἱοὶ Σηλὼμ υἱοῦ 'Ιούδα (3, 3)  
 — 24. υἱοὶ Συμεὼν (3)  
 — 25. Σαλὲμ υἱὸς αὐ. Μαβ. υἱὸς αὐ. Μασμὰ  
 υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 26. Α Β 'Αμ. υἱὸς αὐ. Σαβ. υἱὸς αὐ. Ζ. υἱὸς  
 αὐ. (3, -, 3)  
 — 26. Σεμεὶ υἱὸς αὐ. (3)  
 — 27. τῷ Σ. υἱοὶ ἐκαίδεκα (3)  
 — 27. τοῖς ἀδ. αὐ. οὐκ ἦσαν υἱ. πολλοὶ (3)  
 — 27. οὐκ ἐπλεόνασαν ὡς υἱοὶ 'Ιούδα (3)  
 — 34. καὶ 'Ιωσρ. υἱὸς 'Αμ. (3)  
 — 35. Β' οὗτος [Α Β' Β' 'Ι.] υἱ. 'Ισρ. υἱὸς Σαρ.  
 υἱὸς 'Ασρ. (3 ter)  
 — 37. Β υἱοὶ 'Αωσὰλ υἱοῦ Σαφ. [Α Β α.] (-, 3)  
 — 37. υἱοῦ 'Α. υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ Σ. υἱοῦ Συμεὼν  
 [Α α.] (3 quater)  
 — 40. ἐκ τῶν υἱ. Χαμ. τῶν κατοικούντων ἐκεῖ - (3)  
 — 42. ἀπὸ τῶν υἱ. Συμ. (3)  
 — 42. υἱοὶ 'Ι. οἱ ἄρχοντες αὐ. (3)  
 5. 1. καὶ υἱοὶ 'Ρ. πρωτοτόκου 'Ισρ. (3)  
 — 1. ἔδωκεν εὐλογίαν αὐ. τῷ υἱ. αὐ. 'Ι. υἱὸς  
 'Ισρ. (3, 3)  
 — 3. Α Β υἱοὶ [Β - οὐ] 'Ρ. πρωτοτόκου 'Ισρ. (3)  
 — 4. υἱοὶ 'Ιωήλ (3)  
 — 4. καὶ Βαν. υἱὸς αὐ. (3)  
 — 4. καὶ υἱοὶ Γ. υἱοῦ Σεμεὶ (-, 3)  
 — 5. υἱὸς αὐ. Μ. υἱὸς αὐ. 'Ρ. υἱὸς αὐ. 'Ιωήλ (3 ter)  
 — 6. υἱὸς αὐ. Β. (3)  
 — 7 (8). καὶ Β. υἱὸς 'Οζ. υἱὸς Σαμὰ υἱὸς 'Ιωήλ (3 ter)  
 — 11. υἱοὶ Γὰδ κατὰ μῆκος αὐτῶν (3)  
 — 14. Β οὗτοι υἱ. 'Αβ. υἱοὶ [Α Β - οὐ] Οὐρ.  
 υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ Γαλ. υἱοῦ Μεχ. υἱοῦ 'Ι.  
 υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ Ζαβ. (3 octiens)  
 — 15. υἱοῦ 'Αβδ. υἱοῦ Γ. (3, 3)  
 — 18. Α Β υἱοὶ [Β - οὐ] 'Ρ. . . ἐξ υἱῶν δυνά-  
 μως (3, 3)  
 6. 1 (5. 27). υἱοὶ Α. Γ. Κ. καὶ Μερ. (3)  
 — 2 (5. 28). καὶ υἱοὶ Καὰθ (3)  
 — 3 (5. 29). καὶ υἱοὶ 'Αμφ. (3)  
 — 3 (5. 29). καὶ υἱοὶ 'Αρῶν (3)  
 — 16 (1). υἱοὶ Α. Γ. Κ. καὶ Μερ. (3)  
 — 17 (2). ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν υἱ. Γ. (3)

- 1 Ch. 6. 18 (3). υἱοὶ Καθθ (8)  
 — 19 (4). υἱοὶ Μαρ. (8)  
 — 20 (5). τῇ Δοβ. υἱῷ αὐ. (8)  
 — 20 (5). 'Ι. υἱὸς αὐ. Ζ. υἱὸς αὐ. (3, 8)  
 — 21 (6). 'Ι. υἱὸς αὐ. 'Α. υἱὸς αὐ. 'Ι. υἱὸς αὐ. (3 quater)  
 — 22 (7). υἱοὶ Καθθ (8)  
 — 22 (7). 'Αμ. υἱὸς αὐ. Κορέ υἱὸς αὐ. 'Ασ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 23 (8). 'Α. 'Ελκ. υἱὸς αὐ. [B om. υἱ. αὐ.] καὶ 'Αβ. υἱὸς αὐ. 'Ασ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 24 (9). Θ. υἱὸς αὐ. Οὐρ. υἱὸς αὐ. 'Οζ. υἱὸς αὐ. Σαουλ υἱὸς αὐ. (3 quater)  
 — 25 (10). καὶ υἱοὶ 'Ελ. (8)  
 — 26 (11). 'Ελ. υἱὸς αὐ. Σ. υἱὸς αὐ. Κ. υἱὸς αὐ. [A om.] αὐ. (3 ter)  
 — 27 (12). 'Ελ. υἱὸς αὐ. 'Ι. υἱὸς αὐ. 'Ελ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 28 (13). υἱοὶ Σμ. (8)  
 — 29 (14). υἱοὶ Μερ. [B' om.] Δοβ. υἱὸς αὐ. Σ. υἱὸς αὐ. 'Οζ. υἱὸς αὐ. (3 quater)  
 — 30 (15). Σ. υἱὸς αὐ. 'Α. υἱὸς αὐ. 'Ασ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 33 (18). καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἐκ τῶν υἱ. τοῦ Κ. (3, 8)  
 — 33 (18). 'Α. Β. Αἰμάν δ' ψαλτφδδς υἱὸς [B -οῦ] 'Ι. υἱὸς Σμ. (3, 3)  
 — 34 (19). υἱοὶ 'Ελκ. υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ 'Ελ. υἱοῦ Θ. (3 quater)  
 — 35 (20). υἱοῦ Σ. υἱοῦ 'Ελ. υἱοῦ Μ. υἱοῦ 'Αμ. (3 quater)  
 — 36 (21). υἱοῦ 'Ελ. υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ 'Αζ. υἱοῦ Σαφ. (3 quater)  
 — 37 (22). υἱοῦ Θ. υἱοῦ 'Ασ. υἱοῦ 'Αβ. υἱοῦ Κορέ (3 quater)  
 — 38 (23). υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ Κ. υἱοῦ Λ. υἱοῦ 'Ισρ. (3 quater)  
 — 39 (24). 'Ασάφ υἱὸς Βαρ. υἱοῦ Σμ. (3, 8)  
 — 40 (25). υἱοῦ Μιχ. υἱοῦ Β. υἱοῦ Μελχ. (3 ter)  
 — 41 (26). υἱοῦ 'Αδ. υἱοῦ Σ. υἱοῦ 'Α. (3 ter)  
 — 42 (27). υἱοῦ Αἰ. υἱοῦ Ζ. υἱοῦ Σεμ. (3 ter)  
 — 43 (28). υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ Γ. υἱοῦ Α. (3 ter)  
 — 44 (29). καὶ υἱοὶ Μερ. οἱ ἀδ. αὐ. (8)  
 — 44 (29). Αἰ. υἱὸς Κ. υἱοῦ 'Αβ. υἱοῦ Μ. (3 ter)  
 — 45 (30). υἱοῦ 'Ασ. (8)  
 — 46 (31). υἱοῦ 'Α. (8)  
 — 46 (31). Α. υἱοῦ Χελχ. υἱοῦ 'Αμ. (3, 8)  
 — 46 (31). υἱοῦ Β. υἱοῦ Σμ. (3, 8)  
 — 47 (32). Α. Β. υἱοῦ Μ. υἱοῦ 'Ομ. υἱοῦ Μερ. υἱοῦ Λευί [B al.] (3 quater)  
 — 49 (34). καὶ 'Α. καὶ οἱ υἱ. αὐ. θυμῶντες (8)  
 — 50 (35). καὶ οὗτοι υἱ. 'Α. (8)  
 — 50 (35). 'Ελ. υἱὸς αὐ. Φ. υἱὸς αὐ. 'Αβ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 51 (36). Β. υἱὸς αὐ. 'Οζι υἱὸς αὐ. Ζαρ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 52 (37). Μαρ. υἱὸς αὐ. 'Αμ. υἱὸς αὐ. 'Αχ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 53 (38). Σ. υἱὸς αὐ. 'Αχ. υἱὸς αὐ. (3, 8)  
 — 54 (39). αὐταὶ αἱ κατοικίαι αὐ. . . τοῖς υἱ. 'Α. (8)  
 — 56 (41). τὰς κόμας αὐ. ἔδωκαν τῇ Χ. υἱῷ 'Ιεφ. (8)  
 — 57 (42). τοῖς υἱ. 'Α. ἔδωκαν τὰς πόλεις (8)  
 — 61 (46). καὶ τοῖς υἱ. Κ. τοῖς καταλοιποῖς (8)  
 — 62 (47). καὶ τοῖς υἱ. Γ. κατὰ πατριὰς αὐ. (8)  
 — 63 (48). καὶ τοῖς υἱ. Μερ. κατὰ πατριὰς αὐ. (8)  
 — 64 (49). ἔδωκαν οἱ υἱ. 'Ισρ. τοῖς Α. τὰς πόλεις (8)  
 — 65 (50). ἐκ φυλῆς υἱῶν 'Ι. καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Σμ. (3, 8)  
 — 65 (50). Β. καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Βεν. (8)  
 — 66 (51). ἀπὸ τῶν πατριῶν υἱῶν Κ. (8)  
 — 70 (55). κατὰ πατριὰν τοῖς υἱ. Κ. τοῖς καταλοιποῖς (8)  
 — 71 (56). τοῖς υἱ. Γ. . . τὴν Γαλάν (8)  
 — 77 (62). τοῖς υἱ. Μερ. τοῖς καταλοιποῖς (8)  
 7. 1. καὶ τοῖς υἱ. [A οὗτοι υἱ.] 'Ισρ. (8)  
 — 2. καὶ υἱοὶ Θ. (8)  
 — 3. καὶ υἱοὶ 'Ο. (8)  
 — 3. καὶ υἱοὶ 'Ι. (8)  
 — 4. ἐπλήθυναν γυναῖκας καὶ υἱούς (8)  
 — 6. Β. υἱοὶ [A B om.] Βενιαμείν (8)  
 — 7. καὶ υἱοὶ Βαλέ (8)  
 — 8. καὶ υἱοὶ Β. (8)  
 — 8. πάντες οὗτοι υἱ. Β. (8)  
 — 10. καὶ υἱοὶ 'Αρ. (8)  
 — 10. καὶ υἱοὶ Βαλ. (8)

- 1 Ch. 7. 11. πάντες οὗτοι υἱ. 'Αρ. (8)  
 — 12. καὶ υἱοὶ 'Ορ. 'Α. υἱὸς αὐ. 'Α. (8)  
 — 13. Α. Β. υἱοὶ Νεφθ. . . υἱοὶ [B add. αὐ.] Βαλάρ [B add. υἱὸς αὐ.] (3, 3, [-])  
 — 14. υἱοὶ Μανασσῇ (8)  
 — 16. ἔτεκε Μ. γυνή Μ. υἱόν (8)  
 — 16. υἱὸς αὐ. Οὐ. (8)  
 — 17. Α. Β. καὶ υἱοὶ Οὐ. (8)  
 — 17. οὗτοι υἱ. Γ. υἱοῦ [A' -οῖ] Μ. υἱοῦ Μαν. (3 ter)  
 — 19. καὶ ἦσαν υἱοὶ Σμ. (8)  
 — 20. Β. καὶ υἱοὶ 'Εφρ. Σωθ. υἱοὶ Α. [A B Σωθ. κ. Β. υἱοὶ αὐ. καὶ Θ. υἱὸς αὐ. Ελ.] υἱὸς αὐ. Ν. (3 quater)  
 — 21. Β' υἱὸς αὐ. Ζ. [A B' B add. υἱὸς αὐ. Σωθ.] υἱὸς αὐ. 'Οζ. [A add. υἱὸς αὐ.] υἱ. αὐ. (3 ter, [-])  
 — 23. καὶ ἔτεκεν υἱόν (8)  
 — 25 (24). καὶ υἱοὶ 'Οζ. (8)  
 — 25. Β' καὶ 'Ρ. υἱοὶ [B' -οῦ, Α. Β. -ὲς] αὐ. (8)  
 — 25. Σ. καὶ Θαλ. υἱοὶ αὐ. Θ. υἱὸς αὐ. [A om. υἱ. αὐ.] (3, 8)  
 — 26. Β. τῇ Α. υἱῷ αὐ. υἱοὶ 'Αμ. υἱοὶ 'Ελ. [A B al.] (3, -, 3)  
 — 27. Β. υἱοὶ Ν. υἱοὶ 'Ισρ. υἱοὶ αὐ. [A B al.] (3 ter)  
 — 29. καὶ ἔως ὁρίων υἱῶν Μαν. (8)  
 — 29. ἐν ταύτῃ κατέκρησαν οἱ υἱ. 'Ι. υἱοῦ [A' -οῖ] 'Ισρ. (3, 8)  
 — 30. υἱοὶ 'Ασρ. (8)  
 — 31. υἱοὶ Βερ. (8)  
 — 33. καὶ υἱοὶ 'Ι. (8)  
 — 33. οὗτοι υἱ. 'Ιαφ. (8)  
 — 34. καὶ υἱοὶ Σεμὴρ (8)  
 — 35. Α. καὶ υἱὸς 'Ελμ. [B al.] (8)  
 — 36. υἱοὶ Σωφάς (8)  
 — 38. καὶ υἱοὶ 'Ιεθ. (8)  
 — 39. καὶ υἱοὶ 'Ωλά (8)  
 — 40. πάντες οὗτοι υἱ. 'Ασρή (8)  
 8. 3. καὶ ἦσαν υἱοὶ τῇ Β. (8)  
 — 6. οὗτοι υἱ. 'Αδδ. (8)  
 — 12. καὶ υἱοὶ 'Αλφ. (8)  
 — 16. υἱοὶ Β. (8)  
 — 18. υἱοὶ 'Ελ. (8)  
 — 21. υἱοὶ Σμ. (8)  
 — 25. υἱοὶ Σωσῆκ (8)  
 — 27. υἱοὶ 'Ιρ. (8)  
 — 30. καὶ υἱὸς αὐ. ὁ πρωτότοκος 'Αβ. (8)  
 — 34. Β. καὶ υἱὸν [A B -ὲς] 'Ιων. Μερ. (8)  
 — 35. καὶ υἱοὶ Μιχ. (8)  
 — 37. 'Ρ. υἱὸς αὐ. 'Ελ. υἱὸς αὐ. 'Εσ. υἱὸς αὐ. (3 ter)  
 — 38. καὶ τῇ 'Εσ. ἔξ υἱοῦ (8)  
 — 38. πάντες οὗτοι υἱ. 'Εσ. (8)  
 — 39. καὶ υἱοὶ 'Α. ἀδελφοὶ αὐ. (8)  
 — 40. καὶ ἦσαν υἱοὶ Αἰ. . . πληθύνοντες υἱοὺς καὶ υἱοὺς τῶν υἱ. (3 quater)  
 — 40. πάντες οὗτοι ἐξ υἱῶν Βεν. (8)  
 9. 2. Β. καὶ οἱ κατοικοῦντες πρότερον . . . υἱοὶ Λευίται [A B al.] (8)  
 — 3. κατέκρησαν ἀπὸ τῶν υἱ. 'Ι. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Βεν. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. 'Εφρ. (3 ter)  
 — 4. Β. Γ. καὶ υἱὸς Σ. υἱοῦ 'Αμρεῖ [B add. υἱοῦ 'Α. υἱοῦ Β.] υἱοὶ υἱῶν Φ. καὶ υἱοῦ 'Ι. [A B al.] (3, 3, [3, -, 3 +\*, 3, 3])  
 — 5. Α. Β. καὶ υἱοὶ αὐ. (8)  
 — 6. ἐκ τῶν υἱ. Ζ. 'Ι. (8)  
 — 7. ἐκ τῶν υἱ. Βεν. Σαλ. υἱὸς Μ. υἱὸς [A B -οῦ] 'Ωδ. υἱὸς [A -οῦ] 'Α. (3 quater)  
 — 8. καὶ 'Ι. υἱὸς 'Ιερ. (8)  
 — 8. οὗτοι υἱοὶ [A υἱὸς] 'Οζ. υἱοῦ Μ. (3, 3)  
 — 8. καὶ Μασ. υἱὸς Σαφ. υἱοῦ 'Ραγ. υἱοῦ 'Ι. (3 ter)  
 — 11. καὶ 'Αζ. υἱοὶ Χελκ. υἱοῦ Μοσ. υἱοῦ Σ. υἱοῦ Μαρ. υἱοῦ 'Αχ. (3 quinquies)  
 — 12. 'Αδ. υἱὸς 'Ιρ. υἱοῦ Φ. υἱοῦ Μ. (3 ter)  
 — 12. Μασ. υἱὸς 'Α. υἱοῦ 'Ιεδ. υἱοῦ Μοσ. υἱοῦ Μασ. υἱοῦ 'Ε. (3 quinquies)  
 — 14. Α. Σαρ. υἱὸς 'Ασ. υἱοῦ 'Εζρ. υἱοῦ 'Ασ. υἱοῦ [B ἐκ τῶν] υἱῶν Μερ. (3 ter, †, 3)  
 — 15. Μαρθ. υἱὸς Μιχά υἱοῦ Ζ. υἱοῦ 'Ασάφ (3 ter)  
 — 16. 'Αβδ. υἱὸς Σαρ. υἱοῦ Γαλ. υἱοῦ 'Ι. καὶ Βαρ. υἱὸς 'Ο. υἱοῦ 'Ελκ. (3 quinquies)  
 — 18. αὐταὶ αἱ πόλεις τῶν παρεμβολῶν υἱῶν Λευί -  
 — 19. καὶ Σ. υἱὸς Κ. υἱοῦ 'Αβ. υἱοῦ Κορέ (3 ter)  
 — 20. καὶ Φ. υἱὸς 'Ελ. γηοῦμενος ἦν (8)  
 — 21. Ζαχ. υἱὸς Μοσ. πυλῶρος τῆς θύρας (8)  
 — 23. καὶ οὗτοι καὶ οἱ [A om.] υἱ. αὐ. ἐπὶ τῶν πυλῶν (8)  
 — 30. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν ἱερέων ἦσαν μυρῆφοι (8)

- 1 Ch. 9. 36. καὶ υἱὸς [A B' ὁ υἱ.] αὐ. ὁ πρωτότοκος 'Αβ. (8)  
 — 40. καὶ υἱὸς [B -οῦς] 'Ιων. Μαρ. (8)  
 — 41. καὶ υἱοὶ Μ. (8)  
 — 43. Α' Β. 'Ραφ. υἱὸς αὐ. (8)  
 — 43. Α. Β. 'Ελεσά υἱὸς αὐ. (8)  
 — 43. 'Εσ. υἱὸς αὐ. (8)  
 — 44. καὶ τῇ 'Εσ. ἔξ υἱοῦ (8)  
 — 44. οὗτοι υἱ. 'Εσ. (8)  
 10. 2. κατεδίωξαν . . . ὅπισθεν υἱῶν αὐτοῦ (8)  
 — 2. ἐπάραξαν . . . τὸν 'Ι. καὶ τὸν 'Αμ. καὶ τὸν Μ. υἱοὺς Σ. (8)  
 — 6. ἀπέθανε Σ. καὶ τρεῖς υἱ. αὐ. (8)  
 — 7. ἀπέθανε Σ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (8)  
 — 8. εὗρον τὸν Σ. καὶ τοὺς υἱ. αὐ. πεπτωκότας (8)  
 — 12. ἔλαβον . . . τὸ σῶμα τῶν υἱ. αὐ. (8)  
 — 14. ἐπιστρέψεν τὴν βασ. τῇ Δ. υἱῷ 'Ι. (8)  
 11. 6. ἀνίσθη . . . 'Ι. υἱὸς Σαρ. (8)  
 — 11. 'Ισρ. υἱὸς 'Αχ. πρότερος τῶν τριάκοντα (8)  
 — 12. μετ' αὐτὸν 'Ελ. υἱὸς Δ. ὁ 'Α. (8)  
 — 22. Βαν. υἱὸς 'Ι. υἱὸς ἀνδρός δυνατοῦ (3, 3)  
 — 24. ταῦτα ἐποίησε Βαν. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 26. 'Ελ. υἱὸς Δ. (8)  
 — 28. 'Ω. υἱὸς ἐκ τῆς 'Οθ. (8)  
 — 30. Χθ. υἱὸς Ν. (8)  
 — 31. Αἰ. υἱὸς 'Ρεβιέ (8)  
 — 34. Α. υἱοὶ 'Α. ὁ Γουρί [B S al.] (8)  
 — 34. 'Ιων. υἱὸς Σ. ὁ 'Αρ. (8)  
 — 35. 'Αχ. υἱὸς 'Αχάρ ὁ 'Αρ. (8)  
 — 35. 'Ελ. υἱὸς Θ. (8)  
 — 37. Ν. υἱὸς 'Αζ. (8)  
 — 38. 'Ι. υἱὸς [A ἀδελφός] Ν. (8)  
 — 38. Μ. υἱὸς Αγ. (8)  
 — 39. αἶψαν σκευὴ υἱῷ Σαρ. [A al.] (8)  
 — 41. Ζ. υἱὸς [B -φ ὅς] 'Αχ. (8)  
 — 42. 'Αδ. υἱὸς Σ. (8)  
 — 43. 'Α. υἱὸς Μ. (8)  
 — 44. Σ. καὶ 'Ι. υἱοὶ Κ. (8)  
 — 45. 'Ελθ. υἱὸς Σμ. (8)  
 — 46. καὶ 'Ιωσ. υἱὸς αὐ. (8)  
 12. 1. ἀπὸ προσώπου Σ. υἱοῦ Κ. (8)  
 — 3. Β. 'Ι. ὁ [A B S om.] υἱ. 'Α. τοῦ Γεβ. (8)  
 — 3. 'Ι. καὶ 'Ιαφ. υἱοὶ 'Ασρῶδ (8)  
 — 7. Α. Β. 'Ιελ. καὶ Ζαβ. υἱοὶ 'Ρ. υἱοὶ [B καὶ οἱ] τοῦ Γ. (3, †)  
 — 14. οὗτοι ἐκ τῶν υἱ. Γὰδ ἀρχοντες (8)  
 — 16. ἤλθον ἀπὸ τῶν υἱ. Βεν. (8)  
 — 18. πορεύου καὶ ὁ λαὸς σου, Δ. υἱὸς 'Ι. (8)  
 — 24. υἱοὶ [B -οῦ] 'Ι. θυροφύροι (8)  
 — 25. τῶν υἱ. Σμ. δυνατοὶ ἰσχύος (8)  
 — 26. τῶν [A καὶ] υἱ. Λευεὶ τετρακισχίλιοι (8)  
 — 29. καὶ τῶν [A ἐκ τῶν] υἱ. Βεν. τῶν ἀδ. Σαούλ (8)  
 — 30. καὶ ἀπὸ υἱῶν 'Εφρ. (8)  
 — 32. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. 'Ισρ. (8)  
 14. 3. ἐτέχθησαν Δ. ἔτι υἱοὶ (8)  
 — 14. Α' Β. Σ. συνήγαγε Δ. τοὺς υἱ. 'Α. (8)  
 — 5. Α' Β. Σ. τῶν υἱ. Κ. Οὐρ. (8)  
 — 6. Α' Β. Σ. τῶν υἱ. Μερ. (8)  
 — 7. Α' Β. Σ. τῶν υἱ. Γ. (8)  
 — 8. τῶν υἱ. 'Ελ. (8)  
 — 9. τῶν υἱ. Χεβρών (8)  
 — 10. τῶν υἱ. 'Οζ. (8)  
 — 15. ἔλαβον οἱ υἱ. τῶν Α. τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ (8)  
 — 17. ἔστησαν οἱ Α. τὸν Αἰ. υἱὸν 'Ι. (8)  
 — 17. ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. 'Α. υἱὸς Βαρ. (8)  
 — 17. ἐκ τῶν υἱ. Μερ. ἀδελφῶν αὐ. Αἰ. υἱὸς Κ. (3, 3)  
 16. 13. υἱοὶ 'Ι. ἐκλετοὶ αὐ. (8)  
 — 38. καὶ 'Αβδ. υἱὸς 'Ιδ. (8)  
 — 40. ὅσα ἐνετείλατο ἐφ' υἱοῖς [A -οῦς] 'Ισρ. (8)  
 — 42. υἱοὶ [A καὶ οἱ υἱ.] 'Ιδ. εἰς τὴν πύλιν (8)  
 17. 9. Β. οὐ προσθήσει υἱὸς ἀδικίας τοῦ ταπεινώσαι αὐτόν [A B S al.] (8)  
 — 13. ἔσται μοι εἰς υἱόν [B' λαόν] (8)  
 18. 10. ἀπ'στειλε τὸν 'Ιδ. υἱὸν αὐ. (8)  
 — 11. ἐξ υἱῶν 'Α. καὶ ἐκ τῶν ἀλλοφύλων (8)  
 — 12. 'Αβ. υἱὸς Σαρ. ἐπάταξε τὴν 'Ιδουμ. (8)  
 — 15. καὶ 'Ι. υἱὸς Σαρ. ἐπὶ τῆς στρατίας (8)  
 — 15. καὶ 'Ιωσ. υἱὸς 'Αχ. ὑπομνηματογράφος (8)  
 — 16. καὶ Σαδ. υἱὸς 'Αχ. καὶ 'Αχ. υἱὸς 'Αβ. ἱερεῖς (3, 3)  
 — 17. Β. Σ. καὶ Βαν. υἱὸς 'Ι. ἐπὶ τῶν ἱερέων [A B al.] (8)  
 — 17. καὶ υἱοὶ Δ. οἱ πρότεροι (8)  
 19. 1. ἀπέθανε βασιλεὺς υἱῶν 'Α. (8)  
 — 1. ἐβασίλευσεν 'Α. υἱὸς αὐ. ἀπ' αὐτοῦ (8)

|  |  |   |
|--|--|---|
| 1 Ch. 19. 2. ποιήσω ἔλεος μετὰ Ἄ. υἱοῦ Ν. (3)                            | 1 Ch. 24. 31. καθὼς οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ Ἄ. (3)   | 11 Ch. 8. 8. ἦσαν ἐκ τῶν υἱ. αὐ. τῶν καταλειφθέντων (3)   |
| — 2. ἦλθον παῖδες Δ. εἰς γῆν υἱῶν Ἄ. (3)                                 | 25. 1. ἔστησε . . . τοὺς υἱ. Ἄ. (3)  | — 8. οὐς ἐξωλέθρευσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)   |
| — 3. Ε. εἶπον ἄρχοντες υἱῶν [A B S om.] Ἄ. (3)                           | — 2. υἱοὶ Ἄ. (3)   | — 9. ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. οὐκ ἔδωκε Σ. (3)   |
| — 6. εἶδον οἱ [A S om.] υἱ. Ἄ. (3)                                       | — 2. υἱοὶ Ἄ. ἐχόμενοι τοῦ βασ. (3)   | 9. 29. περὶ Ἰερ. υἱοῦ Ν. (3)  |
| — 6. ἀπέστειλεν Ἄ. καὶ οἱ υἱ. Ἄ. (3)                                     | — 3. Α² Β υἱοὶ Ἰδ. (3)   | — 31. ἐβασίλευσε Ῥ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)   |
| — 7. οἱ [A om.] υἱ. Ἄ. συνήχθησαν (3)                                    | — 4. τῷ Αἰμ. υἱοὶ Αἰ. (3)  | 10. 2. ὡς ἤκουσαν Ἰερ. υἱὸς Ν. (3)  |
| — 9. ἐξήλθον οἱ [A om.] υἱ. Ἄ. (3)                                       | — 4. Β υἱοὶ Ὡδ καὶ Ἰ. [A R al.] (3)  | — 15. ὃν ἐλάλησεν . . . περὶ Ἰερ. υἱοῦ Ναβὰτ (3)  |
| — 11. παρατίξαντο ἐξ ἐναντίας υἱῶν Ἄ. (3)                                | — 5. πάντες οὗτοι υἱ. τῷ Αἰ. (3)   | — 16. τίς ἡμῶν . . . κληρονομία ἐν νιφῷ Ἰ. (3)  |
| — 12. Α Β εἰν υἱοὶ [S R οἱ υἱ.] Ἄ. κρατήσωσιν (3)                        | — 5. ἔδωκεν ὁ θεὸς τῷ Αἰ. υἱοὺς δέκα τέσσαρας (3)  | — 18. ἐλιθοβόλησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. αὐτὸν λίθοις (3)   |
| — 15. οἱ υἱ. Ἄ. εἶδον (3)  | — 9. ἐξήλθεν ὁ κληρὸς ὁ πρῶτος υἱῶν αὐ. (3)  | 11. 14. ἐξέβαλεν αὐτοὺς Ἰερ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)   |
| — 19. Β τοῦ βοηθήσαι τοῖς υἱ. [A B om. τ. υἱ.] Ἄ. ἔτι (3)                | — 9. ἀδελφοὶ αὐ. καὶ υἱοὶ αὐτοῦ (3)  | — 18. τὴν Μ. θυγατέρα Ἰερ. υἱοῦ Δ. (3*)   |
| 20. 1. ἔφθειραν τὴν χώραν υἱῶν Ἄ. (3)                                    | — 10. Β υἱὸς [A R-oi] αὐτοῦ καὶ ἀδελφοὶ αὐτοῦ (3)  | — 19. ἔτεκεν αὐτῷ υἱοὺς (3)   |
| — 3. οὕτως ἐποίησε Δ. τοῖς παισὶν υἱοῖς Ἄ. [A al.] (3)                   | — 11. 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31. υἱοὶ αὐ. καὶ ἀδελφοὶ αὐ. (3) | — 21. ἐγέννησεν υἱοὺς εἰκοσι ὀκτώ (3)   |
| — 4. ἐπάταξε . . . τὸν Σ. ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν γιγάντων (6 b)                 | 26. 1. υἱοὶ [A-oiς] Κ. Μ. υἱὸς Κωρή (13, 3)  | — 23. ἠξήθη παρὰ πάντας τοὺς υἱ. αὐ. (3)  |
| — 5. ἐπάταξεν Ἐλ. υἱὸς Ἰ. τὸν Λ. (3)                                     | — 1. ἐκ τῶν υἱ. Ἄ. (3)   | 12. 13. ἐκ πτωχῶν φυλῶν υἱῶν [A om.] Ἰσρ. (3)   |
| — 7. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἰων. υἱὸς Σαμ. υἱὸς ἀδ. Δ. (3, -)                    | — 2. Β τὴν Μορ. υἱοῦ Ζαχ. [A R al.] (3)  | — 16. ἐβασίλευσεν Ἄ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  |
| 21. 5. καὶ υἱοὶ Ἰ. τετρακόσιοι καὶ ἑβδομήκοντα χιλιάδες [A al.] (3)      | — 4. καὶ τῷ Ἀβδ. υἱοὶ (3)  | 13. 5. ἔδωκε βασιλείαν . . . τοῖς υἱ. αὐ. (3)   |
| — 20. εἶδε τὸν βασ. καὶ τέσσαρας υἱ. [A -es υἱ.] αὐ. μετ' αὐτοῦ (3)      | — 6. τῷ Σιμ. νιφῷ αὐ. ἐτίχθησαν υἱοὶ (3, 3)  | — 7. συνήχθησαν . . . ἄνδρες λοιμοὶ υἱ. παράνομοι (3)   |
| 22. 5. Σαλ. ὁ υἱ. μου παιδάριον ἀπαλόν (3)                               | — 7. υἱοὶ Σιμ. . . υἱ. δυνατοὶ (3, 3)  | — 7. Ἀ ἀντίστη πρὸς Ῥ. υἱὸν [B τὸν τοῦ] Σ. (3)  |
| — 6. ἐκάλεσε Σαλ. τὸν υἱ. αὐ. (3)  | — 8. πάντες ἀπὸ τῶν υἱ. Ἀβδ. (3)   | — 8. διὰ χειρὸς υἱῶν Δ. (3)   |
| — 9. υἱὸς τίκτεται σοι (3)   | — 8. αὐτοὶ καὶ οἱ ἀδ. αὐ. καὶ υἱοὶ αὐτῶν (3)   | — 9. ἡ οὐκ ἐξέβαλε τοὺς Ι. κυρίου τοὺς υἱ. Ἄ. (3)   |
| — 10. οὗτος ἔσται μοι εἰς υἱόν (3)                                       | — 9. καὶ τῷ Μορ. υἱοὶ (3)  | — 10. οἱ Ι. λειτουργοὺσι τῷ κ. οἱ [A om.] υἱ. Ἄ. (3)  |
| — 11. Β καὶ νῦν, υἱέ [A R add. μου] (3)                                  | — 10. τῷ Ὁ. τῷ [A ἀπὸ τῶν] υἱ. Μερ. υἱοὶ (3, 3)  | — 12. οἱ υἱ. τοῦ Ἰσρ., πολέμησεν (3)  |
| — 17. ἀντιλαβέσθαι τῷ Σαλ. νιφῷ αὐ. (3)                                  | — 11. πάντες οὗτοι υἱ. καὶ ἀδελφοὶ τῷ Ἰ. (3)   | — 16. ἔφυγον οἱ υἱ. Ἰσρ. ἀπὸ προσώπου Ἰ. (3)  |
| 23. 1. ἐβασίλευσε Σαλ. τὸν υἱ. αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)                        | — 14. υἱοὶ Σ. (3)  | — 18. ἐταπεινώθησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)   |
| — 6. διεῖλεν αὐτοὺς Δ. ἐφημερίας τοῖς υἱ. Λ. (3)                         | — 19. Ἀ αἰταί διαιρέσεις τῶν πυλῶν τοῖς υἱ. Κ. καὶ τοῖς υἱ. [B om.] Μερ. (3, 3)                                    | — 18. κατίσχυσαν οἱ υἱ. Ἰ. (3)  |
| — 8. υἱοὶ τῷ Ε. (3)  | — 21. Ἀ υἱοὶ Α. υἱοὶ [B οὗτοι] τῷ Ἰηρωῖ (3, 3)   | — 21. ἐγέννησεν υἱοὺς εἰκοσι δύο (3)  |
| — 9. υἱοὶ [B¹-ou] Σεμ. (3)   | — 21. Β υἱοὶ Ἰ. (3)  | 14. 1 (13. 23). ἐβασίλευσεν Ἄ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  |
| — 10. καὶ τοῖς υἱ. Σεμ. (3)  | — 22. υἱοὶ Ἰ. (3)  | 15. 1. καὶ Ἀζαρίας υἱὸς Ὡ. (3)  |
| — 10. οὗτοι υἱ. Σεμ. (3)   | — 25. Ῥ. υἱὸς [A add. αὐ.] καὶ Ὡσ. (3)   | 16. 2. ἀπέστειλε πρὸς τὸν υἱ. τοῦ Ἄ. (3)  |
| — 11. οἱ ἐπλήθυναν υἱοὺς (3)   | — 29. Χ. καὶ υἱοὶ [A υἱ. αὐ.] τῆς ἐργασίας τῆς ἔξω (3)   | — 4. ἤκουσαν υἱὸς Ἄ. τοῦ βασ. Ἄ. (3)  |
| — 12. υἱοὶ Καὰθ (3)  | — 30. Α Β τῷ Χ. Ἄσ. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ [B οἱ] δυνατοὶ (3)   | 17. 1. ἐβασίλευσεν Ἰωσ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)   |
| — 13. υἱοὶ Ἀμὶράμ (3)  | — 32. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. υἱοὶ δυνατοὶ (3)  | — 7. ἀπέστειλε . . . τοὺς υἱ. τῶν δυνατῶν (3)   |
| — 13. αὐτὸς καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἕως αἰῶνος (3)                                | 27. 1. Β καὶ οἱ [A R om.] υἱ. Ἰσρ. κατ' ἀριθμὸν αὐ. (3)  | — 14. καὶ μετ' αὐτοῦ υἱ. δυνατοὶ δυνάμεις (3)   |
| — 14. υἱοὶ αὐτοῦ ἐκλήθησαν εἰς φυλὴν τοῦ Λ. (3)                          | — 3. ἀπὸ τῶν υἱ. Φ. (3)  | 18. 7. οὗτος Μ. υἱὸς Ἰερμ. (3)  |
| — 15. υἱοὶ Μωσῶσ (3)   | — 6. καὶ ἐπὶ τῇ διαμερίσει αὐ. Λ. υἱὸς αὐ. (3)   | — 8. τάχος Μιχαῖαν υἱὸν Ἰερμ. (3)   |
| — 16. υἱοὶ Γηρασὴμ (3)   | — 7. καὶ Ζ. ὁ υἱ. αὐ. (3)  | — 10. ἐποίησεν ἑαυτῷ Σεδ. υἱὸς Χ. κέρατα σιδηρὰ (3)   |
| — 17. ἦσαν υἱοὶ τῷ Ἐλ. (3)   | — 9. Α Ὁδ. υἱὸς [B ὁ τοῦ] Ἐκκῆς (3)  | — 23. ἤγγισε Σεδ. υἱὸς Χ. (3)   |
| — 17. οὐκ ἦσαν τῷ Ἐλ. υἱ. ἕτεροι [A¹ om. υἱ. ἔτ.] (3)                    | — 10. Χ. ὁ ἐκ Φ. ἀπὸ τῶν υἱ. Ἐφρ. (3)  | — 25. καὶ πρὸς Ἰ. ἄρχοντα υἱὸν τοῦ βασ. (3)   |
| — 17. υἱοὶ Ῥ. ἠξήθησαν εἰς ὕψος (3)                                      | — 14. ὁ ἐκ Φ. τῶν υἱ. Ἐφρ. (3)   | 19. 11. Α Β καὶ Ζ. υἱὸς Ἰσρμ. [B om. υἱ. Ἰσρμ.] (3)   |
| — 18. υἱοὶ Ἰσρ. (3)  | — 20. Β τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. Ἰ. υἱὸς Φ. [A B al.] (3)  | 20. 1. ἦλθον οἱ υἱ. Μ. καὶ οἱ υἱ. Ἄ. (3, 3)   |
| — 19. υἱὸν Χεβρών (3)  | — 21. τοῖς υἱ. Βεν. Ἀσ. (3)  | — 10. καὶ νῦν ἰδοὺ υἱοὶ Ἄ. (3)  |
| — 20. υἱοὶ Ὀζ. (3)   | — 32. καὶ Ἰ. ὁ τοῦ Ἀχ. μετὰ τῶν υἱ. τοῦ βασ. (3)   | — 14. Α Β τῷ Ὀζ. τῷ τοῦ Ζαχ. τῶν υἱ. Βαν. τῶν υἱ. [B om. Β. τ. υἱ.] Ἐλ. . . ἀπὸ τῶν υἱ. Ἀσάφ (3 ter)                                |
| — 21. υἱοὶ Μερ. (3)  | 28. 1. Ρ καὶ τῶν υἱ. αὐ. (3)   | — 19. ἀνέστησαν οἱ Α. ἀπὸ τῶν υἱ. Κ. καὶ ἀπὸ τῶν υἱ. Κ. (3, 3)  |
| — 21. υἱοὶ Μ. (3)  | — 4. Α Β καὶ ἐν τοῖς υἱ. τοῦ πατρὸς μου (3)  | — 22. ἔδωκε κύριος πολέμους τοῖς υἱ. Α. ἐπὶ Μ. (3)  |
| — 22. οὐκ ἦσαν αὐτῷ υἱοὶ (3)   | — 5. καὶ ἀπὸ πάντων τῶν [A om.] υἱ. μου (3)  | — 23. Α² Β ἀπέστησαν οἱ υἱ. Ἄ. καὶ Μ. (3)   |
| — 22. ἔλαβον αὐτὰς υἱοὶ Κ. ἀδελφοὶ αὐ. (3)                               | — 5. πολλοὶς υἱ. ἔδωκε μοι κύριος (3)  | 21. 1. ἐβασίλευσεν Ἰ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)   |
| — 23. υἱοὶ Μ. (3)  | — 5. ἐξελέξατο ἐν Σαλ. τῷ υἱ. μου (3)  | — 2. καὶ αὐτῷ ἀδελφοὶ υἱοὶ Ἰ. ἔξ (3)  |
| — 24. οὗτοι υἱ. Α. (3)   | — 6. Σαλ. ὁ υἱ. σου κληρονομήσει τὸν οἶκόν μου (3)   | — 2. πάντες αὐτοὶ υἱοὶ Ἰωσ. βασιλεῖς Ἰ. (3)   |
| — 27. ὁ ἀριθμὸς υἱῶν [A d. τῶν Λ.] Λ. (3)                                | — 8. ἡρέτικα ἐν αὐτῷ εἶναι μου υἱόν (3)  | — 7. δοῦναι αὐτῷ λύχνον καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)  |
| — 28. φυλάξουσιν . . . τὰς φυλακάς υἱῶν Ἄ. (3)                           | — 8. ἵνα κληρονομήσῃ τὴν γῆν τὴν ἀγ. τοῖς υἱ. ἡμῶν (3)   | — 13. τὸ ἀπὸ δ. σου υἱοὺς τοῦ πατρὸς σου . . . ἀπέκτεινας (2)   |
| 24. 1. καὶ τοῖς υἱ. [A τοῖς υἱ.] Ἄ. (3)                                  | — 9. Α Β καὶ νῦν, Σαλ. υἱέ μου [B om. υἱ. μ.] (3)  | — 14. πατάξῃ σε . . . ἐν τοῖς υἱ. σου (3)   |
| — 1. Α² υἱοὶ Ἄ. (3)  | — 11. ἔδωκε Δ. Σαλ. τῷ υἱ. αὐ. τὸ παράδειγμα (3)   | — 17. ἀπέστρεψαν . . . τοὺς υἱ. αὐ. (3)   |
| — 2. καὶ υἱοὶ οὐκ ἦσαν αὐτοῖς (3)  | — 20. εἶπε Δ. Σαλ. τῷ υἱ. αὐ. (3)  | — 17. οὐ κατελείφθη αὐτῷ υἱὸς ἀλλ' ἡ Ὀχ. ὁ μικρότατος τῶν υἱ. αὐ. (3, 3)  |
| — 2. Ἐλ. καὶ Ἰδ. υἱοὶ Ἄ. (3)   | 29. 1. Σαλ. ὁ υἱ. μου . . . νέος καὶ ἀπαλός (3)  | 22. 1. ἐβασίλευσεν . . . τὸν Ὀχ. τὸν υἱ. αὐ. τὸν μικρόν (3)   |
| — 3. καὶ Σαδ. ἐκ τῶν υἱ. Ἐλ. (3)   | — 6. καὶ οἱ ἄρχοντες τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  | — 1. ἐβασίλευσεν Ὀχ. υἱὸς Ἰ. βασιλεῖς Ἰ. (3)  |
| — 3. καὶ Ἀχ. ἐκ τῶν υἱ. Ἰδ. (3)  | — 19. Σαλ. τῷ υἱ. μου δὸς καρδίαν ἀγαθὴν (3)   | — 5. ἐπορεύθη μετὰ Ἰ. υἱοῦ Ἀχ. εἰς πόλεμον (3)  |
| — 4. εὐρέθησαν οἱ [A om.] υἱ. Ἐλ. πλείους . . . παρὰ τοὺς υἱ. Ἰδ. (3, 3) | — 22. ἐβασίλευσαν . . . τὸν Σαλ. υἱὸν Δ. (3)   | — 6. Ὀχ. υἱὸς Ἰ. βασιλεῖς Ἰ. κατέβη θείσασθαι τὸν Ἰ. υἱὸν Ἀχ. εἰς Ἰ. (3, 3)   |
| — 4. τοῖς υἱ. Ἐλ. ἄρχοντας (3)   | — 24. Β οἱ [A πάντες] υἱ. Δ. τοῦ βασ. . . ὑπετάγησαν αὐτῷ (3)  | — 7. Β ἐξῆλθε μετ' αὐτοῦ Ἰ. πρὸς υἱόν [A R Ἰ. υἱ.] Ναμ. (3)   |
| — 4. τοῖς υἱ. Ἄ. Ἰδ. κατ' οἴκους πατριῶν (3)                             | — 26. Δ. υἱὸς Ἰ. ἐβασίλευσεν ἐπὶ Ἰσρ. (3)  | — 9. υἱὸς Ἰωσ. ἔστιν (3)  |
| — 5. ἐν τοῖς υἱ. Ἐλ. καὶ ἐν τοῖς υἱ. Ἰδ. (3, 3)                          | — 28. ἐβασίλευσε Σαλ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  | — 10. τέθηκεν αὐτῇς ὁ υἱ. (3)   |
| — 6. ἔργαγεν αὐτοὺς Σαμ. υἱὸς Ναθ. (3)                                   | 11 Ch. 1. 1. ἐνίσχυσε Σαλ. υἱὸς Δ. (3)   | — 11. ἔλαβεν Ἰωσ. . . τὸν Ἰ. υἱὸν Ὀχ. (3)   |
| — 6. καὶ Ἀχ. υἱὸς [A¹-oi, Α²-ou] Ἀβ. (3)                                 | — 5. ὁ ἐποίησε Βεσ. υἱὸς Οὐρ. υἱοῦ Ὡρ (3, 3)   | — 11. ἐκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου υἱῶν [A τῶν υἱ.] τοῦ βασ. (3)  |
| — 20. καὶ τοῖς υἱ. Α. τοῖς καταλοιποῖς (3)                               | 2. 4 (3). ἐγὼ ὁ [A om.] υἱ. αὐ. οἰκοδόμῳ οἶκον (3)   | 23. 1. ἔλαβε . . . τὸν Ἀζ. υἱὸν Ἰ. καὶ τὸν Ἰσρμ. υἱὸν Ἰ. καὶ τὸν Ἀζ. υἱὸν Ἰ. καὶ τὸν Μ. υἱὸν Ἄ. καὶ τὸν Ἐλ. υἱὸν Ζαχ. (3 quinquies) |
| — 20. τοῖς υἱ. Ἄ. Σ. (3)   | — 12 (11). ὃς ἔδωκε τῷ Δ. τῷ βασ. υἱὸν σοφόν (3)   | — 3. Α² Β ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν υἱ. (3)  |
| — 20. Β τοῖς υἱ. Σ. (3)  | 5. 2. τοὺς ἡγουμένους πατριῶν υἱῶν Ἰσρ. (3)  | — 3. ὁ υἱ. τοῦ βασ. βασιλευσάτω (3)   |
| — 22. τοῖς υἱ. Σαλ. Ἰ. (3)   | — 10. ὁ διέθετο κύριος μετὰ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)   | — 11. ἐξήγγαγε τὸν υἱ. τοῦ βασ. (3)   |
| — 23. υἱοὶ Ἰ. (3)  | — 12. οἱ Λ. οἱ ψαλμῶδοι πάντες τοῖς υἱ. Ἄ. τῷ Αἰ. τῷ Ἰδ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3, 3)                                   | — 11. ἐχρυσαν αὐτὸν Ἰ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)   |
| — 24. Α υἱοὶ [B om.] Ὀζ. Μ. (3)  | 6. 9. ὁ υἱ. σου ὃς ἐξελέσεται ἐκ τῆς δούλης σου (3)  | 24. 3. ἐγέννησαν υἱοὺς (3)  |
| — 24. υἱοὶ Μ. Σαμὴρ (3)  | — 16. πλὴν ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱ. σου τὴν ὁδὸν αὐ. (3)   | — 7. οἱ υἱ. αὐ. κατέσπασαν τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (3)   |
| — 25. υἱοὶ [A-oi] Ἰ. Ζαχ. (3)  | — 30. μόνος γινώσκει τὴν καρδίαν υἱῶν ἀνθρώπων (3)   | — 28. ἐθανίτωσε τὸν υἱ. αὐ. (3)   |
| — 26. υἱοὶ Μερ. Μ. καὶ Ὁ. υἱοὶ Ὀζ. (3)                                   | — 41. οἱ υἱ. σου ἐφφρανήθησαν ἐν ἀγαθοῖς (3)   | — 25. ἐν ἀμμοῖς υἱοῦ Ἰ. τοῦ ἱερέως (3)  |
| — 26. Α υἱοὶ Βονρί (3)   | 7. 3. πάντες οἱ [A om.] υἱ. Ἰσρ. ἔφωρον (3)  |   |
| — 27. υἱοὶ αὐ. Ἰσρ. καὶ Ζ. καὶ Αβ. (3)                                   | 8. 2. κατήκτισεν ἐκεῖ τοὺς υἱ. Ἰσρ. (3)  |   |
| — 28. Β οὐκ ἦσαν αὐτῷ υἱοὶ (3)   |  |   |
| — 29. υἱοὶ τοῦ Κ. Ἰρ. (3)  |  |   |
| — 30. καὶ υἱοὶ τοῦ Μ. (3)  |  |   |
| — 30. οὗτοι υἱ. τῶν Λευιτῶν (3)  |  |   |

- II Ch. 24, 27. και οι υἱ. αὐ. πάντες (3)  
 — 27. βασιλευσεν Ἀμ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 25. 4. τοὺς υἱ. αὐ. οὐκ ἀπέκτεινε (3)  
 — 4. υἱοὶ οὐκ ἀποθανοῦνται ὑπὲρ πατέρων (3)  
 — 7. οὐκ ἔστι κ. μετὰ Ἰσρ. πάντων τῶν υἱ. Ἐφρ. (3)  
 — 11. ἐπάταξεν ἐκεῖ τοὺς υἱ. Σ. (3)  
 — 12. δέκα χιλιάδας ἐξώργισαν οἱ υἱ. Ἰ. (3)  
 — 13. υἱοὶ [A οἱ υἱ.] τῆς δυνάμεως οὐδ' ἀπέ-  
 στρέψεν Ἀμ. (3)  
 — 14. ἤνεγκε πρὸς αὐτοὺς τοὺς θεοὺς υἱῶν Σ. (3)  
 — 17. ΑΒ ἀπέστειλε πρὸς Ἰ. υἱὸν Ἰ. υἱοῦ Ἰηοῦ (3, 3)  
 — 18. δὸς τὴν θυγατέρα σου τῇ υἱ. μου (3)  
 — 23. Β τὸν Ἀμ. βασ. Ἰ. τὸν τοῦ Ἰ. υἱοῦ Ἰ. [A B al.] (3)  
 — 24. και τοὺς υἱ. τὸν συμμίξωσιν (3)  
 26. 1. Β καὶ αὐτὸς υἱὸς [A B om.] ἐκκαίδεκα (3)  
 — 3. υἱὸς δέκα ἐξ ἐτῶν Ὁζ. (3)  
 — 17. ἱερεῖς τοῦ κυρίου δογδοήκοιτα υἱ. δυνατοί (3)  
 — 18. τοῖς ἱερεῖσιν υἱοῖς [A τοῖς υἱ.] Ἀ. τοῖς ἡγιασμ. (3)  
 — 21. και Ἰ. ὁ υἱ. αὐ. ἐπὶ τῆς βασ. αὐ. (3)  
 — 23. ἐβασιλευσεν Ἰ. υἱὸς [A ὁ υἱ.] αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 27. 1. Β υἱὸς [A B om.] εἰκοσι καὶ πέντε ἐτῶν Ἰ. (3)  
 — 5. ἐμαχίστα πρὸς βασιλῆα υἱῶν Ἀ. (3)  
 — 5. ΑΒ ἔδιδον αὐτῷ οἱ υἱ. Ἀ. [B om. οἱ υἱ. Ἀ.] (3)  
 — 5. ΑΒ ταῦτα ἔφερεν αὐτῷ βασιλεὺς υἱῶν [A B om.] Ἀ. (3)  
 — 9. ἐβασιλευσεν Ἀ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 28. 1. ΑΒ υἱὸς [B om.] εἰκοσι ἐτῶν Ἀ. (3)  
 — 3. ὡν ἐξωλίθρευσε κ. ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)  
 — 7. ἀπέκτεινε . . . τὸν Μ. τὸν υἱ. τοῦ βασ. (3)  
 — 8. ἤχηκώτισαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . τριακοσίας χιλιάδας γυναῖκας υἱοὺς θυγατέρας (3, 3)  
 — 10. υἱοὺς Ἰ. καὶ Ἰερ. ὑμεῖς λέγετε κατακτη-  
 σεσθαι (3)  
 — 12. ἀνέστησαν ἄρχοντες ἀπὸ τῶν υἱ. Ἐφρ. (3)  
 — 27. ἐβασιλευσεν Ἐζ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 29. 9. και οἱ υἱ. ὑμῶν καὶ αἱ θυγατέρες ὑμῶν (3)  
 — 12. Μ. ὁ τοῦ Ἀ. καὶ Ἰ. ὁ τοῦ Ζ. ἐκ τῶν υἱ. Κ. (3)  
 — 12. και ἐκ τῶν υἱ. Μερ. Κ. ὁ τοῦ Ἀ. καὶ Ζ. ὁ τοῦ Ε. (3)  
 — 12. και ἀπὸ τῶν υἱ. Γ. (10)  
 — 12. οὗτοι υἱοὶ [A ὁ τοῦ] Ἰ. (3)  
 — 13. και τῶν υἱ. Ἐλ. . . και τῶν υἱ. Ἀ. (3, 3)  
 — 14. και τῶν υἱ. Αἰ. Ἰ. (3)  
 — 14. και τῶν υἱ. Ἰδ. (3)  
 — 21. εἶπε τοῖς υἱ. Ἀ. τοῖς Ἰ. ἀναβαίνειν (3)  
 30. 6. οἱ [A om.] υἱ. Ἰσρ., ἐπιστρέψατε (3)  
 — 21. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζύμων (3)  
 — 26. ἀπὸ ἡμερῶν Σαλ. υἱοῦ Δ. (3)  
 31. 5. ΑΒ ἐπλεόνασαν οἱ υἱ. Ἰσρ. [B al.] (3)  
 — 5 (6). ἐπιδέκατα πάντα . . . ἤνεγκαν οἱ υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 13. Βαν. και οἱ υἱ. αὐ. (3)  
 — 18. ἐν πάσῃ ἐπιτογῇ υἱῶν αὐ. (3)  
 — 19. τοῖς υἱ. Ἀ. τοῖς ἱερατεύουσι (3)  
 32. 20. προσήγαγον . . . Ἦσ. υἱὸς Ἀ. (3)  
 — 32. ἐν τῇ προφητείᾳ Ἦσ. υἱοῦ Ἀ. (3)  
 — 33. ἐν ἀναβάσει ταφῶν υἱῶν Δ. (3)  
 — 33. ἐβασιλευσεν Μαν. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 33. 2. οὐδ' ἐξωλίθρευσε κ. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 7. Β οὐ εἶπεν ὁ θ. πρὸς Δ. και Σ. τὸν [A B om.] υἱ. αὐ. (3)  
 — 9. δ' ἐξῆρε κ. ἀπὸ προσώπου υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσρ. (3)  
 — 20. ἐβασιλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἀ. υἱὸς αὐ. (3)  
 — 23. Β υἱὸς [A B υἱ. αὐ.] Ἀ. ἐπλήθυσε πλημμέλιαν (3)  
 — 25. ἐβασιλευσεν . . . τὸν Ἰωσ. υἱὸν αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 34. 8. ΑΒ ἀπέστειλε τὸν Σ. υἱὸν Σ. . . και τὸν Ἰ. υἱὸν Ἰ. [B al.] (3, 3)  
 — 9. δ' συνήγαγον . . . ἀπὸ . . . υἱῶν Ἰωῦδα (3)  
 — 12. Ἰ. καὶ Ἀ. οἱ Ἀ. ἐξ υἱῶν Μερ. (3)  
 — 12. Ζαχ. καὶ Μορ. ἐκ τῶν υἱ. Κ. (3)  
 — 20. ἐνετίκιστο . . . τῷ Ἀχ. υἱῷ Σ. και τῷ Ἀ. υἱῷ Μ. (3, 3)  
 — 22. πρὸς Ὁ. τὴν προφήτην γυναῖκα Σ. υἱοῦ Θ. υἱοῦ Χ. (3, 3)  
 II Ch. 34, 33. ἡ ἡν υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 35. 3. ὃν ἐκδόμησε Σαλ. υἱὸς Δ. (3)  
 — 4. διὰ χειρὸς βασιλῆως Σαλ. υἱοῦ αὐ. (3)  
 — 5. τοῖς ἀδελφοῖς ὑμῶν υἱοῖς [A τοῖς υἱ.] τοῦ λαοῦ (3)  
 — 7. ἀπῆρξτο Ἰωσ. τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ (3)  
 — 12. κατ' οἴκους πατριῶν τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ (3)  
 — 13. ἔδραμον πρὸς πάντας τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ (3)  
 — 14. και τοῖς ἀδελφοῖς αὐ. υἱοῖς Ἀ. (3)  
 — 45. και οἱ ψαλμῶδαι υἱοὶ Ἀ. (3)  
 — 17. ἐποίησαν οἱ υἱ. Ἰσρ. οἱ εὐρεθέντες τὸ φασέκ (3)  
 86. 1. ἔλαβεν ὁ λαὸς τῆς γῆς τὸν Ἰ. υἱὸν Ἰωσ. (3)  
 — 2. ΑΒ υἱὸς [B om.] εἰκοσι και τριῶν ἐτῶν (3)  
 — 4. κατέστησε Φ. Ν. τὸν Ἐλ. υἱὸν Ἰωσ. (3)  
 — 5. και ληστῆρια Μωαβιτῶν και υἱῶν Ἀ. (3)  
 — 8. ἐβασιλευσεν Ἰεχ. υἱὸς αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 9. Α υἱὸς [B om.] ὀκτὼ και δέκα ἐτῶν Ἰεχ. (3)  
 — 11. Β ἐτῶν εἰκοσιν υἱὸς και ἐνὸς ἔτους Σεδ. [A B al.] (3)  
 — 20. ἦσαν αὐτῷ και τοῖς υἱ. αὐ. εἰς δούλους (3)  
 I Es. 1. 1. Α ἔθυσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. [B om. οἱ υἱ. Ἰσρ.] τὸ πάσχα (3)  
 — 3. Α φ' ἐκδόμῃσε Σ. ὁ υἱ. [B om.] τοῦ Δ. (3)  
 — 5. κατὰ τὴν μεγαλειότητα Σ. τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
 — 5. τῶν ἐμπροσθεν τῶν ἀδελφῶν ὁ υἱὸν Ἰσρ. (3)  
 — 13, 14. και τοῖς ἱερεῖσιν ἀδελφοῖς αὐ. υἱοῖς Ἀ. (3)  
 — 15. και οἱ ἱεροφάνται υἱοὶ Ἀ. ἦσαν ἐπὶ τῆς τάξεως αὐ. (3)  
 — 19. ἡγάγσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . τὸ πάσχα (3)  
 — 34. ἀναλαβόντες . . . τὸν Ἰεχ. υἱὸν Ἰωσ. (3)  
 — 43. ἐβασιλευσεν ἀντ' αὐτοῦ Ἰ. ὁ [A om.] υἱ. αὐ. (3)  
 — 57. ἦσαν παῖδες αὐτῷ και τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
 4. 37. ἀδικοὶ πάντες οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)  
 5. 1. και οἱ υἱ. και αἱ θυγατέρες (3)  
 — 5. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Φ. υἱοὶ Ἀαρών (3)  
 — 9. υἱοὶ Φορός (3)  
 — 9. ΑΒ υἱοὶ Σαφάρ [B Ἀσάφ] (3)  
 — 10. υἱοὶ Ἀρές (3)  
 — 11. υἱοὶ Φ. Μ. εἰς τοὺς υἱ. Ἰησοῦ (3)  
 — 12. υἱοὶ Ἡωλ. . . υἱοὶ Ζ. . . υἱοὶ Χ. . . υἱοὶ Βανεί (3)  
 — 13. υἱοὶ Βηβαί . . . υἱοὶ Ἀ. (3)  
 — 14. υἱοὶ Ἀδ. . . υἱοὶ Β. . . υἱοὶ Ἀδ. (3)  
 — 15. υἱοὶ Ἀ. . . υἱοὶ Κ. . . υἱοὶ Ἀζ. (3)  
 — 16. υἱοὶ Ἀνν. . . υἱοὶ Ἀ. . . υἱοὶ Β. . . υἱοὶ Ἀρσ. (3)  
 — 17. υἱοὶ Βαῖτ. . . υἱοὶ ἐκ Π. (3)  
 — 21. Α υἱοὶ Φ. [B N.] (3)  
 — 22. υἱοὶ Καλ. . . υἱοὶ Ἰερ. (3)  
 — 23. υἱοὶ Σ. (3)  
 — 24. Β οἱ ἱερεῖς οἱ [A om.] υἱ. Ἰ. τοῦ υἱ. [A B om.] Ἰ. εἰς τοὺς υἱ. Σ. . . υἱοὶ Ἰ. Ε. (3)  
 — 25. υἱοὶ Φ. . . υἱοὶ Χαρχή (3)  
 — 26. οἱ Α. υἱοὶ Ἰησ. (3)  
 — 27. υἱοὶ ἱεροφάνται υἱοὶ Ἀσάφ (3)  
 — 28. Β υἱοὶ Λακ. . . υἱοὶ Τ. [A B υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Τ. υἱοὶ Δακ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Σ.] (3)  
 — 29. ΑΒ υἱοὶ ἱερουδουλοὶ υἱοὶ Ἡ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Ταβ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Φαλ. υἱοὶ Λαβ. υἱοὶ Ἀ. [B om. υἱ. Ἀ.] (3)  
 — 30. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Οὐ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Κ. (3)  
 — 31. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Ν. υἱοὶ Χασ. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Ὁζ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Β. υἱοὶ Ἀσσ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ναφ. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Ἀχ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Φαρ. υἱοὶ Β. (3)  
 — 32. υἱοὶ Μ. (3)  
 — 32. ΑΒ υἱοὶ Κ. υἱοὶ Χ. (3)  
 — 32. υἱοὶ Β. υἱοὶ Σερ. υἱοὶ Θ. υἱοὶ Νασ. υἱοὶ Ἀτ. (3)  
 — 33. υἱοὶ παῖδων Σαλ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Φαρ. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Α. υἱοὶ Ἰσδ. υἱοὶ Σαφ. (3)  
 — 34. ΑΒ υἱοὶ Ἀχ. υἱοὶ Φακ. υἱοὶ [B om.] Σαβ. υἱοὶ Σαρ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀφ. υἱοὶ Βαρ. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Ἀ. (3)  
 — 35. και οἱ υἱ. τῶν παῖδων Σαλ. (3)  
 — 37. υἱοὶ Δ. τοῦ υἱ. τοῦ Β. υἱοὶ Νεκ. (3)  
 — 38. υἱοὶ Ὁ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Ἰ. (3)  
 — 47. ὅρων τῶν υἱ. Ἰσρ. ἐκάστου ἐν τοῖς ἰδίοις (3)  
 — 58. ἴσση Ἰ. και οἱ υἱ. . . και οἱ υἱ. Ἰησ. Ἡμ. και οἱ υἱ. Ἰ. τοῦ Ἠλ. σὺν τοῖς υἱ. (3)  
 — 59. και οἱ Α. υἱοὶ [A οἱ υἱ.] Ἀ. (3)  
 7. 6. Α ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . και οἱ λοιποὶ υἱ. Ἰσρ. [B om. υἱ. Ἰσρ.] (3)  
 — 10. ἡγάγσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. . . τὸ πάσχα (3)  
 — 11. ὅτε ἠγγίσθησαν . . . πάντες οἱ υἱ. τῆς αἰχ-  
 μαλωσίας (3)  
 I Es. 7. 12. ἔθυσαν τὸ πάσχα πᾶσι τοῖς υἱ. τῆς αἰχμα-  
 λωσίας (3)  
 — 13. και ἐφάγσαν οἱ υἱ. Ἰσρ. οἱ ἐκ τῆς αἰχμα-  
 λωσίας (3)  
 8. 5. συναβήσαν ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
 — 21. Β εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ βασ. και τῶν υἱ. [A B υἱ. αὐ.] (3)  
 — 29. Β ἐκ τῶν υἱ. Φ. Γ. ἐκ τῶν υἱ. Ἰ. Γαμ. τῶν [A B ἐκ τῶν] υἱ. Δ. (3)  
 — 30. ΑΒ τῶν υἱ. [B om. τ. υἱ.] Φ. (3)  
 — 31. ΑΒ ἐκ τῶν υἱ. [B om.] Φ. (3)  
 — 32. Β ἐκ τῶν υἱ. Ζ. . . τῶν [A B ἐκ τῶν] υἱ. Ἀδ. (3)  
 — 33. ἐκ τῶν υἱ. Ἠλάμ (3)  
 — 34. Β ἐκ τῶν υἱ. Σοφ. (3)  
 — 35. ἐκ τῶν υἱ. Ἰ. (3)  
 — 36. ἐκ τῶν υἱ. Βαν. (3)  
 — 37. ΑΒ ἐκ τῶν υἱ. [B om.] Β. (3)  
 — 38. Β υἱοὶ [A B ἐκ τῶν υἱ.] Ἀστιάθ (3)  
 — 39. ἐκ τῶν υἱ. Ἀδ. (3)  
 — 40. ἐκ τῶν υἱ. Β. (3)  
 — 42. Α ἐκ τῶν υἱ. τῶν [B om. υἱ. τ.] ἱερέων (3)  
 — 47. Β τῶν υἱ. Μ. τοῦ Λευί . . . και τοὺς υἱ. [A B υἱ. αὐ.] (3)  
 — 48. οἱ ἐκ τῶν υἱ. Χαν. και οἱ υἱ. αὐ. [A al.] (3)  
 — 70. και αὐτοὶ και οἱ υἱ. αὐ. (3)  
 — 84. τὰς θυγ. ὑμῶν μὴ συνουκίστηε τοῖς υἱ. [A τέκνοις] αὐ. (3)  
 — 84. τὰς θυγ. αὐ. μὴ λάβητε τοῖς υἱ. [A τέκνοις] ὑμῶν (3)  
 — 85. ἵνα . . . κατακληρονομήσῃτε τοῖς υἱ. ὑμῶν (3)  
 — 92. Ἰεχ. Ἰ. τῶν [A ὁ τῶν] υἱ. Ἰσρ. (3)  
 9. 19. ἐκ τῶν υἱ. Ἰ. τοῦ Ἰωσ. (3)  
 — 21. ἐκ τῶν υἱ. Ε. (3)  
 — 22. ἐκ τῶν υἱ. Φ. (3)  
 — 26. ἐκ τῶν υἱ. [A add. υἱῶν] Φ. (3)  
 — 27. ἐκ τῶν υἱ. Ἠλά (3)  
 — 28. ἐκ τῶν υἱ. Ζαμ. (3)  
 — 29. ἐκ τῶν υἱ. Βηβαί (3)  
 — 30. ἐκ τῶν υἱ. Μαγί (3)  
 — 31. ἐκ τῶν υἱ. Ἀ. (3)  
 — 32. ἐκ τῶν υἱ. Ἀρν. (3)  
 — 33. ἐκ τῶν υἱ. Ἀσδμ. (3)  
 — 34. ἐκ τῶν υἱ. Β. . . ἐκ τῶν υἱ. Ἐζ. (3)  
 — 35. ΑΒ ἐκ τῶν υἱ. Ν. [B al.] (3)  
 — 37. και οἱ υἱ. Ἰσρ. ἐν ταῖς παροιμίαις αὐ. (3)  
 II Es. 2. 1. Β οὗτοι υἱοὶ [A B οἱ υἱ.] τῆς χώρας (3)  
 — 3. υἱοὶ Φ. (3)  
 — 4. υἱοὶ Σ. (3)  
 — 5. υἱοὶ Ἀ. (3)  
 — 6. υἱοὶ Φ. Μ. τοῖς υἱ. Ἰησ. (3, 3)  
 — 7. υἱοὶ Αἰ. (3)  
 — 8. υἱοὶ Ζ. (3)  
 — 9. υἱοὶ Ζαχ. (3)  
 — 10. υἱοὶ Βαν. (3)  
 — 11. υἱοὶ Βαβ. (3)  
 — 12. υἱοὶ Ἀ. (3)  
 — 13. υἱοὶ Ἀδων. (3)  
 — 14. υἱοὶ Β. (3)  
 — 15. υἱοὶ Ἀδ. (3)  
 — 16. υἱοὶ Ἀτῆρ τῷ Ἐζ. (3)  
 — 17. υἱοὶ Βασ. (3)  
 — 18. υἱοὶ Ἰ. (3)  
 — 19. υἱοὶ Ἀσ. (3)  
 — 20. υἱοὶ Γ. (3)  
 — 21. υἱοὶ Β. (3)  
 — 22. υἱοὶ Ν. (1)  
 — 23. υἱοὶ Ἀναθώβ (1)  
 — 24. υἱοὶ Ἀ. (3)  
 — 25. υἱοὶ Καρ. (3)  
 — 26. υἱοὶ τῆς Ρ. (3)  
 — 29. υἱοὶ Ναβ. (3)  
 — 30. υἱοὶ Μαγ. (3)  
 — 31. υἱοὶ Ἠλαμάρ (3)  
 — 32. υἱοὶ Ἠράμ (3)  
 — 33. υἱοὶ Α. (3)  
 — 34. υἱοὶ Ἰερ. (3)  
 — 35. υἱοὶ Σ. (3)  
 — 36. και οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Ἰ. (3)  
 — 37. υἱοὶ Ἐμμήρ (3)  
 — 38. υἱοὶ Φ. (3)  
 — 39. ΑΒ υἱοὶ Ἠρέμ (3)  
 — 40. υἱοὶ Ἰησ. και Κ. τοῖς υἱ. Ὡ. (3, 3)  
 — 41. οἱ ἄδωνες υἱοὶ Ἀσάφ (3)  
 — 42. υἱοὶ τῶν πυλωρῶν υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Τελμών υἱοὶ Ἀκούμ υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Σ. (3 septuaginta)

11 Es. 2. 43. υἱοὶ Σου. υἱοὶ [Α-οὐ] Ἀσ. υἱοὶ Ταβ. (3 ter)  
 — 44. υἱοὶ Κ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Φαδάν (3 ter)  
 — 45. υἱοὶ Λαβ. υἱοὶ Ἀγ. υἱοὶ Ἀκ. (3 ter)  
 — 46. υἱοὶ Ἀγάβ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀνάν (3 ter)  
 — 47. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Π. (3 ter)  
 — 48. υἱοὶ Π. υἱοὶ Ν. υἱοὶ Γ. (3 ter)  
 — 49. υἱοὶ Οὐ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ Βασ. (3 ter)  
 — 50. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ν. (3 ter)  
 — 51. υἱοὶ Βακ. υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Ἀρούρ (3 ter)  
 — 52. υἱοὶ Βασ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ἀρ. (3 ter)  
 — 53. Α Β υἱοὶ Βαρκ. υἱοὶ Σισ. [Β om. υλ. Σισ.] υἱοὶ Θ. (3 ter)  
 — 54. υἱοὶ Ν. υἱοὶ Ἀτ. (3, 3)  
 — 55. υἱοὶ δούλων Σ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Φαδ. [Α. al.] (3 quater)  
 — 56. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Γεδ. (3 ter)  
 — 57. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ [Α. om.] Ἀσ. υἱοὶ Ἰ. (3 ter, —, 3)  
 — 58. καὶ υἱοὶ [Α. οὐ υλ.] Ἀ. (3)  
 — 60. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Β. [Α. om. υλ. Β.] υἱοὶ Τωβ. υἱοὶ Νεκ. (3, —, 3, 3)  
 — 61. ἀπὸ τῶν υλ. τῶν ἱερῶν υἱοὶ Α. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Β. (3 quater)  
 3. 1. Β καὶ οὐ υλ. Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐ. [Α. Β. al.] (3)  
 — 9. ἔστη Ἰ. καὶ οὐ υλ. αὐ. . . . Κ. καὶ οὐ υλ. αὐ. υἱοὶ [Α. οὐ υλ.] Ἰ. . . . υἱοὶ Ἰν. υἱοὶ αὐ. (3 quinque)  
 — 10. ἔστησαν . . . οἱ Α. υἱοὶ Ἀσάφ (3)  
 4. 1. Β οὐ [Α. Β. om.] υλ. τῆς ἀποικίας οἰκοδομοῦσιν οἴκον (3)  
 5. 2. Ζορ. ὁ τοῦ Σαλ. καὶ Ἰ. ὁ υλ. Ἰωσ. (4)  
 6. 9. καὶ υἱοὶς βοῶν καὶ κριῶν (3)  
 — 10. εἰς (ζῶν) τοῦ βουσ. καὶ υἱῶν [Α. τῶν υλ.] αὐ. (3)  
 — 14. ἐν προφητεῖα . . . Ζαχ. υἱοῦ Ἀδ. (4)  
 — 16. ἐποίησαν οὐ υλ. Ἰσρ. . . . καὶ οὐ κατὰ-λοιποὺς υἱῶν ἀποικίας ἐγκαίνα (3, 3)  
 — 19. ἐποίησαν οὐ υλ. τῆς ἀποικίας τὸ πάσχα (3)  
 — 20. ἐσφύζον τὸ πάσχα τοῖς πάντιν υλ. τῆς ἀποικίας (3)  
 — 21. ἔφαγον οὐ υλ. Ἰσρ. τὸ πάσχα (3)  
 7. 1. ἀνέβη Ε. υἱὸς Σαρ. υἱοῦ Ἀζ. υἱοῦ Χ. (3 ter)  
 — 2. υἱὸς Σ. υἱοῦ Σαδδ. υἱοῦ Ἀχ. (3 ter)  
 — 3. υἱοὶ Σαρ. υἱοῦ Ἰ. υἱοῦ Μαρ. (3 ter)  
 — 4. υἱοὶ Ζορ. υἱοῦ Ὁ. υἱοῦ Βοκκί (3 ter)  
 — 5. υἱοῦ Ἀβ. υἱοῦ Φω. υἱοῦ Ἐλ. υἱοῦ Ἀαρῶν (3 quater)  
 — 7. ἀνέβησαν ἀπὸ υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 23. ἐπὶ τὴν βασιλείαν τοῦ βασι. καὶ τῶν υλ. αὐ. (3)  
 8. 2. ἀπὸ υἱῶν Φ. Γ. ἀπὸ υἱῶν Ἰθ. Δαν. ἀπὸ υἱῶν Δ. Ἀ. (3 ter)  
 — 3. ἀπὸ υἱῶν Σ. ἀπὸ υἱῶν Φόρος (3, 3)  
 — 4. ἀπὸ υἱῶν Φ. Μ. Ἐλ. υἱὸς Ζαρ. (3, 3)  
 — 5. Α Β ἀπὸ υἱῶν Ζαβ. Σεχ. υἱὸς Ἀζ. (3, 3)  
 — 6. ἀπὸ υἱῶν Ἀδ. Ὠβ. υἱὸς Ἰωκ. (3, 3)  
 — 7. ἀπὸ υἱῶν Ἡλ. Ἰ. υἱὸς Ἀθ. (3, 3)  
 — 8. ἀπὸ υἱῶν Σαφ. Ζ. υἱὸς Μ. (3, 3)  
 — 9. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. Ἀ. υἱὸς Ἰ. (3, 3)  
 — 10. ἀπὸ υἱῶν Β. Σ. υἱὸς Ἰωσ. (3, 3)  
 — 11. Β ἀπὸ υἱῶν Βαβί καὶ [Α. Β. om.] Ἀζ. υἱὸς Βαβί (3, 3)  
 — 12. ἀπὸ υἱῶν Ἀ. Ἰ. υἱὸς Ἀκ. (3, 3)  
 — 13. ἀπὸ υἱῶν Ἀδ. ἔσχατοι (3)  
 — 14. ἀπὸ υἱῶν Β. (3)  
 — 15. ἀπὸ υἱῶν Λ. οὐχ εὗρον ἐκεῖ (3)  
 — 18. ἀπὸ υἱῶν Μ. υἱοῦ Λευι υἱοῦ Ἰσρ. (3 ter)  
 — 18. Β ἤλθον υἱοὶ [Α. Β. οὐ υλ.] αὐ. (3)  
 — 19. καὶ τὸν Ἰσρ. ἀπὸ υἱῶν Μερ. (3)  
 — 19. ἀδελφοὶ αὐ. καὶ υἱοὶ [Α. οὐ υλ.] αὐ. ἔκοσι (3)  
 — 33. ἐπὶ χεῖρα Μ. υἱοῦ Οὐρ. (3)  
 — 33. καὶ μετ' αὐτοῦ Ἐλ. υἱὸς Φ. (3)  
 — 33. Α Β καὶ μετ' αὐτῶν Ἰ. υἱὸς Ἰ. καὶ Ν. υἱὸς Β. [Β. al.] (3, 3)  
 — 35. υἱοὶ τῆς παροικίας προσήνεγκαν ὀλοκαυτώσεις (3)  
 9. 2. ἐλάσαν ἀπὸ θυγατέρων αὐ. . . . τοῖς υλ. αὐ. (3)  
 — 7. παρεδόθημεν ἡμεῖς . . . καὶ οὐ υλ. ἡμῶν (3)  
 — 12. τὰς θυγ. ἡμῶν μὴ ὀνείκετε τοῖς υλ. αὐ. (3)  
 — 12. ἀπὸ τῶν θυγατέρων αὐ. μὴ λάβετε τοῖς υλ. ἡμῶν (3)  
 — 12. ὅπως . . . κληροδοτήσῃτε τοῖς υλ. ἡμῶν (3)  
 10. 2. ἀπεκρίθη Σεχ. υἱὸς Ἰ. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. (3, 3)  
 — 6. εἰς γαζ.-φυλάκων Ἰ. υἱοῦ Ἐλ. (3)  
 — 7. Β πᾶσι τοῖς υλ. τῆς ἀποικίας (3)  
 — 15. πλὴν Ἰων. υἱὸς Ἀ. καὶ Λ. υἱὸς Ἐ. μετ' ἐμοῦ (3, 3)

11 Es. 10. 16. ἐποίησαν οὕτως υἱοὶ [Α. οὐ υλ.] τῆς ἀποικίας (3)  
 — 18. Α Β ἐνέβη ἀπὸ υἱῶν [Β<sup>2</sup> τῶν υλ.] τῶν ἱερῶν (3)  
 — 18. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. υἱοῦ Ἰωσ. (3, 3)  
 — 20. ἀπὸ υἱῶν Ἐ. (3)  
 — 21. ἀπὸ υἱῶν Ἡ. (3)  
 — 22. ἀπὸ υἱῶν Φασούρ (3)  
 — 23. Β<sup>2</sup> ἀπὸ τῶν υλ. τῶν [Α. Β. Β<sup>1</sup> om. υλ. τῶν] Λευιτῶν (3)  
 — 25. ἀπὸ υἱῶν Φ. (3)  
 — 26. ἀπὸ υἱῶν Ἡλάρ (3)  
 — 27. ἀπὸ υἱῶν Ζαβ. (3)  
 — 28. ἀπὸ υἱῶν Βαβί (3)  
 — 29. ἀπὸ υἱῶν Βον. (3)  
 — 30. ἀπὸ υἱῶν Φ. Μ. (3)  
 — 31. ἀπὸ υἱῶν Ἡράμ (3)  
 — 33. ἀπὸ υἱῶν Ἀσ. (3)  
 — 34. ἀπὸ υἱῶν Β. (3)  
 — 38. Β Β οὐ υλ. Β. καὶ υἱοὶ [Α. Β. οὐ υλ.] Σεμ. †, † (3)  
 — 43. ἀπὸ υἱῶν Ναβού (3)  
 — 44. ἐγέννησαν ἐξ αὐτῶν υἱοὶς (3)  
 Ne. 1. 1. λόγος Νεεμῖα υἱοῦ Χ. (3)  
 — 6. ἦν ἐγὼ προσεύχομαι . . . περὶ υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 — 6. ἐξαγορεύω ἐπὶ ἀμαρτίας υἱῶν Ἰσρ. (3)  
 2. 10. ζητήσαν ἀγαθὸν τοῖς υλ. Ἰσρ. (3)  
 3. 2. ἐπὶ χεῖρας ἀνδρῶν υἱῶν [Α. υλ. d.] Ἰερ. † (3)  
 — 2. ἐπὶ χεῖρας υἱῶν Ζ. υἱοῦ Ἀ. (†, 3)  
 — 3. τὴν πύλιν τὴν ἰχθ. φεκοδόμησαν υἱοὶ Ἀσ. (3)  
 — 4. ἐπὶ [Α. Β. ἀπὸ] Π. υἱοῦ Οὐρ. υἱοῦ Ἀκ. (3, 3)  
 — 4. Α Β Β κατέσχεν Μασ. υἱὸς Βαρ. υἱοῦ Μαζ. (3, 3)  
 — 4. Β Β κατέσχεν Σαδ. υἱὸς Βανά (3)  
 — 6. Β ἐκράτησαν υἱοὶ Ἐδὰ υἱὸς Φ. καὶ Μεσ. υἱὸς Β. [Α. Β. al.] (†, 3, 3)  
 — 8. Β παρηγορήσαντο Ὁζ. υἱὸς Ἀρ. (3)  
 — 8. Ἀν. υἱὸς τοῦ Ἰ. (3)  
 — 9. Β ἐκράτησε Π. υἱὸς Σούρ [Α. Β. om. υλ. Σ.] (3)  
 — 10. ἐκράτησε Ἰεδ. υἱὸς Ἐ. (3)  
 — 10. ἐκράτησε Ἀ. υἱὸς Ἀσ. (3)  
 — 11. ἐκράτησε Μελχ. υἱὸς [Β. οὐ υλ.] Ἡ. καὶ Ἀσ. υἱὸς Φ. Μ. (3, 3)  
 — 12. ἐκράτησε Σ. υἱὸς Ἡ. (3)  
 — 14. ἐκράτησε Μελχ. υἱὸς Ῥηχάβ . . . αὐτὸς καὶ οὐ υλ. αὐ. (3, †)  
 — 15. Β ἠσφαλίσατο Σαλ. υἱὸς Χ. (3)  
 — 16. ἐκράτησε Νεεμ. υἱὸς Ἀζ. (3)  
 — 17. ἐκράτησαν οὐ υλ. Β. υἱὸς Β. (3)  
 — 18. ἐκράτησαν ἀδελφοὶ αὐ. Β. υἱὸς Ἡν. (3)  
 — 19. ἐκράτησαν ἐπὶ χεῖρα αὐ. Ἀζ. υἱὸς Ἰησαῦ (3)  
 — 20. ἐκράτησε Βαρουχ υἱὸς Ζαβ. (3)  
 — 21. ἐκράτησε Μερ. υἱὸς Οὐρ. υἱοῦ Ἀκ. (3, 3)  
 — 23. Β Β<sup>2</sup> ἐκράτησαν Ἀζ. υἱὸς Μ. υἱὸς [Α. Β. Β<sup>1</sup> om.] Ἀν. (3, 3)  
 — 24. ἐκράτησε Βαυι υἱὸς Ἡν. (3)  
 — 25. Φαλ. υἱοῦ Εὐ. ἐξ ἐναντίας τῆς γωνίας (3)  
 — 25. μετ' αὐτὸν Φαδ. υἱὸς Φόρος (3)  
 — 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Σαδ. υἱὸς Ἐ. (3)  
 — 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Σ. υἱὸς Σ. (3)  
 — 30. Β μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν Ἀν. υἱὸς Τ. καὶ Ἀν. υἱὸς Τ. καὶ Τ. υἱὸς Ἐ. [Α. Β. al.] (3, —, 3)  
 — 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεσ. υἱὸς Βαρ. (3)  
 — 31. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μελχ. υἱὸς τοῦ Σ. (3)  
 4. 14 (8). παρατάξασθε περὶ . . . υἱῶν ἡμῶν (3)  
 5. 2. ἐν υἱοῖς ἡμῶν . . . ἡμεῖς πολλοὶ (3)  
 — 3. Β<sup>1</sup> ἐν υἱοῖς [Α. Β. Β<sup>2</sup> ἀγροὶ] ἡμῶν καὶ ἀμπελώνες ἡ. † (3)  
 — 5. Β Σ ὡς υἱὸς ἡμῶν αὐτῶν [Α. Β. al.] (3, 3)  
 — 5. καταδυναστεύουσιν τοὺς υλ. [Α. τοῖς υλ.] ἡμῶν (3)  
 6. 10. Α Β Σ<sup>2</sup> εἰς οἶκον Σεμ. υἱοῦ Δαλ. υἱὸς [Β<sup>2</sup> Β. om.] Μ. (3, 3)  
 — 18. γαμβρὸς ἦν τοῦ Σεχ. υἱοῦ Ἡρ. (3)  
 — 18. Ἰ. υἱὸς αὐ. ἔλαβε τὴν θυγ. Μεσ. υἱοῦ Βαρ. εἰς γυναῖκα (3, 3)  
 7. 6. οὗτοι υἱ. [Α. οὐ υλ.] τῆς χώρας οὐ ἀναβάντες (3)  
 — 7. Β<sup>1</sup> ἀνδρες υἱοῦ [Β<sup>2</sup> τοῦ, Α. Β. λαοῦ] Ἰσρ. † (3)  
 — 8. υἱοὶ Φόρος (3)  
 — 9. υἱοὶ Σαφαρία (3)  
 — 10. υἱοὶ Ἡρ. (3)  
 — 11. υἱοὶ Φιὰθ Μ. τοῦ Σ. Ἰησοῦ (3, 3)  
 — 12. υἱοὶ Ἀλάμ (3)  
 — 13. υἱοὶ Ζαβ. (3)  
 — 14. υἱοὶ Ζ. (3)  
 — 15. υἱοὶ Βανουί (3)

Ne. 7. 16. υἱοὶ Βηβί (3)  
 — 17. υἱοὶ Ἀσ. (3)  
 — 18. υἱοὶ Ἀδ. (3)  
 — 19. υἱοὶ Β. (3)  
 — 20. υἱοὶ Ἡδ. (3)  
 — 21. υἱοὶ Ἀτῆρ τῷ Ἐζ. (3)  
 — 22. υἱοὶ Ἡσ. (3)  
 — 23. υἱοὶ Β. (3)  
 — 24. υἱοὶ Ἀρ. (3)  
 — 24. Β Β υἱοὶ Ἀσέν (3)  
 — 25. υἱοὶ Γαβ. (3)  
 — 26. Α Β Β υἱοὶ Β. . . . υἱοὶ Νερ. (1, —)  
 — 27. Α Β Β υἱοὶ Ἀσ. (1)  
 — 33. Α Β υἱοὶ Μαγ. (3)  
 — 35. υἱοὶ Ἡράμ (3)  
 — 36. υἱοὶ Ἰερ. (3)  
 — 37. υἱοὶ Ἀδδ. (3)  
 — 38. υἱοὶ Σαν. (3)  
 — 39. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ [Β. οὐ υλ.] Ἰ. (3)  
 — 40. Β υἱοὶ [Β. add. Χ., Α. Β. add. Ἐ.] χίλιοι (3)  
 — 41. υἱοὶ Φασ. (3)  
 — 42. υἱοὶ Ἡρ. (3)  
 — 43. οἱ Α. υἱοὶ [Β. οὐ υλ.] Ἰ. τῷ Κ. τοῖς υλ. τοῦ Οὐ. (3, 3)  
 — 44. οἱ ἄδοντες υἱοὶ [Β. οὐ υλ.] Ἀσ. (3)  
 — 45. Β οἱ πυλωροὶ υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀτῆρ υἱοῦ Ἀ. [Α. Β. Β. om. υλ. Ἀ.] υἱοὶ Τ. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Ἀτ. υἱοὶ Σαβ. (3, 3, —, 3 quater)  
 — 46. οἱ Ναβ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Ταβ. (3 ter)  
 — 47. υἱοὶ Καρ. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Φ. (3 ter)  
 — 48. υἱοὶ Λαβ. υἱοὶ Ἀγ. (3, 3)  
 — 48. Α Β υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Οὐ. υἱοὶ Κητ. υἱοὶ Γ. (— quater)  
 — 48. υἱοὶ Σ. (3)  
 — 49. Α υἱοὶ Ἀ. υἱοὶ Γ. υἱοὶ Γ. [Β. Β. om. υλ. Γ.] (3 ter)  
 — 50. υἱοὶ Π. υἱοὶ Παρ. υἱοὶ Νεκ. (3 ter)  
 — 51. υἱοὶ Γηζ. υἱοὶ Ὁζ. υἱοὶ Φ. (3 ter)  
 — 52. υἱοὶ Β. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Νεφ. (3 ter)  
 — 53. υἱοὶ Β. υἱοὶ Ἀχ. υἱοὶ Ἀρ. (3 ter)  
 — 54. υἱοὶ Βασ. υἱοὶ Μ. υἱοὶ Ἀδ. (3 ter)  
 — 55. υἱοὶ Βαρκ. υἱοὶ Σ. υἱοὶ Ἡ. (3 ter)  
 — 56. υἱοὶ Ἀσ. υἱοὶ Ἀρ. (3, 3)  
 — 57. υἱοὶ δούλων Σαλ. [Β. om.] υἱοὶ Σουρ. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Φ. (3 quater)  
 — 58. υἱοὶ Ἰ. υἱοὶ Δ. υἱοὶ Γαδ. (3 ter)  
 — 59. υἱοὶ Σαφ. υἱοὶ Ἐ. υἱοὶ Φ. υἱοὶ Σαβ. υἱοὶ Ἡμ. (3 ter, —, 3)  
 — 60. καὶ υἱοὶ δούλων [Β. om.] Σαλ. (3)  
 — 62. Α Β υἱοὶ Δαλ. υἱοὶ Β. [Β. om. υλ. Β.] υἱοὶ Τ. υἱοὶ Νεκ. (3, —, 3, 3)  
 — 63. ἀπὸ τῶν ἱερῶν υἱοὶ Ἐ. υἱοὶ Ἀκ. υἱοὶ Βερζ. (3 ter)  
 8. 1 (7. 73). καὶ οὐ υλ. Ἰσρ. ἐν πόλεσιν αὐ. (3)  
 — 14. ὅπως κατοικήσωσιν οἱ υλ. Ἰσρ. ἐν σκηναῖς (3)  
 — 17. οὐκ ἐποίησαν ἀπὸ ἡμερῶν Ἰ. υἱοῦ Ν. οὕτως οὐ υλ. Ἰσρ. (3, 3)  
 9. 1. συνήχθησαν οὐ υλ. Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ (3)  
 — 1. Β<sup>1</sup> ἐχωρίσθησαν οὐ υλ. Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ (3)  
 — 2. ἐχωρίσθησαν οὐ υλ. Ἰσρ. ἀπὸ παντὸς υλ. ἀλλοτρίου (3, 3)  
 — 4. Α Β<sup>2</sup> Β ἔστη . . . Ἰ. καὶ υἱοὶ Καδμ. Σ. υἱὸς Σαρ. υἱοὶ Χαν. [Β. Β<sup>1</sup> om. υλ. Χαν.] († ter)  
 — 5. Β<sup>1</sup> ἐτίσαν οὐ υλ. [Α. Β. Β<sup>2</sup> om.] Λ. (3)  
 — 23. τοὺς υλ. αὐ. ἐπληθύναν (3)  
 10. 1 (2). Νεεμ. υἱὸς Ἀχ. (3)  
 — 2 (3). καὶ Σεδ. υἱὸς Σαρ. (3)  
 — 9 (10). καὶ οἱ Α. Ἰ. υἱὸς Ἀζ. Βαν. ἀπὸ υἱῶν Ἡν. (3, 3)  
 — 13 (14). υἱὸς Βεν. † (3)  
 — 14 (15). υἱοὶ Βαν. † (3)  
 — 28 (29). γυναικες αὐ. υἱοὶ αὐτῶν (3)  
 — 30 (31). τὰς θυγατέρας αὐ. οὐ ληψόμεθα τοῖς υλ. ἡμῶν (3)  
 — 35 (37). καὶ τὰ πρωτότοκα υἱῶν [Β. τῶν υλ.] (3)  
 — 38 (39). Α Β<sup>2</sup> Β ἔσται ὁ ἱερεὺς υἱὸς [Β. Β<sup>1</sup> om.] Ἀ. μετὰ τοῦ Λ. (3)  
 — 39 (40). Α Β εἰς τοὺς ἡσανουροὺς εἰσιποῦσιν οἱ υλ. Ἰσρ. καὶ οὐ υλ. τοῦ Λ. [Β. al.] (3, 3)  
 11. 3. καὶ οὐ υλ. δούλων Σαλ. (3)  
 — 4. ἐκάθισαν ἀπὸ υἱῶν Ἰ. καὶ ἀπὸ υἱῶν Βεν. (3, 3)  
 — 4. ἀπὸ υἱῶν Ἰ. Ἀθ. υἱὸς Ἀ. υἱὸς Ζαχ. υἱὸς Σαμ. υἱὸς Σαφ. υἱὸς Μαλ. καὶ ἀπὸ υἱῶν Φ. (3 septiens)  
 — 5. Μ. υἱὸς Βαρουχ υἱὸς Χαλ. υἱὸς Ὁζ. υἱὸς Ἀ. υἱὸς Ἰ. υἱὸς Θ. υἱὸς τοῦ Δ. (3 septiens)

- Ne. 11. 6. πάντες υἱοὶ Φ. (8)  
 — 7. ΑΒ καὶ οὗτοι υἱ. Βεν. Σηλ. υἱός Μ. υἱός 'Ι. υἱός [Β om. 'Ι. υἱ.] 'Ι. υἱός Φ. υἱός Κ. υἱός Μ. υἱός Αλ. υἱός 'Ι. υἱός (3 ter, —, 3 quinquies)  
 — 9. 'Ι. υἱός Ζεχρὶ ... καὶ 'Ι. υἱός [Α om.] 'Ασ. (8, 3)  
 — 10. Δ. υἱός 'Ιω. (3)  
 — 11. Σαρ. υἱός 'Ελ. υἱός Μεσ. υἱός Σαδ. υἱός Μαρ. υἱός 'Α. (3 quinquies)  
 — 12. Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> 'Αδ. υἱός 'Ι. υἱοῦ Φ. υἱοῦ [Α om.] 'Αμ. [Β al.] (3 ter)  
 — 12. υἱός [Β<sup>2</sup>-οῦ] Ζαχ. υἱός Φασ. υἱός [Α om.] Μελχ. (3 ter)  
 — 13. καὶ 'Αμ. υἱός 'Ε. (3)  
 — 13. Β<sup>2</sup> υἱοῦ 'Αζ. υἱοῦ Μασ. υἱοῦ 'Ε. [Β al.] (3 ter)  
 — 14. Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> υἱός τῶν μεγάλων (3)  
 — 15. ἀπὸ τῶν Α. Σαρ. υἱός 'Ασ. υἱός 'Ε. (8, 3)  
 — 16. (15). Β<sup>2</sup> υἱός 'Αρ. υἱοῦ Β. (3, 3)  
 — 17. καὶ Μαθ. υἱός Μ. (3)  
 — 17. Β<sup>2</sup> υἱοῦ [cod. voi] Ζ. υἱοῦ 'Α. (3, 3)  
 — 17. Β<sup>2</sup> καὶ 'Αβδὰς υἱός Σαμμ. υἱοῦ Γ. υἱοῦ 'Ιδ. (3 ter)  
 — 17. ΑΒ Β<sup>2</sup> καὶ 'Ι. υἱός Σαμ. —  
 — 22. καὶ ἐπίσκοπος Α. υἱός [Β<sup>2</sup>-οῦ] Β. [Β add. υἱός] 'Οζεί υἱός [Β<sup>2</sup> υἱοῦ] 'Ασ. [Β<sup>2</sup> add. υἱοῦ Μαθθ.] υἱός [Β<sup>2</sup>-οῦ] Μ. (3, —, 3, [3], 3)  
 — 22. ἀπὸ υἱῶν [Β τῶν υἱ.] 'Ασ. τῶν ῥδόντων (3)  
 — 24. καὶ Π. υἱός Βασ. (3)  
 — 24. Β<sup>2</sup> ἀπὸ τῶν Ζ. υἱοῦ 'Ι. (3)  
 — 25. ἀπὸ υἱῶν 'Ι. ἐκάθισαν ἐν Κ. (3)  
 — 31. καὶ οἱ [Α om.] υἱ. Βεν. ἀπὸ Γ. (3)  
 12. 1. οἱ ἀναβάντες μετὰ Ζορ. υἱοῦ Σαλ. (3)  
 — 23. υἱοὶ Λευί (3)  
 — 23. ὥς ἡμέραν 'Ι. υἱοῦ [Β<sup>1</sup>-ος] 'Ελ. (3)  
 — 24. καὶ οἱ Καθμ. καὶ οἱ ἀδ. αὐ. (3)  
 — 26. Β Β ἐν ἡμέραις 'Ιωακείμ υἱοῦ 'Ιησ. υἱοῦ [Α Β om.] 'Ι. (8, 3)  
 — 28. συνήχθησαν οἱ υἱ. τῶν ῥδόντων (3)  
 — 35. καὶ ἀπὸ υἱῶν τῶν Ἰ. ἐν σάββατι Ζ. υἱός 'Ι. υἱός Σαμ. υἱός Μ. υἱός [Α οἱ υἱ.] Μιχ. υἱός Ζ. υἱός 'Α. (3 septies)  
 — 45. ὡς ἐνθολαί Δ. καὶ Σαλ. υἱοῦ αὐ. (3)  
 — 47. καὶ οἱ Α. ἀμείζοντες τοῖς υἱ. 'Α. (3)  
 13. 2. οὐ συνήχθησαν τοῖς υἱ. 'Ισρ. ἐν ῥητῳ (3)  
 — 13. ἐπὶ χεῖρα αὐ. 'Α. υἱός Ζαχ. υἱός Μ. (3, 3)  
 — 16. πᾶσαν πρᾶξιν πωλοῦντες ... τοῖς υἱ. 'Ι. (3)  
 — 17. ἐμαγαράμην τοῖς υἱ. 'Ι. τοῖς ἐλευθέροις (3)  
 — 24. καὶ οἱ υἱ. αὐ. ἦσαν λαοὶ υἱοῦ 'Αζ. (3)  
 — 25. ἐὰν δώτε τὰς θυγατέρας ὑμῶν τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
 — 25. ἐὰν Ἀβρὴν ἀπὸ τῶν θυγ. αὐ. τοῖς υἱ. ὕμῶν (3)  
 — 28. ἀπὸ υἱῶν 'Ι. τοῦ 'Ελ. (3)  
 Το. 1. 6. εἰδόντων αὐτὰς τοὺς ἱερεῖς τοῖς υἱ. 'Α. —  
 — 7. τὴν δεκάτην εἰδόντων τοῖς υἱ. Λευί [Β al.] (3)  
 — 8. Β<sup>1</sup> τοὺς προκεκρίμενους τοῖς υἱοῖς 'Ισρ. [Β<sup>2</sup> al.] (3)  
 — 9. Β ἐγέννησα ἐξ αὐτῆς υἱόν [Α Β al.] (3)  
 — 15. ἐβασίλευσε Σενν. ὁ [Β om.] υἱ. αὐτοῦ ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 18. Β πολλοὺς γὰρ ἀπέκτεινεν ... ἐκ τῶν υἱ. 'Ισρ. [Α Β al.] (3)  
 — 20. οὐ κατελείφθη μοι οὐδὲν πλην ... Τ. τοῦ υἱ. μου (3)  
 — 21. ὥς οὐ ἀπέκτειναν αὐτὸν οἱ δύο υἱ. αὐ. (3)  
 — 21. Α Β ἐβασίλευσε Σαχερδονός ὁ [Β Β om.] υἱ. αὐ. ἀντ' αὐτοῦ (3)  
 — 21. Β 'Αχ. τὴν 'Αναήλ υἱόν [Α τὸν υἱ.] τοῦ ἀδελφοῦ μου [Β τὸν τοῦ ἀδ. μου υἱ.] (3)  
 — 22. κατέστησεν αὐτὸν ὁ Σαχ. υἱός [Β om.] ἐκ δευτέρως (3)  
 2. 1. ἀπεδόθη μοι ... Τ. ὁ υἱ. μου (3)  
 — 2. εἶπα τῷ [Β add. Ταβεία τῷ] υἱ. μου (3)  
 — 9. μὴ ἴδοιμὲν σου [Β<sup>1</sup> om.] υἱόν (3)  
 — 15. Α Β οὐδὲ ὑπάρχουν αὐτῷ υἱός (3)  
 — 17. Σάρραν ... δοῦναι Ταβεία τῷ υἱ. Ταβείτ γυναικα [Β al.] (3)  
 4. 2. τί οὐ καλῶ Ταβείαν τὸν υἱ. μου (3)  
 — 3. Β ἐκάλειν Ταβείαν τὸν υἱ. αὐ. [Α Β al.] (3)  
 — 12. Α Β υἱοὶ προφῆτων ἔρχονται (3)  
 — 13. Α Β μὴ ὑπερηφάνηται τῇ καρδίᾳ σου ἀπὸ ... τῶν υἱ. ... τοῦ λαοῦ σου (3)  
 5. 3. Β εἶπεν Ταβεία τῷ υἱ. αὐ. (3)  
 — 5. Β ἐκ τῶν υἱ. 'Ισρ. τῶν ἀδ. σου (3)  
 — 8. Β ἀνθρώπων ἐμῶν τῶν ἀδ. ἡμῶν τῶν υἱ. 'Ισρ. [Α Β al.] (3)  
 — 9. Β Ταβείας ὁ υἱ. μου θελεῖ πορευθῆναι (3)

- Το. 5. 11. Α Β δε συμπορεύεται μετὰ τοῦ υἱ. σου (3)  
 — 13. ἐπενέγκον ... 'Αν. καὶ 'Ι. τοὺς υἱ. Σερ. [Β al.] (3)  
 — 14. τὰ δέοντά σοι ὡς καὶ τῷ υἱ. μου [Β al.] (3)  
 — 14. Β πορεύθη μετὰ τοῦ υἱ. μου (3)  
 — 16. Β ἐκάλεισε τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 — 16. Β ἠτοίμασεν ὁ υἱ. αὐ. τὰ πρὸς τὴν ὁδόν (3)  
 6. 10. Β υἱός ὁσον οὐδὲ θυγάτηρ ὑπάρχει αὐτῷ [Α Β al.] (3)  
 — 14. υἱ. ἕτερος οὐκ ὑπάρχει αὐτοῖς (3)  
 7. 3. ἐκ τῶν υἱ. Νεφθ. (3)  
 — 7. Β ὁ τοῦ καλοῦ καὶ ἀγαθοῦ ἀνθρώπου υἱός [Α Β om., Β al.] (3)  
 9. 5. Β ὑπέδειξεν αὐτῷ περὶ Ταβ. τοῦ υἱ. Ταβ. (3)  
 10. 1. Β καὶ ὁ υἱ. αὐ. οὐ παρὴν [Α Β al.] (3)  
 — 4. Β καὶ θρηνεῖν περὶ τοῦ υἱ. αὐ. [Α Β al.] (3)  
 — 7. Β ἦ φησι ὁ υἱ. αὐ. (3)  
 — 7. Α Β οὐ διεκρίνανε θρηνούσα Ταβ. τὸν υἱ. αὐ. [Β al.] (3)  
 11. 4. Β ἐκ τῶν ὀπίσω αὐτοῦ καὶ τοῦ υἱ. αὐ. [Α Β al.] (3)  
 — 6. ἰδοὺ ὁ υἱ. μου [Α Β σου] ἔρχεται (3)  
 — 9. ἐπέσειεν ἐπὶ τὸν τράχηλον τοῦ υἱ. αὐ. (3)  
 — 10. ὁ δὲ υἱ. προσέδραμεν αὐτῷ [Β al.] (3)  
 — 13. Α Β ἰδὼν τὸν υἱ. αὐτοῦ (3)  
 — 15. βλέπω Ταβείαν τὸν υἱ. μου (3)  
 — 15. εἰσῆλθεν ὁ υἱ. αὐτοῦ χεῖρας [Β al.] (3)  
 — 17. Β Σάρρα τῇ γυναικὶ Ταβ. τοῦ υἱ. αὐ. [Α Β al.] (3)  
 — 17. Β καὶ εὐλογημένος Ταβ. ὁ υἱ. μου (3)  
 12. 1. ἐκάλεισε Ταβείτ Ταβείαν τὸν υἱ. αὐ. (3)  
 13. 3. ἐξομολογήσθε αὐτῷ, οἱ υἱ. 'Ισραὴλ (3)  
 — 9. Α Β μαστιγώσῃ ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν υἱ. σου (3)  
 — 9. Α Β ἐλθέτω τοῖς υἱ. τῶν δικαίων (3)  
 — 13. ἀγαλλίασαι ἐπὶ τοῖς υἱ. [Β πρὸς τοὺς υἱ.] τῶν δικαίων (3)  
 14. 3. ἐκάλεισε τὸν υἱ. αὐτοῦ καὶ τοὺς υἱ. αὐ. [Β al.] (3)  
 — 3. λάβε τοὺς υἱ. σου [Β al.] (3)  
 — 7. Β πάντες οἱ υἱ. τοῦ 'Ισρ. οἱ σωζόμενοι (3)  
 — 12. Α Β ἀπῆλθε δὲ Ταβ. μετὰ ... τῶν υἱ. αὐ. [Β al.] (3)  
 — 15. Β οἱς ἐποίησεν ἐπὶ τοὺς υἱ. Νεν. (3)  
 Ju. 1. 6. εἰς παρατάξιν υἱῶν Χ. (3)  
 — 12. ἀνελείν ... τοὺς υἱ. [Α<sup>3</sup>-ων] 'Α. (3)  
 — 23. ἐπρονόμισαν υἱ. πάντας [Β αὐτοὺς π. καὶ τοὺς υἱ.] Ρ. καὶ υἱοὺς 'Ισμ. (3)  
 — 26. ἐκύκλωσε πάντας τοὺς υἱ. Μαδ. (3)  
 4. 1. ἤκουσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 8. ἐποίησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. καθὰ συνέταξεν (3)  
 5. 1. οἱ [Α om.] υἱ. 'Ισρ. παρεσκευάσαντο εἰς πόλεμον (3)  
 — 2. Α<sup>2</sup> ἐκάλεισε ... τοὺς στρατηγούς υἱούς [Α<sup>1</sup> Β Β om.] 'Α. (3)  
 — 3. ἀναγγέλλετε δὴ μοι, υἱοὶ [Β οἱ υἱ.] Χαν. (3)  
 — 5. ὁ ἡγουμένος πάντων υἱ. 'Α. (3)  
 — 23. οὐ γὰρ φοβήθησθε ἀπὸ υἱῶν 'Ισρ. (3)  
 6. 1. (Α Β), 2 (Β Β), καὶ πρὸς πάντας υἱ. [Α τοὺς υἱ.] Μ. (3)  
 — 10. παραδοῦναι εἰς χεῖρας υἱῶν 'Ισρ. (3)  
 — 14. καταβάντες δὲ οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 15. καὶ Χ. υἱός Μελχ. [Β<sup>1</sup> al.] (3)  
 — 17. ἐν μέσῳ τῶν ἀρχόντων υἱῶν 'Α. (3)  
 7. 1. ποιεῖν πόλεμον πρὸς τοὺς υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 4. οἱ δὲ υἱ. 'Ισρ. ... ἐταριχίσθησαν σφόδρα (3)  
 — 6. κατὰ πρόσωπον τῶν [Β om.] υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 8. πάντες ἀρχόντες υἱῶν 'Ησ. (3)  
 — 10. ὁ γὰρ λαὸς οὗτος τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 17. ἀπῆρε παρεμβολὴ υἱῶν 'Α. [Α al.] (3)  
 — 17. μετ' αὐτῶν χιλιίδες πέντε υἱῶν 'Α. (3)  
 — 17. καὶ τὰς πηγὰς τῶν υἱῶν τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 18. ἀνέβησαν οἱ υἱ. 'Η. καὶ οἱ υἱ. 'Α. (3)  
 — 19. οἱ υἱ. 'Ισρ. ἀνέβησαν πρὸς κ. θεόν αὐ. (3)  
 — 24. οὐ λαλήσαιτες εἰρημικὰ μετὰ υἱῶν 'Α. (3)  
 8. 1. 'Ι. θυγάτηρ Μερ. υἱοῦ 'Ωξ υἱοῦ 'Ι. υἱοῦ 'Οζ. υἱοῦ 'Ελκ. (3)  
 — 1. Α Β υἱοῦ 'Αν. υἱοῦ Γελ. υἱοῦ 'Ραφ. υἱοῦ 'Α. (3)  
 — 1. υἱοῦ 'Ηλ. υἱοῦ Χελκ. [Α om. υἱ. Χ.] υἱοῦ 'Ελ. υἱοῦ Ναθ. υἱοῦ Σαλ. υἱοῦ Σαρ. υἱοῦ 'Ισρ. (3)  
 — 12. ἐν μέσῳ υἱῶν ἀνθρώπων (3)  
 — 16. οὐδὲ ὡς υἱὸς ἀνθρώπου διατηθήσεται (3)  
 — 32. δ ἀφίξεται εἰς γενεὰς γενεῶν υἱοῖς [Β τοῖς υἱ.] τοῦ γένους ἡμῶν (3)  
 9. 4. εἰς δαιρέσιν υἱῶν [Β add. 'Ισρ. τῶν] ἡγαπημένων ὑπὸ σοῦ (3)  
 — 13. καὶ οἴκου κατασχέσεις υἱῶν σου (3)  
 10. 8. εἰς γανρίμπα υἱῶν 'Ισρ. (3)  
 — 19. ἐθαύμαζον τοὺς υἱ. 'Ισρ. ἀπ' αὐτῆς (3)  
 12. 8. Α Β εἰς ἀνάστημα τῶν υἱ. τοῦ λαοῦ αὐ. (3)

- Ju. 12. 13. Α Β ὡς θυγάτηρ μία τῶν υἱ. 'Ασρ. (3)  
 14. 2. εἰς τὴν προφυλακὴν υἱῶν 'Ασρ. (3)  
 — 12. οἱ δὲ υἱ. 'Ασρ. ὡς εἶδον αὐτοὺς (3)  
 15. 3. οἱ υἱ. 'Ισρ. ... ἐξεχύθησαν (3)  
 — 5. ὡς δὲ ἤκουσαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)  
 — 7. οἱ δὲ υἱ. 'Ισρ. ἀναστρέψαντες (3)  
 — 8. καὶ ἡ γενοῦσα τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  
 16. 7. οὐδὲ υἱοὶ Τιτάνων ἐπάταξαν αὐτοὺς (3)  
 — 12. υἱοὶ κορασίων κατεκίνησαν αὐτοὺς (3)  
 — 25. οὐκ ἦν ἐτι ὁ ἐκφοβῶν τοὺς υἱ. 'Ισρ. (3)  
 Es. 5. 11. Β<sup>2</sup> καὶ τὸ πλῆθος τῶν υἱ. αὐ. (3)  
 8. 5. Β<sup>2</sup> ὑπὸ 'Α. υἱοῦ 'Αμ. [Α Β Β<sup>1</sup> om. υἱ. 'Α.] (3)  
 — 12. δῖπας δὲ υἱοῦς [Β<sup>1</sup>-οῖς] τοῦ ὑψίστου ... θεοῦ (3)  
 9. 10. ἀπέκτειναν ... τοὺς δέκα υἱ. 'Α. (3)  
 — 12. Β<sup>2</sup> καὶ τοὺς δέκα υἱοὺς 'Α. (3)  
 — 13. ὥστε τοὺς δέκα υἱ. 'Α. κρεμάσαι [Β<sup>1</sup> al.] (3)  
 — 14. τὰ σώματα τῶν υἱ. 'Α. κρεμάσαι [Β<sup>1</sup> al.] (3)  
 10. 3. εἰσῆγγεκε Δ. ... καὶ Πτ. ὁ [Α om.] υἱ. αὐ. (3)  
 Jb. 1. 2. ἐγένοντο δὲ αὐτῷ υἱοὶ ἐπτά (3)  
 — 4. συμπορευόμενοι δὲ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ πρὸς ἀλλήλους (3)  
 — 5. μὴ ποτε οἱ υἱοὶ μου ... κακὰ ἐνενοήσαν (3)  
 — 13. οἱ υἱοὶ 'Ιωβ ... ἔπινον οἶνον (3)  
 — 18. Α τῶν υἱῶν σου ... ἐσθλόντων καὶ πινόντων παρὰ τῷ υἱῷ σου [Β Β al.] (3)  
 — 2. 9. υἱοὶ [Α υἱοὶ σου] καὶ θυγατέρες ἐμῆς κοιλίας ὡδίνες καὶ πόνοι (3, †)  
 5. 4. πόρρω γένοιτο [Α ἐγένοντο] οἱ υἱοὶ αὐτῶν ἀπὸ σωτηρίας (3)  
 8. 4. εἰ οἱ [Α Β om.] υἱοὶ σου ἤμαρτον (3)  
 14. 21. πολλὰν δὲ γενομένην τῶν υἱῶν αὐ. (3)  
 16. 22 (21). Β καὶ υἱῷ [Α -ὄς] ἀνθρώπου τῷ πλησίον αὐτοῦ (3)  
 17. 5. Α Β Β<sup>2</sup> ἐφθάσαι δὲ ἐφ' υἱοῖς ἐτάκχουν (3)  
 19. 17. προσεκαλομένη δὲ κολακίων υἱοὺς παλ-λακίδων μου (3)  
 20. 10. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ ὀλέσασαν [Α θλά-σσαν] ἤττονες (3)  
 21. 19. ἐκλείπει υἱοὺς [Α -οῖς] τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (3)  
 — 26. Α Β<sup>2</sup> οἱ υἱοὶ αὐτοῦ [Β Β<sup>1</sup> om. οἱ υἱοὶ αὐ.] ἐπὶ γῆς κοιμηθήσονται (3)  
 25. 6. καὶ υἱὸς ἀνθρώπου σκόληξ (3)  
 27. 14. ἐὰν δὲ πολλοὶ γένωνται οἱ υἱοὶ αὐ. (3)  
 28. 8. οὐκ ἐπάτησαν αὐτὸν [Α Β -ῆν] υἱοὶ ἀλαζόνων (3)  
 30. 8. ἀφρόνων υἱοὶ καὶ ἀτίμων (3)  
 35. 8. καὶ υἱὸς ἀνθρώπου ἡ δικαιοσύνη σου (3)  
 42. 13. γεννῶνται δὲ αὐτῷ υἱοὶ ἐπτά (3)  
 — 15. Α οὐχ εὐρέθησαν κατὰ τὰς 'Ιωβ θυγατέρας καὶ τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ [Β Β om. καὶ τ. υἱ. αὐ.] (3)  
 — 26. εἶδεν 'Ιωβ τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ καὶ τοὺς υἱοὺς τῶν υἱῶν αὐτοῦ (3 ter)  
 — 18. γυνὴ υἱὸς ὁ νομα 'Εννὼν (3)  
 — 18. ἦν δὲ αὐτὸς πατρις μὲν Ζαρὲ ἐκ [Α Β om.] τῶν 'Ησαὺ υἱῶν υἱός (3)  
 — 18. μετὰ δὲ τούτων 'Αδὰδ υἱός Βαράδ (3)  
 — 18. Α 'Ελιφάξ υἱός Ζ. [Β Β om. υἱ. Ζ.] τῶν 'Ησαὺ υἱῶν (3)  
 — 18. Α Β υἱός Α. τοῦ Χ. [Β Β om. υἱ. Α. τ. Χ.] (3)  
 — 18. Α Θαιμάν υἱός 'Ελιφάξ (3)  
 Ps. 2. 7. υἱός μου εἰ σύ (3)  
 3. τί. ὅποτε ἀπεδίδρασκεν ἀπὸ προσώπου 'Αβ. τοῦ υἱ. αὐτοῦ (3)  
 4. 2. υἱοὶ ἀνθρώπων, ὥς πότε βαρυκάρδιοι (3)  
 7. τί. ὅν ἦσε τῷ κυρίῳ ὑπὲρ τῶν λόγων Χουσί υἱοῦ 'Ιεμ. (3)  
 8. 4. ἡ υἱὸς ἀνθρώπου οὗ ἐπισκέπη αὐτὸν (3)  
 9. τί. εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν κρυφίων τοῦ υἱ. (3)  
 10 (11). 5 (4). τὰ βλεφάρων αὐτοῦ ἐξετάζει τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)  
 11 (12). 1. ὠλιγόησαν οἱ ἀλήθεια ἀπὸ τῶν υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)  
 — 8. ἐπολυνώσας τοὺς [Α πάντας τοὺς] υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)  
 13 (14). 2. Α<sup>2</sup> Β Β κύριος ἐκ τοῦ οὐρανοῦ διέ-κυψεν ἐπὶ τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)  
 16 (17). 14. Α ἐχορτάσθησαν υἱῶν [Β Β υἱῶν] (3)  
 17 (18). 44. υἱοὶ [Α οἱ υἱ.] ἀλλότριος ἐψεύσασθό μοι (3)  
 — 45. υἱοὶ ἀλλότριος ἐπαλαιώθησαν (3)  
 20 (21). 10. καὶ τὸ σπέρμα αὐτῶν ἀπὸ υἱῶν ἀνθρώπων (3)



Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ, υἱοὶ θεοῦ, ἐνέ-  
κατε τῷ κυρίῳ υἱοὺς κριῶν (8, 3 ?)  
— 6. ὁ ἡγαπημένος ὡς υἱὸς μονοκεράτων (8)  
30 (31). 19. ἐξαιρέσω . . . ἐναντίον τῶν υἱῶν  
ἀνθρώπων (8)  
32 (33). 13. εἶδε πάντας τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (8)  
35 (36). 7. οἱ δὲ υἱοὶ [A οἱ υἱοὶ] τῶν ἀνθρώπων  
ἐν σκέπῃ [B<sup>1</sup> εἰς σκέπῃ] τῶν πτερυ-  
γων σου ἐλπίοις (8)  
41 (42). 11. εἰς τὸ τέλος εἰς συνέσεις τοῖς υἱοῖς Κορέ (8)  
42 (43). 11. A εἰς τὸ τέλος συνέσεις τοῖς υἱοῖς Κορέ -  
43 (44). 11. εἰς τὸ τέλος τοῖς υἱοῖς Κορέ (8)  
44 (45). 11. B B τοῖς υἱοῖς Κορέ εἰς συνέσεις (8)  
— 2. ὥραιοι κάλλει παρὰ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων  
— 16. ἀντὶ τῶν πατέρων σου ἐγενήθησάν σοι  
υἱοὶ [B<sup>1</sup> υἱοὶ σου] (8)  
45 (46). 11. B εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν υἱῶν [B τ.  
τοῖς υἱοῖς] Κορέ (8)  
46 (47). 11. B εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν υἱῶν Κορέ  
ψαλμοὶς [A εἰς τὸ τ. ψ. τῷ Δαυίδ] (8)  
47 (48). 11. B ψαλμοὶς ψόδης τοῖς υἱοῖς Κορέ δευτέρα  
σαββάτου [A B al.] (8)  
48 (49). 11. B εἰς τὸ τέλος τοῖς υἱοῖς Κορέ  
ψαλμοὶς [A ψ. τῷ Δαυίδ] (8)  
— 2. οἱ τε γηγενεῖς καὶ οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (8)  
49 (50). 20. κατὰ τοῦ υἱοῦ τῆς μητρὸς σου ἐτίθεις  
σκάνδαλον (8)  
52 (53). 2. δίκαιον ἐπὶ τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων (8)  
56 (57). 4. υἱοὶ ἀνθρώπων οἱ ὀδόντες αὐτῶν  
ὄπλων καὶ βέλη (8)  
57 (58). 1. εὐθὺς κρίνετε, οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (8)  
61 (62). 9. πλὴν μάταιοι οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων  
ψευδεῖς οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων ἐν  
ζυγοῖς τοῦ ἀδικῆσαι (8, 8)  
65 (66). 5. φοβερὸς ἐν βουλαῖς ὑπὲρ τοὺς υἱοὺς  
τῶν ἀνθρώπων (8)  
68 (69). 8. καὶ ξένος τοῖς υἱοῖς τῆς μητρὸς σου (8)  
70 (71). 11. τῷ Δαυὶδ υἱῶν Ἰωνάδαβ (8)  
71 (72). 1. καὶ τὴν δικαιοσύνην σου τῷ υἱοῦ τοῦ  
βασιλέως (8)  
— 4. σάσεις τοὺς υἱοὺς τῶν πενήτων (8)  
— 20. ἐξέλιπον οἱ ὕμνοι Δαυὶδ τοῦ υἱοῦ Ἰεσσαί (8)  
72 (73). 15. τῷ γενεῖ τῶν υἱῶν σου πισυνθήκη (8)  
76 (77). 15. ἐλυτρώσω . . . τοὺς υἱοὺς Ἰακώβ καὶ  
Ἰσοῦφ (8)  
77 (78). 5. γνωρίσαι αὐτὸν τοῖς υἱοῖς αὐτῶν (8)  
— 6. πῶς ὦν γὰρ αὐτὸς ἑτέρα υἱοὶ οἱ τεχθη-  
σόμενοι (8)  
— 6. ἀπαγγέλλουσιν αὐτὰ τοῖς υἱοῖς αὐτῶν (8)  
— 9. B<sup>3</sup> B υἱοὶ Ἐφραὶμ ἐντιμωμένοι καὶ βάλ-  
λοντες τόξους [B<sup>1</sup> B -on] (8)  
78 (79). 11. περιποίησαι τοὺς υἱοὺς τῶν τεθνατω-  
μένων (8)  
79 (80). 15, 17. καὶ ἐπὶ υἱὸν ἀνθρώπου ὃν ἐκρα-  
ταίσεις σεαυτῷ (8)  
81 (82). 6. καὶ υἱὸν ὑψίστου πάντες (8)  
82 (83). 8. ἐγενήθησαν εἰς ἀντίληψιν τοῖς υἱοῖς  
Δαὶ (8)  
83 (84). 11. τοῖς υἱοῖς Κορέ ψαλμοὶς (8)  
84 (85). 11. εἰς τὸ τέλος τοῖς υἱοῖς Κορέ ψαλμοὶς (8)  
85 (86). 16. σῶσον τὸν υἱὸν τῆς παιδείας σου (8)  
86 (87). 11. τοῖς υἱοῖς Κορέ ψαλμοὶς ψόδης (8)  
87 (88). 11. ψόδης ψαλμοῦ τοῖς υἱοῖς Κορέ (8)  
88 (89). 6. τίς ὁμοιωθήσεται τῷ κυρίῳ ἐν υἱαῖς  
θεοῦ (8)  
— 19. τότε ἐλάλησας ἐν ὁράσει τοῖς υἱοῖς σου (8)  
— 22. υἱὸς ἀνομίας οὐ προσθήσει τοῦ κακῶσαι  
[A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> οὐ κακῶσαι] αὐτὸν (8)  
— 30. ἐὰν ἐγκαταλίπωσιν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ τὸν νόμον  
σου (8)  
— 47. μὴ γὰρ ματαίως ἔκτισας πάντας τοὺς υἱοὺς  
τῶν ἀνθρώπων (8)  
89 (90). 3. ἐπιστρέψατε, υἱοὶ ἀνθρώπων [A οἱ  
υἱοὶ τῶν υἱῶν] (8)  
— 16. ὁδηγῶσιν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (8)  
101 (102). 20. τοῦ λύσαι τοὺς υἱοὺς τῶν τεθνα-  
τωμένων (8)  
— 28. οἱ [A om.] υἱοὶ τῶν δούλων σου κατα-  
σκηνώσουσι (8)  
102 (103). 7. τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ τὰ θελήματα αὐτοῦ (8)  
— 13. καθὼς οἰκτερεῖ πατὴρ υἱοὺς αὐτοῦ (8)  
— 17. ὁ δικαιοσύνη αὐτοῦ ἐπὶ υἱοῖς [B<sup>3</sup> -ὸν]  
υἱῶν (8, 8)  
104 (105). 6. υἱοὶ Ἰακώβ ἐλεεκτοὶ αὐτοῦ (8)  
105 (106). 37. ἔθενσαν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν . . . τοῖς  
δομωμένοις (8)

Ps. 105 (106). 38. αἶμα υἱῶν αὐτῶν καὶ θυγατέρων (8)  
106 (107). 8, 15, 21, 31. καὶ τὰ θαυμάσια υἱῶν  
τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων (8)  
108 (109). 9. γεννήθησαν οἱ υἱοὶ αὐτοῦ ὀρφανοὶ  
αὐτοῦ (8)  
— 10. σαλευόμενοι μεταναστήσων οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (8)  
113. 22 (115. 14). εἴψ' ὑμᾶς καὶ ἐπὶ τοὺς υἱοὺς ὑμῶν (8)  
— 24 (115. 16). τὴν δὲ γῆν ἔδωκε τοῖς υἱοῖς τῶν  
ἀνθρώπων (8)  
115. 7 (118. 16). ἐγὼ δούλος σὸς καὶ υἱὸς τῆς  
παίδεώς σου (8)  
126 (127). 3. ἰδοὺ ἡ κληρονομία κυρίου υἱοῖς  
— 4. οὕτως οἱ υἱοὶ τῶν ἐκτεταγμένων (8)  
127 (128). 3. οἱ υἱοὶ σου ὡς νέφυτα ἐλαίων (8)  
— 6. ἰδοὺ υἱοὺς τῶν υἱῶν σου (8, 8)  
131 (132). 12. ἐὰν φυλάσσεται οἱ [A om.] υἱοὶ  
σου τὴν διὰθεκνῃ μου (8)  
— 12. οἱ υἱοὶ αὐτῶν ὅσος τοῦ αἵματος καθιόνται  
ἐπὶ τοῦ θρόνου [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> τὸν θρ.] σου (8)  
136 (137). 7. μνησθήτι, κύριε, τῶν υἱῶν Ἐδὼμ  
142 (143). 11. ὅτε αὐτὸν ὁ υἱὸς καταδίωκε (8)  
143 (144). 3. ἡ υἱὸς ἀνθρώπου ὅτι λογίζῃ αὐτὸν  
— 7. ῥῥαί με . . . ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτριῶν (8)  
— 11. ἐξελού με ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτριῶν (8)  
— 12. ὦν οἱ [B om.] υἱοὶ [A B<sup>2</sup> υἱοὶ αὐ.] ὡς νεόφυτα (8)  
144 (145). 12. τοῦ γνωρίσαι τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώ-  
πων τὴν δυναστείαν [A δύναμιν] σου (8)  
145 (146). 3. μὴ πεποιθᾶτε ἐπ' ἄρχοντας καὶ ἐφ'  
υἱοὺς ἀνθρώπων (8)  
147. 2 (13). εὐλόγησε τοὺς υἱοὺς ἐν σοὶ  
148. 14. ὕμνος πᾶσι τοῖς ὁσίοις αὐτοῦ τοῖς υἱοῖς  
Ἰσραὴλ [B<sup>1</sup> al.] (8)  
149. 2. υἱοὶ Σιών ἀγαλλίσθησαν ἐπὶ τῷ βα-  
σιλεὶ αὐτῶν (8)  
151. 7. ἦρα δνειδὸς ἐξ υἱῶν Ἰσραὴλ (8)  
Pr. 1. 1. παρομῖαι Σαλωμῶντος υἱοῦ Δαυὶδ (8)  
— 8. ἀκούε, υἱέ, παιδείαν [A B νόμους] πατρός  
σου (8)  
— 10. υἱέ, μὴ σε πλανήσωσιν ἄνδρες ἀσεβεῖς (8)  
— 15. B<sup>3</sup> υἱέ [A B B<sup>1</sup> om.], μὴ πορευθῇς ἐν  
ὁδῷ μετ' αὐτῶν (8)  
2. 1. υἱέ, ἐὰν δεξιόμενος ῥίψιν ἐμῆς ἐντολῆς  
κρίνῃς παρὰ σεαυτῷ (8)  
— 2. παραβλέπεις δὲ αὐτὴν ἐπὶ νοουθήσιν τῷ  
υἱοῦ σου (8)  
— 16. υἱέ, μὴ σε καταλάβῃ κακὴ βουλή (8)  
3. 1. υἱέ, ἐμὸν νομῶν μὴ ἐπιλανθάνου (8)  
— 11. υἱέ, μὴ ἐλιγνῶρε παιδείας κυρίου (8)  
— 12. μαστῖνὸν δὲ πάντα υἱὸν ὃν παραδέχεται (8)  
— 21. υἱέ, μὴ παραρρῖνῃς (8)  
4. 3. υἱὸς γὰρ ἐγκύμων ἐκγόμ. πατρὶ ὑπήκοος (8)  
— 10. ἀκούε, υἱέ, καὶ δέξαι ἐμοὺς λόγους (8)  
— 20. υἱέ, ἐμὴ ῥῥοι πρόσεχε (8)  
5. 1. υἱέ, ἐμὴ σοφία πρόσεχε (8)  
— 7. νῦν οὖν, υἱέ, ἀκούε μου (8)  
6. 1. υἱέ, ἐὰν ἐγγύστη σὺν φίλῳ (8)  
— 3. ποιεῖ, υἱέ, ἂν ἐγὼ σοὶ ἐντέλλομαι (8)  
— 20. υἱέ, φυλάσσε νόμον πατρός σου (8)  
7. 1. υἱέ, φυλάσσε ἐμοὺς λόγους (8)  
— 2. υἱέ, τίμα τὸν κύριον (8)  
— 24. νῦν οὖν, υἱέ, ἀκούε μου (8)  
8. 4. προῖμαι ἐμὴν φωνὴν υἱοῖς ἀνθρώπων (8)  
— 31. εὐφραίνετο ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων (8)  
— 32. νῦν οὖν, υἱέ, ἀκούε μου (8)  
9. 12. υἱέ, ἐὰν σοφὸς γένῃ σεαυτῷ (8)  
10. 1. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα υἱὸς δὲ  
ἀφρων λήπῃ τὴν μητρί (8, 8)  
— 4. υἱὸς πεπαιδευμένος σοφὸς ἔσται (8)  
— 5. διεσώθη ἀπὸ καυμάτων υἱὸς νοήμων ἀνεμύ-  
φθορος δὲ γίνεται ἐν ἀμύτῃ υἱὸς πα-  
ράνομος (8, 8)  
11. 19. υἱὸς δικαίος γεννᾶται εἰς ζωὴν (8)  
13. 1. υἱὸς πανουργὸς ὑπήκοος πατρὶ [B<sup>1</sup> μητρί]  
υἱὸς δὲ ἀνίκος ἐν ἀπωλείᾳ (8, -)  
— 13. υἱὸς δολίῳ οὐδὲν ἔσται ἀγαθόν (8)  
— 22. ἀγαθὸς ἀνὴρ κληρονομήσει υἱὸς υἱῶν (8, 8)  
— 24. ὃς φείδεται τῆς βακτηρίας μισεῖ τὸν υἱὸν  
αὐτοῦ (8)  
15. 20. υἱὸς σοφὸς εὐφραίνει πατέρα υἱὸς δὲ  
ἀφρων μωκτηρὶς ἐν μητέρα αὐτοῦ (8, +)  
16. 15. ἐν φωτὶ ζωῆς υἱὸς βασιλείας (8)  
17. 21. οὐκ εὐφραίνεται πατὴρ ἐπὶ υἱῷ ἀπαι-  
δεύτῳ υἱὸς δὲ φρονιμος εὐφραίνει  
μητέρα (8, -)  
— 25. ὁργὴ πατρὶ ἔστιν υἱὸς ἀφρων (8)  
19. 13. ἀσχητὴ πατρὶ υἱὸς ἀφρων (8)

Pr. 19. 18. παίδευε υἱὸν σου (8)  
— 20. ἀκούε, υἱέ, παιδείαν πατρός σου (8)  
— 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάξει παιδείαν  
πατρός (8)  
23. 15. υἱέ, ἐὰν σοφὴ γένῃται σου ἡ καρδιά (8)  
— 19. ἀκούε, υἱέ, καὶ σοφὸς γίνου (8)  
— 22. ἀκούε, υἱέ, πατρός τοῦ γεννήσαντός σε (8)  
— 24. ἐπὶ δὲ υἱῷ σοφῷ εὐφραίνεται ἡ ψυχὴ αὐτοῦ (8)  
— 26. δός μοι, υἱέ, σὴν καρδίαν (8)  
24. 1. υἱέ, μὴ ζηλώσης κακοὺς ἀνδρας (8)  
— 13. φάγε μέλι, υἱέ (8)  
— 21. φοβοῦ τὸν θεόν, υἱέ (8)  
— 23 (29. 27). λόγον φυλασσόμενος υἱὸς ἀπω-  
λείας ἐκτός ἐσται (8)  
— 23 (29. 27). τοὺς ἐμοὺς λόγους, υἱέ, φοβήθητι (8)  
— 27 (30. 4). A<sup>3</sup> ἡ τῷ υἱ. αὐ. [A<sup>1</sup> B B al.] (8)  
— 70 (31. 2). πρωτογενεὶς σοὶ λέγω, υἱέ (8)  
27. 11. σοφὸς γίνου, υἱέ (8)  
— 27. υἱέ, παρ' ἐμοῦ ἔχεις ῥῥοις ἰσχυράς (8)  
28. 7. φυλάσσει νόμον υἱὸς συνετός (8)  
— 17. παίδευε υἱὸν σου καὶ ἀγαπήσει σε (8)  
29. 17. παίδευε υἱὸν σου καὶ ἀναπαύσει σε (8)  
Ec. 1. 1. ῥῥματα ἐκκλησιαστοῦ υἱοῦ Δαυὶδ (8)  
— 13. ἔδωκεν ὁ θεὸς τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων (8)  
2. 3. ποῖον τὸ ἀγαθόν τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων (8)  
— 8. καὶ ἐντροφήματα υἱῶν ἀνθρώπων (8)  
3. 10. ἔδωκεν ὁ θεὸς τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων (8)  
— 18. περὶ λαλιᾶς υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (8)  
— 19. A B αὐτοῖς συνάντημα [B οὐ σ., B ὡς  
σ.] υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (8)  
— 21. τίς οἶδε πνεῦμα υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου (8)  
4. 8. καὶ γε υἱὸς [B<sup>1</sup> om. καὶ γε υἱ.] καὶ γε ἀδελ-  
φὸς οὐκ ἔστιν αὐτῷ (8)  
5. 13. ἐγέννησεν υἱὸν (8)  
— 11. ἐκκληρονομήσῃ καρδίαν υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου (8)  
9. 3. καρδιά υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου ἐκκληρονομή-  
σιν (8)  
— 12. ὡς αὐτὰ παγιδεύονται οἱ υἱοὶ τοῦ ἀνθρώ-  
που (8)  
10. 17. μακαρία σὺ γῆ ἡς ὁ βασιλεὺς σου υἱὸς  
ἐλευθέρων (8)  
12. 12. περισσὸν ἐξ αὐτῶν, υἱέ μου, φυλάξει (8)  
Ca. 1. 6. υἱοὶ μητρὸς μου ἐμαχίσαντο ἐν ἐμοῖ (8)  
2. 3. οὕτως ἀδελφίδος μου ἀνὰ μέσον τῶν υἱῶν (8)  
Wi. 2. 18. εἰ γὰρ ἔστιν ὁ δικαίος υἱὸς θεοῦ (8)  
5. 5. πῶς κατελογίσθη ἐν υἱοῖς θεοῦ (8)  
9. 5. ἐγὼ δούλος σὸς καὶ υἱὸς τῆς παιδείας σου (8)  
— 6. κἄν γὰρ τις ἡ τέλειος ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων (8)  
— 7. σὺ με προεῖπας . . . δικαιοσύνην υἱῶν σου (8)  
12. 19. εὐέλπιδας ἐποίησας τοὺς υἱοὺς σου (8)  
— 21. μετὰ πόσης [B<sup>1</sup> πίσσης] ἀκριβείας ἔκρινας  
τοὺς υἱοὺς σου (8)  
16. 10. τοὺς δὲ υἱοὺς σου οὐδὲ ἰοβδῶν δρακόντων  
ἐνίκησαν ὀδόντες (8)  
— 26. ἴσα μάθωσιν οἱ υἱοὶ σου (8)  
18. 4. οἱ κατακτείνοντες φυλάξαντες τοὺς υἱοὺς σου (8)  
— 13. ὁμολόγησαν θεοῦ υἱὸν λαὸν εἶναι (8)  
Si. 1. 1. A B σοφία Ἰησοῦ Σιράχ [B σοφία Σειράχ]  
3. 2. κρίσιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς (8)  
4. 10. ἔση ὡς υἱὸς ὑψίστου (8)  
— 11. ἡ σοφία υἱὸς ἐαυτῇ ἀνύψωσεν (8)  
7. 3. υἱέ, μὴ σπείρει ἐπ' αὐλακας ἀδικίας (8)  
16. 1. μηδὲ εὐφραίνου ἐπὶ υἱοῖς ἀσεβέσις (8)  
17. 30. οὐκ ἀθάνατος υἱὸς [A ὁ υἱὸς] ἀνθρώπου (8)  
80. 1. ὁ ἀγαπῶν τὸν υἱὸν αὐτοῦ (8)  
— 2. ὁ παιδεύων τὸν υἱὸν αὐτοῦ (8)  
— 3. ὁ διδάσκων τὸν υἱὸν αὐτοῦ (8)  
— 7. A B<sup>3</sup> B περιψύχων υἱὸν [B B<sup>1</sup> -ων] (8)  
— 8. υἱὸς ἀνεκμενὸς ἐκβαίνει προαλῆς (8)  
— 13. παιδεύων τὸν υἱὸν σου (8)  
— 28 (33. 19). υἱὸς καὶ γυναικὶ . . . μὴ δῆς ἐξου-  
σίαν ἐπὶ σέ (8)  
— 30 (33. 21). ἡ σὲ ἐμβλέπει εἰς χεῖρας υἱῶν σου (8)  
31 (34). 20. ὅσων υἱὸν ἐναντὶ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (8)  
38. 22 (19). B<sup>1</sup> κατὰ τὴν εὐλογίαν Ἀαρὼν περὶ τοῦ  
υἱοῦ [A B B<sup>3</sup> λαοῦ] σου (8)  
— 28 (25). οὐκ ἔστιν ὁ ἀνὴρ αὐτῆς καθ' υἱοὺς ἀν-  
θρώπων (8)  
38. 25. ἡ διηγησὶς αὐ. ἐν υἱοῖς ταύρων (8)  
39. 13. εἰσακουσάτε μου, υἱοὶ δόσιοι (8)  
40. 1. ὑγρὸς βαρὺς ἐπὶ υἱοῖς [B -οις] Ἀδάμ (8)  
45. 9. εἰς μνημόσυνον υἱοῖς λαοῦ αὐτοῦ (8)  
— 13. πλὴν τῶν υἱῶν αὐτοῦ μόνον (8)  
— 23. Φινεὺς υἱὸς Ἐλεάζαρ τρίτος εἰς δόξαν (8)  
— 25. διαβήκη τῷ Δαυὶδ υἱῷ [B<sup>1</sup> -ὸν, A B<sup>3</sup> υἱῷ  
Ἰεσσαί] ἐκ φυλῆς Ἰ. (8)

|  |   |   |
|--|---|---|
| Si. 45. 25. κληρονομία βασιλείας υἱοῦ ἐξ υἱοῦ [B <sup>2</sup> 'Ιουδα] μόνου                | Is. 7. 1. ἐν ταῖς ἡμέραις 'Αχ. τοῦ 'Ι. τοῦ 'Ο. . .  | Je. 11. 22. οἱ υἱοὶ αὐτῶν . . . τελευτήσουσιν (3)   |
| 46. 1. Ἀκραταὶ ἐν πολέμῳ 'Ιησοῦς υἱὸς [B <sup>1</sup> δ, B <sup>2</sup> δ τοῦ, B om.] Ναυή | — 3. ὁ καταλειφθεὶς 'Ι. δ υἱ. [A ἀδελφός] σου (3)   | 13. 13. πληρῶ . . . τοὺς καθημένους υἱ. [B -οῦ] —   |
| — 7. αὐτὸς αὐτὸν Χαλὲβ υἱὸν 'Ιεφονή  | — 5. ὁ υἱ. τοῦ 'Αράμ καὶ ὁ υἱ. τοῦ 'Ρομ. (-, 3)   | — 14. διασκορπιῶ . . . τοὺς υἱ. αὐτῶν ἐν τῇ αὐτῇ (3)  |
| — 10. ὅπως ἴδωσι πάντες οἱ υἱοὶ 'Ισραὴλ  | — 6. Βασιλεῖς οὐκ αὐτῆς τὸν υἱ. 'Τ. (3)   | 14. 16. αἱ γυναῖκες αὐτῶν καὶ οἱ υἱοὶ αὐτῶν (3)   |
| — 12. τὸ ὄνομα αὐτῶν ἀντικαταλλάσσόμενον ἐφ' υἱοῖς διδοῦσιν αὐτῶν                          | — 9. ἡ κεφαλὴ Σομ. υἱ. [B δ υἱ.] τοῦ 'Ρομ. (3)  | 15. 4. διὰ Μανασσὴ υἱὸν 'Εζ. (3)  |
| 47. 2. οὕτως Δαυὶδ ἀπὸ τῶν [A B om.] υἱῶν 'Ισραὴλ  | — 14. τέτρεται υἱὸν (3)   | 16. 2. οὐ γεννηθήσεται σοι υἱ. οὐδὲ θυγάτηρ (3)   |
| — 12. μετὰ τοῦτον ἀνίστη υἱὸς ἐπιστήμων  | 8. 2. Ζαχαρίας υἱὸν Βαραχίου (3)  | — 3. τὰδε λέγει κύριος περὶ τῶν υἱ. (3)   |
| — 23. 'Ιεροβοάμ υἱὸν [B -ος] Ναβάρ   | — 3. ἔτεκεν υἱὸν (3)  | — 14. ὁ ἀναγαγὼν τοὺς υἱ. 'Ισρ. ἐκ γῆς Ἀλγ. (3)   |
| 48. 10. ἐπιστρέψαι καρδίαν πατρός πρὸς υἱὸν  | 9. 6 (5). υἱὸς καὶ ἰδὼθ' ἡμῖν [A B' ἡμῖν] (3)   | 17. 19. στήθι ἐν ταῖς πύλαις υἱῶν λαοῦ σου (3)  |
| 49. 12. οὕτως [B οὗτος] 'Ιησοῦς υἱὸς 'Ιωσεφίδ  | 11. 14. οἱ δὲ υἱ. 'Αμῶν πρῶτος ὑπακούσονται (3)   | 18. 21. δὲς τοὺς υἱ. αὐτῶν εἰς λιμὸν (3)  |
| 50. 1. Σίμων 'Ονίου υἱὸς ἱερέως ὁ μέγας  | 13. 1. ἦν εἶδεν 'Ησαίας υἱ. 'Αμώς (3)   | 19. 2. εἰς τὸ πολυάνδριον υἱῶν τῶν τέκνων αὐτῶν (3)   |
| — 13. πάντες οἱ [B om.] υἱοὶ 'Ααρῶν ἐν δόξῃ αὐτῶν  | 17. 3. οὐ γὰρ σὺ βελτιῶν εἶ τῶν υἱ. 'Ισραὴλ (3)   | — 5. τοῦ κατακαίειν τοὺς υἱ. αὐτῶν ἐν πυρὶ (3)  |
| — 16. τότε ἀνέκραγον υἱοὶ [A οἱ υἱοὶ] 'Ααρῶν   | — 9. ἀπὸ προσώπου τῶν υἱ. 'Ισραὴλ (3)   | — 6. οὐ κληθήσεται . . . Πολυάνδριον υἱοῦ 'Εννόμ (3)  |
| — 20. ἐπὶ πᾶσαν ἐκκλησίαν υἱῶν [A -φ] 'Ισρ.  | — 11. ὡς πατὴρ ἀνθρώπου κληρώσει τοὺς υἱ. σου —   | — 9. ἔδωκαν τὰς σάρκας τῶν υἱ. αὐτῶν (3)  |
| — 27. 'Ιησοῦς υἱὸς Σειράχ  | 19. 11. υἱοὶ συνετῶν, ἡμεῖς υἱοὶ βασιλέων (3, 3)  | 20. 1. ἤκουσε Πασχῶρ υἱ. 'Εμμήρ ὁ ἱερεὺς (3)  |
| 51. 1. προσηυχή 'Ιησοῦ υἱοῦ Σειράχ   | 20. 2. πρὸς 'Ησαίαν υἱὸν 'Α. [A B om. υἱ. 'Α.] (3)  | 21. 1. ἀπέστειλε πρὸς αὐτὸν . . . τὸν Πασχῶρ υἱὸν Μ. καὶ Σοφ. υἱὸν Βασ. (3, 3)                          |
| Ho. 1. 1. ἐν ἡμέραις 'Ιερ. υἱοῦ [A τοῦ υἱ.] 'Ι. (3)  | — 17. τὸ κατάλοιπον τῶν τοξενμάτων τῶν 'Ισχυρῶν υἱῶν Κηδάρ ἔσται ὅληγον (3)   | 22. 11. τὰδε λέγει κύριος ἐπὶ Σαλλήμ υἱὸν 'Ιωσία (3)  |
| — 3. ἔτεκεν αὐτῷ υἱόν (3)  | 27. 12. συναγίνετε κατὰ ἕνα τοὺς υἱ. 'Ισρ. (3)  | — 18. τὰδε λέγει κύριος ἐπὶ 'Ι. υἱὸν 'Ι. [B al.] (3)  |
| — 7. B τοὺς δὲ υἱ. [A B add. 'Ιουδα] ἐλεῖσω (3)  | 30. 9. υἱοὶ ψευδεῖς (3)   | — 24. 'Ιεχονίας υἱ. 'Ιωακείμ [A 'Ιω. υἱ. 'Ιεχονία] (3)  |
| — 8. ἔτεκεν υἱόν (3)   | 31. 6. ἐπιστράφητε . . . υἱοὶ 'Ισρ. [A B om. υἱ. 'Ι.] (3)   | 24. 1. μετὰ τὸ ἀποικίσει . . . τὸν 'Ιεχ. υἱὸν 'Ι. (3)   |
| — 10 (2. 1). ἦν ὁ ἀριθμὸς τῶν υἱ. 'Ισρ. (3)  | 37. 2. πρὸς 'Ησαίαν υἱὸν 'Αμώς (3)  | 25. 1. A B B <sup>2</sup> ἐν τῇ ἔτει τῇ τετάρτῃ τοῦ 'Ι. υἱοῦ 'Ι. (3)                                    |
| — 10 (2. 1). κληθήσονται καὶ αὐτοὶ υἱοὶ θεοῦ ζῶντος (3)                                    | — 6. B <sup>2</sup> εἶπεν αὐτοῖς 'Ησ. υἱὸς 'Α. [A B B <sup>2</sup> om. υἱ. 'Α.] —                                   | — 3. ἐν τρισκαίδεκάτῃ ἔτει 'Ιωσία υἱοῦ 'Α. (3)  |
| — 11 (2. 2). συναχθήσονται οἱ υἱ. 'Ι. καὶ οἱ υἱ. 'Ισρ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ (3, 3)                  | — 21. ἀπεστράφη 'Ησαίας υἱ. 'Αμώς (3)   | 26 (46). 25. ἐκδικῶ τὸν 'Αμῶν τὸν υἱ. αὐτῆς +   |
| 8. 1. καθὼς ἀγαπᾷ ὁ θεὸς τοὺς υἱ. 'Ισρ. (3)  | — 38. υἱ. [A om.] υἱ. αὐ. ἐπάταξεν αὐτὸν μαχαίραις . . . ἐβαλίνευσεν 'Ασ. ὁ υἱ. αὐ. (3, 3)                          | 27 (50). 4. ἤξουσιν οἱ υἱ. 'Ισραὴλ αὐτοὶ [A υἱ. 'Ιακώβ] καὶ οἱ υἱ. 'Ιουδα (3, 3)                        |
| — 4. καθήσονται οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)   | 38. 1. ἦλθε πρὸς αὐτὸν 'Ησαίας υἱ. [B δ υἱ.] 'Αμώς (3)  | — 33. καταδεδυνάστευται οἱ [B om.] υἱ. 'Ισραὴλ καὶ οἱ [B om.] υἱ. 'Ιουδα (3, 3)                         |
| — 5. ἐπιστρέψουσιν οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)  | 39. 1. Μαρωδάξ Βαλαδὰν ὁ υἱ. τοῦ Βαλαδὰν (3)  | — 40. οὐ μὴ παροικίσει ἐκεῖ υἱ. ἀνθρώπου (3)  |
| 4. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου, υἱοὶ 'Ισρ. (3)  | 43. 6. ἀγε τοὺς υἱ. μου ἀπὸ τῆς [A B γῆς] πύρρουθεν (3)   | 28 (61). 43. οὐδὲ μὴ καταλύσει ἐν αὐτῇ υἱ. ἀνθρώπου (3)   |
| 13. 13. οὕτως ὁ υἱ. σου ὁ φρόνιμος (3)   | 45. 11. ἐρωτήσατέ με περὶ τῶν υἱ. μου —   | — 59. B B <sup>2</sup> εἶπεν τῷ Σαρ. υἱῷ [A -οῦ] Ν. [B <sup>1</sup> om. υἱ. Ν.] υἱῷ [A B -οῦ] Μ. (3, 3) |
| Am. 1. 4. καταφάγεται θεμέλια υἱοῦ 'Αδερ   | — 26 (25). ἐνδοξασθήσεται πᾶν τὸ σπέρμα τῶν υἱ. 'Ισραὴλ —   | 29 (47). 3. οὐκ ἐπιστρέψαν πατέρες ἐφ' υἱοὺς αὐτῶν (3)  |
| — 13. ἐπὶ ταῖς τρισὶν ἀσεβείαις υἱῶν 'Α. (3)   | 49. 20. ἐροῦντι γὰρ εἰς τὰ ὄντα σου οἱ υἱ. σου —  | 29 (49). 18. οὐ μὴ κατοικήσει ἐκεῖ υἱ. ἀνθρώπου (3)   |
| 2. 4. ἐπὶ ταῖς τρισὶν ἀσεβείαις υἱῶν 'Ι. —   | — 22. αἶψου τοὺς υἱ. σου ἐν κόλπῳ (3)   | 30 (49). 1. τοῖς υἱ. 'Αμῶν οὕτως εἶπε κύριος (3)  |
| — 7. υἱὸς καὶ πατὴρ αὐ. εἰσπορεύονται πρὸς τὴν αὐτὴν παιδίσκην (1)                         | — 25. ἐγὼ τοὺς υἱ. σου ῥύσσομαι (3)   | — 1. μὴ υἱὸς οὐκ εἰσὶν ἐν 'Ισραὴλ (3)   |
| — 11. ἔλαθον ἐκ τῶν υἱ. ἡμῶν εἰς προφῆτας (3)  | 61. 12. ἐφοβήθη . . . ἀπὸ υἱοῦ ἀνθρώπου (3)   | 30. 6 (49. 28). πλησάτω τοὺς υἱ. κεδέμ (3)  |
| — 11. μὴ οὐκ ἔστι ταῦτα, υἱοὶ 'Ισρ. (3)  | — 18. ἀπὸ πάντων τῶν υἱ. σου ὧν ἔγνωσας (3)   | — 11 (49. 33). οὐ μὴ κατοικήσει ἐκεῖ υἱ. ἀνθρώπου (3)   |
| 8. 12. ἐκπαθήσονται οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)   | — 20. οἱ υἱ. σου οἱ ἀποτρομέοι (3)  | — 16 (49. 27). καταφάγεται ἀμφοδὰ υἱοῦ 'Αδερ (3)  |
| 5. 4. ταῦτα ἡγάπησαν οἱ υἱ. 'Ισρ. (3)  | 52. 14. B ἡ δόξα σου ἀπὸ υἱῶν [A B B <sup>2</sup> τῶν] ἀνθρώπων (3)   | 32 (25). 21. τοὺς υἱ. 'Αμῶν (3)   |
| 7. 14. οὐκ ἤμην προφῆτης ἐγὼ οὐδὲ υἱὸς προφῆτου (3)  | 53. 3. τὸ εἶδος . . . ἐκλείπον παρὰ τοὺς υἱ. τῶν ἀνθρώπων [A π. πάντας ἀνθρώπους] —                                 | 33 (26). 1. ἐν ἀρχῇ βασιλείας 'Ι. υἱοῦ 'Ι. (3)  |
| — 17. οἱ υἱ. σου . . . ἐν ῥομφαίᾳ πεσόνται (3)   | 54. 13. καὶ πάντα τοὺς υἱ. σου διδάσκους θεοῦ (3)   | — 20. Οὐρίας υἱ. Σαμίου (3)   |
| 9. 7. οὐχ ὧς υἱοὶ Διδόσκων ἡμεῖς ἐστε ἐμοί, υἱοὶ 'Ισρ. (3, 3)                              | 56. 5. δάσω . . . τόπον ὀνόμαστον κρείττω υἱῶν (3)  | — 23. εἰς τὸ μνημα υἱῶν λαοῦ αὐτοῦ (3)  |
| Μι. 5. 3 (2). ἐπιστρέψουσιν ἐπὶ τοὺς υἱ. 'Ισρ. —   | 57. 3. προσάγετε ὧδε, υἱοὶ ἀνομοί (3)   | — 24. χεῖρ 'Αχ. υἱοῦ Σαφὰν ἦν μετὰ 'Ιερ. (3)  |
| — 7 (6). ἡμεῖς ἱπποστῆ ἐν υἱοῖς ἀνθρώπων (3)   | 60. 4. ἤκασι πάντες οἱ υἱ. σου μακρόθεν (3)   | 34 (27). 3. πρὸς Βασιλέα υἱῶν 'Αμῶν (3)   |
| 6. 5. τί ἀπεκρίθη αὐτῷ Βαλ. υἱὸς τοῦ Β. (3)  | 61. 4. πορεύσονται . . . υἱοὶ ταπεινωσάντων σε (3)  | 35 (28). 1. εἰπέ μοι 'Ανανίας υἱ. 'Αζόρ (3)   |
| 7. 12. υἱὸς ἀτιμίας πατέρα (3)   | 62. 5. οὕτως κατοικήσουσιν οἱ υἱ. σου (3)   | 36 (29). 3. ἐν χειρὶ 'Ελ. υἱοῦ Σ. καὶ Γαρ. υἱοῦ Χ. (3, 3)   |
| Ιλ. 1. 12. ἥσυχον χαρὸν οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων  | 68. 20. ὡς ἀνενέγκισαν οἱ υἱ. 'Ισραὴλ τὰς θυσίας αὐτῶν (3)  | — 6. τεκνοποιήσατε [B -ασθε] υἱοὺς (3)  |
| 2. 28 (3. 1). προφητεύουσιν οἱ υἱ. ἡμῶν  | Je. 1. 2. ἐν ταῖς ἡμέραις 'Ιωσία υἱοῦ 'Αμώς —   | — 6. B B <sup>2</sup> λάβετε τοὺς υἱ. ἡμῶν γυναῖκας (3)   |
| 8 (4). 6. τοὺς υἱ. 'Ι. καὶ τοὺς υἱ. 'Ιερ. ἀπέδοσθε τοὺς υἱ. τῶν 'Ελλήνων (3 ter)           | — 3. ἐν ταῖς ἡμέραις 'Ιωακείμ υἱοῦ 'Ιωσία . . . τῶς [B add. συντελείας] ἐνδεκάτου ἔτους τοῦ Σεδ. υἱοῦ 'Ιωσία (3, 3) | — 25. πρὸς Σοφ. υἱὸν Μ. τὸν ἱερέα (3)   |
| — 8. ἀποδώσομαι τοὺς υἱ. ἡμῶν . . . εἰς χεῖρας τῶν [A om.] υἱ. 'Ι. (3, 3)                  | 2. 6. B οὐ κατήκνησεν υἱ. ἀνθρώπου [A B κ. ἀνθρώπος] ἐκεῖ —   | 37 (30). 20. εἰσελεύσονται οἱ υἱ. αὐτῶν (3)   |
| — 16. ἐνισχύσει τοὺς υἱ. 'Ισρ. (3)   | — 9. A B B <sup>2</sup> πρὸς τοὺς υἱ. τῶν υἱ. ἡμῶν κριθήσονται (3, 3)   | 38 (31). 14. μεθύσω τὴν ψυχὴν τῶν ἱερέων υἱῶν [B τῶν υἱ.] Λευὶ —  |
| — 19. ἐξ ἀδικιῶν υἱῶν 'Ι. (3)  | — 16. υἱοὶ Μέμφωες καὶ Τάφρας ἔγνωσαν σε (3)  | — 15. οὐκ ἤθελε παύσασθαι [A B <sup>2</sup> παρακληθῆναι] ἐπὶ τοῖς υἱ. [A τῶν υἱ.] αὐτῆς (3)            |
| Ob. 1. 12. μὴ ἐπιχαρῆς ἐπὶ τοὺς υἱ. 'Ι. (3)  | — 26. οὕτως αἰσχυνηθήσονται οἱ υἱ. 'Ισραὴλ (3)  | — 20. υἱ. ἀγαπήνους 'Εφραὴμ (3)   |
| — 20. τοῖς υἱ. 'Ισρ. γῆ τῶν Χαναναίων (3)  | 3. 14. υἱοὶ ἀφεστηκότες (3)   | 39 (32). 7. 'Αναμὴλ υἱ. Σαλώμ (3)   |
| Ze. 1. 1. δε ἐγενήθη πρὸς Σοφ. τὸν τοῦ Χ. υἱὸν Γοδ. (3)                                    | — 21. φωνή . . . δέησες υἱῶν 'Ισραὴλ (3)  | — 8. ἦλθε πρὸς με 'Αναμὴλ υἱ. Σαλώμ (3)   |
| — 1. ἐν ἡμέραις 'Ισρ. υἱοῦ 'Α. (3)   | — 22. υἱοὶ ἐπιστρέφοντες (3)  | — 9. ἐκτρησάμην τὸν ἀγρὸν 'Αναμὴλ υἱοῦ ἀδελφοῦ πατρός μου (3, 3)  |
| 2. 7. δειλὴν καταλύσουσιν ἀπὸ προσώπου υἱῶν 'Ι. —  | 5. 7. οἱ υἱ. σου ἐγκατέλιπον με (3)   | — 12. ἔδωκα αὐτὸ τῷ Β. υἱῷ Ν. υἱῷ Μ. κατ' ὀφθαλμούς 'Αν. υἱοῦ ἀδελφοῦ πατρός μου (3, 3)                 |
| — 8. ἤκουσα . . . κονδυλισμοὺς υἱῶν 'Α. (3)  | 6. 1. ἐνισχύσατε, υἱοὶ Βενιαμῖν (3)   | — 16. πρὸς Βαρουχ υἱὸν Νηριὸν (3)   |
| — 9. καὶ υἱοὶ [A B οἱ υἱ.] 'Α. ὡς Γόμορρα (3)  | 7. 18. οἱ υἱ. αὐτῶν συλλέγουσι ξύλα (3)   | — 19. οἱ ὀφθαλμοὶ σου εἰς τὰς δόους τῶν υἱ. [A B om. τ. υἱ.] τῶν ἀνθρώπων (3)                           |
| Ζα. 1. 1, 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζ. τὸν τοῦ Β. υἱὸν 'Α. (3)                          | — 30. ἐποίησαν οἱ υἱ. 'Ιουδα τὸ πονηρὸν (3)   | — 30. ἦσαν οἱ [B om.] υἱ. 'Ισραὴλ καὶ οἱ [B om.] υἱ. 'Ιουδα μόνοι ποιοῦντες τὸ πονηρὸν (3, 3)           |
| 4. 14. οὕτοι οἱ δύο οἱ τῆς πτώτης παρεστῆκασι (3)  | — 31. ἐν φάραγγι υἱοῦ 'Εννόμ τοῦ κατακαίειν τοὺς υἱ. αὐτῶν (3, 3)   | — 32. διὰ πᾶσας τὰς πονηρίας τῶν [A B om.] υἱ. 'Ισραὴλ (3)  |
| 6. 14. καὶ εἰς χάριτι υἱοῦ [A τοῖς υἱ.] Σοφ. (3)   | — 32. φάραγγι υἱοῦ 'Εννόμ [B <sup>1</sup> al.] (3)  | — 35. φκοδόμησαν τοὺς βωμοὺς . . . τοὺς ἐν φάραγγι υἱοῦ 'Εννόμ τοῦ ἀναφίρειν τοὺς υἱ. αὐτῶν (3, 3)      |
| Μα. 1. 6. υἱὸς δοξάζει πατέρα (3)  | 8. 26 (25). ἐπὶ [A add. πάντας τοὺς] υἱοὺς 'Α. καὶ ἐπὶ υἱοῦς [A τοὺς υἱ.] Μ. (3, —)                                 | 42 (35). 1. A ἐν ἡμέραις 'Ιωακείμ υἱοῦ 'Ιωσία [B B om. υἱ. 'Ι.] (3)                                     |
| 3. 3. καθαρῶς τοὺς υἱ. 'Α. (3)   | 10. 20. οἱ υἱ. μου καὶ τὰ πρόβατά μου οὐκ εἰσὶν (3)   | — 3. ἐξήγαγον τὸν 'Ιεχ. υἱὸν 'Ιερ. υἱοῦ Χ. . . καὶ τοὺς υἱ. αὐ. (3 ter)                                 |
| 6. 6. ἡμεῖς, υἱοὶ 'Ι., οὐκ ἀπέγεσθε (3)  |   |   |
| — 17. ὃν τρόπον αἰρετὶς ἀνθρώπου τὸν υἱ. αὐ. (3)   |   |   |
| 4. 6 (3. 24). δε ἀποκαταστήσει καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν (3)                                |   |   |
| Is. 1. 1. 'Ηγαίαν υἱὸν 'Αμώς —   |   |   |
| — 2. υἱοὺς ἐγέννησα (3)  |   |   |
| — 4. υἱοὶ ἀνομοί (3)   |   |   |
| 2. 1. πρὸς 'Ηγαίαν υἱὸν 'Αμώς (3)  |   |   |
| 3. 25. ὁ υἱ. σου ὁ κάλλιστος . . . μαχαίρα πεσείρει +                                      |   |   |
| 4. 4. ἐκπλυνεῖ κύριος τὸν ῥύπον τῶν υἱ. —  |   |   |

Je. 42 (35). 4. εἰς τὸ παστοφόρειον υἱὸν Ἰ. υἱοῦ  
[A om. υἱ. Ἰ. υἱ.] Ἀν. υἱοῦ Γοδ. [B  
om. υἱ. Γ.] ... ἐπάνω τοῦ οἴκου Μ.  
υἱοῦ Σ. (3, - 3, 3)  
— 6. Ἰων. υἱ. Ῥηάβ [B' om. υἱ. Ῥ.] (3)  
— 6. οὐ μὴ πῖπτε οἶνον ὑμεῖς καὶ οἱ υἱ. ὑμῶν (3)  
— 8. οἱ υἱ. ὑμῶν καὶ αἱ θυγατέρες ὑμῶν (3)  
— 14. ἔστησαν ῥήμα υἱοῦ Ἰων. υἱοῦ [B - οἱ] Ῥ. (- 3)  
— 16. ἔστησαν υἱοὶ [A B οἱ υἱ.] Ἰωνάδὰβ υἱοῦ  
[B οἱ υἱ.] Ῥηάβ τὴν ἐντολὴν (3, 3)  
— 18. ἤκουσαν υἱοὶ [A B οἱ υἱ.] Ἰωνάδὰβ υἱοῦ  
Ῥηάβ τὴν ἐντολὴν [B om. υἱ. Ῥ.  
τ. ἐ.] (3, -)  
— 19. οὐ μὴ ἐκλίπῃ ἀνὴρ τῶν υἱ. Ἰωνάδὰβ  
υἱοῦ Ῥηάβ (- 3)  
43 (36). 1. ἐν τῇ ἐνιαυτῇ τῇ τετάρτῃ Ἰωακείμ  
υἱοῦ Ἰωσία (3)  
— 4. ἐκάλεσεν Ἰερμίας τὸν Βαροὺχ υἱὸν Νηρίου (3)  
— 10. ἐν οἴκῳ Γαμαρίου υἱοῦ Σαφάν (3)  
— 11. ἤκουσε Μιχαίας υἱ. Γαμαρίου υἱοῦ Σαφάν (3, 3)  
— 12. δαλ. υἱ. Σελ. καὶ Ἰων. υἱ. Ἀρχ. καὶ  
Γαμ. υἱ. Σ. καὶ Σεδ. υἱ. Ἀν. (3 quater)  
— 14. Ἀβάρτιελαν ... πρὸς Β. υἱὸν Ν. τὸν Ἰ.  
[B S om. τ. Ἰ.] υἱὸν [B - οἱ] Ναθ. υἱοῦ  
Σελ. υἱοῦ Χ. (- 3, 3 ter)  
— 14. Ἀ. λαβε Β. υἱὸς Ν. [B S om. υἱ. Ν.] τὸ  
χαρτίον (3)  
— 26. ἐνετείλατο ὁ βασιλ. τῷ Ἰερ. υἱῷ τοῦ βασιλ.  
καὶ τῷ Σ. υἱῷ Ἑσρ. (3, 3)  
44 (37). 1. Ἀ. ἐβασίλευσε Σεδ. υἱ. Ἰ. ἀντὶ Ἰεχ.  
υἱοῦ [B S om. Ἰ. υἱ.] Ἰ. (3, 3)  
— 3. ἀπέρτιελαν ... τὸν Ἰ. υἱὸν Σελ. καὶ τὸν  
Σοφ. υἱὸν Μ. (3, 3)  
— 13. παρ' οὗ κατέλυε Σαρ. υἱ. Σελ. υἱοῦ [B  
υἱὸς] Ἀν. (3, 3)  
45 (38). 1. ἤκουσε Σαφ. υἱ. Ν. καὶ Γοδ. υἱ. Π.  
καὶ Ἰ. υἱ. Σελ. τοὺς λόγους (3 ter)  
— 6. εἰς λάκκον Μελχίου υἱοῦ τοῦ βασιλέως  
46 (39). 1. ἄ. πρὸς τὸν Γοδ. υἱὸν Ἀχ. υἱοῦ [A  
- οἱ] Σ. (3, 3)  
47 (40). 5. πρὸς τὸν Γοδ. υἱὸν Ἀχ. υἱοῦ [A S  
- οἱ] Σ. (3, 3)  
— 8. ἦλθε ... Ἰσμ. υἱ. Ναθ. καὶ Ἰ. υἱ. Κ. καὶ  
Σαρ. υἱ. Θ. καὶ υἱοὶ Ἰ. ... καὶ Ἰεζ.  
υἱ. τοῦ Μ. (3 quinquies)  
— 11. οἱ Ἰουδαῖοι οἱ ἐν [A add. γῇ] Μωάβ  
καὶ ἐν υἱοῖς Ἀμμὼν (3)  
— 11. κατέστησεν ἐπ' αὐτοὺς Γοδ. υἱὸν Ἀχ. (3)  
— 13. Ἰ. υἱὸς Κ. καὶ πάντες ... ἦλθον (3)  
— 14. Βελ. βασιλεὺς υἱὸν Ἀμμὼν ἀπέστειλε (3)  
48 (41). 1. ἦλθεν Ἰσμ. υἱ. Ναθ. υἱοῦ [B' - οἱ]  
Ἰ. Ἰλ. (3, 3)  
— 10. ὡς παρκαταίθετο ... τῷ Γοδ. υἱῷ Ἀχ.  
καὶ φέχοτο εἰς τὸ πέριχ υἱὸν Ἀ. (3, 3)  
— 11. ἤκουσαν Ἰωάναν υἱ. Κάρη  
— 15. φέχοτο πρὸς τοὺς υἱ. Ἀμμὼν (3)  
49 (42). 1. προσήλθον ... Ἰ. καὶ Ἀζ. υἱὸς Μ. (3)  
50 (43). 2. εἶπεν Ἀζ. υἱ. Μ. καὶ Ἰ. υἱ. Κ. (3, 3)  
— 3. Β. υἱ. Ν. συμβάλλει σε πρὸς ἡμᾶς (3)  
— 6. μετὰ Γοδολίου υἱοῦ Ἀχεικίμ (3)  
— 6. ἔλαβε ... Βαροὺχ υἱὸν Νηρίου (3)  
51. 31 (45. 1). πρὸς Β. υἱὸν Ν. ... ἐν τῇ ἐνιαυτῇ  
τῇ τετάρτῃ Ἰ. υἱῷ Ἰ. (3, 3)  
52. 10. ἔσφαξε βασιλεὺς Βαβ. τοὺς υἱ. Σεδ.  
Ba. 1. υἱ. Β. υἱ. Ν. υἱοῦ [A - οἱ] Μ. υἱοῦ [A - οἱ] Σεδ.  
υἱοῦ Ἀσ. υἱοῦ Χ. (3)  
— 3. ἐν ὧν ἰσχυρίων υἱοῦ Ἰωακείμ  
— 4. ἐν ὧν τῶν δυνατῶν καὶ υἱῶν τῶν βασιλέων  
— 7. πρὸς Ἰωακείμ υἱὸν Χελκίου υἱοῦ Σαλῶμ  
— 8. Ἀ. ἐποίησε Σεδεκίας υἱ. Ἰωσία  
— 11. εἰς (ὧν) Βαλτάσαρ υἱοῦ αὐτοῦ  
— 12. ὑπὸ τὴν σκίαν Βαλτάσαρ υἱοῦ αὐτοῦ  
2. 3. τοῦ φαγεῖν ἡμᾶς ἀνθρώπων σάρκα υἱοῦ [A - ὦν]  
αὐτοῦ  
— 28. γράψαι τὸν νόμον σου ἐναντίον υἱὸν Ἰσραὴλ  
3. 4. ἀκούσαν δὲ τῆς προσευχῆς ... υἱῶν τῶν ἀμαρ-  
τανόντων  
— 21. οἱ υἱ. αὐτῶν ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτῶν πόρρω  
ἐγενήθησαν  
— 23. οἱ τε [A οὔτε] υἱ. Ἀγαρ οἱ ἐκζητοῦντες τὴν  
συνεσιν  
4. 10. εἰδὼν γὰρ τὴν αἰχμαλωσίαν [A add. τοῦ λαοῦ]  
τῶν υἱ. μου  
— 14. μνησθήτε τὴν αἰχμαλωσίαν τῶν υἱ. μου  
— 32. λευκαία ἡ δεξιμένη τοῦς υἱ. σου  
— 37. ἔρχονται οἱ υἱ. σου

Ba. 5. 6. Ἀ. εἰσάγει ... μετὰ δόξης υἱοὺς [B ὡς θρόνον]  
βασιλείας  
La. 1. 16. ἐγένοντο οἱ υἱ. μου ἡφανισμένοι (3)  
3. 33. ἐταπείνωσαν υἱοὺς ἀνδρὸς (3)  
4. 2. υἱοὶ Σιών οἱ τίμοι οἱ ἐπηρμένοι ἐν χρυσῷ  
Εζ. 1. 3. πρὸς Ἰεζεκιὴλ υἱὸν Βουζί (3)  
2. 1. Ἀ. Β. υἱὲ ἀνθρώπου, στήθι (3)  
— 3. υἱὲ ἀνθρώπου, ἐξαποστέλλω ἐγὼ σε (3)  
— 4. Ἀ υἱοὶ σκληροπρόσωποι καὶ στεριοκάρ-  
διοι (3)  
— 6. σὺ, υἱὲ ἀνθρώπου, μὴ φοβήθῃς αὐτοὺς (3)  
— 8. σὺ, υἱὲ ἀνθρώπου, ἀκούε (3)  
3. 1. εἶπε πρὸς μέ, Υἱὲ ἀνθρώπου  
— 1. ἀλλήσον τοῖς υἱ. Ἰσραὴλ (3)  
— 3. υἱὲ ἀνθρώπου, τὸ στόμα σου φάγεται (3)  
— 4. υἱὲ ἀνθρώπου, βάδιζε (3)  
— 10. υἱὲ ἀνθρώπου, πάντας τοὺς λόγους ...  
λάβε (3)  
— 11. ἐσελθε ... πρὸς τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3)  
— 17. υἱὲ ἀνθρώπου, σκοπὸν δέδωκά σε (3)  
— 25. υἱὲ ἀνθρώπου, τοὺς δέδωκται (3)  
4. 1. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε σεαυτὸν πλῖνον (3)  
— 3. σημεῖον ἐστὶ τοῦτο τοῖς υἱ. Ἰσραὴλ (3)  
— 13. οὕτως φάγονται οἱ υἱ. τοῦ Ἰσραὴλ ἀκά-  
θαρτα (3)  
— 16. εἶπε πρὸς μέ, Υἱὲ ἀνθρώπου  
5. 1. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε σεαυτὸν ῥομφαίαν (3)  
6. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, στήριμα (3)  
— 5. Ἀ δώσω τὰ πτώματα τῶν υἱ. Ἰσραὴλ  
κατὰ πρόσσωπον τῶν εἰδῶλων αὐτῶν (3)  
7. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπὸν (3)  
8. 5. υἱὲ ἀνθρώπου, ἀνάβλεψον (3)  
— 6. υἱὲ ἀνθρώπου, ἐώρακα (3)  
— 8. υἱὲ ἀνθρώπου, ὄψεαι (3)  
— 12. ἐώρακα, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 15. υἱὲ ἀνθρώπου, ἐώρακα (3)  
— 17. ἐώρακα, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
11. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, οὗτοι οἱ ἄνδρες  
— 4. προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 15. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ ἀδελφοί σου  
12. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, ... σὺ κατοικεῖς (3)  
— 3. υἱὲ ἀνθρώπου, ποίησον σεαυτὸν σκεῖν  
— 9. υἱὲ ἀνθρώπου, οὐκ εἶπας πρὸς σέ  
— 18. υἱὲ ἀνθρώπου, τὸν ἔργον σου ... φάγε-  
σαι (3)  
— 24. υἱὲ ἀνθρώπου, τίς ἡ παραβολὴ (3)  
— 24. μαντεύμενος τὰ πρὸς χάριν ἐν μέσῳ  
τῶν υἱ. Ἰσραὴλ (3)  
— 27. υἱὲ ἀνθρώπου, ἰδοὺ ὁ οἶκος Ἰσραὴλ (3)  
18. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
— 17. υἱὲ ἀνθρώπου, στήριμα (3)  
14. 3. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ ἄνδρες οὗτοι ζήντο (3)  
— 13. υἱὲ ἀνθρώπου, γῇ ἡ [A om.] ἐὰν ἀμάρτη  
μοι (3)  
— 16. εἰ υἱὲ ἡ θυγατέρες [A καὶ θ. αὐτῶν]  
σωθήσονται (3)  
— 18. οὐ μὴ ῥύσονται υἱοὺς οὐδὲ θυγατέρας (3)  
— 20. ἐὰν υἱὲ ἡ θυγατέρες ὑπολειφθῶσιν (3)  
— 22. ἐξάγουσιν ἐξ αὐτῆς υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)  
15. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, τί ἐν γένει τὸ ξύλον (3)  
16. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, διαμάρτυται (3)  
— 20. ἔλαβες τοὺς υἱ. σου καὶ τὰς θυγατέρας  
σου (3)  
— 26. ἐξέπρόνευσας ἐπὶ τοὺς υἱ. Αἰγύπτου (3)  
17. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, διήγησαι διήγημα (3)  
— 12. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπὸν  
18. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, τὴν ἡμῶν ἡ παραβολὴ αὕτη  
ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
— 4. ὅν τρόπον ἡ ψυχὴ τοῦ πατρὸς οὕτως ἡ  
ψυχὴ τοῦ υἱοῦ (3)  
— 10. ἐὰν γεννηθῇ υἱὸν λοῖμων (3)  
— 14. ἐὰν δὲ γεννηθῇ [A - σης] υἱὸν (3)  
— 19. οὐκ ἔλαβε τὴν ἀδικίαν ὁ υἱ. τοῦ πατρὸς;  
[A εἰ. υἱ. δ. π. αὐτοῦ] ὅτι ὁ υἱ.  
δικαιοσύνην καὶ ἔλεος πεποίηκε (3, 3)  
— 20. ὁ δὲ [A om. δ. δι:] υἱ. οὐ λήγεται τὴν  
ἀδικίαν τοῦ πατρὸς οὐδὲ ὁ πατὴρ  
λήγεται τὴν ἀδικίαν τοῦ υἱοῦ (3, 3)  
19. 1. Ἀ υἱὲ ἀνθρώπου [B om. υἱ. δ.], λάβε  
θρήνον  
20. 3. υἱὲ ἀνθρώπου, ἀλλήσον  
— 4. υἱὲ ἀνθρώπου, τὰς ἀνομίας ... διαμάρ-  
τυραι αὐτοὺς (3)  
— 27. ἀλλήσον ... υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 31. Ἀ ἐν τοῖς ἀφώρτιστοις υἱῶν ὑμῶν ἐν  
πυρὶ μακείσθω [B αἱ.] (3)

Ez. 20. 46 (21. 2). υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον τὸ  
πρόσωπόν σου (3)  
21. 2 (7). προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 6 (11). υἱὲ ἀνθρώπου, καταστρέψον (3)  
— 9 (14). υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
— 12 (17). ἀλλήλυσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 14 (19). υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
— 19 (24). υἱὲ ἀνθρώπου, διάταξον σεαυτὸν  
διὰ δόξης (3)  
— 20 (25). τοῦ ἐσελθεῖν ῥομφαίαν ἐπὶ Ῥοβ-  
βάθ [A add. καὶ ἐπὶ] υἱὸν Ἀμμὼν (3)  
— 28 (33). υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
— 28 (33). τάδε λέγει κ. πρὸς τοὺς υἱ. Ἀ. (3)  
22. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰ [A οὐ] κρινεῖς (3)  
— 18. υἱὲ ἀνθρώπου, ἰδοὺ γεγονασί μοι (3)  
— 24. υἱὲ ἀνθρώπου [A' om. υἱ. δ.], εἰπὸν αὐτῇ (3)  
23. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, δύο γυναῖκες ἦσαν  
— 4. ἔτεκαν υἱοὺς καὶ θυγατέρας (3)  
— 7. ἐπὶ λεικοῖς υἱοῖς Ἀσσυρίων πάντες (3)  
— 9. παρίδωκα ... εἰς χεῖρας υἱῶν Ἀσσυρίων (3)  
— 10. υἱοὺς καὶ θυγατέρας αὐτῆς ἔλαβον (3)  
— 12. ἐπὶ τοὺς υἱ. τῶν Ἀσσυρίων ἐπέθετο  
ἡγουμένους (3)  
— 15. ὁμοίωμα υἱῶν Χαλδαίων (3)  
— 17. ἦλθον πρὸς αὐτὴν υἱὸν Βαβυλωνῶν (3)  
— 23. ἐπάξω αὐτοὺς ἐπὶ σὲ κυκλῶντες υἱοὺς  
Βαβυλωνῶν ... καὶ πάντας υἱοὺς  
Ἀσσυρίων (3, 3)  
— 25. αἰτοὶ υἱοὺς [A τοὺς υἱ.] σου καὶ θυγα-  
τέρας σου λήψονται (3)  
— 36. υἱὲ ἀνθρώπου, οὐ κρινεῖς τὴν Ὀολάν (3)  
— 47. υἱοὺς αὐτῶν καὶ θυγατέρας αὐτῶν ἀπο-  
κτενοῦσι (3)  
24. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, γράψον σεαυτὸν (3)  
— 16. υἱὲ ἀνθρώπου, ἰδοὺ ἐγὼ λαμβάνω (3)  
— 21. οἱ υἱ. ὑμῶν ... πεσοῦνται (3)  
— 25. υἱὲ ἀνθρώπου, οὐχί ἐν τῇ ἡμέρᾳ  
(3)  
— 25. λαμβάνω ... υἱοὺς αὐτῶν (3)  
25. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον τὸ πρόσωπόν  
σου ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἀμμὼν (3, 3)  
— 3. ἐρίεις τοῖς υἱ. Ἀμμὼν (3)  
— 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱ. κεδὶμ (3)  
— 5. δώσω ... τοὺς υἱ. Ἀμμὼν εἰς νομὴν  
[A πρὸν.] προβάτων (3)  
— 10. τοὺς υἱ. κεδὶμ ἐπὶ τοὺς υἱ. Ἀμμὼν  
δέδωκα αὐτῷ εἰς κληρονομίαν ὅπως  
μὴ μυνεῖα γέννηται τῶν υἱ. Ἀμμὼν (3 ter)  
26. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, ἀνθ' οὗ εἶπε Σὺρ (3)  
27. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε ἐπὶ Σὺρ θρήνον (3)  
— 4. υἱοὶ σου περιμήκην σοι κάλλος (3)  
— 11. υἱοὶ Ἀραδίων ... ἐπὶ τῶν τειχεῶν σου (3)  
— 15. υἱοὶ Ῥοδίων ἔμποροί σου (3)  
— 17. Ἰουδας καὶ οἱ υἱ. τοῦ Ἰσραὴλ οὗτοι  
ἔμποροί σου (3)  
— 32. λήψονται οἱ υἱ. αὐτῶν ἐπὶ σὲ θρήνον (3)  
28. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπὸν (3)  
— 12. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε θρήνον (3)  
— 21. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε ἐπὶ Σὺρ θρήνον (3)  
29. 18. υἱὲ ἀνθρώπου, Ναβουχοδονόσορ (3)  
30. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
— 5. οἱ ἐπὶ μίκτοι καὶ [A ἀπὸ] τῶν υἱ. τῆς  
διωθήκης μου μαχαίρα πεσοῦνται ἐν  
αὐτῇ [A δ. μ. ἐν αὐ. μαχ. π.] (3)  
— 21. υἱὲ ἀνθρώπου, τοὺς βραχίονας Φαραὼ  
... συνέτριψα (3)  
31. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπὸν (3)  
— 14. ἐν μέσῳ υἱῶν ἀνθρώπων πρὸς καταζαί-  
νοντας (3)  
32. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε θρήνον (3)  
— 18. υἱὲ ἀνθρώπου, θρήνησον (3)  
33. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, ἀλλήσον τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ  
σου (3, 3)  
— 7. υἱὲ ἀνθρώπου, σκοπὸν δέδωκά σε (3)  
— 10. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπὸν (3)  
— 12. Ἀ υἱὲ ἀνθρώπου [B om. υἱ. δ.], εἰπὸν  
πρὸς τοὺς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3, 3)  
— 17. ἐροῦσιν οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3)  
— 24. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ κατοικοῦντες (3)  
— 30. υἱὲ ἀνθρώπου, οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3, 3)  
34. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
35. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, ἐπιστρέψον (3)  
36. 1. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
— 17. υἱὲ ἀνθρώπου, οἶκος Ἰσραὴλ κατέκησεν (3)  
37. 3. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰ ζήσεται (3)  
— 9. προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 11. υἱὲ ἀνθρώπου, τὰ δόξα ταῦτα (3)

Εξ. 37. 16. υἱὲ ἀνθρώπου, λάβε σεαυτῷ ῥάβδον  
καὶ γράψον... τοὺς υἱ. Ἰσρ. [A  
αὐτῆς] (3, 8)  
— 16. γράψον... πάντας τοὺς υἱ. Ἰσραὴλ (3)  
— 18. ὅταν λέγῃς ῥάβδον σὺ οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ σου (8)  
— 25. A καὶ οἱ υἱ. αὐτῶν καὶ οἱ υἱ. τῶν υἱ.  
αὐτῶν (3 *ter*)  
38. 2. υἱὲ ἀνθρώπου, στήρισον (3)  
— 14. προφήτευσον, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
39. 1. υἱὲ ἀνθρώπου, προφήτευσον (3)  
— 17. υἱὲ ἀνθρώπου, εἰπὼν (3)  
40. 4. υἱὲ ἀνθρώπου, ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς σου ἴδε (3)  
— 46. ἐκείνοι εἰσιν οἱ υἱ. Σαδδούκ (3)  
42. 13. φάγονται ἐκεῖ οἱ ἱερεῖς υἱοὶ [A οἱ υἱ.]  
Σαδδούκ — (3)  
43. 7. ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 10. υἱὲ ἀνθρώπου, δεῖξον (3)  
— 18. υἱὲ ἀνθρώπου, τάδε λέγει κύριος (3)  
44. 5. υἱὲ ἀνθρώπου, τάξον εἰς τὴν καρδίαν σου (3)  
— 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς υἱοὺς ἀλλογενεῖς (3)  
— 9. πᾶς υἱ. ἀλλογενεῖς... οὐκ εἰσελεύσεται  
εἰς τὰ ἁγία μου ἐν πᾶσιν υἱοῖς ἀλλο-  
γενῶν (3, 8)  
— 13. τοῦ προσάγειν πρὸς τὰ ἁγία υἱῶν τοῦ  
Ἰσραὴλ — (3)  
— 15. οἱ ἱερεῖς οἱ Λευῖται οἱ υἱ. τοῦ Σαδδούκ (3)  
— 25. ἐπὶ υἱᾷ καὶ ἐπὶ θυγατρὶ... μανθῆσεται (3)  
— 28. κατὰσχισίς αὐτοῖς οὐ δοδῆσεται ἐν τοῖς  
υἱ. Ἰσραὴλ — (3)  
46. 6. A μόσχον υἱὸν βουκολίου [B *om.* υἱ. β.]  
ἄμμου (3)  
— 16. ἐὰν δὲ ὁ ἀφῆγονόμηνος δόμα ἐν ἐκ τῶν  
υἱ. αὐτοῦ... τοῦτο τοῖς υἱ. αὐτοῦ  
ἔσται κατὰσχισίς (3, 8)  
— 17. πλὴν τῆς κληρονομίας τῶν υἱ. αὐτοῦ  
αὐτοῖς ἔσται (3)  
— 18. κατακληρονομήσει τοῖς υἱ. αὐτοῦ (3)  
47. 6. ἑώρακας, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 13. ταῖς δώδεκα φυλαῖς τῶν υἱ. Ἰσραὴλ — (3)  
— 22. ἐγέννησαν υἱοὺς ἐν μέσῳ ὕμνων (3)  
— 22. ὡς αὐτὸς ἔχοντες ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
— 22. A μεθ' ὧν φάγονται... ἐν μέσῳ  
τῶν υἱ. [B *φύλων*] τοῦ Ἰσραὴλ †  
48. 11. τὸ ὅρος τῶν ἁγίων ἔσται... τοῖς  
ἡγιασμένοις υἱ. Σαδδούκ... οἵτινες  
οὐκ ἐπλανήσαν ἐν τῇ πλανήσει  
υἱῶν [A τῶν υἱ.] Ἰσραὴλ (3, 8)  
Da. LXX. Su. 7. γυναῖκα ἀδελφῷ αὐ. ἐκ τῶν υἱ. Ἰσρ.  
— 28. συνῆδρυσαν οἱ ὄντες ἐκεῖ πάντες οἱ υἱ. Ἰσρ.  
— 48. οὕτως μοῖροι, υἱοὶ Ἰσρ.  
— 64. φυλασσάμεθα εἰς υἱ. δυνατοὺς νεωτέρους  
1. 3. ἀγαγὲν αὐτῶν ἐκ τῶν υἱ. τῶν μεγιστάνων  
τοῦ Ἰσρ. (3)  
— 6. ἐκ τοῦ γένους τῶν υἱ. Ἰσρ. (3)  
2. 25. ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τῶν υἱ. τῆς Ἰουδ.  
8. (82). εὐλογεῖτε, οἱ υἱ. τῶν ἀνθρ., τὸν κ. (3)  
7. 13. ὡς υἱὸν ἀνθρώπου φηροῦ (4)  
8. 17. διανοήθητι, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
— 19. ἃ ἔσται... τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ σου — (3)  
11. 10. ἐπιστρέψει... καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)  
— 41. καὶ κεφάλαιον υἱῶν Ἀ. (3)  
12. 1. ὁ ἑσθλὸς ἐπὶ τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ σου  
Bel. lit. ἐκ προφητείας Ἀμβ. υἱοῦ Ἰ.  
— 1. ᾧ ὄνομα Δαν. υἱὸς Ἀ.  
Da. TH. Su. 48. οὕτως μοῖροι, οἱ υἱ. Ἰσρ.  
1. 3. εἰσαγαγὲν ἀπὸ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας  
Ἰσρ. (3)  
— 6. ἐγένετο ἐν αὐτοῖς ἐκ τῶν υἱ. Ἰουδα (3)  
2. 25. εὐρηκα ἄνδρα ἐκ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας  
— 38. ὅπου κατοικοῦσιν οἱ υἱ. τῶν ἀνθρώπων (3)  
3. (82). B εὐλογεῖτε, οἱ υἱ. [A *om.*] υἱ. τῶν  
ἀνθρώπων, τὸν κ. (3)  
— 25 (92). ἡ ὄρασις τοῦ τετάρτου ὁμοία υἱᾷ  
θεοῦ (4)  
5. 13. ὁ ἀπὸ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας Ἰουδαίας  
— 22. καὶ σὺ οὖν ὁ υἱ. αὐ. Βαλτ. (4)  
6. 13 (14). Δαν. ἀπὸ τῶν υἱ. τῆς αἰχμαλωσίας  
τῆς Ἰουδαίας (3)  
— 24 (25). αὐτοὶ καὶ οἱ υἱ. αὐ. καὶ αἱ γυναῖκες αὐ. (3)  
7. 13. ὡς υἱὸς ἀνθρώπου ἐρχόμενος (4)  
8. 17. σύνες, υἱὲ ἀνθρώπου (3)  
9. 1. ἐν τῷ πρῶτῳ ἔτει Δαρ. τοῦ υἱ. Ἀσσ.  
10. 16. ὡς ὁμοίως υἱὸν ἀνθρώπου (3)  
11. 10. οἱ υἱ. αὐ. συνάγουσιν δῆλον (3)  
— 14. οἱ υἱ. τῶν λοιμῶν τοῦ λαοῦ σου (3)  
— 41. καὶ ἀρχὴ υἱῶν Ἀ. (3)

Da. TH. 12. 1. ὁ ἑσθλὸς ἐπὶ τοῖς υἱ. τοῦ λαοῦ σου (3)  
I Ma. 1. 9. A B καὶ οἱ υἱ. αὐ. ὅπως αὐτῶν  
— 10. Ἀντίοχος ἔπιφ. υἱὸς Ἀντιόχου τοῦ βασιλ.  
— 11. A ἐξῆλθεν [A B<sup>2</sup> *om.*] ἐξ Ἰσρ. υἱ. παράνομος  
[B υἱὸν παρὰνομον] (3)  
— 48. ἀφίεναι τοὺς υἱ. αὐ. ἀπεριμνήτους  
2. 1. B ἀνέστη Ματτ. υἱὸς [A B *om.*] Ἰωάννου τοῦ  
Σ. ἱερεὺς τῶν υἱ. Ἰ. (3)  
— 2. καὶ αὐτῶν υἱοὶ πέντε (3)  
— 14. διέρρηξε Ματτ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. τὰ ἱμάτια αὐ. (3)  
— 16. Ματτ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. συνήχθησαν (3)  
— 17. A B καὶ ἰστηριγμένοι ἐν [B *om.*] υἱοῖς  
— 18. B<sup>2</sup> ἔση σὺ καὶ οἱ υἱ. σου τῶν φίλων τοῦ βασιλ.  
[A B<sup>1</sup> *al.*] (3)  
— 18. καὶ σὺ καὶ οἱ υἱ. σου δοξαθήσεσθε (3)  
— 20. κατὰ καὶ οἱ υἱ. μου... πορευσόμεθα  
— 26. καθὼς ἐποίησε Φ. τῷ Ζ. υἱὸς Ζ. (3)  
— 28. ἔφυγον αὐτοὺς καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)  
— 30. κατέβησαν... αὐτοὶ καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)  
— 45. A ἐκύκλωσε Ματτ. καὶ οἱ υἱ. [B B<sup>1</sup> φίλοι] αὐ. (3)  
— 46. B ὅσα εὐρὴν ἐν υἱοῖς Ἰσρ. [A B *al.*] (3)  
— 47. ἐδίωξαν τοὺς υἱοὺς τῆς ὑπερηφανίας  
— 49. εἶπε τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
— 70. A B ἔθλασαν αὐτὸν οἱ υἱ. αὐ. [B *al.*] (3)  
3. 1. ἀνέστη Ἰ. ὁ καλούμ. Μακκ. υἱὸς αὐ. (3)  
— 14. B<sup>1</sup> πολέμησεν τὸν υἱ. [A B<sup>2</sup> *om.*] Ἰούδαν  
— 15. ποιῆσαι τὴν ἐκδίκησιν ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)  
— 33. καὶ τρέφειν Ἀντιόχον τὸν υἱ. αὐ. (3)  
— 36. A καὶ κατοικήσαι υἱοὺς ἀλλοτρίους [B B<sup>1</sup> *al.*] (3)  
— 41. τοῦ λαβεῖν τοὺς υἱ. Ἰσρ. εἰς παῖδας  
— 45. καὶ υἱοὶ ἀλλογενῶν ἐν τῇ ἀκρᾷ  
— 58. γίνεσθε εἰς υἱ. δυνατοὺς (3)  
4. 2. A B οἱ υἱ. αὐ. τῆς ἡκρας ἦσαν αὐτῷ ὁδηγοὶ  
— 30. εἰς χεῖρας Ἰβ. υἱὸς Ζ. (3)  
5. 3. ἐπολέμει Ἰ. πρὸς τοὺς υἱ. Ἡ. (3)  
— 4. ἐμνήσθη τῆς κακίας υἱῶν B. (3)  
— 6. διεπέρασεν ἐπὶ τοῖς υἱ. Α. (3)  
— 65. ἐπολέμουν τοὺς υἱ. Ἡ. (3)  
6. 15. τοῦ ἀγαγεῖν Ἀντιόχον τὸν υἱ. αὐ. (3)  
— 17. κατέστησε βασιλεὺς Ἀντιόχον τὸν υἱ. αὐ. (3)  
— 24. B περιέκλειτο ἐν αὐτῷ οἱ υἱ. τοῦ λαοῦ  
ἡμῶν [A B<sup>1</sup> *al.*] (3)  
— 55. ἐκρέψαι Ἀντιόχον τὸν υἱ. αὐ. (3)  
7. 9. ποιῆσαι τὴν ἐκδίκησιν ἐν τοῖς υἱ. Ἰσρ. (3)  
— 13. πρῶτοι οἱ Ἀσ. ἦσαν ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)  
— 23. ἦν ἐποίησεν... ἐν υἱοῖς Ἰσρ. (3)  
8. 17. ἐπέλεξεν Ἰ. τὸν Εὐπ. υἱὸν Ἰ. ... καὶ Ἰάσωνα  
υἱὸν Ἐλεάζιρου (3)  
9. 36. ἐξῆλθον οἱ υἱ. Ἰ. ἐκ Μηδ. (3)  
— 37. υἱοὶ Ἰ. ποιοῦσι γάμον μέγαν (3)  
— 53. ἔλαβε τοὺς υἱ. τῶν ἡγουμένων τῆς χώρας  
— 66. ἐπάταξεν... τοὺς υἱ. Φ. (3)  
10. 67. A ἦλθε Δημ. ὁ [B *om.*] υἱ. Δημ. (3)  
11. 62. ἔλαβε τοὺς υἱ. τῶν ἀρχόντων αὐ. εἰς ὁμηρὰ  
18. 16. ἀποστείλον... ὅσο τὸν υἱ. αὐ. ὁμηρὰ  
— 53. A εἶπε Σ. τὸν Ἰ. τὸν [B B<sup>1</sup> *om.*] υἱ. αὐ. (3)  
14. 25. τίνα χάριν ἀποδώσωμεν Σ. καὶ τοῖς υἱ. αὐ. (3)  
— 29. A Σίμων δὲ οἱ υἱ. Ματτ. δὲ υἱ. τῶν υἱ. [B M.  
υἱὸς υἱῶν ἱερεῖς τῶν υἱ.] Ἰ. (3)  
— 49. ὅπως ἔχη Σίμων καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)  
15. 1. ἀπέστειλεν Ἀντ. υἱὸς [B<sup>2</sup> *om.*] Δημ. (3)  
16. 2. ἐκάλεσε Σ. τοὺς δύο υἱ. αὐ. (3)  
— 13. ἐβουλεύετο δόλῳ κατὰ... τῶν υἱ. αὐ. (3)  
— 14. κατέβη εἰς Ἰσρ. αὐτὸς... καὶ οἱ υἱ. [B<sup>2</sup> *om.*] υἱ.  
[B<sup>1</sup> *al.* ἀδελφός] αὐ. (3)  
— 16. ὅτε ἐμεθύσθη Σ. καὶ οἱ υἱ. αὐ. (3)  
— 16. A ἀπέκτεναν αὐτὸν καὶ τοὺς υἱ. [B B<sup>2</sup> *om.*]  
υἱ. αὐ. (3)  
II Ma. 2. 20. τοὺς πρὸς... τὸν τούτου υἱ. Εὐπ.  
πολέμους (3)  
7. 20. ἀπολλυμένοις υἱ. ἐπὶ συνωρῶσα  
— 26. ἐπέδξατο πείσαι τὸν υἱ. (3)  
— 27. υἱὲ, ἐλπίσόν με (3)  
— 41. ἐσχάτη δὲ τῶν υἱ. ἡ μίσηρ ἐτελεύτησε  
9. 25. ἀναδέειχα τὸν υἱ. μου Ἀντιόχον βασιλεῖα  
— 26. ἕκαστον συντηρεῖ τὴν οὐσαν εὐνοίαν εἰς ἐμέ  
καὶ τὸν υἱ. μου (3)  
— 29. εὐλαβεῖσθαι τὸν υἱ. Ἀντιόχου (3)  
10. 10. τὰ κατὰ τὸν ὕπνον Ἀντιόχον υἱὸν δὲ τοῦ  
ἀσέβους γενόμενον (3)  
III Ma. 6. 28. ἀπολύσατε τοὺς υἱ. τοῦ παντοκρ.  
ἐπουρανίου θεοῦ ζῶντος (3)  
7. 6. ὡς πατέρα ὑπερ ὕψιν διὰ παντὸς συμμαχοῦντα  
IV Ma. 4. 15. διαδέχεται τὴν ἀρχὴν ὁ [B<sup>1</sup> *om.*] υἱ. αὐ. (3)  
9. 21. B<sup>1</sup> ὁ μεγαλόφρων καὶ Ἀβραάμ υἱ. κενάρις  
[A B<sup>2</sup> *om.*] (3)

IV Ma. 12. 6. αὐτὴν ἐλίσσας τοσοῦτον υἱ. στερηθείσας  
15. 2. τῆς ἐπὶ τὰς σωτηρίας προκαίρου  
— 9. διὰ τὴν καλοκαγαλίαν τῶν υἱ.  
— 22. τῶν υἱ. βασανιζομένων (3)  
— 27. A B<sup>2</sup> τὴν σῶζονταν ἐπὶ τοὺς... σωτηρίας  
— 32. ταῖς τῶν υἱ. βασάνους συνεχρομένη  
16. 3. ὁρῶσαν αὐτῆς τοὺς ἐπὶ τὰς υἱ. βασανιζομένους  
— 10. οὐδ' ἂν ἀποθάνω θάπτοντα τῶν υἱ. ἐξω τινά  
— 13. ἀνατίκτουσα τὸν τῶν υἱ. ἀρμόν  
— 20. τὸν ἐθροπάτορα υἱ. σφαγιάσαι Ἰσ.  
— 24. ἐνα ἕκαστον τῶν υἱ. παρακαλοῦσα  
[Aq. Gk. 6. 3 (2): 12. 5 (P): 15. 2: 25. 22: 49. 9:  
Ex. 4. 23: 7. 7: Lk. 15. 2: Nu. 1. 45: Dt. 1.  
3: 21. 16: 32. 5, 8 *bis*: Jo. 1. 1: 4. 21: 6. 1:  
22. 33: Jd. 8. 22 *ter*: I Ki. 2. 12: 14. 18: II Ki. 4.  
8. 15: 8. 18: 12. 5: 16. 11: 21. 2: III Ki. 1.  
17: 8. 1: 12. 17: 13. 27: 14. 1, 5, 20: 15.  
4: 22. 50: IV Ki. 6. 28: 9. 20: 11. 2: 13.  
24. 25: 14. 13, 29: Jb. 1. 5: 5. 7: 28. 8: 32.  
2: 38. 7: 41. 26: Ps. 9. 1: 11 (12). 2, 9: 16  
(17). 14: 28 (29). 6: 41 (42). 1: 43 (44). 1: 44  
(45). 1, 3, 17: 45 (46). 1: 46 (47). 1: 48  
(49). 1: 71 (72). 20: 82 (83). 9: 86 (87). 1:  
89 (90). 3: Pr. 10. 5: 19. 27: 30. 4: 31. 5:  
Ec. 8. 11: Is. 4: 7. 14: 9. 6 (5): 30. 1:  
81. 6: 56. 3, 5: 60. 10: 65. 20 *bis* (Sw.): Jk.  
1. 1: 16. 2: 19. 2: 20. 15: 26 (33). 18: 27  
(34). 1: 29 (36). 21: 81 (88). 12, 15, 17, 20,  
29: 32 (39). 30: 35 (42). 4: 36 (43). 8: 38  
(45). 1: 41 (48). 18 (Sw.): 49 (30). 6: 49  
(7) (29. 8): 61 (28). 59 *bis*: 52. 1: Ez. 2. 2 (F.),  
4 (Sw.): 11. 1: 20. 31: 21. 2 (7) (Sw.): 25. 4:  
27. 2 (Sw.). 15: 33. 2, 12 (Sw.): 35. 5: 37.  
25 *ter*: Da. 3. 25 (92): Ho. 11. 1: Am. 9. 7:  
Jn. 1. 1: Mt. 6. 7 (6): Za. 9. 9: Ma. 8. 17:  
[Sm. Gk. 6. 3 (2): 27. 37: 49. 9: Ex. 4. 23:  
6. 13: Lk. 15. 2: Nu. 1. 45: Dt. 1. 3: 32.  
5, 8: Jo. 1. 1: 4. 21: 6. 1: 22. 33: Jd. 8.  
22: 10. 11: I Ki. 2. 12: 13. 1: 14. 18: 20.  
30: 22. 8: II Ki. 8. 18: 16. 11: 21. 2: *bis*:  
III Ki. 1. 9: 15. 4: 17. 20: 20 (21). 27: IV  
Ki. 6. 28: 18. 6, 24: 14. 29: 16. 3: 23. 10  
*bis*: Jb. 19. 17: 32. 21: Ps. 4. 3: 9. 1: 11  
(12). 2, 9: 17 (17). 14: 28 (29). 6: 35 (36).  
8: 41 (42). 1: 43 (44). 1: 44 (45). 1, 3, 17:  
45 (46). 1: 48 (49). 1, 3: 65 (66). 5: 71  
(72). 20: 82 (88). 9: 86 (87). 1: 88 (89). 7:  
23: 106 (107). 8: 126 (127). 4 (P): Pr. 10. 5:  
17. 2, 6: 19. 27: 30. 4: 31. 8: EC. 8. 11: Is.  
1. 4: 7. 14: 9. 6 (5): 31. 6: 37. 12. 38. 19:  
61. 20: 62. 14: 54. 1 *bis*: 56. 3, 5: 57. 3: 60.  
10: 61. 5: 63. 8: Jk. 1. 1: 10. 20: 16. 2: 19.  
2: 20. 15: 31 (38). 15: 32 (39). 30: 83 (40). 4  
*bis*: 35 (42). 5: 36 (43). 8: 41 (48). 18 (Sw.):  
49. 7 (29. 8): Ez. 11. 1: 18. 5: 21. 2 (7)  
(Sw.), 10 (15): 25. 4: 27. 2 (Sw.), 15: 33.  
2: 35. 5: Da. 11. 14: Ho. 11. 1: Am. 9.  
7: Jn. 1. 1: Za. 9. 9:]  
[Th. Gk. 6. 3 (2): 15. 2: Ex. 4. 23: 6. 13:  
29. 20: 82. 2: Lk. 15. 2: Nu. 1. 45: Dt. 1.  
3: 32. 8: Jo. 4. 21: 6. 1: 22. 33: Jd. 4. 6:  
8. 18: 11. 25, 36: 13. 3: 19. 12: II Ki. 14.  
14: 21. 2: III Ki. 1. 9: 2. 34: 4. 4: 13. 27:  
IV Ki. 1. 17 *bis*: 6. 28: 8. 29: 13. 6, 24, 25:  
14. 29: 23. 10: Jb. 16. 21: 21. 19: 25. 6:  
28. 8: 32. 2: 38. 7: 41. 26: 42. 18 *bis*: Ps.  
4. 3: 9. 1: 61 (62). 10 *bis*: 65 (66). 5: 71  
(72). 20: 126 (127). 4: Pr. 17. 2: 19. 27:  
30. 4: 31. 5: Ca. 1. 6: Is. 1. 4: 7. 5: 31. 6: 37:  
12: 45. 11 (Sw.): 54. 1 *bis*: 56. 5: 57. 3: 60.  
10: 65. 20 *bis* (Sw.): Jk. 1. 1: 17. 2 (Sw.): 20.  
15: 26 (33). 22: 27 (34). 20: 29. 32. 21 *bis*:  
31 (38). 15, 17: 33 (40). 21: 38 (45). 1: 39  
(46). 6: 41 (48). 16 (Sw.) *bis*, 18 (Sw.): 48  
(31). 45, 46: 49 (30). 6: Ez. 2. 2 (P.), 4: 15:  
11. 1: 20. 31 (Sw.): 21. 2 (7) (Sw.): 10 (15):  
25. 4: 27. 2 (Sw.), 15, 32: 33. 2, 12 (Sw.): 35.  
5: 37. 25 *ter*: 40. 6: Da. 3. 25 (92): 11. 14,  
41: Ho. 9. 13: 11. 1: Jn. 1. 1: Mt. 5. 7 (6):  
Za. 9. 9:]  
[Al. Gk. 43. 29: Lk. 1. 5, 14: 12. 6: 16. 17:  
22. 25: Nu. 10. 20, 22, 24, 25: 14. 6: 18. 5:  
22. 16: 27. 8: 33. 31: Dt. 82. 8: Jd. 1. 23:  
I Ki. 28. 19: IV Ki. 4. 1: Jb. 1. 6: 2. 1: 19.  
17: Ps. 126 (127). 4: 127 (128). 6 *bis*: 136  
(137). 7: Pr. 1. 15: 16. 15: Is. 14. 2:]  
[Sam. Dt. 32. 8.]  
[Heb. II Ki. 8. 18: Jk. 1. 1.]  
[Quint. IV Ki. 8. 29: 13. 6, 25: 14. 29: Ps.  
9. 1: 28 (29). 1, 6: 44 (45). 3: 71 (72). 20:  
Pr. 31. 5: Za. 9. 9.]  
[Sext. Jb. 5. 7: Ps. 9. 1: 28 (29). 1, 6.]

**ὕλακτεῖν.** (1) חָבַב  
Is. 56. 10. κύνας ἐνειὼ οὐ δυνήσονται ὑ. (1)  
**ὑλη.** (1) הָ (2) חָבַב (3) חָבַב  
Jb. 19. 29. γνώσονται πού ἐστιν αὐτῶν ἡ ὑ. [A. al.] +  
38. 40. καθήκται δὲ ἐν ὑλαίς ἐνεδρεύοντες (2)  
Ps. 68 (69). 2. B<sup>1</sup> S ἐνεπάγην εἰς ὑλην [B<sup>2</sup> R  
λὺν] θυβοῦ (1)  
Wi. 11. 17. κτίσασα τὸν κόσμον ἐξ ἀμόρφου ὑλης  
15. 13. ὑλης γεώδους εὐθραυστα σκεῦη . . . δημιουργ-  
γῶν  
Si. 28. 10. κατὰ τὴν ὑ. πυρὸς οὕτως ἐκκαυθήσεται  
Is. 10. 17. φάγεται ὥσπερ χάριτον τὴν ὑ. (3)  
II Ma. 2. 24. διὰ τὸ πλῆθος τῆς ὑ.  
IV Ma. 1. 29. ἐξημεροὶ τὰς τῶν ἡθῶν καὶ παθῶν ὑ.  
[A. q. i Ki. 23. 15, 16, 19.]  
**ὑλις** (?). (1) הָ  
Ps. 39 (40). 2. A B<sup>1</sup> S ἀντήγαγε με . . . ἀπὸ  
πηλοῦ ὑλεως [B<sup>2</sup> R ἵλιος] (1)  
**ὕλομαρκεῖν.**  
[Bsm. Ho. 10. 1.]  
**ὕλοτόμος.**  
Wi. 13. 11. εἰ δὲ καὶ τις ὑ. τέκτων . . . περιέξυσεν  
. . . παντὰ τὸν φλοῖον αὐτοῦ  
**ὕλωδης.**  
Jb. 29. 5. ὅτε ἤμην ὕλωδης λίαν +  
**ὕμεναιος.**  
III Ma. 4. 6. θρήνον ἀνθ' ὕμεναιῶν ὁμοθυμαδὸν ἐξηρ-  
χον  
**ὕμέτερος.**  
Ge. 9. 5.  
To. 8. 21f.  
Pr. 1. 26.  
Am. 8. 2.  
Ba. 4. 24.  
**ὕμεῖν.** (1) הָ pi. (2) חָ pi. (3) חָ hi.  
(4) חָ hi. (5) חָ (6) חָ  
Jd. 16. 24. B<sup>2</sup> ὕμνησαν [A. ἤνεσαν] τὸν θεὸν αὐ. (1)  
I Ch. 16. 9. ὕμνησατε αὐτῷ [B -όν] (2)  
II Ch. 23. 13. καὶ ὕμνουσιν αἶνον (4)  
29. 30. ὕμνεῖν τὸν κύριον (1)  
— 30. ὕμνον ἐν εὐφροσύνῃ (1)  
I Es. 6. 60, 62. ὕμνοῦντες τῷ κυρίῳ  
Ne. 12. 24. B οἱ αὐ. . . εἰς ὕμεῖν αἰνεῖν [S  
ὑ. κ. αἱ., A αἱ. κ. ὑ., B ὕμνον αἱ.] (1 [3])  
To. 12. 6. S ὕμνεῖν [A B ὕψουν] τὸ δῆγμα αὐ.  
— 12. S αὐτῷ ὕμνεῖτε  
— 28. S ὕμνον τὸν θεόν  
Ju. 15. 13. S ὕμνον ἐν τῷ στόματι αὐ. [A B al.]  
16. 13. ὕμνησώ τῷ θεῷ μου ὕμνον καινόν  
Es. 4. 17. ἵνα ζῶντες ὑμνώμεν σου τὸ δῆγμα  
— 17. A ἐμφράξῃ στόμα ὕμνοῦντων σοι [B S al.]  
Jb. 38. 7. A καὶ ὕμνησαν  
Ps. 21 (22). 22. ἐν μέσῳ ἐκκλησίας ὕμνησώ σε  
64 (65). 13. κεκραύξονται καὶ γὰρ ὕμνησουσιν (1)  
70 (71). 8. B S ὅπως ὕμνησώ τὴν δόξαν σου  
136 (137). 3. B<sup>1</sup> ὕμνησατε [B<sup>2</sup> S ὕμνον ἤσατε,  
A ἤσατε] ἡμῖν ἐκ τῶν φθῶν Σιών (6)  
Pr. 1. 20. σοφία ἐν ἐξόδοις ὕμνεῖται (5)  
8. 3. ἐν δὲ εἰσόδοις ὕμνεῖται (6)  
Wi. 10. 20. ὕμνησαν, κύριε, τὸ δῆγμα τὸ ἀγιόν σου  
Si. 39. 35. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὕμνησατε  
[B<sup>1</sup> -αμεν]  
47. 8. ῥήματα δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὕμνησε  
[S -σιν]  
51. 11. ὕμνησώ ἐν ἐξομολογήσει  
Is. 12. 4. ὕμνεῖτε κύριον (3)  
— 5. ὕμνησατε τὸ δῆγμα κυρίου (2)  
25. 1. ὕμνησώ τὸ δῆγμα σου (3)  
42. 10. ὕμνησατε τῷ κυρίῳ ὕμνον καινόν (6)  
Da. LXX. 3. (24). ὕμνησαν τῷ κυρίῳ  
— (51). ὕμνον καὶ ἐδόξαζον . . . τὸν θεόν  
— (57), (58), (59), (60), (61), (62), (63), (64),  
(65), (66), (67), (68), (69), (70), (71),  
(72), (73). ὕμνεῖτε . . . αὐτὸν εἰς τοὺς  
αἰῶνας  
— (74). ὕμνεῖται . . . αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας  
— (75), (76), (77), (78), (79), (80), (81), (82),  
(83), (84), (85), (86), (87), (88).  
ὕμνεῖτε . . . αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας

Da. LXX. 3. (90). ὕμνεῖτε καὶ ἐξομολογήσθε  
— 24 (91). ἐν τῷ ἀκούσαι τὸν βασι. ὕμνοῦντων  
αὐτῶν  
Da. TH. 3. 23. περιπάτου . . . ὕμνοῦντες  
— (51). ὕμνον καὶ ἐδόξαζον . . . τὸν θεόν  
— (57), (59), (58), (60), (61), (62), (63), (64),  
(65), (66), (67) (A), (68) (A), (71),  
(72), (66), (70), (73). ὕμνεῖτε καὶ ὑπερυ-  
ψοῦτε αὐτὸν  
— (74). ὕμνεῖται καὶ ὑπερυψοῦται αὐτὸν  
— (75), (76), (78), (77), (79), (80), (81), (82),  
(83), (84), (85), (86), (87), (88).  
ὕμνεῖτε καὶ ὑπερυψοῦτε αὐτὸν  
— (90). ὕμνεῖτε καὶ ἐξομολογήσθε  
— 24 (91). Ναβ. ἤκουσεν ὕμνοῦντων αὐτῶν  
I Ma. 4. 24. καὶ ἐπιστραφεῖντες ὕμνον  
13. 47. εἰσῆλθεν εἰς αὐτὴν ὕμνων  
IV Ma. 4. 12. πᾶσι τε ἀνθρώποις ὕμνησιν . . . τὴν  
. . . μακαριότητα  
[A. q. Ps. 9. 24 (10. 3): 34 (35). 28 : 44 (45).  
18 : 55 (56). 5, 11 : 77 (78). 63 : 112 (113).  
1 bis : 118 (119). 164 : 147. 1 (12) : Pr. 31.  
30, 31.]  
[Bsm. Ps. 27 (28). 7 : 43 (44). 9 : 44 (45). 18 :  
55 (56). 5 : 58 (59). 17 : 82 (83). 6 : 89 (90).  
14 : 112 (113). 1 bis : 118 (119). 164 : 148. 3 :  
150. 1.]  
[Th. Ps. 44 (45). 18 : 147. 1 (12) : Da. 3.  
24 (91).]  
[Al. Is. 24. 14.]  
**ὕμνησις.** (1) חָ (2) חָ  
Ps. 70 (71). 7. B ἐν σοὶ ἡ ὑ. [S ὑπόμνησις]  
μου διὰ παντός  
117 (118). 14. ἰσχύς μου καὶ ὕμνησις μου ὁ  
κύριος (1)  
Si. 47. 8. B ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐ. ὕμνησιν [A B -σε]  
[A. q. Dt. 10. 21 : Ps. 82 (83). 1 : 65 (66). 2 :  
70 (71). 14 : 108 (109). 1 : 144 (145). 1 : Is.  
42. 8 : 60. 18 : 61. 3 : 62. 7.]  
[Bsm. Ps. 9. 15 : 32 (33). 1 : 108 (109). 1 : Is.  
61. 3.]  
**ὕμνητός.**  
Da. LXX. 3. (54), (56). καὶ ὕμνητός . . . εἰς τοὺς  
αἰῶνας  
Da. TH. 3. (56). καὶ ὕμνητός [A ὑπερμυν.] . . . εἰς  
τοὺς αἰῶνας  
[A. q., Th. Ps. 47 (48). 2.]  
[Bsm. Ps. 47 (48). 2 : 108 (109). 1 (P.).]  
**ὕμνογράφος.**  
IV Ma. 18. 15. τὸν ὕμν. ἐμελάθει ὕμν. Δαυὶδ  
**ὕμνολογεῖν.**  
[Bsm. Ps. 55 (56). 1r : 64 (65). 9.]  
**ὕμνολογία.**  
[Bsm. Jb. 38. 26 : Ps. 149. 6.]  
**ὕμνοποιεῖσθαι.**  
[Bsm. Ps. 55 (56). 11.]  
**ὕμνος.** (1) חָ pi. (2) חָ (3) חָ  
(4) חָ (5) חָ  
II Ch. 7. 6. τοῦ ἐξομολογήσθαι . . . ἐν ὕμνοις Δ. (1)  
I Es. 6. 61. ἐφώνησαν δι' ὕμνων [B<sup>1</sup> -ον]  
Ne. 12. 24. B εἰς ὕμνον αἰνεῖν [A B S al.] (1)  
— 46. πρῶτος τῶν ἀδόντων καὶ ὕμνον καὶ  
αἶνεον (3+4)  
— 47. S<sup>1</sup> διδόντες . . . καὶ ὕμνον καὶ αἰνεῖν τῷ θεῷ  
— Ju. 15. 13. μετὰ στεφάνων καὶ ὕμνων ἐν τῷ στόματι  
αὐ. [S al.]  
16. 13. ὕμνησώ τῷ θεῷ μου ὕμνον καινόν  
Ps. 6. tit. εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις [A om. ἐν ὑ.] (2)  
39 (40). 3. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στόμα μου ἄσμα  
καινόν ὕμνον τῷ θεῷ ἡμῶν (4)  
53 (54). tit. : 64 (55). tit. : 60 (61). tit. εἰς τὸ  
τέλος ἐν ὕμνοις (2)  
64 (65). 1. σοὶ πρέπει ὕμνος, ὁ θεός, ἐν Σιών (4)  
66 (67). tit. εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις (2)  
71 (72). 20. ἐξέλιπον οἱ ὑ. Δαυὶδ (5)  
75 (76). tit. εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις (2)  
99 (100). 4. A εἰς [B om.] τὰς αὐλὰς αὐτοῦ  
ἐν ὕμνοις (4)  
118 (119). 171. ἐξερεύσαντο τὰ χεῖλῳ μου ὕμνον (4)  
136 (137). 3. B<sup>2</sup> ὕμνον ἤσατε [A B<sup>1</sup> ὕμνη-  
σατε] ἡμῖν ἐκ τῶν φθῶν Σιών +

Ps. 148. 14. A B<sup>2</sup> S B ὕμνος πᾶσι τοῖς ὁσίοις αὐτοῦ (4)  
Si. 44. 1. πατέρων ὕμνος  
Is. 42. 10. ὕμνησατε τῷ κυρίῳ ὕμνον καινόν (3)  
I Ma. 4. 33. αἰνεσάτωσάν σε . . . ἐν ὕμνοις  
18. 51. εἰσῆλθεν . . . ἐν ὕμνοις  
II Ma. 1. 30. ἐπέβαλλον τοὺς ὑ.  
10. 7. B ὕμνον ἀνέφερον τῷ εὐδοκῶσαντι [A al.]  
— 38. μεθ' ὕμνων . . . εὐλόγουν τῷ κ.  
12. 37. καταρτέμενος . . . τὴν μεθ' ὕμνων κραυγὴν  
III Ma. 7. 16. ἐν . . . παρμελεῖσιν ὑ. εὐχαριστοῦντες  
τῷ θ.  
IV Ma. 10. 21. τὴν γὰρ τῶν θείων ὑ. μελωδὸν γλῶτ-  
ταν ἐκτέμνει  
[A. q. Ps. 21 (22). 4.]  
[Bsm. Ps. 21 (22). 4 : 65 (66). 2, 8 : 70 (71). 14 :  
108 (104). 1 : 144 (145). 1 : Is. 43. 21.]  
[Th. Ps. 4. 1 : 6. 1 : 21 (22). 4.]  
[Al. Ps. 148. 13.]  
**ὕμνωδεῖν.** (1) חָ  
I Ch. 25. 6. πάντες οὗτοι . . . ὕμνωδούντες (1)  
**ὕνις.**  
[Bsm. i Ki. 13. 20.]  
**ὕπάγειν.** (1) הָ hi.  
Ex. 14. 21. ὑπήγαγεν κύριος τὴν θάλ. (1)  
To. 8. 21. S ὑπάγε ὑγαίνων πρὸς τὸν πατέρα σου  
[A B al.]  
10. 12. S ὑγαίνων ὑπάγε  
— 13. S ὑπάγε πρὸς τὸν πενθερόν σου [A B al.]  
12. 5. S B ὑπάγε ὑγαίνων  
Je. 48 (36). 19. B<sup>1</sup> μὴ γνῶτω ποῦ ὑπάγεις +  
[A B S<sup>2</sup> ἐμείς]  
IV Ma. 4. 13. S τοῖσις ὑπαχθεῖς [A B ἐπ.] τοῖς  
λόγοις  
**ὕπαγκώνιον.**  
[Bsm. Ez. 13. 18.]  
**ὕπαγορεύειν.**  
I Es. 6. 30. καθὼς ἂν οἱ ἱερεῖς οἱ ἐν Ἱερ. ὑπαγορεύει-  
σων  
**ὕπαιθρος.** (1) חָ  
Pr. 21. 9. κρείσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας ὑπαιθρου (1)  
II Ma. 15. 19. ταρασσομένοις τῇ ἐν ὑπαιθρῷ προσ-  
βολῇ  
**ὕπαιρειν.** (1) חָ ni.  
II Ch. 32. 23. A ὑπῆρθη [B ὑπερήρθη] κατ'  
ὀφθαλμοὺς πάντων τῶν ἐθνῶν (1)  
**ὕπακοή.** (1) חָ  
II Ki. 22. 36. ἡ [A om.] ὑ. σου ἐπλήθυνέ με (1)  
[A. q. II Ki. 23. 23.]  
**ὕπακούειν.** (1) חָ hi. (2) חָ (3) חָ  
a. qal. b. hi. c. חָ (4) חָ hi.  
(5) חָ (6) חָ hi. (7) חָ  
a. qal. b. ni. c. חָ d. חָ ithp.  
(8) c. neg. חָ  
Ge. 16. 2. ὑπήκουσε δὲ Ἀβ. τῆς φωνῆς αὐ. (7 a)  
22. 18. ὑπήκουσας τῆς ἐμῆς φωνῆς (7 a)  
26. 5. ὑπήκουσεν Ἀβ. . . τῆς ἐμῆς φωνῆς (7 a)  
27. 13. A ὑπάκουσάν [B ἐπ.] μου τῆς φωνῆς (7 a)  
39. 10. οὐχ ὑπήκουεν αὐτῇ (7 a)  
41. 40. ἐπὶ τῷ στόματι σου ὑπακούσεται (2)  
Le. 26. 14. εἰδὲ μὴ ὑπακούσῃ μου (7 a)  
— 18. εἰδὲ τούτου μὴ ὑπακούσῃ μου (7 a)  
— 21. εἰδὲ . . . μὴ βούλησθε ὑπακούειν μου (7 a)  
— 27. εἰδὲ ἐπὶ τούτοις μὴ ὑπακούσῃ μου (7 a)  
De. 17. 12. ὅσπερ μὴ ὑπακούοις τοῦ κερῶς (7 a)  
20. 12. εἰδὲ μὴ ὑπακούσῃ σοι (6)  
21. 18. υἱὸς . . . οὐχ ὑπακούων φωνῇ πατρός (7 a)  
— 20. οὐχ ὑπακούει [A οὐκ ἀκ.] τῆς φωνῆς  
ἡμῶν (7 a)  
26. 14. A ὑπήκουσα [B ἐπ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ  
θ. ἡμῶν (7 a)  
— 17. καὶ ὑπακούειν τῆς φωνῆς αὐ. (7 a)  
30. 2. A καὶ ὑπακούσῃ [B εἰσακ.] τῆς φωνῆς αὐ. (7 a)  
Jo. 22. 2. B ὑπήκουσατε τῆς φωνῆς μου [A B  
al.] (7 a)  
Jd. 2. 16 (17). τῶν κριτῶν οὐχ ὑπήκουσαν [A  
οὐκ ἐπ.] (7 a)  
— 20. A οὐχ ὑπήκουσαν τῆς φωνῆς μου [A al.] (7 a)

|   |   |   |
|---|---|---|
| I Ki. 30. 24. B τίς ὑπακούσεται [A B ἐπ.] ἡμῶν τῶν λόγων τ. (7 a)   | II Ma. 1. 5. καὶ ὑπακούσαι ἡμῶν τῶν δεήσεων 7. 30. οὐχ ὑπακούω τοῦ προστάγματος τοῦ βασι.   | Ge. 24. 59. ἐξέψυσαν . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐ. +   |
| II Ki. 22. 42. καὶ οὐχ ὑπήκουσεν αὐτῶν (3 a)  | [Aq. Ps. 17 (18). 45: Ho. 2. 15 (17).]  | 25. 5. ἔδωκε δὲ Ἰ. Α. πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐ. ἰ. (4 d)   |
| — 45. A εἰς ἀκοὴν ὧτιον ὑπήκουσάν [B ἤκ.] μου (7 b)   | [Sm. Jb. 9. 3: Ps. 17 (18). 36, 45: 80 (81). 12: Is. 53. 7: Jb. 13. 17.]  | 31. 18. ἀπήγαγε πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (4 h)  |
| I Ch. 29. 23. A ὑπήκουσεν [B -αν, B ἐπήκου-σαν] αὐτοῦ πᾶς Ἰσρ. (7 a)  | [Th. I Ki. 22. 14: Jb. 9. 3: Ps. 17 (18). 45: Da. 3. 12.]   | 34. 23. A <sup>1</sup> τὰ ὑπάρχοντα καὶ τὰ τετραπόδα αὐ. καὶ τὰ ὑπάρχοντα αὐ. [A <sup>2</sup> B om. κ. τὰ ὑ. αὐ.] οὐχ ἡμῶν ἔσται (4 h, -) |
| II Ch. 11. 4. A ὑπήκουσαν [B ἐπ.] τοῦ λόγου κυρίου (7 a)  | [Al. Ge. 34. 17.]   | 36. 6. ἔλαβε δὲ H. . . πάντα τὰ ὑπάρχοντα (4 h)   |
| 24. 19. καὶ οὐχ ὑπήκουσαν [A οὐκ ἤκ.] (1)   | [Quint., Sext. Ps. 17 (18). 45.]  | — 7. ἦν γὰρ αὐτῶν τὰ ὑπάρχοντα πολλά (4 l)  |
| Ju. 14. 15. A ὥς δὲ οὐβείς ὑπήκουσεν [B S ἐπ.] Es. 3. 4. οὐχ ὑπήκουεν [A S <sup>2</sup> -σεν] αὐτῶν (7 a)                         | <b>ὑπαναχωρεῖν.</b>   | — 7. ἀπὸ τοῦ πληθύνει τῶν ὑπαρχόντων αὐτῶν (4 h)  |
| — 4. A μὴ ὑπακούοντα τοῖς τοῦ βασι. λόγοις [B S al.] -  | [Aq. Ge. 16. 6.]  | 39. 5. ἐγενήθη εὐλογία κυρίου ἐπὶ πᾶσι τοῖς ὑπάρχουσιν αὐτῷ (4 c)   |
| Jb. 5. 1. ἐπικύλειαι δὲ εἴ τις σοι ὑπακούσεται [A σου εἰσακ.] (3 c)   | <b>ὑπανδρος.</b> (1) ὡς ΠΠ  | 42. 13. ὁ δὲ ἕτερος οὐχ ὑπάρχει -   |
| 9. 3. οὐ μὴ ὑπακούσῃ αὐτῷ (3 a)   | Nu. 5. 20. εἰ δὲ σὺ παραβίβῃς ὑπανδρος οὐσα (1)   | — 32. ὁ εἰς οὐχ ὑπάρχει -   |
| — 14. εἰ δὲ μου ὑπακούσεται [S -σηται, A εἰσακούσῃ] (3 a)   | — 29. φ' εἰδὼν παραβίβῃς ἡ γυνὴ ὑπανδρος οὐσα (1)   | 45. 11. οἱ υἱοὶ σου καὶ πάντα τὰ ὑπάρχοντά σου (4 d)  |
| — 16. εἰάν τε καλῶς καὶ μὴ [A S om.] ὑπα-κούσῃ [A εἰσακ.] (3 a)   | Pr. 6. 24. τοῦ διαφιλιάσσειν σε ἀπὸ γυναικὸς ὑ. +   | — 18. παραλαβόντες . . . τὰ ὑπάρχοντα ἡμῶν +  |
| 13. 22. ἐγὼ δὲ σοι ὑπακούσομαι [A -κούω] (3 a)  | — 29. ὁ εἰσελθὼν πρὸς γυναῖκα ὑπανδρον +  | 46. 6. ἀναλαβόντες τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (4 h)   |
| 14. 15. ἐγὼ δὲ σοι ὑπακούσομαι (3 a)  | Si. 9. 9. μετὰ ὑπάνδρου γυναικὸς μὴ καθὼς τὸ σύνολον 41. 21. ἀπὸ κατανοήσεως γυναικὸς ὑπάνδρου [Sm., Th. Is. 54. 1.]  | 47. 18. εἰ γὰρ ἐκλίποις . . . τὰ ὑπάρχοντα (4 h)  |
| 19. 16. καὶ οὐχ ὑπήκουε [A -αν] (3 a)   | <b>ὑπανθεῖν (?)</b>   | Ex. 14. 11. παρὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν μνήματα -   |
| 38. 34. A B καὶ τρώμω [A δρώμω] ὕδατος λάβρου [B -ψ] ὑπακούσεται [B ἔπακ.] σου +  | Si. 12. 17. B κακὰ δὲ ὑπανθήσῃ [A B S -τήσῃ] σοι ὑπαντῶν. (1) ΠΠ  | 22. 3 (2). εἰ δὲ μὴ ὑπάρχῃ αὐτῷ -   |
| Ps. 17 (18). 44. εἰς ἀκοὴν ὧτιον ὑπήκουσέ [S <sup>1</sup> -αν, A ἐπικουσία] μου (7 b)   | To. 7. 1. A B καὶ Σάρρα δὲ ὑπῆντησεν αὐτῷ Ju. 7. 15. A οὐχ ὑπῆντησαν [B S οὐκ ἀντ.] τῷ προσ-ώπῳ σου   | 82. 24. εἰ [A om.] τινὶ ὑπάρχει χρυσία -  |
| Pr. 1. 24. A B καὶ οὐχ ὑπηρετεῖτε [B -κούσατε] (8)  | Wi. 6. 16. ἐν πάσῃ ἐπινοίᾳ ὑπαντῶ [A S ἀπ.] αὐτοῖς Si. 9. 3. μὴ ὑπάντα γυναικὶ ἐταιρίζουσι 12. 17. κακὰ δὲ ὑπάντησιν σοι 15. 2. ὑπάντησεται [A B -σει] αὐτῷ ὡς μήτηρ Da. LXX. 10. 14. τί ὑπάντησεται τῷ λαῷ σου (1) | Nu. 32. 4. τοῖς παῖσι σου κτήνη ὑπάρχει -   |
| 2. 2. ὑπακούσεται σοφίας τὸ οὐδ σου (4)   | <b>ὑπάντησις.</b> (1) ΠΠ (2) ΝΠ   | De. 20. 14. ὅσα δὲ ὑπάρχῃ ἐν τῇ πόλει (1)   |
| 8. 1. ἵνα φρονίσῃς σοι ὑπακούσῃ 15. 23. οὐ μὴ ὑπακούσῃ ὁ κακὸς [S <sup>2</sup> ἄκακος] αὐτῇ +                                     | Jd. 11. 34. ἐξεπορεύετο εἰς ὑπάντησιν [A ἀπάντ. αὐτοῦ] (2)  | 21. 16. ᾧ δὲ ἡμέρα κατακληρονομή . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐ. (4 b)   |
| — 29. B εὐχαῖς δὲ δικαίων ὑπακούει [A B ἔπακ.] σου (7 a)  | I Ch. 14. 8. A ἐξῆλθεν εἰς ὑπάντησιν [B S ἀπ.] αὐτοῖς Ju. 2. 6. B ἐξέκλυσεν εἰς ὑπάντησιν πάσης τῆς γῆς [A B al.]   | Jo. 4. 6. ἵνα ὑπάρχωσιν ἡμῖν οὗτοι εἰς σημεῖον (1)  |
| 17. 4. κακὸς ὑπακούει γλώσσης [S <sup>2</sup> -η] παρανό-μων (4)  | Pr. 7. 15. B <sup>1</sup> ἐξῆλθεν εἰς ὑπάντησιν [A B <sup>2</sup> S B συνάντ.] σοι (2)  | 5. 11 (12). οὐκ ἐπὶ ὑπῆρχε τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. μάρνα (1)  |
| 21. 13. A δὲ φράσσει τὰ ὅσα αὐτοῦ τοῦ μὴ ὑπακούσαι [B S ἔπακ.] ἀσθενῶν +  | I Ma. 9. 39. B ἐξῆλθε . . . εἰς ὑπάντησιν [A B συνάντ.] αὐτῶν   | 7. 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν . . . καὶ πάντα τὰ ὑπάρ-χοντα αὐτοῦ (4 d)   |
| 22. 21. διδάσκου οὐν σὲ ἀληθῆ λόγων καὶ γῶσιν ἀγαθῆν [A ἀληθῆ] ὑπακούειν +  | <b>ὑπαρ.</b>  | Jd. 19. 19. A χορτάσματα ὑπάρχει [B ἔστι] τοῖς δούλοις ἡμῶν (2)   |
| 28. 17. B <sup>2</sup> R οὐ μὴ ὑπακούσῃ [A -ση, B -σης, B <sup>1</sup> -σεις] ἔθνεϊ παρανόμῳ -                                    | II Ma. 15. 11. B ὑπαρ [A ὑπέρ] τι πάντας εὐφρανεν ὑπαρξίς. (1) ΠΠ (2) ὡς (3) ΠΠ   | — 19. A οὐδὲ ὑπάρχει [B ἔστιν] μοι (2)  |
| 29. 12. A B βασιλεὺς ὑπακούοντος [B S ἔπακ.] λόγον ἀδικῶν (4)   | (4) ὡς ΠΠ   | Ru. 2. 21. δεῖ ὑπάρχει μοι -  |
| — 19. εἰάν γὰρ καὶ νόησ' ἄλλ' [A om.] οὐχ ὑπακούσεται (3 b)   | II Ch. 35. 7. ταῦτα ἀπὸ τῆς ὑ. τοῦ βασι. (4)  | 4. 9. καὶ πάντα ὅσα ὑπάρχει τῷ Χ. -   |
| Ca. 3. 1, 2 (A). καὶ οὐχ ὑπήκουσέ μου 5. 6. καὶ οὐχ ὑπήκουσέ [A οὐκ ἐπῆκουσέν] μου (3 a)  | II Es. 10. 8. ἀναθεματισθήσεται πᾶσα ἡ ὑ. αὐ. (4)   | I Ki. 9. 7. εἰσεργεῖν τῷ ἀνθρώπῳ τοῦ θ. τὸ ὑπάρχον ἡμῶν (4 g)   |
| Si. 4. 15. ὁ ὑπακούων [B εἰσακ.] αὐτῆς κρινεῖ ἔθνη 24. 22. ὁ ὑπακούων μου οὐκ αἰσχυνθήσεται [S <sup>1</sup> οὐ καταισχ.] (7 a)    | Ju. 16. 21. κατέμεινε ἐπὶ τῆς ὑ. αὐ. Ps. 77 (78). 48. καὶ τῆς ὑ. αὐτῶν τῷ πυρί (3)  | I Ch. 27. 31. πάντες οὗτοι προστάται ὑπαρχόντων Δ. (4 l)  |
| 42. 23. καὶ πάντα ὑπακούει Ma. 2. 2. A εἰ μὴ ὑπακούσῃ [B S ἀκ.] (7 a)   | Pr. 8. 21. ἵνα μερίσω τοῖς ἐμὶ ἀγαπῶσιν ὑπαρξίν 18. 11. ὑπαρξίς ἐπιστομυδαζομένη μετὰ ἀνομίας ἐλάσσαν γίνεται (1)   | 28. 1. καὶ τοὺς ἐπὶ τῶν ὑπαρχόντων αὐ. (4 h)  |
| Is. 11. 14. οἱ δὲ υἱοὶ Ἀ. πρῶτος ὑπακούσονται (7 c)   | 18. 11. ὑπαρξίς [A -εις] πλουσίῳ ἀνδρὸς πόλιν οὐχρά (1)   | II Ch. 15. 17. ἐπὶ ὑπῆρχεν ἐν τῷ Ἰσρ. +   |
| 29. 24. οἱ δὲ γογγύζοντες μαθήσονται ὑ. [S add. κυρίω] +  | 19. 14. οἶκον καὶ ὑπαρξίν μερίζουσι πατέρες παῖσι (1)   | 20. 33. τὰ ὑψηλὰ ἐπὶ ὑπῆρχε +   |
| 50. 2. οὐκ ἦν ὁ ὑπακούων [A οὐκ ὑπήκουσεν S <sup>1</sup> οὐκ ἦν ὁ ἔπακ.] (3 a)  | Je. 9. 10 (9). οὐκ ἤκουσαν φωνὴν ὑπάρξεως (3)   | 26. 10. κτήνη πολλά ὑπῆρχεν [A -ον] αὐτῷ (1)  |
| — 10. ὑπακουσάτω [A ἀκ., S ἔπακ.] τῆς φωνῆς τοῦ παιδὸς αὐτοῦ (7 a)  | Da. TH. 11. 13. ἐπελεύσεται εἰσὶν δὲ . . . ἐν ὑ. πολλῇ (4)  | 31. 3. μερίς τοῦ βασι. ἐκ τῶν ὑπαρχόντων αὐ. (4 l)  |
| 65. 12. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐχ ὑπήκουσατε (3 a)   | — 24. σκύλα καὶ ὑπαρξίν αὐτοῖς διασκορπεῖ (4)   | I Es. 4. 50. πᾶσαν τὴν χώραν . . . ἀφορολόγητον ὑπάρχειν  |
| — 24. πρὶν ἢ κεκράξαι αὐτοὺς ἐγὼ ὑπακούομαι [A B ἐπ.] αὐτῶν (3 a)   | — 28. ἐπιστρέψετε . . . ἐν ὑ. πολλῇ (4)   | — 53. ὑπάρχειν τὴν ἐλευθερίαν αὐτοῖς  |
| 66. 4. ἐκάλεσα αὐτοὺς καὶ οὐχ ὑπήκουσάν μου [S <sup>1</sup> μοι] +  | I Ma. 12. 23. ἡ ὑ. ἡμῶν ἡμῖν ἔσται [Aq. Pr. 1. 13: 8. 18: Ca. 8. 7:] [Sm. Ge. 14. 21: Ps. 43 (44). 13: Ez. 27. 27: 38. 12 (Sw).]  | 6. 32. καὶ τὰ ὑπάρχοντα αὐ. εἶναι βασιλικά  |
| Je. 3. 13. τῆς δὲ φωνῆς μου οὐχ ὑπήκουσας [A οὐκ ἤκ.] (7 a)   | [Th. Pr. 1. 13: 8. 18.] [Al. Ps. 43 (44). 13.]  | II Es. 6. 8. ἀπὸ ὑπαρχόντων βασιλείας . . . δα-πάνη ἔστω (4 j)  |
| — 25. οὐχ ὑπεκούσαμεν [A οὐκ ἤκ.] τῆς φωνῆς κυρίου (7 a)  | <b>ὑπάρχειν.</b> (1) ΠΠ (2) ὡς (3) ΠΠ (4) τὸ ὑπάρχον, (τὰ) ὑπάρχοντα A. ΠΠ δ. ὡς ΠΠ   | To. 1. 20. πάντα τὰ ὑπάρχοντά μου [S π. ὅσα ὑπῆρχέν μοι] (4)  |
| 11. 10. B οὐκ ἠβελον ὑπακούσαι τῶν λόγων [A B al.] (7 a)  | ἡγῆ. c. ὡς ΠΠ δ. ὡς ΠΠ e. ΠΠ f. ΠΠ g. ΠΠ h. ΠΠ i. ΠΠ j. ΠΠ k. ΠΠ l. ΠΠ m. ΠΠ n. ΠΠ (5) οὐχ ὑπάρχειν ΠΠ  | 3. 5. B πολλά σου αἱ κρίσεις ὑπάρχουσιν [A B εἰσιν] ἀληθιναί  |
| 13. 10. φθάρω . . . τοὺς μὴ βουλομένους ὑ. τῶν λόγων μου (7 a)  | Ge. 12. 5. ἔλαβον . . . πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐτῶν (4 l)  | — 10. B μία σοι ὑπῆρχεν θυγατὴρ ἀγαπητή [A B al.]   |
| 16. 12. τοῦ μὴ ὑ. μου (7 a)   | 13. 6. ἦν τὰ ὑπάρχοντα αὐ. πολλά (4 l)  | — 15. οὐχ ὑπάρχει αὐτῷ παιδίον [S ἕτερον τέκνον]  |
| Ba. 3. 33. ὑπήκουσεν αὐτῷ τρώμω Da. LXX. 3. (30). τῶν ἐντολῶν τοῦ νόμου σου οὐχ ὑπήκουσεν   | 14. 16. B καὶ πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐ. καὶ τὰς γυναῖκας (4 l)   | — 15. A B οὐδὲ ὑπάρχων αὐτῷ υἱός  |
| Da. TH. 3. 12. οἱ οὐχ ὑπήκουσαν, βασιλεῦ, τῷ δόγματι σου (5)  |   | — 15. B οὐτε συγγενὴς αὐτῷ ὑπάρχει  |
| 7. 27. πᾶσαι αἱ ἀρχαὶ αὐτῷ . . . ὑπακούονται (7 d)  |   | 4. 7. B ἐκ τῶν ὑπαρχόντων σοι [A σου] ποιεῖ ἐλεημοσύνην   |
| I Ma. 10. 38. A S <sup>2</sup> B τοῦ μὴ ὑπακούειν [S <sup>1</sup> ἐπ.] ἀλλῆς ἐξουσίας [B ΠΠ ἡ ἐξ.] 12. 43. ὑπακούειν αὐτῷ ὡσαύτως |   | — 8. A B ὡς σοι ὑπάρχει κατὰ τὸ πλῆθος  |



- Jb. 18. 7. θηρεύσαισαν ἐλάχιστοι τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (4 a)  
 — 17. ὑπάρχει ὄνομα αὐτῷ ἐπὶ πρόσωπον ἐξῆς (4 a)  
 20. 20. οὐκ ἔστιν αὐτοῦ [A ἔστιν αὐτῷ] σωτηρία τοῖς ὑπάρχουσιν [A ἐν τοῖς ὑ. αὐτοῦ] +  
 — 29. κτῆμα ὑπαρχόντων αὐτῷ [A -οῦ] παρὰ τοῦ ἐπισκόπου +  
 21. 19. ἐκλείπει υἱοὺς [A -οῖς] τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (4 a)  
 29. 12. A ὀρφιμῶ φ οὐχ ὑπῆρχεν [B S οὐκ ἦν] βοηθὸς ἐβοήθησα —  
 38. 26. ἔρημον οὐ οὐχ ὑπάρχει ἄνθρωπος ἐν αὐτῇ —  
 42. 18. Ἀσὼμ ὁ ὑπάρχων ἡγεμὼν ἐκ τῆς Θαιμα-νιτίδος χώρας —  
 Ps. 36 (37). 10. οὐ μὴ ὑπάρξῃ [A -εἰ δ] ἀμαρτωλὸς —  
 38 (39). 13. οὐκ ἐστὶ μὴ ὑπάρξῃ —  
 54 (55). 19. ταπεινώσει αὐτοὺς ὁ ὑπάρχων πρὸ τῶν αἰώνων —  
 58 (59). 13. οὐ μὴ ὑπάρξουσιν [S -ωσιν] —  
 68 (69). 20. ὑπέμεινα συλλυπούμενον καὶ οὐχ ὑπῆρχε [S' -χεν] —  
 71 (72). 12. πένθητα φ οὐχ ὑπῆρχε βοηθὸς —  
 72 (73). 25. τί γὰρ μου ὑπάρχει ἐν τῷ οὐρανῷ —  
 102 (103). 16. καὶ οὐχ ὑπάρχει —  
 103 (104). 33. A' B S ψαλῶ τῷ θεῷ μου ἕως ὑπάρχω —  
 — 35. καὶ ἄνομι ὥστε μὴ ὑπάρχειν αὐτοὺς —  
 108 (109). 11. ὅσα ὑπάρχει αὐτῷ —  
 — 12. μὴ ὑπαρξάτω αὐτῷ ἀντιλήπτωρ (1)  
 145 (146). 2. ψαλῶ τῷ θεῷ μου ἕως ὑπάρχω —  
 Pr. 5. 17. A S B ἔστω σοι μόνω [B μόνω] ὑπάρχοντα —  
 6. 7. ἐκείνῳ [A S' -ου] γὰρ γεωργίῳ μὴ ὑπάρχοντος (4 e)  
 — 31. πάντα τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ δούς (4 e)  
 8. 18. πλοῦτος καὶ δούξαι ἐμοὶ ὑπάρχει —  
 11. 4. A οὐκ ὠφελήσεται ὑπάρχοντα ἐν ἡμέρᾳ θανάτου (4 e)  
 — 14. οἷς μὴ ὑπάρχει κυβερνήσεις —  
 — 14. σωτηρίᾳ δὲ ὑπάρχει ἐν πολλῇ βουλῇ —  
 17. 16. ἵνα τί ὑπῆρχε χρήματα ἄφρονι —  
 — 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος ὑπαρχέτω σοι —  
 19. 1 (4). ὁ δὲ πτωχὸς καὶ ἀπὸ τοῦ ὑπάρχοντος φίλου λείπεται —  
 29. 7. πτωχὸς οὐχ ὑπάρχει νοῦς ἐπιγνώμων —  
 — 18. οὐ μὴ ὑπάρξῃ [A -εἰ] ἐξηγητὴς ἔθνεϊ παρανομῶν —  
 Ec. 5. 18. ἔδοκεν αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον καὶ ὑπάρχοντα (4 i)  
 6. 2. δώσει αὐτῷ ὁ θεὸς πλοῦτον καὶ ὑπάρχοντα (4 i)  
 Wi. 2. 2. ἐσόμεθα ὡς οὐχ ὑπάρχοντες [S' -χοιτες] —  
 Si. 20. 16. οὐχ ὑπάρχει μοι [A οπ.] φίλος —  
 38. 11. λίπανον προσφορὰν ὡς μὴ ὑπάρχων —  
 41. 1. ἀνθρώποις εἰρηνεύοντι ἐν τοῖς ὑπάρχουσιν αὐτοῦ [S -φ] —  
 44. 9. ἀπώλοντο ὡς οὐχ ὑπάρχοντες [S' -οντες] —  
 Am. 5. 5. Βασιλεῖς ἔσται ὡς οὐχ ὑπάρχουσα (5)  
 6. 10. εἰ ἐτι ὑπάρχει παρὰ σοί —  
 Mi. 5. 4 (3). ἐν τῇ δόξῃ ὀνόματος κ. θεοῦ αὐ. ὑπάρξουσιν +  
 7. 1. οὐχ ὑπάρχοντος βότρυς —  
 — 2. κατορθῶν ἐν ἀνθρώποις οὐχ ὑπάρχει —  
 Jl. 1. 18. οὐχ ὑπῆρχε νομὴ αὐτοῖς —  
 Ob. 1. 16. ἔσονται καθὼς οὐχ ὑπάρχοντες (1)  
 Hb. 3. 17. οὐχ ὑπάρχουσι βόες ἐπὶ φάτναις —  
 Ze. 3. 6. παρὰ τὸ μνημεῖον ὑπάρχει μὴδὲ κατοικεῖν —  
 Hg. 2. 4 (3). καθὼς οὐχ ὑπάρχοντα ἐνώπιον ὤμων —  
 Za. 8. 10. ὁ μισθὸς τῶν κτηνῶν οὐχ ὑπάρξει —  
 Ma. 1. 14. καὶ ὑπῆρχεν [A add. αὐτῷ] ἐν τῷ ποιμνίῳ αὐ. ἄρσεν (2)  
 Is. 59. 10. ὡς οὐχ ὑπαρχόντων ὀφθαλμῶν ψηλα-φῆσουσι. —  
 Je. 4. 14. ἔως πότε ὑπάρχουσιν [A -ἀρξ.] ἐν σοὶ διαλογισμοί [B S λ.] (3)  
 5. 13. λόγος κυρίου οὐχ ὑπῆρχεν ἐν αὐτοῖς —  
 7. 32. διὰ τὸ μὴ ὑ. τόπον —  
 26 (46). 19. διὰ τὸ μὴ ὑ. κατοικούντας ἐν αὐτῇ —  
 27 (50). 20. οὐχ ὑπάρξει —  
 Ba. 4. 1. ὁ νόμος ὁ ὑπάρχων εἰς τὴν αἰῶνα —  
 La. 1. 2. οὐχ ὑπάρχει ὁ παρακαλῶν αὐτήν —  
 5. 3. οὐχ ὑπάρχει πατήρ —  
 — 7. οὐχ ὑπάρχουσιν —  
 Ep. 1. 7. τοιοῦτοι ὑπάρχουσιν οἱ θεοὶ αὐτῶν —  
 — 40. πῶς ρομαστέον . . . αὐτοῦς ὑ. θεοῦ —  
 — 44. πῶς . . . κλητέον ὡς [A ὥστε] θεοὺς αὐτοῦς ὑ. —  
 — 50. ὑπάρχοντα γὰρ ξύλινα . . . γνωσθήσεται —  
 Ep. Je. 64. οὐτε κλητέον [A ἐκδεκτ.] ὑ. αὐτοῦς θεοῦς (1)  
 Ez. 16. 49. τοῦτο ὑπῆρχεν αὐτῇ (1)  
 28. 12. σκυλεύσει τὰ ὑπάρχοντά [A τὸν πλου-τὸν] σου (4 m)  
 — 21. οὐχ ὑπάρξει ἐτι —  
 28. 19. οὐχ ὑπάρξει ἐτι εἰς τὸν αἰῶνα —  
 38. 11. ἐν ἧ [A αἰς] οὐχ ὑπάρχει τείχος —  
 Da. LXX. 2. 5. ἀναλήφθησονται ὡς τὰ ὑπάρ-χοντα εἰς τὸ βασιλικόν +  
 I Ma. 13. 38. τὰ ὀχυρώματα . . . ὑπαρχέτω ὑμῖν —  
 II Ma. 11. 13. οὐκ ἄνους δὲ ὑπάρχον —  
 — 30. ὑπάρξει δεξιὰ μετὰ τῆς ἀδείας —  
 12. 27. βελῶν πολλὰι παραθέσεις ὑπῆρχον —  
 14. 35. τῶν ὅλων ἀπροσδεῖς ὑπάρχων —  
 — 45. ἐτι δὲ ἐμπροσθεν ὑπάρχειν —  
 III Ma. 7. 21. ὑπὸ μνηδὸς διασεισθέντες τῶν ὑπαρ-χόντων —  
 IV Ma. 4. 12. ὥστε καὶ ἀποθανεῖν ἄξιος ὑπάρχειν —  
 15. 5. ὅσῳ γὰρ . . . πολυμυνοῦντα ὑπάρχουσιν αἱ μητρίες —  
 [Aq. Ge. 12. 5 (P.): Jb. 7. 8: 23. 8: Ps. 58 (59). 14: Is. 28. 8: Je. 19. 11: 44 (51). 22: 50 (27). 20.] —  
 [Sm. Jb. 7. 21: 40. 4 (9): Ps. 38 (39). 14: 62 (63). 2: 68 (69). 21: 72 (73). 19: 102 (103). 16: 108 (109). 11: Is. 28. 8: 45. 14: 57. 1: La. 1. 2: Da. 9. 26.] —  
 [Th. Jb. 18. 17: Is. 5. 8: 28. 8: 57. 1: Je. 19. 11: 39 (46). 10: 44 (51). 22: 50 (27). 20: Ez. 27. 36.] —  
 [Al. Hb. 3. 4. 17.] —  
 ὑπαρχος.  
 I Es. 6. 27. B ἔσται δὲ τὸν παῖδα κυρίου Zor. ὑπαρχον [A R ἔπ.] δὲ τῆς 'I. —  
 [Sm. Ps. 2. 2: Da. 2. 48 (Sw.).] —  
 [Al. Jd. 5. 3.] —  
 ὑπαριστιός.  
 IV Ma. 3. 12. S τῶν ὑ. [A R ὑπερασπ.] . . . σχετιάζ-ζόντων —  
 9. 11. S R τὸν πρεσβύτερον αὐτῶν . . . παρήγαγον οἱ ὑ. [A μαστιγία] —  
 ὑπατος. (1) יְרֵיָרִי (2) יְרֵיָרִי  
 (3) יְרֵיָרִי (4) יְרֵיָרִי  
 I Es. 3. 14. ἐκάλεσε . . . τοὺς . . . ὑ. —  
 Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγεῖν . . . τοπάρχας καὶ ὑπάτους (1)  
 — 3. τότε συνήχθησαν ὑπάτοι (1)  
 — 27 (94). συνήχθησαν οἱ ὑ. (2)  
 Da. Th. 3. 2. ἀπ᾽ αὐτοὺς συναγαγεῖν τοὺς ὑ. (2)  
 — 3. συνήχθησαν οἱ τοπάρχαι ὑπάτοι (4)  
 6. 7 (8). συνεβουλευσάτο πάντες . . . ὑπάτοι (3)  
 I Ma. 15. 16. Λεύκιος ὑπάτος ῥωμαίων Ἱπτολεμαῖφ —  
 II Ma. 10. 10. τὰ κατὰ τὸν ὑ. Ἀρτίοχον —  
 ὑπαυχένον.  
 [Sm. Ez. 13. 18.] —  
 ὑπείκειν.  
 IV Ma. 6. 35. μὴδὲ αὐταῖς ὑπείκειν —  
 ὑπεκρεῖν.  
 III Ma. 5. 34. ὁ καθ' εἰς δὲ τῶν φίλων σκυθρωπῶς ὑπεκρέων —  
 ὑπεναντίος. (1) נִצָּח (2) נִצָּח (3) נִצָּח  
 (4) נִצָּח  
 Ge. 22. 17. κληρονομήσει . . . τὰς πόλεις τῶν ὑ. (1)  
 24. 60. κληρονομησάτω . . . τὰς πόλεις τῶν ὑ. (4)  
 Ex. 1. 10. προστεθήσονται καὶ οὗτοι πρὸς τοὺς ὑ. (4)  
 — 15. 7. συνέτριψας τοὺς ὑ. (3)  
 23. 27. δώσω πάντας τοὺς ὑ. σου φυγάδας (1)  
 32. 25. ἐπὶ χεῖρα τοῦ ὑ. αὐ. (1)  
 Le. 26. 16. καὶ ἔδονται οἱ ὑ. ὡμῶν —  
 Nu. 10. 9. εἰδὲν δὲ ἐξέλθῃ εἰς πόλεμον . . . πρὸς τοὺς ὑ. (2)  
 — De. 32. 27. ἵνα μὴ συνεπιθῶνται οἱ ὑ. (2)  
 Jo. 5. 12 (13). ἡμέτερος εἶ ἡ τῶν ὑ. (2)  
 II Ch. 1. 11. οὐκ ᾔτησεν . . . τὴν ψυχὴν τῶν ὑ. (2)  
 20. 29. ἐπολέμησε κύριος πρὸς τοὺς ὑ. Ἰσρ. (1)  
 26. 13. βοηθήσας τῷ βασι. ἐπὶ τοὺς ὑ. (1)  
 Ju. 5. 18. ἐκρατήθησαν ὑπὸ τῶν ὑ. —  
 Es. 8. 13. πολεμήσας αὐτῶν τοὺς ὑ. —  
 Jb. 13. 24. ἤγηται δὲ με ὑπεναντίον [A ὥσπερ ὑ.] σοι [A S' σου] (1)  
 Jb. 33. 10. ἤγηται δὲ με ὥσπερ ὑπεναντίον (1)  
 Ps. 73 (74). 10. παροξυνεῖ ὁ ὑ. τὸ ὄνομά σου (1)  
 Wi. 11. 8. A S R δείξας . . . πῶς τοὺς ὑ. [B τοῦ ὑ.] ἐκόλασας —  
 18. 8. ὡς γὰρ ἐτιμωρήσω τοὺς ὑ. —  
 Si. 23. 3. πεσοῦμαι ἐναντὶ τῶν ὑ. —  
 47. 7. ἐξουδένωσε φυλιστεῖμ τοὺς ὑ. —  
 Na. 1. 2. ἐκδικῶν κύριος τοὺς ὑ. αὐ. (2)  
 Is. 1. 24. παύσεται γὰρ μου ὁ θυμὸς ἐν τοῖς ὑ. (2)  
 26. 11. πῦρ τοὺς ὑ. ἔδεται (2)  
 59. 18. ὡς ἀνταποδώσω ἀνταπόδοσιν θνείδος τοῖς ὑ. (2+1)  
 63. 18. A οἱ ὑ. ἡμῶν κατεπάτησαν τὸ ἁγίασμά σου —  
 64. 2 (1). κατακαύσει πῦρ τοὺς ὑ. καὶ φανερόν ἔσται τὸ ὄνομά σου [A S κυρίου] ἐν τοῖς ὑ. (2+1)  
 Ba. 4. 6. παρεδόθητε τοῖς ὑ. —  
 La. 2. 4. ἐνέτεινε τόξον αὐτοῦ ὡς ἐχθρὸς ὑ. [S οπ.] ἐσπερώσεν δεξιὰν αὐτοῦ ὡς ὑ. (1, 2)  
 I Ma. 9. 8. A ἀναβάμεν ἐπὶ τοὺς ὑ. ἡμῖν [S R -ων] —  
 12. 28. ἤκουσαν οἱ ὑ. —  
 14. 29. ἀντίστησαν τοῖς ὑ. τοῦ ἔθνους αὐ. —  
 16. 7. ἡ δὲ ἵππος τῶν ὑ. πολλὴ σφόδρα —  
 II Ma. 10. 29. ἐφάνησαν τοῖς ὑ. . . πέντε ἄνδρες διαπρεπεῖς —  
 — 30. B εἰς δὲ τοὺς ὑ. . . ἐξεργάσθησαν [A al.] —  
 15. 16. δὲ ἡ θρῆναίς τοὺς ὑ. —  
 III Ma. 6. 6. φλόγα πᾶσαν ἐπιπέμφας τοῖς ὑ. —  
 — 19. τὴν δυνάμιν τῶν ὑ. ἐπλήρωσαν ταραχῆς [Al. Is. 63. 18.] —  
 ὑπενδιδόναι.  
 [Sm. Ez. 3. 9.] —  
 ὑπεξαιρεῖσθαι. (1) ἡῃ  
 Ge. 39. 9. B οὐδὲ ὑπεξήρτηται [A -εἰρ.] ἀπ' ἐμοῦ οὐδὲν (1)  
 [Aq. Jb. 21. 30.] —  
 ὑπεξερεῖσθαι (?). (1) ἡῃ  
 Ge. 39. 9. A οὐδὲ ὑπεξήρτηται [R -ῆρ.] ἀπ' ἐμοῦ οὐδὲν (1)  
 ὑπέρ. I. c. gen. \* ὁ ὑπέρ \*\* ὑπὲρ οὐ.  
 De. 24. 16 bis: 28. 23\*.  
 Jd. 6. 31: 9. 17.  
 I Ki. 1. 27: 2. 25, 25†: 4. 21 ker: 10. 2: 12. 19†: 21. 2 (3)\*.  
 II Ki. 1. 19†: 3. 8: 6. 8\*†: 7. 19, 28: 8. 10\*\*:  
 10. 5, 12: 18. 5†.  
 III Ki. 4. 33 (5. 13)†: 8. 53: 9. 26\*\*:  
 24† bis: 14. 5†: 16. 7, 19: 20 (21). 27.  
 IV Ki. 10. 3: 14. 6 bis: 19. 34: 20. 6: 22. 13\*\*:  
 I Ch. 16. 21†: 18. 10\*\*:  
 II Ch. 25. 4 bis: 30. 19: 31. 9.  
 I Es. 1. 32: 4. 49: 6. 31: 7. 8: 8. 65†: 66: 9. 2†, 20.  
 II Es. 5. 5: 6. 17†, 17: 9. 6.  
 To. 1. 2†: 6. 15†: 7. 8†.  
 Ju. 5. 21†: 8. 12: 15. 4.  
 Es. 1. 1: 2. 23: 4. 8.  
 Jb. 1. 5†: 2. 4†, 4: 24. 5, 22†: 29. 3: 37. 1†: 42. 8†.  
 Ps. 5. tit.: 6. tit.: 7. tit.: 7. tit.: 9. tit.: 11 (12). tit.: 21 (22). tit.: 31 (32). 6: 37 (38). 18: 38 (39). 11: 44 (45). tit.†, tit.: 45 (46). tit.† bis: 46 (47). tit.†: 52 (53). tit.: 55 (56). tit., 7: 61 (62). tit.: 68 (69). tit.: 76 (77). tit.: 79 (80). tit., tit.†: 80 (81). tit.: 83 (84). 1: 87 (88). tit.: 104 (105). 14: 137 (138). 8.  
 Ec. 1. 13†.  
 Wi. 16. 24.  
 Si. prol. 1: 4. 28: 24. 20: 29. 13, 15: 51. 9†.  
 Am. 1. 1.  
 Mi. 1. 1: 6. 7†, 7.  
 Jl. 1. 3, 11: 3 (4). 2.  
 Jn. 4. 6, 10 bis, 11.  
 Na. 1. 14†.  
 Za. 11. 13: 12. 8.  
 Is. 31. 5: 35. 10: 37. 35: 38. 6: 43. 3, 4 bis: 61. 7.  
 Je. 6. 1: 7. 16†: 11. 14†: 18. 20: 19. 8: 47 (40). 16†: 49 (42). 4†.  
 La. 4. 7†.



Ez. 1. 22, 25, 26\*†: 10. 1: 24. 21: 40. 39\*, 39\*†: 43. 21\*†, 22, 25: 44. 29\* bis: 45. 17\*, 17, 22, 22†, 22 bis, 23, 25\*: 46. 20\* bis.  
Da. LXX. 7. 16: 9. 20. 10. 21.  
Da. TH. 2. 18: 10. 21†.  
I Ma. 2. 40, 50: 3. 26: 5. 32: 7. 33: 8. 32†: 9. 44†: 16. 3.  
II Ma. 1. 26: 2. 21: 3. 32: 4. 11, 36, 48†: 6. 28: 7. 9: 8. 21: 9. 8\*†: 11. 20, 35: 12. 43, 44: 13. 25†: 14. 8, 18†, 27, 38: 15. 30.  
III Ma. 1. 23†: 6. 22: 7. 6.  
IV Ma. 1. 8†, 10: 4. 1: 5. 38†: 6. 22, 28†: 9. 18: 10. 20: 11. 2\*, 15: 14. 6\*: 15. 11†, 12†, 26†, 32\*†: 16. 13, 16 bis: 18. 22.  
[Aq. III Ki. 14. 5: Jb. 38. 33: Ps. 8. 1: 11 (12). 1: 21 (22). 1: 38 (39). 1: 49 (50). 23: 55 (56). 1: 79 (80). 1: 137 (138). 8: Jb. 8. 3 (Sw.): ZA. 11. 13.]  
[Sm. II Ki. 14. 20: 21. 2: III Ki. 11. 36: Jb. 2. 4 bis: 13. 7: 19. 29: 24. 25: Ps. 8. 1: 21 (22). 1: 27 (28). 7: 29 (30). 1: 38 (39). 1: 39 (40). 6\*: 44 (45). 1: 45 (46). 1: 49 (50). 23: 55 (56). 1: 58 (59). 5: 59 (60). 1: 65 (66). 5: 68 (69). 1: 79 (80). 1: 89 (90). 13. 17: 98 (94). 16 bis: 118 (119). 71: 137 (138). 8: Ec. 3. 15: Ca. 8. 7, 11: Is. 2. 1 bis: 55. 2 bis: Jb. 7. 16: 15. 11, 13: 17. 26: 42 (49). 2: La. 1. 11: Ez. 18. 5: 17. 14: 29. 18: Da. 2. 18 (Sw.).]  
[Th. Ps. 8. 1: 9. 1: 11 (12). 1: 38 (39). 1: 44 (45). 1: 52 (53). 1: 55 (56). 1: Jb. 6. 1: Ez. 1. 26\*: 42. 6: Da. 6. 12†: Hb. 3. 1.]  
[Al. Dr. 8. 10: IV Ki. 10. 16: Jb. 42. 8: Ps. 138 (139). 6.]  
[Quint. Ps. 9. 1: 52 (58). 1: 55 (56). 1, 8.]

## II. c. acc.

Ge. 48. 22: 49. 12†, 26†.  
Ex. 1. 9.  
De. 10. 1†: 25. 3: 30. 5.  
Jd. 1. 13†: 2. 19: 3. 9†: 11. 25†: 15. 2\*: 16. 30†: 18. 26†.  
Ru. 1. 13: 3. 10, 12: 4. 15.  
I Ki. 1. 5, 8: 2. 29: 9. 2 bis: 10. 23: 15. 22 bis, 28: 17. 50†: 24. 18.  
II Ki. 1. 23 bis, 26: 6. 21 bis: 10. 11 bis: 18. 14, 15, 16: 17. 14: 18. 8: 19. 7 (8), 43 (44) bis: 20. 6: 22. 18.  
III Ki. 1. 37, 47 bis: 2. 22, 32: 3. 1 (4. 30)†, 1 (4. 30)†: 4. 30 (6. 10) bis, 31 (6. 11) bis: 10. 23: 12. 10†, 24†: 16. 25, 30, 33: 19. 4: 20 (21). 2: 21 (20). 23 bis, 25.  
IV Ki. 8. 26: 5. 12: 6. 16: 17. 14: 21. 9.  
I Ch. 4. 9: 11. 21, 22, 25: 19. 12 bis.  
II Ch. 9. 22: 11. 21: 21. 13: 38. 9.  
I Es. 1. 49: 3. 12: 8. 75.  
Es. 4. 13†.  
Jb. 28. 18.  
Ps. 17 (18). 17: 18 (19). 10 bis: 36 (37). 16: 37 (38). 19: 39 (40). 5, 12: 50 (51). 7: 51 (52). 3 bis: 54 (55). 21: 62 (63). 3: 65 (66). 5: 68 (69). 4, 31: 71 (72). 16: 83 (84). 10: 86 (87). 2: 96 (97). 9†: 104 (105). 24: 118 (119). 72, 98, 99, 100, 103, 127: 130 (131). 1: 138 (139). 18: 141 (142). 6.  
Pr. 8. 10: 16. 16: 22. 1.  
Ec. 2. 7 (eis eipér†), 13 bis: 4. 2, 3†, 6, 9, 13, 17: 6. 3, 5, 8, 9, 10: 7. 2 (1) bis, 4 (3), 6 (5), 9 (8) bis, 11 (10), 20 (19), 25 (24), 27 (26): 9. 4, 16, 17, 18: 10. 1.  
Ca. 1. 2, 3, 4: 4. 10.  
Wi. 7. 10, 29: 15. 14: 16. 19.  
Si. 7. 19: 8. 13: 13. 2: 18. 17: 22. 11, 14: 24. 20: 25. 10, 11, 15 bis: 26. 5: 29. 13 bis: 30. 16, 17: 38. 27 (24): 40. 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27: 49. 16.  
Jl. 1. 8.  
Na. 2. 9 (10)†: 3. 14, 16†.  
Hb. 1. 8 bis.  
Hg. 2. 10 (9).  
Is. 57. 9.  
Je. 5. 3: 7. 26: 15. 8: 16. 12: 17. 23: 26 (46). 23. La. 4. 6, 7 bis, 7†, 8, 19.  
Ez. 5. 1: 18. 51, 58 bis: 23. 11†, 11.  
Da. LXX. 1. 20: 2. 30: 3. 22: 4. 19, 19†: 6. 3 (4): 7. 24.  
Da. TH. Su. 39: 1. 15: 6. 3 (4): 11. 8, 13: Bel 2. 1 Ma. 8. 30†: 7. 23: 12. 24.

II Ma. 8. 24, 30, 35†: 9. 8†: 14. 39: 15. 11†.  
III Ma. 7. 15.  
IV Ma. 1. 8†: 9. 3.  
[Aq. Nu. 24. 7: Dt. 9. 1: I Ki. 17. 50: II Ki. 6. 22: Jb. 35. 11: Pr. 15. 17: Jb. 8. 3: Ez. 16. 47: 32. 19.]  
[Sm. Nu. 24. 7: Dt. 1. 17: I Ki. 17. 50: Jb. 28. 18: 35. 11: 36. 26: 42. 12: Ps. 130 (131). 1: 137 (138). 2: 138 (139). 12: Pr. 5. 3: 26. 16: Ec. 7. 2 (1): Ca. 4. 10: Is. 54. 1: La. 4. 7 bis: Ez. 16. 47.]  
[Th. I Ki. 17. 50: Jb. 28. 18: 35. 11: 42. 12: Ps. 65 (66). 5: 118 (119). 100: 130 (131). 1: Pr. 5. 3: 8. 19: 15. 17: 17. 10: Is. 54. 1: Jb. 8. 3: Ez. 16. 47: Da. 1. 15: 6. 3.]  
[Al. I Ki. 9. 2: Ps. 123 (124). 5: Pr. 24. 5.]  
[Hb. Jb. 10. 22.]  
[Quint. Ps. 64 (65). 4.]

## ὑπεράγαν.

II Ma. 8. 35. B ὁ. δυσμερήσας ἐπὶ τῇ... διαφθορᾷ [A al.]  
10. 34. ὁ ἐβλασφήμουν  
13. 25. A ἐδειλιάζον γὰρ ὁ. [B al.]

## ὑπεράγειν.

Si. 30. 31 (83. 22). ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου γίνου ὑπεράγειν  
86. 27 (24). ὑπὲρ πᾶσαν ἐπιθυμίαν ἀνθρώπου ὑπεράγειν  
I Ma. 6. 43 (24). A ἔην ὑπεράγον [S -ων] πάντα τὰ θηρία

## ὑπεραγόντως.

II Ma. 7. 20. ὁ. δὲ ἡ μήτηρ ἀγαθῇ

## ὑπεραινετός.

Da. LXX. 3. (52). καὶ ὑπεραινετόν... εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας  
Da. TH. 8. (52). καὶ ὑπεραινετόν... εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας  
— (55). A καὶ ὑπεραινετός [B αἰν.]... εἰς τοὺς αἰῶνας

## ὑπεραίρειν. (1) ἔβη ni. (2) ἔβη

## (3) ἔβη ni.

II Ch. 32. 2. ὑπερήρθη [A ὑπέρθη] κατ' ὄφθαλμοὺς πάντων τῶν ἐθνῶν (1)  
Ps. 37 (38). 4. αἱ ἀνομίαι μου ὑπεήρην τὴν κεφαλὴν μου (2)  
71 (72). 16. ὑπεραρθῆσεται ὑπὲρ τὸν λίβανον ὁ καρπὸς αὐτοῦ †  
Pr. 31. 29. οὐδ' ἐπὶ κρείσσας καὶ ὑπερήρας [S -ε] †  
Si. 48. 13. πᾶς λόγος οὐχ [S κυρίου] ὑπερήρην αὐτόν  
II Ma. 5. 23. χερίστας τῶν ἄλλων ὑπεήρητο τοῖς πολίταις  
[Aq. Th. Pr. 18. 10.]  
[Sm. Jb. 28. 18: Pr. 18. 10.]  
[Sext. Ps. 28 (29). 2.]

## ὑπεράλλεσθαι.

Si. 38. 33. ἐν ἐκκλησίᾳ οὐχ ὑπεράλλουσιν

## ὑπεράνω.

(1) ὁ (2) α. ἔβη δ. ἔβη  
c. ἔβη d. ἔβη e. ἔβη f. ἔβη  
g. ἔβη (8) α. ἔβη δ. ἔβη

Ge. 7. 20. B ὅντες καὶ δέκα πῆχες ὁ. [A ἐπάνω] ὑψώθη τὸ ὕδωρ (2b)  
De. 26. 19. εἶναι σε ὁ. πάντων τῶν ἐθνῶν (3b)  
28. 1. δώσει σε κ. ὁ θεός σου ὁ. (3a)  
Ne. 12. 38. S† τὸ ἦμισον τοῦ λαοῦ... ὁ. τοῦ πυργίου τῶν θ. (2d)  
— 38 (39). S† καὶ ὁ. τῆς πύλης (2d)  
To. 1. 2. ἐν τῇ Γαλιλαίᾳ ὁ. [B† ἐπὶ] Ἀσὴρ (2a)  
Es. 4. 17. ἵνα μὴ θῶ δόξαν ἀνθρώπου ὁ. δόξης θεοῦ (2d)  
Ps. 8. 1. ἐπὶ ἡρῆ ὁ. μεγαλοπρέπεια σου ὁ. τῶν οὐρανῶν (2a)  
78 (74). 5. B ὡς εἰς τὴν εἰσοδὸν [S† ὁδὸν, S† ἐξόδον] ὁ. (2f)  
148. 4. καὶ τὸ ὕδωρ τὸ ὁ. τῶν οὐρανῶν (2c)  
Mi. 4. 1. μετεωρισθήσεται ὁ. τῶν βουνῶν (1)  
Jn. 4. 6. τοῦ εἶναι σκιὰν ὁ. τῆς κεφαλῆς αὐ. (2a)  
Hg. 2. 16 (15). ἀπὸ τῆς ἡμέρας ταύτης καὶ ὁ. [A al.] (2e)  
Ma. 1. 5. ἐμεγαλυνθῇ κ. ὁ. τῶν ὀρίων τοῦ Ἰσρ. (2d)  
Is. 2. 2. ὑψωθήσεται ὁ. τῶν βουνῶν (1)

Ez. 1. 25. A φωνὴ ὁ. τοῦ στερεώματος [B al.] (2d)  
— 26. A ὁ. τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (2g)  
8. 2. ἀπὸ τῆς οὐσίας αὐτοῦ [A add. τὰ] ὁ. αὐτοῦ ὡς δρασὶς ἡλίκτου [A αἵρας] (2f)  
10. 19. δόξα θεοῦ Ἰσρ. ἦν ἐπ' αὐτῶν ὁ. (2b)  
11. 22. ὁ δόξα θεοῦ Ἰσρ. ἐπ' αὐτὰ [A -οῖς] ὁ. αὐτῶν (2b)  
43. 15. ὁ. τῶν κεράτων πῆχες (2f)  
Da. LXX. 3. (46). οἱ μὲν ἐμβάλλοντες αὐτοὺς ἦσαν ὁ. αὐτῶν  
Da. TH. 3. (60). B καὶ πάντα τὰ ὁ. [A B ἐπάνω] τοῦ οἰκτιροῦ (2f)  
7. 6. πτερὰ τέσσαρα πετεινοῦ ὁ. αὐτῆς †  
[Aq. I Ch. 29. 25.]  
[Th. Ps. 78 (74). 5: Ez. 1. 26: 41. 20.]  
[Al. Ge. 9. 14.]

## ὑπεράνωθεν. (1) α. ἔβη δ. ἔβη

Ps. 77 (78). 23. ἐνετείλατο νεφέλαις ὁ. (1a)

Ez. 1. 25. φωνὴ ὁ. [A -νω] τοῦ στερεώματος (1b)

## ὑπεραρσις.

Ez. 47. 11. ἐν τῇ ὁ. αὐτοῦ οὐ μὴ ὑμιάσῃ [A ἀγ.] †

## ὑπερασπίζειν. (1) ἔβη a. qal. δ. hi.

c. ἔβη pi. d. ἔβη (2) ἔβη pi.

Ge. 15. 1. ἐγὼ ὑπερασπίζω σου (1d)

De. 33. 29. ὑπερασπιεῖ ὁ βοηθός σου (1d)

IV Ki. 19. 34: 20. 6. ὑπερασπιεῖ ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης (1a)

Ju. 5. 21. μὴ ποτε ὑπερασπίσῃ ὁ κύριος αὐ. 6. 2. ὁ θεός αὐτῶν ὑπερασπιεῖ αὐτῶν

9. 14. οὐκ ἔστιν ἄλλος ὑπερασπίζων τοῦ γένους Ἰσρ. Ps. 19 (20). 1. ὑπερασπίσαι σου τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ Ἰακώβ (2)

Pr. 2. 7. ὑπερασπιεῖ τὴν πορείαν αὐτῶν (1d)

4. 9. στεφάνῳ δὲ τρυφῇ ὑπερασπίσῃ σου (1c)

24. 28 (30. 5). ὑπερασπίζει [A -σει] δὲ αὐτὸς τῶν εὐλοβουμένων αὐτῶν (1d)

Wi. 5. 16. τῷ βραχίονι αὐτοῦ ὑπερασπιεῖ αὐτῶν [S† -σει αὐτοῦ]

Ho. 11. 8. ὑπερασπιῶ σου, Ἰσρ. (1c)

Za. 9. 15. κύριος παντοκράτωρ ὑπερασπιεῖ αὐτοὺς (1b)

12. 8. ὑπερασπιεῖ κ. ὑπὲρ τῶν κατοικούντων Ἰερ. (1b)

Is. 31. 5. ὑπερασπιεῖ κύριος σαβαὶθ [A om.] ὑπὲρ Ἱερουσαλὴμ ὑπερασπιεῖ [A S† om.] (1b, 1a)

37. 35: 38. 6. ὑπερασπιῶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης (1a)

III Ma. 7. 6. τὸν ἐπουρ. θεὸν ἐγκρατέως ἀσφαλῶς ὑπερησπικτότα τῶν Ἰουδαίων

IV Ma. 4. 9. ὑπερασπίσαι τοῦ ἱεροῦ καταφρονοῦμένου τόπου

7. 4. διὰ τὸν ὑπερασπίζοντα τῆς εὐσεβείας λογισμῶν — 8. τοῖς μέχρι θανάτου πάθειν ὑπερασπίζοντας [Sm., Th. Is. 51. 5:]

[Al. Pr. 30. 5.]

## ὑπερασπισμός. (1) α. ἔβη δ. ἔβη

II Ki. 22. 36: Ps. 17 (18). 35. ἔδωκάς μοι ὑπερασπισμὸν σωτηρίας μου (1a)

Si. 31 (34). 16. ὑπερασπισμὸς δυναστείας καὶ στήριγμα ἰσχύος (1b)

La. 3. 65. ἀποδώσεις αὐτοῖς ὑπερασπισμὸν (1b)

[Aq. Ps. 17 (18). 36.]

[Sm. Ps. 17 (18). 36: 46 (47). 10: 83 (84). 12.]

[Th. Ps. 17 (18). 36: 46 (47). 10.]

[Quint. Ps. 46 (47). 10.]

## ὑπερασπίσθαι.

IV Ma. 15. 29. A δ... ὑπερασπίσθαι [S B -τρια] τῆς εὐσεβείας

## ὑπερασπιστήρ.

[Sext. Ps. 17 (18). 36.]

## ὑπερασπιστής. (1) ἔβη (2) ἔβη (3) ἔβη pi.

II Ki. 22. 3. ὑπερασπιστὴς μου καὶ κέρας σωτηρίας μου (1)

— 31. ὁ. ἐστὶ πᾶσι τοῖς πεποιθόσιν ἐπ' αὐτῷ (1)

Ps. 17 (18). 2. A B E ὑπερασπιστὴς μου καὶ κέρας σωτηρίας μου [B om.] (1)

— 30. ὁ. ἐστὶ πάντων τῶν ἐλπίζόντων ἐπ' αὐτόν (1)

28 (27). 1. κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς μου (2)

27 (28). 7. κύριος βοηθός μου καὶ ὁ. μου (1)

Ps. 27 (28). 8. ὑπερασπιστὴς τῶν σωτηρίων τοῦ  
χριστοῦ αὐτοῦ ἐστὶ (2)  
30 (31). 2. γενοῦ μοι εἰς θεὸν ὑπερασπιστὴν (2)  
— 4. σὺ εἶ ὁ ὑπερασπιστὴς μου (2)  
82 (83). 20. βοηθός καὶ ὁ ἡμῶν ἐστίν (1)  
36 (37). 39. ὑπερασπιστὴς αὐτῶν ἐστίν [B<sup>1</sup> om.] (2)  
39 (40). 17. βοηθός μου καὶ ὁ ἡμῶν εἰ σὺ (8)  
58 (59). 11. κατὰγαγε αὐτοὺς, ὁ ὕ. μου κύριε (1)  
70 (71). 3. γενοῦ μοι εἰς θεὸν ὑπερασπιστὴν +  
88 (84). 9. ὑπερασπιστὰ ἡμῶν ἴδε ὁ θεός (1)  
118. 17 (118. 9), 18 (118. 10), 19 (118. 11).  
ὑπερασπιστὴς αὐτῶν ἐστίν (1)  
143 (144). 2. ὑπερασπιστὴς μου καὶ ἐπ' αὐτῷ  
ἤλπισα (1)  
IV Ma. 8. 12. A B τῶν ὕ. [B ὑπασπ.] ἐπὶ τῇ τοῦ βασ.  
ἐπιθυμίας σχετλιαζόντων  
[Aq., Sext. Ps. 82 (83). 20.]  
[Sm. Ps. 82 (83). 20: 88 (89). 12: 83 (84). 10.]  
[Th. Ps. 7. 11.]  
ὑπερασπίστρια.  
IV Ma. 15. 29. B B δ. . . ὑπερασπίστρια [A -τεία]  
τῆς εὐσεβείας  
ὑπερβαίνειν. (1) 𐤒𐤕 pi. (2) 𐤒𐤕 hi.  
(3) 𐤒𐤕 hi. (4) 𐤒𐤕  
I Ki. 5. 5. ὑπερβαίνοντες ὑπερβαίνουσι - ,  
II Ki. 18. 23. ὑπερέβη τὸν X. (4)  
22. 30. ἐν τῷ θεῷ μου ὑπερέβησμαι τείχος (1)  
Jb. 9. 11. ἐὰν ὑπερέβῃ με οὐ μὴ ἴδω (4)  
14. 5. εἰς χρόνον ἔδωκα καὶ οὐ μὴ ὑπερέβῃ (4)  
24. 2. ἀσβεστὶς δι' ὅσον ὑπερέβησαν [A al.] (8)  
38. 11. μέχρι τούτου ἐλείψῃ καὶ οὐχ ὑπερέβῃ (2)  
Ps. 17 (18). 29. ἐν τῷ θεῷ μου ὑπερέβησμαι  
τείχος (1)  
Pr. 9. 18. A B<sup>1</sup> ὑπερέβῃ ποταμὸν ἀλλότριον -  
Si. 20. 7. ὁ δὲ λαοσπότης καὶ ἀφρων [A ἀφίων] ὑπερ-  
βήσεται καιρὸν [B<sup>1</sup> -φ]  
Mi. 7. 18. ὑπερβαίνειν ἀσβεστὶς τοῖς καταλοιπίσι (4)  
Je. 5. 22 bis. οὐχ ὑπερέβησται αὐτό (4)  
III Ma. 6. 24. A τυράννοις ὑπερβεβηκότες ὁμότητι  
[B al.]  
IV Ma. 8. 12. ὑπερέβησαν τοὺς τῶν πολεμίων χάρακας  
18. 7. οὐχ ὑπερέβην πατρικὸν οἶκον  
[Aq. Pr. 20. 2: Is. 81. 5.]  
[Sm. Lk. 18. 8: Pr. 19. 11: 20. 2: Is. 81. 5:  
Ez. 18. 10.]  
[Th. I Ki. 20. 36: Pr. 20. 2: Is. 81. 5: Da.  
6. 8+.]  
ὑπερβάλλειν.  
Jb. 15. 11. A μεγάλως ὑπερβάλλον οὕτως [B S  
ὑπερβαλλόντως] λευάλῃκας +  
Si. 5. 7. μὴ ὑπερβάλλον ἡμῶν ἐξ ἡμέρας  
25. 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πάντων ὑπερέβαλεν  
II Ma. 4. 13. διὰ τὴν τὸν ἀσβεστὸν . . . ἴ. ὑπερ-  
βάλλουσαν ἀγνείαν  
— 24. ὑπερβάλλων τὸν ἴ. τάλαντα ἀργυρίου τρια-  
κόσια  
7. 42. τὰ μὲν οὖν περὶ . . . τὰς ὑπερβαλλούσας  
αἰκίας . . . δεδηλώσθω  
III Ma. 2. 23. ὑπερβάλλοντι καταπεπληγμένῳ φόβῳ  
[Sm. I Ki. 20. 41: Ps. 130 (131). 1: 138 (139).  
6: Ec. 1. 16: 2. 9: 12. 9: Ez. 16. 52:  
24. 14.]  
[Th. Ps. 180 (131). 1.]  
ὑπερβαλλόντως.  
Jb. 15. 11. μεγάλως ὕ. [A ὑπερβάλλον οὕτως]  
λευάλῃκας +  
ὑπερβασίς.  
[Aq. Ex. 12. 11.]  
ὑπερβολή.  
IV Ma. 8. 18. τὰς τῶν σωμάτων ἀληθοδύνας καθ' ὑπερ-  
βολὴν οὐσας  
[Sm. I Ki. 2. 3: Je. 14. 14.]  
ὑπερδικάζειν.  
[Al. Ps. 9. 5.]  
ὑπερδικεῖν.  
[Sm. Ps. 42 (43). 1: 67 (68). 6: 118 (119).  
154.]  
ὑπερδυναμεῖν. (1) 𐤒𐤕  
Ps. 64 (65). 3. λόγοι ἀνόντων ὑπερδυναμῶσαν ἡμᾶς (1)

ὑπερεῖδεν. (1) 𐤒𐤕 (2) 𐤒𐤕 ni.  
Jb. 8. 15. ἐὰν ὑπερέσῃ [A -σε] τὴν οἰκίαν αὐ-  
τοῦ (2)  
Pr. 9. 1. ὑπὲρσε στύλους ἐπτά (1)  
Si. 23. 11. A κὰν ὑπερέσῃ [B S ὑπερίδῃ] ἡμᾶτε  
δυσῶς  
ὑπερεῖδέναι.  
Es. 4. 17. A μὴ ὑπερεῖδῃς [B S ὑπερίδῃς] τὴν μερίδα  
σου  
IV Ma. 9. 6. B<sup>1</sup> τὰς βασάνους τῶν σῶν ἀναγκῶν  
ὑπερεῖδόντες [A B<sup>1</sup> B -ιδόντες]  
ὑπερείσσω.  
[Sm. Ps. 53 (54). 6.]  
ὑπερεκβλύειν.  
[Al. Pr. 3. 10.]  
ὑπερεκχεῖν. (1) 𐤒𐤕 (2) 𐤒𐤕 hi.  
Pr. 5. 16. μὴ [A B<sup>1</sup> om.] ὑπερεκχεῖσθαι σοὶ ὕδατα  
ἐκ τῆς σῆς πηγῆς  
Jl. 2. 24. A ὑπερεκχυθήσονται [B S ὑπερχ.] αἱ  
λητοὶ οἶνου (2)  
3 (4). 13. ὑπερεκχεῖται [A S ὑπερχ.] τὰ ὑπολήνια (2)  
[Aq. Pr. 12. 2: Is. 58. 10.]  
[Sm., Th. Is. 58. 10.]  
ὑπερέκχυσίς.  
[Aq. Jb. 41. 7.]  
ὑπερένδοξις.  
Da. LXX., Th. 3. (53). καὶ ὑπερένδοξος εἰς τοὺς  
αἰῶνας  
ὑπερεπαίρειν.  
[Aq. Ps. 106 (107). 41: 138 (139). 6.]  
ὑπερέπαρσις.  
[Aq. Ps. 47 (48). 4.]  
ὑπερεπιθυμεῖν.  
[Sm. Ps. 118 (119). 174.]  
ὑπερέχειν. (1) 𐤒𐤕 (2) 𐤒𐤕 (3) 𐤒𐤕 hi.  
(4) a. 𐤒𐤕 𐤒𐤕 δ. 𐤒𐤕 (5) 𐤒𐤕  
(6) 𐤒𐤕 𐤒𐤕  
Ge. 25. 23. λαὸς λαοῦ ὑπερέχει (2)  
39. 9. οὐχ ὑπερέχει ἐν τῇ οἰκίᾳ αὐ. οὐδὲν  
ἡμοῦ (4 b)  
41. 40. πλὴν τὸν θρόνον ὑπερέξω σου ἐγώ (4 a)  
Ex. 26. 13. ἐκ τοῦ ὑπερέχοντος τῶν ἔρρεων (5)  
Le. 25. 27. B<sup>1</sup> B ἀποδοῖσι δὲ ὑπερέχει [A B<sup>1</sup> al.] (5)  
Jd. 5. 25. ὑπερέχοντων προστεγεῖ βούτυρον  
[A al.] (1)  
III Ki. 8. 8. καὶ ὑπερέχον τὰ ἡγιασμένα (8)  
II Ch. 5. 9. ὑπερέχον [A περικεῖν] οἱ ἀναφορεῖς (8)  
Wi. 6. 5. κρίσις ἀπτόμων ἐν τοῖς ὑπερέχουσιν  
γίνεται  
Si. 36 (38). 7. διὰ τί ἡμέρα ἡμέρας ὑπερέχει  
43. 30. ὑπερέχει γὰρ καὶ ἐγὼ  
Da. LXX. 5. 12. καὶ ὑπερέχων πάντας τοὺς σο-  
φοὺς Βαβυλῶνος  
Da. Th. 7. 23. ἡγίς ὑπερέχει πᾶσας τὰς βασιλείας (8)  
[Th. Ez. 28. 3: Da. 7. 23.]  
[Al. Ps. 148. 13.]  
ὑπερλεῖν.  
[Sm. Ge. 49. 4.]  
ὑπερηφανεῖν. (1) 𐤒𐤕 hi.  
Ne. 9. 10. ὑπερηφανύσαν ἐπ' αὐτοὺς (1)  
IV Ma. 5. 21. δι' ἐκατέρου γὰρ ὡς ὁμοίως ὁ νόμος  
ὑπερηφανεύεται  
[Al. Dt. 1. 43.]  
ὑπερηφανεύεσθαι. (1) 𐤒𐤕 (2) 𐤒𐤕  
(3) 𐤒𐤕 a. hi. δ. aph.  
Ne. 9. 16. A B<sup>1</sup> B οἱ πατέρες ἡμῶν ὑπερηφανεύ-  
σαντο (3 a)  
To. 4. 13. A B μὴ ὑπερηφανεύου τῇ καρδίᾳ σου ἀπὸ  
τῶν ἀδ. σου  
Jb. 22. 29. ἔρείς, ὕπερηφανεύσαςτο [A B<sup>1</sup> al.] (2)  
Ps. 9. 23 (10. 2). ἐν τῷ ὑπερηφανεύεσθαι τὸν  
ἀσεβῆ (1)

Si. 10. 9. τί ὑπερηφανεύεται γῇ καὶ σποδός  
Da. Th. 5. 20. ἐκραταιώθη τοῦ ὑπερηφανεύ-  
σασθαι [A -εἰσεσθαι] (3 b)  
[Aq. Ex. 18. 11: Dt. 17. 13: 18. 20: Je. 50  
(27). 29.]  
[Sm. Ex. 18. 11: Je. 50 (27). 29.]  
[Th. Jb. 22. 29.]  
[Heb. Nu. 16. 1.]  
ὑπερηφανία (-εία). (1) 𐤒𐤕 (2) a. 𐤒𐤕  
δ. 𐤒𐤕 c. 𐤒𐤕 d. 𐤒𐤕 (3) 𐤒𐤕  
(4) 𐤒𐤕 (5) 𐤒𐤕  
Ex. 18. 21. ἄνδρας δικαίους μισούντας ὑπερηφανίαν (1)  
Le. 26. 19. συντρίψω τὴν ὕβριν τῆς ὕ. ἡμῶν +  
Nu. 15. 30. ἥτις ποίησι ἐν χειρὶ ὑπερηφανίας (4)  
De. 17. 12. ὅς ἐάν ποίησιν ἐν ὑπερηφανίᾳ (3)  
I Ki. 17. 28. A ἐγὼ οἶδα τὴν ὕ. σου (3)  
To. 4. 13. A B ἐν τῇ ὕ. ἀπώλεια  
Ju. 6. 19. κἀντι ἐπὶ τὰς ὕ. αὐ.  
9. 9. βλάψον εἰς ὑπερηφανίαν [B τὴν ὕ.] αὐτῶν  
Es. 4. 17. οὐδὲ ἐν ὑπερηφανίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο  
— 17. οὐ ποίησω αὐτὰ ἐν ὑπερηφανίᾳ  
— 17. βδελύσσομαι τὸ σημεῖον τῆς ὕ. μου  
8. 13. οὐκ ἐνέγκας δὲ τὴν ὕ.  
Ps. 16 (17). 10. τὸ στόμα αὐτῶν ἐλάλησεν  
ὑπερηφανίαν (2 c)  
30 (31). 18. τὰ λαλοῦντα κατὰ τοῦ δικαίου  
ἀνομίαν ἐν ὑπερηφανίᾳ (2 a)  
— 23. ἀναποδίδωσι τοῖς περισσῶς ποιοῦσιν  
ὑπερηφανίαν (2 a)  
85 (86). 11. μὴ ἐλθέτω μοι ποῦς ὑπερηφανίας (2 a)  
58 (59). 12. συλλληφθήσαν ἐν τῇ ὕ. αὐτῶν (2 b)  
72 (73). 6. ἐκράτησεν αὐτοὺς ἡ ὕ. (2 a)  
78 (74). 3. ἔπαρον τὰς χεῖράς σου ἐπὶ τὰς ὕ.  
αὐτῶν εἰς τέλος +  
— 23. ἡ ὕ. τῶν μισούντων σε ἀναβαίη διὰ  
παντός πρὸς σέ [B<sup>1</sup> al.] (5)  
100 (101). 7. οὐ κατάρκει ἐν μέσῳ τῆς οἰκίας μου  
ποιῶν ὑπερηφανίαν +  
Pr. 8. 13. ὕβριν τε καὶ ὑπερηφανίαν καὶ ὁδοὺς  
πονηρῶν [B<sup>1</sup> al.] (2 b)  
Wi. 5. 8. τί ὠφέλησεν ἡμᾶς ἡ ὕ.  
Si. 10. 7. μιστὴ ἔσται κυρίου καὶ ἀνθρώπων ὑπερη-  
φανία [B<sup>1</sup> ὕ.]  
— 12. ἀρχὴ ὑπερηφανίας ἀνθρώπου ἀφισταμένου  
ἀπὸ κυρίου  
— 13. ἀρχὴ ὑπερηφανίας [A<sup>1</sup> -a] ἁμαρτία  
— 18. οὐκ ἐκτίσται ἀνθρώπος ὑπερηφανία  
15. 8. μακράν ἐστιν ὑπερηφανία  
16. 8. οὐς ἐβδελύξατο διὰ τὴν ὕ. αὐτῶν  
22. 22. πλὴν ἀνειδίμμου καὶ ὑπερηφανίας  
48. 18. ἐμεγαλύνῃσιν ὑπερηφανίαν [B -ίαν] αὐτοῦ  
51. 10. B ἐν καιρῷ ὑπερηφανίων [A B E -άνων]  
ἀβουθήσας  
Am. 8. 7. ὁμνύει κύριος κατὰ τῆς [A om.] ὕ. ἴ. (2 b)  
Ob. 1. 3. ὑπερηφανία [B<sup>1</sup> ὕ.] τῆς καρδίας σου  
ἐπὶ τῇ σε (3)  
Is. 16. 6. τὴν ὕ. ἐξήρα [A B<sup>1</sup> B<sup>1</sup> -as] (2 a + 2 b)  
Je. 31 (48). 29. ὕβρις . . . ὑπερηφανίαν αὐτοῦ  
(2 b + 2 a)  
Ez. 7. 20. ἐκλεκτὰ κόσμου εἰς ὑπερηφανίαν  
ἔθεντο αὐτὰ (2 b)  
16. 49. τὸ ἀνόημα σοδόμων τῆς ἀδελφῆς σου ὕ. (2 b)  
— 56. ἐν ταῖς ἡμέραις ὑπερηφανίας σου (2 b)  
Da. LXX. 4. 19. ἰνὼθη σου ἡ καρδία ὑπερηφανία -  
Da. Th. 4. 34. πάντας τοὺς πορευομ. ἐν ὑπερη-  
φανίᾳ (2 d)  
I Ma. 1. 21. εἰσῆλθεν εἰς τὸ ἀγίασμα ἐν ὑπερηφανίᾳ  
— 24. ἐλάλησεν ὕ. μεγάλην  
2. 47. ἐδίωξαν τοὺς υἱοὺς τῆς ὕ.  
— 49. νῦν ἐστηρίχθη ὑπερηφανία  
II Ma. 1. 28. βασάνισον τοὺς . . . ἐξυβρίζοντας ἐν  
ὑπερηφανίᾳ  
5. 21. οἰόμενος ἀπὸ τῆς ὕ.  
7. 36. δίκαια τὰ πρόστιμα τῆς ὕ. ἀποίστη  
9. 7. τῆς ὕ. ἐπεπλήρωτο  
— 8. διὰ τὴν ὑπὲρ ἀνθρώπων ὕ.  
— 11. ἥρτατο τὸ πολὺ τῆς ὕ. λίγειν τεθραυσμένους  
III Ma. 2. 5. τοὺς ὑπερηφανίαν ἐργαζομένους Σο-  
δομίτας  
— 17. μηδὲ ἀγαλλιάσονται ἐν ὑπερηφανίᾳ γλώσσης  
αὐ.  
[Aq. Ps. 45 (46). 4: Pr. 18. 10: 29. 23: Is.  
13. 3: 28. 1, 3: 60. 15: Je. 13. 9: 49. 16  
(29. 17): Ez. 7. 10, 24 (Sw.): 30. 6: 33. 18.]

[Sm. Ps. 58 (59). 13: 72 (73). 6: 86 (87). 4: Pr. 13. 10: 29. 23: 15. 16. 6: 28. 1, 3: Jē. 18. 9, 17: 48 (81). 29: 49. 16 (29. 17): 60 (27). 32: Ez. 7. 20, 24: 80. 6.]  
[Th. Pr. 13. 10: 14. 3: 29. 23: Is. 28. 1: Ez. 7. 10: Ho. 7. 10.]  
[Quint., Sext. Ps. 45 (46). 4.]

**ὑπερήφανος.** (1) α.  $\text{ὑπερήφανος}$  δ.  $\text{ὑπερήφανος}$  (2)  $\text{ὑπερήφανος}$   
(3)  $\text{ὑπερήφανος}$  (4)  $\text{ὑπερήφανος}$  (5)  $\text{ὑπερήφανος}$  (6)  $\text{ὑπερήφανος}$   
(7)  $\text{ὑπερήφανος}$

Es. 4. 17. τὸ μὴ προσκυνεῖν τὸν ὕ. 'Α.  
— 17. ἀντὶ τῶν ὑ. ἡδυσμάτων σποδοῦ  
Jb. 38. 15. βραχίονα δὲ ὑπερήφανων συνέντριψας (7)  
40. 7 (12). ὑπερήφανον δὲ σβέσσειν (1α)  
Ps. 17 (18). 27. ὀφθαλμοὺς ὑπερήφανων ταπεινώσεις (7)  
88 (89). 10. σὺ ἐταπείνωσας ὡς τραυματίαν ὑπερήφανον (6)  
93 (94). 2. ἀπόδος ἀνταπόδοσιν τοῖς ὑ. (1α)  
100 (101). 5. ὑπερηφάνῳ ὀφθαλμῷ καὶ ἀπλήστῃ καρδίᾳ (2)  
118 (119). 21. ἐπειτίμησας ὑπερήφανοῖς (3)  
— 51. ΑΒ ὑπερήφανοι παρηγνόμενοι ἕως σφόδρα (3)  
— 69. ἐπληθύνη ἐπ' ἐμὲ ἀδικία ὑπερήφανων (3)  
— 78. αἰσχυρῶν ὑπερήφανοι (3)  
— 122. μὴ συκοφαντήσάτωσαν με ὑπερήφανοι (3)  
122 (123). 4. καὶ ἡ ἐξουδένωσις τοῖς ὑ. (1 δ\*, 1 α)  
139 (140). 5. ἐκρύψαν ὑπερήφανοι παγίδα μοι (1 α)  
Pr. 3. 34. κύριος ὑπερήφανοὺς ἀντιτάσσειται (4)  
Wi. 14. 6. καὶ ἀρχῆς γὰρ ἀπολλυμένων ὑπερηφάνων γιγνάντων

Si. 3. 28. ἐπαγωγὴ ὑπερηφάνου οὐκ ἔστιν ἱστίς  
11. 30. οὕτως καρδία ὑπερηφάνου  
13. 1. ὁ κοινῶν ὑπερηφάνῳ ὁμοιωθήσεται αὐτῷ  
— 20. βδελυγμὰ ὑπερηφάνῳ ταπεινότης [Α -ωσις]  
21. 4. οὕτως οἶκος ὑπερηφάνου [ΑΒ<sup>3</sup> -ων] ἐρημωθήσεται  
23. 8. λοῖδορος καὶ ὑπερήφανος σκανδαλισθήσονται ἐν αὐτοῖς  
25. 2. πτωχὸν ὑπερήφανον καὶ πλούσιον ψεύστην  
27. 15. ἐκχυσεῖς αἷματος μάχη ὑπερηφάνων  
— 28. ἐμπαίγμους καὶ ὀνειδιζμὸς ὑπερηφάνων  
34 (31). 26. οὕτως οἶκος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων

35 (32). 12. μὴ ἀμάρτης λόγῳ ὑπερηφάνῳ  
— 18. ὑπερηφάνος οὐ καταπτήξει φόβον  
51. 10. ΑΒΒ ἐν καιρῷ ὑπερηφάνων [Β -ῶν] ἀβουθήσας  
Ze. 3. 6. ἐν διαφθορᾷ κατέσπασα ὑπερηφάνους  
Is. 1. 25. ΑΒ πάντας ὑπερηφάνους ταπεινώσω  
2. 12. ἐπὶ πάντα ὕβριστήν καὶ ὑπερήφανον  
13. 11. ὕβρις ὑπερηφάνων ταπεινώσω  
29. 20. ἀλώλετο ὕ. (4)

II Ma. 9. 12. καὶ μὴ θυγῶν ὄντα ὑπερήφανα φρονεῖν  
III Ma. 1. 27. μὴ περὶ δόξα τὴν ἀνομιαν καὶ ὕ. πράξιν

5. 13. δείξαι... κράτος ἔθνεσιν ὑπερηφάνοις  
6. 4. σὺν τῇ ὕ. στρατιᾷ πονταβόχους ἀπέλεσας  
IV Ma. 4. 15. 'Αρτίοχος 'Επιφανῆς ἀνὴρ ὕ.  
9. 30. τὸν τῆς τυραννίδος ὑπερήφανον λογασμόν  
[Aq. Ps. 18 (19). 14: 85 (86). 14: 118 (119). 85: 122 (123). 4: Ma. 4. 1 (3. 19).]  
[Sm. Ps. 75 (76). 6: 85 (86). 14: 88 (99). 11 (P.): 118 (119). 85: 122 (123). 4: Pr. 21. 24: Is. 16. 6: Jē. 48 (81). 29.]  
[Th. Jb. 41. 26: Ps. 85 (86). 14.]  
[Quint. Ps. 118 (119). 85.]  
[Al. Ps. 123 (124). 5: Pr. 16. 19: Hb. 3. 13.]

#### ὑπερηφάνως.

I Ma. 7. 34. καὶ ἐλάλησεν ὕ.  
— 47. ἦν ἐξέτεινεν ὕ.  
II Ma. 9. 4. οὕτως γὰρ ὕ. εἶπε  
— 12. Β καὶ μὴ θυγῶν ὄντα ἰσόθεα φρονεῖν ὕ. [Α α.]  
[Sm. Ps. 16 (17). 10: 80 (81). 23.]

#### ὑπερόρυνον.

(1) τὸ ὅ. Δ'  $\text{ὑπερόρυνον}$   $\text{ὑπερόρυνον}$   
Is. 6. 4. ἐπὶ ῥῆθ τὸ ὕ. ἀπὸ τῆς φωνῆς  
[Aq. Ex. 12. 7: Ez. 40. 18 (P.), 21.]  
[Sm., Th., Al. Ez. 40. 18 (P.), 21.]

**ὑπεριδεῖν, cf. ὑπερορᾶν.** (1)  $\text{ὑπεριδεῖν}$  (2)  $\text{ὑπεριδεῖν}$   
(3) α.  $\text{ὑπεριδεῖν}$  δ.  $\text{ὑπεριδεῖν}$  (4)  $\text{ὑπεριδεῖν}$  hithp.  
(5)  $\text{ὑπεριδεῖν}$  (6)  $\text{ὑπεριδεῖν}$  a. hi. δ. hithp.  
(7)  $\text{ὑπεριδεῖν}$

Ge. 42. 21. ὑπεριδομεν τὴν θλίψιν τῆς ψυχῆς αὐ. (7)  
Le. 20. 4. δὴν δὲ ὑπερόψει ὑπεριδομεν (6 α)  
26. 40. ὑπεριδομεν με (8 α)  
— 43. τὰ κρίματά μου ὑπεριδομεν (2)  
— 44. οὐχ ὑπεριδομεν αὐτοὺς (2)  
Nu. 5. 12. καὶ παρὶθ αὐτὸν ὑπεριδοῦσα (3 β)  
22. 30. μὴ ὑπερορᾶσι ὑπεριδοῦσα ἐποίησά σοι οὕτως

31. 16. τοῦ ἀποστήσαι καὶ ὑπεριδεῖν τὸ ῥῆμα κυρίου (8 β)  
De. 3. 26. ὑπεριδεῖς κύριος ἐμέ (4)  
21. 16. ὑπεριδομεν τὸν υἱὸν τῆς μισουμένης (4)  
22. 1. Β μὴ ὑπεριδῇς αὐτά [ΑΒ α.] (6 β)  
— 3. οὐ δύνηθι ὑπεριδεῖν [Α<sup>3</sup> add. αὐτά] (6 β)  
— 4. μὴ ὑπεριδῇς αὐτοὺς (6 β)

I Es. 2. 20. μὴ ὑπεριδεῖν τὸ τοιοῦτο  
To. 4. 3. μὴ ὑπεριδῇς τὴν μητέρα σου [Β α.]  
Es. 4. 17. μὴ ὑπεριδῇς [Α -ειδῇς] τὴν μερίδα σου  
Jb. 6. 14. ἐπισκοπῇ δὲ κυρίου ὑπεριδεῖ με (6)  
31. 19. εἰ δὲ καὶ ὑπεριδομεν γυνῶν ἀπολλυμένων (7)  
Ps. 26 (27). 9. μὴ ὑπεριδῇς [Β<sup>3</sup> ἀκαταλίπης] με, ὁ θεὸς ὁ σωτὴρ μου (5)

54 (55). 1. μὴ ὑπεριδῇς τὴν δέσιν μου (6 β)  
77 (78). 59. ἤκουσεν ὁ θεὸς καὶ ὑπεριδεῖ (4)  
— 62. τὴν κληρονομίαν αὐτοῦ ὑπεριδεῖ (4)  
Wi. 19. 22. οὐχ ὑπεριδεῖς ἐν παντὶ καιρῷ καὶ τότῃ [Β<sup>3</sup> τὸ πρῶτ] παριστάμενος

Si. 2. 10. τίς ἐπεκαλέσατο αὐτὸν καὶ ὑπεριδεῖν αὐτὸν  
23. 11. κἂν ὑπεριδῇ [Α -ειδῇ] ἡμαρτε δις σὺς  
32 (35). 14. οὐ μὴ ὑπεριδῇ [Α παρὶθ] ἱκετεῖαν ὀρφανῷ

38. 16. μὴ ὑπεριδῇς τὴν ταφήν αὐτοῦ  
Za. 1. 12. ἀς ὑπεριδεῖς τοῦτο ἔβδωκεν ἔτος (1)  
III Ma. 6. 15. οὐδὲ... ὑπεριδομεν αὐτοὺς  
IV Ma. 1. 9. ΑΒ τῶν ἕως θανάτου πόνων [Β τοὺς... π.] ὑπεριδοῦντες

9. 6. τὰς βασάνους τῶν σῶν ἀναγκῶν ὑπεριδοῦντες [Β<sup>3</sup> -ειδοῦντες]  
15. 8. ὑπεριδεῖς τὴν τὴν τέκνον πρόσκαιρον σωτηρίαν [Aq. Ez. 22. 26.]

**ὑπερισχύειν.** (1)  $\text{ὑπερισχύειν}$  (2) α.  $\text{ὑπερισχύειν}$  δ.  $\text{ὑπερισχύειν}$   
(3)  $\text{ὑπερισχύειν}$  aph. (4)  $\text{ὑπερισχύειν}$

Ge. 49. 26. ὑπερισχύσειν ἐν' εὐλογίαις ὀρέων μου (1)  
Jo. 17. 18. σὺ γὰρ ὑπερισχύεις [Α -ύσεις] αὐτοῦ (2 β)  
II Ki. 24. 4. ὑπερισχύσειν ὁ λόγος τοῦ βασι. (2 α)  
III Ki. 16. 22. Α ὑπερισχύσειν ὁ λαὸς ὁ ἀκολουθῶν τῷ Ζ. (2 α)

I Es. 3. 5. δὲ ὑπερισχύσει  
— 10. ὑπερισχύει ὁ οἶκος  
— 11. ὑπερισχύει ὁ βασις  
— 12. ὑπερισχύουσιν αἱ γυναῖκες  
— 18. πῶς ὑπερισχύει ὁ οἶκος  
— 24. οὐχ ὑπερισχύει ὁ οἶκος

4. 2. οὐχ ὑπερισχύουσιν οἱ ἄνθρωποι  
— 3. ὁ δὲ βασις ὑπερισχύει καὶ κυρεῖ αὐτῶν  
— 12. πῶς οὐχ ὑπερισχύει ὁ βασις  
— 41. μεγάλη ἡ ἀλήθεια καὶ ὑπερισχύει

Da. Th. 3. 22. ἐπεὶ τὸ ῥῆμα τοῦ βασι. ὑπερίσχυε [Α -υσεν] (8)  
11. 23. ὑπερισχύει αὐτοὺς [Α -ού] ἐν δόλῳ (4)  
[Sm. Ge. 25. 23: Dt. 2. 36: Ps. 87 (88). 20: Ec. 4. 12.]  
[Th. Da. 8. 22.]  
[Al. Ps. 128 (129). 2.]

#### ὑπερκεῖσθαι.

(1)  $\text{ὑπερκεῖσθαι}$   
Pr. 31. 29. σὺ δὲ ὑπερκεῖσαι καὶ ὑπερήρας πάσας (1)  
Ez. 16. 47. ὑπερκεῖσαι αὐτάς  
[Sm. I Ki. 18. 18.]

#### ὑπερκερᾶν.

Ju. 15. 5. ὑπερκεράσαν αὐτοὺς πληγὴ μεγάλη [Β α.]  
I Ma. 7. 46. καὶ ὑπερκερᾶν αὐτοὺς

#### ὑπερκρατεῖν.

(1)  $\text{ὑπερκρατεῖν}$   
III Ki. 16. 22. Β ὑπερκράτησε τὸν λαόν (1)

#### ὑπερκρίνεσθαι.

[Aq. Ps. 50 (51). 6.]

#### ὑπερκυκλεῖν.

(1)  $\text{ὑπερκυκλεῖν}$   
Ez. 82. 23. Α ὑπερκυκλεῖ τῆς ταφῆς αὐτοῦ (1)  
ὑπερμαχεῖν.

I Ma. 16. 3. ὑπερμαχεῖτε [Β<sup>3</sup> om.] ὑπὲρ τοῦ ἔθνους ἡμῶν

III Ma. 7. 6. Β ὡς πατέρα ὑπὲρ υἱόν διὰ παντός ὑπερμαχοῦντα [Α συμμαχ.]

[Sm. Dt. 33. 7: I Ki. 11. 3: Ps. 77 (78). 35: Is. 51. 22: 68. 1: Ho. 10. 6.]

#### ὑπερμάχεσθαι.

[Sm. Ge. 15. 1.]

#### ὑπερμάχησις.

[Sm. Ex. 12. 11.]

#### ὑπερμαχος.

Wi. 10. 20. τὴν τε ὑπερμαχόν σου χεῖρα ἤνεσαν ὁμοθυμαδόν

16. 17. ὑπερμαχος γὰρ ὁ κόσμος ἐστὶ δικαῖων [Α -οις]  
II Ma. 8. 36. κατηγγέλλεν ὑπερμαχον ἔχειν τοὺς ἰουδ.

14. 34. ἐπεκαλοῦντο τὸν διὰ παντός ὑπερμαχον τοῦ ἔθνους ἡμῶν

#### ὑπερμεγέθης.

(1)  $\text{ὑπερμεγέθης}$

I Ch. 20. 6. ἦν ἀσὴρ ὕ. (1)  
Da. LXX. 4. 34. ἀλλοιώσας ὕ. πράγματα

[Aq. Ps. 8. 2: 15 (16). 3: 75 (76). 5: 92 (93). 4: Is. 58. 21: Za. 11. 13.]  
[Sm. II Ki. 7. 23: Jb. 9. 10: Ps. 75 (76). 5.]  
[Th. Jb. 9. 10.]

#### ὑπερμήκης.

(1)  $\text{ὑπερμήκης}$   
Nu. 13. 32 (32). Β ἄνδρες ὕ. ἐκεῖ [ΑΒ om.] (1)

#### ὑπερρικᾶν.

[Sm. Ps. 42 (43). 1 (P.).]  
[Th. Da. 6. 31.]

**ὑπερόργκος.** (1)  $\text{ὑπερόργκος}$  (2) α.  $\text{ὑπερόργκος}$  δ.  $\text{ὑπερόργκος}$  ni.  
(3)  $\text{ὑπερόργκος}$

Ex. 18. 22. τὸ δὲ ῥῆμα τὸ ὕ. ἀνοίσουσιν ἐπὶ σέ (1)  
— 26. πᾶν δὲ ῥῆμα ὕ. ἀνεφέρουσιν ἐπὶ Μ. [Α α.] (8)

De. 80. 11. ἡ ἐντολή αὐτῇ... οὐχ ὑπερόργκος ἐστίν (2 β)  
II Ki. 18. 2. ὑπερόργκον ἐν ὀφθαλμοῖς 'Α. (2 β)  
La. 1. 9. κατεβίβασεν ὑπερόργκα (2 α)

Da. LXX. 5. 12. συγκρίματα ὑπερόργκα ὑπέδειξε  
Da. Th. 11. 36. καὶ λαλήσει ὑπερόργκα (2 β)  
[Th. Da. 11. 36.]

#### ὑπερόργκος.

[Th. Is. 28. 7.]

#### ὑπερον.

Pr. 23. 31. ὑπερον περιπατήσεις γυνώτερος ὑπέρου [Β<sup>3</sup> al.]

[Aq., Th. Pr. 27. 22.]

**ὑπερορᾶν.** (1)  $\text{ὑπερορᾶν}$  (2)  $\text{ὑπερορᾶν}$  a. ni. δ. hi.  
c. hithp. (3)  $\text{ὑπερορᾶν}$

Le. 26. 37. ὑπερόψεται ὁ ἀδελφὸς τὸν ἀδ.  
De. 22. 4. Α<sup>3</sup> οὐχ ὑπερόψη [Α<sup>3</sup> Β οὐκ ὤψη] τὸν ὄνον (8)

Jo. 1. 5. οὐδὲ ὑπερόψομαι σε  
Ju. 8. 20. οὐχ ὑπερόψεται ἡμᾶς (1)  
Ps. 9. 22 (10. 1). ὑπερορᾶς ἐν εὐκαιρίαις (2 β)  
Si. 14. 8. ἀποστρέψων πρόσσωπον καὶ ὑπερορᾶν ψυχῆς

Na. 3. 11. ἔσθι ὑπερορᾶμένη [Β<sup>3</sup> παρεωρ.] (2 α)  
Is. 58. 7. ἀπὸ τῶν οἰκείων τοῦ σπέρματός σου οὐχ ὑπερόψη

Ez. 7. 19. τὸ χρυσίον αὐτῶν ὑπεροφθόσεται  
II Ma. 7. 11. διὰ τοὺς αὐτοὺς νόμους ὑπερορᾶ ταῦτα  
— 23. ὡς νῦν ὑπερορᾶτε ἑαυτοὺς  
[Sm. Jb. 28. 11.]  
[Th. Is. 59. 15.]

#### ὑπερόρασις.

Nu. 22. 30. μὴ ὑπερορᾶσι ὑπεριδοῦσα ἐποίησά σοι οὕτως

**ὑπεροχή.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  (2) ὑψηλός εἰς ὑπεροχὴν  
 $\text{ὑπὲρ ὑψηλῶς}$   
 I Ki. 2. 3. ἂ μὴ λαλεῖτε ὑψηλὰ εἰς ὑπεροχὴν  
 [B om. εἰς ὑ.] (2)  
 Je. 52. 22. ὁ τοῦ γέιστος τοῦ ἐνός  
 II Ma. 8. 11. σφόδρα ἀνδρὸς ἐν ὑπεροχῇ κειμένου  
 6. 23. δέξιν... τῆς τοῦ γήρους ὑ.  
 13. 6. ἡ καὶ τιναν ἄλλων κακῶν ὑπεροχὴν πεποι-  
 μένων  
 15. 13. θαυμαστὴν δέ τινα... εἶναι τὴν περὶ αὐ-  
 τὸν ὑ.  
 [Sm. Is. 60. 15.]  
**ὑπερόψης.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  hi.  
 Le. 20. 4. ἐὰν δὲ ὑπερόψῃς ὑπεριδῶσιν (1)  
**ὑπερτήκειν.**  
 IV Ma. 7. 12. Ἐλ. διὰ τοῦ πυρὸς ὑπερτήκοντες  
 ὑπερτιθέναι. (1)  $\text{ὑπὲρ}$  hi.  
 Pr. 15. 22. ἐπιτίθενται [B<sup>1</sup> -δοῦναι] λογισμοῖς (1)  
 [Aq., Th. Dt. 8. 26.]  
 [Sm. Le. 18. 11.]  
**ὑπερτιμᾶν.**  
 IV Ma. 8. 5. τὸ πλῆθος τοσοῦτον ἀδελφῶν ὑπερτιμᾶν  
**ὑπερτιμᾶν.**  
 Da. Th. 3. (54). Ἐκαὶ ὑπερτιμῶμεν [A B<sup>2</sup> -υψοῦμ.,  
 B<sup>1</sup> -υψοῦμ.] εἰς τοὺς αἰῶνας  
**ὑπερτιμῶντες.**  
 Da. LXX. 3. (53). καὶ ὑπερτιμῶντες... εἰς τοὺς  
 αἰῶνας  
 Da. Th. 3. (53), (54). καὶ ὑπερτιμῶντες... εἰς τοὺς  
 αἰῶνας  
 — (56). Ἄ καὶ ὑπερτιμῶντες [B ὑμν.]... εἰς τοὺς  
 αἰῶνας  
 [Th. Da. 3. (54).]  
**ὑπερψοῦν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  ni. (2)  $\text{ὑπὲρ}$  (3)  $\text{ὑπὲρ}$   
 a. qal. b. pal.  
 Ps. 36 (37). 35. εἶδον τὸν ἀσεβῆ ὑπερψοῦμενον (2)  
 96 (97). σφόδρα ὑπερψόθηκες ὑπὲρ [B ἐπὶ]  
 πάντας τοὺς θεοὺς (1)  
 Da. LXX. 3. (52). καὶ ὑπερψοῦμενος εἰς τοὺς αἰῶνας  
 — (52). καὶ ὑπερψοῦμενος εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας  
 — (54). καὶ ὑπερψοῦμενος εἰς τοὺς αἰῶνας  
 — (57), (58), (59), (60), (61), (62), (63), (64),  
 (65), (66), (67), (68), (69), (70), (71),  
 (72), (73). ὑπερψοῦτε αὐτὸν εἰς τοὺς  
 αἰῶνας  
 — (74). ὑπερψοῦτω αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας  
 — (75), (76), (77), (78), (79), (80), (81), (82),  
 (83), (84), (85), (86), (87), (88). ὑπερ-  
 ψοῦτε αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας  
 Da. Th. 3. (52). καὶ ὑπερψοῦμενος [B<sup>2</sup> -ωμ.] εἰς  
 τοὺς αἰῶνας  
 — (52). καὶ ὑπερψοῦμενος [B<sup>2</sup> -ωμ.] εἰς πάντας τοὺς  
 αἰῶνας  
 — (55) (B<sup>1</sup>), (54). καὶ ὑπερψοῦμενος [A B<sup>2</sup> -οῦμ.]  
 εἰς τοὺς αἰῶνας  
 — (57), (58), (59), (60), (61), (62), (63), (64),  
 (65), (66), (67) (A), (68) (A), (71),  
 (72), (69), (70), (73). ὑπερψοῦτε αὐτὸν  
 εἰς τοὺς αἰῶνας  
 — (74). ὑπερψοῦτω αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας  
 — (75), (76), (77), (78), (79), (80), (81), (82),  
 (83), (84), (85), (86), (87), (88). ὑπερ-  
 ψοῦτε αὐτὸν εἰς τοὺς αἰῶνας  
 4. 34. ὑπερψῶ καὶ δοξάζω τὸν βασιλ. τοῦ οὐρ. (3 b)  
 11. 12. Ἄ ὑπερψοῦσθε [B ὑψ.] ἡ καρδιά  
 αὐ. (3 a)  
 [Th. Da. 8. (52), (55).]  
**ὑπερφέρεια.**  
 [Aq. Jb. 37. 4: 40. 5 (10): Pr. 16. 18: Ez.  
 7. 24.]  
**ὑπερφέρειν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  (2)  $\text{ὑπὲρ}$  (3)  $\text{ὑπὲρ}$   
 I Es. 8. 75. καὶ αἱ ἀγνοίαι ἡμῶν ὑπερήνεγκαν ἕως τοῦ  
 οὐρ.  
 Da. LXX. 7. 7. καὶ ὁ φόβος αὐ. ὑπερφέρων  $\text{ἰσχυρῶς}$  (1)  
 — 20. ἡ πρόσφυς αὐ. ὑπερφέρει τὰ ἄλλα (2)  
 Da. Th. 7. 24. δὲ ὑπερήνευσε καὶ πάντας τοὺς  
 ἔμπροσθεν (3)

**ὑπερφέρειν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$   
 Da. LXX., Th. 2. 31. καὶ ἡ πρόσφυς αὐ. ὑπερ-  
 φέρει (1)  
 [Aq. Ps. 46 (47). 5: 122 (123). 4:]  
 [Al. Le. 26. 19.]  
**ὑπερφοβός.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$   $\text{ὑπὲρ}$   
 Da. LXX. 7. 19. περὶ τοῦ θηρίου τοῦ τετάρτου  
 τοῦ... ὑ. (1)  
**ὑπερφρονεῖν.**  
 IV Ma. 13. 1. εἰ δὲ τῶντων τῶν μέχρι θανάτου πόνων  
 ὑπερφρόνησαν  
 14. 11. πολυτροπικώτερον ὑπερφρόνησεν ἀλληθρόνων  
 16. 2. γυνὴ τῶν μεγίστων βασάνων ὑπερφρόνησε  
 [Sm. Jb. 31. 13: 41. 7.]  
**ὑπερφρονεῖν.**  
 Ju. 15. 14. ὑπερφρονεῖ πᾶς ὁ λαὸς τὴν αἰνέσιν τ.  
**ὑπερχαρής.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$   
 Es. 5. 9. ἐξήλθεν ὁ Ἄ... ὑ. εὐφραίνόμενος (1)  
 III Ma. 7. 20. ἀνέλυσαν... ἐλευθεροῦν ὑπερχαρεῖς  
**ὑπερχεῖν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  (2)  $\text{ὑπὲρ}$  hi.  
 J1. 2. 24. ὑπερχυθίσονται [A ὑπερχεχ.] αἱ ληνοὶ  
 οἶνου (2)  
 3 (4). 13. Ἄ B ὑπερχεῖτε [B ὑπερχεχ.] τὰ  
 ὑπολήνια  
 La. 3. 54. ὑπερχυθὶς ὕδωρ ἐπὶ τὴν κεφαλὴν μου (1)  
**ὑπερχεσθαι.**  
 III Ma. 4. 6. αἱ δὲ ἀρεῖ... ὑπερληλυθῆσαι παστὸν  
 νεάνιδες  
**ὑπερχώρησις.**  
 [Sm. Ez. 40. 18 (P).]  
**ὑπερωμῖαν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$   
 I Ki. 9. 2. ὑπερωμῖαν καὶ ἐπάνω ὑψηλός (1)  
 10. 23. ὑψηλὴ ὑπὲρ πάντα τὸν λαόν ὑ. καὶ ἐπάνω (1)  
**ὑπερφόν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  b.  $\text{ὑπὲρ}$  c.  $\text{ὑπὲρ}$   
 Jd. 3. 20. ἐκάθηντο ἐν τῷ ὑ. τῷ θερινῷ τῷ ἐαν-  
 τοῦ (1 a)  
 — 23. ἀπέκλεισε τὰς θύρας τοῦ ὑ. (1 a)  
 — 24. ἰδοὺ αἱ θύραι τοῦ ὑ. ἐσφηνώμεναι [A al.] (1 a)  
 — 25. οὐκ ἔστιν ὁ ἀνοίγων τὰς θύρας τοῦ ὑ. (1 a)  
 II Ki. 18. 33 (19. 1). ἀνέβη εἰς τὸ ὑ. τῆς  
 πύλης (1 a)  
 III Ki. 17. 19. ἀνέγειραν αὐτὸν εἰς τὸ ὑ. (1 a)  
 — 23. κατήγαγεν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὑ. (1 a)  
 IV Ki. 1. 2. διὰ τοῦ δικτατοῦ τοῦ ἐν τῷ ὑ. αὐ. (1 a)  
 4. 10. ποιήσωμεν δὴ αὐτῷ ὑπερφόν. (1 a)  
 — 11. ἐξέκλεισε εἰς τὸ ὑ. (1 a)  
 28. 12. τὰ ἐπὶ τοῦ δώματος τοῦ ὑ. Ἄ. (1 a)  
 I Ch. 28. 11. τὸ παράδειγμα... τῶν ὑ. (1 a)  
 — 20. καὶ τὰ ὑ. καὶ τὰς ἀποθήκας  
 II Ch. 9. 9. τὸ ὑ. ἐχρύσωσε χρυσὸν (1 a)  
 To. 3. 10. B ἀναβάσει εἰς τὸ ὑ. τοῦ πατρὸς αὐ.  
 — 17. κατέβη ἐκ τοῦ ὑ. αὐ.  
 Ps. 108 (104). 3. ὁ στεγάζων ἐν ὑδασι τὰ ὑ. (1 a)  
 αὐτοῦ (1 a)  
 — 13. ποτίζων ὄρη ἐκ τῶν ὑ. αὐτοῦ (1 a)  
 Je. 20. 2. ἦν ἐν πύλῃ οἴκου ἀποτεταγμένου τοῦ ὑ. (1 b)  
 22. 13. τὰ ὑ. αὐτοῦ οὐκ ἐν κρίματι (1 a)  
 — 14. ὑπερφῶν ἡμισυτὰ διεσταλμένα θυρίσι (1 a)  
 Ez. 41. 7. ἐκ τῶν κάτωθεν ἀνοβαίνουσιν ἐπὶ τὰ ὑ. (1 b)  
 Da. LXX. 6. 10 (11). θυρίδας ἤνοιξεν ἐν τῷ ὑ. (1 c)  
 αὐ.  
 Da. Th. 6. 10 (11). αἱ θυρίδες ἀνεφνεῖν αὐτῷ  
 ἐν τοῖς ὑ. αὐ. (1 c)  
 [Aq., Sm. IV Ki. 1. 2.]  
**ὑπερφός.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$   
 Ez. 42. 5. καὶ οἱ περίπατοι οἱ ὑ. ὡσαύτως (1)  
**ὑπευθύνειν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$   
 Pr. 1. 23. B<sup>1</sup> ὑπευθύνονται [A B S<sup>2</sup> ὑπεύθυνοι  
 ἐγένοντο] ἐλέγχους (1)  
**ὑπεύθυνος.** (1) ὁ. γίνεσθαι  $\text{ὑπὲρ}$   
 Pr. 1. 23. ὑπεύθυνος ἐγένοντο [B<sup>1</sup> ὑπεύθυνοι]  
 ἐλέγχους (1)  
**ὑπευλαβεῖσθαι.**  
 II Ma. 14. 18. ὑπευλαβεῖτο τὴν κρίσιν δι' αἱμάτων  
 ποιήσασθαι

**ὑπέχειν.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  (2)  $\text{ὑπὲρ}$   
 Ps. 88 (89). 50. B S οὐ ὑπέχουν [A B -ον] ἐν  
 τῷ κόλπῳ μου πολλῶν ἐθνῶν (1)  
 Wi. 12. 21. B<sup>1</sup> καὶ συνθηκᾶς ἔδωκεν ἀγαθῶν ὑποσχῆς  
 [A B S<sup>2</sup> -σχέσεων]  
 La. 5. 7. τὰ ἀνομήματα αὐτῶν ὑπέσχεον (2)  
 II Ma. 4. 48. ταχέως οὖν τὴν ἀδικον ζημίαν ὑπέσχεον  
**ὑπήκοος.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  (2)  $\text{ὑπὲρ}$  (3)  $\text{ὑπὲρ}$   
 De. 20. 11. ἔσονται σοὶ φορολόγητοι καὶ ὑπὲρ-  
 κοὶ σου (2)  
 Jo. 17. 13. ἐποίησαν τοὺς Χαν. ὑπήκοους (1)  
 Pr. 4. 3. υἱὸς γὰρ ἐγενόμενος κατὰ πατρί ὑπήκοος †  
 13. 1. υἱὸς πανούργου ὑπήκοος πατρί [B<sup>1</sup> μητρί] -  
 21. 28. ἀνὴρ δὲ ὑπήκοος φυλασσόμενος λαλήσει (3)  
 [Sm. II Ki. 23. 23.]  
**ὑπηρέσια.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$   
 Jb. 1. 3. καὶ ὑπηρέσια πολλὰ σφόδρα (1)  
 Wi. 18. 11. κατεσκεύασε χρησίμον σκεῦος εἰς ὑπηρε-  
 σίαν ζωῆς  
 — 12. Ἄ εἰς ὑπηρέσιαν [B S ἐτοιμασίαν] τροφῆς  
 ἀναλώσας [S -ώσεως]  
 15. 7. πλάσσει πρὸς ὑπηρέσιαν ἡμῶν ἕκαστον  
 [Al. Nu. 4. 23.]  
**ὑπηρετεῖν.**  
 Wi. 16. 21. τῇ δὲ τοῦ προσφερομένου ἐπιθυμίᾳ ὑπη-  
 ρετῶν  
 — 24. ἡ γὰρ κτίσις σοὶ τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα  
 — 25. τῇ παντοτρόφῳ σου δορεῖ ὑπηρετεῖ  
 19. 6. ἡ κτίσις... ὑπηρετοῦσα ταῖς ἰδίαις [A S αἰς]  
 ἐπιταγαῖς  
 Si. 39. 4. ἀνὰ μέσον μεγιστάνων ὑπηρετήσῃ  
 [Sam. Ge. 49. 15.]  
 [Al. Nu. 4. 23.]  
**ὑπηρέτης.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  (2)  $\text{ὑπὲρ}$   
 Pr. 14. 35. δεκτὸς βασιλεὶς ὑπηρέτης νομίμων (2)  
 Wi. 6. 4. ὑπηρέται ὄντες τῆς αὐτοῦ βασιλείας  
 Is. 32. 5. οὐκέτι μὴ εἰπωσιν οἱ ὑ. σου, Σίγα (1?)  
 Da. LXX., Th. 3. (46). οὐ διεκρίνοντο οἱ ἐμβάλλοντες  
 αὐτοὺς ὑπηρέται τοῦ βασιλ.  
 [Th. Da. 3. (46).]  
**ὑπισχνέσθαι.**  
 Wi. 17. 8. οἱ γὰρ ὑπισχνόμενοι δειμάτα... ἀπελαί-  
 νειν ψυχῆς νοσοῦσης  
 II Ma. 4. 9. B ὑπισχνέσθαι [A -οῖτο] καὶ ἕτερα δια-  
 γράφαι πενήτην  
 8. 11. ὑπισχνόμενος ἐνεμήκοντα σώματα ταλάντου  
 παραχωρήσειν  
 12. 11. ὑπισχνόμενος καὶ βοσκήματα δώσειν  
**ὑπνος.** (1)  $\text{ὑπὲρ}$  b.  $\text{ὑπὲρ}$  (2)  $\text{ὑπὲρ}$   
 δ.  $\text{ὑπὲρ}$  (3)  $\text{ὑπὲρ}$  (4)  $\text{ὑπὲρ}$  δ.  $\text{ὑπὲρ}$   
 c.  $\text{ὑπὲρ}$  d.  $\text{ὑπὲρ}$   
 Ge. 20. 3. εἰσῆλθεν ὁ θ. πρὸς ἌB. ἐν ὕπνῳ (2 a)  
 — 6. εἶπε δὲ αὐτῷ ὁ θ. καθ' ὕπνον (2 a)  
 28. 16. ἐξήνεγκεν ἰ. ἀπὸ τοῦ ὑ. αὐ. (4 b)  
 31. 10. ἴδον ἐν τοῖς ὀφθαλμοῖς ἐν τῷ ὑ. (2 a)  
 — 11. εἶπε μοι ὁ ἀγγελος τοῦ θ. καθ' ὕπνον (2 a)  
 — 24. ἦλθε δὲ ὁ θ. πρὸς Ἄ. τὸν Σύδρον καθ'  
 ὕπνον (2 a)  
 — 40. ἀφίστατο ὁ ὑ. μου ἀπὸ τῶν ὀφθ. μου (4 b)  
 40. 9. ἐν τῷ ὑ. μου ἦν ἀμπελὶς (2 a)  
 41. 17. ἐν τῷ ὑ. μου ἦμην (2 a)  
 — 22. εἶδον πάλιν ἐν τῷ ὑ. μου (2 a)  
 Nu. 12. 6. ἐν ὕπνῳ λαλήσῃς αὐτῷ  
 24. 4. ὁρασιν θεοῦ εἶδον ἐν ὕπνῳ †  
 — 16. ὁρασιν θεοῦ ἴδον ἐν ὕπνῳ †  
 Jd. 16. 14. 20. ἐξυπνίσθη ἐκ τοῦ ὑ. αὐ. [A al.] (4 b)  
 I Ki. 20. 41. Ἄ ἀνέστη ἀπὸ τοῦ ὑ. [B ἀργάβ] †  
 26. 7. ἴδον Σ. καθέδων ὕπνῳ [A om.] (3)  
 III Ki. 3. 5. ὤφθη κύριος τῷ Σαλ. ἐν ὕπνῳ (2 a)  
 To. 10. 7. B καὶ οὐκ εἶχεν ὕπνον [A B al.]  
 Es. 6. 1. ἀπέστησε τὸν ὑ. ἀπὸ τοῦ βασιλ. (4 b)  
 Jb. 14. 12. οὐκ ἐξυπνίσθηται ἐξ ὕπνου αὐτῶν (4 b)  
 Ps. 75 (76). 5. ὑπνωσαν ὕπνον αὐτῶν (4 b)  
 126 (127). 2. ὅταν ὀφ τοῖς ἀγαπήτοις αὐτοῦ  
 ὕπνον (4 a)  
 131 (132). 4. εἰ δώσω ὕπνον τοῖς ὀφθ. μου (4 c)  
 Pr. 4. 16. ἀφῆρηται ὁ ὑ. αὐτῶν [A S<sup>2</sup> ἀπ' αὐτῶν] (4 b)  
 6. 4. μὴ ὄψῃς ὕπνον σοὶς ὁμασίαις (4 b)  
 — 9. πότε δὲ ἐξ ὕπνου ἐγερθήσῃ (4 b)

Ec. 5. 11. γλυκύς ὁ τοῦ δούλου (4 b)  
8. 16. ὑπνον ὀφθαλμοῖς [A B ἐν ὀφθ.] αὐτοῦ  
οὐκ ἔστι βλεῖν [A -ειν] (4 b)  
Wi. 4. 6. ἐκ γὰρ ἀνάμων ὑπνον τέκνα γεννώμενα  
7. 2. ἐκ σπέρματος ἀνδρὸς καὶ ἡδονῆς ὑπνω [B -ου]  
συνελθούσης  
17. 14. τὸν αὐτὸν ὑπνον κοιμώμενοι  
Si. 22. 7. ἐξεγείρων καθεύδοντα ἐκ βαθύς ὑπνον  
84 (81). 1. ἡ μέριμνα αὐτοῦ ἀφιστῇ [A -ίστατο]  
ὑπνον  
— 2. ἀρρόστημα βαρὺ ἐκρήψει ὑπνος [B<sup>1</sup> -ον]  
— 20. ὑπνος ὑγίαιας ἐπὶ ἐντέρω μετρίῳ  
40. 5. ὑπνος νυκτὸς [B<sup>1</sup> καὶ νύξ] ἀλλοιοὶ γνῶσιν αὐτοῦ  
— 6. ἀπ' ἐκείνου ἐν ὑπνοῖς ὡς ἐν ἡμέρᾳ σκοπίας  
42. 9. ἡ μέριμνα αὐ. ἀφιστῇ ὑπνον  
Ho. 7. 6. ὑπνον ἔβρω. ἐνεπλήσθη (8)  
Za. 4. 1. ἐν τρόπον ἔταν ἐξεγέρθη ἀνθρώπος ἐξ  
ὑπνου αὐ. (4 b)  
Is. 29. 7. ὡς ἐμπνιζόμενος καθ' ὑπνους [A ἐ.  
ἐμπνιζον, B ἐ. ἐν ὑπνῳ] (1 a)  
— 8. ὡς οἱ ἐν τῷ [A B<sup>3</sup> om.] ὑ. πίνοντες (2 b)  
Je. 28 (51). 39. ὅπως . . . ὑπνώσασιν ὑπνον  
αἰώνιον [B<sup>1</sup> al.] (4 b)  
88 (81). 26. ὁ ὑ. μου ἦδυν μοι ἐγνήθη (4 b)  
Da. LXX. 2. 1. ὁ ὑ. αὐ. ἐγένετο ἀπ' αὐτοῦ (4 b)  
4. 10. ἰδεώρου ἐν τῷ ὑ. μου (1 b)  
— 15. ὁ ὑ. μου ἀπέστη ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν μου —  
— 32. ὑπνος με ἔλαβε πολὺς  
7. 2. ἰδεώρου καθ' ὑπνους νυκτὸς (1 b)  
9. 21. ἐν εἰδὸν ἐν τῷ ὑ. μου τῇ ἀρχῇ (1 a)  
Da. TH. 2. 1. ὁ ὑ. αὐ. ἐγένετο ἀπ' αὐτοῦ (4 b)  
6. 18 (19). ὁ ὑ. ἀπέστη ἀπ' αὐτοῦ [A al.] (4 d)  
I Ma. 6. 10. ἀφίσταται ὁ ὑ. ἀπὸ τῶν ὀφθ. μου  
III Ma. 5. 11. ὑπνον μέρος ἀπέστειλεν εἰς τὸν βασι.  
— 20. Α τὸ [B τῷ] τῆς σήμερον ὑπνω χάριν ἔχειν  
αὐτοῦ  
— 22. οὐχ οὕτως εἰς ὑπνον κατεχρήσαντο τὸν χρόνον  
τῆς νυκτὸς  
[Aq. Pr. 4. 16: Je. 51 (28). 57.]  
[Sm. Pr. 4. 16: 20. 13: Da. 2. 1 (Sw.).]  
[Th. Jb. 14. 12: Pr. 4. 16: Je. 51 (28). 57:  
Da. 2. 1.]  
[Al. Gz. 2. 21.]  
ὑπνοῦν. (1) α. 𐤒𐤏 δ. 𐤒𐤏 (2) 𐤒𐤏 (3) 𐤒𐤏  
(4) 𐤒𐤏 pil. (5) 𐤒𐤏  
Ge. 2. 21. καὶ ὑπνώσει (1 a)  
Jd. 19. 4. Α καὶ ὑπνώσας [B ἡλίσθησαν] ἐκέῃ (2)  
I Ki. 26. 12. πάντες ὑπνώοντες (1 b)  
III Ki. 3. 20. Α καὶ ἡ δούλη σου ὑπνου (1 b)  
19. 5. ὑπνώσας ἐκεῖ ὑπὸ φυτῶν (1 a)  
To. 8. 13. 8. εὖρον αὐτοὺς . . . ὑπνώοντας κοινῶς  
[A B al.]  
Ju. 12. 5. ὑπνώσει μέχρι μεσουσσης τῆς νυκτὸς  
Jb. 3. 13. ὑπνώσας δὲ ἀνεπαυσάμην (1 a)  
Ps. 3. 5. ἐγὼ ἐκοιμήθην καὶ ὑπνώσας (1 a)  
4. 8. κοιμήθησμαι καὶ ὑπνώσω (1 a)  
12 (18). 3. μή ποτε ὑπνώσω εἰς θάνατον (1 a)  
43 (44). 23. ἐξεγέρθητι ἵνα τί ὑπνοῖς, κύριε (1 a)  
75 (76). 5. ὑπνώσας ὑπνον αὐτῶν (8)  
77 (78). 65. ἐξηγέρθη ὡς ὁ ὑπνῶν κύριος (1 b)  
120 (121). 4. Α B οὐδὲ ὑπνώσει [S ἐξυπν.] ὁ  
φυλάσσω τὸν Ἰσραὴλ (1 a)  
Pr. 3. 24. εἰς δὲ καθεύδης ἡδύως ὑπνώσεις (1 a)  
4. 16. οὐ γὰρ μὴ ὑπνώσῃς (5)  
6. 10. ὄλιγον μὲν ὑπνοῖς (6)  
Ec. 5. 11. οὐκ ἔστιν ἀφίαν αὐτὸν τοῦ ὑπνώσαι (1 a)  
Si. 46. 20. μετὰ τὸ ὑπνώσαι αὐτὸν προκρίτησε  
Jl. 1. 13. ὑπνώσατε ἐν σάκκοις (2)  
Je. 14. 9. μὴ [B ἡ] ἴση ὡστερ ἄνθρωπος ὑπνῶν  
28 (46). 27. Α B<sup>3</sup> καὶ ὑπνώσει (4)  
28 (51). 39. ὑπνώσασιν [A -σουσιν] ὑπνον  
αἰώνιον [B<sup>1</sup> al.] (1 a)  
Ez. 84. 25. ὑπνώσουσιν ἐν τοῖς δρυμοῖς (1 a)  
[Aq. Je. 51 (28). 57: Ho. 7. 6.]  
[Sm. Ps. 43 (44). 24.]  
[Th. Jd. 19. 4: Je. 51 (28). 57.]  
ὑπνώδης. (1) 𐤒𐤏  
Pr. 23. 21. ἐνδύσεται διεργηγμένα καὶ βακώδη  
πᾶς ὑπνώδης (1)  
ὑπό. I. c. gzi. \* ὁ ὑπό.  
Ge. 16. 10†. 26. 29: 32. 12 (13)†: 45. 21, 29.  
Ex. 6. 14: 16. 3: 28. 29 (33)†, 30 (34)†: 29.  
22†.

Le. 10. 6: 20. 16†: 28. 43†.  
Nu. 4. 27, 31, 32: 26. 64.  
De. 8. 11†, 16†: 4. 21: 21. 23: 38. 12, 29.  
Jo. 11. 22†: 18. 1: 20. 3†: 24. 27.  
II Ki. 3. 39.  
III Ki. 9. 20†: 10. 3†, 21†, 22 (9. 20)†.  
II Ch. 19. 2: 24. 6: 26. 22.  
I Es. 1. 15\*, 27, 33, 47: 2. 15: 4. 45: 7. 1: 8.  
3, 14†, 80†: 9. 39.  
To. 1. 8†, 18†: 8. 7†: 11. 16†.  
Ju. 6. 18: 9. 4: 16. 7.  
Es. 1. 15, 18, 20†: 8. 3, 13: 8. 1, 5, 13 ter,  
14: 9. 1: 10. 3.  
Jb. 2. 4†: 6. 18: 8. 16: 9. 13: 12. 5†, 5: 18.  
25 bis: 17. 7†: 21. 18†, 20†, 25: 80. 4†: 81.  
30: 86. 14: 87. 8†: 89. 34 (40. 4)†: 40. 14 (19):  
41. 24 (25).  
Ps. 2. 6: 39 (40). 2†: 78 (74). 22\*: 106 (107). 2.  
Pr. 2. 19: 3. 11: 8. 26†: 12. 8: 13. 13, 14: 15.  
10: 16. 1 (9): 18. 19: 19. 9: 21. 10: 22. 14:  
23. 32 bis: 24. 69 (81. 1): 27. 9.  
Wi. 2. 4 bis: 4. 4 bis: 6. 14 ter: 6. 12, 12†: 9.  
2: 11. 20 bis, 25: 16. 9, 27 bis: 18. 7.  
Si. 3. 5†, 16†, 17, 20: 7. 15: 18. 21 bis: 14. 27†: 19.  
28: 25. 30: 19. 45. 1†: 46. 13: 48. 12: 50. 2.  
Ho. 9. 7.  
Is. 1. 7: 5. 24 bis: 7. 2: 9. 18 (17), 19 (18): 11.  
11†: 18. 19†: 20. 1: 24. 18: 80. 2 bis, 33: 45.  
17: 49. 7, 17: 51. 8 bis, 11: 61. 9: 62. 12†:  
64. 2 (1)†: 65. 23: 66. 16.  
Je. 18. 24†: 15. 16: 32 (25). 33.  
Ba. 8. 36†: 4. 12, 26†, 27, 35: 5. 6.  
Ep. Je. 1 bis, 2, 8, 18, 34, 45, 46, 62.  
Ez. 84. 19: 86. 3†, 13.  
Da. LXX. 2. 6, 24: 8. (25), (35)†: 4. 15: 7. 27\*†:  
Bel 8.  
Da. TH. 3. (35): Bel 12.  
I Ma. 1. 11†: 6. 5, 16: 6. 23, 37†, 39†: 8. 6†: 9.  
68: 10. 53, 82†: 11. 18: 18. 29: 14. 22, 40, 43,  
44: 16. 33.  
II Ma. 1. 11, 20†: 2. 23: 8. 9†, 32, 34†: 4. 3,  
22, 26, 28, 39, 44: 6. 8, 16, 18, 20†: 6. 4, 21:  
7. 1, 14†, 14 bis, 16: 8. 2 bis, 14, 17, 25†, 35,  
36†: 9. 2, 9: 10. 2, 4, 5, 13 bis, 13†, 20, 24: 12.  
3, 19, 22: 14. 5, 11, 31: 15. 2, 37.  
III Ma. 1. 1 bis, 21, 23†, 23: 2. 2, 22: 4. 4: 5.  
11: 6. 4†, 9, 40: 7. 12†, 21.  
IV Ma. 1. 11 bis, 35 bis: 2. 9: 4. 26: 6. 11, 20†,  
21: 9. 9, 30: 10. 1†: 12. 2: 14. 6: 18. 3, 11.  
[Aq. Ps. 86 (87). 22: Is. 58. 4: Je. 11. 20:  
20. 12.]  
[Sm. Jb. 15. 27: 25. 4: 89. 24, 35 (40. 5) bis:  
41. 17: Ps. 86 (87). 22 bis: 54 (55). 4 bis:  
87 (88). 6: 108 (109). 24: 118 (119). 120:  
Is. 24. 5: 28. 1: 58. 4: Je. 51 (28). 49: Ze.  
3. 10.]  
[Th. Jb. 41. 25: Is. 58. 4.]  
[Heb. Ge. 24. 31: Jb. 9. 13.]  
[Al. IV Ki. 1. 14\*: Jb. 29. 5.]  
[Quint. Ho. 7. 4, 14: 8. 6.]  
II. c. dal.  
Jb. 12. 5†.  
III. c. acc. \* ὁ ὑπό.  
Ge. 9. 2: 16. 9†: 18. 4, 8: 19. 8: 24. 2, 9: 35.  
4, 8: 41. 35: 47. 29.  
Ex. 3. 1: 14. 27: 17. 12†, 14\*: 19. 17: 21. 20:  
22. 30 (29): 28. 5: 24. 4, 10\*: 25. 25 (27), 34  
(35), 34 (35)†: 27. 4†, 5: 28. 29 (33)†: 30.  
4: 32. 19, 20†: 36. 30 (39. 22): 38. 24 (4)†:  
40. 20.  
Le. 22. 27: 27. 32.  
Nu. 6. 19†: 6. 18†.  
De. 3. 17: 4. 11, 17, 49†: 25. 19\*: 29. 20 (19)\*:  
33. 3 bis, 27.  
Jo. 4. 9: 5. 2: 11. 3\*, 17: 12. 3†, 3††: 18. 5: 24. 26.  
Jd. 8. 16, 30: 4. 5: 6. 11†, 19.  
Ru. 2. 12.  
I Ki. 14. 2†: 21. 3 (4), 4 (5), 8 (9): 22. 6: 31. 13.  
II Ki. 18. 9: 22. 39.  
III Ki. 3. 1 (B), 4. 25 (A) [5. 5] bis: 5. 3 (17):  
6. 8: 8. 6: 18. 14†: 19. 5, 13.  
I Ch. 10. 12.  
I Es. 3. 1\*, 2\*†, 8.  
To. 7. 11†.  
Ju. 6. 13.

Es. 2. 8, 18\*: 3. 6\*: 4. 17\*: 8. 13.  
Jb. 1. 6\*†, 7\*: 2. 2\*: 5. 10\*: 9. 6\*, 13\*: 12.  
5†: 18. 4\*, 19\*: 20. 12: 28. 24\*: 30. 7: 34.  
13\*: 37. 8†: 38. 18\*, 24\*, 33: 40. 16 (21):  
41. 2 (3)\*, 21 (22): 42. 15†, 15\*.  
Ps. 9. 28 (10. 7): 17 (18). 9, 38, 47: 46 (47). 3:  
65 (66). 17: 90 (91). 4: 105 (106). 42: 189 (140).  
3: 148 (144). 2.  
Pr. 6. 7: 8. 26\*†, 28\*: 22. 27\*: 29. 12\*.  
Ec. 1. 3, 9, 13, 14: 2. 3, 11, 17, 18, 19, 20, 22:  
3. 1\*†, 16: 4. 1, 3†, 7, 15: 5. 12, 17: 6. 1, 1†:  
7. 1 (6. 12), 7 (6): 8. 9, 15 bis, 17: 9. 3, 6, 9 bis,  
11, 13: 10. 5.  
Ca. 2. 6: 4. 11: 8. 3, 5.  
Wi. 12. 9.  
Si. 14. 26: 29. 10, 22: 51. 26.  
Ho. 14. 8.  
Jn. 4. 10 bis.  
Ze. 3. 9.  
Is. 3. 6: 49. 2: 51. 16: 57. 5.  
Je. 34 (27). 8, 11: 47 (40). 4\*†.  
Ba. 1. 12 bis: 5. 3\*.  
La. 3. 34.  
Ez. 13. 18†: 17. 23: 20. 37: 31. 6†, 17: 82. 27.  
Da. LXX. Su. 54 bis, 58 bis: 2. 38: 4. 34: 7.  
27\*†: 8. 12.  
Da. TH. Su. 54 bis, 58 bis: Bel 13.  
I Ma. 5. 5†: 6. 46: 8. 2: 9. 38: 10. 38: 14. 12.  
II Ma. 2. 18\*: 3. 6, 19, 36: 4. 12 bis: 5. 25\*:  
7. 20, 36: 12. 40, 42.  
III Ma. 3. 28: 4. 14: 5. 2: 7. 3\*, 12†.  
IV Ma. 17. 19.  
[Aq. Je. 52. 20.]  
[Sm. Dr. 4. 19: Jo. 24. 26: II Ki. 8. 2: IV  
Ki. 9. 13: Jb. 18. 27: Ps. 17 (18). 48: 85  
(86). 8: 88 (89). I (P.): 90 (91). I bis: Ca.  
2. 3: 8. 5: Is. 29. 4: Je. 18. 4: 29 (86). 26:  
38 (46). 12: Ez. 13. 18: Ho. 4. 13.]  
[Th. Ex. 37. 14 (38. 11): Is. 10. 4: Je. 38  
(45). 12: Da. 18. 54.]  
[Al. Le. 15. 10: Nu. 21. 2: I Ki. 10. 2.]  
[Hebr. Gz. 24. 2.]  
ὑποβάλλειν. (1) 𐤒𐤏  
I Es. 2. 18. καὶ ναὸν ὑποβάλλοντα  
Da. TH. 3. 9. Α καὶ ὑποβαλόντες εἶπον Ναβ.  
τῷ βασι. [B al.] (1)  
[Sm. Le. 19. 19: Jo. 28. 4.]  
ὑποβλέπεσθαι. (1) α. 𐤒𐤏 δ. 𐤒𐤏  
I Ki. 18. 9. ἦν Σ. ὑποβλεπόμενος τὸν Δ. (1 a\*, 1 b)  
Si. 87. 10. μὴ βουλευοὺς μετὰ τοῦ ὑποβλεπόμενου σε  
ὑπόγαιος (-γίος, -γέος).  
Je. 45 (38). 11. εἰσῆλθεν εἰς τὴν οἰκίαν τοῦ βα-  
σιλέως τῆν ὑ. †  
[Sm. Ps. 118 (119). 85.]  
ὑπογραμμός.  
II Ma. 2. 28. τὸ δὲ ἐπιτορεύσθαι τοῖς ὑ. τῆς ἐπιτο-  
μῆς ἀπονοῦντες  
ὑπογράφειν.  
I Es. 2. 16. κατέγραφεν . . . τὴν ὑπογεγραμμένην  
ἐπιστολὴν  
— 25. ἀνέγραφεν . . . τὰ ὑπογεγραμμένα  
Es. 8. 13. ὅν ἐστιν ἀντίγραφον . . . τὰ ὑπογεγραμ-  
μένα  
Si. 50. 1. B<sup>3</sup> ἐν (ω) αὐτοῦ ὑπέγραφεν [A B B<sup>1</sup> -έρ-  
ραφεν] οἶκον  
I Ma. 8. 25. ὡς ἂν ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ αὐτοῖς  
— 27. ὡς ἂν αὐτοῖς ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ  
II Ma. 9. 18. ἔγραψε . . . τὴν ὑπογεγραμμένην ἐπι-  
στολὴν  
— 25. γέγραφα δὲ πρὸς αὐτὸν τὰ ὑπογεγραμμένα  
11. 17. ἐπιδόντες τὸν ὑπογεγραμμένον χρηματισμὸν  
III Ma. 2. 30. ἵνα δὲ μὴ . . . φαίνεται ὑπέγραφεν  
6. 41. ἔγραψεν αὐτοῖς τὴν ὑπογεγραμμένην ἐπι-  
στολὴν  
ὑπόγυος.  
II Ma. 12. 31. τῆς τῶν ἐβρομάδων ἰορτῆς οὐσης  
τοῦ γούου  
ὑπόδειγμα.  
Si. 44. 16. Ἐρῶχ . . . μετετέθη ὑπόδειγμα μετανοίας  
ταῖς γενεαῖς  
Ez. 42. 15. διεμετρήσε τὸ ὑ. τοῦ οἴκου

II Ma. 6. 28. τοῖς δὲ νόμοις ὑ. γυναικῶν καταλειποῦς  
— 31. τὸν ἑαυτοῦ θάνατον ὑποδείγμα γενναυγίης  
... καταλείπων

IV Ma. 17. 23. ἀκατήρυσεν ... εἰς ὑπόδειγμα τὴν  
ἐκείνων ὑπομονήν  
[Aq. Dt. 4. 17: Ez. 8. 10.]

υποδεικνύειν, υποδεικνύμαι, (1) פָּרַח hi.  
(2) פָּרַח pa. (3) פָּרַח aph. (4) פָּרַח hi.  
(5) פָּרַח hi. (6) פָּרַח pi. (7) פָּרַח  
(8) פָּרַח hi.

III Ki. 10. 22 (9. 20). B πάντα τὸν λαὸν τὸν  
υποδείγμα ὑπὸ τοῦ X. [A B al.] +

I Ch. 28. 18. τὸν τοῦ θυσιαστηρίου ... σταθμὸν  
υπέδειξεν αὐτῷ

II Ch. 15. 3. A B καὶ οὐχ ἱερεῖς ὑποδεικνύοντες (4)  
20. 2. ὑπέδειξεν τῷ ἴωφ. (5)

I Es. 2. 24. ὑποδεικνύμενος [A - δεικνύμενος] σοι

To. 1. 19. ὑπέδειξε τῷ βασιλεῖ περὶ ἑμοῦ

— 20. A B ὑποδεικνύω [B ἐπιδ.] σοι

5. 7. B μέχρι ὅτου εἰσελθὼν ὑποδείξω τῷ πατρί μου

[A B al.]

— 8. B ὑπέδειξεν Τωβείδ τῷ πατρί αὐ.

— 10. ὑπέδειξόν μοι

7. 10. A B πλὴν ὑποδείξω σοι [B om.] τὴν ἀλήθειαν

8. 14. B ὑπέδειξεν αὐτοῖς ὅτι [A B al.]

9. 5. B ὑπέδειξεν αὐτῷ περὶ Τωβείου

10. 8. B ἤδη ὑπέδειξας σοι

— 9. B ὑποδείκνυσιν αὐτῷ περὶ σοῦ [A B al.]

12. 6. τοὺς λόγους τῶν ἔργων τοῦ θ. ἐντίμως ὑπο-

δεικνύοντες [B al.]

— 11. B πᾶσαν τὴν ἀλήθειαν ὑμῖν ὑποδείξω

— 11. B ἤδη ὑμῖν ὑπέδειξα

13. 4. ἐκεῖ ὑποδείξατε τὴν μεγαλωσύνην αὐ. [B al.]

Es. 1. 1. ὑπέδειξε τῷ βασι. περὶ αὐτῶν

2. 9. B τὰ ἐπὶ τὰ κοράκια τὰ ὑποδειγμένα

[A B ἀποδ.] αὐτῷ (7)

— 10. οὐχ ὑπέδειξεν Ἐ. τὸ γένος αὐ.

— 20. οὐχ ὑπέδειξε τὴν πατρίδα αὐ.

3. 4. ὑπέδειξαν [B<sup>1</sup> - ev] τῷ Α. Μαρδοχαίου

— 4. ὑπέδειξεν αὐτοῖς ὁ Μαρδ. ὅτι Ἰουδαίους

ἴσται (5)

— 13. A B<sup>1</sup> ὑπέδειξεν [B S<sup>1</sup> ἐπιδ.] ἡμῖν

4. 7. ὑπέδειξεν αὐτῷ τὸ γεγονός

5. 11. ὑπέδειξεν αὐτοῖς τὸν πλοῦτον αὐ.

8. 1. ὑπέδειξε γὰρ Ἐ.

Si. 3. 23. πλεῖστα γὰρ συνέσεις ἀνθρώπων ὑπεδείχθη

σοι

14. 12. διαθήκη ἔδου οὐχ ὑπεδείχθη [S<sup>1</sup> ὑποδείχθη-

σται] σοι

17. 7. ἀγαθὰ καὶ κακὰ ὑπέδειξεν αὐτοῖς

— 12. τὰ κρίματα αὐτοῦ ὑπέδειξεν αὐτοῖς

46. 20. ὑπέδειξε βασιλεῖ τὴν τελευτὴν αὐτοῦ

48. 25. ἔως τοῦ αἰῶνος ὑπέδειξε τὰ ἐσόμενα

49. 8. ἡν ὑπέδειξεν αὐτῷ ἐπὶ ὄψεως Χερουβὶμ

Je. 88 (31). 19. ὑπέδειξας σοι ὅτι ἐλαβὼν ὀνειδισμὸν +

Da. LXX. 2. 17. τοῖς συνεταίροις ὑπέδειξε πάντα (8)

4. 15. ὑπέδειξέ μοι πᾶσαν τὴν σύγκρισιν αὐ.

— 34. ὑποδείξω ὑμῖν τὰς πράξεις

5. 7. δε ἂν ὑποδείξῃ τὸ σύγκριμα τῆς γραφῆς (2)

— 10. ὑπέδειξεν αὐτῷ ὅς μέγα ἐστὶ

— 12. συγκρίματα ὑπερόγκα ὑπέδειξε Ναβ. τῷ

πατρί σου

— 16. δύνη μοι ὑποδείξαι τὸ σύγκριμα τῆς

γραφῆς (8)

9. 22. ἐξηλθὼν ὑποδείξαι σου διάνοιαν

— 23. ἦλθον ὑποδείξαι σοι

10. 14. ἦλθον ὑποδείξαι σοι

— 21. ὑποδείξω σοι τὰ πρῶτα

11. 2. τὴν ἀλήθειαν ὑποδείξαι σοι

(5)

II Ma. 3. 10. τοῦ δὲ ἀρχιερέως ὑποδείξαντος

13. 4. Δυσὶον ὑποδείξαντος τοῦτον αἴτιον τῶν κακῶν

εἶναι πάντων

III Ma. 5. 15. ὑπέδειξε τὸν τῆς συμποσίας καιρὸν ἥδη

παρέρχοντα

— 19. τοῦ δὲ ὑποδείξαντος

— 26. ὑποδεικνύς τὸ πρόθυμον τοῦ βασι. ἐν ἐτοίμῳ

κεῖσθαι

— 29. ὑποδείκνυσεν ὁ Ἐρμων

[Sm. Ex. 4. 12: 24. 12: 35. 34: II Ch. 15. 3:

Ps. 24 (25). 8. 12: 26 (27). 11: 81 (82). 8:

44 (45). 5: 85 (86). 11: 118 (119). 33: Is.

80. 20: J. L. 2. 23.]

υποδείκνυς.

[Sm. Ps. 83 (84). 7.]

υποδεῖν. (1) לָמַד a. qal. δ. hi.

II Ch. 28. 15. ὑπέδσαν αὐτοὺς (1 δ)

Ez. 16. 10. A B ὑπέδσα [B - δσα] σε ὑάκινθον (1 α)

υποδέχου.

To. 7. 8 (A B), 9 (B). ὑπέδεξαντο [B - στο] αὐτοὺς

προθύμως

Ju. 13. 13. A ὑπέδεξαντο [B<sup>1</sup> ἀπ., B<sup>2</sup> ἐπ., B<sup>3</sup> εἰσεδ.]

αὐτάς

I Ma. 16. 15. ὑπέδεξαντο αὐτοὺς ὁ τοῦ Ἀβ.

IV Ma. 18. 17. οὕτως γὰρ παθόντας ἡμᾶς ... ὑπο-

δέξανται

υπόδημα. (1) α. לָמַד δ. לָמַד

Ge. 14. 23. ἔως σφαιραγῆτος υποδήματος (1 δ)

Ex. 3. 5. λῦσαι τὸ ὑ. ἐκ τῶν ποδῶν σου (1 δ)

12. 11. καὶ τὰ ὑ. [A add. ὑμῶν] ἐν τοῖς ποσὶν

ὑμῶν (1 δ)

De. 8. 4. τὰ ὑ. σου οὐ κατερίβῃ ἀπὸ σοῦ [A al.] -

25. 9. ὑπολύσει τὸ ὑ. αὐ. (1 δ)

— 10. οἶκος τοῦ υπολυθέντος τὸ ὑ. (1 δ)

29. 5 (4). τὰ ὑ. ὑμῶν οὐ κατερίβῃ (1 δ)

33. 25. σιδήρος καὶ χαλκὸς τὸ ὑ. αὐ. ἔσται (1 α)

J. 5. 15. λῦσαι τὸ ὑ. ἐκ τῶν ποδῶν σου (1 δ)

9. 5. καὶ τὰ κοῖλα τῶν ὑ. αὐ. (1 δ)

— 13. τὰ ὑ. ἡμῶν πεπαισμένοι (1 δ)

Ru. 4. 7. ὑπελύτο ὁ ἀνὴρ τὸ ὑ. αὐ. (1 δ)

— 8. ὑπελύσατο τὸ ὑ. αὐ. (1 δ)

I Ki. 12. 3. ἡ ἐκ χειρὸς τίνος ἐλθῃ α. ... ὑπόδημα +

III Ki. 2. 5. καὶ ἐν τῷ ὑ. αὐ. τῷ ἐν τῷ ποδὶ αὐ. (1 δ)

Ne. 9. 21. A υποδήματα [B τὰ ὑ., B πόδες] αὐ. +

οὐ διεραγῆσαν

Ps. 59 (60). 8. ἐπὶ τὴν Ἰδομ. ἐκτενὼ τὸ ὑ. μου (1 δ)

107 (108). 9. ἐπὶ τὴν Ἰδομ. ἐπιβαλὼ [B<sup>1</sup>

ἐκτενὼ] τὸ ὑ. μου (1 δ)

Ca. 7. 1 (2). ὠραῖωθῃσαν [A τὶ ὠρ.] διαθημάτ

σου ἐν ὑποδήμασι (1 δ)

Si. 46. 19. ἔως υποδημάτων ἀπὸ πάσης σαρκὸς οὐκ

εἴληφα

Am. 2. 6. ἀπέδοντο ... πένητα ἔνεκον ὑποδη-

μάτων (1 δ)

8. 6. τοῦ κτᾶσθαι ... ταπεινὸν ἀντὶ ὑποδη-

μάτων (1 δ)

Is. 5. 27. οὐδὲ μὴ ῥαγῶσιν οἱ ἱμάντες τῶν ὑ. αὐτῶν

11. 15. ὥστε διαπορεύεσθαι αὐτὸν ἐν ὑποδήμασι (1 δ)

Ez. 24. 17. τὰ ὑ. σου ἐν τοῖς ποσὶ σου (1 δ)

— 23. τὰ ὑ. ὑμῶν ἐν τοῖς ποσὶν ὑμῶν (1 δ)

Da. LXX. 8. 21. ἔχοντες τὰ ὑ. αὐ. +

[Aq. Is. 5. 27: 20. 2.]

[Sm. Ps. 59 (60). 10: Is. 5. 27: 20. 2: Da. 3.

21 (Sw.), 27 (94) (Sw.):]

[Th. Is. 5. 27: 20. 2 (Sw.): Da. 3. 27 (94) (Sw.):]

υποδύω.

[Sm. Jn. 41. 5.]

υποδύνει. (1) לָמַד

Ju. 6. 13. ὑποδύσαντες ὑποκάτω τοῦ θρους

Ez. 16. 10. B ὑπέδσα [A B - δσα] σε ὑάκινθον (1)

[Sm. Jn. 41. 5.]

υποδύτης. (1) לָמַד

Ex. 28. 27 (31). ποιήσεις υποδύτην ποδήρη ὅλων

νακίθων (1)

— 29 (33). B<sup>1</sup> B ὑπὸ [A B<sup>2</sup> ἐπὶ] τὸ λῶμα τοῦ ὑ. -

— 29 (33). ἐπὶ τοῦ λῶματος τοῦ ὑ. -

— 30 (34). A B<sup>2</sup> B ἐπὶ [B<sup>1</sup> ὑπὸ] τοῦ λῶματος

τοῦ ὑ. κύκλω (1)

36. 30 (89. 22). ἐποίησαν τὸν ὑ. ὑπὸ τὴν ἐπω-

μίδα (1)

— 31 (89. 23). τὸ δὲ περιστόμῳ τοῦ ὑ. (1)

— 32 (89. 24). ἐπὶ τοῦ λῶματος τοῦ ὑ. (1)

— 33 (89. 25). ἐπὶ τὸ λῶμα τοῦ ὑ. (1)

— 34 (89. 26). ἐπὶ τοῦ λῶματος τοῦ ὑ. κύκλω (1)

Le. 8. 7. ἐνέδυσεν αὐτὸν τὸν ὑ. [A αὐ. ἐπεσθ.] (1)

[Aq. Th. Lk. 8. 13.]

[Sm. Lk. 8. 13: II Ki. 6. 14.]

υποζύγιον. (1) לָמַד (2) לָמַד, לָמַד

Ge. 86. 24. ἔμενε τὰ ὑ. Σεθ. (9)

Ex. 4. 20. ἀνέβιβασεν αὐτὰ ἐπὶ τὰ ὑ. (2)

9. 3. χεῖρ κυρίου ἐπὶ τοὺς ὑ. ... ἐν τοῖς ὑ. (2)

20. 10. ὁ βοῦς σου καὶ τὸ ὑ. σου -

Ex. 20. 17. ὅτε τοῦ βοῦς αὐ. ὅτε τοῦ ὑ. αὐ. (2)

22. 9 (8). περὶ τε μόσχου καὶ υποζυγίου (2)

— 10 (9). εἰν δὲ τις δὴ τῷ πλησίον υποζύγιον (2)

— 30 (29). οὕτως ποιήσεις ... τὸ ὑ. σου -

23. 4. εἰν δὲ συναγῆσθαι ... τῷ ὑ. αὐ. (2)

— 5. εἰν δὲ ἴδης τὸ ὑ. τοῦ ἐχθροῦ σου πεπτακὸς

— 12. εἰν ἀνταπαισῆται ... τὸ ὑ. σου (2)

84. 20. πρωτότοκον υποζυγίου λυτρώσῃ προ-

βάτῃ (2)

De. 5. 14. καὶ τὸ ὑ. σου καὶ πᾶν κτήνός σου (2)

— 14. B<sup>2</sup> καὶ τὸ ὑ. σου -

— 21 (18). οὐκ ἐπιθυμήσεις ... τοῦ ὑ. αὐ. (2)

Jo. 6. 20 (21). ἔως μόσχου καὶ υποζυγίου (2)

7. 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν ... καὶ τὰ ὑ. αὐ. (2)

Jd. 1. 14. A ἐγγύρουν ἐπάνω τοῦ ὑ. [B om.

ἐ. τ. ὑ.] -

— 14. ἔκραξεν ἀπὸ τοῦ ὑ. (2)

5. 10. A ἐπιβεβηκότες ἐπὶ υποζυγίων [B al.] (1)

19. 3. A καὶ ζεύγος υποζυγίων [B δυνον] (2)

— 10. A καὶ μετ' αὐτοῦ ζεύγος υποζυγίων [B

δυνον] ἐπισσαγμένον (2)

— 21. A παρενέβαλεν τοῖς ὑ. αὐ. [B al.] (2)

— 28. A ἀνέλαβεν αὐτὴν ἐπὶ τὸ ὑ. [B τὸν δυνον] (2)

II Ki. 16. 2. τὰ ὑ. τῆς οἰκίας τοῦ βασι. (2)

II Ch. 28. 15. ἀντέλαβοντο καὶ ἐν υποζυγίοις

παντὸς ἀσθενούντος (2)

I Es. 5. 43. ὑ. πεντακισχίλια πεντακίσια εἰκοσι πέντε

Jb. 24. 3. υποζύγιον ὄφρα φανῇ ἀντήγαγον (2)

Za. 9. 9. καὶ ἐπιβεβηκότες ἐπὶ υποζυγίων (2)

[Th. Jd. 5. 10: 19. 10.]

[Al. Ge. 45. 17.]

[Quint. Za. 9. 9.]

υποζωννύμαι.

II Ma. 8. 19. ὑπεζωννύμαι δὲ ὑπὸ τοὺς μαστοὺς

υπόδεμα. (1) לָמַד

Ex. 25. 37 (38). τὰ ὑ. αὐτῆς ἐκ χρυσοῦ καθαροῦ

ποιήσεις (1 ?)

[Aq. III Ki. 7. 27 (13).]

υπόθεσις.

IV Ma. 1. 12. A ἀρξάμενος [S B - φ] τῆς ὑ.





IV Ma. 5. 18. ὡς σὺ ὑπολαμβάνεις  
8. 13. ὑπολαβὼν δὲ ὁ τύραννος ἔφη  
[Aq. Ps. 49 (50). 21.]  
[Sm. I Ki. 22. 15: Ec. 7. 24 (23): 10. 3.]  
[Th. Da. 8. 9f.]  
ὕπολειμμα (-λιμμα). (1) ὕπλῃ (2) α. ὕπλῃ pi.  
δ. ὕπλῃ c. ὕπλῃ  
I Ki. 9. 24. ἰδοὺ ὑπόλειμμα (2 a)  
IV Ki. 21. 14. ἀπεσομαι τὸ ὑ. τῆς κληρονομίας μου (2 c)  
Jb. 20. 21. οὐκ ἔστιν ὑπόλειμμα τοῖς βρώμασιν (1)  
Wi. 13. 12. Ἀ τὰ δὲ ὑ. [B ὑποβλήματα] τῆς ἐργασίας (1)  
Mi. 4. 7. θήσομαι τὴν συντετριμμένην εἰς ὑπόλειμμα (2 c)  
5. 7 (6). ἔσται τὸ ὑ. τοῦ ἱ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (2 c)  
— 8 (7). ἔσται τὸ ὑ. ἱ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (2 c)  
Ma. 2. 15. καὶ ὑπόλειμμα πνεύματος αὐ. (2 b)  
I Ma. 6. 53. κατέφαγον τὸ ὑ. τῆς παραθήσεως  
[Aq. Is. 11. 11: Je. 15. 11.]  
[Sm. Is. 11. 11.]  
[Th. Jb. 4. 21: 20. 21: Is. 11. 11.]  
[Al. Jb. 4. 21.]  
ὕπολειπν. (1) ὕπλῃ (2) ὕπλῃ (3) ὕπλῃ hoph.  
(4) ὕπλῃ a. ni. δ. hi. c. ὕπλῃ (5) ὕπλῃ  
(6) ὕπλῃ (7) ὕπλῃ (8) ὕπλῃ (9) ὕπλῃ  
a. ni. δ. hi. (10) ὕπλῃ ithpe.  
Ge. 27. 36. B οὐχ ὑπέλειπτο [A -λείπει] μοι εὐλογίαν (1)  
30. 36. ἐπομέναιε τὰ πρόβατα Α. τὰ ὑπολειφθέντα (4 a)  
32. 24 (25). ὑπελείφθῃ δὲ ἱ. μόνος (4 a)  
44. 20. αὐτὸς δὲ μόνος ὑπελείφθῃ τῷ πατρὶ αὐ. (4 a)  
45. 7. ὑπολείπεσθαι ἡμῶν καταλειμμα ἐπὶ τῆς γῆς (8)  
47. 18. οὐχ ὑπολείπεται ἡμῖν ἐναντίον τοῦ κ. (9 a)  
50. 8. τοὺς βόας ὑπελείποντο [A -λείπει] ἐν γῇ Γ. (6)  
Ex. 8. 9 (5), 11 (7). πλὴν ἐν τῷ ποταμῷ ὑπολείφθησονται (9 a)  
10. 12. ὃν ὑπελείπτο [A δ ὑπέλειπ.] ἡ χάλας (9 b)  
— 15. δὲ ὑπελείφθῃ ἀπὸ τῆς χαλάσης (4 b)  
— 15. οὐχ ὑπελείφθῃ [A οὐ κατελ.] χλωρὸν οὐδὲν (4 a)  
— 19. οὐχ ὑπελείφθῃ ἀκρις μία (9 a)  
— 24. B πλὴν τῶν προβάτων . . . ὑπολίπεσθε [A E -λείπει.] (3)  
— 26. B οὐχ ὑπολείφθησόμεθα [A B -λειψόμεθα] ὅπλιν (9 a)  
23. 11. A B E τὰ δὲ ὑπολείπον. [B<sup>1</sup> -λιπ.] ἔδεται τὰ ἄγρια θηρία (4 c)  
26. 12. A B τὸ ὑπολείμενον ὑποκαλύψεις (4 c)  
Le. 23. 22. τῷ προσλήψῃ ὑπολείψῃ αὐτό (8)  
Jo. 10. 8. οὐχ ὑπολείφθησεται [A -στίθεται] ἔξ αὐτῶν οὐδεὶς (7)  
12. 4. \*Ὁ γ. . . ὑπελείφθῃ ἐκ τῶν γιγάντων (4 c)  
13. 1. ἡ γῇ ὑπολείπεται πολλὴ εἰς κληρονομίαν (9 a)  
21. 26. τοῖς δῆμοις νύκιν Κ. τοῖς ὑπολείπον. (4 a)  
23. 12. A εἰς γὰρ . . . ὑπολείφθητε [B προσθήσθε] τοῖς ὑπολείφθεσις ἔθνεσι τοῦτοις (†, 4 c + 9 a)  
Jd. 6. 4. A οὐχ ὑπελείποντο ὑπόστασιν ζωῆς [B al.] (9 b)  
7. 3. δέκα χιλιάδες ὑπελείφθησαν (9 a)  
21. 7. τί ποιῶμεν . . . τοῖς ὑπολείφθεσις εἰς γυναικας (4 a)  
I Ki. 5. 4. ἡ βάσις Δαγὼν ὑπελείφθῃ (9 a)  
11. 11. οἱ ὑπολείμενοι δνεσπάρησαν (9 a)  
— 11. οὐχ ὑπελείφθησαν ἐν αὐτοῖς δύο (9 a)  
14. 36. B<sup>1</sup> μὴ ὑπολείψωμεν [A B<sup>2</sup> B -λείπει.] ἐν αὐτοῖς ἄνδρα (9 b)  
25. 22. εἰ ὑπολείψομαι . . . οὐρῶντα πρὸς τοῖχον (9 b)  
— 34. εἰ ὑπολείφθησεται τῷ N. . . οὐρῶν πρὸς τοῖχον (4 a)  
30. 21. B τοὺς διακοσίους ἄνδρας τοὺς ὑπολείφθεντας [A B al.] (†)  
II Ki. 8. 4. B ὑπελείπετο [A B -λείπει.] ἐάντῳ ἑκατὸν ἄρματα (4 b)  
9. 1. εἰ ἔστιν ἐτι ὑπολείμενος τῷ οὐκ 3. (4 a)  
— 3. εἰ ὑπολείπεται ἐκ τοῦ οἴκου Σ. ἐτι ἀνὴρ (†)  
17. 12. οὐχ ὑπολείψόμεθα ἐν αὐτῷ . . . καὶ γε εἶνα (4 b)

III Ki. 9. 20. A πάντα τὸν λαὸν τὸν ὑπολείμεν. ὑπὸ τοῦ ἱ. ἄμ. (4 a)  
10. 22 (9. 20). B πάντα τὸν λαὸν τὸν ὑπολείμεν [B -δεδειγμ.] ὑπὸ τοῦ X. (4 a)  
— 22 (9. 21). τὰ τέκνα αὐ. τὰ ὑπολείμεν. μετ' αὐτούς (4 a)  
15. 29. B οὐχ ὑπέλειπετο [A B -λείπει.] πᾶσαν πνοὴν τοῦ ἱερ. (9 b)  
18. 12 (11). A οὐχ ὑπέλειπεν αὐτῷ οὐρῶντα πρὸς τοῖχον (9 b)  
17. 17. οὐχ ὑπελείφθῃ ἐν αὐτῷ πνεῦμα (4 a)  
18. 22. ὑπολείμεναι προφήτης τὸν κ. μονώτατος (4 a)  
19. 10, 14. ὑπολείμεναι ἐγὼ μονώτατος (4 a)  
22. 47. A περισσὸν . . . οὐχ ὑπελείφθῃ ἐν ἡμέραις Ἰ. (9 a)  
IV Ki. 7. 13. λαβέσσαν δὴ πέντε τῶν ἱππῶν τῶν ὑπολείμεν. (9 a)  
13. 7. οὐχ ὑπελείφθῃ τῷ ἱ. λαός (9 b)  
17. 18. οὐχ ὑπελείφθῃ πλὴν φυλῇ ἱ. μονωτάτῃ (9 a)  
19. 30. προσθήσει . . . τὸ ὑπολείφθῃ ρίζαν κάτω (9 a)  
20. 17. οὐχ ὑπολείφθησεται [A -ληφθ.] ῥῆμα (4 a)  
24. 14. οὐχ ὑπελείφθῃ πλὴν οἱ πτωχοὶ (9 a)  
25. 12. ἀπὸ τῶν πτωχῶν τῆς γῆς ὑπέλειπεν [A -λείπει.] (9 b)  
I Ch. 13. 2. ἀποστείλωμεν πρὸς τοὺς ἀδ. ἡμῶν τοὺς ὑπολείμεν. (9 a)  
18. 4. B S ὑπέλειπετο [A B -λείπει.] ἐξ αὐτῶν ἑκατὸν ἄρματα (4 b)  
Ju. 8. 7. ὑπέλειπετο [B -λιπ.] αὐτῇ Μαν. . . χρυσίον (9 a)  
10. 19. ὑπολείπεσθαι [B -λιπ.] ἐξ αὐτῶν ἄνδρα ἕνα (9 a)  
13. 2. A B ὑπελείφθῃ δὲ ἱ. μόνῃ (9 a)  
Ps. 105 (106). 11. εἰς ἐξ αὐτῶν οὐχ ὑπελείφθῃ (4 a)  
Pr. 2. 20. A B<sup>2</sup> ἀκακοὶ [B<sup>1</sup> ὁσίοι] δὲ ὑπολείφθησονται ἐν αὐτῇ (4 a)  
— 21. A B S<sup>2</sup> ὁσίοι ὑπολείφθησονται ἐν αὐτῇ (4 a)  
11. 26. A B S ὁ συνέχων σίτον ὑπολείπειτο [B -λιπ.] αὐτὸν τοῖς ἔθνεσιν (†)  
Wi. 14. 6. S<sup>1</sup> ὑπέλειπεν [A B S<sup>2</sup> ἀπέλ.] τῷ αἰῶνι σπέρμα γενέσεως (9 b)  
Am. 5. 3. ὑπολείφθησονται ἑκατὸν (9 b)  
— 3. ὑπολείφθησονται δέκα (9 b)  
6. 9. εἰς ὑπολείφθῃ δέκα ἄνδρες ἐν οἰκίᾳ μιᾷ (4 a)  
— 9. ὑπολείφθησονται οἱ κατάλοιποι (9 b)  
Jl. 2. 14. καὶ ὑπολείφεται ὅπισθεν αὐτοῦ εὐλογίαν (9 b)  
Ob. 1. 5. B S οὐκ ἂν ὑπελείποντο [A -λείπει.] ἐπιφυλλίδας (9 b)  
Hb. 2. 8. σκυλεύσουσι πάντες οἱ ὑπολείμενοι λαοὶ (4 c)  
Ze. 3. 3. οὐχ ὑπέλειποντο [A -λείπει., B<sup>1</sup> -λείφθησαν] εἰς τὸ πρῶν (2)  
— 12. ὑπολείψομαι [B<sup>1</sup> -ομαι] ἐν σοὶ λαὸν πρᾶν (9 b)  
Za. 9. 7. ὑπολείφθησονται καὶ οἱ τοῖ τῷ θεῷ ἡμῶν (9 a)  
10. 10. οὐ μὴ ὑπολείφθῃ ἐξ αὐτῶν οὐδεὶς εἰς αὐ. (9 a)  
12. 14. πᾶσαι αἱ ὑπολείμεναι φυλαὶ [A φ. αὐ.] (9 a)  
13. 8. τὸ δὲ τρίτον ὑπολείφθησεται ἐν αὐτῇ (4 a)  
Ma. 4. 1 (8. 19). οὐ μὴ ὑπολείφθῃ ἐξ αὐτῶν ρίζα (9 b)  
Is. 4. 3. ἔσται τὸ ὑπολείφθῃ ἐν Σιών (9 a)  
Je. 5. 10. ὑπολείπεσθε [A -λείπει.] τὰ ὑποστηρίγματα αὐτῆς (†)  
24. 8. παραδώσω . . . τοὺς ὑπολείμενους ἐν τῇ γῇ [A πόλει.] ταύτῃ (9 a)  
27 (50). 20. ἴλεως ἔσομαι τοῖς ὑπολείμενοις ἐπὶ τῇ γῇ (9 b)  
29 (49). 11. B<sup>2</sup> S<sup>2</sup> B οὐκ ἔστιν ὑπολείπεσθαι [A B<sup>1</sup> B -λιπ.] ὄφρα γὰρ σου (9 b)  
Ez. 6. 8. A ὑπολείψομαι [B om.] ἐν τῷ γενέσθαι ἐξ ἡμῶν (4 b)  
— 12. A δ ὑπολείφθῃ [B om. ὁ ὑ.] . . . ἐν λαμῷ συντελεσθήσεται (9 a)  
12. 16. ὑπολείψομαι ἐξ αὐτῶν ἄνδρας (4 b)  
14. 20. εἰς νῆπιον ἡ θυγατέρα ὑπολείφθῃσιν (†)  
— 22. ὑπολείμενοι ἐν αὐτῇ οἱ ἀνασπασμένοι (4 a)  
Da. Th. 2. 44. ἡ βασιλεία αὐ. λαφ' ἐτίρω οὐχ ὑπολείφθησεται (10)  
10. 8. ἐγὼ ὑπελείφθῃ μόνος (9 a)  
— 8. οὐχ ὑπελείφθῃ ἐν ἐμοὶ ἰσχύς (9 a)  
— 17. πνεῦμα οὐχ ὑπελείφθῃ ἐν ἐμοὶ (9 a)  
I Ma. 6. 54. ὑπελείφθησαν ἐν τοῖς ἁγίοις ἄνδρες οὐλοῖον  
10. 14. A ὑπελείφθησαν τινες τῶν καταλειπόντων [B B -λιπ.] τὸν νόμον

IV Ma. 13. 27. A B ἀνέσχομαι . . . οἱ ὑπολείμενοι [B -λειπόμενοι]  
[Aq. I Ki. 9. 24: III Ki. 22. 47: Is. 11. 11: 24. 6: Je. 41 (48). 10.]  
[Sm. I Ki. 9. 24: 25. 34: Je. 15. 11.]  
[Th. Je. 27 (34). 18, 19: 39 (46). 9: Ez. 6. 8, 12: 9. 8.]  
[Al. Le. 27. 18: Jo. 23. 12.]  
ὕποληνιον. (1) ὕπλῃ  
Jl. 3 (4). 13. ὑπερεκχεῖτε τὰ ὑ. (1)  
Hg. 2. 17 (16). εἰσπορεύεσθε εἰς τὸ ὑ. (1)  
Za. 14. 10. ἔως τῶν ὑ. τοῦ βασ. (1)  
Is. 16. 10. οὐ μὴ πατήσουσιν οἶνον εἰς τὰ ὑ. [Aq., Sm. Je. 48 (31). 33.] (1)  
ὕποληψις.  
Si. 3. 24. πολλοὺς γὰρ ἐπλάνησεν ἡ ὑ. αὐτῶν ὑπόλειμμα, vid. sub ὑπόλειμμα.  
ὕπολοιπος. (1) α. ὕπλῃ pi. δ. ὕπλῃ (2) ὕπλῃ  
IV Ki. 4. 7. A ἤσσεσθε ἐν τῷ ὑ. [B ἐπὶ ὑ.] ἐλαίῳ (1 a)  
Is. 11. 11. τοῦ ἡλωσάι τοῦ καταλειφθέν ὑ. τοῦ λαοῦ (2)  
Je. 34 (27). 19. S τῶν ὑ. [A B ἐπὶ ὑ.] σκευῶν (1 b + 1 a)  
ὕπολυσιν. (1) ὕπλῃ (2) ὕπλῃ  
De. 25. 9. ὑπόλυσεν τὸ ὑπόδημα αὐ. (1)  
— 10. οἶκος τοῦ ὑπολύοντος τὸ ὑπόδημα (1)  
Ru. 4. 7. ὑπελύτο ὁ ἀνὴρ τὸ ὑπόδημα αὐ. (2)  
— 8. ὑπελύσατο τὸ ὑπόδημα αὐ. (2)  
Is. 20. 2. τὰ σανδάλια σου ὑπόλυσαι ἀπὸ τῶν ποδῶν σου (1)  
[Sm. Ex. 3. 5.]  
ὕπολυσις.  
II Ma. 4. 37. ψυχικῶς οὐδ' ὅ ἄντ. ὑπολυθησὶς ὑπόλυσιν. (1) ὕπλῃ  
Na. 2. 10 (11). ὑπόλυσιν γονάτων καὶ ὠδίνες (1)  
ὕπομασθις (B), ὑπομασθιαί (A).  
III Ma. 8. 27. μέχρις ἡγῆσθαι καὶ μέχρι τῶν ὑ. ὑπομένειν. (1) ὕπλῃ hi. (2) ὕπλῃ pi.  
(3) ὕπλῃ (4) ὕπλῃ a. pi. δ. hi. (5) ὕπλῃ  
(6) ὕπλῃ pilp. (7) ὕπλῃ hithp. (8) ὕπλῃ  
a. qal. δ. pi. (9) ὕπλῃ  
Ex. 12. 39. A οὐ γὰρ ἐδυνάσθησαν ὑπομένειν [B al.] (7)  
Nu. 22. 19. ὑπομένετε αὐτοῦ καὶ ὑμεῖς (5)  
Jo. 19. 47. ὑπέμεινε τοῦ κατοικεῖν ἐν Ἐ. —  
Jd. 8. 25. ὑπέμειναν ἕως ἡσυχύοντο [A al.] (1)  
IV Ki. 6. 33. τί ὑπομένω [A -μένω] τῷ κυρίῳ ἐτι (4 b)  
I Es. 2. 19. φορολογίαν οὐ μὴ ὑπομένωσι δοῦναι  
To. 5. 7. ὑπομένω [B μένω] με  
Jb. 3. 9. ὑπομέναι καὶ εἰς [A om.] φωτισμὸν [A om., B<sup>1</sup> φῶς] μὴ ἔλθοι (8 b)  
6. 11. τίς γὰρ μου ἡ ἰσχύς ἐτι ὑπομένω (4 a)  
7. 3. οὕτως κατὰ ὑπέμεινα μήνας κενούς (†)  
8. 15. ἐπιλαβόμενον δὲ αὐτοῦ [A -ῆς] οὐ μὴ ὑπομένω (9)  
9. 4. τίς σκληρὸς γενόμενος ἐναντίον αὐτοῦ ὑπέμειν (†)  
14. 14. ὑπομένω ἕως πάλιν γένωμαι (4 a)  
15. 31. μὴ πιστενέτω ἐτι ὑπομένω (†)  
17. 13. ἐὰν γὰρ ὑπομένω [B<sup>1</sup> -ῆ] (8 b)  
20. 26. πᾶν δὲ σκότος αὐτῷ [A -όν] ὑπομέναι (3)  
22. 21. γενεὴ δὲ σκληρὸς ἐὰν ὑπομένω (†)  
32. 4. Ἐλ. δὲ ὑπέμεινε δοῦναι ἀποκρισιν Ἰωβ (2)  
— 16. ὑπέμεινα οὐ γὰρ ἐλάλησα (4 b)  
38. 5. ὑπέμεινον στήθι κατ' ἐμέ (†)  
41. 2 (3). ἡ τίς [A τίς ἐστίν] ἀντιστήσεται μοι καὶ ὑπομένω (†)  
Ps. 24 (25). 3. πάντες οἱ ὑπομένοντες σε οὐ μὴ κατασχευθῶσιν (8 a)  
— 5. σὲ ὑπέμεινα ὅλην τὴν ἡμέραν (8 b)  
— 21. ὑπέμεινα σε, κύριε [B om.] (8 b)  
26 (27). 14. βίη. ὑπομένω τὸν κύριον (8 b)  
32 (33). 20. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὑπομένει τῷ κυρίῳ (2)  
36 (37). 9. οἱ δὲ ὑπομένοντες τὸν κύριον (8 a)  
— 34. ὑπομένω τὸν κύριον (8 b)  
39 (40). 1. ὑπομένω ὑπέμεινα τὸν κύριον (8 b, 8 b)  
51 (52). 9. ὑπομένω τὸ δρομά σου (8 b)

Ps. 55 (56). 6. B<sup>3</sup> καθάπερ ὑπέμεινα [B<sup>2</sup>-αν] τῇ ψυχῇ [B<sup>3</sup> τὴν ψ.] μου (8 δ)  
 68 (69). 6. μὴ αἰσχυρθεῖσιν ἐπ' ἐμοί οἱ ὑπομνηστές σε (8 α)  
 — 20. ὑπέμεινα συλλυπούμενον (8 δ)  
 105 (106). 13. οὐχ ὑπέμειναν τὴν βουλὴν αὐτοῦ (2)  
 118 (119). 95. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ἔμει ὑπέμειναν ἀμαρτωλοὶ τοῦ ἀπολέσαι με (8 δ)  
 129 (130). 5. ὑπέμεινά σε, κύριε (8 δ)  
 — 5. ὑπέμεινεν ἡ ψυχὴ μου εἰς τὸν λόγον [B<sup>1</sup> νόμον] σου (8 δ)  
 141 (142). 7. ἐμὲ ὑπομνούσι δίκαιοι +  
 144 (145). 9. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομνούσιν [A -σιν αὐτὸν, B<sup>3</sup> σύμπασιν] (8 δ)  
 Pr. 20. 22. ὑπομεινὸν τὸν κύριον (8 δ)  
 Wi. 16. 22. χιὼν δὲ καὶ κρύσταλλος ὑπέμεινε [A -μενε] σῶρ (8 δ)  
 17. 5. καταναύξειν ὑπέμεινον τὴν στυγερὴν ἐκείνην νύκτα  
 Si. 16. 22. ἔργα δικαιοσύνης . . . τίς ὑπομνεῖ  
 22. 18. χαράκις [A χάλικες] . . . κατέναντι ἀνέμου οὐ μὴ ὑπομεινῶσιν [A -μενούσιν, B<sup>1</sup> μείν.], οὕτως καρδία δειλὴ . . . κατέναντι παντός φόβου οὐ μὴ ὑπομείνη  
 36. 21 (18). 8. δὲς μισθὸν τοῖς ὑπομνούσιν σε  
 51. 8. ἐξελῆ [A B -αυρῇ] τοὺς ὑπομνηστές σε  
 Mi. 7. 7. ὑπομνῶ ἐπὶ τῇ θεῇ τῇ σωτῆρί μου (4 δ)  
 Na. 1. 7. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομνούσιν αὐτὸν  
 Hb. 2. 3. ὑπομεινὸν αὐτὸν (2)  
 Ze. 3. 8. ὑπομεινόν με (2)  
 Za. 6. 14. ὁ δὲ στέφανος ἔσται τοῖς ὑπομνούσιν +  
 Ma. 3. 2. τίς ὑπομνεῖ ἡμέραν εισόδου αὐ. (8 δ)  
 Is. 25. 9. B ὑπεμείναμεν αὐτῷ (8 δ)  
 40. 31. οἱ δὲ ὑπομνηστές τὸν θεὸν ἀλλὰξουσιν ἰσχύϊν (8 α)  
 49. 23. οὐκ αἰσχυρθήσονται οἱ ὑπομνηστές με [A B al.] (8 α)  
 51. 5. ἐμὲ νῆσοι ὑπομνούσι (8 δ)  
 59. 9. ὑπομεινάντων αὐτῶν [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> om.] φῶς (8 δ)  
 60. 9. ἐμὲ [A B<sup>3</sup> om.] αἱ νῆσοι ὑπέμειναν (8 δ)  
 64. 4 (3). ἃ ποιήσεις τοῖς ὑπομνούσιν ἔλεον (2)  
 — 5 (4). B συναντῶνται γὰρ τοῖς ὑπομνούσιν [A B ποιούσι] τὸ δίκαιον +  
 Je. 14. 19. ὑπέμειναν εἰς εἰρήνην (8 δ)  
 — 22. ὑπομεινόμεν σε (8 δ)  
 La. 3. 21. διὰ τοῦτο ὑπομνω (4 δ)  
 — 24. B διὰ τοῦτο ὑπομνω αὐτῷ (4 δ)  
 — 25. ἀναθὲς κύριος τοῖς ὑπομνούσιν αὐτόν (8 α)  
 — 26. ὑπομνεῖ καὶ ἡσυχάσει (1)  
 Da. LXX. Su. 57. ὑπέμεινε τὴν νόσον ὕμων . . . ὑπενεγκείν  
 Da. TH. Su. 57. ὑπέμεινε τὴν νόσον ὕμων  
 12. 12. μακάριος ὁ ὑπομνῶν [A -μεινῶν] (2)  
 II Ma. 6. 20. προσέρχου τοῖς ὑπομνηστέας ἀμύνασθαι  
 IV Ma. 5. 23. ὥστε πάντα πόνον ἔκουσας ὑπομνεῖν  
 6. 9. A δὲ ὑπέμεινε [B B -έμεινε] τοὺς πόνους  
 7. 22. πάντα πόνον ὑπομνῶν μακάριόν ἐστιν  
 9. 6. A εἰ . . . βασιανμοῦς ὑπομεινάντες ἀπέθανον [B B al.]  
 — 22. ὑπέμεινεν εὐγενῶς τὰς στρίβλας  
 13. 12. σφαγιασθῆναι . . . ὑπέμεινεν ὁ ἴσ.  
 15. 31. B καρτερὸς ὑπέμεινε τοὺς κλυδῶνας [A B al.]  
 — 32. ὑπέμεινας τοὺς ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας χειμῶνας  
 16. 1. εἰ δὲ . . . ὑπέμεινε τὰς . . . βασάνους ὁρώσα  
 — 8. πολλὰς ὑπέμεινα ὀδύνας  
 — 17. τὸν μὲν γέροντα τοῦτον ὑπομνεῖν [B -μεινῶν] τὰς . . . ἀληθδόνas  
 — 19. A B πάντα πόνον ὑπομνεῖν [B -μεινῶν] διὰ τὸν θεόν  
 — 21. καὶ ὑπέμειναν διὰ τὸν θεόν  
 17. 7. μητέρα . . . ποικίλας βασάνους μέχρι θανάτου ὑπομεινῶσαν  
 — 10. μέχρι θανάτου τὰς βασάνους ὑπομεινάντες [Aq. I Ki. 10. 8 : Ps. 24 (25). 3 : 26 (27). 14 : 129 (130). 5 δις : Is. 8. 17 : 18. 7 : 53. 4 : 59. 11 : Mi. 5. 7 (6).] [Sm. Is. 25. 9 : 30. 18 : 53. 4 : Da. 11. 6 (Sw.).] [Th. Jb. 32. 16 : 36. 2 : Is. 8. 17 (Sw.). 25. 9 : 59. 11.] [Al. Ge. 49. 18.] [Quint. Ps. 24 (25). 3.] [Bext. Ps. 26 (27). 14.]  
 ὑπομνήσκων. (1) ἡΐ hi.  
 III Ki. 4. 3. B ἴσθ. υἱὸς Ἀχ. ὑπομνήσκων [A B ἀναμ.] (1)

Wi. 12. 1. ἐν οἷς ἀμαρτάνουσιν ὑπομνήσκων νοθεύεις  
 18. 22. ὅρκους πατέρων καὶ διαθήκας ὑπομνήσκων  
 IV Ma. 18. 14. ὑπεμνήσκει δὲ ὕμῃς τὴν ἱστ. γραφὴν ὑπομνήμα. (1) ἡΐ hi. (2) ἐπὶ τῶν δ. ἡΐ hi.  
 II Ki. 8. 16. ἴσθ. υἱὸς Ἀχ. ἐπὶ τῶν ὑ. (2)  
 I Es. 2. 22. A εὐρήσεις ἐν τοῖς ὑ. [B ὑπομνηματισμοῖς]  
 II Es. 6. 2. καὶ τοῦτο γεγραμμένον ἐν αὐτῇ ὑπομνήμα. (1)  
 ὑπομνηματίζεσθαι.  
 I Es. 6. 23. ἐν ᾧ ὑπομνηματιστο [A -εμν.] τάδε ὑπομνηματισμός. (1) ἡΐ hi.  
 I Es. 2. 22. εὐρήσεις ἐν τοῖς ὑ. [A -μνήμασιν]  
 II Es. 4. 15. ἐν βιβλίῳ ὑπομνηματισμοῦ τῶν πατέρων σου (1)  
 II Ma. 2. 13. ἐξεργάζονται δὲ καὶ . . . ἐν τοῖς ὑ. . . τὰ αὐτὰ  
 4. 23. περὶ πραγμάτων ἀναγκαίων ὑπομνηματισμοὺς τελέουσας  
 ὑπομνηματογράφος. (1) ἡΐ hi.  
 I Ch. 18. 15. B B καὶ ἴσθ. υἱὸς Ἀχ. ὑπομνηματογράφος [A B δ ὑ.]. (1)  
 II Ch. 34. 8. καὶ τὸν ἴ. υἱὸν ἴ. τὸν ὑ. αὐ. (1)  
 Is. 36. 3. ἐξῆλθε . . . ἰωὰχ ὁ τοῦ Ἀσάφ ὁ ὑ. (1)  
 — 22. ἰωὰχ ὁ τοῦ Ἀσάφ ὁ ὑ. (1)  
 ὑπομνήσις. (1) ἡΐ hi.  
 Ps. 70 (71). 6. B ἐν σοὶ ἡ ὑ. [B ὕμνησις] μου διὰ παντός (1)  
 Wi. 16. 11. εἰς γὰρ ὑπόμνησιν τῶν λογίων σου ἐνεκεντρίζοντο  
 II Ma. 6. 17. ὥς ὑπομνήσεως ταύθ' ἡμῖν εἰρησθῶ  
 ὑπομνή. (1) α. ἡΐ hi. β. ἡΐ hi. γ. ἡΐ hi. δ. ἡΐ hi.  
 I Ch. 29. 15. οὐκ ἔστιν ὑπομνή. (1 α)  
 II Es. 10. 2. ἐστὶν ὑπομνή. τῇ ἱστ. ἐπὶ τούτῳ (1 α)  
 Jb. 14. 19. ὑπομνή. ἀνθρώπου ἀπώλεσας (1 δ)  
 Ps. 18. 7. ὑ. τῶν πηνίγων οὐκ ἀπολείπει εἰς τὸν αἰῶνα [A B<sup>3</sup> τέλει] (1 δ)  
 38 (39). 7. τίς ἡ ὑ. μου (1 δ)  
 61 (62). 5. παρ' αὐτοῦ ἡ ὑ. μου (1 δ)  
 70 (71). 5. σὺ εἰ ἡ ὑ. μου (1 δ)  
 Si. 2. 14. οὐαὶ ὑμῖν τοῖς ἀπολωλεκόσι τὴν ὑ. 16. 13. οὐ μὴ καθυστερήσει ὑπομνή. [A B -ῇ] εὐσεβούς  
 17. 24. παρεκάλεσεν ἐκλείποντας ὑπομνή. 38. 27. ἡ ὑ. [A B ἐπιμ.] αὐτοῦ ἀλλοιώσας ποικιλίαν  
 41. 2. ἀνθρώπων . . . ἀπολωλεκτόι ὑπομνή. Je. 14. 8. ὑ. ἱσραὴλ (1 α)  
 17. 13 ὑπομνή. [B<sup>1</sup> -ῇς] ἱσρ. (1 α)  
 IV Ma. 1. 11. θαυμασθέντες γὰρ . . . ἐπὶ τῇ ἀνδρείᾳ καὶ τῇ [B<sup>3</sup> om.] ὑ. [B<sup>3</sup> om. κ. τῇ ὑ.].  
 — 11. νικιστὰς τὸν τυράννον τῇ ὑ. 7. 9. τὴν εὐνομίαν ἡμῶν διὰ τῶν ὑ. εἰς ὅδαν ἐκύρωσας  
 9. 8. διὰ τῆς δὲ κακοπραθείας καὶ ὑ. — 30. ὑπὸ τῆς διὰ τὴν εὐσεβείαν ἡμῶν ὑ. 15. 30. 3 . . . ἀνδρῶν πρὸς ὑπομνή. ἀνδρειότερα  
 17. 4. τὴν ἐλπίδα τῆς ὑ. γενναίως ἔχουσα πρὸς θεόν — 12. ἀρετὴ δι' ὑπομνή. δοκιμάζουσα — 17. ἐξεθαύμασαν αὐτῶν τὴν ὑ. — 23. πρὸς γὰρ . . . τὴν ἐπὶ ταῖς βασάνους αὐ. ὑ. ὁ τυράννος ἀφιδὼν  
 — 23. ἀνεκέρυξε . . . εἰς ὑπόδειγμα τὴν ἐκείνων ὑ. [Aq. Jb. 4. 6 : 6. 8 : 17. 15 : Ho. 2. 15 (17).] [Sm. Jb. 17. 15 : Pr. 10. 28.] [Th. Jb. 14. 19 : 17. 15 : Ho. 2. 15 (17).]  
 ὑπονοεῖν. (1) ἡΐ hi.  
 To. 8. 16. οὐκ ἐγένετό μοι καθὼς ὑπενόουν  
 Ju. 14. 14. ὑπενόειτο [A B -νόει] γὰρ καθέθειν αὐτόν  
 Si. 28. 21. οὐ οὐχ ὑπενόησε πιασθήσεται [A δε οὐχ ὑπενόησεν κολασθήσεται]  
 Da. TH. 7. 25. ὑπονοήσει τοῦ ἀλλοιώσας καιρούς (1)  
 [Th. Da. 7. 25.]  
 ὑπονοήμα. ὑπονοήμα. Si. 25. 7. ἐννέα ὑπονοήματα ἐμακάρισα ἐν καρδίᾳ ὑπονοθεύειν.  
 II Ma. 4. 7. ὑπενόθενσεν ἱ. . . τὴν ἀρχιερωσύνην — 26. ὁ μὲν ἱ. ὁ τὸν ἴδιον ἀδελφὸν ὑπονοθεύσας — 26. B ὑπονοθεύεις [A -νομθεύεις] ὑφ' ἑτέρου

ὑπόνοια. (1) ἡΐ hi.  
 Si. 8. 24. ὑπόνοια ποιητὰ ὁλοσθῆσε διανοίας αὐ. Da. LXX. 4. 16. ὑπόνοια κατέσπευδεν αὐτόν — 32. ὑπόνοιαί με ἐληφασί  
 5. 6. ὑπόνοια αὐτὸν κατέσπευδον (1)  
 ὑπονομεύειν.  
 II Ma. 4. 26. ὑπονομεῖσθε ὑφ' ἑτέρου φυγάς ὑπονούσσειν. (1) ἡΐ hi.  
 Is. 58. 3. τοὺς ὑποχειρίους ὕμων ὑπονούσσετε (1)  
 ὑποπίπτειν. (1) ἡΐ hi.  
 I Es. 8. 17. ὅσα ἂν ὑποπίπτῃ σοι  
 Ju. 16. 7. οὐ γὰρ ὑπέπεσεν [B ἔπ.] ὁ δυνατὸς αὐ. Pr. 16. 1. ἀποκρίσεις δὲ ὑποπίπτουσα ἀποστρέψει θυμὸν (1)  
 Da. LXX. Su. 51. ἀνακρινῶ αὐτοὺς κατὰ τὰ ὑποπίπτοντά μοι  
 ὑποπόδιον. (1) ἡΐ hi.  
 Ps. 98 (99). 5. προσκυνεῖτε τῷ ὑ. τῶν ποδῶν αὐτοῦ (1)  
 109 (110). 1. ἴσθ. ἂν βῶ τοὺς ἐχθρούς σου ὑποπόδιον τῶν ποδῶν σου (1)  
 Is. 66. 1. ἡ γῆ ὑ. τῶν ποδῶν μου (1)  
 La. 2. 1. οὐκ ἐμνήσθη ὑποποδίου ποδῶν αὐτοῦ (1)  
 ὑποπτεύειν. (1) ἡΐ hi.  
 Ps. 118 (119). 39. ὃν ὑπώπτευσας (1)  
 Si. 9. 13. οὐ μὴ ὑποπτεύσῃ φόβον [B<sup>1</sup> -φ.] θανάτου [Sm. Is. 57. 11.]  
 ὑποπτος.  
 II Ma. 3. 32. ὑποπτος δὲ γενόμενος ὁ ἀρχιερεὺς 12. 4. καὶ μηδὲν ὑποπτον ἐχόντων  
 ὑποπυρρίξιν. (1) ἡΐ hi.  
 Le. 13. 24. ὑποπυρρίξιν ἡ ἐκλεucken (1)  
 ὑπορθοῦν.  
 [Sm. Ps. 43 (44). 19 : 72 (73). 2.]  
 ὑπορράπτειν.  
 Si. 50. 1. ἐν ᾧ αὐτοῦ ὑπερράψεν [B<sup>3</sup> -έγραψεν] οἶκον  
 ὑπορρίπτειν.  
 IV Ma. 6. 25. B<sup>1</sup> B καταφλέγοντες αὐτὸν ὑπερρίπτουσαν [B<sup>3</sup> -ων, A ὑπερέπτουσαν]  
 ὑπορούσσειν.  
 [Sm. Ps. 34 (35). 7 : 118 (119). 85.]  
 ὑποσκαλίζειν. (1) ἡΐ hi. a. gal. δ. ni. (2) ἡΐ hi. (3) ἡΐ ni. (4) ἡΐ hi. (5) ἡΐ hi.  
 Ps. 16 (17). 13. ὑποσκαλίσαν αὐτοὺς (2)  
 36 (37). 31. οὐχ ὑποσκαλισθήσεται τὰ διαβήματα αὐτοῦ (4)  
 139 (140). 4. ἐλογίσαντο ὑποσκαλίσαι τὰ διαβήματα μου (1 α)  
 Pr. 10. 8. ὁ δὲ ἀστεγὸς χεῖλεσι σκολιάζων ὑποσκαλισθήσεται (8)  
 26. 18. ὁ δὲ ἀπαντήσας τῷ λόγῳ πρῶτος ὑποσκαλισθήσεται +  
 29. 25. φοβηθέντες καὶ αἰσχυρόντες ἀνθρώπους ὑποσκαλισθήσαν [B ὑποσκαλισθήσονται] (5)  
 Je. 28. 12. ὑποσκαλισθήσονται καὶ πεσοῦνται (1 δ)  
 [Sm. Pr. 21. 12.] [Quint. Ho. 6. 8.]  
 ὑποσκαλισμα. (1) ἡΐ hi. ni.  
 Pr. 24. 17. ἐν δὲ τῷ ὑ. αὐτοῦ μὴ εἰπάριον (1)  
 ὑποσκαλισμός. (1) ἡΐ hi.  
 Pr. 11. 3. A ὑποσκαλισμός ἀθετούτων προνομεύσει αὐτοὺς (1)  
 [Th. Pr. 11. 3.]  
 ὑποσπᾶσθαι.  
 [Aq. Ps. 140 (141). 6.]

**ὑποσπασμός.**  
[Aq. Dt. 15. 1.]  
**ὑπόστασις.** (1) הָיָה (2) הָיָה (3) הָיָה  
(4) הָיָה (5) הָיָה (6) a. הָיָה hi.  
δ. hoph. c. הָיָה d. הָיָה (7) הָיָה  
(8) הָיָה ru. (9) הָיָה (10) הָיָה  
(11) הָיָה (12) ה. הָיָה  
De. 1. 12. φέρειν τὸν κόπον ὑμῶν καὶ τὴν ὑ.  
ὑμῶν (5)  
11. 6. κατέπειν . . . πᾶσαν αὐτῶν τὴν ὑ. (2)  
Jd. 6. 4. οὐ κατέλειπον ὑπόστασιν ζωῆς (12)  
Ru. 1. 12. ἵστι μοι ὑπόστασις τοῦ γεννηθῆναι με  
ἀνδρί (11)  
I Ki. 13. 21. B τῷ δραπετῇ ὑπόστασις ἦν ἡ  
αὐτῇ (6 a)  
— 23. B ἐξῆλθεν ἐξ ὑποστάσεως τῶν ἄλλο-  
φύλων (6 c)  
14. 4. B ὑπόστασιν τῶν ἄλλοφύλων (6 c)  
Jb. 22. 20. εἰ μὴ ἠφανίσθη ἡ [A om.] ὑ. αὐτῶν  
Ps. 38 (39). 5. ἡ ὑ. μου ὥσπερ οὐδὲν ἐνώπιόν  
σου (1)  
— 7. ἡ ὑ. μου παρὰ σοῦ ἐστὶ (9)  
68 (69). 2. οὐκ ἔστιν ὑπόστασις (6 c)  
88 (89). 47. μνησθήτω τις μοι ἡ ὑ. (1)  
138 (139). 15. καὶ ἡ ὑ. μου ἐν τοῖς κατωτάτω  
τῆς γῆς (8)  
Wi. 16. 21. ἡ μὲν γὰρ ὑ. σου τὴν σὴν γλυκύτητα  
... ἐνεφάνισεν (6 b)  
Na. 2. 7 (8). ἡ ὑ. ἀπεκαλύφθη (6 b)  
Je. 10. 17. συνήγαγον ἐξώθεν τὴν ὑ. σου (8)  
23. 22. εἰ ἔστησαν ἐν τῇ ὑ. μου (7)  
Ez. 19. 5. ἀπώλετο ἡ ὑ. αὐτῆς (11)  
26. 11. τὴν ὑ. τῆς λαχύου σου ἐπὶ τὴν γῆν  
κατάξει (6 d)  
43. 11. διαγράψαι . . . τὴν ὑ. αὐτοῦ (10)  
[Aq. I Ki. 14. 1.]  
[Sm. Je. 20. 5.]  
[Th. Jb. 22. 20.]  
[Al. I Ki. 9. 7.]  
**ὑποστήλαιν.** (1) נָשָׂא (2) נָשָׂא (3) נָשָׂא ru.  
(4) נָשָׂא נָשָׂא  
Ex. 23. 21. οὐ γὰρ μὴ ὑποστηλείται σε +  
De. 1. 17. οὐ μὴ ὑποστηλῇ πρόσωπον ἀνθρώ-  
που (1)  
Jb. 13. 8. ἡ ὑποστηλείσθαι (4)  
Wi. 6. 7. οὐ γὰρ ὑποστηλείται πρόσωπον ὁ πάντων  
δουλοῦντος  
Hb. 2. 4. εἰ μὴ ὑποστηλείται (3)  
Hg. 1. 10. ἡ γῆ ὑποστηλείται τὰ ἐκφόρια αὐ. (2)  
III Ma. 5. 20. εἰς τὴν ὑποστηλῶσαν ἡμέραν . . .  
εἰομάσαν τοὺς ἐλέφαντας  
[Aq. I Ki. 18. 15. : Jb. 41. 17. : Ps. 32 (33). 8 :  
118 (119). 39. : Je. 42 (43). 4.]  
[Sm. I Ki. 18. 15. : Jb. 13. 8. : Pr. 25. 17.]  
[Th. Ps. 118 (119). 39.]  
[Al. Jd. 1. 14.]  
**ὑποστήμα.** (1) a. הָיָה δ. הָיָה  
(2) הָיָה  
II Ki. 23. 14. καὶ τὸ ὑ. τῶν ἄλλοφύλων τότε  
ἐν B. (1 a)  
I Ch. 11. 16. A καὶ τὸ ὑ. [B S σύστ.] τῶν  
ἀλλοφ. τότε ἐν B. (1 b)  
Je. 23. 18. τίς [A om.] ἔσται ἐν ὑποστήματι  
κυρίου (2)  
[Aq. I Ki. 13. 3.]  
**ὑποστηρίγμα.** (1) הָיָה (2) הָיָה  
(3) הָיָה (4) הָיָה  
III Ki. 8. 1. ἐποίησε Σαλ. . . τὰ ὑ. —  
7. 24. καὶ ὑποστηρίγματα ὑποκάτωθεν τοῦ χεί-  
λους αὐ. (4)  
— 24. A δύο στήλοι τῶν ὑ. κεχυμένοι (4)  
10. 12. ἐποίησαν ὁ βασιλ. τὰ ξύλα . . . ὑποστηρίγ-  
ματα τοῦ οἴκου (1)  
Je. 5. 10. ὑποστήσεται τὰ ὑ. αὐτῆς (3)  
Da. TH. 11. 7. εἰσελεύσεται εἰς τὰ ὑ. τοῦ βασιλ.  
τοῦ βορρᾶ (2)  
[Aq. Je. 52. 15.]  
[Th. Je. 52. 15. : Ez. 12. 14. : 38. 6.]

**ὑποστηρίξειν.** (1) הָיָה  
Ps. 36 (37). 17. ὑποστηρίξει δὲ τοὺς δικαίους (1)  
144 (145). 14. ὑποστηρίξει κύριος πάντας τοὺς  
καταπίπτοντας (1)  
[Aq. Is. 50. 4. : 63. 5. : Ez. 30. 6.]  
[Sm. Is. 63. 5. : Ez. 30. 6.]  
**ὑποστρέφειν.** (1) הָיָה (2) הָיָה ni. (3) הָיָה  
(4) הָיָה a. qal. δ. hi.  
Ge. 8. 7. A ἐξελθὼν οὐχ ὑπέστρεψεν [B ἀνέστρ.] (4 a)  
14. 17. B μετὰ τὸ ὑποστρέφαι αὐτὸν (4 a)  
43. 10. ἥδη ἂν ὑποστρέψαμεν δις (4 a)  
50. 14. B ὑπέστρεψεν [A ἐπ., B ἀπ.] ἰ. εἰς Αἴγ. (4 a)  
Ex. 32. 31. ὑπέστρεψε [A ἐπ.] δὲ M. πρὸς  
κύριον (4 a)  
Jo. 2. 23. ὑπέστρεψαν οἱ δύο νεανίσκοι (4 a)  
7. 12. B<sup>1</sup> αὐχένα ὑποστρέφουσιν [A<sup>2</sup> B<sup>3</sup> ἐπιστρ.] (3)  
Jd. 8. 19. ὑπέστρεψεν [A ἀνέστρ.] ἀπὸ τῶν  
γλυπτῶν (4 a)  
7. 15. ὑπέστρεψεν [A ἐπ.] εἰς τὴν παρεμβολήν (4 a)  
14. 8. ὑπέστρεψεν [A ἐπ.] μετ' ἡμέρας λαβεῖν  
αὐτήν (4 a)  
21. 23. ὑπέστρεψαν εἰς τὴν κληρονομίαν αὐ.  
[A al.] (4 a)  
IV Ki. 2. 25. A ὑπέστρεψεν [B ἐπ.] εἰς Σαμ. (4 a)  
3. 27. A ὑπέστρεψαν [B ἐπ.] εἰς τὴν γῆν (4 a)  
II Ch. 25. 10. A ὑπέστρεψεν [B ἐπέστρεψαν]  
εἰς τὸν τόπον αὐ. (4 a)  
28. 15. A ὑπέστρεψαν [B ἐπ.] εἰς Σαμ. (4 a)  
To. 5. 21. ὑποστρέψει ὑγαῖων  
6. 12. ὅταν ὑποστρέψωμεν [B ἐπιστρ.] ἐκ 'Ραγ.  
Es. 6. 12. ὑπέστρεψεν εἰς τὰ ἴδια (2)  
Pr. 23. 5. ὑποστρέφει εἰς τὸν οἶκον τοῦ προεσ-  
τηκότος αὐτοῦ +  
24. 18. B<sup>1</sup> ὑποστρέψει [A B S<sup>2</sup> ἀποστρ.] τὸν  
θυμὸν αὐ. ἀπ' αὐτοῦ (4 b)  
Ec. 9. 11. B ὑπέστρεψεν [A B ἐπ.] καὶ εἶδον (4 a)  
Da. LXX. 6. 18 (19). ὑπέστρεψαν ὁ βασιλ. εἰς τὰ  
βασιλεία αὐ. (1)  
I Ma. 10. 68. B<sup>1</sup> ὑπέστρεψεν [A B S<sup>2</sup> ἀπ.] εἰς  
'Αντιόχειαν  
11. 72. B<sup>1</sup> ὑπέστρεψον [B S<sup>2</sup> ἐπέστρεψεν, A ἐπί-  
στρεψεν] πρὸς αὐτοὺς πολέμῳ  
[Aq., Th. Ps. 7. 8.]  
[Sm. Jb. 39. 4. : Ps. 84 (85). 13. : Is. 37. 7. :  
38. 8. : 55. 10. : Je. 31 (38). 22. : 50  
(27). 19.]  
[Hebr. Ge. 8. 7.]  
**ὑποστρώμα.**  
[Sm. II Ki. 17. 28. : Ez. 13. 18.]  
[Th. Is. 28. 20.]  
**ὑποστρώνναι.** (1) הָיָה a. hiph. δ. hoph.  
(2) הָיָה hithp.  
Es. 4. 3. S<sup>2</sup> σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστρώσαν  
[A B S<sup>1</sup> ἔστρ.] ἐαυτοῖς (1 b)  
Si. 4. 27. μὴ ὑποστρώσης σεαυτὸν ἀνθρώπῳ μορφῇ  
Is. 58. 5. σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστρώσῃ [S<sup>2</sup>  
— ης] (1 a)  
Ez. 27. 30. A σποδὸν ὑποστρώσονται [B στρ.] (2)  
IV Ma. 9. 19. B πῦρ ὑποστρώσαν [A ἐπ.]  
**ὑποσχάξειν.**  
Si. 12. 17. ὥς βοηθὸν ὑποσχάσει πτέρμαν σου  
**ὑπόσχεσις.**  
Wi. 12. 21. ὃν τοῖς πατράσιν . . . συνθήκας ἔδωκεν  
ἀγαθὸν ὑπόσχεσιν [S<sup>1</sup> — σχῆς]  
IV Ma. 15. 2. κατὰ τὴν τοῦ τυράνου ὑ. [S<sup>2</sup> πρόσχ.]  
**ὑποσχίξειν.**  
[Sm. Is. 28. 24.]  
**ὑποταγή.**  
Wi. 18. 16. A ἐξίφες ὀξὺν τὴν ἀνυπόκριτον ὑ. [B S  
ἐπιτ.] σου φέρων  
**ὑποτάσσειν.** (1) הָיָה hi. (2) הָיָה (3) הָיָה  
(4) הָיָה ni. (5) הָיָה hi. (6) הָיָה ni. הָיָה  
(7) הָיָה (8) הָיָה (9) הָיָה a. qal. δ. pe.  
(10) הָיָה  
III Ki. 10. 15. χωρὶς τῶν φόρων τῶν ὑποταγμ. +  
I Ch. 22. 18. ὑπετάγη ἡ γῆ ἐναντίον κυρίου (4)

I Ch. 29. 24. ὑπετάγησαν αὐτῷ (6)  
II Ch. 9. 14. πλὴν τῶν ἀνδρῶν τῶν ὑποταγμένων +  
Es. 3. 13. τοῖς . . . τοπάρχαις ὑποταγμένοις τάδε  
γράφει  
— 13. τοὺς τῶν ὑποταγμ. ἀκνύματους . . . βίους  
8. 12. οὐ μόνον τοὺς ὑποταγμ. ἡμῖν ζητοῦσι κακο-  
ποιεῖν  
Ps. 8. 6. πάντα ὑπέταξας ὑποκάτω τῶν ποδῶν  
αὐτοῦ (10)  
17 (18). 47. καὶ ὑποτάξας λαοὺς ὑπ' ἐμὲ (1)  
38 (37). 7. ὑποτάγητι τῷ κυρίῳ (3)  
46 (47). 3. ὑπέταξε [A<sup>2</sup> ἐπάταξε] λαοὺς ἡμῖν (1)  
59 (60). 8. ἐμοὶ ἀλλόφυλοι ὑπετάγησαν +  
61 (62). 1. οὐχὶ τῷ θεῷ ὑποταγίσεται ἡ ψυχὴ  
μου (2)  
— 5. πλὴν τῷ θεῷ ὑποτάγητι, ἡ ψυχὴ μου (3)  
107 (108). 9. ἐμοὶ ἀλλόφυλοι ὑπετάγησαν +  
143 (144). 2. ὁ ὑποτάσσων τὸν λαόν μου [A  
αὐτοῦ] ὑπ' ἐμὲ (8)  
Wi. 8. 14. ἔθνη ὑποταγίσονται [B<sup>2</sup> — σονται] μοι  
18. 22. λόγῳ τὸν κολάζοντα ὑπέταξεν  
Hg. 2. 19 (18). ὑποτάξαστε [A S<sup>2</sup> τάξ.] δὴ τὰς  
καρδίας ὑμῶν (9 a)  
Ep. Je. 1. A καθότι ὑπετάγη αὐτοῖς [B ἐπ. αὐτῷ]  
ὑπὸ τοῦ θεοῦ  
Da. LXX. 7. 27. πᾶσαι ἐξουσίαι αὐτῷ ὑποταγή-  
σονται (7)  
11. 37. ὑποταγίσεται αὐτῷ ἔθνη ἰσχυρά —  
Da. TH. 6. 13 (14). οὐχ ὑπετάγη τῷ δόγματι σου (9 b)  
11. 39. ὑποτάξει αὐτοῖς πολλοὺς (5)  
II Ma. 4. 12. τοὺς κρατίστους τῶν ἐφ' ἡμῶν ὑπο-  
τάσσων  
8. 9. ὑποτάξας παμφύλων ἔθνη  
— 22. ὑποτάξας ἐκάστην χιλίους  
9. 12. δικαίον ὑποτάσσασθαι τῷ θεῷ  
13. 23. ὑπετάγη καὶ ἄμωσιν  
III Ma. 1. 7. εὐδαρσεῖς τοὺς ὑποταγμ. κατέστησε  
2. 13. ὑπετάγημεν τοῖς ἐχθροῖς ἡμῶν  
[Aq. Ge. 1. 28 : Jo. 18. 1 : II Ki. 8. 11 : Je.  
34 (41). 11, 16.]  
[Sm. Ge. 1. 28 : Jo. 18. 1 : II Ki. 8. 11 : Ps.  
17 (18). 48 : 48 (49). 15 : Is. 31. 4 : Je. 34  
(41). 11.]  
[Th. Ge. 1. 28 : Jo. 18. 1 : Is. 31. 4 : Je. 34  
(41). 11, 16.]  
**ὑποτιθέναι.** (1) הָיָה (2) הָיָה (3) הָיָה hi.  
(4) הָיָה, הָיָה  
Ge. 28. 18. B ὃν ὑπέθηκεν [A ἔθ.] ἐκεῖ πρὸς  
κεφαλῆς αὐ. (4)  
47. 29. ὑπόθετε τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μηρόν μου (4)  
49. 15. ὑπέθηκε τὸν ὦμον αὐ. εἰς τὸ ποιεῖν (1)  
Ex. 17. 12. λαβόντες λίθον ὑπέθηκαν ἐπ' αὐτόν  
26. 12. ὑποθήσεις τὸ πλεονάζον ἐν ταῖς δίρρεσι —  
27. 5. ὑποθήσεις αὐτοὺς ὑπὸ τὴν ἀρχάνην (2)  
40. 20. ὑπέθηκε [A ἐπ.] τοὺς διωστῆρας (4)  
Si. 6. 25. ὑπόθετε τὸν θυμὸν σου  
61. 26. τὸν τράχηλον ὑμῶν ὑποθέτετε ὑπὸ ζυγόν  
Je. 43 (36). 25. ὑπέθεντο τῷ βασιλεῖ (3)  
I Ma. 6. 46. καὶ ὑπέθηκεν αὐτῷ  
II Ma. 6. 8. Πτολεμαῖον ὑποθεμένον  
14. 41. ὑπέθηκεν ἐαυτῷ τὸ ξίφος  
**ὑποτίθω.** (1) הָיָה  
Ho. 14. 1. τὰ ὑ. ἀφαισθήσονται (1)  
**ὑποτομεύς.** (1) הָיָה  
II Ki. 12. 31. A B καὶ ὑποτομεύσι σιδηροῖς (1)  
**ὑποτομῆναι.**  
[Aq., Sm., Th. Pr. 6. 27.]  
**ὑποτύλιν.**  
[Al. Le. 19. 16.]  
**ὑπουργεῖν.**  
[Aq. II Ki. 9. 10.]  
[Al. Ex. 35. 19 : Nu. 18. 2.]  
**ὑπουργία.**  
[Sm. Nu. 7. 3.]  
[Al. Ex. 35. 19.]  
**ὑπουργός.** (1) הָיָה pi.  
Jo. 1. 1. εἶπε κ. τῷ ἱ. νῆφ Ν. τῷ ὑ. [A λειτουρ-  
γῇ] M. (1)  
[Al. Ex. 38. 11.]

|  |   |  |
|--|---|--|
| <p><b>υποφαινεῖν.</b><br/>         II Ma. 10. 35. υποφανούσης δὲ τῆς πέμπτης ἡμ. καὶ εἰκοστῆς<br/>         13. 17. υποφανούσης δὲ ἡδὴ τῆς ἡμέρας<br/> <b>υποφάσκει.</b><br/>         Ez. 41. 16. αἱ θυρίδες δικτυωταὶ υποφάσκεις κύκλῳ +<br/> <b>υποφέρειν.</b> (1) 𐤁𐤏𐤍 hoph. (2) 𐤁𐤏 hi.<br/>         (3) 𐤁𐤏 hi. (4) 𐤁𐤏𐤍 (5) 𐤁𐤏𐤍 (6) 𐤁𐤏𐤍 ri.<br/>         III Ki. 8. 64. τοῦ μὴ δύνασθαι τὴν ὀλοκαύτωσιν ... ὑπενεγκεῖν [A. αἱ].<br/>         Jb. 2. 10. τὰ κακὰ οὐχ ὑποίσωμεν<br/>         4. 2. ἰσχυρὸν δὲ ῥημάτων σου τίς ὑποίσει<br/>         15. 35. ἡ δὲ κοιλία αὐτοῦ ὑποίσει [B<sup>1</sup> οὐκ οἶσει]<br/>         δόλον [A. πόνον] (8)<br/>         31. 23. ἀπὸ τοῦ λήμματος αὐτοῦ οὐχ ὑποίσω [B<sup>1</sup> add. δόλον] (1)<br/>         Ps. 54 (55). 12. εἰ ἐχθρὸς ὠνεῖδισέ με ὑπὲρνεγκα ἄν (8)<br/>         68 (69). 7. ἐνεκά σου ὑπὲρνεγκα ὀνειδισμόν (6)<br/>         Pr. 6. 33. δόδυνας τε καὶ ἀτιμίας ὑποφέρει (4)<br/>         14. 17. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος πολλὰ ὑποφέρει (4)<br/>         18. 14. ὀλιγόψυχον δὲ ἐνθρα τίς ὑποίσει +<br/>         Si. 22. 15. βάλον σιδήρου εἰκοπον ὑπενεγκεῖν<br/>         Am. 7. 10. οὐ μὴ δύνηται ἡ γῆ ὑπενεγκεῖν πάντας τοὺς λόγους αὐ. (8)<br/>         Mi. 7. 9. ὄργην κυρίου ὑποίσω (8)<br/>         Da. LXX. Su. 57. ὑπέμεινε τὴν νόσον ὡμῶν ... ὑπενεγκεῖν<br/>         II Ma. 2. 27. ἡδέως τὴν κακοπείθειαν ὑποίσωμεν<br/>         6. 30. σκληρὰς ὑποφέρω κατὰ σῶμα ἀλγυθόνους<br/>         7. 36. B. βραχὺν ὑπενέγκαντες [A. ἐπ.] πόνον<br/>         III Ma. 5. 33. ἀπροσδόκητον ἐπικίνδυνον ὑπὲρνεγκεν ἀπειλήν<br/>         IV Ma. 14. 12. ὑπὲρνεγκε τὰς ἐφ' ἐνὶ ἐκάστῃ τῶν τεκνῶν στρέβλας<br/>         15. 31. A. B. καρτεροὺς ὑπὲρνεγκε [B. -έμεινε] τοὺς κλύδωνας<br/>         17. 3. ἀλμυρὴς ὑπὲρνεγκας τὸν διὰ τῶν βασάνων σεισμόν<br/>         [Aq. III Ki. 7. 38 (24) : Jb. 15. 35 : Jc. 10. 10, 19 : 20. 9.]<br/>         [Sm. Is. 58. 11 : Jc. 20. 9.]<br/>         [Th. Jb. 21. 3 : 31. 23 : Is. 58. 11 : Jc. 10. 10.]<br/>         [Al. Jc. 10. 10.]</p> | <p><b>υποφάνδριον.</b><br/>         I Ki. 31. 3. ἐτραυματίσθη εἰς τὰ ὑ. +<br/> <b>υπόφραως.</b> (1) 𐤁𐤏𐤍 𐤏𐤍𐤏𐤍 (2) 𐤁𐤏𐤍<br/>         I Ki. 22. 2. B. καὶ πᾶς ὑ. (1)<br/>         Is. 50. 1. τίς ὑπόφραφ πέπρακα ὡμᾶς (2)<br/> <b>υπόχυμα.</b><br/>         [Aq. Lx. 21. 20.]<br/> <b>υποχύτηρ.</b> (1) 𐤏𐤍<br/>         Jc. 52. 19. τοῦ ὑ. [B. om. τ. ὑ.] ... ἔλαβεν (1)<br/> <b>υποχωρεῖν.</b><br/>         Jd. 20. 37. B. ἐν τῷ αὐτοῦ ὑποχωρῆσαι -<br/>         Si. 18. 9. προσκαλεσαμένον σε δυνάστον ὑποχωρῶν γίνου<br/>         II Ma. 12. 12. ὑπεχώρησεν εἰρήνην δέξιν [Sm. Ps. 108 (104). 22.]<br/> <b>υποχώρημα.</b><br/>         [Sm. Ez. 40. 21.]<br/> <b>υποχώρησις.</b><br/>         [Sm., Al. Ez. 40. 21.]<br/> <b>υποψ.</b> (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍 (2) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         De. 14. 17. B<sup>1</sup> καὶ ἔσποα [A<sup>1</sup> -ωπα, B<sup>2</sup> ἔσποα] καὶ νυκτικόρακα (1)<br/> <b>υποψία.</b><br/>         II Ma. 4. 34. καίπερ ἐν ὑποψίᾳ κείμενος<br/> <b>υπτία.</b> (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Jb. 11. 13. ὑπτίαίς δὲ [A. ὑπτίαςας δὲ τὰς] χεῖρας [A. χ. σου] πρὸς αὐτόν (1)<br/> <b>υπτίος.</b><br/>         Jb. 14. 19. κατέκλυσε ὕδατα ὑπτία τοῦ χύματος τῆς γῆς +<br/>         [Th. Dt. 8. 10 : Jb. 14. 19.]<br/> <b>υπόπιον.</b> (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Pr. 20. 30. ὑπόπια καὶ συντρίμματα συναντᾷ κακοῖς (1)<br/> <b>υπωρεία.</b><br/>         [Al. Jo. 15. 33.]<br/> <b>ὕς.</b> (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Le. 11. 7 : De. 14. 8. καὶ τὸν ὕν δτι διχηλεῖ ὅπλιν (1)<br/>         II Ki. 17. 8. B. ὡς ἐν τραχίᾳ ἐν τῷ πεδίῳ<br/>         III Ki. 20 (21). 19. ὅ ἔλκειαν αἱ ὑ. καὶ οἱ κύνες τὸ αἶμα N.<br/>         22. 38. ἐξέλκειαν αἱ ὑ.<br/>         Ps. 79 (80). 13. A. B<sup>2</sup> ἐλυμῆντο αὐτὴν ὕς [B. B<sup>1</sup> σὺς] ἐκ θρυμμοῦ<br/>         Pr. 11. 22. ὥσπερ ἐνώτιον [B<sup>2</sup> ἐν. χρυσούν] ἐν ῥινὶ ὕς (1)<br/>         [Sm. Ps. 79 (80). 14.]<br/> <b>ὕσωπιον.</b> (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Nu. 19. 18. B<sup>1</sup> λήφεται ὕσωπιον [A. B<sup>2</sup> B. -πον] (1)<br/> <b>ὕσωπος.</b> (ὕσωπος). (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Ex. 12. 22. λήψεσθε δὲ δέσμην ὕσωπον (1)<br/>         Le. 14. 4. καὶ λήψονται ... ὕσωπον (1)<br/>         — 6. λήφεται ... τὸν ὕσω. (1)<br/>         — 49. καὶ λήφεται ... ὕσωπον (1)<br/>         — 51. λήφεται ... τὸν [B<sup>2</sup> τὴν] ὕσω. (1)<br/>         — 52. ἀφαινεῖ τὴν οἰκίαν ... ἐν τῷ [B<sup>2</sup> τῇ] ὕσω. (1)<br/>         Nu. 19. 6. λήφεται ὁ λ. ... ὕσωπον (1)<br/>         — 18. A. B<sup>2</sup> B. λήφεται ὕσωπον [B<sup>1</sup> -πίον] (1)<br/>         III Ki. 4. 33 (5. 13). ἕως τῆς ὕσω. τῆς ἐκπορευομ. διὰ τοῦ τοίχου (1)<br/>         Ps. 50 (51). 7. ῥαντίσει με ὕσωψ (1)<br/> <b>ὕστερεῖν.</b> (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍 ni. (2) a. 𐤏𐤍𐤏𐤍 δ. 𐤏𐤍𐤏𐤍 (4) 𐤏𐤍𐤏𐤍 hithp. (5) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Nu. 9. 7. μὴ οὖν ὑστερήσωμεν [A. add. ὥστε] προσενεγκῶμεν (1)<br/>         — 13. καὶ ὑστερήσῃ ποιήσαι τὸ πάσχα (2 a)<br/>         De. 15. 8. A. καὶ καθ' ὅσον ὑστερεῖται (8 a)<br/>         Ne. 9. 21. B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> ὑστερήσας [A. B<sup>2</sup> B. -αν] αὐτοῦ οὐδὲν (8 a)</p> | <p>Jb. 36. 17. οὐχ ὑστερήσει δὲ ἀπὸ δικαίων κρίμα +<br/>         Ps. 22 (23). 1. οὐδὲν με ὑστερήσει [B. οὐ μὴ ὑστερήσῃ] (8 a)<br/>         38 (39). 4. ἡ γὰρ ὁ ὑστερῶ ἐγὼ (2 b)<br/>         83 (84). 11. οὐχ ὑστερήσει [B<sup>2</sup> οὐ στερ.] τὰ ἀγαθὰ τοὺς πορευομένους ἐν ἀκακίᾳ (5)<br/>         Ec. 6. 2. οὐκ ἔστιν ὑστερῶν τῇ ψυχῇ αὐτοῦ ἀπὸ πάντων (8 b)<br/>         9. 8. ἔλαιον ἐπὶ κεφαλῇ σου μὴ ὑστερησάτω (8 a)<br/>         10. 3. καρδία αὐτοῦ ὑστερήσει (8 a)<br/>         Ca. 7. 2 (3). κρατὴρ τορευτοῦ μὴ ὑστεροῦμενος κράμα [A. B. -ματος] (8 a)<br/>         Si. 7. 34. μὴ ὑστερεῖ ἀπὸ κλαίωντων [B. S. ἀπορῶν]<br/>         10. 27. A. δοξαζόμενος καὶ ὑστερῶν [B. S. ἀπορῶν] ἄρτων<br/>         11. 11. τόσφ [A. πόσφ, B<sup>2</sup> S<sup>1</sup> τοσούτφ] μᾶλλον ὑστερεῖται<br/>         — 12. ὑστερῶν ἰσχυί [B<sup>2</sup> ἐν l.] καὶ πτωχεῖα περισσεύει [B. -εύων]<br/>         13. 4. ἐὰν ὑστερήσῃς καταλείψει σε<br/>         26. 28. ἀνὴρ πολεμιστὴς ὑστερῶν δι' ἐνδοιαν<br/>         51. 24. A. B. B. διότι [B. καὶ ὅτι, A. B. τὶ ὅτι] ὑστερεῖται [B. -εἶσθαι] λίγυτε [B<sup>2</sup> ἡ λ.] ἐν τοῖς<br/>         Hb. 2. 3. ἐὰν ὑστερήσῃ [A. B. -σει] (4)<br/>         Da. LXX. 4. 30. οὐχ ὑστερήσει ἀπὸ πάντων τούτων οὐδὲν<br/>         Da. TH. 5. 27. καὶ εὐρέθῃ ὑστεροῦσα (8 c)<br/>         [Aq. Is. 32. 6.]<br/>         [Sm. i. Ki. 20. 25.]<br/>         [Th. Pr. 10. 13 : Is. 51. 14.]<br/>         [Al. Lx. 21. 20.]<br/> <b>ὕστερημα.</b> (1) a. 𐤏𐤍𐤏𐤍 δ. 𐤏𐤍𐤏𐤍 (2) εἶναι ὁ. 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Jd. 18. 10. ὅπου οὐκ ἔστιν ἐκεῖ ὑστερήματα παντὸς ῥήματος (1 b)<br/>         19. 19. οὐκ ἔστιν ὑστερήματα παντὸς πράγματος (1 b)<br/>         — 20. B. πᾶν ὕστ. [A. B. τὸ ὕστ.] σου ἐπ' ἐμέ (1 b)<br/>         II Es. 6. 9. καὶ ὁ ἄν ὑστερήματα ... ἔστω διδόμενον (2)<br/>         Ps. 38 (34). 9. οὐκ ἔστιν ὑστερήματα τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (1 b)<br/>         Ec. 1. 15. ὑστερήματα οὐ δυνήσονται ἀριθμῆσθαι (1 a)<br/>         [Sm. Pr. 22. 16 : Ec. 1. 15.]<br/>         [Th. Pr. 11. 24 : 21. 5.]<br/> <b>ὕστερησις.</b><br/>         [Aq. Jb. 30. 3.]<br/> <b>ὕστεροβουλία.</b><br/>         Pr. 24. 71 (81. 3). καὶ τὸν σὸν νοῦν καὶ βίον εἰς ὑστεροβουλία +<br/> <b>ὕστερον.</b> (1) a. 𐤏𐤍𐤏𐤍 δ. 𐤏𐤍𐤏𐤍 c. 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         d. 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         Pr. 5. 4. ὑστερον μέντοι πικρότερον χολλῆς εὐρήσεις (1 d)<br/>         23. 31. ὑστερον περιπατήσεις γυμνότερος ὑπέρου -<br/>         24. 47 (32). ὑστερον ἐγὼ μετενόησα -<br/>         Si. 1. 22. ὑστερον αὐτῷ ἀνάδωσαι εὐφροσύνη [A. B<sup>2</sup> -ην]<br/>         27. 23. ὑστερον δὲ διαστρέψει τὸ στόμα αὐτοῦ<br/>         Jc. 27 (50). 17. ὅ. τὰ ὅσα αὐτοῦ βασιλεὺς βαβυλωνός (1 c)<br/>         36 (29). 2. ὅ. ἐξελθόντος Ἰεραχίου (1 b)<br/>         38 (31). 19. ὅ. αἰχμαλωσίας μου μετενόησα καὶ τὸν γυνῶναί με (1 b, 1 b)<br/>         47 (40). 1. A. ὅ. [B. S. om.] μετὰ τὸ ἀποστείλαι αὐτόν (1 a?)<br/>         II Ma. 5. 20. ὑστερον εὐεργετημάτων ἐκείνων<br/>         6. 15. ἡ γὰρ μὴ ... ὑστερον ἡμᾶς ἐκδικᾷ<br/>         III Ma. 1. 3. ὑστερον δὲ μεταβαλὼν τὰ νόμια<br/>         2. 24. ἐν χρόνῳ δὲ ὑστερον ἀναλεξάμενος αὐτόν<br/>         IV Ma. 12. 7. ὡς ἐρούμεν μετὰ μικρόν ὑστερον<br/>         [Aq. Am. 4. 12.]<br/>         [Sm. Ps. 72 (78). 24 : Pr. 22. 4.]<br/>         [Al. Gz. 49. 19 : Nu. 31. 2.]<br/> <b>ὕστερος, ὕστατος.</b> (1) 𐤏𐤍𐤏𐤍<br/>         I Ch. 29. 29. οἱ δὲ λοιποὶ λόγοι ... οἱ πρότεροι καὶ οἱ ὅ. (1)<br/>         Wi. 19. 11. ἐφ' ὑστερᾷ δὲ εἶδον καὶ νέαν γένεσιν ὁρνήων<br/>         Ep. Jc. 72. αὐτὰ τε ἐξ ὑστερόν βρωθήσονται<br/>         III Ma. 5. 49. ὑστέρην βίον ῥοπήν αὐτοῖς ἐκείνην [Aq. Jb. 18. 20.]</p> |
|--|---|--|

**υφαίνεω.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$  (2)  $\text{H}^{\text{H}}$  hi. (3) ἐκ δύο  
**υφασμένος**  $\text{D}^{\text{H}} \text{H}^{\text{H}}$   
 Εξ. 85. 35. τὰ ὑφάνει καὶ ποικιλτὰ ὑφάνει —  
 37. 21 (88. 23). ὑφάνει τῷ κοκκίνῳ  
 Le. 19. 19. ἱμάτιον ἐκ δύο υφασμένων κίθρολον (8)  
 Jd. 16. 13. ἐάν ὑφάνης τὰς ἐπὶ τὰς σειρὰς τῆς κεφ.  
 μου (1)  
 — 14. καὶ ὑφάνει ἐν τῷ διάσματι [A. al.] (1)  
 I Ki. 17. 7. ὥστε μέσσωλον ὑφαινόντων [A. -os] (1)  
 II Ki. 21. 19. ὥς ἄντιον ὑφαινόντων (1)  
 IV Ki. 28. 7. οὐ αἱ γυναῖκες ὑφάνουν ἐκεῖ χεττίειμ (1)  
 I Ch. 11. 23. ὥς ἄντιον ὑφαινόντων [B τῶν ὑ.] (1)  
 20. 5. ὥς ἄντιον ὑφαινόντων (1)  
 II Ch. 2. 14 (13). εἰδότες . . . ὑφαίνει ἐν τῇ  
 πορφύρᾳ —  
 3. 14. ὑφάνει ἐν αὐτῷ χερουβείν (2)  
 Is. 59. 5. ἰσθὺν ἀράχην ὑφαίνουσι (1)  
 [Aq. IV Ki. 28. 7. Is. 38. 12.]  
 [Sm. IV Ki. 28. 7.]  
 [Th. Is. 38. 12.]  
**υφαίρειν.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$  (2)  $\text{H}^{\text{H}}$   
 Jb. 21. 18. ὥσπερ κοινωρτὸς δὲν ὑφείλατο λαλῶν (2)  
 27. 20. νυκτὶ δὲ ὑφείλατο αὐτὸν γρόφος [B  
 λαλῶν] (2)  
 Ec. 2. 10. A πᾶν . . . οὐχ ὑφείλον [B S οὐκ ἀφ.] (1)  
 Ep. Je. 10. υφαιρούμενοι οἱ Ιερεῖς ἀπὸ τῶν θεῶν αὐτῶν  
 [Aq. Ec. 5. 19.]  
 [Th. Jb. 27. 20.]  
**υφάντης.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$  (2)  $\text{H}^{\text{H}}$  (3)  $\text{D}^{\text{H}}$   
 Ex. 26. 1. ἔργασίαν ὑφάντου ποιήσεις αὐτὰς (2)  
 — 31. B' ἔργον ὑφάντου [A B' B -όν] ποιήσεις  
 αὐτὸ χερ. (2)  
 28. 6. B' ἔργον ὑφάντου [A B -όν] ποικιλτοῦ (2)  
 — 28 (32). ἔργον ὑφάντου (1)  
 37. 3 (36. 35). B' ἔργον ὑφάντου [A B -όν] χερ. (2)  
 — 5 (36. 37). A' ἔργον ὑφάντου [B -όν] τοῦ χερ. (3)  
 [Sm. Is. 38. 12.]  
**υφαντός.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$  (2)  $\text{H}^{\text{H}}$  (3)  $\text{D}^{\text{H}}$   
 Ex. 26. 31. ἔργον ὑ. [B' -ου] ποιήσεις αὐτὸ χερ. (2)  
 28. 6. A B' ἔργον ὑφαντὸν [B -ου] ποικιλτοῦ (2)  
 35. 35. τὰ ὑ. καὶ ποικιλτὰ ὑφάνει (2)  
 36. 10 (39. 3). ἔργον ὑ. ἐποίησαν αὐτό (2)  
 — 11 (39. 4). ἔργον ὑ. —  
 — 15 (39. 8). ἐποίησαν λογιῶν ἔργον ὑφαντὸν  
 ποικιλία (2)  
 — 30 (39. 22). ἔργον ὑ. δλον ὑκάνθινον (1)  
 — 35 (39. 27). ἐποίησαν χιτῶνας βυσσίνους  
 ἔργον ὑ. (1)  
 37. 3 (36. 35). A B' ἔργον ὑ. [B -ου] χερ. (2)  
 — 5 (36. 37). ἔργον ὑ. [A -ου] τοῦ χερ. (2)  
 — 21 (38. 23). δὲ ἡρχιτεκτόνησε τὰ ὑ. (2?)  
**υφάπτειν.**  
 II Ma. 8. 33. Καλλισθέην ὑφῆψαν  
 12. 9. ὑφῆψε τὸν λιμένα  
 14. 41. καὶ τὰς θύρας ὑφάπτειν  
**υφασμα.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$  (2)  $\text{H}^{\text{H}}$  (3)  $\text{H}^{\text{H}}$   
 Ex. 28. 8. καὶ τὸ ὑ. τῶν ἐπωμίδων (2)  
 — 17. καθυφανεῖς ἐν αὐτῷ ὑφασμα (2)  
 36. 17 (39. 10). συνυφάνθη ἐν αὐτῷ ὑφασμα  
 — 29 (39. 21). συμπεπλεγμένους εἰς τὸ ὑ. τῆς  
 ἐπωμίδος (2)  
 Jd. 16. 14. ἐξῆρε τὸν πᾶσαλον τοῦ ὑ. [A. al.] (1)  
 Jb. 38. 36. τίς δὲ εἰδωκε γυναιξὶν ὑφάσματος  
 σοφίαν  
 [Sm. Jb. 7. 6.]  
**υψηλός.** [Aq. I Ki. 6. 8.]  
 [Al. Le. 8. 7.]  
**υψηλάναι.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$  (2)  $\text{H}^{\text{H}}$  (3)  $\text{D}^{\text{H}}$   
 Nu. 22. 26. ὑψίστη ἐν τόπῳ στενῷ (2)  
 Jo. 7. 12. ὑποστήναι κατὰ πρόσωπον τῶν ἐχθρῶν  
 αὐ. (2)  
 10. 8. A οὐχ ὑποστήσεται [B -λειφθῶς.] ἐξ  
 αὐτῶν οὐδέ τις (1)  
 Jd. 9. 15. ὑποστήτη ἐν τῇ σκιᾷ μου [A. al.] (1)  
 I Ki. 30. 10. ὑπέστησαν δὲ διαδόσεις ἄνδρες  
 I Ki. 2. 23. καὶ ὑψίστατο (2)  
 Ju. 6. 3. οὐχ ὑποστήσονται τὸ κράτος τῶν ἱσχυρῶν ἡμῶν

Ju. 7. 4. οὐτε οἱ βουνοὶ ὑποστήσονται τὸ βάρος αὐ.  
 Ps. 64 (65). 7. B' ἡχους κυμάτων αὐτῆς τίς ὑπο-  
 στήσεται [B B' om. τίς ὑ.] (2)  
 129 (130). 3. τίς ὑποστήσεται (2)  
 139 (140). 10. ἐν ταλαπωρίᾳ οὐ μὴ ὑποστήσῃ (8)  
 147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψυχῆς αὐτοῦ τίς  
 ὑποστήσεται (2)  
 Pr. 18. 8. πτωχὸς δὲ οὐχ ὑψίσταται ἀπειλήν  
 21. 29. ἀσεβὴς ἀνὴρ ἀναιδὴς ὑψίσταται προσώπῳ  
 25. 6. μὴ δὲ ἐν τόποις δυναστῶν ὑψίστατο (2)  
 27. 4. B S οὐδένα [A B οὐδὲν] ὑψίσταται ζῆλος (2)  
 Si. 48. 3. ἐναντίον καύματος αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται  
 Ho. 18. 13. οὐ μὴ ὑποστή ἐν συντριβῇ τέκνων  
 Am. 2. 15. A' B' οὐ τοῦτο οὐ μὴ ὑποστή (2)  
 Mi. 5. 7 (6). μὴ δὲ ὑποστή ἐν νίοις ἀνθρώπων (1)  
 Na. 1. 6. ἀπὸ προσώπου ὀργῆς αὐ. τίς ὑποστή-  
 σεται (2)  
 Za. 9. 8. ὑποστήσομαι τῷ οἴκῳ μου ἀνάστημα  
 Ma. 3. 2. τίς ὑποστήσεται ἐν τῇ ὁπτασίᾳ αὐ. (2)  
 Ez. 22. 14. εἰ ὑποστήσεται ἡ καρδιά σου (2)  
 I Ma. 5. 53. πᾶς θυμολόμος ὑποστήσεται κατὰ πρό-  
 σωπον αὐτῶν  
 5. 40. οὐ θυμολόμος ὑποστήσεται αὐτὸν  
 — 44. οὐκ ἐδύναντο εἶναι ὑποστήναι  
 7. 25. δύναται ὑποστήναι αὐτοὺς  
 10. 73. οὐ δύνηται ὑποστήναι τὴν ἱππον  
 [Aq. Dt. 28. 56. I Ki. 6. 20. Jc. 49. 19  
 (29. 20).]  
 [Sm. I Ki. 6. 20. Jc. 41. 18. Ps. 147. 6 (17):  
 Is. 36. 9. Jc. 49. 19 (29. 20): L.A. 1. 14  
 (Sw.): DA. 11. 6 (Sw.): AM. 7. 2.]  
 [Th. I Ki. 6. 20.]  
 [Al. Pr. 27. 4.]  
**υφορῶσθαι.**  
 II Ma. 7. 24. τὴν ὀνειδίζουσαν ὑφορῶμενος φωνήν  
 III Ma. 8. 23. παρ' ἑκάστα ὑφορῶμενοι  
**υφος.**  
 [Aq. I Ki. 6. 8.]  
**υφουγενεῖν.**  
 II Ma. 15. 6. ὁ μὲν N. μετὰ πάσης ἀσφαλείας ὑφου-  
 γενῶν  
 III Ma. 8. 19. καὶ τοῖς ἐαυτῶν εὐεργεταῖς ὑφου-  
 γενούσιντες  
**υψηλοκάριδος.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$   
 Pr. 18. 5. ἀκάθαρτος παρὰ θεῷ πᾶς ὑψηλοκάριδος (1)  
 [Sm. Ec. 7. 9 (8).]  
**υψηλός.** (1)  $\text{H}^{\text{H}}$  (2) a.  $\text{H}^{\text{H}}$  b.  $\text{H}^{\text{H}}$   
 (3) a.  $\text{H}^{\text{H}}$  b.  $\text{H}^{\text{H}}$  gal. c. hi. d.  $\text{H}^{\text{H}}$   
 e.  $\text{H}^{\text{H}}$  (4)  $\text{H}^{\text{H}}$  (5)  $\text{H}^{\text{H}}$  (6)  $\text{H}^{\text{H}}$   
 (7) a.  $\text{H}^{\text{H}}$  b.  $\text{H}^{\text{H}}$  (8)  $\text{H}^{\text{H}}$  (9)  $\text{H}^{\text{H}}$  ni.  
 (10)  $\text{H}^{\text{H}}$  (11)  $\text{H}^{\text{H}}$  (12) a.  $\text{H}^{\text{H}}$  b.  $\text{H}^{\text{H}}$   
 c.  $\text{H}^{\text{H}}$  subst. (13) ὑψηλὸν ἔχειν  $\text{H}^{\text{H}}$   
 (14) ὑψηλὸν ποιεῖν  $\text{H}^{\text{H}}$  hi. (15) ὑψηλό-  
 τερος  $\text{H}^{\text{H}}$  (16) ὑψηλότατος  $\text{H}^{\text{H}}$   
 Ge. 7. 19. ἐπεκάλυψε πάντα τὰ ὄρη τὰ ὑ. (3 a)  
 — 20. ἐπεκάλυψε πάντα τὰ ὄρη τὰ ὑ. —  
 12. 6. διώδυσεν . . . ἐπὶ τὴν ὄρεν τὴν ὑ. (7 a)  
 22. 2. πορεύσθαι εἰς τὴν γῆν τὴν ὑ. (7 b)  
 Ex. 8. 1. ἐν βραχίονι ὑ. ἐκβάλει αὐτοὺς (5)  
 — 6. λυτρώσομαι ὑμᾶς ἐν βραχίονι ὑ. (8)  
 14. 8. ἐξεπορεύοντο ἐν χειρὶ ὑ. (12 a)  
 32. 11. καὶ ἐν τῷ βραχίονι σου τῷ ὑ. [A ἐν βρ. ὑ.] (5)  
 Nu. 33. 3. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ 'Ισρ. ἐν χειρὶ ὑ. (12 a)  
 De. 3. 5. πάσαι πόλεις ὀχυραὶ τεῖχι ὑ. (8 a)  
 — 24. δείξαι . . . τὸν βραχίονα τὸν ὑ. (5)  
 4. 34. λαβεῖν ἐαυτῷ θῆκος . . . ἐν βραχίονι ὑ. (8)  
 5. 15. ἐξήγαγε σε κ. ὁ θεός σου . . . ἐν βραχίονι ὑ. (8)  
 6. 21. ἐξήγαγεν ὑμᾶς . . . ἐν βραχίονι ὑ. —  
 7. 8. καὶ ἐν βραχίονι ὑ. —  
 — 19. μνηστῆς . . . τὸν βραχίονα τὸν ὑ. (8)  
 9. 26. οὐδὲ ἐξήγαγες . . . ἐν τῷ βραχίονι σου τῷ  
 ὑ. [A μεγάλην] —  
 — 29. οὐδὲ ἐξήγαγες . . . ἐν τῷ βραχίονι σου τῷ ὑ. (8)  
 11. 2. οὐδὲ ἴδωσαν . . . τὸν βραχίονα τὸν ὑ. (8)  
 — 30. πληροῖον τῆς ὁδοῦ τῆς ὑ. (7 a)  
 12. 2. ἐπὶ τὰς ὁδοὺς τῶν ὑ. (12 a)  
 26. 8. ἐν χειρὶ κραταῖα καὶ βραχίονι ὑ. [A. al.] (8 a)  
 28. 52. ὥς ἀν βαβαιρεῖσθαι τὰ τεῖχη τὰ ὑ. (8 a)

De. 29. 3 (2). A B' τὴν χεῖρα τὴν κραταῖαν καὶ  
 τὸν βραχίονα τὸν ὑ. —  
 32. 27. ἡ χεῖρ ἡμῶν ἡ [A om.] ὑ. . . ἐποίησε  
 ταῦτα πάντα (12 a)  
 Jd. 9. 51. A πύργος ἦν ὑ. [B al.] (10)  
 I Ki. 2. 3. μὴ λαλεῖτε ὑψηλά (3 a)  
 9. 2. ὑπερωμίαν καὶ ἐπ' αὐτῷ ὑψηλὸς ὑπὲρ πάντων  
 τὴν γῆν (3 a)  
 II Ki. 22. 48. A ὑψηλὸς [B ἰσχυρὸς] κύριος —  
 III Ki. 8. 2. θυμῶντες ἐπὶ τοῖς ὑ. (1)  
 — 3. ἐν τοῖς ὑ. ἔθηκε (1)  
 — 4. αὐτὴ ὑψηλοτάτη καὶ μεγάλη (16)  
 9. 8. ὁ οἶκος οὗτος ἵσταται ἐν [A om.] ὑ. (11)  
 11. 7. φκοδόμησε Σαλ. ὑψηλὸν τῷ X. (1)  
 12. 31. ἐποίησεν οἶκους ἐφ' ὑψηλῶν (1)  
 — 32. παρῆσταν ἐν B. τοὺς Ιερεῖς τῶν ὑ. (1)  
 18. 2. θύσεις ἐπὶ σέ τοὺς Ιερεῖς τῶν ὑ. (1)  
 — 32. δ' ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς οἶκους τοὺς ὑ.  
 τοὺς ἐν Σαμ. (1)  
 — 33. ἐποίησεν ἐκ μέρου τοῦ λαοῦ Ιερεῖς ὑψηλῶν (1)  
 — 33. ἐγένετο Ιερεῖς εἰς τὰ ὑ. —  
 14. 23. φκοδόμησαν ἑαυτοὺς ὑψηλά . . . ἐπὶ  
 πάντα βουνὸν ὑ. [A -ου] (1, 3 a)  
 15. 14. τὰ δὲ ὑ. οὐκ ἐξῆρε (1)  
 16. 28 (22. 43 [44]). B πλὴν τῶν ὑ. οὐκ ἐξῆραν (1)  
 — 28 (22. 43 [44]). B ἔθουν ἐν τοῖς ὑ. (1)  
 22. 44. πλὴν τῶν ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)  
 — 44. ἐθυμίον ἐν τοῖς ὑ. (1)  
 IV Ki. 12. 3 (4). πλὴν τῶν ὑ. οὐ μετεσάθθησαν (1)  
 — 3 (4). ἐθυμίον ἐν τοῖς ὑ. (1)  
 14. 4. πλὴν τὰ ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)  
 — 4. ἐθυμίον ἐν τοῖς ὑ. (1)  
 15. 4. πλὴν τῶν ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)  
 — 4. ἐθυμίον ἐν τοῖς ὑ. (1)  
 — 35. πλὴν τὰ ὑ. οὐκ ἐξῆρεν (1)  
 — 35. 16. 4. ἐθυμία ἐν τοῖς ὑ. (1)  
 17. 9. ὡς φκοδόμησαν ἑαυτοὺς ὑψηλά [A -ῶν] (1)  
 — 10. ἐπὶ παντὶ βουνῷ ὑ. (3 a)  
 — 11. ἐθυμίαν ἐκεῖ ἐν πᾶσιν ὑ. (1)  
 — 29. καὶ ἔθηκαν ἐν οἴκῳ τῶν ὑ. (1)  
 — 32. ἐν τοῖς οἴκοις τῶν ὑ. —  
 — 32. ἐποίησαν Ιερεῖς τῶν ὑ. (1)  
 — 32. ἐποίησαν ἑαυτοὺς ἐν οἴκῳ τῶν ὑ. (1)  
 — 36. ἐν ἰσχυρὴ μεγάλῃ καὶ ἐν βραχίονι ὑ. (8)  
 18. 4. ἐξῆρε τὰ ὑ. (1)  
 — 22. ἀπέστησεν 'Εξ. τὰ ὑ. αὐ. (1)  
 21. 3. φκοδόμησε τὰ ὑ. (1)  
 23. 5. ἐθυμίον ἐν τοῖς ὑ. (1)  
 — 8. ἔμεινε τὰ ὑ. (1)  
 — 9. οὐκ ἀνέστησαν οἱ Ιερεῖς τῶν ὑ. (1)  
 — 15. τὸ θυσιάζειν τὸ ἐν B. τὰ ὑ. (1)  
 — 15. τὸ θυσιάζειν. ἐκείνο τὸ [A καὶ τὸ] ὑ. κατέ-  
 σπασεν (1)  
 — 19. πάντας τοὺς οἴκους τῶν ὑ. . . ἀπέ-  
 στησεν 'I. (1)  
 — 20. ἐθυσίαν πάντας τοὺς Ιερεῖς τῶν ὑ. (1)  
 II Ch. 1. 3. ἐπορεύθη Σαλ. . . εἰς τὴν ὑ. τὴν ἐν Γ. (1)  
 6. 32. διὰ . . . τὸν βραχίονά σου τὸν ὑ. (8)  
 7. 21. καὶ ὁ οἶκος οὗτος ὁ ὑ. (11)  
 11. 15. κατέστησεν αὐτῷ Ιερεῖς τῶν ὑ. (1)  
 14. 3 (2). ἀπέστησε . . . τὰ ὑ. (1)  
 15. 17. πλὴν τὰ ὑ. οὐκ ἀπέστησαν (1)  
 17. 6. ἐξῆρε τὰ ὑ. (1)  
 20. 33. τὰ ὑ. εἰ ἐπὶ ἡπύρχε (1)  
 21. 11. ἐποίησεν ὑψηλά ἐν πόλεσιν 'I. (1)  
 27. 3. φκοδόμησε τὴν πύλιν οἴκου κ. τὴν [A καὶ  
 τὴν] ὑ. (11)  
 28. 4. ἐθυμία ἐπὶ τῶν ὑ. (1)  
 — 25. ἐποίησεν ὑψηλά (1)  
 31. 1. κατέσπασαν τὰ ὑ. (1)  
 32. 12. δὲ περιεῖλε . . . τὰ ὑ. αὐ. (1)  
 33. 3. φκοδόμησε τὰ ὑ. (1)  
 — 17. πλὴν ὁ λαὸς ἐπὶ τῶν ὑ. (1)  
 — 19. ἐφ' οἷς φκοδόμησε τὰ ὑ. (1)  
 34. 3. τοῦ καθαρίσαι τὸν 'I. . . ἀπὸ τῶν ὑ. (1)  
 — 4. κατέσπασε . . . τὰ ὑ. τὰ ἐπ' αὐτῶν  
 — 7. πάντα τὰ ὑ. ἐκοψεν +  
 I Es. 4. 34. μεγάλη ἡ γῆ καὶ ὑ. ὁ οὐρανός  
 Ne. 9. 25. κατελάβωσαν πόλεις ὑ. +  
 Ju. 2. 24. διέσκαψε πάσας τὰς πόλεις τὰς ὑ.  
 3. 6. ἐφρούρησε τὰς πόλεις τὰς ὑ. (8)  
 4. 5. πάσας τὰς κορυφὰς τῶν ὀρέων τῶν ὑ. (1)  
 5. 1. ἐτείχισαν πᾶσαν κορυφὴν ὀρέων ὑ. (1)  
 6. 4. οὐτε τὰ ὄρη τὰ ὑ. οὐτε αἱ φάραγγες  
 17. 7. οὐδὲ ὑ. γίγαντες ἐπέθετο αὐτῷ  
 Es. 5. 14. B' κοπήτω σοὶ ξύλον ὑ. [A B S' om.] (3 a)

Es. 7. 9. **B<sup>3</sup>** ὄρθωται ἐν τοῖς Ἀ. ὑ. [A B S<sup>1</sup> om.] ξύλον [A om.] (3 a)  
 Jb. 5. 7. νεοσσοὶ δὲ γινώσκουσι τὰ ὑ. πέτονται (3 c)  
 11. 8. ὑψηλὸς δ' οὐρανὸς καὶ τί ποιήσεις (3 d)  
 22. 12. μὴ οὐχὶ ὁ τὰ ὑ. ραίων ἐφορᾷ (3 d)  
 35. 4 (5). κατὰμθε δι' νύκτι [A κ. τὰ ν. καὶ ἴδε] ὡς ὑψηλὰ ἀπὸ σου (3 b)  
 41. 25 (26). πᾶν ὑψηλὸν ὁρᾷ (3 a)  
 Ps. 17 (18). 33. ἐπὶ τὰ ὑ. ἰστών με (1)  
 88 (89). 27. ὑψηλὸν παρὰ τοῖς βασ. τῆς γῆς (11)  
 92 (93). 4. θαυμαστός ἐν ὑψηλοῖς ὁ κύριος (12 b)  
 98 (99). 2. ὑψηλὸς ἐστὶν ἐπὶ πάντας τοὺς λαούς (12 a)  
 103 (104). 18. ὅρη τὰ ὑ. τοῖς ἐλάφοις (3 a)  
 112 (113). 4. ὑψηλὸς ἐπὶ πάντα τὰ ζῷα ὁ κ. (12 a)  
 — 5. ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν (3 c)  
 135 (136). 12. ἐν χειρὶ κραταῦ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (8)  
 137 (138). 6. ὅτι ὑψηλὸς κύριος (12 a)  
 — 6. καὶ τὰ ὑ. ἀπὸ μακρόθεν γινώσκει (3 a)  
 Pr. 8. 2. ἐπὶ γὰρ τῶν ὑ. ἄκρων ἐστὶν (12 b)  
 9. 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρι (12 b)  
 10. 21. χεὶρ δὲ δικαίων ἐπιστάται ὑψηλὰ (1)  
 17. 16 (19). ὁς ὑψηλὸν ποιεῖ τὸν ἐαυτοῦ οἶκον (14)  
 18. 19. ἀδελφοὶ ὑπὸ ἀδελφοῦ βοηθούμενοι ὡς πόλις ὀχυρὰ καὶ ὑ. (1)  
 24. 36 (30. 13). ἔκγονον κακὸν ὑψηλοῖς ὀφθαλμοῦς ἔχει (13)  
 25. 3. οὐρανὸς ὑψηλὸς γῆ δὲ βαθεῖα (12 c)  
 Ec. 5. 7. ὑψηλὸς ἐπάνω ὑψηλοῦ φυλάξαι [A] — ἄσσει, B<sup>2</sup> — ἄξει] καὶ ὑψηλοὶ ἐπ' αὐτοῖς [A — ἦς, B — οὐς] (3 a ter)  
 7. 9 (8). ἀγαθὸν μακροδόμος ὑπὲρ ὑψηλὸν πνεῦμα [B<sup>3</sup> πνεῦμα τιμῆς] (3 a)  
 Wi. 9. 17. B<sup>3</sup> εἰ μὴ . . . ἐπεμφας τὸ ἀγνόν σου πνεῦμα ἀπὸ ὑψηλῶν [A B S<sup>3</sup> — ιστων] (3 a)  
 Si. 3. 18. B<sup>3</sup> πολλοὶ εἰσιν ὑψηλοὶ καὶ ἐπίδοξοι (3 a)  
 24. 4. ἐγὼ ἐν ὑψηλοῖς κατεσκεύασα (3 a)  
 50. 2. B<sup>3</sup> ἀνάλημμα ὑψηλὸν περιβόλου ὑψηλοῦ [A B S<sup>2</sup> om.] ἱεροῦ (3 a)  
 Ho. 5. 8. ἡχῶσα ἐπὶ τῶν ὑ. (12 a)  
 Am. 4. 13. B<sup>3</sup> ἐπιβαίνων ἐπὶ τὰ ὑ. [A B ὑψη] τῆς γῆς (1)  
 Hb. 8. 19. ἐπὶ τὰ ὑ. ἐπιβᾶθ με (1)  
 Ze. 1. 16. ἡμέρα σάλπιγγος . . . ἐπὶ τὰς γωνίας τὰς ὑ. (3 a)  
 Is. 2. 11. οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ κυρίου ὑψηλοὶ (3 c)  
 — 12. ἐπὶ πάντα ὑψηλὸν καὶ μετέωρον (2 a)  
 — 13. ἐπὶ πᾶσαν κεῖρον τοῦ λιβαίνου τῶν ὑ. (12 a)  
 — 14. B<sup>3</sup> ἐπὶ πᾶν ὑψηλὸν [A B om.] ὅρος καὶ ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλὸν (12 a, θ)  
 — 15. ἐπὶ πάντα πύργον ὑψηλὸν καὶ ἐπὶ πᾶν τεῖχος ὑψηλὸν (3 a, +)  
 3. 16. ἐπορεύθησαν ὑψηλῷ τραχήλῳ (8)  
 5. 25. ἔτι ἡ χεὶρ ὑψηλῇ (8)  
 6. 1. ἐπὶ θρόνον ὑψηλὸν καὶ ἐπηρμένον (12 a)  
 9. 9 (8). ἐφ' ὑβρεὶ καὶ ὑψηλῇ καρδίᾳ (4)  
 — 12 (11), 17 (16), 21 (20). 10. 4. ἔτι ἡ χεὶρ ὑψηλῇ (8)  
 10. 33. οἱ ὑ. τῇ ὑβρεὶ συντριβήσονται καὶ οἱ ὑ. [B om. οἱ ὑ.] ταπεινωθήσονται (12 a, 3 a)  
 — 34. πεσοῦνται ὑψηλοὶ [B οἱ ὑ., A om. π. ὑ.] μαχαίρᾳ ὁ δὲ λιβανὸς σὺν τοῖς ὑ. πεσείτα (-, +)  
 12. 5. ὑψηλὰ ἐποίησεν (2 b)  
 14. 13. καθὼ ἐν ὄρει ὑψηλῷ ἐπὶ τὰ ὄρη τὰ ὑ. (τ, -)  
 — 26. αὐτὴ ἡ χεὶρ ὑ. [B<sup>3</sup> ἡ ὑψηλῇ] ἐπὶ πάντα τὰ ὄρη (8)  
 — 27. τῇ χειρὶ αὐτοῦ τὴν ὑ. τίς ἀποστρέψει (8)  
 22. 16. ἐποίησας σεαυτῷ ἐν ὑψηλῷ μνημεῖον [B<sup>3</sup> om. σ. . . μν.] (12 b)  
 24. 4. ἐπένθησαν οἱ ὑ. τῇ γῇ (12 b)  
 26. 5. κατήγαγεν τοὺς ἐνοικοῦντας ἐν ὑψηλοῖς (12 a)  
 — 11. ὑ. σου ὁ βραχίον (12 a)  
 28. 4. ἐπ' ἄκρον τοῦ ὄρους τοῦ ὑ. (1)  
 30. 25. ἔσται ἐπὶ παντός ὄρους ὑψηλοῦ . . . ὠδὸρ (3 a)  
 32. 15. ἔως ἀν ἔλθῃ [A B ἐπείλθῃ] ἐφ' ὑμᾶς πνεῦμα ἀφ' ὑψηλοῦ (12 b)  
 33. 5. ἄγνος ὁ θεὸς ὁ κατοικῶν ἐν ὑψηλῷ [A B — οἷς] (12 b)  
 — 16. οὐδὲ οἰκίσει ἐν ὑψηλῷ σπηλαίῳ (12 b)  
 40. 9. ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν ἀνάβηθι (3 a)  
 45. 14. οἱ Σαβ. ἄνδρες ὑ. ἐπὶ σὺ διαβήσονται (8)  
 57. 7. ἐπ' ὄρος ὑψηλὸν . . . ἡ κοίτη (3 a)  
 — 15. ὁ ὑψιστος ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν τὸν αἰῶνα (9)

Je. 2. 20. ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλὸν (3 a)  
 3. 6. ἐπὶ πᾶν ὄρος ὑψηλὸν (3 a)  
 16. 16. A<sup>3</sup> ἐπάνω παντός βουνοῦ ὑψηλοῦ [B S om.] —  
 19. 5. φκοδόμωσαν ὑψηλὰ τῇ Βάβυλ (1)  
 21. 5. B<sup>3</sup> ἐν βραχίονι ὑψηλῷ [A B om.] κραταῦ (5)  
 28 (31). 58. αἱ πύλαι αὐτῆς αἱ ὑ. ἐμπυρσθήσονται (3 a)  
 29 (49). 16. συνέλαβεν ἰσχὺν βουνοῦ ὑψηλοῦ (12 b)  
 32 (25). 30. κύριος ἀφ' [B εἰς] ὑψηλοῦ χρηματεῖ (12 b)  
 34 (27). 5. ἐν τῷ ἐπιχειρῶ μου τῷ ὑ. (8)  
 38 (31). 15. A<sup>3</sup> φωνὴ ἐν τῇ ὑ. [B S<sup>3</sup> ἐν] 'Ραμᾷ' ἡκούσθη θρήνον (12 a)  
 39 (32). 17. τῷ βραχίονι σου τῷ ὑ. (8)  
 — 21. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (8)  
 Ba. 2. 11. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (8)  
 3. 25. ὑ. καὶ ἀμέτρητος (3 a)  
 5. 5. στήθι ἐπὶ τοῦ ὑ. (3 a)  
 — 7. ταπεινώσονται πᾶν ὄρος ὑψηλὸν (3 a)  
 La. 3. 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν πρὸς ὑψηλὸν (1)  
 Ez. 6. 3. ἐξολεθρευθήσονται τὰ ὑ. ὡμὸν (1)  
 — 6. τὰ ὑ. σφανισθήσονται (1)  
 — 13. ἐπὶ πάντα βουνὸν ὑψηλὸν (12 a)  
 9. 2. ἀπὸ τῆς ὁδοῦ τῆς πύλης τῆς ὑ. (11)  
 17. 22. καταφύτυσον ἐγὼ ἐπ' ὄρος ὑψηλόν (3 a)  
 — 24. ἐγὼ κύριος ὁ ταπεινῶν ξύλων ὑψηλόν (3 a)  
 20. 28. ἴδον πάντα βουνὸν ὑψηλόν (12 a)  
 — 33. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ . . . βασιλεύσω ἐφ' ὑμᾶς (8)  
 — 34. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ καὶ ἐν θυμῷ κεχυμένῳ (8)  
 — 40. ἐπ' ὄρους ὑψηλοῦ ἐκεῖ δουλεύουσίν μοι (12 b)  
 21. 26 (31). ἐταπεινώσας τὸ ὑ. (3 a)  
 31. 3. Ἀσσούρ κυνάρσιος . . . ὑ. τῷ μεγεῖθι (3 a)  
 34. 6. διεσπάρη . . . ἐπὶ πᾶν βουνὸν ὑψηλόν (12 a)  
 — 14. ἐν τῷ ὄρει τῷ ὑ. [A add. ἐν τῷ ὄρει] Ἰσραὴλ (12 b)  
 40. 2. ζῷα ἐπ' ὄρος ὑψηλόν [A ὄρους ὑψηλοῦ] σφόδρα (3 a)  
 Da. LXX. 4. 7. δυνάμει ὑ. φυόμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12 c)  
 8. 3. καὶ τὰ κέρατα ὑ. (3 a)  
 — 3. καὶ τὸ ἐν ὑψηλότερον τοῦ ἐτέρου (3 a)  
 — 3. καὶ τὸ ὑψηλότερον ἀνέβη (15)  
 9. 15. ὁ ἐξαγαγὼν . . . τῷ βραχίονι σου τῷ ὑ. (6)  
 Da. TH. 8. 3. καὶ αὐτὰ κέρατα ὑ. (3 a)  
 — 3. καὶ τὸ ἐν ὑψηλότερον τοῦ ἐτέρου (3 a)  
 — 3. καὶ τὸ ὑ. [A — ὄτερον] ἀνέβαιναν ἐπ' ἐσχάτῳ (3 a [15])  
 I Ma. 4. 60. B<sup>3</sup> φκοδόμωσαν . . . τείχη ὑ. καὶ πύργους ὑ. [B<sup>3</sup> B ὄρους, A ὄρους] (12 a)  
 6. 7. τὸ ἀγίασμα . . . ἐκύκλωσαν τείχην ὑ. (3 a)  
 — 40. ἐξετάθη μέρος τῶν ὑ. ἐπὶ τὰ ὑ. [B<sup>3</sup> om.] ὄρη (3 a)  
 9. 50. ἐν τείχεσιν ὑ. καὶ πύλαις [B<sup>3</sup> αἱ] (3 a)  
 13. 33. καὶ περιτείχισσε πύργους ὑ. (3 a)  
 II Ma. 8. 30. ὄχυρομάτων ὑ. εὖ μάλα ἐγκρατεῖς ἐγένοντο (3 a)  
 IV Ma. 5. 1. προκαθίστας . . . ἐπὶ τινας ὑ. τόπου (3 a)  
 6. 6. ὑψηλοὺς ἀνατείνας εἰς τὸν οὐρανὸν τοὺς ὀφθ. [Aq. Dt. 2. 21: Jd. 7. 1: Jb. 21. 22: Ps. 77 (78). 58, 69: Pr. 6. 17: Is. 2. 14: 86. 2, 7: 40. 9: 58. 14: Jb. 7. 31: 81 (88). 15: Ez. 16. 16 (Sw.): 17. 22: 80. 22:] (3 a)  
 [Sm. Nu. 33. 44: Jd. 1. 15: 5. 18: I Ki. 2. 3: 10. 5: II Ki. 1. 19: III Ki. 15. 14: IV Ki. 23. 5: Jb. 21. 22: 28. 18: Ps. 17 (18). 34: 55 (56): 3: 60 (61): 4: 67 (68), 16, 17: 77 (78). 69: 88 (89). 14: Pr. 6. 17: 19. 15: Ec. 5. 7: Is. 2. 14: 6. 1: 33. 16: 36. 2, 7: 58. 14: Jb. 7. 31: Ez. 17. 22: Am. 7. 9:] (3 a)  
 [Th. II Ki. 1. 19: Jb. 21. 22: Is. 2. 14: 38. 7: 58. 14: Jb. 17. 3 (Sw.): Ez. 17. 22: 28. 7: Da. 8. 3: Am. 4. 3:] (3 a)  
 [Al. Nu. 22. 41: Is. 37. 36:] (3 a)  
 [Quint. IV Ki. 23. 5:] (3 a)

**ὑψιστος.** (1) **ὑψιστος** (2) **a. διῆς** δ. διῆς

(3) **a. διῆς** δ. διῆς

Ge. 14. 18. ἡν δὲ ἱερεὺς τοῦ θεοῦ τοῦ ὑ. (3 a)  
 — 19. εὐλογημένος Ἀβ. τῷ θεῷ τῷ ὑ. (3 a)  
 — 20. εὐλογητὸς ὁ θεὸς ὁ ὑ. (3 a)  
 — 22. ἐκτενῶ τὴν χεῖρά μου πρὸς τὸν θεὸν τὸν ὑ. (3 a)  
 Nu. 24. 16. ἐπιστάμενος ἐπιστήμην παρὰ [A om.] ὑψιστοῦ (3 a)  
 De. 32. 8. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ὅτε διεμέριζεν ὁ ὑ. ζῷα (3 a)

II Ki. 22. 14. ὁ ὑ. ἔδωκε φωνὴν αὐ. (3 a)  
 I Es. 2. 3. ὁ κύριος τοῦ Ἰσρ. κύριος ὁ ὑ. (3 a)  
 6. 31. ὅπως προσφύρωται σπονδαὶ τῷ θεῷ τῷ ὑ. (3 a)  
 8. 19. ἀναγνώστης τοῦ νόμου τοῦ θεοῦ τοῦ ὑ. (3 a)  
 — 21. ἐπιτελεσθήτω τῷ θεῷ τῷ ὑ. (3 a)  
 9. 46. εὐλόγησεν Ἀβ. τῷ κ. θεῷ ὑ. [A τῷ ὑ.] θεῷ (3 a)  
 To. 1. 4. ἡγίασθη ὁ ναὸς τῆς κατασκευάσεως τοῦ ὑ. [B θεοῦ] (3 a)  
 — 13. ἔδωκεν ὁ ὑ. χάριν καὶ μορφήν (3 a)  
 4. 11. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> πᾶσι τοῖς ποιούσιν αὐτὴν ἐνώπιον τοῦ ὑ. (3 a)  
 Ju. 13. 18. εὐλογητὴ σὺ . . . τῷ θεῷ τῷ ὑ. (3 a)  
 Es. 8. 13. ὄντας δὲ υἱοὺς τοῦ [A om.] ὑ. μεγίστου ζῶντος θεοῦ (3 a)  
 Jb. 16. 20 (19). A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> δὲ συνίσταται μου ἐν ὑψιστοῖς (2 a)  
 25. 2. ὁ ποιῶν τὴν σύμπασαν ἐν ὑψίστῳ (2 a)  
 31. 2. καὶ κληρονομία ἱκανοῦ ἐξ ὑψίστων [A — ou, B<sup>3</sup> ἐν ὑψίστῳ] (2 a)  
 — 28. ἐφύσασθην ἐναντίον κυρίου τοῦ ὑ. (1)  
 Ps. 7. 17. ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑ. (3 a)  
 9. 2. ψαλῶ τῷ ὀνόματι σου, ὑψίστε (3 a)  
 12 (18). 6. ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑ. (3 a)  
 17 (18). 13. ὁ ὑ. ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ (3 a)  
 20 (21). 7. ἐν τῷ ἔλειε τοῦ ὑ. οὐ μὴ σαλευθῇ [B<sup>3</sup> — θω] (3 a)  
 45 (46). 4. ἡγίασον τὸ σκήνωμα αὐτοῦ ὁ ὑ. (3 a)  
 — 6. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ ὁ ὑ. [B S<sup>3</sup> om.] (3 a)  
 46 (47). 2. κύριος ὑψιστος φοβερός (3 a)  
 49 (50). 14. ἀπὸ τοῦ τῷ ὑ. τὰς εὐχὰς σου (3 a)  
 56 (57). 2. κεκραξέτω πρὸς τὸν θεὸν τὸν ὑ. (3 a)  
 65 (66). 4. B<sup>3</sup> ψαλάσσωσαν τῷ ὀνόματι σου, ὑψίστε [B<sup>3</sup> om.] (3 a)  
 70 (71). 19. καὶ τὴν δικαιοσύνην σου, ὁ θεός, ἔως ὑψίστων (2 a)  
 72 (73). 11. εἰ ἔστι γνώσις ἐν τῷ ὑ. (3 a)  
 76 (77). 10. αὐτὴ ἡ ἀλλοίωσις τῆς δεξιᾶς τοῦ ὑ. (3 a)  
 77 (78). 17. παρετίκραν τὸν ὑ. ἐν ἀνύδρῳ (3 a)  
 — 35. ὁ θεός [B<sup>3</sup> om. ὁ θ.] ὁ ὑ. λυτρωτὴς αὐτῶν ἐστί (3 a)  
 — 56. παρετίκραν τὸν θεὸν τὸν ὑ. (3 a)  
 81 (82). 6. καὶ υἱοὶ ὑψίστων πάντες (3 a)  
 82 (83). 18. σὺ μόνος ὑψιστος ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (3 a)  
 86 (87). 5. αὐτὸς ἰδεμελίωσεν αὐτὴν ὁ ὑ. (3 a)  
 90 (91). 1. ὁ κατοικῶν ἐν βοήθειᾳ τοῦ ὑ. (3 a)  
 — 9. τὸν ὑ. ἔθου καταφυγὴν σου (3 a)  
 91 (92). 1. καὶ ψάλλειν τῷ ὀνόματι σου, ὑψίστε (3 a)  
 — 8. σὺ δὲ ὑψιστος εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε (2 a)  
 96 (97). 9. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> οὐ ἐξ [A B<sup>3</sup> om.] κύριος ὑψιστος [B ὁ ὑ.] ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν (3 a)  
 106 (107). 11. τὴν βουλὴν τοῦ ὑ. παρώξυναν (3 a)  
 148. 1. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν τοῖς ὑ. (2 a)  
 Wi. 5. 15. ἡ φροντίς αὐτῶν παρὰ ὑψίστῳ (3 a)  
 6. 3. ἡ δυναστεία παρὰ ὑψίστῳ (3 a)  
 9. 17. εἰ μὴ . . . ἐπεμφας τὸ ἀγνόν σου πνεῦμα ἀπὸ ὑψίστων [B<sup>3</sup> — ῥῶν] (3 a)  
 Si. 4. 10. ἔσθ' ὡς υἱὸς ὑψίστου (3 a)  
 7. 9. ἐν τῷ προσεγγίσει με θεῷ ὑψίστῳ προσδέξεται (3 a)  
 — 15. μὴ μυστήρη . . . γεωργίαν ὑπὸ ὑψίστου ἐκτίσασθαι (3 a)  
 9. 15. πᾶσα διήγησις σου ἐν νόμῳ ὑψίστου (3 a)  
 12. 2. εἰ μὴ παρ' αὐτοῦ ἀλλὰ παρὰ [A B παρὰ τοῦ] ὑψίστου (3 a)  
 — 6. ὅτι καὶ ὁ ὑ. ἐμίσησεν ἁμαρτωλοὺς (3 a)  
 16. 17. B<sup>3</sup> ἡ ἐξ ὑψίστου [A B S<sup>3</sup> ὑψίστου] μυσθίσταται (3 a)  
 17. 26. ἐπάναγκες ἐπὶ ὑψίστων (3 a)  
 — 27. ὑψίστῳ τίς αἰνέσει ἐν ᾧδῳ (3 a)  
 19. 17. δὲς τόπον νόμῳ ὑψίστου (3 a)  
 23. 9. A<sup>3</sup> B<sup>3</sup> ὀνομασίᾳ τοῦ ὑ. [B S<sup>3</sup> ἁγίου] μὴ συνεβίβησεν (3 a)  
 — 18. τῶν ἁμαρτιῶν μου οὐ μὴ μυσθίσταται ὁ ὑ. (3 a)  
 — 23. ἐν νόμῳ ὑψίστου [A — ῥ] ἠπείσθη (3 a)  
 24. 2. ἐν ἐκκλησίᾳ ὑψίστου στόμα αὐτῆς ἀνοίξει (3 a)  
 — 3. ἐγὼ ἀπὸ στόματος ὑψίστου ἐξῆλθον (3 a)  
 — 23. ταῦτα πάντα βίβλος διαθήκης θεοῦ ὑψίστου (3 a)  
 26. 16. ἦλως ἀνατέλλαν ἐν ὑψίστῳ κυρίου (3 a)  
 28. 7. μυσθίστη . . . διαθήκη ὑψίστου (3 a)  
 29. 11. θές τὸν θησαυρόν σου κατ' ἐντολὰς ὑψίστου (3 a)  
 31 (34). 6. ἐὰν μὴ παρὰ [A ἀπὸ] ὑψίστου ἀποσταλῇ ἐν ἐπισκοπῇ (3 a)  
 — 19. οὐκ εὐδοκεῖ ὁ ὑ. ἐν προσφοραῖς ἀσεβῶν (3 a)  
 32 (35). 6. ἡ εὐδοκία αὐτῆς ἐναντὶ ὑψίστου (3 a)  
 — 10. δὲς ὑψίστῳ κατὰ τὴν δόξαν αὐτοῦ [A σου] (3 a)  
 — 17. ἔως ἐπισκεψῇται ὁ ὑ. [A ἐπ. κύριος] (3 a)

Si. 36 (33). 15. οὕτως ἐμβλεψον εἰς πάντα τὰ ἔργα τοῦ ὕ.

37. 15. ἐπὶ πᾶσι τοῖσι θεῶσι ὑψίστου  
38. 2. παρὰ γὰρ ὑψίστου ἐστὶν ἰασις  
— 34. καὶ διανοούμενον ἐν νόμῳ ὑψίστου  
39. 5. ἔναντι ὑψίστου δεηθήσεται  
41. 4. τί ἀπαυαίνῃ ἐν εὐδοκίᾳ ὑψίστου  
— 8. οὕτως ἐγκατελίπετε νόμον θεοῦ [B om.]

ὑψίστου  
42. 2. περὶ νόμου ὑψίστου καὶ διαθήκης  
— 18. A B ἔργον γὰρ ὁ ὕ. [B κύριος] πᾶσαν εἰδρην [B συνειδ.]

43. 2. σκεῖνος θαυμαστὸν ἔργον ὑψίστου  
— 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [A B<sup>2</sup> -ιον]  
— 12. χεῖρες ὑψίστου ἐτάσαν αὐτό  
44. 19. ὅς συνετήρησε νόμον ὑψίστου  
— 26. B<sup>1</sup> ἐπέγνω αὐτὸν ἐν εὐλογίᾳ ὑψίστου [A B B<sup>2</sup> om.] αὐτοῦ

46. 5. ἐπεκαλίσαστο τὸν [B τὸν κύριον] ὕ, δυνάστην  
47. 5. ἐπεκαλίσαστο γὰρ κύριον τὸν ὕ.  
— 8. ἔδωκεν ἐξομολογήσιν ἀγίῳ ὑψίστου [B -ου] ῥήματα

48. 5. ὁ ἐγγίστοιμος περὶ... ἐξ ἔδου ἐν λόγῳ ὑψίστου  
49. 4. κατέλιπον γὰρ τὸν νόμον τοῦ ὕ.  
50. 7. ὡς ἡλίου ἐκλάμπων ἐπὶ πᾶν ὑψίστου  
— 14. κοσμίῃται προσφορὰν ὑψίστου παντοκράτορος

— 15. ὁμοῦ ἐπὶ δαδὶς ὑψίστου παμβασιλεῖ  
— 16. εἰς μνημόσυνον ἔναντι ὑψίστου  
— 17. προσκυνησάτω κτῆ αὐτῶν... τῷ [A B<sup>2</sup> om.] ὕ.

— 19. ἐδεῖθ' ὁ λαὸς κυρίου ὑψίστου  
— 21. ἐπιειξάσθαι τὴν ἐλλογιὰν παρὰ ὑψίστου  
Mi. 6. 6. ἐν τίνι... ἀντιληφόμεθα θεοῦ μου ὕ. (3 a)  
Is. 14. 14. ἴσονται ὅμοιοι τῷ ὕ. (3 a)

57. 15. τάδε λέγει [A B<sup>2</sup> add. κύριος] ὁ ὕ... ὕ.  
[B ὁ ὕ. εἰς τὸν αἰῶνα] ἐν τοῖς ἀγίοις ἀναπαυόμενος (2 b, 2 a)

Ba. 4. 20. A κεκράσμαι πρὸς τὸν αἰῶνα ὕ. [B om.]  
La. 8. 35. τοῦ ἐκλείναι κρίσιν ἀνδρὸς κατέναντι προσώπου ὑψίστου (3 a)

— 38. ἐκ στήματος ὑψίστου οὐκ ἐξελεύσεται τὰ καλά (3 a)

Da. LXX. 2. 18. ζῆτῆσαι παρὰ τοῦ κυρίου τοῦ ὕ. +  
— 19. εὐλόγησε τὸν κύριον τὸν ὕ. +  
3. 26 (93). οἱ παῖδες τοῦ θεοῦ τῶν θεῶν τοῦ ὕ. (3 b)  
— 32 (99). ἂ ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεὸς ὁ ὕ. (3 b)

4. 11. προστέτακται γὰρ ἀπὸ τοῦ ὕ. —  
— 21. ὁ ὕ. καὶ οἱ ἀγγελοὶ αὐ. ἐπὶ σὲ κατατρέχουσιν +

— 32. δὸς δόξαν τῷ ὕ. —  
— 34. τῷ ὕ. ἀνδομολογοῦμαι —  
— 34. τῷ ὕ. θυσίας προσοίσω —

5. 1. τῷ θεῷ τῷ ὕ. οὐκ ἔδωκεν αἰτησιν —  
7. 18. παραλήγονται τὴν βασιλείαν ἀγίοις ὑψίστου (3 a)

— 22. τὴν κρίσιν ἔδωκε τοῖς ἀγίοις τοῦ ὕ. (3 a)  
— 25. ῥήματα εἰς τὸν ὕ. λαλήσει (3 b)  
— 25. τοὺς ἀγίους τοῦ ὕ. καταρτίψει (3 a)

— 27. ἔδωκε λαῷ ἁγίῳ ὑψίστου βασιλεύσαι (3 a)  
Da. TH. 8. 26 (93). οἱ δούλοι τοῦ θεοῦ τοῦ ὕ. [A om. τοῦ ὕ.] (3 b)

— 32 (99). ἂ ἐποίησε μετ' ἐμοῦ ὁ θεὸς ὁ ὕ. (3 b)  
4. 14. κύριος ἐστὶν ὁ ὕ. τῇ βασιλείᾳ τῶν ἀνθρ. (3 b)  
— 21. καὶ σύγκριμα ὑψίστου ἐστὶν (3 b)

— 22, 29. κυριεῖν ὁ ὕ. τῇ βασιλείᾳ τῶν ἀνθρ. (3 b)  
— 31. τῷ ὕ. ἡλόγησα (3 b)  
5. 18. ὁ θεὸς ὁ ὕ. τὴν βασιλείαν... ἔδωκε Ναβ. (3 b)

— 21. κυριεῖν ὁ θεὸς ὁ ὕ. τῇ βασιλείᾳ τῶν ἀνθρ. (3 b)  
7. 18. παραλήγονται τὴν βασιλείαν ἀγίοις ὑψίστου (3 a)

— 22. τὸ κρίμα ἔδωκεν ἀγίοις ὑψίστου (3 a)  
— 25. λόγους πρὸς τὸν ὕ. λαλήσει (3 b)  
— 25. τοὺς ἀγίους ὑψίστου λαλήσει (3 a)

— 27. ἐδόθη ἀγίοις ὑψίστου (3 a)  
II Ma. 8. 31. ἤξιον τὸν Ὁ. ἐπικαλίσσασθαι τὸν ὕ.  
III Ma. 6. 2. βασιλεὺς μεγαλοκράτωρ ὑψίστου

7. 9. τὸν πάσης δισπρόζοντα δυνάμεως θεὸν ὕ.  
[Aq. Ps. 55 (56). 3: 76 (77). 11: 77 (78). 17: 88 (89). 28: 90 (91). 1, 9.]  
[Sm. Ps. 9. 3: 17 (18). 14: 45 (46). 5: 72 (73). 11: 76 (77). 11: 77 (78). 17, 35: 86 (87). 5: 90 (91). 1, 9.]

[Th. Ps. 76 (77). 11: 86 (87). 5: Da. 7. 35.]  
[Quint. Ps. 76 (77). 11: 90 (91). 1, 9.]

ὑψος. (1) הַיָּסוּד (2) הַיָּסוּד (3) a. הַיָּסוּד  
b. הַיָּסוּד hi. c. הַיָּסוּד (4) הַיָּסוּד (5) הַיָּסוּד  
(6) a. הַיָּסוּד b. הַיָּסוּד subst. c. הַיָּסוּד

d. הַיָּסוּד hi. (7) הַיָּסוּד (8) הַיָּסוּד  
Ge. 6. 15. καὶ τριάκοντα πῆχων τὸ ὕ. αὐ. (7)  
Ex. 25. 9 (10). A B<sup>2</sup> B καὶ πῆχους καὶ ἡμίους τὸ ὕ. (7)

— 22 (23). καὶ πῆχους καὶ ἡμίους τὸ ὕ. (7)  
27. 1. καὶ τριῶν πῆχων τὸ ὕ. αὐ. (7)  
— 14. πέντε καὶ δέκα πῆχων τὸ ὕ. τῶν ἱστίων —  
— 15. δέκα πέντε πῆχων τῶν ἱστίων τὸ ὕ. —  
— 16. εἰκοσι πῆχων τὸ ὕ. —

— 18. καὶ ὕψος πέντε πῆχων (7)  
30. 2. καὶ δύο πῆχων τὸ ὕ. (7)  
37. 16 (38. 18). καὶ τὸ ὕ. καὶ τὸ εὖρος πέντε πῆχων (7)

38 (37). 1. A καὶ πῆχους καὶ ἡμίους τὸ ὕ. αὐ. (7)  
Jd. 5. 18. καὶ Νεφθ. ἐπὶ ὕψι ἀρουῖ (6 a)  
I Ki. 17. 4. ὕψος αὐ. τεσσάρων πῆχων καὶ σπιθαμῆς (3 a)

II Ki. 1. 19. ὑπὲρ τὴν τεθνηκόταν ἐπὶ τὰ ὕ. σου [A al.] (1)  
— 25. ἐπὶ τὰ ὕ. σου τραυματία (1)  
22. 17. ἀπέστειλεν ἐξ ὕψους (6 a)

— 34. καὶ ἐπὶ τὰ ὕ. ἱστίων με (1)  
III Ki. 6. 2. πέντε καὶ εἰκοσι ἐν πῆχει τὸ [A om.] ὕ. αὐ. (7)

— 3. A εἰς τὸ ὕ. τοῦ οἴκου [B al.] +  
— 10. πέντε ἐν πῆχει τὸ ὕ. αὐ. (7)  
— 20. εἰκοσι πῆχει τὸ ὕ. αὐ. (7)

— 26. B καὶ τὸ ὕ. τοῦ χερ. ἐν πῆχει [A B al.] (7)  
7. 15. ὅκτω καὶ δέκα πῆχει ὕψος τοῦ στύλου (7)  
— 16. πέντε πῆχει τὸ ὕ. τοῦ ἐπιθόματος τοῦ ἐνός (7)

— 2. A B καὶ πέντε πῆχει τὸ ὕ. τοῦ ἐπιθόματος τοῦ δευτ. (7)  
— 23. πέντε ἐν πῆχει τὸ [A om.] ὕ. αὐ. (7)  
— 27. καὶ ἐξ ἐν πῆχει ὕψος αὐ. (7)

— 32. καὶ τὸ ὕ. τοῦ τροχού τοῦ ἐνός (7)  
— 2. A B καὶ τριάκοντα πῆχων ὕψος αὐ. (7)  
IV Ki. 19. 22. ἐπὶ τῶν... ἥρας εἰς ὕψος τοὺς ὀφθ. σου (6 a)

— 23. ἀναβήσομαι εἰς ὕψος ὀρέων (6 a)  
25. 17. ὅκτω καὶ δέκα πῆχων ὕψος τοῦ στύλου τοῦ ἐνός (7)

— 17. καὶ τὸ ὕ. τοῦ χωθάρ τριῶν πῆχων (7)  
I Ch. 14. 2. ἡ ἐξήθη εἰς ὕψος ὁ βασ. αὐ. (6)  
15. 16. τοῦ φωνήσαι εἰς ὕψος (6 a)

23. 17. υἱοὶ P. ἡ ἐξήθησαν εἰς ὕψος (6)  
29. 3. δέδωκε εἰς οἶκον θεοῦ μου εἰς ὕψος (6)  
II Ch. 1. 1. ἐμεγάλυνεν αὐτὸν εἰς ὕψος (6)

3. 4. A<sup>2</sup> B καὶ ὕψος πῆχων ἑκατὸν εἰκοσι (3 a)  
— 15. πῆχων τριάκοντα πέντε τὸ ὕ. (7)  
4. 1. B ὕψος πῆχων δέκα [A B al.] (7)

— 2. πέντε πῆχων τὸ ὕ. (7)  
6. 13. καὶ τριῶν πῆχων τὸ ὕ. αὐ. (7)  
17. 12. ἦν ἰσως. πορευόμενος μετὰ τῶν εἰς ὕψος (6)

20. 19. ἀνέειν κ. θεῷ Ἰσρ. ἐν φωνῇ μεγάλῃ εἰς ὕψος (6)  
32. 26. ἐταπεινώθη Ἐζ. ἀπὸ τοῦ ὕ. τῆς καρδίας αὐ. (3 a)

I Es. 6. 25. οὐ τὸ ὕ. πῆχων ἐξήκοντα (6)  
II Es. 6. 3. ἔθηκεν ἔπαρμα ὕψος πῆχεις ἐξήκοντα (6 b)  
Ne. 9. 5. B<sup>2</sup> δνομα δόξης σου καὶ ὕψους σου [A B S<sup>1</sup> al.] +

Ju. 1. 2. ἐποίησε τὸ ὕ. [A μῆκος] τοῦ τείχους —  
4. εἰς ὕψος πῆχων ἰσθμοκοντα (7)  
7. 10. ἀλλ' ἐπὶ τοῦ ὕ. [A δυνεῖ] τῶν ὀρέων αὐ. (7)

13. 20. ποιῆσαι σοι αὐτὰ ὁ θ. εἰς ὕψος αἰῶνα (7)  
16. 8. A B S<sup>2</sup> εἰς ὕψος τῶν ποταμῶν ἐν Ἰσρ. (7)  
Jb. 5. 11. τὸν ποιῶντα ταπεινῶς εἰς ὕψος (6 a)

39. 18. κατὰ καιρὸν [A -ὦν] ἐν [S<sup>1</sup> om.] ὕψει ὑψώσῃ (6 a)  
40. 5 (10). ἀνάλαβε δὴ ὕψος [A εἰς ὕ.] (2)  
Ps. 7. 7. ὑπὲρ ταύτης εἰς ὕψος ἐπιστρέψον (6 a)

11 (12). 8. κατὰ τὸ ὕ. σου ἐπολιώρῃσας τοὺς [A πάντας τοὺς] υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (6 b)  
17 (18). 16. ἐξαπέστειλεν ἐξ ὕψους (6 a)  
55 (56). 2. ἄλῃν τὴν ἡμέραν ἀπὸ ὕψους ἡμέρας (6 a)

67 (68). 18. ἀναβὰς εἰς ὕψος (6 a)  
72 (73). 8. ἀδικίαν εἰς τὸ ὕ. ἐλάλησαν (6 a)  
74 (75). 5. μὴ ἐπαίρειται εἰς ὕψος τὸ κέρας ὕμων (6 a)

94 (95). 4. τὰ ὕ. τῶν ὀρέων αὐτοῦ ἐστὶν (6)  
101 (102). 19. ἐξέκυνεν ἐξ ὕψους ἀγίου αὐτοῦ (6 a)

Ps. 102 (108). 11. κατὰ τὸ ὕ. τοῦ οὐρ. ἀπὸ τῆς γῆς (8 a)  
143 (144). 7. ἐξαπέστειλον τὴν χεῖρά σου ἐξ ὕψους (6 a)

Ec. 10. 6. ἐδόθη ὁ ἀφρων ἐν ὕψει μεγάλοις (6 a)  
12. 5. καὶ εἰς τὸ ὕ. [A B καὶ γὰρ ἀπὸ ὕψους] ὕψονται (3 a)

Ca. 7. 8 (9). κρατήσω τῶν ὕ. αὐτοῦ +  
Si. 1. 3. ὕψος οὐρανοῦ... τίς ἐξ ἱκνιάσει (6 a)  
16. 17. μὴ ἐξ ὕψους τίς μου [S<sup>1</sup> ἐξ ὑψίστου] μνησθήσεται

17. 32. δυνάμιν ὕψους οὐρανοῦ αὐτοῦ ἐπισκέπτεται (6 a)  
27. 25. ὁ βάλλων λίθον εἰς ὕψος ἐπὶ κεφαλὴν αὐτοῦ βιάλλει

43. 1. γαυρίαμα ὕψους στερέωμα καθαριότητος [B καὶ καθαριότης]  
— 8. σκεῖνος παρεμβολῶν ἐν ὕψει  
46. 9. ἐπιβῆναι αὐτὸν ἐπὶ ὕψος [A B τὸ ὕ.] τῆς γῆς

50. 2. ὑπ' αὐτοῦ ἐθεμελιώθη ὕψος διπλῆς (6 a)  
51. 19. τὰς χεῖράς μου ἐξεπέτασα πρὸς ὕψος (3 a, 3 a)  
Am. 2. 9. οὐ ἦν καθὼς ὕψος κέδρου τοῦ ὕ. αὐ. (3 a, 3 a)

4. 13. ἐπιβαίνων ἐπὶ τὰ ὕ. τῆς γῆς (1)  
5. 7. ὁ ποιῶν εἰς ὕψος κρίμα (1)  
Mi. 1. 3. ἐπιβήσεται ἐπὶ τὰ ὕ. τῆς γῆς +

Hb. 2. 9. τοῦ τάξαι εἰς ὕψος [S<sup>1</sup> οἶκον] νοσσιῶν αὐ. (6 a)  
8. 10. ὕψος φαντασίας αὐ. (6 c)

Is. 2. 11. ταπεινωθήσεται τὸ ὕ. τῶν ἀνθρώπων (6 b)  
— 17. A B πεσείται ὕ. [B ὕβρις] ἀνθρώπων (6 b)  
7. 11. αἰτησάτω σενιτῶν σημείων... εἰς βάθος ὕ. εἰς ὕ. (8 b + 6)

10. 12. ἐπὶ τὸ ὕ. τῆς δόξης τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ (6 b)  
25. 12. τὸ ὕ. τῆς καταφυγῆς τοῦ τοῦ σου ταπεινώσει +

35. 2. ὕψεται τὴν δόξαν κυρίου καὶ τὸ ὕ. τοῦ θεοῦ +  
37. 23. οὐκ ἦρας εἰς ὕ. τοὺς ὀφθαλμούς σου (6 a)  
— 24. ἀνέβην εἰς ὕ. ὀρέων... ἐκοίμῃ τὸ ὕ. τῆς κέδρου αὐτοῦ... εἰσῆλθον εἰς ὕ. μέρους τοῦ δρυμῶ (6 a, 7, 6 a)

38. 10. εἶπα ἐν τῷ ὕ. τῶν ἡμερῶν μου +  
— 14. τοῦ βλέπειν εἰς τὸ ὕ. τοῦ οὐρανοῦ (6 a)  
40. 26. ἀναβλέψατε εἰς ὕ. [A τὸ ὕ.] τοὺς ὀφθαλμούς ὕμων (6 a)

Je. 6. 2. ἀφαιρεθήσεται τὸ ὕ. σου +  
28 (31). 53. A B<sup>2</sup> ἐὰν ὀχυρώσῃ ὕ. ἰσχύος αὐτῆς [B S<sup>1</sup> al.] (6 a)  
37 (30). 18. οἰκοδομηθήσεται πόλις ἐπὶ τὸ ὕ. [A εἰ. τείχος] αὐτῆς +

52. 21. τριάκοντα πέντε πῆχων ὕ. τοῦ στύλου τοῦ ἐνός (7)  
La. 1. 13. ἐξ ὕψους αὐτοῦ ἀπέστειλε πῦρ (6 a)  
Ez. 1. 18. ὕ. ἦν αὐτοῖς (8 a)

31. 2. τὴν ὁμοιωσας σεαυτὸν ἐν τῷ ὕ. σου (4)  
— 7. ἐγένετο καλὸς ἐν τῷ ὕ. αὐτοῦ (4)  
— 14. οὐκ ἔστησαν ἐν τῷ ὕ. αὐτῶν πρὸς αὐτὰ (3 a)

40. 5. τὸ ὕ. αὐτοῦ ἴσον τῷ καλῶν (7)  
— 42. ἐπὶ πῆχυν τὸ ὕ. (3 a)  
— 41. 8. τὸ θραεὶλ τοῦ οἴκου ὕ. κύκλω (3 a)

— 22. πῆχων τριῶν τὸ ὕ. αὐτοῦ (3 c)  
43. 13. τοῦτο τὸ ὕ. τοῦ θυσιαστηρίου +  
Da. LXX. 3. 1. τὸ ὕ. αὐ. πῆχων ἐξήκοντα (6 b)

Da. TH. 3. 1. ὕψος αὐτῆς πῆχων ἐξήκοντα (6 b)  
4. 7. καὶ τὸ ὕ. αὐ. πολὺ (6 b)  
— 8. τὸ ὕ. αὐ. ἐφθασεν ἕως τὸν οὐρανοῦ (6 b)

— 17. οὐ τὸ ὕ. ἐφθασεν εἰς τὸν οὐρανό (6 b)  
I Ma. 1. 40. τὸ ὕ. αὐ. ἐστράφη εἰς πέποιος (6 a)  
10. 24. γράψω... λόγους παρακλησῶν καὶ ὕψους

12. 36. ὕψωσαι ὕψος μέγα (6 a)  
II Ma. 9. 8. πλάστιγγι τῶν ὀρέων οἰόμενος ὕψη στήσιν

[Aq. I Ki. 16. 7: Ps. 7. 8: 11 (12). 9: 70 (71). 19: 92 (93). 4: Pr. 9. 3: Is. 7. 11: 38. 14: 58. 14: Je. 49. 16 (29. 17): Ez. 17. 23: 27. 32.]

[Sm. Nu. 21. 8: Jo. 11. 13: III Ki. 6. 20: Jb. 37. 17: Ps. 70 (71). 19: 72 (73). 8: 74 (75). 6: Ec. 10. 6: Ca. 4. 4: Is. 25. 12: 32. 15: 38. 16: 58. 14: Je. 31 (38). 12: 48 (31). 29: 49. 16 (29. 17): 52. 21. 22.]

[Th. Ex. 37 (38). I, 10 (11): I Ki. 16. 7: II Ki. 1. 21: Jb. 39. 18: 40. 5 (10): Ps. 7. 8: Is. 58. 14: Je. 31 (38). 12: 52. 22: Da. 4. 7.]

[Al. Lr. 14. 14: Is. 2. 17: Ez. 41. 8.]  
[Sext. Ps. 70 (71). 19.]



|  |   |  |
|--|---|--|
| ὑψου. (1) 𐤕𐤓𐤕 (2) 𐤕𐤓𐤕 (3) 𐤕𐤓𐤕 a. qal.<br>δ. hi. c. 𐤕𐤓𐤕 (4) 𐤕𐤓𐤕 (5) 𐤕𐤓𐤕 a. qal.<br>δ. pi. c. hi. d. hithp. e. 𐤕𐤓𐤕 (6) 𐤕𐤓𐤕 hi.<br>(7) 𐤕𐤓𐤕 (8) 𐤕𐤓𐤕 a. qal. δ. ni. c. pi.<br>d. hithp. (9) 𐤕𐤓𐤕 (10) 𐤕𐤓𐤕 pi.<br>(11) 𐤕𐤓𐤕 hi. (12) 𐤕𐤓𐤕 hi. (13) 𐤕𐤓𐤕<br>a. qal. δ. pil. c. hi. d. hithpal. e. pe.<br>f. aph. g. ithpal. h. 𐤕𐤓𐤕 i. 𐤕𐤓𐤕<br>j. 𐤕𐤓𐤕 subst. k. 𐤕𐤓𐤕 (14) 𐤕𐤓𐤕 pi.<br>(15) 𐤕𐤓𐤕 (16) 𐤕𐤓𐤕 ni. | Ps. 26 (27). 5. ἐν πέτρῃ ὑψώσε με (13 δ)<br>— 6. ὑψώσε τὴν κεφ. μου ἐπ' ἐχθρούς μου (18 α)<br>29 (30). 1. ὑψώσω σε, κύριε (18 β)<br>33 (34). 3. ὑψώσω μεν [Δ -σμεν] τὸ θν. αὐ. (18 β)<br>36 (37). 20. ἅμα τῷ δοξασθῆναι αὐτοὺς καὶ<br>ὑψωθῆναι +<br>— 34. ὑψώσει σε τοῦ κατακληρονομήσαι γῆν (13 β)<br>45 (46). 10. ὑψωθήσονται ἐν τοῖς ἔθνεσιν ὑψω-<br>θήσονται ἐν τῇ γῇ (13 α, 13 α)<br>56 (57). 5, 11. ὑψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανούς, ὁ θεός (18 α)<br>60 (61). 2. ἐν πέτρῃ ὑψώσε με (18 α)<br>63 (64). 7. ὑψωθήσεται ὁ θεός (18 α)<br>65 (66). 7. μὴ ὑψούσθωσαν ἐν ἑαυτοῖς (18 α, 18 α*)<br>— 17. ὑψώσα ὑπὸ τὴν κλῶσάς μου (18 α)<br>74 (75). 4. μὴ ὑψούτε κέρας (18 α)<br>— 7. τοῖτον ὑψοί (18 α)<br>— 10. ὑψωθήσονται τὰ κέρατα τοῦ δικαίου (18 β)<br>87 (88). 15. ὑψώσεις δὲ ταπεινώθη (8 α)<br>88 (89). 3. B' ὑψώσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λαοῦ μου —<br>— 13. ὑψωθήσεται ἡ δεξιὰ σου (18 α)<br>— 16. ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου ὑψωθήσονται (18 α)<br>— 17. ὑψωθήσεται τὸ κέρας ἡμῶν (18 α, 18 α*)<br>— 19. ὑψώσα ἐκλεκτὸν ἐκ τοῦ λαοῦ μου (18 α)<br>— 24. ὑψωθήσεται τὸ κέρας αὐτοῦ (18 α)<br>— 42. ὑψώσας τὴν δεξιάν των ἐχθρῶν αὐ. (18 α)<br>91 (92). 10. ὑψωθήσεται ὡς μονοκέρωτος τὸ<br>κέρας μου (18 α)<br>93 (94). 2. ὑψωθήσεται ὁ κρίνον τὴν γῆν (8 β)<br>98 (99). 5, 9. ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (18 β)<br>106 (107). 25. ὑψώθη τὰ κύματα αὐτῆς (18 β)<br>— 32. ὑψωσάτωσαν αὐτὸν ἐν ἐκκλησίᾳ λαοῦ (18 β)<br>107 (108). 5. ὑψωθήσεται ἐπὶ τοὺς οὐρανούς, ὁ θεός (18 α)<br>— 7. ὑψωθήσονται καὶ διαμεριῶ Σικαμῶν (18 α)<br>109 (110). 7. διὰ τοῦτο ὑψώσεται κεφαλὴν (18 α)<br>111 (112). 9. τὸ κέρας αὐτοῦ ὑψωθήσεται ἐν δόξῃ (18 α)<br>117 (118). 16. δεξιὰ κυρίου ὑψώσε με (18 α)<br>— 28. θεός μου εἰ σὺ καὶ ὑψώσω σε (18 β)<br>130 (131). 1. οὐχ ὑψώθη ἡ καρδιά μου (8 α)<br>— 2. B ὑψώσα τὴν ψυχὴν [A καρδίαν] μου (18 β)<br>139 (140). 8. μὴ ποτε ὑψωθῶσι (18 α)<br>144 (145). 1. ὑψώσω σε ὁ θεός μου ὁ βασις μου (18 β)<br>— 7. A' τὴν δικαιοσύνην σου ὑψωθήσονται [B S<br>ἀγαλλίσονται] (14)<br>148. 13. ὑψώθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ μόνου (18 α)<br>— 14. ὑψώσει κέρας λαοῦ αὐτοῦ (18 α)<br>149. 4. ὑψώσει πραεὶς ἐν σωτηρίᾳ (10)<br>Pr. 3. 35. οἱ δὲ ἀσεβεῖς ὑψώσαν ἀτιμίαν (18 α)<br>4. 8. περιχάρακον αὐτὴν καὶ ὑψώσει σε (18 β)<br>11. 11. A' B' ἐν εὐλογίᾳ εὐθειῶν ὑψωθήσεται<br>πόλις (18 α)<br>14. 34. δικαιοσύνη ὑψοῖ ἔθνος (18 β)<br>15. 10. αὐτῷ δὲ προσδραμόμενος δικαίος ὑψοῦνται (18 α)<br>— 12. πρὸ συντριβῆς ὑψοῦται καρδιά ἀνδρός (8 α)<br>Si. 15. 5. ὑψώσει αὐτὸν παρὰ τὸν πλησίον αὐτοῦ<br>48. 30. δοξάζοντες κύριον ὑψώσαστε καθ' ὅσον ἂν<br>δυνάσθε<br>— 30. ὑψοῦντες αὐτὸν πληθύνετε ἐν ἰσχύϊ<br>45. 6. Ἀαρὼν ὑψώσαν [B ἀνιψ.] ἄγων ὁμοῖον αὐτῷ<br>50. 10. ὡς ἐπιπράστους ὑψομένην ἐν νεφελαῖς<br>— 22. τὸν [A om.] ὑψοῦντα ἡμέρας ἡμῶν ἐκ μήτρας<br>Ho. 11. 7. καὶ σὺ μὴ ὑψώσῃς αὐτὸν (18 β)<br>18. 6. ὑψώθησαν αἱ καρδίαι αὐ. (18 α)<br>Mi. 5. 9 (8). ὑψωθήσεται ἡ χεὶρ σου (18 α)<br>6. 12. B ὑψώθητι [A B -θη] ἐν τῷ στόματι αὐ. +<br>Ob. 1. 3. ὑψὼν κατοικίαν αὐ. (18 α)<br>Hb. 2. 19. ὁ λέγων . . . τῷ λίθῳ, ὕψωθητι +<br>Is. 1. 2. οἶκός ἐγγίνησα καὶ ὑψώσα (18 β)<br>2. 2. ὑψωθήσεται ὑπεράνω τῶν βουνῶν (8 β)<br>— 11, 17. ὑψωθήσεται κύριος μόνος (18 α)<br>8. 16. ὑψώθησαν αἱ θυγατέρες Σιών (8 α)<br>4. 2. τοῦ ὑψώσαι καὶ δοξάσαι τὸν καταλειφθέν (8 α)<br>5. 16. ὑψωθήσεται κύριος σαδωβ (8 α)<br>10. 15. ὑψωθήσεται πρὶαν ἀνευ τοῦ ἔλκοντος<br>αὐτόν (5 δ)<br>12. 4. ὑψώθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ (18 α)<br>— 6. ὑψώθη ὁ ἄγγελος τοῦ Ἰσραὴλ (5 α)<br>13. 2. ὑψώσαστε τὴν φωνὴν αὐτοῦ (18 α)<br>14. 26. B' αὐτῇ ἡ χεὶρ ἡ ὑψώθη [A B S' ἡ ὑψηλῇ] (7)<br>19. 13. ὑψώθησαν οἱ ἀρχόντες Μεμφεως +<br>23. 4. οὐδὲ ὑψώσα παρθένους (18 β)<br>28. 29. ὑψώσατε ματαίαν παράκλησιν (8 α)<br>30. 18. ὑψωθήσεται τοῦ ἐλεήσει ἡμᾶς (18 α)<br>33. 10. νῦν ὑψωθήσονται (8 β)<br>37. 23. πρὸς τίνα ὑψώσας τὴν φωνὴν σου (18 α)<br>40. 9. ὑψώσω τῇ ἰσχύϊ τὴν φωνὴν σου . . .<br>ὑψώσας (18 α, 18 α) | Is. 40. 25. τίμι με ἁμολοῦσάτε καὶ ὑψωθήσονται<br>51. 18. ἀπὸ πάντων τῶν υἱῶν σου ὡς ὑψώσας (8 β)<br>52. 8. φωνὴ τῶν θυλασσόντων σε ὑψώσας (8 α)<br>— 13. ὑψωθήσεται καὶ δοξασθήσεται σφόδρα<br>(13 α + 8 β)<br>58. 1. ὑψώσω τὴν φωνὴν σου (18 α)<br>68. 9. ὑψώσω αὐτοὺς πάσας τὰς ἡμέρας τοῦ<br>αἰῶνος (8 α)<br>Je. 17. 12. θρόνος δόξης ὑψωμένος [A -σύμ.] (18 α)<br>29 (49). 16. ὑψώσω [A ἐν ὑψώσεσιν] ὥσπερ<br>ἀετὸς νοστίαν αὐτοῦ (8 β)<br>31 (48). 29. ὑψώθη ἡ καρδιά αὐτοῦ (18 α)<br>38 (31). 37. ἐὰν ὑψώθῃ ὁ οὐρανός εἰς τὸ μετέωρον +<br>La. 2. 17. ὑψώσε κέρας [A κεφαλῆς] θλιβόντες (18 α)<br>Ez. 17. 24. ἐγὼ κύριος ὁ . . . ὑψῶν ἐξ ὧν τα-<br>πεινῶν (8 β)<br>19. 11. ὑψώθη [A add. ἐν] τῷ μεγεθί αὐτῆς (8 α)<br>21. 22 (27). ὑψώσαι φωνὴν μετὰ κραυγῆς (18 α)<br>— 26 (31). ὑψώσας τὸ ταπεινόν (8 β)<br>28. 2. ἀνθ' οὗ ὑψώθη σου ἡ καρδιά (8 α)<br>— 5. ὑψώθη ἡ καρδιά σου (8 α)<br>— 17. ὑψώθη ἡ καρδιά σου ἐπὶ τῷ κἀλλει σου (8 α)<br>29. 15. οὐ μὴ ὑψώθῃ ἐπὶ τὰ ἔθνη (8 α)<br>31. 4. ἡ ἀβυσσὸς ὑψώσων αὐτόν (18 β)<br>— 5. ἔσκεν τοῦτο ὑψώθῃ τὸ μέγεθος αὐτοῦ (8 α)<br>— 5. A ὑψώθησαν αἱ παραφροναὶ αὐτοῦ (1 α)<br>— 10. εἶδον ἐν τῷ ὑψωθῆναι αὐτόν (8 α)<br>— 14. ἔπαυε μὴ ὑψωθῶν ἐν τῷ μεγεθί αὐτῶν<br>(8 α)<br>Da. LXX. 4. 19. ὑψώθηκε ὑπὲρ πάντας τοὺς<br>ἀνθρώπους —<br>— 19. ὑψώθη σου ἡ καρδιά ὑπερηφανίᾳ (8 α)<br>8. 4. ἐποίησεν ὥς ἤθελε καὶ ὑψώθη (8 α)<br>— 10. ὑψώθη ὡς τῶν ἀστέρων τοῦ οὐρανοῦ (8 α)<br>— 25. ἡ καρδιά αὐ. ὑψωθήσεται (8 α)<br>11. 12. ὑψωθήσεται ἡ καρδιά αὐ. (18 α)<br>— 36. ὑψωθήσεται ἐπὶ πάντα θεόν (8 α)<br>— 37. ἐν παντί ὑψωθήσεται (5 δ)<br>12. 1. ὑψωθήσεται πᾶς ὁ λαός +<br>— 7. ὑψώσε τὴν δεξιάν . . . εἰς τὸν οὐρανόν (18 α)<br>Da. TH. 5. 19. A' B' ὅς ἐστι ἡβοῦτο αὐτὸς ὑψοί<br>[B' B' ὑψοί] (18 α)<br>— 20. ὅτε ὑψώθη ἡ καρδιά αὐ. (18 α)<br>— 23. ἐπὶ τὸν κύριον θεόν τὸν οὐρ. ὑψώθηκε (18 α)<br>11. 12. ὑψωθήσεται ἡ καρδιά αὐ. (18 α)<br>— 36. ὑψωθήσεται ὁ βασις. (18 α)<br>12. 7. ὑψώσε τὴν δεξιάν αὐ. (18 α)<br>I Ma. 1. 3. A B καὶ ὑψώθη<br>— 4. B καὶ ὑψώθη<br>8. 13. καὶ ὑψωθήσαν σφόδρα<br>11. 16. ὁ δὲ βασις. Πτ. ὑψώθη<br>— 26. ὑψώσαν αὐτὸν ἐναντίον πάντων τῶν φίλων αὐ.<br>12. 36. ὑψώσαι ὑψος μέγα<br>13. 27. καὶ ὑψώσαν αὐτὸν τῇ δόρσει<br>14. 35. ὑψώσαι τὸν λαόν αὐ.<br>— 37. ὑψώσε τὰ τεῖχη Ἱερ.<br>16. 13. ὑψώθη ἡ καρδιά αὐ.<br>[Aq. Ge. 41. 44 : Dt. 8. 14 : III Ki. 14. 7 :<br>Ps. 7. 26 (27). 5, 6 : 60 (61). 3 : Ez. 10.<br>4 : 21. 26 (31) : 31. 10 : Za. 14. 10.]<br>[Snn. Nu. 24. 7 : Jb. 5. 7 : 17. 4 : Ps. 9. 25<br>(10. 4) : 11 (12). 9 : 23 (24). 7 : 27 (28).<br>9 : 65 (66). 7, 17 : 74 (75). 8 : 88 (89). 20 :<br>Pr. 2. 3 : 17. 19 : Is. 7. 11 : 33. 3 : 40. 4 :<br>55. 9 : Ez. 10. 16 : Za. 14. 10.]<br>[Th. Dt. 8. 14 : Jb. 17. 4 : 39. 18 : Pr. 11.<br>11 : 17. 19 : Is. 7. 11 : 55. 9 : 61. 6 : Ez. 31.<br>5, 10 : Za. 14. 10.]<br>[Al. Ex. 14. 16 : Lk. 4. 8, 10 : Nu. 6. 26 : Ps.<br>180 (181). 1 : 139 (140). 9.]<br>[Quint. Ps. 26 (27). 6.]<br>ὑψωμα.<br>Ju. 10. 8. εἰς γαιρίαμα υἱῶν Ἰσρ. καὶ ὑψωμα Ἱερ.<br>13. 4. ἐπιβλήσαν . . . εἰς ὑψωμα Ἱερ.<br>15. 9. σὺ ὑψωμα Ἱερ.<br>Jb. 24. 24. πολλοὺς γὰρ ἐκάκωσε τὸ ὄ. αὐτοῦ +<br>[Aq. Dt. 32. 13 : I Ki. 9. 12 : Ps. 17 (18). 34 :<br>Ec. 10. 6 : Ez. 6. 6 : 20. 29.]<br>[Snn. Ps. 73 (74). 3 : Is. 33. 16.]<br>[Th. Ex. 28. 39 : Is. 33. 16.]<br>[Al. Lk. 28. 30.]<br>ὑψωσις. (1) 𐤕𐤓𐤕<br>Ps. 149. 6. αἱ [S om.] ὑ. τοῦ θεοῦ ἐν λάρυγγι αὐτῶν (1)<br>[Aq. Jd. 15. 17 : Is. 33. 3.]<br>[Th. Is. 33. 3.] |
|--|---|--|



**φάβη.**  
[Th. Lx. 19. 27. bis.]  
[Al. Lx. 19. 9: 21. 5: 23. 22.]

**φαγαδεύει.**  
[Th. Jc. 31 (38). 40.]

**φαγαλοειμ.**  
[Th. Jc. 31 (38). 40 (Sw.).]

**φαγορείμ.**  
[Aq. Jc. 31 (38). 40.]

**φαγδαίνα.**  
[Aq. Dt. 7. 23: 28. 20: 1 Ki. 5. 11, 12: 14. 20: Ez. 7. 7.]

**φαγεδαίνειν.**  
[Aq. 1 Ki. 5. 6: 7. 10.]

**φαγεδαίνον.**  
[Aq. Dt. 7. 23.]

**φαγεῖν, vid. sub ἐσθίειν.**

**φάξ.** (1) ἦ  
Ca. 5. 11. Α Β κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον καὶ φάξ [B κεφάξ] (1)

**φαιδρός.**  
IV Ma. 13. 13. ἀλλήλους ὁμοῦ πάντες ἐφορῶντες φαιδροί

**φαιδρύνειν.**  
[Al. Ps. 19 (20). 4.]

**φαίνειν.** (1) α. ἦ hi. δ. ἦ hi. (2) ἦ hi. (3) ἦ hi. (4) ἦ hi. (5) ἦ hi. (6) ἦ hi. (7) ἦ hi. (8) ἦ hi. (9) ἦ hi. (10) ἦ hi. (11) ποτηρὸν φαίνεσθαι α. ἦ hi. δ. ἦ hi. (12) σκληρὸν φαίνεσθαι α. ἦ hi. δ. ἦ hi. (13) ποτηρὸν εἶναι ἦ hi.

Ge. 1. 15, 17. ὥστε φαίνειν ἐπὶ τῆς γῆς (1 α)  
21. 11. σκληρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα σφόδρα (12 β)  
30. 37. ἐφαίνετο δὲ ἐπὶ ταῖς ῥάβδους τὸ λευκόν —  
35. 7. Β ἐκεῖ γὰρ ἐφάνη [Α ἐπεφ.] αὐτῷ δ θ. (4)  
— 21 (22). ποτηρὸν ἐφάνη ἐναντίον αὐτοῦ  
38. 10. ποτηρὸν δὲ ἐφάνη τὸ ῥῆμα ἐναντίον τοῦ θ. (11 β)  
42. 15. ἐν τούτῳ φαίνεσθαι (2)  
45. 5. μηδὲ σκληρὸν ἔμιν φαίνεσθαι (12 α)  
Ex. 25. 36 (37). φανοῦσιν ἐκ τοῦ ἐνὸς προσώπου (1 α)  
Nu. 23. 3. εἰ μοι φαίνεται δ θ. ἐν συναυτήσιν (9)  
— 4. ἐφάνη δ θ. τῷ Β. (9)  
I Ki. 18. 8. ποτηρὸν ἐφάνη τὸ ῥῆμα ἐν ὁφθ. 2. (11 α + 11 β)  
20. 26. σύμπωμα φαίνεται μὴ καθαρὸς εἶναι —  
II Ki. 11. 27. ποτηρὸν ἐφάνη τὸ ῥῆμα (11 β)  
III Ki. 6. 18. Α οὐκ ἐφαίνετο λίθος (10)  
22. 32. φαίνεται βασιλεὺς Ἰσρ. οὗτος —  
I Ch. 21. 7. Α ποτηρὸν ἐφάνη [B om.] ἐναντίον τοῦ θεοῦ (11 β)  
I Es. 2. 21. ὅπως ἂν [Α ἐάν] φαίνηται σοι  
8. 5. οὐ ἂν φαῖν τὸ ῥῆμα αὐ. σφώτερον τοῦ ἐτέρου  
II Es. 7. 20. δ ἂν φαῖν σοι δοῦμαι (8)  
Ne. 4. 1 (8. 33). ποτηρὸν αὐτῷ ἐφάνη [A B ἦν αὐ.] (11 α [18])  
— 7 (1). ποτηρὸν αὐτοῖς ἐφάνη σφόδρα (11 α)  
13. 8. ποτηρὸν μοι ἐφάνη σφόδρα (11 β)  
To. 6. 17. Β οὐκ ἐμὴ φαῖν περὶ αὐτήν [A B al.]  
Ps. 76 (77). 18. Β<sup>3</sup> Β<sup>2</sup> ἐφαναν αἱ ἀστραπαὶ σου τῇ οἰκουμένῃ (1 α)  
98 (97). 4. ἐφαναν αἱ ἀστραπαὶ αὐ. τῇ οἰκουμ. (1 α)  
Pr. 11. 31. ὁ ἀσεβὴς καὶ ἀμαρτωλὸς ποῦ φαίνεται —  
21. 2. πᾶς ἀνὴρ φαίνεται αὐτῷ δίκαιος (8)  
23. 5. Α Β<sup>2</sup> Β οὐδαμοῦ φαίνεται [B Β<sup>1</sup> πεσεῖται] —

Pr. 24. 40 (25). οἱ δὲ ἐλέγχοντες βελτίους φανοῦνται +  
26. 5. ἵνα μὴ φαίνηται σοφὸς παρ' αὐτοῦ (5)  
— 16. σφώτερος αὐτῷ ὁκνηρὸς φαίνεται (8)  
27. 7. ψυχὴ δὲ ἐνδεεὶ καὶ τὰ περὶ γλυκεῖα φαίνεται [B<sup>1</sup> φέρε] —  
Wi. 8. 15. ἐν πλήθει φανοῦμαι ἀγαθός  
Is. 32. 2. φανήσεται ἐν Σιών ὡς ποταμός  
47. 3. φανήσονται οἱ ἐνεδισμοὶ σου (10)  
60. 2. ἐπὶ δὲ σὶ φανήσεται κύριος (7)  
Ez. 32. 7. σελήνη οὐ μὴ φάνη τὸ φῶς αὐ. [A al.] (1 α)  
— 8. πάντα τὰ φαίνοντα φῶς ἐν τῷ ὠρανῷ συσκοτάσουσιν (1 β)  
Da. LXX. Su. 12. τίς φανήσεται αὐτῇ πρότερος  
1. 13. ἐάν φανῇ ἡ θύς ἡμῶν διατετραμμένη (10)  
— 15. ἐφάνη ἡ θύς αὐ. καλὴ (10)  
12. 3. οἱ συνιέντες φανοῦσιν (6)  
I Ma. 4. 50. Α Β ἐφάινονσαν [B -νον] ἐν τῷ καφῷ  
11. 12. ἐφάνη ἡ ἐχθρὰ αὐτῶν  
II Ma. 1. 33. εἰς τὸν τόπον . . . τὸ ὕδωρ ἐφάνη  
8. 25. ἐφαίνετο χρυσὴν πανοπλίαν ἔχων  
— 26. ἑτεροὶ δὲ δύο ἐφάνησαν αὐτῷ νεανίαι  
— 33. οἱ αὐτοὶ νεανίαι πάλιν ἐφάνησαν τῷ Ἡλ.  
5. 2. συνέβη δὲ . . . φαίνεσθαι . . . τρέχοντας ἡπτεῖς  
6. 27. τοῦ μὲν γήριος ἀξίως φανήσομαι  
7. 22. οὐκ οἶδ' ὅπως εἰς τὴν ἐμὴν ἐφάνητε κοιλίαν  
10. 29. ἐφάνησαν τοῖς ὑπεναντίοις . . . πέντε ἄνδρες  
11. 8. ἐφάνη προηγουμένους αὐτῶν ἔφιππος  
12. 9. Β ὥστε φαίνεσθαι [A ἐπιφ.] τὰς αὐγὰς  
— 16. καταρρεῖν τὸ αἷμα πεπληρωμένην φαίνεσθαι  
— 36. ἐπικαλεσάμενος Ἰ. τὸν κύριον σύμμαχον φανῆναι καὶ προσοτρῆναι φανῆναι τοῦ πολέμου  
14. 20. φανείσθαι ὁμοιότητι συγγνώμης  
III Ma. 2. 30. ἵνα δὲ μὴ τοῖς πᾶσιν ἀπεχθόμενος φαίνηται  
3. 4. ἐνίοι ἀπεχθεῖς ἐφάινοντο  
— 29. ἀχρηστος φανήσεται εἰς τὸν αἰὲ χρόνον  
IV Ma. 1. 3. εἰ ἄρα τῶν . . . παθῶν ὁ λογισμὸς φαίνεται ἐπικρατεῖν  
— 32. καὶ τοῦτων ἀφοστέρων ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν φαίνεται  
2. 4. τὴν . . . ὁστρογαστρίαν ἐπικρατεῖν ὁ λογισμὸς φαίνεται  
— 15. κρατεῖν ὁ λογισμὸς φαίνεται  
8. 1. οὐ γὰρ τῶν αὐτοῦ παθῶν ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν φαίνεται [B<sup>1</sup> al.]  
4. 23. Β εἴ τινας αὐτῶν φάνοιεν [A φάνειν, B φανείν]  
7. 20. οὐδὲν οὐδ' ἐναντιοῦται τὸ φαίνεσθαι τινος παθοκρατεῖσθαι  
[Aq. Gr. 1. 15, 17: Ps. 80 (81). 17: 72 (78). 16.]  
[Sm. Gr. 38. 1: Ex. 4. 6: 18. 21: 14. 20: Jo. 5. 13: Jd. 4. 21, 22: I Ki. 1. 23: 22. 6: III Ki. 6. 18: JB. 32. 1: Ps. 72 (78). 7, 16: 89 (90). 8, 16: 117 (118). 23: 138 (139). 12: Ec. 2. 17: 6. 17: Jc. 10. 8: 26 (38). 14: 32 (39). 21: Ez. 20. 43: Am. 7. 7.]  
[Th. Ex. 18. 21: Ps. 72 (78). 16.]  
[Sam. Ex. 14. 20.]

**φαιός.** (1) ΒΠ (2) ἦ  
Ge. 30. 32. διαχώρισον ἐκείθεν πᾶν πρόβατον θ. (2 + 1)  
— 33. δ ἐάν μὴ ἦ . . . φαῖν ἐν τοῖς ἀρνασι (1)  
— 35. Β πᾶν δ ἦν φ. ἐν τοῖς ἀρνασι [A al.] +  
— 35. Α δ ἦν φ. ἐν τοῖς ἀρνασι [B al.] (1)

**φακός.** (1) ἦ (2) ἦ (3) ἦ  
Ge. 26. 34. καὶ ἐγένετο φακοῦ (1)  
I Ki. 10. 1. ἔλαβε Σαμ. τὸν φ. τοῦ ἐλαίου (1)  
26. 11. λάβε . . . τὸν φ. τοῦ ὕδατος (8)  
— 12. ἔλαβε . . . τὸν φ. τοῦ ὕδατος (8)  
— 16. τὸ δόρυ τοῦ βασ. καὶ ὁ φ. τοῦ ὕδατος (8)  
II Ki. 17. 28. ἤνεγκαν . . . κύμαον καὶ φακόν (1)  
23. 11. ἦν ἐκεῖ μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρη φακοῦ (1)  
IV Ki. 9. 1. λάβε τὸν φ. τοῦ ἐλαίου τούτου (2)  
— 3. λήψῃ τὸν φ. τοῦ ἐλαίου (2)  
Ez. 4. 9. λάβε σιταὺς πυρούς . . . καὶ φακόν (1)

**φαλαγαῦ.**  
[Heb. Ps. 45 (46). 5.]

**φάλαγξ.**  
I Ma. 6. 35. Β Β διεῖλον τὰ θηρία εἰς τὰς φ. [A φάρ.]  
— 38. καταφρασσόμενοι ἐν ταῖς φ.  
— 45. Β Β ἐπέδραμεν . . . εἰς μέσον τῆς φ. [A φάρ.]  
9. 12. ἤγγισεν ἡ φ. ἐκ τῶν δυο μερῶν  
10. 82. Α Β<sup>2</sup> συνήψε πρὸς τὴν φ. [B<sup>1</sup> Β φάρ.]

**φαλακρός.** (1) ἦ (2) ἦ  
Le. 13. 40. φαλακρὸς ἐστὶ (2)  
IV Ki. 2. 23. Α ἀνάβαινε, φαλακρὲ, ἀνάβαινε, φαλακρὲ [B om.] (2, 2)  
Ez. 29. 18. πᾶσα κεφαλὴ φαλακρά [A -ρωμα] (1)  
[Th. Ez. 29. 18+.]

**φαλακροῦν.** (1) ἦ hi.  
Ez. 27. 31. Α φαλακρῶσουσιν ἐπὶ σὲ φαλακρῶματα (1)  
[Aq. Jc. 16. 6.]  
[Th. Ez. 27. 31.]

**φαλάκρωμα.** (1) α. ἦ (2) ἦ (3) ἦ  
d. ἦ hoph.  
Le. 13. 42. ἐὰν δὲ γίνηται ἐν τῷ φ. αὐ. . . ἀφ' ἑαυτοῦ (1 c)  
— 42. λέπρα ἐστὶν ἐν τῷ φ. αὐ. (1 c)  
— 43. ἡ ὕψις τῆς ἀφῆς λευκὴ ἡ πυρρὶζουσα ἐν τῷ φ. αὐ. (1 c)  
21. 5. φαλάκρωμα οὐ ξυρηθῆσθε τὴν κεφ. (1 b)  
De. 14. 1. οὐκ ἐπιθήσετε φαλάκρωμα (1 b)  
Am. 8. 10. ἀναβιβᾷ . . . ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φαλάκρωμα (1 b)  
Is. 8. 24. φ. ἔξεις διὰ τὰ ἔργα σου (1 b)  
16. 2. ἐπὶ πάσης κεφαλῆς φ. (1 b)  
Jer. 29 (47). 5. ἦκει φ. ἐπὶ Γάβαν (1 b)  
Ez. 7. 18. ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φ. (1 b)  
27. 31. Α φαλακρῶσουσιν ἐπὶ σὲ φαλακρῶματα (1 a)  
29. 18. Α πᾶσα κεφαλὴ φ. [B -κρά] (1 d)  
[Th. Ez. 27. 31: 29. 18+.]

**φαλάκρωσις.**  
[Aq. Sm. Mi. 1. 16.]

**φалантρωма.** (1) ἦ  
Le. 13. 43. Β ἡ ἐν τῷ φ. [A B ἀσφ.] αὐτοῦ (1)

**φαλέ.**  
[Th. Lx. 19. 27.]

**φανάγ.**  
[Sm. Ez. 27. 17.]

**φάναι.** (1) ἦ (2) ἦ (3) ἦ  
ψευδῇ με λέγειν ἦ hi.  
Ge. 24. 47. ἡ δὲ ἔφη (1)  
Ex. 2. 6. καὶ ἔφη (1)  
Nu. 24. 3. φησὶ Β. υἱὸς Βεῶρ  
— 3. φησὶν ὁ ἄνθρωπος ὁ ἀληθινὸς ὁρῶν (2)  
— 4. φησὶν ἀκούων λόγια θεοῦ (2)  
— 15. φησὶ Β. υἱὸς Βεῶρ (2)  
— 15. φησὶν ὁ ἄνθρωπος ὁ ἀληθινὸς ὁρῶν (2)  
I Ki. 2. 30. καὶ νῦν φησὶ κύριος (2)  
IV Ki. 9. 26 bis: II Ch. 84. 27. φησὶ κύριος (2)  
I Es. 8. 18. καὶ ἔφη οὕτως +  
II Es. 4. 17. Β καὶ φησὶν [A B φάσιν]  
Ju. 13. 3. ἐξελεύσεται γὰρ ἔφη (1)  
Es. 10. 3. δε ἔφη εἶμαι ἱερεὺς  
— 3. ἦν ἔφασαν εἶναι (1)  
Jb. 24. 25. τίς ἐστὶν ὁ φάμενος [B<sup>1</sup> λέγων] ψευδῇ με λέγειν (8)  
Ps. 85 (86). 1. φησὶν ὁ παράνομος τοῦ ἀμαρτάνειν ἐν ἐαυτῷ (2)  
Pr. 24. 55 (30. 20). οὐδὲν φησὶ πεπραχέναι ἄποπον (1)

|  |     |   |        |   |         |
|--|-----|---|--------|---|---------|
| Ca. 2. 4. Β ταῖς νεάνισιν ἡ νύμφη φησὶν  | —   | Is. 33. 9. φανερά ἔσται ἡ Γαλιλαία                                      | †      | Jo. 17. 9. καταβήσεται τὰ ὄρια ἐπὶ φάραγμα Κ.   | —       |
| Wi. 15. 12. δεῖν γὰρ φησὶν [Α φασιν] ὅθεν δὴ [B om. δ. δὴ] κἀν [Α καὶ] ἐκ κακοῦ πορίζει  | —   | 64. 2 (1). φανερόν ἔσται τὸ θροῦμά σου [Α Β κυρίου] ἐν τοῖς ὑπεναυτίοις | (3 a)  | ἐπὶ λίβρα κατὰ φάραγμα [Α τῆν φ.]   | (4, 4)  |
| Za. 2. 5 (9). Α φησὶν [Β Β λέγει] κύριος   | (2) | Ep. Je. 51. φανερόν ἔσται ὅτι οὐκ εἰσὶ θεοὶ                             | —      | 19. 11. συνάψῃ ἐπὶ Β. εἰς τὴν φ.  | (4)     |
| Je. 2. 3: 9. 3 (2) (B), 6 (5) (B): 23. 12 (A): 26. 12 (A): 27 (50). 20 (A): 30 (49). 2, 26: 81 (48). 12, 35, 38: 84 (27). 14 (15): 86 (29). 23: 87 (80). 3, 17, 21: 88 (81). 20, 27, 28. φησὶ κύριος | (2) | Da. LXX. 8. 18. καὶ τότε φανερόν σοι ἔσται                              | (8 b)  | II Ki. 24. 5. ἐκ δεξιῶν τῆς πόλεως τῆς ἐν μέσῳ τῆς φ. Γ.  | (4)     |
| 38 (81). 31. φησὶ [Α Β λέγει] κύριος   | (2) | I Ma. 15. 9. ὥστε φανερόν γινέσθαι τὴν δόξαν ὑμῶν                       | —      | IV Ki. 23. 10. τὸν Τ. τὸν ἐν φάραγμα υἱοῦ 'Ε.   | —       |
| — 32, 33. φησὶ κύριος  | (2) | II Ma. 1. 33. ὥς δὲ φανερόν ἐγενήθη τὸ πρᾶγμα                           | —      | II Ch. 14. 10 (9). παρτάξατο πόλεμον ἐν τῇ φ.   | (2)     |
| — 36. φησὶ κύριος  | (2) | 6. 30. τῷ κυρίῳ τῷ τὴν ἀγίαν γνώσιν ἔχοντι φανερόν ἔστιν                | —      | 26. 9. Α Β' καὶ ἐπὶ τὴν πύλιν γωνίας τῆς φ. [B² B. al.]   | (2)     |
| — 37, 36. φησὶ κύριος  | (2) | 9. 8. φανερόν τοῦ θεοῦ πᾶσι τὴν δύναμιν ἐνδεικνύμενος                   | —      | 82. 6. ἐπὶ τὴν πλατείαν τῆς πύλης τῆς φ.  | †       |
| — 36. Α φησὶν κύριος   | —   | 12. 41. τοῦ τὰ κεκρυμμένα φανερά ποιοῦντος                              | —      | Ne. 2. 15. ἤμην ἐν [B add. τῇ] πύλῃ τῆς φ.  | (2)     |
| — 38: 41 (34). 22: 46 (39). 18: 49 (42). 11. φησὶ κύριος   | (2) | 15. 35. καὶ φ. τῆς τοῦ κ. βοηθείας σημείον                              | —      | 8. 13. τὴν πύλιν τῆς φ. ἐκράτησαν   | (2)     |
| Ep. Je. 20. τὰς δὲ καρδίας αὐτῶν φασιν ἐκλείχσθαι  | —   | III Ma. 6. 18. κατέβησαν φανεροὶ πᾶσι πλην τοῖς 'Ιουδ.                  | —      | 11. 30. B² εἰς φάραγος 'Εννόμ   | (2)     |
| Ez. 13. 7. Α φησὶν κύριος  | (2) | [ΑΙ. I Ki. 22. 8.]  | —      | Ju. 2. 8. πληρώσουσι τὰς φ. αὐ.   | —       |
| 35. 13. Α φησὶν κύριος   | —   | φανεροῦν. (1) πῶ ri.  | —      | 7. 4. οὐτε αἱ φ. . . ὑποστήσονται τὸ βάρος αὐ.  | —       |
| II Ma. 3. 37. τοῦ δὲ βασι. ἐπερωτήσαντος . . . ἔφησεν  | —   | Je. 40 (38). 6. φανερώσω [Α -ροῖ] αὐτοῖς [Α Β add. εἰσακούσιν]          | (1)    | 11. 17. Α Β ἐξελεύσεται ἡ δούλη σου . . . εἰς τὴν φ.  | —       |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | [Α. Q. Jd. 33 (40). 6.]   | —      | 12. 7. Α Β ἐξεπορεύετο . . . εἰς τὴν φ. Βαυτ.   | —       |
| — 18. μέλλων ἀποθνήσκειν ἔφη   | —   | [ΑΙ. Ps. 50 (51). 8.]   | —      | 13. 10. ἐκύκλωσαν τὴν φ. ἐκείνη   | —       |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | φανερώς.  | —      | Ps. 59 (60). 11. ἐπάταξε τὴν φ. τῶν δαδῶν   | (2)     |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | II Ma. 3. 28. φ. τὴν τοῦ θ. δυναστείαν ἐπεγκυκλῶτα                      | —      | 108 (104). 10. ὁ ἐξαποστέλλων πηγάς ἐν φάραγμα  | (4)     |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | φαντάζεσθαι.  | —      | Pr. 24. 52 (30. 17). ἐκούψαντες [Α -κολάψαντες]   | —       |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | Wi. 6. 16. ἐν ταῖς τριβύραις φαντάζεται αὐτοῖς εὐμενὲς                  | —      | αὐτὸν κόρακες ἐκ τῶν φ.   | (4)     |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | Si. 81 (34). 5. ὥς ὠδυνοῦσες φαντάζεται καρδία                          | —      | Mi. 6. 2. καὶ αἱ φ. θεμέλια τῆς γῆς   | †       |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | [Α. Q. Jd. 33 (40). 6.]   | —      | Za. 14. 5. φραχθήσεται ἡ φ. ὁρίων μου   | (2)     |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | [ΑΙ. Ps. 50 (51). 8.]   | —      | — 5. ἐγκολλήσεται φάραγξ ὁρίων εἰς 'Ι.  | (2)     |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | φανερώς.  | —      | Is. 7. 19. ἐν ταῖς φ. τῆς χώρας   | (4)     |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | II Ma. 3. 28. φ. τὴν τοῦ θ. δυναστείαν ἐπεγκυκλῶτα                      | —      | 8. 7. ἀναβήσεται ἐπὶ πᾶσαν φάραγμα ὑμῶν   | (1)     |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | φαντάζεσθαι.  | —      | 10. 29. παρελεύσεται φάραγμα  | (2)     |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | Wi. 6. 16. ἐν ταῖς τριβύραις φαντάζεται αὐτοῖς εὐμενὲς                  | —      | 11. 15. πατάξει ἐπὶ φάραγας   | (4)     |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | Si. 81 (34). 5. ὥς ὠδυνοῦσες φαντάζεται καρδία                          | —      | 15. 7. ἐπάξω γὰρ ἐπὶ τὴν φ. 'Αραβας   | (4)     |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | [Α. Q. Is. 56. 10.]   | —      | 17. 5. ἐάν τις συναντήσῃ στάχυν ἐν φάραγμα  | —       |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | φαντασία. (1) ἱππ   | —      | στερεὰ  | (5)     |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | Wi. 18. 17. φαντασία μὲν ὑπὲρ τῶν δεινῶν [Α Β -ὄν]                      | —      | 22. 1. τὸ ῥῆμα [Α δρᾶμα] τῆς φ. Σιών  | (2)     |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | ἐξέταρασαν αὐτοῖς   | —      | — 5. ἐν φάραγμα Σιών πλανώμεται   | (2)     |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | Hb. 2. 18. ἐπλάσεν αὐτὸ χώνευμα φ. ψευδῇ                                | +      | — 7. ἔσονται αἱ [B om.] ἐκείναι φάραγες σου   | (5)     |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | — 19. καὶ αὐτὸ ἐστὶ φαντασία  | +      | 28. 21. ἔσται ἐν τῇ φ. Γαβῶν  | (5)     |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | 8. 10. ὕψος φαντασίας   | +      | 30. 28. ὥς ὕδαρ ἐν φάραγμα σῦρον  | (4)     |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | Za. 10. 1. κύριος ἐποίησε φαντασίας                                     | (1)    | — 33. φάραγμα βαθεῖαν . . . ὥς φ. ὑπὸ θείου   | —       |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | φαντασιοκοπία.  | —      | καυμένη   | (-, 4)  |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | Si. 4. 30. μὴ ἴσθι . . . φαντασιοκοπῶν ἐν τοῖς οὐκέταις σου             | —      | 84. 9. στραφήσονται αὐτῆς αἱ φ. εἰς πίσσαν  | (4)     |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | φάντασμα. (1) ἱππ   | —      | 35. 6. φ. ἐν γῇ διψώση  | (4)     |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | Jb. 20. 8. Ἄπειτ' δὲ ὥστερ' φάντασμα [B² θαύμα, B³ φάσμα] νυκτερινόν    | (1)    | 40. 4. πᾶσα φ. πληρωθήσεται   | (2)     |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | Wi. 17. 15. τὰ μὲν τέραςιν ἡλαινόντο φαντασμαμάτων                      | +      | 57. 5. σφάριζοντες τὰ τέκνα αὐτῶν ἐν ταῖς φ.  | (5)     |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | Is. 28. 7. Α τοῦτ' ἔστι φ. [B φάσμα]                                    | +      | 65. 10. φ. 'Αχὼρ εἰς ἀνάπαντιν βουκολίῳ   | (5)     |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | φάραγξ. (1) ῥῥῥ (2) ῥῥ, ῥῥῥ, ῥῥῥ (3) ῥῥῥῥ (4) ῥῥῥ (5) ῥῥῥ (6) ῥῥῥῥ      | —      | Je. 7. 31. ὅς ἐστιν ἐν φάραγμα υἱοῦ 'Εννόμ  | (2)     |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | Ge. 14. 3. συνεφώνησαν ἐπὶ τὴν φ. τὴν ἀλυκὴν                            | (5)    | — 32. βωμὸς τοῦ Ταφὸθ καὶ φ. υἱοῦ 'Εννόμ  | —       |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | 26. 17. κατέλυον ἐν τῇ φ. Γεράρων                                       | (4)    | ἀλλ' ἡ φ. [B² om. υἱοῦ . . . φ.] τῶν ἀνηρημένων   | (2, 2)  |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | — 19. ὠρυξάν τε . . . ἐν τῇ φ. Γεράρων                                  | (4)    | 89 (32). 35. φεκοδόμησαν τοὺς βωμοὺς . . . τοὺς ἐν φάραγμα υἱοῦ 'Εννόμ  | (2)     |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | — 25. B ἐν τῇ φ. Γεράρων  | —      | Ba. 5. 7. φάραγας πληροῦσθαι εἰς δαλιισμόν  | —       |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | Nu. 13. 24 (23). ἦλθον ὥς φάραγος βότρυς                                | (4)    | Ez. 6. 3. τάδε λέγει κύριος . . . ταῖς φ. καὶ ταῖς νάπαις [Α² ν. κ. τ. φ.]  | [1 (2)] |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | — 25 (24). τὸν τόπον ἐκ. ἐπωνόμασαν φάραγξ                              | (4)    | 31. 12. ἐν πάσαις ταῖς φ. ἔπεισαν οἱ κλάδοι αὐ.   | (2)     |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | βότρυς  | (4)    | 32. 6. φάραγας ἐμπλήσω ὅπῃ σου  | (1)     |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | 21. 12. παρενέβαλον εἰς φάραγμα Ζ.                                      | (4)    | 34. 13. βοσκίω αὐτοὺς . . . ἐν ταῖς φ.  | (1)     |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | 32. 9. ἀνέβησαν φάραγμα βότρυς  | (4)    | 35. 8. ἐμπλήσω τῶν τραυματιῶν . . . τὰς φ. σου  | (2)     |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | De. 1. 24. ἦλθον εἰς φάραγμα βότρυς                                     | (4)    | 36. 4. Α Β λέγει κύριος . . . τοῖς χειμαρροῖς καὶ ταῖς φ. [B ταῖς φ. κ. τοῖς χ.]  | [1 (1)] |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | 2. 13. παραπορεύεσθε τὴν φ. Ζ.  | (4)    | — 6. ἐπὶ . . . ταῖς φ. καὶ ταῖς νάπαις  | (1)     |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | — 13. Α² Β παρήλθομεν τὴν φ. Ζ.   | (4)    | 38. 20. πεσοῦνται αἱ φ.   | (9)     |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | — 14. ἔως οὐ παρήλθομεν τὴν φ. Ζ.                                       | (4)    | 39. 11. περιοικοδομήσουσι τὸ περιστόμον τῆς φ. †  | —       |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | — 24. παρῆλθετε ὑμεῖς τὴν φ. 'Αρῶν                                      | (4)    | Da. LXX. Su. 62. ἔρριψαν εἰς φάραγμα  | —       |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | — 36. καὶ τὴν πόλιν τὴν οὐδαν ἐν τῇ φ.                                  | (4)    | I Ma. 6. 35. Α δειλὸν τὰ θηρία εἰς τὰς φ. [B φάλ.]  | —       |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | 4. 46. ἐν φάραγμα ἔγγυς οἴκου Φ.  | (2)    | — 38. B καταφρασσόμενοι ἐν ταῖς φ. [Α B φάλ.]   | —       |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | 21. 4. καταβήσονται . . . δαμάλιν εἰς φ. τρα- χεῖαν                     | (4)    | — 45. Α ἐπέδραμον . . . εἰς μέσον τῆς φ. [B φάλ.]   | —       |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | — 4. νευροκοπίσουσι τὴν δαμάλιν ἐν τῇ φ.                                | (4)    | 10. 82. B² B συνήψαν πρὸς τὴν φ. [Α B² al.]   | —       |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | — 6. τῆς δαμάλας τῆς νευροκοπίας ἐν τῇ φ.                               | (4)    | IV Ma. 14. 16. κατὰ τὰς κορυφὰς ὁρέων καὶ φαραγ- γων ἀπορρώγας  | —       |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | Jo. 7. 24. ἀνήγαγεν αὐτὸν εἰς φάραγμα 'Α.                               | —      | [Α. Q. Dt. 3. 29: I Ki. 18. 18: 15. 5: 17. 3: II Ki. 8. 13: Is. 28. 1: Jd. 2. 23: 19. 2, 6: Ez. 7. 16: 32. 5 bis (Sw.).]  | —       |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | 10. 12. στήτω . . . ἡ σελήνη κατὰ φάραγμα ΑΙ.                           | (5)    | [Bm. Dt. 3. 29: Jd. 5. 21: I Ki. 18. 18: 17. 3: 40: 80. 10: II Ki. 2. 24: 8. 13: IV Ki. 23. 4: 10: Jb. 28. 4: Ps. 59 (60). 2: Ca. 6. 10 (11): Is. 22. 1: 28. 1: Jd. 2. 23: 19. 2: Ez. 7. 16: 32. 5 bis (Sw.): Za. 14. 5 bis (Sw.).] | —       |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | 12. 1. ἀπὸ φάραγος 'Αρῶν εἰς τοῦ δροῦς 'Α.                              | (4)    | [Th. I Ki. 17. 3. 40: II Ki. 2. 24: IV Ki. 23. 4: 10: Is. 22. 1: 28. 1: 57. 6: Ez. 32. 5 bis (Sw.).]  | —       |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | — 2. ἡ ἔστιν ἐν τῇ φ. κατὰ μέρος τῆς φ.                                 | (4, 4) | [ΑΙ. Nu. 32. 9: Ps. 123 (124). 4: Jd. 19. 6.]   | —       |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | 18. 9. καὶ τὴν πόλιν τὴν ἐν μέσῳ τῆς φ.                                 | (4)    | φάρές. (1) ῥῥῥ  | —       |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | — 16. ἡ ἔστι κατὰ πρόσωπον φάραγος 'Αρῶν                                | (4)    | Da. LXX. 5. 1. φ. . . φ. ἐξήραται   | —       |
| 7. 2. B εἰς δὲ αὐτῶν . . . οὕτως ἔφη [Α al.]   | —   | — 16. καὶ ἡ πόλις ἡ ἐν τῇ φ. 'Αρῶν                                      | (4)    | Da. Th. 5. 25. μανὴ θεκέλ φαρές   | †       |
| — 14. οὕτως ἔφη  | —   | 15. 4. διαβάλλει ἔως φάραγος ΑΙγ.                                       | (4)    | — 28. φ. διήρηται ἡ βασιλεία σου  | (1)     |
| — 27. οὕτως ἔφησεν τῇ πατρίφ φωνῇ  | —   | — 7. ἐπὶ τὸ τέταρτον τῆς φ. 'Α.   | (5?)   |   |         |
| 8. 18. B ἔφησεν [Α -αν]  | —   | — 7. ἡ ἔστι κατὰ λίβρα τῆς [Α² om.] φ.                                  | (4)    |   |         |
| 9. 12. ταῦτ' ἔφη   | —   | — 8. ἀναβάνει τὰ ὄρια εἰς φάραγμα 'Ε.                                   | (4)    |   |         |
| 14. 5. πρὶς ταῦτα ἔφη  | —   | — 8. ἡ ἔστι κατὰ πρόσωπον φάραγος 'Ε.                                   | (2)    |   |         |

**φαρέτρα.** (1) **פָּרֶטְרָה** (2) **רֶחַל** (3) **רֶחַל**  
Ge. 27. 3. λάβε τὸ σκεῦος τὴν τε φ. (8)  
Jb. 30. 11. ἀνοίξας γὰρ φαρέτραν αὐτοῦ ἐκάκωσέ με (2)  
Ps. 10 (11). 3. ἠτοίμασαν βέλη εἰς φαρέτραν (2)  
Si. 26. 12. ἐναντὶ βέλους ἀνοίξει φαρέτραν  
Is. 22. 6. οἱ δὲ Ἑλαμίται ἔλαβον φαρέτρας (1)  
49. 2. ἐν τῇ φ. αὐ. ἐκρυψέ [A B<sup>3</sup> ἐσκέπασέν] με (1)  
Je. 28 (51). 11. πληροῦτε τὰς φ. +  
— 12. ἐπιστήσατε φαρέτρας [B<sup>1</sup> -αν] +  
La. 8. 13. εἰσίστασιν τοῖς νεφροῖς μου ἰούσε φαρέ-  
τρας αὐτοῦ (1)  
Ez. 27. 11. τὰς φ. αὐτῶν ἐκρέμασαν ἐπὶ τῶν  
ἰσθμῶν σου +  
[Aq. Th. Ps. 126 (127). 5: Jz. 5. 16 (Sw).]  
[Sm. II Ki. 8. 7: Ps. 126 (127). 5.]  
[Al. Hb. 3. 9.]

**φαρμακία** (-εία). (1) **רֶחַל** (2) **א. דִּמְרִי**  
**δ. בִּזְ**  
Ex. 7. 11. ἐποίησαν . . . ταῖς φ. αὐ. ὡσαύτως (2 a)  
— 22. ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως . . . ταῖς φ. αὐ. (2 b)  
8. 7 (3). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως . . . ταῖς [A B<sup>3</sup>  
ἐν ταῖς] φ. [A ἑπαιδοῖς] αὐ. (2 b)  
— 18 (14). ἐποίησαν δὲ ὡσαύτως . . . ταῖς  
φ. αὐ. (2 b)  
Wi. 12. 4. ἐπὶ τῷ ἔχθιστα πράσσειν ἔργα φαρμακείων  
13. 13. πάντα γὰρ ἀπιστοῦντες διὰ τὰς φαρμακίας  
Is. 47. 9. ἦξει ἐξάφνης ἐπὶ σὲ ἐν τῇ φ. σου (1)  
— 12. στήθι . . . ἐν τῇ πολλῇ φ. σου (1)  
[Th. Ex. 7. 11: 8. 7 (3).]

**φαρμακείν.** (1) **רֶחַל** (2) **רֶחַל** pi.  
(3) **רֶחַל** pi.  
II Ch. 33. 6. B ἐφαρμακεύετο καὶ οἰωνίζετο  
[A B οἱ κ. ἐφ.] (3, [2])  
Ps. 57 (58). 5. φαρμακοῦ γε φαρμακευομένου  
παρὰ σοφοῦ [B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> al.] (1)  
II Ma. 10. 13. φαρμακεύσας ἐαυτὸν ἐξέλειπε τὸν βίον  
[Th., Quint. Ps. 57 (58). 6.]

**φάρμακον.** (1) **רֶחַל**  
De. 18. 10. B φαρμάκοις [A B -ος] ἐπαίδων ἐπαοιδῇ +  
IV Ki. 9. 22. καὶ τὰ φ. αὐτῆς τὰ πολλά (1)  
To. 2. 10. B σὺφ ἐνεκρήσασιν με τὰ φ.  
6. 4. B ἔστιν γὰρ εἰς φάρμακον χρῆσμον ἡ χολή  
— 6. B τί τὸ φ. ἐν τῇ καρδίᾳ [A B al.]  
11. 8. B ἀποστύνει τὸ φ.  
— 11. B ἐπέβαλεν τὸ φ. ἐπ' αὐτόν  
Wi. 1. 14. οὐκ ἔστιν ἐν αὐταῖς φάρμακον ὀλέθρου  
Si. 6. 16. φίλος πιστὸς φάρμακον ζωῆς  
38. 4. κύριος ἔστιν ἐκ γῆς φάρμακα  
Mi. 5. 12 (11). ἐξολοθρεύσω τὰ φ. σου [A al.] (1)  
Na. 8. 4. πόρνη . . . ἡγνομένη φάρμακον (1)  
— 4. ἡ παλῶσα . . . λαοὺς ἐν τοῖς φ. αὐ. (1)

**φαρμακός.** (1) **רֶחַל** (2) **א. דִּמְרִי**  
**δ. בִּזְ** (3) **א. רֶחַל** pi. **δ. רֶחַל**  
Ex. 7. 11. συνεκάλεσε δὲ Φ. . . τοὺς φ. (3 a)  
9. 11. A<sup>3</sup> B οὐκ ἠδύνατο οἱ φ. στήναι ἐναντίον  
M. (2 a)  
— 11. A<sup>3</sup> B ἐγένετο γὰρ τὰ ἔλκη ἐν τοῖς φ. (2 a)  
22. 18 (17). φαρμακοὺς οὐ περιποιήσετε (3 a)  
De. 18. 10. A B φαρμακοὺς [B -οις] ἐπαίδων  
ἐπαοιδῇ (3 a)  
Ps. 57 (58). 5. φαρμακοῦ γε φαρμακευομένου  
παρὰ σοφοῦ [B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> al.] (1)  
Ma. 8. 5. ἔσονται μάρτυς ταχὺς ἐπὶ τὰς φ. (3 a)  
Je. 34 (27). 9. μὴ ἀκούετε . . . τῶν φ. ὑμῶν (3 b)  
Da. LXX. 2. 2. εἰσενεχθῆναι . . . τοὺς φ. τῶν  
Χαλδ. (3 a)  
— 27. οὐκ ἔστι . . . φαρμακῶν . . . ἡ δόλωσις (2 b)  
5. 7. καλέσαι τοὺς ἐπαοιδῶν καὶ φ. +  
— 8. εἰσπεροῦντο οἱ ἐπαιδοὶ καὶ φ. +  
Da. Th. 2. 2. καλέσαι . . . τοὺς μάγους καὶ τοὺς φ. (3 a)  
[Th., Al., Quint. Ps. 57 (58). 6.]

**φαρμακοῦν.** (1) **רֶחַל**  
Ps. 57 (58). 5. B<sup>3</sup> φαρμακοῦνται [A B<sup>1</sup> S B -κοῦ  
τε] φαρμακευομένου [B<sup>2</sup> -η] παρὰ  
σοφοῦ (1)  
**φάρος.**  
[Al. Lx. 6. 11 (4) δῖς: 18. 23.]

**φαρουρείμ.** (1) **דִּמְרִי**  
IV Ki. 23. 11. εἰς τὸ γασφράκιον N. βασιλέως  
τοῦ εὐνοῦχου ἐν [A δε ἐν] φ. (1)  
**φάρυγξ.** (1) **א. רִיחַ** **δ. רִיחַ** (2) **רִיחַ**  
(3) **רִיחַ**  
I Ki. 17. 35. ἐκράτησα τοῦ [A τῆς] φ. αὐ. (2)  
Pr. 5. 3. ἡ πρὸς καιρὸν λαίπαινε σὸν φ. (3)  
8. 7. ἀλθθῆναι μελετήσει ὁ φ. μου (3)  
24. 13. ἵνα γλυκανθῇ σου ὁ φ. (3)  
Ca. 5. 16. φάρυγξ αὐτοῦ γλυκασμοί (3)  
Si. 84 (81). 12. μὴ ἀνοίξῃς ἐπ' αὐτῆς φάρυγγά [B<sup>1</sup>  
τὸν φ.] σου  
38. 24 (21). φάρυγξ γενεῖται βρώματα θήρας  
Je. 2. 25. ἀπόστρεφον . . . τὸν φ. σου ἀπὸ  
δύκους (1 a\*, 1 b)  
La. 4. 4. ἐκολλήθη ἡ γλῶσσα θηλάζοντος πρὸς  
τὸν φ. αὐτοῦ (3)  
[Sm. Pr. 5. 3: Ca. 2. 3: Ho. 8. 1.]  
[Th. Pr. 5. 3.]

**φαρφαρέθ.**  
[Th. Is. 2. 20.]  
**φασέκ, φασέχ.** (1) **רֶחַל**  
II Ch. 30. 1. ποιήσαι τὸ φ. τῷ κ. θεῷ Ἰσρ. (1)  
— 2. ποιήσαι τὸ φ. (1)  
— 5. ποιήσαι τὸ φ. κ. θεῷ Ἰσρ. (1)  
— 15. ἔθυσαν τὸ φ. (1)  
— 17. τοῦ θύειν τὸ φ. (1)  
— 18. ἔφαγον τὸ φ. (1)  
35. 1. ἐποίησαν Ἰσρ. τὸ φ. (1)  
— 1. ἔθυσαν τὸ φ. (1)  
— 6. θύσατε τὸ φ. (1)  
— 7. ἀπῆρξαστε . . . πάντα τὰ εἰς τὸ φ. (1)  
— 8. ἔδωκαν εἰς τὸ φ. πρόβατα (1)  
— 9. ἀπῆρξαντο τοῖς Λ. εἰς τὸ φ. (1)  
— 11. ἔθυσαν τὸ φ. (1)  
— 13. ἀπῆρξαν τὸ φ. (1)  
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ φ. (1)  
— 17. ἐποίησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. οἱ εὐρεθέτες τὸ φ. (1)  
— 18. οὐκ ἐγένετο φασέκ ὁμοῖον αὐτῷ (1)  
— 18. ὡς τὸ φ. δὲ ἐποίησαν Ἰσρ. (1)  
Je. 38 (31). 8. ἐν ἑορτῇ φ. +  
[Aq. Jo. 5. 10.]  
[Sm. Ex. 12. 11: Nu. 9. 2: Jo. 5. 10.]

**φάσις.**  
II Es. 4. 17. ἀπέστειλεν ὁ βασ. . . εἰρήνην καὶ  
φάσιν +  
Da. Th. Su. 55. λαβὼν φάσιν παρὰ τοῦ θεοῦ  
IV Ma. 15. 25. B<sup>1</sup> φάσιν [A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> φύσιν] καὶ γένεσιν  
**φάσκειν.** (1) **רֶחַל**  
Ge. 26. 20. φάσκοντες αὐτῶν εἶναι τὸ ὕδωρ (1)  
Da. LXX. Bel 8. Δαν. ὁ φάσκων μὴ ἐσθίσθαι αὐτὰ  
ἰπ' αὐτοῦ  
II Ma. 14. 27. φάσκων βαρέως φέρειν  
— 32. τῶν δὲ μεθ' ὅρκων φάσκοντων  
III Ma. 8. 7. φάσκοντες μῆτε τῷ βασ. . . ὁμοσπόν-  
δους τοὺς ἀνθρ. γίνεσθαι  
**φάσμα.** (1) **רִיחַ**  
Nu. 16. 30. ἐν φάσματι δείξει κύριος +  
Jb. 20. 8. ἔπιτ' δὲ ὥσπερ φ. νυκτερινῶν [A B<sup>1</sup> al.] (1)  
33. 15. A ἐνπνιον ὡς φάσμα [B S ἐν. ἦ] ἐν  
μελετῇ νυκτερινῇ (1)  
Wi. 17. 4. φάσματα ἀμειδίητοις κατηγῇ προσώποις  
ἐμφανίζετο  
Is. 28. 7. τοῦτ' ἔστι φ. [A φάντασμα] +  
**φατνεύεσθαι.**  
[Th. Pr. 14. 4.]  
**φάτνη** (πάτνη). (1) **דִּמְרִי** (2) **רֶחַל**  
(3) **רֶחַל** (4) **רֶחַל**  
II Ch. 32. 28. καὶ φάτνας παντὸς κτήνους (2)  
Jb. 6. 5. βούς ἐπὶ φάτνης ἔχων τὰ βρώματα (3)  
39. 9. ἡ κοιμηθῆναι ἐπὶ φάτνης [B -η] σου (1)  
Pr. 14. 4. οὐ μὴ εἰσι βόες φάτνας καθαροὶ (1)  
Jl. 1. 17. ἐσκήρτησαν θαλάμεις ἐπὶ ταῖς φ. αὐ. +  
Hb. 3. 17. οὐχ ὑπάρχοντι βόες ἐπὶ φάτνας (4)  
Is. 1. 3. ἔργω . . . ὅπως τὴν φ. τοῦ κυρίου αὐτοῦ (1)  
[Sm. Pr. 14. 4.]  
[Al. Hb. 3. 17.]

**φατνιάζεσθαι.**  
[Aq. Pr. 14. 4.]  
**φατνοῦν.** (1) **רֶחַל**  
III Ki. 7. 3. ἐφάτνωσε [A ἐτάφνωσε] τὸν οἶκον (1)  
Ez. 41. 15 (16). ὁ ναὸς καὶ αἱ γωνίαι καὶ τὸ ἀλλὰ  
... πεφάτνωμένα +  
**φάτνωμα** (φάτμ.). (1) **א. דִּמְרִי** **δ. דִּמְרִי**  
Ca. 1. 17. φάτνωματα ἡμῶν κυνάρισσοι (1 b\*, 1 a)  
Am. 8. 3. ὁλοῦξαι τὰ φ. τοῦ ναοῦ +  
Ze. 2. 14. ἐχῶνι ἐν τοῖς φ. αὐ. κοιτασθήσονται +  
Ez. 41. 20. ἐκ τοῦ ἐδάφους ἕως τοῦ φ. τὰ χερουβὶμ +  
II Ma. 1. 16. ἀνοίξαντες τὴν τοῦ φ. κρυπτήν θύραν  
**φάτνωσις.** (1) **רֶחַל**  
III Ki. 6. 9. A ἐκοιλοστάθησε τὸν οἶκον φάτνω-  
σιν [B om.] (1)  
[Sm. Ca. 1. 17.]  
**φαυλίζειν.** (1) **א. רִיחַ** **δ. רִיחַ** (2) **דִּמְרִי**  
(3) **רֶחַל** pi.  
Ge. 25. 34. ἐφάυλισεν Ἡ. τὰ πρωτοτοκία (1 a)  
Nu. 15. 31. τὸ βῆμα κυρίου ἐφάυλισε (1 a)  
II Ki. 12. 9. ἐφάυλισας τὸν λόγον κυρίου (1 a)  
Ju. 1. 11. ἐφάυλισαν . . . τὸ βῆμα Ναβ.  
11. 2. εἰ μὴ ἐφάυλισάν [A -έν] με  
— 22. A B ἐν δὲ τοῖς φαυλίσαι τὸν κύριόν μου  
ἀπώλεια  
Jb. 30. 4. ἀτιμοὶ δὲ καὶ πεφάυλισμένοι ἐνδεεῖς  
—  
παντὸς ἀγαθοῦ  
31. 13. εἰ δὲ καὶ ἐφάυλισα κρίμα θεράποντός μου (2)  
42. 6. ἐφάυλισα ἐμάντων καὶ ἐτάκην (2)  
Pr. 21. 12. φαυλίζει ἀσεβεῖς ἐν κακοῖς (3)  
22. 12. φαυλίζει δὲ λόγους παράνομος (3)  
Ma. 1. 6. ὑμεῖς οἱ ἱερεῖς οἱ φαυλίζοντες τὸ δνομά  
μου (1 a)  
— 6. ἐν τίνι ἐφάυλισαμεν τὸ δνομά σου (1 a)  
Is. 33. 19. ὥστε μὴ ἀκούσαι λαὸς πεφάυλισμένους  
[B<sup>3</sup> ὁ π.] +  
37. 22. ἐφάυλισε σε (1 a)  
49. 7. ἀγιάσατε τὸν φαυλίζοντα τὴν ψυχὴν  
αὐτοῦ (1 b)  
[Sm. La. 1. 12.]

**φαυλισμα.** (1) **רֶחַל**  
Ze. 3. 11. περιελῶ ἀπὸ σοῦ τὰ φ. τῆς ὑβρείως  
σου (1?)  
**φαυλισμός.** (1) **רֶחַל** (2) **א. רֶחַל** **δ. רֶחַל**  
Ho. 7. 16. οὗτος ὁ φ. αὐ. ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (2 a)  
Is. 28. 11. διὰ φαυλισμὸν χειλέων (2 b)  
51. 7. τῷ φ. αὐτῶν μὴ ἠτάσθη (1)  
**φαυλίστρια.** (1) **רֶחַל**  
Ze. 3. 1 (2. 15). αὕτη ἡ πόλις ἡ φ. (1)  
**φαῦλος.** (1) **רֶחַל** (2) **רֶחַל** (3) **εἶναι φ. רֶחַל**  
(4) **φαῦλον ποιεῖν רֶחַל** pi.  
Jb. 6. 3. ὡς τοῖκε τὰ ῥήματά μου ἔστι φαῦλα (3)  
— 25. ὡς τοῖκε φαῦλα ἀληθινοῦ [A ἀνδρὸς ἀλ.] +  
ῥήματα +  
9. 23. φαῦλοι ἐν θανάτῳ ἐξασίφ [A ἐξ. ἀπο-  
λύνται] +  
Pr. 5. 2. μὴ πρόσχε φαυλὴν γυναῖκα  
13. 6. A τοὺς δὲ ἀσεβεῖς φαῦλους ποιεῖ ἁμαρτία (4)  
16. 21. τοὺς σοφοὺς καὶ συνετοὺς φαῦλους καλοῦσιν +  
22. 8. ὁ σπείρων φαῦλα θερίσει κακά (2)  
29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμενος καταγελᾷται (1)  
Si. 20. 16. οἱ ἔσθοντες τὸν ἄρτον μου φαῦλοι γλώσση  
[B<sup>1</sup> -ρη]  
III Ma. 3. 22. διυνεκῶς δὲ εἰς τὸ φ. ἐκνεύοντες  
[Sm. Ps. 74 (75). 9.]  
**φαυλότης.**  
Wi. 4. 12. βασκανία γὰρ φαυλότητος ἀμαυροὶ τὰ καλὰ  
**φαῦσις.** (1) **רֶחַל**  
Ge. 1. 14. εἰς φαῦσιν τῆς γῆς  
— 15. ἔστωσαν εἰς φαῦσιν (1)  
Ju. 13. 13. ἀψαντες πῦρ εἰς φαῦσιν  
Ps. 73 (74). 16. B<sup>3</sup> σὺ κατηργᾷς φαῦσιν καὶ  
ἥλιον [B B<sup>1</sup> κατ. ἡ. καὶ σελήνην] (1)  
[Sm. Ex. 35. 8.]  
[Al. Lx. 24. 2.]



- Le. 15. 14. οἷσις αὐτὰ ἔπαινε κυρίον (3 α)  
— 29. οἷσις αὐτὰ πρὸς τὸν Ιερεά (3 β)  
16. 15. Α ὁλοῦσιν [B εἰσοίσαι] ἀπὸ τοῦ αἵ-  
ματος αὐ. (3 β)  
17. 4. καὶ . . . μὴ ἐνέγκῃ αὐτό (3 β)  
— 4. καὶ . . . μὴ ἐνέγκῃ αὐτό (3 β)  
— 5. καὶ οἷσουσι τῷ κυρίῳ (3 β)  
— 9. καὶ . . . μὴ ἐνέγκῃ ποιῆσαι αὐτὸ τῷ κ. (3 β)  
28. 10. οἷσιν δράγμα ἀπαρχὴν τοῦ θερμισμού. (3 β)  
— 12. ἐν ᾧ ἂν φέρητε τὸ δράγμα (15)  
26. 36. διώκεται αὐτοὺς φωνὴ φύλλου φερο-  
μένου (14)  
Nu. 5. 15. Α οἷσις [B προσοίσει] τὸ δῶρον περὶ  
αὐτῆς (3 β)  
6. 10. οἷσις δύο τρυγόνας (3 β)  
11. 14. οὐ δύνησμαι ἐγὼ μόνος φέρειν τὸν  
λαόν τ. (17)  
— 17. οὐκ οἷσιν αὐτοὺς σὺ μόνος (17)  
— 18. 13. ὅσα ἂν ἐνέγκωσι κυρίῳ (3 β)  
De. 1. 9. οὐ δύνησμαι μόνος φέρειν ὑμᾶς (17)  
— 12. πῶς δύνησμαι μόνος φέρειν τὸν κόπον  
ὑμῶν (17)  
12. 6. οἷσιν ἐκεῖ τὰ ὀλοκαυτώματα ὑμῶν (3 β)  
— 11. οἷσιν πάντα (3 β)  
14. 23. οἷσιν [A -εις] τὰ ἐπιδέκατα τοῦ σίτου  
σου -  
26. 10. ἐνένοχα τὴν ἀπαρχὴν τῶν γεννημάτων (3 β)  
Jo. 6. 12 (13). οἱ ἐπὶ τῆς ἱερῆς οἱ φέροντες τὰς  
σάλλαγγας [A α.] (17)  
7. 23. καὶ ἤνεγκαν πρὸς Ἰ. (3 β)  
15. 2. ἀπὸ τῆς λοφίας τῆς φερούσης ἐπὶ λίβα (23)  
18. 6. καὶ ἐνέγκατε ὡς πρὸς μέ (3 β)  
— 9. καὶ ἤνεγκαν πρὸς Ἰ. (3 α)  
Jd. 3. 18. ἐξαπιστεύετε τοὺς φέροντας [A αἰρ.]  
τὰ δῶρα (17)  
6. 18. Α οἷσιν [B ἐξοίσω] τὴν θυσίαν (7)  
7. 25. τὴν κεφαλὴν Ὁ. καὶ Ζ. ἤνεγκαν πρὸς Γ. (3 β)  
15. 1. Α ἐπισκέψατο Σ. . . φέρον ἔρπον [B α.] (2)  
16. 18. Α ἤνεγκαν [B ἀνήν.] τὸ ἀργύριον (21)  
18. 3. τίς ἤνεγκέ [A ἤγαγεν] σὲ ὡς (3 β)  
21. 12. ἤνεγκαν [A ἤγον] αὐτὰς εἰς τὴν παρεμ-  
βολὴν (3 β)  
Ru. 3. 15. φέρε τὸ περιζῶμα τὸ ἐπάνω σου (5)  
I Ki. 8. 12 (13). οἱ ὁλοῦσιν [A εἰσοίσ.] τῷ ἀνθρώπῳ  
τοῦ θεοῦ (3 β)  
10. 27. οὐκ ἤνεγκαν αὐτῷ δῶρα (3 β)  
15. 12. ὡν ἤνεγκαν ἐξ Ἰ. (3 β)  
— 15. ἐξ Ἰ. ἤνεγκαν αὐτὰ (3 β)  
17. 54. ἤνεγκαν αὐτὴν εἰς Ἰερ. (3 β)  
20. 27. Α ἤνεγκαν ἀκροβυστίας αὐ. [B α.] (3 β)  
28. 3. Α Β<sup>2</sup> Β καὶ ἤνεγκε τὰς σχίσας (3 α)  
25. 27. ἂν ἐνένοχον ἡ δούλη σου τῷ κ. μου (3 β)  
— 35. πᾶντα ἃ φέρεν αὐτῷ (3 β)  
31. 12. φέρουσιν αὐτοὺς εἰς [A οπ.] Ἰ. (3 α)  
II Ki. 1. 10. ἐνένοχα αὐτὰ τῷ κυρίῳ μου ὡς (3 β)  
8. 22. Β σκῦλα πολλὰ ἔφεραν [A B -ον] μετ'  
αὐτῶν (3 β)  
4. 8. ἤνεγκαν τὴν κεφαλὴν Μ. (3 β)  
6. 17. φέρουσι τὴν κιβωτὸν τοῦ κυρίου (3 β)  
8. 2. 6. εἰς δούλους φέροντας ξένια (17)  
— 7. καὶ ἤνεγκαν αὐτὰ εἰς Ἰερ. (3 β)  
16. 20. φέρετε ἑαυτοῖς βουλὴν (5)  
17. 28. ἤνεγκαν δέκα κοίτας (12)  
III Ki. 1. 3. ἤνεγκαν αὐτὴν πρὸς τὸν βασι. (3 β)  
8. 1. τοῦ ἐνεγκεῖν [A ἀνεν.] τὴν κιβωτὸν δια-  
θήκης κ. (21)  
9. 14. ἤνεγκε Χ. τῷ Σ. ἑκατὸν καὶ εἰκοσι τάλαντα  
χρυσίου (28)  
— 28. καὶ ἤνεγκαν τῷ βασι. Σαλ. (3 β)  
10. 11. ἤνεγκε ἕξλα πελεκητὰ πολλὰ σφόδρα (3 β)  
— 25. ἔφερον ἑκαστὸς τὰ δῶρα αὐ. (3 β)  
12. 24. Β ἵνα τί μοι ἐνένοχος ἄρτους -  
17. 6. οἱ κόρακες ἔφερον αὐτῷ ἄρτους (3 β)  
IV Ki. 2. 20. Β καὶ ἤνεγκαν [A B οπ. κ. ἡ.]  
πρὸς αὐτὸν (11)  
4. 21. Α καὶ ἤνεγκαν [B ἀνήν.] αὐτὸν (21)  
— 42. ἤνεγκε πρὸς τὸν ἀνθρώπον τοῦ θ. . .  
εἰκοσι ἄρτους (3 β)  
5. 6. ἤνεγκε τὸ βιβλίον πρὸς τὸν βασι. Ἰορ. (3 β)  
— 20. τοῦ μὴ λαβεῖν ἐκ χειρὸς αὐ. ἃ ἐνένοχε (3 β)  
10. 6. ἐνέγκατε πρὸς μέ (3 α)  
— 8. Β ἤνεγκα [A B -αν] τὰς κεφ. τῶν υἱῶν  
τοῦ βασι. (3 β)  
12. 4 (5). δ' ἐὰν λάβῃ . . . ἐνεγκεῖν ἐν οἴκῳ  
κυρίου (3 β)  
17. 4. οὐκ ἤνεγκε μαλακὰ τῷ βασι. Ἀσσο. (21)  
IV Ki. 21. 12. φέρω κακὰ ἐπὶ Ἰερ. (3 β)  
I Ch. 10. 12. ἤνεγκαν αὐτὰ εἰς Ἰ. (3 β)  
11. 19. ἐν ψυχαῖς αὐ. ἤνεγκαν [A add. αὐτὸν] (3 β)  
12. 40. ἔφερον αὐτοῖς . . . βρώματα (3 β)  
16. 29. καὶ ἐνέγκατε κατὰ πρόσωπον αὐτοῦ (3 α)  
18. 2. ἦσαν Μ. παῖδες τῷ Δ. φέροντες δῶρα (17)  
— 6. ἦσαν τῷ Δ. εἰς παῖδας φέροντας δῶρα (17)  
— 7. ἤνεγκαν αὐτοὺς εἰς Ἰερ. (3 β)  
21. 2. καὶ ἐνέγκατε πρὸς μέ (3 β)  
22. 4. ἔφερουσαν [A ἐφόρουν] οἱ Σ. . .  
ἕξλα κεδρίνα (3 β)  
II Ch. 1. 6. ἤνεγκαν [A ἀνήν.] ἐκεῖ Σ. ἐπὶ τὸ  
θυσιαστ. (21)  
— 6. ἤνεγκαν [A ἀνήν.] ἐπ' αὐτὸ ὀλοκαυτώσιν  
χελίαν (21)  
— 17. ἐν χερσὶν αὐτῶν ἔφερον (7)  
2. 6 (5). οὐ φέρουσιν αὐτοὺς τὴν δόξαν [A<sup>1</sup> α.] (9)  
9. 10. ἔφερον χρυσίον τῷ Σαλ. (3 β)  
— 12. ὡν ἤνεγκε τῷ βασι. Σαλ. (3 β)  
— 13. ἦν ὁ σταθμὸς τοῦ χρυσίου τοῦ ἐνεχ-  
θέντος τῷ Σ. (3 α)  
— 14. Β πλὴν . . . τῶν ἐμπορευμ. ἔφερον  
[A B ὡν ἔφ.] (3 β)  
— 14. ἔφερον χρυσίον καὶ ἀργύριον τῷ βασι.  
Σαλ. (3 β)  
— 24. αὐτοὶ ἔφερον [A -εν] ἕκαστος τὰ δῶρα  
αὐ. (3 β)  
15. 11. Β ὡν ἤνεγκαν [A B -ον] (3 β)  
17. 11. ἔφερον πρὸς Ἰωσ. δῶρα (3 β)  
— 11. οἱ Ἰ. ἔφερον αὐτῷ κροῦτος προβάτων (3 β)  
24. 11. Α ὡς ἔφερον [B εἰσέφ.] τὸ γλωσσό-  
κομον (3 β)  
— 14. ἤνεγκαν . . . τὸ κατάλοιπον τοῦ ἀργυ-  
ρίου (3 β)  
25. 12. ἔφερον αὐτοὺς ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ κρημ-  
νοῦ (3 β)  
— 14. ἤνεγκε πρὸς αὐτοὺς τοὺς θεοὺς υἱῶν Σ. (3 β)  
27. 5. ταῦτα ἔφερον αὐτῷ βασιλεὺς Ἰ. (24)  
28. 8. ἤνεγκαν τὰ σκῦλα εἰς Σαμ. (3 β)  
29. 31. φέρετε θυσίας (3 β)  
31. 5. ἐπιδέκατα πάντα εἰς πληθὺν ἤνεγκαν  
— 6. ἤνεγκαν ἐπιδέκατα μόσχων -  
— 10. ἐξ οὗ ἤρκεται ἡ ἀπαρχὴ φέρεσθαι (3 β)  
— 12. ἤνεγκαν [A εἰσῆν.] ἐκεῖ τὰς ἀπαρχὰς  
(3 β)  
32. 23. πολλοὶ ἔφερον δῶρα τῷ κ. (3 β)  
35. 16. τοῦ . . . ἐνεγκεῖν τὰ ὀλοκαυτώματα  
(21)  
I Es. 4. 22. πάντα ταῖς γυναῖξί διδοτε καὶ φέρετε  
8. 60. τὸ χρυσίον . . . ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερόν  
II Es. 3. 7. ἐνέγκατε ἕξλα κεδρίνα ἀπὸ τοῦ Λιβ. (3 β)  
4. 2. ἀπὸ ἡμερῶν Ἀσ. . . τοῦ ἐνέγκαντος  
ἡμᾶς ὡς (21)  
8. 17. τοῦ ἐνέγκατε ἡμῖν ἄδοντας (3 β)  
— 30. ἐνεγκεῖν εἰς Ἰερ. (3 β)  
Ne. 8. 1. ἐνέγκατε τὸ βιβλίον νόμου Μ. (3 β)  
— 2. ἤνεγκαν [B<sup>1</sup> -αν] Ἐ. ὁ Ιερὺς τὸν νόμον (3 β)  
— 15. Β<sup>2</sup> ἐνέγκατε [A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> -ατε] φύλλα  
ἐλαίας (3 β)  
— 16. ἐξήλθεν ὁ λαὸς καὶ ἤνεγκαν (3 β)  
10. 31 (32). λαοὶ τῆς γῆς οἱ φέροντες τοὺς  
ἀγορασμοὺς (3 β)  
— 34 (35). ἐνέγκατε εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (3 β)  
— 35 (36). ἐνέγκατε τὰ πρωτογεννημένα τῆς  
γῆς ἡμῶν (3 β)  
— 36 (37). ἐνέγκατε εἰς οἶκον θεοῦ ἡμῶν (3 β)  
— 37 (38). τὴν ἀπαρχὴν . . . οἷσιν τοῖς  
ιερεῦσιν (3 β)  
— 39 (40). Β εἰς τοὺς θησαυροὺς οἷσιν  
[A B B εἰσοίσ.] οἱ υἱοὶ Ἰορ. (3 β)  
11. 1. ἐνέγκατε ἕνα ἀπὸ τῶν δέκα (3 β)  
12. 27. τοῦ ἐνέγκατε αὐτοὺς εἰς Ἰερ. (3 β)  
13. 12. ἤνεγκαν δεκάτην τοῦ πυροῦ (3 β)  
— 15. καὶ φέροντας [B<sup>1</sup> -ες] δράγματα (3 β)  
— 15. Α Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> καὶ φέροντας [B<sup>1</sup> B<sup>1</sup> -ες] εἰς  
Ἰερ. (3 β)  
— 16. ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ φέροντες ἰχθύν (3 β)  
— 18. ἤνεγκαν ἐπ' αὐτοὺς . . . πάντα τὰ κακὰ  
ταῦτα (3 β)  
To. 7. 14. Β εἰπεν ἐνεγκεῖν βιβλίον [A B α.]  
11. 15. Β ἐνένοχον ἀργύριον (3 β)  
12. 2. ὡν ἐνένοχα [B -εν μετ' ἐμοῦ] (3 β)  
— 3. τὸ ἀργύριον μου ἤνεγκε [B α.] (3 β)  
— 5. λάβε τὸ ἡμῖν πάντων ὡν ἐνένοχατε [A -ας,  
B α.] (3 β)  
Es. 6. 8. ἐνεγκάτωσαν [A -τω] . . . στολὴν  
θυσιάων (3 β)  
8. 13. τὸν τε κόρον οὐ δύναμαι φέρειν (3 β)  
Es. 8. 13. οὐκ ἐνέγκατε δὲ τὴν ὑπερηφανίαν  
Jb. 13. 25. ἡ ὡς χόρτῳ [A -ον] φερομένη [A  
-ον] ὑπὸ πνεύματος (3 β)  
15. 35. Β<sup>1</sup> ἡ δὲ κοιλία αὐτοῦ οὐκ οἷσις [A B B<sup>2</sup>  
αὐ. ὑποίσει] δόλον [A πόνον] (10)  
17. 1. Α B B<sup>2</sup> δλίκωμα πνεύματι φερόμενος -  
22. 12. τοὺς δὲ ὑβρεῖ φερομένους ἐταπεινώσε +  
40. 26 (31). οὐ μὴ ἐνέγκωσι [A -κῃ] βύρσαν  
μῖαν οὐράς αὐ. +  
Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κ., υἱὸι θεοῦ, ἐνέγ-  
κατε τῷ κ. υἱοὺς κριῶν (6, 5)  
— 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν καὶ τιμὴν (6)  
— 2. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐ. (5)  
67 (68). 29. σοὶ οἷσιν βασιλεῖς δῶρα (4)  
75 (76). 11. πάντες οἱ κύκλοι αὐτοῦ οἷσιν  
δῶρα (4)  
77 (78). 29. τὴν ἐπιθυμίαν αὐ. ἤνεγκαν [B<sup>1</sup>  
ἔδωκεν] αὐτοῖς (3 β)  
95 (96). 7. ἐνέγκατε τῷ κ., αἱ πατρίαι τῶν ἐθνῶν,  
ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμὴν (5, 5)  
— 8. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ (5)  
Pt. 6. 8. Α ἦς τοὺς πόρους βασιλεῖς καὶ ἰδιῶται  
πρὸς ὑγίαν φέρονται [B B προσφέρ.] -  
24. 56 (30. 21). τὸ δὲ τέταρτον οὐ δύναται  
φέρειν (17)  
27. 7. Β<sup>1</sup> ψυχὴ δὲ ἐνδεεὶ καὶ τὰ πικρὰ γλυκία  
φέρει [A B B<sup>2</sup> φαίνεται] -  
Ca. 8. 11. Β B ἀνὴρ οἷσις ἐν καρπῷ αὐτοῦ  
χελίους ἀργυρίου (3 β)  
Wi. 5. 14. ἐλπίς ἀσεβοῦς ὡς φερόμενος χροῦς ὑπὸ  
ἀνέμου  
14. 14. ἤνεγκαν αὐτῷ σκήπτρα βασιλείας  
14. 1. τοῦ φέροντος αὐτὸν πλοῖον [A ἐξυλόν] σαθρό-  
τερον ἔξυλον ἐπιβοῶνται  
18. 16. ξίφος ὅζῳ τὴν ἀντιόκριτον ἐπιταγὴν [A  
ἵπποτ.] σου φέρων (17)  
Si. 23. 25. Α B οὐκ οἷσιν [B οὐ δάσουσιν] καρπὸν  
47. 6. ἐν τῷ φέρεσθαι αὐτῷ διάδημα δόξης  
Ho. 9. 16. καρπὸν οὐκ εἶναι μὴ ἐνέγκῃ (22)  
Am. 4. 4. ἤνεγκατε εἰς τὸ πρῶν θυσίας ὑμῶν (3 β)  
5. 22. ἐὰν ἐνέγκῃ μοι ὀλοκαυτώματα (21)  
Jl. 2. 22. ἔξυλον ἤνεγκε τὸν καρπὸν αὐ. (17)  
Ze. 3. 10. οἷσιν θυσίας μοι (4)  
Hg. 2. 20 (19). τὰ ἔξλα τῆς ἐλαίας τὰ οὐ  
φέροντα καρπὸν (17)  
Ma. 1. 13. ἐὰν φέριτε [B<sup>1</sup> προσφέρετε] τὴν  
θυσίαν (3 β)  
Is. 1. 13. ἐὰν φέριτε σεμίδαλι (3 β)  
17. 13. ὡς ὕδατος πολλοῦ βία φερομένου [A  
καταφ.] . . . ὡς κοινοῦ τῶν τροχῶν  
καταγίς φέροντα (17, -)  
21. 14. διψῶντι ὕδωρ φέρετε (1 α)  
28. 15. καταγίς φερομένη ἐὰν παρὲλθῃ (25)  
— 18. καταγίς φερομένη ἐὰν ἐπέλθῃ (25)  
29. 5. ὡς χροῦς φερόμενος (20)  
— 6. καταγίς φερομένη καὶ φλόξ (19)  
30. 6. ἔφερον ἐπὶ δὲ καὶ καμῆλον τὸν πλοῦ-  
τον (17)  
— 17. ὡς σημαῖαν φέρον ἐπὶ βουνοῦ -  
32. 2. κρυβήσεται ὡς ἀφ' ὕδατος φερομένου  
καὶ φανήσεται ἐν Σ. ὡς ποταμὸς  
φερόμενος +, +  
48. 23. B οὐκ ἤνεγκας μοι [A B B οὐκ ἐμοί]  
πρόβατα σου (3 β)  
52. 11. ἀφορίσθητε οἱ φέροντες τὰ σκεύη κυρίου (17)  
53. 3. εἰδὼς φ. μαλακίαν -  
— 4. οὕτως τὰς ἀμαρτίας ἡμῶν φέρεῖ (17)  
60. 6. ἔξουσιν φέροντες χρυσίον καὶ λίβανον  
οἷσιν (-, 17)  
— 17. οἷσω σοι χρυσίον . . . οἷσω σοι ἀργύ-  
ριον . . . οἷσω σοι χαλκόν (3 β, 3 β, -)  
64. 6 (5). οὕτως ἀνέως οἷσις ἡμᾶς (17)  
Je. 6. 20. ἵνα τί μοι λιβανὸν ἐκ Σαβὰ φέρετε (3 α)  
13. 24. ὡς φρυγανὰ φερόμενα ὑπὸ ἀνέμου (20)  
17. 26. ἔξουσιν . . . φέροντες ὀλοκαυτώματα  
. . . φέροντες ἀνεκτὸν (3 β, 3 β)  
18. 14. μὴ ἐκκλίνῃ ὕδωρ βίαιως ἀνέμῳ φερόμενον +  
20. 9. οὐ δύναμαι φ. -  
30 (49). 5. φέρω φόβον ἐπὶ σέ (3 β)  
— 10 (49. 32). οἷσω τὴν τροπὴν αὐ. (3 β)  
40 (38). 11. Β<sup>2</sup> οἷσιν δῶρα εἰς οἶκον κυρίου  
[A B<sup>2</sup> B α.] (3 β)  
42 (35). 17. Β B φέρω ἐπὶ Ἰουδαν . . . πάντα  
τὰ κακὰ (3 β)  
46 (39). 16. φέρω τοὺς λόγους μου ἐπὶ τὴν  
πόλιν [A εἰς τ. γῆν] (3 β)

Je. 51 (44). 22. οὐκ ἠδύνατο κύριος εἶναι φ. (17)  
 Ba. 3. 30. τίς... οἷσαι αὐτὴν χρυσίου ἐκλεκτοῦ  
 Ep. Je. 26. 6. ἐν' ὁμοίᾳ φέρονται [A αἰρ.]  
 Ez. 17. 4. ἤνεγκαν αὐτὰ εἰς γῆν X. (8 δ)  
 — 8. τοῦ ποιεῖν θλαστοὺς καὶ φ. καρπὸν [A αἰ.] (17)  
 19. 9. ἤνεγκαν αὐτὸν ἐν γαλεάτῳ [B αἰ.] (8 δ)  
 27. 23. ἐμποροὶ σου φέροντες ἐμπορίαν  
 34. 29. οὐκ ἔστιν ἰδὼν οὐ μὴ ἐνέγκωσιν εἰς (17)  
 38. 6. ἀπὸ τοῦ οὐκ ἐκτεταμένον ἐνέγκαι ὑμᾶς (17)  
 — 15. Ἄνεκτον ἰδὼν οὐ μὴ ἐνέγκητε εἰς [B αἰ.] (17)  
 37. 5. φέρω εἰς ὑμᾶς πνεῦμα ζωῆς (8 δ)  
 40. 44. μία... φέρουσα πρὸς νότον —  
 Da. LXX. 5. 3. εἶπεν ἐνέγκαι τὰ σκεῦη... ἃ ἤνεγκε Ναβ. (1 δ, 16)  
 — 3. καὶ ἠνέχθη (1 δ)  
 — 23. τὰ σκεῦη τοῦ οἴκου τοῦ θεοῦ τοῦ ζώοντος ἠνέχθη σοι (1 δ)  
 6. 17 (18). καὶ ἠνέχθη λίθος (1 δ)  
 9. 21. τάχει φερόμενος προσήγγισέ μοι (8)  
 Da. TH. Su. 17. ἐνέγκατε δὴ μοι θλαῖον  
 — 18. ἐνέγκαι τὰ προσταγμένα αὐταῖς  
 1. 2. ἤνεγκεν αὐτὰ εἰς γῆν Σ. (8 δ)  
 5. 2. εἶπεν... ἐνέγκαι [A τοῦ ε.] τὰ σκεῦη τὰ χρυσᾶ (1 δ)  
 — 3. ἠνέχθησαν [A ἤχθ.] τὰ σκεῦη τὰ χρυσᾶ (1 δ)  
 — 23. Ἄ B' τὰ σκεῦη τοῦ οἴκου αὐ. ἤνεγκας [B' B -αν] ἐνώπιόν σου (1 δ)  
 11. 7 (18). καὶ ἤνεγκαν [A -εν] λίθον (1 δ)  
 6. 16. παραδοθήσεται αὐτῇ καὶ οἱ φέροντες αὐτὴν (8 δ)  
 — 8. τοὺς θεοὺς αὐ. ... οἷσαι εἰς Ἀλγυπτίον (8 δ)  
 Bel 14. ἤνεγκαν τέφραν  
 I Ma. 3. 49. ἤνεγκαν τὰ ἱμάτια τῆς ἱερωσύνης  
 7. 47. ἤνεγκαν καὶ ἐξέτειναν παρὰ τὴν Ἱερ. 15. 18. ἤνεγκαν δὲ ἀσπίδα χρυσήν  
 II Ma. 1. 21. ἐκέλευσεν αὐτοὺς ἀποβάψαντας φέρειν  
 3. 25. φερόμενος δὲ βύθην ἔσπευε... τὰς... ὁπλὰς  
 — 28. ἔφερον ἀδοξοῦντες αὐτὸν  
 4. 25. τῆς μὲν ἀρχιερωσύνης οὐδὲν ἄξιον φέρων  
 6. 4. B ἐπὶ δὲ τὰ μὴ καθήκοντα ἐνδον φερόντων [A εἰσφ.]  
 — 21. ἐνεγκόντα κρέα  
 7. 20. ἦτις ἀπολλυμένοις υἱοὺς ἐπὶ τὴν συνωρῶσα... εὐθύτως ἔφερε  
 — 39. πικρὸς φέρων ἐπὶ τῷ κυκλισμῷ  
 8. 31. τὰ δὲ λοιπὰ τῶν σκελῶν ἤνεγκαν εἰς Ἱερ.  
 9. 7. ἀπὸ τοῦ ὁρμήματος φερόμενον ροῖφ  
 11. 1. λίαν βαρέως φέρων ἐπὶ τοῖς γεγονόσι  
 12. 22. εἰς φυγὴν ἄρμηναν ἄλλος ἀλλαχὲρ φερόμενος  
 14. 27. φάσκων βαρέως φέρειν  
 — 28. καὶ δυσφόρως φέρειν  
 — 45. φερόμενος κρουηδὸν τῶν αἰμάτων  
 15. 30. B καὶ τὴν χεῖρα... φέρειν [A περιφ.] εἰς Ἱερ.  
 III Ma. 2. 28. τοὺς δὲ ἀντιλέγοντας βίβλιν φερόμενος τοῦ [ἦν μεταστῆσαι]  
 3. 18. τῶνδε φερόμενοι παλαιστοτέροις  
 — 19. οὐδὲν γνήσιον βουλόμενοι φέρειν  
 IV Ma. 6. 7. ἀπὸ τοῦ μὴ φέρειν τὸ σῶμα τὰς ἀληγ-δόνας  
 9. 8. A B τὰ τῆς ἀρετῆς ἄλλα οἰσόμεν [B ἔξομεν]  
 10. 5. οἱ δὲ πικρῶς ἐνέγκατες τὴν παρηγορίαν τοῦ ἀνδρός  
 [Aq. Gr. 37. 2: Ex. 35. 29: Dt. 26. 2: I Ki. 14. 3: 22. 18: III Ki. 17. 6: Ps. 67 (68). 32: Pr. 21. 27: Is. 16. 3: 43. 23: Je. 10. 9: 20. 9: Ho. 8. 13. 15:]  
 [Sm. Ge. 87. 2: III Ki. 17. 6: Ps. 44 (45). 13: 77 (78). 29: 104 (105). 40: Pr. 30. 15. 15: Ca. 8. 11: Is. 48. 23: Je. 20. 9: 41 (48). 5: Zb. 8. 10:]  
 [Th. Ge. 49. 3: Dt. 26. 2: III Ki. 17. 6: Pr. 12. 6: Is. 16. 3: 28. 15: 48. 23: Je. 10. 9: Da. 14. 13:]  
 [Al. I Ki. 14. 41: Hg. 1. 8.]  
**φερνή.** (1) α. נִחַב δ. נִחַב  
 Ge. 34. 12. πληθύνατε τὴν φ. σφόδρα (1 α)  
 Ex. 22. 16 (15). φερνή φερνεί αὐτὴν αὐτῇ γυναῖκα (1 δ)  
 — 17 (16). καθ' ὅσον ἐστὶν ἡ φ. τῶν παρθένων (1 α)  
 Jo. 16. 10. ἔδωκεν αὐτὴν φ. ἐν φερνῇ τῇ θυγατρὶ αὐ. —  
 II Ma. 1. 14. εἰς φερνῆς λόγον

**φερνίειν.** (1) נִחַב  
 Ex. 22. 16 (15). φερνή φερνεί αὐτὴν αὐτῇ γυναῖκα (1)  
**φεσά.**  
 [Aq. Dt. 16. 1.]  
**φεύγειν.** (1) α. נָחַץ δ. נָחַץ, נָחַץ (2) נָחַץ  
 (8) נָחַץ α. ni. δ. hoph. (4) נָחַץ α. qal. δ. hi. c. נָחַץ d. נָחַץ (5) נָחַץ α. qal. δ. hithp. (8) נָחַץ (7) נָחַץ (8) נָחַץ  
 Ge. 14. 10. ἔφυγε δὲ βασιλεὺς Σοδ. (4 α)  
 — 10. οἱ δὲ καταλειφθέντες εἰς τὴν ὁρεινὴν ἔφυγον (4 α)  
 39. 12, 13, 15, 18. ἔφυγε καὶ ἐξῆλθεν ἔξω (4 α)  
 Ex. 4. 3. καὶ ἔφυγε M. ἀπ' αὐτοῦ (4 α)  
 14. 5. πέφευγεν ὁ λαός (1 α)  
 — 25. φύγωμεν ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (4 α)  
 — 27. οἱ δὲ Αἴγ. ἔφυγον ὑπὸ τὸ ὕδωρ (4 α)  
 21. 13. οὐ φεύζεται ἐκεῖ ὁ φονεὺς (4 α)  
 Le. 26. 17. Ἄ B' B φεύξεσθε οὐδενὸς διώκοντος ὑμᾶς (4 α)  
 — 36. φεύζονται ὡς φεύγοντες ἀπὸ πολέμου (4 α, c)  
 Nu. 10. 35. φυγέτωσαν πάντες οἱ μισοῦντες σε (4 α)  
 16. 34. ἔφυγον ἀπὸ τῆς φωνῆς αὐ. (4 α)  
 24. 11. φεύγει ἐκ τῶν τόπων σου (1 α)  
 35. 6. Ἄ B' εἰς δώστετε φεύγειν [B' B φεύγειν] ἐκεῖ τὴν φωνεῖσθαι (4 α)  
 — 11. φυγεῖν ἐκεῖ τὸν φονεὺτήν (4 α)  
 — 15. φυγεῖν [A φεύγειν] ἐκεῖ παντὶ πατά-ξαι ψυχὴν ἀκουσίως (4 α)  
 — 32. τοὺς φεύγειν εἰς πόλιν τῶν φυγαδευτηρίων (4 α)  
 De. 4. 42. Ἄ B' φεύγειν [B' B φεύγειν] ἐκεῖ τὸν φονεὺτήν (4 α)  
 — 42. B' ὅς ἐν φυγῇ ἐκεῖ —  
 19. 4. ὅς ἐν φυγῇ ἐκεῖ καὶ ζήσεται (4 α)  
 — 11. καὶ φύγει εἰς μίαν τῶν πόλεων τ. (4 α)  
 28. 7. ἐν ἐπὶ τὰ ὁδοὺς φεύζονται ἀπὸ προσώπου σου (4 α)  
 — 25. ἐν ἐπὶ τὰ ὁδοὺς φεύξῃ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (4 α)  
 Jo. 7. 4. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου τῶν ἀνδρῶν Γ. (4 α)  
 8. 5. φευξόμεθα ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (4 α)  
 — 6. φεύγουσιν οὗτοι ἀπὸ προσώπου ἡμῶν (4 α)  
 — 20. B οὐκ εἶναι εἰχόντων τοὺς φύγασιν (4 α)  
 10. 11. ἐν δὲ τῷ φεύγειν αὐτοὺς ἀπὸ προσώπου τῶν υἱῶν Ἰσρ. (4 α)  
 — 16. ἔφυγον οἱ πέντε βασιλεῖς οὗτοι (4 α)  
 20. 4. A φεύζεται εἰς μίαν τῶν πόλεων τούτων —  
 — 6. ὅθεν ἔφυγον ἐκείθεν (4 α)  
 Jd. 1. 6. Ἄ B' B καὶ ἔφυγον Ἀδ. (4 α)  
 4. 15. καὶ ἔφυγε τοῖς ποσὶν αὐ. (4 α)  
 — 17. ἔφυγε [A ἀνεχώρησεν] τοῖς ποσὶν αὐ. (4 α)  
 7. 21. B καὶ ἔφυγον [A -ον] (4 δ\*, 4 α)  
 — 23 (22). ἔφυγον ἡ παρεμβολή (4 α)  
 8. 12. ἔφυγον [A -εν] Ζ. καὶ Σ. (4 α)  
 9. 21. ἔφυγεν Ἰ. καὶ ἀπέδρα [A αἰ.] (4 α)  
 — 21. A καὶ ἔφυγεν εἰς P. [B αἰ.] (1 α)  
 — 40. καὶ ἔφυγεν [A om. κ. ε.] ἀπὸ προσώπου αὐ. (4 α)  
 — 51. ἔφυγον ἐκεῖ πάντες οἱ ἄνδρες (4 α)  
 11. 3. καὶ ἔφυγεν [A ἀπέδρα] Ἰ. (1 α)  
 20. 32. φύγωμεν καὶ ἐκκενώσωμεν αὐτούς (4 α)  
 — 42. B καὶ ἔφυγον —  
 45. ἔφυγον [A ἔφυγον] εἰς τὴν ἔρημον (4 α)  
 — 47. ἔφυγον εἰς τὴν ἔρημον (4 α)  
 I Ki. 4. 10. ἔφυγεν ἕκαστος εἰς σκήνωμα αὐ. (4 α)  
 — 16. πέφευγα ἐκ τῆς παρατάξεως σήμερον (4 α)  
 — 17. πέφευγεν ἀπὸ Ἰσρ. ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (4 α)  
 14. 22. ἤκουσαν οἱ πεφύγασιν οἱ ἀλλοφύλοι (4 α)  
 17. 24. A καὶ ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐ. (4 α)  
 — 51. καὶ ἔφυγον [A -αν] (4 α)  
 19. 8. ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐ. (4 α)  
 — 12. καὶ ἔφυγε καὶ σώτατες (1 α)  
 — 18. καὶ ἔφυγε (1 α)  
 21. 10 (11). ἔφυγεν ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκ. ἐκ προσώπου Σ. (1 α)  
 22. 17. ἔγνωσαν οἱ φεύγειν αὐτοὺς (1 α)  
 — 20. ἔφυγον ὅπισθα Δ. (1 α)  
 28. 5. ἔφυγον ἐκ προσώπου αὐ. (1 α)  
 — 6. ἐν τῷ φεύγειν Ἀβ. υἱὸν Ἀβ. πρὸς Δ. (1 α)  
 27. 4. πέφευγε Δ. εἰς Γεθ (1 α)

I Ki. 30. 17. καὶ ἔφυγον [A -αν] (4 α)  
 31. 1, 7. ἔφυγον οἱ ἄνδρες Ἰσρ. (4 α)  
 — 7. καὶ φεύγουσι (4 α)  
 II Ki. 1. 4. B ἔφυγεν ὁ λαός ἐκ τοῦ πολέμου (4 α)  
 4. 4. καὶ ἔφυγε (4 α)  
 10. 13. ἔφυγον [A -ον] ἀπὸ προσώπου αὐ. (4 α)  
 — 14. ἔφυγε Συρία (4 α)  
 — 14. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου Ἀβ. (4 α)  
 — 18. ἔφυγε Σ. ἀπὸ προσώπου Ἰσρ. (4 α)  
 18. 29. B καὶ ἔφυγον [A B -ον] (4 α)  
 — 37. καὶ Ἀβ. ἔφυγε (1 α)  
 15. 14. ἀνάστητε καὶ φύγωμεν (1 α)  
 17. 2. καὶ φεύζεται [A ἐκφ.] πᾶς ὁ λαός (4 α)  
 18. 3. ἐὰν φυγῇ φύγωμεν (4 α)  
 — 17. πᾶς Ἰσρ. ἔφυγεν (4 α)  
 19. 3 (4). ἐν τῷ αὐτοῦ φεύγειν [A φυγ. αὐ.] ἐν τῷ πολέμῳ (4 α)  
 — 8 (9). Ἰσρ. ἔφυγεν ἀπὸ τῆς σκηνώματι αὐ. (4 α)  
 — 9 (10). πέφευγεν ἀπὸ τῆς γῆς (1 α)  
 28. 11. ὁ λαός ἔφυγεν ἐκ προσώπου ἀλλοφύλων (4 α)  
 24. 13. φεύγειν σε ἐμπροσθεν τῶν ἐχθρῶν σου (4 α)  
 III Ki. 2. 28. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὸ σκήνωμα τοῦ κ. (4 α)  
 — 29. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (4 α)  
 — 29. πέφευγας [A πέφυγας] εἰς τὸ θυσιαστήριον —  
 — 29. ἔφυγον πρὸς κύριον —  
 11. 43. B ὡς ἔφυγεν ἐκ προσώπου Σαλ. —  
 12. 2. ὡς ἔφυγεν ἐκ προσώπου τοῦ βασιλ. Σαλ. (1 α)  
 — 18. ἀναβήναι τοῦ φεύγειν εἰς Ἱερ. (4 α)  
 21 (20). 20. καὶ ἔφυγε Σ. (4 α)  
 — 30. ἔφυγον οἱ καταλοιποὶ εἰς Ἀφ. (4 α)  
 — 30. υἱὸς Ἀ. ἔφυγε (4 α)  
 IV Ki. 3. 24. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (4 α)  
 7. 7. ἔφυγον πρὸς τὴν ψυχὴν ἐαυτῶν (4 α)  
 8. 21. ἔφυγεν ὁ λαός εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. (4 α)  
 9. 3. φεύξῃ καὶ οὐ μινεῖς (4 α)  
 — 10, 23. καὶ ἔφυγε (4 α)  
 — 27. καὶ ἔφυγεν ὁδὸν B. (4 α)  
 — 27. καὶ ἔφυγεν εἰς M. (4 α)  
 14. 12. ἔφυγεν ἀπὸ τῶν σκηνώματι αὐ. (4 α)  
 — 19. καὶ ἔφυγεν εἰς Δ. (4 α)  
 I Ch. 10. 1. ἔφυγον ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (4 α)  
 — 7. ἔφυγεν Ἰσρ. (4 α)  
 — 7. καὶ ἔφυγον (4 α)  
 11. 13. ὁ λαός ἔφυγεν ἀπὸ προσώπου ἀλλοφύλων (4 α)  
 — 19. 14. ἔφυγον ἀπ' αὐτοῦ (4 α)  
 — 15. ἔφυγον οἱ ἔφυγον Σύροι (4 α)  
 — 15. ἔφυγον καὶ αὐτοὶ (4 α)  
 — 18. ἔφυγε Σύρος ἀπὸ προσώπου Δ. (4 α)  
 21. 12. φεύγειν [A φυγ.] σε ἐκ προσώπου ἐχθρῶν σου †  
 II Ch. 10. 2. ὡς ἔφυγεν ἀπὸ προσώπου Σαλ. (1 α)  
 — 18. ἔσπευσε... τοῦ φεύγειν εἰς Ἱερ. (4 α)  
 13. 16. ἔφυγον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀπὸ προσώπου Ἰ. (4 α)  
 14. 12 (11). καὶ ἔφυγον διδίομενοι (4 α)  
 21. 9. ἔφυγεν ὁ λαός εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. —  
 25. 22. ἔφυγεν [A -ον] ἕκαστος εἰς τὸ σκήνωμα (4 α)  
 — 27. ἔφυγεν ἀπὸ Ἱερ. εἰς Λ. (4 α)  
 Ne. 6. 11. Ἄ B' τίς ἐστὶν ὁ ἀνὴρ οἷος ἐγὼ φεύζεται [B' om. οἱ. ε. φ.] (1 α)  
 13. 10. ἔφυγον ἀπὸ τῆς ἀγρόν αὐ. (1 α)  
 To. 1. 18. φεύγων ἐκ τῆς Ἰουδαίας  
 — 21. ἔφυγον [B' -εν] εἰς τὰ δὴ Ἀρ. (4 α)  
 4. 21. B ἐὰν... φύγῃς [A B ἀποστῇς] ἀπὸ πάσης ἀμαρτίας  
 6. 7. B φεύζεται ἀπ' αὐτοῦ πᾶν ἀπάντημα  
 — 17. δαφρανθήσεται τὸ δαίμονος καὶ φεύζεται  
 8. 3. ἔφυγεν εἰς τὰ ἀνάστατα Αἰγύπτου [B αἰ.]  
 Ju. 6. 8. ἔφυγον εἰς Μεσοποταμίαν  
 14. 3. φεύζονται ἀπὸ προσώπου ὑμῶν  
 15. 2. ἔφυγον ἐπὶ πᾶσαν ὁδὸν τοῦ πεδίου  
 Jb. 27. 22. ἐκ χειρὸς αὐτοῦ φυγὴ φεύζεται (1 α)  
 30. 3. οἱ φεύγοντες ἀπὸ τῶν ἐχθρῶν συνοχήν (7)  
 Ps. 80 (81). 1. ἔφυγον ἀπ' ἐμοῦ (8)  
 59 (60). 4. τοῦ φεύγειν ἀπὸ προσώπου τῶν ἐχθρῶν (5 δ)  
 67 (68). 1. φυγέτωσαν οἱ μισοῦντες αὐτὸν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ (4 α)  
 108 (104). 7. ἀπὸ ἐπιτιμῶσέ σου φεύζονται (4 α)  
 118 (114). 3. ἡ θάλασσα εἶδε καὶ ἔφυγεν (4 α)  
 — 5. τί σοι ἐστὶ, θάλασσα, οἱ ἔφυγεν (4 α)  
 138 (139). 7. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου ποῦ φύγω (1 α)  
 Pr. 28. 1. φεύγει ἀσεβὴς μηδενὸς διώκοντος (4 α)  
 Ca. 8. 14. φύγει [A φεύγει], ἀδελφί μου (1 α)  
 Wi. 1. 5. ἄμων γὰρ πνεῦμα παιδείας [A σοφίας] φεύζεται δόλον



Wi. 10. 6. αὐτὴ δίκαιον . . . ἐρρίσατο φυγόντα [B<sup>1</sup> φεύγ.] πῦρ καταβύσιον πενταπόλειος  
16. 15. τὴν δὲ σὺν χεῖρα φυνγὴν ἀδυνάτων ἐστίν  
Si. 21. 2. ὡς ἀπὸ προσώπου δέφους φεύγει ἀπὸ  
μαρτίας  
Am. 5. 19. ἐὰν φύγη [A δταν ἐκφ.] ἄνθρωπος (4 a)  
6. 5. ὡς ἐστὶν κτῆτα ἐλογίσαντο καὶ οὐχ ὡς φεύγοντα †  
9. 1. οὐ μὴ διαφύγη ἐξ αὐτῶν φεύγων (4 a)  
Ob. 1. 14. μηδὲ συγκλείσῃς τοὺς φεύγοντας αὐ. (8)  
Jn. 1. 3. ἀνίστη 'Ι. τοῦ φυγεῖν εἰς Θ. (1 a)  
— 10. ἐκ προσώπου κυρίου ἦν φεύγων (1 a)  
4. 2. προσέφθασα τοῦ φυγεῖν εἰς Θ. (1 a)  
Na. 2. 5 (6). φεύγονται ἡμέρας —  
— 8 (9). καὶ αὐτοὶ φεύγοντες οὐκ ἔστησαν (4 a)  
Za. 2. 6 (10). φεύγει ἀπὸ γῆς βορρᾶ (4 a)  
Is. 10. 18. ἔσται ὁ φεύγων ὡς ὁ φεύγων ἀπὸ  
φλογὸς καίμινος (†, 5 a?)  
— 30 (29). φεύξεται ἡ θυγάτηρ Γαλλείμ (4 a)  
18. 14. ἔσονται . . . ὡς δορκάδιον φεύγον [B<sup>1</sup>  
— οντα] (3 b)  
16. 3. ἐν μεσημβρίῃ σκοτία φεύγουσιν (3 a)  
20. 6. τοῦ φυγεῖν εἰς αὐτοὺς εἰς βοήθειαν (4 a)  
21. 14. ἄρτους συναγαγὲν τοὺς φεύγουσιν (2)  
— 15. A B διὰ τὸ πλῆθος τῶν φευγόντων [B  
πεφρονεμένων] (2)  
22. 3. πάντες οἱ ἀρχόντες σου πεφύγασι . . .  
οἱ ἰσχυροὶτες ἐν σοὶ πόρρω πεφύ-  
γασι (2, 1 a)  
24. 18. ὁ φεύγων τὸν φόβον ἔμπεσεῖται (4 a)  
27. 1. ἐπὶ τὸν δράκοντα θύει φεύγοντα (1 b)  
80. 16. ἐφ' ἵππων φευξόμεθα διὰ τοῦτο φεί-  
ξεσθε (4 a, 4 a)  
— 17. χίλιοι διὰ φωνῆν ἐνὸς φεύζονται καὶ διὰ  
φωνῆν πέντε φεύζονται πολλοὶ (—, 4 a)  
31. 8. φεύξεται οὐκ ἀπὸ προσώπου μαχαίρας  
[A δίκωκτος] (4 a)  
— 9. ὁ δὲ φεύγων ἀλάσεται †  
48. 14. ἐπεγερῶ φεύγοντας πάντας (1 b)  
20. 6. ἐξέλθε . . . φεύγων ἀπὸ τῶν Χαλδαίων (1 a)  
Je. 4. 6. φεύγεται εἰς Σιών †  
— 21. ὥς ποτε ὄνομα φεύγοντας †  
26 (48). 5. φυγὴ φεύγων (4 a)  
— 6. μὴ φευγέτω ὁ κούφος (4 a)  
— 15. διὰ τί φεύγον ἀπὸ σοῦ ὁ ἄπαις †  
— 21. φεύγων ὁμοθυμαδὸν (4 a)  
27 (50). 16. ἔκατος εἰς τὴν γῆν [A τὸν οἶκον]  
αὐτοῦ φεύξεται (4 a)  
— 28. φωνὴ φευγόντων (4 a)  
28 (51). 6. φεύγεται ἐκ μέσου Βαβυλῶνος (4 a)  
80. 8 (49. 30). φεύγεται (4 a)  
31 (48). 6. φεύγεται καὶ σώσατε τὰς ψυχὰς ὑμῶν (4 a)  
— 19. ἐρώτησον φεύγοντα (4 a)  
— 44. ὁ φεύγων ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου  
ἔμπεσεῖται (4 a, 4 d\*)  
44 (87). 13. πρὸς τοὺς Χαλδαίους σὺ φεύγεις (6)  
— (14). οὐκ εἰς [A B οὐχὶ πρὸς] τοὺς Χαλδαίους  
ἐγὼ φεύγω (6)  
45 (38). 19. λόγον ἔχω τῶν Ἰουδαίων τῶν  
πεφενγόντων (6)  
Ep. Je. 55. οἱ μὲν ἱερεῖς αὐτῶν φεύζονται  
Da. LXX. Su. 39. φεύγει συγκατακαλυμμένος  
Da. TH. 10. 7. φεύγων ἐν φόβῳ (1 a)  
I Ma. 1. 18. καὶ ἔφυγε  
— 18. B<sup>1</sup> καὶ ἔφυγον [A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> B<sup>4</sup> B<sup>5</sup> B<sup>6</sup> B<sup>7</sup> B<sup>8</sup> B<sup>9</sup> B<sup>10</sup> B<sup>11</sup> B<sup>12</sup> B<sup>13</sup> B<sup>14</sup> B<sup>15</sup> B<sup>16</sup> B<sup>17</sup> B<sup>18</sup> B<sup>19</sup> B<sup>20</sup> B<sup>21</sup> B<sup>22</sup> B<sup>23</sup> B<sup>24</sup> B<sup>25</sup> B<sup>26</sup> B<sup>27</sup> B<sup>28</sup> B<sup>29</sup> B<sup>30</sup> B<sup>31</sup> B<sup>32</sup> B<sup>33</sup> B<sup>34</sup> B<sup>35</sup> B<sup>36</sup> B<sup>37</sup> B<sup>38</sup> B<sup>39</sup> B<sup>40</sup> B<sup>41</sup> B<sup>42</sup> B<sup>43</sup> B<sup>44</sup> B<sup>45</sup> B<sup>46</sup> B<sup>47</sup> B<sup>48</sup> B<sup>49</sup> B<sup>50</sup> B<sup>51</sup> B<sup>52</sup> B<sup>53</sup> B<sup>54</sup> B<sup>55</sup> B<sup>56</sup> B<sup>57</sup> B<sup>58</sup> B<sup>59</sup> B<sup>60</sup> B<sup>61</sup> B<sup>62</sup> B<sup>63</sup> B<sup>64</sup> B<sup>65</sup> B<sup>66</sup> B<sup>67</sup> B<sup>68</sup> B<sup>69</sup> B<sup>70</sup> B<sup>71</sup> B<sup>72</sup> B<sup>73</sup> B<sup>74</sup> B<sup>75</sup> B<sup>76</sup> B<sup>77</sup> B<sup>78</sup> B<sup>79</sup> B<sup>80</sup> B<sup>81</sup> B<sup>82</sup> B<sup>83</sup> B<sup>84</sup> B<sup>85</sup> B<sup>86</sup> B<sup>87</sup> B<sup>88</sup> B<sup>89</sup> B<sup>90</sup> B<sup>91</sup> B<sup>92</sup> B<sup>93</sup> B<sup>94</sup> B<sup>95</sup> B<sup>96</sup> B<sup>97</sup> B<sup>98</sup> B<sup>99</sup> B<sup>100</sup> B<sup>101</sup> B<sup>102</sup> B<sup>103</sup> B<sup>104</sup> B<sup>105</sup> B<sup>106</sup> B<sup>107</sup> B<sup>108</sup> B<sup>109</sup> B<sup>110</sup> B<sup>111</sup> B<sup>112</sup> B<sup>113</sup> B<sup>114</sup> B<sup>115</sup> B<sup>116</sup> B<sup>117</sup> B<sup>118</sup> B<sup>119</sup> B<sup>120</sup> B<sup>121</sup> B<sup>122</sup> B<sup>123</sup> B<sup>124</sup> B<sup>125</sup> B<sup>126</sup> B<sup>127</sup> B<sup>128</sup> B<sup>129</sup> B<sup>130</sup> B<sup>131</sup> B<sup>132</sup> B<sup>133</sup> B<sup>134</sup> B<sup>135</sup> B<sup>136</sup> B<sup>137</sup> B<sup>138</sup> B<sup>139</sup> B<sup>140</sup> B<sup>141</sup> B<sup>142</sup> B<sup>143</sup> B<sup>144</sup> B<sup>145</sup> B<sup>146</sup> B<sup>147</sup> B<sup>148</sup> B<sup>149</sup> B<sup>150</sup> B<sup>151</sup> B<sup>152</sup> B<sup>153</sup> B<sup>154</sup> B<sup>155</sup> B<sup>156</sup> B<sup>157</sup> B<sup>158</sup> B<sup>159</sup> B<sup>160</sup> B<sup>161</sup> B<sup>162</sup> B<sup>163</sup> B<sup>164</sup> B<sup>165</sup> B<sup>166</sup> B<sup>167</sup> B<sup>168</sup> B<sup>169</sup> B<sup>170</sup> B<sup>171</sup> B<sup>172</sup> B<sup>173</sup> B<sup>174</sup> B<sup>175</sup> B<sup>176</sup> B<sup>177</sup> B<sup>178</sup> B<sup>179</sup> B<sup>180</sup> B<sup>181</sup> B<sup>182</sup> B<sup>183</sup> B<sup>184</sup> B<sup>185</sup> B<sup>186</sup> B<sup>187</sup> B<sup>188</sup> B<sup>189</sup> B<sup>190</sup> B<sup>191</sup> B<sup>192</sup> B<sup>193</sup> B<sup>194</sup> B<sup>195</sup> B<sup>196</sup> B<sup>197</sup> B<sup>198</sup> B<sup>199</sup> B<sup>200</sup> B<sup>201</sup> B<sup>202</sup> B<sup>203</sup> B<sup>204</sup> B<sup>205</sup> B<sup>206</sup> B<sup>207</sup> B<sup>208</sup> B<sup>209</sup> B<sup>210</sup> B<sup>211</sup> B<sup>212</sup> B<sup>213</sup> B<sup>214</sup> B<sup>215</sup> B<sup>216</sup> B<sup>217</sup> B<sup>218</sup> B<sup>219</sup> B<sup>220</sup> B<sup>221</sup> B<sup>222</sup> B<sup>223</sup> B<sup>224</sup> B<sup>225</sup> B<sup>226</sup> B<sup>227</sup> B<sup>228</sup> B<sup>229</sup> B<sup>230</sup> B<sup>231</sup> B<sup>232</sup> B<sup>233</sup> B<sup>234</sup> B<sup>235</sup> B<sup>236</sup> B<sup>237</sup> B<sup>238</sup> B<sup>239</sup> B<sup>240</sup> B<sup>241</sup> B<sup>242</sup> B<sup>243</sup> B<sup>244</sup> B<sup>245</sup> B<sup>246</sup> B<sup>247</sup> B<sup>248</sup> B<sup>249</sup> B<sup>250</sup> B<sup>251</sup> B<sup>252</sup> B<sup>253</sup> B<sup>254</sup> B<sup>255</sup> B<sup>256</sup> B<sup>257</sup> B<sup>258</sup> B<sup>259</sup> B<sup>260</sup> B<sup>261</sup> B<sup>262</sup> B<sup>263</sup> B<sup>264</sup> B<sup>265</sup> B<sup>266</sup> B<sup>267</sup> B<sup>268</sup> B<sup>269</sup> B<sup>270</sup> B<sup>271</sup> B<sup>272</sup> B<sup>273</sup> B<sup>274</sup> B<sup>275</sup> B<sup>276</sup> B<sup>277</sup> B<sup>278</sup> B<sup>279</sup> B<sup>280</sup> B<sup>281</sup> B<sup>282</sup> B<sup>283</sup> B<sup>284</sup> B<sup>285</sup> B<sup>286</sup> B<sup>287</sup> B<sup>288</sup> B<sup>289</sup> B<sup>290</sup> B<sup>291</sup> B<sup>292</sup> B<sup>293</sup> B<sup>294</sup> B<sup>295</sup> B<sup>296</sup> B<sup>297</sup> B<sup>298</sup> B<sup>299</sup> B<sup>300</sup> B<sup>301</sup> B<sup>302</sup> B<sup>303</sup> B<sup>304</sup> B<sup>305</sup> B<sup>306</sup> B<sup>307</sup> B<sup>308</sup> B<sup>309</sup> B<sup>310</sup> B<sup>311</sup> B<sup>312</sup> B<sup>313</sup> B<sup>314</sup> B<sup>315</sup> B<sup>316</sup> B<sup>317</sup> B<sup>318</sup> B<sup>319</sup> B<sup>320</sup> B<sup>321</sup> B<sup>322</sup> B<sup>323</sup> B<sup>324</sup> B<sup>325</sup> B<sup>326</sup> B<sup>327</sup> B<sup>328</sup> B<sup>329</sup> B<sup>330</sup> B<sup>331</sup> B<sup>332</sup> B<sup>333</sup> B<sup>334</sup> B<sup>335</sup> B<sup>336</sup> B<sup>337</sup> B<sup>338</sup> B<sup>339</sup> B<sup>340</sup> B<sup>341</sup> B<sup>342</sup> B<sup>343</sup> B<sup>344</sup> B<sup>345</sup> B<sup>346</sup> B<sup>347</sup> B<sup>348</sup> B<sup>349</sup> B<sup>350</sup> B<sup>351</sup> B<sup>352</sup> B<sup>353</sup> B<sup>354</sup> B<sup>355</sup> B<sup>356</sup> B<sup>357</sup> B<sup>358</sup> B<sup>359</sup> B<sup>360</sup> B<sup>361</sup> B<sup>362</sup> B<sup>363</sup> B<sup>364</sup> B<sup>365</sup> B<sup>366</sup> B<sup>367</sup> B<sup>368</sup> B<sup>369</sup> B<sup>370</sup> B<sup>371</sup> B<sup>372</sup> B<sup>373</sup> B<sup>374</sup> B<sup>375</sup> B<sup>376</sup> B<sup>377</sup> B<sup>378</sup> B<sup>379</sup> B<sup>380</sup> B<sup>381</sup> B<sup>382</sup> B<sup>383</sup> B<sup>384</sup> B<sup>385</sup> B<sup>386</sup> B<sup>387</sup> B<sup>388</sup> B<sup>389</sup> B<sup>390</sup> B<sup>391</sup> B<sup>392</sup> B<sup>393</sup> B<sup>394</sup> B<sup>395</sup> B<sup>396</sup> B<sup>397</sup> B<sup>398</sup> B<sup>399</sup> B<sup>400</sup> B<sup>401</sup> B<sup>402</sup> B<sup>403</sup> B<sup>404</sup> B<sup>405</sup> B<sup>406</sup> B<sup>407</sup> B<sup>408</sup> B<sup>409</sup> B<sup>410</sup> B<sup>411</sup> B<sup>412</sup> B<sup>413</sup> B<sup>414</sup> B<sup>415</sup> B<sup>416</sup> B<sup>417</sup> B<sup>418</sup> B<sup>419</sup> B<sup>420</sup> B<sup>421</sup> B<sup>422</sup> B<sup>423</sup> B<sup>424</sup> B<sup>425</sup> B<sup>426</sup> B<sup>427</sup> B<sup>428</sup> B<sup>429</sup> B<sup>430</sup> B<sup>431</sup> B<sup>432</sup> B<sup>433</sup> B<sup>434</sup> B<sup>435</sup> B<sup>436</sup> B<sup>437</sup> B<sup>438</sup> B<sup>439</sup> B<sup>440</sup> B<sup>441</sup> B<sup>442</sup> B<sup>443</sup> B<sup>444</sup> B<sup>445</sup> B<sup>446</sup> B<sup>447</sup> B<sup>448</sup> B<sup>449</sup> B<sup>450</sup> B<sup>451</sup> B<sup>452</sup> B<sup>453</sup> B<sup>454</sup> B<sup>455</sup> B<sup>456</sup> B<sup>457</sup> B<sup>458</sup> B<sup>459</sup> B<sup>460</sup> B<sup>461</sup> B<sup>462</sup> B<sup>463</sup> B<sup>464</sup> B<sup>465</sup> B<sup>466</sup> B<sup>467</sup> B<sup>468</sup> B<sup>469</sup> B<sup>470</sup> B<sup>471</sup> B<sup>472</sup> B<sup>473</sup> B<sup>474</sup> B<sup>475</sup> B<sup>476</sup> B<sup>477</sup> B<sup>478</sup> B<sup>479</sup> B<sup>480</sup> B<sup>481</sup> B<sup>482</sup> B<sup>483</sup> B<sup>484</sup> B<sup>485</sup> B<sup>486</sup> B<sup>487</sup> B<sup>488</sup> B<sup>489</sup> B<sup>490</sup> B<sup>491</sup> B<sup>492</sup> B<sup>493</sup> B<sup>494</sup> B<sup>495</sup> B<sup>496</sup> B<sup>497</sup> B<sup>498</sup> B<sup>499</sup> B<sup>500</sup> B<sup>501</sup> B<sup>502</sup> B<sup>503</sup> B<sup>504</sup> B<sup>505</sup> B<sup>506</sup> B<sup>507</sup> B<sup>508</sup> B<sup>509</sup> B<sup>510</sup> B<sup>511</sup> B<sup>512</sup> B<sup>513</sup> B<sup>514</sup> B<sup>515</sup> B<sup>516</sup> B<sup>517</sup> B<sup>518</sup> B<sup>519</sup> B<sup>520</sup> B<sup>521</sup> B<sup>522</sup> B<sup>523</sup> B<sup>524</sup> B<sup>525</sup> B<sup>526</sup> B<sup>527</sup> B<sup>528</sup> B<sup>529</sup> B<sup>530</sup> B<sup>531</sup> B<sup>532</sup> B<sup>533</sup> B<sup>534</sup> B<sup>535</sup> B<sup>536</sup> B<sup>537</sup> B<sup>538</sup> B<sup>539</sup> B<sup>540</sup> B<sup>541</sup> B<sup>542</sup> B<sup>543</sup> B<sup>544</sup> B<sup>545</sup> B<sup>546</sup> B<sup>547</sup> B<sup>548</sup> B<sup>549</sup> B<sup>550</sup> B<sup>551</sup> B<sup>552</sup> B<sup>553</sup> B<sup>554</sup> B<sup>555</sup> B<sup>556</sup> B<sup>557</sup> B<sup>558</sup> B<sup>559</sup> B<sup>560</sup> B<sup>561</sup> B<sup>562</sup> B<sup>563</sup> B<sup>564</sup> B<sup>565</sup> B<sup>566</sup> B<sup>567</sup> B<sup>568</sup> B<sup>569</sup> B<sup>570</sup> B<sup>571</sup> B<sup>572</sup> B<sup>573</sup> B<sup>574</sup> B<sup>575</sup> B<sup>576</sup> B<sup>577</sup> B<sup>578</sup> B<sup>579</sup> B<sup>580</sup> B<sup>581</sup> B<sup>582</sup> B<sup>583</sup> B<sup>584</sup> B<sup>585</sup> B<sup>586</sup> B<sup>587</sup> B<sup>588</sup> B<sup>589</sup> B<sup>590</sup> B<sup>591</sup> B<sup>592</sup> B<sup>593</sup> B<sup>594</sup> B<sup>595</sup> B<sup>596</sup> B<sup>597</sup> B<sup>598</sup> B<sup>599</sup> B<sup>600</sup> B<sup>601</sup> B<sup>602</sup> B<sup>603</sup> B<sup>604</sup> B<sup>605</sup> B<sup>606</sup> B<sup>607</sup> B<sup>608</sup> B<sup>609</sup> B<sup>610</sup> B<sup>611</sup> B<sup>612</sup> B<sup>613</sup> B<sup>614</sup> B<sup>615</sup> B<sup>616</sup> B<sup>617</sup> B<sup>618</sup> B<sup>619</sup> B<sup>620</sup> B<sup>621</sup> B<sup>622</sup> B<sup>623</sup> B<sup>624</sup> B<sup>625</sup> B<sup>626</sup> B<sup>627</sup> B<sup>628</sup> B<sup>629</sup> B<sup>630</sup> B<sup>631</sup> B<sup>632</sup> B<sup>633</sup> B<sup>634</sup> B<sup>635</sup> B<sup>636</sup> B<sup>637</sup> B<sup>638</sup> B<sup>639</sup> B<sup>640</sup> B<sup>641</sup> B<sup>642</sup> B<sup>643</sup> B<sup>644</sup> B<sup>645</sup> B<sup>646</sup> B<sup>647</sup> B<sup>648</sup> B<sup>649</sup> B<sup>650</sup> B<sup>651</sup> B<sup>652</sup> B<sup>653</sup> B<sup>654</sup> B<sup>655</sup> B<sup>656</sup> B<sup>657</sup> B<sup>658</sup> B<sup>659</sup> B<sup>660</sup> B<sup>661</sup> B<sup>662</sup> B<sup>663</sup> B<sup>664</sup> B<sup>665</sup> B<sup>666</sup> B<sup>667</sup> B<sup>668</sup> B<sup>669</sup> B<sup>670</sup> B<sup>671</sup> B<sup>672</sup> B<sup>673</sup> B<sup>674</sup> B<sup>675</sup> B<sup>676</sup> B<sup>677</sup> B<sup>678</sup> B<sup>679</sup> B<sup>680</sup> B<sup>681</sup> B<sup>682</sup> B<sup>683</sup> B<sup>684</sup> B<sup>685</sup> B<sup>686</sup> B<sup>687</sup> B<sup>688</sup> B<sup>689</sup> B<sup>690</sup> B<sup>691</sup> B<sup>692</sup> B<sup>693</sup> B<sup>694</sup> B<sup>695</sup> B<sup>696</sup> B<sup>697</sup> B<sup>698</sup> B<sup>699</sup> B<sup>700</sup> B<sup>701</sup> B<sup>702</sup> B<sup>703</sup> B<sup>704</sup> B<sup>705</sup> B<sup>706</sup> B<sup>707</sup> B<sup>708</sup> B<sup>709</sup> B<sup>710</sup> B<sup>711</sup> B<sup>712</sup> B<sup>713</sup> B<sup>714</sup> B<sup>715</sup> B<sup>716</sup> B<sup>717</sup> B<sup>718</sup> B<sup>719</sup> B<sup>720</sup> B<sup>721</sup> B<sup>722</sup> B<sup>723</sup> B<sup>724</sup> B<sup>725</sup> B<sup>726</sup> B<sup>727</sup> B<sup>728</sup> B<sup>729</sup> B<sup>730</sup> B<sup>731</sup> B<sup>732</sup> B<sup>733</sup> B<sup>734</sup> B<sup>735</sup> B<sup>736</sup> B<sup>737</sup> B<sup>738</sup> B<sup>739</sup> B<sup>740</sup> B<sup>741</sup> B<sup>742</sup> B<sup>743</sup> B<sup>744</sup> B<sup>745</sup> B<sup>746</sup> B<sup>747</sup> B<sup>748</sup> B<sup>749</sup> B<sup>750</sup> B<sup>751</sup> B<sup>752</sup> B<sup>753</sup> B<sup>754</sup> B<sup>755</sup> B<sup>756</sup> B<sup>757</sup> B<sup>758</sup> B<sup>759</sup> B<sup>760</sup> B<sup>761</sup> B<sup>762</sup> B<sup>763</sup> B<sup>764</sup> B<sup>765</sup> B<sup>766</sup> B<sup>767</sup> B<sup>768</sup> B<sup>769</sup> B<sup>770</sup> B<sup>771</sup> B<sup>772</sup> B<sup>773</sup> B<sup>774</sup> B<sup>775</sup> B<sup>776</sup> B<sup>777</sup> B<sup>778</sup> B<sup>779</sup> B<sup>780</sup> B<sup>781</sup> B<sup>782</sup> B<sup>783</sup> B<sup>784</sup> B<sup>785</sup> B<sup>786</sup> B<sup>787</sup> B<sup>788</sup> B<sup>789</sup> B<sup>790</sup> B<sup>791</sup> B<sup>792</sup> B<sup>793</sup> B<sup>794</sup> B<sup>795</sup> B<sup>796</sup> B<sup>797</sup> B<sup>798</sup> B<sup>799</sup> B<sup>800</sup> B<sup>801</sup> B<sup>802</sup> B<sup>803</sup> B<sup>804</sup> B<sup>805</sup> B<sup>806</sup> B<sup>807</sup> B<sup>808</sup> B<sup>809</sup> B<sup>810</sup> B<sup>811</sup> B<sup>812</sup> B<sup>813</sup> B<sup>814</sup> B<sup>815</sup> B<sup>816</sup> B<sup>817</sup> B<sup>818</sup> B<sup>819</sup> B<sup>820</sup> B<sup>821</sup> B<sup>822</sup> B<sup>823</sup> B<sup>824</sup> B<sup>825</sup> B<sup>826</sup> B<sup>827</sup> B<sup>828</sup> B<sup>829</sup> B<sup>830</sup> B<sup>831</sup> B<sup>832</sup> B<sup>833</sup> B<sup>834</sup> B<sup>835</sup> B<sup>836</sup> B<sup>837</sup> B<sup>838</sup> B<sup>839</sup> B<sup>840</sup> B<sup>841</sup> B<sup>842</sup> B<sup>843</sup> B<sup>844</sup> B<sup>845</sup> B<sup>846</sup> B<sup>847</sup> B<sup>848</sup> B<sup>849</sup> B<sup>850</sup> B<sup>851</sup> B<sup>852</sup> B<sup>853</sup> B<sup>854</sup> B<sup>855</sup> B<sup>856</sup> B<sup>857</sup> B<sup>858</sup> B<sup>859</sup> B<sup>860</sup> B<sup>861</sup> B<sup>862</sup> B<sup>863</sup> B<sup>864</sup> B<sup>865</sup> B<sup>866</sup> B<sup>867</sup> B<sup>868</sup> B<sup>869</sup> B<sup>870</sup> B<sup>871</sup> B<sup>872</sup> B<sup>873</sup> B<sup>874</sup> B<sup>875</sup> B<sup>876</sup> B<sup>877</sup> B<sup>878</sup> B<sup>879</sup> B<sup>880</sup> B<sup>881</sup> B<sup>882</sup> B<sup>883</sup> B<sup>884</sup> B<sup>885</sup> B<sup>886</sup> B<sup>887</sup> B<sup>888</sup> B<sup>889</sup> B<sup>890</sup> B<sup>891</sup> B<sup>892</sup> B<sup>893</sup> B<sup>894</sup> B<sup>895</sup> B<sup>896</sup> B<sup>897</sup> B<sup>898</sup> B<sup>899</sup> B<sup>900</sup> B<sup>901</sup> B<sup>902</sup> B<sup>903</sup> B<sup>904</sup> B<sup>905</sup> B<sup>906</sup> B<sup>907</sup> B<sup>908</sup> B<sup>909</sup> B<sup>910</sup> B<sup>911</sup> B<sup>912</sup> B<sup>913</sup> B<sup>914</sup> B<sup>915</sup> B<sup>916</sup> B<sup>917</sup> B<sup>918</sup> B<sup>919</sup> B<sup>920</sup> B<sup>921</sup> B<sup>922</sup> B<sup>923</sup> B<sup>924</sup> B<sup>925</sup> B<sup>926</sup> B<sup>927</sup> B<sup>928</sup> B<sup>929</sup> B<sup>930</sup> B<sup>931</sup> B<sup>932</sup> B<sup>933</sup> B<sup>934</sup> B<sup>935</sup> B<sup>936</sup> B<sup>937</sup> B<sup>938</sup> B<sup>939</sup> B<sup>940</sup> B<sup>941</sup> B<sup>942</sup> B<sup>943</sup> B<sup>944</sup> B<sup>945</sup> B<sup>946</sup> B<sup>947</sup> B<sup>948</sup> B<sup>949</sup> B<sup>950</sup> B<sup>951</sup> B<sup>952</sup> B<sup>953</sup> B<sup>954</sup> B<sup>955</sup> B<sup>956</sup> B<sup>957</sup> B<sup>958</sup> B<sup>959</sup> B<sup>960</sup> B<sup>961</sup> B<sup>962</sup> B<sup>963</sup> B<sup>964</sup> B<sup>965</sup> B<sup>966</sup> B<sup>967</sup> B<sup>968</sup> B<sup>969</sup> B<sup>970</sup> B<sup>971</sup> B<sup>972</sup> B<sup>973</sup> B<sup>974</sup> B<sup>975</sup> B<sup>976</sup> B<sup>977</sup> B<sup>978</sup> B<sup>979</sup> B<sup>980</sup> B<sup>981</sup> B<sup>982</sup> B<sup>983</sup> B<sup>984</sup> B<sup>985</sup> B<sup>986</sup> B<sup>987</sup> B<sup>988</sup> B<sup>989</sup> B<sup>990</sup> B<sup>991</sup> B<sup>992</sup> B<sup>993</sup> B<sup>994</sup> B<sup>995</sup> B<sup>996</sup> B<sup>997</sup> B<sup>998</sup> B<sup>999</sup> B<sup>1000</sup>

I Ma. 10. 64. καὶ ἔφυγον πάντες  
— 73. B B οὐδὲ τόπος τοῦ [A τοῦ] φυγεῖν  
— 82. καὶ φεύγων  
— 83. A B ἔφυγον [B -εν] εἰς Ἄζωτον  
11. 16. ἔφυγεν Ἄλ. εἰς τὴν Ἀραβίαν  
— 46. ἔφυγεν ὁ βασις εἰς τὴν αὐλήν  
— 55. καὶ ἔφυγε καὶ ἐτροπώθη  
— 69 (A B<sup>2</sup> B<sup>3</sup> B<sup>4</sup> B<sup>5</sup> B<sup>6</sup> B<sup>7</sup> B<sup>8</sup> B<sup>9</sup> B<sup>10</sup> B<sup>11</sup> B<sup>12</sup> B<sup>13</sup> B<sup>14</sup> B<sup>15</sup> B<sup>16</sup> B<sup>17</sup> B<sup>18</sup> B<sup>19</sup> B<sup>20</sup> B<sup>21</sup> B<sup>22</sup> B<sup>23</sup> B<sup>24</sup> B<sup>25</sup> B<sup>26</sup> B<sup>27</sup> B<sup>28</sup> B<sup>29</sup> B<sup>30</sup> B<sup>31</sup> B<sup>32</sup> B<sup>33</sup> B<sup>34</sup> B<sup>35</sup> B<sup>36</sup> B<sup>37</sup> B<sup>38</sup> B<sup>39</sup> B<sup>40</sup> B<sup>41</sup> B<sup>42</sup> B<sup>43</sup>

**φθειρίζειν** (φθερ.).  
Je. 50 (43). 12. φθειρεί [B<sup>1</sup>-είς] γῆν Αἰγύπτου  
[Α. αὐτοῦ] ὥσπερ φθειρίζει ποιμῆν  
τὸ ἰμάτιον αὐτοῦ †, †

**φθιγῆλ.**  
[Th. Is. 3. 24.]

**φθίνειν** (φθινύθειν).  
Jb. 31. 26. σελήνην δι' φθίνουσιν [B<sup>1</sup>-νύθουσιν] †

**φθογγή.**  
[Aq. Jb. 37. 2: Is. 59. 11.]  
[Th. Ps. 9. 17.]

**φθόγγος.** (1) 12  
Ps. 18 (19). 4. εἰς πᾶσαν τὴν γῆν ἐξῆλθεν ὁ φθ.  
αὐτῶν (1?)  
Wi. 19. 18. ἐν ψαλτηρίῳ φθόγγου τοῦ ῥυθμοῦ τὸ  
ὄνομα διαλάσσουνσι  
[Aq. Ps. 91 (92). 4.]

**φθονεῖν.**  
To. 4. 7. 16. Α. Β. μὴ φθονεσάτω σου ὁ ὀφθαλμός  
**φθονερός.**  
Si. 14. 10. ὀφθαλμός πονηρὸς φθονερός [B<sup>2</sup> ὁ φθ.] ἐπ'  
ἄρτω  
[Al. Pr. 28. 22.]

**φθόνος.**  
Wi. 2. 24. φθόνῳ δι' διαβόλου θάνατος εἰσῆλθεν εἰς  
τὸν κόσμον  
6. 23. οὐτε μὴν φθόνῳ τεττήκοι συνοδεύσω  
I Ma. 8. 16. οὐκ ἔστι φθόνος οὐδὲ ζῆλος ἐν αὐτοῖς  
III Ma. 6. 7. τὸν διαβολὰς φθόνου λένουσι . . . ῥι-  
φέντα

**φθοοῦ.**  
[Hob. Is. 28. 2.]

**φθορά.** (1) P22 ni. (2) α. 737 δ. 737  
(3) 737 (4) α. 737 δ. 737  
Ex. 18. 18. φθορὰ καταφθέρησιν (9)  
Ps. 102 (108). 4. τὸν λυτρούμενον ἐκ φθορᾶς τὴν  
ζωὴν σου (4 α)  
Wi. 14. 12. εὐρεῖται δὲ αὐτῶν [B-φ] φθορὰ ζωῆς  
— 25. κλοπὴ καὶ δόλος φθορὰ ἀπιστίας  
Mi. 2. 10. διεφθάρητε φθορᾶ (2 α)  
Jn. 2. 7. ἀναβήτω φθορὰ ζωῆς [Α. ἐκ φθορᾶς ἡ  
ζωὴ B<sup>1</sup> ἐκ φθορᾶς ζωῆς] μου (4 α)  
Is. 24. 3. φθορὰ φθαρῆσεται ἡ γῆ (1)  
Da. LXX. 8. 25 (92). φθ. οὐδεμία ἐγενήθη ἐν  
αὐτοῖς (2 β)  
10. 8. πνεῦμα ἐπεστράφη ἐπ' ἐμὲ εἰς φθοράν (4 β)  
[Aq., Sm., Th. Jn. 2. 7.]  
[Al. Jb. 5. 22.]

**φθορεῦς.**  
IV Ma. 18. 8. οὐ διεφθειρέ με λυμῶν τῆς ἐρημίας  
φθορεῦς

**φιδῶλ.** (1) α. D13 δ. D7 (2) P77  
(3) P77 (4) P77  
Ex. 27. 3. ποιήσεις . . . τὰς φ. αὐ. (2)  
88. 23 (3). ἐποίησε . . . τὰς φ. (2)  
Nu. 4. 14. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ . . . τὰς φ. (2)  
7. 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67,  
73, 79. φιδῶν μίαν ἀργυρᾶν (2)  
— 84. φιδῶν ἀργυρᾶν δώδεκα (2)  
— 85. βιβδομύκοντα σικλῶν ἢ φιδῶν ἡ μία (2)  
— 86. Α. φ. ἀργυρᾶν δώδεκα —  
III Ki. 7. 40. ἐποίησε Χ. . . τὰς φ. (2)  
— 45. καὶ τὰς θερμάστρας καὶ τὰς φ. (2)  
— 50. αἱ φ. καὶ τὰ τρυβλία (2)  
IV Ki. 12. 13 (14). ἦλοι φιδῶν καὶ σάλπιγγες  
25. 14. τὰς φ. . . ἔλαβε †  
— 15. τὰς φ. τὰς χρυσᾶς καὶ τὰς ἀργυρᾶς  
ἔλαβεν (2)  
I Ch. 28. 17. καὶ τὸν φ. τῶν χρυσῶν (4)  
II Ch. 4. 8. ἐποίησε φ. χρυσᾶς ἐκτόν (2)  
— 21 (22). καὶ τὰς φ. καὶ τὰς θυσίας (2)  
I Es. 2. 13. φιδῶν χρυσοῖ τριάκοντα (2)  
Ne. 7. 70. ἔδωκαν . . . φιδῶν πενήκοντα (2)  
Pr. 23. 31. εἰς γὰρ εἰς τὰς φ. . . ὄφρ' τοὺς ὀφ-  
θαλμούς σου (1 α, 1 β\*)

Ca. 5. 13. σιαγόνες αὐτοῦ ὡς φιδῶν [Α. -ες] (8)  
τοῦ ἀρώματος (8)  
6. 1 (2). κατ' ἐξ. . . εἰς φιδῶν τοῦ ἀρώματος (8)  
Da. 9. 15. πληρῶσαι τὰς [Α. ὡς] φ. ὡς [Α. om.]  
θυσιαστήριον (2)  
14. 20. ὡς φιδῶν πρὸ προσώπου τοῦ θυσιασ-  
τηρίου (2)  
Je. 52. 18. τὴν στεφάνην καὶ τὰς φ. . . ἔλαβεν (2)  
I Ma. 1. 22. ἔλαβε . . . τὰς φ.  
[Aq. Jb. 52. 19.]  
[Sm. Ge. 44. 2: Ex. 25. 28 (29): Jb. 52. 19.]  
[Th. Ex. 25. 28 (29): Ez. 17. 7.]  
[Al. Am. 6. 6.]

**φιαλίζειν** (?).  
I Es. 3. 22. Α. οὐ μέμνηται . . . φιαλίζειν [B φιλιά-  
ζειν] φίλος

**φιασστής** (?).  
[Aq. Jb. 52. 16.]

**φιδάγαθος.**  
Wi. 7. 22. ἔστι γὰρ ἐν [Α. om.] αὐτῇ πνεῦμα . . .  
φιδάγαθον

**φιδαδελφία.**  
IV Ma. 18. 23. καθεστηκυῖας τῆς φ. συμπαθοῦσης  
— 26. ποθεινότεραν αὐτοῖς κατεσκεύαζε τὴν [B<sup>2</sup>  
om.] φ.  
14. 1. τῆς τῶν ἀδελφῶν φ. παθῶν κρατήσαι

**φιδάδελφος.**  
II Ma. 15. 14. ὁ φ. οὐτός ἐστιν  
IV Ma. 13. 21. ἀφ' ὧν συντρέφονται . . . φ. [B<sup>1</sup>-ων]  
ψυχῶν  
15. 10. δικαιοὶ τὴν γὰρ ἦσαν . . . καὶ φ.  
**φιδαμαρτήμων.** (1) P77 B77  
Pr. 17. 19. φιδαμαρτήμων χαίρει μάχαις (1)  
**φιδανθρωπεῖν.**  
II Ma. 13. 23. τὸν τόπον φιδανθρώπων  
**φιδανθρωπία.**  
Es. 8. 13. ἔτιχεν ἡς ἔχομεν πρὸς πᾶν ἔθνος φιλαν-  
θρωπίας  
II Ma. 6. 22. ἴνα . . . τυχὸς φιλανθρωπίας  
14. 9. καθ' ἣν ἔχεις . . . εὐαπάντητον φιλανθρωπίας  
III Ma. 8. 15. πολλῇ φ. τιμῆσασθαι τὰ κατοικ-  
κούντα . . . Φοινίκην ἔθνη  
— 18. δι' ἣν ἔχομεν πρὸς πάντας ἀνθρώπους φ.  
**φιδάνθρωπος.**  
I Es. 8. 10. τὰ φ. ἐγὼ κρίνας  
Wi. 1. 6. φιδάνθρωπον γὰρ πνεῦμα σοφία [Α. -ας]  
7. 23. ἔστι γὰρ ἐν [Α. om.] αὐτῇ πνεῦμα . . . φιλάν-  
θρωπον  
12. 19. δεῖ τὸν δίκαιον εἶναι φιδάνθρωπον  
II Ma. 4. 11. τὰ κείμενα τοῖς Ἰουδ. φιδάνθρωπα  
βασίλικά  
IV Ma. 5. 12. προσκυνήσας μου τὴν φ. παρηγορίαν  
**φιδανθρώπων.**  
II Ma. 9. 27. ἐπεικῶς καὶ φ. συσταθῆντα τῇ ἐμῇ  
προαιρέσει  
III Ma. 8. 20. τοῖς πᾶσιν ἔδνεσι φ. ἀπατήσαντες  
**φιδαργυρεῖν.**  
II Ma. 10. 20. οἱ δὲ περὶ τὸν Σίμωνα φιδαργυρή-  
σαντες  
**φιδαργυρία.**  
IV Ma. 1. 26. κατὰ μὲν ψυχῆς . . . φιδαργυρία  
2. 15. B<sup>1</sup> διὰ τῶν βιαιοτήτων δὲ παθῶν . . . φιλαρ-  
γυρίας [Α. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup>-αρχίας]  
**φιδάργυρος.**  
IV Ma. 2. 8. κὰν φιδάργυρος τις ᾗ  
**φιδαρχία.**  
IV Ma. 2. 15. διὰ τῶν βιαιοτέρων δὲ παθῶν . . .  
φιδαρχίας [B<sup>1</sup>-αργυρίας]  
**φιδεῖν.** (1) P77 α. qal. δ. pi. (2) P77  
α. qal. δ. pi. (3) P77  
Ge. 27. 4. ὡς φιδῶ ἐγὼ (1 α)  
— 9. ὡς φιδεῖ (1 α)  
— 14. καθὰ φιδεῖται ὁ πατήρ αὐ. (1 α)  
— 26. καὶ φιλῆσάν με (2 α)

Ge. 27. 27. ἐφίλησεν αὐτόν (2 α)  
29. 11. ἐφίλησεν ἱ. τὴν P. (2 α)  
— 13. περιελθὼν αὐτὸν ἐφίλησε (2 β)  
38. 4. Α. περιελθὼν αὐτὸν ἐφίλησεν [B al.] (2 α)  
37. 4. αὐτὸν ἐφίλει ὁ πατήρ αὐ. ἐκ π. τῶν  
νύκτων αὐ. (1 α)  
48. 10. καὶ ἐφίλησεν αὐτοὺς (2 α)  
50. 1: Ex. 18. 7: I Ki. 10. 1. καὶ ἐφίλησεν  
αὐτὸν (2 α)  
To. 5. 16. B ἐφίλησεν τὸν πατέρα αὐ.  
6. 14. Α. B δαιμόνιον φιλεῖ αὐτὴν  
— 17: 10. 13. ἐφίλησεν αὐτὴν [B al.]  
Es. 4. 17. ἡδύοκον φιλεῖν πόματα ποδῶν αὐτοῦ  
10. 3. φιλούμενος διηγείτο τὴν ἀγωγὴν  
Jb. 31. 27. εἰ δὲ χεῖρά μου ἐπιθεῖ ἐπὶ στόματι  
μου ἐφίλησα (2 α)  
Pr. 7. 13. εἴτα ἐπιλαβομένη ἐφίλησεν αὐτόν (2 α)  
8. 17. ἐγὼ τοὺς ἐμὲ φιλοῦντας [B<sup>1</sup> ζητοῦντας] (1 α)  
21. 17. φιλῶν [B<sup>1</sup>-ον] οἶνον καὶ ἔλαιον (1 α)  
24. 41 (26). χεῖλ' δὲ φιλῆσουσιν ἀποκριμό-  
μενα λόγους ἀγαθοῦς [Α. B<sup>2</sup> σοφοῦς] (2 α)  
29. 3. ἀνδρὸς φιλοῦντος σοφίαν εὐφραίνεται  
πατήρ αὐτοῦ (1 α)  
Ec. 8. 8. καιρὸς τοῦ φιλῆσαι (1 α)  
Ca. 1. 2. φιλῆσάν με ἀπὸ φιλημάτων στόματος  
αὐτοῦ (2 α)  
8. 1. εὐροῦσά σε ἔξω φιλήσω σε (2 α)  
Wi. 8. 2. ταύτην ἐφίλησα  
Ho. 3. 1. φιλοῦσι πέμματα μετὰ σταφίδος (1 α)  
Is. 56. 10. κύνας ἐκείνους . . . φιλοῦντες νυστάζει (1 α)  
Je. 22. 22. ἀτιμωθήσῃ ἀπὸ πάντων τῶν φιλοῦν-  
των σε †  
La. 1. 2. πάντες οἱ φιλοῦντες αὐτὴν ἠδέστησαν (9)  
[Sm., Al. Ca. 8. 1.]

**φιδελεῖν.**  
To. 14. 9. γενοῦ φιδελεῖμων καὶ δίκαιος [B al.]

**φιδελεῖν.** (1) α. P77 δ. P77  
Pr. 3. 30. μὴ φιδελεῖσθαι πρὸς ἀνθρώπον μά-  
την (1 α\*, 1 β)

**φιδελεῖν.**  
IV Ma. 15. 21. κύκειοι πρὸς φιδελεῖαν φωναί  
**φιδεῖν.** (1) P77  
Pr. 27. 6. ἐκούσια φιδεῖματα ἐχθροῦ (1)  
Ca. 1. 2. φιλῆσάν με ἀπὸ φιλημάτων στόμα-  
τος αὐτοῦ (1)

**φιλία.** (1) α. P77 δ. P77 (2) P77  
(3) P77  
Pr. 6. 19. ἔλαφος φιλίας . . . ὁμιλεῖται σοι (1 α)  
— 19. B<sup>1</sup> ἡ δὲ φ. ἰδία ἡγεῖσθαι σου [Α. B B<sup>1</sup> al.] —  
— 19. ἐν γὰρ τῇ ταύτῃ [Α. ταύτῃ τῇ] φ. συμ-  
περιφέρμενος πολλοῦτος ἔσθῃ (1 β)  
7. 18. ἀπολαύσωμεν φιλίας ἔως θρόνου (2)  
10. 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεκικοῦντας  
καλύπτει φιλία (1 β)  
15. 17. κρείσσων ξενισμὸς μετὰ [Α. om.] λαχά-  
νων πρὸς φιλίαν (1 β)  
17. 9. δε κρύπτει ἀδικήματα ζῆτι φιλίαν (1 β)  
19. 7. καὶ φιλίας μακρὰν ἔσται (3)  
25. 10. χάρις καὶ φιλία ἐλευθεροῖ —  
27. 5. κρείσσους ἔλεγχος ἀποκακαλυμμένοι  
κρυπτομένης φιλίας (1 β)  
Wi. 7. 14. πρὸς θεὸν ἐστειλάντο φιλίαν  
8. 18. ἐν φιλίᾳ αὐτῆς τέρψις ἀγαθῇ  
Si. 6. 17. ὁ φοβούμενος κύριον εὐθύνει φιλίαν αὐτοῦ  
9. 8. ἐκ τούτου φιλία ὡς πῦρ ἀνακαίεται  
22. 20. ὁ οὐκ ἐκείνων φίλον διαλύει φιλίαν  
25. 1. ὁμόνοια ἀδελφῶν καὶ φιλία τῶν πλησίων  
27. 18. οὕτως ἀπάλασας τὴν φ. τοῦ πλησίου  
I Ma. 8. 1. ἰστώσιν αὐτοῖς φιλίαν  
— 12. B B<sup>2</sup> συνετήρησαν αὐτοῖς φιλίαν [Α. -ίων]  
— 17. στήσαν αὐτοῖς φιλίαν  
10. 20. Α. B καὶ συντηρεῖν φιλίαν [B -ας] πρὸς  
ἡμᾶς  
— 23. τοῦ φιλίαν καταλαβεῖσθαι τοῖς Ἰουδ.  
— 26. ἐπεὶ . . . ἐνμείναι τῇ φ. ἡμῶν  
— 54. συστήσωμεν πρὸς αὐτὸν φιλίαν  
12. 1. ἀνανεῶσαι τὴν πρὸς αὐτοὺς φ.  
— 3. ἀνανεώσασθαι τὴν φ. αὐτοῖς  
— 8. ἐν αἷς διεσφαιρέτω περὶ . . . φιλίας  
— 10. καὶ φιλίαν ἀνανεώσασθαι

I Ma. 12. 16. ἀνανέωσθαι τὴν πρὸς αὐτοὺς φ.  
14. 18. τοῦ ἀνανέωσθαι πρὸς αὐτὸν φίλιαν  
— 22. ἀνανεούμενοι τὴν πρὸς ἡμᾶς φ.  
— 23. B<sup>2</sup> ἐπιδέξασθαι τὰς φ. [A B<sup>2</sup> om. τ. φ.]  
15. 17. ἀνανούμενοι τὴν ἐξ ἀρχῆς φ.  
II Ma. 4. 11. τοῦ ποιησαμένου τὴν πρεσβείαν ὑπὲρ  
φίλους  
6. 22. διὰ τὴν ἀρχαίαν πρὸς αὐτοὺς φ.  
IV Ma. 2. 11. τῆς πρὸς γαμετὴν φίλιας ἐπικρατεῖ  
— 11. τῆς τέκνων φ. κυριεύει  
8. 6. τῆς ἐμῆς ἀπολαύσαι φ.  
[Sm. Pr. 27. 5: Ec. 9. 1.]  
**φιλιάζειν.** (1) 𐤒𐤒𐤍 (2) 𐤒𐤒𐤍 hithp.  
(3) 𐤒𐤒𐤍 pi.  
Jd. 5. 30. A φιλιάζων φίλοις εἰς κεφαλὴν [B  
al.] +  
14. 20. ὦν ἐφιλίασε [A al.] (8)  
II Ch. 19. 2. ἡ μουσούμενη ὑπὸ κυρίου φιλιάζει (1)  
20. 37. ὡς ἐφιλίασας τῷ Ὁχ. (2)  
I Es. 3. 22. οὐ μέμνηται . . . φιλιάζειν [A φιλι-  
ζειν] φίλοις  
Si. 37. 1. ἐφιλίασα αὐτῷ [A B om.] καγώ  
[Sm. Pr. 22. 24.]  
[Th. Ps. 59 (60). 10.]  
**φιλιππείον.**  
[Th. Pr. 8. 19.]  
**φιλογέωργος.** (1) 𐤒𐤒𐤍 𐤒𐤒𐤍  
II Ch. 26. 10. A φιλογέωργος [B γεωργός] ἦν (1)  
**φιλογνώσιμος** (γνώσης). (1) φ. εἶναι 𐤒𐤒𐤍 𐤒𐤒𐤍  
III Ki. 11. 1. A δ βασι. Σαλ. φ. [B -νης] ἦν (1)  
**φιλοδοξία.**  
Es. 4. 17. οὐδὲ ἐν φιλοδοξίᾳ ἐποίησα τοῦτο  
IV Ma. 1. 26. κατὰ μὲν ψυχῆς . . . φιλοδοξία  
**φιλοκορδεῖν.**  
[Sm. Jk. 6. 13.]  
**φιλοκόσμος.**  
Ep. Jc. 9. ὥσπερ παρθένω φιλοκόσμου . . . κατα-  
σκέυαζουσι στεφάνους  
**φιλομαθεῖν.**  
Si. prol. 6. τοῖς ἐκτός δύνασθαι τοὺς φιλομαθοῦντας  
χρησίμους εἶναι  
— 26. τοῖς ἐν τῇ παροικίᾳ βουλομένοις φιλομαθεῖν  
**φιλομαθής.**  
Si. prol. 11. ὥσπερ οἱ φ. . . πολλὰ μᾶλλον ἐπι-  
προσθῶσι [B ἐπι προσθήσουσιν]  
**φιλομήτωρ.**  
IV Ma. 15. 10. δίκαιοι τε γὰρ ἦσαν . . . καὶ φ.  
οὕτως  
**φιλονεικεῖν.**  
Pr. 10. 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεικοῦντας  
καλύπτει φιλία +  
[Sm. Ps. 36 (37). 1: 77 (78). 17.]  
**φιλονεικία.**  
II Ma. 4. 4. συνορῶν Ὁ. τὸ χαλεπὸν τῆς φ.  
IV Ma. 1. 26. κατὰ μὲν ψυχῆς . . . φιλονεικία  
8. 26. πόθεν ἡμῖν ἡ τσαυτὴ ἐντέθηκε φ.  
**φιλονόικος.** (1) 𐤒𐤒𐤍 𐤒𐤒𐤍  
Ez. 3. 7. πᾶς ὁ οἶκος Ἰσρ. φιλονόικοι εἰσι (1)  
[Aq., Sm. Jk. 3. 5: Ez. 44. 6.]  
[Th. Ez. 44. 6.]  
[Sam. Lk. 13. 51.]  
[Al. Lk. 14. 44: Nu. 20. 10.]  
**φιλονοότης.**  
II Ma. 14. 37. ἀνὴρ φ. καὶ σφόδρα καλῶς ἀκούων  
**φιλονοεῖν.**  
Si. prol. 15. ἐφ' οἷς ἀν δοκῶμεν τῶν κατὰ τὴν ἐρμη-  
νείαν πεφλοπονημένων τισὶ τῶν λέξεων  
ἀδυναμεῖν [B<sup>2</sup> om.]  
**φιλοποιία.**  
Si. prol. 23. προσενέγκασθαι τινα [B<sup>2</sup> προειν.] σπονδὴν  
καὶ φιλοποιίαν  
[Sm. Ec. 2. 10.]

**φίλος.** (1) 𐤒𐤒𐤍 a. qal. b. pi. (2) 𐤒𐤒𐤍  
(3) 𐤒𐤒𐤍 (4) 𐤒𐤒𐤍 ru. (5) a. 𐤒𐤒𐤍  
b. 𐤒𐤒𐤍 c. 𐤒𐤒𐤍 (6) 𐤒𐤒𐤍 (7) φ. γίνεσθαι  
𐤒𐤒𐤍 hi.  
Ex. 38. 11. ὡς εἰ τις λαλήσαι πρὸς τὸν [A om.]  
ἐαυτοῦ φ. (5 b)  
De. 18. 6 (7). ἡ φίλος [A δ φ. δ] ἴσος τῆς  
ψυχῆς σου (5 b)  
Jd. 5. 30. A φιλιάζων φίλοις εἰς κεφαλὴν [B al.] +  
14. 20. ἐγέμετο ἡ γυνὴ Σ. ἐνὶ τῶν φ. αὐ. [A al.] (5 a)  
15. 2. ἰδοὺ αὐτὴν ἐνὶ τῶν ἐκ τῶν φ. σου  
[A al.] (5 a)  
— 6. ἰδοὺ αὐτὴν τῇ ἐκ τῶν φ. [A τῇ συνε-  
ταίρῃ] αὐ. (5 a)  
I Ch. 27. 33. καὶ X. δ [A om.] πρῶτος φ. τοῦ  
βασ. (5 b)  
I Es. 3. 22. οὐ μέμνηται . . . φιλιάζειν [A φιλιζειν]  
φίλοις  
8. 11. καθάπερ δέδοκται . . . τοῖς ἐπτά φ. συμβου-  
λευταῖς  
— 13. ἀ γῆζέμεν ἐγὼ τε καὶ οἱ φ.  
— 26. ἐμὲ ἐτίμωσεν ἐναντίον . . . πάντων τῶν φ.  
Es. 1. 3. δοχὴν ἐποίησας τοῖς φ. +  
— 13. εἶπε τοῖς φ. αὐ. +  
2. 18. ἐποίησεν ὁ βασι. πότον πᾶσι τοῖς φ. αὐ. +  
8. 1. ἐπρωτοβάθρει πάντων τῶν φ. αὐ. +  
5. 10. ἐκάλεσε τοὺς φ. (1 a)  
— 14. εἶπε πρὸς αὐτὸν Z. . . καὶ οἱ φ. [B<sup>2</sup>  
πάντες οἱ φ. αὐ.] (1 a)  
6. 9. δότω ἐνὶ τῶν φ. τοῦ βασ. [B<sup>2</sup> al.] +  
— 13. διηγήσατο Ἀ. τὰ συμβεβηκότα . . . τοῖς  
φ. (1 a)  
— 13. εἶπαν πρὸς αὐτὸν οἱ φ. [B<sup>2</sup> add. αὐτοῦ] +  
8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζειν φίλων  
9. 22. ἐξαποστείλλοντας μερίδας τοῖς φ. (5 b)  
Jb. 2. 11. ἀκούσαντες δὲ οἱ τρεῖς φ. αὐτοῦ τὰ  
κακὰ πάντα (5 b)  
6. 27. ἐνέδρασαν δὲ ἐπὶ φίλῳ ὤμων (5 c)  
19. 14. φίλοι [A οἱ φ.] δέ μου ἀνελήμονες  
γεγόνασιν (4 ?)  
— 21. ἐλεήσατέ με, ὦ φίλοι (5 b)  
32. 1. ἡσυχασάν με καὶ οἱ τρεῖς φ. αὐτοῦ +  
— 3. καὶ κατὰ τῶν τριῶν δὲ φίλων ὀργισθὴν  
σφόδρα (5 b)  
35. 3 (4). ἐγὼ σοι δώσω ἀπόκρισιν καὶ τοῖς  
τρισι φ. σου (5 b)  
36. 33. ἀναγγελεῖ περὶ αὐτοῦ φίλον [A B<sup>2</sup> -ος]  
αὐτοῦ (5 b)  
42. 7. A B B<sup>2</sup> ἠρπαγες σὺ καὶ οἱ δύο [B om.] φ.  
σου (5 b)  
— 10. A B εὐφρανὸν δὲ αὐτοῦ καὶ περὶ τῶν φ.  
αὐτοῦ [B S om.] (5 b)  
— 18. οἱ δὲ ἐλθόντες πρὸς αὐτὸν φίλοι —  
Ps. 37 (38). 11. οἱ φ. μου καὶ οἱ πλησίον μου ἐξ  
ἐναντίας μου ἤγγισαν (1 a)  
87 (88). 18. ἐμάκρυνας ἀπ' ἐμοῦ φίλον (1 a)  
188 (189). 17. ἐμοὶ δὲ λίαν ἐτιμήθησαν οἱ φ.  
σου, ὁ θεός (5 b)  
Pr. 8. 29. μὴ τεκτῆναι ἐπὶ σὸν φίλον κακὰ (5 b)  
5. 19. B<sup>2</sup> ἡ δὲ φ. [B<sup>2</sup> φιλία] ἴδια ἠγείσθω σου  
[A B S<sup>2</sup> al.] —  
6. 1. ἐὰν ἐγγυῆσθαι σὸν φ. (5 b)  
— 3. ἡκεῖ γὰρ εἰς χεῖρας κακῶν διὰ σὸν φ. (5 b)  
— 3. παρόξυνε δὲ καὶ τὸν φ. σου [S σὸν φ.] (5 b)  
12. 26. ἐπιγνώμων δίκαιος ἐαυτοῦ φίλος ἔσται (5 a)  
14. 20. φίλοι μουσῶντος φίλους πτωχοῦς φίλοι  
δὲ πλουσιῶν πολλοὶ (5 b, —, 1 a)  
15. 28 (16. 7). διὰ δὲ αὐτῶν καὶ οἱ ἐχθροὶ φίλοι  
γίνονται (7)  
16. 28. καὶ διαχωρίζει φίλους (2)  
— 29. ἀνὴρ παράνομος ἀποπειράται φίλων (5 b)  
17. 9. ὅς δὲ μισεῖ κρύπτει διώσκει φίλους (2)  
— 17. εἰς πάντα καιρὸν φίλος [B<sup>2</sup> ὁ φ.] ὑπαρ-  
χέτω σοι (5 b)  
— 18. ὡς καὶ ὁ ἐγγυώμενος ἐγγὺν τῶν ἐαυτοῦ  
φ. [A B<sup>2</sup> τὸν ἐ. φ.] (5 b)  
18. 1. βουλομένους χωρίζεσθαι ἀπὸ φίλων —  
19. 4. πλουτοὶ προστίθῃσι φίλους πολλοὺς ὁ  
δὲ πτωχὸς καὶ ἀπὸ τοῦ ὑπάρχοντος  
φίλων λείπεται (5 b, 5 b)  
22. 24. φίλον δὲ ὀργλῶν μὴ συναυλίζου +  
25. 1. ἀν ἐξεγέρσαντο οἱ φ. Ἐξέκλι +  
— 8. ἦν καὶ ἀν σὲ ἀνιδίωθ ὁ σὸς [A om.] φ. (5 b)  
— 9. μὴ σὲ ἀνιδίωθ μὲν ὁ φ. (5 b ?)

Pr. 25. 17. σπάμον εἰσαγε σὸν πόδα πρὸς  
σεαυτοῦ [A S τὸν σ.] φίλον (5 b)  
— 18. ὁ καταμαρτυρῶν τοῦ [A κατὰ τοῦ] φ. αὐ. (5 b)  
μαρτυρίαν ψευδοῦς (5 b)  
26. 19. οὕτως πάντες οἱ ἐνεδρεύοντες τοὺς ἐαυ-  
τῶν φ. (5 b)  
27. 6. ἀξιοπιστότερά ἐστι τραύματα φίλου (1 a)  
— 10. φίλον σὸν ἢ φίλον πατρῶν μὴ ἐγκατα-  
λίπης (5 b, 5 b)  
— 10. κρείσσων φίλος ἐγγύς ἢ ἀδελφὸς μακρὰν  
οἰκῶν +  
— 14. δε ἀν εὐλογῇ φίλον τὸ πρωῒ (5 b)  
29. 5. δε παρασκευάζεται ἐπὶ πρόσῳπον τοῦ  
ἐαυτοῦ φ. (5 b)  
Wi. 1. 16. φίλον ἡγησάμενοι αὐτὸν ἐτάκισαν  
7. 27. φίλους θεοῦ καὶ προφῆτας κατασκευάζει  
Si. 6. 1. ἀπὶ φίλου μὴ γίνου ἐχθρὸς  
— 5. λάφυρῳ γλυκὺς πληθύνει φίλους αὐτοῦ  
— 7. εἰ πᾶσαι φίλον ἐν πειρασμῷ ἵκτισαι αὐτόν  
— 8. ἔστι γὰρ φίλος ἐν καιρῷ αὐτοῦ  
— 9. A B B<sup>2</sup> ἐστι φίλος μετατιθέμενος εἰς ἐχθρὸν  
[A -όν]  
— 10. A B B<sup>2</sup> ἐστι φίλος κοινωνὸς τραπέζῳ  
— 13. ἀπὸ τῶν φ. σου πρόσχε  
— 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταῖά  
— 15. φίλου πιστοῦ οὐκ ἐστιν ἀντάλλαγμα  
— 16. φίλος πιστὸς φάρμακον ζωῆς  
7. 12. μὴδὲ φίλῳ [B<sup>2</sup> ἐπὶ φ.] τὸ ὅμοιον ποιεῖ  
— 18. μὴ ἀλλάξῃς φίλον ἐνεκεν [A B om.] ἀδια-  
φόρου  
9. 10. μὴ ἐγκαταλίπῃς φίλον ἀρχαῖον  
— 10. οἶνος νέος φίλος νέος ἐὰν παλαιωθῇ  
12. 8. οὐκ ἐκδικηθήσεται [A οὐκ ἐμβληθήσ., B<sup>2</sup> οὐ  
γνωσθήσ.] ἐν ἀγαθοῖς ὁ φ.  
— 9. ἐν τοῖς κακοῖς αὐτοῦ καὶ ὁ φ. διαχωρισθήσεται  
13. 21. πλουτοὶς σκαλεόμενος στήριζεται ὑπὸ φίλων  
ταπεινὸς [B<sup>2</sup> πτωχὸς] δὲ πεσὼν προσπα-  
θείται ὑπὸ φίλων  
14. 13. πρὶν σὲ τελευτῆσαι εὖ ποιεῖ φίλῳ  
19. 8. ἐν φίλῳ καὶ ἐν [A B om.] ἐχθρῷ μὴ διηγοῦ  
— 13. ἔλεγξον φίλον μὴ ποτε οὐκ ἐποίησε  
— 14. B ἔλεγξον τὸν φ. [B πλησίον] μὴ ποτε οὐκ  
εἶπε  
— 15. ἔλεγξον φίλον πολλὰκις γὰρ γίνεται διαβολή  
20. 16. οὐχ ὑπάρχει μοι [A om.] φίλος  
— 23. ἐστι χάριν αἰσχύνῃς ἐπαγγελλλόμενος φίλῳ  
22. 20. ὁ ἀνιδίωθ φίλον διαλύσει φίλιαν  
— 21. ἐπὶ φίλον ἐὰν σπάσῃς βουφαίαν μὴ ἀπειλίπῃς  
— 22. ἐπὶ φίλον ἐὰν ἀνοίξῃς στόμα μὴ εὐλαβηθῇς  
— 22. ἐν τοῖς ἀποφειδύται πᾶς φίλος [A ὁ φ.]  
— 25. φίλον σκεπάσαι οὐκ αἰσχυρῶσσομαι  
27. 16. οὐ μὴ εὖρῃ φίλον πρὸς τὴν ψυχὴν αὐτοῦ  
— 17. στερῶν φίλον καὶ πιστώσῃ μετ' αὐτοῦ  
28. 9. ἀνὴρ ἀμαρτωλὸς ταραξεί φίλους  
29. 10. ἀπόλεσον ἀργύριον δὲ ἀδελφῶν καὶ φίλον  
30. 3. ἔνατι φίλων ἐπ' αὐτῷ ἀγαλλιάσεται  
— 6. κατέλιπεν . . . τοῖς φ. ἀνταποδιδόντα χάριν  
— 28 (38. 19). ἀδελφῷ καὶ φίλῳ μὴ δῶς ἐξουσίαν  
ἐπὶ σέ  
36 (38). 6. ἔπας εἰς ὀχλείαν [A B<sup>2</sup> -εἰον] ὡς [B<sup>2</sup> om.]  
φίλος μῶκος [B<sup>2</sup> μωρός]  
37. 1. πᾶς φίλος ἐρεί. Ἐφιλίασα αὐτῷ [A B om.]  
κατὰ ἀλλ' ἐστι φίλος ὀνόματι μόνον φίλος  
— 2. ἐταῖρος καὶ φίλος τρεπομένους εἰς ἐχθρὸν [A  
-όν]  
— 4. ἐταῖρος φίλον ἐν εὐφροσύνῃ ἡδεταί  
— 5. ἐταῖρος φίλῳ συμπονεῖ χάριν γαστρός  
— 6. μὴ ἐπιλάβῃ φίλον ἐν τῇ ψυχῇ σου  
40. 23. φίλος καὶ ἐταῖρος εἰς καιρὸν ἀπατανῶντες  
41. 18. B B ἀπὸ κοινωνοῦ καὶ φίλου περὶ ἀδικίας  
— 22. ἀπὸ φίλων περὶ λόγων ὀνειδιζομῶ  
Mi. 7. 5. μὴ καταπιστεύετε ἐν φίλοις (5 b)  
Je. 9. 4 (3). πᾶς φ. δολίως πορεύεται (5 b)  
— 5 (4). ἕκαστος κατὰ [B om.] τοῦ φ. αὐτοῦ  
καταπαύεται (5 b)  
20. 4. δίδωμι σὲ εἰς μετοικίαν σὺν πᾶσι τοῖς φ.  
σου (1 a)  
— 6. ταφήσῃ σὺ καὶ πάντες οἱ φ. σου (1 a)  
— 10. πάντες ἄνδρες φίλοι αὐτοῦ (6)  
37 (30). 14. πάντες οἱ φ. σου ἐπελάθοντό σου (1 b)  
Da. LXX. 2. 24 (91). καὶ εἶπεν τοῖς φ. αὐ. +  
— 27 (94). συνήχθησαν . . . οἱ φ. τοῦ βασ. +  
5. 23. ἐποίησω ἐστιατορίαν τοῖς φ. σου —  
6. 13 (14). εὖρομεν Δαν. τὸν φ. σου εὐχόμενον —  
Da. TH. 2. 13. ἐτίθησαν Δαν. καὶ τοὺς φ. αὐ. (8)  
ἀνελείν

- Da. TH. 2. 17. τοῖς φ. αὐ. τὸ ῥῆμα ἐγνώρισε (8)  
 — 18. ὅπως ἀν μὴ ἀποδῶνται Δ. καὶ οἱ φ. αὐ. (8)  
 Bel 2. καὶ ἐνδοξος ὑπὲρ πάντας τοὺς φ. αὐ.  
 I Ma. 2. 18. ἴσῃ σὺ καὶ ὁ οἶκος σου τῶν φ. τοῦ βασ.  
 [S al.]  
 — 39. ἐγὼ Ματτ. καὶ οἱ φ. αὐ.  
 — 45. S B ἐκέκλωσε Ματτ. καὶ οἱ φ. [A υἱοί] αὐ.  
 8. 38. ἀνδρας δυνατοὺς τῶν φ. τοῦ βασ.  
 6. 10. ἐκάλεσε πάντας τοὺς φ. αὐ.  
 — 14. ἐκάλεσε φ. ἕνα τῶν φ. αὐ.  
 — 38. συνήγαγε πάντας τοὺς φ. αὐ.  
 7. 6. ἀπώλεσεν ἰ. . . πάντας τοὺς φ. σου  
 — 8. S B ἐπέλεξε ὁ βασ. τὸν B. τῶν φ. [A φυλῶν]  
 τοῦ βασ.  
 — 15. οὐκ ἐκζητοῦμεν ὑμῖν κακὸν καὶ τοῖς φ. ὑμῶν  
 8. 12. μετὰ δὲ τῶν φ. αὐ. . . συνετήρησαν αὐτοῖς  
 φυλίαν  
 — 20. γραφῆται ἡμᾶς συμμάχους καὶ φίλους ὑμῶν  
 — 31. διὰ τί βάρυνας τὸν ζυγὸν σου ἐπὶ τοὺς φ.  
 ἡμῶν  
 9. 26. ἐξηρῶναι τοὺς φ. Ἰουδοῦ  
 — 28. ἡβροίσθησαν πάντες οἱ φ. Ἰουδοῦ  
 — 35. παρεκάλεσε τοὺς Ναβ. φίλους αὐ.  
 — 39. ὁ νυμφίος ἐξῆλθε καὶ οἱ φ. αὐ.  
 10. 16. ποιήσωμεν αὐτὸν φίλον  
 — 19. ἐπιτίθειαι εἰ τοῦ ἑνὸς ἡμῶν φίλος  
 — 20. καὶ φίλον βασιλέως καλεῖσθαι  
 — 60. ἔδωκεν αὐτοῖς ἀργύριον . . . καὶ τοῖς φ. αὐ.  
 — 65. ἐγραψεν αὐτὸν τῶν πρώτων φ.  
 11. 26. ὑψώσαν αὐτὸν ἐναντίον βασιτῶν τῶν φ. αὐ.  
 — 27. ἐποίησαν αὐτὸν τῶν [S om.] πρώτων φ.  
 ἡγεῖσθαι  
 — 33. τῷ ἔδωκε τῶν Ἰουδ. φίλους  
 — 57. εἶναι σε τῶν φ. τοῦ βασ.  
 12. 14. παρενοχλεῖν ὑμῖν καὶ τοὺς λοιποὺς συμμάχους  
 καὶ φ. ἡμῶν  
 — 43. συνέστησαν αὐτὸν πᾶσι τοῖς φ. αὐ.  
 — 43. A B ἐπέταξε τοῖς φ. αὐ. [S<sup>1</sup> B al.]  
 18. 36. βασιλεῖς Χαίμ. Σίμωνι . . . φίλφ βασιλεῶν  
 . . . χαίρουν  
 14. 39. ἐποίησαν αὐτὸν τῶν φ. αὐ.  
 — 40. προσαγορεύονται οἱ Ἰουδ. ὑπὸ Ῥωμ. φίλοι  
 15. 17. ἦλθον πρὸς ἡμᾶς φίλοι ἡμῶν  
 — 28. ἀπέστειλε . . . Ἀβ. ἕνα τῶν φ. αὐ.  
 — 32. A B ἤλθεν Ἀβ. φίλος [S ὁ φ.] τοῦ βασ. εἰς  
 Ἱερ.

- II Ma. 1. 14. ὅ τε Ἀντ. καὶ οἱ σὺν αὐτῷ φ.  
 7. 24. δι' ὅρων ἐπίσταν . . . φίλον ἔξειν  
 8. 9. Νικάνορα τὸν τοῦ Πατρ. τῶν πρώτων φ.  
 10. 13. κατηγοροῦμενος ὑπὸ τῶν φ.  
 11. 14. τὸν βασ. πείσει φίλον αὐτοῖς ἀναγκάζειν  
 γενέσθαι  
 14. 11. οἱ λοιποὶ φ. δυσμενῶς ἔχοντες τὰ πρὸς  
 τὸν ἰ.

- III Ma. 2. 23. οἱ τε φ. καὶ σωματοφύλακες  
 — 26. πολλοὺς τῶν φ. ἀνείχοντες εἰς τὴν τοῦ βασ.  
 πρόθεσιν

8. 10. ἥδη δὲ καὶ τινες γειτονεῖς τε καὶ φίλοι  
 5. 3. συναγαγὼν τοὺς μάλιστα τῶν φ.  
 — 19. καὶ τῶν φ. αὐ. προσμαρτυρησάντων  
 — 26. τοῦ βασ. τοὺς φ. ἐκδεχομένου  
 — 29. ὑπεδείκνυνεν ὁ Ἑρμων καὶ πάντες οἱ φ.  
 — 34. ὁ καθ' εἰς δὲ τῶν φ. σκυθρωπῶς ὑπεκρέων  
 — 44. τότε περιχαρεῖς ἀναλύσαντες οἱ φ.  
 6. 23. τοῖς φ. διηπειλείτω

7. 3. τῶν φ. τινεῖς . . . πικνότερον ἡμῖν παρακείμενοι  
 — 7. τὴν τε τοῦ φ. . . εὐνοίαν ἀναλογισάμενοι  
 IV Ma. 2. 12. τῶν φίλων συνηθείας δεσπόζει  
 5. 34. οὐδὲ φεύγομαι σε, φίλη ἐγκράτεια  
 12. 5. πεισθεὶς δὲ φίλος ἔσῃ

- 8. εἶπω τῷ βασ. καὶ τοῖς σὺν αὐτῷ φ. πᾶσι  
 [Aq. Ec. 4. 10: CA. 1. 15: 2. 2: Is. 41. 8.]  
 [Sm. III Ki. 5. 1 (15): Ps. 37 (88). 12: 87  
 (88). 19: Pr. 19. 6: Is. 41. 8.]  
 [Th. III Ki. 5. 1 (15): JB. 38. 33: 42. 7: Is.  
 38. 12.]  
 [Quint. Ps. 44 (45). 15:]  
 [Al. Pr. 6. 24.]

#### φιλοσοφείν.

- IV Ma. 5. 6. οὐ μοι δοκεῖς φιλοσοφείν  
 — 11. φιλοσοφῆσαι τὴν τοῦ συμφέροντος ἀλή-  
 θειαν  
 7. 21. τίς πρὸς ὅλον τὸν τῆς φιλοσοφίας κανόνα  
 εὐσεβῶς φιλοσοφῶν  
 — 24. τῇ τῆς εὐσεβείας λογισμῷ φιλοσοφούντες

#### φιλοσοφία.

- IV Ma. 1. 1. ὅπως προθύμως προσέχητε τῇ φ.  
 5. 10. οὐκ ἐξυπνώσεις ἀπὸ τῆς φιλαυροῦ φ. ὑμῶν  
 — 22. χλευάζεις δὲ ἡμῶν τὴν φ.  
 7. 9. A ἐπιστοποιήσας τοὺς τῆς φ. [S B θείας φ.,  
 S add. σου] λόγους  
 — 21. τίς πρὸς ὅλον τὸν τῆς φ. κανόνα εὐσεβῶς  
 φιλοσοφῶν

#### φιλόσοφος. (1) η̅ϣ̅ϙ̅

- Da. LXX. 1. 20. ὑπὲρ τοὺς σοφιστὰς καὶ τοὺς φ. (1)  
 IV Ma. 1. 1. φιλοσοφώτατος λόγον ἐπιδείκνυσθαι  
 μέλλον  
 5. 35. οὐδὲ κατασχυνῶ σε, φιλόσοφε λόγῃ  
 7. 7. φιλόσοφε θεῖου βίου

#### φιλοστοργία (-εία).

- II Ma. 6. 20. ἀμύνασθαι ὃν οὐ θέμεις γένεσθαι πρὸς  
 τὸ ἦν φιλοστοργίαν  
 IV Ma. 15. 6. A τὴν πρὸς αὐτοὺς ἐπιφειτουμένη φιλο-  
 στοργίαν [S B al.]  
 — 9. μείζων τὴν ἐν αὐτοῖς ἔσχε φ.

#### φιλόστοργος.

- IV Ma. 15. 13. ὦ . . . γονεῖσι φιλόστοργε  
 φιλόστοργος.

- II Ma. 9. 21. ὑμῶν τὴν τιμὴν . . . ἐμνημόνευον φ.

#### φιλοτεκνία.

- IV Ma. 14. 13. πολυπλόκος ἐστὶν ἡ τῆς φ. στοργή  
 15. 11. τῶν περὶ φιλοτεκνίαν [S τὴν φ.] . . . ἐλ-  
 κόντων τὴν μήτρα  
 — 23. τὴν πρόσκαρον φ. παριδεῖν  
 — 25. καὶ φιλοτεκνίαν καὶ τέκνων στρέβλαν  
 16. 3. τῆς φ. περιέκαιεν ἐκείνη φύσις

#### φιλότεκνος.

- IV Ma. 15. 4. εἶνα τρόπον ἡβολογήσασαι φιλότεκνα  
 γονεῶν πάθῃ  
 — 5. τοσοῦτω μᾶλλον εἰσι φιλοτεκνότεραι  
 — 6. A B<sup>2</sup> B ἐγένετο ἡ τῶν ἐπὶ τῇ μήτρῃ φιλοτεκνω-  
 τέρα

#### φιλοτιμειν.

- IV Ma. 1. 35. A φιλοτιμούνται [S B φιμούνται] πάντα  
 τὰ τοῦ σώματος κινήματα ὑπὸ τοῦ λο-  
 γισμοῦ

#### φιλοτιμία.

- Wi. 14. 18. καὶ τοὺς ἀγνοούντας ἡ τοῦ τεχνίτου προε-  
 τρέψατο φ.  
 18. 3. S<sup>1</sup> ἦλιον δὲ ἀβλαβῆ φιλοτιμίου φιλοτιμίας  
 παρέσχεν [A B S<sup>2</sup> al.]

#### φιλότιμος.

- Wi. 18. 3. ἦλιον δὲ ἀβλαβῆ φιλοτιμίου ξενιτείας  
 παρέσχεν [A S<sup>1</sup> al.]

- III Ma. 4. 15. μετὰ πικρίας σπουδῆς καὶ φ. προσεδρίας

#### φιλοτίμως.

- Da. TH. Su. 12. παρετηρούσαν φ. καθ' ἡμέραν  
 II Ma. 2. 21. τοῖς ὑπὲρ τοῦ Ἰουδαϊσμοῦ φ. ἀνδραγα-  
 θήσασιν

#### φιλοτροφεῖν.

- [Sm. I Ki. 28. 24.]

#### φιλοφρονεῖν.

- II Ma. 2. 25. τοῖς δὲ φιλοφρονοῦσιν εἰς τὸ διὰ μνήμης  
 ἀναλαβεῖν εὐκοπίαν

#### φιλοφρόνως.

- II Ma. 8. 9. φ. ὑπὸ τοῦ ἀρχιμερέως τῆς πόλεως ἀπο-  
 δεχθεῖς  
 IV Ma. 8. 5. φ. . . θανμάζω τὸ κάλλος

#### φιλόψυχος.

- Wi. 11. 26. σά ἐστι [A add. πάντα], δέσποτα φιλό-  
 ψυχε

#### φιλτρον.

- IV Ma. 18. 19. οὐκ ἀγνοεῖτε δὲ τὰ τῆς ἀδελφότη-  
 τος φ.  
 — 27. τῶν τῆς ἀρετῆς ἡθῶν τὰ τῆς ἀδελφότητος  
 αὐτοῖς φ. συναυξάντων  
 15. 13. ὦ φύσις ἱερὰ καὶ φίλτρα γονεῶν  
 [Sm. CA. 2. 5.]

#### φίμος.

#### (1) η̅ϣ̅

- Jb. 30. 28. στέφανον πεπόμεναι ἀνευ φίμοῦ †  
 Si. 20. 29. ὡς φίμος ἐν στόματι ἀποτρέπει [A -έμει]  
 ἐλεγμούς  
 Is. 87. 29. ἐμβάλω φίμον εἰς τὴν ῥινὰ σου (1)  
 [Aq. Ps. 38 (89). 2:]  
 [Sm. Ps. 38 (89). 2: Pr. 26. 3.]

#### φιμούν.

#### (1) ο̅ϣ̅

- De. 25. 4. οὐ φιμώσεις βοῦν ἀλοῶντα (1)  
 Da. LXX. Su. 61. ἐφιμώσαν αὐτοὺς  
 IV Ma. 1. 35. S B φιμούνται [A φιλοτιμούνται] πάντα  
 τὰ τοῦ σώματος κινήματα ὑπὸ τοῦ λο-  
 γισμοῦ  
 [Sm. Pr. 25. 17:]  
 [Th. Pr. 26. 10 δις.]  
 [Quint. Pr. 17. 28.]

#### φλέγειν.

#### (1) λ̅ϣ̅ (2) ρ̅ϣ̅ (3) ο̅ϣ̅

a. qal. b. pi.

- Ex. 24. 17. ὥσπερ πῦρ φλέγον ἐπὶ τῆς κορυφῆς  
 τοῦ ὄρους (1)  
 De. 32. 22. φλέξει θεμέλια ὀρέων (8 δ)  
 Ps. 103 (104). 4. καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ πῦρ  
 φλέγον [A<sup>2</sup> πυρὸς φλέγα] (8 α)  
 Pt. 29. 1. ἐξαπίνης γὰρ φλεγόμενον αὐτοῦ οὐκ  
 ἔστιν ἴασις †  
 Wi. 18. 19. ὑπὲρ τὴν πυρὸς δύναμιν φλέγει  
 — 22. πῦρ φλεγόμενον [S φλέγον] ἐν τῇ χαλᾷ  
 Ma. 4. 1 (8. 19). καὶ φλέξει αὐτοὺς  
 Je. 20. 9. ἐγένετο ὡς πῦρ καίωμενον φλέγον †  
 28. 29. A οἱ λόγοι μου ὥσπερ φλέγον [B om.]  
 πῦρ  
 Da. TH. 7. 9. οἱ τροχοὶ αὐ. πῦρ φλέγον (2)  
 IV Ma. 15. 14. καθ' ἕνα . . . φλεγόμενον ὁρῶσα  
 μήτηρ  
 18. 20. πῦρ φλέξας [S<sup>1</sup> σβέσας] λείβουσιν ὁμοῖς  
 [Aq. Jb. 15. 30.]  
 [Sm. Ex. 8. 2: Jb. 41. 13: Ps. 9. 23 (10. 2):  
 56 (57). 5: 88 (89). 47: Pr. 26. 23: Is. 30. 27.]  
 [Th. Jb. 41. 13: Da. 7. 9.]

#### φλεγμαινέιν.

#### (1) η̅ϣ̅ (2) η̅ϣ̅

- Na. 8. 19. ἐφλέγαμεν ἡ πληγὴ σου (1)  
 Is. 1. 6. οὐτε πληγὴ φλεγμαινουσα (2)  
 [Sm. Ps. 6. 8.]

#### φλεγμονή.

- IV Ma. 3. 17. καὶ σβέσαι τὰς τῶν οὐστῶν φλ.  
 φλέξ (?) (1) ο̅ϣ̅ (2) ο̅ϣ̅  
 Jd. 8. 22. A ἐπεισήνεγκε καὶ γὰρ τὴν λαβρὴν ὀπίσω  
 τῆς φλ. [B φλογός] (1)  
 Ps. 103 (104). 4. A<sup>2</sup> καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ  
 πυρὸς φλέγα [A<sup>2</sup> B πῦρ φλέγον] (2)

#### φλέψ.

#### (1) ο̅ϣ̅ (2) η̅ϣ̅

- Jd. 8. 22. A ἀπέκλεισε τὸ στόμα κατὰ τῆς φλ.  
 [B φλογός] (1)  
 Ho. 13. 15. ἀναξεραι τὰς φλ. αὐ. [A<sup>1</sup> al.] (2)  
 [Aq. Pr. 18. 4: ZA. 13. 1.]

#### φλιά.

#### (1) η̅ϣ̅ (2) η̅ϣ̅

- Ex. 12. 7. καὶ θήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν φλ. (2)  
 — 22. καθίσετε [A add. ἀπὸ] τῆς φλ. (2)  
 — 23. δύνεται τὸ αἷμα ἐπὶ τῆς φλ. (2)  
 De. 6. 9: 11. 20. γράψετε αὐτὰ ἐπὶ τὰς φλ. τῶν  
 οἰκῶν ὑ. (1)  
 I Ki. 1. 9. ἐπὶ τῶν φλ. ναοῦ κυρίου (1)  
 III Ki. 6. 31. A καὶ φλιάς πεινιπάλας (1)  
 — 33. A φλιάι ξύλων ἀρκεύθω (1)  
 Ez. 48. 8. ἐν τῷ τεύχεϊ . . . τὰς φλ. μου ἐχομένας  
 τῶν φλ. αὐτῶν (1, 1)  
 45. 19. δώσει ἐπὶ τὰς φλ. τοῦ οἴκου . . . καὶ ἐπὶ  
 τὰς φλ. τῆς πόλεως τῆς αὐλῆς τῆς  
 ἐσωτέρας (1, 1)  
 [Sm. Is. 57. 8.]  
 [Th. Pr. 8. 34.]

#### φλογίζειν.

#### (1) η̅ϣ̅ (2) ο̅ϣ̅

- (3) η̅ϣ̅ hithp.  
 Ex. 9. 24. καὶ τὸ πῦρ φλογίζον ἐν τῇ χαλᾷ (3)  
 Nu. 21. 14. τὴν Z. ἐφλόγισε †  
 Ps. 96 (97). 3. καὶ φλογίει κύκλω τοὺς ἐχθροὺς  
 αὐτοῦ (2)





Mi. 6. 9. σάσει φοβούμενους [Α τοὺς φ.] τὸ  
 7. 17. φοβηθήσονται ἀπὸ σοῦ (9 α)  
 Jn. 1. 5. ἐφοβήθησαν οἱ ναυτικοὶ (9 α)  
 — 9. β<sup>1</sup> τὸν κ. θεὸν τὸ οὐρ. ἐγὼ φοβοίμαι  
 [Α Β β<sup>1</sup> ὁσίβομαι] (9 β)  
 — 10. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβον μέγαν  
 [β<sup>1</sup> φόβμ μ.] (9 α)  
 — 16. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνδρες φόβμ μεγάλμ  
 τὸν κυρίον (9 α)  
 Hb. 2. 3. καὶ ἐφοβίθην (9 α)  
 Zc. 3. 7. φοβεῖσθαι μὲ καὶ δεῖξασθε παιδείαν (9 α)  
 Hg. 1. 12. ἐφοβήθη ὁ λαὸς ἀπὸ προσώπου κυρίου (9 α)  
 Za. 9. 5. ὤφνεται Ἀσκ. καὶ φοβηθήσεται (9 α)  
 Μα. 1. 6. β<sup>1</sup> δοῦλος τὸν κυρίον αὐ. φοβηθήσεται  
 [Α Β β<sup>1</sup> ἁλ.] (9 α)  
 2. 5. ἔδικα αὐτῇ ἐν φόβῳ φοβεῖσθαι μὲ [β<sup>1</sup> οπ.] (9 α)  
 3. 5. ἐπὶ . . . τοὺς μὴ φοβουμένους μὲ (9 β)  
 — 16. ταῦτα καταλείψαν οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (9 α)  
 — 16. ἔγραψα βιβλίον . . . τοῖς φοβουμένοις  
 τὸν κ. (9 β)  
 4. 2 (3. 20). ἀνατελεῖ ὑμῖν τοῖς φοβουμ. τὸ δόγμα  
 μου (9 β)  
 Is. 7. 4. μὴ φοβοῦ (9 α)  
 — 16. ἡ γῆ ἡν σὺ φοβῶ (9 α)  
 — 12. τὸν δὲ φόβον αὐτοῦ οὐ μὴ φοβήθῃτε †  
 10. 24. μὴ φοβοῦ, ὁ λαὸς μου . . . ἀπὸ Ἀσσυ-  
 ρίων (9 α)  
 12. 2. οὐ φοβηθήσονται (11 α)  
 13. 2. ἂ μὴ φοβεῖσθε — (11 α)  
 19. 17. φοβηθήσονται διὰ τὴν βουλὴν [Α add.  
 κυρίου] (11 α)  
 29. 23. τὸν θεὸν τοῦ Ἰσραὴλ φοβηθήσονται (10)  
 33. 7. Α β<sup>1</sup> οὔτοι φοβηθήσονται οὐς ἐφοβεῖσθε  
 φοβηθήσονται ἀφ' ὑμῶν [Β β<sup>1</sup> Α] † ter  
 35. 4. μὴ φοβεῖσθε (9 α)  
 37. 6. μὴ φοβηθῇτε ἀπὸ τῶν λόγων (9 α)  
 40. 9. ὑψώσατε μὲ φοβεῖσθε (9 α)  
 41. 5. εἰδούσα ἐνθὴ καὶ ἐφοβήθησαν (9 α)  
 — 10. 14: 43. 1. 5: 44. 2. μὴ φοβοῦ (9 α)  
 50. 10. τίς ἐν ὑμῖν ὁ φοβούμενος τὸν κύριον (9 β)  
 51. 7. μὴ [β<sup>1</sup> καὶ] φοβεῖσθε ἐνταῖσμον ἀνθρώ-  
 πων (9 α)  
 — 12. τίς οὖσα [Α β<sup>1</sup> τὴν εὐλαβηθῆσαι] ἐφο-  
 βήθη (9 α)  
 — 13. ἐφοβοῦ . . . τὸ πρόσωπον τοῦ θυμοῦ (11 β)  
 54. 4. μὴ φοβοῦ ἐνὶ κατασχύνησιν (9 α)  
 — 14. οὐ φοβηθήσῃ (9 α)  
 57. 11. τίνα εὐλαβηθῆσαι ἐφοβήθη (9 α)  
 — 11. ἐμὲ οὐκ ἐφοβήθη (9 α)  
 59. 19. φοβηθήσονται οἱ ἀπὸ θυμῶν τὸ δόγμα †  
 60. 5. τότε ὤψῃ καὶ φοβηθήσῃ (9 α)  
 63. 17. ἐσκληρύνται τὰ καρδίας ἡμῶν τοῦ μὴ  
 φοβεῖσθαι σε (9 β)  
 66. 14. γυναικίζονται ἡ χεὶρ κυρίου τοῖς φοβου-  
 μένοις [Α Β β<sup>1</sup> σεβομ.] αὐτὸν †  
 Je. 1. 8. μὴ φοβήθῃς [Α -βῆς] ἀπὸ προσώπου  
 αὐτῶν (9 α)  
 — 17. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (7)  
 2. 30. οὐκ ἐφοβήθητε — (9 α)  
 3. 8. οὐκ ἐφοβήθη ἡ ἀσύνετος Ἰουδα (9 α)  
 5. 22. μὴ ἐμὲ οὐ φοβηθήσεται [Β -βῆς]. (9 α)  
 — 24. φοβηθῶμεν τὸν κύριον (9 α)  
 10. 2. ἀπὸ τῶν σημείων τοῦ οὐρανοῦ μὴ φο-  
 βείσθε οὐκ φοβούνται αὐτὰ (7, 7)  
 — 5. μὴ φοβήθητε αὐτὰ (9 α)  
 17. 8. οὐ φοβηθήσεται ὅταν ἔλθῃ καὶμα (9 α, † α)  
 — 8. ἐν ἐναντίῳ ἀρχιερέων οὐ φοβηθήσεται (2)  
 23. 4. οὐ φοβηθήσονται ἐντὶ (9 α)  
 26 (46). 27. σὺ δὲ μὴ φοβήσῃ (9 α)  
 — 28. μὴ φοβοῦ (9 α)  
 29 (48). 21. ἀπὸ φωνῆς πτώσεως αὐτῶν ἐφο-  
 βήθη [Α ἐσεισθῇ] ἡ γῆ (14)  
 33 (26). 19. ἐφοβήθησαν τὸν κυρίον (9 α)  
 39 (32). 39. φοβηθήσονται μὲ πάσας τὰς ἡμέρας (9 α)  
 40 (33). 9. καὶ φοβηθήσονται (11 α)  
 46 (39). 17. ἐν σὺ φωνῇ ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (8)  
 47 (40). 9. μὴ φοβηθήτε ἀπὸ προσώπου τῶν  
 παιδῶν (9 α)  
 48 (41). 18. ἐφοβήθησαν ἀπὸ προσώπου αὐτῶν (9 α)  
 49 (42). 11. μὴ φοβηθῇς ἀπὸ προσώπου βα-  
 σιλεως βαβ. οὐ ὑμῖς φοβεῖσθε ἀπὸ  
 προσώπου αὐ. μὴ φοβήθητε (9 α, 9δ, 9 α)  
 — 16. ἡν ὑμῖς φοβεῖσθε [β<sup>1</sup> ἐφ.] ἀπὸ προσώ-  
 που αὐτῆς (9 β)  
 La. 3. 57. Β ἐπῆς μοι. Μὴ φοβοῦ (9 α)

Ερ. Επ. 16. μὴ οὖν φοβηθῆτε αὐτοὺς  
— 23. μὴ οὖν φοβεσθε [Α.-Βηρητέ] αὐτά  
— 29, 65, 69. μὴ φοβηθῆτε αὐτούς

Εζ. 2. 6. μὴ φοβηθῆς αὐτοὺς . . . τοὺς λόγους  
αὐτῶν μὴ φοβηθῆς (9 α, θ α)  
8. 9. μὴ φοβηθῆς ἀπ' αὐτῶν (9 α)  
13. 8. ῥομφαία φοβεσθε (9 α)  
18. 14. καὶ φοβηθήτω (9 α\*, †)  
26. 16. φοβηθήσονται τὴν ἀπώλειαν αὐτῶν (9)  
— 18. φοβηθήσονται οὐ νόστον ἀπὸ ἡμέρας πτώ-  
σεως σου (9)

27. 28. οὐ κενήνηται αἱ ψυχαί [Α em.] φοβη-  
θήσονται (14)

Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ.  
— 57. ἐκείνοι φοβοῦμενα ὤμολοσαν ὑμῖν  
— 12. οὐ ἐφοβήθησαν σὺν τῇ ἐντολήνῃ (15)  
— 17. ὅν φοβούμεθα (12)  
— (41). φοβοῦμέναι σε  
4. 16. φοβηθείς τρόμον λαβόντων αὐτὸν +  
10. 12. μὴ φοβοῦ, Δαν. (9 α)  
— 19. μὴ φοβοῦ (9 α)  
11. 12. καὶ οὐ μὴ φοβηθήτω +

Da. TH. Su. 2. ἡ ὄνομα Σουσ. . . φοβουμένη τὸν κ.  
— 57. ἐκείνοι φοβόμενοι ὤμολον ὑμῖν  
1. 10. φοβοῦμαι ἔγω γὰρ τὸν κυρίον μου τὸν βασ. (9 β)  
8. (41). καὶ φοβοῦμαι σε  
5. 19. ἥσαν . . . φοβόμενοι ἀπὸ προσώπου αὐ. (9)  
6. 26 (27). εἰναί . . . φοβόμενοι ἀπὸ προσώ-  
που τοῦ θεοῦ Δ. (8)  
10. 12. μὴ φοβοῦ, Δαν. (9 α)  
— 19. μὴ φοβοῦ (9 α)

I Ma. 2. 62. ἀπὸ λόγων ἀνδρὲς ἀμαρτηλοῦ μὴ φοβη-  
θήτε

3. 22. Α Β μὴ φοβηθήτε [B φοβεσίθε] ἀπ' αὐτῶν  
4. 8. μὴ φοβεσθε τὸν πληθύν αὐ.

8. 12. ἐφοβούιντο ἀπ' αὐτῶν  
9. 6. καὶ ἐφοβήθησαν σφόδρα  
10. 8. ἐφοβήσαν φόβον μέγαν  
— 76. φοβηθέντες ἠκούσαν οἱ ἐκ τῆς πόλεως  
12. 28. καὶ ἐφοβήθησαν  
— 40. B ἐφοβήθη [ΔS ὑπλάβηθη] μὴ ποτε οὐκ  
έσση αὐτὸν  
— 52. καὶ ἐφοβήσαν σφόδρα

II Ma. 7. 29. μὴ φοβηθῆτε τὸν δῆμον τούτων

III Ma. 2. 23. φοβόμενοι μὴ καὶ τὸ ζῆν ἐκλείψῃ

IV Ma. 5. 37. μὴ φοβηθέντα σου τὰς μέχρι θανάτου  
ἀνάγκας

8. 14. μεράκια, φοβηθήτε  
— 15. οὐ μόνον οὐκ ἐφοβήθησαν  
— 19. Α Β οὐ φοβησάμεθα [B -ῆθησ.] . . . τὰ βα-  
σανιστήρια  
— 22. ἡμῖν . . . δι' ἀνάγκην τὸν βασ. φοβηθείσιν  
— 25. ἡμᾶς . . . φοβηθέντας τὰ βασανιστήρια [S'  
om. φ. τὰ B.]

13. 14. μὴ φοβηθῆτε τὸν δοκούντα ἀποκτείνειν  
[Aq. Ex. 15. 14 (Sw.): 18. 21: JB. 1. 8, 9: Ps.  
24 (26); 12, 14: 26 (27). I: 80 (81), 20: 32  
(33). 8: 48 (49). 6: 55 (56). 4: 69 (80). 6:  
85 (86). II: Pr. 3. 25; 31. 30: Ec. 7. 19  
(18): Is. 29. 13; 41. 14: JE. 10. 7: 26 (33).  
21: 40 (47) 9.]

[Sm. Ex. 18. 21: II Ki. 3. 11: Ps. 24 (25). 12,  
14: 30 (31), 20: 32 (33), 18: 52 (53). 6:  
54 (55), 20: 55 (56). 4, 12: 59 (60). 6: 71  
(72). 5: 110 (111). 5: 118 (119). 63, 79: Pr.  
3. 25: Ec. 7. 19 (18): Is. 29. 13; 41. 14:  
66. 4: JE. 40 (47). 9.]

[Th. Ex. 18. 21: Ps. 24 (25). 14: 55 (56). 4:  
118 (119). 79: Pr. 3. 25: Ec. 7. 19 (18): Is.  
29. 13; 41. 14: 66. 4: JE. 10. 7: 26 (33). 21:  
30 (37). 10: 44 (51). 10: Ho. 10. 10:]

[Al. Ge. 48. 18: Ps. 111 (112). 7: Pr. 30. 5]  
[Sam. Ge. 50. 19 bε:]  
[Quint. Ps. 24 (25). 14: 32 (33). 8.]  
[Sext. Ps. 24 (25). 14.]

φοβερίζουν. (1) 𐤏𐤍𐤕 pa. (2) 𐤎𐤒 pi.

II Es. 10. 3. καὶ φοβήσονται αὐτοὺς +  
Ne. 6. 9. πάντες φοβερίζουσιν [S'-ρουσιν] ἡμᾶς †  
— 14. οἱ ἥσαν φοβερίζοντες με (9)  
— 19. ἐπιστολαὶ ἀπέστειλε Τ. φοβερίζαι με (2)  
Da. Th. 4. 2. καὶ ἐφοβήσατό με (1)

φοβερισμός. (1) 𐤏𐤍𐤕 pa.  
Ps. 87 (88). 16. οἱ φ. σου ἐξετάραζάν με (1)

φοβεροειδήξ.

III Ma. 6. 18. δεδοσμένοι δύο φ. ἀγγελιοι

**φοβερός.** (1) פֹּחַד (2) לִיָּדָה (3) א. נָרָה ni.  
δ. נָרִיחַ

Ge. 28. 17. ὡς φ. ὁ τόπος οὗτος (3 α)  
De. 1. 19. πᾶσαν τὴν ἔρημον τὴν μεγάλην καὶ  
τὴν φ. ἐκ. (3 α)  
2. 7. τὴν ἔρημον τὴν μεγάλην καὶ τὴν φ. ἐκ. —  
8. 15. διὰ τὴν ἔρημον τὴν μεγάλην καὶ τὴν φ. ἐκ. (3 α)  
10. 17. ὁ θεὸς ὁ μέγας καὶ ἰσχυρὸς καὶ ὁ φ. (3 α)  
Jd. 13. 6. καὶ εἶπεν αὐ. . . φοβερὸν σφόδρα  
[A. al.] — (3 α)  
I Ch. 16. 25. φοβερός ἐστιν ἐπὶ πάντας τοὺς  
θεοὺς (3 α)  
Ne. 1. 5. ὁ ἰσχυρὸς ὁ μέγας καὶ φ. [A B ὁ φ.] (3 α)  
4. 14 (8). μνησθήτε τοῦ θ. ἡμῶν τοῦ μεγάλου  
καὶ φ. (3 α)  
9. 32. ὁ μέγας ὁ κραταῖος καὶ ὁ [A om.] φ. (3 α)  
Es. 5. 1. καὶ ἦν φοβερός σφόδρα  
Ps. 46 (47). 2. κύριος ὑψίστος φοβερός (3 α)  
65 (66). 3. ὡς φοβερά τὰ ἔργα σου (3 α)  
— 5. φοβεροὶ ἱν βουλαῖς ὑπὲρ τοὺς υἱοὺς τῶν  
ἀνθρώπων (3 α)  
75 (76). 7. σὺ φοβερός εἶ (3 α)  
— 11. αἰσούντες δόρατα τῶν φ. (3 β)  
— 12. φοβερὰ παρὰ τοῖς βασιλεῦσι τῆς γῆς (3 α)  
88 (89). 7. καὶ φοβερὰ ἐπὶ πάντας τοὺς περι-  
κύκλω αὐτοῦ (3 α)  
95 (96). 4. φοβεροὶ ἐσὶν ἐπὶ πάντας τοὺς θεοὺς (3 α)  
98 (99). 3. ὅτι φοβερὸν καὶ ἁγιὸν ἐστὶ (3 α)  
105 (106). 2. καὶ φοβερά ἐπὶ θαλάσσης ἐρυ-  
θρας (3 α)  
110 (111). 9. ἄριστος φοβερός τὸ ὄνομα αὐτοῦ (3 α)  
144 (145). 6. τὴν δύναμιν τῶν φ. σου ἐροῦσι (3 α)  
Pr. 12. 25. φοβεροὶ λόγος καρδίας ταρασσέει  
ἀνδρὸς δικαίου +  
Wi. 10. 16. ἀντίστη [B<sup>1</sup> ἀνίστη] βασιλεῦσι [B -εἰς]  
φοβεροὶ ἐν τέρασι  
Si. 1. 8. εἰς ἐπὶ σφοδρὸς φοβερός σφόδρα  
9. 18. φοβεροὶ ἐν πλείε αὐτοῦ ἀνὴρ γλωσσώδης  
43. 29. φοβεροὶ κύριος καὶ σφόδρα μέγας  
Hb. 1. 7. φοβεροὶ καὶ ἐπιφανῆς ἐστὶν (1)  
Is. 21. 1. φοβεροὶ τὸ δράμα  
Da. LXX. 2. 31. καὶ ἡ πρόσψις τῆς εἰκόνος  
φοβερά (2)  
4. 34. ποιῆσαι . . . θαυμάσια μεγάλα καὶ φ. —  
7. 7. ἐθεώρουν . . . ὁρίων τέταρτον φ. (2)  
9. 4. σὺ εἰ ὁ θεός . . . ὁ φ. (3 α)  
Da. LXX. 2. 31. καὶ ἡ δράσις αὐ. φοβερά (2)  
7. 7. ἰδοὺ ὁρίων τέταρτον φ. (2)  
— 19. ἦν διαφέρων . . . φοβερὸν περισσῶς (2)  
I Ma. 1. 4. S ἔγενετο αὐτῷ εἰς φόβον [A B al.]  
II Ma. 1. 24. κύριε ὁ θ. . . ὁ φ. καὶ ὁ ἰσχυρὸς  
3. 25. φοβερὸν ἔχων τὸν ἐπίτακτον  
III Ma. 5. 45. B φοβεραῖς κατασκευασμένα σκεναῖς  
[A al.]  
[Aq. Dt. 7. 21: Is. 18. 7: 31. 9: Ez. 1. 22.]  
[Sm. Jb. 37. 21: Ps. 44 (45). 5: 65 (66). 5: 67  
(68). 36: 75 (76). 13: Is. 18. 7: 31. 9: 64.  
3 (2): Ez. 1. 22.]  
[Th. Dt. 7. 21: Ps. 65 (66). 5: 75 (76). 5: Is.  
18. 7: 31. 9: 64. 3 (2): Ez. 1. 22.]  
[Al. Ez. 1. 18.]

**φοβεροῦν** (?). (1) נָרָה pi.  
Ne. 6. 9. B<sup>1</sup> πάντες φοβεροῦσιν [A B B<sup>2</sup> -ρίζου-  
σιν] ἡμᾶς (1)

**φοβερός.** (1) לִיָּדָה ni  
Ps. 138 (139). 14. φ. ἐθαυμαστώσης [B<sup>1</sup> -ην] (1)  
III Ma. 5. 45. φ. κεκοσμημένα κατασκευαῖς

**φόβημα.**  
[Aq. Dt. 4. 34: Ps. 9. 21.]

**φόβητρον** (-ητρον). (1) נֶפֶחַ  
Is. 19. 17. ἔσται ἡ χώρα τῶν Ἰουδαίων τοῖς  
Αἰγυπτίοις εἰς φ. (1)

**φόβος.** (1) א. מִחָא, מִחָא δ. מִיָּדָה ni  
(2) א. מִחָא δ. מִיָּדָה (3) א. מִחָא δ. מִיָּדָה  
c. מִיָּדָה (4) א. מִיָּדָה δ. מִיָּדָה (5) מִיָּדָה  
(6) מִיָּדָה (7) מִיָּדָה (8) φόβος ἐπιτίσκει  
לִיָּדָה pa. (9) φόβος λαμβάνει מִיָּדָה

Ge. 9. 2. ὁ φ. ἔσται ἐπὶ πᾶσι τοῖς θηρίοις (3 α)  
15. 12. φ. σκοτεινὸς μέγας ἐπιτίσκει αὐτῷ (1 α)



|  |   |  |
|--|---|--|
| Ge. 31. 42. εἰ μὴ . . . ὁ φ. ἴ. ἦν μοι<br>— 53. ὁμογενεὶς ἴ. κατὰ τοῦ φ. τοῦ πατρὸς αὐ. ἴ. (8)<br>35. 5. ἐγένετο φόβος θεοῦ ἐπὶ τὰς πόλεις (8 b)<br>Ex. 15. 16. ἐπίπαιον ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ<br>φόβος [A. φ. κ. τρ.] (8 [1 a])<br>20. 20. ὅπως ἀν. γίνηται ὁ φ. αὐ. ἐν ὑμῖν (4 a)<br>28. 27. τὸν φ. ἀποστελεῖ ἡγοῦμένον σου (1 a)<br>De. 2. 25. δοῦναι τὸν τρόμον σου καὶ τὸν φ. σου (4 a)<br>11. 25. τὸν τρόμον ὑμῶν καὶ τὸν φ. [A. φ. ὑ.<br>κ. τ. τρόμον] ὑμῶν (4 b [8])<br>28. 67. ἀπὸ τοῦ φ. τῆς καρδίας σου (8)<br>32. 25. καὶ ἐκ τῶν ταμείων φόβος (1 a)<br>Jo. 2. 9. ἐπιπέτωκε γὰρ ὁ φ. ὑμῶν ἐφ' ἡμᾶς (1 a)<br>II Ki. 28. 3. πᾶς κραταιώσῃτε φόβον χριστοῦ (4 a)<br>I Ch. 14. 17. ἔδωκε τὸν φ. αὐ. ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (8)<br>II Ch. 19. 7. γενέσθω φόβος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς (8)<br>— 9. οὕτως ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (4 a)<br>26. 5. τοῦ συνιόντος ἐν φόβῳ κυρίου †<br>Ne. 6. 9. οὐχ οὕτως ἐν φόβῳ θεοῦ ἡμῶν ἀπελευ-<br>σασθε (4 a)<br>— 15. ἀπὸ προσώπου φόβου θεοῦ (4 a)<br>8. 16. ἐπέπεσε φόβος [S. φ. μέγας] σφόδρα —<br>To. 6. 2. B <sup>2</sup> καὶ ἀπὸ τοῦ φ. [S <sup>2</sup> om. d. r. φ.] ἐκραξεν<br>Ju. 2. 28. B ἐπέπεσε φόβος [A B ὁ φ. S φ. αὐ.]<br>καὶ τρόμος αὐ. (8)<br>14. 3. ἐπέπεσε αὖ ἐπ' αὐτοὺς φόβος<br>15. 2. B S ἐπέπεσαν ἐπ' αὐτοὺς τρόμος καὶ φόβος<br>[A B φ. καὶ τρ.]<br>Es. 1. 22. ὥστε εἶναι φόβον αὐτοῦ ἐν ταῖς οἰκίαις<br>αὐ. †<br>4. 17. ῥῥαί μ' ἐκ τοῦ φ. μου<br>5. 1. ἡ δὲ καρδιά αὐ. ἀπιστεσμενίμην ἀπὸ τοῦ φ.<br>— 2. ἐταράχθη ἡ καρδιά μου ἀπὸ φόβου [A om.]<br>τῆς δόξης σου<br>8. 17. A <sup>2</sup> B S λυοῦμαι διὰ τὸν φ. τῶν Ἰουδ. (8)<br>9. 3. ὁ γὰρ φ. Μαρδοχαίου ἐνέκειτο αὐτοῖς (8)<br>Jb. 3. 24. δακρυῶ δὲ ἐνδὲ συνεχόμενος φόβῳ φ. †<br>— 25. φόβος γὰρ . . . ἤλθε μοι (8)<br>4. 6. πότερον οὐχ ὁ φ. σου ἐστίν ἐν ἀφροσύνῃ (4 a)<br>— 13. φόβῳ [A ἡ φ. B <sup>2</sup> -os] δὲ καὶ ἡ φ. νυκτε-<br>ρυν [A ἡ φ. νυκτερινή] ἐπαιπύων<br>φόβος ἐπ' ἀνθρώπου †, †<br>7. 11. B <sup>1</sup> ἀνοίξω . . . συνεχόμενος φόβῳ [A B S <sup>2</sup><br>om.] —<br>9. 34. ὁ δὲ φ. αὐτοῦ μὴ με στροβίλει (1 a)<br>13. 11. ὁ [A S <sup>2</sup> om.] φ. δὲ παρ' αὐτοῦ [A δὲ<br>κυρίου] ἐπιπείσκει ὑμῖν (8)<br>— 21. ὁ φ. σου μὴ με καταπλῃσέτω (1 a)<br>16. 4. οὐ [A δν.] καὶ σὺ ἀπεκρίσῃς φόβον (4 a)<br>— 21. ὁ δὲ φ. αὐτοῦ ἐν ὧσιν αὐτοῦ (8)<br>20. 25. περιπατήσας [A μὴ περιπατήσαι]<br>ἐπ' αὐτῷ φόβῳ (1 a)<br>21. 9. φόβος δὲ οὐδαμῶ †<br>25. 2. τί γὰρ προσέμιον ἡ φόβος παρ' αὐτοῦ<br>[A α.] (8)<br>31. 23. φοβὸς γὰρ κυρίου συνέσχε με (8)<br>33. 7. οὐχ ὁ φ. μου σε στροβίλει (1 a)<br>— 15. ὅταν ἐπιπύηται δεινὸς φόβος ἐπ' ἀνθρώπου †<br>— 16. ἐν εἰσεσι φόβον τοιούτους —<br>38. 17. ἀνοίγονται αἱ σου φεῖβαι πύλαι θανάτου †<br>39. 3. ἐξέθρεψας δὲ αὐτῶν τὰ παιδιά ξέω [A<br>ἀνευ] φόβου —<br>— 16. εἰς κενὸν ἐκόπασεν ἀνευ φόβου (8)<br>19. ἐνέδυσας δὲ τραχήλῳ αὐτοῦ φόβον (7)<br>41. 5 (6). κύκλῳ ὁδόντων αὐτοῦ φόβος (1 a)<br>— 16 (17). φόβος θηρίους τετραπόσιν ἐπὶ γῆς<br>ἀλλομένους †<br>Ps. 2. 11. δουλεύσατε τῷ κυρίῳ ἐν φόβῳ (4 a)<br>5. 7. προσκυνήσω πρὸς πᾶν ἄγγelon σου ἐν φόβῳ<br>σου (4 a)<br>13 (14). 3. B S <sup>1</sup> οὐκ ἔστι φόβος θεοῦ ἀπέναντι<br>τῶν ὑψθ. αὐ. —<br>— 5. ἐκεῖ ἰδεῖσθαι φόβῳ [S <sup>1</sup> -ον] οὐ [A φ.]<br>οὐκ ἦν φόβος (8, -)<br>18 (19). 9. ὁ φ. κυρίου ἄγνος διαμείνων (4 a)<br>30 (31). 11. καὶ φόβος τοῖς γνωστοῖς μου (8)<br>33 (34). 11. φόβον κυρίου διδάξω ὑμᾶς (4 a)<br>35 (36). 1. οὐκ ἔστι φόβος θεοῦ ἀπέναντι τῶν<br>ὑψθ. αὐ. (8)<br>43 (44). 16. B <sup>2</sup> ἀπὸ φόβου [A B S <sup>2</sup> προσώπου]<br>ἐχθροῦ αὐ. ἐκδιώκοντος †<br>52 (53). 5. B S <sup>1</sup> φοβηθήσονται [S <sup>2</sup> B ἐφοβή-<br>θησαν] φόβον [S <sup>2</sup> -φ] οὐ οὐκ ἦν<br>φόβος (8, 8)<br>54 (55). 5. B S B <sup>2</sup> φόβος καὶ τρόμος ἦλθεν ἐπ'<br>ἐμέ (4 a) | Ps. 63 (64). 1. ἀπὸ φόβου ἐχθροῦ ἐξελού τὴν<br>ψυχὴν μου (8)<br>89 (90). 11. ἀπὸ τοῦ φ. τοῦ θυμοῦ [A S <sup>2</sup> τὸν θ.]<br>σου ἐξαριθμήσασθαι (4 a)<br>90 (91). 5. οὐ φοβηθήσῃ ἀπὸ φόβου νυκτερινῶ (8)<br>104 (105). 38. ἐπέπεσαν ὁ φ. αὐτῶν ἐπ' αὐτοὺς (8)<br>110 (111). 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)<br>118 (119). 38. στήσων τῷ δούλῳ σου τὸ λόγόν<br>σου εἰς τὸν φ. σου (4 a)<br>— 120. καθήλωσον ἐκ τοῦ φ. σου τὰς σάρκας<br>μου (8)<br>Pr. 1. 7. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)<br>— 29. B <sup>2</sup> τὸν δὲ φ. [A B S <sup>1</sup> λόγον] τοῦ κυρίου<br>οὐ προεῖλαντο (4 a)<br>2. 5. τότε συνήσεις φόβον κυρίου (4 a)<br>8. 13. φόβος κυρίου μισεῖ ἀδικίαν (4 a)<br>9. 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)<br>10. 27. φόβος κυρίου προστίθεται ἡμέρας (4 a)<br>— 29. ὄχυρμα δόσιον φόβος κυρίου †<br>14. 26. ἐν φόβῳ κυρίου ἔλπις λογίους (4 a)<br>15. 16. κρείσσων μικρὰ μερίς μετὰ φόβου κυρίου (4 a)<br>— 27 (16. 6). τῷ δὲ φ. κυρίου ἐκκλίνει πᾶς<br>ἀπὸ κακοῦ (4 a)<br>16. 4 (15. 33). φόβος κυρίου παιδεία καὶ σοφία (4 a)<br>18. 8. δεικνύου καταβάλλει φόβος —<br>19. 23. φόβος κυρίου εἰς ζωὴν ἀνδρῶ (4 a)<br>22. 4. γυνεὶ σοφίας φόβος κυρίου (4 a)<br>23. 17. ἐν φόβῳ κυρίου ἴσθι ὅλην τὴν ἡμέραν (4 a)<br>31. 30. φόβον δὲ κυρίου αὐτὴ αἰνέτω (4 a)<br>Wi. 6. 2. ἰδόντες παραχθήσονται φόβῳ δεινῷ<br>17. 6. αὐτομάτῃ πυρὰ φόβου πληρῆς<br>— 12. οὐδὲν γὰρ ἐστὶ φόβος<br>— 15. αἰδυνίδιος γὰρ αὐτοῖς . . . φόβος ἐπηλθῶν<br>18. 17. φόβος δὲ ἐπέστησαν ἀδόκητοι<br>Si. 1. 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα<br>— 12. φόβος κυρίου τέρπει καρδίαν<br>— 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου<br>— 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου<br>— 27. μὴ ἀπειθήσῃς φόβῳ κυρίου<br>— 30. οὐ προσήλθες φόβῳ κυρίου<br>2. 10. τίς ἐνέμιον τῷ φ. αὐτοῦ<br>4. 17. φόβον δὲ καὶ δειλίαν ἐτάζει ἐπ' αὐτὸν<br>9. 13. οὐ μὴ ὑποπτεύσῃς φόβον [S <sup>1</sup> -φ] θανάτου<br>— 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἴσθι τὸ καύχημά σου<br>10. 22. ἐνδοξος καὶ πτωχὸς τὸ καύχημα αὐτῶν<br>φόβος κυρίου<br>16. 2. εἰ μὴ ἐστὶ φόβος κυρίου μετ' αὐτῶν<br>17. 4. ἐζήκε τὸν φ. αὐτοῦ ἐπὶ πάσης σαρκός<br>19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου<br>21. 11. συνελεῖται τοῦ φ. κυρίου σοφία<br>22. 18. κατέναντι πάντος φόβου οὐ μὴ ὑπομείνῃ<br>23. 19. ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπων ὁ φ. αὐτοῦ<br>— 27. οὐδὲν κρείττονος φόβου κυρίου<br>25. 6. τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου<br>— 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν<br>27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κριτήσῃ κατὰ σπουδὴν<br>33 (38). 2. ἐπέβαλε τὸν φ. σου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη<br>35 (32). 18. ὑπερήφανος οὐ καταπλήξει φόβον<br>40. 2. τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν καὶ φόβον καρδίας<br>— 5. ταρχὴ καὶ σάλος καὶ φόβος θανάτου<br>— 7. ἀποθανύμενον [S <sup>2</sup> -ζόντων] εἰς οὐδένα φόβον<br>— 26. ὑπὲρ ἀμφότερα φέζος κυρίου<br>— 26. οὐκ ἔστι φόβῳ [A B ἐν φ.] κυρίου ἐλάττωσις<br>— 27. φόβος κυρίου ὡς παράδεισος εὐλογίας<br>45. 2. ἐμεγάλυνεν αὐτὸν ἐν φόβῳ ἐχθρῶν<br>— 23. ἐν τῷ ζῆλῳ αὐτῶν ἐν φόβῳ κυρίου<br>Jn. 1. 10. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνθρωποι φ. μέγαν [S <sup>2</sup><br>φόβῳ μ.] (4 a)<br>— 16. ἐφοβήθησαν οἱ ἄνθρωποι φ. μεγάλῳ τὸν<br>κύριον (4 a)<br>Ma. 1. 6. ποῦ ἐστιν ὁ φ. μου (4 b)<br>2. 5. ἔδωκα αὐτῷ ἐν [S <sup>2</sup> om.] φόβῳ φοβεῖσθαι<br>με (4 b)<br>Is. 2. 10, 19, 21. ἀπὸ προσώπου τοῦ φ. κυρίου (8)<br>7. 25. οὐ μὴ ἐπὶ ἐλθῇ ἐκεῖ φ. (4 a)<br>8. 12. τὸν δὲ φ. αὐτοῦ οὐ μὴ φοβηθῇτε (4 b)<br>— 13. αὐτὸς ἔσται σου φ. [B ἰσχυρὸς] (4 b + 5)<br>10. 27. ὁ φ. αὐτοῦ ἀπὸ σοῦ †<br>— 29. φ. λήψεται Ἰερὰ †<br>11. 3. ἐμπλήσει αὐτὸν πνεῦμα φόβου θεοῦ (4 a)<br>19. 16. ἐσονται οἱ ἄγγ. ὡς γυναικες ἐν φόβῳ (2 a)<br>21. 4. ἡ ψυχὴ μου ἐφέστηκε ἐν φόβῳ (8 b)<br>24. 17. φ. καὶ βίθονος καὶ παγὶς ἐφ' ὑμᾶς<br>— 18. ὁ φεύγων τὸν φ. ἐμπεσείται εἰς τὸν<br>βίθονον (8)<br>26. 18 (17). διὰ τὸν φ. σου, κύριε † | Is. 33. 3. διὰ φωνὴν τοῦ φ. ἐξέστησαν λαοὶ ἀπὸ<br>τοῦ φ. σου †, †<br>— 7. ἐν τῷ φ. ὑμῶν οὗτοι φοβηθήσονται †<br>— 8. πέπαιται ὁ φ. τῶν ἐθνῶν †<br>— 18. ἡ ψυχὴ ὑμῶν μελετήσει φόβον [A add.<br>κυρίου] (1 a)<br>Je. 30 (49). 5. φέρω φόβον ἐπὶ σέ (8)<br>81 (48). 43. φ. καὶ βίθονος ἐπὶ σοί (8)<br>— 44. ὁ φεύγων ἀπὸ προσώπου τοῦ [S <sup>1</sup> om.]<br>φ. ἐμπεσείται (8)<br>37 (30). 5. φωνὴν φόβου ἀκούσεσθε (2 b)<br>— 5. φ. καὶ οὐκ ἔστιν εἰρήνη (8)<br>— 6. περὶ φόβον ἐν φ. καθέξουσιν ὁσφύν †<br>39 (32). 40. τὸν φ. μου δώσω εἰς τὴν καρδίαν<br>αὐτῶν (4 a)<br>Ba. 3. 7. ἔδωκε τὸν φ. σου ἐπὶ καρδίαν ἡμῶν<br>La. 3. 47. φ. καὶ θυμὸς ἐγενήθη ἡμῖν (8)<br>Ep. Jc. 4. ὀψέσθε . . . θεοῦ . . . δεικνύτας φόβον<br>τοῖς ἰδόντι<br>— 5. καὶ φ. ὑμᾶς λάβῃ ἐπ' αὐτοῖς<br>Ez. 26. 17. ἡ δοῦσα τὸν φ. αὐτῆς πᾶσι τοῖς<br>κατοικοῦσιν αὐτὴν (3 c)<br>27. 28. οἱ κυβερνήται σου φόβῳ [A om.] φοβη-<br>θήσονται —<br>30. 13. A δώσω φόβον ἐν γῇ Λιγύπῃ (4 a)<br>32. 23. οἱ δότες τὸν φ. αὐτῶν ἐπὶ γῆς (3 c)<br>— 24. οἱ δεδοκότες αὐτῶν φόβον ἐπὶ γῆς (3 c)<br>— 26. οἱ δεδοκότες τὸν φόβον αὐτῶν ἐπὶ γῆς<br>ζῶης (3 c)<br>— 30. σὺν τῷ φ. αὐτῶν καὶ τῇ ἰσχύϊ αὐτῶν (3 c)<br>— 32. δέδωκα τὸν φ. αὐτοῦ ἐπὶ τῆς γῆς (3 c)<br>38. 21. καλέσω ἐπ' αὐτὸ καὶ πᾶν φόβον [A<br>add. μαχαίρας] †<br>Da. LXX. 4. 2. φόβος μου ἐπέπεσαν (8)<br>— 34. ἀπὸ τοῦ φ. αὐ. τρόμος ἐλήθη μ' —<br>5. 6. φόβος καὶ ὑπόνοια αὐτῶν κατέσπευσον —<br>7. 7. καὶ ὁ φ. αὐ. ὑπερήφανον ἰσχύϊ (1 b)<br>10. 7. φ. ἰσχυρὸς ἐπέπεσαν ἐπ' αὐτοὺς (2 b)<br>11. 31. μανουὴν τὸ ἄγιον τοῦ φ. †<br>Da. TH. 10. 7. ἐφυγον ἐν φόβῳ †<br>I Ma. 3. 6. συνεστάλησαν οἱ ἄνομοι ἀπὸ τοῦ φ. αὐ.<br>— 25. ἤρξατο ὁ φ. Ἰουδα<br>7. 18. ἐπέπεσαν αὐτῶν ὁ φ. . . εἰς πάντα τὸν λαόν<br>10. 8. ἐφοβήθησαν φ. μέγαν<br>II Ma. 6. 30. διὰ τὸν αὐτοῦ φ. ταῦτα πάσχω<br>12. 22. φόβου τε ἐκ τῆς . . . ἐπιφανείας γενομένης<br>15. 18. ὁ περὶ τοῦ καθηγιασμένου ραοῦ φόβος<br>III Ma. 2. 23. ὑπερβάλλοντι καταπληγμένους φόβῳ<br>3. 7. οὐ τῷ τυχόντι περιήφαντο φόβῳ<br>7. 21. μετὰ δόξης καὶ φόβου<br>— 22. B μετὰ φ. [A φόρου] μεγίστου ἀποδοῦναι<br>αὐτοῖς<br>IV Ma. 1. 4. θυμὸν τε καὶ πόνον καὶ φόβον<br>— 23. πρὸ δὲ τοῦ πόνου ἐστὶ φόβος<br>4. 10. καὶ πολλὸν αὐτοῖς φ. . . ἐνιέντες<br>8. 12. ὅπως καὶ διὰ τοῦ φ. πείσσει αὐτοὺς<br>14. 8. τὸν τῶν βασίλων φ. κατέλαυντες<br>15. 8. διὰ τὸν πρὸς τὸν θεόν φ.<br>[Aq. Jd. 18. 5 : I Ki. 1. 11 : Ps. 5. 8 : 32 (33).<br>18 : 129 (130). 4 : Pr. 14. 27 : Is. 33. 6.]<br>[Sm. Jb. 22. 10 : 39. 20 : Ps. 5. 8 : 35 (36). 2 :<br>85 (86). 11 : 87 (88). 16 : 89 (90). 11 : 118 (119).<br>120 : Pr. 14. 27 : 22. 4 : Ca. 8. 8 : Is. 8. 13 :<br>38. 6 : Ho. 8. 10.]<br>[Th. Jb. 15. 4 : 20. 25 : 22. 4 : 39. 20 : Ps. 9.<br>21 : Pr. 14. 27 : Is. 33. 6 : Ez. 30. 13 (Sw.) :<br>Da. 10. 7.]<br>[Al. i Ki. 11. 7 : Jb. 4. 14 : Ez. 32. 27.] |
|--|---|--|

φοιβᾶν. (1) 𐤕𐤓𐤁𐤏 hithpo.

De. 14. 1. A B<sup>2</sup> οὐ φοβήσεσθε (1)

φοινίκους. (1) 𐤕𐤓𐤏𐤍

Is. 1. 18. εἰάν ὦσιν αἱ ἁμαρτίαι ὑμῶν ὡς φοινικῶν (1)

φοινικῶν. (1) 𐤕𐤓𐤏𐤍

Ez. 47. 18. ἐπὶ τὴν θάλασσαν τὴν πρὸς ἀνατολὰς

φοινικῶν †

— 19. τὰ πρὸς νότον καὶ λίββα ἀπὸ θαιμᾶν καὶ

φοινικῶν (1)

φοῖνιξ. (1) a. 𐤕𐤓𐤏𐤍 b. 𐤕𐤓𐤏𐤍 c. 𐤕𐤓𐤏𐤍

Ex. 15. 27. ἐβρομήκοντα στελεχὺ φοινίκων (1 a)

Le. 23. 40. λήψετε . . . κἀλλυθρὸν φοινίκων (1 a)

Nu. 33. 9. ἐβρομήκοντα στελεχὺ φοινίκων (1 a)

De. 34. 3. τὰ περιχώρα Ἱερ. πολλὴν φοινίκων (1 a)

Jd. 1. 16. ἀνέβρισαν ἐκ πόλεως τῶν φ. (1 a)

Jd. 3. 13. ἐκλήρονόμησε τὴν πόλιν τῶν φ. (1 a)  
 4. 5. ἐκάθητο ὑπὸ φοινίκα (1 b)  
 II Kī. 16. 1. καὶ ἐπ' αὐτοῖς . . . ἱκανὸν φοίνικες †  
 — 2. καὶ οἱ φ. εἰς βρώσιν τοῖς παιδαρίοις †  
 III Kī. 6. 29. καὶ φοίνικες τῇ ἐσωτέρῃ καὶ τῇ  
 ἐξωτερῇ (1 c)  
 — 32. Α καὶ φοίνικας καὶ πίταλα (1 c)  
 — 32. Α κατέβαιναν . . . ἐπὶ τοὺς φ. τὸ χρυσίον (1 c)  
 — 35. ἐκεκυλαμμένα χερ. καὶ φοίνικες (1 c)  
 7. 36. τὰ συγκλείειν. αὐ. χερ. . . καὶ φοίνικες  
 ἰστώτα (1 c)  
 II Ch. 3. 5. ἔγλυψεν ἐπ' αὐτοῦ φοίνικας (1 c)  
 28. 15. εἰς Ἱερ. πόλιν φοινίκων (1 a)  
 Ne. 8. 15. Α<sup>2</sup> Β Β καὶ φύλλα φοινίκων (1 a)  
 Jb. 29. 18. ὥσπερ στέλεχος φοίνικος †  
 Ps. 91 (92). 12. δικαίος ὡς φοινίξ ἀνθήσει (1 a)  
 Ca. 7. 7 (8). ὁμοιώθης [Α -θη, Β ὁμοιώθητι] τῷ φ. (1 a)  
 — 8 (9). ἀναβήσονται ἐπὶ [Α ἐν] τῷ φ. (1 a)  
 Si. 24. 14. ὡς φοινίξ ἀνυψώθη (1 a)  
 50. 12. ἐκύκλωσαν αὐτὸν ὡς στέλεχος φοινίκων  
 J1. 12. 12. ροὰ καὶ φοινίξ . . . ἐξήρανθησαν (1 a)  
 Ez. 40. 16. ἐπὶ τὸ πλάμα φοίνικες ἔθεν καὶ ἔθεν (1 c)  
 — 21. διεμέτρησαν . . . τοὺς φ. αὐτῆς —  
 — 22. οἱ φ. αὐτῆς καθὼς ἡ πύλη ἢ βλέπουσα  
 κατὰ ἀνατολὰς (1 c)  
 — 26. φοίνικες αὐτῇ (1 c)  
 — 31. φοίνικες τῷ αἰλεῷ (1 c)  
 — 34. φοίνικες ἐπὶ τοῦ αἰλεῷ ἔθεν καὶ ἔθεν (1 c)  
 — 37. φοίνικες τῷ αἰλεῷ ἔθεν καὶ ἔθεν (1 c)  
 41. 18. Α φοίνικας καὶ φ. ἀνὰ μέσον χερ.  
 χειρὸς [Β αλ.] (1 c, 1 c)  
 — 19. πρόσσωπον ἀνθρώπου πρὸς τὸν φ. ἔθεν  
 καὶ ἔθεν καὶ πρόσσωπον λέοντος  
 πρὸς τὸν φ. (1 c, 1 c)  
 — 20. τὰ χειρῶν καὶ οἱ φ. διαγεγλυμμένοι (1 c)  
 — 25. φοίνικες κατὰ τὴν γλυφὴν τῶν ἁγίων (1 c)  
 II Ma. 10. 7. ἔτι δὲ καὶ φοίνικας ἔχοντες  
 14. 4. προσάγων αὐτῶν . . . φοίνικα  
 [Aq. Jc. 10. 5.]  
 [Th. Jc. 10. 5; Ez. 41. 18.]  
 [Hob. Ex. 15. 27.]  
 [Al. Nu. 38. 9.]  
**φολιδωτός.**  
 [Aq. I Kī. 17. 5.]  
**φολῖς.**  
 [Aq. Dt. 14. 9.]  
 [Sm. Jb. 41. 5.]  
 [Al. Lc. 11. 9.]  
**φορεύειν.** (1) 𐤒𐤒 a. qal. δ. ni. (2) 𐤒𐤒 hi.  
 (8) 𐤒𐤒 hi. (4) 𐤒𐤒 a. qal. δ. ni.  
 c. pi.  
 Ex. 20. 15 (13). οὐ φορεύσεις (4 a)  
 21. 13. οὐ φεύξεται ἐκεῖ ο φορεύσας —  
 Nu. 35. 6. δε δώσετε φεύγειν ἐκεῖ τῷ φορευ-  
 σαντι (4 a)  
 — 12. οὐ μὴ ἀποθάνῃ ο φορεύων (4 a)  
 — 19. οὗτος ἀποκτενεῖ τὸν φορεύσαντα (4 a)  
 — 21. θανάτῳ θανατούσθω ο φορεύων —  
 — 21. ἀποκτενεῖ τὸν φορεύσαντα (4 a)  
 — 25. ἐξελεῖται ἡ συναγωγὴ τὸν φορεύσαντα  
 [B<sup>1</sup> om. τ. φ.] (4 a)  
 — 26. εἰν δὲ ἐξὸφ ἐξέλθῃ ο φορεύσας (4 a)  
 — 27. καὶ φορεύσῃ ο ἀρχισυνεὺς τὸ αἷμα τὸν  
 φορεύσαντι (4 a, 4 a)  
 — 28. ἐπανοστραφίσεται ο φορεύσας εἰς τὴν  
 γῆν (4 a)  
 — 30. διὰ μαρτύρων φορεύσεις [Α -ει] τὸν  
 φορεύσαντα (4 a, 4 a)  
 — 31. οὐ λήψαθε λύτρα . . . παρὰ τοῦ φορευ-  
 σαντος (4 a)  
 De. 4. 42. δε αν φορεύσῃ τὸν πλησίον οὐκ εἰδὼς (4 a)  
 5. 18 (17). οὐ φορεύσεις (4 a)  
 19. 6. ἵνα μὴ διώξας . . . ὀπίσω τοῦ φορευ-  
 σαντος (4 a)  
 22. 26. καὶ φορεύσῃ αὐτοῦ ψυχὴν (4 a)  
 Jo. 10. 28. ἐφόβουν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (3)  
 — 30. Β<sup>1</sup> ἐφόβουν [Α Β<sup>2</sup> Β -ω] αὐτὴν ἐν  
 στόματι ξίφους (3)  
 — 32. ἐφόβουν [Α -εν] αὐτὴν ἐν στόματι  
 ξίφους (3)  
 — 35. ἐφόβουν αὐτὴν ἐν στόματι ξίφους (3)

Jo. 10. 35. πᾶν ἐμπρόον ἐν αὐτῇ ἐφόβουν (2)  
 20. 5. Α οὐ συγκλείουσιν τὸν φορεύσαντα ἐν  
 τῇ χειρὶ αὐ. (4 a)  
 — 6. Α τότε ἐπιστρέψει ο φορεύσας (4 a)  
 21. 13. ἔδωκε τὴν πόλιν φυγαδευτήριον τῷ  
 φορεύσαντι (4 a)  
 — 21. τὴν πόλιν τοῦ φυγαδευτήριου τὴν τοῦ  
 φορεύσαντος [Α φορευόντος] (4 a)  
 — 27. τὰς πόλεις τὰς ἀφωρισμ. τοῖς φορευ-  
 σαι (4 a)  
 — 32. τὴν πόλιν τὴν ἀφωρισμ. τῷ φορευ-  
 σαντι (4 a)  
 — 36. τὴν πόλιν τὸ φυγαδευτήριον τοῦ φορευ-  
 σαντος (4 a)  
 — 37. τὴν πόλιν τὸ φυγαδευτήριον τοῦ φορευ-  
 σαντος —  
 Jd. 16. 2. καὶ φορεύσωμεν [Α ἀποκτείνωμεν]  
 αὐτὸν (1 a)  
 20. 4. ο ἀνὴρ τῆς γυναῖκος τῆς φορευθείσης  
 [Α πεφορευμένης] (4 b)  
 — 5. ἐμὲ ἠθέλησαν φορεύσαι [Α ἀποκτείνειν] (1 a)  
 III Kī. 20 (21). 19. ὡς σὺ ἐφόβουν (4 a)  
 21 (20). 40. τὰ ἑνδρα παρ' ἐμοὶ ἐφόβουν (4 a)  
 II Ch. 25. 3. τοὺς παῖδας αὐ. τοὺς φορεύσαντας  
 τὸν βασι. (3)  
 I Es. 4. 5. φορεύουσιν καὶ φορεύονται  
 Ne. 4. 11 (5). ἔως στου . . . φορεύσωμεν αὐ-  
 τοὺς (1 a)  
 6. 10. ἔρχονται νυκτὸς φορεύσαι σε (1 a)  
 To. 2. 3. Β εἰς ἐκ τοῦ ἔθνους ἡμῶν πεφόβουνται [Α Β  
 αλ.]  
 — 8. οὐκ εἶ μοι φερέται φορευθῆναι περὶ τοῦ πράγ-  
 ματος τ. [B αλ.]  
 Es. 9. 12. Β<sup>2</sup> καὶ ἐφόβουν . . . ἀνδρας πεντα-  
 κοσίους [Α Β Β<sup>1</sup> αλ.] (1 a)  
 Ps. 61 (62). 3. φορεύετε πάντες ὡς τοῖς φ. κεκλι-  
 μέν (4 c)  
 98 (94). 6. προσήλυτον ἐφόβουν (4 c)  
 Pr. 1. 32. ἀνθ' ἂν γὰρ ἡδύκαυ νηπίους φορευ-  
 θῶσιν (1 a)  
 7. 26. ἀναρριβήτοι εἰσιν οδε πεφόβουν (1 a)  
 Si. 9. 13. δε ἔχει ἐξουσίαν τοῦ φορεύειν [B<sup>1</sup> -εῖσαι]  
 31 (34). 22. φορεύουν τὸν πλησίον ο ἀφαιρούμενος  
 συμβίωσιν [Α Β ἐμβ.] (1 a)  
 Ho. 6. 10 (9). ἐφόβουν Σικίμα (4 c)  
 Is. 21. 15. διὰ τὸ πλῆθος τῶν πεφορευμένων  
 [Α Β φευγόντων] (1 a)  
 Je. 7. 9. φορεύετε καὶ μοιχᾶσθε (4 a)  
 La. 2. 20. φορευθήσονται ἡπία θηλάζοντα  
 μαστούς (1 b ?)  
 Ez. 11. 7. Α οὐς ἐφορεύσατε [Β ἐπατάξατε] ἐν  
 μέσῳ αὐτῆς †  
 I Ma. 15. 40. αἰχμαλωτίζειν τὸν λαὸν καὶ φορεύειν  
 [Aq. Ps. 41 (42). 11; Pr. 22. 13; Ez. 37. 9.]  
 [Sm. Pr. 22. 13.]  
 [Th. Ps. 93 (94). 6; Pr. 22. 13.]  
 [Al. Nu. 22. 29; 35. 30 οἷς; I Kī. 80. 19; Jb.  
 17. 1.]  
**φορεύς.**  
 Wi. 12. 5. τέκνον τε φονέας ἀνελήμονας  
**φορευτής.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒 a. qal.  
 δ. ni. c. pi.  
 Nu. 35. 11. φυνεῖν ἐκεῖ τὸν φ. (2 a)  
 — 16. φορευτής ἐστι (2 a)  
 — 16. θανάτῳ θανατούσθω ο φ. (2 a)  
 — 17. φορευτής ἐστι (2 a)  
 — 17. θανάτῳ θανατούσθω ο φ. (2 a)  
 — 18. φορευτής ἐστι (2 a)  
 — 18. θανάτῳ θανατούσθω ο φ. (2 a)  
 — 21. φορευτής ἐστι (2 a)  
 De. 4. 42. φυνεῖν ἐκεῖ τὸν φ. (2 a)  
 19. 3. ἔσται καταφυγὴ ἐκεῖ παντὶ [Α π. τῷ] φ. (2 a)  
 — 4. τοῦτο δὲ ἔσται τὸ πρόσταγμα τοῦ φ. (2 a)  
 Jo. 20. 3. φυγαδευτήριον τῷ φ. (2 a)  
 — 3. οὐκ ἀποθανεῖται ο φ. (2 a)  
 IV Kī. 6. 32. ἀπείτελεν ο υἱὸς τοῦ φ. (3 c)  
 9. 31. ο φ. τοῦ κυρίου αὐ. (1)  
 Pr. 22. 13. ἐν δὲ ταῖς πλατείαις φονεῖται (2 b)  
 26. 13. Α Β<sup>2</sup> Β ἐν δὲ ταῖς πλατείαις φονεῖται —  
 Is. 1. 21. νῦν δὲ φονεῖται [Α q. Ez. 21. 11 (16).]  
**φοροκτονεῖν.** (1) 𐤒𐤒 a. qal. δ. hi.  
 Nu. 35. 33. οὐ μὴ φοροκτονήσῃτε τὴν γῆν (1 b)

Nu. 35. 33. τὸ γὰρ αἷμα τοῦτο φοροκτονεῖ τὴν  
 γῆν (1 b)  
 Ps. 105 (106). 38. ἐφοροκτονήθη ἡ γῆ ἐν τοῖς  
 αἵμασι (1 a)  
 [Aq. Jc. 3. 2. 9.]  
 [Sm. Is. 24. 5.]  
 [Th. Jc. 3. 9.]  
**φοροκτονία.**  
 I Ma. 1. 24. ἐποίησαν φοροκτονίαν  
**φόνος.** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒 (3) 𐤒𐤒 (4) 𐤒𐤒  
 (5) 𐤒𐤒  
 Ex. 5. 3. μὴ ποτε συναντήσῃ ἡμῖν . . . φόνος (2)  
 17. 13. ἐτρέψατο Ἱ. τὸν Ἀμ. . . ἐν φόνῳ  
 μαχαίρας (4)  
 22. 2 (1). οὐκ ἔστιν αὐτῷ φόνος (1)  
 Le. 26. 7. πεσοῦνται ἐναντίον ὑμῶν φόνῳ (2)  
 Nu. 21. 24. ἐπάταξεν αὐτὸν Ἱορ. φόνῳ μαχαίρας (4)  
 De. 13. 15 (16). ἀνελίξαι πάντας . . . ἐν φόνῳ  
 μαχαίρας (4)  
 20. 13. πατάξεις πᾶν ἀρσενικὸν αὐτῆς ἐν φόνῳ  
 μαχαίρας (4)  
 22. 8. οὐ ποιήσεις φόνον ἐν τῇ οἰκίᾳ σου (1)  
 28. 22. Α πατάξει σε κ. ἐν . . . φόνῳ [B om.] (2)  
 Ju. 2. 11. δοῦναι αὐτοὺς εἰς φόνον  
 8. 22. Α<sup>2</sup> Β τὸν φ. τῶν ἀδελφῶν ἡμῶν  
 9. 3. ἔδωκας ἀρχοντας αὐτῶν εἰς φόνον  
 Jb. 21. 22. αὐτοὺς δὲ φόνους [Α σοφούς] διακρίνει †  
 Pr. 1. 18. αὐτοὶ γὰρ οἱ φόνου μετέχοντες θησαν-  
 ρίζουσιν ἐαυτοὺς κακὰ (1)  
 28. 17. ἀνδρα τὸν ἐν αἰγίᾳ φόνου ο ἐγγυώμενος  
 φυγὰς ἔσται (1)  
 Wi. 14. 25. πάντα δι' ἐπιμῆς [B<sup>1</sup> ἐπὶ μίξιν] ἔχει [B<sup>2</sup>  
 om.] αἷμα καὶ φόνος (5)  
 Ho. 4. 2. φόνος . . . κέχυται ἐπὶ τῆς γῆς (5)  
 Is. 59. 7. οἱ διαλογισμοὶ αὐτῶν διαλογισμοὶ ἀπὸ  
 φόνων [Α Β<sup>2</sup> δ. ἀφρόνων] †  
 Je. 22. 17. εἰς ἀδικήματα καὶ εἰς φόνον †  
 Ez. 43. 7. οὐ βεβηλώσουσιν . . . ἐν τοῖς φ. τῶν  
 ἡγουμένων (3)  
 — 8. ἐξέτριψα αὐτοὺς ἐν θυμῷ μου καὶ ἐν φόνῳ —  
 — 9. ἀπωσάσθωσαν . . . τοὺς φ. τῶν ἡγουμέ-  
 νων αὐτῶν (3)  
 II Ma. 4. 3. ὥστε καὶ διὰ τινος . . . φόνους συντε-  
 λίσθαι  
 — 35. Β ἐπὶ τῷ τοῦ ἀνδρὸς ἀδικῶ φόνῳ [Α -ου]  
 III Ma. 3. 25. εἰς ἀνέκστατον . . . πρέποντα δυσμε-  
 νέσι φόνον  
**φονώδης.**  
 IV Ma. 10. 17. ταῦτα ἀκούσας ὁ . . . φ. καὶ παμ-  
 μαρτάτος Ἀστ.  
**φορέ.**  
 [Sm. Ps. 66 (67). 7.]  
 [Al. Hb. 3. 17.]  
**φοράζειν (?)** (1) 𐤒𐤒 hi.  
 I Ch. 22. 4. Α ἐφόρασαν [Β ἐφόρσαν] οἱ Σ.  
 . . . ξύλα κέδρινα (1)  
**φορβαία (-βέα).** (1) 𐤒𐤒  
 Jb. 40. 20 (25). περιέθης δὲ φορβαίαν περὶ  
 ῥίνα αὐτοῦ (1)  
**φορεῖν.** (1) 𐤒𐤒 hi.  
 Es. 4. 17. οὐ φορῶ αὐτὸ ἐν ἡμέραις ἡσυχίας μου  
 Pr. 8. 16. νόμον δὲ καὶ ἔλεον ἐπὶ γλώσσης φορεῖ —  
 16. 23. ἐπὶ δὲ χειλεσι φορέσει ἐπιγνώμοσυνην (1)  
 — 27 (26). ὁ μέντοι σκολιὸς ἐπὶ τῷ ἑαυτοῦ  
 στόματι φορεῖ τὴν ἀπώλειαν †  
 Si. 11. 5. ὁ δὲ ἀνυπόλητος ἐφόρεσε διάδημα  
 40. 4. ἀπὸ φοροῦντος ὑάκινθον [Α Β -θινον] καὶ  
 στίφανον  
**φορεῖον (φόριον).** (1) 𐤒𐤒 (2) 𐤒𐤒  
 Ge. 45. 17. Β γέμισσε τὰ φ. ὑμῶν [Α αλ.] (2)  
 Ca. 3. 9. φορεῖον ἐποίησεν ἑαυτῷ ο βασι. Σ. (1)  
 II Ma. 3. 27. εἰς φορεῖον ἐνθέντες  
 9. 8. ἐν φορεῖῳ παρεκομίζετο  
 [Sm. Is. 66. 20.]  
**φορεύς.** (1) 𐤒𐤒  
 Ex. 27. 6. Α Β<sup>1</sup> ποιήσεις τῷ θυσιαστηρίῳ φορεῖς  
 [B<sup>2</sup> Β ἀναφ.] (1)  
 — 7. Α Β<sup>1</sup> εισάξεις τοὺς φ. [B<sup>2</sup> Β ἀναφ.] (1)  
 — 7. Α Β<sup>1</sup> ἔστρωσαν οἱ φ. [B<sup>2</sup> Β ἀναφ.] κατὰ  
 πλευρὰ τοῦ θυσιαστ. (1)

**φοροθυμείν.** (1) **ד'ר'ח'ב**  
Da. TH. 1. 3. εισαγαγείν . . . ἀπὸ τῶν φ. [A παρὸ.] (1)  
[Th. DA. 1. 3.]  
**φορολογεῖν.**  
II Ch. 36. 4. B τότε ἤρξατο ἡ γῆ φορολογεῖσθαι —  
I Es. 2. 27. βασιλεῖς . . . ἦσαν . . . φορολογούντες κοίλην Συρίαν  
**φορολόγητος (φωρ.).** (1) **ד'ר'**  
De. 20. 11. ἔσονται σοι φορολόγητοι (1)  
**φορολογία (φωρ.)** — (εία).  
I Es. 2. 19. φορολογίαν οὐ μὴ ὑπομείνωσι δοῦναι  
6. 29. ἀπὸ τῆς φ. κοίτης Συρίας . . . σύνταξιν διδοσθαι  
8. 23. ὅπως . . . μηδεμία φ. . . γίνηται  
I Ma. 1. 29. ἀπίστευτον ὁ βασιλ. ἀρχοντα φορολογίας  
**φορολόγος (φωρ.).** (1) **ר'ח'ב**  
II Es. 4. 7. πρὸς Ἀρβ. βασιλεία Περσῶν ἔγραψεν ὁ φ. γραφὴν Συρ. +  
— 18. ὁ φ. . . ἐκλήθη ἔμπροσθεν ἐμοῦ +  
5. 5. καὶ τότε ἀπεστάλη τῷ φ. ὑπὲρ τούτου +  
Jb. 3. 18. οὐκ ἤκουσαν φωνὴν φορολόγου (1)  
89. 7. μέμνην δι' φορολόγου οὐκ ἀκούων (1)  
I Ma. 3. 29. B καὶ οἱ φ. [A B φόροι] τῆς χώρας ὀλίγοι  
**φόρος.** (1) **ל'ב' (2) ר'ח' (3) ר'ח'ר' (4) ד'ר' (5) ἐπιβαλλεῖν φόρον ἐπὶ ש'נ'**  
Jo. 19. 47. ἐγένοντο αὐτοῖς εἰς φόρον —  
Jd. 1. 28. ἐποίησε τὸν Χαν. εἰς φόρον (4)  
— 29. ἐγένετο εἰς φόρον —  
30. ἐγένετο αὐτῷ εἰς φόρον —  
31. ἐγένετο αὐτῷ εἰς φόρον —  
33. ἐγένοντο αὐτοῖς εἰς φόρον —  
35. ἐγενήθη αὐτοῖς εἰς φόρον —  
II Ki. 20. 24. καὶ Ἀδ. ἐπὶ τοῦ φ. —  
III Ki. 4. 6. Ἀδ. υἱὸς Ἐ. ἐπὶ τῶν φ. —  
5. 13 (27). ἀνήγγενεν ὁ βασιλ. φόρον —  
13 (27). ἦν ὁ φ. τριάντα χιλιάδες ἀνδρῶν —  
14 (28). καὶ Ἀδ. ἐπὶ τοῦ φ. —  
10. 15. χωρὶς τῶν φ. τῶν ὑποτεταγμένων —  
22 (9, 21). ἀνήγγενεν αὐτοῖς Σ. εἰς φόρον —  
12. 18. ἀπέστειλεν ὁ βασιλ. τὸν Ἀ. τὸν ἐπὶ τοῦ φ. —  
II Ch. 8. 8. ἀνήγγενεν αὐτοῖς Σ. εἰς φόρον —  
10. 18. ἀπέστειλεν . . . τὸν Ἀδ. τὸν ἐπὶ τοῦ φ. —  
86. 3. ἐπέβαλε φόρον ἐπὶ τὴν γῆν —  
I Es. 4. 6. ἀναφέρειν τοὺς φ. τῷ βασιλ. —  
II Es. 4. 13. φόροι οὗ ἔσονται σοι (3+1+2)  
— 20. καὶ φ. πλήρεις καὶ μέρος διδοῖται αὐτοῖς (3)  
6. 8. ἀπὸ ὑπαρχόντων βασιλείας τῶν φ. . . διαπάτη ἔστω (3)  
7. 24. φόρος μὴ ἔστω σοι (3+1+2)  
Ne. 5. 4. ἐδανειάμεθα ἀργύριον εἰς φόρους τοῦ βασιλ. (3)  
Ju. 3. 8. B ἐξολοθρεύσαι πάντας τοὺς φ. [A B τοὺς] τῆς γῆς  
La. 1. 1. ἀρχουσα ἐν χώραις ἐγενήθη εἰς φόρον (4)  
I Ma. 1. 4. A B ἐγένοντο αὐτῷ εἰς φόρον [B al.] —  
8. 29. καὶ οἱ φ. τῆς χώρας ὀλίγοι —  
31. καὶ λαβὴν τοὺς φ. τῶν χωρῶν —  
8. 2. ἤγαγον αὐτοὺς ὑπὸ φόρον —  
4. διδόναι αὐτοῖς φόρον —  
7. ἔστησαν αὐτοῖς διδόναι . . . φ. μέγαν —  
10. 29. ἀφίημι πάντας τοὺς ἴ. ἀπὸ τῶν φ. —  
33. ἀφίημι πάντας τοὺς φ. [B<sup>3</sup> φ. αὐ.] —  
15. 30. παράδοτε . . . τοὺς φ. τῶν τόπων —  
31. καὶ τῶν φ. τῶν πόλεων ἄλλα τῶν λατὰ πεντακόσια  
II Ma. 4. 28. B πρὸς τοῦτον γὰρ ἦν ἡ τῶν φ. [A διαφ.] πρᾶξις  
8. 10. διεστήσατο δὲ ὁ Ν. τὸν φ. τῷ βασιλ. τοῖς Ῥωμ. —  
36. ὁ τοῖς Ῥωμ. ἀναδεξάμενος φόρον . . . κατορθώσασθαι  
III Ma. 7. 22. μετὰ φ. μεγίστου ἀποδοῦναι αὐτοῖς [Aq. Gz. 49. 15: Pr. 12. 24: Is. 31. 8.]  
[Sm. II Ki. 8. 1, 2: IV Ki. 17. 3: Pr. 12. 24: Is. 31. 8.]  
[Th. Is. 31. 8.]  
**φορτίειν.** (1) **ר'ח'ב**  
Ez. 16. 33. ἐφόρτιζες αὐτοὺς τοῦ ἔρχεσθαι πρὸς σέ (1)

**φορτίον.** (1) **ר'ח'ב (2) α. ר'ח'ב δ. ר'ח'ב**  
Jd. 9. 48. A ἔκοψεν φορτίον ξύλων [B al.] (2 δ)  
— 49. A ἔκοψαν καὶ αὐτοὶ ἕκαστος φορτίον [B al.] (2 α)  
II Ki. 19. 35 (36). ἵνα τί ἔσται ἔτι ὁ δούλος σου εἰς φορτίον (1)  
Jb. 7. 20. ἐμὶ δὲ ἐπὶ σοὶ φορτίον (1)  
Ps. 87 (88). 4. ὥσει φορτίον βαρὺ [A om.] ἔβαρύνθησαν ἐπ' ἐμὲ (1)  
Si. 21. 16. ἐξήγγισεν μαρουὶ ὡς ἐν ὁδῷ φορτίον 30. 33 (83. 24). ῥάβδος καὶ φορτία ὄνωφ (1)  
Is. 46. 1. ὡς φ. κοπιῶντι ἐκλελυμένω [Aq. II Ki. 15. 33.]  
**φοσσατεῖν.**  
[Al. Gz. 49. 19 bis.]  
**φόσσατον.**  
[Al. Gz. 49. 19.]  
**φούρ.** (1) **ר'ח'ב**  
Es. 9. 24. B<sup>3</sup> καὶ ἔβαλον φούρ [A B S<sup>1</sup> al.] (1)  
**φραγμός.** (1) **א. ר'ח'ב δ. ר'ח'ב (2) ר'ח'ב**  
(3) **ר'ח'ב (4) ר'ח'ב (5) φραγμὸν περιτιθέναι ר'ח'ב pi.**  
Ge. 38. 29. τί διακότη διὰ σέ φραγμός (4)  
Nu. 22. 24. φραγμὸς ἐντεῦθεν καὶ φραγμὸς ἐντεῦθεν (1 α, 1 α)  
III Ki. 10. 22 (9. 15). τοῦ περιφράσαι τὸν φρ. τῆς πόλεως Δ. —  
11. 27. συνέκλεισε τὸν φρ. τῆς πόλεως Δ. (4)  
II Es. 9. 9. τοῦ δοῦναι ἡμῖν φραγμὸν (1 α)  
Jb. 38. 31. καὶ φραγμὸν [B<sup>3</sup> φραγμὸν] Ὁρίωνος ἡνοῦξας (2)  
Ps. 61 (62). 3. ὡς τοῖς φρ. κεκλιμένω καὶ φραγμῷ ὡσμένω (1 α)  
79 (80). 12. ἵνα τί καθίλει τὸν φρ. αὐτῆς (1 α)  
88 (89). 40. καθίλει πάντας τοὺς φρ. αὐτοῦ (1 δ)  
143 (144). 14. οὐκ ἔστι κατάπτωμα φραγμοῦ (4)  
Pr. 24. 46 (31). οἱ δὲ φρ. τῶν λίθων αὐτοῦ κατασκάπτονται (1 α)  
Ec. 10. 8. καθαιρούντα φραγμὸν δέχεται αὐτὸν ὁφει (1 α)  
Si. 38. 30 (27). οὐ σὺ ἔστι φραγμός  
Mi. 5. 1 (4. 14). A ἐμφραγθήσεται θυγάτηρ Ἐφρ. ἐν φραγμῷ [? ἐμφρ., B ἐμφρ.] +  
Na. 3. 17. ὡς ἀκριε ἐπιβεβηκία ἐπὶ φραγμὸν (1 δ)  
Is. 5. 2. φραγμὸν περιέθικα (5)  
— 5. ἀφελὼ τὸν φρ. αὐτοῦ (9)  
58. 12. κληθήσεται οἰκοδόμος φραγμῶν (4)  
[Aq. Jz. 41 (48). 17: 49 (80). 3.]  
[Sm. Pr. 15. 19: Ez. 13. 5: 22. 30.]  
[Th. Ez. 13. 5: 22. 30.]  
**φραζέιν.** (1) **ר'ח'ב hi. (2) ר'ח'ב pa. (3) ר'ח'ב hi.**  
Jb. 6. 24. εἰ τί πεπλάνημαι φράσαντέ μοι (1)  
12. 8. ἐκδιτήσασαι γῆ ἐάν σοι φράση (8)  
Da. LXX. 2. 4. φράσωμεν τὴν σύγκρισιν αὐ. (2)  
**φραζών.** (1) **ר'ח'ב**  
Jd. 5. 7. A ἐξέλειπεν φραζὼν ἐν Ἱσρ. [B al.] (1)  
[Aq. Jd. 5. 11.]  
[Al. Jd. 5. 7.]  
**φράσσειν.** (1) **ד'ר' (2) ד'ר' (3) ר'ח'ב hi. (4) ד'ר' (5) ר'ח'ב ni. (6) ר'ח'ב**  
Ju. 8. 4. B ἔφραξε [A B ἐνέφρα.] χεῖμαρρους Jb. 88. 8. ἔφραξε δὲ θάλασσαν πύλας (3)  
Pr. 21. 13. δὲ φράσσει τὰ ὄντα αὐτοῦ (1)  
25. 26. ὥσπερ εἰ τις πηγὴν φράσσει (5)  
Ca. 7. 2 (3). θημῶναι σίτου πεφραγμένη ἐν κρίνοις (2)  
Ho. 2. 6 (8). φράσσω τὴν ὑδὸν αὐ. (6)  
Za. 14. 5. φραγθήσεται [A ἐμφρ.] ἡ φάραγξ ὁρέων μου +  
Da. LXX. 8. 26. πεφραγμένον τὸ δράμα (4)  
[Sm. Ps. 59 (60). 11: Pr. 28. 10.]  
**φρέαρ.** (1) **ר'ח'ב (2) ר'ח'ב (3) ר'ח'ב**  
Ge. 14. 10. ἡ δὲ κοιλὴς ἡ ἀλκὴ φρέατα ἀσφάλτου (1)  
16. 14. ἐκάλεσε τὸ φρ. φρέαρ οὐ ἐνώπιον ἔων (1, 1)  
21. 14. κατὰ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
— 19. ἴδε φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)

Ge. 21. 25. ἤλεγξεν Ἀβ. τὸν Ἀβ. περὶ τῶν φρ. (1)  
— 30. ὄρυζα τὸ φρ. τοῦτο (1)  
— 31. ἐπώνυμον τὸ ὄνομα . . . Φρέαρ ὀρκισμοῦ (1)  
— 32. διέθετο διαθήκην ἐν τῷ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
— 33. ἐφύτευσεν Ἀβ. ἀρουρας ἐπὶ τῷ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
22. 19. ἐπορεύθησαν ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
— 19. κατέκτανεν Ἀβ. ἐπὶ τῷ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
24. 11. παρὰ τὸ φρ. τοῦ ὕδατος (1)  
— 20. ἔδραμον ἐπὶ τὸ φρ. (1)  
— 62. ἐπορεύετο . . . κατὰ τὸ φρ. τῆς ὁράσεως (1)  
25. 11. κατέκτανεν Ἰ. παρὰ τὸ φρ. τῆς ὁράσεως (1)  
26. 15. πάντα τὰ φρ. . . ἐνέφραζαν αὐτά (1)  
— 18. ὄρυξε τὰ φρ. τοῦ ὕδατος (1)  
— 19. εὗρον ἐκεῖ φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)  
— 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ φρ. ἐκείνου (1)  
— 21, 22. ὄρυξε φρέαρ ἑτέρου (1)  
— 23. ἀνέβη δὲ ἐκείθεν ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
— 25. ὄρυζαν δὲ ἐκεῖ . . . φρέαρ (1)  
— 32. ἀπήγγειλαν αὐτῷ περὶ τοῦ φρ. (1)  
— 33. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τῇ πόλει Φρέαρ ὅρκου (1)  
28. 10. ἐξῆλθεν Ἰ. ἀπὸ τοῦ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
29. 2. φρέαρ ἐν τῷ πεδίῳ (1)  
— 2. ἐκ γὰρ τοῦ φρ. ἐκείνου ἐπὶ τὸν τὰ ποίμνια (1)  
— 2. λίθος δὲ ἦν μέγας ἐπὶ τῷ στόματι τοῦ φρ. (1)  
— 3. ἀπεκύλιον τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ φρ. (1)  
— 3. ἀπεκαθίστων τὸν λίθον ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ φρ. (1)  
— 8. καὶ ἀποκυλίωσι τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ φρ. (1)  
— 10. ἀπεκύλιε τὸν λίθον ἀπὸ τοῦ στόματος τοῦ φρ. (1)  
46. 1. ἤλθον ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
— 5. ἀνέστη δὲ Ἰ. ἀπὸ τοῦ φρ. τοῦ ὅρκου (1)  
Ex. 2. 15. ἐκάθισεν ἐπὶ τὸ φρ. (1)  
8. 3 (7. 28). A εἰσελεύσονται . . . ἐν τοῖς φρ. σου [B om. ἐν . . . σου] —  
Nu. 21. 16. καὶ ἐκείθεν τὸ φρ. (1)  
— 16. τοῦτο [A add. ἐστὶν τὸ] φρ. δὲ εἶπε κύριος (1)  
— 17. ἦσαν Ἱσρ. τὸ ἔστω τοῦτο ἐπὶ τοῦ φρ. (1)  
— 18. φρέαρ ὄρυξαν αὐτοὶ ὄρυγες (1)  
— 18. καὶ ἀπὸ φρέατος εἰς Μανθ. +  
— 22. οὐ πτόμεθα ὕδωρ ἐκ φρέατος σου (1)  
I Ki. 19. 22. ἔρχεται ὥς τοῦ φρ. τοῦ Διῶ (2)  
II Ki. 8. 26. ἐπιστρέφουσιν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ φρ. τοῦ Σ. (2)  
Ps. 54 (55). 23. σὺ δὲ, ὁ θεός, κατάξεις αὐτοὺς εἰς φρέαρ διαφθορᾶς (1)  
68 (69). 15. μὴδὲ συνοχέτω ἐπ' ἐμὲ φρέαρ τὸ στόμα αὐτοῦ (1)  
Pr. 5. 15. καὶ ἀπὸ σῶν φρεάτων πηγῆς (1)  
23. 27. καὶ φρέαρ στενὸν ἀλάτρινον (1)  
Ca. 4. 15. φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1)  
Am. 6. 5. ἐπὶ τὸ φρ. τοῦ ὅρκου μὴ διαβαίετε (1)  
Is. 15. 8. ὁλοκλήρως αὐτῆς ὥς τοῦ φρ. τοῦ Διέμ (1)  
Je. 14. 3. ἤλθον ἐπὶ τὰ φρ. (3)  
48 (41). 7. ἔσφαζεν αὐτοὺς εἰς τὸ φρ. (2)  
— 9. τὸ φρ. εἰς δὲ ἔρριπεν . . . φρ. μέγα τοῦτο ἔστιν (2, +)  
I Ma. 7. 19. ἔθυσεν αὐτοὺς εἰς τὸ φρ. τὸ μέγα (1)  
II Ma. 1. 19. κατέκτανεν ἐν κοιλώματι φρέατος [Sm. Ps. 68 (69). 16.]  
[Al. Ex. 8. 3 (7. 28).]  
**φρενοῦσθαι.**  
II Ma. 11. 4. πεφρενωμένοι δὲ ταῖς μυριάσι τῶν πεζῶν **φρήν.** (1) **ר'ח'ב (2) ר'ח'ב (3) ἐνδεῆς φρεῶν ר'ח'ב**  
Pr. 6. 32. ὁ δὲ μοιχὸς δι' ἐνδεῶν φρεῶν ἀπώλειαν τῇ ψυχῇ αὐ. περιποιεῖται (1)  
7. 7. ὅταν ἴδῃ τῶν ἀφρόνων τέκνον κακίαν ἐνδεῆ φρεῶν (1)  
9. 4. τοῖς ἐνδεῇ φρεῶν εἴπεν (1)  
11. 12. μυκτηρίζεις πολίτας ἐνδεῆς [A -εἰς] φρεῶν (1)  
12. 11. οἱ δὲ διώκοντες μάταια ἐνδεῆς φρεῶν (1)  
15. 21. ἀνοήτου τριβίαι ἐνδεῆς φρεῶν (1)  
18. 2. οὐ κρίειν ἔχει σοφίας ἐνδεῆς φρεῶν (8)  
24. 45 (30). ὥσπερ ἀμπελὼν ἀνθρώπος ἐνδεῆς φρεῶν (1)  
Da. TH. 4. 31. αἱ φρ. μου ἐπ' ἐμὲ ἐπιστράφησαν (2)  
— 33. αἱ φρ. μου ἐπιστράφησαν ἐπ' ἐμὲ (2)  
III Ma. 4. 16. πεπληρωμένη πόρρω τῆς ἀληθείας φρεῖ (1)  
5. 47. ὄργη βαρεῖα γεμίσας δυσσεβῆ φρ.

**φρικασμός.**  
II Ma. 8. 17. περιεκέχυτο γὰρ . . . φρικασμός σώματος

**φρίκη.** (1) 𐤒𐤏𐤁  
Jb. 4. 14. φρίκη μοι συνήρτησε καὶ τρόμος (1)  
Am. 1. 11. ἤρπασεν εἰς μαρτύριον φρίκην αὐ. †  
[Aq. Ho. 18. 1.]  
[Sm. Ps. 47 (48), 7: 54 (56), 6: Ez. 27. 35.]

**φρικτός.** (1) α. 𐤒𐤒𐤕𐤕 δ. 𐤒𐤒𐤕𐤕  
Wi. 8. 15. φοβηθήσονται με ἀκούσαντες τύραννοι φρικτοί  
Je. 5. 30. φρικτὰ ἐγένεθ' ἐπὶ τῆς γῆς (1 α)  
18. 13. τίς ἤκουσε τοιαῦτα φρικτὰ (1 β)  
23. 14. ἑώρακα φρικτὰ [S τὰ φρ.] μοιχωμένους (1 α)  
[Aq., Sm. Jz. 51 (28), 27.]

**φρικτός.**  
Wi. 6. 5. φρ. καὶ ταχέως ἐπιστήσεται ὑμῖν  
**φρικώδης.** (1) α. 𐤒𐤒𐤕𐤕 δ. 𐤒𐤒𐤕𐤕  
Ho. 6. 11 (10). εἶδον φρικώδη ἐκεῖ (1 α\*, 1 β)

**φρίττειν.** (1) 𐤒𐤒𐤕𐤕 iḥre. (2) 𐤒𐤒𐤕𐤕 pi.  
(3) 𐤒𐤒𐤕𐤕

Ju. 16. 10. ἔφριξαν Πέρσαι τὴν τόλμαν αὐτῆς  
Jb. 4. 15. ἐφρίξαν δέ μου τρίχες καὶ σάρκες (2)  
Je. 2. 12. ἐφρίξεν ἐπὶ πλείονι σφόδρα  
Da. Th. 7. 15. ἐφρίξε τὸ πνεῦμά μου (1)  
IV Ma. 14. 9. νῦν ἡμεῖς . . . φρίττομεν  
17. 7. Α\* Β Β οὐκ ἐν ἔφριττον οἱ θεωροῦντες  
[Aq. Na. 1. 5.]  
[Al. Dt. 2. 25.]  
[Heb. Jz. 4. 15.]

**φρονεῖν.** (1) 𐤒𐤓 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕 hi.  
De. 32. 29. οὐκ ἐφρόνησαν συνίεναι (3)  
Es. 8. 13. βασιλεὺς μέγας Ἀρτ. . . τοῖς τὰ ἡμέτερα φρονούντι χαίρειν  
— 13. πολλοὶ . . . μίζον ἐφρόνησαν  
Ps. 93 (94). 8. μωροὶ, ποτὶ φρονήσατε (8)  
Wi. 1. 1. φρονήσατε περὶ τοῦ κυρίου ἐν ἀγαθότητι  
14. 30. κακὸς ἐφρόνησαν περὶ θεοῦ  
Za. 9. 2. ἐφρόνησαν σφόδρα (1)  
Is. 44. 18. οὐκ ἐγνώσαν φρονησαί  
— 28. ὁ λέγων Κύριε φρονεῖν †  
56. 10. Α Β οὐκ ἐγνώσαν φρονησαί [B om.]  
I Ma. 10. 20. καὶ φρονεῖν τὰ ἡμῶν  
II Ma. 9. 12. καὶ μὴ θνήσκιν ὄντα ὑπερήφανα φρονεῖν  
14. 8. ὑπὲρ τῶν ἀνικνύτων τῷ βασ. γνησίως φρονῶν  
— 26. ἔλεγε τὸν Ν. ἀλλότρη φρονεῖν τῶν πραγμάτων

IV Ma. 6. 17. μὴ οὕτως κακὸς φρονήσαιμεν  
[Sm. Jz. 32. 11.]

**φρόνημα.**  
II Ma. 7. 21. γενναῖα πεπληρωμένη φρονήματι  
13. 9. τοῖς δὲ φρ. ὁ βασ. βεβιωμένους ἤρκετο  
**φρόνησις.** (1) α. 𐤒𐤓𐤕 δ. 𐤒𐤓𐤕𐤕 (2) α. 𐤒𐤓𐤕  
δ. 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕 (4) 𐤒𐤓𐤕  
(5) 𐤒𐤓𐤕 (6) 𐤒𐤓𐤕 (7) α. 𐤒𐤓𐤕 δ. 𐤒𐤓𐤕 hi.

Jo. 5. 1. οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς φρ. οὐδεμία (6)  
I Ki. 2. 10. μὴ καυχᾶσθαι ὁ φρόνιμος ἐν τῇ φρ. —

III Ki. 8. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κ. φρόνησιν τῷ Σαλ. (3)  
— I (4. 30 [5. 10]). Β ἐπληθύνη ἡ φρ. Σαλ. σφόδρα ὑπὲρ τῆς φρ. [A B al.] (3, 8)  
— 28. φρόνησις θεοῦ ἐν αὐτῷ (8)  
4. 29 (5. 9). ἔδωκε κ. φρόνησιν τῷ Σ. καὶ σοφίαν [A σ. τ. Σ. κ. φρ.] πολλὴν σφόδρα (8 [1 β])  
— 30 (5. 10). ὑπὲρ τὴν φρ. πάντων ἀρχαίων ἀνθρώπων (8)

10. 4. εἰδὲ βασίλισσα Σ. πᾶσαν φρ. Σαλ. (8)  
— 6. ὃν ἤκουσα . . . περὶ τῆς φρ. σου (8)  
— 8. οἱ ἀκούοντες πᾶσαν τὴν φρ. σου (8)  
— 23. ἡμεγαλύνθη Σαλ. . . φρονήσει (8)  
— 24. τοῦ ἀκούσαι τῆς φρ. αὐ. (8)  
11. 41. καὶ πᾶσαν τὴν φρ. αὐ. (8)  
Jb. 5. 13. ὁ καταλαμβάνων σοφούς ἐν τῇ φρ. (5)  
17. 4. Β Β\* καρδίαν αὐτῶν ἐκρύψας [A -αν] ἀπὸ φρονήσεως (7 α)

Pr. 1. 2. νοῆσαι τε λόγους φρονήσεως (1 α)  
8. 13. καὶ θνήσκῃς δὲ εἶδε φρόνησιν (1 β)  
— 19. ἡτοίμασε δὲ οὐρανὸς φρονήσας [A B\* ἐν φρ.] (1 β)

7. 4. τὴν δὲ φρ. γνώριμον περιποιήσαι σεαυτῷ (1 α)  
8. 1. ὡς φρόνησας σοὶ ὑπακούσῃ (1 β)  
— 14. ἐμὴ φρόνησις ἐμὴ δὲ ἰσχύς (1 α)  
9. 6. ζητήσατε φρόνησιν (1 α ?)  
— 16. ἐνδείξει δὲ φρονήσεως παρακελεύομαι (4)  
10. 23. ἡ δὲ σοφία ἀνδρὶ τίκτει φρόνησιν (1 β)  
14. 29. μακρόδουμος ἀνὴρ πολλὸς ἐν φρονήσει (1 β)  
16. 16. νοσοῖσι δὲ φρονήσεως αἰρετώτεροι ὑπὲρ ἀργύριον (1 α)

— 32. Α Β\* καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου —  
19. 8. ὁ κτώμενος φρόνησιν ἀγαπᾷ ἑαυτὸν δὲ δὲ φυλάσσει φρόνησιν εὐρήσει ἀγαθὰ (4, 1 β)  
24. 5. καὶ ἀνὴρ φρόνησιν ἔχων γεωργίου μεγάλου (2 α)  
— 25 (30. 2). φρόνησις ἀνθρώπων οὐκ ἔστιν ἐν ἐμοί (1 α)

Wi. 8. 15. ἀδύνατος ἡ ρίζα τῆς φρ.  
4. 9. πολλὰ δὲ ἐστὶν φρόνησις ἀνθρώπων [B\* ἐν α.]  
6. 15. τὸ γὰρ ἐνθυμηθῆναι περὶ αὐτῆς φρονήσεως τελευτᾷ

7. 7. φρόνησις ἐδόθη μοι  
— 16. πᾶσα τε φρόνησις καὶ ἐργατειῶν ἐπιστήμη  
8. 6. εἰ δὲ φρόνησις ἐργάζεται  
— 7. σωφροσύνη γὰρ καὶ φρόνησιν ἐκδιδάσκει  
— 18. ἐν συγγενεσὶ αὐτῆς φρόνησις [A -σεῖς]  
— 20. καὶ τοῦτο δ' ἦν [B\* δὴ] φρονήσεως  
17. 7. τῆς ἐπὶ [B\* ἐπιφρονημένης] φρονήσεως ἀλαζονείας ἐλεγχος

Si. 1. 4. συνέσεις φρονήσεως ἐξ αἰῶνος  
19. 22. οὐκ ἔστιν ἔπος [A B\* om.] βουλή ἀμαρτωλῶν φρόνησις

— 24. περισσεύων ἐν φρονήσει [A συνέσεις]  
25. 9. μακάριος δὲ εὖρε φρόνησιν  
29. 28. βαρεῖα ταῦτα ἀνθρώποις ἔχοντι φρόνησιν  
Is. 40. 28. οὐδὲ ἐστὶν ἐξέκρεσις τῆς φρ. αὐτοῦ (1 β)  
44. 19. οὐδὲ ἔγωγ τῇ φρ. (1 β)  
Je. 10. 12. τῇ φρ. αὐτοῦ ἐξέτεινε τὸν οὐρανὸν (1 β)

Ba. 3. 9. ἐνωπίσασθε γνῶναι φρόνησιν  
— 14. μάθε πού ἐστι φρ.  
— 28. ἀπώλοτο παρὰ τὸ μὴ ἔχειν φρόνησιν  
Ez. 28. 4. μὴ ἐν . . . τῇ φρ. σου ἐποίησας σεαυτῷ δύναμιν (1 β)

Da. LXX. 1. 17. τοῖς μεναισκόσι ἔδωκεν ὁ κύριος . . . φρόνησιν (7 β)  
2. 23. φρόνησιν ἔδωκας μοι †  
Da. Th. 1. 4. καὶ διασωμένους φρόνησιν (2 β)  
— 17. ἔδωκε αὐτοῖς ὁ θεός . . . φρόνησιν (7 β)

2. 21. διδοὺς . . . φρόνησιν τοῖς εἰδοῖς συνέσει (2 c)  
5. 12. φρόνησις καὶ συνέσεις ἐν αὐτῷ (2 c)  
IV Ma. 1. 2. τῆς μεγίστης ἀρετῆς λέγω δὴ φρονήσεως περιχεῖν ἑαυτον

— 6. Α Β τῶν τῆς δικαιοσύνης . . . καὶ φρ. [B om. κ. φρ.] ἐννοτιῶν  
— 18. ἰδεὶ καθιστάσι φρόνησις καὶ δικαιοσύνη  
— 19. κυριωτάτη δὲ πάντων ἡ φρ.

[Aq. Dt. 32. 28: Ps. 48 (49), 4: 77 (78), 72: Pr. 2. 11: 18. 2: 19. 11: Is. 40. 14.]  
[Sm. Jz. 17. 4: 33. 33: Ps. 77 (78), 72: Pr. 1. 3: 2. 3, 11: 4. 1: 12. 8: 16. 22: Is. 40. 14.]

[Th. Jz. 17. 4: Pr. 2. 11: 5. 1: 19. 11: Is. 40. 14.]  
[Al. Jd. 5. 29: Pr. 15. 32.]

**φρόνιμος.** (1) α. 𐤒𐤓 ni. δ. hi. c. 𐤒𐤓𐤕𐤕  
(2) α. 𐤒𐤓𐤕 δ. 𐤒𐤓𐤕 c. 𐤒𐤓𐤕𐤕  
(3) 𐤒𐤓𐤕 (4) 𐤒𐤓𐤕

Ge. 8. 1. ὁ δὲ ὄφει ἦν φρονιμώτατος πάντων τῶν θηρίων (4)  
41. 33. σκέψαι ἀνθρώπων φρ. καὶ συνετόν (1 α)  
— 39. οὐκ ἔστιν ἀνθρώπων φρονιμώτερός σου (1 α)

I Ki. 2. 10. μὴ καυχᾶσθαι ὁ φρ. ἐν τῇ φρονήσει αὐ. —  
III Ki. 8. 1 (4. 30 [5. 10]). Β καὶ ὑπὲρ πάντας φρ. Αλγύπτου (2 α)  
— 1. ἀνὴρ φρ. σου —  
— I (4. 20). Β ἦν ὁ βασ. Σ. φρ. σφόδρα καὶ σοφός —  
— 12. δέδωκα σοὶ καρδίαν φρ. καὶ σοφὴν [A σ. κ. φρ.] (2 β [1 α])

III Ki. 4. 30 (5. 10). καὶ ὑπὲρ πάντας φρ. Αλγ. (2 α)  
5. 7 (21). δὲ ἔδωκε τῷ Δ. νῶν φρ. (2 β)  
To. 4. 18. Α Β συμβουλίαν παρὰ παντός φρ. ζητήσον

6. 12. τὸ κοράσιον καλὸν καὶ φρ. ἐστὶ [S al.]  
Jb. 34. 34. Α ἀνὴρ δὲ φρόνιμος [B S σοφός] ἀγκῶς μου τὸ ῥῆμα (2 β)  
Pr. 8. 7. μὴ ἴσθι φρόνιμος παρὰ σεαυτῷ (2 β)

10. 24. Α δουλεύσει δὲ ἀφρων φρονίμῳ —  
11. 12. ἀνὴρ δὲ [B\* δὲ ὁ] φρόνιμος ἡσυχίαν ἀγει (1 c)  
— 29. δουλεύσει δὲ ἀφρων φρονίμῳ (2 c)  
14. 6. αἰσθησὶς δὲ παρὰ φρονίμοις εὐχερῆς (1 α)  
— 17. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος πολλὰ ὑποφέρει (8)

15. 1. ὀργὴ ἀπώλλυσι καὶ φρονίμοις —  
— 21. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος [S ὁ δὲ φρ. α.] κατενδύων πορεύεται (1 c)

17. 10. συντρίβει ἀπειλὴ καρδίαν φρονίμου (1 β)  
— 21. νῖος δὲ φρόνιμος εὐφραίνει μητέρα αὐτοῦ —  
— 27. μακρόδουμος δὲ ἀνὴρ φρόνιμος (1 c)  
— 28. ἐνέον δὲ τις ἐαυτὸν ποιῶντας δόξης φρόνιμος εἶναι (1 α)

18. 14. θυμὸν ἀνδρὸς πραΰνει θεράπων φρόνιμος †  
— 15. καρδία φρονίμου κῆται ἀσθήνη (1 α)  
19. 7. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος εὐρήσει αὐτὴν —  
— 25. εἰς δὲ ἐλέγχῃς ἀνδρα φρόνιμον (1 α)

20. 5. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος ἐξαυτῆς αὐτὴν  
Wi. 6. 24. βασιλεὺς φρόνιμος εὐστάθεια δῆμον  
Si. 19. 31. ἐστὶ σιωπῶν καὶ αὐτὸς φρόνιμος  
20. 27. ἀνθρώπος φρόνιμος ἀρετῆς μεγαλύνει  
21. 17. στόμα φρονίμου ζητηθήσεται ἐν ἐκκλησίᾳ  
— 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονίμῳ παιδείᾳ  
— 24. ὁ δὲ φρ. βαρυνθήσεται ἀτίμῳ [A S -αν]  
— 25. λόγοι δὲ φρονίμων ἐν ζυγῷ σταθισσονται  
— 26. Α καρδία δὲ φρονίμων [B S σοφῶν] στόμα αὐτῶν

22. 4. θυγάτηρ φρονίμῳ κληρονομήσει ἀνδρα αὐτῆς  
38. 4. ἀνὴρ φρόνιμος οὐ προσοχθεῖ αὐτοῖς  
Ho. 13. 13. οὕτως ὁ νῖός σου ὁ φρ. (2 β)  
Is. 44. 25. ἀποστρέψων φρονίμοις εἰς τὰ ὀπίσω (2 β)  
IV Ma. 7. 17. οὐδὲ πάντες φρόνιμοι ἔχοντες τὸν λογισμὸν

[Sm. Jz. 18. 5: 34. 35: Pr. 10. 5.]  
[Al. Pr. 12. 2.]

**φρονίμως.**  
[Sm. Ec. 7. 11 (10).]

**φροντίζειν.** (1) 𐤒𐤓𐤕 (2) 𐤒𐤓𐤕 (3) 𐤒𐤓𐤕  
(4) 𐤒𐤓𐤕

I Ki. 9. 5. Β μὴ ἀνέις ὁ πατήρ μου τὰς δρυες φροντίζει [A B -η] περὶ ἡμῶν (1)  
Jb. 8. 25. φόβος γὰρ δὲν ἐφρόντισα [A εὐλα-βούμην, B\* ἐφοβούμην] ἥλθε μοι (4)  
23. 14. νοουθετούμενος δὲ ἐφρόντισα αὐτοῦ (4)  
Ps. 39 (40). 17. κύριος φροντίζει μου (2)  
Pr. 31. 21. οὐ φροντίζει [A -η] τῶν ἐν οὐκῷ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς (8)

Wi. 8. 17. ταῦτα . . . φροντίσας ἐν καρδίᾳ μου  
Si. 8. 13. ἐὰν ἐγγήσῃ ὡς ἀποτίσιμος φρόντις 35 (32). 1. φρόντισον αὐτῶν καὶ οὕτως καθίσουν  
41. 12. φρόντισον περὶ οὐνόματος [B\* ὁ. καλοῦ] 50. 4. ὁ φροντίζων τοῦ λαοῦ [B\* τὸ ἔλεον] αὐτοῦ ἀπὸ πτώσεως [B\* πνοῆς].

I Ma. 16. 14. Α φροντίζων τὰς [B\* τὰ τῆς, B\* B τῆς] ἐπιμελείας αὐ. (8)  
II Ma. 2. 25. ἐφροντίσαμεν τοῖς μὲν βουλομ. ἀναγιγνώσκων ψυχασαγῶν

4. 21. τῆς καθ' αὐτὸν ἀσφαλείας ἐφρόντιζεν  
9. 21. φροντίζου τῆς κοινῆς πάντων ὑμῶν ἀσφαλείας  
11. 15. τοῦ συμφέροντος φροντίζων  
[Sm. Ps. 55 (56), 6: Pr. 24. 27.]  
[Quint. Pr. 24. 27: Mt. 6. 8.]

**φροντίς.**  
Jb. 11. 18. ἐκ δὲ . . . φροντίδος ἀναφανεύεται σοὶ εἰρήνη †  
15. 20. πᾶς ὁ βίος ἀσεβοῦς ἐν φροντίδι †  
40. 4 (9). B\* ἡ φωνὴ καθ' αὐτοῦ φροντίς [A B S\* al.] †

Wi. 6. 15. ἡ φρ. αὐτῶν παρὰ ὑψίστην  
6. 18. φροντίς δὲ παιδείας ἀγαπᾷ  
7. 4. ἐν σπαργάνοις ἀνετράφην [A ἀνεστρ.] καὶ ἐν [A B om.] φρονησίν

8. 9. παραινεῖς φροντίζων καὶ λύπη  
15. 9. ἐστὶν αὐτῇ φροντίς  
IV Ma. 16. 8. ὑπέμεινα . . . χαλεπωτέρας φρ. ἀνατροφῆς

**φροντιστέον.**  
 II Ma. 2. 29. τῆς κατ' οἰκίαν ἀρχιτέκτονι τῆς δλης καταβολῆς φροντιστέον  
**φρουρά.** (1) פָּרֻזָּה  
 II Ki. 8. 6. ἔθετο Δ. φρουρὰν ἐν Συρίᾳ (1)  
 — 14. ἔθετο ἐν τῇ Ἰδουμαίᾳ φρουρὰν (1)  
 I Ch. 18. 6. ἔθετο Δ. φρουρὰν ἐν Συρίᾳ  
 — 13. ἔθετο ἐν τῇ κοιλίᾳ φρουράς (1)  
 I Ma. 8. 50. Δ. ἐπάταξεν [S ἐπέτ., B ἀπέτ.] ἐκεῖ φρουρὰν  
 9. 51. ἔθεντο φρουρὰν ἐν αὐτοῖς  
 10. 75. Δ B φρουρά [S -αν] Ἀπ. ἐν Ἰόπη [S Ἰ. εἶρον]  
 11. 3. ἀπέτασσε τὰς δυνάμεις φρουρὰν [S -εἶν]  
 — 66. ἔθετο ἐπ' αὐτὴν φρουρὰν  
 12. 34. ἔθετο ἐκεῖ φρουρὰν  
 14. 33. ἔθετο ἐκεῖ φρουρὰν ἄνδρας Ἰουδ.  
 II Ma. 12. 18. καταλειποτά δὲ φρουρὰν ἐν τινι τόπῳ  
 [Sm. II Ki. 8. 14.]  
 [Al. II Ch. 17. 2.]  
**φρουρεῖν.**  
 I Es. 4. 56. καὶ πᾶσι τοῖς φρουροῦσι τὴν πόλιν  
 Ju. 3. 6. Δ S B ἐφρουρήσε [B -ωσε] τὰς πόλεις τὰς ὑψηλάς  
 Wi. 17. 16. ἐφρουρεῖτο εἰς τὴν ἀσίδηρον εἰρκτὴν καταλεισθεῖς  
 I Ma. 11. 3. S<sup>3</sup> ἀπέτασσε τὰς δυνάμεις φρουρεῖν [A S<sup>3</sup> B -άν]  
 [Sm. Ps. 87 (88). 9.]  
**φρουρήμα.**  
 [Aq. Jb. 38. 16.]  
**φρουρήσις.**  
 [Aq., Sm. II Ki. 5. 24.]  
 [Al. II Ki. 5. 23.]  
**φρούριον.**  
 II Ma. 10. 32. εἰς Γ. λεγόμενον ὀχύρωμα εὐ μάλα φρούριον  
 — 33. περιεκάθισαν τὸ φρ.  
 13. 19. ἐπὶ Βαῖθρ. φρ. ὀλίγον τῶν Ἰουδ. προσήγεν  
 [Sm. Jd. 6. 2: IV Ki. 23. 11: I Ch. 11. 5.]  
**φρουρός.**  
 [Sm. II Ki. 8. 6.]  
**φρουροῦν.**  
 Ju. 8. 6. B ἐφρουρώσε [A S B -ησε] τὰς πόλεις τὰς ὑψηλάς  
**φρύαγμα.** (1) פְּרִיאָגָה  
 Ho. 4. 18. ἡγάπησαν ἀτιμίαν ἐκ φρύαγματος αὐ. †  
 Za. 11. 3. τεταλαιπώρηκε τὸ φρ. τοῦ Ἰορδ. (1)  
 Je. 12. 5. πῶς ποιήσεις [S<sup>3</sup> -ω] ἐν φρύαγματι τοῦ Ἰορδάνου (1)  
 Ez. 7. 24. ἀποστρέψω τὸ φρ. τῆς ἰσχύος αὐτῶν (1)  
 24. 21. βεβηλῶ . . . φρ. ἰσχύος ὑμῶν (1)  
 III Ma. 6. 16. σὺν . . . παντὶ τῷ τῆς δυνάμεως φρ.  
 [Aq. Je. 49. 19 (29. 20): 50 (27). 44.]  
 [Sm. Je. 8. 16.]  
 [Th. Je. 50 (27). 44: Ez. 7. 24 (P).]  
**φρυάξιν (?) φρυάττειν.** (1) פְּרִיאָטֵין  
 Ps. 2. 1. ἵνα τί ἐφρύαξαν ἐθνη (1)  
 II Ma. 7. 34. B φρυαττόμενος [A φρυττ.] ἀδύλοισι ἐλπίσιν  
 III Ma. 2. 2. θράσει καὶ σθένει πεφρυασμένον  
**φρύγανον.** (1) פְּרִיגָנוֹן (2) פְּרִיגָנוֹן (3) פְּרִיגָנוֹן  
 Jb. 30. 7. οἱ ὑπὸ φρύγανον ἄγρια διητῶντο (1)  
 Ho. 10. 7. ὡς φρύγανον ἐπὶ προσώπῳ ὕδατος (2)  
 Is. 40. 24. καταγίγῃ ὡς φρύγανον [S<sup>3</sup> -ον] λήψεται [A ἀναλ.] αὐτοὺς (3)  
 41. 2. ὡς φρύγανον ἐξωσμένα τὰ τόξα αὐτῶν (3)  
 47. 14. ὡς φρύγανον ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται (3)  
 Je. 18. 24. διεσπείρα [A διέφθ.] αὐτοὺς ὡς φρύγανον (3)  
 [Th. Ho. 10. 7.]  
**φρύγειν, cf. φρύττειν.** (1) א. פָּרֵיגְרָה δ. פָּרֵיגְרָה  
 Le. 2. 14. νέα πεφρυγμένα χιτῶνα ἐρικτά (1 a)  
 23. 14. πεφρυγμένα χιτῶνα νέα οὐ φάγεσθε (1 b)  
 [Aq. Le. 2. 14: Jb. 29 (36). 22.]  
 [Sm. Ge. 41. 6, 23: Le. 2. 14: Jb. 29 (36). 22.]

**φρύγιον.** (1) פְּרִיגִיּוֹן  
 Ps. 101 (102). 3. τὰ δὲ τῷ μου ὥστε φρύγιον συνεφύργισαν (1)  
 [Th. Ps. 101 (102). 4.]  
**φρυκτός.**  
 [Aq. Jo. 5. 11: I Ki. 25. 18: II Ki. 17. 28.]  
 [Sm. Jo. 5. 11: II Ki. 17. 28.]  
 [Al. Ru. 2. 14.]  
**φρύττειν, cf. φρύγειν.**  
 II Ma. 7. 34. μὴ μάτην μετεωρίζου φρυττόμενος ἀδύλοισι ἐλπίσιν  
**φυγαδεία (-δεία).** (1) פְּרִיגָדִיָּה  
 II Es. 4. 15. B φυγαδεία [A B -εία] δούλων γίνονται ἐν μέσῳ αὐτῆς  
 — 19. A φυγαδεία [B -δεία, B -δεία] γίνονται ἐν αὐτῇ  
 Ez. 17. 21. A πάσας φυγαδείας αὐτοῦ . . . πεσοῦνται [B al.] (1)  
 [Sm. Ez. 17. 21.]  
**φυγαδεῖον, cf. φυγάδιον.**  
 II Es. 4. 15. A B καὶ φυγαδεία [B -εία] δούλων ἐν μέσῳ αὐτῆς  
 — 19. B φυγαδεία [A -δεία, B -δεία] γίνονται ἐν αὐτῇ  
**φυγαδεύειν.** (1) פְּרִיגָדֵי  
 Ps. 54 (55). 7. ἰδοὺ ἐμάκρυνα φυγαδεύων (1)  
 I Ma. 2. 43. πάντες οἱ φυγαδεύοντες ἀπὸ τῶν κακῶν  
 II Ma. 5. 5. εἰς τὴν ἀκρόπολιν ἐφυγάδισεν  
 9. 4. τῶν πεφυγαδευκότων αὐτὸν κακίαν  
 10. 15. τοὺς φυγαδεύσαντας ἀπὸ Ἱερ. προσλαβόμενοι  
 14. 14. πεφυγαδευκότες τὸν Ἰ.  
 [Aq. Dt. 32. 30.]  
 [Sm. Jb. 41. 20.]  
**φυγαδευτήριον.** (1) א. פְּרִיגָדִיּוֹן δ. פְּרִיגָדִיּוֹן  
 (2) פְּרִיגָדִיּוֹן  
 Nu. 35. 6. τὰς ἐξ πόλεις τῶν φ. (1 a)  
 — 11. φυγαδευτήρια ἔσται ὑμῖν (1 b)  
 — 12. ἔσονται αἱ πόλεις ὑμῖν φυγαδευτήρια (1 a)  
 — 13. φυγαδευτήρια ἔσονται ὑμῖν (1 a)  
 — 15. ἔσονται αἱ πόλεις αἰτὰ εἰς φυγαδευτήριον (1 a)  
 — 25. εἰς τὴν πόλιν τοῦ φ. (1 a)  
 — 32. τοῦ φυγεῖν εἰς πόλιν τῶν [B<sup>1</sup> om.] φ. (1 a)  
 Jo. 20. 2. δότε τὰς πόλεις τῶν φ. (1 a)  
 — 3. φυγαδευτήριον τῷ φονεῖ (2)  
 — 3. ἔσονται ὑμῖν αἱ πόλεις φυγαδευτήριον (1 a)  
 21. 13. ἔδωκε τὴν πόλιν φυγαδευτήριον τῷ φονευσάντι (1 a)  
 — 21. τὴν πόλιν τοῦ φ. τὴν τοῦ φονευσάντος (1 a)  
 — 36. τὴν πόλιν τὸ φ. τοῦ φονευσάντος  
 — 37 (36). τὴν πόλιν τὸ φ. [A τοῦ φ.] τοῦ φονευσάντος (1 a)  
 I Ch. 6. 57 (42). ἔδωκαν τὰς πόλεις τῶν φ. (1 a)  
 — 67 (52). ἔδωκαν αὐτὰς τὰς πόλεις τῶν φ. (1 a)  
 I Ma. 1. 53. ἔθεντο τὸν Ἱερ. ἐν κρύφῳ ἐν παντὶ φ. αὐ.  
 10. 14. A B ἦν γὰρ αὐτοῖς [B εἰς] φυγαδευτήριον  
**φυγάδιον (-εῖον), cf. φυγαδεῖον.** (1) פְּרִיגָדִיּוֹן  
 Nu. 35. 15 (14). φυγάδιον ἔσται τοῖς υἱοῖς Ἱερ. (1)  
**φυγάς.** (1) פְּרִיגָדִיּוֹן (2) פְּרִיגָדִיּוֹן (3) פ. εἰναι פְּרִיגָדִיּוֹן  
 Ex. 23. 27. δάσω πάντας τοὺς ὑπεναγίστους σου φυγάδας (2)  
 Pr. 28. 17. ἄνθρωπον τὸν ἐν αἰτίᾳ φόνου οὐ ἐγγνώμενος φυγάς ἔσται (3)  
 Wi. 10. 10. αὐτὴ φυγάδα ὀργῆς ἀδελφοῦ δικαίου ὠδήγησεν  
 17. 2. φυγάδες τῆς αἰωνίου προνοίας ἔκειντο  
 19. 3. τούτους ὡς φυγάδας ἐδύκαον  
 Is. 18. 4. παροικίησιν οἱ οἱ φ. Μαῶβ (1)  
 II Ma. 4. 26. ὑπονομιθεῖς ὑφ' ἑτέρου φυγάς  
 5. 7. φυγάς πάλιν εἰς τὴν Ἀμμανίτιν παρήλθε  
 IV Ma. 4. 1. φυγάς φέγετο  
**φυγή.** (1) פְּרִיגָדִיּוֹן (2) א. פְּרִיגָדִיּוֹן δ. פְּרִיגָדִיּוֹן  
 c. פְּרִיגָדִיּוֹן  
 II Ki. 18. 3. ἐὰν φυγῇ φύγωμεν (2 a)  
 Ju. 15. 3. ἐπράπησαν εἰς φυγὴν  
 Jb. 27. 22. ἐκ χειρὸς αὐτοῦ φυγὴν φεύγειται (1)  
 Ps. 141 (142). 4. ἀπώλετο φυγὴ ἀπ' ἐμοῦ (2 b)

Am. 2. 14. ἀπολείπει φυγὴ ἐκ δρομῶν (2 b)  
 Na. 3. 9. οὐκ ἔστι πέρας τῆς φ. [A S<sup>3</sup> φ. σου] †  
 Is. 52. 12. οὐδὲ φυγὴ πορεύσεσθε (2 c)  
 Je. 26 (46). 5. φυγὴ ἐφυγον (2 b)  
 27 (50). 24. B καὶ φυγὴ [A B οὐ γνῶση] †  
 30. 13 (49. 24). ἀπεστράφη εἰς φυγὴν (2 a)  
 32 (26). 35. ἀπολείπει φ. ἀπὸ τῶν ποιμένων (2 b)  
 II Ma. 4. 42. πάντας δὲ εἰς φυγὴν συνήλασαν  
 12. 22. B εἰς φυγὴν [A εἰς φυγὴν] ὥρμησαν  
 [Aq. Ge. 18. 6.]  
 [Sm. Is. 81. 9.]  
**φύειν.** (1) פָּרֵיגְרָה (2) פָּרֵיגְרָה (3) פָּרֵיגְרָה  
 (4) פָּרֵיגְרָה  
 Ex. 10. 5. κατέδετα πᾶν ξύλον τὸ φύομενον (4)  
 De. 29. 18 (17). μὴ τίς ἐστιν ἐν ὑμῖν ρίζα ἄνω φύουσα (3)  
 Pr. 11. 30. ἐκ καρποῦ δικαιοσύνης φύεται δένδρον ζωῆς  
 26. 9. ἀκανθαί φύονται ἐν χειρὶ μεθύσου (2)  
 Ca. 5. 13. ὡς φιάλα τοῦ ἀρώματος φύουσαι μυρεψικά †  
 Si. 14. 18. τὰ μὲν καταβάλλει ἄλλα δὲ φύει  
 39. 13. βλαστήσατε ὡς ῥόδον φύομενον ἐπὶ ῥεύματος ἀγροῦ [A S ὑγροῦ]  
 Is. 37. 31. φησὶ σὺς ρίζαν κῶμα  
 Je. 38 (31). 5. A φύσαντες φυτεύσατε [B S al.] (1)  
 Ez. 37. 8. νεῦρα καὶ σάρκες ἐφύοντο [A ἀνεφ.] (2)  
 Da. LXX. 3. (76). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ φύομα ἐπὶ τῆς γῆς, τὸν κ.  
 4. 7. δένδρον ὑψηλὸν φύομενον ἐπὶ τῆς γῆς  
 Da. TH. 3. (76). εὐλογεῖτε, πάντα τὰ φύομα ἐν τῇ γῇ, τὸν κ.  
 I Ma. 4. 38. ἰδοὺ . . . ἐν ταῖς αὐλαῖς φυτὰ πεφυκότα  
 IV Ma. 1. 20. τούτων δὲ ἑκάτερον καὶ περὶ τὴν ψυχὴν πέφυκε  
 [Sm. Jb. 8. 17.]  
**φυή.** (1) פְּרִיגָדִיּוֹן (2) פְּרִיגָדִיּוֹן  
 Ne. 4. 7 (1). ἀνέβη ἡ [S om.] φ. τοῖς τεύχεσιν Ἱερ. (1)  
 Da. TH. 4. 12. τὴν φ. τῶν ριζῶν αὐ. ἐν τῇ γῇ ἔασατε  
 — 20. τὴν φ. τῶν ριζῶν αὐ. ἔασατε ἐν τῇ γῇ (2)  
 — 23. ἔασατε τὴν φ. τῶν ριζῶν τοῦ δένδρου (2)  
**φύκος.**  
 Wi. 13. 14. φύκει ἐρυθρίνας [B<sup>1</sup> -θημα, A -θηρος] χροάν [B<sup>2</sup> S<sup>3</sup> -ας] αὐτοῦ  
**φύλαγμα.** (1) פְּרִיגָדִיּוֹן  
 Le. 8. 35. φυλάξθε τὰ φ. κυρίου (1)  
 22. 9. φυλάσσονται τὰ φ. μου (1)  
 Nu. 4. 31. ταῦτα τὰ φ. τῶν αἰρομένων ὑπ' αὐτῶν (1)  
 De. 11. 1. φυλάξτε τὰ φ. αὐ. (1)  
 Ze. 1. 12. τὸν καταφρονούντα ἐπὶ τὰ φ. αὐ. †  
 Ma. 3. 14. ἐφυλάξαμεν τὰ φ. αὐ. (1)  
 I Ma. 8. 26. φυλάσσονται τὰ φ. αὐτῶν  
 — 28. φυλάσσονται τὰ φ. ταῦτα  
 [Aq., Th. Pr. 4. 23.]  
 [Al. Le. 18. 30.]  
**φυλακή.** (1) א. פְּרִיגָדִיּוֹן δ. פְּרִיגָדִיּוֹן  
 (2) א. פְּרִיגָדִיּוֹן, פְּרִיגָדִיּוֹן, פְּרִיגָדִיּוֹן δ. פְּרִיגָדִיּוֹן  
 c. פְּרִיגָדִיּוֹן d. פְּרִיגָדִיּוֹן e. פְּרִיגָדִיּוֹן f. פְּרִיגָדִיּוֹן  
 (3) א. פְּרִיגָדִיּוֹן δ. פְּרִיגָדִיּוֹן c. פְּרִיגָדִיּוֹן (4) פְּרִיגָדִיּוֹן  
 (5) פְּרִיגָדִיּוֹן (6) פְּרִיגָדִיּוֹן (7) פְּרִיגָדִיּוֹן  
 (8) פְּרִיגָדִיּוֹן  
 Ge. 40. 3. ἔθετο αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (2 b)  
 — 4. ἥσαν δὲ ἡμέρας ἐν τῇ φ. (2 b)  
 — 7. οἱ ἥσαν μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ φ. (2 b)  
 41. 10. ἔθετο ἡμᾶς ἐν φυλακῇ (2 b)  
 42. 17. ἔθετο αὐτοὺς ἐν φυλακῇ (2 b)  
 — 19. κατασχέθημεν ἐν τῇ φ. (2 b)  
 — 30. ἔθετο ἡμᾶς ἐν φυλακῇ  
 Ex. 14. 24. ἐν τῇ φ. τῇ ἐωθινή (2 a)  
 Le. 24. 12. ἀπέθετο αὐτὸν εἰς φυλακὴν [A ἐν φυλακῇ] (2 b)  
 Nu. 1. 53. φυλάσσουσιν οἱ Α. αὐτοὶ τὴν φ. τῆς σκητῆς (2 c)  
 8. 7. φυλάσσουσιν τὰς φ. αὐ. καὶ τὰς φ. τῶν υἱῶν Ἱερ. (2 c, 2 c)

Nu. 3. 8. φυλάξουσιν . . . τὰς φ. τῶν υἱῶν 'Ισρ. (2 c)  
 — 25. καὶ ἡ φ. υἱῶν Γ. (2 c)  
 — 28. φυλάσσουσιν τὰς φ. τῶν ἀγίων (2 c)  
 — 31. καὶ ἡ φ. αὐ. ἡ κιβωτός καὶ ἡ τράπεζα (2 c)  
 — 32. καθιστάμενος φυλάσσειν τὰς φ. τῶν ἀγίων (2 c)  
 — 36. Β ἡ ἐπίσκεψις ἡ φ. [A B τῆς φ.] υἱῶν Μερ. (2 c)  
 — 38. φυλάσσουσιν τὰς φ. τοῦ ἁγίου εἰς τὰς φ. τῶν υἱῶν 'Ισρ. (2 c, 2 c)  
 4. 28. καὶ ἡ φυλακὴ αὐ. ἐν χειρὶ 'Ιθ. (2 c)  
 — 32. καὶ πάντα τὰ σκεύη τῆς φ. (2 c)  
 8. 26. λειτουργήσῃ . . . φυλάσσειν φυλακάς (2 c)  
 — 26. οὕτω ποιήσεις τοῖς Λ. ἐν ταῖς φ. αὐ. (2 c)  
 9. 19. φυλάσσονται οἱ υἱοὶ 'Ισρ. τὴν φ. τοῦ θ. (2 c)  
 — 23. τὴν φ. κυρίου ἐφυλάξαντο (2 c)  
 15. 34. ἀπέβητο αὐτὸν εἰς φυλακὴν (2 b)  
 18. 3. φυλάσσονται τὰς φ. σου καὶ τὰς φ. τῆς σκηνῆς (2 c, 2 c)  
 — 4. φυλάσσονται τὰς φ. τῆς σκηνῆς (2 c)  
 — 5. φυλάσσειν τὰς φ. τῶν ἁγίων καὶ τὰς φ. τοῦ θυσιαστηρίου (2 c, 2 c)  
 31. 30. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φ. ἐν τῇ σκηνῇ κυρίου (2 c)  
 — 47. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φ. τῆς σκηνῆς κυρίου (2 c)  
 Jd. 7. 19. ἐν ἀρχῇ τῆς φ. μέσης [A al.] (2 a)  
 16. 21. A ἦν ἀλθὼν ἐν οἴκῳ τῆς φ. [B τοῦ δισμωτηρίου] (1 a\*, 1 b)  
 — 25. καλέσετε τὸν 2. ἐξ οἴκου φυλακῆς — (2 c)  
 — 25. A ἐκάλουν τὸν 2. ἐξ οἴκου τῆς φ. [B al.] (1 a\*, 1 b)  
 I Ki. 11. 11. εἰσπορεύονται . . . ἐν φ. τῇ ἐωθινή [A πρωινή] (2 a)  
 II Ki. 20. 3. ἔδωκεν αὐτὰς ἐν οἴκῳ φυλακῆς (2 c)  
 III Ki. 2. 3. φυλάξῃ φυλακὴν [A τὴν φ.] κ. θεοῦ σου (2 c)  
 22. 27. θέσθαι τοῦτον ἐν φυλακῇ (2 a)  
 IV Ki. 11. 5. φυλάξτε φυλακὴν οἴκου τοῦ βασ. — 6. φυλάξτε τὴν φ. τοῦ οἴκου (2 c)  
 — 7. φυλάξουσιν τὴν φ. οἴκου κυρίου (2 c)  
 17. 4. ἔδωκεν αὐτὸν ἐν οἴκῳ φυλακῆς (2 a)  
 17. 4. ἔδωκεν αὐτὸν ἐξ οἴκου φυλακῆς αὐ. (2 a)  
 — 29. ἡλκοῦμεν τὰ ἱμάτια τῆς φ. αὐ. (2 a)  
 I Ch. 9. 19. φυλάσσουσιν τὰς φ. τῆς σκηνῆς — 27. B οἱ ἐπ' αὐτοὺς φυλακὴ [A B ἡ φ.] (2 c)  
 — 29. ἀπεκρίναν τὴν φ. [A φυλῇ] οἴκου Σαουλ (2 c)  
 23. 32. B φυλάσσουσιν τὰς φ. σκηνῆς τοῦ μαρτ. καὶ τὴν φ. τοῦ ἁγίου καὶ τὰς φ. υἱῶν [A B al.] (2 c, 2 c)  
 26. 16. φυλακὴ κατέναντι [A om. φ. κ.] φυλακῆς (2 b, 2 b)  
 — 18. φυλακὴ κατέναντι φυλακῆς τῆς ἀνθίσταως — (2 c)  
 II Ch. 7. 6. καὶ οἱ Λ. ἐπὶ τὰς φ. αὐ. ἐστῆκεν (2 c)  
 8. 14. καὶ οἱ Λ. ἐπὶ τὰς φ. αὐ. (2 c)  
 13. 11. φυλάσσουσιν ἡμῖς τὰς φ. κ. τοῦ θεοῦ (2 c)  
 16. 10. παρήθετο αὐτὸν εἰς φυλακὴν (2 a)  
 18. 26. ἀποθέσθαι τοῦτον εἰς οἶκον φυλακῆς (2 a)  
 23. 6. φυλάσσειν φυλακάς κυρίου (2 c)  
 35. 2. ἔστησε τοὺς ἱερεῖς ἐπὶ τὰς φ. αὐ. (2 c)  
 Ne. 3. 25. ὁ πύργος . . . ὁ τῆς αὐλῆς τῆς φ. (2 b)  
 12. 25. B<sup>2</sup> φυλάκας πύργοι φυλακῆς — 39. B<sup>2</sup> ἔστησαν ἐν πύλῃ τῆς φ. (2 b)  
 — 45. ἐφυλάξαν φυλακάς θεοῦ αὐ. καὶ φυλακὰς τοῦ καθαρισμοῦ (2 c, 2 c)  
 13. 14. B<sup>2</sup> καὶ ἐν ταῖς φ. αὐ. (2 b)  
 Ju. 12. 5. ἀνίστη πρὸς τὴν ἐωθινὴν φ. — 7. 12. εἰς κατέταξας ἐπ' ἐμὲ φυλακῆν (2 b)  
 35. 10. ὁ κατατάξων φυλακάς νυκτερινὰς — Ps. 38 (39). 1. ἔθεμην τῷ στόματί μου φυλακὴν 76 (77). 4. προκατελάβοντο φυλακάς 89 (90). 4. καὶ φυλακὴ ἐν νυκτὶ 129 (130). 6. B<sup>2</sup> ἀπὸ φυλακῆς πρωίας ἐλπισάτω 'Ισρ. (2 f)  
 — 6. ἀπὸ φ. πρωίας μέχρι νυκτός (2 f)  
 — 7. A ἀπὸ φυλακῆς πρωίας [B E om. ἀπὸ φ. πρω.] ἐλπισάτω [B<sup>2</sup> om.] — (2 c)  
 140 (141). 3. οὗ [B<sup>2</sup> ἔθου], κύριε, φυλακὴν τῷ στόματί μου (2 a)  
 141 (142). 7. ἐξάγαγε ἐκ φυλακῆς τὴν ψυχὴν μου (2 b)  
 Pr. 4. 23. πάσθαι φυλακὴν τῆς σὴν καρδίαν (2 b)  
 20. 28. ἐλεμυσίνην καὶ ἀλήθειαν φυλακὴν βασιλεῖ (2 b)  
 Si. 22. 27. τίς δώσει μοι ἐπὶ στόμα μου φυλακὴν 26. 10. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιάρετῳ στερέωσον φυλακὴν

Si. 31 (34). 16. φυλακὴ ἀπὸ προσκόμματος καὶ βοή-  
 θειας ἀπὸ πτωμάτων  
 42. 11. ἐπὶ θυγατρὶ ἀδιάρετῳ στερέωσον φυλακὴν  
 43. 10. οὐ μὴ ἐκλυθῶσιν ἐν φυλακαῖς αὐτῶν  
 Hb. 2. 1. ἐπὶ τῆς φ. μου στήσονται (2 c)  
 Is. 42. 7. ἐξ οἴκου φυλακῆς καθήμενος ἐν σκότει (3 a)  
 Je. 17. 21. A φυλάσσεισθε [A<sup>2</sup> μὴ φ.] τὰς φ. [B B<sup>2</sup> ψυχὰς] ὑμῶν +  
 28 (51). 12. ἐγείρατε φυλακάς (2 b)  
 39 (32). 2. A B B<sup>2</sup> ἐφυλάσσετε ἐν αὐλῇ τῆς φ. (5)  
 — 8. ἤλθε . . . εἰς τὴν αὐλὴν τῆς φ. (5)  
 — 12. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)  
 40 (33). 1. ἦν ἐτι δεδεμένος ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)  
 44 (37). 4. οὐκ ἔδωκεν αὐτὸν εἰς οἶκον [B -ίαν] τῆς φ. (8 d, 3 c\*)  
 — 15. ταύτην ἐποίησαν εἰς οἰκίαν [A -κον] φυλακῆς [B<sup>2</sup> τῆς φ.] (3 a)  
 — 18. δίδως με εἰς οἰκίαν φυλακῆς [A τῆς φ.] (3 a)  
 — 21. ἐνεβάλλωσαν αὐτὸν εἰς οἰκίαν τῆς φ. (5)  
 — 21. ἐκάθισεν 'Ιερემίας ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)  
 45 (38). 6. δε ἦν ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)  
 — 13. 28. ἐκάθισεν 'Ιερემίας ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)  
 46 (39). 14. ἔλαβον τὸν 'Ιερემίαν ἐξ αὐλῆς τῆς φ. (5)  
 — 15. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φ. (5)  
 52. 33. ἤλαξε τὴν στολὴν τῆς φ. αὐτοῦ (3 a)  
 Ba. 3. 34. οἱ δὲ ἀστέρες ἐλαμψάν ἐν ταῖς φ. αὐ. (3 a)  
 La. 2. 19. ἀγαλλίασαι ἐν [B om.] νυκτὶ εἰς ἀρχὰς φυλακῆς σου (2 a)  
 Ez. 19. 9. εἰσῆγγεν αὐτὸν εἰς φυλακὴν (7)  
 23. 24. βαλεῖ φυλακὴν ἐπὶ σέ [A al.] +  
 40. 45. τοῖς φυλάσσουσιν τὴν φ. τοῦ οἴκου (2 c)  
 — 46. τοῖς φυλάσσουσιν τὴν φ. τοῦ θυσιαστ. (2 c)  
 44. 8. A οὐκ ἐφυλάξτε τὴν φ. τῶν ἁγίων μου (2 c)  
 — 8. διετάξατε τοῦ φυλάσσειν φυλακάς (2 c)  
 — 14. φυλάσσειν φυλακάς τοῦ οἴκου (2 c)  
 — 15. ἐφυλάξαντο τὰς φ. τῶν ἁγίων μου (2 c)  
 — 16. φυλάσσουσιν τὰς φ. μου (2 c)  
 48. 11. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φ. τοῦ οἴκου (2 c)  
 Da. LXX. 4. 15. εἰς φυλακὴν παρεδόθη — (2 c)  
 — 22. εἰς φυλακὴν ἀτάξουσι σε — (2 c)  
 I Ma. 9. 53. ἔθετο αὐτοὺς . . . ἐν φυλακῇ 12. 12. καὶ 'Ιων. μετ' αὐτοῦ ἐν φυλακῇ 14. 3. A B<sup>2</sup> ἔθετο αὐτὸν ἐν φυλακῇ  
 IV Ma. 13. 13. χρῆσμεν τῇ περὶ τὸν νόμον φ. τὰ σώματα  
 18. 11. καὶ τὸν ἐν φυλακῇ 'Ιωσήφ (2 c)  
 [Aq. Nu. 3. 7: I Ki. 20. 20: Ps. 62 (63). 7: 76 (77). 5: Je. 37 (44). 4. 15: 52. 31.]  
 [Sm. Nu. 3. 7: Ps. 62 (63). 7: 89 (90). 4: Ec. 4. 14: Je. 62. 11, 31.]  
 [Th. Nu. 3. 7: Jd. 16. 21: Ps. 76 (77). 5: Je. 37 (44). 15: Ez. 44. 8 (Sw).]  
 [Al. Iy Ki. 11. 6.]  
 φυλακίζεσθαι.  
 Wi. 18. 4. ἀξίος μὲν γὰρ ἐκεῖνον [A -εἶνον] . . . φυλα-  
 κισθῆναι ἐν [A B<sup>2</sup> S om.] σκότει [B<sup>2</sup> -ους]  
 φυλάκισσα. (1) ὡς  
 Ca. 1. 6. ἔθεντό με φυλάκισσαν ἐν ἀμπελώσιν (1)  
 φυλακτήριον.  
 [Heb. Ez. 13. 18.]  
 φύλαξ. (1) γὰρ (2) ὡς  
 Ge. 4. 9. μὴ φύλαξ τοῦ ἀδελφοῦ μου εἰμι ἐγώ (2)  
 I Ki. 17. 20. A ἀφῆκεν τὰ πρόβητα φυλάκει (2)  
 — 22. A ἀφῆκεν Δ. τὰ σκευῆ αὐ. . . ἐπὶ χεῖρα φυλάκος (2)  
 II Ki. 22. 3. ὁ θεός μου φύλαξ [B<sup>2</sup> φ. μου] ἔσται μου [B<sup>2</sup> μοι] (1)  
 — 47. εὐλογητός ὁ φ. μου (1)  
 — 47. ὁ φ. τῆς σωτηρίας μου (1)  
 23. 3. ἐμοὶ ἐλάλησε φύλαξ ἐξ 'Ισρ. (1)  
 Ne. 2. 8. ἐπὶ 'A. φύλακα τοῦ παραδείσου [B<sup>2</sup> al.] (2)  
 3. 29. B Z. νῖος 'E. ὁ φ. οἴκου [A B E. 'E. φ. τῆς πύλης] τῆς ἀνατολῆς (2)  
 12. 25. B<sup>2</sup> φύλακες πύργοι φυλακῆς (2)  
 Es. 2. 3. τῷ εὐνοῦχῳ τοῦ βασ. τῷ φ. τῶν γυναικῶν (2)  
 — 8. ἤχηθ' 'E. πρὸς Γαὶ τὸν φ. τῶν γυναικῶν (2)  
 — 14. Γαὶ ὁ εὐνοῦχος τοῦ βασ. ὁ φ. τῶν γυναικῶν (2)  
 — 15. ὁ εὐνοῦχος ὁ [B<sup>2</sup> om.] φ. [A om. ὁ φ.] τῶν γυν. (2)  
 Ec. 12. 3. σπαινεῖσθαι φύλακες τῆς οἰκίας (2)  
 Ca. 3. 3. B ἡ νύμφη τοῖς φ. ἔπειν —

Ca. 5. 7. εὐροσάν με οἱ φ. οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (2)  
 — 7. ἦραν τὸ θέριστηρόν μου ἀπ' ἐμοῦ φύλακες τῶν τειχέων (2)  
 — 9. B οἱ φ. τῶν τειχέων πυνθάνονται τῆς νύμφης — (2)  
 Is. 62. 6. κατέστησα φύλακας (2)  
 Ez. 27. 11. φύλακες ἐν τοῖς πύργοις σου ἦσαν +  
 [Aq. I Ki. 28. 2: Je. 31 (38). 6.]  
 [Sm. Dt. 32. 31 bis: I Ki. 28. 2: Ps. 27 (28). 1: Ca. 1. 6: 3. 3: Je. 31 (38). 6.]  
 [Th. Dt. 32. 31 bis: I Ki. 28. 2: Ps. 30 (31). 3: Pr. 13. 17: Is. 30. 29.]  
 φύλαξις.  
 [Aq. Is. 26. 3.]  
 [Sam. Ex. 12. 42.]  
 φυλάρχης.  
 II Ma. 8. 32. τὸν δὲ φ. τῶν περὶ Τιμ. ἀνείλιν  
 φυλάρχος. (1) ὡς ὡς  
 De. 31. 28. ἐκκλησιάσατε πρὸς με τοὺς φ. ὑμῶν (1)  
 I Es. 7. 8. πρὸς ἀριθμόν ἐκ τῶν φ. τοῦ 'Ισρ. δώδεκα 8. 54. ἐχώρισται τῶν φ. τῶν ἱερέων ἀνδρας δέκα δύο — 59. ὥς τοῦ παραδοῖναι αὐτὰ ὑμᾶς τοῖς φ. τῶν ἱερέων — 96. ὥρτισε τοὺς φ. τῶν ἱερέων  
 φυλάσσειν, φυλάττειν. (1) a. ὡς ni. δ. hi. c. ὡς (2) ὡς pi. (3) ὡς ὡς (4) ὡς (5) ὡς (6) ὡς (7) ὡς (8) ὡς (9) ὡς (10) ὡς (11) ὡς  
 a. qal. δ. ni. c. pi. d. hithp. e. ὡς ὡς  
 f. ὡς ὡς  
 Ge. 2. 15. ἐργάζεσθαι αὐτὸν καὶ φυλάσσειν (11 a)  
 3. 24. φυλάσσειν τὴν ὁδὸν τοῦ ξύλου τῆς ζωῆς (11 a)  
 18. 19. φυλάσσουσιν τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 a)  
 26. 5. ἐφύλαξε τὰ προστάγματα μου (11 a)  
 30. 31. καὶ φυλάξω (11 a)  
 31. 24. 29. φυλάξαι σεαυτὸν (11 b)  
 41. 35. B βρώματα ἐν ταῖς πόλεσι φυλαχθῶν [A συναχθ.] (11 a)  
 — 36. ἔσται τὰ βρώματα πεφυλαγμένα τῇ γῇ (8)  
 Ex. 12. 17. φυλάξετε [A -ασθε] τὴν ἐντολὴν ταύτην (11 a)  
 — 24. B φυλάξεσθε [A B -ασθε] τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 a)  
 — 25. B φυλάξεσθε [A B -ασθε] τὴν λα-  
 τρείαν τ. (11 a)  
 18. 10. B φυλάξεσθε [A B -ασθε] τὸν νόμον τοῦτον (11 a)  
 15. 26. ἐὰν . . . φυλάξῃς πάντα τὰ δικαιώματα αὐ. (11 a)  
 19. 5. ἐὰν . . . φυλάξῃς τὴν διαθήκην μου (11 a)  
 20. 6. καὶ τοῖς φυλάσσουσιν τὰ προστάγματα μου (11 a)  
 22. 7 (6). ἐὰν δέ τις δῶ . . . σκεύη φυλάξαι (11 a)  
 — 10 (9). ἐὰν δέ τις δῶ . . . πᾶν κτήνος φυ-  
 λάξαι (11 a)  
 23. 13. πάντα . . . φυλάξασθε [A -εσθε] (11 b)  
 — 15. τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζύμων φυλάξασθε [A -εσθε] ποιεῖν (11 a)  
 — 20. ἵνα φυλάξῃ σε ἐν τῇ ὁδῷ (11 a)  
 — 22. ἐὰν . . . φυλάξῃς τὴν διαθήκην μου — (11 a)  
 31. 13. τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε (11 a)  
 — 14. φυλάξεσθε [A -ασθε] τὰ σάββατα (11 a)  
 — 16. φυλάξουσιν οἱ υἱοὶ 'Ισρ. τὰ σάββατα (11 a)  
 34. 18. τὴν ἐορτὴν τῶν ἀζύμων φυλάξῃ (11 a)  
 Le. 8. 35. φυλάξτε [A -ασθε] τὰ φυλάγματα κυρίου (11 a)  
 18. 4. τὰ προστάγματα μου φυλάξεσθε (11 a)  
 — 5. φυλάξεσθε [A -ασθε] πάντα τὰ προστάγμα-  
 μου (11 a)  
 — 26. φυλάξεσθε πάντα τὰ νόμμά μου (11 a)  
 — 30. φυλάξετε τὰ προστάγματα μου (11 a)  
 19. 3. τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε [A -ασθε] (11 a)  
 — 19. τὸν νόμον μου φυλάξεσθε [A -ασθε] (11 a)  
 — 30. τὰ σάββατά μου φυλάξεσθε (11 a)  
 — 37. φυλάξεσθε [A -ασθε] πάντα τὸν νόμον μου (11 a)  
 20. 8. φυλάξεσθε τὰ προστάγματα μου (11 a)  
 — 22. φυλάξεσθε πάντα τὰ προστάγματα μου (11 a)  
 22. 9. φυλάσσονται [A -ουσιν] τὰ φυλάγματα μου (11 a)  
 — 31. φυλάξετε τὰς ἐντολάς μου (11 a)

- Le. 25. 18. φυλάσθε καὶ ποιήσετε αὐτὰ (11 α)  
 26. 2. τὰ σαββὰτὰ μου φυλάσθε (11 α)  
 — 3. ἐν . . . τὰς ἐντολάς μου φυλάσσητε (11 α)  
 Nu. 1. 53. φυλάξουσιν οἱ Ἄ. αὐτοὶ τὴν φυλακὴν (11 α)  
 3. 7. φυλάξουσιν τὰς φυλακὰς αὐ. (11 α)  
 — 8. φυλάξουσιν πάντα τὰ σκεύη τῆς σκηνῆς (11 α)  
 — 10. φυλάξουσιν τὴν ἱερατεῖαν αὐ. (11 α)  
 — 28. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων (11 α)  
 — 32. καθεστὰς φυλάσσειν τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων (11 α)  
 — 38. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τοῦ ἁγίου (11 α)  
 6. 24. Β εὐλογῆσαι σε κ. καὶ φυλάξαι [Α Β add. σε] (11 α)  
 8. 26. λειτουργήσει . . . φυλάσσειν φυλακὰς (11 α)  
 9. 19. φυλάσσονται οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὴν φυλακὴν τοῦ θ. (11 α)  
 — 23. τὴν φυλακὴν κυρίου ἐφυλάξαντο [Α-αν] (11 α)  
 18. 3. φυλάσσονται τὰς φυλακὰς σου (11 α)  
 — 4. φυλάσσονται τὰς φυλακὰς τῆς σκηνῆς (11 α)  
 — 5. φυλάσσετε [Α-ετε] τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων (11 α)  
 22. 35. τοῦτο φυλάξτε λαλήσαι [Β al.] —  
 — 38. Α τοῦτο φυλάξτε λαλήσαι [Β al.] —  
 23. 12. οὐχί . . . τοῦτο φυλάξτε λαλήσαι (11 α)  
 31. 30, 47. τοῖς Ἀ. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φυλακὰς (11 α)  
 De. 4. 2. φυλάσσετε τὰς ἐντολάς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 6. φυλάξετε καὶ ποιήσετε (11 α)  
 — 9. φυλάξον [B<sup>2</sup>-αι] τὴν ψυχὴν σου σφόδρα (11 α)  
 — 15. φυλάξετε σφόδρα τὰς ψυχὰς ὑμῶν (11 β)  
 — 40. φυλάξετε [Α-ξη] τὰ δικαιώματα αὐ. (11 α)  
 5. 1. φυλάξτε ποιεῖν αὐτὰ (11 α)  
 — 10. καὶ τοῖς φυλάσσουσιν τὰ προστάγματα μου (11 α)  
 — 12. φυλάξαι τὴν ἡμέραν τῶν σαββάτων (11 α)  
 — 15. ὥστε φυλάσσεσθαι [Α-ξεσθαι, Α Β<sup>2</sup> add. σε] τὴν ἡμέραν τῶν σαββάτων (7)  
 — 29 (26). ὥστε . . . φυλάσσεσθαι [Α-ειν] τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 — 32 (29). καὶ φυλάξετε ποιεῖν (11 α)  
 6. 2. φυλάσσετε πάντα τὰ δικαιώματα αὐ. (11 α)  
 — 3. καὶ φυλάξαι ποιεῖν (11 α)  
 — 17. φυλάσσω φυλάξτε τὰς ἐντολάς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α, 11 α)  
 — 25. ἐὰν φυλασσώμεθα ποιεῖν (11 α)  
 7. 9. ὁ φυλάσσων διαθήκην . . . τοῖς φυλάσσουσιν τὰς ἐντ. αὐ. (11 α, 11 α)  
 — 11. φυλάξτε τὰς ἐντολάς (11 α)  
 — 12. ἡμεκα ἂν . . . φυλάξτε καὶ ποιήσετε αὐτὰ (11 α)  
 8. 1. πᾶσας τὰς ἐντολάς . . . φυλάξετε ποιεῖν (11 α)  
 — 2. εἰ φυλάξτε τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 6. φυλάξτε τὰς ἐντολάς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 — 11. τοῦ μὴ [Α om.] φυλάξαι τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 10. 13. φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολάς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 α)  
 11. 1. φυλάξτε τὰ φυλάγματα αὐ. (11 α)  
 — 8. φυλάσθε πᾶσας τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 32. φυλάξετε τοῦ ποιεῖν πάντα τὰ προστάγματα αὐ. (11 α)  
 12. 1. δε φυλάξετε [Α-εσθε] τοῦ ποιεῖν (11 α)  
 — 28. φυλάσσω καὶ ἀκούε (11 α)  
 — 32 (13. 1). τοῦτο φυλάξτε ποιεῖν (11 α)  
 13. 4 (5). Α τὰς ἐντολάς αὐ. φυλάξετε (11 α)  
 — 18 (19). φυλάσσειν τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 15. 5. φυλάσσειν καὶ ποιεῖν πᾶσας τὰς ἐντ. τ. (11 α)  
 16. 1. φυλάξαι τὸν μῆνα τῶν νέων (11 α)  
 — 12. φυλάξτε [Α-εισ] καὶ ποιήσεις τὰς ἐντ. τ. (11 α)  
 — 20. Α δικαίω τὸ δικαίον φυλάξτε [Β διώξτε] †  
 17. 10. καὶ φυλάξτε ποιῆσαι πάντα (11 α)  
 — 19. ἵνα μάθῃ . . . φυλάσσεσθαι πᾶσας τὰς ἐντ. τ. (11 α)  
 23. 9 (10). καὶ φυλάξτε ἀπὸ παντὸς ῥήματος ποιητοῦ (11 β)  
 — 23 (24). τὰ ἐκπορεύου. διὰ τῶν χειλέων σου φυλάξτε (11 α)  
 24. 8. φυλάξτε σφόδρα ποιεῖν (11 β)  
 — 8. φυλάσθε [Α-εσθε] ποιεῖν (11 α)  
 26. 16. φυλάξετε καὶ ποιήσετε αὐτὰ (11 α)  
 — 17. καὶ φυλάσσεσθαι τὰ δικαιώματα (11 α)  
 — 18. φυλάσσειν τὰς ἐντ. αὐ. (11 α)  
 27. 1. φυλάσσετε πᾶσας τὰς ἐντολάς ταύτας (11 α)  
 28. 1. φυλάσσειν . . . πᾶσας τὰς ἐντολάς ταύτας (11 α)  
 — 13. ὅσα ἐγὼ ἐντέλλομαι σοι σήμερον φυλάσσειν (11 α)  
 De. 28. 15. φυλάσσεσθαι πᾶσας τὰς ἐντολάς αὐ. [Α al.] (11 α)  
 — 45. φυλάξαι τὰς ἐντολάς αὐ. [Α al.] (11 α)  
 29. 9 (8). φυλάξετε ποιεῖν πάντα τοὺς λόγους (11 α)  
 30. 10. φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 16. φυλάσσεσθαι [Α-ειν] τὰ δικαιώματα αὐ. (11 α)  
 32. 46. φυλάσσειν . . . πάντα τοὺς λόγους τοῦ νόμου τ. (11 α)  
 33. 9. ἐφύλαξε τὰ λόγια σου (11 α)  
 Jo. 1. 7. ἀνδρὶς φυλάσσειν καὶ ποιεῖν (11 α)  
 6. 17 (18). Β φυλάσσετε σφόδρα ἀπὸ τοῦ ἀνιέματος [Α Β al.] (11 α)  
 10. 18. καταστήσατε ἄνδρας φυλάσσειν ἐπ' αὐτοὺς (11 α)  
 22. 3. ἐφυλάξετε [Α-ετε] τὴν ἐντολὴν κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 α)  
 — 5. φυλάσσετε σφόδρα ποιεῖν τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 5. φυλάσσεσθαι [Α φυλάσσεσθαι] τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 23. 6. κατισχύσατε οὐδὲ σφόδρα φυλάσσειν (11 α)  
 — 11. φυλάσσετε [B<sup>2</sup>-εσθε] σφόδρα τοῦ ἀγαπᾶν (11 β)  
 Jd. 1. 24. καὶ εἶδον οἱ φυλάσσοντες (11 α)  
 2. 22. εἰ φυλάσσονται τὴν δόξαν κυρίου (11 α)  
 — 22. ὁ τρόπος ἐφύλαξαν [Α-αυτοὶ] οἱ πατέρες αὐ. (11 α)  
 7. 19. ἤγειραν τοὺς φυλάσσοντας (11 α)  
 13. 4. καὶ νῦν φυλάξαι δὴ (11 β)  
 — 13. ἀπὸ πάντων . . . φυλάξετε [Α-ἀσθω] (11 β)  
 — 14. πάντα . . . φυλάξετε [Α-ἀσθω] (11 α)  
 I Ki. 1. 12. ἐφύλαξε τὸ στόμα αὐ. (11 α)  
 7. 1. φυλάσσειν τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 α)  
 13. 13. Β οὐκ ἐφύλαξας τὴν ἐντολὴν μου (11 α)  
 — 14. Β οὐκ ἐφύλαξας ὅσα ἐνετείλατό σοι (11 α)  
 19. 2. φυλάξαι οὐδὲ ἀνίμω πρῶτῃ (11 β)  
 — 11. ἀπίστευτε Σ. ἀγγέλους . . . φυλάξαι αὐτὸν (11 α)  
 21. 4 (5). εἰ πεφυλαγμένα τὰ παιδιάρια ἐστὶν ἀπὸ γυναικός (11 β)  
 22. 23. πεφυλάξαι σὺ παρ' ἐμοί (11 ε)  
 25. 21. ἴσως εἰς ἄδικον πεφύλακα πάντα τὰ αὐτοῦ (11 α)  
 26. 15. διὰ τὸ οὐ φυλάσσει τὸν κ. σου τὸν βασ. (11 α)  
 — 16. υἱοὶ θανατώσεως ἡμεῖς οἱ φυλάσσοντες τὸν βασ. (11 α)  
 29. 11. φυλάσσειν τὴν γῆν τῶν ἀλλοφύλων †  
 30. 23. μετὰ τὸ παραδοῦναι καὶ κ. ἡμῶν καὶ φυλάξαι ἡμᾶς (11 α)  
 II Ki. 11. 16. ἐν τῷ φυλάσσειν ἱ. ἐπὶ τὴν πᾶλιν (11 α)  
 15. 16. φυλάσσειν τὸν οἶκον (11 α)  
 16. 21. δε κατέλειπε φυλάσσειν τὸν οἶκον (11 α)  
 18. 12. φυλάξαί μοι τὸ παιδιάριον τὸν Ἀβ. (11 α)  
 20. 3. δε ἀφῆκε φυλάσσειν τὸν οἶκον (11 α)  
 — 10. Ἀμ. οὐκ ἐφύλαξεν τὴν μάχαιραν (11 β)  
 22. 22. ἐφύλαξε ὁδοὺς κυρίου (11 α)  
 — 44. φυλάξεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (11 α)  
 28. 5. διαθήκην γὰρ αἰώνιον ἔθετό μοι . . . πεφυλαγμένην [Α-ον] (11 α)  
 III Ki. 2. 3. φυλάξτε φυλακὴν κ. θεοῦ σου (11 α)  
 — 3. φυλάσσειν τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 4. ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱοὶ σου τὴν δόξαν αὐ. (11 α)  
 3. I (2. 43). τί ὅτι οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὅρκον κυρίου (11 α)  
 — 6. ἐφύλαξας αὐτῷ τὸ ἔλεος τὸ μέγα τοῦτο (11 α)  
 — 14. φυλάσσειν τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 6. 12. Α ἐὰν . . . φυλάσσειν πᾶσας τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 8. 23. φυλάσσω διαθήκην καὶ ἔλεος τῷ δούλῳ σου (11 α)  
 — 24. δε ἐφύλαξας τῷ δούλῳ σου Δ. (11 α)  
 — 25. φυλάξον τῷ δούλῳ σου . . . δε ἐλάλησας (11 α)  
 — 25. πλὴν ἐὰν φυλάξωται τὰ τέκνα σου τὰς ὁδοὺς αὐ. (11 α)  
 — 58. καὶ φυλάσσειν πᾶσας ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 61. καὶ φυλάσσειν ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 9. 4. ἐὰν . . . τὰς ἐντολάς μου φυλάξῃς (11 α)  
 — 6. ἐὰν δὲ . . . μὴ φυλάξῃς τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 11. 10. φυλάσσεσθαι [Α-εἰ καὶ] ποιῆσαι δε ἐνετείλατο (11 α)  
 — 11. καὶ οὐκ ἐφύλαξας τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 — 34. Α δε ἐφύλαξεν ἐντολάς μου (11 α)  
 — 38. ἐὰν φυλάξῃς πάντα (10)  
 — 38. τοῦ [Α om.] φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 III Ki. 13. 21. καὶ οὐκ ἐφύλαξας τὴν ἐντολὴν (11 α)  
 14. 8. Α δε ἐφύλαξεν τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 — 27. οἱ φυλάσσοντες τὸν πυλῶνα οἴκου βασιλέως (11 α)  
 21 (20). 39. φυλάξον τοῦτον τὸν ἄνδρα (11 α)  
 IV Ki. 6. 9. φυλάξαι μὴ παρελθεῖν (11 β)  
 — 10. ἐφύλαξτο ἐκείθεν οὐ μίαν οὐδὲ δύο (11 β)  
 9. 14. ἐφύλασσαν ἐν Ῥ. . . ἀπὸ προσώπου Ἀ. (11 f)  
 10. 31. ἱ. οὐκ ἐφύλαξε πορεύεσθαι (11 α)  
 11. 5. Β φυλάξετε [Α Β-ατε] φυλακὴν οἴκου τοῦ βασ. (11 α)  
 — 6. Β φυλάξετε [Α Β-ατε] τὴν φυλακὴν τοῦ οἴκου (11 α)  
 — 7. φυλάξουσιν τὴν φυλακὴν οἴκου κυρίου (11 α)  
 12. 9 (10). οἱ ἱερεῖς οἱ φυλάσσοντες τὸν σταθμόν (11 α)  
 17. 9. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων (5)  
 — 13. φυλάξατε τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 — 15. Α Β τὰ μαρτύρια αὐ. . . οὐκ ἐφύλαξαν [Β al.] †  
 — 19. ἱ. οὐκ ἐφύλαξε τὰς ἐντολάς κ. τοῦ θ. (11 α)  
 — 37. τὰς ἐντολάς . . . φυλάσσεσθε [Α al.] (11 α)  
 18. 6. ἐφύλαξε τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 8. ἀπὸ πύργου φυλασσόντων (5)  
 19. 24. Α ἐφύλαξε [Β ἔψυξε] καὶ ἔπιον ὕδατα ἀλλότρια †  
 21. 8. οἵτινες φυλάξουσιν πάντα [Α τοῦ ποιεῖν π.] (11 α)  
 22. 4. δε συνήγαγον οἱ φυλάσσοντες τὸν σταθμόν (11 α)  
 23. 3. τοῦ φυλάσσειν τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 4. ἐνετείλατο . . . τοῖς φυλάσσουσιν τὸν σταθμόν (11 α)  
 25. 18. ἔλαβεν . . . τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάσσοντας τὸν σταθμόν (11 α)  
 I Ch. 9. 19. φυλάσσοντες τὰς φυλακὰς τῆς σκηνῆς (11 α)  
 — 19. καὶ πατέρες αὐ. . . φυλάσσοντες τὴν εἰσοδὸν (11 α)  
 — 23. ἐν οἴκῳ τῆς σκηνῆς τοῦ φυλάσσειν (11 ε)  
 10. 13. διότι οὐκ ἐφύλαξεν (11 α)  
 22. 12. τοῦ φυλάσσεσθαι καὶ τοῦ ποιεῖν τὸν νόμον (11 α)  
 — 13. ἐὰν φυλάξῃ τοῦ ποιεῖν τὰ προστάγματα (11 α)  
 23. 32. φυλάξουσιν τὰς φυλακὰς σκηνῆς (11 α)  
 26. 10. υἱοὶ φυλάσσοντες τὴν ἀρχὴν †  
 27. 7. τοῦ φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολάς μου (7)  
 — 8. Α καὶ ὡς ἐν θεῷ ἡμῶν φυλάσσεσθε [Β-ἀξασθε] (11 α)  
 29. 18. φυλάξον ταῦτα ἐν διανοίᾳ καρδίας λαοῦ σου (11 α)  
 II Ch. 6. 14. φυλάσσω τὴν διαθήκην (11 α)  
 — 15. Β ἐφύλαξας [Α Β εἰ φ.] . . . δε ἐλάλησας (11 α)  
 — 16. φυλάξον . . . δε ἐλάλησας αὐτῷ (11 α)  
 — 16. πλὴν ἐὰν φυλάξωσιν οἱ υἱοὶ σου τὴν δόξαν αὐ. (11 α)  
 7. 17. ἐὰν . . . τὰ κρίματά μου φυλάξῃ [Α-ῆς] (11 α)  
 12. 10. τοὺς φυλάσσοντας τὸν πυλῶνα τοῦ βασ. (11 α)  
 — 11. εἰσπορεύονται οἱ φυλάσσοντες (11 α)  
 13. 11. φυλάσσωμεν ἡμεῖς τὰς φυλακὰς κ. τοῦ θεοῦ (11 α)  
 19. 7. φυλάσσετε καὶ ποιήσετε (11 α)  
 23. 6. πᾶς ὁ λαὸς φυλασσέτω [Α-ἔσθω] φυλακὰς κυρίου (11 α)  
 33. 8. πλὴν ἐὰν φυλάσσονται τοῦ ποιῆσαι (11 α)  
 34. 9. δε συνήγαγον οἱ Ἀ. φυλάσσοντες τὴν πύλιν (11 α)  
 — 22. πρὸς Ὁ. τὴν προφῆτην . . . φυλάσσουσιν τὰς ἐντ. (11 α)  
 — 31. τοῦ φυλάσσειν τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 I Es. 3. 4. οἱ φυλάσσοντες τὸ σῶμα τοῦ βασ. (11 α)  
 8. 59. ἀγρυπνεῖτε καὶ φυλάσσετε (11 α)  
 II Es. 4. 22. πεφυλαγμένοι ἦτε [Α om.] ἀνέσιν ποιῆσαι (11 α)  
 Ne. 1. 5. φυλάσσω τὴν διαθήκην . . . τοῖς φυλάσσουσιν τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α, 11 α)  
 — 7. οὐκ ἐφύλαξεν τὰς ἐντολάς αὐ. (11 α)  
 — 9. ἐὰν . . . φυλάξῃ τὰς ἐντολάς μου (11 α)  
 2. 8. B<sup>2</sup> ἐπὶ Ἀ. τὸν φυλάσσοντα τὰς ἡμέρας τοῦ βασ. [Α Β S' al.] (11 α)  
 — 16. οἱ φυλάσσοντες οὐκ ἔγνωσαν †  
 9. 32. φυλάσσω [S φ.] τὴν διαθήκην σου (11 α)  
 10. 29 (30). καὶ φυλάσσεσθαι καὶ ποιεῖν πᾶσας τὰς ἐντ. ἡμῶν (11 α)  
 11. 19. B<sup>2</sup> οἱ φυλάσσοντες ἐν ταῖς πύλαις (11 α)



- Ne. 12. 45. ἐφύλαξαν [B<sup>1</sup>-en] φυλάκας θεοῦ αὐ. (11 α)  
 13. 22. οἱ ἦσαν... ἐρχόμενοι φυλάσσοντες τὰς πύλας (11 α)  
 Ju. 7. 5. ἔμενον φυλάσσοντες ὅλην τὴν νύκτα ἐκ. (11 α)  
 13. 11. εἶπεν Ἰ... τοῖς φυλάσσουσιν ἐπὶ τῶν πυλῶν  
 Es. 1. 1. τῶν δύο εὐνοῦχων τοῦ βασιλ. τῶν φυλάσσόντων τὴν αὐλήν  
 6. 2. ἐν τῷ φυλάσσειν αὐτοῦ (11 α)  
 Jb. 10. 12. ἡ δὲ ἐπισκοπὴ σου ἐφύλαξέ μου τὸ πνεῦμα (11 α)  
 — 14. εἰς τὴν γὰρ ἀμαρτίαν φυλάσσεις [A B<sup>1</sup>-εις] με (11 α)  
 13. 27. ἐφύλαξας δέ μου πάντα τὰ ἔργα (11 α)  
 14. 13. εἰ γὰρ ὀφελον ἐν ᾧ ἦ με ἐφύλαξας [A φυλάξεις] (11 α)  
 22. 15. μὴ τρίβον αἰῶνιον φυλάξεις (11 α)  
 23. 11. ὁδοὺς γὰρ αὐτοῦ ἐφύλαξα (11 α)  
 24. 15. ὀφθαλμοὺς μοιχοῦ ἐφύλαξε σκύτος (11 α)  
 29. 2. ἡμερῶν ὧν με ὁ θεὸς ἐφύλαξεν [A-αττεν] (11 α)  
 33. 11. ἐφύλαξε δέ μου πάσας τὰς ὁδοὺς (11 α)  
 36. 21. B<sup>1</sup> B φυλάξαι μὴ πράξεις ἄτοπα [B B<sup>1</sup>-δικα] (11 β)  
 39. 1. ἐφύλαξας δὲ ὁδῶνας ἐλάφων (11 α)  
 Ps. 11 (12). 7. σὺ, κύριε, φυλάξεις ἡμᾶς (11 α)  
 15 (18). 1. φυλάξόν με, κύριε (11 α)  
 16 (17). 4. ἐφύλαξα ὁδοὺς σκληρὰς (11 α)  
 — 8. φυλάξεις με ὡς κόρην ὀφθαλμοῦ (11 α)  
 17 (18). 21. ἐφύλαξε τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 α)  
 — 23. φυλάξομαι ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου (11 α)  
 18 (19). 11. ὁ δοῦλός σου φυλάσσει αὐτὰ ἐν τῷ φυλάσσειν αὐτὰ ἀνταποδοῖς πολλὴν (1 α, 11 α)  
 24 (25). 20. φυλάξον τὴν ψυχὴν μου (11 α)  
 30 (31). 6. B<sup>1</sup> ἐμίσησας τοὺς φυλάσσοντας [A B διαφ.] ματαιώσας διὰ κενῆς (11 α)  
 33 (34). 20. φυλάσσει πάντα τὰ ὁσὰ αὐτῶν (11 α)  
 36 (37). 28. εἰς τὸν αἰῶνα φυλαχθήσονται (11 α)  
 — 34. φυλάξον τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (11 α)  
 — 37. φυλάσσε ἀκακίαν (11 α)  
 38 (39). 1. φυλάξω τὰς ὁδοὺς μου (11 α)  
 40 (41). 2. κύριος φυλάξει [A B διαφ.] αὐτὸν (11 α)  
 55 (56). 6. τὴν πέτρων μου φυλάξουσιν (11 α)  
 58 (59). 11. ἐφύλαξε τὸν οἶκον αὐτοῦ (11 α)  
 — 9. τὸ κράτος μου πρὸς σε φυλάξω (11 α)  
 70 (71). 10. οἱ φυλάσσοντες τὴν ψυχὴν μου (11 α)  
 77 (78). 10. οὐκ ἐφύλαξαν [B<sup>1</sup>-αὐτο] τὴν διαθήκην τοῦ θεοῦ (11 α)  
 — 56. τὰ μαρτύρια αὐτοῦ οὐκ ἐφύλαξαντο (11 α)  
 85 (86). 2. φυλάξον τὴν ψυχὴν μου (11 α)  
 88 (89). 28. εἰς τὸν αἰῶνα φυλάξω αὐτῷ τὸ ἔλεός μου (11 α)  
 — 31. καὶ τὰς ἐντολάς μου μὴ φυλάξωσιν (11 α)  
 96 (97). 10. φυλάσσει κ. τὰς ψυχὰς τῶν ὁσίων αὐ. (11 α)  
 98 (99). 7. ἐφύλασσον τὰ μαρτύρια αὐτοῦ (11 α)  
 102 (103). 18. τοῖς φυλάσσουσιν τὴν διαθήκην αὐτοῦ (11 α)  
 104 (105). 45. ὅπως ἂν φυλάξωσι τὰ δικαιώματα αὐτοῦ (11 α)  
 105 (106). 3. μακάριοι οἱ φυλάσσοντες κρίσιν (11 α)  
 106 (107). 43. τίς σοφὸς καὶ φυλάξει ταῦτα (11 α)  
 114 (116). 6. φυλάσσων τὰ νηπία ὁ κύριος (11 α)  
 118 (119). 4. σὺ ἐνετείλω τὰς ἐντολάς σου φυλάσσειν [A φυλάσσεισθαι] σφόδρα (11 α)  
 — 5. τοῦ φυλάσσειν τὰ δικαιώματά σου (11 α)  
 — 8. τὰ δικαιώματά σου φυλάξω (11 α)  
 — 9. ἐν τῷ φυλάσσειν τοὺς λόγους σου (11 α)  
 — 17. φυλάξω τοὺς λόγους σου (11 α)  
 — 34. φυλάξω αὐτὸν ἐν ᾧ καρδίᾳ μου (11 α)  
 — 44. φυλάξω τὸν νόμον σου διὰ παντός (11 α)  
 — 55. ἐφύλαξε τὸν νόμον σου (11 α)  
 — 57. A B<sup>1</sup> εἴπα φυλάσσειν [B<sup>1</sup> B του φ.] τὸν νόμον [B<sup>1</sup> τὰς ἐντολάς] σου (11 α)  
 — 60. τοῦ [B<sup>1</sup> om.] φυλάσσειν τὰς ἐντολάς σου (11 α)  
 — 63. καὶ τῶν [B<sup>1</sup> om.] φυλασσόντων τὰς ἐντολάς σου (11 α)  
 — 67. τὸ λόγιόν σου ἐγὼ ἐφύλαξα (11 α)  
 — 88. φυλάξω τὰ μαρτύρια τοῦ στόματός σου (11 α)  
 — 101. ὅπως ἂν φυλάξω τοὺς λόγους σου (11 α)  
 — 106. τοῦ φυλάσσειν τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου (11 α)  
 — 134. φυλάξω [B<sup>1</sup>-αι] τὰς ἐντολάς σου (11 α)  
 — 136. οὐκ ἐφύλαξα [B<sup>1</sup>-αι] τὸν νόμον σου (11 α)  
 — 146. φυλάξω τὰ μαρτύριά σου (11 α)  
 — 158. τὰ λόγια σου οὐκ ἐφύλαξαντο (11 α)  
 Ps. 118 (119). 167. ἐφύλαξεν ἡ ψυχὴ μου τὰ μαρτύριά σου (11 α)  
 — 168. ἐφύλαξα τὰς ἐντολάς σου (11 α)  
 120 (121). 3. μὴ δὲ νυστάζει ὁ φυλάσσων σε (11 α)  
 — 4. οὐδὲ ὑπνώσει ὁ φυλάσσων τὸν Ἰσρ. (11 α)  
 — 5. κύριος φυλάξει σε (11 α)  
 — 7. A B κύριος φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κακοῦ φυλάξει [B-αι] τὴν ψυχὴν σου ὁ κύριος (11 α, 11 α)  
 — 8. κύριος φυλάξει [B<sup>1</sup>-εις] τὴν εἰσοδὸν σου (11 α)  
 126 (127). 1. ἐὰν μὴ κύριος φυλάξῃ πόλιν εἰς μάτην ἡγρῶνται οἱ φυλάσσων (11 α, 11 α)  
 131 (132). 12. ἐὰν φυλάξωται οἱ υἱοὶ σου τὴν διαθήκην μου (11 α)  
 139 (140). 4. φυλάξόν με, κύριε, ἐκ χειρὸς ἀμαρτανῶν (11 α)  
 140 (141). 9. φυλάξόν με ἀπὸ παγίδος (11 α)  
 144 (145). 20. φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν (11 α)  
 145 (146). 6. τὸν φυλάσσοντα ἀλήθειαν εἰς τὸν αἰῶνα (11 α)  
 — 9. κύριος φυλάσσει τοὺς προσηλύτους (11 α)  
 Pr. 2. 8. τοῦ φυλάξει ὁδὸν δικαιοματιῶν (5)  
 — 11. βουλή καλὴ φυλάξει σε (11 α)  
 4. 4. φυλάσσει ἐντολὰς (11 α)  
 — 13. φυλάξον αὐτὴν σεαυτὸν εἰς ζωὴν σου (5)  
 — 21. φυλάσσει αὐτὰς ἐν καρδίᾳ (11 α)  
 5. 2. ἵνα φυλάξῃς ἕνοιαν ἁγίαν (11 α)  
 6. 20. φυλάσσει νόμον πατρὸς σου (5)  
 — 22. ὡς δ' ἂν καθύψῃς φυλάσσει σε (11 α)  
 — 24. B<sup>1</sup> τοῦ φυλάσσειν [A B<sup>1</sup> διαφ.] σε ἀπὸ γυναικὸς ὑπὸνδρου (11 α)  
 7. 1. φυλάσσει ἐμοὺς λόγους (11 α)  
 — 2. φυλάξον ἐμὰς ἐντολάς (11 α)  
 8. 32. A B<sup>1</sup> μακάριοι οἱ ὁδοὺς μου φυλάσσοντες (11 α)  
 — 33. ἀνθρώπος δὲ τὰς ἐμὰς ὁδοὺς φυλάξει (11 α)  
 10. 17. ὁδοὺς δικαίας [A B<sup>1</sup> om.] ζωῆς φυλάσσει παιδεία (11 α)  
 13. 3. δε φυλάσσει τὸ ἐαυτοῦ στόμα (5)  
 — 6. A δικαιοσύνη φυλάσσει ἀκακοὺς ὁδῷ (5)  
 — 18. ὁ δε φυλάσσων ἐλέγχους δευραθήσεται (11 α)  
 14. 3. χεὶρ ἡ δὲ σφάβον φυλάσσει [A-ἀξεί] αὐτοῦ (11 α)  
 15. 5. ὁ δε φυλάσσων ἐντολὰς πανούργωτερος (11 α)  
 16. 5 (4). φυλάσσεται δὲ ὁ ἀσεβὴς εἰς ἡμέραν κακῆν (11 α)  
 — 17. ὁ δε φυλάσσων ἐλέγχους σοφισθήσεται δε φυλάσσει τὰς ἐαυτοῦ ὁδοὺς τηρεῖ τὴν ἐαυτοῦ ψυχὴν (11 α)  
 19. 8. δε δε φυλάσσει φρόνησιν ἐνίρσει ἀγαθὰ (11 α)  
 — 16. δε φυλάσσει ἐντολὴν τηρεῖ τὴν ἐαυτοῦ ψυχὴν (11 α)  
 — 27. υἱὸς ἀπολειπόμενος φυλάξει παιδείαν πατρὸς (10)  
 21. 23. δε φυλάσσει τὸ στόμα αὐτοῦ (11 α)  
 — 28. ἀνὴρ δὲ ὑπὸ κκοὺς φυλασσόμενος λαλήσει (11 α)  
 22. 5. ὁ δε φυλάσσων τὴν ἐαυτοῦ ψυχὴν ἀφέξει αὐτὸν (11 α)  
 24. 23 (29. 27). λόγον φυλασσόμενος υἱὸς ἀπολείας ἐκτός ἐσται (11 α)  
 25. 10. φυλάξον τὰς ὁδοὺς σου εὐσυναισθητῶς (11 α)  
 27. 18. δε δε φυλάσσει τὸν ἐαυτοῦ κύριον τιμῇσεται (11 α)  
 28. 7. φυλάσσει νόμον υἱὸς συνετός (5)  
 29. 18. ὁ δε φυλάσσων τὸν νόμον μακαριστός (11 α)  
 Ec. 3. 6. καιρὸς τοῦ φυλάξει (11 α)  
 4. 17. φυλάξον τὸν πόδα σου (11 α)  
 5. 7. ὑψηλὸς ἐπάνω ὑψηλοῦ φυλάξει [A-ἀσσει, B<sup>1</sup>-ἀζει] τὴν κύκλῳ (11 α)  
 — 12. πλοῦτον φυλασσόμενον τῷ παρ' αὐτοῦ εἰς κακίαν αὐτῷ [A B-οὐ] (11 α)  
 8. 2. στόμα βασιλέως φυλάξον (11 α)  
 — 5. ὁ φυλάσσων ἐντολὴν οὐ γινώσκει βῆμα πονηρὸν (11 α)  
 12. 12. περιστοὶν ἐξ αὐτῶν, νίε μου, φυλάξει [A B-ἀσσει] (1 α)  
 — 13. τὰς ἐντολάς αὐτοῦ φυλάσσει (11 α)  
 Ca. 1. 6. ἀμπελῶνα ἐμὸν οὐκ ἐφύλαξα (4)  
 Wi. 1. 11. φυλάσσει τοῖνυν γογγυσμὸν ἀνωφελῆ (11 α)  
 6. 4. οὐδὲ ἐφύλαξεν νόμον (11 α)  
 — 10. οἱ γὰρ φυλάξαντες ὁσῶς τὰ ὅσια ὁσιωθήσονται (11 α)  
 9. 11. φυλάξει με ἐν τῇ δόξῃ αὐτῆς (11 α)  
 10. 5. ἐπὶ τέκνον σπλάγχχνος ισχυρὸν ἐφύλαξεν (11 α)  
 — 12. B καὶ ἐφύλαξεν [A B διαφ.] αὐτὸν ἀπὸ ἐχθρῶν (11 α)  
 Wi. 14. 16. τὸ ἀσεβὲς ἔθος [B<sup>1</sup> ἔθνος] ὡς νόμος [B<sup>1</sup>-ον] ἐφύλαχθη (11 α)  
 — 24. οὐτε γάμοις καθαροὶς ἔτι φυλάσσουσιν (11 α)  
 18. 4. οἱ κατακλείουσιν φυλάξαντες [B φυλάσσοντες] τοὺς υἱούς σου (11 α)  
 19. 6. ἵνα οἱ σοὶ παῖδες φυλαχθῶσιν ἀβλαβεῖς (11 α)  
 Si. 4. 20. συντήρησον καιρὸν καὶ φυλάξει ἀπὸ πορητοῦ (11 α)  
 12. 11. καὶ φυλάξει ἀπ' αὐτοῦ (11 α)  
 19. 9. ἀκήκοι γὰρ σου καὶ ἐφύλαξάτο σε (11 α)  
 21. 11. ὁ φυλάσσων νόμον κατακρατεῖ τοῦ ἐννοήματος αὐτοῦ (11 α)  
 22. 13. φυλάξει ἀπ' αὐτοῦ ἵνα μὴ κόπον ἔχῃς (11 α)  
 — 26. πᾶς ὁ ἀκούων φυλάξεται ἀπ' αὐτοῦ (11 α)  
 23. 7. ὁ φυλάσσων οὐ μὴ ἀλῶ (11 α)  
 26. 11. ὁπίσω ἀναιδοῦς ὀφθαλμοῦ φυλάξει (11 α)  
 35 (32). 22. ἀπὸ τῶν τέκνων σου φυλάξει (11 α)  
 37. 8. ἀπὸ συμβούλου φύλαξον τὴν ψυχὴν σου (11 α)  
 40. 30. ἀνὴρ δὲ ἐπιστήμων καὶ πεπαιδευμένος φυλάξεται (11 α)  
 43. 4. B<sup>1</sup> καίμων φυλάσσων [A B<sup>1</sup> B φυσῶν] ἐν ἔργοις καίμωνας (11 α)  
 45. 11. B<sup>1</sup> κατ' ἀριμὸν φυλάσσων [A B B<sup>1</sup> φυλῶν] Ἰσρ. (11 α)  
 Ho. 4. 10. τοῦ φυλάξει πορνείαν (11 α)  
 12. 6 (7). ἔλεον καὶ κρίμα φυλάσσου (11 α)  
 — 12 (13). ἐν γυναικὶ ἐφύλαξάτο (11 α)  
 Am. 1. 11. τὸ ὄρημα αὐ. ἐφύλαξεν εἰς νίκος (11 α)  
 2. 4. τὰ προστάγματα αὐ. οὐκ ἐφύλαξαντο (11 α)  
 Mi. 6. 16. ἐφύλαξας τὰ δικαιώματα Z. (11 α)  
 7. 5. ἀπὸ τῆς συγκοίτης σου φυλάξει (11 α)  
 Jn. 2. 9. φυλασσόμενος μάταια καὶ ψευδῆ (11 α)  
 Hb. 3. 16. ἐφύλαξάνην καὶ ἐπτοήθη ἡ κοιλία μου (10)  
 Za. 3. 8 (7). ἐν τοῖς προστάγμασι μου φυλάξῃ [A B<sup>1</sup>-ἀσσει] (11 α)  
 — 8 (7). A ἐὰν φυλάξῃς καὶ γε τὴν αἰλὴν μου [B B<sup>1</sup> αἰ.] (11 α)  
 11. 11. γινώσκονται οἱ Χαν. τὰ πρόβατα τὰ [B<sup>1</sup> om.] φυλασσόμε. μοι (11 α)  
 Ma. 2. 7. χεὶρ ἡ ἱερέως φυλάσσεται γινώσκιν (11 α)  
 — 9. B<sup>1</sup> οὐ φυλάσσεισθε [A B οὐκ ἐφύλασσε] τὰς ὁδοὺς μου (11 α)  
 — 15. φυλάξασθε [B<sup>1</sup>-εσθε] ἐν τῷ πνεύματι ὑμῶν (11 β)  
 — 16. φυλάξασθε ἐν τῷ πνεύματι ὑμῶν (11 β)  
 3. 7. ἐξεκλίνατε νόμῳ μου καὶ οὐκ ἐφύλασσε (11 α)  
 — 14. ἐφύλαξαν τὰ φυλάγματα αὐ. (11 α)  
 Is. 7. 4. φυλάξει τοῦ ἡσυχᾶσαι (11 β)  
 21. 11. φυλάσσετε [A-ἀζεται, B<sup>1</sup>-ἀσσειται] ἐπ' αὐτοῖς (11 α)  
 — 12. φυλάσσω [B<sup>1</sup>-ου] τὸ πρῶτ' καὶ τὴν νύκτα (11 α)  
 26. 2. λαὸς φυλάσσων δικαιοσύνην καὶ φυλάσσων ἀλήθειαν (11 α)  
 — 3. φυλάσσων εἰρήνην (5)  
 27. 4. τίς με θήσει φ. καλὰ μὲν ἐν ἀγρῷ (11 α)  
 42. 20. εἰδότες πλεονάκας καὶ οὐκ ἐφύλασσε (11 α)  
 52. 8. φωνὴ τῶν φυλασσόντων σε ὑψώθη (9)  
 55. 11. B<sup>1</sup> καὶ τὰ ἐντάλματά μου φυλάξεις [A B B<sup>1</sup> om.] (11 α)  
 — 56. 1. φυλάσσεισθε κρίσιν (11 α)  
 — 2. φυλάσσων τὰ σάββατα (11 α)  
 — 4. ὅσοι ἂν φυλάξωται τὰ σάββατα [B<sup>1</sup> προστάγματά] μου (11 α)  
 — 6. πάντας τοὺς φυλασσόμενους τὰ σάββατά μου (11 α)  
 60. 21. φυλάσσων τὸ φῦτευμα ἔργα χειρῶν αὐ. (11 α)  
 Je. 3. 5. φυλαχθήσεται [A B διαφ.] εἰς νίκος (11 α)  
 4. 17. ὡς φυλάσσοντες ἀγρόν ἐγένοντο ἐπ' αὐ-τὴν κύκλῳ (11 α)  
 5. 24. ἐφύλαξεν ἡμῖν (11 α)  
 8. 7. στρουθία ἐφύλαξαν καιροὺς (11 α)  
 9. 4 (3). ἕκαστος ἀπὸ τοῦ πλησίον αὐτοῦ [A add. ἐξήλθον] φυλάξασθε [B<sup>1</sup>-εσθαί] (11 β)  
 16. 11. τὸν νόμον μου οὐκ ἐφύλαξαντο (11 α)  
 17. 21. φυλάσσεισθε [A<sup>1</sup> μὴ φ.] τὰς ψυχὰς ὑμῶν (11 β)  
 38 (31). 10. A B B<sup>1</sup> φυλάξει αὐτόν (11 α)  
 39 (32). 2. ἱερεῖας ἐφύλασσαντο ἐν αὐλῇ (9)  
 42 (35). 4. ἐπάνω τοῦ οἴκου Μασαίου... τοῦ φυλάσσοντος τὴν αὐλήν (11 α)  
 43 (38). 5. ἐγὼ φυλάσσομαι (6)  
 — 20. τὸ καρτὶον [A βελτίον] ἔδωκαν φ. (11 α)  
 52. 24. ἔλαβεν... τοὺς τρεῖς τοὺς φυλάττοντας τὴν ὁδόν (11 α)  
 — 31. ἐξ οικίας ἡ ἐφύλασσετο (11 α)

Ba. 4. 13. **A** δικαιώματα δὲ αὐτοῦ οὐκ ἐφύλαξαν [B ἐγνώσαν] (11 a)  
 Ep. Je. 70. προσβάσκινον οὐδὲν φυλάσσειν [A -ων] (11 a)  
 Ez. 11. 20. τὰ δικαιώματά μου φυλάσσονται (11 a)  
 17. 14. τοῦ φ. τὴν διαθήκην αὐτοῦ (11 a)  
 18. 9. τὰ δικαιώματά μου πεφύλακται (11 a)  
 — 21. φυλάξεται [A -ξη] πάσας τὰς ἐντολάς μου (11 a)  
 — 27. οὗτος τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐφύλαξε (2)  
 20. 13. **A** τὰ δικαιώματά μου φυλάσσετε +  
 — 18. τὰ δικαιώματά αὐτῶν μὴ φυλάσσετε (11 a)  
 — 19. τὰ δικαιώματά μου φυλάσσετε (11 a)  
 — 21. τὰ δικαιώματά μου οὐκ ἐφύλαξαν (11 a)  
 33. 4. ἀκούσθ... καὶ μὴ φυλάξεται (1 a)  
 — 5. ἀκούσας οὐκ ἐφύλαξεντο [A add. τὴν ψυχὴν αὐτοῦ] (1 a)  
 — 5. οἱ ἐφύλαξαν τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐξείλατο (1 a)  
 — 6. ὁ λαὸς μὴ φυλάξεται (1 a)  
 — 8. μὴ λαλήσης τοῦ φυλάσσεσθαι τὸν ἀσιβῆ [A αἰ.] (1 b)  
 34. 16. τὸ ἰσχυρὸν φυλάξω +  
 36. 27. τὰ κρίματά μου φυλάξῃς [A -εσθαι] (11 a)  
 37. 24. τὰ κρίματά μου φυλάσσονται [A -ωνται] (11 a)  
 40. 45. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς φυλάσσουσιν τὴν φυλακὴν τοῦ οἴκου (11 a)  
 — 46. τοῖς ἱερεῦσι τοῖς φυλάσσουσιν τὴν φυλακὴν τοῦ θυσιαστηρίου (11 a)  
 43. 11. φυλάσσονται πάντα τὰ δικαιώματά μου (11 a)  
 44. 8. **A** οὐκ ἐφύλαξετε τὴν φυλακὴν τῶν ἁγίων μου (11 a)  
 — 8. διετάξατε τοῦ φ. φυλακὰς (11 a)  
 — 14. κατέβησαν αὐτοὺς φ. φυλακὰς τοῦ οἴκου (11 a)  
 — 15. ἐφύλαξαν τὰς φυλακὰς τῶν ἁγίων μου (11 a)  
 — 16. φυλάξουσιν τὰς φυλακὰς μου (11 a)  
 — 24. τὰ προστάγματα μου ἐν πάσαις ταῖς ἑορταῖς μου φυλάσσονται (11 a)  
 48. 11. τοῖς φυλάσσουσιν τὰς φυλακὰς τοῦ οἴκου (11 a)  
 Da. LXX. Su. 64. φυλασσώμεθα εἰς υἱοὺς δυνατοὺς νεωτέρους  
 9. 4. καὶ τοῖς φυλάσσουσιν τὰ προστάγματα σου (11 a)  
 Da. Th. 9. 4. ὁ φυλάσσει τὴν διαθήκην σου (11 a)  
 — 4. καὶ τοῖς φυλάσσουσιν τὰς ἐντολάς σου (11 a)  
 I Ma. 2. 53. ἐφύλαξεν ἐντολήν  
 8. 26. φυλάσσονται τὰ φυλάγματα αὐ. — 28. **A B** φυλάσσονται [B<sup>1</sup> -ωνται, B<sup>1</sup> -άσσουσιν] τὰ φυλάγματα ταῦτα  
 10. 32. τοῦ φυλάσσειν αὐτὴν  
 12. 34. ὅπως φυλάσσουσιν αὐτήν  
 III Ma. 3. 3. τὴν μὲν πρὸς τοὺς βασιλ. εὐ-οίαν... διδασκὰς ἦσαν φυλάσσοντες  
 IV Ma. 5. 29. περὶ τοῦ φυλάξαι τὸν νόμον  
 6. 18. **A S** τὴν ἐπ' αὐτῷ δὲσαν νομίμως φυλάσσοντες [B<sup>2</sup> B φυλάξαντες]  
 15. 10. μέχρι θανάτου τὰ νόμῳ φυλάσσοντας [B<sup>1</sup> -ες]  
 18. 7. ἐφύλασσαν δὲ τὴν ὑποδομὴν πλευράν  
 [Aq. Dt. 4. 23; 6. 12; 11. 22 bis; 27. 1; Jo. 1. 8; I Ki. 9. 24; III Ki. 11. 34; 14. 8; Jb. 29. 2; Ps. 11 (12); 8. 15 (16); 1. 30 (31); 7. 38 (39); 2. 40 (41); 3. 90 (91); 11. 120 (121); 8. 129 (130); 6. Pr. 4. 6; Ec. 4. 13; Ca. 3. 3; Is. 7. 4; 26. 2; 56. 2; Ez. 33. 7; Jn. 2. 9; Za. 11. 11.]  
 [Sm. Dt. 27. 1; 33. 16; Jo. 1. 8; I Ki. 25. 29; Jb. 29. 2; Ps. 15 (16); 1. 16 (17); 4. 30 (31); 24. 38 (37); 37. 38 (39); 2 bis; 40 (41); 3. 90 (91); 11. 118 (119); 136. 120 (121); 8. Pr. 4. 6; 10. 17; 13. 22; 15. 7; Ec. 4. 13; 8. 2; Is. 7. 4; 10. 17; 42. 20; 56. 2; Ez. 35 (42); 18 (Sw.); Ez. 33. 5; Am. 1. 11.]  
 [Th. Dt. 11. 22 bis; 27. 1; Jo. 1. 8; Jb. 22. 15; Ps. 11 (12); 8. 15 (16); 1. 40 (41); 3. 118 (119); 100. Pr. 4. 6; 16. 17; 27. 18; Ec. 4. 13; Is. 56. 2; Jb. 20. 10; Ez. 33. 4; 44. 8 (Sw).]  
 [Al. Le. 22. 3; Nu. 22. 38; Dt. 28. 9; Ps. 11 (12); 8. 19 (20); 2. Pr. 10. 17; Ec. 12. 13; Hb. 3. 16.]  
 [Quint. Ps. 24 (25). 10; 30 (31); 7. 31 (32); 7. 60 (61); 8. 118 (119). 100.]  
 [Bext. Ps. 24 (26). 10; 60 (61). 8.]

φυλή. (1) **Ph** (2) **Ph** (3) **Ph**  
 (4) **Ph** (5) **Ph** (6) **Ph** (7) **Ph**  
 (8) **a** **b** **c** **d** **e** **f** **g** **h**  
 Ge. 10. 5. ἕκαστος κατὰ γλῶσσαν ἐν ταῖς φ. αὐ. (7)  
 — 18. διεσπάρησαν αἱ φ. τῶν Χαναανίων (7)  
 — 20. οὗτοι υἱοὶ Χὰμ ἐν ταῖς φ. αὐ. (7)  
 — 31. οὗτοι οἱ υἱοὶ Σὴμ ἐν ταῖς φ. αὐ. (7)  
 — 32. αὐταὶ αἱ φ. υἱῶν Νῶε (7)  
 12. 3. εὐλογηθήσονται ἐν σοὶ πάσαι αἱ φ. τῆς γῆς (7)  
 24. 4. καὶ εἰς τὴν φ. μου (5)  
 — 38. καὶ εἰς τὴν φ. μου (7)  
 — 40. λήψῃ γυναῖκα... ἐκ τῆς φ. μου (7)  
 — 41. ἥρκα γὰρ ἐάν ἔλθῃς εἰς τὴν φ. μου (7)  
 28. 14. ἐνευλογηθήσονται ἐν σοὶ πάσαι αἱ φ. τῆς γῆς (7)  
 36. 40. ἐν ταῖς φ. αὐ. κατὰ τόπον αὐτῶν (7)  
 49. 16. ὥσει καὶ μία φ. ἐν Ἰσρ. (8 a)  
 Ex. 2. 1. ἡν δέ τις ἐκ τῆς φ. Λ. (2)  
 24. 4. δώδεκα λίθους εἰς τὰς δώδεκα φ. τοῦ Ἰσρ. (8 a)  
 28. 21. ἔστησαν εἰς δέκα δύο φυλάς (8 a)  
 31. 2. τὸν Βεθ... τῆς φ. Ἰουδα (8)  
 — 6. καὶ τὸν Ἐλ... ἐκ φυλῆς Δάν (8)  
 35. 30. **B** τὸν Βεθ... ἐκ φυλῆς Δάν [A add. τῆς] φυλῆς Ἰ. (8)  
 — 34. καὶ τῷ Ἐλ. τῷ τοῦ Ἀχ. ἐκ φυλῆς Δάν (8)  
 36. 21 (39. 14). εἰς τὴν δώδεκα φ. (8 a)  
 37. 20 (38. 22). Βεθ. οὗ τοῦ Οὐρ. ἐκ φυλῆς Ἰ. (8)  
 — 21 (38. 23). **B** Ἐλ. οὗ τοῦ Ἀχ. ἐκ τῆς [A B om.] φ. Δάν (8)  
 Le. 24. 11. Σαλ. θυγάτηρ Δ. ἐκ τῆς φ. Δάν (8)  
 25. 49. ἡ ἀπὸ τῶν οἰκείων τῶν σαρκῶν αὐ. ἐκ τῆς φ. αὐ. (7)  
 Nu. 1. 4. κατὰ φυλὴν ἐκάστην ἀρχόντων (8)  
 — 16. ἀρχοντες τῶν φ. κατὰ πατριὰς (8)  
 — 21. **A** **B** ἐκ τῆς φ. Ἰ. (8)  
 — 23. ἐκ τῆς φ. Συμ. (8)  
 — 27. ἐκ τῆς φ. Ἰ. (8)  
 — 29. ἐκ τῆς φ. Ἰσρ. (8)  
 — 31. **A** **B** ἐκ τῆς φ. Ζ. (8)  
 — 33. ἐκ τῆς φ. Ἰσρ. (8)  
 — 35. ἐκ τῆς φ. Μαν. (8)  
 — 37. ἐκ τῆς φ. Βεν. (8)  
 — 25. ἐκ τῆς φ. Γάδ (8)  
 — 39. ἐκ τῆς φ. Δάν (8)  
 — 41. ἐκ τῆς φ. Ἀσθρ. (8)  
 — 43. ἐκ τῆς φ. Ν. (8)  
 — 44. ἀνὴρ εἰς κατὰ φ. μίαν (8)  
 — 44. κατὰ φυλὴν οἰκὸν πατριὰς ἦσαν (8)  
 — 47. ἐκ τῆς φ. [A om.] πατριὰς αὐ. (8)  
 — 49. ὅρα τὴν φ. Λ. οὐ συνεπισκέψῃ (8)  
 2. 5. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς Ἰσρ. (8)  
 — 7. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς [A<sup>1</sup> -ῇ] Ζαβ. (8)  
 — 9. **A** πάντες οἱ ἐπισκεμ. ἐκ τῆς φ. [B παρεμβολῆς] Ἰ. (8)  
 — 12. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ φυλῆς [A -ῇ] Σ. (8)  
 — 14. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ φυλῆς Γάδ (8)  
 — 20. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς [A<sup>1</sup> -ῇ] Μαν. (8)  
 — 22. οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς Βεν. (8)  
 — 27. **B** οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι αὐτοῦ φυλῆς [A B -ῇ] Ἀσθρ. (8)  
 — 29. **A** **B** οἱ παρεμβάλλοντες ἐχόμενοι φυλῆς Νεφθ. (8)  
 3. 6. λάβε τὴν φ. Λευὶ (8)  
 4. 18. μὴ ἀλεθρεύσῃς τὴν φ. τὸν δῆμον τὸν Κ. (8 a)  
 7. 2. οὗτοι ἀρχοντες φυλῆς (8)  
 — 12. ἀρχων τῆς φ. Ἰ. (8)  
 — 18. ἀρχων τῆς φ. Ἰσρ. (8)  
 10. 15. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 16. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ζαβ. (8)  
 — 19. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Συμ. (8)  
 — 20. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Γάδ (8)  
 — 23. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Μαν. (8)  
 — 24. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Βεν. (8)  
 — 26. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Ἀ. (8)  
 — 27. ἐπὶ τῆς δυνάμεως φυλῆς υἱῶν Νεφθ. (8)  
 13. 3 (2). ἀνδρὰ ἓνα κατὰ φυλὴν (8)  
 — 5 (4). τῆς φ. Ἰ. (8)  
 — 6 (5). τῆς φ. Συμ. (8)

Nu. 13. 7 (6). τῆς φ. Ἰ. (8)  
 — 8 (7). τῆς φ. Ἰσρ. (8)  
 — 9 (8). τῆς φ. Ἐφρ. (8)  
 — 10 (9). τῆς φ. Βερ. (8)  
 — 11 (10). τῆς φ. Ζαβ. (8)  
 — 12 (11). τῆς φ. Ἰ. τῶν υἱῶν Μαν. (8)  
 — 13 (12). τῆς φ. Δάν (8)  
 — 14 (13). τῆς φ. Ἀσθρ. (8)  
 — 15 (14). τῆς φ. Νεφθ. (8)  
 — 16 (15). τῆς φ. Γάδ (8)  
 17. 3 (18). κατὰ φυλὴν οἴκου πατριῶν αὐ. +  
 18. 2. τοὺς ἀδελφούς σου φυλὴν Λευὶ... προσ- αγάγον (8)  
 24. 2. καθορὰ τὸν Ἰσρ. ἐστρατοπεδεύετο κατὰ φυλάς (8 a)  
 25. 5. εἶπε Μ. ταῖς φ. Ἰσρ. +  
 26. 55. κατὰ φυλάς πατριῶν αὐ. κληρονομί- σουσιν (8)  
 27. 11. τῷ οἰκείῳ τῷ Ἰσρ. αὐτοῦ ἐκ τῆς φ. αὐ. (7)  
 30. 2. **A B** ἐλάλησε Μ. πρὸς τοὺς ἀρχοντας τῶν φ. υἱῶν [B om.] Ἰσρ. (8)  
 31. 4. χιλιούς ἐκ φυλῆς χιλιούς ἐκ φυλῆς ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 ter)  
 — 5. χιλιούς ἐκ φυλῆς (8)  
 — 6. χιλιούς ἐκ φυλῆς χιλιούς ἐκ φυλῆς [B<sup>2</sup> om. ἐκ φ.] (8, -)  
 32. 28. καὶ τοὺς ἀρχοντας πατριῶν τῶν φ. Ἰσρ. (8)  
 — 33. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 a)  
 38. 54. κατακληρονομήσετε τὴν γῆν αὐ. ... κατὰ φυλάς ὑ. (7)  
 — 54. κατὰ φυλάς πατριῶν ὑμῶν κληρονομήσετε (8)  
 34. 13. δοῦναι αὐτὴν ταῖς ἐνέα φ. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8, 8)  
 — 14. ἔλαβε φυλὴν υἱῶν Ἰ. καὶ φυλὴν υἱῶν Γάδ (8, 8)  
 — 14. τὸ ἡμισυ φυλῆς Μ. ἀπέλαβον τοὺς κλήρους αὐ. (8)  
 — 15. δύο φυλαὶ καὶ ἡμισυ φυλῆς ἀπέλαβον (8, 8)  
 — 18. ἀρχοντα ἓνα ἐκ φυλῆς λήψεσθε (8)  
 — 19. τῆς φ. Ἰ. Χαλὶβ (8)  
 — 20. τῆς φ. Συμ. Σαλ. (8)  
 — 21. τῆς φ. Βεν. Ἐλδὰδ (8)  
 — 22. τῆς φ. Δάν ἀρχων Β. (8)  
 — 23. τῶν υἱῶν Ἰ. φυλῆς υἱῶν Μαν. ἀρχων Ἀν. (8)  
 — 24. τῆς φ. υἱῶν Ἐφρ. ἀρχων Κ. (8)  
 — 25. τῆς φ. Ζαβ. ἀρχων Ἐλ. (8)  
 — 26. τῆς φ. υἱῶν Ἰσρ. ἀρχων Φ. (8)  
 — 27. τῆς φ. υἱῶν Ἀ. ἀρχων Ἀχ. (8)  
 — 28. τῆς φ. Νεφθ. ἀρχων Φ. (8)  
 36. 1. οἱ ἀρχοντες φυλῆς υἱῶν Γ. ... ἐκ τῆς φ. υἱῶν Ἰ. (7, 7)  
 — 3. ἔσονται ἐν τῶν φ. υἱῶν Ἰσρ. γυναῖκες (8 a)  
 — 3. προστεθήσεται εἰς κληρονομίαν τῆς φ. (8)  
 — 4. προστεθήσεται... ἐπὶ τὴν κληρονομίαν τῆς φ. (8)  
 — 4. ἀπὸ τῆς κληρονομίας φυλῆς πατριᾶς ἡμῶν (8)  
 — 5. οὗτας φυλὴν υἱῶν Ἰ. λέγουσι (8)  
 — 7. οὐχὶ περυστριφίσεις... ἀπὸ φυλῆς ἐπὶ φυλὴν (8, 8)  
 — 7. ἕκαστος ἐν τῇ κληρονομίᾳ τῆς φ. τῆς πατριᾶς αὐ. (8)  
 — 8. πᾶσα θυγάτηρ... ἐκ τῶν φ. [A om. ἐκ τ. φ.] υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 9. οὐ περιστραφήσεται κληρὸς ἐκ φυλῆς ἐπὶ φ. ἑτέραν (8, 8)  
 — 12. ἐγενήθη ἡ κληρονομία αὐ. ἐπὶ τὴν φ. δῆμον (8)  
 De. 1. 13. δότε αὐτοῖς ἀνδρας σοφούς... εἰς τὰς φ. ὑ. (8 a)  
 — 23. πᾶνδρα ἓνα κατὰ φυλὴν (8 a)  
 3. 13. ἔδωκα τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 a)  
 5. 23 (20). πάντες οἱ ἡγουμένοι τῶν φ. ὑμῶν (8 a)  
 10. 8. διεστείλε κύριος τὴν φ. τὴν Λ. (8 a)  
 12. 5. **A** ἐν μιᾷ τῶν φ. [B πόλεων] ὑμῶν (8 a)  
 — 14. ἐν μιᾷ τῶν φ. [A πόλεων] σου (8 a)  
 16. 18. αἷς κ. ὁ θεός σου διδασί σοι κατὰ φυλάς (8 a)  
 18. 1. οὐκ ἔσται τοῖς ἱ. τοῖς Λ. δὴν φ. Λ. (8 a)  
 — 5. αὐτὸν ἐξελέξατο κ. ἐκ πασῶν τῶν φ. σου (8 a)  
 29. 8 (7). ἔδωκα αὐτὴν... τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 a)  
 — 18 (17). μὴ τίς ἐστιν ἐν ὑμῶν... φυλὴ Ἰσρ. (8 a)  
 38. 5. συναχθέντων ἀρχόντων λαῶν ἅμα φυλαῖς Ἰσρ. (8 a)  
 Jo. 1. 12. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. εἶπεν Ἰ. (8 a)  
 3. 12; 4. 2, 4. ἓνα ἀφ' ἐκάστης φ. (8 a)  
 4. 5. κατὰ τὸν ἀριθμὸν τῶν δώδεκα [A om.] φ. τοῦ Ἰσρ. (8 a)

- Jo. 4. 12. διέβησαν . . . οἱ ἡμίσεις φυλῆς Μαν. (8 α)  
 7. 1. ἔλαβεν Ἀ. . . ἐκ τῆς φ. Ἰ. ἀπὸ τοῦ ἀναπέμψαντος (8)  
 — 14. συναχθῆσθε πάντες τὸ πρωὶ κατὰ φυλάς (8 α)  
 — 14. ἡ φ. ἦν ἄν δείξῃ κύριος (8 α)  
 — 16. προσήγγινε τὸν λαὸν κατὰ φυλάς (8 α)  
 — 16. ἐνδείχθη ἡ φ. Ἰ. (8 α)  
 11. 23. ἔδωκεν αὐτοὺς . . . ἐν μερισμῷ κατὰ φυλάς αὐ. (8 α)  
 12. 6. ἔδωκεν αὐτὴν . . . τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 7. ἔδωκεν αὐτὴν Ἰ. ταῖς φ. Ἰσρ. (8 α)  
 13. 7. μερίσαν τὴν γῆν τ. . . ταῖς ἐννέα φ. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς [Α τῆς φ.] Μαν. (8 α, 8 α)  
 — 8. ταῖς φ. [Α δὲ δύο φ.] καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. —, —  
 — 14. πλὴν τῆς φ. [Α τῆς φ. τῇ] Α. οὐκ ἐδόθη (8 α)  
 — 15. ἔδωκε Μ. τῇ φ. Ἰ. (8)  
 — 29. ἔδωκε Μ. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 31. Α<sup>2</sup> τοῖς ἡμίσειν τῆς φ. Μαν. [Β α.] †  
 — 31. Α<sup>2</sup> ἐγενήθησαν τὰ ὅρια κατὰ φυλάς αὐ. (7 †)  
 14. 1. καὶ οἱ ἀρχόντες πατριῶν φυλῶν τῶν υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 2. ἐκληρονόμησαν . . . ταῖς ἐννεα φ. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς (8, 8)  
 — 4. ἦσαν οἱ υἱοὶ Ἰ. δύο φυλαὶ Μαν. καὶ Ἐφρ. (8)  
 15. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια φυλῆς Ἰ. (8)  
 — 20. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰ. (8)  
 — 21. πόλεις πρὸς τῇ φ. [Α πόλεις πρώτῃ φυλῆς] υἱῶν Ἰ. (8)  
 16. 8. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς [Α φ. υἱῶν] Ἐφρ. (8)  
 17. 1. ἐγένετο τὰ ὅρια φυλῆς υἱῶν Μαν. (8)  
 18. 2. κατελείφθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . ἐπτα φυλαὶ (8 α)  
 — 4. δότε εἰς ἡμῶν ἄνδρας τρεῖς ἐκ φυλῆς (8 α)  
 — 7. καὶ τὸ ἡμισυ φυλῆς [Α<sup>2</sup> add. υἱῶν] Μαν. (8 α)  
 — 11. Α<sup>2</sup> Β<sup>2</sup> Ε<sup>2</sup> ἐξήλθεν οὗ κληρος φυλῆς [Β om.] Βεν. (8)  
 19. 8. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. (8)  
 — 9. ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Σ. —  
 — 16. Β αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς [Α Β τῆς φ.] υἱῶν Ζ. —  
 — 23. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἰσρ. (8)  
 — 31. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ἀ. (8)  
 — 39. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Ν. (8)  
 — 48. αὕτη ἡ κληρονομία φυλῆς υἱῶν Δαν. (8)  
 — 51. ἀς κατακληρονόμησεν . . . ἐν ταῖς φ. Ἰσρ. (8)  
 20. 8. ἀπὸ τῆς φ. Ἰ. (8)  
 — 8. Β ἐκ τῆς φ. Γαδ (8)  
 — 8. ἐκ τῆς φ. Μαν. (8)  
 21. 1. ἐκ τῶν φ. [Α φ. τῶν υἱῶν] Ἰσρ. (8)  
 — 4. ἀπὸ φυλῆς Ἰ. καὶ ἀπὸ φυλῆς Σ. καὶ ἀπὸ φυλῆς [Α τῆς φ.] Βεν. (8 ter)  
 — 5. τοῖς κατακλημμένους ἐκ τῆς φ. Ἐφρ. καὶ ἐκ τῆς φ. Δαν καὶ ἀπὸ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (7 + 8, 8)  
 — 6. Α Β<sup>2</sup> ἀπὸ τῆς φ. Ἰσρ. καὶ ἀπὸ τῆς φ. Ἀ. (7 + 8, 8)  
 — 6. καὶ ἀπὸ τῆς φ. Ν. καὶ ἀπὸ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8, 8)  
 — 7. ἀπὸ φυλῆς [Α τῆς φ.] Ἰ. καὶ ἀπὸ φυλῆς [Α τῆς φ.] Γαδ καὶ ἀπὸ φυλῆς [Α τῆς φ.] Ζαβ. (8 ter)  
 — 9. ἔδωκεν ἡ φ. υἱῶν Ἰ. καὶ ἡ φ. υἱῶν Συμ. καὶ ἀπὸ τῆς φ. υἱῶν Βεν. τὰς πόλεις ταύτας (8, 8, —)  
 — 16. πόλεις ἐννέα παρὰ τῶν δύο φ. τούτων (8 α)  
 — 17. καὶ παρὰ τῆς φ. Βεν. τὴν Γ. (8)  
 — 20. ἐγενήθη πόλις τῶν ἱ. αὐ. ἀπὸ φυλῆς Ἐφρ. (8)  
 — 23. καὶ ἐκ τῆς φ. Δαν τὴν Ἐλκ. (8)  
 — 25. καὶ ἀπὸ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς [Β<sup>2</sup> τῆς φ.] Μαν. (8)  
 — 27. καὶ τοῖς υἱοῖς Γ. . . ἐκ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8)  
 — 28. καὶ ἐκ τῆς φ. Ἰσρ. τὴν Κ. (8)  
 — 30. καὶ ἐκ τῆς φ. Ἀ. τὴν Β. (8)  
 — 32. καὶ ἐκ τῆς φ. Νεφ. (8)  
 — 34. ἐκ τῆς φ. [Α φ. υἱῶν] Ζαβ. (8)  
 — 36. καὶ πέραν τοῦ Ἰορδάνου . . . ἐκ τῆς φ. Ἰ. —  
 — 37 (36). καὶ ἀπὸ τῆς φ. Γαδ (8)  
 — 38. τῶν καταλειμμένων ἀπὸ τῆς φ. Λ. (7)  
 22. 1. καὶ τὸ ἡμισυ φυλῆς Μαν. (8)  
 — 7. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 9. Β καὶ τὸ ἡμισυ φυλῆς υἱῶν [Α Β om.] Μαν. (8 α)  
 Jo. 22. 10, 11. καὶ τὸ ἡμισυ φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 13. καὶ πρὸς τοὺς υἱοὺς ἡμίσιου φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 14. ἀπὸ πασῶν φ. [Α τῶν φ.] Ἰσρ. (8)  
 — 15. καὶ πρὸς τοὺς ἡμίσιους φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 21. καὶ τὸ ἡμισυ φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 30. καὶ τὸ ἡμισυ φυλῆς Μαν. †  
 — 31. καὶ τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. †  
 — 32. οἱ ἀρχόντες . . . ἀπὸ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. —  
 — 33. ἐξολοθρεύσαι τὴν γῆν . . . τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. —  
 — 34. ἐπονόμασεν Ἰ. τὸν βαμὸν . . . τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. —  
 23. 4. τὰ ἔθνη τὰ καταλείψαντες . . . εἰς τὰς φ. ἡμῶν (8 α)  
 24. 1. συνήγαγεν Ἰ. πάσας φ. [Α τὰς φ.] Ἰσρ. (8 α)  
 Jd. 13. 2. Α ἐκ τῆς φ. τοῦ Δαν [Β α.] (7)  
 18. 1. ἡ φ. Δαν ἐζήτησεν αὐτῇ κληρονομίαν (8 α)  
 — 1. οὐκ ἐνέπεσεν αὐτῇ . . . ἐν μέσῳ φυλῶν Ἰσρ. κληρονομία (8 α)  
 — 19. ἡ γενεὰ σὲ ἱερεῖα φυλῆς (8 α)  
 — 30. ἦσαν ἱερεῖς τῆς φ. Δαν (8 α)  
 19. 29. Α ἐπαύστηται ἐν αὐτὰς εἰς πάσας τὰς φ. τοῦ Ἰσρ. [Β α.] †  
 20. 2. ἐστάθησαν . . . πάσαι αἱ φ. τοῦ Ἰσρ. [Α α.] (8 α)  
 — 10. ληψάμεθα δέκα ἄνδρας . . . εἰς πάσας φ. [Α ταῖς π. φ.] Ἰσρ. (8 α)  
 — 12. ἀπέστειλαν φ. Ἰσρ. ἄνδρας ἐν πάσῃ φ. Βεν. (8 α, 8 α)  
 21. 3. τοῦ ἐπισκεπῆναι σήμερον ἀπὸ Ἰσρ. φ. μίαν (8 α)  
 — 5. τίς οὐκ ἀνέβη . . . ἀπὸ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 α)  
 — 6. ἐξεκότη σήμερον φ. μία ἀπὸ Ἰσρ. (8 α)  
 — 8. τίς εἰς ἀπὸ φυλῶν Ἰσρ. [Α α.] (8 α)  
 — 15. ἐποίησε κ. διακοπὴν ἐν ταῖς φ. Ἰσρ. (8 α)  
 — 17. οὐκ ἐξελείφθησεται φυλὴ ἀπὸ Ἰσρ. (8 α)  
 — 24. περιεπάτησαν . . . ἀλλή ἐκ φυλῆν [Α τὴν φ.] αὐ. (8 α)  
 Ru. 3. 11. οἶδε γὰρ πᾶσα φ. λαοῦ μου †  
 4. 10. ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. καὶ ἐκ τῆς φ. λαοῦ αὐ. †  
 I Ki. 9. 21. τοῦ μικροῦ σκίπτρου φυλῆς Ἰσρ. (8 α)  
 — 21. καὶ τῆς φ. τῆς ἐλαχίστης ἐξ ὅλου σκίπτρου Β. (7)  
 10. 19. κατὰσπῃτε ἐνὸπιον κυρίου . . . κατὰ τὰς φ. [Α χιλιάδας] ἡμῶν †  
 — 21. προσάγει σκίπτρου Βεν. εἰς φυλάς (7)  
 — 21. κατακληροῦται φυλὴ Μαν. (7)  
 — 21. προσάγουσι τὴν φ. Μαν. εἰς ἄνδρας —  
 15. 17. ἡγούμενος σκίπτρου φυλῆς Ἰσρ. (8 α)  
 20. 6. θυσία τῶν ἡμερῶν ἐκεῖ δὴ τῇ φ. (7)  
 — 29. θυσία τῆς φ. ἡμῶν ἐν τῇ πόλει (7)  
 29. 3. Α οὐχ οὗτος Δ. ὁ δούλος Σ. φυλῆς [Β βασιλεὺς] Ἰσρ. †  
 II Ki. 5. 1. παραγγίνονται πάσαι αἱ φ. Ἰσρ. (8 α)  
 7. 7. εἰ λαλὼν ἐλάλησα πρὸς μίαν φ. τοῦ Ἰσρ. (8 α)  
 15. 2. ἐκ μίας φυλῶν Ἰσρ. ὁ δούλος σου (8 α)  
 — 10. ἀπέστειλεν Ἀβ. κατασκόπους ἐν πάσαις φ. Ἰσρ. (8 α)  
 19. 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λαὸς κρινόμεν. ἐν πάσαις φ. Ἰσρ. (8 α)  
 20. 14. διήλθεν ἐν πάσαις φ. Ἰσρ. (8 α)  
 24. 2. διέλθε δὴ πάσας φ. Ἰσρ. (8 α)  
 III Ki. 7. 14. καὶ οὗτος ἀπὸ τῆς φ. Ν. (8)  
 11. 32. ἦν ἐξελεξάμεν ἐν αὐτῇ ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 α)  
 12. 24. Β συνήθροισεν ἐκεῖ τὰς φ. τοῦ Ἰσρ. —  
 — 24. Β τὰς λέγει κύριος ἐπὶ τὰς δέκα φ. τοῦ Ἰσρ. —  
 14. 21. ἦν ἐξελέξατο . . . ἐκ πασῶν φ. τοῦ Ἰσρ. (8 α)  
 18. 31. κατ' ἀριθμὸν φυλῶν τοῦ Ἰσρ. (8 α)  
 IV Ki. 17. 18. οὐχ ὑπελείφθη πλὴν φυλὴ Ἰ. μονωτάτη (8 α)  
 21. 7. ἐξελεξάμεν ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 α)  
 I Ch. 5. 18. καὶ ἡμισυ φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 23. οἱ ἡμίσεις φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 26. μετώπισε . . . τὸ ἡμισυ φυλῆς Μαν. (8 α)  
 6. 60 (45). καὶ ἐκ φυλῆς Βεν. καὶ τὴν Γ. (8)  
 — 61 (46). ἐκ τῆς φ. ἐκ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8, 8)  
 — 62 (47). ἐκ φυλῆς Ἰσρ. ἐκ φυλῆς Ἀ. ἐκ φυλῆς Νεφθ. ἐκ φυλῆς Μαν. (8 quater)  
 — 63 (48). ἐκ φυλῆς Ἰ. ἐκ φυλῆς Γαδ ἐκ φυλῆς Ζαβ. (8 ter)  
 — 65 (50). ἐκ φυλῆς υἱῶν Ἰ. καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Συμ. (8, 8)  
 — 65 (50). Β καὶ ἐκ φυλῆς υἱῶν Βεν. (8)  
 I Ch. 6. 66 (51). ἐγένοντο πόλεις . . . ἐκ φυλῆς Ἐφρ. (8)  
 — 70 (55). ἀπὸ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8)  
 — 71 (56). ἀπὸ πατριῶν ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8)  
 — 72 (57). καὶ ἐκ φυλῆς Ἰσρ. τὴν Κ. (8)  
 — 74 (59). καὶ ἐκ φυλῆς Ἀ. τὴν Μ. (8)  
 — 76 (61). καὶ ἀπὸ φυλῆς Νεφθ. τὴν Κ. (8)  
 — 77 (62). ἐκ φυλῆς Ζαβ. τὴν Ρ. (8)  
 — 78 (63). ἐκ φυλῆς Ρ. τὴν Βοσὺρ (8)  
 — 80 (65). ἐκ φυλῆς Γαδ τὴν Ρ. (8)  
 12. 29. Α ἀπεσκόπει τὴν φ. [Β φ. φυλακὴν] οἴκου Σ. †  
 — 31. ἀπὸ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8)  
 — 37. ἀπὸ τοῦ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8 α)  
 17. 6. εἰ λαλὼν ἐλάλησα πρὸς μίαν φ. †  
 23. 14. υἱοὶ αὐ. ἐκλήθησαν εἰς φυλὴν τοῦ Ἀ. (8 α)  
 26. 1. Β εἰς διαιρέσεις τῶν φ. [Α Β πωλῶν] †  
 — 32. καὶ ἡμίσιος φυλῆς Μαν. (8 α)  
 27. 16. καὶ ἐπὶ τῶν φ. Ἰσρ. (8 α)  
 — 20. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. (8 α)  
 — 21. τῷ ἡμίσει φυλῆς Μαν. —  
 — 22. οὗτοι πατριάρχαι τῶν φ. Ἰσρ. (8 α)  
 II Ch. 5. 2. καὶ πάντας τοὺς ἀρχόντας τῶν φ. (8)  
 6. 5. οὐκ ἐξελεξάμεν ἐν πόλει ἀπὸ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 α)  
 11. 16. ἐξέβαλεν αὐτοὺς ἀπὸ φυλῶν Ἰσρ. (8 α)  
 12. 13. ἐκ πασῶν φ. υἱῶν [Α om.] Ἰσρ. (8 α)  
 33. 7. ἦν ἐξελεξάμεν ἐκ πασῶν φ. Ἰσρ. (8 α)  
 I Es. 1. 4. κατὰ τὰς πατριαὶς καὶ τὰς [Α om.] φ. ἡμῶν —  
 — 10. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . κατὰ τὰς φ. —  
 2. 8. οἱ ἀρχιφυλοὶ τῶν πατριῶν τῆς Ἰ. καὶ Βεν. φυλῆς —  
 5. 1. ἀρχηγοὶ οἴκου πατριῶν κατὰ φυλάς αὐ. —  
 — 4. κατὰ πατριαὶς αὐ. εἰς τὰς φ. —  
 — 5. ἐκ τῆς γενεᾶς Φ. φυλῆς δὲ Ἰούδα —  
 — 66. ἀκούσαντες οἱ ἐχθροὶ τῆς φ. Ἰ. καὶ Βεν. —  
 7. 9. ἔστησαν οἱ ἱερεῖς . . . κατὰ φυλάς —  
 9. 5. ἐπισυνήχθησαν οἱ ἐκ τῆς φ. Ἰ. —  
 II Es. 6. 17. εἰς ἀριθμὸν φυλῶν Ἰσρ. (8 δ)  
 To. 1. 1. Τωβείτ . . . ἐκ τῆς [Β om.] φ. Νεφθ. —  
 — 4. πᾶσα φ. τοῦ [Β φ.] Νεφθ. . . ἀπέστη ἀπὸ τοῦ οἴκου Ἰερ. —  
 — 4. τῆς ἐκλογῆς ἀπὸ πασῶν τῶν φ. Ἰσραὴλ [Β α.] —  
 — 4. εἰς τὸ θυσιάζειν πάσας τὰς φ. [Β πάσαις φ.] Ἰσρ. —  
 — 5. πάσαι αἱ φ. αἱ συναποστᾶσαι ἔθνον τῇ Βαβ. [Β<sup>2</sup> α.] —  
 4. 12. Α Β ἡ οὐκ ἔστιν ἐκ τῆς φ. τοῦ πατρὸς σου —  
 5. 8. ποῖος [Β ἐκ π.] φ. ἐστὶ —  
 — 10. ἐκ ποῖας φ. . . εἰ σὺ [Β α.] —  
 — 11. Α Β φυλὴν καὶ πατρίαν σὺ ζητεῖς —  
 — 11. Β τί χρειαίον ἔχεις φυλῆς —  
 — 13. ἐζήτησα τὴν φ. σου . . . ἐπιγῶναι [Β α.] —  
 Ju. 3. 8. ὅπως . . . πάσαι αἱ φ. αὐ. ἐπικυκλίσανται αὐτὸν [Α Β α.] —  
 6. 15. Ὁζ. ὁ τοῦ Μ. ἐκ τῆς φ. Συμ. —  
 8. 2. ὁ ἀνὴρ αὐ. Μαν. τῆς [Β ἐκ τῆς] φ. αὐ. —  
 — 18. οὐκ ἀνέστη . . . φυλὴ —  
 9. 14. καὶ πάσης φ. ἐπιγινώσκου —  
 Es. 1. 1. Μαρδοχαῖος ὁ τοῦ Ἰ. . . ἐκ φυλῆς [Α Β<sup>2</sup> τῆς φ.] Βεν. —  
 2. 5. Μαρδ. ὁ τοῦ Ἰ. . . ἐκ φυλῆς Βεν. †  
 3. 13. ἐν πύσαις ταῖς κατὰ τὴν οἰκουμένην φ. —  
 4. 17. ἐν φυλῇ [Β ἐκ φυλῆς] πατριαὶς μου [Α α.] —  
 Ps. 71 (72). 17. εὐλογηθήσονται ἐν αὐτῷ πάσαι αἱ φ. τῆς γῆς (3 †)  
 77 (78). 55. κατεσκήνωσεν ἐν τοῖς σκηνώμασιν αὐ. τὰς φ. [Β<sup>2</sup> ταῖς φ.] τοῦ Ἰσρ. (8 α)  
 — 67. τὴν φ. Ἐφραὶμ οὐκ ἐξελέξατο (8 α)  
 — 68. ἐξελέξατο τὴν φ. Ἰούδα (8 α)  
 104 (105). 37. οὐκ ἦν ἐν ταῖς φ. αὐτῶν ἀσθενῶν (8 α)  
 121 (122). 4. Β<sup>2</sup> Ε<sup>2</sup> ἐκεῖ γὰρ ἀνέβησαν αἱ φ. φυλαὶ [Α α φ., Β<sup>2</sup> om.] κυρίου μαρτύριον τῷ Ἰσραὴλ (8 α, 8 α)  
 Pr. 14. 34. ελασσονοῦσι δὲ φυλάς ἁμαρτίαι (4)  
 Si. 18. 4. φυλὴ δὲ ἀνάναν ἐρημωθήσεται —  
 33 (38). 11. συναγε πάσας φυλάς Ἰακώβ —  
 44. 23. ἐν φυλαῖς ἐμίρσε δέκα δύο —  
 45. 6. Ἀ. ὑψώσεν ἀγιον . . . ἐκ φυλῆς Λευὶ —  
 — 11. κατ' ἀριθμὸν φυλῶν [Β<sup>2</sup> φυλάσων] Ἰσρ. —  
 — 25. διαθήκην τῷ Δαυὶδ υἱῷ [Α Β<sup>2</sup> υἱῷ Ἰσραὴλ] ἐκ φυλῆς Ἰούδα —  
 48. 10. καταστήσαι φυλάς Ἰακώβ —  
 Ho. 5. 9. ἐν ταῖς φ. τοῦ Ἰσρ. εἰδείξα πιστά (8 α)  
 Am. 1. 5. κατακόψω φυλὴν ἐξ ἀνδρῶν Χ. (8 α)  
 — 8. ἐξερθήσεται φυλὴ ἐξ Ἀσκάνων (8 α)

Am. 8. 1. καὶ κατὰ πάσης φ. ἥς ἀνήγαγον (7)  
 — 2. Β ὑμᾶς ἔγνων ἐκ πασῶν φ. [A. E. τῶν φ.] γῆς (7)  
 — 12. ἐκπασιθίσονται . . . κατέναντι τῆς [A. om.] φ. +  
 Mi. 2. 3. λογιζομαι ἐπὶ τὴν φ. ταύτην κακὰ (7)  
 5. 1 (4. 14). A. B πατάξουσιν ἐπὶ σιαγόνας τὰς φ. τοῦ Ἰσρ. [B. al.] (6)  
 6. 9. ἄκουε, φυλή (7)  
 7. 14. A. ποίμαινε . . . φυλὴν [B. om.] σου πρό-  
 βυτα κληρονομίας σου (8 a?)  
 Na. 3. 4. A. B<sup>2</sup> ἡ πλοῦσα . . . φυλάς [B. B<sup>1</sup> λαοῦς] ἐν τοῖς φαρμάκοις αὐ. (7)  
 Hg. 1. 1. εἰπὼν πρὸς Ζορ. τὸν τοῦ Σαλ. ἐκ [A. τὸν ἐκ] φυλῆς ἰ. +  
 — 12. ἤκουσε Ζορ. ὁ τοῦ Σαλ. ἐκ [A. ὁ ἐκ] φυλῆς ἰ. -  
 — 14. ἐξήγειρε κ. τὸ πνεῦμα Ζορ. τοῦ Σ. ἐκ φυλῆς ἰ. +  
 2. 3 (2). εἰπὼν δὲ πρὸς Ζορ. τὸν Σαλ. ἐκ φυλῆς ἰ. +  
 — 22 (21). εἰπὼν πρὸς Ζορ. τὸν τοῦ Σ. ἐκ φυλῆς ἰ. +  
 Za. 9. 1. κύριος ἐφόρᾳ . . . πάσας φ. τοῦ Ἰσρ. (8 a)  
 12. 12. κόπεται ἡ γῆ κατὰ φυλάς φυλάς [B. om.] (7, 7)  
 — 12. A. φυλὴ φυλὴ καθ' ἑαυτὴν - , -  
 — 12. φυλὴ οἴκου D. καθ' ἑαυτὴν (7)  
 — 12. φυλὴ οἴκου N. καθ' ἑαυτὴν (7)  
 — 13. φυλὴ οἴκου A. καθ' ἑαυτὴν (7)  
 — 13. φυλὴ τοῦ Σ. καθ' ἑαυτὴν (7)  
 — 14. πᾶσαι αἱ ὑπολειμμέναι φ. [A. φ. αἱ ὑ.] (7)  
 — 14. B<sup>2</sup> φυλὴ φυλὴ [ABB<sup>1</sup> om.] καθ' ἑαυτὴν (7, 7)  
 14. 17. B. ὅσοι ἐν μὴ ἀναβῶσιν ἐκ πασῶν φ. [A. B. E. τῶν φ.] τῆς γῆς (7)  
 — 18. ἐὰν δὲ φυλὴ Αἰγύπτου μὴ ἀναβῇ (7)  
 Is. 19. 13. πλανήσουσιν Αἰγύπτιον κατὰ φυλάς (8 a)  
 49. 6. τοῦ στήθους τὰς φ. ἰακῶβ (8 a)  
 68. 17. διὰ τὰς φ. τῆς κληρονομίας σου (8 a)  
 Ez. 19. 11. ἐγένετο αὐτῇ ῥάβδος ἐπὶ φυλὴν ἡγου-  
 μένων [A. al.] (8 a)  
 — 14. φ. εἰς παραβολὴν θρήνου ἐστὶ (8 a)  
 20. 32. ἐσόμεθα ὡς τὰ ἔθνη καὶ ὡς αἱ φ. τῆς γῆς (7)  
 21. 13 (18). A. ἔτι εἰ καὶ φ. ἀποσθῆς [B. al.] (8 a)  
 37. 19. λήψομαι τὴν φ. Ἰσραήλ . . . καὶ τὰς φ. Ἰσραήλ . . . δώσω αὐτοὺς ἐπὶ τὴν φ. ἰουδα (+, 8 a, +)  
 45. 8. κατακληρονομήσουσιν οἴκος Ἰσραήλ κατὰ φυλάς αὐτῶν (8 a)  
 47. 13. ταῖς δώδεκα φ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ πρόσ-  
 θεσις σχοινομάτου (8 a)  
 — 21. ταῖς φ. τοῦ Ἰσραήλ βαλεῖτε αὐτὴν (8 a)  
 — 22. ἐν μέσφ τῶν φ. [A. υἱῶν] τοῦ Ἰσρ. (8 a)  
 — 23. ἔσονται ἐν φυλῇ προσηλύτων (8 a)  
 48. 1. ταῦτα τὰ ὀνόματα τῶν φ. (8 a)  
 — 19. ἐργῶνται αὐτὴν ἐκ πασῶν τῶν φ. τοῦ Ἰσραήλ (8 a)  
 — 23. τὸ περισσόν τῶν φ. (8 a)  
 — 29. ἢν βαλεῖτε ἐν κληρῷ ταῖς φ. Ἰσρ. (8 a)  
 — 31. ἐπ' ὀνόματι φυλῶν [A. τῶν φ.] τοῦ Ἰσρ. (8 a)  
 Da. LXX. 3. 2. ἐπισυναγαγείν . . . φυλάς -  
 — 7. πίπτοντα πάντα τὰ ἔθνη φυλαὶ καὶ γλώσσαι (1)  
 — 29 (96). πᾶν ἔθνος καὶ πᾶσαι φ. (1)  
 — 31 (98). Ναβ. ὁ βασι. πᾶσι τοῖς λαοῖς φυλαῖς (1)  
 Bel. tit. ἐκ προφητείας Ἀμφι υἱοῦ ἰ. ἐκ τῆς φ. Λ. (1)  
 Da. LXX. 3. 4. ὑμὶν λέγεται . . . φυλαὶ γλώσσαι (1)  
 — 7. πίπτοντες οἱ λαοὶ φυλαὶ [A. om.] (1)  
 — 29 (96). πᾶς λαὸς φυλὴ γλώσσα (1)  
 — 31 (98). Ναβ. ὁ βασι. πᾶσι τοῖς λαοῖς φυλαῖς (1)  
 5. 19. πάντες οἱ λαοὶ φυλαὶ γλώσσαι (1)  
 6. 25 (26). ἔργαγε πᾶσι τοῖς λαοῖς φυλαῖς (1)  
 7. 14. πάντες οἱ λαοὶ φυλαὶ . . . δουλεύουσιν αὐτῷ (1)  
 I Ma. 7. 8. A. ἐπέλεξεν ὁ βασι. τὸν B. τῶν φ. [B. E. φυλῶν] τοῦ βασι. (1)  
 II Ma. 8. 4. Σίμων δὲ τις ἐκ τῆς Βεν. φυλῆς [Aq. Jo. 15. 21: Ps. 64 (65). 8: Is. 34. 1: J. E. 51 (28). 58.] (1)  
 [Sm. Nu. 1. 21, 47: Jo. 15. 21: Jb. 37. 13: Ps. 43 (44). 15: Am. 3. 2 (P.).] (1)  
 [Th. Nu. 1. 21, 47: Jo. 15. 21: Is. 34. 1: J. E. 51 (28). 58.] (1)  
 [Al. Ge. 49. 28: Le. 25. 47: Nu. 4. 18: Dt. 1. 15: 12. 5: 4 Ki. 9. 21: II Ch. 11. 16.] (1)  
 [Quint. Ps. 78 (74). 2.] (1)  
 φύλλον. (1) ἡγῶ (2) ἔγῳ  
 Ge. 8. 7. ἔρραψαν φύλλα συκῆς (1)  
 8. 11. εἶχε φύλλον ἐλαίας κάρφος (1)

Le. 28. 36. διώζεται αὐτοὺς φωνὴ φύλλον φερο-  
 μένου (1)  
 Ne. 8. 15. ἐνέγκατε φύλλα ἐλαίας καὶ φύλλα  
 ἔϋλων κυπαρισσίων καὶ φύλλα  
 μυρσίνης (1 ter)  
 — 15. A<sup>2</sup> B S καὶ φύλλα φοινίκων καὶ φύλλα  
 ἔϋλου δασέος (1, 1)  
 Jb. 18. 25. ἡ ὥς φύλλον κινούμενον ὑπὸ ἀνέμου  
 εὐλαβηθῆση (1)  
 Ps. 1. 3. τὸ φ. αὐτοῦ οὐκ ἀπορρυήσεται (1)  
 Pr. 11. 14. πίπτονται ὡς περ φύλλα [S<sup>1</sup> -ον] +  
 Si. 6. 3. τὰ φ. σου καταφάγεται  
 — 3. A. ἀφίσεις σεαυτὸν ὡς φύλλον [B. S. ἔϋλον] ἐθρόν (1)  
 14. 18. ὡς φύλλον θάλλον ἐπὶ δένδρου δασέος  
 Hg. 2. 20 (19). S<sup>1</sup> τὰ φ. [A. B. S<sup>2</sup> ἔϋλα] τῆς  
 ἐλαίας τὰ οὐ φέροντα καρπὸν +  
 Is. 1. 30. A. B. S. ὡς τερβάνθος ἀποβεβληκῦν  
 τὰ [B. om.] φ. (1)  
 34. 4. πεσείναι ὡς φύλλα ἐξ ἀμπέλου καὶ ὡς  
 πίπτει φύλλα ἀπὸ συκῆς (1, -)  
 64. 6 (5). ἐξερρῦνται ὡς φύλλα (1)  
 Je. 8. 13. τὰ φ. κατερρῖνται (1)  
 Da. Th. 4. 9. τὰ φ. αὐ. ὥραία (2)  
 — 11. ἐκτινάξεται τὰ φ. αὐ. (2)  
 — 18. καὶ τὰ φ. αὐ. εὐθαλῇ (2)  
 [Aq. Ps. 1. 3: Is. 34. 4.] (2)  
 [Sm. Jb. 18. 25: Is. 6. 13: 34. 4: Ez. 17. 9.] (2)  
 [Al. Ez. 47. 12.] (2)  
 φύλον.  
 III Ma. 4. 14. ἀπογραφῆκα διὰ πᾶν τὸ φ. ἐξ ὀνό-  
 ματος  
 5. 5. λήψομαι τὸ φ. πέρας τῆς ὀλεθρίας  
 [Aq. Ps. 2. 1: 43 (44). 3: 148. 11: Is. 51. 4.] (1)  
 [Sm. Is. 51. 4.] (1)  
 φύρμα. (1) ἡγῶ (2) ἔγῳ  
 Ex. 8. 3 (7. 28). εἰστέλεισονται . . . ἐν τοῖς φ.  
 σου [A<sup>1</sup> al.] (1)  
 12. 34. τὰ φ. αὐ. ἐνδεμένα ἐν τοῖς ἱματίοις αὐ. (1)  
 Nu. 15. 20, 21. ἀπαρχὴν φύρματος ὑμῶν (2)  
 [Quint. Ho. 7. 4.] (2)  
 φῦραν. (1) ἡγῶ (2) ἔγῳ (3) ἔγῳ hoph.  
 Ge. 18. 6. φύρασαν τρία μέτρα σεμιδάλεως (2)  
 Ex. 29. 2. ἄρτους ἀζύμους πεφυραμένους ἐν ἐλαίῳ  
 — 40. δέκατον σεμιδάλεως πεφυραμένης (1)  
 Le. 2. 4. ἄρτους ἀζύμους πεφυραμένους ἐν ἐλαίῳ (1)  
 — 5. σεμιδάλις πεφυραμένη ἐν ἐλαίῳ (1)  
 6. 21 (14). B. πεφυραμένη οἶσει αὐτὴν (8)  
 7. 2 (12) (A<sup>2</sup> B): 9. 4. καὶ σεμιδάλην πεφυρα-  
 μένην ἐν ἐλαίῳ (1)  
 14. 10. τρία δέκατα σεμιδάλεως εἰς θυσίαν  
 πεφυραμένης (1)  
 — 21. δέκατον σεμιδάλεως πεφυραμένης ἐν  
 ἐλαίῳ (1)  
 Nu. 15. 4. A. θυσίαν σεμιδάλεως . . . πεφυρα-  
 μένης ἐν τετάρτῳ τοῦ ἐν ἐλαίῳ [B. al.] (1)  
 I Ki. 28. 24. ἔλαβεν ἄλευρα καὶ ἐφύρασε (2)  
 II Ki. 18. 8. καὶ ἐφύρασε (2)  
 I Ch. 23. 29. εἰς τήγανον καὶ εἰς τὴν πεφυραμένην (3)  
 [Sm. J. E. 7. 18.] (3)  
 φύρασις. (1) ἔγῳ  
 Hō. 7. 4. ἀπὸ φύρασεως στίατος (1)  
 φῦρδην.  
 II Ma. 4. 41. φ. ἐνετίνασσαν εἰς τοὺς τὸν Λ.  
 φῦρεσθαι. (1) ἔγῳ a. hoph. (3) ἔγῳ  
 (2) ἔγῳ a. hithpo. (3) ἔγῳ  
 II Ki. 20. 12. Ἄμ. πεφυρμένοι ἐν τῷ αἵματι (2 a)  
 Jb. 7. 5. φῦρται δὲ μου τὸ σῶμα ἐν σαρκί  
 σκωλήκων (3)  
 30. 14. ἐν ὀδύναις πέφυρμαι (2 b)  
 39. 30. νεοσσοὶ δὲ αὐτοῦ φῦρονται ἐν αἵματι +  
 Is. 14. 20 (19). ἱμάτιον ἐν αἵματι πεφυρμένον (1 a)  
 Ez. 16. 6. ἴδον σε πεφυρμένην ἐν τῷ αἵματι σου (1 b)  
 — 22. πεφυρμένη ἐν τῷ αἵματι σου ἐζήσας (1 b)  
 III Ma. 4. 6. κόνει τὴν μυροβρεχτὴ πεφυρμένην κόμην  
 [Sm. Is. 9. 5 (4): La. 4. 14.] (1)  
 [Th. Pr. 10. 8.] (1)  
 [Hōb. J. E. 23. 14.] (1)  
 φῦρμός.  
 Ez. 7. 22 (23). ποιήσουσι φῦρμόν +

φῦσα.  
 [Sm., Th. Le. 1. 16.]  
 φῦσαν. (1) ἡγῶ  
 Wi. 11. 18. ἦτοι πυρπνόν [S. -έον] φῦσάντας ἀσθμα  
 Si. 28. 12. ἐὰν φύσηται σπινθήρ [A. εἰς σπ.]  
 48. 4. A. B<sup>2</sup> B κείμενον φῦσῶν [B. S<sup>1</sup> φυλάσσω] ἐν  
 ἔργοις καύματος  
 Is. 54. 16. οὐκ ὡς χαλκεὺς φῦσῶν ἀνθρακας (1)  
 [Aq. Jb. 20. 26: Is. 40. 24: 54. 16.] (1)  
 [Sm. Is. 54. 16.] (1)  
 [Th. Jb. 20. 26: Is. 54. 16.] (1)  
 [Al. Nu. 5. 21.] (1)  
 φύσημα.  
 [Sm. Jb. 20. 26: Ps. 26 (27). 12.] (1)  
 [Al. Dt. 8. 15.] (1)  
 φύσητήρ. (1) ἡγῶ  
 Jb. 32. 19. ὡς περ φύσητήρ [S<sup>1</sup> -ης] χαλκῶς  
 ἐρρηγῶς [S<sup>1</sup> om., A. δεδεμένος καὶ  
 κατερρ.] +  
 Je. 6. 29. ἐξέλιπε φ. ἀπὸ πυρός [A. τῆς γῆς] (1)  
 φύσητής.  
 Jb. 32. 19. S<sup>1</sup> ὡς περ φύσητής χαλκῶς [A. B. S<sup>2</sup> al.] +  
 φυσικός.  
 [Hōb. Ge. 6. 6 (5).]  
 φύσις.  
 Wi. 7. 20. φύσεις ψῶν καὶ θυμῶν [S<sup>1</sup> νόμους καὶ  
 θηρίων  
 13. 1. μάταιοι μὲν γὰρ πάντες ἄνθρωποι φύσει  
 19. 20. A. B ὕδαρ τῆς σβεστικῆς φύσεως [B. ὕδαρ-  
 μεως] ἐπελαυνάμενοι  
 III Ma. 3. 29. καὶ πᾶση θνητῇ φ. . . ἀχρηστος  
 φανίσεται  
 IV Ma. 1. 20. παθὼν δὲ φύσεις εἰσὶν αἱ περιεκτικώ-  
 ται δύο  
 5. 7. τῆς φ. κεχαρισμένης  
 — 8. ἀποστρέφεται τὰς τῆς φ. χάριτας  
 — 25. κατὰ φύσιν ἡμῖν συμπαθεῖ  
 13. 27. τῆς φ. καὶ τῆς συνηθείας καὶ τῶν τῆς ἀρετῆς  
 ἥδων  
 15. 13. ὁ φύσις ἱερά  
 — 25. φύσιν [S<sup>1</sup> φάσιν] καὶ γένεσιν  
 16. 3. A. τῆς [S<sup>1</sup> ἡ τῆς] φιλοτεκνίας περιέκειεν ἐκείνη  
 [S. B. -ην] φ.  
 φυτεία (-τία). (1) a. ἡγῶ δ. ἡγῶ  
 IV Ki. 19. 29. καὶ ἔτι τρίτῃ . . . φυτεία ἀμπε-  
 λῶν (1 a)  
 Mi. 1. 6. θήσομαι Σαμάρειαν . . . εἰς φυτεῖαν  
 ἀμπελῶν (1 b)  
 Ez. 17. 7. τοῦ ποτίσαι αὐτὴν σὺν τῷ βῶλῳ τῆς  
 φ. αὐτῆς (1 b)  
 [Sm. Ge. 21. 33: Is. 60. 21: Ez. 17. 7.] (1)  
 [Th. Is. 60. 21.] (1)  
 φυτεύειν. (1) a. ἡγῶ qal. δ. ni. c. ἡγῶ  
 (2) ἡγῶ (3) ἡγῶ (4) ἡγῶ  
 Ge. 2. 8. ἐφύτευσεν κ. ὁ θ. παράδεισον (1 a)  
 9. 20. καὶ ἐφύτευσεν ἀμπελῶνα (1 a)  
 21. 33. ἐφύτευσεν Ἀβ. ἄρουραν (1 a)  
 De. 16. 21. οὐ φυτεύσεις σεαυτῷ ἄλσος (1 a)  
 20. 6. τίς ὁ ἄνθρωπος ὅστις ἐφύτευσεν ἀμπε-  
 λῶνα (1 a)  
 28. 30, 39. ἀμπελῶνα φυτεύσεις (1 a)  
 Jo. 24. 13. οὐδ' οὐκ ἐφύτεύσατε [A. οὐ κατέφ.] (1 a)  
 I Es. 4. 9. εἶπε φυτεύσεις φυτεύσεις  
 — 16. ἐξέθρεψαν αὐτοὺς τοὺς φυτεύσαντας [A.  
 -εινότητας] τοὺς ἀμπελῶνας  
 Ps. 1. 3. ὡς τὸ ἔϋλον τὸ πεφυτευμένον παρὰ τὰς  
 διεξόδους τῶν υδάτων (4)  
 79 (80). 15. ἢν ἐφύτευσεν ἡ δεξιὰ σου (1 a)  
 91 (92). 13. πεφυτευμένοι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (4)  
 93 (94). 9. ὁ φυτεύσας τὸ οὐδ' οὐχὶ ἀκούει (1 a)  
 103 (104). 16. αἱ κείροι τοῦ Λιβάνου ὡς ἐφύ-  
 τευσεν [A. S<sup>1</sup> -σας] (1 a)  
 106 (107). 37. ἐφύτευσαν ἀμπελῶνας (1 a)  
 Pr. 27. 18. δε φυτεῖαι συκὴν φάγεται τοὺς καρ-  
 πους αὐτῆς (2)  
 Ec. 2. 4. ἐφύτευσά μοι ἀμπελῶνας (1 a)  
 — 5. ἐφύτευσά ἐν αὐτοῖς ἔϋλον πᾶν καρποῦ (1 a)  
 3. 2. S<sup>2</sup> B. καίρος τοῦ φυτεύειν καὶ καίρος τοῦ  
 ἐκτάλει τὸ [ABB<sup>1</sup> om.] πεφυτευμ. (1 a, 1 a)

Ec. 12. 11. ὡς ἤλοι πεφυτευμένοι [A S πεπυρω-  
μένοι] (1 a)  
Si. 10. 15. ἐφύτευσε ταπεινοὺς ἀντ' αὐτῶν  
43. 23. ἐφύτευσεν αὐτὴν Ἰησοῦς  
49. 7. ὡσαύτως ἀκαρομένοι καὶ φυτεύειν [A B S  
καταφ.]  
Am. 5. 11. ἀμπελῶνας ἐπιθυμητοὺς ἐφύτευσάτε  
[A φυτεύετε] (1 a)  
9. 14. R φυτεύουσιν [A B καταφ.] ἀμπελῶνας (1 a)  
— 14. B φυτεύουσιν [A καταφ., R ποιήσουσι]  
κίπους (3)  
Is. 5. 2. ἐφύτευσα ἀμπелον σωρήκ (1 a)  
17. 10. φυτεύσεις φύτευμα ἀπιστων (1 a)  
— 11. A τῇ δὲ ἡμέρᾳ ἢ ἀν φυτεύσης πλανηθίσῃ  
τὸ δὲ πρῶτ' ἂν φυτεύσης [B S σπεί-  
ρης] (1 c, +)  
37. 30. φυτεύσατε ἀμπελῶνας (1 a)  
40. 24. οὐ γὰρ μὴ φυτεύουσιν οὐδὲ μὴ σπεί-  
ρουν [A S αλ.] (1 b)  
44. 14. ὁ ἐφύτευσε κύριος (1 a)  
65. 22. οὐ μὴ φυτεύουσιν [S -σωσιν] καὶ  
ἄλλοι φάγονται (1 a)  
Je. 2. 21. ἐφύτευσα σε ἀμπелον καρποφόρον (1 a)  
12. 2. ἐφύτευσας αὐτοὺς (1 a)  
36 (29). 5. φυτεύσατε [S καταφ.] παραδείσους (1 a)  
— 28. φυτεύσατε κήπους (1 a)  
38 (31). 5. ἐφύτευσάτε ἀμπελῶνας ἐν ὄρεσι  
Σαμαρείας (1 a)  
— 5. S φυτεύσαντες [A φύσαντες, B om.]  
φυτεύσατε καὶ αἰνέσατε (1 a, 1 a)  
39 (32). 41. φυτεύσω αὐτοὺς ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (1 a)  
49 (41). 10. φυτεύω ἡμᾶς (1 a)  
51. 34 (45. 4). οὐς ἐγὼ ἐφύτευσα ἐγὼ ἐκ-  
τίλω (1 a)  
Ez. 19. 10. ὡς ἀμπелος . . . ἐν ὕδατι πεφυτευ-  
μένη (4)  
— 13. νῦν πεφύτευκαν [A ἐφύτευσαν] αὐτὴν  
ἐν τῇ ἐρήμῳ (4)  
28. 26. φυτεύουσιν [A -σωσιν] ἀμπελῶνας (1 a)  
Da. LXX. 4. 17. τὸ δένδρον τὸ ἐν τῇ γῇ πεφυ-  
τευμένον +  
I Ma. 3. 56. εἶπε τοῖς . . . φυτεύουσιν ἀμπελῶνας  
IV Ma. 13. 19. διὰ τῆς μητρὸς φυτεύσασα γαστρός  
[Aq. GE. 2. 8; Ec. 12. 11; Ho. 9. 13.]  
[Sm. Ez. 17. 10; Ho. 9. 13.]  
[Th. Ec. 12. 11; Ez. 17. 10; Ho. 9. 13.]

φύτευμα. (1) a. שָׁדָב δ. שָׁדָב

Is. 17. 10. φυτεύσεις φ. ἀπιστων (1 a)  
60. 21. φυλάσσω τὸ φ. ἔργα χειρῶν αὐτοῦ (1 b)  
61. 3. κληθήσονται . . . φ. κυρίου εἰς δόξαν (1 b)  
φυτόν. (1) שָׁדָב (2) שָׁדָב (3) שָׁדָב  
(4) דֶּרֶךְ

Ge. 22. 13. κριὸς εἰς κατεχόμενος ἐν φυτῷ σαβέκ (3)  
III Ki. 19. 5. ὕπνωσεν ἐκεῖ ὑπὸ φυτὸν (4)  
Jb. 24. 18. ἀναφανείη δὲ τὰ φ. αὐτῶν ἐπὶ γῆς ἑσπρά†  
Wi. 7. 20. διαφορὰ φυτῶν καὶ δυνάμεις ριζῶν  
10. 7. ἀτελέσιν ὥραις καρποφοροῦντα φυτὰ  
13. 11. εἰ δὲ καὶ τις ὑλοτόμος τέκτων εὐκίνητον  
φυτὸν ἐκπρίσας  
Si. 3. 28. φυτὸν γὰρ ποιητὴς ἐρρίζωκεν ἐν αὐτῷ  
24. 14. ὡς φυτὰ ῥόδου ἐν ἱερὶχῳ  
Ez. 17. 5. ἔδωκεν αὐτὸ εἰς τὸ πεδῖον φ. +  
31. 4. τοὺς ποταμούς αὐτῆς ἤγαγε κύκλῳ τῶν  
φ. αὐτοῦ (1)  
34. 29. ἀναστήσω αὐτοὺς φ. εἰρήνης (1)  
Da. LXX. 11. 7. ἀναστήσεται φυτὸν ἐκ τῆς  
ρίζης αὐ. (2)  
— 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς ρίζης αὐ. φυτὸν +  
Da. TH. 11. 20. ἀναστήσεται ἐκ τῆς ρίζης αὐ.  
φυτὸν τῆς βασιλείας +  
I Ma. 4. 38. ἰδὼν . . . ἐν ταῖς αἰαλαῖς φυτὰ πεφυ-  
κότα  
IV Ma. 1. 28. θνῶιν τοῦ σώματος καὶ τῆς ψυχῆς  
φυτὸν ὄντων  
— 28. S πολλὰι τούτων τῶν φ. [A R παθῶν] εἰσι  
παραφροναίδες  
2. 14. μηδὲ δειδροτομῶν τὰ ἡμέρα τῶν πολέμιων  
φυτὰ  
[Aq. Jb. 30. 4, 7; Da. 2. 41 (Sw.).]  
[Sm. I Ki. 22. 6; 31. 13; Jb. 30. 4, 7; Da. 2.  
41 (Sw.).]  
[Th. GE. 22. 13.]

φωλεῦν.

[Al. Jb. 38. 40.]

φωνεῖν. (1) נָהַן (2) נָהַן (3) נָהַן pilp.  
(4) a. נָהַן δ. נָהַן (5) נָהַן pil.  
(6) נָהַן ni. (7) ἐκ τῆς κοιτίας φωνεῖν  
נָהַן hi.

I Ch. 15. 16. τοῦ φωνῆσαι εἰς ὕψος ἐν φωνῇ  
εὐφροσύνης +  
I Es. 4. 41. καὶ πᾶς ὁ λαὸς τότε ἐφώνησε  
5. 61. ἐφώνησαν δι' ὕμνων [B<sup>1</sup> -ον]  
8. 92. καὶ φωνήσας Ἰεχ.  
9. 10. ἐφώνησαν ὅπαν τὸ πλῆθος  
— 47. B ἐφώνησε [A R ἐπεφ.] πᾶν τὸ πλῆθος  
To. 5. 8. φωνήσων αὐτὸν πρὸς μέ [S αλ.]  
Ps. 113. 15 (115. 7). οὐ φωνήσουσιν ἐν τῷ λά-  
ρυγγι αὐτῶν (1)  
134 (135). 17. A οὐ φωνήσουσιν ἐν τῷ λά-  
ρυγγι αὐτῶν -  
Si. 45. 17. B S ἐν νόμῳ αὐτοῦ φωνῆσαι [A R φω-  
τίσαι] Ἰσραὴλ  
Am. 3. 6. εἰ φωνήσῃ σάλπιγξ ἐν πόλει (6)  
Zc. 2. 14. θηρία φωνήσῃ ἐν τοῖς διορίγμασιν αὐ. (5)  
Is. 8. 19. ἤγρησατε . . . τοὺς ἀπὸ τῆς γῆς φω-  
νώντας . . . οἱ ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κοι-  
τίας φωνοῦσιν (†, 7)  
19. 3. ἐπερωτήσουσι . . . τοὺς ἐκ τῆς γῆς  
φωνοῦντας +  
24. 14. οὗτοι βοῇ φωνήσουσιν [A S αλ.] (2)  
29. 4. ὡς οἱ φωνοῦντες ἐκ τῆς γῆς ἢ φωνῇ σου +  
38. 14. ὡς χελιδὼν οὕτω φωνήσω (3)  
Je. 17. 11. ἐφώνησε ἐπὶ τοῖς (4 a)  
Ep. Je. 41. τὸν Βῆλον ἀξιοῦσι φωνῆσαι [A αλ.]  
Da. LXX. 4. 11. ἐφώνησε καὶ εἶπεν αὐτῷ (4 b)  
5. 7. ὁ βασις ἐφώνησε φωνῇ μεγάλῃ (4 b)  
Da. TH. 4. 11. ἐφώνησεν ἐν ἱσχυί (4 b)  
I Ma. 9. 12. ἐφώνουν ταῖς σάλπιγξι  
III Ma. 1. 23. φωνήσαντες δὲ τὴν ὁρμὴν . . . ποιή-  
σασθαι  
2. 22. ὥστε . . . μηδὲ φωνῆσαι δύνασθαι  
IV Ma. 8. 17. A B βασιλῆος . . . ἐπὶ εὐεργεσίᾳ  
φωνοῦντος [S παρακληνόντος]  
15. 21. A ὦ [S B ὡς] τέκνων φωναὶ μετὰ βασάνων  
μητέρα φωνοῦντων

φωνή. (1) נָהַן (2) נָהַן (3) נָהַן  
(4) נָהַן (5) נָהַן (6) נָהַן (7) נָהַן  
(8) נָהַן (9) נָהַן (10) a. לִי δ. לִי  
(11) נָהַן (12) נָהַן (13) נָהַן  
(14) βήγγονα φωνῇ נָהַן

Ge. 3. 8. ἤκουσαν τὴν φ. κυρίου τοῦ θεοῦ (10 a)  
— 10. τὴν φ. σου ἤκουσα (10 a)  
— 17. ὅτι ἤκουσας τῆς φ. τῆς γυναικὸς σου (10 a)  
4. 10. φωνῇ αἵματος τοῦ ἀδ. σου βοᾷ πρὸς μέ (10 a)  
— 23. ἀκούσας μου τῆς φ. (10 a)  
11. 1. καὶ φωνῇ μία πάντων (2)  
— 7. ἵνα μὴ ἀκούσωμεν ἕκαστος τὴν φ. τοῦ  
πλησίου (11 a)  
15. 4. R φωνῇ κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτὸν (2)  
16. 2. ἠπήκουσε δὲ Ἀβ. τῆς φ. αὐ. (10 a)  
21. 12. ἀκούε τῆς φ. αὐ. (10 a)  
— 17. εἰσῆκουσε δὲ ὁ θ. τῆς φ. τοῦ παιδίου (10 a)  
— 17. ἐπακήκου γὰρ ὁ θ. τῆς φ. τοῦ παιδίου  
σου (10 a)  
22. 18. ἠπήκουσας τῆς ἐμῆς φ. (10 a)  
26. 5. ἠπήκουσεν Ἀβ. . . τῆς ἐμῆς φ. (10 a)  
27. 13. ἠπάκουσόν μου τῆς φ. (10 a)  
— 22. ἢ φ. φωνῇ ἱακὼβ (10 a, 10 a)  
— 34. ἀνεβόησεν Ἡ. φωνῇ μεγάλῃ (9)  
— 38. R ἀνεβόησε φωνῇ Ἡ. (10 a)  
— 43. ἀκούσων μου τῆς φ. (10 a)  
29. 11. βοήσας τῇ φ. αὐ. ἔκλαυσε (10 a)  
30. 6. ἐπήκουσε τῆς φ. μου (10 a)  
39. 14. ἐβόησα φ. μεγάλη (10 a)  
— 15. 18. ὕψωσα τὴν φ. μου (10 a)  
45. 2. ἀφῆκε φωνὴν μετὰ κλαυθμοῦ (10 a)  
— 16. διεβόηθ' ἢ φ. εἰς τὸν οἶκον φ. (10 a)  
Ex. 3. 18. εἰσάκουσιν αὐτὸν σου τῆς φ. (10 a)  
4. 1. μηδὲ εἰσακούσῃ τῆς φ. μου (10 a)  
— 8. μηδὲ εἰσακούσῃ τῆς φ. τοῦ σημείου τοῦ  
πρώτου (10 a)

Ex. 4. 8. πιστεύουσί σοι τῆς φ. τοῦ σημείου  
τοῦ ἰσχύτου (10 a)  
— 9. μηδὲ εἰσακούσῃ τῆς φ. σου (10 a)  
5. 2. οὐ εἰσακούσονται τῆς φ. αὐ. (10 a)  
9. 23. κύριος ἔδωκε φωνάς (10 a)  
— 28. παύσασθω τοῦ γενεθῆναι φωνάς (10 a)  
— 29. αἱ φ. παύσονται (10 a)  
— 33. αἱ φ. ἐπαύσαντο (10 a)  
— 34. πέπναι . . . ἡ χάλας καὶ αἱ φ. (10 a)  
15. 26. εἰ ἀκοῇ ἀκούσης τῆς φ. κ. τοῦ θ. σου (10 a)  
18. 24. ἤκουσε δὲ M. τῆς φ. τοῦ γαμβροῦ (10 a)  
19. 5. εἰ ἀκοῇ ἀκούσῃ τῆς ἐμῆς φ. [A τῆς  
φ. μου] (10 a)  
— 13. αἱ φ. καὶ αἱ σάλπιγγες καὶ ἡ νεφέλη -  
— 16. καὶ ἐγένοντο φωναί (10 a)  
— 16. φωνῇ τῆς σάλπιγγος ἤχει μέγα (10 a)  
— 19. ἐγένοντο δὲ αἱ φ. τῆς σάλπιγγος προ-  
βαίνουσαι (10 a)  
— 19. ὁ δὲ θ. ἀπεκρίνατο αὐτῷ φωνῇ (10 a)  
20. 18. πᾶς ὁ λαὸς ὥρα τὴν φ. . . καὶ τὴν φ.  
τῆς σάλπιγγος (10 a, 10 a)  
22. 23 (22). ἀκοῇ εἰσακούσονται τῆς φ. αὐ. (9)  
— 22. εἰ ἀκοῇ ἀκούσῃ τῆς ἐμῆς φ. (10 a?)  
— 22. εἰ ἀκοῇ ἀκούσῃ τῆς φ. μου (10 a)  
24. 3. ἀπεκρίθη δὲ πᾶς ὁ λαὸς φ. μᾶ (10 a)  
28. 31 (35). ἀκουστή ἢ φ. αὐτοῦ (10 a)  
32. 17. B<sup>1</sup> R ἀκούσας ἰ. τῆς φ. [A B<sup>2</sup> τὴν φ.]  
τοῦ λαοῦ (10 a)  
— 17. φωνῇ πολέμου ἐν τῇ παρεμβολῇ (10 a)  
— 18. οὐκ ἔστι φωνῇ ἐξαρχόντων κατ' ἰσχυρὴν (10 a)  
— 18. οὐδὲ φωνῇ ἐξαρχόντων τροπῆς (10 a)  
— 18. φωνῇ ἐξαρχόντων οἶνον ἐγὼ ἀκούω (10 a)  
Le. 5. 1. καὶ ἀκούσῃ φωνῇ ὀρκισμοῦ (10 a)  
25. 9. διαγγελεῖτε σάλπιγγος φωνῇ (13)  
26. 36. διαφθεταῖ αὐτοὺς φωνῇ φύλλου φερο-  
μένου (10 a)  
Nu. 3. 16. ἐπισκέψατο αὐτοὺς . . . διὰ φωνῆς  
κυρίου (8)  
— 39. οὐς ἐπισκέψατο . . . διὰ φωνῆς κυρίου (8)  
— 51. ἔδωκε M. τὰ λύτρα . . . διὰ φωνῆς κυρίου (8)  
4. 37. 41, 45. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ M. (8)  
— 49. διὰ φωνῆς κυρίου ἐπισκέψατο αὐτοὺς (8)  
7. 89. ἤκουσε τὴν φ. κυρίου (10 a)  
9. 20. διὰ φωνῆς κυρίου παρεμβολοῦσι (8)  
10. 13. ἔξηραν πρῶτον διὰ φωνῆς κυρίου (8)  
13. 4 (3). ἐξάπιστελεν αὐτοὺς . . . διὰ φωνῆς  
κυρίου (8)  
14. 1. B ἐνέδωκε φωνῇ [A R αλ.] (10 a)  
— 22. καὶ οὐκ εἰσῆκουσαν τῆς φ. μου (10 a)  
16. 34. ἐφύγον ἀπὸ τῆς φ. αὐ. (10 a)  
20. 16. εἰσῆκουσε κύριος τῆς φ. ἡμῶν (10 a)  
21. 3. εἰσῆκουσε κύριος τῆς φ. Ἰσρ. (10 a)  
De. 1. 34. ἤκουσε κύριος τῆς φ. τῶν λόγων  
ἡμῶν (10 a)  
— 45. οὐκ εἰσῆκουσε κύριος τῆς φ. ἡμῶν (10 a)  
4. 11. B σκότος γνώφος θύελλα φ. [A R om.]  
μεγάλῃ [A B<sup>1</sup> R om.] -  
— 12. ἐλάλησε κύριος . . . φωνῇ ῥημάτων (10 a)  
— 12. ὁμοίωμα οὐκ εἶδετε ἀλλ' ἡ φωνὴν (10 a)  
— 30. εἰσακούσῃ τῆς φ. αὐ. (10 a)  
— 33. εἰ ἀκήκουσεν ἔθνος φωνῇ θεοῦ ζῶντος (10 a)  
— 36. ἀκουστή ἐγένετο ἡ φ. αὐ. [A αλ.] (10 a)  
5. 22 (19). σκότος γνώφος θύελλα φ. μεγάλη (10 a)  
— 23 (20). ὡς ἤκουσατε τὴν φ. (10 a)  
— 24 (21). τὴν φ. αὐ. ἤκουσαμεν (10 a)  
— 25 (22). ἀκούσαι τὴν φ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν  
ἐτι (10 a)  
— 26 (23). ἤτις ἤκουσε φωνῇ θεοῦ ζῶντος (10 a)  
— 28 (25). ἤκουσε κ. τὴν φ. τῶν λόγων ἡμῶν (10 a)  
— 28 (25). ἤκουσα τὴν φ. τῶν λόγων τοῦ  
λαοῦ γ. (10 a)  
8. 20. οὐκ ἤκουσατε τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (10 a)  
9. 23. οὐκ εἰσῆκουσατε τῆς φ. αὐ. (10 a)  
13. 4 (5). τῆς φ. αὐ. ἀκούσεσθε (10 a)  
— 18 (19). εἰ ἀκούσης τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ  
σου (10 a)  
15. 5. εἰ ἀκοῇ εἰσακούσῃ τῆς φ. κ. τοῦ  
θ. ἡμῶν (10 a)  
18. 16. ἀκούσαι τὴν φ. κ. τοῦ θ. σου (10 a)  
21. 18. οὐχ ὑπακούω φωνῇ πατρὸς καὶ φωνῇ  
μητρός (10 a, 10 a)  
— 20. οὐχ ὑπακούει τῆς φ. ἡμῶν (10 a)  
26. 7. εἰσῆκουσε κ. τῆς φ. ἡμῶν (10 a)  
— 14. ὑπήκουσα τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (10 a)  
— 17. καὶ ὑπακούειν τῆς φ. αὐ. (10 a)  
27. 10. εἰσακούσῃ τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 a)

- De. 27. 14. ἐρούσι παντὶ Ἰσρ. φ. μεγάλη (10 α)  
 28. 1, 2. ἐὰν ἀκοῇ ἀκούσης τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 α)  
 — 9. ἐὰν ἀκούσης τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (8)  
 — 13. ἐὰν ἀκούσης τῆς φ. [Α τῶν ἐντ.] κ. τοῦ θεοῦ σου (8)  
 — 15. ἐὰν μὴ εἰσακούσης τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 α)  
 — 45. οὐκ εἰσήκουσας τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 α)  
 — 49. δ οὐκ ἀκούσῃ τῆς φ. αὐ. (5)  
 — 62. οὐκ εἰσήκουσας τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 α)  
 30. 2. καὶ εἰσακούσῃ τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 — 8. εἰσακούσῃ τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 α)  
 — 10. ἐὰν εἰσακούσης τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ σου (10 α)  
 — 20. εἰσακούειν τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 33. 7. εἰσάκουσον, κύριε, φωνῆς [Α τῆς φ.] Ἰ. (10 α)  
 Jo. 6. 9 (10). μηδὲ ἀκουσάτω μηθεὶς τὴν φ. ὑμῶν (10 α)  
 — 19 (20). Α ὡς δὲ ἤκουσεν ὁ λαὸς τὴν φ. [B om. τ. φ.] τῶν σαλπ. (10 α)  
 22. 2. ἐπηκούσατε τῆς φ. μου (10 α)  
 24. 24. τῆς φ. αὐ. ἀκουσόμεθα (10 α)  
 Jd. 2. 2. οὐκ εἰσηκούσατε τῆς φ. μου (10 α)  
 — 4. ἐπῆραν ὁ λαὸς τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 — 20. οὐκ εἰσηκούσαν τῆς φ. μου (10 α)  
 5. 11. διηγήσθη ἀπὸ φωνῆς ἀνακρουομένων [Α al.] (10 α)  
 6. 10. οὐκ εἰσηκούσατε τῆς φ. μου (10 α)  
 9. 7. ἐπῆρε τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 13. 9. εἰσηκούσεν ὁ θ. τῆς φ. Μαν. (10 α)  
 18. 3. ἐπέγνωσαν τὴν φ. τοῦ νεανίσκου (10 α)  
 — 25. μὴ ἀκουσθήτω δὴ φωνὴ [Α ἡ φ.] σου (10 α)  
 20. 13. ἀκούσαι τῆς φ. τῶν ἀδ. αὐ. (10 α)  
 21. 2. ἤραν φωνὴν αὐ. [Α al.] (10 α)  
 Ru. 1. 9, 14. ἐπῆραν τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 I Ki. 1. 13. φωνὴ αὐ. οὐκ ἤκουετο (10 α)  
 — 25. οὐκ ἤκουσεν ὁ λαὸς τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 4. 5. ἀνέκραξε πᾶς Ἰσρ. φ. μεγάλη (13)  
 — 6. Α ἤκουσαν οἱ ἀλλόφυλοι τὴν φ. [B om. τ. φ.] τῆς κραυγῆς (10 α)  
 — 14. ἤκουσεν Ἡ. τὴν φ. τῆς βοῆς (10 α)  
 — 14. B τίς ἡ βοή τῆς φ. [A B φωνὴ τῆς βοῆς] ταύτης (8 [10 α])  
 — 16 (15). τίς ἡ φωνὴ τοῦ ἤχους τούτου (10 α)  
 7. 10. ἐβρόντησε κ. ἐν φ. μεγάλη (10 α)  
 8. 7. ἄκουε τῆς φ. τοῦ λαοῦ (10 α)  
 — 9. 22. ἄκουε τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 11. 4. ἤραν πᾶς ὁ λαὸς τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 12. 1. ἤκουσα φωνῆς ὑμῶν εἰς πάντα (10 α)  
 — 14. ἐὰν . . . ἀκούσῃ τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 — 15. ἐὰν δὲ μὴ ἀκούσῃ τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 — 17. δώσει φωνὰς καὶ ὑετὸν (10 α)  
 — 18. B ἔδωκε κύριος φωνάς (10 α)  
 15. 1. ἄκουε τῆς φ. [Α φ. τῶν λόγων] κυρίου (10 α)  
 — 14. καὶ τίς ἡ φωνὴ τοῦ ποιμνίου τούτου . . . καὶ φωνὴ τῶν βοῶν (10 α, 10 α)  
 — 19. ἵνα τί οὐκ ἤκουσας φωνῆς [Α τῆς φ.] κυρίου (10 α)  
 — 20. διὰ τὸ ἀκοῦσάι με τῆς φ. τοῦ λαοῦ (10 α)  
 — 22. ὡς τὸ ἀκοῦσαι φωνῆς κυρίου (10 α)  
 — 24. ἤκουσα τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 19. 6. ἤκουσε Σ. τῆς φ. Ἰων. (10 α)  
 24. 17. ἡ φ. σου αὐτῇ, τέκνον Δ. (10 α)  
 — 17. ἥρε Σ. τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 25. 35. ἤκουσα τῆς φ. σου (10 α)  
 26. 17. ἐπέγνω Σ. τὴν φ. τοῦ Δ. (10 α)  
 — 17. ἡ φ. σου, τέκνον, αὐτῇ (10 α)  
 28. 12. ἀνεβόησε φ. μεγάλη (10 α)  
 — 18. οὐκ ἤκουσας φωνῆς [Α τῆς φ.] κυρίου (10 α)  
 — 21. ἤκουσεν ἡ δοῦλὴ σου τῆς φ. σου [Α al.] (10 α)  
 — 22. ἄκουσον δὴ φωνῆς [Α τῆς φ.] τῆς δοῦλης σου (10 α)  
 — 23. ἤκουσε τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 30. 4. ἤρε Δ. καὶ οἱ ἀδελφοί αὐ. τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 II Ki. 8. 32. ἤρην ὁ βασιλ. τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 5. 24. ἐν τῷ ἀκούσῃ σε τὴν φ. τοῦ συγκληισμοῦ (10 α)  
 6. 15. ἀνήγγαγον τὴν κιβωτὸν . . . μετὰ φωνῆς σαλπίγγων (10 α)  
 12. 18. οὐκ εἰσηκούσε τῆς φ. ἡμῶν (10 α)  
 13. 14. τοῦ ἀκοῦσαι τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 — 16. ἀκοῦσαι τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 — 36. ἐπῆραν τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 15. 10. ἐν τῷ ἀκούσαι ὑμᾶς τὴν φ. τῆς κερατίνης (10 α)  
 II Ki. 15. 23. πᾶσα ἡ γῆ ἔκλειε φ. μεγάλη (10 α)  
 19. 4 (5). ἔκραξεν ὁ βασιλ. φ. [Α ἐν φ.] με-γάλη (10 α)  
 — 35 (36). ἡ ἀκούσμαι ἔτι φωνὴν ἀδόντων (10 α)  
 22. 7. ἐπακούσεται ἐκ ναοῦ αὐ. φωνῆς μου (10 α)  
 — 14. ὁ ὑψίστος ἔδωκε φωνὴν αὐ. (10 α)  
 III Ki. 1. 40. ἐρράγη ἡ γῆ ἐν τῇ φ. αὐ. (10 α)  
 — 41. ἤκουσεν Ἰ. τὴν φ. τῆς κερατίνης (10 α)  
 — 41. τίς ἡ φ. τῆς πόλεως ἡχοῦσης (10 α)  
 — 45. αὐτῇ ἡ φ. ἦν ἡκούσατε (10 α)  
 8. 30. Α εἰσακούσῃ τῆς φ. [B δειξέως] τοῦ δούλου σου (12)  
 — 55. εὐλόγησε πᾶσαν ἐκκλησίαν Ἰσρ. φ. με-γάλη (10 α)  
 9. 3. ἤκουσα τῆς φ. τῆς προσευχῆς σου (10 α)  
 14. 6. Α ὡς ἤκουσεν Ἀ. τὴν φ. ποδῶν αὐ. (10 α)  
 17. 22. Α ἤκουσεν κύριος ἐν φωνῇ Ἡ. (10 α)  
 18. 26. καὶ οὐκ ἦν φωνὴ (10 α)  
 — 27. ἐπικατέβη ἐν φ. μεγάλη (10 α)  
 — 28. ἐπεκαλύνοντο ἐν φ. μεγάλη (10 α)  
 — 29. Α καὶ οὐκ ἦν φωνὴ (10 α)  
 — 41. φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ ὑετοῦ (10 α)  
 19. 12. μετὰ τὸ πῦρ φωνὴ αὖρας λεπτῆς (10 α)  
 — 13. καὶ ἰδοὺ πρὸς αὐτὸν φωνὴ (10 α)  
 21 (20). 25. ἤκουσε τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 — 36. ἀνθ' ὧν οὐκ ἤκουσας τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 IV Ki. 4. 31. καὶ οὐκ ἦν φωνὴ (10 α)  
 6. 32. οὐχὶ φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ κυρίου αὐ. κατόπισθεν αὐτοῦ (10 α)  
 7. 6. ἀκουστὴν ἐποίησε . . . φωνὴν ἄρματος καὶ φωνὴν ἱππου [Α om. φ. ἴ.] φωνῆν δυνάμεως μεγάλῃς (10 α ter)  
 — 10. οὐκ ἔστιν ἐκεῖ . . . φωνὴ ἀνθρώπου (10 α)  
 10. 6. εἰ . . . τῆς φ. μου ὑμεῖς εἰσακούετε (10 α)  
 11. 13. ἤκουσε Ἰ. τὴν φ. τῶν τρεχόντων τοῦ λαοῦ (10 α)  
 — 18. 12. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. κ. θεοῦ αὐτῶν (10 α)  
 — 28. Α B ἐβόησε φ. [B om.] μεγάλη Ἰου-δαίστι (10 α)  
 19. 22. ἐπὶ τίνα ὑψώσας φωνῆν (10 α)  
 I Ch. 14. 15. ἐν τῷ ἀκούσῃ σε τὴν φ. τοῦ συσ-σεισμού αὐ. (10 α)  
 15. 16. τοῦ φωνῆσαι εἰς ὕψος ἐν φωνῇ εὐφρο-σύνης (10 α)  
 — 28. ἀνάγοντες τὴν κιβ. . . ἐν φωνῇ σωφέρ. (10 α)  
 II Ch. 5. 13. καὶ ἐγένετο μία φ. — 13. καὶ ἐν τῷ ἀναφωαίνε φ. μιᾷ (10 α)  
 — 13. ὑψώσαν φωνῆν [Α τὴν φ.] (10 α)  
 15. 14. ὤμωσαν ἐν κυρίῳ ἐν φ. μεγάλῃ (10 α)  
 20. 19. αἰνέει κ. θεῷ Ἰσρ. ἐν φ. μεγάλῃ (10 α)  
 23. 12. ἤκουσε Ἰ. τὴν φ. τοῦ λαοῦ (10 α)  
 30. 27. ἐπηκούσθη ἡ φ. αὐ. (10 α)  
 32. 18. ἐβόησε φ. μεγάλη (10 α)  
 I Es. 5. 62. καὶ ἐβόησαν φ. μεγάλη (10 α)  
 — 64. B καὶ χαρὰ [A B -α] μεγάλη τῇ [Α om.] φ. — 66. ἐπιγνώσαν τίς ἡ φ. τῶν σαλπίγγων (10 α)  
 9. 10. ἔπειν μεγάλη τῇ φ. (10 α)  
 II Es. 1. 1. παρηγγεῖλε φωνὴν ἐν πάσῃ βασι-λείᾳ αὐ. (10 α)  
 3. 11. B ἐσήμειον φ. μεγάλῃν [A B -εν φ. μεγάλῃ] (13)  
 — 12. ἔκλαιον φ. μεγάλη (10 α)  
 — 13. οὐκ ἦν ὁ λαὸς ἐπιγινώσκων φωνῆν [Α τὴν φ.] σημασίας . . . ἀπὸ τῆς φ. [Α εὐ-φροσύνης] τοῦ κλαυθμοῦ (10 α, 10 α)  
 — 13. ὁ λαὸς ἐκράνυσε φ. μεγάλη (13)  
 — 13. Α B καὶ ἡ φ. [B om. ἡ φ.] ἡκούετο ἔως ἀπὸ μακρόθεν (10 α)  
 10. 7. παρήνεγκαν φωνῆν ἐν Ἰουδα (10 α)  
 — 12. B<sup>1</sup> καὶ εἶπαν φωνὴν [A B B<sup>1</sup> om.] (10 α)  
 Ne. 4. 20 (14). οὐ δὴν ἀκούσθη τὴν φ. τῆς κε-ρατίνης (10 α)  
 9. 4. ἐβόησαν φ. μεγάλῃ [Α om.] (10 α)  
 To. 5. 9. B φωνὴν ἀνθρώπων ἀκούω (10 α)  
 Ju. 4. 13. εἰσηκούσε κύριος τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 7. 23. ἀνεβόησαν φ. μεγάλη (10 α)  
 — 29. ἐβρίσαν πρὸς κ. τὸν θεὸν φ. μεγάλῃ (10 α)  
 8. 17. εἰσακούσεται τῆς φ. ἡμῶν (10 α)  
 9. 1. ἐβόησε φ. μεγάλη [Α φ. μεγάλην] (10 α)  
 18. 12. ὡς ἤκουσαν . . . τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 — 14. ἡ δὲ εἶπε πρὸς αὐτοὺς φ. μεγάλῃ (10 α)  
 14. 9. ἠλάλαξεν ὁ λαὸς φ. μεγάλῃ (10 α)  
 — 9. ἔδωκε φωνὴν εὐφροσύνης (10 α)  
 — 16. ἐβόησε φ. μεγάλη (10 α)  
 16. 11. ὑψώσαν τὴν φ. αὐ. (10 α)  
 — 14. δὲ ἀντιστήσεται τῇ φ. σου (10 α)  
 Es. 1. 1. φωναὶ καὶ θόρυβοι [Α φ. θορύβου] — 1. ἐγένετο αὐτῶν φ. μεγάλη [Α -οντο αὐ. φ. μεγάλα] (10 α)  
 — 1. τῇ φ. αὐ. ἡτοιμάσθη πᾶν ἔθνος (10 α)  
 4. 1. ἐβόα φ. μεγάλη (4)  
 — 17. εἰσακούσον φωνὴν [A B<sup>2</sup> -ῃς] ἀπηλισμένων (10 α)  
 Jb. 2. 12. βοήσαντες φωνῇ μεγάλῃ ἔκλαυσαν (10 α)  
 3. 18. οὐκ ἤκουσαν φωνὴν φορολόγου (10 α)  
 4. 10. σθένος λείπτος φωνῇ δὲ λείπτης (10 α)  
 — 16. ἀλλ' ἡ αὖραν καὶ φωνὴν ἤκουον (10 α)  
 6. 5. εἰ δὲ καὶ ῥῆξει φωνὴν βούς ἐπὶ φάτνης ἔχων τὰ βρώματα (14)  
 9. 16. B εἰσακήκοέ μου τῆς φ. [A B B om. τῆς φ.] (10 α)  
 21. 12. εὐφραίνονται φωνῇ ψαλμοῦ (10 α)  
 28. 26. καὶ δόδον ἐν τινάγματι φωνᾶς [A<sup>1</sup> -ῃς] (10 α)  
 33. 8. φωνὴν ῥημάτων σου ἀέκκοα (10 α)  
 34. 16. ἐνωτίου φωνῆν ῥημάτων (10 α)  
 37. 4. ὑπὸ αὐτοῦ βιησεται φωνῇ βροντῆσει ἐν φωνῇ ὑβρεως αὐτοῦ (10 α, 10 α)  
 — 4. ἀκούσῃ φωνῇ [B<sup>1</sup> -ῃ] αὐτοῦ (10 α)  
 — 5. βροντῆσει ὁ ἰσχυρὸς ἐν φωνῇ αὐτοῦ θαν-μίσια (10 α)  
 38. 7. ἡνισάν με φωνῇ [Α ἐν φ.] μεγάλῃ (10 α)  
 — 34. καλέσεις δὲ νέφος φωνῇ (10 α)  
 40. 4 (9). ἡ φωνὴ κατ' αὐτοῦ βροντῆς [A B al.] (10 α)  
 Ps. 3. 4. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (10 α)  
 5. 2. B B<sup>2</sup> πρόσχες τῆς φ. [A B τῇ φ.] τῆς δεξιᾶς μου (10 α)  
 — 3. τὸ πρῶτ' εἰσακούσῃ τῆς φ. μου (10 α)  
 6. 8. εἰσηκούσε κύριος τῆς φ. τοῦ κλαυθμοῦ μου [B<sup>1</sup> om. τ. φ. τοῦ κλ. μου] (10 α)  
 9. 12. Α οἱ ἐπελάβετο τῆς φ. [B δειξέως, B κραυγῆς] τῶν πενήτων (9)  
 17 (18). 6. ἤκουσεν ἐκ ναοῦ ἁγίου αὐτοῦ φωνῆς μου (10 α)  
 — 13. ὁ ὑψίστος ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ (10 α)  
 18 (19). 3. ὧν οὐχὶ ἀκούονται αἱ φ. αὐτῶν (10 α)  
 25 (26). 7. τοῦ ἀκοῦσαι φωνῆν [B<sup>2</sup> τὴν φ.] αἰνέσεως (10 α)  
 26 (27). 7. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς φ. μου (10 α)  
 27 (28). 2. εἰσάκουσον τῆς φ. τῆς δεξιᾶς μου (10 α)  
 — 6. εἰσηκούσε τῆς φ. τῆς δεξιᾶς μου (10 α)  
 28 (29). 3. φωνῇ κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων (10 α)  
 — 4. φωνῇ κυρίου ἐν ἰσχυρί φωνῇ κυρίου ἐν μεγαλοπρεπείᾳ (10 α, 10 α)  
 — 5. φωνῇ κυρίου συντριβόντος κέδρους (10 α)  
 — 7. φωνῇ κυρίου διακοπτόντος φλόγα πυρός (10 α)  
 — 8. φωνῇ κυρίου σπασίοντος ἔρημον (10 α)  
 — 9. φωνῇ κυρίου καταρτιζομένου [B<sup>2</sup> -ῃ] ἐλάφους (10 α)  
 30 (31). 22. εἰσηκούσας, κύριε, τῆς φ. τῆς δεξιᾶς μου (10 α)  
 41 (42). 4. ἐν φωνῇ ἀγαλλιάσεως (10 α)  
 — 7. εἰς φωνῆν τῶν καταρρακτῶν σου (10 α)  
 43 (44). 16. ἀπὸ φωνῆς οὐνεδίζοντος (10 α)  
 45 (46). 6. ἔδωκε φωνὴν αὐτοῦ (10 α)  
 46 (47). 1. ἀλλάλαξετε τῷ θεῷ ἐν φωνῇ ἀγαλ-λίστως (10 α)  
 — 5. κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος (10 α)  
 54 (55). 3. ἐταράχθη ἀπὸ φωνῆς ἐχθροῦ (10 α)  
 — 17. εἰσακνύσεται τῆς φ. μου (10 α)  
 57 (58). 5. ἤτις οὐκ εἰσακούσεται φωνῆν ἐπα-δότων (10 α)  
 63 (64). 1. B εἰσάκουσον, ὁ θεός, τῆς [B<sup>2</sup> om.] φ. [B προσευχῆς] μου (10 α)  
 65 (66). 8. ἀκουτίσαστε τὴν φ. τῆς αἰνέσεως αὐτοῦ (10 α)  
 — 19. προσέσχε τῇ φ. τῆς προσευχῆς [B<sup>2</sup> δεξιᾶς] μου (10 α)  
 67 (68). 33. B δώσει ἐν [B om.] τῇ φ. αὐτοῦ φωνὴν δυνάμει (10 α, 10 α)  
 73 (74). 23. μὴ ἐπιλάβῃ τῆς φ. τῶν ἱκετῶν σου (10 α)  
 76 (77). 1. B<sup>1</sup> B φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέ-κραξα καὶ ἡ [B<sup>2</sup> B om. κ. ἡ] φ. μου πρὸς τὸν θεόν (10 α, 10 α)  
 — 17. φωνὴν ἔδωκαν αἱ νεφέλαι (10 α)  
 — 18. φωνῇ τῆς βροντῆς σου ἐν τῷ τροχῷ (10 α)  
 80 (81). 11. οὐκ ἤκουσεν ὁ λαὸς μου τῆς φ. μου (10 α)  
 85 (86). 6. πρόσχες τῇ φ. τῆς δεξιᾶς μου (10 α)  
 92 (93). 3. ἐπῆραν οἱ ποταμοὶ φωνὰς αὐτῶν (10 α)  
 — 4. ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν (10 α)  
 94 (95). 7. σήμερον ἐὰν τῆς φ. αὐτοῦ ἀκούσῃ (10 α)



Ps. 97 (98). 5. ἐν κιθάρᾳ καὶ φωνῇ ψαλμοῦ (10 α)  
 — 6. ἐν σάλπιγγι καὶ λαταῖς καὶ φωνῇ [A B -ης] (10 α)  
 101 (102). 5. ἀπὸ φωνῆς τοῦ στεναγμοῦ μου (10 α)  
 102 (103). 20. τοῦ ἀκούσαι τῆς φ. τῶν λόγων αὐτοῦ (10 α)  
 103 (104). 7. ἀπὸ φωνῆς βροντῆς σου δειλιάσουσιν (10 α)  
 — 12. ἐκ μέσου τῶν πετρῶν δώσουσι φωνὴν (10 α)  
 105 (106). 25. οὐκ εἰσήκουσαν τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 114 (116). 1. εἰσακούσεται κύριος τῆς φ. τῆς δεισιμασίας μου (10 α)  
 117 (118). 15. φωνῇ ἀγαλλιάσεως καὶ σωτηρίας ἐν σκηναῖς δικαίων (10 α)  
 118 (119). 149. τῆς φ. μου ἀκουσον, κύριε (10 α)  
 129 (130). 2. B B εἰσακούσων τῆς φ. [A προσευχῆς] μου γεννηθῆναι τὰ ὅτι σου προσέχοντα εἰς τὴν φ. τῆς δεισιμασίας μου (10 α, 10 α)  
 139 (140). 6. ἐνώτισαι, κύριε, τὴν φ. τῆς δεισιμασίας μου (10 α)  
 140 (141). 1. πρόσχες τῇ φ. [B τῆς φ.] τῆς δεισιμασίας μου (10 α)  
 141 (142). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα [A αλ.] (10 α)  
 — 1. B φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐδείχθη (10 α)  
 Pr. 2. 3. καὶ τῇ συνέσει δὲς φωνὴν σου (10 α)  
 — 3. A B τῇ δὲ αἰσθησὶν ἡγεῖται μεγάλη τῇ φ. — 5. 13. οὐκ ἤκουον φωνὴν παιδευόντος με (10 α)  
 8. 4. πρῶτα ἐμὴν φ. υἱὸς ἀνθρώπου (10 α)  
 26. 25. ἐὰν σου δέχται ὁ ἐχθρὸς μεγάλη τῇ φ. (10 α)  
 27. 14. δε δὲν εὐλογῇ φίλον τὸ πρῶτὴν μεγάλη τῇ φ. (10 α)  
 Ec. 5. 2. φωνῇ ἡφρόνος ἐν πληθείᾳ λόγων (10 α)  
 — 5. ἵνα μὴ ὀργισθῇ ὁ θεὸς ἐπὶ φωνῇ σου (10 α)  
 7. 7 (6). ὡς φωνὴ ἀκανθῶν ὑπὸ τῶν λέβητα (10 α)  
 10. 20. πετεινὸν τοῦ οὐρανοῦ ἀποστείλει τὴν φ. σου (10 α)  
 12. 4. ἐν ἀσθενείᾳ φωνῆς [A -ῇ] τῆς ἀληθείας καὶ ἀναστήσεται εἰς φωνὴν τοῦ στρουθίου (10 α, 10 α)  
 Ca. 2. 8. φωνῇ ἀδελφίδου μου (10 α)  
 — 12. φωνῇ τοῦ τρυγῶντος ἡκούσθη (10 α)  
 — 14. ἀκούσωνται με τὴν φ. σου ὅτι ἡ φ. σου ἡδέα (10 α, 10 α)  
 5. 2. φωνῇ ἀδελφίδου μου κρούει ἐπὶ τὴν θύραν (10 α)  
 8. 13. ἑταῖροι προσέχοντες τῇ φ. [B τὴν φ.] σου (10 α)  
 Wi. 1. 7. τὸ συνέχον τὰ πάντα γινώσκων ἔχει φωνῆς 7. 3. φωνῇ τῶν φωνῶν τῶν ὁμοίων πᾶσιν ἴσα κλαίον 17. 9. ὁρῶμενον ἀπηρησμένον [A -ατος] θηρίων φωνῇ  
 18. 1. ὁ φωνὴν μὲν ἀκούοντες — 10. A B οὐκ ἀπὸ διεφθέρου φωνῇ [B om.] θηρῶν μὲν παῖδων  
 Si. 17. 13. δόξαν φωνῆς αὐ. ἤκουσε τὸ οὐς αὐ. 21. 30. ἀνψοὶ φωνῶν [A B τὴν φ.] αὐτοῦ 29. 5. ταπεινώσει φωνὴν 31 (34). 24. τίνος φωνῆς εἰσακούσεται ὁ δεσπότης 38. 28. φωνῇ σφύρης καινῆς τὸ οὐς αὐτοῦ 43. 17. φωνῇ βροντῆς αὐτοῦ ἀδύνησε γῆν 46. 5. ἡκούτισεν αὐτὸν τῆς φ. αὐτοῦ — 9. ἡχῆσαι φωνὴν ἐν βίβωσιν αὐτοῦ 46. 17. ἀκούσθαι ἐποίησε τὴν φ. αὐτοῦ — 20. ἀνέψωσεν ἐκ γῆς τὴν [A om.] φ. αὐτοῦ 47. 10. B<sup>2</sup> ἀπὸ πρῶτας φωνῇ [A B S<sup>1</sup> om.] ἤχουν τὸ διάλαμα 50. 16. ἀκούσθαι ἐποίησαν φωνὴν μεγάλην — 18. ἦσαν οἱ ψαλμοδοῖ ἐν φωναῖς αὐ. 51. 1. 2. ἐξ ἱερ. ἔδωκε φωνὴν αὐ. (10 α)  
 2. 2. ἀποδανείται... μετὰ φωνῆς σάλπιγγος (10 α)  
 3. 4. εἰ δώσει σκῆμον φωνῇ αὐ. (10 α)  
 6. 5. οἱ ἐπικροτοῦντες πρὸς τὴν φ. τῶν ὀργάνων (8)  
 Mi. 6. 1. ἀκουσάσων οἱ βουνοὶ φωνῆν σου (10 α)  
 — 9. φωνῇ κυρίου τῇ πόλει ἐπικληθήσεται (10 α)  
 J. 1. 2. 5. ὡς φωνῇ ὀργάνων... ἐξαλποῦνται (10 α)  
 — 5. ὡς φωνῇ φλογὸς πυρὸς κατεστεινύσθαι καλῶν (10 α)  
 — 11. κύριος δόσει φωνὴν αὐ. (10 α)  
 3 (4). 16. A B S<sup>1</sup> ἐξ ἱερ. δώσει φωνὴν αὐ. (10 α)  
 Jn. 2. 3. ἤκουσας φωνῆς μου (10 α)  
 — 10. μετὰ φωνῆς αἰνέσεως... θύσας σοι (10 α)  
 Na. 3. 2. φωνῇ μαστίγων καὶ φωνῇ σεισμοῦ τροχῶν (10 α, 10 α)  
 Hb. 3. 10. ἔδωκεν ἡ δβυσσος φωνὴν αὐ. (10 α)

Hb. 3. 16. ἀπὸ φωνῆς προσευχῆς χειλέων μου (10 α)  
 Ze. 1. 10. φωνῇ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκε-  
 τούτων (10 α)  
 — 14. φωνῇ ἡμέρας κυρίου πικρὰ... τέ-  
 τακται (10 α)  
 8. 2. οὐκ εἰσήκουσε φωνῆς (10 α)  
 Hg. 1. 12. ἤκουσε Ζορ... τῆς φ. κυρίου τοῦ θεοῦ αὐ. (10 α)  
 Za. 6. 15. ἐὰν... εἰσακούσῃτε τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (10 α)  
 11. 3. φωνῇ θρηνοῦντων ποιμένων — 3. φωνῇ ὁμιλούντων λεόντων (10 α)  
 Is. 5. 30. ὡς φ. θαλάσσης κυμαίνουσας 6. 4. ἐπὶ τὴν τὸ ὑπερβύρον ἀπὸ τῆς φ. — 8. ἤκουσα τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 13. 2. ὑψώσατε τὴν φ. αὐτοῦ — 4. φ. ἐθνῶν πολλῶν... φ. βασιλείων (10 α, 10 α)  
 15. 4. ἔως ἱασαῖ [A B<sup>2</sup> om.] ἤκουσθη ἡ φ. αὐτῶν (10 α)  
 18. 3. ὡς σάλπιγγος φ. ἀκουστὸν ἔσται — 24. 8. πέπναιται φ. κιδάρης — 14. A B οὗτοι φωνῇ βοήσονται [B βοῇ φωνῆς σου] (10 α)  
 28. 23. ἀκούετε τῆς φ. μου — 28. οὐδὲ φ. τῆς πικρίας μου καταπατήσῃ ὑμᾶς — 29. 4. ὡς οἱ φωνοῦντες ἐκ τῆς γῆς ἡ φ. σου καὶ πρὸς τὸ ἔδαφος ἡ φ. σου ἀσθενήσει (10 α, 1)  
 — 6. A B B μετὰ... σεισμοῦ καὶ φωνῆς μεγάλης [B -ῇ μεγάλης] (10 α)  
 80. 17. χιλιὶ δια φωνῆν ἐνός φεύγονται καὶ δια φωνῆν πέντε φεύγονται πολλοὶ — 19. τὴν φ. τῆς κραυγῆς σου ἡνίκα εἶδεν — 30. ἀκουστὴν ποιήσει κύριος τὴν δόξαν τῆς φ. αὐτοῦ (10 α)  
 — 31. διὰ γὰρ τῆς [B om.] φ. [A τὴν φ.] κυρίου ἡγεῖται (10 α)  
 31. 4. ἔως ἐν ἐμπλήσει τὰ δρῶν τῆς φ. αὐτοῦ 32. 9. ἀκούσατε τῆς φ. μου (10 α)  
 33. 3. διὰ φωνῆν τοῦ φόβου ἐξέστησαν 36. 13. ἀνεβόησε φωνῇ μεγάλῃ ἰουδαῖοι 37. 23. πρὸς τίνα ὑψώσας τὴν φ. σου (10 α)  
 38. 5. A B ἤκουσα τῆς φωνῆς [B om. τ. φ.] τῆς προσευχῆς σου 40. 3. φ. βοῶντος ἐν τῇ ἐρήμῳ — 6. φ. λόγοντος, βήσαν (10 α)  
 — 9. ὑψώσων τὴν ἰσχυρὴν φ. σου (10 α)  
 42. 2. οὐδὲ ἀκουσθήσεται ἔξω ἡ φ. αὐτοῦ — 23. B<sup>1</sup> εἰσακούσεται τῆς φ. τοῦ παιδὸς αὐ. [A B S<sup>2</sup> al.] — 24. B<sup>1</sup> οὐδὲ ἀκούει τῆς φ. τοῦ νόμου αὐ. [A B S<sup>2</sup> al.] — 48. 20. φωνῇ εὐφροσύνης ἀναγγεῖλατε (10 α)  
 50. 10. ὑπακούσατέ μου [A αλ., B ἐπ.] τῆς φ. τοῦ παιδὸς αὐτοῦ (10 α)  
 51. 3. εὐφροσύνη... φωνῆν αἰνέσεως 52. 8. φ. τῶν φυλάσσοντων σε ὑψώθη καὶ τῇ φ. ὅμα εὐφρανθήσονται (10 α, 10 α)  
 54. 17. πᾶσα φ. [A S<sup>2</sup> add. ἡ] ἀναστήσεται ἐπὶ σέ (5)  
 58. 1. ὑψώσων τὴν φ. σου — 4. ἀκουσθήσεται ἐν κραυγῇ τὴν φ. ὑμῶν (10 α)  
 66. 19. οὐκέτι μὴ ἀκουσθῇ ἐν αὐτῇ φ. κλαυθμοῦ καὶ φ. κραυγῆς (10 α, 10 α)  
 66. 6. A B S<sup>2</sup> φ. κραυγῆς ἐκ πόλεως — 6. φ. ἐκ ναοῦ φ. κυρίου (10 α, 10 α)  
 Je. 2. 15. ἔδωκαν τὴν φ. αὐτῶν — 23. ὅψι φ. αὐτῆς ὠλόλυξε — 3. 13. τῆς δὲ φ. μου οὐκ ὑπήκουσας (10 α)  
 — 21. φ. ἐκ χειλέων ἡκούσθη (10 α)  
 — 25. οὐκ ὑπήκουσamen τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 4. 15. φ. ἀγγελλόντος ἐκ δάμ ἤξει — 16. ἔδωκαν ἐπὶ τὰς πόλεις ἱ. φωνὴν αὐ. (10 α)  
 — 19. φωνῇ σάλπιγγος ἤκουσεν ἡ ψυχὴ μου (10 α)  
 — 21. ὁφθαλμοὶ φεύγοντας ἀκούων φωνῇ σάλ-  
 πιγγος (10 α)  
 — 29. ἀπὸ φωνῆς ἱππέως — 31. φωνῇ ὡς ὀμιλοῦσας ἤκουσα — 31. φ. [B<sup>2</sup> -ῆς] θυγατρὸς Σιών ἐκλυθήσεται (10 α)  
 5. 15. οὐκ ἀκούει τῆς φ. τῆς γλώσσης [A om. τ. γλ.] αὐτοῦ — 6. 17. ἀκούσεται τῆς φ. τῆς σάλπιγγος — 23. φ. αὐτοῦ ὡς θάλασσα κυμαίνουσα (10 α)  
 7. 23. ἀκούσεται τῆς φ. μου [B κυρίου] (10 α)  
 — 28. οὐκ ἤκουσε τῆς φ. κυρίου (10 α)

Je. 7. 34. καταλύσω... φωνῇ εὐφραίνοντων καὶ φωνῇ χαίροντων φωνῇν νυμφίου καὶ φωνῇν νυμφῆς (10 α quater)  
 8. 16. ἀκουσόμεθα φωνῇν δέξιντος ἵππων αὐτοῦ ἀπὸ φωνῆς χρεμετισμοῦ ἱπ-  
 πασίας ἵππων αὐτοῦ ἐσείσθη (†, 10 α)  
 — 19. φ. κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (10 α)  
 9. 10 (9). οὐκ ἤκουσαν φωνῇν ὑπάρξεως — 13 (12). οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. μου (10 α)  
 — 19 (18). φ. οἰκτροῦ ἡκούσθη ἐν Σιών (10 α)  
 10. 22. φ. ἀκοῆς ἰδοῦ ἔρχεται — 11. 3. B οὐκ ἀκούει τῆς φ. [A B ἀκούσεται τῶν λόγων] (2)  
 — 4. ἀκούσατε τῆς φ. μου (10 α)  
 — 16. εἰς φωνῇν περιτομῆς αὐτῆς (10 α)  
 12. 8. ἔδωκεν ἐπ' ἐμὲ τὴν φ. αὐτῆς (10 α)  
 16. 9. καταλύω... φωνῇν χαρᾶς καὶ φωνῇν εὐφροσύνης φωνῇν νυμφίου καὶ φωνῇν νυμφῆς (10 α quater)  
 18. 10. τοῦ μὴ ἀκούειν τῆς φ. [A τὴν φ.] μου (10 α)  
 — 19. εἰσακούσων [A ἐπάκ.] τῆς φ. τοῦ δικαίου-  
 ματός μου (10 α)  
 22. 20. εἰς τὴν Βασάν δὲς τὴν φ. σου (10 α)  
 — 21. οὐκ ἤκουσας τῆς φ. μου (10 α)  
 25. 10. ἀπολὼ ἀπ' αὐτῶν φωνῇν χαρᾶς καὶ φωνῇν εὐφροσύνης φωνῇν νυμφίου καὶ φωνῇν νυμφῆς (10 α quater)  
 26 (46). 12. ἤκουσαν ἔθνη φωνῇν σου — 22. φ. ὡς ὄψεως συρίζοντος (10 α)  
 27 (50). 22. φ. πολέμου καὶ συντριβῇ μεγάλη (10 α)  
 — 28. φ. φευγόντων (10 α)  
 — 42. φ. αὐ. ὡς θάλασσα ἡχίσθη (10 α)  
 — 46. ἀπὸ φωνῆς δλώσεως Βαβυλῶνος (10 α)  
 28 (51). 16. εἰς φωνῇν ἔθετο ἦχος ὕδατος — 54. φ. κραυγῆς ἐν Βαβυλῶνι (10 α)  
 — 55. ἀπώλεσεν ἀπ' αὐτῆς φωνῇν μεγάλην (10 α)  
 — 55. ἔδωκεν εἰς θάλασσαν φωνῇν αὐτῆς (10 α)  
 29 (47). 3. ἀπὸ φωνῆς ὁρμῆς αὐτοῦ 29 (49). 21. ἀπὸ φωνῆς πτώσεως αὐτῶν (10 α)  
 31 (48). 3. A B<sup>2</sup> B φ. [B S<sup>1</sup> -ῆν] κεκραγόντων ἐξ Ὁρωναίμ — 34. ἔδωκαν φωνῇν αὐτῶν ἀπὸ Ζογόρ (10 α)  
 32 (25). 30. ἀπὸ τοῦ ἁγίου αὐ. δώσει φωνὴν αὐ. (10 α)  
 — 36. φ. κραυγῆς τῶν παμένων (10 α)  
 33 (26). 13. ἀκούσατε τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 37 (30). 5. φωνῇν φόβου ἀκουσσεσθε — 19. φ. παιζόντων (10 α)  
 38 (31). 15. φ. ἐν Ῥαμᾶ [A B<sup>1</sup> τῇ ὑψηλῇ] ἡκούσθη θρήνον (10 α)  
 — 16. διαλείπετο ἡ φ. σου ἀπὸ κλαυθμοῦ (10 α)  
 39 (32). 23. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. σου — 40 (38). 11. φ. εὐφροσύνης καὶ φ. χαρμοσύνης φ. [A -ῆν] νυμφίου καὶ φ. [A -ῆν] νυμφῆς φ. λεγόντων [A α quinquies] (10 α)  
 42 (35). 8. ἤκουσamen τῆς φ. Ἰωνάδᾶβ (10 α)  
 47 (40). 3. οὐκ ἡκούσεται τῆς φ. αὐ. (10 α)  
 49 (42). 6. τὴν φ. κυρίου... ἀκουσάσων — 6. ἀκουσόμεθα τῆς φ. κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (10 α)  
 — 13. πρὸς τὸ μὴ ἀκούσαι φωνῆς κυρίου (10 α)  
 — 14. φωνῇν σάλπιγγος οὐ μὴ ἀκουσamen (10 α)  
 — 21. οὐκ ἡκούσατε τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 50 (43). 4. οὐκ ἤκουσεν... πᾶς ὁ λαὸς τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 — 7. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. κυρίου (10 α)  
 51 (44). 23. οὐκ ἡκούσατε τῆς φ. κυρίου Ba. 1. 18. οὐκ ἡκούσαμεν τῆς φ. κυρίου — 19. πρὸς τὸ μὴ ἀκούειν τῆς φ. αὐτοῦ — 21. οὐκ ἡκούσαμεν τῆς φ. κυρίου 2. 5. πρὸς τὸ μὴ ἀκούειν τῆς φ. αὐτοῦ — 10. οὐκ ἡκούσαμεν τῆς φ. αὐτοῦ — 22. ἐὰν μὴ ἀκούσῃ τῆς φ. κυρίου — 23. ἐκλείψει ποιῶσα... φωνῇν εὐφροσύνης καὶ φωνῇν χαρμοσύνης φωνῇν νυμφίου καὶ φωνῇν νυμφῆς — 24. οὐκ ἡκούσαμεν τῆς φ. σου — 29. ἐὰν μὴ ἀκούσῃ τῆς φ. μου 3. 4. οὐκ ἤκουσαν τῆς φ. σου [A om.] θεοῦ αὐτῶν La. 2. 7. A B φωνῇν ἔδωκαν ἐν οἴκῳ κυρίου [B S om.] (10 α)  
 3. 56. B φωνῇν μου ἤκουσας Ec. 1. 24. A ἤκουον τὴν φ. τῶν πετερίων αὐτῶν... ὡς φωνῇν ὕδατος πολλοῦ ὡς φωνῇν ἱκανοῦ [B om. ὡς φ. I.] (10 α ter)  
 — 24. A φ. τοῦ λόγου ὡς φ. παρεμβολῆς (10 α, 10 α)  
 — 25. φ. ὑπεράνωθεν τοῦ στερεώματος (10 α)



Εζ. 2. 1 (1. 28). **Δ**<sup>2</sup> **Β** **ἤκουσα φωνὴν λαλούντος** (10 α)  
 12. **ἤκουσα κατόπισθέν μου φωνὴν σεισμοῦ**  
 — 13. **ἴδον φωνὴν πτερίγων τῶν ζώων** (10 α)  
 — 13. **φ. τῶν τροχῶν ἐχομένη αὐτῶν καὶ φ.**  
 τοῦ σεισμοῦ (10 α, 10 α)  
 9. 1. **ἀνέκραγεν εἰς τὰ δῶτά μου φωνὴ μεγάλη** (10 α)  
 10. 5. **φ. τῶν πτερίγων τῶν χειρῶν μου ἤκουετο**  
 ... ὡς φ. θεοῦ (10 α, 10 α)  
 11. 13. **ἀνέβόσθη φωνὴ μεγάλη** (10 α)  
 19. 7. **ἀπὸ φωνῆς ὀρυμματος αὐτοῦ** (10 α)  
 — 9. **ὅπως μὴ ἀκουσθῇ ἡ φ. αὐτοῦ** (10 α)  
 21. 22 (27). **ὑψώσαι φωνὴν μετὰ κραυγῆς** (10 α)  
 23. 42. **φωνὴν ἁρμονίας ἀνεκροῦντο** (10 α)  
 28. 10. **ἀπὸ τῆς [A. om.] φ. τῶν ἱππέων αὐ.** (10 α)  
 — 13. **ἡ φ. τῶν ψαλτηρίων σου οὐ μὴ ἀκουσθῇ** (10 α)  
 — 15. **οὐκ ἀπὸ φωνῆς τῆς πτώσεώς σου ...**  
 σεισθήσονται (10 α)  
 27. 28. **πρὸς τὴν κραυγὴν τῆς φ. [A. πρ. τῆς φ. τῆς κρ.] σου οὐ κυβερνήται σου ...**  
 φοβηθήσονται (4 [10 α])  
 — 30. **ἀλαλάουσιν ἐπὶ σέ τῇ φ. αὐ.** [A. al.] (10 α)  
 31. 16. **ἀπὸ τῆς φ. τῆς πτώσεως αὐτοῦ** (10 α)  
 33. 4. **ὁ ἀκούσας τὴν φ. τῆς σάλπιγγος** (10 α)  
 — 5. **τὴν φ. τῆς σάλπιγγος ἀκούσας** (10 α)  
 — 32. **ἡγῆται αὐτοῖς ὡς φ. ψαλτηρίου** †  
 35. 12. **ἤκουσα τῆς φ. τῶν βλασφημιῶν σου** †  
 37. 7. **Δ ἐγένετο φ. [B. om.] ἐν τῇ ἐμῇ προφη-**  
 τεύσει (10 α)  
 48. 2. **φ. τῆς παρεμβολῆς ὡς φ. διπλοασζόν-**  
 των (10 α, 10 α)  
 — 6. **φ. ἐκ τοῦ οἴκου λαλούντος πρὸς με** —  
 Da. LXX. 3. 5. **ὅταν ἀκούσῃς τῆς φ. τῆς σάλ-**  
 πινγος (10 β)  
 — 7. **ὅτε ἤκουσαν ... τῆς φ. τῆς σάλπιγγος** (10 β)  
 — 10. **ὅς ἀν ἀκούσῃ τῆς φ. τῆς σάλπιγγος** (10 β)  
 4. 16. **ἀπεκρίθη μοι φ. πραιά** —  
 — 28. **φωνὴν ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἤκουσε** (10 β)  
 5. 7. **ὁ βασι. ἐφώνησε φ. μεγάλη** †  
 6. 20 (21). **ἐκάλεσε τὸν Δαν. φ. μεγάλη** (10 β)  
 — 21 (22). **τότε Δαν. ἐπήκουσε φ. μεγάλη** —  
 7. 11. **θεώρουν τότε τὴν φ. τῶν λόγων** (10 β)  
 8. 16. **ἤκουσα φωνὴν ἀνθρώπου** (10 α)  
 9. 10. **οὐκ ἤκουσαμεν τῆς φ. κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν** (10 α)  
 — 11. **τοῦ μὴ ἀκούσαι τῆς φ. σου** (10 α)  
 — 14. **οὐκ ἤκουσαμεν τῆς φ. αὐ.** (10 α)  
 10. 6. **καὶ φωνὴ λαλιάς αὐ. ὡσεὶ φωνὴ θορύ-**  
 βου (10 α, 10 α)  
 — 9. **οὐκ ἤκουσα τὴν φ. λαλιάς αὐ.** (10 α)  
 Da. TH. Su. 24. **ἀνέβόσθη φ. μεγάλη Σουσ.**  
 — 42. **ἀνέβόσθη δὲ φ. μεγάλη Σουσ.**  
 — 44. **εἰσήκουσε κύριος τῆς φ. αὐ.**  
 — 46. **ἐβόσθη φ. μεγάλη**  
 — 60. **ἀνέβόσθη πᾶσα ἡ συναγωγὴ φ. μεγάλη**  
 8. 5. **ᾧ ἂν ὦρα ἀκούσῃς φωνῆς [A. τῆς φ. τῆς σάλ-**  
 πινγος (10 β)  
 — 7. **ὅταν ἤκουον οἱ λαοὶ τῆς φ. τῆς σάλ-**  
 πινγος (10 β)  
 — 10. **δὲ ἀν ἀκούσῃ τῆς φ. τῆς σάλπιγγος** (10 β)  
 — 15. **ὡς ἀν ἀκούσῃ τῆς φ. τῆς σάλπιγγος** (10 β)  
 4. 28. **φωνὴ ἁπ' οὐρανοῦ ἐγένετο** (10 β)  
 6. 20 (21). **ἐβόσθη φ. ἰσχυρά [A. μεγάλη]** (10 β)  
 7. 11. **ἀπὸ φωνῆς τῶν λόγων τῶν μεγάλων** (10 β)  
 8. 16. **ἤκουσα φωνὴν ἀνδρός** (10 α)  
 9. 10. **οὐκ εἰσηκούσαμεν τῆς φ. κυρίου τοῦ**  
 θεοῦ ἡμῶν (10 α)  
 — 11. **τοῦ μὴ ἀκούσαι τῆς φ. σου** (10 α)  
 — 14. **οὐκ εἰσηκούσαμεν τῆς φ. αὐ.** (10 α)  
 10. 6. **καὶ ἡ φ. τῶν λόγων αὐ. ὡς φωνὴ**  
 ὄχλου (10 α, 10 α)  
 — 9. **ἤκουσα τὴν φ. τῶν λόγων αὐ.** (10 α)  
 — 9. **Δ ἐν τῇ φ. τῶν ῥημάτων [B. om. φ. ρ.] αὐτοῦ** (10 α)  
 Bel 18. **ἐβόσθη φ. μεγάλη**  
 — 41. **ἀναβόσθη φ. μεγάλη**  
 I Ma. 2. 19. **καὶ εἶπε φ. φ. μεγάλη**  
 — 27. **ἀνέκραξε Ματτ. ... φ. μεγάλη**  
 3. 50. **ἐβόσθη φωνὴ εἰς τὸν οὐρανόν**  
 — 54. **ἐβόσθη φ. μεγάλη**  
 5. 31. **Β ἡ κραυγὴ τῆς πύλεως ἀνέβη ... φ. [A. B. κραυγῇ] μεγάλη**  
 6. 41. **Δ ἐσαλεύοντο πάντες οἱ ἀκούοντες φωνῆς**  
 [B. τῆς φ.] πλῆθους αὐ.  
 9. 13. **Β Β ἐσαλεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς φ. τῶν παρμεβ.**  
 [A. al.]

I Ma. 9. 41. **μετεστράφη ... φωνὴ μουσικῶν αὐ. εἰς**  
 θῆρον  
 18. 8. **ἀπεκρίθησαν φ. μεγάλη**  
 — 45. **ἐβόσθη φ. μεγάλη**  
 II Ma. 7. 8. **ὁ δὲ ἀποκριθεὶς τῇ πατρίφ φ.**  
 — 21. **ἕκαστον δὲ τῶν ἀνθρ. παρεκάλει τῇ πατρίφ φ.**  
 — 24. **τὴν ἀνεδίδουσαν ἐφορομένους φωνήν**  
 — 27. **οὕτως ἔφησε τῇ πατρίφ φ.**  
 13. 37. **καταρξάμενος τῇ πατρίφ φ. τὴν ... κραυγὴν**  
 15. 29. **εὐλόγουν τὸν δυνάστην τῇ πατρίφ φ.**  
 — 36. **Ἄδαρ λέγεταί τῇ κυριακῇ φ.**  
 III Ma. 5. 51. **ἀνέβόσθη φ. μεγάλη σφόδρα**  
 IV Ma. 8. 29. **πάντες διὰ μίας φ. ὁμοῦ ... εἶπον**  
 10. 18. **κἀν ἀφῆλθεν τὸ τῆς φ. ὄργανον**  
 12. 7. **τῆς μητρὸς τῇ Ἑβραϊδὶ φ. προτρεψαμένης**  
 αὐτὴν  
 14. 17. **ἀνακαλοῦμενα τῇ ἰδίᾳ φ.**  
 15. 21. **κύκλιον πρὸς φιλικόαν φωναί**  
 — 21. **Δ ὡ [B. H. ὡς] τέκνον φωναί μετὰ βασάνων**  
 μητέρα φωνοῦντων  
 16. 15. **ἔλεγες τοῖς παυσὶν ἐν τῇ Ἑβραϊδὶ φ.**  
 [Aq. I Ki. 28. 17: III Ki. 14. 6: 17. 22: Jb. 28. 26: 37. 2: 38. 25: Ps. 18 (19). 4: 25. (26). 7: 26 (27). 7: 27 (28). 2. 6: 41 (42). 5: 76 (77). 19: 92 (93). 3: Pr. 1. 20: 15. 2. 21: 29. 4: 30. 31: 33. 3: 40. 9: 52. 8: Jz. 7. 34 bis: 8. 16: 9. 19 (18): 30 (37). 5: 38 (45). 20: 46 (28). 12: 48 (31). 4: 61 (28). 16.]  
 [Sm. I Ki. 28. 17: Jb. 4. 16: 28. 26: Ps. 18 (19). 4: 25 (26). 7: 26 (27). 7: 27 (28). 2: 41 (42). 5: 43 (44). 17: 45 (46). 7: 46 (47). 2: 64 (65). 4: 67 (68). 6: 63 (64). 2: 65 (66). 8: 73 (74). 23: 76 (77). 2: 80 (81). 12: 92 (93). 3: Pr. 1. 20: Ec. 7. 7 (6): 12. 4 bis: 15. 13. 2: 24. 14: 29. 4: 30. 19. 31: 31. 4: 52. 8 bis: Jz. 9. 19 (18): 10. 13: 30 (37). 5: 31 (38). 16: 38 (45). 20: 61 (28). 16.]  
 [Th. I Ki. 28. 17: Jb. 9. 16: 37. 4 bis: Ps. 27 (28). 6: 76 (77). 19: 92 (93). 3: Pr. 1. 20: 8. 1: Is. 13. 2: 80. 31: 4: 33. 3: 52. 8 bis: Jz. 10. 13: 11. 7: 46 (26). 12: Ez. 1. 24 ter: 8. 18: 23. 42: Da. 10. 9.]  
 [Al. Ex. 20. 18: Dt. 11. 2: I Ki. 28. 18: Ez. 8. 18: 21. 22 (27): Hb. 3. 16.]  
 [Sam. Ex. 32. 18 ter.]  
 [Quint. Ps. 28. 17: 7: 80 (81). 23.]  
 [Sext. Ps. 80 (81). 23.]  
 [Heb. Ez. 43. 2.]

## φώνημα.

[Sm. Am. 4. 13.]

## φωραδῶσαι.

Pr. 26. 19. **Δ Β<sup>3</sup> ὅταν δὲ φωραδῶσιν [B B<sup>1</sup> ὁραθῶσι]** —III Ma. 3. 29. **οὗ ἂν φωραθῇ τὸ σύνολον σκεπαζό-**  
 μένος Ἰουδαίος

[Sm. Jb. 24. 17.]

φωρολόγος, *vid. sub* φορολόγος.

φῶς. (1) α. ἴκιν δ. ἴκινδ c. ἴκιν d. ἴκιν

(2) κηϣϣϣ (8) ϩϣ (4) α. ἴκιν

δ. ἴκιν (5) α. ἴκιν δ. ἴκιν

Ge. 1. 3. **γενήτω φῶς** (1 α)— 3. **καὶ ἐγένετο φῶς** (1 α)— 4. **ἴδεν ὁ θεὸς τὸ φ. ὅτι καλόν** (1 α)— 4. **δεχόμενος δ. θ. ἀνὰ μέσον τοῦ φ.** (1 α)— 5. **ἐκάλεσεν δ. θ. τὸ φ. ἡμέραν** (1 α)— 18. **διαχωρίζειν ἀνὰ μέσον τοῦ φ.** (1 α)Ex. 10. 23. **πᾶσι δὲ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. φῶς ἦν** (1 α)27. 20. **ἔλαιον ... εἰς φῶς κησάσι** (1 β)35. 16 (14). **ἐργάσθη ... τὴν λυχνίαν τοῦ φ.** (1 β)— 29. 17 (37). **καὶ τὸ ἔλαιον τοῦ φ.** (1 β)Le. 24. 2. **λαβέτωσαν μὲν ἔλαιον ... εἰς φῶς** (1 β)Nu. 4. 16. **τὸ ἔλαιον τοῦ φ. καὶ τὸ θυμίαμα τῆς**  
 συνθέσεως (1 β)Jd. 16. 2. **Δ ὥς φωτὸς πρωὶ [B. al.]** (1 α)I Ki. 25. 34. **εἰ ὑπολειφθήσεται τῇ Ν. ὥς**  
 φωτὸς τοῦ πρωὶ (1 α)— 36. **ὥς φωτὸς τοῦ πρωὶ** (1 α)II Ki. 17. 22. **διέβησαν τὸν Ἰ. ὥς τοῦ φ. τοῦ**  
 πρωὶ (1 α)23. 4. **ἐν θεῷ φωτὶ πρωῖας ἀνατείδαι ἥλιος** (1 α)IV Ki. 7. 9. **μένομεν ὥς φωτὸς τοῦ πρωὶ** (1 α)

II Ch. 4. 20. **ἐποίησε Σαλ. ... τοὺς λύχνους**  
 τοῦ φ. †  
 To. 8. 17. **Β ἴνα ἴδῃ τοὺς ὀφθαλμοὺς τὸ φ. τοῦ θεοῦ**  
 5. 9. **Β οὐ βλέπω τὸ φ. τοῦ οὐρανοῦ**  
 — 9. **Β οἱ νεκροὶ οἱ μηκέτι θεωροῦντες τὸ φ.**  
 10. 5. **ἀφῆκά σε [B. add. πορευθῆναι] τὸ φ. τῶν**  
 ὀφθαλμῶν μου  
 11. 8. **Β καὶ ὄψεται τὸ φῶς [A. B. δ. σε]**  
 — 14. **Β εἶδόν σε, τέκνον, τὸ φ. τῶν ὀφθαλμῶν μου**  
 13. 11. **Β φ. λαμπρόν λάμψει**  
 14. 10. **Α Β ὡς ἐκ τοῦ φ. ἤγαγεν αὐτόν**  
 — 10. **Β ἐξῆλθεν εἰς τὸ φ. Ἀχ.**  
 Es. 1. 1. **φῶς καὶ [B<sup>1</sup> φωτὸς] ὁ ἥλιος ἀνέτειλε**  
 8. 16. **τοῖς δὲ Ἰουδ. ἐγένετο φῶς** (1 c)  
 10. 3. **ἦν φῶς καὶ ἥλιος**  
 Jb. 8. 9. **Β<sup>1</sup> καὶ εἰς φῶς [B B<sup>2</sup> φωτισμὸν] μὴ**  
 ἔλθοι [A. al.] (1 α)  
 — 16. **ὥσπερ νῆπιος οὐ οὐκ εἶδον φῶς** (1 α)  
 — 20. **ἴνα τί γὰρ δέδοται τοῖς ἐν πικρίᾳ [A. π. ψυχῆς] φῶς** (1 α)  
 12. 22. **ἐξῆγγαγε δὲ εἰς φῶς σκὰν θανάτου** (1 α)  
 — 25. **ψηλαφῆσασαν σκότος καὶ μὴ φῶς** (1 α)  
 17. 12. **Α Β B<sup>2</sup> φῶς ἐγγύς ἀπὸ προσώπου σκό-**  
 τους (1 α)  
 18. 5. **φῶς ἀσεβῶν σβεσθήσεται** (1 α)  
 — 6. **τὸ φ. αὐτοῦ σκότος ἐν διαίτῃ** (1 α)  
 — 18. **ἀπώσσειν αὐτὸν ἐκ φωτὸς εἰς σκότος** (1 α)  
 22. 11. **τὸ φ. σοὶ σκότος [A. B. εἰς σκ.] ἀπέβη** †  
 24. 16. **οὐκ ἐπέγνων φῶς** (1 α)  
 26. 10. **μέχρι συντελείας φωτὸς μετὰ σκότους** (1 α)  
 28. 11. **εἶδεις δὲ αὐτοῦ δυνάμιν εἰς φῶς** (1 α)  
 29. 3. **ὅτε τῷ [A. ἐν τῷ] φ. αὐτοῦ ἐπορεύμην**  
 ἐν σκότει (1 α)  
 — 24. **φῶς τοῦ προσώπου μου οὐκ ἀπέπτεν** (1 α)  
 33. 28. **ἡ [ωὴ] μου φῶς ὄψεται** (1 α)  
 — 30. **ἴνα ἡ [ωὴ] [A. B<sup>2</sup> ψυχῇ] μου ἐν φωτὶ**  
 αὐτῇ αὐτόν (1 α?)  
 — 31 (30). **Α τοῦ φωτισμοῦ αὐτῇ ἐν φωτὶ ζώων**  
 των (1 α)  
 36. 32. **ἐπὶ χειρῶν ἐκάλυψε φῶς** (1 α)  
 37. 3. **τὸ φ. αὐτοῦ ἐπὶ πτερίγων τῆς γῆς** (1 α)  
 — 11. **διασκορπίει ἡ φῶς φῶς αὐτοῦ** (1 α)  
 — 15. **φῶς ποιήσας ἐκ σκότους** (1 α)  
 — 21. **πᾶσι δὲ οὐχ ὁρατὸν τὸ [A. om.] φ.** (1 α)  
 38. 15. **ἀφῆλται δὲ ἀπὸ ἀσεβῶν τὸ φ.** (1 α)  
 — 19. **ποῖα δὲ γῆ αὐλίζεται τὸ φ. [A. al.]** (1 α)  
 Ps. 4. 6. **ἐσημειώθη ἐφ' ἡμᾶς τὸ φ. τοῦ προσώ-**  
 που σου (1 α)  
 85 (88). 9. **ἐν τῇ φ. σου ἐνύμφεθα φῶς** (1 α, 1 α)  
 86 (87). 6. **ἐξοίσαι ὡς φῶς τὴν δικαιοσύνην σου** (1 α)  
 37 (38). 10. **τὸ φ. τῶν ὀφθαλμῶν μου οὐκ ἔστι**  
 μετ' ἐμοῦ (1 α)  
 42 (43). 3. **ἐξαποστείλον τὸ φ. σου** (1 α)  
 48 (49). 19. **ὥς αἰῶνας οὐκ ὄψεται φῶς** (1 α)  
 55 (56). 13. **τοῦ ἐκαραττῆσαι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ**  
 ἐν φωτὶ ζώων (1 α)  
 77 (78). 14. **Β<sup>1</sup> καὶ ὅλην τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ**  
 φωτὸς [B B<sup>2</sup> πυρὸς] (1 α)  
 88 (89). 15. **ἐν τῇ φ. τοῦ προσώπου σου πορεύ-**  
 σονται (1 α)  
 96 (97). 11. **φῶς ἀνέτειλε τῷ δικαίῳ** (1 α)  
 103 (104). 2. **ἀναβληλλόμενος φῶς ὡς ἱμάτιον** (1 α)  
 111 (112). 4. **ἐξαπέτελλεν ἐν σκότει φῶς τοῖς**  
 εἰσέτιν (1 α)  
 118 (119). 105. **καὶ φῶς ταῖς τρίβοις μου** (1 α)  
 135 (136). 7. **τῷ ποιήσαντι φῶτα μεγάλα μόνη** (1 α)  
 138 (139). 12. **οὕτως καὶ τὸ φ. αὐτῆς** (1 α)  
 148. 3. **αἰνεῖτε αὐτὸν πάντα τὰ ἄστρα καὶ τὸ φ. (1 α)**  
 Pr. 4. 18. **αὶ δὲ ὁδοὶ τῶν δικαίων ὁμοίως φωτὶ**  
 λάμπουσι (1 α)  
 6. 23. **λύχνος ἐντολῇ νόμου καὶ φῶς** (1 α)  
 13. 9. **φῶς δικαίου διὰ παντός φῶς δὲ ἀσεβῶν**  
 σβέννυται (1 α, 5 β)  
 16. 15. **ἐν φωτὶ ζωῆς υἱὸς βασιλέως** (1 α)  
 20. 27. **φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων** (5 β)  
 Ec. 2. 13. **ὡς περυσία τοῦ φ. ὑπὲρ τὸ σκότος** (1 α)  
 11. 7. **γλυκὺ τὸ φ.** (1 α)  
 12. 2. **ὥς οὐ μὴ σκοτισθῇ ὁ ἥλιος καὶ τὸ φ.** (1 α)  
 Wi. 5. 6. **τὸ τῆς δικαιοσύνης φ. οὐκ ἐλαμψεν ἡμῖν**  
 7. 10. **προειλόμην αὐτὴν ἀπὸ φωτὸς ζῆναι**  
 — 26. **ἀπαύγασμα γὰρ ἐστὶ φωτὸς αἰδίου**  
 — 29. **φωτὶ συγκρινομένη εὐρίσκεται προτέρα**  
 16. 28. **πρὸς ἀνατολὴν [B<sup>2</sup> πρὸ ἀνατολῆς τοῦ] φωτὸς**  
 ἐντρυχάμεν σοι  
 17. 20. **ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελάμετο**  
 φωτὶ

Wi. 18. 1. τοῖς δὲ ὁσίους σου μέγιστον ἦν φῶς  
— 4. ἄξιοι μὲν γὰρ ἐκείνοι [A -ου] στερηθῆναι  
φωτός  
— 4. ἡμελλε τὸ ἀφάρτων νόμου φ. [B<sup>1</sup> φωτός] τῇ  
αἰῶνι διδοῦσθαι  
Si. 22. 11. ἐπὶ νεκρῷ κλαύσον ἐξέλιπε γὰρ φῶς  
24. 27. ὁ ἐκφαίνειν ὡς φῶς παιδείαν  
35 (32). 16. δικαιοῦματα ὡς φῶς ἐξάψουσιν  
36 (33). 7. πᾶν φῶς ἡμέρας ἐναντοῦ ἀφ' ἡλίου  
50. 29. φῶς κυρίου τὸ ἔχνος αὐτοῦ  
Ho. 6. 6 (5). τὸ κρίμα μου ὡς φῶς ἐξελεύσεται (1a)  
10. 12. φωτίσατε ἑαυτοὺς φῶς γνώσεως (6a)  
Am. 5. 18. αὕτη ἐστὶ σκότος καὶ οὐ φῶς (1a)  
— 20. οὐχὶ σκότος ἡ ἡμέρα τοῦ κ. καὶ οὐ φῶς (1a)  
8. 9. συσκοτίζει ἐπὶ τῆς γῆς ἐν ἡμέρᾳ τὸ φ. (1a)  
Mi. 7. 9. ἐξάξει με εἰς τὸ φ. (1a)  
Hb. 3. 4. φέγγος αὐ. ὡς φῶς ἔσται (1a)  
— 11. εἰς φῶς βολίδες σου πορεύσονται (1a)  
Ze. 3. 5. ὥσπερ κρίμα αὐ. εἰς φῶς [A om. εἰς φ.] (1a)  
Za. 14. 6. οὐκ ἔσται φῶς (1a)  
— 7. πρὸς ἐσπέραν ἔσται φῶς (1a)  
Is. 2. 5. πορεύσονται τῷ φ. κυρίου (1a)  
4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτός πυρός (8)  
5. 20. οἱ τεινέτες τὸ σκότος φ. καὶ τὸ φ. σκότος  
(1a, 1a)  
9. 2 (1). ἴδετε φ. μέγα . . . φ. λάμπει ἐφ'  
ὑμᾶς (1a, 1a)  
10. 17. ἔσται τὸ φ. τοῦ Ἰσραὴλ εἰς πῦρ (1a)  
13. 10. τὸ φ. οὐ δάσονται . . . ἡ σελήνη οὐ δά-  
σει τὸ φ. αὐτῆς (1a, 1a)  
18. 4. ὡς φ. καύματος μεσημβρίας (1a?)  
28. 9. φ. τὰ προσαγάματά σου ἐπὶ τῆς γῆς  
30. 26. ἔσται τὸ φ. τῆς σελήνης ὡς τὸ φ. τοῦ  
ἡλίου καὶ τὸ φ. τοῦ ἡλίου ἔσται  
ἐπταπλάσιον (1a ter)  
42. 6. A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> ἔδωκα σε . . . εἰς φ. ἐθνῶν  
[B<sup>1</sup> om. εἰς φ. ἐ.] (1a)  
— 16. ποιῶσω αὐτοῖς τὸ σκότος εἰς φ. (1a)  
45. 7. ἐγὼ ὁ κατασκευάσας φ. (1a)  
49. 6. δέδωκα [A B<sup>2</sup> τέθεικα] σε . . . εἰς φ. ἐθνῶν (1a)  
— 8. B<sup>1</sup> ἔδωκα σε . . . εἰς φ. [A B S<sup>2</sup> om. εἰς φ.] (1a)  
50. 10. οὐκ ἔστιν αὐτοῖς φ. (8)  
— 11. πορεύσεται τῷ φ. τοῦ πυρός ὑμῶν (1a)  
51. 4. ἡ κρίσις μου εἰς φ. ἐθνῶν (1a)  
— 5. ἐξελεύσεται ὡς [B εἰς] φ. [A om. ὡς φ.]  
τὸ σωτήριόν μου  
58. 11. δείξει αὐτῷ φ. +  
58. 8. τότε γαγγήσεται πρῶτον τὸ φ. σου (1a)  
— 10. ἀνατελεῖ ἐν τῷ σκότει τὸ φ. σου (1a)  
59. 9. ὑπομενάντων αὐτῶν [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> om.] φ. (1a)  
60. 1. ἦκει γὰρ σου τὸ φ. (1a)  
— 3. πορεύσονται βασιλεῖς τῷ φ. σου (1a?)  
— 19. οὐκ ἔσται σοι ἔτι ὁ ἥλιος εἰς φ. ἡμέρας (1a)  
— 19. ἔσται σοι κύριος [B<sup>1</sup> add. εἰς] φ. αἰώνιον (1a)  
— 20. ἔσται γὰρ σοι κύριος φ. αἰώνιον (1a)  
62. 1. ἔως ἂν ἐξέλθῃ ὡς φ. ἡ δικαιοσύνη αὐτῆς  
[A B μου] (8)  
Je. 4. 23. οὐκ ἦν τὰ φ. αὐτοῦ (1a)  
10. 13. ἐξήγαγε φ. ἐκ θησαυρῶν αὐτοῦ +  
18. 16. ἀναμενέει εἰς φ. (1a)  
25. 10. ἀπολῶ . . . ὁσμὴν μύρου καὶ φ. λύχνου (1a)  
28 (51). 16. ἐξήγαγε φ. ἐκ τῶν θησαυρῶν αὐτοῦ +  
88 (31). 35. ὁ δούς τὸν ἥλιον εἰς φ. τῆς ἡμέρας  
σελήνης καὶ ἀστέρων εἰς φ. τῆς  
νυκτός [B<sup>1</sup> al.] (1a, 1a)  
Ba. 3. 14. ποῦ ἐστὶ φ. ὀφθαλμῶν  
— 20. νωτέρω εἶδον φ.  
— 33. ὁ ἀποστέλλων τὸ φ. καὶ πορεύεται  
4. 2. διδόντων . . . κατενάντι τοῦ φ. αὐτῆς  
5. 9. ἡγήσεται γὰρ . . . τῷ φ. τῆς δόξης αὐτοῦ  
La. 3. 2. ἀπὸ γὰρ με εἰς σκότος καὶ οὐ φ. (1a)  
Ez. 81. 4. A ἤγαγεν κύκλῳ τῶν φ. αὐ. —  
82. 7. σελήνη οὐ μὴ φάνη τὸ φ. αὐ. [A al.] (1a)  
— 8. πάντα τὰ φαίνοντα φ. ἐν τῷ οὐρ. (1a)  
41. 11. τὸ εἶρος τοῦ φ. τοῦ ἀπολοῦσιν πηγῶν  
πέντε +

Ez. 42. 7. φ. ἔξωθεν +  
— 10. κατὰ τὸ φ. τοῦ ἐν ἀρχῇ περιπάτου +  
— 11. κατὰ τὰ μέτρα . . . κατὰ τὰ φ. αὐτῶν +  
— 12. ὡς ἐπὶ φ. διαστήματος καλούμου +  
Da. LXX. 2. 22. γινώσκων . . . τὰ ἐν τῷ φ. (4a, 4b\*)  
3. (7a). εὐλογεῖτε, φῶς καὶ σκότος, τὸν κ.  
5. 5. ἔγραψαν . . . κατενάντι τοῦ φ. (2)  
10. 5. καὶ ἐκ μέσου αὐτοῦ φῶς —  
Da. TH. 2. 22. τὸ φ. μετ' αὐτοῦ ἐστὶ (4a, 4b\*)  
3. (7a). εὐλογεῖτε, φῶς καὶ σκότος, τὸν κ.  
6. 19 (20). ὁ βασι. ἀνίστη τὸ πρῶτ' ἐν τῷ φ. (8)  
I Ma. 1. 21. ἔλαβε . . . τὴν λυχνίαν τοῦ φ.  
12. 29. ἔβλεπον γὰρ τὰ φ. καίονα  
II Ma. 1. 32. τοῦ δὲ ἀπὸ τοῦ θνατοῦ ἀντιλάμπαντος  
φ. ἐδαπανήθη  
III Ma. 6. 7. τὸν . . . Δαν. εἰς φῶς ἀνήγαγεν ἀσινῇ  
[Aq. GE. 1. 3 bis, 4 bis, 5: JB. 8. 9: 36. 30:  
38. 24: 41. 12 (P): Ps. 26 (27). 1: 42 (43): 3:  
188 (189). 11: Pr. 6. 23: 16. 15: Is. 31. 9:  
49. 6: 60. 1.]  
[Sm. GE. 1. 3 bis, 5: JB. 8. 9: 17. 12: 18.  
5 (P): 24. 13: 28. 11: 36. 30: Ps. 26 (27).  
1: 42 (43): 3: 55 (56): 14: 188 (189). 12:  
148. 3: Pr. 6. 23: 16. 15: Is. 49. 6: 59.  
9: Za. 14. 6, 7.]  
[Th. GE. 1. 3 bis, 5: Ex. 35. 8, 14, 28: JB. 3. 16:  
17. 12: 18. 5: 24. 16: 29. 24: 33. 30: 38.  
24: Ps. 42 (48): 3: 73 (74). 16: Pr. 4. 18:  
6. 23: 16. 15: Is. 31. 9: 49. 6: Mi. 7. 8 (P).]  
[Al. JB. 18. 6: Ps. 43 (44): 4: Hb. 3. 4. 11.]  
[Quint. Ps. 42 (48): 3: 73 (74). 16.]  
[Sext. Ps. 10 (11). 2.]  
[Heb. Ez. 1. 4.]  
**φωστήρ.** (1) נִרְיָ (2) נִרְיָ  
Ge. 1. 14. γενεθήσαντες φωστήρες (2)  
— 16. ἐποίησεν ὁ θ. τοὺς δύο φ. τοὺς μεγι-  
λους τὸν φ. τὸν μέγαν . . . καὶ τὸν  
φ. τὸν ἐλάσσων (2 ter)  
I Es. 8. 79. τοῦ ἀνακαλῆναι φωστήρα ἡμῶν  
Wi. 13. 2. ἡ φωστήρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου  
θεοὺς ἐνόμισαν  
Si. 48. 7. φωστήρ μεινόμενος ἐπὶ συντελείας  
Da. LXX. 12. 3. φανούσιν ὡς φωστήρες τοῦ  
οὐρανοῦ (1)  
[Aq. GE. 1. 15, 16 bis: Ps. 78 (74). 16: Pr. 15.  
30.]  
[Sm. GE. 1. 16 bis: Ps. 78 (74). 16.]  
[Th. GE. 1. 16 bis.]  
**φωταγωγεῖν.**  
IV Ma. 17. 5. τοὺς ἱσατέρους ἐπὶ τὰ παῖδας φωτα-  
γωγήσασα  
**φωτεινός.**  
Si. 17. 31. τί φωτεινότερον ἡλίου  
28. 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου κυριοπλάσιος ἡλίου φωτει-  
νότεροι  
[Sm. Ps. 138 (139). 11.]  
**φωτίζειν.** (1) נִרְיָ a. qal. δ. ni. c. hi.  
d. נִרְיָ e. נִרְיָ (2) נִרְיָ hi. (3) נִרְיָ hi.  
(4) נִרְיָ (5) נִרְיָ (6) נִרְיָ hi.  
(7) φωτίζων, φωτίζοντες נִרְיָ (8) ἡ  
ὥρα τοῦ φωτίζειν נִרְיָ  
Ex. 38. 13 (37. 17). τὴν λυχνίαν ἡ φωτίζει —  
Nu. 4. 9. καλῶσονται τὴν λυχνίαν τὴν φωτι-  
ζουσαν (1a)  
8. 2. φωτιζοῦσιν οἱ ἐπὶ τὰ λύχνον (1c)  
Jd. 13. 8. A καὶ φωτισάτω [B συμβασιτάτω]  
ἡμᾶς (2)  
— 23. A οὐκ ἂν ἐφώτισεν ἡμᾶς πάντα ταῦτα  
[B al.] (6)  
I Ki. 29. 10. καὶ φωτισάτω ὑμῖν (1a)

IV Ki. 12. 2 (3). ἂν ἐφώτισεν αὐτὸν Ἰ. (2)  
17. 27. φωτιζοῦσιν αὐτοὺς τὸ κρίμα τοῦ θ. τῆς  
γῆς (2)  
— 28. καὶ ἡν φωτίζων αὐτοὺς (2)  
II Es. 2. 63. ἔως ἀναστή ἱερεὺς τοῖς φωτίζουσι (7)  
9. 8. τοῦ φωτίζειν ὀφθαλμοὺς ἡμῶν (1c)  
Ne. 7. 65. ἔως ἀναστή ὁ ἱερεὺς φωτίζων (7)  
8. 3. B<sup>1</sup> ἀπὸ τῆς ὥρας τοῦ φωτίζειν [A B S<sup>2</sup>  
διαφ.] (8)  
9. 12. τοῦ φωτίζειν αὐτοὺς τὴν δόξαν (1c)  
— 19. φωτίζων [B τοῦ φ.] αὐτοὺς τὴν δόξαν (1c)  
Jb. 3. 9. A μὴ ἔλθοι καὶ μὴ φωτίζαί [B S al.] +  
33. 31 (30). A τοῦ φωτίζειν αὐτῶ ἐν φωτὶ [ὡπτων] (1b)  
Ps. 12 (13). 3. φωτίσων τοὺς ὀφθαλμοὺς μου (1c)  
17 (18). 28. σὺ φωτίζεις λύχνον μου, κύριε, ὁ  
θεός μου, φωτίζεις τὸ σκότος μου (1c, 8)  
18 (19). 8. ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς φωτι-  
ζουσα ὀφθαλμοὺς (1c)  
33 (34). 5. καὶ φωτίσθητε (4)  
75 (76). 4. φωτίζεις σὺ θαυμαστῶς ἀπὸ ὀρέων  
αἰωνίων (1b)  
104 (105). 39. καὶ πῦρ τοῦ φωτίζει αὐτοὺς τὴν  
νύκτα (1c)  
118 (119). 130. φωτίζει καὶ συνετελεί νηπίους (1c)  
188 (189). 12. B<sup>2</sup> S B νύξ ὡς ἡμέρα φωτισθή-  
σεται (1c)  
Pr. 4. 18. προπορεύονται καὶ φωτίζουσιν (1a)  
Ec. 8. 1. φωτίζει πρόσωπον αὐτοῦ (1c)  
Wi. 17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατίσχυε φωτίζων  
Si. 24. 32. ἔτι παιδείαν ὡς ὄρθρον φωτίζω  
31 (34). 17. ἀνυψῶν ψυχὴν καὶ φωτίζων ὀφθαλ-  
μοὺς  
42. 16. ἥλιος φωτίζων κατὰ πᾶν ἐπέβλεψε  
43. 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [A B<sup>2</sup>  
-ίου]  
45. 17. A B ἐν νόμῳ αὐτοῦ φωτίζαί [B S φωνήσαι]  
τὸν Ἰ.  
50. 7. A B ὡς τόξον φωτίζον [B S -ων] ἐν νεφέ-  
λαις δόξης  
Ho. 10. 12. φωτίσατε ἑαυτοὺς φῶς γνώσεως (5?)  
Mi. 7. 8. κύριος φωτίζει (1c)  
Is. 60. 1. φωτίζον φωτίζον, Ἱερουσαλὴμ (†, 1a)  
— 19. οὐδὲ ἀνατολὴ σελήνης φωτίζει σοι [B σε]  
τὴν νύκτα (1c)  
Ba. 1. 12. φωτίζει [A -ση] τοὺς ὀφθαλμοὺς ἡμῶν  
Ep. Je. 67. A B οὐτε [A add. μὴ] φωτιζοῦσιν [B  
-ίσουσιν] ὡς ἡ σελήνη  
Da. LXX. 4. 9. ἐφώτιζον πᾶσαν τὴν γῆν —  
[Aq. GE. 48. 28: Ex. 4. 12: 14. 20: 15. 25:  
24. 12: Dt. 17. 11: 33. 10: I Ki. 14. 27:  
Jb. 12. 7: Ps. 24 (25). 8, 12: 26 (27). 11:  
31 (32). 8: 44 (45). 5: 85 (86). 11: 118 (119).  
33: Pr. 4. 4: 5. 13: 29. 13: Is. 27. 11:  
60. 1, 19.]  
[Sm. Pr. 5. 13: 29. 13: JE. 31 (38). 12.]  
[Th. Jd. 13. 8: JB. 33. 30: Ps. 26 (27). 11:  
118 (119). 33: Pr. 4. 18: 5. 13: 29. 13:  
Mi. 7. 8.]  
[Al. LE. 10. 11: 14. 57: I Ki. 12. 23.]  
[Quint. Ps. 26 (27). 11: 83 (84). 7: 145  
(146). 8.]  
[Sext. Ps. 26 (27). 11.]  
**φωτισμός.** (1) a. נִרְיָ δ. נִרְיָ  
Jb. 3. 9. εἰς φωτισμὸν [B<sup>1</sup> φῶς] μὴ ἔλθοι (1a)  
[A al.] (1a)  
Ps. 26 (27). 1. κύριος φωτισμός μου (1a)  
43 (44). 3. καὶ ὁ φ. τοῦ προσώπου σου (1a)  
77 (78). 14. καὶ ἔλθῃ τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ  
πυρός [B<sup>1</sup> φωτός] (1a)  
89 (90). 8. ὁ αἶων ἡμῶν εἰς φωτισμὸν τοῦ προσ-  
ώπου σου (1b)  
188 (189). 11. νύξ φωτισμὸς ἐν τῇ τρυφῇ μου (1a)  
[Aq. Ex. 28. 30: Le. 8. 8: Nu. 27. 21: I Ki.  
28. 6: Ps. 75 (76). 5.]  
[Sm. Ex. 28. 30: Nu. 27. 21: Pr. 15. 30.]  
[Th. Ex. 28. 30: Le. 8. 8: Nu. 27. 21.]

## X

|   |   |   |
|---|---|---|
| <p><b>χαβά.</b><br/> IV Ki. 8. 15. Β ἔλαβε τὸν χ. [A B al.] +<br/> <b>χαβαθά.</b> (1) חַבְּתָּ<br/> Ge. 35. 16. Α ἡνίκα ἤγγισεν χ. εἰς γῆν [B al.] (1)<br/> 48. 7. ἐγγίζοντός μου κατὰ τὸν ἱππόδρ. χ. τῆς γῆς (1)<br/> [Heb. IV Ki. 5. 19.]<br/> <b>χαβράνι (?)</b><br/> Ex. 30. 34. Α λάβε σεαυτῷ . . . χαβράνιν [B χαλβάνην] ἡδυσμού +<br/> <b>χαβῶθ.</b> (1) חִבְּוֹ<br/> I Ki. 4. 21. Α ἐκάλεσε τὸ παιδάριον Οὐαί χ. [B βαρχ.] (1)<br/> <b>χαβών.</b> cf. χαυνών.<br/> [Th. Je. 7. 18.]<br/> <b>χαεφίρ.</b><br/> [Heb. Ps. 147. 5 (16).]<br/> <b>χά[ε]σθαι.</b> (1) חָצַץ<br/> Am. 3. 5. Α<sup>1</sup> εἰ χασθήσεται [A<sup>2</sup> B σχασθ.] παγίς ἐπὶ τῆς γῆς (1)<br/> <b>χαίνειν.</b> cf. χάσκειν. (1) חָצַץ<br/> Ge. 4. 11. ἡ χεανὲν τὸ στόμα αὐ. (1)<br/> I Es. 4. 19. Β εἰς αὐτὴν κέχηναν [A ἐγκ., B ἐκκ.] (1)<br/> Ez. 2. 8. χάνει τὸ στόμα σου (1)<br/> <b>χαίρειν.</b> (1) חָיָה (2) חָיָה (3) חָיָה (4) חָיָה<br/> (4) a. חָיָה b. חָיָה (5) חָיָה (6) חָיָה<br/> (7) a. חָיָה b. חָיָה c. חָיָה (8) חָיָה<br/> Ge. 45. 16. ἐχάρη δὲ φ. (8)<br/> Ex. 4. 14. χαρήσεται ἐν ἑαυτῷ (7 a)<br/> — 31. καὶ ἐχάρη +<br/> I Ki. 19. 5. καὶ ἐχάρησαν (7 a)<br/> III Ki. 3. I (B): 4. 20 (A). πίνοντες καὶ χαίροντες [A εὐφραίνοντες] (7 b)<br/> 5. 7 (21). ἐχάρη σφόδρα (7 a)<br/> 8. 66. ἀπῆλθεν ἕκαστος εἰς τὰ σκηνώματα αὐ. χαίροντες (7 b)<br/> IV Ki. 11. 14. καὶ πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς χαίρων — 20. ἐχάρη πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (7 b)<br/> 20. 13. ἐχάρη ἐπ' αὐτοῖς Ἐξ. +<br/> I Es. 6. 7. Βασιλεὺς Δαρείου χαίρειν [A -ει] (7 a)<br/> 8. 9. Βασιλεὺς Ἀρτ. Ἐσδρά . . . χαίρειν (7 a)<br/> To. 5. 9. Β χαίρειν σοι πολλὰ γέγοντο — 9. Β τί μοι ἐστὶν ὑπάρχει χαίρειν — 13. Β καὶ χαίρων ἔλθοις 7. 1. Β χαίρετε πολλὰ, ἀδελφοί 11. 1. Β ἀπῆλθε Τωβ. ἀπὸ Ἰσραὴλ . . . χαίρων — 15. εἰσῆλθεν ὁ υἱὸς αὐ. χαίρων [B al.] — 16. ἐξῆλθε Τωβ. . . χαίρων — 19. Β<sup>1</sup> παρεγένοντο . . . χαίροντες [B<sup>2</sup> om.] πρὸς Τωβ.<br/> 13. 13. Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> χάρηθι [A B<sup>1</sup> -τι] καὶ ἀγαλλίασαι [B al.]<br/> — 14. χαρήσονται ἐπὶ τῇ εἰρήνῃ σου — 14. ἐπὶ [B ἐν] σοὶ χαρήσονται 14. 7. χαρήσονται πάντες οἱ ἀγαπῶντες κ. τὸν θεόν — 15. ἐχάρη πρὸ τοῦ ἀποθανεῖν ἐπὶ Νινευή<br/> Es. 8. 13. Βασιλεὺς μέγας Ἀρτ. . . τοῖς τὰ ἡμέτερα φρονούσι χαίρειν — 15. Ἰδόντες δὲ οἱ ἐν Σουσοῖς ἐχάρησαν (7 a)<br/> Ps. 95 (96). 12. χαρήσεται τὰ πεδία (4 a)<br/> Pr. 2. 14. χαίροντες ἐπὶ διαστροφῇ κακῇ (2)<br/> 8. 16. χαίρει πᾶσιν οἷς μισεῖ ὁ θεός +<br/> 17. 19. φιλαμαρτῶμων χαίρει μάχαις (1)<br/> 23. 25. χαίρειν ἡ τεκούσα σε (2)<br/> 24. 19. μὴ χαίρει ἐπὶ κακοποιῖς [B<sup>1</sup> κακότητι] +<br/> Ho. 9. 1. μὴ χαίρει, Ἰσρα. (7 a)<br/> Jl. 2. 21. θάρσει, γῆ, χαίρει καὶ εὐφραίνου (2)</p> | <p>Jl. 2. 23. τὰ τέκνα Σιών, χαίρετε καὶ εὐφραίνεσθε (2)<br/> Jn. 4. 6. ἐχάρη ἰ. . . χαρὰν μεγάλην (7 a)<br/> Hb. 1. 15. χαρήσεται ἡ καρδιά αὐ. (2)<br/> 3. 18. χαρήσομαι ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σωτήρι μου (2)<br/> Ze. 3. 14. χαίρει, θύγατερ Σιών (6)<br/> Za. 4. 10. καὶ χαρούνται [A B<sup>2</sup> χαρήσονται] (7 a)<br/> 9. 9. χαίρει σφόδρα (2)<br/> 10. 7. χαρήσεται ἡ καρδιά αὐ. ὡς ἐν οἴκῳ (7 a)<br/> — 7. χαρείται [B<sup>2</sup> -ησεται] ἡ καρδιά αὐ. ἐπὶ τῷ κυρίῳ (2)<br/> Is. 13. 3. ἔρχονται . . . χαίροντες ἅμα (4 b)<br/> 39. 2. ἐχάρη ἐπ' αὐτοῖς Ἐξέκίας [A B add. χαράν] (7 a)<br/> 48. 22. οὐκ ἐστὶ χ. τοῖς ἀσεβέσιν (8)<br/> 57. 21. οὐκ ἐστὶ χ. τοῖς ἀσεβέσιν (8)<br/> 66. 10. χαρήσεται ἡ καρδιά ὑμῶν — 14. χαρήσεται ἡ καρδιά ὑμῶν (6)<br/> Je. 7. 34. καταλύσω . . . φωνὴν χαίρωντων (7 c)<br/> 38 (31). 13. χαρήσονται παρθένου — 13. καὶ προσβύται χαρήσονται +<br/> Ba. 4. 33. ὥσπερ γὰρ ἐχάρη ἐπὶ τῇ σῇ πτώσει — 37. ἔρχονται . . . χαίροντες τῇ τοῦ θεοῦ δόξῃ 5. 5. ἴδε . . . χαίροντας [A -ει] τῇ τοῦ θεοῦ μυνίᾳ (8)<br/> La. 1. 21. ἐχάρησαν ὅτι σὺ ἐποίησας (6)<br/> 4. 21. χαίρει καὶ εὐφραίνου (7 a)<br/> Ez. 7. 12. ὁ κτώμενος μὴ χαιρέτω (6)<br/> Da. LXX. Bel 17. καὶ ἐχάρη ὁ βασι. (7 a)<br/> I Ma. 10. 18. βασιλεὺς Ἀλ. τῷ ἀδ. Ἰων. χαίρειν — 25. βασιλεὺς Δ. τῷ θῖνι τῶν ἰ. χαίρειν — 26. ἡκούσαμεν καὶ ἐχάρημεν — 16. Λεύκιος . . . Πτολεμαῖος βασιλεὺς χαίρειν 11. 30. βασιλεὺς Δ. ἰ. τῷ ἀδ. χαίρειν — 32. βασιλεὺς Δ. ἰ. τῷ πατρὶ χαίρειν 12. 6. ἰωάννης . . . Σπαρτιάταις τοῖς ἀδελφοῖς χαίρειν — 20. Β Βασιλεὺς Σπ. Ὀνεία . . . χαίρειν [A -ων] 18. 36. βασιλεὺς Δημ. Σίμων . . . χαίρειν 14. 20. Σπαρτιατῶν ἄρχοντες . . . Σίμων . . . χαίρειν 16. 2. βασιλεὺς Ἀντ. Σίμων . . . χαίρειν — 16. Λεύκιος . . . Πτολεμαῖος βασιλεὺς χαίρειν II Ma. 1. 1. τοῖς ἀδελφοῖς . . . χαίρειν — 10. Ἰούδας Ἀριστοβούλῳ . . . χαίρειν 9. 19. τοῖς χρυσοῖς Ἰουδ. . . πολλὰ χαίρειν 11. 16. Λυσίας τῷ πληθεὶ τῶν Ἰουδ. χαίρειν — 22. βασιλεὺς Ἀντ. τῷ ἀδ. Λυσία χαίρειν — 27. βασιλεὺς Ἀντ. τῇ γερουσίᾳ . . . χαίρειν — 34. προσβύται Ῥωμαῖον τῷ δήμῳ τῶν Ἰουδ. χαίρειν III Ma. 1. 8. καὶ ἐπὶ τοῖς συμβεβηκόσι χαρησομένοις 8. 12. βασιλεὺς Πτ. Φ. τοῖς . . . στρατιώταις χαίρειν 7. 1. βασιλεὺς Πτ. Φ. τοῖς . . . στρατηγοῖς . . . χαίρειν IV Ma. 4. 22. ὡς ἐνὶ μάλιστα χαίρουσιν οἱ Ἱεροσολυμίταις 12. 9. Β οἱ δὲ χαρίτες [A B καὶ ἐπιχ.] μάλιστα ἐπὶ τῇ ἐπαγγελίᾳ τοῦ παιδὸς [Aq. Is. 61. 10 bis.] [Sm. Ps. 57 (58). 11: Is. 18. 3: Je. 15. 17.] [Th. Is. 60. 5.] [Al. I Ki. 8. 13: III Ki. 1. 40: Za. 2. 10 (14).] <b>χαιρετίζεῖν.</b> To. 5. 9. Β ἐχαιρετίζεν αὐτὸν Τ. πρῶτος 7. 1. Α Β ἐχαιρετίζεν αὐτὸν [B -αν αὐτὸν πρῶτοι] <b>χαίτη.</b> [Sm. Jb. 18. 16: Ps. 79 (80). 12.] [Sext. Ps. 79 (80). 12.] <b>χαλαβώτης.</b> (1) חֲלָבִית Le. 11. 30. Β καὶ χαλαβώτης [A B καλ.] καὶ σαύρα (1) <b>χάλαζα.</b> (1) חֲלָזָה (2) a. חֲלָזָה b. חֲלָזָה Ex. 9. 18. ὦ . . . χ. πολλὴν σφόδρα (2 a) — 19. πέση δὲ ἐπ' αὐτὰ ἡ χ. (2 a) — 22. ἔσται χάλαζα ἐπὶ πᾶσαν γῆν Αἴγ. (2 a)</p> | <p>Ex. 9. 23. κύριος ἔδωκε φωνὰς καὶ χάλαζαν (2 a) — 23. ἔβρεξε κύριος χάλαζαν (2 a) — 24. ἦν δὲ ἡ χ. καὶ τὸ πῦρ φλογίζον ἐν τῇ χ. (2 a, 2 a) — 24. ἡ δὲ χ. πολλὴ σφόδρα — 25. ἐπάταξε δὲ ἡ χ. (2 a) — 25. πᾶσαν βουτάνην . . . ἐπάταξεν ἡ χ. (2 a) — 25. πάντα τὰ ζῦλα . . . συνέτριψεν ἡ χ. [A<sup>1</sup> om. ἡ χ.] — 26. ἐν γῇ Γ. . . οὐκ ἐγένετο ἡ χ. (2 a) — 28. παυσάσθω τοῦ γενεθῆναι . . . χάλαζαν (2 a) — 29. ἡ χ. καὶ ὁ υἱὸς οὐκ ἔσται ἐτι (2 a) — 33. ἡ χ. καὶ ὁ υἱὸς οὐκ ἔσται ἐτι (2 a) — 34. πέπνυται ὁ υἱὸς καὶ ἡ χ. (2 a) 10. 5. δ. κατέλειπεν ὑμῶν ἡ χ. (2 a) — 12. ἐν ὑπελείπῃ τῇ χ. (2 a) — 15. δὲ ὑπελείφθη ἀπὸ τῆς χ. (2 a) Jo. 10. 11. κ. ἐπέριψεν αὐτοῖς λίθους χαλάζης — 11. οἱ ἀποθανόντες διὰ τοὺς λίθους τῆς χ. (2 a) [b. 38. 22. θησαυροὺς δὲ χαλάζης [B<sup>1</sup> θαλάσσης] ἑώρακας (2 a) Ps. 17 (18). 12. χάλαζα καὶ ἀνέβρακε πυρός (2 a) 77 (78). 47. ἀπέκτεινεν ἐν χαλάζῃ τὴν ἀμπελον αὐτῶν (2 a) — 48. Β Β παρέδωκεν ἐν χαλάζῃ [B<sup>2</sup> εἰς ἀχμαλωσίαν, B<sup>2</sup> εἰς χάλαζαν] τὰ κτήνη αὐτῶν (2 a) 104 (105). 32. ἔθετο τὰς βροχὰς αὐτῶν χάλαζαν (2 a) 148. 8. πῦρ χάλαζα χιὼν κρύσταλλος (2 a) Wi. 5. 22. ἐκ πετροβόλου θυμοῦ πλήρεις ῥιφίσονται χάλαζαι 16. 16. χάλαζαι καὶ ὄμβροις διωκόμενοι — 22. πῦρ φλεγόμενον [B φλέγον] ἐν τῇ χ. Si. 39. 29. πῦρ καὶ χάλαζα καὶ λιμὸς καὶ θάνατος 43. 15. διεθρύβησαν λίθοι χαλάζης 46. 6. ἐπήκουσεν αὐτῶν μέγας κύριος ἐν [A B om.] λίθοις χαλάζης δυνάμει κραταίᾳ Hg. 2. 18 (17). ἐπάταξε ὑμᾶς . . . ἐν χαλάζῃ (2 a) Is. 28. 2. ὡς χ. καταφερομένη (2 a) 30. 30. ὡς ὕδωρ καὶ χ. συγκαταφερομένη βίᾳ (2 a) 32. 19. ἡ δὲ χ. ἐάν καταβῇ (2 b) Ez. 38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . λίθοις χαλάζης (1) [Aq. Is. 28. 2: 32. 19.] [Sm. Ps. 17 (18). 14: 77 (78). 47: Is. 28. 2: 32. 19: Ez. 13. 11.] [Th. Ps. 17 (18). 14: Is. 28. 2, 17.] [Al. Is. 28. 2.] <b>χαλάν.</b> (1) חֲלָן hi. (2) חֲלָן ni. (3) חֲלָן ri. Ex. 36. 29 (39. 21). Α Β<sup>2</sup> Β<sup>1</sup> ἴνα μὴ χαλάται τὸ λογιεῖν ἀπὸ τῆς ἐπωμίδος (2) Is. 38. 23. οὐ χαλάσει τὰ ἱστία + 57. 4. ἐπὶ τῇ ἐχάλασται τὴν γλῶσσαν ὑμῶν (1) Je. 45 (38). 6. ἐχάλασαν αὐτὸν εἰς τὸν λάκκον (2) IV Ma. 10. 19. Α κεχάλασται [B B<sup>2</sup> προκ.] ἡ γλῶσσα [Aq. Sm. Je. 38 (45). 6.] <b>χάλασμα.</b> [Th. Ez. 23. 15.] <b>χάλαστόν.</b> (1) חֲלָסֹת II Ch. 3. 5. ἐγλυψεν ἐπ' αὐτοῦ φοῖνικας καὶ χαλαστά (1) — 16. καὶ ἔθηκεν ἐπὶ τῶν χ. (1) [Sm. Is. 3. 19.] [Th. Ez. 28. 14, 22.] <b>χαλβάνη.</b> (1) חֲלָבָנִי Ex. 30. 34. λάβε σεαυτῷ . . . χαλβάνην [A χαβράνιν] ἡδυσμού (1) Si. 24. 15. ὡς χαλβάνη [A χαρβ.] καὶ ὄνη [Aq. Ez. 27. 18.]</p> |
|---|---|---|



IV Ki. 25. 17. καὶ τὸ **χωθάρ ἐπ'** αὐτοῦ τὸ χ. (1c)  
 — 17. τὰ πάντα χ. (1c)  
 I Ch. 15. 19. ἐν **κυμβάλοις** χ. τοῦ ἀκουσθῆναι ποιῆσαι (1c)  
 18. 8. ἐποίησε **Σαλ.** τὴν θάλασσαν τὴν χ. . . . καὶ τὰ σκευὴ τὰ χ. (1c, 1c)  
 — 11 (10). **Β** πάντα σκευὴ . . . τὰ χ. [ABS om. τὰ χ.] (1c)  
 II Ch. 1. 5. τὸ **θυσιαστήριον** τὸ χ. . . . ἐκεῖ ἦν — 6. ἤγειγεν ἐκεῖ **Σ.** ἐπὶ τὸ **θυσιαστ.** τὸ χ. (1c)  
 4. 1. ἐποίησε τὸ **θυσιαστήριον** χ. (1c)  
 6. 13. ἐποίησε **Σαλ.** βάσιν χ. (1c)  
 7. 7. τὸ **θυσιαστήριον** τὸ χ. . . . οὐκ ἐξεποίει (1c)  
 12. 10. ἐποίησεν **Ρ.** θυρεοὺς χ. (1c)  
 38. 6. ἔδωκεν αὐτὸν ἐν χ. πίδακι (2)  
 I Es. 8. 57. καὶ σκευὴ χ. [A -καί] ἀπὸ χρηστοῦ χαλκοῦ (1c)  
 Jb. 6. 12. **Β** ἡ αἰσάρκες μου εἰσι **χάλκαι** [A -αἰ, B S -εἰαι] (1a)  
 40. 13 (18). **Α** οἱ **πλευραὶ** αὐτοῦ ὡς **πέτραι** **χάλκαι** [B S αὐ. π.λευραὶ χάλκαι] (1b)  
 41. 6 (7). **Β** τὰ ἔγκατα αὐτοῦ ἀσπίδες **χάλκαι** [B -εἰαι, A S -αἰ] — (19) (20). **Β** οὐ μὴ **τρώσῃ** αὐτὸν **τόξον** **χάλκειον** [B S -εἰαι, A om. τ. χ.] — (1c)  
 Ps. 17 (18). 34. ἔδωκεν **τόξον** **χαλκοῦν** τοὺς **βραχιονάς** μου (1b)  
 106 (107). 16. **συνέτριψε** **πύλας** **χαλκᾶς** (1c)  
 Si. 28. 20. **Α** **Β** **Β** οἱ **δεσμοὶ** αὐτῆς **δεσμοὶ** **χάλκειοι** [B<sup>2</sup> -εἰοι, B<sup>3</sup> S -ιοι] (1c)  
 Mi. 4. 13. τὰς **ὀπλὰς** σου **θήσονται** **χαλκᾶς** (1b)  
 Za. 6. 1. τὰ ὄρη ἦν ὄρη χ. (1c)  
 Is. 45. 2. **θύρας** **χαλκᾶς** **συντρίψω** (1b)  
 48. 4. τὸ **μέτωπόν** σου **χαλκοῦν** (1b)  
 54. 16. **Β** οὐχ ὡς **χαλκοῦς** [ABS<sup>2</sup> -εὺς] **φυσῶν ἀνθράκας** +  
 Je. 1. 18. **τίθεικά** σε . . . ὡς **τείχος** **χαλκοῦν** [A -οῦ] (1c)  
 15. 12. **περιβόλαιον** **χαλκοῦν** ἡ **ἰσχὺς** σου (1c)  
 — 20. **δώσω** σε . . . ὡς **τείχος** **ὀχυρὸν** **χαλκοῦν** (1c)  
 52. 17. τοὺς **στόλους** τοὺς χ. . . . καὶ τὴν **θάλασσαν** τὴν χ. [A om. κ. τ. θ. τ. χ.] . . . **συνέτριψαν** (1c, 1c)  
 — 18. **πάντα** τὰ **σκευὴ** τὰ χ. . . . **ἔλαβεν** (1c)  
 — 20. οἱ **μύσχοι** **δώδεκα** **χαλκοῖ** (1c)  
 — 22. **γίσιος** ἐπ' αὐτοῖς **χαλκοῦν** . . . τὰ **πάντα** **χαλκᾶ** (1c, 1c)  
 Ez. 9. 2. **ἐστῆσαν** **ἐχόμενοι** [A -να] τοῦ **θυσιαστήριον** τοῦ χ. (1c)  
 27. 13. **σκευὴ** **χαλκᾶ** **ἔδωκεν** τὴν **ἐμπορίαν** σου (1c)  
 Da. LXX. 2. 32. ἡ **κοιλία** καὶ οἱ **μυροὶ** χ. (1d)  
 — 39. καὶ **τρίτῃ** **βασιλείᾳ** **ἄλλῃ** χ. (1d)  
 4. 15. ἐν **χειροπέδι**ς χ. **ἰδέσθ** — (1d)  
 7. 19. καὶ οἱ **δυνεῖς** αὐ. χ. (1d)  
 Bel 6. **ἴσθαι** μὲν **πλήρεις** **ἔστιν** **ἔξωθεν** δὲ **χαλκοῦς** — 23. μὴ **καὶ** τοῦτον **ἔρεις** **ὅτι** **χαλκοῦς** **ἔστιν** (1d)  
 Da. TH. 2. 32. ἡ **κοιλία** καὶ οἱ **μυροὶ** χ. (1d)  
 4. 12. ἐν **δεσμῷ** **σιδήρῳ** καὶ χ. . . . **κοιτασθήσεται** (1d)  
 5. 4. ἦνσαν **τοὺς** **θεοὺς** τοὺς . . . χ. (1d)  
 — 23. τοὺς **θεοὺς** τοὺς . . . χ. . . . ἦνσαν (1d)  
 7. 19. καὶ οἱ **δυνεῖς** αὐ. χ. (1d)  
 Bel 24. **Α** **Β** **Β** μὴ καὶ τοῦτον **ἔρεις** **ὅτι** **χαλκοῦς** **ἔστιν** (1d)  
 I Ma. 6. 35. καὶ **περικεφαλαίαι** χ. ἐπὶ τῶν **κεφ.** αὐ. — 39. **Β** ἐπὶ τὰς **χρυσὰς** **χάλκας** καὶ [B<sup>2</sup> B καὶ χ., A om. χ. κ.] **ἀσπίδας** (1d)  
 8. 22. **ἡς** **ἀντέγραφαν** ἐπὶ **δέλτοις** **χαλκαῖς** (1d)  
 14. 18. **ἔγραψαν** πρὸς αὐτὸν **δέλτοις** χ. — 27. καὶ **κατέγραφαν** ἐν **δέλτοις** χ. [B<sup>1</sup> -οῖς] — 48. **θέσθαι** ἐν **δέλτοις** χ. (1d)  
 [Aq. Ex. 36. 38 (37. 6) : 38. 30 (39. 8) : I Ki. 17. 5 : III Ki. 7. 38 (24) : Je. 52. 22.]  
 [Sm. Ex. 35. 16 : 36. 38 (37. 6) : 38. 30 (39. 8) : I Ki. 17. 5 : III Ki. 7. 38 (24) : Jb. 40. 13 (18) : Je. 52. 11, 22.]  
 [Th. Ex. 35. 16 : 36. 38 (37. 6) : 38. 3 (23), 30 (39. 8) : I Ki. 17. 5 : Jb. 39 (40). 7.]

**χαμαί.** (1) **חַמָּי**

Ju. 12. 15. **ἐστῆσαν** αὐτῇ . . . χ. τὰ **κώδια** 14. 18. **ἰδοὺ** ὅλα χ.  
 Jb. 1. 20. **πέσον** χ. **προσεκύνησε** (1)  
 Da. LXX. 2. 46. **πέσον** ἐπὶ **πρόσωπον** χ. — 8. 11. **ἔθηκεν** αὐτὴν **ἔως** χ. ἐπὶ τὴν **γῆν** —

Da. LXX. 8. 12. **ἐρρίφη** χ. ἡ **δικαιοσύνη** (1)  
 — 18. **ἐκοιμήθη** ἐπὶ **πρόσωπον** χ. (1)  
 Da. TH. 8. 12. **ἐρρίφη** χ. ἡ **δικαιοσύνη** (1)  
**χαμαιλέων.** cf. **χαμηλέων.**  
 Ze. 2. 14. **χαμαιλέοντες** . . . ἐν τοῖς **φαντάσμασιν** αὐ. **κοιτασθήσονται** +  
**χαμαιπετής.**  
 I Es. 8. 91. **κλαῖων** **χαμαιπετῆς** **ἐμπροσθεν** τοῦ **ἱεροῦ**  
**χαμανεῖμ.**  
 II Es. 8. 27. **Β** καὶ **καφ.** **χρυσοῖ** . . . χ. **χίλοι** [A B al.] +  
**χαμηλέων.** cf. **χαμαιλέων.** (1) **חַמָּי**  
 Le. 11. 30. **μεγαλὴ** καὶ **χαμηλέων** καὶ **καλαβώτης** (1)  
**χάος.** (1) **חַי**, **חַי**  
 Mi. 1. 6. **κατασπᾶσω** εἰς **χάος** τοὺς **λίθους** αὐ. (1)  
 Za. 14. 4. **σχηθήσεται** . . . χ. **μέγα** **σφόδρα** [A al.] (1)  
**χάρα** (?).  
 I Es. 5. 55. **ἔδωκεν** . . . **χάρα** [A κάρρα] τοῖς **Σιδ.**  
**χαρά.** (1) **חַי** (2) **חַי** (3) **חַי**  
 (4) **חַי** (5) **חַי** (6) **חַי**  
 δ. **חַי** (7) ἐν **χαρᾷ** εἶναι [?]  
 I Ch. 29. 22. **ἔφαγον** . . . **μετὰ** **χαρᾶς** (5)  
 I Es. 4. 63. **ἐκαθονίζοντο** **μετὰ** **μουσικῶν** καὶ **χαρᾶς** 5. 64. **πολλοὶ** διὰ **σαλπίγγων** καὶ **χαρᾶ** [A -ἀς] **μεγάλῃ** **τῇ** **φωνῇ**  
 To. 7. 18. **Β** δὴν **σοὶ** **χαράν** [A B χάριν]  
 11. 17. **Β** **ἔειπε** . . . ἐν **εὐλογίᾳ** καὶ **χαρᾷ** — 17. **ἐγένετο** **χαρὰ** **πᾶσι** τοῖς ἐν **Νιν.** **ἀδελφοῖς** αὐ. [S al.]  
 13. 10. **ἵνα** **πάνιν** ἡ **σκητὴ** αὐ. **οἰκοδομηθῇ** ἐν **σοὶ** **μετὰ** **χαρᾶς** [S al.]  
 — 14. **Β** **ὄψονται** **πάναν** τὴν χ. σου [A B al.]  
 Es. 8. 17. **Α** **Β** **χαρὰ** καὶ **εὐφροσύνη** [B<sup>2</sup> εὐ. κ. χ.] τοῖς **ἰουδ.** (5 [S a])  
 9. 17. ἦγον αὐτὴν . . . **μετὰ** **χαρᾶς** καὶ **εὐφροσύνης** +  
 — 18. ἦγον δὲ καὶ τὴν **πεντεκαίδεκάτην** **μετὰ** **χαρᾶς** +  
 — 23. **Β** ἀπὸ **πίνθους** [A δούνης] εἰς **χαράν** (5)  
 10. 3. **μετὰ** **συναγωγῆς** καὶ **χαρᾶς** καὶ **εὐφροσύνης**  
 Ps. 20 (21). 6. **εὐφρανέις** αὐτὸν ἐν **χαρᾷ** (5)  
 29 (30). 11. **ἐστρεψας** τὸν **κοπετόν** μου εἰς **χαράν** ἐμοί (5)  
 125 (126). 2. **Β** **Β** **ἐπλήσθη** **χαρᾶς** [A -ῆ] τὸ **στόμα** ἡμῶν (4)  
 Pr. 14. 13. **τελευταία** δὲ **χαρὰ** [A -ἀς] εἰς **πένθος** **ἔρχεται** (5)  
 29. 6. **δίκαιοι** ἐν ἐν **χαρᾷ** καὶ ἐν **εὐφροσύνῃ** **ἔσται** (7)  
 Wi. 8. 16. **ἔχει** . . . **εὐφροσύνην** καὶ **χαράν** (5)  
 Si. 1. 12. **φίλος** **κυρίου** . . . **δώσει** . . . **χαράν** (5)  
 2. 9. **Β** **δόςαι** **αἰωνία** **μετὰ** **χαρᾶς** τὸ **ἀνταπόδομα** αὐτοῦ (5)  
 30. 16. οὐκ **ἔστιν** **εὐφροσύνη** ὑπὲρ **χαράν** [A B<sup>1</sup> χάριν] **καρδίας** (5)  
 Jl. 1. 5. **ἐξηρῆθ** ἐκ **στόματος** ἡμῶν . . . **χαρὰ** — (12. **ἦσχυναν** **χαράν** οἱ **υἱοὶ** τῶν **ἀνθρώπων**) (5 a)  
 — 16. **ἐξ** **οἴκου** **θεοῦ** ἡμῶν **εὐφροσύνη** καὶ **χαρὰ** (1)  
 Jn. 4. 6. **ἐχάρη** **ἰ.** . . . χ. **μεγάλῃν** (5)  
 Za. 8. 19. **ἔσονται** . . . εἰς **χαράν** καὶ **εὐφροσύνην** (5 a)  
 Is. 39. 2. **Α** **Β** **ἐχάρη** ἐπ' αὐτοῖς **Ἐξέκας** **χαράν** **μεγάλῃν** [B om. χ. μ.] — (5)  
 55. 12. ἐν **χαρᾷ** **διδαχθήσεσθε** +  
 — 12. **ἐξαλούνται** **προσδεχόμενοι** ὑμᾶς ἐν **χαρᾷ** (3)  
 66. 10. **χάρητε** **ᾧ** **αὐτῇ** **χαρᾷ** [A -ᾶν] (5 b)  
 Je. 15. 16. εἰς **εὐφροσύνην** καὶ **χαράν** **καρδίας** μου (5)  
 18. 9. **καταλύω** . . . **φωτὴν** **χαρᾶς** (5 a)  
 25. 10. **ἀπολὼ** ἀπ' αὐτῶν **φωτὴν** **χαρᾶς** καὶ **φωτὴν** **εὐφροσύνης** [A εὐ. κ. φ. χ.] (5 a [5])  
 Ba. 4. 22. **ἦλθε** μοι χ. **παρὰ** τοῦ **ἁγίου**  
 La. 5. 15. **κατέλυσε** **χαρὰν** **καρδίας** ἡμῶν (5 b)  
 I Ma. 4. 59. **ἵνα** **ἀγωνίαι** . . . **μετ'** **εὐφροσύνης** καὶ **χαρᾶς**  
 5. 54. **ἀνέβησαν** . . . ἐν **εὐφροσύνῃ** καὶ **χαρᾷ**  
 II Ma. 8. 30. **χαρᾶς** καὶ **εὐφροσύνης** **ἐπλήρωτο** 15. 28. καὶ **μετὰ** **χαρᾶς** **ἀναλύοντες**  
 III Ma. 4. 1. **μετὰ** **ἀλαλαγμῶν** καὶ **χαρᾶς** — 16. **ὁ** **βασ.** **χαρᾷ** **πεπληρωμένος**  
 5. 21. **ἀσμένους** **πάντες** **μετὰ** **χαρᾶς** . . . **συναίνεσαντες**  
 6. 34. καὶ **μετὰ** **χαρᾶς** **ἀπογραφάμενοι**

III Ma. 7. 13. **μετὰ** **χαρᾶς** **ἀνέλυσαν** — 15. ἦν καὶ **ἡγαγον** **εὐφροσύνην** **μετὰ** **χαρᾶς**  
 IV Ma. 1. 22. **μετὰ** δὲ τὴν **ἡδονὴν** **χαρὰ** [Aq. Ps. 44 (45). 9 : Is. 35. 10 : 61. 11 : 60. 15 : 61. 3 : Je. 7. 34.]  
 [Sm. Ps. 96 (97). 11 : Pr. 15. 21.]  
 [Th. Is. 24. 11 : 51. 11.]  
 [Al. III Ki. 1. 40.]  
**χαραδριός.** (1) **חַרְדִּי**  
 Le. 11. 19. καὶ **γλαῦκα** καὶ **ἀρωδιὸν** καὶ **χαραδριὸν** (1)  
 De. 14. 18. καὶ **πελεκᾶνα** καὶ **χαραδριὸν** (1)  
**χαρακοβολία.** (1) **חַרְדִּי**  
 Ez. 17. 17. **ποιήσει** πρὸς αὐτὸν **Φαραὼ** **πόλεμον** ἐν **χαρακοβολίᾳ** (1)  
**χαρακοῦν.** (1) **חַרְדִּי** (2) **חַרְדִּי**  
 Is. 5. 2. **φραγμὸν** **περιέθηκεν** καὶ **ἐχαράκωσα** (1)  
 Je. 39 (32). 2. **Β** **Β** **ἐχαράκωσεν** ἐπὶ [A ἐν] **Ἱερ.** (2)  
 [Sm. Is. 29. 3.]  
 [Th. Je. 32 (39). 2.]  
**χαρακτήρ.** (1) **חַרְדִּי**  
 Le. 18. 28. **ὁ** **γὰρ** χ. τοῦ **κατακαύματος** **ἔστι** (1)  
 II Ma. 4. 10. πρὸς τὸν **Ἑλληνικὸν** χ. τοὺς **ὁμοφύλους** **μετέστησε**  
 IV Ma. 15. 4. **Β** **Β** εἰς **μικρὸν** **παιδὸς** χ. [A παιδοχ.] [Aq. Ps. 48 (49). 15.]  
**χαράκωμα.**  
 [Sm. Je. 52. 4.]  
**χαράκωσις.** (1) **חַרְדִּי**  
 De. 20. 20. καὶ **οἰκοδομήσεις** **χαράκωσιν** ἐπὶ τὴν **πόλιν** (1)  
 [Th. Ez. 21. 22 (27) : 26. 8.]  
**χάραξ.** (1) **חַרְדִּי** (2) **חַרְדִּי** (3) **חַרְדִּי**  
 (4) **חַרְדִּי** (5) **חַרְדִּי**  
 De. 20. 19. **εἰσέλθειν** ἀπὸ **προσώπου** σου εἰς τὴν χ. (4)  
 III Ki. 12. 24. **Β** **ὀικοδόμησεν** **Ἱερ.** ἐκεῖ **χάρακα** — 21 (20). 12. **οἰκοδομήσατε** **χάρακα** — 12. **ἔθεντο** **χάρακα** ἐπὶ τὴν **πόλιν**  
 Ec. 9. 14. καὶ **οἰκοδομήσῃ** ἐπ' αὐτὴν **χάρακας** **μεγάλους** (3 v. 4)  
 Si. 22. 18. **χάρακες** [A χάλικες] ἐπὶ **μετεώρων** **κείμενοι** (3)  
 Is. 29. 3. **βαλὼν** **περὶ** σὲ **χάρακα** (3)  
 31. 9. **πέτρας** γὰρ **περιληφθήσονται** ὡς **χάρακι** +  
 37. 33. οὐδὲ μὴ **κυκλώσῃ** ἐπ' αὐτὴν **χάρακα** (5)  
 Je. 40 (38). 4. **περὶ** **οἴκων** . . . τῶν **καθηρμένων** [A -θμ.] εἰς **χάρακας** (5)  
 Ez. 4. 2. **περιβαλεῖς** ἐπ' αὐτὴν **χάρακα** (5)  
 21. 22 (27) **bis.** τοῦ **βαλεῖν** **χάρακα** (1)  
 26. 8. **ποιήσει** [A περιπ.] ἐπὶ σὲ **κύκλω** **χάρακα** (5)  
 IV Ma. 8. 12. **ὑπερέβησαν** τοὺς τῶν **πολεμίων** χ.  
**χαράσσειν.** (1) **חַרְדִּי** hi.  
 III Ki. 15. 27. **ἐχάραξεν** [A ἐπάταξεν] αὐτὸν ἐν **Γ.** (1)  
 IV Ki. 17. 11. καὶ **ἐχάραξεν** τοῦ **παροργίσαι** τὸν κ. +  
 Si. 50. 27. **παροργίσαι** **συνέστω** . . . **ἐχάραξα** ἐν τῷ **βιβλίῳ** **τούτῳ**  
 III Ma. 2. 29. **τοὺς** **τε** **ἀπογραφομένους** **χαράσσεσθαι** [Sm. Ez. 4. 1.]  
 [Th. Am. 7. 14.]  
**χαρβάνη.**  
 Si. 24. 15. **Α** ὡς **χαρβάνη** [B S χαλβ.] καὶ **δυνεῖ** **χαρβῶν**.  
 Je. 44 (37). 16. **Β** καὶ εἰς τὴν χ. [A B χερεθ] +  
**χαρίεις.**  
 IV Ma. 8. 3. **ἐπὶ** **ἀδελφοί** . . . ἐν **παντὶ** **χαρίεντες**  
**χαρίζεσθαι.** (1) **חַרֵּץ**  
 Es. 8. 7. εἰ **πάντα** τὰ **ὑπάρχοντα** **Ἀ.** . . . **ἐχαρίσμη** σοι (1)  
 Ca. 1. 4. **Β** **ἡ** **ἐχαρίσαστο** αὐτῇ —  
 Si. 12. 3. οὐκ **ἔστιν** **ἀγαθὸν** . . . τῷ **ἐλεημοσύνην** μὴ **χαρίζομένῳ**  
 II Ma. 1. 35. **Β** οἷς **ἐχαρίσθη** [A om.] **ὁ** **βασ.**  
 3. 31. τὸ **ἔην** **χαρίσασθαι** τῷ **παντελὸς** ἐν **ἐσχάτῃ** **πνοῇ** **κειμένῳ**  
 — 33. διὰ γὰρ αὐτὸν σοὶ **κεχάρισται** τὸ **ἔην** **κύριος**

II Μα. 4. 32. χρυσάσματα... ἐχαρίσατο τῷ Ἀνδρ.  
7. 22. οὐδὲ ἐγὼ τὸ πνεῦμα... ὑμῖν ἐχαρίσαμην  
III Μα. 5. 11. ὑπὸ τοῦ χαριζομένου πάντων  
7. 6. μόγις τὸ ἦν αὐτοῖς χαριζόμενος  
IV Μα. 5. 7. τῆς φύσεως κεχαρισμένης  
11. 12. καλὰς... χάριτας ἡμῖν χαρίζῃ  
[Aq. Ge. 33. 5.]

χάρις. (1) חַרִּיץ (2) חַן (3) חֶסֶד

(4) חֶסֶד (5) חֶסֶד (6) חֶסֶד (7) חֶסֶד

a. 'ב δ. חֶסֶד (8) τὰ πρὸς χάριν חֶסֶד

Ge. 6. 8. Νῶε δὲ εὗρε χάριν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (2)  
18. 3. εἰ ἄρα εὗρον χάριν ἐναντίον σου (2)  
30. 27. εἰ εὗρον χάριν ἐναντίον σου (2)  
32. 5 (6). ἵνα εὗρῃ ὁ παῖς σου χάριν ἐναντίον σου (2)  
33. 8. ἵνα εὗρῃ ὁ παῖς σου χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)

— 10. εἰ εὗρε χάριν ἐναντίον σου (2)  
— 15. εὗρον χάριν ἐναντίον σου (2)  
34. 11. εὗρομι χάριν ἐναντίον ὑμῶν (2)  
39. 4. εὗρεν ἰ. χάριν ἐναντίον τοῦ κυρίου αὐ. (2)  
— 21. ἔδωκεν αὐτῷ χάριν ἐναντίον τοῦ ἀρχι-  
δεσμοφύλακος (2)

43. 14. δὴν ὑμῖν χάριν ἐναντίον τοῦ ἀνθρώπου (2)  
47. 25. εὗρομεν χάριν ἐναντίον τοῦ κυρίου ἡμῶν (2)  
— 29. εἰ εὗρε χάριν ἐναντίον σου (2)  
50. 4. εἰ εὗρον χάριν ἐναντίον ὑμῶν (2)  
Ex. 3. 21. δώσω χάριν τῷ λαῷ τούτῳ (2)  
11. 3. ἔδωκε τὴν χ. τῷ λαῷ αὐ. (2)  
12. 36. ἔδωκε κυρίως τὴν χ. τῷ λαῷ αὐ. (2)  
33. 12. χάριν ἔχεις παρ' ἐμοῦ (2)  
— 13. εἰ οὖν εὗρε χάριν ἐναντίον σου (2)  
— 16. ὅπως ἂν ὁ εὐρεσκὺς χάριν ἐναντίον σου (2)  
— 17. εὗρε χάριν ἐναντίον σου (2)

34. 9. εἰ εὗρε χάριν ἐναντίον σου (2)  
Nu. 11. 11. διὰ τὴν οὐχ εὗρε χάριν ἐναντίον σου (2)  
32. 5. εἰ εὗρομεν χάριν ἐναντίον σου (2)  
De. 24. 1. Ἀ. Β. εἰ μὴ εὗρε χάριν (2)

Ru. 2. 2. κατόπισθεν οὐ εἶν εὗρε χάριν ἐν ὀφθ. αὐ. (2)  
— 10. τὶ ἐστὶ εὗρον χάριν ἐν ὀφθ. σου (2)  
— 13. εὗρομι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)

I Ki. 1. 18. εὗρεν ἡ δούλη σου χάριν ἐν ὀφθ. σου (2)  
16. 22. εὗρε χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς μου (2)  
20. 3. εὗρε χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
— 29. εἰ εὗρε χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
25. 8. ἐνέτεικον τὰ παιδιὰ μου χάριν (2)

27. 5. εἰ δὲ εὗρεκεν ὁ δοῦλος σου χάριν (2)  
II Ki. 14. 22. εὗρον χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)  
15. 25. εἰ εὗρε χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (2)  
16. 4. εὗρομι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου (2)

III Ki. 11. 19. εὗρεν Ἀ. χάριν ἐναντίον Φ. σφόδρα (2)  
14. 16. Ἀ. παραδώσει κ. τὸν Ἰσρ. χάριν ἀμαρ-  
τιῶν Ἰσρ. (7 δ)

II Ch. 7. 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος τῇ γῇ  
ταυτῇ (7 α)

I Es. 6. 5. καὶ ἔσχωσαν χάριν  
8. 4. εὐρόντος χάριν ἐνώπιον αὐτοῦ  
— 80. ἐποίησεν ἡμᾶς ἐν χάριτι

To. 1. 13. ἔδωκεν ὁ ὑψιστος χάριν  
2. 14. Β. προσηρυθρίων χάριν τούτου πρὸς αὐτὴν  
[A B al.]

7. 18. δάσ σοι χάριν [B χαράν]  
12. 18. οὐ τῇ ἑαυτοῦ χάριτι ἀλλὰ τῇ θελήσει τοῦ θ.  
[B al.]

Ju. 8. 19. ὡς χάριν ἐδόθησαν εἰς ῥομφαίαν  
— 23. οὐ κατενυθισθῆσεται ἡ δουλεία ἡμῶν εἰς χάριν  
10. 8. δῶκε σε εἰς χάριν  
Es. 2. 9. εὗρε χάριν ἐνώπιον αὐτοῦ (2)  
— 15. ἦν γὰρ ἑ. εὐρίσκουσα χάριν (2)  
— 17. εὗρε χάριν παρὰ πάσαις τὰς παρθένους (2 + 3)

5. 2. τὸ πρὸς ὑμῶν σου χαρίτων μετόν (2)  
— 8. εἰ εὗρον χάριν ἐνώπιον τοῦ βασιλ.  
6. 3. τίνα δόξαν ἡ χάριν ἐποίησαμεν τῷ Μαρδ.  
7. 3. εἰ εὗρον χάριν ἐνώπιον τοῦ βασιλ.  
8. 5. εἰ... εὗρον χάριν (2)

Ps. 44 (45). 2. Ἀ. Β. ἐξεχύθη χάρις [B B<sup>1</sup> ἡ  
χ.] ἐν χειρὶ σου (2)  
83 (84). 11. χάριν καὶ δόξαν δώσει (2)  
Pr. 1. 9. στέφανον γὰρ χαρίτων δέξῃ [A ἔξῃ]  
σὴ κορυφῇ (2)

3. 4. εὐρίσκει χάριν (2)  
— 22. καὶ χάρις ἡ περὶ σφ. τραχήλῳ  
— 34. ταπεινὸς δὲ δίδωσι χάριν (2)  
4. 9. ἵνα δοῇ τῇ σφ. κεφαλῇ στέφανον χαρίτων (2)

Pr. 5. 19. πῶλος σὺν χ. ὁμλεῖται σοι (2)  
7. 5. εἰς σε λόγους τοῖς πρὸς χάριν ἐμβάλῃται  
8. 17. Ἀ. Β. οἱ δὲ ἐμὲ ζητοῦντες εὐρίσκουσιν  
χάριν [B B<sup>1</sup> om.] (2)

10. 32. χεῖλιν ἀνδρῶν δικαίων ἀποστρέφει χάριτας (2)  
11. 27. τεκταινόμενος ἀγαθὰ ζητεῖ χάριν ἀγαθῇ (2)  
12. 2. κρείσσων ὁ εὐρών χάριν παρὰ κυρίῳ (2)  
13. 15. σὺνέσεις ἀγαθὴν δίδωσι χάριν (2)

15. 17. κρείσσων ξενισμὸς μετὰ [A om.] λα-  
χάνων πρὸς φίλιν καὶ χάριν (2)  
17. 8. μισθὸς χαρίτων παιδεία τοῖς χρωμένοις (2)  
— 17. τοῦτο γὰρ χάριν γεννῶνται (2)

18. 22. δε εὗρε γυναῖκα ἀγαθὴν εὗρε χάριτας (2)  
22. 1. ὑπὲρ δὲ ἀργυρίου καὶ χρυσίου χάρις ἀγαθῇ (2)  
24. 30 (30. 7). μὴ ἀφέλῃς μου χάριν (2)  
25. 10. χάρις καὶ φιλία ἐλευθεροῖ (2)

26. 11. ἔστιν αἰσχύνῃ δόξα καὶ χάρις (2)  
28. 23. χάριτας ἐξεῖ μάλλον τοῦ γλωσσοχαρι-  
τοῦτος (2)  
Ec. 9. 11. καὶ γὰρ οὐ τίς γινώσκει χάρις (2)

10. 12. λόγος [B<sup>1</sup> -οις] στόματος σοφοῦ χάρις (2)  
Ca. 8. 10. ἰ. ἐγὼ ἤμην... ὡς [A om.] εὐρίσκουσα  
χάριν [A B ἰληγν] (2)  
Wi. 3. 9. χάρις καὶ ἔλεος τοῖς [A ἐν τοῖς] ἐκλεκτοῖς  
[B οἰσίν] αὐτοῦ (2)

— 14. δοθήσεται γὰρ αὐτῷ τῆς πίστεως χάρις ἐκ-  
λεκτῇ (2)  
4. 15. χάρις καὶ ἔλεος ἐν τοῖς ἐκλεκτοῖς αὐ.  
8. 20. τὸ εἰδέναι τίνος ἡ [A om.] χ. (2)

14. 26. θόρυβος ἀγαθῶν χαρίτων ἀμνηστία  
18. 2. τοῦ διενεχθῆναι χάριν ἐδίδοντο  
Si. 1. 13. ἐν ἡμέρᾳ τελειότητος αὐτοῦ εὐρίσκει χάριν  
[A B εὐλογηθήσεται] (2)

3. 18. ἔνστι κυρίου εὐρίσκει χάριν (2)  
— 31. ὁ ἀνταποδίδους χάριτας μνησθῆναι εἰς τὰ μετὰ  
ταῦτα (2)  
4. 21. ἔστιν αἰσχύνῃ δόξα καὶ χάρις (2)

6. 18. Β. ἔως πολλῶν εὐρίσκει χάριν [A B σοφίαν]  
7. 19. καὶ [A B<sup>1</sup> ἡ] γὰρ χάρις αὐ. ὑπὲρ τὸ χρυσίον  
— 33. χάρις [B χάρισμα] δόματος ἔνστι παντὸς  
ζώντος καὶ ἐπὶ νεκρῷ μὴ ἀποκωλύσας  
χάριν (2)

8. 19. μὴ ἀναφερέτω σοι χάριν (2)  
12. 1. ἔσται χάρις τοῖς ἀγαθοῖς σου (2)  
17. 22. χάριν ἀνθρώπου ὡς κόνιν συντηρήσει (2)  
19. 25. ἔστι διαστρέφω χάριν τοῦ ἐκφάναι κρίμα  
20. 13. χαρίτες δὲ μωρῶν ἐκχυθῆναι (2)

— 16. οὐκ ἔστι χάρις τοῖς ἀγαθοῖς μου (2)  
— 23. ἔστι χάριν αἰσχύνῃς ἐπαγγελόμενος φίλῳ  
21. 16. ἐπὶ δὲ χεῖλους συνετοῦ εὐρεθήσεται χάρις  
[A om., B<sup>1</sup> παραβολῇ] (2)

24. 16. οἱ κλάδοι μου κλάδοι δόξης καὶ χαρίτος  
— 17. ἐγὼ ὡς ἀμπέλος βλαστήσασα χάριν (2)  
26. 13. χάρις γυναικὸς τέρπει τὸν ἄνδρα αὐ.  
— 15. χάρις ἐπὶ χάριτι γυνὴ αἰσχυνητρά (2)

27. 1. χάριν ἀδιαφόρου [B<sup>1</sup> διαφ.] πολλοὶ ἤμαρτον  
29. 7. πολλοὶ χάριν ποιηρίας ἀποστρέψαν  
— 9. χάριν ἐντολῆς ἀνταλαβῶν πένιτος  
— 15. χάριτας ἐγγύνῳ καὶ ἐπιλάθῃ (2)

30. 6. κατέλιπεν... τοῖς φίλοις ἀνταποδιδόντα  
χάριν (2)  
— 16. Ἀ. Β. οὐκ ἔστιν εὐφροσύνη ὑπὲρ χάριν [B B<sup>1</sup>  
χαράν] καρδίας (2)

31 (34). 12. διασώθην τούτων χάριν (2)  
32 (35). 2. ἀνταποδίδους χάριν προσφέρων σεμίδαλιν  
— 5. πάντα γὰρ ταῦτα χάριν ἐντολῆς (2)  
34 (31). 6. πολλοὶ ἐδόθησαν εἰς πτώμα χάριν χρυσίου  
— 17. παῖδας πρῶτος χάριν παιδείας (2)

35 (32). 2. ἵνα... ἐλκυσσάμενος χάριν λάβῃς στέφανον  
— 10. πρὸ αἰσχυνητοῦ προκλεῖται χάρις (2)  
— 16. Β. οἱ φοβούμενοι κύριον εὐρίσκουσιν χάριν  
[A B B<sup>1</sup> κρίμα] (2)

37. 5. εἰταῖρος φίλῳ συνηνέει χάριν γαστροῦ  
— 21. οὐ γὰρ ἐδόθη αὐτῷ πρὸς κύριον χάρις (2)  
38. 14. ἵνα εὐδόξωσιν αὐτοῖς... ἵσταν χάριν ἐμβίω-  
σεως (2)

— 17. ποιήσων τὸ πένθος... χάριν διαβολῆς  
40. 17. χάρις ὡς παράδεισος ἐν εὐλογίαις  
— 22. χάριν καὶ κάλλος ἐπιθυμῆναι ὁ ὀφθαλμὸς σου  
42. 1. ἔσθ... εὐρίσκων χάριν ἔνστι παντὸς ἀν-  
θρώπου (2)

44. 27. ἐξήγαγεν ἐξ αὐτοῦ ἄνδρα... εὐρίσκοντα  
χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς πάσης σαρκὸς (2)  
Za. 4. 7. ἰσότης χαρίτος χάριτα αὐ. (2, 2)  
6. 14. καὶ εἰς χάριτα υἱοῦ Σοφ. (2)  
12. 10. ἐκχεῖ... πνεῦμα χαρίτος καὶ οἰκτιρμού (2)

Ba. 1. 12. εὐρίσκωμεν χάριν ἐναντίον αὐτῶν  
2. 14. δὸς ἡμῖν χάριν (2)  
Ez. 12. 24. μαρτυρούμενος τὰ πρὸς χάριν (8)  
Da. LXX. 1. 9. ἔδωκε κ. τῷ Δαν. τιμὴν καὶ χάριν (5)

2. 13. χάριν τοῦ συναπολέσθαι  
I Ma. 3. 29. χάριν τῆς διχοστασίας καὶ πληγῆς  
6. 13. χάριν τούτων εὗρον με τὰ κακὰ ταῦτα  
— 24. χάριν τούτου ἡλιωτοῦσθαι ἀφ' ἡμῶν  
— 59. χάριν γὰρ τῶν νομίμων αὐ. ... ὠρίσθησαν  
9. 10. ἀποδάνωμεν ἀνδρείᾳ χάριν τῶν ἀδ. ἡμῶν  
10. 60. εὗρε χάριν ἐναντίον αὐτῶν  
11. 11. χάριν τοῦ ἐπιθυμῆσαι αὐτὸν τῆς βασιλείας αὐ.  
— 24. εὗρε χάριν ἐναντίον αὐτοῦ  
— 33. χάριν τῆς ἐξ αὐτῶν εὐνοίας πρὸς ἡμᾶς  
12. 45. τοῦτο γὰρ χάριν παρέμει  
13. 3. Β. ὅσα... ἐποιήσαμεν χάριν [A B περὶ] τῶν  
νόμων (2)

— 4. Α. Β. τούτου [B ὡν καὶ] χάριν ἀπώλοντο οἱ ἀδ.  
μου πάντες χάριν τοῦ Ἰσρ.  
— 6. ἐκρίψαι ἡμᾶς ἐχθρας χάριν  
14. 25. τίνα χάριν ἀποδώσομεν Σίμωνι

II Ma. 1. 14. χάριν τοῦ ληθῆναι τὰ χρέματα πλείονα  
3. 33. πολλὰ ὀνία τῷ ἀρχιερεὶ χάριτας ἔχε  
4. 16. ὡν καὶ χάριν περιέσχεν αὐτοὺς χαλεπὴ περί-  
στασις (2)

7. 33. εἰ δὲ χάριν ἐπιπλήξεως... ἐπώρριστα  
9. 20. Β. εὐχομαι μὲν τῷ θεῷ τὴν μεγίστην χ.  
15. 39. ἐπιτερετὴ τὴν χ. ἀποτελεῖ  
III Ma. 1. 9. καὶ χάριτας ἀποδίδους  
5. 20. τὸ τῆς σημερινοῦ ὑπαφ. χάριν ἔχειν αὐτοῖς  
— 41. ὡν χάριν ἡ πόλις... ὀχλεῖ  
6. 36. οὐ πύτων χάριν

IV Ma. 5. 8. ἀποστρέφεισθαι τὰς τῆς φύσεως χ.  
11. 12. καλὰς... χάριτας ἡμῖν χαρίζῃ  
[Aq. III Ki. 14. 16: Pr. 1. 9: 11. 16: Jc. 31  
(38). 2: Mt. 8. 12: Za. 4. 7.]

[Sim. II Ki. 2. 6: 10. 2: Ps. 30 (31). 8: 39  
(40). 11: 88 (89). 25: Pr. 5. 19: 11. 16:  
Jc. 31 (38). 2: Za. 4. 7.]

[Th. Pr. 5. 19: 11. 16: 31. 26: Jc. 31 (38). 2.]  
[Quint. Ps. 32 (33). 5.]  
[Sext. Ps. 30 (31). 17: 32 (33). 18.]  
[Al. Ps. 44 (45). 3: Pr. 22. 11.]

χάρισμα.  
Si. 7. 33. Β. χάρισμα [A B χάρις] δόματος ἔνστι  
παντὸς ζώντος  
38. 30. Β. καρδία ἐπιδώσας συντελέσας τὸ χ. [A B<sup>1</sup> SR  
χρίσμα]

[Th. Ps. 30 (31). 22.]  
χαριστήριον.  
II Ma. 12. 45. Β. ἐμβλέπων... κἀλλιστον ἀποκεί-  
μενον χ. [A εὐχ.]

χαριστικός.  
[Sim. Ps. 111 (112). 5.]  
χαριτοῦσθαι.  
Si. 18. 17. ἀμφότερα παρὰ ἀνδρὶ κεχαριτωμένῳ  
[Sim. Ps. 17 (18). 26 οἰς.]

χάρμ.  
[Heb. Ps. 11 (12). 9.]  
χάρμα.  
[Aq. Ps. 47 (48). 3:]

χαρμεῖν (-μῖμ). (1) חַרְמֵי  
Jd. 11. 33. καὶ ἔως ἐβέλ. χ. (1)  
χαρμονή. (1) חַרְמוֹנָה (2) חַרְמוֹנָה (3) חַרְמוֹנָה (4)

Jb. 3. 7. μὴ ἔλθοι ἐπ' αὐτὴν... χαρμονή (1)  
20. 5. χαρμονὴ δὲ παρανόμων ἀπάλεια (2)  
40. 15 (20). ἐποίησε χαρμονὴν τερπνοῦς  
Jc. 31 (48). 33. Β. συνεψήσθη χαρμονή [A B B<sup>1</sup>  
al.] (2)

38 (31). 13. στρέψω τὸ πένθος αὐτῶν εἰς χαρ-  
μονήν [A εὐφροσύνην] (2)  
40 (33). 11. Α. φωνὴν χαρμονῆς [B B<sup>1</sup> -οσύνη.] (2)

III Ma. 6. 31. κατεμερίσαντο πλῆρεις χαρμονῆς  
[Aq. Jc. 48 (31). 33:]  
χαρμοσύνη. (1) חַרְמוּסָה (2) חַרְמוּסָה (3)

Le. 22. 29. ἐὰν δὲ θύσῃς θυσίαν εὐχὴν χαρμο-  
σύνης κυρίῳ (2)  
I Ki. 18. 6. ἐξήλθον αἱ χορεύουσαι... ἐν χαρμο-  
σύνῃ (1)

Ju. 8. 6. χωρὶς . . . χαρμοσύνην οἴκου Ἰσρ.  
Je. 31 (48). 33. συνεψήσθη χ. [B<sup>2</sup>-ονή] (1)  
40 (33). 11. φωνὴ χαρμοσύνης [A-ονής] (1)  
Ba. 2. 23. ἐκλείψεν ποιήσω . . . φωνὴν χαρμοσύνης  
4. 23. ἀποδώσει δέ μοι ὁ θ. ὑμᾶς μετὰ χαρμοσύνης  
[Heb. Jb. 20. 5.]  
**χαρποποιεῖν.**  
[Sm. Ps. 20 (21). 7.]  
**χαρποποιός.** (1) חָרְפוֹ  
Ge. 49. 12. χαρποποιοὶ οἱ ὀφθ. αὐ. ὑπὲρ οἶνον [A  
ἀπὸ οἶνου] (1)  
**χαρποτός.**  
[Sm. Pr. 23. 29.]  
**χαρσεῖθ** (-σιθ). (1) א. חַרְסוּ ב. חַרְסוּ  
Je. 19. 2. A B ἐπὶ τῶν προθύρων πύλης τῆς χ.  
[B S al.] (1 a<sup>2</sup>, 1 b)  
**χαρτηρία.**  
III Ma. 4. 20. τὴν χ. ἤδη . . . ἐλλειλομένην  
**χάρτης.** (1) חָרִיץ  
Is. 8. 1. A λάβε σεαυτὸν τὸν χάρτου [B S om.]  
καινοῦ μεγάλου -  
Je. 43 (36). 2. A λάβε σεαυτὸν χάρτην [B S  
-τίον] βιβλίον (1)  
— 6. A B ἀναγνώσθω ἐν τῇ χ. [B -τίφ] τούτῃ  
— 23. ἔως ἐξέλπει πᾶς ὁ χ. εἰς τὸ πῦρ (1)  
**χαρτίον.** (1) חָרִיץ  
Je. 43 (36). 2. λάβε σεαυτὸν χ. [A -την] βιβλίον (1)  
— 4. ἔγραψεν . . . εἰς χ. βιβλίον (1)  
— 6. ἀναγνώσθω ἐν τῇ χ. [A B -τη] τούτῃ  
— 14. τὸ χ. [A βιβλίον] . . . λάβε αὐτό (1)  
— 14. ἔλαβε Βαρούχ τὸ χ. (1)  
— 20. τὸ χ. [A βιβλίον] ἔδωκεν φυλάσσειν  
— 21. ἀπέστειλεν ὁ βασιλ. τὸν Ἰ. λαβεῖν τὸ χ.  
— 25. πρὸς τὸ κατακαῦσαι τὸ χ. [A B<sup>2</sup> al.] (1)  
— 27. μετὰ τὸ κατακαῦσαι τὸν βασιλέα τὸ χ.  
— 28. πάλιν λάβε σὺ χ. ἕτερον (1)  
— 28. γράψον πάντας τοὺς λόγους τοὺς ὄντας  
ἐπὶ τοῦ χ. (1)  
— 29. κατέκαυσας τὸ χ. [A βιβλίον] τούτο  
— 32. ἔλαβε Βαρούχ χ. ἕτερον (1)  
**χάσκειν, cf. χαινεῖν.**  
I Es. 4. 19. χάσκετες τὸ στόμα θεωροῦσιν αὐτὴν  
— 31. ὁ βασιλ. χάσκειν τὸ στόμα ἐθιῶρει αὐτὴν  
**χάσμα.** (1) חָרָם  
II Ki. 18. 17. ἔρριψεν αὐτὸν εἰς χ. μέγα (1)  
[Th. Jb. 14. 8 (P.).]  
**χαυβών, cf. χαυών.** (1) חָזַב  
Je. 51 (44). 19. B<sup>1</sup> ἐποίησαν αὐτὴν χαυβώνας  
[A B S<sup>2</sup> χαυώνας] (1)  
**χαυῶνος.**  
Wi. 2. 3. τὸ πνεῦμα διαχυθήσεται ὡς χαυῶνος ἀήρ  
**χαυνοῦν.**  
[Sm. Ps. 64 (65). 11.]  
**χαυών, cf. χαυβών.** (1) חָזַב  
Je. 7. 18. τοὺ ποιήσαι χαυῶνας τῇ στρατιᾷ τοῦ  
οὐρανοῦ (1)  
51 (44). 19. ἐποίησαν αὐτὴν χαυῶνας [B<sup>1</sup> χαυβ.] (1)  
[A q., Sm. Jb. 7. 18: 44 (51). 19.]  
**χαφουρή.** (1) חָפְזָה  
II Es. 8. 27. B καὶ χ. χρυσοὶ εἰκοσι [A B al.] (1)  
**χαυλεμίμ.**  
[Heb. Ps. 125 (126). 1.]  
**χεῖλος.** (1) חֵיָל (2) חֵי (3) חֵיָ (4) חֵיָ  
(5) חֵיָ  
Ge. 11. 1. καὶ ἦν πᾶσα ἡ γῆ χεῖλος ἐν (5)  
— 6. καὶ χεῖλος ἐν πάντων (5)  
— 9. συνέχευ κύριος τὰ χ. πάσης τῆς γῆς (5)  
22. 17. ὡς τὴν ἄμμον τὴν παρὰ τὸ χ. τῆς θαλ. (5)  
41. 3. ἐνέμιον αἱ βόες παρὰ τὸ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)  
— 17. ὦμον ἐστάναι ἐπὶ τὸ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)  
Ex. 7. 15. ἔσθη συναντῶν αὐτῶ ἐπὶ τὸ χ. τοῦ  
ποταμοῦ (5)

Ex. 14. 30. τοὺς Αἰγ. τεθηγκότες παρὰ τὸ χ. τῆς  
θαλ. (5)  
26. 4. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς αὐλαίας τῆς μᾶς (5)  
— 4. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς αὐλαίας τῆς ἐξωτέρας (5)  
— 10. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς δέρρεως τῆς μᾶς (5)  
— 10. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς δέρρεως (5)  
Le. 5. 4. ἡ ψυχὴ ἡ ἀνομος ἡ διαστελλοῦσα τοῖς χ. (5)  
Nu. 30. 7. κατὰ τὴν διαστολὴν τῶν χ. αὐ. (5)  
— 13. ὅσα ἐὰν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν χ. αὐ. (5)  
De. 2. 36. ἡ ἐστὶν παρὰ τὸ χ. χεῖμαρρον Ἀρνῶν (5)  
3. 12. B<sup>1</sup> ἡ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χ. [A B<sup>2</sup> B παρὰ τὸ χ.]  
χεῖμαρρον Ἀ. (5)  
4. 48. B<sup>1</sup> ἡ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χ. [A B<sup>2</sup> B τοῦ χ.] χεῖ-  
μαρρον Ἀ. (5)  
23. 23 (24). τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χ. σου (5)  
Jo. 11. 4. A ὥσπερ ἡ ἄμμος ἡ παρὰ τὸ χ. τῆς  
θαλ. [B al.] (5)  
13. 9. ἡ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χ. χεῖμαρρον Ἀ. (5)  
Jd. 6. 15 (16). A ἡν σοι κατασχεῖς ἐν μέσῳ χεῖλών †  
7. 12. ἡ ἄμμος ἡ ἐπὶ χεῖλους [A τὸ χ.] τῆς θαλ. (5)  
— 23 (22). B ἔδυνεν ἡ παρεμβολὴ . . . ἔως  
χεῖλους Ἀ. [A B al.] (5)  
I Ki. 1. 13. τὰ χ. αὐ. ἐκείνητο (5)  
III Ki. 7. 23. A B<sup>2</sup> B ἀπὸ τοῦ χ. [B<sup>1</sup> τείχους] αὐ.  
ἔως τοῦ χ. αὐ. (5, 5)  
— 24. καὶ ὑποστηρίγματα ὑποκάτωθεν τοῦ  
χ. αὐ. (5)  
— 24 (B), 26 (A). καὶ τὸ χ. αὐ. ὡς ἔργον χεί-  
λους ποτηρίου (5, 5)  
9. 26. ἐπὶ τοῦ χ. τῆς ἐσχάτης θαλ. (5)  
IV Ki. 2. 13. ἔσθη ἐπὶ τοῦ χ. τοῦ Ἰορδ. (5)  
10. 33. ἡ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χ. χεῖμαρρον Ἀρνῶν -  
18. 20. εἶπας πλὴν λόγον χεῖλών (5)  
19. 28. θῆσω . . . χαλινὸν ἐν [A om.] τοῖς χ. σου (5)  
II Ch. 4. 5. καὶ τὸ χ. αὐ. ὡς χεῖλος ποτηρίου (5, 5)  
Ju. 9. 10. πάταξον δοῦλον ἐκ χεῖλών ἀπάτης μου  
—  
Jb. 1. 22. A οὐδὲ ἐν τοῖς χ. αὐτοῦ -  
2. 10. οὐδὲν ἤμαρτεν ἰδὼς τὸ χ. αὐτοῦ [A al.] (5)  
8. 21. τὰ δὲ χ. αὐτῶν ἐξομολογήσας [A ἀγαλ-  
μασίων] (5)  
9. 3. A ἡν αὐτὴν ἐπὶ τῶν ἔνα λόγον αὐ. ἐκ  
χεῖλών [B S χιλίων] †  
11. 5. ἀνοίξει χεῖλιν αὐτοῦ μετὰ σοῦ (5)  
12. 20. διαλάσσω χεῖλιν πιστῶν (5)  
13. 6. κρίσιν δὲ χεῖλων μου προσέχετε (5)  
15. 6. τὰ δὲ χ. σου καταμαρτυρήσουσί σου (5)  
16. 6 (5). κινήσιν δὲ χεῖλών [B<sup>1</sup> χ. μου] οὐ  
φείσομαι (5)  
27. 4. μὴ λαλήσῃς τὰ χ. μου ἄνομα [A al.] (5)  
32. 20. ἡν ἀναπαύσασμαι ἀνοίξας τὰ [B<sup>1</sup> τὰ σὰ]  
χ. [A χ. μου] (5)  
33. 3. σύνεσις δὲ χεῖλών μου καθαρὰ νοήσις (5)  
40. 21 (26). ψεῦδος δὲ τρυφήσις τὸ χ. αὐτοῦ (5)  
Ps. 11 (12). 2. χεῖλιν δόλια ἐν καρδίᾳ (5)  
— 3. ἐξολεθρεύσας κ. πάντα τὰ χ. τὰ δόλια (5)  
— 4. τὰ χ. ἡμῶν παρ' ἡμῶν ἐστί (5)  
13 (14). 3. B S ἵος ἀσπίδων τὰ χ. αὐτῶν -  
15 (16). 4. οὐδὲ μὴ μνηστῶ τῶν ὀνομάτων αὐτῶν  
διὰ χεῖλών μου (5)  
16 (17). 1. ἐνώτισαι τὴν προσεχὴν μου οὐκ ἐν  
χεῖλισι δολίοις (5)  
— 4. διὰ τοὺς λόγους τῶν χ. σου (5)  
20 (21). 2. τὴν δέξιν [B<sup>2</sup> θέλιν] τῶν χ. αὐτοῦ (5)  
21 (22). 7. ἐλάλησαν ἐν χεῖλεσιν (5)  
30 (31). 18. ἀλαλα γενηθήτω τὰ χ. τὰ δόλια (5)  
33 (34). 13. καὶ χεῖλιν σου τοῦ μὴ λαλήσαι δόλον (5)  
39 (40). 9. τὰ χ. μου οὐ μὴ κωλύω (5)  
44 (45). 2. ἐξεχθή χυρὶς ἐν χεῖλεσί σου (5)  
50 (51). 15. τὰ χ. μου ἀνοίξῃς (5)  
58 (59). 7. καὶ ῥομφαία ἐν τοῖς χ. αὐτῶν  
— 12. λόγον [B<sup>2</sup> -ος] χεῖλών αὐτῶν (5)  
62 (63). 3. τὰ χ. μου ἐπανείσουσί σε (5)  
— 5. χεῖλιν ἀγαλλιάσθω αἰνέσει τὸ ὄνομά σου  
[B<sup>2</sup> στόμα μου] (5)  
65 (66). 14. ὅς διέστειλε τὰ χ. μου (5)  
70 (71). 23. ἀγαλλιάσονται τὰ χ. μου (5)  
88 (89). 34. τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χ. μου  
105 (106). 33. διέστειλεν ἐν [B<sup>1</sup> om.] τοῖς χ. αὐ. (5)  
118 (119). 13. ἐν τοῖς χ. μου ἐξήγγελα πάντα  
τὰ κρίματα τοῦ στόματός σου (5)  
— 171. ἐξερεύσαντο τὰ χ. μου ὕμνον (5)  
119 (120). 2. ῥύσαι τὴν ψυχὴν μου ἀπὸ χ.  
ἀδικων (5)  
139 (140). 3. ἵος ἀσπίδων ὑπὸ τὰ χ. αὐτῶν (5)  
— 9. A<sup>2</sup> B S κόπος τῶν χ. αὐ. καλύνει αὐτούς (5)  
140 (141). 3. καὶ θύραν περιοχῆς περὶ τὰ χ. μου (5)

Pr. 4. 24. ἄδικα χεῖλιν μακρὰν ἀπὸ σοῦ ἀπώσαι (5)  
5. 2. αἰσθήσεις δὲ ἔμῳ χ. ἐντέλλεται σοι [A B<sup>2</sup>  
al.] (5)  
— 3. μελὶ γὰρ ἀποστάζει ἀπὸ χεῖλών γυναικὸς  
πόρνῃς (5)  
6. 2. παγὶς γὰρ ἰσχυρὰ ἀνδρὶ τὰ ἴδια χ. καὶ  
ἀλίσκεται χεῖλεσιν ἰδίου στόματος (4, 1)  
7. 21. βρόχοις τε τοῖς ἀπὸ χεῖλών ἐξώκειλεν  
αὐτὸν (5)  
8. 6. ἀνοῖσω ἀπὸ χεῖλών ὀρθά (5)  
— 7. ἐβδελιγμένα δὲ ἐναντίον ἔμου χεῖλιν ψευδῆ (5)  
10. 8. ὁ δὲ ὁστέγος χεῖλεις σκολιάζειν ὑπο-  
σκελισθήσεται (5)  
— 13. A S B<sup>2</sup> δὲ ἐκ χεῖλών προφέρει σοφίαν (5)  
— 18. καλύπτουσιν ἔχθραν χεῖλιν δίκαια (5)  
— 19. φειδόμενος δὲ χεῖλών νοήμων ἔσθη (5)  
— 21. χεῖλιν δικαίων ἐπιστάται ὑψηλά (5)  
— 32. χεῖλιν ἀνδρῶν δικαίων ἀποστάζει χάριτας (5)  
12. 13. δὲ ἀμαρτίαν χεῖλών (5)  
— 14. ἀνταπόδομα δὲ χεῖλών αὐτοῦ (3 ?)  
— 19. χεῖλιν ἀληθινὰ κατορθοὶ μαρτυρίαν (5)  
— 22. βδελύγμα κυρίῳ χεῖλιν ψευδῆ (5)  
13. 3. ὁ δὲ προσηύχῃ χεῖλεις πτοήσει ἑαυτὸν (5)  
14. 3. χεῖλιν δὲ σοφῶν φυλάσσει αὐτούς (5)  
— 7. ὅπλα δὲ αἰσθήσεως χεῖλιν σοφά (5)  
15. 7. χεῖλιν σοφῶν δίδεται αἰσθήσει (5)  
16. 10. μαρτεῖον ἐπὶ χεῖλεσι βασιλέως (5)  
— 13. δεκτὰ βασιλεῖ χεῖλιν δίκαια (5)  
— 23. ἐπὶ δὲ χεῖλεσι φορέσει ἐπιγνωμοσύνην (5)  
— 27. ἐπὶ δὲ τῶν ἑαυτοῦ χ. ὁθυναίρει [A  
ὀρύσει] πῦρ (5)  
— 30. ὁρίει [A ὀρύζει] δὲ τοῖς χ. αὐτοῦ πάντα  
τὰ κακά (5)  
17. 4. δικαίος δὲ οὐ προσέχει χεῖλεσι ψευδέσιν (5 ?)  
— 7. οὐχ ἀρμόσει ἀφρονὶ χεῖλιν πιστὰ οὐδὲ  
δικαίᾳ χεῖλιν [B om. π. . . χ.]  
ψευδῆ [B<sup>2</sup> πιστὰ] (5, 5)  
18. 6. χεῖλιν ἀφρονος ἀγνοῦσιν αὐτὸν εἰς κακά (5)  
— 7. τὰ δὲ χ. αὐτοῦ παγὶς τῇ ψυχῇ αὐτοῦ (5)  
— 20. ἀπὸ δὲ καρπῶν χεῖλών αὐτοῦ ἐμπεληθή-  
σεται (5)  
22. 11. χεῖλεσι ποιμαίνει βασιλεὺς (5)  
— 18. εὐφρανόσιν σε ἅμα ἐπὶ σοῖς χεῖλεσιν (5)  
23. 16. ἐνδιατρίψει λόγους τὰ σὰ χ. πρὸς τὰ  
ἐμά χ. (5, -)  
24. 2. πόνοισ τὰ χ. αὐτῶν λαλεῖ (5)  
— 41 (26). χεῖλιν δὲ φιλήσουσιν ἀπακρινόμενα  
λόγους ἀγαθούς (5)  
— 43 (28). μὴ δὲ πλατύνου σοῖς χ. (5)  
26. 23. χεῖλιν λέγια [B δόλια] κυρδίαν καλύπτει  
λυπηράν (5)  
— 24. χεῖλεις πάντα ἐπικνεῖ ἀποκλαίόμενος  
ἐχθρός (5)  
27. 2. ἀλλοτρίος καὶ μὴ τὰ σὰ χ. (5)  
31. 31. ὁδοὶ αὐτῆς ἀπὸ καρπῶν χεῖλών αὐτῆς (5)  
Ec. 10. 12. χεῖλιν ἀφρονος καταπονεύουσιν αὐτὸν (5)  
Ca. 4. 3. ὡς σπαρτίον τὸ κόκκινον χεῖλιν σου (5)  
— 11. κηρίον ἀποστάζουσι χεῖλιν σου (5)  
5. 3. χεῖλιν αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν πλήρη (5)  
6. 5 (6). ὡς σπαρτίον τὸ κόκκινον χεῖλιν σου -  
7. 9 (10). ἡκανοῦμενος χεῖλεσί [A ἐν χ.] μου  
καὶ ὁδοῦσιν (5)  
Wi. 1. 6. οὐκ ἀβήσσει βλάσφημον ἀπὸ χεῖλών αὐτοῦ  
Si. 1. 23. χεῖλιν πιστῶν [A B πολλῶν] ἐκδιηγῆσεται  
σύσεις αὐτοῦ  
— 29. ἐν τοῖς χ. σου πρόσσεχε (5)  
12. 16. ἐν τοῖς χ. αὐτοῦ γλυκαίει ὁ ἐχθρός (5)  
21. 16. ἐπὶ δὲ χεῖλους συνετοῦ εὐρέθησεται χάρις  
[A om., B<sup>2</sup> παραβολή] (5)  
— 25. χεῖλιν ἀλλοτρίων ἐν τοῖσις βαρυνθήσεται [B  
διηγῆσονται] (5)  
22. 27. τίς δώσει . . . ἐπὶ τῶν χ. μου σφραγίδα  
πανοῦργον [A B -ων] (5)  
23. 7. ἐν τοῖς χ. αὐτοῦ καταλειφθήσεται ἀμαρτωλός  
34 (31). 23. λαμπρόν ἐπ' ἄρτους εὐλογήσει χεῖλιν  
39. 15. ἐν φδοῖς χεῖλών καὶ ἐν κινύραις  
40. 16. ἀχεῖ ἐπὶ παντός ὕδατος καὶ χεῖλους [A -ος]  
ποταμοῦ . . . ἐκτίσῃσεται (5)  
49. 13. B<sup>2</sup> τοῦ ἐγείρατος ἡμῶν χεῖλιν [A B S<sup>2</sup> τείχη]  
πεπωκότα (5)  
50. 20. δοῦναι εὐλογίαν κυρίῳ ἐκ χεῖλών αὐ.  
51. 2. ἀπὸ χεῖλών ἐργαζόμενον ψεύδος (5)  
Ho. 14. 3. ἀνταποδόσωμεν καρπὸν χεῖλών ἡμῶν (5)  
Hb. 3. 16. ἀπὸ φωνῆς προσεύχῃ χεῖλών μου (5)  
Ma. 2. 6. δίκαια οὐχ εὐρέθη ἐν χεῖλεσιν αὐ.  
— 7. χεῖλιν ἱερέως φυλάζεται γνώσιν (5)



- Is. 6. 5. ἀκάθαρτα χεῖλη ἔχων ἐν μέσῳ λαοῦ  
ἀκάθαρτα χεῖλη ἔχοντες ἐγὼ οἶκός (5, 6)  
— 7. ἤσκατο τοῦτο τῶν χ. σου (5)  
11. 4. ἐν πνεύματι διὰ χειλῶν ἀνελεί ἀσβεστῆ (5)  
28. 11. διὰ φαυλισμῶν χειλῶν (5)  
29. 13. ἐν τοῖς χ. αὐτῶν τιμῶσί με (5)  
30. 27. μετὰ δόξης τὸ λόγιον τῶν χ. αὐτοῦ (5)  
36. 5. μὴ ἐν... λόγοις χειλῶν παρὰ τὰς γίνεται (5)  
37. 29. ἐμβαλὼν... χαλινὸν εἰς τὰ χ. σου (5)  
59. 3. τὰ δὲ χ. ἡμῶν ἐλάλησαν ἀνομίαν (5)  
Je. 8. 21. φωνὴ ἐκ χειλῶν ἡκούσθη (5)  
7. 29. ἀνάλαβε ἐπὶ χειλῶν θρήνον (5)  
17. 16. τὰ ἐκπορεύμενα διὰ τῶν χ. μου (5)  
La. 3. 62. ἥκουσας... χεῖλη ἐπαισταμένων μοι (5)  
Ez. 24. 17. οὐ μὴ παρακληθῆς ἐν χεῖλεσιν αὐτῶν (5)  
43. 13. γέιστος ἐπὶ τὸ χ. [A τοῦ χ.] αὐτοῦ (5)  
47. 6. A B ἐπίστρεψέ με [B om. ε. με] ἐπὶ τὸ  
χ. τοῦ ποταμοῦ (5)  
— 7. ἐπὶ τοῦ χ. τοῦ π. δένδρα πολλά (5)  
— 12. ἐπὶ τοῦ χ. αὐτοῦ ἔθεν καὶ ἔθεν (5)  
Da. LXX. 3. (36). ὡς τὴν ἄμυν τὴν παρὰ τὸ χ. τῆς  
θαλάσσης (5)  
10. 4. ἤμην ἐπὶ τοῦ χ. τοῦ ποταμοῦ τοῦ μεγ. (5)  
— 16. ἤσκατο μου τῶν χ. (5)  
Da. TH. 3. (36). ὡς τὴν ἄμυν τὴν παρὰ τὸ χ. τῆς θαλ.  
10. 16. ἤσκατο τῶν χ. μου (5)  
12. 5. bis. εἰς ἐντέθειν τοῦ χ. τοῦ ποταμοῦ (5)  
I Ma. 11. 1. ὡς ἡ ἄμυν ἡ παρὰ τὸ χ. τῆς θαλάσσης  
[Aq. Ex. 6. 12: Ps. 11 (12). 5: 30 (31). 19:  
105 (106). 33: 119 (120). 2: 140 (141). 3:  
Pr. 10. 13, 18: 17. 7: 28. 16: 28. 24: Ca.  
7. 9 (10): Is. 36. 5: Ze. 3. 9.] (5)  
[Sm. Jb. 12. 20: Ps. 11 (12). 3: 16 (17). 1:  
30 (31). 19: 58 (59). 8, 13: 62 (63). 6: 65  
(66). 14: 70 (71). 23: 105 (106). 33: 119  
(120). 2: 139 (140). 10: 140 (141). 3: Pr.  
10. 13, 18: 18. 20: 23. 16: 28. 24: Ca. 7.  
9 (10): Is. 6. 5 bis: 33. 19: 36. 5: Ez. 24.  
22: 40. 43: Ze. 3. 9.] (5)  
[Th. Ex. 6. 12: 28. 26: I Ki. 1. 13: Ps. 140  
(141). 3: Pr. 10. 13, 18: 20. 15, 19: 24. 20:  
26. 24: Is. 30. 27: 36. 5: 57. 19: Ze. 3. 9.] (5)  
[Al. Ge. 41. 2 (P): Ex. 2. 5: Jd. 5. 16: Ps.  
44 (45). 3: Pr. 17. 4: 22. 11.] (5)  
[Quint. Pr. 17. 28.] (5)  
**χείλωμα.**  
[Aq. Ex. 37 (88). 2.] (5)  
**χεῖμάλειν.** (1) 𐤇𐤏𐤏 pil.  
Pr. 28. 10. πολλὰ χεῖμάλειται πόσα σὰρξ ἀφρόνων (1?)  
[Aq. Ez. 13. 22.] (5)  
[Sm. Jb. 37. 6.] (5)  
**χεῖμάρουν (?)**. (1) 𐤇𐤏𐤏  
IV Ki. 23. 6. A ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος... εἰς τὸ [B  
τὸν] χ. K. (1)  
**χεῖμάρρους, χεῖμάρρος.** (1) 𐤇𐤏𐤏𐤏 (2) 𐤇𐤏𐤏  
(3) 𐤇𐤏𐤏  
Ge. 32. 23 (24). διέβη τὸν χ. (5)  
Le. 11. 9. ἐν ταῖς θαλάσσαις καὶ ἐν τοῖς χ. (5)  
— 10. ἡ ἐν ταῖς θαλάσσαις καὶ ἐν τοῖς [A om.] χ. (5)  
23. 40. λήψατε... ἄγνον κλάδους ἐκ χει-  
μάρρου (5)  
Nu. 21. 14. τὴν Z. ἐφλόγισε καὶ τοὺς χ. Ἀρνῶν (5)  
— 15. τοὺς χ. κατέστησε κατοικίαν Ἡρ (5)  
84. 5. κυκλάσει τὰ ὄρια ἀπὸ Ἀσ. χεῖμάρρου [A  
-ον] Αἰγ. (5)  
De. 2. 36. ἡ ἐστὶ παρὰ τὸ χεῖλος χεῖμάρρου  
Ἀρνῶν (5)  
— 37. πάντα τὰ συγκυρόντα χεῖμάρρου [A  
-φ] 1. (5)  
3. 8. ἀπὸ τοῦ χ. Ἀρνῶν καὶ ἔως Ἀ. (5)  
— 12. ἡ ἐστὶν παρὰ τὸ χεῖλος χεῖμάρρου Ἀ. (5)  
— 16. τὰ Ἰσραὴλ ἔδωκε... ἔως χεῖμάρρου Ἀ. (5)  
— 16. A B ἔμεινον τοῦ χ. ὅριον (5)  
— 16. δ. χ. ὅριον τοῖς υἱοῖς Ἀ. (5)  
4. 48. δ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χεῖλους χεῖμάρρου Ἀ. (5)  
7. οὗ χεῖμάρροι υδάτων (5)  
9. 21. ἔρριψαν τὸν κοινοτρόν εἰς τὸν χ. (5)  
10. 7. γῆ χεῖμάρροι [A -ου] υδάτων (5)  
Jo. 13. 9. ἡ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χεῖλους χεῖμάρρου  
Ἀρνῶν (5)  
— 32. A δὲ κατεκληρονόμησε M. πέραν τοῦ  
χ. [B Ἰορδάνου] (5)  
15. 47. αἱ εἰσπαύει αὐ. ἔως τοῦ χ. Αἰγ. (5)  
Jo. 16. 8. A ἐπὶ θύλασσαν ἐπὶ χεῖμάρρου K. [B al.] (5)  
17. 9. ὅρια Μαν... εἰς τὸν χ. (5)  
Jd. 4. 7. ἐπάξω πρὸς σὲ εἰς τὸν χ. K. [A al.] (5)  
— 13. ἀπὸ Ἀρ. τῶν ἐθνῶν εἰς τὸν χ. K. (5)  
5. 21. χεῖμάρρους K. ἐξέστησαν αὐτοὺς χεῖμάρρους  
ἀρχαίων χεῖμάρρους K. [A al.] (5 ter)  
15. 8. A κατέβη παρὰ τῷ χ. [B al.] (5)  
16. 4. A ἡγάπησε γυναῖκα ἐπὶ τοῦ χ. Z. [B al.] (5)  
I Ki. 15. 5. ἐνὶ δρυὸς ἐν τῷ χ. (5)  
17. 40. ἐξέλεξατο ἑαυτὸν πέντε λίθους τελείους  
ἐκ τοῦ χ. (5)  
30. 9. ἔρχονται ἔως τοῦ χ. B. (5)  
— 10. ἐκάθισαν πέραν τοῦ χ. τοῦ B. (5)  
— 21. ἐκάθισαν αὐτοὺς ἐν τῷ χ. τῷ B. (5)  
II Ki. 15. 23. B ἐν τῷ χ. τῶν Κεδρών (5)  
— 23. διέβη τὸν χ. K. [A al.] (5)  
17. 13. συροῦμεν αὐτὴν ἔως εἰς τὸν χ. (5)  
22. 5. χεῖμάρροι ἀνομίας ἐδάμψαν με (5)  
23. 30. B Ἀδ. ἀπὸ χεῖμάρρου (5)  
III Ki. 3. 1 (2, 37). διαβίβη τὸν χ. K. (5)  
15. 13. καὶ ἐνέπρησε πυρὶ ἐν τῷ χ. τῶν Κεδρών (5)  
17. 3. κρύβθη ἐν τῷ χ. X. (5)  
— 4. ἐκ τοῦ χ. πίεσαι ὕδωρ (5)  
— 5. ἐκάθισαν ἐν τῷ χ. X. (5)  
— 6. ἐκ τοῦ χ. πίεσαι ὕδωρ (5)  
7. ἐξήρανό θ. χ. (5)  
18. 5. διελθόμεν... ἐπὶ [A add. πάντας] χει-  
μάρρους (5)  
— 40. κατὰ γὰρ αὐτοὺς Ἡ. εἰς τὸν χ. K. (5)  
IV Ki. 3. 16. ποιήσατε τὸν χ. τ. βοθύνους βοθύν-  
ους (5)  
— 17. ὁ χ. οὗτος πλησθήσεται ὕδατος (5)  
10. 33. ἡ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χεῖλους χεῖμάρρου [A  
τοῦ χ.] Ἀρν. (5)  
23. 6. ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος... εἰς τὸν [A τὸ]  
χ. K. (5)  
— 6. B κατέκαυσεν αὐτὸν ἐν τῷ χ. K. (5)  
— 12. ἔρριψε τὸν χεῖλός αὐ. εἰς τὸν χ. K. (5)  
24. 7. ἀπὸ τοῦ χ. Αἰγ. ἔως τοῦ ποταμοῦ Εὐφρ. (5)  
II Ch. 7. 8. καὶ ἔως χεῖμάρρου Αἰγ. (5)  
15. 16. καὶ κατέκαυσεν ἐν χεῖμάρρῳ K. (5)  
29. 16. ἐκβαλεῖν εἰς τὸν χ. K. ἐξω (5)  
30. 14. ἔρριψαν εἰς τὸν χ. K. (5)  
33. 14. φοδόμνησε τείχος... ἐν τῷ χ. (5)  
Ne. 2. 15. B B ἤμην ἀναβαίνων ἐν τῷ τείχει  
χεῖμάρρους [A B -ου] (5)  
Ju. 1. 9. B καὶ τοὺς χ. [A B τοῦ ποταμοῦ] Αἰγ. (5)  
2. 8. πληρώσουσι... τοὺς χ. [B al.] (5)  
— 24. τὰς πόλεις τὰς ὑψηλὰς τὰς ἐπὶ τοῦ χ. Ἀβρ. (5)  
7. 18. ἡ ἐστὶν ἐπὶ τοῦ χ. M. (5)  
16. 4. ἐνέφραξε χεῖμάρρους (5)  
Jb. 6. 15. ὥσπερ χεῖμάρρους ἐκλείπων (5)  
21. 33. ἐγλυκάνθησαν αὐτῷ χάλικες χεῖμάρρου  
[B<sup>1</sup> -οι] (5)  
22. 24. ὡς πέτρα χεῖμάρρου Σωφίρ [A B al.] (5)  
28. 4. διακοπή χεῖμάρρου ἀπὸ κονίας (5)  
Ps. 17 (18). 4. χεῖμάρροι ἀνομίας ἐξέταράξαν με (5)  
35 (36). 8. τὸν χ. τῆς τρυφῆς σου ποιεῖς αὐτοὺς (5)  
73 (74). 15. σὺ διέρρηξας πηγὰς καὶ χεῖμάρρους (5)  
77 (78). 20. χεῖμάρροι κατεκλύθησαν (5)  
82 (83). 9. ὡς ὁ Ἰαβεὶν ἐν τῷ χ. Κεισῶν (5)  
109 (110). 7. ἐκ χεῖμάρρου ἐν ὁδῷ πίεται (5)  
123 (124). 4. χεῖμάρρου διηλθεν ἡ ψυχὴ ἡμῶν (5)  
125 (126). 4. A B<sup>1</sup> ὡς ὁ [B<sup>2</sup> B om.] χ. ἐν τῷ ὕψω (1)  
Ec. 1. 7. πάντες οἱ χ. πορεύονται εἰς τὴν θαλ. (5)  
— 7. A B R οὐ [B om.] οἱ χ. πορεύονται (5)  
Ca. 6. 10 (11). ἰδεῖν ἐν γυνήμασι τοῦ χ. (5)  
Am. 5. 24. κυκλιθήσεται... δικαιοσύνη ὡς χ.  
ἄβυσσος (5)  
6. 15 (14). τοῦ μὴ εἰσελθεῖν... ὡς [A ἔως]  
τοῦ χ. τῶν θυμῶν (5)  
Jl. 3 (4). 18. ποιεῖ τὸν χ. τῶν σχοίνων (5)  
Is. 66. 12. ὡς χ. ἐπικλύων δόξαν ἐθνῶν (5)  
Je. 29 (47). 2. ἵσταται εἰς χεῖμάρρου [B<sup>1</sup> -ον]  
κατακλύζοντα (5)  
38 (31). 40. A ἔως χεῖμάρρου νάχαλ Κεδρών  
[B B al.] (5)  
La. 2. 18. καταγάγετε [A -τωσαν] ὡς χ. δάκρυα (5)  
Ez. 38. 4. A B λέγει κύριος... τοῖς χ. καὶ ταῖς  
φάραγξι [B ταῖς φ. κ. τοῖς χ.] (1[2]) (5)  
47. 4 (5). A διεμύνησε χιλιούς χεῖμάρρους  
[B om.] (5)  
— 5. ἐξέβριμ(εν ὡς [B<sup>1</sup> om., A τὸ ὕδωρ ὕδωρ  
ἔως ροῖος] χεῖμάρρου (5)  
I Ma. 5. 37. παρενέβαλε... ἐκ πέραν τοῦ χ. (5)  
— 39. A B<sup>2</sup> παρεμβάλλουσι πέραν τοῦ χ. [B<sup>1</sup> B al.] (5)  
I Ma. 5. 40. ἐν τῷ ἐγγίσει... ἐπὶ τὸν χ. τοῦ ὕδατος  
— 42. ὡς δὲ ἡγγίσει Ἰ. ἐπὶ τὸν χ. τοῦ ὕδατος  
— 42. ἔστησε τοὺς γραμματεῖς τοῦ λαοῦ ἐπὶ τοῦ χ.  
12. 37. A ἔπεισε τοὺς τείχεσιν τοῦ χ. [B B al.] (5)  
16. 5. χεῖμάρρους ἦν ἀνὰ μέσον αὐτῶν  
— 6. δειλοῦμενον διαπερῶσαι τὸν χ.  
[Aq. Le. 23. 40: Dt. 1. 24: Jo. 15. 4: Jb. 40.  
17 (22): Ps. 78 (74). 15: Pr. 30. 17: Is. 27.  
12: 30. 28: 34. 9: Ez. 6. 3: 34. 13: 47. 5:  
Jl. 3 (4). 18 (P.).] (5)  
[Sm. Le. 23. 40: Jo. 12. 1: Ps. 78 (74). 15:  
Is. 27. 12: 30. 28.] (5)  
[Th. Le. 23. 40: Jb. 22. 24: 28. 4: Ps. 73 (74).  
15: Pr. 30. 17: Is. 27. 12: 30. 28: Ez.  
47. 5: Jl. 3 (4). 18 (P.).] (5)  
[Al. Dt. 2. 13: Ca. 6. 10 (11).] (5)  
[Quint. iv Ki. 23. 4.] (5)  
[Heb. Jb. 14. 11.] (5)  
**χειμερινός.** (1) 𐤇𐤏𐤏𐤏 (2) 𐤇𐤏𐤏𐤏 (3) 𐤇𐤏𐤏𐤏  
I Es. 9. 11. καὶ ὅρα χ. (5)  
II Es. 10. 13. B καὶ ὁ τόπος [A B B καὶρός] χ. (1)  
Pr. 27. 15. σταγόνες ἐκβάλλουσιν ἄνθρωπον ἐν  
ἡμέρᾳ χ. (5)  
Wi. 16. 29. A B ὡς χειμερινὴ [B -ιος] πάχη κατή-  
σεται (5)  
Za. 10. 1. ὑετὸν χ. δώσει αὐτοῖς (1)  
Je. 48 (86). 22. ἐκάθισεν ἐν οἴκῳ χειμερινῷ (2)  
[Aq., Sm., Th. Am. 3. 15.] (5)  
**χειμέριος.**  
Wi. 16. 29. ὡς χειμέριος [A B -ρινῇ] πάχη κατή-  
σεται (5)  
**χειμών.** (1) 𐤇𐤏𐤏𐤏 (2) a. 𐤇𐤏𐤏𐤏 b. 𐤇𐤏𐤏𐤏  
I Es. 9. 6. τρέμοντες τὸν ἐνιστῶτα χ. (5)  
II Es. 10. 9. περὶ τοῦ ῥήματος καὶ ἀπὸ τοῦ χ. (1)  
Jb. 37. 6. καὶ χειμῶν [A -ῶν ἵνα ᾗ] ὑετός [B<sup>2</sup>  
om. κ. χ. ὕ.] καὶ χειμῶν ὑετῶν δυνα-  
στείας [A -οις] αὐτοῦ (1, 1)  
Ca. 2. 11. ὁ χ. παρήλθεν (2 a\*, 2 b)  
Si. 21. 8. ὡς ὁ συνάγων αὐτοῦ τοὺς λίθους εἰς χει-  
μῶνα (5)  
IV Ma. 15. 32. ἐπέμεινας τοὺς ὑπὲρ τῆς εὐσεβείας χ.  
[Sm. Ge. 7. 12: Jb. 37. 6.] (5)  
[Th. Jb. 37. 6 bis.] (5)  
[Al. Le. 28. 4.] (5)  
[Heb. Za. 14. 8.] (5)  
**χεῖν.** (1) a. 𐤇𐤏𐤏 qal. b. 𐤇𐤏𐤏 (2) 𐤇𐤏𐤏 ni.  
(3) 𐤇𐤏𐤏 (4) 𐤇𐤏𐤏 (5) 𐤇𐤏𐤏 (6) 𐤇𐤏𐤏  
III Ki. 7. 24. A δύο στήχοι... κεχυμένοι ἐν τῇ  
χυσίτι αὐ. (1 a)  
— 30. A αἱ ὀμῖαι κεχυμένα ἀπὸ πέραν ἀνδρὸς  
προσκεείμενα (1 a)  
Jb. 29. 6. ὅτε ἐχέοντο αἱ ὁδοὶ μου βουτύρῳ τὰ  
δε ὅρη μου ἐχέοντο [A ἐχέιτο] (5, 1 a)  
γὰλᾳκτι (1 b)  
38. 38. κέχυνται δὲ ὥσπερ γῆ [A γῆς] κονία (1 b)  
Si. 43. 19. πάχυν [B<sup>1</sup> -η] ὡς ἄλα ἐπὶ γῆς χεῖ (5)  
Ho. 4. 2. μοιχεύει κέχυνται ἐπὶ τῆς γῆς (3)  
Jl. 2. 2. ὡς δρυὸς χυθίσσεται ἐπὶ τὰ ὅρη (4)  
Ma. 3. 3. χεεῖ [B<sup>2</sup> ἐκχ., A χεῖ] αὐτοὺς ὥσπερ τὸ  
χρυσίον (5)  
Je. 7. 20. ὀργὴ καὶ θυμὸς μου χεῖται [A ἐκχ.] (2)  
Ez. 20. 33. ἐν θυμῷ κεχυμένῳ βασιλεύσω ἐφ'  
ὑμῶν (5)  
— 34. ἐν βραχίονι ὑψηλῷ καὶ ἐν θυμῷ κεχυ-  
μένῳ (5)  
[Aq. Ex. 1. 7: Jb. 3. 24.] (5)  
[Th. Is. 54. 3: Je. 30 (37). 19.] (5)  
[Al. II Ch. 11. 23.] (5)  
**χεῖρ.** (1) 𐤇𐤏𐤏 (2) a. 𐤇𐤏𐤏 b. 𐤇𐤏𐤏  
(3) 𐤇𐤏𐤏 (4) 𐤇𐤏𐤏 (5) 𐤇𐤏𐤏 (6) 𐤇𐤏𐤏  
(7) ἡ χ. ἡ δεξιὰ, ἡ δεξιὰ χ. 𐤇𐤏𐤏  
Ge. 3. 22. μὴ ποτε ἐκτείνῃ τὴν χ. (2 a)  
4. 11. δέξασθαι τὸ αἷμα τοῦ ἀδ. σου ἐκ τῆς χ.  
σου (2 a)  
5. 29. καὶ ἀπὸ τῶν λυπῶν τῶν χ. ἡμῶν (2 a)  
8. 9. ἐκτείνῃ τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)  
9. 2. ὑπὸ χείρος ὑμῶν δέδωκε (2 a)  
— 5. ἐκ χείρος πάντων τῶν θηρίων ἐκτενήσῃ  
αὐτό (2 a)  
— 5. ἐκ χείρος ἀνθρώπου ἀδελφοῦ ἐκτενήσῃ  
τὴν ψυχὴν (2 a)

|  |  |  |
|--|--|--|
| Ge. 14. 22. ἔκτεινεν τὴν χ. μου πρὸς τὸν θ. τὸν ὕψιστον (2 a)  | Ex. 3. 20. ἐκτείνεις τὴν χ. (2 a)                                | Ex. 29. 9. τελειώσεις Ἄ. τὰς χ. αὐ. καὶ τὰς χ. τῶν υἱῶν αὐ. (2 a, 2 a) |
| 16. 6. ἰδοὺ ἡ παιδεία σου ἐν ταῖς χ. σου (2 a)   | 4. 2. τί τοῦτο ἐστὶ τὸ ἐν τῇ χ. σου (2 a)                        | — 10. ἐπιθήσουσιν Ἄ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. τὰς χ. (2 a)                      |
| — 9. B ταπεινώσῃ ὑπὸ τὰς χ. αὐ. (2 a)  | — 4. ἐκτείνων τὴν χ. (2 a)                                       | — 15. ἐπιθήσουσιν Ἄ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. τὰς χ. αὐ. (2 a)                  |
| — 12. αἱ χ. αὐ. ἐπὶ πάντας (2 a)   | — 4. ἐγένετο ῥάβδος ἐν τῇ χ. αὐ. (4)                             | — 19. ἐπιθήσει Ἄ. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. τὰς χ. αὐ. (2 a)                     |
| — 12. αἱ χ. πάντων ἐπ' αὐτὸν (2 a)   | — 6. εἰσένεγκον τὴν χ. σου εἰς τὸν κόλπον σου (2 a)              | — 20. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς δεξιᾶς χ. [Ἄ. χ. τῆς δεξιᾶς] —              |
| 19. 10. ἐκτείναντες οἱ ἀνδρες τὰς χ. (2 a)   | — 6. εἰσήνεγκε τὴν χ. αὐ. εἰς τὸν κόλπον αὐ. (2 a)               | — 20. καὶ ἐπὶ τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. τῶν δεξιῶν (2 a)                      |
| — 16. ἐκράτησαν οἱ ἀγγελοὶ τῆς χ. αὐ. καὶ τῆς χ. τῆς γυναικὸς αὐ. καὶ τῶν χ. τῶν δύο θυγατέρων αὐ. (2 a ter) | — 6. ἐγενήθη ἡ χ. αὐ. [A Μωυσέως] ὡσεὶ χιών (2 a)                | — 24. ἐπὶ τὰς χ. Ἄ. καὶ ἐπὶ τὰς χ. τῶν υἱῶν αὐ. (4, 4)                 |
| 20. 5. ἐν δικαιοσύνῃ χειρὸν ἐποίησα τοῦτο (4)  | — 7. εἰσένεγκον τὴν χ. σου εἰς τὸν κόλπον σου (2 a)              | — 25. λήψῃ αὐτὰ ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)                                    |
| 21. 18. κράτησον τῇ χ. σου αὐτὸ (2 a)  | — 7. εἰσήνεγκε τὴν χ. [A add. αὐ.] εἰς τὸν κόλπον αὐ. (2 a)      | — 29, 33. τελειώσαι τὰς χ. αὐτῶν (2 a)                                 |
| 22. 6. ἔλαβε δὲ καὶ τὸ πῦρ μετὰ χεῖρα (2 a)  | — 17. τὴν ῥάβδον ταύτην . . . λήψῃ ἐν τῇ χ. σου (2 a)            | — 35. τελειώσεις τὰς χείρας αὐτῶν (2 a)                                |
| — 10. ἐξέτεινεν Ἀβ. τὴν χ. αὐ. (2 a)   | — 20. ἔλαβε δὲ M. τὴν ῥάβδον . . . ἐν τῇ [A om.] χ. αὐ. (2 a)    | 30. 19. νύφεται . . . ἐξ αὐτοῦ τὰς χ. (2 a)                            |
| — 12. μὴ ἐπιβάλλῃς τὴν χ. σου (2 a)  | — 21. ἃ ἔδωκα ἐν ταῖς χ. σου (2 a)                               | — 21. νύφονται τὰς χ. (2 a)  |
| 24. 2. θῆς τὴν χεῖρά σου ὑπὸ τὸν μηρόν μου (2 a)   | 5. 21. δοῦναι ῥομφαίαν εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)                      | 32. 4. καὶ εἰδέατο ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)                                 |
| — 9. ἔθηκεν ὁ παῖς τὴν χ. αὐ. (2 a)  | 6. 1. ἐν γὰρ χ. κραταῖά ἐξασποτελεῖ αὐτοῦς (2 a)                 | — 15. αἱ δύο πλάκες τοῦ μαρτ. ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)                     |
| — 22. καὶ τὰ ψέλια ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (2 a)  | — 8. εἰς ἡν ἐξέτεινα τὴν χ. μου (2 a)                            | — 19. ἐρριψεν ἀπὸ τῶν χ. αὐ. τὰς δύο πλάκας (2 a)                      |
| — 30. καὶ τὰ ψέλια ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (2 a)  | 7. 4. ἐπιβαλὼν τὴν χ. μου ἐπ' Αἰγ. (2 a)                         | — 29. ἐπληρώσατε τὰς χ. ὑμῶν (2 a)                                     |
| — 47. καὶ τὰ ψέλια ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (2 a)  | — 5. ἐκτείνων τὴν χ. ἐπ' Αἰγ. (2 a)                              | 83. 22. καὶ σκεπάζω τῇ χ. μου (4)                                      |
| 25. 26. ἡ χ. αὐ. ἐπειλημμένη τῆς πτέρυγος Ἡ. (2 a)   | — 15. τὴν ῥάβδον . . . λήψῃ ἐν τῇ χ. σου (2 a)                   | — 23. ἀφελὼ τὴν χ. (2 a)   |
| 27. 17. ἔδωκε τὰ ἰδέματα . . . εἰς τὰς χ. Ἰ. (2 a)   | — 17. τύπτω τῇ ῥάβδῳ τῇ ἐν τῇ χ. μου (2 a)                       | 84. 29. καὶ αἱ δύο πλάκες ἐπὶ τῶν χ. M. (2 a)                          |
| — 22. αἱ δὲ χ. χείρες Ἡσαῦ (2 a, 2 a)  | — 19. λάβε τὴν ῥάβδον σου ἐν τῇ χ. σου [A om. ἐν . . . σου] —    | 85. 25. πᾶσα γυνὴ σφόδρ. τῇ διανοίᾳ τὰς χ. νήθει (2 a)                 |
| — 23. ἦσαν γὰρ αἱ χ. αὐ. ὡς αἱ χ. Ἡσαῦ (2 a, 2 a)  | — 19. ἔκτεινον τὴν χ. σου (2 a)                                  | 38. 27 (40. 31). ἵνα νύφονται . . . τὰς χ. αὐ. (2 a)                   |
| 30. 35. ἔδωκε διὰ χειρὸς τῶν υἱῶν αὐ. (2 a)  | 8. 5 (1). ἐκτείνων τῇ χ. τὴν ῥάβδον σου (2 a)                    | Le. 1. 4. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν (2 a)                        |
| 31. 29. ἰσχύει ἡ χ. μου κακοποιῆσαί σε (2 a)   | — 6 (2). ἐξέτεινεν Ἄ. τὴν χ. (2 a)                               | — 11. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. —                               |
| — 42. τὸν κόπον τῶν χ. μου ἰδὲν ὁ θ. (4)   | — 16 (12). ἐκτείνων τῇ χ. τὴν ῥάβδον σου —                       | 3, 2, 8. ἐπιθήσει τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ δώρου (2 a)               |
| 32. 11 (12). B ἐξελού με ἐκ χειρὸς τοῦ ἄλ. μου ἐκ χειρὸς [A om. ἐκ χ.] Ἡ. (2 a, 2 a)                         | — 17 (13). ἐξέτεινεν οὖν Ἄ. τῇ χ. τὴν ῥάβδον (2 a)               | — 13. ἐπιθήσει τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐ. (2 a)                        |
| — 16 (17). A ἔδωκεν διὰ χειρὸς τοῖς παῖσιν αὐ. [B al.] (2 a)   | 9. 3. χεῖρ. κυρίου ἐπέσται ἐν τοῖς κτήνεσι σου (2 a)             | 4. 4. ἐπιθήσει τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ μόσχου (2 a)                |
| 33. 10. δέξαι τὰ δῶρα διὰ τῶν ἑμῶν χ. (2 a)  | — 8. λάβετε ἱμᾶς πλήρεις τὰς χ. αἰθάλῃς (1)                      | — 5. ὁ τετελειωμένος τὰς χείρας —                                      |
| 35. 4. οἱ ἦσαν ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)  | — 15. ἀποστείλας τὴν χ. [A add. μου] (2 a)                       | — 15. ἐπιθήσουσιν οἱ προσβύτ. τῆς συναγ. τὰς χ. αὐ. (2 a)              |
| 37. 21. ἐξείλατο αὐτὸν ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)   | — 22. ἐκτείνων τὴν χ. σου εἰς τὸν οὐρανόν (2 a)                  | — 24. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ χιμαῤου (2 a)                   |
| — 22. χεῖρα δὲ μὴ ἐπενέγκῃτε αὐτῷ (2 a)  | — 23. ἐξέτεινε δὲ M. τὴν χ. εἰς τὸν οὐρ. †                       | — 29. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ ἀμαρτήματος αὐ. (2 a)           |
| — 27. ὅπως ἐξέλθῃται αὐτὸν ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)   | — 29. ἐκπετάσω τὰς χ. μου (4)                                    | — 33. ἐπιθήσει τὴν χ. ἐπὶ τὴν κεφ. (2 a)                               |
| — 27. αἱ δὲ χ. ἡμῶν μὴ ἔστωσαν ἐπ' αὐτὸν (2 a)   | — 33. ἐξέτεινε τὰς χ. [A add. αὐ.] πρὸς κύριον (4)               | 5. 7. ἐὰν δὲ μὴ ἰσχύῃ ἡ χ. αὐ. τὸ ἱκανόν (2 a)                         |
| 38. 18. καὶ τὴν ῥάβδον τὴν ἐν τῇ χ. σου (2 a)  | 10. 12. ἐκτείνων τὴν χ. [A add. αὐ.] ἐπὶ γῆν Αἰγ. (2 a)          | — 11. ἐὰν δὲ μὴ εὐρίσκῃ αὐ. ἡ χ. ζεύγος τρυγόνων (2 a)                 |
| — 20. ἀπώστητε δὲ . . . ἐν χεῖρι τοῦ ποιμένος αὐ. (2 a)  | — 21. ἐκτείνων τὴν χ. σου εἰς τὸν οὐρ. (2 a)                     | 7. 20 (30). αἱ χ. αὐ. προσοίσουσιν τὰ καρπώματα (2 a)                  |
| — 28. ὁ εἰς προεξήνεγκε τὴν χ. (2 a)   | — 22. ἐξέτεινε δὲ M. τὴν χ. [A add. αὐ.] (2 a)                   | 8. 14. ἐπέθηκεν . . . τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ μόσχου (2 a)             |
| — 28. ἔδρουν ἐπὶ τὴν χ. αὐ. κόκκινον (2 a)   | 12. 11. καὶ αἱ βακτηρίαι ἐν ταῖς χ. ὑμῶν (2 a)                   | — 18, 21 (22). ἐπέθηκεν . . . τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ κριοῦ (2 a)  |
| — 30. ὡς δὲ ἐπισυνήγαγε τὴν χ. (2 a)   | 13. 3. ἐν γὰρ χ. κραταῖά ἐξηγαγεν ἡμᾶς (2 a)                     | — 22 (23). καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)                    |
| 39. 1. ἐκτίστω αὐτὸν . . . ἐκ χειρῶν Ἰσμ. (2 a)  | — 9. ἔσται σοι σημεῖον ἐπὶ τῆς χ. σου (2 a)                      | — 23 (24). καὶ ἐπὶ τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. τῶν δεξιῶν (2 a)                 |
| — 3. κύριος εὐδοκεῖ ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)   | — 9. ἐν γὰρ χ. κραταῖά ἐξηγαγέ σε (2 a)                          | — 26 (27). ἐπὶ τὰς χ. Ἄ. καὶ ἐπὶ τὰς χ. τῶν υἱῶν αὐ. (4, 4)            |
| — 4. πάντα . . . ἔδωκε διὰ χειρὸς Ἰ. (2 a)   | — 14. ἐν χ. κραταῖά ἐξηγαγέ κύριος ἡμᾶς (2 a)                    | — 27 (28). ἔλαβε M. ἀπὸ τῶν χ. αὐ. (4)                                 |
| — 6. ἐπίστρεψε πάντα . . . εἰς χείρας Ἰ. (2 a)   | — 16. ἔσται εἰς σημεῖον ἐπὶ τῆς χ. σου (2 a)                     | — 33. τελειώσεις τὰς χ. ὑμῶν (2 a)                                     |
| — 8. πάντα . . . ἔδωκεν εἰς τὰς χ. μου (2 a)   | — 16. ἐν γὰρ χ. κραταῖά ἐξηγαγέ σε κύριος (2 a)                  | 9. 17. ἔπλησε τὰς χ. ἀπ' αὐτῆς (2 a)                                   |
| — 11. B καταλήψιν τὰ ἱμᾶτιν αὐ. ἐν ταῖς χ. αὐ. [A al.] (2 a)   | 14. 8. ἐξεπορεύοντο ἐν χεῖρι Ὑ. (2 a)                            | — 22. ἐξάρas Ἄ. τὰς χ. (2 a)   |
| — 13. κατέλειπε τὰ ἱμᾶτιν αὐ. ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)   | — 16. ἐκτείνων τὴν χ. σου ἐπὶ τὴν θάλ. (2 a)                     | 10. 11. ἡ ἐλάλησε κ. πρὸς αὐτοὺς διὰ χειρὸς M. (2 a)                   |
| — 22. ἔδωκεν . . . τὸ δεσποτήριον διὰ χειρὸς Ἰ. (2 a)  | — 21. ἐξέτεινε δὲ M. τὴν χ. ἐπὶ τὴν θάλ. (2 a)                   | 11. 27. ὅς πορεύεται ἐπὶ χειρῶν (4)                                    |
| — 23. πάντα γὰρ ἦν διὰ χειρὸς Ἰ. (2 a)   | — 26. ἐκτείνων τὴν χ. σου ἐπὶ τὴν θάλ. (2 a)                     | 12. 8. ἐὰν δὲ μὴ εὐρίσκῃ ἡ χ. αὐ. τὸ ἱκανόν (2 a)                      |
| — 23. κύριος εὐδοκεῖ ὅτι τὴν χ. αὐ. —  | — 27. ἐξέτεινε δὲ M. τὴν χ. (2 a)                                | 14. 14. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)                       |
| 40. 11. τὸ ποτήριον Φ. ἐν τῇ χ. μου (2 a)  | — 30. ἐρρύσατο κ. τὸν Ἰσρ. . . ἐκ χειρὸς τῶν Αἰγ. (2 a)          | — 15. ἐπιχεῖ ἐπὶ τὴν χ. τοῦ ἱερέως τὴν ἀρτιστερὰν (4)                  |
| — 11. ἔδωκε τὸ ποτήριον εἰς τὰς χ. Φ. (4)  | — 31. ἰδὲν δὲ Ἰσρ. τὴν χ. τὴν μεγαλὴν (2 a)                      | — 17. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον τὸ ἐν τῇ χ. (4)                         |
| — 23. δώσεις τὸ ποτήριον Φ. εἰς τὴν χ. αὐ. (2 a)   | 16. 6. ἡ δεξιὰ σου χ., κύριε, ἔθραυσεν ἐχθρούς (7)               | — 17. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)                         |
| — 21. ἔδωκε τὸ ποτήριον εἰς τὴν χ. Φ. (4)  | — 9. κυμύσει ἡ χ. μου (2 a)                                      | — 18. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον τὸ ἐπὶ τῆς χ. τοῦ Ἰ. (4)                |
| 41. 3. συναχθῆτω ὁ σίτος ὑπὸ χεῖρα Φ. (2 a)  | — 17. ὁ ἡτοίμασαν αἱ χ. σου (2 a)                                | — 21. ἐὰν δὲ πένηται καὶ ἡ χ. αὐ. μὴ εὐρίσκῃ (2 a)                     |
| — 42. περιελόμενος Φ. τὸν δακτύλιον ἀπὸ τῆς χ. αὐ. (2 a)   | — 20. λαβοῦσα δὲ M. . . τὸ τύμπανον ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)           | — 22. ὅσα εὐρεν ἡ χ. αὐ. (2 a)   |
| — 42. περιέθηκεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν χ. Ἰ. (2 a)   | 17. 5. τὴν ῥάβδον . . . λάβε ἐν τῇ χ. σου (2 a)                  | — 25. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. τῆς δεξιᾶς (2 a)                         |
| — 44. οὐκ ἐξαρεῖ οὐδεὶς τὴν χ. αὐ. (2 a)   | — 9. καὶ ἡ ῥάβδος τοῦ θ. ἐν τῇ χ. μου (2 a)                      | — 26. ἐπιχεῖ ὁ Ἰ. ἐπὶ τὴν χ. τοῦ Ἰ. τὴν ἀρτιστερὰν (4)                 |
| 42. 37. δὲς αὐτὸν εἰς τὴν χ. μου (2 a)   | — 12. ὅταν ἐπῇρε M. τὰς χ. (2 a)                                 | — 27. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τοῦ ἐν τῇ χ. αὐ. τῇ ἀριστ. (4)                    |
| 43. 9. ἐκ χειρὸς μου ζήτησον αὐτὸν (2 a)   | — 12. αἱ δὲ χ. M. θαρεῖται (2 a)                                 | — 28. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τοῦ ἐπὶ τῆς χ. αὐ. (4)                            |
| — 12. τὸ ἀργύριον διδόναν λάβετε ἐν ταῖς χ. ὑμῶν (2 a)   | — 12. ἐσθιρίων τὰς χ. αὐ. (2 a)                                  | — 28. καὶ ἐπὶ τὸ ἄκρον τῆς χ. αὐ. τῆς δεξιᾶς (2 a)                     |
| — 15. τὸ ἀργύριον διπλοῦν ἔλαβον ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)  | — 12. ἐγένοντο αἱ χ. M. ἐσθιρηγμέναι (2 a)                       | — 29. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τὸ ἐν ἐπὶ τῆς χ. τοῦ Ἰ. (4)     |
| — 21. B ἀπεστρέψαμεν νῦν ἐν ταῖς χ. ἡμῶν [A al.] (2 a)   | — 16. ἐν χ. κρυφαῖα πολέμει κύριος (2 a)                         | — 30. καθὼς εὐρεν αὐτοῦ ἡ χ. (2 a)                                     |
| — 26. ἃ εἶχον ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)   | 18. 4. ἐξείλατό με ἐκ χειρὸς Φ. †                                | — 32. καὶ τοῦ μὴ εὐρίσκοιτος τῇ χ. εἰς τὸν καθαρισμόν αὐ. (2 a)        |
| 46. 4. Ἰ. ἐπιβαλεῖ τὰς χ. ἐπὶ τοὺς ὀφθ. σου (2 a)  | — 8. ἐξείλατο αὐτοὺς κ. ἐκ χειρὸς Φ. καὶ ἐκ χειρὸς τῶν Αἰγ. —, — | 15. 11. καὶ τὰς χ. οὐ νείνυται (2 a)                                   |
| 47. 29. ὑπὸ τῆς χ. σου ὑπὸ τὸν μηρόν μου (2 a)   | — 9. ἐξείλατο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Αἰγ. καὶ ἐκ χειρὸς Φ. (2 a, —)    | 16. 12. πλῆσεν τὰς χ. θυμᾶματος συνθέσεως λεπτῆς (1)                   |
| 48. 14. ἐκτείνεις δὲ Ἰσρ. τὴν χ. τὴν δεξιάν . . . ἐν ἡλλάδῃ τὰς χ. (7, 2 a)                                  | — 10. ἐξείλατο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Αἰγ. καὶ ἐκ χειρὸς Φ. (2 a, 2 a) | — 21. ἐπιθήσει Ἄ. τὰς χ. αὐ. (2 a)                                     |
| — 17. A B ἐπὶ βάλαν οὐ πάτηρ αὐ. τὴν χ. [B om. αὐ. τ. χ.] τὴν δεξιάν αὐ. (2 a)                               | 19. 13. οὐ γὰρ ἀφεται αὐτοῦ χεῖρ (2 a)                           |  |
| — 17. ἀντελάβετο Ἰ. τῆς χ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)  | 21. 13. ὁ θ. παρέδωκεν εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)                      |  |
| — 22. ἦν ἔλαβον ἐκ χειρὸς Ἀμμοραίων (2 a)  | — 20. καὶ ἀποθάνῃ ὑπὸ τὰς χ. αὐ. (2 a)                           |  |
| 49. 8. αἱ χ. σου ἐπὶ νῆστος τῶν ἐχθρῶν σου (2 a)   | — 24. δώσει . . . χεῖρα ἀντὶ χειρὸς [A om. χ. αὐ.] (2 a, 2 a)    |  |
| — 24. ἐξελεύσῃ τὰ νύκτα βραχίονών χειρὸς [A om.] αὐ. διὰ χεῖρα δυνάστου Ἰ. (2 a, 2 a)                        | 22. 4 (3). καὶ εὐρεθῇ ἐν τῇ χ. αὐ. τὸ κλέμμα (2 a)               |  |
| Ex. 8. 8. ἐξελέσθαι αὐτοὺς ἐκ χειρὸς Αἰγυπτίων (2 a)   | 23. 31. παραδώσω εἰς τὰς [A om.] χ. ὑμῶν τοὺς ἐγκαθμ. (2 a)      |  |
| — 19. ἐὰν μὴ μετὰ χ. κραταῖas (2 a)  | 28. 37 (41). ἐμπλήρεις αὐτὰν τὰς χ. (2 a)                        |  |

Le. 16. 21. ἐξαποστειλεὶ ἐν χειρὶ ἀνθρώπου ἐτόί-  
μου (2a)  
— 32. ὃν ἂν τελειώσουσι τὰς χ. αὐ. (2a)  
19. 18. οὐκ ἐκδικαῖται σου ἡ χ. —  
21. 19. ὃ ἔστιν ἐν αὐτῷ σύντριμμα χειρὸς (2a)  
22. 25. ἐκ χειρὸς ἀλλογενοῦς οὐ προσοίσετε (2a)  
24. 14. ἐπιθήσουσι... τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (2a)  
25. 26. εἰν δὲ εὐπορηθῇ τῇ χ. (2a)  
— 28. εἰν δὲ μὴ εὐρεθῇ ἡ χ. αὐ. τὸ ἱκανόν (2a)  
— 35. καὶ ἀδυνατήσῃ τὰς χ. παρὰ σοῦ (2a)  
— 47. εἰν δὲ εὐρη ἡ χ. τοῦ προσηλύτου (2a)  
— 49. εἰν δὲ εὐπορηθεῖ τὰς χ. λυτρώσῃται  
αὐτὸν (2a)  
26. 25. παραδοθήσονται εἰς χεῖρας ἐχθρῶν (2a)  
— 46. ὃν ἔδωκε... ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
27. 8. καθάπερ ἰσχύει ἡ χ. τοῦ εὐξαμένου  
Νυ. 8. 3. οὐκ ἐτελείωσαν τὰς χ. αὐ. (2a)  
4. 28. καὶ ἡ φυλακὴ αὐ. ἐν χειρὶ ἰδ. (2a)  
— 33. ἐν χειρὶ ἰδ. τοῦ υἱοῦ Ἀ. τοῦ ἱερέως (2a)  
— 37. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
— 41. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μ. —  
— 45. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
— 49. ἐπεσκέψατο αὐτοὺς ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
5. 18. ὅσους ἐπὶ τὰς χ. αὐ. τὴν θυσίαν (4)  
— 18. ἐν δὲ τῇ χ. τοῦ ἰ. ἔσται τὸ ὕδωρ (2a)  
— 25. ληφῆται ὁ ἰ. ἐκ χειρὸς τῆς γυν. τὴν  
θυσίαν (2a)  
6. 19. ἐπιθήσει ἐπὶ τὰς χ. τοῦ νηγμένου  
— 21. χωρὶς ὧν ἂν εὐρῇ ἡ χ. αὐ. (2a)  
7. 88. μετὰ τὸ πληρώσει τὰς χ. αὐ. —  
8. 10. ἐπιθήσουσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὰς χ. αὐ. (2a)  
— 12. ἐπιθήσουσιν τὰς χ. ἐπὶ τὰς κεφ. (2a)  
9. 23. διὰ προστάγματος κυρίου ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
10. 13. μὴ χεῖρ [A<sup>3</sup> ἡ χ.] κυρίου οὐκ ἐξαρκεῖ (2a)  
11. 23. μὴ χεῖρ [A<sup>3</sup> ἡ χ.] κυρίου οὐκ ἐξαρκεῖ (2a)  
14. 17. Ἀ ὑψώθη ἡ χ. [B ἰσχύς] σου (3)  
— 30. ὃν ἔξέτεινε τὴν χ. μου (2a)  
15. 23. καθὰ συνέταξε κ. πρὸς ὑμᾶς ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
— 30. ἥτις ποιήσει ἐν χειρὶ ὑπερηφανίας (2a)  
16. 40 (17. 5). καθὰ ἐλάλησε κ. ἐν χειρὶ Μ. [B<sup>3</sup>  
om. ἐν χ. Μ.] (2a)  
20. 11. ἐπάρας Μ. τὴν χ. αὐ. (2a)  
— 20. ἐν δὲ χ. Μ. τὴν χ. αὐ. (2a)  
21. 34. εἰς τὰς χ. σου παραδέδωκε αὐτὸν (2a)  
22. 7. καὶ τὰ μαρτύρια ἐν ταῖς χ. αὐ. (2a)  
— 23. καὶ τὴν ῥομφαίαν ἐσπασμένην ἐν τῇ χ.  
αὐ. (2a)  
— 29. εἰ ἔχον μάχαιραν ἐν τῇ χ. [A add. μου] (2a)  
— 31. καὶ τὴν μάχαιραν ἐσπασμένην ἐν τῇ χ. αὐ. (2a)  
24. 10. συνεκτόρησε τὰς χ. αὐ. (4)  
— 24. B<sup>3</sup> ἐξέλκεται ἐκ χειρὸς [A B<sup>3</sup> B-ων]  
Κιτ. (2a)  
25. 7. λαβὼν σειρομίστην ἐν τῇ χ. (2a)  
27. 18. ἐπιθήσει τὰς χ. σου ἐπ' αὐτόν (2a)  
— 23. ἐπέθηκε τὰς χ. αὐ. ἐπ' αὐτόν (2a)  
31. 6. καὶ αἱ σάλπιγγες τῶν σηματοῶν ἐν ταῖς  
χ. αὐ. (2a)  
33. 1. ὡς ἐξῆλθον... ἐν χειρὶ Μ. καὶ Ἀ. (2a)  
— 3. ἐξῆλθον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν χ. ὑψηλῇ (2a)  
35. 17. εἰν δὲ ἐν λίθῳ ἐκ χειρὸς... πατάξῃ  
αὐτόν (2a)  
— 18. εἰν δὲ ἐν σκευῇ ἐξυλῖν ἐκ χειρὸς...  
πατάξῃ αὐτόν (2a)  
— 21. ἡ διὰ μὴν ἐπάταξεν αὐτόν τῇ χ. (2a)  
36. 13. Ἀ ἐνετείλατο κύριος ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
De. 1. 25. ἐλάβωσαν ἐν ταῖς χ. αὐ. ἀπὸ τοῦ  
καρποῦ (2a)  
— 27. παραδούναί ἡμᾶς εἰς χεῖρας [A τὰς χ.  
τῶν] Ἀμορραίων (2a)  
2. 7. ἐν παντὶ ἔργῳ τῶν χ. σου (2a)  
— 15. ἡ χ. τοῦ θεοῦ ἦν ἐπ' αὐτοῖς (2a)  
— 24. B<sup>3</sup> παραδέδωκε εἰς χεῖρας [A B<sup>3</sup> B τὰς  
χ.] σου τὸν Σ. (2a)  
— 30. ἵνα παραδοθῇ εἰς τὰς χ. σου (2a)  
— 36. τὰς πάσας παρέδωκε κ. ὁ θ. ἡμῶν εἰς τὰς  
χ. ἡμῶν +  
3. 2. εἰς τὰς χ. σου παραδέδωκε αὐτόν (2a)  
— 3. παρέδωκεν αὐτόν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν εἰς τὰς  
χ. ἡμῶν (2a)  
— 8. ἐλάβομεν... τὴν γῆν ἐκ χειρὶν δύο βασι-  
λέων τῶν Ἀμ. (2a)  
— 24. δείξαι... τὴν χ. τὴν κραταιάν (2a)  
4. 28. θεοὶ ἑτέροις ἔργους χειρῶν ἀνθρώπων (2a)  
— 34. λαβεῖν ταυτὸν ἔθνος... ἐν χ. κραταιᾷ (2a)  
5. 15. ἐξήγγαγε σε κ. ὁ θεὸς σου... ἐν χ.  
κραταιᾷ (2a)

De. 6. 8. εἰς σημείον ἐπὶ τῆς χ. σου (2a)  
— 21. ἐξήγγαγε ἡμᾶς... ἐν χ. κραταιᾷ (2a)  
7. 2. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεὸς σου εἰς τὰς  
χ. σου +  
— 8. ἐξήγγαγε κύριος ὑμᾶς ἐν χ. κραταιᾷ (2a)  
— 8. καὶ ἐλυτρώσατο... ἐκ χειρὸς Φ. (2a)  
— 19. μνησθήσῃ... τὴν χ. τὴν κραταιάν (2a)  
— 23. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεὸς σου εἰς τὰς  
χ. σου +  
— 24. παραδώσει τοὺς βασ. αὐ. εἰς τὰς χ. ὑμῶν (2a)  
8. 17. τὸ κράτος τῆς χ. μου ἐποίησέ μοι τὴν  
δύναμιν (2a)  
9. 15. αἱ δύο πλάκες... ἐπὶ ταῖς δυοῖ χ. μου (2a)  
— 17. ἔτριψα αὐτάς ἀπὸ τῶν δυοῖ χ. μου (2a)  
— 26. οὐς ἐξήγγαγε... ἐν τῇ [A om.] χ. σου  
τῇ κραταιᾷ (2a)  
— 29. B καὶ ἐν τῇ χ. σου τῇ κραταιᾷ —  
10. 3. καὶ αἱ δύο πλάκες ἐπὶ ταῖς χ. μου (2a)  
11. 2. οὐδὲ εἰδούσαν... τὴν χ. τὴν κραταιάν (2a)  
— 18. ἀφάψετε αὐτὰ εἰς σημείον ἐπὶ τῆς χ.  
ὑμῶν (2a)  
12. 7. οὐ εἰν ἐπιβάλητε τὴν χ. [A al.] (2a)  
— 11. καὶ τὰς ἀπαρχὰς τῶν χ. ὑμῶν (2a)  
— 17. καὶ τὰς ἀπαρχὰς τῶν χ. σου [A<sup>2</sup> ὑμῶν,  
A<sup>1</sup> om. τ. χ. σ.] (2a)  
— 18. οὐ εἰν ἐπιβάλητε τὴν χ. σου (2a)  
13. 9 (10). αἱ χ. σου ἔσονται ἐπ' αὐτόν [A al.] (2a)  
— 9 (10). καὶ αἱ χ. παντὸς τοῦ λαοῦ ἐπ' ἐσχάτῳ (2a)  
— 17 (18). οὐ προσκολληθήσεται οὐδὲν...  
ἐν τῇ χ. σου (2a)  
14. 25. λήψῃ τὸ ἀργύριον ἐν ταῖς χ. σου (2a)  
15. 7. οὐδ' οὐ μὴ συσφίγγεις τὴν χ. σου (2a)  
— 8. ἀνοίξεις τὰς χ. σου αὐτῷ (2a)  
— 10. οὐδ' ἐπιβάλης τὴν χ. σου (2a)  
— 11. ἀνοίξεις τὰς χ. σου τῷ ἀδ. σου (2a)  
16. 10. καθύτι ἡ χ. σου ἰσχύει (2a)  
— 15. καὶ ἐν παντὶ ἔργῳ τῶν χ. σου (2a)  
— 17. κατὰ δύναμιν τῶν χ. ὑμῶν (2a)  
17. 7. ἡ χ. τῶν μαρτύρων ἔσται ἐπ' αὐτῷ (2a)  
— 7. ἡ χ. τοῦ λαοῦ ἐπ' ἐσχάτῳ (2a)  
19. 5. καὶ ἐκρουσθή ἡ χ. αὐ. (2a)  
— 12. παραδώσουσιν αὐτόν εἰς χεῖρας τῶν  
ἀγχιστευνόντων (2a)  
— 21. χεῖρα ἀπὲρ χειρὸς (2a, 2a)  
20. 13. ὥς ἂν παραδῷ σοι αὐτήν... εἰς τὰς  
χ. σου (2a)  
21. 6. κινήσονται τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν (2a)  
— 7. αἱ χ. ἡμῶν οὐκ ἐξέχων τὸ αἷμα τοῦτο (2a)  
— 10. καὶ παραδῷ σοι κ. ὁ θ. σου εἰς τὰς χ.  
σου (2a)  
23. 14 (15). Α. παραδούναί τὸν ἐχθρόν σου εἰς  
τὰς χ. σου [B al.] +  
— 25 (26). A<sup>2</sup> B<sup>3</sup> συλλέξεις ἐν ταῖς χ. σου  
στάχυν (2a)  
24. 1. B καὶ ὅσους εἰς τὰς χ. αὐ. [A<sup>2</sup> al.] (2a)  
— 3. καὶ ὅσους εἰς τὰς χ. αὐ. (2a)  
— 19. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις τῶν χ. σου (2a)  
25. 11. ἐξελίσσονται τὸν ἄνθρωπον αὐ. ἐκ χειρὸς τοῦ  
τυπτοντος αὐτόν (2a)  
— 11. ἐκτείναν τὴν χ. [A add. αὐ.] (4)  
— 12. ἀποκόψουσιν τὴν χ. σου (2a)  
26. 4. λήψεται ὁ ἰ. τὸν κάρταλλον ἐκ τῶν χ. σου (2a)  
— 8. ἐξήγγαγε ἡμᾶς κ. ἐν χ. κραταιᾷ (2a)  
27. 15. ἔργον χειρῶν τεχνιτῶν (2a)  
28. 8. οὐδ' ἐπιβάλης τὴν χ. σου (2a)  
— 12. εὐλογῆσαι πάντα τὰ ἔργα τῶν χ. σου (2a)  
— 20. οὐδ' ἐπὶ ἐπιβάλης τὴν χ. σου (2a)  
— 32. οὐκ ἰσχύει ἡ χεὶρ σου (2a)  
29. 3 (2). A B<sup>3</sup> τὴν χ. τὴν κραταιάν καὶ τὸν  
βραχίονα τὸν ὑψηλόν —  
30. 9. ἐν παντὶ ἔργῳ τῶν χ. σου (2a)  
— 14. ἐγγύς σου ἐστὶ τὸ ῥῆμα σφόδρα... ἐν  
ταῖς χ. σου —  
31. 29. παροργίσαν αὐτόν ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ.  
ὑμῶν (2a)  
32. 27. ἡ χ. ἡμῶν ἡ ὑψηλὴ... ἐποίησε ταῦτα  
πάντα (2a)  
— 39. ὃς ἐξελεῖται ἐκ τῶν χ. μου (2a)  
— 40. ὁρῶ εἰς τὸν οὐρανὸν τὴν χ. μου (2a)  
— 41. ἀνθίσταται κρίματος ἡ χ. μου (2a)  
33. 3. πάντες οἱ ἡγιασμένοι ὑπὸ τῶν χ. σου (2a)  
— 7. αἱ χ. αὐ. διακρινοῦσιν αὐτῷ (2a)  
— 11. τὰ ἔργα τῶν χ. αὐ. δείξαι (2a)  
34. 9. ἐπέθηκε γὰρ Μ. τὰς χ. αὐ. ἐπ' αὐτόν (2a)  
— 12. τὰ θανμάσια τὰ μεγάλα καὶ τὴν [A  
πᾶσαν τ.] τὴν κραταιάν (2a)

Jo. 2. 24. παρέδωκε κ. πᾶσαν τὴν γῆν ἐν χειρὶ  
ἡμῶν (2a)  
5. 12 (13). καὶ ἡ ῥομφαία ἐσπασμένη ἐν τῇ  
χ. αὐ. (2a)  
8. 1. δίδωκα εἰς τὰς χ. σου τὸν βασ. Γαί. (2a)  
— 18. ἔκτεινον τὴν χ. σου ἐν τῷ γαίῳ τῷ ἐν  
τῇ χ. σου (2a)  
— 18. εἰς γὰρ τὰς χ. [A τὴν χ.] σου παραδέ-  
δωκα αὐτήν (2a)  
— 19 (18). ἐξέτεινε Ἰ. τὴν χ. αὐ. τὸν γαῖον  
[A al.] (2a)  
— 19. ὅτε ἐξέτεινε τὴν χ. — (2a)  
9. 26. ἐξείλατο αὐτοὺς... ἐκ χειρῶν [A -ὄς] (2a)  
— 26. οὐκ ἔβραυνθη ἡ χ. τοῦ Ἐφρ. ἐπ' αὐτοὺς (2a)  
10. 6. μὴ ἐκλύσῃς τὰς χ. σου (2a)  
— 8. εἰς γὰρ τὰς χ. σου παραδέδωκα αὐτοὺς (2a)  
— 19. παρέδωκε γὰρ αὐτοὺς... εἰς τὰς χ.  
ἡμῶν (2a)  
— 30. παρέδωκεν αὐτήν κ. εἰς χεῖρας [A ἐν  
χειρὶ] Ἰσρ. (2a)  
— 32. παρέδωκε κ. τὴν Ἀ. εἰς τὰς χ. Ἰσρ. (2a)  
— 35. παρέδωκεν αὐτήν κ. ἐν χειρὶ Ἰσρ. —  
14. 2. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. ἐν χειρὶ Ἰ.  
[A al.] (2a)  
17. 4. ὁ θ. ἐνετείλατο διὰ χειρὸς Μ. +  
19. 47. ἐβραυνθη ἡ χ. τοῦ Ἐφρ. ἐπ' αὐτοὺς —  
20. 5. Α. οὐ συγκατέισασι τὸν φονεύσαντα ἐν  
τῇ χ. αὐ. (2a)  
— 9. ἵνα μὴ ἀποθάνῃ ἐν χειρὶ [A ἐκ χειρὸς]  
τοῦ ἀγχιστευνόντος (2a)  
21. 2. ἐνετείλατο κ. ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
— 42. πάντας τοὺς ἐχθρούς αὐ. παρέδωκε κ. εἰς  
τὰς χ. αὐ. (2a)  
22. 9. ἡν ἐκληρονόμησαν... ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
— 31. ἐρρύσασθε τοὺς υἱούς Ἰσρ. ἐκ χειρὸς  
κυρίου (2a)  
24. 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς τὰς [A om.]  
χ. ἡμῶν (2a)  
— 10. ἐξείλατο ἡμᾶς ἐκ χειρῶν [A τῶν χ.] αὐ. (2a)  
— 11. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς τὰς [A om.] χ.  
ἡμῶν (2a)  
— 33. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς χεῖρας Ἐ. —  
jd. 1. 2. B δέδωκε τὴν γῆν ἐν τῇ [A<sup>2</sup> om.]  
χ. αὐ. (2a)  
— 4. παρέδωκε κ. τὸν Χαν... εἰς τὰς χ. [A  
ἐν χειρὶ] αὐ. (2a)  
— 6. ἀπέκοψαν τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. (2a)  
— 7. τὰ ἄκρα τῶν χ. αὐ. ... ἀποκομμένοι (2a)  
— 35. ἐβραυνθη χεὶρ οἴκου Ἰ. (2a)  
2. 14. εἰς χεῖρας [A ἐν χειρὶ] προνομυνόντων (2a)  
— 14. ἐν χερσὶ τῶν ἐχθρῶν αὐ. [A al.] (2a)  
— 15. χεῖρ κυρίου ἦν ἐπ' αὐτοὺς (2a)  
— 16. ἐκ χειρὸς τῶν προνομυνόντων αὐτοὺς (2a)  
— 18. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐ.  
[A al.] (2a)  
— 23. οὐ παρέδωκεν αὐτὰ ἐν χειρὶ Ἰ. (2a)  
3. 4. ὃς ἐνετείλατο τοῖς πατράσιν αὐ. ἐν χειρὶ Μ. (2a)  
— 8. ἀπέδοτο αὐτοὺς ἐν χειρὶ [A εἰς χεῖρας] Χ. (2a)  
— 10. παρέδωκε κ. ἐν χειρὶ αὐ. τὸν Χ. (2a)  
— 10. B ἐκραταιώθη χεὶρ αὐ. ἐπὶ τὸν Χ. (2a)  
— 15. ἐξέπεισεν αὐτὸν... δῶρα ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2a)  
— 21. ἐξέτεινε Ἀ. τὴν χ. τὴν ἀριστεράν αὐ. (2a)  
— 28. παρέδωκε... τὴν Μ. ἐν χειρὶ ἡμῶν (2a)  
— 30. ἐνετράπη... ὑπὸ χεῖρα [A τὴν χ.] Ἰσρ. (2a)  
4. 2. ἀπέδοτο τοὺς υἱούς Ἰσρ. κ. ἐν χειρὶ Ἰ. (2a)  
— 7. παραδῶσω αὐτόν εἰς τὰς χ. [A ἐν χειρὶ]  
σου (2a)  
— 9. ἐν χειρὶ γυναικὸς ἀποδώσεται κ. τὸν Σισρ. (2a)  
— 14. ἐν ᾗ παρέδωκε κ. τὸν Σ. ἐν τῇ [A om.]  
χ. σου (2a)  
— 21. ἔθηκε τὴν σφύραν ἐν τῇ χ. αὐ. (2a)  
— 24. ἐπορεύετο χεὶρ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (2a)  
5. 26. χεῖρα αὐ. [A τὴν χ. αὐ. τὴν] ἀριστεράν  
... ἐξέτεινε (2a)  
6. 1. ἔδωκεν αὐτοὺς κ. ἐν χειρὶ Μ. [A al.] (2a)  
— 2. ἰσχυσε χεῖρ Μ. ἐπὶ Ἰσρ. (2a)  
— 9. B ἐρρύσασθαι ὑμᾶς ἐκ χειρὸς Αἰγ. (2a)  
— 9. καὶ ἐκ χειρὸς πάντων τῶν θλιβόντων ὑμᾶς (2a)  
— 13. ἔδωκεν ἡμᾶς ἐν χειρὶ Μ. (4)  
— 14. σώσεις τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς Μ. (4)  
— 21. B τὸ ἀκρον τῆς ράβδου τῆς ἐν χειρὶ  
[A B τῇ χ.] αὐ. (2a)  
— 36. εἰ σὺ σώσεις ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] μου τὸν  
Ἰσρ. (2a)  
— 37. σώσεις ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] μου τὸν Ἰσρ. (2a)  
7. 2. ὥστε μὴ παραδοῖναι με τὴν Μ. ἐν χειρὶ αὐ. (2a)

- jd. 7. 2. ἡ χ. μου ἔωσέ με (2 a)  
— 6. ὁ ἀριμὸν τῶν λαφάντων ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
[A al.] (2 a)  
— 7. δῶσα τὴν M. ἐν χειρὶ σου (2 a)  
— 8. ἔλαβον τὸν ἐπιστιμισμὸν τοῦ λαοῦ ἐν χειρὶ [A ταῖς χερσίν] αὐ. (2 a)  
— 9. παρίδωκα αὐτὴν ἐν τῇ χ. σου (2 a)  
— 10 (11). ἰσχύουσιν αἱ χ. σου (2 a)  
— 14. παρίδωκεν ὁ θ. ἐν χειρὶ αὐ. τὴν Μαδ. (2 a)  
— 15. παρίδωκε κ. ἐν χειρὶ ἡμῶν τὴν παρεμβολὴν M. (2 a)  
— 16. ἔδωκε κερατίνας ἐν χειρὶ πάντων (2 a)  
— 19. ἐξέτιναζαν τὰς ὑδρίας τὰς ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)  
— 20. ἐκράτησαν ἐν χ. ἀριστεραῖς αὐ. τὰς λαμπαδάς καὶ ἐν χ. δεξιαῖς αὐ. τὰς κερατίνας [A al.] (2 a, 2 a)  
8. 3. ἐν χειρὶ ἡμῶν παρίδωκε κ. τοὺς ἀρχοντάς M. (2 a)  
— 6. μὴ χεῖρ Z. καὶ Σ. νῦν ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] σου (4, 2 a)  
— 7. ἐν τῇ δοῦναι κ. τὸν Z. καὶ Σ. ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] μου (2 a)  
— 15. μὴ χεῖρ Z. καὶ Σ. νῦν ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] σου (4, 2 a)  
— 22. ἔσωσας ἡμᾶς ἐκ χειρὸς M. (2 a)  
— 34. ἐκ χειρὸς πάντων τῶν θλιβόντων αὐτοῦς (2 a)  
9. 16. εἰ ὡς ἀνταπόδοσιν χειρὸς αὐ. ἐποίησας αὐτῷ [A al.] (2 a)  
— 17. ἐρρύσατο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς M. (2 a)  
— 24. ἐνίσχυσαν τὰς [A om.] χ. αὐ. (2 a)  
— 29. τίς δὲ τὸν λαὸν τοῦτον ἐν χειρὶ μου (2 a)  
— 33. ὅσα ἐν εὐρῇ ἡ χ. σου (2 a)  
— 48. ἔλαβεν Ἀβ. τὰς ἀξίνας ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
10. 7. ἀπέδοτο αὐτοῦς ἐν χειρὶ Φυλ. καὶ ἐν χειρὶ υἱῶν Ἀ. (2 a, 2 a)  
— 12. ἔσωσα ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτῶν (2 a)  
11. 21. παρίδωκε κ. ὁ θ. Ἰσρ. τὸν Σ. . . ἐν χειρὶ Ἰσρ. (2 a)  
— 30. ἐὰν διδοὺς ὅψες τοῦς υἱοὺς Ἀ. ἐν τῇ χ. μου [A al.] (2 a)  
— 32. παρίδωκεν αὐτοῦς κ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
12. 2. οὐκ ἐσώσασθαι ἐκ χειρὸς αὐτῶν (2 a)  
— 3. ἔθηκε τὴν ψυχὴν μου ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] μου (4)  
— 3. ἔδωκεν αὐτοῦς κ. ἐν χειρὶ μου [A al.] (2 a)  
13. 1. παρίδωκεν αὐτοῦς κ. ἐν χειρὶ Φυλ. (2 a)  
— 5. ἄρξεται σῶσαι τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς Φυλ. (2 a)  
— 23. οὐκ ἂν ἔλαβεν ἐκ χειρὸς ἡμῶν ὀλοκάτωμα [A al.] (2 a)  
14. 6. οὐδὲν ἦν ἐν ταῖς χ. [A τῇ χ.] αὐ. (2 a)  
— 9. ἐξέειλεν αὐτὸ εἰς χεῖρας [A τὸ στόμα] (4)  
15. 12. τοῦ δοῦναι σε ἐν χειρὶ ἀλλοφύλων [A al.] (2 a)  
— 13. παραδώσωμέν σε ἐν χειρὶ [A εἰς χεῖρας] (2 a)  
— 14. ἐτάκθην δεσμῷ αὐ. ἀπὸ χειρῶν αὐ. [A al.] (2 a)  
— 15. ἐξέτεινε τὴν χ. αὐ. (2 a)  
— 17. ἔρριψε τὴν σιαγόνα ἐκ [A ἀπὸ] τῆς χ. αὐ. (2 a)  
— 18. ἐδόκῃσας ἐν χειρὶ δούλου σου (2 a)  
— 18. ἐμπεσοίμαι ἐν χειρὶ τῶν ἀπεριτμήτων (2 a)  
18. 18. ἀνιγκῶμαι τὸ ἀργύριον ἐν χερσίν αὐ. [A al.] (2 a)  
— 23. ἔδωκεν ὁ θ. ἐν χειρὶ ἡμῶν τὸν Σ. (2 a)  
— 24. Α Β<sup>2</sup> B παρίδωκεν ὁ θ. ἡμῶν τὸν ἐχθρόν ἡν ἐν χειρὶ ἡμῶν (2 a)  
— 26. τὸν νεανίαν τὸν κρατοῦντα τὴν χ. αὐ. [A al.] (2 a)  
17. 3. B ἡγίακα τὸ ἀργ. . . ἐκ χειρὸς [A B τῆς χ.] μου (2 a)  
— 5. ἐπλήρωσε τὴν χ. ἀπὸ ἐνὸς υἱῶν αὐ. [A al.] (2 a)  
— 12. ἐπλήρωσε M. τὴν χ. τοῦ Λ. (2 a)  
18. 10. ἔδωκεν αὐτὴν ὁ θ. ἐν χειρὶ ἡμῶν (2 a)  
— 19. ἐπίβη τὴν χ. σου ἐπὶ τὸ στόμα σου (2 a)  
19. 27. καὶ αἱ χ. αὐ. ἐπὶ τὸ πρῶτον (2 a)  
20. 28. B δῶσα αὐτοῖς εἰς τὰς χ. ἡμῶν [A B al.] (2 a)  
Ru. 1. 13. ἐξῆλθεν ἐν ἐμοὶ χεῖρ κυρίου (2 a)  
4. 5. τοῦ κτήσασθαι σε τὸν ἀγρόν ἐκ χειρὸς N. (2 a)  
— 9. κέκτημαι πάντα . . . ἐκ χειρὸς N. (2 a)  
1 Ki. 2. 13. καὶ κρείττα τράφους ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
4. 3. σῶσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ἡμῶν (4)  
— 8. τίς ἐξέλκεται ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν θεῶν (2 a)  
5. 3. ἐβαρύνθη χεῖρ κυρίου ἐπὶ τοὺς Ἀζ. —  
— 4. καὶ ἀμφότερα τὰ ἰχθυήσαντα αὐ. ἀφῆρη-  
— 4. καὶ ἀμφότεροι οἱ καρποὶ τῶν χ. αὐ. πεπωκότες (2 a?)
- 1 Ki. 5. 6. ἐβαρύνθη χεῖρ κυρίου ἐπὶ Ἀζωτον (2 a)  
— 7. σκληρὰ χεῖρ αὐ. ἐφ' ἡμᾶς (2 a)  
— 9. γίνεται χεῖρ κυρίου τῇ πόλει (2 a)  
6. 3. μὴ οὐκ ἀποστή ἡ [A om.] χ. αὐ. ἀφ' ὧν (2 a)  
— 5. ὅπως κουφίσῃ τὴν χ. αὐ. ἀφ' ὧν (2 a)  
— 9. οὐ χεῖρ αὐ. ἡται ἡμῶν (2 a)  
7. 3. ἐξέλκεται ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)  
— 8. καὶ σῶσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)  
— 13. ἐγενήθη χεῖρ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀλλοφ. (2 a)  
— 14. τὸ δριμύ Ἰσρ. ἀφείλαντο ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)  
9. 8. εὐρύται ἐν τῇ χ. μου τέταρτον σίκλου ἀργ. (2 a)  
— 16. σῶσαι τὸν λαόν μου ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)  
10. 1. σῶσαι αὐτὸν ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐ. —  
— 4. καὶ λήψῃ ἐκ τῆς χ. αὐ. (2 a)  
— 7. ὅσα ἐὰν εὐρῇ ἡ χ. σου (2 a)  
— 18. ἐξελάμην ἡμᾶς ἐκ χειρὸς Φ. (2 a)  
11. 7. ἀπέστειλεν . . . ἐν χειρὶ ἀγγέλων (2 a)  
12. 3. ἐκ χειρὸς τίνος ἐλθίῃ ἐξέλιμα (2 a)  
— 4. οὐκ ἐλθίῃς ἐκ χειρὸς οὐδενὸς οὐδέν (2 a)  
— 5. οὐχ εὐρήκατε ἐν χειρὶ μου οὐδέν (2 a)  
— 9. ἀπέδοτο αὐτοῦς εἰς χεῖρας Σ. . . καὶ εἰς χεῖρας ἀλλοφύλων καὶ εἰς χεῖρας βασιλέως M. (2 a ter)  
— 10. ἐξέλου ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ἡμῶν (2 a)  
— 11. ἐξείλατο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ἡμῶν (2 a)  
— 15. ἔσται χεῖρ κυρίου ἐφ' ὧν (2 a)  
13. 22. B οὐχ εὐρήθῃ βομφαία . . . ἐν χειρὶ ποντοῦ τοῦ λαοῦ (2 a)  
14. 10. B παραδίδωκεν αὐτοῦς κ. εἰς τὰς [A B om.] χ. ἡμῶν (2 a)  
— 12. παρίδωκεν αὐτοῦς κ. εἰς χεῖρας [A τὰς χ.] Ἰσρ. (2 a)  
— 13. ἀνέβη Ἰων. ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (2 a)  
— 19. συνάγαγε τὰς χ. σου (2 a)  
— 26. οὐκ ἦν ἐπιστρέφων τὴν χ. αὐ. εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)  
— 27. τὸ δέρον τοῦ σκῆπτρου αὐ. τοῦ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
— 27. ἐπέστρεψε τὴν χ. αὐ. εἰς τὸ στόμα αὐ. (2 a)  
— 34. προσήγεν . . . ἕκαστος τὸ ἐν τῇ [A om.] χ. αὐ. (2 a)  
— 37. εἰ παραδώσεις αὐτοῦς εἰς χεῖρας Ἰσρ. (2 a)  
— 43. ἐν ἀκρῇ τῇ σκῆπτρῳ τῇ ἐν τῇ χ. μου (2 a)  
— 48. ἐκ χειρὸς τῶν καταπατούντων αὐτὸν (2 a)  
15. 12. ἀνίσταται αὐτῇ χεῖρα (2 a)  
— 28. διέρρηξε κ. τὴν βασ. σου ἀπὸ Ἰσρ. ἐκ χειρὸς σου †  
16. 2. δαμάλιν βοῶν λάβε ἐν τῇ χ. σου (2 a)  
— 20. ἐζαπέστειλεν ἐν χειρὶ Δ. τοῦ υἱοῦ αὐ. (2 a)  
— 23. B ἔψαλλεν ἐν τῇ [A B om.] χ. αὐ. (2 a)  
17. 22. A ἀφῆκεν Δ. τὰ σκεῦα αὐ. . . ἐπὶ χεῖρα φύλακος (2 a)  
— 37. ὅς ἐξείλατό με ἐκ χειρὸς τοῦ λέοντος καὶ ἐκ χειρὸς τοῦ ἵρκου (2 a, 2 a)  
— 37. ἐξέλειπται με ἐκ χειρὸς τοῦ ἀλλοφύλου τοῦ ἀπεριτμήτου γ. (2 a)  
— 40. ἔλαβε τὴν βακτηρίαν αὐ. ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
— 40. ἔθετο . . . σφενδόνην αὐ. ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
— 45 (46). ἀποκλείσει σε κ. σήμερον εἰς τὴν χ. μου [A al.] (2 a)  
— 47. παραδώσει κ. ἡμᾶς εἰς χεῖρας ἡμῶν (2 a)  
— 49. ἐξέτεινε Δ. τὴν χ. αὐ. εἰς τὸ κἀδιον (2 a)  
— 50. A βομφαία οὐκ ἦν ἐν χειρὶ Δ. (2 a)  
— 57. A καὶ ἡ κεφαλὴ τοῦ ἀλλοφ. ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
18. 10. A Δ. ἔψαλλεν ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
— 10. A καὶ τὸ δόρυ ἐν τῇ χ. Σ. (2 a)  
— 17. A μὴ ἔστω χεῖρ μου ἐπ' αὐτῷ (2 a)  
— 17. A ἔσται ἐπ' αὐτὸν χεῖρ ἀλλοφύλων (2 a)  
— 21. ἦν ἐπὶ Σ. χεῖρ ἀλλοφύλων (2 a)  
— 25. B Σ. ἐλογίσαστο αὐτὸν ἐμβαλεῖν εἰς χεῖρας τῶν ἀλλοφ. (2 a)  
19. 5. ἔθετο τὴν ψυχὴν αὐ. ἐν τῇ χ. αὐ. (4)  
— 9. καὶ δόρυ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
— 9. Δ. ἔψαλλε ταῖς [A ἐν ταῖς] χ. αὐ. (2 a)  
21. 3 (4). εἰσὶν ὑπὸ τῆς χ. σου πέντε ἄρτοι (2 a)  
— 3 (4). δὸς εἰς χεῖρά [A -ας] μου τὸ εὐρεθὲν (2 a)  
— 4 (5). οὐκ εἰσὶν ἄρτοι βίβηλοι ὑπὸ τὴν χ. μου (2 a)  
— 8 (9). εἰ ἔστιν ἐνταῦθα ὑπὸ τὴν χ. σου δόρυ (2 a)  
— 8 (9). τὰ σκεῦα οὐκ ἐλθῆκα ἐν τῇ χ. μου (2 a)  
— 13 (14). παρεφῆρετό ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)  
22. 6. καὶ τὸ δόρυ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
— 17. ἡ χ. αὐ. μετὰ Δ. (2 a)
- 1 Ki. 22. 17. οὐκ ἐβουλήθησαν . . . ἐπενεγκεῖν τὰς χ. αὐ. (2 a)  
23. 4. παραδίδωμι τοὺς ἀλλοφ. εἰς χεῖράς σου (2 a)  
— 6. ἔχων ἐφ' οὐδὲν ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
— 7. πέπρακεν αὐτὸν ὁ θ. εἰς χεῖράς μου (2 a)  
— 12. A εἰ παραδώσουσιν . . . τοὺς ἀνδρας μου εἰς χεῖρας Σ. (2 a)  
— 14. οὐ παρίδωκεν αὐτὸν κ. εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)  
— 16. ἐκραταίωσε τὰς χ. αὐ. (2 a)  
— 17. οὐ μὴ εὐρῇ σε ἡ χ. Σ. τοῦ πατρὸς μου (2 a)  
— 20. κεκλικασιν αὐτὸν εἰς τὰς χ. τοῦ βασ. (2 a)  
24. 5. παραδοῦναι τὸν ἐχθρόν σου εἰς τὰς χ. σου (2 a)  
— 7. ἐπενέγκαι χεῖρά μου ἐπ' αὐτόν (2 a)  
— 11. B παρίδωκε σε κ. σήμερον εἰς χεῖρά [A B -ας] μου (2 a)  
— 11. οὐκ ἐποίησα χεῖρά μου ἐπὶ κυρίῳ μου (2 a)  
— 12. τὸ πτερύγιον τῆς δευλοῖδος σου ἐν τῇ χ. μου (2 a)  
— 12. οὐκ ἔστι κακία ἐν τῇ χ. μου (2 a)  
— 13. B χεῖρ [A B ἡ χ.] μου οὐκ ἔσται ἐπὶ σοί (2 a)  
— 14. ἡ χ. μου οὐκ ἔσται ἐπὶ σέ (2 a)  
— 16. δικάσαι μου ἐκ χειρὸς σου (2 a)  
— 19. ὡς ἀπέκλεισε με κ. εἰς χεῖράς σου σήμερον (2 a)  
— 21. στήσεται ἐν χερσὶ σου βασιλεία Ἰσρ. (2 a)  
25. 8. ὁ ἐὰν εὐρῇ ἡ χ. σου (2 a)  
— 26. καὶ σῶσαι τὴν χεῖρά σου σοί (2 a)  
— 31. καὶ σῶσαι χεῖρα κυρίου μου αὐτῷ (2 a)  
— 33. καὶ σῶσαι χεῖρά μου ἐμοί (2 a)  
— 35. ἔλαβε Δ. ἐκ χειρὸς [A τῆς χ.] αὐ. πάντα (2 a)  
— 39. ὅς ἐκρυνε τὴν κρίσιν τοῦ οὐνεῖσμου μου ἐκ χειρὸς N. (2 a)  
— 39. τὸν δούλου αὐ. περιεποίησάτο ἐκ χειρὸς κακῶν —  
26. 8. B ἀπέκλεισε κ. σήμερον τὸν ἐχθρόν σου εἰς τὰς [A B om.] χ. σου (2 a)  
— 9. τίς ἐποίησε χεῖρα αὐ. (2 a)  
— 11. ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστῶν κυρίου (2 a)  
— 23. παρίδωκε σε κ. σήμερον εἰς χεῖράς μου (2 a)  
— 23. οὐκ ἠθέλησα ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου (2 a)  
27. 1. νῦν προετίθησθε μοι . . . εἰς χεῖρας Σ. (2 a)  
— 1. σωθήσονται ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)  
28. 15. οὐκ ἐπακήσοι μοι ἐτι καὶ ἐν χειρὶ τῶν προφητῶν (2 a)  
— 17. καθὼς ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ μου (2 a)  
— 17. διαρρήξει κ. τὴν βασ. σου ἐκ χειρὸς σου (2 a)  
— 19. παραδώσει κ. τὸν Ἰσρ. μετὰ σοῦ εἰς χεῖρας ἀλλοφύλων (2 a)  
— 19. τὴν παρεμβ. Ἰσρ. δώσει κ. εἰς χεῖρας ἀλλοφύλων (2 a)  
— 21. ἐθέμην τὴν ψυχὴν μου ἐν τῇ χ. μου (4)  
30. 15. μὴ παραδοῦναι με εἰς χεῖρας τοῦ κυρίου μου (2 a)  
— 23. παρίδωκε κ. τὸν γεδδούρ . . . εἰς χεῖρας ἡμῶν (2 a)  
11 Ki. 1. 14. ἐπενεγκεῖν χεῖρά σου (2 a)  
2. 7. A B κραταιοῦσθωσαν αἱ χ. ὑμῶν (2 a)  
— 16. ἐκράτησαν ἕκαστος τῇ χ. τὴν κεφαλὴν —  
3. 12. ἰδοὺ ἡ χ. μου μετὰ σοῦ (2 a)  
— 18. ἐν χειρὶ τοῦ δούλου μου Δ. σῶσω τὸν Ἰσρ. ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων καὶ ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐ. (2 a ter)  
— 34. αἱ χ. σου οὐκ ἐδέθησαν (2 a)  
4. 1. ἐξελύθησαν αἱ χ. αὐ. (2 a)  
— 11. ἐκπῆγσω τὸ αἷμα αὐ. ἐκ χειρὸς ὑμῶν (2 a)  
— 12. κολοβοῖσι τὰς χ. αὐ. (2 a)  
5. 19. παραδώσει αὐτοῖς εἰς τὰς χ. μου (2 a)  
— 19. παραδώσω τοὺς ἀλλοφύλους εἰς τὰς χ. σου (2 a)  
6. 6. ἐξέτεινε Ὁζὰ τὴν χ. αὐ. —  
8. 1. ἔλαβε Δ. τὴν ἀφωρισμ. ἐκ χειρὸς τῶν ἀλλοφ. (2 a)  
— 3. ἐπιστήσαι τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὸν ποταμὸν Εὐφρ. (2 a)  
— 10. ἐν ταῖς χ. αὐ. ἦσαν σκευὴ ἀργυρᾶ (2 a)  
10. 2. ἀπέστειλε . . . ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 a)  
— 10. τὸ κατάλοιπον τοῦ λαοῦ ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀβ. (2 a)  
11. 14. καὶ ἀπέστειλεν ἐν χειρὶ Οὐρ. (2 a)  
12. 7. ἐρρύσαμέν σε ἐκ χειρὸς Σ. (2 a)  
— 25. ἀπέστειλεν ἐν χειρὶ N. τοῦ προφήτου (2 a)  
13. 5. ὅπως . . . φάγω ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)  
— 6. φάγομαι ἐκ τῆς χ. αὐ. (2 a)  
— 10. φάγομαι ἐκ τῆς χ. σου (2 a)  
— 19. ἐπέθηκε τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ. αὐ. (2 a)

II Κι. 14. 16. ῥυσάσθω τὴν δούλην αὐ. ἐκ χειρὸς τοῦ ἀνδρός (2 a)  
 — 19. μὴ ἡ χ. 'Ι. ἐν πατρί τούτῳ μετὰ σοῦ (2 a)  
 15. 2. ἔστη ἀνὰ χεῖρα τῆς οδοῦ τῆς πύλης (2 a)  
 — 5. ἐξέτεινε τὴν χ. αὐ. (2 a)  
 — 18. ἀνὰ χεῖρα αὐ. παρήγον (2 a)  
 — 18. παρήσαν ἐπὶ χεῖρα αὐ. (2 a)  
 — 36. ἀποστελεῖτε ἐν χειρὶ αὐτῶν (2 a)  
 16. 8. ἔδωκε κ. τὴν βασ. ἐν χειρὶ 'Αβ. (2 a)  
 — 21. ἐνισχύσουσιν αἱ χ. πάντων τῶν μετὰ σοῦ (2 a)  
 17. 2. καὶ αὐτὸς κοπίων καὶ ἐκκελυμένους χερσὶ (2 a)  
 18. 2. τὸ τρίτον ἐν χειρὶ 'Ι. καὶ τὸ τρίτον ἐν χειρὶ 'Αβ. . . . καὶ τὸ τρίτον ἐν χειρὶ 'Εβθεῖ (2 a ter)  
 — 4. ἔστη ὁ βασ. ἀνὰ χεῖρα τῆς πύλης (2 a)  
 — 12. ἔστημι ἐπὶ τὰς χ. μου χιλιούς σίκλους ἀργ. (4)  
 — 12. Β οὐ μὴ ἐπιβάλω χεῖρά [Α Β τὴν χ.] μου ἐπὶ τὸν νιόν τοῦ βασ. (2 a)  
 — 14. ἔλαβεν 'Ι. τρία βέλη ἐν τῇ χ. αὐ. (4)  
 — 18. ἐκάλεσε τὴν στήλην Χεῖρ 'Αβ. (2 a)  
 — 19. ἔκρινε κ. ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν αὐ. (2 a)  
 — 28. Β τοὺς ἀνδρας τοὺς μισοῦντας τὴν χ. αὐ. [Α Β αλ.] (2 a)  
 — 31. ἔκρινε σοι . . . ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐπεγεγίμου. ἐπὶ σέ (2 a)  
 19. 9 (10). ἐρύσσαστο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀπὸ π. τῶν ἐχθρῶν ἡ. (4)  
 — 9 (10). ἐξέλιτο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (4)  
 — 43 (44). δέκα χεῖρες μοι ἐν τῷ βασ. (2 a)  
 20. 9. ἐκράτησεν ἡ χ. ἡ δεξιὰ 'Ι. τοῦ πάγωνος 'Αμ. (2 a)  
 — 10. τὴν μάχαιραν τὴν ἐν τῇ χ. 'Ι. (2 a)  
 — 21. ἐπῆρε τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὸν βασ. Δ. (2 a)  
 21. 9. ἔδωκεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ τῶν Γαβ. (2 a)  
 — 20. οἱ δάκτυλοι τῶν χ. αὐ. . . . ἔξ καὶ ἐξ (2 a)  
 — 22. ἔπασαν ἐν χειρὶ Δ. καὶ ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 a, 2 a)  
 22. 1. ἐξέλιτο αὐτὸν κ. ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐ. καὶ ἐκ χειρὸς Σ. (4, 4)  
 — 21. κατὰ τὴν καθιέρωσιν τῶν χ. μου (2 a)  
 — 25. κατὰ τὴν καθιέρωσιν τῶν χ. μου (2 a)  
 — 35. διδασκων χειρὸς μου εἰς πόλεμον (2 a)  
 23. 6. οὐ χειρὶ ληψήσονται (2 a)  
 — 10. ἔως οὐ ἐκπίπτει ἡ χ. αὐ. (2 a)  
 — 10. προσεκυλήθη ἡ χ. αὐ. πρὸς τὴν μάχαιραν (2 a)  
 — 21. ἐν δὲ τῇ χ. τοῦ Αἰγυπτίου δόρυ (2 a)  
 — 21. ἐκ τῆς χ. τοῦ Αἰγυπτίου (2 a)  
 24. 14. ἐμπροσθομαι δὴ ἐν χειρὶ κυρίου (2 a)  
 — 14. εἰς δὲ χεῖρας ἀνθρώπου οὐ μὴ ἐμπέσω (2 a)  
 — 16. ἐξέτεινε ὁ ἀγγέλος τοῦ θ. τὴν χ. αὐ. (2 a)  
 — 16. ἀνεσ τὴν χ. σου (2 a)  
 — 17. γενέσθω δὴ ἡ χ. σου ἐν ἐμοί (2 a)  
 III Κι. 2. 25. ἔλαττειλεν ὁ βασ. Σαλ. ἐν χειρὶ Βαν. (2 a)  
 3. 1. Α τῆς δεξ. ἐδρασθήσιν ἐν χειρὶ Σαλ. (2 a)  
 — 7. 31 (32). αἱ χεῖρες ἐν τοῖς τροχοῖς (2 a)  
 — 33. αἱ χ. αὐ. καὶ οἱ νῶτοι αὐ. (2 a)  
 — 35. καὶ ἀρχὴ χειρῶν αὐ. (2 a)  
 — 35. ἐπὶ τὰς ἀρχὰς τῶν χ. αὐ. (2 a)  
 8. 15. ἐν ταῖς χ. αὐ. ἐπλήρωσε (2 a)  
 — 22. διεπέτασε τὰς χ. αὐ. εἰς τὸν οὐρ. (4)  
 — 24. καὶ ἐν χερσὶ σου ἐπλήρωσας (2 a)  
 — 38. καὶ διαπέτασθ τὰς χ. αὐ. εἰς τὸν οἶκον τούτων (4)  
 — 42. Α ἀκούσουσι . . . τὴν χ. σου τὴν ισχύουσιν (2 a)  
 — 53. καθὼς ἐλάλησας ἐν χειρὶ δούλου σου Μ. (2 a)  
 — 54. καὶ αἱ χ. αὐ. διαπετασμέναι εἰς τὸν οὐρ. (2 a)  
 — 56. οὐ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. Μ. (4)  
 10. 13. ὡν δεδώκει αὐτῇ διὰ χεῖρὸς τοῦ βασ. Σ. (2 a)  
 — 19. Α χεῖρες ἐπὶ τοῦ θρόνου [Β αλ.] (2 a)  
 — 19. δυο λέοντες ἐστηκότες παρὰ τὰς χ. [Α αλ.] (2 a)  
 11. 11. διαρρήξω τὴν βασ. σου ἐκ χειρὸς σου (2 a)  
 — 12. ἐκ χειρὸς υἱοῦ σου λήψομαι αὐτήν (2 a)  
 — 26. Α ὑψώσας χεῖρα ἐν τῷ βασ. (2 a)  
 — 27. ἐπήρατο χεῖρας [Α -α] ἐπὶ βασιλεία (2 a)  
 — 31. ῥήσω τὴν βασ. ἐκ χειρὸς Σαλ. (2 a)  
 — 34. οὐ μὴ λάβω ὅλην τὴν βασ. ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)  
 — 35. λήψομαι τὴν βασ. ἐκ χειρὸς τοῦ υἱοῦ αὐ. (2 a)  
 12. 15. δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Αχ. (2 a)

III Κι. 12. 24 (cf. Α 14. 3). Β λάβε εἰς τὴν χ. σου . . . ἀργους (2 a)  
 — 24. Β ἔλαβεν εἰς τὴν χ. αὐ. ἀργους (2 a)  
 18. 4. ἐξέτεινε ὁ βασ. τὴν χ. αὐ. (2 a)  
 — 4. ἐξηράνησεν ἡ χ. αὐ. (2 a)  
 — 6. ἐπιστρέψατο ἡ χ. μου πρὸς ἐμέ (2 a)  
 — 6. ἐπιστρέψε τὴν χ. τοῦ βασ. πρὸς αὐτόν (2 a)  
 — 33. ἐπλήρου τὴν χ. αὐ. (2 a)  
 14. 3. Α λάβε εἰς τὴν χ. σου . . . ἀργους (2 a)  
 — 18. Δ δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Α. (2 a)  
 — 26. δ ἔλαβε Δ. ἐκ χειρὸς τῶν παιδῶν 'Αδρ. (2 a)  
 15. 18. ἔδωκεν αὐτὰ εἰς χεῖρας παιδῶν αὐ. (2 a)  
 — 29. Β δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου 'Αχ. (2 a)  
 16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ 'Ι. (2 a)  
 — 7. ἐν χειρὶ 'Ι. . . . ἐλάλησε κυριος (2 a)  
 — 7. τοῦ παροργίσαι αὐτὸν ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)  
 — 34. δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Ι. (2 a)  
 17. 11. ψωμὸν ἀργου τοῦ ἐν τῇ χ. σου (2 a)  
 — 16. δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Η. (2 a)  
 18. 9. δίδως τὸν δούλον σου εἰς χεῖρα [Α -ας] 'Αχ. (2 a)  
 — 46. καὶ χεῖρ κυρίου ἐπὶ τὸν 'Η. (2 a)  
 20 (21). 28. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Η. (2 a)  
 21 (20). 6. ἐφ' ἃ ἂν ἐπιβάλλωσι τὰς χ. αὐ. (2 a)  
 — 13. δίδωμι αὐτὸν σήμερον εἰς χεῖρας σάς (2 a)  
 — 28. δώσω τὴν δύναμιν τὴν μεγ. τ. εἰς χεῖρα σὴν (2 a)  
 — 42. ἐξήγγικας σὺ ἄνθρωπον ἀλλοθιον ἐκ χειρὸς σου (2 a)  
 22. 3. λαβεῖν αὐτὴν ἐκ χειρὸς βασιλέως Συρίας (2 a)  
 — 6. διδοὺς δώσει κ. εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (2 a)  
 — 12. δώσει κύριος εἰς χεῖρας σου καὶ τὸν βασ. Σ. (2 a)  
 — 15. εὐδοήσῃ κύριος εἰς χεῖρα [Α -ας] τοῦ βασ. (2 a)  
 — 34. ἐπίστρεψον τὰς χ. [Α τὴν χ.] σου (2 a)  
 IV Κι. 8. 10. δούναι αὐτοῖς ἐν χειρὶ Μ. (2 a)  
 — 11. δε ἐπέχεν ὕδωρ ἐπὶ χεῖρας 'Η. (2 a)  
 — 13. τοῦ παρὰδούαι αὐτοὺς εἰς χεῖρας Μ. (2 a)  
 — 15. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν χεῖρ κυρίου (2 a)  
 — 18. παρὰδωσαν τὴν Μ. ἐν χειρὶ ὕμῶν (2 a)  
 4. 29. λάβε τὴν βακτηρίαν αὐ. ἐν τῇ χ. σου (2 a)  
 — 34. ἔθηκε . . . τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὰς χ. αὐ. (4, 4)  
 5. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χ. αὐ. δέκα τάλαντα ἀργυρίου (2 a)  
 — 11. ἐπιθήσιν τὴν χ. αὐ. ἐπὶ τὸν τόπον (2 a)  
 — 18. ἐπαναπαύεται ἐπὶ τῆς χ. μου (2 a)  
 — 20. τοῦ μὴ λαβεῖν ἐκ χειρὸς αὐ. δ ἐνήνοχε (2 a)  
 — 24. καὶ ἔλαβεν ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 a)  
 6. 7. ἐξέτεινε τὴν χ. [Α χ. αὐτοῦ] (2 a)  
 7. 2. ἐφ' ὃν ὁ βασ. ἐπαναπαύετο ἐπὶ τὴν χ. αὐ. (2 a)  
 — 17. ἐφ' ὃν ὁ βασ. ἐπαναπαύετο τῇ [Α ἐπὶ τῇ] χ. αὐ. (2 a)  
 8. 8. λάβε ἐν τῇ χ. σου μαλαὰ (2 a)  
 — 9. ἔλαβε μαλαὰ ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
 — 20. ἠθέτησεν 'Ε. ὑποκάτωθεν χειρὸς [Α τῆς χ.] 'Ι. (2 a)  
 — 22. ἠθέτησεν 'Ε. ὑποκάτω τῆς [Α om.] χ. 'Ι. (2 a)  
 9. 1. λάβε τὸν φακὸν τοῦ ἐλαίου τ. ἐν τῇ χ. σου [Α om. ἐν τῇ χ. σ.] (2 a)  
 — 7. ἐκδικήσεις τὰ αἵματα . . . ἐκ χειρὸς 'Ιεζ. (2 a)  
 — 8. καὶ ἐκ χειρὸς θλου τοῦ οἴκου 'Αχ. (2 a)  
 — 23. ἐπίστρεψεν 'Ι. τὰς χ. αὐ. (2 a)  
 — 24. ἔπλησεν 'Ι. τὴν χ. αὐ. ἐν τῷ τόξῳ (2 a)  
 — 35. καὶ τὰ ἴχνη τῶν χ. (2 a)  
 — 36. δν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Η. (2 a)  
 10. 10. ὅσα ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Η. (2 a)  
 — 15. δὸς τὴν χ. σου (2 a)  
 — 15. καὶ ἔδωκε τὴν χ. αὐ. (2 a)  
 — 24. ὡν ἐγὼ ἀνάγω ἐπὶ χεῖρας ὕμῶν (2 a)  
 11. 7. καὶ δύο χεῖρες ἐν ὕμῳ (2 a)  
 — 8. καὶ τὸ σκεῦος αὐ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
 — 11. καὶ τὸ σκεῦος αὐ. ἐν τῇ [Α om.] χ. αὐ. (2 a)  
 — 12. καὶ ἐκράτησεν τὴν χ. (4)  
 — 16. ἐπέθηκεν αὐτῇ χεῖρας (2 a)  
 12. 11 (12). ἔδωκαν τὸ ἀργ. . . . ἐπὶ χεῖρας πακουῶν τὰ ἔργα (2 a)  
 — 15 (16). οἳ ἐδίδουν τὸ ἀργ. ἐπὶ χεῖρας αὐτῶν (2 a)  
 13. 3. ἔδωκεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ 'Αζ. . . . καὶ ἐν χειρὶ υἱοῦ 'Α. (2 a, 2 a)  
 — 5. ἐξήλθεν ὑποκάτωθεν χειρὸς Συρίας (2 a)  
 — 16. ἐπιβίβασεν τὴν χ. σου ἐπὶ τὸ τόξον (2 a)  
 — 16. ἐπεβίβασεν 'Ι. τὴν χ. αὐ. (2 a)

IV Κι. 13. 16. ἐπέθηκεν 'Ελ. τὰς χ. [Α τὴν χ.] αὐ. ἐπὶ τὰς χ. τοῦ βασ. (2 a, 2 a)  
 — 25. ἔλαβε τὰς πόλεις ἐκ χειρὸς υἱοῦ 'Α. (2 a)  
 — 25. ἄς ἔλαβεν ἐκ χειρὸς 'Ι. τοῦ πατρὸς αὐ. (2 a)  
 14. 5. ὅτε κατίσχυσεν ἡ βασ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
 — 25. δ ἐλάλησεν ἐν χειρὶ δούλου αὐ. 'Ι. (2 a)  
 — 27. ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς 'Ιερ. (2 a)  
 15. 19. εἶναι τὴν χ. αὐ. μετ' αὐτοῦ (2 a)  
 — 19. Α τοῦ ἐνισχύσαι τὸ βασίλειον ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
 16. 7. σώσον με ἐκ χειρὸς βασιλέως Σ. καὶ ἐκ χειρὸς βασιλέως 'Ισρ. (4, 4)  
 17. 7. τῷ ἀναγγέλοντι αὐτοὺς . . . ὑποκάτωθεν χειρὸς Φ. (2 a)  
 — 13. διμαρτύρατο . . . ἐν χειρὶ πάντων τῶν προφητῶν αὐ. (2 a)  
 — 13. ἐν χειρὶ τῶν δούλων μου τῶν προφητῶν (2 a)  
 — 20. ἔδωκεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ διαρπαζόντων αὐτοὺς (2 a)  
 — 23. ἐν χειρὶ πάντων τῶν δούλων αὐ. τῶν προφητῶν (2 a)  
 18. 21. εἰσελεύσεται εἰς τὴν χ. αὐ. (4)  
 — 29. οὐ μὴ δύνηται ὕμᾶς ἐξελεῖσθαι ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)  
 — 30. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ πόλις αὕτη ἐν χειρὶ βυσιλέως 'Ασσ. (2 a)  
 — 33. ἐκ χειρὸς βασιλέως 'Ασσυρίων (2 a)  
 — 34. ἐξέλιαντο Σαμαρείαν ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
 — 35. οἱ ἐξέλιαντο τὰς γὰς αὐ. ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
 — 35. ἐξέλκεται κ. τὴν 'Ιερ. ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
 19. 10. οὐ μὴ παραδοθῇ 'Ιερ. εἰς χεῖρας βασιλέως 'Ασσ. (2 a)  
 — 14. ἔλαβεν 'Εζ. τὰ βιβλία ἐκ χειρὸς τῶν ἀγγέλων (2 a)  
 — 18. ἀλλ' ἡ ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)  
 — 19. σώσον ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)  
 — 23. ἐν χειρὶ ἀγγέλων σου ὠνειδίσας κύριον (2 a)  
 — 26. ἠσθένησαν τῇ χ. (2 a)  
 20. 6. ἐκ χειρὸς βασιλέως 'Ασσ. σώσω σε (4)  
 21. 10. ἐν χειρὶ δούλων αὐ. τῶν προφητῶν (2 a)  
 — 14. παραδόντες αὐτοὺς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)  
 22. 5. δότωσαν αὐτὸ ἐπὶ χεῖρα ποιοῦντων τὰ ἔργα (2 a)  
 — 9. ἔδωκαν αὐτὸ ἐπὶ χεῖρα ποιοῦντων τὰ ἔργα (2 a)  
 — 17. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)  
 24. 2. δν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. (2 a)  
 I Ch. 4. 10. καὶ ἦν ἡ χ. σου μετ' ἐμοῦ (2 a)  
 5. 10. ἔπασαν ἐν χερσὶν αὐ. (2 a)  
 — 20. ἐδόθησαν εἰς χεῖρας αὐ. (2 a)  
 6. 15 (6. 41). ἐπορεύθη . . . ἐν χειρὶ [Α χερσὶν] Ναβ. (2 a)  
 — 31 (16). οὐς κατίσθησε Δ. ἐπὶ χεῖρας ἀδυνάτων (2 a)  
 11. 3. κατὰ τὸν λόγον κυρίου διὰ χειρὸς Σαμ. (2 a)  
 — 23. καὶ ἐν χειρὶ [Α τῇ χ.] τοῦ Αἰγ. δόρυ (2 a)  
 — 23. ἀφείλατο ἐκ τῆς χ. τοῦ Αἰγ. τὸ δόρυ (2 a)  
 12. 17. οὐκ ἐν ἀληθείᾳ χεῖρὸς (4)  
 13. 9. ἐξέτεινε 'Οζὰ τὴν χ. αὐ. [Β om. τ. χ. αὐ.] (2 a)  
 — 10. διὰ τὸ ἐκτεῖναι τὴν χ. αὐ. (2 a)  
 14. 10. Α<sup>2</sup> Β Β καὶ δώσωσι αὐτοὺς εἰς τὰς χ. μου (2 a)  
 — 10. δώσω αὐτοὺς εἰς τὰς χ. σου (2 a)  
 — 11. διέκοψεν ἀθ. τοὺς ἐχθρούς μου ἐν χειρὶ μου (2 a)  
 16. 7. ἔταξε Δ. . . . ἐν χειρὶ 'Ασάφ. (2 a)  
 — 40. ἐν χειρὶ Μ. τοῦ θεράποντος τοῦ θεοῦ (2 a)  
 17. 23. Β πωροσθήτω ἡ χ. σου [Α Β om. ἡ χ. σ.] (2 a)  
 18. 1. ἔλαβε τὴν Γ. . . . ἐκ χειρὸς ἀλλοφύλων (2 a)  
 — 3. ἐπιστήσας χεῖρα αὐ. ἐπὶ ποταμὸν Εὐφρ. (2 a)  
 19. 11. τὸ κατάλοιπον τοῦ λαοῦ ἔδωκεν ἐν χειρὶ 'Αβ. (2 a)  
 20. 8. ἔπασαν ἐν χειρὶ Δ. καὶ ἐν χειρὶ [Δ<sup>1</sup> om. Δ. κ. ἐν χ.] παίδων αὐ. (2 a, 2 a)  
 21. 13. ἐμπροσθομαι δὴ εἰς χεῖρας κυρίου (2 a)  
 — 13. εἰς χεῖρας ἀνθρώπων οὐ μὴ ἐμπέσω (2 a)  
 — 15. ἀνεσ τὴν χ. σου (2 a)  
 — 16. ἡ ῥομφ. αὐ. ἐσπασμένη ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
 — 17. γεννήθην ἡ χ. σου ἐν ἐμοί (2 a)  
 22. 18. ἔδωκεν ἐν χερσὶν [Α χερσὶ] ὕμῶν τοὺς κατοικοῦντας (2 a)  
 23. 28. ἔστησεν αὐτοὺς ἐπὶ χεῖρα 'Α. (2 a)  
 24. 19. διὰ χειρὸς 'Α. πατρὸς αὐτῶν (2 a)  
 26. 28. δ ἠγάσσαν διὰ χειρὸς Σαλ. (2 a)

I Ch. 28. 19. πάντα ἐν γραφῇ χειρὸς κυρίου  
ἔδοκε Δ. (2 a)  
29. 5. διὰ χειρὸς τεχνιτῶν (2 a)  
— 5. πληρῶσαι τὰς χ. αὐ. σήμερον κυρίῳ (2 a)  
— 8. ἔδωκαν . . . διὰ χειρὸς 'Ι. (2 a)  
— 12. καὶ ἐν χειρὶ σου ἰσχύς (2 a)  
— 12. ἐν χειρὶ σου . . . κατισχύσαι τὰ πάντα (2 a)  
— 16. ἐκ χειρὸς σου ἐστὶ (2 a)  
II Ch. 1. 17. ἐν χερσίν αὐτῶν ἔφερον (2 a)  
6. 4. καὶ ἐν χερσίν αὐ. ἐπλήρωσε (2 a)  
— 13. 13. διεπίσασε τὰς χ. αὐ. (4)  
— 15. καὶ ἐν χερσὶ σου ἐπλήρωσας (2 a)  
— 29. ἔδωκ' ἐν . . . διαπεράσῃ τὰς χ. αὐ. (4)  
— 32. διὰ τὸ δοῦναι σου τὸ μέγα καὶ τὴν χ.  
σου τὴν κραταίαν (2 a)  
7. 6. τοῦ ἐξομολογίσθαι . . . διὰ χειρὸς αὐτῶν (2 a)  
8. 18. ἀπέστειλε Χ. ἐν χειρὶ παιδῶν αὐ. πλοία (2 a)  
10. 15. ὃν ἐλάλησεν ἐν χειρὶ 'Αχ. (2 a)  
12. 5. ἐγκαταλείψω ὑμᾶς ἐν χειρὶ Σ. (2 a)  
13. 8. διὰ χειρὸς υἱῶν Δ. (2 a)  
— 9. ὁ προσπορευόμενος, πηρῶσαι τὰς χ. (2 a)  
— 16. παρέδωκεν αὐτοὺς κ. εἰς τὰς [A om.]  
χ. αὐ. (2 a)  
15. 7. μὴ ἐκλιθέσθωσαν αἱ χ. ὑμῶν (2 a)  
16. 7. ἰσάθῃ δύναμις κυρίου ἀπὸ τῆς χ. σου (2 a)  
— 8. παρέδωκεν εἰς τὰς χ. σου (2 a)  
17. 5. κατηύθυνε κ. τὴν βασ. ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
18. 5. δώσῃ ὁ θ. εἰς τὰς χ. τοῦ βασ. (2 a)  
— 11. δώσῃ κύριος εἰς χείρας τοῦ βασ. (2 a)  
— 14. δοθήσονται εἰς χείρας ὑμῶν (2 a)  
— 33. ἐπίστρεψε τὴν χ. σου (2 a)  
20. 6. καὶ ἐν τῇ χ. σου ἰσχύς δυναστείας (2 a)  
21. 10. Α. ἀπέστη ἀπὸ χειρὸς [B om.] 'Ι. (2 a)  
— 10. τότε ἀπέστη Λ. . . ἀπὸ χειρὸς αὐ. (2 a)  
23. 7. ἀνδρὸς σκεῖος σκεῖος ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
— 18. διὰ χειρὸς ἱερῶν καὶ λευιτῶν (2 a)  
— 18. Α. Β. ἐν φθιδί διὰ χειρὸς Δ. (2 a)  
24. 11. διὰ χειρὸς τῶν λευιτῶν (2 a)  
— 13. ἀνέβη μῆκος τῶν ἔργων ἐν χερσίν αὐ. (2 a)  
— 24. παρέδωκεν εἰς τὰς χ. αὐ. δύναμιν πολλὴν  
σφόδρα (2 a)  
25. 3. ὡς κατέστη ἡ βασ. ἐν χειρὶ αὐ. †  
— 15. οἱ οὗκ ἐξέλαττον τὴν λαὸν ἐαυ. ἐκ χειρὸς  
σου (2 a)  
— 20. τοῦ παραδόναι αὐτὸν εἰς χείρας  
αὐ. (2 a)  
26. 11. διὰ χειρὸς 'Ι. τοῦ γραμματέως (2 a)  
— 11. διὰ χειρὸς 'Αν. τοῦ διαδόχου τοῦ βασ. (2 a)  
— 19. καὶ ἐν τῇ χ. αὐ. τὸ θυματοῦν (2 a)  
28. 5. παρέδωκεν αὐτὸν . . . διὰ χειρὸς βασι-  
λέως Σ. (2 a)  
— 5. εἰς τὰς χ. βασιλέως 'Ιερ. παρέδωκεν  
αὐτὸν (2 a)  
— 9. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς τὰς χ. ὑμῶν (2 a)  
29. 23. ἐπέθηκαν τὰς χ. αὐ. ἐπ' αὐτοὺς (2 a)  
— 25. ἐν χειρὶ τῶν προφητῶν (2 a)  
— 31. τὸν ἐπληρώσατε τὰς χ. ὑμῶν κυρίῳ (2 a)  
30. 6. τοὺς καταλείψετε ἀπὸ χειρὸς βασι-  
λέως 'Α. (2 a)  
— 12. ἐγένετο χεὶρ κυρίου δοῦναι αὐτοῖς (2 a)  
— 16. ἐδέχοντο τὰ αἵματα ἐκ χειρὸς τῶν Λ. (2 a)  
31. 15. διὰ χειρὸς 'Ο. . . διὰ χειρὸς τῶν  
ἱερῶν (2 a, †)  
32. 11. σώσει ὑμᾶς ἐκ χειρὸς βασιλέως 'Α. (4)  
— 13. 14. σώσαι τὸν λαὸν αὐ. ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
— 14. σώσαι ὑμᾶς ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
— 15. τοῦ σώσαι τὸν λαὸν αὐ. ἐκ χειρὸς μου  
καὶ ἐκ χειρὸς πατέρων μου (2 a, 2 a)  
— 15. οὐ μὴ σώσει ὑμᾶς ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
— 17. οὐκ ἐξέλαττο λαοὺς αὐ. ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
— 17. οὐ μὴ ἐξέλαττο . . . λαὸν αὐ. ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
— 19. ἐπὶ θεοῦ λαὸν τῆς γῆς ἔργα χειρῶν  
ἀνθρώπων (2 a)  
— 22. ἔσωσε κ. 'Εξ. . . ἐκ χειρὸς Σενν. . .  
καὶ ἐκ χειρὸς πάντων (2 a, 2 a)  
33. 8. Α. ἐντετεύχθη αὐτοῖς . . . ἐν χειρὶ Μ. (2 a)  
34. 9. δ. συνήγαγον οἱ Λ. . . ἐκ χειρὸς Μαν. (2 a)  
— 10. ἔδωκαν αὐτὸ ἐπὶ χεῖρα ποιοῦντων τὰ  
ἔργα (2 a)  
— 14. βιβλίον νόμου κυρίου διὰ χειρὸς Μ. (2 a)  
— 16. ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν σου τῶν ποιοῦντων (2 a)  
— 17. Β. ἔδωκαν ἐπὶ χεῖρα τῶν ἐπισκόπων καὶ  
ἐπὶ χεῖρα [A B om. κ. ε. χ.] τῶν  
ποιοῦντων (2 a, 2 a)  
— 25. ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)  
35. 4. διὰ χειρὸς βασιλέως Σαλ. υἱοῦ αὐ. †  
— 6. τοῦ ποιῆσαι . . . διὰ χειρὸς Μ. (2 a)

II Ch. 35. 11. προσέχεον οἱ ἱερεῖς τὸ αἷμα ἐκ  
χειρὸς αὐτῶν (2 a)  
36. 5. ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν αὐ. τῶν προφητῶν -  
— 15. Β. ἐξάπιστετε . . . ἐν χειρὶ [A B χ.  
προφητῶν] (2 a)  
— 17. τὰ πάντα παρέδωκεν ἐν χερσίν αὐ. (2 a)  
I Es. 1. 53. πάντα παρέδωκεν εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)  
6. 10. καὶ εὐδοῦμενον τὸ ἔργον ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)  
— 15. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς χείρας Ναβ. (2 a)  
— 33. ὃς ἐκτενέει χεῖρα αὐ. καλῶσαι (2 a)  
7. 15. κατισχύσαι τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὰ ἔργα κ. θεοῦ  
'Ισρ. (2 a)  
8. 47 (AB), 61. κατὰ τὴν κραταίαν χ. τοῦ κυρίου ἡμῶν  
— 73. ἐκτενέας τὰς χ. πρὸς τὸν κυρίον  
— 82. Α. ἔδωκεν ἐν χειρὶ τῶν παιδῶν σου τῶν προ-  
φητῶν (2 a)  
9. 20. ἐπίβαλον τὰς χ. ἐκβαλεῖν τὰς γυν. αὐ. (2 a)  
— 47. ἀρραγτες ἄνω τὰς χ. (2 a)  
II Es. 1. 6. ἐνίσχυσαν ἐν χερσίν αὐ. (2 a)  
— 8. ἐξήνεγκεν αὐτὰ . . . ἐπὶ χεῖρα Μιθρ. (2 a)  
3. 10. τοῦ αἰνέει τὸν κ. ἐπὶ χείρας Δ. βασιλέως  
'Ισρ. (2 a)  
4. 4. ἦν ὁ λαὸς τῆς γῆς ἐκλύων χείρας τοῦ  
λαοῦ 'Ι. (2 a)  
5. 8. εὐδοῦσιν αὐ. ἐν ταῖς [A om.] χ. αὐ. (2 b)  
— 12. ἔδωκεν αὐτοὺς εἰς χείρας Ναβ. (2 b)  
6. 12. ὃς ἐκτενέει τὴν χ. αὐ. ἀλλάξει (2 b)  
— 22. κραταίωσαι τὰς χ. αὐ. (2 a)  
7. 6. χεὶρ κ. θεοῦ αὐ. ἐπ' αὐτὸν (2 a)  
— 9. χεὶρ θεοῦ αὐ. ἦν ἀγαθὴ ἐπ' αὐτὴν (2 a)  
— 14. νόμος θεοῦ αὐ. τῶ ἐν χειρὶ σου (2 b)  
— 25. ὡς ἡ σοφία τοῦ θεοῦ ἐν χειρὶ σου (2 b)  
— 28. ὡς χεὶρ θεοῦ ἡ ἀγαθὴ ἐπ' ἐμὲ (2 a)  
8. 18. ὡς χεὶρ θεοῦ ἡμῶν ἀγαθὴ ἐφ' ἡμᾶς (2 a)  
— 22. χεὶρ τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐπὶ πάντας τοὺς  
ζητούντας αὐτὸν (2 a)  
— 26. ἔστησα ἐπὶ χείρας αὐ. ἀργυρίου τάλαντα  
ἐξακόσια (2 a)  
— 31. χεὶρ θεοῦ ἡμῶν ἦν ἐφ' ἡμῖν (2 a)  
— 31. ἐρρίσασθαι ἡμᾶς ἀπὸ χειρὸς ἐχθροῦ (4)  
— 33. ἐστήσαμεν τὸ ἀργύριον . . . ἐπὶ χεῖρα Μ. (2 a)  
9. 2. καὶ χεὶρ τῶν ἀρχόντων ἐν τῇ ἀσυνθεσίᾳ  
ταύτῃ (2 a)  
— 5. Β. ἐκπέταξέ τις χείρας [A B τὰς χ.] μου  
πρὸς τὸν θεόν (4)  
— 7. παρεδόθημεν . . . ἐν χειρὶ βασιλέων τῶν  
ἐθνῶν (2 a)  
— 11. ἐν χειρὶ δούλων σου τῶν προφητῶν (2 a)  
10. 19. ἔδωκαν χεῖρα αὐτῶν (2 a)  
Ne. 1. 10. οὐδ' ἐλυνρώσω . . . ἐν τῇ χ. σου τῇ  
κραταίᾳ (2 a)  
2. 8. ὡς χεὶρ θεοῦ ἡ ἀγαθὴ (2 a)  
— 18. ἀπηγγέλλει αὐτοῖς τὴν χ. τοῦ θεοῦ (2 a)  
— 18. ἐκραταύθησαν αἱ χ. αὐ. εἰς ἀγαθόν (2 a)  
3. 2. ἐπὶ χείρας ἀνδρῶν υἱῶν [A vl. α.] 'Ιερ. (2 a)  
— 2. ἐπὶ χείρας υἱῶν Σ. (2 a)  
— 4. ἐπὶ χείρα [A B<sup>3</sup> -as, B<sup>1</sup> ὕρας] αὐ. κατέ-  
σχευεν (2 a)  
— 4. Α. Β. Β. ἐπὶ χεῖρα αὐ. κατέσχευε (2 a)  
— 4. Β. Β. ἐπὶ χεῖρα αὐ. κατέσχευε (2 a)  
— 5. ἐπὶ χεῖρα αὐ. κατέσχον οἱ Θ. (2 a)  
— 7. Β. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησαν Μ. . . καὶ  
Εὐ. (2 a)  
— 8. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν (2 a)  
— 9. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησε 'Ρ. (2 a)  
— 10. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν 'Ι. (2 a)  
— 10. ἐπὶ χεῖρα [B<sup>1</sup> -as] αὐ. ἐκράτησεν 'Α. (2 a)  
— 12. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν Σ. (2 a)  
— 17. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν 'Ασρ. (2 a)  
— 19. ἐκράτησεν ἐπὶ χεῖρα αὐ. 'Αζ. (2 a)  
4. 17 (11). ἐν μᾶ χ. ἐποιεῖ αὐτὸ τὸ ἔργον (2 a)  
5. 5. Β. Β. οὐκ ἐστὶ δύναμις χειρὸς [A B<sup>1</sup> -ὼν]  
ἡμῶν (2 a)  
6. 5. καὶ ἐπιστολὴν ἀνεγγέμην ἐν χειρὶ αὐ. (2 a)  
— 9. ἐκλυθίσουνται χείρες [B<sup>3</sup> -as, A αἱ χ.] αὐ. (2 a)  
— 9. ἐκραταίωσα τὰς χ. μου (2 a)  
8. 6. Α. Β. Β. ἐπάραντες χείρας αὐ. (2 a)  
9. 14. ἐν χειρὶ Μ. δούλου σου (2 a)  
— 15. ἐφ' ἣν ἐξέτευσεν τὴν χ. σου (2 a)  
— 24. ἔδωκαν αὐτοὺς εἰς τὰς [B<sup>1</sup> om.] χ. αὐ. (2 a)  
— 27. ἔδωκαν αὐτοὺς ἐν χειρὶ θλιβόντων αὐ-  
τοῖς (2 a)  
— 27. ἔσωσας αὐτοὺς ἐκ χειρὸς θλιβόντων αὐ-  
τοῖς (2 a)  
— 28. ἐγκατέλιπες αὐτοὺς εἰς χείρας ἐχθρῶν  
αὐ. (2 a)

Ne. 9. 30. ἐπεμαρτύρω αὐτοῖς . . . ἐν χειρὶ προ-  
φητῶν σου (2 a)  
— 30. ἔδωκεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ λαῶν τῆς γῆς (2 a)  
10. 29. (30). δε ἐδόθη ἐν χειρὶ Μ. (2 a)  
— 31 (32). καὶ ἀπαίτησιν πάσης χ. (2 a)  
11. 24. καὶ Π. . . πρὸς χεῖρα τοῦ βασ. (2 a)  
12. 8. ἐπὶ τῶν χ. αὐτῶν καὶ οἱ ἀδ. αὐ. (2 a<sup>2</sup>, †)  
13. 13. ἐπὶ χεῖρα [A B<sup>3</sup> B -as] Σελ. τοῦ ἱερέως †  
— 13. καὶ ἐπὶ χεῖρα αὐ. 'Αναν (2 a)  
— 21. ἐκτενῶ χεῖρά [A B τὴν χ.] μου ἐν ὑμῖν (2 a)  
To. 8. 11. Β. διαπετάσασα τὰς χ. πρὸς τὴν θυρίδα  
[A B al.] (2 a)  
5. 17. ἡ οὐχὶ ἡ βάβδος τῆς χ. ἡμῶν ἐστίν [B al.]  
7. 13. λαβῶν [B λαβόμενος] τῆς χ. αὐτῆς  
11. 4. λάβε δὲ παρὰ χεῖρα τὴν χολὴν τοῦ ἰχθύος  
[B al.] (2 a)  
— 11. Β. καὶ ἡ χολὴ τοῦ ἰχθύος ἐν τῇ χ. αὐ. (2 a)  
— 13. Β. ἀπελίσταται ἐκ αὐτοῖς τὰς χ. αὐ. ἀπὸ τῶν  
καθῶν [A B al.] (2 a)  
18. 2. δε [B δ] ἐκφεύγει τὴν χ. αὐ. (2 a)  
— 11. δῶρα ἐν χερσίν ἔχοντες [B al.] (2 a)  
Ju. 2. 12. ποιῶσαι ταῦτα ἐν χειρὶ μου (2 a)  
6. 10. παραδόναι εἰς χείρας υἱῶν 'Ισρ. (2 a)  
7. 25. πέπρακεν ἡμᾶς ὁ θ. εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)  
8. 33. ἐπισκέψεται κύριος τὸν 'Ισρ. ἐν χειρὶ μου  
9. 2. φ. ἔδωκεν ἐν χειρὶ βομφαίαν (2 a)  
— 9, 10 (B<sup>1</sup>). δὲ ἐν χειρὶ μου τῆς χίρας  
— 10. θρᾶνσον αὐ. τὸ ἀνάστημα ἐν χειρὶ θηλείας  
10. 15. ὥς παραδώσῃ σε εἰς χείρας αὐ. (2 a)  
11. 13. ὧν οὐδὲ ταῖς χ. καθέκῃ ἀψώσθαι οὐδένα  
— 22. Α. Β. τοῦ γεννηθῆναι ἐν χερσίν ἡμῶν κρᾶτος  
12. 4. Α. Β. ὥς ἀν ποιῆσθαι ἐν χειρὶ μου (2 a)  
13. 4. Α. Β. ἐπίβλεψον . . . ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χ. μου  
— 14. ἔθρανον τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν διὰ χειρὸς μου  
— 15. ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ κ. ἐν χειρὶ θηλείας  
14. 6. ὡς δὲ . . . εἶδε τὴν κεφ. 'Ολ. ἐν χειρὶ ἀνδρὸς  
ἐνός (2 a)  
15. 10. ἐποίησας πάντα ταῦτα ἐν χειρὶ σου  
— 12. ἔλαβε θύρσους ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)  
16. 3. ἐξέλιτό με ἐκ χειρὸς καταδικαζόντων με  
— 6. ἠθέτησεν αὐτοὺς ἐν χειρὶ θηλείας  
Es. 1. 8. ἐτοιμαῖον αὐτὰς χ. ἐπιβαλεῖν 'Αρταξέρξῃ  
2. 8. συνήχθησαν . . . ὑπὸ χεῖρα Γαί (2 a)  
3. 9. Β. παραστήσω ἐπὶ χείρας τῶν ποιοῦντων  
τὰ ἔργα (2 a)  
— 10. Β. ἔδωκεν εἰς χεῖρα [A B<sup>3</sup> R -as, B<sup>1</sup>  
om. εἰς χ.] τῷ 'Α. (2 a)  
4. 8. ὡς ἐτράφη [A ἐστρ.] ἐν χειρὶ μου -  
— 17. κινδυνὸς μου ἐν χειρὶ [A τῇ χ.] μου (2 a)  
— 17. παρέδωκεν ἡμᾶς εἰς χείρας τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν  
— 17. Β. ἔθηκαν τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὰς χ. τῶν εἰδω-  
λῶν αὐ. [A B B<sup>1</sup> al.] (2 a)  
— 17. ἡμᾶς δὲ ῥύσαι ἐν χειρὶ σου  
— 17. ῥύσαι ἡμᾶς ἐκ χειρὸς τῶν ποτηρευομένων  
6. 2. ἐπιβαλεῖν τὰς χ. Ἀρταξέρξῃ (2 a)  
— 8. Β. δοθήτω τὸ ἐνδυμα . . . ἐν χειρὶ -  
8. 7. τὰς χ. ἐπήνεγκε τοῖς 'Ιουδαίοις (2 a)  
9. 16. Β. οὐκ ἀπέστειλαν τὰς χ. αὐ. (2 a)  
Jb. 1. 10. τὰ δὲ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ εὐλόγησας (2 a)  
— 11. ἀπόστειλον τὴν χ. σου (2 a)  
— 12. πάντα . . . δίδωμι ἐν τῇ χ. σου (2 a)  
2. 5. ἀποστείλας τὴν χ. σου (2 a)  
— 10. εἰ τὰ ἀγαθὰ εἰδεξάμεθα ἐκ χειρὸς κυρίου -  
4. 3. εἰ γὰρ σὺ . . . χείρας σθενοῦς παρεκά-  
λεσας (2 a)  
5. 12. οὐ μὴ ποιήσουσιν αἱ χ. αὐτῶν ἀληθές (2 a)  
— 15. ἀδυνατοὶ διὰ ἐξέλθαι ἐκ χειρὸς δυνατοῦ (2 a)  
— 18. αἱ χ. αὐτοῦ ἰάσαντο (2 a)  
— 20. ἐκ χειρὸς σιδήρου λύσει σε (2 a)  
6. 23. Α. ὥστε σώσαι με ἐκ χειρὸς κακῶν [B B<sup>3</sup>  
ἐξ ἐχθρῶν] ἢ ἐκ χειρὸς δυναστῶν  
ῥύσασθαι με (2 a, 2 a)  
8. 4. ἀπέστειλεν ἐν χειρὶ [B χερσίν] ἀνομίας  
[A τὴν ἀνομίαν] αὐτῶν (2 a)  
9. 24. παραδίδονται γὰρ εἰς χείρας ἀσεβοῦς (2 a)  
— 30. ἐὰν γὰρ . . . ἀποκαθάρωμαι χερσὶ καθα-  
ραῖς (4)  
10. 3. οἱ ἀπείπω [A α. με] ἔργα χειρῶν σου (4)  
— 7. τίς ἐστίν ὁ κ. τῶν χ. σου ἐξαυρούμενος (2 a)  
— 8. αἱ χ. σου ἐπλάσαν με (2 a)  
11. 13. ὑπτάξαις δὲ χείρας πρὸς αὐτὸν [A al.] (4)  
— 14. εἰ ἀνομόν τίς ἐστιν ἐν χερσὶ σου (2 a)  
12. 9. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (2 a)  
— 10. εἰ μὴ ἐν χειρὶ αὐτοῦ ψυχὴ πάντων ζώ-  
ων (2 a)  
13. 14. ψυχὴν δὲ μου θήσω ἐν χειρὶ [A B χερσίν] (4)

jb. 13. 21. τὴν χ. ἀπ' ἐμοῦ ἀπέχου [Δ ἀπόσχου] (4)  
 14. 15. τὰ δὲ ἔργα τῶν χ. σου μὴ ἀποποιού (2 a)  
 15. 22. ἐντέλλεται [Δ -τακται] γὰρ ἡδὴ εἰς  
 χείρας σιδήρου (2 a)  
 — 25. ἦκε χείρας ἐναντίον τοῦ κυρίου (2 a)  
 16. 12 (11). παρέδωκε γὰρ με ὁ κύριος εἰς χεί-  
 ρας ἀδικῶν (2 a)  
 — 18 (17). ἀδικον δὲ οὐδὲν ἦν ἐν χειρὶ μου (4)  
 17. 3. Δ Β Β<sup>3</sup> τῇ χ. μου συνδεθήτω (2 a)  
 — 9. Δ Β<sup>3</sup> καθαρὸς δὲ χείρας [Δ χερσίν] ἀνα-  
 λαβὸν θάρσος (2 a)  
 19. 21. χεῖρ γὰρ κυρίου ἡ ἀψαμένη μου ἔστι (2 a)  
 20. 10. αἱ δὲ χ. αὐτοῦ πυρσεύσαισιν [Δ ψηλα-  
 φήσουσιν] ὀδύναι (2 a)  
 — 24. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς σιδήρου (2 a)  
 21. 5. χείρα δίντες ἐπὶ σιγῇ [Δ στόμα] (2 a)  
 — 16. ἐν χειρὶ γὰρ ἦν αὐτῶν τὰ ἀγαθὰ (2 a)  
 22. 30. διασώθῃ ἐν καθάραις χ. σου (4)  
 23. 2. ἐκ χειρὸς [Δ -ών] μου ἡ ἐλεγχίς ἐστὶ  
 καὶ ἡ χ. αὐτοῦ βαρεία γέγονεν (2 a)  
 27. 11. ἀναγγελάτω ἡμῖν τί ἔστιν ἐν χειρὶ κυρίου (2 a)  
 — 22. ἐκ χειρὸς αὐτοῦ φυγὴ φεύσεται (2 a)  
 — 23. κροτήσῃ ἐπ' αὐτοὺς χείρας αὐ. (4)  
 28. 9. ἐν ἀκροτάμῳ ἐξέτεινε χεῖρα αὐτοῦ (2 a)  
 29. 12. διέσωσα γὰρ πτωχὸν ἐκ χειρὸς δυναστού (2 a)  
 — 20. τὸ τόδον μου ἐν χειρὶ αὐτοῦ πορεύεται (2 a)  
 30. 2. καὶ γὰρ ἰσχυρὴν χεῖρα αὐτῶν ἵνα τί μοι (2 a)  
 — 21. χεῖρ κραταιὰ με ἐραστίωσας (2 a)  
 31. 7. εἰ δὲ καὶ ταῖς [Δ ἐν ταῖς] χ. μου ἡψάμην  
 δάραν (4)  
 — 21. εἰ ἐπὶ ἄρκα ὀφθαλμῶν χεῖρα (2 a)  
 — 25. εἰ δὲ καὶ ἐπ' ἀπαριθμήτους ἐθέμην χεῖρά  
 μου (2 a)  
 — 27. χεῖρά μου ἐπιθείς ἐπὶ στόματι μου (2 a)  
 — 35. χεῖρα δὲ κυρίου ἐμὴ μὴ ἐδεδοικεν (6)  
 33. 7. οὐδὲ ἡ χ. μου βαρεία ἐστὶ ἐπὶ σοί (2 a)  
 35. 7. τί ἐκ χειρὸς σου λήψεται (2 a)  
 36. 32. ἐπὶ χερῶν ἐκάλυψε φῶς (4)  
 37. 7. ἐν χειρὶ παντός ἀνθρώπου κατασφραγι-  
 ζεῖ (2 a)  
 39. 34 (40. 4). χεῖρα θήσω ἐπὶ στόματι μου (2 a)  
 40. 27 (32). ἐπιθήσεις δὲ αὐτῇ [Δ ἐπ' αὐτῇ]  
 χεῖρα (4)  
 Ps. 7. 3. εἰ ἔστιν ἀδικία ἐν χειρὶ μου (4)  
 8. 6. Δ Β Β καθίστησας αὐτὸν ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν  
 [Β om.] χ. σου (2 a)  
 9. 16. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐτοῦ συνελήφθη (4)  
 — 33 (10. 12). ὑψώθη ἡ χ. σου (2 a)  
 — 35 (10. 14). τοῦ παραδούαι αὐτοὺς εἰς  
 χείρας σου (2 a)  
 16 (17). 14. ἀπὸ ἐχθρῶν τῆς χειρὸς σου (2 a)  
 17 (18). τί. ἐρύσσω αὐτὸν κύριος ἐκ χειρὸς  
 πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ καὶ ἐκ  
 χειρὸς Σαουλ (4, 2 a)  
 — 20, 24. κατὰ τὴν καθαρότητα τῶν χ. μου (2 a)  
 — 34. διδάσκων χειρὸς μου εἰς πόλεμον (2 a)  
 18 (19). 1. ποιήσιν δὲ χερῶν αὐτοῦ ἀναγγελλεῖ (2 a)  
 20 (21). 8. εὐρείθει ἡ χ. σου πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς  
 σου (2 a)  
 21 (22). 16. ὠρυξαν χεῖράς μου καὶ πόδας (2 a)  
 — 20. καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν μονογενὴ μου (2 a)  
 23 (24). 4. ἀδῶς χερσὶ καὶ καθαρὸς τῇ καρδίᾳ (4)  
 25 (26). 6. νύφωμι ἐν ἀβόοις τὰς χ. μου (4)  
 — 10. ὧν ἐν χερσὶν ἀνομίαι (2 a)  
 27 (28). 2. ἐν τῷ αἵρειν με χεῖράς μου εἰς ναὸν  
 ἁγίων σου (2 a)  
 — 4. κατὰ τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτῶν δὸς αὐτοῖς (2 a)  
 — 5. καὶ τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ (2 a)  
 30 (31). 5. εἰς χεῖρας σου παραθήσομαι τὸ  
 πνεῦμά μου (2 a)  
 — 8. οὐ συνελκισάς με εἰς χείρας ἐχθροῦ (2 a)  
 — 15. ἐν ταῖς χ. σου οὐ κληροῖ μου (2 a)  
 — 16. ῥύσαι με ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν μου (2 a)  
 31 (32). 4. ἐβάρυνθη ἐπ' ἐμὴ ἡ χ. σου (2 a)  
 34 (35). 10. ῥυμένει πτωχὸν ἐκ χειρὸς [Δ om.]  
 στρεψέων αὐτοῦ (2 a)  
 35 (36). 11. καὶ χεῖρ ἀμαρτωλῶν μὴ σαλεύσαι  
 με (2 a)  
 36 (37). 24. κύριος ἀντιστηρίζει χεῖρα αὐτοῦ (2 a)  
 — 33. οὐ μὴ ἐγκαταλίπῃ αὐτὸν εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)  
 37 (38). 2. ἐπιστήριξας ἐπ' ἐμὴ τὴν χ. σου (2 a)  
 38 (39). 10. ἀπὸ τῆς ἰσχύος τῆς χ. σου ἐγὼ  
 ἐξέλιπον (2 a)  
 40 (41). 2. καὶ μὴ παραδοῖ αὐτὸν εἰς χείρας ἐχ-  
 θροῦ αὐτοῦ (2 a)  
 43 (44). 2. ἡ χ. σου ἔθνη ἐξωλέθρευσε (2 a)

Ps. 43 (44). 20. εἰ διεπίσταμεν χείρας ἡμῶν  
 πρὸς θεὸν ἄλλότρου (4)  
 46 (47). 1. πάντα τὰ ἔθνη, κροτήσατε χείρας (4)  
 48 (49). 15. ὁ θεὸς λυτρώσεται τὴν ψυχὴν μου  
 ἐκ χειρὸς ἔδου (2 a)  
 54 (55). 20. Β Β<sup>3</sup> ἐξέτεινε τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)  
 57 (58). 2. ἀδικίαν αἱ χ. ὑμῶν συμπλέκουσιν (2 a)  
 — 10. τὰς χ. αὐτοῦ νύφεται ἐν τῷ αἵματι τοῦ  
 ἀμαρτωλοῦ (2 a)  
 62 (63). 4. ἐν τῷ ὀνόματι σου ἄρῃ τὰς χ. μου (4)  
 — 10. Β Β<sup>3</sup> παραδοθήσονται εἰς χείρας βομ-  
 φαίας (2 a)  
 67 (68). 31. Αἰθιοπία προφθάσει χεῖρα αὐτῆς  
 τῷ θεῷ (2 a)  
 70 (71). 4. ῥύσαι με ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλοῦ ἐκ  
 χειρὸς παρανομούντος (2 a, 4)  
 71 (72). 12. Β Β<sup>3</sup> ἐρύσσω πτωχὸν ἐκ χειρὸς  
 [Β om., Β<sup>3</sup> om. ἐκ χ.] δυναστού (2 a)  
 72 (73). 13. ἐνψάμην ἐν ἀβόοις τὰς χ. μου (4)  
 — 23. ἐκράτῃς τῆς χ. τῆς δεξιᾶς μου (2 a)  
 73 (74). 3. ἔπαρον τὰς χ. σου ἐπὶ τὰς ὑπερ-  
 φανίας αὐτῶν (2 a)  
 — 11. ἵνα τί ἀποστρέφεις τὴν χ. σου (2 a)  
 74 (75). 8. ποτήριον ἐν χειρὶ κυρίου (2 a)  
 75 (76). 5. οὐχ εὔρον οὐδὲν . . . ταῖς χ. αὐτῶν (2 a)  
 76 (77). 2. ταῖς χ. μου νυκτὸς ἐναντίον αὐτοῦ (2 a)  
 — 20. ὠδήγησας ὡς πρόβατα τὸν λαόν σου ἐν  
 χειρὶ Μωυσῆ καὶ Ἀαρὼν (2 a)  
 77 (78). 42. οὐκ ἐμνήσθησαν τῆς χ. αὐτοῦ ἡμέ-  
 ρας δὲ ἐλυτρώσαντο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς  
 θλιβόντος (2 a, -)  
 — 61. καὶ τὴν καλλονὴν αὐ. εἰς χείρας ἐχθροῦ (2 a)  
 — 72. ἐν τῇ συνέσει τῶν χ. αὐτοῦ (4)  
 79 (80). 17. γενήσθω ἡ χ. σου ἐπ' ἄνδρα δεξ-  
 ιὰς [Δ -αἱ] σου (2 a)  
 80 (81). 6. αἱ χ. αὐτοῦ ἐν τῷ κοφίνῳ ἐδόλυσαν (4)  
 — 14. ἐπὶ τοῖς θλιβόντας αὐτοῦ [Β -οῦ] ἐπέ-  
 βαλον ἐν τῇ χ. μου (2 a)  
 81 (82). 4. καὶ πτωχὸν ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλοῦ  
 ῥύσασθε (2 a)  
 87 (88). 5. αὐτοὶ ἐκ τῆς χ. σου ἀψώσθησαν (2 a)  
 — 9. διεπίτασα πρὸς σὲ τὰς χ. μου (4)  
 88 (89). 13. κραταιώθη ἡ χ. σου (2 a)  
 — 21. ἡ γὰρ χ. μου συναντιλήφεται αὐτῷ (2 a)  
 — 25. θήσομαι ἐν θαλάσῃ χεῖρα αὐτοῦ (2 a)  
 — 48. ῥύσεται τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐκ χειρὸς  
 ἔδου (2 a)  
 89 (90). 17. τὰ ἔργα τῶν χ. ἡμῶν (2 a)  
 — 17. Δ Β τὸ ἔργον τῶν χ. ἡμῶν (2 a)  
 90 (91). 12. ἐπὶ χερῶν δροῦσὶ σε (4)  
 91 (92). 4. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. σου (2 a)  
 94 (95). 4. ἐν τῇ [Β om.] χ. αὐτοῦ τὰ πέρατα  
 τῆς γῆς (2 a)  
 — 5. τὴν ξηρὰν αἱ χ. αὐτοῦ ἔπλασαν (2 a)  
 — 7. ἡμῖς . . . πρόβστα χειρὸς [Δ τῆς χ.]  
 αὐ. (2 a)  
 96 (97). 10. ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλῶν ῥύσεται αὐ-  
 τοὺς (2 a)  
 97 (98). 8. ποταμοὶ κροτήσουσιν χεῖρά (4)  
 101 (102). 25. ἔργα τῶν [Β om.] χ. σου (2 a)  
 103 (104). 28. ἀνοίξας δέ σου τὴν χ. (2 a)  
 105 (106). 10. Δ Β ἔσωσεν αὐτοὺς ἐκ χειρὸς  
 [Β Β -ων] μωσίου καὶ ἑλνυρώ-  
 στο αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐχθροῦ (2 a, 2 a)  
 — 26. ἐπῆρε τὴν χ. αὐτοῦ ἐπ' αὐτοὺς (2 a)  
 — 41. παρέδωκεν αὐτοὺς εἰς χείρας ἐθνῶν (2 a)  
 — 42. ἐταπεινώθησαν ὑπὸ τὰς χ. αὐτῶν (2 a)  
 106 (107). 2. οὐς ἐλυτρώσατο ἐκ χειρὸς ἐχθροῦ (2 a)  
 108 (109). 27. γνώτωσαν ὅτι ἡ χ. σου αὐτῇ (2 a)  
 110 (111). 7. ἔργα χερῶν αὐτοῦ ἀλήθεια (2 a)  
 113. 12 (115. 4). ἔργα χερῶν ἀνθρώπων (2 a)  
 — 15 (115. 7). χεῖρας ἔχουσι (2 a)  
 118 (119). 48. ἦρα τὰς χ. μου πρὸς τὰς ἐντο-  
 λὰς σου (4)  
 — 73. Δ Β<sup>3</sup> Β αἱ χ. σου ἐποίησάν με [Β<sup>3</sup> αἱ.] (2 a)  
 — 109. ἡ ψυχὴ μου ἐν ταῖς χ. σου διὰ παντός (4)  
 — 173. γενέσθω ἡ χ. σου τοῦ σῶσαί με (2 a)  
 120 (121). 5. Δ<sup>3</sup> Β Β κύριος σκέπη σου ἐπὶ  
 χεῖρα δεξιάν [Δ<sup>3</sup> -ας] σου (2 a)  
 122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ δούλων εἰς χείρας  
 τῶν κυρίων αὐ. (2 a)  
 — 2. ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χείρας τῆς  
 κυρίας αὐ. (2 a)  
 124 (125). 3. ὅπως δὲ μὴ ἐκτεινώσιν . . . χείρας  
 αὐ. (2 a)  
 126 (127). 4. ὥστε βελὴ ἐν χειρὶ δυνατοῦ (2 a)

Ps. 128 (129). 7. οὐ οὐκ ἐπλήρωσε τὴν χ. αὐτοῦ  
 ὁ θερίζων (4)  
 133 (134). 2. ἐν ταῖς νυκτὶν ἐπάρατε τὰς χ. ὑμῶν  
 εἰς τὰ ἄγια (2 a)  
 134 (135). 15. ἔργα χερῶν ἀνθρώπων (2 a)  
 — 17. Δ χείρας ἔχουσιν (2 a)  
 135 (136). 12. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι  
 ὑψηλῷ (2 a)  
 — 24. Β ἐλυτρώσατο ἡμᾶς ἐκ χειρὸς [Δ Β  
 τῶν] ἐχθρῶν ἡμῶν (2 a)  
 137 (138). 7. ἐπ' ὀργὴν ἐχθρῶν μου ἐξέτεινας  
 χεῖράς σου (2 a)  
 — 8. τὰ ἔργα τῶν χ. σου μὴ παρίδης (2 a)  
 138 (139). 5. ἔθλας ἐπ' ἐμὴ τὴν χ. σου (4)  
 — 10. καὶ γὰρ ἐκεῖ ἡ χ. σου ὁδηγήσει με (2 a)  
 139 (140). 4. φύλαξόν με, κύριε, ἐκ χειρὸς  
 ἀμαρτωλοῦ (2 a)  
 140 (141). 2. ἔπαρσις τῶν χ. μου θυσία ἰσπε-  
 ριῇ (4)  
 142 (143). 5. ἐν ποιήμασι τῶν χ. σου ἐμελέτων (2 a)  
 — 6. διεπίτασα πρὸς σὲ τὰς χ. μου (2 a)  
 143 (144). 1. ὁ διδάσκων τὰς χ. μου εἰς παρά-  
 ταξιν (2 a)  
 — 7. ἐξάσπασται τὴν χ. σου ἐξ ὑψόνος (2 a)  
 — 7. ῥύσαι με . . . ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτριῶν (2 a)  
 — 11. ἐξέλθου με ἐκ χειρὸς υἱῶν ἀλλοτριῶν (2 a)  
 144 (145). 16. ἀνοίξεις σὺ τὰς χ. [Β<sup>3</sup> τὴν χ.]  
 σου (2 a)  
 149. 6. καὶ ῥομφαία δίστομον ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 a)  
 151. 2. αἱ χ. μου ἐποίησαν ὄργανον (2 a)  
 Pr. 3. 27. ἦνικα ἂν ἔχη ἡ χ. σου βοηθεῖν [Δ εὖ  
 ποιεῖ] (2 a)  
 6. 1. παραδώσεις σὴν χ. ἐχθρῷ (4)  
 — 3. ἥκει γὰρ εἰς χείρας κακῶν διὰ σὸν φίλον (4)  
 — 10. ὀλίγον δὲ ἐναγκαλίτῃ χερσὶ στήθιν (2 a)  
 — 17. χεῖρες ἐκχέουσιν αἶμα δικαίου (2 a)  
 7. 20. ἐνδεσμον ἀργυρίου λαβὼν ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)  
 9. 12. συνάγει δὲ χερσὶν ἀκαρπία (2 a)  
 10. 4. χεῖρες δὲ ἀνδρείων πλουτίζουσιν (2 a)  
 — 11. πηγὴ ζωῆς ἐν χειρὶ δικαίου (2 a)  
 11. 21. χεῖρὶ χείρας [Β<sup>3</sup> -α] ἐμβαλὼν ἀδίκως  
 (2 a, 2 a)  
 12. 24. χεῖρ ἐκλεπτῶν κρατήσῃ εὐχερῶς [Δ  
 ἐχθρῶν] (2 a)  
 13. 4. χεῖρες δὲ ἀνδρείων ἐν ἐπιμελείᾳ (2 a)  
 14. 1. ἡ δὲ ἀφρων κατέσκαψε ταῖς χ. αὐ. (2 a)  
 16. 5. χεῖρὶ δὲ χείρας ἐμβαλὼν (2 a, 2 a)  
 18. 21. θάνατος καὶ ζωὴ [Δ θ. ζωῆς] ἐν χειρὶ  
 γλωσσης (2 a)  
 19. 24. ὁ ἐγκρύπτων εἰς τὸν κόλπον αὐτοῦ χεῖ-  
 ρας ἀδίκους (2 a)  
 21. 1. οὕτως καρδιά βασιλείως ἐν χειρὶ θεοῦ (2 a)  
 — 25. οὐ γὰρ προαιροῦνται αἱ χ. αὐ. ποιῆν τι (2 a)  
 23. 2. ἐπιβάλλε τὴν χ. σου (2 a)  
 24. 33 (30. 10). μὴ παραφῶς οἰκέτην εἰς χείρας  
 δεσπότου (2 a)  
 — 48 (33). ὀλίγον δὲ ἐναγκαλιζομαι χερσὶ  
 στήθιν (2 a)  
 — 63 (80. 28). καλαβώτης χερσὶν ἐρειδόμενος (2 a)  
 — 67 (30. 32). καὶ ἐκτεινῇ τὴν χ. σου μετὰ  
 μάχης (2 a)  
 26. 9. ἀκανθαὶ φύονται ἐν χειρὶ μεθύσου δου-  
 λεία δὲ ἐν χειρὶ τῶν ἀφρόνων (2 a, 2 a)  
 — 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χ. ἐν τῷ κόλπῳ  
 αὐτοῦ (2 a)  
 31. 13. ἐποίησεν εὐχρηστον ταῖς χ. αὐ. (4)  
 — 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χερῶν αὐ. κατεφύτευσε  
 κτήμα (4)  
 — 19. Δ Β<sup>3</sup> τὰς χ. [Β Β<sup>3</sup> τοὺς πῆχεις] αὐτῆς  
 ἐκτείνει ἐπὶ τὰ συμμέρονα (2 a)  
 — 19. Β Β τὰς δὲ χ. [Δ τοὺς δὲ πῆχεις] αὐτῆς  
 ἐρείδει εἰς ἄτρακτον (4)  
 — 20. χείρας δὲ αὐτῆς διήνοιξε πένιγρι (4)  
 Ec. 2. 11. οἷς ἐποίησαν αἱ χ. μου (2 a)  
 — 24. ἀπὸ χειρὸς τοῦ θεοῦ ἔστιν (2 a)  
 4. 1. ἀπὸ χειρὸς σκκοφαντούντων αὐτοὺς ἰσχύς (2 a)  
 — 5. ὁ ἀφρων περιέβαλε [Δ Β -ελαθεν] τὰς  
 χ. αὐ. (2 a)  
 5. 5. Δ Β Β διαφείρη τὰ ποιήματα χερῶν  
 σου [Β σὼν] (2 a)  
 — 13. οὐκ ἔστιν ἐν χειρὶ αὐτοῦ οὐδέν (2 a)  
 — 14. ἵνα πορευθῇ ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)  
 7. 19 (18). ἀπὸ τοῦτου μὴ μάχης τὴν χ. σου (2 a)  
 — 27 (26). δεσμός εἰς χείρας αὐτῆς (2 a)  
 9. 1. αἱ ἐργασίαι αὐτῶν ἐν χειρὶ τοῦ θεοῦ (2 a)  
 — 10. πάντα ὅσα ἂν ἐρῇ ἡ χ. σου τοῦ ποιῆσαι (2 a)



Ec. 10. 18. ἐν ἀργίᾳ χειρῶν στάζει [A στενάζει] ἡ οἰκία (2 a)  
 11. 6. ἐν ὑπέρῃ [B εἰς ἐσπέραν] μὴ ἀφέτω ἡ χ. σου (2 a)  
 Ca. 5. 4. ἀπέστειλε χεῖρα αὐτοῦ ἀπὸ τῆς ὀπῆς — 5. χεῖρες [A αἱ χ.] μου ἵστασαν σμύρναν (2 a)  
 — 5. ἐπὶ χεῖρας τοῦ κλείθρου ἤνοιξα ἐγώ (4)  
 — 14. χεῖρες αὐτοῦ τορευταὶ χρυσαῖ (2 a)  
 Wi. 1. 12. ἡ χεὶρ ἐπισπάσθε θύλον ἐργῶν [A ἐν ε.] χειρῶν ὑμῶν  
 — 16. ἀσεβεῖς δὲ ταῖς χ. . . προσεκαλέσαστο αὐτὸν  
 2. 18. ῥύσεται αὐτὸν ἐκ χειρὸς ἀνθεστηκότων  
 3. 1. δικαίαν δὲ ψυχὰν ἐν χειρὶ θεοῦ  
 — 14. εὐνοῦχος ὁ μὴ ἐργασάμενος ἐν χειρὶ ἀνόμημα  
 5. 16. λήψονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κάλλους ἐκ χειρὸς κυρίου  
 7. 11. ἀναριθμήτως πλοῦτος ἐν χερσὶν [B ταῖς χ., B χερσὶ] αὐτῆς  
 — 16. ἐν γὰρ χερσὶ αὐτοῦ καὶ ἡμῖς  
 8. 12. χεῖρα [B -ας] ἐπιθήσουσιν ἐπὶ στόμα αὐ. — 18. ἐν πόνοις χειρῶν αὐ. πλοῦτος ἀνεκλιπῆς  
 9. 16. τὰ ἐν χερσὶν [B ποσὶν] εὐρίσκωμεν μετὰ πόνον  
 10. 20. τὴν τε ὑπέρμαχόν σου χεῖρα ἤνεσαν  
 11. 1. εὐώδους τὰ ἔργα αὐ. ἐν χειρὶ προφήτου ἁγίου  
 — 17. οὐ γὰρ ἠπρόει ἡ παντοδυναμία σου χεῖρ  
 12. 6. ἀπολλοῖται διὰ χειρῶν πατέρων αὐτῶν  
 13. 10. οἴκους ἐκάλεσαν θεοὺς ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων  
 — 10. λίθων ἀχρηστον χειρὸς ἔργον ἀρχαίας  
 — 19. περὶ δὲ . . . ἐργασίας καὶ χειρῶν ἐπισυχίας τὸ ἀδρανέσθαι τὰς χ. εὐδράνεται αἰτείται [B α.]  
 14. 6. ἡ ἐλπίς τοῦ κόσμου . . . τῇ σῇ κυβερνηθείσῃ χερσὶ  
 15. 15. οὐδὲ δάκτυλος χειρῶν εἰς ψηλάφῃσιν  
 — 17. θνητὸς δὲ ὢν κεκρὸν ἐργάζεται χερσὶν ἀνύμους  
 16. 15. τὴν δὲ σὴν χ. φυγὴν ἀδύνατον ἐστίν  
 19. 3. ἔτι γὰρ ἐν χερσὶν ἔχοντες τὰ πένθη  
 — 8. διήλθον οἱ τῇ σῇ σκεπάζομενοι χ.  
 Si. 2. 12. οὐαὶ καρδίας δειλαῖς καὶ χερσὶ παρειμέναις  
 — 18. ἐπισπένθη αἱ χεῖρες κυρίου καὶ οὐκ εἰς χεῖρας ἀνθρώπων  
 4. 9. ἐξέλου ἀδικώμενον ἐκ χειρὸς ἀδικούντος  
 — 19. παραδώσει αὐτὸν εἰς χεῖρας πτώσεως αὐτοῦ  
 — 31. μὴ ἴστω ἡ χ. σου ἐκτεταμένη εἰς τὸ λαβεῖν  
 5. 12. ἡ χ. σου ἴστω ἐπὶ στόματί σου  
 6. 12. παῖψ' ἐκτείνων τὴν χ. σου  
 7. 1. μὴ ποτε ἐκτείνῃς εἰς τὰς χ. αὐτοῦ  
 9. 17. ἐν χειρὶ τεχνιτῶν ἔργον ἐπαινεσθήσεται  
 10. 4. ἐν χειρὶ κυρίου ἐξουσία τῆς γῆς  
 — 5. ἐν χειρὶ κυρίου εὐδοκία ἀνθρώπου  
 11. 6. ἔνδοξος παρεδόθησαν εἰς χεῖρας ἐτέρων  
 12. 18. ἐπικροτοῖται ταῖς χερσὶν αὐτοῦ  
 14. 25. στήσεις τὴν σπῆνιν αὐτοῦ κατὰ χεῖρας αὐτῆς  
 15. 14. ἀφῆκεν αὐτὸν ἐν χειρὶ διαβολῆς αὐτοῦ  
 — 16. οὐ ἐὰν βέλῃς ἐκτείνῃς τὴν χ. σου  
 21. 19. ὡς χειροπόδι ἐπὶ χειρὸς δεξιᾶς  
 22. 2. πᾶς ὁ ἀναπαύμενος αὐτὸν ἐκτίνει χεῖρα  
 25. 23. χεῖρες παρειμέναι καὶ γόνυτα παραλελυμένα  
 — 26. εἰ μὴ πορεύεται κατὰ χεῖρά [B -ας] σου  
 27. 19. ὡς πετεινὸν ἐκ χειρὸς σου ἀπέλυσες  
 29. 1. ὁ ἐπισχύων τῇ χ. αὐ. τηρεῖ ἐντολὰς  
 — 5. καταφιλήσῃ χεῖρα [A B -ας] αὐτοῦ  
 — 26. εἰ τί ἐν τῇ χ. σου ψώμισόν με  
 30. 30 (33. 21). ἡ σὲ ἐμβλέπει εἰς χεῖρας νῶν σου  
 — 34 (33. 25). ἀνὴς χεῖρας αὐτῶν  
 32 (35). 8. μὴ μακρύνῃς ἀπαρχὴν χειρῶν σου  
 — 10. ἐν ἀγαθῷ ὀφθαλμῷ καθ' ἑνὲμα [B αἶρεμα] χειρὸς  
 33 (36). 3. ἔπρην τὴν χ. σου ἐπὶ ἔθνη ἀλλότρια  
 — 6. δόξασαν χεῖρα καὶ βραχίονα δεξιᾶς  
 34 (31). 14. μὴ ἐκτείνῃς χεῖρα  
 — 18. πρότερος αὐτῶν μὴ ἐκτείνῃς τὴν χ. σου  
 36 (33). 13. ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ  
 — 13. οὕτως ἀνθρώπου ἐν χειρὶ τοῦ ποιήσαντος αὐτοῦ  
 38. 10. καὶ ἐθῶνον χεῖρας  
 — 13. ἔστι καιρὸς ὅτε καὶ ἐν χερσὶν αὐτῶν εὐδοκία  
 — 15. ἐμπέσοι εἰς χεῖρας ἱστροῦ [A αὐτοῦ]  
 — 31. πάντες οὗτοι εἰς χεῖρας αὐτῶν ἐνεπίστευσαν  
 39. 31. A ἐπὶ τῆς γῆς εἰς χεῖρας [B χρεῖας] ἐτοιμασθήσονται  
 40. 14. ἐν τῷ ἀνοίξει αὐτὸν χεῖρας εὐφρανθήσεται

Si. 42. 6. ὅπου χεῖρες πολλὰ κλείσαν  
 43. 12. χεῖρες ὑψίστου ἐτάσαντο αὐτὸ  
 45. 15. ἐπλήρωσε Μωσὴς τὰς χ.  
 46. 2. ὡς ἐδοξάσθη ἐν τῷ ἑπάρα χεῖρας αὐτοῦ  
 — 4. οὐκ ἐν χειρὶ αὐ. ἀνεπτόκισεν ὁ ἥλιος  
 47. 4. ἐν τῷ ἑπάρα χεῖρα [A -as] ἐν λίθῳ σφενδόνης  
 48. 18. ἐπῆρεν ἡ χ. [A ἐπ. χεῖρα] αὐτοῦ ἐπὶ Σιών  
 — 19. τότε ἐσαλεύθησαν . . . χεῖρες [A B αἱ χ.] αὐ.  
 — 20. ἐκτετάσαντες τὰς χ. αὐτῶν πρὸς αὐτὸν  
 — 20. ἐλυτρώσαντο αὐτοὺς ἐν χειρὶ Ἰσραὴλ  
 49. 6. ἤρμωσαν τὰς ὁδοὺς αὐτῆς ἐν χειρὶ Ἰερουσαλὴμ  
 — 11. αὐτὸς ὡς σφραγὶς ἐπὶ δεξιᾶς χειρὸς  
 50. 12. ἐν δὲ τῷ δεχέσθαι μέλη ἐκ χειρῶν ἱερῶν  
 — 13. προσφορὰ κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν  
 — 15. ἐξέτασεν ἐπὶ σπουδῆν χεῖρα αὐτοῦ  
 — 20. ἐπῆρε χεῖρας [A -ρα] αὐτοῦ  
 51. 3. ἐλυτρώσω με . . . ἐκ χειρὸς ζητούντων τὴν ψυχὴν μου  
 — 8. σώσεις αὐτοὺς ἐκ χειρὸς ἐθῶν [A B ἐχθρῶν]  
 — 19. τὰς χ. μου ἐξεπέτασα πρὸς ὕψος  
 Ho. 2. 10 (12). οὐδεὶς οὐ μὴ ἐξέλθῃται αὐτὴν ἐκ χειρὸς μου (2 a)  
 7. 5. ἐξέτεινε τὴν χ. αὐ. μετὰ λοιμῶν (2 a)  
 11. 6. κατέπαυσεν ἐν ταῖς χ. αὐ. †  
 12. 7 (8). X. ἐν χειρὶ αὐ. ὕψος ἀδικίας (2 a)  
 — 10 (11). ἐν χερσὶ προφητῶν ἀνοκώθη (2 a)  
 13. 4. οὐ αἱ χ. ἐκτεσαν πᾶσαν τὴν στρatiάν τοῦ οὐρ.  
 — 14. ἐκ χειρὸς αὐτοῦ ῥύσονται (2 a)  
 14. 4. οὐκ ἐπὶ μὴ ἐτιμῶν, θεοὶ ἡμῶν, τοῖς ἔργοις τῶν χ. ἡμῶν (2 a)  
 Am. 1. 8. ἐπάξω τὴν χ. μου ἐπὶ Ἀκκ. (2 a)  
 5. 19. καὶ ἀπειρήσονται τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τὸν τοῖχον (2 a)  
 7. 7. καὶ ἐν τῇ χ. αὐ. ἀδάμας (2 a)  
 9. 2. ἐκείθεν ἡ χ. μου ἀνασπάσει αὐτοὺς (2 a)  
 Mi. 2. 1. οὐκ ἦρην πρὸς τὸν θῆον τὰς χ. αὐ. (2 a)  
 4. 10. λυτρώσεται σε κ. ὁ θ. σου ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν σου (4)  
 5. 9 (8). ὑψωθήσεται ἡ χ. σου (2 a)  
 — 12 (11). ἐξολεθρεύσω τὰ φάρμακά σου ἐκ τῶν χ. σου (2 a)  
 — 13 (12). οὐκ ἐπὶ μὴ προσκυνήσεις τοῖς ἔργοις τῶν χ. σου (2 a)  
 7. 3. ἐπὶ τὸ κακὸν τὰς χ. αὐ. ἐτοιμάζουσιν (4)  
 — 16. ἐπιθήσουσι χεῖρας [A -α] ἐπὶ τὸ στ. αὐ. (2 a)  
 J. 3. 8. ἀποδώσωμαι τοὺς νύχους ὑμῶν . . . εἰς χεῖρας τῶν νῶν Ἰ. (2 a)  
 Jn. 3. 8. καὶ ἀπὸ τῆς ἀδικίας τῆς ἐν χερσὶν αὐ. (4)  
 Na. 3. 19. κροτήσουσι χεῖρας [A -α] ἐπὶ σέ (4)  
 Hb. 2. 9. τοῦ ἐκπαθήσαν ἐκ χειρὸς κακῶν (4)  
 3. 4. κέρταται ἐν χερσὶν αὐ. (2 a)  
 Ze. 1. 4. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ Ἰουδαν (2 a)  
 2. 13. ἐκτενῶ τὴν χ. αὐ. ἐπὶ βορρᾶν [A B αἱ χ.] (2 a)  
 3. 1 (2. 15). κινήσει τὰς χ. αὐ. (2 a)  
 — 15. λελιτρώσεται σε ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν σου  
 — 16. μὴ παρίσθωσαν αἱ χ. σου (2 a)  
 Hg. 1. 1, 3. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (2 a)  
 — 11. καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς πόλους τῶν χ. αὐ. (4)  
 2. 2 (1). ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (2 a)  
 — 15 (14). καὶ οὕτως πάντα τὰ ἔργα τῶν χ. αὐ. (2 a)  
 — 18 (17). πάντα τὰ ἔργα τῶν χ. ὑμῶν (2 a)  
 Za. 1. 21 (2. 4). τοῦ ὀξύναι αὐτὰ εἰς χεῖρας αὐ. †  
 2. 1 (5). ἐν τῇ χ. αὐ. σχοινίον γεωμετρικόν (2 a)  
 — 9 (13). ἐπιφέρω τὴν χ. μου ἐπ' αὐτοὺς (2 a)  
 4. 9. αἱ χεῖρες Ζορ. ἐθιμολόγησαν . . . καὶ αἱ χ. αὐ. ἐπιτελέουσιν αὐτόν (2 a, 2 a)  
 — 10. θύονται τὸν λίθον . . . ἐν χειρὶ Ζορ. (2 a)  
 — 12. τί οἱ δύο κλάδοι . . . οἱ ἐν ταῖς χ. τῶν δύο μεζωτήρων (2 a)  
 7. 7. οὐς ἐλάλησε κ. ἐν χερσὶ τῶν προφητῶν (2 a)  
 — 12. οὐς ἐξαπέστειλε κ. . . ἐν χερσὶ τῶν προφητῶν (2 a)  
 8. 4. ἕκαστος τὴν ράβδον αὐ. ἔχων ἐν τῇ [A om.] χ. αὐ. (2 a)  
 — 9. κατισχυέτωσαν αἱ χ. ὑμῶν (2 a)  
 — 13. κατισχύετε ἐν ταῖς χ. ὑμῶν (2 a)  
 11. 6. B παρὰ δὲ τὸν αὐτὸν ἀνδρ. ἕκαστος εἰς χεῖρας [A B -α] τοῦ πλησίον αὐ. καὶ εἰς χεῖρας [A B -α] βασιλείας αὐ. (2 a, 2 a)  
 — 6. οὐ μὴ ἐξέλωμαι ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)  
 — 8. B' καὶ γὰρ αἱ χ. [A B S' ψυχῇ] αὐ. ἐπαυρῶντο ἐπ' ἐμέ †  
 13. 6. τί αἱ πληγαὶ αὐτῶν ἀνὰ μέσον τῶν χ. σου (2 a)  
 — 7. ἐπάξω τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς μικροὺς (2 a)

Za. 14. 13. ἐπιλήψονται ἕκαστος τῆς χ. τοῦ πλησίον αὐ. (2 a)  
 — 13. συμπλακῆσεται ἡ χ. αὐ. πρὸς τὴν [A om.] χ. τοῦ πλησίον αὐ. (2 a, 2 a)  
 Ma. 1. 1. λήμω λόγον κυρίου . . . ἐν χειρὶ ἀγγέλου αὐ. (2 a)  
 — 9. ἐν χερσὶν ὑμῶν γέγονε ταῦτα (2 a)  
 — 10. θυσιᾶν οὐ προσδέξομαι ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)  
 — 13. εἰ προσδέξομαι αὐτὰ ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)  
 2. 13. ἡ λαβεῖν δεκτὸν ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)  
 Is. 1. 12. τίς γὰρ ἐξεζητήσε ταῦτα ἐκ τῶν χ. ὑμῶν (2 a)  
 — 15. σταν ἐκτείνετε τὰς χ. . . αἱ γὰρ χ. ὑμῶν αἵματος πλήρεις (4, 2 a)  
 — 25. ἐπάξω τὴν χ. μου ἐπὶ σί (2 a)  
 2. 8. ἐνεπλήσθη ἡ γῆ βδελυγμάτων τῶν ἔργων τῶν χ. αὐ. (2 a)  
 3. 11. κατὰ τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ (2 a)  
 5. 12. τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτοῦ οὐ κατανοοῖσι (2 a)  
 — 25. ἐπέβαλε τὴν χ. ἐπ' αὐτοὺς . . . ἀλλὰ ἔτι ἡ χ. ὑψηλὴ (2 a, 2 a)  
 6. 6. ἐν τῇ χ. εἶχε ἀνδρακὰ (2 a)  
 8. 11. τῇ ἰσχυρᾷ χ. ἀπειθοῖσι (2 a)  
 9. 12 (11), 17 (16), 21 (20) : 10. 4. ἔτι ἡ χ. ὑψηλὴ (2 a)  
 10. 5. ὁργὴ ἐστὶν ἐν ταῖς χ. αὐ. [A B αἱ.] (2 a)  
 — 10. A ταῦτας ἔλαβον ἐν τῇ χ. μου [B om. ε. τ. χ. μ.] (2 a)  
 — 14. τὴν οἰκωμένην δὴν καταλήψομαι τῇ χ. (2 a)  
 — 32. τῇ χ. παρακαλεῖτε τὸν θεόν (2 a)  
 11. 8. ἐπὶ κούνην ἐκγόνων ἀσπιδῶν τὴν χ. ἐπιβαλεῖ (2 a)  
 — 11. τοῦ δεῖξαι τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 14. ἐπὶ Μωᾶς πρῶτον τὰς χ. ἐπιβαλοῦσιν (2 a)  
 — 15. ἐπιβαλεῖ τὴν χ. αὐτοῦ ἐπὶ τὸν ποταμὸν (2 a)  
 13. 2. παρακαλεῖτε τὴν χ. [A ψυχῇ] (2 a)  
 — 7. πᾶσα χ. [A πᾶσαι χ.] ἐκλυθήσεται (2 a)  
 14. 26. αὐτὴ ἡ χ. ὑψηλὴ ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (2 a)  
 — 27. τὴν χ. αὐτοῦ τὴν ὑψηλὴν τίς ἀσπρήσει (2 a)  
 17. 8. οὐδὲ ἐπὶ τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐτῶν (2 a)  
 19. 4. παραδώσω Λίγυτον εἰς χεῖρας ἀνθρώπων (2 a)  
 — 16. ἀπὸ προσώπου τῆς χ. κυρίου σοβαδὸν (2 a)  
 22. 21. τὴν οἰκωμένην σου ὁσώσῃ εἰς τὰς χ. αὐ. (2 a)  
 23. 11. ἡ δὲ χ. σου οὐκ ἐπὶ ἰσχυρὴ κατὰ θάλασσαν (2 a)  
 24. 21. ἐπάξει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸν κόσμον τοῦ οὐρανοῦ τὴν χ. —  
 25. 11. ἀνήσει τὰς χ. αὐτοῦ (2 a)  
 — 11. ἐφ' αὐτὰς χ. ἐπέβαλε (2 a)  
 28. 3 (2). ταῖς χ. καὶ τοῖς ποσὶ καταπατηθήσεται (2 a)  
 — 4. πρὶν εἰς τὴν χ. αὐτοῦ λαβεῖν αὐτὸ (4)  
 29. 12. δοθήσεται τὸ βιβλίον τοῦτο εἰς χεῖρας ἀνθρώπου —  
 31. 3. ὁ δὲ κύριος ἐπάξει τὴν χ. αὐ. ἐπ' αὐτοὺς (2 a)  
 — 7. ἀποκρίσας αἱ χ. [B αἱ δακτύλοι] αὐτῶν (2 a)  
 33. 15. τὰς χ. ἀποστομέουσιν ἀπὸ δώρων (4)  
 34. 17. ἡ χ. αὐτοῦ διμερίσκει βάσεις σου (2 a)  
 35. 3. ἰσχυρὰς, χεῖρες ἀνεμέναις (2 a)  
 36. 6. εὐσελεύσεται εἰς τὴν χ. αὐτοῦ (4)  
 — 15. οὐ μὴ παραδοθῇ ἡ πόλις αὐτῆς ἐν χειρὶ βασιλείας Ἀσσυρίων (2 a)  
 — 18. μὴ ἐρρύσαντο . . . ἐκ χειρὸς βασιλείας Ἀσσυρίων (2 a)  
 — 19. μὴ ἐδύναντο ῥύσασθαι Σαμάρειαν ἐκ χειρὸς [B' τῆς χ.] αὐ. (2 a)  
 — 20. ἐρρύσαντο τὴν γῆν αὐ. ἐκ χειρὸς [A B τῆς χ.] μου οὐκ ῥύσεται ὁ θ. τὴν Ἱερ. ἐκ χειρὸς μου (2 a, 2 a)  
 37. 10. οὐ μὴ παραδοθῇ Ἱερ. ἐν χειρὶ [A B εἰς χεῖρας] βασιλείας Ἀσσυρίων (2 a)  
 — 19. οὐ γὰρ θεοὶ ἦσαν ἀλλὰ ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων (2 a)  
 — 20. σῶσον ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐτοῦ (2 a)  
 — 27. ἀνῆκα τὰς χ. (4)  
 38. 6. ἐκ χειρὸς βασιλείας Ἀσσυρίων ῥύσονται σε (2 a)  
 40. 2. ἐδέξατο ἐκ χειρὸς κυρίου διπλὰ (2 a)  
 — 12. τίς ἐμέτρησε τὴν χ. τὸ ὕδωρ (5)  
 41. 20. χ. κυρίου ἐποίησε ταῦτα (2 a)  
 42. 6. κρατήσω τῆς χ. σου (2 a)  
 43. 13. οὐκ ἐστὶν ὁ ἐκ τῶν χ. μου ἔξαιρούμενος (2 a)  
 44. 5. ἐπικράψει χεῖρὶ αὐτοῦ [A B om. χ. αὐ.] (2 a)  
 45. 9. οὐδὲ ἔχεις χεῖρας (2 a)  
 — 11. περὶ τῶν ἔργων τῶν χ. μου (2 a)  
 — 12. τῇ χ. μου ὑπερέβωσεν τὸν οὐρανόν (2 a)  
 47. 6. ἐδοκίμασεν αὐτοὺς εἰς τὴν χ. σου (2 a)  
 48. 13. ἡ χ. μου ἐβελμῶσε τὴν γῆν (2 a)  
 49. 2. ὑπὲρ τὴν σκῆπν τῆς χ. αὐτοῦ ἐκρυψέ με (2 a)

- s. 49. 16. ἐπὶ τῶν χ. μου ἔωγράφηκά σου τὰ  
τείχη (4)  
— 22. αἶρῶ εἰς τὰ ἔθνη τὴν χ. μου (2 a)  
50. 2. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χ. μου τὸ ῥύσασθαι (2 a)  
51. 16. ὑπὸ τὴν σκίαν [A δεξιάν, B<sup>2</sup> σκέπη] (2 a)  
τῆς χ. [A om. τ. χ.] μου σκεπάσω σε (2 a)  
— 17. ἡ πούσα ἐκ χειρὸς κυρίου τὸ ποτήριον (2 a)  
— 18. οὐκ ἦν δ' ἀντιλαμβανόμενος τῆς χ. σου (2 a)  
— 22. εἰλῆφα ἐκ τῆς χ. σου τὸ ποτήριον (2 a)  
— 23. δώσω αὐτὸ εἰς τὰς χ. τῶν ἀδικησάντων σε (2 a)  
56. 2. διατηρῶν τὰς χ. [B om.] αὐτοῦ (2 a)  
59. 1. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χ. κυρίου (2 a)  
— 3. αἱ γὰρ χ. ὑμῶν μεμολυσμέναι αἵματι (4)  
60. 21. φυλάσσων τὸ φύτευμα ἔργα χειρῶν  
αὐτοῦ (2 a)  
62. 3. ἔση στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου  
καὶ διάδοχος βασιλείας ἐν χειρὶ θεοῦ  
σου (2 a, 4)  
64. 8 (7). ἔργα τῶν [B<sup>1</sup> om.] χ. σου πάντες (2 a)  
65. 2. ἐξεπέτασα τὰς χ. μου (2 a)  
66. 2. πάντα γὰρ ταῦτα ἐποίησεν ἡ χ. μου (2 a)  
— 14. γνωσθήσεται ἡ χ. κ. τοῖς φοβούμε. [A B  
σβεσμ.] αὐτὸν (2 a)  
Jc. 1. 9. ἐξέτιναι κυρίως τὴν χ. αὐτοῦ πρὸς μέ (2 a)  
— 16. προσέκρινον τοῖς ἔργοις τῶν χ. αὐ. (2 a)  
2. 34. ἐν ταῖς χ. σου εὐρέθησαν αἵματα ψυχῶν  
ἀδφῶν + (2 a)  
— 37. αἱ χ. σου ἐπὶ τῆς κεφαλῆς σου (2 a)  
3. 8. ἔδωκα αὐτῇ βιβλίον ἀποστασίον εἰς τὰς χ.  
αὐτῆς - (2 a)  
4. 31. παρήγει τὰς χ. αὐτῆς (2 a)  
5. 31. οἱ ἱερεῖς ἐπεκρίτησαν ταῖς χ. αὐτῶν (2 a)  
6. 3. ποιμανοῦσιν ἕκαστος τῇ χ. [B τὴν χ.]  
αὐτοῦ (2 a)  
— 12. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας (2 a)  
— 24. παρελῦθον αἱ χ. ἡμῶν (2 a)  
10. 9. χ. [A B<sup>2</sup> χεῖρες] χρυσοκόων (2 a)  
11. 21. ἀποδανῇ ἐν ταῖς χ. ἡμῶν (2 a)  
12. 7. ἔδωκα τὴν ἡγαπήμ. ψυχὴν μου εἰς χεῖρας  
ἐχθρῶν αὐ. (4)  
15. 6. ἐκτενῶ τὴν χ. μου (2 a)  
— 17. ἐλαβόντων ἀπὸ προσώπου χειρὸς σου (2 a)  
— 21. ἐξαιρείσθαι σε ἐκ χειρὸς πονηρῶν καὶ  
λυτρώσασθαι σε [B om. λ. σ.] ἐκ  
χειρὸς λοιμῶν (2 a, 4)  
16. 21. δὴλῶσω αὐτοῖς . . . τὴν χ. μου (2 a)  
18. 4. δ' αὐτοὶ ἐποίησαν ἐν ταῖς χ. αὐτοῦ (2 a)  
— 6. ὡς δ' ὅλος τοῦ κεραμέως ὕμεις ἐστε ἐν  
χερσὶ [A ταῖς χ.] μου (2 a)  
— 21. ἄθροισον αὐτοὺς εἰς χεῖρας μαχαίρας (2 a)  
19. 7. ἐν χερσὶ τῶν ζητούντων τὰς ψυχὰς αὐ. (2 a)  
20. 4. πάντα ἰούδα δώσω εἰς χεῖρας βασιλέως  
βαβ. (2 a)  
— 5. δώσω . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτοῦ (2 a)  
— 13. ἐξείλατο ψυχὴν πένθους ἐκ χειρὸς πονη-  
ρευμένων (2 a)  
21. 5. πολέμησας ἐγὼ ὑμᾶς ἐν χειρὶ ἐκτεταμένη  
[A ἐντ.] (2 a)  
— 7. δώσω . . . εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)  
— 10. εἰς χεῖρας βασ. βαβ. παραδοθήσεται (2 a)  
— 12. ἐξείλασθε διηρασμένον ἐκ χειρὸς ἀδι-  
κούντος αὐτῶν (2 a)  
22. 3. ἐξαιρείσθε διηρασμένον ἐκ χειρὸς ἀδι-  
κούντος αὐτῶν (2 a)  
— 24. ἀποσφράγισμα ἐπὶ τῆς χ. τῆς δεξιᾶς μου (2 a)  
— 25. εἰς χεῖρας τῶν ζητούντων τὴν ψυχὴν σου  
. . . εἰς χεῖρας τῶν Χαλδαίων (2 a, 2 a)  
23. 14. ἰώρακα . . . ἀντιλαμβανόμενος χειρῶν  
πολλῶν [A πονηρῶν] (2 a)  
25. 6. ὅπως μὴ παροργίστῃ με ἐν τοῖς ἔργοις  
τῶν χ. ὑμῶν (2 a)  
26 (46). 13. δ' ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἱερεμίου - (2 a)  
— 24. παρεδόθη εἰς χεῖρας λαοῦ ἀπὸ βορρᾶ (2 a)  
27 (50). 15, 43. παρελῦθον αἱ χ. αὐ. (2 a)  
28 (51). 7. ποτήριον χρυσοῦν Βαβυλῶν ἐν χειρὶ  
κυρίου (2 a)  
— 25. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 a)  
29 (47). 3. ἀπὸ ἐκλύσεως χειρῶν αὐτῶν (2 a)  
29 (48). 9. ἐπιθήσουσι χεῖρα [A B-as] αὐ. + (2 a)  
— 10. ὄλοντο διὰ χεῖρα ἀδελφοῦ αὐτοῦ + (2 a)  
31 (48). 26. ἐπικρούσει Μωάβ ἐν χειρὶ αὐτοῦ + (2 a)  
— 37. πᾶσαι χεῖρες κόφονται + (2 a)  
32 (25). 15. λάβε τὸ ποτήριον τοῦ οἴνου . . . ἐκ  
χειρὸς μου [B<sup>1</sup> om. ἐκ χ. μ.] (2 a)  
— 17. ἐλαβὼν τὸ ποτήριον ἐκ χειρὸς κυρίου (2 a)  
— 28. δέξασθαι τὸ ποτήριον ἐκ τῆς χ. σου (2 a)  
Jc. 33 (26). 14. ἰδοὺ ἐγὼ ἐν χερσὶν ὑμῶν (2 a)  
— 24. χ. Ἀχ. υἱοῦ 2. ἦν μετὰ Ἱερ. τοῦ μὴ  
παραδοῦναι αὐτὸν εἰς χεῖρας τοῦ  
λαοῦ (2 a, 2 a)  
34 (27). 3. ἐν χερσὶν ἀγγέλων αὐτῶν (2 a)  
— 8. ἕως ἐκλίπασιν ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 a)  
36 (29). 3. ἐν χειρὶ Ἑλίαςάν (2 a)  
— 21. δίδωμι αὐτοὺς εἰς χεῖρας βασιλέως Βαβ. (2 a)  
37 (30). 6. αἱ χ. αὐτοῦ ἐπὶ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ (2 a)  
38 (31). 11. ἐξείλατο αὐτὸν ἐκ χειρὸς στερεωτέ-  
ρων αὐτοῦ (2 a)  
— 32. ἐν ἡμέρᾳ ἐπιλαβομένου μου τῆς χ. αὐ. (2 a)  
39 (32). 3. A B S<sup>2</sup> ἐν χερσὶ βασιλέως Βαβ. (2 a)  
— 4. A B S<sup>2</sup> Σεδ. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς τῶν Χ. (2 a)  
— 4. A B S<sup>2</sup> παραδοθήσεται εἰς χεῖρας βασι-  
λέως Βαβ. (2 a)  
— 21. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν χειρὶ  
κραταῇ (2 a)  
— 24. ἡ πόλις ἐδόθη εἰς χεῖρας [B τὰς χ.]  
Χαλδαίων (2 a)  
— 25. ἡ πόλις ἐδόθη εἰς χεῖρας Χαλδαίων (2 a)  
— 28. παραδοθήσεται ἡ πόλις αὐτῆς εἰς χεῖρας  
βασιλέως Βαβ. (2 a)  
— 36. παραδοθήσεται εἰς χεῖρας βασ. βαβ. (2 a)  
— 43. παρεδόθησαν εἰς χεῖρας Χαλδαίων (2 a)  
40 (33). 13. παρελῦσεται πρόβατα ἐπὶ χεῖρα  
ἀρβυμνῶντος (2 a)  
41 (34). 2. παραδοθήσεται . . . εἰς χεῖρας  
βασιλέως Βαβ. (2 a)  
— 3. οὐ μὴ σωθῇ ἐκ χειρὸς αὐτοῦ (2 a)  
— 3. B S εἰς χεῖρας αὐτοῦ δόθησιν (2 a)  
— 21. τοὺς ἀρχοντας αὐτῶν δώσω εἰς χεῖρας  
ἐχθρῶν αὐτῶν (2 a)  
43 (36). 14. λάβε αὐτὸ εἰς τὴν χ. σου [B<sup>1</sup> om.  
εἰς τ. χ. σ.] (2 a)  
— 14. Δ ἔλαβε Βαροχ. . . τὸ χαρτὶν ἐν χειρὶ  
αὐτοῦ [B om. ἐν χ. αὐ.] (2 a)  
44 (37). 2. οὐδ' ἐλάλησεν ἐν χειρὶ Ἱερεμίου (2 a)  
— 17. εἰς χεῖρας βασ. βαβ. παραδοθήσεται (2 a)  
45 (38). 3. παραδοθήσεται ἡ πόλις αὐτῆς εἰς  
χεῖρας δυναμῆος βασ. βαβ. (2 a)  
— 4. ἐκλύει τὰς χ. τῶν ἀνθρώπων . . . καὶ τὰς  
χ. πατρὸς τοῦ λαοῦ (2 a, 2 a)  
— 5. αὐτοὺς ἐν χερσὶν [A ταῖς χ.] ὑμῶν (2 a)  
— 10. λάβε εἰς τὰς χ. [A τὴν χ.] σου . . .  
τριάκοντα ἀνθρώπους (2 a)  
— 16. εἰ δώσω σε εἰς χεῖρας τῶν ἀνθρ. τ. (2 a)  
— 18. δοθήσεται ἡ πόλις αὐτῆς εἰς χεῖρας τῶν  
Χ. [A al.] (2 a)  
— 19. μὴ δώσω με εἰς χεῖρας αὐτῶν (2 a)  
— 23. ἐν χειρὶ [A εἰς χεῖρας] βασιλέως Βαβυ-  
λώνος συλληφθήσεται [A παραδοθ.] (2 a)  
46 (39). 17. οὐ μὴ δώσω σε εἰς χεῖρας [B τὰς  
χ.] τῶν ἀνθρώπων (2 a)  
47 (40). 4. ἀπὸ τῶν χειροπέδων τῶν ἐπὶ [A ὑπὸ]  
τὰς χ. σου (2 a)  
48 (41). 5. λίβανος ἐν χερσὶν [A ταῖς χ., B  
χειρὶ] αὐ. (2 a)  
49 (42). 11. σῶθαι ὑμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ. (2 a)  
50 (43). 3. ἵνα ὄρῃ ἡμᾶς εἰς χεῖρας τῶν Χ. (2 a)  
51 (44). 8. ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χ. ὑμῶν (2 a)  
— 25. ταῖς χ. ὑμῶν ἐπληρώσατε (2 a)  
— 30. δίδωμι τὸν Οὐ. . . εἰς χεῖρας ἐχθροῦ  
αὐ. καὶ εἰς χεῖρας ζητούντων τὴν  
ψυχὴν αὐ. καθὰ ἔδωκα τὸν Σεδ. . .  
εἰς χεῖρας Ναβ. (2 a ter)  
Ba. 1. 6. καθὰ ἕκαστον ἠδύνατο ἡ χ. (2 a)  
2. 11. ἐξήγαγες . . . ἐν χειρὶ κραταῇ  
— 20. ἐλάλησας ἐν χειρὶ τῶν παίδων σου  
— 24. οὐδ' ἐλάλησας ἐν χερσὶ τῶν παίδων σου  
— 28. ἐλάλησας ἐν χειρὶ παιδὸς σου Μωσῆ  
3. 5. μνησθήτι χειρὸς σου  
4. 18. ἐξελεῖται ὑμᾶς ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν  
— 21. ἐξελεῖται ὑμᾶς . . . ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν  
La. 1. 7. ἐν τῇ πεσύν τὸν λαόν αὐτῆς εἰς χεῖρας  
θλίβοντος (2 a)  
— 10. χεῖρα αὐτοῦ ἐξεπέτασε θλίβων (2 a)  
— 14. ἐν χερσὶ μου συνεπλάκησαν (2 a)  
— 14. ἔδωκε κύριος ἐν χερσὶ μου δύναν (2 a)  
— 17. διεπέτασε Σιών χεῖρας [A τὰς χ.] αὐ. (2 a)  
2. 7. συνεπείρην ἐν χειρὶ ἐχθροῦ τείχος (2 a)  
— 8. οὐκ ἠπόστρεψε χεῖρα αὐ. ἀπὸ καταπητή-  
ματος (2 a)  
— 15. ἐκρότησαν ἐπὶ σέ χεῖρας πάντες (4)  
— 19. ἄρον πρὸς αὐτὸν χεῖράς σου (4)  
8. 3. ἐν ἐμοὶ ἐπέστρεψε χεῖρα αὐτοῦ (2 a)  
La. 3. 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν (4)  
— 64. κατὰ τὰ ἔργα τῶν χ. αὐτῶν (2 a)  
4. 2. ἔργα χειρῶν κεραμέως (2 a)  
— 6. οὐκ ἐπὶ οὐρανῶν ἐν αὐτῇ χεῖρας (2 a)  
— 10. χεῖρες γυναικῶν οὐκ ἐκτενῶν ἤψησαν τὰ  
παιδιά (2 a)  
5. 6. Αἴγυπτος ἔδωκε χεῖρα (2 a)  
— 8. λυτροίμενος οὐκ ἔστιν ἐκ τῆς χ. αὐτῶν (2 a)  
— 12. ἀρχοντες ἐν χερσὶν αὐτῶν ἐκρεμάσθησαν (2 a)  
Ep. Jc. 51. οὐκ εἰσὶ θεοὶ ἀλλὰ ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων  
Ez. 1. 3. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χ. κυρίου (2 a)  
— 8. χ. ἀνθρώπου ὑποκάταθεν τῶν πτερύγων  
αὐτῶν (2 a)  
2. 9. ἰδοὺ χ. ἐκτεταμένη πρὸς μέ (2 a)  
3. 14. χ. κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμέ κραταῖά (2 a)  
— 18. τὸ αἷμα αὐτοῦ ἐκ χειρὸς σου ἐκρήγνυτο (2 a)  
— 20. τὸ αἷμα αὐ. ἐκ τῆς χ. σου ἐκρήγνυτο (2 a)  
— 22. ἐγένετο ἐπ' ἐμέ χ. κυρίου (2 a)  
6. 11. κρότησον τὴν χ. (4)  
— 14. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπ' αὐτούς (2 a)  
7. 17. πᾶσαι χεῖρες ἐκλυθίσονται (2 a)  
— 21. παραδώσω αὐτὰ εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (2 a)  
— 27. αἱ χ. τοῦ λαοῦ τῆς γῆς παραλυθίσονται (2 a)  
8. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χ. [A add. Ἀδωναῖ] κυρίου (2 a)  
— 3. ἐξέτινεν ὁμοίωμα χειρὸς (2 a)  
— 11. θυματήριον αὐτοῦ εἶχεν ἐν τῇ χ. [A ἐν  
χ. αὐ.] (2 a)  
9. 1. εἶχε τὰ σκευὴ τῆς ἐξολοθρεύσεως ἐν χειρὶ  
αὐτοῦ (2 a)  
— 2. ἐκάστου πέλυν ἐν τῇ χ. αὐτοῦ (2 a)  
10. 2. A πλησὺν τὰς χ. [B δρῆκας] σου ἀνθρώ-  
κων πυρὸς (1)  
— 7. ἐξέτιναι [A add. ὁ χερ.] τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)  
— 7. ἔδωκεν εἰς τὰς χ. τοῦ ἐνδευκότος τὴν  
στολήν (1)  
— 8. ἴδον [A<sup>1</sup> -οὐ] τὴν χερ. ὁμοίωμα χειρῶν (2 a)  
— 12. αἱ χ. αὐ. . . πλήρεις ὀφθαλμῶν (2 a)  
— 21. ὁμοίωμα χειρῶν ἀνθρώπου (2 a)  
11. 9. παραδώσω ὑμᾶς εἰς χεῖρας ἀλλοτρίων (2 a)  
12. 7. A ὄρυξα ἑμαντὸν τὸν τοῖχον τῇ χ. [B al.] (2 a)  
13. 9. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς προφήτας (2 a)  
— 18. B<sup>2</sup> ἐπὶ [A B<sup>2</sup> ἐπὶ] πάντα ἀγκῶνα χειρὸς (2 a)  
— 21. ῥύσονται τὸν λαόν μου ἐκ χειρὸς ὑμῶν  
καὶ οὐκέτι ἔσονται ἐν χερσὶν ὑμῶν (2 a, 2 a)  
— 22. τοῦ κατισχύσαι χεῖρας ἀνέμου (2 a)  
— 23. ῥύσονται τὸν λαόν μου ἐκ χειρὸς ὑμῶν (2 a)  
14. 9. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπ' αὐτόν (2 a)  
— 13. ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπ' αὐτήν (2 a)  
16. 11. περιέθηκε ψέλια περὶ τὰς χ. σου (2 a)  
— 27. ἐὰν ἐκτενῶ τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 a)  
— 39. παραδώσω σε εἰς χεῖρας αὐτῶν (2 a)  
— 49. χεῖρα πτωχοῦ καὶ πένθους οὐκ ἀντελαμ-  
βάνοντο (2 a)  
17. 18. δέδωκα τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)  
18. 8. ἐξ ἀδικίας ἀποστρέψει τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)  
— 17. ἀπὸ ἀδικίας ἀπέστρεψε τὴν χ. αὐτοῦ (2 a)  
20. 5, 6. ἀντελαβόμεν τῇ χ. μου αὐτῶν (2 a)  
— 15, 23. ἐξήρα τὴν χ. μου ἐπ' αὐτούς (2 a)  
— 28. B ἦρα τὴν χ. [A B om. τ. χ.] τὴν χ. μου  
δοῦναι αὐτὴν αὐτοῖς (-, 2 a)  
— 33. ἐν χειρὶ κραταῇ . . . βασιλείῳ (2 a)  
— 34. ἐν χειρὶ κραταῇ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (2 a)  
— 42. εἰς ἡν ἦρα τὴν χ. μου (2 a)  
21. 7 (12). πᾶσαι χεῖρες παραλυθίσονται (2 a)  
— 11 (16). τοῦ κρατεῖν χεῖρα αὐτοῦ (4)  
— 11 (16). τοῦ δοῦναι αὐτὴν εἰς χεῖρα [A-as]  
ἀποκεντούντος (2 a)  
— 12 (17). κρότησον ἐπὶ τὴν χ. σου + (2 a)  
— 14 (19). κρότησον χεῖρα [A τὴ χ.] ἐπὶ  
χεῖρα (4, 4)  
— 17 (22). κροτήσω χεῖρά μου πρὸς χεῖρά  
μου (4, 4)  
— 19 (24). χ. ἐν ἄρχῃ [A χεῖρα ἐτοιμάσουσιν  
ἐπ' ἀρχῇ] ὁδοῦ (2 a)  
— 31 (36). παραδώσω σε εἰς χεῖρας ἀνδρῶν  
βαρβάρων (2 a)  
22. 13. A εὐν δὲ πατάξω χεῖρά μου πρὸς χεῖρα  
[B al.] (4, -)  
— 14. εἰ κραθήσουσιν αἱ χ. σου (2 a)  
23. 9. παρέδωκα αὐτὴν εἰς χεῖρας τῶν ἐραστῶν  
αὐ. εἰς χεῖρας υἱῶν Ἀσσυρίων (2 a, 2 a)  
— 28. παραδίδομι σε εἰς χεῖρας ὧν μισεῖς (2 a)  
— 31. δώσω τὸ ποτήριον αὐτῆς εἰς χεῖράς [A  
τὰς χ.] σου (2 a)  
— 37. αἷμα ἐν χερσὶν αὐτῶν (2 a)

Εζ. 23. 42. ἐδίδωσαν ψέλια ἐπὶ τὰς χ. αὐτῶν [Α σου] (2 α)  
 — 45. αἶμα ἐν χερσίν αὐτῶν (2 α)  
 25. 6. ἐκρότῃσας τὴν χ. [Α τὰς χ.] σου (2 α)  
 — 7. ἐκτενὴ τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 α)  
 — 13. ἐκτενὴ τὴν χ. μου ἐπὶ τὴν Ἰδουμαίαν (2 α)  
 — 14. δώσω ἐκδίκην... ἐν χειρὶ λαοῦ μου Ἰσραὴλ (2 α)  
 — 16. ἐκτενὴ τὴν χ. μου ἐπὶ τοὺς ἀλλοφύλους (2 α)  
 27. 21. οὗτοι ἐμποροὶ σου διὰ χειρὸς σου (2 α)  
 28. 10. ἀπολὴ ἐν χερσίν ἀλλοτρίων (2 α)  
 29. 7. ἐπελάβετό σου τῇ χ. αὐτῶν (4)  
 — 7. ἐπεκρότησεν ἐπ' αὐτοὺς πᾶσα χ. (2 α)  
 30. 10. ἀπολὼ πλῆθος Διγ. διὰ χειρὸς Ναβ. (2 α)  
 — 12. Α ἀποδώσωμιν τὴν γῆν ἐν χειρὶ πονηρῶν (2 α)  
 — 12. ἀπολὼ... ἐν χερσίν ἀλλοτρίων (2 α)  
 — 22. καταβαλὼ τὴν μαχίραν αὐ. ἐκ τῆς χ. αὐ. (2 α)  
 — 24. δώσω [Α θῆσω] τὴν ρομφαίαν μου εἰς τὴν χ. [Α τὰς χ.] αὐτοῦ (2 α)  
 — 25. ἐν τῷ δοῦναι τὴν ρομφαίαν μου εἰς χεῖρας βασιλεῶς (2 α)  
 31. 11. παρέδωκα αὐτὸν εἰς χεῖρας ἀρχόντος ἐξόντων (2 α)  
 33. 6. τὸ αἶμα ἐκ χειρὸς [Α τῆς χ.] τοῦ σκοποῦ ἐκζητήσω (2 α)  
 — 8. τὸ δὲ αἶμα αὐ. ἐκ τῆς χ. σου ἐκζητήσω (2 α)  
 — 22. ἐγενήθη ἐπ' ἐμέ χ. κυρίου (2 α)  
 34. 10. ἐκζητήσω τὰ πρόβατά μου ἐκ τῶν χ. αὐτῶν (2 α)  
 — 27. ἐξελούμαι αὐτοὺς ἐκ χειρὸς τῶν καταδουλωσμένων αὐτοῦ (2 α)  
 35. 3. ἐκτενὴ τὴν χ. μου ἐπὶ σέ (2 α)  
 — 5. ἐν χειρὶ ἐχθρῶν [Α ἐν καιρῷ ἐ. ἐν χ.] μαχαίρα [Α -α] (2 α)  
 36. 7. ἀρῶ τὴν χ. μου ἐπὶ τὰ ἔθνη (2 α)  
 37. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμέ χ. κυρίου (2 α)  
 — 17. ἔσονται ἐν τῇ χ. σου (2 α)  
 — 19. λήψωμαι τὴν φυλὴν Ἰωσὴφ τὴν [Α om.] (2 α)  
 — 19. ἔσονται εἰς ῥάβδον μίαν [Α add. ἐν] τῇ χ. Ἰουδα (2 α)  
 — 20. ἔσονται αἱ ῥάβδοι... ἐν τῇ χ. σου (2 α)  
 38. 12. τοῦ ἐπιστρέψαι χεῖρά [Α τὴν χ.] μου εἰς τὴν ἡρμωμένην (2 α)  
 — 17. διὰ χειρὸς τῶν δούλων μου τῶν προφθῶν (2 α)  
 39. 3. ἀπολὼ τὸ τέξον σου ἀπὸ [Α ἐκ] τῆς χ. σου τῆς ἀριστερᾶς καὶ τὰ τοξενήματά σου ἀπὸ τῆς χ. σου τῆς δεξιᾶς (2 α, 2 α)  
 — 9. καύσουσιν ἐν... ῥάβδοις χειρῶν (2 α)  
 — 21. ὄψονται... τῇ χ. μου (2 α)  
 — 23. παρέδωκα αὐτοὺς εἰς χεῖρας τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν (2 α)  
 40. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμέ χ. κυρίου (2 α)  
 — 3. ἐν τῇ χ. αὐτοῦ ἢ σπαρτίον οἰκοδόμων (2 α)  
 — 3. Α κάλαμος μέτρον ἐν τῇ χ. αὐτοῦ [Β om. ἐ. τ. χ. αὐ.] (2 α)  
 — 5. ἐν τῇ χ. τοῦ ἀνόρου κάλαμος (2 α)  
 43. 26. πληρῶσαι χεῖρας [Α τὰς χ.] αὐτῶν (2 α)  
 44. 12. ἦρα τὴν χ. μου ἐπ' αὐτοὺς (2 α)  
 46. 5. προσοίσεις... δόμα χειρὸς [Α τῆς χ.] αὐτοῦ (2 α)  
 — 7. καθὼς ἂν ἐκποιῇ [Α εὐ π.] ἡ χ. αὐτοῦ (2 α)  
 — 11. καθὼς ἂν ἐκποιῇ ἡ χ. αὐτοῦ (2 α)  
 47. 3. μέτρον ἐν τῇ χ. μου (2 α)  
 — 14. εἰς ἣν ἦρα τὴν χ. μου (2 α)  
 Da. LXX. Su. 22. οὐκ ἐκφύεσμαι τὰς χ. ὑμῶν (2 α)  
 — 23. μὴ πράξωσαν ἐμπροσθεν εἰς τὰς χ. ὑμῶν (2 α)  
 — 34. ἐπιθήκαν τὰς χ. αὐ. ἐπὶ τῆς κεφ. αὐ. (2 α)  
 1. 2. παρέδωκεν αὐτὴν κ. εἰς χεῖρας αὐ. (2 α)  
 2. 34. ἐτμήθη λίθος ἐξ ὄρους ἄνευ χειρῶν (2 α)  
 — 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χ. σου (2 α)  
 — 45. ἐξ ὄρους τμηθῆναι λίθον ἄνευ χειρῶν (2 α)  
 3. 15. ποῖος θεὸς ἐξέλκεται ὑμᾶς ἐκ τῶν χ. μου (2 α)  
 — 17. ἐκ τῶν χ. σου, βασιλεῦ, ἐξέλκεται ὑμᾶς (2 α)  
 — (32). παρέδωκεν ἡμᾶς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν ἡμῶν (88). ἔσωσεν ἡμᾶς ἐκ χειρὸς θανάτου (2 α)  
 5. 5. ἐξήλθον δακτύλοι ὥστε χεῖρὸς ἀνθρώπου (2 α)  
 — 5. εἶδε χεῖρα γράφουσαν (2 α)  
 — 17. ἔστη ἡ γράψουσα χ. (2 α)  
 — 23. καὶ τὸ πνεῦμά σου ἐν τῇ χ. αὐ. (2 α)  
 6. 14 (15). τοῦ ἐξελεῖσθαι αὐτὸν... ἀπὸ τῶν χ. τῶν σατραπῶν (2 α)  
 — 16 (17). ἐξελεῖται σε ἐκ χειρὸς τῶν λεόντων (2 α)  
 7. 25. παραδοθήσεται πάντα εἰς τὰς χ. αὐ. (2 α)  
 8. 4. οὐκ ἦν ὁ ρύμιος ἐκ τῶν χ. αὐ. (2 α)

Da. LXX. 8. 25. εὐδοθήσεται τὸ ψεύδος ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 α)  
 — 25. ποιήσει συναγωγὴν χειρὸς (2 α)  
 10. 10. χεῖρα προσήγαγέ μοι (2 α)  
 — 16. ὡς ὁμοίους χεῖρας ἀνθρώπου (2 α)  
 11. 11. παραδοθήσεται ἡ συναγωγὴ εἰς τὰς χ. αὐ. (2 α)  
 — 16. ἐπιτελεσθήσονται πάντα τὰ ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 α)  
 — 41. σωθήσονται ἀπὸ χειρὸς αὐ. (2 α)  
 — 42. ἀποστείλει χεῖρα αὐ. ἐν ταῖς γαῖαις (2 α)  
 12. 7. ἡ συντέλεια χειρῶν ἀφίσσεως λαοῦ ἁγίου (2 α)  
 Da. TH. Su. 22. οὐκ ἐκφύεσμαι τὰς χ. ὑμῶν (2 α)  
 — 23. ἐμπροσθεν εἰς τὰς χ. ὑμῶν (2 α)  
 — 34. ἔθηκαν τὰς χ. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐ. (2 α)  
 1. 2. ἔδωκε κ. ἐν χειρὶ αὐ. τὸν Ἰ. (2 α)  
 2. 32. αἱ χ. ... καὶ οἱ βραχιόνες αὐ. ἀργυροὶ (2 α)  
 — 34. ἔως ἀπεσχίσθη λίθος... ἄνευ χειρῶν (2 α)  
 — 38. πετεινὰ οὐρανῶν... ἔδωκεν ἐν τῇ χ. σου (2 α)  
 — 45. ἀπὸ ὄρους ἐτμήθη λίθος ἄνευ χειρῶν (2 α)  
 3. 15. δε ἐξέλκεται ὑμᾶς ἐκ χειρὸς [Α τῶν χ.] μου (2 α)  
 — 17. ἐκ τῶν χ. [Α τῆς χ.] σου, βασιλεῦ, ῥύσεται ἡμᾶς (2 α)  
 — (32). παρέδωκεν ἡμᾶς εἰς χεῖρας [B<sup>3</sup> -a] ἐχθρῶν ἀνόντων (2 α)  
 — (88). ἐκ χειρὸς θανάτου ἔσωσεν ἡμᾶς (2 α)  
 4. 32. δε ἀντιποιούσεται τῇ χ. αὐ. (2 α)  
 5. 5. ἐξήλθον δακτύλοι χειρὸς ἀνθρώπου (2 α)  
 — 5. ἐθώρει τοὺς ἀστράγαλους τῆς χ. τῆς γραφούσης (2 α)  
 — 23. οὐ ἡ πνοή σου ἐν χειρὶ [Α τῇ χ.] αὐ. (2 α)  
 — 24. ἀπεστάλη ἀστράγαλος χειρὸς (2 α)  
 6. 27 (28). ὅστις ἐξέλκετο τὸν Δ. ἐκ χειρὸς τῶν λεόντων (2 α)  
 7. 25. καὶ δοθήσεται ἐν χειρὶ αὐ. (2 α)  
 8. 4. οὐκ ἦν ὁ ἐξαιρουμένος ἐκ χειρὸς αὐ. (2 α)  
 — 7. οὐκ ἦν ὁ ἐξαιρουμένος τὸν κριὸν ἐκ χειρὸς αὐ. (2 α)  
 — 25. δόλος ἐν τῇ χ. αὐ. (2 α)  
 — 25. ὡς φῶ χειρὶ συντηγείν (2 α)  
 9. 10. ἐν χειρὶ τῶν δούλων αὐ. τῶν προφ. (2 α)  
 — 15. δε ἐξήγαγε τὸν λαόν σου... ἐν χ. κραταῖ (2 α)  
 10. 10. ἰδοὺ χεῖρ ἀπορμήν μου (2 α)  
 — 10. Α καὶ ταρσὺς χερῶν μου (2 α)  
 11. 11. παραδοθήσεται ὁ ὄχλος ἐν χειρὶ αὐτοῦ (2 α)  
 — 16. τελεσθήσεται ἐν τῇ χ. αὐ. (2 α)  
 — 41. διασωθήσονται ἐκ χειρὸς αὐ. (2 α)  
 — 42. ἐκτενὴ τὴν χ. ἐπὶ τὴν γῆν (2 α)  
 Bel 36. Α ἐπελάβετο ὁ ἀγγέλος κ. τῆς χ. [Β κορυφῆς] αὐ. (2 α)  
 I Ma. 1. 44. ἀπέστειλεν... ἐν χειρὶ ἀγγέλων (2 α)  
 2. 7. ἐν τῇ δόθῃ αὐτὴν ἐν χειρὶ ἐχθρῶν τὸ ἅγιον ἐν χειρὶ ἀλλοτρίων (2 α)  
 — 47. κατενοώθη τὸ ἔργον ἐν χειρὶ αὐ. (2 α)  
 — 48. ἐκ χειρὸς τῶν ἐθνῶν καὶ ἐκ χειρὸς [B<sup>3</sup> om. ἐκ χ.] τῶν βασιλέων (2 α)  
 3. 6. εὐδοθήσῃ σωτηρία ἐν χειρὶ αὐ. (2 α)  
 — 18. συγκλεισθήναι πολλοὺς ἐν χερσίν ὀλίγων (2 α)  
 — 30. Α ἰδοὺ ἐμπροσθεν δαυφίλει χ. (2 α)  
 4. 30. ἐν χειρὶ τοῦ δούλου σου Δ. (2 α)  
 — 30. εἰς χεῖρας Ἰων. νιού Σ. (2 α)  
 — 31. Α σύγκλεισον τὴν παρεμβ. τ. εἰς χεῖρας [B ἐν χειρὶ] λαοῦ σου Ἰσρ. (2 α)  
 5. 6. εὔρε χ. κραταῖν (2 α)  
 — 6. Β καὶ χ. ἰσχυράν (2 α)  
 — 12. ἐξελού ἡμᾶς ἐκ χειρὸς αὐ. (2 α)  
 — 50. Α Β παρεδόθη ἡ πόλις ἐν χερσίν [B χειρὶ] αὐ. (2 α)  
 — 62. οἱς ἐδόθη σωτηρία Ἰσρ. διὰ χειρὸς αὐ. (2 α)  
 6. 25. οὐκ ἐφ' ἡμᾶς μόνον ἐξέτειναν χεῖρας (2 α)  
 7. 35. ὅαν μὴ παραδοθῇ... εἰς χεῖρας μου (2 α)  
 9. 6. ὅπως διασωθῇτε ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν (2 α)  
 — 47. ἐξέτειναν Ἰων. τὴν χ. αὐ. (2 α)  
 11. 15. ἀπήτησεν αὐτῶ ἐν χ. ἰσχυρῇ (2 α)  
 12. 9. τὰ βιβλία τὰ ἄγνα τὰ ἐν ταῖς χ. ἡμῶν (2 α)  
 — 39. Α Β καὶ ἐκτενὴ χεῖρας [B ἐξέτειναν τὴν χ.] ἐπ' Ἀντ. (2 α)  
 — 42. ἐκτενὴ χεῖρας ἐπ' αὐτὸν εὐλαβήσῃ (2 α)  
 14. 31. Α ἐκτενὴ τὰς [B ἐκ] χ. ἐπὶ τὰ ἄγνα αὐ. (2 α)  
 — 36. εὐδοθήσῃ ἐν ταῖς χ. αὐ. (2 α)  
 15. 25. προσάγειν διὰ παντὸς αὐτῇ τὰς χ. (2 α)  
 16. 2. εὐδοθήσῃ ἐν ταῖς χ. ἡμῶν (2 α)  
 II Ma. 3. 20. προτείνουσαι τὰς χ. εἰς τὸν οὐρανόν (2 α)  
 4. 4. καθήρετο χερῶν ἀδικῶν (2 α)  
 5. 14. τέσσαρες μὲν ἐν χερσίν νόμοις (2 α)  
 — 16. ταῖς μικραῖς τὰς χ. ἀπὸ σκευῆ λαμβάνων (2 α)  
 — 16. ταῖς βεβήλοις χ. συσσύρων (2 α)

II Ma. 6. 26. τὰς τοῦ παντοκράτορος χ. οὕτε ζῶν... ἐκφύεσμαι (2 α)  
 7. 10. καὶ τὰς χ. εὐθαρσέως προτείνε (2 α)  
 — 31. οὐ μὴ διαφύγῃς τὰς χ. τοῦ θεοῦ (2 α)  
 — 34. ἐπὶ τοὺς οὐρανίους παῖδας ἀπαράμενος χεῖρα (2 α)  
 10. 23. τὰ πάντα ἐν ταῖς χ. εὐδοῦναι (2 α)  
 14. 34. προτείνουσαι τὰς χ. εἰς τὸν οὐρανόν (2 α)  
 — 46. καὶ λαβὼν ἐκατέραις ταῖς χ. (2 α)  
 15. 12. τούτων τὰς χ. προτείνουσαι κατεύχεσθαι (2 α)  
 — 21. ἀνατείναι χεῖρας εἰς τὸν οὐρανόν (2 α)  
 — 27. ταῖς μὲν χ. ἀγωνιζόμενοι (2 α)  
 — 30. καὶ τὴν χ. σὺν τῷ ὄμφῳ (2 α)  
 — 32. ἐπιδεξάμενος... τὴν χ. τοῦ δυσφήμου (2 α)  
 III Ma. 2. 1. Β τὰς χ. προτείναι (2 α)  
 — 8. οἱ καὶ συνιδόντες ἔργα σῆς χειρὸς (2 α)  
 5. 5. τὰς τῶν ταλαιπωρουμένων ἐδέσμευον χ. (2 α)  
 — 13. δείξαι μεγαλοσθένους ἑαυτοῦ χειρὸς κράτος (2 α)  
 — 25. τείνοντες τὰς χ. εἰς τὸν οὐρανόν (2 α)  
 6. 10. ῥυσάμενος ἡμᾶς ἀπὸ ἐχθρῶν χειρὸς (2 α)  
 IV Ma. 4. 11. τὰς χ. ἐξέτειναν εἰς τὸν οὐρανόν (2 α)  
 8. 13. ὡς δὲ... χεῖρας σιδηρᾶς... προέβησαν (2 α)  
 9. 11. διέδωκαν τὰς χ. αὐ. (2 α)  
 — 26. σιδηρᾶς ἐναρμοσμένοι χεῖρας (2 α)  
 — 28. ταῖς σιδηραῖς χ. ἐπισπασάμενοι (2 α)  
 10. 5. τὰς χ. αὐ. ... ἐξήρθησαν (2 α)  
 13. 12. τίνας πατρὸς χεῖρι σφαγιασθῆναι... ὑπέμεινεν (2 α)  
 14. 6. Α Β καθάπερ γὰρ χεῖρες [B αἱ χ.]... κινεῖται (2 α)  
 15. 15. τοὺς τῶν ποδῶν καὶ χερῶν δακτύλους (2 α)  
 — 20. καὶ ἐπὶ χερσὶ χεῖρας ἀποτεμνομένης (2 α)  
 16. 20. τὴν πατρίαν χ. ἐξήφθον... οὐκ ἔπηξε (2 α)  
 17. 19. καὶ πάντες οἱ ἡγιασμ. ὑπὸ τὰς χ. σου (2 α)  
 [Aq. Ex. 4. 6 : 9. 33. 35 : 26. 17 : Nu. 2. 17 : 21. 26 : Dt. 12. 7 : 16. 10 : I Ki. 17. 50 : 21. 13 (14) : III Ki. 8. 24 : 14. 3, 18 : IV Ki. 11. 12 : 15. 19 : Jb. 6. 9 : Ps. 9. 35 (10. 14) : 18 (19) : 2 : 25 (26). 10 : 27 (28). 2 : 4 : 30 (31). 6, 9, 16 bis : 81 (32). 4 : 54 (55). 21 : 67 (68). 32 : 77 (78). 61 : 80 (81). 15 : 87 (88). 6 : 94 (95). 4 : 96 (97). 10 : 103 (104). 25, 28 : 118 (119). 73 : 140 (141). 6 : 149. 6 : Pr. 1. 24 : 12. 14, 24 : 16. 10 : 17. 16 : 30. 32 : 31. 31 : Ec. 9. 1 : Ca. 7. 1 (2) : Is. 5. 25 : 11. 11, 14 : 13. 2 : 37. 27 : 44. 5 : 53. 10 : 56. 5 : 65. 22 : Jb. 6. 9 : 10. 3 : 9. 18 : 6. 20 : 4 : 21. 7 : 22. 5 : 25. 7 (Sw.), 14 : 82 (89). 30 : 34 (41). 1, 20 bis : 88 (45). 10, 18 : 41 (48). 5 : 48 (51). 37 : 50 (27). 1, 15 : Ez. 20. 22 : 23. 28 : 30. 12 : 35. 5 : 40. 3 : Da. 10. 10 : Mi. 2. 1 : Ma. 2. 13.] (2 α)  
 [Sm. Ge. 3. 23 (22) : Ex. 4. 6 : 9. 35 : Nu. 2. 17 : 21. 26 : Dt. 12. 7 : Jb. 2. 14 : 4. 14 : 7. 15 : I Ki. 17. 50 : III Ki. 8. 1 (2. 46) : 8. 24 : Jb. 6. 9 : 8. 20 : 10. 11 : 22. 30 : 31. 27 : Ps. 9. 35 (10. 14) : 18 (19). 2 : 20 (21). 9 : 25 (26). 10 : 30 (31). 16 bis : 81 (32). 4 : 54 (55). 21 : 67 (68). 32 : 72 (78). 13 : 74 (75). 9 : 75 (21). 6 : 76 (77). 3 : 77 (78). 49, 61, 72 : 80 (81). 7, 15 : 87 (88). 6, 10 : 88 (89). 14 : 89 (90). 17 bis : 90 (91). 12 : 94 (95). 4 : 96 (97). 10 : 103 (104). 25, 28 : 118 (119). 73, 109 : 127 (128). 2 : 137 (138). 7 : 138 (139). 10 : 140 (141). 6 : 142 (143). 5 : Pr. 1. 24 : 6. 5 : 12. 14, 24 : 17. 16 : 31. 31 : Ec. 4. 5, 6 : 7. 27 (26) : 9. 1 : 11. 6 : Ca. 7. 1 (2) : Is. 8. 11 : 10. 13 : 11. 11, 14 : 13. 2 : 25. 11 (Sw.) : 29. 23 : 37. 27 : 44. 5 : 51. 23 : 58. 10 : 55. 12 : 56. 5 : 57. 10 : 65. 22 : Jb. 10. 3 : 11. 21 : 15. 17 : 21. 4, 7 : 30 (37). 6 : 32 (39). 30 : 34 (41). 1, 20 bis : 88 (45). 4, 5 : 48 (51). 37 : 50 (27). 15 : La. 1. 14 : Ez. 8. 1 (P.). 13. 18 : 16. 49 : 20. 22 : 21. 20 (35) (Sw.), 24 (29) : 23. 28 : 25. 14 : 35. 5 : Da. 10. 10 : 11. 16 (Sw.) : Mi. 2. 1 : Za. 4. 12 : Ma. 2. 13.] (2 α)  
 [Th. Ex. 4. 6 : Nu. 2. 17 : 21. 26 : Jb. 2. 14 : 4. 7 : 15 : I Ki. 17. 50 : IV Ki. 11. 12 : 15. 19 : Jb. 12. 9 : 17. 3 : 22. 30 : 27. 23 : 28. 9 : 29. 30 : 31. 35 : 36. 32 : 37. 7 : Ps. 8. 7 : 18 (19). 2 : 25 (26). 10 : 30 (31). 16 : 77 (78). 61, 72 : 96 (97). 10 : 103 (104). 25, 28 : 118 (119). 109 : 126 (127). 4 : 127 (128). 2 : Pr. 1. 24 : 12. 24 : 17. 18 : 30. 32 : 31. 31 : Ca. 7. 1 (2) : Is. 10. 10 : 11. 14 : 13. 2 : 37. 27 : 44. 5 (Sw.) : 53. 10 : 55. 12 : 56. 5 : 59. 6 : 65. 22 : Jb. 6. 9 : 10. 9 : 21. 7 : 22. 5 : 25. 7 (Sw.), 14 : 82 (89). 28 : 34 (41). 20 bis : 88 (45). 10, 12, 23 : 39 (46). 11 : 46 (26). 26 ter : 48 (31). 40 : Ez. 9. 1 : 20. 22 : 22. 13 : 23. 28 : 80. 12 : 35. 5 : 40. 3 : Da. 10. 10 : 11. 16, 41, 42 : 12. 7 : Mi. 2. 1 : Ma. 2. 13.] (2 α)

- [**Al.** Gz. 48. 22: Lz. 6. 2 (5. 21): 14. 17, 32: Nu. 21. 2: Dt. 2. 33: 7. 2: 1 Ki. 6. 6: 14. 34: 23. 12: 28. 15, 17, 19 *δύς*: 1 Ch. 18. 17: Ps. 9. 33 (10. 12): 46 (47). 2: 120 (121). 5: 124 (125). 3: Pr. 6. 1: Is. 25. 11: 57. 8: Hb. 8. 4.]
- [**Heb.** Gz. 49. 8: 14 Ki. 14. 27: 22. 7.]
- [**Quint.** 14 Ki. 11. 12: Ps. 30 (31). 16: 118 (119). 109.]
- χειραγωγέω.** (1) ὁ χειραγωγῶν **יָדָהּ רִיבָהּ**  
Jd. 16. 26. Ἀ τὸ παιδίσκον τὸν χειραγωγῶντα αὐτόν [B al.] (1)  
To. 11. 16. Ὁ ἰδόντες αὐτὸν . . . ὑπὸ μηδενὸς χειραγωγούμενον [A B al.]
- χειράλωσις.**  
[**Sm.** Jz. 40 (47). 1.]
- χειριδωτός.**  
[**Sm.** Gz. 37. 3: 11 Ki. 13. 18.]
- χειρίζειν.**  
Es. 8. 13. τῶν πιστευθέντων χειρίζειν φίλων
- χείριστα, χείριστος, vid. sub χείρων.**
- χείριστος.**  
II Ma. 7. 39. τούτῃ παρὰ τοὺς ἄλλους χ. ἀπήνησε
- χειρόγραφον.**  
To. 5. 3. Ἀ Β ἔδωκεν αὐτῷ τὸ χ.  
— 3. Β χειρόγραφον αὐτοῦ ἔδωκεν μοι  
— 3. Β χειρόγραφον ἔδωκα αὐτῷ  
9. 2. Β δὸς αὐτῷ τὸ χ.  
— 5. ἔδωκεν αὐτῷ τὸ χ.
- χειρονομεῖν.**  
[**Al.** 1 Ki. 19. 9.]
- χειρονομία.**  
III Ma. 1. 5. τοὺς ἀντιπάλους ἐν χειρονομίαις διαφθάρηται
- χειροπέδη.** (1) α. **דִּיבְרֵי הַיָּדָהּ** (2) **כִּפְרָה**  
Jb. 38. 8. οἱ πεπεδημένοι ἐν χειροπέδασι συσχεθίσονται (1b)  
Ps. 149. 8. καὶ τοὺς ἐνδόξους αὐ. ἐν χ. σιδηραῖς (2)  
Si. 21. 19. ὡς χειροπέδα ἐπὶ χειρὸς δεξιᾶς  
Na. 3. 10. δέθησονται χειροπέδασι (1b)  
Is. 45. 14. ἀκολουθήσονται δεδεμένοι χειροπέδασι (1b)  
Je. 47 (40). 1. ἐν τῇ λαβεῖν αὐτὸν ἐν χειροπέδασι (1a)  
— 4. ἔλυσά σε ἀπὸ τῶν χ. (1a)  
Da. LXX. 4. 15. ἐν χ. χαλκαῖς ἐδέθη
- χειροποίητος.** (1) **בְּיָדָהּ**  
Le. 26. 1. οὐ ποιήσατε ὑμῖν αὐτοῖς χειροποίητα (1)  
— 30. ἐξολοθρεύσατε τὰ ξύλινα χ. ὑμῶν  
Ju. 18. 18. οἱ προσκυνῶντες θεοῖς χ.  
Wi. 14. 8. τὸ χ. δι' ἐκατάρατον αὐτό  
Is. 2. 18. τὰ χ. πάντα κατακρύψουσιν (1)  
10. 11. ὃν τρόπον γὰρ ἐποίησα Σαμαρείαν καὶ τοὺς χ. αὐτῆς (1)  
16. 12. εἰσπλήνεται εἰς τὰ χ. αὐτῆς  
19. 1. σεισθήσεται τὰ χ. Αἰγύπτου (1)  
21. 9. τὰ χ. αὐτῆς συνετρίβησαν εἰς τὴν γῆν  
31. 7. ἀπαρνήσονται οἱ ἄνθρωποι τὰ χ. αὐτῶν τὰ ἀργυρά καὶ τὰ χ. [A B om. τ. χ.] (1, 1)  
46. 6. ἐποίησαν χειροποίητα  
Da. LXX. 5. 4. ὑψόλογον τὰ εἰδωλα τὰ χ. αὐ. —  
— 23. ἤνιεσθε πάντα τὰ εἰδωλα τὰ χ. τῶν ἀνθρ. —  
6. 27 (28). τὰ γὰρ εἰδωλα τὰ χ. οὐ δύναται σῶσαι —  
Da. TH. Bel 5. οὐ σίβομαι εἰδωλα χ.
- χειροτονία.** (1) **עֲבָדָהּ חֲזָחַף**  
Is. 58. 9. ἐὰν ἀφῆλθς . . . χειροτονίαν (1)
- χειροῦσθαι.** (1) **לְחַרֵּץ** (2) **לְחַרֵּץ**  
Jb. 3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κῆτος χειρώσασθαι  
13. 15. ἐάν [A ἐάν μὴ] με χειρώσῃται ὁ δυνάστης (1)  
30. 24. εἰ γὰρ ὀφείλον δύναμιν ἑμαυτὸν χειρώσασθαι (2)  
II Ma. 4. 34. παρεκάλει χειρώσασθαι τὸν 'Ο.
- II Ma. 4. 42. αὐτὸν δὲ τὸν ἱεροσὺλον . . . ἐχειρώσαντο
- III Ma. 7. 15. βεβήλους χειρώσαντες  
[**Sm.** Gz. 1. 28.]
- χείρων, χείριστος, χείριστα.**  
I Ki. 17. 43. Β οὐχὶ ἀλλ' ἡ χείρ σου κυνός —  
Es. 8. 13. τὰ χείριστα συντελοῦν κακά  
Wi. 15. 18. ἀνοία γὰρ συγκρινόμενα τῶν ἄλλων ἐστὶ χείριστα  
17. 6. ἡγούνα χείρων τὰ βλεπόμενα  
II Ma. 5. 23. χείριστα τῶν ἄλλων ὑπερήρητο τοῖς πολίταις  
9. 28. τὰ χείριστα παθῶν  
13. 9. τὰ χείριστα τῶν ἐπὶ τοῦ πατρὸς αὐ. γεγονότων
- III Ma. 8. 1. καὶ χείριστῃ μὲν τοῦ ζῆν μεταστήσῃ  
5. 20. τὴν ὁμότητα χείριστα φάλα. ἐσχηκὼς ἔφη  
6. 26. καὶ τοὺς χείριστους πλουσίους ἀνθρώπων ἐπιδεικνύμενος κινδύνους
- χελιδών.** (1) α. **דִּיבְרֵי הַיָּדָהּ** β. **דִּיבְרֵי הַיָּדָהּ** γ. **דִּיבְרֵי הַיָּדָהּ**  
Is. 38. 14. ὡς χ. οὕτως φωνήσω (1c)  
Je. 8. 7. τρυγῶν καὶ χ. ἀγροῦ (1a\*, 1b)  
Ep. Je. 22. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν ἐφίπτανται νυκτεριδὲς χελιδόνες [A χ. καὶ ν.]
- [**Sm.** Is. 38. 14.]  
[**Al.** Lz. 11. 19.]
- χελώνιον (Α), χελώνιον (Β).**  
De. 34. 7. Α Β οὐδὲ ἐφθάρη τὰ χ. αὐ. [B al.] +  
**χελώνη.** (1) **לָחָו**  
Ho. 12. 11 (12). ὡς χελώνας ἐπὶ χέρσον ἀγροῦ (1)  
[Th. Ec. 12. 6.]
- χελωνίς.**  
Ju. 14. 15. εὗρεν αὐτὸν ἐπὶ τῆς χ.
- χερέθ.**  
Je. 44 (37). 16. ἦλθεν 'Ιερεμίας . . . εἰς τὴν χ. [B' χαρέθ] +  
[**Al.** Jz. 37 (44). 16.]
- χερμαδίζειν.**  
[**Aq.** Dt. 21. 21.]
- χέρμελ.** (1) **לְחַרֵּץ**  
Is. 29. 17. ὡς τὸ ὄρος τοῦ χ. καὶ τὸ [A add. ὄρος τοῦ] χ. εἰς ὄρυμν ἰσχυροῦσεται (1, 1)  
32. 15. ἔσται ἔρημος ὁ χ. καὶ ὁ χ. εἰς ὄρυμν ἰσχυροῦσεται (1)  
33. 9. φανερά ἐσται ἡ Γαλιλαία καὶ ὁ χ. [A B al.] (1)
- χεροκέως.**  
I Ch. 12. 33. βοηθήσαι τῷ Δ. οὐ χ.
- χεροοῖ.**  
[**Aq.** Heb. Gz. 3. 25 (24).]
- χεροῦβ.** (1) **כִּרְיָב**  
Ex. 25. 18 (19). ποιηθήσονται χ. εἰς ἐκ τοῦ κλίτους τούτου καὶ χ. εἰς ἐκ τοῦ κλίτους τοῦ δευτέρου (1, 1)  
38. 7 (37. 8). Α Β\* χ. ἕνα ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ ἱασηρίου (1)  
— 7 (37. 8). Α Β\* χ. ἕνα ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ ἱασηρίου τοῦ δευτ. [B\* al.] (1)  
III Ki. 6. 25. Α Β οὕτως τῷ χ. [B -βίμ] τῷ δευτέρῳ (1)  
— 26. Α τὸ ὕψος τοῦ χ. τοῦ ἐνός [B al.] (1)  
— 26. Α καὶ οὕτως τοῦ χ. τοῦ δευτέρου [B al.] (1)  
— 27. Α ἡ πτέρυξ τοῦ χ. τοῦ δευτέρου [B al.] (1)  
II Ch. 3. 11. Α ἀπομένῃ τῆς πτέρυγος τοῦ χ. τοῦ ἐτέρου [B al.] (1)  
— 12. Α καὶ ἡ πτέρυξ τοῦ χ. (1)  
— 12. Α ἀπομένῃ τῆς πτέρυγος τοῦ χ. τοῦ ἐτέρου (1)  
Ez. 10. 7. Α ἐξέτεινε δ χ. [B om. δ χ.] τὴν χεῖρα αὐτοῦ (1)  
— 9. Α τροχὸς εἰς ἐχόμενος τοῦ χ. τοῦ ἐνός καὶ τροχὸς εἰς ἐχόμενος τοῦ χ. [B al.] (1, 1)  
— 14. Α τὸ πρόσωπον τοῦ ἐνός πρόσωπον χ. (1)  
28. 14. σὺ μετὰ τοῦ χ. (1)  
— 16. ἡγαγέ σε τὸ χ. ἐκ μέσου [A ἐμμέσφ] λίθων πυρίνων (1)
- Ez. 41. 18. φοίνικες ἀνὰ μέσον χ. καὶ ἀνὰ μέσον χ. δύο πρόσωπα τῷ χ. [A al.] (1 ter)
- [**Aq.** III Ki. 6. 27: Ez. 28. 16.]  
[**Sm.** III Ki. 6. 27: Ez. 28. 14, 16.]  
[**Th.** III Ki. 6. 27: Ez. 10. 9 (Sw.), 14.]
- χερουβείμ, χερουβείν, χερουβίμ, χερουβίν.**  
(1) **כִּרְיָב, כִּרְיָב**  
Ge. 3. 24. ἔταξε τὰ χ. (1)  
Ex. 25. 17 (18). ποιήσεις δύο χ. χρυσοτερυτά — 18 (19). ποιήσεις τοὺς δύο χ. ἐπὶ τὰ δύο κλίτη (1)  
— 19 (20). ἐσονται οἱ χ. ἐκτείνοντες τὰς πτέρυγας (1)  
— 19 (20). εἰς τὸ ἱασηρίον ἐσονται τὰ πρόσωπα τῶν χ. (1)  
— 21 (22). ἀνὰ μέσον τῶν δύο χ. τῶν ὄντων ἐπὶ τῆς κιβ. (1)  
26. 1. χ. ἐργασίαν ὑψάντου ποιήσεις αὐτάς (1)  
— 31. ἔργον ὑψάντων ποιήσεις αὐτὸ χ. (1)  
37. 3 (38. 35). ἔργον ὑψάντων χ. (1)  
— 5 (38. 37). ἔργον ὑψάντων χ. [A al.] —  
— 6 (38. 38). Α καὶ τοὺς χ. (1)  
38. 6 (37. 7). καὶ τοὺς δύο χ. χρυσοῦς [A al.] (1)  
Nu. 7. 89. ἀνὰ μέσον τῶν δύο χ. (1)  
I Ki. 4. 4. τὴν κιβωτὸν κυρίῳ καθημένον χ. (1)  
II Ki. 6. 2. τὸ ὄνομα τοῦ κ. . . καθημένου ἐπὶ τῶν χ. (1)  
22. 11. ἐπεκάθισεν ἐπὶ χ. +  
III Ki. 6. 23. ἐποίησεν ἐν τῷ δ. δύο χ. (1)  
— 24. Β πέντε πῆχυν πτερύγων τοῦ χ. τοῦ ἐνός [A B al.] +  
— 25. Β οὕτως τῷ χ. [A B χερούβ] τῷ δευτέρῳ +  
— 25. Α ἀμφοτέρους τοὺς χ. [B al.] (1)  
— 26. τὸ ὕψος τοῦ χ. ἐν πῆχει [A al.] +  
— 26. καὶ οὕτως τὸ χ. τὸ δευτέρου [A al.] +  
— 27. ἀμφοτέρω χ. ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου [A al.] (1)  
— 27. Β πτέρυξ χερ. τοῦ δευτέρου ἤπτετο τοῦ τοῖχου [A B al.] +  
— 28. περιέσχε τὰ χ. χρυσοῖς (1)  
— 29. ἔγραψε γραφίδι χ. (1)  
— 32. Α ἐγκεκολλημένα χ. (1)  
— 32. Α καὶ κατέβαιναν ἐπὶ τὰ χ. (1)  
— 35. Β ἐγκεκολλημένα χ. [A B al.] (1)  
7. 29. λέοντες καὶ βόες καὶ χ. (1)  
— 36. καὶ τὰ συγκλείσματα αὐ. χ. (1)  
8. 6. ὑπὸ τὰς πτέρυγας τῶν χ. (1)  
— 7. τὰ χ. διαπεπτασμένα ταῖς πτέρυξιν (1)  
— 7. περιέκλινον τὰ χ. ἐπὶ τὴν κιβωτὸν (1)  
IV Ki. 19. 15. ὁ καθημένος ἐπὶ τῶν χ. (1)  
I Ch. 13. 6. τὴν κιβωτὸν τοῦ θ. κυρίου καθημένου ἐπὶ χ. (1)  
28. 18. τὸ παράδειγμα τοῦ ἄρματος τῶν χ. (1)  
II Ch. 3. 7. ἐγλύψε χ. ἐπὶ τῶν τοίχων (1)  
— 8. χρυσοῦσεν αὐτὸν . . . εἰς χ. —  
— 10. καὶ ἐποίησεν . . . χ. δύο (1)  
— 11. καὶ αἱ πτέρυγες τῶν χ. (1)  
— 11. ἀπομένῃ τῆς πτέρυγος τοῦ χ. [A χερούβ] τοῦ ἐτέρου +  
— 13. καὶ αἱ πτέρυγες τῶν χ. διαπεπτασμέναι (1)  
— 14. ὕψανεν ἐν αὐτῷ χ. (1)  
5. 7. ὑποκάτω τῶν πτερύγων τῶν χ. (1)  
— 8. ἦν τὰ χ. διαπεπτακτά τῶν πτέρυγας αὐ. (1)  
— 8. συνεκάλυπτε τὰ χ. ἐπὶ τὴν κιβωτὸν (1)  
Ps. 79 (80). 1. ὁ καθημένος ἐπὶ τῶν χ. ἐμάνθη (1)  
98 (99). 1. ὁ καθημένος ἐπὶ τῶν χ. (1)  
Si. 49. 8. ἦν ὑπέδειξεν αὐτῷ ἐπὶ ἄρματος χ. (1)  
Is. 37. 16. ὁ καθημένος ἐπὶ τῶν χ. (1)  
Ez. 9. 3. δόξα θεοῦ τοῦ 'Ισραὴλ ἀνέβη ἀπὸ [A ἐπὶ] τῶν χ. +  
10. 1. ἐπάνω τοῦ στερέωματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς τῶν χ. (1)  
— 2. εἰς τὸ μέσον τῶν τροχῶν τῶν ὑποκάτω τῶν χ. +  
— 2. ἐκ μέσου τῶν χ. (1)  
— 3. τὰ χ. εἰσθίει ἐκ δεξιῶν τοῦ οἴκου (1)  
— 4. ἀπῆρην ἡ δόξα κυρίου ἀπὸ τῶν χ. +  
— 5. φωνὴ τῶν πτερύγων τῶν χ. ἤκουετο (1)  
— 6. ἐκ μέσου τῶν χ. (1)  
— 7. Ε εἰς μέσον [A B ἐν μέσῳ] τῶν χ. (1)  
— 8. ἴδον [A<sup>1</sup> -οῦ] τὰ χ. ὁμοίωμα χερῶν (1)  
— 9. τροχοὶ τέσσαρες εἰσθήκισαν ἐχόμενοι τῶν χ. (1)  
— 15. τὰ χ. ἦσαν [A ἐπῆραν τὰ χ.] τοῦτο τὸ ζῶον (1)  
— 16. ἐν τῷ πορεύεσθαι τὰ χ. (1)  
— 16. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὰ χ. τὰς πτέρυγας αὐτῶν (1)

Εζ. 10. 18. ἐπέβη ἐπὶ τὰ χ. (1)  
 — 19. ἀνέλασον τὰ χ. τὰς πτέρυγας αὐτῶν (1)  
 — 20. ἔγνωσεν ὅτι χ. ἔσται (1)  
 11. 22. ἔξηραν τὰ χ. τὰς πτέρυγας αὐτῶν (1)  
 41. 18. γεγλυμμένα χ. (1)  
 — 18. Α φοινῆς ἀνὰ μέσον χ. χειροῦ [B al.] (1)  
 — 20. τὰ χ. καὶ οἱ φοινῆς διαγεγλυμμένοι (1)  
 — 25. ἐπὶ τὰ θυρώματα τοῦ ναοῦ χ. (1)  
 Da. LXX. 3. (55). εὐλογητός εἰ... καθήμενος ἐπὶ χ. (1)  
 Da. TH. 3. (55). εὐλογημένος εἰ... καθήμενος ἐπὶ χ. [A τῶν χ.] (1)  
 [Aq. Ps. 79 (80). 2.] (1)  
 [Sm. Ez. 9. 3 (P.).] (1)  
 [Th. Is. 37. 16: Ez. 10. 1 (P.). 7.] (1)

### χερσαῖος. (1) δ κροκοδείλος δ χ. 𐤇𐤍𐤔

Le. 11. 29. καὶ δ κροκοδείλος δ χ. (1)  
 Wi. 19. 19. χερσαία γὰρ εἰς ἐνυδρά μετεβάλλετο (1)  
 χέρσος. (1) 𐤇𐤍𐤔  
 Wi. 10. 7. ἐπὶ μαρτύριον τῆς πονηρίας καπιζομένη καθίστηκε χέρσος (1)  
 Ho. 10. 4. ἀναστειλὶ ὡς ἀγρῶστι κρίμα ἐπὶ χέρσος ἀγροῦ (1)  
 12. 11 (12). ὡς χελῶνας ἐπὶ χέρσων ἀγροῦ (1)  
 Is. 5. 6. ἀναβήσονται εἰς αὐτὸν ὡς εἰς χέρσον ἀκαθαί (1)  
 7. 23. εἰς χέρσον ἔσονται καὶ εἰς ἀκαθῶν (1)  
 — 24. χ. καὶ ἀκαθῶν ἔσται πᾶσα ἡ γῆ (1)  
 — 25. ἔσται γὰρ ἀπὸ τῆς χ. καὶ ἀκαθῆς εἰς βόσκημα (1)  
 [Aq. Ex. 14. 16, 21.] (1)  
 [Sam. Le. 25. 5.] (1)

### χερσοῦσθα.

Pr. 24. 46 (31). εἰς ἀφῆς αὐτὸν χερσοθήσεται (1)  
 Wi. 4. 19. ὥς ἐσχάτου χερσοθήσονται (1)  
 Na. 1. 10. B B ἔως θεμελίον αὐ. χερσοθήσεται (1)  
 [A ἔσονται] (1)  
 Je. 2. 31. γῆ κεχερσωμένη (1)

### χεσσούθ.

[Heb. Ma. 2. 13.] (1)

### χεττιέμ, χεττιέν.

IV Kī. 23. 7. οὐ αἱ γυναῖκες ὕφαινον ἐκεῖ χ. (1)

### χεύμα.

[Aq. Dt. 7. 13.] (1)

### χεφόρ.

[Heb. Ps. 147. 5 (16).] (1)

### χεφουρή. (1) 𐤇𐤍𐤔

II Es. 1. 9 (10). Α χεφ. χρύσειος τριάκοντα [B al.] (1)

### χεχάρ.

[Heb. Ps. 147. 5 (16).] (1)

### χῆλη.

[Heb. Ps. 147. 5 (16).] (1)

Le. 11. 3: De. 14. 6. ὀνυχιστῆρας ὀνυχίζον δύο χηλῶν (1)  
 [Al. Dt. 14. 7.] (1)

### χῆρα. (1) α. 𐤇𐤍𐤔 δ. 𐤇𐤍𐤔 (2) 𐤇𐤍𐤔

Ge. 38. 11. κάθου χῆρα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς σου (1)  
 Ex. 22. 22 (21). πᾶσαν χ. . . οὐ κακώσετε (1)  
 — 24 (23). ἔσονται αἱ γυναῖκες ὑμῶν χῆραι (1)  
 Le. 21. 14. χῆραν δὲ . . . οὐ λύψεται (1)  
 22. 13. ἐὰν γέννηται χῆρα ἐκβεβλημένη (1)  
 Nu. 30. 10. εὐχὴ χῆρας καὶ ἐκβεβλημένης (1)  
 De. 10. 18. ποῖαν κρίνω . . . ὀρφανὸν καὶ χῆρα (1)  
 14. 29. ὁ προσήλυτος καὶ ὁ ὀρφανὸς καὶ ἡ χ. (1)  
 16. 11. καὶ ἡ χ. ἡ οὖσα ἐν ὑμῖν (1)  
 — 14. ἡ χ. ἡ οὖσα ἐν ταῖς πόλεσι σου (1)  
 24. 17. οὐκ ἐκκλησιεὶς κρίνω . . . χῆρας (1)  
 — 17. Α B ὅτι ἐνεχυρᾷς ἱμάτιον χῆρας (1)  
 — 19, 20, 21. τῷ ὀρφανῷ καὶ τῇ χ. ἔσται (1)  
 26. 12. τὸ ἐντερον ἐπιδέκατον δώσεις . . . τῇ χ. (1)  
 — 13. ἔδωκα αὐτὰ . . . τῇ χ. (1)  
 27. 19. ὅς ἐν ἐκκλησίᾳ κρίνω . . . χῆρας (1)  
 II Kī. 14. 5. καὶ μάλα γυνὴ χῆρα ἐγὼ εἰμι (1)  
 20. 3. ἥσαν συνεχόμεναι . . . χῆραι ὥσαι (1)  
 III Kī. 7. 14. υἱὸν γυναῖκος χῆρας (1)

III Kī. 11. 26. υἱὸς γυναῖκος χῆρας [A al.] (1)  
 17. 9. ἐντάλμα ἐκεῖ γυναῖκα χ. (1)  
 — 10. γυνὴ χ. συνέλεγε ξύλα (1)  
 — 20. ὁ μάρτυς τῆς χ. μεθ' ἧς ἐγὼ κατοικῶ (1)  
 To. 1. 8. B εἰδίδουν αὐτὰ . . . ταῖς χ. [A B al.] (1)  
 Ju. 9. 4. εἰσάκουσον ἐμοῦ τῆς χ. (1)  
 — 9, 10 (B<sup>1</sup>). δὲς ἐν χειρὶ μου τῆς χ. (1)  
 Jb. 22. 9. χῆρας δὲ ἐξασπέτεilas κενὰς (1)  
 24. 3. βούν χῆρας ἠνεχυράσαν (1)  
 27. 15. χῆρας δὲ αὐτῶν οὐδεὶς ἐλείψει (1)  
 29. 13. στόμα δὲ χῆρας με εὐλόγησε (1)  
 31. 16. χῆρας δὲ τὸν ὀφθαλμὸν οὐκ ἐξέτηξα (1)  
 Ps. 67 (68). 5. τοῦ πατρὸς τῶν ὀρφανῶν καὶ κριτοῦ τῶν χ. (1)  
 77 (78). 64. αἱ χ. αὐτῶν οὐ κλαυθίσονται (1)  
 93 (94). 6. χῆραν καὶ ὀρφανὸν ἀπέκτειναν (1)  
 108 (109). 9. καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ χῆρα (1)  
 131 (132). 15. Α B τὴν χ. [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> θῆραν] αὐτῆς εὐλόγων εὐλόγησον (1)  
 145 (146). 9. ὀρφανὸν καὶ χῆραν ἀναλίσφεται (1)  
 Pr. 15. 25. ἐστῆρισε [B<sup>1</sup> ἔστησεν] δὲ ὄριον χῆρας (1)  
 Wi. 2. 10. μὴ φεισώμεθα χῆρας (1)  
 Si. 32 (35). 14. καὶ χῆραν [B -ra] εἰς ἐκχέη λαλίαν (1)  
 — 15. οὐκὶ δάκρυα χῆρας ἐπὶ σιαγόνα καταβαίνει (1)  
 Za. 7. 10. χῆραν . . . μὴ καταδυναστεύετε (1)  
 Ma. 3. 5. ἐπὶ . . . τοὺς καταδυναστεύοντας χῆραν [B<sup>2</sup> -as] (1)  
 Is. 1. 17. δικαιοῦσατε χῆραν [B<sup>1</sup> -re] (1)  
 — 23. κρίσιν χῆρῶν [A B -ras] οὐ προσέχοντες (1)  
 9. 17 (16). τὰς χ. αὐτῶν οὐκ ἐλπίσει (1)  
 10. 2. ὥστε εἶναι αὐτοῖς χῆραν εἰς ἀρπαγὴν (1)  
 47. 8. οὐ καθὶν χ. [A<sup>1</sup> om.] (1)  
 49. 21. ἐγὼ δὲ ἄτεκνος αὐ. (2)  
 Je. 5. 28. κρίσιν χῆρας οὐκ ἐκρίνοσαν (1)  
 7. 6. χῆραν μὴ καταδυναστεύετε (1)  
 15. 8. ἐπληθύνθησαν χῆραι αὐτῶν (1)  
 18. 21. γενέσθωσαν αἱ γυναῖκες αὐτῶν ἄτεκνοι καὶ [A om.] χῆραι (1)  
 22. 3. χῆραν μὴ καταδυναστεύετε (1)  
 29 (49). 11. Α B αἱ [B B om.] χ. ἐπ' ἐμὲ πεποιθασιν (1)  
 Ba. 4. 12. μηδεὶς ἐπιχαιρέτω μοι τῇ χ. (1)  
 — 16. ἀπὶ γὰρ τοὺς ἀγαπητοὺς τῆς χ. (1)  
 La. 1. 1. ἐγενήθη ὡς χ. πεπληθυμένη (1)  
 5. 3. μητέρες ἡμῶν ὡς αἱ [A om.] χ. (1)  
 Ep. Je. 38. χῆραν οὐ μὴ ἐλεήσωσιν (1)  
 Ez. 22. 7. ὀρφανὸν καὶ χῆραν καταδυναστεύουσιν (1)  
 — 25. Α B χῆραι [B αἱ χ.] σου ἐπληθύνθησαν (1)  
 44. 22. χῆραν καὶ ἐκβεβλημένην οὐ λήψονται (1)  
 — 22. χ. ἐὰν γέννηται ἐξ ἐλπίος (1)  
 II Ma. 3. 10. παρακαταθήκας εἶναι χῆρῶν τε καὶ ὀρφανῶν (1)  
 8. 28. ταῖς χ. . . μερίσαντες ἀπὸ τῶν σκυλῶν (1)  
 — 30. ἰσομοίρους αὐτοὺς . . . χῆρας . . . ποιήσαντες (1)  
 IV Ma. 16. 10. ὧ . . . ἐγὼ γυνὴ χ. καὶ μόνῃ πολυθέρων (1)  
 [Aq. III Kī. 11. 26: Jb. 24. 21: Ps. 67 (68). 6: Is. 1. 23: 9. 17 (16).] (1)  
 [Sm. III Kī. 17. 20: Jb. 24. 21: Ps. 67 (68). 6: Is. 1. 23: 9. 17 (16): Je. 49. 11 (29. 13): Ez. 19. 7.] (1)  
 [Th. Jb. 24. 21: 29. 13: Ps. 98 (94). 6: Is. 1. 23: 9. 17 (16): 82. 5.] (1)

### χρηεία (-ρία). (1) α. 𐤇𐤍𐤔 δ. 𐤇𐤍𐤔

Mī. 1. 16. ἐμπλάτουν τὴν χ. σου (1)  
 Is. 47. 9. Α B ὅτι ἄτεκνα καὶ χ. ἦξε ἐξαίφνης ἐπὶ σέ (1)  
 54. 4. δυνάμεις τῆς χ. σου οὐ μὴ μνησθήσῃ (1)  
 χρηρεῖν. (1) 𐤇𐤍𐤔 (2) 𐤇𐤍𐤔  
 II Kī. 18. 20. ἐκάθισε Θ. χρηρεῖν σου (2)  
 Ju. 8. 4. ἦν 'I. ἐν τῷ οἴκῳ αὐ. χρηρεῖν σου (1)  
 Je. 28 (51). 5. οὐκ ἐχρήρευσεν 'Iσραὴλ (1)  
 [Sm. Ps. 77 (78). 64.] (1)  
 χῆρευσις. (1) 𐤇𐤍𐤔  
 Ge. 38. 14. περιελομένη τὰ ἱμάτια τῆς χ. (1)  
 — 19. ἐνεδύσατο τὰ ἱμάτια τῆς χ. αὐ. (1)  
 Ju. 8. 5. ἦν ἐπ' αὐτῆς τὰ ἱμάτια τῆς χ. αὐ. (1)  
 — 6. ἐνήστευσε πᾶσας τὰς ἡμέρας τῆς χ. αὐ. (1)  
 10. 3. B περιελατο τὸν σάκκον τῆς χ. αὐ. [A B om. τ. χ. αὐ.] (1)  
 — 3. ἐξεδύσατο τὰ ἱμάτια τῆς χ. αὐ. [B om. τ. χ. αὐ.] (1)  
 16. 8. Α B B<sup>2</sup> ἐξεδύσατο γὰρ στολὴν χῆρευσας αὐ. (1)

χῆς, ἐχῆς. (1) 𐤇𐤍𐤔 (2) α. 𐤇𐤍𐤔  
 δ. 𐤇𐤍𐤔 c. 𐤇𐤍𐤔 (3) α. 𐤇𐤍𐤔  
 δ. 𐤇𐤍𐤔

Ge. 19. 34. ἐκοιμήθη ἐχῆς μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (1)  
 31. 2. Α ὡς ἐχῆς καὶ τρίτην ἡμέραν [B al.] (3 a)  
 — 5. ὡς ἐχῆς καὶ τρίτην ἡμέραν (3 a)  
 — 29. ἐχῆς εἶπε πρὸς μέ (1)  
 — 42. ἡλγξέ σε χῆς (1)  
 Ex. 2. 14. B<sup>2</sup> δὲν τρόπον ἱεῖλες ἐ. [A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] τὸν λιγ. (1)  
 4. 10. Α B<sup>1</sup> πρὸ τῆς ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] οὐδὲ πρὸ τῆς τρίτης ἡμέρας (3 a)  
 5. 7. Α B<sup>1</sup> καθάπερ ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 a)  
 — 14. Α B<sup>1</sup> καθάπερ ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 a)  
 21. 29. Α B<sup>1</sup> πρὸ τῆς ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] καὶ πρὸ τῆς τρίτης ἡμέρας (3 a)  
 — 36. Α B<sup>1</sup> πρὸ τῆς ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] καὶ πρὸ τῆς τρίτης ἡμέρας (3 a)  
 De. 4. 42. B<sup>1</sup> πρὸ τῆς ἐχῆς οὐδὲ πρὸ τῆς τρίτης ἡμέρας [A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> al.] (3 a)  
 19. 4. πρὸ τῆς ἐχῆς καὶ τρίτης [A B<sup>2</sup> al.] (3 a)  
 — 6. πρὸ τῆς ἐχῆς οὐδὲ πρὸ τῆς τρίτης ἡμέρας [A B<sup>2</sup> al.] (3 a)  
 Jo. 8. 4. ἀπ' ἐχῆς [B<sup>2</sup> ἀπὸ χῆς] καὶ τρίτης ἡμέρας (3 a)  
 4. 18. Α B<sup>1</sup> ἐπορεύετο καθὰ ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 a)  
 20. 5. Α ἀπ' ἐχῆς καὶ τρίτης ἡμέρας (3 a)  
 Ru. 2. 11. δὲν οὐκ ἦβεις ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτης ἡμέρας (3 a)  
 I Kī. 4. 8 (7). οὐ γέγονε τοιαύτη ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτην [A -ης] (2 a)  
 10. 11. πάντες οἱ εἰδότες αὐτὸν ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτην [A -ης] (2 b)  
 14. 21. οἱ δοῦλοι οἱ ὄντες ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (2 c)  
 19. 7. ὡσεὶ ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (2 a)  
 20. 27. οὐ παραγέγονεν ὁ υἱὸς 'I. καὶ ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ σήμερον (3 a)  
 21. 5 (6). ἀπεσχήμεθα ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 b)  
 II Kī. 3. 17. ἐχῆς καὶ τρίτην ἡμέραν ὅπως Σ. βασιλῆως ἐφ' ἡμῖν (3 a)  
 5. 2. ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 a)  
 15. 20. εἰ ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] παραγέγονας (3 a)  
 — 20. B<sup>1</sup> ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] ἡ ἐξέλευσιν σου (3 a)  
 IV Kī. 9. 26. τὰ αἵματα τῶν υἱῶν αὐ. εἶδον ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] (1)  
 13. 5. καθὼς ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτης ἡμέρας (3 a)  
 I Ch. 11. 2. ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] καὶ τρίτην ἡμέραν (3 a)  
 Jb. 30. 3. οἱ φεύγοντες ἀνδρὸν ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] συνοχῶν (1)  
 Ps. 89 (90). 4. ὡς ἡ ἡμέρα ἡ ἐχῆς [B<sup>2</sup> χῆς] ἥτις διήλθε (2 a)  
 Si. 38. 22. B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> ἐμοὶ χῆς [A B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> ἐχῆς] καὶ σοὶ σήμερον (1)  
 Da. TH. Su. 15. Α B<sup>2</sup> καθὼς ἐχῆς [B<sup>2</sup> B<sup>1</sup> χῆς] καὶ τρίτης ἡμέρας (1)  
 I Ma. 9. 44. ὡς ἐχῆς καὶ τρίτην ἡμέραν (1)  
 [Aq. Ex. 5. 7: Is. 30. 33.] (1)  
 [Sm. Is. 30. 33.] (1)  
 [Th. Ex. 5. 7.] (1)  
 χηῖς. (1) 𐤇𐤍𐤔  
 Jb. 8. 9. χηῖς γὰρ ἔσμεν καὶ οὐκ οἶδαμεν (1)  
 χῶν. (1) 𐤇𐤍𐤔  
 III Kī. 14. 15. Α ἐκτελεῖ τὸν 'Iσρ. ἀπὸ ἄνω τῆς χῶ. τῆς ἀβάρης τ. (1)  
 [Aq. Ge. 2. 6, 7: III Kī. 14. 15: Ps. 48 (49). 12: 82 (83). 11: 104 (105). 35: Is. 7. 16: 15. 9.] (1)  
 [Sm. Is. 15. 9.] (1)  
 χῖ. (1)  
 [Heb. Ho. 11. 1.] (1)  
 χῖβαῖδ. (1)  
 [Heb. Is. 26. 4.] (1)  
 χῖβάχ. (1)  
 [Heb. Is. 26. 3.] (1)

**χίδρον.** (1) **χῖδρον**  
 Le. 2. 14. νέα πεφρυγμένα χίδρα ἐρικτὰ τῷ κ. (1)  
 — 16. ἀνοίσει . . . ἀπὸ τῶν χ. (1)  
 23. 14. πεφρυγμένα χ. νέα οὐ φά, εσθε —  
**χιλιάρχια.** (1) **χιλιάρχης**  
 Nu. 31. 48. πάντες οἱ καθέσταμ. εἰς τὰς χ. τῆς  
 δυνάμειος (1)  
 I Ma. 5. 13. 8 B ἀπώλεσαν ἐκεῖ ὥσει μίαν χ. [A  
 χιλιάδα] ἀνδρῶν  
**χιλιάρχος.** (1) **α. χιλίης δ. δ' ὁ δ' ὁ δ' ὁ δ'**  
**χ. χιλίης ὁ δ' ὁ δ' ὁ δ' ὁ δ'**  
 Ex. 18. 21. καταστήσεις ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (1 c)  
 — 25. ἐποίησεν αὐτοὺς ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (1 c)  
 Nu. 1. 16. χιλιάρχοι 'Ισρ. εἰσι (1 b)  
 31. 14. ἐπὶ τοῖς ἐπισκόποις τῆς δυνάμειος  
 χιλιάρχους (1 c)  
 — 48. χιλιάρχοι καὶ ἐκ ὁνταρχοῖ (1 c)  
 — 52, 54. παρὰ τῶν χ. καὶ παρὰ τῶν ἑκατον-  
 τάρχων (1 c)  
 De. 1. 15. ἔλαβον ἐξ ἡμῶν . . . χιλιάρχους (1 c)  
 Jo. 22. 14. ἀρχοντες . . . εἰσι χιλιάρχοι 'Ισρ. +  
 — 21. ἐλάλῃσαν τοῖς χ. 'Ισρ. (1 b)  
 I Ki. 8. 12. καὶ θέσθαι αὐτοὺς εὐανθ' . . . χιλιά-  
 ρχους (1 c)  
 17. 18. A τὰς δέκα στρυφαλίδας . . . εἰσοίσαις  
 τῷ χ. (1 c)  
 18. 13. κατήστησεν αὐτὸν εὐανθ' χιλιάρχον (1 c)  
 22. 7. εἰ . . . πάντα ὑμᾶς τάξει . . . χιλιάρχους (1 c)  
 II Ki. 18. 1. κατήστησεν ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους (1 c)  
 I Ch. 18. 1. ἐβουλεύσατο Δ. μετὰ τῶν χ. (1 c)  
 15. 25. καὶ οἱ χ. οἱ πορευόμε. τοῦ ἀναγαγεῖν τὴν  
 κιβ. (1 c)  
 26. 26 : 27. 1. χιλιάρχοι καὶ ἑκατόνταρχοι (1 c)  
 29. 6. καὶ οἱ χ. καὶ οἱ ἑκατόνταρχοι (1 c)  
 II Ch. 1. 2. εἰπε Σαλ. . . τοῖς χιλ. (1 c)  
 17. 14. καὶ τῷ 'Ι. χιλιάρχοι (1 c)  
 25. 5. ἀνέστησεν αὐτοὺς . . . εἰς χιλιάρχους (1 c)  
 I Es. 1. 9. Σαβ. καὶ 'Οχ. καὶ 'Ι. χιλιάρχοι ἔδωκαν  
 Ju. 14. 12. A B<sup>1</sup> οἱ δὲ ἦλθον ἐπὶ τοὺς [B<sup>2</sup> B om.]  
 στρατηγούς καὶ χ. (1 a)  
 Za. 9. 7. ἔσονται ὡς χιλιάρχοι ἐν 'Ιουδα (1 a)  
 12. 5. ἐροῦντι οἱ χ. 'Ιουδα ἐν ταῖς καρδίαις  
 αὐ. (1 a)  
 — 6. θύσονται τοὺς χ. 'Ι. ὡς δαλὸν πυρός (1 a)  
 I Ma. 8. 55. κατήστησεν 'Ιουδας . . . χιλιάρχους  
 16. 19. τοῖς χ. ἀπέστειλεν ἐπιστολάς  
**χιλιάς.** (1) **χιλιάς**  
 Ge. 24. 60. γίνου εἰς χιλιάδας μυριάδων (1)  
 Ex. 12. 37. εἰς ἑξακοσίας χιλιάδας πεζῶν (1)  
 20. 6. ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (1)  
 34. 7. διακαοῦσιν διατηρῶν . . . εἰς χιλιάδας  
 Nu. 1. 21. ἐξ καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 23. ἐνία καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 27. τέσσαρες καὶ ἑβδომήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 29. τέσσαρες καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 31. A<sup>2</sup> B ἐπτά καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 33. τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 35. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 37. πέντε καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 25. πέντε καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 39. δύο καὶ ἐξήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 41. μία καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 43. τρεῖς καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 46. ἑξακοσίας χιλιάδες (1)  
 2. 4. τέσσαρες καὶ ἑβδომήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 6. τέσσαρες καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 8. ἐπτά καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 9. ἑκατὸν ὀγδοήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 11. ἐξ καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 13. ἐνία καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 15. πέντε καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 16. ἑκατὸν πενήτηντα μία χιλιάδες (1)  
 — 19. τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 21. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 23. πέντε καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 24. ἑκατὸν χιλιάδες (1)  
 — 26. δύο καὶ ἐξήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 28. μία καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 30. τρεῖς καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 31. ἑκατὸν καὶ πενήτηντα ἐπτά χιλιάδες (1)  
 — 32. ἑξακοσίας χιλιάδες (1)  
 8. 39, 43. δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)

Nu. 10. 36. ἐπιστρέψε, κύριε, χιλιάδας μυριάδων  
 ἐν τῷ 'Ισρ. (1)  
 11. 21. A<sup>2</sup> B ἑξακοσίας χιλιάδες πεζῶν ὁ λαός (1)  
 16. 49 (17. 14). τέσσαρες καὶ δέκα χιλιάδες (1)  
 25. 9. τέσσαρες καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)  
 26. 7. τρεῖς καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 14. δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)  
 — 22. ἐξ καὶ ἑβδომήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 25. τέσσαρες καὶ ἐξήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 27. ἐξήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 18. τέσσαρες καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες  
 [A al.] (1)  
 — 47. τρεῖς καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδες (1)  
 — 34. δύο καὶ πενήτηντα χιλιάδες (1)  
 — 37. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 41. πέντε καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 43. τέσσαρες καὶ ἐξήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 50. τεσσαράκοντα χιλιάδες καὶ τριακοῖσιοι (1)  
 — 51. ἑξακοσίας χιλιάδες (1)  
 — 62. τρεῖς καὶ εἴκοσι χιλιάδες (1)  
 31. 5. B ἐξηριθμήσαν ἐκ τῶν χ. 'Ισρ. . .  
 δώδεκα χιλιάδες [A B-as] (1, 1)  
 — 32. ἑξακοσίας χ. καὶ ἑβδომήκοντα καὶ πέντε  
 χιλιάδες [A al.] (1, 1)  
 — 33. δύο καὶ ἑβδომήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 34. μία καὶ ἐξήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 35. δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 36. A τριακοῖσιοι χιλιάδες [B om.] καὶ τριά-  
 κοντα χιλιάδες (1, 1)  
 — 38. ἐξ καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 39. καὶ δύο τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 40. καὶ ψυχὰς ἀνθρώπων ἑκαδέκα χιλιάδες (1)  
 — 43. τριακοῖσιοι χιλιάδες καὶ τριάκοντα χι-  
 λιάδες (1, 1)  
 — 44. ἐξ καὶ τριάκοντα χιλιάδες (1)  
 — 45. δύο τριάκοντα χιλιάδες καὶ πετακοῖσιοι (1)  
 — 46, 52. ἐξ καὶ δέκα χιλιάδες (1)  
 De. 5. 10. καὶ ποιῶν ἔλεος εἰς χιλιάδας (1)  
 38. 17. καὶ αὗται χ. Μαν. (1)  
 Jo. 8. 3. ἐπὶ λέξε δὲ 'Ι. τριάκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 — 25. ἐγενήθησαν οἱ πεσόντες . . . δώδεκα  
 χιλιάδες (1)  
 Jd. 1. 4. εἰς δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 3. 29. ἐπάταξεν . . . ὥσει δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 4. 6. λήψῃ μετὰ σεαυτοῦ δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 — 10. ἀνέβησαν κατὰ πόδας αὐ. δέκα χιλιάδες  
 ἀνδρῶν (1)  
 — 14. καὶ δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν ὀπίσω αὐτοῦ (1)  
 5. 8. ἐν τεσσαράκοντα χιλιάσιν ἐν 'Ισρ. (1)  
 6. 15. ἡ χ. μου ἠσθένησεν ἐν Μαν. (1)  
 7. 3. ἐπιστρέψεν ἀπὸ τοῦ λαοῦ εἴκοσι καὶ δύο  
 χιλιάδες (1)  
 — 3. δέκα χιλιάδες ὑπελείφθησαν (1)  
 8. 10. ὥσει δέκα πέντε χιλιάδες (1)  
 — 10. ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 12. 6. τεσσαράκοντα δύο χιλιάδες (1)  
 15. 11. A τρεῖς χιλιάδες ἀνδρῶν [B τρισχιλιοι  
 ἀνδρες] (1)  
 20. 2. τετρακοῖσιοι χ. ἀνδρῶν πεζῶν (1)  
 — 15. εἴκοσι τρεῖς χιλιάδες (1)  
 — 17. τετρακοῖσιοι χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 — 21. διέφθειραν . . . δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδας  
 ἀνδρῶν (1)  
 — 25. διέφθειραν . . . δεκά καὶ δέκα χιλιάδας  
 ἀνδρῶν (1)  
 — 34. δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν ἐκλεκτῶν (1)  
 — 35. διέφθειραν . . . εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδας (1)  
 — 44. δέκα δεκά χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 — 45. A ἐκαλημύσαντο . . . πέντε χιλιάδας  
 ἀνδρῶν [B al.] (1)  
 — 46. εἴκοσι πέντε χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 21. 10. ἀπέστειλεν . . . δώδεκα χιλιάδας ἀνδρῶν  
 ἀνδρῶν (1)  
 I Ki. 4. 2. ἐπλήγησαν . . . τέσσαρες χιλιάδες  
 ἀνδρῶν (1)  
 — 10. ἔπασαν ἐξ 'Ισρ. τριάκοντα χιλιάδες ταγ-  
 μάτων (1)  
 6. 19. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς . . . πενήτηντα χιλιά-  
 δας ἀνδρῶν (1)  
 10. 19. A κατήστητε ἐνώπιον κυρίου . . . κατὰ  
 τὰς χ. [B φυλάς] ἡμῶν (1)  
 11. 8. ἐπισκέπτεται αὐτοὺς . . . πάντα ἀνδρα  
 'Ισρ. ἑξακοσίας χ. καὶ ἀνδρας 'Ι.  
 ἑβδომήκοντα χιλιάδας (1, 1)  
 13. 2. B ἐκλέγεται Σ. εὐανθ' τρεῖς χ. ἀνδρῶν (1)  
 — 5. B τριάκοντα χιλιάδες ἀρμάτων (1)  
 — 5. B ἐξ χιλιάδες ἱππέων (1)

I Ki. 14. 22 (23). ὡς δέκα χιλιάδες ἀνδρῶν —  
 15. 4. τετρακοῖσιοι [A δέκα] χ. ταγμάτων (1)  
 — 4. τριάκοντα [A δέκα] χιλιάδας ταγμάτων (1)  
 17. 5. πέντε χιλιάδες σίκλων χαλκοῦ (1)  
 18. 7. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐ. (1)  
 — 8. ἐμοὶ ἔδωκαν τὰς χ. (1)  
 21. 11 (12). ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐ. (1)  
 23. 23. ἐξερευνήσω αὐτὸν ἐν πάσαις [A πᾶσιν]  
 χ. 'Ιουδα (1)  
 24. 3. ἔλαβε μεθ' ἑαυτοῦ τρεῖς χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 26. 2. καὶ μετ' αὐτοῦ τρεῖς χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 29. 2. παρεπορεύοντο εἰς ἑκατοντάδας καὶ χιλιάδας (1)  
 — 5. ἐπάταξε Σ. ἐν χιλιάσιν αὐ. (1)  
 II Ki. 6. 1. συνήγαγεν . . . ὡς ἑβδომήκοντα  
 χιλιάδας (1)  
 8. 4. προκατελάβετο . . . ἐπτά χιλιάδας ἱππέων  
 καὶ εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν πεζῶν (†, 1)  
 — 5. ἐπάταξε Δ. . . εἴκοσι δύο χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 — 13. ἐπάταξεν . . . εἰς δεκά καὶ δέκα χιλιάδας (1)  
 10. 6. ἐμίσθώσαντο . . . εἴκοσι χιλιάδας πεζῶν  
 . . . καὶ 'Ισθῶβ δώδεκα χιλιάδας  
 ἀνδρῶν (1, 1)  
 — 18. ἀνέειλε . . . τεσσαράκοντα χιλιάδας ἱπ-  
 πέων (1)  
 17. 1. ἐπὶ ἐξέσω δὴ ἑμυντῷ δώδεκα χιλιάδας  
 ἀνδρῶν (1)  
 18. 3. σὺ ὡς ἡμεῖς δέκα χιλιάδες (1)  
 — 4. ἐξεπορεύετο . . . εἰς χιλιάδας (1)  
 — 7. εἴκοσι χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 24. 9. ἐγένετο 'Ισρ. δεκάκοσιοι χ. ἀνδρῶν (1)  
 — 9. καὶ ἀνὴρ 'Ι. πετακοῖσιοι χ. ἀνδρῶν  
 μαχητῶν (1)  
 — 15. ἑβδომήκοντα χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 III Ki. 8. 1 (cf. 5. 15 [29]). ἑβδომήκοντα χιλιάδες  
 αἰρόντες ἄρσιν [A al.] (1)  
 — I (cf. 5. 15 [29]). ὀγδοήκοντα χιλιάδες λατό-  
 μων [A al.] (1)  
 — I (5. 16 [30]). τρεῖς χιλιάδες καὶ ἑξακοῖσιοι  
 ἐπιστάται (1)  
 — I (B), 4. 26 [5. 6] (A). τεσσαράκοντα χιλιά-  
 δες τοκάδες ἱπποῖ (1)  
 — I (B), 4. 26 [5. 6] (A). καὶ δώδεκα χιλιάδες  
 ἱππων [A -εω] (1)  
 5. 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας κόρους πυροῦ (1)  
 — 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας βαῖθ ἐλαίου —  
 — 13 (27). ἦν ὁ φόρος τριάκοντα χιλιάδες  
 ἀνδρῶν (1)  
 — 14 (28). δέκα χιλιάδες [A -as] ἐν τῷ μηνί (1)  
 — 15 (29). ἑβδომήκοντα χιλιάδες αἰρόντες  
 ἄρσιν (1)  
 — 15 (29). ὀγδοήκοντα χιλιάδες λατόμων (1)  
 — 16 (30). τρεῖς χιλιάδες καὶ ἑξακοῖσιοι ἐπι-  
 στάται (1)  
 8. 63. B βῶν δύο καὶ εἴκοσι χιλιάδες [A B-as] (1)  
 — 63. A B προβάτων ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες (1)  
 10. 26. A<sup>2</sup> B τέσσαρες χιλιάδες θήλειαι ἱπποὶ (1)  
 — 26. δώδεκα χιλιάδες ἱππέων (1)  
 12. 21. ἑκατὸν καὶ εἴκοσι χιλιάδες νεανῶν (1)  
 19. 18. καταλείψει ἐν 'Ισρ. ἐπτά χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 21 (20). 15. A ἐπεσκέψατο . . . πάντα νιὸν δυ-  
 νάμειος ἐπτά χιλιάδας [B al.] (1)  
 — 29. ἐπάταξεν 'Ισρ. τὴν Σ. ἑκατὸν χιλιάδας  
 πεζῶν (1)  
 — 30. ἐπὶ εἴκοσι καὶ ἐπτά χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 IV Ki. 3. 4. B ἑκατὸν χιλιάδας ἄρσιν (1)  
 — 4. ἑκατὸν χιλιάδας κρῶν ἐπιπέκων (1)  
 18. 7. καὶ δέκα χιλιάδες [A -as] πεζῶν (1)  
 14. 7. ἐπάταξε τὴν 'Ε. ἐν γ. δέκα χιλιάδας (1)  
 19. 35. ἑκατὸν ὀγδοήκοντα πέντε χιλιάδας (1)  
 24. 14. αἰχμαλωσίας δέκα χιλιάδας αἰχμαλω-  
 τίστας (1)  
 I Ch. 5. 18. τεσσαράκοντα καὶ τέσσαρες χ. (1)  
 — 21. προβάτων διακοσίας πενήτηντα χ. (1)  
 — 21. καὶ ψυχὰς ἀνθρώπων ἑκατὸν χιλιάδας (1)  
 7. 2. ὁ ἀριθμὸς αὐ. . . εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδες (1)  
 — 4. τριάκοντα καὶ ἐξ χιλιάδες (1)  
 — 5. ὀγδοήκοντα καὶ ἐπτά χιλιάδες ὁ ἀριθμὸς αὐ. (1)  
 — 7. ὁ ἀριθμὸς αὐ. εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδες (1)  
 — 9. εἴκοσι χιλιάδες καὶ διακοῖσιοι (1)  
 — 11. ἐπτά καὶ δέκα χιλιάδες καὶ διακοῖσιοι (1)  
 — 40. ἀριθμὸς αὐ. ἀνδρες εἴκοσι ἐξ χιλιάδες (1)  
 12. 20. ἀρχηγοὶ χιλιάδων εἰσι τοῦ Μαν. (1)  
 — 24. ἐξ χιλιάδες καὶ δεκακοῖσιοι (1)  
 — 25. ἐπτά χιλιάδες καὶ ἑκατὸν (1)  
 — 27. τρεῖς χιλιάδες καὶ [B χιλιοι] ἐπτακοῖσιοι (1)  
 — 29. τῶν νιὸν Βεν. . . τρεῖς χιλιάδες (1)

I Ch. 12. 30. εἴκοσι χιλιάδες καὶ ὀκτακόσιοι (1)  
 — 31. δέκα ὀκτὼ χιλιάδες (1)  
 — 33. ἀπὸ Ζαβ. . . πενήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 34. τριάκοντα ἑπτὰ χιλιάδες (1)  
 — 35. εἴκοσι ὀκτὼ χιλιάδες (1)  
 — 36. ἀπὸ τοῦ Ἀ. . . τεσσαράκοντα χιλιάδες [A -as] (1)  
 — 37. ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδες (1)  
 18. 4. προκατελάβητο . . . ἑπτὰ χιλιάδας ἵππων καὶ εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν (1, 1)  
 — 5. ἐπάταξεν . . . εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 — 12. ὀκτὼ καὶ δέκα χιλιάδας [A -es] (1)  
 19. 7. ἐμισθώσαντο . . . δύο καὶ τριάκοντα χιλιάδας ἀρμάτων (1)  
 — 18. ἀπέκτεινε . . . ἑπτὰ χιλιάδας ἀρμάτων καὶ τεσσαράκοντα χιλιάδας πεζῶν (1, 1)  
 21. 5. ἦν πᾶς Ἰσρ. χίλιοι χ. καὶ ἑκατὸν χ. ἀνδρῶν (1, 1)  
 — 5. Ἀ ὀδοήκοντα [B ἐβδομήκ.] χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 — 14. ἔπαιον ἐξ Ἰσρ. ἐβδομήκοντα χιλιάδες ἀνδρῶν (1)  
 22. 14. χρυσίου ταλάντων ἑκατὸν χιλιάδας — 14. ἀργυρίου ταλάντων χιλίας χιλιάδας (1)  
 23. 3. τριάκοντα καὶ ὀκτὼ χιλιάδας (1)  
 — 4. εἴκοσι τέσσαρες χ. (1)  
 — 5. A B<sup>2</sup> B τέσσαρες χ. πυλωροὶ (1)  
 — 5. τέσσαρες χιλιάδες αἰνούντες τῷ κυρίῳ (1)  
 27. 1, 2, 4, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15. εἴκοσι καὶ τέσσαρες χ. (1)  
 28. 1. καὶ ἄρχοντας τῶν χ. (1)  
 29. 7. καὶ ἀργυρίου ταλάντων δέκα χιλιάδας (1)  
 — 7. καὶ σιδήρου ταλάντων χιλιάδας ἑκατὸν (1)  
 II Ch. 1. 14. ἐγένοντο αὐτῷ . . . δώδεκα χιλιάδες ἱππέων (1)  
 2. 2 (1). ἐβδομήκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν νοτοφόρων καὶ ὀδοήκοντα χιλιάδας λατῶν (1, 1)  
 — 10 (9). δέδεκα σίτον . . . κόρων πυροῦ εἴκοσι χιλιάδας καὶ κριθῶν κόρων εἴκοσι χιλιάδας καὶ οἶνου μέτρων εἴκοσι χιλιάδας (1 ter)  
 — 10 (9). B<sup>2</sup> B καὶ ἐλαίου μέτρων [A κάδων] εἴκοσι χιλιάδας (1)  
 — 17 (16). εὐρέσθησαν ἑκατὸν πενήκοντα χιλιάδες (1)  
 — 18 (17). ἐποίησεν ἐξ αὐτῶν ἐβδομήκοντα χιλιάδας νοτοφόρων καὶ ὀδοήκοντα χιλιάδας λατῶν (1, 1)  
 7. 5. B μύσων εἴκοσι καὶ δύο χιλιάδες [A B -as] (1)  
 — 5. A B βοσκημάτων ἑκατὸν καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1)  
 9. 25. ἦσαν τῷ Σ. τέσσαρες χ. [A μυριάδες] θήλειαι ἵπποι εἰς ἄρματα καὶ δώδεκα χιλιάδες ἱππέων (1, 1)  
 11. 1. B ἑκατὸν ὀδοήκοντα χιλιάδες [A B -as] νεανίσκων (1)  
 12. 3. ἐν . . . ἐξήκοντα χιλιάσιν ἵππων (1)  
 13. 3. παρετάξατο . . . τετρακόσιαι χ. ἀνδρῶν δυνατῶν (1)  
 — 3. παρετάξατο . . . ἐν ὀκτακοσίαις χ. (1)  
 — 17. ἔπαιον . . . πεντακόσιαι χ. ἄνδρες δυνατοὶ (1)  
 14. 8 (7). ἐγένετο τῷ Ἀ. δύναμις . . . τριακόσιαι χ. (1)  
 — 8 (7). καὶ τοξοὶ διακόσιαι καὶ πενήκοντα χ. (1)  
 — 9 (8). B ἐν χιλιάσι [A B χιλίας χ.] καὶ ἄρμασι τριακοσίαις (1)  
 15. 11. A καὶ πρόβατα ἑπτὰ χιλιάδας [B ἐπακισχίλια] (1)  
 17. 14. υἱοὶ δυνατοὶ δυνάμει τριακόσιαι χ. (1)  
 — 15. καὶ μετ' αὐτοῦ διακόσιαι ὀδοήκοντα χ. (1)  
 — 16. καὶ μετ' αὐτοῦ διακόσιαι χ. (1)  
 — 17. καὶ μετ' αὐτοῦ . . . πελῆσται διακόσιαι χ. (1)  
 — 18. καὶ μετ' αὐτοῦ ἑκατὸν ὀδοήκοντα χιλιάδες (1)  
 25. 5. εὗρεν αὐτοὺς τριακοσίαι χ. (1)  
 — 6. ἐμισθώσαντο ἀπὸ Ἰσρ. ἑκατὸν χιλιάδας (1)  
 — 11. ἐπάταξεν ἐκεῖ τοὺς υἱοὺς Σ. δέκα χιλιάδας (1)  
 — 12. δέκα χιλιάδας ἐξώρρησαν οἱ υἱοὶ Ἰ. (1)  
 — 13. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς τρεῖς χιλιάδας (1)  
 28. 13. A δύναμις πολεμικῇ τριακόσιαι χ. καὶ ἑπτὰ χιλιάδες [B ἐπακισχίλιοι] (1, 1)  
 27. 5. ἰδίδουν . . . δέκα χιλιάδας κόρων πυροῦ καὶ κριθῶν δέκα χιλιάδας (1, 1)  
 28. 6. B ἀπέστειλε [A B ἀπέκτεινε] . . . ἑκατὸν εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν (1)

II Ch. 28. 8. ἤχηλῶτισαν . . . τριακοσίαι χ. (1)  
 30. 24. ἀπῆραντο . . . πρόβατα δέκα χιλιάδας (1)  
 35. 7. πάντας τοὺς εὐρεθέντας εἰς ἀριθμὸν τριάκοντα χιλιάδας καὶ μόσων τρεῖς χιλιάδας (1, 1)  
 I Es. 1. 7. ἀνῶν καὶ ἐρίφων τριάκοντα χιλιάδας [A -es] (1)  
 5. 9. B ἐβδομήκοντα [A B om.] δύο χιλιάδες (1)  
 Ne. 7. 72. B<sup>2</sup> ἔδωκαν . . . ἀργυρίου μύνας χιλιάδας διακοσίας [B<sup>2</sup> B al.] (1)  
 Ju. 2. 5. πεζῶν εἰς χιλιάδας ἑκατὸν εἴκοσι (1)  
 — 5. A B<sup>2</sup> B<sup>2</sup> καὶ πλῆθος ἵππων . . . χιλιάδας [B<sup>1</sup> -es, B<sup>1</sup> μυριάδας, B μυριάδων] δέκα δύο (1)  
 7. 2. ἡ δύναμις αὐτῶν ἀνδρῶν πολεμιστῶν χιλιάδες . . . καὶ ἱππέων χιλιάδες δέκα δύο (1)  
 — 17. μετ' αὐτῶν χιλιάδες πέντε υἱὸν Ἀ. (1)  
 Ps. 59 (60). τί. ἐπάταξε τὴν φάραγγα τῶν ἁλῶν δώδεκα χιλιάδας (1)  
 67 (68). 17. τὸ ἄρμα τοῦ θεοῦ μυριοπλῆσιον χιλιάδες εὐθυνοῦντων (1)  
 88 (84). 10. κρίσεων ἡμέρα μία ἐν ταῖς αὐλαῖς σου ὑπὲρ χιλιάδας (1)  
 90 (91). 7. πεσέται ἐκ τοῦ κλίτους σου χιλιάς (1)  
 118 (119). 72. ὑπὲρ χιλιάδας χρυσίου καὶ ἀργυρίου (1)  
 Si. 16. 10. καὶ οὕτως ἐξακοσίαι χιλιάδας πεζῶν (1)  
 46. 8. διςώθησαν ἀπὸ ἐξακοσίων χιλιάδων πεζῶν (1)  
 Mi. 5. 2 (1). ὀλιγοσὺς εἰς τοῦ εἶναι ἐν χιλιάσιν Ἰ. (1)  
 6. 7. εἰ προσδέξεται κύριος ἐν χιλιάσι κριῶν (1)  
 Is. 37. 36. ἀνέλεν . . . ἑκατὸν ὀδοήκοντα πέντε χιλιάδας [B<sup>1</sup> -es] (1)  
 60. 22. ὁ ὀλιγοσὺς ἔσται εἰς χιλιάδας (1)  
 Je. 39 (32). 18. ποιῶν ἔλκος εἰς χιλιάδας (1)  
 Ez. 45. 1. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας μήκος καὶ εὖρος εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)  
 — 3. διαμετρήσεις μήκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας καὶ εὖρος εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)  
 — 5. εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδας [A -es] μήκος καὶ εὖρος εἴκοσι [A add. δέκα] χιλιάδες (1, 1)  
 — 6. δώσεις πέντε χιλιάδας εὖρος καὶ μήκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)  
 48. 8. πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες εὖρος (1)  
 — 9. μήκος [A om.] πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ εὖρος εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες (1, 1)  
 — 10. πρὸς βορρᾶν πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ πρὸς θάλασσαν [A add. πλάτος] δέκα χιλιάδες καὶ πρὸς νότον [A add. μήκος] εἴκοσι καὶ πέντε χιλιάδες (1 ter)  
 — 13. μήκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ εὖρος δέκα χιλιάδες πᾶν τὸ μήκος πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες καὶ εὖρος εἴκοσι χιλιάδες (1 quater)  
 — 15. τὰς δὲ πέντε χ. [B<sup>2</sup> -ias] τὰς περισσὰς ἐπὶ τῷ πλάτει ἐπὶ ταῖς πέντε καὶ εἴκοσι χ. προτεγχεύματα ἔσται (1, 1)  
 — 16 bis. πεντακόσιαι καὶ τέσσαρες χιλιάδες (1)  
 — 18. τὸ περισσόν τοῦ μήκους . . . δέκα χιλιάδες πρὸς ἀνατολὰς καὶ δέκα χιλιάδες πρὸς θάλασσαν (1, 1)  
 — 20. πᾶσα ἡ ἀπαρχὴ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδες ἐπὶ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)  
 — 21. ἐπὶ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας μήκος . . . ἐπὶ πέντε καὶ εἴκοσι χιλιάδας (1, 1)  
 — 35. κύκλωμα δέκα καὶ ὀκτὼ χιλιάδες (1)  
 Da. LXX. 7. 10. χίλιοι χ. θεράπευσαν αὐτόν (1)  
 Da. Th. 7. 10. χίλιοι χ. ἐλειούργουν αὐτῷ (1)  
 I Ma. 3. 39. ἀπέστειλε μετ' αὐτῶν τεσσαράκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 4. 28. συνελόχησεν ἀνδρῶν ἐπιλέκτων ἐξήκοντα χιλιάδας (1)  
 — 29. A B συνήρτησεν αὐτοῖς Ἰ. ἐν δέκα χιλιάσιν [B δέκα χιλιάδας ἔχων] ἀνδρῶν (1)  
 5. 13. A B ἀπώλεσαν ἐκεῖ ὡς μίαν χ. [B χιλιαρχίαν] ἀνδρῶν (1)  
 6. 30. ἑκατὸν χιλιάδες πεζῶν καὶ εἴκοσι χιλιάδες ἱππῶν (1)  
 7. 41. ἐπάταξεν ἐν αὐτοῖς ἑκατὸν ὀδοήκοντα πέντε χιλιάδας (1)  
 9. 4. ἐν εἴκοσι χιλιάσιν ἀνδρῶν (1)  
 10. 36. εἰς τριάκοντα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 — 40. διδωμι . . . δέκα πέντε χιλιάδας σίκλων ἀργυρίου (1)  
 — 74. ἐπέλεξε δέκα χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 12. 41. ἐν τεσσαράκοντα χιλιάσιν ἀνδρῶν (1)

I Ma. 16. 4. ἐπέλεξεν ἐκ τῆς χώρας εἴκοσι χιλιάδας ἀνδρῶν (1)  
 II Ma. 8. 19. ἑκατὸν ὀδοήκοντα πέντε χιλιάδες ὡς ἀπώλων (1)  
 — 20. A<sup>1</sup> τὰς δώδεκα χ. [A<sup>2</sup> B μυριάδας] ἀπώλεσαν (1)  
 11. 4. πεφρηνωμένοι δὲ . . . ταῖς χ. τῶν ἱππέων (1)  
 15. 22. εἰς ἑκατὸν ὀδοήκοντα πέντε χιλιάδας [Aq. Ge. 20. 16: II Ki. 18. 3: III Ki. 5. 11 (25): Is. 80. 17.] (1)  
 [Sm. III Ki. 5. 11 (25): Ps. 59 (60). 2: 67 (68). 18: Is. 80. 17.] (1)  
 [Th. II Ki. 18. 3: Is. 80. 17.] (1)  
 [Al. Nu. 10. 4, 36 (35): Jd. 5. 8.] (1)

## χίλιοι.

Ge. 20. 14, 16.  
 Ex. 39. 2 (38. 25), 6 (38. 28), 7 (38. 29)†.  
 Nu. 3. 50: 26. 51: 31. 4 bis, 5, 6 bis.  
 De. 7. 9: 32. 30.  
 Jo. 23. 10.  
 Jd. 8. 26: 9. 49: 15. 15, 16: 16. 5: 17. 2, 3: 20. 10 bis.  
 I Ki. 18. 2†: 25. 2.  
 II Ki. 8. 4†: 10. 6: 18. 12: 19. 17 (18).  
 IV Ki. 15. 19: 24. 16.  
 I Ch. 9. 13: 12. 14, 27†, 31†, 34: 16. 15: 18. 4: 19. 6: 21. 5: 22. 14: 26. 30, 32†: 29. 21 ter.  
 II Ch. 1. 14: 12. 3: 14. 9 (8)†: 30. 24 bis.  
 I Es. 1. 9†: 2. 13 ter: 5. 2, 12†, 13†, 24†, 25, 25†, 28†, 45.  
 II Es. 1. 9, 10: 2. 7, 12†, 31†, 37, 38, 39†, 69: 8. 27.  
 Ne. 8. 13: 7. 12, 34†, 40, 41, 42, 70.  
 Jb. 9. 3†: 38. 23: 42. 12 bis.  
 Ps. 89 (90). 4: 104 (105). 8.  
 Ec. 6. 6: 7. 29 (28).  
 Ca. 4. 4: 8. 11†, 12.  
 Si. 6. 16: 16. 3: 39. 11: 41. 4, 12.  
 Am. 5. 3.  
 Is. 7. 23 bis: 80. 17.  
 Ez. 47. 3, 4 bis, 5: 48. 15†.  
 Da. LXX. 7. 10: 12. 11, 12.  
 Da. Th. 5. 1 bis: 7. 10: 12. 11, 12.  
 I Ma. 2. 38†: 6. 35: 9. 49†: 12. 47†, 47: 14. 24: 15. 18†: 16. 10†.  
 II Ma. 5. 5, 21: 8. 22, 34†: 11. 11 bis: 12. 20†.  
 IV Ma. 4. 17†.  
 [Sm. Jb. 9. 3: Ca. 8. 11.] (1)  
 [Th. Da. 5. 1: 12. 11†.] (1)  
 [Al. Nu. 35. 4.] (1)

## χιλιοπλῆσιον.

[Sm. II Ki. 18. 3.]

## χιλιοπλῆσιως. (1) ὁμοπλῆσιως.

De. 1. 11. προσθεῖν ὑμῖν ὡς ἐστὶ χ. (1)

## χιλῖος. (1) ἡλῆς.

III Ki. 8. 4. χιλίαν [A λαν] ὀλοκαύτωσιν ἀνῆγκεν Σαλ. (1)

II Ch. 1. 6. ἤνεγκεν ἐπ' αὐτῷ ὀλοκαύτωσιν χ. (1)

I Ma. 4. 1. παρέλαβε . . . χιλίαν ἵππων ἐκλεκτῶν (1)

10. 79. ἀπέλιπον Ἀπ. χιλίαν ἵππων κρυπτῶς

## χίμαρα. (1) ἡ γυνή.

Le. 4. 28. οἶσαι χίμαρα ἐξ αἰγῶν (1)

— 29. σφάζουσι τὴν χ. τὴν τῆς ἀμαρτίας (1)

5. 6. οἶσαι . . . χίμαρα ἐξ αἰγῶν (1)

## χίμαρος. (1) ἡ γυνή (2) ἡ γυνή (3) ἡ γυνή (4) ἡ γυνή

Le. 4. 23. προσοίσει τὸ δῶρον αὐτῷ χίμαρον ἐξ αἰγῶν (4)

— 24. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ χ. (4)

9. 3. λάβετε χίμαρον ἐξ αἰγῶν ἕνα (4)

— 15. ἔλαβε τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἀμαρτίας (4)

10. 16. τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἀμαρτίας ζῆτων ἐξέζητησε M. (4)

16. 5. λήψεται δύο χίμαρους ἐξ αἰγῶν (4)

— 7. λήψεται τοὺς δύο χ. (4)

— 8. ἐπιθήσει Ἀ. ἐπὶ τοὺς δύο χ. κληρὸν ἕνα (4)

— 9. προσάξει Ἀ. τὸν χ. (4)

— 10. τὸν χ. ἐφ' ὃν ἐπλήθυν ἐπ' αὐτὸν ὁ κληρὸς (4)

— 15. σφάζει τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἀμαρτίας (4)

— 18. λήψεται . . . ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ χ. (4)



Le. 16. 20. προσάξει τὸν χ. τὸν ζῶντα  
— 21. ἐπιθήσει ἅ. τὰς χεῖρας αὐ. ἐπὶ τὴν κεφ.  
τοῦ χ. τοῦ ζῶντος  
— 21. ἐπιθήσει αὐτὰς ἐπὶ τὴν κεφ. τοῦ χ. τοῦ  
ζῶντος  
— 22. λήνεται ὁ χ. ἐφ' ἑαυτῷ τὰς ἀδικίας αὐ.  
— 22. ἐξαποστελεῖ τὸν χ. εἰς τὴν ἔρημον  
— 26. ὁ ἐξαποστελλών τὸν χ.  
— 27. καὶ τὸν χ. τὸν περὶ τῆς ἀμαρτίας  
23. 19. ποιήσουσι χίμαρον ἐξ αἰγῶν  
Nu. 7. 16, 22, 28, 34, 40, 46, 52, 58, 64, 70,  
76, 82. χίμαρον ἐξ αἰγῶν ἓνα περὶ  
ἀμαρτίας  
— 87. καὶ χίμαροι ἐξ αἰγῶν δώδεκα  
15. 24 : 28. 15, 22, 30 : 29. 5, 11, 16, 19, 22,  
25, 28, 31, 34, 38. καὶ χίμαρον ἐξ  
αἰγῶν ἓνα περὶ ἀμαρτίας  
De. 14. 4. καὶ χίμαρον ἐξ αἰγῶν  
II Ch. 29. 21. ἀνήνεκε . . . χιμάρους αἰγῶν ἑπτὰ  
— 23. προσήγαγον τοὺς [B' τὰς] χ.  
I Es. 7. 8. προσήγαγον . . . χιμάρους ὑπὲρ ἀμαρτίας  
... δώδεκα  
II Es. 6. 17. προσήγαγον . . . χιμάρους αἰγῶν  
... δώδεκα  
8. 35. προσήγαγον . . . χιμάρους περὶ ἀμαρ-  
τίας δώδεκα  
Ne. 5. 18. πρόβατα ἐξ ἐκλεκτὰ καὶ χίμαρους ἐγί-  
νοντό μοι  
Ps. 49 (50). 9. οὐδὲ ἐκ τῶν ποιμνίων σου χιμάρους  
65 (66). 15. B' B' E ποιήσω [B' B' ἀνοίσω] σοι  
βίβας μετὰ χιμάρων  
Mi. 6. 7. ἡ ἐν μυριάσι χιμάρων [A ἀρνῶν]  
πύων  
[A. L. 16. 26.]  
**χιονίζεσθαι.**  
[Sm. Ps. 67 (68). 15.]  
**χιονοῦσθαι.** (1) 𐤇𐤇 hi.  
Ps. 67 (68). 14. χιονοθήσονται ἐν Σελμών  
**χιτών.** (1) 𐤇𐤇 (2) 𐤇𐤇𐤇, 𐤇𐤇𐤇 (3) 𐤇𐤇  
(4) 𐤇𐤇𐤇  
Ge. 3. 21. ἐποίησε κ. ὁ θεὸς τῷ Ἀ. . . χ. δερ-  
ματίνους  
37. 3. ἐποίησε δὲ αὐτῷ χ. ποικίλον  
— 23. ἐξίδυσαν τὸν Ἰ. τὸν χ. τὸν ποικίλον  
— 31. λαβόντες δὲ τὸν χ. τοῦ Ἰ.  
— 31. ἐμόλυναν τὸν χ. αἵματι  
— 32. ἀπέστειλαν τὸν χ. τὸν ποικίλον  
— 32. ἐπίγνωσι εἰ χιτῶν τοῦ υἱοῦ σου ἔστιν  
— 33. χιτῶν τοῦ υἱοῦ μου ἔστι  
Ex. 28. 4. B καὶ τὴν ἐπωμίδα καὶ τὸν ποδήρη  
[A B add. καὶ] χιτῶνα κοσμηθῶτον  
— 35 (39). καὶ οἱ κοσμηθῶτοι τῶν χ. ἐκ βύσσου  
— 36 (40). τοῖς υἱοῖς Ἀ. ποιήσεις χιτῶνας  
29. 5. καὶ τὸν χ. τὸν ποδήρη  
— 8. καὶ ἐνδύσεις αὐτοὺς χιτῶνας  
85. 19. ἐργασθήτω . . . τοὺς χ.  
36. 35 (39. 27). ἐποίησαν χ. βυσσίνους  
40. 14. ἐνδύσεις αὐτοὺς χιτῶνας  
Le. 6. 10 (3). ἐνδύσεται ὁ ἱερεὺς χ. λινοῦν  
8. 7. ἐνέδυσεν αὐτοὺς τὸν χ.  
— 13. ἐνέδυσεν αὐτοὺς χιτῶνας  
10. 5. A B' B καὶ ἦσαν ἐν τοῖς χ. αὐ.  
16. 4. χ. λινοῦν ἡγιασμένον ἐνδύσεται  
II Ki. 13. 18. ἐπ' αὐτῆς ἦν χιτὼν καρπωτός  
— 19. τὸν χ. τὸν καρπωτόν τὸν ἐπ' αὐτῆς  
διέρρηξε  
15. 32. διερρηγῶς τὸν χ. [A τὰ ἱμάτια] αὐ.  
III Ki. 20 (21). 27. διέρρηξε τὸν χ. αὐ.  
II Es. 2. 69. A καὶ χιτῶνας τῶν ἱερέων ἑκατόν  
[B al.]  
Ju. 14. 19. τοὺς χ. αὐ. διέρρηξαν  
Jb. 30. 18. ὥσπερ τὸ περιστόμιον τοῦ χ. μου  
περίσχε με  
Ca. 5. 3. ἐξεδυσάμην τὸν χ. μου  
Is. 3. 16. ἅμα σύρουσαι τοὺς χ.  
— 24. ἀντὶ τοῦ χ. τοῦ μεσπορφύρου περιζώση  
σάκκον  
86. 22. ἐστισμένοι τοὺς χ.  
61. 10. ἐνέδυσε γὰρ με . . . χιτῶνα εὐφροσύνης  
Ep. Je. 31. ἔχοντες τοὺς χ. διεργαγῶτας  
II Ma. 4. 38. καὶ τοὺς χ. περιρρήξας

(4) II Ma. 12. 40. εἶδον δὲ . . . ὑπὸ τοὺς χ. ἱερώματα  
IV Ma. 9. 11. διαρρήξαντες τὸν χ.  
[Aq. Ge. 37. 3 : Ex. 28. 39 : II Ki. 10. 4.]  
[Sm. Ge. 37. 3 : Ex. 29. 5.]  
[Th. Ex. 29. 5 : Jb. 30. 18.]  
**χιών.** (1) α. 𐤇𐤇 δ. 𐤇𐤇  
Ex. 4. 6. ἐγενήθη ἡ χεὶρ αὐ. ὥσει χιών (1a)  
Nu. 12. 10. M. λεπρώσα ὥσει χιών (1a)  
II Ki. 23. 20. ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῆς χ. (1a)  
IV Ki. 5. 27. ληλεπωμένους ὥσει χιών (1a)  
I Ch. 11. 22. ἐπάταξε τὸν λέοντα . . . ἐν ἡμέρᾳ  
χιόνος (1a)  
Jb. 6. 16. ἐπιπεπτώκασι μοι ὥσπερ χιών (1a)  
9. 30. εἰς γὰρ ἀπολούσῃμαι χιόνι (1a)  
37. 6. συντάσσω χιόνι (1a)  
38. 22. ἦλθες δὲ ἐπὶ θησαυροὺς χιόνος (1a)  
Ps. 50 (51). 7. ὑπὲρ χιόνα λευκανθήσομαι (1a)  
147. 5 (16). τοῦ διδότος χιόνα ὥσει ἔριον (1a)  
148. 6. πῦρ χιόνα χιών κρύσταλλος (1a)  
Fr. 26. 13. A B B ὥσπερ ἐξοδος χιώνος [B om.]  
ἐν ἀμφοῖ κατὰ καὶμα ὥφελει (1a)  
Wi. 16. 22. χιών δὲ . . . ὑπέμεινε πῦρ  
Si. 43. 13. A B' B προστάγματι αὐτοῦ κατέσπενσε  
[B' B -ἐπαυσε] χιόνα  
— 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πᾶσαι χιόνα  
Is. 1. 18. ὡς χιόνα λευκανῶ (1a)  
55. 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ [A B om.] ὑέτος  
ἡ χ. (1a)  
Je. 18. 14. ἡ χ. ἀπὸ τοῦ Λιβαίου (1a)  
La. 4. 7. ἐκαθαρίωθησαν Ναζαῖροι αὐτῆς ὑπὲρ  
χιόνα (1a)  
Da. LXX. 3. (70). εὐλογεῖτε, πάχραι καὶ χιόνες,  
τὸν κ.  
7. 9. ἔχων περιβολὴν ὥσει χιόνα [cod. -ών] (1b)  
Da. TH. 3. (70). εὐλογεῖτε, πάχραι καὶ χιόνες, τὸν κ.  
7. 9. τὸ ἐνδυμα αὐ. ὥσει χιών λευκός (1b)  
I Ma. 13. 22. ἦν χ. πολλὴ σφόδρα  
— 22. οὐκ ἦλθε διὰ τῆς [B' τὸν] χ.  
[Aq. Ex. 4. 6 : Jb. 37. 6.]  
[Sm. Ex. 4. 6 : Jb. 37. 6 : La. 4. 7.]  
[Th. Ex. 4. 6 : Jb. 37. 6 : Da. 3. (70).]  
**χλαίνα.** (1) 𐤇𐤇𐤇𐤇  
Fr. 31. 22. δίσσας χλαίνας ἐποίησε τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς (1)  
**χλαμός.**  
II Ma. 12. 35. καὶ λαβόμενος τῆς χλ.  
[Sm. I Ki. 24. 5.]  
**χλευάζειν.**  
Wi. 11. 14. τὸν γὰρ ἐν ἐκθέσει πάλαι ῥιφέντα ἀπέ-  
πον χλευάζοντες [A B al.]  
II Ma. 7. 27. χλευάσασα τὸν ὄμῳν τυραννον  
IV Ma. 5. 22. B χλευάζει [A -ει] δὲ ἡμῶν τὴν  
φιλοσοφίαν  
[Aq. Pr. 14. 9 : 19. 28 : Is. 28. 22.]  
[Sm. Is. 29. 20 : 37. 22 : Jb. 8. 18.]  
[Th. Pr. 4. 21 : 14. 9 : 19. 28 : Is. 28. 22.]  
**χλευασμα.** (1) 𐤇𐤇𐤇 (2) 𐤇𐤇𐤇𐤇  
Jb. 12. 4. ἐγενήθη εἰς χλευασμα [A -μόν] (2)  
Je. 20. 8. S ἐγενήθη λόγος κυρίου . . . εἰς χλ.  
[A B -μόν] (1)  
**χλευασμός.** (1) 𐤇𐤇𐤇 (2) 𐤇𐤇𐤇𐤇  
Jb. 12. 4. A ἐγενόμεν εἰς χλευασμόν [B S al.] (2)  
Ps. 43 (44). 13. A B' μνηκτριζόμεν καὶ χλευασ-  
μόν [B καταγέλαστα] τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (1)  
78 (79). 4. καὶ χλευασμός τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (1)  
Je. 20. 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου . . . εἰς χλευασ-  
μόν [B -μα] (1)  
[Aq. Is. 28. 14.]  
[Sm. Ps. 43 (44). 14 : Je. 10. 15.]  
[Th. Quint. Ps. 43 (44). 14.]  
**χλευαστής.**  
[Aq. Ps. 1. 1 : Pr. 14. 6 : 19. 29 : 20. 1 : 22.  
10 : Is. 29. 20 : Ho. 7. 5.]  
[Sm. Pr. 22. 10 : Is. 28. 14 : 29. 20.]  
[Th. Pr. 20. 1 : 22. 10 : Is. 28. 14 : 29. 20.]  
**χλιδών.** (1) α. 𐤇𐤇𐤇𐤇 δ. 𐤇𐤇𐤇𐤇  
Nu. 31. 50. προστηνύχαμεν . . . χλιδῶνα (1a)  
II Ki. 1. 10. ἔλαβον . . . τὸν χλ. τὸν ἐπὶ τοῦ  
βραχίονος αὐ.  
8. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς χλ. τοὺς χρυσοῦς  
Ju. 10. 4. περιέθετο τοὺς χλ.

Si. 21. 21. ὡς χλιδῶν ἐπὶ βραχίονι δεξιῷ  
Is. 3. 20. ἀφελεί . . . τοὺς χλ.  
**χλόη.** (1) α. 𐤇𐤇𐤇𐤇 δ. 𐤇𐤇𐤇𐤇 (2) 𐤇𐤇𐤇𐤇  
(3) 𐤇𐤇 (4) α. 𐤇𐤇𐤇𐤇 δ. 𐤇𐤇𐤇𐤇  
II Ki. 23. 4. ὡς ἐξ ὑετοῦ χλόης ἀπὸ γῆς (1a)  
IV Ki. 19. 26. ἐγένοντο . . . χλόη [A ἡ χλ.] (2)  
Jb. 24. 24. A ἐμαράνθη δὲ ὥσπερ χλόη [B S  
μολόχη] ἐν καύματι (3 ?)  
38. 27. τοῦ ἐκβλαστῆσαι ἔξοδος χλόης (1a)  
Ps. 22 (23). 2. εἰς τόπον χλόης ἐκεί με κατε-  
σκήνωσεν (1a)  
86 (87). 2. ὥσει λάχανα χλόης ταχὺ ἀποπε-  
σοῦνται (1a)  
89 (90). 5. τὸ πρῶν ὥσει χλόη παρέλθοι (2)  
103 (104). 14. καὶ χλόην τῇ δουλείᾳ τῶν  
ἀνθρώπων (4a)  
146 (147). 8. B S καὶ χλόην τῇ δουλείᾳ τῶν  
ἀνθρώπων  
Si. 40. 22. καὶ ὑπὲρ ἀμφοτέρα χλόην σπόρου  
43. 21. ἀποσβέσει χλόην ὡς πῦρ  
Da. LXX. 4. 29. ἀπὸ τῆς χλ. τῆς γῆς ἔσται ἡ  
νομή σου (4 b ?)  
— 30. ἀπὸ τῆς χλ. τῆς γῆς ἔσθιον (4 b ?)  
Da. TH. 4. 12. ἐν τῇ χλ. τῇ ἔξω . . . κοιτασθή-  
σεται (4 b)  
— 20. ἐν τῇ χλ. τῇ ἔξω . . . αὐλοθήσεται (1b)  
[Aq. Ge. 1. 29, 30 : Dt. 11. 15 : Is. 37. 27 :  
66. 14 : Je. 50 (27). 11.]  
[Sm. Je. 6. 5 : Ps. 103 (104). 14 : Is. 37. 27 :  
66. 14.]  
[Th. Jb. 38. 27.]  
[A. L. 24. 24.]  
**χλοηφόρος.**  
Wi. 19. 7. χλοηφόρον πεδῖον ἐκ κλύδωνος βιαιοῦ  
**χλωρίζειν.** (1) 𐤇𐤇𐤇𐤇  
Le. 13. 49. καὶ γίνηται ἡ ἀθή χλωρίζουσα (1)  
14. 37. ὄψεται . . . κοιλιάς χλωρίζουσας (1)  
**χλωροβοτάνη.** (1) 𐤇𐤇𐤇𐤇 𐤇𐤇𐤇𐤇  
IV Ki. 19. 26. A ἐγένοντο . . . χλωροβοτάνη  
[B χλωρὰ βοτ.] (1)  
**χλωρός.** (1) 𐤇𐤇𐤇𐤇 (2) α. 𐤇𐤇𐤇 δ. 𐤇𐤇𐤇  
c. 𐤇𐤇𐤇 (3) 𐤇𐤇𐤇 (4) 𐤇𐤇 (5) 𐤇𐤇𐤇  
(6) 𐤇𐤇𐤇 (7) τὸ δχι τὸ χλ. 𐤇𐤇𐤇  
Ge. 1. 30. καὶ πάντα χόρτον χλωρὸν εἰς βῶσιν (2a)  
2. 5. καὶ πᾶν χλωρὸν ἄγρου (6)  
80. 37. ἔλαβε δὲ αὐτῷ Ἰ. βᾶβδον στυρακίνην χλ. (4)  
— 37. περισύρων τὸ χλ.  
Ex. 10. 15. οὐκ ὑπελείπει χλωρὸν οὐδὲν (2a)  
Nu. 22. 4. ὥσει ἐκλείπει ὁ μόσχος τὰ χλ. ἐκ  
τοῦ πεδίου  
De. 29. 23 (22). οὐδὲ μὴ ἀναβῇ ἐπ' αὐτὴν πᾶν χλ. (5)  
IV Ki. 19. 26. ἐγένοντο . . . χλ. βοτάνη [A  
χλωροβοτάνη] (2b)  
Jb. 39. 8. ὅπισω παντὸς χλωροῦ ζῆντι (2c)  
Fr. 27. 25. ἐπιμελοῦ τῶν ἐν τῷ πεδίῳ χλωρῶν  
[A' -φ] (1)  
Is. 15. 6. χόρτος γὰρ χλ. οὐκ ἔσται (2a)  
19. 7. τὸ δχι τὸ χλ. πᾶν τὸ κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ (7)  
27. 11. οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ πᾶν χλωρὸν  
87. 27. A ἐγένοντο ὡς χόρτος χλ. [B S ἔρηρος] (2b)  
Ez. 17. 24. ἐγὼ κύριος ὁ . . . ἐξηραίνω ξύλον  
χλωρὸν (4)  
20. 47 (21. 3). καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν ξύλον  
χλωρὸν (4)  
[Sm. Ge. 1. 30 : Ps. 86 (87). 2 : Is. 37. 27.]  
[Th. Ge. 1. 30.]  
[Heb. Dt. 34. 7.]  
**χλωρότης.** (1) 𐤇𐤇𐤇𐤇  
Ps. 67 (68). 13. καὶ τὰ μετὰφρανα αὐτῆς ἐν  
χλωρότητι χρυσίου  
**χνοῦς, cf. χούς.** (1) 𐤇𐤇𐤇 (2) 𐤇𐤇 (3) 𐤇𐤇𐤇  
II Ki. 22. 43. ἐλέαυα αὐτοὺς ὡς χνοῦν γῆς (8)  
II Ch. 1. 9. B ὡς ὁ χν. [A B χούς] τῆς γῆς (8)  
Ps. 1. 4. ὡς ὁ χν. ὃν ἐκρίπτει ὁ ἀνέμος (2)  
17 (18). 42. ὡς χνοῦν κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (8)  
84 (35). 5. γεννηθῆναι ὥσει χνοῦς κατὰ πρόσω-  
πον ἀνέμου (2)



Je. 5. 7. ἐχόρτασα αὐτοὺς (1 b)  
 La. 3. 15. ἐχόρτασε με πενίρας (1 b)  
 — 30. χορτασθήσεται οὐνεὶσμων (1 a)  
 [Sm. i Ki. 2. 5: Ps. 16 (17): 14: 89 (90): 103 (104): 28: 122 (123): 3. 4: Is. 53. 11.]  
 [Th. i Ki. 2. 5: Ec. 6. 3, 7: Ez. 7. 19.]  
 [Al. Hb. 8. 9.]  
χορτασία.  
 Pr. 24. 15. μηδὲ ἀπατήθῃς χορτασίᾳ κοιλίας +  
χορτάσσω. (1) כָּרַחַרְ (2) כָּרַחַרְ  
 Ge. 24. 25. Α χ. πολλὴ [B χ. πολλὰ] παρ' ἡμῶν (1)  
 — 32. ἔδωκεν . . . χορτάσματα ταῖς καμήλοις (1)  
 42. 27. δοῦναι χορτάσματα τοῖς δούλοις αὐ. (1)  
 43. 24. ἤνεγκε χορτάσματα τοῖς δούλοις αὐ. (1)  
 De. 11. 15. δώσει χορτάσματα ἐν τοῖς ἀγροῖς σου (2)  
 Jd. 19. 19. χορτάσματά ἐστι τοῖς δούλοις ἡμῶν (1)  
 Si. 30. 33 (83. 24). χορτάσματα [A -μα] καὶ ῥάβδος καὶ φορτία θνητῶν  
 38. 26. ἡ ἀργυρία αὐ. εἰς χορτάσματα δαμάλειον  
χορτομαίνειν.  
 Pr. 24. 46 (31). καὶ χορτομανήσει ὁλος +  
χόρτος. (1) כָּרַחַרְ (2) כָּרַחַרְ (3) a. כָּרַחַרְ  
 δ. כָּרַחַרְ (4) שָׂרַחַרְ  
 Ge. 1. 11. βλαστήσάτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου (3 a)  
 — 12. ἐξίμενεν ἡ γῆ βοτάνην χόρτου (3 a)  
 — 29. διδάκα ὑμῖν πῶν χόρτον σπόρμον (3 a)  
 — 30. καὶ πάντα χ. χλωρὸν εἰς βρώσιν (3 a)  
 2. 5. καὶ πάντα χόρτον ἀγροῦ (3 a)  
 8. 18. φάγη τὸν χ. τοῦ ἀγροῦ (3 a)  
 9. 3. ὡς λαχῶνα χόρτου ἔδωκα ὑμῖν τὰ πάντα (3 a)  
 De. 32. 2. ὡσεὶ νιφετὸς ἐπὶ χόρτον (3 a)  
 Jb. 19. 26. ἐγένοντο χόρτος ἀγροῦ (3 a)  
 Jb. 18. 25. ἡ δὲ χόρτῃ [A -ον] φερομένη [A -ον] ὑπὸ πνεύματος ἀντικεισάι μοι (4)  
 40. 10 (15). χόρτον ἴσα βουὴν ἐσθίουσιν (2)  
 41. 19 (20). ῥήγται μὲν πετροβόλον χόρτον [A -ον] (4)  
 Ps. 86 (87). 2. ὡσεὶ χόρτος ταχὺ ἀποξηρανθήσονται (2)  
 71 (72). 16. ἐξανθήσουσιν ἐκ πόλεως ὡσεὶ χόρτος τῆς γῆς (3 a)  
 91 (92). 7. ἐν τῷ ἀνατελεῖται τοὺς ἀμαρτωλοὺς ὡσεὶ χόρτον (3 a)  
 101 (102). 4. ἐπλήθυν ὡσεὶ χόρτος — 11. κατὰ ὡσεὶ χόρτος ἐξηράνθη (3 a)  
 102 (103). 15. ἀνθρώποις ὡσεὶ χόρτος αἱ ἡμ. αὐ. (2)  
 108 (104). 14. ὁ ἐξαντελλών χόρτον τοῖς κτηνῇς (2)  
 104 (105). 35. κατέφαγε πάντα τὸν χ. — 35. B<sup>1</sup> κατέφαγε τὸν χ. [A B S<sup>2</sup> καρπὸν] τῆς γῆς αὐ. +  
 105 (106). 20. ἐν ὁμαίωμαι μύσχου ἐσθοντος χόρτον (3 a)  
 128 (129). 6. γεννηθήτωσαν ὡσεὶ χόρτος δωμάτων (2)  
 146 (147). 8. τῷ ἐξαντελλόντι ἐν ὁρεσὶ χόρτον (2)  
 Pr. 19. 12. ὥσπερ δὲ ῥόσος ἐπὶ χόρτῃ (3 a)  
 27. 25. σύναγε χόρτον οὐρανὸν (3 a)  
 Si. 40. 16. πρὸ παντός χόρτου ἐκτελίσσεται (3 a)  
 Am. 7. 2. τοῦ καταφάγειν τὸν χ. τῆς γῆς (3 a)  
 Is. 10. 17. φάγηται ὡσεὶ χόρτον [B -ος] τὴν ὑλὴν +  
 15. 6. ὁ χ. αὐτῆς ἐκλείπει χ. γὰρ χλωρὸς οὐκ ἔσται (2, 1)  
 32. 13. ἀναθα καὶ χ. ἀναθήσεται +  
 37. 27. ἐγένοντο ὡς χ. ἔσπερος [A χλωρός] (3 a + 1 + 2)  
 40. 6. πᾶσα σὰρξ χ. . . ὡς ἄνθος χόρτου (2, 1)  
 — 8. ἐξηράνθη ὁ χ. (3 a)  
 44. 15. B πάντα χόρτον αὐτῶν ξηρανῶ (3 a)  
 44. 4. ἀπατελοῦσιν ὡς ἀνὰ μέσον ὕδατος χ. (3 a)  
 51. 12. ὡσεὶ χ. ἐξηράνθησαν (2)  
 Je. 9. 22 (21). ὡς χ. ὅπως θειρίζοντες [B al.] +  
 12. 4. πᾶς ὁ [A om.] χ. τοῦ ἀγροῦ ξηρανθήσεται (3 a)  
 14. 6. οὐκ ἦν χ. (3 a)  
 Da. LXX. 4. 12. ὥσπερ . . . χόρτον ὡς βοῦς νέμῃται (3 b)  
 — 15. τὸν χ. τῆς γῆς ἦσθι (3 b)  
 — 29. χόρτον ὡς βοῦν σὲ ψωμίσουσιν (3 b)  
 — 30. χόρτον ὡς βοῦν ἐνὶ νόμισαν με (3 b)  
 Da. TH. 4. 12. μετὰ τῶν θηρίων ἡ μερίς αὐ. ἐν τῷ χ. τῆς γῆς (3 b)

Da. TH. 4. 22, 29. χόρτον ὡς βοῦν ψωμοῦσί σε (3 b)  
 — 30. χόρτον ὡς βοῦς ἦσθι (3 b)  
 5. 21. χόρτον ὡς βοῦν ἐψωμίζον αὐτόν (3 b)  
 [Aq. Ge. 1. 11: Jb. 41. 21.]  
 [Sm. Ge. 1. 29, 30: Ps. 91 (92): 8: 103 (104): 14: Is. 37. 27: 40. 7, 8: 42. 15: Mt. 5. 7 (6).]  
 [Th. Ge. 1. 11, 29, 30: Jb. 41. 21: Is. 37. 27: 40. 7, 8: 42. 15: Mt. 5. 7 (6).]  
χορτώδης.  
 II Ma. 5. 27. τὴν χ. τροφὴν σιτούμενοι διετέλουν  
χορχώρ.  
 Ez. 27. 16. χ. ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου [A al.] +  
χοῦν.  
 To. 8. 18. χῶσαι τὸν τάφον  
χοῦς (mensura liquidorum). (1) כָּוַחַ  
 Le. 19. 36. χ. δικαίος ἔσται ὑμῖν (1)  
χοῦς (ruitis), cf. χνοῦς. (1) כָּוַחַ (2) כָּוַחַ  
 (3) כָּוַחַ  
 Ge. 2. 7. ἐπλάσεν ὁ θ. τὸν ἄνθρωπον χοῦν ἀπὸ τῆς γῆς (3)  
 Le. 14. 41. ἐκχοῦσιν τὸν χ. ἔξω τῆς πόλεως — 42. χ. ἕτερον λήφονται — 45. πάντα τὸν χ. ἐξοίσουσιν — 45. χοῦς ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καταβήσεται  
 Jo. 7. 6. ἐπεβαλόντο χοῦν [A -λον τὸν χ.] ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. (3)  
 II Ki. 16. 13. καὶ τῷ χοῖ πάσαν (3)  
 22. 43. B ἔλανα αὐτοὺς ὡς χοῦν [A B χοῦν] γῆς (3)  
 III Ki. 18. 38. τὸν χ. ἐξέλεψε τὸ πῦρ 21 (20). 10. εἰ ἐκποίησιν ὁ χ. Σαμ. ταῖς ἀλώπεξι (3)  
 IV Ki. 18. 7. ἔθεντο αὐτοὺς ὡς χοῦν (3)  
 23. 4. ἔλαβε τὸν χ. αὐ. (3)  
 — 6. ἐλάπυνεν εἰς χοῦν (3)  
 — 6. ἔρριψε τὸν χ. αὐ. εἰς τὸν τάφον (3)  
 — 12. ἔρριψε τὸν χ. αὐ. εἰς τὸν χεμάρουν K. (3)  
 — 15. καὶ ἐλάπυνεν εἰς χοῦν (3)  
 II Ch. 1. 9. A B ὡς ὁ χ. [B χνοῦς] τῆς γῆς (3)  
 Ne. 4. 10 (4). A B<sup>2</sup> B καὶ ὁ χ. [B S<sup>1</sup> κ. ὄχλος] πολλὸς (3)  
 Jb. 31. 24. εἰ ἔταξα χρυσὸν εἰς χοῦν μου +  
 39. 14. ἐπὶ χοῦν βάλλει (3)  
 Ps. 7. 5. καὶ τὴν δόξαν μου εἰς χοῦν κατασκευάσω (3)  
 17 (18). 42. B λεπυνῶ αὐτοὺς ὡς χοῦν [A B χνοῦν] κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (3)  
 21 (22). 15. εἰς χοῦν θανόντων κατήγαγες με (3)  
 29 (30). 9. μὴ ἐξομολογήσεται σοὶ χοῦς (3)  
 34 (35). 5. B γεννηθήτωσαν ὡσεὶ χοῦς [A B χνοῦς] κατὰ πρόσωπον ἀνέμου (2)  
 43 (44). 25. ἐπιπενώθη εἰς χοῦν ἡ ψυχὴ ἡμῶν (3)  
 71 (72). 9. οἱ ἐχθροὶ αὐτοῦ χοῦν λείξουσιν (3)  
 77 (78). 27. B ἔβρεξεν ἐπ' αὐτοὺς ὡσεὶ χοῦν [B χνοῦν] σάρκα (3)  
 101 (102). 14. τὸν χ. αὐτῆς οὐκ ἐκτελίσσουσι (3)  
 102 (103). 14. μνησθήτι [A S<sup>2</sup> ἐμνήσθη] ὅτι χοῦς ἐσμεν (3)  
 108 (104). 29. εἰς τὸν χ. αὐτῶν ἐπιστρέψουσιν (3)  
 Ec. 8. 20. τὰ πάντα ἐγένετο ἀπὸ τοῦ χ. καὶ τὰ πάντα ἐπιστρέψονται εἰς τὸν χ. (3, 3)  
 12. 7. καὶ ἐπιστρέψῃ ὁ χ. ἐπὶ τὴν γῆν ὡς ἦν (3)  
 Wi. 5. 14. B ἔλπιε ἀσέβους ὡς φερόμενος χοῦς [A B S<sup>2</sup> χνοῦς] ὑπὸ ἀέμου (3)  
 Si. 44. 21. A B S<sup>1</sup> πληθύνει αὐτὸν ὡς χοῦν τῆς γῆς (3)  
 Ho. 13. 3. A ὥσπερ χοῦς ἀποφυσώμενος ἀφ' ὁλοῦ [B al.] (3)  
 Am. 2. 7. τὰ παπούττα ἐπὶ τὸν χ. τῆς γῆς (3)  
 Mi. 7. 17. λείξουσιν χοῦν (3)  
 Ze. 1. 17. ἔχει τὸ αἷμα αὐ. ὡς χοῦν (3)  
 Za. 9. 3. ἐθσαῖουσιν ἀργύριον ὡς χοῦν (3)  
 Is. 17. 13. A δάξεται ὡς χοῦν [B S<sup>2</sup> χνοῦν, S<sup>1</sup> χνοῦς] ἀχρὺν λεκμάντων (2)  
 41. 15. A ὡς χοῦν [B S<sup>2</sup> χνοῦν] θήσεις (2)  
 48. 19. τὰ ἔκγονα τῆς κοιλίας σου ὡς ὁ χ. [B χνοῦς] τῆς γῆς (1)  
 49. 23. τὸν χ. τὸν ποδὸν σου λείξουσιν (3)  
 52. 2. ἐκτίναξαι τὸν χ. (3)  
 La. 2. 10. ἀνεβίβασαν χοῦν ἐπὶ [B eis] τὴν κεφαλὴν αὐτῶν (3)  
 Ez. 26. 4. λεκμίσω [A -σουσιν] τὸν χ. αὐ. (3)

Ez. 26. 12. τὸν χ. σου εἰς μέσον τῆς θαλάσσης σου ἐμβαλεῖ (3)  
 I Ma. 2. 63. ἐπιστρέψεν εἰς τὸν χ. αὐ. (3)  
 [Aq. Ge. 2. 7: 3. 15 (14): Lk. 17. 13: Dt. 32. 24: Jb. 14. 8: 42. 6: Ps. 21 (22): 30: 101 (102): 15: Is. 40. 12: 41. 2: 52. 2.]  
 [Sm. Ge. 2. 7: Lk. 17. 13: Jb. 41. 25: Ps. 101 (102): 15: Is. 40. 12: 41. 2.]  
 [Th. Ge. 2. 7: Jb. 31. 24: Ps. 101 (102): 15: Is. 40. 12: 41. 2.]  
 [Al. Ex. 8. 17 (13).]  
χράν, χράσθαι. (1) כָּרַחַרְ (2) כָּרַחַרְ (3) כָּרַחַרְ  
 (4) כָּרַחַרְ (5) כָּרַחַרְ a. qal. δ. hi.  
 (6) εὐ χράσθαι כָּרַחַרְ hi.  
 Ge. 12. 16. τῷ Ἀβ. εὐ ἐχρήσθη δι' αὐτήν (3)  
 18. 6. B χρώ αὐτῇ ὡς ἂν σοὶ ἀρεστόν ᾖ (3)  
 19. 8. χρήσασθε αὐταῖς καθὰ ἀρέσκει ὑμῖν (3)  
 26. 29. ὅν τρόπον ἐχρήμαθ' αὐτοὺς καλῶς (3)  
 34. 31. ἀλλ' ὡσεὶ πόρῃν χρήσονται τῇ ἀδ. ἡμῶν (3)  
 Ex. 11. 3. καὶ ἐχρήσαν αὐτοὺς —  
 12. 36. καὶ ἐχρήσαν αὐτοὺς (5 b)  
 I Ki. 2. 20. ἀντὶ τοῦ χρέους οὐ ζήρησας τῷ κ. (5 a)  
 II Ki. 1. 21. A θυρεὸς Σ. οὐκ ἐχρήθη [B ἐχρήσθη] ἐν ἐλαίῳ +  
 III Ki. 19. 15. A χρήσεις ἐκεῖ τὸν Ἀζ. [B al.] +  
 — 16. A τὸν ἔλ. ὑλὸν Σ. ἀπὸ Ἀβ. χρήσεις [B al.] +  
 Ju. 8. 2. A B χρήσαι ἡμῖν καθὼς ἀρεστόν — 3. χρήσαι [B<sup>2</sup> add. ἡμῖν] καθ' ὅ ἂν ἀρέσκει σοὶ +  
 Es. 1. 19. καὶ μὴ ἄλλως χρῆσάσθω +  
 2. 9. ἐχρήσατο αὐτῇ καλῶς (3)  
 8. 11. τῷ δὲ ἐθνεὶ χρώ ὡς βούλει (3)  
 8. 11. χρήσθαι [A S<sup>2</sup> χρῆσασθαι] τοῖς νόμοις αὐ. —  
 — 11. χρήσθαι [B<sup>2</sup> χρῆσασθαι] τοῖς ἀντιδικαῖς αὐ. [A al.] —  
 — 13. χρώμενοι [A S<sup>2</sup> οὐ χρ.] ταῖς μεταβολαῖς —  
 — 13. εἰς τὸν ἰουδ. χρῆσθαι τοῖς αὐτῶν νομίμοις (3)  
 9. 12. πῶς οἱ ἐχρήσαντο [A S<sup>2</sup> κίχρηται] (3)  
 — 13. δοθήτω τοῖς ἰουδ. χρῆσθαι [B<sup>2</sup> -ασσάτω] (3)  
 — 27. οὐδὲ μὴν ἄλλως χρῆσονται (3?)  
 Jb. 10. 17. ὄργῃ δὲ μεγάλη μοι ἐχρήσω +  
 13. 20. δοῦναι δὲ μοι χρῆσιν [A χρεία] (3)  
 15. 8. B ἡ συμβούλω σοι ἐχρίσατο ὁ θεός —  
 16. 10 (9). ὄργῃ χρῆσίνεμος κατέβαλε με +  
 18. 4. κίχρηται σοὶ [A κέχρηται δὲ] ὄργῃ +  
 19. 11. δεινῶς δὲ μοι ὄργῃ ἐχρήσατο +  
 23. 6. ἐν ἀπειλῇ μοι οὐ χρήσεται +  
 30. 14. κίχρηται δὲ μοι ὡς βούλεται +  
 34. 20. ἐχρήσαντο γὰρ παρανόμως [A ἀνόμοις] +  
 Pr. 5. 5. κατάγουσι τοὺς χρωμένους αὐτῇ μετὰ θανάτου εἰς δόην —  
 10. 4. τῷ δὲ ἀφρονι διακόνῃ χρήσεται +  
 — 26. οὕτως παρανομία τοῖς χρωμένοις αὐτῇ +  
 17. 8. μισθὸς χαρίτων παιδεία τοῖς χρωμένοις (2)  
 24. 44 (29). ὅν τρόπον ἐχρήσατο αὐτοὺς χρωμένοις αὐτῷ (3, 3)  
 25. 13. ψυχὰς γὰρ τῶν αὐτῶ χρωμένων ὠφέλει (1)  
 Wi. 2. 6. χρῆσάμεθα τῇ κτίσει ὡς νεότητι σπουδαίως (3)  
 7. 14. ὅν οἱ χρῆσάμενοι [A S<sup>2</sup> κτησάμ.] πρὸς θεὸν ἐστελλαντο φιλίαν (3)  
 13. 18. τὸ μηδὲ βάσει χρῆσθαι δυνάμενον (3)  
 Si. 26. 10. ἵνα μὴ εὐροῖσα ἀνεῖν ἐαυτῇ χρήσεται (3)  
 Is. 28. 21. ὁ δὲ θυμὸς αὐ. ἀλλοτριῶς χρήσεται +  
 Je. 13. 7. δὲ οὐ μὴ χρῆσθῃ εἰς οὐδὲν (4)  
 — 10. δὲ οὐ μὴ χρῆσθῇ [B -θη] εἰς οὐδὲν (4)  
 Ep. Jc. 59. ἐφ' ᾧ κεχρήσεται ὁ κκεκτημένος [A χρ. ὁ κτησάμ.] (3)  
 Da. LXX. 1. 13. οὕτω χρῆσαι τοῖς παισὶ σου (3)  
 — 14. ἐχρήσατο αὐτοῖς τὸν τρόπον τούτον +  
 7. 7. διαφόρως χρωμένον παρὰ πάντα τὰ πρὸ αὐτοῦ θηρία +  
 I Ma. 18. 46. μὴ ἡμῖν χρῆσθαι κατὰ τὰς πονηρίας ἡμῶν (3)  
 II Ma. 1. 13. παραλογισμῷ χρῆσάμενον τῶν περὶ τὴν Ν. κέρων (3)  
 4. 19. δε καὶ ἡξίωσαν . . . μὴ χρῆσθαι εἰς θυσίαν (3)  
 6. 21. οἱς καθῆκον αὐτῷ χρῆσθαι (3)  
 11. 31. χρῆσθαι τοῖς ἰουδ. τοῖς ἐαυτῶν δαπανήμασι (3)  
 12. 14. ἀναγνώστερον ἐχρήσαντο τοῖς περὶ τὸν Ἰ. (3)  
 III Ma. 4. 20. ἐν οἷς ἐχρήσαντο (3)  
 IV Ma. 3. 21. πολυτρόπως ἐχρήσαντο συμφοραῖς (3)

- IV Ma. 5. 6. τῇ Ἰουδαίῳ χρώμενος θρησκεία  
8. 16. ποίους ἀν ἐχρήσαντο λόγους  
9. 2. εἰ μὴ τῇ . . . ἐπαθείᾳ συμβούλῃ . . . χρησαί-  
μεθα  
13. 13. χρῶμεν τῇ περὶ τὸν νόμον φυλακῇ τὰ  
σώματα

**χρεία.** (1) חֲרֵיָה (2) חֲרֵיָה (3) χρείαν  
ἔχειν חֲרֵיָה

- II Ch. 2. 16 (15). κατὰ πᾶσαν τὴν χρ. σου (2)  
I Es. 8. 17. τὰ διδόμενά σοι εἰς τὴν χρ. τοῦ ἱεροῦ  
— 17. ὅσα ἀν ὑποπίπτῃ σοι εἰς τὴν χρ. τοῦ ἱεροῦ  
II Es. 7. 20. κατάλοιπον χρείας οἴκου θεοῦ . . .

Το. 5. 7. **B** χρείαν γὰρ ἔχω ἵνα βαδίσῃς  
— 11. **B** τί χρείαν ἔχεις φυλῆς [**A B al.**]  
Ju. 12. 10. **A B** οὐκ ἐκάλεσεν . . . οὐδὲνα τῶν πρὸς  
ταῖς χρ.

- Jb. 9. 33. **A** δυνεὶ δέ μοι χρεία —  
13. 20. **A** δυνεὶ δέ μοι χρεία [**B B** χρήσῃ] —  
31. 16. χρείαν ἦν ποτε εἶχαν οὐκ ἀπέτυχον  
Ps. 15 (16). 2. **A B B** τῶν ἀγαθῶν μου οὐ χρείαν  
ἔχεις +

Pr. 18. 2. οὐ χρείαν ἔχει σοφίας ἐνδεὴς φρενῶν +  
Wi. 13. 16. χρείαν ἔχει βοηθείας  
Si. 8. 22. οὐ γὰρ ἐστὶ σοι χρεία τῶν κρυπτῶν  
8. 9. ἐν καιρῷ χρείας δούναι ἀπέκρισιν  
11. 9. περὶ πράγματος οὐ οὐκ ἐστὶ σοι χρεία [**A B**  
om.] μὴ ἐρίξῃς

- 23. μὴ εἴπῃς, τίς ἐστὶ μου χρεία  
13. 6. χρείαν ἐσχέκῃ σου  
— 6. ἐρεῖ [**A** εἰρεῖς], τίς ἡ χρ. σου  
15. 12. οὐ γὰρ χρείαν ἔχει ἀνδρὸς ἀμαρτωλοῦ  
29. 2. δάνυσον τῷ πλησίον ἐν καιρῷ χρείας αὐτοῦ  
— 3. ἐν παντὶ καιρῷ εὐρήσεις τὴν χρ. σου  
— 27. ἐπεξίνωται μοι ὁ ἀδελφὸς χρεία τῆς οἰκίας  
[**B** ξενίας]

35 (32). 2. πᾶσαν τὴν χρ. σου ποιήσας ἀνάπεσε  
— 7. λάλησον, νεανίσκε, εἰ χρεία σου  
37. 8. γινώθι, πρότερον τίς αὐτοῦ χρεία  
38. 1. τίμα ἱατρὸν πρὸς τὰς χρ. [**A B** χρ. αὐτοῦ]  
— 1. τίμας αὐτοῦ [**B** om. τ. αὐ.]

- 12. μὴ ἀποστήσω σου καὶ γὰρ αὐτοῦ χρεία  
39. 21. πάντα γὰρ εἰς χρείας [**A B -an**] αὐτῶν  
ἐκτίσται  
— 26. ἀρχὴ πάσης χρείας εἰς ζωὴν ἀνθρώπου  
— 31. ἐπὶ τῆς γῆς εἰς χρείας [**A** χείρας] ἐτοιμασθή-  
σονται

— 33. πᾶσαν χρείαν ἐν ὥρᾳ αὐτῆς χορηγήσει  
42. 23. πάντα ταῦτα . . . μένει εἰς τὸν αἰῶνα ἐν  
πᾶσι χρείαις  
Is. 18. 17. οὐδὲ χρυσίου [**A B** <sup>1</sup>-ιον] χρείαν  
ἔχοναι +

- Je. 22. 28; 31 (48). 38. οὐ οὐκ ἐστὶ χρ. αὐτοῦ +  
Er. Je. 60. 4στρα . . . ἀποστελλόμενα ἐπὶ χρείας  
ἐνικόα εἰσιν  
Da. LXX., TH. 3. 16. οὐ χρείαν ἔχομεν ἡμεῖς . . .  
ἀποκριθῆναι σοι (9)

I Ma. 3. 28. εἶναι ἐτοιμοὺς εἰς πᾶσαν χρ.  
10. 37. ἐκ τούτων κατασταθῆσεται ἐπὶ χρεῶν τῆς  
βασιλείας

- 41. **B B** δὲ οὐκ ἀπεδίδον οἱ [**A om.**] ἀπὸ τῶν χρ.  
— 42. οὐς ἐλάμβανον ἀπὸ τῶν χρ.  
11. 63. βουλόμην μεταστῆσαι αὐτὸν τῆς χρ.  
12. 45. παραδώσω σοι . . . πάντας τοὺς ἐπὶ τῶν χρ.  
13. 15. δι' ἃς εἶχε χρείας  
— 37. γράφειν τοῖς ἐπὶ τῶν χρ.

II Ma. 2. 15. ὃν οὖν ἐὰν χρείαν ἔχητε  
7. 24. δι' ὅρκων ἐπίσταν . . . χρείας ἐμπιστεύειν  
8. 9. καὶ εὐ πολέμικαί χρ. ἔχοντα πείραν  
— 20. ὡς οἱ πάντες ἐπὶ τῇ χρ. ἦλθον  
12. 39. καθ' ὃν χρόνον τὸ τῆς χρ. ἐγγύονε  
15. 5. καὶ τὰς βασιλικὰς χρ. ἐπιτελεῖν  
— 28. γενόμενοι δι' ἀπὸ τῆς χρ.

- III Ma. 6. 32. διὰ τὴν τῆς συστροφίας στοργὴν καὶ  
τῆς χρ.  
[**Aq.** Ec. 12. 10.]  
[**Sm.** Ec. 8. 1, 17; 5. 3.]

**χρειώδης.**  
[**Sm.** Ec. 12. 10.]

**χρεμετίζειν.** (1) חֲרַמְתִּי a. qal. δ. pi.  
Si. 36 (33). 6. ὑποκάτω παντὸς ἐπικαθημένου χρε-  
μετίζει [**A -ισει**]

- Je. 5. 8. **A B** ἐπὶ τὴν γυναῖκα τοῦ πλησίον αὐ-  
τοῦ ἐχρεμετίζον [**B B -en**] (1a)  
38 (31). 7. χρεμετίσῃς ἐπὶ κεφ. ἐθνῶν (1b)  
[**Aq.** Is. 54. 1; Je. 50 (27). 11.]  
[**Sm.** Is. 54. 1; Ho. 7. 14.]

**χρεμετισμός.**  
[**Aq.** Je. 8. 16.]

**χρεμετισμός.** (1) חֲרַמְתִּי  
Am. 6. 7. ἐξαρθήσεται χρεμετισμός ἱππων ἐξ  
Ἐφρ.

- Je. 8. 6. ὡς ἵππος κἀθιδρὸς ἐν χρεμετισμῷ αὐτοῦ +  
— 16. ἀπὸ φωνῆς χρεμετισμοῦ ἱππασίας ἱππων  
αὐτοῦ ἐσίσθη (1)

13. 27. ὀφθήσεται . . . ἡ μοιχεία σου καὶ χρ. σου (1)  
[**Aq.** Je. 8. 16.]  
[**Th.** Je. 39. 19.]

**χρεοδοσία.**  
[**Aq.** Dt. 24. 13 (11).]

**χρεοκοπεῖσθαι.**  
IV Ma. 2. 8. **A** τὸ δάνειον . . . ἐντάσσω χρεοκοπού-  
μενος [**B B al.**]

**χρέος.** (1) חֶבְלָה (2) חֶבְלָה

- De. 15. 2. ἀφῆσθε πᾶν χρ. ἴδιον (1)  
— 3. τῷ δὲ ἀδ. σου ἀφῆσιν ποιήσεις τοῦ χρ. σου +  
I Ki. 2. 20. ἀποτίσαι σοι κ. σπέρμα . . . ἀπὸ  
τοῦ χρ. (2)

Wi. 15. 8. τὸ τῆς ψυχῆς ἀπαιτήθεις χρ.  
**χρεωφειλέτης** (-οφ).  
Jb. 31. 37. οὐδὲν λαβὼν παρὰ χρεωφειλέτου +  
Pr. 29. 13. δανειστοῦ καὶ χρεωφειλέτου ἀλλήλους  
[**A -ων**] συνελθόντων +

**χρηῖεν.**  
Jd. 11. 7. ἡνίκα χρηῖτε [**A** ἐθλίβητε] +  
I Ki. 17. 18. **A** ὅσα ἀν χρηῖσιν +  
[**Sm.** Je. 21. 21; 22. 3; Ec. 12. 1.]  
[**Th.** I Ki. 17. 18.]

**χρήμα.** (1) חֶבְלָה (2) חֶבְלָה (3) חֶבְלָה  
(4) חֶבְלָה (5) חֶבְלָה

- Ja. 22. 8. ἐν χρ. πολλοὶς ἀπῆλθονσαν (4)  
II Ch. 1. 11. οὐκ ἦτήσω πλουτὸν χρημάτων (4)  
— 12. χρήματα καὶ δόξαν δώσω σοι (4)  
Ne. 11. 24. εἰς πᾶν χρ. [**B** ῥῆμα] τῷ λαφ (4)  
Ju. 1. 13. **B** ἀντίρριψε . . . πάντα τὰ χρ. [**A B**  
ἄρματα] αὐ. +

Jb. 6. 20. οἱ ἐπὶ πόλεσι καὶ χρήμασι πεποϊσθέντες +  
27. 17. τὰ δὲ χρ. αὐ. ἀληθινοὶ καθέξουσιν (2)  
Pr. 17. 6 (4). τοῦ πιστοῦ ὅλος ὁ κόσμος τῶν χρ. —  
— 16. ἵνα τὴ ὑπὲρ χρ. χρημάτων ἀφρου (3)  
28. 16. **B** βασιλεὺς ἐνδεὴς χρημάτων [**A B B**  
προσίδων] μέγας συκοφαντῆς +

Si. 5. 1. μὴ ἐπεχε ἐπὶ τοῖς χρ. σου  
— 8. μὴ ἐπεχε ἐπὶ χρημάτων ἀδίκους  
10. 8. βασιλεῖα ἀπὸ ἔθνους εἰς ἔθνος μεταγεται διὰ  
. . . χρήματα

14. 3. ἀνθρώπων βασιλῆων ἵνα τί χρήματα  
— 5. οὐ μὴ εὐφρανθήσεται ἐν τοῖς χρ. αὐτοῦ  
21. 8. ὁ οἰκοδομῶν τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐν χρημασιν  
ἀλλοτρίοις

29. 5. ἐπὶ τῶν χρ. τοῦ πλησίον ταπεινώσει φωνήν  
— 6. ἀπεστέρησεν αὐτὸν τῶν χρ. αὐτοῦ  
30. 28 (33. 19). μὴ ὡς ἐτέρω τὰ χρ. σου  
31 (34). 20. ὁ προσάγων θυσίαν ἐκ χρημάτων πενή-  
των

34 (31). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρη-  
μάτων  
37. 6. μὴ ἀμνημόνησεν αὐτοῦ [**A -φ**] ἐν χρημασί  
σου  
40. 13. χρήματα ἀδίκων ὡς ποταμὸς ξηρυνθήσεται  
— 26. χρήματα καὶ ἰσχύς ἀνψώσουσι κορδῖαν  
46. 19. χρήματα καὶ ὥς ὑποδημάτων . . . οὐκ  
εἰληφα [**B B** <sup>2</sup>-φεν]

Da. LXX. 11. 13. εἰσέλυσται εἰς αὐτὴν . . . ἐν  
χρ. πολλοῖς (5)  
— 24. χρήματα αὐτοῖς δώσει (5)  
— 28. ἐπιστρέψει . . . ἐν χρ. πολλοῖς (5)

- I Ma. 14. 32. ἐδᾶπανσεν χρ. πολλὰ τῶν ἐαυτοῦ  
II Ma. 1. 14. χάριν τοῦ λαβῆναι τὰ χρ. πλείονα  
3. 6. περὶ τοῦ χρημάτων ἀμνηστῶν γέμεν τὸ ἐν ἱερ.  
γαζοφυλάκιον

II Ma. 3. 7. περὶ τῶν μνησθέντων αὐτῷ χρημάτων  
ἐνεφάνισεν

- 7. τὴν τῶν προειρημένων χρ. ἐκκομὴν ποιή-  
σασθαι

4. 1. ὁ τῶν χρ. καὶ τῆς πατρίδος ἐνδεκτικῆς γεγονώς  
— 23. παρακομίζοντα τὰ χρ. τῷ βασ.  
— 27. τῶν δὲ ἐπγγελμένων τῷ βασ. χρ.  
— 45. ἐπγγελιστο χρ. ἱκανὰ τῷ Πτ.  
8. 25. τὰ δὲ χρ. τῶν παραγενομένων . . . ἔλαβον  
III Ma. 2. 32. τὰ τε χρ. περὶ τοῦ (τῶν) ἀντικαταλλας-  
σόμενοι

IV Ma. 3. 20. χρήματα εἰς τὴν ἱερωργίαν αὐτοῖς  
ἀφορίσται

4. 3. πολλὰς ἰδιωτικῶν χρ. μυριάδας  
— 4. κατεμήνυε τὸν τῶν χρ. θησαυρὸν  
— 6. ὅπως τὰ ἰδιωτικά τοῦ γαζοφυλακίου λάβοι χρ.  
— 10. πρὸς τὴν τῶν χρ. ἀρπαγὴν  
[**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Pr. 31. 3.]

**χρηματίζειν.** (1) חֲרַמְתִּי pi. (2) חֲרַמְתִּי

III Ki. 18. 27. μὴ ποτε χρηματίζῃ αὐτὸς +  
Jb. 40. 3 (8). οἱ δὲ [**A** μὴδὲ αὐτοῦ] με ἄλλως  
σοι κεχρηματίζονται +

Je. 32 (25). 30. κύριος ἀφ' [**B** ἐφ'] ὑψηλοῦ χρη-  
ματίζῃ (2)

— 30. λόγον χρηματίζῃ ἐπὶ [**A** ἀπὸ] τοῦ τόπου  
αὐτοῦ (2)

33 (26). 2. χρηματίζῃ ἅπασιν τοῖς Ἰουδαίοις  
— 2. οὐς συνέταξά σοι αὐτοῖς χρηματίζῃ (1)  
36 (29). 23. λόγον ἐχρηματίζῃ ἐν τῷ ὀνόματι  
μου (1)

37 (30). 2. οὐδὲ ἐχρημάτισα πρὸς σέ (1)  
43 (36). 2. **A** οὐδὲ ἐχρημάτισα [**B B** ἐλάλησα]  
πρὸς σέ (1)

— 4. **A** οὐδὲ ἐχρημάτισεν [**B B** ἐλάλησε] πρὸς  
αὐτόν (1)

**χρηματισμός.** (1) חֶבְלָה  
Pr. 24. 69 (31. 1). βασιλεὺς χρηματισμός δὲν  
ἐπαίδευσεν ἡ μήτηρ αὐτοῦ (1)

II Ma. 2. 4. χρηματισμοῦ γενεθῆτος  
11. 17. ἐπιδόντες τὸν ὑπογεγραμμένον χρ.  
[**Al.** Je. 23. 31.]

**χρηματιστήριον** (?). (1) חֶבְלָה  
III Ki. 8. 6. **B** <sup>2</sup>εἰς τὸ χρ. [<sup>2</sup>-ιον, **A B** <sup>1</sup>B δα-  
βείρ] ταῦ οἴκου (1)

**χρηματιστήριον.**  
I Es. 3. 15. ἐκάθισεν ἐν τῷ χρ.  
[**Aq.**, **Sm.** III Ki. 6. 5, 16, 19, 20; Ps. 27  
(28). 2.]  
[**Th.** III Ki. 6. 19, 20.]  
[**Al.** II Ch. 3. 16; 5. 7.]

**χρήναι.**  
Pr. 25. 27. τιμὰν δὲ χρὴ λόγους ἐνδόξους  
IV Ma. 8. 26. **A** χρὴ τῷ βασιλεῖ πισθῆντας [**B B al.**]  
χρησιμεύειν.

Wi. 4. 3. πολυγόνον δὲ ἀσεβῶν πλῆθος οὐ χρησι-  
μεῖται

Si. 13. 4. ἐὰν χρησιμώσης ἐργάται ἐν σοὶ  
**χρησιμολογεῖν** (?). (1) חֲרַמְתִּי

Je. 45 (38). 4. **B** <sup>2</sup>οὐ χρησιμολογεῖ [**A B** <sup>1</sup>B B  
χρησμ.] εἰρήνην (1)

**χρήσιμος.** (1) חֲרַמְתִּי (2) χρ. εἶναι חֲרַמְתִּי  
Ge. 37. 26. τί χρ. ἐὰν ἀποκτείνωμεν τὸν ἀδ. ἡμῶν (1)  
To. 3. 10. **B** χρησιμώτερόν μοι ἐστὶν μὴ ἀπαγγέσθαι  
4. 18. **A B** μὴ καταφρονήσης ἐπὶ πάσης συμβου-  
λίας χρ.

6. 4. **B** ἐστὶν γὰρ εἰς φάρμακον χρήσιμον ἡ χολή  
Pr. 17. 17. ἀδελφοὶ δὲ ἐν ἀνάγκαις χρησιμοί  
ἐστῶσαν +

Wi. 8. 7. ὢν χρησιμώτερον οὐδὲν ἐστὶν ἐν βίᾳ ἀν-  
θρώπου

13. 11. κατασκευάσε χρήσιμον σκεὺς εἰς ὑπηρεσίαν  
ζωῆς

Si. prol. 6. τοῖς ἐκτός δύνασθαι τοὺς φιλομαθοῦντας  
χρησίμους εἶναι

7. 22. εἰ ἐστὶ σοι χρήσιμα ἐμμένειν σοι  
10. 4. τὸν χρ. ἐγερῇ εἰς καιρὸν ἐπ' αὐτῆς  
Za. 6. 10. λάβε τὰ ἐκ τῆς ἀρχαλωσίας . . .  
παρὰ τῶν χρ. αὐ. +

— 14. ὁ δὲ στέφανος ἐστὶν . . . τοῖς χρ. αὐ. +  
Er. Je. 59. ἡ σκεὺς ἐν οἰκίᾳ χρήσιμος

Ez. 16. 4. μὴ χρησίμως ἔσται εἰς ἐργασίαν (2)  
II Ma. 12. 12. ὑπολάβων ὡς ἀληθῶς ἐν πολλοῖς  
αὐτοὺς χρησίμως

**χρησις.** (1) **חֲסִיד**  
I Ki. 1. 28. παρῶν αὐτὸν . . . χρῆσιν τῷ κυρίῳ (1)  
To. 1. 13. 8. ἡγόραζον αὐτῷ πάντα τὰ πρὸς τὴν χρ.  
[A B al.]  
Ju. 12. 10. B οὐκ ἐκάλεσεν εἰς τὴν χρ. [A κλησιν]  
οὐδένα  
Wi. 15. 7. τίς ἐκάστου ἐστὶν ἡ [B<sup>1</sup> om.] χρ.  
— 15. οὐτε ὁμμάτων χρῆσις [A B -εις] εἰς ὄρασιν  
Si. 18. 8. τί [B<sup>1</sup> τίς] ἄνθρωπος καὶ τί ἡ χρ. αὐτοῦ

**χρησιμολογείν.** (1) **חֲסִיד**  
Je. 45 (38). 4. οὐ χρησιμολογῇ [B<sup>1</sup> χρησιμ.] εἰρή-  
νην τῷ λαῷ τούτῳ

**χρηστοθήεια.**  
Si. 37. 11. μετὰ ἀνελήμματος περὶ χρηστοθηείας

**χρηστός.** (1) α. **חֲסִיד** δ. **חֲסִיד** (2) **חֲסִיד**  
(3) **חֲסִיד**

I Ki. 24. 11. A. χρῆστος κύριος ἐστὶ [B al.] +  
II Ki. 1. 14. A<sup>1</sup> διαφθείρει χρῆστος [A<sup>1</sup> B δ.  
τὸν χρῆστος] κυρίου +  
I Es. 8. 57. καὶ σκεῖη χαλὰ ἀπὸ χρ. χαλκοῦ  
Jb. 31. 31. λίαν μου χρηστοὶ ὄντες  
Ps. 24 (25). 8. χρῆστος καὶ εὐδὴς ὁ κύριος (1 α)  
33 (34). 8. ἴδετε ὅτι χρῆστος ὁ κύριος (1 α)  
61 (52). 9. ὅτι χρῆστος ἐναντίον τῶν ὁσίων  
σου (1 α)

88 (89). 16. ὅτι χρῆστος τὸ ἔλεός σου (1 α)  
65 (86). 5. σὺ, κύριε, χρῆστος καὶ ἐπιεικής  
99 (100). 5. ὅτι χρῆστος κύριος (1 α)  
105 (106). 1. 106 (107). 1. ἐξομολογείσθε τῷ  
κυρίῳ ὅτι χρῆστος (1 α)  
108 (109). 21. ὅτι χρῆστος τὸ ἔλεός σου (1 α)  
111 (112). 5. χρῆστος ἀνὴρ ὁ δικαίος (1 α)  
118 (119). 39. ὅτι τὰ κρίματά σου χρηστά (1 α)  
— 68. χρῆστος εἰ σὺ, κύριε  
185 (138). 1. A B<sup>1</sup> ἐξομολογείσθε τῷ κυρίῳ ὅτι  
χρῆστος [B<sup>1</sup> B ἀγαθός] (1 α)

144 (145). 9. χρῆστος κύριος τοὺς ὑπομένουσιν  
[A -σιν αὐτὸν, B<sup>1</sup> σύμπασιν] (1 α)  
Pr. 2. 21. A B χρῆστος ἐσονται οἰκτιρομενὲς γῆς  
Wi. 15. 1. σὺ δὲ ὁ θεὸς ἡμῶν χρῆστος  
Na. 1. 7. χρῆστος κύριος τοὺς ὑπομένουσιν αὐ-  
τὸν (1 α)

Je. 24. 2. ὁ κάλαθος ὁ εἰς σύκων χρῆστων σφό-  
δρα (1 α)  
— 3. σύκα τὰ χρ. χρηστά λίαν (1 α, 1 α)  
— 5. ὡς τὰ σύκα τὰ χρ. ταῦτα (1 α)  
40 (38). 11. ὅτι χρ. κύριος (1 α)  
51 (44). 17. ἐγενόμεθα χρῆστοι (1 α)  
52. 32. ἐλάλησεν αὐτῷ χρῆστος (1 α)

Ez. 27. 22. μετὰ πρῶτον ἡδυσμάτων καὶ λίδων  
χρηστων [A ἐλεακτων] (2)  
28. 13. πᾶν λίδων χρῆστων ἐνδεδέσται (2)  
Da. LXX. 2. 32. ἦν ἡ κεφαλὴ αὐ. ἀπὸ χρυσοῦ  
χρ. (1 β)  
3. (89). ἐξομολογείσθε τῷ κ. ὅτι χρῆστος  
Da. TH. 2. 32. B<sup>1</sup> ἦν ἡ κεφαλὴ χρυσοῦ χρ. [A B<sup>2</sup>  
καθαροῦ] (1 β)

3. (89). ἐξομολογείσθε τῷ κ. ὅτι χρῆστος  
I Ma. 6. 11. χρῆστος καὶ ἀγαπώμενος ἦμην  
II Ma. 1. 24. ὁ μόνος βασιλεὺς καὶ χρ.  
9. 19. τοῖς χρ. Ἰουδαῖος . . . πολλὰ χαίρειν  
[Th. Da. 2. 32.]  
[Al. Ps. 184 (185). 3: Pr. 18. 22.]

**χρηστότης.** (1) α. **חֲסִיד** δ. **חֲסִיד** c. **חֲסִיד**  
d. **חֲסִיד** hi.

I Es. 5. 61. ἡ χρ. αὐ. καὶ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας  
Es. 8. 13. τῇ πλείστῃ τῶν εὐεργετούντων χρῆστος  
13. καὶ πολὺ διστηκὼς τῆς ἡμέτερας χρ.  
Ps. 113 (14). 1. 3. οὐκ ἐστὶ ποιὼν χρῆστος (1 β)  
20 (21). 3. προέφθασας αὐτὸν ἐν εὐλογίας χρῆ-  
στότητος (1 β)  
24 (25). 7. μνήσθητί μου ἕνεκα τῆς χρ. σου (1 α)  
30 (31). 19. ὡς πολὺ τὸ πλῆθος τῆς χρ. σου (1 α)  
36 (37). 3. ποιεῖ χρῆστος (1 β)  
52 (53). 3. B<sup>1</sup> οὐκ ἐστὶ ποιὼν χρῆστος [B S<sup>1</sup>  
ἀγαθός] (1 β)  
64 (65). 11. εὐλογῆσεις τὸν στέφανον τοῦ ἐνι-  
αυτοῦ τῆς χρ. σου (1 c)

Ps. 87 (68). 10. ἡτοίμασας ἐν τῇ χρ. σου τῷ πτωχῷ (1 c)  
84 (85). 12. ὁ κύριος δώσει χρῆστος (1 β)  
103 (104). 28. τὰ σύμματα πλησθήσονται  
χρηστότητος [A πίσωτης] (1 β)  
105 (106). 5. τοῦ ἰδεῖν ἐν τῇ χρ. τῶν ἐκλεκτῶν  
σου (1 c)  
118 (119). 65. χρῆστος ἐποίησας μετὰ τοῦ  
δούλου σου (1 β)  
— 66. χρῆστος . . . διδασκὼν με (1 α)  
— 68. ἐν τῇ χρ. σου διδασκὼν με τὰ δικαιώματά  
σου (1 d)  
144 (145). 7. μνήμην τοῦ πλῆθους τῆς χρ. σου (1 α)

**χρηστός.**  
Wi. 8. 1. δικαίει [A -εἴται] τὰ πάντα χρ.  
**χρίειν.** (1) **חֲסִיד** (2) α. **חֲסִיד** qal. δ. ni.  
c. **חֲסִיד** (3) **חֲסִיד**

Ex. 28. 37 (41). καὶ χρίσεις αὐτούς (2 α)  
29. 2. καὶ λάγανα ἄβυμα κεχρισμένα ἐν ἐλαίῳ (2 α)  
— 7. καὶ χρίσεις αὐτὸν (2 α)  
— 29. χρίσῃ αὐτοὺς ἐν αὐτοῖς (2 α)  
— 36. καὶ χρίσεις αὐτό (2 α)  
30. 26. χρίσεις ἐξ αὐτοῦ τὴν σκηνὴν τοῦ μαρτ. (2 α)  
— 30. A. καὶ τοὺς υἱοὺς αὐ. χρίσεις (2 α)  
— 32. ἐπὶ σάρκα ἀνθρώπου οὐ χρισθήσεται (1)  
40. χρίσεις τὴν σκηνὴν (2 α)  
— 10. χρίσεις τὸ θυσιαστ. τῶν καρπωμάτων (2 α)  
— 13. καὶ χρίσεις αὐτὸν (2 α)

Le. 4. 3. ἐὰν μὴ ὁ ἀρχιερεὺς ὁ κεχρισμένος  
ἀμαρτή (2 c)  
6. 20 (13). B ἢ ἂν χρίσῃς αὐτὸν (2 β)  
7. 26 (36). ἡ ἡμέρα ἔρχεται αὐτοῖς (2 α)  
8. 11. ἔρχισα τὸ θυσιαστήριον (2 α)  
— 11. ἔρχισα τὴν σκηνὴν (2 α)  
— 12. καὶ ἔχρισεν αὐτὸν (2 α)  
18. 32. ὃν ἂν χρίσωσιν αὐτὸν (2 α)  
Nu. 6. 15. καὶ λάγανα ἄβυμα κεχρισμένα ἐν  
ἐλαίῳ (2 α)

7. 1. καὶ ἔχρισεν αὐτὴν (2 α)  
— 1. καὶ ἔχρισεν αὐτὰ (2 α)  
— 10. ἡ ἔχρισεν αὐτό (2 β)  
— 84. ἡ ἡμέρα ἔρχεται αὐτό (2 β)  
— 88. μετὰ τὸ χρίσας αὐτὸν (2 β)  
35. 25. ὃν ἔχρισαν αὐτὸν τῷ ἐλαίῳ τῷ ἁγίῳ (2 α)  
De. 28. 40. ἔλαιον οὐ χρίσῃς (3)  
Jd. 9. 8. τοῦ χρίσαι ἐφ' ἑαυτὰ βασιλεία (2 α)  
— 15. εἰ ἐν ἀληθείᾳ χρίσῃ με ὑμεῖς (2 α)

I Ki. 9. 16. χρίσεις αὐτὸν εἰς ἄρχοντα (2 α)  
10. 1. οὐκ ἔχεις σε κύριος (2 α)  
— 1. ἔχρισέ [A κέχρικεν] σε κύριος (2 α)  
11. 15. ἔχρισε Σαμ. ἐκεῖ τὸν Σ. εἰς βασιλεία (2 α)  
15. 1. ἐμὲ ἀπέστειλες κ. χρίσας (2 α)  
— 17. ἔχρισέ σε κ. εἰς βασιλεία (2 α)  
16. 3. χρίσεις ἐν τῷ ἔλπῳ πρὸς σέ (2 α)  
— 12. χρίσον τὸν Δ. (2 α)  
— 13. ἔχρισεν αὐτὸν ἐν μέσῳ τῶν ἀδ. αὐ. (2 α)

II Ki. 1. 21. θυρεὸς Σ. οὐκ ἔχρισθαι [A ἐχρήθη]  
ἐν ἐλαίῳ (2 c)  
2. 4. χρίσιν τὸν Δ. ἐκεῖ (2 α)  
— 7. καὶ γὰρ ἐμὲ κέχρικεν ὁ οἶκος 'I. (2 α)  
5. 3. χρίσιν τὸν Δ. εἰς βασιλεία (2 α)  
— 17. κέχρικται Δ. βασιλεὺς ἐπὶ 'Iσρ. (2 α)  
12. 7. ὁ χρίσας σε εἰς βασιλεία (2 α)  
19. 10 (11). ὃν ἔχρισαν ἐφ' ἡμῶν (2 α)

III Ki. 1. 34. B χρίσας [B -ω, A -τωσαν] αὐτὸν  
ἐκεῖ (2 α)  
— 39. ἔχρισε τὸν Σαλ. (2 α)  
— 45. καὶ ἔχρισαν [A -εν] αὐτὸν (2 α)  
5. 1 (15). χρίσαι τὸν Σαλ. [A al.] (2 α)  
— 1 (15). A αὐτὸν ἔχρισαν εἰς βασιλεία [B al.] (2 α)  
19. 15. χρίσεις τὸν [A χρίσεις ἐκεῖ] 'Αζ. (2 α)  
— 16. B τὸν υἱὸν 'I. υἱοῦ N. χρίσεις εἰς βασιλεία  
[A B al.] (2 α)

— 16. τὸν 'Ελ. υἱὸν Σ. χρίσεις [A al.] (2 α)  
IV Ki. 9. 3. κέχρικται σε εἰς βασιλεία ἐπὶ 'Iσρ. (2 α)  
— 6. κέχρικται σε εἰς βασιλεία ἐπὶ λαὸν κυρίου (2 α)  
— 12. κέχρικται σε εἰς βασιλεία ἐπὶ 'Iσρ. (2 α)  
11. 12. καὶ ἔχρισεν αὐτὸν (2 α)  
23. 30. καὶ ἔχρισαν αὐτὸν (2 α)  
I Ch. 11. 3. ἔχρισαν τὸν Δ. εἰς βασιλεία ἐπὶ 'Iσρ. (2 α)  
14. 8. ἐχρίσθη Δ. βασιλεὺς ἐπὶ πάντα 'Iσρ. (2 β)  
29. 22. ἔχρισαν αὐτὸν τῷ κ. εἰς βασιλεία (2 α)  
II Ch. 23. 11. ἔχρισαν αὐτὸν 'I. καὶ οἱ υἱοὶ αὐ. (2 α)

36. 1. καὶ ἔχρισαν αὐτὸν (2 α)  
Ju. 10. 3. καὶ ἐχρίσατο μύρῳ παχεῖ (2 α)

Ps. 26 (27). τί. τοῦ Δαυὶδ πρὸ τοῦ χρισθῆναι —  
44 (45). 7. ἔχρισέ σε ὁ θ. ὁ θ. σου ἔλαιον  
ἀγαλλιάσεως (2 α)

88 (89). 20. A B<sup>1</sup> B E ἐν ἐλαίῳ [B<sup>1</sup> ἐλέει, B<sup>1</sup>  
ἐλέω] ἁγίῳ ἔχρισα αὐτὸν (2 α)

151. 4. ἔχρισέ με ἐν [B om.] τῷ ἐλαίῳ [A B ἐλέει]  
τῆς χρίσεως αὐτοῦ

Si. 45. 15. ἔχρισεν αὐτὸν ἐν ἐλαίῳ ἁγίῳ  
46. 13. ἔχρισεν ἄρχοντας ἐπὶ τὸν λαὸν αὐτοῦ  
48. 8. ὁ χρίων βασιλεὺς εἰς ἀναπόδομα +

Ho. 8. 10. τοῦ χρίων βασιλεία καὶ ἄρχοντας +  
Am. 6. 6. τὰ πρῶτα μύρα χρίσμενοι (2 α)  
Is. 25. 7. χρίσονται μύρον ἐν τῷ θρεῖ τούτῳ +  
61. 1. οὐ εἰνεκεν ἔχρισέ με (2 α)

Je. 22. 14. ὑπερφᾶ . . . κεχρισμένα ἐν μύτῳ (2 α)  
Ez. 16. 9. ἔχρισά σε ἐν ἐλαίῳ (2 α)  
43. 3. εἰσπορευομένην τοῦ χρίσαι τὴν πόλιν +  
Da. TH. 9. 24. τοῦ χρίσαι ἄγιον ἄγιον (2 α)

[Aq. II Ki. 8. 39.]  
[Sm. I Ki. 15. 11: II Ki. 8. 39: III Ki. 5. 1  
(15): Ps. 2. 6: Ho. 8. 10.]  
[Th. Le. 8. 10: III Ki. 5. 1 (15): Ez. 28. 14:  
Da. 9. 24: Ho. 8. 10.]  
[Heb. Ex. 40. 11 (9).]  
[Al. Le. 14. 42.]

**χρίσις.** (1) **חֲסִיד**  
Ex. 29. 21. καὶ ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)  
30. 31. ἔλαιον ἀλειμμα χρίσεως ἄγιον ἔσται (1)  
31. 11. καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)  
35. 28. ἦνεγκαν . . . τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)  
38. 25 (37. 29). ἐποίησε τὸ ἔλαιον τῆς χρ. [A  
τοῦ χρίματος] (1)

39. 16 (38). καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)  
40. 9. A λήψῃ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. [B τοῦ χρί-  
ματος] (1)

Le. 7. 25 (35). αὐτὴ ἡ χρ. 'A. καὶ ἡ χρ. τῶν  
υἱῶν αὐ. (1, 1)

8. 2. λάβε . . . τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)  
— 10. ἔλαβε M. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)  
— 12. ἐπέχε M. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)  
— 29 (30). ἔλαβε M. ἀπὸ τοῦ ἐλαίου τῆς χρ. (1)

10. 7. τὸ ἔλαιον γὰρ τῆς χρ. τὸ παρὰ κυρίου  
ἐφ' ὑμῖν (1)  
Nu. 4. 16. καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρ. (1)  
Ps. 151. 4. ἔχρισέ με ἐν [B om.] τῷ ἐλαίῳ [A S ἐλέει]  
τῆς χρ. αὐ. (1)

[Sm., Th. Ex. 35. 8.]  
[Al. Le. 21. 10.]

**χρίσμα.** (1) α. **חֲסִיד** δ. **חֲסִיד** c. **חֲסִיד**  
Ex. 29. 7. λήψῃ τοῦ ἐλαίου τοῦ χρ. (1 α)  
30. 25. ποιήσεις αὐτὸ ἔλαιον [A<sup>1</sup> om.] χρ.  
ἄγιον (1 α)  
— 25. ἔλαιον χρ. ἄγιον ἔσται (1 α)  
35. 14. ἐργάσῃ . . . τὸ ἔλαιον τοῦ χρ. (1 α)  
— 19 (15). καὶ τὸ ἔλαιον τοῦ χρ. (1 α)  
38. 25 (37. 29). A ἐποίησε τὸ ἔλαιον τοῦ χρ.  
[B τῆς χρίσεως] (1 α)

40. 9. λήψῃ τὸ ἔλαιον τοῦ χρ. [A τῆς χρίσεως] (1 α)  
— 15. ὥστε εἶναι αὐτοῖς χρίσμα ἱερατείας (1 β)  
Si. 38. 30. καρδίαν ἐπιδώσει [B αὐτοῦ δώσει] συν-  
τελέσει τὸ χρ. [B<sup>1</sup> χρίσμα] (1 c)

Da. LXX. 9. 26. ἀποσταθθήσεται χρίσμα (1 c)  
Da. TH. 9. 26. ἐξολεβρευθήσεται χρίσμα (1 c)  
[Sm. Le. 21. 12: J.L. 1. 17.]  
[Th. Da. 9. 26.]

**χριστός.** (1) α. **חֲסִיד** δ. **חֲסִיד** c. **חֲסִיד**  
Le. 4. 5. λαβὼν ὁ ἱερεὺς ὁ χρ. . . ἀπὸ τοῦ  
αἵματος (1 α)

— 16. εἰσίοισι ὁ ἱερεὺς ὁ χρ. ἀπὸ τοῦ αἵματος (1 α)  
6. 22 (15). B ὁ I. ὁ χρ. ἀντ' αὐτοῦ (1 α)  
21. 10. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ ἐλαίου τοῦ χρ. (1 β)  
— 12. τὸ ἄγιον ἔλαιον τὸ χρ. τοῦ θ. ἐπ' αὐτῷ (1 β)

I Ki. 2. 10. ὑψώσει κέρας χριστοῦ αὐ. (1 α)  
— 35. διελεύσεται ἐνώπιον χριστοῦ μου (1 α)  
12. 3. ἀποκρίθητε κατ' ἐμοῦ . . . ἐνώπιον χρис-  
τοῦ αὐ. (1 α)

— 5. καὶ μάρτυς χριστός αὐ. σήμερον (1 α)  
16. 6. ἐνώπιον κυρίου χριστός αὐ. (1 α)  
24. 7. εἰ ποιῶς τὸ ῥῆμα τούτου . . . τῷ χρ.  
κυρίῳ (1 α)

— 7. χριστός κυρίου ἐστὶν οὗτος (1 α)  
— 11. χριστός κυρίου οὗτός ἐστι [A al.] (1 α)  
26. 9. τίς ἐποίησε χεῖρα αὐ. ἐπὶ χριστὸν κυρίου (1 α)  
— 11. ἐπενεργεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (1 α)

1 Ki. 26. 16. οἱ φυλάσσοντες τὸν βασιλ. τὸν κύριον  
ἡμῶν τὸν χρ. κυρίου (1 α)  
— 23. ἐπενεγκίην χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (1 α)  
11 Ki. 1. 14. διαφθεῖραι τὸν χρ. [Δ' δ. χρηστὸν]  
κύριον (1 α)  
— 16. ἐθανάτωσα τὸν χρ. [Δ' κύριον] κυρίου (1 α)  
2. 5. Β ἐπὶ Σ, τὸν χρ. κυρίου [Δ α.] —  
19. 21 (22). κατηράσατο τὸν χρ. κυρίου (1 α)  
22. 51. καὶ ποῶν ἔλεος τῷ χρ. αὐ. (1 α)  
23. 1. ὃν ἀνέστησε κ. ἐπὶ χριστὸν θεοῦ 'Ι. (1 α)  
— 3. πῶς κραταιώσῃτε φόβον χρυστοῦ [Δ  
κυρίου] †  
I Ch. 16. 22. μὴ ἀψήσθε τῶν χρ. μου (1 α)  
II Ch. 6. 42. Α Β μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον  
τοῦ χρ. [Β om. τ. χρ.] σου (1 α)  
22. 7. Β πρὸς υἱὸν [Δ Β 'Ι. υι.] Ναμ. χρυστὸν  
κύριον (1 α)  
Ps. 2. 2. κατὰ τοῦ κυρίου καὶ κατὰ τοῦ χρ. αὐτοῦ (1 α)  
17 (18). 50. ποῶν ἔλεος τῷ χρ. αὐ. τῷ Δ. (1 α)  
19 (20). 6. ὥσως κύριος τὸν χρ. αὐτοῦ (1 α)  
27 (28). 8. καὶ ὑπερασπιστὴς τῶν σωτηρίων  
τοῦ χρ. αὐτοῦ ὅστι (1 α)  
88 (84). 9. ἐπιβλέψον ἐπὶ τὸ πρόσωπον τοῦ  
χρ. σου (1 α)  
88 (89). 38. ἀνεβάλου τὸν χρ. σου (1 α)  
— 51. οὐ ἀνείδισαν τὸ πινάλλαγμα τοῦ χρ. σου (1 α)  
104 (105). 15. μὴ ἀψήσθῃς τῶν χρ. μου (1 α)  
181 (182). 10. μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον  
τοῦ χρ. σου (1 α)  
— 17. ἡτόμασα λύχνον τῷ χρ. μου [Β σου] (1 α)  
Ca. 1. 7. Β πρὸς τὸν νυμφίον χρυστὸν —  
Si. 46. 19. ἐπισμαρτυράτο ἐναντὶ κυρίου καὶ χρυστοῦ  
[B' add. αὐ.]  
47. 11. Β<sup>3</sup> χρυστὸς [Δ Β<sup>3</sup> κύριος] ἀφέειλε τὰς  
ἀμαρτίας αὐ. —  
Am. 4. 13. ἀπαγγέλλων εἰς ἀνθρώπους τὸν χρ. αὐ. †  
Hb. 3. 13. τὸν ᾧσαι τὸν χρ. [Δ Β<sup>3</sup> τοὺς χρ.] (1 α)  
— σου (1 α)  
Is. 45. 1. λέγει κύριος ὁ θεὸς τῷ χρ. μου Κύριω (1 α)  
La. 4. 20. χρ. κύριος συνελήφθη ἐν ταῖς δια-  
φθοραῖς αὐτῶν (1 α)  
Ez. 16. 4. Α ἐν ὕδατι οὐκ ἐλούσθης τοῦ χρ. μου  
[Β om. τ. χρ. μ.] †  
Da. LXX. 9. 26. φθέρει... τὸ ἄγιον μετὰ τοῦ χρ. (1 α)  
Da. TH. 9. 25. ἀπὸ ἐξόδου λόγου... ὥς χρυσ-  
τοῦ ἡγουμένου (1 α)  
II Ma. 1. 10. ὅντι δὲ ἀπὸ τοῦ τῶν χρ. ιερῶν γένους  
3. 30. Α τοῦ παντοκράτορος ἐπιφανέντος χρ. [Β  
κύριον]  
[Aq. Ps. 181 (182). 10: Hb. 8. 13.]  
[Sm. I Ki. 2. 35: 20. 8: Ps. 88 (84). 10: 88  
(89). 39. 52: 131 (182). 10: Da. 9. 26: Mi.  
5. 5 (4).]  
[Th. Lk. 21. 12: Ps. 131 (182). 10.]  
[Quint., Sext. Hb. 8. 13.]  
**χρόα.**  
Ex. 4. 7. ἀπεκατέστη εἰς τὴν χρ. τῆς σαρκὸς αὐ. —  
Wi. 18. 14. φύκει ἐρυθρίνας [B<sup>3</sup> -ημα, Δ -ηρός] χροᾶν  
[B<sup>3</sup> B<sup>1</sup> -ας] αὐτοῦ  
II Ma. 3. 16. τὸ τῆς χρ. παρηλλαγμένον ἐνέφανε  
τὴν... ἀγωνίαν  
**χροεῖν.** (1) ϣῖϣ ri.  
Da. LXX. 9. 19. cod. μὴ χροεῖσθης [B -ίσθης]  
ἐνεκα σεαυτοῦ (1)  
**χροεῖν.** (1) ϣῖϣ a. gal. δ. pi.  
(2) ϣῖϣ pil. (3) ϣῖϣ a. pi. δ. hi.  
(4) ϣῖϣ ni. (5) ϣῖϣ ni.  
Ge. 32. 4 (5). ἐχρόνισα ὥς τοῦ νῦν (1 α)  
34. 19. οὐκ ἐχρόνισεν ὁ μεσίτης (1 β)  
Ex. 32. 1. κεχρόνικε Μ. καταβῆναι ἐκ τοῦ ὄρους (2)  
De. 4. 25. εἰδὼν δὲ... χροεῖσθαι ἐπὶ τῆς γῆς (4)  
23. 21 (22). οὐ χροεῖται ἀποδοῦναι αὐτὴν (1 β)  
Jd. 5. 28. διότι ἐχρόνισαν πύδες ἀρμάτων αὐ. (1 β)  
II Ki. 20. 5. ἐχρόνισεν ἀπὸ τοῦ καιροῦ (3 α\*, 3 β)  
To. 5. 8. μὴ χροεῖσθαι  
9. 4. ἐν χροεῖσθαι  
10. 4. Α Β διότι κεχρόνικε  
Ps. 39 (40). 17. μὴ χροεῖσθαι (1 β)  
69 (70). 5. θεοῦ μου καὶ ῥύσσης μου εἰ σὺ,  
κύριε, χροεῖσθαι (1 β)  
Pr. 9. 18. μὴ χροεῖσθαι [Δ ἔγχερ.] ἐν τῷ τόπῳ —  
31. 21. ὅταν πονηροὶ χροεῖσθαι  
Ec. 5. 3. μὴ χροεῖσθαι τοῦ ἀποδοῦναι αὐτὴν (1 β)

Si. 6. 21. οὐ χροεῖται ἀπορρίψαι αὐτὴν  
7. 16. ὄργη οὐ χροεῖται  
14. 12. θύνατος οὐ χροεῖται  
Hb. 2. 3. οὐ μὴ χροεῖται (1 β)  
Is. 14. 1 (13. 22). ταχὺ ἔρχεται καὶ οὐ χροεῖται (5)  
51. 14. οὐ στήσεται οὐδὲ χροεῖται †  
Da. LXX. 9. 19. Β μὴ χροεῖσθης [cod. -ήσθης]  
ἐνεκα σεαυτοῦ (1 β)  
Da. TH. 9. 19. μὴ χροεῖσθης ἐνεκα σου (1 β)  
[Heb. Ge. 49. 6.]  
[Al. Nu. 9. 19.]  
**χρονίσκος.**  
II Ma. 11. 1. μετ' ὀλίγον δὲ παντελῶς χρ.  
**χρόνος.** (1) α. ϣῖϣ ru. δ. ϣῖϣ c. ϣῖϣ  
(2) ϣῖϣ (3) ϣῖϣ (4) ϣῖϣ (5) ϣῖϣ  
(6) ϣῖϣ (7) ϣῖϣ (8) εἰς τὸν αἰῶνα  
χρόνον α. ϣῖϣ-γ δ. ϣῖϣ-γ c. ϣῖϣ-γ  
d. ϣῖϣ-γ (9) δ. ἐπὶ τὸν χρόνον ϣῖϣ-γ  
(10) πολλὸς χρόνος ὥσθ. (11) ὅσον χρ.  
ἡρῖ-γ (12) διὰ χρόνον, διὰ χρ. πολλοῦ  
α. ϣῖϣ-γ δ. ϣῖϣ-γ (13) εἰς χρ. πολὺν  
ϣῖϣ-γ ϣῖϣ-γ  
Ge. 26. 1. Α δε ἐγέννηθη ἐν τῷ χρ. τοῦ 'Αβ. [B α.] (2)  
— 15. ἐν τῷ χρ. τοῦ πατρὸς αὐ. (2)  
Ex. 14. 13. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 α)  
De. 12. 19. πάντα τὸν χρ. ὅσον ἐὰν ᾔῃς [Δ α.] (2)  
22. 19, 29. οὐ δυνίσκεται ἐξαποστεῖλαι αὐτὴν  
τὸν ἅπαντα χρ. (2)  
32. 29. εἰς τὸν ἐπίτοια χρ. (9)  
Jo. 4. 14. ὅσον χρόνον ζῇ (2)  
— 24. Α ἴνα ὑμεῖς στήσῃτε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν  
ἐν παντὶ χρ. [B ἔργω] (2)  
24. 31. ὅσοι ἐφείλκυσαν τὸν χρ. μετὰ 'Ι. (2)  
I Es. 1. 20. ἀπὸ τῶν χρ. Σαμ. τοῦ προφήτου  
— 24. ἀναγέγραπται ἐν τοῖς ἔμπροσθεν χρ.  
— 42. ἐν τῇ βίβλῳ τῶν χρ. τῶν βασιλ.  
— 58. πάντα τὸν χρ. τῆς ἐρημώσεως αὐ.  
2. 16. ἐν δὲ τοῖς ἐπὶ 'Αρ. τῶν Περσῶν βασιλείας χρ.  
5. 73. πάντα τὸν χρ. τῆς ζωῆς τοῦ βασιλ. Κύρου  
6. 3. ἐν αὐτῷ τῷ χρ. παρὴν πρὸς αὐτοὺς Σ.  
8. 76. ἀπὸ τῶν χρ. τῶν πατέρων ἡμῶν  
— 85. οὐ ζήτῃσθε εἰρηνεύσαι τὰ πρὸς αὐτοὺς τὸν  
ἅπαντα χρ.  
9. 12. παραγεννηθέντων λαβόντων χρόνον  
II Es. 4. 15. Α ἀπὸ χρόνον [B ἡμερῶν] αἰῶνος (2)  
Ne. 10. 34 (35). Β εἰς καιροὺς χρόνων [Δ Β Β  
σπύ χρ.] (1 α)  
13. 31. ἐν καιροῖς ἀπὸ χρόνων (1 α)  
To. 2. 11. Β ἐν τῷ χρ. ἐκείνῳ  
14. 4. ἐρημος ἔσται [Β καυθήσεται] μέχρι χρόνον  
— 5. ὥς τοῦ χρ. οὐ δὲ πληρωθῇ ὁ χρ. τῶν  
καιρῶν [Δ α.]  
Ju. 15. 10. εὐλογημένη γίνου... εἰς τὸν αἰῶνα χρ.  
Es. 2. 15. ἐν δὲ τῷ ἀναπληροῦσθαι τὸν χρ. 'Ε. (7)  
3. 13. εἰς τὸν μετέπειτα χρ. (9)  
5. 13. Β<sup>3</sup> ἐν παντὶ χρ. (9)  
8. 13. Β Β εἰς τὸν ἅπαντα χρ. †  
9. 28. ἀχθήσονται εἰς [Δ om.] τὸν ἅπαντα χρ. †  
Jb. 2. 9. χρόνον δὲ πολλὸν προβεβηκότος  
— 9. ἰδοὺ ἀνάμνησις [B om.] χρόνον ἐτι μικρόν  
6. 11. τίς μου ὁ χρ. ὅτι ἀνέχεταί μου ἡ ψυχὴ (5)  
10. 20. ὁ οὐκ ὀλίγος ἐστὶν ὁ βίος τοῦ χρ. [Δ ὁ  
χρ. τοῦ βίου] μου (2)  
12. 5. εἰς χρόνον γὰρ τακτὸν ἡτόμαστο πεσεῖν  
— 12. ἐν πολλῷ χρόνῳ σοφία [Δ σ. ἐνρί-  
σκειται] (10)  
14. 5. εἰς χρόνον ἔθου καὶ οὐ μὴ ὑπερβῇ  
— 11. χρόνῳ γὰρ σπανιέται θάλασσα  
— 13. ὥς ἀν... τάξῃ μοι χρόνον †  
29. 18. ὥσπερ στέλεχος φοῖνικος πολλὸν χρόνον  
βιώσω (2)  
32. 6. νεώτερος μὲν εἰμι τῷ χρ. (2)  
— 7. οὐχ ὁ [Δ om. οὐχ ὁ] χρ. ἐστὶν ὁ λαλῶν (2)  
Ps. 88 (89). 45. Α Β ἐμικρυνας τὰς ἡμέρας τοῦ  
χρ. [Β θρόνον] αὐτοῦ †  
Pr. 1. 22. ὅσον ἐν χρόνον ἄκακοι ἔχωνται τῆς  
δικαιοσύνης (11)  
7. 12. χρόνον γὰρ τινα ἔξω ῥίμβεται χρόνον δὲ  
ἐν πλατείᾳ παρὰ πᾶσαν γωνίαν  
ἐνεδρεύει (4, 4)

Pr. 9. 11. τοῦτ' ἐστὶν τῷ τρόπῳ πολλὸν ζῆσαι χρόνον (2)  
— 18. ἴνα πολλὸν ζῆσαι χρόνον —  
15. πάντα τὸν χρ. οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν κακῶν  
προσέχονται κακὰ (2)  
28. 16. ὁ δὲ μῶν ἀδικίαν μακρὸν χρόνον ζῆσεται (2)  
Ec. 3. 1. τοῖς πᾶσιν ὁ [B om.] χρόνος (1 β)  
Wi. 2. 4. τὸ ὄνομα ἡμῶν ἐπιλησθήσεται ἐν χρόνῳ  
4. 13. τελειωθείς ἐν ὀλίγῳ ἐπλήρωσε χρόνους μακ-  
ροῦς  
7. 2. ἐγλύφην σὰρξ δεκαημερίαν χρόνῳ  
— 18. ἀρχὴν καὶ τέλος καὶ μέσσητα χρόνων  
8. 8. ἐκβάσεις καιρῶν καὶ χρόνων  
12. 20. δοὺς χρόνους [Δ -ον] καὶ τόπον  
14. 16. ἐν χρόνῳ κρατυνθέν τὸ ἀσέβες ἔθνος [B' ἔθνος]  
Si. ρι. 25. ἐν τῷ διαστήματι τοῦ χρ.  
29. 5. ἐν καιρῷ ἀποδύσεως παρελκύσει χρόνον  
43. 6. ἀνιδεῖν χρόνον καὶ σημείον αἰῶνος  
Is. 9. 7 (6). Α εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον [B B om.] (8 α)  
13. 20. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 α)  
14. 20. οὐ μὴ μείνῃς εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 β)  
18. 7. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 δ)  
23. 15. ὥς χρ. βασιλείας ὥς χρ. ἀνθρώπου (2, -)  
27. 10. ἔσται πολλὸν χρόνον εἰς βόσκημα —  
— 11. μετὰ χρόνον οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ πᾶν  
χλωρὸν —  
30. 27. ἔρχεται διὰ χρόνον [Δ B add. πολλοῦ] (12 α)  
33. 20. οὐδὲ μὴ κυνηθῶσιν... εἰς τὸν αἰῶνα  
χρόνον (8 α)  
34. 10. οὐ σβεσθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (8 β)  
— 10. Β Β καὶ εἰς χρόνον πολλὸν (13)  
— 17. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον κληρονομήσετε (8 α)  
38. 5. προστίθῃμι πρὸς τὸν χρ. σου ἔτη δέκα  
πέντε (2)  
49. 1. διὰ χρόνον πολλὸν στήσεται (12 β)  
51. 8. βρωθήσεται ὑπὸ χρόνον †  
54. 7. χρόνον μακρὸν κατελίπον σε  
— 9. ὅμοια αὐτῷ ἐν τῷ χρ. [B<sup>3</sup> καιρῷ] ἐκείνῳ  
65. 20. ὅς οὐκ ἐμπλήσει τὸν χρ. αὐτοῦ (2)  
Je. 29 (49). 8. ἤγαγον ἐπ' αὐτὸν ἐν χρόνῳ (3)  
37 (30). 7. χρ. [B ὁ χρ.] στενός ἐστι τῷ 'Ιακώβ (3)  
38 (31). 1. ἐν τῷ χρ. ἐκείνῳ (3)  
45 (38). 28. ὥς χρόνον οὐ συνελήφθη 'Ιερ. (2)  
Ba. 3. 13. Α κατέκεινται ἐν εἰρήνῃ τὸν αἰῶνα χρόνον  
[B om.]  
— 32. ὁ κατασκευάσας τὴν γῆν εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον  
4. 35. κατοικηθήσεται ὑπὸ δαυμονίων τὸν πλείονα  
χρόνον  
Ep. Je. 3. ἐσεσθὲ ἐκεῖ ἔτη πλείονα καὶ χρόνον μακρὸν  
Da. LXX. 2. 16. ἴνα δοθῇ αὐτῷ χρόνος παρὰ τοῦ  
βασιλ. (1 α)  
— 21. ἀλλοιοὶ καιροὶ καὶ χρόνοι (1 α)  
— 44. ἐν τοῖς χρ. τῶν βασιλείων τούτων (2)  
4. 25. καὶ πλήρης ὁ χρ. σου —  
— 32. διὰ χρόνον ὕπνος με ἔλαβε πολὺς —  
— 32. ὁ χρ. μου τῆς ἀπολυτρώσεως ἦλθε —  
— 34. ἰλλοιοὶ καιροὶ καὶ χρόνοι —  
5. 26. ἡρίμηνται ὁ χρ. σου τῆς βασιλείας †  
7. 12. χρόνος ζωῆς ἐδόθη αὐτοῖς ὥς χρόνον (†, 1 α)  
Da. TH. 2. 16. ὅπως χρόνον δὴ αὐτῷ (1 α)  
— 21. ἀλλοιοὶ καιροὶ καὶ χρόνοι (1 α)  
I Ma. 10. 30. ἀπὸ τῆς σήμερον ἡμέρας καὶ εἰς τὸν  
ἅπαντα χρ. †  
11. 36. Α ἀπὸ τοῦ νῦν ἐπὶ [B B εἰς] τὸν ἅπαντα χρ. †  
15. 8. ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν ἅπαντα χρ. †  
II Ma. 1. 22. ὥς δὲ ἐγένετο καὶ χρόνος διήλθεν —  
4. 23. μετὰ δὲ τριετὴ χρ. —  
6. 1. μετ' οὐ πολλὸν δὲ χρ. —  
— 13. τὸ μὴ πολλὸν χρ. ἔσθαι τοὺς δυσσεβοῦντας  
— 21. διὰ τὴν ἐκ τῶν παλαιῶν χρ. πρὸς τὸν ἄνθρω-  
πὸν γῶσιν  
10. 3. μετὰ διετὴ χρ. —  
— 6. πρὸ μικροῦ χρ. †  
11. 1. Β μετ' ὀλίγον δὲ παντελῶς χρ. [Δ χρονίσκον]  
12. 15. κατὰ τοὺς 'Ιησοῦ χρόνους †  
— 39. Α καθ' ἐν χρόνον [B τρόπον] τὸ τῆς χρείας  
ἐγγένει  
14. 1. μετὰ δὲ τριετὴ χρ. —  
— 3. ἐν τοῖς τῆς ἀμείας χρ. —  
— 38. ἐν τοῖς ἔμπροσθεν χρ. —  
III Ma. 2. 24. ἐν χρόνῳ δὲ ὑστερον  
3. 26. εἰς τὸν ἐπίλοιπον χρ. —  
— 29. ἀχρηστος φανίσται εἰς τὸν αἰὲ χρ. —  
4. 17. μετὰ δὲ τὸ προεῖρημ. τοῦ χρ. διάστημα  
5. 11. τὸ δὲ ἀπ' αἰῶνος κτίσμα χρόνον καλὸν —  
— 22. οὐχ οὕτως εἰς ὑπὸν κατεχρήσατο τὸν χρ.  
τῆς νυκτός

III Ma. 5. 25. κατὰ τὸν ἡμέρη ψυχουλούμενοι χρόνον  
— 43. εἰς τὸν πάντα χρ. (1a)  
6. 29. οἱ δὲ ἐν ἡμέρῃ χρ. λυθέντες  
— 35. συστήσονται τὸν προειρημένον χρ. (1a)  
7. 19. ἐπὶ τὸν τῆς παροικίας αὐ. χρ.  
— 23. εἰς τοὺς αἰ χρ.  
IV Ma. 5. 6. μὲτὰ τοσοῦτον ἔχων χρόνον  
6. 20. εἰ ἐπιβύσσομεν ὀλίγον χρ.  
13. 20. τὸν ἴσον ἀδελφοὶ κατοικήσαντες χρόνον  
— 20. ἐν τῷ αὐτῷ χρ. πλασθέντες  
— 21. διὰ τῶν ἴσων ἀποτειχθέντες χρόνων  
15. 27. Α Β Γ τὴν σώζουσιν ἐπὶ τὸν νότον πρὸς  
ὀλίγον χρ. σωτηρίαν  
18. 8. ἔμεινα δὲ χρόνον ἀκμῆς σὺν ἀνδρὶ  
[Aq. Jo. 4. 24: Jb. 2. 9: Jb. 30 (37). 7.]  
[Sm. Jo. 4. 24: Ps. 22 (28). 6: Ec. 8. 13: Jb. 30 (37). 7.]  
[Th. Jo. 4. 24: Jb. 2. 9.]  
[Al. Ex. 18. 10 δις: Pr. 17. 17.]  
χρυσάιος, *vid.* χρυσόους.  
χρυσάουγιν. (1) χρῆ  
Jb. 37. 22. ἀπὸ βορρᾶ νέφη χρυσάουγιντα (1)  
χρυσόους. *vid.* χρυσόους.  
χρυσόεις (?).  
Si. 26. 18. Α στύλοι χρυσέας [B B -οι] ἐπὶ βάσεως  
ἀργυρᾶς  
χρυσίον. (1) α. χρῆ δ. χρῆ (2) γρη  
(3) δηρ (4) ιθ  
Ge. 2. 11. οὗ ἐστὶ τὸ χρ. (1a)  
— 12. τὸ δὲ χρ. τῆς γῆς ἐκείνης καλόν (1a)  
13. 2. Ἀβρὰμ δὲ ἦν πλούσιος σφόδρα . . .  
χρυσίῳ (1a)  
24. 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . χρυσίον (1a)  
44. 8. πᾶς ἂν κλέψαιμεν . . . χρυσίον (1a)  
Ex. 26. 3. χρυσίον καὶ ἀργύριον καὶ χαλκόν (1a)  
— 10 (11). καταχρυσώσας αὐτὴν χρ. καθαρῷ (1a)  
— 12 (13). καταχρυσώσας αὐτὰ χρυσίῳ (1a)  
— 16 (17). ποίσεις ἱλαστήριον ἐπιθέμα χρ.  
καθαροῦ (1a)  
— 22 (23). ποίσεις τράπεζαν χρυσὴν χρ.  
καθαροῦ (1a)  
— 27 (28). καταχρυσώσας αὐτοὺς χρ. καθαρῷ (1a)  
— 28 (29). χρ. καθαροῦ ποίσεις αὐτὰ (1a)  
— 30 (31). ποίσεις λυχνίαν ἐκ χρ. καθαροῦ (1a)  
— 35 (36). δὴν τορνεύτῃ ἐξ ἵνους χρ. καθαροῦ (1a)  
— 37 (38). τὰ ὑποθέματα αὐ. ἐκ χρ. καθαροῦ  
ποιήσεις (1a)  
— 38 (39). τάλαντον χρυσοῦ καθαροῦ (1a)  
26. 29. τοὺς στύλους καταχρυσώσας χρυσίῳ (1a)  
— 29. καταχρυσώσας τοὺς μοχλοὺς χρυσίῳ (1a)  
— 32. ἐπὶ τεσσάρων στύλων . . . κεχρυσωμένων  
χρυσίῳ (1a)  
— 37. χρυσώσας αὐτοὺς χρυσίῳ (1a)  
28. 5. λήψονται τὸ χρ. (1a)  
— 8. ἔσται ἐκ χρυσοῦ καὶ ὑακίνθου (1a)  
— 13. ποιήσεις ἀσπίδας ἐκ χρ. καθαροῦ (1a)  
— 14. ποιήσεις δύο κροσσωτὰ ἐκ χρ. καθαροῦ (1a)  
— 15. ποιήσεις αὐτὸ ἐκ χρυσοῦ (1a)  
— 20. περιεκαλυμμένα χρυσίῳ (1a)  
— 20. συνδεδεμένα ἐν χρυσίῳ [A<sup>1</sup> om. ἐν χρ.] (1a?)  
— 22. ἔργον ἀλυσιδωτὸν ἐκ χρ. καθαροῦ (1a)  
80. 3. καὶ καταχρυσώσας αὐτὰ χρ. καθαρῷ (1a)  
— 5. καταχρυσώσας αὐτὰς χρυσίῳ (1a)  
81. 4. ἐργάσθαι τὸ χρ. (1a)  
82. 24. εἰ [A om.] τινὶ ὑπάρχει χρυσία (1a)  
85. 5. οἴσουσι . . . χρυσίον (1a)  
— 23 (22). δοσι ἤνεγκαν ἀφαιρέματα χρυσοῦ (1a)  
— 32. ποιεῖν τὸ χρ. (1a)  
86. 9 (39. 2). ἐποίησε τὴν ἐπωμίδα ἐκ χρυσοῦ (1a)  
— 10 (39. 3). ἐτίμηθ' τὰ πέταλα τοῦ χρ. τριχῆς (1a)  
— 12 (39. 5). ἐκ χρυσοῦ καὶ ὑακίνθου (1a)  
— 13 (39. 6). Α Β<sup>3</sup> ἐποίησαν ἀμφοτ. τοὺς  
λίθους . . . χρυσίῳ γεγλυμένους [B<sup>1</sup>  
om. χρ. γ.] (1a)  
— 15 (39. 8). ἐκ χρυσοῦ καὶ ὑακίνθου (1a)  
— 20 (39. 13). περιεκαλυμμένα χρυσίῳ καὶ  
συνδεδεμένα [A add. ἐν χρυσίῳ (-, 1a)  
— 22 (39. 15). ἐκ χρ. καθαροῦ (1a)  
— 25 (39. 17). ἐπέθηκαν τὰ ἐμπλόκια ἐκ χρυ-  
σοῦ (1a)  
— 38 (39. 30). ἐποίησαν τὸ πέταλον τὸ χρυσοῦν  
. . . χρ. καθαροῦ (1a)

Ex. 37. 4 (36. 36). κατακεχρυσωμένους ἐν [A  
om.] χρυσίῳ (1a)  
— 6 (36. 38). τὰς κεφαλίδας αὐ. . . κατεχρύ-  
σωσαν χρυσίῳ (1a)  
38 (37). 2. κατεχρυσώσας αὐτὴν χρ. καθαρῷ (1a)  
38. 5 (37. 6). ἐποίησε τὸ ἱλαστήριον . . . ἐκ  
χρυσίου (1a)  
— 9 (37. 10). ἐποίησε τὴν τράπεζαν . . . ἐκ χρ.  
καθαροῦ (1a)  
— 11 (37. 15). κατεχρυσώσας αὐτοὺς χρυσίῳ (1a)  
— 18 (36. 36). ἐχρυσώσε τοὺς μοχλοὺς χρυσίῳ (1a)  
— 18 (36. 36). κατεχρυσώσε τοὺς στύλους τοῦ  
καταπέτασματος χρυσίῳ (1a)  
39. 1 (38. 24). πᾶν τὸ χρ. δὲ κατεργασθῇ . . .  
ἐγένετο χρυσοῦ [A ἐκ χρ.] τοῦ τῆς  
ἀπαρχῆς (1a, 1a)  
— 12 (32). τὸ δὲ λοιπὸν χρ. τοῦ ἀφαιρέματος  
Nu. 7. 86. πᾶν τὸ χρ. τῶν θυϊσκῶν (1a)  
22. 18: 24. 13. πλήρη τὸν οἶκον αὐ. ἀργυρίου  
καὶ χρυσοῦ (1a)  
31. 22. πλὴν τοῦ χρ. καὶ τοῦ ἀργυρίου (1a)  
— 51. ἔλαβε Μ. . . τὸ χρ. παρ' αὐτῶν (1a)  
— 52. καὶ ἐγένετο πᾶν τὸ χρ. (1a)  
— 54. ἔλαβε Μ. . . τὸ χρ. (1a)  
De. 7. 25. οὐκ ἐπιθυμήσεις . . . χρυσίου ἀπ' αὐτῶν  
8. 13. ἀργύριον καὶ χρ. πληθυνθέντος σοι (1a)  
17. 17. Α Β<sup>3</sup> Β ἀργύριον καὶ χρυσίον οὐ πλη-  
θυνεῖ εὐαγγ. (1a)  
29. 17 (16). καὶ τὰ εἰδωλα αὐ. . . ἀργύριον  
καὶ χρυσίον (1a)  
Jo. 6. 18 (19). πᾶν ἀργύριον ἢ χρυσίον . . . ἔσται  
τῷ π. κ. (1a)  
— 23 (24). πλὴν ἀργυρίου καὶ χρυσοῦ (1a)  
22. 8. καὶ ἀργύριον καὶ χρυσίον (1a)  
II Ki. 1. 24. Α τὸν ἀναφέροντα κόσμον χρυσίον  
[B -σοῖν] (1a)  
8. 11. ταῦτα ἡγίσαν . . . μετὰ τοῦ χρ. (1a)  
12. 30. καὶ ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσοῦ (1a)  
21. 4. οὐκ ἔστιν ἡμῖν ἀργύριον καὶ χρυσίον (1a)  
III Ki. 6. 20. περιέσχεν αὐτὸ χρ. συγκεκλει-  
σμένῳ (1a)  
— 20 (21). Α περιέπλησεν Σαλ. τὸν οἶκον  
ἐνδοθεν χρ. ἀποκλείσας [B al.] (1a)  
— 20 (21). Α παρήγαγεν ἐν καθολώμασιν χρυ-  
σοῦν (1a)  
— 20 (21). περιέσχεν αὐτὸν χρυσίῳ (1a)  
— 21 (22). δὸν τὸν οἶκον περιέσχε χρυσίῳ (1a)  
— 21 (22). Α δὸν τὸ ἔσω τοῦ δ. ἐπετάλωσεν  
χρυσίῳ (1a)  
— 28. περιέσχε τὰ χερουβείν χρυσίῳ (1a)  
— 30. τὸ ἔδαφος τοῦ οἴκου περιέσχε χρυσίῳ (1a)  
— 32. Α καὶ περιέσχε χρυσίῳ (1a)  
— 32. Α κατέβαινον ἐπὶ τὰ χρ. . . τὸ χρ. (1a)  
— 35. καὶ περιέσχε χρυσίῳ καταπομένῳ (1a)  
7. 51. τὸ χρ. . . ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυροὺς (1a)  
9. 11. ἀντελάβετο τοῦ Σ. . . ἐν χρυσίῳ (1a)  
— 14. ἤνεγκε Χ. τῷ Σ. ἑκατὸν καὶ εἰκοσι τάλαντα  
χρυσίου (1a)  
— 28. ἔλαβον ἐκείθεν χρυσίου ἑκατὸν καὶ εἰκοσι  
τάλαντα (1a)  
10. 2. Α κάμηλοι αἶρουσαι . . . χρυσίον [B -σόν] (1a)  
πολὺν σφόδρα (1a)  
— 10. ἔδωκε τῷ Σ. ἑκατὸν εἰκοσι τάλαντα  
χρυσίου (1a)  
— 11. ἡ ναὺς Χ. ἡ αἶρουσα τὸ χρ. ἐκ Σ. (1a)  
— 14. ἦν ὁ σταθμὸς τοῦ χρ. . . ἐξακόσια καὶ  
ἐξήκοντα ἐξ τάλαντα χρυσοῦ (1a, 1a)  
— 17. Α τρεῖς μναὶ χρυσίου εἵσαν εἰς τὸ  
ὄπλον τὸ ἐν [B al.] (1a)  
— 18. περιέχρυσώσας αὐτὸν χρ. δοκίμη (1a)  
— 21. πάντα τὰ σκεύη . . . χρυσίῳ συγκεκλει-  
σμένα [B<sup>1</sup> -οι, Α -φ] (1a)  
— 22. ναὺς ἐκ Θ. χρυσοῦ (1a)  
— 27. ἔδωκεν ὁ βασιλ. τὸ χρ. . . ὡς λίθους  
15. 18. ἔλαβεν Α. . . τὸ χρ. (1a)  
— 19. ἐξαπέστειλά σοι . . . χρυσίον (1a)  
16. 28 (22. 48 [49]). Β πορεύεσθαι ἐπὶ τὸ χρ. (1a)  
21 (20). 3. τὸ χρ. σου ἐμὸν ἔστι (1a)  
— 5. τὸ χρ. σου . . . δώσεις ἐμοί (1a)  
— 7. τὸ χρ. μου οὐκ ἀπεκώλυσα ἀπ' αὐτοῦ (1a)  
22. 49. Α τοῦ πορευθῆναι ὠφείλῃς εἰς χρυσίον (1a)  
IV Ki. 7. 8. ἤσαν ἐκείθεν . . . χρυσίον (1a)  
12. 18 (19). καὶ πᾶν τὸ χρ. [Α ἀργύριον] τὸ  
εὐρεθὲν (1a)  
14. 14. ἔλαβε τὸ χρ. (1a)  
16. 8. ἔλαβεν Α. . . χρυσίον [Α τὸ χρ.] (1a)

IV Ki. 18. 14. τριάκοντα τάλαντα χρυσοῦ (1a)  
20. 13. ἔδειξεν αὐτοῖς . . . τὸ χρ. (1a)  
23. 33. ἔδωκε . . . ἑκατὸν τάλαντα χρυσοῦ (1a)  
— 35. τὸ χρ. ἔδωκεν Α. τῷ Φ. (1a)  
— 35. ἔδωκεν τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρ. (1a)  
I Ch. 18. 11. μετὰ . . . τοῦ χρ. οὐ ἔλαβεν (1a)  
20. 2. εὐρέθη ὁ σταθμὸς αὐ. τάλαντον χρυσοῦ (1a)  
21. 25. ἔδωκε Δ. . . σίκλους χρυσοῦ ὀκτῆς  
ἐξακκοσίους (1a)  
22. 14. ἡτοίμασα . . . χρυσίου τάλαντων ἑκατὸν  
χιλιάδας (1a)  
— 16. ἐν χρυσίῳ ἐν ἀργυρίῳ ἐν χαλκῷ (1a)  
28. 18. τὸν τοῦ θυσιαστ. . . ἐκ χρ. δοκίμου  
σταθμὸν (1a)  
29. 2. ἡτοίμακα . . . χρυσίον (1a)  
— 3. ἔστι μοι δὲ περιεποιήματα χρυσίον (1a)  
— 4. τρισχίλια τάλαντα χρυσοῦ τοῦ ἐκ Σ. (1a)  
— 5. Β εἰς τὸ χρ. τῷ χρ. (1a, 1a)  
— 7. χρυσίου τάλαντα πεντακισχίλια (1a)  
II Ch. 1. 15. ἔθηκεν ὁ βασιλ. τὸ χρ. . . ὡς λίθους (1a)  
2. 7 (6). εἰδὸτα τοῦ ποιῆσαι ἐν τῷ χρ. (1a)  
— 14 (13). εἰδὸτα ποιῆσαι ἐν χρυσίῳ (1a)  
3. 4. κατεχρυσώσας αὐτὸν ἔσθαι χρ. καθαρῷ (1a)  
— 5. καὶ κατεχρυσώσας χρ. καθαρῷ (1a)  
— 6. ἐκόσμησε τὸν οἶκον . . . χρυσίῳ χρυσίου  
[Α -σοῖν] (1a, 1a)  
— 7. ἐχρυσώσε . . . τὰ θυρώματα χρυσίῳ (1a)  
— 8. ἐχρυσώσας αὐτὸν χρ. καθαρῷ (1a)  
— 9. πενήκοντα σίκλους χρυσοῦ (1a)  
— 9. τὸ ὑπερφόν ἐχρυσώσε χρυσίῳ [Α ἐν χρ.] (1a)  
— 10. καὶ ἐχρυσώσας αὐτὰ χρυσίῳ (1a)  
4. 20. καὶ τὰς λυχνίας . . . χρ. καθαροῦ (1a)  
— 21. καὶ τὰ πυρῖα . . . χρ. καθαροῦ (1a)  
5. 1. εἰσήνεγκε Σ. . . τὸ χρυσίον (1a)  
8. 18. ἔλαβεν ἐκείθεν τὰ τετρακόσια καὶ πενή-  
κοντα τάλαντα χρυσοῦ (1a)  
9. 1. κάμηλοι αἶρουσαι . . . χρυσίον (1a)  
— 9. ἔδωκε τῷ βασιλ. ἑκατὸν εἰκοσι τάλαντα  
χρυσίου (1a)  
— 10. ἔφερον χρυσίον τῷ Σαλ. (1a)  
— 13. ἦν ὁ σταθμὸς τοῦ χρ. τοῦ ἐνεχθέντος (1a)  
— 13. ἐξακόσια ἐξήκοντα ἐξ τάλαντα χρυσοῦ (1a)  
— 14. ἔφερον χρυσίον καὶ ἀργύριον τῷ βασιλ. Σ. (1a)  
— 17. κατεχρυσώσας αὐτὸν χρ. δοκίμη (1a)  
— 18. ἐξ ἀναβαθμοῦ τῷ θρόνῳ ἐνδεδεμένοι  
χρυσίῳ (1a)  
— 20. πάντα τὰ σκεύη τοῦ βασιλ. Σ. χρυσίου (1a)  
— 20. πάντα τὰ σκεύη οἴκου . . . χρυσίῳ κατε-  
λημμένα (1a)  
— 21. πλοῖα . . . γέμοντα χρυσίου καὶ ἀργυρίου (1a)  
— 27. ἔδωκεν ὁ βασιλ. τὸ χρ. . . ὡς λίθους  
15. 18. εἰσήνεγκε . . . ἀργύριον καὶ χρυσίον (1a)  
16. 2. ἔλαβεν Α. χρυσίον . . . ἐκ θησαυρῶν (1a)  
— 3. ἀπέσταλκά σοι χρυσίον (1a)  
21. 3. ἀργύριον καὶ χρυσίον καὶ ὄπλα (1a)  
25. 24. καὶ πᾶν τὸ χρ. καὶ τὸ ἀργύριον (1a)  
32. 27. θησαυροὺς ἐποίησαν αὐτῷ . . . χρυσίου (1a)  
36. 3. καὶ τάλαντον χρυσοῦ (1a)  
— 4. τὸ χρ. ἔδωκε τῷ Φ. (1a)  
— 4. ἀπῆγει τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρ. (1a)  
I Es. 1. 36. καὶ χρυσίου [B<sup>3</sup> -ίῳ] τάλαντ' ἐνί  
2. 6. βοηθήτωσαν αὐτῷ . . . ἐν χρυσίῳ  
— 9. ἐβοήθησαν . . . ἐν ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ  
4. 18. εἰ δὲ συναγάγωσι χρυσίον  
— 19. αὐτὴν αἰρετίζουσι μάλλον ἢ τὸ χρ.  
5. 45. δοῦναι . . . χρυσίον μνᾶς χιλίας  
8. 13. καὶ πᾶν χρ. καὶ ἀργύριον  
— 14. Β τὸ τε χρ. καὶ ἀργύριον [A<sup>3</sup> B τὸ δ.] εἰς  
ταύρους  
— 16. ὅσα ἐν βούλῃ . . . ποιῆσαι χρυσίῳ  
— 55. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὸ χρ.  
— 56. Β χρυσίου τάλαντων ἑκατὸν  
— 58. καὶ τὸ χρ. . . εὐχὴ τῷ κυρίῳ  
— 60. τὸ χρ. . . ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερόν  
— 62. σταθὲν τὸ ἀργύριον καὶ τὸ χρ. παρεδόθη (1a)  
II Es. 1. 4. ἐν ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ (1a)  
2. 69. ἔδωκεν εἰς θησαυρὸν τοῦ ἔργου χρ. κα-  
θαρόν (1a)  
7. 15. καὶ εἰς οἶκον κυρίου ἀργύριον καὶ χρυσίον (1a)  
— 16. καὶ πᾶν ἀργύριον καὶ χρ. δ. τὴν εὐρίαν (1a)  
— 18. ἐν καταλοιπῇ τοῦ ἀργ. καὶ τοῦ [A om.]  
χρ. ποιῆσαι (1a)  
8. 25. ἔστησα αὐτοῖς . . . τὸ χρ. (1a)  
— 26. ἔστησα . . . τάλαντα χρυσοῦ ἑκατὸν (1a)  
— 27. ἔστησα . . . ἐπιθυμητὰ ἐν χρυσίῳ (1a)  
— 28. τὸ ἀργ. καὶ τὸ χρ. ἐκούσιν τῷ κ. θεῷ (1a)



II Es. 8. 30. ἐδέξαντο . . . σταθμὸν . . . τοῦ χρ. (1a)  
 — 33. ἰστίσμεν . . . τὸ χρ. (1a)  
 Ne. 7. 71. B<sup>1</sup> ἔθηκαν . . . τοῦ [A B<sup>3</sup> B om.] χρ. (1a)  
 — 72. B<sup>1</sup> ἔδωκαν . . . χρυσίου ἰβδομήκοντα  
 μυριάδας [B<sup>3</sup> B al.] (1a)  
 To. 12. 8. ἡ θησαυρίσαι χρυσίον  
 13. B<sup>1</sup> οἱ πύργοι ἱερ. χρυσίφ οἰκοδομήσονται  
 — 16. A B οἱ προμαχώνες ἐν [B S om.] χρ.  
 καθαρῷ  
 Ju. 2. 18. ἔλαβε . . . χρυσίον καὶ ἀργύριον  
 5. 9. ἐπληθύνθησαν χρυσίφ καὶ ἀργυρίφ  
 8. 7. ὑπελείπετο αὐτῇ Μαν. . . χρυσίον  
 10. 21. δ ἦν ἐκ . . . χρυσίου  
 Jb. 23. 10. διέκρινε δέ με ὡσπερ τὸ [A om.] χρ. (1a)  
 27. 16. ἴσα δὲ πηλὴ ἐτοιμάσθαι χρυσίον  
 28. 1. τόπος δὲ χρυσίου [A B<sup>4</sup> -ίφ] ὅθεν  
 διηθῆται (1a)  
 — 6. χῶμα χρυσίον [B<sup>2</sup> -σαιον] αὐτῷ (1a)  
 — 16. οὐ συμβασταχθήσεται χρυσίφ Σωφίρ (1a)  
 — 17. οὐκ ἰσώθησεται αὐτῇ χρυσίον καὶ ὕαλος (1a)  
 — 19. χρυσίφ καθαρῷ οὐ συμβασταχθήσεται (1a)  
 31. 24. εἰ ἔταξα χρυσίον εἰς χούν μου (1a)  
 Ps. 18 (19). 10. ἐπιθυμῶν ὑπὲρ χρυσίον (1a)  
 67 (68). 13. καὶ τὰ μεταφρένα αὐτῆς ἐν χλωρό-  
 τητι χρυσίου (2)  
 71 (72). 15. δοθήσεται αὐτῷ ἐκ τοῦ χρ. τῆς  
 Ἀραβίας (1a)  
 104 (105). 37. ἐξήγαγεν αὐτοὺς ἐν ἀργυρίφ καὶ  
 χρυσίφ (1a)  
 118. 12 (115. 4). τὰ εἰδωλά των ἔθνων ἀργύριον  
 καὶ χρυσίον (1a)  
 118 (119). 72. ὑπὲρ χιλιάδας χρυσίου (1a)  
 — 127. A B<sup>1</sup> ἡγάπησα τὴν ἐντολὰς σου ὑπὲρ τὸ  
 [B<sup>2</sup> B om.] χρ. (1a)  
 134 (135). 15. τὰ εἰδωλά των ἔθνων ἀργύριον  
 καὶ χρυσίον (1a)  
 Pr. 3. 14. κρείττον γὰρ αὐτὴν ἐμπορεύσεσθαι ἢ  
 χρυσίον . . . θησαυροῦς (2)  
 8. 10. καὶ γινώσκον ὑπὲρ χρυσίον δοκιμισμόν.  
 — 10. A ἀναμαίρεισθε αἰσθήσιν χρυσίου  
 [B<sup>3</sup> al.] (1a)  
 — 19. βέλτιον ἐμὲ καρπίζεσθαι ὑπὲρ χρυσίον (2)  
 18. 16. νοστιά σοφίας αἰρετάτων χρυσίου  
 [A -φ] (2)  
 22. 1. ὑπὲρ δὲ ἀργύριον καὶ χρυσίον χάρις  
 ἀγαθῇ (1a)  
 27. 21. A δοκίμων ἀργυρίφ καὶ χρυσίφ [B S  
 -σφ] πύρωσις (1a)  
 Ec. 2. 8. συνήγαγόν μοι καὶ γε ἀργύριον καὶ γε  
 [B om.] χρυσίον (1a)  
 12. 6. καὶ συντριβὴ [A B -θλιβῇ] τὸ ἀνέμειον  
 τοῦ χρ. (1a)  
 Ca. 1. 11. ὁμοιώματα χρυσίου ποιήσομεν σοι (1a)  
 3. 10. B ἀνάκλιτον αὐτοῦ χρυσίον [A B χρύ-  
 -στον] (1a)  
 5. 11. κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον κεφάξ [A B  
 καὶ φάξ] (8)  
 Si. 7. 18. μηδὲ ἀδελφὸν γνήσιον ἐν χρυσίφ Σουφείρ  
 — 19. καὶ γὰρ χάρις αὐτῆς ὑπὲρ τὸ χρ.  
 8. 2. πολλοὺς γὰρ ἀπώλεσε τὸ χρ.  
 28. 24. τὸ ἀργύριον σου καὶ τὸ χρ. κατάρθον  
 29. 11. λυσιστελέσει σοι μᾶλλον ἢ τὸ [A<sup>1</sup> om.] χρ.  
 30. 15. ὑνίεια καὶ εὐξία βέλτιον παντὸς χρυσίου  
 34 (31). 5. ὁ ἀγαπῶν χρυσίον οὐ δικαιωθήσεται  
 — 6. πολλοὶ ἐδόθησαν εἰς πῶμα χάριν χρυσίου  
 — 8. ὅς ὅστις χρυσίον οὐκ ἐπορεύθῃ  
 40. 25. χρυσίον καὶ ἀργύριον ἐπιστήσουσι πόδα  
 41. 12. χίλιοι μεγάλοι θησαυροὶ χρυσίου  
 45. 11. ἐν δόσει χρυσίου ἔργῳ λιθοργου  
 47. 18. συνήγαγες ὡς κασίτερον τὸ χρ.  
 50. 9. ὡς σκεῖος χρυσίου ὀλοσφύρητον  
 Ho. 8. 4. τὸ χρ. αὐ. ἐποίησαν ἑαυτοὺς εἰδωλά (1a)  
 JI. 8 (4). 5. τὸ χρ. μου ἐλάβετε (1a)  
 Na. 2. 9 (10). διήρπασον τὸ χρ. (1a)  
 Hb. 2. 19. τοῦτο δὲ ἴστιν ἔλασμα χρυσίου (1a)  
 Ze. 1. 18. τὸ χρ. αὐ. οὐ μὴ δυνάται ἐξελεῖσθαι  
 αὐτοὺς (1a)  
 Hg. 2. 9 (8). ἐμόν τὸ ἀργύριον καὶ ἐμόν τὸ χρ. (1a)  
 Za. 6. 11. λήψῃ ἀργύριον καὶ χρυσίον  
 9. 3. καὶ χρυσίον ὡς πηλὸν ὀδών (2)  
 13. 9. ὡς δοκιμάζεται τὸ χρ. [A<sup>1</sup> al.] (1a)  
 14. 14. συνάξει . . . χρυσίον καὶ ἀργύριον (1a)  
 Ma. 3. 3. καθαρίζον ὡς τὸ ἀργύριον καὶ ὡς  
 τὸ χρ. —  
 — 3. χεεῖ αὐτοὺς ὡσπερ τὸ χρ. (1a)

Is. 2. 7. ἐπεπλήσθη γὰρ ἡ χώρα αὐ. ἀργυρίου καὶ  
 χρυσίου (1a)  
 3. 23. A B σὺν χρυσίφ [B -σφ] . . . συγκαθυ-  
 φασμένα —  
 — 24. ἀντὶ τοῦ κόσμου τῆς κεφαλῆς τοῦ χρ.  
 φαλάκρωμα —  
 13. 12. ἔσονται . . . ἐντιμοὶ μᾶλλον ἢ τὸ χρ. τὸ  
 ἄπυρον (4)  
 — 17. οὐδὲ χρυσίου [A B<sup>1</sup> -ιον] χρεῖαν ἔχουσι (1a)  
 39. 2. ἔδειξεν αὐτοῖς τὸν οἶκον . . . τοῦ χρ. (1a)  
 40. 19. χρυσοκόος χανεύσας χρυσίον (1a)  
 46. 6. οἱ συμβαλλόμενοι χρ. ἐκ μαρσιππίου (1a)  
 60. 6. ἤξουνται φέροντες χρ. (1a)  
 — 17. ἀντὶ χαλκοῦ οἶσιν σοι χρ. (1a)  
 Je. 10. 4. ἀργυρίφ καὶ χρυσίφ κεκαλλωπισμένα (1a)  
 — 9. χρ. Μωφάξ (1a)  
 Ba. 3. 17. τὸ χρ. φῖ ἐπεποίησαν ἀνθρώποι  
 — 30. τίς . . . οἶσαι αὐτὴν χρυσίον ἐλεγκτοῦ  
 La. 4. 1. πῶς ἀμυνθήσεται χρ. [A τὸ χρ.] (1a)  
 — 2. οἱ ἐπηρείοι ἐν χρυσίφ (4)  
 Ep. Je. 9. λαμβάνοντες χρ. κατασκευάζουσι στεφά-  
 νους —  
 — 10. χρ. καὶ ἀργύριον εἰς ἑαυτοὺς καταναλοῦσι  
 — 24. τὸ γὰρ χρ. δὲ πρίκεινται εἰς κάλλος  
 — 58. ὅν οἱ ἰσχύοντες περιελούνται τὸ χρ.  
 Ez. 7. 19. τὸ χρ. αὐτὸν ὑπεροφθήσεται (1a)  
 — 19. A τὸ χρ. αὐτὸν οὐ δυνήσεται ἐξε-  
 λῶσθαι (1a)  
 16. 13. ἐκοσμήσῃ χρυσίφ [A κόσμω χρυσίφ] (1a)  
 — 17. ἔλαβες τὰ σκεῦη τὰ καυχώσας σου ἐκ  
 τοῦ χρ. μου (1a)  
 27. 12. χρ. . . ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου —  
 — 22. χρ. ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου (1a)  
 28. 4. χρ. [A ἐποίησαν χρ.] καὶ ἀργύριον ἐν τοῖς  
 θησαυροῖς σου (1a)  
 — 13. ἐνδίδεσται . . . ἀργύριον καὶ χρ. (1a)  
 — 13. χρυσίον ἐνέπλησας τοὺς θησαυροὺς σου —  
 38. 13. λαβεῖν ἀργύριον καὶ χρ. (1a)  
 40. 39. A καὶ δύο τράπεζαι ἔσονται ἐκ χρυσίου —  
 Da. LXX. 2. 32. ἦν ἡ κεφαλὴ αὐ. ἀπὸ χρ.  
 χρυσοῦ (1b)  
 — 35. λεπτά ἐγένετο . . . δ ἀργυρος καὶ τὸ χρ. (1b)  
 11. 8. τὸ χρ. . . ἀποίσουν εἰς Αἴγυπτον (1a)  
 — 38. θεόν . . . τιμῆσει ἐν χρυσίφ (1a)  
 — 43. κρατήσῃ τοῦ τόπου τοῦ χρ. (1a)  
 Da. TH. 2. 32. B<sup>1</sup> B ἦς ἡ κεφαλὴ χρ. χρυσοῦ  
 [A B<sup>3</sup> καθαρῷ] (1b)  
 10. 5. περιέζωμένη ἐν χρυσίφ Ω. (8)  
 11. 8. μετὰ των χωνεντῶν αὐ. . . χρυσίου (1a)  
 — 38. A θεόν . . . δοξάσει ἐν χρυσίφ [B  
 -σφ] (1a)  
 — 43. A ἐν τοῖς ἀποκρύφους τοῦ χρ. [B  
 -στοῦ] (1a)  
 I Ma. 1. 23. ἔλαβε . . . τὸ χρ.  
 2. 18. δοξαθήσεται ἀργυρίφ καὶ χρυσίφ  
 3. 41. ἔλαβον . . . χρ. πολλὸ σφόδρα  
 4. 23. καὶ ἔλαβον χρυσίον  
 6. 1. πόλις ἐνδοξος . . . ἀργυρίφ καὶ χρυσίφ  
 8. 3. τοῦ κατακρατήσαι των μετᾶλλων . . . τοῦ χρ.  
 10. 60. ἔδωκεν αὐτοῖς ἀργύριον καὶ χρυσίον  
 11. 24. λαβὼν ἀργύριον καὶ χρυσίον  
 15. 26. ἀπέστελεν αὐτῷ . . . χρυσίον  
 16. 11. ἔσχεν ἀργύριον καὶ χρ. πολὺ  
 — 19. ὅπως δὲ αὐτοῖς . . . χρυσίον [B<sup>1</sup> om.]  
 II Ma. 3. 11. ἀργύριον τετρακόσια τάλαντα χρυσίου  
 διὰ διακόσια  
 III Ma. 1. 4. ἐπαγγελολομένη δώσειν . . . δύο μνᾶς  
 χρυσίου  
 [Aq. III Ki. 6. 20: 22. 49: Jb. 37. 22: Pr. 8.  
 19: Ec. 12. 6: CA. 5. 11: Is. 13. 17: Jk.  
 10. 9.]  
 [Sm. III Ki. 6. 20: Jb. 22. 24: 28. 16: 31. 24:  
 Pr. 8. 19: CA. 1. 11: 5. 11.]  
 [Th. Ex. 37 (38). 4, 11, 15 (38. 11): III Ki. 6.  
 20: Jb. 28. 6, 16: 31. 24: 37. 22: CA. 5. 11:  
 Jk. 10. 9: Ez. 7. 19: DA. 2. 32: 10. 5.]  
 [Al. Dt. 7. 25: III Ki. 22. 49: Pr. 8. 10.]  
 [Quint. CA. 1. 11.]  
 [Sext. CA. 5. 11.]  
 χρυσοειδής.  
 I Es. 8. 57. A B στύλβοντα χρ. [B om.] σκεῖν δώδεκα  
 χρυσόλιθος (-ον). (1) ὡς ὡς  
 Ex. 28. 20. χρυσόλιθος καὶ θηρύλλιον (1)  
 36. 20 (39. 13). B χρυσόλιθον [A B -ος] καὶ  
 θηρύλλιον (1)

Ez. 28. 13. ἐνδίδεσται . . . ἀμέθυστον καὶ χρυσό-  
 λιθον (1)  
 [Aq. Ez. 1. 16: 10. 9: DA. 10. 6 (Sw.).]  
 [Quint., Sext. CA. 5. 14.]  
 χρυσός. (1) α. 377 δ. 377 (2) 777  
 Nu. 7. 62. A<sup>1</sup> θύισκην μίαν δέκα χρυσῷ [A<sup>2</sup> B  
 -ών] (1a)  
 Jd. 8. 26. A σίκλοι χίλιοι καὶ ἐπτακόσιοι χρυσοῦ  
 [B al.] (1a)  
 III Ki. 10. 2. κάμηντοι αἰρουνται . . . χρ. [A -σίον]  
 πολὺν (1a)  
 — 17. τρεῖς μναὶ ἐνήσαν χρυσοῦ [A χρυσίου  
 ἐν.] εἰς τὸ ὅπλον τὸ ἐν (1a)  
 II Ch. 3. 6. A χρυσίφ χρυσοῦ [B -σίον] τοῦ  
 ἐκ φ. (1a)  
 I Es. 3. 6. καὶ ἐπὶ χρυσῷ καθεύδειν (1a)  
 II Es. 1. 6. ἐνίσχυσαν . . . ἐν χρυσῷ (1a)  
 — 11. πάντα τὰ σκεῦη τῷ χρ. (1a)  
 Ne. 7. 71. B χρυσοῦ νομισματος δύο μυριάδας  
 [A B S al.] (1a)  
 Es. 5. 1. ὁδὸς διὰ χρυσοῦ [A διαχρύσφ] καὶ λίθων  
 πολυτελῶν  
 Jb. 3. 15. μετὰ ἀρχόντων ὦν πολλὸς ὁ χρ. (1a)  
 41. 21 (22). πᾶς δὲ χρυσὸς θαλάσσης ὑπ' αὐτὸν  
 ὥσπερ πηλὸς ἀμέθυστος (2)  
 42. 11. τετραδραχμον χρυσοῦ καὶ [A B χρυ-  
 σοῦν] ἀσημον [A B -ον] (1a)  
 Pr. 17. 3. ὥσπερ δοκιμάζεται ἐν καμίνφ ἀργυρος  
 καὶ χρυσός (1a)  
 27. 21. δοκίμων ἀργυρίφ καὶ χρυσῷ [A -ίφ]  
 πύρωσις (1a)  
 Wi. 8. 6. ὡς χρυσὸν ἐν χωνευτηρίφ ἐδοκίμασεν αὐτοῦς  
 7. 9. ὁ πᾶς χρ. ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος δόλη  
 13. 10. χρυσὸν καὶ ἀργυρον τέχνης ἐμελέτημα  
 Si. 2. 5. ἐν πυρὶ δοκιμάζεται χρυσός  
 21. 21. B ὡς κόσμος χρυσοῦ [A B S -οῦ] φρονίμῳ  
 παιδείᾳ  
 45. 10. στυλῇ [B στήλῃ] ἀγίᾳ χρυσῷ καὶ ὑακίνθῳ  
 51. 28. πολλὸν χρυσὸν κτήσασθε ἐν αὐτῇ  
 Is. 3. 23. σὺν χρυσῷ [A B -σίφ] καὶ ὑακίνθῳ  
 συγκαθυφασμένα (1a)  
 60. 9. ἀγαγίν . . . τὸν χρ. αὐτὸν (1a)  
 Ez. 27. 22. B χρυσὸν [A B -ιον] ἔδωκαν τὴν  
 ἀγοράν σου (1a)  
 Da. LXX. 2. 45. συνήλθε τὸ δσπρακον . . .  
 τὸν χρ. (1b)  
 Da. TH. 2. 35. ἐλεπτήνθησαν εἰσάοξ . . . ὁ  
 ἀργυρος ὁ χρ. (1b)  
 — 45. ἐλεπτεν τὸ δσπρακον . . . τὸν χρ. (1b)  
 11. 38. θεόν . . . δοξάσει ἐν χρυσῷ [A -ίφ] (1a)  
 — 43. ἐν τοῖς ἀποκρύφους τὸν χρ. [A -ίου] (1a)  
 I Ma. 1. 22. A ἔλαβε . . . τὸν κόσμον τὸν χρ. [B B  
 -οῦν]  
 [Sm., Sext. Ps. 44 (45). 10.]  
 [Th. Pr. 20. 15: Is. 31. 7.]  
 [Quint. Ps. 44 (45). 10: CA. 5. 11.]  
 χρυσοστορευτός. (1) πῆρ π. 377  
 Ex. 25. 17 (18). ποιήσεις δύο χρ. χρυσοστορευτά  
 [A B<sup>3</sup> χρυσά τορευτά] (1)  
 χρυσοῦν. (1) πῆρ pi. (2) πῆρ a. pi.  
 δ. pu.  
 Ex. 25. 10 (11). ἔξωθεν καὶ ἔσωθεν χρυσώσεις  
 αὐτὴν (2a)  
 26. 32. ἐπὶ τεσσάρων στύλων . . . κεχρυσω-  
 μένων χρυσίφ (2b)  
 — 37. χρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίφ (2a)  
 38. 18 (36. 36). ἐχρύσωσε τοὺς μοχλοὺς χρυ-  
 σίφ (2a)  
 IV Ki. 18. 16. δ ἐχρύσωσαν Ἐζ.  
 II Ch. 3. 6. B καὶ ἐχρύσωσαν [A B om.] χρυσίφ —  
 — 7. ἐχρύσωσε τὸν οἶκον (1)  
 — 8. ἐχρύσωσαν [A κατεχρ.] αὐτὸν χρυσίφ  
 καθαρῷ (1)  
 — 9. τὸ ὑπερφόν ἐχρύσωσε χρυσίφ [A ἐν χρ.] (1)  
 — 10. καὶ ἐχρύσωσαν αὐτὰ χρυσίφ (2a)  
 χρυσοουργός.  
 Wi. 15. 9. ἀντερείδεται μὲν χρυσοουργός  
 χρυσοῦς. (1) α. 377 δ. 377 (2) 77  
 Ge. 24. 22. ἔλαβεν ὁ ἀνθρώπος ἐνάτια χρυσά (1a)  
 — 22. δέκα χρυσῶν ὀκτὴ αὐτῶν (1a)  
 — 53. σκεῖν ἀργυρὰ καὶ χρυσά (1a)

|  |  |  |
|--|--|--|
| Ge. 37. 28. ἀπέδωκε τὸν ἰ. τοῖς ἰσρ. εἰκοσι χρυσῶν +<br>41. 42. περιέθηκε κλοιὸν χρ. (1a)<br>45. 22. καὶ τῷ βεν. ἔδωκε τριακοσίους χρυσούς +<br>Ex. 8. 22. αἰτήσεις γυνή... σκευὴ ἀργυρὰ καὶ χρ. (1a)<br>11. 2. αἰτήσάτω ἕκαστος... σκευὴ ἀργυρὰ καὶ χρ. (1a)<br>12. 35. ᾗτησαν παρὰ τῶν Αἰγ. σκευὴ ἀργυρὰ καὶ χρ. (1a)<br>16. 33. λάβε στάμνον χρυσοῦν ἔνα -<br>20. 23. θεοὺς χρ. οὐ ποίησετε ὑμῖν ἑαυτοῖς (1a)<br>25. 10 (11). ποιήσεις αὐτῇ κυμάτια στρεπτά χρυσά [A om.] (1a)<br>- 11 (12). ἐλάσεις αὐτῇ τεσσάρους δακτυλίους χρ. (1a)<br>- 17 (18). A B <sup>1</sup> ποιήσεις δύο χειρ. χρυσά τορευτά [B <sup>1</sup> χρυσοτ.] (1a)<br>- 22 (23). ποιήσεις τράπεζαν χρ. [A om.] +<br>- 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στρεπτά κυμάτια χρ. [A al.] (1a)<br>- 24 (25). A ποιήσεις στρεπτόν κυμάτιον χρ. [B om.] (1a)<br>- 25 (26). ποιήσεις τέσσαρας δακτυλίους χρ. (1a)<br>26. 6. ποιήσεις κρίκους πεντήκοντα χρ. (1a)<br>- 29. τοὺς δακτυλίους ποιήσεις χρυσοῦς (1a)<br>- 32. 37. καὶ αἱ κεφαλίδες αὐ. χρ. (1a)<br>28. 29 (33). τὸ αὐτὸ εἶδος ρόικους χρ. (1a)<br>- 30 (34). παρὰ ρόικον χρ. κώδωνα χρ. (1a)<br>- 32 (36). ποιήσεις πέταλον χρυσοῦ καθαρόν (1a)<br>30. 3. ποιήσεις αὐτῷ στρεπτὴν στεφάνην χρ. (1a)<br>- 4. δύο δακτυλίους χρ. καθαρὸς ποιήσεις (1a)<br>32. 2. περιέλεσε τὰ ἐνώτια τὰ χρ. (1a)<br>- 3. περιέλατο... τὰ ἐνώτια τὰ χρ. (1a)<br>- 31. ἐποίησαν ἑαυτοῖς θεοὺς χρ. (1a)<br>35. 22. ἤνεγκαν... πᾶν σκεῦος χρ. (1a)<br>36. 23 (39. 16). ἐποίησαν δύο ἀσπίδισκας χρ. καὶ δύο δακτυλίους χρ. (1a, 1a)<br>- 24 (39. 16). ἐπέθηκαν τοὺς δύο δακτυλίους τοὺς χρ. -<br>- 27 (39. 19), 28 (39. 20). ἐποίησαν δύο δακτυλίους χρ. (1a)<br>- 33 (39. 25). ἐποίησαν κώδωνα χρ. (1a)<br>- 34 (39. 26). κώδων χρ. καὶ ρόικος -<br>- 38 (39. 30). ἐποίησαν τὸ πέταλον τὸ χρ. (1a)<br>37. 4 (38. 36). καὶ αἱ κεφαλίδες αὐ. χρ. (1a)<br>38 (37). 2. A ἐποίησεν αὐτῇ κυμάτιον χρ. (1a)<br>3. ἐχώνησεν αὐτῇ τέσσαρας δακτυλίους χρ. (1a)<br>38. 6 (37. 7). καὶ τοὺς δύο χειρ. χρυσούς [A al.] (1a)<br>- 10 (37. 13). A ἐχώνησεν αὐτῇ τέσσαρας δακτυλίους χρ. [B om.] (1a)<br>- 12 (37. 16). ἐποίησε... τὰ σπονδεῖα... χρ. (1a)<br>- 13 (37. 17). ἐποίησε τὴν λυχνίαν... χρ. (1a)<br>- 16 (37. 22). καὶ τὸ ἐνθέμιον... στερεὸν δλον χρ. (1a)<br>- 17 (37. 23). καὶ ἐπτά λύνους ἐπ' αὐτῆς χρ. -<br>- 17 (37. 23). καὶ τὰς λαβίδας αὐ. χρ. -<br>- 17 (37. 23). καὶ τὰς ἐπαρυστρίδας αὐ. χρ. (1a)<br>- 18 (38. 34). ἐχώνησε τῷ στυλῷ δακτυλίους χρ. (1a)<br>- 18 (38. 36). ἐποίησε τὰς ἀγκύλας χρ. (1a)<br>- 19 (38. 36). ἐποίησε καὶ τοὺς κρίκους τῆς σκηπῆς χρυσούς [A al.] -<br>40. 5. θῆσεις τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. (1a)<br>- 26. ἔθηκε τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. (1a)<br>Le. 8. 4. καὶ ἐπέθηκεν... τὸ πέταλον τὸ χρ. (1a)<br>Nu. 4. 11. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. ἐπικαλύψουσιν (1a)<br>7. 14. θύσκειν μίαν δέκα χρυσῶν (1a)<br>- 20. θύσκειν μίαν δέκα χρυσῶν [A <sup>1</sup> om. δ. χρ.] (1a)<br>- 26, 32, 38, 44, 50, 56. θύσκειν μίαν δέκα χρυσῶν (1a)<br>- 62. θύσκειν μίαν δέκα χρυσῶν [A <sup>1</sup> -ω] (1a)<br>- 68, 74, 80. θύσκειν μίαν δέκα χρυσῶν (1a)<br>- 84, 86. θύσκειν χρυσά δώδεκα (1a)<br>- 86. εἰκοσι καὶ ἑκατὸν χρυσοί -<br>8. 4. αὐτῇ ἡ κατασκευὴ τῆς λυχνίας στερεὰ χρυσῇ (1a)<br>31. 50. δ εἶρε σκεῦος χρ. (1a)<br>Jo. 7. 21. εἶδον... γλώσσαν μίαν χρ. (1a)<br>Jd. 8. 24. ἐνώτια χρυσά αὐτοῖς (1a)<br>- 25. A ἔβαλεν ἐκεῖ ἀνὴρ ἐνώτιον χρ. [B om.] -<br>- 26. ἐγένετο ὁ σταθμὸς τῶν ἐνωτίων τῶν χρ... χίλιοι καὶ πεντακόσιοι χρ. [A al.] (1a, 1a) | Jd. 8. 26. A πλὴν τῶν κλοιῶν τῶν χρ. -<br>I Ki. 6. 5 (4). πέντε ἔδρας χρ. (1a)<br>- 5 (4). A καὶ πέντε μίσαι χρ. (1a)<br>- 5. καὶ μὲς χρυσοῦς δμοίωμα τῶν μῶν ὕ. [A al.] -<br>- 8. τὰ σκευὴ τὰ χρ. ἀποδώσετε αὐτῇ (1a)<br>- 11. καὶ τὸ θέμα ἐργάβ καὶ τοὺς μὲς τοὺς χρ. (1a)<br>- 15. ἀνήνεγκαν... τὰ ἐπ' αὐτῆς σκευὴ τὰ χρ. (1a)<br>- 17. καὶ αὐταὶ αἱ ἔδραι αἱ χρ. (1a)<br>- 18. καὶ μὲς οἱ χρ. [A om.] κατ' ἀριθμὸν πασῶν πόλεων (1a)<br>II Ki. 1. 24. τὸν ἀναφέροντα κόσμον χρ. [A χρυσίον] (1a)<br>8. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς χλιδῶνας τοὺς χρ. (1a)<br>- 10. ἐν ταῖς χειρὶν αὐ. ἦσαν... σκευὴ χρ. (1a)<br>III Ki. 7. 48. τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. καὶ τὴν τράπεζαν... χρυσήν (1a, 1a)<br>- 49. καὶ τὰς λυχνίας... χρ. (1a)<br>- 49. καὶ τὰς ἐπαρυστρίδας χρ. (1a)<br>- 50. καὶ αἱ θύσκαί χρ. (1a)<br>- 50. καὶ τὰς θύρας τοῦ ναοῦ χρυσᾶς (1a)<br>10. 16. ἐποίησε Σ. τριακόσια δόρατα χρ. ἐλατά (1a)<br>- 16. τριακόσιοι χρ. ἐπήσαν ἐπὶ τὸ δόρυ τὸ ἐν (1a)<br>- 17. καὶ τριακόσια ὅπλα χρ. [A om.] ἐλατά (1a)<br>- 21. πάντα τὰ σκευὴ τὰ ὑπὸ τοῦ Σ. γεγονότα χρυσά [A al.] (1a)<br>- 21. καὶ λουτήρας χρ. -<br>- 25. ἔφερον... σκεῦος χρ. (1a)<br>12. 28. ἐποίησε δύο δαμάλεις χρυσᾶς (1a)<br>14. 26. ἔλαβε... τὰ δόρατα τὰ χρ. (1a)<br>- 26. τὰ πάντα ἃ ἔλαβεν ὅπλα τὰ χρ. (1a)<br>15. 15. τοὺς κίονας αὐ. εἰσπνεγκεν... χρυσοῦς (1a)<br>IV Ki. 6. 5. ἔλαβεν ἐν τῇ χειρὶ αὐ... ἐξακισχιλίους χρ. (1a)<br>10. 29. αἱ δαμάλεις αἱ χρ. ἐν B. (1a)<br>12. 13 (14). πᾶν σκεῦος χρ. (1a)<br>24. 13. συνέκοιψε πάντα τὰ σκευὴ τὰ χρ. (1a)<br>25. 15. τὰς φιάλας τὰς χρ... ἔλαβεν (1a)<br>I Ch. 18. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς κλοιούς τοὺς χρ. (1a)<br>- 11 (10). καὶ πάντα σκευὴ ἀργυρὰ καὶ χρ. (1a)<br>28. 14. τὸν σταθμὸν τῆς ὀλκῆς αὐ. τῶν τε χρ. καὶ ἀργυρῶν (1a)<br>- 16. τὸν σταθμὸν... ἐκόστης τραπέζης χρ. (1a)<br>- 17. καὶ τὸν φιαλὸν τῶν χρ. (1a)<br>- 17. καὶ τὸν σταθμὸν τῶν χρ. (1a)<br>7. 2. ἔδωκαν... χρ. μυρίους +<br>II Ch. 4. 7. ἐποίησε τὰς λυχνίας τὰς χρ. δέκα (1a)<br>- 8. ἐποίησε φιάλας χρ. ἑκατὸν (1a)<br>- 13. καὶ κώδωνα χρ. τετρακοσίους -<br>- 19. ἐποίησε Σ... τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. (1a)<br>- 22. εἰς τὰς θύρας τοῦ οἴκου τοῦ ναοῦ χρυσᾶς (1a)<br>9. 15. διακοσίους θυρεοὺς χρ. ἐλατοῦς (1a)<br>- 15. ἐξακόσιοι χρ. καθαροὶ τῷ ἐνὶ θυρεῷ (1a)<br>- 15. ἐξακόσιοι χρ. ἐπήσαν ἐπὶ τὸν ἑνα θυρεὸν (1a)<br>- 16. τριακοσίας ἀσπίδας ἐλατάς χρ. (1a)<br>- 16. A B τριακοσίους χρ. ἀνέφερετο ἐπὶ τὴν ἀσπίδα ἐκίστην (1a)<br>- 24. ἔφερον... σκεῦος χρ. (1a)<br>12. 9. ἔλαβε τοὺς θυρεοὺς τοὺς χρ. (1a)<br>18. 8. μεθ' ὑμῶν μόσχου χρ. χίλιος [A πολλοί] (1a)<br>- 11. καὶ ἡ λυχνία ἡ χρ. (1a)<br>24. 14. ἐποίησαν... θύσκας χρ. (1a)<br>I Es. 2. 13. σπονδεῖα χρ. χίλια (1a)<br>- 13. φιάλαι χρυσαὶ [A -εαί] τριάκοντα (1a)<br>- 14. τὰ δὲ πάντα σκευὴ ἐκομίσθη χρυσά (1a)<br>6. 18. καὶ τὰ ἱερὰ σκευὴ τὰ χρ. (1a)<br>- 26. καὶ τὰ ἱερὰ σκευὴ... τὰ τε χρυσά [A τὰ χρύσεα] (1a)<br>II Es. 1. 9. B χρυσοί [A B ψυκτήρες χρ.] τριάκοντα (1a)<br>- 9 (10). κφ. χρυσοὶ τριάκοντα [A al.] (1a)<br>5. 14. καὶ τὰ σκευὴ τοῦ οἴκου τοῦ θ... τὰ χρ. (1b)<br>6. 5. καὶ τὰ σκευὴ οἴκου τοῦ θεοῦ... τὰ χρ. [A -εα] (1b)<br>8. 27. καὶ κφ. χρυσοί [A -οαί] ἔκοισι (1a)<br>Ne. 7. 70. ἔδωκαν... χρ. χίλιος (1a)<br>- 72. B <sup>2</sup> ἔδωκαν... χρυσοὶ ἐν νομίσμῳ διὸ μυριάδας [B <sup>1</sup> al.] (1a)<br>Es. 1. 6. ἐπὶ κύβους χρ. καὶ ἀργυροῖς -<br>- 6. κλίνας χρ. [B <sup>1</sup> -οῖς] καὶ ἀργυροὶ [B <sup>1</sup> -οῖς] (1a)<br>- 7. ποτήρια χρ. καὶ ἀργυρὰ (1a)<br>4. 11. πλὴν ὧ ἐκτεῖνε ὁ βασ. τὴν χρ. ῥάβδον (1a)<br>5. 2. ἄρας τὴν χρ. ῥάβδον (1a)<br>8. 4. ἐξέτεινε δὲ ὁ βασ. Ἐ. τὴν ῥάβδον τὴν χρ. (1a) | Es. 8. 15. καὶ στέφανον ἔχων χρυσῶν (1a)<br>Jb. 28. 6. B <sup>2</sup> χώμα χρ. [A B B <sup>1</sup> -οῖον] αὐτῷ (1a)<br>- 17. τὸ ἀλλαγμὰ αὐτῆς σκευὴ χρυσά (2)<br>42. 11. A B τετραδραχμον χρυσοῦν ἄσημον [B χρυσοῦ καὶ ἀσημοῦ] (1a)<br>Ps. 44 (45). 13. ἐν κροσσωτοῖς χρυσοῖς περιβεβλημένη πεποικιλμένη [B <sup>1</sup> -οῖς] (1a)<br>Pr. 1. 9. καὶ κλοιὸν χρύσειον περὶ σφῖ τραχήλῳ -<br>11. 22. B <sup>2</sup> ὥσπερ ἐνώτιον χρ. [A B B <sup>1</sup> om.] ἐν ῥινὶ ὕψ. (1a)<br>25. 11. μῆλον χρυσοῦν [A -σεον] ἐν ὁρμίκῳ σαρόδιου (1a)<br>- 12. εἰς ἐνώτιον χρυσοῦν καὶ [A om.] σάρδιον πολυτελές (1a)<br>Ca. 3. 10. ἀνάκλιτον αὐτοῦ χρύσειον [S χρυσίον] (1a)<br>5. 14. χεῖρες αὐτοῦ τορευταὶ χρυσαί (1a)<br>- 15. στύλοι μαρμαρινοὶ τεθεμελιωμένοι ἐπὶ βάσεις χρυσᾶς (2)<br>Si. 6. 30. κόσμος γὰρ χρυσοῦς ἐστὶν ἐπ' αὐτῆς 21. 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονίμῳ παιδεῖα 26. 18. στύλοι χρύσειοι [A -εῖς] ἐπὶ βάσεως ἀργυρᾶς<br>35 (32). 5. σφραγὶς ἀνθρακος ἐπὶ κόσμῳ χρυσῷ - 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσῷ σφραγὶς σμαράγδου 45. 9. χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις κυκλοῖσιν - 12. στέφανον χρυσοῦν ἐπάνω κιδάρεως<br>Ho. 2. 8 (10). χρυσά ἐποίησε τῇ B. (1a)<br>Za. 4. 2. ἰδοὺ λυχνία χρ. δλη (1a)<br>- 12. οἱ ἐν ταῖς χειρὶ τῶν δύο μωζωτήρων τῶν χρ. (1a)<br>- 12. τῶν... ἐπαρυστρίδων τὰς ἐπαρυστρίδας τὰς χρ. (1a)<br>Is. 2. 20. ἐκβαλεῖ ἄνθρωπος τὰ βδελύγματα αὐτοῦ τὰ ἀργυρὰ καὶ τὰ χρ. (1a)<br>31. 7. ἀπαρνήσονται... τὰ χειροποίητα τὰ χρ. (1a)<br>Jc. 4. 30. ἐάν... κοσμήσῃ κόσμῳ χρ. (1a)<br>28 (51). 7. ποτήριον χρυσοῦν βαβυλῶν (1a)<br>52. 19. ἃ ἦν χρυσά χρυσά (1a, 1a)<br>Ep. Jc. 4. 8. ὤψεθε ἐν βαβ. θεοὺς ἀργυροῦς καὶ χρ. - 11. κοσμοῦσι... θεοὺς χρυσοῦς καὶ ξυλίνους - 30. γυναικες παρατιθέσιν θεοῖς ἀργυροῦς καὶ χρυσοῖς<br>Ez. 16. 13. A ἐκοσμήσῃς κόσμῳ χρ. [B al.] (1a)<br>Da. LXX. 2. 38. σὺ εἰ ἡ κεφαλὴ ἡ χρ. (1b)<br>3. 1. ἐποίησεν εἰκόνα χρ. (1b)<br>- 2. εἰς τὸν ἐγκαινισμὸν τῆς εἰκόνης τῆς χρ. -<br>- 5. προσκυνήσατε τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1b)<br>- 7. προσεκύνῃσαν τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1b)<br>- 10. προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1b)<br>- 12. τῇ εἰκόνι σου τῇ χρ... οὐ προσεκύνῃσαν (1b)<br>- 14. διὰ τί... τῇ εἰκόνι τῇ χρ... οὐ προσκυνεῖτε (1b)<br>- 15. προσκυνῇσαι τῇ εἰκόνι τῇ χρ. -<br>- 18. οὔτε τῇ εἰκόνι σου τῇ χρ... οὐ προσκυνομένη (1b)<br>5. 2. εἰπεν ἐνεγκάτω τὰ σκευὴ τὰ χρ. (1b)<br>- 7. μαριάκην χρ. περιθήσῃ αὐτῷ (1b)<br>- 16. μαριάκην χρ. περιθήσῃ σοι (1b)<br>- 29. μαριάκην χρ. περιθήσῃ αὐτῷ (1b)<br>Da. TH. 2. 38. σὺ εἰ ἡ κεφαλὴ ἡ χρ. (1b)<br>3. 1. Ναβ. ὁ βασ. ἐποίησεν εἰκόνα χρ. (1b)<br>- 5. προσκυνεῖτε τῇ εἰκόνι τῇ χρ. [A <sup>1</sup> om. τῇ χρ.] (1b)<br>- 7. προσεκύνον τῇ εἰκόνι τῇ χρ. (1b)<br>- 11. καὶ μὴ πεσὼν προσκυνήσῃ τῇ εἰκόνι τῇ χρ. -<br>- 12. τῇ εἰκόνι τῇ χρ... οὐ προσκυνοῦσι (1b)<br>- 14. καὶ τῇ εἰκόνι τῇ χρ... οὐ προσκυνεῖτε (1b)<br>- 15. A B προσκυνήσῃτε τῇ εἰκόνι τῇ χρ. [B om. τῇ χρ.] -<br>- 18. A τῇ εἰκόνι τῇ χρ. [B om. τῇ χρ.]... οὐ προσκυνομένη (1b)<br>5. 2. τοῦ ἐνεγκεῖν τὰ σκευὴ τὰ χρ. (1b)<br>- 3. ἠνέχθησαν τὰ σκευὴ τὰ χρ. (1b)<br>- 4. ἦνεσαν τοὺς θεοὺς τῶν χρ. (1b)<br>- 7. καὶ ὁ μαριάκης ὁ χρ. ἐπὶ τὸν τραχήλῳ αὐ. (1b)<br>- 16. ὁ μαριάκης ὁ χρ. ἔσται ἐπὶ τῷ τραχήλῳ σου (1b)<br>- 23. τοὺς θεοὺς τοὺς χρ... οὐκ ἐδόξασας (1b)<br>- 29. τὸν μαριάκην τὸν χρ. περιέθηκαν (1b)<br>I Ma. 1. 21. ἔλαβε τὸ θυσιαστήριον τὸ χρ. -<br>- 22. ἔλαβε... τὰς θύσκας τὰς χρ. -<br>- 22. B B ἔλαβε... τὸν κόσμον τὸν χρ. [A -όν] -<br>4. 57. κατεκόσμησαν τὸ κατὰ πρῶσπον τοῦ ναοῦ στεφάνους χρ. [B <sup>1</sup> om.] |
|--|--|--|

I Ma. 6. 2. καὶ ἐκεῖ καλύμματα χρ.  
— 12. ἔλαβον πάντα τὰ σκεύη . . . τὰ χρ.  
— 39. ὡς δὲ ἐστὶ λινὸν ὁ ἥλιος ἐπὶ τὰς χρ. . . ἀσπίδας  
10. 20. ἀπέστειλεν αὐτῷ . . . στέφανον χρ.  
— 89. ἀπέστειλεν αὐτῷ πόρπην χρ.  
11. 58. καὶ ἔχειν πόρπην χρ.  
13. 37. τὸν στέφανον τὸν χρ. . . κεκομίσμεθα  
14. 24. ἔχοντα ἀσπίδα χρ. μεγάλην  
— 44. ἐμποροῦσθαι πόρπην χρ.  
16. 18. ἤνεγκαν δὲ ἀσπίδα χρ.  
II Ma. 2. 2. Α<sup>2</sup> Β βλείποντες ἀγάλματα χρ.  
3. 25. ἐφαίνετο χρ. πανοπλίαν ἔχων  
5. 3. καὶ χρυσίον κόσμον ἐκλάμψεις  
11. 8. πανοπλίαν χρ. κραδαίνων  
14. 4. προσάγων αὐτῷ στέφανον χρ.  
15. 15. παραδόντων τῷ Ἰ. ῥομφαίαν χρ.  
[Aq. Ex. 39. 38 (17) : II Ki. 8. 7 : Jb. 42. 11 :  
[E. 52. 19 δις.]  
[Sm. Ex. 25. 24 (25) : 39. 38 (17) : II Ki. 8. 7 : Jb.  
28. 17 : 42. 11 : Ps. 44 (45). 14 : Ec. 12. 6 :  
[E. 52. 19 δις : Zc. 4. 12.]  
[Th. Ex. 25. 24 (25) : 28. 23, 24, 26, 27 : 37  
(38). 11, 12 (38. 11), 13 (38. 11) : 39. 38 (17) :  
Jb. 28. 17 : 42. 11 : Ps. 44 (45). 10.]  
[Al. Pr. 25. 13 δις.]

## χρυσοφορεῖν.

I Ma. 14. 43. ὅπως περιβάλληται πορφύραν καὶ χρυ-  
σοφορῇ

## χρυσοσχάλιος.

I Es. 8. 6. ἄρμα χρ. καὶ κίδαριν βυσσίνην  
II Ma. 10. 29. ἐφάνησαν . . . ἐφ' ἵππων χρ. πέντε  
ἄνδρες

## χρυσοσχός. (1) α. ἡρῖ, ἡρῖα δ. ἡρῖα ἡρῖ

Is. 40. 19. χρ. χωνεύσας χρυσίον περιχρυσώσεν  
αὐτὸν (1 δ)  
46. 6. μισθωσάμενοι χρυσόχον ἐποίησαν χει-  
ροποίητα (1 α)  
Je. 10. 9. καὶ χεῖρ [A B<sup>2</sup> χεῖρες] χρυσοχών (1 α)  
— 14 : 28 (51). 17. κατησχύνθη πᾶς χρ. (1 α)  
Ep. Je. 45. ὑπὸ τεκτόνων καὶ χρυσοχών κατεσκευ-  
ασμένα εἰσίν  
[Aq. Th. Je. 10. 9.]

## χρῶμα.

I Es. 3. 6. καὶ ἐν χρυσώμασι πίνειν  
8. 56. παρθένκα αὐτοῖς . . . χρυσώματα εἰκοσι  
I Ma. 11. 58. ἀπέστειλεν αὐτῷ χρυσώματα  
— 58. πίνειν ἐν χρυσώμασι  
15. 32. καὶ κυλίκιον μετὰ χρυσωμάτων  
II Ma. 4. 32. χρυσώματα τινα . . . νοσφισάμενος  
ἐχαρίσατο τῷ Ἀνδρ.  
— 39. χρ. ἦδη πολλῶν διενεργημένων

## χρῶμα.

Ex. 24. 29, 30. ἡ δῖος τοῦ χρ. [A χρωτός] τοῦ  
προσώπου αὐ. (1)  
Es. 6. 1. μετέβαλε τὸ χρ. αὐ. ἐν ἐκλύσει  
Wi. 16. 4. εἶδος σπινλωθέν χρώμασι διηλλαγμένοις  
[S<sup>1</sup> -ένοι]  
[Sm., Th. Ez. 28. 14.]

## χρῶς. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ

Ex. 28. 38 (42). καλύψαι ἀσχημοσύνην χρωτός  
αὐτῶν  
34. 29, 30. Α ἡ δῖος τοῦ χρ. [B χρώματος]  
τοῦ προσώπου αὐ. (2)  
Le. 13. 2. εἰν τινη γένηται ἐν δερματι χρωτός  
αὐ. οὐλή (1)  
— 2. καὶ γένηται ἐν δερματι χρωτός αὐ. ἀφή  
λέπρας (1)  
— 3. ὅφεται ὁ ἰ. τὴν ἀφήν ἐν δερματι τοῦ χρ.  
αὐ. (1)  
— 3. ἡ δῖος τῆς ἀφῆς ταπεινὴ ἀπὸ τοῦ δέρμα-  
τος τοῦ χρ. (1)  
— 4. ἐν τῷ δερματι τοῦ χρ. αὐ. (1)  
— 11. ἐν τῷ δερματι τοῦ χρ. (1)  
— 13. ἐκάλυψεν ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα τοῦ  
χρ. (1)  
— 14. ἡ ἡμέρα ὀφθῇ ἐν αὐτῷ χρῶς ζῶν  
— 15. ὀφεται ὁ ἱερεὺς τὸν χρ. τὸν ὑγιή  
— 15. καὶ μανεῖ αὐτὸν ὁ χρ. ὁ ὑγιής  
— 16. εἰδὲ ἀποκαταστῇ ὁ χρ. ὁ ὑγιής  
— 21. καὶ ταπεινὸν μὴ ᾗ ἀπὸ τοῦ δερματος τοῦ  
χρ. (2)

Le. 15. 7. Α Β<sup>1</sup> ὁ ὀπτόμενος [B<sup>2</sup> B add. τοῦ]  
χρωτός τοῦ γογορροῦς (1)  
16. 4. περισκελεῖς λινὸν ἔσται ἐπὶ τοῦ χρ. αὐ. (1)  
[Sm. Jb. 2. 4 δις.]  
[Al. Le. 13. 38.]

## χυδαῖος. (1) χ. γίνεσθαι ἡρῖ

Ex. 1. 7. καὶ χυδαῖοι ἐγίνοντο (1)  
χυδαίου.  
[Aq. Is. 33. 9.]

## χυλός.

IV Ma. 6. 25. δυσώδεις χ. εἰς τοὺς μυκτῆρας αὐ.  
κατέχεον

## χύμα (χύμμα). (1) ἡρῖ

III Ki. 4. 29 (5. 9). ἔδωκε κ. . . χύμα καρδίας (1)  
II Ma. 2. 24. συνωρῶντες γὰρ τὸ χ. τῶν ἀριθμῶν  
[Aq. Ps. 32 (33). 7.]  
[Sm. Is. 60. 6.]

## χύσις. (1) ἡρῖ

I Ki. 5. 6. Α ἐγένετο χύσις [B σύγχ.] θανάτου  
μεγάλου  
III Ki. 7. 24. Α δύο στίχοι . . . κεχυμένοι ἐν τῇ  
χ. αὐ. (1)  
[Sm. Is. 60. 6.]  
[Th. Hs. 2. 15.]

## χυτός. (1) ἡρῖ hoph. (2) ἡρῖ

II Ch. 4. 2. ἐποίησεν τὴν θαλάσσαν χυτὴν  
Jb. 40. 13 (18). ὡς ἡ βράχης αὐτοῦ σιδήρος [A  
ὡς σ.] χυτός (2)

## χύτρα (κύθρα, χύθρα, χύτρον?). (1) α. ἡρῖ

δ. ἡρῖ (2) ἡρῖ  
Nu. 11. 8. ἤψουν αὐτὸ ἐν τῇ χ. (1 δ)  
Jd. 6. 19. τὸν ζῶντα ἔβαλεν ἐν τῇ χ. [A al.] (1 δ)  
I Ki. 2. 14. Α ἐπάταξεν αὐτὴν . . . εἰς τὴν χ.  
[B al.] (2 + 1 δ [2])  
Si. 13. 2. τί κοινωνήσῃ χύτρα πρὸς λέβητα  
Mi. 3. 3. ἐμέλισαν . . . ὡς κρία εἰς χύτραν [A -a] (2)  
Jl. 2. 6. πᾶν πρόσωπον ὡς πρόσκαυμα χύτρας (1 α)  
Na. 2. 10 (11). τὸ πρόσωπον πάντων ὡς προσ-  
καυμα χύτρας (1 α)

## χυτρόκαυλος (-όγ.). (1) ἡρῖ

III Ki. 7. 38. ἐποίησε δέκα χ. χαλκοῦς τέσσα-  
ράκοντα χοῖς χωροῦντας τὸν χ.  
τὸν ἕνα (1, 1)  
— 38. ὁ χ. ὁ εἰς ἐπὶ τῇ μεχ. τῇ μαῖ (1)  
— 43. καὶ τοὺς χ. δέκα ἐπὶ τῶν μεχ. (1)

## χυτρόπους (κυθρ.). (1) ἡρῖ

Le. 11. 35. καὶ χυτρόποδες καθαιεθήσονται (1)

## χυθάρ. (1) ἡρῖ

IV Ki. 25. 17. καὶ τὸ χ. ἐπ' αὐτὸ τοῦ χαλκοῦς (1)  
— 17. καὶ τὸ ὕψος τοῦ χ. . . ἐπὶ τοῦ χ. κύκλῳ (1, 1)

## χυθαρέθ. (1) ἡρῖ

II Ch. 4. 12. καὶ ἐπ' αὐτῶν γυλᾶθ τῇ χ. (1)  
— 12. συγκαλύψαι τὰς κεφαλὰς τῶν χ. (1)  
— 13. τοῦ συγκαλύψαι τὰς δύο γυλᾶθ τῶν χ. (1)

## χυθαρώδ.

[Aq. Je. 52. 22.]

## χυθωνώδ. τιδ. τιδ χυθωνώδ.

[Aq. Je. 52. 22.]

## χυλαίνειν. (1) ἡρῖ α. qal. δ. ni.

II Ki. 4. 4. ἔπεισε καὶ ἐχλωάνθη (1 δ)  
III Ki. 18. 21. ἔως πότε ὑμεῖς χυλαίνετε (1 α)  
Ps. 17 (18). 45. ἐχλώσαν ἀπὸ τῶν τριβῶν αὐτῶν  
[Sm. III Ki. 18. 21.]

## χωλός. (1) ἡρῖ

Le. 21. 18. ἀνθρώπος χ. ἡ τυφλός (1)  
De. 15. 21. χωλὸν ἡ τυφλὸν . . . οὐ θύσεις αὐτό (1)  
II Ki. 5. 6. ἀντίστησαν . . . οἱ χ. (1)  
— 8. ἀπέστρω . . . τοὺς χ. (1)  
— 9 (8). χωλοὶ οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον  
κυρίου (1)  
9. 13. αὐτὸς ἦν χ. ἀμφοτέροις τοῖς ποσὶν αὐ. (1)  
19. 26 (27). ὅτι χωλὸς ὁ δοῦλός σου (1)  
Jb. 29. 15. ὀφθαλμοὶ ἡμῶν τυφλῶν ποὺς δὲ χω-  
λῶν (1)

Ma. 1. 8. ἐὰν προσεγγήγῃτε χωλὸν (1)  
— 13. εἰσεφέρετε ἀρπάγματα καὶ τὰ χ. (1)  
Is. 33. 23. πολλοὶ χωλοὶ προνομὴν ποιουσιν (1)  
35. 6. Α Β<sup>2</sup> Β ἀλείνται ὡς ἔλαφος ὁ [B S<sup>1</sup> om.] χ. (1)  
[Aq. Is. 33. 23.]  
[Sm. II Ki. 5. 6 : Pr. 28. 7.]

χῶμα. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ (3) ἡρῖ  
(4) ἡρῖ (5) ἡρῖ (6) ἡρῖ

Ex. 8. 16 (12). πάταξον τὸ χ. τῆς γῆς (4)  
— 17 (13). ἐπάταξε τὸ χ. τῆς γῆς (4)  
— 17 (13). ἐν παντὶ χ. τῆς γῆς ἐγένοντο οἱ  
σκοῖφες (4)  
— 18 (14). Β<sup>1</sup> ἐν παντὶ χ. τῆς γῆς  
Jo. 8. 28. χ. αἰκίοντες εἰς τὸν αἰῶνα ἔθηκεν αὐτὴν (6)  
Ne. 4. 2 (3. 34). Β μετὰ τὸ χ. γενέσθαι γῆς (5)  
Jb. 14. 19. κατέκλυσεν ὕδατα ὑπὲρ τοῦ χ. τῆς γῆς (4)  
17. 16. ἡ ὁμοθυμαδὸν ἐπὶ χῶματος καταβησό-  
μεθα (4)  
20. 11. μετ' αὐτοῦ ἐπὶ χῶματος κοιμηθήσεται (4)  
22. 24. θῆσθ' ἐπὶ χῶματι ἐν πέτρᾳ [A al.] (4)  
28. 6. χῶμα χρυσίον αὐτῷ (4)  
Hb. 1. 10. καὶ βαλεῖ χῶμα (4)  
Is. 25. 2. ἔθηκες πύλεις εἰς χ. (2)  
Ez. 21. 22 (27). βαλεῖν χ. καὶ οἰκοδομήσαι βε-  
λοστάσεις (3)  
Da. Th. 12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν γῆς  
χῶματι (1)  
[Aq. Dt. 18. 16 (17) : Jo. 11. 13 : Jc. 30 (37).  
18 : 49 (80). 2.]  
[Sm. Je. 49 (80). 2.]  
[Th. Le. 17. 13 : Jb. 14. 8, 19 : 19. 25 : 22.  
24 : 28. 6 : Is. 26. 5 : 34. 7.]  
[Al. III Ki. 20 (21). 38.]

## χωμαρεῖν. (1) ἡρῖ

IV Ki. 23. 5. κατέκαυσε τοὺς χ. (1)

## χωματίζεσθαι. (1) ἡρῖ ἡρῖ ἡρῖ

Jo. 11. 13. πᾶσας τὰς πόλεις τὰς κεχωματισμ.  
οὐκ ἐνέπρησεν Ἰσρ. (1)

## χωνεύειν. (1) ἡρῖ (2) ἡρῖ (3) ἡρῖ α. ni.

δ. hi. c. hoph. d. ἡρῖ (4) ἡρῖ  
(5) ἡρῖ α. qal. δ. pi.

Ex. 28. 37. χωνεύσεις αὐτοῖς πέντε βάσεις (1)  
38 (37). 3. ἐχώνευσεν αὐτὴν τέσσαρας δακτυ-  
λίους χρυσοῦς (1)

38. 10 (37. 13). ἐχώνευσεν αὐτὴν τέσσαρας  
δακτυλίους (1)  
— 18 (36. 34). ἐχώνευσεν τῷ στύλῳ δακτυλίου  
χρυσοῦς (1)

— 20 (38. 36). ἐχώνευσεν τὰς κεφαλίδας τὰς  
ἀργυρὰς τῆς σκηνῆς (1)  
III Ki. 7. 15. Β ἐχώνευσεν τὸ αἰλάμ [A B al.] (4)  
— 46. ἐχώνευσεν αὐτὰ (1)

IV Ki. 22. 9. ἐχώνευσαν οἱ δοῦλοι σου τὸ ἀργύ-  
ριον (3 δ)

II Ch. 4. 3. δύο γένη ἐχώνευσαν τοὺς μόσχους (1)  
— 17. ἐχώνευσεν αὐτὰ ὁ βασι. (1)  
34. 17. ἐχώνευσαν τὸ ἀργύριον (3 δ)

Ma. 3. 3. καθιέται χωνεύων (5 δ)  
Is. 40. 19. χρυσόχος χωνεύσας χρυσίον περι-  
χρυσώσεν (5 α)

Je. 10. 14. ψευδὴ ἐχώνευσεν [B -αν] (2)  
28 (51). 17. ψευδὴ ἐχώνευσαν [A -αν] (2)  
Ep. Je. 24. οὐδὲ γὰρ ὅτε ἐχώνευσαν ἡσθάνοντο

Ez. 22. 20. τοῦ χωνευσθῆναι [A -εῖν] . . .  
συνάξω καὶ χωνεύσω [A<sup>1</sup> ἐπαφίσω] (3 δ, 3 δ)  
— 21. χωνευσθήσεσθε ἐν μέσῳ αὐτῆς (3 α)  
— 22. ἐν τῷ τρόπῳ χωνεύεται [B<sup>2</sup> -τε] ἀργύριον  
ἐν μέσῳ καμίνου οὕτως χωνευσθή-  
σεσθε (3 δ, 3 c)

[Aq. Jb. 28. 1 : Is. 40. 19.]  
[Sm. Jb. 28. 1.]  
[Th. Jb. 28. 1 : Is. 44. 10.]  
[Al. Ex. 38. 5 (24).]  
[Heb. Jb. 28. 2.]

## χώνευμα. (1) ἡρῖ

De. 9. 12. ἐποίησαν ἐαυτοῖς χώνευμα [A -τά] (1)  
IV Ki. 17. 16 : Ho. 13. 2. ἐποίησαν ἐαυτοῖς  
χώνευμα (1)

Hb. 32. 18. ἐπλάσεν αὐτὸ [S<sup>3</sup> -σαν τὸ] χώνευμα (1)  
Jc. 10. 3. ἔργον τέκτονος καὶ χ. +  
[Aq., Sm. Jb. 51 (28). 17.]  
[Th. Is. 41. 29.]

χώνευσις. (1) א. פֶּצַחַב. δ. פֶּצַחַב  
Ex. 39. 4 (38. 27). ἐγένεθη . . . εἰς τὴν χ. τῶν  
ἐκτόν κεφαλίδων (1a)  
II Ch. 4. 3. χώνευσαν τοὺς μύσους ἐν τῇ χ.  
αὐ. (1b)

χωνευτήριον. (1) כִּוֵּר (2) פֶּצַחַב pi.  
III Ki. 8. 51. ἐκ μέσου χωνευτηρίου σιδήρου (1)  
Wi. 3. 6. ὡς χρυσὸν ἐν χωνευτηρίῳ ἐδοκίμασεν  
αὐτοὺς  
Za. 11. 13. κἀπὲς αὐτοὺς εἰς τὸ χ. +  
— 13. ἐνέβαλον αὐτοὺς . . . εἰς τὸ χ. +  
Ma. 3. 2. εἰσπορεύεται ὡς πύρ χωνευτηρίου (2)  
[Sm. ZA. 11. 13 bis.]  
[Al. Pr. 27. 21.]

χωνευτής. (1) פֶּצַחַב  
Jd. 17. 4. Α ἔδωκεν αὐτὸ τῷ χ. [B αὐ. ἀργυρο-  
κόπῳ] (1)

χωνευτός. (1) פֶּצַחַב hoph. (2) א. פֶּצַחַב  
δ. פֶּצַחַב  
Ex. 32. 4. ἐποίησεν αὐτὰ μύσους χ. (2a)  
34. 17. θεοὺς χ. οὐ ποιήσεις σεσαυφ (2a)  
Le. 19. 4. θεοὺς χ. οὐ ποιήσετε ὑμῖν (2a)  
Nu. 33. 52. πάντα τὰ εἰδωλὰ τὰ χ. αὐ. ἀπολείτε  
αὐτὰ (2a)  
De. 9. 12. Α ἐποίησαν ἑαυτοῖς χωνευτὰ [B  
— μα] (2a)  
— 16. ἐποίησαν ὑμῖν ἑαυτοῖς χωνευτὸν [A  
μύσους χ.] (2a)  
27. 15. ὅστις ποιήσει γλυπτὸν καὶ χωνευτὸν (2a)  
Jd. 17. 3. τοὺς ποιήσαι γλυπτὸν καὶ χωνευτὸν  
[A om. κ. χ.] (2a)  
— 4. ἐποίησεν αὐτὸν γλυπτὸν καὶ χωνευτὸν (2a)  
18. 14. ἔστιν ἐν τῷ οἴκῳ τοῦτ' . . . χωνευτὸν  
[A al.] (2a)  
— 17 (A), 18. ἐλαβον . . . τὸ χ. —  
— 20. ἐλαβε . . . τὸ χ. —  
III Ki. 7. 16. δύο ἐπιθέματα ἐποίησε . . . χω-  
νευτὰ (1)  
— 33. οἰνότοι αὐ. καὶ ἡ πραγματεία αὐ. πάντα χ. (1)  
14. 9. Α ἐποίησας σεσαυφ θεοὺς ἑτεροῦς χω-  
νευτὰ (2a)

II Ch. 33. 7. ἔθηκε τὸ γλυπτὸν τὸ [A καὶ τὸ] χ. —  
34. 3. τοὺς καθαρὰς τὸν 'I. . . ἀπὸ τῶν χ. (2a)  
— 4. τὰ χ. συνέτριψε (2a)  
Ne. 9. 18. ἐποίησαν ἑαυτοῖς μύσους χ. (2a)  
Na. 1. 14. χωνευτὰ ἔθροισι ταφῆν σου (2a)  
Is. 42. 17. οἱ λέγοντες τοῖς χ. (2a)  
48. 5. τὰ γλυπτὰ καὶ τὰ χ. ἐνετειλὰ μοι (2b)  
Da. LXX. 5. 1. πάντας τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν  
τοῖς χ. —  
11. 8. τοὺς θεοὺς ἀ. καταστρέψει μετὰ τῶν  
χ. αὐ. (2b)  
Da. TH. 11. 8. τοὺς θεοὺς αὐ. μετὰ τῶν χ. αὐ.  
... οἷσι (2b)

[Aq. III Ki. 14. 9.]  
[Heb. Ex. 32. 8.]

χώρα. (1) מְדִינָה (2) מְדִינָה (3) מְדִינָה  
(4) מְדִינָה (5) מְדִינָה (6) מְדִינָה (7) מְדִינָה  
(8) κατὰ χώραν מְדִינָה

Ge. 10. 20, 31. ἐν ταῖς χ. αὐ. καὶ ἐν τοῖς ἔθνε-  
σιν αὐ. (4)  
11. 28. ἀπέθανεν . . . ἐν τῇ χ. τῶν Χαλδαίων (2)  
— 31. ἐξήγαγον αὐτοὺς ἐκ τῆς χ. τῶν Χαλδ. (2)  
15. 7. ὁ ἐξαγαγὼν σε ἐκ χώρας Χαλδαίων (2)  
32. 3 (4). εἰς γῆν Σενίρ εἰς χώραν Ἐδώμ (7)  
36. 40. ἐν ταῖς χ. αὐ. καὶ ἐν τοῖς ἔθνεσιν αὐ. (6)  
41. 57. πᾶσαι αἱ χ. ἦλθον εἰς Αἴγ. (4)  
42. 9. κατανοήσαι τὰ ἔθνη τῆς χ. ἦκατε  
Ex. 14. 27. ἀπεκατέστη τὸ ὕδωρ . . . ἐπὶ χώρας (3)  
Le. 13. 23. εἰάν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ τηλαυ-  
γμα (8)  
— 28. εἰάν δὲ κατὰ χώραν μείνῃ τὸ ἀνὰ γῆν (8)  
— 37. εἰάν δὲ ἐνώπιον μείνῃ τὸ θράσος ἐπὶ  
χώρας —  
Nu. 32. 1. εἶδον τὴν χ. 'I. καὶ τὴν χ. Γ. (4, 4)

Jo. 4. 18. ὥρμησε τὸ ὕδωρ τοῦ 'I. κατὰ χώραν (8)  
5. 11. Α ἔκαρπιζαντο δὲ τὴν χ. [B κοῦραν]  
τῶν Φου. (4)  
III Ki. 5. 6. μέσον τῆς χ. αὐ. ἀνεφύσαν μύες  
+  
+  
III Ki. 7. 29. καὶ ὑποκατέθεν τὸν λέοντων . . .  
χώραν +  
— 4. καὶ χώρα ἐπὶ χώραν τρισσῶς +, +  
— 5. καὶ αἱ χ. τετράγωνοι μεμελαθρωμένοι +  
18. 10. ἐνέπρησε τὴν βασ. καὶ τὰς χ. αὐ. +  
21 (20). 14. Β ἐν τοῖς παιδαρίοις τῶν ἀρχόντων  
τῶν χ. [A B al.] (5)  
— 15. Α τοὺς παῖδας τῶν ἀρχόντων τῶν χ.  
[B B al.] (5)  
— 17. Α παιδάρια ἀρχόντων χωρῶν [B B al.] (5)  
— 19. Α τὰ παιδάρια ἐκ τῆς πόλεως ἀρχόντων  
χωρῶν (5)  
IV Ki. 18. 33. μὴ ῥύνομεν ἐρρύσαντο . . . ἕκασ-  
τος τὴν ἑαυτοῦ χ. (4)  
I Ch. 20. 1. ἐφθέραν τὴν χ. υἱὸν 'Α. (4)  
II Ch. 15. 5. Β ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας  
χώρας [A B τὰς χ.] (4)  
32. 13. πᾶσι τοῖς λαοῖς τῶν χ. (4)  
I Es. 4. 20. ἐγκαταλείπει . . . τὴν ἰδίαν χ.  
— 21. μέμνηται οὐτε τὴν μητέρα οὐτε τὴν χ.  
— 28. οὐχὶ πᾶσαι αἱ χ. εὐλαβοῦνται ἀψασθαι  
αὐτοῦ  
— 50. πᾶσαν τὴν χ. . . ἀφορολόγητον αὐτοῖς ὑπάρ-  
χουν  
5. 46. κατωκίσθησαν . . . ἐν 'Ιερ. καὶ τῇ χ.  
6. 8. παραγενόμενοι εἰς τὴν χ. τῆς 'I.  
— 17. βασιλείοντος Κύρου χώρας Βαβυλωνίας  
— 23. ἐν 'Εκβ. τῇ Βάρει τῇ ἐν Μερδία χ.  
8. 13. ὁ εἰς εὐρεθὴ ἐν τῇ χ. τῆς Βαβυλωνίας  
9. 37. κατώκησαν . . . ἐν τῇ χ. (5)  
II Es. 2. 1. οὗτοι οἱ υἱοὶ τῆς χ. (5)  
4. 15. καὶ κακοποιούσα βασιλεῖς καὶ χώρας (5)  
5. 8. ἐπορεύθημεν εἰς τὴν χ. τῆς 'I. (5)  
7. 16. ὅτι εἰς εὐρύς ἐν πάσῃ χ. Βαβυλώνας (5)  
Ne. 1. 3. οἱ καταλείποντες . . . ἐκεῖ ἐν τῇ χ. (5)  
7. 6. οὗτοι υἱοὶ τῆς χ. οἱ ἀναβάτες (5)  
9. 7. ἐξήγαγε αὐτὸν ἐκ τῆς χ. τῶν Χαλδαίων (2)  
11. 3. οἱ τοῖς ἀρχόντες τῆς χ. (5)  
To. 1. 3. τοῖς προπορευμένοις μετ' ἐμοῦ εἰς χώραν [S  
τὴν χ.] Ἀσσυρίων  
— 4. ὅτε ἦμιν ἐν τῇ χ. μου  
— 14. S ἐν τῇ χ. τῆς Μηδίας [A B al.] (5)  
Es. 1. 1. ἑκατὸν εἰκοσι ἐπτὰ χωρῶν ἐκράτησεν (5)  
— 22. Α ἀπέστηλεν εἰς χ. καὶ χώραν [B S al.] (5, 5)  
2. 3. ἐν πάσαις ταῖς [S<sup>3</sup> om.] χ. τῆς βασ. αὐ. (5)  
3. 12. S<sup>3</sup> τοῖς ἀρχουσὶν κατὰ πᾶσαν χ. καὶ χ.  
[A B S<sup>3</sup> om. κ. χ.] (5, 5)  
— 12. ταῖς [A om.] ἑκατὸν εἰκοσι ἐπτὰ χώρας —  
— 13. τοῖς . . . ἑκατὸν εἰκοσι ἐπτὰ χωρῶν ἀρχουσιν  
— 14. S<sup>2</sup> ἐξετίθετο κατὰ χώραν καὶ χώραν  
[A B S<sup>3</sup> om. κ. χ.] (5, 5)  
4. 3. ἐν πάσῃ χ. . . κρονηγ (5)  
8. 9. ἐγράφη . . . ἑκατὸν εἰκοσι ἐπτὰ σατρα-  
πείας κατὰ χώραν καὶ χώραν (5, 5)  
— 11. S<sup>2</sup> πᾶσαν δύναμιν λαοῦ καὶ χώρας (5)  
— 13. τοῖς . . . ἑκατὸν εἰκοσι ἐπτὰ σατραπείας  
χωρῶν [S<sup>1</sup> ἰδίαν χ.] ἀρχουσιν (5)  
— 17. τοῖς δὲ 'Ιουδ. ἐγένετο φῶς . . . κατὰ  
πόλιν καὶ χώραν (5)  
9. 12. Α ἐν δὲ τῇ χ. πᾶς οἶκος κέχρηται [B S al.] +  
— 19. οἱ διεσπαρμένοι ἐν πάσῃ [A τῇ] χ. τῇ ἐξω +  
— 27. κατὰ . . . πόλιν καὶ πατρίαν καὶ χώραν —  
Jb. 1. 1. ἀνθρώπος τις ἦν ἐν χώρα τῇ Αἰθιοπία (4)  
2. 11. παρεγένετο ἕκαστος ἐκ τῆς ἰδίας χ. [A  
πλῶσιν] (6)  
32. 2. 'Ελιούς . . . ἐκ τῆς συγγενείας 'Ράμ τῆς  
Αἰθιοπίας χ. —  
42. 18. ἦς καὶ αὐτὸς ἤρξε χώρας —  
— 18. 'Ασὼμ ὁ ὑπάρχων ἡγεμὼν ἐκ τῆς Θαι-  
μανιτικῆς χ. —  
Ps. 104 (105). 44. ἔδωκεν αὐτοῖς χώρας ἐθνῶν (4)  
105 (106). 27. καὶ διασκορπίσας αὐτοὺς ἐν ταῖς χ. (4)  
106 (107). 3. ἐκ τῶν χ. συνήγαγον αὐτοὺς (4)  
114 (116). 9. εὐφραντο ἐνώπιον κυρίου ἐν  
χώρας ζώντων (4)  
Pr. 8. 26. κύριος ἐποίησε χώρας (4)  
29. 4. βασιλεῖς δίκαιος ἀστήσῃ χώραν (4)  
Ec. 2. 8. περιουσιασμός τις βασιλείων καὶ τῶν χ. (5)  
5. 7. εἰς σκεφαστὴν πένιτος . . . ἴδης ἐν χώρα (5)  
Si. 10. 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κ.  
43. 3. ἐν μεσημβρίᾳ αὐτοῦ ἀναξηραίνει χώραν

Si. 47. 17. ἐν ἐρμηνείᾳ [A ἐρμηνείᾳ] ἀπεθαυμάσαν  
σε χώραν  
Am. 3. 9. ἀπαγγέilate χώρας ἐν Ἀσσυρίοις καὶ  
ἐπὶ τὰς χ. τῆς Αἴγ. +, +  
— 10. οἱ θησαυρίζοντες ἀδικίαν . . . ἐν ταῖς χ. αὐ. +  
— 11. διαρπαγίζονται αἱ χ. σου +  
6. 8. τὰς χ. αὐ. μεμίσκηκα +  
Mi. 5. 5 (4). ὅταν ἐπιβῇ ἐπὶ τὴν χ. ὑμῶν +  
Jn. 1. 8. ἐκ ποίας χ. . . εἰ σύ (4)  
Is. 1. 7. τὴν χ. ὑμῶν ἐνώπιον ὑμῶν ἀλλότριον  
κατεστήθουσιν (1)  
2. 6. ἐνεπλήσθη ὡς τὸ ἀπ' ἀρχῆς ἡ χ. αὐτῶν  
κληδοσιμῶν —  
— 7. ἐνεπλήσθη γὰρ ἡ χ. αὐτῶν ἀργυρίου (4)  
7. 18. τῇ μελίσῃ ἡ ἔστιν ἐν χώρα Ἀσσυρίων (4)  
— 19. ἐν ταῖς φάραγξι τῆς χ. +  
8. 8. ὥστε πληρῶσαι τὸ πλάτος τῆς χ. σου [A al.] (4)  
9. 1 (8. 23). ταχὺ ποίει χ. Ζαβουλών (4)  
— 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρα [A S<sup>2</sup> add.  
καὶ] σκία θανάτου (4)  
10. 9. οὐκ ἐλαβον τὴν χ. τὴν ἐπάνω Βαβυλώνας —  
— 10. Α S πᾶσας τὰς χ. [B ἀρχαῖς] λήψομαι +  
13. 14. εἰς τὴν χ. ἑαυτοῦ διώζεται [A S<sup>2</sup> al.] (4)  
18. 2. ὡς χ. κατοικοῦμένη κατοικηθήσεται (4)  
— 3. ἡ χ. αὐτῶν ὥστε σημείον ἀπὸ δροῦς ἀρῇ  
[S -ῇσεται] (4)  
— 7. ἐν μέρει ποταμοῦ τῆς χ. αὐτοῦ (4)  
19. 17. ἔσται ἡ χ. τῶν 'I. τοῖς Αἴγ. εἰς φόβητρον (1)  
— 19. ἔσται θυσιαστήριον τῷ κ. ἐν χώρα Αἴγ. (4)  
— 20. ἔσται εἰς σημεῖον . . . ἐν χώρα Αἴγ. (4)  
21. 14. οἱ ἐνοικοῦντες ἐν χώρα Θαμὰν (4)  
22. 18. ῥίψει σε εἰς χώραν μεγάλην (4)  
27. 13. ἐν τῇ χ. τῶν Ἀσσυρίων (4)  
28. 2. ὡς ὕδωρ πολὺ πλῆθος σὺρον χώραν (4)  
36. 10. μὴ ἀνεκ κυρίου ἀνέβημεν ἐπὶ τὴν χ.  
ταύτην (4)  
— 18. μὴ ἐρρύσαντο οἱ θεοὶ . . . ἕκαστος τὴν  
ἑαυτοῦ χ. (4)  
37. 7. ἀποστραφῆσεται εἰς τὴν χ. αὐτοῦ (4)  
— 12. αἱ εἰσιν ἐν χώρα Θεομάθ —  
— 18. ἡρήμωσαν . . . τὴν χ. αὐτῶν (4)  
Jc. 3. 18. ἦξουσιν . . . ἀπὸ πᾶσων τῶν χ. —  
4. 29. ἀνεχώρησε πᾶσα χ. +  
16. 15. ἀνήγαγε . . . ἀπὸ πᾶσων τῶν χ. (4)  
La. 1. 1. ἀρχουσα ἐν χώρας ἐγένεθη εἰς φόρον (5)  
Ep. Jc. 14. σκῆπτρον ἔχει ὡς ἄνθρωπος κριτῆς χώρας  
— 53. βασιλεία γὰρ χώρας οὐ μὴ ἀναστήσῃ  
— 61. τὸ δὲ αὐτὸ καὶ πνεῦμα ἐν πάσῃ χ. πνεῖ  
— 72. ἔσται θνείδος ἐν τῇ [A om.] χ.  
Ez. 5. 5. ἐν μέσῳ τῶν ἐθνῶν τέθεικα . . . τὰς  
κυκλῶ αὐτῆς χ. (4)  
— 6. ἐρεῖς . . . τὰ νόμια μου [A add. ἐκ] τῶν  
χ. τῶν κυκλῶ αὐτῆς (4)  
6. 8. ἐν τῷ διασκορπισμῷ ὑμῶν ἐν ταῖς χ. (4)  
11. 16. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς ἀγίασμα μικρὸν ἐν  
ταῖς χ. (4)  
— 17. Α<sup>2</sup> B συνάξω αὐτοὺς ἐκ τῶν χ. (4)  
12. 15. διασπερῶ αὐτοὺς ἐν ταῖς χ. (4)  
19. 8. ἔδωκαν ἐπ' αὐτὸν ἐθνη ἐκ [A ἀπὸ] χωρῶν  
κυκλόθεν (5)  
20. 23. διασπεύρει [A τοῦ διασκορπίσαι] αὐτοὺς  
ἐν ταῖς χ. (4)  
— 34. εἰσδέξομαι ὑμᾶς ἐκ τῶν χ. (4)  
— 41. εἰσδέξεσθαι [A -δέξομαι] ὑμᾶς ἐκ τῶν χ. (4)  
21. 19 (24). ἐκ χώρας μῖας ἐξελεύσονται αἱ [A  
ἀρχαὶ] δύο (4)  
22. 4. εἰς ἐμπαιγμὸν πάσαις ταῖς χ. (4)  
— 15. διασπερῶ σε ἐν ταῖς χ. (4)  
25. 7. ἀποδώ σε ἐκ τῶν χ. ἀπωλεία (4)  
28. 25. Α συνάξω τὸν 'Ισρ. ἐκ τῶν χ. [B ἐθνῶν] +  
29. 12. λικμῶσα αὐτοὺς εἰς τὰς χ. (4)  
30. 7. ἐν μέσῳ χωρῶν ἡρημωμένων [A ἡφανισμ.] (4)  
— 23, 26. λικμῶσα αὐτοὺς εἰς τὰς χ. (4)  
34. 13. συνάξω αὐτοὺς ἀπὸ [A ἐκ] τῶν χ. (4)  
35. 10. τὰ δύο ἔθνη καὶ αἱ δύο χ. ἐμαί ἔσονται (4)  
36. 19. ἐλίκμησα αὐτοὺς εἰς τὰς χ. (4)  
38. 13. Α πᾶσαι αἱ χ. αὐτῆς [B κῶμαι αὐτῶν]  
ἐροῦσιν σοι +  
39. 27. ἐν τῷ . . . συναγαγείν με αὐτοὺς ἐκ τῶν  
χ. τῶν ἐθνῶν (4)  
Da. LXX. 3. 1. Ναβ. βασιλεῖς διοικῶν πόλεις  
καὶ χώρας —  
— 1. ἐν πεδίῳ τοῦ περὶ βόλου χώρας Βαβυλωνίας (5)  
— 2. καὶ τοὺς ἐπ' ἐροῦσι κατὰ χώραν (5)  
— 3. καὶ πάντες οἱ ἀρχόντες τῶν χ. (5)  
— 4. ὑμῖν παραγγέλλεται, ἐθνη καὶ χώρα —

Da. LXX. 3. 12. οὐς κατέστησας ἐπὶ τῆς χ. τῆς Βαβυλωνίας (6)  
 — 30 (97). ἔξουσιν δοὺς ἐφ' ὅλης τῆς χ. (6)  
 4. 18. καὶ πᾶσαι αἱ χ. τοὶ δουλεύουσι —  
 — 34. ποιῶν ἐγὼ . . . καὶ αἱ χ. μου —  
 — 34. πᾶσι τοῖς κατὰ τὸν οὐρανὸν καὶ χώραις καὶ γλώσσας πᾶσαι ταῖς οἰκούμεναις ἐν πάσαις ταῖς χ. —  
 — 34. Ναβ. βασιλεὺς . . . πάσαις ταῖς χ. —  
 6. 25 (26). τότε Δαρ. ἔγραψε . . . χώραις —  
 7. 1. βασιλευσάντος Βαλτ. χώρας Βαβυλωνίας —  
 8. 2. ἦτις ἐστὶν ἐν Ἑλυσμαῖδι χώρα —  
 9. 7. ἐν πάσαις ταῖς χ. εἰς ἃς δισκορπίσας αὐτοὺς (4)  
 11. 16. στήσεται ἐν τῇ χ. (4)  
 — 19. εἰς τὴν κατισχύουσαν τὴν χ. αὐ. (4)  
 — 28 βίς. ἐπιστρέψει ἐπὶ τὴν χ. αὐ. (4)  
 — 39. χώραν ἀπομεμεῖ εἰς δωδεάν (1)  
 — 40. ἐισελεύσεται εἰς χώραν Αὐγύπτου (1)  
 — 41. ἐπελεύσεται εἰς τὴν χ. μου (4)  
 — 42. ἐν χώρᾳ Αὐγύπτου οὐκ ἔσται ἐν αὐτῇ διασφύζομενος (4)  
 12. 1. κατὰ τὴν χ. ἐκ. παρελεύσεται Μ. —  
 Bel 27. συνήχθησαν οἱ ἀπὸ τῆς χ. πάντες —  
 — 29. ἐπισυνήχθη ὁ δόχλος τῆς χ. ἐπ' αὐτὸν —  
 Da. TH. 2. 48. κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης χ. Βαβυλωνίας (5)  
 — 49. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χ. Βαβυλωνίας (5)  
 3. 1. ἔστησεν αὐτὴν . . . ἐν χώρᾳ Βαβυλωνίας (5)  
 — 2. καὶ πάντας τοὺς ἀρχοντας τῶν χ. (5)  
 — 3. καὶ πάντες οἱ ἀρχοντας τῶν χ. (5)  
 — 12. ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χ. Βαβυλωνίας (5)  
 — 30 (97). ἐν τῇ χ. [Ἀ ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χ.] Βαβυλωνίας (5)  
 8. 2. ἡ ἐστὶν ἐν χώρᾳ Αἰ. (5)  
 11. 24. ἐν πίστι χ. ἤξει (5)  
 I Ma. 1. 4. καὶ ἤρξε χωρῶν —  
 8. 29. καὶ οἱ φόροι τῆς χ. ὅλγιοι —  
 — 31. καὶ λαβεῖν τοὺς φόρους τῶν χ. —  
 — 37. διεπορευέτω τὰς ἐπάνω χ. —  
 — 41. ἤκουσαν οἱ ἔμποροι τῆς χ. τὸ ὄνομα αὐ. —  
 6. 1. διεπορευέτω τὰς ἐπάνω χ. —  
 7. 7. ἦν ἐποίησεν ἡμῖν καὶ τῇ χ. τοῦ βασ. —  
 — 20. κατέστησεν τὴν χ. τῇ Ἀλκ. —  
 — 24. Ἀ τοῦ πορευθῆναι εἰς χώραν [B τὴν χ.] —  
 8. 3. ὅσα ἐποίησαν ἐν χώρᾳ Σπανίας —  
 — 8. διδόναι . . . χώραν τὴν Ἰουδαίαν . . . καὶ ἀπὸ τῶν καλλίστων χ. αὐ. —  
 9. 24. αὐτομολήσεν ἡ χ. μετ' αὐτῶν —  
 — 25. κατέστησεν αὐτοὺς κυρίου τῆς χ. —  
 — 53. ἔλαβε τοὺς υἱοὺς τῶν ἡγουμ. τῆς χ. ἡμερα —  
 — 61. συνελθόντες ἀπὸ τῶν ἀνδρῶν τῆς χ. —  
 — 65. ἐξῆλθεν εἰς τὴν χ. —  
 — 69. ἐλθεῖν εἰς τὴν χ. —  
 10. 38. τοὺς προστεθέντας τῇ Ἰ. ἀπὸ τῆς χ. Σαμ. —  
 — 52. ἐπεκράτησα τῆς χ. ἡμῶν —  
 11. 62. διῆλθε τὴν χ. ἕως Δαμασκοῦ —  
 — 64. τὸν δὲ ἀδ. αὐ. Σ. κατέλειπεν ἐν τῇ χ. —  
 12. 25. ἀπήγαγεν αὐτοὺς εἰς τὴν Ἀμ. χ. —  
 — 25. τοῦ ἐμβατεύουσαι εἰς τὴν χ. αὐ. —  
 — 32. Ἀ Β. διώδυσεν ἐν πάσῃ τῇ [B σμ.] χ. —  
 13. 20. B τὸ ἐμβατεύουσαι εἰς τὴν χ. [Ἀ πόλιν] —  
 — 34. τοῦ ποιοῦσαι ἀφαιρῶν τῇ χ. —  
 — 49. ἐκωλύοντο ἐκπορεύεσθαι . . . εἰς τὴν χ. —  
 14. 6. ἐκράτησε τῆς χ. —  
 — 17. καὶ ἐπικρατεῖ τῆς χ. —  
 — 28. καὶ τῶν πρεσβυτ. τῆς χ. —  
 — 29. ἐπεὶ πολλὰκις ἐγενήθησαν πόλεμοι ἐν τῇ χ. —  
 — 31. ἐμβατεύουσαι εἰς τὴν χ. αὐ. —  
 — 31. Ἀ B τὸ ἐκρίψαι τὴν χ. αὐ. —  
 — 36. τοῦ ἐξαρθῆναι τὰ ἔθνη ἐκ τῆς χ. αὐ. —  
 — 37. πρὸς ἀσφάλειαν τῆς χ. —  
 — 42. καθιστάνα . . . ἐπὶ τῆς χ. —  
 — 43. Ἀ B ὅπως γράφονται . . . πᾶσαι συγγραφαὶ ἐν [B αἰ ἐν] τῇ χ. —  
 — 44. ἐπισυνστρέφει συστροφὴν ἐν τῇ χ. —  
 15. 4. ἐκβῆναι κατὰ τὴν χ. —  
 — 4. ὅπως μετέλθω τοὺς κατεφθαρκέντας τὴν χ. ἡμῶν

I Ma. 15. 6. Ἀ ποιῆσαι κόμμα ἴδιον νόμισμα τῆς χ. [B τῇ χ.] σου (6)  
 — 15. ἐχόντες ἐπιστολάς . . . ταῖς χ. —  
 — 19. γράψαι τοῖς βασιλεῦσι καὶ ταῖς χ. —  
 — 19. Ἀ ὅπως . . . μὴ πολεμήσωσιν . . . τὰς χ. [B τὴν χ.] αὐ. —  
 — 21. εἰ τινες οὖν λοιμοὶ διασφεύγασιν ἐκ [B σμ.] τῆς χ. αὐ. —  
 — 23. ἔγραψε . . . εἰς πάσας τὰς χ. —  
 — 35. B ἐποίησαν . . . πληγὴν μεγάλην καὶ τὴν χ. ἡμῶν [A B αἰ.] (6)  
 16. 4. ἐπέλεξεν ἐκ τῆς χ. εἰκοσι χιλιῶδες ἀνδρῶν —  
 — 13. ἡβουλήθη κατακρατῆσαι τῆς χ. —  
 — 14. ἐφοδῶντας τὰς πόλεις τὰς ἐν τῇ χ. —  
 — 18. ὅπως . . . παραδῶ αὐτῇ τὴν χ. αὐ. —  
 II Ma. 1. 1. οἱ ἀδελφοί . . . οἱ ἐν τῇ χ. τῆς Ἰουδ. —  
 2. 21. ὡς τὴν ὅλην χ. ὀλίγους ὄντας ληλατεῖν —  
 4. 26. εἰς τὴν Ἀμμαϊνὴν χ. συνήλαστο —  
 8. 6. χώρας ἀπροσδοκίτως ἐρχόμενος ἐνεπίμπερα —  
 — 25. ἀνέλυσαν ἀπὸ τῆς χ. —  
 9. 24. εἰδότες οἱ κατὰ τὴν χ. —  
 14. 2. κεκρατηκέναι τῆς χ. —  
 — 9. τῆς χ. . . προσσηῶντι —  
 III Ma. 3. 1. τοῖς ἐν τῇ χ. βαρυτέρας ἐναντιωθῆναι —  
 4. 11. τοῖς ἐκ τούτων εἰς τὴν χ. στελλομένοις —  
 — 18. καίπερ ὄντων ἐπὶ κατὰ τὴν χ. τῶν πλειόνων —  
 6. 1. ἀνὴρ ἐπίσημος τῶν ἀπὸ τῆς χ. Ἰουδαίων —  
 — 25. τὰ τῆς χ. ὀχυρώματα [Aq. Ge. 3. 2 (1): 24. 63: 27. 27: Ex. 23. 11: Jd. 5. 18: Ps. 49 (50). 11: 79 (80). 14: 131 (182). 6: CA. 2. 7: 8. 4: Is. 86. 2: 37. 27: 56. 9: Ez. 19. 7: DA. 8. 12 (Sw.): Mt. 8. 12.] [Sm. Ge. 42. 9: Jd. 5. 18: Ps. 104 (105). 35: 131 (182). 6: Ez. 5. 8: CA. 2. 7: Is. 86. 2: Jt. 28 (35). 8: Ez. 17. 5: 20. 46 (21. 2).] [Th. Ca. 2. 7: DA. 3. 2, 12: 8. 2: Jt. 3 (4). 2.] [Al. Ex. 1. 14: Le. 27. 16: CA. 8. 4.] [Quint. Ca. 2. 7.]  
 χώραξ (?).  
 I Ki. 17. 5. Ἀ ὁ σταθμὸς τοῦ χ. [B θάρακος] αὐ. +  
 χωρεῖν. (1) 𐤇𐤍𐤏 (2) 𐤇𐤍𐤏 (3) 𐤇𐤍𐤏 hi. (4) 𐤇𐤍𐤏 (5) χωρῶν 𐤇𐤍𐤏  
 Ge. 13. 6. οὐκ ἐχώρει αὐτοὺς ἡ γῆ κατοικεῖν ἅμα (4)  
 — 6. B οὐκ ἐχώρει αὐτοὺς ἡ γῆ κατοικεῖν ἅμα [A αἰ.] (2)  
 III Ki. 7. 26. Ἀ διςχιλίους χοεῖς χωροῦντας —  
 — 38. B τισσαράκοντα χοεῖς χωροῦντας [A B α] (3)  
 18. 32. ἐποίησε θάλασσαν χωροῦσαν δύο μετρητάς (5)  
 II Ch. 4. 5. χωροῦσαν [A -σα] μετρητὰς τρισχιλίους (1)  
 Wi. 7. 23. διὰ πάντων χωρῶν πνευμάτων νεοῶν καθαρῶν —  
 — 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν καθαρότητα —  
 II Ma. 8. 40. τὰ μὲν καθ' Ἡλιόδωρον . . . οὕτως ἐχώρησεν —  
 13. 26. οὕτω τὰ τῆς ἐφόδου τοῦ βασ. . . ἐχώρησε —  
 15. 37. τῶν οὖν κατὰ Νικάνορα χωρησάντων οὕτως —  
 IV Ma. 7. 6. οὐδὲ τὴν θεοσέβειαν . . . χωμήσασαν γαστέρα [Aq. Ps. 11 (12). 7.] [Sm. III Ki. 7. 38 (24): Ez. 23. 32.]  
 χώραμα. (1) 𐤇𐤍𐤏  
 Ez. 32. 6. Ἀ ποτισθήσεται ἡ γῆ ἀπὸ τῶν χ. [B προχ.] σου (1)  
 χωρίζειν. (1) 𐤇𐤍𐤏 (2) 𐤇𐤍𐤏 a. ni. δ. hi. (3) 𐤇𐤍𐤏 (4) 𐤇𐤍𐤏 ni.  
 Le. 13. 46. κεχωρισμένος καθίσταται (1)  
 Jd. 4. 11. X. ὁ K. ἐχωρίσθη ἀπὸ K. [A αἰ.] (4)  
 6. 18. μὴ χωρισθῆς [A κινήθης] ἐντέθειν —  
 I Ch. 12. 8. ἀπὸ τοῦ Γ. ἐχωρίσθησαν [A διεχ.] (2 a) πρὸς Δ.  
 I Es. 4. 44, 57. Ἀ ἐχώρισε [A ἐξεχώρησεν] Κύρος

I Es. 5. 39. ἐχωρίσθησαν τοῦ ἱερατεῖου 7. 13. πάντες οἱ χωρισθέντες ἀπὸ τῶν βδελυγμάτων 8. 54. ἐχώρισε . . . ἀνδρας δέκα δύο —  
 — 69. οὐκ ἐχώρισαν . . . τὰς ἀκαθαρσίας αὐτῶν —  
 9. 9. χωρίσθητε ἀπὸ τῶν ἰθύνων τῆς γῆς —  
 II Es. 6. 21. B καὶ πᾶς ὁ χωρίζομενος εἰς [A B τῆς] ἀκαθαρσίας ἐθνῶν (2 a) —  
 9. 1. οὐκ ἐχωρίσθη ὁ λαὸς Ἰσρ. (2 a) —  
 Ne. 9. 1. B<sup>1</sup> ἐχωρίσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν νηστείᾳ + —  
 — 2. ἐχωρίσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀπὸ παντὸς υἱοῦ ἀλλοτρίου (2 a) —  
 13. 3. ἐχωρίσθησαν πᾶς ἐπίμκτος ἐν Ἰσρ. (2 b) —  
 Pr. 18. 1. προφάσεις ζητεῖ ἀνὴρ βουλόμενος χωρίζεσθαι ἀπὸ φίλων (4)  
 Wi. 1. 3. σκολιοὶ γὰρ λογισμοὶ χωρίζουσιν ἀπὸ θεοῦ —  
 Ez. 46. 19. ἐκεῖ τόπος κεχωρισμένος + —  
 I Ma. 1. 11. Ἀ B<sup>1</sup> B ἀφ' ἧς ἐχωρίσθημεν [B<sup>1</sup> ἐχωρ.] ὑπ' αὐτῶν —  
 II Ma. 5. 21. θάττον εἰς τὴν Ἀντ. ἐχωρίσθη —  
 10. 19. αὐτοὺς ἐχωρίσθη —  
 12. 12. εἰς τὰς σκηνὰς ἐχωρίσθησαν —  
 III Ma. 2. 25. διὰ τε τῶν . . . ἐταίρων τοῦ παντὸς δικαίου κεχωρισμένων —  
 5. 50. τὰ νήπια χωρίσταντες τὸν μαστῶν [Aq. Dt. 10. 8: 19. 2: Jd. 4. 11: Ho. 4. 14.] [Sm. Jd. 4. 11: Pr. 19. 4: Is. 56. 3.] [Th. Ge. 16. 12: Jd. 4. 11: Ez. 1. 11: Ho. 4. 14.] [Al. Ex. 18. 1: Le. 13. 21: Pr. 16. 28: Is. 66. 5.]  
 χωρίον. (1) 𐤇𐤍𐤏  
 I Ch. 27. 27. καὶ ἐπὶ τῶν χ. Σεμ. (1)  
 — 27. καὶ ἐπὶ τῶν θησαυρῶν τῶν ἐν τοῖς χ. τοῦ οἴνου (1)  
 II Ma. 11. 5. συνεγγίσας B. ὅντι μὲν ἐρυμνῇ χ. —  
 12. 7. τοῦ δὲ χ. συγκλεισθέντος —  
 — 21. ἦν γὰρ δυσπολιόρκετος . . . τὸ χ. —  
 IV Ma. 15. 20. πολυάνδριον ὁρῶσα τῶν τέκνων χωρίον [B<sup>1</sup> χόριον, B<sup>2</sup> χορίδιον]  
 χωρίς.  
 Ge. 28. 1: 46. 26: 47. 22, 26. —  
 Le. 9. 17. —  
 Nu. 6. 21: 16. 49 (17. 14). —  
 Jd. 20. 15†, 17†. —  
 III Ki. 5. 16 (30): 10. 15. —  
 I Es. 4. 17†: 5. 41. —  
 II Es. 2. 65. —  
 Ju. 7. 2: 8. 6. —  
 Wi. 11. 20. —  
 Da. LXX. Bel 9. —  
 Da. TH. Bel 10†. —  
 IV Ma. 2. 8: 5. 8†. —  
 [Aq. Ex. 12. 37 (χ. ἀπό): Dt. 18. 8.]  
 χωρισμός. (1) 𐤇𐤍𐤏  
 Le. 12. 2. κατὰ τὰς ἡμέρας τοῦ χ. τῆς ἀφίδρου αὐ. (1)  
 18. 19. πρὸς γυναικὰ ἐν χωρισμῷ ἀκαθαρσίας αὐ. (1)  
 Za. 13. 1. καὶ εἰς τὸν χ. [A B<sup>1</sup> ρατισμὸν] (1)  
 III Ma. 3. 4. χωρισμὸν ἐποίησαν [Aq. Ez. 7. 19.] [Sm. Is. 56. 3.] [Al. Le. 15. 20, 24.]  
 χωροβατεῖν. (1) 𐤇𐤍𐤏 hithp. (2) 𐤇𐤍𐤏 (3) 𐤇𐤍𐤏  
 Jo. 18. 8. τοῖς πορευομένοις χωροβατῆσαι τὴν γῆν (2)  
 — 8. χωροβατῆσατε τὴν γῆν (1 + 2)  
 — 9. ἐχωροβάτησαν τὴν γῆν (3)  
 χωρογραφεῖν. [Al. Jo. 18. 8.]  
 χώρος.  
 IV Ma. 18. 23. Ἀ εἰς πατέρων χώρον [B B χορὸν] συναγαλόμενοι [Aq., Th. Jo. 1. 9.] [Sm. Jo. 1. 9: Jt. 31 (38). 40.]



## Ψ

|   |   |  |
|---|---|--|
| <b>ψαθυρουν.</b><br>[Aq. Jo. 9. 5 (11): Ps. 101 (102). 4.]  | <b>ψαλμός.</b> (1) α. 777 δ. 77777 c. 77777<br>d. 777 pi. (2) 777 (3) α. 777 pi.<br>δ. 77777 (4) 7777 (5) 7777 (6) 777<br>(7) 77777   | Ps. 83 (84). tit. : 84 (85). tit. τοῖς νίοις Κορέ<br><b>ψαλμός</b> (1 b)<br>86 (87). tit. τοῖς νίοις Κορέ ψαλμός φῶδης (1 b)<br>87 (88). tit. φῶδῃ ψαλμοῦ τοῖς νίοις Κορέ (1 b)<br>91 (92). tit. ψαλμός φῶδης εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ<br>σαββάτου [S προσαββ.] (1 b)<br>93 (94). tit. ψαλμός [A ψ. φῶδης] τῷ Δαυίδ —<br>94 (95). 2. ἐν ψαλμοῖς ἀλαλάζωμεν αὐτῷ (1 a)<br>97 (98). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>— 5. ἐν κιθάρᾳ καὶ φωνῇ [A S -ης] ψαλμοῦ (1 c)<br>98 (99). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ —<br>99 (100). tit. ψαλμός εἰς ἐξομολόγησιν (1 b)<br>100 (101). tit. ψαλμός [A om.] τῷ Δαυίδ (1 b)<br>107 (108). tit. S B φῶδῃ ψαλμοῦ [A ψαλμός]<br>τῷ Δαυίδ (1 b [8 + 1 b])<br>108 (109). tit. : 109 (110). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>137 (138). tit. B ψαλμός [A S om.] τῷ Δ. —<br>138 (139). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ [A τῷ Δ. ψ.] (1 b)<br>139 (140). tit. εἰς τὸ τέλος τῷ Δαυίδ ψαλμός (1 b)<br>140 (141). tit. : 142 (143). tit. ψαλμός τῷ<br>Δαυίδ (1 b)<br>146 (147). 1. ὅτι ἀγαθὸν [S' -ος] ψαλμός (1 d)<br>151. tit. οὗτος ὁ ψ. ἰδιόγραφος εἰς Δαυίδ<br>mbscr. A ψαλμοὶ ρν' καὶ ἰδιόγραφος [B βίβλος<br>ψαλμῶν, S ψαλμοί]<br>Am. 5. 23. ψαλμὸν ὀργάνων σου οὐκ ἀκούσομαι (1 c)<br>Za. 6. 14. καὶ εἰς ψαλμὸν ἐν οἴκῳ κυρίου +<br>Is. 66. 20. ὡς ἀνεγέκισαν . . . τὰς θυσίας αὐ.<br>ἐμοὶ μετὰ ψαλμῶν +<br>La. 3. 14. ἐγενήθη . . . ψ. αὐτῶν (3 b)<br>5. 14. ἐκλεκτοὶ ἐκ ψαλμῶν αὐτῶν κατέπανσαν (3 b)<br>III Ma. 6. 35. ἐν . . . ψαλμοῖς διήγον<br>[Aq. Ps. 4. 1: 6. 1: 12 (13). 1: 53 (54). 1: 54 (55). 1: 68 (69). 13.]<br>[Sm. Ps. 74 (75). 1: 76 (77). 7: 146 (147). 1: Is. 24. 16: 38. 20: 51. 3.]<br>[Th. Ps. 4. 1: 6. 1: 8. 1: 9. 1: 10 (11). 1: 11 (12). 1: 12 (13). 1: 18 (19). 1: 19 (20). 1: 22 (23). 1: 40 (41). 1: Is. 24. 16.]<br>[Quint. Ps. 9. 1.] |
| <b>ψάλλειν.</b> (1) 777 pi. (2) 777 α. qal. δ. pi.<br>Jd. 5. 3. ψάλλω τῷ κυρίῳ τῷ θεῷ Ἰσρ. (1)<br>I Ki. 16. 16. ἄνδρα εἰδότα ψάλλειν ἐν κινύρᾳ (2 b)<br>— 16. ψάλλει [A ψάλλειν] ἐν τῇ κινύρᾳ αὐ. (2 b)<br>— 17. ἴδετε δὴ μοι ἄνδρα ὁρθῶς ψάλλοντα (2 b)<br>— 18. A καὶ αὐτὸν εἰδότα ψάλλειν [B ψαλ-<br>μὸν] (2 b)<br>— 23. ἔψαλλεν ἐν χειρὶ αὐ. (2 b)<br>18. 10. A. ἔψαλλεν ἐν χειρὶ αὐ. (2 b)<br>19. 9. Δ. ἔψαλλε ταῖς [A ἐν ταῖς] χ. αὐ. (2 b)<br>II Ki. 22. 50. ἐν τῷ ὀνόματι σου ψάλλω (1)<br>IV Ki. 3. 15. λάβε μοι ψάλλοντα (2 b)<br>— 15. ὡς ἔψαλλεν ὁ ψάλλων (2 b, 2 b)<br>Ps. 7. 17. ψάλλω τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου (1)<br>9. 2. ψάλλω τῷ ὀνόματι σου, ὑψίστε (1)<br>— 11. ψάλλετε τῷ κυρίῳ τῷ κατοικοῦντι ἐν Σιών (1)<br>12 (13). 6. ψάλλω τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου —<br>17 (18). 49. τῷ ὀνόματι σου ψάλλω (1)<br>20 (21). 13. ψαλλοῦμεν τὰς δυναστείας σου (1)<br>26 (27). 6. ψάλλω τῷ κυρίῳ (1)<br>29 (30). 4. ψάλλετε τῷ κυρίῳ, οἱ ὅσιοι αὐτοῦ (1)<br>— 12. ὅπως ἂν ψάλλῃ σοι ἡ δόξα μου (1)<br>32 (33). 2. ἐν ψαλτηρίῳ δεκαχόρδῳ ψάλλετε<br>αὐτῷ (1)<br>— 3. καλῶς ψάλλετε [S ψ. αὐτῷ] ἐν ἀλαλγῇ (2 b)<br>46 (47). 6. ψάλλετε τῷ θεῷ ἡμῶν ψάλλετε ψάλλετε<br>τῷ βασιλεῖ ἡμῶν ψάλλετε (1 quater)<br>— 7. ψάλλετε συνετάς (1)<br>56 (57). 7. καὶ ψαλῶ [S' ψ. σοι] (1)<br>— 9. ψάλλω σοι ἐν ἔθνεσιν (1)<br>58 (59). 17. σοὶ ψαλῶ, ὁ θεός μου (1)<br>60 (61). 8. ψάλλω τῷ ὀνόματι σου (1)<br>65 (66). 2. ψάλλετε δὴ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (1)<br>— 4. ψαλάτωσαν οἱ ψαλάτωσαν τῷ ὀνόματι<br>σου (1, 1)<br>67 (68). 4. ψάλλετε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (1)<br>— 25. B προσέφθασαν ἀρχοντες ἐχόμενοι [S -ρα<br>ψαλλόντων] (2 a)<br>— 32. ψάλλετε τῷ κυρίῳ (1)<br>— 33. B ψάλλετε τῷ θεῷ —<br>68 (69). 12. εἰς ἐμὲ ἔψαλλον οἱ πίνοντες τὸν<br>αἶνον +<br>70 (71). 22. ψάλλω σοι ἐν κιθάρᾳ (1)<br>— 23. ὅταν ψάλλω σοι (1)<br>74 (75). 9. ψάλλω τῷ θεῷ Ἰακώβ (1)<br>91 (92). 1. καὶ ψάλλειν τῷ ὀνόματι σου (1)<br>97 (98). 4. ἀγαλλιᾶσθε καὶ ψάλλετε (1)<br>— 5. ψάλλετε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρᾳ (1)<br>100 (101). 1. ψάλλω καὶ συνίσω (1)<br>103 (104). 33. A <sup>2</sup> B S ψάλλω τῷ θεῷ μου (1)<br>104 (105). 2. ἄσαστε αὐτῷ καὶ ψάλλετε αὐτῷ (1)<br>107 (108). 1. ἄσαστε καὶ ψάλλω ἐν τῇ δόξῃ μου (1)<br>— 3. ψάλλω σοι ἐν ἔθνεσιν (1)<br>134 (135). 3. ψάλλετε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (1)<br>137 (138). 1. ἐναντίον ἀγγέλων ψάλλω σοι (1)<br>143 (144). 9. ἐν ψαλτηρίῳ δεκαχόρδῳ ψάλλω σοι (1)<br>145 (146). 2. ψάλλω τῷ θεῷ μου ἕως ὑπάρχω (1)<br>146 (147). 7. ψάλλετε τῷ θεῷ ἡμῶν ἐν κιθάρᾳ (1)<br>149. 3. ἐν τυμπάνῳ καὶ ψαλτηρίῳ ψαλάτωσαν<br>αὐτῷ (1)<br>Si. 9. 4. μετὰ ψαλλούσης [B <sup>2</sup> λυριζούσης] μὴ ἐνδε-<br>λέχῃ<br>[Aq. Ps. 32 (33). 3.]<br>[Sm. Ps. 32 (33). 3: 68 (69). 13: Is. 38. 20.] | II Ki. 23. 1. καὶ ἐμπρεπεῖς ψαλμοὶ Ἰσρ.<br>Ju. 16. 2. ἐναρμόσασθε αὐτῷ ψαλμὸν<br>Jb. 21. 12. εὐφραίνονται φωνῇ ψαλμοῦ (4)<br>30. 31. ὁ δὲ ψ. μου εἰς κλαυθμὸν ἐμοί (4)<br>Ps. tit. ψαλμοὶ [A ψαλτήριον, S om.] (7)<br>3. tit. ψαλμός [A om.] τῷ Δαυίδ (1 b)<br>4. tit. ἐν ψαλμοῖς φῶδῃ [A ψαλμός] τῷ Δαυίδ<br>(3 b [1 b])<br>5. tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>6. tit. ὑπὲρ τῆς ὀδοῦς ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>7. tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (5)<br>8. tit. : 9. tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>10 (11). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ —<br>11 (12). tit. : 12 (13). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>13 (14). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ —<br>14 (15). tit. : 18 (19). tit. : 19 (20). tit. : 20<br>(21). tit. : 21 (22). tit. (B S) : 22<br>(23). tit. : 23 (24). tit. ψαλμός τῷ<br>Δαυίδ (1 b)<br>24 (25). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ —<br>28 (29). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>29 (30). tit. ψαλμός φῶδης τοῦ ἔγκανισμου τοῦ<br>οἴκου τοῦ Δ. (1 b)<br>30 (31). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>31 (32). tit. A ψαλμός [B S συνίσεως] τῷ Δαυίδ +<br>34 (35). tit. A ψαλμός [B S om.] τῷ Δαυίδ —<br>35 (36). tit. A τῷ Δαυίδ ψαλμός [B S al.] —<br>36 (37). tit. A εἰς τὸ τέλος ψαλμός τῷ Δ. [B S<br>al.] —<br>37 (38). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>39 (40). tit. τῷ Δαυίδ ψαλμός (1 b)<br>40 (41). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>41 (42). tit. (A) : 42 (43). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ —<br>43 (44). tit. εἰς σύνεισιν [A om. εἰς σ.] ψαλμός<br>[S om.] —<br>45 (46). tit. ὑπὲρ τῶν κρηφίων ψαλμός [A τοῦ<br>Δαυίδ ψαλμός] (6)<br>46 (47). tit. ὑπὲρ τῶν υἱῶν Κορέ ψαλμός [A<br>al.] (1 b)<br>47 (48). tit. B ψαλμός φῶδης [S φῶδῃ ψαλμοῦ]<br>τοῖς νίοις K. [A al.] (6 [1 b])<br>48 (49). tit. τοῖς νίοις Κορέ ψαλμός [A al.] (1 b)<br>49 (50). tit. ψαλμός τῷ Ἀσάφ [A al.] (1 b)<br>50 (51). tit. εἰς τὸ τέλος ψαλμός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>60 (61). tit. S ψαλμός τῷ Δαυίδ [B al.] (3 b ?)<br>61 (62). tit. : 62 (63). tit. : 63 (64). tit. ψαλ-<br>μός τῷ Δαυίδ (1 b)<br>64 (65). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ φῶδῃ [S om.]<br>(1 b [1 b + 6])<br>65 (66). tit. φῶδῃ ψαλμοῦ ἀναστάσεως [S om.] (1 b)<br>66 (67). tit. ψαλμός τῷ Δαυίδ [S ψ. φῶδης]<br>(1 b + 6 [1 b])<br>67 (68). tit. τῷ Δαυίδ ψαλμός φῶδης (1 b)<br>70 (71). tit. S τῷ Δ. ψαλμός [B om.] —<br>— 22. ἐξομολογήσασθαι σοὶ ἐν σκευῇ ψαλμοῦ<br>[S om. ἐν σκ. ψ.] τὴν ἀληθειάν σου (2)<br>72 (73). tit. ψαλμός τῷ Ἀσάφ (1 b)<br>74 (75). tit. ψαλμός φῶδης τῷ Ἀσάφ (1 b)<br>75 (76). tit. : 76 (77). tit. ψαλμός τῷ Ἀσάφ (1 b)<br>78 (79). tit. ψαλμός τῷ Ἀσάφ [S Δαυίδ] (1 b)<br>79 (80). tit. ψαλμός ὑπὲρ τοῦ Ἀσσυρίου [S<br>om. ὑ. τοῦ Ἀσσ.] (1 b)<br>80 (81). tit. ψαλμός τῷ Ἀσάφ [A Δαυίδ] —<br>— 2. λάβετε ψαλμὸν (1 c)<br>81 (82). tit. ψαλμός τῷ Ἀσάφ (1 b)<br>82 (83). tit. φῶδῃ ψαλμοῦ τῷ Ἀσάφ (1 b) | Am. 5. 23. ψαλμὸν ὀργάνων σου οὐκ ἀκούσομαι (1 c)<br>Za. 6. 14. καὶ εἰς ψαλμὸν ἐν οἴκῳ κυρίου +<br>Is. 66. 20. ὡς ἀνεγέκισαν . . . τὰς θυσίας αὐ.<br>ἐμοὶ μετὰ ψαλμῶν +<br>La. 3. 14. ἐγενήθη . . . ψ. αὐτῶν (3 b)<br>5. 14. ἐκλεκτοὶ ἐκ ψαλμῶν αὐτῶν κατέπανσαν (3 b)<br>III Ma. 6. 35. ἐν . . . ψαλμοῖς διήγον<br>[Aq. Ps. 4. 1: 6. 1: 12 (13). 1: 53 (54). 1: 54 (55). 1: 68 (69). 13.]<br>[Sm. Ps. 74 (75). 1: 76 (77). 7: 146 (147). 1: Is. 24. 16: 38. 20: 51. 3.]<br>[Th. Ps. 4. 1: 6. 1: 8. 1: 9. 1: 10 (11). 1: 11 (12). 1: 12 (13). 1: 18 (19). 1: 19 (20). 1: 22 (23). 1: 40 (41). 1: Is. 24. 16.]<br>[Quint. Ps. 9. 1.]  |

Da. LXX. 3. 10. *ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς...*  
ψαλτηρίου (4)  
— 15. *ἅμα τῷ ἀκούσαι...* ψαλτηρίου (4)  
Da. TH. 3. 5. *ᾧ ἂν ὠρᾷ ἀκούσῃ τῆς φωνῆς...*  
ψαλτηρίου (4)  
— 7. *ἔταν ἦκουον οἱ λαοὶ τῆς φωνῆς...*  
ψαλτηρίου (4)  
— 10. *ὅς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς...* ψαλτηρίου (4)  
— 15. *ὡς ἂν ἀκούσῃ τῆς φωνῆς...* ψαλτηρίου (4)  
[Aq. I Ki. 16. 16.]  
[Sm. Ps. 4. 1: 6. 1: 42 (48). 4: 53 (54). 1: 54 (55). 1: Is. 16. 11: 30. 32: Je. 52. 18.]  
[Th. I Ki. 16. 23.]  
[Al. Ps. 48 (49). 5.]  
**ψάλτης.**  
I Es. 5. 42. ψάλται καὶ ψαλτφοὶ  
ψαλτός. (1) ὧρ  
Ps. 118 (119). 54. ψαλτὰ ἥσαν μοι τὰ δικαιοματά σου (1)  
**ψαλτῶδεῖν.** (1) ὧρ pil.  
II Ch. 5. 13. *ἐν τῷ σαλπίζειν καὶ ἐν τῷ ψ.*  
ψαλτῶδός. (1) α. ὧρ pil. δ. ὧρ subst.  
I Ch. 6. 33 (18). Αἰλᾶν ὁ ψ. υἱὸς Ἰωῆλ  
9. 33. καὶ οὗτοι ψ. (1 α)  
13. 8. καὶ ἐν ψαλτῶδός καὶ ἐν κινύραις (1 β)  
15. 16. στήσατε τοὺς δὲ αὐ. τοὺς ψ. (1 α)  
— 19. 27. καὶ οἱ ψ. (1 α)  
II Ch. 5. 12. καὶ οἱ Α. οἱ ψ. πάντες τοῖς υἱοῖς Α. (1 α)  
20. 21. ἔστησε ψαλτῶδους (1 α)  
29. 28. καὶ οἱ [A om. κ. οἱ] ψ. ἄδοντες (1 β)  
35. 15. καὶ οἱ ψ. υἱοὶ Α. (1 α)  
I Es. 5. 42. ψάλται καὶ ψαλτφοὶ  
Si. 47. 9. ἔστησε ψαλτῶδους [B ψαλμ.] κατέναντι τοῦ θουσιαστηρίου  
50. 18. Α. ἤνεσαν οἱ ψ. [B ψαλμ.] ἐν φωναῖς αὐτῶν  
**ψάμμος.**  
Wi. 7. 9. ὁ πᾶς χρυσὸς ἐν ὄψει αὐτῆς ψάμμος [B<sup>2</sup> ὡς ψ.] ὀλίγη  
**ψαμμωτός.**  
Si. 22. 17. ὡς κόσμος ψαμμωτός τοῦ χυτοῦ [B<sup>2</sup> ὡς ἔστω]  
**ψαρός.** (1) ὧρ (2) ὧρ  
Za. 1. 8. ὅπως αὐτοῦ ἵπποι πυρροὶ καὶ ψ. [B<sup>2</sup> om. κ. ψ.] (2)  
6. 3. ἐν τῷ ὄρει τῷ τετάρτῳ ἵπποι ποικίλοι ψ. (1)  
— 7. οἱ ψ. ἐξεπορεύοντο (1)  
**ψαρεύειν.**  
IV Ma. 17. 1. ἵνα μὴ ψασεύσῃ τις τοῦ σώματος ἐαυτῆς  
**ψέγειν.**  
I Ma. 11. 5. B εἰς τὸ ψέγειν [A ψογίσαι, B ψογήσαι] αὐτόν  
— 11. B<sup>2</sup> ἔψαγεν [A B<sup>2</sup> ἐψόγησεν, B ἐψόγησεν] αὐτόν  
**ψεκός.** (1) ὧρ (2) ὧρ  
Jb. 24. 8. ἀπὸ ψεκᾶν ὀρέων ὑγραινόνται (1)  
Ca. 5. 2. οἱ βόστροχοί μου ψεκᾶν νυκτός (2)  
[Aq. Dt. 32. 2: Ps. 71 (72). 6: Mt. 5. 7 (6).]  
[Sm. Ps. 64 (65). 11: 71 (72). 6.]  
[Th. Jb. 24. 8: Ps. 71 (72). 6.]  
**ψέλιον, ψέλιον.** (1) ὧρ (2) ὧρ  
Ge. 24. 22. καὶ δύο ψέλια ἐπὶ τὰς χεῖρας αὐ. (1)  
— 30. ἦν καὶ εἶδε... τὰ ψ. (1)  
— 47. καὶ τὰ ψ. ἐπὶ τὰς χεῖρας αὐ. (1)  
Nu. 31. 50. προσεπληρώσαμεν... ψέλιον (1)  
Jb. 10. 4. περιέβητο... τὰ ψ. (1)  
Jb. 40. 21 (26). ψέλιον δὲ τρυπήσεις τὸ χεῖλος αὐτοῦ +  
Is. 3. 20. ἀφελεῖ... τοὺς χλιδῶνας καὶ τὰ ψ. [B<sup>2</sup> om. κ. τ. ψ.] (2)  
Ez. 16. 11. περιέβητο ψέλια περὶ τὰς χεῖράς σου (1)  
23. 42. ἐδίδουσαν ψέλια ἐπὶ τὰς χεῖρας αὐτῶν [A σου] (1)  
[Aq., Th. Is. 37. 29.]  
**ψελλίζειν.** (1) ὧρ  
Is. 29. 24. αἱ γλώσσαι αἱ ψελλίζουσιν μαθήσονται +  
32. 4. αἱ γλώσσαι αἱ ψελλίζουσιν ταχὺ [A<sup>2</sup> om.] μαθήσονται (1)

**ψεύδομαι.** (1) ὧρ (2) ὧρ pi.  
(3) ὧρ pi. (4) ὧρ a. ni. δ. pi.  
c. hithp.  
Le. 6. 2 (5. 21). καὶ ψεύσῃται τὰ πρὸς τὸν πλησίον (4 β)  
— 3 (5. 22). καὶ ψεύσῃται περὶ αὐτῆς (4 β)  
19. 11. οὐ ψεύσῃτε (4 β)  
De. 33. 29. ψεύσονται σε οἱ ἐχθροὶ σου (4 α)  
Jo. 24. 27. ἦν καὶ ἂν ψεύσῃτε κ. τῷ θεῷ μου (4 β)  
II Ki. 22. 45. υἱοὶ ἀλλότριον ἐψεύσαντό μοι (4 c)  
III Ki. 18. 18. καὶ ἐψεύσατο αὐτῶν (4 β)  
Ne. 6. 8. ἀπὸ καρδίας σου σὺ ψεύδῃ αὐτοὺς (1)  
Jb. 6. 10. οὐ γὰρ ἐψεύσαμην ῥήματα ἄγνα [A ἐν ῥήματι ἄγιον] θεοῦ μου (3)  
— 28. οὐ ψεύσομαι (2)  
8. 18. ὁ τόπος ψεύσεται αὐτὸν (4 β)  
27. 11. ἃ ἐστὶ παραπαισιν οὐ ψεύσομαι (3)  
31. 28. ἐψεύσαντες ἐναντίον κυρίου τοῦ ἱστίου (4 β)  
34. 6. ἐψεύσατο δὲ τῷ κρίματι μου (2)  
Ps. 17 (18). 44. υἱοὶ ἀλλότριον ἐψεύσαντό μοι [B<sup>2</sup> με] (4 β)  
26 (27). 12. ἐψεύσατο ἡ ἀδικία ἐαυτῇ [A -ῆς] +  
65 (66). 3. ψεύσονται σε οἱ ἐχθροὶ σου (4 β)  
77 (78). 36. τῇ γλώσσῃ αὐτῶν ἐψεύσαντο αὐτῶν (2)  
80 (81). 15. οἱ ἐχθροὶ κυρίου ἐψεύσαντο αὐτῶν (4 β)  
88 (89). 35. εἰ τῷ Δαυὶδ ψεύσομαι (2)  
Pr. 14. 5. μάρτυς πιστὸς οὐ ψεύδεται (2)  
Wi. 12. 24. ἡπίων δὲκν ἀφρόνων ψευθεύσας  
Si. 7. 13. μὴ βλεψεύδομαι πᾶν ψεύδος (4 β)  
Ho. 9. 2. ὁ οἶκος ἐψεύσατο αὐτοὺς (4 β)  
Hb. 3. 17. ψεύσεται ἔργον εὐλαίας (4 β)  
Za. 13. 4. ἀνθ' ὧν ἐψεύσαντο (4 β)  
Is. 57. 11. ἐψεύσω με (2)  
59. 13. ἥσθησαν καὶ ἐψεύσαντο (4 β)  
Je. 6. 12. ἐψεύσατο [B -αὐτοῖ] τῷ κ. αὐ. (4 β)  
Da. LXX. Su. 51. οὐ μὴ ψεύσονται (4 β)  
— 55. ὁρθῶς ἐψεύσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ ψυχὴν  
Da. TH. Su. 55. ὁρθῶς ἐψεύσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ κεφαλὴν  
— 59. ὁρθῶς ἐψεύσαι καὶ σὺ εἰς τὴν σεαυτοῦ κεφ. Bel 12. ἡ Δαμ. ὁ ψευδομένος [A ψευστόμ.] καθ' ἡμῶν  
I Ma. 11. 53. ἐψεύσατο [B<sup>2</sup> ἐπύευσ.] πάντα  
IV Ma. 5. 34. οὐ ψεύσονται σε (4 β)  
13. 18. μηδὲ ψεύσῃ τοὺς προσηπορούντας [Aq. I Ki. 15. 29: Ps. 88 (89). 34.]  
[Sm. Nu. 23. 19: Ps. 80 (81). 16: Is. 59. 13.]  
**ψευδής, cf. ψεύδος.** (1) α. ὧρ (2) ὧρ c. ὧρ  
(2) ὧρ (3) ὧρ (4) ὧρ (5) ψ.  
γίνεσθαι α. ὧρ ni. δ. ὧρ pi. (6) δ  
φάμενος (λέγων) ψευδὴ με λέγων ὧρ hi.  
Ex. 20. 16. οὐ ψευδομαρτυρήσεις... μαρτυρίαν ψ. (4)  
De. 5. 20 (17). οὐ ψευδομαρτυρήσεις... μαρτυρίαν ψ. (3)  
Jd. 16. 10, 13. ἐλάλησας πρὸς με ψευδῇ (1 β)  
III Ki. 22. 22. ἔσονται πνεύματα ψ. εἰς τὸ στόμα πάντων τῶν προφητῶν αὐ. (4)  
— 23. ἔδωκε κ. πνεῦμα ψ. ἐν στόματι πάντων τῶν προφ. σου τ. (4)  
II Ch. 18. 21. ἔσονται πνεύματα ψ. (4)  
— 23. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψ. (4)  
30. 14. ἐν οἷς ἐθυμίαν τοῖς ψ. (4)  
To. 8. 6. οὐκ εἰσὶν οἱ ψ. ἡκουσα (4)  
14. 6. B τοὺς παλαιῶντας ψευδῇ τὴν πλάνησιν αὐ. (4)  
Es. 8. 12. τῷ τῆς κακοφθείας ψ. παραλογισμῷ [A B<sup>2</sup> al.]  
Jb. 24. 25. τίς ἐστὶν ὁ φάμενος [B<sup>2</sup> λέγων] ψευδῇ με λέγων (6)  
Ps. 32 (33). 17. ψευδὴς ἵππος εἰς σωτηρίαν αὐ. (4)  
39 (40). 4. οὐκ ἐπέβλεψεν εἰς... μανίας ψ. (1 β)  
57 (58). 3. ἐλάλησαν ψευδῇ (1 β)  
61 (62). 9. ψευδεῖς οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων ἐν ζυγοῖς τοῦ ἀδικῆσαι (1 β)  
Pr. 6. 19. ἐκκαίει ψευδὴ μάρτυς ἀδικος (1 β)  
8. 7. ἐπιδεγνύμενα δὲ ἐναντίον ἐμοῦ χεῖλη ψευδῇ +  
12. 22. βδέλυγμα κυρίου χεῖλη ψευδῇ (4)  
14. 5. ἐκκαίει δὲ ψευδὴ μάρτυς ἀδικος (1 β)  
— 25. ἐκκαίει δὲ ψευδὴ δόλιος (1 β)  
17. 4. δικαίος δὲ οὐ προσέγει χεῖλες ψευδίσιν +  
— 7. οὐδὲ δικαίω χεῖλη ψευδῇ [B al.] (4)  
19. 5. 9. μάρτυς ψευδὴς οὐκ ἀτιμώρητος ἔσται (4)  
— 22. κρείσσων δὲ πτωχὸς δικαίος ἢ πλούσιος ψευδὴς [A B<sup>2</sup> ψεύστης] (1 β)  
21. 6. ὁ ἐνεργῶν θησαυρίσματα γλώσσῃ ψευδεῖ (4)

Pr. 21. 28. μάρτυς ψευδὴς ἀπολείπεται (4)  
23. 3. ταῦτα γὰρ ἔχεται ζωὴς ψευδοῦς (1 β)  
24. 2. ψευδὴ γὰρ μελετᾷ ἡ καρδία αὐτῶν +  
— 29 (30. 6). καὶ ψευδὴς γένῃ (5 α)  
— 31 (30. 8). μάταιον λόγον καὶ ψευδὴ μακρὰν μου ποιήσων (1 β)  
— 32 (30. 9). ἵνα μὴ πλησθῇ ψευδοῦς γένωμα (5 β)  
— 43 (28). μὴ ἰσθῇ ψευδὴς μάρτυς ἐπὶ σὺν πολίτῃν +  
25. 14. οὕτως ὁ καυχώμενος ἐπὶ δόσει ψευδεῖ (4)  
— 18. οὕτως καὶ ἀνὴρ ὁ καταμαρτυρῶν τοῦ φίλου αὐ. μαρτυρίαν ψευδῇ (4)  
26. 28. γλώσσα ψευδὴς μισεῖ ἀλήθειαν (4)  
28. 6. κρείσσων πτωχὸς πορεύμενος ἐν ἀληθείᾳ πλουσίον ψευδοῦς +  
31. 30. ψευδεῖς ἀρέσκονται καὶ μάταιον κάλλος γυναικός (4)  
Wi. 10. 14. ψευδεῖς τε εἰδείξε τοὺς μωμημαμένους αὐτὸν  
14. 28. ἡ προφητεῖα ψευδῇ  
Si. 20. 26. ἦθος ἀνθρώπου ψευδοῦς [A B<sup>2</sup> -δος] αἷμα  
31 (34). 1. κενὰ ἐλπίδες καὶ ψευδεῖς ἀσυνέφ. ἀνδρὶ — 4. ἀπὸ ψευδοῦς τὴ ἀληθείαν  
86. 24 (21). οὕτως καρδία συνιτὲρ λόγου ψευδεῖς  
51. 5. ἀπὸ γλώσσῃς ἀκαθάρτου καὶ λόγου ψευδοῦς  
Ho. 7. 1. ἐπράσαντο ψευδῇ (4)  
— 13. κατελάλησαν κατ' ἐμὸν ψευδῇ (1 β)  
10. 4. λαλῶν ῥήματα προφάσεις ψ. (3)  
— 13. ἵνα τί... ἐφάγετε καρπὸν ψ. (2)  
12. 11 (12). ψευδεῖς ἦσαν ἐν Γαλ. ἄρχοντες θουσιάζοντες (3)  
Am. 6. 3. καὶ ἐφαπτόμενοι σαββάτων ψ. +  
Mi. 6. 12. οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ἐλάλουν ψευδῇ  
Jn. 2. 9. φυλασσόμενοι μάταια καὶ ψευδῇ (3)  
Na. 3. 1. ὁ πᾶς αἰμάτων ὄλη ψ. (2)  
Hb. 2. 18. ἔπλασεν αὐτὸ χόνημα φαντασίαν ψ. (4)  
Za. 8. 17. ὅρκον ψ. μὴ ἀγαπᾷτε (4)  
10. 2. καὶ οἱ μάντιες ἀράσεις ψ. (4)  
— 2. καὶ τὰ ἐνύπνια ψευδῇ ἐλάλουν (3)  
13. 3. ψευδῇ ἐλάλησας ἐπ' ὀνόματι κυρίου (4)  
Is. 30. 9. υἱοὶ ψευδεῖς (2)  
Je. 6. 6. ὁ πᾶς ψ. +  
— 13. πάντες ἐποίησαν ψευδῇ (4)  
7. 4. μὴ πεποιθᾶτε ἐφ' ἑαυτοῖς ἐπὶ λόγοις ψ. (4)  
— 8. εἰ δὲ ὑμεῖς πεποιθᾶτε ἐπὶ λόγοις ψ. (4)  
8. 8. εἰς μάτην ἐγενήθη σχολοῖς ψ. γραμματεῖσιν (4)  
9. 5 (4). μεμάρθηκεν ἡ γλώσσα αὐτῶν λαλεῖν ψευδῇ (4)  
10. 14. ψευδῇ ἐχώνουσιν (4)  
14. 14. ψευδῇ οἱ προφῆται προφητεύουσιν (4)  
— 14. ὁράσεις ψευδεῖς... προφητεύουσιν ὑμῖν (4)  
— 15. περὶ τῶν προφητῶν τῶν προφητεύοντων... ψευδῇ (4)  
15. 18. ἐγενήθη μοι ὡς ὕδωρ ψευδὴς [A B<sup>2</sup> -δος] (1 α)  
16. 19. ὡς ψευδῇ ἐκτίσαντο οἱ πατέρες ἡμῶν εἰδωλα (4)  
20. 6. ἐπροφήτευσας αὐτοῖς ψευδῇ (4)  
23. 23. προφητεύουσιν... ψευδῇ (4)  
— 26. ἐν καρδίᾳ τῶν προφητῶν τῶν προφητεύοντων ψευδῇ (4)  
— 32. πρὸς τοὺς προφῆτας τοὺς προφητεύοντας ἐνύπνια ψευδῇ (4)  
28 (51). 17. ψευδῇ ἐχώνουσιν (4)  
34 (27). 10. ψευδῇ αὐτοὶ προφητεύουσιν ὑμῖν (4)  
— 14. οἱ προφητεύοντες ὑμῖν ἐπ' ἀδικῶν ψευδῇ (4)  
— 16. Α. τῶν προφητεύοντων ὑμῖν ψευδῇ [B om.] (4)  
47 (40). 16. ψευδῇ σὺ λέγεις ὑπὲρ [A κατὰ, B περὶ] Ἰσραὴλ (4)  
Er. Je. 8. ψευδῇ δ' ἐστὶ καὶ οὐ δύναται λαλεῖν  
— 44. πάντα τὰ γινόμενα ἐν [A παρ', B om.] αὐτοῖς ἐστὶ ψευδῇ  
— 50. γνωσθήσεται μετὰ ταῦτα ὅτι ἐστὶ ψευδῇ  
— 59. ἵερ. ἡ οἱ ψ. θεοί  
Ez. 12. 24. οὐκ ἐστὶ ἐν πάσα δρασίς ψ. (3)  
13. 6. οὐκ ἀνέστησαν... βλέποντες ψευδῇ (3)  
— 7. οὐκ ἔδρασαν ψευδῇ ἐωράκατε (3)  
— 8. ἀνθ' ὧν οἱ λόγοι ὑμῶν ψευδεῖς (3)  
— 9. ἐπὶ τοὺς προφῆτας τοὺς ὀρώμεντας ψευδῇ (3)  
— 23. ψευδῇ οὐ μὴ ἴδῃτε (3)  
21. 29 (34). ἐν τῷ μαντεύεσθαι σε ψευδῇ (1 β)  
22. 28. οἱ προφῆται αὐτῆς... μαντεύμενοι ψευδῇ (1 β)  
Da. LXX. 2. 9. λόγους ψ. ποιήσασθαι ἐπ' ἐμοῦ (1 c)  
Da. TH. Su. 43. ψευδῇ μου καταμαρτυρήσαν



Da. TH. Su. 49. ψευδὴ γὰρ οὗτοι καταμαρτύρησαν αὐτῆς  
2. 9. ῥῆμα ψ. . . συνέθεσε εἰπεῖν (1 c)  
11. 27. ἐπὶ τραπέζῃ μαζ ψευδὴ λαλήσουσι (1 b)  
II Ma. 5. 5. γενομένης δὲ λαλίας ψ.  
[Aq. Ps. 32 (38). 17: 118 (119). 118: 119 (120). 2: Ez. 22. 28 (P.).]  
[Sm. Ps. 30 (31). 19: 57 (58). 4: 118 (119). 29: 119 (120). 2: Pr. 12. 17: Is. 58. 6: Je. 16. 19: 27 (34). 14: Ez. 22. 28 (P.).]  
[Th. Ps. 61 (62). 10: Pr. 21. 6: Ez. 22. 28 (P.).]  
[Al. Pr. 17. 4: Je. 23. 31.]  
**ψευδοθύριον.**  
Da. LXX. Bel 20. ἐπέδειξε Δαν. τῷ βασ. τὰ ψ. ψευδοθύρις.  
Da. LXX. Bel 15. διὰ ψευδοθύριδων εἰσελθόντες ψευδολογεῖν. (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Da. LXX. 11. 27. καὶ ψευδολογῆσουσι (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
**ψευδομαρτυρεῖν.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ex. 20. 16: De. 5. 20 (17). οὐ ψευδομαρτυρήσεις . . . μαρτυρίαν ψευδῇ (1)  
Da. TH. Su. 61. A B<sup>2</sup> B συνείησεν αὐτοὺς . . . ψευδομαρτυρήσαντας [B<sup>1</sup> -ras ὄντας]  
**ψευδομαρτύρ.**  
Da. LXX. Su. 60. αἰτοὺς κατέστησεν ἀμφοτέρους ψευδομαρτύρας  
Da. TH. Su. 61. B<sup>1</sup> συνέστησεν αὐτοὺς . . . ψ. ὄντας [A B<sup>2</sup> B -ρήσαντας]  
**ψευδοπροφήτης.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Za. 13. 2. τοὺς ψ. . . ἐξάρῳ ἀπὸ τῆς γῆς (1)  
Je. 6. 13. ἀπὸ ἱερέως ἕως ψευδοπροφήτου (1)  
33 (26). 7. ἤκουσαν οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ ψ.  
— 8. συνέλαβον αὐτὸν οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ ψ.  
— 11. εἶπαν οἱ ἱερεῖς καὶ οἱ ψ.  
— 16. εἶπαν . . . πρὸς τοὺς ψ.  
34 (27). 9. μὴ ἀκούετε τῶν ψ. ὑμῶν  
85 (28). 1. εἰπὶ μοι Ἀναίας υἱὸς Ἀζάρ ὁ ψ.  
86 (29). 1. πρὸς τοὺς ἱερεῖς καὶ πρὸς τοὺς ψ.  
— 8. μὴ ἀναπειθίσαντες ὑμᾶς οἱ ψ. οἱ ἐν ὑμῖν  
[Th. Je. 28 (35). 5 (Sw.).]  
[Al. Je. 20. 1.]  
**ψεύδος, cf. ψευδής.** (1) a. 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 δ. 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
(2) a. 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 δ. 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 pi. (3) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 (4) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ju. 5. 5. οὐκ ἐξελεύσεται ψεύδος ἐκ τοῦ στόματος τοῦ δουλοῦ σου  
11. 5. οὐκ ἀναγγεῖλῳ ψεύδος τῷ κυρίῳ μου  
Jb. 16. 9 (8). ἀνέστη ἐν ἐμοὶ τὸ ψ. μου (2 a)  
— 2. καὶ ᾄδει ψεύδος (1 b)  
5. 6. ἀπολείπει πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψ. (1 b)  
58 (59). 12. ἐξ ἀρᾶς καὶ ψεύδους διαγγελήσονται συντέλειαι [B<sup>2</sup> ἐν συντελείᾳ] (2 a)  
Pr. 9. 12. δε ἐρείδεται ἐπὶ ψεύδεσιν —  
24. 23 (20. 27). μηδὲν ψεύδος ἀπὸ γλώσσης βασιλεῖ λέγεσθαι καὶ οὐδὲν ψεύδος ἀπὸ γλώσσης αὐτοῦ οὐ μὴ ἐξέλθῃ —, —  
Si. 7. 12. μὴ ἀροτρία ψεύδος ἐπὶ ἀδελφῷ σου  
— 13. μὴ θέλῃ ψεύδεσθαι πᾶν ψεύδος  
20. 24. μῶμος ποιεῖται ἐν ἀνθρώπῳ ψεύδος [B<sup>2</sup> τὸ ψ.]  
— 25. αἰρετὸν κλέπτῃς ἢ ὁ ἐνδελειζὼν ψεύδει  
— 26. A B<sup>2</sup> ἦδος ἀνθρώπῳ ψεύδος [B<sup>1</sup> B B -οὺς] ἀτίμια  
81 (34). 8. ἀνεὺ ψεύδους συντελεσθήσεται νόμος  
41. 17. ἀπὸ ἡγουμένου καὶ δυνάστου περὶ ψεύδους  
51. 2. ἀπὸ χελεῶν ἐργαζομένων ψεύδος  
Ho. 4. 2. ψεύδος . . . κέχεται ἐπὶ τῆς γῆς (2 b)  
7. 3. καὶ ἐν τοῖς ψ. αὐ. ἀρχοντας [A<sup>1</sup> al.] (2 a)  
11. 12 (12. 1). ἐκύκλωσε με ἐν ψεύδει Ἐφρ. (2 a)  
Mi. 2. 11. πνεῦμα ἔστησε ψεύδος (4)  
Za. 5. 4. εἰς τὸν οἶκον τοῦ ὁμνούντος τῷ ὀνόμ. μου ἐπὶ ψεύδει (4)  
Ma. 8. 5. ἐπὶ τοὺς ὁμνούντας τῷ ὀνόματί μου ἐπὶ ψεύδει (4)  
Is. 28. 15. ἐθίκαμεν ψ. τὴν ἐλπίδα ἡμῶν καὶ τῷ ψ. σκεπασθόμεθα (1 b, 4)  
— 17. οἱ πεποιθότες μάτην ψεύδει (1 b)  
80. 12. ἠλπίσατε ἐπὶ ψεύδει  
44. 20. ψ. ἐν τῇ δεξιᾷ μου  
Je. 3. 10. οὐκ ἐπιστράφη [A ἀπ.] πρὸς μέ . . . ἀλλ' ἐπὶ ψεύδει (4)  
— 23. εἰς ψ. ἦσαν οἱ βουνοὶ (4)  
5. 2. οὐκ ἐν [A B ἐπὶ] ψεύδεσιν ὁμνῶσι (4)

Je. 9. 3 (2). ψ. καὶ οὐ πίστις ἐνίσχυσεν (4)  
13. 25. ἠλπίσαν ἐπὶ ψεύδεσιν (4)  
15. 18. A B<sup>2</sup> γεννήθη μου ὡς ὕδωρ ψ. [B -δέξ] (1 a)  
23. 14. ἐώρακα . . . πορευομένους ἐν ψεύδεσιν (4)  
— 32. ἐπλάνησαν τὸν λαόν μου ἐν τοῖς ψ. αὐτῶν (4)  
44 (37). 14. εἶπε, ψ. (4)  
50 (43). 2. λέγοντες, ψεύδῃ, οὐκ ἀπέστειλέ σε (4)  
Er. Je. 47. κατέλιπον γὰρ ψεύδη καὶ δεικνύοντες  
Ez. 33. 31. ψ. ἐν τῷ στόματι αὐτῶν  
Da. LXX. 8. 25. εὐδοθήσεται τὸ ψ. ἐν ταῖς χερσὶν αὐ. (8)  
11. 23. μετὰ τῆς διαθήκης . . . ποιήσει ψεύδος (3)  
[Aq. 1 Ki. 25. 21: Ps. 7. 15: 26 (27). 12: 30 (31). 19: 118 (119). 29. 163: Pr. 10. 18: Is. 28. 15: 59. 3.]  
[Sm. Ps. 58 (59). 13: 118 (119). 163: Is. 28. 15: 59. 3.]  
[Th. Pr. 10. 18: 20. 17: Is. 28. 15, 17.]  
[Quint. Ps. 61 (62). 5.]  
**ψεύσμα.**  
[Aq. Th. Jb. 84. 6: Pr. 28. 3.]  
[Sm. Jb. 13. 4: 84. 6: Ps. 61 (62). 5.]  
**ψεύστης.** (1) a. 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 δ. 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ps. 115. 2 (116. 11). πᾶς ἀνθρώπος ψεύστης (1 a)  
Pr. 19. 22. A B<sup>2</sup> κρείσσον δὲ πτωχὸς δικαίος ἢ πλούσιος ψεύστης [B B<sup>1</sup> ψευδής] (1 b)  
— 22. ἐψηλάφησεν αὐτὸν (3 a)  
Si. 15. 8. ἄνδρες ψεύσται οὐ μὴ μνησθήσονται αὐτῆς  
25. 2. πτωχὸν υπερήφανον καὶ πλούσιον ψεύστην  
**ψηλαφᾶν.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 pi. (2) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 hi. (3) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 a. qal. δ. hi. (4) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 pi.  
Ge. 27. 12. μὴ ποτε ψηλαφήσῃ με ὁ πατήρ μου (3 a)  
— 21. ψηλαφήσῃ σε (3 a)  
— 22. ἐψηλάφησεν αὐτὸν (3 a)  
De. 28. 29. ἔση ψηλαφῶν μεσημβρίας (4)  
— 29. ὡς εἴ τις ψηλαφήσῃ τυχλὸς (4)  
Jd. 16. 26. ψηλαφήσῃ τοὺς κίονας [A al.] (2\*, 8 b)  
Jb. 5. 14. τὸ δὲ μεσημβρινὸν ψηλαφήσασαι [A -σται] ἴσα νυκτί (4)  
12. 25. ψηλαφήσασαι [A -σται] σκότος (4)  
20. 10. A οἱ δὲ χεῖρες αὐτοῦ ψηλαφήσουσιν ὀδύναι [B B al.]  
Ps. 118. 15 (115. 7). χεῖρες ἔχουσι καὶ οὐ ψηλαφήσουσι (3 a)  
184 (135). 17. A χεῖρες ἔχουσιν καὶ οὐ ψηλαφήσουσι (3 a)  
Na. 3. 1. οὐ ψηλαφήσεται θῆρα (3 a)  
Za. 8. 10 (9). ψηλαφήσῃ πᾶσαν τὴν ἀδικίαν τῆς γῆς ἐκ. (3 a)  
9. 13. ψηλαφήσῃ σε ὡς ῥομφαία μαχητοῦ  
Is. 59. 10. ψηλαφήσουσιν ὡς τυφλὸι τοῖχον καὶ ὡς οὐχ ὑπαρχόντων ὀφθαλμοὶ ψηλαφήσουσι (1, 1)  
[Al. Jb. 12. 25.]  
**ψηλάφησις.**  
Wi. 15. 15. οὐτε δάκτυλοι χερῶν εἰς ψηλάφησιν  
**ψηλαφήτης.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 hi.  
Ex. 10. 21. γεννηθῆτω σκότος ἐπὶ γῆν Aty. ψ. σκότος (1)  
[Aq. Ez. 16. 10.]  
**ψηφίζεῖν.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 ni.  
III Ki. 8. 8. A καὶ οὐ ψηφισθήσεται ἀπὸ πλήθους (1)  
8. 5. A δὲ οὐ ψηφισθήσεται (1)  
[Aq. Ps. 47 (48). 13: Is. 88. 18.]  
[Al. Le. 25. 27: 27. 23.]  
**ψηφίον.**  
[Aq. Am. 9. 9.]  
**ψηφίς.**  
[Sm. Pr. 30. 27.]  
[Th. Pr. 20. 17.]  
**ψηφίσμα.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Es. 3. 7. ἐποίησε ψηφίσμα (1)  
9. 24. καθὼς ἔθετο ψηφίσμα (1)  
II Ma. 6. 8. ψηφίσμα δὲ ἐξέπεσεν εἰς τὰς ἀστυγέτονας Ἑλληνίδας πόλεις  
10. 8. μετὰ κοινοῦ προστάγματος καὶ ψηφίσματος  
12. 4. μετὰ δὲ τὸ κοινὸν τῆς πόλεως ψ.  
15. 36. ἰδογμάτισαν δὲ πάντες μετὰ κοινοῦ ψ.

**ψηφολογεῖν.**  
To. 13. 17. λίθῳ ἐκ Σουφείρ ψηφολογηθήσονται [B al.]  
[Quint. Ca. 3. 10.]  
**ψήφος.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 (2) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 (3) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ex. 4. 25. λαβούσα Σ. ψήφον (8)  
IV Ki. 12. 4 (5). A ψήφῳ ψυχῶν συντιμήσεως [B al.]  
Ec. 7. 26 (25). τοῦ ζητῆσαι σοφίαν καὶ ψήφον (2)  
Si. 18. 10. ὡς σταγὼν ὕδατος ἀπὸ θαλάσσης καὶ ψήφου ἀμμου  
La. 3. 16. ἐξέβαλε ψήφῳ ὀδόντας μου (1)  
IV Ma. 15. 26. δύο ψήφους κρατοῦσα μήτηρ  
[Aq. Dt. 32. 8: 1v Ki. 12. 4 (5): Is. 40. 26.]  
[Sm. Ex. 4. 25: Ec. 5. 17: Is. 40. 26.]  
[Th. 1v Ki. 12. 4 (5): Is. 40. 26.]  
[Quint. 1v Ki. 12. 4 (5).]  
**ψιθυρίεῖν.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 hithp.  
II Ki. 12. 19. οἱ παῖδες αὐ. ψιθυρίζουσι (1)  
Ps. 40 (41). 7. κατ' ἐμοῦ ψιθυρίζον (1)  
Si. 12. 16. B<sup>2</sup> πολλὰ ψιθυρίαι  
21. 28. μολύνει τὴν ἐάντου ψυχὴν ὁ ψιθυρίζων [Sm. Ps. 40 (41). 8: 57 (58). 6.]  
**ψιθύρισμα.**  
[Sm. Jb. 26. 14.]  
**ψιθυρισμός.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ec. 10. 11. εἰδὼν δὲ δάκρυ ὄψεαι ἐν οὐ ψιθυρισμῷ (1)  
[Aq. Is. 3. 3.]  
[Sm. Jb. 4. 12.]  
**ψιθύρος.**  
Si. 5. 14. μὴ ἐληθῇ ψιθύρος  
28. 13. ψιθύρον καὶ δὶγλωσσον καταρᾶσθαι  
**ψιλός.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Jo. 7. 21. εἶδον ἐν τῇ προνομῇ ψιλὴν ποικιλίην (1)  
[Sm. Ez. 26. 14.]  
**ψιλοῦν.**  
Ez. 44. 20. τὰς κόμας αὐτῶν οὐ ψιλώσουσι +  
ψόα (ψοιά), cf. ψύα. (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕 (2) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Le. 3. 9. σὺν ταῖς ψ. περιελίξαι αὐτό (2)  
II Ki. 2. 23. τύπτει αὐτὸν Ἀβ. . . ἐπὶ τὴν ψ. [A ψοῖαν] (1)  
8. 27. ἐπάταξεν αὐτὸν ἐκεῖ εἰς τὴν ψ. (1)  
20. 10. ἔπαισεν αὐτὸν . . . εἰς τὴν ψ. (1)  
[Aq. Jb. 15. 27.]  
[Sm. Jb. 15. 27: Ps. 87 (88). 8.]  
**ψογιεῖν, ψογιεῖν.**  
I Ma. 11. 5. A εἰς τὸ ψογιεῖν [B -ῥσαι, B ψέζει] αὐτόν  
— 11. B ἐψόγησεν [A B<sup>2</sup> -ισεν, B<sup>1</sup> ἐψέξεν] αὐτόν  
**ψόγος.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ge. 37. 2. κατήνεγκαν δὲ Ἰ. ψ. πονηρόν (1)  
Ps. 80 (81). 13. ἤκουσα ψόγον πολλῶν παροικούντων κυκλόθεν (1)  
Mi. 1. 13. B<sup>1</sup> ψόγος [?, A B<sup>2</sup> B ψόφος] ἀρμάτων +  
Je. 20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν (1)  
III Ma. 2. 27. κατὰ τὸ ἔθνος διαδοῦναι ψόγον  
3. 7. B οὐ τῷ τυχόντι περιῦψαν ψόγῳ [A al.]  
[Aq. Ge. 37. 2: Nu. 13. 33 (32): Pr. 10. 18.]  
[Sm. Nu. 13. 33 (32).]  
[Th. Ge. 37. 2: Pr. 10. 18: 25. 10.]  
**ψοῖα, vid. ψόα.**  
**ψοφείν.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ez. 6. 11. ψόφησον τῷ ποδί (1)  
25. 6. B ἐψόφηςας [A B ἐψέψ.] τῷ ποδί σου (1)  
[Sm. Th. 1 Ki. 21. 13 (14).]  
**ψόφος.**  
Mi. 1. 13. ψόφος [B<sup>1</sup> ψόγος?] ἀρμάτων καὶ ἱπποδυνάτων +  
[Aq. II Ki. 5. 24.]  
[Sm. II Ki. 5. 24: Jb. 37. 4: 38. 25: Ez. 3. 13: 26. 15.]  
**ψύα, cf. ψόα.** (1) 𐤁𐤏𐤕𐤏𐤕  
Ps. 37 (38). 7. A αἰ ψ. [B<sup>2</sup> ψυχαί] μου ἐπλήσθησαν ἐμπαυμάτων [B B<sup>1</sup> al.] (1)  
[Sm. Th. Ps. 37 (38). 8.]  
[Al. Le. 3. 9.]

**φυγμός.** (1) α. **Π**Ψ δ. **Π**ΨΨ **γ.** **Π**ΨΨΨ  
 Nu. 11. 32. **Β** ἔσφαξαν [A B ἔψυξαν] ἐαυτοῖς  
 ψυγμοῖς (1 α)  
 Ez. 26. 5. **ψ.** σαγηνῶν ἔσται ἐν μέσῳ θαλάσσης (1 β)  
 — 14. **ψ.** σαγηνῶν ἔσται (1 β)  
 47. 10. **ψ.** σαγηνῶν ἔσται (1 γ)  
**ψυκτήρ.** (1) **Ψ**ΨΨ  
 II Es. 1. 9. A B **ψ.** [B om.] χρυσοὶ τριακοντα  
 καὶ **ψ.** [B om.] ἀργυροὶ χίλιοι (1, 1)  
**ψύλλος.** (1) **Ψ**ΨΨ  
 I Ki. 24. 15. καὶ ὅπισθεν **ψ.** ἐνός (1)  
**ψυχαγωγία.**  
 II Ma. 2. 25. ἐφροντίσαμεν τοῖς μὲν βουλομένοις  
 ἀναγινώσκειν ψυχαγωγίαν  
**ψύχειν.** (1) **Ψ** α. **qal.** δ. **hi.** (2) **Π**ΨΨ  
 Nu. 11. 32. A B ἔψυξαν [B ἔσφαξαν] ἐαυτοῖς  
 ψυγμοῖς (2)  
 II Ki. 17. 19. ἔψυξεν ἐπ' αὐτὸν ἀρ. [A al.] (2)  
 IV Ki. 19. 24. ἔψυξα [A ἐφύλαξα] καὶ ἔπιον  
 ὕδατα ἀλλοτρία (1 α)  
 Je. 6. 7. ὥς **ψύχει** λάκκος ὕδωρ οὕτως **ψύχει**  
 κακία αὐτῆς (1 β, 1 β)  
 8. 2. **ψύξουσιν** αὐτὰ πρὸς τὸν ἥλιον (2)  
**ψυχή.** (1) **Ψ** (2) α. **Ψ** δ. **Ψ**Ψ  
 (3) **Ψ**, **Ψ** (4) **Ψ** (5) **Ψ**  
 Ge. 1. 20. ἐρπετὰ ψυχῶν ζῶσαν (4)  
 — 21. καὶ πάσαν **ψ.** ζῶσαν ἐρπετῶν (4)  
 — 24. ἐξαγγέτω ἡ γῆ ψυχὴν ζῶσαν (4)  
 — 30. ὁ ἔχει ἐν αὐτῷ ψυχὴν ζωῆς (4)  
 2. 7. ἐγένετο ὁ ἄνθρωπος εἰς **ψ.** ζῶσαν (4)  
 — 19. πᾶν ὃ ἐὰν ἐκάλειεν αὐτὸν Ἄ. **ψ.** ζῶσαν (4)  
 9. 4. κρέας ἐν αἵματι ψυχῆς οὐ φάγεσθε (4)  
 — 5. τὸ ὑμέτερον αἷμα τῶν **ψ.** ὑμῶν ἐκζητήσω (4)  
 — 5. ἐκζητήσω τὴν **ψ.** τοῦ ἀνθρώπου (4)  
 — 10. καὶ πόση **ψ.** ζώση μεθ' ὑμῶν (4)  
 — 12. καὶ ἀνὰ μέσον πάσης **ψ.** ζώσης (4)  
 — 15. ἡ ἔστιν . . . ἀνὰ μέσον πάσης **ψ.** ζώσης (4)  
 — 16. καὶ ἀνὰ μέσον πάσης **ψ.** ζώσης (4)  
 12. 5. **ἐλαβεν** . . . πᾶσαν **ψ.** (4)  
 — 13. ζήσεται ἡ **ψυχή** μου ἐνεκεν σοῦ (4)  
 17. 14. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 19. 17. σῶζων σῶξίς τῃν σεαυτοῦ ψυχὴν (4)  
 — 19. τοῦ ζῆν τὴν **ψ.** μου (4)  
 — 20. ζήσεται ἡ **ψ.** μου ἐνεκεν σοῦ (4)  
 23. 8. εἰ ἔχετε τὴν **ψ.** ὑμῶν (4)  
 27. 4. ὅπως εὐλογῇ σε ἡ **ψ.** μου (4)  
 — 19. ὅπως εὐλογῇ με ἡ **ψ.** σου (4)  
 — 25. ὅπως εὐλογῇ σε ἡ **ψ.** μου (4)  
 — 31. ὅπως εὐλογῇ με ἡ **ψ.** σου (4)  
 32. 30 (31). ἐσώθῃ μου ἡ **ψ.** (4)  
 34. 3. προσέχε τὴν **ψ.** Δείνας (4)  
 — 8. προελίτω τὴν **ψ.** τὴν θυγατέρα ὑμῶν (4)  
 35. 18. ἐν τῷ ἀφίεναι αὐτὴν τὴν **ψ.** (4)  
 37. 21. οὐ πατάξομεν αὐτὸν εἰς ψυχὴν (4)  
 41. 8. ἐταράχῃ ἡ **ψ.** αὐ. (5)  
 42. 21. ὑπερείδομεν τὴν θλίψιν τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 44. 30. ἡ δὲ **ψ.** αὐ. ἐκκρέμαται ἐκ τῆς τούτου  
**ψ.** (4, 4)  
 46. 15. πᾶσαι αἱ **ψ.** υἱοὶ καὶ αἱ θυγατέρες (4)  
 — 18. ἡ ἔτεκε τούτους τῷ Ἰ. δέκα ἐξ ψυχᾶς (4)  
 — 22. πᾶσαι **ψ.** δέκα ὁκτώ (4)  
 — 25. πᾶσαι **ψ.** ἐπτά (4)  
 — 26. πᾶσαι δὲ **ψ.** αἰ εἰσελθοῦσαι (4)  
 — 26. πᾶσαι **ψ.** ἐξήκοντα ἐξ (4)  
 — 27. υἱοὶ δὲ Ἰ. . . ψυχᾶς ἐννέα (4)  
 — 27. A πᾶσαι **ψ.** οἰκοῦ Ἰ. . . ἐβδωμήκοντα  
 [B ψυχᾶς ἐβδ.] (4, [-])  
 49. 6. εἰς βουλὴν αὐ. μὴ ἔλθῃ ἡ **ψ.** μου (4)  
 Ex. 1. 5. ἦσαν δὲ π. ψυχᾶς ἐξ Ἰ. πέντε καὶ  
 ἐβδωμήκ. (4)  
 4. 19. τεθνήσκει γὰρ πάντες οἱ ζῆτοῦντές σου  
 τὴν **ψ.** (4)  
 12. 4. κατὰ ἀριθμὸν ψυχῶν ἕκαστος . . . συναριθ-  
 μῆσεται (4)  
 — 15. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 16. ὅσα ποιηθήσεται πόση **ψ.** (4)  
 — 19. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 15. 9. ἐμπλήσω ψυχὴν μου (4)  
 16. 16. κατὰ ἀριθμὸν ψυχῶν ὑμῶν (4)  
 21. 23. δώσει ψυχὴν ἀντὶ ψυχῆς (4, 4)

Ex. 21. 30. δώσει λύτρα τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 23. 9. οὐδαμὴ τὴν **ψ.** τοῦ προσπλύνοντος (4)  
 30. 12. δώσουσιν ἕκαστος λύτρα τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 — 15. 16. ἐξήλασθη περὶ τῶν **ψ.** ὑμῶν (4)  
 31. 14. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 35. 21. ὅσοις ἔδοξε τῇ **ψ.** αὐ. (5)  
 Le. 2. 1. ἐὰν δὲ ψυχὴ προσφέρῃ δῶρον (4)  
 4. 2. ψυχὴ ἐὰν ἀμάρτη ἐναντὶ κυρίου ἀκουσίως (4)  
 — 27. ἐὰν δὲ **ψ.** μία ἀμάρτη ἀκουσίως (4)  
 5. 1. ἐὰν δὲ ψυχὴ ἀμάρτη (4)  
 — 2. ἡ **ψ.** ἥτις ἐὰν ἀφῆται (4)  
 — 4. ἡ **ψ.** ἡ ἀνομος ἡ διαστέλλουσα (4)  
 — 15. ψυχὴ ἐὰν λάθῃ αὐτὸν λήθῃ (4)  
 — 17. ἡ **ψ.** ἡ ἀνὰ ἀμάρτην [A al.] (4)  
 6. 2 (5. 21). ψυχὴ ἐὰν ἀμάρτη (4)  
 7. 8 (18). ἡ δὲ **ψ.** . . τὴν ἀμάρτην λήψεται (4)  
 — 10 (20). ἡ δὲ **ψ.** ἥτις ἐὰν φάγῃ (4)  
 — 10 (20). ἀπολείπει ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 11 (21). ψυχὴ ἡ ἀνὰ ἀφῆται παντὸς πράγ-  
 ματος (4)  
 — 11 (21), 15 (25). ἀπολείπει ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 17 (27). πᾶσα **ψ.** ἡ ἀνὰ φάγῃ αἷμα (4)  
 — 17 (27). ἀπολείπει ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 11. 10. καὶ ἀπὸ πάσης **ψ.** ζώσης (4)  
 — 43. οὐ μὴ βδελύξῃται τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 — 44. οὐ μανείτε τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 — 46. οὕτως ὁ νόμος περὶ . . . πάσης **ψ.** τῆς  
 κινουμένης ἐν τῷ ὕδατι καὶ πάσης  
**ψ.** ἐρποῦσης ἐπὶ τῆς γῆς (4, 4)  
 16. 29. ταπεινώσατε τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 — 31. ταπεινώσατε τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 17. 4. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 10. ἐπιστήσω τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν **ψ.** (4)  
 — 11. ἡ γὰρ **ψ.** πάσης σαρκὸς αἷμα αὐτοῦ ἐστί (4)  
 — 11. ἐξήλασθη περὶ τῶν **ψ.** ὑμῶν (4)  
 — 11. τὸ γὰρ αἷμα αὐ. ἀντὶ τῆς **ψ.** ἐξήλασται (4)  
 — 12. πᾶσα **ψ.** ἐξ ὑμῶν οὐ φάγεται αἷμα (4)  
 — 14. ἡ γὰρ **ψ.** πάσης σαρκὸς αἷμα αὐτοῦ ἐστί (4)  
 — 14. ἡ **ψ.** πάσης σαρκὸς αἷμα αὐτοῦ ἐστί (4)  
 — 15. πᾶσα **ψ.** ἥτις φάγεται θνησιμαῖον (4)  
 18. 29. ἐξολοθρευθήσονται αἱ **ψ.** αἱ ποιοῦσαι (4)  
 19. 8. ἐξολοθρευθήσονται αἱ **ψ.** αἱ ἐσθουσai (4)  
 — 28. ἐντομίδια ἐπὶ ψυχῇ [A -ης] οὐ ποιήσετε (4)  
 20. 6. ψυχὴ ἡ ἐὰν ἐπακολουθήσῃ ἐργαστηρι-  
 οῖς (4)  
 — 6. ἐπιστήσω τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν **ψ.** ἐκ. (4)  
 — 25. οὐ βδελύξετε τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 21. 1. ἐν ταῖς **ψ.** οὐ μανήσονται (4)  
 — 11. ἐπὶ πάσῃ **ψ.** τετελευτηκυῖα οὐκ εἰσελεύ-  
 σεται (4)  
 22. 3. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 4. ὁ ἀπτόμενος πάσης ἀκαθαρσίας ψυχῆς (4)  
 — 6. ψυχὴ ἥτις ἀνὰ ἀφῆται αὐτῶν (4)  
 — 11. ἐὰν δὲ ἱερὸς κτήσῃται ψυχὴν ἔγκτητον  
 ἀργυρίου (4)  
 23. 27. ταπεινώσατε τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 — 29. πᾶσα **ψ.** . . ἐξολοθρευθήσεται (4)  
 — 30. πᾶσα **ψ.** ἥτις ποιήσῃ ἔργον (4)  
 — 30. ἀπολείπει ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 32. ταπεινώσατε τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 24. 17. ὅς ἐν πατάξῃ ψυχὴν ἀνθρώπου (4)  
 — 18. ἀποτίσας ψυχὴν ἀντὶ ψυχῆς (4, 4)  
 26. 11. οὐ βδελύξεται ἡ **ψ.** μου ὑμᾶς (4)  
 — 15. καὶ τοῖς κρίμασι μου προσοχθήσῃ ἡ **ψ.** ὑ. (4)  
 — 16. καὶ τὴν **ψ.** ὑ. ἐκτρήσουσαν (4)  
 — 30. προσοχθεῖ ἡ **ψ.** μου ὑμῖν (4)  
 — 43. τοῖς προστάγμα. μου προσώχθισαν τῇ  
**ψ.** αὐ. (4)  
 27. 2. ὥστε τιμὴν τῆς **ψ.** αὐ. τῷ κ. (4)  
 Nu. 5. 2. καὶ πάντα ἀκάθαρτον ἐπὶ ψυχῇ (4)  
 — 6. καὶ πλημμελήσῃ ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 6. 6. ἐπὶ πάσῃ **ψ.** τετελευτηκυῖα οὐκ εἰσελεύ-  
 σεται (4)  
 — 11. ἐξήλασται περὶ αὐτοῦ . . . περὶ τῆς **ψ.** (4)  
 9. 6. οἱ ἦσαν ἀκάθαρτοι ἐπὶ ψυχῇ ἀνθρώπου (4)  
 — 7. ἡμεῖς ἀκάθαρτοι ἐπὶ ψυχῇ ἀνθρώπου (4)  
 — 10. ὅς ἐὰν γένῃται ἀκάθαρτος ἐπὶ ψυχῇ  
 ἀνθρώπου (4)  
 — 13. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 11. 6. ἡ **ψ.** ἡμῶν κατὰ ἔγνω (4)  
 15. 27. ἐὰν δὲ **ψ.** μία ἀμάρτη ἀκουσίως (4)  
 — 28. ἐξήλασται ὁ Ἰ. περὶ τῆς **ψ.** τῆς ἀκου-  
 σισθείσης (4)  
 — 30. ψυχὴ ἥτις ποιήσῃ ἐν χειρὶ ὑπερηφανίας (4)  
 — 30. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 31. ἐκτρίψῃ ἐκτρίβῃσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)

Nu. 16. 38 (17. 3). ἡγίασαν τὰ πυρεῖα . . . ἐν  
 ταῖς **ψ.** αὐ. (4)  
 19. 11. ὁ ἀπτόμ. τοῦ τεθνηκότος πάσης **ψ.** ἀν-  
 θρώπου (4)  
 — 13. πᾶς ὁ ἀπτόμ. τοῦ τεθνηκότος ἀπὸ ψυχῆς  
 [A πάσης **ψ.**] ἀνθρ. (4)  
 — 13. ἐκτρίβῃσεται ἡ **ψ.** ἐκ. ἐξ Ἰσρ. (4)  
 — 18. περιρανεῖ . . . ἐπὶ τὰς **ψ.** (4)  
 — 20. ἐξολοθρευθήσεται ἡ **ψ.** ἐκείνη (4)  
 — 22. ἡ **ψ.** ἡ ἀπτομ. ἀκάθαρτος ἔσται (4)  
 21. 5. ἡ δὲ **ψ.** ἡμῶν προσώχθισεν (4)  
 23. 10. ἀποθάνοι ἡ **ψ.** μου ἐν ψυχᾷ δικαίων (4, 1)  
 29. 7. κακώσατε τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 30. 3. ἡ ὀρίσῃται ὀρίσμη περὶ τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 — 4 (5), 5, 6, 7, 8, 9. οὐδ' ὠρίσματο κατὰ τῆς  
**ψ.** αὐ. (4)  
 — 10. ὅσα ἀν' εὐξήται κατὰ τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 — 11. ἡ ὁ ὀρίσμος κατὰ [A ὁ κατὰ] τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 — 12. οὐδ' ὠρίσματο κατὰ τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 — 13. κατὰ τὸν ὀρίσμον τοῖς κατὰ τῆς **ψ.** αὐ. (4)  
 — 14. πᾶς ὁρκος δεσμοῦ κακώσαι ψυχὴν [A  
 αὐτὴν] (4)  
 31. 28. μίαν **ψ.** ἀπὸ πεντακοσίων (4)  
 — 35. καὶ ψυχᾷ ἀνθρώπων . . . πᾶσαι **ψ.** [A  
 πᾶσα **ψ.**] (4, 4)  
 — 40. καὶ ψυχᾷ ἀνθρώπων ἐκκαίδεκα χιλιάδες (4)  
 — 40. δύο καὶ τριακοντα ψυχᾶς (4)  
 — 46. καὶ ψυχᾷ ἀνθρώπων ἐξ καὶ δέκα χιλι-  
 ἀδες (4)  
 35. 11. πᾶς ὁ πατάξῃ ψυχὴν ἀκουσίως (4)  
 — 15. πᾶσι πατάξαντι ψυχὴν ἀκουσίως (4)  
 — 30. πᾶς πατάξῃ ψυχὴν (4)  
 — 30. B οὐ μαρτυρήσῃ ἐπὶ ψυχῆς [A B -ῆν]  
 ἀποθάνειν (4)  
 — 31. οὐ λήψῃσθε λύτρα περὶ [A ἐπὶ] ψυχῆς (4)  
 De. 4. 9. φυλάξον τὴν **ψ.** σου σφόδρα (4)  
 — 15. φυλάξεσθε σφόδρα τὰς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 — 29. ὅταν ἐκζητήσῃτε αὐτὸν . . . ἐξ ὅλης τῆς  
**ψ.** σου (4)  
 6. 5. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου . . . ἐξ ὅλης  
 τῆς **ψ.** σου (4)  
 — 6. ἔσται τὰ ῥήματα ταῦτα . . . ἐν τῇ **ψ.** σου (4)  
 10. 12. λατρεύει κ. τῷ θεῷ σου . . . ἐξ ὅλης  
 τῆς **ψ.** σου (4)  
 — 22. ἐν ἐβδωμήκοντα ψυχᾶς κατέβησαν οἱ  
 πατ. σου (4)  
 11. 13. λατρεύει αὐτὸν . . . ἐξ ὅλης τῆς **ψ.** σου (4)  
 — 18. ἐμβαλεῖτε τὰ ῥήματα τ. . . εἰς τὴν **ψ.**  
 σου (4)  
 12. 20. εἰ ἐπιθυμῇ ἡ **ψ.** σου (4)  
 — 20. ἐν πάσῃ ἐπιθυμίᾳ τῆς **ψ.** σου [A al.] (4)  
 — 21. κατὰ τὴν ἐπιθυμίαν τῆς **ψ.** σου (4)  
 — 23. ἀπὸ αὐτοῦ ψυχῇ (4)  
 — 23. οὐ βρωθήσεται ἡ **ψ.** μετὰ τῶν κρεῶν (4)  
 13. 3 (4). εἰ ἀγαπᾷτε τὸν θ. ὑμῶν . . . ἐξ ὅλης  
 τῆς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 — 6 (7). B ἡ φίλος ἴσος τῆς **ψ.** σου [A R al.] (4)  
 14. 26. οὐ εἰς ἐπιθυμίαν ἡ **ψ.** σου (4)  
 — 26. A B οὐ εἰς ἐπιθυμίαν ἡ **ψ.** σου (4)  
 16. 8. πλὴν ὅσα ποιηθήσεται ψυχῇ (4)  
 — 23. οὐ βρωθήσεται ἡ **ψ.** μετὰ τῶν κρεῶν (4)  
 18. 6. καθὼς ἐπιθυμῇ ἡ **ψ.** αὐ. (4)  
 19. 6, 11. καὶ πατάξῃ αὐτοῦ ψυχὴν [A τὴν **ψ.**] (4)  
 — 21. ψυχὴν ἀντὶ ψυχῆς (4, 4)  
 22. 26. καὶ φονεῖται αὐτοῦ ψυχὴν (4)  
 23. 24 (25). B φάγῃ σταφυλὴν ὅσον ψυχὴν  
 σου ἐμπλησθῇ [A al.] (4)  
 24. 6. ψυχὴν οὕτως ἐνεχυράζει (4)  
 — 7. κλέπτων ψυχὴν ἐκ τῶν ἀδ. αὐ. τῶν νύων  
 Ἰσρ. (4)  
 26. 16. ποιήσετε αὐτὰ . . . ἐξ ὅλης τῆς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 27. 25. πατάξῃ ψυχὴν αἵματος ἀθώου (4)  
 28. 65. δώσει σοι κυριος . . . τηκομένην **ψ.** (4)  
 30. 2. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς αὐ. . . ἐξ ὅλης  
 τῆς **ψ.** σου (4)  
 — 6. ἀγαπᾷ κ. τὸν θεόν σου . . . ἐξ ὅλης τῆς  
**ψ.** σου (4)  
 — 10. εἰς ἐπιστροφὴν ἐπὶ κ. τὸν θ. σου . . .  
 ἐξ ὅλης τῆς **ψ.** σου (4)  
 Jo. 2. 13. ἐξελεῖσθε τὴν **ψ.** μου ἐκ θανάτου (4)  
 — 14. ἡ **ψ.** ἡμῶν ἀνθ' ὑμῶν εἰς θάνατον (4)  
 9. 24. ἐφοβήθημεν σφόδρα περὶ τῶν **ψ.** ὑμῶν (4)  
 20. 3. τῷ φονεῖ τῷ πατάξαντι ψυχὴν ἀκου-  
 σίως (4)  
 — 9. παντὶ παίοντι ψυχὴν ἀκουσίως (4)  
 22. 5. λατρεύει αὐτὸν . . . ἐξ ὅλης τῆς **ψ.** ὑμῶν (4)  
 23. 14. γνώστεσθε . . . τῇ **ψ.** ὑμῶν (4)

- Jd. 5. 18. ἀνείδεις ψυχὴν αὐ. εἰς θάνατον (4)  
 — 21. καταπαύσει αὐτὸν ψ. μου δυνατὴ (4)  
 9. 17. ἐξέφυγε τὴν ψ. αὐ. (4)  
 10. 16. ὠλιγόθη ἡ ψ. αὐ. ἐν κόπῃ Ἰσρ. [A al.] (4)  
 12. 3. ἴθρα τὴν ψ. μου ἐν χειρὶ μου (4)  
 16. 30. ἀποθανέντω ψυχῇ [A ἡ ψ.] μου (4)  
 18. 25. μὴ ποτε συναγῆσιν ἐν ἡμῖν ἄνδρες (4)  
 — πικροὶ ψυχῇ καὶ προσθήσουσι ψυ-  
 χῇ σου καὶ τὴν ψ. τοῦ οἴκου σου (4 ter)
- Ru. 4. 15. ἔσται σοι εἰς ἐπιστρέφοντα ψυχὴν (4)  
 I Ki. 1. 10. καὶ αὐτὴ κατὰδυνος ψυχῇ (4)  
 — 15. ἐκέχυν τὴν ψ. μου ἐνὶ πτόνῳ κυρίου (4)  
 — 26. ἤ ἡ ψ. σου (4)  
 2. 16. ὡν ἐπιθυμῇ ἡ ψ. σου (4)  
 — 33. καὶ καταρρέει τὴν ψ. αὐ. (4)  
 — 35. δὲ πάντα . . . τὰ ἐν τῇ ψ. μου ποιήσει (4)  
 17. 55. A ἡ ψ. σου (4)  
 18. 1. A ἡ ψ. σου. συνιδέθη τῇ ψ. Δ. (4, 4)  
 — 1. A ἡ γὰρ πνεῦμα αὐτὸν Ἰ. κατὰ τὴν ψ. αὐ. (4)  
 — 3. A ἐν τῇ ἀγαπᾷ αὐτὸν κατὰ τὴν ψ. αὐ. (4)  
 19. 5. ἔθετο τὴν ψ. αὐ. ἐν τῇ χειρὶ αὐ. (4)  
 — 11. ἀντὶ μὴ σὺ σώσεις τὴν ψ. σου τοῦ (4)  
 20. 1. ἐπιτρέψῃ τὴν ψ. μου (4)  
 — 3. ἤ ἡ ψ. σου (4)  
 — 4. τί ἐπιθυμῇ ἡ ψ. σου (4)  
 — 17. ἡγάγησε ψυχὴν ἀγαπῶντος αὐτὸν (4)  
 22. 2. καὶ πᾶς κατὰδυνος ψυχῇ [A τῇ ψ.] (4)  
 — 22. ἔγω εἰμι αἷτος τῶν ψ. [A ψ. ἐκείνων] (4)  
 — 23. οὐ εἰς τὴν τῇ ψ. μου τόπον ζητήσω (4)  
 καὶ τῇ ψ. σου (4, 4)  
 23. 20. πᾶν τὸ πρὸς ψυχὴν τοῦ βασ. (4)  
 24. 10. Δ. ζητεῖ τὴν ψ. σου (4)  
 — 12. δεσμεύει τὴν ψ. μου λαβεῖν αὐτήν (4)  
 25. 26. ἤ ἡ ψ. σου (4)  
 — 29. ἀναστήσεται ἄνθρωπος . . . (ζητῶν τὴν ψ. σου) (4)  
 — 29. ἔσται ψυχῇ [A ἡ ψ.] κυρίου μου ἐνδε-  
 δειμῆν (4)  
 — 29. ψυχὴν ἐχθρῶν σου σφενδονήσεις (4)  
 26. 20. ζητεῖν ψυχὴν [A τὴν ψ.] μου (4)  
 — 21. ἐνίκμος ψυχῇ μου ἐν ὀφθαλμοῖς σου (4)  
 — 24. καθὼς ἐμεγαλύνει ἡ ψ. σου σήμερον (4)  
 — 24. οὕτως μεγαλυνέει ἡ ψ. μου (4)  
 28. 9. ὡς τίς παιδεύει τὴν ψ. μου (4)  
 — 21. δέειν τὴν ψ. μου ἐν τῇ χειρὶ μου (4)  
 30. 6. κατὰδυνος ψυχῇ πάντῳ τοῦ λαοῦ (4)  
 II Ki. 1. 9. πᾶσα ἡ ψ. μου ἐν ἐμοὶ (4)  
 3. 21. οἷς ἐπιθυμῇ ἡ ψ. σου (4)  
 4. 8. δε δέειν τὴν ψ. σου (4)  
 — 9. δε ἐλυτρώσαστο τὴν ψ. μου ἐκ πάσης (4)  
 θλίψεως (4)  
 5. 8. ἀπείσθω . . . τοὺς μισούντας τὴν [A om.] (4)  
 ψ. Δ. (4)  
 11. 11. ἤ ἡ ψ. σου (4)  
 14. 7. θανατώσωμεν αὐτὸν ἀντὶ τῆς ψ. τοῦ ἀδ. (4)  
 αὐ. (4)  
 — 14. λήψεται ὁ θ. ψυχὴν [A τὴν ψ.] (4)  
 — 19. ἤ ἡ ψ. σου (4)  
 16. 11. ὁ υἱός μου . . . ζητεῖ τὴν ψ. μου (4)  
 17. 3. ψυχὴν ἐνὸς ἀνδρὸς σὺ ζητεῖς (4)  
 — 8. καὶ κατὰπικροὶ τῇ ψ. αὐ. (4)  
 18. 13. μὴ ποιῇσαι ἐν τῇ ψ. αὐ. ἀδικον (4)  
 19. 5 (6). τῶν ἐξαιρουμένων . . . τὴν ψ. τῶν (4)  
 υἱῶν σου . . . καὶ τὴν [A om.] ψ. (4)  
 τῶν γυναικῶν σου καὶ τῶν [A ψυχὴν (4, 4)]  
 τῶν παλλακῶν σου (4, 4, 4)  
 23. 17. εἰ αἷμα τῶν ἀνδρῶν τῶν πορευθέντων (4)  
 ἐν ταῖς ψ. αὐ. πίομαι (4)  
 III Ki. 1. 12. ἐξελεύσῃ τὴν ψ. σου καὶ τὴν ψ. τοῦ (4)  
 υἱοῦ σου Σαλ. (4)  
 — 29. δε ἐλυτρώσαστο τὴν ψ. μου (4)  
 2. 4. A καὶ ἐν δλῃ ψ. αὐ. (4)  
 — 23. κατὰ τῆς ψ. [A εὐχῇ] αὐ. ἐλάλησεν (4)  
 3. 11. οὐδὲ πῆσιν ψυχὰς ἐχθρῶν σου (4)  
 8. 48. ἐν δλῃ καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν δλῃ ψ. αὐ. (4)  
 11. 37. ἐν οἷς ἐπιθυμῇ ἡ ψ. σου (4)  
 16. 33. B τὸν παροργίσαι τὴν ψ. αὐ. [A B al.] (4)  
 17. 21. ἐπιστραφύτω δὴ ἡ ψ. τοῦ παιδαρίου τ. (4)  
 εἰς αὐτὸν (4)  
 — 22. A ἀπιστήσῃ ἡ ψ. τοῦ παιδαρίου (4)  
 19. 2. θήσονται τὴν ψ. σου καθὼς ψυχὴν ἐνὸς (4)  
 ἐξ αὐτῶν (4, 4)  
 — 3. ἀπῆλθε κατὰ τὴν ψ. αὐτοῦ (4)  
 — 4. πῆσιν τὴν ψ. αὐ. ἀποθανεῖν (4)  
 — 4. λάβε δὴ τὴν ψ. μου ἀπ' ἐμοῦ (4)
- III Ki. 19. 10, 14. ζητοῦσι τὴν ψ. μου (4)  
 — 14. ζητοῦσι τὴν ψ. μου (4)  
 21 (20). 31. εἰ πῶς (ζωογονήσῃ τὰς ψ. ἡμῶν) (4)  
 — 32. ζητᾶτω δὴ ἡ ψ. ἡμῶν (4)  
 — 39, 42. ἔσται ἡ ψ. σου ἀντὶ τῆς ψ. αὐ. (4, 4)
- IV Ki. 1. 13. ἐντιμωθῆτω ἡ ψ. μου καὶ ἡ ψ. (4)  
 τῶν δούλων σου τούτων (4, 4)  
 — 14. ἐντιμωθῆτω δὴ ἡ ψ. μου (4)  
 2. 2, 4, 6. ἤ ἡ ψ. σου εἰ καταλείψῃ σε (4)  
 4. 27. ἡ ψ. αὐ. κατὰδυνος αὐτῇ (4)  
 — 30. ἤ ἡ ψ. σου εἰ ἐγκαταλείψῃ σε (4)  
 6. 11. ἐξεκινήθη ἡ ψ. βασιλέως Συρίας (8)  
 7. 7. ἐφυγον πρὸς τὴν ψ. αὐτῶν (4)  
 9. 15. B εἰ ἔστιν ἡ [A B om.] ψ. ὑμῶν μετ' (4)  
 ἐμοῦ (4)  
 10. 24. ἡ ψ. αὐ. ἀντὶ τῆς ψ. αὐ. (4, 4)  
 12. 4 (5). A ψῆφον ψυχῶν συντιμήσεως [B al.] (4)  
 23. 3. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ ἐν πάσῃ ψ. (4)  
 — 25. ἐν δλῃ ψ. αὐ. καὶ ἐν δλῃ ἰσχυρῇ αὐ. (4)  
 I Ch. 5. 21. καὶ ψυχὴς ἀνδρῶν ἐκατὸν χιλιάδας (4)  
 11. 19. εἰ αἷμα ἀνδρῶν τούτων πίομαι ἐν ψυ- (4)  
 χαῖς αὐ. (4)  
 — 19. ἐν ψυχαῖς αὐ. ἤνεκα (4)  
 12. 38. παρὰ τὰς σήμερον παρὰ τῆς ἐν ψ. εἰρη- (4)  
 νικῇ (8)  
 — 38. ὁ κατὰλοιπος Ἰσρ. ψ. μία (8)  
 15. 29. ἐξουδένωσεν αὐτὸν ἐν τῇ ψ. αὐ. (8)  
 17. 2. B πᾶν τὸ ἐν ψυχῇ [A B τῇ ψ.] σου ποιεῖ (8)  
 22. 7. ἐμοὶ ἐγένετο ἐπὶ ψυχῇ (8)  
 — 19. δότε . . . ψυχὰς ὑμῶν (4)  
 28. 9. δούλευτε αὐτῷ ἐν τῇ ψ. θελοῦσῃ (4)
- II Ch. 1. 11. οὐκ ᾔστησα . . . τὴν [A om.] ψ. τῶν (4)  
 ὑπεναπίων (4)  
 6. 38. ἐν δλῃ καρδίᾳ καὶ ἐν δλῃ ψ. αὐ. (4)  
 7. 11. ὅσα ἠθέλησεν ἐν τῇ ψ. Σαλ. τοῦ ποιῆσαι (8)  
 9. 1. ὅσα ἐν τῇ ψ. αὐ. (8)  
 15. 12. ἐξ ὅλης τῆς καρδίας καὶ ἐξ ὅλης τῆς ψ. (4)  
 — 15. ἐξ ὅλης τῆς ψ. [A ψ. αὐ.] ὤμοσαν (8)  
 31. 21. ἐξεκίνησε τὸν θ. αὐ. ἐξ ὅλης ψ. [A τῆς (4)  
 ψ.] αὐ. (8)  
 34. 31. ἐν δλῃ καρδίᾳ καὶ ἐν δλῃ ψ. (4)  
 35. 19. ἐν δλῃ καρδίᾳ αὐ. καὶ ἐν δλῃ ψ. αὐ. (4)  
 I Es. 4. 21. μετὰ τῆς γυναικὸς ἀφίσηται τὴν ψ. (4)  
 To. 1. 11. συντηρήσασθαι τὴν ψ. μου (4)  
 — 12. ἐμενῆμην τοῦ θ. ἐν δλῃ τῇ [B om.] ψ. μου (4)  
 8. 1. B περιλύσας γενόμενος τῇ ψ. [A B al.] (4)  
 — 10. B ἐλυτρήθη ἐν τῇ ψ. [A B al.] (4)  
 6. 17. ἡ ψ. αὐτοῦ ἐκαλλήθη σφόδρα αὐτῇ [B al.] (4)  
 8. 20. B εὐφρανέει τὴν ψ. τῆς θυγατρὸς μου (4)  
 12. 10. B πολέμοι εἰσιν τῆς αὐτῶν ψ. [A B (ωῆς)] (4)  
 13. 6. ἐὰν ἐπιστρέψῃτε πρὸς αὐτὸν . . . ἐν δλῃ τῇ (4)  
 ψ. ὑμῶν (4)  
 — 7. A B καὶ ἡ ψ. μου τῷ βασιλεῖ τοῦ οὐρανοῦ (4)  
 — 15. B B ἡ ψ. μου εὐλογεῖ [A B -εἴτω] τὸν (4)  
 θεόν (4)  
 14. 11. B ἡ ψ. μου ἐκλείπει (4)  
 — 11. A B ἐξέλειπεν αὐ. ἡ ψ. ἐπὶ τῆς κλίνης (4)  
 Ju. 4. 9. ἐταπεινώσαν τὰς ψ. αὐ. (4)  
 7. 27. καὶ ζῆσται ἡ ψ. ἡμῶν (4)  
 — 27. τὰς γυναῖκας καὶ τὰ τέκνα ἡμῶν ἐκλείπουσας (4)  
 τὰς ψ. αὐ. (4)  
 8. 24. ἐξ ἡμῶν κρέμεται ἡ ψ. αὐ. (4)  
 10. 15. σίσωκας τὴν ψ. σου (4)  
 11. 7. εἰς κατόρθωσιν πάσης ψ. (4)  
 — 8. ἡκούσαμεν γὰρ . . . τὰ πανουργήματα τῆς ψ. (4)  
 σου (4)  
 12. 4. A B ἤ ἡ ψ. σου (4)  
 — 16. A B σαλεύθη ἡ ψ. αὐ. (4)  
 18. 20. οὐκ ἐφέσω τῆς ψ. σου (4)  
 14. 19. ἐπαράχθη ἡ ψ. αὐτῶν σφόδρα (4)  
 16. 9. τὸ κάλλος αὐ. ἡμετέρως ψυχῇ αὐτοῦ (4)  
 Es. 7. 3. δοθήτω ἡ ψ. [B ψ. μου] τῇ αἰγῇματι (4)  
 μου (4)  
 — 7. B<sup>2</sup> παρητίτο περὶ τῆς ψ. αὐ. [A B B<sup>1</sup> al.] (4)  
 9. 16. B<sup>2</sup> ἐαυτοὶ ἐβούθουν περὶ τῆς ψ. αὐ. (4)  
 — [A B B<sup>1</sup> al.] (4)  
 [B] 1. 5. προσέφερε . . . μόσχον ἕνα περὶ ἁμαρ- (4)  
 τῶν αὐτῶν (4)  
 — 4. ὑπὲρ τῆς ψ. αὐ. ἐκτίει [A al.] (4)  
 — 6. τὴν ψ. αὐτοῦ διαφύλαξον (4)  
 8. 20. A ἵνα τί γὰρ διδοται τοῖς ἐν πικρίᾳ (4)  
 ψυχῆς [B om.] φῶς ζωῇ δὲ ταῖς ἐν (4)  
 ὀδυμναῖς ψυχαῖς (-, 4)  
 6. 7. A B<sup>2</sup> οὐ δύναται δὲ μου παύσασθαι ἡ ψ. (4)  
 [B B<sup>1</sup> ὀργῇ] (4)  
 — 11. ἀνέχεται μου ἡ ψ. (4)
- Jb. 7. 11. ἀροῖξω πικρίαν ψυχῆς μου συνεχό- (4)  
 μενος [A B<sup>2</sup> al.] (4)  
 — 15. ἀπαλλάξεις ἀπὸ πνεύματός μου τὴν ψ. (4)  
 [A (ωῆν) μου] (4)  
 — 15. A τὴν δὲ ψ. μου ἀπὸ τοῦ σώματός [B B (4)  
 ἀπὸ δὲ θανάτου τὰ ὁσῶ] μου (4)  
 9. 21. εἴτε γὰρ ἡσέβησα οὐκ οἶδα τῇ ψ. (4)  
 10. 1. A B B<sup>2</sup> κάμνων τῇ ψ. μου (4)  
 — 1. ἀλήσῃ πικρίαν ψυχῆς μου συνεχόμενος (4)  
 12. 10. εἰ μὴ ἐν χειρὶ αὐ. ψυχὴ πάντων ζώτων (4)  
 13. 14. ψυχὴν δὲ μου θῆσω ἐν χειρὶ (4)  
 14. 22. ἡ δὲ ψ. αὐτοῦ ἐπένθησεν (4)  
 16. 5 (4). A εἰ ὑπέκειτό γε ἡ ψ. ὑμῶν ἀντὶ τῆς (4)  
 ἐμῆς ψ. [B B om.] (4, 4)  
 19. 2. ὥς τίνος ἔγκοπον ποιήσετε ψυχὴν [A (4)  
 τὴν ψ.] μου (4)  
 21. 8. ὁ σπὸρος αὐτῶν κατὰ ψυχὴν (4)  
 — 25. ὁ δὲ τελευτᾷ ὑπὸ πικρίας ψυχῆς (4)  
 24. 7. ἀμφίβλητον δὲ ψυχῆς αὐτῶν ἀφελαντο (4)  
 — 12. ψυχῇ δὲ νηπιῶν ἐστέναξε μέγα (4)  
 27. 2. ὁ παντοκράτωρ ὁ πικρίαν μου τὴν ψ. (4)  
 — 4. οὐδὲ ἡ ψ. μου μελετήσεται ἀδικα [A ἀνομα] (4)  
 30. 16. ἐπ' ἐμὲ ἐκχυθήσεται [B<sup>2</sup> ἐκλυθ.] ἡ ψ. (4)  
 μου (4)  
 31. 39. εἰ δὲ καὶ ψυχὴν κυρίου τῆς γῆς ἐλαβὼν (4)  
 [A -βαλὼν] ἐλύπησα (4)  
 38. 18. ἐφέισατο δὲ τῆς ψ. αὐτοῦ ἀπὸ θακίτου (4)  
 — 20. ἡ ψ. αὐτοῦ βράσιν ἐπιθυμήσει (4)  
 — 22. ἡ γῆς δὲ εἰς θάνατον ἡ ψ. αὐτοῦ (4)  
 — 28. σῶσον ψυχὴν [A τὴν ψ.] μου (4)  
 — 28. B<sup>2</sup> καὶ ἡ ψ. μου φῶς δέξεται [A B B<sup>1</sup> (2 a)  
 al.] (4)  
 — 30. A B<sup>2</sup> ἐρρύσαστο τὴν ψ. μου ἐκ θανάτου (4)  
 ἵνα ἡ ψ. [B B<sup>1</sup> (ωῆν)] μου ἐν φωτὶ αἰῶν (4)  
 αὐτῶν (4, 2 b ?)  
 — 31. A τοῦ ἐπιστρέψαι ψυχὴν αὐτοῦ ἐκ (4)  
 διασθορᾶς (-)  
 36. 14. ἀποθάνοι τοῖνον ἐν νεότητι ἡ ψ. αὐτῶν (4)  
 38. 39. ψυχὰς δὲ δραπετῶν ἐμπλήσεις (2 a)  
 41. 12 (13). ἡ ψ. αὐτοῦ ἀνθρακῆς (4)  
 Ps. 8. 2. πολλοὶ λέγουσι τῇ ψ. μου (4)  
 6. 3. ἡ ψ. μου ἐταράχθη σφόδρα (4)  
 — 4. ῥύσαι τὴν ψ. μου (4)  
 7. 2. μὴ ποτε ἀρπάξῃ ὡς λέων τὴν ψ. μου (4)  
 — 5. καταδιώξαι ἀπὸ ἐχθρῶν τὴν ψ. μου (4)  
 9. 24 (10, 3). ἐν [B ἐπὶ] ταῖς ἐπιθυμίαις τῆς (4)  
 ψ. αὐτοῦ (4)  
 10 (11). 2 (1). πῶς ἐρέιτε τῇ ψ. [A τὴν ψ.] μου (4)  
 — 6 (5). ὁ δὲ ἀγαπῶν ἀδικίαν μισεῖ τὴν ἐάντῳ ψ. (4)  
 12 (13). 2. ὥς τίνος θησομαί βουλὰς ἐν ψυχῇ (4)  
 μου (4)  
 15 (16). 10. οὐκ ἐγκαταλείψει τὴν ψ. μου εἰς (4)  
 ὄθον (4)  
 16 (17). 9. οἱ ἐχθροὶ μου τὴν ψ. μου περιέσχον (4)  
 — 13. ῥύσαι τὴν ψ. μου ἀπὸ ἀσεβοῦς (4)  
 18 (19). 7. ὁ νόμος τοῦ κυρίου ἄσματος ἐπιστρέ- (4)  
 φων ψυχὰς (4)  
 20 (21). 2. τὴν ἐπιθυμίαν τῆς ψ. [B<sup>2</sup> καρδίας] (4)  
 αὐτοῦ ἔδωκας αὐτῷ (8)  
 21 (22). 20. ῥύσαι ἀπὸ ῥομφαίας τὴν ψυχὴν μου (4)  
 — 29. ἡ ψ. μου αὐτῷ ἤ (4)  
 22 (23). 3. τὴν ψ. μου ἐπέστρεψεν (4)  
 23 (24). 4. δε οὐκ ἔλαβεν ἐπὶ ματαίᾳ τὴν ψ. (4)  
 αὐτοῦ [A om.] (4)  
 24 (25). 1. πρὸς σέ, κύριε, ἦρα τὴν ψ. μου (4)  
 — 13. ἡ ψ. αὐτοῦ ἐν ἀγαθοῖς αὐλοσθήσεται (4)  
 — 20. φύλαξον τὴν ψ. μου (4)  
 25 (26). 9. μὴ συναπολέσῃς μετὰ ἀσεβῶν τὴν (4)  
 ψ. μου (4)  
 26 (27). 12. μὴ παραδῷς με εἰς ψυχὰς θλιβόν- (4)  
 των με (4)  
 27 (28). 3. μὴ συνελκύσῃς μετὰ ἁμαρτωλῶν (4)  
 τὴν ψ. μου [B al.] (-)  
 29 (30). 3. ἀνῆγαγες ἐξ ὄθου τὴν ψ. μου (4)  
 30 (31). 7. ἴσως ἐκ τῶν ἀναγκῶν τὴν ψ. μου (4)  
 — 9. ἡ ψ. μου καὶ ἡ γαστήρ μου (4)  
 — 13. τοῦ λαβεῖν τὴν ψ. μου ἐβουλεύεσαστο (4)  
 32 (33). 19. ῥύσασθαι ἐκ θανάτου τὰς ψ. αὐτῶν (4)  
 — 20. ἡ ψ. ἡμῶν ὑπομένει τῷ κυρίῳ (4)  
 33 (34). 2. ἐν τῷ κ. ἐπαινεσθήσεται ἡ ψ. μου (4)  
 — 22. λυτρώσεται κύριος ψυχὰς δούλων αὐτοῦ (4)  
 34 (35). 3. εἰπὼν τῇ ψ. μου (4)  
 — 4. οἱ ζῆλοντες τὴν ψ. μου (4)  
 — 7. μάτην ὠνείδισαν τὴν ψ. μου (4)  
 — 9. ἡ δὲ ψ. μου ἀγαλλιάσεται ἐπὶ τῷ κ. (4)  
 — 12. καὶ ἀτεκνίαν τῇ ψ. μου (4)

Ps. 34 (35). 13. ἐταπεινούν ἐν νηστείᾳ τὴν ψ. μου (4)  
 — 17. ἀποκατάστησιν τὴν ψ. μου ἀπὸ τῆς κα-  
 κουργίας αὐτῶν (4)  
 — 25. εὐγε εὐγε τῇ ψ. [B<sup>3</sup> ἡ ψ.] ἡμῶν (4)  
 36 (37). 15. B<sup>1</sup> ἡ βομφαία αὐτῶν εἰσέλθοι εἰς  
 ψυχὴν [A B τὴν καρδίαν, B<sup>3</sup> τὰς  
 καρδίας] αὐτῶν (8)  
 37 (38). 7. ἡ ψ. μου ἐπλήσθη ἐμπαιγμῶν [A B<sup>3</sup> al.] †  
 — 12. ἐξέβιασαντο οἱ ῥητοῦντες τὴν ψ. μου (4)  
 38 (39). 11. ἐξέτῃσας ὡς ἀράχην τὴν ψ. αὐτοῦ †  
 39 (40). 14. ἐντραπίσαν ἅμα οἱ ῥητοῦντες τὴν  
 ψ. μου (4)  
 40 (41). 4. ἴασαι τὴν ψ. μου (4)  
 41 (42). 1. οὕτως ἐπιποθεῖ ἡ ψ. μου πρὸς σέ (4)  
 — 2. εἰδύνησεν ἡ ψ. μου πρὸς τὸν θ. (4)  
 — 4. ἐξέχεα ἐπ' ἐμέ τὴν ψ. μου (4)  
 — 5. ἵνα τί περιλύπος εἶ, ἡ ψ. μου (4)  
 — 6. πρὸς ἑμᾶν τὴν ψ. μου ἐταράχθη (4)  
 — 11. A B<sup>1</sup> E ἵνα τί περιλύπος εἶ, ἡ [B<sup>3</sup> om.]  
 ψ. μου (4)  
 42 (43). 5. A B<sup>3</sup> E ἵνα τί περιλύπος εἶ, ἡ [B B<sup>1</sup>  
 om.] ψ. μου (4)  
 43 (44). 25. ἐταπεινώθη εἰς χοῦν ἡ ψ. ἡμῶν (4)  
 43 (49). 7. καὶ τὴν τιμὴν τῆς λυγρώσεως τῆς  
 ψ. αὐτοῦ — (4)  
 — 15. ὁ θεὸς λυγρώσεται τὴν ψ. μου (4)  
 — 18. ἡ ψ. αὐ. ἐν τῇ (ω) αὐ. εὐλογηθήσεται (4)  
 53 (54). 3. κραταιοὶ ἐζήτησαν τὴν ψ. μου (4)  
 — 4. ὁ κύριος ἀντίληπτω τὴν ψ. μου (4)  
 54 (55). 18. λυγρώσεται ἐν εἰρήνῃ τὴν ψ. μου (4)  
 55 (56). 6. B<sup>1</sup> καθάπερ ὑπμίμνα τῇ ψ. [B<sup>2</sup>  
 — an τὴν ψ.] μου (4)  
 — 13. ἐρρύσω τὴν ψ. μου ἐκ θανάτου (4)  
 56 (57). 1. ἐπὶ σοὶ πέποιθεν ἡ ψ. μου (4)  
 — 4. ἐρρύσαστο τὴν ψ. μου ἐκ μέσου σκύμων (4)  
 — 6. B παγίδας ἡτοίμασαν τὴν ψ. [B τοὺς ποσὶ]  
 μου καὶ κατέκμησαν τὴν ψ. μου (†, 4)  
 58 (59). 3. ἐθρῆνσαν τὴν ψ. μου (4)  
 61 (62). 1. οὐχὶ τῷ θεῷ ὑποτάσσεται ἡ ψ. μου (4)  
 — 5. B B τῷ θεῷ ὑποτάγῃ ἡ [B om.] ψ. μου (4)  
 62 (63). 1. εἰδύνησας σοὶ ἡ ψ. μου (4)  
 — 5. ὥσει στέατος καὶ πύκνους ἐμπλησθεῖ  
 ἡ ψ. μου (4)  
 — 8. ἐκολλήθη ἡ ψ. μου ὀπίσω σου (4)  
 — 9. αὐτοὶ δὲ εἰς μάτην ἐζήτησαν τὴν ψ. μου (4)  
 63 (64). 1. ἀπὸ φόβου ἐχθροῦ ἐξέλυο τὴν ψ. μου  
 (2 δ)  
 65 (66). 9. τοῦ θεμένου τὴν ψ. μου εἰς ζωὴν (4)  
 — 16. ὅσα ἐποίησε τῇ ψ. μου (4)  
 68 (69). 1. ἐισήλθοσαν ὕδατα ὥς ψυχῆς μου (4)  
 10. συνέκμησαν ἐν νηστείᾳ τὴν ψ. μου (4)  
 — 18. πρόσχε τῇ ψ. μου (4)  
 — 20. οὐκ ἐστὶν μου προσδόκησεν ἡ ψ. [B<sup>1</sup>  
 καρδίᾳ] μου (8)  
 — 32. B καὶ ζήσεται ἡ ψ. ὡμῶν [B καὶ ζή-  
 σεσθ] (8)  
 69 (70). 2. ἐντραπίσαν οἱ ῥητοῦντες τὴν ψ.  
 μου (4)  
 70 (71). 9. B ἐν τῷ ἐκλείπειν τὴν ψ. [B ἰσχύν] μου †  
 — 10. οἱ φυλάσσοντες τὴν ψ. μου ἐβουλεύ-  
 σαντο ἐπὶ τὸ αὐτὸ (4)  
 — 13. ἐκλείπεταισιν οἱ ἐνδιβαλλόντες τὴν ψ.  
 μου (4)  
 — 23. καὶ ἡ ψ. μου ἔν λυγρώσῃ (4)  
 71 (72). 13. ψυχὰς πεινῶν σώσει (4)  
 — 14. ἐξ ἀδικίας λυγρώσεται τὰς ψ. αὐτῶν (4)  
 73 (74). 19. μὴ παραδῶς τοῖς θηρίοις ψυχὴν  
 ἐξομολογούμενῃ σοὶ τῶν ψ. τῶν  
 πεινῶν σου μὴ ἐπλάθῃ εἰς τέλος (A, 2 a)  
 76 (77). 2. ἀπηγνῶστο παρακληθῆναι ἡ ψ. μου (4)  
 77 (78). 18. τοῦ αἰτήσαι βρώματα ταῖς ψ. αὐ. (4)  
 — 50. οὐκ ἐφίεσσο ἀπὸ θανάτου τῶν ψ. αὐ. (4)  
 83 (84). 2. ἐκλείπει ἡ ψ. μου εἰς τὰς αὐλὰς τοῦ κ. (4)  
 85 (86). 2. φυλάξον τὴν ψ. μου διὰ τοῦτο εἰμι  
 — 4. εὐφρανῶ τὴν ψ. μου τοῦ δούλου σου ὅτι  
 πρὸς σέ, κύριε, ἤρα τὴν ψ. μου (4, 4)  
 — 13. ἐρρύσω τὴν ψ. μου ἐξ ἄδου κατωτάτου (4)  
 — 14. συναγωγὴ κραταιῶν ἐζήτησαν τὴν ψ. μου (4)  
 87 (88). 3. ἐπλήσθη κακῶν ἡ ψ. μου (4)  
 — 14. A B<sup>1</sup> ἵνα τί, κύριε, ἀπώθεις τὴν ψ. [B B<sup>3</sup>  
 προσυχνῇ] μου (4)  
 88 (89). 48. ῥύσεται τὴν ψ. αὐ. ἐκ χειρὸς ἄδου (4)  
 93 (94). 17. παρὰ βραχὺ παρήκῃσεν τῷ ἄδῃ ἡ  
 ψ. μου (4)  
 — 19. αἱ ποταμὸι σου ἠγάπησαν [A B<sup>3</sup> B<sup>2</sup>  
 ἠδύφραναν] τὴν ψ. [B<sup>1</sup> καρδίαν] μου (4)

Ps. 93 (94). 21. θηρεύουσιν ἐπὶ ψυχὴν δικαίου (4)  
 96 (97). 10. φυλάσσει κύριος τὰς ψ. τῶν  
 δούλων αὐτοῦ (4)  
 102 (103). 1, 2, 22 : 103 (104). 1, 35. εὐλόγει,  
 ἡ ψ. μου, τὸν κύριον (4)  
 104 (105). 18. σιδήρον διήλθεν ἡ ψ. αὐτοῦ (4)  
 105 (106). 15. ἐξαπέστειλε πλησμονὴν εἰς τὴν  
 ψ. [A B<sup>3</sup> τὰς ψ.] αὐτῶν (4)  
 106 (107). 5. ἡ ψ. αὐτῶν ἐν αὐτοῖς ἐξέλιπε (4)  
 — 9. A B ἐχόρτασε ψυχὴν κενὴν καὶ ψυχὴν [B  
 om.] πεινώσαν ἐνέπλησεν ἀγαθῶν (4, 4)  
 — 18. πᾶν βρώμα ἐβδελύετο ἡ ψ. αὐτῶν (4)  
 — 26. ἡ ψ. αὐτῶν ἐν κακοῖς ἐτήκετο (4)  
 108 (109). 20. τῶν λαλούντων ποτηρὰ κατὰ τῆς  
 ψ. μου (4)  
 — 31. τοῦ σώσαι ἐκ τῶν καταδικωκόντων τὴν  
 ψ. μου (4)  
 114 (116). 4. ῥύσαι τὴν ψ. μου (4)  
 — 7. A B<sup>3</sup> B ἐπίστρεψον ψυχὴν [B<sup>1</sup> ἡ ψ.] μου  
 εἰς τὴν ἀνάπαυσιν σου (4)  
 — 8. ἐξέλιτο τὴν ψ. μου ἐκ θανάτου (4)  
 118 (119). 20. ἐπεπόθησεν ἡ ψ. μου τοῦ ἐπιθυ-  
 μῆσαι (4)  
 — 25. ἐκολλήθη τῷ ἰδαίφῃ ἡ ψ. μου (4)  
 — 28. ἐνύστασεν ἡ ψ. μου ἀπὸ ἀκηδίας (4)  
 — 81. ἐκλείπει εἰς τὸ σπῆνδρον σου ἡ ψ. μου (4)  
 — 109. ἡ ψ. μου ἐν ταῖς χερσὶ σου διὰ παντός (4)  
 — 129. διὰ τοῦτο ἐξηρῆνυσεν αὐτὰ ἡ ψ. μου (4)  
 — 167. ἐφύλαξεν ἡ ψ. μου τὰ μαργύρια σου (4)  
 — 175. ζήσεται ἡ ψ. μου (4)  
 119 (120). 2. ῥύσαι τὴν ψ. μου ἀπὸ χειλέων  
 ἀδικῶν (4)  
 — 6. πολλὰ παρήκῃσεν ἡ ψ. μου (4)  
 120 (121). 7. φυλάξει τὴν ψ. σου ὁ κύριος (4)  
 122 (123). 4. ἐπὶ πλείων ἐπλήσθη ἡ ψ. ἡμῶν (4)  
 123 (124). 4. χεῖμαρρον διήλθεν ἡ ψ. ἡμῶν (4)  
 — 5. ἀρα διήλθεν ἡ ψ. ἡμῶν τὸ ὕδωρ τὸ ἀ-  
 νύστατον (4)  
 — 7. ἡ ψ. ἡμῶν ὡς στρουθίον ἐρρύσθη ἐκ τῆς  
 παγίδος τῶν θηρευόντων (4)  
 129 (130). 5. ὑπέμεινεν ἡ ψ. μου εἰς τὸν λόγον  
 σου (4)  
 — 6. ἤλπισεν ἡ ψ. μου ἐπὶ τὸν κύριον (4)  
 130 (131). 2. B B ὕψωσα τὴν ψ. [A καρδίαν] μου (4)  
 — 2. ὡς ἀνταποδώσεις ἐπὶ τὴν [B<sup>1</sup> om.] ψ. μου (4)  
 137 (138). 3. πολυκαρῆσεν με ἐν ψυχῇ μου (4)  
 138 (139). 14. καὶ ἡ ψ. μου γινώσκει σφύδρα (4)  
 140 (141). 8. μὴ ἀντανάλῃς τὴν ψ. μου (4)  
 141 (142). 4. οὐκ ἐστὶν ὁ ἐκζητῶν τὴν ψ. μου (4)  
 — 7. ἐξάγαγε ἐκ φυλακῆς τὴν ψ. μου (4)  
 142 (143). 3. A B<sup>3</sup> B κατεδίδους ὁ ἐχθρὸς  
 τὴν ψ. μου (4)  
 — 6. ἡ ψ. μου ὡς γῆ ἀνδρός σοι (4)  
 — 8. πρὸς σέ ἤρα τὴν ψ. μου (4)  
 — 11. ἐξάξει ἐκ θλίψεως τὴν ψ. μου (4)  
 — 12. ἀπολείς πάντα· τοὺς θλίβοντας τὴν ψ.  
 μου (4)  
 145 (146). 1. αἶνει, ἡ ψ. μου, τὸν κύριον (4)  
 Pr. 1. 19. τῇ γὰρ ἀσέβειαν τὴν ἐαυτῶν ψ. ἀφαι-  
 ροῦνται (4)  
 2. 10. ἡ δὲ αἰσθησις τῇ σῇ ψ. καλὴ εἶναι δόξῃ  
 3. 22. ἵνα ζήσῃ ἡ ψ. σου (4)  
 6. 16. συντρίβεται δὲ δι' ἀκαθαρσίας ψυχῆς (4)  
 — 21. ἀφάνει δὲ αὐτοὺς ἐπὶ σῇ ψ. διὰ παντός (4)  
 — 26. γυνὴ δὲ ἀνδρῶν τιμίαις ψυχὰς ἀγρεύει (4)  
 — 30. κλέπτει γὰρ ἵνα ἐμπλήσῃ τὴν [A B<sup>3</sup>  
 om.] ψ. πικρῶν [A — δούλῃ] (4)  
 — 32. ὁ δὲ μοιχὸς . . . ἀπολείαν τῇ ψ. αὐτοῦ  
 περιποιεῖται (4)  
 7. 23. οὐκ εἶδός ἐστι περὶ ψυχῆς τρέχει (4)  
 8. 36. οἱ δὲ ἀμυτῶντες ἐν ἐμὲ ἀσεβοῦσιν εἰς  
 τὰς ἐαυτῶν ψ. (4)  
 10. 3. οὐ λημοκτονεῖ κύριος ψυχὴν δικαίαν (4)  
 11. 17. τῇ ψ. αὐτοῦ ἀγαθὸν ποιεῖ ἀνὴρ ἐλείμων (4)  
 — 25. ψυχὴ ἐλογουμένη πᾶσα ἀπλή (4)  
 — 30. ἀφαιρούνται δὲ ἄωροι ψυχαὶ παρανόμων (4)  
 12. 10. δικαίος οἰκτερεῖ ψυχὰς ἐτηνῶν αὐτοῦ (4)  
 — 13. ὁ δὲ συναντῶν ἐν πύλαις ἐκθλίψει ψυχὰς —  
 — 14. ἀπὸ καρπῶν στόματος ψυχὴ ἀνδρὸς  
 πλῆσθήσεται ἀγαθόν — (4)  
 13. 2. ψυχαὶ δὲ παρανόμων δαίνονται ἄωροι (4)  
 — 3. δε φυλάσσει τὸ ἐαυτοῦ στόμα τηρεῖ τὴν  
 ἐαυτοῦ ψ. (4)  
 — 8. λύτρον ἀνδρὸς ψυχῆς ὁ ἴδιος πλοῦτος —  
 — 9. ψυχαὶ δόλαι πλανῶνται ἐν ἀμαρτίαις —  
 — 19. ἐπιθυμία εἰσεβῶν ἠδύνουσι ψυχὴν (4)

Pr. 13. 25. δικαίος ἴσθων ἐμπλήσῃ τὴν ψ. αὐτοῦ  
 ψυχὰ δὲ ἀσεβῶν ἐνδύσει (4, †)  
 14. 10. καρδία ἀνδρὸς ἀσθητικὴ λυπηρὰ ψυχῇ  
 αὐτοῦ (4)  
 — 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός (4)  
 16. 3 (15. 32). ὁ δὲ τηρῶν ἐλέγχους ἀγαπᾷ  
 ψυχὴν αὐτοῦ (8)  
 — 17. δε φυλάσσει τὰς ἐαυτοῦ ὁδοὺς τηρεῖ τὴν  
 ἐαυτοῦ ψ. (4)  
 — 24. γλίσκασμα δὲ αὐτοῦ ἴσως ψυχῆς (4 ?)  
 18. 7. τὰ δὲ χεῖλη αὐτοῦ παγίς τῇ ψ. αὐτοῦ (4)  
 — 8. ψυχαὶ δὲ ἀνδρογύνων πεινάσουσιν —  
 19. 15. ψυχὴ δὲ ἀεργοῦ πεινάσει (4)  
 — 16. δε φυλάσσει ἐντολὴν τηρεῖ τὴν ἐαυτοῦ ψ. (4)  
 — 18. εἰς δὲ ὕβριν μὴ ἐπαίρων τῇ ψ. σου (4)  
 — 19. καὶ τὴν ψ. αὐτοῦ προσθήσει —  
 20. 2. ὁ δὲ παροξύνων αὐτὸν ἀμαρτάνει εἰς τὴν  
 ἐαυτοῦ ψ. (4)  
 21. 10. ψυχὴ ἀσεβοῦς οὐκ ἐλεθθήσεται ὑπ' —  
 οὐδενὸς τῶν ἀνθρώπων (4)  
 — 23. διατηρεῖ ἐκ θλίψεως τὴν ψ. αὐτοῦ (4)  
 22. 5. ὁ δὲ φυλάσσωσιν τὴν ἐαυτοῦ ψ. ἀφέξεται  
 αὐτῶν (4)  
 — 9. τὴν μέντοι ψ. ἀφαιρεῖται τῶν κεκατμένων —  
 — 20. B B ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς ψ. [A B καρ-  
 δίας] σου — (4)  
 — 23. B<sup>1</sup> ὁ γὰρ κύριος κρινεῖ αὐτοῦ τὴν ψ. —  
 [B<sup>2</sup> κρίνει, A δίκην] καὶ ῥύσῃ τὴν —  
 ἀσυλὸν ψυχὴν (†, 4)  
 — 25. καὶ λάβῃς βρόχους τῇ σῇ ψ. (4)  
 23. 14. τὴν δὲ ψ. αὐτοῦ ἐκ θανάτου ῥύσῃ (4)  
 — 24. ἐπὶ δὲ νύξ σφῶν εὐφραίνεται ἡ ψ. αὐ. —  
 24. 14. αἰσθησις σοφίαν τῇ σῇ ψ. (4)  
 25. 13. ψυχὰς γὰρ τῶν αὐτῶν χρομένων ἀφελεῖ (4)  
 — 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρὸν ψυχῇ διψώσῃ (4)  
 προσσῆναι (4)  
 26. 25. ἐπὶ γὰρ εἰσι ποτηρία ἐν τῇ ψ. [A  
 καρδίᾳ] αὐτοῦ (8)  
 27. 7. ψυχὴ ἐν πλησμονῇ οὐσα κηρίος ἐμπάζει  
 ψυχῇ δὲ ἐνδεῇ καὶ τὰ πικρὰ γλίσκῃ  
 φαίνεται [B<sup>1</sup> φέρει] (4, 4)  
 — 9. καταρρήγνυται δὲ ὑπὸ συμπτωμάτων ψυχὴ (4)  
 — 23. γνωστὸς ἐπὶ γνώσῃ ψυχῆς ποιμνίου σου †  
 28. 17. δώσει κόσμον τῇ σῇ ψ. —  
 29. 10. οἱ δὲ εὐθεῖς ἐκζητήσουσι ψυχὴν αὐτοῦ (4)  
 — 17. δώσει κόσμον τῇ ψ. σου (4)  
 — 24. μοῖραι τὴν ἐαυτοῦ ψ. (4)  
 Ec. 2. 24. ὁ δείξει τῇ ψ. αὐτοῦ ἀγαθόν (4)  
 4. 8. στερίσκω τὴν ψ. μου ἀπὸ ἀγαθῶν (4)  
 6. 2. οὐκ ἐστὶν ὑπερτέρων τῇ ψ. αὐτοῦ (4)  
 — 3. ψυχὴ [A B ἡ ψ.] αὐτοῦ οὐ πλησθήσεται (4)  
 — 8 (7). καὶ γὰρ [A om.] ψ. οὐ πληρωθήσεται (4)  
 — 9. ἀγαθὸν ὄραμα . . . ὑπερ πορευόμενον ψυχῇ (4)  
 7. 29 (28). ἐν ἐκζητήσῃ ἡ ψ. μου (4)  
 Ca. 1. 7. ἀπάγγελον μοι ἐν ἡγάπησιν ἡ ψ. μου (4)  
 3. 1. ἐζήτησα ἐν ἡγάπησιν ἡ ψ. μου (4)  
 — 2. ζητήσω ἐν ἡγάπησιν ἡ ψ. μου (4)  
 — 3. μὴ ἐν ἡγάπησιν ἡ ψ. μου ἴδετε (4)  
 — 4. ἔως οὐ εὐρον ἐν ἡγάπησιν ἡ ψ. μου (4)  
 5. 6. ψυχὴ [A ἡ ψ.] μου ἐξήλθεν [B ἀπῆλθεν]  
 ἐν λόγῳ αὐτοῦ (4)  
 6. 11 (12). οὐκ ἐγὼ ἡ [B om.] ψ. μου (4)  
 Wi. 1. 4. εἰς κακότητων ψ. οὐκ εἰσελεύσεται σοφία (4)  
 — 11. στόμα δὲ καταψευδόμενον ἀναρεῖ ψυχὴν (8)  
 2. 22. οὐδε ἔκριναν γέρας ψυχῶν [B<sup>1</sup> — ἀρ] ἀμώμων (4)  
 3. 1. δικαίον δὲ ψυχαὶ ἐν χειρὶ θεοῦ —  
 — 13. ἐξεῖ καρπὸν ἐν ἐπισκοπῇ ψυχῶν —  
 4. 11. ἡρπάγη μὴ . . . δούλος ἀπατήσῃ ψυχὴν αὐτοῦ (4)  
 — 14. ἀρεστὴ γὰρ ἦν κυρίῳ ἡ ψ. αὐτοῦ (4)  
 7. 27. κατὰ γενεὰς εἰς ψυχὰς ὅσας μεταβαίνουσιν (4)  
 8. 19. ψυχῆς τε ἔλαον ἀγαθῆς —  
 9. 3. καὶ ἐν εὐθύτητι ψυχῆς κρίσιν κρίνῃ (4)  
 — 15. φθαρτὸν γὰρ σῶμα βαρύνει ψυχὴν —  
 10. 7. ἀπιστοῦσες ψυχῆς ῥημῶν ἐστηκῖα στήλη  
 ἀλός — (4)  
 — 16. 19 (B<sup>1</sup>). εἰσῆλθεν εἰς ψυχὴν θεράποντος κυρίου (4)  
 12. 6. αἰθένας γονεῖς ψυχῶν ἀβοηθήτων (4)  
 14. 5. ἐλαχίστη ψυχὴ πιστεύουσι ἀνθρώποις ψυχὰς —  
 — 11. ἐγενήθησαν καὶ εἰς σκάνδαλα ψυχὰς ἀν-  
 θρώπων —  
 — 26. ψυχῶν μασμὸς γενέσθω ἐναλλαγὴ (4)  
 15. 8. τὸ τῆς ψ. ἀπαιτηθεὶς χρεὶς —  
 — 11. τὸν ἐμπνεύσαντα αὐτῷ ψυχὴν ἐνεργούσαν —  
 — 14. τάλας ὑπὲρ ψυχὴν νηπίου [A ψυχὰς νη-  
 πίων] —  
 16. 9. οὐχ εὐρέθῃ ἴαμα τῇ ψ. αὐτῶν

Wi. 16. 14. οὐδὲ ἀναλύει ψυχὴν παραληφθεῖσαν  
17. 1. ἀπαίδετοι ψυχαὶ ἐπλανήθησαν  
— 8. οἱ γὰρ ὑπασκρούμενοι δέματα . . . ἀπελαύνει  
ψυχῆς νοσοῦντες  
— 15. τὰ δὲ τῆς ψ. παρελύοντο προδοσίᾳ  
Si. 1. 30. ἵνα μὴ πέσῃς καὶ ἐπαγάγῃς τῇ ψ. σου  
αἰτίαν  
2. 1. ἐτοίμασον τὴν ψ. σου εἰς πειρασμόν  
— 17. ἐνώπιον αὐτοῦ ταπεινώσουσι τὰς ψ. αὐτῶν  
4. 2. ψυχὴν πενῶσαν μὴ ληψήσῃς  
— 6. καταρωμένοι γὰρ σε ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ  
— 17. ἕως οὐ ἐμπιστεύσῃ τῇ ψ. αὐτοῦ  
— 20. περὶ τῆς ψ. σου μὴ αἰσχυρῇ  
— 22. μὴ λάβῃς πρόσωπον κατὰ τῆς ψ. σου  
5. 2. **A B S<sup>2</sup>** μὴ ἐξακολούθῃς τῇ ψ. σου  
6. 2. μὴ ἐπάρῃς σεαυτὸν ἐν βουλῇ ψυχῆς σου ἵνα μὴ  
διαρπαγῇ ὡς ταῦρος ἡ ψ. σου  
— 4. ψυχὴ πονηρὰ ἀπολεῖ τὸν κτησάμενον αὐτὴν  
— 26. ἐν πάσῃ ψυχῇ σου πρόσκειται αὐτῇ  
— 32. ἐάν ᾄδῃς τὴν ψ. σου πανούργος ἔσῃ  
7. 11. μὴ καταγέλας ἀνθρώπων ὄντα ἐν πικρίᾳ ψυχῆς  
αὐτοῦ  
— 17. ταπεινῶσον σφόδρα τὴν ψ. σου  
— 20. μὴδὲ μίσθιον δίδόντα ψυχὴν [**A S** τὴν ψ.]  
αὐτοῦ  
— 21. οἰκτείρη σου ἐν ἀγαπάτῃ σου ἡ ψ.  
— 26. γυνὴ σοὶ ἐστὶ κατὰ ψυχὴν [**S** τὴν ψ.]  
— 29. ἐν ὅλῃ ψυχῇ σου εὐλαβοῦ τὸν κύριον  
9. 2. μὴ ᾄδῃς γυναικὶ τὴν ψ. σου  
— 6. μὴ ᾄδῃς πόρνοις τὴν ψ. σου  
— 9. μὴ ποτε ἐκκλίνῃ ἡ ψ. σου ἐπ' αὐτὴν  
10. 28. ἐν πραιτήρῃ δέξασον τὴν ψ. σου  
— 29. τὸν ἀμαρτάνοντα εἰς τὴν [**A om.**] ψ. αὐτοῦ  
12. 11. ἐπίστησον τὴν ψ. [**A τῇ ψ.**] σου  
14. 2. μακάριος οὗ οὐ κατέγνω ἡ ψ. αὐτοῦ  
— 4. οὐ συνάγων ἀπὸ τῆς ψ. αὐτοῦ συνάγει ἄλλους  
— 8. ἀποστρέφων πρόσωπον καὶ ὑπερώων ψυχὰς  
— 9. ἀδικία πονηρὰ ἀναζητεῖν ψυχὴν  
16. ἀπάτησον [**A** ἀπίστον, **S<sup>1</sup>** ἀπαίτησον, **S<sup>2</sup>**  
ἀγίαςσον] τὴν ψ. σου  
16. 17. τίς γὰρ ἡ ψ. μου ἐν ἀμετρήτῳ κτίσει  
— 30. ψυχὴν [**S - ἡ**] παντός ζῶου ἐκάλυψε τὸ  
πρόσωπον αὐτῆς  
18. 15 (**S**), 30. ἐγκράτεια ψυχῆς  
— 31. ἐάν χορηγήσῃς [**A** εὐδοκίσεις] τῇ ψ. σου  
εὐδοκίαν ἐπιθυμίαν  
19. 3. ψυχὴ τοῦ μωροῦ ἐξαρθήσεται  
— 4. οὐ μαρτάνων εἰς ψυχὴν αὐτοῦ πλημελήσει  
— 16. ἔστιν ὀλισθάνων καὶ οὐκ ἀπὸ ψυχῆς  
20. 22. ἔστιν ἀπολλύων τὴν ψ. αὐτοῦ διὰ αἰσχύνῃ  
21. 2. οἱ δόδοντες αὐτῆς ἀναίρουσιν ψυχὰς ἀνθρώπων  
— 27. αὐτοῦ καταρτάται τὴν ἑαυτοῦ ψ. [**A** τὴν ψ.  
αὐτοῦ]  
— 28. μολύνει τὴν ἑαυτοῦ ψ. ὃ ψυθιρίζων  
23. 6. ψυχὴ ἀναιδεῖ μὴ παραδοῖς με  
— 16. ψυχὴ θερμὴ ὡς πῦρ καίμενον  
— 18. λέγων ἐν [**A om.**] τῇ [**S<sup>1</sup> om.**] ψ. αὐτοῦ  
24. 1. ἡ σοφία αἰνέσει ψυχὴν αὐτῆς  
25. 2. τρία δὲ εἶδη ἐμίσησεν ἡ ψ. μου  
26. 14. οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα πεπαιδευμένης ψυχῆς  
— 15. οὐκ ἔστι σταθμὸς πᾶς ἀξίος ἐγκρατοῦς ψυχῆς  
27. 16. οὐ μὴ εὖρ φίλον πρὸς τὴν [**S<sup>1</sup> om.**] ψ.  
αὐτοῦ  
29. 15. ἔδωκε γὰρ τὴν ψ. αὐτοῦ ὑπὲρ σοῦ  
30. 7. **B S<sup>1</sup>** περὶ ψυχῶν [?] περιψύχων] υἱὸν [**A S<sup>2</sup> B**  
— 6ν]  
— 21. μὴ ᾄδῃς εἰς λύπην τὴν ψ. σου  
— 23. ἀπάτα [**S<sup>2</sup> ἀπάτα**] τὴν ψ. σου  
— 40 (33. 31). ὡς ἡ ψ. σου ἐπιθεῖσται αὐτῷ  
31 (84). 15. φοβούμενον τὸν κύριον μακαρία ἡ ψ.  
— 17. ἀνύψων ψυχὴν καὶ φωτίζειν ὀφθαλμούς  
34 (31). 20. ἀνίστη πρῶτὴ καὶ ἡ ψ. αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ  
— 28. ἀγαλλίαμα καρδίας καὶ εὐφροσύνη ψυχῆς  
— 29. πικρία ψυχῆς οἷος πνόμενος [**A γιν.**] πολὺς  
35 (32). 23. ἐν παντὶ ἔργῳ πίστευε τῇ ψ. σου  
37. 6. μὴ ἐπιδιὰ φίλον ἐν τῇ ψ. σου  
— 12. ἀπὸ συμβουλίου φύλαξον τὴν [**S<sup>1</sup> om.**] ψ. σου  
— 14. ὅς ἐν τῇ ψ. αὐτοῦ κατὰ τὴν ψ. σου  
— 14. ψυχὴ γὰρ ἀνθρώπος ἀπαγγέλλει ἐνίοτε εἰσθεῖν  
— 19. τῇ ἰδίᾳ ψ. ἔστιν ἀχρηστος  
— 22. ἔστι σοφὸς τῇ ἰδίᾳ ψ.  
— 27. ἐν τῇ ζωῇ σου πείρασον τὴν ψ. σου  
— 28. οὐ πᾶσα ψυχὴ ἐν παντὶ εὐδοκεῖ  
38. 34. πλὴν τοῦ ἐπιδιδόντος τὴν ψ. αὐτοῦ  
40. 29. αἰσχύσει [**S** ἀλγ.] τὴν [**A S om.**] ψ.  
αὐτοῦ ἐν ἐδέρμασιν ἀλλοτριόις

Si. 45. 23. ἐν ἀγαθότητι προθυμίας ψυχῆς αὐτοῦ  
47. 15. γῆν ἐπεκάλυψεν ἡ ψ. σου  
50. 25. ἐν δυσὶν ἔθενεσι προσώχθησεν ἡ ψ. μου  
51. 3. ἐκ χειρὸς ζητούντων τὴν ψ. μου  
— 6. **A S R** ἤγγισεν [**B** ἤνεσεν] ἕως θανάτου ἡ ψ.  
μου  
— 19. διαμεμάχεται ἡ ψ. μου ἐν αὐτῇ  
— 20. τὴν ψ. μου κατεῖθαι εἰς αὐτήν  
— 24. αἱ ψ. ὑμῶν διψῶσι σφόδρα  
— 26. ἐπιδοξάσθω ἡ ψ. ὑμῶν παιδεῖαν  
— 29. εὐφρανθεῖν ἡ ψ. ὑμῶν ἐν τῷ ἐλείε αὐτοῦ  
Ho. 4. 8. ἐν ταῖς ἀδικίαις αὐ. λήφονται τὰς  
ψ. αὐ. (4)  
9. 4. οἱ ἄρτοι αὐ. ταῖς ψ. αὐ. οὐκ εἰσελεύσονται  
(4)  
Am. 2. 14. (**B**), 15. οὐ μὴ σώσει τὴν ψ. αὐ.  
Mi. 6. 7. ὑπὲρ ἀμαρτίας ψυχῆς μου  
7. 1. οἶμος ψυχῇ  
— 3. καταθύμιον ψυχῆς αὐ. ἔστιν  
Jn. 1. 14. **A B S<sup>2</sup>** μὴ ἀπολωμεθα ἕνεκεν τῆς ψ.  
τοῦ ἀνθρ. τ. (4)  
2. 6. περιεχῶν ἔδωκε μοι ἕως ψυχῆς  
— 8. ἐν τῷ ἐκλιπεῖν ἀπ' ἐμοῦ τὴν ψ. μου  
4. 3. λάβε τὴν ψ. μου ἀπ' ἐμοῦ  
— 8. ἀπελέγετο τὴν ψ. αὐ. (4)  
Hb. 2. 4. οὐκ εὐδοκεῖ ἡ ψ. μου ἐν αὐτῷ  
— 5. ὅς ἐπλάτνευε καθὼς ᾄδῃς τὴν ψ. αὐ.  
— 10. ἐξήμαρτεν ἡ ψ. σου (4)  
3. 2. ἐν τῷ παραχθήναι τὴν ψ. μου  
Hg. 2. 10 (9). ἐν τῷ τόπῳ τοῦτ' ὀδώσω . . .  
εἰρήνην ψυχῆς  
— 14 (13). ἐάν ἀψηται μεμαμένος ἀκάχατος  
ἐπὶ [**A** ψυχῇ ἐπὶ] ψυχῇ ([ - ], 4)  
Za. 11. 8. βαρυνθήσεται ἡ ψ. μου ἐπ' αὐτοῦ (4)  
— 8. καὶ γὰρ αἱ ψ. [**S<sup>1</sup>** χεῖρες] αὐ. ἐσπαρύνοντο  
ἐπ' ἐμέ (4)  
Is. 1. 14. τὰς ἐορτὰς ὑμῶν μισεῖ ἡ ψ. μου  
— 16. ἀφέλεται τὰς πορνίαις ἀπὸ τῶν ψ. ὑμῶν  
3. 9. οὐαὶ τῇ ψ. αὐτῶν  
5. 14. ἐπλάτνευε ὁ ᾄδῃς τὴν ψ. αὐτοῦ  
7. 2. ἐξέστη ἡ ψ. αὐτοῦ καὶ ἡ ψ. τοῦ λαοῦ  
αὐτοῦ (3, 3)  
— 4. μὴδὲ ἡ ψ. σου ἀσθενεῖτω (3)  
10. 7. τῇ ψ. οὐχ οὕτως λελόγισται  
— 18. καταφάγεται ἀπὸ ψυχῆς ἕως σαρκῶν  
— 13. **A** παρικαλεῖται τῇ ψ. [**B S** χεῖρ] (4)  
— 7. πᾶσα ψ. ἀνθρώπου δειλιάσει (3)  
15. 4. ἡ ψ. αὐτῆς γνώσεται (4)  
19. 10. τὰς ψ. πονέουσιν (4)  
21. 4. ἡ ψ. μου ἐφέστηκεν εἰς φόβον  
24. 7. οἱ εὐφρανόμενοι τὴν ψ. (3)  
26. 8. ἡ ἐπιθυμία ἡ ψ. ἡμῶν (4)  
29. 8. ἡ δὲ ψ. αὐτοῦ εἰς κενὸν ἤλπισεν (4)  
32. 6. τοῦ διαστείρει ψυχὰς πεινώσας καὶ τὰς  
ψ. τὰς διψῶσας κενὰς ποιήσει [**A** αἱ.] (4, -)  
33. 18. ἡ ψ. ὑμῶν μελετήσῃ φόβον (3)  
38. 14 (15). ἀφελῶται τὸν τὸν δόνην τῆς ψ.  
— 17. εἴλου γὰρ μου τὴν ψ. (4)  
42. 1. προσεδέξατο αὐτὸν ἡ ψ. μου (4)  
— 25. οὐδὲ ἔθεντο ἐπὶ ψυχὴν (3)  
44. 19. οὐκ ἐλογίσαστο τῇ ψ. αὐτοῦ (3)  
— 20. οὐδεὶς δύναται ἐξελεῖσθαι τὴν ψ. αὐτοῦ (4)  
47. 14. οὐ μὴ ἐξέλωνται τὴν ψ. αὐτῶν (4)  
49. 7. ἀγιάσατε τὸν φαυλίζοντα τὴν ψ. αὐτοῦ  
51. 23. οἱ εἶπαν τῇ ψ. σου, Κύψον  
53. 10. ἡ ψ. ὑμῶν ὄφεται σπέρμα μακρόβιον  
— 11. ἀπὸ τοῦ πόνου τῆς ψ. αὐτοῦ (4)  
— 12. παρεδόθη εἰς θάνατον ἡ ψ. αὐτοῦ (4)  
55. 2. ἐντροφίστη ἐν ἀγαθῷ ἡ ψ. ὑμῶν (4)  
— 3. ζήσεται ἐν ἀγαθῷ ἡ ψ. ὑμῶν (4)  
56. 11. οἱ κύριες ἀναιδέις τῇ ψ. (4)  
58. 3. ἐταπεινώσαντες τὰς ψ. ἡμῶν (4)  
— 5. ταπεινῶν ἀνθρώπων τὴν ψ. αὐτοῦ (4)  
— 10. ὡς πεινῶν τὸν ἄνθρωπον ἐκ ψυχῆς σου  
καὶ ψυχὴν τεταπεινωμένην ἐμπλή-  
σῃς (4, 4)  
— 11. καθάπερ ἐπιθυμεῖ ἡ ψ. σου (4)  
61. 10. ἀγαλλιάσθω ἡ ψ. μου ἐπὶ τῷ κυρίῳ (4)  
66. 3. τὰ βδελύγματα αὐ. [**A S add. ᾧ**] ἡ ψ.  
αὐτῶν ἠθέλησε (4)  
Je. 2. 24. ἐν ἐπιθυμίαις ψυχῆς αὐτῆς ἐπνευματο-  
φορεῖτο (4)  
— 34. εὐρέθησαν αἵματα ψυχῶν ἀθώων (4)  
3. 11. ἐδικαίωσε τὴν ψ. αὐ. [**S** Ἰσραὴλ] (4)  
4. 10. ᾤψατο ἡ μάχαιρα ἕως τῆς ψ. αὐτῶν (4)

Je. 4. 19. τὰ αἰσθητήρια τῆς καρδίας μου μα-  
μάσει ἡ ψ. μου [**S<sup>1</sup> al.**] (3)  
— 19. φωνὴν σάλπγγος ἡκούσει ἡ ψ. μου (4)  
— 30. τὴν ψ. σου ζητοῦσιν (4)  
— 31. ἐκλείπει ἡ ψ. μου ἐπὶ τοῖς ἀνηρημένοις  
5. 9. ἐν ἔθνει τοιοῦτ' οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψ. μου (4)  
— 29. ἐν ἔθνει τῷ τοιοῦτ' οὐκ ἐκδικήσει ἡ  
ψ. μου (4)  
6. 8. μὴ ἀποστῇ ἡ ψ. μου ἀπὸ σοῦ (4)  
— 16. εὐρήσετε ἀγνωστον ταῖς ψ. ὑμῶν (4)  
9. 9 (8). ἐν λαῷ τοιοῦτ' οὐκ ἐκδικήσει ἡ ψ. μου (4)  
11. 21. ἐπὶ τοὺς ἀνδρας Ἀναβῶθ τοὺς ζητούντας  
τὴν ψ. μου (4)  
12. 7. ἔδωκε τὴν ἡγαπημένην ψ. μου εἰς χεῖρας  
ἐχθρῶν αὐ. (4)  
13. 17. κλαύσεται ἡ ψ. ὑμῶν (4)  
14. 19. ἀπὸ Σιών ἀπέστη ἡ ψ. σου (4)  
15. 1. οὐκ ἔστιν ἡ ψ. μου πρὸς αὐτοῦ (4)  
— 9. ἀπεκάκισεν ἡ ψ. αὐτῆς (4)  
17. 21. φυλάσσεσθε τὰς ψ. [**A** φυλάκας] ὑμῶν (4)  
18. 20. συνελάλησαν ῥήματα κατὰ τῆς ψ. μου (4)  
19. 7. ἐν χερσὶ τῶν ζητούντων τὰς ψ. αὐτῶν (4)  
20. 13. ἐξέλειτο ψυχὴν πένητος (4)  
21. 7. εἰς χεῖρας ἐχθρῶν αὐτῶν τῶν ζητούντων  
τὰς ψ. αὐτῶν (4)  
— 9. ἔσται ἡ ψ. αὐτοῦ εἰς σκύλα (4)  
22. 25. εἰς χεῖρας τῶν ζητούντων τὴν ψ. σου (4)  
— 27. ἦν αὐτοῖς εὐχονται ταῖς ψ. αὐτῶν (4)  
25. 16 (49. 37). ἐναντίον τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν  
τῶν ζητούντων τὴν ψ. αὐ. (4)  
27 (50). 19. πλησθήσεται ἡ ψ. αὐτοῦ (4)  
28 (51). 6. ἀνασῶσθε ἕκατος τὴν ψ. αὐτοῦ (4)  
31 (48). 6. σῶσατε τὰς ψ. ὑμῶν (4)  
33 (26). 19. ἐποίησαμεν κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς  
[**A - αἱς**] ὑμῶν (4)  
38 (31). 12. ἔσται ἡ ψ. [**S<sup>1</sup> τῇ ψ.**] αὐ. ὥσπερ  
ξύλον ἐγκαρπον (4)  
— 14. μεθύσω τὴν ψ. τῶν ἱερέων (4)  
— 25. ἐμέθυσα πᾶσαν ψυχὴν διψῶσαν καὶ  
πᾶσαν ψυχὴν πεινώσαν ἐνέπλησα (4, 4)  
39 (32). 41. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ ἐν πάσῃ ψ. (4)  
41 (34). 16. οὐς ἐξαπεστειλάτω ἐλευθέρους τῇ  
ψ. αὐτῶν (4)  
44 (37). 9. μὴ ὑπολάβητε ταῖς ψ. ὑμῶν (4)  
45 (38). 2. ἔσται ἡ ψ. αὐτοῦ εἰς εὐρεῖαν (4)  
— 16. ὅς ἐποίησεν ἡμῖν τὴν ψ. ταυτήν (4)  
— 17. 20. ζῆσεται ἡ ψ. σου (4)  
46 (39). 18. ἔσται ἡ ψ. σου εἰς εὐρεῖαν (4)  
47 (40). 14. ἀπέστειλε . . . τὸν Ἰσραὴλ πατά-  
ξαι σου ψυχὴν (4)  
— 15. μὴ πατάξῃ σου ψυχὴν (4)  
49 (42). 20. ἐπονηρεύσασθε ἐν ψυχαῖς [**A** ταῖς  
ψ.] ὑμῶν (4)  
50 (43). 6. ἔλαβε . . . τὰς ψ. ἃς κατέλιπε  
51 (44). 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα ἐπὶ  
ψυχαῖς [**S<sup>1</sup> - ἄς**] ὑμῶν (4)  
— 14. ἐλπίσουσι ταῖς ψ. αὐτῶν τοῦ ἐπιστρέφαι (4)  
— 30. εἰς χεῖρας ζητούντων τὴν ψ. αὐτοῦ (4)  
— 30. εἰς χεῖρας Ναβουχοδοноσορ . . . ζη-  
τούντος τὴν ψ. αὐτοῦ (4)  
51. 35 (45. 5). ὀδώσω τὴν ψ. σου εἰς [**S om.**]  
εὐρεῖαν (4)  
Ba. 2. 18. ἡ ψ. ἡ λυπομένη ἐπὶ τὸ μέγεθος . . . καὶ  
ἡ ψ. ἡ πεινώσα δώσουσι σοὶ δόξαν  
3. 1. ψ. ἐν στενοῖς . . . κέκραγε πρὸς σέ  
La. 1. 6. **S** τοῦ ἀναπαύσαι ψυχὴν  
— 11. τοῦ ἐπιστρέφαι ψυχὴν (4)  
— 16. ὁ ἐπιστρέφων ψυχὴν μου (4)  
— 19. ἵνα ἐπιστρέψωσι [**B add. εἰς**] ψυχὰς  
αὐτῶν (4)  
2. 12. ἐν τῷ ἐκχεῖσθαι ψυχὰς αὐτῶν (4)  
— 19. ἄρον . . . χεῖρας σου περὶ ψυχῆς νη-  
πίων σου (4)  
3. 17. ἀπώσατο ἕξ εἰρήνης ψυχὴν μου (4)  
— 20. καταδολεσχήσει ἐπ' ἐμέ ἡ ψ. μου (4)  
— 24. **R** εἶπεν ἡ ψ. σου (4)  
— 25. ἀγαθὸς κύριος . . . ψυχὴ ἡ ζητήσει (4)  
— 51. ὁ ὀφθαλμὸς μου ἐπιφύλλει ἐπὶ τὴν ψ.  
μου (4)  
— 58. ἐδικάσας, κύριε, τὰς δικὰς [**A** ἀδικίας]  
τῆς ψ. μου (4)  
— 59. ἐν ταῖς ψ. ἡμῶν εἰσίστομεν ἄρτον ἡμῶν (4)  
Ep. Je. 7. αὐτὸς τέ ἐκλήρω τὰς ψ. ὑμῶν (4)  
Ez. 3. 19. σὺ τὴν ψ. σου ῥύσῃ (4)  
— 21. σὺ τὴν σεαυτοῦ ψ. [**A** ψ. σου] ῥύσῃ (4)  
4. 14. εἰ ἡ ψ. μου οὐ μεμνῆται ἐν ἀκαθαρσίᾳ (4)



- Εξ. 7. 19. αἱ ψ. αὐτὼν οὐ μὴ ἐμπλησθῶσι (4)  
 13. 18. τοῦ διαστρέφειν ψυχὰς (4)  
 — 18. αἱ ψ. διεστρίφθησαν τοῦ λαοῦ μου καὶ  
 ψυχὰς περιποιούτω (4, 4)  
 — 19. τοῦ ἀποκτείνειν ψυχὰς . . . καὶ τοῦ  
 περιποιῶσθαι ψυχὰς [A al.] (4, 4)  
 — 20. ἐφ' ἃ ὑμεῖς συστρέφετε ἐκεῖ ψυχὰς . . .  
 ἐξαποστελῶ τὰς ψ. ἃς ὑμεῖς ἐκστρέ-  
 φετε τὰς ψ. αὐτῶν (4 ter)  
 14. 20. ῥύσονται τὰς ψ. αὐτῶν (4)  
 16. 5. ἀπερρίφη . . . τῇ σκολιότητι τῆς ψ. σου  
 — 27. παριδῶσα [A add. σε] εἰς ψυχὰς  
 μουσύνων σε (4)  
 17. 17. τοῦ ἐξάραι ψυχὰς (4)  
 13. 4. πᾶσαι αἱ ψ. ἐμαὶ εἰσιν ἐν τρόπῳ ἡ ψ.  
 τοῦ πατρὸς οὕτως καὶ ἡ ψ. τοῦ υἱοῦ  
 ἐμαὶ εἰσιν ἡ ψ. ἡ ἀμαρτανουσα  
 αὕτη ἀποθανεῖται (4 quater)  
 — 20. ἡ δὲ ψ. ἡ ἀμαρτανουσα [A add. αὕτη]  
 ἀποθανεῖται (4)  
 — 27. οὕτως τὴν ψ. αὐτοῦ ἐφύλαξε (4)  
 22. 25. οἱ ἀφηγούμενοι . . . ψυχὸς κατεσθίοντες (4)  
 23. 17. ἀπέστη ἡ ψ. αὐτῆς ἀπ' αὐτῶν (4)  
 — 18. ἀπέστη ἡ ψ. μου ἀπ' αὐτῆς ἐν τρόπῳ  
 ἀπέστη ἡ ψ. μου ἀπὸ τῆς ἀδελφῆς  
 αὐτῆς (4, 4)  
 — 22, 28. ἀπέστη ἡ ψ. σου ἀπ' αὐτῶν (4)  
 24. 21. ὑπὲρ ὧν φείδονται αἱ ψ. ὑμῶν (4)  
 — 25. λαμβάνω . . . τὴν ἑπαρσιν ψυχῆς [A  
 τῆς ψ.] αὐτῶν (4)  
 25. 6. ἐπύχαρος ἐκ ψυχῆς σου (4)  
 — 15. ἐξανέστησαν ἐκδικῶν ἐπιχειροῦντες ἐκ  
 ψυχῆς (4)  
 27. 13. ἐνεπορεύοντο σοὶ ἐν ψυχαῖς ἀνθρώπων (4)  
 — 31. Α κλαίονται περὶ σοῦ ἐν πεκαρμῷ  
 ψυχῆς (4)  
 33. 5. Α οὐκ ἐφύλαξτο τὴν ψ. αὐτοῦ [B om.  
 τ. ψ. αὐ.] — (4)  
 — 5. τὴν ψ. αὐτοῦ ἐξέλιτο (4)  
 — 6. ἡ ρομφαία λάβη ἐξ αὐτῶν ψυχὴν (4)  
 — 9. τὴν ψ. σαυτοῦ ἐξήρσῃ [A ψ. σου  
 ἐρρῶσω] (4)  
 36. 5. ἀτιμώσαντες ψυχὰς τοῦ ἀφανίσαι (4)  
 44. 25. ἐπὶ ψυχὴν ἀνθρώπου οὐκ εἰσελεύσονται +  
 47. 9. ἔσται πᾶσα ψ. τῶν ζώων . . . ζῆσται (4)  
 Da. LXX. Su. 55. ὁρθῶς ἐψευσαί εἰς τὴν σεαυτοῦ ψ.  
 — 55. σχίσαι σου τὴν ψ. σήμερον  
 8. (39). ἐν ψ. συντετριμμένη . . . προσδεχθείμεν  
 — (86). εὐλογεῖτε, . . . ψυχὰι δικαίων, τὸν κ.  
 4. 31. ἔδοκα τὴν ψ. μου εἰς δέσινον —  
 — 34. περὶ τῆς ψ. μου τῷ ὑψίστῳ θυσίας  
 προσοίω —  
 Da. TH. 3. (39). ἐν ψ. συντετριμμένη . . . προσδε-  
 χείμεν — (86). εὐλογεῖτε, . . . ψυχὰι δικαίων, τὸν κ.  
 I Ma. 1. 48. βδελύζαι τὰς ψ. αὐ. ἐν παντὶ ἀκαθάρτφ  
 2. 38. ἔως χιλίων ψ. ἀνθρώπων —  
 — 40. μὴ πολεμῶμεν . . . ὑπὲρ τῆς ψ. ἡμῶν  
 — 50. διτὰ τὰς ψ. ὑμῶν ὑπὲρ διαθήκης πατέρων  
 ἡμῶν —  
 3. 21. πολεμοῦμεν περὶ τῶν ψ. ἡμῶν —  
 — 31. ἡπορεῖτο τῇ ψ. αὐ. σφόδρα —  
 8. 27. συμμαχῶσιν οἱ Ῥωμαῖοι ἐκ ψυχῆς  
 9. 2. Α Β ἀπόλεσε ψυχὰς [B εἰς ψ.] ἀνθρώπων  
 πολλὰς —  
 — 9. σώζωμεν τὰς ἐαυτῶν ψ. —  
 — 44. Α Β πολεμῶμεν ὑπὲρ [B περὶ] τῶν ψ. ἡμῶν  
 10. 33. πᾶσαν ψ. Ἰουδαίων . . . ἀφίμην ἐλευθέρω  
 12. 51. περὶ ψυχῆς αὐτοῖς ἐστὶ —  
 18. 5. φείσασθαι μου τῆς ψ. —  
 II Ma. 1. 3. ποιῶν αὐτοῦ τὰ θελήμ. . . ψ. βουλο-  
 μένη —  
 8. 16. ἐνέφαινε τὴν κατὰ ψυχὴν ἀγωνίαν  
 5. 11. τεθηρημένοι τῇ ψ. —  
 6. 30. κατὰ ψυχὴν δὲ ἡδέως . . . ταῦτα πάσχω  
 7. 12. ἐκπλησσοῦμαι τὴν τοῦ νεανίσκου ψ. —  
 — 37. Β σώμα καὶ ψυχὴν [A εὐχὴν] προδίδωμι  
 11. 9. ἐπερρώσθησαν τὰς ψ. —  
 14. 38. ψυχὴν ὑπὲρ τοῦ Ἰουδαϊσμοῦ παραβεβλη-  
 μένος —  
 15. 17. καὶ ψυχὰς νέων ἐπανδρώσαι —  
 — 30. ὁ καθ' ἅπαν σώματι καὶ ψυχῇ πρωταγω-  
 νιστῆς —  
 III Ma. 2. 20. τὸν . . . συντετριμμένον τὰς ψ.  
 — 32. γενναῖα ψ. ἐνίσχυσαν —  
 4. 4. μετὰ περικρίας ἀνοικτοῦ ψυχῆς

- III Ma. 5. 42. τὰς γινόμενας . . . μεταβολὰς τῆς ψ.  
 6. 6. τοὺς . . . τρεῖς ἑταίρους πυρὶ τὴν ψ. αὐθαίρετως  
 δεδωκέντας —  
 IV Ma. 1. 20. τούτων ἐκ ἑατέρων καὶ περὶ τὴν ψ.  
 πέφυκε —  
 — 26. κατὰ μὲν ψυχῆς ἀλαζονεία —  
 — 28. δυοῖν τοῦ σώματος καὶ τῆς ψ. φυτῶν ὄντων  
 2. 1. εἰ αἱ τῆς ψ. ἐπιθυμίαι . . . ἀκυροῦνται —  
 3. 3. θυμὸν τὸ οὐ δύναται ἐκκλῆναι ὑμῶν τῆς ψ. —  
 — 15. Α Β πᾶνδιδον εἶποι κίνδυνον τῇ [B om.] ψ. —  
 5. 26. τὰ μὲν οἰκειωθόμενα ἡμῶν ταῖς ψ. —  
 6. 29. ἀντίψυχον αὐτῶν λάβε τὴν ἐμὴν ψ. —  
 7. 4. τὴν ἱερὰν ψ. . . πυρπολοῦμενος —  
 8. 29. πάντες . . . ὥσπερ ἀπὸ τῆς αὐτῆς ψ. εἶπον  
 9. 7. τὰς ἡμῶν ψ. εἰ θανατώσεις —  
 — 25. ἀπερρήξε τὴν ψ. —  
 10. 4. Α Β τῆς γὰρ ψ. μου οὐδ' ἂν ὀλίγη ἀψεσθε  
 12. 20. Β ἀπέδωκε τὴν ψ. [A B al.] —  
 13. 13. τῷ θεῷ . . . τῷ δότῃ τὰς ψ. —  
 — 15. μέγας γὰρ ψυχῆς ἀγὼν . . . κείμενος —  
 — 20. διὰ τῆς αὐτῆς ψ. τελεσφορηθέντες —  
 — 21. ἀφ' ὧν συντρέφονται . . . φιλάδελφοι ψ. —  
 14. 6. συμφῶνως τοῖς τῆς ψ. ἀφηγήμασι κινουῦνται  
 — 6. ὡς ὑπὸ ψυχῆς ἀθανάτου τῆς εὐσεβείας —  
 15. 4. ψυχῆς τε καὶ μορφῆς ὁμοιότητα —  
 — 25. τῇ ἐαυτῆς ψ. [B τῆς αὐτῆς ψ.] δεινούς  
 ὁρώσα συμβούλους —  
 18. 23. ψ. ἀγνὰς . . . ἀπειληφότες παρὰ τοῦ θεοῦ  
 [Aq. Ge. 1. 20, 30: 2. 7: 9: 4: 14. 21: Lx. 5.  
 15: Jo. 2. 13: Jd. 16. 16: I Ki. 18. 3: III  
 Ki. 17. 22: IV Ki. 12. 4 (5): Jb. 6. 9 (P.): 7.  
 15: 11. 20: 19. 1 (P.): Ps. 9. 24 (10. 3): 10  
 (11). 5: 24 (25) 1: 25 (26). 9: 30 (31). 8: 32  
 (33). 19, 20: 84 (85). 7, 12: 40 (41). 3: 65  
 (66). 9: 68 (69). 11: 69 (70). 3: 76 (77). 3: 76  
 (88). 15: 114 (116). 4: 118 (119). 109:  
 122 (123). 4: 129 (130). 5, 6: 141 (142).  
 8: 142 (143). 4: Pr. 6. 16: 8. 36: 14. 10:  
 16. 26: 19. 18: 24. 12: 27. 9: 28. 25: CA.  
 6. 11 (12): Is. 29. 8: 58. 10: 58. 10. 11:  
 61. 10: Jz. 12. 7: 13. 17: 19. 9: 21. 7:  
 34 (41). 16, 20: 37 (44). 9: 38 (45). 16:  
 43 (50). 6: 44 (51). 14: Ez. 32. 10: 38. 9:  
 Hb. 2. 4: ZA. 11. 8. 6. 11.] —  
 [Sm. Ge. 1. 20, 30: 2. 7: 9: 4: 14. 21: Lx.  
 17. 14: Jo. 2. 13: I Ki. 1. 18: II Ki. 14. 14:  
 15. 21: Jb. 2. 4: 6. 9 (P.): 7. 11: 11. 20: 33.  
 30: Ps. 9. 24 (10. 3): 16 (17). 9: 21 (22). 30:  
 24 (25). 1: 25 (26). 9: 26 (27). 12: 30 (31).  
 8: 32 (33). 19, 20: 84 (85). 7, 12: 40 (41).  
 3: 5: 41 (42). 5, 6: 7: 42 (43). 5: 48 (49).  
 19: 55 (56). 7: 65 (66). 9: 68 (69). 2, 11:  
 69 (70). 3: 70 (71). 10, 13, 23: 72 (73). 13:  
 76 (77). 3: 85 (86). 14: 87 (88). 15: 104  
 (105). 18: 114 (116). 4: 118 (119). 28, 109:  
 122 (123). 4: 130 (131). 2. 6. 11: 17:  
 3: 141 (142). 8: Pr. 1. 19: 8. 36: 11. 17:  
 16. 24: 26: 21. 10: 22. 23: 28. 7: Ec. 7. 29  
 (28): CA. 5. 6: 6. 11 (12): Is. 10. 18: 29.  
 8: 38. 17: 53. 10: 58. 10, 11: 61. 10: Jz.  
 13. 17: 19. 9: 21. 7: 31 (38). 25: 32 (39).  
 41: 84 (41). 20: 37 (44). 9: 38 (45). 16: 43  
 (50). 6: Ez. 13. 18: 25. 15: 33. 5: DA. 2.  
 3 (Sw.): ZA. 11. 8.] —  
 [Th. Ge. 1. 20, 30: 2. 7: Jo. 2. 13: II Ki. 14.  
 14: 15. 21: IV Ki. 12. 4 (5): Jb. 2. 6: 11.  
 20: 18. 4: 30. 16: 33. 20, 28: Ps. 21 (22).  
 30: 30 (31). 8: 40 (41). 3: 65 (66). 9:  
 69 (70). 3: 72 (73). 13: Pr. 6. 16: 14. 10:  
 16. 17, 24: 24. 12: Is. 29. 8: 58. 15: 42. 1:  
 58. 10: 58. 10, 11: 61. 10: Jz. 19. 9: 34  
 (41). 20: 46 (26). 26: 62. 29, 30. 6. 11: Ez. 22.  
 27: 27. 31: 33. 9: ZA. 11. 8.] —  
 [Hob. Ge. 49. 6: Ez. 13. 18.] —  
 [Al. Le. 4. 27: 17. 10, 11: 21. 11: 26. 43:  
 27. 2: Nu. 5. 2: Ps. 123 (124). 4. 5: Pr. 6.  
 30: CA. 3. 1: Mi. 7. 1.] —  
 [Quint. IV Ki. 12. 4 (5): Ps. 21 (22). 30: 25  
 (26). 9: 30 (31). 8: 32 (33). 19: 118 (119).  
 28: 129 (130). 5: Pr. 6. 16.] —  
 [Sext. Ps. 21 (22). 30: 80 (31). 8: 32 (33). 20:  
 118 (119). 28.] —  
 [Sept. Ps. 21 (22). 30.] —  
 ψυχικός.  
 IV Ma. 1. 32. τῶν δὲ ἐπιθυμιῶν αἱ μὲν εἰσι ψ.  
 ψυχικῶς.  
 II Ma. 4. 37. ψ. οὐδ' ἂν ὑποληπθεῖς  
 14. 24. ψ. τῷ ἀνδρὶ προσεκέλετο

- ψυχός. (1) α. ἥρ δ. ἡρ  
 Ge. 8. 22. ψυχός καὶ καῖμα . . . οὐ καταπαύ-  
 σουσιν (1 a)  
 Jb. 37. 9. ἀπὸ δὲ ἀκρωτηρίων ψυχός (1 b)  
 Ps. 147. 6 (17). κατὰ πρόσωπον ψυχούς αὐτοῦ  
 τίς ὑποστήσεται (1 b)  
 Za. 14. 6. οὐκ ἔσται φῶς καὶ ψυχὴ [A B<sup>2</sup> -os] +  
 Da. LXX. 3. (67). εὐλογεῖτε, ῥίγος καὶ ψίχρος, τὸν κ.  
 — (69). εὐλογεῖτε, πάγος καὶ ψυχός, τὸν κ.  
 Da. TH. 3. (67). Α εὐλογεῖτε, ψυχός καὶ καῖμα,  
 τὸν κ. — (69). εὐλογεῖτε, ψυχός καὶ καῖμα [A πάγος κ.  
 ψ.] τὸν κ. —  
 [Aq. Ps. 147. 6 (17): Pr. 25. 20.] —  
 [Sm. Pr. 20. 4: 25. 20: ZA. 14. 6.] —  
 [Th. Pr. 25. 20: DA. 3. (67), (69)†.] —  
 ψυχολυκεῖσθαι.  
 III Ma. 5. 25. κατὰ τὸν ἡμέρη ψυχολυκούμενοι  
 χρόνον —  
 ψυχρός. (1) ἡρ  
 Pr. 25. 25. ὥσπερ ὕδωρ ψυχρόν ψυχρὴ διψόσῃ  
 προσπνέει (1)  
 Si. 43. 20. ψυχρός ἄνεμος βορέης πνεύσει  
 IV Ma. 11. 26. τὸ πῦρ σου ψυχρόν ἡμῖν  
 ψωμίειν. (1) ἡρ a. gal. δ. hi. c. ἡρ  
 (2) ἡρ hi. (3) ἡρ pa.  
 Nu. 11. 4, 18. τίς ἡμᾶς ψωμίει κρέα (1 b)  
 De. 8. 3. ἐψώμασέ σε τὸ μᾶνα (1 b)  
 — 16. τοῦ ψωμισάντος σε τὸ μᾶνα (1 b)  
 32. 13. ἐψώμασεν αὐτοὺς γεννητὰ ἀγρῶν (1 a)  
 II Ki. 13. 5. καὶ ψωμισαίτω με (2)  
 Ps. 79 (80). 5. ψωμίει ἡμᾶς ἄρτον δακρύων (1 b)  
 80 (81). 16. ἐψώμασεν αὐτοὺς ἐκ στέατος πυροῦ (1 b)  
 Pr. 25. 21. εἰς πεινὰ ὁ ἐχθρὸς σου ψωμίει [AB  
 τρέφει] αὐτόν (1 b)  
 Wi. 18. 20. ἀγγέλω τροφὴν ἐψώμασας τὸν λαόν  
 σου —  
 Si. 15. 3. ψωμίει αὐτὸν ἄρτον συνέσεως  
 29. 26. εἰ τι ἐν τῇ χειρὶ σου ψωμίσῃ με (1 b)  
 Is. 58. 14. ψωμίει σε τὴν κληρονομίαν Ἰακώβ (1 b)  
 Je. 9. 15 (14). ψωμῶ [A -ίω ὑμᾶς] αὐτοὺς  
 ἀνάγκη (1 b)  
 23. 15. ψωμῶ [A -ίω] αὐτοὺς ὀδύνῃ (1 b)  
 La. 3. 16. ἐψώμισέ με σποδὸν +  
 Ez. 3. 2. ἐψώμισέ με τὴν κεφαλίδι (1 b)  
 16. 19. ἔλαιον καὶ μέλι ἐψώμισά σε (1 b)  
 Da. LXX. 4. 29. χόρτον ὡς βοὸν σε ψωμίσουσι (3)  
 — 30. χόρτον ὡς βοὸν ἐψώμισαν με (1 c)  
 Da. TH. 4. 22, 29. χόρτον ὡς βοὸν ψωμίσουσι  
 [A -ίσουσιν] σε (3)  
 5. 21. χόρτον ὡς βοὸν ἐψώμιζον αὐτόν (3)  
 [Sm. Ps. 79 (80). 6.] —  
 ψωμός. (1) ἡρ (2) ἡρ (3) ἡρ  
 Jd. 19. 5. στήρῃσον τὴν καρδίαν σου ψωμῷ [A  
 κλάσματι] ἄρτου (3)  
 Ru. 2. 14. βάψαι τὸν ψ. σου ἐν τῷ ἔξει (3)  
 I Ki. 28. 22. παραθήσω ἐνώπιόν σου ψωμόν  
 ἄρτου (3)  
 III Ki. 17. 11. λήψῃ δὲ μοῦ ψωμόν ἄρτου [A -ον] (3)  
 Jb. 22. 7. πεινώτων ἐστένησας ψωμόν (1)  
 24. 10. πεινώτων δὲ τὸν [A om.] ψ. ἀφελαντο (3)  
 31. 17. εἰ δὲ καὶ τὸν ψ. μου ἔφαγον μόνος (3)  
 Ps. 147. 6 (17). βάλλοντας κρύσταλλον αὐτοῦ  
 ὡσεὶ ψωμούς (3)  
 Pr. 9. 13. γυνὴ ἄφρων καὶ θρασεία ἐνδεῆς ψωμοῦ  
 γίνεται +  
 17. 1. κρείσσων ψωμός μεθ' ἡδογῆς (3)  
 23. 7. καὶ φάγῃς τὸν ψ. σου μετ' αὐτοῦ —  
 28. 21. ὁ τοιοῦτος ψωμοῦ ἄρτου ἀποδόσεται  
 ἄνδρα (3)  
 [Aq. Lx. 2. 6: 6. 21 (14).] —  
 [Sm. Lx. 2. 6.] —  
 [Th. Lx. 2. 6: Ez. 13. 19.] —  
 [Al. Lx. 8. 26.] —  
 ψωρά. (1) ἡρ (2) ψ. ἀγρία ἡρ  
 Le. 21. 20. ὃ ἂν ᾖ ἐν αὐτῷ ψ. ἀγρία (3)  
 26. 16. ἐπισυστήσω ἐφ' ὑμᾶς . . . τὴν τε ψ. (1)  
 De. 28. 27. πατάξαι σε κ. . . ψ. ἀγρία (2)  
 ψωραγριάν. (1) ἡρ  
 Le. 22. 22. Α<sup>2</sup> Β<sup>2</sup> ψωραγριάντα [B<sup>1</sup> om.] . . .  
 οὐ προσάξουσιν (1)

$\Omega$ [illegible]



| φδῆ.   | (1) חֲדָה                             | (2) חֲדָה | (3) חֲדָה |
|--|---------------------------------------|-----------|-----------|
| (4) חֲדָה  | (5) חֲדָה                             | (6) חֲדָה |           |
| δ. η. ψ.   |                                       |           |           |
| Ex. 15. 1. ἥσε . . . τὴν φ. ταύτην τῷ θεῷ                          | (6 b)                                 |           |           |
| De. 31. 19. γράψατε τὰ ῥήματα τῆς φ. ταύτης                        | (6 b)                                 |           |           |
| — 19. ἵνα μοι γένηται ἡ φ. αὐτὴ κατὰ πρόσωπον                      | (6 b)                                 |           |           |
| — 21. ἀντικαταστήσεται ἡ φ. αὐτὴ                                   | (6 b)                                 |           |           |
| — 22. ἔγραψε Μ. τὴν φ. ταύτην                                      | (6 b)                                 |           |           |
| — 30. ἐλάλησε Μ. . . τὰ ῥήματα τῆς φ. ταύτης                       | (6 b)                                 |           |           |
| 82. 44. ἔγραψε Μ. τὴν φ. ταύτην                                    | (6 b)                                 |           |           |
| Jd. 5. 1. Α καὶ εἶπεν ἐν τῇ φ. [B al.]                             | —                                     |           |           |
| — 12. ἀλάλησον ὡδὴν [A ἀλάλει μετ' ὡδῆς]                           | (6 a)                                 |           |           |
| II Ki. 6. 5. παῖδον . . . ἐν ὡδαίς                                 | —                                     |           |           |
| 22. 1. ἐλάλησε . . . τοὺς λόγους τῆς φ. ταύτης                     | (6 b)                                 |           |           |
| 22. 2. ὡδῆ [A om.]   | —                                     |           |           |
| III Ki. 4. 32 (5. 12). ἦσαν ὡδαὶ αὐ. πεντακισ-                     | (6 a)                                 |           |           |
| 8. 53. οὐκ ἴδον αὐτὴν γέγραπται ἐν βιβλίῳ τῆς φ.                   | —                                     |           |           |
| I Ch. 15. 16. Α ἐν ὁργάνοις ὡδῶν [B S om.]                         | (6 a)                                 |           |           |
| — 22. Κων. . . ἄρχων τῶν φ.  | (3)                                   |           |           |
| — 27. ὁ ἄρχων τῶν φ. τῶν ῥδόντων                                   | (3)                                   |           |           |
| 16. 8. τί. Α B ὡδῆ   | (3)                                   |           |           |
| — 42. καὶ ὄργανα τῶν φ. τοῦ θεοῦ                                   | (6 a)                                 |           |           |
| II Ch. 6. 13. καὶ ἐν ὁργάνοις τῶν φ.                               | (6 a)                                 |           |           |
| 7. 6. καὶ οἱ Α. ἐν ὁργάνοις ὡδῶν κυρίου                            | (6 a)                                 |           |           |
| 23. 18. Α B ἐν εὐφροσύνῃ καὶ ἐν ὡδαίς                              | (6 a)                                 |           |           |
| 34. 12. πᾶς συνίεν ἐν ὁργάνοις ὡδῶν                                | (6 a)                                 |           |           |
| II Es. 2. 65. B καὶ οὗτοι ῥδοντες καὶ ὡδαὶ [A B ῥδονσαι]           | διακόςτοι                             | (3)       |           |
| 8. 12. τοῦ ὑψώσαι ὡδῆν   | (3)                                   |           |           |
| Ne. 12. 27. ποιήσαι ἐγκαίαια . . . ἐν ὡδαίς                        | (6 a)                                 |           |           |
| — 36. αἰνέει ἐν ὡδαίς Δαυὶδ [B al.]                                | (6 a)                                 |           |           |
| To. 18. 18. S ὡδὰς ἀγαλλιάματος ῥδονσαι [A B al.]                  | (6 a)                                 |           |           |
| Jb. 36. 30. B S ἴδου ἐκτενεῖ ἐπ' αὐτὸν ἡ ὡδῆ                       | (3)                                   |           |           |
| [S B ἡδῶ. A τὸ τόξον]  | (3)                                   |           |           |
| Ps. 4. τί. εἰς τὸ τέλος ἐν ψαλμοῖς ὡδῆ [τ. ψαλμ-                   | (3)                                   |           |           |
| — 16. ὡδῆ διαψάλματος  | (1)                                   |           |           |
| 17 (18). τί. Α ἐλάλησε τῷ κυρίῳ τοὺς λόγους                        | (6 b)                                 |           |           |
| τῆς φ. ταύτης  | (6 a)                                 |           |           |
| 29 (30). τί. ψαλμὸς ὡδῆς τοῦ ἐγκαινισμοῦ                           | (6 a)                                 |           |           |
| 38 (39). τί. εἰς τὸ τέλος τῷ Ἰδ. ὡδῆ τῷ Δαυίδ                      | (3)                                   |           |           |
| 41 (42). 8. Α καὶ νυκτὸς ὡδῆ αὐτοῦ [S ν. φ. αὐτῆς, B S ν. δηλώσει] | (6 a)                                 |           |           |
| 44 (45). τί. B S ὡδῆ ὑπὲρ τοῦ ἀγαπητοῦ [A al.]                     | (6 a)                                 |           |           |
| 47 (48). τί. B ψαλμὸς ὡδῆς [B ὡδῆ ψαλμοῦ]                          | (6 a)                                 |           |           |
| τοῖς υἱοῖς Κορέ [A al.]  | (2 [6 a])                             |           |           |
| 64 (65). τί. B ψαλμὸς τῷ Δαυίδ ὡδῆ [B ψαλμ-                        | (6 a)                                 |           |           |
| — 65 (66). τί. B ὡδῆ ψαλμοῦ ἀναστάσεως [B                          | (6 a)                                 |           |           |
| — 66 (67). τί. B ψαλμὸς ὡδῆς [B ψ. τῷ Δ.]                          | (6 a)                                 |           |           |
| 67 (68). τί. τῷ Δαυίδ ψαλμὸς ὡδῆς                                  | (6 a)                                 |           |           |
| 68 (69). 30. αἰνέσω τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ μετ'                         | (6 a)                                 |           |           |
| ὡδῆς   | (6 a)                                 |           |           |
| 74 (75). τί. ψαλμὸς ὡδῆς τῷ Ἀσάφ                                   | (6 a)                                 |           |           |
| 75 (76). τί. B ὡδῆ πρὸς τὸν Ἀσσυριον                               | (6 a)                                 |           |           |
| 82 (83). τί. ὡδῆ ψαλμοῦ τῷ Ἀσάφ                                    | (6 a)                                 |           |           |
| 86 (87). τί. τοῖς υἱοῖς Κορέ ψαλμὸς ὡδῆς                           | (6 a)                                 |           |           |
| 87 (88). τί. ὡδῆ ψαλμοῦ τοῖς υἱοῖς Κορέ                            | (6 a)                                 |           |           |
| 90 (91). τί. αἶνος ὡδῆς τῷ Δαυίδ                                   | —                                     |           |           |
| 91 (92). τί. ψαλμὸς ὡδῆς εἰς τὴν ἡμέραν τοῦ                        | (6 a)                                 |           |           |
| σαββάτου [B προσαββ.]  | (6 a)                                 |           |           |
| — 3. ἐν δεκαὶ ὡδῶν ψαλμῶν μετ' ὡδῆς                                | (1)                                   |           |           |
| 92 (93). τί. αἶνος ὡδῆς τῷ Δαυίδ                                   | —                                     |           |           |
| 93 (94). τί. Α ψαλμὸς ὡδῆς [B S om.] τῷ Δ.                         | —                                     |           |           |
| 94 (95). τί. αἶνος ὡδῆς τῷ Δαυίδ                                   | —                                     |           |           |
| 95 (96). τί. ὡδῆ τῷ Δαυίδ  | —                                     |           |           |
| 100 (101). 2. B συνήθως ἐν ὡδῇ [A S B ὁδῇ]                         | ἀμώμω                                 | (3)       |           |
| 107 (108). τί. S B ὡδῆ ψαλμοῦ τῷ Δαυίδ [A                          | ψαλμὸς τῷ Δ.]                         | (6 a)     |           |
| 119 (120). τί. : 120 (121). τί. ὡδῆ τῶν ἀνα-                       | βαθμῶν                                | (6 a)     |           |
| 121 (122). τί. Α B ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν [S α.                         | τῷ Δαυίδ]                             | (6 a)     |           |
| 122 (123). τί. ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν                                   | (6 a)                                 |           |           |
| 123 (124). τί. Α B ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν [S α.                         | τῷ Δαυίδ]                             | (6 a)     |           |
| 124 (125). τί. : 125 (126). τί. : 126 (127). τί. :                 | 127 (128). τί. : 128 (129). τί. : 129 | (6 a)     |           |
| (130). τί. ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν                                       | (6 a)                                 |           |           |
| 130 (131). τί. ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν τῷ Δαυίδ                          | (6 a)                                 |           |           |

|  |   |
|--|---|
| Ps. 131 (132). τί. ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν                               | (6 a)   |
| 132 (133). τί. ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν τῷ Δ. [A                          | om. τ. Δ.]                                      |
| 133 (134). τί. ὡδῆ τῶν ἀναβαθμῶν                                   | (6 a)   |
| 136 (137). 3. ἐπηρώτησαν ἡμᾶς οἱ αἰχμαλωτεῖ-                       | σαντες ἡμᾶς λόγους ὡδῶν                         |
| — 3. ἥσαν ἡμῖν ἐκ τῶν ὡδῶν Σιών                                    | (6 a)   |
| — 4. πῶς ἥσμεν τὴν ὡδὴν κυρίου                                     | (6 a)   |
| 143 (144). 9. ὡδὴν καὶ ἡμῶν ἡμῶν σοι                               | (6 a)   |
| Si. 39. 15. ἐν ὡδαίς χερίων καὶ ἐν κινύραις                        | (6 a)   |
| 47. 17. ἐν ὡδαίς . . . ἀπεθαύμασαν σε χῶραι                        | (6 a)   |
| Am. 5. 23. μεταστήσαν ἀπ' ἐμοῦ ἡχον ὡδῶν σου                       | (6 a)   |
| 8. 10. μεταστρέψω . . . πᾶσας τὰς φ. ὑμῶν εἰς                      | θρήνον  |
| Jn. 2. 3. Α ὡδῆ  | (6 a)   |
| Hb. 8. 1. προσερχή 'Αμβ. τοῦ προφήτου μετὰ                         | ὡδῆς  |
| — 19. τοῦ νικῆσαι ἐν τῇ φ. [S ὁδῇ] αὐ.                             | (5)   |
| Is. 5. 1 (S <sup>2</sup> ) : 25. 1 (A) : 26. 1 (A), 9 (A) : 38.    | 9 (A). ὡδῆ                                      |
| I Ma. 4. 54. ἐνεκαίνισεν ἐν ὡδαίς                                  | (6 a)   |
| 13. 51. εἰσῆλθεν . . . ἐν ὡδαίς                                    | (6 a)   |
| II Ma. 6. 2. διὰ τῆς κατὰ πρόσωπον ἀντιμαρτυρούσης                 | φ.  |
| III Ma. 6. 32. ἀνέλαβον ὡδὴν πατρίων                               | (6 a)   |
| IV Ma. 18. 18. ὡδὴν μὲν γὰρ . . . οὐκ ἐπελάθετο                    | (6 a)   |
| [Aq. Ps. 9. 17 : Ec. 12. 4.]                                       |   |
| [Sm. Ps. 4. 1 : 6. 1 : 8. 1 : 11 (12). 1 : 12 (13).                | 1 : 18 (19). 1 : 19 (20). 1 : 21 (22). 1 : 22   |
| (23). 1 : 23 (24). 1 : 27 (28). 7 : 28 (29). 1 :                   | 29 (30). 1 : 38 (39). 1 : 39 (40). 1 : 40 (41). |
| 1 : 41 (42). 9 : 45 (46). 1 : 48 (49). 1 : 61                      | (62). 1 : 76 (77). 1 : 80 (81). 3 : Am. 8. 3.]  |
| [Th. Ps. 38 (39). 1 : Is. 51. 3.]                                  |   |
| [Al. Ps. 146 (147). 1.]  |   |
| ὡδῆ. (1) חֲדָה, חֲדָה (2) α. λιη subst.                            |   |
| δ. η. π. c. ἡλῆλη (3) ἡλῆ (4) ὡδῆ                                  |   |
| (5) ὡδῆ (6) ὡδῆς ἔχουσι (ὡδῆς ἔχειν)                               |   |
| ἡλῆ (7) ὁ πόντος τῶν ὡ. ἡλῆ  |   |
| Ex. 15. 14. ὡδῆς ἔλαβον κατακουτῶν Φυλ.                            | (2 a)   |
| De. 2. 25. B ὡδῆς [A B <sup>2</sup> B <sup>2</sup> as] ἔξουσιν ἀπὸ | προσώπου σου                                    |
| I Ki. 4. 19. ἐπιστράφησαν ἐπ' αὐτὴν ὡδῆς                           | αὐτῆς   |
| II Ki. 22. 6. ὡδῆς θανάτου ἐκλύωσαν με                             | (1)   |
| IV Ki. 19. 3. ἦλθον υἱοὶ ἕως ὡδῶν                                  | (4)   |
| Jb. 2. 9. υἱοὶ καὶ θυγατέρες ἔμψυ καὶ ὡδῆς                         | καὶ πόντοι                                      |
| 21. 17. ὡδῆς δὲ αὐτοῦ ἐξοῦσιν ἀπὸ ὀργῆς                            | (1)   |
| 39. 1. ἐφύλαξας δὲ ὡδῆς Ἀλάφον                                     | (2 b)   |
| — 2. ὡδῆς δὲ αὐτῶν ἔλυσας  | (1)   |
| — 3. ὡδῆς δὲ αὐτῶν ἐξασπαστέλει                                    | (1)   |
| Ps. 17 (18). 4. περιέσχον με ὡδῆς θανάτου                          | (1)   |
| — 5. ὡδῆς ἔδου περιεκυκλώσαν με                                    | (1)   |
| 47 (48). 6. ἐκεῖ ὡδῆς ὡς τικτούσης                                 | (2 a)   |
| 114 (116). 3. περιέσχον με ὡδῆς θανάτου                            | (1)   |
| Si. 7. 27. μητρὸς ὡδῆς μὴ ἐπιλάθῃ                                  | (1)   |
| Ho. 9. 11. αἱ δάδες αὐ. ἐκ τῶν καὶ ὡδῶν                            | (1)   |
| 13. 13. ὡδῆς ὡς τικτούσης ἤξουσιν αὐτῶ                             | (1)   |
| Mi. 4. 9. κατεκράτησαν σου ὡδῆς                                    | (2 a)   |
| Na. 2. 10 (11). καὶ ὡδῆς ἐπὶ πᾶσαν ὀσφύν                           | (2 c)   |
| Is. 13. 8. ὡδῆς αὐτοῦ ἐξοῦσιν ὡς γυναικὸς                          | (1)   |
| 21. 3. ὡδῆς ἔλαβον με ὡς τὴν τικτούσαν                             | (5)   |
| 28. 17. ἐπὶ τῇ ὡ. αὐτῆς ἐκείραξεν                                  | (1)   |
| 37. 3. ἦκει ἡ [S om.] ὡ. τῇ τικτούσῃ                               | (4)   |
| 66. 7. πρὶν ἔλθειν τὸν πόντον τῶν ὡ.                               | (7)   |
| Je. 6. 24. ὡδῆς ὡς τικτούσης                                       | (2 a)   |
| 8. 21. κατήχυσαν με ὡδῆς ὡς τικτούσης                              | —   |
| 13. 21. οὐκ ὡδῆς καθέξουσιν σε                                     | (1)   |
| 22. 23. Α ἐν τῷ ἔλθειν σοι ὡδῆς [B S                               | ὁδῆς]   |
| 27 (50). 43. ὡδῆς ὡς τικτούσης                                     | (2 a)   |
| Ez. 7. 7. οὐ μετὰ θορύβου οὐδὲ μετὰ ὡδῶν                           | (1)   |
| IV Ma. 15. 7. διὰ πολλὰς τὰς καθ' ἑκαστον αὐτῶν                    | ὡδῆς  |
| — 16. ἥπερ τῶν ἐπ' αὐτοῖς ὡδῶν                                     | (1)   |
| 16. 8. πολλὰς ὑπέμεινα ὡδῆς  | (1)   |
| [Aq. Je. 49. 24 (30. 13).]   |   |
| [Sm. Ps. 47 (48). 7 : Is. 66. 7.]                                  |   |
| [Th. Jb. 39. 3 : Ps. 76 (77). 11 : Je. 49. 24                      | (30. 13).]                                      |
| [Quint. Ps. 76 (77). 11.]  |   |

|   |  |
|---|--|
| ὡδῆ. (1) חֲדָה (2) חֲדָה pi. (3) חֲדָה, חֲדָה                         |  |
| a. qal. δ. pil. c. hoph. (4) חֲדָה hi.                                |  |
| Ps. 7. 14. A S B ὡδῆσαν δδκίαν [B ἀνομιαν]                            | (3)  |
| Ca. 8. 5. ἐκεῖ ὡδῆσε σε ἡ μήτηρ σου ἐκεῖ                              | ὡδῆσε σε ἡ τεκούσα σου                         |
| Si. 19. 11. ἀπὸ προσώπου λόγου ὡδῆσει μωρὸς                           | (2, 2)   |
| 81 (34). 5. ὡς ὡδῆσαν φαντάζεται καρδία                               | (3 a)  |
| 43. 17. A B φωνὴ βροντῆς αὐτοῦ ὡδῆσει [B S                            | ὡδῆσει]  |
| 48. 19. ὡδῆσαν ὡς αἱ τικτούσαι  | (3 a)  |
| Mi. 4. 10. ὡδῆν καὶ ἀνδρίζου  | (3 a)  |
| Hb. 8. 10. ὡδῆσουσι λαοί  | (3 a)  |
| Is. 23. 4. οὐκ ὡδῆσιν οὐδὲ ἔτεκον                                     | (3 a)  |
| 26. 17. ὡς ἡ ὡδῆσιν ἐγγίξει τεκεῖν                                    | (1)  |
| — 18. ὡδῆσιν καὶ ἐτέκον   | (3 a)  |
| 45. 10. τί ὡδῆσει [A B ὡδῆσει]  | (3 a)  |
| 51. 2. ἐμβλέψατε . . . εἰς Σάβραν τὴν ὡδῆσαν                          | —  |
| 54. 1. βόησον ἡ οὐκ ὡδῆσιν  | (3 a)  |
| 66. 7. πρὶν τὴν ὡδῆσαν τεκεῖν   | (3 a)  |
| — 8. εἰ [S ἡ] ὡδῆν γῆ ἐν ἡμέρᾳ μα                                     | (3 c)  |
| — 8. ὡς ὡδῆν καὶ ἔτεκε Σιών τὰ παιδιά αὐ.                             | (3 a)  |
| Je. 4. 31. φωνὴν ὡς ὡδῆσαν ἤκουσα                                     | (3 a)  |
| 29 (49). 22. ὡς καρδία γυναικὸς ὡδῆσιν                                | (4)  |
| [Aq. Dt. 32. 18 : Jb. 26. 5 : Ps. 28 (29). 8. 8. 8. 8.                | 9 : 54 (55). 5 : 89 (90). 2 : 95 (96). 9 : 113 |
| (114). 7 : Pr. 8. 25 : 25 : 25 : 13. 13. 8. 66.                       | 8 : Je. 48 (51). 41.]                          |
| [Sm. Jb. 39. 3 : Ps. 50 (51). 7 : 89 (90). 2 : 95                     | (96). 9 : Ca. 8. 5 : Is. 18. 8 : 66. 7. 8.]    |
| [Th. Pr. 8. 25 : Is. 13. 8 : Je. 48 (51). 41.]                        |  |
| ὡδῆ. (1) חֲדָה a. qal. δ. pil.  |  |
| III Ki. 10. 12. ἐποίησαν ὁ βασ. . . κινύρας τοῖς                      | φ.   |
| IV Ki. 11. 14. καὶ οἱ φ. καὶ αἱ σάλπιγγες πρὸς                        | τὸν βασ.                                       |
| II Ch. 9. 11. ἐποίησαν ὁ βασ. . . νάβλας τοῖς φ. (1 a)                | (1 a)  |
| 23. 13. οἱ ῥδοντες ἐν τοῖς ὁργάνοις ὡδοὶ καὶ                          | ὑμνοῦντες αἶνον                                |
| II Es. 10. 24. S <sup>2</sup> ἀπὸ τῶν φ. [A B S <sup>2</sup> ῥδόντων] | (1 b)  |
| Ne. 11. 23. S <sup>2</sup> καὶ διέμειναν ἐπὶ τοῖς φ.                  | (1 b)  |
| ὡδῆ. (1) חֲדָה (2) חֲדָה (3) חֲדָה                                    |  |
| Nu. 35. 20. ἐὰν δὲ δι' ἔχθραν ὡσὶν αὐτὸν                              | (2)  |
| — 22. ἐὰν δὲ ἐξάπια οὐ δι' ἔχθραν ὡσὶν αὐτὸν                          | (2)  |
| Jb. 14. 20. ὡσας αὐτὸν εἰς τέλος                                      | (3)  |
| Ps. 61 (62). 3. ὡς τοῖς κεκλιμένῃ καὶ φραγμῷ                          | ὡσμεν  |
| 117 (118). 13. ὡσθεὶς ἀνερπάτην τοῦ πεσέειν                           | (1)  |
| Is. 80. 22. ὡς κόπρον ὡσθεὶς αὐτὰ                                     | (1)  |
| Je. 41 (34). 11. ἔωσαν [B ἔωσαν] αὐτοὺς εἰς                           | παῖδας   |
| [Sm. Ps. 35 (36). 13.]  |  |
| [Th. Ps. 55 (56). 8.]   |  |
| ὡς, vid. ῥα.  |  |
| ὡλεμῆ. (1) חֲדָה  |  |
| [Heb. Is. 26. 4.]   |  |
| ὡμία. (1) חֲדָה   |  |
| III Ki. 6. 8. ὑπὸ τὴν ὡ. τοῦ οἴκου τὴν δεξιάν                         | (1)  |
| 7. 30. ὡμία ὑποκάτω τῶν λουτρῶν                                       | (1)  |
| — 30. Α αἱ ὡ. κεχυμένα ἀπὸ πέραν ἀνδρὸς                               | προσκειμένα                                    |
| — 34. αἱ τέσσαρες ὡ. ἐπὶ τῶν τεσσάρων γωνιῶν                          | (1)  |
| — 39. ἔθετο τὰς πέντε μεχ. ἀπὸ τῆς ὡ. τοῦ οἴκου                       | (1)  |
| — 39. Α καὶ πέντε ἐπ' ὡμίαν τοῦ οἴκου [B al.]                         | (1)  |
| — 39. ἡ θάλα. ἀπὸ τῆς ὡ. [A ὡμίος] τοῦ οἴκου                          | (1)  |
| — 2. καὶ ὡμία κέδριαι τοῖς στύλοις                                    | (1)  |
| IV Ki. 11. 11. ἀπὸ τῆς ὡ. τοῦ οἴκου τῆς δεξιᾶς                        | ἕως τῆς ὡ. τοῦ οἴκου [A om. τῆς δ.             |
| ἕ. τ. ὡ. τ. αἱ.] τῆς ἐκωνῶντος  | (1, 1)   |
| II Ch. 23. 10. ἀπὸ τῆς ὡ. τοῦ οἴκου τῆς δεξιᾶς                        | ἕως τῆς ὡ. τῆς ἀριστερᾶς τοῦ                   |
| θυσιαστ.  | (1, 1)   |
| [Aq. Ex. 27. 14 : Ez. 40. 40. 40. 40.]                                |  |
| [Sm. Ex. 27. 14 : Ez. 40. 40. 40. 40.]                                |  |
| ὡμιον.  |  |
| Jb. 18. 13. Α κατέβηται δὲ αὐτοῦ τὰ ὡμία [B S                         | ὡραία αὐτοῦ] θάνατος                           |
| [Th. Ez. 41. 2.]  |  |

**ὥμεις.** (1) **הֵמָּה**  
 III Ki. 7. 39. **A** καὶ ἡ θάλ. ἀπὸ τῆς ὥ. [**B** -ίας] τοῦ οἴκου (1)  
**ὥμοι.**  
 [**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Ez. 11. 13.]  
**ὥμόλινον.**  
 Si. 40. 4. καὶ ἔως περιβαλλομένου ὥμόλινον  
**ὥμός.** (1) **הָ**  
 Ex. 12. 9. οὐκ ἔδεσθε ἀπ' αὐτῶν ὥμόν  
 II Ma. 4. 25. θυμοὺς δὲ ὥμοι τυράννων . . . ἔχων  
 7. 27. χλευάσασα τὸν ὥ. τύραννον  
 IV Ma. 9. 30. πάντων ὥμοι τυράννε  
 18. 20. πῦρ φλέξας λίβησιν ὥ.  
 [**Al.** Pr. 17. 11.]  
**ὥμος.** (1) **הָ** (2) **טַ** (3) **בַּ**  
 Ge. 21. 14. καὶ ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸν ὥ. (3)  
 24. 15. ἔχουσα τὴν ὑδρίαν ἐπὶ τῶν ὥ. αὐ. (3)  
 — 45. ἔχουσα τὴν ὑδρίαν ἐπὶ τῶν ὥ. (3)  
 49. 15. ὑπέθηκε τὸν ὥ. αὐ. εἰς τὸ ποικῖν (3)  
 Ex. 12. 34. ἐνδεδεμένα ἐν τοῖς ἱματίοις αὐ. ἐπὶ τῶν ὥ. (3)  
 28. 12. ἐπὶ τῶν ὥ. τῆς ἐπωμίδος (1)  
 — 12. ἐπὶ τῶν δύο ὥ. αὐ. (1)  
 — 25 (29). ἐπ' ἀμφοτέρους τοὺς ὥ. τῆς ἐπωμίδος — (1)  
 38. 14 (39. 7). ἐπέθηκεν αὐτοὺς ἐπὶ τοὺς ὥ. τῆς ἐπωμίδος (1)  
 — 26 (39. 18). ἐπέθηκεν ἐπὶ τοὺς ὥ. τῆς ἐπωμίδος (1)  
 — 28 (39. 20). ἐπέθηκεν ἐπ' ἀμφοτέρους τοὺς ὥ. τῆς ἐπωμίδος (1)  
 Nu. 7. 9. ἐπ' ὥμων ἀρούσι (1)  
 De. 33. 12. ἀνὰ μέσον τῶν ὥ. αὐ. κατέπαισε . (1)  
 Jo. 4. 5. ἀράτω ἐπὶ τῶν ὥ. αὐ. (3)  
 9. 4. λαβόντες σκάκους παλαιούς ἐπὶ τῶν ὥ. [**A** ὥμων] αὐ. +  
 Jd. 9. 48. καὶ ἔθηκεν ἐπὶ ὥμων αὐ. [**A** αὐ.] (3)  
 16. 3. καὶ ἔθηκεν ἐπὶ ὥμων αὐ. [**A** αὐ.] (1)  
 I Ki. 10. 9. ὥστε ἐπιστροφῆται τῷ ὥ. αὐ. (1)  
 17. 6. ἀσπίς χαλκῇ ἀνὰ μέσον τῶν ὥ. αὐ. (1)  
 III Ki. 7. 34. ἐκ τῆς μεχ. οἱ ὥ. αὐ. (1)  
 II Ch. 35. 3. οὐκ ἔστιν ὥμιν ἄραι ἐπ' ὥμων οὐδὲν (1)  
 I Es. 1. 4. οὐκ ἔσται ὥμιν ἄραι ἐπ' ὥμων αὐτῶν —  
 Jb. 31. 20. ἐθελήθησαν οἱ ὥμοι αὐτῶν  
 — 32. ἀποσταλὴ ἀρὰ ὁ ὥμός μου ἀπὸ τῆς κλειδῆς (1)  
 — 36. ἐπ' ὥμοις ἀνὰ περιθέμενος στεφάνον ἀνεγίνωσκον [**A** αὐ.] (3)  
 Si. 6. 25. ὑπόθετε τὸν ὥμόν σου  
 Ma. 2. 3. ἀφορίζω ὥμιν τὸν ὥ. +  
 Is. 9. 6 (5). οὐ ἡ ἀρχὴ ἐγενήθη ἐπὶ τοῦ ὥ. αὐτοῦ (3)  
 10. 27. ἀφαιρεθήσεται ὁ ζυγὸς αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ ὥ. σου [**A** S αὐ.] (3)  
 — 27. **A** S καὶ ὁ ζυγὸς αὐ. ἀπὸ τοῦ ὥμοι σου [**B** αὐ.] +  
 — 27. καταφθαίρεται ὁ ζυγὸς ἀπὸ τῶν ὥ. ὥμων +  
 14. 25. τὸ κῆδος αὐτῶν ἀπὸ τῶν ὥ. ἀφαιρεθήσεται (3)  
 22. 22. **S** B δώσω αὐτῶν τὴν κλειδα οἴκου Δαυὶδ ἐπὶ τῷ ὥ. [**A** τοῦ ὥ.] αὐτοῦ (3)  
 46. 7. αἰρῶσιν αὐτὸ ἐπὶ τοῦ ὥ. [**A** S τῶν ὥ.] (1)  
 49. 22. τὰς δὲ θυγατέρας σου ἐπ' ὥμων ἀρούσι (1)  
 60. 4. αἱ θυγατέρες σου ἐπ' ὥμων ἀρθήσονται (2)  
 66. 12. τὰ παῖδια αὐτῶν ἐπ' ὥμων ἀρθήσονται (2)  
 Je. 38 (31). 21. δὸς καρδίαν σου εἰς τοὺς ὥ. +  
 Ba. 2. 21. κλίνατε τὸν ὥ. ὥμων  
 Ep. Je. 4. ὅψεσθε ἐν Βαβυλῶνι θεοὺς . . . ἐπ' ὥμοις αἰρομένους  
 — 26. ἄνευ ποδῶν ἐπ' ὥμοις φέρονται  
 Ez. 12. 6. ἐπ' ὥμων ἀναλήψθη (1)  
 — 7. ἐπ' ὥμων ἀναλήψθη (1)  
 — 12. ὁ ἄρχων . . . ἐπ' ὥμων ἀρθήσεται (1)  
 24. 4. ἐμβαλε . . . σκελὸς καὶ ὥμον ἐκσεσαρκα- μένα (1)  
 25. 9. παραλῶ τὸν ὥ. Μωάβ (1)  
 29. 18. πὰς ὥ. μαδῶν (1)  
 34. 21. τοῖς ὥ. ὥμων διωθήσθε (1)  
 II Ma. 12. 35. καὶ τὸν ὥ. καθελόντος (1)  
 15. 30. καὶ τὴν χεῖρα σὺν τῷ ὥ.  
 [**Aq.** Ge. 48. 22 : Ps. 20 (21). 13 : Is. 9. 6 (5) : 22. 22 : Ez. 29. 7 : 41. 2.]  
 [**Sm.** Ps. 80 (81). 7 : Is. 9. 6 (5) : 22. 22 (Sw.) : ZL. 13. 6.]  
 [**Th.** Ex. 28. 25, 27 : Is. 22. 22 : 30. 6 : ZL. 13. 6.]  
 [**Al.** I Ki. 9. 2 : 10. 9, 23.]

**ὥμότης.**  
 II Ma. 12. 5. τὴν γεγονῶσαν εἰς τοὺς ὁμοθενοὺς ὥ.  
 III Ma. 5. 20. τὴν ὥ. χεῖρα Φαλ. ἐσχηκὸς ἔφη  
 6. 24. τυράννους ὑπερβεβηκότας ὥμότητι  
 7. 5. νόμου Σκυθῶν ἀγριωτέρων ἐμπεπηγμένον ὥμότη- τητα  
**ὥμοτοκεῖν.** (1) **הָ** hi.  
 Jb. 21. 10. ἡ βοῦς αὐτῶν οὐκ ὥμοτόκησε (1)  
**ὥμόφρων.**  
 IV Ma. 9. 15. τύραννε μαρώτατε . . . καὶ ὥμόφρον  
**ὠνεά.**  
 [**Th.** Is. 57. 3.]  
**ὠν.** (1) **הָ**  
 De. 22. 6. ἐὰν δὲ συναντήσης νοσσιᾶ . . . νοσ- σοῖς ἡ ὠνίς (1)  
 — 6. καὶ ἡ μήτηρ θάλλη . . . ἐπὶ τῶν ὠ. (1)  
 Jb. 39. 14. ἀφήσει εἰς γῆν τὰ ὠά [**A** S ὠά] αὐ. (1)  
 Is. 10. 14. ὡς καταλελειμένα φά ἀρῶ (1)  
 59. 5. φά ἀσπιδῶν ἔρρηξαν (1)  
 — 5. ὁ μέλλων τῶν ὠ. αὐτῶν φαγεῖν (1)  
 Da. Th. 8. 25. ὡς φά χειρὶ συντριφεί (1)  
 [**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Is. 59. 5.]  
**ὠρα.** (1) **הָ** (2) **הָ** (3) **הָ** pil.  
 (4) **הָ** (5) **הָ** (6) **הָ**  
 Ge. 18. 10. κατὰ τὸν καιρὸν τοῦτον εἰς ὥρας +  
 — 14. ἀναστρέψω σου σὲ εἰς ὥρας (5)  
 29. 7. οὕτω ὥρα συναχθήσονται τὰ κτήνη (5)  
 Ex. 9. 18. ὡς ταύτην τὴν ὥ. αἵριον χάλαζαν πολλὴν (5)  
 10. 4. ἐπάγω ταύτην τὴν ὥ. αἵριον ἀκρίδα πολλήν — (5)  
 13. 10. **A** B κατὰ καιροὺς ὥρων (5)  
 18. 22. κρινούσι τὸν λαὸν πᾶσαν ὥ. (5)  
 — 26. ἐκρίνουσιν τὸν λαὸν πᾶσαν ὥ. (5)  
 Le. 16. 2. μὴ εἰσπορευέσθω πᾶσαν ὥ. εἰς τὸ ἅγιον (5)  
 Nu. 9. 2. ποιήσωσαν . . . τὸ πάσχα καθ' ὥραν αὐ. (2)  
 De. 11. 14. τὸν ὑέτον . . . καθ' ὥραν προΐμον καὶ ὀψιμον (5)  
 33. 13. ἀπὸ ὥρων [**A** ὀρέων] οὐρανοῦ καὶ δρόσου (1)  
 — 14. καθ' ὥραν γεννημάτων ἡλίου τροπῶν (1)  
 — 16. καθ' ὥραν γῆς πληρώσεως (1)  
 Jo. 11. 6. αἵριον ταύτην τὴν ὥ. ἐγὼ παραδίδωμι (5)  
 Ru. 2. 14. ἡδὴ ὥρα τοῦ φαγεῖν (5)  
 I Ki. 25. 6. εἰς ὥρας καὶ σὺ ὑγιαίνων +  
 II Ki. 24. 15. ἀπὸ πρωῒθεν ἕως ὥρας [**A** ομι.] ἀρίστου (5)  
 III Ki. 19. 2. ταύτην τὴν ὥ. αἵριον θήσομαι τὴν ψυχὴν σου (5)  
 21 (20). 6. ταύτην τὴν ὥ. αἵριον ἀποστελῶ τοὺς παῖδας μου (5)  
 IV Ki. 4. 16, 17. ὡς ἡ ὥ. ζῶσα (5)  
 7. 1. ὡς ἡ ὥ. αὐτῆς ἀπὸ τῆς ὥ. (5)  
 — 18. ἔσται ὡς ἡ ὥ. [**A** ἡμέρα αὐτῆς] αἵριον (5)  
 10. 6. ὡς ἡ ὥ. αἵριον (5)  
 I Es. 8. 64. ἐγράφη πᾶσα ἡ ὀκλή αὐτῆς τῇ ὥ. (5)  
 9. 11. καὶ ὥρα [**A** ἡ ὥ.] χειμερινῇ — (5)  
 Ne. 8. 3. ἀπὸ τῆς ὥ. τοῦ διαφωτισμοῦ τὸν ἡλίον — (5)  
 Ju. 13. 4. B ἐπίβλεψον ἐν [**A** ομι.] τῇ ὥ. ταύτῃ +  
 Es. 8. 1. **S** ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. [**A** B ἡμέρα] +  
 9. 2. **S** ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. [**A** B ἡμέρα] — (5)  
 10. 3. **A** B ἡμέρα ἡλίου οὐ δύο κληροὺς οὗτοι εἰς ὥραν +  
 Jb. 5. 26. ὥσπερ θιμωνία ἄλματος καθ' ὥραν συγκομθεῖσα (5)  
 15. 32. ἡ τομὴ αὐτοῦ πρὸ ὥρας φθαρήσεται +  
 — 33. τρυφήσει δὲ ὡς ὀμφαλὸς πρὸ ὥρας (5)  
 24. 1. διὰ τί δὲ κύνων ἔλαθον ὥρα [**A** αὐ.] +  
 — 6. ἀγρὸν πρὸ ὥρας οὐκ αὐτῶν ὄντα ἐθέρισαν — (5)  
 36. 28. ὥραν θέτω κτήνεσιν +  
 38. 23. ἀπικέται δὲ σὺ εἰς ὥραν ἐχθρῶν (5)  
 Wi. 10. 7. ἀτελέσιν ὥραις καρποφοροῦντα φυτὰ Si. 11. 22. ἐν ὥρα ταχυτῆ ἀναβάλλει εὐλογίαν αὐτοῦ — 27. κάκως ὥρας ἐπιλυσιμὴν ποιεῖ τρυφῆς 12. 15. ὥραν μετὰ σου διαμενεῖ 18. 20. ἐν ὥρα ἐπισκοπῆς εὐρήσεις ἐξίλασμον 35 (32). 11. ἐν ὥρα ἐξεγείρου 39. 33. πᾶσαν χρεῖαν ἐν ὥρα αὐτῆς χορηγήσει Ho. 2. 9 (11). κοιμώμεται τὸν σῖτόν μου καθ' ὥραν αὐ. (5)  
 Za. 10. 1. αἰτέισθε παρὰ κυρίου ὑέτον καθ' ὥραν Is. 52. 7. πᾶρμεν ὡς ὥ. ἐπὶ τὸν ὀρέων (3)  
 Da. LXX. 3. 6. αὐτῇ τῇ ὥρα ἐμβαλοῦσιν αὐτόν (6)

Da. LXX. 4. 15. ἐν ὥρα μᾶ τῆς ἡμέρας — 16. ὥραν μίαν ἀποθανάσας (6)  
 — 23. εἰς καιρὸν καὶ ὥραν — (6)  
 5. 5. ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. ἐκείνῃ (6)  
 8. 17. εἰς ὥραν καιροῦ τοῦτο τὸ ὄραμα (5)  
 — 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μενεῖ (2)  
 9. 21. ἐν ὥρα θυσίας ἐσπερινῆς (5)  
 10. 14. cod. ἔτι γὰρ ὥρα [**B** ὥρασις] εἰς ἡμέρας +  
 11. 6. καὶ μενεῖ εἰς ὥρας (5)  
 — 35. ἔτι γὰρ καιρὸς εἰς ὥρας (2)  
 — 40. καθ' ὥραν συντελείας (5)  
 — 45. ἥξει ὥρα τῆς συντελείας αὐ. +  
 12. 13. ἔτι γὰρ εἰσιν ἡμέραι καὶ ὥραι Da. Th. Su. 13. ἀρίστου ὥρα ἐστὶ 3. 5. ἡ ἡμέρα ἀκούσθη φωνῆς σάλπιγγος (4)  
 — 6. αὐτῇ τῇ ὥ. ἐμβληθήσεται (6)  
 — 15. αὐτῇ τῇ ὥ. ἐμβληθήσεται (6)  
 4. 16. ἀπηνέωθ' ὥσπερ ὥραν μίαν (6)  
 — 30. αὐτῇ τῇ ὥ. ὁ λόγος συνετελέσθη (6)  
 5. 5. ἐν αὐτῇ τῇ ὥ. ἐξήλθον δακτύλοι (6)  
 9. 21. ἡψατό μου ὥσπερ ὥραν θυσίας ἐσπερινῆς (5)  
 12. 13. **B** ἔτι γὰρ ἡμέραι καὶ ὥραι [**A** B<sup>1</sup> ομι. κ. ὡ.]  
 II Ma. 8. 25. B ὑπὸ τῆς ὥ. συγκλειόμενοι [**A** αὐ.]  
 III Ma. 2. 19. ἐπίφανον τὸ ἔλεός σου κατὰ τὴν ὥ. ταύτην  
 5. 13. τὴν προσημανθείσαν ὥ. διαφυνόντες — 14. μεσοῦσης δὲ ἡδὴ δεκάτης ὥ. σχεδόν IV Ma. 12. 4. τετήνηξεν πρὸ ὥρας  
 [**Aq.** Jb. 8. 12 : Is. 52. 5.]  
 [**Sm.** Pr. 24. 10 : Ec. 3. 1 : Is. 38. 8.]  
 [**Th.** Da. 12. 13.]  
 [**Al.** I Ki. 9. 16.]  
 [**Heb.** Ez. 16. 7.]  
**ὠραῖς.** (1) **הָ** (2) **הָ** (3) **הָ** (4) **הָ** (5) **הָ** (6) **הָ** (7) **הָ** (8) **הָ** (9) **הָ** (10) **הָ** (11) **הָ** (12) **הָ** (13) **הָ** (14) **הָ** (15) **הָ** (16) **הָ** (17) **הָ** (18) **הָ** (19) **הָ** (20) **הָ** (21) **הָ** (22) **הָ** (23) **הָ** (24) **הָ** (25) **הָ** (26) **הָ** (27) **הָ** (28) **הָ** (29) **הָ** (30) **הָ** (31) **הָ** (32) **הָ** (33) **הָ** (34) **הָ** (35) **הָ** (36) **הָ** (37) **הָ** (38) **הָ** (39) **הָ** (40) **הָ** (41) **הָ** (42) **הָ** (43) **הָ** (44) **הָ** (45) **הָ** (46) **הָ** (47) **הָ** (48) **הָ** (49) **הָ** (50) **הָ** (51) **הָ** (52) **הָ** (53) **הָ** (54) **הָ** (55) **הָ** (56) **הָ** (57) **הָ** (58) **הָ** (59) **הָ** (60) **הָ** (61) **הָ** (62) **הָ** (63) **הָ** (64) **הָ** (65) **הָ** (66) **הָ** (67) **הָ** (68) **הָ** (69) **הָ** (70) **הָ** (71) **הָ** (72) **הָ** (73) **הָ** (74) **הָ** (75) **הָ** (76) **הָ** (77) **הָ** (78) **הָ** (79) **הָ** (80) **הָ** (81) **הָ** (82) **הָ** (83) **הָ** (84) **הָ** (85) **הָ** (86) **הָ** (87) **הָ** (88) **הָ** (89) **הָ** (90) **הָ** (91) **הָ** (92) **הָ** (93) **הָ** (94) **הָ** (95) **הָ** (96) **הָ** (97) **הָ** (98) **הָ** (99) **הָ** (100) **הָ** (101) **הָ** (102) **הָ** (103) **הָ** (104) **הָ** (105) **הָ** (106) **הָ** (107) **הָ** (108) **הָ** (109) **הָ** (110) **הָ** (111) **הָ** (112) **הָ** (113) **הָ** (114) **הָ** (115) **הָ** (116) **הָ** (117) **הָ** (118) **הָ** (119) **הָ** (120) **הָ** (121) **הָ** (122) **הָ** (123) **הָ** (124) **הָ** (125) **הָ** (126) **הָ** (127) **הָ** (128) **הָ** (129) **הָ** (130) **הָ** (131) **הָ** (132) **הָ** (133) **הָ** (134) **הָ** (135) **הָ** (136) **הָ** (137) **הָ** (138) **הָ** (139) **הָ** (140) **הָ** (141) **הָ** (142) **הָ** (143) **הָ** (144) **הָ** (145) **הָ** (146) **הָ** (147) **הָ** (148) **הָ** (149) **הָ** (150) **הָ** (151) **הָ** (152) **הָ** (153) **הָ** (154) **הָ** (155) **הָ** (156) **הָ** (157) **הָ** (158) **הָ** (159) **הָ** (160) **הָ** (161) **הָ** (162) **הָ** (163) **הָ** (164) **הָ** (165) **הָ** (166) **הָ** (167) **הָ** (168) **הָ** (169) **הָ** (170) **הָ** (171) **הָ** (172) **הָ** (173) **הָ** (174) **הָ** (175) **הָ** (176) **הָ** (177) **הָ** (178) **הָ** (179) **הָ** (180) **הָ** (181) **הָ** (182) **הָ** (183) **הָ** (184) **הָ** (185) **הָ** (186) **הָ** (187) **הָ** (188) **הָ** (189) **הָ** (190) **הָ** (191) **הָ** (192) **הָ** (193) **הָ** (194) **הָ** (195) **הָ** (196) **הָ** (197) **הָ** (198) **הָ** (199) **הָ** (200) **הָ** (201) **הָ** (202) **הָ** (203) **הָ** (204) **הָ** (205) **הָ** (206) **הָ** (207) **הָ** (208) **הָ** (209) **הָ** (210) **הָ** (211) **הָ** (212) **הָ** (213) **הָ** (214) **הָ** (215) **הָ** (216) **הָ** (217) **הָ** (218) **הָ** (219) **הָ** (220) **הָ** (221) **הָ** (222) **הָ** (223) **הָ** (224) **הָ** (225) **הָ** (226) **הָ** (227) **הָ** (228) **הָ** (229) **הָ** (230) **הָ** (231) **הָ** (232) **הָ** (233) **הָ** (234) **הָ** (235) **הָ** (236) **הָ** (237) **הָ** (238) **הָ** (239) **הָ** (240) **הָ** (241) **הָ** (242) **הָ** (243) **הָ** (244) **הָ** (245) **הָ** (246) **הָ** (247) **הָ** (248) **הָ** (249) **הָ** (250) **הָ** (251) **הָ** (252) **הָ** (253) **הָ** (254) **הָ** (255) **הָ** (256) **הָ** (257) **הָ** (258) **הָ** (259) **הָ** (260) **הָ** (261) **הָ** (262) **הָ** (263) **הָ** (264) **הָ** (265) **הָ** (266) **הָ** (267) **הָ** (268) **הָ** (269) **הָ** (270) **הָ** (271) **הָ** (272) **הָ** (273) **הָ** (274) **הָ** (275) **הָ** (276) **הָ** (277) **הָ** (278) **הָ** (279) **הָ** (280) **הָ** (281) **הָ** (282) **הָ** (283) **הָ** (284) **הָ** (285) **הָ** (286) **הָ** (287) **הָ** (288) **הָ** (289) **הָ** (290) **הָ** (291) **הָ** (292) **הָ** (293) **הָ** (294) **הָ** (295) **הָ** (296) **הָ** (297) **הָ** (298) **הָ** (299) **הָ** (300) **הָ** (301) **הָ** (302) **הָ** (303) **הָ** (304) **הָ** (305) **הָ** (306) **הָ** (307) **הָ** (308) **הָ** (309) **הָ** (310) **הָ** (311) **הָ** (312) **הָ** (313) **הָ** (314) **הָ** (315) **הָ** (316) **הָ** (317) **הָ** (318) **הָ** (319) **הָ** (320) **הָ** (321) **הָ** (322) **הָ** (323) **הָ** (324) **הָ** (325) **הָ** (326) **הָ** (327) **הָ** (328) **הָ** (329) **הָ** (330) **הָ** (331) **הָ** (332) **הָ** (333) **הָ** (334) **הָ** (335) **הָ** (336) **הָ** (337) **הָ** (338) **הָ** (339) **הָ** (340) **הָ** (341) **הָ** (342) **הָ** (343) **הָ** (344) **הָ** (345) **הָ** (346) **הָ** (347) **הָ** (348) **הָ** (349) **הָ** (350) **הָ** (351) **הָ** (352) **הָ** (353) **הָ** (354) **הָ** (355) **הָ** (356) **הָ** (357) **הָ** (358) **הָ** (359) **הָ** (360) **הָ** (361) **הָ** (362) **הָ** (363) **הָ** (364) **הָ** (365) **הָ** (366) **הָ** (367) **הָ** (368) **הָ** (369) **הָ** (370) **הָ** (371) **הָ** (372) **הָ** (373) **הָ** (374) **הָ** (375) **הָ** (376) **הָ** (377) **הָ** (378) **הָ** (379) **הָ** (380) **הָ** (381) **הָ** (382) **הָ** (383) **הָ** (384) **הָ** (385) **הָ** (386) **הָ** (387) **הָ** (388) **הָ** (389) **הָ** (390) **הָ** (391) **הָ** (392) **הָ** (393) **הָ** (394) **הָ** (395) **הָ** (396) **הָ** (397) **הָ** (398) **הָ** (399) **הָ** (400) **הָ** (401) **הָ** (402) **הָ** (403) **הָ** (404) **הָ** (405) **הָ** (406) **הָ** (407) **הָ** (408) **הָ** (409) **הָ** (410) **הָ** (411) **הָ** (412) **הָ** (413) **הָ** (414) **הָ** (415) **הָ** (416) **הָ** (417) **הָ** (418) **הָ** (419) **הָ** (420) **הָ** (421) **הָ** (422) **הָ** (423) **הָ** (424) **הָ** (425) **הָ** (426) **הָ** (427) **הָ** (428) **הָ** (429) **הָ** (430) **הָ** (431) **הָ** (432) **הָ** (433) **הָ** (434) **הָ** (435) **הָ** (436) **הָ** (437) **הָ** (438) **הָ** (439) **הָ** (440) **הָ** (441) **הָ** (442) **הָ** (443)

Da. Th. 4. 9. τὰ φύλλα αὐ. ὠραία (7)  
 II Ma. 10. 7. κλάδους ὠραίους . . . ἔχοντες  
 [Aq. Ps. 64 (65). 13: 78 (79). 7: Jk. 6. 2: 9.  
 10 (9): 11. 16: 25. 37 (32. 23).]  
 [Sm. Jk. 6. 2.]  
 [Th. Ps. 64 (65). 13 (P.): Jk. 6. 2.]  
 [Al. Is. 28. 1.]

**ὠραιότης.** (1) וְרָה (2) וְרָה (3) וְרָה  
 (4) וְרָה (5) וְרָה (6) וְרָה

Ps. 44 (45). 3. τῇ ὡ. σου καὶ τῷ κάλλει σου (2)  
 49 (50). 2. ἐκ Σιών ἡ εὐπρέπεια τῆς ὡ. αὐτοῦ (4)  
 — 11. καὶ ὠραιότης ἀγροῦ μετ' ἐμοῦ ἐστίν (3)  
 67 (68). 12. καὶ ὠραιότητι τοῦ οἴκου διελέσθαι (5)

95 (96). 6. ἐξομολόγησιν καὶ ὠραιότης ἐνώπιον αὐτοῦ (1)  
 Is. 44. 13. ἐποίησεν αὐτὸν . . . ὡς ὠραιότητα ἀνθρώπου (6)

Ez. 16. 14. συντελεσθένον ἦν ἐν εὐπρεπείᾳ ἐν τῇ ὡ. (1)

[Aq. II Ki. 7. 8: Jb. 5. 24: Ps. 22 (23). 2: 67 (68). 13: 73 (74). 20: Pr. 24. 15: Jk. 6. 2: 2: 2: 6.]

[Th. Pr. 4. 9: 24. 15: Is. 35. 2: Jk. 6. 2.]  
 [Al. Jb. 18. 15: Ps. 144 (145). 5.]

**ὠραιόσθαι.** (1) וְרָה (2) וְרָה pil. (3) וְרָה

II Ki. 1. 26. ὠραιώθη μοι σφόδρα (8)  
 Ca. 1. 10. τὴν ὠραιώθησαν σαγόνες σου (2)

7. 1 (2). ὠραιώθησαν [A. τί ὠρ.] διαβήματά σου (1)

— 6 (7). τὴν ὠραιώθη καὶ τὴν ἡδύνην (1)  
 [Aq. Ps. 32 (33). 1: Is. 52. 7: Ez. 32. 19.]  
 [Sm. Ca. 4. 10.]  
 [Quint. Ps. 44 (45). 3.]

**ὠραισμός.** (1) וְרָה hithp.

Jc. 4. 30. εἰς μάταιον [A. τῇ] ὦ. σου (1)  
 Ez. 7. 11. A. οὐδὲ ὦ. ἐν αὐτοῖς (1)

[Th. Ez. 7. 11.]

**ὠρῶ.**

[Al. II Ki. 18. 34.]

**ὠρηδόν (?)**

Jb. 36. 30. 8<sup>4</sup> ἐκτενέει ἐπ' αὐτὴν ὡ. [A. B. 8<sup>4</sup> al.] +  
**ὠριμος.** (1) וְרָה (2) וְרָה

Jb. 5. 26. ὥσπερ σίτος ὠριμος κατὰ καιρὸν θεριζόμενος (2 ?)

Jc. 28 (51). 33. ὡς δῶλον ὦ. ἀληθισσονται (1)

**ὠρολόγιον.**

[Sm. Is. 38. 8.]

**ὠρυγμα.**

[Sm., Th. Is. 5. 29.]

**ὠρύσσειν (ὠρύσσω).** (1) α. וְרָה β. וְרָה

Jd. 14. 5. ἰδοὺ σκύμνος λέοντος ὠρύσμενος (1 a)  
 Ps. 21 (22). 13. ὡς λέων ὁ ἀρπάξων καὶ ὠρύσμενος (1 a)

37 (38). 8. ὠρύσμενον ἀπὸ στεναγμοῦ τῆς καρδίας μου (1 a)

103 (104). 21. σκύμνος ὠρύσμενος ἀρπάσαι (1 a)  
 Wi. 17. 19. ὠρύσμενον ἀπηγεσάτωσαν [A. ατος] θηρίων φωνῇ (1 a)

Ho. 11. 10. ὅτι αὐτὸς ὠρύσσεται [B<sup>1</sup> ὠρύσσεται] (1 a)  
 Ze. 3. 3. οἱ ἄρχοντες αὐ. ἐν αὐτῇ ὡς λέοντες ὠρύσμενοι (1 a)

Za. 11. 3. φωνὴ ὠρυόμενων λεόντων (1 b)  
 Jc. 2. 12. ἐπ' αὐτὸν ὠρύσσαντες λέοντες (1 a)

Ep. Jc. 32. ὠρύσσαντες δὲ βοῶντες ἐναντίον τῶν θεῶν αὐτῶν

Ez. 22. 25. οἱ ἀφηγούμενοι . . . ὡς λέοντες ὠρύσμενοι [A. ἐρυγόμενοι] (1 a)

[Aq., Th. Jc. 25. 30 (32. 16) bis.]

[Sm. Jc. 51 (28). 38.]

**ὠρυμα (ὠρύωμα, ὠρύωμα).** (1) וְרָה

Ez. 19. 7. A. B<sup>1</sup> ἀπὸ φωνῆς ὠρύματος [B<sup>2</sup> ὠρύμα, B. ὠρύωμα] αὐτοῦ (1)

**ὠρῶ.**

[Heb. Jb. 36. 30.]

**ὦς.** \* ὦς. \*\* *notat tempus.* † *ante-*  
*positum numeralibus.*

Ge. 8. 22: 6. 4\* (ind.). 9. 3: 10. 9: 12. 12\*: 13. 10 bis, 16: 16. 6\*†: 18. 23, 25 bis, 33\*: 19. 31: 22. 17 bis: 26. 4: 27. 4, 9, 12, 23, 27, 30\*† (ind.). 28. 14, 17: 29. 10\*, 13\*, 20†: 30. 25\*, 38\*: 31. 2†, 5, 15, 26: 32. 12 (13): 33. 10\* (opt.). 34. 7\*, 15, 16: 38. 29\*: 39. 13\*, 18\*, 19\*: 40. 13: 42. 30: 44. 10: 45. 8: 48. 5, 5†, 20 bis: 49. 4, 9 bis: 50. 20.

Ex. 1. 19: 3. 4\*: 8. 10 (6), 12 (8): 9. 14, 29\*: 12. 27\*: 13. 11\*, 17\*: 15. 7: 16. 31†, 31, 32\*: 19. 18†: 28. 39 (43)\*: 38. 9\* (ind.), 11 (ὡς εἰς τὴν): 34. 20\*: 38. 32 (39. 24).

Le. 5. 10, 13: 9. 16: 13. 43: 14. 34\*: 16. 17\*†, 24, 19, 18, 34 bis: 22. 27\*: 24. 19: 25. 35, 40, 50, 52 (53): 26. 36: 27. 14\* (ind.).

Nu. 2. 17: 9. 15: 11. 7†, 25\*: 12. 7†: 15. 15, 20: 16. 31\*: 18. 27, 27†, 30 bis: 22. 4†: 23. 10, 19 bis, 22, 24 bis: 24. 5, 6†, 8, 9 bis: 27. 6 (7)†, 17†: 32. 21\*: 38. 1\*.

De. 1. 11, 31, 31 (ὡς εἰς τὴν), 34\*†, 44†: 2. 30†: 4. 7, 20: 6. 23 (20)\*, 26 (23): 7. 13†, 19: 8. 2†, 5 (ὡς εἰς τὴν), 18: 10. 3†: 11. 4, 5†: 12. 15, 16, 21†, 22, 24, 25, 26, 23: 18. 15: 22. 26 (ὡς εἰς τὴν): 26. 19: 27. 3†, 4\*: 28. 1\*†, 29 (ὡς εἰς τὴν): 29. 16 (15)†, 16 (15)†: 30. 1\*: 32. 2 bis, 8\*†, 10, 11, 31, 41: 33. 20, 25: 34. 10.

Jo. 2. 5\*, 8\*, 14\*: 3. 8\*, 13\*, 15\*: 4. 7\*†, 11\*, 18\*: 5. 1\*, 12 (13)\*: 6. 4\*, 19 (20)\*: 7. 3†, 4†: 8. 5\*, 6\*, 14\*, 24\*: 9. 1\*, 25 bis: 10. 1\*, 20\*: 11. 1\*.

Jd. 2. 4\*, 19\*: 3. 8\*†: 5. 8†, 31†: 6. 5†, 27: 7. 5 (ὡς εἰς τὴν), 12† bis, 15\*, 17 (ὡς εἰς τὴν): 8. 3†, 18† ter, 21, 33\*: 9. 16†, 17, 36, 38†, 48, 49†: 11. 35\*†: 13. 6: 15. 17\*†: 16. 7, 9 (ὡς εἰς τὴν): 17. 11, 12, 13†, 17†, 20†, 27†: 17. 11: 18. 7†: 19. 25\*†, 30† bis: 20. 1, 8, 11, 30†, 31†, 31††, 32†, 39\*†, 39†, 39†, 40†: 21. 21†, 22†.

Ru. 1. 4†: 4. 11 bis, 12.

I Ki. 2. 2 bis, 13\* (ind.), 16, 22†: 3. 10: 4. 5\*, 18\*: 5. 10\*†, 12\*: 6. 6: 8. 1\*, 6\*: 9. 13\*, 16, 26\*, 27: 10. 2\*, 5\*: 11. 1 (ὡς μετὰ), 6\*†, 7: 12. 8\*: 13. 5†, 8†, 10\*†, 11† bis, 13†, 15†: 14. 2†, 7†, 14†, 19\*, 22 (23)†: 15. 2, 22, 29: 16. 7: 17. 36, 55\*†, 57\*: 18. 1\*†, 10†, 15: 19. 7†: 20. 12\* (sine verbo), 25, 41\*†, 42: 22. 2\*, 8, 13, 14, 15†: 23. 13†: 24. 2\*, 5, 11, 17\*, 19\*: 25. 13†, 16, 26, 36†, 37\*†, 37†: 26. 15, 23: 28. 9.

II Ki. 2. 18†: 3. 34: 4. 8, 10, 5†: 6. 1†: 7. 22, 23 bis: 12. 3: 13. 13, 28†: 14. 2, 13, 25, 26\* (ind.). 15. 24\*†, 34†: 16. 10 (ὡς τὴν): 17. 8, 8†, 11, 12: 18. 3, 18 (ὡς εἰς τὴν), 27, 32: 19. 14 (15)†, 27 (28), 36 (37) (ὡς βραχὺ): 21. 19: 22. 34, 43 bis: 23. 4, 21†.

III Ki. 1. 21\*: 2. 32†: 3. 1 (4. 29 [5. 9]), 1 (B. 4. 20 A), 6, 12, 13, 14, 19: 4. 29 (5. 9): 7. 24 (26): 8. 1\*†, 10\*, 23, 24, 38\*, 53\*, 54\*, 59†, 61: 9. 1\*: 10. 27 bis: 11. 6 (8)†, 27, 33, 43\*† bis: 12. 2\*† bis, 20\*, 24\*† bis, 24†: 13. 4\*, 22†: 14. 6\*†, 8†, 10 (c. inf.), 17\*†: 15. 3, 5, 11, 21\*, 29\*, 30† bis, 34: 16. 3, 13†, 18\*, 19: 18. 17\*†, 29\*†, 29, 31, 44: 19. 1, 13\*: 20 (21). 14†, 15\*, 16\*, 19, 22 bis, 25†, 25, 27†: 21 (22). 11, 12\*†, 39: 22. 6†, 17, 32\*, 33\*.

IV Ki. 1. 18 (3. 2) bis: 2. 1 (ὡς εἰς τὴν), 11 (ὡς εἰς τὴν): 3. 2, 2†, 7 bis, 15\*, 22†: 4. 16, 17 bis, 25\*: 5. 6\*, 7\*, 8\*, 14: 6. 20\*, 21\*, 30\*, 32\*: 7. 1, 7, 10, 18: 8. 5: 9. 9 bis, 22\*, 37: 10. 2 (ὡς εἰς τὴν), 6, 7\*, 25\*: 12. 10 (11)\*, 21 (22)†: 13. 7: 14. 3, 6: 16: 17: 18. 32: 19. 1\*: 21. 4, 7† bis: 22. 11\*, 19: 24. 20†.

I Ch. 4. 9, 27: 11. 23†: 12. 8, 22: 14. 8\*†, 11: 15. 15: 16. 19†: 17. 1\*, 13, 17, 21 bis: 19. 2: 20. 5: 21. 3, 15\*: 22. 11: 24. 19: 27. 23: 28. 7: 29. 15 bis.

II Ch. 1. 9, 12, 15 bis: 2. 3 (2), 8 (7): 4. 5, 10 (ὡς πρὸς): 5. 13\*†: 6. 4†, 15, 16, 30\*, 33: 7. 1\*, 17, 18: 9. 27 bis: 10. 2\* bis, 12: 12. 1\* bis, 7 (ὡς μικρὸν): 17. 4: 18. 3 bis, 12, 16, 31\*, 32\*: 20. 23\*, 37: 21. 6, 7, 13, 19\*: 22. 4, 8\*: 24. 11\*, 14\*, 22\*, 22\*: 25. 3\*, 4: 26. 16\*: 28. 1: 29. 3\*, 8, 29\*: 30. 8†, 10: 31.

1\*, 5\*: 32. 17, 19: 33. 12\*, 19†, 22, 23: 34. 19\*: 35. 12, 18.

I Es. 1. 12: 2. 9 (c. superl.)†: 5. 37, 51 bis: 8. 3, 12†, 94: 9. 10.

II Es. 2. 69: 3. 1, 4: 4. 2, 3: 7. 18, 25†, 28: 8. 18: 9. 1\*, 3\*, 7, 13, 15† bis: 10. 1\*, 1\*†, 3\*†, 3†, 8†.

Ne. 2. 8: 3. 13†: 4. 7 (1)\*, 12 (6)\*: 5. 5 bis, 11, 12: 6. 3\*, 4†, 8, 8†, 14: 7. 2†: 8. 1, 9\*: 9. 10, 23, 24, 28\*, 37: 10. 34 (35), 36 (37): 12. 45: 13. 3\*, 30.

To. 3. 8†: 4. 8†: 5. 13†, 14†, 19: 6. 5†, 9\*†, 17†, 17\*†: 7. 2, 14†, 17: 8. 4\*†: 10. 1\*†, 8†, 13†: 11. 1\*†, 12\*†, 15†, 17\*†: 12. 22: 14. 5† bis, 10†.

Ju. 1. 11: 2. 4\*, 20 bis: 3. 4: 4. 13\*†: 5. 22\*: 6. 1\*, 3, 5†, 12\*†: 7. 4\*, 11†, 28†: 8. 9†, 16 bis: 10. 1\*, 7\*, 14\*, 18, 23\*: 11. 15 (ὡς εἰς τὴν), 19†: 12. 8\*†, 13†: 13. 1\*†, 12\*: 14. 2, 5 (ὡς εἰς τὴν), 6\*, 7\*, 9\*, 12\*, 15\*, 19\*: 15. 1\*, 5\*, 9\*: 16. 4†, 12, 15, 18\*.

Es. 1. 1\*† (sine verbo), 15, 17†, 17\*†: 2. 1†: 3. 11, 12: 4. 8, 14 (ὡς εἰς τὴν), 17: 5. 1\*, 1, 1†, 1, 2, 11: 6. 2: 8. 8, 11 bis, 13†, 13, 13 (c. inf.)†: 9. 24†, 25, 27†.

Jb. 1. 5\* (ind.), 6, 13, 21: 2. 1: 6. 3, 25: 7. 4\*: 9. 8 (ὡς εἰς τὴν): 12. 6: 13. 25†, 25: 14. 12\*†, 13\*†: 15. 14 (c. ptep.), 33† bis: 21. 11†: 22. 24†: 24. 14: 27. 10 (c. ptep.): 28. 5†: 29. 3: 30. 6†, 14, 21†: 31. 15, 18, 36†: 33. 6, 15†, 15: 35. 4 (5), 14: 37. 10 (ὡς εἰς τὴν), 15†, 18: 38. 30†: 40. 12 (17)†, 13 (18)† bis: 41. 10 (11)† bis, 15 (16)†, 19 (20)†, 20 (21).

Ps. 1. 3, 4: 2. 9: 5. 12: 7. 2: 8. 1, 9: 9. 30 (10. 9)†: 10 (11). 2: 16 (17). 8, 12†: 17 (18). 33†, 42†, 42: 18 (19). 5 bis: 20 (21). 9: 21 (22). 13, 15†: 22 (23). 5 (c. superl.)†: 28 (29). 6 bis: 30 (31). 19: 31 (32). 9: 32 (33). 7†: 34 (35). 14 ter: 35 (36). 6†, 7: 36 (37). 6 bis, 35: 38 (39). 11: 43 (44). 11, 22: 47 (48). 6: 48 (49). 14: 54 (56). 6†: 55 (56). 8: 57 (58). 7: 58 (59). 6, 14: 61 (62). 3: 63 (64). 3: 65 (66). 3, 5†, 10: 67 (68). 2 bis: 71 (72). 6†: 72 (73). 1, 7†: 73 (74). 5 (ὡς εἰς τὴν), 5 (ὡς εἰς τὴν): 76 (77). 13, 20: 77 (78). 8, 15 (ὡς εἰς τὴν), 16†, 43, 52, 52†, 65 bis, 69: 78 (79). 3†, 5: 81 (82). 7 bis: 82 (83). 9 bis, 10†, 11, 13 bis: 83 (84). 1: 86 (87). 7: 87 (88). 4†, 17†: 88 (89). 10, 29, 36, 37, 46: 89 (90). 4, 9†: 91 (92). 5, 7†, 10, 12 bis: 94 (95). 8 (ὡς εἰς τὴν), 11: 101 (102). 7†, 26: 102 (103). 5: 103 (104). 1†, 2, 6, 24: 104 (105). 22: 105 (106). 9 (ὡς εἰς τὴν): 106 (107). 27, 41: 108 (109). 18, 18† bis, 19, 29†: 112 (113). 5: 118 (114). 4†, 4, 6† bis: 117 (118). 2†: 118 (119). 14 (ὡς εἰς τὴν), 70, 83†, 85, 97, 103, 162, 176†: 121 (122). 3: 122 (123). 3 bis: 123 (124). 7: 124 (125). 1: 125 (126). 1†, 4: 127 (128). 3 bis: 128 (129). 6†: 130 (131). 2, 2†: 131 (132). 2: 132 (133). 2, 3: 136 (137). 6 (ὡς εἰς τὴν): 138 (139). 12†, 12: 140 (141). 2: 142 (143). 3, 6: 143 (144). 12 bis: 147. 4 (15)†.

Pr. 1. 27\*: 2. 4 bis: 3. 18 (ὡς εἰς τὴν): 6. 8 bis, 22\*: 7. 23: 8. 28\*†, 28\*, 29\*†: 17. 18: 18. 17\*: 19: 24. 23 (29. 27)†: 31. 14†.

Ec. 2. 3, 13, 15†: 3. 19†, 19: 5. 14: 7. 7 (6), 13 (12), 23 (22)† bis: 8. 4†, 13 (ὡς εἰς τὴν), 14 bis, 15†: 9. 1†, 2, 10, 12 ter: 10. 5, 7: 11. 5: 12. 7, 7†, 11 bis.

Ca. 1. 5 bis, 7, 10 bis: 2. 2, 3: 3. 4 (ὡς μικρὸν), 6: 4. 1, 2, 3 bis, 4, 5, 11: 5. 11, 12, 13, 15 bis: 6. 3 ter, 4, 5 bis, 6, 9 ter: 7. 1, 3 (4), 4 (5) ter, 5 (6) bis, 8 (9) bis, 9 (10): 8. 6 quater, 10† bis.

Wi. 2. 2, 3, 4 bis, 6, 16 (ὡς ἀπὸ): 3. 6 bis, 7: 5. 9 bis, 10, 11, 12, 12 (c. inf.), 14 quater, 21 (ὡς ἀπὸ), 23: 7. 9†, 9: 11. 10 bis, 22 bis: 12. 8, 25: 14. 15, 16, 17: 15. 19 (ὡς εἰς τὴν): 16. 29 bis: 18. 8†: 19. 3, 9 bis.

Si. prol. 4. 2: 18: 3. 4, 7, 15, 16: 4. 10 bis, 30: 5. 7†: 6. 2, 3, 11, 19, 19†, 20, 21: 8. 11, 12, 13, 16: 9. 8: 11. 30: 12. 10, 11, 17: 13. 11: 14. 17, 18, 22: 15. 2 bis: 17. 19, 22 bis, 28, 29: 18. 10, 13, 23: 19. 11 (ὡς ἀπὸ): 20. 1, 15, 29: 21. 2 (ὡς ἀπὸ), 3, 8, 13 bis, 14, 16†, 18, 19†, 21 bis: 22. 17: 23. 16: 24. 3, 13 bis, 14 quater, 15, 15†, 15 ter, 16, 17, 25 bis, 26 bis, 27 bis, 30 bis, 32, 33: 25. 4, 5, 10, 17: 26. 7, 12: 27. 8, 11, 13†, 19, 20, 28: 28. 18, 23 bis: 29. 4, 6, 18: 30. 4, 12\*†, 25

(38.16) bis, 39 (33.30), 40 (33.31) bis: 81 (34). 2, 5: 82 (85). 20† bis: 34 (31). 16, 19: 35 (32). 1, 8†, 16: 36 (33). 2, 3, 5, 6†, 13: 38. 11, 16, 22, 27: 39. 12, 13, 14 bis, 17, 22 bis, 23: 40. 3†, 6 (ὡς ἐν), 6, 13 bis, 17, 27: 41. 1, 2†: 42. 21†, 22, 22†: 43. 14, 17 bis, 19, 20, 21: 44. 9 bis, 21† bis: 46. 2: 47. 3 (ὡς ἐν) bis, 13†, 14 bis, 18 bis, 25†: 48. 1 bis, 4, 19: 49. 1 bis, 11, 15: 50. 5†, 6 bis, 7 bis, 8† bis, 8, 9 bis, 10 bis, 12 bis: 51. 15†.

Ho. 1. 10 (2. 1): 2. 3 (5)†, 3 (5), 14 (16): 4. 4, 6, 16 bis: 5. 1, 10 bis, 12 bis, 14 bis: 6. 4 (3) bis, 5 (4) bis, 6 (5), 8 (7): 7. 2, 4, 6 bis, 7, 11, 16: 8. 1 bis, 8: 9. 4, 10 ter, 11, 17†: 10. 4, 7, 14: 11. 4, 8 bis, 10, 11 bis: 12. 11 (12): 13. 3 bis, 3†, 3, 7 bis, 8, 13: 14. 6 ter, 7 bis, 8†, 8, 9.

Am. 2. 9: 4. 11: 5. 5, 6, 24 bis: 6. 5 bis, 15 (14)†: 8. 8 bis, 10 bis: 9. 5 bis, 7.

Mi. 1. 4 bis, 6†, 8 bis, 16: 2. 1 bis: 3. 3 bis, 12, 12† bis: 4. 9, 10, 12: 5. 7 (6) bis, 8 (7) bis: 7. 1 bis, 4, 10, 17.

Jl. 1. 15: 2. 2, 3, 4, 4†, 5 ter, 6, 7 bis, 9.

Ob. 1. 4, 11.

Na. 1. 10 bis: 2. 4 (5) bis, 8 (9)†, 10 (11): 3. 8†, 13, 15 bis, 16†, 17 bis.

Hb. 1. 8, 9, 14 bis: 2. 5, 14: 3. 4, 14.

Zc. 1. 17 ter: 2. 2, 9 ter, 13: 3. 3 bis, 18 (ὡς ἐν).

Hg. 2. 24 (23)†.

Za. 2. 8 (12): 3. 3 (2): 5. 9†: 9. 3 bis, 4†, 7 bis, 13, 14, 15, 15† bis: 10. 2, 3, 5, 7, 7† bis: 12. 2, 6, 6†, 8 ter, 10 (ὡς ἐν) bis, 11: 13. 9 bis: 14. 4†, 15.

Ma. 3. 2 bis, 3, 3† ter: 4. 1 (3. 19), 2 (3. 20).

Is. 1. 8 ter, 9 bis, 18 bis, 19, 19†, 26 bis, 30 bis, 31 bis: 2. 6 bis: 3. 9: 4. 5, 5†: 5. 6 (ὡς ἐν), 17, 18 bis, 24 bis, 25, 28 bis, 29† bis, 29, 30: 6. 13 bis: 8. 14 bis, 20, 21\*: 9. 3 (2), 4 (3), 18 (17) bis, 19 (18): 10. 14 bis, 15†, 17†, 18, 22: 11. 7†, 9, 16: 13. 8 bis, 14 bis: 14. 19: 15. 5†: 16. 1, 2, 9, 11, 11†, 12†: 17. 6, 11†, 12 bis, 13 quater, 18, 2, 3 (ὡς ἐν), 3, 4 bis: 19. 14, 16: 21. 1, 3, 3†, 16: 22. 21: 23. 3, 15 ter: 24. 2 quinquies, 2†, 20 bis: 25. 5: 26. 4†, 17: 27. 7 bis, 9, 10: 28. 2 bis, 4: 29. 3, 4, 5 ter, 7, 8 bis, 11, 16, 17: 30. 13, 14, 17†, 17, 22 bis, 26, 27, 28, 30, 33: 31. 5, 9: 32. 2 (ὡς ἀπό), 2, 19†: 33. 1, 12: 34. 4 ter, 9: 35. 1, 6: 36. 6†, 17: 37. 11, 27 bis: 38. 3, 12, 13, 14 bis: 39. 7†: 40. 6, 11, 15 bis, 15†, 17, 22 ter, 23†, 23, 24, 31: 41. 2, 11, 12, 15 bis, 25 bis: 42. 14: 43. 17: 44. 4†, 4, 13 bis, 22 bis: 45. 9, 20 (ὡς ἀπό)†: 46. 1: 47. 14: 48. 18, 19†, 19, 20†: 49. 2†, 2, 18†, 18, 18†, 26: 50. 1†, 3†, 7, 9: 51. 3† bis, 5†, 6 bis, 8† bis, 9 (ὡς ἐν), 9, 20: 52. 7 ter: 53. 2 bis, 6, 7 bis: 54. 6, 6†, 16: 55. 9, 10 (ὡς ἀντ, ὡς ἐν†): 57. 1, 8†: 58. 1, 2, 4, 5, 10, 11 bis, 12†: 59. 10 bis, 10 (ὡς ἐν), 10 bis, 17, 17†, 17, 19: 60. 8 bis: 61. 10 bis, 11 bis: 62. 1 bis, 5: 63. 2 (ὡς ἀπό), 3, 13, 14, 19: 64. 1, 6 (5) ter, 10 (9): 65. 25 bis: 66. 3 ter, 12 bis, 13 (ὡς ἐν), 14, 15 bis, 20.

Je. 1. 2†, 16, 18 bis: 2. 26, 30: 3. 4, 20: 4. 4, 10†, 13 bis, 17, 31 bis: 5. 27: 6. 7, 9 bis, 13†, 15, 23, 23†, 24, 26†, 28†: 8. 6, 21: 9. 3 (2), 12 (11), 22 (21)†: 11. 5†, 19: 12. 8: 13. 21†, 24, 25: 14. 8†, 9: 15. 10†, 13†, 15, 18, 19, 20: 16. 19: 17. 6, 8: 18. 6, 17: 19. 12: 20. 9, 16: 21. 12: 22. 23, 28: 23. 9 bis, 14, 14†, 29†: 24. 2, 5, 8, 10†: 26 (46). 7 bis, 8†, 18 bis, 22 bis: 27 (50). 9, 11 bis, 24, 26†, 37†, 42, 43: 28 (51). 3†, 25, 27†, 33, 34, 38 bis, 40 bis, 43†, 53, 55: 29 (49). 9†, 22: 31 (48). 28†, 32, 32†, 34†, 38: 33 (26). 14 bis, 18, 18† bis: 36 (29). 22 bis: 37 (30). 2†, 20†: 38 (31). 10†: 39 (32). 20, 24: 40 (33). 7†: 41 (34). 5: 42 (35). 15†: 43 (36). 16\*, 32: 50 (43). 1\*: 51 (44). 6, 13, 18\*, 22.

Ba. 1. 11, 15, 20: 2. 6, 11, 26: 3. 24: 4. 26: 5. 6†.

La. 1. 1†, 6: 2. 3, 4 ter, 5, 6, 7, 12, 18, 19, 22: 3. 6†, 12, 52: 4. 3: 5. 3, 10.

Ep. Je. 11, 14, 18 (ὡς ἐν), 41, 44 (c. inf.)†, 67 bis, 26 bis, 27, 27† bis, 28†: 3. 7: 16†: 8. 2, 2†, 16†, 17: 10. 1, 5, 9: 11. 1†, 21: 12. 4, 7†: 13. 4†: 16. 8†, 20, 31, 32†, 59: 18. 23: 19. 10 bis: 20. 32 bis: 21. 23 (28): 22. 25, 27: 23. 20: 26. 3, 10, 19, 20: 28. 3, 6: 32. 2, 14: 33. 11, 22†, 31, 32: 34. 12†: 36. 11, 35, 37 bis, 38: 38. 9 bis,

16: 41. 12 (ὡς ἀπό), 21: 42. 12 (ὡς ἐν)†: 43. 2 bis, 8: 45. 7: 47. 5†, 10†, 22.

Da. LXX. Su. 12\*\*, 30\*\*, 41, 51\*\*, 56 bis, 60\*\*, 61: 2. 40 bis, 41, 43: 3. (36) ter, (40) (ὡς ἐν) bis, (51) (ὡς ἐν) bis: 4. 9†, 12, 25\*\*, 29, 30, 31: 5. 10: 6. 23 (24), 27 (28): 7. 13 bis: 8. 4, 15: 10. 16 bis, 18: 11. 29, 34 (ὡς ἐν): 12. 3: Bel 16.

Da. TH. Su. 19\*\*, 26\*\*, 28\*\*, 41, 52\*\*: 1. 8 bis: 2. 40: 3. 15\*, (36) bis, (40) (ὡς ἐν), (40) (ὡς ἐν)†, (50), (51) (ὡς ἐν), 33 (100): 4. 22, 29, 30 ter, 32: 5. 21: 6. 14 (15)\*\*: 7. 4†, 13: 8. 15, 25: 9. 7, 15: 10. 6† bis, 6 bis, 16: 11. 4\*, 29, 29†: 12. 3 bis: Bel 14\*\*, 28\*\*.

I Ma. 1. 39: 2. 8, 18, 23\*\*, 40, 41†, 58†: 3. 3, 4, 17\*\*, 23\*\*, 27\*\*, 30, 45, 60\*: 4. 4\*\*†, 6†, 9†, 35, 38 (ὡς ἐν), 38 (ὡς ἐν)†, 60: 5. 1, 13†, 16\*\*, 42\*\*, 60†: 6. 8\*\*, 39\*\*, 39, 59†: 7. 2\*\*, 25\*\*, 32†, 44\*\*: 8. 4\*\*, 25\*, 26\*, 27\*, 28: 9. 44: 10. 36, 41 (ὡς ἐν), 42 (ὡς ἐν)†, 46\*\*, 64\*\*, 74\*\*, 77, 88\*\*, 89: 11. 1, 3\*\*, 4\*\*, 22\*\*, 23\*\*, 49†: 12. 7†, 11, 27\*\*, 43†, 47†, 48\*\*: 13. 23\*\*: 14. 17\*\*, 25\*\*: 15. 3, 9†.

II Ma. 1. 11\* (c. participio), 14, 15\*\*, 20\*\*, 21\*\*, 22\*\*, 23, 32\*\*, 33\*: 2. 1†, 2†, 4†, 4\*, 7\*\*, 8 bis, 9, 13, 21 (c. inf.)†: 3. 8: 4. 1, 4†, 5†, 19 (ὡς ἀπό)†, 46: 5. 5, 8 bis, 9: 6. 21, 29: 7. 8, 12, 17, 23: 8. 19, 20\*\*: 9. 15\*\*†, 28: 10. 6, 21, 24: 11. 6\*: 28, 36: 12. 3, 4\* (c. ptep.), 7†, 12, 24†: 13. 4: 14. 4†: 15. 11.

III Ma. 1. 2, 8 (c. superl.), 24: 2. 18, 22, 31, 33: 3. 2\* (c. ptep.), 16†, 19: 4. 1\* (c. ptep.), 6, 12\*\*, 13, 18, 19: 5. 22, 40†, 45†, 48: 6. 10†: 7. 5 bis, 6, 13.

IV Ma. 2. 18: 3. 10 (c. superl.)†, 17†: 4. 2†, 7, 22, 23\*: 5. 13†, 18, 21: 6. 5, 21: 7. 4. 8. 13\*\*: 9. 10 (ὡς κατὰ) bis, 12\*\*, 27, 29: 11. 1\*\*: 12. 1\*: 7. 14. 1, 6 (ὡς ἀντ)†: 15. 21†: 16. 3†, 12: 17. 1†, 5, 7†: 18. 5\*\*.

[Aq. GE. 2. 18 (ὡς κατέναντι): 49. 4: Ex. 16. 31: 21. 7: Dt. 32. 31: Jo. 2. 14\*: I Ki. 8. 10: 17. 7: III Ki. 4. 20: 14. 6\*\*, 8, 17\*: IV Ki. 9. 20: Jb. 3. 5, 24: 10. 5: 13. 9: 15. 14 (P): 37. 18: 40. 12 (17): 41. 10, 21: 42. 8: Ps. 1. 3: 21 (22). 14: 31 (32). 9: 32 (33). 7: 35 (36). 7: 38 (39). 6: 41 (42). 2: 58 (59). 7. 15: 63 (64). 4: 71 (72). 6: 73 (74). 5: 77 (78). 33. 65: 79 (80). 2: 86 (87). 7: 90 (91). 4: 101 (102). 4: 106 (107). 41: 117 (118). 12: 118 (119). 70: 121 (122). 3: 125 (126). 4: 132 (133). 2: 138 (139). 15 (ὡς ἐν): 142 (143). 6: 143 (144). 12: Pk. 5. 4, 14 (ὡς ἐλθων): 6. 11: 10. 20 (ὡς ἐλθων), 23: 13. 19: Ec. 8. 11: 8. 9: CA. 1. 5. 7: 3. 6: 6. 13: 6. 5 (6): 7. 5 (6): 8. 1. 15. 1. 25 (Sw.): 6. 28: 6. 13: 7. 2: 11. 7: 14. 19: 16. 2, 14: 24. 2 bis: 28. 2, 4, 21: 29. 4, 7: 30. 13, 17, 28, 29: 32. 2: 34. 4 bis: 38. 12 bis, 14: 40. 15, 22 bis, 24: 41. 2: 48. 19: 51. 3 bis, 9, 20: 58. 2 bis, 3: 64. 6, 9: 56. 12: 57. 20: 58. 1, 5, 8: 59. 11, 17, 18 (ὡς ἐν) bis, 19: 61. 10 bis: 63. 2: 64. 6 (5): 65. 25: 66. 14: Jb. 5. 16 (Sw.), 26, 27: 6. 23: 8. 6: 10. 5: 11. 19: 13. 24: 14. 6, 8, 9: 15. 18: 25. 30 (32). 16, 34 (32. 20): 26 (33). 6: 30 (37). 6: 31 (38). 12, 18: 48 (31). 41: 49. 24 (30). 13): 50 (27). 8, 9, 42: 51 (28). 27, 63\*: Ez. 1. 7, 16, 27, 27 (Sw.): 8. 2: 10. 1: 12. 7: 18. 14: 23. 34: 27. 22, 32: 32. 2: DA. 2. 35 (Sw.): Ho. 5. 12, 14: 9. 13: 10. 15: 12. 11 (12): 13. 3: 14. 9: AM. 9. 7: MI. 1. 8: 2. 12: 5. 7 (6): MA. 3. 17.]

[Sm. GE. 1. 26: 49. 4: Ex. 16. 31: Dt. 32. 31: Jo. 2. 14\*: I Ki. 13. 1: 17. 7: 19. 7 (ὡς ἀντ): 30. 16 (ὡς ἐν): II Ki. 6. 13\*: 14. 13, 14: III Ki. 4. 20: IV Ki. 9. 20: Jb. 4. 12 (ὡς ἐν): 6. 2: 9. 26: 14. 11: 15. 14 (P): 22. 24: 24. 16 (ὡς ἐν), 17 (P): 32. 19: 35. 16: 36. 29: 38. 9: 39. 24: 40. 4 (9), 12 (17), 13 (18) bis: 41. 10, 19, 23: Ps. 10 (11). 2 (ὡς ἐν): 21 (22). 14: 28 (29). 6: 30 (31). 22 (ὡς ἐν): 31 (32). 4: 32 (33). 7 (ὡς ἐν): 34 (35). 14 (ὡς ἀντ) bis, 14: 38 (39). 6 bis, 12: 41 (42). 2, 4, 11: 43 (44). 12, 24: 44 (45). 2: 47 (48). 7: 48 (49). 15: 49 (50). 21: 57 (58). 5, 8 bis, 10: 58 (59). 7, 8 bis, 15: 62 (63). 2 (ὡς ἐν): 68 (64). 4: 67 (68). 15, 31: 71 (72). 6, 16: 72 (73). 19, 20: 77 (78). 63, 69 bis, 79 (80). 2: 81 (82). 7 bis: 86 (87). 7 (ὡς ἐν): 87 (88). 6, 18: 88

(89). II (P.), 38, 47: 89 (90). 4: 90 (91). 4: 91 (92). 11: 101 (102). 4, 27 bis: 106 (107). 41: 109 (110). 3 (ὡς κατὰ): 117 (118). 12: 118 (119). 24, 70: 121 (122). 3: 124 (125). 1: 125 (126). 4: 132 (133). 2: 134 (135). 18: 138 (139). 12: Pk. 7. 22: 10. 25: 11. 28: 15. 15 (ὡς ἐν): 30. 27: Ec. 8. 10, 14: CA. 1. 5, 7: 3. 6: 5. 11, 13, 15: 6. 3 (4) bis, 5 (6): 7. 1 (2), 2 (3), 4 (5), 5 (6): 8. 6 bis: Is. 1. 18: 5. 18 bis: 6. 13 bis: 8. 11 (ὡς ἐν): 9. 3 (2): 10. 18: 14. 19: 16. 11, 14 (ὡς ἐν): 24. 2, 13: 25. 10 bis: 27. 10: 28. 2: 29. 2, 3, 4: 30. 13, 17 bis, 22, 28, 29: 31. 5, 6: 32. 4 bis: 38. 16: 34. 4 bis: 38. 12 bis, 14: 40. 15, 22: 41. 2: 42. 13 bis, 19 ter: 48. 19: 51. 3, 20, 23: 53. 2 bis: 54. 6, 9 bis: 57. 20: 58. 1, 8: 59. 10 (ὡς ἐν), 11, 17, 18 (ὡς ἐν), 18 (ὡς ἐν), 19: 61. 10: 68. 19 (ὡς ἀντ): 64. 2 (1), 6 (5): 66. 3 bis, 14: Jb. 5. 26, 27: 6. 23: 8. 6: 11. 19: 13. 24: 14. 6, 8: 15. 18: 22. 19: 25. 30 (32). 16, 34 (32. 20): 26 (33). 6, 8\*\*, 14 bis: 30 (37). 6: 31 (38). 12, 18: 39 (40). 12\*: 46 (26). 21: 50 (27). 8, 9, 26, 42: 51 (28). 27, 33, 63\*: LA. 1. 12: Ez. 1. 7, 13, 14, 16: 4. 9\*: 5. 2\*: 8. 2, 17 bis: 10. 1, 5: 12. 7: 13. 4, 5 (ὡς ἐν), 10: 21. 15 (20): 23. 34: 31. 3: 36. 11: DA. 2. 31 (Sw.): 11. 23 (ὡς ἐν) (Sw.): Ho. 5. 10, 14: 8. 12: 9. 13: 10. 7, 15: 12. 11 (12): 13. 3: AM. 9. 7: MI. 1. 8: ZA. 3. 2: 10. 6 (ὡς ἀντ ἐν μὲ).]

[Th. GE. 1. 26 (ὡς ἐν): 49. 4: Dt. 32. 31: Jo. 2. 14\*: Jb. 8. 18: 13. 6: I Ki. 1. 16: 14. 14 (ὡς ἐν): 17. 7: II Ki. 14. 14: Jb. 10. 5: 22. 24: 37. 18: 40. 12 (17): 41. 10, 21, 24: Ps. 28 (29). 6: 57 (58). 9: 58 (59). 7: 61 (62). 10: 63 (64). 4: 73 (74). 5: 101 (102). 4: 126 (127). 4: Pr. 4. 18: 6. 11: 10. 20 (ὡς ἀντ): 16. 27: 26. 22: CA. 6. 3 (4): Is. 6. 13: 16. 14: 24. 20 bis: 28. 2: 29. 17: 30. 13, 17, 22, 27, 28, 29: 38. 4 (ὡς ἀντ): 38. 12 bis, 13, 14: 40. 15, 22, 24: 41. 2: 42. 19: 48. 19: 51. 3 bis, 20: 52. 7: 53. 2 bis: 57. 20: 58. 1: 59. 11, 17, 18 (ὡς ἐν), 19: 64. 2 (1), 6 (5): 66. 3 bis: Jb. 5. 16 (Sw.), 26 (Sw.): 10. 5: 12. 3 (Sw.): 14. 6: 8: 30 (37). 6: 38 (40): 24. 66 (26). 8 bis: 48 (31). 40, 41: 49. 24 (30. 13): Ez. 1. 13, 14, 16, 24 bis, 27, 27 (Sw.): 7. 16: 8. 2: 10. 1, 5: 12. 7: 23. 34: DA. 1. 8: 2. 40: 8. (36): 11. 29: 12. 3 bis: Ho. 5. 10, 14: 10. 7, 15: 13. 3.]

[Al. Ex. 13. 5\*: Le. 5. 13: 6. 17 (10) bis: 7. 10: 13. 10: 14. 22\*: 18. 14: 27. 21: Nu. 9. 5: 28. 22: Jo. 8. 33 (9. 6): I Ki. 1. 13: 9. 16: 10. 9: II Ki. 3. 33: Jb. 27. 21: Ps. 1. 4: 70 (71). 19: 123 (124). 4. 5: 140 (141). 2: Pr. 6. 22\*: CA. 6. 11: 6. 5 (6), 9 (10): 7. 1 (2): Is. 28. 2: DA. 8. 23\* (ind.): Jb. 1. 8.]

[Sam. Ex. 18. 31.]

[Heb. Jb. 10. 16: Jb. 2. 23, 24: Ez. 1. 4: 7. 17: 23. 20: 43. 2.]

[Quint. Ps. 28 (29). 6 bis: 31 (32). 9: 32 (33). 7: 58 (59). 7: 73 (74). 3 (ὡς ἐν): 125 (126). 4: 140 (141). 7: Pr. 6. 11: CA. 6. 9 (10): 7. 1 (2): Ho. 6. 3, 9: 7. 4, 8: 9.]

[Sext. Ps. 22 (23). 6 (c. superl.): 28 (29). 6 bis: 31 (32). 4 bis: 36 (37). 35.]

ὡς.

Le. 26. 44.

Jb. 9. 11.

Ec. 9. 2 bis.

Am. 4. 8†, 9, 10, 11.

Is. 58. 5†.

Ez. 16. 47†.

III Ma. 1. 12†: 5. 40†.

ὡσαυτέ.

Es. 1. 1†.

[Sm. GE. 37. 7: ZA. 10. 6.]

ὡσαύτως. (1) ὡς (2) ὡς (3) ὡς

(4) ὡς (5) ὡς (6) ὡς

Ex. 7. 11. καὶ ἐποίησαν... ταῖς φαρμακίαις αὐτῶν. (5)

— 22: 8. 7 (3), 18 (14). ἐποίησαν δι' ὡς. (5)

30. 32. οὐ ποιήθησιν αὐτὸν ἐαυτοῖς ὡς. (4)

— 33: 38. ὅς ἐν ποιήσῃ ὡς. (4)

Le. 24. 19. ὡς ἀντιποιοῦσθαι αὐτῶν. (5)

De. 12. 22. ὁ ἀκάθαρτος ἐν σοὶ καὶ ὁ καθάρος ὡς. (1)

— 28: 28. (1)

15. 17. τὴν παιδείαν σου ποιήσεις ὡς. (5)

De. 15. 22. ὁ καθαρὸς ὡς. ἴδεται (1)  
Jo. 6. 7 (8). παρελθόντων ὡς. ἰνάντων τοῦ κ. —  
11. 15. καὶ Μ. ὡς. ἰνέειλατο τῷ 'Ι. (5)  
14. 11. ὡς. λχύνει νῦν (2)  
Jd. 8. 8. ἐλάλησε πρὸς αὐτοὺς ὡς. [Α κατὰ ταῦτα] (3)  
I Ch. 28. 16. καὶ ὡς. τῶν ἀργυρῶν —  
To. 7. 10. 8 ὡς. δὲ καὶ ἐγὼ οὐκ ἔχω ἐξουσίαν  
12. 12. ὡς. συμπαρήμην σοι [B al.] —  
Ju. 15. 5. ὡς. δὲ καὶ οἱ ἐξ 'Ιερ. παρεγενήθησαν  
Es. 9. 13. χρῆσθαι ὡς. τὴν αἰρίαν —  
Pr. 20. 4. ὡσαύτως καὶ ὁ δανειζόμενος σίτον ἐν  
ἀμνη —  
27. 15. ὡσαύτως καὶ γυνὴ λοιδορὸς ἐκ [B ἀπὸ]  
τοῦ ἰδίου οἴκου —  
— 20. ὡσαύτως καὶ οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν ἀνθρώπων  
ἀπληστοί —  
Si. 49. 7. ὡς. οικοδομεῖν καὶ καταφυτεύειν  
Is. 10. 15. ΑΒ ὡς. εἰν [B ὡς εἰν] τις ἀρρὴν ῥάβδον (2)  
48. 8. καὶ ὀφθαλμοὶ αἰσιν ὡς. τυφλοὶ —  
Er. Je. 22. ὡς. δὲ καὶ οἱ αἰλουροὶ —  
— 28. ὡς. δὲ καὶ αἱ γυναῖκες —  
— 35. ὡς. οὐτε πλοῦτον . . . οὐ μὴ δύνανται διδοῦναι  
— 61. ὡς. καὶ ἀστραπή —  
— 71. ὡς. δὲ καὶ νεκρῶν ἐρριμμένων . . . ἀφωμοιώνται  
Ez. 40. 16. καὶ ὡς. τοῖς ἀλλὰ (5)  
42. 5. καὶ οἱ περίπατοι οἱ ὑπερφῶοι ὡς. +  
I Ma. 12. 43. Α ὑπακούει αὐτῷ ὡς. [B B al.]  
II Ma. 2. 12. ὡς. καὶ ὁ Σ. τὰς ὀκτὼ ἡμέρας ἤγαγεν  
— 14. ὡς. δὲ καὶ 'Ιούδας  
7. 13. τὸν τέταρτον ὡς. ἐβασάνισεν  
16. 39. ὡς. δὲ καὶ ὁδορ πάλιν πολέμων  
III Ma. 6. 33. ὡς. δὲ καὶ ὁ βασις.  
7. 19. ὡς. καὶ ἐστῆσαν  
[Sm. Ex. 7. 11. 8. 7 (3) (P.).]  
[Th. Ex. 7. 11.]  
**ὡσεί** \* *antepositum numeralibus*.  
Ge. 19. 28. 21. 16. 24. 55\* : 25. 25. 31. 27. 34.  
31 : 41. 49 : 49. 16.  
Ex. 4. 6 : 15. 5, 8, 10 : 16. 14 *bis*, 31† : 19. 4, 18† :  
24. 10, 17 : 28. 29 : 32. 13.  
Le. 26. 19, 37.  
Nu. 11. 7, 8, 12, 31 : 12. 10, 12 *bis* : 13. 34 (33) :  
14. 15 : 22. 4† : 24. 6†, 6 *ter* : 27. 17†.  
De. 1. 10, 44† : 9. 21 : 10. 22 : 11. 10 : 22. 26† :  
28. 29†, 49, 62 : 29. 28 (27) (ὡσεὶ νῦν) : 32. 2 *bis*.  
Jo. 8. 15 : 7. 3†, 4† : 10. 24. 11 (ὡσεὶ ὅτε).  
Jd. 8. 29\* : 6. 16 : 7. 12† : 8. 10\*, 18† : 9. 49\*† :  
14. 6 : 15. 14 : 16. 12†, 27\*† : 20. 31\*, 39\*†.  
I Ki. 9. 22\* : 17. 7, 43 : 19. 7† : 25. 37†, 38\*.  
II Ki. 2. 18†.  
III Ki. 21 (20). 27.  
IV Ki. 3. 22† : 5. 27.  
I Ch. 11. 23†.  
II Es. 2. 64\* : 9. 15†.  
Ne. 7. 66\*† : 9. 11.  
Jb. 28. 5† : 29. 25.  
Ps. 16 (17). 12, 12† : 17 (18). 33†, 42† : 21 (22).  
14 *bis*, 15† : 22 (23). 5† : 30 (31). 12 *bis* : 32  
(33). 7† : 34 (35). 5 : 35 (36). 6† *bis* : 36 (37). 2  
*bis*, 20 : 37 (38). 4, 13 *bis*, 14 : 38 (39). 5 : 51  
(52). 20 : 84 (55). 6† : 57 (58). 4, 8, 9 *bis* : 62  
(63). 5 : 70 (71). 7 : 71 (72). 6†, 6, 16 : 72 (73).  
7†, 20 : 77 (78). 13, 16†, 27 *bis*, 52† : 78 (79).  
3† : 79 (80). 1 : 82 (83). 10†, 14 *bis* : 87 (88). 4†,  
5, 17† : 89 (90). 5, 9† : 91 (92). 7† : 96 (97). 5 :  
101 (102). 3 *bis*, 4, 6, 7†, 9, 11 *bis*, 26 : 102 (103).  
15, 15† : 103 (104). 2 : 108 (109). 18† *bis*, 19,  
23 *bis*, 29† : 113 (114). 4†, 6† : 117 (118). 12,  
12† : 118 (119). 83†, 176† : 125 (126). 1† : 126  
(127). 4 : 128 (129). 6† : 139 (140). 3 : 140 (141).  
7 : 143 (144). 4 : 147. 5 (16) *bis*, 6 (17).  
Pr. 31. 14†.  
Ca. 6. 9.  
Si. 50. 3, 8†.  
Jn. 3. 3, 4.  
Is. 1. 18† : 5. 29† *bis* : 10. 17 : 16. 11† : 18. 3† :  
30. 29, 29† : 40. 15† : 44. 4† : 48. 18, 19† : 49.  
2† : 51. 12 : 60. 8†.  
Je. 3. 2 : 14. 8, 8† : 28 (46). 8† : 27 (50). 37† : 28  
(51). 14, 30.  
Ez. 1. 22† : 13. 4† : 40. 2, 3.  
Da. LXX. 2. 35 : 8. (50) : 4. 31 : 5. 1, 5 : 7. 4 *bis*,  
6, 9 *ter* : 10. 5, 6 *quater* : 12. 3.  
Da. TH. 2. 35 : 4. 16 : 7. 4, 4†, 6, 8, 9 *bis* : 9. 21 :  
10. 6, 6† *bis*.

I Ma. 5. 13† : 7. 32\*†.  
II Ma. 11. 5\*.  
[Aq. Ex. 4. 6 : Dr. 1. 31 : Ps. 17 (18). 34 :  
103 (104). 6 : 125 (126). 1 : Pr. 30. 20.]  
[Sm. Ex. 4. 6 : 16. 14 : Ps. 18 (14). 4 : 17 (18).  
34 : 36 (37). 2 : 51 (52). 10 : 54 (55). 7 : 70  
(71). 7 : 77 (78). 27 : 125 (126). 1 : Pr. 30.  
20 : Da. 10. 6 : Mi. 5. 7 (6).]  
[Th. Ex. 4. 6 : Ps. 17 (18). 34 : 57 (58). 9 : 79  
(80). 2 : 103 (104). 6 : 125 (126). 1 : Pr. 30.  
20 : Da. 2. 35 : 10. 6 : Mi. 5. 7 (6).]  
[Al. Nu. 12. 12 : I Ch. 17. 17.]  
[Quint. Ps. 18 (14). 4 : 28 (29). 6.]  
**ὡσιεννά**.  
[Heb. Ps. 117 (118). 25.]  
**ὡσπερ**.  
Ge. 37. 9 : 38. 11 : 41. 2, 18, 22.  
Ex. 12. 48 : 21. 7 : 24. 10.  
Le. 4. 26 : 6. 17 (10) *bis*, 37 (7. 7) : 14. 13, 35 :  
27. 21.  
Nu. 16. 40 (17. 5).  
De. 2. 10, 11, 21, 22 : 3. 2, 6, 20 : 5. 14 : 6. 24 :  
7. 26 : 10. 17, 3† : 11. 10 : 18. 7, 18 : 20. 8 : 29.  
23 (22) : 33. 26.  
Jo. 1. 5, 15 : 4. 14 : 7. 5 : 11. 4.  
Jd. 7. 12†.  
I Ki. 21. 10 (11).  
II Ki. 14. 14 : 23. 6 : 24. 3, 3†.  
To. 5. 9†.  
Jb. 2. 10 : 3. 16 *bis*, 21 : 5. 25, 26 *bis* : 6. 7, 15 *bis*,  
16 : 7. 2, 2, 9 : 10. 4, 10, 16, 19 : 11. 15, 16, 17 :  
12. 5 : 13. 24†, 25†, 28 : 14. 2 *bis*, 6, 9 : 15. 24,  
33† *bis* : 16. 13 (12) : 18. 3 : 19. 10, 11†, 22 : 20.  
8 *bis*, 18 : 21. 11†, 18 *bis* : 22. 24†, 25 : 23. 10 :  
24. 5, 20, 24 *bis* : 27. 7 *bis*, 16, 18 *bis*, 20 : 29. 18,  
23 : 30. 15 *bis*, 18 : 32. 19 *bis* : 33. 10, 24, 25 : 34. 7  
*bis*, 36 : 37. 21 : 38. 3, 30†, 38 *bis* : 40. 2 (7), 12  
(17)† *bis*, 24 (39) *bis* : 41. 6 (7), 15 (16)†, 15 (16),  
18 (19)†, 18 (19)†, 21 (22), 22 (23) *bis*, 23 (24) :  
42. 7.  
Pr. 1. 12 : 6. 5 *bis*, 11 *quater* : 7. 2, 22 *bis*, 23 :  
10. 26 : 11. 14, 22 : 12. 4 : 16. 15 : 17. 3 : 18. 19 :  
19. 12 : 21. 21 : 23. 5, 32 *bis*, 34 *bis* : 24. 23 (29).  
27, 45 (30) *bis*, 49 (34) : 25. 13, 14, 20 *bis*, 25,  
26, 28 : 26. 1 *bis*, 2, 3, 11, 14, 17, 18, 23 : 27. 8,  
19 : 28. 1, 4.  
Ec. 5. 15.  
Wi. 19. 17, 18.  
Si. 23. 10 : 30. 20 : 33 (36). 4 : 47. 2.  
Ho. 9. 7 : 18. 3†.  
Mi. 7. 18.  
Na. 3. 16†.  
Ma. 8. 3† *bis*.  
Is. 14. 10 : 17. 11 : 27. 9 : 28. 21 : 38. 12 : 44. 7 :  
51. 6, 8† *bis* : 55. 8 *bis*.  
Je. 13. 10 : 14. 9 : 23. 14†, 29, 29† : 26 (46). 21 :  
27 (50). 8, 42, 44 *bis* : 29 (49). 9†, 16, 18, 19 *bis*,  
22 : 31 (48). 6, 13, 38†, 36 *bis* : 32 (25). 30, 34,  
38 : 33 (26). 6, 9 : 38 (31). 12, 18, 28 : 50 (48). 12.  
Ba. 4. 24, 28, 33.  
La. 1. 20 : 4. 6, 8.  
Er. Je. 9, 17, 18, 20, 27, 32, 43, 54, 55, 70.  
Ez. 27. 32† : 34. 12† : 36. 11.  
Da. LXX. 2. 40, 43 : 7. 8.  
II Ma. 8. 11†.  
IV Ma. 2. 6, 16 : 5. 22 : 6. 5, 16 : 7. 1, 5, 11, 19 :  
8. 6, 29 : 9. 5, 22 : 13. 2† : 14. 5 : 15. 15 : 16. 13,  
25 : 17. 7†, 22.  
[Aq. Pr. 23. 34 : Is. 1. 30 : Je. 10. 6 : 17. 6 :  
19. 12 : 50 (27). 11 : 51 (28). 19.]  
[Sm. I Ki. 20. 25 : II Ki. 3. 34 : III Ki. 8. 24 :  
IV Ki. 21. 16 : Jb. 29. 4 : Ps. 28 (29). 6 : 140  
(141). 7 : Pr. 12. 18 : 15. 19 : 23. 34 : 24. 5 :  
25. 20 : Is. 1. 30 : 28. 21 : 61. 10 : Je. 17. 6.]  
[Th. Ex. 21. 7 : Jb. 30. 18 : 34. 7 : Pr. 23. 34 :  
Is. 1. 30 : Ez. 4. 21 : Je. 10. 6, 7 : 12. 3 : 29  
(36). 17 : Ez. 27. 32.]  
[Al. Jb. 24. 24.]  
**ὡσπερεῖ**.  
[Sm. Ps. 57 (58). 9.]  
**ὡστε**. \* *ὡστε μή*. \*\* *c. indic.*  
Ge. 1. 15, 17 : 9. 15 : 15. 7 : 23. 8 : 34. 22, 30 :  
45. 27.  
Ex. 5. 2 : 6. 4, 13 : 7. 2, 24 : 12. 4\*, 42 *bis* : 15.

22 : 23. 2 : 25. 26 (27) : 29. 1, 36†, 42 : 30. 4,  
18, 38 : 36. 2, 10 (39. 3), 40 (39. 31) : 38. 4 (37.  
5), 10 (37. 13), 24 (7) : 39. 13 (11) : 40. 15.  
Le. 6. 3 (5. 22) : 7. 20 (30) : 8. 34 : 14. 21 : 15.  
32 : 16. 10 : 17. 4, 4\* : 20. 5, 6 : 22. 33 : 23. 37 :  
25. 28, 38 : 26. 15\*, 15, 44 : 27. 2 (*sine verbo*).  
Nu. 5. 8 : 7. 1 : 8. 11 : 9. 7†.  
De. 4. 35 : 5. 15, 29 (26) : 12. 20 : 17. 12\*† : 28.  
27\*, 35\*, 51\*, 55.  
Jo. 8. 3 : 10. 14 : 22. 12, 23 *ter*, 29 : 24. 16.  
Jd. 3. 1, 4 : 7. 2\* : 9. 24† : 16. 5†.  
Ru. 4. 5.  
I Ki. 3. 11† : 10. 9 : 11. 15 (*ὡστε λιβν*)†.  
II Ki. 2. 17 (*ὡστε λιβν*)†. 13. 2 : 14. 7\*.  
III Ki. 22. 6 (*sine verbo*)†.  
IV Ki. 9. 37\* : 10. 11\* : 21. 12\*\*.  
II Ch. 6. 6† : 14. 13 (12\*) : 34. 31†.  
I Es. 2. 9 (*sine verbo*) (?)† : 5. 65\*, 65 : 8. 15†, 27.  
II Es. 5. 10.  
Ne. 2. 5, 7, 8 : 13. 19\* *bis*.  
To. 3. 10†.  
Es. 1. 1, 22 : 3. 7 : 7. 8 (*interrog*)\*\* : 8. 13† : 9. 13.  
Jb. 6. 21 (*c. imperat.*), 23 : 21. 27\* *bis* : 39. 16\*  
(*sine verbo*)†. 37.  
Ps. 36 (37). 8† : 103 (104). 35\*.  
Pr. 24. 23 (29. 27)†, 37 (30. 14).  
Wi. 6. 25 (*c. imperat.*).  
Za. 11. 14†.  
Is. 8. 8†, 22\* : 10. 2 : 11. 15 : 13. 14 : 14. 23 : 16.  
12 : 22. 13 : 30. 14\* : 33. 19\*.  
Je. 19. 3\* : 32 (26). 28.  
Ep. Je. 44†, 59.  
Ez. 41. 16.  
Da. LXX. 1. 4, 12 : 2. 35.  
I Ma. 1. 49 : 4. 2, 28 : 8. 14 : 10. 3 : 15. 9, 10.  
II Ma. 1. 19, 22 : 2. 6, 21† : 3. 3, 6, 24 : 4. 3, 14 :  
7. 12 : 9. 9 : 12. 9, 16, 22.  
III Ma. 2. 22, 26 : 3. 1 : 4. 4 : 6. 17 : 7. 22.  
IV Ma. 1. 6, 6\*, 11 : 8. 20 : 4. 12, 20\*, 25 : 5. 23  
*bis*, 24 *bis*, 31\*, 33 : 6. 17 : 8. 29 : 9. 17 : 10. 14 :  
11. 16 (\*†, *c. imperat.*) : 15. 10.  
[Aq. Ec. 4. 17 : Is. 28. 8\* : Je. 32 (39). 35 : 51  
(38). 17\*, 62\*].  
[Sm. Ex. 2. 21 : 7. 24 : 39. 1 (13) : Jd. 12. 4 :  
I Ki. 18. 25 : 22. 13 : II Ki. 14. 16 : III Ki. 6.  
19 : 15. 4 : 17. 20 : IV Ki. 23. 10\* : Jb. 33. 30 :  
36. 34 : Ps. 8. 3 : 28 (27). 4 : 31 (33). 6\* : 55  
(56). 14 : 57 (58). 10 : 68 (69). 23 : 74 (75).  
9 : Ec. 4. 17 : 5. 5 : Is. 28. 8\*, 20\* : 33.  
19\*, 23\* *bis* : 49. 15\* : 59. 1\* : Je. 32 (39).  
35, 40\* : 50 (27). 34 : 51 (28). 17\*, 62\* : La.  
4. 14\* : Ez. 3. 18 : 13. 19 : 30. 21 : Ha. 1. 13\* :  
8. 14.]  
[Th. Ex. 8. 22 (18\*) : 37. 14 (38. 11), 15 (38.  
11) : 39. 1 (13) : IV Ki. 23. 10\* : Ps. 39 (40).  
13\* : Is. 28. 8\*].  
[Al. Ex. 17. 1 : Dt. 4. 7.]  
**ὡτιον**. (1) ἦν  
De. 15. 17. *τρυπήσεις* τὸ ὦ. [A οὐς] αὖ. (1)  
I Ki. 9. 15. ΑΒ κύριος ἀπεκάλυψε τὸ ὦ. Σαμ. (1)  
20. 2. οὐκ ἀποκαλύψει τὸ ὦ. μου (1)  
— 13. ἀποκαλύψω τὸ ὦ. σου (1)  
22. 8. οὐκ ἔστιν ὁ ἀποκαλύπτων τὸ ὦ. μου (1)  
— 8. οὐκ ἔστι . . . ἀποκαλύπτων τὸ ὦ. μου (1)  
— 17. οὐκ ἀπεκάλυψαν τὸ ὦ. μου (1)  
II Ki. 7. 27. ἀπεκάλυψαν τὸ ὦ. τοῦ δούλου σου (1)  
22. 45. εἰς ἀκοὴν ὡτίου ἤκουσάν μου (1)  
Ps. 17 (18). 44. εἰς ἀκοὴν ὡτίου ὑπήκουσέ μοι  
[A ἐπήκουσάς μου] (1)  
Si. 21. 5. δέσεις πτωχοῦ ἐκ στόματος ὥως ὡτίων  
αὐτοῦ  
27. 14. καὶ ἡ μάχη αὐτῶν ἐμφραγμαῖς [B στεναγ-  
μοῖς] ὡτίων  
43. 24. ἀκοῖς ὡτίων ἡμῶν θαυμάζομεν (1)  
Am. 3. 12. ὅταν ἐκπαθή . . . λοῶσιν ὡτίου (1)  
Is. 50. 5. προσέθηκε μοι ὦ. ἀκούειν (1)  
55. 3. Α προσέχετε τοῖς ὦ. [B ὡσίν] ὑμῶν (1)  
[Aq. Ps. 39 (40). 7 : Is. 50. 4.]  
[Sm. Ps. 39 (40). 7 : 57 (58). 5 : Pr. 26. 17.]  
[Th. Quint. Sext. Ps. 39 (40). 7.]  
**ὡτόμητος**. (1) ὡτῷ  
Le. 21. 18. Ἀνθρώπος τυφλὸς . . . ἦ ὦ. (1)  
22. 23. ΑΒ μόσχον ἦ πρόβατον ὦ. (1)  
**ὡφάζ**.  
[Sm. Pr. 8. 19.]

|   |   |  |
|---|---|--|
| <p><u>ᾠφειρδέ.</u><br/>[Aq. III Ki. 22. 49.]</p> <p><u>ὠφέλεια</u> (-λία). (1) 𐤕𐤕𐤁 (2) 𐤕𐤕 hi.</p> <p>II Ki. 18. 22. οὐκ ἔστι σοι εὐαγγελία εἰς ὠφέ-<br/>λειαν πορευομένην — (2)</p> <p>Jb. 21. 15. τίς ὠφέλεια ὅτι ἀπαντήσομεν αὐτῷ (2)</p> <p>22. 3. ἡ ὠφέλεια ὅτι ἀπλώσῃ τὴν ὁδὸν σου (1)</p> <p>Ps. 29 (30). 9. τίς ὠφέλεια ἐν τῷ αἵματί μου (1)</p> <p>Si. 20. 30. τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις</p> <p>80. 23. οὐκ ἔστιν ὠφέλεια ἐν αὐτῇ</p> <p>41. 14. τίς ὠφέλεια ἐν ἀμφοτέροις</p> <p>Is. 30. 5. Α Β<sup>3</sup> οὐτε εἰς βοήθειαν οὐτε εἰς ὠφέ-<br/>λειαν [B B<sup>1</sup> al.] (2)</p> <p>Jc. 23. 32. ὠφέλειαν [B -q] οὐκ ὠφελήσουσι (2)</p> <p>τὸν λαὸν τοῦτον — (2)</p> <p>26 (46). 11. ὦ, οὐκ ἔστιν σοί — (2)</p> <p>87 (80). 13. ὦ, σοι οὐκ ἔστι — (2)</p> <p>II Ma. 2. 25. πᾶσι δὲ τοῖς ἐντυγχάνουσιν ὠφέ-<br/>λειαν — (2)</p> <p>8. 20. ὦ, πολλὴν ἔλαβον — (2)</p> <p>[Th. Jb. 22. 3.] — (2)</p> <p>[Quint. Mi. 4. 13.] — (2)</p> | <p><u>ὠφελεῖν.</u> (1) 𐤕𐤕 hi. (2) 𐤕𐤕 (3) 𐤕𐤕</p> <p>(4) 𐤕𐤕 hi.</p> <p>To. 2. 10. οὐκ ὠφελήσαν με [B al.]</p> <p>Ps. 88 (89). 22. οὐκ ὠφελήσῃ ἐχθρὸς ἐν αὐτῷ +</p> <p>Pr. 10. 2. οὐκ ὠφελήσουσι θησαυροὶ ἀνόμους (1)</p> <p>11. 4. Α οὐκ ὠφελήσῃ ὑπάρχοντα ἐν ἡμέρᾳ<br/>θυμοῦ (1)</p> <p>25. 13. Α Β B ὥσπερ ἔξοδος χιόνος [B om.] ἐν<br/>ἀμῆτῳ κατὰ καυῆμα ὠφελεῖ — (1)</p> <p>— 13. ψυχὰς γὰρ τῶν αὐτῷ χρωμένων ὠφελεῖ (4)</p> <p>Wi. 5. 8. τί ὠφελήσεν ἡμᾶς ἡ ὑπερηφανία</p> <p>8. 25. καὶ ὠφελήθησας</p> <p>Si. 5. 8. οὐδὲν γὰρ ὠφελήσῃς [B<sup>1</sup> -σει, A B<sup>2</sup> -σει σε]</p> <p>ἐν ἡμέρᾳ ἐπαγωγῆς — (1)</p> <p>31 (84). 23. τί ὠφελήσαν [A -σεν] πλείον ἢ κόπους</p> <p>— 25. τί ὠφελήσεν τῷ [A B ἐν τῷ] λουτρῷ αὐτοῦ</p> <p>— 26. τί ὠφελήσεν ἐν τῷ ταπεινωθῆναι αὐτόν</p> <p>38. 21. καὶ τοῦτον οὐκ ὠφελήσῃς (1)</p> <p>Hb. 2. 18. τί ὠφελεῖ γλυπτῶν (1)</p> <p>Is. 30. 5. δε οὐκ ὠφελήσῃ αὐτούς (1)</p> <p>— 6. δ οὐκ ὠφελήσῃ αὐτούς (1)</p> <p>— 7. κενὰ ὠφελήσουσιν (3)</p> <p>44. 9. δ οὐκ ὠφελήσῃ αὐτούς (1)</p> | <p>Is. 47. 12. εἰ δυνήσῃ ὠφελήθῃναι (1)</p> <p>57. 12. δ οὐκ ὠφελήσῃ [A B<sup>2</sup> -σουσίν] σε (1)</p> <p>Jc. 2. 11. ἐξ ἧς οὐκ ὠφελήθησονται (1)</p> <p>7. 4. οὐκ ὠφελήσουσιν ὑμᾶς —</p> <p>8. δεῖν οὐκ ὠφελήθησας (1)</p> <p>12. 13. οἱ κληροὶ αὐ. οὐκ ὠφελήσουσιν αὐτούς (1)</p> <p>15. 10. οὐτε ὠφελήσα οὐτε ὠφελήσῃ με οὐδεὶς (2, 2)</p> <p>23. 32. οὐκ ὠφελήσουσι τὸν λαὸν τοῦτον (1)</p> <p>Er. Jc. 68. δύνανται ἐκφυγόντα εἰς σκέπην αὐτὰ<br/>ὠφελήσαι —</p> <p>II Ma. 12. 11. καὶ ἐν τοῖς λοιποῖς ὠφελήσῃν αὐτούς</p> <p>[Aq. Is. 57. 12 : Jc. 16. 19.]</p> <p>[Sm. I Ki. 12. 21 : Is. 57. 12.]</p> <p>[Th. Is. 30. 6 : 57. 12 : Jc. 16. 19.]</p> <p><u>ὠφελημα.</u> (1) 𐤕𐤕 hi.</p> <p>Jc. 16. 19. οὐκ ἔστιν ἐν αὐτοῖς ὦ. (1)</p> <p><u>ὠχεῖμ.</u></p> <p>[Sm. Is. 13. 21.]</p> <p><u>ὠχρα.</u> (1) 𐤕𐤕 hi.</p> <p>De. 28. 22. πατάξαι σε κ. ἐν . . . τῇ ὦ. (1)</p> <p><u>ὠχρίασις.</u></p> <p>[Th. Am. 4. 9.]</p> |
|---|---|--|





# ADDENDA ET CORRIGENDA.

THE extent of the additions and corrections to be made in the earlier parts of this work must be forgiven, when it is remembered that, by the aid of photography and careful editing, the exact texts of the three chief MSS. of the LXX are known much more certainly than they were when the compilation of this work was first taken in hand. Even now, owing to the various modes of notation that prevailed, the Editor is afraid that in the first part of the work S<sup>3</sup> may still be found quoted as the authority for a reading which ought to be ascribed to S<sup>1</sup>. He feels it necessary to repeat here the statement made in the Preface to the work that only those various readings are as a rule quoted which have to do with the word under treatment.

Upon the appearance of vol. iii. of Dr. Swete's edition of the LXX (Cambridge; at the University Press, 1894), any fresh cases of occurrences of particular words in the Hexaplaric fragments quoted in that volume were at once noted in the parts of the Concordance which still remained unprinted. These were indicated by printing (Sw.) after the reference. They were further supplemented by citations from Pitra's *Spicilegium Solesmense*, vol. iii, pp. 555-578, which were marked (P.). In order to make this work more complete, corresponding lists of words and passages for the earlier parts of the work are printed at the end of the following list, and marked in a similar way<sup>1</sup>.

The surviving Editor cannot bring this great and important work to a conclusion without stating how much he owes to the care and accuracy of the officials of the University Press without whose cordial co-operation such accuracy as he has succeeded in attaining to could not have been secured.

HENRY A. REDPATH.

<sup>1</sup> It is to be regretted that the newly discovered fragments of the Hexaplar shortly to be published by Dr. Mercati, and those of the Hebrew of Ecclesiasticus, cannot also be referred to in this work.

|   |   |  |
|---|---|--|
| <p>P. 1, col. 1, l. 3. <i>post</i> α δ <i>add.</i> [Α οἰμοι]<br/><i>post</i> l. 6 <i>ins.</i><br/>ἀδρ. (1) ἡπῃ<br/>Ne. 7. 33. ἄνδρες Ναβία δ. [ΑΒ αλ.] (1)<br/>— 34. ἄνδρες Ἡλὰμ δ. (1)<br/>ἱββ. αλ.<br/>I Ch. 4. 21. γενέσεις οἰκίων ἐφραθ<br/>δ. [Α αλ.] †<br/>l. 27. <i>post</i> δβάντ <i>add.</i> [Α δβ. κ. δπ.]; <i>post</i><br/>8 <i>add.</i> [θ]<br/><i>post</i> l. 58 <i>ins.</i><br/>ἱββ. οὐν. (1) ὕπῃ<br/>I Ch. 4. 21. Α γενέσεις οἰκίων<br/>ἱββ. δ. [Α αλ.] (1)<br/>P. 4, col. 3, l. 77. <i>dele</i> ιζ γ c.<br/>l. 79. <i>dele</i> (8) πρϷ<br/>P. 5, col. 1, ll. 6, 40. <i>pro</i> 4 c <i>leg.</i> 4 b<br/>P. 6, col. 2, l. 1. <i>post</i> 12. <i>ins.</i> Α 8<br/>l. 10. <i>post</i> ἀνατῆ <i>add.</i> [8' ἀνατῆ]<br/>P. 7, col. 1, l. 7 <i>ab ult.</i> <i>pro</i> B <i>leg.</i> B<sup>3</sup><br/>l. 6 <i>ab ult.</i> <i>post</i> A <i>ins.</i> B<sup>1</sup><br/>col. 2, <i>post</i> l. 7 <i>ins.</i><br/>12. 4. ΑΒ παντὸς δ. [Β ἀγίου] οὐχ<br/>ἔσται †<br/>col. 3, <i>post</i> l. 48 <i>ins.</i><br/>5. 16. Β τοῦ ἀκούσαι συρισμοῦ ἀγ-<br/>γέλων [Β ἀγγέλων, Α αλ.] †<br/>l. 49. <i>for</i> 5. <i>leg.</i> —<br/>P. 8, col. 1, l. 11. <i>pro</i> ἀποστέλλει <i>leg.</i> ἀποστείλει<br/>P. 9, col. 2, l. 36. <i>leg.</i> ἔσμεν αὐτὰ σχεδίαυς . . . σὺ<br/>ἔεις [Α συνάεις] αὐτὰ εἰς Ἱερ. (1 b, 18)</p> | <p>P. 9, col. 2, l. 56. <i>dele</i> (26) <i>et</i> l. 57 <i>ins.</i> (26)<br/>P. 10, col. 2, l. 39. <i>leg.</i> Α Β ὥστε . . . ἔξαι [Β ἀγγέλων]<br/>l. 61. <i>leg.</i><br/>Jd. 5. 16. Β τοῦ ἀκούσαι συρισμοῦ<br/>ἀγγέλων [Β ἀγγ., Α αλ.] (2)<br/>l. 66. <i>pro</i> ὡς <i>leg.</i> Α Β Ε ὡς; <i>post</i> ἀγγέλων<br/><i>ins.</i> [Β -as]<br/>P. 11, col. 3, l. 45. <i>ad fin.</i> <i>add.</i> [Α' σάβατον]<br/>P. 12, col. 2, l. 42. <i>leg.</i> Β παντὸς δ. [ΑΒ ἀγγίου]<br/>οὐχ ἔσται (15)<br/>P. 15, col. 1, l. 1. <i>post</i> Da. <i>leg.</i> TH.<br/>col. 2, l. 49. <i>ante</i> ἐλθεῖν <i>ins.</i> Α<br/>P. 16, col. 1, <i>sub</i> ἀγνοια, <i>ins.</i> (8) ἡ' ιβ' η'<br/>l. 67. <i>pro</i> αἱ <i>leg.</i> αἱ 8 ε'<br/>col. 2, l. 4. <i>ins.</i> (6)<br/>ll. 39, 40. <i>ins.</i> (1)<br/>col. 3, l. 4. <i>leg.</i> Α Β τοῦ σίτου οὐ [Β δ]<br/>P. 17, col. 1, <i>post</i> l. 3. <i>add.</i><br/>Hig. 2. 13 (12). 8' ἐὰν λάβῃ ἀνθρώπος<br/>κρέας δ. [ΑΒ 8' ἄγιον] †<br/>col. 2, l. 35. <i>ante</i> ἐπὶ <i>leg.</i> Ε; <i>post</i> Α <i>ins.</i> Β<br/>col. 3, l. 1. <i>post</i> Α <i>add.</i> Β<br/>l. 29 <i>ab ult.</i> <i>post</i> Α <i>add.</i> 8<sup>1</sup><br/>l. 27 <i>ab ult.</i> <i>post</i> Β <i>add.</i> 8<sup>1</sup><br/>P. 18 col. 2, <i>post</i> l. 24 <i>ins.</i><br/>IV Ma. 19. 17. 8 ὥστε μου τὸν λογιζομένον<br/>ἀγγέλων [Α Β ἀγγέλων]<br/>l. 25. <i>dele</i> IV Ma.<br/>col. 3, l. 16. <i>pro</i> ἡ, <i>leg.</i> ἡ, η'<br/>P. 19, col. 3, <i>post</i> l. 29 <i>ins.</i><br/>To. 5. 20. Α Β μὴ λόγον ἔχει, ἀδελφὴ<br/>[8 om.]<br/>l. 30. <i>pro</i> To. 5. <i>leg.</i> —</p> | <p>P. 22, col. 1, l. 1. <i>ante</i> καὶ <i>ins.</i> Ε; <i>post</i> Α <i>ins.</i> Β<br/>P. 23, col. 3, ll. 34, 31 <i>ab ult.</i> <i>post</i> JE. <i>ins.</i> θ. 4 (3):<br/>P. 24, col. 1, <i>post</i> l. 6 <i>ins.</i><br/>ἀδερῶθ.<br/>IV Ki. 11. 8. Α δ εἰσπορεύμ. εἰς<br/>τὰς δ. [Β αλ.] †<br/>— 15. Β<sup>2</sup> ἔσωθεν τῶν δ. [ΑΒ<sup>1</sup> Ε αλ.] †<br/>col. 2, l. 58. <i>ad fin.</i> <i>ins.</i> —<br/>col. 3, l. 45. <i>pro</i> 8†, <i>leg.</i> 8 +<br/>l. 47. <i>add.</i> [Α ἡν. ἡδ.]<br/>P. 25, col. 3, l. 35. <i>post</i> ἀδικίαν <i>add.</i> καὶ ἀσέβειαν [8'<br/>δσ. καὶ δδ.]<br/>P. 26, col. 1, <i>post</i> l. 15 <i>ins.</i><br/>— 12. Α ἐγκατεκρυμμένη ἡ δ. [Β<br/>ἀμαρτία] αὐ. (85)<br/><i>dele</i> l. 31<br/>l. 32. <i>pro</i> — <i>read</i> Ze. 8. <i>Post</i> ἀπατήσῃ<br/><i>ins.</i> [Α om. οὐκ . . . ἀπ.]<br/>l. 52. <i>dele</i> †<br/><i>post</i> l. 16 <i>ab ult.</i> <i>ins.</i><br/>34 (27). 16. 8 ἀδικία [Α Β -κα] (84)<br/>αὐτοὶ προφητεύουσιν<br/>P. 28, col. 1, <i>post</i> l. 8 <i>ab ult.</i> <i>ins.</i><br/>— 16, 18, 20, 23. Α<sup>3</sup> λέγει δ. [Β<br/>om.] κύριος (1)<br/>col. 2, ll. 40, 48; P. 29, col. 3, l. 56; P. 30,<br/>col. 3, l. 19. <i>pro</i> Ju. <i>leg.</i> Jd.<br/>P. 31, col. 2, <i>post</i> l. 3 <i>ins.</i><br/>αἰλαμῶ. (1) οὐ' η'<br/>Ez. 40. 36. Β<sup>3</sup> καὶ τὰ αἰεὶ καὶ τὰ<br/>αἰ. [Α -ωθ, Β<sup>1</sup> Ε -ών] (1)<br/>l. 15. <i>pro</i> Β -ων <i>leg.</i> Β<sup>1</sup> -ών, Β<sup>2</sup> -ω</p> |
|---|---|--|

- P. 32, col. 3, l. 1. *penult. pro al leg. al.*  
P. 33, col. 1, post l. 11 *ab ult. ins.*  
[Th. III Ki. 1. 9.]  
*post l. 10 ab ult. ins.*  
ἀνακαίμ. *vid. ἀνακαίμ.*  
l. 9 *ab ult. post 73<sup>3</sup> ins. pl.*  
col. 2, l. 64. *post 6 add. a*  
P. 34, col. 1, l. 3 *ab ult. ad init. add. Is. 62. 7:*  
col. 3, *sub voc. αἰρεν post 73<sup>3</sup> add. ni.; post 73<sup>3</sup>*  
*add. a. gal. b. ni.; post 73<sup>3</sup> add. hi.;*  
*post 73<sup>3</sup> add. pi.; post 73<sup>3</sup> add. hi.*  
P. 35, col. 2, l. 25. *pro A leg. B; ante B ins. A*  
*add. a. gal. b. ni.; post 73<sup>3</sup> add. hi.;*  
*post l. 46 ins.*  
21. 10. *τρία αἶμα [1 αἶμα] ἐγὼ ἐπὶ σέ (11)*  
col. 3, l. 17. *post 2 add. a*  
l. 23, 48, 49. *post 2 add. b*  
l. 59. *post ἀρρήσονται add. . . καὶ [S<sup>1</sup>*  
*add. αὐτὰ ἀρρήσονται] ἀγαθὸν οὐκ ἔστιν*  
*ἐν αὐτοῖς; post 14 δ add. , [-]*  
P. 36, col. 3, *post l. 21 ins.*  
IV Ma. 5. 27. *S<sup>1</sup> τῇ ἀλαχίστῃ [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> E*  
*ἐχίστῃ] ἡμῶν μαροφαγία*  
l. 22. *dele IV Ma.*  
*sub voc. ἀλαχίστων add. (11) ὁ γὰρ M<sup>3</sup>;*  
l. 25 *ab ult. pro 8 leg. 11*  
P. 37, col. 1, l. 4 *ab ult. ins. 48 (81). 1:*  
P. 38, col. 1, *post l. 12 ins.*  
Ca. 5. 1. *S<sup>1</sup> ἡ νύμφη αἰτεῖται τὸν*  
*πατέρα*  
l. 23, 24, 25, 27. *pro 5 leg. 4*  
P. 40, col. 2, l. 12. *dele S; post al. leg. [S τὸν al.]*  
l. 14 *ab ult. pro 4. A B leg. 4 (A B), 29.*  
P. 41, col. 2, *post l. 13 ab ult. leg.*  
18. 15. *S<sup>1</sup> κινδυνὸς ἐν αἰῶνι βασάνῳ κεί-*  
*μενος [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> al.]*  
P. 42, col. 2, l. 2. *post ἀλαμῖν add. [S<sup>1</sup> -νι]*  
P. 49, col. 1, l. 10 *ab ult. post μου add. [B<sup>1</sup> add. καὶ*  
*ἡκουσα]; post 8 a add. , [-]*  
col. 2, l. 50. *post ἀκούσῃτε add. [B<sup>3</sup> ἀκούσῃτε]*  
P. 50, col. 1, *post ἀκουσόντες. ins. (1)*  
P. 51, col. 1, l. 38, 39. *leg. S<sup>1</sup> μὴ γίνου ταχὺς ἐν δε-*  
*ροσσί [A B S<sup>2</sup> γλώσσῃ] σου*  
P. 52, col. 3. *ins. ΔΕΚΤΟΣ.*  
III Ma. 4. 2. *τοῖς δὲ Ἰουδ. δ. πένης ἦν*  
P. 53, col. 3, *post l. 26 ins.*  
39 (82). 41. *ἐν πίστει καὶ ἐν πάσῃ*  
*[S<sup>1</sup> ἀληθείᾳ] καρδίᾳ*  
P. 54, col. 2, l. 26 *ab ult. ante B ins. cod. δεκτον,*  
P. 55, col. 1, l. 27 *ab ult. post 11\* ins. : 14. 7†*  
P. 57, col. 3, l. 37. *pro 8 leg. S<sup>1</sup>; ante B ins. S<sup>2</sup> -ανται,*  
P. 60, col. 3, l. 14. *post ἀμήσῃ add. [S<sup>1</sup> -σει]*  
P. 63, col. 3, l. 18 *ab ult. post ἀμαρτίας (1<sup>o</sup>) add.*  
*[A<sup>1</sup> -αις]*  
P. 66, col. 1, *post l. 25 ins.*  
ἀμμαδαρθῶ.  
Jd. 5. 22. *A δ. θυνατὸν αὐτοῦ [B al.] †*  
P. 69, col. 1, l. 43. *post 13†: add. 31. 23†:*  
col. 2, l. 21 *ab ult. ante 18. ins. 15. 32†:*  
l. 20 *ab ult. post 10 add. , 14†*  
l. 16 *ab ult. post Jb. add. 7. 21 (κάν): 9.*  
l. 21 (κάν):  
l. 15 *ab ult. ante 37. ins. 28. 8 (κάν):*  
l. 12. *ante Ec. ins. Pr. 9. 12 (κάν):*  
l. 10. *ante Ho. ins. 33. 13 (κάν), 20 (κάν):*  
col. 3, l. 15. *pro 41 leg. 14*  
P. 73, col. 3, l. 40. *dele [S ἔβ].*  
P. 76, col. 1, l. 16 *ab ult. leg. S B ἡναγκασμένη*  
*[A -ῃ]*  
P. 79, col. 1, *post l. 20 ab ult. leg.*  
9. 12. *S<sup>2</sup> ἀνέλαβον αὐτὸν ἐπὶ τὸν τροχὸν*  
*[A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> al.]*  
col. 2, *post l. 17 ab ult. leg.*  
Is. 44. 19. *A S οὐδὲ ἀνελογίσαστο*  
*[† ἀν ἑλ.] ἐν τῇ ψυχῇ αὐ. [B al.]*  
P. 81, col. 3, *post l. 23 add.*  
Jd. 5. 8. *A σκέτη νεανίδον σειρομασ-*  
*τῶν ἀντήθη καὶ σειρομάστῃ [B al.] †*  
l. 24. *dele Jd.*  
P. 82, col. 2. *sub ἀναστρέφειν add. (12) pass. 73<sup>3</sup>*  
*post l. 26 ab ult. add.*  
— 47. *B<sup>2</sup> οὐ ἀνεστρέφῃ [A B<sup>1</sup> E δὲ*  
*ἐστρέφῃ] ἐσώξεντο*  
P. 85, col. 2, *post l. 5 ab ult. add.*  
ἀναθιγγεσθῶ.  
[Sm. Jb. 35 (40. 5).]  
P. 87, col. 2, l. 40. *leg. S<sup>2</sup> διεξέσαν ἀνερευνώμενοι*  
*[A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> B<sup>2</sup> al.]*  
col. 3, l. 22. *leg. S<sup>1</sup> B<sup>1</sup> ἀνερευνώμενοι θαρραλέως τὴν*  
*πηγὴν [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> al.]*  
P. 94, col. 1, l. 25 *ab ult. post ἀνδρα ins. [S -ας]*  
P. 95, col. 1, l. 9 *ab ult. post ἀνδρός add. [A ἄνδρος,*  
*? δὲ ἀνδρός]*  
P. 96, col. 2, l. 16. *dele [A ἐν ἀνθρώποις ὀχνηυρός]*  
P. 97, col. 1, l. 14 *ab ult. pro 2 leg. 2, 1*  
P. 98, col. 3, l. 6. *pro 8. (1<sup>o</sup>) leg. 4.*  
P. 102, col. 1, l. *penult. post 14. add. 3,*  
col. 3. *sub voc. ἀνοστέον pro κῆρ leg. M<sup>3</sup>;*  
P. 104, col. 2, l. 30 *ab ult. post ἀναστήσουσι add. [S<sup>1</sup>*  
*-σονται, S<sup>1</sup> -σασιν]*  
P. 105, col. 2, *post l. 11 add.*  
IV Ma. 11. 14. *A τῇ δὲ δ. [S B δαν.]*  
*ἡλικιώτης*  
P. 108, col. 2, l. 19 *ab ult. add. (8) ὁ γὰρ*  
l. 18 *ab ult. leg. A S ἄρρον καὶ*  
*ἀνους [B δν. κ. ἀρ.] ἀπολούνται (1 [8])*  
P. 111, col. 1, *post l. 27 ab ult. add.*  
— 22. *οὐκ ἔσται δ ἀνοίγων [S<sup>1</sup>*  
*ἀντιλέγων] †*  
P. 112, col. 3, l. 35. *ins. III Ki. 14. 15 (ἀπὸ δ.):*  
P. 113, col. 1, *post l. 13 ab ult. ins.*  
Si. 25. 8. *δε οὐκ ἐδοῦλευσεν ἀναξίμ [S<sup>1</sup>*  
*δέ.] αὐτοῦ*  
l. 12 *ab ult. dele Si.*  
P. 119, col. 1, *post l. 21 ab ult. ins.*  
— 29. *A καθ' ὅταν [B κατὰ πάντα]*  
*δχρηστος*  
col. 2, *post l. 32 ins.*  
Pr. 15. 9. *δικαιώσας δὲ δικαιοσύνην*  
*ἀγαθῇ [S<sup>1</sup> ἀπαρῇ] †*  
l. 33. *dele Pr.*  
col. 3, *post l. 31 ab ult. ins.*  
9. 4 (3). *τὴν γὰρ μάβδον τῶν ἀπαι-*  
*τούτων [S<sup>1</sup> ἀπειθούτων] διεσκέ-*  
*δασεν †*  
P. 120, col. 2, *sub voc. ἀπειρος add. (8) πηγῶ*  
l. 10. *post δάβτω add. [A δβ. κ. δπ.];*  
*post 2 add. [3]*  
P. 123, col. 1, l. 49. *post 19 add. , 19†; post 14 (2<sup>o</sup>)*  
*add. †*  
P. 124, col. 1, l. 25. *post ἐγενήθη add. †*  
col. 3, l. 30 *ab ult. post (35), add. (35)†,*  
l. 12 *ab ult. post 21†, add. 28†,*  
P. 134, col. 2, *post l. 5 ins.*  
IV Ma. 6. 15. *S<sup>2</sup> ἀποκρινόμενος [A<sup>1</sup> B<sup>1</sup> E*  
*ὑποκρ.] τῶν βέλων ἀπογεύεσθαι*  
col. 3, l. 4. *post 5. ins. B S*  
P. 138, col. 1, l. 24 *ab ult. post ἀπολλύντες add. [A S*  
*διασκορπίζοντες] καὶ διασκορπίζοντες*  
*[A ἀπολλύντες, S ἀπολλύντες] τὰ*  
*πρόβατα*  
col. 3, l. 23. *post ἀπολογουμένων add. [S -ου]*  
P. 140, col. 1. *sub ἀπορία leg. (4) 73<sup>3</sup> (5) δ. στενή*  
P. 141, col. 2, *post l. 51 ins.*  
[Sm. Jb. 24. 13.]  
P. 147, col. 3, l. 25. *post ἀποστρέφεις ins. [S<sup>1</sup> -φεις]*  
l. 45. *post ἀπέστρεψαν ins. [S<sup>1</sup> -εψ]*  
P. 151, col. 1, l. 38. *post δύνασθε add. [? θ. ἄψεσθε]*  
P. 154, col. 2, l. 12. *post 17. add. B*  
l. 14. *post ἀργυρίου add. [A B om.]*  
P. 155, col. 3, l. 7 *ab ult. leg. A B ὁ θανατηφόρος*  
*ἀρτεκε [S -σαι] καρτερία*  
P. 156, col. 1, l. 7 *ab ult. post 8. leg. S B; post ἀρετῆς*  
*leg. [A -ῃ]*  
col. 2, l. 20. *ins. (-θενβ.).*  
l. 21. *post 13. add. B<sup>2</sup> B<sup>3</sup>; post ἀρετῆμ-*  
*βολα add. [S<sup>1</sup> -ας, A -ου]*  
P. 159, col. 3, l. 14. *post ἀποτρίσαι add. [S<sup>1</sup> -φ εἰς]*  
P. 161, col. 1, *post l. 23 ab ult. leg.*  
II Ki. 15. 34. *τότε καὶ ὁρίσας [B<sup>3</sup>*  
*ἀρτι ὡς] καὶ νῦν*  
l. 22. *pro II Ki. 15. leg. —*  
P. 163, col. 2, l. 2. *pro ἐτη. leg. ἐτη*  
col. 3, l. 28 *ab ult. dele A<sup>1</sup>*  
P. 164, col. 3, l. 27. *pro 18 leg. 12*  
P. 165, col. 1, l. 25. *dele A<sup>1</sup>*  
P. 169, col. 3, l. 43. *post ἀσβείαν leg. [S<sup>1</sup> δσ. καὶ δδ.]*  
P. 170, col. 3, l. 20. *ante A<sup>2</sup> ins. A<sup>1</sup> S<sup>1</sup> εὐσ.,*  
P. 171, col. 1, *post l. 20 ins.*  
— 12. *B al δὲ βίζαι τῶν ἀσεβῶν*  
*[B S εὐσ.] ἐν ὀχνηύμασι †*  
P. 172, col. 2, l. 4 *ab ult. pro ὀχνηύψ. leg. ἀσθενήψ.*  
P. 175, col. 2, l. 11 *ab ult. leg. A<sup>2</sup> B<sup>2</sup> ἀτελείστατον [A<sup>1</sup>*  
*ἀτεν.] ἐβεβαίωσεν ὅρκον*  
*post l. 10 ab ult. ins.*  
ἀτενή.  
III Ma. 5. 42. *A<sup>1</sup> ἀτενίστατον βεβαίως*  
*ὅρκον [A<sup>2</sup> B<sup>1</sup> al.]*  
P. 179, col. 2, l. 12. *post δοχῆν add. [S<sup>1</sup> al.]*  
l. 13. *post αὐτὰ add. [S<sup>1</sup> al.]*  
P. 182, col. 1, l. 8 *ab ult. post A add. B<sup>2</sup>*  
l. 7 *ab ult. post ἀφανισμοῦ add. [B<sup>2</sup> -φ]*  
P. 183, col. 2, l. 39. *post ἐν δ. add. , S<sup>1</sup> εἰς δ. αὐ.*  
P. 187, col. 2. *ἀφφουσώθ, ἀφφουσών mutato ordine*  
*sub ἀφφονος add.*  
[Sm. Ps. 100 (101). 8.]  
P. 189, col. 1, l. 26 *ab ult. leg. A B ἐν βάθει βόθρου*  
*[B θορήβου]*  
l. 25 *ab ult. dele A B, [B*  
l. 24 *ab ult. dele θορήβου]*  
P. 190, col. 2, *post l. 21 ab ult. ins.*  
Pr. 25. 20. *S<sup>1</sup> λύπη ἀνδρός βάπτει*  
*[A B S<sup>2</sup> βλάπτει] καρδίαν †*  
P. 191, col. 3, *post l. 11 ins.*  
βαρχαβώθ.  
I Ki. 4. 21. *B Οὐαί β. [A B al.] †*  
P. 192, col. 1, l. 14. *post 56. add. S B; post μεγάλῃς*  
*add. [A -ου]*  
col. 2, l. 31 *ab ult. post 1. add. (2. 46)*  
l. 30 *ab ult. pro - leg. (4 f)*  
col. 3, l. 23. *pro a leg. ja*  
l. 25. *pro β leg. jβ*  
P. 208, col. 2, *post l. 11 ab ult. ins.*  
— 3. *ἀσθενήσουσαν οἱ ἀσεβεῖς [S<sup>1</sup>*  
*βασιλεῖς] †*  
P. 209, col. 1, l. 35 *ab ult. post βασιλεῖς leg. [S<sup>1</sup> -λέας]*  
col. 2, *post l. 43 leg.*  
— 10. *S<sup>1</sup> εἰς οἶκον τοῦ βασι.*  
P. 212, col. 1, l. 13 *ab ult. post βασιλεῦ leg. [B<sup>1</sup> -τός]*  
col. 2, l. 11. *post 18. leg. S B*  
col. 3, *post l. 44 ins.*  
— 68. *καὶ ἐλυτήθη [S<sup>1</sup> add. δ βασι.]*  
P. 214, col. 1, *post l. 29 ab ult. ins.*  
18. 5. *S<sup>1</sup> ἰδοὺ δύναμις πολλή . . . B. [A*  
*πεϊκοί, S<sup>2</sup> B πεϊκή]*  
P. 215, col. 1, *post l. 39 add.*  
βατό.  
Je. 30 (49). 17. *ἔσται ἡ Ἰουδα. εἰς*  
*ἄβατον [S<sup>1</sup> βατόν] †*  
P. 222, col. 2, *post l. 8 ab ult. ins.*  
30. 2. *τοῦ βοηθῆσθαι [S<sup>1</sup> βοηθῆσαι]*  
*ὕψθ. †*  
col. 3, *post l. 35 ins.*  
5. 33. *S<sup>1</sup> ἐβόησαν ταῖς σάλπινξι*  
l. 36. *pro 5. leg. —*

- P. 229, col. 1, l. 6. *pro* βοῖνον *leg.* βουνόν  
1. 36. *pro* δ. *leg.* —
- P. 233, col. 1, l. 19 *ab ult.* *post* τὸ *ins.* [B om.]  
col. 2, l. 21 *ab ult.* *pro* Δ *leg.* B  
col. 3, l. 10. *pro* μέλει *leg.* μέλι
- P. 234, col. 1, *post* l. 6 *ab ult.* *ins.*  
Je. 31 (48). 23. ἔφ' οἶκον Μαῶν [B<sup>1</sup>  
Μαῶθ, B<sup>2</sup> γάμον, Γάμων] †  
col. 2, l. 15. *pro* Ταρβ. *leg.* Τασβ.  
1. 15 *ab ult.* *post* ἔχουσα *add.* [B<sup>1</sup> om.]  
col. 3, l. 4. *pro* ἐκ *leg.* ἀπὸ
- P. 235, col. 1, l. 2. *post* Ge. *add.* 18. 13 (ἀπ' γε):  
col. 2, l. 13. *ante* B *ins.* A; *dele* Δ  
1. 35. *pro* αὐτὸν *leg.* αὐτὸ  
1. 39. *pro* B<sup>2</sup> *leg.* B<sup>1</sup>  
col. 3, l. 1. *ante* -θη *ins.* B<sup>2</sup>
- P. 236, col. 1, l. 7 *ab ult.* *pro* Αἰχμὰν *leg.* Ἀχιμὰν  
P. 238, col. 1, l. 15. *pro* Ἑσώμ [Δ -όν] *leg.* Ἑσρ.  
P. 239, col. 1, l. 14. *post* 4. *add.* B<sup>2</sup> R  
1. 24 *ab ult.* *post* γ. *add.* [B<sup>2</sup> τὸν καρπὸν]  
col. 2, l. 46. *post* νῆδ *add.* τοῦ  
col. 3, l. 15. *dele* B<sup>2</sup>
- P. 240, col. 3, l. 19. *post* φωνῆν *add.* α. 21<sup>n</sup> δ.  
P. 241, col. 3, l. 50. *pro* τη *leg.* τῇ  
P. 242, col. 3, l. 49. *pro* ἡλθον *leg.* ἦλθον  
1. 11 *ab ult.* *post* 1. *leg.* A B; *post* γῆς  
[B εἰ]  
P. 243, col. 3, l. 9 *ab ult.* *post* ἐν *add.* τῇ [A om.]  
P. 244, col. 1, l. 4. *dele* B  
1. 11. *post* 35. *add.* B; *post* ὥμοσα [Δ B  
al.]  
1. 29. *post* A *add.* B<sup>1</sup>  
1. 30. *pro* B *leg.* B<sup>1</sup>
- P. 245, col. 3, l. 45. *ad fin.* *leg.* B c  
P. 251, col. 2, l. 16. *pro* 18? *leg.* 18 α v. 18 δ?  
col. 3, *post* l. 26 *ins.*  
— 6. A θυσία κυρὰ ἐν γῇ [B B  
om.] B. —  
P. 253, col. 1, *post* l. 8 *ab ult.* *ins.*  
— 17. A B ἐν τῇ B. [B al.] †  
P. 256, col. 2, l. 3 *ab ult.* *pro* γιν *leg.* γιν  
col. 3, l. 17 *ab ult.* *add.* (99) ἔξοικος γίγ-  
νεσθαι γιν
- P. 259, col. 1, l. 1. *pro* De. *leg.* Jo.  
col. 2, l. 50. *pro* ἐν] *leg.* ἐν  
P. 260, col. 1, l. 10. *post* γ. *leg.* A B  
1. 11. *post* 11. *leg.* A B  
P. 262, col. 2, l. 38. *pro* γ *leg.* (99)  
P. 263, col. 3, l. 18 *ab ult.* *pro* γίνεσθε *leg.* γίνεσθε  
P. 264, col. 1, l. 13 *ab ult.* *post* ἐγνώμεθα *leg.* [B -άμ.]  
col. 2, l. 40. *post* γενηθῆς *leg.* [A<sup>1</sup> ἐγεν.]  
P. 269, col. 2, l. 32 *ab ult.* *post* 5. *ins.* B B  
P. 278, col. 1, l. 16. *post* γηγορήσω *ins.* [B<sup>1</sup> ἔγρ.]  
P. 286, col. 1. *sub voc.* θαυμάσιον *pro* πῆλ *leg.* πῆλ  
P. 288, col. 3, *post* l. 15 *ab ult.* *ins.* III Ma. 1. 20†.  
1. 14 *ab ult.* *ad fin.* *add.* 8. 65:  
P. 289, col. 2, l. 5 *ab ult.* *post* δ. *ins.* [B<sup>2</sup> τὰς δ.]  
col. 3, l. 21. *post* δεκτός *add.* , cf. εἰσδεκτός  
P. 291, col. 1, l. 43. *post* δεξιὰ *add.* [B<sup>1</sup> -άν]  
P. 292, col. 1, l. 46. *ins.* f. γ' ρ' ρ'  
col. 2, *post* l. 13 *ins.*  
Za. 9. 11. A ἑξαπέτεilas τοὺς δ.  
[B B -μίους] σου (1 f)  
*post* l. 28 *ins.*  
III Ma. 8. 25. ἐν δ. [1<sup>n</sup> ἐνδ.] σιδηροῖς  
πύργοις κατασκευασμένους  
col. 3, *post* l. 10 *ab ult.* *ins.*  
IV Ma. 2. 24. B<sup>2</sup> δευτέρως ἐστὶν ὁ λογι-  
σμός [A B B<sup>1</sup> al.]  
1. 9 *ab ult.* *dele* IV Ma.  
P. 293, col. 3, l. 40. *post* δ. *ins.* [B<sup>1</sup> τοῦ δ.]  
P. 294, col. 3, l. 31. *post* ἐκενὼ *ins.* [A *add.* τὴν  
μαχοὺς ἐκ δευτερώσθη ἐκενὼ τὴν]  
1. 32. *post* 1 α *ins.* , [-]  
P. 297, col. 3, l. 46. *post* 18††, *ins.* 29†, 1. 61. *post*  
39††, *ins.* 39†††, †
- P. 305, col. 2, l. 4. *post* 10. *ins.* A B; *post* διέλυσε *ins.*  
[B -ον]  
P. 307, col. 3, l. 1. 35. *post* 6. *ins.* B B; *post* διενέρασεν  
*ins.* [A -ον]  
P. 310, col. 2, l. 53. *ante* B *ins.* A  
*post* l. 3 *ab ult.* *ins.*  
— 15. διασπερῶ [B<sup>1</sup> -σκορπιῶ?] σε  
ἐν ταῖς χώρας (4 δ)  
P. 326, col. 1, l. 13. *post* ἔδοκαν *ins.* [A<sup>1</sup> B<sup>2</sup> -α]  
P. 333, col. 3, l. 1. 35. *post* δικαιοσύνη *leg.* [A B δ.  
κ. ἐν κρ.] (10 c [7])  
P. 336, col. 3, l. 16 *ab ult.* *post* 20. *ins.* 31†,  
P. 337, col. 3, l. 4. *post* 12. *ins.* 20†,  
P. 352, col. 3, l. 17. *dele* [B<sup>1</sup> -ον]; 1. 18 *ins.* [B<sup>1</sup> -ον]  
P. 354, col. 3, l. 17. *pro* ἡδ. *leg.* ἡδύνατο  
P. 360. *sub voc.* ἐάν *ins.* †† *post* Ge. 24. 41: 80. 33\*:  
81. 52: 44. 30: Ex. 21. 18, 29, 33,  
36: 22. 17 (16): Le. 13. 4, 21, 23,  
26, 28, 53: 14. 21: 22. 13: 26. 21:  
Nu. 19. 13, 20\*: 80. 11: De. 14.  
24: 18. 22\*: 21. 18: 80. 17: I Ki.  
12. 14: Pa. 88 (89). 30, 31: Ez. 38.  
6: I Ma. 2. 40.  
*post* Ex. 22. 14 (13) *ins.* †††; *post*  
Lev. 17. 3\*, *ins.* 4\*†† bis, 9\*††;  
*post* Nu. 5. 12, *ins.* 13 (ind. †)††,  
13††, 14††; *ante* Nu. 80. 13 *ins.*  
12 ††; *post* De. 25. 5 *ins.* (ind. †)††;  
*post* I Ki. 6. 9†† (sine verbo) *ins.*  
11†††; *post* II Es. 7. 21 (ind.)\*†,  
*add.* 26\*††; *post* 26\*\*† quater *add.*  
10. 8\*††; *post* Ne. 13. 21, *add.* 21†;  
*post* Is. 1. *add.* 12 (7)†; *post* Je. 51  
(44). 26, *add.* 27†; *post* Da. TH. 4.  
14\*, *add.* 22\*†,  
P. 361, col. 2, l. 49. *pro* ἱεθρομάδων [B om.] *leg.* [B  
om.] ἱεθρομάδων  
P. 365, col. 1. *sub voc.* ἐγκαλεῖν *ins.* (4) מַלְאָךְ ni.  
col. 1, *post* l. 12 *ins.*  
Is. 63. 19. A οὐδὲ ἐνεκλήθη [B B  
ἐκλ.] τὸ ὄν σου (4)  
P. 367, col. 2. *sub voc.* ἐγγηγορήσω *ins.* (2) גִּיּוֹר  
col. 2, *post* l. 21 *ins.*  
Je. 38 (31). 28. γηγορήσω [B<sup>1</sup>  
ἐγρ.] ἐπ' αὐτοὺς (2)  
col. 3, *post* l. 24 *ab ult.* *ins.* II Es. 7. 21†.  
P. 369, col. 3, l. 19 *ab ult.* *post* A *add.* B  
P. 373, col. 1. *sub voc.* ἴθως *ins.*  
Is. 66. 8. B<sup>1</sup> ἦ καὶ ἐτέχθη ἔθος  
[A B B<sup>2</sup> ἴθως] εἰσάπαξ †  
I Ma. 10. 42. A ὡς ἐν τοῖς πρῶτοις ε.  
[? ἔτεσιν]  
col. 1, l. 16 *ab ult.* *post* 35†† *add.* , 44\*\*†  
col. 2, l. 27 *ab ult.* *pro* 16† *read* 16  
*sub voc.* εἰ δὲ μὴ *add.* IV Ma. 5. 3.  
P. 374, col. 1, *sub voc.* εἰ μὴ *add.* Jb. 2. 5†: IV Ma.  
5. 18†: Sm. I Ki. 2. 2††: *post* Ps.  
59 (60). 12†† *add.* bis: *sub* TH.  
*dele* I Ki. 2. 2††:  
P. 375, col. 3. *sub voc.* εἰθένα *add.*  
Je. 49 (42). 18. B οὐ μὴ εἰδῇτε  
[A B ἴθρη] οὐδέτιν τὸν τόπον τ. (7)  
I Ma. 10. 56. ὅπως ἴδωμεν [B<sup>2</sup> εἰδῶμεν]  
ἀλλήλους  
P. 379, col. 3, l. 20 *ab ult.* *post* 9 bis *add.* , 24†  
P. 380, col. 1, l. 3. *post* 2: *add.* 21 (22). 3:  
P. 381, col. 1, l. 16 *ab ult.* *post* 2 *ins.* , 7†  
col. 2, l. 13. *post* 3: *ins.* 54 (55). 22:  
col. 3, l. 4 *ab ult.* *post* 5. *ins.* 7.  
P. 382, col. 1, l. 14. *post* 7: *add.* 20. 38:  
P. 383, col. 1, l. 24. *post* 26. *ins.* 34†,  
P. 396, col. 3, *post* l. 13 *ab ult.* *add.*  
— 10 (2. 1). οὐ ἐπρήθη αὐτοῖς (1 δ)  
P. 398, col. 1, l. 46. *pro* -ον *leg.* -ων  
col. 2, l. 4. *ante* B<sup>1</sup> *leg.* A<sup>1</sup> -εν,  
P. 399, col. 2, l. ult., col. 3, ll. 4, 5. *post* εἰπεῖν *ins.*  
[B<sup>1</sup> εἰπαῖ]
- P. 403, col. 1, l. 14 *ab ult.* *post* 20 *ins.* †  
P. 405, col. 2, l. 28. *post* 16, *ins.* 16†,  
1. 43. *post* 6, *ins.* 10†,  
P. 406, col. 1, l. 15. *post* 10, *ins.* 12†,  
P. 407, col. 1, l. 8. *post* (38. 25) *ins.* , 5 (38. 28)†  
col. 2, l. 44. *post* (3) *add.* , 5 (6)  
1. 59. *post* 10. *add.* 6†,  
P. 408, col. 1, *dele* ll. 10, 9 *ab ult.*  
1. 8 *ab ult.* *pro* — *leg.* 42 (35).  
P. 412, col. 2, l. 12. *pro* εἰσελθεῖν [B ἔσσει ἐλ.] *leg.*  
[B ἔσσει] εἰσελθεῖν  
P. 415, col. 3, l. 19 *ab ult.* *ante* 18 *ins.* 14†,  
P. 416, col. 2, l. 11. *dele* 1†.  
1. 63. *ante* 44 *ins.* 43†,  
1. 5. *ult.* *dele* , 21 (ἐξ ἐπισθεν)  
P. 418, col. 1, ll. 5, 27. *post* 3 *ins.* †††  
P. 426, col. 2, l. 8 *ab ult.* *post* 14. *ins.* B; *post* A *ins.* B  
col. 3, *post* l. 27 *ins.*  
82 (25). 30. A ἐκεῖ [B B<sup>2</sup> ἦκει] †  
δλεθρος  
P. 430, col. 1, *post* l. 39 *ab ult.* *ins.*  
66. 5. καὶ ἐκείνοι [A κκε.] ἀσχυρ-  
θήσονται (6 c)  
P. 433, col. 2, *post* l. 14 *ab ult.* *ins.*  
[Al. Nu. 16. 3 (?).]  
P. 435, col. 1, l. 29 *ab ult.* *leg.* B ἐξελατόμησαν [A B  
ἐλ.]  
P. 438, col. 1, l. 10. *pro* ἐκλύσας *leg.* ἐκλύσεις  
P. 441, col. 1, l. 27. *pro* A *leg.* A<sup>2</sup>; *ante* B *leg.* A<sup>1</sup>  
1. 33. *ante* B *leg.* A<sup>2</sup>; *pro* A *leg.* A<sup>2</sup>  
col. 3, l. 17 *ab ult.* *post* ἐκστρέφετε *ins.* [A  
ἐκτρ.]  
P. 442, col. 2, *post* l. 38 *ins.*  
13. 2. ἐκτενῶ τὴν μαχοῦς (16 a 1)  
col. 3, l. 8 *ab ult.* *post* ἐκτεμεῖν *add.* [B<sup>1</sup> -τέμ-  
νειν]  
P. 444, col. 1, *post* l. 19 *ins.*  
Ex. 18. 20. A δς ἱμῶς ἐκτρέφετε [B  
ἐκτρ.]  
P. 447, col. 1, l. 1. *pro* -αλ *leg.* -αλ.  
P. 449, col. 1, l. 31 *ab ult.* *pro* πῶ? *leg.* πῶ?  
P. 452, col. 2, l. 1. *post* ἔλεος *add.* [B<sup>1</sup> -ον]  
1. 16 *ab ult.* *post* 24 *add.* , 30  
P. 453, col. 2, *post* l. 7 *add.*  
IV Ma. 9. 28. B<sup>1</sup> εἰλκυσαν [A B<sup>2</sup> B om.]  
ἀπὸ τῶν τεσσόντων  
1. 8. *dele* IV Ma.  
P. 461, col. 3, l. 35 *ab ult.* *post* 34†, *ins.* 35†,  
P. 462, col. 1, l. 19 *ab ult.* *pro* πῶ? *leg.* I *leg.* 1 bis  
P. 465, col. 2, l. 2. *post* 5, *leg.* 6†,  
1. 12. *post* 49 (42). *leg.* 3†,  
col. 3, l. 15 *ab ult.* *post* 44 *leg.* , 45†(1)  
P. 466, col. 1, l. 38. *post* 23, *leg.* 25†,  
1. 61. *post* 7. *leg.* 7,  
P. 471, col. 3, l. 32 *ab ult.* *leg.* B B<sup>2</sup> ἐνέδυσαν [A -εν]  
P. 475, col. 1, *post* l. 7 *ab ult.* *ins.*  
I Ki. 2. 9. οὐκ ἐνισχύει [1<sup>n</sup> ἐν ισχύϊ] †  
δυνατὸς ἀνῆρ  
P. 476, col. 1, l. 17. *ante* τὰς *ins.* B<sup>1</sup>  
1. 18. *ante* A *ins.* B<sup>2</sup> -ποιούμ.,  
P. 482, col. 1, l. 13 *ab ult.* *post* (19)† *ins.* , 27 (28)†  
P. 483, col. 1, l. 5. *ad fin.* *add.* 12. 24†:  
P. 484, col. 1, *post* l. 24 *add.*  
42 (35). 2. A ἑξέεις [B B<sup>2</sup> ἔζεις,  
B<sup>1</sup> ἔζεις] αὐτοῦς (2)  
1. 24. *pro* 42 (35). *leg.* —  
P. 488, col. 1, l. 23. *pro* B *leg.* B<sup>1</sup>; *post* -ατο *leg.* , B<sup>2</sup>  
-αντο  
col. 2, l. 9. *ad fin.* *pro* — *leg.* †  
P. 495, col. 3, l. 2. P. 496, col. 2  
ἐξιλᾶσκαι, ἐξιλᾶσαι; ἐξιλᾶσαι, ἐξιλᾶ-  
σκαι mutato ordine  
P. 495, col. 3, l. 8 *ab ult.* *post* ἐξιλᾶσμαι *ins.* [A -σ-  
μαι]  
P. 505, col. 1, l. 35. *for* -άγει *leg.* -άζει  
P. 509, col. 1, l. 52. *post* 30 *ins.* †  
col. 2, l. 6. *ante* 50. *ins.* 46. 30: †

- P. 511, col. 3, l. 14. *ante* 16. ins. 15. 8 :  
P. 512, col. 2, l. 19. *post* 2. ins. 4†,  
P. 513, col. 1, l. ult. *post* 23 ins. : 14. 29†  
col. 2, l. 52. *post* 18. ins. 20†,  
col. 3, l. 27 *ab ult.* *post* 8 ins. bis  
P. 514, col. 3, l. 49. *post* 1†, ins. 2 (ἐπὶ τάδε)†,  
P. 515, col. 1, l. 10. *post* 31† ins. , 32†  
col. 2, l. 17. *post* 20 ins. , 20†  
P. 516, col. 2, *post* 1. 26 *add.*  
Za. 8. 23. S καὶ ἐπιβάλλονται [A B  
-λάβ.] τοῦ κρασπίδου  
P. 517, col. 2, l. 48. *ad fin.* ins. [A al.]  
P. 521, col. 2, l. 20. *ante* A ins. ?-q,  
P. 522, col. 1, l. 10. *pro* ἐπικαλεσάμ. leg. ἐπικαλουμ.  
P. 523, col. 1. ins. ἐπικατοχύνει. (1) ρη  
Jo. 17. 13. A B<sup>3</sup> ἐπικατοχύνει  
[B<sup>3</sup> R ἐπὶ κατ.] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)  
P. 525, col. 1, l. 13. *post* 41. *add.* S<sup>1</sup> R  
l. 14. *ante* S<sup>2</sup> ins. A-ai,  
l. 55. *dele* S  
l. 56. *post* ἐπιληπτέουσθε ins. , S *add.*  
ἐπιληπτέουσθε  
P. 526, col. 3. *ad fin.* ins.  
ἐπιπολαίως.  
III Ma. 2. 31. ἐνιοὶ μὲν ἐπὶ πόλεως  
[? ἐπιπολαίως] . . . στυγούντες  
P. 529, col. 3. *dele* l. 3 *ab ult.*  
P. 534, col. 1. ins.  
ἐπιστρωνύνει.  
IV Ma. 9. 19. πῦρ ἐπέστρωσαν [I, A  
-τρ., S ω.]  
col. 2. ins. ἐπισυντηρεῖν.  
I Ma. 10. 26. AS ἐπισυντηρήσατε [R  
ἐπὶ σ.] τὰς πρὸς ἡμᾶς συνθήκας  
P. 546, col. 2, *post* 1. 36 *add.*  
— 34. S<sup>1</sup> ἐξημος ἔσται (7)  
P. 554, col. 1. *sub* ἴσθαι *add.* (8) οη  
col. 2, *post* 1. 15 *add.*  
— 15. πᾶς ὅς ἂν φάγη ζύμην (1a)  
P. 556, col. 1, *post* 1. 53 ins.  
9. 5. ἔλθατε φάγετε τῶν ἐμῶν ἄρτων (8)  
P. 561, col. 1, *post* 1. 32 ins.  
8. 13. ὁ δὲ ἔ. [R<sup>1</sup> Ἡλιδωρος] . . . ἔλεγεν  
l. 33. *pro* 8. leg. —  
*post* 1. 45 ins.  
III Ma. 2. 25. R διὰ δὲ τῶν προαποδε-  
δειγμένων συμποτῶν καὶ ἐταίρων [A  
ἐτέρων]  
l. 46. *dele* III Ma.  
P. 563, col. 1, *post* 1. 4 *ab ult.* ins.  
— 16. B οὐκ ἔσονται ἔ. [AR οὐκ-  
ἐτι ἔσ.] τῷ οὐκ Ἰσρ. (11)  
col. 2, *post* 1. 20 ins.  
48. 14. ἄγιός ἐστι [B<sup>3</sup> ἐτι] τῷ κ. —  
P. 567, col. 2, l. 12 *ab ult.* *post* ἔ. *add.* [S<sup>1</sup> ἐπι]  
P. 568, col. 1, *post* 1. 12 *add.*  
— 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν [B<sup>1</sup> ἐτῶν] †  
l. 40. *post* ἔ. *add.* [cod. ἐθ.]  
col. 2, *post* 1. 12 *ab ult.* ins.  
— 25. εὐαγγελία [I -ἐλία] ἐν τῷ  
στόματι αὐ. (1)  
col. 3, l. 34. *post* εὐαγγέλια ins. [? -ία]  
P. 569, col. 1. *add.* εὐγενναῖεν.  
II Ma. 10. 13. μήτε εὐγενῆ τὴν ἐξου-  
σίαν εὐγενναίας [Sw., A εὐγεννα-  
σίας]  
col. 1, l. 31. *ante* R ins. ?-αῖσας,  
col. 2, l. 15. *post* εὐδόκησας ins. [? -ήσας]
- P. 575, col. 1, *post* 1. 9 *add.*  
IV Ma. 13. 5. A<sup>1</sup> τὴν τῆς εὐ. [A<sup>2</sup> S B  
-γνίας] παθοκράτειαν  
l. 22. *post* εὐ. ins. [A<sup>1</sup> -γίας]  
P. 579, col. 2, *post* 1. 32 *ab ult.* *add.*  
IV Ma. 8. 13. A εὐράμενοι θαρραλέως  
τὴν πηγὴν [S R al.]  
P. 580, col. 3, *post* 1. 9 *add.*  
— 14. S<sup>1</sup> μήτηρ καὶ εὐσεβοῦς στρατιάς  
[A S<sup>2</sup> R al.]  
P. 584, col. 2, l. 11. *dele* A; *ante* S ins. A -όμενοι,  
P. 585, col. 1, l. 17 *ab ult.* *pro* ἡμεῖς ἡμεῖς  
P. 586, col. 2, *post* 1. 5 *add.* ἐφινδύως, *vid.* *sub* αἰφν.  
l. 28. *post* τοῦ ins. [A<sup>1</sup> οἱ. τ. ἔ. τ.]  
P. 588, col. 2, *post* 1. 16 *add.*  
42 (35). 2. ὄξεις [A ἐξάξ., S ἔξεις]  
αὐτοῦς †  
P. 591, col. 3, l. 27 *ab ult.* *post* ἰχθίστην ins. [S<sup>2</sup> αἰσχίστην]  
P. 594, col. 2, l. 50. *pro* ἐξήλωσαν leg. A R ἐξήλωσαν  
[B -εν]  
P. 602, col. 1, l. 22 *ab ult.* *post* (36)† ins. bis  
P. 617, col. 3, *post* 1. 25 *add.*  
— 27. A καὶ ἐμαλακίσθη ἡμέρας  
[B om.] (9)  
P. 620, col. 1, *post* 1. 15 *add.*  
I Ki. 30. 24. οὐχ ἦπτον ὕμῶν εἰσι —  
P. 621, col. 1, l. 12. *post* θαασούρ, *add.* θαασούρ  
P. 625, col. 1, l. 43. *post* 12. 5 : *add.* 14. 14 :  
col. 3, l. 51. *post* ἰθανάτου ins. [S<sup>2</sup> -ουν]  
P. 640, col. 3, l. 31 *ab ult.* *dele* S R, [B κυρίω]  
P. 645, col. 1, *post* 1. 12 *ab ult.* ins.  
44 (37). 17. εἰ ἔστιν ὁ λόγος παρὰ κυρίου  
[S<sup>1</sup> λ. θεοῦ]  
P. 647, col. 3, l. 8. *pro* S leg. S<sup>2</sup> τὸν θ., S<sup>1</sup>  
P. 650, col. 3, l. 47; P. 653, col. 3, l. 14. *post* 14. ins.  
A R; *post* βέβρωκα *add.* [B al.]  
P. 654, col. 2, l. 8. *pro* 23 leg. 19 *et dele* ἡ ταφὴ αὐτῶν  
P. 657, col. 3, l. 37. *pro* [AR al.] αὐ. leg. αὐ. [AR al.]  
P. 664, col. 2, *post* 1. 16 *ab ult.* *add.*  
8. 32. ἀπὸ τῆς θύρας [B<sup>3</sup> θυσίας] τῆς  
σκεπῆς τοῦ μαρτ. †  
P. 665, col. 1, l. 6. *post* 24. ins. 25,  
P. 668, col. 1, l. 3. *dele* B<sup>2</sup>, *post* θυσιαστήριον *add.*  
[B<sup>2</sup> -α]  
P. 673, col. 1, l. 15 *ab ult.* *post* ἴδωμεν ins. [S<sup>2</sup> εἰδ.]  
P. 682, col. 1, l. 5. *pro* S<sup>2</sup> leg. S<sup>3</sup>  
P. 686, col. 2, l. 46. *post* (31. 7) ins. \*  
l. 9 *ab ult.* *post* 63\* ins. bis  
col. 3, l. 6. *post* 13 ins. \*  
P. 688, col. 2, l. 36. *post* 13. leg. A R; *post* 1. *add.* [S<sup>1</sup>  
-λων ἱππων]  
l. 65. *post* ἰσαστήρι ins. (-ἀστερος)  
col. 3. *add.* ἰσπολιτίς (?).  
IV Ma. 13. 9. S<sup>2</sup> οἱ τῆς λ. καμῖνου κατε-  
φρόνησαν [A S<sup>1</sup> R al.]  
P. 692, col. 2, l. 37, 50. *post* Je. *add.* 7. 2 :  
l. 46. *ante* Ez. ins. Je. 7. 2 :  
col. 3, l. 29. *pro* 27 leg. 27  
P. 694, col. 1, l. 36. *pro* -αἰ leg. -α  
l. 55. *post* 1. ins. [S<sup>1</sup> -ότερος]  
P. 699, col. 3, l. 18. *post* 37 ins. (88)  
P. 701, col. 2, l. 19 *ab ult.* *post* 32 : ins. 38 (45). 7 :  
l. 16 *ab ult.* *post* 4 ins. : Je 38 (45). 7  
l. 12 *ab ult.* *post* 17 ins. : 38 (45). 7  
P. 708, col. 1, l. 46. *post* κεφάξ ins. (? καὶ φάξ)  
P. 711, col. 2, l. 1. *post* 12. ins. A R; *post* κ. [S al.]  
P. 716, col. 3, l. 16. *post* 12. ins. A; *post* χαρίζ *add*  
καλὰς [S R om.]  
P. 717, col. 2, l. 14. *pro* R leg. B  
l. 5 *ab ult.* *post* τὸ ins. δὲ; *post* A ins. S
- P. 720, col. 2, l. 48. *post* αὐτῶν ins. κακὰ  
P. 721, col. 2, l. 11. *pro* αὐτοῦς leg. αὐτὰς  
l. 10 *ab ult.* *pro* εὐνοίας leg. ἐννοίας  
P. 722, col. 2, l. 2 *ab ult.* *pro* ψυχῇ leg. al.  
P. 726, col. 3, l. 37 *ab ult.* *post* 50, ins. 51,  
l. 15 *ab ult.* *post* 13, ins. 14†,  
l. 11 *ab ult.* *post* 8. ins. 4†,  
P. 733, col. 3, l. 18. *post* A ins. B<sup>2</sup>  
l. 23. *pro* S leg. †  
P. 734, col. 3, l. 4 *ab ult.* *ad fin.* *add.* [S<sup>2</sup> -as]  
P. 735, col. 1, *post* 1. 6 *add.*  
Je. 13. 4. κατάκρυψον [S<sup>1</sup> -κρυφον] †  
αὐτὸ ἐκεῖ  
P. 746, col. 1, l. 21 *ab ult.* *post* 4. ins. R; *post* κατα-  
στροφὰς *add.* [A al.]  
P. 749, col. 1, l. 22. *post* (19) ins. : 25. 4†  
P. 757, col. 3. ins.  
κεβλάμ. (1) οη-ῆρη  
IV Ki. 15. 10. ἐπάταξαν αὐτὸν κ.  
[A κατέναντι τοῦ λαοῦ] (1)  
P. 758, col. 2, *post* 1. 25 *ab ult.* ins.  
[Sm. II Ki. 19. 24 (25).]  
P. 763, col. 2, l. 9 *ab ult.* *post* om. *add.* .]  
P. 765, col. 2, *post* 1. ult. *add.*  
7. 4. A ἐκίνησεν [S R ἐκίνησε] τοὺς  
πολιορκούντας  
— 14. S τὴν πολυκέφαλον στρέβλαν  
ἐκίνησεν [A R ἠκύνωσαν]  
P. 767, col. 3, l. ult. *pro* -ην leg. -ην  
P. 780, col. 3, *post* 1. 22 ins. *subscr.* A γένεσις κόσ-  
μου [B al.] —  
P. 784, col. 2, l. 7 *ab ult.* *post* κρανητῆς ins. [A -ῆ]  
P. 785, col. 1, l. 27. *post* 11. ins. A S B; *post* κρέας  
[B κρέα]  
*post* 1. 53 *add.*  
I Ma. 7. 17. σάρκας [S<sup>1</sup> κρέας] ὅσων  
σου . . . ἐξέχεαν  
P. 787, col. 2, l. 25. *post* 24. ins. S R; *post* κρ. *add.* [A  
τὴν μίνα]  
P. 793, col. 1, l. 26. *for* 793 leg. 793  
P. 823, col. 2, *dele* l. 40  
l. 41. *post* 10. ins. S R; *post* κ. [B θεῶ]  
P. 839, col. 2, l. 3. *pro* ἐξέλειψαν leg. ἐξέλειψαν  
P. 853, col. 1. ins. λαμῶθ.  
Ez. 27. 16. B λ. . . ἔδωκαν τὴν  
ἀγοράν σου [A R al.] †  
P. 891, col. 3, l. 15 *ab ult.* *post* μαγωξὶς ins. (-ουξ.)  
P. 892, col. 2, *post* 1. 7 *ab ult.* *add.*  
14. 21. A ἐλεῶν δὲ πτωχοῦς μακάριος  
ἔσται [B S al.]  
col. 3, l. 33. *pro* *add.* leg. μακάριος  
P. 893, col. 1, l. 10 *ab ult.* *post* μακρομερεσύντη ins.  
[B<sup>2</sup> -εύντη]  
P. 895, col. 2, l. 17. *post* 15. ins. R; *post* μανδραγόρας  
ins. [A -ουξ]  
P. 906, col. 3, l. 4 *ab ult.* *post* μέγας ins. [A<sup>1</sup> -α]  
P. 919, col. 2, l. 4. *post* 9. ins. 4†,  
col. 3, l. 26. *post* 10 bis, ins. 29\*,  
P. 925, col. 2, l. 28. *ad fin.* *add.* [S<sup>1</sup> μήτηρ καὶ εὐσε-  
βοῦς στρατιάς]  
P. 1017, col. 1, l. 26 *ab ult.* *pro* σοι leg. σοί  
P. 1027, col. 3, l. 21. *post* 4 ins. : 13. 8  
P. 1207, col. 2, *post* 1. 13 *ab ult.* *add.*  
προκουρία, *vid.* *sub* πρωτοκουρία  
P. 1235, col. 3, l. 19. *post* πρωτοκουρία *add.* προκουρία  
P. 1248, col. 1. ins.  
λαμῶθ (λαμῶθ). (1) πῶσθ  
Ez. 27. 16. A R β. [B λαμῶθ]  
. . . ἔδωκαν τὴν ἀγοράν σου (1)

P. 6, col. 1, l. 2. *post* 1 ins. (15) col. 2, l. 6 *ab ult. post* 23 ins. (25) P. 7, col. 2, l. 54. *post* 7 ins. (12) P. 8, col. 2, l. 58. *post* 6 ins. (11) l. 59. *post* 14 ins. (19) col. 3, l. 9. *post* 19 ins. (2. 2) ll. 10, 11. *post* 3 ins. (7) l. 30. *dele* — P. 9, col. 2, l. 16. *post* 28 ins. (5. 8) col. 3, l. 15. *post* 20 ins. 25 P. 10, col. 3, l. 18. *post* 34 ins. (38) l. 19. *post* 37 ins. (41) l. 43. *post* 18 ins. (12) l. 45. *post* 27 ins. (21) P. 11, col. 1, ll. 8, 9. *post* 38 ins. (17. 3) col. 2, l. 9. *post* 3 ins. (4) l. 71. *post* 32 ins. (36) P. 12, col. 1, l. 32. *post* 23 ins. (29) l. 33. *post* 26 ins. (30) l. 35. *post* 31 ins. (35) ll. 36, 37. *post* 34 ins. (38) l. 39. *post* 39 ins. (43) col. 2, l. 16. *post* 16 ins. (9) l. 17. *post* 17 ins. (10) l. 18. *post* 25 ins. (18) l. 19. *post* 26 ins. (19) l. 20. *post* 27 ins. (20) l. 21. *post* 29 ins. (22) l. 22. *post* 30 ins. (23) P. 13, col. 1, l. 41. *post* 49 ins. (34) P. 14, col. 1, l. 1. *post* 12 ins. (12. 1) l. 6. *post* 8 ins. (4) l. 21.

*post* 12 ins. (16) *post* 13 ins. (17) col. 2, l. 39. *post* 2 ins. (7) P. 15, col. 2, l. 17 *ab ult. post* 20 ins. (25) P. 16, col. 2, l. 15. *post* 17 ins. (22) P. 17, col. 1, l. 17 *ab ult. post* 13 ins. (9) col. 2, l. 18. *post* 21 ins. (18) col. 3, l. 29 *ab ult. post* 17 ins. (22) l. 14 *ab ult. post* 12 ins. (14) l. 12 *ab ult. post* 18 ins. (20) P. 19, col. 1, l. 37. *post* 31 ins. (16) col. 3, l. 34. *post* 1 ins. (3) P. 20, col. 1, ll. 25, 26. *post* 17 ins. (8. 1) col. 3, l. 6 *ab ult. post* 5 ins. (1) l. ult. *post* 37 ins. (41) P. 21, col. 3, l. ult. *post* 39 ins. (24) P. 22, col. 1, l. 1. *post* 44 ins. (29) l. 2. *post* 48 ins. (33) col. 2, l. 20 *ab ult. post* 2 ins. (8. 34) l. 21 *ab ult. post* 14 ins. (8) l. 22 *ab ult. post* 19 ins. (13) P. 23, col. 1, l. 34. *post* 1 ins. (3) P. 24, col. 3, l. 33. *post* 2 ins. (5. 21) l. 34. *post* 4 ins. (5. 23) P. 25, col. 1, l. 23 *ab ult. post* 4 ins. (5. 23) P. 26, col. 1, l. 26. *post* 8 ins. (4) col. 2, l. 41. *post* 23 ins. (28) l. 42. *post* 24 ins. (29) l. 43. *post* 25

ins. (30) l. 45. *post* 27 ins. (32) l. 47. *post* 29 ins. (34) P. 27, col. 1, l. 4 *ab ult. post* 3 ins. (8) l. 3 *ab ult. post* 4 ins. (9) col. 2, l. 23. *post* 3 ins. (5. 23) l. 24. *post* 4 ins. (5. 24) P. 28, col. 1, l. 39. *post* 8 ins. (4) l. ult. *post* 9 ins. (14) P. 30, col. 2, l. 5 *ab ult. post* 8 ins. (4) col. 3, l. 26. *pro* 23 (38) *leg.* 38 (23). P. 31, col. 3, l. 31. *post* 27 ins. (20) l. 32. *post* 30 ins. (22) P. 32, col. 3, l. 4. *post* 30 ins. (8. 3) l. 5. *post* 31 ins. (9. 4) l. 6. *post* 8 ins. (4) l. 26 *ab ult. post* 32 ins. (37) P. 35, col. 2, l. 12. *post* 28 ins. (5. 8) l. 14. *post* 9 ins. (23) l. 15. *post* 15 ins. (30) l. 55. *post* 17 ins. (11) col. 3, l. 11. *post* 18 ins. (2. 1) l. 12. *post* 21 ins. (2. 4) l. 13. *post* 2. 1 ins. (5) P. 36, col. 2, l. 14. *post* 12 ins. (16) l. 35. *post* 18 ins. (23) P. 38, col. 2, l. 2 *ab ult. post* 4 ins. (8. 36) col. 3, l. 34. *post* 8 ins. (4) P. 39, col. 3, l. 19. *post* 29 ins. (26).

## (Sw.)

ἀγαλλίσθαι, TH. Is. 41. 16; ἀγεν, AQ. Da. 9. 24; ἀγιος, AQ. SM. Is. 30. 12; Ez. 45. 4; Da. 5. 11; TH. Is. 30. 12; 41. 16; Ez. 44. 8; 45. 4; Da. 5. 11; ἀγρός, TH. Je. 17. 3; ἀδαλφά, AQ. SM. Je. 8. 8; TH. Ez. 28. 33; ἀδης, AQ. SM. TH. Is. 88. 18; ἀθετειν, SM. Da. 8. 28 (95); αλαμμάθ, TH. Ez. 40. 31; αλνέιν, AQ. SM., TH. Is. 88. 18; αλνέιν, AQ. Da. 2. 35; αλσύνειν, AQ. Je. 48 (81). 1; αλμωλυνέιν, TH. Ez. 12. 3; αλέν, AQ. Is. 42. 14; TH. Je. 17. 4; αλώσιος, AQ. Da. 9. 24; ἀκαθάρσια, TH. Ez. 24. 13 (20); ἀκούειν, AQ. TH. Je. 5. 15; SM. Ez. 34. 9; ἀκράσιος, AQ. Is. 21. 7; ἀλλοειν, AQ. Je. 48 (81). 1; ἀλλά, SM. Da. 2. 10; ἀλλος, SM. Ez. 8. 26; ἀλλόφυλος, AQ. Je. 47 (29). 4; ἀλσιος, TH. Je. 17. 2; δλων, AQ. Da. 2. 35; εμα, TH. Is. 48. 26; εμαρτάνειν, AQ. SM., TH. Is. 48. 27; εμαρτία, AQ., SM., TH. Is. 48. 24; εμφάειν, SM. Ez. 28. 12; εν, TH. Je. 17. 2; ενὰ μέσον, SM., TH. Is. 22. 11; ενὰ βασίς, TH. Ez. 40. 31; εναρβάζειν, TH. Je. 17. 4; εναγγέλλειν, TH. Is. 21. 6; εναλλοειν, SM. Da. 11. 16; εναξίρειν, SM., TH. Da. 3. 27 (94) (1); εναπλου, SM. Is. 25. 11; εναρβάζειν, SM. Da. 8. 14; εναρτοροισ, SM. Ez. 7. 24; εναρ, TH. Je. 26 (88). 22; εναρτοροισ, AQ., TH. Je. 83 (40). 12; Ez. 21. 2 (7); 27. 2; 38. 12; SM. Je. 38 (40). 12; Ez. 21. 2 (7); 27. 2; εναρτοροισ, TH. Is. 28. 14; εναρτοροισ, AQ., TH. Je. 5. 16; SM. Is. 22. 22 *bis*; εναρτοροισ, AQ., SM. Is. 65. 6; εναρ, SM. Ez. 38. 3; εναρτοροισ, SM. Je. 37 (44). 20; εναρτοροισ, SM. Is. 41. 29 (7); εναρτοροισ, SM. Da. 8. 22; εναρτοροισ, TH. Ez. 28. 10; εναρ, AQ. Is. 42. 14; Je. 52. 16; Da. 2. 35; SM. Da. 2. 1; TH. Je. 17. 4; HEV. Ez. 32. 6; εναρτοροισ, AQ. Is. 16. 3; Da. 10. 1; TH. Is. 8. 17; Je. 14. 3; εναρτοροισ, SM. Is. 22. 22; εναρτοροισ, SM. Is. 16. 4; εναρτοροισ, AQ. Is. 81. 7; εναρτοροισ, AQ. Is. 7. 13; εναρτοροισ, AQ. Ez. 2. 4; TH. Je. 29 (88). 20; Ez. 5. 16; εναρτοροισ, SM. Je. 15. 7; εναρτοροισ, AQ. Je. 52. 16; εναρ, AQ. Je. 52. 25; SM. Da. 8. 2; 11. 5; TH. Je. 51 (28). 57; εναρ, TH. Ez. 37. 23; εναρτοροισ, AQ. Ez. 1. 14; εναρ, AQ. Is. 5. 12; εναρ, TH. Je. 17. 4; εναρτοροισ, SM. Da. 2. 1; εναρ, AQ. Da. 2. 35; εναρ, TH. Je. 49. 31 (80. 9); εναρτοροισ, AQ., TH. Is. 1. 4; εναρτοροισ, AQ. Je. 1. 15; SM. Da. 11. 2; TH. Je. 1. 15; Ez. 16. 13; εναρτοροισ, AQ. Je. 25. 9, 25 (82. 11) (20); Da. 8. 12; 11. 2; SM. Je. 25. 9; Da. 1. 8; 2. 10; 25. 25; 3. 22; 30 (97); 11. 5; TH. Je. 25. 9, 20 (82. 6) (20); 26 (88). 22; εναρτοροισ, SM. Da. 8. 28 (95); εναρ, SM. Da. 10. 11; εναρτοροισ, TH. Ez. 80. 13; εναρτοροισ, AQ. Is. 29. 18; Da. 1. 4; εναρτοροισ, TH. Is. 11. 9; εναρ, AQ. Da. 2. 30; εναρτοροισ, TH. Je. 17. 2; εναρ, TH. Is. 11. 7; εναρτοροισ, SM. Is. 3. 20; εναρτοροισ, SM. Da. 11. 6; εναρτοροισ, SM. Is. 29. 17; εναρτοροισ, SM. Da. 8. 2; εναρ, AQ. Ez. 27. 24;

γενέ, AQ. Da. 3. 33 (100) *bis*; SM. Da. 3. 33 (100); γή, AQ. Je. 52. 16; SM. Da. 11. 2; TH. Je. 17. 4; Ez. 30. 13; γήγνησθαι, AQ. Is. 5. 12; SM. Is. 18. 4; Da. 2. 29; γήγνησθαι, AQ. Da. 2. 30; SM. Je. 42 (49). 22; Ez. 20. 26; Da. 2. 30; TH. Je. 17. 4; Ez. 20. 26; γήγνησθαι, AQ. Da. 3. 12; γήγνησθαι, SM. Da. 3. 2; εναρ, TH. Je. 17. 2; εναρ, AQ., SM., TH. Ez. 45. 12; εναρ, TH. Ez. 6. 13; εναρ, AQ. Je. 32 (39). 8; εναρ, SM. Da. 2. 25; εναρ, I. c. gen. SM. Da. 1. 8; 11. 16; εναρ, III. c. acc. AQ. Is. 80. 12+7; Ez. 21. 2 (7)+7; SM. Is. 30. 12+7; Ez. 21. 2 (7)+7; Da. 8. 22+; TH. Is. 30. 12+7; Je. 23. 37+; Ez. 21. 2 (7)+7; εναρ, AQ. Is. 28. 21; εναρ, SM. Da. 2. 3; εναρ, εναρ, TH. Ez. 5. 16; εναρ, εναρ, TH. Ez. 38. 7; εναρ, εναρ, AQ. Da. 2. 14; εναρ, TH. Je. 17. 3, 4; 39 (46). 7; Ez. 30. 13; εναρ, AQ., SM. Da. 11. 2; εναρ, AQ. Is. 9. 24; εναρ, TH. Ez. 11. 12; εναρ, TH. Je. 5. 26; εναρ, SM. Da. 8. 12; εναρ, AQ., SM., TH. Je. 25. 9; 48 (60). 10; εναρ, AQ., TH. Je. 28 (35). 2, 14; SM. Is. 22. 14; εναρ, AQ., TH. Je. 51 (28). 57; εναρ, AQ., SM., Da. 2. 46; εναρ, SM. Is. 3. 20; εναρ, TH. Is. 48. 24; εναρ, SM. Da. 11. 23; εναρ, SM. Je. 42 (49). 22; εναρ, TH. Ez. 8. 2 (20); εναρ, AQ., SM., TH. Ez. 18. 15; εναρ, TH. Ez. 8. 5; εναρ (εναρ), AQ., TH. Je. 38 (40). 12; SM. Je. 38 (40). 12; Da. 8. 22; εναρ (εναρ), SM. Da. 9. 23; TH. Da. 8. 55; εναρ (εναρ), SM., TH. Is. 52. 5; εναρ (εναρ), AQ. Ez. 13. 31; SM. Da. 2. 31; εναρ (εναρ), SM. Is. 22. 22 *bis*; εναρ, AQ. Je. 3. 19; 37 (44). 17; SM. Is. 22. 14; Je. 3. 19; 37 (44). 17; Ez. 13. 11; Da. 2. 15, 19; TH. Je. 3. 19; εναρ, TH. Is. 26. 12; εναρ, AQ. Je. 3. 17; 28 (35). 8 *bis*; Ez. 40. 40; Da. 8. 11; SM. Is. 25. 11; 84. 10 (20); Je. 25. 18 (32. 4) (20); TH. Je. 3. 17; 10. 9; 26 (88). 22; (20); 28 (35). 8 *bis*; 30 (87). 11 (40); 39 (46). 7 (20); Ez. 12. 3; 16. 13; εναρ, SM. Da. 2. 31; TH. Ez. 10. 9 *bis*; 40. 12; εναρ, SM. Da. 2. 24; εναρ, AQ., SM., TH. Ez. 48. 11; εναρ, εναρ, TH. Ez. 8. 5; εναρ, AQ. Da. 2. 41; SM. Da. 2. 24, 41; 3. 33 (97); TH. Je. 41 (48). 16; 49. 32 (80. 10); Ez. 12. 3; εναρ, TH. Ez. 31. 11; εναρ, TH. Je. 26 (88). 23; εναρ, AQ., SM. Ez. 24. 13; εναρ, TH. Je. 17. 4; εναρ, SM., TH. Is. 11. 14; εναρ, εναρ, AQ. Je. 22. 28; εναρ, TH. Je. 28. 36; εναρ, SM. Is. 38. 18; εναρ, TH. Ez. 25. 17; εναρ, AQ. Je. 34 (41). 11; εναρ, TH. Is. 26. 3; εναρ, AQ. Ez. 16. 16; εναρ, TH. Ez. 27. 24; εναρ, AQ. Is. 61. 10 (20); Je. 25. 7; 27 (84). 6; 48 (81). 27; Da. 11. 2; SM. Is. 25. 11+7; La. 1. 12; Da. 2. 3, 29; 3. 21, 30 (97); 33 (100); 4. 1; 10. 16 *bis*; 11. 2 *bis*, 23; TH. Is. 41. 16 *bis*; Je. 17. 3 (20, 30), 4 *ter*; 25. 7; 26 (46). 14; 27 (84). 6; 38 (45). 6; 48 (81). 27; Ez. 1. 12; 11. 12; 20. 31; 22. 20; 24. 13; 25. 17; 27. 24 (40); 30. 7+7, 13; 31. 3; 37. 23 *bis*; εναρ, TH. Ez. 28.

12; εναρ, SM. Da. 11. 2; εναρ, AQ. Da. 2. 30; εναρ, AQ. Is. 27. 1; εναρ, SM. Je. 35 (42). 18; εναρ, SM. Da. 2. 3; εναρ, TH. Ez. 12. 3; εναρ, AQ., SM. Ez. 41. 3; εναρ, AQ. Je. 50 (27). 36; εναρ, SM. Is. 25. 11; εναρ, AQ. Je. 34 (41). 11; TH. Je. 26 (88). 22; εναρ, AQ. Is. 48. 3; εναρ, AQ. Je. 22. 28; εναρ, SM. Da. 2. 15; εναρ, SM. Da. 8. 2; εναρ, SM. Da. 2. 10; εναρ, HEV. Ez. 47. 11; εναρ, I. c. gen. SM. Da. 2. 29, 48\* 3. 2; TH. Je. 17. 2 *bis*; Da. 10. 11; εναρ, III. c. acc. AQ. Je. 28. 15, 34 *bis*; 44 (51). 1; 50 (27). 36; Da. 2. 1; 3. 12 *bis*; 11. 24; SM. Je. 28. 34 *bis*; 44 (51). 1; Da. 3. 12, 28 (95); 11. 5; TH. Je. 28. 15, 34 *bis*; 44 (51). 1; Ez. 5. 16; 26. 3; εναρ, TH. Is. 22. 28; εναρ, εναρ, AQ. Ez. 10. 11; εναρ, SM. Da. 10. 3; εναρ, SM. Da. 11. 5; εναρ, SM. Is. 7. 16; εναρ, SM. Da. 2. 25; εναρ, εναρ, AQ. Je. 34 (41). 11; TH. Ez. 18. 32; εναρ, SM. Da. 2. 15; εναρ, AQ. Je. 25. 7; Da. 3. 12; TH. Je. 25. 7; εναρ, SM. Da. 11. 10 *bis*; εναρ, SM. Da. 2. 10, 18; εναρ, SM. Is. 84. 10 *bis*; εναρ, TH. Ez. 12. 3; εναρ, SM. Is. 21. 20 (25); εναρ, SM. Ez. 28. 12; εναρ, AQ., SM., TH. Is. 88. 18; εναρ, TH. Is. 52. 7; εναρ, SM. Is. 52. 7; εναρ, AQ. Da. 2. 46; εναρ, TH. Ez. 10. 9; εναρ, TH. Je. 17. 4; εναρ, AQ. Da. 11. 10; TH. Je. 17. 4; εναρ, AQ., SM., TH. Ez. 24. 13; εναρ, TH. Ez. 24. 13; εναρ, TH. Ez. 8. 5; εναρ, SM. Da. 2. 10 *bis*; εναρ, TH. Je. 51 (28). 57; εναρ, AL. Je. 52. 17; εναρ, SM. Je. 26. 18 (32. 4); La. 1. 12; εναρ, TH. Je. 17. 2; εναρ, SM. Da. 11. 23; εναρ, SM. Da. 4. 1; εναρ, TH. Is. 25. 5; εναρ, SM. Da. 3. 2; εναρ, SM. Da. 3. 2; εναρ, TH. Is. 41. 19; εναρ, AQ., SM., TH. Ez. 47. 20; HEV. Ez. 47. 11; εναρ, AQ. Is. 88. 18; Je. 28 (35). 8; SM. Is. 38. 18; TH. Is. 38. 18; Je. 28 (35). 8; Ez. 28. 10; εναρ, AQ. Is. 24. 16; 61. 10; Je. 28 (35). 2, 14; SM. Is. 24. 16; TH. Is. 24. 16; Je. 28. 37; 28 (35). 2, 14; εναρ, AQ. Da. 2. 35; εναρ, TH. Je. 17. 3; εναρ, AL. Je. 52. 18; εναρ, TH. Je. 52. 17, 19; εναρ, SM. La. 1. 12; TH. Is. 10. 4; Je. 17. 4; 47 (29). 3; Ez. 22. 20; 25. 17; εναρ, AQ., SM. Ez. 41. 3 (20); εναρ, TH. Je. 17. 2; Ez. 8. 5; εναρ, HEV. Ez. 47. 11; εναρ, TH. Is. 42. 9; Ez. 26. 3; εναρ, AQ. Da. 2. 30; εναρ, TH. Is. 42. 9; Ez. 26. 3; εναρ, TH. Ez. 20. 26; εναρ, Je. 5. 26; εναρ, AQ. Ez. 24. 12 (30); TH. Ez. 24. 12; εναρ, AQ., TH. Ez. 8. 11; SM. Da. 11. 6; εναρ, AQ. Da. 11. 2; SM. Da. 11. 6; TH. Je. 17. 3; εναρ, HEV. Ez. 32. 6; εναρ, SM. Is. 25. 11; εναρ, TH. Je. 17. 4; εναρ, TH. Ez. 6. 11; εναρ, AQ., TH. Je. 28 (35). 8; εναρ, AQ., TH. Je. 25. 7; εναρ, AQ. Da. 3. 11; εναρ, AQ. Da. 2. 30; εναρ, SM.

Da. 10. 9; καρπός (*fructus*), Aq., Sm. Is. 57. 19; κατά, II. c. acc. Aq. Da. 11. 2; Sm. Je. 25. 18 (32. 4); Th. Je. 38 (45). 12; καταδουλοῦν, Th. Je. 17. 4; κατακλίνειν, Sm. Da. 11. 10; καταλείπειν, Aq. Je. 52. 16; καταμαρτυρεῖν, Th. Da. Su. 43; καταπαύειν, Aq. Is. 38. 12; Th. Ez. 30. 13; κατάρτα, Sm. Je. 25. 18 (32. 4); καταστρέφειν, Aq. Da. 1. 10; κατευθύνειν, Th. Ez. 16. 13; κατωχύνειν, Sm. Da. 11. 5; κενός, Iq., Sm., Th. Je. 4. 23; κεντείν, Sm. Ez. 21. 20 (25); κρᾶσμα, Sm. Je. 48 (31). 12; κεφαλῆς, Aq. Je. 36 (48). 2; κιθάρα, Aq. Is. 5. 12; κίνδυνος, Th. Je. 48 (31). 5; κινεῖν, Aq. Da. 10. 10; κλείειν, κλείς, Sm. Is. 22. 22; κληρονομία, Th. Je. 17. 4; κλονεῖν, Sm. Is. 7. 2; κοίτη, Sm. Da. 2. 29; κόλπομα, Aq. Ez. 43. 13; κολυμβάν, Sm. Is. 25. 11; κρατάωμα, Aq. Da. 11. 10; κραυγή, Sm. Je. 8. 19; κρίμα, Th. Ez. 11. 12; κρυφῆ, Aq. Da. 10. 7; κτήνος, Sm., Th. Je. 38 (40).

12; κτίζεν, Aq., Sm. Is. 57. 19; κύκλος, Th. Ez. 40. 30; κυριεύειν, Aq. Da. 2. 38; κύριος, Aq. Is. 24. 16; 36. 20; Je. 3. 17; 21. 13; 23. 24, 32 *bis*; 25. 7, 9; Sm. Is. 13. 5 (2°); 21. 8; 22. 14; 24. 16; 36. 20; 65. 13 (2°); Je. 8. 17; 21. 13; 23. 2, 11, 24, 32 *bis*; 25. 9; Ez. 20. 26; 34. 9; Th. Is. 24. 16; 36. 20; 41. 16; 65. 13 (2°); Je. 3. 17; 21. 13; 23. 24, 32; 25. 7, 9; Ez. 20. 26; 21. 3 (8) *bis*; λαλεῖν, Aq., Th. Je. 5. 15; Sm. Da. 2. 19; λαός, Aq., Sm. Is. 63. 11; Ez. 37. 12; Th. Is. 63. 11; Je. 23. 27 39 (46). 8 (2°); Ez. 37. 12; λῆγειν, Aq. Is. 30. 12; Je. 23 (35). 2; Sm. Is. 30. 12; Je. 23. 17; Th. Is. 30. 12; Je. 17. 4; 28 (35). 2; 48 (31). 44; Ez. 21. 3 (8); λείψις, Th. Je. 30 (37). 11; λιμός, Th. Ez. 5. 16; λινοῦς, Sm. Da. 10. 5; λόγος, Aq., Th. Je. 25. 2; Sm. Je. 25. 2; 34. 9; λούειν, Sm. Is. 25. 11; λυτροῦν, Aq.,

Sm., Th. Je. 15. 21; μαντεύειν, Aq. Je. 50 (27). 36; ματαιότης, Sm. Is. 41. 29 (?); μάχαιρα, Aq. Je. 50 (27). 36; μέγας, Sm. Da. 2. 10, 31; Th. Ez. 38. 13; μελετᾶν, Aq. Je. 48 (31). 31; μέλος, Sm. Da. 10. 16; μέριμνα, Sm. Da. 2. 29; μέρος, Th. Je. 49. 32 (30. 10); μέσος, Aq. Da. 3. 11; μετά, I. c. gen. Aq. Je. 21. 2; Sm. Ez. 34. 30; μετά, III. c. acc. Th. Je. 41 (48). 16; μεταναστεύειν, Aq., Th. Je. 48 (31). 27; μετέωρος, Th. Je. 17. 2; μετρητής, Th. Ez. 45. 14; μή, Aq., Sm. Je. 38 (40). 12; Th. Je. 15. 15; 38 (40). 12; μήτηρ, Aq., Sm., Th. Je. 27 (50). 12; μνησκεισθαι, Th. Je. 17. 2; μόνος, Th. Je. 17. 4; μυλῶν, Th. Je. 39 (46). 7; νάβλα, Aq. Is. 5. 12; ναός, Aq., Th. Ez. 40. 6; Da. 1. 4; νήσος, Aq. Je. 25. 20 (32. 6); νίκος, Th. Is. 34. 10 *bis*; νόμος, Th. Ez. 43. 12; νότος, Sm. Da. 11. 5; Th. Ez. 40. 28.

## (P.)

ἀδικία, Aq., Th. Ez. 4. 6; ἀδύνατος, Aq. Ps. 20 (21). 12; JI. 3 (4). 10; Th. JI. 3 (4). 10; ἀδυναί, Aq., Sm., Th. Ez. 28. 25; ἀθετεῖν, Th. Ez. 2. 2; αἰλάμ, Th. Ez. 40. 15; αἰχμαλωτίζεν, Aq. Dt. 32. 24; ἀκονᾶν, Aq. Dt. 32. 41; ἀκούειν, Aq., Sm., Th. Mi. 6. 1; ἀλγίζεν, Aq., Th. Ez. 16. 4; ἀλλά, Sm. Is. 22. 22; ἄλς, Aq., Th. Ez. 16. 4; ἄμα, Sm. Ps. 32 (33). 15; ἁμαρτωλός, Aq. Ps. 7. 10; ἄμυγδαλή, AL. Ex. 25. 30; ἄν, Sm. Ps. 34 (35). 25; ἀναλαμβάνειν, Th. Ez. 8. 3; ἀνάπνοια (?), Aq. Jb. 41. 8; ἀνεμος, Aq., Sm., Th. Ps. 17 (18). 11; ἀνεκτρέφειν, Sm. Ez. 7. 24; ἀνῆρ, Aq. Ez. 2. 10; Ez. 11. 15; Sm., Th. Ez. 11. 15; ἀνθραξ, Th. Ez. 24. 11; ἀνθρώπος, Aq., Sm. Jb. 15. 14; 25. 6; ἀνομία, Th. Ez. 44. 10; δοῖκος, Aq., Th. Jb. 39. 6; ἀπαγγέλλειν, Aq. Ps. 70 (71). 17; Th. Jb. 12. 3; ἀπό, Aq. Jb. 41. 12; Ez. 32. 6 (2°); 45. 4; Sm. Ez. 32. 6 (2°); 45. 4; Th. Ps. 20 (21). 12 (ἀπ' ἐννοίαν) (*sic*); Ez. 32. 6 (2°); 45. 4; ἀποδεκατοῦν, Th. Ez. 27. 22; ἀποκρυφός, Aq. Ez. 8. 7; ἀπολλύνειν, Aq., Sm. Jb. 6. 9; ἀπολοῦναι, Sm. Ex. 2. 3; ἀπόσκομα (?), Aq. Ez. 20. 7; ἀποστρέφειν, Th. Ez. 7. 24; ἀρροστος, Th. Ez. 34. 5; ἄρχων, Aq., Th. Ez. 7. 27; ἀρεβθίς, Sm. Jb. 18. 5; ἀσπίς (*scutum*), Sm. Jo. 8. 2; ἀσχημόνησις, Th. Ps. 43 (44). 16; ἀτμος, Sm. Ps. 61 (62). 11; αὐλή, Sm., Th. Ez. 40. 16; βασιλεὺς, QUINT., SEXT. Ps. 43 (44). 5; βεβηλοῦν, Aq., Sm., Th. Ez. 23. 38; βεός, Th. Ez. 1. 14; βόλβιτον, Aq., Th. Ez. 4. 14; βορέας, Aq., Sm., Th. Ez. 44. 3; βούλευμα, Aq. Ps. 1. 2; βουλή, Aq., Sm. Ps. 20 (21). 12; βουνός, Aq., Sm., Th. Mi. 6. 1; γάλα, Aq. Ge. 18. 8; γέ, Aq. Ex. 8. 7; γεννᾶν, SEXT. Ps. 86 (87). 6; γῆ, Aq. Ez. 45. 4; Mi. 6. 5; Sm. Ps. 73 (74). 20; Ez. 45. 4; Mi. 6. 5; Th. Le. 18. 28; Jb. 8. 17; Ez. 30. 23; 45. 4; Mi. 6. 5; γίγνεσθαι, Aq., Sm. Ez. 16. 23; Th. Ez. 16. 23; Mi. 7. 1; γνῶσις, Sm. Jb. 38. 4; δαίμων, Aq., Th. Jb. 17. 6; δέκατος, Aq. Ez. 45. 20; Sm., Th. Ge. 27. 22; Ez. 45. 20; δεκατοῦν, Sm. Ge. 27. 22; δένδρον, Aq. Ge. 21. 33; δεξιός, Aq., Th. Ez. 4. 6; διὰ, III. c. acc. Sm. Ps. 34 (35). 24; διαίρεσις, QUINT. Ps. 45 (46). 5; διαλογίζεσθαι, Sm. Ps. 20 (21). 12; διαμείνειν, Th. Ps. 101 (102). 29; διασκορπίζειν, Aq. Ps. 21 (22). 15; διαστέλλειν, Aq., Sm., Th. Ez. 8. 20; διασθίρειν, Sm. Ez. 25. 15; διδόναι, Th. Ez. 34. 26; δίκαιος, QUINT. Ps. 7. 10; δικαίωσις, Sm. Ps. 34 (35). 27; δικρασία, Sm. Ps. 34 (35). 24; δρυμός, Aq., Sm., Th. Ps. 49 (50). 10;

δοῦν, Th. Jb. 8. 17; δύνασθαι, Aq., Sm., Th. Ps. 20 (21). 12; δυναστεύειν, Th. Jb. 15. 20; ἔάν, Sm. Jb. 6. 9; ἔθνος, HEB. Ez. 32. 27; εἶδος, Aq. Ez. 1. 16 *bis*; εἶναι (*et*), QUINT., SEXT. Ps. 43 (44). 5; εἶναι (*est*), Aq., Sm. Jb. 15. 14; Th. Jb. 38. 28; εἶναι (*est*), Aq. Jb. 8. 17; Mi. 1. 2; Th. Mi. 1. 2; εἰπεῖν, Aq., Sm. Ez. 13. 10; εἰς, Aq., Sm. Ez. 41. 3; Th. Ez. 10. 1; εἰσέρχεσθαι, Aq., Sm. Ps. 44 (45). 15; ἐκ, Aq. Mi. 6. 5; Sm. Ex. 5. 19; Mi. 6. 5; Th. Ez. 23. 42; 28. 16; Mi. 6. 5; ἕκατος, Aq., Sm., Th. Ez. 18. 30; ἐκεῖ, Sm. Ez. 8. 1; HEB. Ex. 3. 4; ἐκείθεν, Aq. Ge. 12. 5; ἐκκλίνειν, Aq. Jb. 13. 20, 21; ἐκπετάζειν, Aq. Ps. 43 (44). 21; ἐκτείνειν, Th. Ez. 8. 3; ἐκτορεύειν, AL. Ex. 25. 30; ἐκχύνειν, Aq., Sm. Ps. 34 (35). 3; ἐλαιώδης, Aq. Ge. 18. 8; ἐλπίς, Th. Ps. 140 (141). 8; ἐμφύσημα, Aq. Le. 13. 7; ἐν, Aq. Jb. 13. 20, 21; Sm. Jb. 24. 17; Ez. 24. 11; Th. Jb. 15. 20; Ez. 3. 14; 24. 11; 28. 6†; AL. Ex. 8. 7; ἐνδελεχῶς, Aq. Ps. 73 (74). 23; ἐνδοθεν, Sm. Ps. 44 (45). 14; ἐννοεῖν, Aq. Dt. 32. 29; ἔνοια, Aq., Th. Ps. 20 (21). 12; ἐνοικεῖν, Aq. AL. Le. 18. 28; ἐνταλμα, Aq. Ps. 18 (19). 8; ἐξαίρειν, Aq. Le. 18. 28; ἐξαμυγδαλίζεν, Aq. Ex. 25. 30; ἐξαπλοῦν, Sm. Ps. 43 (44). 21; ἐξεγείρειν, Aq., SEXT. Ps. 43 (44). 27; ἐξερυνᾶν, Aq. Ps. 63 (64). 7; Th. Ps. 68 (64). 7 (2°); ἐξέρχεσθαι, Aq. Jb. 41. 12; ἐξοδος, Sm. Ps. 120 (121). 8; ἐπακούειν, Sm. Ps. 137 (138). 4; ἐπανιστάναί, Th. Mi. 7. 6; ἐπί, II. c. dat. Aq. Ps. 39 (40). 13; Th. Jb. 8. 17; Ps. 140 (141). 8; ἐπί, III. c. acc. Sm. Jb. 25. 3; Th. Ez. 24. 11; 26. 2; 40. 15; AL. Ge. 41. 2; ἐπιγνώσκων, Th. Ez. 5. 12; ἐπιθεῖν (*videre*), Sm. Ps. 34 (35). 21; ἐπινίκιος, Sm. Ps. 80 (81). 1; 35 (36). 1; ἔργασμα (?), Aq. Ps. 45 (46). 9; ἔρημαῖος (-μεῖος), Aq., AL. Ex. 8. 7; ἔρημος, Th. Ez. 23. 42; ἔρχεσθαι, Sm., Th. Ez. 37. 9; ἔσωθεν, Th. Ez. 40. 15; ἔτι, Sm. Jb. 15. 12; Th. Ps. 44 (45). 7; ἐτοιμάζειν, Th. Ez. 21. 19 (24); 28. 14; εὐδήςλος, Sm. Jb. 25. 3; εὐλαλος, Sm. Ex. 2. 10; εὐλόγειν, Aq., Sm., Th. Ps. 128 (129). 8; εὐμένειν (?), Th. Ps. 102 (103). 3; ἐφορᾶν, Sm., Th. Mi. 7. 10; ἰσωφόρος, Aq. Jb. 88. 12; ἱήλος, Th. Ez. 8. 4; ἱωή, Sm. Jb. 24. 22; ἥλιος, Th. Ez. 8. 16; ἡμέρα, Aq. Ps. 138 (139). 16; Ez. 45. 20 *bis*; Sm. Ez. 45. 20 *bis*; Th. Ez. 2. 2; 45. 20 *bis*; ὅλκων, Sm. Jb. 40. 1; θεός, Aq. Ps. 8. 6; QUINT. Ps. 42 (43). 5; 48 (44). 5; SEXT. Ps. 43 (44). 5; θεράφειν, Sm. Ge. 31. 24; θορυβεῖν, Sm. Ps. 2. 1; θραῦμα, Sm. Ps. 88 (89). 11;

θυσία, Aq., Sm., Th. Ps. 105 (106). 9; θυσιαστήριον, Th. Ez. 8. 4; ἰάσθαι, Th. Ez. 34. 5; ἰδεῖν, Th. Ez. 12. 3; ἰδοῦ, Aq., Sm., Th. Ez. 25. 8; ἱμάτιον, Aq. Ge. 14. 24; ἱνα, Aq. Jb. 6. 9; Sm. Jb. 6. 9; Ez. 20. 26; Th. Ez. 20. 26; ἰός, Sm. Ez. 24. 12; ἰστανῶν, Aq. Ps. 101 (102). 29; Th. Ez. 24. 11; ἰσχυρός, QUINT., SEXT. Ps. 108 (104). 16; ἵχνος, Sm. Ps. 88 (89). 50; καθίζεν, Aq., Th. Ps. 46 (47). 9; καίαν, Th. Ez. 39. 9; κακός, Aq. Ps. 7. 10; κάκωσις, Sm. Ex. 5. 19; καλεῖν, HEB. Ex. 3. 4; κάμπτην, Th. Ps. 21 (22). 28; κάρσος, Aq. Ge. 15. 12; κατάγειν, Sm., Th. JI. 3 (4). 2; κατακρίνειν, AL. Jb. 10. 2; καταλύειν, Th. Ez. 26. 17; κατασπεύδειν, Th. Ex. 5. 7; κατευθύνειν, Aq., Sm., QUINT., SEXT. Ps. 7. 10; Th. Ez. 16. 13; καταχυρεύεσθαι, Th. Jb. 15. 25; κιδάρειν, Aq., Th. Ez. 44. 18; κινεῖν, Aq. Jb. 27. 14; κληρονομία, Th. Ez. 46. 17; κόρος, Sm. Ps. 17 (18). 14; κρίνειν, Sm. Jb. 10. 2; κύκλος, Aq. Ez. 5. 12; Sm. Ez. 29. 9; 40. 16; Th. Ez. 40. 15, 16, 30; κύλισμα, Th. Ez. 10. 13; κύριος, Aq. Ps. 18 (19). 8; 22 (23). 6; Ez. 46. 12; Mi. 1. 2; Sm. Ps. 18 (19). 8; 22 (23). 6; Ez. 46. 12; Th. Ps. 18 (19). 8; 22 (23). 6; Ez. 26. 21; 46. 12; Mi. 1. 2; QUINT., SEXT. Ps. 103 (104). 16; κόμη, Sm. Jb. 14. 9; λαλεῖν, Aq. Ps. 1. 2; λαμβάνειν, Aq. Ex. 18. 8; Ez. 4. 6; Th. Ez. 4. 6, 10; QUINT. Ps. 74 (75). 6; λέγειν, Aq., Sm. Ez. 28. 25; Th. Ez. 26. 21; 28. 25; λινοῦς, Aq., Th. Ez. 44. 18; λιπαρός, Aq. Ps. 21 (22). 13; λογίζεσθαι, Aq., Th. Ps. 20 (21). 12; λομμός (*subst.*), Aq., Th. Ez. 30. 10; μαγικός, Th. Ez. 27. 24; μάλλον, Aq., Th. Jb. 25. 6; μάχαιρα, Aq., Sm., Th. Ez. 28. 23; μέγας, Aq., Sm., Th. Ez. 47. 20; μεθιστάναί, Th. Jb. 13. 20, 21; μέσος, Sm. Ez. 24. 11; Th. Ez. 10. 1; 24. 11; 28. 16; μετά, III. c. acc. Th. JI. 2. 2; μεταβάλλειν, Sm. Ps. 113 (114). 8; μετέωρος, Aq., Th. Ez. 3. 14; μή, Sm. Am. 5. 11; μή τις, Th. Jb. 38. 28; μηδέ, Th. Ez. 3. 9; QUINT. Ps. 74 (75). 6; μηκέτι, Sm. Jb. 10. 2; μήκος, Th. Ez. 40. 30; μήν (*mensis*), Aq., Th. Jb. 39. 2; Ez. 45. 20; Sm. Ez. 45. 20; μογίλαλος, Aq. Ex. 2. 10; μονομάχης (?), Aq. Ps. 21 (22). 21; μόρφωμα, Aq. Ge. 31. 24; νεκρός, Aq., Sm., Th. Ps. 105 (106). 9; νήπιος, Aq. Ps. 18 (19). 8; νομίζειν, Aq., Sm. Jb. 15. 14; ηφαίρειν, Sm. Jb. 8. 12; πάρα, III. c. acc. Aq., Sm. Ps. 8. 6; σκέπαστρον, Sm. Jb. 24. 17; ὑπέρ, I. c. gen. Sm. Jb. 40. 1; Ps. 81 (82). 3; QUINT. Ps. 38 (39). 1; ὑπερσεχίς (?), Aq., Th. JI. 2. 24.